DIGITIZED BY C-DAC
2005 2006

18 AUG 2005

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार
पुस्तकालय

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार

R

विषय संख्या ५००
पुस्तक संख्या ७८
आगत पञ्जिका संख्या ५०,८८८

पुस्तक पर किसी प्रकार का निशान लगाना वर्जित है। कृपया १५ दिन से अधिक समय तक पुस्तक अपने पास न रखें।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीवेङ्कटेश्वर शताब्दि-पञ्चाङ्गम्

विक्रम संवत् २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्

COMPILED
CHECKED 1973
Initiol .....

सम्पादनकर्ता–

पं० ईश्वरदत्त शर्मा

(नवलगढ निवासी)

श्रीवेङ्कटेश्वर प्रेस बम्बई प्रकाशन

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

मुद्रक प्रकाशक

खेमराज श्रीकृष्णदास

अध्यक्ष :— श्रीवेंकटेश्वर प्रेस

७ वीं खेतवाडी, बम्बई नं० ४.

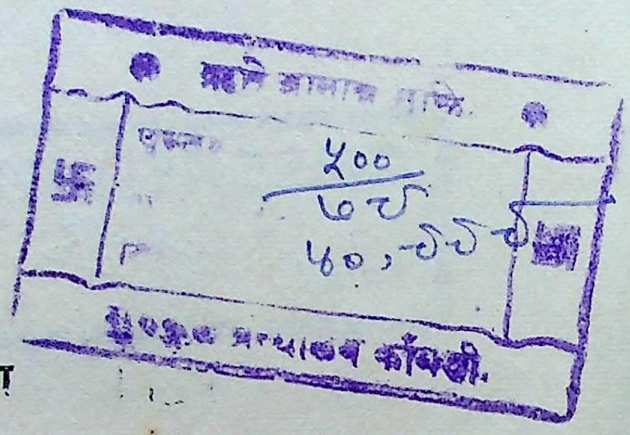

मूल्य ३०) तीस रुपया

सन् १९६२. प्रथम संस्करण.

सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन है.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

प्राक्कथन

COMPILED

★

परम पिता परमात्मा की असीम अनुकम्पा से आज "श्री वेङ्कटेश्वर शताब्दि-पञ्चाङ्ग" के समक्ष प्रस्तुत हो सका है। इसके निर्माण एवं मुद्रणादि कार्यों में जो कठिनाइयाँ उपस्थित हुई का वर्णन कर सकना कठिन है। इस कार्य की महत्ता इसीसे परिलक्षित है, कि विश्व-इतिहास में थम प्रयास है। आज तक किसी विद्वान् अथवा संस्था ने इस महान् कार्य को सम्पादित नहीं किया। ङ्ग रचना कौशल के साथ ही साथ दृढ निश्चय, स्वार्थत्याग, चित्त स्वास्थ्य, शरीर सम्पत्, स्वदेशा-न, दीर्घ आयु आदि अनेक सम्भावनाओं के होने पर ही ऐसे कार्यों की पूर्ति सम्भव है। इसमें किये णित सम्बन्धी अंकजाल को देखकर दिग्गज विद्वान् भी विस्मय विमुग्ध हो रहेंगे। एक वर्ष क पंचांग ण में गणित कर्ता को ५०००० पचास हजार कोष्ठकों से साक्षात्कार होता है। यदि साधारण भी ो जाय तो सम्पूर्ण गणित अशुद्ध हो जायगा। इस तरह एक सौ वर्ष का पंचांग बनाने में ५००००० लाख कोष्ठकों की रचना व गणना करनी होगी। इतना सब करने पर केवल पाँच अङ्ग (तिथि नक्षत्र, योग, करण) और ग्रह स्पष्ट ही तैयार होते हैं। चन्द्रचार, ग्रहों के राशि नक्षत्र चार, व्रतो-दि, विवाह मुहूर्त, दशाधिकारियों का निर्णय और उनका फल, संक्रान्ति फल, कुण्डली लेखन, ग्रहण त, पातगणित, गुरु शुक्रादि के उदयास्त गणित आदि कितने ही महत्व के कार्य शेष ही रह जाते हैं।

श्री वेङ्कटेश्वर शताब्दि-पंचांग की गणित श्री सरस्वती पंचांग कार्यालय नवलगढ के तत्वाव-में हुई है। मेरे सम्पादन तथा अनेक विद्वानों के कई दशाब्दियों के परिश्रम का फल ही जनता के आज प्रस्तुत है। मुझे हर्ष है, कि इसका मुद्रण प्रकाशन भारत विख्यात श्री वेङ्कटेश्वर प्रेस बम्बई हो रहा है। इस पंचांग को मुद्रित एवं प्रकाशित करते रहने का सर्वाधिकार श्री वेङ्कटेश्वर-प्रेस, ई को ही है, अतः कोई भी सज्जन इसको छापने का दुराग्रह नहीं करेंगे।

विदुषांवशंवदः
पं. ईश्वरदत्त शर्मा
नवलगढ, राजस्थान

वसंत पंञ्चमी,
सं, २०१८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

प्रकाशकीय निवेदन

★

श्री वेङ्कटेश्वर प्रेस की अपनी एक निजी परम्परा रही है। दुर्लभ ग्रन्थों को अपने प्रयासों द्वारा सर्वसाधारण के लिये सुलभ कर देना इस संस्था का सदैव ही लक्ष्य रहा है। इस सदुद्देश्य के लिये ९१ वर्षों से निरन्तर प्रयत्नशील रहते हुये अब तक लगभग तीन सहस्र प्रकाशन सत्साहित्यानुरागी जनों के समक्ष प्रस्तुत किये जा चुके हैं। "शताब्दि पञ्चाङ्ग" का प्रकाशन भी इसी विचारसरणि का अपने ढंग का एक अनोखा प्रयास है। अपने कृपालु ग्राहकों से हम आशा रखते हैं, कि जिस प्रकार अब तक हमारे प्रकाशनों को आदर देते रहे हैं, उसी तरह प्रस्तुत "श्री वेङ्कटेश्वर शताब्दि-पञ्चाङ्ग" को भी आदर प्रदान करते हुये हमें सतत प्रोत्साहित करते रहने की कृपा करेंगे।

सर्वप्रथम भगवान् श्री वेङ्कटेशजी के चरणारविन्दों में हम नतमस्तक हैं, जिनकी असीम अनुकम्पा से यह दुर्लभ कृति प्रकाशित करना सम्भव हो सका है। तदनन्तर नवलगढ निवासी श्रीयुत् पं. ईश्वर दत्तजी शर्मा–जिनके सुयोग्य सम्पादकत्व में इस पञ्चाङ्ग की गणित की गई है– व "श्री सरस्वती पञ्चाङ्ग कार्यालय" नवलगढ के विद्वान् ज्योतिर्विदों–जिन की अथक लगन से शताब्दि पञ्चाङ्ग की गणित का जटिल कार्य सम्पन्न हो सका– को तथा उन सभी को जिनका सहयोग इस कार्य में मिला है, हम हार्दिक धन्यवाद देते हैं।

"श्री सरस्वती पञ्चाङ्ग कार्यालय" नवलगढ के प्रति हम अपना आभार प्रकट करते हैं जिन्होंने इस शताब्दि-पञ्चाङ्ग को प्रकाशित व विक्रय करने के सर्वाधिकार सदैव के लिये हमें दे कर इसको प्रकाशित करने का शुभ-अवसर प्रदान किया।

पहले इस पञ्चाङ्ग का नाम "शतवार्षिकं श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम्" रखा गया था, किन्तु ५० वर्षों के पञ्चाङ्ग के पेज छप जाने के बाद "श्री वेङ्कटेश्वर शताब्दि पञ्चाङ्गम्" नाम रखा जाना निश्चित हुआ। अतः इसके प्रारम्भ के ५० वर्षों के पृष्ठों में शीर्षक "शतवार्षिकं श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम्" छपा है। कृपया ग्राहक गणों को किसी प्रकार का भ्रम न हो, एतदर्थ यहाँ उल्लेख किया गया है।

भवदीय

खेमराज श्रीकृष्णदास

अध्यक्ष :– श्री वेङ्कटेश्वर प्रेस

७ वीं खेतवाडी, बम्बई नं ४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

सम्पादक—

धर्मशास्त्र. कर्मकाण्ड एवं ज्योतिषशास्त्र सिद्धान्तज्ञ भारतविख्यात पञ्चाङ्गकर्ता—

पं० श्री हरिरामात्मज ईश्वरदत्त शर्मा नवलगढ (राजस्थान).

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

जयपुर ज्योतिष यन्त्रालयमें वेधद्वारा गणित संशोधन करते हुए—

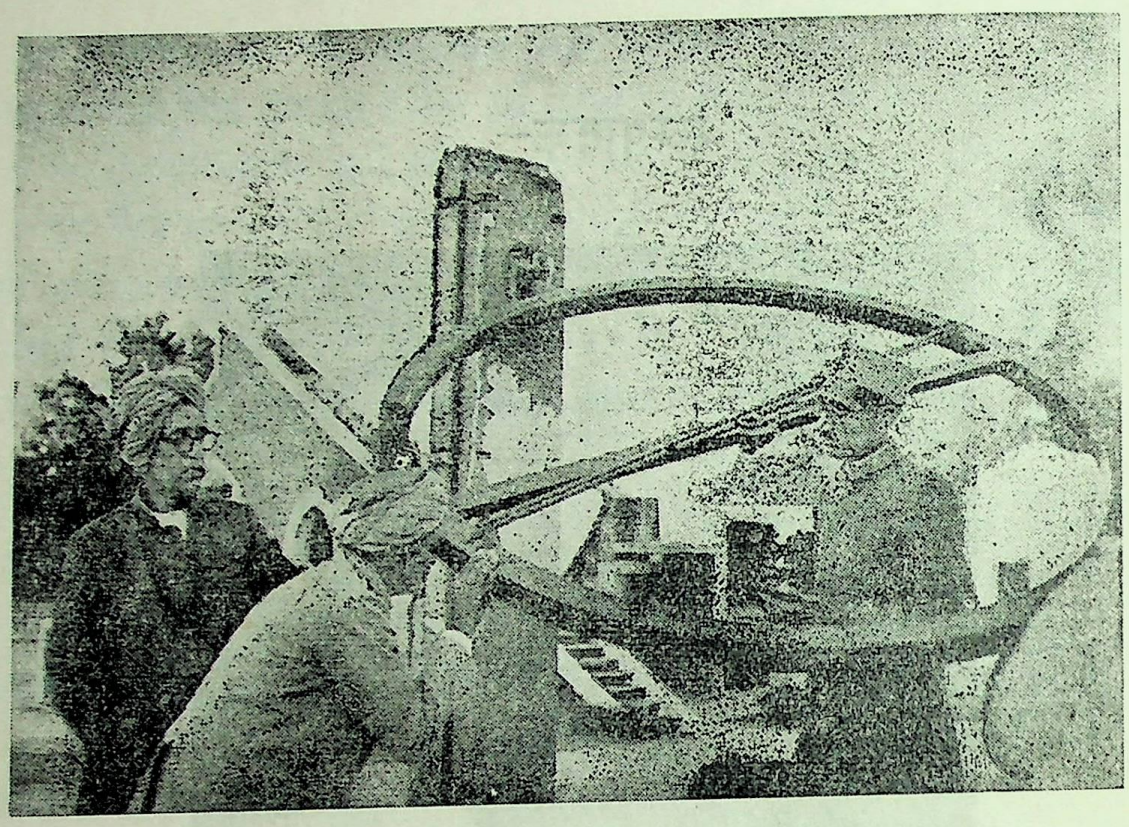

बायेंसे–(१) पं० ईश्वरदत्त शर्मा, (२) इनके प्रधानशिष्य – पं० बंशीधर शर्मा (सिमारला) और तृतीय पुत्र चि. जगदीशप्रसाद शर्मा.

पं. मक्खनलाल शर्मा

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

१ लात दोषः ग्रहभात्

ग्रहाः	भा	स्वभात्	फलं
रविः	१२	स्वभात्	धनक्षय
पूर्णचं	२२	स्वपृष्ठे	भयम्
भौम	३	स्वस्याग्रे	मृत्युः
बुध	७	स्वपृष्ठे	भयम
गुरु	६	स्वस्याग्रे	वंधुनाश
शुक्र	५	स्वपृष्ठे	कार्यहानि
शनि	८	स्वस्याग्रे	कुलक्षयं
राहु	९	स्वपृष्ठे	मरणं

युति दोषः ३

चन्द्रेणसह	
रवि	दारिद्र्यं
भौम	मरणं
बुध	शुभं
गुरु	सौख्यं
शुक्र	सापत्न्यं
शनि	वैराग्यं
राहुः	कलहः
पाप २	मरणं

वेध दोषः ४

रो	मृ	म	उ फा	ह	स्वा	ऽनु	मू	उ षा	उ भा	रे	विवाहन.
ऽभि	उ षा	श्र	रे	उ भा	श	म	पु न	म	ह	उ फा	ग्रहभं

बुध पंचकं ६ (बाणदोषज्ञानाय चक्रम्)

बाण-नाम	रवेर्गतांशाः प्रतिराशौ	कर्मसु वर्ज्याः	वारेषु सशल्यः	वर्ज्य-कालः
रोग	८-१७-२६	व्रतबंधे	रवौ	रात्रौ
अग्नि	२-११-२०-२१	गृहगोपे	भौमे	सदैव
नृप	४-१३-२९	नृपसेवा	शनौ	दिवा
चौर	६-१५-२४	यात्रार्या	भौमे	रात्रौ
मृत्यु	१-१०-१९-२६	विवाहे	बुधे	संधौ

विवाह लग्न भंगदाः ग्रहाः

१	६	७	८	१२	१०	३
रं मं शरा के	चं शुलग्नेश	रं बु शुशरा	चं मं बु गुलग्नेश	श	मं	शु

क्रांति साम्यम्

रविचंद्रयोःपरस्परवेधे

मेष—सिंह
वृष—मकर
मिथुन—धन
कर्क—वृश्चिक
कन्या—मीन
तुला—कुम्भ

स्वोच्चे स्वभे स्वमैत्रेवा स्वांशे वर्गोत्तमे गुरुः
रिःफाष्टतुर्यगोपीष्टो नीचारिस्थः शुभोऽप्यसत्।
अनिष्टस्थानगे सूर्ये शुभराशिः पुरोभवेत्।
त्रयोदशदिनं त्यक्त्वाशेषस्थे शुभमादिशेत्।

लग्ने विश्वा प्रदा ग्रहाः

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ग्र.
३	२	३	१-२	१-२	१-२	३	३	३	स्थानानि
६	३	६	३-४	३-४	३-४	६	६	६	
११	११	११	५-६	५-६	५-९	११	११	११	
			९-१०	९-१०	१०				
			११	११	११				
१।।	५	१।।	२	३	२	१।।	१।।	१।।	वि

लग्नंशुभं विवाहे स्यादश विंशोपकाधिकम्

दग्धातिथिः १०	पातदोषः २

रविराशि	तिथि
धन-मीन	२
वृष-कुम्भ	४
मेष-कर्क	६
मिथुन-कन्या	८
वृश्चि-सिंह	१०
मकर-तुला	१२

हर्षण, वैधृति, व्यतिपात, साध्य, गंड, शूल इन योगों के अंत में जो विवाह नक्षत्र होतो पातदोष होता है इसी को चंडीस चंडायुध भी कहते हैं।

एकार्गल (खाजूर) दोषः ७

जिस दिन व्याघात, गंड, व्यतिपात विष्कुंभ, शूल, वैधृति, वज्र, परिघ, अतिगंड यह योग हों और सूर्य के नक्षत्र से विषम नक्षत्र पर चन्द्रमा होतो एकार्गल दोष होता है।

जामित्र दोषः ५

रो	मृ	म	उ फा	द	स्वा	ऽनु	मू	उ षा	उ भा	रे	विवाहन.
ऽनु	ब्धे	ध	पू भा	उ भा	श्वि	कृ	रे	पुन०	उ फा	ह	ग्रहभं

उपग्रह दोषः ८

सूर्य नक्षत्र से चंद्र नक्षत्र ५-७-८-१०-१४-१५ १८-१९-२१-२२-२३-२४-२५ वां नक्षत्र होतो उपग्रह दोष होता है।

॥ विवाहे रविचन्द्रगुरु शुद्धि चक्रम् ॥

ऋषि	चन्द्र	गुरुः	ग्रहा
३।६।१०।११	३।६।७।१०।११	२।५।७।९।११	शुभ
१।२।५।७।९	१।२।५।९।१२	३।१।१०।६	पूज्य
४।८।१२	४।८।	४।८।१२	नेष्टा

अथ गोधूलि लग्नः विचारः।

लग्नशुद्धिर्यदा नास्ति कन्या यौवनशालिनी
तदा वै सर्व वर्णानां लग्नं गोधूलिकं शुभम् ।
गोधूलिकालः सूक्ष्मः-अत्रोभयत्र घटिकादलमिष्ट-
माहुर्ग्राह्यं तदंबरमणेरपिचार्धविम्बात् । अत्रम-
तान्तरम्-यावद्दिनान्ते दिशिपश्चिमायां पश्येत्तृ-
तीयं रविविम्बभागम् । तस्मात्परंनाड़िकयुग्ममेके
गोधूलिकालं मुनयो वदन्ति । अन्यच्च-चैत्रादिमा-
सचतुष्टये अर्धास्तेरवौ, श्रावणादिमासचतुष्टये,
सम्पूर्णास्ते रवौ, मार्गशीर्षादिमास चतुष्टये
पिण्डीभूते रवौ । एवंत्रिविधंगोधूलिकं मतंबुधैः।
गोधूलि अन्यगोधूल्योर्भेदः- द्वित्रिलाभगतश्चन्द्रो-
गोधूलिः शस्यते बुधैः । सुहृद्ध यस्तखगेधर्मेव्यये
धूलीमुखास्मृता ॥ सूर्यास्तकालीन लग्नान् २-३-
११ स्थानस्थे चन्द्रे गोधूलिः। लग्नात् ४-५-९-
१०-१२ स्थानस्थेचन्द्रे ऽन्यगोधूलिरिति शिष्टाः॥
अत्रकेचिदन्यगोधूलिशब्देन गोधूलिभिन्नं लग्नं
स्वीकुर्वतितन्नवरम् । यतो गोधूल्या एवचन्द्र-
वशान्नामांतरभेदः । गोधूल्यन्यगोधूल्योः समय-
स्तु एक एव । तत्र विशेषो-गुरुशन्योर्दिने "अस्तं
यातेगुरुदिवसे सौरे सार्के" गोधूलिः शुभः
गुरोर्दिनेसूर्यास्तात्प्राक् "अर्धयामः" शनिदिने
सूर्यास्तात्परे कुलिकस्तस्मात् । गोधूलिकेताज्याः।
कुलिकः क्रांतिसाम्यंच लग्ने षष्ठाष्टमेशशिः ।
पंच गोधूलिकेत्याज्या अन्ये दोषाः शुभावहाः ।
केचित्तु षष्ठेऽष्टमे बुधगुरुशुक्रभौमानांस्थित्या
गोधूलिकं वर्जयंति किंतुतन्नसर्वसम्मतमतः
शिष्टैर्न स्वीकृतं । कुजाष्टमदोषस्तुवर्ज्यः एव ।

विवाहाङ्ग (हलदात बान आदि) कर्म मुहूर्तम्

विवाहकृत्यं निखिलं विवाहभे विचारयेन्नात्र
बलं हिमद्युतेः । नवत्रिषष्ठेऽह्नि विवाहपूर्वतो
नवर्णको मंडपतैलमंगलम् । त्याज्याः-चित्रा
विशाखाशततारकाश्विनीजेष्ठा भरण्यौ शिव
भाच्चतुष्टयम् । हित्वाप्रशस्तं फल्गु तैल वेदिका
प्रदानकंकंड़नमंडनादिकम् । सति संभवे चन्द्र
बलमपिग्राह्यम् ।

सर्वशुभकार्येषु वर्ज्याः

उत्पातान्सहपातदग्धतिथिभिर्दुष्टांश्च योगां-
स्तथा चन्द्रेज्योशनसामथास्तमयनं तिथ्याः क्षय-
द्धीतथा ॥ तन्वंशेशविधूनथाष्टरिपुगान् पापस्य
वर्गास्तथा सेन्दुक्रूरखगोदयांश मुदयास्ताशुद्धि-
चण्डायुधान्खार्जूरं दशयोगयोगसहितं जामित्र-
लत्ताव्यधम् वाणोपग्रहपापकर्तरितथा तिथ्यृक्षयो-
गोत्थिम् दुष्टं योगमथार्धयाम कुलिकाद्यान्वार
दोषानपि क्रूराक्रांतविमुक्तभं ग्रहणभं यत्क्रूर
गन्तव्यभं त्रेधोत्पात हतंच केतुहतभं संध्योदितंभं
तथा तद्वच्च ग्रहभिन्नयुद्धगतभंसर्वानिमान्संत्यजे-
दुद्वाहे शुभकर्मसु ग्रहकृताँ ल्लग्नस्य दोषानपि॥
अथैतेषुकेषांचित्परिहारः-ये लग्नदोषांकुनवांश-
दोषाः पापैः कृता दृष्टिनिपातदोषाः । लग्ने गुरु-
स्तान्विमली करोतिफलं यथाम्भः कतकद्रुमस्य
अन्यच्च-त्रिकोणे केन्द्रेवा मदनरहितोदोषशत-
कं, हरेत्सौम्यः शुक्रोद्विगुणमपिलग्नं सुरगुरुः।
भवेदाये केन्द्रे ऽङ्गप उतलवेशोयदितदा समूहं
दोषाणां दहनइवतूलं शमयति । विवाह लग्नात्ष-
ष्ठस्थः शुक्रोऽतिनेष्टः किन्तु स एव शत्रुनीचरा-
शिस्थश्चेन्नदोषकृत् । एवं भौमोपिशत्रुनीचराशि-
गश्चेत्तदा भौमाष्टम महादोषोपि न । एवं नीचे
नीचनवांशके चन्द्रे रिः फा.१२ष्टाष्टरिः स्वदोषा-
ऽभावः ॥ जन्मलग्नाज्जन्मराशितो वा विवाहे
अष्टमंलग्नं चेत्तदा न शुभः किंतु जन्मलग्न
जन्मराशिपति विवाहलग्नपयोरेकत्वे परस्पर
मित्रत्वे च न दोषकृदिति।

विवाहादन्यत्र सप्तशलाका चक्रम् ।

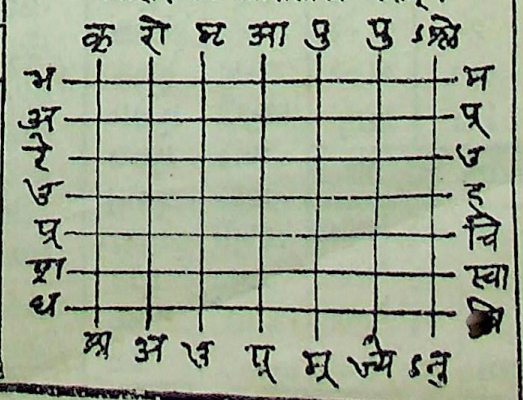

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

रवेरष्टक वर्गः ४८

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	ल
१	३	१	३	५	६	१	३
२	६	२	५	६	७	२	४
४	१०	४	६	९	१२	४	६
७	११	७	९	११		७	१०
८		८	१०			८	११
९		९	११			९	१२
१०		१०	१२			१०	
११		११				११	

चन्द्रस्याष्टकवर्गः ४९

चं	मं	बु	गु	शु	श	र	ल
१	२	१	१	३	३	३	३
३	३	३	४	४	५	६	६
६	५	४	७	५	६	७	१०
७	६	५	८	७	११	८	११
१०	९	७	१०	९		१०	
११	१०	८	११	१०		११	
	११	१०	१२	११			
		११					

भौमस्याष्टक वर्गः ३९

मं	बु	गु	शु	श	र	चं	ल
१	३	६	६	३	३	३	१
२	५	१०	८	४	५	६	३
४	६	११	११	७	६	११	६
७	११	१२	१२	८	१०		१०
८				९	११		११
१०				१०			
११				११			

बुधाष्टक वर्गः ५४

बु	गु	शु	श	र	चं	मं	ल
१	६	१	१	५	२	१	१
३	८	२	२	६	४	२	२
५	११	३	४	९	६	४	४
६	१२	४	७	११	८	७	६
९		५	८	१२	१०	८	८
१०		८	९		११	९	१०
११		९	१०			१०	११
१२		११	११			११	

गुरोरष्टक वर्गः ५६

गु	शु	श	र	चं	मे	बु	ल
१	२	३	१	२	१	१	१
२	५	५	२	५	२	२	२
३	६	६	३	७	४	४	४
४	९	१२	४	९	७	५	५
७	१०		७	११	८	६	६
८	११		८		१०	९	७
९			९		११	१०	९
१०			१०			११	१०
११			११				११

भृगोरष्टक वर्गः ५२

शु	श	र	चं	मं	बु	गु	ल
१	३	८	१	३	३	५	१
२	४	११	२	५	५	८	२
३	५	१२	३	६	६	९	३
४	८		४	९	९	१०	४
५	९		५	११	११	११	५
८	१०		८	१२			८
९	११		९				९
१०			११				११
११			१२				

शनेरष्टक वर्ग ३९

श	र	चं	मं	बु	गु	शु	ल
३	१	३	३	६	५	६	१
५	२	६	५	८	६	११	३
६	४	११	६	९	११	१२	४
११	७		१०	१०	१२		६
	८		११	११			१०
	१०		१२	१२			११
	११						

लग्नाष्टक वर्गः ५२

ल	र	च	मं	बु	गु	शु	श
१	३	३	१	१	१	१	१
३	४	६	३	२	२	२	३
४	६	१०	६	४	४	३	४
५	१०	११	१०	६	५	४	६
७	१२		११	८	६	५	१०
९				१०	७	८	११
१०				११	९	९	
११					१०	११	
					११		

प्राचीनमतेगोचर बलाभावे ऽष्ट वर्गशुद्धिरेव ॥ उक्तञ्च- अष्टवर्गविशुद्धेषु गुरुशीतांशुभानुषु व्रतोद्वाहौचकर्तव्यौ गोचरेण कदाचन ॥ अन्यच्च अष्टवर्गेणयेशुद्धास्ते शुद्धाः सर्वकर्मसु । सूक्ष्माष्टवर्ग संशुद्धिः स्थूलाशुद्धिस्तु गोचरे ॥२॥

कष्टःस्यादेक रेखायां द्वाभ्यामर्थक्षयो भवेत् । त्रिभिःक्लेशंविजानीयाच्चतुर्भिस्समतां वदेत् ॥ पंचभिश्चवदेत्सौख्यं षड्भिश्चैवधनागमः । सप्तभिःपरमानन्दमष्टभिस्सर्वसंपदम् ॥२॥ जिस ग्रहकाबल देखना हो उसकी जन्मकुन्डली लिखकर रेखा लगाना फिर विचारणीय राशी में कितने रेखा पाया है देखना । यदि १से३तक हो तो निर्बलीग्रह हुआ । ४ होतो सम हुआ । ५ से८ होतो बलवान् ग्रह हुआ । ऐसे ही विवाह यज्ञोपवीतादि कर्म में देखना । इससे आयु निर्णय भी होता है देखें जातक ग्रन्थ ।

॥ बालाद्यवस्थाफलम् ॥ फलंतुकिंचिद्वितनोति बालश्चार्द्धकुमारो यतते च पुंसाम् युवा समग्रं खचरोथ वृद्धः फलंच दुष्टं मरणं मृताख्यम् । ❀गुरुः=ज्ञान=विद्या ।राज=तात॥

दिनके सहम ऊपर से और रात्रि के सहम नीचेसे करो

सहमाएतेऊना	एतेभ्यः	एतेयुक्त
पुण्य सूर्य	चन्द्रात्	तनुः
गुरु चन्द्र	सूर्यात्	तनुः
यश पुण्यं	जीवात्	तनुः
मित्र पुण्य	गुरुतः	शुक्रः
महात्म्यं भौमं	पुण्यात्	तनुः
आशा शुक्र	शनितः	तनुः
राज सूर्य	शनितः	लग्नं
माता शुक्र	चन्द्रात्	लग्नं
उपाय गुरु	शनितः	तनुः
कर्म बुधं	भोमात्	तनुः
कलि भौमं	गुरुतः	तनुः
चतुष्प ६भावं	१२भा.	तनुः
प्रसूति बुधं	गुरुतः	तनुः
जाड्यं शनिं	भोमात्	बुधः
जलप चन्द्र	शनेः	लग्नं
शत्रु शनिं	भोमात्	लग्नं
दारिद्र बुधं	पुण्यात्	बुधः
शास्त्र शनिं	गुरुतः	बुधः
बधक बुधं	चन्द्रात्	तनुः
बंधन शनिं	पुण्यात्	तनुः
अश्व सूर्यं	पुण्यात्	लाभः
ऽन्यक शनिं	चन्द्रात्	तनुः
बुद्धि सूर्यं	जीवात्	तनुः
रात्रौ शोध.	शोध्य	क्षेपकः

दिन रात्रि में इकसार सहम

सहम नाम	ये हीन करना	इसमें	यहयु. करना
भ्राता	शनिं	गुरुतः	लग्नं
पुत्र	चन्द्रं	गुरुतः	लग्नं
रोग	चन्द्रं	तनुतः	लग्नं
बंधु	चन्द्र	बुधात्	लग्नं
मृत्यु	चन्द्रं	भाधात्	शनिः
यात्रा	धर्मेशं	धर्मा.	तनुः
धन	धनेशं	धनत्	तनुः
परस्त्री	सूर्यं	शुक्रात्	तनुः
वणिक्	बुधं	चन्द्रात्	तनुः
विद्या	शनि	शुक्रात्	तनुः
श्रद्धा	भौमं	शुक्रात्	तनुः
प्रीती	पुण्यं	ज्ञानात्	तनुः
व्यापा	बुधं	भोमात्	तनुः
कन्या	चन्द्र	शुक्रतः	तनुः
संताप	चन्द्रं	शनितः	६भावः
जलपा	शनिं	कर्कर्द्ध	तनुः
राज्य	गुरुं	चन्द्रतः	तनुः

महात्म्य = शौर्य = धैर्य
माता = अम्बू
उपाय = जीवित ।
विवाह = स्त्री ।
कलि = क्षमा
यात्रा = परदेश = मार्ग ।
यश = बल = देह ।❀

शोध्य (जिसमें घटाया जावे) से शोधक (जो घटाया जावे) तक यदि बीच में लग्न न आवे तो सहम में १ राशि जोड़ना अन्यथा नहीं ।

पंचधा मैत्री सप्तवर्गी बलं च जन्मनि

१ सप्तवर्ग स्वग्रही का	३०	०	०
२ मित्र-मित्र=ऽतिमित्र	२२	३०	०
३ मित्र-सम=मित्र	१५	०	०
४ मित्र-शत्रु=सम	७	३०	०
५ सम-शत्रु=शत्रु	३	४५	०
६ शत्रु-शत्रु=ऽतिशत्रु	१	५२	३०

बालाद्यवस्था च.जन्मनि

विषमे	अंश	समे
बाला	६	मृता
कुमारा	१२	वृद्धा
युवा	१८	युवा
वृद्धा	२४	कुमारा
मृताऽ	३०	बाला

दीप्राद्यवस्था चक्रम्

ग्रहः	अवस्था
उच्चस्थे	दिप्ताव
स्वभे	स्वस्थः
ऽतिमित्रे	मुदितः
मित्रभे	शांतः
समभे	दीनः
शत्रुभे	दुःखितः
सपापे	विकलः
खलगृहे	खलः
सार्के	कोपी

जन्म जाग्रता द्यवस्था

विषमे	अंश	समे
जाग्रत्	१०	सुप्तिः
स्वप्न	२०	स्वप्न
सुसुप्तिः	३०	जाग्रत्

तत्काल मैत्री स्वभात्

मित्र	शत्रु
२-१०	१-७
३-११	५-८
४-१२	६-९

॥ ग्रहाणां दीप्राद्यवस्था फलम् ॥

दीप्तस्य-पाकेप्रदीप्तस्य धराधिपत्यमुत्साह-शौर्यधनवाहनेच । स्त्रीपुत्रलाभंसुखबंधु-पूज्यंक्षितीश्वरान्मानमुपैतिविद्याम्॥१॥

स्वस्थस्य- स्वस्थस्यखेटस्यदशाविपाकेस्व-स्थोनृपाल्लब्धधनादिसौख्यम्। विद्यांयशः प्रीतिमहत्वमाराद्यार्थभूम्यात्मजधर्ममेति।२

मुदितस्य- मुदान्वितस्यापिदशाविपाकेव-स्त्रादिभूगंधसुतार्थधैर्यम्।पुराणधर्मश्रवणा दिगानंदानादियानाम्बरभूषणाप्तिम् ॥३॥

शांतस्य-दशाविपाकेसुखधैर्यमेति शांतस्य भूपुत्रकलत्रयानम् । विद्याविनोदान्वित-धर्मशास्त्रं बहुर्थं देशाधिपपूज्यतांच॥४॥

दीनस्य- स्यात्च्युतिर्बंधुविरोधतांचदीनस्य खेटस्यदशाविपाके।जीवत्यसौकुत्सितहीन-वृत्यात्यक्तोजनैरोगनिपीड़ितश्च ॥५॥

दुखितस्य- दुःखान्वितस्यापिदशाविपाके-नानाविधंदुःखमुपैतिनूनं। विदेशगोबंधुज-नैर्विहीनश्चौराग्निभूपैर्भयमातनोति॥६॥

विकलस्य- वैकल्यखेटस्यदशाविपाकेवैक-ल्यमायातिमनोविकारम्।पित्रादिकानांमर-णंविशेषात्स्त्रीपुत्रयानाम्बरचौरपीड़ाम्॥७॥

खलस्य-दशाविपाकेकलहंवियोगंखलस्य-खेटस्यपितुर्वियोगम्।वृद्धिरिपूणांधनभूमि-नाशमुपैतिनित्यं स्वजनैश्चवैरम् ॥८॥

कोपिनः-कोपान्वितस्यापिदशाविपाकेपा-पासमायांतिबहुप्रकारैर्विद्यांयशःस्त्रीधन-भूमिनाशंमूत्रादिकृछ्रं त्वथनेत्ररोगम्॥९॥

क्षयाधिमास-विचार

★

विक्रम संवत् २०२० शके १८८५ में क्षयमास आयेगा। यह क्षयमास १४१ वर्षके पश्चात् आ रहा है। पहले विक्रम सं १८७९ में आया था। आगे सं २०३९ में भी आवेगा। सं २०२० के क्षय मासमें मत भेद है। सौर पक्षसे आश्विन (ता. १८-९-१९६३ से १७-१०-६३ तक) संसर्प-अधिक मास है और (ता. १७-१२-६३ से १४-१-६४ तक) पौष शुक्ल व माघ कृष्णपक्ष (अंहस्पति) मार्गशीर्ष क्षयमास है। यह सौर पक्षीय मत है।

दूसरा पक्ष दृग्गणितीय है-इस मत से (ता. १८-१०-६३ से १६-११-६३ तक) कार्तिक संसर्पाधिमास है और (ता. १७-११-६३ से १६-१२-६३ तक) मार्गशुक्ल पौष कृष्ण (अंहस्पति) कार्तिक क्षयमास है। आगे चैत्र अधिक मास होंगा।

उपरोक्त सौर पक्ष कई शताब्दियोंसे चलता आ रहा है और उत्तर भारतमें इसकी अधिक मान्यता रही है। अतः शवर्ष पूर्व छपने वाले दशबर्षी एवं शत वर्षी पंचांगोमें हमने दोनों पक्षों का दिग्दर्शन कराते हुए महिनों के शीर्षकों में मतैक्य एवं सामंजस्य स्थापित करने के लिये सौर पक्षके अनुसार ही महीनोंके नाम लिखे थे तदनुसार ही त्योंहार लिखे थे। चूंकि अब दृक्पक्षक प्रचार और मान्यता भी है अतः दृक्पक्षके अनुसार भी इस विज्ञप्ति द्वारा महिनोंके नाम तदनुसार त्योंहार निर्देश किये जा रहे हैं।

दृश्य-गणितानुसार महिनों के नाम और त्योंहार इस प्रकार हैं –

प्राकृत आश्विन शुक्ल पक्ष :	ता. १८-९-६३ से ता. ३-१०-६३ तक
प्र. कार्तिक (अमांत आश्विन) कृष्णपक्ष :	ता. ४-१०-६३ से १७-१०-६३ तक
प्र. कार्तिक शुक्लपक्ष : (संसर्प-अधिमास :)	ता. १८-१०-६३ से ता. १-११-६३ तक
द्वि. कार्तिक (अमांत प्र. कार्तिक) कृष्णपक्षः (संसर्प-अधिकमास)	ता. २-११-६३ से १६-११-६३ तक
मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष : (अंहस्पति) क्षयः कार्तिक :	ता. १७-११-६३ से ता. ३०-११-६३ तक
पौष (अमांत मार्गशीर्षः) कृष्णपक्षः (अंहस्पतिः) क्षयःकार्तिकः	ता. १-१२-६३ से १६-१२-६३ तक

त्योंहार दृश्य-गणितानुसार

ता. १८	सितंबर	नवरात्रारंभः घटस्था	
ता. २२	"	उपांगललिता व्रतं	
ता. २५	"	सरस्वत्यावाहनम्	
ता. २८	"	विजया १० दशहरा सरस्वती सिर्जनं	
ता. २९	"	पापांकुशा	११
ता. २	अक्टूबर	शरत्पूर्णिमा कोजागर्तीव्र.	
ता. ३	"	कार्तिकस्नानारंभः	
ता. १३	"	रमा ११ ब्र. गोवत्सपू.	
ता. १६	"	महालक्ष्मी पू. इतिकेचित्	
ता. १७	"	महालक्ष्मी पूजनं	
ता. १८	"	गोवर्द्धन पू. अन्नकूट	
ता. १९	"	भ्म २ भ्रात २	
ता. २५		[illegible]	
ता. २९	अक्टूबर	प्रबोधिनी	११ तुलसी वि.
ता. ११	नवम्बर	उत्पत्ति	११
ता. २७	"	मोक्षदा	११
ता. ११	दिसम्बर	सफला	११

महालक्ष्मीपूजन "प्रदोषार्धरात्रव्यापिनीमुख्या" इस निर्णयसिंधु के वाक्य से ता. १६ को प्राप्त है किंतु धर्मसिंधु पुरुषार्थचिंतामणि, जयसिंहकल्पद्रुम, स्मृतिकौस्तुभ आदिक में पठित " दंडैक रजनी योगे. दर्शः स्यात्तु परेऽहनि। तदा विहाय पूर्वेद्युः परेऽन्हि सुखरात्रिका " आदि वाक्यों से ता. १७ को महालक्ष्मी पूजन करना श्रेष्ठ है।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

सौर-पक्षानुसार महिनों के नाम और त्योंहार निम्नलिखित समझें।

प्र. आश्विन शुक्ल पक्ष : (संसर्पाधिमासः) ता. १८–९–६३ से ता. ३–१०–६३ तक
द्वि. आश्विन (अमांत : प्र. आश्विन) कृष्ण पक्षः (संसर्पाधिमासः) ता. ४–१०–६३ से ता. १७ १०–६३ त
द्वि. आश्विन शुक्ल पक्षः (प्राकृतः शुद्ध :) ता. १८–१०–६३ से ता. १–११–६३ तक
कार्तिक (अमान्त : द्वि. आश्विन) कृष्णपक्षः (प्राकृतः शुद्ध :) ता. २–११–६३ से ता. १६–११–६३ तक
कार्तिक शुक्ल पक्षः (शुद्ध : प्राकृत :) ता. १७–११–६३ से ता. ३०–११–६३ तक
मार्गशीर्ष (अमांतः कार्तिक) कृष्णपक्ष : (शुद्धः प्राकृत :) ता. १–१२–६३ से ता. १६–१२–६३ तक
पौष (क्षयं : मार्गशीर्ष) शुक्ल पक्षः ' (अंहस्पति :) ता. १७–१२–६३ से ता. ३०–१२–६३ तक
माघ (क्षय : मार्गशीर्ष = अमांतः पौष) कृष्ण पक्ष (अंहस्पति) ता. ३१–१२–६३ से १–१४–६३ तक

सौरपक्षानुसार त्योंहार।

ता. १८ अक्टूबर नवरात्रारंभः घटस्था.
ता. २२ " उपांग ललिताव्रतम्
ता. २३ " सरस्वत्यावाहनम्
ता. २७ " विजया १०
ता. ३१ " शरद्-स्मा.
ता. १ नवंबर शरद १५ वै. का स्ना. प्रा.
ता. ११ " रमा ११ व्रतम्
ता. १५ " महालक्ष्मी पूजनं
ता. १६ नवंबर गोवर्द्धन पूजनं
ता. १८ " यम २ भ्रातृ २
ता. २४ " गोपाष्टमी
ता. २७ " प्रबोधिनी ११ तुलसीवि.
ता. ११ दिसंबर उत्पत्ति ११
ता. २६ " मोक्षदा ११ पुत्रदा ११
ता. १० जनवरी सफला ११ षट्तिला ११

नोट— इस विज्ञप्तिमें दोनों पक्षों का विवरण लिख दिया है जिनकी जो मान्यता हो मानलें।

विदुषा वशंवदः
ईश्वरदत्त शर्मा (नवल दुर्गीय)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

पञ्चाङ्ग संबंधी ज्ञातव्य बातें

विद्वज्जनों को विदित ही है कि सूक्ष्म वेधयंत्रों से प्रत्यक्ष वेध द्वारा दृग्गणितैक्ययुक्त सिद्धांत बनाने पर भी समय के भेद तथा काल गति से ग्रहों के गणित में थोड़ा २ अन्तर पड़ ही जाता है। जिसको यथा समय ज्यौतिषतत्वज्ञ विद्वान् ठीक दृक्तुल्य करते आये हैं। जिनके नाम गणेश दैवज्ञ लिखते हैं –

ब्रह्माचार्यवसिष्ठकश्यपमुखैर्यत्खेटकर्मोदितं,
तत्तत्कालजमेव तथ्यमथतद्भूरीक्षणेऽभूत्श्लथं ।
प्रापातोऽथमयासुरः कृतयुगान्तेऽर्कात्स्फुटात्तोषितात्,
तच्चास्ति स्म कलौ तु सांतरमथाऽभूच्चात्र पाराशरम् ।। १ ।।
तज्ज्ञात्वार्यभटः खिलं बहुतिथेः कालेऽकरोत्प्रस्फुटम्,
तत्स्रस्तं किल दुर्गासिंहमिहिराद्यैस्तन्निबद्धं स्फुटम् ।
तच्चाभूच्छिथिलंतुजिष्णुतनयेनाकारिवेधात्स्फुटम्
ब्रह्मोक्त्याश्रितमेतदप्यथ बहौकालेऽभवत्सान्तरम् ।। २ ।।
श्रीकेशवः स्फुटतरं कृतवान्हि सौरार्यासन्नमेतदपि षष्टि ६० मिते गतेब्दे ।
दृष्ट्वाश्लथं किमपि तत्तनयोगणेशः स्पष्टं यथाह्यकृत दृग्यणितैक्यमत्र ।। ३ ।।

सबसे पीछे इस गणित के परिशोधनकर्ता ग्रहलाघव ग्रंथकार गणेश दैवज्ञ हुए। उनको भी आज करीब ४५० वर्ष हो गये। अतः गणेश दैवज्ञकृत ग्रहलाघव का गणित भी सांतरित हो गया है। ग्रहण के स्पर्श मोक्षकाल में दो तीन घटी, तथा कई ग्रहों में २४ अंशो का और गुरु शुक्र के उदयास्त में दिनों का एवं तिथियों में १५–१६ घटी तक का अंतर प्रत्यक्ष देखा जाता है इसलिये वेंकटेश बापु शास्त्री केतकर ने वेधद्वारा ग्रहलाघव के गणित को दृक्यप्रत्यय में–अत्यंत शिथिल देखकर दृक्तुल्य ग्रहसाधन के लिये, केतकी, (नूतन ग्रहलाघव) ग्रंथ की रचना की जिसके प्रारम्भ में ही आप लिखते हैं–

श्रीमद्गणेशरचितं ग्रहलाघवाख्यं भूमण्डलेविजयतेकरणं तथापि ।
दृक्प्रत्ययेऽतिशिथिलं समभूदिदानीं सद्वेधसिद्ध गणितं रचयामि तस्मात् ।

वेध यंत्रों द्वारा संशोधन की विधि सभी पूर्वाचर्यों ने अपने २ ग्रंथों में लिखी है किंतु यह कार्य राज्य की सहायता से ही सुकर है। जैसे आचार्य लिखते हैं–

विध्वाग्रहान्संततमत्र धीरास्तत्स्थानपंक्तिंच विचार्यतेषाम् ।
पातोच्च केन्द्र च्युति मध्य भोगान्शरांस्तथा मध्यगतीरवापुः ।। १ ।।
वेधाद्यतः सिद्धिरभूत्पुरास्य शास्त्रस्य तत्शुद्धिपरीक्षणं च ।
बेधाद्विनाकर्तुमशक्यमस्माद्वेधक्रिया भूपवरैः सुरक्ष्याः ।। २ ।।
सद्वेधशालां निजराजधान्यां नभश्चराणामवलोकनार्थम् ।
संस्थाप्य तस्मिंश्च नियोजनीया विद्वद्वरा वेधविधिप्रवीणाः ।। ३ ।।
यन्त्रैरमूल्यैर्निशि वा दिवा वा विलोक्य याम्योत्तरलंघनानि ।
नभः सदां दृग्यगणितैक्य भेदान्पटे लिखित्वा विदधीत नित्यम् ।। ४ ।।
अग्रे यदा दृग्गऽणितांतरं स्याच्छनैः शनैश्चोपचितं यदा वै ।
तत्कारणानि क्रमशो विचार्य ग्रंथान्पटिष्ठाः परिशोधयेयुः ।। ५ ।।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

राज्याश्रय न होते हुए भी हमारे भारत में परमोद्योगी पं० सुधाकरजी द्विवेदी, पं० बापुदेव शास्त्री, पं० केरोपन्त छत्रे, पं० लोकमान्य तिलक, पं० वेंकटेशवापु केतकर पं० श्रीपाद कोल्हटकर, जयपुर रा० ज्यौ. पं० केदारनाथजी प्रभृति विद्वानों ने वेध द्वारा गणित शुद्ध करके कई एक ग्रंथ बना दिये है जोकि ठीक दृक्तुल्य हैं, पंचाङ्गों का गणित दृक्तुल्य होना ही श्रेष्ठ और शास्त्रसम्मत है यथा–

यात्राविवाहोत्सवजातकादौ खेटैः स्फुटैरेव फलस्फुटत्वम् ।
स्यात्प्रोच्यते तेन नभश्चराणां स्फुटक्रिया दृग्गणितैक्यकृद्या (सि. शि.)
यस्मिन् पक्षे येन काले दृश्यते गणितैक्यकम् । तेन पक्षेण ते कार्या ग्रहास्तत्समयोद्भवाः (ब्र. सि.)
तेभ्यः स्याद्ग्रहणादि दृक्सममिमं प्रोक्ता मया सा तिथिः ।
ग्राह्या मङ्गल-धर्म-निर्णयाविधावेषा यतो दृक्समा (ति. चिं.)
मुनिः प्रणीते मनुजैः क्वचिच्चेददृश्यतेऽन्तरम् । तदा तदेव संसाध्यं न कार्यं सर्वमन्यथा (सि. सु.)
संसोध्यः स्पष्टतरं बीजं नलिकादि यंत्रेभ्यः । तत्संस्कृत ग्रहेभ्यः कर्तव्यौ निर्णयादेशौ (ब्र. सि.)

उपरोक्त वाक्यानुसार सूक्ष्मदृश्य गणित ही शुद्ध प्राचीन गणित है और वही धार्मिक मुहूर्तादि कार्यों में उपयुक्त है ।

भारत सरकार ने भी इसी गणित को मान्यता दे दी है तथा भारत के अन्य भागों में भी ऐसे दृक्तुल्य पंचांग बनने लगे हैं जैसे जन्मभूमि बम्बई, वृहन्ममहाराष्ट्र पंचांग (म. प्र.) बापुदेव शास्त्री काशी, भारत सरकार का राष्ट्रीय पंचांग, संदेश प्रत्यक्ष पंचांग अहमदाबाद, विश्वविजय देहली, चन्द्रिका पंचांग बम्बई बंगला पंजी कलकत्ता आदि ।

कुछ सज्जन तिथिमान को अदृश्य व अप्रत्यक्ष मानकर इस समय भी अप्रत्यक्ष स्थूलगणित को दिव्यदृष्टि का आर्षगणित बतलाकर मकरंद ग्रहलाघव सूर्यसिद्धांत करण कुतूहल जयविनोद ब्रह्मसिद्धांत आदि ग्रंथों से पंचांग बनाते है । यह उनका दुराग्रह मात्र है । क्योंकि आचार्यों ने पहले ही भावी अन्तर को दृक्युल्य बनाने के लिये आदेश और उसकी विधि लिखदी है । अतः उनके आदेशानुसार यंत्रों द्वारा दृक्तुल्य गणित न कर लिया जावे तब तक उसे शुद्ध प्राचीन आर्षगणित कहना ही असंगत है ।

उपरोक्त दिव्यदृष्टि के आर्षसिद्धांतों से बने पंचांगों में परस्पर बहुत अन्तर देखा जाता है । इस प्रकार महर्षियों की दिव्यदृष्टि के गणित में परस्पर ग्रहचारादि में महिनों का अन्तर दिखाना महर्षियों की दिव्यदृष्टि एवं उनके ज्ञान को अपूर्ण सिद्ध करके, उनका उपहास एवं अपमान करना है ।

सूर्य चन्द्रमा के १२ अंशात्मक पूर्वापर सरलान्तर का मान ही तो एक तिथि का मान है, वही वराह पुराण में स्पष्ट कहते हैं यथा –

यदा तौ मिलितौ स्यातामावस्या तदाभवेत् । यदा द्वादशभागानामंतरं स्यात्तयो (चं. सू.) र्द्वयोः ।।
प्रतिपन्नाम सा प्रोक्ता तदंते विधुदर्शनम् । भागद्वादशकेनैव प्रत्यहं हि तिथिर्भवेत् ।।
सृष्टुः पुरा वेद चक्षुर्ज्यौतिः शास्त्रं मयाद्भुतं । ततः सूर्यश्च मुनयः स्वं स्वं सिद्धान्तमूचिरे ।।
यस्मिन्देशे यदा काले यद्यत्सिद्धांतमागतः । उदयास्तो ग्रहाणां च ग्रहणं चन्द्र सूर्ययोः ।
विधोर्विलोकनं वापि भवेत्तत्पक्षमाश्रितः । इष्टकाले स्फुटौ कृत्वा चन्द्र सूर्यौ प्रयत्नतः ।
तिथिमासाद्यकुर्वीत नान्यथा तु कदाचन ।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

इत्यादि–उपरोक्त वाक्यों से स्पष्ट है कि सूर्य चन्द्रमा को दृक्तुल्य स्पष्ट करके दृक्तुल्य तिथि द्वारा ही धर्मशास्त्र का निर्णय करना शास्त्र सम्मत है। स्थूलगणित के पंचांगों की तिथियों में १५–१६ घटी तक का अन्तर वेध द्वारा प्रत्यक्ष देखा जाता है। अतः–

किं तेनापि सुवर्णेन कर्णघातं करोति यत्। तथा किं तेन शास्त्रेण यन्न प्रत्यक्षतः फुटम्॥]

पुराणमित्येव न साधु सर्वं नचापि सर्वं नवमित्यवद्यम्
सन्तः परीक्ष्यान्यतरद्भजंते मूढः पर प्रत्ययनेयबुद्धि :॥

उपरोक्त आर्ष सूक्तियों के अनुसार जयपुर ज्योतिष यन्त्रालय द्वारा बारम्बार प्रत्यक्षानुभव करके वेधसिद्धसूक्ष्मदृश्य (शुद्ध प्राचीन) गणित से श्री सरस्वती पंचांग को तैयार कर विद्वानों की सेवा में समर्पण किया जाता है।

उत्तर भारत राजस्थान में यही एक ऐसा पंचांग है जो जयपुर ज्यौतिष यन्त्रालय के यन्त्रों द्वारा अपने गणित की सत्यता प्रत्यक्ष दिखाने में समर्थ हैं –

(१) संवत् २००१ से २०१५ तक तिथ्यादि (तिथि नक्षत्र योग एवं चन्द्रमा) गणित ग्रह लाघव से की हुई है। उसके बाद सं० २०१६ से सूक्ष्म गणित (केतकी) से किये गये हैं।

(२) सं. २००१ से २०२० तक पंक्ति का प्रथम सूर्य सौर पक्षी है, और अन्तिम दृक्पक्ष से है। २०२१ से २१०० तक पंक्तिस्थ प्रथम सूर्य दृक्पक्षीय, तथा अन्तिम सौर पक्षीय है।

(३) सं. २००१ से २०५० तक अंग्रेजी तारीखें राष्ट्रीय (हिन्दी) और मुसलमानी तारीखों से पहले दीगई हैं। २०५१ से इनके बाद में (चन्द्रमासे पूर्व) हैं। पाठक ध्यान रखकर पढें।

(४) सं. २०२० में दृश्य गणित से कार्तिक ही क्षय और कार्तिक ही अधिक मास है। स्थूल गणित से आश्विन अधिक और मार्गशीर्ष क्षय आता है।

प्रूफ संशोधन में कुछ भूलें रह गई है। महत्व पूर्ण अशुद्धियों को शुद्धिपत्र में यथा संभव सुधारने का यत्न किया है। फिर भी गलतियां रह ही गई हैं। पाठको से प्रार्थना है कि वे उन्हें सुधार कर पढें।

गच्छतः स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति साधवः॥

विदुषांवशंवदः – संपादक

★

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

शुद्धिपत्रम्

सूचना—शुद्धि पत्र में पू. का अर्थ पृष्ठके पूर्वार्द्ध (शुक्ल पक्ष) से तथा उ. का अर्थ उत्तरार्ध (कृष्ण पक्ष) से है।

पृष्ठ	स्थान	अशुद्धम्	शुद्धम्
२५३	पू. राश्यदिचारे	धनुषिरविः	धनुषिशनिः
२६४	उ० शुक्रगतौ	७।१५	७१।१५
२७२	पू.	३७।१४ या. भ. ८।४२	उ. ३७।१४ या.
२७६	उ. नक्षत्रे	३० मं उ	३०मं.रेवतौ
२७७	पू. शीर्षके	रा. मु. इं,	इं. रा. मु.
२७९	,, चन्द्रे	तु. ४५।०	तु. १३।२३
२८०	उ. ,,	मि. ४१।४	मि. ४०।४०
२८१	,, नक्षत्रे	१४ चं. भ	१४चं. मघा
२८८	द्वितीय कोष्ठके ग्रस्तास्त चंद्रग्रहणम्		ग्रस्तास्तंखग्रास चन्द्रग्रहणम्
,,	ग्रहण कोष्ठकद्वये उज्ज. मध्यम		रेल्वेटाइम
,,	,, ,, रेल्वेटाइम		देशीटाइम
२९१ पू.	राष्ट्रीय तारीखे { अशुद्ध	२३-२४-२५-२६-२७-२८-२९-३०	
	{ शुद्ध	२४-२५-२६-२७-२८-२९-३०-३१	
२९६	उ. चन्द्रे	सिं. ५७।२७	सिं. ५६।३६
,,	,,	अक्दू.	अक्टूबर
३००	पू. राश्यादिचारे	*२२।५१	रवि.० २२।५१
३०२	उ. चन्द्रे	वृ.५२।५२	वृ.३६।५२
३०५ पू. अ. रा. तारीखे शु.		{ १३-१४-१५-१६-१७-१८-१९-२०-२१-२२-२३-२४-२५-२६-	
		{ १२-१३-१४-१५-१६-१७-१८-१९-२०-२१-२२-२३-२४-२५-	
,, उ. रा. तारीखे	{ अशुद्ध	२७-२८-२९-३०-३१	
	{ शुद्ध	२६-२७-२८-२९-३०	
३१६	उ. राश्यादि-	पू भा.१शनिः	पू.भा.३शनिः
३२१	उ. नक्षत्रे	१२बु अ	१२बु. अश्विनौ
३५५	उ.	दृश्योऽनुराधांराधा	दृश्य अनु. रविः
३६५	उ. चन्द्रे	क.४।४२	क.४०।४२
३६८	उ. चन्द्र	क.२।५१	क.३२।५१
४०२	पू. ,,	क.२७।५६	क.२८।२१
४०५	,, नक्षत्रे	श्ले ६	श्ले ६०
४१२	,, ,,	रे४।३२	रे.९।३२
४४२	,, चन्द्रे	घ.२७।२	घ.२७।२९

पृष्ठ	स्थान	अशुद्धम्	शुद्धम्
४४७		खंडग्रासचंद्रग्रह.	खग्रासचं. ग्रहणम्
४५१	पू. नक्षत्रे	पू५५।३७	पू.१५।३७
४७२	,, ,,	रे५१।४०	रे४१।४०
४७५		खंडग्रासचंद्रग्रह.	खग्रास चंद्रग्रहणम्
४७६	मुहूर्तेषु	मार्ग. शु. २ चं. ल. मा. शु. २चं.ल७	
४७९	उ. नक्षत्रे	रे.८०।७	रे.३०।७
४९०		खंडग्रांस चं. ग्र.	खग्रास चंद्र ग्रहणम्
,,		मो.४५।४८	मोक्ष४९।४८
४९१	विवाहमुहूर्ते	ौमेमूलेल. १	१५ मौमेमूलेल.१
,,	अन्तिमपंक्तौ	३गु.रे.ल८	३गुरे.ल६
४९२	उ.		मीन५।२२
५०३	पू. नक्षत्रे	उ.५।१४	उ.भा५०।१४
५१४	उ. चन्द्र	,,	कन्यायां
५२३	,, ,,	मे.५८।७	मे.५९।७
५२४	,, ,,	,,	कर्के
५३३		खंडग्रासचंद्रग्रह.	खग्रासचं.ग्रहणम्
५४०	पू.	,,	कन्यायां
५४७	खंडग्रासचं.ग्र	ग्रस्तोदयं	खग्रास चं. ग्रह.
५६५	पू.	सिं.१८।२२	सिं१४।२२
५७८	पू.	सिं.३६।२१	सिं.३३।२१

पृष्ठ ५८९ उ. तिथि वार नक्षत्र कोष्ठकमेवं पठितव्यम्

४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
र	चं	मं	बु	गु	शु	श	र	चं	मं
स्वा	वि	अ	ज्ये	मू	पू	उ	श्र	ध	श

अत्र चित्राक्षयः, शतमिषावृद्धिः

५९०		खंडग्रासं च. ग्र.	खग्रास चं. ग्र.
६०५		खंडग्रास चं. ग्र.	खग्रास चंद्र ग्रह.
६२०	मुहूर्ते (अवशिष्टं) माघ शु. ५ श. ल. ऽन्यगो. रे.७		
६३०	पू. तिथि ति— ६-७-८-९-१०-११-१२-१३		
	नक्षत्र कोष्ठक वा— शु श र चं मं बु गु शु.		
	मेवं पठितव्यम् न— ० पू उ. रे अ भ. कृ रो		

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

६३३	अशु. माघ. कृ. ३० चंद्रेखंडग्रास सूर्य ग्रहणम्		
	शुद्ध–माघ शु. १५ चंद्रे खग्रास चंद्रग्रहणम्		
६४०	उ. तिथौ	१४शु	भा. कृ. १४ श.
,,	,, ,,	३०श	,, ३०रवि
६४३	... नक्षत्रे	सिं५५।७	सिं५६।७
६४४	,, ,,	चि.५९।४७	चि.५२।४७
६७५	,, चन्द्रे	घ.५३।४०	घ.५६।४०
६७८	पू. ,,	मि.३८।५०	मि.३७।५१
७१४	पू. शीर्षके	सं.२०४९ शाके १९१४	सं.२०५० शाके १५१५
७२८	,, चन्द्रे	ध.४०।२०	ध.४४।२०
७३३	उ.	ध.४६।२५	ध.५६।२५
७४२	,, नक्षत्रे	पु.	पू.
७५२	,, ,,	ज्ये१४।४७	ज्ये१५।४७
७८८	पू. चन्द्रे	मे.५६।२६	मे.२६।५६
८९६	,, चन्द्रे	तृ.५४।४६	वृ.५४।४६
९०४	उ. ,,	मि.४३।४१	सिं.४३।४१
९३६	ग्रहणकोष्ठके	श्रा.१८३१	शाके१९३१
९४६	पू. चन्द्रे	मी.३५।३४	मी.३५।४६
९७५	,, तिथौ	१शु	१ श
१०१६		अक्टूबर२१ता.२१	अक्टूबर १० ता.३१
१०२१	पू. नक्षत्रे	पू.४०।३	पू.४५।३
१०२८	उ. करणे	कौ५।५२	कौ.१६।५२

१०६७	पूर्वार्द्धे	१	२	३	४	५	६	७	८	९
तिथि कोष्ठक		र	चं	मं	बु	गु	शु	श	र	चं
मेंवपठितव्यम		१०	११	१२	१३	१४	१५			
		चं	मं	बु	गु	शु	श			

१०८०	सूर्यग्रहणे	घ प.	घंटा. मिनट
,,	,,	घं.मि.	घटी पल
११३९	उ. ग्रहस्पष्टे	२पं.वै.कृ.१	२पं.वै.शु.१
११६३		राहु.उभा.३केतुः	उभा. १राहुः उफा. ३केतुः
१२०१	पू.	रविलाखर	रविलावल
,,	,,	शुक्रगतौ५६।३८	७४।३८
१२२३	ग्रहण शीर्षके	अर्द्धरात्रि पश्चिम पश्चात् प्रदेशे	अर्द्धरात्रि पश्चात् पश्चिम प्रदेशे
,,	द्वितीय ग्रहण	कोष्ठकेमोक्ष ६।१३	मोक्ष ६।१
१२२५	उ. बुधगतौ	१९९।२३	९९।२३
१२२६	पू ग्रहस्पष्टे	रा.८।१५	रा८।१४
१२३१	,,	भ.१६।४९या	भ.२६।४९या
१२९८	उ. राशिचारे	उभा३बुध	उभा३गुरु
१३००	पू. चन्द्रे	सिं३३।२५	सिं. ३३।५
१३७३–७४	पृष्ठयो–ग्रहस्पष्टे १८–१९–२० पंक्तिषुभौम कोष्ठके मीन (११) स्थाने वृष(१)राशि पठितव्यम्		

पृष्ठ १३९१ ३१ पंक्तौ गोचरग्रहाः

अशुद्ध	शुद्ध
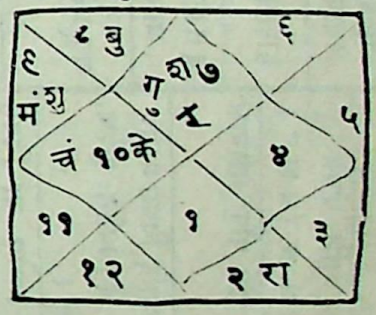	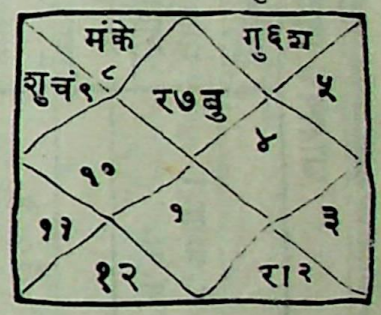

१३९२	उ.	भ. ३३।६०	भ.४३।३०

सूचना– सं. २०१७ से २०२० तक भारतीय दिनांक मुद्रित नहीं हुये हैं। अत उनकी तालिका अन्तमें दी गई है।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

मुहूर्तनाम	तिथयः	वाराः	नक्षत्रादिकम्
सरजोदर्शने स्नानम्	सत्	चं. बु. गु. शु.	ऽश्वि. रो. मृ. उ. ३ ह. स्वा. ऽनु. ध. ज्ये. रे. ग्राह्याः। त्याज्याः–कृ. भ. मू. आ. पुन. पु. म. चि. वि. श्र.
गर्भाधानं	सत	,,	उ. ३. मृ ह. रो. स्वा. श्र. ध. श. अनु.
सीमंत	सत्	र.मं.गु.	मृ. पुन. पु. मू. श्र. ह. रे. शुक्ले पक्षे मासेश्वरेसवले
जातकर्म नामकर्म	सत्	चं. बु. बृ. शु.	जन्मसमये वा. ११।१२ दिने ऽश्वि. रो. मृ. पुन २ उत्तरा ३ ह. चि. स्वा. ऽनु. श्र. ध. रे. सद्भानि.
सूतिका स्नानम्	सत्	सू. मं. गु.	ह. मृ. ऽनु. रो. उत्त. ३ ऽश्वि. स्वा. रे. सद्भानि पंचमशुद्ध-लग्ने। त्याज्याः पुन२चि. वि. भ२. मृ. आ म. श्र. (च श बु)
जलपूजा	सत्	बु. गु. चं.	पु. पुष्य. ह मृ मू. ऽनु. श्र सद्भानि। चैत्र पौष मलमास मामान्त गुरु शुक्र का अस्त यह वर्ज्य हैं।
अन्नप्राशनं	२।३।५ ७।१० १३।१५	बु. गु. चं. शु.	बालानां षष्ठादि सममासेषु कन्यायाः पंचमादि बिषम मासेषु ऽश्वि. रो. मृ पुन२उ३.ह३. ऽनु. श्र ३. रे. भेषु। मीन. वृश्चि. मेष लग्नानि। जन्मभंच वर्ज्यम् १० मे शुद्धे।
कर्णवेधः	४।९।१४ ३० वर्ज्य	बु. गु. शु. च.	जन्मदिनात् १२ वा १६ दिन वा ६।७।८ मासेषु वा विषम-वर्षे ऽश्वि. मृ. पुन २ ह२. ऽनु. ऽभि. श्र. ध. रे. मेषु चन्द्र। र्कबले ८ मशुद्धलग्ने। वर्ज्याः चै. पौ.हरिशयनं जन्म मासतारा
चौलकर्म	२।३।५ ७।१० ११।१३	बृ. गु. शु. चं	३।५।७ वर्षे चैत्र हीनोत्तरायणे ऽश्वि. मृ. पुन.पु ह चि.स्वा ज्ये. ऽभि. श्र ध. श रे सद्भानि। प्रथमोत्पन्न बालस्य ज्येष्ठे निषिद्धः गलग्रहे नेष्टः। अष्टमशुद्धलग्ने।
विद्यारंभः	२.३.५.६ १०.११.१२	सू गु. शु.	५ वर्षे, अ. मृ. आ. पुन पु पू ३ ह. चि. स्वा. मू. श्र. ध. श. सद्भानि अनध्याय वर्जित दिने (उत्तरायणे)
निष्क्रमणम्	सत्	सत्	४ मासे यात्रोक्त तिथिवार नक्षत्रेषु अथवा जन्म से १२ वें दिन वा. मंगलपूर्वक घर से बाहर निकाले।
विपणी दुकान	सत्	सू च बृ. बु.शु.श.	अश्वि. ऽनु. रो. मृ. उ ३. पुष्य रेव. ऽभि ह चि. शुभलग्ने और लग्नमें शुक्रचन्द्र होवें व्ययाष्टरहितैःपापैः।कुंभलग्नरहितैः
स्त्रीणां चोटी आटी गुथा	सत्	गु.चं र. शु. मं.	ह मू. रो. पु. श्र स्वा उ१. मृ ऽश्वि. चि ऽनु. रे. नक्षत्र। लग्न २।३।७।५।१२
चूड़ा पहरना	सत	र बु.मं गु शु.	ऽश्वि. ह चि स्वा. वि. ऽनु. ध रे. सूर्यभाद्गणना। ने, ८। श्रे ३। ने २। श्रे ७। ने २। श्रे ४ ने १।
वस्त्रधरणं	सत्	शुभाः	पू ३ उ. ३. रु. रो.
कन्याकरणं किकणी की.	सत्	चं.र बु. गु.श गु.	पू १ श्र. श्रु. उ ३. स्वा. ध. रु. रो. रे. मू. मृ. म. ह. पापाः ३।६।११ शुभाः ५।४।७।१०।६।१ श्रे.

मुहूर्तनाम	तिथयः	वाराः	नक्षत्रादिकम्
रोगमुक्त स्नानम्	अशुभ	र.बु.बृ. म. श.	ऽश्वि. ३ मृ. २ पु. पू. ३ ह २. वि ४. श्र ३. ये नक्षत्र और चर लग्न अशुभ चन्द्र में।
वापीकूप तडागारंभः	सत्	सत्	ऽनु. ह. रे. उ ३ रो. पु. ध. श. मघा. मू पूषा. शुभे मासे स्थिरे लग्ने च बुध गुर्वोरुदये।
हलवाहनं	सत्	चं. बु. बृ. शु.	ऽश्वि रो. मृ. पुन २ उ. ३ ह ५. ऽनु म. म. ऽभि. श्र ३ रे. रविभाद्गणना. ३ ने। ८ श्रे.। ६ ने.। ८ श्रे.।
चुल्ही स्थापनं	सत्	गु. व. बृ.	पूर्वा ३. रो. पुष्य. उ ३. ऽश्वि. आर्द्रा। रविभाद्गणना ६ श्रे। ४ ने। ८ श्रे। ५ ने। २ श्रे। २ ने। चन्द्रबलेसति।
द्वारशाखा	५।७ ८।६	बृ बु. शु.	रविभाद्ग. ४ श्रे। ८ ने। ८ श्रे। ३ ने। ४ श्रे। काष्ठशा. ऽश्वि ह. पुष्य रो.२उ.३स्वा श्र।पापाणेध.श. पूभा३ ७।१० मे शुद्धलग्ने
दत्तकपुत्र ग्रहण	सत्	र. मं. बृ. शु.	ह. ४ ऽनु ऽश्वि ध. पुष्य. सिंह बृष लग्न में वृश्चिक कुम्भलग्नत्याज्य है।
वधू प्रवेशः	सत्	सत्	विवाह से २।४।५।६।७।८।९।१०।१२।१४।१६ दिनो में इसके पीछे, विषममास विषमवर्ष में। ह. ३ रो. २. ऽश्वि. रे. म. पुष्य. ध. श्र उ ३. मू ऽनु और स्थिर लग्न में।
द्विरागमन मुकलावा	सत्	चं. बु. गु, शु.	में. वृश्चि. कुम्भस्थे रवौ मू. ह ३ रो २. ऽश्वि. पुष्य उ ३. श्र. ध. श. पुन. रे. चि ऽनु. सौम्ययुक्त दृष्टे।२।३।४।६।७।१२ लग्नेषु रवीज्य शुद्धियोगे सति। सन्मुखदक्षिण विवर्जिते भृगौ सत्
गंधर्व विवाह	सत्	स. मं. श.	ऽश्वि. कृः आर्द्रा पुन. ऽश्ले. ज्ये. ध. श. एषु भेषु गुरुशुक्रयो-रस्तादि दोषोपि नास्ति।

अनुष्ठानारम्भ मुहूर्तम्

आश्वि. का. वै. माघ. मार्ग. फा. श्रा. तथा मे. कर्क कं. तु. वृ. म. कुम्भस्थे रवौश्रेष्ठः २।६।७।१० १३।१५ आसुतिथिषु। अथवा या तिथिर्यस्यदेवस्य तस्यांवाशुभदः स्मृतः वाराः–सू. शु. बृ.। सोमो मध्यमः पुन. पु. स्वा. उ ३ श्र. ध. श. र. अश्वि ह. ऽनु रो. मृ. वि. ज्ये स्वस्वामि नक्षत्रेवा। लग्नात् ३।६।११ पापा।१।४।५।७।९।१० साम्याः। चन्द्र तारानुकूले। गुरुशुक्रयोरुदितयोः शुभे लग्ने १२ शुद्धे सति मूल्यादि योग रहिते। विष्णुमत्रे-स्थिरे, शिवस्यचरे। दुर्गाया द्विःस्वेलग्ने। कूर्म-चक्रशुद्धौ प्रारभेत्।

होमेवह्निवासस्तथा खेटाहुतिफलम्

शुक्लपक्ष की १ से वर्तमान तिथि तक गिन कर एक युक्त करे और वर्तमान वार संख्या जोड़े फिर ४ का भाग देवे शेष ३।० बचे तो पृथ्वी में अग्नि-वास श्रेष्ठ। शेष १ रहे तो आकाश में वास प्राण हरे। शेष २ रहे तो पाताल में वास धन हानि करे। रविनक्षत्र से दिन नक्षत्र तक गिने। ३ ने.। ६ श्रे। ३ ने। ३ श्रे। ३ ने। ३ श्रे।६ने।

सर्व शुभ कार्येषु महापातो वर्ज्यः— यस्मिन्दिने महापातस्तदिनं वर्जयेच्छुभे। इतिनारदः। अन्यच्च– आद्यन्तकालयोर्मध्येकालोज्ञेयोतिदारुणः ॥ प्रज्वल ज्वलनाकारः सर्वकर्मसु गर्हितः। इति सूर्यसिद्धान्ते।

सर्वकार्येषु लग्नशुद्धिः –व्ययाष्टशुद्धोपचये लग्नगे शुभदृग्युतेचन्द्रे त्रिषड्दशायस्थेसर्वारम्भ प्रसिद्धयति

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथ सन्मुखचन्द्रदिशांप्रति

मेषे च सिंहे धनुपूर्वभागे वृषे च कन्या मकरे च याम्ये। युग्मे तुला कुंभसु पश्चिमायां कर्कालिमीने दिशि चोत्तरस्यां ॥१॥ फलं—सन्मुखे अर्थ-लाभाय दक्षिणे सुख संपदः। पृष्ठतः प्राणनाशाय वामे चन्द्रे धनक्षयः ॥२॥

अर्थ-मेष सिंह धनु पूर्व,वृ.कं.म.दक्षि. मि.तु.कुं.पश्चि.कर्क वृश्चि.मी. उत्तरे

अथ योगिनी चक्रम्

ईशान	पूर्व	आग्नेय
३०।८	१।९	३।११
	योगिनी सुखदा वामे, पृष्ठे वांछितदायिनी ॥ दक्षिणे धन हन्त्री च, सन्मुखेमरणप्रदा ॥१॥	
४।७	४।३	२।५
५।१०	७।२	६।१

अथ कालराहु चक्रम्

ईशान	पूर्व	आग्नेय
	शनि	
	अर्कोत्तरेवायुदिशांच सोमे भौमे प्रतिच्यांबुधनैऋतेच याम्येगुरौवह्निदिशांच शुक्रे मंदेचपूर्वे प्रवदन्तिकालम्॥	
४।५	७।६	८।५
५।४	७।६	८।५

अथ दिशाशूल चक्रम्

पूर्व
चन्द्र शनि
दिशाशूल लेजावो वामे
राहु योगिनी पूठ।
सम्मुख लेवे चन्द्रमा
ल्यावे लक्ष्मी लूट ॥

एकराशि के चन्द्र का घटी अनुसार वास

ईशान १४	पूर्व १७	अग्नि १५
उत्तर १५	सर्वघटी १३५	दक्षिण २१
वायव्य १६	पश्चिम १८	नैर्ऋत्य १६

अथ गुरुशुक्रयोरस्तेवर्जितकर्म

वापीकूपतडागयज्ञगमनं क्षौरं प्रतिष्ठां ततोविद्या मन्दिर कर्णवेधन महादानं गुरोः सेवनम्। तीर्थस्नान विवाह काम्य हवनं मन्त्रोपदेशं शुभं दूरेणैव जिज्ञीविषु परिहरेदस्तेगुरौ भार्गवे ॥१॥

घातचन्द्रे ग्राह्यकर्म

तीर्थयात्रा विवाहान्न प्राशनोपनयादिषु ॥ मांगल्य सर्वकार्येषु घातचन्द्रं न चिंतयेत्॥

वर्ज्याः—

युद्धे चैव विवादे च कुमारी पूजने तथा ॥ राजसेवा वाहनादौ घातचन्द्रं विवर्जयेत्॥

तृणकाष्ठादि संग्रह

वासवोत्तरदलादिपञ्चके याम्यदिग्गमनं गेहगोपनम् प्रेतदाहतृणकाष्ठसंग्रहं शय्यकावितननं च वर्जयेत् ॥१॥ धनिष्ठा का उत्तर दल. शत. पूर्वा भा.उ.भा.रे.इन नक्षत्रों में दक्षिण गमनगृह छावना माचाबनानातृणकाष्ठानिसंग्रहनहीं करना

अथ खात चक्रम्

	विवाहे	देवालये	गेहारम्भे	जलाशये	
रविः	२ । ३।४	१२।१२	५ । ६। ७	१०।११।१२	आग्नेयां खातं
रविः	११।१२।१	६।१०।११	२ । ३। ४	७ । ८। ९	नैऋत्यां खातं
रविः	८।९।१०	६। ७। ८	११।१२। १	४ । ५। ६	वायव्यां खातं
रविः	५।६। ७	३। ४। ५	८ ।९।१०	१ । २। ३	ऐशान्यां खातं

गेहारंभे वृषचक्रम्

रविभाद् गणना		
स्थान	न	फलं
शीर्षे	३	दाहः
अग्रपा	४	शून्य
[illegible] पा	४	स्थिरः
पृष्ठे	३	श्रीप्रा.
द.कुक्षौ	४	लाभः
पुच्छे	३	नाशः
वाकुक्षौ	४	नैःस्वं
मुखे	३	पीड़ा

गृहप्रवेशे कुम्भचक्रं

रविभाद् गणना		
स्थान	न	फलं
मुखे	१	अग्निदा
पूर्वे	४	उद्वसनं
याम्ये	४	लाभः
पश्चि	४	श्रीप्राप्ति
उत्तरे	४	कलहा-
गर्भे	४	विनाशः
गुदे	३	स्थिरः
कण्ठे	३	स्थिरः

सूर्यसंक्रान्ति से इतना दिन ५।७।९।१५ २१।२४ धरती सूती जानना सूर्यनक्षत्रात् ५।७।९।१२।१९।२६ भूशयनंकेचित्।

गेहारंभ मुहूर्तम्

शुभमासाः	त्रै.श्रा.मार्ग.पौष.फा.मे.वृष.कर्क.सिंह.तु.वृ.म कुं.एषु भेषु रवौ सति चैवश्रेष्ठः एतत् संक्रांतिरहिताः चै.ज्ये.आषा. भा. आ. का. पौ. माघ मासास्त्याज्याः सितेज्ययोरुदितयोः श्रेष्ठः।
भानिः	उत्तरा ३ मृ. पुष्य. अनु. ध. श. ह. चि. स्वा. रो रे. विपञ्चके।
वारः	चन्द्र बुध गुरु शुक्र शनि एषुवारेषु वत्स चक्र शुद्धौसेन्दुबलेश्रेष्ठः।
तिथयः	२.३.५.७. १०. ११. १२. १३. १५. कृष्णा १ भद्रादिदोषरहिते श्रेष्ठाः जाग्रति भूमौ।
लग्नशुद्धिः	लग्नात् १।४।५।६।१० एषुशुभैः। ३।६।११ एषु पापैः। १०मेशुद्ध। ८मे क्रूरानेष्टाः। ८।१२शुभा नेष्टाः। अर्केन्दीज्यशुक्रे विबलेस्तनीचरहिते २।३।५।६ व ९।११।१२ एषु लग्नेषु कार्यम्

गृहप्रवेश मुहूर्तम्

मासाः	वै.ज्ये. माघ. फा. उत्तरायणे रवौ श्रेष्ठा जीर्णे गृहेतुकार्तिक मार्ग श्रावणमासा अपि ग्राह्याः
भानिः	उत्तरा ३ अनु. रो. मृ. चि. रे. एषुद्वारस्थभेषुच कुम्भ चक्रशुद्धौ जीर्णेतु पुष्य. स्वा. ध. श. अपिग्राह्याः पापरहितेष्वविद्धभेषु।
वारा	चं. बृ. शु. शनि तिथयः १।२।३।५।६।७।८। १०।११।१२।१३ ग्राह्याः (शुक्ला १ नेष्टा)
लग्न	२।५।८।११ सत् ३।६।९।१२ मध्या तत्र सेन्दु लग्नम् नेष्टम्।
लग्नशुद्धिः	लग्नात् ४।८ शुद्धयोः १। २। ३। ५। ७। ९। १०। ११ एषु शुभैः ३।६। ११ एषु पापैः वामार्के सति शुभः दिवा रात्रौ वा सितेज्ययोरुदितयोः।

यज्ञोपवीत मुहूर्त ज्ञानाय चक्रम्

वाराः	सू.चं.बु.गु.शु. एषां वारे भद्रारुग्वाणादि दोषरहिते
तिथि	२।३।५।१०।११।१२ शुक्ले। कृष्णे तु.२।३।५ परन्तु नापराह्णे न प्रदोषे
सद्मानि	अ. ह. पु. उ. ३ रो. ऽश्ले. स्वा. पुन. श्र. ध. मृ. चि. मू. अनु. पू. ३ आ. रे.
लग्नशुद्धिः	३।६।११पापाः।२।७।१०।३ चन्द्रः।१।४।५।७श.। १० सौम्याः। ११ सर्वेशुभाः। चन्दशुक्र गुरुलग्नेशाः ६। ८ नेष्टाः। चन्दशुक्रौ १२ नियौ। लग्नात्१।५।८पापानेष्टाः।३।८।१२सौम्यानेष्टाः। पूर्णचन्दोवृषकर्कगतोलग्ने शुभोन्यथान लग्नेऽर्कःशुभः।माघादिपञ्चमासाःशुभाः।कवीज्ययोर्वृद्धत्वास्तशिशुत्वे न श्रेष्ठः। चैत्रे मीनार्केशुभम्

यात्रा मुहूर्तविचारः—ति. ६।१२।८।१५।३०।४।९।१४ सुदी १ त्याज्याः। अश्वि.पु.पु. अनु. मृ. ह. रे. श्र. ध. श्रेष्ठ। त्रिपञ्चसप्त—तारावर्जितानि। उ.३ शत. मू. ज्ये. पू. ३ रो. मध्यमाः। कृ.स्वा. आर्दा.त्रि. चि. श्ले. म.भ. पूर्वे ज्येष्ठाः। पञ्चकं दक्षिणस्यां। रो पश्चिमे। उत्तरा फा.उत्तरे। नेष्टानि॥ दिक्शूल योगिनी कालराहवादिदोष रहिते कुंभ कुंभांश विवर्जिते शुभेलग्ने। रवौकर्कमीनालि वर्जिते सति यात्रा कार्या। अथ यात्रायां लग्नशुद्धिः—केन्द्रे कोणे सौम्यखेटाः शुभास्युर्यानि पापास्त्रयायषट्खेषु चन्दः। नेष्टोलग्नान्यारि रन्ध्रे शनिः खेऽस्ते शुक्रो लग्नेट् नगान्यारिरन्ध्रे।

अन्यच्च—वक्रीग्रहः केन्द्रगतोऽस्य वर्गो लग्ने दिनं चास्य गमे निषिद्धम् मैत्रार्क पुष्याश्विनिभैर्निरुक्ता यात्रा शुभा सर्वदिशासु तज्ज्ञैः। घातचक्रोक्त तिथिवार नक्षत्र लग्न घातान्यपि वर्ज्यानि।

CC-0. Gurukul Kangri University, Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

नवलगढ लग्नसारिणी वर्षादौग्रहलाघवीयायनांशाः २४।०।० वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशा २३।१८।५२ पलमा ६।१९ पलांशा २७।४५

अंशाः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ल.मा
मेष ०	२ ४६	२ ५३	३ ०	३ ७	३ १४	३ २२	३ २९	३ ३६	३ ४४	३ ५३	४ १	४ ९	४ १७	४ २६	४ ३४	४ ४२	४ ५०	४ ५९	५ ७	५ १५	५ २३	५ ३२	५ ४०	५ ४८	५ ५७	६ ५	६ १३	६ २१	६ ३०	६ ३८	२१६
वृष १	६ ४६	६ ५४	७ ३	७ ११	७ १९	७ २७	७ ३६	७ ४४	७ ५४	८ ४	८ १४	८ २४	८ ३४	८ ४४	८ ५४	९ ४	९ १४	९ २४	९ ३४	९ ४४	९ ५४	१० ४	१० १४	१० २५	१० ३५	१० ४५	१० ५५	११ ५	११ १५	११ २५	२४८
मिथुन २	११ ३५	११ ४५	११ ५५	१२ ५	१२ १५	१२ २५	१२ ३५	१२ ४५	१२ ५५	१३ ८	१३ १९	१३ ३१	१३ ४२	१३ ५४	१४ ५	१४ १६	१४ २८	१४ ३९	१४ ५१	१५ २	१५ १४	१५ २५	१५ ३६	१५ ४८	१५ ५९	१६ ११	१६ २२	१६ ३४	१६ ४५	१६ ५७	३०१
कर्क ३	१७ ८	१७ १९	१७ ३१	१७ ४२	१७ ५४	१८ ५	१८ १७	१८ २८	१८ ४०	१८ ५१	१९ ३	१९ १५	१९ २६	१९ ३८	१९ ५०	२० १	२० १२	२० २४	२० ३५	२० ४७	२० ५९	२१ १०	२१ २२	२१ ३४	२१ ४६	२१ ५७	२२ ८	२२ २०	२२ ३२	२२ ४४	३४३
सिंह ४	२२ ५६	२३ ८	२३ २०	२३ ३१	२३ ४३	२३ ५५	२४ ६	२४ १८	२४ २९	२४ ४१	२४ ५२	२५ ४	२५ १५	२५ २६	२५ ३८	२५ ४९	२६ १	२६ १२	२६ २३	२६ ३५	२६ ४६	२६ ५८	२७ ९	२७ २०	२७ ३२	२७ ४३	२७ ५५	२८ ६	२८ १७	२८ २९	३५०
कन्या ५	२८ ४०	२८ ५२	२९ ३	२९ १४	२९ २६	२९ ३७	२९ ४९	३० ०	३० ११	३० २३	३० ३४	३० ४६	३० ५७	३१ ८	३१ २०	३१ ३१	३१ ४३	३१ ५४	३२ ५	३२ १७	३२ २८	३२ ४०	३२ ५१	३३ २	३३ १४	३३ २५	३३ ३७	३३ ४८	३३ ५९	३४ ११	३४९
तुला ६	३४ २२	३४ ३४	३४ ४५	३४ ५६	३५ ८	३५ १९	३५ ३१	३५ ४२	३५ ५४	३६ ५	३६ १७	३६ २९	३६ ४०	३६ ५२	३७ ४	३७ १५	३७ २७	३७ ३९	३७ ५०	३८ २	३८ १४	३८ २५	३८ ३७	३८ ४९	३९ ०	३९ १२	३९ २४	३९ ३५	३९ ४७	३९ ५९	३४२
वृश्चिक ७	४० १०	४० २२	४० ३४	४० ४५	४० ५७	४१ ९	४१ २०	४१ ३२	४१ ४३	४१ ५५	४२ ६	४२ १८	४२ २९	४२ ४१	४२ ५२	४३ ३	४३ १५	४३ २६	४३ ३८	४३ ४९	४४ १	४४ १२	४४ २३	४४ ३५	४४ ४६	४४ ५८	४५ ९	४५ २१	४५ ३२	४५ ४४	३५०
धनु ८	४५ ५५	४६ ६	४६ १८	४६ २९	४६ ४१	४६ ५२	४७ ४	४७ १५	४७ २५	४७ ३५	४७ ४५	४७ ५५	४८ ५	४८ १५	४८ २५	४८ ३५	४८ ४५	४८ ५५	४९ ५	४९ १५	४९ २५	४९ ३५	४९ ४५	४९ ५५	५० ६	५० १६	५० २६	५० ३६	५० ४६	५० ५६	३४३
मकर ९	५१ ६	५१ १६	५१ २६	५१ ३६	५१ ४६	५१ ५६	५२ ६	५२ १६	५२ २४	५२ ३३	५२ ४१	५२ ४९	५२ ५८	५३ ६	५३ १४	५३ २२	५३ ३०	५३ ३९	५३ ४७	५३ ५५	५४ ३	५४ ११	५४ १९	५४ २८	५४ ३६	५४ ४५	५४ ५३	५५ १	५५ १०	५५ १८	३०१
कुम्भ १०	५५ २६	५५ ३४	५५ ४२	५५ ५१	५५ ५९	५६ ७	५६ १६	५६ २४	५६ ३१	५६ ३८	५६ ४६	५६ ५३	५७ ०	५७ ७	५७ १५	५७ २२	५७ २९	५७ ३६	५७ ४३	५७ ५०	५७ ५७	५८ ५	५८ १२	५८ १९	५८ २६	५८ ३४	५८ ४१	५८ ४८	५८ ५५	५९ २	२४८
मीन ११	५९ १०	५९ १७	५९ २४	५९ ३१	५९ ३८	५९ ४६	५९ ५३	० ०	० ७	० १४	० २२	० २९	० ३६	० ४३	० ५०	१ ५८	१ ५	१ १२	१ १९	१ २६	१ ३४	१ ४१	१ ४८	१ ५५	२ २	२ १०	२ १७	२ २४	२ ३१	२ ३८	२१६

द्वादश राशिपरत्वे नवमहादिघातचक्रे तिथिनक्षत्रस्त्रीणां घातचक्रम्

राशि	मास	तिथि	नक्ष.	योग	कर	प	ल	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	र	स्त्री
मेष	कार्ति	नन्दा	मघा	विष्कु	वव	१	१	१	५	२	६	७	३	८	४	१
वृष	मार्ग	पूर्णा	हस्त	शू.	शकु	४	२	५	९	६	१०	१०	७	१२	८	८
मिथुन	आषा	भद्रा	स्वा	परि	चतु	३	४	९	१	१०	२	३	११	४	१२	७
कर्क	पौष	भद्रा	अनु	व्याघा	नाग	१	७	२	६	३	७	८	४	९	५	९
सिंह	ज्येष्ठ	जया	ज्येष्ठा	मूल	वव	११०	६	१०	२	११	३	१२	८	१	९	५
कन्या	भाद्र	पूर्णा	मूल	शूल	कौल	११२	१०	२	११	३	४	१२	५	१	६	३
तुला	माघ	रिक्ता	श्रव	शूल	तैति	४	६	३	१	४	८	९	५	१०	६	९
वृश्चि.	आश्वि	नंदा	शत	शूल	गर	१	८	७	११	८	१२	१	९	२	१०	२
धन	श्राव	जया	रेवती	व्यति	तैति	३	९	४	८	५	९	१०	६	११	७	१०
मकर	वैशा.	रिक्ता	भर	वरी	शकु	४	११	८	१२	९	१	२	१०	३	११	११
कुम्भ	चैत्र	जया	रोहि	वैधृति	किं	६	३	११	३	१२	४	५	१	६	२	५
मीन	फागुन	पूर्णा	आर्द्रा	गड	चतु	४	५	१२	४	११	५	६	२	७	३	१२
			अश्ले	वैधृ												

शिरामोक्ष (अग्रेशन) मुहूर्तम्—अश्वि. रो. मृ. पुष्य. ह. चि. स्वा. अनु. ऽमि श्रः एषु मेषु रवि भौम गुरु वारेषु । वस्तिविरेचनवेधारम्भ. गुरु. शुक्र वारेषु शुभतिथिषु शुभदिनतिथिचन्द्रलग्नेषु । बुध शनि रहित दिने वसनाद्यं कर्म शुभं ।

शांतिकं धर्मकृत्य (पुराणश्रवण कोटि होमादि कर्म मुहूर्तम्—अश्वि. तिथिप्रभृद्युधवसंज्ञके भृगुज वाक्पति पूर्ण जयातिथौ । शकट नाव सुखासन शिल्पकं भ्रमण कार्य रहवक सिद्धिम् ।। ऽश्वि.रो.मृ. पुन.पु.उ३ह.चि.ऽधु.तिथि३।५।८।१०।१३।१५ शु.शु.वार को गाडा,नाव,पालकी, चलाना श्रेष्ठ (गुरुज्ञ लग्न वर्गेषु प्रारम्भस्तद्बले सति) ॥

अथ कस्मिन्वर्षसि भाग्योदयस्तद्विचारमाह—भाग्याधिपश्चेद्यदिकेन्द्र संस्थश्चाद्ये वयस्येष सुखोदयः स्यात् । त्रिकोणगः स्वोच्चगतोऽथवाचेन्मध्येवयस्यास्य फलः प्रदः स्यात् ॥ भाग्याधिनाथः स्वगृहेऽथमित्रगृहेऽथ वास्याद्वयसोन्त्य भागे । भाग्योदयं तस्य वदंतितज्ज्ञाः शुभग्रहेन्द्रैश्चयुतेक्षितेवा अथायुपर्यन्त सुखयोगः । नवम भावपतिर्यद्दिकेन्द्रगो नवमपंचमगश्च यदाभवेत् । प्रसवलग्न पतिर्यदितुङ्गगः सुखसमृद्धियुतोमरणांतकः ॥१॥ नवमभावगतः स्वगृहेशनिर्भवति चेत्स महेश्वर यज्ञकृत् । अतिशयं कुरुते जयसंयुतं नृपतिवाहनचिन्हसमन्वितम् क्रूराधर्मे धर्महीनं कर्कशं चपलं तथा । सौम्याः कुर्वंति भाग्याढ्यं दयालुं प्रियभाषिणम् । गुरुर्भाग्ये भवेन्मत्री महाभाग्योऽखिलेश्वरः अचलेऽपिशुभेखेटे भाग्यस्थेधार्मिकोनरः । पूर्णेंदुयुक्तौ रविभूमिपुत्रौ भाग्यस्थिशौसौम्यसमन्वितौच । वन्शानुमानात् सचिवं नृपं वाकुर्वन्ति सौम्योत्थद्दशाविशेषात् ।

मूलजनने वृक्ष विभाग फलम्

मूल	स्तंभ	त्वचा	शिखा	पत्र	पुष्प	फलम्	शाखा
७	८	१०	११	१२	५	४	३
मूल नाशः	वंश क्षयः	मातृ पीडा	मातुल नाशः	राज्य लाभ	राज मंत्री	राज प्राप्ति	अल्प आयुः

ज्येष्ठा जनने वृक्ष फलम्

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
मनोभिहना	भ्रातृहना.	मातुलनाशः	मातृ नाशः	अत्य नाशः	क्षेत्र नाशः	उच्चकुलना	ज्येष्ठभ्रातृना	श्वसुरनाशः	सर्व नाशः

आश्लेषा जनने अङ्ग विभाग फलम् ।

फलम्	पुष्प	दल	शिखा	त्वचा	स्कन्द
१०	५	९	७	१३	४
श्रीः	श्रीः	राज भय	हानिः	मातृ नाशः	आत्म नाशः

शिव बास ज्ञान—तिथि को दूनि करके पांच और मिलावे सात का भाग दे । शेष १ बचे तो कैलाश श्रेष्ठः । २ में गौरी पार्श्वे, श्रे । ३ में बृषारू श्रे । ४ सभायां सम । ५ ज्ञानबेलायांः श्रे । ६ क्रीड़ायां दुःख । ७ स्मशाने मृत्युः ।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

मुम्बई लग्न सारिणी—अक्षांशाः १८।५७ पलभा ४।८ अयनांशाः २३

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ल.मा.
मेष ०	३ ३	३ ११	३ १९	३ २७	३ ३५	३ ४३	३ ५१	३ ५९	४ ८	४ १६	४ २६	४ ३४	४ ४३	४ ५२	५ १	५ १०	५ १९	५ २८	५ ३७	५ ४५	५ ५४	६ ३	६ १२	६ २१	६ ३०	६ ३९	६ ४७	६ ५६	७ ५	७ १४	२३९
बृष १	७ २३	७ ३२	७ ४१	७ ५०	८ ५८	८ ७	८ १६	८ २५	८ ३५	८ ४६	८ ५६	९ ६	९ १६	९ २७	९ ३७	९ ४७	९ ५७	१० ८	१० १८	१० २८	१० ३८	१० ४९	१० ५९	११ ९	११ २०	११ ३०	११ ४०	११ ५०	१२ १	१२ ११	२६९
मि० २	१२ २१	१२ ३१	१२ ४२	१२ ५२	१३ २	१३ १२	१३ २३	१३ ३३	१३ ४४	१३ ५५	१४ ७	१४ १८	१४ २८	१४ ४०	१५ १	१५ ३	१५ १४	१५ २५	१५ ३७	१५ ४८	१५ ५९	१६ १०	१६ २१	१६ ३२	१६ ४३	१६ ५५	१७ ६	१७ १७	१७ २८	१७ ३९	३०८
कर्क ३	१७ ५१	१८ २	१८ १३	१८ २४	१८ ३५	१८ ४७	१८ ५८	१९ ९	१९ २०	१९ ३०	१९ ४२	१९ ५३	२० ४	२० १५	२० २६	२० ३८	२० ४९	२१ ०	२१ ११	२१ २२	२१ ३३	२१ ४४	२१ ५५	२२ ६	२२ १७	२२ २८	२२ ३९	२२ ५०	२३ १	२३ १०	३३६
सिंह ४	२३ २४	२३ ३५	२३ ४६	२३ ५६	२४ ७	२४ १८	२४ ३०	२४ ४१	२४ ५२	२५ २	२५ १३	२५ २४	२५ ३४	२५ ४५	२५ ५५	२६ ६	२६ १७	२६ २७	२६ ३८	२६ ४९	२६ ५९	२७ १०	२७ २०	२७ ३१	२७ ४२	२७ ५२	२८ ३	२८ १४	२८ २४	२८ ३५	३३८
कन्या ५	२८ ४६	२८ ५६	२९ ६	२९ १६	२९ २७	२९ ३८	२९ ४९	३० ०	३० ११	३० २२	३० ३३	३० ४३	३० ५३	३१ ४	३१ १४	३१ २५	३१ ३६	३१ ४६	३१ ५७	३२ ८	३२ १८	३२ २९	३२ ३९	३२ ५०	३३ १	३३ ११	३३ २२	३३ ३३	३३ ४३	३३ ५४	३१९
तुला ६	३४ ५	३४ १५	३४ २६	३४ ३६	३४ ४७	३५ ५७	३५ ८	३५ १९	३५ ३०	३५ ४१	३५ ५२	३६ ३	३६ १४	३६ २५	३६ ३६	३६ ४८	३६ ५९	३७ १०	३७ २१	३७ ३२	३७ ४३	३७ ५४	३८ ५	३८ १६	३८ २७	३८ ३८	३८ ४९	३९ ०	३९ ११	३९ २२	३१९
वृश्चि ७	३९ ३४	३९ ४५	३९ ५५	४० १०	४० १८	४० २९	४० ४०	४० ५१	४१ २	४१ १३	४१ २५	४१ ३६	४१ ४७	४१ ५८	४२ ९	४२ २१	४२ ३३	४२ ४३	४२ ५४	४३ ५	४३ १७	४३ २९	४३ ३९	४३ ५०	४४ १	४४ १३	४४ २५	४४ ३५	४४ ४६	४४ ५७	३३२
धन ८	४५ ९	४५ २०	४५ ३१	४५ ४२	४५ ५३	४६ ५	४६ १६	४६ २७	४६ ३७	४६ ४८	४६ ५८	४७ ८	४७ १८	४७ २९	४७ ३९	४७ ४९	४७ ५९	४८ १०	४८ २०	४८ ३०	४८ ४०	४८ ५१	४९ १	४९ ११	४९ २२	४९ ३२	४९ ४२	४९ ५२	५० ३	५० १३	३३६
मकर ९	५० २३	५० ३३	५० ४४	५० ५४	५१ ४	५१ १४	५१ २५	५१ ३५	५१ ४५	५२ २	५२ १०	५२ २१	५२ ३१	५२ ४२	५२ ५२	५३ २	५३ १३	५३ २३	५३ ३३	५३ ४४	५३ ५४	५४ ५	५४ १५	५४ २६	५४ ३६	५४ ४७	५४ ५७	५५ ८	५५ १८	५५ २९	३०८
कु. १०	५५ ३९	५५ ४९	५५ ५९	५६ १०	५६ २०	५६ ३१	५६ ४१	५६ ५२	५७ २	५७ १३	५७ २३	५७ ३३	५७ ४४	५७ ५४	५८ ५	५८ १५	५८ २६	५८ ३६	५८ ४७	५८ ५७	५९ ८	५९ १८	५९ २९	५९ ३९	५९ ५०	५९ ५९	६० ११	६० २२	६० ३२	६० ४३	२६९
मी.११	५९ ४	५९ १२	५९ २०	५९ २९	५९ ३७	५९ ४५	५९ ५०	६० ०	० ०	० ८	० १६	० २४	० ३२	० ४०	० ४८	० ५६	१ ४	१ १२	१ २०	१ २८	१ ३६	१ ४२	१ ४९	२ ७	२ १५	२ २३	२ ३१	२ ३९	२ ४०	२ ५५	२३९

कलकत्ता लग्न सारिणी—तत्रक्षांशाः २२।२४ पलभा ४।५६ अयनांशाः २३ यह सारिणी २२।३० साढ़े बाईस अक्षांश (टेलीग्राफ) के समीपस्थ सब स्थानों में काम आवेगी। जैसे द्वारका, बड़ौदा, इन्दौर, उज्जैन, बरहान, भोपाल, अहमदाबाद, जबलपुर, मांडवी–हरदा

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ल.मा.
मेष ०	२ ५६	३ ३	३ ११	३ १८	३ २६	३ ३४	३ ४१	३ ४९	३ ५६	४ ६	४ १५	४ २४	४ ३२	४ ४१	४ ४९	४ ५८	५ ७	५ १५	५ २४	५ ३३	५ ४१	५ ५०	५ ५८	६ ७	६ १६	६ २४	६ ३२	६ ४२	६ ५०	६ ५९	२२९
वृष १	६ ८	६ १६	६ २५	६ ३३	७ ४२	७ ५१	७ ५९	८ ८	८ १८	८ २८	८ ३८	८ ४९	८ ५९	९ ९	९ १९	९ २९	९ ३९	९ ५०	१० ०	१० १०	१० २०	१० ३०	१० ४०	१० ५१	११ १	११ ११	११ २०	११ ३१	११ ४१	११ ५२	२५९
मि० २	१२ २	१२ १२	१२ २२	१२ ३२	१२ ४२	१२ ५३	१३ ३	१३ १३	१३ २४	१३ ३६	१३ ४७	१३ ५८	१४ ९	१४ २१	१४ ३२	१४ ४३	१४ ५३	१५ ६	१५ १७	१५ २९	१५ ४०	१५ ५१	१६ २	१६ १४	१६ २५	१६ ३६	१६ ४८	१६ ५९	१७ १०	१७ २२	३०५
कर्क ३	१७ ३३	१७ ४४	१७ ५५	१८ ६	१८ १७	१८ २८	१८ ४१	१८ ५२	१९ ३	१९ १५	१९ २६	१९ ३७	१९ ४८	२० ०	२० ११	२० २२	२० ३४	२० ४५	२० ५६	२१ ८	२१ १९	२१ ३०	२१ ४१	२१ ५३	२२ ४	२२ १५	२२ २७	२२ ३८	२२ ४९	२३ १	३३९
सिंह ४	२३ १२	२३ २३	२३ ३४	२३ ४६	२३ ५७	२४ ८	२४ २०	२४ ३१	२४ ४१	२४ ५२	२५ ३	२५ १४	२५ २५	२५ ३६	२५ ४७	२५ ५८	२६ ९	२६ २०	२६ ३१	२६ ४२	२६ ५३	२७ ४	२७ १५	२७ २६	२७ ३७	२७ ४८	२७ ५९	२८ १०	२८ २१	२८ ३२	३३९
कन्या ५	२८ ४३	२८ ५४	२९ ५	२९ १४	२९ २७	२९ ३८	२९ ४९	३० ०	३० ११	३० २२	३० ३३	३० ४४	३० ५५	३१ ५	३१ १६	३१ २६	३१ ३८	३१ ४९	३२ ०	३२ ११	३२ २२	३२ ३३	३२ ४४	३२ ५५	३३ ६	३३ १७	३३ २८	३३ ३९	३३ ५०	३४ १	३२९
तुला ६	३४ १२	३४ २३	३४ ३४	३४ ४५	३४ ५५	३५ ७	३५ १९	३५ २९	३५ ४०	३५ ५२	३६ ३	३६ १४	३६ २५	३६ ३७	३६ ४८	३६ ५९	३७ ११	३७ २२	३७ ३३	३७ ४५	३७ ५६	३८ ७	३८ १८	३८ ३०	३८ ४१	३८ ५२	३९ ४	३९ १५	३९ २६	३९ ३८	३२९
वृश्चि ७	३९ ४९	४० ०	४० ११	४० २३	४० ३४	४० ४५	४० ५७	४१ ८	४१ १९	४१ ३१	४१ ४२	४१ ५३	४२ ४	४२ १६	४२ २७	४२ ३८	४२ ५०	४३ १	४३ १२	४३ २४	४३ ३५	४३ ४६	४३ ५७	४४ ९	४४ २०	४४ ३१	४४ ४३	४४ ५४	४५ ५	४५ १७	३३९
धन ८	४५ २८	४५ ३९	४५ ५०	४६ १	४६ १३	४६ २४	४६ ३६	४६ ४७	४६ ५७	४७ ७	४७ १७	४७ २८	४७ ३८	४७ ४८	४७ ५८	४८ ८	४८ १८	४८ २९	४८ ३९	४८ ४९	४८ ५९	४९ ९	४९ १९	४९ ३०	४९ ४०	४९ ५०	५० ०	५० १०	५० २०	५० ३१	३३९
मकर ९	५० ४१	५१ १	५१ १	५१ ११	५१ २१	५१ ३२	५१ ४२	५१ ५२	५२ ०	५२ ९	५२ १८	५२ २७	५२ ३५	५२ ४४	५२ ५२	५३ १	५३ १०	५३ १८	५३ २७	५३ ३६	५३ ४४	५३ ५३	५४ १	५४ १०	५४ १९	५४ २७	५४ ३६	५४ ४५	५४ ५३	५५ २	३०५
कु. १०	५५ ११	५५ १९	५५ २७	५५ ३६	५५ ४५	५५ ५४	५६ २	५६ ११	५६ १९	५६ २६	५६ ३४	५६ ४२	५६ ४९	५६ ५७	५७ ४	५७ १२	५७ २०	५७ २७	५७ ३५	५७ ४३	५७ ५०	५७ ५७	५८ ५	५८ १३	५८ २१	५८ २८	५८ ३५	५८ ४४	५८ ५१	५८ ५८	२५९
मीन ११	५९ ७	५९ १४	२२	२९	२७	४५	५२	० ०	० ८	० १५	२३	३१	३८	४६	५३	१ ९	१ १६	२४	३२	४०	४७	४८	२ १०	२ १७	२ २५	२ ३३	२ ४४	२ ५१	२२९

मुम्बई तथा कलकत्ते में लग्न देखना हो तो उसी गांव की लग्नसारिणियों से देखना चाहिये इन्हीं सारणियों से मुम्बई कलकत्ते का दिनमान भी निकलेगा। विधि–जिस दिन दिनमान देखना हो उस दिन के सूर्य का राशिअंश देखकर सारिणी में राशि के अंश बराबर हो उसी राशि से ऊपरी अङ्कों को घटाओ शेष घट्यादि दिनमान होगा उसमें २ घ० क्षण और जोड़ दो तो ठीक दिनमान होगा। उसमें से सूर्योदय का घंटा मिनट घटाने से सूर्यास्त का घंटा मिनट होगा। दिनमान के घंटों के नीचे जो अंक हों उनमें से पहिले के लिये हुए अङ्कों को घटाओ शेष घट्यादि दिनमान होगा उसमें २ घ० क्षण और जोड़ दो तो ठीक दिनमान होगा। उसमें से सूर्योदय का घंटा मिनट घटाने से सूर्यास्त का घंटा मिनट होगा।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

वार तिथि नक्षत्रेषु—सुयोगकुयोगादिज्ञानायचक्रम् ।

योगाः	ति. न.	रविः	चन्द्र	भौमः	बुधः	गुरुः	शुक्रः	शनिः
सिद्धियोगः	तिथिः	+	+	३–८ १३	२–७ १२	५–१० १५	१–६ ११	४–९ १४
ककचयोगः	–	१२	११	१०	९	८	७	६
मृत्युयोगः	–	१–६ ११	२–७ १२	१–६ ११	३–८ १३	४–९ १४	२–७ १२	५–१० १५
दग्धा	–	१२	११	५	३	६	८	९
विषाख्या	–	४	६	७	२	८	९	७
हुताशनाः	–	१२	६	७	८	९	१०	११
ऽमृतसिद्धिः	भानि	हस्त	श्रवण	ऽश्वि	ऽनु	पुष्य	रेवती	रोहि.
सिद्धिः	–	मूल	श्रवण	उभा	कृत्ति.	पुन	पूफा	स्वाती
चरयोगः	नक्षत्र	पूभा	आर्द्रा	विशा.	रोहि.	शत	मघा	मूल
उत्पातः	भानि	विशा	पूषा	धनि	रेवती	सेहि.	पुष्य	उफा
मृत्युः	–	ऽनु	उषा	शतता	ऽश्वि.	भृग	ऽश्ले	हस्त
काणः	–	ज्येष्ठा	ऽभि	पूभा	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा
कालयोगः	–	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठा	ऽभि	पूभा
यमघंटः	–	मघा	विशा	आर्द्रा	मूल	कृत्ति.	रोहि.	हस्त
यमदंष्ट्रा	–	मघा धनि	मूल विशा.	कृति. भरणी	पुन. रेवती	उषा अश्वि	रोहि. अनु.	श्रवण शत
दग्धभानि	–	भरणी	चित्रा	उषा	धनिष्ठा	उफा	ज्येष्ठा	रेवती
सर्वार्थसिद्धिः	–	मू.उ२ ह ऽश्वि पुष्य	ऽनुरा. श्र.रो. मृ.पुष्य	उभा ऽश्विक्ल ऽश्लेषा	ह.कृ. रो.ऽनु मृ.	पुन.पु रे.ऽनु ऽश्वि.	ऽश्वि. रे.ऽनु पुन.श्र	ध. रो. स्वाती
वारवेला	याम घटी	४ ३।।।	७ ३।।।	२ ३।।।	५ ३।।।	८ ३।।।	३ ३।।।	६ ३।।।
कुलिकः	मुहूर्त्त	१४	१२	१०	८	६	४	२
कंटकः	–	६	४	२	१४	१२	१०	८
कालवेला	–	८	६	४	२	१४	१२	१०
अर्धयामः	–	७	९	३	९	१५	५	१
यमघंटः	–	१०	८	६	४	२	१४	१२
दुष्टक्षणः	–	७–१४	१३ १४	६ ४	८–९ १०	१५ १६	५–४ ६–९	१ २
विषघटी	–	२०	२	१२	१०	७	५	२५

दग्धभानि=मुसल । संवर्तः=ति ५ रवि. ति. १ बुध. ।

तिथि चक्रम्—

तिथिः	तिथी शाः	नंदादि संज्ञा	निंद्य योगाः	दग्ध लग्ना.	प.रंध्र तिथि.	आवश्यके त्याज्य.	दग्धा.सूरा वशात्	त्याज्य योगाः
१	अग्नि	नंदा	उषा	तु. म.	–	घटी	–	–
२	ब्रह्मा	भद्रा	ऽनु	–	–	–	ध.मी.	–
३	गौरी	जया	उ० ३	सिं.म.	–	–	–	–
४	गणेश	रिक्ता	+	–	ति. ४	घ. ८	बृ. कु.	–
५	सर्प	पूर्णा	मघा	मि.कं.	–	–	–	ह.रवि
६	स्कंद	नंदा	रोहि.	–	ति. ६	घ. ९	मे. क.	मृ. चं.
७	रवि	भद्रा	ह. मू.	ध. क.	–	–	–	ऽश्विभ
८	शिव	जया	पूभा	–	ति. ८	घ. १४	मि. क	ऽनु.बु
९	दुर्गा	रिक्ता	कृ.	क.सिं.	ति. ९	घ. २५	–	पुष्यशु
१०	कालः	पूर्णा	+	–	–	–	सिं.वृ.	रे. शु.
११	विश्वे	नन्दा	रोहि.	घ.मी.	–	–	–	रो.श.
१२	हरिः	भद्रा	ऽश्ले	–	ति.१२	घ.१०	तु.म.	–
१३	कामः	जया	चि.स्वा.	बृ.मी.	–	–	–	–
१४	शिवः	रिक्ता	०	–	ति.१४	घ. ५	–	–
१५	शशिः	पूर्णा	०	–	–	–	–	–
३०	पितरः	+	०	–	–	–	–	–

दिन का चौघड़िया

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
ला	शु	चं	का	उ	अ	रो
अ	रो	ला	शु	चं	का	उ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
शु	च	का	उ	अ	रो	ला
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का

रात्रि का चौघड़िया

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श
शु	चं	का	उ	अ	रो	अ
अ	रो	ला	शु	चं	का	उ
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
ला	शु	चं	का	उ	अ	रो
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का

भद्राया मुखपुच्छ घटी ज्ञानम्

४	८	११	१५	३	७	१०	४	आसांतिथीनाम्
प	आ	उ.	ने	ई	द	वा.	पू.	आसुदिग्विदिक्षु
५	२	७	४	८	३	६	१	एषु ग्रामेष्वादौ
५	५	५	५	५	५	५	५	विष्टेर्मुखध.५कृ. शुभं
८	१	६	३	७	२	५	४	एषुग्रामेष्वन्त्यम्
३	३	३	३	३	३	३	३	घटीत्रयंपुच्छंशु. शुभं

मासेषु शून्यतिथ्यादयः

मासाः	शून्यतिथयः पक्ष द्वये	कृष्णे पक्षे	शुक्ले पक्षे	शून्य भानि ○	शून्य राशिः	मन्वादिः तिथिः	युगादिः तिथि
चैत्र	८–९	–	–	ऽश्वि.रो	कुंभ	शु.३–१५	शु. ३त्रेता
वैशा.	१२	–	–	चि. स्वा	मीन	+	–
ज्येष्ठ	–	१४	१३	उषा. पु.	वृष	शु. १५	–
आषा.	–	६	७	पूफा. ध	मिथुन	शु१०.१५	–
श्राव.	२–३	–	–	उषा. श्र	मेष	कृ.३०–८	–
भाद्र.	१–२	–	–	श. रे.	कन्या	शु. ६	कृ१३द्वाप.
आश्वि	१०–११	–	–	पूभा	वृश्चि	शु. ९	–
कार्ति.	–	५	१४	म. कृ.	तुला	शु१२.१५	शु.९कृत
मार्ग.	७–८	–	–	वि.चि	धन	शु. ७	–
पौष.	४–५	–	–	आऽश्वि.ह.	कर्क	शु. ११	–
माघ.	–	५	६	श्र. मू.	मकर	शु. ७	कृ३०कलि
फाल्गु	–	४	३–	भ. ज्ये.	सिंह	शु. १५	–

कार्यविशेषवर्ज्याः — गृहप्रवेशेयात्रायां विवाहे च यथाक्रमम् । भौमैश्विनीशनौ त्राह्यं गुरौपुष्यं विवर्जयेत् ॥

अथैतेषांकुयोगानांपरिहारः—कुयोगास्तिथिवारोत्थातिथिभोत्थाभवारजाः ॥ हूणवंगखशेष्वेव वर्ज्यास्त्रितयजास्तथा ॥ पंचधकाणदग्धानिनासशून्याश्च राशयः।गौड मालवयोस्त्याज्या अन्यदेशे न गर्हिता ॥२॥ मृत्युकककचदग्धादीनिन्दौशस्ते शुभांजगुः । केचिद्यामोत्तरं चान्ये यात्रायामेव निंदितान् ॥ यमघंटे त्यजेदष्टौ मृत्यौ द्वादशनाडिकाः अन्येषांतु कुयोगानां मध्याह्नात्परतः शुभम् ॥ वारर्क्षतिथि योगेषु यात्रामेव विवर्जयेत् । विवाहादीनि कुर्वीत गर्गादीनामिदंवचः । कुयोगः सिद्धियोगश्च यदिस्यातावुभावपि । सुयोगोहंति दुर्योगंकार्यसिद्धौ शुभावहः। ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ध्वांक्षः मुद्गर.वज्र योगों की ५ घटीत्याज्यहैं । काण और मुसल की २ घटी । पद्म.व.लुम्ब.की ४घटी । धूम्र की १ घटी। शूल और गदकी ७घटी । चरयोगमें ३ घटी । परिघ का पूर्वार्ध गंड अतिगंड की आटिकी ६ घटी व्याघातकी९घटी और मृत्यु-काल-उत्पात तथा राक्षस यह संपूर्णत्याज्यहैं ॥ विरुद्धयोगास्तिथिवारजाता नक्षत्रवारप्रभवाश्चयेच । हूणेषुवंगेषु खशेषुवर्ज्याः शेषेषु देशेषु न ते निषिद्धाः ॥ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ वधबंधविषाग्न्यस्त्रच्छेदनोच्चाटनादिकं तुरंगमहिषोष्ट्रादिकर्मविष्ट्यांतु सिद्ध्यति नकुर्यान्मंगलं विष्ट्यां जीवित्तार्थीकदाचन । आवश्यके परिहारः-कुम्भकर्कद्वयेमर्त्ये स्वर्गेऽब्जेऽजात्रयेऽलिगे स्त्रीधनुर्जूक नक्रेऽधो भद्रा तत्रैव तत्फलम् ॥ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

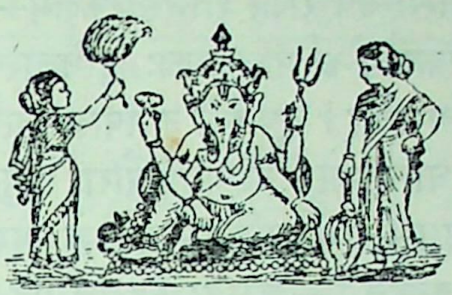

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद पँकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तयसाँ राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्किन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०४५ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकालिः ५०४५ भोग्यकालिः ४२६९५५ अथास्मिन्सम्बत्सरे श्रीमन्नृपति–वीरविक्रमादित्य राजतोगताब्दाः सम्वत् २००१ शाकः १८६६ वर्षेऽमिन् राजा शनिः । मंत्रों गुरुः । सस्येशो रविः । धान्येशो भृगुः । मेघेशो बुधः । रसेशश्चन्द्रः । नीरसेशः शनिः । फलेशो भौमः । धनेशः शनिः दुर्गेशो बुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्येविष्णुविंशतिकायां हेमलम्ब–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्क–समये गतमासादिः १।१७।४३।३६ भोग्यमासादिः १०।१२।१६।२४ पितृ-दैवतंयुगम् । वर्षनाम माघः । मेघनाम आवर्तः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकार गृहे (चड़सा में) समय विश्वा १० । समय वाहनं महिषः । स्तम्भ १ जलस्य । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी १ । अङ्गार की चतुर्थी २ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी २ समय मुहूर्ताः ३६० । समय दिनानि ३५५ । तिथि क्षयः १२ । तिथि वृद्धिः ७ । उत्पति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा ५. धान्य ११. तृण १३. शींत १३. तेज १३ वायु ७ शनि दृष्टिः पूर्वे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रह ऐक्पं २१३ । सत्यं ॥. धर्म ५॥. पाप १८ ग्रहणं १ सूर्यस्य भारते ।

संं २००१ श्रावण कृष्णा
३० र्या गुरौ कँकणा
कृति सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मी.
रेल्वे	८	१०	११
टाइम	३७	१७	५१
देशी	८	९	११
टाइम	४	४३	२४

वर्ष लग्नम् ४।१९

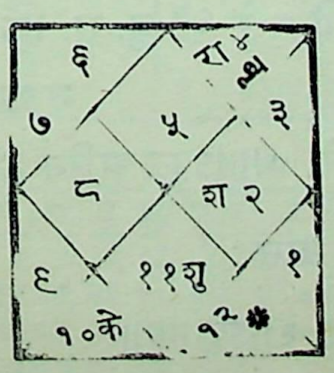

भैरव भवानी सम्वाद

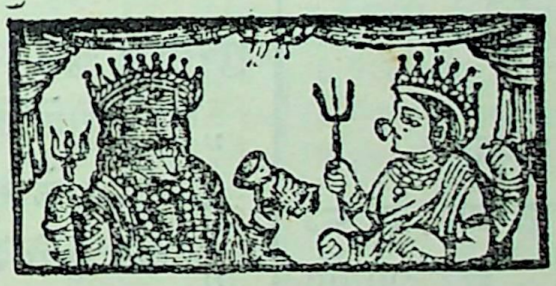

मै. प्र. श्री जगदम्बे ईम्वरी भैरव पूछे तोय ।
विक्रम सम्वत् एक का हाल सुनादे मोय
भ. उ. सुनहो भैरव लाडला संवत्सर का सार ।
घर घर बजे वधावणा घर घर मंगलाचार
राजा रविनन्दन वर्ष में है यह अपनी चाल चले न्यारी ।
कहिं युद्ध मचे भूकम्प कहीं आपस में क्रोध बढै भारी ॥
सागर में वास रोहिणा का है मालाकार समय वासा ।
वषा ऋतु के आरम्भ हये धरणी पर वर्षा हो खासा ॥
आषाढ मास में वर्षा कर श्रावण में मध्यम वर्षावे ।
भादों में कहीं पर प्रलय रूप कहिं देख देखकर तरसावे ॥
धर्म विरोधी धर्म डुबोवें खोठी चाल चला करके ।
ठग ठग खावें माल जगत में झूठा धर्म बढा करके ॥
इन्द्र पुरोहित मंत्री पद पर जिनकी ईश सहयाय करें ।
है आदि सनातद धर्म जिनों का छिन में बेड़ा पार करें ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५
राशि	बु	बृ	ध	म	कु	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ०।३

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४२।०। केतकी मतेन वेधंसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३।४६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन्वर्षे राजा शनिस्तत्फलम्—शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूत-रोगैः परिपीड़िता जना युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमंतिलोकाः क्षुधिताश्चदेशान् ॥ मंत्री गुरुस्तत्फलम्—विविध धान्ययुता खलुमेदिनी प्रचुरतोयघना मुदिताभवेत्। नृपतयो जनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननुमंत्रिपदंगते। सस्येशो रविस्तत्फलम्—सस्याधिनाथे तरणौहिपूर्वं धान्यंसमर्घं बहवोपिचौराः। युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पंच सस्यं बहुभूरुहाश्च ॥ धान्येशः शुक्रस्तत्फलम्—भृगौ पश्चिमधान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति। सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरंगवामपि ॥ मेघेशो बुधस्तत्फलम्—अमृतरश्मिसुतेयदिवारिपे वहुजलं तुषधान्य रसादिकम्। द्विजवरा यजनोत्सुक मानसाः विविधसौख्ययुता धरणीतदा। रसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्—यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां बुभुजे युवतीं प्रियाम् जलधरा बहुवारि विधायकाः रसवती धनधान्यवती मही ॥ नीरसेशः शनि-स्तत्फलम्—त्रपुपिंडादि लोहानां कृष्णवस्त्रादि वस्तुनाम्। अर्घवृद्धिःप्रजायेत मन्दे नीरसनायके ॥ फलेशोभौम-स्तत्फलम्—फलपतिर्यदि भूतनयोभवेत् सुबहुपुष्पफलान्वितमेदिनी। गतभया नृपदेशजनास्तदा नृपायो बहु विग्रहकारकाः। धनेशः शनिस्तत्फलम्—द्रविणपे रविजे विरलंधनं गदरता धरणीपतयस्तदा। अधनिकावणिजः कृषिजीविनो द्विजवरापरिपीडित मानसाः ॥ दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्—विषयसाम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राशि गते तु विशेषतः। शशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुजां न भयं वचचित् ॥ वर्षनाम मावस्तत्फलम्—सु भीक्षं पूर्वयाम्यायां मध्यमं पश्चिमे तथा उत्तरे रौरवं माघे वर्षे धान्यमहर्घता ॥ हेमलम्बसम्वत्सरस्तत्फलम्—आकुला हेमलम्बेषु मध्यसस्यार्घवृष्टिभिः। प्रयातिभूपतिक्षोभंबहुविद्युल्लतादिभिः ॥ मेघनाम आवर्तस्तत्फलम्—आवर्ते छिन्न वृष्टिश्च। रोहिणी निवासः समुद्रे फलं— समुद्रे तु महावृष्टिः। समय निवासो—मलाकार गृहे तत्फलम्—मालिनः प्रचुरावृष्टिः। एवं संचिन्त्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्।

सं० २००१ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ११ गुरौ उफा. ल. ऽन्यगो. रे ७ऽश

,, ११ गुरौ हस्ते ल. १२ चं. पू. सत्. रे. ८ऽ सू. ऽ।।।।।।।

,, १२ शुक्रे हस्ते ल. ऽन्यगो. रे. ८ऽसू. ऽ।।।।।।।

,, १३ शनौ स्वात्यां ल. ११ (५२।३६ घ. उ.) रे ८।।।।ऽ बु. शु. ।।ऽ।।

ज्येष्ठ मासः

१० बुधे उभा. ल. ११ १ रे. ८।।।।।ऽऽ।।

,, गुरौ रेव. ११-१ रे ८।।।।।ऽनु।ऽ।।

पौष मास;

कृष्णा ७ बुधे मघा. ल. ६ रे. ७ऽचं ऽ।।।।ऽ।।

,, ८ शुक्रे उ.फा..ल ७रे ७।।ऽवृ ।।।ऽऽ२२।।

,, ११ चन्द्रे स्वात्यां ल. ६ रे७ऽरा।।।।।ऽ२५।।

माघ मासः

शुक्ला ५ गुरौ उभा. ल. ८ रे ८।।।।ऽबृऽ।।।

,, ६ शुक्रे उभा. ल. ऽन्यगो. रे. ८।।।।वृ।ऽ।।।

,, ६ शुक्रे रेव. ल.८ रे. ७।।ऽवृ. ।ऽचौ.।ऽ।।

,, ७ शनौ रेव. लऽन्यगो. रे. ७।।।ऽवृ।ऽचौ।ऽ।।

,, ११ बुधे मृगे ल. गो. रे. ७।।।।।ऽ।।ऽऽ

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ बुधे उफा. ल. गो. ८ रे. ८।।ऽवृ।।।।ऽ।।

,, ७ रवौ स्वा.ल.ऽन्यगो.८रे६ऽबुरा।।।।ऽ।।

,, ७ रवौ स्वा. ल. ऽन्यगो ८ रे ६ऽ बु. रा. ।।ऽ नृऽऽ।।।।

शुक्ला ३ गुरौ उ. भा ल. ८ रे. ७।।।ऽवृऽ अग्नि ।।।ऽ

प्रथम चैत्र मास :

कृष्णा २ बुधे उफा ल. गो. रे. ६।।ऽवृ।।।।।।

,, २ गुरौ हस्ते ल. गो. रे. ६ऽश।।।रोऽ।।।

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं० २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२७७सं. १९४४
१	श २१ १३ रे ४७ ५६ व १३ २२ ब २१ १३ ३० ५ ६	२५	१२	२६	मे. ४७।५६				चन्द्रद. संवत्सरारम्भः नवरा. घटस्था
२	र १६ २६ अ ४५ ३६ ऐं ६ ३७ को १६ २६ २६ ५५ ५	२६	१३	१	मेषे				रविलाखर मु० ४ मत्स्यज. सिंजारा
३	चं १२ ३८ भ ४३ १७ वै ५६ १४ ग १२ ३८ ३० ५४ ६	२७	१४	२	वृ. ५८।१६				भ. ४१।१० ऊ. पूभायां शुक्रः ४०।५६ *
४	मं ६ ४३ कृ ४३ १२ प्री ५० ५० वि ६ ४३ ३४ ५३ ७	२८	१५	३	बृषे				भ. ६।४३ या. [*आर्द्रायांभौमः ३२।२०=
५	बु ७ ५४ रा ४३ ५५ आ ४७ २१ ग्रा ७ ५४ ३८ ५२ ८	२९	१६	४	बृषे				कल्पादिः [= गणगौरी मन्वादिः
६	शु ७ १८ मृ ४५ ५३ सौ ४४ ४७ तै ७ १८ ४२ ५२ ८	३०	१७	५	मि १४।५४				रेवत्यांरविः ५५/१ मेषेऽश्विन्यां च बुधः ४२/२६ ×
७	शु ७ ५६ आ ४६ ३ शो ४३ १८ व ७ ५६ ४७ ५१ ६	३१	१८	६	मिथुमे				भ. ५७/२६ उ. ३४/६६ या. [×पश्चिमोदयी बुधः ३१/३२
८	श १० ६ पु ५३ २० अ ४२ ४४ व १० ६ ५१ ५० १०	१	१६	७	क. ३७।१६				अप्रैल मा. ४ ता. ३० रामः भवान्यु÷
९	र १३ २६ पु ५८ ३२ सु ४२ ५६ को १३ २६ ५६ ४६ ११	२	२०	८	कर्के				रामनवमी वै. [÷ त्पतिः
१०	चं १७ ४३ श्ले ६० ० धृ ४३ ५१ ग १७ ४३ ३१/० ४८ १२	३	२१	९	कर्के				भ. ५०।५ उ.
११	मं २२ २८ श्ले ४ ४१ शू ४५ २८ वि २२ २८ ४ ४७ १३	४	२२	१०	सिं ४।४१				भ. २२/२८ या. मीनेशुक्रः ४६/६६ लक्ष्मीकान्त *
१२	बु २७ ३७ म ११ २ गं ४६ २१ बा २७ ३७ ८ ४६ १४	५	२३	११	सिंहे				हरिदमनोत्सवः [*दोलोत्सवः कामदा ११
१३	शु ३२ २६ पू १७ ३२ वृ ४७ ५२ को ० १ ११ ४६ १४	६	२४	१२	कं. ३४।४				पुष्ये २ राहुः उषायां ४ केतुः ३४।५२
१४	शु ३७ १७ उ २३ ४० ध्रु ४८ ४६ ग ४ ५१ १५ ४५ १५	७	२५	१३	कन्या				भ. ३७/१७ उ. भरण्यांबुधः ३६/१९ उभायांशुक्रः ३१/३२
१५	श ४१ ६ ह २९ ५ व्या ४९ १ वि ९ ११ १८ ४४ १६	८	२६	१४	कन्या				भ. ६/१९ या. हनुमजज्यंतीवै. स्ना. प्रा. मन्वा.

५१ पं.चै.शु ४ मं.ई. ४४/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	३	१०	१	३	११
१४	७	२६	२४	२१	२७	१०	१४
५९	२२	४	२२	१८	५८	२८	५८
५५	३४	४८	११	१८	५९	६	५०
५९	३५	५९	३८	७३	३	३	५९
१८	२१	४९	व	४८	४१	११	१७

गोचरग्रहाः

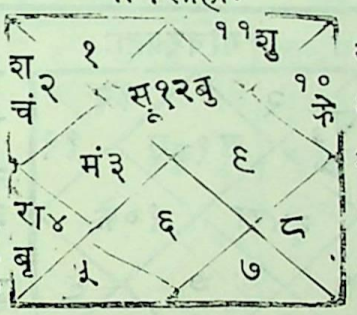

इस मास का फल साधारण है प्रजा में सुखशांति रुइ अलसी मूंग मोठ बाजरा गेहूँ विन्नोला तेज होगा।

गोचरग्रहाः

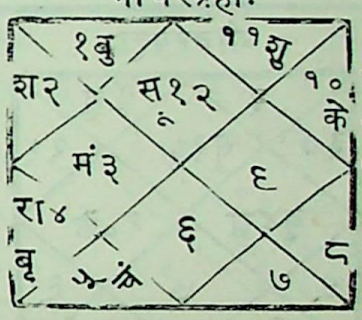

५२ पं.चै. शु. ११ मं. ४४/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	०	३	१०	१	३	११
२१	१०	८	२४	२९	२८	१०	२१
५४	५४	५३	५	५४	२८	५	४९
९	३६	२४	५६	४७	१६	५०	५
५९	३६	९३	१४/१९	७३	४	३	५९
४	१३	२४	व	५४	२१	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्र	वसन्ततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	र ४३ ४७ चि ३३ २६ ह ४८ २२ ग्रा १२ २६ ३१/२२ ४५ ६/६	९	२७	१५	तु. १।१५				
२	चं ४५ २० स्वा ३६ ३६ ब ४६ ३८ तै १४ ३३ २५ ४३ १७	१०	२८	१६	तुलायां				
३	मं ४५ ३३ वि ३८ १३ सि ४४ ११ व १५ २६ २९ ४२ १८	११	२९	१७	वृ. २२।४९				भ. १५/२९ उ. ४५/३३ या मार्गी गुरुः १६।५
४	बु ४४ ३१ अ ३९ १९ व्य ४० ३५ ब १५ २ ३२ ४२ १८	१२	३०	१८	बृश्चिके				चतुर्थी व्रतम्
५	गु ४२ ९ ज्ये ३८ ४७ ब ३६ ३ कौ १३ २० ३६ ४१ १९	१३	१	१९	ध. ३८।४७				मेषेऽर्कः ०।२२
६	शु ३८ ४९ मू ३७ ११ प ३० ५० ग १० २९ ४० ४० २०	१४	२	२०	धनुषि				भ. ३८।४९ उ.
७	श ३४ ३८ पू ३४ ५३ शि २४ २७ वि ६ ४३ ४४ ३९ २१	१५	३	२१	म. ४९।५				भ. ६।४३ या.
८	र २९ ३५ उ ३१ ४३ सि १८ १० बा २ ६ ४८ ३८ २२	१६	४	२२	मकरे				[× ५।२२ रेवत्यांशुक्रः २४।४२
९	चं २३ ५९ श्र २८ ३ सा ११ ५ ग २३ ५९ ५२ ३८ २२	१७	५	२३	कु. ५६।४				भ. ५१।१ उ.
१०	मं १८ ४ ध २४ ५ शु ३८/३ ५२/३९ वि १८ ४ ५६ ३७ २३	१८	६	२४	कुम्भे				भ. १८/४ या. शुक्लयोगक्षयः ५३/३९ वक्रीबुधः ×
११	बु १२ ३ श १९ ५९ व ४८ ११ बा १२ ३ ३२/० ३६ २४	१९	७	२५	कुम्भे				वरूथिनी ११ व्रतम्
१२	शु ६ ३ पू १५ ५७ ऐं ४० ४३ तै ६ ३ ४ ३५ २५	२०	८	२६	मी. १।५७				प्रदोषः
१३	शु ० २१ उ १२ ९ वै ३५ १५ ब ० २१ ८ ३४ २६	२१	९	२७	मीने				भ. २१° उ. २७/३८ या. पुनर्व. भौमः ५३/५७
१४	शु ५४ ३३ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०				
१५	श ५० १२ रे ८ ५८ वि २६ ४२ च २२ ३३ ११ ३४ २६	२२	१०	२८	मे. ८।५८				पश्चिमास्तो बुधः ५६।४५

१ पं.वै.कृ.५ गु.इ.५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	११	१	३	०
०	१५	१९	२३	१०	२९	९	०
४	१४	२९	५८	८	३	३९	०
४९	५३	५३	४८	४६	२९	२१	०
५८	३२	३४	२९/०	७४	४	३	५८
४५	१०	५७	मा	०	५४	११	४४

गोचरग्रहाः

वै.कृ.५ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. वारात् ४ न. ४ गताल काऽवस्था (उमी) मुहूर्ताः १५ धान्य भाव तेज शुक्रोदयः पूर्वे वत्सः परे.

गोचरग्रहाः

२ पं.वै.कृ.१२ गु.इ.५।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	११	१	३	०
६	१८	२३	२४	१८	२९	९	६
५४	५८	२१	३	४४	४२	१७	५०
५९	५२	२५	१८	३५	११	५	३८
५८	३३	१४/१९	१	७४	५	३	५८
२९	५०	व	३६	६	२४	११	३१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	बैशाख शुक्लपक्षः सं० २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्र	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्ग. ३३०६स१९४४
१	र ४६ १८ अ ६ १४ प्री २१ ३ क्रं १८ १५	३२/१५	५/३	६/२७	२३	११	२९	मेषे	मिथुने शनिः २३।३३
२	चं ४३ १९ भ ४ १८ आ १५ ० बा १४ ४८	१८	३२	२८	२४	१२	३०	वृ. १९।७	चन्द्रदर्शनम् * ३ ज्ञ. मं
३	मं ४१ २३ कृ ३ ३६ सौ १० ३२ तै १२ ४१	२२	३२	२८	२५	१३	१	बृषे	जमादिलावल मु. ५ कल्पादिःपरशुराम÷
४	बु ४० ४१ रा ३ ४९ शो ६ ४२ व ११ २	२५	३१	२९	२६	१४	२	मि ३४।४२	भ. २/११ उ. ४०/४१ या. भरण्यांरविः ४१/४६ ×
५	गु ४१ २४ मृ ५ ३६ अ ४ १ व ११ २	२९	३०	३०	२७	१५	३	मिथुने	[× अगस्त्यास्तः ४६।५०
६	शु ४३ १५ आ ८ ६ सु २ १८ कों १२ १९	३२	३०	३०	२८	१६	४	क ५६।१७	[÷ जयंती युगादिः
७	श ४६ ३७ पु १२ २१ धृ १ ३८ ग १४ ५६	३६	२९	३१	२९	१७	५	कर्के	भ. ४६/३७ उ. मेषेऽश्विन्यांच शुक्रः १५।६
८	र ५० ४७ पू १७ २५ शू १ ४३ वि १८ ४२	३९	२८	३२	३०	१८	६	कर्के	भ. १८।४२ या.
९	चं ५५ २९ श्ले २३ १७ गं २ ४१ बा २३ ८	४३	२७	३३	१	१९	७	सिं २३।१७	मईमा.५ता.३१ पातस्प. २/२४ पातमो. ४४/२
१०	मं ६० ० म २९ ४३ बृ ३ ५९ तै २७ ५९	४७	२७	३३	२	२०	८	सिंहे	+हस्ते ल. १२ रे.८ऽसू.ऽ।।।।।।।।चं. पू.
१०	बु ० ३० पू ३६ १६ धु ५ २० ग ० ३०	५०	२६	३४	३	२१	९	कं ५२।५१	भ. ३/५८ उ. [* रे ७ऽश।।।।ऽअग्निऽ।।+
११	गु ५ २६ उ ४२ ३६ व्या ६ ४८ वि ५ ५६	५४	२५	३५	४	२२	१०	कन्या	भ. ५/२६ या. मोहिनी ११ ब्र. उफाल. न्यगो*
१२	शु ९ ५६ ह ४७ ५९ ह ७ ४९ बा ९ ५६	५८	२४	३६	५	२३	११	कन्या	प्रदोषः हस्ते ल. न्यगो. रे. ८ऽसू.ऽ।।।।।।।
१३	श १३ ४६ चि ५२ ३९ व ८ २४ तै १३ ४६	३/१	२४	३६	६	२४	१२	तु. २०।१९	नृसिंहजयंती. स्वात्यां ल. ११घ. ५/३२ उ. रे.*
१४	र १६ २६ स्वा ५६ ११ सि ८ ३ व १६ २६	४	२३	३७	७	२५	१३	तुलायां	भ. १६/२६ उ. ४७/४८ या. [*८।।।। बु. शु. ।।ऽ।।
१५	चं १८ १० वि ५८ २६ व्य ६ ४१ ब १८ १०	७	२३	३७	८	२६	१४	वृ. ४३।२	कूर्मजयं. वै. स्ना. पू. जलकुंभदानं अन्नदानं

६ पं.वै.शु.इ ५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	११	२	३	०
१३	२३	२२	२४	२७	०	८	१३
४३	०	१६	१६	२०	२३	५४	२९
२२	३२	५	४४	१०	४६	५०	४०
५८	२४	उ/९ ७	३	७४	५	३	५८
१२	२८	व	४	१२	४८	११	२०

गोचरग्रहाः

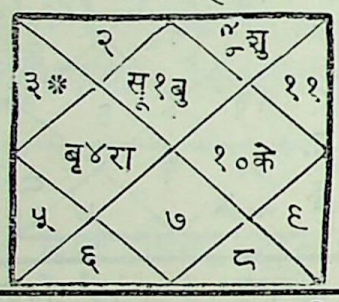

इस मास का फल सामान्य है प्रजा में सुख शान्ति बालकों को पीड़ा पशुओं को कष्ट धान्य रुइ गुड़ खांड़ तेज होगा।

गोचरग्रहाः

४पं.वैशु.११गु.इ.६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	५	२	३	०
२०	२६	१८	२४	५	१	८	२०
३०	३९	१४	३९	५५	८	३२	२७
०	१८	२४	४	४८	२५	३५	२२
५७	२४	उ/८ ५	४	७४	६	३	५८
५७	५४	व	१२	१८	१२	११	६

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चंद्र	वसंतर्तू रविरुत्तरे वै. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं १८ ४ अ ५९ २२ व ४ २३ कौ १८ ४	३३/१०	५/२२	६/३८	९	२७	१५	बृश्चिके	
२	बु १६ ५५ ज्ये ५९ १९ प १/१६ ५५/४०		ग १६ ५५	१३	२१	३९	१०	२८	१६	ध ५९।१९	भ. ४५/४५ उ. कृतिकायां रविः २९/४६ शिवयोग*
३	गु १४ ३४ मू ५७ ५२ सि ५१ ५१ वि १४ ३४	१६	२१	३९	११	२९	१७	धनुषि	भ. १४।३४ या. चतुर्थी ब्र.
४	शु ११ २१ पू ५५ ३७ सा ४६ १ बा ११ २१	१९	२०	४०	१२	३०	१८	धनुषि	[*क्षयः ५५/४० भरण्यांशुक्रः ८/३१ वक्रीभौमः ८/३०
५	श ६ २० उ ५२ ४१ शु ३९ ३८ तै ६ २०	२२	२०	४०	१३	३१	१९	म. ९।५३	बृषेऽर्कः ५०।२८
६	र १ ४३ श्र ४९ ६ शु ३२ ३४ ब १ ४३	२५	१९	४१	१४	१	२०	मकरे	भ. १।४३ उ. २८।५३ या.
७	र ५४ १७ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
८	चं ५० ७ ध ४५ १४ ब्र २५ २७ बा २३ ४	२८	१८	४२	१५	२	२१	कु १७।१०	
९	मं ४४ ३ श ४१ ० ऐं १७ ४१ तै १७ ५	३१	१८	४२	१६	३	२२	कुम्भे	पुष्ये भौमः ४।५१
१०	बु ३८ १ पू ३६ ५५ वै १० ४ व ११ २	३४	१७	४३	१७	४	२३	मी २२।५६	भ. १/२१ ऊ. ३८/१ या. उभा. ल. ११।१२+
११	गु ३१ ५६ उ ३३ ६ वि ४४/४३ ४३/४३	ब ४	५९	३६	१०	४३	१८	५	२४	मीने	प्रीतयोगक्षयः ५५/४३ मार्गीबुधः ५४/१६ अपरा×
१२	शु २६ ४३ रे २९ ३९ आ ४८ ३७ तै २६ ४३	३९	१६	४४	१९	६	२५	म. २९।३९	प्रदोषः [+८।।।।।।ऽऽ।।
१३	श २१ ५५ अ २६ ३८ सौ ४२ १७ ब २१ ५५	४१	१६	४४	२०	७	२६	मेषे	भ. २१/५५ उ. ४९/५४ या. कृत्तिकायांशुक्रः ५/५८
१४	र १७ ५४ भ २४ ४६ शो ३६ ४४ श १७ ५४	४४	१५	४५	२१	८	२७	वृ. ३९।४४	]×११ब्र. रेव. ल. ११।१ रे. ८।।।।।ऽनृ.।ऽ।।
१५	चं १४ ४९ कृ २४ ३९ अ ३२ ० ना १४ ४९	४६	१५	४५	२२	९	२८	बृषे	मृगे ४ शनिः ४४/१२ भावुका ३० वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.३गु.इ.६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	३	०	२	३	०
२७	०	१४	२५	१४	१	८	२७
१५	३४	४३	९	३१	५५	१०	१३
१४	१	३४	३२	३७	४१	१९	३०
५७	३५	उ/३५ २२	५	७४	६	३	५७
४५	२५	व	२१	२४	२४	११	५४

गोचरग्रहा

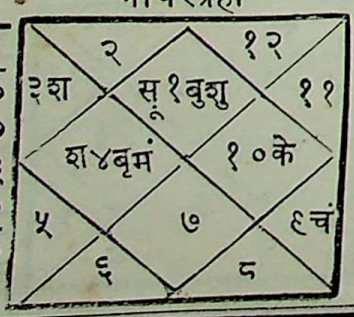

ज्येष्ठ कृष्णा ५ शनौ बृषेऽर्कः प्र.वा. ३न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मुहर्ताः ३० (धान्य भाव समं) शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

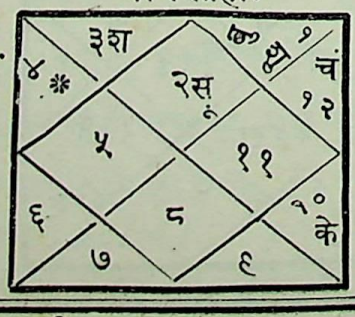

ज्ये.कृ.११गु.इ २/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	३	०	२	३	१
३	४	१४	२५	२३	२	७	३
५८	३२	१	४७	७	४५	४८	५८
५१	२४	१८	४६	८	०	४	२६
५७	३५	२/२०	६	७४	६	३	५७
३४	४४	व	२७	२४	३७	११	४४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

३ श. मं चं

*मं. रा. बु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २००१ शाकः १८६६									दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽर्गणः ३३३६ सन् १९४४
१	मं	१२	४९	रो	२५	५०	सु	२८	१३	ब	१२	४९	३३ ४८	५ १४	४६	२३	१०	२९	मि५६।१६	चन्द्रदर्शनम् वृषेशुक्रः ४३।२०।
२	बु	१२	१७	मृ	२६	४२	क्षौ	२५	१७	क्षौ	१२	१७	५०	१४	४६	२४	११	१	थुमिने	रोहिण्यांरवि २३।३७ जमादिलखर मु.६
३	शु	१२	३८	आ	२८	३४	शू	२३	२२	ग	१२	३८	५२	१४	४६	२५	१२	२	मिथुने	भ. ४३ उ. पूर्वोदयी बुधः २७ ३४	पू. अ. शु.
४	शु	१४	२८	पु	३१	१४	गं	२१	३९	वि	१४	२८	५४	१३	४७	२६	१३	३	क.१५।३४	भ. १४ २८या. पूर्वास्तोभृगुः ५६ २४सार्पे*
५	श	१७	३२	पु	३६	२०	बृ	२२	३८	वा	१७	३२	५६	१३	४७	२७	१४	४	कर्के	[* ४ गुरुः ६।५५
६	र	२१	३७	श्ले	४१	५५	धु	२३	२४	तै	२१	३६	५८	१३	४७	२८	१५	५	सिं४१।५५	*मं. बृ रा
७	चं	२६	२१	म	४८	१९	व्या	२४	३८	व	२६	२१	३४ ०	१२	४८	२९	१६	६	सिंहें	भ. २६ २१ उ. ५८ ४३ या.
८	मं	३१	६	पू	५४	४१	ह	२६	१६	ब	३१	६	२	१२	४८	३०	१७	७	सिंहे	[÷ वटसावित्री
९	बु	३५	५७	उ	६०	०	ब	२७	३७	बा	३	३१	४	११	४९	३१	१८	८	क.११।१८	रोहिण्यां शुक्रः ५१ ३२
१०	गु	४०	२६	उ	१	९	सि	२८	५४	तै	८	१२	६	११	४९	१	१९	९	कन्या	**जून मा. ६ ता. ३०** गंगादशहरा
११	शु	४४	१२	ह	६	४८	व्य	२९	२७	व	१२	१९	८	१०	५०	२	२०	१०	तु.३९।८	भ. १२ १९ ब. ४४ १२ या. निर्जला ११ब्र.
१२	श	४६	५०	चि	११	२८	व	२९	२३	ब	१५	३१	९	१०	५०	३	२१	११	तुलायां	अस्तंशनेः ३७।४४
१३	र	४८	१६	स्वा	१५	२१	प	२८	१८	क्षौ	१७	३३	११	१०	५०	४	२२	१२	तुलायां	वटसावित्री व्रतारम्भः प्रदोषः
१४	चं	४८	२७	वि	१७	५८	शि	२६	१८	ग	१८	२२	१३	९	५१	५	२३	१३	वृ.२।१९	भ. ४८ २७ उ. कृतिकायां बुधः २८।७
१५	मं	४७	१८	अ	१९	९	सि	२३	१६	वि	१७	५२	१४	९	५१	६	२४	१४	वृश्चिके	उ.५ १७ २या.बृषेबुधः ३८ ४मन्वादिःगुर्जरार्णां÷

७प.ज्येःशु३गु.इ७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	३	१	२	३	१
१०	८	१६	२६	१	३	७	१०
४१	३२	४७	३२	४३	३६	२५	४२
२	२०	४६	३१	२६	२२	४८	१८
५७	३६	५९	७	७४	६	३	५७
२३	११	मा	२६	२४	५४	११	३५

गोचरग्रहाः

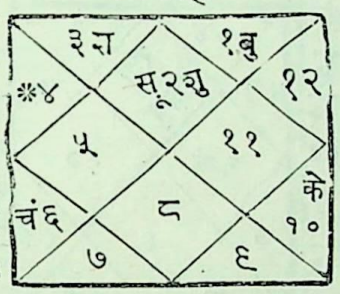

इस मास का फल अशुभ है धूप तेज. हैजेका प्रकोप कहीं कुछ वर्षा होगी, रुई सीसा सोना सुपारी सूंठ, राई तेज।

गोचरग्रहाः

८पं.ज्ये.शु१०गु.इ६।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	३	१	२	३	१
१७	१२	२२	२७	१०	४	७	१७
२२	३४	५०	२४	१८	२८	३	२५
८	५९	५३	२२	४३	५२	३३	५
५७	३६	५२	८	७४	७	३	५७
१३	२९	३४	२९	३०	६	११	२७

ति.	आषाढ कृष्णपक्ष सं० २००१ शाकः १८६६									दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे. ज्येष्ठकृष्णे तिमहाराष्ट्राः
१	बु	४४	५६	ज्ये	१९	२६	सा	१९	१४	वा	१६	७	३४ १५	५ ९	६ ५१	७	२५	१५	ध.१९।२६	मृगे रविः २२.२६
२	गु	४१	३१	मू	१८	१४	शु	१४	३१	तै	१३	१३	१६	९	५१	८	२६	१६	धनुषि	सार्पे भौमः ५।४२ पुष्पे १ राहुः उषायां÷
३	शु	३७	१३	पू	१६	१५	शु	८	३९	व	९	२२	१७	९	५१	९	२७	१७	म.२०।३०	भ. ९।२२ उ. ३७।१३ यां चतुर्थी ब्र.
४	श	३२	५	उ	१३	१४	ब्र	१० २	५३ १८	ब	४	३९	१८	८	५२	१०	२८	१८	मकरे	ऐन्द्रयोगक्षयः ५३।६८
५	र	२६	२४	अ	९	५०	वै	४८	१८	तै	२६	२४	१९	८	५२	११	२९	१९	कु.३७।५९	मृगे शुक्रः ४४।४१ [÷ ३ केतुः ३१।७
६	चं	२०	२६	ध	६	८	वि	४०	४४	व	२०	२६	२०	८	५२	१२	३०	२०	कुम्भे	भ. २०।२६ उ. ४७।२३ या.
७	मं	१४	२१	श	५६ ७	५३ ३	मी	३३	३९	ब	१४	२१	२१	८	५२	१३	३१	२६	मी४४।२१	पूर्वाभाद्रपदाक्षयः ५६ ३३ रोहिण्यांबुधः १५ ५८
८	बु	८	१३	उ	५४	४	आ	२६	४	कौ	८	१३	२१	८	५२	१४	३२	२२	मीने	मिथुनेऽर्कः २३।१४
९	गु	२	२०	रे	५०	५३	सौ	१८	३३	ग	२	२०	२२	८	५२	१५	१	२३	मै.५०।५३	भ. २९।३२ उ. ५६।४४ या.
१०	गु	५४	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[× योगिनी ११ ब्र. वै.
११	शु	५१	४९	अ	४७	२०	शो	११	२९	ब	२४	१६	२२	८	५२	१६	२	२४	मेषे	योगिनी ११ ब्र.
१२	श	४७	४३	भ	४५	१९	अ	५ २	५४ २६	कौ	१९	४६	२२	८	५२	१७	३	२५	मेषे	सुकर्माक्षयः ५४।२६ मिथुने शुक्रः ६ ५०×
१३	र	४४	३०	कृ	४४	९	धृ	५४	४५	ग	१६	७	२३	७	५३	१८	४	२६	वृ. ०।१	भ. ४४ ३० उ. मघायां १ सिंहेच गुरुः ५६ ३९A
१४	चं	४२	२२	रो	४३	३६	शू	५०	४०	वि	१३	२६	२३	७	५३	१९	५	२७	बृषे	भ. १३ २६ या. [Aअर्द्रायां १शनिः १५ ५प्रदोषः
१५	मं	४१	२७	कृ	४४	३०	गं	४७	२५	च	११	५४	२३	७	५३	२०	६	२८	मि.१४।३	मृगे बुधः ३८ पूर्वास्तो बुधः १५ ३१

९पं.आ.कृ२गु.इ.६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	३	१	२	३	१
२४	१६	१	२८	१८	५	६	२४
२	४०	४२	२२	५४	२२	४१	७
३	३४	७	२६	४०	१६	१८	८
५७	२६	६७	९	७४	७	३	५७
५	५६	४०	१७	३०	१२	११	२२

गोचरग्रहाः

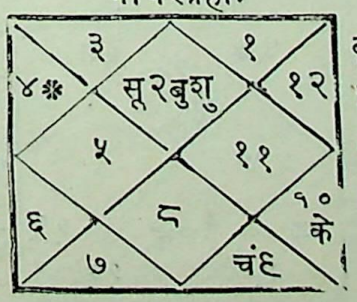

आषाढ कृष्णा ८ बुधेमिथुनेऽर्कः प्र. वा. ५ न. ५ युवावस्था (सूती) मुहूर्त्ताः ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रास्तःपूर्वे

गोचरग्रहाः

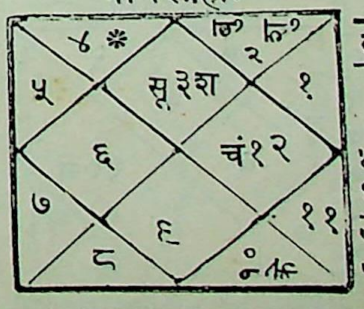

१०पंआकृ.९गु.इ६।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	३	१	२	३	२
०	२०	१२	२९	२७	६	६	०
४१	४७	५४	२५	३०	१६	१९	४८
११	३८	३२	४१	४३	४१	२	२५
५६	२७	९४	९	७४	७	३	५७
५७	७	३९	५६	३०	१८	११	१७

*४ बुरा मं

सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*४ बुमं रा

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	अषाढशुक्लपक्ष :सं० २००१ शाक: १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्र:
१	बु	४१	५७	आ	४६	४६	वृ	४५	३१	कं	११	४२	३४	५ ६	२१	७	२६	मिथुने
२	गु	४३	२६	पु	५०	१६	ध्रु	४४	२५	ग्र	१२	४२	२४	७ ५३	२२	८	३०	क ३४।२७
३	शु	४६	३१	पु	५४	५७	व्या	४४	२२	तै	१४	५८	२४	७ ५३	२३	६	१	कर्के
४	श	५०	२७	श्ले	६०	०	ह	४५	५	व	१८	२६	२३	७ ५३	२४	१०	२	कर्के
५	र	५५	३	श्ले	०	३४	व	४६	१७	ब	२२	४५	२३	७ ५३	२५	११	३	सिं.०।३४
६	चं	५६	४७	म	६	४६	सि	४७	५१	कौ	२७	२५	२३	७ ५३	२६	१२	४	सिंहे
७	मं	६०	०	पू	१३	४	व्य	४६	२४	ग	३७	१७	२२	७ ५३	२७	१३	५	क.२६।४१
७	बु	४	४७	उ	१६	३२	व	५०	३६	व	४	४७	२२	८ ५२	२८	१४	६	कन्या
८	गु	६	१६	ह	२५	१३	प	५१	२०	व	६	१६	२१	८ ५२	२६	१५	७	तु.५७।४७
६	शु	१३	३	चि	३०	२१	शि	५१	३५	कौ	१३	३	२०	८ ५२	३०	१६	८	तुलयां
१०	श	१५	४६	स्वा	३४	४३	सि	५०	३६	ग	१५	४६	१६	८ ५२	१	१७	६	तुलयां
११	र	१७	१३	वि	३७	१६	सा	४८	५१	वि	१७	१३	१८	८ ५२	२	१८	१०	वृ.२१।४०
१२	चं	१७	३३	अ	३८	५४	शु	४६	४	ग्र	१७	३३	१७	८ ५२	३	१६	११	बृश्चिके
१३	मं	१६	२७	ज्ये	३६	२०	शु	४२	१६	तै	१६	२७	१६	६ ५१	४	२०	१२	ध.३६।२०
१४	बु	१४	६	मू	३८	५२	व	३७	३१	व	१४	६	१६	६ ५१	५	२१	१३	धनुषि
१५	गु	१०	४४	पू	३७	१७	ऐं	३१	५६	व	१०	४४	१४	६ ५१	६	२२	१४	म.५१।२४

ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणेहर्गण: ३३६५सन् १६४४

आर्द्रायांरवि २४।४६ दक्षिणायन ×
चन्द्रद. आर्द्रायांशुक्र: $\frac{3}{5}$ रथयात्रा
मिथुने बुध: ५६।५८ रज्जव मु. ७
भ. १८।२६उ.५०।२७ या. वर्षायोग: वर्षा
अर्द्रायां बुध: ५८।२५ [प्रवृति : $\frac{3}{1}\frac{2}{2}$ *४ मं.रा.
भ. ४।४७ उ. ३१।१ या.

मघायांसिंहेच भौम: २८।३०
भ. $\frac{4}{2}\frac{6}{6}$ उ. जुलाई मा. ७ता३१ मन्वा.
भ. $\frac{1}{1}\frac{7}{3}$ या. पुनर्व.बुध: $\frac{5}{4}\frac{7}{5}$ देवशयनी ११
पुनर्वसुषु शुक्र: $\frac{2}{3}\frac{5}{6}$ प्रदोष हरिवा.नास्ति.

भ. $\frac{1}{6}\frac{4}{6}$ उ. $\frac{4}{4}\frac{2}{5}$ या. पुनर्वसुषुरवि: $\frac{2}{4}\frac{5}{7}$
व्यासपूजा. वायुपरीक्षा

११पं.आ.शु२गु.ई६।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	४	२	२	३	२
७	२४	२६	०	६	७	५	७
१९	५७	१५	३३	७	११	५६	२९
३९	२५	१४	४३	१	२०	४७	१३
५६	३७	९	१०	७४	७	३	५७
५४	२६	५४	३९	३६	१८	११	१३

१२पंआ.शु.८गु.इ६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	४	२	२	३	२
१३	२९	११	१	१४	८	५	१४
५७	८	१३	४६	४३	५	३४	९
४२	२०	४१	१६	२६	५६	३२	४३
५६	३७	९	११	७४	७	३	५७
५०	४८	५३	१४	३६	१८	११	७

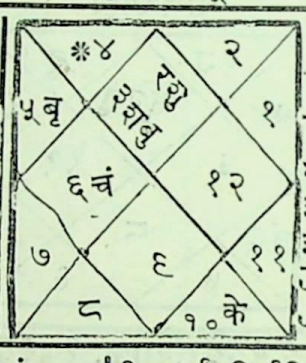

१३पं.आ.श.१५गु.इ२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	४	२	२	३	२
२०	३	२६	३	२३	९	५	२०
३५	२२	२४	२	१९	०	१२	५०
२८	८	७	४२	५२	७	१६	७
५६	२८	५९	११	७४	७	३	५७
५०	३०	५१	५१	३६	१२	११	७

ति. श्रावण कृष्णपक्ष: सं०२००१ शाक: १८६६

ति.													दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्र:
१	शु	६	२७	उ	३३	४४	वे	२५	४०	कौ	६	२७	३४ १३	५ ६	५ १	७	२३	१५	मकरे
२	श	१	११	अ	३०	३३	वि	१८	५४	ग	१	११	१२	१०	५०	८	२४	१६	कु.५८।३६
३	श	५४	३१		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	र	४६	४८	ध	२६	४०	प्री	११	४४	ब	२२	४५	११	१०	५०	६	२५	१७	कुम्भे
५	चं	४३	३६	श	२२	३६	आ	५ ३	५ २७	कौ	१६	४२	६	१०	५०	१०	२६	१८	कुम्भं
६	मं	३७	२७	पू	१८	२६	शो	४६	७	ग	१०	३१	८	१०	५०	११	२७	१६	मी. ४।३१
७	बु	३१	३१	उ	१४	२०	अ	४१	४२	वि	४	३१	६	११	४६	१२	२८	२०	मीने
८	गु	२५	५१	रे	१०	३७	सु	३४	४३	कौ	२५	५१	४	११	४६	१३	२६	२१	मे.१०।३७
६	शु	२०	५३	अ	७	३७	ध्रु	२८	१०	ग	२०	५३	२	१२	४८	१४	३०	२२	मेषे
१०	श	१६	४२	भ	५	११	शू	२२	१८	वि	१६	४२	०	१२	४८	१५	३१	२३	वृ.१६।४७
११	र	१३	२४	कृ	३	३४	गं	१७	१६	वा	१३	२४	३ ५	१२	४८	१६	१	२४	बृये
१२	चं	११	११	रा	३	१४	वृ	१३	७	तै	११	११	५६	१३	४७	१७	२	२५	मि३३।३५
१३	मं	१०	६	मृ	३	५७	ध्रु	६	५३	ब	१०	६	५४	१३	४७	१८	३	२६	मिथुने
१४	बु	१०	३५	आ	५	४८	व्या	७	३७	श	१०	३५	५२	१४	४६	१६	४	२७	क. ५३।६
३०	गु	१२	१७	पु	८	५६	ह	६	२७	ना	१२	१७	५०	१४	४६	२०	५	२८	कर्के

ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणेआषाढकृष्णेतिमहराष्ट्रा:.

कर्के बुध: $\frac{5}{2}\frac{2}{4}$ मघायां २ गुरु: $\frac{3}{5}\frac{3}{6}$ वर्षा
भ. २८।२६ ऊ. ५५।४२ या. वर्षा क्षय:
पुष्ये बुध: ३०।३६ चतुर्थी ब्र.
सौभाग्य योगक्षय: $\frac{5}{2}\frac{3}{7}$ उदयंशने: $\frac{1}{1}\frac{6}{6}$ ×
भ.३७।२७ उ. कर्के शुक्र: ३२।५
भ. ४।३१या. पश्चिमोदयी बुध:५६।३०
[× नाग ५ मरुस्थले
भ. $\frac{4}{2}\frac{5}{4}$ उ. पुष्ये शुक्र: $\frac{1}{6}\frac{3}{6}$ आर्द्रायां २×
भ. १६।४२ या.
कर्केकं: १।३१ सार्पे बुध: $\frac{3}{2}\frac{7}{7}$ का.११ब्र.
प्रदोष: [× शनि: १।२
भ. १०।६ उ. ४०।२० या.
पुष्ये रवि: $\frac{3}{1}\frac{2}{2}$
भारतवर्षे रविग्रहणं हरियाली ३० वर्षा

१४पंश्रा.कृ८बु.इ६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	४	३	२	३	२
२७	७	१०	४	१	९	४	२७
१३	३७	२२	२२	५६	५३	५०	३०
४४	५	५९	२३	५६	३१	१	२९
५६	२८	०	१२	७४	७	३	५७
५५	१३	१९	१८	३०	६	११	११

ग्रोचरग्रहा:

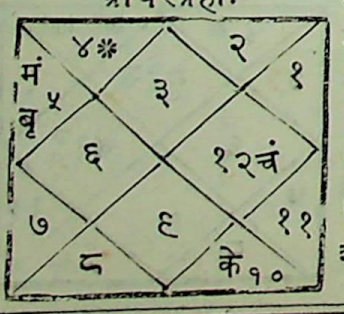

श्रावण कृष्णा ११ रवौकर्केकं: प्र. वा. ५न.५ कुमारावस्था (बैठी) मुहूर्ता: ३० (धान्य भावसम) शुक्रास्त: पूर्वे ।

गोचरग्रहा:

१५पं श्राकृ३०गु.इ६।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	४	३	२	३	३
३	११	२३	५	१०	१०	४	४
५२	२३	५	४५	३३	४६	२७	११
११	५३	३१	४	५४	१	४५	१३
५६	२८	९१	१२	७४	६	३	५७
५७	३१	५२	३५	३०	५४	११	१५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*४ शु. रा. बु.

*५ मं.रा.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्ष सं. २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षि.ऽहर्गणः ३३६५ सं १६५४
१	शु १४ ५६ पु १३ २१ व ६ ४	व १४ ५६	३३ ५ / ४८ १४	६ / ४६	२१	६	२६	कर्के	चन्द्रद. नक्तव्रतारम्भः
२	श र ८ ४६ श्ले १८ ३४ सि ६ ३७	कौ १८ ४६	४५ १५	४५	२२	७	१	सि १८।३४	पूफाया भौमः २१ / १६ सावान मृ. ८ सिंजरा
३	र २३ १६ म २४ ४५ व्य ७ ४५	ग २३ १६	४२ १६	४४	२३	८	२	सिंहे	भ. ५५ / ३५ उ. सिंहे बुधः ४६ / ४६ तीज. मधु. ३
४	चं २८ २४ पू ३१ ६ व ६ १४	वि २८ २४	४० १६	४४	२४	६	३	क.४७।४५	भ. २८।२४या.मघायां ३ गुरुः ४७।१६
५	मं ३३ ६ उ ३७ ३४ प १० ५०	ब ० ४५	३७ १७	४३	२५	१०	४	कन्या	सार्पे शुक्रः ४।३१ नाग ५
६	बु ३७ ३६ ह ४३ ३१ शि १२ १२	कौ ५ २१	३५ १७	४३	२६	११	५	कन्या	[× पूफायांबुधः ३ / ८ ४ प्रदोष
७	गु ४१ २५ चि ४८ ५४ सि १३ १	ग ६ ३०	३२ १८	४२	२७	१२	६	तु.१६।१२	भ. ४१।२५ उ. *५ मंबुगु
८	शु ४४ ४१ स्वा ५३ १५ सा १३ १७	वि १३ ३	३० १८	४२	२८	१३	७	तुलायां	भ. १३।३ या. +५ मंदुगु
९	श ४५ ४६ वि ५६ १४ शु १२ ४१	वा १५ १३	२७ १६	४१	२६	१४	८	वृ.४०।२६	[× रविः विष्कुठम्भक्षयः ५४ / ३४ ÷
१०	र ४६ ११ अ ५८ ५ शु ११ ४	तै १५ ५८	२४ १६	४१	३०	१५	६	वृश्चिके	कल्किजयंती [* सब्बरात
११	चं ४५ १० ज्ये ५८ ५१ न ८ ३०	व १५ ४१	२१ २०	४०	३१	१६	१०	ध।५८।५१	भ. १५ / ४१ उ. ४५ / १० या. पवित्रा ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	मं ४३ ५५ मू ५८ ६ ऐं ४ ५६	ब १४ ३२	१८ २०	४०	१	१७	११	धनुषि	**अगस्त मा. ८ ता. ३१ पवित्रा ११**
१३	बु ४० ३७ पू ५६ २८ वे १ ३५ / १ ३४	कौ १२ १६	१५ २१	३६	२	१८	१२	धनुषि	पश्चिमोदयीशुक्रः ४ / ३ ६ आश्लेषायां ×प.उ
१४	गु ३५ २६ उ ५३ ५२ मी ४८ ५१	ग ८ १	१२ २२	३८	३	१६	१३	म.१०।४६	भ. ३५ / २६ उ. [Aकर्म. रक्षा* । शु ।
१५	शु ३० २६ श्र ५० ५७ आ ४१ ५७	वि २ ५६	६ २२	३८	४	२०	१४	मकरे	भ. ५ / २६ यामघायांसिंहेशुक्रः ५ / ६ २ श्रावणी A

१६पं.श्रा.शु.७गु.इ.५।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	४	३	२	३	३
१०	१६	४	७	१९	११	४	१०
३१	१३	१६	१०	१०	३६	५	५२
३०	५२	३७	१	४८	५४	३०	१६
५७	३८	७८	१२	७४	६	३	५७
५	३८	२७	५९	३०	३६	११	२०

गोचरग्रहा

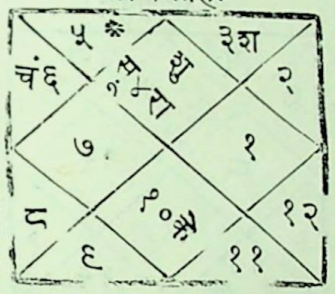

इस मास में प्रजा में सुख शान्ति वर्षा सामान्य रुई चांदी अलसी सरस्युं घृत गुड़ खांड तेज होगा गुरु मंगलका योग है

गोचरग्रहाः

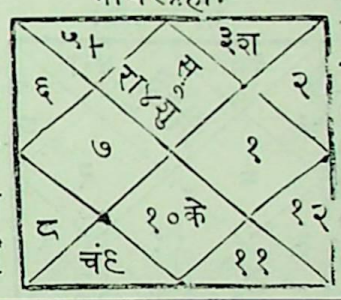

१७पं.श्रा.शु.१४गु.इ५।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	४	३	२	३	३
१७	२०	१३	८	२७	१२	३	१७
११	२४	५४	३७	४८	२६	४३	३३
१८	३७	५०	५	१४	२०	१५	५८
५७	३८	६५	१३	७५	६	३	५७
१२	५५	५६	१८	२४	२४	११	२४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	५वर्षतूरविर्दक्षिणेश्रावण कृ. महाराष्ट्राः
१	श २४ ५२ ध ४६ ५४ सौ २४ ४१	कौ २४ ५२	३३ / ६ ५ / २३	६ / ३७	५	२१	१५	कु १८।५५	वर्षा
२	र १८ ५६ श ४२ ५७ शो २७ ८	ग १८ ५६	३	२३	३७	६	२२	१६	कुम्भे	भ. ४५।५६ उ. कजली ३ वर्षा
३	चं १२ ५३ पू ३८ ४८ अ १६ २६	वि १२ ५३	०	२४	३६	७	२३	१७	मी २४।५०	भ. १२।५३ या चतुर्थी ब्र.
४	मं ६ ४५ उ ३४ ४० सु ११ २७	वा ६ ४५	३३ / ५७	२५	३५	८	२४	१८	मीने	[* मधायां४गुरुः ४० / २८ चन्द्रषष्ठो
५	बु ० ३७ रे ३० ५० धृ ३ / १ ५३ / ५१	तै ० ३७	५४	२५	३५	९	२५	१९	मे ३०।५३	भ. ५५।०६ उ. शूलयोगक्षय ५२।५१*
६	बु ५४ २९ ० ० ० ० ० ०	० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [×ग्रहणीपिठोरी ३० सतीपूजनम्
७	गु ५० २ अ २७ ४४ गं ५० ३७	वि २२ ३४	५०	२६	३४	१०	२६	२०	मेषे	भ. २२ / ३ ४ या.पुन४राहुः उषायां २ केतुः २३ / १३
८	शु ४५ ४६ भ २५ १ बृ ४४ ३४	ग्रा १७ ५४	४७	२७	३३	११	२७	२१	नृ.३९।३१	आर्द्रायां३शनिः १३ / ८ जन्माष्टमीब्र.मन्वादिः
९	श ४२ २७ कृ २३ ३ ध्रु ३९ १७	तै १४ ६	४४	२७	३३	१२	२८	२२	बृषे	उफायां भौमः ४३।३९ गोगानवमी
१०	र ४० १२ रा २३ २७ व्या ३४ ४९	व ११ १९	४०	२८	३२	१३	२९	२३	मि ५२।४१	भ. ११।१९ उ. ४०।१२ या.
११	चं ३९ ९ मृ २२ ५५ ह ३१ २२	ब ९ ४१	३७	२९	३१	१४	३०	२४	मिथुने	अजा ११ ब्र. [×प्रदोषः
१२	मं ३९ ३४ आ २४ ३१ व २८ ५३	कौ ९ २१	३३	२९	३१	१५	३१	२५	मिथुने	पूफायांशुक्रः ४२।१८ गोवत्स १२ ब्र.
१३	बु ४१ २ पु २७ २३ सिं २७ २२	ग १० १८	३०	३०	३०	१६	३२	२६	क ११।४०	भ. ४१ / २१ उ.सिंहेऽर्कः २९ / २७ उफायांबुधः ८ / ४१ ×
१४	गु ४३ ४४ पु ३१ ३४ व्य २६ ५०	वि १२ २३	२६	३१	२९	१७	१	२७	कर्के	भ.१२।२३या.अस्त गुरोः २५।१२ अ.गु.
३०	शु ४७ ३४ श्ले ३६ ४५ व २७ १२	च १५ २९	२२	३२	२८	१८	२	२८	मि ३६	४५ कन्यायांभौमः २ / २७ लोहार्गल स्ना कुशा ×

१८पं.भा.कृ७गु.इ५।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	४	४	२	३	३
२३	२४	२१	१०	६	१३	३	२४
५२	५७	४३	५	२५	१३	२०	१६
२६	१४	२६	३८	४४	१	५९	२५
५७	३९	५२	१३	७४	६	३	५७
२२	२	२५	२४	२४	१०	११	३३

गोचरग्रहाः

भाद्रपद कृ. १३ बुधे सिंहेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ६ प्रगल्भाऽवस्था (बैठी) मुहूर्ताः ३० (धान्यमावसम) शुक्रोदय पश्चिमे.

गोचरग्रहाः

१९पंभा.कृ.१४गु.इ ५ / ३ २

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	४	४	२	३	४
०	२९	२७	११	१३	१३	२	०
३४	२२	१२	३५	३	५७	५८	५९
३९	४८	१४	२५	४	५८	४४	४६
५७	३९	३४	१३	७४	५	३	५७
३४	१३	१	३०	१८	४८	११	४०

*५ बुगुशुमं

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं २००१ शाकः १८६६						दि.		उ.		अ.		इ.	मु.	हिं.	चन्द्रः
१	श	५२	८	म	४२	४७	प	२८	१३	क	१६	५१	३२ १८	५ ३२	६ २८	१६ २६ ३	सिंहे
२	र	५६	५८	पू	४७	२	शि	२६	५	ब्रा	२४	३३	१५	३३	२७	२० ३० ४	सिंहे
३	चं	६०	०	उ	५५	२७	सि	३१	६	तै	२६	२८	११	३४	२६	२१ १ ५	क. ५ ३८
३	मं	१	५८	ह	६०	०	सा	३२	३८	ग	१	५८	७	३५	२५	२२ २ ६	कन्या
४	बु	६	३४	ह	१	१६	शु	३३	३६	वि	६	३४	४	३५	२५	२३ ३ ७	तु. ३४ ५
५	गु	१०	२४	चि	६	५१	शु	३३	५४	बा	१०	२७	०	३६	२४	२४ ४ ८	तुलायां
६	शु	१३	२१	स्वा	११	२३	न	३३	२५	तै	१३	२१	३१ ३६	३७	२३	२५ ५ ६	वृ. ५ २६
७	श	१५	६	वि	१४	५५	ऐं	३१	५६	व	१५	६	५२	३८	२२	२६ ६ १०	बृश्चिं.
८	र	१५	३८	अ	१६	५०	वै	२६	३२	ब	१५	३८	४८	३८	२२	२७ ७ ११	बृश्चि.
६	चं	१४	४५	ज्ये	१७	५१	वि	२६	६	कौ	१४	४५	४४	३६	२१	२८ ८ १२	ध. १७ ५१
१०	मं	१२	३७	मू	१७	३६	प्री	२१	४६	ग	१२	३७	४०	४०	२०	२६ ६ १३	धनुषि
११	बु	६	२५	पू	१६	३	आ	१६	१३	वि	६	२५	३६	४१	१६	३० १० १४	म. ३० २७
१२	गु	५	२०	उ	१३	३६	सो	१०	८	ब्रा	५	२०	३२	४२	१८	३१ ११ १५	मकरे
१३	शु	०	२७	श्र	१०	४३	शो	५५ ३	५३ ०	तै	०	२७	२८	४२	१८	१ १२ १६	कु. ३८ ५५
१४	श	५३	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	श	४६	६	ध	७	७	सु	४८	१४	वि	२२	१	२५	४३	१७	२ १३ १७	कुम्भे

[B वामनावतार जलझूलनी ११
चन्द्रदर्शनम्
रमजान ६ रोजा मन्वादि.
भ. ३४।१६ उ. गणेश ४हरितालिका ब्र.
भ. ६।३४ या. ऋषि ५
[A महालयारम्भः प्रौष्ठ्रपदी १५
वक्रीबुधः १६।१२ पूफायां १ गुरुः ६।१६
भ. १५।६ उ. ४५।२२ या उफायां ÷
अगस्त्योदयः २८।५४
[÷शुक्रः ३०।२७
भ. ४१।१ उ. कन्यायां शुक्रः १३।३६

पश्चिमास्तो बुधः १२।४८ प्रदोषः
भ. ५३।५५ उ. सितम्बर६ अनंत १४×
[× वक्री पूफायां बुधः ६।४४
भ. २२।१ या हस्ते भौमः ३८।२१ A

२०प.भा.शु५गु.इ५।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	४	२	३	४
७	३	२९	१३	२३	१४	२	७
१८	५०	२५	६	४०	३८	३६	४४
१३	२	३७	११	३४	५६	२९	१७
५७	३९	७	१३	७४	५	३	५७
४५	१९	३	३६	१२	२३	११	४८

गोचरग्रहाः

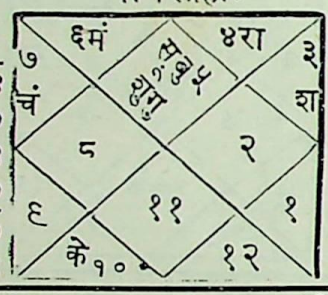

इस मास में पाँच शनिवार विषय वर्षा से खेतियोंमें नुकसान होगा। धान्य रुई चांदी सोना चंदन चावल जौ गेहूं तेज

गोचरग्रहाः

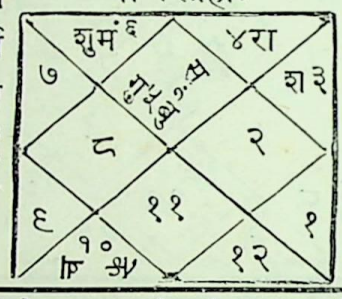

२१पं.भा.शु१२.गु.इ५।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	५	२	३	४
१४	८	२७	१४	२	१५	२	१४
३	१८	१५	३७	१७	१७	१४	२९
२५	५४	३६	३४	४९	२८	१३	५३
५७	३९	३४	१३	७४	४	३	५८
५७	३७	८	३६	६	५४	११	१

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं.२००१ शाकः १८६६						दि.		उ.		अ.		इ.	मु.	हि.	चन्द्रः
१	र	४३	२	श	५६ २	५५ ५८	ध्रु	४२	१	ब्रा	१६	४	३१ २१	४४ ५	६ १६	३ १४ १८	मी ४४ ५५
२	चं	३६	५८	उ	५४	४१	शु	३३	२८	तै	१०	०	१८	४४	१६	४ १५ १६	मीने
३	मं	३१	५	रे	५०	५२	गं	२६	१	व	४	१	१४	४५	१५	५ १६ २०	मे. ५० ५२
४	बु	२५	२५	अ	४७	१६	वृ	१८	४८	ब्रा	२५	२५	१०	४६	१४	६ १७ २१	धैषे
५	गु	२०	२३	भ	४४	३०	ध्रु	११	५८	तै	२०	२३	६	४७	१३	७ १८ २२	बृ. ५ ६३
६	शु	१६	६	कृ	४२	४२	व्या	५	३७	व	१६	६	२	४८	१२	८ १६ २३	वृषे
७	श	१२	४८	रो	४१	१७	ह	० ५	५५ १७	ब	१२	४८	३० ५८	४८	१२	६ २० २४	वृषे
८	र	१०	३४	मृ	४१	१६	सि	५१	३४	कौ	१०	३४	५३	४६	११	१० २१ २५	मि. ११ ३१
६	चं	६	३२	आ	४३	३	व्य	४८	४६	ग	६	३२	४६	५०	१०	११ २२ २६	मिथुने
१०	मं	६	५६	पु	४५	३६	व	४६	५८	वि	६	५६	४५	५१	६	१२ २३ २७	क. ३० ०
११	बु	११	२८	पु	४६	३५	प	४६	११	ब्रा	११	२८	४०	५२	८	१३ २४ २८	कर्के
१२	गु	१४	१२	श्ले	५४	२७	शि	४६	२२	तै	१४	१२	३६	५३	७	१४ २५ २६	सिं. ५४ २७
१३	शु	१८	३	म	६०	०	सि	४७	११	व	१८	३	३२	५४	६	१५ २६ ३०	सिंहे
१४	श	२२	४१	म	०	१४	सा	४८	१६	श	२२	४१	२८	५४	६	१६ २७ ३१	सिंहे
३०	र	२७	२७	पू	६	३१	शु	४६	४५	ना	२७	३७	२४	५५	५	१७ २८ १	क. २३ ६

वर्षर्तू रविरुत्तरभाद्रपदकृष्णाति महा राष्ट्राः

भ. ४।१ उ. ३१।५ या. च. ब्र.
हस्ते शुक्रः २०।१६

उ. गु.

भ. १६।६ उ. ४४।२७ या
पूफायां २ गुरुः २४।४७
[÷सर्व पितृ ३०
भ. ३६।३५ उ.
भ. ६।५६ या उदयं गुरोः ७।४८
उफायां रविः ७।४७ इन्दिरा ११
पूर्वोदयी बुधः ५०।७ प्रदोषः
भ. १८।३ उ. ५०।२२ या.
कन्यायामर्कः ३०।८ शस्त्रादिहतानांश्राद्धम्
मार्गीबुधः ४८।३४ चित्रायांशुक्रः ६।३४÷

२२पं.आ.कृ.५गु.इ.५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	१	४	५	२	३	४
२०	१२	२१	१६	१०	१५	१	२१
५०	५०	०	८	५५	५२	५१	१६
५	१३	५०	२०	१६	१२	२८	५९
५८	३९	६ ५९	१३	७४	४	३	५८
१२	४७	८	३६	०	२८	११	१३

गोचरग्रहा

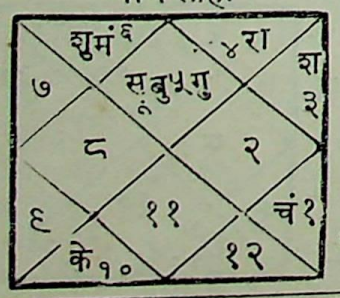

आश्विन कृ. १४ शन कन्यायामर्कः प्र.वा. ४ न. ४ अतिवन्या-वऽस्था (सती) मृ. ३० धान्य भावसम शुक्रोदयः पश्चिमे.

गोचरग्रहाः

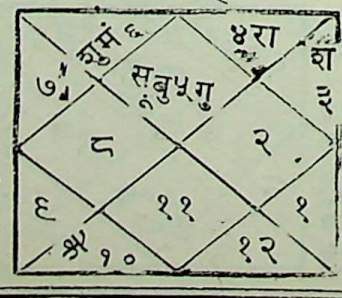

२३पंआ.कृ.१२गु.इ.५ ४/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	५	९	३	४
२७	१७	१६	१७	१९	१२	१	२८
३८	२३	१	३९	३२	१६	२९	५
२९	४९	३०	०	३५	४८	४२	२४
५८	४०	५५ ५५	१३	७३	३	३	५८
२९	४	८	३०	५४	४९	११	२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं २००१ शाकः १८६६						दि.		उ.		अ.		इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरद.रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४५४सन् १९४४
१	चं	३२	४१	उ	१२	५१	शु	५१	१८	क	०	९	३० २०	५६ ५	६ ४	१८	२	२९	कन्या	आर्द्रायां ४ शनिः ३०।१० नवरात्रारंभः
२	मं	३७	२२	ह	१९	५	च	५२	४	ग्रा	५	१	१६	५७	३	१९	३	३०	तु. ५१।५७	चंदद. [घटस्था
३	बु	४९	२१	चि	२४	४९	ऐं	५२	३६	तै	९	२२	१२	५८	२	२०	४	१	तुला	सव्वाल. मु. १० ईद
४	गु	४४	२०	स्वा	२९	२४	वै	५२	१७	व	१२	५१	८	५८	२	२१	५	२	तुला	भ. १२।५१ उ. ४४।२० या.
५	शु	४६	१३	वि	३३	११	वि	५१	२७	ब	१५	१७	४	५९	१	२२	६	३	बृ. १७।१४	तुलायां शुक्रः ३४।४० अस्तं भौमः ४६ १५
६	श	४६	५१	अ	३५	२४	प्री	४८	४२	की	१६	३२	३० ३०	३६ ०	६ ०	२३	७	४	बृश्चिके	चित्रायां भौमः ४।४०
७	र	४६	१	ज्ये	३६	३८	आ	४५	२४	ग	१६	२६	२९ ५५	६ १	५ ५९	२४	८	५	ध. ३६।३८	भ. ४६।१ उ. [÷दुर्गा पू.
८	चं	४३	५७	मू	३६	४५	सो	४१	४	वि	१४	५९	५१	२	५८	२५	९	६	धनुषि	भ. ५ १९ या. पूफायां ३ गुरुः १० ६ सरस्व.
९	मं	४०	५५	पू	३५	२४	शो	३५	५६	वा	१२	५६	४७	३	५७	२६	१०	७	म. ४९।४९	हस्ते रविः ४ ३ २ ६ सरस्वती पू
१०	बु	३६	५८	उ	३३	५	अ	२९	५६	तै	८	२७	४२	४	५६	२७	११	८	मकरे	स्वात्यां शुक्रः ५९।३६ बौद्ध विजया १०
११	गु	३२	११	श्र	२९	५१	सु	२३	१३	व	४	३५	३८	४	५६	२८	१२	९	कु. ५८।१७	भ. ४ ३ ५ उ. ३ १ २ १ या. उफायांबुधः ५ १ ७ पा. ११
१२	शु	२६	४३	ध	२६	४३	धृ	१६	११	वा	२६	४३	३४	५	५५	२९	१३	१०	कुंभे	प्रदोषः
१३	श	२१	८	श	२२	५४	शू	८	३८	तै	२१	८	३०	६	५४	३०	१४	११	कुंभे	कन्यायां बुधः ५९।१९
१४	र	१४	५९	पू	१८	३८	गं	३ ३	५ ९	व	१४	५९	२६	७	५३	१	१५	१२	मी. ४।४२	भ. १ ५ १ ९ उ. ४ ९ १ ९ **अक्टूबरमा १० ता. ३१**
१५	र	८	५९	उ	१४	२८	ध्रु	४५	३३	ब	८	५९	२२	८	५२	२	१६	१३	मीने	कोजागरी ब्र. शरत् १५

२४पं.आ.शु.४ बृ.इ.४।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	४	५	२	३	५
४	२१	१७	१९	२८	१६	१	४
२८	५९	२०	८	९	४८	७	५५
३७	२४	१७	४६	२५	२५	२७	१६
५८	४०	२८	१३	७३	३	३	५८
४५	२०	मा	२४	४८	१६	११	३८

गोचरग्रहा

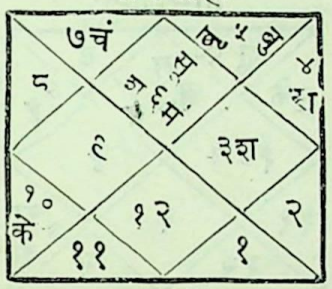

इस मास में प्रजा मे ज्वरादि पीड़ा होगी सूर्य से आगे मंगलका रथ चलता है यह वर्षा रोकेगा 'पुरोंगारमनावृष्टिः

गोचरग्रहाः

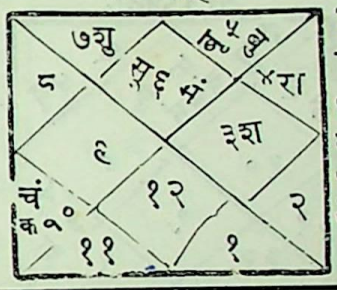

२५पं.आ.शु.११बृ.इ. ४ ३ ९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	४	६	२	३	५
११	२६	२५	२०	६	१७	०	११
२०	३७	१४	३७	४६	१०	४५	४६
४१	४४	१३	२३	१२	५	१२	५५
९९	४०	९८	१३	७३	३	३	५८
०	२०	१०	१८	४२	४९	११	५३

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं.२००१ शाकः १८६६						दि.		उ.		अ.		इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरद्दतू रविर्दक्षिणेऽआश्विन कृ. महाराष्ट्राः
१	मं	३	८	रे	१०	४०	व्या	३८	१०	की	३	८	२९ १८	६ ८	५ २	३	१७	१४	मे. १०।४०	तुलायां भौमः १० १४ पूर्वास्तं बुधः १९ २१
२	मं	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	बु	५२	३३	अ	७	७	ह	३१	७	व	२५	३	१४	९	५१	४	१८	१५	मेषे	भ. २५।३ उ. ५२।३३ या.
४	गु	४८	२२	भ	४	४	ब	२४	३९	व	२०	२८	१०	१०	५०	५	१९	१६	वृ. १८।३३	करक ४ ब्रे.
५	शु	४५	८	ऋ	२	०	सि	१८	५०	की	१६	४५	६	११	४९	६	२०	१७	वृषे	हस्ते बुधः ४६।५९
६	श	४२	५९	रा	०	३७	व्य	१३	४८	ग	१४	३	२	१२	४८	७	२१	१८	मि ३०।३५	भ. ४२।५९ उ.
७	र	४२	२	मृ	०	३४	व	९	४६	वि	१२	३०	२५ ५८	१२	४८	८	२२	१९	मिथुने	भ.१२।३० या.विशाखायां शुक्रः ४ ५
८	चं	४२	३४	आ	१	३२	प	६	३०	बा	१२	१८	५४	१३	४७	९	२३	२०	क.४८।४	हीई ८
९	मं	४४	७	पु	३	३४	शि	४	२७	तै	१३	२०	५०	१४	४६	१०	२४	२१	कर्के	चित्रायां रविः १३।१३
१०	बु	४६	५५	पु	७	३०	सि	३	१९	व	१५	३१	४६	१५	४५	११	२५	२२	कर्के	भ. १ ३ ५ १ उ. ४ ५ ६ ५ या.पूंफायां४गुरुः ३१।१८
११	गु	५०	५१	श्ले	१२	६	सा	२	३४	ब	१८	५३	४२	१६	४४	१२	२६	२३	सि. १२।६	मियुने राहुःधनुषि केतुः १७ ११ रमा११स्मा.
१२	शु	५५	३४	म	१७	३५	शु	३	४०	की	२३	१२	३८	१६	४४	१३	२७	२४	सिंहे	स्वात्यां भौमः २।२१ गोवत्सपूजा
१३	श	६०	०	पू	२३	४२	शु	४	४८	ग	२८	५	३४	१७	४३	१४	२८	२५	कं.४०।२०	चित्रायां बुधः २०।२० प्रदोषः धन१३
१३	र	०	३६	ज	३०	१६	त्र	६	२४	व	०	३६	३०	१८	४२	१५	२९	२६	कन्या	भ.०।३६ उ.३३।१०या.१४ नरक १४
१४	चं	५	४५	ह	३६	४०	ऐं	७	२६	श	५	४५	२६	१९	४१	१६	३०	२७	कन्या	बृश्चिकेशुक्रः ५६।५८ तुलायामर्कः ५ ५ ७ ÷
३०	मं	१०	३२	चि	४२	२०	वै	८	३३	ना	१०	३२	२२	२०	४०	१७	१	२८	तु. ९।३०	गोवर्धन पू. अन्नकूटम् [÷महालक्ष्मीपू.

२६पं.का.कृ.४ बृ.इ.४।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	४	६	२	३	५
१८	१	६	२२	१५	१७	०	१८
१४	१७	४७	७	२२	२६	२२	४०
२९	३४	२८	८	३४	४२	५६	१२
५९	४०	२ ८	१२	७३	१	३	४९
१६	४४	४२	५८	२४	५०	११	९

गोचरग्रहाः

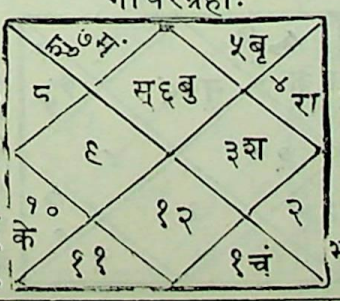

कार्तिक कृष्णा १४ चंद्रे तुलायामर्कः प्र. वा. ३न.४ पुत्रवत्यवस्था(सूती) मुहूर्ता ३० (धान्यभावसम)शुक्रोदयःपूर्वे

गोचरग्रहाः

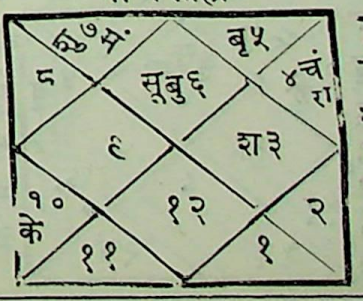

२७पं.का.कृ.११ बृ.इ.४।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	४	६	२	३	५
२५	६	१९	२३	२३	१७	०	२५
१०	०	९	२८	५८	३८	०	३५
१२	२२	५४	५९	३४	२	४१	१०
५९	४०	८	१२	७३	१	३	५९
३१	५८	२ ८	३२	१७	११	११	२१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २००१ शाकः १८६६						दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरद्दतू रविर्द.ऽहर्गणः ३४८४ सं १९४४.
१	बु	१४	३६	स्वा	४७	३१	वि	९	५	ब	१४	३६	२५ १८	६ २०	५ ४०	१८	२	२९	तुलायां	चंद्रदर्शनम् तुलायां बुधः २१।३४
२	गु	१७	३९	वि	५१	२४	प्री	८	५१	कौ	१७	३९	१४	२१	३९	१९	३	१	वृ. ३५।२६	मैत्रे शुक्रः ४१।१२ जिल्काद मु. ११यम*
३	शु	१९	३८	अ	५४	१२	आ	७	४१	ग	१९	३८	१०	२२	३८	२०	४	२	बृश्चिके	भ. ४९।५९ उ. [*२ कलमदवातपूजा
४	श	२०	२१	ज्ये	५५	७	सौ	५	३८	वि	२०	२१	६	२३	३७	२१	५	३	ध. ५५।७	भ. २०।२१ या.
५	र	१९	३६	मू	५५	४५	शो	३ ३	५ ६	वा	१९	३६	२	२४	३६	२२	६	४	धनुषि	स्वात्यांबुधः ९।१८
६	चं	१७	३९	पू	५४	४१	सु	५३	२७	तै	१७	३९	२७ ५८	२४	३६	२३	७	५	धनुषि	बक्री शनिः ८।८ स्वात्यां रविः ३६।५७
७	मं	१४	३८	उ	५२	४४	धृ	४७	३६	व	१४	३८	५४	२५	३५	२४	८	६	म. ९।१५	भ. १४।३८ उ. ४२।४१ या
८	बु	१०	४४	श्र	४९	५६	शू	४१	३	ब	१०	४४	५०	२६	३४	२५	९	७	मकरे	गोपाष्टमी
९	गु	६	०	ध	४७	२८	गं	३४	२	कौ	६	०	४६	२७	३३	२६	१०	८	कु. १८।४२	कुष्मांड ९
१०	शु	०	३९	श	४२	४०	बृ	२६	३२	ग	०	३९	४२	२८	३२	२७	११	९	कुम्भे	भ. २७।४८ उ. ५४।५६ या. प्रबोधती ११¿
११	शु	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[¿ब्र. स्मा. तुलसी वि वा. पंचभीष्म
१२	श	४९	१	पू	३८	३४	धु	१८	५०	ब	२१	५९	२८	२८	३२	२८	१२	१०	मिं २४।३६	उफायां १ गुरुः ३६।४१ प्रबो ११ब्र.
१६	र	४३	५	उ	३५	३१	व्या	११	०	कौ	१६	३	३४	२९	३१	२९	१३	११	मीने	प्रदोषः [! विशाखायां बुधः ३१।३५
१४	चं	३६	५७	रे	३०	३१	ह	१६ ३	५२ २३	ग	१०	१	३१	३०	३०	३०	१४	१२	मे. ३०।३१	भ. ३६।५७ उ. ज्येष्ठायां शुक्रः २६।१६!
१५	मं	३१	४८	अ	२६	५०	सि	४८	२५	वि	४	२२	२७	३१	२९	३१	१५	१३	मेषे	भ. ४।२२ या. का. स्नान स. पु. यात्रा म.

२८ पं.का.शु.२वृ.ई. ४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	७	२	२	६
२	१०	१	२४	२	१७	२९	२
७	४५	१४	५१	२४	४४	२८	३१
४२	५०	४६	११	५२	२८	२६	३७
५९	४१	०	१२	७३	०	३	५९
४६	७	२३	१२	४	२५	११	३४

गोचरग्रहाः

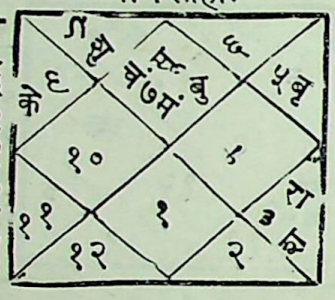

इस मास का फल खराब है राजा प्रजा में विरोध तथा रक्त विकार की बीमारी ताप तेजरा फैलेगा धान, रुई, अलसी तेज

गोचरग्रहाः

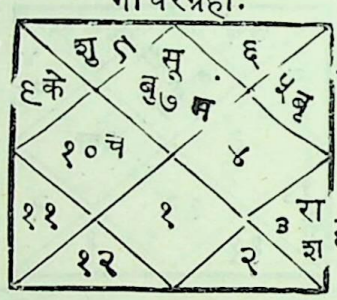

२९ पं.का. श. ९ब.इ. ३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	७	२	२	६
९	१५	१२	२६	११	१७	२९	९
७	३३	५४	१०	८	४४	१६	२९
४	७	५०	८	४९	५६	१०	५६
६०	४१	०	११	७२	१८	३	५९
२	१८	५८	४४	४८	ब	११	४७

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २००१ शाकः १८६६						दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्र	शरद्दनू रविर्द. कार्तिक कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	बु	२६	५५	भ	२३	४२	व्य	४१	४३	कौ	२६	५५	२७ २४	६ १	५ २९	१	१६	१४	वृ. ३८।५	नवंबर मा.११ ता.३१ विशाखायां*
२	गु	२२	३९	कृ	२१	१६	व	३५	४०	ग	२२	३९	२०	३२	२८	२	१७	१५	बृषे	भ. ५१।१२ उ. [*भौम ३०।४०
३	शु	१९	४५	रा	१९	३६	प	३०	२३	वि	१९	४५	१७	३३	२७	३	१८	१६	मि ४९।२७	भ. १९।४५ या. चतुर्थी ब्र.
४	श	१७	४३	मृ	१९	१९	शि	२५	५९	वा	१७	४३	१३	३३	२७	४	१९	१७	मिथुमे	[×बुध ३५।४३
५	र	१६	४९	आ	१९	५९	सि	२२	३४	तै	१६	४९	१०	३४	२६	५	२०	१८	मिथुने	विशाखायां रविः ५४।२२ बृश्चिके×
६	चं	१७	२९	पु	२१	४९	सा	२०	५	व	१७	२९	६	३५	२५	६	२१	१९	क. ६।२२	भ. १०।२९ उ. ४८।२० या.
७	मं	१९	२१	पु	२५	१५	शु	१८	३९	ब	१९	११	३	३५	२५	७	२२	२०	कर्के	मैत्रे बुधः ५९।४६
८	बु	२२	६	श्ले	२९	४९	शु	१८	३	कौ	२२	६	५९	३६	२४	८	२३	२१	सिं २९।४६	भैरवजयंती
९	गु	२६	९	म	३५	१३	व्र	१८	२७	ग	२६	९	५६	३७	२३	९	२४	२२	सिंहे	भ. ५८।३३ उ.
१०	शु	३०	५७	पू	४१	१६	ऐं	१९	१५	वि	३०	५७	५२	३८	२२	१०	२५	२३	कं. ५७।५२	भ. ३०/५७ या. धनुषिमूले शुक्रः ३१/७ पश्चि¿
११	श	३६	७	उ	४७	४१	वै	२०	२९	ब	३	२२	४९	३८	२२	११	२६	२४	कन्या	उत्पत्ति ११ ब्र. [¿मोंदयं बुधः ५४/१३
१२	र	४१	२३	ह	५४	५	वि	२१	४८	कौ	८	४५	४६	३९	२१	१२	२७	२५	कन्या	
१३	चं	४६	११	चि	५९	५७	प्री	२२	४७	ग	१३	४७	४३	३९	२१	१३	२८	२६	तु. २७।१	भ. ४६।११ उ. प्रदोषः
१४	मं	५०	१८	स्वा	६०	०	आ	२३	२३	वि	१८	१४	४०	४०	२०	१४	२९	२७	तुला	भ. १८।१४ या.
३०	बु	५३	५४	स्वा	५	१६	सौ	२३	२२	च	२१	५१	३७	४१	१९	१५	३०	२८	बृ. ५३।२३	बृश्चिके भौमः ४७/५१ बृश्चिकेऽर्कः ४९/४९

३० पं.मा.कृ.२वृ.इ.३।४६

र	मं	ब्र	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	७	२	२	६
१६	२०	२४	२७	१९	१	२८	१६
८	२२	९	२५	४१	३९	५३	२९
८	५२	३२	२३	५३	५८	५५	४२
६०	४१	९८	११	७२	४	३	६०
१८	३४	२३	६	३०	ब	११	४

गोचरग्रहाः

मा.कृ.३० बुधेबृश्चिके कर्कः प्र. वा. ३ न. ३ पुत्रवत्यवस्था (सूती) मूहर्ताः ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदय; पश्चिमे वत्सः दक्षिणे

गोचरग्रहाः

३१ पं.मा.कृ.९बृ.इ.३।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	४	७	२	२	६
२३	२५	५	२८	२८	१७	२८	२३
१०	१५	२	२६	१४	२९	३१	३१
४७	४३	४९	२५	३१	४२	३९	५
६०	४१	९६	१०	७२	४८	३	६०
३०	४४	४१	२७	९	ब	११	१७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं०२००१ शाकः १८६६ | दि. | उ. | अ. | इ. | हि. | मु. | चंद्रः | हेमंततूं रविर्दंडहगंशः ३५१३ सन् १९४४

१	गु	५५	२४	वि	९	२५	शो	२२	३६	कं	२४	२४	२६/३४	६/४१	५/१९	१६	१	२९	बृश्चिके	जेष्ठायां बुधः ४३।४५
२	शु	५६	६	अ	१२	२१	अ	२०	४१	बा	२५	४५	३१	४२	१८	१७	२	३०	बृश्चिके	चंद्रदर्शमं कन्यायां गुरुः ५२।७
३	श	५५	२३	ज्ये	१४	३	सु	१७	५१	तै	२५	४५	२८	४२	१८	१८	३	१	ध.१४।३	जिल्हेज मु. १२
४	र	५३	२६	मू	१४	३८	धू	१४	१	व	२४	२५	२६	४३	१७	१९	४	२	धनुषि	भ. २४।२५ उ.५३।२५ या.अनुराधायां*
५	चं	५०	२६	पू	१३	५४	शू	९	११	ब	२१	५६	२६	४३	१७	२०	५	३	म.२८।२५	मैत्रे भौमः २९।२४ [*रविः ६।२८
६	मं	४६	२५	उ	१२	०	गं	३/२७	५/३६	कौ	१८	३१	२६	४४	१६	२१	६	४	मकरे	पूषायां शुक्रः२६।५२ पातस्पर्श×
७	बु	४१	५१	श्र	९	३०	धु	५०	४	ग	१४	१३	२१	४४	१६	२२	७	५	कु.३७।५७	भ. ४१।५१ उ.
८	गु	३६	२९	ध	६	२५	व्या	४२	३४	वि	९	१०	१८	४५	१५	२३	८	६	कुम्भे	भ.९।१०या. [×१५।१५ पातमोक्षः ४/२५
९	शु	३०	५२	श	२/२३	५/५६	ह	३४	५०	बा	३	४१	१३	४५	१५	२४	९	७	मी. ४५।०	कल्पादिः
१०	श	२५	११	उ	५४	१७	व	२७	७	ग	२५	११	११	४६	१४	२५	१०	८	मीने	भ.५२।१० उ. धनुषि मूले बुध ४/१९
११	र	१९	१०	रे	५०	७	सि	१९	१९	वि	१९	१०	८	४६	१४	२६	११	९	मे.५०।७	भ.२९।१० या. हज्ज. मोक्षदा ११ ब्र.
१२	चं	१३	२७	अ	४६	१५	व्य	११	३८	बा	१३	२७	६	४७	१३	२७	१२	१०	मेषे	बक्री अर्द्रायां ३ शनिः १२।१६ प्रदोषः
१३	मं	८	१०	भ	४३	६	व	४/१४	५/२३	तै	८	१०	३	४७	१३	२८	१३	११	वृ.५७।२६	पिशाचमोचन श्राद्ध
१४	बु	४	१८	कृ	४०	२८	शि	५०	५१	व	४	१८	२६/१९	४८	१२	२९	१४	१२	बृषे	भ.४।१८उ. ३१।५० या. श्रीदत्तजयंती
१५	बु	५५	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

२२पं.मा.शु.१बु.इ.३।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	८	२	२	७
०	०	१५	२९	६	१७	२८	०
१४	१०	३५	४२	४५	१४	९	३३
५१	५२	२८	२५	५०	१०	२४	५०
६०	४२	९५	९	७१	२/३	३	६०
४०	४	४९	४२	५१	व	११	३०

ग्रोचरग्रहाः

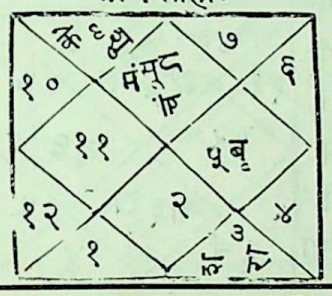

इस मास में कन्या राशि पर गुरु आते हैं सो धीरे २ रुई में ४०) ५०) की मन्दी होगी प्रजा में सुख शांति रहेगी।

गोचरग्रहाः

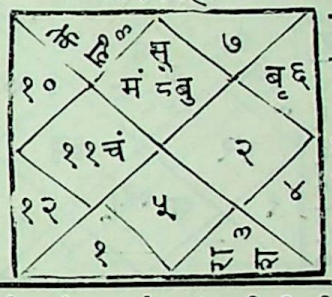

३३पं. मा.शु.८बृ.इ.३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	५	८	२	२	७
७	५	२५	०	१५	१६	२७	७
२०	८	४३	४३	१४	५४	४७	३७
२५	१३	५५	८	३८	७	९	४८
६०	४२	९४	८	७१	४/५	३	६०
५३	१४	१४	५३	२७	व	११	४२

ति. पौष कृष्णपक्षः सं० २००१ शाकः १८६६ | दि. | उ. | अ. | इ. | हिं. | मु. | चंद्रः | हमंततूं रविर्दक्षिणेमार्गशीर्षकृष्णेतिमहा.

१	गु	५६	२२	रा	३८	४३	सिं	४५	१९	बा	२७	५२	२५/५८	६/४८	५/१२	३०	१५	१३	बृषे	
२	शु	५४	२८	मृ	३८	१०	सा	४०	३६	तै	२५	२५	५६	४९	११	१	१६	१४	मि.८।२६	दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
३	श	५३	४४	आ	३८	२५	शु	३६	४७	व	२४	६	५४	४९	११	२	१७	१५	मियुने	भ. २४।६ उ.५३।४४ ज्येष्ठायांरविः १३/२७×
४	र	५४	३२	पु	४०	२२	शु	३३	५८	ब	२४	८	५२	५०	१०	३	१८	१६	क२४।५५	चतुर्थी ब्र. [×उषायां शुक्रः ३३।२६
५	चं	५६	२५	पु	४६	१८	ब	३३	९	कौ	२५	२९	५०	५०	१०	४	१९	१७	कर्के	
६	मं	५९	३१	श्ले	४७	२९	ऐं	३१	६	ग	२७	५८	४९	५०	१०	५	२०	१८	सिं४७।२९	भ. ५९।३१ उ. मकरे शुक्रः १५।३१
७	बु	६०	०	म	५२	४७	वै	३१	१८	व	३१	३७	४७	५१	९	६	२१	१९	सिंहे	भ.३१।३७या.
८	गु	३	४३	पू	५८	५०	वि	३२	१	ब	३	४३	४६	५१	९	७	२२	२०	सिंहे	पूषायां बुधः २८।१८
९	शु	८	३६	उ	६०	०	प्री	३३	९	कौ	८	६६	४४	५१	९	८	२३	२१	कं.१५।२४	उफा. ल. ७ रे. ७।१ ऽ॒।।।ऽऽ।।
१०	श	१३	४७	उ	५	८	आ	३४	२१	ग	१३	४७	४३	५१	९	९	२४	२२	कन्या	भ. ४६।२२ उ. ज्येष्ठायां भौमः ९।१
११	र	१८	५९	ह	११	२७	सौ	३५	२५	वि	१८	५९	४२	५२	८	१०	२५	२३	तु.४४।३२	भ. १८।५९ या.
१२	चं	२३	५९	चि	१७	३८	शो	३६	२०	बा	२३	५९	४१	५२	८	११	२६	२४	तुलायां	सफला ११ ब्र. स्वात्यां ल. ६ रे.*
१३	मं	२८	१	स्वा	२३	७	अ	३६	१८	तै	२८	१	४०	५२	८	१२	२७	२५	तुलायां	प्रदोषः [*७ऽरा।।।।ऽरो।ऽ।।
१४	बु	३१	५	वि	२७	१६	सु	३५	४९	व	३१	५	३९	५२	८	१३	२८	२६	बृ.११।२१	भ. ३१।५ उ. श्रवणे शुक्रः ३९।८
१४	गु	३२	२८	अ	३०	४५	धू	३४	१०	वि	२	२	३८	५२	८	१४	२९	२७	वृश्चिके	भ. २/२ या. बक्री बुधः ३/१५ पुन. राहु+
३०	शु	३३	४२	ज्ये	३२	५४	शू	३१	३८	च	३	२०	३८	५२	८	१५	३०	२८	ध.३२।५४	धनुष्यर्कः १७/१२ [+पूषायां ४ केतुः ४/५

२४पं.पौ.कृ१बृ.इ२।५६

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	६	८	२	२	७
१४	१०	५	१	२३	१६	२७	१४
२७	८	९	३७	४१	२९	२४	४३
५२	६	११	४८	४९	२०	५३	३
६१	४२	८९	७	७१	४/५	३	६०
३	२४	४	५९	३	व	११	५०

३५पं.पौ.कृ.७बृ.इ२।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	५	९	२	२	७
२१	१५	१२	२	२	१६	२७	२१
३४	१०	५०	२५	५	५	२	४९
५८	१६	१७	५	५३	१६	३८	२३
६१	४२	६९	६	७०	२/४	३	६०
११	३८	४४	४६	२७	व	११	५६

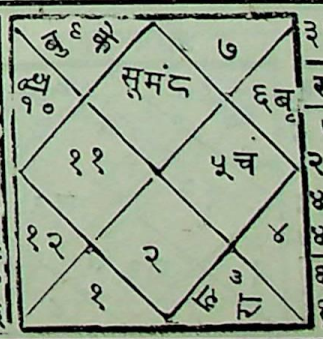

३६पं.पौ.कृ.१४बृ.इ.२।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	५	९	२	२	७
२८	२०	१५	३	१०	१५	२६	२८
४३	१४	५०	६	२७	३०	४०	५६
४३	३८	२१	४	१४	४	२/३	१०
६१	४२	८	५	६९	१/९	३	६१
१९	५०	१४	५१	४८	व	११	१०

×बु. ९ शु.के

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २००१ शाकः १८६६										दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्र	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३५४३ स १९४४
१	श	३२	५८	मू	३३	३०	गं	२८	३	किं	३	२०	२५/३७	६/५३	५/७	१६	१	२९	धनुषि	उफायां ३ गुरुः २५।२६
२	र	३०	५७	पू	३३	६	बृ	२३	२९	बा	१	५८	३७	५३	७	१७	२	३०	म.४७।४२	चंद्रदर्शनं पश्चिमास्तं बुधः ४६।२१
३	चं	२७	५७	उ	३१	३१	ध्रु	१८	४	ग	२७	५७	३७	५३	७	१८	३	१	मकरे	भ. ५६।१ उ. मोहोरम मु. १
४	मं	२४	५	अ	२९	५	व्या	११	५८	वि	२४	५	३६	५३	७	१९	४	२	कु५७।२७	भ. २४।५ या. वकी मूले बुधः १२।१८
५	बु	१९	१९	ध	२५	५०	ह	५/३	५३/४७	बा	१९	१९	३६	५३	७	२०	५	३	कुम्भे	वज्रयोगक्षयः ५२।४७
६	गु	१४	१	श	२२	१८	सि	५०	१४	तै	१४	१	३६	५३	७	२१	६	४	कुम्भे	उत्तरायण प्रवृत्तिः ५३।३०
७	शु	८	२३	पू	१८	१६	व्य	४२	२२	व	८	२३	३६	५३	७	२२	७	५	मी. ४।१७	भ. ८।२३ उ. ३५।२६ यां.
८	श	२	३०	उ	१४	११	व	३४	३४	ब	२	३०	३६	५३	७	२३	८	६	मीने	[×१९/५४ ताजिया प्रदो.
९	श	५४	११		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[*माघस्नानारम्भः
१०	र	५१	५	रे	१०	२	प	२६	५०	तै	२३	५३	३७	५३	७	२४	९	७	मे. १०।२	धनिष्ठायां शुक्रः ५२।४४ +वै.मन्वादि.
११	चं	४६	१	अ	६	११	शि	१९	१३	व	१८	३३	३७	५३	७	२५	१०	८	मेषे	भ. १८/३३ उ. ४६/१ या. पुत्रदा ११ ब्र.स्मा.+
१२	मं	४१	९	भ	५५/२	५७/५	सि	१२	६	व	१३	३५	३८	५३	७	२६	११	९	बृ. १७।११	कृतिकाक्षयः ५/५७ पुत्रदा ११ ब्र. नि.
१३	बु	३७	२०	रो	५८	११	सा	५/३१	५४/८	कौ	९	१४	३८	५२	८	२७	१२	१०	बृषे	शुभयोगक्षयः ५/८४ धनुषि मूले च भौमः×
१४	गु	३४	२६	मृ	५७	३१	शु	५४	३७	ग	५	५३	३८	५२	८	२८	१३	११	मि २७।५१	भ. ३४/२६ उ. पूषायां रविः १८।४९
१५	शु	३२	४०	आ	५७	२७	त्र	५०	३२	वि	३	३३	३९	५२	८	२९	१४	१२	मिथुने	भ. ३/३३ या. पूर्वोदयी बुधः ११।५१*

३७पं.पौ.शु.६बृ.इ. २।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	५	९	२	२	८
५	२५	१०	३	१८	१४	२६	६
५३	२०	३२	३८	४३	५६	१८	३
८	१०	२०	३५	४८	४९	७	४०
६१	४२	२५/२३	४	६९	३४/३७	३	६१
२२	५८	व	३८	०	व	११	५

गोचरग्रहा

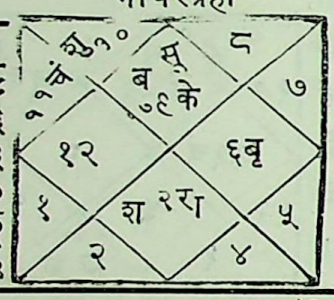

इस मास में प्रजा में सामान्य फल होगा सोना चांदी धातु तेज धान्य घृत रुई अलसी चंदन चावल मंदा

गोचरग्राह

३८पं.पौ.शु.१४बृ. इ. २।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	५	९	२	२	८
१३	०	२	४	२६	१४	२५	१३
३	३०	०	२	५५	२२	५५	११
१	२९	५०	४६	३०	२९	५२	३८
६१	४३	५/१२	३	६८	४४/२	३	६१
२६	१३	व	२५	१४	व	११	६

त.	माघ कृष्णपक्षः सं० २००१ शाकः १८६६										दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चंद्र	हेमंतर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेनिमहाराष्ट्राः
१	श	३२	३	पु	५८	५१	ऐं	४७	२२	बा	२	२२	२५/३९	६/५२	५/८	३०	१५	१३	क.४३।३०	बक्री बृश्चिके बुधः ५४/२ कुम्भे शुक्रः ४४/२८
२	र	३२	५६	पु	६०	०	वै	४५	१८	तै	२	३०	४०	५२	८	३१	१६	१४	कर्के	मार्गी बुधः ५४।१२
३	चं	३४	४९	पु	१	३०	वि	४३	५३	व	३	५३	४१	५२	८	१	१७	१५	कर्के	भ. ३।५३ उ. ३४।४९ या. जनवरी+
४	मं	३८	१५	श्ले	५	३३	प्री	४३	४३	व	६	३२	४२	५२	८	२	१८	१६	सिं५।३३	चतुर्थी ब्र. [+मा. १ता. ३१ स. १९४५
५	बु	४२	३१	म	१०	३१	आ	४४	६	कौ	१०	२३	४३	५१	९	३	१९	१७	सिंहे	
६	गु	४७	२८	पू	१६	२७	सौ	४५	६	ग	१४	५९	४४	५१	९	४	२०	१८	कं ३३।२	भ. ४७।२८ उ. धनुषि बुधः ४२।२९
७	शु	५२	४४	उ	२२	४७	शो	४६	२१	वि	२०	६	४५	५१	९	५	२१	१९	कन्या	भ. २०।५ या. शते शुक्रः ३१।५
८	श	५७	५८	ह	२९	१०	अ	४७	२५	बा	२५	२१	४७	५१	९	६	२२	२०	कन्या	
९	र	६०	०	चि	३५	२२	सु	४८	३१	तै	०	२३	४८	५०	१०	७	२३	२१	तु.२।१६	
९	चं	२	४९	स्वा	४१	२२	धृ	४८	५०	ग	२	४९	५०	५०	१०	८	२४	२२	तुला	भ. ३४।५२ उ.
१०	मं	६	५५	वि	४५	४२	शू	४८	२	वि	६	५५	५२	५०	१०	९	२५	२३	वृ.२९।३७	भ. ५/५५ या. वक्री आर्द्रायां २ शनिः ४०/४१
११	बु	९	५६	अ	४९	२५	गं	४७	१५	बा	९	५६	५४	४९	११	१०	२६	२४	बृश्चिके	उषायां रविः २/१७ षट्तिला ११ व्रतम्
१२	गु	११	४५	ज्ये	५१	६	वृ	४५	३	तै	११	४५	५६	४९	११	११	२७	२५	ध.५१।६	प्रदोषः
१३	शु	१२	२१	मू	५२	३७	धु	४१	५१	व	१२	२१	५८	४८	१२	१२	२८	२६	धनुषि	भ. १२/२१ उ. ४१/५८ या. उदयी भौमः
१४	श	११	३५	पू	५३	२८	व्या	३७	४४	श	११	३५	२६/१	४८	१२	१३	२९	२७	धनुषि	मकरेऽर्कः ३५।४४ [×युगादिः
३०	र	९	२९	उ	५१	२४	ह	३२	३७	ना	९	२९	३	४७	१३	१४	१	२८	म.८।२	पूषायां भौमः २१/१० वक्री गुरु :१९।४६×

३९पं. मा.कृ. ६गु.इ. २।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	५	१०	२	२	८
२०	५	२९	४	५	१३	२५	२०
१२	४१	३१	१७	०	४७	३३	१९
५९	४९	१	५६	२२	३५	३६	४४
६१	४२	३८/१९	१	६७	४२	३	६१
२६	३३	मा	५३	१३	व	११	६

गोचरग्रहाः

माघकृष्णा १४ शनौ मकरेऽर्कः प्रविष्ट. वा. २ न. ३ अतिबंध्यावस्था (सूती)मृ.३०(धा. भा. सम) तेज ।

गोचरग्रहाः

४०पं.मा.कृ. १२गु.इ. २।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	५	१०	२	२	८
२७	१०	३	४	१२	१३	२५	२७
२२	५४	५४	२४	५७	१३	११	२७
४८	५८	३२	७	३६	५९	२१	४७
६१	४३	६८	०	६५	२६/६	३	६१
२४	४३	४	४०	५५	व	११	६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २००१ शाकः १८६६									दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शिशिर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५७३सन् १९४५
१	चं	६	२४	अ	४६	१०	व	२६	३०	ब	६	२४	२६/५	६/४७	५/१३	१५	२	२६	मकरे	चंद्रद. श्रीवल्लभजयन्तौ [*८।।।।ऽबृ।ऽ।।
२	मं	२	२७	ध	४६	६	सि	२०	६	कौ	२	२७	८	४६	१४	१६	३	१	कु. १७।३८	सफरमु. २ [*गुरोर्वेधः
३	मं	५४	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷बृ।ऽ।।रेव.ल.८रे.७।।।ऽबृ।ऽचो।।*
४	बु	५२	१७	श	४२	३३	व्य	१३	०	व	२४	३५	१०	४६	१४	१७	४	२	कुम्भे	भ.२४/३५ उ.५२/१७या. पूभायां शुक्रः२०/३५ तिल४
५	शु	४६	३४	पू	३८	४२	व	२९/५	५२/१४	व	१६	२५	१२	४६	१४	१८	५	३	मी २४।४०	परिघयोगक्षयः५२/१४वसंत५ उभा.ल. ८रे.*
६	शु	४०	४३	उ	३४	३३	शि	४६	५५	कौ	१३	३८	१५	४५	१५	१६	६	४	मीने	पूषायांबुधः२५/६२उभा.ल.ऽन्यगो.रे.८।।।।ऽ÷
७	श	३४	५५	रे	३०	२२	सि	४२	११	ग	७	४६	१७	४५	१५	२०	७	५	मे. ३०।२२	भ.३५/४५अभि.प्र.रविः४६/४०मन्वादिःरथ७रे.×
८	चं	२६	२१	अ	२६	३१	सा	३४	२५	वि	२	८	२०	४४	१६	२१	८	६	मेषे	भ.३/८या.भीमाष्टमी[×व.ल.ऽन्यगोरे.७।।।×
९	चं	२४	१०	भ	२२	५८	शु	२७	१०	कौ	२४	१०	२२	४४	१६	२२	९	७	वृ. ३७। १६	[×ऽबृ।ऽचो।ऽ।।पादतोवेधाऽभाव;
१०	मं	१६	३३	कृ	२०	१०	शु	२०	२४	ग	१६	३३	२५	४३	१७	२३	१०	८	बृषे	भ.४७/४२उ.श्रवणेरविः२/१ पातस्पर्शः ४७/१०
११	बु	१५	५१	रा	१८	११	ब्र	१४	१८	वि	१५	५१	२७	४३	१७	२४	११	९	मि ४७। २७	भ.१५/५१या.अभि.नि.रवि१५/१७पातमोक्षयः≡
१२	गु	१३	५	मृ	१६	४३	ऐं	९	२	ग्रा	१३	५	३०	४२	१८	२५	१२	१०	मिथुने	भीष्मद्वादशी.प्रदोषः [≡११/३३जया११ब्र.≡
१३	शु	११	२३	आ	१६	५०	वै	४	४१	तै	११	२३	३३	४१	१९	२६	१३	११	मिथुने	मीनेशुक्रः३/८८/९कल्पादिः [≡मृगेल.गोरे≡
१४	श	११	३	पु	१७	५४	वि	२५/५	५७/१६	व	११	३	३६	४१	१९	२७	१४	१२	क. २।३८	भ.११।२उ.४१।२८या. प्रीतियोगक्षयः५७/१६
१५	र	११	५४	पु	२०	२१	आ	५७	२२	ब	११	५४	३९	४०	२०	२८	१५	१३	कर्के	माघस्नान पूर्तिः [≡७।।।।।ऽ।।ऽऽगणि≡

४१प.मा.शु.५गु.इ.३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	५	१०	२	२	९
४	१६	११	४	२०	१२	२४	४
३२	१०	२५	२१	४४	४२	४९	३५
१७	१९	३०	७	३५	०	६	३८
६१	४३	८१	४५	६४	४	३	६१
१९	४८	२	व	२८	व	११	३

गोचरग्रहाः

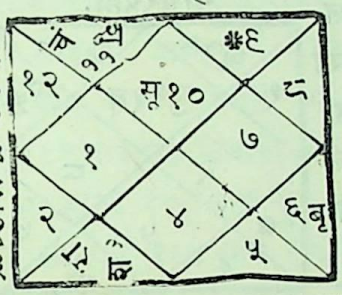

इस मास का फल महा अशुभ है कहीं पर युद्ध होगा विग्रह फैलेगा कहीं पर भूकंपादि उपद्रव होंगे खेतियोंमें हानि होगी

गोचरग्रहाः

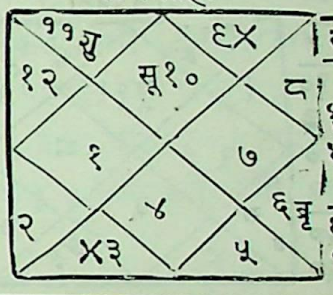

४२पं.मा.शु१२गु.इ.२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	५	१०	२	२	९
११	२१	२०	४	२८	१२	२४	११
४१	२७	२८	८	१९	१२	२६	४२
९	४३	४८	१३	८	५४	५०	५०
६१	४४	८७	२/१६	६२	५२/व	३	६०
१३	३	११	व	४२	व	११	५९

ति.	फाल्गुनकृष्णपक्षः सं० २००१ शाकः १८६६									दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे. माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	चं	१४	१	श्ले	२४	१०	सौ	५५	३८	कौ	१४	१	२६/४२	६/४०	५/२०	२६	१६	१४	सि २४। १०	उषायांबुधः ३३।४ उभायांशुक्रः४२।२८
२	मं	१७	२४	म	२८	४७	शो	५६	५८	ग	१७	२४	४५	३६	२१	३०	१७	१५	सिंहें	भ. ४६।३६
३	बु	२१	४८	पू	३४	३२	अ	५७	४१	वि	२१	४८	४८	३८	२२	३१	१८	१६	क. ५१।७	भ.२१/४८या.मकरेबुधः४४/४२उषायांभौमः ५/३६×
४	शु	२६	४५	उ	४०	५२	सु	५८	५४	बा	२६	४५	५२	३८	२२	१	१६	१७	कन्या	**फरवरी मा. २ ता. २८**
५	शु	३२	०	ह	४७	१३	धृ	६०	०	तै	३२	०	५५	३७	२३	२	२०	१८	कन्या	[×चतुर्थीब्र.उफा.ल.गो.८रे८।।ऽबृ।।।ऽ।।
६	श	३७	११	चि	५३	४०	धृ	०	२	ग	४	३५	५६	३६	२४	३	२१	१६	तु. २०।२६	भ. ३७।११ उ.
७	र	४१	५७	स्वा	६०	०	शू	१	१३	वि	६	३४	२७/३	३५	२५	४	२२	२०	तुला	म.३/६या.स्वा.ल.गो.८रे.६ऽबु.रा.।।।।ऽऽऽ।
८	चं	४५	५७	स्वा	०	२	गं	१	४६	बा	१३	५७	६	३५	२५	५	२३	२१	वृ. ४८। १५	मकरेभौमः १२/१९धनिष्ठायांरविः५८/३-
९	मं	४८	५४	वि	४	१६	बृ	१	४६	तै	१७	२६	१०	३४	२६	६	२४	२२	वृश्चिके	पातमोक्षः १४।२५ [-पातस्पर्शः५६।७
१०	बु	५०	३५	अ	८	१०	धु	५४/०	५८/६	व	१६	४४	१३	३३	२७	७	२५	२३	वृश्चिके	भ.१४/४४उ.५०/३५ या. श्रवणेबुधः ३/२० बक्री÷
११	शु	५०	५६	ज्ये	१०	५५	ह	५६	१३	ब	२०	४७	१६	३३	२७	८	२६	२४	ध. १०।५५	विजया११ब्र.स्मा.वै. [÷उफायां२गुरुः३/२८
१२	शु	५०	५	मू	११	५१	व	५२	१५	कौ	२०	३२	२०	३२	२८	९	२७	२५	धनुषि	विजया ११ नि.
१३	श	४७	५४	पू	२१	२६	सि	४७	१	ग	१६	०	२३	३१	२६	१०	२८	२६	म. २७।८	भ. ४७।५४ उ. प्रदोषः
१४	र	४४	३३	उ	११	१६	व्य	४२	५	वि	१६	१४	२७	३१	२६	११	२६	२७	मकरे	भ.१/६४या.पूर्वास्तंबुधः३/४महाशिवरात्री व्र.
३०	चं	४०	४०	अ	६	१०	व	३५	४७	च	१२	३६	३०	३०	३०	१२	१	२८	कु. ३७।४७	कुम्भेऽर्कः४/६रेवत्यांशुक्रः२/७ सोमवती ३०

४३पं.फा.कृ४बृ.इ.२।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	५	११	२	२	९
१८	२६	०	३	५	११	२४	१८
४९	४६	२६	४६	४०	४७	४	४९
९	८	४२	३४	४१	१७	३५	२३
६१	४४	९१	३/३८	६०	१/१६	३	६०
४	१३	१०	व	२३	व	११	५५

गोचरग्रहाः

फाल्गुन कृष्णा ३० चंद्रे कुम्भेऽर्कः प्र. वा. ३न. ३ अतिवंध्यावस्था (सूती) मुहूर्त्ताः ३० (धान्यभाव सस) शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

४४पं फा.कृ.११बृ.इ.२।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	५	११	२	२	९
२५	२	११	३	१२	११	२३	२५
५५	६	७	१६	३०	२५	४२	५५
५७	४०	१६	४४	३२	२६	२०	१३
६०	४४	९५	४७/व	५७	३५/व	३	६०
५५	२९	५२	व	३२	व	११	४७

*९के.बु.मं. सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×९के.मं.बु. ×३रा.श.मं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्ष सं. २००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६०२	सं १९४५

१	मं	३५	४२	ध	६	१८	प	२८	४७	कि	८	११	२७ ३४	६ २९	५ ३१	१३	२	२९	कुम्भे
२	बु	३०	१८	श	५६ २	५५ १९	शि	२१	२४	बा	३	०	३८	२८	३२	१४	३	३०	मि.४५।९
३	गु	२४	३२	उ	५५	९	सि	१३	५५	ग	२४	३२	४२	२८	३२	१५	४	१	मीने
४	शु	१८	४१	रे	५०	५८	सा	५२ ६	४२ १४	वि	१८	४१	४६	२७	३३	१६	५	२	मे.५०.५८
५	श	१२	५३	अ	४७	११	शु	५०	४१	वा	१२	५३	५०	२६	३४	१७	६	३	मेषे
६	र	७	१५	भ	४३	३१	न	४३	२४	तै	७	१५	५४	२५	३५	१८	७	४	बृ.५७।४५
७	चं	२	२	कृ	४०	२८	ऐं	३६	१७	व	२	२	५८	२४	३६	१९	८	५	बृषे
८	चं	५५	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	मं	५३	७	रो	३८	१०	वे	३०	३	वा	२५	४०	२ ३	२४	३६	२०	९	६	बृषे
१०	बु	५१	७	मृ	३६	३४	वि	२४	३३	तै	२२	२९	६	२३	३७	२१	१०	७	मि.७।१२
११	गु	४९	२८	आ	३६	३०	प्री	१९	५६	व	२०	१७	१०	२२	३८	२२	११	८	मिथुने
१२	शु	४८	५७	पु	३७	१८	आ	१६	११	ब	१९	१३	१४	२१	३९	२३	१२	९	क.२२।६
१३	श	५०	१	पु	३९	३३	सौ	१३	२५	को	१९	२९	१८	२०	४०	२४	१३	१०	कर्के
१४	र	५२	१२	श्ले	४२	५४	शो	११	३८	ग	२१	६	२२	२०	४०	२५	१४	११	सि४२।४५
१५	चं	५५	३८	म	४७	४३	अ	१०	४८	वि	२३	५०	२६	१९	४१	२६	१५	१२	सिंहे

[Aफुलरिया २
पूर्याभाद्रपदाक्षयः ५६।१९ चंद्रदर्शनम्A
भ. ५१।३६ उ. धनिष्ठायां बुधः ३४।१*
भ. १८।४१ या. शुभयोगक्षयः ५२।१४
[*पुनः १ राहुः पूषायां ३ केतुः ५ ३/५ ×
शतेरविः ३८।१० श्रवणे भौमः २६।१०
अ.२।२उ. २९।४६ या. कुम्भे बुधः ÷
[÷३१।३४ होलाष्टक. होई ८
[×रविलावल मु. २ उभा ल.¿
[¿८रे. ७।।।।ऽवृ ऽ।।।ऽ
भ. ३/१७ उ. ४/२८ या. आमलकी ११ ब्र.
शतेबुधः १५।५८ आमलकी ११ ब्र.
प्रदोषः
भ. ५२।१२ उ.
भ. २३।५० या. होलिका दहनम्

४५पं.फा.शु.३वृ.इ.२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	५	११	२	२	१०
३	७	२२	२	१९	११	२३	३
१	२८	२७	३८	१७	८	२०	०
५९	३४	३२	३९	४६	३५	४	९
६०	४४	०	६०	५४	५५	३	६०
४२	३९	१३	व	२०	व	११	३७

गोचरग्रहा

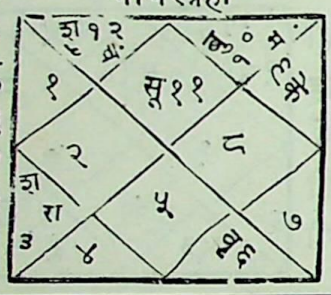

इस मास का फल श्रेष्ठ है सरस्यों सण कुष्ठा कपड़ा नील दाख सोंठ गुड़ खांड घृत गेहूं तेज होगा ।

गोचरग्रहाः

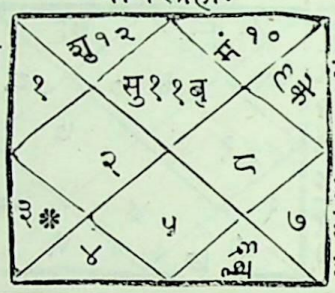

४६पं.फा.शु.११वृ.इ.२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	५	११	२	२	१०
१०	१२	४	१	२५	१०	२२	१०
६	५०	२९	५३	२२	५६	५७	३
३०	५३	४६	५६	२६	४६	४९	३८
६०	४४	०	४८	४८	२०	३	६०
३१	४४	५७	व	५६	व	११	२५

ति.	प्र.चैत्र कृष्णपक्षः सं.२००१ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	वसन्तऋतु रविरुत्तरे फा. कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	६०	०	पू	५२	५७	सु	१०	५०	वा	२७	४९	२८ ३०	६ १८	५ ३१	२७	१६	१३	सिंहे
२	बु	६०	०	उ	५९	५	धृ	११	४३	तै	३२	२७	३४	१७	४३	२८	१७	१४	कं९।२८
२	गु	४	५४	ह	६०	०	शू	१२	४७	ग	४	५४	३८	१६	४४	१	१८	१५	कन्या
३	शु	१०	९	ह	५	३३	गं	१४	७	वि	१०	९	४२	१६	४४	२	१९	१६	तु.३८।३२
४	श	१५	१४	चि	११	३२	वृ	१५	११	बा	१५	१४	४६	१५	४५	३	२०	१७	तुलायां
५	र	१९	५४	स्वा	१७	५७	ध्रु	१५	४९	तै	१९	५४	५०	१४	४६	४	२१	१८	तुलायां
६	चं	२३	५१	वि	२३	१५	व्या	१६	३३	व	२३	५१	५४	१३	४७	५	२२	१९	वृ:६।५६
७	मं	२६	३९	अ	२७	१४	ह	१५	५७	ब	२६	३९	५८	१२	४८	६	२३	२०	वृश्चिके
८	बु	२८	१२	ज्ये	३०	८	व	१४	३९	को	२८	१२	२९ ३	१२	४८	७	२४	२१	ध.३०।८
९	गु	२८	२६	मू	३१	४९	सिं	११	५३	ग	२८	२६	६	११	४९	८	२५	२२	धनुषि
१०	शु	२७	२४	पू	३२	२६	व्य	८	२७	वि	२७	३४	१०	१०	५०	९	२६	२३	म.४८।१३
११	श	२५	४	उ	३१	३३	व	५ ४	५८ ५५	बा	२५	४	१४	९	५१	१०	२७	२४	मकरे
१२	र	२१	४५	अ	२९	४४	शि	५२	४१	तै	२१	४५	१८	८	५२	११	२८	२५	कु.५८।२१
१३	चं	१७	३३	ध	२७	०	सि	४७	८	व	१७	३३	२३	७	५३	१२	२९	२६	कुम्भे
१४	मं	१२	३०	श	२३	५२	सा	३८	५८	श	१२	३०	२७	७	५३	१३	३०	२७	कुम्भे
३०	बु	७	०	पू	२०	२	शु	३१	३०	ना	७	०	३१	६	५४	१४	१	२८	मी.६।००

मेषेऽश्वन्यां च शुक्रः ५९।२९ वसंत
उफा ल. गो. रे९।।ऽवृ।।।।।।।
भ.३७।३१ उ. मार्च ३ ता. ३१
भ. १०/९ या. पूभायां बुधः २५/२९ चतुर्थी ब्र.
पूभायां रविः ५२।५८
[*शनिः४७।२
भ. २३।५१ उ. ५५।१५ या. मार्गी*
[×३६।३१ शीतला पूजनम्
मीने बुधः ४०।१४ धनिष्ठायां भौमः×
भ. ५७।५५ उ.
भ.२७।२४ उभायां बुधः २०।१२ वक्री¿
परिघयोगक्षयः ५/४ ५/५ पापमोचिनो ११ब्र.
प्रदोषः [¿सिंहे गुरुः ३४।२७
भ.१७।३३ उ. ४५।१ या.
मीनेऽर्कः ५३।१६ मन्वादिः
पश्चिमोदयीबुधः ४/१७ ५/१९ अहर्गणः ३/३ ६/१ च.३के

४७पं.प्र.चै.कृ.२वृ.इ.३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	५	०	२	२	१०
१७	१८	१७	१	०	१०	२२	१७
९	१४	१६	५	४५	५०	३५	५
२०	५३	४१	२४	१४	२८	३३	५२
६०	४४	२९	७	४२	२७	३	६०
२०	५५	५९	ष	३०	व	११	१२

गोचरग्रहाः

प्र.चै. कृ. १४ भौमे
मौनेऽकः प्र. वा.२
न.४ पुत्रवत्यवस्था
(सूती) मुहूर्ताः ३०
(धान्यभावसम)
शुक्रोदयः पश्चिमे

गोचरग्रहाः

४८पं.प्र.चै.कृ.९वृ.इ३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	५	०	२	२	१०
२४	२३	०	०	५	१०	२२	२४
१०	४०	४६	१२	१७	४९	१३	६
४१	१६	३७	१४	१०	२६	१८	३४
६०	४५	०	१४	२४	१३	३	४९
५	१	१/१	व	१६	व	११	५८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

श चं रा

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद पङ्कज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०४६ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकालः ५०४६ भोग्यकलिः ४२६९५४ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीरविक्रमादित्य राजतोगताब्दाः सम्वत् २००२ शाकः १८६७ वर्षेऽस्मिन्राजा शुक्रः। मंत्री शुक्रः । सस्येशश्चंद्रः । धान्येशः शनिः । मेघेशो गुरुः । रसेशो बुधः । नीरसेशो रविः । फलेशो गुरुः । धनेशो रविः दुर्गेशो गुरुः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्येविष्णुविंशतिकायां १२ विलम्ब नाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्क–समये गतमासादिः १।२१।५८।४८ भोग्यमासादिः १०।८।१।१२ पितृ-दैवतंयुगम् । वर्षनाम फाल्गुनः । मेघ ४ नाम संवर्तः । समय निवासो वाणिग्गृहे (ताखड़ी में) रोहिणी निवासः संधौ । समय विश्वा २० । समय वाहनं दर्दुरः । स्तम्भ १ सोमवत्यमा १ । सोमवती पंचमी १ । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी १ समय मुहूर्ताः ३१५ । समय दिनानि ३०४ । तिथि क्षयः १६ । तिथि वृद्धिः १० । उत्पति विश्वा ९९ । खपति विश्वा १२६ । वर्षा विश्वा ७. धान्य १७. तृण १३. शींत १३. तेज १३ वायु ७ शनि दृष्टिः पूर्वे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यं १११ सत्यं ॥. धर्म १॥. पाप १८ ग्रहणे २ चन्द्रमसः ।

संं २००२ ज्येष्ठा शुक्ला १५
चंद्रे खंडग्रासं चंद्र ग्रहणम्
विश्वा १७।२०

	स्प.	म.	मो.	पर्व
रेल्वे	७	८	१०	३
टाइम	११	४७	२३	१२
देशी	६	८	९	३
टाइम	४०	१६	५२	१२

वर्ष लग्नम् ०।२६

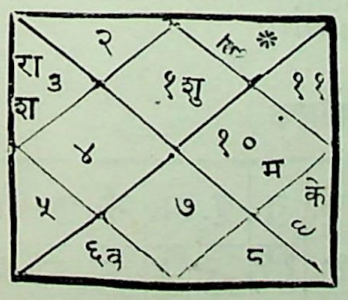

भैरव भवानी सम्वाद

मै. प्र. हाथ जोड़ भैरव भणे माता के दरबार ।
शुभ संवत्सर दोय का कहदो भेद विचार ॥
भ. उ. माता कहती प्रेम से सुनजो भैरव लाल ।
कहीं जमाना किरकिरा कहींक पड़सी काल ॥
समय निवासो वैश्यघर रोहिणी संधि निवास ।
धान्याधिपरवि तनय हैं करैं धान्य का नाश ॥
मंगल सौरिराहुका मिथुन राशि में योग ।
चतुर्मास के मध्य में वर्षा योग कुयोग ॥
आपस में भूपति लड़ें वहे रक्त की धार ।
धरा कंप अरु रोग सै घटे मही का भार ॥
पण भैरव भय मत करे भार्गव नृपति प्रधान ।
इंद्र पुरोहित मेघपति आखिर राखे मान ॥
धर्म कर्म करते रहो जपत रहो हरिनाम ।
दुःखमिटे संकट कटे सिद्ध होय सब काम ॥

संं २००२ मार्ग शुक्ला १४
भौमे ग्रस्तास्तं चंद्रग्रहणम् ।
विश्वा २७।१

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	पर्व
रेल्दे	६	७	७	८	९	३
टाइम	९	१३	५१	३२	३६	२७
देज्ञी	५	६	७	८	९	३
टाइम	४३	४७	२५	६	१०	२७

वर्षेश लग्नम् ३। ८

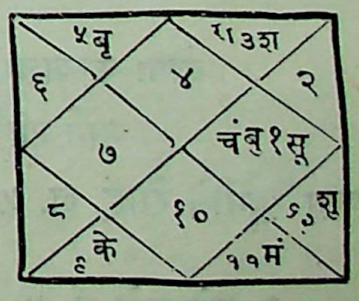

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४३।०। केतकी मतेन बेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४।३६

*बु१२सूचं

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तन्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन्वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम्—शुक्रस्य राज्ये बहुसस्य संकुला स्वती-ब्रवेगाः सरितोम्बुराशिभिः । फलन्ति वृक्षा बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ॥ मंत्री भृसुस्तत्फलम्—भृगुसुते ननु मंत्रिपदं गते शलभमूषकरासभमाहिषैः । भवति धान्यं समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोऽधिकम् ॥ सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम्—सस्याधिपे शीतकरे प्रजा सुखं मेघाः पयोमुंचति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यधनौघपूर्णाः ॥ धान्येशः शनिस्तत्फलम्—दुर्भिक्षं जायते तत्र कलहं देशविग्रहम् । सौराष्ट्र देशभंगश्च यत्र धान्याधिपः शनिः ॥ मेघेशो गुरुस्तत्फलम्—गुरुरपि प्रियदृष्टिकरः सदाखिलविलासवती धरणी तदा । श्रुतिविचारपरानरपालका रससमृद्धियुता—खिलमानवाः रसेशोबुधस्तत्फलम्—रसपतौ द्विजराज सुते महीसुलभधान्यघृतादियुताजनाः । प्रमुदिता वरनायकपालिता बहुजलाखिल देश सुरक्षिताः ॥ नीरसेशो रविस्तत्फलम्—नीरसाधिपतौ सूर्ये त्रपु—चंदनयोरचि । रत्नमाणिक्य मुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते फलेशो गुरुस्तत्फलम्—सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभया वनराशिमहाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सवमंदिराः श्रुति-विचारपरा द्विजपूर्वकाः ॥ धनेशो रविस्तत्फलम्—द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहुद्रव्य समागमः । गजतुरंगम मेषखरोष्ट्रतो धनचयं लभते क्रयविक्रयात् ॥ दुर्गेशोगुरुस्तत्फलम्—सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नर वरा नरपाः करपालिताः । गिरिषुवैनगरेषुसमं सुखं सुखमति द्विजशस्त्रवतां विशाम् ॥ वर्षनाम फाल्गुनस्तत्फलम् सुभिक्षंप्रचुरा वृष्टिरुतरे याम्यपश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घौरं फाल्गुने वत्सरे भवेत् ॥ विलंब नामसंवत्सर-स्तत्फलम् विलंबेवत्सरे भूपाः परस्पर विरोधिनः । प्रजापीड़ा अनर्घत्वं तथापि सुखिनो जनाः ॥ मेघनाम संवर्तस्तत्फलम्—संवर्ते जलपूरिता । रोहिणी निवासः संधौफलम्—खंडवृष्टिश्च संधिषु । समयनिवासो वणिग्गृहे फलम्—वणिग्गृहेशुभंनास्ति ॥ एवं संचिन्त्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।

सं० २००२ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

द्वितीय चैत्र मासः

शुक्ला १२ भौमे हस्ते ल. ८ रे. ७ऽश ।।।।ऽ अग्निऽ।।।

,, १३ बुधे हस्ते ल. अन्यगो. ८ रे. ८ऽश।।।।।ऽ।।।

,, १५ शुक्रे स्वात्यां ल. ८ रे.८ ।।।।ऽनृ।ऽ।।

बैशाख मासः ।

कृष्णा ४ भौमे मूले ल. गो. ८ रे. ८।।।।।ऽरो।ऽ।।

शुक्ला २ रवौ रोहि. ल.८ (चंद्रोऽत्राऽर्च्यः) रे. ६।।।।।ऽ अ ।।।। मांसांतदोषः अत्यावश्यके

कार्तिक मास;

शुक्ला १२ शुक्रे रेव. ल. गो. ६ रे. ७ऽसू ।।।।।ऽऽ।। निरंशक—

दोषः कन्यालग्ने चंद्रोऽर्च्यः ।

मार्ग शीर्ष मासः ।

कृष्णा १ भौमे रोहि. ल. ५।६ रे. ७।।।ऽसूऽनृ।ऽ।।सिंहे शनिशुक्रौपूज्यौ

,, २ बुधे मृगे ल. ५-६ रे. ८।।।।ऽबु।ऽ।।सिं.श.शु. पू.

कृष्णा ६ रवौ मघा ल.७ रे. ८ऽमं।।।।।।ऽ।।ध. ५३।३८उ. ५५।५० यावत्

कृष्णा ८ भौमे उफा. ल. ७ (घ. ५६।२३ उ) रे. ८ ऽशु।।।।।।ऽ।।

,, १० गुरौ हस्ते ल. अन्यगो ५।७रे. ७।।।।ऽनृऽऽ।। सिंहे शनि पूउयः

शुक्ला ३ शुक्रे उषा ल. ६।७ रे. ८ ।।।।ऽशऽनृ।।।। कन्या लग्न २२ अं. यावत् तुलायां रिक्तादोषः

,, ८ बुधे उभा..ल. ६ रे. १०।।।।।।।।। सप्तमेचंद्रोर्च्य

फाल्गुन मासः

शुक्ला ६ शनौ रोहि. ल. अन्यगो. ११ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। कुम्भलग्न नोग्रांगः

लाभ खर्च कोष्टक ।

राशि	मे.	वृ.	मि	क.	सिं	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु	मी.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४	११	२	५	८	८	५
खर्च	८	१४	११	११	५	११	१४	८	१४	८	८	१४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	प्र. चैत्र शुक्लपक्षः सं २००२ शाकः १८६७				दि.		उ.		अ.		इं.		हिं.		मु.	चन्द्रः	बसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६३२सन् १९४५
१	गु	१	११	उ	१६	१	शु	२४	२३	ब	१	११	२६ ३६	६ ५	५ ५	१५	२	२६	मीने	संवत्सरारम्भः चन्द्रदर्शनम्
२	शु	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	४६	२२	रे	११	४८	त्र	१६	५	तै	२२	२४	४०	४	५६	१६	३	१	मे.११।४८	रविलाखर मु. ४ रेवत्यां बुधः २३।३५*
४	श	४३	४७	अ	७	५२	ऐं	८	४४	व	१६	३४	४५	३	५७	१७	४	२	मेषे	भ.१६।३४ उ.४३।४७ या उत्तराभाद्रे×
५	र	३८	३२	भ	४	१५	चैं	१ ६	५ ३	ब	११	६	४६	२	५८	१८	५	३	वृ. १८।२६	×रविः १३।५४
६	चं	३३	५७	कृ	१ ०	५ ३	प्री	४७	४३	कौ	६	१४	५३	१	५६	१६	६	४	वृषे	*कुम्भे भौमः १६।२८
७	मं	३०	१६	कृ	५६	२०	आ	४२	१	ग	२	७	५७	१	५६	२०	७	५	मि २७।२६	भ. ३०।१६ उ. ५८।५३ या
८	बु	२७	३०	आ	५६	१५	सो	३७	१०	ब	२७	३०	३० १	६ ०	६ ०	२१	८	६	मिथुने	
९	शु	२५	५१	पु	५६	५६	शो	३३	१५	कौ	२५	५१	६	५ ६	६ १	२२	९	७	क.४१।४८	
१०	शु	२५	१६	पु	५८	५६	अ	३०	१३	ग	२५	१६	१०	५८	२	२३	१०	८	कर्के	भ. ५५।४६ उ.
११	श	२६	२०	श्ले	६०	०	सु	२८	१२	वि	२६	२०	१४	५७	३	२४	११	९	कर्के	भ. २६।२० या कमला ११ व्रतम्+
१२	र	२८	३१	श्ले	२	७	धृ	२७	१४	बा	२८	३१	१८	५६	४	२५	१२	१०	सिं.२।७	मेषेऽश्विन्यां च बुधः २।११ बक्री=
१३	चं	३१	५५	म	६	२५	शु	२६	५६	कौ	०	१४	२२	५६	४	२६	१३	११	सिंहे	=शुक्रः ५२।४२
१४	मं	३६	१५	पू	११	३७	गं	२७	३७	ग	४	५	२६	५५	५	२७	१४	१२	क.२८।६	भ.३६।१५उ. +शते भौमः ५४।४८
१५	बु	४१	११	उ	१७	४६	वृ	२८	५१	वि	८	४३	३०	५४	६	२८	१५	१३	कन्यायां	भ. ८।४३ या

५४ पं.प्र.चै.शु.१शु.इ. ५ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	४	०	२	२	११
१	२९	१४	२९	८	१०	२१	१
१०	५	२०	१८	३५	५४	५१	५
२३	२०	२४	११	२०	४	५	४६
५९	४५	०	५४	२५	०	३	५९
४९	११	४६	ब	५	मा	११	४१

गोचरग्रहा

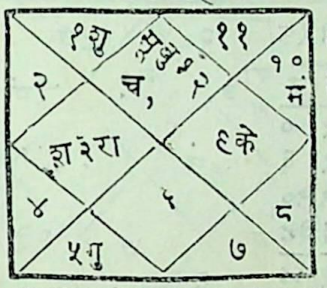

इस मास का फल साभान्य है। प्रजा में सुख-शांति, अन्न एवं रस पदार्थ मंदे हों एवं शुक्लपक्ष में गुड़-शक्कर तेज होंगे

गोचरग्रहाः

५० पं.प्र.चै.शु.१०गु.इ. ४ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	४	०	२	२	११
८	४	२५	२८	१०	११	२१	८
८	३१	५८	२४	२३	३	२८	३
१७	१६	३७	१४	२८	५८	४७	२२
५९	४५	८१	५०	९	१	३	५९
३५	१७	२३	ब	१	३६	११	२९

ति.	द्वि.चैत्र कृष्णपक्षः सं.२००२ शाकः १८६७				दि.		उ.		अ.		इ.		हि.		मु.	चन्द्रः	बसंततूं रविरुत्तरे अ.चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४६	१८	ह	२४	७	शु	३०	१	ग्रा	१३	४४	३० ३४	५ ५३	६ ७	२६	१६	१४	तु. ५७।२२	
२	शु	५१	२३	चि	३०	३७	श्या	३१	२३	तै	१८	५०	३६	५२	८	३०	१७	१५	तुलायां	रेवत्यां रविः ४१।२२
३	श	५५	५२	स्वा	३६	४५	ह	३२	३७	व	२३	३७	४३	५१	९	३१	१८	१६	तुलायां	भ. २३ ३७ उ. ५५ ५२ या. बक्रीदुधः ४६ ३०
४	र	५९	४१	वि	४२	१०	व	३३	६	ब	२७	४७	४७	५१	९	१	१९	१७	बृ. २५।४९	अप्रेल मा. ४ ता. २० चतुर्थी व्रतम्
५	चं	६०	०	अ	४६	३१	सि	३२	५३	कौ	३०	५९	५२	५०	१०	२	२०	१८	बृश्चिके	
५	मं	२	१७	ज्ये	४९	४०	व्य	३१	३८	तै	२	१७	५६	४९	११	३	२१	१९	ध. ४९।४०	
६	बु	३	४३	मू	५१	१६	व	२९	३३	व	३	४३	३१ ०	४८	१२	४	२२	२०	धनुशि	भ. ३।४३ उ. ३३४६ या.
७	शु	३	५०	पू	५२	२२	ष	२६	४६	ब	३	५०	४	४७	१३	५	२३	२१	धनुषि	बुधास्तः पश्चिमायाम् १।५५
८	शु	२	४२	उ	५१	४९	शि	२२	३०	कौ	२	४२	८	४६	१४	६	२४	२२	म. ७।१४	बक्रीपूर्वा फाल्गुन्यां ४ गुरुः ३७।३३
९	श	०	२०	अ	५०	१४	सि	१७	२१	ग	०	२०	१२	४६	१४	७	२५	२३	मकरे	भ. २८।३७ उ. ५६।५४ या.
१०	श	५६	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	र	५२	३२	ध	४७	५०	सा	११	४१	ब	२४	४२	१६	४५	१५	८	२६	२४	कु. १९।२	कमला ११ व्रतम् स्मार्तानाम्
१२	चं	४७	२५	श	४४	३४	शु	१७ ५	५२ ५४	कौ	१९	५९	२०	४४	१६	९	२७	२५	कुम्भे	कमला ११ब्र. वैष्णवानां निम्बार्काणांच
१३	मं	४१	४६	पू	४१	१	व	५०	३८	ग	१५	५	२४	४३	१७	१०	२८	२६	मी २६।५४	भ. ४१ ४९ उ. प्रदोष व्रतं पू.भा.यां भौम ५ ४९
१४	बु	३५	५४	उ	३६	५७	ऐं	४३	२२	वि	८	५०	२८	४२	१८	११	२९	२७	मीने	भ. ८।५० या.
३०	गु	२९	५५	रे	३३	५	चै	३५	५०	च	२	५५	३२	४२	१८	१२	३०	२८	रे. ३३।५	• अधिक मास समाप्तिः

५१ पं द्वि.चै.कृ.१गु.इ. ३ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	०	४	०	२	२	११
१५	९	३	२७	१०	११	२१	१४
४	५६	१२	३२	२१	१९	६	५९
१९	५६	३२	२४	३२	२४	३२	१८
५९	४५	२१	१६	३५	२	२	५९
१८	२२	३४	ब	ब	२०	११	१६

गोचरग्रहाः

इस मास का फल उत्तम है। प्रजा में अमन चैन रहें। हीरा, मोती, मणि एवं सीपों में तेजी आवे।

गोचरग्रहाः

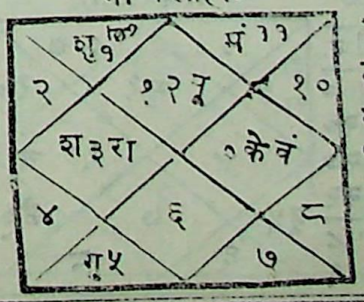

५२ पं.द्वि.चै.कृ.७गु.इ. ५ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	०	४	०	२	२	११
२१	१५	४	२६	८	११	२०	२१
५८	२१	५३	४९	१९	३९	४४	५३
३१	४७	१३	५६	२३	४०	१७	३१
५९	४५	३२	२९	५७	३	३	५९
४	२९	ब	ब	ब	५	११	४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digtized by S3 Foundation USA

ति.	द्वि. चैत्र शुक्लपक्षः सं० २००२ शाकः १८६७										दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३६६१सन् १९४५
१	शु	२३	५७	अ	२८	५१	वि	२८	१०	व	२३	५७	३१/३६	५/४१	६/१९	१३	३१	२९	मेषे	नवरात्रा.मेषेऽर्कः १५/२३पश्चिमास्तं *पञ्चशु
२	श	१८	१४	भ	२५	११	मी	२०	३७	कौ	१८	१४	४०	४०	२०	१४	१	१	वृ.३९।२३	मत्स्यज.जमादिलावल५
३	र	१२	५५	कृ	२२	०	आ	१३	४९	ग	१२	५५	४४	३९	२१	१५	२	२	बृषे	भ.४/४१उ.गणगौरी पू.[*शुक्रः १३/४चंद्र.
४	चं	८	२८	रा	१९	१७	सौ	७	५	वि	८	२८	४८	३८	२२	१६	३	३	मि.४८।१९	भ.२८या.[दे. वक्रीश्रीने बुधः ५८।१८
५	मं	४	३८	मृ	१७	२१	शो	१२/१६	५५/६	वा	४	३८	५१	३८	२२	१७	४	४	मिथुने	पूर्वोदयीशुक्र।५८।४८ पू.उ शु.
६	बु	१	४६	आ	१६	३५	सु	५२	७	तै	१	४६	५५	३७	२३	१८	५	५	मिथुने	भ. ६०।०उ. [×२ केतुः १।११
७	बु	५८	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[Aमीनेशुक्रः २४/६ आर्द्रादि४ राहुपूषायां×
८	गु	५९	३६	पु	१६	५३	धृ	४८	५२	वि	२७	५७	५८	३६	२४	१९	६	६	क.१।४९	भ.२५/२७या. दुर्गापू. भवान्युत्पत्तिः ब्रह्मीA
९	शु	६०	०	पु	१८	४१	श्ले	४३	४३	वा	२९	५१	३/२	३६	२४	२०	७	७	कर्के	रामनवमी
९	श	०	१६	श्ले	२१	९	गं	४५	३२	कौ	०	१६	६	३५	२५	२१	८	८	सिं२१।९	पूर्वोदयीबुधः ४१।३१
१०	र	२	१५	म	२५	२६	वृ	४५	१६	ग	२	१५	१०	३४	२६	२२	९	९	सिंहे	भ. ३३।५८ उ.
११	चं	५	४२	पू	३०	३१	ध्रु	४५	४९	वि	५	४२	१३	३३	२७	२३	१०	१०	कं.४६।५९	भ.४५/२या.कामदा ११ब्र.मीनेभौमः५/४३
१२	मं	९	५५	उ	३६	२२	व्या	४६	५८	वा	९	५५	१७	३३	२७	२४	११	११	कन्या	
१३	बु	१४	४०	ह	४२	४९	ह	४८	१९	तै	१४	४०	२१	३२	२८	२५	१२	१२	कन्या	
१४	गु	१९	४१	चि	४९	२२	व	४९	४९	व	१९	४१	२५	३१	२९	२६	१३	१३	तु.१६।५	भ.१९/४उ.५/८या.भरण्यां रविः५७।१७
१५	शु	२४	३६	स्वा	५५	४२	सि	५१	५	ब	२४	३६	२९	३०	३०	२७	१४	१४	तुलायां	हनुमज्जयंती.बै.स्ना.प्रा.अगस्त्यास्तः २/२२

१पं.द्वि.चै.कृ,१शु.इ२०।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	४	०	२	२	०
०	२१	०	२५	३	१२	२०	०
४	४६	२८	५४	५०	७	१८	०
४१	३७	२६/५५	११/१९	२/५३	१६/३	२/३	०/५८
५८	४५	२०/ब	ब	ब	४९	११	४४

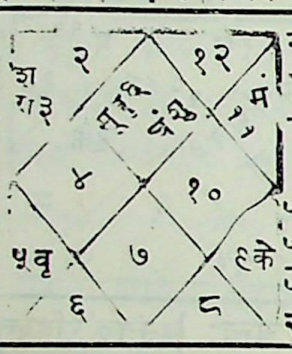

२पं.द्वि.चै.कृ.९शु.इ२०।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	४	११	२	२	०
६	२७	२५	२५	२९	१२	१९	६
५४	१०	५०	१९	२७	३७	५५	५०
५१	५५	२	१९	५८	२६	४६	३८
५८	४५	३७/५५	४/७	३४/०	४	३	५८
२९	३२	ब	ब	ब	२९	११	३१

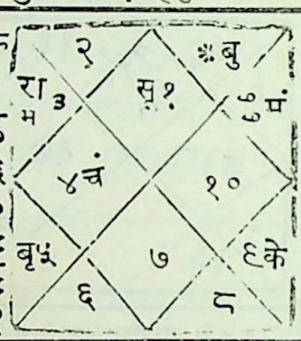

३पं.द्वि.चै.कृ१५शु.इ२१।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	४	११	२	२	०
१३	२	२४	२४	२५	१३	१९	१३
४३	३४	२	५४	५९	१२	३३	३९
१४	५९	६	४	२०	१४	३१	४७
५८	४५	५/५६	५/५८	४/२५	४	३	५८
१२	२८	ब	ब	ब	५६	११	२०

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २००२ शाकः १८६७										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	बसंतर्तूरविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	२९	६	वि	६०	०	व्य	५१	५१	कौ	२९	६	३२/३३	५/२९	६/१	२८	१५	१५	बृ.४४।४४	मार्गी बुधः ३/४उभायां भौमः २/५७आंद्रायां८
२	र	३२	५२	वि	१	४	व	५१	५५	तै	०	५८	३६	२९	३१	२९	१६	१६	वृश्चिके	[×३ शनिः ५५।४१
३	चं	३५	२६	अ	५	४४	प	५१	४	व	३	८	४०	२८	३२	३०	१७	१७	बृश्चिके	भ. ४।८ उ. ३/२५ या. चतुर्थी ब्र.
४	मं	३७	५	ज्ये	९	१६	शि	४९	९	व	६	१६	४३	२७	३३	१	१८	१८	ध.९।१६	मई ५ ता. ३१
५	बु	३६	५२	मू	११	३०	सि	४६	२७	कौ	६	५९	४७	२७	३३	२	१९	१९	धनुषि	
६	गु	३५	३८	पू	१२	२७	सा	४२	३८	ग	६	१५	५०	२६	३४	३	२०	२०	म.२७।२६	भ. ३५।३८ उ.
७	शु	३३	१२	उ	१२	२३	शु	३७	५३	वि	४	२५	५४	२५	३५	४	२१	२१	मकरे	भ. ४।२५ या.
८	श	२९	५२	अ	१०	५५	शु	३२	२२	बा	१	३२	५७	२५	३५	५	२२	२२	कु.३९।४७	
९	र	२४	४९	ध	८	४०	व्र	२६	१२	ग	२४	४९	३/९	२४	३६	६	२३	२३	कुम्भे	भ. ५१।२८उ. मार्गी शुक्रः २५।८
१०	चं	२०	८	श	५	४४	ऐं	१९	२७	वि	२०	८	४	२३	३७	७	२४	२४	मी४८।२	भ. २०।८ या.
११	मं	१४	२७	पू	२/८	५/८	वै	१२	१३	बा	१४	२७	७	२३	३७	८	२५	२५	मीने	वरूथिनी ११ब्र.
१२	बु	८	३३	रे	५४	२	वि	४/५	५/२२	तै	८	३३	१०	२२	३८	९	२६	२६	मे.५४।२	प्रदोषः मेषेऽश्विन्यां बुधः ४७।१६
१३	गु	२	३०	अ	४९	५७	आ	४९	३४	व	२	३०	१३	२१	३९	१०	२७	२७	मेषे	भ. २।३०उ. २९।३१ या. कृत्तिकायां*
१४	गु	५४	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[*रविः४५।१२
३०	शु	५०	२९	भ	४६	८	सो	४२	७	च	२३	३०	१६	२१	३९	११	२८	२८	मेषे	मार्गी गुरुः ५३।०

४पं.बै.कृ.७शु.इ.२१।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	४	११	२	२	०
२०	७	२५	२४	२४	१३	१९	२०
२९	५८	५३	३६	१६	५०	११	२७
५२	३७	५६	३६	३०	२०	१५	२२
५७	४५	५८/४५	५/३३	५/११	५	३	५८
५७	२३	मा	ब्र	ब्र	२३	११	६

ग्रोचरग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार तथा ५ रविवार अशुभफल कारक हैं प्रजा में रोगादि उपद्रव हैजे का भय।

गोचरग्रहाः

५पं. वै.कृ.३०शु.इ.२१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	४	११	२	२	०
२७	१३	१	२४	२४	१४	१८	२७
१५	१९	२	२७	३१	३१	४९	१३
६	४४	२	५०	२६	२६	०	३०
५७	४५	२९/५	०/५	१/बृ	५	३	५७
४५	१७	२६	ब्र	मा	२०	११	५४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २००२ शाकः १८६७								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३६६०सं.१६४५
१	श	४५	१६	कृ	४२	४१	शो	३५	७	कि	१७	५४	३३/१६	५/२०	६/४०	१२	२६	२६	बृ.०।१६	
२	र	४०	३६	रा	३६	४१	अ	२८	३०	वा	१२	५७	२२	२०	४०	१३	३०	३०	बृषे	चंद्रदर्शनम्
३	चं	३६	४२	मृ	३७	४६	सु	२२	२८	तै	८	३७	२५	१६	४१	१४	३१	१	मि८।४५	वृषेर्कः १२।५६ अक्षया३ परसुरामज,*
४	मं	३३	४४	आ	३७	४२	धृ	१७	४२	व	५	१३	२८	१८	४२	१५	१	२	मिथुने	भ.१३/५ उ.३३/३४ या. रेवत्यां भौमः ४३।३६
५	बु	३१	५४	पु	३८	५४	शू	१३	६	ब	१	४६	३१	१८	४२	१६	२	३	क.२३।३६	[*-जमादिलाखर मु. ६
६	गु	३१	२६	पु	३६	४६	गं	६	४६	कौ	१	४२	३४	१७	४३	१७	३	४	कर्के	
७	शु	३१	५६	श्ले	४१	३६	वृ	७	२५	ग	१	४४	३६	१७	४३	१८	४	५	सिं४१।३६	भ. ३१।५६ उ.
८	श	३३	५६	म	४४	१६	धु	६	७	वि	२	५८	३८	१६	४४	१६	५	६	सिंहे	भ. २।५८ या.
६	र	३७	७	पू	४६	२६	व्या	५	४५	वा	५	३१	४१	१६	४४	२०	६	७	सिंहे	
१०	चं	४१	१४	उ	५५	१	ह	६	१०	तै	६	१०	४३	१५	४५	२१	७	८	कं.५।५८	
११	मं	४६	४	ह	६०	०	व	७	१५	व	१३	३६	४६	१५	४५	२२	८	६	कन्या	भ.१३/१६ उ.४६/४ या. मोहिनी ११ ब्र. भरण्यां×
१२	बु	५०	५१	ह	१	२५	सि	८	४३	व	१८	२८	४८	१४	४६	२३	६	१०	तु.३४।४६	बुधः ५४।३२
१३	शु	५५	४२	चि	७	४७	व्य	१०	१३	कौ	२३	१६	५०	१४	४६	२४	१०	११	तुलायां	प्रदोषः रोहिण्यां रविः ३६।८
१४	शु	६०	०	स्वा	१४	१५	व	११	३५	ग	२७	५६	५२	१४	४६	२५	११	१२	तुलायां	नृसिंहजयंती मेषे शुक्रः ३६।४६
१४	श	०	६	वि	१६	५४	ध	१२	२१	व	०	६	५४	१३	४७	२६	१२	१३	बृ.३।३७	भ. ०।६ उ. ३१।५६ या. कूर्मजयंती
१५	र	३	५०	अ	२४	३३	शि	१२	५०	व	३	५०	५६	१३	४७	२७	१३	१४	बृश्चिके	जलघटान्नदानं.बै.स्ना. समाप्तिः

६ पं.वै.शु.७शु.इ.२१।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	४	११	२	२	०
३	१८	८	२४	२६	१५	१८	३
५८	३६	५३	२८	२६	१६	२६	५८
४३	११	२०	१	२०	१	४५	२६
५७	४५	५८	३	५६	६	३	५७
३४	१२	४०	मा	ब्र	११	११	४४

गोचरग्रहाः

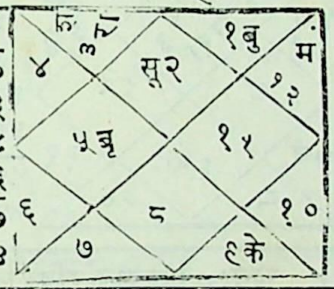

वैशाख शुक्ला ३ चंद्रे
बृषेऽर्कं; प्र. वा. ४
न० ५ प्रौढ़ावस्था
(बैठी) मुहूर्ता ३०
(धान्यभावसम)
शुक्रोदयः पूर्वे वत्स

गोचरग्रहाः

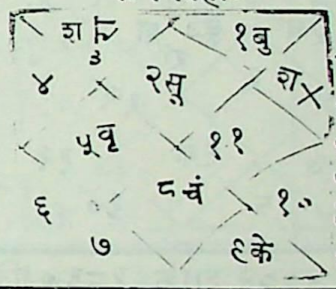

७पं.वै.शु.१४शु.इ.२१।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	४	११	२	२	१
१०	२३	१८	२४	२९	१६	१८	१०
४०	५७	५८	३६	५१	२	४	४२
५४	४७	३४	५४	१४	४९	२९	१८
५७	४४	७९	३	३५	६	२	५७
२३	५४	१	२३	१६	२६	११	३५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २० २शाकः १८६७ दि.								उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्र	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	चं	६	२४	ज्ये	२८	२६	सि	१२	१५	कौ	६	२४	३५/१२	५/४८	६/४८	२८	१४	१५	ध.२८।२६	
२	मं	७	४२	मू	३१	२	सा	१०	४३	ग	७	४२	३४/०	१२	४८	२६	१५	१६	धनुषि	भ.४७/४४ उ.कृत्तिकायां बुधः ४८।४१
३	बु	७	४७	पू	३२	१३	शु	८	८	वि	७	४७	२	१२	४८	३०	१६	१७	म.४७।१७	भ.४७/४ या. चतुर्थीब्र. आर्द्रायां ४ शनिः ३५/२४
४	शु	६	३०	उ	३२	३०	शु	४	४२	वा	६	३०	४	११	४६	३१	१७	१८	मकरे	बृषे बुधः ४६।३५
५	शु	४	३	अ	३१	१७	ल	०/३	५४/५५	तै	४	३	६	११	४६	१	१८	१६	मकरे	**जून मा. ६ ता. ३०**
६	श	०	३३	ध	२६	१८	वै	४८	२६	व	०	३३	८	१०	५०	२	१६	२०	कु.०।१७	भ.३/३० उ.३५/३२ या. मेषे भौमः २५।१७
७	श	५५	३७	०	०	०	०	०	०	०	६	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	र	५०	५७	श	२६	१७	वि	४२	२	वा	२३	३४	६	१०	५०	३	२०	२१	कुम्भे	
६	चं	४५	१८	पू	२२	५२	मी	३४	५६	तै	१८	७	११	१०	५०	४	२१	२२	मी.८।४३	
१०	मं	३६	१८	उ	१६	१०	आ	२७	२६	व	१२	१८	१२	१०	५०	५	२२	२३	मीने	भ.१२/१८ उ.३/१६ या. रोहिण्यां बुधः ५/३ ५/५ पूर्वास्तं¿
११	बु	३३	१२	रे	१४	५६	सो	१६	५४	ब	६	१५	१४	६	५१	६	२३	२४	मे.१३।५६	अपरा ११ ब्र. [¿बुधः ५६।५०
१२	गु	२७	७	अ	११	३१	शो	१२	४०	कौ	०	१०	१५	६	५१	७	२४	२५	मेषे	मृगेरविः ३७।५७ प्रदोषः
१३	शु	२१	१४	भ	७	६	अ	५/५	४/५	व	२१	१४	१६	६	५१	८	२५	२६	बृ.२१।१८	भ. २१।१४ उ. ४८।२६ या.
१४	श	१५	४५	कृ	०	५५	धृ	५१	७	श	१५	४५	१७	६	५१	६	२६	२७	बृषे	
३०	र	१०	५५	रो	०/२३	५७/५६	शू	४५	५	ना	१०	५५	१८	८	५२	१०	२७	२८	मि२६।२२	भांबुका ३० वटाऽर्चनम्

८ पं.ज्ये.कृ.५श.ई.२१।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	४	०	२	२	१
१७	२६	१	२४	४	१६	१७	१७
२२	१२	०	५४	१६	५१	४२	२५
०	४३	४	१४	४४	४७	१४	५
५७	४४	८/१०	२	४३	६	३	५७
१३	४६	४७	४३	४१	३८	११	२७

गोचरग्रहाः

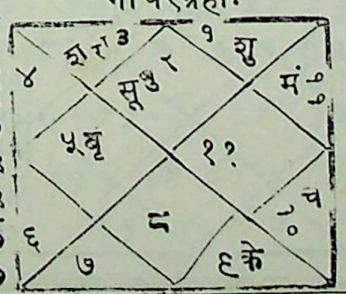

इस मास का फल श्रेष्ठ है रुई चांदी अलसी में घट बढ़ धान्य जो गेहूं चावल तेज होगा।

गोचरग्रहाः

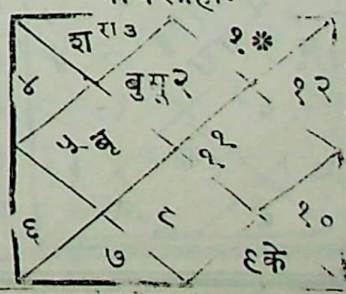

९पं.ज्ये.कृ.१३श.इ. २२/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	४	०	२	२	१
२४	४	१४	२५	९	१७	१७	२४
१२	२६	५०	२०	३२	४३	१९	७
५५	३५	४२	३५	४६	१	५९	८
५७	४४	८/१०	४	४५	६	३	५७
५	२६	३७	३१	४०	५६	११	२२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मं.१२ *शु.मं.चं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः स. २००२ शाकः १८६७	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्र	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३७२० सन् १९४५
१	चं ६ ५४ आ ५७ १२ गं ४० ७ ब ६ ५४	३४ १९	५ ६ ५ २	११	२८	२९	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
२	मं ३ ४९ पु ५६ ४० बृ ३५ २३ कौ ३ ४९	२०	८ ५२	१२	२९	१	क.४१।४८	रज्जब शु. ७ मृगे बुधः १३।३९
३	बु १ ५० पु ५७ ३५ धु ३२ १८ ग १ ५०	२१	८ ५२	१३	३०	२	कर्के	भ.३१।२६ उ. भरण्यां शुक्रः ४।५९
४	गु १ ३ श्ले ५९ ५४ ष्या २९ २५ वि १ ३	२१	८ ५२	१४	३१	३	सिं५९।५४	भ.१।३ या. मिथुनेऽर्कः ३८।४५
५	शु १ ४२ म ६० ० ह २७ ५५ ला १ ४२	२२	८ ५२	१५	१	४	सिंहे	मिथुने बुधः १९।४८
६	श ३ २० म ३ २४ व २७ १६ तै ३ २०	२२	८ ५२	१६	२	५	सिंहे	[×निर्जला११ब्र.दक्षिणायनप्रवृत्तिः४६।४
७	र ६ २९ पू ८ २ सि २७ ३७ व ६ २९	२३	७ ५३	१७	३	६	क.२४।२९	भ.६।२९ उ. ३८।२९ या.
८	चं १० २९ उ १३ ४९ व्य २८ ४५ ब १० २९	२३	७ ५३	१८	४	७	कन्या	आर्द्रायांबुधः २५।५७ अस्तंशनिः ५०।४३
९	मं १५ ५ ह १९ २२ व ३० ३ कौ १५ ५	२३	७ ५३	१९	५	८	तु.५३।१	[*केतुः ५६।२९ भरण्यां भौमः २५।५१
१०	बु १९ ४९ चि २६ १० प ३१ ४८ ग १९ ४९	२४	७ ५३	२०	६	९	तुलायां	भ.५२।१८ उ.आर्द्रायां३राहुः पूषायां १*
११	गु २४ ४७ स्वा ३२ ३८ शि ३३ ३ वि २४ ४७	२४	७ ५३	२१	७	१०	तुलायां	भ.२४।४७ या.आर्द्रायां रवि;४०।१७×
१२	शु २९ १२ वि ३८ १९ सि ३४ २२ ग्रा २९ १२	२४	७ ५३	२२	८	११	बृ. २१।५४	प्रदोषः
१३	श ३२ ५० अ ४३ २७ सा ३५ ४३ कौ १ १	२४	८ ५३	२३	९	१२	बृश्चिके	सावित्री व्रतारंभः उफायां १गुरुः५।४
१४	र ३५ २८ ज्ये ४७ ४८ शु ३४ २३ ग ४ ९	२४	७ ५३	२४	१०	१३	ध.४७।४८	भ.३५।२८ उ. पुनर्वसुषु बुधः ४१।३९
१५	चं ३६ ५० मू ५० २४ शु ३३ ३० वि ६ ९	२३	७ ५३	२५	११	१४	धनुषि	भ.६।९ या. वटसावित्री १५ चंद्रग्रहणं

१०पं.ज्ये.शु.५शु.इ.२१।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	४	०	२	२	२
०	९	०	२५	१५	१८	१६	०
४१	३६	४	५४	२४	३५	५७	४८
३	२२	४१	१८	१४	३१	४३	२५
५६	४४	५९	५	५४	७	३	५७
५७	१६	५९	२९	८	११	१६	

गोचरग्रहाः

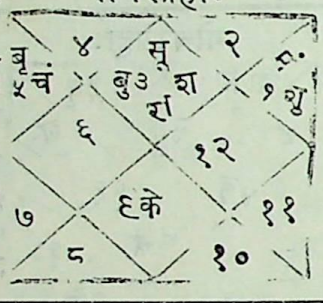

ज्येष्ठ शुक्ला ४ गुरौ
मिथुनेऽर्कः प्र.वा.४
न. ५ कुमारावस्था
(बैठी) मुहूर्ताः १५
(धान्य भाव तेज)
शुक्रोदयःपूर्व स्याम्

गोचरग्रहाः

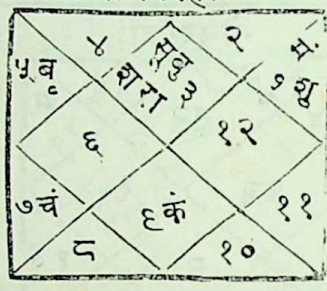

११पं.ज्ये.श.१२शु.इ.२१।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	४	०	२	२	२
७	१४	१५	२६	२१	१९	१६	७
१९	४५	१७	२५	४५	२८	३५	२९
३१	४	५६	६	३६	३४	२८	१३
५६	४३	५९	६	५८	७	३	५७
५४	५८	८	४९	१३	१४	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं.२००२ शाक १८६७	दि.	उ.	अ.	इ	हि	मु	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणेज्येष्ठकृष्णोति महाराष्ट्राः
१	मं ३७ १ पू ५१ ५८ ब्र ३१ ४४ ग्रा ६ ५५	३४ २३	५ ७	६ ५	२६	१२	१५	धनुषि	पुन. १ शनिः १४।२२ पश्चिमोदयी *
२	बु ३५ ४९ उ ५२ २४ ऐं २७ २४ तै ६ २५	२३	७	५३	२७	१३	१६	म.७।४	कृत्तिकायां शुक्रः ३४।४६ [*बुधः २९ ५८
३	गु ३३ २४ अ ५२ ५५ वै २३ ७ व ४ ३६	२२	८	५२	२८	१४	१७	मकरे	भ. ४।३६ उ. ३३।२४ या. चतुर्थी ब्र.
४	शु २९ ५७ ध ५० २० वि १७ ५२ ब १ ४०	२२	८	५२	२९	१५	१८	कु.२१।३७	कर्के बुधः ४८।१६
५	श २५ ३७ श ४६ ४३ प्री ११ ५५ तै २५ ३७	२१	८	५२	३०	१६	१९	कुम्भे	बृषे शुक्रः ५१।२६
६	र २० २८ पू ४३ ३६ आ ५ १९ ५ ३ १ व २० २८	२०	८	५२	१	१७	२०	मी २९।२२	भ.२०।२८उ. ४७।३८ या.जुलाई७÷
७	चं १४ ४८ उ ३९ ४२ शो ५० ५३ ब १४ ४८	१९	८	५२	२	१८	२१	मीने	[÷ता.३१ पुष्ये बुधः ४४।१५
८	मं ८ ५३ रे ३५ ३० अ ४३ २० कौ ५ ५३	१८	८	५२	३	१९	२२	म.३५।३९	
९	बु २ ४२ अ ३१ ३१ सु ३५ ४८ ग २ ४२	१७	९	५१	४	२०	२३	मेषे	भ. २९।३८ उ. ५६।३४ या.
१०	बु ५३ ५२ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
११	गु ५० ३९ भ २७ २१ धृ २८ १९ च २३ ३६	१६	९	५१	५	२१	२४	वृ.४१। २५	पुनर्वसौ रविः४४।१८योगनी११ब्र स्ना.
१२	शु ४५ ४ कृ २३ ३९ शु २१ ९ कौ १७ ५१	१४	९	५१	६	२२	२५	बृषे	योगनी ११ ब्रतम् बै. नि.
१३	श ३९ ५८ रा २० ४० गं १४ २२ ग १२ ३१	१३	९	५१	७	२३	२६	मि४९। २७	भ.३९।५८ उ. प्रदोषः
१४	र ३६ १ मृ १८ १४ बृ ८ १२ वि ८ ०	१२	१०	५०	८	२४	२७	मिथुने	भ.८।० या. कृत्तिकायां भौमः ५०।५१
३०	चं ३२ ५१ आ १६ ३७ धु ४ २ ४ ५ २ ४ च ४ २६	१०	१०	५०	९	२५	२८	मिथुने	आश्लेषायां बुधः ५६ ३४ सोमवति पुण्यम्

१२प.आ.कृ.४शु.इ.२१।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	४	०	२	२	२
१३	१९	२९	२७	२८	२०	१६	१४
५७	५०	१४	२२	२८	२२	१३	९
३४	२४	२८	४१	५३	५५	१२	४३
५६	४३	०	७	६१	७	२	५७
५०	२६	०	५६	१२०	११	७	

गोचरग्रहाः

इस मांस में व्यापार में विशेष घट बढ़ चलेगी सुदि में कन्याराशि पर गुरु आये हैं सो रुई मंदी करेगा ।

गोचरग्रहाः

१३पं.आ.कृ.१२शु.इ.२१।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	१	२	२	२
२०	२४	११	२८	५	२१	१५	२०
३५	५२	३३	१६	३०	१७	५०	५०
३०	३७	२५	५२	२५	२८	५७	७
५६	४३	८५	८	६३	७	३	५७
५०	१३	४२	४८	१९	२०	११	७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	ग्रीरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७४९स. १९४५
१	मं ३०।४४ पु १६।१७	ह ५४।२८	क १।४८	३४/९ ५/१० ६/५०	१०	२६	२९	क.१।२२	रोहिण्यां शुक्रः ४८।३६
२	बु २९।५० पु १७ १	ब ५१।४५	आ ०।१७	७ ११ ४९	११	२७	३०	कर्के	चंद्रदर्शनं रथयात्रा
३	गु ३०।२३ श्ले १८।५२	सि ४९ ३	ते ० ७	६ ११ ४९	१२	२८	१	सि१८।५२	सावान सु. ८
४	शु ३२।१२ म २२ १	व्य ४९।२०	ब १।१७	४ ११ ४९	१३	२९	२	सिंहे	भ.१।१७ उ.३२।१२ या.वृषेभौमः ३७/४२
५	श ३४।५७ पू २६।२६	ब ४९।२९	ब ३।३४	२ १२ ४८	१४	३०	३	कं.४२।४४	
६	र ३८।५२ उ ३१।४०	प ५०।२१	कौ ६।५४	० १२ ४८	१५	३१	४	कन्या	
७	चं ४३।२५ ह ३७।५१	शि ५१।४१	ग ११ ८	३३/५८ १२ ४८	१६	३२	५	कन्या	भ.४३।२५ उ. कर्केऽर्कः १७।२
८	मं ४८।३० चि ४४।१५	सि ५३।१९	वि १५।५७	२६ १३ ४७	१७	१	६	तु.११।३	भ. १५।५७ या.
९	बु ५३ ८ स्वा ५०।४०	सा ५४।५२	आ २०।४९	५४ १३ ४७	१८	२	७	तुलायां	भडली ९ उफायां२ कन्यायां गुरुः१८।३०
१०	गु ५७।३५ वि ५६।३६	शु ५६ ०	ते २५।२१	५२ १४ ४६	१९	३	८	बृ.४०।७	पुष्येरविः ४७।४३ सिंहे बुधः २१।१८
११	शु ६० ० अ ६० ०	शु ५६।३६	ब २९।२६	५० १४ ४६	२०	४	९	बृश्चिके	भ.२९।२६ उ.देवशयनो ११ व्रतं स्मा.
११	श १।१७ अ २ ०	ज्ये ५६।२३	वि १।१७	४८ १४ ४६	२१	५	१०	वृश्चिके	भ.१।१७ या.देवशयनी ११ ब्र. बै. नि.
१२	र ४।२७ ज्ये ६।२०	ऐं ५५।१६	आ ४।२७	४५ १५ ४५	२२	६	११	ध. ६।२०	प्रदोषः पुनर्वसौ२चर्णे शनिः १५।२६
१३	चं ५।२४ मू ९।१९	धे ५३ ९	ते ५।२४	४३ १५ ४५	२३	७	१२	धनुषि	मृगेशुक्रः ९।२८
१४	मं ५।४२ पू ११।१०	वि ५०।१	ब ५।४२	४० १६ ४४	२४	८	१३	म.२६।२१	भ.५।४२ उ.३५।७ या.वायुपरीक्षा.
१५	बु ४।३२ उ ११।५५	प्री ४५।५१	ब ४।३२	३७ १७ ४३	२५	९	१४	मकरे	व्यास १५ सवरात उदयं शनिः७।३९

१४पं.आ.शु.४शु.इ.२१।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	१	२	२	२
२७	२९	२२	२९	१२	२२	१५	२७
१३	४८	१२	१६	४५	११	२८	३०
३६	३२	२५	१९	५०	४९	४२	२९
५६	४२	६९	९	६५	७	३	५७
५५	४९	८	३७	१	२०	११	११

गोचरग्रहाः

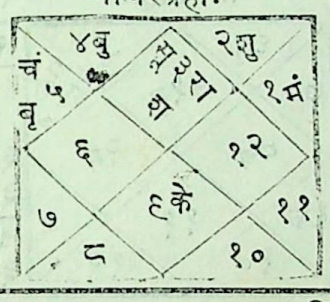

आषाढ़ शुक्ला ७ चंद्रे कर्केऽर्कः प्र. वा.५न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मुहूर्ता ३० (वान्य भावसम) शुक्रोदयः

गोचरग्रहाः

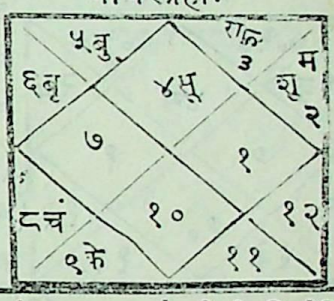

१५पं.आ.शु.११शु.इ.२१/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	५	१	२	२	३
३	४	०	०	२०	२३	१५	४
५२	४१	५४	२१	१३	६	६	११
४	४९	४	११	४४	१४	२६	१३
५६	४२	५३	१०	६६	७	३	५७
५७	३०	५३	२०	३२	१४	११	१५

ति.	श्रावण कृष्णपक्ष सं. २००२ शाकः १८६७	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽआ.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	शु २।१३ अ ११।१०	आ ४०।२८	कौ २।१३	३३/३५ ५/१७ ६/४३	२६	१०	१५	कु.४०।२०	
२	शु ५६।३६ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	०	क्षयः
३	शु ५४।३२ ध ९।३१	सो ३४।५६	ब २६।४१	३२ १८ ४२	२७	११	१६	कुम्भे	भ. २६।४१ उ. ५४।३२ या.
४	श ४९।२८ श ६।५५	शो २८।२६	ब २२ ०	३० १८ ४२	२८	१२	१७	मी४९।४४	चतुर्थी ब्र. रोहिण्यां भौमः १।१२
५	र ४३।५१ पू ४/०० ५५/६०	अ २१।२५	कौ १६।४०	२७ १९ ४१	२९	१३	१८	मीने	नागपंचमी मरुस्थले मिथुने शुक्रः १४।२०
६	चं ३७।५५ रे ५६।४०	शु १४ १	ग १०।५३	२४ १९ ४१	३०	१४	१९	मे.५६।४०	भ. ३७।५५ उ.
७	मं ३१।५० अ ५१।५०	धृ २१/६ ५३/८१	वि ४।५३	२१ २० ४०	३१	१५	२०	मेषे	भ. ४।५३ या.
८	बु २५।४० भ ४७।४२	गं ५१।२७	कौ २५।४०	१८ २० ४०	१	१६	२१	मेषे	अगस्त ८ ता. ३१
९	शु १९।३५ कृ ४३।५५	धृ ४४ ९	ग १९।३५	१५ २१ ३९	२	१७	२२	बृ. १।४५	भ. ४/५६ उ. आश्लेषायां रविः ४८/३१
१०	शु १४ ८ रो ४०।४७	ध्रु ३७।२५	वि १४ ८	१२ २२ ३८	३	१८	२३	बृषे	भ. १४।८ या.
११	श ९ ९ मृ ३८।१४	व्या ३०।५५	आ ९ ९	९ २२ ३८	४	१९	२४	मि. ९।३०	कामिका ११ ब्र.आर्द्रायां शुक्रः १४।१८
१२	र ४।५९ आ ३६ ६	ह २५।११	ते ४।५९	६ २३ ३७	५	२०	२५	मिथुने	प्रदोषः
१३	चं १।४५ पु ३५।३१	ब २०।२२	ब १।४५	३ २३ ३७	६	२१	२६	क.२०।४०	भ.१।४५ उ.३०।४० या. बक्री बुधः ३३/४५ ×
१४	चं ५७।५१ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	०	क्षयः [×उफायां गुरुः २८।२४
३०	मं ५८।४१ पू ३६ ०	सि २६ २१	च २९ न	३३/०० २४ ३६	७	२२	२७	कर्के	हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.२शु.इ.२१।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	५	१	२	२	३
१०	९	७	१	२७	२३	१४	१०
२१	२२	२८	३०	५२	५९	४४	५२
२२	६	५९	२९	२३	३५	११	१६
५७	४२	२६	१०	६७	७	३	५७
५	०	२२	५७	४६	८	११	२०

गोचरग्रहा

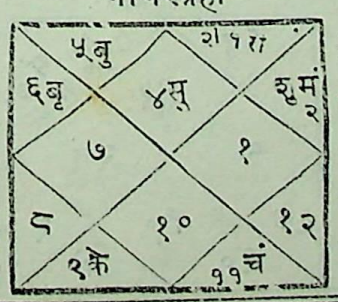

इस मास में प्रजा में कुछ विग्रह होगा धान्य, रुई, अलसी, चांदी, नारियल, गुड़, खांड, गेहूँ, वाजरा कपड़ा तेज होगा।

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ.१०शु.इ.२१/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	५	२	२	२	३
१७	१४	११	२	५	२४	१४	१७
११	१६	७	४३	२९	५२	२१	३३
१०	१२	१९	५५	७	१२	५६	५८
५७	४१	५३	११	६८	६	३	५७
२१	३०	५२	३४	४९	५६	११	२४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*शचंशु

DIGITIZED C-DAC 18 AUG 2005 2005-2006
CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २००२शाकः १८६७		दि.		उ.		अ.		इं.		हि.		मु.	चंद्र	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गणः ३७७८सन् १९४५
१	बु	५९ १०	श्ले	३७ ३६	व्य	१३ २५	कं	२८ ५५	३२ ५७	५ २५	६ ३५	८	२३	२८ सिं	३७।३६	नक्तव्रतारंभ
२	गु	६० ०	म	४० २८	व	११ २८	ग्रा	२९ ५७	५४	२५	३५	९	२४	२९ सिंहे		चंद्रदर्शनं
३	शु	० ४५	पू	४४ ३९	प	१० २९	कौ	० ४५	५०	२६	३४	१०	२५	१ सिंहे		रमजान मु. ९ रोजा
४	श	३ ३४	उ	४९ ५१	शि	१० २७	ग	३ ३४	४७	२७	३३	११	२६	२ कं	०।५७	भ. ३५।२९ उ. मघुश्रवा ३
५	र	७ २५	ह	५५ ५३	सि	११ १३	वि	७ २५	४४	२७	३३	१२	२७	३ कन्या		भ. ७।२५ या.
६	चं	१२ १	चि	६० ०	सा	११ ५३	ग्रा	१२ १	४०	२८	३२	१३	२८	४ तु.	२९।००	नागपंचमी पश्चिमास्तो बुधः ४५।३
७	मं	१६ ५३	चि	२ ८	शु	१३ ५५	ते	१६ ५३	३६	२९	३१	१४	२९	५ तुलायां		
८	बु	२१ ४८	स्वा	८ ३३	शु	१५ ३६	व	२१ ४८	३३	२९	३१	१५	३०	६ वृ.	५७।५७	भ. २१।४८ उ. ५४।३ या.
९	गु	२६ १९	वि	१४ २५	न	१६ ५०	ब	२६ १९	२९	३०	३०	१६	३१	७ बृश्चिके		सिंहेऽर्कः ४४/४८ दुर्वा ८ पुनः शुक्रः ०।३९
१०	शु	३० ५	अ	१९ ५७	ऐं	१७ २९	कौ	३० ५	२६	३१	२९	१७	१	८ वृश्चिके		मृगे भौमः ७।२३
११	श	३२ ५०	ज्ये	२४ २८	वै	१७ २८	ते	१ २७	२३	३१	२९	१८	२	९ ध.	२४।२८	पुनर्व. ३ च. शनिः २७।५५
१२	र	३४ २९	मू	२८ ०	वि	१६ ३०	व	३ ३९	१९	३२	२८	१९	३	१० धनुषि		भ. ३३/९ उ. ३४।२९या. पवित्रा ११ब्र.
१३	चं	३४ ५२	पू	३० ५४	प्री	१४ २९	ब	४ ४१	१६	३३	२७	२०	४	११ म.	४६।९	
१३	मं	३३ ४६	उ	३१ ५५	आ	११ ३६	कौ	४ १९	१२	३४	२६	२१	५	१२ मकरे		प्रदोषः [¿२ राहुः मूले ४ केतुः ४९/२०
१४	बु	३१ ३३	श्र	३० ३९	सौ	७ ४४	ग	२ ४०	८	३४	२६	२२	६	१३ कुं	५९।५२	भ. ३१।३३ उ. ५९।५५ या. आर्द्रायां¿
१५	गु	२८ १७	ध	२९ ६	शो	५१/५ ५५/१०	व	२८ १७	४	३५	२५	२३	७	१४ कुम्भे		रक्षांबंधन उपाकर्म उ. ४ गुरुः ५७।५५

१८पं.श्रा.शु.२शु.इ.२१।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	५	२	२	२	२
२३	१८	११	४	१३	२५	१३	२४
५२	५६	४	१	३३	४३	५९	१६
१८	१७	२६	८	३२	३४	४०	२५
५७	४०	२५/२३	१२	६९	६	३	५७
२२	३४	ब	११	३७	४१	११	३३

गोचरग्रहाः

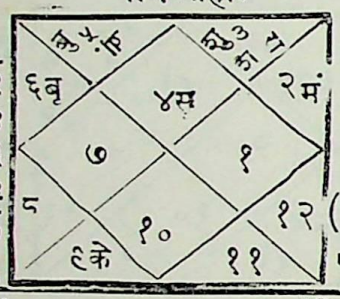

श्रावण शुक्ला ८गुरौ सिंहेऽर्कः; प्र. वा. ४ न. ५ कुमारावस्था (बैठी) मुहूर्त्ता; ३० (धान्यभाव)शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

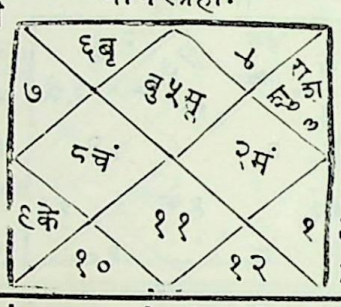

१९पं.श्रा.शु.९शु.इ.२०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	५	२	२	२	४
०	२३	६	५	२१	२६	१३	०
३४	२९	५६	२१	३४	३२	३७	५९
३१	२	२०	३२	१२	४९	२५	४६
५७	४०	५/२	१२	७०	६	३	५७
३४	२	ब	२४	२५	२६	११	४०

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २००२ शाकः १८६७		दि.		उ.		अ.		इं.		हि.		मु.	चन्द्र	वर्षाऋतूं रविर्दक्षिणेश्वा.कृष्णेनिमहाराष्ट्राः
१	शु	२४ ७	श	२६ ४२	सु	५० २५	कौ	२४ ७	३२ ००	५ ३६	६ २४	२४	८	१५ कुम्भे	कर्के शुक्रः ३३।४६
२	श	१९ ८	पू	२३ ४६	धृ	४३ २७	ग	१९ ८	३१ ५६	३७	२३	२५	९	१६ मी.	९।३०	भ. ४६।१६ उ. वक्री कर्के बुधः २९।१४
३	र	१३ २५	उ	२० ९	शू	३६ ५	वि	१३ २५	५२	३८	२२	२६	१०	१७ मीने		भ. १३।२५ या. चतुर्थी ब्र.
४	चं	७ ४२	रे	१५ ५९	गं	२८ २७	ग्रा	७ ४२	४८	३८	२२	२७	११	१८ मे.	१५।५९	पुष्येशुक्रः २५/३ मिथुनेभौमः २७/३३ अगस्त्योदः ४४/२९
५	मं	१ ३७	अ	११ ५७	बृ	२० ५२	तै	१ ३७	४४	३९	२१	२८	१२	१९ मेषे		भ. ५५।१२ उ. चन्द्र ६
६	मं	५३ ५५	०	० ०	०	० ०	०	० ०	०	०	०	०	०	० ०	०	
७	बु	४९ ३९	भ	७ ४३	धु	१३ १७	वि	२२ ३५	४०	४०	२०	२९	१३	२०	बृ.।२१४६	भ. २२।३५ पूर्वोदयीबुधः ४०।३
८	गु	४४ १	कृ	३ ५४	व्या	५५/१ ५३/१	ग्रा	१६ ५०	३६	४१	१९	३०	१४	२१ बृषे		पूफायां रविः ३५।४९ श्रीकृष्णजयन्ती
९	शु	३९ १	रो	० २१	व	५१ ४४	तै	११ ३१	३२	४२	१८	३१	१५	२२ मि	२८।५७	गौगा ९
१०	श	३५ ५१	आ	५५ ४५	सि	४६ २४	व	७ २६	२८	४२	१८	१	१६	२३ मिथुने		भ. २७/९ उ. ३५/५१ या. **सितम्बर ९ ता. ३०***
११	र	३१ ३७	पु	५४ २१	व्य	४० ४९	ब	३ ४५	२४	४३	१ ७	२	१७	२४ क.	३९।४२	अजा ११ ब्र. [*मार्गीबुधः २५।२
१२	चं	२९ ३१	पु	५४ ५०	व	३७ ४	कौ	० ३४	२०	४४	१६	३	१८	२५ कर्के		प्रदोषः वत्स १२
१३	मं	२८ ३६	श्ले	५६ ७	प	३३ ५२	व	२८ ३६	१७	४५	१५	४	१९	२६ सिं.	५६।७	भ. २८।३६ उ. ५८।५२ या. मार्गीसिंहेबुधः १/८
१४	बु	२९ ९	म	५८ ४४	शि	३१ ३९	श	२९ ९	१४	४५	१५	५	२०	२७ सिंहे		पिठोरी ३०
३०	गु	३० ४४	पू	६० ०	सि	३० २६	ना	३० ४४	१०	४६	१४	६	२१	२८ सिंहे		कुशाग्रहणी. लोहार्गलयात्रा.

२०पं.भा.कृ.१शु.इ.२०।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	५	२	२	२	४
७	२७	१	६	२९	२७	१३	७
१८	५७	९	४४	४१	१९	१५	४४
५	११	३२	५३	२	५५	९	१७
५७	२९	५०/५	१२	७१	६	३	५७
४५	२७	ब्र	५०	४	१४	११	४८

गोचरग्राह

इस मास में प्रजा में सुख शांति रहेगी वर्षा सर्वत्र श्रेष्ठ होगी मूंग मोठ बाजरा ज्वार मक्का मन्दा होगा।

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.कृ.९शु.इ.२०।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	५	३	२	२	४
१४	२	२९	८	७	२८	१२	१४
३	१८	७	१०	५३	४	५२	२९
१७	५०	१२	८	१७	४१	५४	५३
५७	३८	५/३	१२	७१	५	३	५८
५७	४३	ब्र	१४	३१	५०	११	१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं०२००२ शाकः१८६७										दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	शु	३३	३४	पू	२	४०	सा	३०	११	कं	२	६	३१/६	५४७	१३	७	२२	२६	क.१८।५३
२	श	३७	२८	उ	७	३३	शु	३०	४३	वृ	५	३१	२	४८	१२	८	२३	३०	कन्या
३	र	४२	८	ह	१३	२०	शु	३१	४८	तै	६	४८	३०/५८	४८	१२	६	२४	१	तु.४६।२८
४	चं	४७	१	चि	१६	३७	त्र	३३	११	व	१४	३५	५४	४६	११	१०	२५	२	तुलायां
५	मं	५२	३	स्वा	२५	५७	ऐं	३४	४८	ब	१६	३२	५०	५०	१०	११	२६	३	तुलायां
६	बु	५६	३६	वि	३२	११	वै	३५	५७	को	२४	२१	४५	५१	६	१२	२७	४	वृ.१५।३८
७	गु	६०	०	अ	३७	४६	वि	३६	४३	ग	२८	३५	४१	५२	८	१३	२८	५	वृश्चिके
७	शु	०	३१	ज्ये	४२	२६	प्री	३६	४६	व	०	३१	३६	५३	७	१४	२६	६	ध.४२।२६
८	श	३	२३	मू	४६	१६	आ	३६	६	व	३	२३	३२	५४	६	१५	३०	७	धनुषि
६	र	५	७	पू	४८	३०	सो	३४	७	को	५	७	२८	५४	६	१६	३१	८	धनुषि
१०	चं	५	३५	उ	४६	४२	शो	३१	२४	ग	५	३५	२४	५५	५	१७	१	६	म.३।४८
११	मं	४	३७	अ	४६	४६	अ	२७	२१	वि	४	३७	२०	५६	४	१८	२	१०	मकरे
१२	बु	२	२५	ध	४८	२७	सु	२२	४२	त्रा	२	२५	१६	५७	३	१६	३	११	कु.१६।८
१३	बु	५६	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	गु	५५	११	श	४६	८	धृ	१७	७	ग	२७	१३	१२	५८	२	२०	४	१२	कुम्भे
१५	शु	५०	१८	पू	४२	५४	शु	१०	४२	वि	२२	४४	८	५८	२	२१	५	१३	मी२८।४१

सार्धे शुक्रः ४५/१५ आर्द्रायां भौमः ३०/५०
चंद्रदर्शनम्
सव्वाल मु.१० ईद हस्ते १ गुरुः १।२५
भ. १४।३५ उ. ४७।१ या. गणेश ४
ऋषि ५
[*उफायांबुधः ५५/१४ कर्केशनिः २१/२
उफायां रविः २०।२८
भ.३०/१ उ.३१/५७या.पूफायां बुधः ३०/५०

कन्यायामर्कः ४५/३६ पूर्वास्तंबुधः २१/१
भ. ३५।६ उ. अस्तंगुरुः ११।२४
भ.३७/३ या.जलभूलनी११ब्र.वामन ज.+
प्रदोषः [+श्र.१२मघायांसिंहे चशक्रः५५/५०
क्षय अगु.
भ.५५।११उ. अनंत १४ ब्र.
भ.२२।४४या. महालयारंभः*

२२प.भा.शु.१गु.इ.२०।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	३	२	२	४
२०	६	३	९	१६	२८	१२	२१
४९	३३	१९	३७	१०	४६	३०	१६
५७	२९	३७	३४	१६	१२	३९	५९
५८	३७	५६	१३	७१	५	३	५८
१२	४४	मा	२०	५८	२६	११	१३

२३पं.भा.शु ७शु.गुइ.२०।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	३	२	२	४
२७	१०	१३	११	२४	२९	१२	२८
३८	३९	१	६	३१	२४	८	५
२१	५८	१९	२५	३४	४०	२३	२४
५८	२६	७०	१३	७२	४	३	५८
२९	५२	७८	३२	२०	५६	११	२६

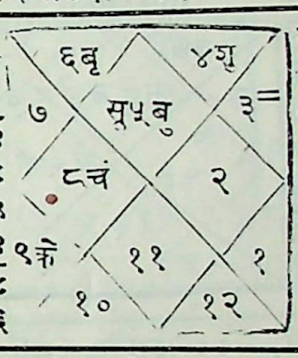

२४पं.भा.शु.१५श.इ.२०।६

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
५	२	४	५	४	२	२	५
४	१४	२५	१२	२	२९	११	४
२८	३७	३२	३६	५६	५९	४६	५५
२३	३४	६	२२	२	५६	८	१६
५८	२५	७५	१३	७२	४	३	५८
४५	२८	८	३२	४१	२४	११	३८

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं०२००२ शाकः१८६७										दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	श	४४	४७	उ	३६	४५	गं	३/५२	५२/३६	त्रा	१७	३३	३०	५/४	६/१	२२	६	१४	मीने
२	र	३६	७	रे	३५	५६	धु	४८	५२	तै	११	५७	३०/०	६/०	६/०	२३	७	१५	मे.३५।५६
३	चं	३२	५८	अ	३१	४०	व्या	४१	१०	व	६	३	२/५	६/५	६/५	२४	८	१६	मेषे
४	मं	२६	५७	भ	२७	३०	ह	३३	२५	वा	२६	५७	५०	२	५८	२५	६	१७	वृ.४१।३३
५	बु	२१	७	कृ	२३	४२	व	२५	५८	तै	२१	७	४६	३	५७	२६	१०	१८	बृषे
६	गु	१५	३६	रा	२०	६	सि	१८	४६	व	१५	३६	४२	४	५६	२७	११	१६	मि४८।२८
७	शु	१०	४०	मृ	१७	७	व्य	१२	१	ब	१०	४०	३८	४	५६	२८	१२	२०	मिथुने
८	श	६	३५	आ	१५	३	व	६	५४	को	६	३५	३४	५	५५	२६	१३	२१	क.५८।४६
६	र	३	२६	पु	१३	४०	ष	०/३०	५६/८	ग	३	२६	३०	६	५४	३०	१४	२२	कर्के
१०	चं	१	२३	पु	१३	३८	सि	५२	३०	वि	१	२३	२६	७	५३	१	१५	२३	कर्के
११	मं	०	३३	श्ले	१४	३६	सा	४६	५४	त्रा	०	३३	२२	८	५२	२	१६	२४	सिं१४।३६
१२	बु	१	१०	म	१६	३८	शु	४८	१८	तै	१	१०	१८	८	५२	३	१७	२५	सिंहे
१३	गु	२	४६	पू	२०	३५	शु	४७	१०	ब	२	४६	१४	६	५१	४	१८	२६	कं.३६।४४
१४	शु	५	४१	उ	२५	११	व	४७	५७	श	५	४१	१०	१०	५०	५	१६	२७	कन्या
३०	श	६	४१	ह	३०	५१	ऐं	४८	५७	ना	६	४१	६	११	४६	६	२०	२८	कन्या

शरदृतूं रविदक्षिणे.भाद्रपद कृ.महाराष्टाः

कन्यायां बुधः ३८।३४
भ.६/३ उ.३२/५८ या.चतुर्थी ब्र.हस्ते २ गुरुः ३३/३६

हस्ते रविः ५८।७
भ. १५।३६ उ. ४३।८ या

हस्ते बुध १३/२४ पूफायां शुक्रः ५४।१७
भ. ३२।३४ उ.
भ.१।२३या.अक्टूबर १० ता.३१×
इन्दरा ११ व्रत [×पुनर्वसौ भौमः२०।२
प्रदोषः
भ. ४२/६ उ. ३४/१५ या.शस्त्रादिहतानां श्रा.

२५पं.आ.कृ७शु.इ.२०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	५	४	३	२	५
११	१८	८	१४	११	०	११	११
२०	२४	२०	७	२५	३०	२३	४६
३३	१८	१०	५	१६	२९	५३	५५
५९	३४	७५	१३	७१	३	३	५८
०	१५	७४	३८	५६	५५	११	५३

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ शनि तथा ५ रविवार प्रजा में अशुभ फल कारक है। राजाओं में विरोध युध का भय होगा।

गोचरग्रहाः

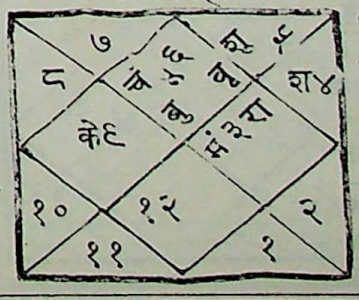

२६पं.आ.कृ.१४शु.इ.५/२

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	५	४	३	२	५
१८	२२	२०	१५	१९	०	११	१८
१४	२	५१	३७	५६	५६	१	१४०
२१	५३	४	४४	५६	४२	३७	१२
५९	३२	७०	१३	७३	२	३	५९
१६	५८	४१	३८	१४	१४	११	९

*३मं.श.रा. सं० २००१ समाप्य २१००पर्यन्तम्) =३मं.श.रा.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	सु.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८३८स. १९४५
१	र	१४	२४	चि	३६	४८	वै	५०	४	ब	१४	२४	२९/२	६/१२	५/४८	७	२१	२९	तु.३।३९	चंद्रद. मातामहश्राद्ध
२	च	१९	२५	स्वा	४३	२२	वि	५१	३२	की	१९	२५	२८/५८	१२	४८	८	२२	१	तुलायां	जिल्काद सु. ११
३	मं	२४	३१	वि	४९	४६	प्री	५२	४४	ग	२४	३१	५४	१३	४७	९	२३	२	वृः ३३।१०	भ. ५६।५२ उ.
४	बु	२९	१४	अ	५५	३६	आ	५३	३६	वि	२९	१४	५०	१४	४६	१०	२४	३	वृश्चिके	भ. २९/१४या. चित्रायां रात्रिः ४८/२५ तुलायां*
५	गु	३३	१०	ज्ये	६०	०	सो	५३	४४	ब	१	१२	४६	१५	४५	११	२५	४	वृश्चिके	*बुधः ४३/३८उफायां शुक्रः ४९/१९हस्ते३ गुरुः १२/५८
६	शु	३६	६	ज्ये	०	३६	शो	५३	६	की	४	३८	४२	१६	४४	१२	२६	५	ध. ०।३६	
७	श	३७	५६	मू	४	२९	अ	५१	३१	ग	७	१	३८	१६	४४	१३	२७	६	धनुषि	भ. ३७।५६ उ.उदयं गुरुः ३५/५४ ×उ.ग.
८	र	३८	३०	पू	७	१७	सु	४८	५७	वि	८	१३	३४	१७	४३	१४	२८	७	म. २२।३०	भ. ९/५३ या. स्वात्यां बुधः ४३।३८
९	चं	३७	३६	उ	८	११	धृ	४५	३९	वा	८	३	३०	१८	४२	१५	२९	८	मकरे	सरस्वतीविसर्जनम्. ×कन्यायांशुक्रः ३१/४३
१०	मं	३५	३०	श्र	८	४९	शू	४०	४६	तै	६	३३	२६	१९	४१	१६	३०	९	कु. ३८।१६	विजया १०.
११	बु	३२	२२	ध	७	४४	गं	३५	१९	व	३	५६	२२	२०	४०	१७	३१	१०	कुम्भे	भ. ५/३६ उ. ३२/२२या. तुलायामर्कः ११।२८ ÷
१२	गु	२८	२४	श	५	४७	वृ	२९	३	व	०	२३	१८	२०	४०	१८	१	११	मी ४८।४१	प्रदोषः ÷पापोकुशा ११ ब्र.
१३	शु	२३	३३	पू	२	५९	धु	२२	१६	तै	२३	३३	१४	२१	३९	१९	२	१२	मीने	=पश्चिमोदयी बुधः १३।५८
१४	श	१८	१०	उ	३/१	५५/११	व्या	१४	५६	ब	१८	१०	१०	२२	३८	२०	३	१३	मे. ५५।४२	भ. १५/१० उ. ४५/१७ या. शरद् पू.स्माः
१५	र	१२	२५	अ	५१	३७	ह	७/१६	५२/१६	ब	१२	२५	६	२३	३७	२१	४	१४	मेषे	शरद पूर्णि. वै. हस्तेशुक्रः ३९।२१=

२७पं.आ.शु.६शु.इ.१९।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	५	४	३	२	५
२५	२५	२	१७	२८	११	१०	२५
१०	२५	४०	८	३१	१८	३९	३५
४	५	५	३५	५२	३६	२२	१०
५९	३१	००	१२	७३	२	३	५९
३१	१९	०	३२	२५	३५	११	२१

गोचरग्रहाः

आश्विन शुक्ला ११
बुधे तुलायामर्कः प्र.
वा.४न.५बृद्धावस्था
(बैठी) मुहूर्ताः १५
(धान्य भाव तेज)
शुक्रोदय पूर्वस्याम

गोचरग्रहाः

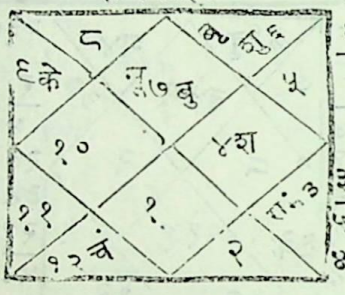

२८पं.आ.शु.१३शु.इ.१९।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	५	५	३	२	६
२	२८	१३	१८	७	१	१०	२
७	३४	५५	३८	८	३५	१७	३१
३३	१६	४४	३८	१७	२०	६	३७
५९	२९	९६	१२	७३	१	३	५९
४६	३३	५६	३०	४०	५५	११	३४

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	सु.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	चं	६	२७	भ	४७	३३	सि	५१	५५	की	६	२७	२८/२	६/२४	५/३९	२२	५	१५	मेषे	कर्के भौमः १३।३६
२	मं	०	३१	कृ	४३	३३	व्य	४४	६	ग	०	३१	२७/५८	२४	३६	२३	६	१६	बृ.१।३३	भ.२७।२८उ.५४।२५या.स्वात्यां रविः×
३	मं	५३	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×५५/३८ विशाखायां बुधः २१।५५
४	बु	४९	१८	रो	३९	५२	व	३६	४२	ब	२१	५२	५४	२५	३५	२४	७	१७	बृषे	करक४आद्रायां १राहुःमूले ३ केतु ४२/१९
५	गु	४४	२८	मृ	३६	४५	प	२९	४५	की	१६	५३	५०	२६	३४	२५	८	१८	मि.८।१८	हस्ते ४ गुरुः ४६।७
६	शु	४०	१८	आ	३४	१९	शि	२३	२०	ग	१२	२३	४६	२७	३३	२६	९	१९	मिथुने	भ. ४०।१८ उ.
७	श	३७	२७	पु	३२	३९	सि	१७	४१	वि	८	५३	४२	२८	३२	२७	१०	२०	क.१८।४	भ. ८।५७ या.
८	र	३५	३१	पु	३२	२३	सा	१२	५४	वा	६	२९	३८	२८	३२	२८	११	२१	कर्के	होई ८
९	चं	३४	४६	श्ले	३३	३	शु	९	२	तै	५	८	३४	२९	३१	२९	१८	२२	सि.३३।३	*बुधः २०/३४चित्रायां शक्रः २१/१७पुष्पेभौमः ६/५७
१०	मं	३५	२९	म	३४	५४	शु	६	४	व	५	८	३०	३०	३०	३०	१३	२३	सिंहे	भ.५।८उ.३५/२९या.वृश्चिके बुधः९।४२
११	बु	३७	४५	पू	३८	२०	न	६	८	व	६	३७	२७	३०	२९	३१	१४	२४	कं.५४।२८	रमा ११ ब्र.
१२	गु	४०	१८	उ	४२	५१	ऐं	४	१०	की	९	२	२३	३१	२९	१	१५	२५	कन्या	गोवत्स पू. नवम्बर ११ ता. ३० मैत्रे*
१३	शु	४४	२३	ह	४८	१८	चै	३	९	ग	१२	२०	२०	३२	२८	२	१६	२६	कन्या	भ.४४।२३ उ. धन १३ प्रदोषः
१४	श	४९	१३	चि	५४	२२	वि	३	४७	वि	१६	४८	१७	३३	२७	३	१७	२७	तु.२१।२०	भ.१६।४८ या. रूप १४ नरक १४
३०	र	५४	२३	स्वा	६०	०	पी	४	५१	च	२१	४८	१३	३३	२७	४	१८	२८	तुलायां	महालक्ष्मी पू.

२९पं.का.कृ.१३श.इ.१९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	७	५	५	३	२	६
९	३	४	२१	२४	१	९	१६
६	५९	४९	३४	३१	५३	३२	२९
५६	२८	५५	५२	१२	१३	३६	४२
६०	२४	९१	१३	७३	०	३	६०
२	१६	४९	८	५०	३०	११	४

गोचरग्रहाः

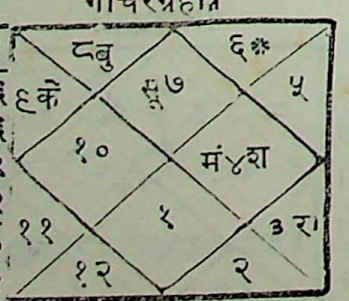

इस मास में प्रजा
में सुख शांतिरहेगी।
जो गेहूँ चणाअलसी
सिरस्यूं गुड़ खांड़
पाट कुष्टा लाख
चपड़ा मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

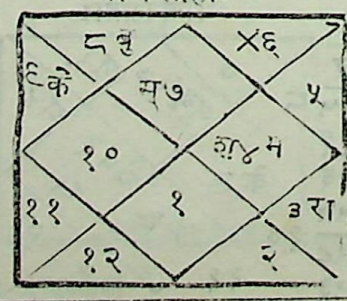

३०पं.का.कृ.१३शु.१९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	५	५	३	२	६
१६	३	४	२१	२४	१	९	१६
८	५९	४९	३४	३१	५३	३२	२९
०	२८	५५	५२	१२	१३	३६	४२
६०	२४	९१	१३	७३	०	३	६०
१८	१६	४९	८	५०	३०	११	४

*चंशुबृ

×६चंशुबृ

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः सन् १९४५
१	चं ५९ ३३ स्वा ० ४७ आ ६ ११ क २६ ५८ २७ ६ ५	५	१९	२९	वृः ५०।३५	अन्नकूट व्यापारे संवत् २००२
२	मं ६० ० वि ७ ११ सौ ७ ३२ ना ३१ ५६ १० ३ ४ २६ ६ ३५ २५	६	२०	३०	वृश्चिके	विशाखायां रविः ९।५३ चंद्रद. यम २*
२	बु ४ १९ अ १३ २ शो ८ २८ कौ ४ १९ ३ ३५ २५	७	२१	१	वृश्चिके	जिल्हेज सु. १२ [*तुलायांशुक्रः ४१।१*
३	गु ८ २० ज्ये १८ २२ अ ८ ४७ ग ८ २० २६ ५ ३६ २४	८	२२	२	धः १८।२२	भ. ३९।४८ उ. [*वक्री शनिः ५२।५२
४	शु ११ १६ मू २२ ३० सु ८ २२ वि ११ १६ ५६ ३७ २३	९	२३	३	धनुषि	भ. ११।१६ या
५	श १३ ८ पू २५ २६ धृ ७ ० बा १३ ८ ५२ ३८ २२	१०	२४	४	मः ४०।४१	ज्येष्ठायां बुधः ४९।३७चित्रायां १गुरुः ५२/३८
६	र १३ ४१ उ २६ २८ शू ४ ४२ तै १३ ४१ ४९ ३८ २२	११	२५	५	मकरे	
७	चं १२ ४९ श्र २७ ४२ गं २२ १ ३ ५५ ७ व १२ ४९ ४६ ३९ २१	१२	२६	६	कुः ५७।२०	भ. १२/४९ उ. ४१।४७या. स्वात्यांशुक्रः ५।२९
८	मं १० ४६ ध २६ ५८ ध्रु ५१ ३३ ब १० ४६ ४३ ३९ २१	१३	२७	७	कुम्भे	गोपाष्टमी
९	बु ७ ३८ श २५ ३ व्या ४५ २८ कौ ७ ३८ ४० ४० २०	१४	२८	८	कुम्भे	युगादिः कुष्मांड ९ अक्षया ९
१०	गु ३ ४० पू २२ ३३ ह ३८ ४३ ग ३ ४० ३७ ४१ १९	१५	२९	९	मी. ८।११	भ. ३१।१५ उ. ५८।५१ या. प्रबोधिनी¿
११	गु ५१ ११ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	क्षयः [¿११ ब्र. स्मा. तुलसी वि.
१२	शु ५३ २८ उ १९ २८ व ३१ २९ व २६ १० ३४ ४१ १९	१६	३०	१०	मीने	वृश्चिकेऽर्कः ४।११प्रबोधिनी ११ब्र.वै.नि.
१३	श ४७ ४८ रे १५ २५ सि २३ ५२ कौ २० ३८ ३१ ४२ १८	१७	१	११	मे. १५।२७	प्रदोषः
१४	र ४१ ५६ अ ११ २२ व्य १६ ३ ग १४ ५२ २९ ४२ १८	१८	२	१२	मेषे	भ. ४१।५६ उ. बैकुण्ठ १४ [×पूर्तिपुष्करयात्र
१५	चं ३६ ५ भ ७ २० व ८ १७ वि ९ १ २७ ४३ १७	१९	३	१३	बृ. २१।१७	भ. ९।१ या. अनु. रविः २५/१९ पूर्णिमा का. स्ना.×

३१पं.का.४शु.शु.इ.१८।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	५	६	३	२	६
२३	६	१४	२३	३	१	९	२३
१०	१०	२६	०	१४	५३	१०	३१
३८	१२	४६	४	४२	४९	२०	५
६०	२१	८८	१२	७३	१०/६	३	६०
३०	२९	१०	४६	५८	व ११	१७	

गोचरग्रहाः

कार्तिक शुक्ला १२ शुक्रे वृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३न. ३ बालावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ४५ (धान्यभावसम) शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

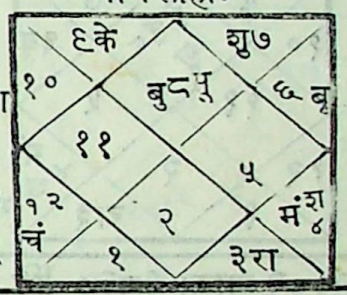

३२पं.का.शु.१२शु.इ.१७/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	६	३	२	७
०	७	२२	२४	११	१	८	०
१४	५१	५४	२२	५९	४८	४८	३३
४३	२२	१४	५२	३५	४७	५	५०
६०	१७	७९	१२	७४	१/९	२	६०
४०	४३	३७	२०	५	व	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष सं. २००२ शाकः १८६७ दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणेका. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं ३० २४ कृ १० ३ ५६ ७ प ३२ ० ५२ २३ ना ३ १४ २६ २४ ४३ ६ १७ ५	२०	४	१४	बृषे	
२	बु २५ १० मृ ५६ ९ शि ४५ ४५ ग २५ १० २१ ४४ १६	२१	५	१५	मि २७।४३	भ. ५२।४६ उ.
३	गु २० २२ आ ५३ ३१ सा ३९ ८ वि २० २२ १८ ४४ १६	२२	६	१६	मिथुने	भ. २०।२२ या. चतुर्थीं ब्र. विशाखायां÷
४	शु १६ ३१ पु ५१ ४६ शु ३३ ८ ना १६ ३१ १६ ४५ १५	२३	७	१७	क. ३७।१२	[÷शुक्रः ४१।२१
५	श १३ ३६ पु ५१ १३ शु २८ ० तै १३ ३६ १३ ४५ १५	२४	८	१८	कर्के	पात स्पर्शः ४५।५९
६	र ११ ४८ श्ले ५१ ३८ ब्र २३ ४७ व ११ ४८ ११ ४६ १४	२५	९	१९	सि ५१।३८	भ. ११।४८ उ. ४१।२० या. पातमोक्षः ८।१४
७	चं ११ १२ म ५३ २६ ऐं २० २९ व ११ १२ ८ ४६ १४	२६	१०	२०	सिंहे	
८	मं १२ ५ पू ५६ २३ वे १८ ११ कौ १२ ५ ६ ४७ १३	२७	११	२१	सिंहे	
९	बु १४ ३ उ ६० ० वि १६ ४८ ग १४ ३ ३ ४७ १३	२८	१२	२२	कं १२।२६	भ. ४५।३९ उ. बक्री बुधः १९।२२चित्राया×
१०	गु १७ १६ उ ० ३४ प्री १६ २९ वि १७ १६ १ ४८ १२	२९	१३	२३	कन्या	भ. १७।१६ या. [×२ गुरुः ३७।५२
११	शु २१ ३० ह ५ ५३ आ १६ ५४ बा २१ ३० २५/८ ४८ १२	३०	१४	२४	तु. ३८।५४	उत्पत्तिः ११ ब्र. वृश्चिके शुक्रः ४०।१८
१२	श २६ २५ चि ११ ५६ सौ १७ ५१ तै २६ २५ ५६ ४९ ११	१	१५	२५	तुलायां	दिसंबर १२ ता. ३१ पश्चिमास्तोबुधः ३/२८
१३	र ३१ ३५ स्वा १८ १४ शो १९ ५ व ३१ ३५ ५४ ४९ ११	२	१६	२६	तुलायां	भ. ३१।३५ उ. प्रदोषः ज्येष्ठांयांरविः २८।५८
१४	चं ३९ ४५ वि २४ ३३ अ २० २१ वि ४ १० ५२ ५० १०	३	१७	२७	बृ. ७।५८	भ. ४।१० या. मैत्रे शुक्रः २१।२६
३०	मं ४१ ४२ अ ३० ४४ शु २१ ३२ च ९ १४ ५१ ५० १०	४	१८	२८	बृश्चिके	अमावस्या

३३पं.भा.कृ.४शु.इ.१८।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	६	३	२	७
७	९	२८	२५	२०	१	८	७
२०	६	५६	४२	४५	३८	२५	३७
१७	३२	२८	३२	५८	३१	५०	४८
६०	१२	५२	११	७४	४/९	२	६०
५३	९	५९	५७	१३	व	११	४२

गोचरग्रहा

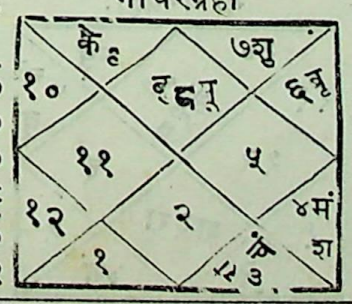

इस मास में उपद्रव अधिक, रोंगवृद्धि, व्यापारी वस्तुओं में घटाबढ़ी अधिक होगी जौ गेहूं मूंग तेज होगा ।

गोचरग्रहाः

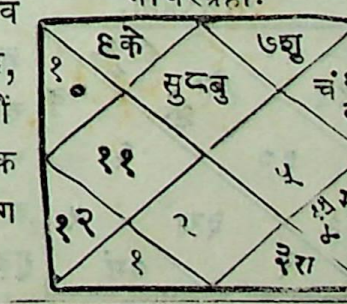

३४पं.मा.कृ.११शु.इ.१८/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	६	३	२	७
१४	९	२९	२६	२९	१	८	१४
२७	४७	१५	५८	३२	२२	३	४३
३	३५	०	५५	५६	५९	३४	८
६१	७	५९/८	११	७४	२९/१	२	६०
३	४७	व	१८	२०	व	११	५०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

फार्म नं ४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३८६७सन् १६४५
१	बु	४५	३७	ज्ये	३६	१२	धृ	२१	४६	कं	१३	३६	२५/४६	६/५०	५/१०	५	१६	२६	ध. ३६।१२	
२	गु	४८	३५	मू	४०	२१	शु	२१	४३	वा	१७	६	४७	५१	६	६	२०	३०	धनुषि	चंद्रद.
३	शु	५०	२०	पू	४३	५०	गं	२०	३७	तै	१६	२७	४६	५१	६	७	२१	१	भ. ५६।३२	मोहोरम मु. १ हिजरी सन् १३६५
४	श	५०	५४	उ	४५	५६	वृ	१८	३०	व	२०	३७	४४	५१	६	८	२२	२	मकरे	भ. ३०/३७ उ. ५०/५४ या. पानस्पर्श ३०/३६ पातमोक्षः ÷
५	र	५०	२	श्र	४६	३४	ध्रु	१५	३०	ब	२०	५४	४३	५१	६	६	२३	३	सकरे	नाग ५ [÷ ४५/१५ बकी भौमः ४४/३
६	चं	४७	५३	ध	४६	६	व्या	११	२२	कौ	१८	५७	४२	५२	८	१०	२४	४	कु. १६।२१	चंपा ६ बक्री मैत्रे बुधः २८।१६
७	मं	४४	४८	श	४४	३४	ह	६	१६	ग	१६	२१	४१	५२	८	११	२५	५	कुम्भे	भ. ४४।४८ उ.
८	बु	४०	४६	पू	४२	८	व	३०/०	५३/२१	वि	१२	४६	४०	५२	८	१२	२६	६	मी २७।४५	भ. १२।४६ या.
६	गु	३५	५६	उ	३८	५३	व्य	४६	४८	बा	८	२४	३६	५२	८	१३	२७	७	मीने	ज्येष्ठायां शुक्रः ५५/२४ पूर्वोदयी बुधः २३/५२
१०	शु	३०	३६	रे	३५	२०	व	३६	१६	तै	३	१६	३८	५२	८	१४	२८	८	म. ३५।२०	भ. ५७।५० उ.
११	श	२५	१	अ	३१	१६	प	३१	३१	वि	२५	१	३८	५२	८	१५	२६	६	मेषे	भ. २५/१ या. धनुष्यर्कः ३२/४३ मोक्षदा ११ ब्र.
१२	र	१६	७	भ	२७	१३	शि	२३	४१	वा	१६	७	३७	५३	७	१६	१	१०	वृ. ४१।११	प्रदोषः ताजिया. मार्गी बुधः १०।११
१३	चं	१३	१८	कृ	२३	४	सि	१५	५४	तै	१३	१८	३७	५३	७	१७	२	११	वृषे	पिशाचमोचनश्राद्ध
१४	मं	७	४१	रो	१६	१३	सा	८	११	व	७	४१	३७	५३	७	१८	३	१२	मि ४७।३५	भ. ७।४१ उ. ३५।५ या. [×चंद्रग्रहणे
१५	बु	२	३०	मृ	१५	५८	शु	५३/०	५०/५३	ब	२	३०	३६	५३	७	१६	४	१३	मिथुने	चित्रा ३ तुलायां गुरु :५।४ ग्रस्तास्तं×

३५पं.मा.शु.३ शु.इ.१८।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	७	३	२	७
२१	९	२१	२८	८	१	७	२१
३४	४६	५१	१०	२१	२	४१	४९
४९	३०	१४	५५	४	१३	१९	२३
६१	१	६/६१	१०	७४	२७	३	६०
११	२९	ब	३८	२६	ब	११	५६

गोचरग्रहा

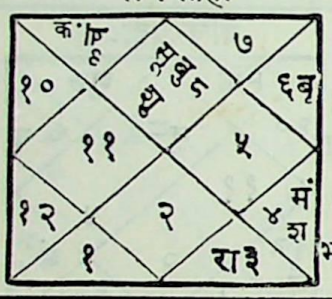

मार्गशीर्ष शुक्ला ११ शनौ धनुष्यर्कः प्रब्रिष्टः वा. २ न. बालावस्था (बैठी) मुहूर्ताः १५ (धान्य-भावसम) शुक्रोदयः पूर्वे

गोचरग्रहाः

३६पं.मा.शु.१०शु.इ.१७/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	७	३	२	७
२८	९	१४	२९	१७	०	७	२८
४३	७	२७	१८	९	३८	१९	५६
३३	८	२५	१८	११	२	३	१०
६१	४६/५५	५०/५५	९	७४	४३/४७	३	६१
१९	ब	ब	५३	२६	ब	११	०

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृ. महाराष्ट्राः
१	बु	५५	२३		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५४	६	आ	१३	३	त्र	४७	४८	ते	२६	१	२५/३६	६/५३	५/७	२०	५	१४	क. ५६।४१	
३	शु	५१	२२	पु	११	१४	ऐं	४२	२१	व	२२	४६	३६	५३	७	२१	६	१५	कर्के	भ. २२।४६ उ. ५१.२२ या.
४	श	४६	४२	पु	१०	३५	वै	३७	४८	ब	२०	३२	३६	५३	७	२२	७	१६	कर्के	चतुर्थी ब्र. उत्तरायण प्रवृत्ति ८।४
५	र	४६	१४	श्ले	१०	३१	वि	३४	१४	कौ	१६	२८	३६	५३	७	२३	८	१७	सिं १०।३१	ज्येष्टायां बुधः १८/४४ बक्रो मिथुने शनिः ४७/१६
६	चं	५०	१६	म	११	५५	प्री	३१	२६	ग	१६	४५	३७	५३	७	२४	६	१८	सिंहे	भ. ५०/१६ उ. धनुषि मूले च शुक्रः ३२/५२
७	मं	५२	१६	पू	१४	३५	आ	२६	४७	वि	२१	१६	३७	५३	७	२५	१०	१६	क. ३०।३६	भ. २१।१६ या.
८	बु	५५	४७	उ	१८	३८	सौ	२६	७	बा	२४	१	३७	५३	७	२६	११	२०	कन्या	मृगे ४ राहूः मूले २ केतुः ३४।५४
६	गु	६०	०	ह	२३	३७	शो	२६	१४	ते	२७	५७	३८	५२	८	२७	१२	२१	तु. ५६।३४	
६	शु	०	६	चि	२६	३२	अ	३०	२	ग	०	६	३८	५२	८	२८	१३	२२	तुलामां	भ. ३२।३४ उ. पूषायां रविः ३४।२०
१०	श	५	३	स्वा	३५	५३	सु	३१	१२	वि	५	३	३६	५२	८	२६	१४	२३	तुलायां	भ. ५।३ या.
११	र	१०	२०	वि	४२	१६	धृ	३२	१६	बा	१०	२०	३६	५२	८	३०	१५	२४	बृ. २५।४०	सफला ११ ब्र.
१२	चं	१५	३१	अ	४८	२८	शु	३३	३१	ते	१५	३१	४०	५२	८	३१	१६	२५	बृश्चिके	प्रदोषः
१३	मं	२०	१८	ज्ये	५४	२७	गं	३४	११	व	२०	१८	४१	५२	८	१	१७	२६	ध. ५४।२७	भ. २०।१८ उ. ५२।१६ या.×
१४	बु	२४	१६	मू	५८	४७	बृ	३४	२	श	२४	१६	४२	५२	८	२	१८	२७	धनुशि	जनवरी ता० ३१ १६४६
३०	गु	२७	५२	पू	६०	०	ध्रु	३३	१७	ना	२७	५२	४३	५२	८	३	१६	२८	धनुषि	

३७पं पौ.कृ. ३ शु.इ. १७/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	६	७	३	२	८
५	७	१४	०	२५	०	६	६
५२	४८	५०	२०	५७	९	५६	३
५९	४	२४	१०	५८	५८	४८	४०
६१	५३/४४	५६/२६	९	७४	४/०	३	६१
२२	ब	१	७	२६	ब	११	५

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में सुख शांति रहेगी रुई, सूत. कपास, चांदी, जौ, गेहूँ, चणा, अलसी सिरस्यू पाट गुड़ खांड मंदा होगा

गोचरग्रहाः

३८पं.पो.कृ.१०शु.इ.१७/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	६	८	२	२	८
१३	५	२१	१	४	२९	६	१३
२	५३	३	१६	४६	३८	३४	११
५२	३५	७	१	४८	१७	३३	३८
६१	२६/२९	७९	८	७४	१७/४७	२	६१
२६	ब	५८	१७	३२	ब	११	६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*मं४शं.चं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. पौष शुक्लपक्षः सं० २००२ शाकः १८६७ | दि. | उ. | अ. | इ. | हि. | मु. | चंद्रः | हेमंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३९२७ सन् १९४६

१	शु	२८	५३	पू	२	३०	व्या	३१	३५	व	२८	५३	२४/४४	६/५१	५/९	४	२०	२९	म.१७।५५
२	श	२९	२०	उ	४	१०	ह	२८	५६	कौ	२९	२०	४५	५१	९	५	२१	३०	मकरे
३	र	२८	२४	श्र	५	४२	व	२५	१०	ग	२८	२४	४७	५१	९	६	२२	१	कु.३६।१२
४	चं	२६	१४	ध	६	४२	सि	२०	३६	वि	२६	१४	४८	५०	१०	७	२३	२	कुम्भे
५	मं	२३	४	श	४	१७	व्य	१४	४७	ना	२३	४	५०	५०	१०	८	२४	३	मी४७।४४
६	बु	१९	२	पू	२/१३	५६/५५	व	८	४३	तै	१९	२	५२	५०	१०	९	२५	४	मीने
७	गु	१४	८	रे	५५	३५	प	५०/१	५२/३८	व	१४	४८	५४	४९	११	१०	२६	५	मे.५५।३५
८	शु	८	४६	अ	५१	४४	सि	४६	४५	ब	८	४६	५६	४९	११	११	२७	६	मेषे
९	श	३	५	भ	४७	३६	सा	३८	५५	कौ	३	५	५८	४८	१२	१२	२८	७	मेषे
१०	श	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	र	५१	२८	कृ	४३	२४	शु	३१	८	व	२४	२१	२६/००	४८	१२	१३	२९	८	वृ.१।३३
१२	चं	४५	५३	रो	३९	३३	शु	२३	२२	ब	१८	४०	३	४७	१३	१४	१	९	बृषे
१३	मं	४०	४८	मृ	३६	०	व्र	१५	५६	कौ	१३	२०	५	४७	१३	१५	२	१०	मि.७।४६
१४	बु	३६	१६	आ	३३	१३	ऐं	८	५५	ग	८	३२	८	४६	१४	१६	३	११	मिथुने
१५	गु	३२	४०	पु	३१	१४	वै	२/२५	५४/१८	वि	४	२८	१०	४६	१४	१७	४	१२	क१४।४४

पुत्रदा११ब्र.स्मा.पूषायां बुधः ५/३७ वक्री
मिथुनेभौगः २१/५२
भ.२४।२१उ.५१।२८या.मकरेऽर्कः ५/१५ A
पुत्रदा११ब्र. वै.नि.उषायां शुक्रः४३।१२
प्रदोष [×चित्रायां ४ गुरुः ४६।९
भ. ३६।१६ उ.
भ.४।२८या.मा.स्नां.प्रा.मकरेशुक्रः १८/५६ ×

३९पं.पौ.शु.१शु.इ.१७।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	६	८	२	२	८
२०	३	२९	२	१३	२९	६	२०
१२	३५	४१	५	३५	५	१२	१९
५०	२८	१७	४६	२८	१३	१७	४४
६१	२९	८७	७	७४	३/४८	३	६१
२६	ब	५८	४	३२	ब	११	६

ग्रोचरग्रहाः

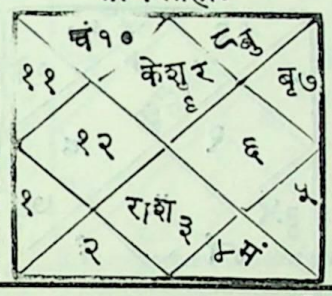

पौष शुक्ला ११
रवौ मकरेऽर्कः प्र.
वा.२ न. ३ बृद्धा-
वस्था (बैठी) मु.
४५ (धा.भा.मंदा)
शुक्रास्त पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

४०पं. पौ.शु.८शु.इ.१७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	६	८	२	२	८
२७	१	९	२	२२	२८	५	२७
२२	६	२४	४७	२४	३०	५०	२७
४०	७	१४	५६	२९	४०	२	४७
६१	३/५४	९१	६	७४	४/४०	३	६१
२४	ब	५३	८	३२	ब	११	६

ति. माघ कृष्णपक्षः सं० २००२ शाकः १८६७ | दि. | उ. | अ. | इ. | हिं. | मु. | चंद्रः | शिशिरतूं रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	शु	२९	५८	पु	२९	४६	प्री	५१	५६	ब्रा	१	२९	२६/१२	४६	५/१४	१८	५	१३	कर्के
२	श	२८	२५	श्ले	२९	५४	आ	४७	८	ग	२८	२५	१४	४५	१५	१९	६	१४	सिं२९।५४
३	र	२८	१३	म	३०	५८	सौ	४५	१	वि	२८	१३	१७	४५	१५	२०	७	१५	सिंहे
४	चं	२९	११	पू	३३	२५	शो	४३	२	ब्रा	२९	११	१९	४४	१६	२१	८	१६	कं.४९।२२
५	मं	३१	२७	उ	३७	१५	अ	४२	२	कौ	०	१९	२२	४४	१६	२२	९	१७	कन्या
६	बु	३४	५५	ह	४१	५२	सु	४१	५२	ग	३	११	२४	४३	१७	२३	१०	१८	कन्या
७	गु	३९	२२	चि	४७	३८	धृ	४२	२७	वि	७	९	२७	४३	१७	२४	११	१९	तु.१४।४५
८	शु	४४	२३	स्वा	५३	५८	शू	४३	३१	ब्रा	११	५२	३०	४२	१८	२५	१२	२०	तुलायां
९	श	४९	३८	वि	६०	०	गं	४४	४७	तै	१६	३१	३३	४१	१९	२६	१३	२१	बृ.४३।४४
१०	र	५४	४७	वि	०	१९	बृ	४५	५७	व	२२	१२	३६	४१	१९	२७	१४	२२	वृश्चिके
११	चं	५९	३४	अ	६	४६	धु	४६	५२	ब	२७	१०	३९	४०	२०	२८	१५	२३	बृश्चिके
१२	मं	६०	०	ज्ये	१३	७	व्या	४७	१७	कौ	३१	३०	४२	४०	२०	२९	१६	२४	ध.१३।७
१२	बु	३	२७	मू	१७	२५	ह	४५	४०	तै	३	२७	४५	३९	२१	३०	१७	२५	धनुषि
१३	गु	६	१५	पू	२१	१५	व	४५	२६	व	६	१५	४८	३८	२२	३१	१८	२६	म.३६।५६
१४	शु	७	५०	उ	२४	०	सि	४२	५५	श	७	५०	५२	३८	२२	१	१९	२७	मकरे
३०	श	८	५	श्र	२४	५४	व्य	३९	२२	ना	८	५	५५	३७	२३	२	२०	२८	कु.५५।१२

प्रदोषः
भ. १५/१ उ. ३७/२ या. श्रवणे बुधः ८/१०
फरवरी मा. २ ता. २८
मौनी ३०

४१पं.मा.कृ१शु.इ१७।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	८	६	९	२	२	९
४	२८	१९	३	१	२८	५	३
३२	३८	४५	२२	१२	२	२७	३५
८	३१	७	३४	४३	४९	४७	३८
६१	७/५१	९४	४	७४	४/४०	३	६१
१९	ब	५६	५५	३२	ब	११	३

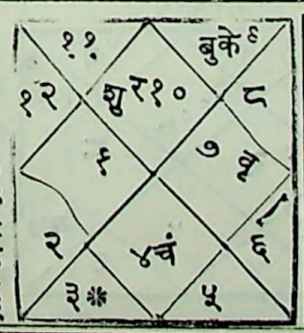

४२पं.मा.कृ.८शु.इ१७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	६	९	२	२	९
११	२६	०	३	१०	२७	५	११
४१	२४	२६	४८	०	२२	५	४२
०	१४	७	१८	३६	३०	३१	५०
६१	२/५८	९७	३	७४	२/२२	३	६०
१३	ब	३८	४२	३८	गु	११	५९

४३पं.मा.कृ१४शु.इ१७।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	६	९	२	२	९
१८	२४	११	४	१८	२६	४	१८
४९	३१	५७	६	४७	५०	४३	४९
०	५	४०	२९	४९	३१	१६	२३
६१	२/१७	८/३६	२	७४	६/४	३	६०
४	ब	३६	१७	३८	बृ	११	५५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २००२ शाकः १८६७										दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६५७सन् १६४६
१	र	७	५	ध	२५	३०	व	३४	२१	ब	७	५	३६ २६	६ ३६	५ २४	३	२१	२६	कुम्भे	चन्द्रद. बक्रीपुन २ शनिः ५१।३३
२	चं	४	४६	श	२४	१६	प	२६	५७	कौ	४	४६	२७ २	३६	२४	४	२२	१	कुम्भे	रदिलावल ३ धनिष्ठायां शुक्रः ५१।२४
३	मं	१	२२	पू	२२	२०	शि	२३	५६	ग	१	२२	६	३५	२५	५	२३	२	मी ७।५०	भ. २६।२२ उ.५७।२२ या. धनिष्ठायां×
४	मं	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×रविः ४४।२४ तिल४
५	बु	५२	२४	उ	१६	२१	सि	१७	१५	ब	२४	५३	६	३४	२६	६	२४	३	मीने	वतंत ५ श्रीपंचमी
६	शु	४६	५८	रे	१५	५७	सा	१०	३	कौ	१६	४१	१२	३४	२६	७	२५	४	मे. १५।५७	धनिष्ठायां बुधः ५६।३०
७	शु	४१	१३	अ	१२	१६	शु	३ २ १	५ ३ १४	ग	१४	६	१६	३३	२७	८	२६	५	मेषे	भ. ४१।१३ उ. मन्वादि रथ ७
८	श	३५	२२	भ	८	४२	न	४६	५६	वि	८	१८	१६	३२	२८	६	२७	६	वृ. २२।३१	भ. ८।१८ या भीष्म ८
९	र	२६	३७	कृ	४	०	ऐं	३६	१७	बा	२	३	२३	३१	२६	१०	२८	७	बृषे	कुभेशुक्रः १४।१६
१०	चं	२४	३	रो	० १ ३	५ २ ०	वै	३१	३७	ग	२४	३	२७	३१	२६	११	२६	८	मि २८।३३	भ. ५१।२८ उ. कुम्भे बुधः ४३।६
११	मं	१८	५४	आ	५३	३१	वि	२४	२६	वि	१८	५४	३१	३०	३०	१२	३०	६	मिथुने	भ. १८।५४ या. कुम्भेऽर्कः १८।२०*
१२	बु	१४	२६	पु	५१	१३	पी	१७	५८	बा	१४	२६	३४	२६	३१	१३	१	१०	क. ३६।४८	भीष्म १२ प्रदोषः बक्रीगुरुः २६।३
१३	गु	१०	५४	प	४६	३७	आ	१२	१	तै	१०	५४	३८	२८	३२	१४	२	११	कर्के	कल्पादि *जया ११ व्रतम्
१४	शु	८	२४	श्ले	४६	३४	सौ	७	२	व	८	२४	४२	२८	३२	१५	३	१२	सिं ४६।३४	भ.८।२४ उ.३७।३५ या. शते बुधः २६/४८÷
१५	श	६	४६	म	५०	२२	शो	४४ २	५६ १६	ब	६	४६	४६	२७	३३	१६	४	१३	सिंहे	माघस्नान पूर्णिः [÷शुक्रश्च ३३।१६

४४प.मा.शु.७गु.इ.१७।४४

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	६	९	२	२	९
२५	२३	२३	४	२७	२६	४	२५
५५	५	५२	१५	२४	२१	२१	५५
४८	२	३७	०	५९	२२	१	२३
६०	७	७	०	४४	४९	३	६०
५५	ब	२०	५५	३८	ब	११	४७

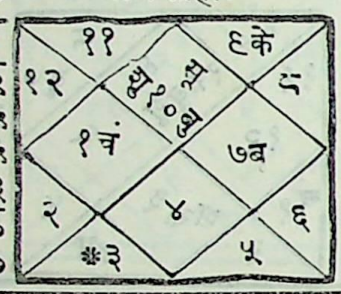

माघ शुक्ला ११ भौमे कुम्भर्क प्र. वा. ३ न. ३ वालाघस्था (बैठी) १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रास्तः पुर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

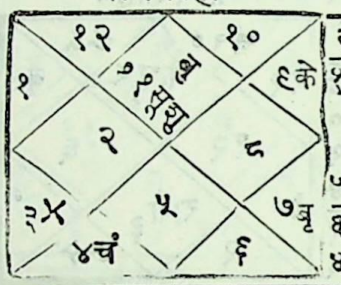

४५पं.मा.शु१४शु.गु.इ.१८।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	६	१०	२	२	१०
३	२२	६	४	६	२५	३	३
१	११	२३	१४	२१	५५	५८	०
५०	२४	२८	२०	४	४१	४५	९
६०	७	२५	२५	७४	१४	३	६०
४२	ब	१६	ब	३८	ब	११	३७

ति.	फाल्गुनकृष्णपक्षः सं० २००२ शाकः १८६७										दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे. माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	६	२६	पू	५२	३७	सु	५७	१६	कौ	६	२६	२७ ५०	६ २६	५ ३४	१७	५	१४	सिंहे	
२	चं	७	३८	उ	५५	५६	धृ	५६	६	ग	७	३८	५४	२५	३५	१८	६	१५	क. ८।२७	भ. ३८।४७ उ. शतेरविः ५३।४१
३	मं	६	५७	ह	६०	०	शू	५५	२८	वि	६	५७	५८	२४	३६	१६	७	१६	कन्या	भ. ६।५७ या चतुर्थी व्रत
४	बु	१३	२८	ह	०	४८	गं	५६	३	बा	१३	२८	२९	२४	३६	२०	८	१७	तु. ३३।२५	
५	शु	१७	५६	चि	६	२	वृ	५७	२	तै	१७	५६	६	२३	३७	२२	६	१८	तुलायां	
६	शु	२२	५४	स्वा	१२	८	वृ	५८	२०	ब	२२	५४	१०	२२	३८	२२	१०	१६	तुलायां	भ. २२।५४ उ. ५५।३२ या. पूभायां+
७	श	२८	१०	वि	१८	३६	व्या	५६	३३	व	२८	१०	१४	२१	३६	२३	११	२०	वृ. २।१	[+बुधः ३५/६ मार्गी भौमः ३०/१८
८	र	३३	१२	अ	२४	३७	ह	६०	०	बा	०	४१	१८	२०	४०	२४	१२	२१	वृश्चिके	
९	चं	३७	५०	ज्ये	३१	२	ह	०	३६	तै	५	३१	२२	२०	४०	२५	१३	२२	ध. ३१।२	×पश्चिमोदयीबुधः ४१/२१
१०	मं	४१	४०	मू	३६	२१	व	१	१४	व	६	४५	३६	१६	४१	२६	१४	२३	धनुषि	भ. ४५/६ उ. ४१/० या. पूभायां शुक्रः १२/३३×
११	बु	४४	२१	पू	४०	१६	सि	१	५	व	१३	०	३०	१८	४२	२७	१५	२४	म. ५६।२	विजया ११ व्रत मृग३ राहुः मूले१केतुः–
१२	गु	४५	४७	उ	४३	१३	व्य	५/१	५७/५६	कौ	१५	५	३४	१७	४३	२८	१६	२५	मकरे	मीनेबुधः ५।२१ [–२६।५५
१३	शु	४५	५४	श्र	४४	५३	ध	५४	५७	ग	१५	५०	३८	१६	४४	१	१७	२६	मकरे	भ. ४५/५४ उ. प्रदोषः उभायांबुध ५६/४५÷
१४	श	४५	१२	ध	४५	२६	शि	५०	५४	वि	१५	३३	४२	१६	४४	२	१८	२७	कु. १५।११	भ. १५।३३ या. महाशिघरात्री
३०	र	४२	२१	श	४४	३६	सि	४५	५७	च	१३	४७	४६	१५	४५	३	१६	२८	कुम्भे	÷मार्च ३ या० ३१

४६पं.फा.कृ६शु.इ.१८।१८

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	६	१०	२	२	१०
१०	२१	१९	४	१५	२५	३	१०
६	५५	२५	५	६	२४	२६	३
२२	२०	३०	४९	२५	१	३०	३८
६०	१०	७	५६	७४	३३	३	६०
३१	श्र	२३	ब	३२	ब	११	२५

इस मास में शनि राहु मंगल तीनों पापग्रहों का योग हो रहा है। मो प्रजा में अमेक प्रकार के उपद्रव होंगे।

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.कृ.१३शु.इ.१८/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	११	६	१०	२	२	१०
१७	२२	२	३	२३	२५	३	१७
९	९	११	४५	५१	१७	१४	५
११	३६	३१	५०	७	६	१४	५२
६०	४०	७	२०	७४	५२	३	६०
२०	मा	४४	ब	३२	ब	११	१२

*३मं.श.रा. ×३मं.श.रा. सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्) +मं.३रा.श. ?रा.मं.३श.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २००२ शाकः १८६७								दि.	उ.	अ	इं.	हि.	मु.	चन्द्र	शिशिरितूं रविरुत्तरेऽर्गणः ३६८६सन् १६४६
१	चं	३८	५७	पू	४२	४७	सा	३६	५६	कं	१०	३६	२८/५०	६/१४	५/६	४ २० २६	मी २८।१४	पूभायारविः ८।२६
२	मं	३४	४२	उ	४०	३	शु	३४	५६	बा	६	४६	५४	१३	४७	५ २१ ३०	मीने	चन्द्रदर्शमं
३	बु	२६	३८	रे	३६	५५	शु	२७	२	तै	२	१०	५८	१२	४८	६ २२ १	मे. ३६।५५	भ. ५८।२३ उ. पातस्पर्शः ३६।७ पातयोक्षः*
४	गु	२४	६	अ	३३	४	च	१६	५५	वि	२४	६	२/३	१२	४८	७ २३ २	मेषे	भ. २४।६ या. वक्री चित्रायां ३ गुरुः ५६।४६
५	शु	१८	२०	भ	२६	३	एं	१२	३०	बा	१८	२०	६	११	४६	८ २४ ३	वृ. ४३।००	उभायां शुक्रः ५५।२७
६	श	१२	३६	कृ	२४	५०	वै	१७/४	५५/१६	तै	१२	३६	१०	१०	५०	६ २५ ४	बृषे	[*४६।५५ रविलाखरः ४ मीने शुक्रः १४/२७
७	र	६	३५	रो	२०	५५	प्री	४६	५	व	६	३५	१४	६	५१	१० २६ ५	मि. ४६।६	भ. ६।३५ उ. ३३।४६ या. होली ८
८	चं	१	४	मृ	१७	१७	आ	४१	५३	ब	१	४	१८	८	५२	११ २७ ६	थिथुने	
६	चं	५४	४६		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०	क्षयः
१०	मं	५१	२५	आ	१४	३	सौ	३६	६	तै	२३	३६	२२	८	५१	१२ २८ ७	क. ५७।१७	रेवात्यां बुधः १०।५२
११	बु	४७	४८	पु	११	४१	शो	२६	१	व	१६	३६	२७	७	५३	१३ २६ ८	कर्के	भ. १/३६ उ. ४७/४८ या. आमलकी ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	गु	४५	१०	पु	६	२३	अ	२३	४६	ब	१६	२६	३१	६	५४	१४ ३० ६	कर्के	मीनः कं: ४७/५ आमलकी ११ ब्र. नि. वक्री बुधः ४३/३
१३	शु	४३	३८	श्ले	६	१६	सु	१६	२६	कौ	१४	२४	३६	५	५५	१५ १ १०	सिं. ६।१६	प्रदोषः [+रविः २६।२५ पश्चिमास्तो÷
१४	श	४३	१८	म	१०	२	धृ	१५	५३	ग	१३	५८	४०	४	५६	१६ २ ११	सिंहे	भ. ४३।१८ उ. [÷बुधः ५६।३१
१५	र	४४	२७	पू	१२	०	शू	१३	३४	वि	१३	५२	४४	३	५०	१७ ३ १२	कं २७।४८	भ. १३।५२ होलिकादहनं उभायां×

४८पं.फा.शु.३शु.इ.१८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	११	६	११	२	२	१०
२४	२२	१२	३	२	२५	२	२४
१०	५८	२१	१८	३४	५	५१	६
३३	४८	१७	२२	३७	१७	५९	३४
६०	११	६६	२६/व	७४	१८/व	३	५९
५	२	५८		३२		११	५८

गोचरग्रहाः

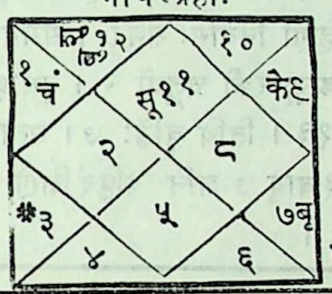

फाल्गुन शुक्ला १२ गुरौ मीनेऽर्के; प्र. वा. ३ न. ४ बालावस्था (दैठी) मुहूर्त्ता; १५(धान्य भाव तेजशुक्रोदयः परे

गोचरग्रहाः

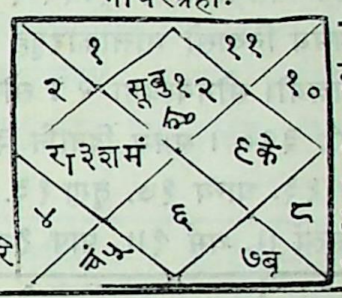

४६पं.फा.शु.१३शु.इ.१६/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	६	११	२	२	११
१	२४	१७	२	११	२४	२	१
१०	१३	२	४३	१७	५८	२९	५
१५	१	२०	५	२८	४४	४४	४६
५१	१५	१६/व	३८/व	७४	२०/व	२	५९
४९	३६			२६		११	४१

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २००२ शाकः १८६७								दि.	उ.	अ	इं.	हि.	मु.	चंद्र	बसंततूं रविरुत्तरे फा.कृष्णेनिमहाराष्ट्राः
१	चं	४६	४६	उ	१५	११	गं	११	४५	ना	१५	३६	२६/४६	६/६	५/८	१८ ४ १३	कन्या	वक्री उभायां बुधः ५१।२३
२	मं	५०	१८	ह	१६	३०	बृ	११	२१	तै	१८	३२	५३	१	५६	१६ ५ १४	तु. ५२।६	रेवत्यां शुक्रः ३६।३ मार्गीशनिः ४२।६
३	बु	५४	४४	चि	२४	४३	धु	११	२६	व	२२	३१	५७	१	५६	२० ६ १५	तुलायां	भ. २२।३५ उ. ५४।४४ या.
४	गु	५८	४२	स्वा	३०	५२	व्या	१२	३१	व	२७	१३	३०/१	६/०	६/०	२१ ७ १६	तुलायां	चतुर्थी ब्र.
५	शु	६०	०	वि	३७	१३	ह	१३	४५	कौ	३२	१५	६	५/६	१	२२ ८ १७	वृ. २०।३८	
५	श	४	४६	अ	४३	४३	व	१५	६	तै	४	४६	१०	५८	२	२३ ६ १८	बृश्चिके	
६	र	६	५३	ज्ये	४६	५१	सि	१६	२५	व	६	५३	१४	५७	३	२४ १० १६	ध. ४६।५१	म. ६।५३ या. ४२।६ या.
७	चं	१४	१६	मू	५५	१६	व्य	१७	१३	ब	१४	१६	१८	५६	४	२५ ११ २०	धनुषि	शीतला ८
८	मं	१८	२	पू	५६	३६	व	१७	२१	कौ	१८	२	२२	५६	४	२६ १२ २१	धनुषि	
६	बु	२०	३२	उ	६०	०	प	१६	३७	ग	२०	३२	२६	५५	५	२७ १३ २२	म. १५।२३	भ. ५१।११
१०	गु	२१	५०	उ	२	४५	शि	१४	४६	वि	२१	५०	३०	५४	६	२८ १४ २३	मकरे	भ. २१।५० या.
११	शु	२१	५२	अ	४	२०	सि	१२	१५	ना	२१	५२	३४	५३	७	२६ १५ २४	कुं ३४।४३	पांपमोचनी ११ व्रतं
१२	श	२०	३८	ध	५	२६	सा	८	३३	तै	२०	३८	३८	५२	८	३० १६ २५	कुम्भे	रेवत्यांरवि: ५/५ ६/३ प्रदोषः मेषेऽश्विन्वयां च¿
१३	र	१८	८	श	४	५३	शू	५७/३	५४/४०	व	१८	८	४३	५१	६	३१ १७ २६	मी ४८।४१	म. १८।८ उ. ४६।२४ या. वारुणीयोगः
१४	चं	१४	४०	पू	३	१७	न	५२	२६	श	१४	४०	४७	५१	६	१ १८ २७	मीने	अप्रैल ४ ता. ३० [¿शुक्रः २४।४३
३०	मं	१०	१६	उ	५/३	५५	ऐं	४५	४७	ना	१०	१६	५२	५०	१०	२ १६ २८	मे. ५७।३७	पूर्योदयीदुधः २४/४५ अहर्गणः ४०/१५ च. ३के.

५०पं.चै.कृ.५शु.इ. १६।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	६	११	२	२	११
८	२५	१५	२	१९	२४	२	८
८	५४	१९	१	५९	५७	७	३
९	३२	१२	३७	१०	४७	२८	२२
५९	१८	५६/३	३६/व	७४	१५/मा	३	५९
३५	४४	व	व	२६		११	२९

गोचरग्रहा

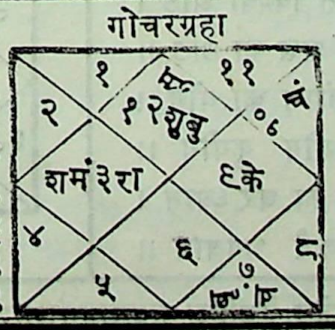

इस नास ये अलसी सरस्यूं एरंडा घी तेल खांड टेज होगी रुई कपास मूत में मंदी होगी।

गोचरग्राह

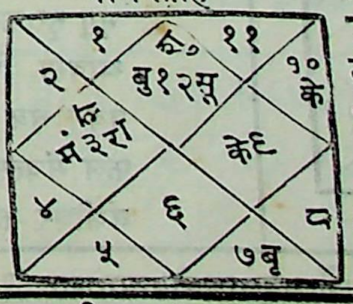

५१पं.चै.कृ११शु.इ.१६।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	६	११	२	२	११
१५	२७	९	१	२८	२५	१	१४
४	५८	३४	१४	३९	२	४५	५९
११	१९	५५	६	४३	१०	१३	१८
५१	२१	२६/व	५/व	७४	१/व	३	५९
१८	४६			२२		११	१६

*३रा.मं.

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद पङ्कज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०४७ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रैतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०४७ भोग्यकलिः ४२६९५३ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीरविक्रमादित्य राजतोगताब्दाः सम्वत् २००३ शाकः १८६८ वर्षेऽस्मिन्राजा बुधः । मंत्री शनिः । सस्येशोभौमः । धान्येशो रविः । मेघेशः शुक्रः । रसेशो गुरुः । नीरसेशो भौमः । फलेशः शुक्रः । धनेशो भौमः दुर्गेशः शनिः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्येविष्णुविंशतिकायां १३ विकारी नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्क-समये गतमासादिः १।२६।१२।० भोग्यमासादिः १०।३।३८।० पितृ-दैवतंयुगम् । वर्षनाम चैत्रः । मेघ ४ नाम पुष्करः । समय निवासो मालाकारगृहे (क्यारी में) रोहिणी निवासः समुद्रे । समय विश्वा ८ । समय वाहनं सिंचाणु । स्तम्भ २ तृणान्नयो। सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी ३ । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी २ समय मुहूर्ताः ३९० । समय दिनानि ३५४ । तिथि क्षयः १३ । तिथि वृद्धिः ७। उत्पति विश्वा १०५ । खपति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा १३. धान्य १७. तृण १३. शींत १३. तेज १३ वायु ७ शनि दृष्टिर्दक्षिणे । वृद्धिः १५। क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यं ११७ सत्यं ।।. धर्म १।।. पाप १८ ग्रहणे २ चन्द्रमसः ।

सं० २००३ ज्येष्ठा शुक्ला १५
चंद्रे खंडग्रासं चंद्र ग्रहणम्
विश्वा २७।६

	स्प.	सं.	म.	मो.	उ.	पर्व
रेल्वे	१०	११	१२	२	१२	३
टाइम	२१	३३	१४	७	५५	४६
देशी	९	११	११	१	१२	३
टाइम	५४	६	४७	४०	२८	४६

वर्ष लग्नम् २।०

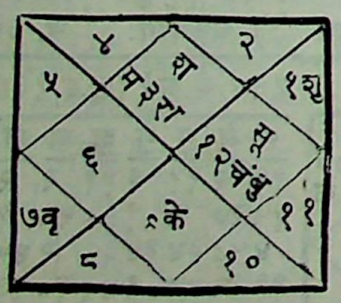

भैरव भवानी सम्वाद

मै. प्र. जयजननो जगदीश्वरी तू जग कीं प्रतिपाल ।
शुभ संवत्सर तीन का कह दो मुख सै हाल ॥
भ. उ. सुन हो भैरव लाडला संवत्सर का सार ।
अन्न तृण की कमती दहीं गायां दूध अपार ॥
राजा बुधजी वापड़ा चले न इनका जोर ।
मंत्री रवि सुत जानिये करे और की और ॥
सागर में रोहिणी वसी संवत मालाकार ।
वर्षा विश्वा विश्व १३ है वर्षे मुसबधार ॥
अन्न तृण के दो स्तंभ हैं संवत विश्वा आठ ।
भृगु सुतफल पति वर्ष में करे अन्न का ठाठ ॥
श्रावण पिछले पाख में गुरु मंगल का योग ।
पवन चक्र जग में चलें वर्षा योग कुयोग ॥
फल संवत्सर का कहा निज गुरु का धर ध्यान ।
बंशीधर का कथन है भली करै भगवान ॥

सं० २००३ मार्ग शुक्ला १५
रवौ खग्रासं चंद्रग्रहणम् ।
विश्वा २२।१२

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	पर्व
रेल्दे	९	१०	११	११	१२	३
टाइम	४२	५५	१९	४३	५७	१५
देज्ञी	९	१०	११	११	१२	३
टइम	२३	३६	०	२४	३८	१५

वर्षेश लग्नम् ५।२९

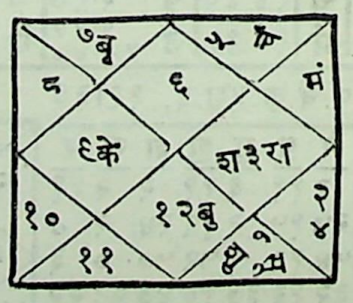

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४४।०। केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५।२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फ.—बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्य विवाह मंगलम्। प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धन्यधान्य संकुलम्॥ मंत्री शनिस्तस्फलं—ररिसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहुदुःखदा। न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं धनदं क्वचित्॥ सस्येशो भोमस्तत्फ. प्रथमधान्यपतौ धरणीसुतौ गजतुरंगखरोष्ट्रगवामपि। प्रभवदा बहुरोगघनोजलं न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत्॥ धान्येशो रविस्तत्फलं—पश्चाद्धान्याधिपेसूर्ये पश्चाद्धान्यं तदानहि। विग्रंह भूभृडां धान्यं महर्घं ज्वरपीडनम्॥ मेघेशः शुक्रस्तत्फ.—भृगुसुते जलदस्यपतिर्यदा जलयुता जलदादिविशोभनाः। धन निधान युताद्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः॥ रसेशो गुरुस्तत्फल. यदि गुरौरसपे जनसौख्यदे कमलवंति सरांसितृणानिच। जनपदा द्विजपूजनतत्परा गजसवाजिरथोष्ट्रयुता नृपाः॥ नीरसेशो भौमस्तत्फलं—नीरसेशो यदा मौमः प्रवालरक्तवाससाम्। रक्तचंदनताम्राणामर्घवृद्धिर्दिने दिने॥ फलेशः शुक्रस्तत्फ०—यदिफलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदुकुमार महीरुहराशयः। बहुपथा नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः॥ धनेशो भौमस्तत्फल०—असति मौल्यकरो धरणी सुतः शरदितापकरस्तुषधान्यहृत्। महसि मासि भवेद्द्विगुणं तदा नरपतिर्जनशोक विधायकः दुर्गेश शनिरतत्फ०रविसुते गढपालिनी बिग्रहे सकलदेशगताश्चलिताजनाः। विविध वैरि विशेषित नागराः कृषिधनं न लभेद्भुविकश्चन॥ वर्षनाम चैत्रस्तत्फलम्—सस्यानि घृत कार्मास तैलादि रससंचयः। चैत्रवर्षे भवेद्वृद्धिर्नृप सौख्यफलप्रदः विकारीनाम संवत्सरस्तफलम्—विकार्यब्देखिला लोकाः सरोगा वृष्टिपीड़िताः॥ पूर्वसस्यफलंस्वल्तंबहुलं चापरंफलं॥ मेघनाम पुकरस्ततफलम्—पुष्करे मंदवृष्टिः स्यात्॥ रोहिणी निवासः समुद्रे तत्फलम्—समुद्र तु महावृष्टिः॥ समय निवासो मालाकार गृहे फलम्—मालिनः प्रचुरावृष्टिः॥ एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयंशुभाशुभम॥

सं० २००३ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः।

शुक्ला ६ गुरौ मघा. ल. गो. रे. ७ ऽसं ऽ।।।।ऽ।ऽ।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १० रवौ उभाल. ऽत्यगो. रे. ८।।।।ऽअ.।ऽ।।

,, १० रयौ रेव. ल. १ रे. ७।।।।ऽअग्निऽऽ।।

,, ११ चन्द्रे रेवल.ऽन्यगो (सोग्रांग): रे.८।।।।।ऽऽ।।

शुक्ला ६ बुधे मघाल.ऽन्यगो (सोग्रांगः) १रे.८।।।।।ऽऽ।।

,, ८ शुक्रे उफा.ल.गो.(सोग्रांगः) १रे.६।।।।।ऽ।।।

आषाढ मासः

कृष्णा ८ शनौ उभा. लऽन्यगो. १रे.८।।।।।।ऽ।ऽदग्धा-

,, ६ रवौ रेव.ल.ऽन्यगो. १रे७।।।।ऽरोऽऽ।। रिक्ता-

शुक्ला ६ रवौ स्वा.ल.१ (चं ७ पू) रे८ऽश।।।।ऽ।।।

,, १० चन्द्र. स्वा ल. गो.रे७ऽश।।।।ऽनृऽ।।।

मार्ग शीर्ष मासः।

शुक्ला ५ गुरौ उषा. ल.६ (अंश ७ या) रे६ऽवृऽ।।।ऽऽ।।

आवश्यके

शुक्ला ६ भौमे उभा. ल. ३ रे. ८ ।।।।ऽरो।।।ऽ दग्धा.

पौष मास; आवश्यके

कृष्णा ५ शुक्रो मघा.ल.६रे.७ऽचंऽ।।।।ऽ।।।

माघ मासः

कृष्णा १० गुरौ अनु. ल ६रे. ६।।ऽशु.।।ऽअग्निऽऽ।।

,, ११ शुक्रे अनु ल.६रे.८।।।।।।ऽऽ।।

शुक्ला ४ रवौ उभा. ल.६रे.८।।।।।ऽऽ।।

,, ५ चन्द्रे रेव. ल. ६ रे. ६।।।।ऽनृपा।।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ शनो उफा.ल.७ ६रे.७ऽरा.।।।ऽदो.ऽ।।।

,, ४ रवौ ह्स्ते.ल.७ ६रे.६।।।।।।ऽ।।

कृष्णा १० शनौ मूलेल.७ (घ.४०।४६ उ.)रे७ऽबुऽ।।।।ऽ।।

,, ११ रवौ मू. ल ऽन्यगोरे ७ऽबुऽ।।।।ऽ।

,, १२ चंद्रे उवाल. ७रे१०।।।।।।।।।

शुक्ला २ रवौ उभाल. ६रे.७।ऽ।।ऽअग्निऽ।।।

,, १५ शुक्र उफाल.७.६रे.६ऽरा.।।।ऽर बु.।ऽऽ।।आव.

चैत्र मासः

कृष्णा १ शनौ ह्स्तेल. ७.६रे.८।ऽ।।ऽचो.।।।।

अत्रकचित्स्मृति दृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

लाभ खर्च कोष्टक।

राशि	मे.	वृ.	मि	क.	सिं	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु	मी
लाभ	५	१४	२	११	१४	२	१४	५	८	११	११	८
खर्च	५	११	११	८	२	११	११	५	११	५	५	११

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं० २००३ शाकः १८६८										दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	बसन्तर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४४१६ सं १९४६
१	बु	५	८	अ	५४	३	वै	३८	१९	ब	५	८	३०/५६	५५/४९	६/१७	३	२०	२९	मेषे	चद्रदर्शनम् नवरात्र.संवत्सरारंभः ध्वजारो
२	बु	५४	२०	०	०	०	ऽ	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	गु	५३	३८	भ	५०	०	वि	३१	१	तै	२६	२३	३१/००	४८	१२	४	२१	१	मेषे	कर्के भौमः २०/३० जमादिलावल ५मणगौरी*
४	शु	४७	४०	कृ	४६	४	प्री	२३	४४	व	२०	३९	४	४७	१३	५	२२	२	बृ.४।१	भ. २०/३९ उ. ४७/४० या. [* मत्स्यजयंती
५	श	४१	४७	रो	४२	५४	आ	१५	५३	ब	१४	४४	८	४६	१४	६	२३	३	बृषे	कल्पादिः
६	र	३६	५	मृ	३८	०	सौ	८	७	कौ	८	५६	१२	४६	१४	७	२४	४	मि १०।२७	मार्गीबुधः ३२।८
७	चं	३०	४९	आ	३४	५०	शो	५२/५२	५३/१३	ग	३	२७	१६	४५	१५	८	२५	५	मिथुमे	भ. ३४/९९ उ. ५५/३५ या. वक्री कन्यायां गुरु १०/३०
८	मं	२६	२१	पु	३१	२९	सु	४७	४०	ब	२६	२१	२०	४४	१६	९	२६	६	क.१७।२०	भवान्युत्पत्तिः ९
९	बु	२२	४२	पु	३०	१४	धृ	४२	२२	कौ	२२	४२	२४	४३	१७	१०	२७	७	कर्के	भरण्यां शुक्रः १३।१९ राम ९ वै.
१०	शु	१९	५९	श्ले	२९	५०	शू	३७	५०	ग	१९	५९	२८	४२	१८	१	२८	८	सिं २९।२५	भ. ४९।१० उ.
११	शु	१८	२२	म	२९	२५	गं	३४	२३	वि	१८	२२	३२	४२	१८	१२	२९	९	सिंहे	भ. १८।२२ या. कामदा ११ ब्र.
१२	श	१७	५७	पू	३१	२५	वृ	३१	३०	बा	१७	५७	३६	४१	१९	१३	३०	१०	कं.४७।७	मेषेऽर्कः ३१।२५ पुष्येभौमः २३।५९×
१३	र	१९	१	उ	३४	१३	ध्रु	२९	६	तै	१९	१	४०	४०	२०	१४	१	११	कन्या	[× प्रदोषः
१४	चं	२१	१६	ह	३८	३१	व्या	२९	१०	व	२१	१६	४४	३९	२१	१५	२	१२	कन्या	भ. २१।१६ उ. ५३।१ या.
१५	मं	२४	४७	चि	४३	३६	ह	२९	१७	ब	२४	४७	४८	३८	२२	१६	३	१३	तु. ११।३	मन्वादिःहनुमज्जयंती वै. स्मा. प्रा.

५२ पं.चै.शु.४शु.इ.२०।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	६	०	२	२	११
२१	०	५	०	७	२५	१	२१
५८	२०	२२	२२	१९	११	२२	५३
२३	३५	१	१९	१२	४९	५८	३१
५१	२४	५४/४९	५७/५२	७४	१	३	४९
४	१९	व	व	२०	३८	११	४

गोचरग्रहाः

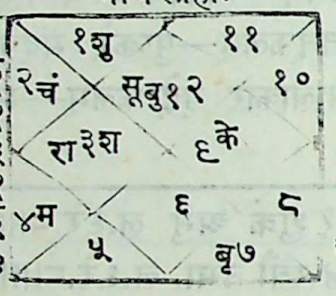

चैत्र शुक्ला १२ शनौ मेषेऽर्के; प्र. वा. ३ न०गतालका वस्था (ऊभी) मुहूर्ता ३० (धान्यभावसम) शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

१पं.चै.शु.१२शु.इ.३६।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	५	०	२	२	०
०	३	५	२९	१७	२५	०	०
४	२५	२८	१७	३०	२७	५६	०
३३/५८	२३/२६	६/१७	३८/५२	२९/७४	५४/२	४२/३	०
४५	४६	मा	४	८	२८	११	४४

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं० २००३ शाकः १८६८										दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्र	बसन्तर्तूरविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	बु	२९	०	स्वा	४९	२७	व	३०	१५	कौ	२९	००	३१/५१	५/३८	६/२२	१७	४	१४	तुला	[*५८/७ बृषेराहुःबृश्चिके केतुः २७।६
२	गु	३३	४८	वि	५५	५४	सि	३१	३१	तै	१	२४	५५	३०	२३	१८	५	१५	तु.३९।१७	
३	शु	३८	५१	अ	६०	०	ज्य	३२	५४	व	६	२०	५८	३६	२४	१९	६	१६	वृश्चिके	भ. ६।२० उ. ३८।५१ या.
४	श	४३	४३	अ	७२	२७	व	३४	१७	व	११	१७	३२	३६	२४	२०	७	१७	वृश्चिके	चतुर्थी ब्र.
५	र	४८	१०	ज्ये	८	४७	ष	३५	१७	कौ	१५	५७	६	३५	२५	२१	८	१८	ध.८।४७	कृतिकायां शुक्रः ३।९
६	चं	५१	४८	मू	१४	९	शि	३५	४६	ग	१९	५९	१०	३४	२६	२२	९	१९	धनुषि	भ. ५१।४८ उ.
७	मं	५४	१५	पू	१८	४९	सि	३५	२०	वि	१३	२	१४	३३	२७	२३	१०	२०	म.३४।४२	भ. २३।२ या. बृषे शुक्रः ४५।१६
८	बु	५५	४७	उ	२२	२१	सा	३३	५३	बा	२५	१	१७	३३	२७	२४	११	२१	मकरे	
९	गु	५५	२८	श्र	२४	३४	शु	३१	२९	तै	२५	३७	२१	३२	२८	२५	१२	२२	कु.५५।१	[×वरूधिनी ११ब्र.स्मा.वै.अगस्त्यास्तः १७/५३
१०	शु	५४	७	ध	२५	२९	शु	२८	१४	व	२४	४७	२५	३१	२९	२६	१३	२३	कुम्भे	भ. २४।४७ उ. ५४।७ या.
११	श	५१	३७	श	२५	२५	व्र	२३	५२	व	२२	५२	२९	३०	३०	२७	१४	२४	कुम्भे	भरण्यां रविः १२।४९ रेवत्यां बुधः ३०/१८×
१२	र	४८	१२	पू	२३	५७	ऐं	१८	४३	कौ	१९	५४	३३	२९	३१	२८	१५	२५	मी.९।१९	धरूधिनी ११ ब्र. नि.
१३	चं	४३	८	उ	२१	४२	वै	२२	४५	ग	१५	४०	३६	२९	३१	२९	१६	२६	मीने	भ. ४३।८ उ. प्रदोषः
१४	मं	३८	२७	रे	१८	४६	वि	२६/२६	५५/५१	वि	१०	४७	४०	२८	३२	३०	१७	२७	मे. १८।४६	भ. १०।४७ या.
१५	बु	३२	४५	आ	१५	१०	अ	५१	५३	च	५	३६	४३	२७	३३	१	१८	२८	मेषे	मई मा. ५ ता० ३१ रोणिण्यां शुक्रः*

२ पं.वै.क.४श.ई.३६।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८			५	०	२	२	०
६	६	८	२८	२६	२५	०	६
१४	१८	४२	२४	६	४८	३४	५०
१२	०	२	४०	५४	३२	२७	३८
२८	२८	२८	५२/५२	७४	२	२	५८
२१	२७	१०	व	२	१३	११	३१

गोचरग्रहाः

इस मास का फल श्रेष्ठ है रुई चांदी अलसी लोह कपास विनोला सिरस्युं तेज जो गुहूं चणा मूंव मोठ मंदा।

गोचरग्रहाः

३पं.वै.कृ.११श.इ. ३६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	५	१	२	२	०
१३	९	१६	२७	४	२६	०	१३
४३	२२	४५	३२	४२	१३	१२	३९
६	४१	५०	५३	०	५२	१२	४०
५८	२९	५५	२०/७	७२	३	३	५८
१२	४९	२३	व	५६	४६	११	२०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २००३ शाकः १८६८						दि.		उ.		अ.		इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०४५ सं. १९४६
१	गु	२६	५३	भ	११	१७	सो	४४	१४	ब	२६	५३	३३/४७	५/२७	६/३	२	१९	२९	बृ. २५।१२	चन्द्रदर्शनम्
२	शु	२०	५२	कृ	७	३	शो	३६	३३	की	२०	५२	५०	२६	३४	३	२०	१	बृषे	पुनर्वसौ ३शनिः ४५/५४जमादिलाखर५परशुजं
३	श	१४	५३	रो	५/२९	५८/१९	अ	२९	११	ग	१४	५३	५४	२५	३५	४	२१	२	मि ३१।३	भ. ४१।५३ उ. अक्षया ३
४	र	८	५४	आ	५५	४३	सु	२१	५१	वि	८	५४	५७	२५	३५	५	२२	३	मिथुने	भ. ८।५४ या. वक्रीचित्रायां १गुरुः २४।३९
५	चं	३	५०	पु	५२	४३	धृ	१५	३	ग्रा	३	५०	३/१३	२४	३६	६	२३	४	क. ३८।२८	
६	चं	५५	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	मं	५५	२५	पु	५०	५१	शू	८	४३	ग	२७	१८	४	२३	३७	७	२४	५	कर्के	भ. ५५।२५ उ. [*पातस्पर्शः ५६।३९
८	बु	५२	३४	श्ले	५०	४५	मं	५५/२९	३/२०	वि	२३	५९	७	२३	३७	८	२५	६	सिं ५०।४५	भ. ३/५३ या. मेषेऽश्विन्यां च बुधः ६।१६*
९	बु	५०	५४	श्र	५१	५७	धु	५४	४४	वा	२१	४४	१०	२२	३८	९	२६	७	सिंहे	पातमोक्षः १२।३
१०	शु	५०	३५	पू	५२	४९	व्या	५१	५०	तै	२०	४४	१३	२१	३९	१०	२७	८	सिंहे	[÷०/४४मोहिनी ११ ब. स्मा. वै.
११	श	५१	१६	उ	५४	४२	ह	४९	५७	व	२०	५५	१६	२१	३९	११	२८	९	कं. ८।१७	भ. ३/५५ उ. ५/१९ या. कृतिकायां रविः÷
१२	र	५३	१८	ह	५७	२३	व	४९	१३	ब	२२	१७	१९	२०	४०	१२	२९	१०	कन्या	मृगे शुक्रः ५/३९ सार्पे भौमः ५/३ मोहिनीटं
१३	चं	५६	३५	चि	६०	०	सि	४९	१८	की	२४	५७	२२	२०	४०	१३	३०	११	तु. २९।५६	प्रदोषः [?११ ब्र. नि.
१४	मं	६०	०	चि	२	३०	व्य	४९	५६	ग	२८	४२	२५	१९	४१	१४	३१	१२	तुलायां	बृषेऽर्कः २८।३१ नृसिंहजयंती
१४	बु	०	४९	स्वा	८	६	व	५१	२९	व	०	४९	२८	१८	४२	१५	१	१३	बृ. ५७।५४	भ. ४/९ उ. ३/५५ या. भरण्यां बुधः ३।३० !
१५	शु	५	४१	वि	१४	३०	प	५२	४७	ब	५	४१	३१	१८	४२	१६	२	१४	वृश्चिके	बै. स्ना. पूर्तिः [! कूर्मोत्पत्ति

४ पं. वै. शु. ३ शु. इ. ३६।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	५	१	२	१	०
२०	१२	२५	२६	१३	२६	२९	२०
२९	३५	५२	४५	१५	४३	४९	२७
४४	५६	५२	१४	१८	४८	५६	२२
५७	३१	७०	३/४६	७३	४	३	५८
५७	१	४८	ब्र	५०	२६	११	६

गोचरग्रहाः

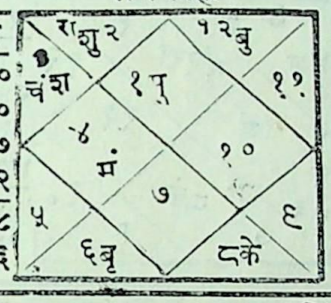

वैशाख शु. १४ भौमे बृषेऽर्के; प्र. वा. ४ न० ५ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मुहूर्ता १५ (धान्यभावतेज) शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

५ पं. वै. शु. ११ शु. इ. ३७।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	५	१	२	१	०
२७	१५	६	२६	२१	२७	२९	२७
१४	५६	४९	२	४७	१७	२७	१३
५८	४६	५९	४२	१७	५३	४१	३०
५७	३२	८८	४४/४७	७३	४	३	५७
४५	१	७	ब्र	४४	५३	११	५४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २००३ शाकः १८६८						दि.		उ.		अ.		इ.	हिं.	मु.	चन्द्र	ग्रीष्मर्तौ रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	शु	१०	२९	अ	२०	५२	शि	५४	१७	कौ	१०	२९	३३/३४	५/१७	६/४३	१७	३	१५	बृश्चिके	
२	श	१५	२१	ज्ये	२७	२०	सि	५५	३४	ग	१५	२१	३६	१७	४३	१८	४	१६	ध. २७।२०	भ. ४७/३१ उ. मिथुने शुक्रः २३।१६
३	र	१९	४२	मू	३२	५९	सा	५६	८	वि	१९	४२	३९	१६	४४	१९	५	१७	धनुषि	भ. १९।४२ या. चतुर्थी ब्र.
४	चं	२३	१६	पू	३७	३८	शु	५५	५७	ग्रा	२३	१६	४१	१६	४४	२०	६	१८	म. ५३।५१	पूर्वास्तं बुधः ३२।१७
५	मं	२५	४३	उ	४१	३०	शु	५४	४६	तै	२५	४३	४४	१५	४५	२१	७	१९	मकरे	
६	बु	२६	५४	श्र	४४	६	च	५२	४७	व	२६	५४	४६	१५	४५	२२	८	२०	मकरे	भ. २६/५४ उ. ५६/५४ या. कृतिकायां बुधः ११।५
७	शु	२६	५५	ध	४५	१६	ऐं	४९	४१	ब	२६	५५	४८	१४	४६	२३	९	२१	कु. १४।४१	बृषे बुधः ५०।४६ आर्द्रायां शुक्रः ५५।२०
८	शु	२५	३४	श	४५	३३	वै	४५	३४	कौ	२५	३४	५०	१४	४६	२४	१०	२२	कृम्भे	रोहिण्यांरविः ५४।४०
९	श	२३	०	पू	४४	१९	वि	४०	३६	ग	२३	०	५२	१४	४६	२५	११	२३	मी २९।३८	भ. ५१।१३ उ.
१०	र	१९	२७	उ	४२	२०	प्री	३४	५०	वि	१९	२७	५४	१३	४७	२६	१२	२४	मीने	भ. १९।२७ या.
११	चं	१५	२	रे	३९	१९	आ	२८	१९	वा	१५	२	५६	१३	४७	२७	१३	२५	मे. ३९।१९	अपरा ११ ब्र.
१२	मं	९	४९	अ	३५	५४	सो	२१	३२	तै	९	४९	५८/००	१२	४८	२८	१४	२६	मेषे	रोहिण्यां बुधः ४९।४९ प्रदोषः
१३	बु	४	७	भ	३२	११	शो	१४	२४	ब	४	७	३४/००	१२	४८	२९	१५	२७	बृ. ४६।८	भ. ४।७ उ. ३१।८ या.
१४	बु	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
२०	शु	५२	३	कृ	२८	०	अ	६/४०	५२/४३	च	२५	६	३४/२	१२	४८	३०	१६	२८	बृषे	भावुका ३० वटपूजनम्

६ पं. ज्ये. कृ. २श. ई. ३७।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	५	२	२	१	१
३	१९	१९	२५	०	२७	२९	३
५८	२५	२४	२६	१७	५५	५	५८
३५	४८	०	२०	२	२६	२६	२६
५७	३३	७८	३/५४	७३	५	३	५७
३४	६	५३	ब्र	२६	२०	११	४४

गोचरग्रहाः

इस मास का फल श्रेष्ठ है प्रजा में सुख शांति रहेगी धान्य भाव तेज रुई अलसी चांदी सोना तेज होगा।

गोचरग्रहाः

७ पं. ज्ये. कृ. ९ श. इ. ३७।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	५	२	२	१	१
१०	२३	३	२४	८	२८	२८	१०
४०	१	२३	५७	४४	३६	४३	४२
४६	५२	४३	३२	३१	०	१०	१८
५७	१३	०/२०	३/३२	७३	५	३	५७
२३	४९	२३	ब	१७	४६	११	३५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः स. २००३ शाकः १८६८ | दि. उ. अ. इ. हि. सु. | चंद्र | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४०४७सन् १९४६

१	शु	४५	५८	रो	२४	३२	धृ	५१	५८	कं	१९	१	३४	५	६	३१	१७	२९	मि५२।४९	
२	श	४०	८	मृ	२१	७	शू	४४	२६	बा	१३	३	६	११	४९	१	१८	३०	मिथुने	जून मा. ६ ता. ३० चंद्रद.
३	र	३४	४५	आ	१६	५७	गं	३७	२८	तै	७	२६	८	१०	५०	२	१९	१	क.५९।१८	रज्जव ७ रंभा व्रत
४	चं	२९	५८	पु	१३	२५	बृ	३१	४	व	२	२१	९	१०	५०	३	२०	२	कर्के	भ.२१ उ.५९ या.मृगे बुधः ३५ पुनर्वसौ*
५	मं	२६	५	पु	११	२४	धु	२५	२३	बा	२६	५	११	१०	५०	४	२१	३	कर्के	पातमोक्षः ३० [*शुक्रः ५८ पात. ४७
६	बु	२३	५	श्ले	१०	१४	व्या	२०	४८	तै	२३	५	१२	१०	५०	५	२२	४	सिं१०।१४	
७	गु	२१	१२	म	९	४३	ह	१६	३५	व	२१	१२	१४	९	५१	६	२३	५	सिंहे	भ. २१ उ.५० या. मिथुने बुधः ३४।१४
८	शु	२०	३५	पू	१०	३७	व	१३	३६	ब	२०	३५	१५	९	५१	७	२४	६	क. २६।११	मृगेरविः ५४।४० मधायां सिंहेच भौमः×
९	श	२१	२०	उ	१२	५७	सि	११	३४	कौ	२१	२०	१६	९	५१	८	२५	७	कन्या	[×४४।२२पुनर्वसौ४कर्के चशनिः३९।४३
१०	र	२३	७	ह	१६	२९	व्य	१०	३३	ग	२३	७	१७	९	५१	९	२६	८	तु. ४८।४८	भ.५४।४४उ..आर्द्रायां बुधः ५३ गंगा १०
११	चं	२६	२२	चि	२१	७	व	१०	३३	वि	२६	२२	१८	८	५२	१०	२७	९	तुलायां	भ.२६।२२ या.निर्जला ११ व्रत
१२	मं	३०	३७	स्वा	२६	५४	प	११	१८	बा	३०	२७	१९	८	५२	११	२८	१०	तुलायां	पश्चिमोदयीबुधः ३०।६
१३	बु	३५	६	वि	३२	५७	शि	१२	३५	कौ	२	४६	२०	८	५२	१२	२९	११	वृ. १६।२६	कर्केशुक्रः २३।३६ मार्गीगुरुः ३८।५२
१४	गु	३९	५२	अ	३९	१५	सि	१४	८	ग	७	२९	२१	८	५२	१३	३०	१२	बृश्चिके	भ. ३९।५२ उ.
१५	शु	४५	४७	ज्ये	४५	४३	सा	१६	०	वि	१२	१९	२१	८	५२	१४	३१	१३	ध. ४५।४३	भ.१२ या.मिथुनेऽर्कः ५४ खग्रास चंद्रग्र.

८पं.ज्ये.शु.२श.इ.३७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	५	२	२	१	१
१७	२६	१८	२४	१७	२९	२८	१७
२१	४३	४६	३६	१०	२०	२०	२५
२	५५	४१	४०	१९	६	५५	५
३७	३४	५९	१३	७३	६	३	५७
१३	२४	४१	ब्र	१	७	११	२७

गोचरग्रहाः

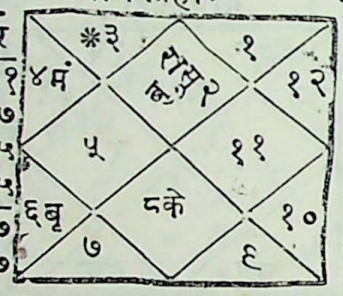

ज्येष्ठ शुक्ला १५ शुक्रे
मिथुनेऽर्कः प्र.वा.४
न. ५ कुमारावस्था
(बैठी) मुहूर्ताः ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

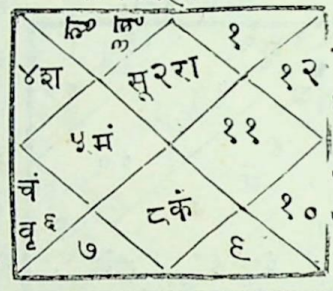

९पं.ज्ये.शु.९श.इ.३७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	५	२	३	१	१
२४	०	४	२४	२५	०	२७	२४
१	२१	४	२४	३३	६	५८	७
४७	८	१६	३२	१२	११	३९	८
५७	३५	५९	४०	७२	६	३	५७
५	१४	५९	ब्र	४५	२६	११	२२

१	श	४९	९	मू	५१	२४	शु	१६	५९	चा	१६	५८	३४	५	६	१५	१	१४	धनुषि	पुष्ये शुक्रः ९।२३
२	र	५२	४३	पू	५६	३१	शु	१७	४९	तै	२०	५६	२२	८	५२	१६	२	१५	धनुषि	
३	चं	५५	११	उ	६०	०	ब्र	१७	४४	व	२३	५७	२२	८	५२	१७	३	१६	म. १२।३६	भ.२३ उ.५५ यां.पुनर्वसौ बुधः १।०
४	मं	५६	२८	उ	०	५२	ऐं	१६	४६	व	२५	५०	२३	७	५३	१८	४	१७	मकरे	चतुर्थी व्रतम्
५	बु	५६	२८	श्र	३	२८	वै	१५	३	कौ	२६	४८	२३	७	५३	१९	५	१८	कु.३४।१४	
६	गु	५५	९	ध	५	१	वि	१२	५	ग	२५	४८	२३	७	५३	२०	६	१९	कुम्भे	भ. ५५।९ उ.
७	शु	५२	२८	श	५	२७	प्री	७	२३	वि	२३	४९	२४	७	५३	२१	७	२०	मी ५०।५	भ. २३।४९ या. आर्द्रायां रवि ५५।४९
८	श	४९	४	पू	४	५८	आ	५४	२३	ना	२०	४६	२४	७	५३	२२	८	२१	मीने	कर्केबुधः ५९।४०
९	र	४४	२७	उ	५९	२५	शो	५१	३५	तै	१६	५१	२४	७	५३	२३	९	२२	म. ५९।४८	
१०	चं	३९	२७	अ	५६	३७	अ	४४	४९	व	१२	२	२४	७	५३	२४	१०	२३	मेषे	भ.१२।२ उ.३९।३७ या.
११	मं	३३	४७	भ	५२	४३	सु	३७	३९	व	९	२७	२४	७	५३	२५	११	२४	मेषे	पुष्ये बुधः ३६।५ योगिनी ११ व्रत
१२	बु	२७	५२	कृ	४८	४०	धु	३०	१	कौ	०	५०	२३	७	५३	२६	१२	२५	वृ. ६। ४२	सार्पेशुक्रः २८।१५ प्रदोषः
१३	गु	२१	४२	रो	४४	३२	शू	२२	३१	व	२१	४२	२३	७	५३	२७	१३	२६	बृषे	भ. २१।४२ उ. ४८।३९ या.
१४	शु	१५	३६	मृ	४०	२२	गं	१५	५	श	१५	३६	२३	७	५३	२८	१४	२७	मि१२।२७	पितृकार्येऽमा.
३०	श	९	४४	आ	३६	४०	वृ	७	३७	ना	९	४४	२२	८	५२	२९	१५	२८	मिथुने	देवकार्येऽमा.

तिः आषाढ कृष्णपक्षः सं.२००३ शाकः १८६८ | दि. उ. अ. इ. हि. सु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१०पं.आ.कृ.१श.इ.३७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	३	३	१	२
०	४	१७	२४	३	०	२७	०
४०	२१	४३	२१	५३	५४	३६	४८
५५	५८	१	२९	४६	५८	२४	२५
५६	३५	९८	३४	७२	६	३	५७
५७	४५	१७	मा	२३	३८	११	१७

११पं.आ.कृ.८श.इ३७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	३	३	१	२
७	८	२९	२४	१२	१	२७	७
१९	१८	३१	२६	११	४५	१४	२९
२३	३६	३६	५६	६	२५	९	१३
५६	३६	७६	१	७२	६	३	५७
५४	१५	४३	४१	१	५६	११	१३

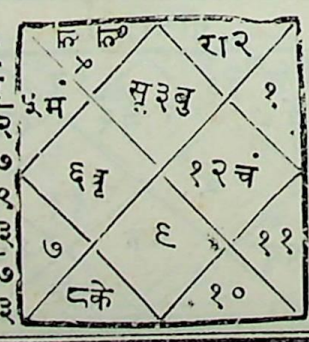

१२पं.आ.कृ२०श.इ३७।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	३	३	१	२
१३	१२	९	२४	२०	२	२६	१४
५७	१४	२०	४०	२५	३७	५१	९
२६	३२	२८	५५	२६	३७	५३	४३
५६	३६	५७	३	७१	७	३	५७
५०	४०	१७	७	३४	५	११	७

*च३शु श

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८ | दि. | उ. | अ. | इ. | हि. | मु. | चंद्रः | ग्रीरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१०४ स. १६४६

१	र	४	१५	पु	३३	४१	ध्रु	५३	२६	व	४	१५	३४ २१	५ ८	६ ५३	३०	१६	२६	क. १६।२६	चन्द्रदर्शनम्
२	र	५५	६	०	०	०	०	०	०	तै	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[*सावान ८
३	चं	५५	२२	पु	३१	१६	ह	४८	२२	व	२७	२३	२०	८	५२	१	१७	१	कर्के	जु.मा.७ता.३१ पूफायां भौमः २४।२२*
४	मं	५३	२०	श्ले	२६	३६	व	४३	२२	व	२४	२१	१६	८	५२	२	१८	२	सि २६।३६	भ. २४।२१ उ. ५३।२० या.
५	बु	५१	२०	म	२६	२०	सि	३६	१६	ब	२२	२०	१८	८	५२	३	१६	३	सिंहे	मृगे १ राहुः ज्येष्ठायां ३ केतुः २१।४५
६	गु	४६	३४	पू	३०	४	व्य	३६	६	कौ	२०	२७	१७	६	५१	४	२०	४	कं. ४५।३२	अस्तंशनेः ५।२७
७	शु	५०	१४	उ	३१	५६	व	३३	५५	ग	१६	५४	१६	६	५१	५	२१	५	कन्या	भ. ५०।१४ उ. पुनर्वसौ रविः ५६।५०
८	श	५२	११	ह	३५	५	प	३२	४८	वि	२१	१२	१४	६	५१	६	२२	६	कन्या	भ. २१।१२ या. सार्पे बुधः १७।५०
९	र	५४	५१	चि	३६	३०	शि	३२	३१	ना	२३	३१	१३	६	५१	७	२३	७	तु. ७।१७	सिंहे शुक्रः ४७।३५ पुष्ये १ शनिः ७।४२
१०	चं	५८	५८	खा	४४	४५	सि	३३	६	तै	२६	५४	११	१०	५०	८	२४	८	तुलायां	मन्वादिः
११	मं	६०	०	वि	५०	५६	सा	३४	१७	व	३१	१६	१०	१०	५०	९	२५	९	बृ. ३४।२३	भ. ३१।१६ उ. देवशयनो ११ ब्र.
११	बु	३	३५	अ	५७	२०	शु	३५	४६	वि	३	३५	९	१०	५०	१०	२६	१०	बृश्चिके	भ. ३५/३ या. देवशयनी ११ ब्र. हरिवासरः
१२	शु	८	३८	ज्ये	६०	०	शु	३७	२४	ना	८	३८	७	११	४९	११	२७	११	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	शु	१३	१५	ज्ये	३	४५	ब्र	३८	४६	तै	१३	१५	६	११	४९	१२	२८	१२	ध. ३।४५	
१४	श	१७	३६	मू	९	४१	ऐं	३९	३४	व	१७	३६	४	११	४९	१३	२९	१३	धनुषि	भ. १७।३६ उ. ४९।२४ या.
१५	र	२१	१३	पू	१५	५	वै	३९	४८	ना	२१	१३	२	१२	४८	१४	३०	१४	म. ३१।१०	व्यास पूजा. सब्बरात

१३पं.आ.शु.८श.इ.३७।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	३	३	१	२
२०	१६	१६	२५	२८	३	२६	२०
३५	२२	५२	६	३६	३०	२९	५०
२२	३४	१६	३६	३२	४७	३८	७
५६	३७	३८	४	७१	७	३	५७
५०	११	६	१३	६	१४	११	७

गोचरग्रहाः

इस मास का फल अशुभ है कहीं वर्षा की अधिकता तथा कहीं वर्षा की कमी होगी प्रजा में क्लेश होगा।

गोचरग्रहाः

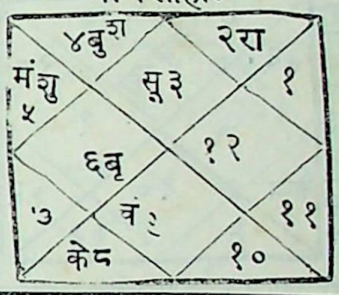

१४पं.आ.शु.१४श.इ.३७/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	४	३	१	२
२७	२०	२१	२५	६	४	२६	२७
१३	३०	३६	३४	४३	२४	७	३०
२८	२९	२२	१६	१९	२२	२३	२९
५६	३७	१६	५	७०	७	३	५९
५५	४४	५६	२३	२६	२०	११	११

ति. श्रावण कृष्णपक्ष सं. २००३ शाकः १८६८ | दि. | उ. | अ. | इ. | हि. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽआ.कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	चं	२४	१४	उ	१६	२४	वि	३६	६	कौ	२५	१४	३४ ०	५ १२	६ ४८	१५	३१	१५	मकरे	
२	मं	२५	६	अ	२२	२३	ग्री	३७	२६	ग	२५	६	३ ५८	१२	४८	१६	३२	१६	कु. ५३।१८	भ. ५५।१० उ. कर्केऽर्कः ३२।३४
३	बु	२५	१४	ध	२४	१३	आ	२४	४६	वि	२५	१४	५६	१३	४७	१७	१	१७	कुम्भे	भ. २५।१४ या. चतुर्थी ब्र.
४	गु	२३	५७	श	२४	५८	सो	३१	१०	वा	२३	५७	५४	१३	४७	१८	२	१८	कुम्भे	बक्री बुधः ३६।८
५	शु	२१	२६	पू	२४	१२	शो	२६	३२	तै	२१	२६	५२	१४	४६	१९	३	१९	मी ६।२४	पूफायां शुक्रः २३।४ नागपंचमी ५
६	श	१८	१	उ	२२	३३	अ	२१	३	व	१८	१	५०	१४	४६	२०	४	२०	मीने	भ. १८/१ उ. ४५/४ या. पुष्ये रविः ३।१५
७	र	१३	३७	रे	१६	५७	सु	१४	५१	ब	१३	३७	४८	१५	४५	२१	५	२१	मे. १६।५७	
८	चं	८	३१	अ	१७	२	धृ	८	२	कौ	८	३१	४५	१५	४५	२२	६	२२	मेषे	
९	मं	२	५१	भ	१२	५७	शु	४९ ०	५३ २९	ग	२	५१	४२	१६	४४	२३	७	२३	बृ. २७।८	भ. २९।५३ उ. ५६।५६ या. उफायां*
१०	मं	५४	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[*भौमः ४०।२३
११	बु	५०	५०	कृ	६	४१	बृ	४५	३५	ब	२३	५३	४०	१६	४४	२४	८	२४	बृषे	कामिका ११ ब्र. स्मा.
१२	गु	४४	४२	रो	४	५१	धु	३८	१४	कौ	१७	४६	३७	१७	४३	२५	९	२५	मि ३२।४७	चित्रायां २ गुरुः १८/२ पश्चिमास्तोबुधः ४१/४ ×
१३	शु	३८	३८	मृ	४ ३	५६ १३	व्या	३०	४९	ग	११	४०	३५	१७	४३	२६	१०	२६	मिथुने	भ. ३८।३८ उ. प्रदोषः
१४	श	३३	१३	पु	५३	४८	ह	२३	४४	वि	५	५५	३२	१८	४२	२७	११	२७	क. ३९।३५	भ. ५।५५ या. [×कामिका ११ ब्र. वै
३०	र	२८	१९	पु	५१	६	व	१७	२	ना	२८	१५	३०	१८	४२	२८	१२	२८	कर्के	हरियाली ३०

१५पं.श्रा.कृ.६शु.इ.३६।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	५	४	३	१	३
३	२४	२२	२६	१४	५	२५	४
५१	४३	५८	१२	४५	१८	४५	११
५६	४४	४१	११	४०	५०	७	१३
५६	३८	५० ६०	६	६९	७	३	५७
५७	१	ब	२८	३८	२०	११	१५

गोचरग्रहा

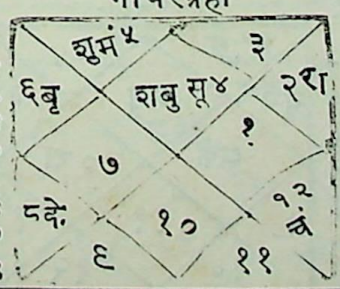

श्रावण कृष्णा २ भौमेः कर्केऽर्कः प्र. वा. ५न. ५ प्रगलभावस्था (बैठी) मुहूर्ता ३० (धान्य भावसम) शुक्रोदयः

गोचरग्रहाः

१६पं.श्रा.कृ.१४श.इ.३६/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	५	४	३	१	३
१०	२८	२०	२६	२२	६	२५	१०
३१	५७	३९	५७	४२	१३	२२	५२
१४	११	२६	११	४०	१२	५२	१६
५७	३८	५२/२७	७	६८	७	३	५७
५	२८	ब	२६	५०	२०	११	२०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त.| श्रावण शुक्लपक्षः सं.२००३ शाकः१८६८ | दि. | उ. | अ. | इ. | हि. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१३३स.१९४६

१	चं	२४	१२	श्ले	४९	८	सि	११	३	ब	२४	१२	३३ २७	५ १९	६ ४१	२९	१३	२९	सि. ४९।८	चंद्रद. कन्यायांभौमः १४।४३
२	मं	२१	४	म	४८	३३	व्य	५	५०	की	२१	४	२४	१९	४१	३०	१४	१	सिंहे	रमजान ९ [×शनिः१६।० तीज वरद ४
३	बु	१९	३	पू	४९	३	व	१ ३२	५६ ४०	ग	१९	३	२१	२०	४०	३१	१५	२	सिंहे	भ.४८।३९ उ.उफायांशुक्रः९।३७पुष्ये२×
४	गु	१८	१५	उ	५०	३९	शि	५५	४५	वि	१८	१५	१८	२०	४०	१	१६	३	कं. ४। २७	भ.१८।१५ या अगस्त सा. ८ ता. ३१
५	शु	१८	५०	ह	५३	३२	सि	५४	२२	वा	१८	५०	१५	२१	३९	२	१७	४	कन्या	वक्रीपुष्ये बुधः ३३।२९ नाग ५
६	श	२०	३३	चि	५७	४४	सा	५४	५	तै	२०	३३	१२	२२	३८	३	१८	५	तु.२५।३८	आश्लेषायां रविः ४।३कन्यायांशुक्रः ६ ३ ४
७	र	२३	२९	स्वा	६०	०	शु	५४	२२	व	२३	२९	९	२२	३८	४	१९	६	तुलायां	भ. २३।२९ उ. ५५।२ या.
८	चं	२७	२५	स्वा	२	५६	शु	५५	२६	ब	२७	२५	६	२३	३७	५	२०	७	वृ. ५२।२८	दुर्गा ८
९	मं	३२	२०	वि	८	५८	ब	५६	१८	की	३२	२	३	२३	३७	६	२१	८	वृश्चिके	
१०	बु	३६	५३	अ	१५	१३	ऐं	५८	२१	तै	४	२७	३ २९	२४	३६	७	२२	९	बृश्चिके	
११	गु	४१	४५	ज्ये	२१	३८	वै	५९	५१	व	९	१९	५६	२५	३५	८	२३	१०	ध.२१।३८	भ. ९।१९ उ.४१४५ या. पवित्रा११ब्र.
१२	शु	४६	९	मू	२७	३०	वि	६०	०	ब	१३	५७	५३	२५	३५	९	२४	११	धनुषि	उदयं शने ३३।१९ पवित्रार्पण १२
१३	श	४९	५०	पू	३३	२	वि	०	५०	की	१७	५९	५०	२६	३४	१०	२५	१२	म.४९।१०	प्रदोषः
१४	र	५२	२८	उ	३७	३२	प्री	१	६	ग	२१	९	४७	२७	३३	११	२६	१३	मकरे	भ. ५२।२८ उ.पूर्वोदयी बुधः १८।७
१५	चं	५३	५७	श्र	४१	४	आ	० ३५	५८ ३१	वि	२३	१२	४४	२७	३३	१२	२७	१४	मकरे	भ. २३ १२ या.हस्तेशुक्रः ५ ३ श्रावणीकर्म रक्षा.

१७पं.श्रा.शु.६श.इ.३६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	५	३	१	३
१७	३	१५	२७	०	७	२५	१७
११	१५	४६	४८	३३	७	०	३३
२	२५	५	४७	५०	२६	३६	५८
५७	३८	५५	८	६७	७	३	५७
१२	४९	ब्र	३१	४७	१७	११	३४

गोचरग्रहाः

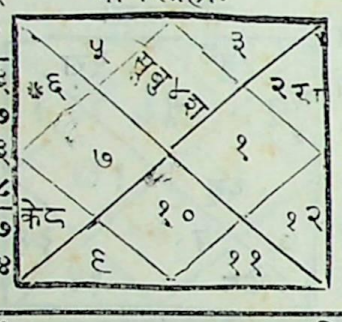

इस मास में रुई गेहूँ पाट कुष्टा अलसी अनाज गल्ला मंदा होकर सुदी में तेज होगा। सुदीमें मंदी पीछे तेजी।

गोचरग्रहाः

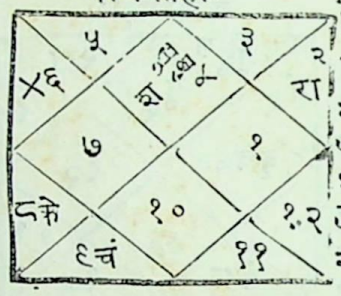

१८पं.श्रा.शु.१३श.इ.३६।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	५	३	१	३
२३	७	१२	२८	८	८	२४	२४
५२	३६	०	४६	१८	०	३८	१६
१०	१४	५४	१२	२५	२५	२१	२५
५७	३९	५७	९	६६	७	३	५७
२२	१०	ब्र	१९	३५	८	११	३३

ात.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००३शाकः १८६८	दि.	उ.	अ.	इ.	हि	मु.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	मं	५४	११	ध	४२	५८	शो	५६	२९	बा	२४	४	३२ ४०	५ २८	६ ३२	१३	२८	१५	कु. १२।१	
२	बु	५३	०	श	४३	५८	अ	५३	८	तै	२३	३५	३६	२९	३१	१४	२९	१६	कुम्भे	हस्ते भौमः ३१।२९
३	गु	५०	३८	पू	४३	४२	सु	४८	४९	व	२१	४९	३३	२९	३१	१५	३०	१७	मी २८।४६	भ.४९ २१ उ.३८ ५० या.मार्गीबुध ३५ ४० कजली ३
४	शु	४७	१५	उ	४२	८	धृ	४२	३२	ब	१८	५६	२९	३०	३०	१६	३१	१८	मीने	चतुर्थी ब्र.
५	श	४२	५९	रे	३९	४४	शू	३७	९	की	१५	७	२६	३१	२९	१७	१	१९	मे.३९।४४	सिंहेऽर्कः ०।३० चंद्र ६
६	र	३७	५४	अ	३६	४८	गं	३०	३०	ग	१०	२६	२२	३२	२८	१८	२	२०	मेषे	भ.३५ ७ ४ उ.चित्रायां ३ तुलायां च गुरुः ४ २ १
७	चं	३२	२०	भ	३३	११	वृ	२३	१७	वि	५	७	१९	३२	२८	१९	३	२१	बृ.४७।८	भ. ५।७ या. जन्माष्ठमी ब्र. स्मा.
८	मं	२६	२५	कृ	२९	०	धु	१५	४७	की	२६	२५	१५	३३	२७	२०	४	२२	बृषे	जन्माष्टमी ब्र. वै.
९	बु	२०	१५	रा	२४	५८	व्या	८	६	ग	२०	१५	११	३४	२६	२१	५	२३	मि५२।५१	भ. ४७।१३ उ. गोगा.
१०	गु	१४	१२	मृ	२०	४४	ह	० ३४	५२ ३१	वि	१४	१२	८	३४	२६	२२	६	२४	मिथुने	भ. १४ १२ या. सार्पेबुधः ५।१३
११	शु	८	२२	आ	१६	५५	सि	४५	५५	बा	८	२२	४	३५	२५	२३	७	२५	क. ५९।१६	अजा ११ ब्र.
१२	श	२	४६	पु	१३	२३	व्य	३९	८	तै	२	४६	८ २०	३६	२४	२४	८	२६	कर्के	भ. ३ १७ उ.चित्रायां शुक्रः ३ १ वत्स १२प्रदोषः
१३	श	५५	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१४	र	५३	४५	पु	१०	३४	व	३२	५२	वि	२५	४७	३ ५ १	३७	२३	२५	९	२७	कर्के	भ. २५।४७ या.
३०	चं	५०	३६	श्ले	८	४७	प	२७	२४	च	२२	१०	५२	३८	२२	२६	१०	२८	सिं.८४७	पुष्ये ३ शनिः ५९।५४ लोहागलस्नान

१९पं.भा.कृ.५श.इ.३६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	५	५	३	१	४
०	१२	१३	२९	१५	८	१९	०
२४	१	१५	४९	५४	५२	१६	५९
२३	१९	११	१२	३२	५९	६	४६
५७	२९	५५ ५०	९	६५	६	३	५७
१४	२३	मा.	५७	२	५९	११	४०

गोचरग्रहाः

भाद्रपद कृष्णा ५ शनौ सिंहेऽर्कः प्र. वा. ५ नं. ५ गताल कावस्था (ऊभी) मुहूर्ताः ३० (धान्य भाव सम) शु. प.

गोचरग्रहाः

२०पं.भा.कृ.१२शु.३६।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	६	५	३	१	४
७	१६	१९	०	२३	९	२३	७
१७	२८	५५	५७	२१	४३	५३	४४
५७	४४	४१	४	०	५२	५०	१७
५७	३९	७७	१०	६३	६	३	५७
४५	५१	४८	४१	२२	४४	११	४८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

#बृशु६मं +शुमं६बु +मं६शुब्र =श४चंबु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २००३ शाकः १८६८						दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	मं	४८	३६	म	७	२३	शि	२२	४७	क	१६	३६	३१ ४८ ३ ५८ ६ २२ २७ ११ २६ सिंहे
२	बु	४७	४६	पू	७	५३	सि	१६	६	वा	१८	१३	४४ ३६ २१ २८ १२ ३० कं.२३।१२
३	गु	४८	२५	उ	६	१०	सा	१६	२२	ते	१८	७	४० ४० २० २६ १३ १ कन्या
४	शु	५०	६	ह	११	४८	शु	१४	४१	व	१६	१५	३६ ४१ १६ ३० १४ २ तु.४३।४६
५	श	५३	१	चि	१५	४४	शु	१४	०	ब	२१	३३	३२ ४२ १८ ३१ १५ ३ तुलायां
६	र	५७	०	स्वा	२०	३७	ब्र	१३	४४	को	२५	१	२८ ४२ १८ १ १६ ४ तुलायां
७	चं	६०	०	वि	२६	२५	ऐं	१५	१२	ग	२६	२०	२५ ४३ १७ २ १७ ५ बृ.६।५८
८	मं	१	४०	अ	३२	४२	वे	१५	५१	व	१	४०	२१ ४४ १६ ३ १८ ० वृश्चिके
९	बु	६	३४	ज्ये	३६	२	वि	१७	५२	ब	६	३४	१८ ४४ १६ ४ १६ ६ ध.३६।२
१०	शु	११	३२	मू	४५	१६	श्री	१६	३१	को	११	३२	१४ ४५ १५ ५ २० ७ धनुषि
११	श	१६	३	पू	५०	५४	आ	२०	२२	ग	१६	३	१० ४६ १४ ६ २१ ८ धनुषि
१२	र	१६	४६	उ	५५	३४	सो	२०	५५	वि	१६	४६	६ ४७ १३ ७ २२ ६ म.७।४
१३	चं	२२	३४	श्र	५६	२०	शो	२०	३५	आ	२२	३४	२ ४८ १२ ८ २३ १० मकरे
१४	मं	२४	६	ध	६०	०	अ	१६	४५	ते	२४	६	३० ५८ १२ ६ २४ ११ कु.३०।२६
१५	बु	२४	२८	ध	१	३२	सु	१६	५५	व	२४	२८	५४ ४६ ११ १० २५ १२ कुम्भे
१५	बु	२३	२०	श	२	४५	धृ	१३	३६	व	२३	२०	४६ ५० १० ११ २६ १३ सी४७५७

अगस्त्योदयः ५६।५७
चन्द्रदर्शनम् [×रविः ५१।२१ गणेश४
सव्वाल १० ईद.हरितालिका ३
भ.१६।१५ उ. ५०।६ या. पूफायां×
सिंहे बुधः०।२२तुलायांशुक्रः३पूर्वास्तो*
सितम्बर मा. ६ ता० ३०
[*बुधः ३२।२० ऋषि ५
भ. १।४० उ. ३४।७ या.
चित्रायां भौमः १६।३१ रोहिण्यां ४÷
[÷राहुः ज्येष्ठायां २ केतुः १४।४८
भ. ४७।५६ उ. स्वात्यां शुक्रः ४०।१६
भ. १६/४६ या.पूफायां बुधः ३/४४ चित्रायां४गुरुः=
वामनाऽवतारः प्रदोषः
[=६।५६ जलझूलनी ११ ब्र.
भ. २४/२८ उ. ५३/५४ या. अनंत १४
प्रौष्ठपदी ३० महालय कुमारीणां सं.पू.

२१प.भा.शु.५श.इ.३६।० गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	६	६	३	१	४
१४	२१	१	२	०	१०	२३	१४
३३	०	६	९	३४	३३	३१	२९
९	०	५८	२९	३७	२९	३५	५३
५७	४०	५२	११	६१	६	३	५८
५७	९	४४	१७	८	२९	११	१

इस मांस में पांच मंगल पांच बुध हैं सो प्रजा में रोगादिक कर उपद्रव, रुई चांदी सोना मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

२२पं.भा.शु११श.इ.३५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	६	६	३	१	४
२०	२५	१४	३	७	११	२३	२१
४९	३४	२५	२५	३४	२०	९	१६
४९	३०	३७	४४	५	२८	२०	५९
५८	४०	५२	११	५८	६	३	५८
१२	२९	५३	५५	२६	१४	११	१३

ति.	आश्विनकृष्णपक्षः सं० २००३ शाकः १८६८						दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः
१	शु	२१	२	पू	२	५१	शु	६	५	कौ	२१	२	३० ४५ ५५ ६१ १२ २७ १५ मीने
२	शु	१७	४५	अ	१/२६	५/४०	गं	४	५/५८	तै	१७	४५	४० ५२ ८ १३ २८ १६ मे.५६।६
३	श	१३	३४	उ	५५	५५	शु	५१	२१	वि	१३	३४	३६ ५३ ७ १४ २६ १७ मेषे
४	र	८	३७	भ	५२	४७	व्या	४४	१८	वा	८	३७	३२ ५४ ६ १५ ३० १८ मेषे
५	चं	३	२	कृ	४८	४७	ह	३६	४६	तै	३	२	२८ ५४ ६ १६ ३१ १६ वृ.६।५०
६	चं	५४	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० क्षयः
७	मं	५१	११	रो	४४	४१	ब	२६	४	वि	२४	१६	२४ ५५ ५ १७ ३२ २० बृषे
८	बु	४५	८	मृ	४०	३१	सि	२१	२०	वा	१८	१०	२० ५६ ४ १८ १ २१ मि.१२।३६
९	शु	३६	१८	आ	३६	४३	व्य	१३	४२	तै	१२	१३	१६ ५७ ३ १६ २ २२ मिथुने
१०	शु	३३	४८	पु	३३	११	ब	६/२२	५/३६	व	६	३३	१२ ५८ २ २० ३ २३ क.१६।४
११	श	२८	५४	पु	३०	६	शि	५३	५६	ब	१	२१	८ ५८ २ २१ ४ २४ कर्के
१२	र	२४	५३	श्ले	२८	५	सि	४७	१६	तै	२४	५३	४ ५६ १ २२ ५ २५ सिं२८।५
१३	चं	२१	५०	म	२६	४२	सा	४२	२१	व	२१	५०	० ६/७ ० २३ ६ २६ सिंहे
१४	मं	१६	५२	पू	२६	४१	शु	३८	२४	श	१६	५२	२६/५५ १ ५/६ २४ ७ २७ कं.४१।५५
३०	बु	१६	१०	उ	२७	३६	शु	३५	१४	ना	१६	१०	५१ २ ५८ २५ ८ २८ कन्या

भ.४५।३६ उ. उफायां रविः ३६।०
भ. १३/३४ या.उफायां बुधः ३०/७ तुलायांभौमः×
कन्यायां बुधः४६।२५ [×१/६ चतुर्थीं ब्र.
भ. ५७।२० उ.
क्षयः
भ.२४।१६ या. कन्यायामर्कः १।२१

२३पं.आ.कृ.३श.इ.३५।४२ ग्रोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	६	६	३	१	४
२७	०	२७	४	१४	१२	२२	२८
३८	११	४६	४८	१३	५	४७	५
१३	१३	१९	१८	२३	१३	४	२४
५८	४०	५५	१२	५४	५	३	५८
२९	४१	२५	२०	५३	५०	११	२६

आश्विन कृष्णा ७ भौमे कन्यायामर्कः प्र. वा. ४ नं० ५ बृद्धावस्था (बैठी) मुहूर्ता ४५ (धान्य-भाव मंदा)

गोचरग्रहाः

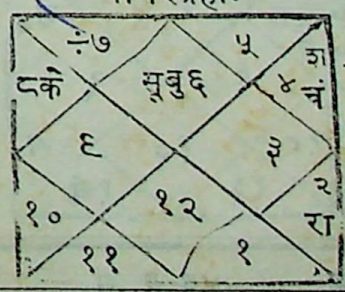

२४पं.आ.कृ.११श.इ.३५/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	६	६	३	१	५
४	४	१०	६	२०	१२	२२	४
२८	५१	२६	८	२९	४६	२४	५५
१८	१४	४६	२८	१०	४८	४८	१६
५८	४०	५/२	१२	५०	५	३	५८
४५	५९	२५	४०	१७	२६	११	३८

*७बृ.च.शु. ×मं.७बृ.शु. (सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ÷बृ.शु.मं.७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं २००३ शाकः १८६८									दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१९२स.१९४६
१	गु	१९	५१	ह	२९	४२	व्र	३३	२०	ब	१९	५१	२९/४६	६/३	५/७	२६	९	२९	कन्यायां	चंद्रद.सं.मातामहश्रा.नवरात्रा घटस्था.
२	शु	२१	३८	चि	३३	३९	ऐं	३२	१८	कौ	२१	३८	४२	४	५६	२७	१०	१	तु. १।४०	हस्ते रविः १/३ ३/९ पुष्ये ४ शनिः ३/१ ६/३ जिल्दकाद ११
३	श	२४	३७	स्वा	३८	१६	वै	३१	३८	ग	२४	३७	३८	४	५६	२८	११	२	तुलायां	भ. ५६।३८ उ.
४	र	२८	४१	वि	४३	५६	वि	३२	४९	वि	२८	४१	३४	५	५५	२९	१२	३	बृ. २७।३१	भ. २८।४१ या. चित्रायां बुधः १०।३५
५	चं	३३	२५	अ	४९	५३	ग्री	३४	१	ब	१	५	३०	६	५४	३०	१३	४	बृश्चिके	
६	मं	३८	३५	ज्ये	५६	२७	आ	३५	५९	कौ	५	५५	२६	७	५३	१	१४	५	ध. ५६।२७	अ.मा.१०ता.३१पश्चिमोदयीबुधः ३१।३१
७	बु	४३	२७	मू	६०	०	सो	३६	३५	ग	१०	५६	२२	८	५२	२	१५	६	धनुशि	भ.४३।२७उ. सरस्वत्यावाहनं
८	गु	४८	५	मू	२	५१	शो	३७	५३	वि	१५	४६	१८	८	५२	३	१६	०	धनुषि	भ. १/४ ५/६ या.तुलायांबुधः १/९ बृश्चिके शुक्रः *
९	शु	५१	५०	पू	८	३१	अ	३८	२७	वा	१९	५९	१४	९	५१	४	१७	८	म. २४।४८	बलिदानं [*३७।३ सरस्वती पू.
१०	श	५४	४१	उ	१३	४१	सु	३८	८	तै	२३	१८	१०	१०	५०	५	१८	९	मकरे	सरस्वतोवि. बौद्धज. विजयदशमी
११	र	५६	२३	श्र	१७	३३	धृ	३७	१	व	२५	३२	६	११	४९	६	१९	१०	कु. ४८।५७	भ. २५/३ ५/२ उ. ५/२ ६/३ या.पापांकुशा ११ब्र.स्मा.वै.
१२	चं	५६	४७	ध	२०	२१	शू	३४	५६	ब	२६	३५	४	१२	४८	७	२०	११	कुम्भे	स्वत्यां बुधः ३२।३०पापांकुशा११ब्र.नि.
१३	मं	५५	४४	श	२१	१४	गं	३१	५०	कौ	२६	१६	२८/५८	१२	४८	८	२१	१२	कुम्भे	मैत्रेशुक्रः १४।६ प्रदोषः
१४	बु	५३	३१	पू	२१	५२	बृ	२७	४४	ग	२४	३८	५४	१३	४७	९	२२	१३	मी ६।४१	भ. ५/३ ३/१ उ. [¿ १/२ ७/१ शरत १५ को जागर्तिब्र.
१५	गु	५०	१७	उ	२०	४७	ध्रु	२२	३९	वि	२१	५४	५०	१४	४६	१०	२३	१४	मीने	भ. २/५ १/४ या.चित्रायांरविः ४/१ ४/६ स्वात्यां २गुरुः?

२५पं.आ.शु.२ श.इ. ३/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	६	६	३	१	५
११	९	२२	७	२६	१३	२२	११
२०	३५	२१	३३	१२	२४	२	४६
२४	६	५४	४७	५४	५४	३३	५५
५९	४१	९९	१३	४४	४	३	५८
०	१९	८	६	५६	५८	११	५३

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में सुख-शांति रहेगी रुई सूत कपास चांदी गेहूँ जौ चणा अलसी सिरस्युं पाट कुष्ठा लाख मंदा होगा ।

गोचरग्रहाः

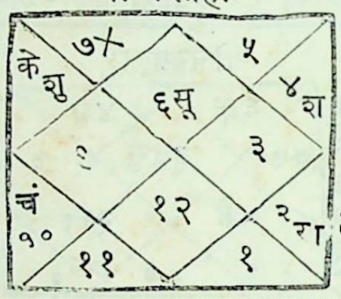

२६पं.आ.शु.१० श.इ. ३/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	६	७	३	१	५
१८	१४	३	९	१	१४	२१	१८
१४	२१	३४	१	१३	००	४०	४०
१३	२९	५५	३४	३७	११	१८	१२
५९	४१	९४	१३	३७	४	३	५९
१६	३६	४३	२०	२२	३६	११	९

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं.२००३ शाकः १८६८									दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽआ. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४६	११	रे	१८	४९	व्या	१६	४७	वा	१८	१४	२८/४६	६/१५	५/५	११	२४	१५	मे. ११।४८	
२	श	४१	१७	अ	१६	०	ह	१०	१३	तै	१३	१४	४२	१६	४४	१२	२५	१६	मेषे	
३	र	३५	४९	भ	१३	३२	व	१/२ ३/२	५/३ ३/१	व	८	३३	३८	१६	४४	१३	२६	१७	वृ. १८।२६	भ.८।३३उ.३५।४९या. विशाखायां*
४	चं	३०	३	कृ	८	४३	व्य	४८	०	ब	२	५६	३४	१७	४३	१४	२७	१८	वृषे	[*भौमः४५।४० करक चतुर्थी ब्र.
५	मं	२४	४	रो	४	३८	व	४०	३१	तै	२४	४	३०	१८	४२	१५	२८	१९	मि २७।२९	[¡विशाखायां बुधः ५२।१९
६	बु	१८	६	मृ	०/३४	५/००	प्र	३२	३२	व	१८	६	२६	१९	४१	१६	२९	२०	मिथुने	भ. १/६ ८/८ उ. ४/८ ५/२४ या.अस्तंगुरुः ५०/२४ ¡ अ.गु.
७	गु	१२	१०	पु	५२	५४	शि	२४	५७	ब	१२	१०	२२	२०	४०	१७	३०	२१	क. ४१।४८	तुलायामर्कः २७।० होई ८
८	शु	६	५७	पु	४९	४७	सि	१७	४६	कौ	६	५७	१८	२०	४०	१८	१	२२	कर्के	
९	श	२	९	श्ले	४७	२१	सा	११	९	ग	२	९	१४	२१	३९	१९	२	२३	सिं. २।७	भ.३०।६ उ. ५८।४ या.
१०	श	५५	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [¿३७।४९ महालक्ष्मी पू.
११	र	५५	१९	म	४५	४१	शु	५/७	५/४५	ब	२६	४१	१०	२२	३८	२०	३	२४	सिंहे	रमा ११ब्र. स्मा.
१२	चं	५३	२७	पू	४५	२६	व्र	५५	३६	कौ	२४	२३	६	२३	३७	२१	४	२५	सिंहे	रमा ११ ब्र. वै. गोवत्स पू.
१३	मं	५२	५१	उ	४६	६	ऐं	५२	२२	ग	२३	९	२	२४	३६	२२	५	२६	क. २८।९	भ. ५/५ २/१ उ.प्रदोषः ब्र.धन१३ यमदीपदानं
१४	बु	५३	३९	ह	४७	५८	वै	४९	५०	वि	२३	१५	२७/५८	२४	३६	२३	६	२७	कन्या	भ.२३।१५या. रूप १४ नरक १४
३०	गु	५५	३१	चि	५१	२४	वि	४८	२९	च	२४	३५	५४	२५	३५	२४	७	२८	तुलायां	स्वात्यां रविः ८।० बृश्चिके बुधः ¿

२७पं.का.कृ.२ श.इ.३५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	६	७	३	१	५
२५	१९	१४	१०	५	१४	२१	२५
९	१०	७	३०	२१	३०	१८	३५
५६	४४	२६	५०	४	५८	३	१०
५९	४१	९०	१३	२७	३	३	५९
३१	५२	४९	२६	५०	५६	११	२१

गोचरग्रहा

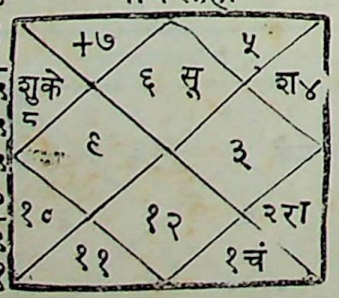

का. कृ. ७ गुरौ तुलायामर्कः प्र.वा. ३ न. ४ कुमारावस्था(बैठी)मुहूर्ताः ४५(धान्यभावमंदा) शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

२८पं.का.कृ.९ श.इ. ३/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	६	७	३	१	६
२	२४	२३	१२	८	१४	२०	२
७	३	५५	१	१६	५७	५५	३१
२५	२९	३७	२६	३७	१८	४७	३७
५९	४२	८६	१३	१५	३	३	५९
४६	२	५७	३२	४०	२२	११	२४

*मं. बृ. चं. शु. ×वृ बु. मं (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) +७बृ. मं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं०२००३ शाकः१८६८	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४२२१स.१६४६
१	शु ५८ ३६ स्वा ५५ ५५ मी ४७ ५६ बा २७ ५	२७ ५०	६ २६	५ ३४	२५	८	२६	तुलायां	स्वात्यां३गुरुः२६।४२व्यापारेसं० २००३
२	श ६० ० वि ६० ० आ ४८ २८ तै ३० ४४	४६	२७	३३	२६	६	३०	वृ.४५।११	चंद्रर्दनंवक्रीशुक्रः१२।४६भ्रातृ २ यम २
३	र २ ४६ वि १ २३ सौ ४६ १८ कौ २ ४६	४२	२८	३२	२७	१०	१	वृश्चिके	मैत्रे बुधः ६।२६ जिल्हेज १२
४	चं ७ ३८ अ ७ २७ शो ५० ३५ ग ७ ४८	३८	२८	३२	२८	११	२	वृश्चिके	भ.४०।१२ उ. बृश्चिके भौमः ०।४६
५	मं १२ ४७ ज्ये १३ ५२ अ ५१ ५७ वि १२ ४७	३५	२६	३१	२६	१२	३	ध.१३।५२	भ. १२।४७ या.
६	बु १७ ५५ मू २० १६ सु ५३ ३ बा १७ ५५	३१	३०	३०	३०	१३	४	धनुषि	
७	शु २२ ३३ पू २६ ७ धृ ५३ ३६ तै २२ ३३	२८	३०	३०	३१	१४	५	म.४२।२७	[×मैत्र भौमः ४१।५४
८	श २६ २६ उ ३१ २७ शू ५३ ३७ व २६ २६	२४	३१	२६	१	१५	६	मकरे	भ. २६ उ. ५७ या.नवम्बर११मा.ता ३०×
९	र २६ १७ अ ३५ ३५ गं ५२ ४६ ब २६ १७	२०	३२	२८	२	१६	७	मकरे	गोपाष्टमी [=का. स्नान पूर्ति
१०	चं ३० ५६ ध ३८ ३० बृ ५० ५५ कौ ३० ५६	१७	३३	२६	३	१७	८	कु.७।२	अक्षय ६ कुष्मांड ६
११	मं ३१ २३ श ३६ ३१ ध्रु ४८ ६ तै १ ११	१३	३३	२७	४	१८	९	कुम्भे	[Aप्रबोधिनी११ब्र.तुलसी वि.
१२	बु ३० २४ पू ४० ४५ व्या ४४ १२ ब ० ५३	१०	३४	२६	५	१६	१०	मी१७।५४	भ. ५३° उ. ३२४° या. अस्तंभौमः२७।१५A
१३	शु २७ १० उ ४० ० ह ३६ २२ बा २७ १०	६	३५	२५	६	२०	११	मीने	[विशाषायां २५।२५ रोहिण्यां३ राहुः=
१४	शु २४ ५६ रे ३८ ५ ब ३३ ३६ तै २४ ५६	३	३५	२५	७	२१	१२	मे.३८।५	[=ज्येष्ठायां १ केतुः ७।१६
१५	शु २० ५४ अ ३५ ३५ सि २७ १३ ब २० ५४	२६ ५	३६	२४	८	२२	१३	मेषे	भ. २०।५४उ. ४८।२६ या. बैकुण्ठ १४
१५	श १५ ५६ भ ३२ ३० व्य २० १२ ब १५ ५६	५६	३७	२३	९	२३	१४	वृ.४६।२६	स्वात्यां ४ गुरुः ४८।१७ पुष्करयात्रा=

२९प.का.शु.२शु.इ.३४।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	६	७	३	१	६
९	२८	२	१३	९	१५	२०	९
६	५९	३७	३३	३२	१९	३३	२९
४८	२	१६	११	२८	१	३२	५६
६०	४२	८०	१३	१	२	३	५९
२	२९	४३	३८	३२	३६	११	४७

३०पं.का.शु.८श.इ.३४।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	६	७	३	१	६
१६	३	१०	१५	८	१५	२०	१६
७	५७	६	४	५६	३५	११	२९
५१	२२	११	५२	१७	५२	१७	४२
६०	४२	६७	१३	२२	१	३	६७
१८	३९	४	३८	ब	५५	११	४

३१पं.का.शु १५शु.इ.३४/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	६	७	३	१	६
२३	८	१४	१६	६	१५	१९	२३
१०	५९	११	३६	२६	४७	४९	३१
३०	१०	५९	५०	२०	२	१	५
६०	४३	३२	१३	२९	१	३	६०
३०	५	२५	३७	ब	१५	११	१७

ति.	मार्गशीष कृष्णपक्षः सं०२००३ शाकः१८६८	दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणे.भाद्रपद कृ.महाराष्ट्राः
१	र १० ३४ कृ २८ २६ ब १२ ४४ कौ १० ३४	२६ ५२	६ ३८	५ २३	१०	२४	१५	वृषे	
२	चं ४ ५३ रा २४ २३ ध ५ ४ ५ १६	४६	२८	२२	११	२५	१६	मि५२।२२	भ.३ १६उ. ५ ६०या उदयंगुरुः ५८ ४८ उ. गु.
३	चं ५४ ७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [¿चतुर्थी व्रतं
४	मं ५३ ६ मृ २० २१ सि ४६ ३५ ब २६ ४	४६	३६	२१	१२	२६	१७	मिथुने	पश्चिमास्तोमृगुः ४८ ०वक्रीबुध ३ ५ ६ ? प.अ.भू
५	बु ४७ २७ आ १६ २१ सा ४१ ४७ कौ २० १८	४३	३६	२१	१३	२७	१८	क.५८।१६	
६	गु ४२ १५ पु १२ १८ शु ३४ २६ ग १४ ५१	४०	४०	२०	१४	२८	१६	कर्के	भ. ४२।१५ उ. [=पश्चिमास्तंबुधः ४ ३ १ ५
७	शु ३७ ३१ पु ६ १० शु २७ २१ वि ६ ५३	३७	४१	१६	१५	२६	२०	कर्के	भ.५ ६ ३ या.वक्री विशाषायांशुक्रः१३।२६=
८	श ३३ ४५ श्ले ६ ३३ ब्र २१ ५ बा ५ ३८	३४	४१	१६	१६	३०	२१	सिं६।३३	बुश्चिकेऽर्कः १६।४३
९	र ३० ५६ म ४ ४८ ऐं १५ ३६ तै २ २०	३१	४२	१८	१७	१	२२	सिंहे	
१०	चं २६ १३ पू ४ १६ वै १० ५७ वि २६ १३	२६	४२	१८	१८	२	२३	कं.१६।१२	भ. ०।४ उ. २६।१३ या.
११	मं २८ ४६ उ ४ ४२ वि ७ १५ बा २८ ४६	२६	४३	१७	१६	३	२४	कन्या	अनु रविः २७।३१ उत्पत्ति ११ ब्र.
१२	बु २६ ४५ ह ६ ३० प्री ४ २६ तै २६ ४५	२४	४३	१७	२०	४	२५	तु.३७।५८	वक्री तुलायां शुक्रः ३ ४ ३ ज्येष्ठायां भौमः १ ७ १
१३	गु ३१ ४६ चि ६ २७ आ २ ४३ ग ० ४७	२१	४४	१६	२१	५	२६	तुलायां	भ.३१।४६उ.बक्रीशनिः ४।३४ प्रदोषः
१४	शु ३५ ७ स्वा १३ ३६ सौ १ ४५ वि ३ २६	१६	४४	१६	२२	६	२७	तुलायां	भ. ३।२६ या.
३०	श ३६ २६ वि १८ ५८ शो २ ३ च ७ १७	१६	४५	१५	२३	७	२८	ध. २।३८	बक्री विशायां बुधः ३१।६

३२पं.मा.कृ.८श.इ.३४।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	६	७	३	१	७
०	१४	११	१८	२	१५	१९	०
१४	३	४२	८	३१	५३	२६	३३
३४	४०	४७	२४	१६	१३	४६	५०
६०	४३	४२	१३	७	०	३	६०
०	२५	ब	३२	ब	२९	११	३०

गोचरग्रहाः

मार्गशीर्ष कृष्णा ८ शनौ बृश्चिकेऽर्क प्र. वा.३न.४गतालकावस्था(ऊमी)मुहूर्ताः ३०(धान्य भाव सम) शुक्रस्तः पश्चिमे ।

गोचरग्रहाः

३३पं.मा.कृ.३०शु३३।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	५	६	६	३	१	७
७	१९	२०	१९	२८	१५	१९	७
२०	१०	५१	३८	२१	४३	४	३७
८	३०	४	३५	४७	४६	३१	४८
६०	४३	५१ ३८	१३	३२ ४६	० १६	३	६०
५३	४१	बृ	२०	बृ	ब	११	४२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २००३शाकः१८६८										दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	सु.	चंद्र
१	र	४४	२२	अ	२५	१	अ	२	४६	कृ	११	५४	२६/१३	४५/४५	१५/१५	२४	८	२६	वृश्चिके
२	चं	४६	३१	ज्ये	३१	१६	सु	३	५३	बा	१६	५६	११	४६	१४	२५	६	३०	ध. ३१।१६
३	मं	५४	३८	मू	३७	३८	धृ	५	६	तै	२२	५	८	४६	१४	२६	१०	१	धनुषि
४	बु	५६	२८	पू	४३	४६	शू	६	१३	व	२७	३	६	४७	१३	२७	११	२	धनुषि
५	गु	६०	०	उ	४६	१७	गं	७	१३	ब	३१	२४	३	४७	१३	२८	१२	३	म. ०।११
६	शु	३	१६	श्र	५३	३५	बृ	७	१०	बा	३	१६	१	४८	१२	२९	१३	४	मकरे
७	श	६	६	ध	५६	५४	ध्रु	६	३६	तै	६	६	२५/२५	४८	१२	३०	१४	५	कु. २५।१४
८	र	७	४३	श	५६	२८	व्या	४	५८	व	७	४३	५६	४९	११	१	१५	६	कुम्भे
८	चं	८	८	पू	५६	३७	ह	२५/२५	५६/२१	ब	८	८	५४	४९	११	२	१६	७	मी ४४।३०
९	मं	७	८	उ	५६	११	सि	५४	१०	कौ	७	८	५२	५०	१०	३	१७	८	मीने
१०	बु	४	५३	रे	५७	३६	व्य	४८	४४	ग	४	५३	५०	५०	१०	४	१८	९	मे. ५७।३६
११	गु	१	४४	अ	५५	१०	व	४२	३७	वि	१	४४	४९	५०	१०	५	१९	१०	मेषे
१२	गु	५५	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	शु	५२	४५	भ	५१	५४	प	३५	४०	कौ	२५	१२	४७	५१	९	६	२०	११	मेषे
१४	श	४७	२३	कृ	४८	२१	शि	२८	२४	ग	२०	४	४६	५१	९	७	२१	१२	बृ. ६।१
१५	र	४१	४३	रो	४४	२०	सि	२०	५०	वि	१४	३३	४४	५१	९	८	२२	१३	बृषे

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गणः ४२५१ सन् १९४६

पूर्वोदयं शुक्रः ४२।० पू. उ. शू.
चंद्रद वक्री तुलायां बुधः ४२।३*
मोहोरम १ हिजरी सन् १३३६
भ. २७/३ उ. ५५/२९ या. पूर्वोदयी बुधः ५।१२
[¿पातमोक्षः ३९।५४
मार्गी बुधः ५४।५३ पातस्पर्शः १९।१८¿
चंपा ६
भ. ७।४३ उ. ३७।५५ या. दि. मा. १२ ता ३१
ज्येष्ठायां रविः ४४।३०
[* विशाखायां १ गुरुः १०।१६
भ. ३३।१८ उ.
भ. १।४३ या. मोक्षदा ११ ब्र.
क्षयः
वृश्चिके बुधः ४०।४० प्रदोषः
भ. ४७।२३ उ. [! खग्रास चंद्रग्रहणम्
भ. १४।३३ या. धनुषि मूले भौमः १०।१८

३४पं.मा.शु.६श.इ.३३।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	६	६	३	१	७
१४	२४	२७	२१	२५	१५	१८	१४
२६	२०	५९	७	१७	४९	४२	४३
५४	२०	४२	४८	२४	२३	१५	८
६१	४३	२९	१३	३७	२	३	६०
३	५१	ब	१४	ब	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

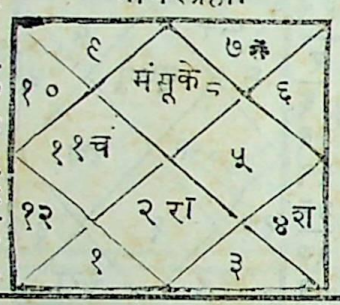

इस मास में गुड़ घृत खांड चावल सूठ मिर्च नारियल तेज होगा जौ गेहूँ अलसी कपास मूंग मन्दा होगा।

गोचरग्रहाः

३५पं.मा.शु.१४शुइ.३३।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	६	६	३	१	७
२१	२९	१	२२	२४	१५	१८	२१
३४	३३	१	३२	१	३८	२०	४९
४१	०	५९	४९	२३	१७	०	२३
६१	४४	७०	१२	३२	४६	३	६०
११	१	२३	५०	ब	ब	११	५९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं० २००३ शाकः १८६८										दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	सु.	चन्द्र
१	चं	३५	४९	मृ	४०	१४	सा	१२	५७	बा	८	४६	२५/४३	५६/५१	९/९	९	२३	१४	मि १२।१७
२	मं	२९	५८	आ	३६	५	शु	१०/१०	५२/१६	तै	२	५३	४२	५२	८	१०	२४	१५	मिथुने
३	बु	२४	२३	पु	३२	१४	ज्ये	४९	४७	वि	२४	२३	४१	५२	८	११	२५	१६	क. १८।१२
४	गु	१९	१४	पु	२८	५९	ऐं	४२	४३	बा	१९	१४	४०	५२	८	१२	२६	१७	कर्के
५	शु	१४	४४	श्ले	२६	४	वै	३६	९	तै	१४	४४	३९	५२	८	१३	२७	१८	सिं २४।१६
६	श	११	३	म	२४	१६	वि	३०	१७	व	११	३	३८	५२	८	१४	२८	१९	सिंहे
७	र	८	२४	पू	२३	३७	प्री	२५	१८	ब	८	२४	३८	५२	८	१५	२९	२०	कं ३८।३६
८	चं	६	४९	उ	२३	३४	आ	२१	१७	कौ	६	४९	३७	५३	७	१६	१	२१	कन्या
९	मं	६	३०	ह	२४	५८	सौ	१८	१०	ग	६	३०	३७	५३	७	१७	२	२२	तु. ५६।१८
१०	बु	७	३६	चि	२७	३९	शो	१५	५८	वि	७	३६	३७	५३	७	१८	३	२३	तुलायां
११	गु	९	४३	स्वा	३१	४२	अ	१४	४८	बा	९	४३	३६	५३	७	१९	४	२४	तुलायां
१२	शु	१३	१८	वि	३६	४१	सु	१४	४२	तै	१३	१८	३६	५३	७	२०	५	२५	वृ. २०।२१
१३	श	१७	४२	अ	४२	३७	धृ	१५	७	व	१७	४२	३६	५३	७	२१	६	२६	बृश्चिके
१४	र	२२	४१	ज्ये	४८	५८	शू	१६	७	श	२२	४१	३६	५३	७	२२	७	२७	ध. ४८।५८
३०	चं	२७	५७	मू	५५	२१	गं	१७	२४	ना	२७	५७	३६	५३	७	२३	८	२८	धनुषि

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेमार्गकृष्णेति महाराष्ट्राः

मैत्रे बुधः ३१।९ मार्गी शुक्रः ३५।२५
भ. ५७।१० उ.
भ. २४/३ या विशाखायां २ गुरुः २१/२४ पातस्पर्शः*
पातमोक्षः १५/३१ [*५२।९ चतुर्थी ब्र.
भ. ११।३उ. ३९।४३ या.
धनुष्यर्कः ४८।१५
भ. ३७।३ उ.
भ. ७।३६ या.
सफला ११ ब्र.
ज्येष्ठायां बुधः १२।५२ प्रदोषः
भ. १७।४२ उ. ५०।११
उत्तरायणा प्रवृत्तिः २२।३८
सोमवत्यमा

३६पं.पौ.कृ६शु.इ.३३।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	६	६	३	१	७
२८	४	८	२३	२४	१५	१७	२८
४३	४८	४९	५९	४३	२२	५७	५६
२४	४	३४	३१	३०	२७	४४	१०
६१	४४	८८	१२	५५	२३	३	६१
१९	२६	५३	२१	ब	ब	११	०

गोचरग्राह

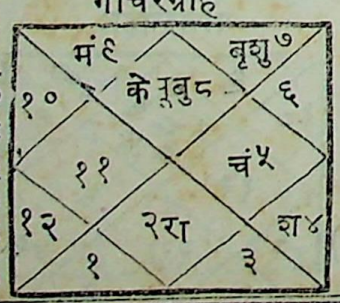

पौष कृ.७ रवौ
धनुर्ष्कः प्र. वा. २
न.३ गतालकावस्था
(ऊभी) मुहूर्त्ता; ४५
(धान्य भाव मंदा)
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

३७पं.पौ.कृ.१३शुइ.३३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	६	६	३	१	८
५	१०	१८	२५	२७	१५	१७	६
५२	५	४५	२१	१३	२	३५	३
५०	२४	१४	१४	१८	३५	२९	४०
६१	४४	९३	१२	२४	उ	३	६१
२२	४७	३६	५	२६	ब्र	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*बु. शु. बृ.

×के. बु. चं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २००३ शाकः १८६८	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चंद्र	हेमंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४२८१सन्१९४६
१	मं ३३ ६ पू ६० ० बृ १८ २६ क ० ३१ २५ ६ ५ ७ २४ ९ २९							धनुषि	
२	बु ३७ ५० पू १ ३३ ध्रु १९ ३१ बा ५ २८ ३७ ५ ३ ७ २५ १० ३०							म.१८।३	चद्र. पूषायां भौमः ४५।५८
३	गु ४१ ४१ उ ७ ३२ व्या १९ ४२ ते ९ ४५ ३७ ५ ३ ७ २६ ११ १							मकरे	बृश्चिके शुक्रः ४५।१२ सफर २
४	शु ४४ २९ अ ११ ५२ ह १८ ५० व १३ ५ ३७ ५ ३ ७ २७ १२ २							कुं ४३।४३	भ.१३।५ उ. ४४।२९ या.
५	श ४६ ३ ध १५ ३४ व १८ १ व १५ १६ ३८ ५ २ ८ २८ ६ ३ ३							कुम्भे	पूषायां रविः ४ ५ ६ विशाखायां ३ गुरुः ३ ६ ४
६	र ४६ २० श १७ १४ सि १५ ४७ कौ १६ ११ ३८ ५ २ ८ २९ १४ ४							कुम्भे	धनुषि बुधः २४।३२
७	चं ४५ १८ पू १८ ४४ व्य १२ ३१ ग १५ ४९ ३९ ५ २ ८ ३० १५ ५							मी.३।२२	भ. ४५।१८ उ. पूर्वास्तं बुधः ५७।१
८	मं ४३ ० उ १९ ४५ व ८ २१ वि १४ ९ ४० ५ २ ८ ३१ १६ ६							मीने	भ. १४।९ या.
९	बु ३९ ४४ रे १७ १९ प ३ ९ ५ ३ ५ ० बा ११ २२ ४१ ५ २ ८ १ १७ ७							मे.१७।१९	जनवरीमा. १ ता. ३१ सन् १९४७
१०	गु ३५ ३७ अ १५ १५ सि ५० ३४ ते ७ ४१ ४२ ५ २ ८ २ १८ ८							मेषे	[?मैत्रे शुक्रः २९।२
११	शु ३० ४१ भ १२ ११ सा ४३ २६ व ३ ९ ४३ ५ १ ९ ३ १९ ९							बृ.२६।१८	भ. ३।९ उ. ३०।४१ या.पुत्रदा ११ ब्र.
१२	श २५ १६ कृ ८ ३७ शु ३५ ५१ बा २५ १६ ४४ ५ १ ९ ४ २० १०							बृषे	प्रदोष[*केतु ५ ६ माघ स्नानं प्रारम्भः
१३	र १९ ३५ रो ४ ४५ शु २८ ३ ते १९ ३५ ४५ ५ १ ९ ५ २१ ११							मि ३२।४१	
१४	चं १३ ४३ मृ ७ ५ ४ ८ ब २० १२ व १३ ४३ ४७ ५ १ ९ ६ २२ १२							मिथुने	भ. १३।४३ उ. ४०।५० या.
१५	मं ७ ५७ पु ५२ ३४ ऐं १२ ३१ ब ७ ५७ ४८ ५० १० ७ २३ १३							क.३८।३२	पूषायां बुधः २ ५ ३ रोहिण्यां २ राहु, मैत्रे ४*

३८पं.पौ.शु.५श.इ.३३।० — गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	६	७	३	१	८
१३	१५	२८	२६	१	१४	१७	१३
२	२५	३७	३९	२	३७	१३	११
४४	८	४४	२५	४६	३७	१४	३८
६१	४४	९५	११	३४	४४	३	६१
२६	५७	४७	२६	५३	ब	११	६

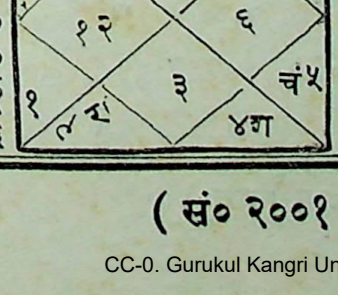

इस मास में प्रजा में सुख शान्ति रहेगी वदि में खांड़ गुड़ अलसी सरस्यूं एरंडा बिनौला घृत तेल तेज होगा।

गोचरग्रहाः

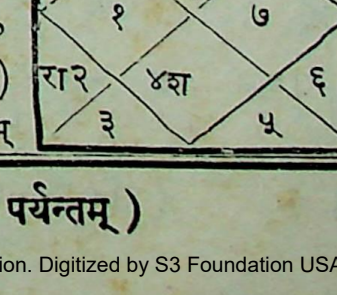

३९पं.पौ.शु.१२श.इ.३२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	६	७	३	१	८
२०	२०	९	२७	५	१४	१६	२०
१२	४६	१६	५३	५८	९	५०	१९
४२	१६	१९	२	४८	२५	५८	४४
६१	४५	९७	११	४२	२९	३	६१
२६	७	९	५२	५४	ब	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २००३ शाकः १८६८	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्र	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽपौषकृष्णेति महाराष्ट्रा
१	बु २ २३ पु ४९ २ वै ४४ ५२ ५० कौ २ २३ २५ ६ ५ १० ८ २४ १४							कर्के	विष्कुम्भयोगक्षयः ५२।५०
२	बु ५५ २ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							०	क्षयः
३	गु ५२ ५८ श्ले ४६ १५ प्री ५० ४७ व २५ ११ ५२ ५० १० ९ २५ १५							सिं ४४।१५	भ. २५।११ उ. ५२।५८ या.
४	शु ४९ २७ म ४४ १६ आ ४४ ४२ व २१ १२ ५४ ४९ ११ १० २६ १६							सिंहे	उषायां रवि ५१।२० चतुर्थी ब्र.
५	श ४६ ५३ पू ४२ ४८ सौ ३९ २९ कौ १८ १० ५६ ४९ ११ ११ २७ १७							कं ५७।५०	
६	र ४५ २८ उ ४२ ५६ शो ३५ १० ग १६ १० ५८ ४८ १२ १२ २८ १८							कन्या	भ. ४५।१८ उ. उषायां भौमः १३।३९
७	चं ४४ २४ ह ४४ १ अ ३० ५७ वि १४ ५६ २९ ४८ १२ १३ २९ १९							कन्या	भ. १४।५६ या.
८	मं ४६ २८ चि ४६ २९ सु २९ १४ ना १५ २६ ३ ४७ १३ १४ ३० २०							तु.१५।१५	मकरेऽर्कः ६।४७
९	बु ४८ ५२ स्वा ५० १९ धृ २७ ५० ते १७ ४० ५ ४७ १३ १५ १ २१							तुलायां	उषायांबुधः ४ ० ५ वक्रीपुष्ये ३ शनिः १ ६ ९
१०	गु ५२ २५ वि ५४ ५७ शू २७ १६ व २० ३८ ८ ४६ १४ १६ २ २२							वृ.३८।४८	भ. २ ० ३ ८ उ. ५ २ ५ या. मकरे भौमः २८।३०
११	शु ५६ ५७ अ ६० ० गं २७ २३ ब २४ ४१ १० ४६ १४ १७ ३ २३							बृश्चिके	मकरे बुधः ३ ७ ४ ५ ज्येष्ठायांशुक्रः ३ १ ४ वृश्चिके ¡
१२	श ६० ० अ ० ४३ बृ २८ २० कौ २९ ३९ १२ ४६ १४ १८ ४ २४							वृश्चिके	[¡गुरुः ४ ४ ४ ३ पातस्पर्शः २ ६ १ ५ पातमोक्षं ४ ६ १ ५ ¿
१२	र १ ५८ ज्ये ७ ३ धु २९ ३२ ते १ ५८ १५ ४५ १५ १९ ५ २५							ध ७।३	[¿षट्तिला ११ ब्र.स्मा. वै.
१३	चं ७ १४ मू १३ २४ व्या ३० ५२ व ७ १४ १७ ४५ १५ २० ६ २६							धनुषि	भ.७।१४ उ.३९।४७ या.अभि.प्र.रविः ३ ८ ४
१४	मं १२ २० पू १९ ५१ ह ३२ ४८ श १२ २० २० ४४ १६ २१ ७ २७							म.३६।२६	
३०	बु १७ १ उ २६ १२ व ३२ २१ ना १७ १ २२ ४४ १६ २२ ८ २८							मकरे	मौनी ३० युगादिः

४०पं.मा.कृ.५श.इ.३२।५३ — गोचरग्राह

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	६	७	३	१	८
२७	२६	२०	२९	११	१३	१६	२७
२२	९	१४	३	४१	३८	२८	२७
३१	१४	२०	०	५३	१७	४३	४७
६१	४५	९९	१०	४९	१ ४	३	६१
२४	१७	१	५	१	ब	११	६

माघ कृ.८ भौमे मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न.३ कुमारावस्था (बैठी) मुहूर्त्ता; ३० (धान्य भाव मस) शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

४१पं.मा.कृ.१२श.इ.३ ५ २ १

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	७	७	३	१	९
४	१	१	०	१८	१३	१६	४
३२	३४	३३	७	१	५	६	३५
०	१२	४०	३०	४४	५९	२१	३८
६१	४५	०	९	५३	३ ६ ४	३	६१
११	२७	५ ९	२१	४३	ब्र	११	३

*के.बु. शु. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×चं.के.बृ.शु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २००३ शाकः १८६८										दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३११ सं० १९४७
१	गु	२०	५१	अ	३०	२९	सि	३२	१६	ब	२०	५१	२६ २५	४ ३	१७	२३	९	२९	मकरे	श्रवणे रविः ५ ४ चंद्रद. संभवः श्रवणे बुधः ४ २
२	शु	२३	३०	ध	३४	१९	व्य	३१	१७	कौ	२३	३०	२७	४३	१७	२४	१०	१	कु. २।२४	अभि. नि. रविः ४६।२० रविलावल ३
३	श	२४	५८	श	३७	४	व	२९	२२	ग	२४	५८	३०	४२	१८	२५	११	२	कुम्भे	भ. ५५।३ उ. तिल ४
४	र	२५	८	पू	३७	५७	प	२६	२७	वि	२५	८	३३	४१	१९	२६	१२	३	मी २४।४४	भ. २५।८ या.
५	चं	२४	०	उ	३८	३३	शि	२२	२४	वा	२४	०	३६	४१	१९	२७	१३	४	मीने	बसंत ५ [*४ १ ५ ३ पातमोक्षः ५ ४ ६ ५ भीष्मट
६	मं	२१	३९	रे	३७	२१	सि	१७	३	तै	२१	३९	३९	४०	२०	२८	१४	५	मे. ३७।२१	
७	बु	१८	१०	अ	३५	२२	सा	११	५४	व	१८	१०	४२	४०	२०	२९	१५	६	मेषे	भ. १ १ ८ उ. ४ ६ ७ या. श्रवणे भौमः १ १ ६ ९ रथ ७
८	गु	१४	४	भ	३२	२३	शु	५ ०	५ ४ १ ९	व	१४	४	४५	३९	२१	३०	१६	७	बृ. ४६।३२	धनुषि शुक्रः ३६।२४ पातस्पर्श*
९	शु	९	३	कृ	२८	५९	न	५१	२४	कौ	९	३	४८	३८	२२	३१	१७	८	बृषे	धनिष्ठायां बुधः २४।१२
१०	श	३	३७	रो	२५	१७	ऐं	४३	३७	ग	३	३७	५२	३८	२२	१	१८	९	मि ५३।१५	भ. ३ ४ ० उ. ५ ५ ७ या. फ मा. २ ता. २८ जया ÷
११	श	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [÷ ११ ब्र. स्मा,
१२	र	५२	१	मृ	२१	१३	वै	३५	५२	ब	२४	५६	५५	३७	२३	२	१९	१०	मिथुने	जया ११ ब्र. वै. भीष्म १२
१३	चं	४६	१७	आ	१७	१	वि	२७	५३	कौ	१९	९	५९	३६	२४	३	२०	११	क. ५९।११	कुम्भे बुधः ५९।३९ प्रदोष.
१४	मं	४०	४५	पु	१३	१४	प्री	२०	२४	ग	१३	३१	२७ २	३६	२४	४	२१	१२	कर्के	भ. ४०।४५ उ.
१५	बु	३५	३९	पु	९	३५	आ	१२	५७	वि	८	१२	५	३५	२५	५	२२	१३	कर्के	भ. १ २ या. धनिष्ठायां रविः ५ ५ ६ ९ माघस्ना. पूर्तिः

४२ पं.मा.शु. ३ श.इ. ३ २।५४

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	७	७	३	१	९
११	७	१३	१२	४	१२	१५	११
४०	०	१७	६	४९	३०	४४	४२
५२	४७	१७	७	५	४७	१२	५०
६१	४५	७ ०	८	५७	४ ०	३	६०
१३	४७	५ ३	२९	३२	ब	११	५९

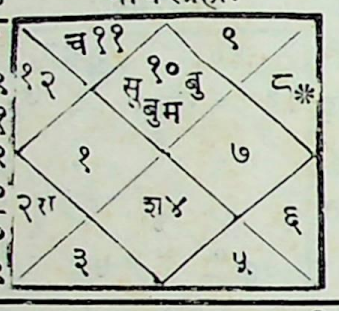

सप्तम्यादि त्रये माघ शुक्ल वार्दल-योगतः। धनधान्य समृद्धि- स्याद्विवा-हाद्युत्सवा जने ॥

गोचरग्रहाः

४३ पं.मा.शु. १० श.इ. ३ ३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	७	८	३	१	९
१८	१२	२५	१	१	११	१५	१८
४८	२८	२७	५८	५७	५६	२१	४९
५२	५	४७	४१	२५	२०	५७	२३
६१	४५	२ ०	७	६०	४ ०	३	६०
४	५२	२४	२०	२४	ब	११	५५

१	गु	३१	२२	श्ले	६	३३	सो	५ ९	५ ४ ७	बा	३	३१	२७ ८	६ ३ ४	२६	६	२३	१४	सिं ६।३३
२	शु	२७	५२	म	४	१५	अ	५४	१७	ग	२७	५२	१२	३४	२६	७	२४	१५	सिंहे
३	श	२५	२३	पू	२	३९	सु	४९	४०	वि	२५	२३	१६	३३	२७	८	२५	१६	कं. ४८।२३
४	र	२३	५९	उ	२	३७	धृ	४५	५९	बा	२३	५९	१९	३२	२८	९	२६	१७	कन्या
५	चं	२३	४९	ह	३	२५	शू	४३	१५	तै	२३	४९	२३	३१	२९	१०	२७	१८	तु. ३४।२३
६	मं	२५	८	चि	५	४१	गं	४१	३३	व	२५	८	२६	३१	२९	११	२८	१९	तुलायां
७	बु	२७	३७	स्वा	९	३	बृ	४०	४३	ब	२७	३७	३०	३०	३०	१२	२९	२०	बृ. ५७।४१
८	गु	३१	१५	वि	१३	५३	धु	४०	४४	कौ	३१	१४	३४	२९	३१	१३	१	२१	बृश्चिके
९	शु	३५	४५	अ	१९	७	व्या	४१	३६	तै	३	३०	३८	२८	३२	१४	२	२२	बृश्चिके
१०	श	४०	४६	ज्ये	२५	१३	ह	४२	४५	व	८	१५	४२	२८	३२	१५	३	२३	ध. २५।१३
११	र	४६	३	मू	३१	४४	व	४४	१	ब	१३	२४	४६	२७	३३	१६	४	२४	धनुषि
१२	चं	५१	२	पू	३७	४२	सि	४५	२	कौ	१८	३२	५०	२६	३४	१७	५	२५	म. ५४।१८
१३	मं	५५	३८	उ	४४	७	व्य	४५	५७	ग	२३	२०	५४	२५	३५	१८	६	२६	मकरे
१४	बु	५९	२२	श्र	४९	२६	व	४६	२५	वि	२७	३०	५८	२४	३६	१९	७	२७	मकरे
१५	गु	६०	०	ध	५३	२३	प	४५	३५	च	३०	३८	२ ३	२४	३६	२०	८	२८	कु. २१।२४
३०	शु	१	५५	श	५६	१७	शि	४३	५३	ना	१	५५	६	२३	३७	२१	९	२९	कुम्भे

भ. ५६।३७ उ. शते वुधः ५३।१३
भ. २५।२३ या. चतुर्थी ब्र.
पश्चिमोदयी वुधः ३८।२६
[*३।४ पातमोक्षः १६।२३
भ. २५।८ उ. ५६।२२ या.
कुम्भेऽर्कः ३ ३ ५ २ षायां शुक्रः ३ ७ ० पातस्पर्श* सीता ८
[¡भीमः २ ४ ३ ३ मैत्रे १ गुरुः १४।४४
भ. १ ५ ५ उ. ४ ० ४ ६ या. पूभायां बुधः ४ ३ ५ ० धनिष्ठायां विजया ११ ब्र.
भ. ५५।३८ उ. प्रदोषः
भ. २ ७ ३ ० या. शतेरविः १ ६ ३ महाशिवराती व्रतं

४४ पं.फा.कृ. ३ श.ई. ३ ३।१२

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	१०	७	८	३	१	९
२५	१७	७	२	९	११	१४	२५
५५	५७	५५	४३	२६	२२	५९	५५
३९	३६	४८	४८	१०	५२	४१	२३
६०	४६	८ ०	६	६२	२ ४	३	६०
५५	२	४५	१९	४२	ब	११	४७

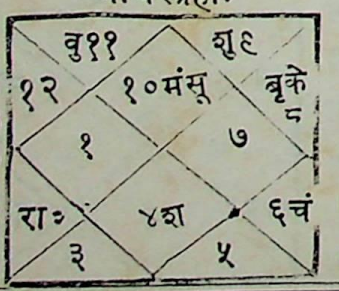

फाल्गुन कृ. ७ बुधे कुम्भेऽर्कः प्र.वा. २ न. ३ कुमारावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदयः पूर्वेवत्सः

गोचरग्रहाः

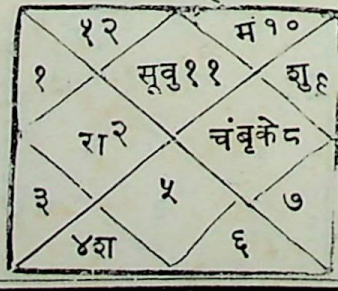

४५ पं.फा.कृ. १० श.इ. ३ ३।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	७	८	३	१	१०
३	२३	१९	३	१७	१०	१४	३
१	२६	४२	२१	१	५१	३७	०
४२	४९	४७	३६	२३	४	२६	१०
६०	४६	९९	५	६४	५ ४	३	६०
४२	२	२२	८	३०	ब	११	३७

*के. शु. वृ. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं०२००३ शाकः१८६८									दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शिशिर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४२२१स.४७
१	श	३	१६	पू	५७	५७	सि	४१	२०	ब	३	१६	२८/१०	६/२	५/३८	२२	१०	३०	मी४२।३२	चंद्रदर्शनम्
२	र	३	१८	उ	५८	३३	सा	३७	४८	कौ	३	१८	१४	२१	३६	२३	११	१	मोने	कुम्भे भौमः५४।५२रविलाखर४फुलरिया
३	चं	२	३	रे	५७	३६	शु	३३	१५	ग	२	३	१८	२०	४०	२४	१२	२	मे.५७।३६	भ.३०।३८उ.५६।३३या. उषायां१३।३५
४	चं	५७	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
५	मं	५६	५	अ	५५	४६	शु	२७	५१	ब	२७	४६	२२	२०	४०	२५	१३	३	मेषे	पातस्पर्शः२६।५२पातमोक्षः३७।४२
६	बु	५१	३५	भ	५३	४	च	२१	४४	कौ	२३	५५	२६	१६	४१	२६	१४	४	मेषे	वक्री बुधः ३०।४
७	गु	४६	३६	कृ	४६	५६	ऐं	१६	७	ग	१६	१२	३०	१८	४२	२७	१५	५	वृ.७।१७	भ. ४६।३६ उ. मकरेशुक्रः ५।१८
८	शु	४१	८	रो	४६	५	वै	७	५५	वि	१३	५३	३४	१७	४३	२८	१६	६	बृषे	भ.१५/३या.वक्रीपुष्ये२शनिः२६/०होईदहो.
९	श	३५	२०	मृ	४२	४	वि	२५/४	५३/४७	ग	८	१४	३८	१६	४४	१	१७	७	मि१४।४	मार्चे मा. ३ता ३१पश्चिमास्तो बुधः१/६
१०	र	२६	३८	आ	३७	५१	आ	४४	५४	तै	२	२६	४२	१६	४४	२	१८	८	मिथुने	भ. ५६।३८ उ.
११	चं	२३	३८	पु	३३	५६	सो	३७	१८	वि	२३	३८	४६	१५	४५	३	१६	९	क.१६।५५	भ. २३।३८ या. आमलकी ११ ब्र.
१२	मं	१८	१०	पु	३०	१८	शो	२६	३१	ग	१८	१०	५०	१४	४६	४	२०	१०	कर्के	पूभायारविः २४।१शते भौमः२६।६प्रदोष
१३	बु	१३	५	श्ले	२७	४	अ	२२	५४	तै	१३	५	५४	१३	४७	५	२१	११	सिं२७।४	
१४	गु	८	४४	म	२४	४३	सु	१६	२७	व	८	४४	५८	१२	४८	६	२२	१२	सिंहे	भ.८।४४उ. ३७।० या. होलिका दहनम्
१५	शु	५	१६	पू	२२	२५	धू	११	१	ब	५	१६	२६/२	१२	४८	७	२३	१३	कं.३७।२४	श्रवणे शुक्रः ५१।३ छारेडी

४६पं.फा.शु.१श.इ.३३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	७	८	३	१	१०
१०	२८	२८	३	२४	१०	१४	१०
६	५७	२	५१	५०	२१	१५	३
१३	२९	२८	०	१०	५८	११	३८
६०	४६	४८	३	६५	४६	३	६०
२१	१२	३१	५८	५८	बृ	११	२५

गोचरग्रहाः

इस मास में सरस्यूं सरण कुष्टा कपड़ा नाल जायफल दाख सोठ गुड़ खांड घृता-दिग्म धान्य रुई चांदी तेज होगी ।

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.शु.६श.इ.३३।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	७	९	३	१	१०
१७	४	२९	४	२	९	१३	१७
९	२७	४४	१२	४६	५६	५२	५
३	४०	१३	२५	४४	२४	५५	५२
६०	४६	३८	२	६७	१३	३	६०
२०	८	बृ	३७	१७	बृ	११	१२

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २००३ शाकः १८६८									दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चंद्रः	शिशिर्तू रविर्दक्षिणे.फाल्गुन कृ.महाराष्ट्राः
१	श	२	४४	उ	२२	२१	शु	५	५६	कौ	२	४४	२९/६	६/१९	५/४९	८	२४	१४	कन्या	बसंत १
२	र	१	२१	ह	२३	६	गं	२/१	५६/५८	ग	१	२१	१०	१०	५०	९	२५	१५	तु.५४।५	भ.३/११पातस्मर्शः३५।३६पामोक्षः४६।३४
३	चं	१	१०	चि	२४	४	ध्रु	५७	५	वि	१	१०	१४	९	५१	१०	२६	१६	तुलायां	भ. १।१० या. चतुर्थी ब्र.
४	मं	२	२६	स्वा	२८	१५	व्या	५६	८	वा	२	२६	१९	८	५२	११	२७	१७	तुलायां	रोहिण्यां १ राहुः अनुः ३ केतुः ५५।२१
५	बु	४	५५	वि	३२	३४	ह	५४	५३	तै	४	५५	२३	७	५३	१२	२८	१८	वृ.१६।२६	[×पूभायांभौमः१६।२०उदयी भौमः५६/२७
६	गु	८	३४	अ	३७	४८	व	५६	३२	व	८	३४	२८	६	५४	१३	२९	१९	वृश्चिके	भ. ८/३उ.४०/४८या. वक्रीशते बुधः ११।१२
७	शु	१३	२	ज्ये	४३	५७	सि	५७	३६	ब	१३	२	३२	६	५४	१४	३०	२०	ध.४३।५७	मीनेऽर्कः २४।१६ सीतलापूजनम्
८	श	१८	४	मू	५०	१८	व्य	५८	५५	कौ	१८	४	३६	५	५५	१५	१	२१	धनुषि	पूर्वोदयीबुधः ५७।४६
९	र	२३	११	पू	५६	४८	ब	६०	०	ग	२३	११	४१	४	५६	१६	२	२२	धनुषि	भ. ५५।४२ उ. वक्री भृगुः ५।३५
१०	चं	२८	१३	उ	६०	०	व	०	६	वि	२८	१३	४५	३	५७	१७	३	२३	म.१३।२०	भ. २८।१३ या. उभायांरविः ४४।५७
११	मं	३२	३८	उ	२	५६	प	१	३५	व	०	२५	४६	२	५८	१८	४	२४	मकरे	पापमोचनी ११ ब्र.
१२	बु	३६	१३	अ	८	२१	शि	१	४७	कौ	४	२५	५३	१	५६	१९	५	२५	कु.४०।३०	धनिष्ठायां शुक्रः १९।२६
१३	गु	३८	३८	ध	१२	४०	सि	१	२६	ग	८	२५	५७	१	५६	२०	६	२६	कुम्भे	भ. ३८।३८ उ. प्रदोषः
१४	शु	३६	५२	श	१५	४६	सा	०/६	५७/५०	वि	६	१५	३०/१	१/१०	०/००	२१	७	२७	कुम्भे	भ. ६।१५ या. मार्गीबुधः १५।१८×
३०	श	३६	४६	पू	१७	२४	शु	५४	४५	च	६	४६	६	५/५६	१	२२	८	२८	मी२।०	अहर्गणः ४३।६६ च. ३ के.

४८प.चै.कृ.१श.इ.३४।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	७	९	३	१	१०
२४	९	२४	४	१०	९	१३	२४
१०	५७	४९	२४	४९	३४	३०	६
२४	४७	४८	११	१६	५९	४०	३४
६०	४६	६५/७	१	६८	२३/३	३	५९
५	१८	ब	१२	२१	ब	११	५८

४९पं.चै.कृ.८श.इ.३३।३८

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	९	३	१	११
१	१५	४८	४	१८	९	१३	१
१०	२८	४४	२७	५६	१८	८	५
६	३७	६	१४	३८	४	२५	४६
५९	४६	७/५	०	६९	५३	३	५९
४९	१८	ब	७	७	ब्र	११	४१

५०पं.चै.कृ२०श.इ.३४।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	९	३	१	११
८	२०	१६	४	२७	९	१२	१८
८	५८	१७	२१	७	६	४६	३
०	१६	५६	११	५९	१८	९	२२
५९	४६	२७/२८	२/१८	६२	१/८	३	६०
३५	१३	मा	बृ	५७	बृ	११	१७

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्) +८मं.शु.के.बु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पङ्कज-स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०४८ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०४८ भोग्यकलिः ४२६९५२ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दाः सम्वत् २००४ शाकः १८६९ वर्षेऽस्मिन्राजा रविः । मंत्री रविः । सस्येशो वुधः । धान्येशोभौमः । मेघेशः सूर्यः । रसेशो शुक्रः । नीरसेशो बुधः । फलेशः शनिः । धनेशो बुधः दुर्गेशोः रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्येविष्णुविंशतिकायां १४ शर्वरी नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्क-समये गतमासादिः २।०।२५।१२ भोग्यमासादिः ९।२९।३४।४८पितृ-दैवतंयुगम् । वर्षनाम वैशाखः । मेघ ४ नाम द्रोणः । समय निवासः कुम्भकारगृहे (अग्नौ) रोहिणी निवासः पर्वते । समय विश्वा १२ । समय वाह-नमश्वः । स्तम्भ १ तृणास्य । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी २ समय मुहूर्ताः ३४५ । समय दिनानि ३८४ । तिथि क्षयः १४ । तिथि वृद्धिः ८ । उत्पति विश्वा ९९ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा ५. धान्य ९. तृण ५. शीत ५. तेज ५ वायु १३ शनि दृष्टिर्दक्षिणे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यं ८३ सत्यं ॥. धर्म १॥. पाप १८ ग्रहणं नास्ति ।

भैरव भवानी सम्वाद

भै. प्र. कर जोड़े भैरव खड़ा माता थारे द्वार ।
विक्रम संबत चार का मुख से कहदो सार ॥

भ. उ. सुन हो भैरव लाडला मैं समझाऊँ तोय ।
विक्रम चौथा देखले मध्यम संवत होय ॥
रवि राजा इस वर्ष में आप भये परधान ।
अन तृणकी कमती रहै वर्षा मध्यम जान ॥
भादों आश्विन मास में शनि मंगल का योग ।
रुई में तेजी चले जग में बाढ़े रोग ॥
रोहिणी पर्बत में बसी समय बसे घटकार ।
कहींक दक्षिण देश में मांचे हाहाकार ॥
होनी हो सो होयसी अनहोनी नहिं होय ।
ईश भजन बिन जगत में सुख नहिं पाया कोय ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२

वर्ष लग्नम् ६।२८

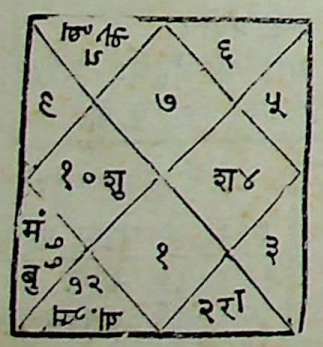

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	बृ	बृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ८।२२

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४५।०। केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।६।१६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथास्मिन् वर्षे राजा रविस्तत्फलम्—सूर्येनृपे स्वल्पजलाश्च मेघाः स्वल्पंपयो गोषु जनेषु पीड़ा। स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्चौराग्निबाधानिधनं नृपाणां ॥ मंत्री रविस्तत्फ० नृपभयंगदतोपि हि तस्करात्प्रचुर धान्य धनादि महीतले। रसचयं हि समर्घतमं तदा रविरमात्य पदं हि समागतः। सस्येशोबुधस्तत्फलम्-जलधरा जलराशि मुचो भृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम्। द्विजगणाः स्तुतिपाठकरः सदा प्रथमसस्यपतौ सति बोधने ॥ धान्येशो भौमस्तत्फं-भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्य-महर्घकम्। शालीक्षुघृत तैलादि महर्घाणि भवन्ति च ॥ मेघेशो रवितत्फ० जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनतारसं। यवचणेक्षु निवारक शालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ॥ रसेशो शुक्रस्तत्फ० यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषित-मानसाः सुखसुभिक्ष सभोगवतीधरा धरणिपाहृत पापगणा प्रिया ॥ नीरसेशो बुधस्तत्फ० चित्र वस्त्रादिकं चैव शंख चंदन पूर्वकम्। अर्घवृद्धि प्रजायेत नीरसेशो बुधोयदि ॥ फलेशः शनिस्तत्फ० यदि शनिः फलपः कलहो भवेजनितपुष्पगणास्तरवः सदा हिमभयं नर तस्कर जं तदा जनपदा धनराशि समाकुला ॥ धनेशो बुधस्तत्फ० द्रविणपो हिंमरश्मि सुतो यदा विविध संग्रह वस्तुफलार्थदा। द्विजवरा जप यज्ञ सुसंयुताः कृषि विशेष बिशेषित मानसाः। दुर्गेशो रविस्तत्फ० नयविशेष करस्तणिस्तदा गतभया नरराज पुरोगमाः। समधिकेन तदा नृपतोन्यतः पथिषुसंव्रजतां न भयं क्वचित् ॥ अधिक श्रावणस्तत्फलं—द्वि. श्रावणेतिदुर्भिक्षं स्वल्पवृष्टिर्महद्भयं। पापबुद्धिरतालोका। राजानःक्रूर शासना। वर्षनामवैसाखतत्फलम् अर्घं विविध भाधेनजायतेद्रविणाप्रदम्। नीरुजानिनिर्भयालोका वैशाखे जन पूजिता ॥ शर्वरीनामसंवत्सरस्तत्फलं शार्वरीवत्सरे पूर्णाधराशस्यार्धवृष्टिभिः जनाश्च सुखिनः सर्वे राजानः स्युर्विवैरिणः ॥ मेना द्रो. फ. द्रोणेवर्षति सर्वदा ॥ रोहिणी निवासः पर्वतेतत्फ० पर्वते विंदुमात्रश्च ॥ समय निवासो कुम्भकारगृहेफ० अनावृष्टिःप्रजापतौ ॥

सं० २००४ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः।

शुक्ला ६ भौमे मघा.ल.गो.६ रे.७।।।।ऽरो.ऽऽगणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,,१२ शुक्रे हस्ते ल ऽन्यगो ६ रे. ६ऽसू.ऽशु.ऽशु।।।। पादतो वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ३ गुरौ मूले ल.गो.रे. ८।।।।चो.।ऽ।।

,, १२ शनौ रेव. ल. ऽन्यगो (सोग्रांग) ६रे. ८।।।।। ऽअग्नि।ऽ।।

शुक्ला २ गुरौ मृगे ल.६रे.६।।।।।ऽ।। (७ मे.चं.पू.)

,, ७ चन्द्रे मघा.ल.ऽन्यगो (सोग्रांगः) ६रे.७।।।।अ.

,, ६बुधे उफा ल.ऽन्यगो.सोग्रांगः)६रे.८।।।।ऽनृ.ऽ।।।

,, १० गुरौ हस्ते ल. गो. (सोग्रांगः) ६ रे. ६।।।।।।ऽ।।

१२ शनौ स्वात्यां ल.लऽन्यगो.(सोग्रांगःरे.६ऽसूश.।।।।।।।।

आषाढ मासः

कृष्णा २ गुरौ मूले ल.गो. (सोग्रांगः) रे.८ऽ।।।ऽअ.।।।।

,, ८ गुरौ उभाल.ऽन्यगो. सोग्रांगः रे.७ऽशु.ऽ।।।ऽऽ।

शुक्ला ४ रवौ मघा. ल. १ (गु.पू.सत्) रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

,, ५ चन्द्रे. मघा. ल. ऽन्यगो. रे. ७।।।।ऽरोऽऽ।।

,, १० शनौ स्वा. ल. गो. रे. ८ऽश।।।।।।ऽ।।

पौष मासः

शुक्ला ५ शुक्रे उभा. ल. ८-६ रे. ८।।।।ऽअग्निऽ।।।

,, ६ शनौ उमा. ल.ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे.६।।।।।।ऽ।।।

,, ६ ,, रेव.ल.८ (भौ. पू.) ६।।।।।ऽ।।।

,, ७ रवौ रेव. लऽन्यगो सोग्रांगः रे. ८।।।।ऽनृपाऽ।।

माघ मासः

कृष्णा ४ गुरौ उफा.ल.गो. सोग्रांगः ८ (भौ.पू.) ६ रे. ६ऽमं।।। शु.ऽचो. ।ऽ।।

,, ५ शुक्र हस्ते ल. गो ८-६ (गो. सौग्रांगः) ।८भौ.

,, ११ गुरौ मूले. ल ८ रे. ६ ।।।।ऽनृपऽऽ।। आवश्य

शुक्ला ३ शुक्रे उभा.ल.८(घ ४८या. रे८।।ऽशु।।।।।ऽशुयु

,, ४ शनौ रिव ल. ६रे६।ऽ।।ऽअग्निऽऽ।।

,, ६ गुरौ मृगे ल.६रे (चं. पू.) रे.८।।।।।चौऽआव.

फाल्गुन मासः

कृष्णा १ बुधे उफा.ल.८रे७ऽमं।।ऽशु।ऽनृ।।।पाद् वेधाद्वेधाभावः

,, ८ बुधे मूले ल. ८ रे ७।।ऽवृ।।ऽ अग्नि ।ऽ।।

,, ६ गुरौ मूले ल.ऽन्यगो रे. ७।।ऽगु।।ऽ।ऽ।।

अत्रक्वचिस्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं० २००४ शाकः १८६९						दि.		उ.		अ.		इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वसंतऋतूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४३७०स. १९४७
१	र	३८	२६	उ	१८	२९	च	५०	३२	कं	९	६	३०/१०	५५/८	६/२	२३	९	२९	मीने	नवरात्रारंभः घटस्था. कल्पादिः÷
२	चं	३५	५२	रे	१८	५५	ऐं	४५	३०	बा	७	९	१४	५७	३	२४	१०	३०	मे.१८।५५	चंद्रदर्शनम् [÷ संवत्सर प्र. ध्वजारो.
३	मं	३२	१९	अ	१६	१९	वै	३९	४५	तै	४	६	१८	५६	४	२५	११	१	मेषे	कुम्भे शुक्रः २।३२ जमादिलाधल ५×
४	बु	२७	५३	भ	१३	५५	वि	३३	१५	व	०	१	२२	५६	४	२६	१२	२	वृ.२८।६	भ.१/१उ.२७/३या. [*भवान्युत्पत्तिः
५	गु	२२	४२	कृ	१०	३८	मी	२६	१७	बा	२२	४२	२६	५५	५	२७	१३	३	बृषे	कल्पादिः
६	शु	१७	०	रो	७	५	आ	१८	३०	तै	१७	०	३०	५४	६	२८	१४	४	मि.३५।३	[×मन्वादिःगणगौरी पू.मत्स्पजयं.
७	श	११	१२	मृ	३/१	५६/४	सौ	११	११	व	११	१२	३४	५३	७	२९	१५	५	मिथुने	भ. ११/१२ उ. ३८/१४ या. आर्द्राक्षयः ५६।४
८	र	५	१६	पु	५४	५५	शो	३/३७	५२/१८	ब	५	१६	३८	५२	८	३०	१६	६	क.४०।५८	अतिगंडक्षयः ५२/१८शतेशुक्रः ४७/१रामनवमी*
९	र	५४	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	=पूभायांबुधः ९/९कामदा११ब्र.स्मा.बै.ल.
१०	चं	५३	४७	पु	५१	१	सु	४८	१८	तै	२६	३५	४३	५१	९	३१	१७	७	कर्के	रेवत्यां रविः १२।२५
११	मं	४८	३९	श्ले	४७	५१	धृ	४१	१६	व	२१	१३	४७	५१	९	१	१८	८	सिं४७।५१	भ.२१/१३उ.४५/९या.अप्रेल मा.४ता.३०=
१२	बु	४४	१५	म	४४	३१	शू	३४	४७	ब	१६	२७	५१	५०	१०	२	१९	९	सिंहे	कामदा११ब्र.नि. हरिदमनोत्सवः
१३	गु	४०	४३	पू	४३	१६	गं	२८	५६	कौ	१२	२९	५६	४९	११	३	२०	१०	कं.५८।४	मीने भौमः ६/१९मार्गी शनिः १५/४० प्रदोषः-
१४	शु	३८	७	उ	४२	२७	वृ	२३	५८	ग	९	२५	३१/००	४८	१२	४	२१	११	कन्या	भ.३८।८ उ. [-अनंग १३
१५	श	३६	४०	ह	४२	५३	ध्रु	२०	१५	वि	७	२४	४	४७	१३	५	२२	१२	कन्या	भ.२७/२४या.हनुमज्जयंती.मन्वादिःवै.स्ना.प्रा.

५१प.च.शु.७श.इ.३५।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	१०	३	१	११
१५	२६	१८	४	५	८	१२	१४
४	२७	३४	६	२२	५९	२३	५९
२	४५		७	३७	४६	५४	१८
५९	४६	३३	५०/२	७०	२९	३	५९
१८	१३	३१	ब	२५	ब	११	१६

ग्रोचरग्रहाः

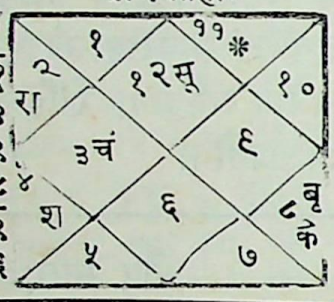

इस मास का फ़ल साधारण है रूई चांदी सोना अलसी सिरस्यूं घृत खांड़ तेल एरंडी विनोला तेज।

गोचरग्रहाः

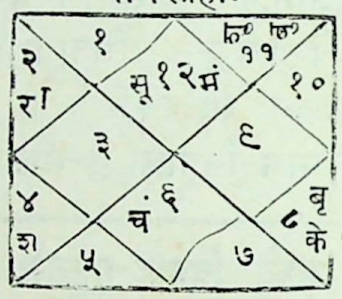

५२पं.वै.शु१५श.इ.३५।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	७	१०	३	१	११
२१	१	२४	३	१३	८	१२	२१
५८	५४	६	४२	३९	५८	१	५३
१५	५०	५४	७	५४	३०	३८	३१
५९	४६	५१	५/९	७१	१३/०	३	५९
४	८	३६	ब	११	मा	११	४

ति.	वैसाख कृष्णपक्षः सं० २००४ शाकः १८६९						दि.		उ.		अ.		इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वसंततूरविरुत्तरे चैत्रकृष्णइतिमहाराष्ट्राः
१	र	३६	२६	चि	४४	२८	व्या	१७	३	ग्रा	६	३३	११/८	५९/४६	६/१४	६	२३	१३	तु.१३।४०	
२	चं	३७	३६	स्वा	४७	१८	ह	१४	३०	तै	७	१	१२	४६	१४	७	२४	१४	तुलायां	उभायां भौमः २६।२६
३	मं	३९	५८	वि	५१	७	व	१२	४०	व	८	४७	१६	४५	१५	८	२५	१५	बृ३५।१०	भ.८।४७ उ.३९।५८ या.
४	बु	४३	३२	अ	५६	२२	सि	१३	१३	ब	११	४५	२०	४४	१६	९	२६	१६	वृश्चिके	चतुर्थी ब्र.
५	गु	४७	५५	ज्ये	६०	०	व्य	१३	१६	कौ	१५	४४	२४	४३	१७	१०	२७	१७	वृश्चिके	मीने बुधः ३८।१३ पूभायां शुक्रः ५७×
६	शु	५२	४३	ज्ये	२	२५	व	१४	४४	ग	२०	१९	२८	४२	१८	११	२८	१८	ध.२।२५	भ.५२।४३ उ.
७	श	५७	५३	मू	८	५२	प	१६	३	वि	२५	१८	३२	४२	१८	१२	२९	१९	धनुषि	भ.२५।१८
८	र	६०	०	पू	१५	११	शि	१७	३०	ग्रा	३०	१७	३६	४१	१९	१३	३०	२०	म.३१।५१	मेषेऽर्कः ४६।५६ उभायां बुधः ३६।२
८	चं	२	४१	उ	२१	३२	सि	१८	४१	कौ	२	४१	४०	४०	२०	१४	१	२१	मकरे	[×बक्कीविशाखायां ४ गुरुः ३१।४४
९	मं	७	११	श्र	२६	३३	सा	१९	३५	ग	७	११	४४	३९	२१	१५	२	२२	कु.५८।५२	भ. ३८।४७ उ.
१०	बु	१०	२४	ध	३१	११	शु	१९	३६	वि	१०	२४	४८	३८	२२	१६	३	२३	कुम्भे	भ. १०।२४ या.
११	गु	१३	६	श	३४	४१	शु	१८	३७	ग्रा	१३	६	५१	३८	२२	१७	४	२४	कुम्भे	वरूथिनी ११ ब्र. पातस्पर्श ३९।५१*
१२	शु	१४	९	पू	३६	५३	त्र	१६	४५	तै	१४	९	५५	३७	२३	१८	५	२५	मी२१।२०	प्रदोषः [*पातभोक्षः ५१।३३
१३	श	१४	०	उ	३७	५३	ऐं	१३	५४	व	१४	०	५८	३६	२४	१९	६	२६	मीने	भ. १४।० उ. ४३।१६ या. मीने-
१४	र	१२	३२	रे	३७	३९	वै	१०	६	श	१२	३२	३/२	३६	२४	२०	७	२७	मे.३७।३९	[-शुक्र. २०।५६
३०	चं	९	५४	अ	३६	१५	वि	१७/१	५४/२९	ना	९	५४	६	३५	२५	२१	८	२८	मेषे	प्रीतियोगक्षयः ५४।२६ सोमवती ३०

१पं.वै.कृ.८श.इ.५१।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	७	१०	३	१	०
०	८	३	३	२३	९	११	०
४	२०	३७	१	२८	१	३५	०
२४	१७	१९	५५	१९	२६	२३	०
५८	४५	६७	२९/५	७१	१	३	५८
४५	५८	२९	ब	४१	७	११	४४

गोचरग्रहाः

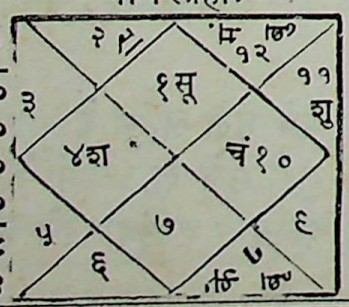

वैसाख कृष्णा ८ रवौ मेषेऽर्कः प्र.बा. ३न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मुहूर्ताः ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदयः।

गोचरग्रहाः

२पं.वै.कृ.१४सु.इ.५१।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	७	११	३	१	०
६	१३	१३	२	१	९	११	६
५४	४५	३५	२१	४९	११	१३	५०
३४	४	१३	४०	१	४९	८	३८
५८	४५	८०	२९/६	७२	१	३	५८
२९	५६	२९	ब	२	४६	११	३१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं २००४ शाकः १८६६									दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	बसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणाः ४४००स. १६४७
१	मं	६	१३	भ	३४	०	आ	५२	२७	ब	६	१३	३२/१०	५/३४	६/२६	२२	६	२६	वृ. ४८।१५ चंद्रद. उभायां शुक्रः ७।३१
२	बु	१	४४	कृ	३०	५६	सो	४६	३६	की	१	४४	१४	३३	२७	२३	१०	१	वृषे रेवात्यां बुधः ६।२६ जमादिला. ६ अ.*
३	बु	५४	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० क्षयः [*३प.ज कल्पादिः त्रेतायुगादिः
४	गु	५०	४६	रो	२७	२५	शो	३६	२०	व	२३	३७	१८	३२	२८	२४	११	२	मि ५५।२८ भ. २३/३७ उ. ५०/४६ या. रेवत्यां भौमः ३६।३
५	शु	४४	४६	मृ	२३	३१	अ	३१	५७	व	१७	४८	२१	३२	२८	२५	१२	३	मिथुने
६	श	३८	४७	आ	१६	२६	सु	२४	७	की	११	४८	२५	३१	२६	२६	१३	४	मिथुने +गंगा७ अगस्त्यास्त ३३।२५
७	र	३२	५४	पु	१५	२३	धृ	१६	३३	ग	५	५०	२६	३०	३०	२७	१४	५	क. १।२४ भ. ३२/५४ उ. ५२/६ या. भरण्यां रविः २८।२०+
८	चं	२७	१५	प	११	३१	शू	८	५०	व	२७	१५	३३	२६	३१	२८	१५	६	कर्के
९	मं	२२	१	श्ले	८	१३	गं	५४/१	५३/३४	की	२२	१	३७	२६	३१	२६	१६	७	सिं. ८।१३ बृद्धियोगक्षयः ५३।२४ पातस्पर्शं ५४/२१
१०	बु	१७	३२	म	५	२२	ध्रु	४६	१३	ग	१७	३२	४०	२८	३२	३०	१७	८	सिंहे भ. ४५/४४ उ. मेषेऽश्विन्यांचबुधः ५७/४२ पा. ६/१८
११	गु	१३	५६	पू	३	१७	व्या	४४	१०	वि	१३	५६	४४	२७	३३	१	१८	९	क. १८।३ भ. १/५६ या मई मा. ५ ता ३१ मोहनी ११ ब्र.
१२	शु	११	१४	उ	२	२२	ह	३६	४७	वा	११	१४	४७	२७	३३	२	१६	१०	कन्या प्रदोष
१३	श	६	४०	ह	२	२०	व	३६	२४	तै	६	४०	५०	२६	३४	३	२०	११	तु. ३३।५ रेवत्यांशुक्रः १७।२६ नृसिंहजयंती.
१४	र	६	२०	चि	३	५१	सि	३४	२	व	६	२०	५४	२५	३५	४	२१	१२	तुलायां भ. ६।२० उ. ३६/५० या. पूर्वास्तंबुधः १३/२८
१५	चं	१०	२१	स्वा	६	५	व्य	३२	४०	व	१०	२१	५८	२४	३६	५	२२	१३	बृ. ५४।६ जलकुंभदानं. अन्नदान कूर्मजयं. वै. स्नापू.

३पं.वै.शु.७ सू.इ. ५२।० गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	७	११	३	१	०
१३	१९	२५	१	१०	९	१०	१३
४२	९	७	३५	११	२७	५०	३९
५८	१८	१	४२	३५	२२	५३	४०
५८	४५	९४	१२/७	७२	२	३	५८
१२	४३	४०	ब	२६	२६	११	२०

इस मास में पांच रवि तथा पांच सोमवार सामान्य है. मंगलवार को चंद्रदर्शन प्रजा में पीड़ा धान्य रुई तेज

गोचरग्रहाः

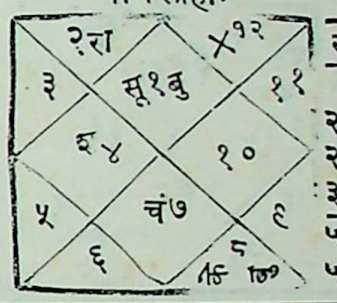

४ पं.वै शु.१४सू.इ. ५२/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	७	११	३	१	०
२०	२४	८	०	१८	९	१०	२०
२९	३०	६	४५	३४	४७	२८	२७
३६	४७	५०	२२	५५	४२	३८	२२
५७	४५	५/१	४७/५३	७२	३	३	५८
५७	४१	५३	ब	४५	११	११	६

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६६									दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	बसंततूं रविरुत्तरे बै. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१२	३६	वि	१०	६	व	३२	१६	की	१२	३६	३/१	५/२४	६/३६	६	२३	१४	बृश्चिके
२	बु	१६	१२	अ	१४	५८	ध	३२	४२	ग	१६	१२	४	२३	३७	७	२४	१५	बृश्चिके भ. ४८।२० उ.
३	गु	२०	२६	ज्ये	२०	४०	शि	३३	४८	वि	२०	२६	७	२३	३७	८	२५	१६	ध. २०।४० भ. २०/२६ या. भरण्यां बुधः ३४/३२ पुष्ये २शनिः*
४	शु	२५	१४	मू	२७	०	सि	३५	१२	ग	२५	१४	१०	२२	३८	९	२६	१७	धनुषि [* ४४।२ चतुर्थी ब्र.
५	श	३०	१३	पू	३३	३१	सा	३६	४६	तै	३०	१३	१३	२२	३८	१०	२७	१८	म. ५०।६ बक्री विशाखायां ३ तुलायां च गुरुः ५५।५
६	र	३५	०	उ	३६	५३	शु	३८	६	ग	२	३७	१६	२१	३६	११	२८	१९	मकरे भ. ३५।० उ. कृत्तिकायां रविः १६।१५
७	चं	३६	२२	श्र	४५	२७	शु	३६	१	वि	७	११	१६	२०	४०	१२	२६	२०	मकरे भ. ७।११ या. मेषेऽश्विन्यां च भौमः ५।५२
८	मं	४२	४७	ध	५०	१७	ं	३६	२०	वा	११	६	२२	२०	४०	१३	३०	२१	कु. १७।५२ कृत्तिकायां बुधः ५७।१ कृ. ४ राहुःमैत्रे २+
९	बु	४५	३	श	५४	४	ऐं	३८	४६	तै	१३	५५	२५	१६	४१	१४	३१	२२	कुम्भे बृषेऽर्कः ४४।२ मेषेऽश्विन्यांच शुक्रः २०।२७
१०	गु	४६	२६	पू	५६	३३	वै	३७	१	व	१५	४५	२८	१८	४२	१५	१	२३	मी ४०।५६ भ. १५।४५ उ. ४६।२६ या. बृषेबुधः १६।४
११	शु	४५	५४	उ	५७	४८	वि	३४	४४	ब	१६	१०	३१	१८	४२	१६	२	२४	मीने अपरा ११ व्रत स्मा. बै. [+केतु ५२/५५ पा. १६/२४
१२	श	४४	२३	रे	५७	५६	प्री	३१	१	की	१५	८	३४	१७	४३	१७	३	२५	मे. ५७।५६ अपरा ११ ब्र.
१३	र	४१	४७	अ	५६	४७	आ	२६	२८	ग	१३	५	३६	१७	४३	१८	४	२६	मेषे भ. ४१।४७ उ. प्रदोषः
१४	चं	३८	९	भ	५४	४१	सो	२१	१०	वि	९	५८	३९	१६	४४	१९	५	२७	मेषे भ. ९।५८ या रोहिण्यां बुधः ५७।३६
३०	मं	३२	५९	कृ	५१	५४	शो	१५	८	च	५	३४	४१	१६	४४	२०	६	२८	वृ. ८।५९ वटपूजनं. भाबुका ३०

५पं ज्ये.कृ.६ र.इ.५२।२५ गोचरग्रहा

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	६	११	२	१	०
२७	२९	२२	२९	२६	१०	१०	२७
१४	४९	२१	५२	५९	१२	६	१३
५०	४८	१८	२९	५६	२५	२२	३०
५७	४५	२९/३४	५२/ब	७२	२	२	५७
४५	२८			५९	४४	११	५४

ज्येष्ठकृष्णा ९ बुधे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा ४न.४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मुहूर्ताः १५ (धान्य भाद तेज) शुक्रोदयः पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

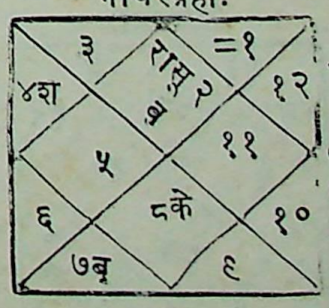

६ पं.ज्ये.कृ.१३र.इ. ५२/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	६	०	२	१	१
३	५	७	२८	५	१०	९	३
५८	७	४१	५९	२४	४१	४४	५८
२७	५	२४	५३	५४	३५	७	२६
५७	४५	२/५३	५२	७२	४	२	५७
२४	१८		ब	१४	२३	११	४४

*शु.१२बु.मं. ×शु.मं१२ (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) +मं१२शु =शु.१मं.चं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः स. २००४ शाकः १८६६ | दि. उ. अ | इ. हि. मु. | चंद्र | ग्रीष्मतूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४४२६ सन् १९४७

१	बु	२८	१०	रो	४८	२५	अ	८	३२	कं	००	३४	३३/४४	५/१५	६/४५	२१	७	२६	बृषे	चंद्रद.
२	गु	२२	२०	मृ	४४	३७	सु	१/२३	५२/३८	की	२२	२०	४६	१५	४५	२२	८	१	मि १६।३१	रज्जव ७
३	शु	१६	२५	आ	४०	२७	शू	४६	२३	ग	१६	२५	४८	१४	४६	२३	९	२	मिथुने	भ. ४३।२२ उ.
४	श	१०	२०	पु	३६	२३	गं	३८	५१	वि	१०	१०	५०	१४	४६	२४	१०	३	क. २२।२४	भ. १०।२२ या.
५	र	४	२०	पु	३२	२९	बृ	३१	२०	बा	४	२०	५२	१४	४६	२५	११	४	कर्के	रोहिण्यांरविः १/१ भरण्यांशुक्रः २/१ पात. ४/४
६	र	५४	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	चं	५३	२१	श्ले	२८	५८	धु	२४	१३	ग	२५	५१	५४	१३	४७	२६	१२	५	सिं २८।५८	भ. ५/२ ३/१ उ. मृगे बुधः १/३ ४/९ पश्चिमोदयी बुधः *
८	मं	४८	४५	म	२५	५१	व्या	१७	३२	वि	२१	३	५६	१३	४७	२७	१३	६	सिंहे	भ. २१।३ या. [*५७।२० पातमोक्षः ५।६
९	बु	४५	०	पू	२३	४६	ह	११	२४	बा	१६	५२	५८	१२	४८	२८	१४	७	क. ३८।४२	
१०	गु	४२	१२	उ	२३	२९	व	६	१३	तै	१३	३६	३४/००	१२	४८	२९	१५	८	कन्या	मिथुनेबुधः ४/२ ३/३ भरण्यांभौमः ५/५ २/३ गंगा १०
११	शु	४०	३६	ह	२४	२४	सि	१/३८	५६/४१	व	११	२४	२	१२	४८	३०	१६	९	तु. ५४।४३	भ. ११।२४ उ. ४/३ ९/६ या. निर्जला ११ व्रत
१२	श	४०	१८	चि	२५	२	व	५५	३२	ब	१०	२७	४	११	४९	३१	१७	१०	तुलायां	[×प्रदोषः
१३	र	४१	४	स्वा	२६	३८	प	५४	०	की	१०	४१	६	११	४९	१	१८	११	तुलायां	जूनमा. ६ता. ३० वटसावित्रीव्रतारंभ.×
१४	चं	४३	११	वि	२९	४	शि	५३	२५	ग	१२	७	८	१०	५०	२	१९	१२	बृ. १३।२८	भ. ४३।११ उ. आर्द्रायां बुधः २६।७
१५	मं	४६	३०	अ	३३	५५	सि	५३	४७	वि	१४	५१	९	१०	५०	३	२०	१३	बृश्चिके	भ. १४।५१ या. वटसावित्री पूजा

७पं.ज्ये.शु.५सू.इ.५२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	६	०	३	१	१
१०	१०	२२	२८	१३	११	९	१०
४०	२२	३७	७	५१	१५	२१	४२
३८	४४	२६	४१	३६	२५	५१	१८
५७	४५	९/२	३८/७	७३	४	३	५७
२३	३	२/९	ब	२६	५०	११	३५

गोचरग्रहाः

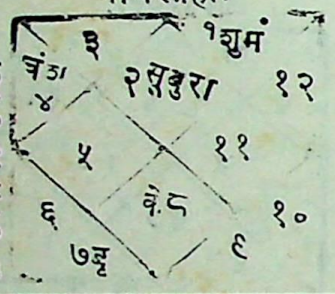

नोत्पातपरित्यक्तो न चंद्रजोब्रजत्युदयं जलदहनपवनभयकृद्धान्यार्घक्षय विवृद्धयै वा ।

गोचरग्रहाः

८पं.ज्ये.शु.१३सू.इ.५२।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	६	०	३	१	१
१७	१५	५	२७	२२	११	८	१७
२१	३५	४९	१८	१८	५२	५९	२५
४४	६	१	२२	३६	८	३६	५
५७	४४	९१	५६	७३	५	३	५७
१३	५२	४२	ब	४१	१७	११	२७

त. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २००४ शाक १८६६ | दि. उ. अ. | इ. हि. मु. | चंद्रः | ग्रीष्मतूरविरुत्तरेज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	बु	५०	४७	ज्ये	३९	२१	सा	५४	४४	ग्रा	१८	३८	३४/५१	५/१०	६/५०	४	२१	१४	ध. ३९।२१	
२	गु	५५	३५	मू	४५	३६	शु	५६	१०	तै	२३	११	१२	१०	५०	५	२२	१५	धनुषि	कृतिकायां शुक्रः ३१।४३
३	शु	६०	०	पू	५१	५८	शु	५७	३९	व	२७	५७	१३	९	५१	६	२३	१६	धनुषि	भ. २७।५७ उ. [*४/६ चतुर्थी ब्र.
३	श	०	२०	उ	५८	२६	व्र	५९	१०	वि	०	२०	१५	९	५१	७	२४	१७	म. ८।३५	भ. ०।२० या. वक्री विशाखायां २ गुरुः *
४	र	५	८	अ	६०	०	ऐं	६०	०	ग्रा	५	८	१६	९	५१	८	२५	१८	मकरे	मृगेरविः ३९।० वक्रीशुक्रः १/१ ५/५ पातस्पर्शः ×
५	चं	९	२२	श्र	४	१४	ऐं	०	१४	तै	९	२२	१७	९	५१	९	२६	१९	कु. ३६।४०	[×९।३१ पातमोक्षः ३२।७
६	मं	१२	४५	ध	९	६	वै	०	४२	व	१२	४५	१८	८	५२	१०	२७	२०	कुम्भे	भ. १२।४५ उ. ४३।५३ या.
७	बु	१५	२	श	१३	११	वि	२५/०	५८/३३	ब	१५	२	१९	८	५२	११	२८	२१	कुम्भे	पुनर्बसौ बुधः ४६।३३
८	गु	१६	४	पू	१६	३	आ	५६	२६	कौ	१६	४	२०	८	५२	१२	२९	२२	मी ०।२०	
९	शु	१५	५३	उ	१७	३१	सौ	५३	२६	ग	१५	५३	२१	८	५२	१३	३०	२३	मीने	भ. ४५।८ उ.
१०	श	१४	२३	रे	१८	०	शो	४९	२८	वि	१४	२३	२१	८	५२	१४	३१	२४	मे. १८।०	भ. १४।२३ या.
११	र	११	४२	अ	१७	६	अ	४४	००	बा	११	४२	२२	८	५२	१५	३२	२५	मेषे	मिथुनेऽर्कः ९।४८ योगिनी ११ व्रत
१२	चं	८	१	भ	१५	१५	सु	३७	५९	तै	८	०	२२	८	५२	१६	१	२६	वृ. २९।३३	रोहिण्यांशुक्रः २/७ कृतिकायां भौमः ५/३ ७ ¡
१३	मं	३	२७	कृ	१२	२७	धृ	३१	२८	व	३	२७	२३	७	५३	१७	२	२७	वृषे	भ. ३।२७ उ. ३०।४७ या.
१४	मं	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[¡पुष्ये ४शनिः ३४।२७ प्रदोषः
१५	बु	५२	२२	रो	९	९	शु	२४	२७	च	२५	१५	२२	७	५३	१८	३	२८	मि ३७।३०	अमावस्या

९पं.आ.कृ.४श.इ.५२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	६	१	३	१	१
२४	२०	१६	२६	०	१२	८	२४
१	४४	५०	३३	४७	३२	३७	७
९	२४	१७	२५	२४	३१	२०	८
५७	४४	६५	१/२	७३	५	३	५७
५	३७	३०	ब	५०	४३	११	२२

गोचरग्रहाः

आ. कृ. ११ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा.५ न. ५ कुमारावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ३० (धान्य भाव सम) क्रोदयः पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

१०पं.आ.कृ.११श.इ.५२।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	६	१	३	१	२
०	२५	२५	२५	९	१३	८	०
४०	५३	२६	५४	१६	१५	१५	४८
४७	१०	५३	२९	३४	४७	५	२५
५६	४४	४१	१/३	७३	६	३	५७
५७	२२	४५	ब	५३	४	११	१७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*च२शुश

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं०२००४ शाकः १८६६						दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४४५८स.१६४७
१	गु	४६	२०	मृ	५	४१	गं	१७	१३	कं	१६	२१	३४ २३	५ ७	५ ३	६ १	१६	४	२६	मिथुने
२	शु	४०	१३	आ	२२	५ ३४	बु	६	३३	गा	१३	१६	२३	७	५३	२०	५	३०		क.४३।४८
३	श	३४	६	पु	५३	२७	व्या	२८	५ २०	तै	७	११	२४	७	५३	२१	६	१		कर्के
४	र	२८	१८	श्ले	५०	१२	ह	४७	२५	व	१	१३	२४	७	५३	२२	७	२		सिं५०।१२
५	चं	२२	५६	म	४६	३३	व	४०	३६	गा	२२	५६	२४	७	५३	२३	८	३		सिंहे
६	मं	१८	१६	पू	४४	२३	सि	३४	२५	तै	१८	१६	२४	७	५३	२४	६	४		कं.५६।३
७	बु	१४	२५	उ	४३	३	व्य	२६	१७	व	१४	२५	२४	७	५३	२५	१०	५		कन्या
८	गु	११	३४	ह	४२	१२	व	२४	१४	ब	११	३४	२३	७	५३	२६	११	६		कन्या
९	शु	६	४६	चि	४२	५५	प	२०	४३	की	६	४६	२३	७	५३	२७	१२	७		तु.१२।३३
१०	श	६	१५	स्वा	४४	५६	शि	१७	५७	ग	६	१५	२२	८	५२	२८	१३	८		तुलायां
११	र	१०	८	वि	४८	१२	सि	१६	१०	वि	१०	८	२२	८	५२	२९	१४	९		वृ.३२।२३
१२	चं	१२	१	अ	५२	३५	सा	१५	२८	बा	१२	१	२१	८	५२	३०	१५	१०		वृश्चिके
१३	मं	१५	२२	ज्ये	५८	२	शु	१५	३७	तै	१५	२२	२०	८	५२	१	१६	११		ध.५८।२
१४	बु	१९	२८	मू	६०	०	शु	१६	३०	व	१९	२८	१९	८	५२	२	१७	१२		धनुषि
१५	गु	२४	६	मू	४	३	न	१७	५३	ब	२४	६	१८	८	५२	३	१८	१३		धनुषि

कर्के बुधः०।२१ [*२९ पातमोक्ष.४३।३२
चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा.
बृषेभौमः ३७।२४ सावान ८ पातस्पर्श.*
भ. १९ उ. २८ या.आर्द्रायांरविः११।२०÷
[÷दक्षिणायन प्रवृत्तिः १५।५४

भ. १४।२५ उ. ४२।५६ या.

मृगेशुक्रः २८।८ भद्रली ६
भ. ३६।४१ उ. पुष्येबुध ४४।२६
भ. १८ या.वकीबुधः ६४७ देवशयनी११ब्र.
या. प्रदोष.
जुलाई मा. ७ ता० ३१
भ. १२८ उ. ५४८ या. मिथुनेशुक्रः ५१।५३
व्यास पूजा.

११पं.आ.शु.४सू.इ.५२।४२

गोचरग्रहाः

इस मास में वर्षा कम होगी धूप अधिक पड़ेगी वदि पक्ष में समुद्रवर्ती देशों में वर्षा होगी ।

गोचरग्रहाः

१२पं.आ.शु.११सू.इ५२।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	६	१	३	१	२
१३	५	३	२४	२६	१४	७	१४
५७	५७	३७	५८	१८	४९	३०	९
१८	४	२३	५	३२	४१	३४	४३
५६	४३	१७	५३	७४	६	३	५७
५०	३४	ब	ब	८	३८	११	७

ति.	प्र.श्रावण कृष्णपक्षः सं०२००० शाकः१८६६						दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणे.आषाढ़ कृ.महाराष्ट्राः
१	शु	२८	५२	पू	१०	२१	ऐं	१६	२८	कौ	२८	५२	३४ ३७	५ ६ ६ १	४	१६	१४	म.२६।५८
२	श	३२	४३	उ	१६	४२	वैं	२०	०६	तै	१	१७	१६	६	५१	५	२०	१५		मकरे
३	र	३८	१४	अ	२२	३६	वि	२२	१४	व	५	५२	१४	६	५१	६	२१	१६		कु.५५।१७
४	चं	४१	२६	ध	२७	५६	प्री	२२	४७	ब	६	४४	१३	६	५१	७	२२	१७		कुम्भे
५	मं	४३	३६	श	३२	३१	आ	२२	४०	कौ	१२	३१	१२	१०	५०	८	२३	१८		कुम्भे
६	बु	४४	५६	पू	३५	२२	सो	२१	२६	ग	१४	१५	११	१०	५०	९	२४	१९		मी१९।३९
७	गु	४४	४६	उ	३७	१२	शो	१९	२६	वि	१४	५०	९	१०	५०	१०	२५	२०		मीने
८	शु	४३	१८	रे	३७	५०	अ	१६	१४	गा	१४	२	८	१०	५०	११	२६	२१		मे.३७।५०
९	श	४०	४०	अ	३७	३४	सु	१२	७	तै	११	५९	६	११	४९	१२	२७	२२		मेषे
१०	र	३७	०	भ	३६	७	धृ	७	६	व	८	५०	४	११	४९	१३	२८	२३		वृ.५०।१९
११	चं	३२	२८	कृ	३२	५४	शू	७ ७	५ ३ २८	ब	४	४४	२	१२	४८	१४	२९	२४		बृषे
१२	मं	२७	१०	रो	२९	४९	बृ	४७	५३	तै	२७	१३	३४ ०००	१२	४८	१५	३०	२५		मि५७।५६
१३	बु	२१	३३	मृ	२६	३	धु	४०	२८	व	२१	३३	३३ ५८	१२	४८	१६	३१	२६		मिथुने
१४	गु	१५	३३	आ	२१	३२	व्या	३२	५७	शु	१५	३३	५६	१३	४७	१७	१	२७		मिथुने
३०	शु	९	२३	पु	१७	५६	ह	२५	२२	ना	९	२३	५४	१३	४७	१८	२	२८		क ३।५०

वक्री पुनर्वसौ बुधः ५९।२१ सब्बरात
रोहिण्यां भौमः २६।५५
भ. ५।५२ उ.३८।१ या. पुनर्वसौ रविः*
चतुर्थी ब्र. [*१५ पश्चिमास्तोबुधः६।१४
आर्द्रायां शुक्रः २०।५३ नाग ५
भ. ४४।५४ उ.
भ. १४।५० या.

वक्री मिथुने दुधः ०।४८
भ. ८।५० उ. ३७।०या.
मार्गी गुरुः२४।१३ कामिका ११ ब्र.
सार्पे १ शनिः३।२१ कृतिकायां ३*
भ. २१३ उ. ८४३ या. कर्केऽर्कः ४८।५
[*राहुः मैत्रे १ केतु ४६।४५ प्रदोषः
हरियाली ३०

१३पं.प्र.श्रा.कृ.३र.इ.५२३२

गोचरग्रहाः

प्र. श्रावण कृष्णा १३बुधे कर्केऽर्कः प्र. का.४न.६वृद्धावस्था (बैठी) मुहूर्ताः१५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदयः पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

१४पं.श्रा.कृ.१०र.इ.५२२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	६	२	३	१	२
२७	१५	२८	२४	१३	१९	६	२७
१३	४९	४६	२५	२४	३१	४६	३०
२०	३०	२४	१७	११	४१	४	२९
५६	४२	३२	५	४७	७	३	५७
५५	५६	ब	ब	२०	२	११	११

*मं२शु२रा (सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्) ×शु२मंरा *रा.२मं.चं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	प्र श्रावण शुक्लपक्षः सं० २००४ शाकः १८६६	दि	उ.	अ.	इ.	हिं	मु.	चन्द्रः	वर्षाऋतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४४८८स १६४७

१	श	३	१७	पु	१	४७	ब	१७	५१	ब	३	१७	३३/५२	५/१४	६/६	१६	३	२६	कर्के
२	श	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	र	५१	५८	श्ले	६	५८	सि	१०	३३	तै	२४	४१	५०	१४	४६	२०	४	१	सिं६।५८
४	चं	४७	१४	म	६	५२	व्य	४०/५८	३/३	व	१६	३६	४८	१४	४६	२१	५	२	सिंहे
५	मं	४३	१८	पू	४	१७	व	५१	३६	ब	१५	१६	४५	१५	४५	२२	६	३	कं.१८।५०
६	बु	४०	२१	उ	२	३०	प	४१	५४	की	११	५०	४३	१५	४५	२३	७	४	कन्या
७	गु	३८	३०	ह	१	५३	शि	४३	१	ग	६	२५	४०	१६	४४	२४	८	५	तु. ३२।८
८	शु	३७	५६	चि	२	२३	सि	४०	३	वि	८	१३	३८	१६	४४	२५	६	६	तुलायां
६	श	३८	४१	स्वा	२	५८	सा	३८	८	ग्रा	८	१८	३५	१७	४३	२६	१०	७	बृ.५१।६
१०	र	४०	४६	वि	६	५२	शु	३७	१३	तै	६	४३	३२	१८	४२	२७	११	८	बृश्चिके
११	चं	४३	४४	अ	११	२	व्र	३७	१०	व	१२	१५	३०	१८	४२	२८	१२	६	बृश्चिके
१२	मं	४७	४६	ज्ये	१६	५	ऐं	३७	५६	ब	१५	४५	२७	१६	४१	२६	१३	१०	ध. १६।५
१३	बु	५२	२३	मू	२२	५	वै	३६	१०	की	२०	५	२४	१६	४१	३०	१४	११	धनुषि
१४	गु	५७	२६	पू	२८	२६	वि	४०	५१	ग	२४	५६	२१	२०	४०	३१	१५	१२	म.४५।२
१५	शु	६०	०	उ	३४	५१	प्री	४२	३१	वि	२६	४६	१८	२०	४०	१	१६	१३	मकरे
१५	श	२	४	श्र	४०	५४	आ	४३	४३	ब	२	४	१५	२१	३६	२	१७	१४	मकरे

चंद्र. पुनर्वसौ शुक्रः १६/३ अस्तं शनेः ५।१४

पुष्येरविः १८/४६ रमजान ६ रोजा

भ. १६।३६ उ. ४७।१४

भ. ३८।३० उ. मृगे भौमः ४८।२६×

भ. ८।१३ या.

[×पूर्वोदयीबुधः ५२।३६

कर्के शुक्रः २४।३३

भ. १२/१५ उ. ४३/४४ या. कमला ११ ब्र.

मार्गीबुध २६।१६

पुष्ये शुक्रः ५।४६ प्रदोषः

भ. ५७।२६ उ.

भ. ३६/४६ या. अगस्त ८ ता० ३१

१५ पं.प्र.श्रा.शु. ३ सू.इ. ५/१६/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	६	२	३	१	३
३	२०	२४	२४	२१	१७	६	४
३१	४१	४७	३७	५८	२४	२३	११
४८	२	४६	१६	३७	४	४८	१३
५६	४२	४०/१	१/१	७४	७	३	५७
५७	४०	बु	मा	२६	१४	११	१५

गोचरग्रहाः

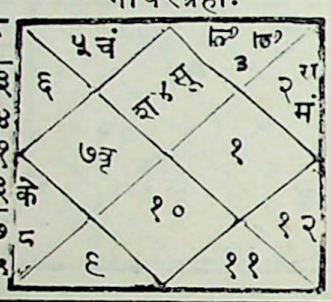

इस मास का फल साधारण है वर्षा अच्छी होगी कहीं२ वर्षा की कमी रहेगी जिससे प्रजा को कष्ट होगा।

गोचरग्रहाः

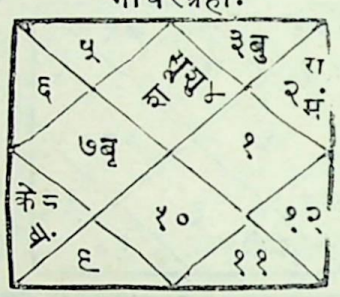

१६ पं.प्र.श्रा.शु.१० सू.इ. ५/२/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	६	३	३	१	३
१०	२५	२४	२४	०	१८	६	१०
३१	२८	४	४७	३४	१७	१	५२
६	५९	५९	५३	१२	३८	३३	१६
५७	४२	५२/७	२	७४	७	३	५७
५	८	बु	२०	२६	२०	११	२०

ति.	द्वि. श्रावण कृष्णपक्षः सं० २००४ शाकः १८६६	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्र	रविर्दक्षिवर्षर्तूगे अधिककृष्णेति महाराष्ट्राः

१	र	६	२३	ध	४६	२५	सो	४४	२७	की	६	२३	३३/१२	५/२२	६/३८	३	१८	१५	कु. १३।३६
२	चं	६	५५	श	५१	५६	शो	४४	३८	ग	६	५५	६	२२	३८	४	१६	१६	कुम्भे
३	मं	१२	४६	पू	५४	१३	अ	४३	३०	वि	१२	४६	६	२३	३७	५	२०	१७	मी३८।३६
४	बु	१३	३४	उ	५६	२०	सु	४१	३३	बा	१३	३४	३	२३	३७	६	२१	१८	मीने
५	गु	१३	३५	रे	५७	१८	धृ	३८	३५	तै	१३	३५	३०/०	२४	३६	७	२२	१६	मे. ५७।१८
६	शु	१२	१२	अ	५६	५२	शू	३४	३३	व	१२	१२	३/५७	२५	३५	८	२३	२०	मेषे
७	श	६	४०	भ	५५	२४	गं	२६	३८	ब	६	४०	५४	२५	३५	६	२४	२१	मेषे
८	र	६	६	कृ	५३	०	बृ	२३	५५	की	१	६	५०	२६	३४	१०	२५	२२	बृ. ६।४८
६	चं	१	३६	रो	५०	१०	धु	१७	२६	ग	१	३६	४७	२७	३३	११	२६	२३	बृषे
१०	चं	५४	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	मि १८।१३
११	मं	५०	४६	मृ	४६	१७	व्या	१०	३२	ब	२३	३६	४३	२७	३३	१२	२७	२४	मिथुने
१२	बु	४४	५३	आ	४२	२३	ह	३/३	५३/२४	की	१६	५१	४०	२८	३२	१३	२८	२५	क. २६।१७
१३	गु	३८	४८	पु	३८	१५	सि	४७	५७	ग	११	५१	३६	२६	३१	१४	२६	२६	०
१४	शु	३२	४१	पु	२४	७	व्य	४०	२५	वि	५	४५	३३	२६	३१	१५	३०	२७	कर्के
३०	श	२६	४२	श्ले	३०	१६	व	३२	५८	ना	२६	४२	३०	३०	३०	१६	३१	२८	सिं ३०।१६

आश्लेषायां रविः १६/३४ मिथुने भौमः ३३/३१

भ. ४१।२२ उ.

भ. १२।४६ या. चतुर्थी ब्र.

कर्के बुधः २३।३१

भ. १२/२ उ. ४०/५६ या. पुष्येबुधः २३।४

सार्पे शुक्रः ५६।४० पू.अ.शु.

सार्पे २ शनिः ६।४२

भ. २६।४ उ. ५६।२६ या.*

[*पूर्वास्तोभृगुः १३।४८

कमला ११ ब्र. स्मा.

आर्द्रायांभौमः ३६/३५ कमला ११ब्र. वै. नि

भ. ३८।४८ उ.

भ. ५।४५ या.

सार्पे बुधः २७/८ पू. वास्तं बुधः १।१०

१७ पं.द्वि.श्रा.कृ.१ सू.ई. ५/५/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	६	३	३	१	३
१७	०	२८	२५	१९	१९	५	१७
१०	१३	१८	७	११	११	२९	३३
५४	१	१८	१६	२	७	१७	५८
५७	४१	४०/१६	३	७४	७	३	५७
१२	३६	मा	१०	३१	२०	११	२४

गोचरग्रहाः

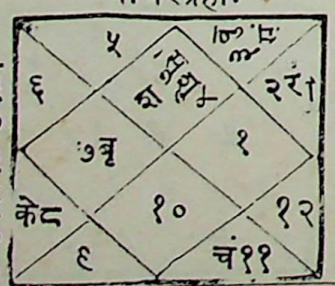

इस मास में धान्य रुई घृत चांवल मोठ बाजरा अफीम अजवाण जायफल मंदा होगा वर्षा श्रेष्ठ होगी।

गोचरग्रहाः

१८ पं.द्वि.श्रा.कृ८ स्.इ. ५/५/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	६	३	३	१	३
२३	४	७	२५	१७	२०	५	२४
५२	५३	४	३४	४८	५	१७	१६
२	३८	४८	५५	३२	३१	२	२५
५७	४१	९०	४	७४	७	३	५७
२२	१७	४०	४८	३२	२०	११	३३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं.२००४ शाकः १८६६									दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चंद्र	वर्षातूं रविरुत्तरेऽहर्गणः४५१७सन्१६४७
१	र	२१	२२	म	२७	०	प	२५	५८	व	२१	२२	३ ३	५ ०	६ २	१७	३१	२६	सिंहे	मघयासिंहेऽर्कः१६।१ चन्द्रदर्शनम्
२	चं	१६	३३	पू	२४	६	शि	१३	२६	को	१६	३३	२२	३२	२८	१८	१	१	कं ३८।३७	सव्वाल १० सिंधारा. ईद.
३	मं	१२	३६	उ	२२	१	सि	१३	३१	ग	१२	३६	१८	३२	२८	१६	२	२	कन्या	भ.४१।६उ.तीज मधुश्रवा३ वरद ४
४	बु	६	३६	ह	२१	१२	सा	८	३२	वि	६	३६	१५	३३	२७	२०	३	३	तु.५१।१६	भ.६।३६या.मघायां शुक्रः४३।१५
५	गु	७	४	चि	२१	२६	शु	४	२२	वा	७	४	११	३४	२६	२१	४	४	तुलायां	नागपंचमी
६	शु	७	७	स्वा	२२	४६	शु	१ १	५ ४७	वै	७	७	८	३४	२६	२२	५	५	तुलायां	विशाखायां ३ गुरुः १०।४
७	श	७	५१	वि	२५	२३	ऐं	५७	४७	व	७	५१	४	३५	२५	२३	६	६	वृ.६।४४	भ.५ १ उ.३ ६ या.मघायांबुधः५ ६ तुलसीज.
८	र	६	४२	अ	१६	१८	वै	५७	३३	व	६	४२	३ २ ० ०	३६	२४	२४	७	७	बृश्चिके	उदयं शनि. १६।४६ दुर्गा८
६	चं	१२	४६	ज्ये	३४	१६	वि	५८	६	को	१२	४६	३ १ ५ ६	३७	२३	२५	८	८	ध ३४।१६	[* फूफायांशुक्रः २६।३३
१०	मं	१६	५१	मू	४०	७	प्री	५६	४३	ग	१६	५१	५२	३८	२२	२६	६	६	धनुषि	भ. ४६।१६ उ.
११	बु	२१	३०	पू	४६	१६	आ	६०	०	वि	२१	३०	४८	३८	२२	२७	१०	१०	धनुषि	भ. २१।३० या. पवित्रा ११ ब्र.
१२	गु	२६	२५	उ	५२	४४	आ	०	४८	वा	२६	२५	४४	३६	२१	२८	११	११	म.२।५५	प्रदोषः पवित्रार्पण१२ अगस्त्योदयः १ ५ २ ६
१३	शु	३१	१८	श्र	५८	३६	सौ	२	२६	तै	३१	१८	४०	४०	२०	२६	१२	१२	मकरे	फूफायां बुधः५ ३ १ ० ऋग्वेदीनांश्रावणी
१४	श	२५	४१	ध	६०	०	शो	३	४२	ग	३	४८	३६	४१	१६	३०	१३	१३	कुं ३१।३०	भ. ३५।४१ उ.
१५	र	३६	१७	ध	४	२२	अ	४	३०	वि	७	२६	३२	४२	१८	३१	१४	१४	कुम्भे	भ. ७।२६ या. फूफायां रविः ६।५२*

१६प.द्वि.श्रा.शु.१सू.इ.५ १ ४ १

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	६	३	३	१	४
०	९	१९	२६	२६	२०	४	०
३४	३०	२६	१०	२६	५९	५४	५९
१५	४	५६	२६	५३	१०	४७	४६
५७	४०	५९	५	७४	७	३	५७
३७	४१	२८	५६	३२	१४	११	४०

२०पं.द्वि.श्रा.कृ.८सू.इ.५ १ ३ १

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	६	४	३	१	४
७	१४	३	२६	५	२१	४	७
१७	२	२४	५४	६	५१	३२	४४
४९	२४	३६	११	११	५४	३१	१७
५७	४०	५०	६	७४	७	३	५७
४५	१४	४९	४७	३८	८	११	४८

२१पं.द्वि.श्रा.शु.१५सू.इ.५ १ २ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	६	४	३	१	४
१४	१८	१७	२७	१५	२२	४	१४
३	३०	४	४२	४७	४४	१०	२९
१	२९	३०	४०	१०	१०	१६	५३
५७	३९	५९	७	७४	७	३	५८
५७	४८	५२	५५	३८	२	११	१

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २००४ शाकः १८६६									दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्र	वर्षातूं रविर्दक्षिणेश्रावणकृष्णेति महाराष्ट्रा
१	चं	४१	५२	श	६	४	सु	४	३६	वा	१०	३४	३ २	४ २	६ १८	१	१५	१५	मी५६।५३	सितम्बर मा ६ ता ३०
२	मं	४३	१८	पू	१२	४६	धृ	३	१८	तै	१२	३७	२५	४३	१७	२	१६	१६	मीने	
३	बु	४३	२४	उ	१५	०	शु	२ १	५ ४७	व	१३	२१	२२	४४	१६	३	१७	१७	मोने	भ.१ २ ३ १ उ.४ ३ ५ ४ या.पुनर्वसौभौमः२ ६ ० कज्जली३
४	गु	४२	११	रे	१६	१७	वृ	५५	३७	ब	१२	४८	१८	४४	१६	४	१८	१८	मे.१६।१७	चतुर्थी ब्र.
५	शु	३६	४४	अ	१६	१५	ध्रु	५०	३७	को	१०	५७	१४	४५	१५	५	१६	१६	मेषे	सार्पे ३ शनिः ३६।५ चन्द्र ६
६	श	३६	१८	भ	१४	५८	व्या	४५	४	ग	८	१	१०	४३	१४	६	२०	२०	बृ.२६।२५	भ.३६।१८उ.उफायां बुधः६।५४ हल६
७	र	३२	२	कृ	१२	४५	ह	३८	४४	वि	४	१३	६	४७	१३	७	२१	२१	बृषे	भ. ४।१३ या. श्रीकृष्ण ज. स्मा.
८	चं	२६	५८	रो	६	४६	व	३१	५१	को	२६	५८	२	४८	१२	८	२२	२२	मि३८।६	कन्यायां बुधः४ ४ ० कृष्णजन्माष्टमीव्र. वै.
६	मं	२१	२०	मृ	६	२७	सि	२४	३०	ग	२१	२०	३ ५ ० ८	४८	१२	६	२३	२३	मियुने	भ. ४८।२४ उ. गोगा ६
१०	बु	१५	२६	आ	२ २	५ ५	व्य	१६	५३	वि	१५	२६	५४	४६	११	१०	२४	२४	क.४४।२१	भ. १५।२६ या.
११	गु	६	२४	पु	५४	८	व	६	१३	वा	६	२४	४६	५०	१०	११	२५	२५	कर्के	उफायां शुक्रः १४।० अजा ११ ब्र.
१२	शु	३	२२	श्ले	५०	१५	प	३ ५	५ २ २ ५	तै	३	२२	४५	५१	६	१२	२६	२६	सिं५०।१५	भ. ५ ७ ३ ६ उ.पश्चिमोदयीबुधः५ १ ७ वत्स१२प्र.
१३	शु	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[*बुधः३६।१६ कन्यायां शुक्रः५५।१३
१४	श	५२	८	म	४६	३८	सि	४६	५४	वि	२४	५२	४१	५२	८	१३	२७	२७	सिंहे	भ.२५।५२या.उफायां रवि५१।२१हस्ते *
३०	र	४७	१७	पू	४३	४०	सा	४०	१०	च	१६	४२	३७	५३	७	१४	२८	२८	कं.५८।१०	लोहार्गल स्नानं.पिटोरी३०कुशाग्र.सतीप.

२२पं.भा.कृ७सू.इ.५१।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	६	४	३	१	४
२०	२२	२९	२८	२२	२३	३	२१
४९	५४	४३	३९	२७	३५	४८	१६
४१	२९	२३	७	४७	१०	१	५९
५८	३९	५९	८	७४	६	३	५८
१२	१८	५३	४८	३८	४४	११	१३

गोचरग्राह

इस मास में बुध शुक्र का योग है सो वर्षा श्रेष्ठ होगी रुई मूत कमास धान्य चांवल जौ गेहूँ मन्दा होगा।

गोचरग्रहाः

२३पंभा.कृ.३०सू.इ.५१।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	५	३	१	४
२७	२७	११	२९	१	२४	३	२८
३८	१३	५६	४१	९	२४	२५	५
५	१२	३०	१३	२९	११	४५	२४
५८	३८	९७	९	७४	६	३	५८
२९	३८	२८	३८	३८	३१	११	२६

* श.बु.शु.

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्ष. स.२००४ शाकः १८६९									दि	उ.	अ	इ.	हि.	मु.	चंद्र	वर्षतूर्रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५४६स.१९४७
१	चं	४३	२२	उ	४१	४१	शु	३४	४	क	१५	२१	३० ३२	५५ ५४	६ ६	१५	२९	२९	कन्या
२	मं	४०	२३	ह	४०	५	शु	२८	४६	ग	११	५२	२८	५४	६	१६	३०	३०	कन्या
३	बु	३८	३३	चि	४०	१९	न	२४	१७	तै	९	२८	२४	५५	५	१७	३१	१	तु.१०।१२
४	गु	३७	५८	स्वा	४१	२०	ऐं	२०	५०	व	८	१५	२०	५६	४	१८	१	२	तुलायां
५	शु	३८	४४	वि	४३	४२	वै	१८	१४	ब	८	२१	१६	५७	३	१९	२	३	वृ.२८।७
६	श	४०	२६	अ	४७	२१	वि	१६	४४	की	९	४०	१२	५८	२	२०	३	४	बृश्चिके
७	र	४३	४०	ज्ये	५२	२	मी	१६	१४	ग	१२	८	८	५८	२	२१	४	५	ध.५२।२
८	चं	४७	४९	मू	५७	४०	आ	१६	३८	वि	१५	४४	४	५९	१	२२	५	६	धनुषि
९	मं	५२	३३	पू	६०	५	सो	१७	३७	चा	२०	११	३० ०००	०० ००	६ ६	२३	६	७	धनुषि
१०	बु	५७	२९	पू	३	४८	शो	१८	५७	तै	२५	१	२५ १	५९ ५९	६ ६	२४	७	८	म.२०।२३
११	गु	६०	०	उ	१०	८	अ	२०	३२	व	२९	५९	५१	२	५	२५	८	९	मकरे
११	शु	२	३०	श्र	१६	२२	सु	२१	४७	वि	२	३०	४६	३	५	२६	९	१०	कु.४९।१६
१२	श	७	१	ध	२२	१०	धू	२२	४०	चा	७	१	४२	४	५	२७	१०	११	कुम्भे
१३	र	१०	४४	श	२७	२	शु	२२	५०	तै	१०	४४	८	४	५	२८	११	१२	कुम्भे
१४	चं	१३	२७	पू	३१	११	गं	२२	१६	व	१३	२७	३४	५	५	२९	१२	१३	मी.१५।१
१५	मं	१४	५८	उ	३३	३२	बृ	२०	३५	ब	१४	५८	३०	६	५	३०	१३	१४	मीने

वर्षा [*११वै.नि. वामनजयती
चंद्रद.विशाखायां ४बृश्चिके च गुरुः ४८।४
कन्यायामर्कः १६/२ जिल्काद ११ ३
भ. ८।१५ उ. २७।५८ या. गणेश ४
कर्के भौमः ३४।१३ ऋषि ५
[¡कृत्तिकायां २राहुः विशाखायां ४केतुः ३/२ ९/८
भ. ४३।४० उ. हस्ते शुक्रः ५७।२६
भ. १५/४४ या.चित्रायां बुधः १।३२

पुष्ये भौमः ४८।५३
भ. २९।५९उ.जलझूलनी११ ब्र. स्मा.
भ. ३०/२या.तुलायां बुधः ३/६ जलझूलनी*
हस्तेरविः २/९०पश्चिमोदयीशुक्रः ४/२०प्रदोषः
शतभे वर्षा
भ.१३/२उ. ४/१२या.अनंत १४ प.उ.शु.
महालयारंभःप्रौष्ठपदी १५

२४पं.भा.शु.७सू.इ.५०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	७	५	३	१	५
४	१२	२३	०	९	२५	३	४
२८	२६	३	४८	५१	११	३	५५
१०	५३	५४	४०	५४	१०	३०	१६
५७	२८	९१	१०	७४	६	३	५८
४५	८	२२	३२	१६	११	३८	

गोचरग्रहाः

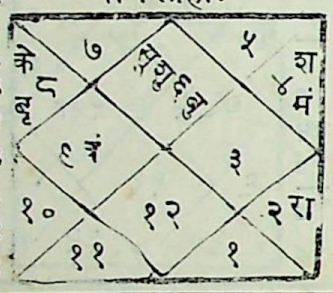

भाद्रपद शुक्ला ३ बुधे
कन्यायामर्कः प्र.बा.
४न. ५ प्रौढावस्था
(बैठी) मुहूर्ताः ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रास्तः वर्स्याम्

गोचरग्रहाः

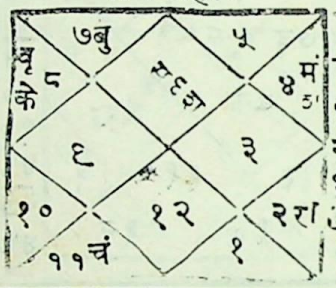

२५पं.भा.शु.१३स.इ.५०/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	७	५	३	१	५
११	५	३	२	१८	२५	२	११
२०	३४	१९	०	३४	५५	४१	४६
१६	४१	२३	५८	४८	१९	१४	५५
५९	२७	८६	१०	७४	५	३	५८
०	२२	१५	५९	३२	५०	११	५३

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं.२ ०४ शाक १८६९									दि	उ.	अ.	इ	हि	मु	चंद्रः	शरदृतूंरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृ. महाराष्ट्राः
१	बु	१५	१२	रे	३५	१	शु	१८	३	की	१५	१२	२९ २९	६ ७	५५ ५३	१	१४	१५	मे.३५।१
२	गु	१४	२	अ	३५	१९	व्या	१४	०	ग	१४	२	२२	८	५२	२	१५	१६	मेषे
३	शु	११	४२	भ	३४	१७	ह	९	४६	वि	११	४२	१८	८	५२	३	१६	१७	वृ. ४८।४४
४	श	८	२३	कृ	३२	६	व	१८/१९	५४/५१	चा	८	२३	१४	९	५१	४	१७	१८	वृषे
५	र	४	१०	रो	२९	७	व्य	५१	१०	तै	४	१०	१०	१०	५०	०	१८	१९	मि ५७।३४
६	र	५५	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५	०	०	०
७	चं	५३	४०	मृ	२६	२	व	४३	५४	वि	२६	२६	६	११	४९	६	१९	२०	मिथुने
८	मं	४८	०	आ	२२	१७	प	३६	१२	चा	२०	५३	२	१२	४८	७	२०	२१	मिथुने
९	बु	४१	५४	पु	१८	५	शि	२८	३०	तै	१४	५७	२८/५८	१२	४८	८	२१	२२	क. ४।८
१०	गु	३५	५६	पु	१३	५६	सि	२०	४५	व	८	५५	५४	१३	४७	९	२२	२३	कर्के
११	शु	३०	१२	श्ले	१०	३	सा	१३	४	ब	३	४	५०	१४	४६	१०	२३	२४	सिं १०।३
१२	श	२४	५०	म	६	२६	शु	४४/४५	५३/५५	तै	२४	५०	४६	१५	४५	११	२४	२५	सिंहे
१३	र	२०	३	पू	३	१७	न	५२	२९	व	२०	३	४२	१६	४४	१२	२५	२६	कं. १७।४४
१४	चं	१६	१३	उ	१/४	५८/५५	ऐं	४६	५५	श	१६	१३	३८	१६	४४	१३	२६	२७	कन्या
२०	मं	१३	२०	चि	५९	९	वै	४२	८	ना	१३	२०	३४	१७	४३	१४	२७	२८	तु. २९।१९

अक्टूबर मा. १० ता ३१ स्वात्यां+
भ. ४२।५२ उ.चित्रायां शुक्रः ३८।५२
भ. ११।४२ या चतुर्थी ब्र.

भ. ५९।१३ उ. [+बुधः १०।२१

भ. २६।२६ या. मैत्रे १ गुरुः २।५१÷
[÷सार्पे ४ शनिः २३।३५
तुलायां शुक्रः १।५ सौभाग्यवतीनां*
भ. ८।५५उ.३५।५६या. [*श्रा.मातृ९
चित्रायां रविः ५९।४७ इंदिरा ११ ब्र.
प्रदोषः
भ. २०।३ उ.४८।८ या. विशाखायां ¡
स्वात्यां शुक्रः २१।२६
सर्वपितृ ३० [!बुधः १७।३३

२६पं.आ.कृ.५सू.इ.५०।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	७	५	३	१	५
१८	९	१२	३	२७	२६	२	१८
१४	२६	३७	१७	१८	३७	१८	४०
५	४३	३७	३८	४	१	५९	१२
५९	२६	८०	११	७४	५	२	५९
१६	४२	२४	३७	२९	२६	११	९

गोचरग्रहाः

इस मास मेंपांचबुध-वार रसकस की तेजी व्यापार में फेरफार अधिक, शनि मंगल का योग है सो कहीं उपद्रवहोगा।

गोचरग्रहाः

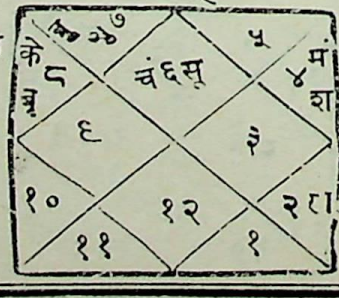

२७पं.आ.कृ.१३सू.इ.५०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	७	६	३	१	५
२५	१३	२०	४	६	२७	१	२५
९	३१	३८	३८	१	१५	५६	३५
४७	३४	४९	६	३४	७	४४	१०
५९	२५	७०	१२	७४	४	३	५९
३१	५४	४८	१४	२६	५८	११	२१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं २००४ शाकः १८६६										दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरद्दृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५७६स. १६४७
१	बु	११	३३	स्वा	५६	५५	वि	२८	४५	ब	११	३३	३८/३०	६/१८	५/४३	१५	२८	२६	तुलायां	नवरात्रारं. घटस्था.
२	गु	११	४	वि	६०	०	मी	३५	३४	कौ	११	४	२६	१६	४१	१६	२६	३०	वृ. ४६।१३	चन्द्रद.
३	शु	११	५२	वि	१	३६	आ	३३	४४	ग	११	५२	२२	२०	४०	१७	३०	१	बृश्चिके	भ. ४/३ ३/१ उ. तुलायामर्कः ४/३ जिव्हेज १२
४	श	१२	५५	अ	५	२०	सो	३२	५४	वि	१२	५५	१८	२०	४०	१८	१	२	बृश्चिके	भ. १२।५५ या. सार्पे भौमः ४१।५३
५	र	१६	५८	ज्ये	६	४४	शो	३२	५६	वा	१६	५८	१४	२१	३६	१६	२	३	ध. ६।४४	[*व्रतं. का. स्ना. प्रा.
६	चं	२१	१२	मू	१५	११	अ	३३	४४	तै	२१	१२	१०	२२	३८	२०	३	४	धनुषि	सरस्वत्यावाहनं.
७	मं	२६	१	पू	२१	२	सु	३४	५०	ब	२६	१	६	२३	३७	२१	४	५	म. ३७।४०	भ. २६।१ उ. ५८।३३ यां.
८	बु	३१	४	उ	२७	३३	धृ	३६	१६	ब	३१	४	२	२४	३६	२२	५	६	मकरे	मैत्रे २ गुरु. ५३।१६ दुर्गा पू.
९	गु	३६	१०	श्र	३३	५७	शू	३७	४४	वा	३	३७	२७/५८	२४	३६	२३	६	७	मकरे	सरस्वतीविसर्जनं
१०	शु	४०	४७	ध	३६	४६	गं	३८	३१	तै	८	२६	५४	२५	३५	२४	७	८	कु. ६।५१	स्वात्यां रविः २३।३१ विशाखायां×
११	श	४४	३२	श	४५	७	वृ	३८	४८	ब	१२	३६	५०	२६	३४	२५	८	९	कुम्भे	भ. १२/३ ६/३ उ. ४४/३२ या. पापांकुशा ११ ब्र.
१२	र	४७	१८	पू	४६	१०	धु	३८	२२	ब	१५	५५	४६	२७	३३	२६	९	१०	मी ३३।९	[×शुक्रः ०।१२ बौद्ध ज. विजया १०
१३	चं	४८	५६	उ	५२	१५	व्या	३६	५६	कौ	१८	७	४२	२८	३२	२७	१०	११	मीने	वक्रा बुधः २०।७ प्रदोषः
१४	मं	४६	१६	रे	५३	३०	ह	३४	४५	ग	१६	६	३८	२८	३२	२८	११	१२	मे. ५३।३०	भ. ४६।१६ उ.
१५	बु	४८	११	अ	५४	१६	व	३१	८	वि	१८	४४	३५	२९	३१	२९	१२	१३	मेषे	भ. १८।४४ या. शरत् १५. कोजागर्ति*

२८ पं.आ.शु.५सू.इ.५०।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	७	६	३	१	६
२	१७	२६	६	१४	२७	१	२
७	१९	३३	१	४६	४९	३४	३१
१६	५३	११	५२	१९	४८	२८	३७
५९	३५	५२	१२	७४	४	३	५९
४६	१	९	३०	२६	३७	११	३४

गोचरग्रहाः

आश्विन शुक्ला३शुक्रे तुलायामर्कः प्र.वा.३ न.४बृद्धावस्था(बैठी) मुहूर्ताः ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

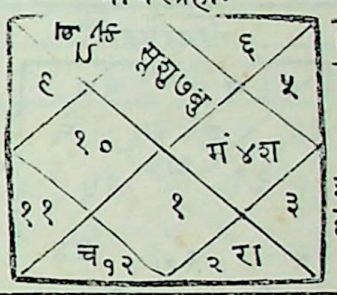

२९पं.आ.शु.१२सू.इ.५०।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	७	६	३	१	६
९	२०	२८	७	२३	२८	१	९
६	५८	२४	२५	३०	२०	१२	२९
३९	१२	१८	२६	२९	१७	१३	५६
६०	२४	५	१२	७४	३	३	५९
२	०	५२	५६	२०	५६	११	४७

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६६										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरद्दृतूरविर्दक्षिणेऽआश्विनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४५	५४	भ	५३	३१	से	२६	४५	आ	१७	३	२७/३१	६/३०	५/३०	३०	१३	१४	मेषे	
२	शु	४२	३७	कृ	५१	४४	व्य	२१	२४	तै	१४	१४	२७	३१	२९	३१	१४	१५	वृ. ८।४	पश्चिमास्तो बुधः २१।३४
३	श	३८	२९	रो	४९	६	व	१५	१७	व	१०	३३	२४	३१	२९	१	१५	१६	वृषे	भ. १/३ ३/३ उ. ३/२ ८/९ या. नवंबरमा. ११ता. ३०=
४	र	३३	३७	मृ	४६	४४	प	८	२९	व	६	३	२०	३२	२८	२	१६	१७	मि १७।५५	[=बृश्चिके शुक्रः १।५ करक ४
५	चं	२८	१०	आ	४२	३	शि	१/१८	५/२२	को	०	५३	१७	३३	२७	३	१७	१८	मिथुने	मैत्रे शुक्रः ४२।३६
६	मं	२२	२६	पु	३८	०	सा	४५	५७	व	२२	२६	१३	३३	२७	४	१८	१९	क. २४।१	भ. २२।२६ उ. ४९।२९ या.
७	बु	१६	३२	प	३३	५३	शु	३८	६	ब	१६	३२	१०	३४	२६	५	१९	२०	कर्के	वक्री स्वात्यां बुधः ३४।३५ होई ८
८	गु	१०	३६	श्ले	२९	५४	शु	३०	२५	को	१०	३६	६	३५	२५	६	२०	२१	सिं २९।५४	विशाखायां रविः ४०।५६
९	शु	४	३८	म	२६	९	ा	२२	५३	ग	४	३८	३	३५	२५	७	२१	२२	सिंहे	भ. ३/१ २/० उ. ५/४ ९/३ या. मैत्रे ३ गुरुः ४२।५७
१०	शु	५५	५	०	०	०	०	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	श	५५	३	पू	२३	५५	ऐं	१५	४८	ब	२७	३३	२/५९	३६	२२	८	२२	२३	क. ३८।१	रमा ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	र	५१	०	उ	२०	२०	वै	६	१०	को	२३	५	५६	३७	२३	९	२३	२४	कन्या	रमा ११ ब्र. निम्बा. गोवत्स पू.
१३	चं	४८	३१	ह	१८	३१	वि	३/२०	५/४९	ग	१९	४९	५२	३८	२२	१०	२४	२५	तु. ४८।१४	भ. ४/३ ८/१ उ. धन १३ थमदीपदानं.
१४	मं	४६	५०	चि	१७	५८	आ	५४	१५	वि	१७	४०	४९	३८	२२	११	२५	२६	तुलायां	भ. १७।४० या. रूप १४ नरक १४
३०	बु	४६	२७	स्वा	१८	२६	सो	५१	३	च	१६	३९	४६	३९	२१	१२	२६	२७	तुलाया	महालक्ष्मी पूजनम्

३० पं का.कृ.४सू.इ.४९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	७	७	३	१	६
१६	२४	२३	८	२	२८	०	१६
७	३३	२९	५७	१४	४६	४९	२९
४३	५४	१३	२२	४६	१९	५८	४२
६०	२२	७/१८	१२	७४	३	३	६०
१८	२०	बु	१४	१७	२२	११	४

गोचरग्रहा

इस मास में पांच गुरु पांच शुक्र हैं सो प्रजा में सुख शांति होगी धान्य मंदा घृत तैल गुड़ खांड़ लाख तेज ।

गोचरग्रहाः

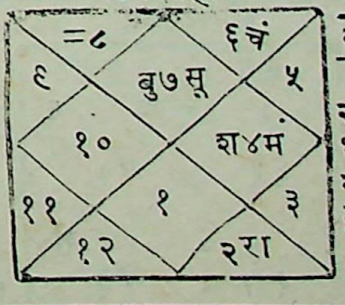

३१ पं.का.कृ.१२सू.इ. ४/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	७	७	३	१	६
२३	२७	१५	१०	१०	२९	०	२३
१०	४६	६	२८	५८	७	२७	३१
२१	२६	११	२३	४८	५२	४२	५
६०	३१	४/४०	१३	७४	२	३	६०
३०	८	बु	२६	८	३५	११	१७

*शु.८के.बु. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) =के.८बु.शु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४६०५ स. १९४७
१	गु	४७	२३	वि	२०	२	शो	४८	४५	कं	१६	५५	२६/४३	६/३६	५/२१	१३	२७	२८	बृ. ४।३८	अन्नकूटं व्यापारः सं० २००४
२	शु	४९	२७	अ	२३	११	अ	४७	३५	ना	१८	२५	४०	४०	२०	१४	२८	२९	वृश्चिके	चद्रद.मार्गीबुधः २५/४५ ज्येष्ठायां शुक्रः २०/४२*
३	श	५२	४४	ज्ये	२७	२७	सु	४७	१७	तै	२१	६	३७	४१	१९	१५	२९	१	ध. २७।२७	मघायांसिंहे भौमः ४/३ महोरं म १स. १३६७
४	र	५७	३	मू	३२	४१	धृ	४७	५२	व	२४	५३	३४	४२	१८	१६	३०	२	धनुषि	भ. २/५ ४/३ उ. ५/३ या. बृश्चिकेऽर्कः ३५।१४
५	चं	६०	०	पू	३८	३६	शू	४८	४६	ब	२९	३०	३१	४२	१८	१७	१	३	म. ४५।११	[*यम २ भ्रातृ २ कलमदवात पू.
५	मं	१	५७	उ	४४	५८	गं	५०	४	ना	१	५७	२९	४३	१७	१८	२	४	मकरे	अस्तं गुरुः ३/४/८ मेषेराहुः तुलायां केतुः ३/१/३
६	बु	७	८	श्र	५१	२३	बृ	५१	२६	तै	७	८	२६	४३	१७	१९	३	५	मकरे	अनुराधायां रविः ५३।२ अ.गु.
७	गु	१२	१९	ध	५७	२०	ध्रु	५२	२७	व	१२	१९	२४	४४	१६	२०	४	६	कु. २४।२१	भ. १२।१९ उ. ४४।३८ या. गोपाट
८	शु	१६	५८	श	६०	०	व्या	५२	५२	ब	१६	५८	२१	४४	१६	२१	५	७	कुम्भे	[×पचं भीष्म ५ ताजिया
९	श	२०	४८	श	२	४७	ह	५२	३९	कौ	२०	४८	१८	४५	१५	२२	६	८	मी ५१।४	मैत्रे ४ गुरुः ४/४६ कुष्मांड ९ अक्षय ९
१०	र	२३	३५	पू	७	९	व	५१	२७	ग	२३	३५	१६	४५	१५	२३	७	९	मीने	भ. ५४।२३ उ.
११	चं	२५	१२	उ	१०	२१	सि	४९	१७	वि	२५	१२	१३	४६	१४	२४	८	१०	मीने	भ. २/१ ५/३ या. प्रबोधिनी ११ ब्र. तुलसीवि.×
१२	मं	२५	३१	रे	१२	१८	व्य	४९	६	ना	२५	३१	११	४६	१४	२५	९	११	मे. १२।१८	विशाखायां बुधः १/९ धनुषिशुक्र ४।३४
१३	बु	२४	२७	अ	१३	६	व	४२	०	तै	२४	२७	८	४७	१३	२६	१०	१२	मेषे	वैकुण्ठ १४
१४	गु	२२	११	भ	१२	४०	प	३६	५१	व	२२	११	६	४७	१३	२७	११	१३	बृ २७।१५	भ. २२।११ उ. ५०।३३ या.
१५	शु	१८	५६	कृ	१०	५९	शि	३०	५५	ब	१८	५६	३	४७	१३	२८	१२	१४	बृषे	पुष्करयात्रा. का. स्ना. पु.

३२पं.का.शु.४सू.इ.४९।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	७	७	३	१	७
०	०	१२	१२	१९	२९	०	०
१४	५२	३३	०	४३	२३	५	३३
२६	१९	१८	५८	३७	५३	२७	५०
६०	२९	३५/३७	१३	७४	१	३	६०
४०	४६	मा	३२	२	५४	११	३०

गोचरग्रहा

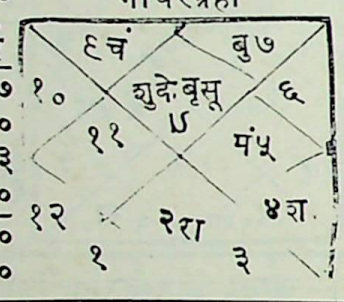

कार्तिक शुक्ला ४ रवौ बृश्चिकेऽर्कः प्र. वा.३ न.४ बृद्धावस्था (बैठी) मुहूर्ता ३० (धान्य भावसम) शुक्रोदयः

गोचरग्रहाः

३३पं.का.शु.१०सू.इ.४/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	७	७	३	०	७
७	३	१७	१३	२८	२९	२९	७
२०	४६	५३	३४	२७	३५	४३	३७
०	१२	३५	२६	१४	१०	११	४८
६०	२७	८३	१३	७३	१	३	६०
५३	४४	३८	३८	५६	१३	११	४२

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष सं. २००४ शाकः १८६९										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणेका.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	१४	४८	रो	८	३८	सि	२४	१८	कौ	१४	४८	२६/०	६/४८	५/२	२९	१३	१५	मि ३७।८	
२	र	९	५४	मृ	५	३८	सा	१७	७	ग	९	५४	२५/५८	४८	१२	३०	१४	१६	मिथुने	भ. ३७।१० उ.
३	चं	४	३०	आ	४/९	५५/५९	शु	९	३५	वि	४	३०	५६	४९	११	१	१५	१७	क. ४३।४५	भ. ३/० ४/० या. दिसंबर मा. १२ ता. ३१*
४	चं	५४	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [*चतुर्थीब्र.
५	मं	५३	०	पु	५३	४३	शु	४/०	५३/१४	कौ	२५	५५	५४	४९	११	२	१६	१८	कर्के	बृश्चिके बुधः ३८।५८
६	बु	४७	१०	श्ले	४९	३३	ऐं	४६	५	ग	२०	५	५२	५०	१०	३	१७	१९	सि ४९।३३	भ. ४७।१० उ. ज्येष्ठायां रविः ०।१
७	गु	४१	३६	म	४५	३८	वे	३८	२३	वि	१४	२३	५१	५०	१०	४	१८	२०	सिंहे	भ. १४।२३ या.
८	शु	३६	३१	पू	४२	२२	वि	३१	१०	वा	९	३	४९	५०	१०	५	१९	२१	कं. ५६।४०	मैत्रे बुधः २०।४४ पूषायां शुक्रः ४३।१४×
९	श	३१	५५	उ	३९	३६	प्री	२४	२२	तै	४	१३	४८	५०	१०	६	२०	२२	कन्या	[×वक्री शनिः ८।५३
१०	र	२८	१७	ह	३७	४१	आ	१८	९	व	००	१६	४६	५१	९	७	२१	२३	कन्या	भ. ९/६ उ. २५/१७ या. ज्येष्ठायां १गुरुः ३६।७
११	चं	२५	३६	चि	३६	५२	सौ	१२	५४	वा	२५	३६	४५	५१	९	८	२२	२४	तु. ७।१ ६	उत्पत्ति ११ ब्र.
१२	मं	२४	३	स्वा	३७	४	शो	८	२६	तै	२४	३	४३	५१	९	९	२३	२५	तुलायां	पूर्वास्तोबुधः ४२।१३ प्रदोषः
१३	बु	२३	४६	वि	३८	३५	अ	४	५६	व	२३	४६	४२	५२	८	१०	२४	२६	बृ. २३।१२	भ. २३।४६ उ. ५४।२० या.
१४	गु	२४	५४	अ	४१	१७	सु	२	२२	श	२४	५४	४१	५२	८	११	२५	२७	बृश्चिके	
३०	शु	२७	६	ज्ये	४५	१३	धृ	०	४५	ना	२७	६	४०	५२	८	१२	२६	२८	ध. ४५।१३	

३४पं.मा.कृ.२सू.इ.४९।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	७	८	३	०	७
१४	६	२७	१५	७	२९	२९	१४
२६	२१	३	८	११	४१	२०	४३
४५	५४	५८	४६	१३	१३	५६	८
६१	२५	९६	१३	७३	०	३	६०
३	२७	७	३८	५०	२६	११	५०

गोचरग्रहाः

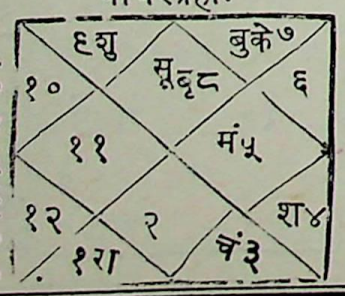

इस मास में ग्रह मध्यम है रुई चांदी खांड गुड़ हरिद्रा पीतवस्त्र सोना मंदा होगा प्रजा में विग्रह हो।

गोचरग्रहाः

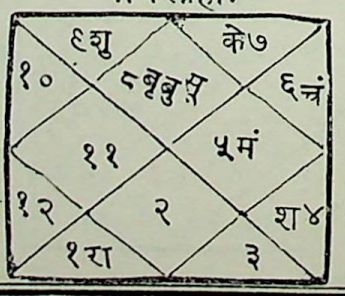

३५पं.मा.कृ.१०सू.इ.४८/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	७	८	३	०	७
२१	८	७	१६	१५	२९	२८	२१
३४	२९	२२	४२	५४	४१	५८	४९
३२	२२	४१	५४	३२	२८	४१	२३
६१	२२	९८	१३	७३	२/१६	३	६०
११	५५	१७	३८	४७	ब्र	११	५६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीषशुक्लपक्षः सं० २००४ शाकः १८६९	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणोऽहर्गणः ४६३५स१९४७
१	श ३०।३५ मू ५०।१८ शू ०।११ व ३०।३५	२५/३ ६/९	५/८	१३	२७	२९	धनुषि	उदयं गुरोः ४८।० ज्येष्ठायां बुधः ५२।७
२	र ३४।५९ पू ५६।१० गं ०।२६ वा २।४७	३८	५२	८	१४	२८	३०	धनुषि	चंद्रद. उ. गु.
३	चं ३९।५९ उ ६०।० बृ १।१७ तै ७।२९	३८	५२	८	१५	२९	१	म.१२।४४	सफ़र २
४	मं ४५।१० उ २।२५ शु २।२८ व १२।३४	३७	५३	७	१६	३०	२	मकरे	भ.१२।३४उ.४५।१०या.धनुष्यकं:३।४६*
५	बु ५०।१९ श्र ८।४४ ज्या ३।४९ ब १७।४४	३७	५३	७	१७	१	३	कु.४१।५१	नाग ५ [*उषायां शुक्रः २८।३२
६	गु ५५।७ ध १४।५८ ह ५।१ कौ २२।४३	३७	५३	७	१८	२	४	कुम्भे	चंपा ६ स्कदं ६
७	शु ५८।५० श २०।३५ व ५।२० ग २६।५९	३६	५३	७	१९	३	५	कुम्भे	भ. ५८।५० उ. मकरे शुक्रः ६।४
८	श ६०।० पू २५।७ सि ५।२८ वि ३०।१२	३६	५३	७	२०	४	६	मीन।५९	भ. ३०।१२ या.
८	र १।३४ उ २८।४० व्य ४।३७ व १।३४	३६	५३	७	२१	५	७	मीने	[¿३३।३ उत्तरायण प्रवृत्तिः ३७।१२
९	चं ३।६ रे ३१।६ व ४०/२ ५७/१३ कौ ३।६	३६	५३	७	२२	६	८	मे.३१।६	धनुषि बुधः २७।२५ ज्येष्ठायां गुरुः २¿
१०	मं ३।२४ अ ३१।५७ शि ५५।५६ ग ३।१४	३६	५३	७	२३	७	९	मेषे	भ. ३२।५१ उ.
११	बु २।१८ भ ३१।४७ सि ५१।५ वि २।१८	३७	५३	७	२४	८	१०	वृ.४६।२७	भ. २।१८ या. मोक्षदा ११ ब्र.
१२	बु ५७।४२ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	गु ५६।४८ कृ ३०।२६ सा ४५।२८ कौ २८।२४	३७	५३	७	२५	९	११	बृषे	प्रदोषः पातस्पर्शः ५०।११
१४	शु ५२।९ रो २८।११ शु ३८।५६ ग २४।४३	३७	५३	७	२६	१०	१२	मि.५६।३८	भ. ५२।३९ उ. पातमोक्षः ९।५५
१५	श ४७।४३ मृ २५।६ शु ३१।५८ वि २०।११	३८	५३	७	२७	११	१३	मिथुने	भ. २०।११ या. श्रवणे शुक्रः १०।३०

३६पं.मा.शु.२सू.इ.४८।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	७	८	३	०	७
२८	१०	१८	१८	२४	२९	२८	२८
४३	३४	१२	१६	३७	३६	३६	५६
१६	८	५८	५५	२३	११	२५	१०
६१	१९	९८	१३	७३	६/१	३	६१
१९	३३	३७	३२	४१	ब	११	०

गोचरग्रहाः

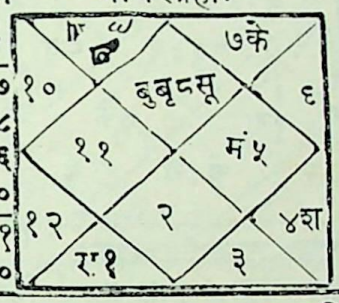

मार्गशीर्ष शुक्ला ४ भौमे धनुष्यकं:प्र.वा. ३न. ३ प्रगल्भावस्था(बैठी)मुहूर्ताः ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः।

गोचरग्रहाः

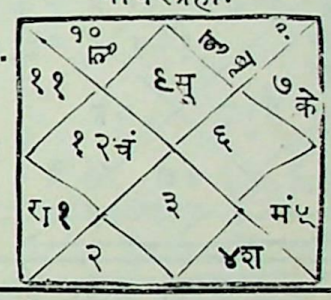

३७पं.मा.शु.९सू.इ.४८।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	७	९	३	०	८
५	१२	२८	१९	३	२९	२८	६
५२	४	५६	५०	१८	२५	१४	३
४२	१९	१०	२	५०	२६	९	४०
६१	१५	९८	१२	७३	४/१	३	६१
२२	५६	३०	२६	२६	ब	११	५

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं० २००४ शाकः १८६९	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरेमार्गशीर्षकृष्णेति महाराष्ट्र
१	र ४२।२१ आ २१।३९ ब्र २४।३२	ब्रा १५।२	२५/३ ६/८	५/८	२८	१२	१४	मिथुने	
२	चं ३९।४० पु १७।४२ ऐं १६।५१	तै ९।३०	३९	५२	८	२९	१३	१५	क.३।४१
३	मं ३०।४८ पु १३।३८ वै ९।०	व ३।४४	३९	५२	८	३०	१४	१६	कर्के
४	बु २५।१ श्ले ९।२९ वि १०/१ ५२/१५	ब्रा २५।१	४०	५२	८	३१	१५	१७	मिं ९।२९
५	शु १९।२८ म ५।३४ आ ४६।३	तै १९।२८	४१	५२	८	१	१६	१८	सिहे
६	शु १४।२५ पू १/१ ५५/६ सौ ३९।३	व १४।२५	४२	५२	८	२	१७	१९	कं.१६।२६
७	श १०।२ ह ५७।१० शो ३२।३८	ब १०।२	४३	५१	९	३	१८	२०	कन्या
८	र ६।२८ चि ५६।१८ अ २७।१	कौ ६।२८	४४	५१	९	४	१९	२१	तु.२६।४४
९	चं ३।५७ स्वा ५५।५९ सु २२।१६	ग ३।५७	४५	५१	९	५	२०	२२	तुलायां
१०	मं २।२९ वि ५७।९ धृ १८।३०	वि २।२९	४७	५१	९	६	२१	२३	बृ.४१।५२
११	बु २।१९ अ ५९।३३ शू १५।३५	ब्रा २।१९	४८	५०	१०	७	२२	२४	वृश्चिके
१२	गु ३।३४ ज्ये ६०।० गं १३।४२	तै ३।३४	५०	५०	१०	८	२३	२५	वृश्चिके
१३	शु ५।४९ ज्ये ३।१९ वृ १२।५४	व ५।४९	५२	५०	१०	९	२४	२६	ध.३।१९
१४	श ९।३२ मू ८।६ ध्रु १२।५२	श ९।३२	५४	४९	११	१०	२५	२७	धनुषि
३०	र १४।१ पू १३।५० व्या १३।३१	ना १४।१	५६	४९	११	११	२६	२८	म.३०।२३

मकरे बुधः १५।५६ [¡५१।१३ प्रदोषः
उषायां रविः ६।५१

३८प.पौ.कृ.१सू.इ.४८।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	७	९	३	०	८
१३	१३	१०	२१	११	२९	२७	१३
२	३	७	२१	५९	९	५१	११
३५	७	३७	५४	३५	४०	५५	३८
६१	१०	९९	५३	७३	६/३	३	६१
२६	५२	२४	ब	३५	ब	११	६

३९पं.पौ.कृ.८.सू.इ.४८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	७	९	३	०	८
२०	१३	२१	२२	२०	२८	२७	२०
१२	२९	१२	५१	३९	४९	२९	१९
३३	४९	११	५४	०	१६	३९	४४
६१	४	९९	१२	७३	५/०	३	६१
२६	४४	५२	५६	६	ब	११	६

४०पं.पौ.कृ२०सू.इ.४८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	७	९	३	०	८
२७	१३	२	२४	२९	२८	२७	२७
२२	२३	४२	१९	१६	२४	७	२७
२३	३१	२२	३७	१९	३६	२४	४७
६१	४९	७०	१२	७२	४९	३	६१
२४	ब	५९	३२	५०	ब	११	६

(सं० २००१ समाप्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| पौष शुक्लपक्षः सं २००४ शाकः १८६६ |दि.|उ|अ.|इ|हि.|मु| चन्द्रः | हेमंततू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४६६५ स. १६४८

१	चं	१६	३	उ	२०	४	ह	१४	४०	घ	१६	३	२५	६	५	१२	२७	२६	मकरे
२	मं	२४	२१	श्र	२६	२७	व	१५	४६	की	२४	२१	२६	४८	१२	१३	२८	३०	कु.५६।३४
३	बु	२६	२७	ध	३२	४२	सि	१७	४	ग	२६	२७	३	४७	१३	१४	२६	१	कुम्भे
४	गु	३४	७	श	३८	५०	ञ्च	१७	५५	व	१	४७	५	४७	१३	१५	१	२	कुम्भे
५	शु	३७	५०	पू	४३	२०	व	१८	६	ब	५	५६	८	४६	१४	१६	२	३	मी २७।१३
६	श	४०	३२	उ	४७	१३	प	१७	३४	की	६	११	१०	४६	१४	१७	३	४	मीने
७	र	४१	५६	रे	४६	१४	शि	१५	५१	ग	११	१६	१२	४६	१४	१८	४	५	मे.४६।१४
८	चं	४२	८	अ	५१	२	सि	१३	२६	वि	१२	३	१४	४५	१५	१६	५	६	मेषे
९	मं	४०	५८	भ	५२	१४	सा	६	५५	बा	११	३३	१७	४५	१५	२०	६	७	मेषे
१०	बु	३८	३६	कृ	५०	८	शु	५	३६	तै	६	४७	१६	४४	१६	२१	७	८	बृ.६।४२
११	गु	३५	१६	रा	४८	१४	श्र	०	४ ५६	घ	६	५६	२१	४४	१६	२२	८	९	बृषे
१२	शु	३१	४	मृ	४५	१६	ऐं	४७	१०	ब	३	१०	२४	४३	१७	२३	९	१०	मि १६।४६
१३	श	२६	२	आ	४१	५२	औ	३६	५६	तै	२६	२	२७	४३	१७	२४	१०	११	मिथुने
१४	र	२०	२५	पु	३८	५	वि	३२	१५	घ	२०	३५	३०	४२	१८	२५	११	१२	क.२४।१
१५	चं	१४	५४	पु	३३	३६	प्री	२४	२७	ब	१४	५४	३३	४१	१९	२६	१२	१३	कर्के

माघस्नानारभः

कुंभे शुक्रः २४।१५
चन्द्रद. वक्री मघायां भौमः ४४।२५
मकरेऽर्कः २२।१८ रविलावल ३
भ. १।४७ उ. ३४।७ या.
श्रवणे बुधः २०।४१
शते शुक्रः ४८।२२
भ. ४१।५६ उ.
भ. १२।३ या. [*विशाखायां २ केतु ५४/६
अभि. प्र. रविः ५/३ ३/५ भरण्यां ४ राहुः*
पातस्पर्शः १४।५१ पातमोक्षः ३०।२७
भ. ६।५६ उ. ३/१ ५/६ या. पुत्रदा ११ ब्र.
ज्येष्ठायां ४गुरुः ३/४ ३/७ पश्चिमोदयीबुधः ४/२ ५/६
श्रवणे रविः ३/५ ६धनिष्ठायांबुधः १/३ १/०प्रदोषः
भ. २/३ ०/५ उ. ४७/४४ या. अभि. नि. रविः १।५१

४१पं.पौ.शु.७मु.इ.४८।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	७	१०	३	०	९
४	१२	१४	२५	७	२७	२६	४
३१	४७	२८	४४	५२	५६	४५	३५
५१	६	१६	३८	२३	२	८	३८
६१	५०	०	१२	७२	४	३	६१
१९	ब्र	५	१४	३२	ब्र	११	३

गोचरग्रहाः

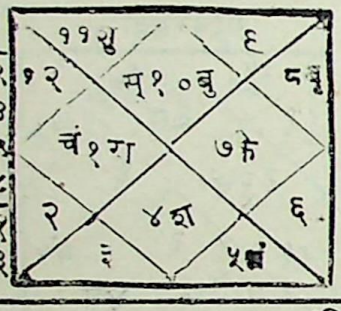

पौष शुक्ला ३ बुध मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. २ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु.३० (धा. भा. सम) शुक्रोदय पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

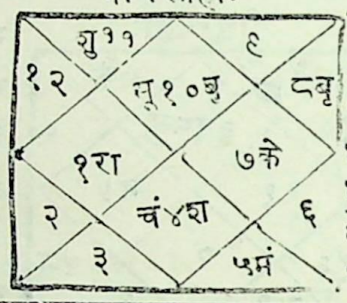

४२पं.पौ.शु.१४मु.इ.४८।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	७	१०	३	०	९
११	११	२६	२७	१६	२७	२६	११
४०	२३	१४	६	२५	२५	२२	४२
४३	५६	२०	४	४१	१	५३	५०
६५	५०	०	११	७२	२३	३	६०
१३	ब	४	२८	११	ब्र	११	५९

माघ कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६६ |दि.|उ.|अ.|इ.|हि|मु.| चंद्रः | शिशिरत् रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महाराष्ट्र

१	मं	९	२	श्ले	२९	४९	आ	१६	४०	की	९	२	२६/३	६/४	५/१	२७	१३	१४	सि २९।४९
२	बु	३	१८	म	२५	५४	सो	८	५४	ग	३	१८	३९	४०	२०	२८	१४	१५	सिंहे
३	बु	५४	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	गु	५२	५०	पू	२२	१७	शो	२/२	५/३	ब	२५	१७	४२	४०	२०	२९	१५	१६	कं ३६।३३
५	शु	४८	२७	उ	१९	२३	सु	४६	४२	की	२०	३८	४५	३९	२१	३०	१६	१७	कन्यायां
६	श	४५	३	ह	१७	११	धृ	४१	५७	ग	१६	४५	४८	३८	२२	३१	१७	१८	तु.४६।२२
७	र	४२	३३	चि	१५	३४	शू	३६	४९	वि	१३	४८	५२	३८	२२	१	१८	१९	तुलायां
८	चं	४१	१२	स्वा	१५	२४	गं	३१	४७	वा	११	५२	५५	३७	२३	२	१९	२०	तुलायां
९	मं	४१	२७	वि	१६	१७	वृ	२९	२३	ते	११	१४	५९	३६	२४	३	२०	२१	वृ.१।३
१०	बु	४२	२६	अ	१८	२६	धु	२७	१३	व	११	५१	२७/२	३६	२४	४	२१	२२	वृश्चिके
११	गु	४४	५४	ज्ये	२१	५८	व्या	२६	१३	ब	१३	४०	६	३५	२५	५	२२	२३	ध.२१।५८
१२	शु	४८	३५	मू	२६	२५	ह	२५	५६	की	१६	४४	९	३४	२६	६	२३	२४	धनुषि
१३	श	५३	९	पू	३१	५८	व	२६	५५	ग	२०	५२	१३	३३	२७	७	२४	२५	म.४८।३१
१४	र	५८	१२	उ	३८	९	सि	२७	२५	वि	२५	४१	१६	३३	२७	८	२५	२६	मकरे
३०	चं	६०	०	अ	४४	३०	व्य	२८	४०	च	३०	४९	२०	३२	२८	९	२६	२७	मकरे
३०	मं	३	२६	ध	५०	५७	व	२९	५८	ना	३	२६	२३	३१	२९	१०	२७	२८	कु.१७।४३

कुंभे बुधः ५३।३५
भ. ३/३ १/० उ. ५७/४४ या. पूभायां शुक्रः ४६।२६
क्षयः
चतुर्थी ब्र.
भ. ४५।३ उ.
भ. १३।४८ या. फरवरी मा.८ता.२९*
पातस्पर्शः २६।५९ पातमोक्षः ४०।२१
[*शते बधः ४२।४४ रथ ७
भ. ११/५ ४२/२६ उ. ४२/२६ या. वक्री सार्पे २शनिः २०।९
मीने शुक्रः ५७/२८ षट्तिला ११ ब्र.
धनीष्ठायां रविः १५।२७
भ. ५३।९ उ. प्रदोषः
भ. २५।४१ या. उभायां शुक्रः ४५।२३
मौनी ३०
वक्रीबुः ३/२ ५/५ धनुषी गुरुः ५४।५३

४३पं.मा.कृ.७मु.इ.४८।२५

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१०	७	१०	३	०	९
१८	९	६	२८	२४	२६	२६	१८
४८	३८	४८	२४	५६	५१	०	४९
४३	४६	२५	२६	३१	४३	३५	२३
६१	३६/४	८८	१०	७१	३८	३	६०
४	ब्र	४७	५९	५९	ब्र	११	५५

गोचरग्रहाः

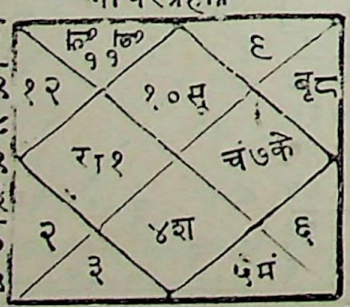

इस मास में वर्षा होगी शीत अधिक पड़ेगा रुई चांदी पाट कुष्टा सूत कपास अनाज गेहूँ जौ चना तेज

गोचरग्रहाः

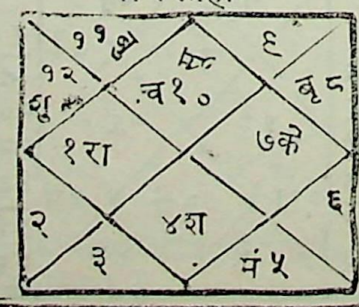

४४पं.मा.कृ.१४मु.४८।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१०	७	११	३	०	९
२५	७	१२	२९	३	२६	२५	२५
५५	३४	५४	३८	२३	१७	३८	५५
३१	३४	५४	१७	४९	३८	२२	२३
६०	३८/४	२४	१०	७१	४०/४	३	६०
५५	ब्र	५५	१९	२८	ब्र	११	४७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं २००४ शाकः १८६९	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशरतौ रविरुत्तरेऽहर्गणः४६१५स.१९४८
१	बु ८ २८	श ५७ २५	प ३१ १	ब ८ २८	२७ ६ ५	११ २८ २९	कुम्भे	चद्रदर्शनम्
२	गु १३ २	पू ६० ०	शि ३१ २८	कौ १३ २	३१ ३० ३०	१२ २९ १	मी४५।४६	कुंभेऽर्कः ४९।२३ रविलाखर ४
३	शु १६ ४४	पू १ ५४	सि ३१ १३	ग १६ ४४	३४ २९ ३१	१३ १ २	मीने	भ. ४८।० उ. पाश्वमास्तोबुधः३८।३२÷
४	श १९ १६	उ ५ ५८	सा ३० ०	वि १९ १६	३८ ९८ ३२	१४ २ ३	मीने	भ. १९।१६ या. ÷ तिल ४
५	र २० ३४	रे ८ ५८	शु २७ ५४	वा २० ३४	४२ २८ ३२	१५ ३ ४	मे.८। ५८	वसंत ५ श्रीपंचमी
६	चं २० ३४	अ १० १४	शु २४ ४०	तै २० ३४	४६ २७ ३३	१६ ४ ५	मेषे	पातस्पर्शः ३।१९ पातमोक्षः १४।४९
७	मं १९ १८	भ १० ५८	न १९ ५६	व १९ १८	५० २६ ३४	१७ ५ ६	वृ.२५।४५	भ. १९।१८ उ. ४८।२ या. भानु ७
८	बु १६ ४७	कृ १० ६	एं १५ ३३	ब १६ ४७	५४ २५ ३५	१८ ६ ७	वृषे	भीष्माष्टमी
९	गु १३ १२	रो ८ १७	वै ९ ४३	कौ १३ १२	५८ २४ ३६	१९ ७ ८	मि३६। ५४	शतेरविः २४।४४रेवत्यां शुक्रः५३।५१
१०	शु ८ ५८	मृ ५ २१	वि २९ ३ ५२ ३८	ग ८ ५८	२५ २४ ३६	२० ८ ९	मिथुने	भ. ३६।२५उ.वक्रीघनिष्ठायां बुधः ३०
११	श ३ ५२	आ १४ २३ ५६	आ ४८ ४०	वि ३ ५२	६ २३ ३७	२१ ९ १०	क.४४।३२	भ. ३।५२ या. जया ११ ब्र. भीष्म १२
१२	श ५४ ३०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	
१३	र ५२ ३५	पु ५४ ३५	सो ४० ५६	कौ २५ २९	१० २२ ३८	२२ १० ११	कर्के	प्रदोषः
१४	चं ४६ ४३	श्ले ५० २६	शो ३३ १२	ग १९ ३९	१४ २१ ३९	२३ ११ १२	सिं ५०।२६	भ. ४६।४३
१५	मं ४१ ४	म ४९ ३४	अ २५ २८	वि १३ ५३	१८ २० ४०	२४ १२ १३	सिंहे	भ. १३।५३ या माघस्नानपूर्तिः

४५ पं.मा.शु.५सू.इ.४८।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	८	११	३	०	१०
३	५	११	०	११	२५	२५	३
१	२२	२२	४६	४७	४३	१६	०
३३	२७	५९	५२	२०	३७	७	९
६०	३५ ४४	२६	९	७१	४०	३	६०
४२	ब	ब	३४	३	ब	११	३७

गोचरग्रहाः

माघ शुक्ला २ गुरौ
कुंभर्कः प्र. वा. २
न. ३ प्रौढावस्था
(बैठीं) मुहूर्ताः ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पश्चिमायाम

गोचरग्रहाः

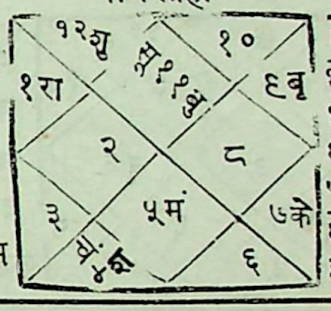

४६ पं.मा.शु.१३सू.इ.४९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	८	११	३	०	१०
१०	३	४	१	२०	२५	२४	१०
६	५	१५	४९	५	१०	५३	३
५	१३	०	५२	३८	१६	५२	३८
६०	३५ १४	६२ ३८	८	७०	२३	३	६०
३१	ब	ब	४२	२५	ब	११	२५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं.२००४ शाकः १८६९	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतौ रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु ३५ २८	पू ४२ ५०	सु १९ ४३	ग्रा ८ १६	२८ ६ ५	२५ १३ १४	क.५७।३	पूर्वोदयं बुधः २४।४४
२	गु ३० २३	उ ३९ ४१	धृ १० २८	तै २ ५५	२६ १९ ४१	२६ १४ १५	कन्या	भ.५८।१५ उ.वक्री मकरे बुधः५३।२१
३	शु २६ ७	ह ३७ १४	शू ५५ ५३ ५५	वि २६ ७	३० १८ ४२	२७ १५ १६	कन्या	भ.२६।७ या. चतुर्थी ब्र.
४	श २२ ४१	चि ३५ २९	बृ ५२ ३८	ग्रा २२ ४१	३४ १७ ४३	२८ १६ १७	तु. ६।२१	पातस्पर्शः १२।३१ पातमोक्षः२२।४६
५	र २० १५	स्वा ३५ ७	ध्रु ४८ १५	तै २० १५	३८ १६ ४४	२९ १७ १८	तुलायां	
६	चं १८ ५४	वि ३५ ४४	व्या ४४ ४७	व १८ ५४	४२ १६ ४४	१ १८ १९	बृ. २०।३४	भ.१८।५४ उ. ४८।५२ या.
७	मं १८ ५०	अ ३७ ४०	ह ४२ २१	ब १८ ५४	४६ १५ ४५	२ १९ २०	बृश्चिके	मार्गी बुधः २६।९ मेषे शुक्रः१।६११×
८	बु २० १४	ज्ये ४० ४८	व ४० ३६	कौ २० ५०	५० १४ ४६	३ २० २१	ध. ४०।४८	पूभायां रविः ३९।३२ सीता ८
९	गु २२ ४७	मू ४५ २१	सि ४० २९	ग २० १४	५४ १३ ४७	४ २१ २२	धनुषि	भ. ५४।३९ उ.
१०	शु २६ ३१	पू ५० २५	व्य ४० ४६	वि २६ ४७	५८ १२ ४८	५ २२ २३	धनुषि	भ. २६।३१ या. मूले २ गुरुः १४।७
११	श ३१ १	उ ५६ २२	व ४२ १	ग्रा ३१ ३१	२९ १२ ४८	६ २३ २४	म. ६।५४	बिजया ११ब्र. [×वक्री कर्के भोमः ३६
१२	र ३५ ५९	अ ६० ०	प ४२ ५९	कौ ३ ३०	६ ११ ४९	७ २४ २५	मकरे	
१३	चं ४१ १२	अ २ ५०	शि ४४ २०	ग ८ ३५	१० १० ५०	८ २५ २६	कु.३५।५२	भ. ४१।१२ उ. प्रदोषः
१४	मं ४६ ७	ध ८ ५५	सि ४५ २९	वि १३ ३९	१४ ९ ५१	९ २६ २७	कुम्भे	भ. १३।३९ या. कुंभे दुधः१४।५९÷
३०	बु ५० ३५	श १५ २०	सा ४६ १७	च १८ २१	१९ ८ ५२	१० २७ २८	कुम्भे	अमावस्या. [÷ महाशिवरात्री व्रत

४७पं फा.कृ.५सू.इ.४९।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	९	८	११	३	०	१०
१७	०	२९	२	२८	२४	२४	१७
८	५४	२	४७	१९	२८	३१	५
५४	१४	२४	१३	१२	५६	३६	५२
६०	२३ ४०	४४	७	६९	४४	३	६०
२०	ब	ब	४३	४०	ब	११	१२

गोचरग्रहा

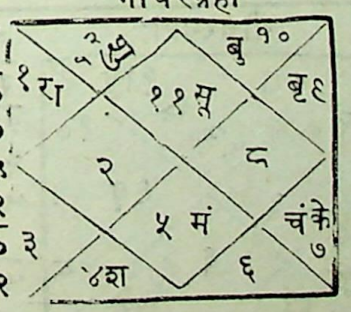

इस मास में प्रजा में
सुख शांति रुई सण
कुष्टा कपड़ा नील
जायफल मंदा घृतादि
इस पदार्थ तेज

गोचरग्रहाः

४८पं.फा.कृ.१२सू.इ.४९।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	८	०	३	०	१०
२४	२८	२९	३	६	२४	२४	२४
१०	५७	१८	३७	२६	१०	९	६
१६	२५	३२	१२	१७	१	२१	३४
६०	२३ २१	२९ १०	६	६८	४७	३	५९
५	ब	ब	३८	५२	ब	११	५८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

| ति. | फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२००४ शाकः १८६६ | | |

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पङ्कज-स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०४९ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०४९ भोग्यकलिः ४२६९५१ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दाः सम्वत् २००५ शाकः १८७० वर्षेऽस्मिन्राजा शनिः । मंत्री भौमः । सस्येशः शुक्रः । धान्येशोबुधः । मेघेशश्चंद्रः । रसेशः शनिः । नीरसेशो गुरुः । फलेशो रविः । धनेशोः गुरुः । दुर्गेशश्चंदः । एतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्येविष्णुविंशतिकायां १५ प्लवनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्क-समये गतमासादिः २।४।३८।२४ भोग्यमासादिः ९।२५।२१।३६पितृ-दैवतंयुगम् । वर्ष नामज्येष्ठः । मेघ नाम आवर्तः । समय निवासो मालाकारगृहे (चडसा में) रोहिणी निवासः समुद्रे । समय विश्वा १८ । समय वाहनं महिषः । स्तम्भश्वाय्वन्नयोः । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी १ । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी २ समय मुहूर्ताः ३९० । समय दिनानि ३५४ । तिथि क्षयः १६ । तिथि वृद्धिः १० । उत्पति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा ११. धान्य ९. तृण ५. शीत ५. तेज ५ वायु १३ शनि दृष्टिर्दक्षिणे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यं ८९ सत्यं ॥. धर्म १॥. पाप १८ ग्रहणं १ सूर्यस्य भारते ।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

मात भवानी अम्बिके आया सम्बत् पांच ।
कैसा सम्बत् नीपजे मुखसे कहदो सांच ॥१॥

भवानी उत्तर

सुनले भैरव ध्यान से सम्बत्सर का हाल ।
धान्य घनेरा नीपजे जगमें बढै बबाल ॥२॥

शनि राजा इस वर्ष में इनकी खोटी वान ।
मंन्त्री मंगल साथ में करैं जगत में हानि ॥३॥

चौमासे मघवा चढै मेघ चर्तुदश लार ।
जल वर्षे हर्षे प्रजा नदियां बहैं अपार ॥४॥

शरद्दतु दक्षिण दिशा कहोक मांचे जंग ।
राजा प्रजा के राग से होय रंग भंग ॥५॥

धर्म कर्म जप करैं काज होय सब सिद्धि ।
जगदीश्वर के भजन से बढै चौगुनी सिद्धि ॥६॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् ५।२७

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	बृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ०।१९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४६।०। केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।७।६

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथास्मिन् वर्षे राजा शनिस्तत्फलम्—शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यतेजनाः। युद्धं नृपाणां गदतस्यकरा ग्रैभ्रंतिलोकाः क्षुधिताश्च देशान्॥ मंत्री भौमस्तत्फ० अवनिजो ननु मंत्रिपदं गतो भवति दस्युगदादिज वेदनाः। जनपदेषु जयं सुखसंचयं न बहु गोषु पयो द्विजकर्म च॥ सस्येशः शुक्रस्तत्फ–शुक्रोयदा धान्यपतिर्धरायां मेघोजलं वर्षति शोभनंप्रियम्। गोधूम शालेक्षुधन प्रियंगु वृक्षेबुपुष्पाणि सुखप्रदानि। धान्ये सो बुधस्तत्फ –बुधे धान्याधिपे मेघा जलं मुंचन्ति वै भृशम्। सैंधवे लाटदेशे च माधवोल्पं च वर्षति॥ मेघेशश्चद्रस्तत्फ—शशिनि तोवदपे यदि गो महिष्यजवरादिषु दुग्धरसं तदा। फलवतौ धन धान्यवतीधरा विविध भोगवती ननु भामिनी॥ रसेशः शनिस्तत्फ रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्चपयोधराः। अजगवां गज वाजिखरोष्ट्रहा जनपदेषु नरान्नरसैं युता॥ नीरसेशोगुरुस्तत्फ हरिद्रापीतवस्तूनां पीतवस्त्रादिंक चयत्। नीरसेशो यदाजीव सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा॥फलेशोरविस्तत्फ–द्र मवती फलपुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोगविरोधतः बहु जलं जलदो भुविमुञ्चतिक्वचिदपि प्रमितं फलपोरविः॥ धनेशोगुरुस्तत्फ सुमनसां च गुरुर्द्विजाधिपो वणिजवृतिधराः सुखभाजनाः। फलित पुष्पितभूमिरुहाः सदा विविधद्रव्ययुता भुविमानवाः॥ दुर्गेशश्चन्द्रस्तत्फ गढपतिर्मृगलांछनं को यदा नृप सुराज्यविलासित पौरवाः बहुधनेक्षुजगोरस भोगिनोनर वरा नर वर्णित विग्रहाः। वर्षनाम ज्येष्ठस्तत्फ—तस्करैः पापरोगैर्वा पीड्यन्ते पीडयाजनाः। भ्रमंतेस्वेच्छयाभूम्यां निर्दंव्यं ज्येष्ठसंज्ञके॥प्लव नामसंवत्सरस्तत्फ —प्लवान्दानिखिला धात्री वृष्टिभिः प्लवसंनिभा। रोगकालेत्वितिर्भीतिः संपूर्णे वत्सरे भवेत्॥ मेघनाथ आवर्तस्तत्फ —आवर्तेछिन्न वृष्टिः स्यात्। रोहिणी निवासः समुद्रे फ समुद्रे तु महावृष्टिः॥ समय निवासो मालाकारगृहे—मालिनः प्रचुरावृष्टिः॥ एवं सिंचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्॥

सं० २००५ शाके १८७० मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चैत्र मास

शुक्ला ४ भौमे मृगे ल.१२रे.८।।।।।ऽऽ५ विधुत्॥

१३ बुधे हस्ते ल.ऽन्यगो.सोग्रांगः१२(सप्तमेचंद्रःपूज्यः) रे.८।।।।ऽरोऽ।।।

बैशाख मासः।

कृष्णा ४ भौमे मूले ल.गो.सोग्रांगः १२रे७।ऽबुाऽशु।।ऽ।।

शुक्ला १ चंद्रे रोहि.ल.१२रे.६।।ऽबु।।।।।।चंद्रबाल्यत्वं

,, २ भौमे मृगे ल. १२ अंश २२ या.रे.६।।।।।ऽ।।।

,, १ भौमे उफा. ल.गो.रे.६ऽमंऽ।।ऽनृपाऽ।।

,, ११ बुधे हस्ते ल. गो. रे. ६ ।।।।।ऽ।।।

,, १३ शुक्रे स्वा. ल.ऽन्यगो. रे.८।ऽ।।।ऽ।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ गुरौ उषा. ल. गो. रे. ६।।।ऽबुाऽनृाऽऽ।

गणितेनक्रांति साम्याभावः पादतोवेधाऽभावः

कृष्णा ६ भौमे उभाल. ऽन्यगो.रे.८।।।।।ऽरो।ऽ।।

,, १० बुधे.रेव.ल ऽन्यगो.रे. ७ऽबु।।।।।ऽऽ।।स्तंभरोपणं प्रातः

आषाढ मासः

शुक्ला ६ चद्रे हस्ते ल. ऽन्य गोरे. ७।।।।ऽरोऽऽ।।

॥ मार्ग शीर्ष मासः॥

कृष्णा २ गुरौ मृगे ल. ४ रे. ६।।।।।ऽअग्नि।।।।

शुक्ला ८ गुरौ उभा. ल. ४ रे. ६।।।।।ऽ।।।।

माघ मासः

शुक्ला ४ बुधे उभा. ल. ८। (शु.पू.)६रे.७।।।।ऽअऽऽ।।

,, ५ गुरौ रेव ल.८-६ रे. १०।।।।।।।।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ भौमे उफाल ८-६ रे. ६।।।।।।ऽ।।।

,, ३ बुधे हस्ते ल. ६ रे. ७ ।।।।ऽनृाऽऽ

दग्धादोष अत्यावश्यके.

,, ७ शनौ अन्.ल. ६(व्याघा दो.)रे.७ऽशा।।।।।ऽऽ।।

,, ६ चंद्रे मूले ल. ६ अं ५ पश्चात्.रे७ऽशु।।।।।ऽऽ।।

अंत्रक्वचित्स्मृतिदृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यंसुधीभिः

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं० २००५ शाकः १८७०										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७५४स१६४८
१	श	३२	३७	अ	४६	३३	वै	१७	५७	कं	२	६	३१	५	६	१०	२८	२६	मेषे	नवरा. घटस्था.सैवत्सरारंभः ध्वजा.
२	र	३२	२१	भ	५०	४६	प्री	५५	४२	चा	२	३४	२६	४२	१८	११	२६	३०	मेषे	चन्द्रदर्शनम् सिधारा
३	चं	३०	४८	कृ	५०	३३	आ	५१	१८	तै	१	३५	३२	४२	१८	१२	३०	१	वृ.५।३५	भ. ५६।२६ उ. जमाल्लिखर ६ *
४	मं	२८	४	रा	४६	१०	सौ	४६	१०	वि	२८	४	३६	४१	१६	१३	३१	२	बृषे	भ. २८।४ या मेषेऽर्कः २।२८
५	बु	२४	२२	मृ	४७	३	शो	४०	८	चा	२४	२२	४०	४०	२०	१४	१	३	मि.१८।६	रेवत्यां बुध.५२।६[*मत्स्यजयंतिगणगों
६	गु	१६	४८	आ	४४	१	अ	३३	४२	तै	१६	४८	४३	३६	२१	१५	२	४	मिथुने	वक्री गुरुः१५१७
७	शु	१४	३२	पु	४०	२७	सु	२६	३७	व	१४	३२	४७	३६	२१	१६	३	५	क.२६।२१	भ.१४।३२ उ.४१।३६या.मांगींशनिः×
८	श	८	४७	पु	३६	३३	धृ	१६	१०	ब	८	४७	५१	३८	२२	१७	४	६	कर्के	राम ६ [×२६।१६पूर्वास्तंबुधः५३।४६
९	र	२	५२	श्ले	३२	२८	शु	११	३७	को	२	५२	५४	३७	२३	१८	५	७	सिं३२।२८	[+कामदा ११ब्र. वै नि.
१०	र	५३	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः[−४९।४१कामदा ११ब्र. स्मा.
११	चं	५१	०	म	२८	२५	गं	४९	५३	व	२३	५५	५८	३६	२४	१९	६	८	सिंहे	भ. २३।५५ उ. ५१।०या. पातस्पर्शः−
१२	मं	४५	२३	पू	२४	३४	धु	४८	४६	व	१८	१२	३२	३६	२४	२०	७	९	कं.३८।४४	मृगे शुक्र ५८।३६ मातमोक्षः ०।४७+
१३	बु	४०	१२	उ	२१	१५	व्या	४२	६	को	१२	४७	६	३५	२५	२१	८	१०	कन्यायां	मेषऽश्विन्यां बुध ४७।९ प्रदोषः
१४	गु	३५	४८	ह	१८	२५	ह	३५	४३	ग	८	०	९	३४	२६	२२	९	११	तु.४७।२२	भ. ३५।४८ उ.
१५	शु	३२	१८	चि	१६	२०	व	३०	११	वि	४	३	१३	३३	२७	२३	१०	१२	तुलायां	भ. ४।३ या. हनुमज्ज. वै. स्ना.प्रा.

१ प.चै. शु.४मं.इ.६।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	८	१	३	०	०
०	२६	१३	५	१५	२२	२२	०
४	४८	४५	४९	४५	४५	१४	०
१६	३६	३२	१९	७	१८	३८	०
५८	१२	९९	०	६०	१९	३	५८
४५	१३	२५	२६	४४	ब	११	४४

चैत्रशुक्ला ४ भौमे मेषेऽर्कः; प्र. वा. ४ न. ४ दृद्धावस्था (बैठी)मुहूर्ताः ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

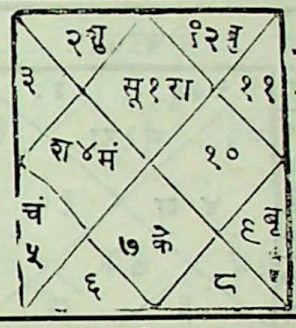

२पं.चै.शु१२मं.इ.४८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	८	१	३	०	०
६	२८	२६	५	२२	२२	२१	६
५४	३	५१	४७	३०	४४	५१	५०
२४	३६	०	४६	२२	३८	१३	३८
५८	१६	९९	५९	५७	२१	३	५८
२९	४१	२२	ब	४९	मा	११	३१

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं०२००५ शाकः १८७०										दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वसंततूं रविरुत्तरे.चैत्रकृष्णेतिम हाराष्ट्रा
१	श	२९	४३	स्वा	१५	२०	सि	२५	३५	बा	१	०	३२	५	६	२४	११	१३	तुलायां	[*चतुर्थी ब्र.अगस्त्यास्तः४८।५६
२	र	२८	१६	वि	१५	२४	व्य	२१	३८	ग	२८	१६	२१	३२	२८	२५	१२	१४	बृ.०।२३	भ .५८।११उ.
३	चं	२८	७	अ	१६	५५	व	१८	४७	वि	२८	७	२५	३१	२९	२६	१३	१५	वृश्चिके	भ. २८।७ या. भरण्यांरविः४३।५२*
४	मं	२९	१७	ज्ये	१९	११	प	१६	५६	बा	२९	१७	२९	३०	३०	२७	१४	१६	ध.१९।११	मघायां सिंहे भौमः ५६।२८
५	बु	३१	४४	मू	२३	१२	शि	१५	६	को	०	३१	३३	२९	३१	२८	१५	१७	धनुषि	भरण्यां बुधः५।५१मिथुने शुक्रः२७।१९
६	गु	३५	२७	पू	२८	४	सि	१५	६	ग	३	३६	३६	२९	३१	२९	१६	१८	म.४४।२९	भ. ३५।२७ उ.
७	शु	३९	४९	उ	३३	४६	सा	१६	५४	वि	७	३८	४०	२८	३२	३०	१७	१९	मकरे	भ. ७।३५ या.
८	श	४४	३८	श्र	४०	६	शु	१८	९	बा	१२	१३	४३	२७	३३	१	१८	२०	मकरे	मई मा. ५ ताः ३१ −११ ब्र. स्मा. वै
९	र	४९	३९	ध	४६	३७	शु	१९	३१	तै	१७	८	४७	२७	३३	२	१९	२१	कु.१३।२१	पातस्हर्शः ४८।१
१०	चं	५४	२४	श	५२	५९	ब्र	२०	५९	व	२२	१	५०	२६	३४	३	२०	२२	कुम्भे	भ.२२।१उ.५४।२४या.पातमोक्ष१।१२
११	मं	५८	४२	पू	५८	३३	ऐं	२२	६	ब	२६	३३	५४	२५	३५	४	२१	२३	मी४२।१०	कृत्तिकायां बुधः १५।२३ बरूथिनी−
१२	बु	६०	०	उ	६०	०	वै	२२	४३	को	३०	२२	५८	२४	३६	५	२२	२४	गीने	बृषेवुधः५०।२४बरूथिनी ११ब्र.निम्बा
१२	गु	२	२	उ	३	२३	वि	२२	३२	तै	२	२	३१	२४	३६	६	२३	२५	मीने	आर्द्रायां शुक्रः ४१।४३ प्रदोषः
१३	शु	४	१०	रे	७	९	प्री	२१	२१	व	४	१०	४	२३	३७	७	२४	२६	मि.७।९	भ. ४।१० उ. ३४।४८ या.
१४	श	५	२७	अ	९	३९	आ	१९	९	श	५	२७	७	२३	३७	८	२५	२७	मेषे	
३०	र	४	४९	भ	१०	५२	सौ	१६	१०	ना	४	४९	१०	२२	३८	९	२६	२८	वृ.२५।५४	रवि ग्रहणम्

३ पं. वै. कृ.४मं.इ.७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	८	१	३	०	०
१३	२९	११	५	२८	२२	२१	१३
४२	४३	१७	३७	४८	४९	२८	३९
४९	४१	५६	५	२२	५२	५८	४०
५८	१९	९९	२३	५३	१९	३	५८
१२	५७	१३	ब	४६	६	११	२०

गोचरग्रहाः

इस मासमें पांच शनिवार और सुदी में तेरह दिनका पखवाडा महा अशुभ है।

गोचरग्रहाः

४पं.वै.कृ.११मं.इ.७।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	८	२	३	०	०
२०	१	२६	५	४	२२	२१	२०
२९	४४	२३	१७	३४	५९	६	२७
२८	५३	३८	२	४१	५३	४२	२२
५७	२२	९९	उ९	४८	१	३	५८
५७	४२	१७	ब	४७	४६	११	६

(सं० २००१ समाभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं.२००५ शाकः१८७० दि.उ. अ.इ. हि.मु. चन्द्रः बसंततूर्रविरुत्तरेऽहर्गणः४७८४स.१९४८

१	चं	३	१२	कृ	११	०	शो	१२	३	ब	३	१२	३३ १३	५ २१	६ ३९	१०	२७	२९
२	मं	०	२८	रो	९	५०	अ	७	३	कौ	०	२८	१६	२१	३९	११	२८	१
३	मं	५६	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	बु	५१	३२	मृ	७	४४	सु	१६	५४ ३	व	२४	१०	१९	२०	४०	१२	२९	२
५	गु	४६	४०	आ	४	५७	शु	४८	५	ब	१९	६	२२	२०	४०	१३	२०	३
६	शु	४०	५०	पु	२७	५६ ९३	गं	४०	४४	कौ	१३	४५	२५	१९	४१	१४	१	४
७	श	३४	५५	श्ले	५३	२९	वृ	३३	२२	ग	७	५२	२८	१८	४२	१५	२	५
८	र	२८	५१	म	४९	२७	धु	२५	३४	वि	१	५३	३१	१८	४२	१६	३	६
९	चं	२२	५४	पू	४५	३२	व्या	१८	११	कौ	२२	५४	३४	१७	४३	१७	४	७
१०	मं	१६	५७	उ	४१	५९	ह	१०	५२	ग	१६	५७	३६	१७	४३	१८	५	८
११	बु	१२	१	ह	३८	५४	व	४ ०	५३ ५	वि	१२	१	३९	१६	४४	१९	६	९
१२	गु	७	३१	चि	३६	४९	व्य	५१	५२	बा	७	३१	४१	१६	४४	२०	७	१०
१३	शु	३	५२	स्वा	४६	३२	व	४७	२	तै	३	५२	४४	१५	४५	२१	८	११
१४	श	१	१३	वि	३७	२७	प	४३	६	व	१	१३	४६	१५	४५	२२	९	१२
१५	श	५८	३५		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

तिथि: कृत्तिकायांरविः३१।४७रोहिण्यांबुधः— रज्जव ७ परशुरामजयंती अक्षया ३ [—३७।२१पश्चिमोदयीबुधः२०।४२चंद्रद. भ. २४।१०उ.५१।३२या. बृषेऽर्कः ५९।३४सार्पेशनिः१७।१८ भ.३४।५५उ. गंगोत्पत्तिः पातस्पर्शः* भ.१।५३या. *४२।५५पातमोक्षः५५।४३ भ. ४४।२९ उ. मृगेबुधः ३।४४ भ. १२।१ या. मोहिनी ११ ब्र. प्रदोषः नृसिंहजयंती भ.१।१३उ.३०।३०या.मिथुनेवुधः५५।६* *अन्नदा. वै.स्ना.पू.

५ पं. वै.शु. २मं.इ.७।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	८	२	३	०	०
२७	४	१०	४	९	२३	२०	२७
१४	१०	५६	४८	३६	१५	४४	१३
४२	२३	३१	५८	११	०	२७	३०
५७	२५	२९	४७	४२	२	३	५७
४५	२१	२२	ब	४	१९	११	५४

गोचरग्रहाः

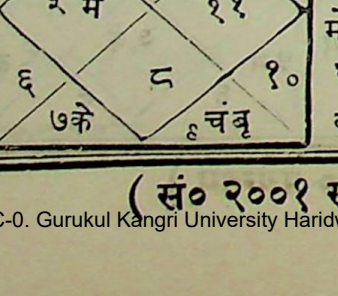

वशाख शुक्ला५ गुरौ बृषेऽर्कः प्र. वा. ३ न.४ गतालकावस्था (ऊभी)मु.४५(धा. भा. मंदा)शुक्रोदय पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

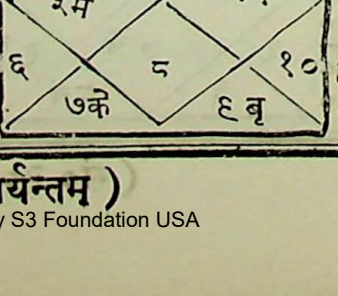

६ पं.वै.शु.१०मं.इ.७।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	८	२	३	०	१
३	६	२३	४	१३	२३	२०	३
५८	४८	२५	१३	४३	२४	२२	५८
१९	१४	४८	१	२७	५९	११	२६
५७	२७	८२	५५	३३	३	३	५६
३४	२८	२२	ब	१४	११	११	४४

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७० दि. उ. अ. इ. हि. मु. चन्द्रः ग्रीष्मतूर्रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महाराष्ट्र

१	र	५९	३६	अ	३८	७	शि	४०	५	ब्रा	२९	४२	३३ ४८	५ ५४	६ ४६	१०	१३	२३
२	चं	६	०	ज्ये	३९	४३	सि	३७	५९	तै	३०	५	५०	१४	४६	११	१४	२४
२	मं	०	३३	मू	४२	९	सा	३७	३	ग	०	३३	५२	१४	४६	१२	१५	२५
३	बु	२	५०	पू	४७	१	शु	३६	५७	वि	२	५०	५४	१३	४७	१३	१६	२६
४	गु	६	१८	उ	५२	२७	शु	३७	३३	ब्रा	६	१८	५६	१३	४७	१४	१७	२७
५	शु	१०	३८	अ	५८	४२	त्र	३८	५३	तै	१०	३८	५८	१२	४८	१५	१८	२८
६	श	१५	३०	ध	६०	०	ऐं	४०	१४	व	१५	३०	०० ३४	१२	४८	१६	१९	२९
७	र	२०	१५	ध	५	४	वै	४१	५३	ब	२०	१५	२	१२	४८	१७	२०	३०
८	चं	२५	२	श	११	३२	वि	४३	४	कौ	२५	२	४	११	४९	१८	२१	३१
९	मं	२९	१२	पू	१७	२०	प्री	४३	४८	ग	२९	१२	६	११	४९	१९	२२	१
१०	बु	३२	२८	उ	२२	१२	आ	४३	४५	वि	०	५०	८	१०	५०	२०	२३	२
११	गु	३४	३६	रे	२६	१६	सो	४२	५३	ब	३	३२	९	१०	५०	२१	२४	३
१२	शु	३५	३३	अ	२९	८	शो	४१	३	कौ	५	५	११	१०	५०	२२	२५	४
१३	श	३५	१४	भ	३०	३५	अ	३८	९	ग	४	२३	१२	१०	५०	२३	२६	५
१४	र	३३	३५	कृ	३१	३	सु	३४	१३	वि	४	२४	१३	९	५१	२४	२७	६
३०	चं	३०	४८	रो	३०	९	धृ	२९	४०	च	२	१२	१५	९	५१	२५	२८	७

तिथि: ×४ केतुः ६।४८ रोहिण्यां रविः २५।४३ भ. ३१।४१उ.भरण्यां२ राहुःस्वात्यां × भ. २।५०या.वक्रीमूले१गुरुः ४२।४४ * * चतुर्थी ब्र. पातस्पर्शः ३७।१५ पातमोक्ष ५४।४२ भ.१५।३० उ. ४७।५२ या. आर्द्रायाँ= [=बुधः ५।२० × भौमः १३।५२ जून मा. ६ ता. ३० भ. ०।५० उ. ३२।२८ या. पूफायां × वक्री शुक्रः ५२।३८ अपरा११ ब्र. भ. ३५।१४ उ. प्रदोषः +वटपूजनं भ. ४।२४ या.+भावुका११।३०वटपूजनं मृगे रवि २४।३२ वक्री बुधः११।३०+

७ पं,ज्ये.कृ. २ मं.इ.८।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	८	२	३	०	१
१०	९	३	३	१६	२३	१९	१०
४०	४१	१८	३०	३७	५९	५९	४२
३०	३८	५४	३६	१	२०	५६	१८
५७	२९	५०	४३	२१	३	३	५७
२३	५	५१	ब्र	२६	४३	११	३५

गोचरग्रहाः

इस मासमें बुध शुक्र का योग हो रहा है सो वर्षा करेगा मास के प्रारंभ में में धान्य रुई अलसो घृत गुड़ तेज रह कर मंदा होगा ।

गोचरग्रहाः

८ पं. ज्ये.कृ.९.मं.इ.८।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	८	२	३	०	१
१७	१२	१०	२	१७	२४	१९	१७
२१	४६	११	४२	५८	२७	३७	२५
३६	२३	३५	५०	४४	५८	४१	५
५७	३०	२२	२५	६	४	३	५७
१३	४१	१४	ब्र	४३	२१	११	२७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं०२००५ शाकः १८७०						दि	उ.	अ.	इ.	हिं	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४८१३स१९४८
१	मं	२७	३	मृ	२८	१८	शू	२३	५४	व	२७	३	३४ ५६	५ ६	८	२६	२९	मिथुने	चंद्रदर्शनम्
२	बु	२२	२५	आ	२५	३०	गं	१७	२७	कौ	२२	२५	१७	९	५१	९	२७	१	मिथुने	सावान ८
३	गु	१७	२	पु	२२	११	वृ	१०	५२	ग	१७	२	१८	९	५१	१०	२८	२	क. ८।१	भ. ४४।८ उ. रंभा ब्र.
४	शु	११	१५	पु	१८	३४	ध्रु	४३	५३ ३०	वि	११	१५	१९	८	५२	११	२९	३	कर्के	भ. ११।१५ या. पातस्पर्शः १।३८ ×
५	श	५	१४	श्ले	१४	२४	ह	४८	४६	वा	५	१४	२०	८	५२	१२	३०	४	सिं १४।२४	[× पातमोक्षः २०।४४
६	श	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५	०	क्षयः
७	र	५३	६	म	१०	५८	व	४१	५२	ग	२६	८	२१	८	५२	१३	३१	५	सिंहे	भ. ५३।६ उ.
८	चं	४७	१७	पू	६	३०	शि	३३	५७	वि	२०	११	२१	८	५२	१४	३२	६	कं. २०।४१	भ. २०।११ या. मिथुनेऽर्कः २५।२० +
९	मं	४२	२	उ	५४	५६ ३२	व्य	२६	५८	वा	१४	३९	२२	८	५२	१५	१	७	कन्या	[+पश्चिमास्तोबुधः ५।१९
१०	बु	३७	२५	चि	५७	२६	व	२०	१९	तै	९	४४	२२	८	५२	१६	२	८	तु. २८।३१	गंगादशहरा [÷त्वारंभः १७/२४ निर्जला ११ ब्र.
११	शु	३३	४१	स्वा	५६	६	प	१४	३०	व	५	३३	२३	७	५३	१७	३	९	तुलायां	भ. ५।३३ उ. ३३।४१ या. शुक्रबृद्ध- ÷
१२	शु	३०	५४	वि	५५	१६	शि	९	५५	ब	२	१८	२३	७	५३	१८	४	१०	बृ. ४०।२९	प्रदोष दक्षिणायनप्रवृत्तिः ३०।२८
१३	श	२९	१२	अ	५५	४१	सि	५	२३	तै	२९	१२	२३	७	५३	१९	५	११	बृश्चिके	बट सावित्री व्रत्तारंभ
१४	र	२८	५१	ज्ये	५८	१	सा	२२	५७ ३६	व	२८	५१	२४	७	५३	२०	६	१२	ध. ५८।१	भ. २८।५१ उ. ५९।२० या.
१५	चं	२९	५०	मू	६०	०	शु	५८	५६	व	२९	५०	२४	७	५३	२१	७	१३	धनुषि	आर्द्रायां रविः २६।५२ प.अ.शु

९ पं.प्र.ज्ये.शु.१मं.इ.८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	८	२	३	०	१
२४	१६	१३	१	१७	२५	१९	२४
१	४	५३	५१	२८	१	१५	७
३१	८	४७	२९	५५	१६	२५	८
५७	३१	२८ ३	५२ ७	२९ ५०	४	३	५७
५४५	ब	बृ	ब	ब	५०	११	२२

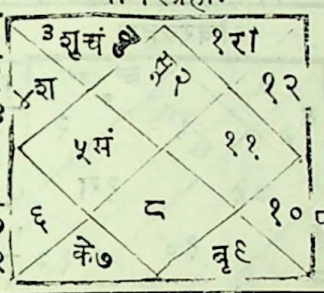

ज्येष्ठ शुक्ला ८ चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा ५ न. ६ बालावस्था (बैठी) मु.४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदयः पश्चिमे वत्सउत्तरे राहुः पश्चिमे मूल स्वर्गे ।

गोचरग्रहाः

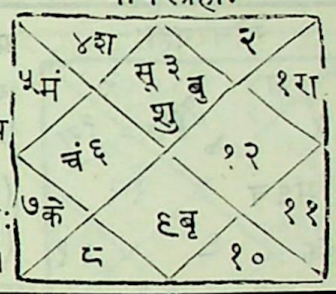

१०पं.ज्ये.शु.९मं.इ.८।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	८	२	३	०	२
०	१९	१२	०	१५	२५	१८	०
४०	३०	१८	५८	६	३७	५३	४८
३९	४	७	१२	७	२६	१०	५०
५६	३३	२३	५२ ७	२६	५	३	५७
५७	०	ब	ब	ब	१४	११	१७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं०२००५ शाकः १८७०						दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	३१	४८	मू	१	१७	व्र	५८	४१	वा	०	४९	३४ ५४	५ ५३ ६	२२	८	१४	धनुषि	वक्री ज्येष्ठाया ४ वृश्चिके गुरुः ४५।३५
२	बु	३५	१७	पू	५	४१	ऐं	५९	१६	तै	३	३३	२४	७	५३	२३	९	१५	म. २२।३	
३	गु	३९	२९	उ	११	८	वै	६०	०	व	७	२३	२४	७	५३	२४	१०	१६	मकरे	भ. ७।२३ उ. ३९।२९ या.
४	शु	४४	१२	श्र	१७	९	वै	०	२७	व	११	५१	२३	७	५३	२५	११	१७	कु. ५०।१८	सार्पे ४ शनिः ४९।७ चतुर्थी ब्र.
५	श	४८	५६	ध	२३	२७	वि	१	५५	कौ	१६	३४	२३	७	५३	२६	१२	१८	कुम्भे	पू.शु.उ.
६	र	५३	४७	श	२९	५५	प्री	३	२९	ग	२१	२१	२३	७	५३	२७	१३	१९	कुम्भे	भ. ५३।४७ उ.
७	चं	५८	२	पू	३५	४५	आ	४	५२	वि	२५	५५	२२	८	५२	२८	१४	२०	मी १९।१८	भ. २५।५५ या. उफांयां भौमः ५४।१०
८	मं	६०	०	उ	४१	२	सा	५	३६	वा	२९	४२	२२	८	५२	२९	१५	२१	मीने	वक्री मृगे बुधः ०।१२ पूर्वोदयीशुक्रः ५३/५२
८	बु	१	२२	रे	४५	३६	शो	५	५७	कौ	१	२२	२१	८	५२	३०	१६	२२	मे. ४५।३६	वक्री मृगेशुक्रः ३०।६
९	गु	३	३५	अ	४८	२७	अ	५	१२	ग	३	३५	२०	८	५२	१	१७	२३	मेषे	भ. ३४।५ उ.
१०	शु	४	३६	भ	५०	१६	सु	३	३२	वि	४	३६	१९	८	५२	२	१८	२४	मेषे	भ. ४।३६ या. शुक्रवाल्यत्व समाप्ति ५३/५२
११	श	४	२०	कृ	५०	५४	धृ	५४	५० ५६	वा	४	२०	१८	८	५२	३	१९	२५	बृ. ५।२५	पातस्पर्शः ५१।३० योगिनी ११ ब्र.
१२	र	२	४५	रो	५०	३८	गं	५२	३८	तै	२	४५	१६	९	५१	४	२०	२६	बृषे	पूर्वोदयीबुधः ५।२२ पातमोक्षः ९।१६ प्रदोषः
१३	चं	१	०	मृ	४९	१०	बृ	४७	९	व	१	०	१५	९	५१	५	२१	२७	मि १९।५४	भ. १।० उ. २८।३८ या. पुन. रवि ३०।५३
१४	चं	५५	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [कन्यायां भौमः ४।५९
३०	मं	५१	३६	आ	४५	५७	धृ	४०	५९	च	२३	५७	१४	९	५१	६	२२	२८	मिथुने	अमावस्या

११ पं.आ.कृ.१मं.ई.८।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	८	२	३	१	२
७	२३	१०	०	११	२६	१८	७
१९	४	१८	४	१३	१७	३०	२९
७	४४	४	५५	४४	२	५५	१३
५६	३४	२७ ३	५२ ५	४९ ३०	५	३	५७
५४	१४	ब	ब	ब	४१	११	१३

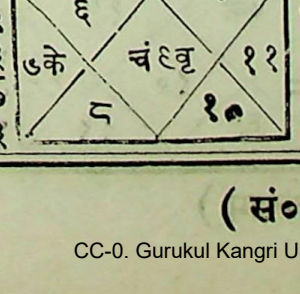

१२ पं.आ.कृ.८मं.इ.८।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	७	२	३	०	२
१३	२६	६	२९	६	२७	१८	१४
५७	४८	३५	१३	५२	०	९	९
१०	४	३१	१	३०	०	३९	४३
५६	३४	२५	२७	५८	६	३	५७
५८	५८	ब	ब	ब	२	११	७

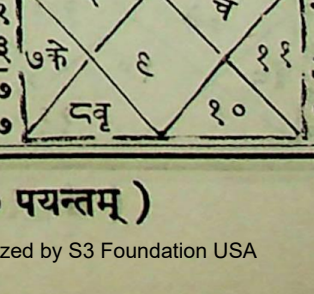

१३पं.आ.कृ.१५मं.इ.७।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	८	७	२	३	०	२
२०	०	६	२९	७	२७	१८	१४
३५	३७	३५	१३	५२	०	९	९
६	३०	३१	१	३०	०	३९	४३
५६	३४	२५	२७	५८	६	३	५७
५०	५८	ब	ब	ब	२	११	७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्ष. स.२००५ शाकः १८७०	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्र	ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४८४२स.१९४८
१	बृ ४६ ८ पु ४२ ५१ व्या ३४ १६ कं १८ ५३ ३४ १२ ५ १० ५० ६ ७ २३ २९	क. २८।३८							
२	गु ४० ३५ पु ३९ ६ ह्व २७ १० बा १३ २१ ११ १० ५० ८ २४ ३०	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा.						
३	शु ३४ ३६ श्ले ३५ ४ व १९ ३९ तै ७ ३५ १० १० ५० ९ २५ १	सिं ३५।४	रमजान ९ रोजा						
४	श २८ २४ म ३० ५८ सि १२ ५ व १ ३० ९ १० ५० १० २६ २	सिंहे	भ. १।३० उ. २८।२४ या. मार्गी *						
५	र २२ २० पू २६ ४८ व्य ३५ ३४ बा २२ २० ७ ११ ४९ ११ २७ ३	कं. ४०।५१	आर्द्रायां बुध ११।२५ [*बुधः ११।४०						
६	चं १६ १८ उ २३ ० प ५० ६ तै १६ २८ ६ ११ ४९ १२ २८ ४	कन्या							
७	मं ११ ६ ह १९ ५४ शि ४३ २९ व ११ ६ ४ ११ ४९ १३ २९ ५	तु. ४८।३७	भ. ११।६ उ. ३८।४५ या.						
८	बु ६ २५ चि १७ २० सि ३७ ३२ ब ६ २५ २ १२ ४८ १४ ३० ६	तुलायां							
९	गु २ २६ स्वा १५ ३३ सा ३२ १८ कौ २ २६ ३० ० १२ ४८ १५ ३१ ७	तुलायां	मार्गी शुक्र. २०।२८						
१०	गु ५७ १७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	[×देवशयनी ११ब्र.						
११	शु ५८ ० वि १४ ५७ शु २८ ४ व २८ ५२ ३३ १९ १२ ४८ १६ ३२ ८	वृ. ०।६	भ.२८।५२उ.५८।०या.कर्वेऽर्क३।३७×						
१२	श ५७ ३१ अ १५ २७ शु २४ ४१ व २७ ४५ ५६ १३ ४७ १७ १ ९	वृश्चिके	देवशयनी ११ ब्र. वै.नि.						
१३	र ५८ २४ ज्ये १७ २ ब २२ १७ कौ २७ ५७ ५४ १३ ४७ १८ २ १०	ध. १७।२	प्रदोषः						
१४	चं ६० ० मू १९ ५७ ऐं २० ५६ ग २९ ३० ५२ १४ ४६ १९ ३ ११	धनुषि	पुष्ये रवि. ३४।१८						
१४	मं ० ३६ पू २४ ७ वै २० २९ व ० ३६ ५० १४ ४६ २० ४ १२	म.४०।२३	भ. ०।३६ उ. ३२।९ या.						
१५	बु ३ ४२ उ २९ १० वि २० ५० ब ३ ४२ ४७ १५ ४५ २१ ५ १३	मकरे							

१४पं.आ.शु.७म.इ.७।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	७	२	३	०	२
२७	४	७	२७	१	२८	१७	२७
१३	३३	२८	४१	३२	३२	२४	३०
१२	५०	५२	३८	२	५३	८	२९
५६	३६	५५	९	८	६	३	५७
५५	२६	मा	ब्र	बु	३७	११	११

गोचरग्रहाः

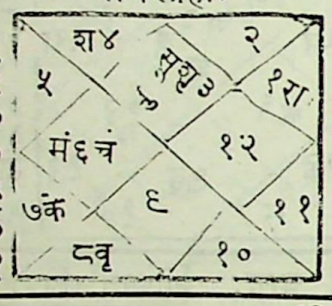

आषाढ़ शुक्ला १० शुक्रे कर्केऽर्कः प्र. बा. ५ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

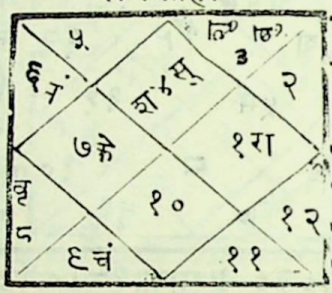

१४पं.आ.शु.१४मं.इ.३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	७	२	३	०	३
३	८	१४	२७	१	२९	१७	४
५१	३५	१५	४	३८	२२	१	११
४०	४९	३२	५५	२०	३७	५३	१३
५६	३७	५९	५३	१७	५	३	५७
५७	८	५	ब	मा	५०	११	१५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं.२००५ शाक १८७०	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	वर्षाऋतूरविर्दक्षिणे आषाढ कृ. महाराष्ट्राः
१	गु ७ ४८ श्र ३५ १२ श्री २१ ५५ कौ ७ ४८ ३३ ४५ ५ ५ ४५ ६ २२ ६ १४	मकरे	हस्ते भौमः २३।४०						
२	शु १२ २८ ध ४१ ३२ आ २३ २१ ग १२ २८ ४२ १६ ४४ २३ ७ १५	कु. ८।२२	भ. ४५।० उ. पुनर्वसौ बुधः ५७।१४						
३	श १७ ३३ श ४७ ५७ सो २४ ५९ वि १७ ३३ ४० १६ ४४ २४ ८ १६	कुम्भे	भ. १७।३३ या. चतुर्थी ब्र.						
४	र २२ ८ पू ५४ ० शो २६ २२ बा २२ ८ ३७ १७ ४३ २५ ९ १७	मी ३७।२९	वक्री ज्येष्ठायां ३ गुरुः ५९।४६ सिंहे ÷						
५	चं २६ २२ उ ५९ ३ अ २७ १९ तै ६ २२ ३५ १७ ४३ २६ १० १८	मीने	नाग ५ [÷शनिः १३।५७						
६	मं २९ ४७ रे ६० ० सु २७ ४० व २९ ४७ ३२ १८ ४२ २७ ११ १९	मीने	भ. २९।४७ उ.भरण्यां १ राहु.स्वात्यां*						
७	बु ३२ ३४ रे ४ १ धृ २७ १२ वि १ १० ३० १८ ४२ २८ १२ २०	मे.४।१	भ. १।१० या. [*३केतु. ०।३५						
८	गु ३३ ९ अ ७ १८ शु २५ ४५ बा २ ५१ ३७ १९ ४१ २९ १३ २१	मेषे	कर्के बुधः ५७।१०						
९	शु ३३ १ भ ९ २४ गं २३ १५ तै ३ ५ २४ १९ ४१ ३० १४ २२	वृ. २४।३८	पूर्वास्तंबुधः १६।२५						
१०	श ३१ ३१ कृ १० २२ बृ १९ ५२ व २ १६ २१ २० ४० ३१ १५ २३	वृषे	भ.२।१६ उ. ३१।३१ या पूष्येबुधः ५१ १४						
११	र २८ ५१ रा ९ ५५ धु १५ २७ ब ० ११ १८ २० ४० १ १६ २४	मि ३९।११	अस्तंशनेः ४७।३६ अगस्त मा ८ तां ३१						
१२	चं २५ १३ मृ ८ २७ व्या १० ५ तै २५ १३ १५ २१ ३९ २ १७ २५	मिथुने	आश्लेषायां रविः ३५।६ आर्द्रायां शुक्रः ५५ ५४						
१३	मं २० ४१ आ ६ ३ ह ४ १ ५३ २९ व २० ४१ १२ २२ २८ ३ १८ २६	क. ४८।५६	भ. २०।४१ उ. ४८।४ या						
१४	बु १५ २७ पु ३३ ५६ ७ सि ५० ११ श १५ २७ ९ २२ ३८ ४ १९ २७	कन्या							
३०	गु ९ ४५ श्ले ५५ २५ व्य ४२ ४१ ना ९ ४५ ६ २३ ३७ ५ २० २८	तु. ५५।२५	हरियाली ३०						

१६ पं. श्रा.कृ.६म.इ.७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	७	२	४	०	३
१०	१२	२५	२६	३	०	१६	१०
३०	४४	१७	३५	२९	१३	३९	५२
५८	१०	१०	४६	२४	१९	३८	१४
५७	३७	०	४५	२४	७	३	५७
५२३	०	९	ब्र	४७	२	११	२०

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच गुरु-वार उत्तम है प्रजा में सुख शांति धान्य भाव सम वर्षा ठीक२ साधारण होगी वायु का जोर रहेगा।

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ१३मं.इ७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	७	२	४	०	३
१७	१६	७	२६	६	१	१६	१७
१०	५७	५७	१४	४५	५	१८	३३
४६	०	१८	३५	०	३१	२२	५८
५७	३८	५९	३२	३५	७	३	५७
१२	२५	९३	ब्र	२८	१४	११	२४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावणशुक्लपक्षः सं० २००५ शाकः १८७०										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४८७२स१९४८
१	शु	३	४७	म	५१	१७	व	३५	५	व	३	४७	३३ ३	५ २३	६ ३७	६	२१	२९	सिंहे	चंद्रद.
२	शु	५३	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	श	५१	३३	पू	४७	९	प	२७	२८	तै	२४	३७	०	२४	३६	७	२२	१	सिंहे	सार्पेबुधः १३०सव्वाल१०ईद.तीज मधुश्रवा३
४	र	४५	३४	उ	४३	१९	शि	१९	५९	व	१८	३३	३३ ५७	२५	३५	८	२३	२	कं.१।११	भ १८।३३ उ. ४५।३३ या. वरद ४
५	चं	४०	१८	ह	४०	२	सि	१२	४८	व	१२	५६	५४	२५	३५	९	२४	३	कन्या	नाग पंचमी.
६	मं	३५	३४	चि	३७	१२	सा	५९	५३०	कौ	७	५६	५०	२६	३४	१०	२५	४	तु.८।३७	वर्ण ६
७	बु	३१	३८	स्वा	३५	४	शु	५४	२६	ग	३	३६	४७	२७	३३	११	२६	५	तुलायां	भ. ३१।३८ उ. शीतला ७ तुलसीज
८	गु	२८	४५	वि	३४	१५	अ	४९	५२	वि	०	२१	४४	२७	३३	१२	२७	६	वृ.१९।२७	भ. ०।१२ या. दुर्गा ८
९	शु	२६	५९	अ	३४	३०	ऐं	४६	१४	कौ	२६	५९	४०	२८	३२	१३	२८	७	वृश्चिके	सिंहे बुधः ४३ चित्रायां भौमः ३५
१०	श	२६	३२	ज्ये	३५	५०	वै	४३	३७	ग	२६	३२	३७	२९	३१	१४	२९	८	ध.३५।५०	भ. ५६।५६ उ. कल्कि जयंती.
११	र	२७	२०	मू	३८	२८	वि	४१	५८	वि	२७	२०	३३	२९	३१	१५	३०	९	धनुषि	भ.२७या.मार्गीगुरु.३५।४६पवित्रा११ब्र.
१२	चं	२९	१८	पू	४२	२३	प्री	४१	१८	वा	२९	१८	३०	३०	३०	१६	३१	१०	म.५८।३०	सिंहेऽर्कः ३१।३३ प्रदोषः
१३	मं	३२	२७	उ	४७	२१	आ	४१	३१	कौ	०	५२	२६	३१	२९	१७	१	११	मकरे	
१४	बु	३६	३६	अ	५३	१४	सौ	४२	२७	ग	४	३१	२७	३२	२८	१८	२	१२	मकरे	भ.३६।३६ उ.ऋग्वेदीनां श्रावणीकर्म.
१५	गु	४१	१७	ध	५९	२५	शो	४३	१४	वि	५६		१८	३२	२८	१९	३	१३	कु.२६।१९	भ. ८।५८ या.श्रावणी कर्म. रक्षाबंधन

१८ प.श्रा. शु.६ मं.इ.७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	७	२	४	१	३
२३	२१	२२	२६	११	१	१५	२४
५१	१४	२६	२	७	५८	५५	१६
५४	३५	४२	१७	१२	३७	६	२५
५७	३८	२९	१२	४३	७	३	५७
२२	५७	१८	ब	३९	२०	११	३३

गोचरग्रहर

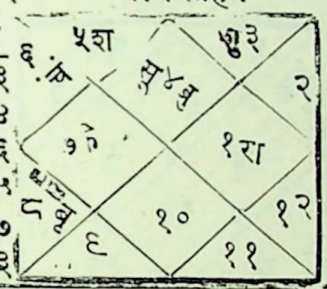

श्रामणशुक्ला १२ चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ५ गतालकास्था (ऊभी) मुहूर्ताः ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहर

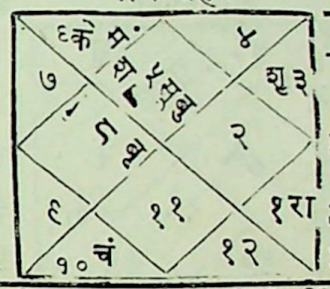

१९ पं.श्रा.शु १३ मं.इ.७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	७	२	४	०	४
०	२५	६	२५	१६	२	१५	०
३४	३८	२६	५९	१९	५२	३२	५९
७	२८	१७	१०	३०	५	५२	४६
५७	३९	२३	२०	४९	७	३	५७
३४	२८	२३	मा	४०	२०	११	४०

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २००५ शाकः १८७०										दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेश्रा.कृष्णेति महाराष्ट्रा
१	शु	४६	७	श	६०	०	अ	४५	२१	वा	१३	४३	३२ १५	५ ३३	६ २७	२०	४	१४	कुम्भे	पूफायां बुधः ४५ मघायां २ शनिः ३७ ५९
२	श	५१	०	श	५	५०	सु	४६	५०	तै	१८	३३	११	२४	२६	२१	५	१५	मी५५।१६	पुनर्वसौ शुक्रः ४०।५२
३	र	५५	२०	पू	११	४६	धृ	४७	५३	व	२३	१०	७	३५	२५	२२	६	१६	मीने	भ.२३।१०उ.५५।२० या. कज्जली ३
४	चं	५८	४९	उ	१७	२७	शू	४८	१९	व	२७	४	४	३५	२५	२३	७	१७	मीने	तुलायां भौमः ५७।४६ चतुर्थी ब्र.
५	मं	६०	०	चि	२२	९	गं	४७	५८	कौ	३०	३	०	३६	२४	२४	८	१८	मे.२२।९	
५	बु	१	१६	अ	२५	५४	बृ	४६	३९	तै	१	१६	३ ५९	३७	२३	२५	९	१९	मेषे	पश्चिमोदयी बुधः १७।५३ चंद्र
६	गु	२	३३	भ	२८	५	ध्रु	४४	२१	व	२	३३	५२	३८	२२	२६	१०	२०	वृ. ४३।२४	भ. २।३३ उ. ३२।३१ या. हल ६
७	शु	२	३०	कृ	२९	२१	व्या	४०	५०	ब	२	३०	४८	३८	२२	२७	११	२१	बृषे	श्रीकृष्णजयंता ब्र. अगस्त्योदयः ३१।०
८	श	१	९	रो	२९	१९	ह	३६	५५	कौ	१	९	४४	३९	२१	२८	१२	२२	मि.५८।४०	उफायांबुधः ६।५९
९	श	५७	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[*१४।५४ अजा ११ ब्र.
१०	र	५५	१	मृ	२८	१	व	३१	२९	व	२६	४८	४०	४०	२०	२९	१३	२३	मिथुने	भ.२६।४८उ.५५।१या.
११	चं	५०	३८	आ	२५	४८	सि	२५	३०	ब	२२	५०	३६	४१	१९	३०	१४	२४	मिथुने	पूफायां रविः २२।२४ कन्यायां बुधः*
१२	मं	४५	२८	पु	२२	५९	व्य	१८	५५	कौ	१८	३	३२	४२	१८	३१	१५	२५	क.८।४१	वामन जयंती.वत्स १२[! कुशाग्रहणी.
१३	बु	३९	४८	पु	१९	२७	व	११	१२	ग	१२	३८	२८	४२	१८	१	१६	२६	कर्के	भ.३९।४८ उ. कर्के शुक्रः ३३।१६ ×
१४	गु	३३	५४	श्ले	१५	२४	ष	१ ५९	५५ ४९	वि	६	५	२४	४३	१७	२	१७	२७	सिं१५।२४	भ. ६।५ या. [×सितंबर ९ ता० ३०
२०	शु	२७	५०	म	११	२२	सि	४९	२	च	०	५२	२१	४४	१६	३	१८	२८	सिंहे	स्वात्यां भौमः७।५१पिठोरी३०सतीपू!

२० पं. भा. कृ.५ मं.इ.६।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	७	२	४	०	४
७	०	१९	२६	२२	३	१५	७
१७	६	२४	५	१२	४५	१०	४४
४०	४	५०	२४	२९	३२	३६	१७
५७	३९	२२	१	५४	७	३	५७
४५	५३	१९	२८	२६	२०	११	४८

गोचरग्रहाः

इस मासमें धान्य रुई सूत कपड़ा जौ गेहूं चांवल मूंग मोठ बाजरा पाट कुष्टा में घटाबढी बहुत होगी।

गोचरग्रहाः

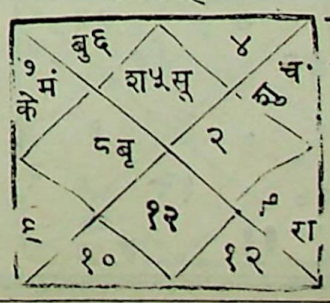

२१ पं.भा.कृ.१२ मं.इ.६।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	२	४	०	४
१४	४	१	२६	२८	४	१४	१४
२	३८	२१	२०	३६	३८	४८	२९
५२	१३	७	१३	४	४६	२१	५३
५७	४०	९३	२	५८	७	३	५८
५७	२१	४९	४४	१३	१४	११	१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.भाद्रपद शुक्लपक्षः स.२००५ शाकः १८७० | दि. उ. अ. इ. हि. मु. | चंद्र | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९०१स.१९४८

१	श	२१	४६	पू	७	१०	सा	४१	३०	ब	२१	४६	३/१७	४५	१५	४	१९	२९	क.२१।१२
२	र	१६	२	उ	३/८	५६/२२	शु	३४	१५	कौ	१६	२	१४	४५	१५	५	२०	३०	कन्या
३	चं	१०	३७	चि	५६	४३	शु	२७	२३	ग	१०	३७	१०	४६	१४	६	२१	१	तु. २८।११
४	मं	५	५१	स्वा	५४	४४	न	२०	५९	वि	५	५१	६	४७	१३	७	२२	२	तुलायां
५	बु	१	५८	वि	५३	८	ऐं	१५	१८	ग्र	१	५८	२	४८	१२	८	२३	३	वृ. २८।३२
६	गु	५७	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	शु	५७	२१	अ	५३	२३	वै	१०	२९	ग	२८	१४	३०/५८	४८	१२	९	२४	४	बृश्चिके
८	श	५६	५४	ज्ये	५४	२४	वि	६	३३	वि	२७	७	५४	४९	११	१०	२५	५	ध. ५४।२४
९	श	५७	४५	मू	५६	४७	धी	२	५३	ग्र	२७	१९	४९	५०	१०	११	२६	६	धनुषि
१०	र	५९	४४	पू	६०	०	आ	१	३९	तै	२८	४५	४५	५१	९	१२	२७	७	धनुषि
११	चं	६०	०	पू	०	२६	सौ	०	४३	व	३१	२६	४०	५२	८	१३	२८	८	म.१६।३६
११	मं	२	५३	उ	५	८	शो	०	४६	वि	२	५३	३६	५३	७	१४	२९	९	मकरे
१२	बु	७	५	अ	१०	४६	अ	१	२९	ग्र	७	५	३२	५४	६	१५	३०	१०	कु.४३।५०
१३	गु	११	५०	ध	१६	५४	सु	२	३४	तै	११	५०	२८	५४	६	१६	३१	११	कुम्भे
१४	शु	१६	४६	श	२३	१४	ध्रु	४	१	व	१६	४६	२४	५५	५	१७	१	१२	कुम्भे
१५	श	२१	४३	पू	२९	२८	शु	५	३६	ब	२१	४३	२०	५६	४	१८	२	१३	मी ६।१४

[*शनेः ४५।२ जिल्काद ११ गणेश ४ चंद्रद. हस्ते बुधः ३२।३ पुष्ये शुक्रः ५/१० भ.३८।१४उ.ज्येष्ठायां४गुरुः३।६उदयं*
भ. ५।५१ या ऋषि ५

क्षयः
भ. ५७।२१ उ. महालक्ष्मी ब्र.
भ. २७।७ या.

[×जलभूलनी ११ब्र. वैं.
भ. ३१।२६ उ. उफायां रविः ७।३
भ. २।५३ या. चित्रायां बुधः ५७।५६×
प्रदोषः श्रवण १२
कन्यायामर्कः ३/१४मघायां ३ शनिः ३/४°÷
भ.१६।४६उ.४९।१४या. [÷अनंत१४
सार्पेशुक्रः७।२९प्रौष्ठपदी१५महालयारम्भ

२२पं.भा.शु.४मं.इ.६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	३	४	०	४
२०	९	१२	२६	५	५	१४	२१
४९	१४	१७	४४	२३	३१	२६	४५
३२	३८	१०	१३	२८	२३	५	५९
५८	४०	८७	३	६१	७	३	५८
१२	४१	१	५९	०	८	११	१३

गोचरग्रहाः

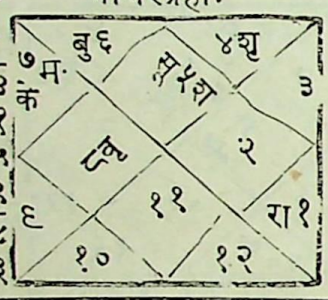

भाद्रपद शुक्ला १३ गुरौ
कन्यायामर्कः प्र.बा.४
न. ५ प्रौढावस्था
(बैठी) मुहूर्ताः १५
(धान्य भाव तेज)
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

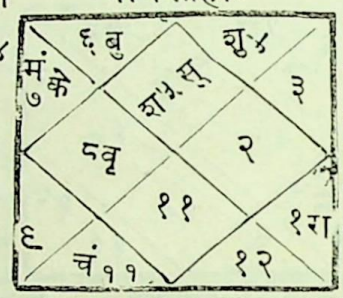

२३पं.भा.शु.११मं.इ.६।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	३	४	०	३
२७	१३	२२	२७	१२	६	१४	२८
३७	५४	११	१६	३०	२३	३	५
५७	५८	६	१९	५०	१०	५०	२४
५८	४१	८०	५	६३	७	३	५८
२९	१६	१९	७	१९	२	११	२७

ति.आश्विन कृष्णपक्षः सं.२००५ शाक १८७० | दि. उ. अ. इ. हि. मु. | चंद्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद्र कृ. महाराष्ट्राः

१	र	२६	८	उ	३५	१६	गं	६	२७	कौ	१६	८	३०/१६	५/५७	६/३	१९	३	१४	मीने
२	चं	२९	४३	रे	४०	८	वृ	७	२	ग	२९	४३	१२	५८	२	२०	४	१५	मे.४०।८
३	मं	३२	१८	अ	४४	६	धु	६	५०	व	१	०	८	५८	२	२१	५	१६	मेषे
४	बु	३३	५६	भ	४६	३७	व्या	६	४	व	३	७	४	५९	१	२२	६	१७	मेषे
५	गु	३३	४३	कृ	४८	५	ह	३	३२	कौ	४	२०	०	६/०	०/०	२३	७	१८	वृ. १।५९
६	शु	३२	२१	रो	४८	२३	व	०/२६	५५/४८	ग	३	२	२/५६	६/१	५/३	२४	८	१९	वृषे
७	श	२९	५४	मृ	४७	१९	व्य	५१	१३	वि	१	७	५१	२	५८	२५	९	२०	मि १७।५१
८	र	२६	२६	आ	४५	९	व	४५	२१	कौ	२६	२६	४७	३	५७	२६	१०	२१	मिथुने
९	चं	२२	७	पु	४२	९	प	३८	४४	ग	२२	७	४२	४	५६	२७	११	२२	क. २७।५४
१०	मं	१७	५	पु	३९	४	श्लि	३१	४५	वि	१७	५	३८	४	५६	२८	१२	२३	कर्के
११	बु	११	२८	श्ले	३५	२०	सि	२४	१७	त्रा	११	२८	३४	५	५५	२९	१३	२४	सिं ३५।२०
१२	गु	५	४६	म	३१	७	सा	१६	३३	तै	५	४६	३०	६	५४	३०	१४	२५	सिंहे
१३	गु	५३	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	शु	५३	३९	पू	२६	५८	शु	९	२८	वि	२६	३९	२६	७	५३	१	१५	२६	क.४०।०
३०	श	५३	४५	उ	२३	६	शु	१/३	५२/३३	च	२०	५२	२२	८	५२	२	१६	२७	कन्या

[*२ केतुः५३।१८
इन्दिरा ११ ब्र.
भ.५९।३९उ.सिंहे शुक्रः२०।३५युगादिः

तुलायां बुधः २३।५२
भ. १।० उ. ३२ १८ या. चतुर्थी ब्र.

विशाखायां भौमः २।१४
भ. ३२।२१ उ.
भ. १।७ या.
हस्तेरविः ४४।४२ स्वात्यां बुधः५७।२०
भ. ४९।३६ उ.अश्विन्यां४राहुःस्वात्यां*
भ. १७।५ या.
भ. २६।३९ या अक्टू र १० ता० ३१
सर्वपितृ ३०

२४ पं. आ.कृ.३म.इ.६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	७	३	४	०	५
४	१८	०	२७	१९	७	१३	४
२८	३९	५०	५६	५३	१३	४१	५५
२	१९	३५	२८	४६	१२	३५	१६
५८	४१	७१	६	६५	६	३	५८
४५	४६	३२	१४	१	४४	११	३८

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में
ज्वरादि पीड़ा होगी
धान्य अलसी रुई
गला मंदा होगा
वर्षा होगी चांदी
चपड़ा में तेजी होगी

गोचरग्रहाः

२५पं.भा.कृ१०मं.इ६।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	७	३	४	०	५
११	२३	७	२८	२७	८	१३	११
२०	२८	४७	४४	३०	२	१९	४६
८	१६	२४	१०	५८	३१	१९	५५
५९	४३	५८	७	६६	६	३	५८
०	७	४४	१२	३२	३१	११	५३

* ७ बु.मं.के.

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

+७ बु. मं. के.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२००५शाकः१८७०									दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चंद्र	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९३०सन्१९४८
१	र	४३	४५	ह	१९	२८	ऐं	४६	४१	कं	१५	५५	२९/१८	६/८	५/३	३	१७ २८	तु.४७।५४	नवरात्रारभ. घनस्था.
२	चं	३८	१	चि	१६	२०	वें	४०	४	बा	१०	५३	१४	९	५१	४	१८ २९	तुलायां	चंद्रद.
३	मं	३४	१४	स्वा	१४	७	वि	३४	११	तै	६	७	१०	१०	५०	५	१९ १	वृ.५७।५६	जिल्हेज १२
४	बु	३१	२६	वि	१२	३२	प्री	२९	०	व	२	५०	६	११	४९	६	२० २	वृश्चिके	भ. २।५० उ. ३१।२६ या.
५	गु	२९	४६	अ	१२	१३	आ	२४	५०	ब	०	३१	२	१२	४८	७	२१ ३	वृश्चिके	वृश्चिके भौमः २६।१ धनुषि गुरुः ३६।८
६	शु	२९	२५	ज्ये	१२	५९	सौ	२१	२९	तै	२९	२५	२९/२८	१२	४८	८	२२ ४	ध १२।५९	
७	श	३०	१८	मू	१४	४४	शो	१९	१६	व	३०	१८	५४	१३	४७	९	२३ ५	धनुषि	भ.३०/१८ उ. वक्री बुधः २१/४ सरस्वत्यावाहनं.
८	र	३२	२३	पू	१८	२५	अ	१७	५८	वि	१	२०	५०	१४	४६	१०	२४ ६	म.३४।३१	भ. १।२० या. चित्रायां रविः १५।१९*
९	चं	३५	३६	उ	२२	५०	सु	१७	३७	बा	३	५९	४६	१५	४५	११	२५ ७	मकरे	[* सरस्वती पू.
१०	मं	३९	५३	अ	२८	१७	धृ	१८	४	तै	७	४४	४२	१६	४४	१२	२६ ८	मकरे	फूफायांशुक्रः९।९मैत्रेभौमः१०।९बौद्धज.
११	बु	४४	४३	ध	३४	९	शू	१९	३	व	१२	१८	३८	१६	४४	१३	२७ ९	कुं १।१३	भ. १२/१८ उ. ४४/४३ या.पापांकुशा११ब्र.हज्र.
१२	गु	४९	४५	श	४०	३९	गं	२०	२३	व	१७	१४	३४	१७	४३	१४	२८ १०	कुम्भे	पश्चिमास्तोबुधः २९/५९
१३	शु	५४	४७	पू	४७	३	बृ	२२	५	कौ	२२	१६	३०	१८	४२	१५	२९ ११	मी३०।२७	प्रदोषः [—विजय१०सरस्वती विसर्जनं
१४	श	५९	१८	उ	५२	५२	शु	२२	५५	ग	२७	२	२६	१९	४१	१६	३० १२	मीने	भ.५९/१६ उ.तुलायामकें:५/३ मघायां४शनि३३/१९
१५	र	६०	०	रे	५८	१३	व्या	२३	३६	वि	३१	८	२२	२०	४०	१७	१ १३	मे.५८।१३	भ.३/८१ या.वक्री चित्रायांबुधः३७/१५ शरत्सं.=
१५	चं	२	५३	अ	६०	०	ह	२३	२६	व	२	५८	१८	२०	४०	१८	२ १४	मेषे	कार्तिक स्नानारंभः [=कोजागर्ति व्रतं.

२६ प.आ.शु. ३ मं.इ.६।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	७	४	४	०	५
१८	२८	१२	२९	५	८	१२	१८
१३	२०	१	३९	१९	४९	५७	४०
५६	३८	४४	४	२६	१	४	१२
५९	४२	३३	८	६७	६	३	५९
१६	३५	९	२२	४५	१५	११	९

गोचरग्रहः

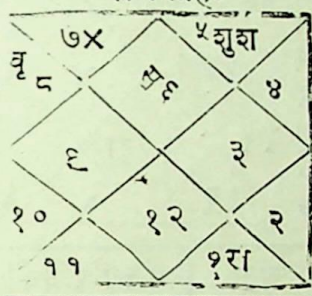

आश्विन शुक्ला

१४ शनौ तुलायामर्कः प्र. वा.३ न. ४ प्रग- ल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहः

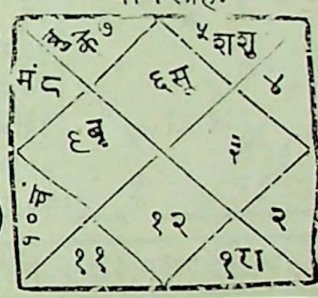

२७पं.आ.शु.१० मं.इ.५।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	८	४	४	०	५
२५	३	११	०	१३	९	१२	२५
९	१६	२२	४०	१६	३३	२४	३५
३९	५५	४८	५	१२	०	४९	१०
५९	४२	२९/४६	९	६८	५	३	५९
२१	५२	ब्र	८	४८	५०	११	२१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २००५ शाकः १८७०									दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्र	वर्षतूं रविर्दक्षिणेश्रावणकृष्णे ति महाराष्ट्र
१	मं	५	३४	अ	२	१५	व	२२	२९	कौ	५	३४	२९/१४	६/२१	५/३	१९ ३	१५	मेषे	
२	बु	७	४	भ	५	२०	सि	२०	३३	ग	७	४	१०	२२	३८	२० ४	१६	बृ.२०।३८	भ. ३७।२ उ.
३	गु	७	१	कृ	६	३४	व्य	१७	४६	वि	७	१	६	२३	३७	२१ ५	१७	बृषे	भ. ७।१ या. करक ४
४	शु	६	०	रो	७	२०	व	१३	४१	ग्रा	६	०	२	२४	३६	२२ ६	१८	मि३६।५७	वक्रीकन्यायां बुधः ३८।३
५	श	३	३७	मृ	६	३४	प	८	५६	तै	३	३७	२७/५८	२४	३६	२३ ७	१९	मिथुने	स्वात्यांरविः ३९।३
६	र	०	१४	आ	४	४७	शि	३	५३/३२	व	०	१४	५४	२५	३५	२४ ८	२०	क.४७।४९	भ. ०।१४ उ. २८।६ या.
७	र	५५	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	क्षयः
८	चं	५१	२	पु	२/१९	५७/३४	सा	४९	३८	ग्रा	२३	३०	५०	२६	३४	२५ ९	२१	कर्के	होई ८
९	मं	४५	३२	श्ले	५५	६	शु	४२	१२	तै	१८	१७	४६	२७	३३	२६ १०	२२	सिं५५।६	कन्यायां शुक्रः २७।२८
१०	बु	३९	४४	म	५१	२	शु	३४	३१	व	१२	३८	४२	२८	३२	२७ ११	२३	सिंह	भ.१२।३८उ.३९।४४यापूर्वोदयीबुधः १/१५
११	गु	३३	४९	पू	४७	१	च	२६	४४	ब	६	४६	३८	२८	३२	२८ १२	२४	सिंहे	मूले २ गुरुः ४।१६ रमा ११ ब्र.
१२	शु	२७	५३	उ	४२	५७	ऐं	१९	०	कौ	०	५१	३४	२९	३१	२९ १३	२५	कं.१।०	मार्गी बुधः१।१६प्रदोषःधन.१३गोवत्सपू.
१३	श	२१	५४	ह	३९	११	वै	११	२०	व	२१	५४	३१	३०	३०	३० १४	२६	कन्या	भ.२१/५४ उ.४९/२७ या. ज्येष्ठायां भौमः४०/९*
१४	र	१७	०	चि	३८	५८	वि	४/३	५३/१२	श	१७	०	२७	३१	२९	३१ १५	२७	तु.७।३४	महालक्ष्मी पू. [*रूप १४ नरक १४
३०	चं	५२	२७	स्वा	३३	२३	आ	५१	५	ना	१२	२७	२४	३१	२९	१ १६	२८	तुलायां	नवम्बर ११ ता० ३०

२८पं.का.कृ१मं.इ.५।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	८	४	४	०	६
२	८	४	१	२१	१०	१२	२
७	१६	२९	४६	२०	१३	१२	३१
८	१६	५३	५५	६	४८	३३	३७
५९	४३	५३	९	६९	५	३	५९
४६	७	ब्र	५२	३४	२६	११	३४

गोचरग्राह

इस मास में प्रजा में कुछ बिमारी होगी खांड गुड अलसी सिरस्युं एरंडा घी तेज तिल रुई सूत कपास में घट बढ।

गोचरग्रहः

२९पंका.कृ.९मं.इ.५।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	८	४	४	०	६
९	१३	२४	२	२९	१०	११	९
६	१९	३९	५८	३४	५१	५०	२९
३१	१२	७	५९	२३	२५	१८	५६
६०	४३	४९/५०	१०	७०	४	३	५९
२	३४	बृ	३७	२१	५७	११	४७

× ७ मं के बु चं

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं०२००५ शाकः १८७०										दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९६०स.१९४८
१	मं	८	३३	वि	३१	३४	सौ	४५	४०	ब	८	३३	२७ २०	६ ३२	२८	२	१७	२९	वृ.१७।१	कलमदवात पू. भ्रातृ २ यम २
२	बु	६	३	अ	३१	२	शो	४१	११	की	६	३	१७	३३	२७	२	१८	३०	वृश्चिके	चंद्रद. हस्ते शुक्रः ५१।५३
३	गु	४	३०	ज्ये	३१	३०	अ	३७	३४	ग	४	३०	१३	३३	२७	४	१९	१	ध.३१।३०	भ.३४।२१ उ. तुलायां बुधः ११।२८*
४	शु	४	१२	मू	३३	६	सु	३४	५९	वि	४	१२	१०	३४	२६	५	२०	२	धनुषि	भ.४।१२या.विशाखायां रविः५६।२८
५	श	५	१५	पू	३६	१६	धृ	३३	२४	त्रा	५	१५	६	३५	२५	६	२१	३	म.५२।२०	[*मोहर्रम१ सन् १३६८
६	र	७	२७	उ	४०	३२	शू	३२	४५	तै	७	२७	३	३५	२५	७	२२	४	मकरे	
७	चं	१०	४९	अ	४५	४७	गं	३२	५५	व	१०	४९	२६ २९	३६	२४	८	२३	५	मकरे	भ. १०।४९ उ. ४३।० या.
८	मं	१५	११	ध	५१	४३	बृ	३३	३९	ब	१५	११	५६	२७	२३	९	२४	६	कु.१९।१५	स्वात्यां बुधः ५३।१० गोप. ८
९	बु	२०	६	श	५८	४	ध्रु	३४	५०	की	२०	६	५२	३८	२२	१०	२५	७	कुम्भे	कुष्मांड ९ अक्षया ९
१०	गु	२५	१६	पू	६०	०	व्या	३६	१२	ग	२५	१६	४९	३८	२२	११	२६	८	मी ४७।५२	भ. ५७।५०उ. [÷प्रदोषः वैकुंठ १४
११	शु	३०	२५	पू	४	२८	ह	३७	२०	वि	३०	२५	४६	३९	२१	१२	२७	९	मीने	भ. ३०।२५ या. प्रबोधिनी ११ ब्र.—
१२	श	३४	५७	उ	१०	२६	व	३७	५६	ब	२	४१	४३	३९	२१	१३	२८	१०	मीने	ताजिया. [—तुलसी वि. भीष्म ५
१३	र	३८	४०	रे	५५	५२	सि	३८	१	की	६	४८	४०	४०	२०	१४	२९	११	मे.१५।५२	चित्रायाँ शुक्रः५०।१३मूले३गुरु१५।३५÷
१४	चं	४१	१९	अ	२०	१४	व्य	३७	२०	ग	१०	०	३७	४१	१९	१५	३०	१२	मेषे	भ. ४१।१९ उ. वृश्चिकेऽर्कः ५०।४६
१५	मं	४२	४८	भ	२३	२६	व	३५	३८	वि	१२	३	३४	४१	१९	१६	१	१३	वृ.३८।५५	भ. १२।३ या. का.स्ना. प्रातः

३० पं.का.शु.१ मं.इ.५।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	८	५	४	०	६
१६	१८	२८	४	७	११	११	१६
७	२५	००	१६	५३	२५	२८	२९
२४	५२	४७	१९	४९	३७	२	४२
६०	४४	५६ ३७	११	७१	४	३	६०
१८	०	मा	१५	२	२४	११	४

३१ पं.का.शु.८ मं.इ ५।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	५	५	४	०	६
२३	२३	५	५	१६	११	११	२३
१०	३५	२४	३७	१७	५५	५	३१
१३	४९	४३	२३	५६	१९	४७	५
६०	४४	९३	११	७१	३	३	६०
३०	१४	५९	५४	४	५४	११	१७

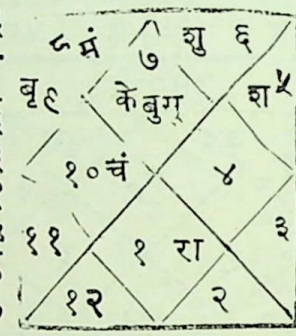

३२पं.का.शु.१५मं.इ.४।५३

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	८	५	४	०	७
०	२८	१५	७	२४	१२	१०	०
१४	४८	३९	२	४९	२०	४३	३३
१७	४७	१८	२८	३०	३८	३२	५०
६०	४४	००	१२	७१	३	३	६०
४०	२६	५५	२०	५४	१९	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं०२००५शाकः१८७०										दि.	उ.	अ. इं.	हिं.	मु.	चंद्रः	हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणे.कार्तिक कृ.महाराष्ट्राः
१	बु	४२	५६	कृ	२५	२२	प	३२	५६	त्रा	१२	५२	२६ ३२	६ १२	५ १८	१७	२	१४	बृषे	धनुषि भोमः ४१।३
२	गु	४१	४४	रो	२६	१०	शि	२९	१४	तै	१२	२०	२९	४२	१८	१८	३	१५	मि५५।५६	विशाखायांबुधः३६:४९पूर्वारितं बुधः २१ १५
३	शु	३९	२२	मृ	२५	४३	सि	२४	३२	व	१०	३३	२६	४३	१७	१९	४	१६	मिथुने	भ.१०३उ.३२ य. अनुराधायां रवि.८।३४
४	श	३६	२	आ	२४	२	सा	१८	५७	ब	७	४२	२३	४३	१७	२०	५	१७	मिथुने	तुलायां शुक्रः २०।१५ चतुर्थी ब्र.
५	र	३१	४७	पु	२१	४१	शु	११	३७	की	३	५४	२१	४४	१६	२१	६	१८	क ७।१६	
६	चं	२६	४८	पु	१८	४१	शु	४३	३६	व	२६	४८	१८	४४	१६	२२	७	१९	कर्के	भ. २६।४८ उ. ५४।५या.पातस्पर्श ४५ ८
७	मं	२१	२२	श्ले	१४	४९	ऐं	५०	३८	ब	२१	२२	१६	४५	१५	२३	८	२०	सिं१४।५९	पातमोक्षः ०।२३
८	बु	१५	४०	म	१०	४७	वै	४२	५०	की	१५	४०	१३	४५	१५	२४	९	२१	सिंहे	भैरव जयंती.
९	गु	९	४९	पू	६	४५	वि	३५	६	ग	९	४९	१०	४६	१४	२५	१०	२२	कं २०।४२	भ.३५६२उ.बुश्चिकेबुधः५।२०स्वात्यांशुक.५३ २१
१०	शु	३	५८	उ	२ ३५	५६	प्री	२७	२१	वि	३	५८	८	४६	१४	२६	११	२३	कन्या	भ. ३।५८ या. उत्पति ११ ब्र. रमा.
११	शु	५४	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	श	५३	२२	चि	५५	२४	आ	१९	५४	की	२५	५३	५	४७	१३	२७	१२	२४	तु.२७।२	मेत्रे बुधः २८।४२ उत्पत्ति ११ ब्र. वै.
१३	र	४८	५०	स्वा	५२	३९	गो	१२	४७	ग	२१	६	३	४७	१३	२८	१३	२५	तुलायां	भ. ४८।५० उ. प्रदोषः
१४	चं	४५	१६	वि	५०	४४	शो	६	२२	वि	१७	३	२६ ००	४८	१२	२९	१४	२६	बृ. ३६।१३	भ.१७या.मूले४गुरुः५७।३७अश्विन्या३५
१५	मं	४२	४१	अ	४९	५६	अ	४२	५५ ०	च	१३	५८	२५ २८	४८	१२	३०	१५	२७	वृश्चिके	[*राहुः रवात्यां १ केतुः ४५।५६

३३पं.मा.कृ.७मं.इ. ४।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	८	६	४	०	७
७	४ २६	८	३	१२	१०	७	
१९	३	३६	३०	१७	४१	२१	३७
५१	४३	४	३२	५६	२४	१६	४८
६०	४४	००	१२	७२	२	३	६०
५३	४०	२४	३५	१४	३२	११	४२

गोचरग्रहाः

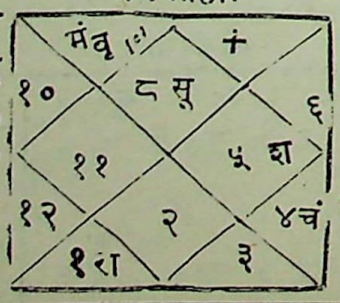

इस मास में घी गुड़
अलसी सिरस्यूं
मूंगफली गेहूँ अनाज
मंदा रुई चांदी अलसी
कुछ तेज।

गोचरग्रहाः

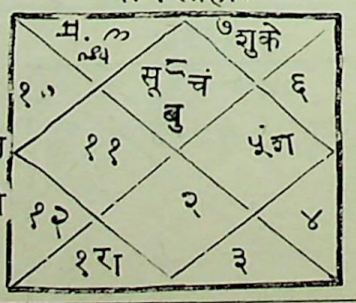

३४पं.मा.कृ.३०मं.इ.४।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	८	६	४	०	७
१४	९	७	१०	११	१२	९	१४
२६	२१	३९	१	५३	५७	५९	४३
३७	५८	३२	३०	२०	११	१	८
६१	४४	९९	१३	७२	१	३	६०
३	५२	५८	८	३४	५१	११	५०

+ ७ शु. बु. के.

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २००५ शाकः १८७० | दि. उ. अ. इ. हिं. मु. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४६८६स१६४८

१	बु	४१	१५	ज्ये	५०	८	धृ	५१	५६	कं	११	५८	३५/५६	४६	१५	१	१६	२८	ध.५०।८
२	गु	४१	७	मू	५१	३६	शू	४८	५७	चा	११	११	५४	४६	११	२	१७	२६	धनुषि
३	शु	४२	२१	पू	५४	२२	गं	४६	५८	तै	११	४४	५२	५०	१०	३	१८	१	धनुषि
४	श	४४	३६	उ	५८	१८	वृ	४५	५०	व	१३	३०	५०	५०	१०	४	१६	२	म.१०।२१
५	र	४८	१७	अ	६०	०	ध्रु	४५	५३	चा	१६	२८	४६	५०	१०	५	२०	३	मकरे
६	चं	५२	४५	श्र	३	२३	व्या	४६	३७	की	२०	३१	४७	५१	६	६	२१	४	कु. ३६।२०
७	मं	५७	४५	ध	६	१७	ह	४७	३३	ग	२५	१५	४६	५१	६	७	२२	५	कुम्भे
८	बु	६०	०	श	१५	३१	व	४८	४६	वि	३०	२०	४४	५१	६	८	२३	६	कुम्भे
९	गु	२	५६	पू	२१	५०	सि	४६	५४	व	२	५६	४३	५१	६	९	२४	७	मी ५।१५
१०	शु	८	१	उ	२८	५	व्य	५०	५६	की	८	१	४२	५२	८	१०	२५	८	मीने
११	श	१२	४५	रे	३३	४१	व	५०	५४	ग	१२	४५	४१	५२	८	११	२६	९	मे. ३३।४१
१२	र	१६	२०	अ	३८	१२	प	५०	३४	वि	१६	२०	४०	५२	८	१२	२७	१०	मेषे
१३	चं	१९	५८	भ	४१	४५	शि	४९	५	चा	१९	५८	३९	५२	८	१३	२८	११	वृ. ५७।२१
१४	मं	२०	२१	कृ	४४	१०	सि	४६	४१	तै	२०	२१	३८	५२	८	१४	२९	१२	बृषे
१५	बु	२०	३१	रो	४५	१	सा	४३	१५	व	२०	३१	३८	५२	८	१५	३०	१३	बृषे
१५	गु	१९	१६	मृ	४४	५१	शु	३८	४९	व	१९	१६	३७	५३	७	१६	१	१४	मि १४।५६

दिसम्बर १२ ता० ३१
ज्येष्ठायां रविः १५।३३ चंद्रद.
सफर २
भ. १३।३० उ. ४४।३९ या.
ज्येष्ठायां बुधः ५०/२३ दूषायां भौमः १३/५३×
विशाखायां शुक्रः ३९।१४ चंपा ६
भ. ५७/४५ उ. [×पातस्पर्शः २९/६ पातमोक्षः ३८/४७
भ. ३०।२० या.

भ. ४४।३२ उ.
भ. १६।२० या. मोक्षदा ११ ब्र.
प्रदोषः [* १ गुरुः ५०।४५
धनुषि बुधः १३/१ बृश्चिकेशुक्रः ४४/२० दूषायां*
भ. २०।३१ उ. ४९।५३ या. धनुष्यर्कः -
[- १९।१८ दत्तजयंती

३५ पं.मा.शु.७मं.इ.४।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	८	६	४	०	७
२१	१४	१८	११	२०	१३	९	२१
३४	४३	४२	३४	३०	७	३६	४९
२४	१९	२२	४८	२५	३४	४६	२३
६१	४५	९९	१३	७२	३	३	६०
११	१७	१५	२०	५३	१०	११	५६

गोचरग्रहाः

मीर्ग शुक्ला १४ बुधे
धनुष्यर्कः प्र. वा ३
न. ३ बृद्धावस्था
(बैठी) मु. ४५ (धान्य
भाव मंदा) शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

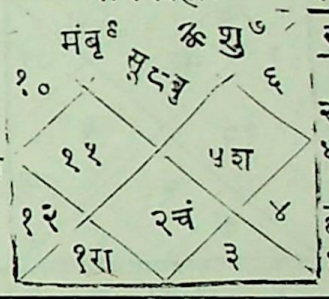

३६ पं.मा.शु.१३मं.इ.४।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	८	६	४	०	७
२८	२०	२९	१३	२९	१३	९	२८
४३	५४	४५	९	१०	१२	१४	५६
७	५३	७	३२	५२	४३	३०	१०
६१	४५	९९	१३	७३	०	३	६१
१९	२८	४७	२७	१२	२३	११	०

ति. पौष कृष्णपक्षः सं० २००५ शाकः १८७० | दि. उ. अ. इ. हिं. मु. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मीर्षशीर्यकृष्णेति महाराष्ट्राः

१	शु	१६	५१	आ	४३	२९	शु	३३	३३	की	१६	५१	२५/३७	६/५३	५/७	१७	२	१५	मिथुने
२	श	१३	३३	पु	४१	१४	ब्र	२७	३२	ग	१३	३३	३७	५३	७	१८	३	१६	क. २६।४८
३	र	९	१७	पु	३८	८	ऐं	२०	४२	वि	९	१७	३६	५३	७	१९	४	१७	कर्के
४	चं	४	१६	श्ले	३४	४१	वै	१३	३३	बा	४	१६	३६	५३	७	२०	५	१८	सिं ३४।४१
५	चं	५४	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	मं	५३	११	म	३०	४४	वि	६/०	५८/२	ग	२६	१	३६	५३	७	२१	६	१९	सिंहे
७	बु	४७	१८	पू	२६	४०	आ	५०	२०	वि	२०	१४	३६	५३	७	२२	७	२०	कं. ४०।३८
८	शु	४१	३२	उ	२३	३१	सौ	४२	३६	बा	१४	२५	३६	५३	७	२३	८	२१	कन्या
९	शु	३६	२	ह	१८	३७	शो	३४	५८	तै	८	४७	३७	५३	७	२४	९	२२	तु. ४६।५५
१०	श	३१	३	चि	१५	१३	अ	२७	४७	व	३	३२	३७	५३	७	२५	१०	२३	तुलायां
११	र	२६	४५	स्वा	१२	१३	सु	२१	६	बा	२६	४५	३८	५२	८	२६	११	२४	बृ. ५५।४३
१२	चं	२३	१६	वि	१०	१३	धृ	१५	४	तै	२३	१६	३८	५२	८	२७	१२	२५	बृश्चिके
१३	मं	२०	५०	अ	९	२१	शू	१	५७	व	२०	५०	३८	५२	८	२८	१३	२६	बृश्चिके
१४	बु	१९	२९	ज्ये	९	३	गं	५	४४	श	१९	२९	३९	५२	८	२९	१४	२७	ध. ९।३
३०	गु	१९	२८	मू	१०	१३	बृ	२	२४	ना	१९	२८	३९	५२	८	३०	१५	२८	धनुषि

मैत्रे शुक्रः २८।१६ वक्री शनिः ५३।५५
भ. ४१।२५ उ.
भ. ९।१७ या. चतुर्थीब्र. अस्तं गुरुः १६।४८
अ. गु.
क्षयः
भ. ५/१३ उ. उत्तरायणप्रवृत्तिः ५१।४६
भ. २०।१४ या. दूषायां बुधः ३१।३८*
[* उषायां भौमः ३४।५५
भ. ३।३२ उ. ३१।३ या.
मकरे भौमः ४८।५२ सफला ११ ब्र.
प्रदोषः
भ. ५/२० उ. ५०।९ या. उषायां रविः ३/५ ÷
दूषायां २ गुरुः १/४५ [÷ ज्येष्ठायां शुक्रः ७।२२
उषायां बुधः ४२।५७

३७ पं.पौ.कृ.६मं.ई.३।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	८	७	४	०	८
५	२५	१०	१४	७	१३	८	६
५२	३०	५१	४५	५२	१२	५२	३
३३	४०	५८	४०	५२	१८	१४	४०
६१	४५	०/९९	१३	७३	९०	३	६१
२२	४३	१५	३२	२०	ब	११	५

गोचरग्रहाः

इस मास में धान्य रुई सूत कपड़ा अलसी चाँदी खांड मंदा होगा प्रजा में सुख शांति रहेगी।

गोचरग्रहाः

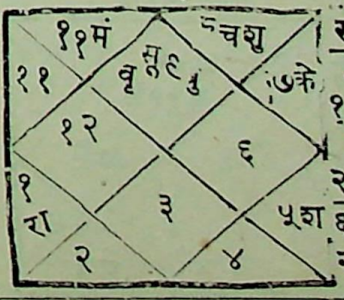

३८ पं.पौ.कृ.१३मं.इ. ३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	८	७	४	०	८
१३	०	२२	१६	१६	१३	८	१३
२	५७	४	२२	३५	६	२९	११
२६	१८	४४	४४	३५	३५	५९	३८
६१	४५	०/९९	१३	७३	९२	३	६१
२६	५३	४५	३८	३५	ब	११	६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं.२००५ शाकः१८७०	दि.	उ	अ.	इ.	हि.	मु	चन्द्रः	हेमंतर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः५०१९स.१९४८
१	शु २० ५९ पू १२ ३८ ध्रु ० ५८ व २० ४९	२५	६	५८	३१	१६	२९	म.२८।३४	*जनवरी १ ता० ३१ सन् १९४९
२	श २३ ११ उ १६ २४ ह ५८ १९ कौ २३ ११	४०	५२	८	१	१७	३०	मकरे	चंद्रद. अस्तं भौमः १०।५० *
३	र २७ १ श्र २१ १२ व ५८ ३७ ग २७ १	४१	५२	८	२	१८	१	कु.५४।४	भ.५९७उ.मकरेबुधः९।१९ रविलावल ३
४	चं ३१ ३३ ध २६ ५६ सि ५९ २२ वि ३१ ३३	४२	५२	८	३	१९	२	कुम्भे	भ. ३३ या. पश्चिमोदयी बुधः ४८।४
५	मं ३६ ३७ श ३३ १० व्य ६० ० ब ४ ५	४३	५१	९	३	१९	२	कुम्भे	
६	बु ४१ ५३ पू ३९ ३३ व्य ० ४७ कौ ९ १५	४४	५१	९	४	२०	३		[* पु ११ ब्र. स्म.
७	गु ४६ ५८ उ ४५ ४९ व १ ४८ ग १४ २५	४६	५१	९	५	२१	४	मी २२।५७	
८	शु ५१ ३५ रे ५१ ५६ प २ ५९ वि १९ १७	४७	५१	९	६	२२	५	मीने	भ. ४६।५८ उ.
९	श ५५ ११ अ ५६ २६ शि ३ २२ ग्रा २३ २३	४९	५०	१०	७	२३	६	मे.५१।५६	भ. १९।१७ या. धनुषि शुक्रः ४५।१
१०	र ५७ ४५ भ ६० ० सि २ ५३ तै २६ २८	५०	५०	१०	८	२४	७	मेषे	श्रवणे बुधः ३०।२५ श्रवणे भौमः ३३
११	चं ५९ ६ भ ० २० सा २ ७ व २८ २५	५२	५०	१०	९	२५	८	मेषे	
१२	मं ५९ ८ कृ २ १९ शु ० ५९ ब २९ १	५४	४९	११	१०	२६	९	बृ. १५।५०	भ.२८।२५ उ.५९।६या. उषायां रविः ३३
१३	बु ५७ ५२ रो ४ ६ श्र ५३ १ कौ २८ ३०	५५	४८	१२	११	२७	१०	बृषे	पुत्रदा ११ ब्र वै. नि.
१४	गु ५५ २१ मृ ५ १८ ऐं ४८ २ ग २९ ३७	५६	४८	१२	१२	२८	११	मि ३४।४२	पूषायां ३ गुरुः ४४।२६ प्रदोषः
१५	शु ५१ ५६ आ ३ ११ वै ४२ ० वि २३ ३८	५८	४८	१२	१३	२९	१२	मिथुने	भ. ५५।२१ उ. मकरेऽर्कः ३७।५०
		०			३		१	क.४६।४६	भ.२३।३८या.उदयं गुरोः१८।३६ उ.गु.

३९ पं. पौ.शु.५मं.इ.३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	८	७	४	०	८
२०	६	३	१८	२५	१२	८	२०
१२	२५	२१	०	१९	५५	७	१९
२५	४४	४०	०	४८	५	४४	४४
६१	४५	०	१३	७३	४७	३	६१
२६	५८	४८	३८	४४	ब्र	११	६

गोचरग्रहाः

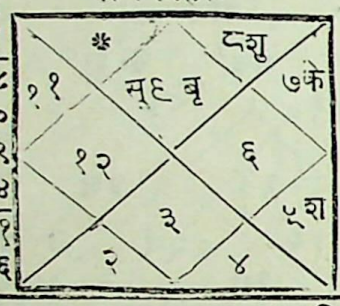

पौष शुक्ला १४ गुरौ मकरेऽर्कः प्र.वा. २ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.१५(धा. भा. तेज) शुक्रोदय पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

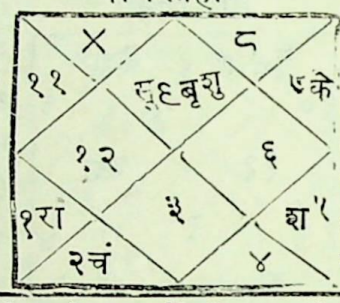

४०पं.पौ.शु.१२मं.इ.३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	८	८	४	०	८
२७	११	१४	१९	४	१२	७	२७
२२	५५	१८	३७	४	३८	४५	२७
१४	४१	४०	१६	२६	४९	२९	४७
६१	४६	०	१३	७३	२८	३	६१
२४	८	१७	३२	५०	ब्र	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०	दि.	उ.	अ.	इ.	हि	मु.	चंद्रः	शिशिरऋतुं रविरुत्तरे पौषकृष्णेति महाराष्ट्र
१	श ४७ ३९ पु १७ ५७ वि ३५ ४५ वा १९ ४८	२६	४७	६	१५	२	१४	कर्के	
२	र ४२ ३४ श्ले ५४ ५४ प्री २८ ४४ तै १५ ६	७	४७	१३	१६	३	१५	सि५४।५४	
३	चं ३७ ५ म ५१ ८ आ २१ ११ व ९ ४९	१०	४६	१४	१७	४	१६	सिंहे	भ.९।४९उ.३७।५या.धनिष्ठायांबुधः ५९ ३ *
४	मं ३१ २२ पू ४७ १ सो १३ २८ व ४ १३	१२	४६	१४	१८	५	१७	सिंहे	पूषायां शुक्रः २८।२ [*चतुर्थी ब्र.
५	बु २५ ३१ उ ४२ ५१ शो ४० ५३ तै २५ ३१	१५	४५	१५	१९	६	१८	कं.०।५८	
६	गु १९ ४८ ह ३८ ५७ सु ५० ९ व १९ ४८	१७	४५	१५	२०	७	१९	कन्या	भ.१९।४८उ.४७।१या.अभि.प्र.रविः९।७
७	शु १४ १४ चि ३५ १९ धृ ४२ ५० ब १४ १४	२०	४४	१६	२१	८	२०	तु.७।८	
८	श ९ २८ स्वा ३२ २६ शू ३६ ० कौ ९ २८	२२	४४	१६	२२	९	२१	तुलायां	
९	र ५ ९ वि ३० १४ गं २९ ४७ ग ५ ९	२५	४३	१७	२३	१०	२२	वृ. १५।४७	भ. ३३।३० उ. श्रवणे रविः २५।७
१०	चं १ ५१ अ २८ ३७ वृ २४ २१ वि १ ५१	२७	४३	१७	२४	११	२३	वृश्चिके	भ.१।५१या.अभि.नि.रविः१७।२३वक्री×
११	चं ५६ ३८ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [×बुध४३।२४षट् तिला११ब्र स्म.
१२	मं ५८ १५ ज्ये २८ २८ ध्रु १९ ५३ कौ २८ २२	३०	४२	१८	२५	१२	२४	ध.२८।२८	धनिष्ठायां भौमः ३३ २०षट् तिला११ब्र.वै.नि.
१३	बु ५८ ३१ मू २९ २१ व्या १५ २७ ग २८ २३	३३	४१	१८	२६	१३	२५	धनुषि	भ. ५८।३१ उ. प्रदोषः
१४	गु ५९ ४९ पू ३१ ३० ह १३ ३६ वि २९ १०	३६	४१	१९	२७	१४	२६	म.४७।२३	भ. २९।१० या. पूषायां ४ गुरुः २१।६+
२०	शु ६० ० उ ३५ ३ व १२ ० च ३१ ७	३९	४०	२०	२८	१५	२७	मकरे	[+ पश्चिमास्तं बुधः १०।३६
३०	श २ २६ श्र ३९ ३१ सि ११ २४ ना २ २६	४२	४०	२०	२९	१६	२८	मकरे	उषायां शुक्रः ५।३४

४१पं.मा.कृ.४ मं.इ.६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	८	८	४	०	९
४	१७	२३	२१	१२	१२	७	४
३१	२६	२५	१३	४९	१८	२३	३५
४३	१३	३०	५५	५५	०	१३	३८
६१	४६	७४	१३	७३	१०	३	११
१९	१८	५६	३२	५६	ब्र	११	३

गोचरग्रहाः

इस मासमें पांच शनि तथा पांच रविवार हैं प्रजामें रोगभय भूकंप भय होगा शाँत अधि से खेतियों में नुकसान.

गोचरग्रहाः

४२ पं.मा.कृ.१२.मं.इ.३।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	८	८	४	०	९
११	२२	२६	२२	२१	११	७	११
४०	५७	५५	४९	३५	५३	०	४२
३४	४३	१९	२३	१०	१०	५८	५०
६१	४६	४८	१३	७४	४८	३	६०
१३	२२	ब्र	२०	२	ब्र	११	५९

* १० बु.मं.

× १० बु.मं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्लपक्षः सं २००५ शाकः १८७० | दि. उ. अ. इं. हिं. मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५०४९स. १९४९

१	र	६	१०	ध	४५	४	व्य	१०	२०	व	६	१०	२६	६	५	३०	१७	२९	कु.१२।१७
२	चं	१०	५०	श	५१	१५	व	१२	१८	की	१०	५०	४५	३९	२१	३१	१८	१	कुम्भे
३	मं	१५	५४	पू	५७	३६	प	१३	१६	ग	१५	५४	५२	३८	२२	१	१९	२	मी४१।११
४	बु	२१	९	उ	६०	०	शि	१४	३६	वि	२१	९	५५	३७	२३	२	२०	३	मीने
५	गु	२६	१०	उ	४	३	सि	१५	२८	वा	२६	१०	५८	३६	२४	३	२१	४	मीने
६	शु	३०	३८	रे	१०	३१	सा	१६	२२	तै	३०	३८	२७	३६	२४	४	२२	५	मे.१०।३१
७	श	३४	१३	अ	१५	०	शु	१६	२६	ग	२	२६	५	३५	२५	५	२३	६	मेषे
८	र	३६	४०	भ	१९	३	शु	१५	४१	वि	५	२७	९	३४	२६	६	२४	७	वृ.३४।४८
९	चं	३७	५१	कृ	२३	३	न	१३	५८	वा	७	१५	१२	३४	२६	७	२५	८	वृषे
१०	मं	३७	४४	रो	२३	१८	ऐं	११	१७	तै	७	४७	१६	३३	२७	८	२६	९	मि५३।४०
११	बु	३६	२०	मृ	२४	२	वै	७	२६	व	७	२	१९	३२	२८	९	२७	१०	मिथुने
१२	गु	३३	४४	आ	२३	९	वि	१९	५५	ब	५	२	२२	३१	२९	१०	२८	११	मिथुने
१३	शु	३०	५	पु	२१	३०	आ	५१	१९	की	१	५४	२७	३१	२९	११	२९	१२	क.६।४७
१४	श	२५	४५	पु	१८	३४	सो	४४	२५	व	२५	४५	३०	३०	३०	१२	३०	१३	कर्के
१५	र	२०	३९	श्ले	१५	१६	शो	३७	६	व	२०	३९	३४	२९	३१	१३	१	१४	सिं १५।१६

चंद्रद.[?२राहुःचित्रायां४केतुः४/५रविलाख४
वक्रिश्रवणौबुधः १/३६मकरेशुक्रः ४७/२६अश्विन्या?
भ. ४८।३१ उ. फरवरी २ ता० २८
भ. २१।९ या.
कुभे भौमः ०।५७ बसंत ५
[+ पातमोक्षः ३८।५५
भ. ३४।१३ उ.धनिष्ठायां रविः३०।५९÷
भ.५।२७ या.भीष्म८ [÷पातस्पर्शः ३/६७
श्रवणे शुक्रः ८।३८ पूर्वोदयी बुधः ५५/४६
भ. ७।२ उ. ३६।२० या. जया ११ब्र.
भीष्म १२
शते भौमः २८।२३ उषायां १ गुरुः ३३/४२
भ.२५।४५उ.५३।१२या.कुभेऽर्कः ४।५५
मार्गी बुधः १४।४५ माघस्नान तिः

४३ पं.मा.शु.३मं.इ.३।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	८	९	४	०	९
१८	२८	२२	२४	०	११	६	१८
४८	२९	१६	२३	२०	२४	३८	४९
३४	२८	४८	२४	१३	४०	४३	२३
६१	४६	५५/५०	१३	७४	४/५	३	६०
४	२२	बु	८	८	बु	११	५५

गोचरग्रहाः

माघ शुक्ला १४ शनौ
कुंभेऽर्कः प्र. वा. ३
३ प्रगलभावस्था
(वैठीं) मुहूर्ताः ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पूर्वस्याम

गोचरग्रहाः

४४पं.मा.शु.१०मं.इ.३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	८	९	४	०	९
२५	४	१४	२५	९	१०	६	२५
५५	२	२४	५५	५	५३	१६	५५
२२	२	२	१८	४८	२८	२७	२३
६०	४६	४३/४२	१२	७४	२४/२५	३	६०
५५	२२	बु	४७	१४	बु	११	४७

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं.२००५ शाकः १८७० | दि. उ. अ. इ. हि. मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	चं	१५	६	म	१०	४०	अ	२९	३३	वा	१५	६	२७/३८	६/२८	५/३२	१४	२	१५	सिंहे
२	मं	९	२०	पू	७	३७	सु	२१	५४	तै	९	२०	४२	२८	३२	१५	३	१६	क.२१।३५
३	बु	३	२९	उ	२/८	३/६	धृ	१४	१	व	३	२९	४६	२७	३३	१६	४	१७	कन्या
४	बु	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	गु	५२	२०	चि	५५	५२	शू	२/९	५३/०	की	२५	७	५०	२६	३४	१७	५	१८	तु.२७।४४
६	शु	४७	२०	स्वा	५२	४४	बृ	५१	५९	ग	१९	५०	५४	२५	३५	१८	६	१९	तुलायां
७	श	४३	९	वि	५०	१७	ध्रु	४५	३३	वि	१५	१४	५८	२४	३६	१९	७	२०	वृ.३५।५४
८	र	४०	५१	अ	४८	३२	व्या	३९	५४	वा	१२	०	२/३	२४	३६	२०	८	२१	वृश्चिके
९	चं	३७	३३	ज्ये	४८	११	ह	३५	७	तै	९	१२	६	२३	३७	२१	९	२२	ध.४८।११
१०	मं	३६	२०	मू	४८	४८	व	३१	१६	व	६	५७	१०	२२	३८	२२	१०	२३	धनुषि
११	बु	३६	२७	पू	५०	४५	सि	२८	२१	ब	६	२४	१४	२१	३९	२३	११	२४	धनुषि
१२	गु	३७	५९	उ	५३	५३	व्य	२६	२६	की	७	१३	१८	२०	४०	२४	१२	२५	म. ६।३२
१३	शु	४०	४१	श्र	५८	२७	व	२५	२७	ग	९	२०	२२	२०	४०	२५	१३	२६	मकरे
१४	श	४४	२८	ध	६०	०	प	२५	१९	वि	१२	३५	२६	१९	४१	२६	१४	२७	कु.३०।५९
३०	र	४९	२	श	३	३१	शि	२६	४	च	१६	४५	३०	१८	४२	२७	१५	२८	कुम्भे

भ. ३।२९ उ. ३०४१ या. चतुर्थी ब्र.
क्षयः
पातस्पर्शः ५२।३
भ.४७/२० उ. शते रवि १६/९ पातमोक्षः २।९
भ.१५।१४या.धनिष्ठायां शुक्रः २७।११*
सीताष्टमी. [*वक्री मघयां३ शनिः १७।६
भ. ६।५७ उ. ३६।२० या. .
विजया. ११ ब्र.
कुम्भे शुक्रः ४९।३७
भ.४०।४१उ.प्रदोषःमहाशिवरात्री ब्र.स्ना.
भ. १२।३५ या. महाशिवरात्री ब्र.स्ना.
उषायां २ मकरे गुरुः ४७।२४

४५पं फा.कृ.२मं.इ.४।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	९	४	०	१०
३	९	११	२७	१७	१०	५	३
१	३४	२५	२४	५०	२०	५४	०
२५	२३	४४	५८	३१	५३	१३	९
६०	४६	५५/४२	१२	७४	४/०	३	६०
४२	२२	मा	२०	२०	बु	११	३७

गोचरग्रहा

इस मास में सरसों
सण कुष्ठा कपड़ा
नील जायफल सोंठ
गुड़ खांड घृतादि
रस जौ गेहूँ चणा
धान्य तेज ।

गोचरग्रहा

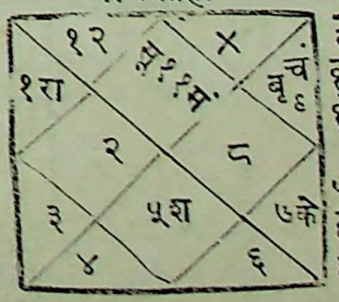

४६पं.फा.कृ.१०मं.इ.४।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	९	४	०	१०
१०	१५	१४	२८	२६	९	५	१०
५	४	४	५१	३५	४६	३१	३
५६	५९	१९	२९	६	५९	५६	३८
६०	४६	४७	१२	७४	४/०	३	६०
३१	२७	४७	२	२६	बु	११	२५

* १०शु.बु.

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

×१० शु.बु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२००५ शाकः १८७० दि. उ. अ. इ. हि. मु. चंद्रः शिशिर र्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः ५०७८स.१९४९

१	चं	५४	३	श	९	२९	सि	२७	९	क	२१	३२	२८ ३४	६ १७	५ ४३	२८	१६	२९	मी.५९।१९
२	मं	५९	१८	पू	१५	५६	सा	२८	३०	ग्रा	२६	४०	३८	१६	४४	१	१७	३०	मीने
३	बु	६०	०	उ	२२	१	शु	२९	३३	तै	३१	४५	४२	१६	४४	२	१८	१	मीने
३	गु	४	१२	रे	२८	२६	शु	३०	३४	ग	४	१२	४६	१५	४५	३	१९	२	मे.२८।२६
४	शु	८	३५	अ	३३	५१	व्र	३०	४१	वि	८	३५	५०	१४	४६	४	२०	३	मेषे
५	श	१२	१	भ	३८	५	ऐं	३०	३७	ग्रा	१२	१	५४	१३	४७	५	२१	४	बृ. ५३।५२
६	र	१४	२३	कृ	४१	१५	वे	२९	११	तै	१४	२३	५८	१२	४८	६	२२	५	बृषे
७	चं	१५	२५	रो	४३	१०	वि	२७	८	व	१५	२५	२९	१२	४८	७	२३	६	बृषे
८	मं	१५	१०	मृ	४३	५८	प्री	२३	३२	ब	१५	१०	६	११	४९	८	२४	७	मि १३।३४
९	बु	१३	३६	आ	४३	२३	आ	१९	१३	कौ	१३	३६	१०	१०	५०	९	२५	८	मिथुने
१०	गु	१०	५२	पु	४१	४६	सौ	१४	१	ग	१०	५२	१४	९	५१	१०	२६	९	क.२७।१०
११	शु	७	१३	पु	३९	१३	शो	८	८	वि	७	१३	१९	८	५२	११	२७	१०	कर्के
१२	श	२	३८	श्ले	३६	१०	अ	२ ३८	५१ ५७	बा	२	३८	२३	७	५३	१२	२८	११	सि ३६।१०
१३	श	५४	४८		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	र	५१	४५	म	३२	२८	धृ	४७	७	ग	२४	३७	२८	६	५४	१३	२९	१२	सिंहे
१५	चं	४५	५९	पू	२८	२८	शु	४०	०	वि	१८	५३	३२	६	५४	१४	१	१३	कं.४२।२५

पूभायां भौमः १८।१४शुक्रबृद्धत्वारभः २४ ०
चंद्रद. मार्च ३ ता० ३१
शतेशुक्रः १०।२ जमादिलावल ५
भ. ३६।२४ उ. पूभायां रविः ५५।४
भ.८।३५या.धनिष्ठायां बुधः ५।९ *
[*पूर्वास्तं शुक्रः २२।४६ पू. अ. उ.
भ.१५।२५उ.४५।१७या.होलाष्टक होईल
कुंभे बुधः २९।३३
भ. ३९।२ उ.
भ. ७।१३ या. आमलकी ११ ब्र.
पूभायां शुक्रः ५२ ०मीने भौमः ५८ २१ प्रदोषः क्षयः
भ. ५१।४८ उ. मीनेऽर्कः ५५।२२
भ.१८।५३या.होलिका शते बुधः १५।४५

४७पं.फा.शु.२मं.इ.४।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	९	१०	४	०	१०
१७	२०	२०	०	५	९	५	१७
८	३५	७	१४	१९	१३	९	५
४६	५३	४	३८	१	१९ ४४	४१	५२
६०	४६	६४	११	७४	४०	३	६०
२०	१७	१०	२१	२६	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

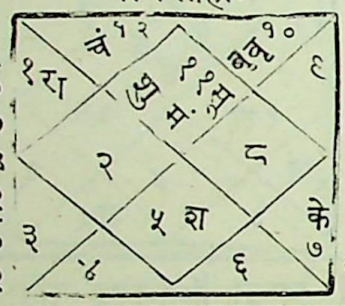

फाल्गुन शुक्ला १४ रवौ मीनेऽर्कः प्र. व. ३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ३० (धान्य भावसम) शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

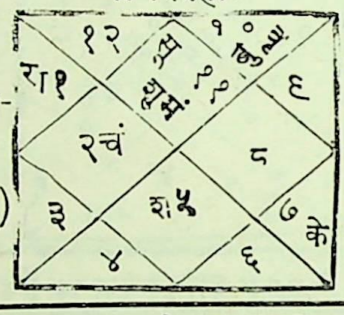

४८पं.फा.शु.८मं.इ.५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	९	१०	४	०	१०
२४	२६	२८	१	१४	८	४	२४
१०	५	१४	३३	२	४०	४७	६
७	३१	५६	४०	४६	२७	२६	३४
६०	४६	७४	१०	७४	२९	३	५९
५	१७	३७	४७	२६	ब्र	११	५८

ति. चैत्र कृष्ण पक्षः सं.२००५ शाकः १८७० दि. उ. अ. इ. हि. मु. चन्द्रः बसंततूर्रवित्तरफाल्गुन.कृष्णेतिमहाराष्ट्रः

१	मं	४०	१४	उ	२४	१८	गं	३१	५०	ग्रा	१३	६	२९ ३९	६ ५	५ ५५	१५	२	१४	कन्या
२	बु	३४	१५	ह	२०	२०	बृ	२४	८	तै	७	१४	४०	४	५६	१६	३	१५	तु.४८।२९
३	गु	२८	५२	चि	१६	३८	धु	१६	५३	व	१	३३	५४	३	५७	१७	४	१६	तुलायां
४	शु	२३	५०	स्वा	१३	१८	व्या	९	३९	ग्रा	२३	५०	४८	२	५८	१८	५	१७	बृ.५६।२५
५	श	१९	३६	वि	१०	४७	ह	३ ९	५४ १०	तै	१९	३६	५२	२	५८	१९	६	१८	बृश्चिके
६	र	१६	१७	अ	८	१९	सि	५२	२१	व	१६	१७	५७	१	५९	२०	७	१९	वृश्चिकें
७	चं	१२	५६	ज्ये	८	१	व्य	४८	१७	ब	१२	५६	३० १	६ ०	० ०	२१	८	२०	ध.८।१
८	मं	१२	४४	मू	८	३१	व	४५	७	कौ	१२	४४	६	५ ४	६ १	२२	९	२१	धनुषि
९	बु	१२	५१	पू	१०	१२	प	४२	५७	ग	१२	५१	१०	५८	२	२३	१०	२२	म.२५।५७
१०	गु	१४	१७	उ	१३	११	शि	४१	५०	वि	१४	१७	१४	५७	३	२४	११	२३	मकरे
११	शु	१७	०	श्र	१७	११	से	४१	२९	ग्रा	१७	०	१८	५६	४	२५	१२	२४	कु.४९।४२
१२	श	२०	४६	ध	२२	१३	सा	४२	०	तै	२०	४६	२२	५६	४	२६	१३	२५	कुम्भे
१३	र	२५	१७	श	२८	१३	शु	४३	१	व	२५	१७	२६	५५	५	२७	१४	२६	कुम्भे
१४	चं	३०	२०	पू	३४	३०	शु	४४	१७	श	३०	२०	३०	५४	६	२८	१५	२७	मी.१७।५६
३०	मं	३५	२३	उ	४०	५८	व्र	४५	३९	च	२	५२	३४	५३	७	२९	१६	२८	मीने

बसंत १ छारेंडी
कलमदान पूजां
भ. १।३३ उ. २८।५२ या. उभायां *
उषायां ३ गुरुः १७।०
[*रविः १६।० भौमश्च. २२।५४चतुर्थी ब्र.
भ.१६।१७उ.४४।३६या.मीने शुक्रः ५५ १७
शीतला पूजनं
भ.४३।३४उ.उभायांबुधः २।१४उभायां×
भ. १४।१७ या. [×शुक्रः ३६२०
पापमोचनी ११ ब्र.
प्रदोषः
भ. २५।१७ उ. ५७।४८ या.
मीने बुधः ५१।९
अहर्गणः ५१०७ च. ३ के.

४९ पं.चै.कृ.१मं.इ.५।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	९	१०	४	०	११
१	१	७	२	२२	८	४	१
९	३४	४८	४८	४५	९	२५	५
४९	१९	४०	४	१८	४०	१०	४६
५९	४६	८२	१०	७४	४ ४	३	५९
५८	७	५९	०	३२	ब	११	४१

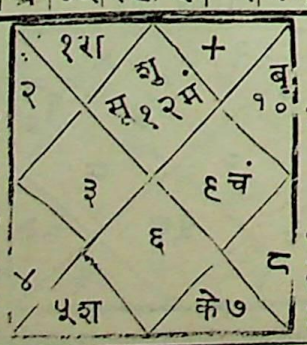

५०पं.चै. कृ.८मं.इ.५।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	९	११	४	०	११
८	७	१८	३	१	७	४	८
७	१	३४	५७	२७	४१	२	३
४३	४४	८	२९	२९	२४	५५	२२
४९	४५	९१	९	७४	४ ३	३	५९
३५	५७	१४	२०	३२	ब्र	११	२९

५१पं.चै.कृ.३मं.इ.६।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	९	११	४	०	११
१५	१२	०	५	१०	७	३	१४
३	२६	२५	१	९	१६	४०	५९
४६	३८	१६	८	१४	३७	४०	१८
५३	४५	०	८	७४	३ ०	३	५९
१८	४७	२५	३०	३२	ब	११	१६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

× शु ११ बु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पङ्कज-स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५० तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५० शेष भोग्यकलिः ४२६९५० अथास्मिन्सम्बत्सरे श्रीमन्नृपति-विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दाः सम्वत् २००६ शाकः १८७० वर्षेऽस्मिन्राजा बुधः । मंत्री बुधः । सस्येशः शनिः । धान्येशोगुरुः । मेघेशोभौमः । रसेशश्चंद्रः । नीरसेशो शुक्रः । फलेशो भौमः । धनेशोः शुक्रः । दुर्गेशो-भौमः । एतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्येविष्णुविंशतिकायां १६ शुभकृन्नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्क-समये गतमासादिः २।८।५१।३६ भोग्यमासादिः ९।२१।८।२४वौश्व-दैवतंयुगम् । वर्ष नामआषाढः । मेघ ४ नाम संवर्तः । समय निवासःकुंभकारगृहे (जलपात्र में) रोहिणी निवासः पर्वते । समय विश्वा ५ । समय वाहनं सिंचाणु । स्तम्भ२ज़लतृणयोः । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी १ । अङ्गारकी चतुर्थी ३ । बुधाष्टमीनास्ति । भानुसप्तमी । रविदशमी । समय मुहूर्ताः ३६० । समय दिनानि ३५४ । तिथि क्षयः १४ । तिथि वृद्धिः ८ । उत्पति विश्वा १०५ । खपति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा १७. धान्य ९५. तृण ५. शीत ५. तेज ५ वायु १३ शनि दृष्टिर्दक्षिणे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यं ९५ सत्यं ॥. धर्म १॥. पाप १८ ।

भैरव भवानी सम्वाद

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ भैरव खड़ा सुनो भवानी मात
छै संवत्सर का कहो श्री मुख से कुशालत

भवानी उत्तर

छट्ठा मट्ठा होय सी मध्यम वर्षे तोय
ब्यापारां घट बढ़ चले घर घर मंगल होय ॥१॥
वैशाखां तेजी चलै अलसी रेशम सूत
आपस में जनता लड़े चलै परस्पर जूत ॥२॥
बुध राजा इस वर्ष में यह सब जग हर्षाया
मंत्री पद को पाय कर करै न्याय को न्याय ॥३॥
जल तृण के दो स्तम्भ हैं संवत् विश्वा बाण
पकी पकाई साख में होसी खैंचा ताण ॥४॥
धर्म कर्म करते रहो भली करै करतार
"बनवारी जगदीश का भजन जगत में सार ॥५॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	बृ	ध	म	कु	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ६।११

* १२ मचंमू बुबु

वर्षेश लग्नम् ३।१९

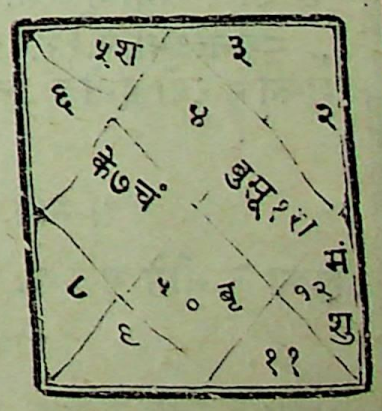

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४७।०। केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।७।५६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पयन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथास्मिन् वर्षे राजा शनिस्तत्फलम्—बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्य विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दान दयां जनोपि स्वास्थ्यं सुमिक्षं धन धान्यसंकुलम् ॥ मंत्री बुधस्तत्फलम्—शशिसुते शुभमंत्रि समागते स्वपतिना कुरुते मदन क्रियाम् । बहुधनं बहुवारि समन्वितं यव मसूरि चणान्न महर्घता ॥ सस्येशः शनिस्तत्फ—रविसुते यदि धान्यपतौ जनो नृपतिभि; परिपीड़ितविग्रहः । गद भयं तुष धान्य हरं सदा दुरितवाद विवाद युतानराः ॥ धान्येशो गुरुस्तत्फ, गुरौ धान्यपतौ याति यवगोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्रह्मवादिनः ॥ मेघेशोभौमस्तत्फलम् अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि श्रुतिविचार विहीन धराभवा । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रचुरं बहुतापदम् ॥ रसेशश्चंद्रस्तत्फलम्—यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् ! जलधरा बहुवारि विधायका रसवती धनधान्यवती मही ॥ नीरसेशः मुक्तस्तत्फ—कर्पूरागरुगंधानां हेममौक्तिक वाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ॥ फलेशो भौमस्तत्फ. फलपतिर्यदि भूतनयोभवेत् सुबहुपुष्प फलान्वित मेदिनी । गतभया नृपदेश जनास्तदा नृपतयो बहुविग्रह कारकाः॥ धनेशः शुक्रस्तत्फ—द्रविणपो भृगुजो द्रविणैंयुताः समधना सकला भुविमानवाः । समसुखाःक्रयविक्रय जीविनो नृपतयो जनपालन तत्पराः ॥ दुर्गेशो भौमस्तत्फ.—अवनिजो गढ़नायकतांगतो विविधदुःख वियोग समन्वितः जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित ॥ वर्षनाम आषाढस्तत्फ. अर्घं महर्घतां याति धनधान्यं समं भवेत । आषाढ़े स्वल्पवृष्टिश्च तुषधान्य महर्घता ॥ शुभकृत् संवत्सरस्तत्फ.—शुभकृद्वत्सरे पृथ्वी सम्पूर्णा विविधोत्सवै । आसंक चौरा भवदा राजानः समरोत्सुकाः ॥ मेघनाम संवर्तस्तत्फ.—संवर्ते जलपूरिता ॥ रोहिणी निवासः पर्वते फलम् पर्वते विदुमात्रश्च ॥ समय निवासः कुंभकार गृहे फ.—अनावृष्टिः प्रजापतौ ॥ एवं संचिन्त्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

सं० २००६ शाके १८७१ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ चंद्रे उषा. ल १२ रे. ६।।ऽ।।ऽअऽऽ।।

,, ५ भौमे उषालगो. रे. ६।।ऽ।।ऽऽऽ।गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, ११ चंद्रे रेवत्यां ल.ऽन्यगो रे.७ऽशु.।।।।ऽरोग।ऽ।।

शुक्ला ८ शनौ उफाल.१२(चं.७पू.)रे. ८।।।।।अ.ऽ।।।

,, ११ भौमे स्वा.ल.१(चंद्रो.७मेपू.)रे.६।।।।।ऽ।।आव

आषाढ मासः

कृष्णा १ शनौ मूले ल. १ रे. ७।।।६सू।ऽऽ।।

,, ८शनौ उभा.ल.१रे.६ऽवृ.।।।।।ऽऽ।ऽदग्धादोषआवश्यके

शुक्ला ८ रवौ हस्तेल ऽन्यगो. रे.७।।।।।ऽ रो. ।ऽ।ऽदग्धा दोष आवश्यके

।। मार्ग शीर्ष मासः ।।

शुक्ला २ भौमे मूले ल. ७ रे. ८।।।।।ऽचोऽ।।।

पोष मासः ।

कृष्णा ६ रवौ मघाल. ऽन्यगो. रे .६ऽचंऽ।।ऽशु।।ऽ।।

पादतोवेधाऽभावः आवश्यके

माघ मासः

कृष्णा ११ शनौ अनु. ल. गो. ७ घ. ४६ या. रे. ६।ऽ।।।।ऽऽ।ऽदग्धा अत्यावश्यके

चैत्र मासः

कृष्ण ६गुरौ अनु.ल.७.६(घ.५१।२८या) रे.ऽचंऽ।।।।।।।

,, ८शनौ मूलेल ऽन्यगो. (सोग्रांगः) ७.८रे.६।।।।।।।ऽ।।

कृष्णा १० चंद्रे उषाल. ७ रे७।।।।।ऽअग्नि।ऽ।।बृश्चिक धनलग्ने परिधाधम् अत्रक्वचित्स्मृतिदृष्टीदोषश्चेत्तत्तंतव्य सुधिभिः

आश्विन शुक्ला १५ शुक्रे प्रातः भारते ग्रस्तास्तं चन्द्र ग्रहणम् विश्वा २५.४

उज्जयनी मध्यम काल	स्प.	सं.	म.	मो.	उ.	पर्व
घंटा	१	३	५	७	१०	६
मिनिट	७	५५	४८	२५	२६	२२
रेल्वे टाइम	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	पर्व
घंटा	६	८	८	६	१०	३
मिनिट	५४	१	४०	१६	३२	३८

जहां रेलवे ६ बज कर ५४ मिंट पर चन्द्र स्त होगा वहां यह ग्रहण स्पर्श मात्र भी नहीं दीखेगा अतः जहां न दीखे वहाँ ग्रहण जन्यः स्नान दानादि का कोई फल नहीं विशेष समय पर लिखेंगे ।

यह ग्रहण नललगढ़ में नहीं होगा ।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१ | दि. उ. अ. इ. हि. मु. | चन्द्रः | वसंततुं रविरुत्तरेऽहर्गणः ५१०८स. १९४९

१	बु	४०	२१	रे	४७	१२	एं	४६	५६	कं	७	५२	३० ३८	५३	६ ८	३०	१७	२९	मे.४७।१२	रेवत्यांरविः४३।२८उभायांबुधः४९।२८*
२	गु	४४	३३	अ	५२	४६	वै	४७	३१	वा	१२	२७	४३	५१	९	३१	१८	३०	मेषे	चन्द्रद. पूर्वास्तोबुधः २५।२१ सिजारा
३	शु	४७	५१	भ	५७	१७	वि	४७	२५	तै	१६	१२	४७	५१	९	१	१९	१	मेषे	अप्रेल मा.४ता.३०मजादिलाखर मु.६
४	श	५०	१	कृ	६०	०	प्री	४६	२१	व	१८	५६	५२	५०	१०	२	२०	२	बृ. १३।८	भ. १८।५६ उ. ५०।१ या.
५	र	५०	५५	कृ	०	४१	आ	४४	२२	ब	२०	२८	५६	४९	११	३	२१	३	बृषे	रेवत्यां शुक्रः २१।५३रेवत्यांभौमः २३।२८
६	चं	५०	३३	रा	२	३७	सो	४१	२५	को	२०	४३	३ ०	४८	१२	४	२२	४	मि ३३।१५	अश्विन्यां १ राहुःचित्रायां३केतुः३६।१७
७	मं	४८	५३	मृ	३	५३	शो	३७	४६	ग	१९	४३	३ १	४७	१३	५	२३	५	मिथुने	भ.४८।५३उ. [*नवरात्राध्वजारोघटस्था
८	बु	४६	६	आ	३	३६	आ	३२	४६	वि	१७	२९	८	४६	१४	६	२४	६	क.४७।३४	भ. १७।२९ या.रेवत्यां बुधः ५१।४८
९	गु	४२	२०	पु	१३ २	५७ ४६	सु	२७	१	वा	१४	१३	१२	४६	१४	७	२५	७	कर्के	राम ९ [-गणगौरी मत्स्यज.
१०	शु	३७	३७	श्ले	५६	५२	धृ	२०	४२	तै	१०	०	१६	४५	१५	८	२६	८	सिं५६।५२	[+ हनुमज्जयंती वै. स्नान. प्रा.
११	श	३२	२२	म	५३	२२	शू	१३	५३	व	४	५९	२०	४४	१६	९	२७	९	सिंहे	भ.४।५९उ.३२।२२या.कामदा ११ ब्र.
१२	र	२६	३४	पू	४९	२५	गं	६ ४	५३ ५२	वा	२६	३४	२४	४३	१७	१०	२८	१०	सिंहे	उषायां ४ गुरु २८।६ वक्री मघायां !
१३	चं	२०	४२	उ	४५	३१	धु	५१	२३	तै	२०	४२	२८	४२	१८	११	२९	११	कं.३।२७	[! २ शनिः ५६।१० हरिदम
१४	मं	१४	४३	ह	४१	१९	व्या	४३	४३	व	१४	४३	२२	४२	१८	१२	३०	१२	कन्या	भ. १४।४३ उ. ४१।४६ या.
१५	बु	८	५०	चि	३७	२४	ह	३६	९	ब	८	५०	३६	४१	१९	१३	३१	१३	तु.९।२१	मेषेऽर्कः १७।५९ मेषे बुधः २०।४२+

५२ पं. चै.शु.७मं.इ.६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	९	११	४	०	११
२१	१७	१३	५	१८	६	३	२१
५७	५०	२१	५८	५०	५५	१८	५३
३८	५६	३६	४४	२	५५	२४	३१
५९	४५	५९	७	७४	२ ३०	३	५९
४	४७	५९	२३	३७	ब्र	११	४

गोचरग्रहाः

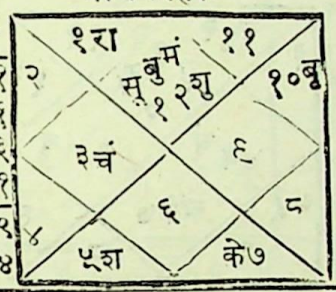

पौष शुक्ला १५ बुधे मेषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ कुमारवस्था (बैठी) मु.३० (धा. भा. सम) शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

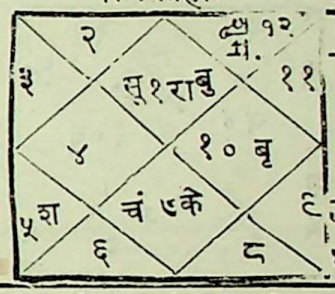

१पं.चै.शु.१५.बु.इ.२२।१२

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	९	११	४	०	०
०	२४	०	६	२९	६	२	०
४	१०	३	५८	३	३५	५२	०
७	४८	७	५	५०	४२	५	०
५८	४५	५ ३२	६	७४	४ ४६	३	५८
४५	२२	२६	१४	३८	ब	११	४४

ति. बैशाख कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१ | दि. उ. अ. इ. हि. मु. | चंद्रः | वसंततुं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महाराष्ट्राः

१	गु	३	१५	स्वा	३४	५	व	२९	४	को	३	१५	३५ ४०	५ ४०	६ २०	१४	१	१४	तुलायां	मेषे शुक्रः ७।२१
२	गु	५४	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	५४	४	वि	३१	२७	सि	२२	२९	व	२६	९	४४	३९	२१	१५	२	१५	वृ. १६।२९	भ. २६।९ उ. ५४।४ या.
४	श	५०	३८	अ	२९	२२	व्य	१६	२६	व	२२	२१	४७	३९	२१	१६	३	१६	वृश्चिके	चतुर्थी व्र.
५	र	४८	१०	ज्ये	२८	२२	व	११	२४	को	१९	२४	५१	३८	२२	१७	४	१७	ध. २८।२२	
६	चं	४६	५२	मू	२८	२७	प	७	२	ग	१७	३१	५४	३७	२३	१८	५	१८	धनुषि	भ. ४६।५२ उ.
७	मं	४६	५२	पू	२९	५९	शि	३	४४	वि	१६	५२	५८	३६	२४	१९	६	१९	म.४५।३३	भ. १६।५२ या. भरण्यां बुधः ३५।२४
८	बु	४८	७	उ	३२	१४	सि	२१ ३	५७ ४२	वा	१७	२९	३२	३६	२४	२०	७	२०	मकरे	
९	गु	५०	४४	अ	३६	१५	शु	५९	४१	तै	१९	२५	६	३५	२५	२१	८	२१	मकरे	मेषे भौमः १।५२
१०	शु	५४	३३	ध	४१	८	शु	६०	०	व	२२	३८	९	३४	२६	२२	९	२२	कु.८।४१	भ. २२।३८ उ. ५४।३३ या.
११	श	५८	५७	श	४६	५१	शु	०	५	ब	२६	४५	१३	३३	२७	२३	१०	२३	कुम्भे	वरूथिनी११ब्र.स्मा.[*वरूथिनी११ब्र.वै.नि
१२	र	६०	०	पू	५३	११	न	१	११	को	३१	२३	१७	३३	२७	२४	११	२४	मी २६।३६	भरण्यांशुक्रः५६।७पश्चिमोदयीबुधः ३५ ५*
१२	चं	३	४९	उ	५९	४२	एं	२	२२	वै	४	३	२१	३२	२८	२५	१२	२५	मीने	प्रदोषः [! ५९।२३कृतिकायांबुधः३।५५
१३	मं	८	५०	रे	६०	०	वै	४	३	व	८	५०	२५	३१	२९	२६	१३	२६	मीने	भ. ८।५०उ.४१।११ या.भरण्यां रविः!
१४	बु	१३	३२	रे	६	४	वि	५	२२	श	१३	३२	२९	३०	३०	२७	१४	२७	मे. ६।४	वृषे बुधः ५७।३८ अगस्त्यास्तः ४।२८
२०	गु	१७	५०	अ	११	३८	प्री	६	१५	ना	१७	५१	३३	२९	३१	२८	१५	२८	मेषे	

२पं.वै.कृ.८ बु.इ. २२।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	९	०	४	०	०
६	२९	१४	७	७	६	२	६
५४	३०	५७	३९	४३	२४	२९	५०
१७	१४	३६	४७	२३	४७	५०	३८
५८	४५	२९	५	७४	९ ०	३	५५
२९	२२	२०	६	३८	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

इस मासमें छ ग्रहों का योग अमावस को बना है सो राजाओं में विग्रह कहीं भूकम्प से भारी नुकसान।

गोचरग्रहाः

३ पं.वै.कृ.१४.बु.इ.२२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	९	०	४	०	०
१३	४	२८	८	१६	६	२	१३
४२	४७	५८	१३	२२	१९	७	३९
४१	५३	४१	५२	२६	१	३४	४१
५८	४५	५ ३२	३	७४	१८ ०	३	५८
१२	१२	३२	५९	३८	ब	११	२०

(स० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) × १ सूमंबुराशु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाखशुक्लपक्षः सं २००६ शाकः १८७७	दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततूर्रविरुत्तरेऽहर्गणः५१३८स.१९४९
१	शु २१ ७ भ १६ २७ आ ६ २६ ब २१ ७	३२ ३६	५ २९	६ ३१	२९	१६	२९	वृ.३२।२३	चंद्रद.
२	श २३ १० कृ २० १३ सौ ५ ४७ कौ २३ १०	४०	२८	३२	३०	१७	३०	वृषे	मार्गी शनिः ३१।४६ रज्जव७परशुराम
३	र २४ २२ रा २२ ४२ शो ३ ५८ ग २४ २२	४३	२७	३३	१	१८	१	मि५३।२१	भ.५३।५९उ.मई ना.५ ता०३१अक्षया३
४	चं २३ ३७ मृ २३ ५५ अ २४ १५ ५७ वि २३ ३७	४७	२७	३३	२	१९	२	मिथुने	भ. २३।३७ या.
५	मं २१ ५५ आ २४ ३ धृ ५३ ६ वा २१ ५५	५०	२६	३४	३	२०	३	मिथुने	रोहिण्यां बुधः ५८।५१
६	बु १९ ७ पु २२ ५२ शू ४७ ४२ तै १९ ७	५४	२५	३५	४	२१	४	क.८।१०	गंगोत्पत्तिः
७	गु १५ २० पु २० ४६ गं ४१ ३४ व १५ २०	५८	२४	३६	५	२२	५	कर्के	भ.१५।२०उ.४२ या.कृतिकायांशुक्रः ४३
८	शु १० १ श्ले १७ ५८ बृ ३४ ५६ ब १० १	३१	२४	३६	६	२३	६	सिं १७।५८	[÷ वै. स्ना. पू.पश्चिमोदयीशुक्रः ३५
९	श ५ ६ म १४ २९ बु २७ ४५ कौ ५ ६	४	२३	३७	७	२४	७	सिंहे	[*भरण्यां भौमः ४७ मोहनी ११ ब्र.स्मा.
१०	श ५४ १० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	८	०	क्षयः
११	र ५३ २२ पू १० ४१ व्या २० १८ व २६ १९	७	२३	३७	८	२५	९	कं. २४।३८	भ. २६ उ. ५३ या बृषे शुक्रः २६ *
१२	चं ४७ १९ उ ६ ३० ह १२ ४० ब २० २१	१०	२२	३८	९	२६	१०	कन्या	मोहिनी ११ ब्र. वै. नि. प्रदोषः
१३	मं ४१ २४ ह २६ ५६ ७ व ५ ५३ २८ कौ १४ २१	१३	२१	३९	१०	२७	११	तु.३०।२९	कृतिकायां रविः ४७।१८ प.उ.शु.
१४	बु ३५ ३१ स्वा ५५ २ व्य ५० २९ ग ८ २७	१६	२१	३९	११	२८	१२	तुलायां	भ. ३५।३१ उ. नृसिंह जयन्ती
१५	गु ३० ३७ वि ५१ ५५ व ४३ ४९ वि ३ ४	१९	२०	४०	१२	२९	१३	वृ.३७।४२	भ. ३।४ या. कूर्म जयंती.अन्नदानं ÷

४ पं.वै.शु.६बु.इ.२२।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	९	०	४	०	०
२०	१०	१०	८	२५	६	१	२०
२९	२	२८	३९	०	१८	४५	२७
२०	४६	८	२२	२५	४३	१९	२२ श
५७	४४	६९	२	७४	२० ३	३	५८ ५
५७	५२	५८	४१	३२	मा	११	६

गोचरग्रहाः

इस मास में मंगल राहु की युति तिथिक्षय और बुध शुक्र का योग रुई मन्दी और वर्षा कारक है ।

गोचरग्रहाः

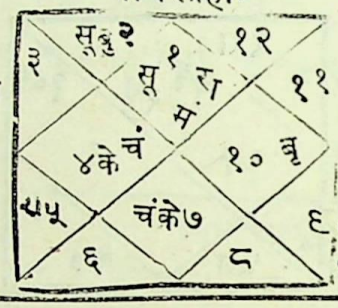

५पं.वै शु.१४बु.इ.२३।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	९	१	४	०	०
२७	१५	१८	८	३	६	१	२७
१४	१५	५२	५६	३८	२३	२३	१३
३४	४०	१	१०	५३	३८	४	३०
५७	४४	३१	१	७४	१	३	५७
४५	३०	३०	२०	३२	७	११	५४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं.२००६ शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूं रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु २६ १२ अ ४९ ५१ प २७ ४३ कौ २६ १२	३३ ३२	५ २०	६ ४०	१३	३०	१४	बृश्चिके	
२	श २२ ४१ ज्ये ४९ ३४ शि ३२ २५ ग २२ ४१	२५	१९	४१	१४	३१	१५	ध.४९।३४	भ. ५१।२४ उ. बृषेऽर्कः १५।५
३	र २० ८ मू ५० ३० सि २८ ११ वि २० ८	२८	१८	४२	१५	१	१६	धनुषि	भ. २०।८ या. चतुर्थी ब्र.
४	चं १८ ५२ पू ५१ १० सा २४ ३५ त्रा १८ ५२	३१	१८	४२	१६	२	१७	धनुषि	रोहिण्या शुक्रः ३४।५
५	मं १८ ४७ उ ५२ ४७ शु २२ २ तै १८ ४७	३४	१७	४३	१७	३	१८	म. ६।३४	[* पातस्पर्शः ५७।१४
६	बु १९ ५३ अ ५५ १३ शु १९ ३४ व १९ ५३	३६	१७	४३	१८	४	१९	मकरे	भ.५ ३ उ.५१।५ या.बक्री बुधः १०।१२*
७	गु २२ १८ ध ६० ० ब १९ ६ ब २२ १८	३९	१६	४४	१९	५	२०	कु.२७।३९	बक्री गुरुः ५०।४ पातमोक्षः ११।३०
८	शु २५ ५२ ध ० ५ ए २० २६ कौ २५ ५२	४१	१६	४४	२०	६	२१	कुम्भे	
९	श ३० १६ श ५ ३२ वै २१ २३ ग ३० १६	४४	१५	४५	२१	७	२२	मी.५५।१३	
१०	र ३५ २३ पू ११ ४७ वि २२ ५३ व २ ४९	४६	१५	४५	२२	८	२३	मीने	भ. ४९ उ. ३५ या.मघायां ३ शनिः२।५६
११	चं ४० ० उ १८ ९ मी २४ २२ ब ७ ४१	४८	१४	४६	२३	९	२४	मीने	अपरा ११ ब्र. .
१२	मं ४४ ४७ रे २४ ३७ आ २५ ५० कौ १२ २३	५०	१४	४६	२४	१०	२५	मे.२४।३७	रौहिण्यां रविः ४१।१४
१३	बु ४८ ५४ अ ३० २५ सौ २६ ५० ग १६ ५	५२	१४	४६	२५	११	२६	मेषे	भ. ५५ उ. पश्चिमास्तोबुधः ३५ प्रदोषः
१४	गु ५२ ६ भ ३५ १६ शो २७ १४ वि २० ३०	५४	१३	४७	२६	१२	२७	बृ. ५१।१७	भ. ३० या. कृतिकायां भौमः ५५
१५	शु ५४ १० कृ ३९ २० अ २६ ५३ च २३ ८	५६	१३	४७	२७	१३	२८	बृषे	मृगे शुक्रः २२।१४ वटसावित्रीजनम भाबुका३०

६पं ज्ये.कृ.६बु.इ.२३।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	९	१	४	०	१
३	२०	२३	९	१२	६	१	३
५८	२५	१४	३	१५	३३	०	५८
११	३७	५६	४७	४३	३२	४८	२८
५७	४४	५१	०	७४	१	३	५७
४	१६	ब्र	१९	३२	४६	११	४४

गोचरग्रहा

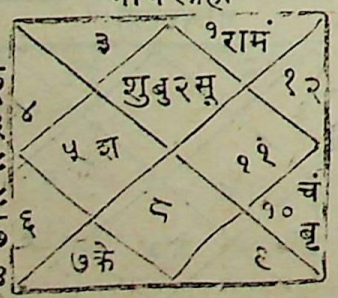

ज्येष्ठ कृष्णा २ शनौ बृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न.५प्रौढावस्था (बैठी) मुहूर्ताः १५(धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चिमे वत्सउत्तरे राहुपश्चिमे

गोचरग्रहा

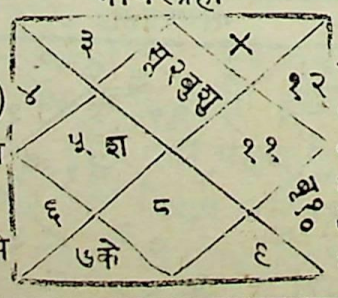

७पं.ज्ये.कृ.१३बु.इ.२३।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	९	१	४	०	१
१०	२५	२३	९	२०	६	०	१०
४०	२४	४२	१	५२	४८	३८	४२
२१	१६	२९	५५	३७	२५	२३	२०
५७	४४	२३ ५५	१ १३	७४	२	३	५७
२३	६	ब्र	ब्र	२६	२५	११	३५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

× १ राचं.मृ

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २००६ शाकः १८७१ | दि. | उ. | अ. | इ. | हि. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मऋतुरविरुत्तरेऽहर्गणः ५१६७स१६४६

१	श	५४	५६	रो	४२	११	सु	२५	२०	क	२४	३४	३३/५५	५/१२	६/४८	२८	१४	२६	वृषे	
२	र	५४	३४	मृ	४३	३८	धृ	२३	६	वा	२४	४६	३३/००	१२	४८	२६	१५	३०	मि १२।५४	चंद्रद.
३	चं	५२	४८	आ	४४	६	शू	१६	३५	तै	२३	४१	२	१२	४८	३०	१६	१	मिथुने	सावान ८ रंभा ब्र.
४	मं	४६	५५	पु	४३	११	गं	१५	२०	व	२१	२२	४	११	४६	३१	१७	२	क.२८।२५	भ.२१।२२उ.४६।५५या.वृषेभौमः३१।१०
५	बु	४६	५	पु	४१	२०	वृ	१०	०	ब	१८	००	६	११	४६	१	१८	३	कर्के	मिथुनेशुक्रः ४/५ पातस्पर्शः ३/१ पातमोक्षः—
६	गु	४१	२२	श्ले	३८	३१	धु	५०/५०	३/५५	कौ	१३	४३	८	१०	५०	२	१६	४	सिं.३८।३१	उदयोभौमः ३७।४३
७	शु	३५	५५	म	३५	१३	ह	५०	२५	ग	८	३८	६	१०	५०	३	२०	५	सिंहे	भ. ३५।५५ उ.
८	श	३०	६	पू	३१	३५	व	४३	१	वि	३	२	११	१०	५०	४	२१	६	कं.४५।३२	भ. ३।२ य. [—५/६ जून ६ ता० ३०
९	र	२४	७	उ	२७	२५	सि	३५	२५	कौ	२४	७	१२	१०	५०	५	२२	७	कन्या	[* केतुः ३१।४गंगादशहरा
१०	चं	१८	१	ह	२३	५६	ध्र	२८	८	ग	१८	१	१४	६	५१	६	२३	८	तु. ५१।४५	भ. ४५।०उ.मीने राहुः कन्यायां केतुः*
११	मं	१२	०	चि	१६	३१	व	२०	२३	वि	१२	०	१५	६	५१	७	२४	९	तुलायां	भ. १२।० या. मृगेरवि ४०।३ आर्द्रायां÷
१२	बु	६	१२	स्वा	१६	१६	ष	१३	६	वा	६	१२	१६	६	५१	८	२५	१०	बृ.५८।३२	प्रदोषः [÷ शुक्रः १५।४३निर्जला११ब्र.
१३	गु	१	३	वि	१२	३७	शि	६	२३	तै	१	३	१७	८	५२	६	२६	११	बृश्चिके	भ. ५६।३१ उ.
१४	गु	५५	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	शु	५२	५३	अ	१०	२८	सि	१५/५५	५४/५४	वि	२४	४२	१८	८	५२	१०	२७	१२	वृश्चिके	भ. २४।४२ या.वटसावित्रीऽजनं

८ प.ज्ये. शु.५बु.इ.२३।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	१	९	१	४	०	१
१७	०	२१	८	२९	७	०	१७
२१	३८	२	५०	२८	८	१६	२५
२७	१७	२८	४९	३०	६	१८	७
५७	४३	५२	२	७४	३	३	५७
१३	५३	ब	ब	१६	९	११	२७

गोचरग्रहर

इस मासमें राजा प्रजा में सुख शांति कहीं २ अग्नि भय धूप अधिक पड़ेगी व्यापार में घट बढ़ अन्न का भाव तेज।

गोचरग्रहर

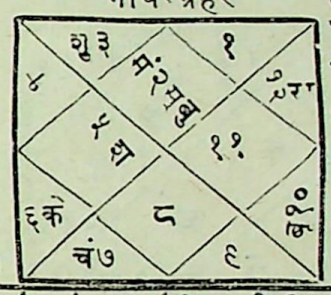

९ पं.ज्ये.शु१२बु.इ.२३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	९	२	४	११	१
२४	५	१७	८	८	७	२९	२४
१	४०	२६	३१	४	३२	५४	७
२३	४४	४६	१	१	२	२	८
५७	४३	५०	४६	७४	३	३	५७
५	२०	ब	ब	२०	४२	११	२२

ति. आषाढ़ कृष्णपक्षः सं० २००६ शाकः १८७१ | दि. | उ. | अ. | इ. | हिं. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मतूरविरुत्तरे ज्येष्ठ.कृष्णेति महाराष्ट्रा

१	श	५०	१३	ज्ये	९	८	शु	५०	१७	वा	२१	३३	३४/१९	५/८	६/५३	२१	२८	१३	ध.९।८	
२	र	४८	४०	मू	८	१९	शु	४६	४४	तै	१९	२६	२०	८	५२	१२	२९	१४	धनुषि	सब्बरात
३	चं	४८	२७	पू	९	२	ब्र	४४	२२	व	१८	३३	२१	८	५२	१३	३०	१५	म.२४।३२	भ.१८।३३उ.४८।२७या.पूर्वोदयीबुधः ३/८
४	मं	४९	३३	उ	११	४	ऐं	४२	२३	ब	१९	०	२१	८	५२	१४	३१	१६	मकरे	मिथुनेऽर्कः ४०।५१रोहिण्यांभौमः २७।१५*
५	बु	५१	४२	अ	१४	२१	वै	४१	४५	कौ	२०	३७	२२	८	५२	१५	१	१७	कु.४६।३३	[*चतुर्थीब्रि.पातस्पर्शः १/२ पातमोक्षः ३/४
६	शु	५५	१४	ध	१८	४५	वि	४१	५०	ग	२३	२८	२२	८	५२	१६	२	१८	कुम्भे	भ. ५५।१४ उ.
७	शु	५९	२३	श	२४	१३	मी	४२	४६	वि	२७	२२	२३	७	५३	१७	३	१९	कुम्भे	भ. २७।२२ या.
८	श	६०	०	पू	३०	१४	आ	४४	१८	वा	३१	५२	२३	७	५३	१८	४	२०	मी १३।४४	पुनवसौ शुक्रः ६।२८
९	र	४	१४	उ	३६	३२	सौ	४५	४६	कौ	४	१४	२३	७	५३	१९	५	२१	मीने	
१०	चं	८	५८	रे	४३	०	शो	४७	२६	ग	८	५८	२४	७	५३	२०	६	२२	मे.४३।००	भ. ४१।२५ उ. मार्गी बुधः ५५।३८
११	मं	१३	४६	अ	४८	५०	अ	४८	२८	वि	१३	४६	२४	७	५३	२१	७	२३	मेषे	भ.१३।४६या.आर्द्रायां रविः ४२।३३ +
१२	बु	१७	४७	भ	५४	६	सु	४९	८	वा	१७	५७	२४	७	५३	२२	१८	२४	सेषे	योगिनी ११ ब्र.
१३	गु	२१	९	कृ	५८	४०	धृ	४८	५५	तै	२१	९	२४	७	५३	२३	१९	२५	वृ.१०।१४	प्रदोषः [+दक्षिणायन प्रवृत्तिः ५।२
१४	शु	२३	१६	रो	६०	०	शू	४७	३९	व	२३	१६	२४	७	५३	२४	१०	२६	वृषे	भ. २३।१६ उ. ५५।४४ या.
१५	श	२४	१३	रो	१	३१	गं	४५	३७	श	२४	१३	२३	७	५३	२५	११	२७	मि ३२।२५	
३०	र	२३	४८	मृ	३	१९	वृ	४२	२१	ना	२३	४८	२३	७	५३	२६	१२	२८	मिथुने	कर्के शुक्रः २१।५२

१० पं. आ.कृ.५बु.इ.२३।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	९	२	४	११	२
०	१०	१५	८	१६	८	२९	०
४०	४०	२८	२	३८	०	३१	४८
३१	१६	१९	३८	२४	१८	४७	२५
५६	४३	२८	५७	७४	४	३	५७
५७	४	ब	ब	१८	२०	११	१७

गोचरग्रहाः

आषाढ़कृष्णा४भौमे मिथुनेऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ कुवारावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

११पं.आ.कृ.११बु.इ२३।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	९	२	४	११	२
७	१५	१६	७	२५	८	२९	७
१८	३६	५३	२६	११	२२	९	२९
५९	४३	२०	१७	५३	४९	३१	१६
५६	४२	५३	८	७४	४	३	५२
५४	२४	मा	बृ	८	५०	११	१३

* १० बृ चं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं०२००६ शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५१९७स.१९४९
१	चं २२ ८ आ ३५७ ध्रु ३८ १३ ब २२ ८ ३ ४ ५ ६ २ ३ ७ ३	२७	१३	२९	क ४८।४४				चंद्रद.पातस्पर्शः३८।२३पातमोक्षः५५।३४
२	मं १९ १९ पु ३ ३९ व्या ३३ १० कौ १९ १९ २२ ८ ५ २	२८	१४	१	कर्के				रमजान ९ रोजा रथयात्रा
३	बु १५ २९ पु २ ५ ६ ३ ४ ७ ह २७ १५ ग १५ २९ २२ ८ ५ २	२९	१५	२	सिं५८।५९				भ.४३।९उ.पुष्पेशुक्रः३।५८वक्री उषायां*
४	गु १० ४९ म ५५ ५३ व २० ४३ वि १० ४९ २१ ८ ५ २	३०	१६	३	सिंहे				भ.१०।४९या. [*३ गुरुः ५२।३१
५	शु ५ २६ पू ५२ ७ सि १३ ४९ वा ५ २६ २० ८ ५ २	१	१७	४	सिंहे				मृगे बुधः १५।९ जुलाई ७ ता० ३१
६	शु ५४ १५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०				
७	श ५३ ४२ उ ४७ ३५ व्य २५ २७ ग २६ ४१ १९ ८ ५ २	२	१८	५	कं ५।५९				भ. ५३।४२ उ.
८	र ४७ ३१ ह ४३ ५९ प ५१ १७ वि २० ३७ १८ ८ ५ २	३	१९	६	कन्या				भ. २०।३७ या. मृगे भौमः २९।४४
९	चं ४१ २७ चि ३९ ५० शि ४३ ४८ वा १४ २९ १७ ९ ५ १	४	२०	७	तु.११।५४				
१०	मं ३५ ३७ स्वा ३६ २ सि ३६ ३२ तै ८ ३२ १६ ९ ५ १	५	२१	८	तुलायां				पुनर्वसौ रवि ४६।२४ मिथुने बुधः ४ ५ ३ १
११	बु ३० ३९ वि ३२ ५६ सा २९ ४१ व २ ५८ १४ ९ ५ १	६	२२	९	वृ.१८।४३				भ.२।५८उ. ३०।१९या. देवशयनी११ब्र.
१२	गु २५ ३० अ ३० २२ शु २३ २५ वा २५ ३० १३ ९ ५ १	७	२३	१०	वृश्चिके				प्रदोषः
१३	शु २१ ५६ ज्ये २८ ३५ शु १७ ४८ तै २१ ५६ ११ १० ५ ०	८	२४	११	ध.२८।३५				मघायां ४ शनिः ३०।११
१४	श १९ ११ मू २७ ५९ व्र १३ ७ च १९ ११ १० १० ५ ०	९	२५	१२	धनुषि				भ. १९।११ उ. ४८।२२ या.
१५	र १७ ३३ पू २८ ३० ऐं ९ १७ ब १७ ३३ ८ १० ५ ०	१०	२६	१३	म.४३।५४				आर्द्रायां बुधः ४।४९ सार्पेशकः १।२९

१२पं.आ.शु.३ बु.इ.२३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	९	३	४	११	२
१३	२०	१२	६	३	९	२८	१४
५७	३०	१०	४३	४३	८	४७	९
२	३६	५२	१६	५९	५३	१६	४५
५६	४२	३७	८४	७४	५३		५७
५०	४१	७	ब	२	१४	११	७

गोचरग्रहः

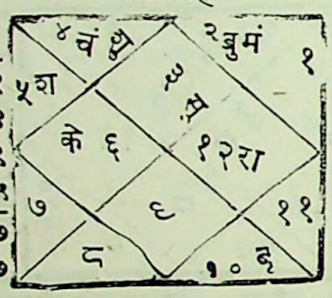

गोचरग्रहः

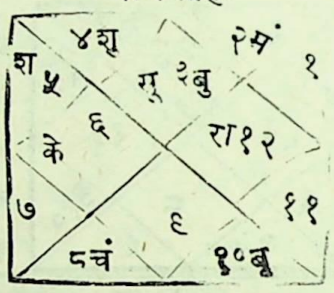

१३पं.आ.शु.११बु.इ.२३।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	९	३	४	११	२
२०	२५	०	५	१२	९	२८	२०
३४	२२	४८	५५	१७	४८	२५	५०
५८	१९	२२	५	२	०	१	९
५६	४२	७३	२७	७३	५	३	५७
५०	१७	३४	ब	५६	४०	११	७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं०२००६शाकः१८७१	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मऋतूरविर्दक्षिणे. आषाढ़ कृ.महाराष्ट्राः
१	चं १७ १३ उ ३० ६ वै ६ २४ कौ १७ १३ ३ ४ ५ ६ ७ १ ४ ९	११	२७	१४	मकरे				
२	मं १८ ११ श्र ३३ १ वि ४ ३४ ग १८ ११ ६ ११ ४९	१२	२८	१५	मकरे				भ. ४९।२१ उ.
३	बु २० ३१ ध ३७ १२ मी ३ ४३ वि २० ३१ ४ ११ ४९	१३	२९	१६	कु.५।६				भ.२०।३१या.मिथुनेभौमः८।० चतुर्थीब्र.
४	गु २३ ४२ श ४२ १५ आ ३ ४५ वा २३ ४२ २ १२ ४८	१४	३०	१७	कुम्भे				
५	शु २७ ५४ पू ४८ १७ भो ४ ३५ तै २७ ५४ ० १२ ४८	१५	३१	१८	मी ३१।४७				पूर्वास्तं बुधः २०।३२ नाग ५
६	श ३२ ३४ उ ५४ ३७ शो ५ ४७ ग ० १४ ५ ८ १२ ४८	१६	३२	१९	मीने				भ. ३२।३४ उ. कर्केऽर्कः १९।८
७	र ३७ ३९ रे ६० ० अ ७ २७ वि ५ ६ ५६ १३ ४७	१७	१	२०	मीने				भ. ५।६ या. पुनर्वसौ बुधः १२।२०
८	चं ४२ १० रे १ २ सु ८ ४ वा ९ ५४ ५४ १३ ४७	१८	२	२१	मे.१।२				
९	मं ४६ २० अ ७ ५ धृ ९ १७ तै १४ १५ ५२ १४ ४६	१९	३	२२	मेषे				पुष्ये रविः ४९·४९
१०	बु ४९ ३९ भ १२ ३५ शू १० ५८ व १७ ५९ ५० १४ ४६	२०	४	२३	वृ.२८।४३				भ.१७।५९उ.४९।३९या. सिंहेशुक्रः५७।४
११	गु ५२ १८ कृ १७ ६ गं १० ५८ ब २० ५८ ४७ १५ ४५	२१	५	२४	बृषे				कामिका ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	शु ५२ ४७ रो २० २२ बृ ९ ५४ कौ २२ ३२ ४५ १५ ४५	२२	६	२५	मि५।१।२५				कर्केबुधः०।२२ आर्द्रायाँ भौमः५१५३ *
१३	श ५२ ३२ मृ २२ २८ धु ७ ५८ ग २२ ३९ ४२ १६ ४४	२३	७	२६	मिथुने				भ. ५२।३२ उ. पुष्ये बुधः २६।५ प्रदोष
१४	र ५० ५४ आ २३ २५ व्या ४ ५९ वि २१ ४३ ४० १६ ४४	२४	८	२७	मिथुने				भ. २१।३३ या. [*कामिक ब्र. नि.
३०	चं ४८ ९ पु २२ ५८ ह ५ ९ ५ ५ च १९ ३२ ३७ १७ ४३	२५	९	२८	क. ८।५				हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ.३बु.इ.२३।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	९	३	४	५	२
२७	०	१२	५	२०	१०	२८	२७
१३	१०	३५	३	४८	३०	२	३०
४	३७	२०	११	११	२५	४५	३२
५६	४२	७	५२	७३	६	३	५७
५५	१	२९	ब	५०	२	११	११

गोचरग्रहः

श्रावण कृष्णा ६
शनौ कर्केऽर्कः प्र.
का.५न.५प्रगभावस्था
(बैठी) मुहूर्ताः४५
(धान्य भाव मंदा)
शुक्रोदयः पश्चियाम्

गोचरग्रहः

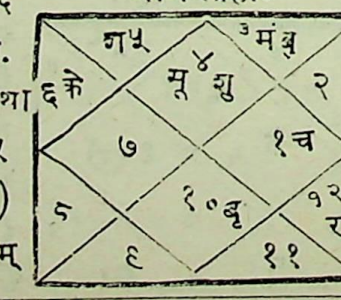

१५पं.श्रा.कृ.१०बु.इ.२३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	९	३	४	११	३
३	४	२६	४	२९	११	२७	४
५१	५६	३७	९	१८	१५	४०	११
३२	१३	२३	११	१४	७	३०	१३
५६	४५	२९	५२	७३	६	३	५७
५७	५०	५५	ब	३९	२२	११	१५

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं.२००६ शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चंद्र	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२२६सन्१६४६
१	मं ४४ २५ पु २१ २६ सि ५० १७ क्रि १६ १७	३३/३५	५/१७	६/४३	२६	१०	२६	कर्के	वर्क्री उषायां २ गुरुः ४०।५३
२	बु ३६ ४७ श्ले १६ ५ व्य ४३ ५१ बा १२ ६	३२	८	४२	२७	११	३०	सिं १६।५	चंद्रद.
३	गु ३४ ३० म १६ १४ व ३४ ५४ तै ७ ८	३०	१८	४२	२८	१२	१	सिंह	सव्याल १० ईद.
४	शु २८ ४४ पू १२ २१ व २६ ३५ व १ ३७	२७	१६	४१	२६	१३	२	कं.२६।२२	भ.३७उ.२५/४४या.सार्पे बुधः५२।४२वरद४
५	श २२ ४४ उ ८ २६ शि २२ ० बा २२ ४१	२४	१६	४१	२०	१४	३	कन्या	नाग ५
६	र १६ ३६ ह ४ १८ सि १४ २७ तै १६ ३६	२१	२०	४०	३१	१५	४	तु. ३२।१४	३फायां शुक्रः ५६।१७ वर्गो
७	चं १० २६ चि १० ५६/१० व १० २६	१८	२०	४०	१	१६	५	तुलायां	भ.२१०उ. ३७/११या. शीतला ७ तुलासीज.
८	मं ४ ३३ वि ५३ ४ शु ५२ ३७ ब ४ ३३	१५	२१	३६	२	१७	६	वृ.३८।५३	आश्लेषायां रविः ५०।३७ दुर्गा
६	मं ५४ ४७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१०	बु ५४ ४१ अ ५० १४ न ४६ २० तै २७ ०	१२	२२	३८	३	१८	७	बृश्चिके	कल्किजयंती
११	गु ५० ५१ ज्ये ४८ ६ ऐं ४० २० व २२ ४६	६	२२	३८	४	१६	८	ध.४८।६	भ.२२।४६उ.५०।५१या. पथित्रा११ब्र.
१२	शु ४८ ४ मू ४७ १७ वै ३५ २५ व १६ २८	६	२३	३७	५	२०	६	धनुषि	सिंहे बुधः ४१।४ [—बुधः ५३।१४
१३	श ४६ २३ पू ४७ ३३ वि ३१ १८ कौ १७ १३	३	२३	३७	६	२१	१०	धनुषि	प्रदोषः [*केतुः२४।२६श्रावणी कर्म.
१४	र ४६ ४ उ ४८ ५४ प्री २८ ६ ग १६ १३	०	२४	३६	७	२२	११	म.२।५३	भ ४६/४उ.३फायां१शनिः १६/३पश्चिमोदयी —
१५	चं ४६ ५६ श्र ५१ ३२ आ २६ २ वि १६ ३०	३३/३७	२५	३५	८	२३	१२	मकरे	भ.१६।३०या.रेवत्यां३राहुचित्रायां १*

१६ प.श्रा.शु.२बु.इ.२२।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	९	४	४	११	३
१०	९	११	३	७	१२	२७	१०
३०	३९	२९	१५	४६	२	१८	५२
५०	२८	४	१८	५९	६	१५	१९
५७	४१	२९/३४	५२	७/२५	६	३	५७
५२	२३	ब्र	२३	३६	११	२०	

गोचरग्रहः

इस मास का फल श्रेष्ठ है प्रजा सुख शांति प्रामाणिक वर्षा होवे।

गोचरग्रहः

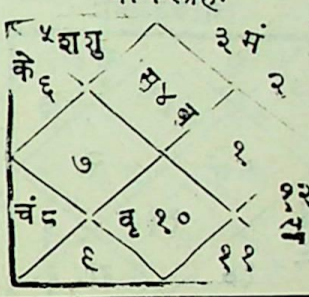

१७पं.श्रा.शु.९बु.इ.२२।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	९	४	४	११	३
१७	१४	२५	२	१६	१२	२६	१७
१०	१९	४०	२३	१५	५०	५५	३४
३८	३७	३०	१७	७	५६	५९	०
५७	४१	२९/३४	२८	७३	६	३	५७
१२	१३	ब्र	१४	५०	११	२४	

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २००६ शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्र	वर्षतूं रविर्दक्षिणेश्रावणकृष्णेति महाराष्ट्र
१	मं ४६ १ ध ५५ २७ सो २४ ५७ बा १७ २८	३२/५४	५/२५	६/३५	६	२४	१३	कुं २३।२६	
२	बु ५२ १७ श ६० ० शो २४ ४७ तै २० ३६	५०	२६	३४	१०	२५	१४	कुम्भे	
३	गु ५६ २७ श ० २६ अ २५ २६ व २४ २२	४७	२७	३३	११	२६	१५	मी४६।५१	भ.२२/२४उ.५६/५७या.पुनर्वसौ भौमः ५४।४०
४	शु ६० ० पू ६ १६ सु २६ ४ ब २८ ४८	४४	२७	३२	१२	२७	१६	मीने	ऊफायांशुक्रः०।४८ चतुर्थी ब्र.
५	श १ १० उ १२ ३० धृ २८ १० बा १ १०	४१	२८	३१	१३	२८	१७	मीने	३फायांबुधः६।२६ [*अस्तंशनेः८।४६
६	र ६ २ रे १८ ५५ शू २६ ४७ तै ६ २	३७	२६	३१	१४	२६	१८	मे.१८।५५	कन्यायां शुक्रः ५६।० चंद्र ६
७	चं १० ५० अ २४ ५१ गं ३१ ६ व १० ५०	३४	२६	३१	१५	३०	१६	मेषे	भ. १०।५० उ. ४२।५७ या. हल ६
८	मं १५ ४ भ ३० ३२ वृ ३१ ५४ ब १५ ४	३०	३०	३०	१६	३१	२०	बृ.४६।४२	सिंहेऽर्कः४७।४ जन्माष्टमी ब्र. रमा. *
६	बु १८ २७ कृ ३५ १४ धु ३२ १ कौ १८ २७	२६	३१	२६	१७	१	२१	बृषे	जन्माष्टमी ब्र. बै.
१०	गु २० ४४ रो ३८ ५८ व्या ३१ ११ ग २० ४४	२२	३२	२८	१८	२	२२	बृषे	भ. ५१।१६ उ.
११	शु २१ ५५ मृ ४१ ८ ह २६ १६ वि २१ ५५	१८	३२	२८	१६	३	२३	मि१०।३	भ. २१।५५ या.
१२	श २१ ४३ आ ४२ २४ व २६ ३४ वा २१ ४३	१५	३३	२७	२०	४	२४	मिथुने	अजा ११ ब्र.
१३	र २१ १० पु ४२ २१ सि २२ ५३ तै २१ १०	११	३४	२६	२१	५	२५	क.२७।२२	उफायां बुधः २।५५ प्रदोष वत्सः १२
१४	चं १७ ३२ पु ४१ ३ व्य १७ ५० व १७ ३२	८	३४	२६	२२	६	२६	कर्के	भ.१७।३२उ.४५।४२ या.
१५	मं १३ ५३ श्ले ३८ ५० व १२ १२ श १३ ५३	४	३५	२५	२३	७	२७	सिं.२८।५०	कन्यायांबुधः३२७हस्तेशुक्रः७।५पिठोरा३०
३०	बु ६ २५ म ३६ ० प ५२/५३ ना ६ २५	०	३६	२४	२४	८	२८	सिंहे	लोहार्गल स्ना. कुशाग्रहणी सती प.

१८ पं.भा.कृ.२बु.इ.२२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	९	४	४	११	३
२५	१८	८	१	२४	१३	२६	२४
५१	५७	४०	२४	४०	४१	३३	१६
४६	११	१९	४८	३८	३१	४४	२७
५७	४०	०/३४	४८/ब	७२	७	३	५७
२२	५६			५६	२	११	३३

१९पं.भा.कृ.८बु.इ.२२।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	९	५	४	११	४
०	२३	२०	०	३	१४	२६	०
२३	३१	३०	५१	७	३३	११	५९
५९	४१	४३	४७	८	४	२८	४७
५७	४०	८९/५८	ब्र	७२	७	३	५७
३४	४०	५८		३४	१४	११	४०

२०पं.भा.कृ.३०बु.इ२२।८७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	९	५	४	११	४
७	२८	१	०	११	१५	२५	७
१७	३	१०	१५	३०	२५	४९	४४
३२	२५	५	१४	३६	४१	१३	१७
५७	४०	८१	५०/४०	७२	७	३	५७
४५	१७	१७	ब	१७	२०	११	४८

* ५शशुचं +शुशबु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५२५६स. १९४९
१	गु ४ १० पू ३२ ३० सि ५१ ३९ ब ४ १०	३१/५६	५५/५७	६/२३	२५	९	२९	क.४६।२९	चंद्रदर्शनम्
२	गु ५४ ८ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	शु ५२ ३१ उ २८ २५ सा ४४ ३ तै २५ २४	५२	३८	२२	२६	१०	१	कन्या	जिल्काद ११
४	श ४६ २६ ह २४ २३ शु ३६ २५ व १९ २९	४८	३८	२२	२७	११	२	तु.५२।१७	भ.१९/२९ उ.४६/२६ या.कर्के भौमः १५/५५ वक्री उषायां?
५	र ४० २१ चि २० ११ शु २८ ५२ ब १३ २४	४४	३९	२१	२८	१२	३	तुलायां	ऋषि५
६	चं ३४ ३७ स्वा १६ १९ न २१ २० कौ ७ २९	४०	४०	२०	२९	१३	४	बृ.५८।३६	[?१धनुषिगुरु ४५/५७ गणेश ४ अगस्त्योदयः ४६/३२
७	मं २९ १३ वि १२ ४२ वें १४ १७ ग १ ५५	३६	४१	१९	३०	१४	५	बृश्चिके	भ.१९/१३ उ.५५/५१ या. ५फायां रविः ३७।५५*
८	बु २४ २९ अ ९ ४५ वे ७ ३८ ब २४ २९	३२	४२	१८	३१	१५	६	वृश्चिके	दुर्वा ८ [*हस्तेबुधः ५५।४ महालक्ष्मीव्र.
९	गु २० ४३ ज्ये ७ ४६ वि ४ ५५/२३ कौ २० ४३	२८	४२	१८	१	१६	७	ध.७।४६	पुष्ये भौमः ३४।३० सितम्बर ९ता० ३०
१०	शु १७ ५७ मू ५ ११ आ ५१ ३२ ग १७ ५७	२४	४३	१७	२	१७	८	धनुषि	भ. ४७।७ उ.
११	श १६ १८ पू ६ २६ सौ ४८ ४२ वि १६ १८	२१	४४	१६	३	१८	९	म.२५।५६	भ.१६।१८ या.चित्रायांशुक्रः १५।२५×
१२	रं १५ ५७ उ ७ २७ शो ४६ १६ बा १५ ५७	१७	४५	१५	४	१९	१०	मकरे	प्रदोषः
१३	चं १६ ५५ श्र ९ ५१ अ ४४ ५६ तै १६ ५५	१४	४५	१५	५	२०	११	कु.४१।४०	[×पूफायां २शनिः १९।९ जलभूलनी ११व्र.
१४	मं १९ ० ध १३ ३० सु ४४ ३४ व १९ ०	१०	४६	१४	६	२१	१२	कुम्भे	भ. १९।० उ. ५०।३७ या. अनंत १४
१५	बु २२ १५ श १८ १२ ध्र ४५ २ ब २२ १५	६	४७	१३	७	२२	१३	कुम्भे	महालगारंभः प्रोष्ठपदी १५

२१पं.भा.शु.८बु.इ.२२।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	८	५	४	११	४
१४	२	१०	२९	१९	१६	२५	१४
२	३१	३२	४६	५२	१८	२६	२९
४४	५९	२८	३४	१६	२२	५८	५४ वृ
५७	३९	७१	४३/३	७१	७	३	५८ ९
५७	४९	५५	ब	५६	२०	११	१

गोचरग्रहाः

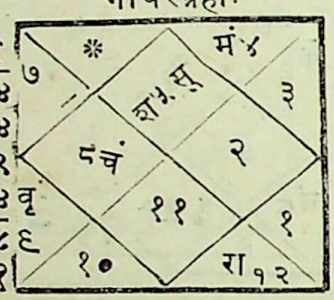

सोमा शुक्रां सुर गुरां
जे चंदा उगंत ।
डंक कहे हे भड्डली
जलथल एक करंत।।
गुरुवार का चंद्रोदय
उत्तम वर्षा करता है

गोचरग्रहाः

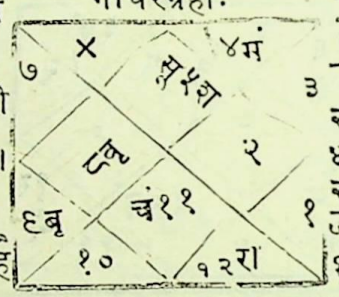

२२पं.भा.शु.१५बु.इ.२२।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	८	५	४	११	४
२०	६	१८	२९	२८	१७	२५	२१
४९	५८	२०	२६	१२	११	४	१६
२४	१६	४६	४६	४३	२८	४२	५८
५८	३९	६०	२/२८	७१	७	३	५८
१२	२६	५१	ब	३०	३०	११	१३

ति.	आश्विनकृष्ण पक्षः सं. २००६ शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेभाद्रपद.कृष्णेतिमहाराष्ट्र
१	गु २६ २० पू २३ ५१ शू ४६ ३ कौ २६ ३०	३१/३२	५५/४८	१/६	८	२३	१४	मी.७।२६	तुलायां शुक्रः ५२।२
२	शु ३१ १७ उ २९ ५९ गं ४७ २५ ग ३१ १७	३०/५८	४८	१२	९	२४	१५	मीने	
३	श ३६ १० रे ३६ १९ बृ ४९ ३ व ३ ४४	५४	४९	११	१०	२५	१६	मे. ३६।१९	भ. ३।४४ उ. ३६।१० या.
४	र ४१ ५ अ ४२ ३३ शु ५० १८ ब ८ ३७	४९	५०	१०	११	२६	१७	मेषे	चतुर्थी ब्र.
५	चं ४५ २४ भ ४८ २१ व्या ५१ १ कौ १३ १४	४५	५१	९	१२	२७	१८	मेषे	[* चित्रायां बुधः २८।५४
६	मं ४८ ५३ कृ ५३ १३ ह ५१ १९ ग १७ ६	४४	५२	८	१३	२८	१९	वृ. ४।३४	भ.४८।५३ उ. उफायांरविः २२।३४*
७	बु ५१ २१ रो ५७ १० व ५० ४३ वि २० ७	३६	५३	७	१४	२९	२०	बृषे	भ. १०।७ या. स्वात्यांशुक्रः २९।४७
८	गु ५२ ३३ मृ ५९ ४० सि ४८ ५९ बा २१ ५७	३२	५४	६	१५	३०	२१	मि २८।२५	
९	शु ५२ २६ आ ६० ० व्य ४६ २५ तै २२ २९	२८	५४	६	१६	३१	२२	मिथुने	कन्यायांमर्कः ४७।४५
१०	श ५० ५९ आ १ ८ व ४२ ४३ व २१ ४२	२४	५५	५	१७	१	२३	क.४६।२२	भ.२१।४२ उ. ५०।५९ या.
११	र ४८ २५ पु १ २६ प ३८ ३ ब १९ ४२	२०	५६	४	१८	२	२४	कर्के	इंदिरा ११ ब्र.
१२	चं ४४ ५१ पु २२/० ४९/५७ शि ३२ ३२ कौ १६ ३८	१६	५७	३	१९	३	२५	सि५८।११	मार्गी गुरुः ३४।२१ प्रदोषः
१३	मं ४० २६ म ५५ ११ सिं २५ १३ ग १२ ३८	१२	५८	२	२०	४	२६	सिंहे	भ. ४०।२६ उ. उदयं शनिः ४५।३४
१४	बु ३५ २ पू ५२ ६ सा १९ २६ वि ७ ५३	८	५८	२	२१	५	२७	सिंहे	भ. ७।५३ या. शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
३०	गु २९ ४० उ ४८ २१ शु १२ ९ च २ ३०	४	५९	१	२२	६	२८	मी.६।१०	वक्रीबुधः ३४/२७ सार्पेभौमः ५४/८ सर्वपितृ ३०

२३पं.आ.कृ७बु.इ.२१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	८	६	४	११	४
२७	११	२३	२९	६	१८	२४	२८
३७	२०	५८	१५	३०	४	४२	५
४८	५३	१२	२६	३६	३०	२७	२४
५८	३९	४२	७/३	७१	७	३	५८
२९	६	१७	ब	४	२०	११	३६

गोचरग्राह

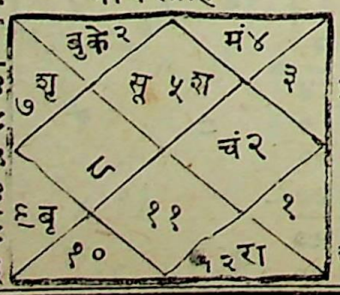

आश्विन कृष्णा
९ शुक्र कन्यायांमर्कः
प्र. वा.४ न.४ प्रौढ़ा-
वस्था (बैठी) मु.
१५ (धान्य भाव तेज)
शुक्रोदयः पश्चिमस्याम्

गोचरग्रहाः

२४पं.आ.कृ.१४बु.इ२१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	८	६	४	११	५
४	१५	२५	२९	१४	१८	२४	४
२७	४१	४३	१४	४६	५६	२०	५५
५३	२६	५२	३८	१६	३५	१२	१७
५८	२८	९	२/३	७०	७	३	५८
४५	३९	४८	मा	२६	८	११	३८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* ६केशुबु

×६बुकेशु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २००६ शाकः १८७१	दि	उ.	अ.	इं.	हिं	मु.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५२८५स १९४९
१	शु २३ ५६ ह ४४ ८	शु ३० ५३	ब २३ ५६	३० ०	६०	२३ ७ २९	कन्या	नवरात्रा. घटस्था.
२	श १७ ४७ चि २९ ५९	ऐं ४९ ८	की १७ ४७	१ ५९	२४	८ ३०	तु. १२।३	चंद्रदर्शनम्
३	र ११ ४६ स्वा ३६ ७	वै ४१ ३२	ग ११ ४६	५१ २	५८	२५ ९ १	तुलायां	भ. ३५ उ. विशाखायां शुक्रः ४५ जिल्हेज १२
४	चं ६ ५ वि ३२ ३०	वि ३४ १८	वि ६ ५	४६ ३	५७	२६ १० २	बृ. १८।२४	भ. ६।५ या.
५	मं ० ४८ अ २९ २१	प्री २७ २७	गा ० ४८	४२ ४	५६	२७ ११ ३	बृश्चिके	हस्तेरविः ०।१३ वक्रीहस्ते बुधः ५९।५४×
६	मं ५५ २० ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	०	० ० ०	०	क्षयः [× पश्चिमास्तो बुधः ३५
७	बु ५२ २७ ज्ये २७ ९	आ २१ १३	ग २४ १७	३८ ४	५६	२८ १२ ४	ध. २७।९	भ. ५२।२७ उ. सरस्वत्यावाहनं
८	गु ४९ ४५ मू २५ ३४	सौ १५ ४४	वि २१ ६	३४ ५	५५	२९ १३ ५	धनुषि	भ. २१।६ या. सरस्वती पू.
९	शु ४८ १० षू २५ १५	शो ११ ३	वा १८ ५८	३० ६	५४	३० १४ ६	म. ४०।२७	पूफायां ३ शनिः ७।४५
१०	श ४७ ५६ उ २६ २	अ ८ ४	तै १८ ३	२६ ७	५३	१ १५ ७	मकरे	अक्टूबरमा १०ता०३१ विजया १० बौद्धज.
११	र ४८ ५४ श्र २७ ४७	सु ४ ४३	व १८ २५	२२ ८	५२	२ १६ ८	कु. ५९।३८	भ. १२५ उ. ४५ या. पापांकुशा ११ ब्र. स्मा. गै.
१२	चं ५१ ५ ध ३१ २९	धृ २ ५७	ब २० ०	१८ ८	५२	३ १७ ९	कुम्भे	पापांकुशा ११ ब्र. नि. हज्ज
१३	मं ५४ २२ श ३५ ५४	शू २ १४	की २२ ४४	१४ ९	५१	४ १८ १०	कुम्भे	बृश्चिके शुक्रः २२।५७ प्रदोषः
१४	बु ५८ ४३ पू ४१ २२	गं २ २०	ग २६ ३२	१० १०	५०	५ १९ ११	मो २४।३८	भ. ५८।४३ उ.
१५	गु ६० ० उ ४७ १४	वृ ३ १२	वि ३१ ८	६ ११	४९	६ २० १२	मीने	भ. ३१।८ या. शरद १५
१५	शु ३ ३३ रे ५३ ४४	ध्रु ४ २२	व ३ ३३	२ १२	४८	७ २१ १३	मे. ५३।४४	मैत्रे शुक्र १७।५ चंद्रग्रहणम्

२५ पं.आ.शु.७ बु.इ.२२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	९	४	११	५
११	१९	२३	२९	२२	१९	२३	११
१९	५६	३	२३	५८	४७	५७	४५
५९	५६	४	१५	१६	३५	५६	५६
५९	३८	४९	१	६९	७	३	५८
०	१७	ब्र	२८	४३	१	११	५३

गोचरग्रहाः

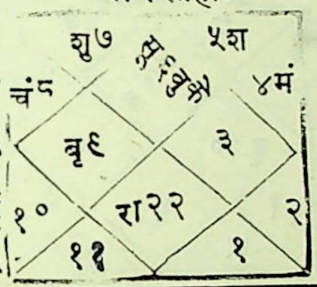

आसो जो के मेंह से
दोनों बात विनास।
बोरड़ियों के बोर नहीं
वणियों नहीं कपास॥

गोचरग्रहाः

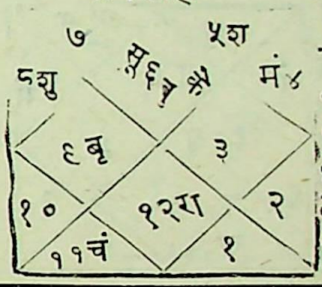

२६ पं.आ.शु.१४ बु.इ २१।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	७	४	११	५
१८	२४	१५	२९	१	२०	२३	१८
१३	९	३०	४१	७	३७	३५	४०
४८	३२	११	२	८	३४	४१	१२
५९	३७	३४	२	६८	६	३	५९
१६	५३	ब्र	५५	५५	४४	११	९

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०६ शाकः १८७५	दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽश्विनकृष्णेति महाराष्ट्रा
१	श ८ ३४	अ ६० ०	व्या ५ ५३	की ८ ३४	२५ १	६ ४८	८ २२ १४	मेषे	)
२	र १३ ३३	अ ० ८	ह ७ ८	ग १३ ३३	५४ १३	४७ ९	२३ १५	मेषे	भ. ४५।४६ उ.
३	चं १७ ५९	भ ५ ५७	व ८ ५	वि १७ ५९	५० १४	४६ १०	२४ १६	बृ. २२।१७	भ. १७ या. चित्रायां रवि ३० उषायां २ *
४	मं २१ ३२	कृ ११ १७	सि ८ २०	ा २१ ३२	४६ १५	४५ ११	२५ १७	बृषे	पूर्वोदयी बुधः २३।५९
५	बु २४ ०	रा १५ १९	व्य ७ ५२	तै २४ ०	४२ १६	४४ १२	२६ १८	मि ४६।५१	[* मकरे गुरुः २५।३८ रेवत्यां २ राहुः÷
६	शु २५ २२	मृ १८ २४	व ६ २४	व २५ २२	३८ १६	४४ १३	२७ १९	मिथुने	भ. २२ उ. २३ या. मार्गी बुधः १२।१६
७	शु २५ २४	आ १९ ३७	प ४ १२	ब २५ २४	३४ १७	४३ १४	२८ २०	मिथुने	होई ८ [÷ हस्त ४ केतुः १७।२७ करक ४
८	श २४ ०	पु २० २३	शि ३१ ५५	की २४ ०	३० १८	४२ १५	२९ २१	क. ५।१२	सिंहे भौमः ५।४
९	र २१ २९	पु १९ ३६	सा ५० ४६	ग २१ २९	२६ १९	४१ १६	३० २२	कर्के	भ ४९।४३ उ.
१०	चं १७ ५८	श्ले १७ ४९	शु ४४ ३८	वि १७ ५८	२२ २०	४० १७	३१ २३	सिं १७।४९	भ. १७।५८ या. तुलायामर्कः १३।३४
११	मं १३ ३९	म १५ ११	शु ३७ ५०	बा १३ ३९	१८ २०	४० १८	१ २४	सिंहे	ज्येष्ठायां शुक्रः ५१।९ रमा. ११ ब्र. गौवत्सपू.
१२	बु ८ ३५	पू १२ ४८	त्र ३० ४०	तै ८ ३५	१४ २१	३९ १९	२ २५	कं. २६।३८	प्रदोषः धन १३
१३	गु ३ ३	उ ८ ७	ऐं २३ ०	व ३ ३	१० २२	३८ २०	३ २६	कन्या	भ. ३।३ उ. ३०।८ या. रूप १४ नरक १४
१४	गु ५४ ११	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	० ० ०	०	०	क्षयः
३०	शु ५१ १६	ह ४ ३	वै १५ १६	च २४ १५	६ २३	३७ २१	४ २७	तु. ३२।२	प्रहालक्ष्मीपूजनम्

२७ पं.का.कृ.५ ब.इ.२१।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	९	७	४	११	५
२५	२८	११	०	९	२१	२३	२५
९	१८	२	७	१२	२५	१३	३५
३१	२५	३१	५२	२२	३७	२६	७
५९	३७	४७	४	६८	६	३	५९
३१	१२	ब	५	२	२९	११	२१

गोचरग्रहाः

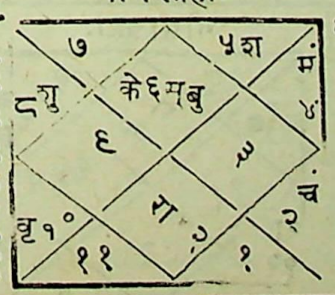

कार्तिक कृष्णा ३ चंद्र
तुलायामर्कः प्र.वा४
न. ४ बृद्धावस्था
(बैठी) मु. १५ (धान्य
भाव तेज) शुक्रोदयः
पूर्वंस्याम्

गोचरग्रहाः

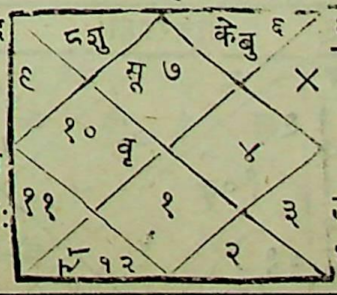

२८ पं.का.कृ.१२ बु.इ.२१।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	९	७	४	११	६
२	२	१४	०	१०	२२	२२	२
७	२१	१३	४३	१३	११	५१	३१
०	४३	१२	१६	२३	१७	१०	३५
५९	२७	७२	५	६६	६	३	५९
४६	४६	मा	१५	५८	१४	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

× ५ चं.मं.श.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२००६ शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चंद्र	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३१४सन् १९४९
१	श ४५ २०	चि ०/२ ५५/५६	वि २९/७ ५२/२८	कं १८ १८	२८/२ ६/२४ ५/३६	२२ ५ २८	तुलायां	अन्नकूठम्. गोवर्द्धन पू.
२	र ३९ २३	वि ५२ १३	आ ५२ १९	बा १२ २२	२७/२८ २४ ३६	२३ ६ २९	वृ.३८।९	स्वात्यांरविः ५४/३४ चंद्रदर्शनम्.भ्रातृ२यम२
३	चं ३४ ३०	अ ४८ ५९	सौ ४५ १८	तै ६ ५६	५४ २५ ३५	२४ ७ १	बृश्चिके	मोहोरम १ सन् १३६९
४	मं ३० ०	ज्ये ४६ २५	शो ३८ ४६	व २ १५	५० २६ ३४	२५ ८ २	ध.४६।२५	भ. २।१५ उ. ३०।० या.
५	बु २६ १३	मू ४४ ३६	अ ३३ ०	ग २६ १३	४६ २७ ३३	२६ ९ ३	धनुषि	चित्रायां बुधः २०।५३
६	गु २३ ४६	पू ४४ ४	सु २८ ३	तै २३ ४६	४२ २८ ३२	२७ १० ४	म.५९।११	[फूफायां४शनिः ३६/३६ कुष्मांड९अक्षया९
७	शु २२ १८	उ ४४ ३३	धृ २४ ५	व २२ १८	३८ २८ ३२	२८ ११ ५	मकरे	भ.२२।१८उ. ५२।१३ या. कल्पादिः
८	श २२ ९	श्र ४६ ११	शू २० ५९	ब २२ ९	३४ २९ ३१	२९ १२ ६	मकरे	गोप ८
९	र २३ १५	ध ४९ २०	गं १८ ५३	कौ २३ १५	३१ ३० ३०	३० १३ ७	कुं १७।४५	तुलायां बुधः४८।३२धनुषिशुक्रः४३।४८
१०	चं २६ १	श ५३ ३७	वृ १७ ४८	ग २९ १	२७ ३१ २९	३१ १४ ८	कुम्भे	भ. ५७।३१ उ. पूर्वास्तोबुधः ३२।४
११	मं २९ १	पू ५८ ५२	ध्रु १७ ३६	वि २९ १	२४ ३१ २९	१ १५ ९	मी४२।३३	भ.२९।१ या. नवंबर.मा.११ता.३०*
१२	बु २३ २५	उ ६० ०	व्या १८ १३	ब १ १३	२० ३२ २८	२ १६ १०	मीने	ताजिया [*प्रबोधिनी११ब्र.तुलसीविवाह.
१३	गु ३८ २२	उ ४ ४८	ह १९ १२	कौ ५ ५३	१७ ३३ २७	३ १७ ११	मीने	स्वात्यां बुधः ३३।५३ प्रदोषःवैकुंठ१४
१४	शु ४३ ३२	रे ११ ९	व २० ३५	ग १० ५७	१३ ३३ २७	४ १८ १२	मे.११।९	भ. ४३।३२ उ.
१५	श ४८ ३५	अ १७ ३३	सि २१ ५६	वि १६ ४	१० ३४ २६	५ १९ १३	मेषे	भ.१६।४या.पुष्करयात्रा.कार्तिकस्नानपूर्ति

२९ प.का.शु.५बु.इ.२०।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	९	७	४	११	६
९	६	२३	१	२५	२२	२२	९
६	२२	१९	२७	४	५४	२८	२९
२२	३७	५९	०	३७	३६	५५	५४
६०	३६	०/९	६	६५	५	३	५९
२	१६	०/६	२६	३८	५०	११	७७

गोचरग्रहः

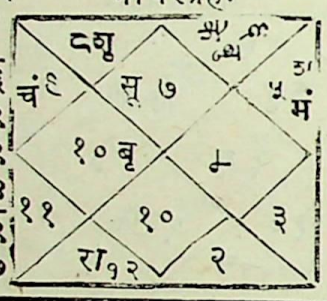

शुक्रवार का महा लक्ष्मी पूजन आगे सुभीक्षकारक है। सोम शुक्र आवे दीवाली। जीवेरंक मरे भंडशाला ॥

गोचरग्रहः

३०पं.का.शु.१२बु.इ.२०।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	९	८	४	११	६
१६	१०	४	२	२	२३	२२	१६
७	१८	३०	१८	४८	३४	६	२९
२६	२२	४	२२	२९	५२	३९	४०
६०	३५	०/५	७	६४	५	३	६०
१८	४४	०/३०	२४	८	२६	११	४

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २००६शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्र	शरदृतूरविर्दक्षिणेकार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ५३ ४	भ २३ ३१	व्य २२ ५९	ब्रा २० ४९	२७/६ ५/३५	२५/२५	६ २० १४	बृ.३९।५२	विशाखायां रविः ११।५९
२	चं ५६ ४२	कृ २८ ५७	व २३ २५	तै २४ २३	३ ३५	२५	७ २१ १५	बृषे	पूफायां भौमः ५६।२९
३	मं ५९ १०	रो ३३ १८	व २७ ५६	व २७ ५६	२९/५९ ३६	२४	८ २२ १६	बृषे	भ २७/५९ उ. ५९/१० या. उषायां ३ गुरुः ५९/१८
४	बु ६० ०	मृ ३६ ३०	शि २१ ५४	व २९ ५१	५६ ३७	२३	९ २३ १७	मि४।५४	चतुर्थी ब्र.
४	गु ० ३२	आ ३८ २६	सि १९ ४४	ब्रा ० ३२	५२ ३८	२२	१० २४ १८	मिथुने	
५	शु ० ३१	पु ३९ १३	सा १६ २४	तै ० ३१	४९ ३८	२२	११ २५ १९	क.२०।१६	भ.५९।११उ.विशाखायां बुधः ३९।५४
६	शु ५८ ४०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	० २६ ०	०	क्षयः
७	श ५६ ४२	पु ३८ ४६	शु १२ २२	वि २६ ५६	४६ ३९	२१	१२ २७ २०	कर्के	भ. २६।५६ या. पूषायांशुक्रः १०।३०
८	र ५३ १४	श्ले ३७ ४	शु ७ १०	ब्रा २४ ५८	४३ ३९	२१	१३ २८ २१	सिं.३७।४	भैरवजयंती
९	चं ४८ ५२	म ३४ ४३	त्र १/४ ५/२०	तै २० ३	४० ४०	२०	१४ २९ २२	सिंहे	ऐंद्र योगक्षयः ५३।२९
१०	मं ४३ ४९	पू ३१ ४२	वै ४७ १२	व १६ २०	३७ ४१	१९	१५ ३० २३	कं.४५।४४	भ. १६।२० उ. ४३।४९ या.
११	बु ३८ २१	उ २७ ५०	वि ३२ ४१	ब ११ ५	३४ ४१	१९	१६ ३१ २४	कन्या	वृश्चिकेऽर्कः ६।१७ उत्पत्ति ११ ब्र.
१२	गु ३२ ३७	ह २३ ४८	प्री ३१ ५१	कौ ५ २९	३१ ४२	१८	१७ १ २५	तु. ५१।४७	वृश्चिके बुधः ५५।७
१३	शु २६ ४५	चि १९ ४६	आ २४ ३	व २६ ४५	२९ ४२	१८	१८ २ २६	तुलायां	भ. २६।४५ उ. ५३।४९ या.प्रदोषः
१४	श २० ५४	स्वा १५ ३६	सौ १६ १७	श २० ५४	२६ ४३	१७	१९ ३ २७	बृ. ५७।४१	अनु रविः ४।५
३०	र १५ २२	वि ११ ४२	शो ८ ३७	ना १५ २२	२४ ४३	१७	२० ४ २८	बृश्चिके	मैत्रे बुधः १३।५

३१पं,मा.कृ.४बु.इ. २०।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	९	८	४	११	६
२३	१४	१५	३	१०	२४	२१	२३
१०	८	५९	१६	२३	११	४४	३१
४	४९	६	३४	१७	५३	२४	२
६०	२४	०/८	८	६२	४	३	६०
३०	५२	०/४०	३१	१९	५६	११	१७

गोचरग्रहः

मार्ग कृष्णा ११ बुधे बृश्चिकेऽर्कः प्र. व. ३ न. ४ बालावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ४५ (धान्यभावमदा गुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचरग्रहः

३२पं.मा.कृ.११.बु.इ.२०।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	९	८	४	११	७
०	१७	२७	४	१७	२४	२१	०
१४	४९	२०	२१	४५	४४	२२	३३
९	३७	२८	३२	२५	५३	९	४७
६०	३४	०/०	९	६०	४	३	६०
४०	१६	०/५५	२२	४	३०	११	३०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by 83 Foundation USA

× १२ रा चं

ति. मार्गशीषशुक्लपक्ष सं.२००६शाकः १८७१ दि. उ. अ. इ. हि. मु. चंद्रः हेमततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३४४स.१९४९

१	चं	१०	२२	अ	८	२६	अ	२३ ४	५३ १७	ब	१०	२२	२६ १	४४ ६	५ १६	२१ ५ २६	वृश्चिके	
२	मं	५	४४	ज्ये	५	४१	धृ	४८	३३	कौ	५	४४	१८	४४	१६	२२ ६ ३०	ध. ५।४१	चंददर्शनम्
३	बु	२	२६	मू	३	४६	शू	४३	२१	ग	२	२६	१६	४५	१५	२३ ७ १	धनुषि	भ. ३१।११ उ. ५९।५६ या. सफर २
४	बृ	५७	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०	क्षयः
५	गु	५८	३५	पू	२	५७	गं	३८	५३	ब	२९	१६	१३	४५	१५	२४ ८ २	म. १८।०३	
६	शु	५८	३५	उ	३	११	वृ	३५	३०	कौ	२८	५	१०	४६	१४	२५ ९ ३	मकरे	उषायांशुक्रः १५ ४ पातस्पर्शः ४ ३ पातमोक्ष*
७	श	५९	५३	अ	४	४	ध्रु	२३	१	ग	२९	१४	७	४७	१३	२६ १० ४	कु. २६।५	भ. ५९।५३ उ. [*५७।५४ चंपा ६
८	र	६०	०	ध	७	२६	व्या	३१	३३	वि	३१	६	५	४७	१३	२७ ११ ५	कुम्भे	भ. ३१।६ या.
९	चं	२	१९	श	११	२२	ह	३१	४	ब	२	१९	२	४८	१२	२८ १२ ६	कुम्भे	ज्येष्ठायां बुधः३५।६ मकरे शुक्रः३१।४७
१०	मं	६	१	पू	२६	२८	व	३१	२२	कौ	६	१	०	४८	१२	२९ १३ ७	मी ०।१२	उषायां ४ गुरुः २७।१९
११	बु	१०	३२	उ	२२	२३	सि	३२	१६	ग	१०	३२	२५ ५८	४८	१२	३० १४ ८	मीने	भ. ४३।३ उ.
११	गु	१५	३४	रे	२८	३६	व्य	३३	२९	वि	१५	३४	५६	४९	११	१ १५ ९	मे. २८।३६	भ. १५ ४ या. दिशं र मा १२ ता० ३१-
१२	शु	२०	४४	अ	३४	५५	व	३४	५१	वा	२०	४४	१४	४९	११	२ १६ १०	मेषे	ज्येष्ठायां रविः ३१।४ प्रदोषः
१३	श	२५	४७	भ	४१	१०	प	३६	२	ती	२५	४७	५२	५०	१०	३ १७ ११	वृ. ५७।३४	[- मोक्षदा ११ ब्र.
१४	र	३०	२७	कृ	४६	४७	शि	३६	२३	व	३०	२७	५०	५०	१०	४ १८ १२	वृषे	भ. ३०।२७ उ. उषायां भौम. १२।१६
१५	चं	३३	५६	रो	५१	१७	शि	३६	२९	वि	२	११	४९	५०	१०	५ १९ १३	वृषे	भ. २।११ या. श्रीदत्त जयती.

३३पं.मा.शु.३बु.इ.२०।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	९	८	४	११	७
७	२१	८	५	२४	२५	२०	७
१९	२७	३०	३२	५०	१४	५९	२७
४३	५४	५८	१३	२०	६	५३	४४
६०	३३	९९	१०	५७	३	३	६०
५३	१८	४७	४	७	४९	११	४२

गोचरग्रहाः

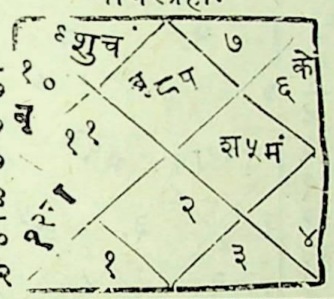

इस मास का फल श्रेष्ठ है रुई मंदी धान्य मंदा प्रजा में सुख शांति ।

गोचरग्रहाः

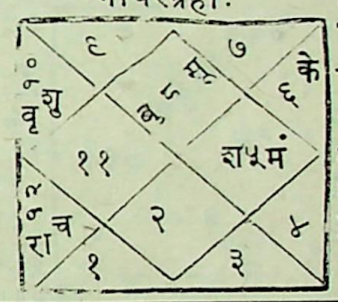

३४पं.मा.शु१०बु.इ१९।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	९	९	४	११	७
१४	२४	१९	६	१	२५	२०	१४
२६	५७	३३	४९	३६	३८	३७	४३
२८	४३	१४	२०	७	४६	३८	४
६१	३२	९९	१०	५३	३	३	६०
३	८	१३	५१	२२	१४	११	५०

ति. पौष कृष्णपक्षः सं.२००६ शाक १८७१ दि उ. अ. इ हि मु चंद्रः हेमततूं रविर्दक्षिणे मार्गशीषं कृ.महाराष्ट्राः

१	मं	३६	२६	मू	५४	४९	सा	३५	३३	ग	५	११	२५ ४७	५ ५१	५ ६	६ २० १४	मि २३।३	
२	बु	३७	४३	आ	५७	१५	शु	३३	३१	तै	७	५	४६	५१	६	७ २१ १५	मिथुने	धनुषि बुधः १।१२
३	गु	३७	४३	पु	५८	४	शु	३०	४३	व	७	४३	४४	५१	६	८ २२ १६	क. ४२।५२	भ. ७।४३ उ. ३७।४३ या.
४	शु	३५	२१	पु	५७	५२	च	२६	४४	ब	६	३२	४३	५१	६	९ २३ १७	कर्के	श्रवणे शुक्रः५५।४२चतुर्थी ब्र.पातस्पर्शः*
५	श	३३	४८	श्ले	५६	३१	ऐं	२१	४९	कौ	४	३४	४२	५२	८	१० २४ १८	सिं ५६।३१	[* ३४।२७ पातमोक्षः ५०।१८
६	र	३०	२४	म	५४	१६	वै	१६	९	ग	२	६	४१	५२	८	११ २५ १९	सिंहे	भ. ३० उ. ५५ १२ या. कन्यायां भौमः २३ ३९
७	चं	२६	१	पू	५१	१०	वि	९	३२	ब	२६	१	४०	५२	८	१२ २६ २०	सिंहे	रेवत्यां १ राहुः हस्ते ३ केतुः ९।४३
८	मं	२०	५७	उ	४७	४३	भी	३९ २	३५ २	कौ	२०	५७	३९	५२	८	१३ २७ २१	क. ५।१८	
९	बु	१५	३०	ह	४३	४५	सौ	४७	२१	ग	१५	३०	३८	५२	८	१४ २८ २२	कन्या	भ. ४२।४०उ.पश्चिमोदयी बुधः४६।२५
१०	गु	९	५०	चि	३९	४१	शो	३९	२९	वि	९	५०	३८	५२	८	१५ २९ २३	तु. ११।४३	भ. ५ ६ या. धनुष्यर्कः ४ ९ पूषायांबुधः २ ४ ७
११	शु	३	५६	स्वा	३५	३२	अ	३१	४१	बा	३	५६	३७	५३	७	१६ १ २४	तुलायां	श्रवणे १ गुरुः २७।३० सफला ११ ब्र.
१२	शु	५४	१३	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	० ० ० ०	०	क्षयः
१३	श	५२	३९	वि	३१	३८	सु	२३	५६	ग	२५	२४	३७	५३	७	१७ २ २५	वृ. १७।३७	भ. ५२।३९ उ. प्रदोषः
१४	र	४७	४२	अ	२८	१५	धृ	१६	३४	वि	२०	१०	३६	५३	७	१८ ३ २६	वृश्चिके	भ. २०।१० या.
३०	चं	४३	२९	ज्ये	२५	१५	शू	९	३७	च	१५	३६	३६	५३	७	१९ ४ २७	ध. २५।१५	

३५ पं.पौ.कृ.२बृ.इ.१९।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	९	५	४	११	७
२१	२८	०	८	७	२५	२०	२१
३४	१६	३०	९	५३	५८	१५	४९
१५	५२	३६	२९	१०	३४	२२	२०
६१	३१	९९	११	४८	२	३	६०
११	१	२८	२४	४६	२७	११	५६

गोचरग्रहाः

पौष कृष्णा १० गुरौ
धनुष्यर्कः प्र.बा. २
न. ३ बालावस्था
(बैठी) मुहूर्ताः ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयःपश्चिमेस्याम्

गोचरग्रहाः

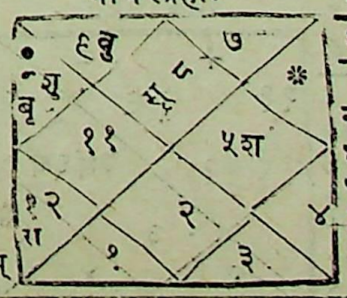

३६ पं.पौ.कृ९बु.इ१९।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	९	९	४	११	७
२८	१	११	९	१३	२६	१९	२८
४२	२७	२३	३४	३५	१३	५३	५६
५९	४	१३	३७	३८	२६	७	५
६१	२९	९९	१२	४२	१	३	६१
१९	४३	११	४	३	४१	४६	११

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* ६ मं के चं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	प ष शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ५३७३स. १९४९
१	मं ४० ५ मू २३ १५ गं १६ ५४ क ११ ४७	२५ ६	५३	५७	२०	५	२८	धनुषि	
२	बु ३७ ४६ पू २२ २४ ध्रु ५३ ० वा ८ ५५	३६	५३	७	२१	६	२९	म.३७।१९	चद्रद.
३	गु ३६ ३१ उ २२ ६ व्या ४९ १७ तै ७ ८	३६	५३	७	२२	७	१	मकरे	रविलावल ३ उत्तरायणप्रवृत्तिः ६।२०
४	शु ३६ ४० अ २३ १६ ह ४६ २६ व ६ ३५	३६	५३	७	२३	८	२	कु.५४।२९	भ. ६।३५ उ. ३६।४० या.
५	श ३८ ७ ध २५ ४२ व ४४ २५ ब ७ २४	३७	५३	७	२४	९	३	कुम्भे	उषायां बुधः ३।९
६	र ४० ३८ श २९ २८ सि ४३ ४६ की ९ २२	३७	५३	७	२५	१०	४	कुम्भे	
७	चं ४४ ३२ पू ३४ १६ व्य ४३ ४७ ग १२ ३५	३७	५३	७	२६	११	५	मी.१८।४	भ. ४४।३२ उ. मकरे बुधः ५९।७
८	मं ४९ ८ उ ४० १ व ४४ २७ वि १६ ५०	३८	५२	८	२७	१२	६	मीने	भ. १६।५० या.
९	बु ५४ १२ रे ४६ १५ प ४५ ३८ वा २१ ४०	३८	५२	८	२८	१३	७	मे.४६।१५	उषायां रविः ३६।२६
१०	गु ५९ २९ अ ५२ ३८ शि ४६ ४४ तै २६ ५०	३९	५२	८	२९	१४	८	मेषे	
११	शु ६० ० भ ५८ ५४ सि ४८ ० व ३१ ५९	३९	५२	८	३०	१५	९	मेषे	भ ३१ उ.धनिष्ठायांशुक्रः ५५ पुत्रदा ११व्र.स्मा.
११	श ४ ३० कृ ६० ० सा ४८ ४८ वि ४ ३०	४०	५२	८	३१	१६	१०	बृ. १५।२६	भ. ४।३० या.श्रवणे २ गुरुः ४७।५९ वक्री*
१२	र ९ ३ कृ ५ १ शु ५८ ५३ वा ९ ३	४१	५२	८	१	१७	११	बृषे	**जनवरी मा.१ ता.३१ सन् १९५९ प्रदोष**
१३	चं १२ ३२ रो ९ ३० शु ४८ २२ वै १२ ३२	४२	५२	८	२	१८	१२	मि ४१।२७	[* शनिः १३।१८ पुत्रदा ११व्र.वै.नि.
१४	मं १५ ४० मृ १३ २४ व्र ४९ ३५ व १५ ४०	४३	५१	९	३	१९	१३	मिथुने	भ. १५।४० उ. ४५।५९ या.
१५	बु १९ १२ आ १५ २२ ऐं ४४ ९ ब १९ १२	४४	५१	९	४	२०	१४	मिथुने	श्रवणे बधः ५४।११ माघस्ना. प्रारंभः

३७ पं.पौ.शु.२बु.इ.१९।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	९	९	४	११	८
५	४	२२	११	१८	२६	१९	६
५२	२७	५	३	२७	२२	३०	३
२४	११	६	२५	५८	५९	५२	३६
६१	२८	०	१२	३४	१	३	६१
२२	११	४०	२०	४८	५	११	५

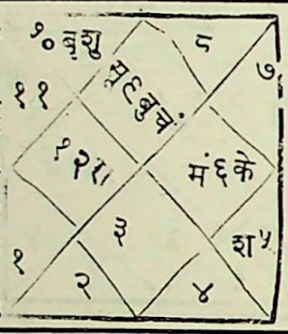

३८ पं.पौ.शु.९बु.इ.१९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	९	९	४	११	८
१३	७	२	१२	२२	२६	१९	१३
२	१२	३	३५	१८	२७	८	११
१८	२२	५०	२०	५८	१४	३६	३१
६१	२५	९२	१२	२४	०	३	६१
२६	५४	५०	५०	३२	१७	११	६

३९ पं.पौ.शु.१५बु.इ.२९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	९	९	४	११	८
२०	९	९	१४	२४	२६	१८	२०
१२	४१	२५	९	४६	२६	४६	१९
१६	३८	५९	५०	४८	२	२१	४०
६१	२३	५८	१३	११	२४	३	६१
२६	४०	७	१२	२५	ब्र	११	६

ति.	ाघ कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः ८७१	दि.	उ.	अ.	इ.	हि	मु.	चंद्रः	हेमंतर्तौ रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	गु १६ ७ पु १७ ९ वै ४० २९ की १६ ७	२५ ४५	६ ५१	५ ९	५	२१	१५	क.१।४२	हस्ते भौमः ५।२८
२	शु १४ ४१ पु १८ २१ वि ३६ १ ग १४ ४१	४७	५१	९	६	२२	१६	कर्के	भ. ४३।२३ उ.
३	श १२ ६ श्ले १६ १३ प्री ३० ३० वि १२ ६	४८	५०	१०	७	२३	१७	सि १६।१३	भ. १२।६ या. चतुर्थी व्रतम्
४	र ८ ३६ म १४ १९ आ २४ १७ ा ८ ३६	५०	५०	१०	८	२४	१८	सिंहे	वक्री बुधः ४१।२१
५	चं ४ १४ पू ११ २३ सौ १७ ३४ तै ४ १४	५२	५०	१०	९	२५	१९	कं.२५।३१	भ. ५९।६ उ. वक्रीशुक्रः २८।४२
६	चं ५४ ५२ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	मं ५३ ३५ उ ७ ५६ शो १० १५ वि २६ २०	५४	४९	११	१०	२६	२०	कन्या	भ. २६।२० या उषायां रविः ३७।५४
८	बु ४७ ५४ ह ४ ० अ ३२ ५२ ११ वा २० ४४	५६	४९	११	११	२७	२१	तु.३२।५	वक्री उषायांबुधः २० पश्चिमास्तोबुधः १७
९	गु ४२ ४ चि ० २ ५५ ५० धृ ४६ ५५ तै १४ ५९	५८	४८	१२	१२	२८	२२	तुलायां	
१०	शु ३६ २१ वि ५१ ५८ शू ३९ ८ व ९ १२	२६ १	४८	१२	१३	२९	२३	वृ. ३७।५७	भ. १९ उ. ३२ या.मकरेऽर्कः ५२ पातस्पर्श*
११	श ३० ४६ अ ४८ २१ गं ३१ ३६ ब ३ ३३	३	४७	१३	१४	१	२४	वृश्चिके	षट्तिला ११व्र. [* २७ पातमोक्ष ४०
१२	र २६ ६ ज्ये ४५ २७ बृ ३४ ३२ तै २६ ६	५	४७	१३	१५	२	२५	ध.४५।२७	श्रवणे २ गुरुः १।१६ प्रदोष
१३	चं २१ ५२ मू ४३ १६ धु १८ ० व २१ ५२	८	४६	१४	१६	३	२६	धनुषि	भ. २१।५२ उ. ५०।१६ या.
१४	मं १८ ४० पू ४१ ३९ व्या १२ २ श १८ ४०	१०	४६	१४	१७	४	२७	म.५६।३७	
२०	बु १६ २२ उ ४१ ३१ ह ७ ९ ना १६ २२	१२	४६	१४	१८	५	२८	मकरे	युगादिः मौनी ३०

४० पं. मा.कृ.८बु.इ.१९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	९	९	४	११	८
२७	११	१०	१५	२५	२६	१८	२७
२२	५२	०	४६	३१	१९	२४	२७
६	५९	४३	२६	२६	२३	६	४४
६१	२०	३४	१३	४	१७	३	६१
२५	४१	बृ	२०	ब्र	ब्र	११	६

गोचरग्रहाः

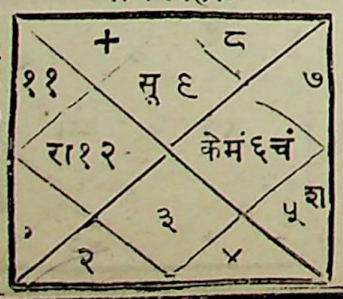

माघकृष्णा १० शुक्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.४ न.४ कुमारावस्था बैठी) मु.३० (धा. भा.सम) शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

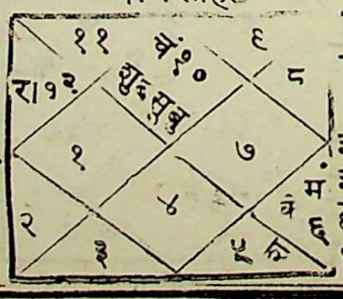

४१ पं.मा.कृ.३०बु.इ.१९।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	९	९	४	११	९
४	१३	२	१७	२४	२६	१८	४
३१	४६	५५	२४	१२	७	१	३५
३४	१	३०	३६	२९	३४	५०	३४
६१	१७	४४	१२	१२	५३	३	६१
१९	२५	बृ	३२	ब	ब	११	३३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

+ १० शु बु बृ

*१० शु बृ बु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २००६ शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४०३स.१६५०

१	गु	१५	१६	अ	४२	२४	व	२ ७	५ ७	ब	१५	१६	२६	६	५	१६	६	२६	मकरे	चंद्रद. श्रा.बल्लभजयन्ती
२	शु	१५	४०	ध	४४	३४	व्य	५७	५०	की	१५	४०	१७	४५	१५	२०	७	१	कु.१३।२६	अभि.प्र.रवि ३/५ ६/८ वक्री धनुषि बुधः १/२ ६/१ वक्री*
३	श	१७	५	श	४८	७	व	५६	४२	ग	१७	५	२०	४४	१६	२१	८	२	कुम्भे	भ. ४/८ उ. तिल ४
४	र	१६	५२	पू	५२	३५	प	५६	२६	वि	१६	५२	२२	४४	१६	२२	६	३	मी ३६।२८	भ. १/५ ६/६ या. अस्तंगुरोः ३८।२४ वक्री पूषायां
५	चं	२३	४०	उ	५८	६	शि	५६	५६	वा	२४	४०	२५	४३	१७	२३	१०	४	मीने	श्रवणे रवि ४/८ पूर्वोदयी बुधः १/३ वसंत ५ अगु.
६	मं	२८	२४	रे	६०	०	सि	५७	५६	तै	२८	२४	२७	४३	१७	२४	११	५	मीने	अभि.नि.रविः ३/५ ३/४ [– बुधः २८।४६
७	बु	३३	३२	रे	४	२०	सा	५६	११	ग	०	५८	३०	४२	१८	२५	१२	६	मे.४।२०	भ ३/३ ३/२ उ.रथ ७ [*श्रवणे शुक्रः ५/५ ४/३ विलाखर ४
८	गु	३८	४७	अ	१०	४१	शु	६०	०	वि	६	६	३३	४१	१६	२६	१३	७	मेषे	भ. ६।६ या. भीष्म ८
९	शु	४३	४६	भ	१७	८	शु	०	२६	वा	११	१७	३६	४१	१६	२७	१४	८	वृ.३३।४५	पश्चिमास्तोभृगुः ५/२ ६/४ मार्गी बुधः २२।४१
१०	श	४८	१५	कृ	२३	३६	शु	१	२४	तै	१६	०	३६	४०	२०	२८	१५	६	बृषे	[! जया ११ ब्र.स्मा.वै. प.अ.शु.
११	र	५१	४३	रा	२८	४	त	१	४८	व	१६	५६	४२	४०	२०	२६	१६	१०	वृषे	भ. १/५ ६/६ उ. ५/४ १/३ या. श्रवणे ४ गुरुः ६।३७ !
१२	चं	५४	१	च	३२	७	ऐं	१	३६	ब	२२	५२	४५	३६	२१	३०	१७	११	मि०।६	जया ११ ब्र. नि. भीष्म १२
१३	मं	५५	५	आ	३५	७	वै	० १	५८ ० ०	की	२४	३३	४८	३८	२२	२१	१८	१२	मिथुने	प्रदोषः पू. उ. शु.
१४	बु	५४	५०	पु	३६	२१	प्री	५४	३५	ग	२४	५७	५२	३८	२२	१	१६	१३	क २१।३	भ. ५४।५० उ. फरवरी मा.२ ता० ८
१५	गु	५३	२१	पु	३७	५	आ	४६	५४	वि	२४	५	५५	३७	२३	२	२०	१४	कर्के	भ. २४।५ या. पूर्वोदयं भृगोः १०।१२

४२पं.मा.शु.७ बु.इ.१६।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	९	५	४	११	९
११	१५	२५	१९	२१	२५	१७	११
४०	१४	४९	३	२	५०	३९	४२
२६	२४	४४	४७	३१	४६	३५	४६
६१	१३	५७	१३	५२	२	३	६०
१३	१५	ब्र	४०	ब	ब	११	५९

गोचरग्रहः

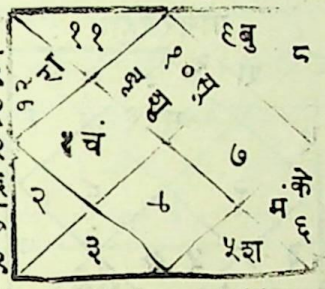

माघ मास की सातम बीधे सोलह श्राद्ध बर्षंता दीखे । माघ सुदी ७ को बादल वर्षा शुभ है ।

गोचरग्रहः

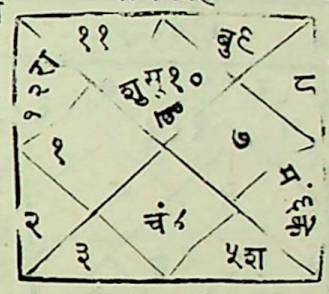

४३पं.मा.शु.१४ बु.इ.१६।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	९	९	४	११	९
१८	१६	२५	२०	१६	२५	१७	१८
४८	१२	२८	४३	५०	२९	१७	४९
२६	५४	५२	२६	२८	२०	९	१९
६१	८	३७ ५८	१३	३६ १६	३६ १६	३	६७
४	५	मा	३८	ब्र	ब्र	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २००६ शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	५०	३६	श्ले	३६	११	भौ	४५	१५	बा	२२	०	२६ ५६	३ ६	२४ ५	३	२१	१५	सिं २६।२१	उषायां बुधः ११।३६
२	श	४६	५४	म	३४	२२	शो	३६	३०	तै	१८	४६	२७ २	३६	२४	४	२२	१६	सिंहे	[* रविः ४६।३० मकरे बुधः ६।५६
३	र	४२	२७	पू	३१	३५	अ	३२	५४	व	१४	४०	६	३५	२५	५	२३	१७	कं ४५।४६	भ. १४।४० उ. ४२।२७ या.धनिष्ठायां*
४	चं	३७	२२	उ	२८	१८	सु	२५	४८	ब	६	५४	६	३४	२६	६	२४	१८	कन्या	चतुर्थी व्रतम्
५	मं	३१	४७	ह	२४	४१	धृ	१८	१७	की	४	३४	१२	३४	२६	७	२५	१६	तु.५२।३६	
६	बु	२६	२	चि	२०	३८	शू	१०	३१	व	२६	२	१६	३३	२७	८	२६	२०	तुलायां	भ. २६।२ उ. ५३।६ या.
७	गु	२०	११	स्वा	१६	२६	गं	४ ३	५ १७	ब	२०	११	१६	३२	२८	६	२७	२१	वृ.५८।३५	
८	शु	१४	३०	वि	१२	३८	ध्रु	४७	१६	की	१४	३०	२३	३१	२६	१०	२८	२२	वृश्चिके	वकीभौमः ३४।४० [+ १ गुरुः ६।१७
९	श	६	८	अ	८	५४	व्या	४०	०	ग	६	८	२६	३१	२६	११	२६	२३	वृश्चिके	भ. ३६।४० उ.
१०	र	४	१२	ज्ये	५	४५	ह	३३	२६	वि	४	१२	३०	३०	३०	१२	३०	२४	ध.५।४५	भ.४।१२ या.कुंभेऽर्कः २०।२६ धनिष्ठायां+
११	चं	०	६	मू	३	१६	व	२७	२४	बा	०	६	३४	२६	३१	१३	१	२५	धनुषि	उभायां ४ राहुःहस्ते २ केतुः ४।११ !
१२	चं	५६	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [! विजया ११ ब्र.
१३	मं	५४	४४	पू	१	३४	सि	२२	११	ग	२५	४६	३८	२८	३२	१४	२	२६	म.१६।२६	भ. ५४।४४ उ. प्रदोषः
१४	बु	५३	३७	उ	१	१४	व्य	१७	५७	वि	२४	१०	४२	२८	३२	१५	३	२७	मकरे	भ. २४।१० या महाशिवरात्रि व्रतम्
३०	गु	५३	५६	श्र	१	५१	व	१४	२७	व	२३	१६	४६	२७	३३	१६	४	२८	कु.३२।४६	वक्री उषायां शुक्रः ५३।३६

४४पं.फा.कृ.६ बु.इ.१६।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	९	९	४	११	९
२५	१६	०	२२	१२	२५	१६	२५
५५	४२	९	२३	५३	४	५५	५५
१३	५०	५०	४२	३५	५	४	२०
६०	२	६२	१३	२९ ४४	५०	३	६०
५५	५	३७	३८	ब	ब	११	४७

गोचरग्रहः

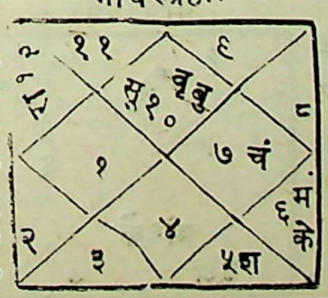

फाल्गुन कृष्णा १० रवौ कुंभेऽर्कः प्र. वा.३न.३वालावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ३० (धान्य भाव सभ) शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहः

४५पं.फा.कृ.१४ बु.इ.१६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	९	९	४	११	१०
३	१६	७	२४	१०	२४	१६	३
१	४१	३१	३	२४	३५	३२	०
१६	५६	१२	३६	२९	३८	४५	५
६०	२३ ४	७४	१३	३५ ३७	७	३	६७
४२	ब्र	४१	३२	ब्र	ब्र	११	३७

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

* १० बु बृ शु चं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

न.	फाल्गुनशुक्लपक्षः सं० २००६शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः५४।३२सन्१९५०
१	शु ५५ ३६ ध ३ ४८ प १२ ३ कं २४ ४६	२७	६	५	१७	५	२९	कुम्भे	श्रवणे बुधः १९।७
२	श ५८ २६ श ६ ५७ शि १० ३९ मी २७ १	५०	२६	३४	१८	६	३०	मी५५।२३	शते रविः ५५।४७ चन्द्रद. फुलरिया २
३	र ६० ० पू ११ ३१ सि १० ३१ तै ३० २३	५४	२५	३५	१८	६	३०		शते रविः ५५।४७ चन्द्रद. फुलरिया २
३	चं २ १९ उ १६ ३६ सा १० ३० ग २ १९	५८	२४	३६	१९	७	१	मीने	उदयंगुरोः५०।२४जमादिलावल५ उ गु
४	मं ६ ५८ रे २२ ३४ शु ११ २६ वि ६ ५८	२५	२४	३६	२०	८	२	मीने	भ. ३४।३८ उ.
५	बु १२ ३ अ २८ ५९ शु १२ ४० ज्ञा १२ ३	६	२३	३७	२१	९	३	मे. २२।३४	भ. ६।५८ या. मार्गीशुक्रः २८।१९ +
६	गु १७ १९ भ ३५ ६ बृ १३ ५९ तै १७ १९	१७	२२	३८	२२	१०	४	मेषे	[+ पातस्पर्शः २२।४८ पातमोक्षः ३३।५४
७	शु २२ ८ कृ ४१ ३१ ऐं १५ ६ वे १५ ४७	१४	२१	३९	२३	११	५	वृ.५१।४२	
८	श २६ ३१ रो ४६ ५६ वे १५ ४७ ब २६ ३१	१८	२०	४०	२४	१२	६	वृषे	भ. २२।८ उ. ५४।१९ या.होला.होई८
९	र २९ ५० मृ ५१ ९ वि १५ ४८ को २९ ५०	२२	२०	४०	२५	१३	७	वृषे	श्रवणे शुक्रः ४०।५४
१०	चं ३२ ५ आ ५४ १९ प्री १४ ५० तै ० ५७	२६	१९	४१	२६	१४	८	मि १९।२	धनिष्ठायां २ गुरुः १६।१०
११	मं ३२ ५९ पु ५६ १३ आ १२ ५४ व २ ३२	३०	१८	४२	२७	१५	९	मिथुने	धनिष्ठायां बुधः १०।२३
१२	बु ३२ ३८ पु ५७ १ सो १० ६ ब २ ४९	३४	१७	४३	२८	१६	१०	क.४०।४५	भ.२।३२उ.३२।५९या.आमलकी११ब्र.
१३	गु ३१ २५ श्ले ५६ २६ शो ६ १४ को २ २	३८	१६	४४	१	१७	११	कर्के	मार्च मा. ३ ता० ३१
१४	शु २८ ९ म ५४ ४८ अ २०/१ ५४/२४ व २८ ९	४२	१६	४४	२	१८	१२	सिं.५६।२६	प्रदोषः [*४०/३३वक्री पूफ़ायां३शनि५४/१२
१५	श २४ २५ पू ५२ १५ ध ५० ७ ब २४ २५	४६	१४	४६	४	२०	१४	सिंहे	भ.२८।९ उ. ५६।१७ या. कुम्भेबुधः *
		५०	१४	४६	४	२०	१४	सिंहे	पूभायां रविः १०।३५ छार्रेडी

४६पं. फा.शु.५बु.इ.१९।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	९	९	४	११	१०
१०	१६	१६	२५	९	२४	१६	१०
५	६	२८	४२	५२	४	१०	३
४८	१८	१६	४७	४१	४१	३३	३५
६०	२२	८२	१३	२/११	४/२५	३	६०
२१	ब	१६	२६	मा	ब	११	२५

गोचरग्रहाः

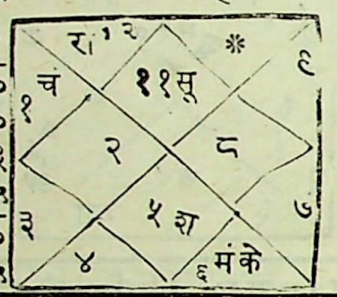

सम्पूर्ण फाल्गुन मास में बाहल बने रहें वर्षा हो नहीं तो वर्षा काल में उत्तम वर्षा हो ।

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.शु.१२बु.इ२०।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	९	९	४	११	१०
१७	१४	२६	२७	११	२३	१५	१७
८	५९	३२	२०	१६	३१	४८	५
३७	३८	६	५३	५	५९	१८	४८
६०	२/२०	८८	१३	१६	४/४०	३	६०
२०	ब	५०	२०	७	ब	११	१२

ति.	चैत्र कृष्ण पक्षः सं० २००६ शाकः १८७१	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तुरविरुत्तरेफाल्गु. वृष्णोत्तमहाराष्ट्राः
१	र १९ ४७ उ ४९ १२ शू ४२ ४० कौ १९ ४७	२८	६	४	५	२१	१५	कं.४६।२९	
२	चं १४ ३६ ह ४५ २९ गं ३५ १९ ग १४ ३६	५४	१३	४७	६	२२	१६	कन्या	भ.४१।४७उ.पातस्पर्शः २७/१ पातमोक्षः ३/६
३	मं ८ ५८ चि ४१ २९ बृ २८ ३० वि ८ ५८	५८	१२	४८	७	२३	१७	तु. १३।२९	भ.८।५८या. शतेबुधः४६।२८ चतुर्थीब्र.
४	बु ३ ९ स्वा ३७ १९ शु १९ ५८ बा ३ ९	२/१	११	४९	८	२४	१८	तुलायां	
५	बु ५४ १६ ० ० ० ० ० ० ० ०	६	११	४९	८	२४	१८	०	क्षयः
६	शु ५१ २८ वि ३३ २१ व्या १२ १८ ग २४ २६	०	१०	५०	९	२५	१९	बृ.१९।२०	भ. ५१।२८ उ.
७	शु ४६ ९ अ २९ ४० ह ३/९ ४४/५२ वि १८ ४८	१४	९	५१	१०	२६	२०	बृश्चिके	भ. १८।४८ या. शीतला पू.
८	श ४१ ११ ज्ये २६ २० सि ५० ३७ बा १३ ४०	१९	८	५२	११	२७	२१	ध.२६।२०	
९	र ३७ ५ मू २३ ४९ व्य ४४ २२ तै ९ ८	२३	७	५३	१२	२८	२२	धनुषि	धनिष्ठायां ३ कुम्भे गुरुः ५१।३७
१०	चं ३३ ५० पू २१ २१ व ३८ ५८ व ५ २७	२८	६	५४	१३	२९	२३	म.३६।१७	भ५।२७उ.३३।५०या.पूर्वास्तोबुधः२८।१६
११	मं ३१ ३७ उ २१ ४ प ३४ २८ ब २ ४४	३२	६	५४	१४	३०	२४	मकरे	मीनेऽर्कः १०।५३ पापमोचनी ११ ब्र.
१२	बु ३० ३३ श्र २१ ३४ शि ३० ५५ को १ ५	३६	५	५५	१५	१	२५	कु.५२।२९	पूभायां बुधः ३७।१३
१३	गु ३० ४९ ध २३ १६ सि २८ ८ ग ० ४१	४०	४	५६	१६	२	२६	कुम्भे	भ. ३०।४९ उ. प्रदोषः
१४	शु ३२ २५ श २६ १५ सा २६ ४४ वि १ ३७	४४	३	५७	१७	३	२७	कुम्भे	भ. १।३७ या. उभायां रविः ३१।३१
३०	श ३५ १५ पू ३ १६ शु २५ ५२ च ३ ५०	४८	२	५८	१८	४	२८	मी१४।१६	अहर्गणः ५४६१ च. ३ के.

४८ प.चै. कृ.४बु.इ.२०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	९	९	४	११	१०
२४	१३	७	२८	१४	२२	१५	२४
९	२५	३३	५७	१३	५८	२६	६
५९	३७	५४	११	३७	२३	३	३२
६०	२९/५३	९५	१३	२९	४/४०	३	५९
५	ब	८	८	८	ब	११	५८

गोचरग्रहर

चैत्र कृष्णा११भौमे मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ कुमारावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ४५ (धान्यभाव मन्दा) शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहर

४९पं.चै.कृ.१२बु.इ.२०।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	१०	१०	९	४	११	११
१	११	१९	७	१८	२२	१५	१
९	२२	३०	३१	२५	२५	३	५
४१	३०	५८	३७	५	५	४७	४४
५९	३२/७१	८०	१२	३८	४/५५	३	५९
४९	ब	५८	४३	४१	ब	११	४१

* १० बृ शु बु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* १० बृ शु बु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पङ्कज-स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०५१ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५१ शेष भोग्यकलिः ४२६९४९ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दाः सम्वत् २००७ शाकः १८७२ आस्मिन्वर्षेराजा रविः । मंत्री गुरुः । सस्येशोरविः । धान्येशोःशुक्रः । मेघेशोबुधः । रसेशो भौमः । नीरसेशो रविः । फलेशो बुधः । धनेशोः रविः । दुर्गेशो-गुरुः । एतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानांमध्ये विष्णुविंशतिकायां १७ शोभननाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्क–समये गतमासादिः २।१३।४।४८ भोग्यमासादिः ९।१६।५५।१२नैश्व-दैवतंयुगम् । वर्ष नामश्रावणः । मेघ ४ नाम पुष्करः । समय निवासःमालाकारगृहे (क्यारी में) रोहिणी निवासः समुद्रे । समय विश्वा १० । समय वाहनं-मश्वः । स्तम्भोः नास्ति । सोमवत्यमा १ । सोमवतो पंचमी ३ । अङ्गारकी चतुर्थीनास्ति । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्ताः ३३० । समयदिनानि ३८४ । तिथिक्षयः १४ । तिथि वृद्धिः ८ । उत्पति विश्वा ९९ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा ९ । धान्य १५. तृण ५. शीत ५. तेज ५ वायु १३ शनि दृष्टिर्दक्षिणे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यं ९३ सत्यं ।।. धर्म १।।. पाप १८ ग्रहण मेकं चन्द्रमसः ।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
शुभसंवत्सर सात का सच्चा कहदो हाल ॥

भवानी उत्तर

जग में सुखमय बीतसी विक्रम संवत् सात ।
घरघर मंगल गान हो घर घर में कुशलात ॥
चौमासे मघवा चढ़े जग में हो सुख चैन ।
मोर पपीहा मस्त हो मीठे बोलें बैन ॥
वसी रोहिणी सिंधु में संवत् माला कार ।
नदियां बहैं उतावली वर्षे मूसल धार ॥
दस विश्वा वत्सर बना वर्षा विश्वा अंक ।
सब ही को सुख होयसी क्या राजा क्या रंक ॥
रवि राजा मंत्री गुरु ये है उत्तम योग ।
जग में सुख सम्पति करै जनता भोगे भोग ॥
फल संवत्सर का कहा देख नभश्चर चार ।
धर्म कर्म करते रहो यही जगत में सार ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२

वर्ष लग्नम् ६।३

* १२ चं सू रा

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	बृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ६।१०

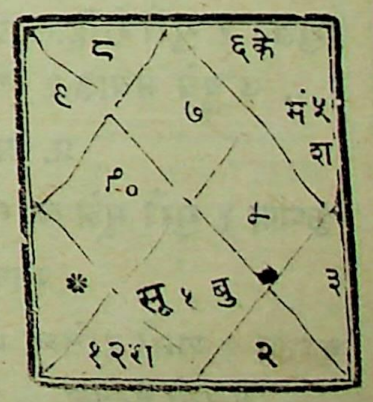

* ११ बृ च शु

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४८।०। केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।८।४६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथास्मिन् वर्षे राजा रविस्तत्फलम्—सूर्येशृंगे स्वल्पजलाश्च मेघाः स्वल्पं पयो गोषु जनेषु पीड़ा। स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पबृद्धाश्चौराग्निबाधानिधनं नृपाणां ॥ मंत्री गुरु स्तत्फ० विविधधान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुरतोयघना मुदिता भवेत्। नृपतयो जनपालन तत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रि समागते ॥ सस्येश सूर्यस्तत्फ०—सस्याधिनाथे तरणौ हिपूर्वं धान्यं समर्धं बहवोऽपिचौराः युद्धं। नृपाणांजलदा जलाढ्याःस्वल्पं च सस्यं ईहुभूरुहाश्च ॥ धान्येशः शुक्रस्तत्फः—भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति। सस्याः सर्मधतः यांति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ॥ मेघेशो बुधस्तत्फ०—अमृतरश्मिसुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम् ॥ द्विजवरायजनोत्सुकचेतसा विविध सौख्ययुता धरणी तदा ॥ रसेशो भौमस्तत्फ०—यदि धरातनयो रसपो भवेन्नरस राशियुता जनता शुभा। नरपति र्विषमो जनतापदो न जलदो बहुवृष्टि करो भुवि ॥ नीरमेशो रविस्तत्फ०—नीरसाधिपतौसूर्ये त्रपुचंदनयोरपि। रत्नमाणिक्य मुक्तादेरर्धवृद्धिः प्रजायते ॥ फलेशोबुधस्तत्फ०—यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जज्ञधरा जलराशि मुचस्तदा। बहुतृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदा जनसौख्य मुदान्विता ॥धनेशो रविस्तत्फ०—द्रविणपे यदि बासरपे तदा वणिजतो बहुद्रव्यसमागमः। गज तुरंगम मेषखरोष्ट्रतो धनचयं लभते क्रयविक्रयात् ॥ दुर्गेशो गुरुस्तत्फ०—सुरगुरौ गढपेनयशोभिता नरवरा नरपाः करपालिताः। गिरिषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शस्त्रवतां विशाम् ॥ वर्षनाम श्रावण स्तत्फ० मनोल्हादं प्रकुर्वन्ति जनाः सौख्यसमायुता। श्रावणे वृष्टि रत्युग्रा गोमहिष्यादिकं सुखम् ॥ शोभननाम संवत्सरस्तत्फ०—शोभकृद्वत्सरे धात्री प्रजानांरोगशोकदा। तथापि सुखिनो लोकाः बहुसम्यार्धवृष्टिभिः ॥ मेधनाम पुष्करस्तत्फ०—पुष्करे मंदवृष्टिःस्यात् ॥ रोहिणीनिवासःसमुद्रे फलम्—समुद्रे तु महावृष्टिः ॥ समयनिवासो मालाकार गृहे फलम्—मालिनः प्रचुरावृष्टिः।

सं० २००७ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला३गुरो रोहि.ल.८रे६।।।।ऽची।।।।चं.पूज्यःआवश्यके

,, ६ बुधे मघा ल. ८ (घ.३६।५३.) ६ रे ७।ऽ।।।।ऽऽ।
गणितेनक्रांतिसम्याऽभावः

,, १० गुरौ मघा ल.गो.रे.७।ऽ।।।ऽनृ।।ऽ।गणि तेनक्रां त
साम्याऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ शुक्रे मूल ल गो.रे. ६।।।।।।।ऽ।।

,, ६ रवौ उषाल.ऽन्यगो.रे.७ऽचंऽ।।।।।।ऽ दग्धादोषः
आवश्यके

शुक्ला १ गुरौ रोहि.ल.ऽन्यगो रे.१०।।।।।।।।।।चं.बाल्यत्वं

,, ७ बुधे मघाल.६ (घ.४०।२१ उ.) रे. ६।।।।।।ऽ।।

प्र. आषाढ मासः

कृष्णा १ गुरौ मूले ल. गो. रे. ८।ऽ।।ऽरो।।।।

माघ मासः

कृष्णा ४ शनौ हस्तेल. ८ (घ.२६।१५३.)६रे ।।।।।ऽऽ।।

,, ५ रवौ हस्तेल. ७ अंश २३ या रे ८।।।।।ऽऽ।।

,, ६ बुधे अनु.ल.७.६ रे. ७।।।।ऽरोऽऽ।।

शुक्ला ८ बुधे रोहि. ल. ८ (चन्द्रःऽमेपू.।) रे६।।।।।।ऽ
अग्नि।।।।आवश्य

,, १० शुक्रे मृगे ल. ७ रे. ७।ऽ।।ऽनृ।ऽ१०।।

,, १५ बुधे मघा ल. ८.६रे८।।।।ऽवु.।।ऽ१४।।

अत्र क्वचित्स्मृतिदृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

चै शु.१५ रवौ खग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा २०.२

		स्प.	सं.	म.	मो.	उ.	पर्व
उज्जयनी मध्यम काल	घ.	४५	४६	४६	४६	५३	८
	प.	८	४	१४	२४	२०	१२
रेल्वे टाइम	घं.	१२	२	२	२	३	३
	मि.	३०	५	६	१२	४८	१८
जयपुर देशी टाइम	घं.	११	१	१	१	३	३
	मि.	५६	३४	३८	४२	१७	१८

आषाढोऽधिमासस्तत्फलम्—तुषधान्यादि वृद्धिः स्यात् पशुरोगोऽतिवृष्टिनः। राज्ञांसु-नकरा भूमिराषाढ-द्वितयंयदा

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं २००७ शाकः १८७२								दि.		उ.		अ.		इं.		हिं.		मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४६२ स. १६५०
१	र	३६	६	उ	३५	१८	शु	२६	२	कं	७	१२	२६/५२	६/२	५/८	१६	५	२६		मीने	संवत्सरारंभः नवरात्रा. घटस्था.
२	चं	४३	४६	रे	४१	१८	त्र	२६	५०	ग्रा	११	२७	५७	१	५/६	२०	६	३०		मे. ४१।१८	चंद्रद. मीनेबुधः ५/४ वक्री उफायांभौमः ५/३ सिं.
३	मं	४८	५१	अ	४७	३५	एं	२८	५	तै	१६	१८	३०/१	६/०	०/६	२१	७	१		मेषे	जमादिलाखर ६ गणगौरी. मत्स्यजयंती.
४	बु	५३	५४	भ	५४	३	वै	२६	२५	व	२१	२२	६	५/६	१/६	२२	८	२		मेषे	भ. २१।२२ उ. ५३।५४ या. उभायांबुधः*
५	गु	५८	४६	कृ	६०	०	वि	३०	४६	ब	२६	२१	१०	५८	२	२३	६	३		वृ. १०।३६	कल्पादिः [*३७।३२ धनिष्ठायांशुक्रः ५।२६
६	शु	६०	०	कृ	०	१७	प्री	३१	४०	कौ	३०	५४	१४	५७	३	२४	१०	४		वृषे	
६	श	३	००	रो	५	५१	आ	३१	५७	तै	३	०	१८	५६	४	२५	११	५		मि ३८। ६	[+ शुक्रः ७।१८ कामदा ११ ब्र.
७	र	६	१२	मृ	१०	२२	सो	३१	२२	व	६	१२	२२	५६	४	२६	१२	६		मिथुने	भ. ६।१२ उ. ३७।१४ या.
८	चं	८	१६	आ	१३	४५	शो	२६	४०	ब	८	१६	२६	५५	५	२७	१३	७		मिथुने	राम ६ स्मा. भवान्युत्पत्तिः
६	मं	६	२	पु	१५	४०	अ	२७	१६	कौ	६	२	३०	५४	६	२८	१४	८		क. ०।११	धनिष्ठायां ४ गुरुः २०।१६ राम ६ वै.
१०	बु	८	३५	पु	१६	५६	सु	२३	४३	ग	८	३५	३४	५३	७	२६	१५	६		कर्के	भ. ३७।४२ उ. रेवत्यां बुधः ३२।५
११	गु	६	४६	श्ले	१६	३६	धृ	१६	१३	वि	६	४६	३८	५२	८	३०	१६	१०		सिं १६।३६	भ. ६।४६ या. रेवत्यां रविः ५८।५६ कुंभे+
१२	शु	३	५६	म	१५	१५	शू	१४	१	ग्रा	३	५६	४२	५२	८	३१	१७	११		सिंहे	प्रदोषः
१३	श	०	८	पू	१३	१	गं	७	५३	तै	०	८	४७	५१	६	१	१८	१२		कं. २७।१४	भ. ५५।२४ उ. अप्रैल मा. ४ता० ३८
१४	श	५५	१६		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०		०	क्षयः [÷ हनुमज्जयन्ती. वै. स्ना. प्रा.
१५	र	५०	६	उ	६	५४	बृ	६/८	५/३	वि	२२	४५	५१	५०	१०	२	१६	१३		कन्या	भ. २२।४५ या. खग्रासंचन्द्रग्र. ÷

५० पं.चै.शु.४बु. इ. २१।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	१०	९	४	११	११
८	९	२	२	२३	२१	१४	८
७	९	४९	३	३१	५२	४१	३
३५	१४	१	२२	५९	५२	३२	२०
५९	३३	५८	१२	४५	१९	३	५९
३५	ब	२३	२०	५६	ब	११	२९

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

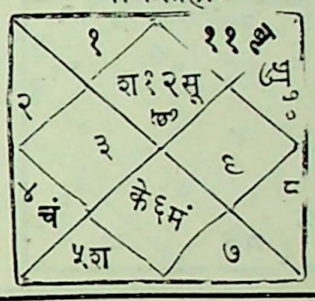

५१ पं.चै.शु.१०बु.इ.२१।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	१०	९	४	११	११
१५	६	१६	३	२९	२१	१४	१४
३	४२	१८	३२	२०	२२	१९	५९
३७	१८	२२	१०	४९	२६	१६	१५
५९	३३	२९	११	५१	२	३	५९
१८	ब	२७	५६	१९	ब	११	१६

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२								दि.		उ.		अ.		इ.		हि.		मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	चं	४४	१७	ह	६	२४	व्या	४६	३८	ब	१७	११	३०/५६	५/४	१/१	३	२०	१४		तु. २४।२५	
२	मं	३८	२७	च	२६/२	५६/६	ह	३६	००	तै	११	२२	३१/००	४८	१२	४	२१	१५		तुलायां	बुधः १८।१६
३	बु	३२	२६	वि	५४	२०	व	३१	३६	व	५	२८	३१/४	४७	१३	५	२२	१६		बृ. ४०।२३	भ. ५।२८ उ. ३२।२६ या. चतुर्थी ब्र.
४	गु	२६	४०	अ	५८	२५	सि	२३	५४	ग्रा	२६	४०	८	४६	१४	६	२३	१७		बृश्चिके	शते शुक्रः २५।७
५	शु	२१	७	ज्ये	४७	७	व्य	१६	२८	तै	२१	७	१२	४६	१४	७	२४	१८		ध. ४७।७	पश्चिमोदयीबुधः ५८।५४
६	श	१६	७	मू	४३	३६	व	६	३१	व	१६	७	१६	४५	१५	८	२५	१६		धनुषि	भ. १६।७ उ. ४४।४ या.
७	र	१२	१	पू	४२	१५	प	१/२	५/१	ब	१२	१	२०	४४	१६	६	२६	२०		म. ५६।५६	
८	चं	८	४५	उ	४१	१३	सि	५२	५२	कौ	८	४५	२४	४३	१७	१०	२७	२१		मकरे	
६	मं	६	२७	श्र	४१	२४	सा	४६	१७	ग	६	२७	२८	४२	१८	११	२८	२२		मकरे	भ. ३५।५२ उ. भरण्यां बुधः ३५।२८
१०	बु	५	१७	ध	४२	४५	शु	४६	१६	वि	५	१७	३२	४२	१८	१२	२६	२३		कु. १२।७	भ. ५।१७ या.
११	गु	५	२८	श	४५	१६	शु	४३	४१	ग्रा	५	२८	३६	४१	१६	१३	३०	२४		कुम्भे	मेषेऽर्कः ३३।३१ वरुथिनी ११ ब्र.
१२	शु	६	५६	पू	४६	२०	त्र	४३	४७	तै	६	५६	४०	४०	२०	१४	१	२५		मी. ३३।२०	शते १ गुरुः ७।२६ प्रदोषः
१३	श	६	४५	उ	५४	१३	एं	४३	४२	व	६	४५	४४	३६	२१	१५	२	२६		मीने	भ. ६।४५ उ. ४१।४१ या.
१४	र	१३	३८	रे	५८	५६	वै	४४	४३	श	१३	३८	४७	३६	२१	१६	३	२७		मे. ५६।५६	उभायां ३ राहुः हस्ते १ केतुः ५६।१६
३०	चं	१८	३	अ	६०	०	वि	४५	४६	ना	१८	३	५१	३८	२२	१७	४	२८		मेषे	सोमवती ३०

५२ पं.बै.कृ.३बु.इ.२१।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	०	१०	१०	४	११	११
२१	४	२	४	५	२०	१३	२१
५७	२२	१०	५७	४१	५४	५७	५३
५०	५५	८	२५	१३	४३	१	३१
५९	४७	२९	११	५५	४७	३	५७
४	ब	५१	१९	४३	ब	११	४

गोचरग्रहा

बैशाखकृष्णा ११ गुरौ मेषेऽर्कः प्र.वा.३न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मुहूर्ताः १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदयः पूर्वे-स्याम् ।

गोचरग्रहा

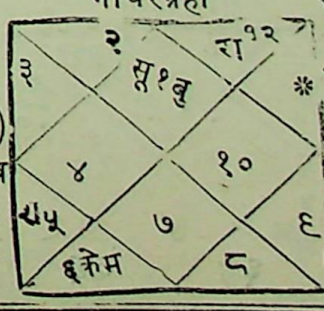

१ पं.बै.कृ.११बु.इ.२७।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	१०	१०	४	११	०
०	१	१६	६	१३	२०	१३	०
३	५७	२८	३४	४६	२४	३०	०
५९	१८	२८	४४	८	५४	४२	०
५८	५९	९७	१०	५९	२	३	५७
४५	ब	३१	३५	३७	ब	११	४४

× ११ शु.बृ.

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* ११ बृ चंशु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| बैशाख शुक्लपक्षः सं.२००७ शाकः १८७२ | दि. | उ. | अ. | इ. | हि. | मु. | चंद्रः | वसंततुं रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४६२ स. १६५०

१	मं	२२	५८	अ	६	१७	श्री	४७	६	ब	२२	५८	३५ ५४	३ ७	६ २३	१८	५	२६	मेषे
२	बु	२८	१	भ	१२	४८	आ	४८	३५	कौ	२८	१	५८	३६	२४	१६	६	१	बृ. २६।२३
३	गु	३२	४०	कृ	१६	१०	सो	४६	३५	तै	०	२०	३ ३	३६	२४	२०	७	२	बृषे
४	शु	३६	५६	रा	२४	४२	शो	५०	१०	व	४	४८	६	३५	२५	२१	८	३	मि ५७।७
५	श	४०	४	मृ	२६	३२	अ	४६	५२	ब	८	३०	१०	३४	२६	२२	६	४	मिथुने
६	र	४१	५६	आ	३३	१७	सु	४८	३४	कौ	११	१	१३	३३	२७	२३	१०	५	मिथुने
७	चं	४३	४	पु	३५	४६	धृ	४६	१८	ग	१२	३१	१७	३३	२७	२४	११	६	क. २०।६
८	मं	४२	१३	पु	३६	५८	शू	४३	१३	वि	१२	३८	२१	३२	२८	२५	१२	७	कर्के
९	बु	४०	२४	श्ले	३७	५	गं	३८	५६	त्रा	११	१८	२५	३१	२६	२६	१३	८	सि ३७।५
१०	गु	३७	३२	म	३५	५५	बृ	३३	५७	तै	८	५८	२६	३०	३०	२७	१४	९	सिंहे
११	शु	३३	४०	पू	३३	४८	शु	२८	७	व	५	३६	३३	२६	३१	२८	१५	१०	क. ४८।६
१२	श	२८	२०	उ	३१	०	व्या	२१	४४	ब	१	०	३६	२६	३१	२६	१६	११	कन्या
१३	र	२३	२४	ह	२७	३०	ह	१४	४६	तै	२३	२४	४०	२८	३२	३०	१७	१२	तु. ५५।३६
१४	चं	१७	३३	चि	२३	४२	व	२५ ७	५२ ३	व	१७	३३	४३	२७	३३	१	१८	१३	तुलायां
१५	मं	११	४१	स्वा	१६	३१	व्य	५२	८	ब	११	४१	४७	२७	३४	२	१६	१४	तुलायां

चद्रदर्शनम्
पूभायां शुक्रः ५४।२ रज्जब ७
कृत्तिकायांबुधः ३ ३ परशुरामजयंतीअक्षया३
भ. ४।४८ उ. ३६।५६ या.
वक्रीसिंहेभौमः ४ ५ वक्री पूफायां२शनि ५ ६ ४ ४
[*अगस्त्यास्तः १६।५६
भ. ४३।२, उ. वृषेबुधः ६।२१
भ. १२।३८ या.
[* १८ ४८
भरण्यांरवि १४ १५ पातस्पर्शः १ २ पातमोक्षा*
भ.५।३६उ.३३।४०या मोहिनी ११ ब्र.
वक्रीबुध१५।१२मीनेशुक्रः२५।५२प्रदोषः
नृसिंहजयंती [×मा.५ता.३१कूर्मोत्पत्तिः
भ. १७।३३ उ. ४४।३७ या. × मई
उभायां शुक्रः ३४।१३मार्गीभौमः २२।५१

२पं.बै.शु.३बृ.इ.३७।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	१०	१०	४	११	०
६	०	२६	७	२०	२०	१३	६
५४	२५	४६	५०	४५	५	८	५०
९	५	३४	२८	२२	२४	२७	३८ ५
५८	५३	५७	९	६२	२०	३	५८ श
२९	ब	५३	५२	५	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

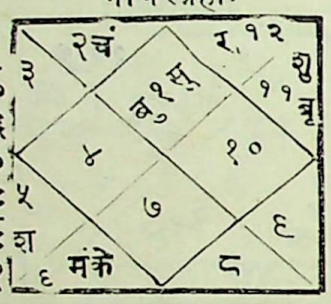

आखा तीजांपीठर
वावल आवे मोडी,
जो जलदी दिन
पांच सात तो
साख नीपजे थोडी।

गोचरग्रहाः

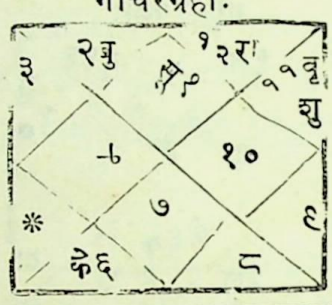

३ पं.बै.शु.१०बृ.इ.३८।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	१०	१०	४	११	१
१३	२९	२	९	२८	१९	२२	१३
४२	२८	५२	१	५	५०	४६	३९
३३	१२	५९	२६	२	१३	११	४१
५८	४ ३५	७	९	६४	५ ६	३	५८
१२	ब	३२	८	२	ब	११	२०

ति.| ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं. २००७ शाकः १८७२ | दि. | उ. | अ. | इ. | हि. | मु. | चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरे. वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्रः

१	बु	५	४०	वि	१५	२७	व	४४	४३	कौ	५	४०	३ २ ५ ०	५ २६	६ ३४	३	२०	१५	बृ. १।२८
२	बु	५४	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	गु	५३	५६	अ	११	३४	प	३७	२१	व	२६	५१	५४	२५	३५	४	२१	१६	बृश्चिके
४	शु	४८	८	ज्ये	८	३	शि	३०	२७	ब	२१	२	५७	२५	३५	५	२२	१७	ध. ८।३
५	श	४४	४७	मू	४	५७	सि	२४	४	कौ	१६	२७	३ १ ३	२४	३६	६	२३	१८	धनुषि
६	र	४१	२३	पू	२	५३	सा	१८	३३	ग	१३	५	४	२३	३७	७	२४	१९	म. १७।४९
७	चं	३८	५८	उ	२	३७	शु	१३	३३	वि	१०	१०	७	२३	३७	८	२५	२०	मकरे
८	मं	३७	५२	श्र	३	३३	शु	९	४०	त्रा	८	२५	१०	२२	३८	९	२६	२१	कु. ३३।५३
९	बु	३७	५३	ध	४	१३	त्र	६	४८	तै	७	५२	१३	२१	३९	१०	२७	२२	कुम्भे
१०	गु	३९	१०	श	५	५०	एं	४	७	व	८	३१	१६	२१	३९	११	२८	२३	मी ५२।४०
११	शु	४१	४०	पू	८	१७	वै	३	४३	ब	१०	२५	१९	२०	४०	१२	२९	२४	मीने
१२	श	४५	२१	उ	१३	१०	वि	३	३९	कौ	१३	३०	२१	२०	४०	१३	३०	२५	मीने
१३	र	४९	५१	रे	१८	३७	ग्री	४	१६	ग	१७	३६	२५	१९	४१	१४	३१	२६	मे. १८।३७
१४	चं	५४	५०	अ	२४	५३	आ	५	२९	वि	२२	२०	२८	१८	४२	१५	१	२७	मेषे
३०	मं	५९	३८	भ	३१	१५	सो	७	८	च	२७	१४	३१	१८	४२	१६	२	२८	बृ. ४७।५२

शते २ गुरु ५३।२२
क्षयः
भ. २६।५१ उ. ५३।५६ या.
पश्चिमास्तो बुधः १७।५५ चतुर्थी ब्र.
भ. ४१।२३ उ.
भ. १०।१० या.
पातस्पर्शः २३।२८ पातमोक्षः ३५।३९
भ. ८।३१ उ. ३ ९ ० या. कृत्तिकायांरविः २।५०
अपरा ११ ब्र.
[* मार्गीशनि ३०।५३ प्रदोषः
भ. ४९।५१ उ. बृषेऽर्कः ३०।३७ वक्रीमेषे!
भ. २२ २० या. [! बुधः ५ ३ ५ ६ रेवत्यांशुक्र. ४ ५ १ ६ *
वटपूजनम् भावुका ३०

४ पं.ज्ये.कृ.३बृ.इ.३८।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	१०	११	४	११	०
२०	२९	४	१०	५	१९	१२	२०
२९	९	२३	६	३५	३९	३२	२७
१२	४०	४९	१८	४६	५०	५६	२२ ५
५७	२ ११	२५ ४	८	६५	१ ८	३	५८ श
५७	मा	ब	२४	३७	बृ	११	६

गोचरग्राह

ज्येष्ठ कृष्णा १३
रवौ वृषेऽर्के: प्र.
वा.४ न.५ प्रगल्भा-
वस्था (बैठी) मु.
३० (धान्य भाव सम
शुक्रोदयः पूर्वस्यां.

गोचरग्रहाः

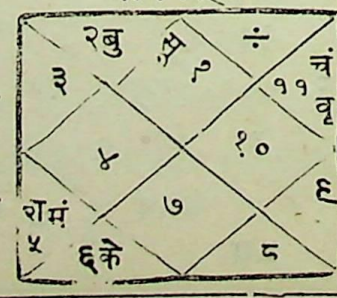

५पं.ज्ये.कृ.१०बृ.इ३८।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	१०	११	४	११	०
२७	२९	१	११	१३	१९	१२	२७
१४	२८	५४	५	१५	३४	१	१३
२५	१२	४७	६	० १	२६	४१	३०
५७	८	३४ ३५	७	७७	० १६	३	५७
४५	२८	ब	१६	१	ब	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* ५शचंमं ÷१२शु.रा.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं०२००७ शाकः १८७२ | दि. उ. अ. इं. हिं. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मऋतूरविरुत्तरऽहर्गणः५५२१स१९५०

१	बु	६०	०	कृ	३७	४३	शो	८	२७	कं	३२	२	३३ ३४	५ १७	६ ४३	१७	३	२९	वृषे	कन्यायां भौमः ६।७
१	गु	४	२६	रा	४३	३०	अ	९	४६	वा	४	२६	३६	१७	४३	१८	४	३०	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
२	शु	८	२८	मृ	४८	२१	सु	१०	२६	की	८	२८	३९	१६	४४	१९	५	१	मि१५।५५	सावान ८ रंभा ब्र.
३	श	११	३२	आ	५२	२४	धृ	१०	२९	ग	११	३२	४१	१६	४४	२०	६	२	मिथुने	भ. ४२।३१ उ.
४	र	१३	३०	पु	५५	१५	शू	९	२४	वि	१३	३०	४४	१५	४५	२१	७	३	क.२९।३२	भ.१३।३०या.वक्रीभरण्यां बुधः४९।४७
५	चं	१४	११	पु	५६	४१	गं	७	२९	वा	१४	११	४६	१५	४५	२२	८	४	कर्के	[* पातमोक्षः २१।२२
६	मं	१३	४२	श्ले	५७	९	वृ	४	३५	तै	१३	४२	४८	१४	४६	२३	९	५	सिं ५७।९	पूर्वोदयी बुधः५७।५३ पातस्पर्श७।४२*
७	बु	११	५१	म	५६	१४	धु	३ ६	५५ ५२	व	११	५१	५०	१४	४६	२४	१०	६	सिंहे	भ. ११।५१ उ. ४०।२१ या.रोहिण्यां×
८	गु	८	५२	पू	५४	२२	ह	५०	७	ब	८	५२	५२	१४	४६	२५	११	७	सिंहे	[× रविः ५६।४६
९	शु	५	०	उ	५१	३३	व	४३	३८	की	५	०	५४	१३	४७	२६	१२	८	कं.८।४०	मेषे शुक्रः ३५।३०
१०	श	०	१४	ह	५८	१४	सि	३७	०	ग	०	१४	५६	१३	४७	२७	१३	९	कन्या	भ.२७।३०उ५४।३२या.निर्जला११ब्र.स्मा
११	र	५४	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१२	चं	४८	५८	चि	४४	३६	व्य	२९	४८	ब	२१	५२	५८	१२	४८	२८	१४	१०	तु. १६।२५	निर्जला ११ ब्र. वै.
१३	मं	४२	५७	स्वा	४०	२७	व	२२	१९	की	१५	५८	३ ४०	१२	४८	२९	१५	११	तुलायां	प्रदोषः सावित्रा व्रतारम्भः
१४	बु	४६	५१	वि	३७	०	प	१४	४४	ग	९	५४	२	१२	४८	३०	१६	१२	बृ. २२।५२	भ. ३६।५१ उ.
१५	बु	३०	५२	अ	३३	३२	शि	३ ७	५२ १६	वि	३	५१	४	११	४९	३१	१७	१३	बृश्चिके	भ.३।५१या.मार्गीबुधः१९।५४ ३टसावित्रीपू.

६ पं.ज्ये.शु.१बृ.इ.३८।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	०	१०	११	४	११	१
३	०	२८	११	२१	१९	११	३
५८	२०	१	५७	१	३४	३९	५८
३	१०	३०	७	३७	८	२५	२८
५७	१३	३७	६	६८	२३	३	५७
२४	४	ब	२०	७	मा	११	४४

गोचरग्रहाः

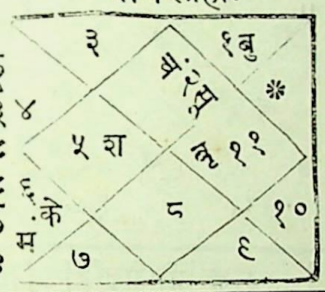

आर्द्रादौ दश ऋक्षाणि ज्येष्ठे शुक्ले निरीक्षयेत् । साभ्रैश्च हन्यते वृष्टिर्निरैभ्रर्वृष्टिरुत्तमा ।

गोचरग्रहाः

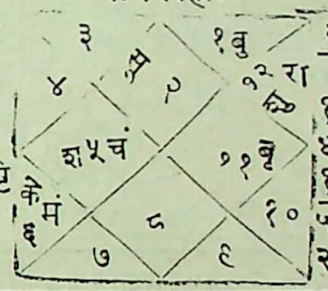

७ पं.ज्ये.शु.८ बृ.इ ३८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	१०	११	४	११	१
१०	१	२५	१२	२८	१९	११	१०
४०	४२	३४	४१	५४	२९	१७	४२
१३	५८	५५	५६	५०	१४	१०	२०
५७	१७	१७	५	६८	१	३	५७
२३	१९	ब	१३	५९	८	११	२५

ति. प्र.आषाढ़कृष्णपक्षः सं०२० ७शाकः१८७२ दि. उ.अ. इं.हिं.मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरेज्येष्ठकृष्णेति महाराष्ट्राः

१	शु	२५	५	ज्ये	२९	१७	सा	५२	५४	कौ	२५	५	३४ ३६	५ १९	६ ४९	१	१८	१४	ध. २९।१७	जून६ता ३० शतेगुरुः५७।४०सव्वरात
२	शु	२०	२	मू	२५	३९	शु	४६	२०	ग	२०	२	८	१०	५०	२	१९	१५	धनुषि	भ. ४७।४७ उ.
३	श	१५	३३	पू	२३	३०	शु	४०	३६	वि	१५	३३	९	१०	५०	३	२०	१६	म.३८।१०	भ. १५।३३ या. चतुर्थी ब्र.
४	र	१२	३	उ	२२	११	ब्र	३५	५६	वा	१२	३	११	१	५०	४	२१	१७	मकरे	पातस्पर्शः३३।२९ पातमोक्षः४८।४९
५	चं	९	२९	श्र	२१	२१	ऐं	३१	३१	तै	९	२९	१३	९	५१	५	२२	१८	कु. ५१।४३	
६	मं	८	२	च	२२	५	वै	२८	२२	व	८	२	१४	९	५१	६	२३	१९	कुम्भे	भ.८।२उ.३८।०या.पूफायां३शनिः ५ ९ ५ ३
७	बु	७	५८	श	२४	८	वि	२६	१४	ब	७	५८	१५	९	५१	७	२४	२०	कुम्भे	मृगेरविः ५५।२३ वृषेबुधः ३६।३५ *
८	गु	९	११	पू	२७	२५	प्री	२५	३	की	९	११	१६	९	५१	८	२५	२१	मी ११।३६	[* भरण्यां शुक्रः १७।५६
९	शु	११	२९	उ	३१	५०	आ	२४	५२	ग	११	२९	१७	८	५२	९	२६	२२	मीने	भ. ४३।१८ उ.
१०	श	१५	८	रे	३७	१७	सो	२५	३१	वि	१५	८	१८	८	५२	१०	२७	२३	मे. ३७।१७	भ.१५।८ या.
११	र	१९	२९	अ	४३	२०	शो	२६	४३	वा	१९	२९	१९	८	५२	११	२८	२४	मेषे	योगिनी ११ ब्र.
१२	चं	२४	१५	भ	४९	३८	अ	२८	१६	तै	२४	१५	२०	८	५२	१२	२९	२५	मेषे	प्रदोषः
१३	मं	२९	१	कृ	५६	६	सु	२९	४८	व	२९	१	२१	८	५२	१३	३०	२६	बृ. ६।१५	भ. २९।१ १।२३ या.
१४	बु	३३	४६	रो	६०	०	धृ	३१	३०	वि	१	२३	२१	८	५२	१४	३१	२७	बृषे	मिथुनेऽर्कः ५६।२३
३०	शु	३७	५५	रो	१	५५	शू	३१	५४	च	५	५०	२२	८	५२	१५	१	२८	मी. ३४।३३	

८ पं.प्र.आकृ.१बृ.इ.३८।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	०	१०	०	४	११	१
१७	३	२६	१३	६	१९	१०	१७
२१	३२	१५	१८	५३	४९	५४	२५
१९	३१	४७	४९	२	१२	५३	७
५७	२०	५७	४	६९	१	३	५७
१३	४७	मा	६	५२	४७	११	२७

९. पं.प्र.आकृ.८बृ.इ.३८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	१०	०	४	११	१
२४	५	०	१३	१४	२०	१०	२४
१	४५	२८	४७	५५	४	३२	७
१५	२५	३०	१३	१२	१	३९	८
५७	२३	२७	३	७०	२	३	५७
५	५६	२६	०	३२	२६	११	२२

१०पंप्र.आकृ.३०बु.इ२८।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	१०	०	४	११	२
०	८	७	१४	२३	२०	१०	०
४०	१९	५७	६	१	२३	१०	४८
१३	१६	३६	५८	५	२८	२४	२५
५६	२६	५५	१	७१	२	३	५७
५७	२७	२२	३७	११	१०	११	१७

*१२ रा शु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	प्र.आषाढ़ शुक्लपक्षः सं.२००७शाकः १८७२	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चंद्र	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ५५५१सन् १९५०
१	शु ४१ २ मृ ७ ११	गं ३२ १४	कं ९ २८	३४ ५ ६	२	१६ २ २९	मिथुने	[* २ राहुः उफायां४केतु.५४।५५रोजा
२	श ४३ ० आ ११ ४५	बृ ३१ १८	बा १२ १	२३ ७ ५३	१७ ३ ३०	क.५८।५२	चंद्रद. रोरिण्यां बुधः ५१।३३
३	र ४३ ५१ पु १४ ३४	धु २९ ३५	तै १३ २५	२३ ७ ५३	१८ ४ १	कर्के	कृतिकायांशुक्रः४३।२५रमजान९उभायां*
४	चं ४३ १५ पु १६ २३	व्या २७ ३	व १३ ३३	२३ ७ ५३	१९ ५ २	कर्के	भ. १३।३३ उ. ४३।१५ या.
५	मं ४१ २८ श्ले १७ ०	ह २३ १२	ब १२ २१	२४ ७ ५३	२० ६ ३	सिं.१७।०	हस्ते भौमः १३।३६
६	बु ३८ २३ म १६ ४३	व १८ ४२	कौ ९ ५५	२४ ७ ५३	२१ ७ ४	सिंहे	आर्द्रायां रविः५७।५५बृषेशुक्रः३९।२३—
७	गु ३४ ३७ पू १५ १५	सि १३ ०	ग ६ ३०	२४ ७ ५३	२२ ८ ५	कं.२९।२६	भ.३४।३७.उ. [—दक्षिणायनप्रवृत्तिः ५३९
८	शु २९ ४९ उ १२ ०	व्य ६ ४८	वि २ १३	२४ ७ ५३	२३ ९ ६	कन्या	भ. २।१३ या.
९	श २४ २४ ह ८ ५४	व ० १२ ५३	कौ २४ २४	२४ ७ ५३	२४ १० ७	तु. ३७।१	
१०	र १८ ४१ चि ५ ५	शि ४५ ३४	ग १८ ४१	२५ ७ ५३	२५ ११ ८	तुलायां	भ. ४५ उ.मृगे बुधः ३९ वक्री गुरूः७।४३
११	चं १२ ३८ स्वा ७ ५५	सि ३७ ५९	वि १२ ३८	२३ ७ ५३	२६ १२ ९	वृ.४३।२	भ. १२।३८ या. कमला ११ ब्र.
१२	मं ६ ३० अ ५२ ५१	सा ३० ३३	व्या ६ ३०	२३ ७ ५३	२७ १३ १०	बृश्चिके	प्रदोषः
१३	बु ० ३० ज्ये ४९ ३	शु ३० ९	तै ० ३०	२२ ८ ५२	२८ १४ ११	ध.४९।३	भ. ५४।४१ उ.
१४	बु ५४ ११ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	[÷ पूर्वास्तो बुधः ४९।३७
१५	गु ४९ ३० मू ४५ ५७	श १६ ५	वि २२ ५	२२ ८ ५२	२९ १५ १२	धनुषि	भ. २२.५ या. मिथुने बुधः १३।२९÷

११पं.प्र.आ.शु.७शु.इ.३८।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	१०	१	४	११	२
७	१४	१६	१४	१	२०	९	७
१८	९	२५	१७	१०	४७	४८	२९
५१	१४	४८	२८	५९	२०	९	१७
५६	२८	८५	०	७१	३	३	५७
५४	२६	३०	२८	३७	४३	११	१३

गोचरग्रहः

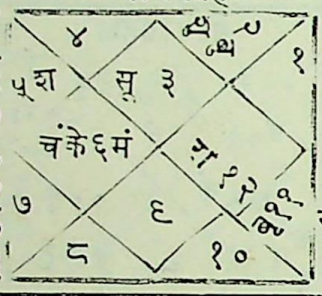

इस मास में बुध शुक्र का योग हुआ है सो उत्तम वर्षा कारक है और कन्या राशि पर केतु मंगल का योग रुई तेजी करेगा

गोचरग्रहः

१२पं.प्र.आशु.१५गु.इ.३८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	१०	१	४	११	२
१३	१४	०	१४	९	२१	९	१४
५६	१५	४७	१८	२३	१५	२५	९
५४	२२	५३	४३	३८	२२	५३	४५
५६	३०	२९	५९	७२	४	३	५७
५०	२०	४८	ब	२	२२	११	७

ति.	द्वि.आषाढ़ कृष्णपक्षः सं० २००७शाकः १८७२	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्र	ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणेऽषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ४४ ५७ पू ४२ २३	व्र ९ ३०	बा १७ १४	३४ ५ ६	२० १६ १३	म.५७।१२	रोहिण्यां शुक्रः ९।४
२	श ४१ १७ उ ४१ ३८	ऐं ३९ ५४	तै १३ ७	२० ८ ५२	१ १७ १४	मकरे	जुलाई मा. ७ ता. ३१
३	र ३९ ३९ श्र ४१ २	वि ५४ १४	व १० २८	१९ ८ ५२	२ १८ १५	मकरे	भ. १०।२८ उ. ३९।३९ या. *
४	चं २८ ९ ध ४१ ३३	श्री ५० ५५	ब ८ ५४	१८ ८ ५२	३ १९ १६	कुं ११।१७	[* आर्द्रायां बुधः ४६।५ चतुर्थी ब्र.
५	मं ३६ ५७ श ४३ १०	आ ४८ ३५	कौ ७ ३३	१७ ९ ५१	४ २० १७	कुम्भे	
६	बु ३८ ३ पू ४६ ५	सौ ४७ १८	ग ७ ३०	१६ ९ ५१	५ २१ १८	मी ३०।२१	भ. ३८।३ उ.
७	गु ४० ३० उ ५० १६	शो ४६ ५४	वि ९ १६	१४ ९ ५१	६ २२ १९	मीने	भ. ९।१६ या. पुनर्वसौ रविः १।५६
८	शु ४३ ३६ रे ५५ २०	अ ४७ २१	व्या १२ ३	१३ ९ ५१	७ २३ २०	मे.५५।२०	
९	श ४८ ० अ ६० ०	सु ४८ २८	तै १५ ४८	११ १० ५०	८ २४ २१	मेषे	पुनर्वसौबुधः ५०।२३
१०	र ५२ ४४ अ १ २२	धृ ४९ ५६	व २० २२	१० १० ५०	९ २५ २२	मेषे	भ. २०।२२ या. ५२।४४ या.
११	चं ५७ ४७ भ ७ ४३	शू ५१ ३३	ब २५ १६	८ १० ५०	१० २६ २३	बृ.२४।१९	कमला ११ ब्र. स्मा.
१२	मं ६० ० कृ १४ ८	गं ५२ ५७	कौ ३० २	७ ११ ४९	११ २७ २४	बृषे	मृगेशुक्रः२८।१३ कमला ११ ब्र.वै.नि.
१२	बु २ १७ रो २० १०	बृ ५३ ५१	तै २ १७	५ ११ ४९	१२ २८ २५	मिथु २।५५	प्रदोषः
१३	गु ६ २२ मृ २५ ४०	धु ५४ ११	व ६ २२	४ ११ ४९	१३ २९ २६	मिथुने	
१४	शु ९ ३५ आ ३० १०	व्या ५३ ४०	श ९ ३५	२ १२ ४८	१४ ३० २७	मिथुने	भ.६।२२उ.२७।५८या.कर्केबुधः२३।२४
३०	श १२ ५ पु ३३ २५	ह ५२ ११	ना १२ ५	० १२ ४८	१५ ३१ २८	क. १७।३६	पुष्पे बुधः ०।१७

१३पं.द्वि.आकृ.७बृ.इ.३८।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	१०	१	७	११	२
२०	१७	१५	१४	१७	२१	९	२०
२४	३६	२२	९	३९	४७	३	५०
३०	५०	८	४	४०	४९	३८	९
३६	३१	९९	२	७२	४	३	५७
३०	५९	३५	ब	२५	५०	११	७

गोचरग्रहाः

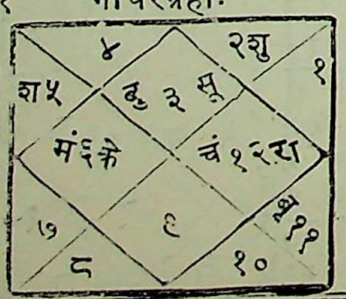

गोचरग्रहाः

१४पं.द्वि.आकृ.१३.बृ.इ.३८।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१०	१	४	११	२
२७	२१	०	१३	२५	२२	८	२७
१२	७	३१	५२	५८	२३	४१	३०
५६	५	१६	१९	४	६	२२	३२
५६	३३	२९	३४	७२	५	३	५७
५५	१८	५२	ब	४६	१४	११	११

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	द्वि. आषाढ़शुक्लपक्षः सं०२००७शाकः१८७२	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वर्षाऋतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५५८१स.१९५
१	र १२ २९ पू ३५ ३० ब ४९ ३७ ब १२ २९	३ ३ ५ ६	१६ ३२ २९	कर्के	कर्केऽक:३४।४०मिथुनशुक्र:५८।२चंद्रद
२	चं १२ ३ श्ले ३६ २८ सि ४६ ८ की १२ ३	५६ १३ ४७	१७ १ १	सिं२६।२८	सव्वाल १० ईद रथयात्रा
३	मं १० १८ म ३६ ० व्य ४१ ३८ ग १० १८	५४ १३ ४७	१८ २ २	सिंहे	भ.३८।५२उ.चित्रायां भौमः ३।५९
४	बु ७ २६ पू ३४ ३२ व ३६ १७ वि ७ २६	५२ १४ ४६	१९ ३ ३	कं ४८।५५	भ. ७।२६ या.
५	गु ३ ३६ उ ३२ ६ प ३० १० ग्रा ३ ३६	५० १४ ४६	२० ४ ४	कन्या	पुष्पेरविः ५।२१
६	शु ५५ १६ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	क्षयः
७	श ५३ ३३ ह २९ १६ शि २३ ३० ग २६ १२	४७ १५ ४५	२१ ५ ५	तु.५६।४९	भ. ५३।३३ उ. सार्पे बुधः ४०।४७
८	र ४७ ४५ चि २४ २२ सि १६ १६ वि २० ३९	४५ १५ ४५	२२ ६ ६	तुला	भ.२०।३९या.आर्द्रायांशुक्रः३३।५४वक्री
९	र ४१ ४४ स्वा २१ २८ सा ८ ४९ ग्रा १४ ४५	४२ १६ ४४	२३ ७ ७	तुला	धूफायां ४ शनिः ५१।१६
१०	चं ३५ ३८ वि १७ १९ शु १९ ५३ ३० तै ८ ४१	४० १६ ४४	२४ ८ ८	वृ.३।२१	[-शेत२गुरुः१।२०पश्चिमोदयीबुधः ५५ ६
११	मं २९ ३० अ १३ ११ च ४६ १८ व २ ३४	३७ १७ ४३	२५ ९ ९	वृश्चिके	भ.२।३४उ.२९।३०या.देवशयनी११ब्र.
१२	बु २३ ३५ ज्ये ९ २१ ऐं ३९ १० ग्रा २३ ३५	३५ १७ ४३	२६ १० १०	ध.९।२१	प्रदोषः
१३	गु १८ २५ मू ६ ५ वै ३२ २४ तै १८ २५	३२ १८ ४२	२७ ११ ११	धनुषि	[* व्यासपूजा
१४	शु १३ ५२ पू २ १५ वि २६ १८ व १३ ५२	३० १८ ४२	२८ १२ १२	म.१६।५८	भ. १३।५२ उ. ४१।५८ या.
१५	श १० ४ उ १ ८ ग्री २० ५९ ब १० ४	२७ १९ ४१	२९ १३ १३	मकरे	मघायां बुधः३।८तुलायांभौमः४९।३०*

१५पं.द्वि.आ.शु.५बृ.इ.३८।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	१०	२	४	११	३
३	२४	१४	१३	४	२३	८	४
५१	४९	४५	२६	१९	१	१९	११
२४	१९	४०	२०	२६	४४	७	१३
५६	३४	२१	४५	७३	५	३	५७
५७	४२	१४	ब्र	१।४१	११	१५	

गोचरग्रहः

द्वि.आषाढ़ शुक्ला १
रवौ कुर्केऽर्कः प्र. वा.
५न.५ कुमारावस्था
(बैठी) मुहूर्ताः३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहः

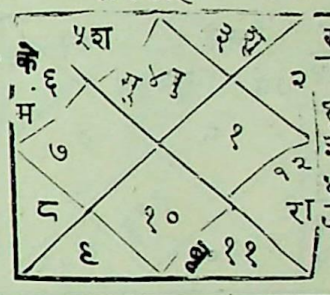

१६पं.द्वि आ.शु.१३बृ.इ.३८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	५	३	१०	२	४	११	३
	१०	२८	२७	१२	१२	२३	७	१०
	३०	४१	४३	५१	४३	४३	५६	५२
	४९	२०	१९	४३	२६	४१	५२	१९
	५७	३५	२६	४५	७३	६	३	५७
	५	५८	३८	ब्र	१६	२	११	२०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं०२००७शाकः १८७३	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणे आषाढ़ कृ. महाराष्ट्रा
१	र ७ २३ अ ० १९ आ १६ २९ की ७ २३	३ ३ २४	५ १९	६ ४१	३०	१४	१४	कु.३०।२७	
२	चं ५ ५० ध ० ३५ मी १३ १ ग ५ ५०	२१	२०	४०	३१	१५	१५	कुम्भे	भ. ३५।४४ उ.
३	मं ५ ३८ श १ ५७ शो १० ३१ वि ५ ३८	१८	२०	४०	१	१६	१६	मी ४८।५६	भ. ५।३८या.अगस्त मा. ८ ता.३१*
४	बु ६ ३७ पू ४ ३५ अ ८ ५५ ग्रा ६ ३७	१५	२१	३९	२	१७	१७	मीने	पुनर्वसौ शुक्रः४१।१८ [*चतुर्थी ब्र.
५	गु ८ ४९ उ ८ ३२ सु ८ २१ तै ८ ४९	१२	२२	३८	३	१८	१८	मीने	आश्लेषायां रविः ६।९
६	शु १२ १२ रे १३ ३१ धू ८ ३९ व १२ १२	९	२२	३८	४	२९	१९	मे.१३।३१	भ. १२।१२ उ. ४४।१९ या.
७	श १६ २७ अ १९ २४ शू ९ ४१ ब १६ २७	६	२३	३७	५	२०	२०	मेषे	
८	र २१ ११ भ २५ ३६ गं ११ ३० की २१ ११	३	२३	३७	६	२१	२१	वृ.४२।१२	धूफायां बुधः २९।३४
९	चं २६ २ कृ ३२ १ बृ १२ ३६ ग २६ २	०	२४	३६	७	२२	२२	बृषे	भ. ५८।२४.उ.
१०	मं ३० ४७ रो ३७ ५६ शु १४ ३ वि ३० ४७	५७ ३२	२५	३५	८	२३	२३	वृषे	भ. ३०।४७ या.
११	बु ३४ ५५ मृ ४३ ३७ व्या १५ ६ ब २ ५१	५४	२५	३५	९	२४	२४	मि१०।४६	कामिका ११ ब्र.
१२	गु ३८ १२ आ ४८ १८ ह १५ ३० की ६ ३३	५०	२६	३४	१०	२५	२५	मिथुने	कर्केशुक्रः५५।४८स्वत्यांभौमः २०।४६
१३	शु ४० २२ पु ५२ २ व १५ ८ ग ९ १७	४७	२७	३३	११	२६	२६	क ३६।६	भ. ४०।२२ उ. प्रदोषः
१४	श ४१ २२ पु ५४ १२ सि १३ ४५ वि १० ५२	४३	२७	३३	१२	२७	२७	कर्के	भ. १०।५२ या.
३०	र ४१ ३ श्ले ५५ २७ व्य ११ २८ ग्रा ११ १२	४०	२८	३२	१३	२८	२८	सिं५५।२७	पुष्ये शुक्रः ३८।३३ हरियाली ३०

१७पं.श्रा.कृ.५बृ.इ.३८।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	१०	२	४	११	३
१७	२	९	१२	२१	२४	७	१७
१०	४१	१९	१०	९	२७	३४	३४
३०	३८	३४	८	२९	५४	३६	०
७	३६	८४	३०	७३	६	३	५७
१२	५३	८	ब्र	२६	२३	११	२४

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

१८पं.श्रा.कृ.१२बृ.इ. ३७।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	९	१०	२	४	११	३
२३	६	१९	११	२९	२५	७	२४
३१	५०	३३	२२	३८	१४	१२	१६
२८	४९	४०	२३	६	२०	२०	२७
१७	३७	७३	१७	७३	६	३	५७
२२	४१	२०	ब्र	४४	२०	११	३३

*६केचंमं

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं.२००७शाकः १८७२										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६१०स.१९५०
१	चं	३९	२४	म	५५	२४	व	८	९	क	१०	१३	३२ ३६	५ २९	८ ३१	१४	२९	२९	सिंहे	नक्तव्रतारंभ
२	मं	३६	३६	पू	५४	६	प	५५ ३	५४ ३५	बा	८	०	३३	२९	३१	१५	३०	३०	सिंहे	चंद्रद.
३	बु	३२	५०	उ	५१	५१	सि	५२	३१	तै	४	४३	२९	३०	३०	१६	३१	१	कं.८।३२	उफायांबुधः २५जिल्काद११तीजमधुश्रवा३
४	गु	२८	१७	ह	४९	२	सा	४५	५६	व	०	३१	२६	३१	२९	१७	३२	२	कन्या	भ.०।३४उ.२५या.सिंहेऽर्कः२।३६वरद४
५	शु	२२	५६	चि	४५	३१	शु	३८	४६	बा	२२	५६	२२	३२	२८	१८	१	३	तु.१७।१६	नाग ५
६	श	१७	१२	स्वा	४१	२७	शु	३१	२१	तै	१७	१२	१८	३२	२८	१९	२	४	तुलायां	कन्यायां बुधः २२।३८ बर्णा ६
७	र	११	१२	वि	३७	२५	ब्र	२३	३९	व	११	१३	१४	३३	२७	२०	३	५	वृ.२३।२६	भ.११।१३उ.३८।८या. उभायां१राहु*
८	चं	५	३	अ	३३	१२	ऐं	१६	९	ब	५	३	११	३४	२६	२१	४	६	वृश्चिके	वक्री शते १ गुरुः ३५।३० दुर्गा ८
९	चं	५३	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[* उफायां ३ केतुः ४७।५३
१०	मं	५३	१९	ज्ये	२९	२०	वै	८	३८	तै	२६	९	७	३५	२५	२२	५	७	ध.२९।२०	उफायां १ शनिः ४९।३
११	बु	४७	५८	मू	२५	४३	वि	२३ १	५३ १०	व	२०	३८	४	३५	२५	२३	६	८	धनुषि	भ. २०।३८उ. ४७।५८ या. पवित्रा×
१२	गु	४३	१७	पू	२२	४६	आ	४८	१२	ब	१५	३७	०	३६	२४	२४	७	९	म.३७।१६	सार्पे शुक्रः३६।३२पवित्रा११ब्र.निम्बा.
१३	शु	३९	११	उ	२०	४८	सौ	४२	३७	कौ	११	१४	३१ ५६	३७	२३	२५	८	१०	मकरे	प्रदोष [× ११ ब्र. स्मा. वै.
१४	श	३६	५५	श्र	१९	१३	शो	३७	५३	ग	७	३	५२	३८	२२	२६	९	११	कु.४९।२१	भ. ३६।५५ उ. ऋग्वेदीनां श्रा.
१५	र	३५	२३	ध	१९	२९	अ	३४	२	वि	६	९	४८	३८	२२	२७	१०	१२	कुम्भे	भ. ६।९ या. श्रावणीकर्म

१९ पं.श्रा.शु.४बृ.इ.३७।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	१०	३	४	११	४
०	११	२८	१०	८	२६	६	०
२३	७	१२	३०	८	२	५०	५९
५१	२३	४	४३	४२	५३	५	४७
५७	३८	६१	४८	७३	६	३	५७
३४	२७	४८	ब्र	५०	५२	११	४०

गोचरग्रहाः

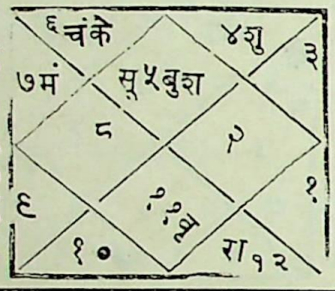

श्रावण शुक्ला४गुरो सिंहेऽर्कः प्र. वा ५ न. ६ बृद्धावस्था (बैठी)सु.३०(धान्य भाव सम) शुक्रोदय पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

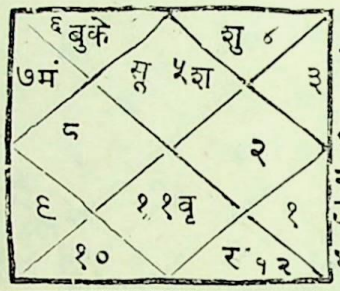

१६पं.श्रा.शु.१२बृ.इ.३७।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	१०	३	४	११	४
७	१५	४	९	१६	२६	६	७
१७	३०	५२	३६	४१	५२	२७	४४
२४	१८	३०	७	२४	४४	५०	३७
५७	३९	४६	५७	७३	७	३	५७
४५	१५	४९	ब्र	५६	२	११	४८

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००७शाकः १८७२										दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽश्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	चं	३५	१०	श	२०	३१	सु	३१	१३	ब्रा	५	१७	३१ ४४	५ ३९	६ २१	२८	११	१३	कुम्भे	अगस्त्योदयः २।३
२	मं	३५	१२	पू	२२	५४	धृ	२९	२०	तै	५	११	४०	४०	२०	२९	१२	१४	मी.७।१८	[– ५३।२७ अस्तं शनेः ३।४४
३	बु	३८	२२	उ	२६	३५	शू	२८	३०	व	६	४७	३६	४१	१९	३०	१३	१५	मीने	भ. ६।४७उ. २८।२२ या. फायां रविः–
४	गु	४१	४१	रे	३१	१७	गं	२८	३९	ब	१०	१	३२	४२	१८	३१	१४	१६	मे.३१।१७	विशाखायांभौमः३७।४९बहुला४चतुर्थी
५	शु	४६	२	अ	३६	५६	बृ	२८	५५	कौ	१३	५१	२८	४२	१८	१	१५	१७	मेषे	सितंबर मा. ९ ता. ३०
६	श	५०	४९	भ	४३	५	ध्रु	३०	३७	ग	१८	२५	२४	४३	१७	२	१६	१८	बृ. ५९।४०	भ. ५०।४९ उ. चन्द्र ६ हल ६
७	र	५५	४३	कृ	४९	२५	व्या	३१	३६	वि	२३	१६	२१	४४	१६	३	१७	१९	बृषे	भ. २३।१६ या.
८	चं	६०	०	रा	५५	३९	ह	३३	४५	ब्रा	२८	८	१७	४५	१५	४	१८	२०	बृषे	मघायां शुक्रः २८।३८श्रीकृष्णजयंतीब्रं.
८	मं	०	३४	मृ	६०	०	व	३४	३९	कौ	०	३४	१४	४५	१५	५	१९	२१	मि २८।३२	बक्री बुधः ३।१२
९	बु	४	४९	मृ	१	२६	सि	३५	१८	ग	४	४९	१०	४६	१४	६	२०	२२	मिथुने	भ. ३६।३२ उ.
१०	गु	८	११	आ	६	१७	व्य	३५	७	वि	८	११	६	४७	१३	७	२१	२३	क.५४।१५	भ. ८।११ या.
११	शु	१०	३३	पु	१०	१४	व	३४	२२	ब्रा	१०	३३	२	४८	१२	८	२२	२४	कर्के	अजा ११ व्रतम्
१२	श	११	३५	पु	१२	४४	प	३१	४४	तै	११	३५	३० ५८	४८	१२	९	२३	२५	कर्के	प्रदोषः बत्स १२
१३	र	११	२०	श्ले	१४	११	शि	२८	३७	ब	११	२०	४५	४९	११	१०	२४	२६	सिं १४।११	भ.११।२०उ.४०।३१या.पश्चिमास्तो×
१४	चं	९	४२	म	१४	२८	सि	२४	१५	श	९	४२	५०	५०	१०	११	२५	२७	सिंहे	पिठोरी ३० [× बुधः ५१।२५
३०	मं	७	२	पू	१३	२४	सा	१९	२२	ना	७	२	४५	५१	९	१२	२६	८	क.२७।५१	लोहार्गल स्नान. कुशाग्रहणी.

२१ पं.भा.कृ.४बृ.इ.३७।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	१०	३	४	११	४
१४	१९	८	८	२५	२७	६	१४
२	५९	४८	४१	१७	४३	५	१९
३६	४२	५८	२	६	५२	३५	५४
५७	३९	२४	५२	७३	७	३	५८
५७	४९	८	ब्र	२	१४	११	१

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

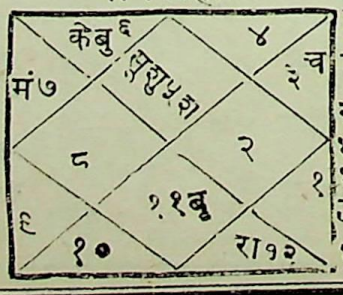

२२पं.भा.कृ.१०बृ.इ.३७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	१०	४	४	११	४
२०	२४	७	७	३	२८	५	२१
४९	३४	४२	४७	५३	३५	४३	१९
१९	१६	५८	३५	१३	४९	१९	५८
५७	४०	१४ ०	३५	७४	७	३	५८
१२	४०	ब्र	ब	८	२०	११	१३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२००७शाकः १८७२	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	वर्षाऋतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६४०स.१६५०
१	बु ३ २० उ ११ १३ शु १३ २८ व ३ २० ३० ५ ६	१३	२७	२९	कन्यायां				उफायां रविः ३८।६ चंद्रदर्शनम्
२	बृ ५५ २९ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०				क्षयः
३	गु ५३ ३९ ह ८ १२ शु ५ ६ ५ ३ ते २६ १४ ३६ ५३ ७	१४	२८	१	तु. ३६।३९				जिल्हेज १२
४	शु ४७ ५६ चि ५ ७ ऐं ५२ २४ व २० ४७ ३२ ५४ ६	१५	२९	२	तुलायां				भ२०।४७उ.४७।५६या.ू फायांशुक्रः १५७*
५	श ४२ ८ स्वा २२ ५ ४७ वै ४४ ४२ व १५ २ २८ ५४ ६	१६	३०	३	वृ. ४३।१२				ऋषि५ [*वृश्चिकेभौमः४०।३५एगोश४
६	र ३५ ५९ अ ५३ ० वि ३७ ० कौ ९ ४ २४ ५५ ५	१७	३१	४	बृश्चिके				कन्यायामर्कः १७३वक्रीधनिष्ठायां४गुरुः१०।१
७	चं २९ ५६ ज्ये ४९ ८ गी २९ २३ ग २ ५८ २० ५६ ४	१८	१	५	ध. ४९।८				भ.२९।५६उ.५७।५या.वक्री सिंहे बुधः+
८	मं २४ १५ मू ४५ ३१ आ २१ ५७ व २४ १५ १६ ५७ ३	१९	२	६	धनुषि				[+ ०।२५ कन्यायां शनिः ४८।१५
९	बु २९ ० पू ४२ २३ सौ १४ ५६ कौ १९ ० १२ ५८ २	२०	३	७	म.५६।५०				मैत्रे भौमः ३५।४४
१०	शु १४ २२ उ ४० ११ शो ८ २५ ग १४ २२ ८ ५८ २	२१	४	८	मकरे				भ.४२।३३उ.वक्री ूफायां बुधः२७।३१
११	शु १० ४५ अ ३८ ३७ अ ३ ६ ५ ५ ३ वि १० ४५ ४ ५९ १	२२	५	९	मकरे				भ. १०।४५ या. जलभूलनी११ब्र.हज्ज
१२	श ८ ९ ध ३७ १८ ध ५३ २८ ग ८ ९ ० ० ६ ० ० ६	२३	६	१०	कु.७।५७				प्रदोषः
१३	र ६ ३९ श ३९ ६ शु ५० ११ ते ६ ३९ २९ ५ १ ५ ५	२४	७	११	कुम्भे				पूर्वोदयीबुधः १०।४१
१४	चं ६ ३३ पू ४० ५१ गं ४८ ५ व ६ ३३ ५१ २ ५८	२५	८	१२	मी २५।२५				भ६।३३उ.३७।४या.अनंत१४महालयारंभ
१५	मं ७ ३५ उ ४४ ३१ वृ ४६ ५५ व ७ ३५ ४७ ३ ५७	२६	९	१३	मीने				प्रौष्ठपदी १५

२३पं.भा.शु.३गु.इ.२७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	१०	४	४	११	४
२७	२९	३	६	१२	२९	५	२८
३७	१६	३४	५७	३३	२८	२१	५
४०	१६	५५	२९	७	१२	३	२४
५८	४१	३८	५२	७४	७	३	५८
२९	२५	ब	ब	१४	२०	११	२६

गोचरग्रहाः

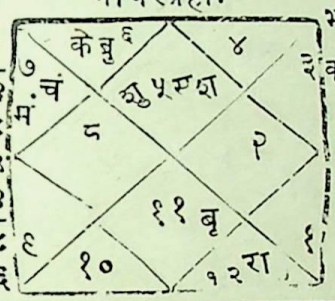

भाद्रपद शुक्ला ६रवौ
कन्यायामर्कः प्र.बा.४
न.५गतालकावस्था
(उभी) मुहूर्ताः ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः ूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

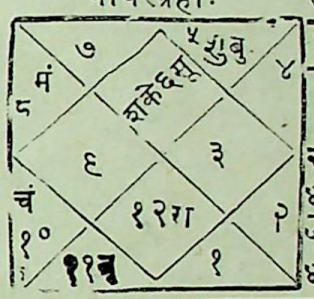

२४पं.भा.शु१०गु.इ२७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	१०	४	५	११	५
४	४	२६	६	२१	०	४	४
२७	२	५०	१२	११	२०	५८	५५
४५	४६	४६	५४	१७	३८	४९	१७
५८	४१	३७	८	७४	७	३	५५
४५	५०	ब	ब	२०	२०	११	३८

त.	आश्विनकृष्णपक्षः सं.२००७ शाक १८७२	दि	उ.	अ.	इ	हि	मु	चंद्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृ.महाराष्ट्राः
१	बु ९ ५४ रे ४८ ५९ धु ४६ ८ कौ ९ ५४ २९ ५ ५	२७	१०	१४	मे. ४८।५९				हस्ते रविः १५।४५ मार्गी बुधः ६।२६
२	शु १३ १७ अ ५४ २७ व्या ४७ १२ ग १३ १७ ३८ ४ ५६	२८	११	१५	मेषे				भ. ४५।३० उ. कन्यायां शुक्रः ४२।३४
३	शु १७ ४३ भ ६० ० ह ४८ २३ वि १७ ४३ ३४ ५ ५५	२९	१२	१६	मेषे				भ. १७।४३ या. चतुर्थी ब्र.
४	श २२ ३४ भ ० १९ व ४९ ३९ ग २२ ३४ ३० ६ ५४	३०	१३	१७	वृ. १६।५७				
५	र २७ ३४ कृ ६ ५० सि ५१ १ ते २७ ३४ २६ ७ ५३	१	१४	१८	वृषे				अक्टूबर मा. १० ता. ३१
६	चं ३२ २९ रा १३ १४ व्य ५२ १६ ग ० २ २२ ८ ५२	२	१५	१९	मि४६।८				भ. ३२।२९ उ. उफायां बुधः ३४।१२
७	मं ३६ ५१ मृ १९ २ व ५२ ५४ वि ४ ४० १८ ८ ५२	३	१६	२०	मिथुने				भ. ४।४० या.
८	बु ४० १६ आ २४ २२ प ५२ ४५ ग ८ ३३ १४ ९ ५१	४	१७	२१	मिथुने				कन्यायां बुधः५२।१६उदयं शनेः१७।४४
९	गु ४२ ३५ पु २८ २४ शि ५१ ४३ ते ११ २५ १० १० ५०	५	१८	२२	क. १२।२३				
१०	शु ४३ ४९ पु ३१ २७ सि ४९ ३९ व १३ १२ ६ ११ ४९	६	१९	२३	कर्के				भ.१३।१२उ.४३।४९या. हस्तेशुक्रः ४४५
११	श ४३ ४१ श्ले ३२ ४१ सा ४६ ५१ व १३ ४५ २ १२ ४८	७	२०	२४	सिं ३२।४१				इंदिरा ११ ब्र.
१२	र ४२ ८ म ३३ २६ शु ४१ ५५ कौ १२ ५४ ५८ १२ ४८	८	२१	२५	सिंहे				
१३	चं ३९ ३९ पू ३२ ३९ शु ३८ ० ग १० ४८ ५४ १३ ४७	९	२२	२६	क. ४७।१२				भ. ३९।२९उ.ज्येष्ठायांभौमः३४।५६प्रदोषः
१४	मं ३५ ४२ उ ३० ५१ व्य ३२ १४ वि ७ ४० ५० १४ ४६	१०	२३	२७	कन्या				भ. ७।४० या. चित्रायांरविः ४६।२२
३०	बु ३१ २९ ह २८ १२ ऐं २५ ४५ च ३ ३९ ४६ १५ ४५	११	२४	२८	तु. ५७।००				हस्ते बुधः ४३।२१ सर्वपितृ ३०

२५ पं.आ.कृ.२बृ.इ.३६।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	१०	४	५	११	५
११	८	२५	५	२०	१	४	११
१९	५४	१७	३४	५३	१२	३६	४६
५१	७	२८	३७	२	५०	२२	५५
५९	४२	३८	५५	७४	७	३	५८
०	१३	मा	ब	२६	१४	११	५३

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

२६ पं.आ.कृ९बृ.इ३६।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	१०	५	५	११	५
१८	१३	१	५	८	२	४	१८
१३	४९	४	४	३६	४	१४	४०
४०	५९	३०	३४	१८	१६	१८	१२
५९	४२	८६	५५	७४	७	३	५९
१६	३८	५५	ब	२६	८	११	९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विनशुक्लपक्षः सं० २००७शाकः १८७२	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६६६मन्१६५०
१	भृ २६ १६ चि २५ ४६ वे १८ ४६ ब २६ १६	४२	१६	४४	१२	२५	२६	तुलायां	मातामहश्राद्ध नवरात्रारंभ. घटस्था
२	शु २० ४३ स्वा २१ ८ वि ११ २२ कौ २० ४३	३८	१६	४४	१३	२६	३०	तुलायां	चंद्रद. पूर्वास्तोबुधः १६।३७
३	श १५ ५१ वि १७ ५ पी ४३ ५२ ग १४ ५१	३४	१७	४३	१४	२७	१	बृ.३।६	भ.४१।५१उ.मोहोरम१सन्१३७०
४	र ८ ५२ अ १३ ३ सौ ४८ ३३ वि ८ ५२	३०	१८	४२	१५	२८	२	बृश्चिके	भ.८।५२या. [+शुक्रः १८।५३
५	चं २ ५४ ज्ये ८ ५६ शो ४० ३८ वा २ ५४	२६	१६	४१	१६	२६	३	ध.८।५६	उफायां३शनिः२।१४[*पापांकुशा११ब्र.
६	चं ५४ १३ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [− उफायां२केतुः ४०।५०
७	मं ५२ ६ मू ५ १४ अ ३३ २५ ग २४ ३८	२२	२०	४०	१७	३०	४	धनुषि	भ.५२।६उ.तुलायामर्कः२६।६चित्रायां+
८	बु ४७ ४२ पू १ ५७ सु २६ ३६ वि १६ ५५	१८	२०	४०	१८	१	५	म.१६।२२	भ. १६।५५ या. सरस्वती पू.
९	गु ४३ ५६ अ ५७ ३६ धृ २० ३५ वा १५ ५०	१४	२१	३६	१९	२	६	मकरे	चित्रायां बुधः २६।४१ सरस्वती वि.
१०	शु ४१ ३८ ध ५७ ७ शू १५ १२ वै १२ ४८	१०	२२	३८	२०	३	७	कु.२७।२३	बौद्धजयन्ती विजया १०
११	श ४० १४ श ५७ २६ गं १० ४५ व १० ५६	६	२३	३७	२१	४	८	कुम्भे	भ.$\frac{१}{६}$उ.$\frac{४०}{१४}$या.पूर्वास्तो भृगु४६।१२*
१२	र ४० १४ पू ५६ १३ बृ ७ १६ ब १० १४	३	२४	३६	२२	५	९	मी४३।४९	तुलायांशुक्रः$\frac{४०}{५३}$भायां ४ राहुः −
१३	चं ४१ २६ उ ६० ० धु ४ ५२ कौ ११ ५	५७	२४	३६	२३	६	१०	मीने	तुलायां बुधः २६।२० प्रदोषः ताजिया
१४	मं ४३ ४७ उ २ २४ व्या ३ १३ ग १२ ५१	५४	२५	३५	२४	७	११	मीने	भ. ४३।४७उ.स्वात्यां रविः १०।६
१५	बु ४७ २२ रे ६ ४१ ह २ ३५ वि १५ ३४	५०	२६	३४	२५	८	१२	मे.६।४१	भ.$\frac{१५}{३}$या. मार्गशिरुः$\frac{२४}{४६}$कोजाग्रति ब्रा

२७पं. आ.शु.१बृ.इ.३६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	१०	५	५	११	५
२५	१८	११	४	१७	२	३	२५
९	५०	२६	४३	२०	५४	५२	३५
२२	२४	०	३४	१३	४७	३	७
५९	४३	०$^{२}_{१७}$	४०	७४	६	३	५९
३१	४	ब	३२	५६	११	२१	

गोचरग्रहाः

आश्विनशुक्ला७भौमे
तुलायामर्कः प्र.वा.३
न. ४ प्रगल्भावस्था
(बैठी) मुहूर्ताः ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

२८पं.आ.शु.९बृ.इ३६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	३	१०	५	५	११	६
२	२३	२३	४	२६	३	३	२
६	५५	३२	३१	१०	४३	२९	३१
५१	४१	२०	४८	५२	४८	४७	३५
५९	४३	०$^{२}_{१७}$	१५	७४	६	३	५९
४६	३५	३४	ब	३२	४०	११	३४

ति.	कार्तिककृष्ण पक्षः सं० २००७ शाकः १८७२	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽाश्विनकृष्णेतिमहाराष्ट्रः.
१	गु ५१ ५१ अ ११ ५६ व २ ५६ बा १६ ३६	४७	२७	३३	२६	६	१३	मेषे	
२	शु ५६ ४७ भ १७ ५३ सि ३ ४३ तै २४ १६	४२	२८	३२	२७	१०	१४	वृ.३४।२८	स्वात्यांबुधः $\frac{१६}{५६}$ धनुषि भौमः ५३।४७
३	श ६० ० कृ २४ १५ व्य ४ ५६ व २६ २१	३८	२८	३२	२८	११	१५	वृषे	भ. २६।२१ उ. स्वात्यां शुक्रः ३।४२
३	र १ ५६ रा ३० ३६ व ६ २० वि १ ५६	३४	२६	३१	२६	१२	१६	बृषे	भ. १।५६ या. करक ४
४	चं ६ ५७ मृ ३६ २६ प ७ ३० वा ६ ५७	३१	३०	३०	३०	१३	१७	मि३।३७	
५	मं ११ १६ आ ४२ २ शि ८ १० तै ११ १६	२७	३१	२६	३१	१४	१८	मिथुने	
६	बु १४ ४६ पु ४६ २३ सि ८ १५ व १४ ४६	२४	३१	२६	१	१५	१६	क.३०।१७	भ.$\frac{१४}{८}$उ.$\frac{४५}{५६}$या.नवम्बर मा.११ता.३०
७	गु १७ ११ पु ४६ ३३ सा ७ ३३ व १७ ११	२०	३२	२८	२	१६	२०	कर्के	होई ८
८	शु १८ २२ श्ले ५१ २६ शु ५ ४६ कौ १८ २२	१७	३३	२७	३	१७	२१	सिं५१।२६	
९	श १८ १३ म ५२ १६ शु ७ $\frac{५६}{१६}$ ग १८ १३	१३	३३	२७	४	१८	२२	सिंहे	भ.४७।२६उ.विशाखायां बुधः १६।५५
१०	र १६ ४५ पू ५१ ४८ ऐं ५४ ४० वि १६ ४५	१०	३४	२६	५	१९	२३	सिंहे	भ. १६।४५ या.
११	चं १४ ७ उ ५० ६ वै ४६ ७ वा १४ ७	६	३५	२५	६	२०	२४	कं.६।२२	विशाखायां रविः$\frac{२७}{३१}$रमा११ब्र.गोवत्सपू.
१२	गं १० ३४ ह ४७ ४४ वि ४२ ४८ तै १० ३४	३	३५	२५	७	२१	२५	कन्या	विशाखायां शुक्रः३८।१३प्रदोषःधन१३*
१३	बु ६ ६ चि ४४ ४४ प्री ३५ ५३ व ६ ६	५६	३६	२४	८	२२	२६	तु. १६।१४	भ.६।६उ.३३।३१ या.नरक१४रूप१४
१४	गु ० ५६ स्वा ४० ५१ आ २८ २७ शि ० ५६	५६	३७	२३	९	२३	२७	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम् [* यमदीपदानं
३०	गु ५४ ३२ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः

२९पं.का.कृ.१बृ. इ.३६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	१०	६	५	११	६
९	२	५	४	४	४	३	९
६	३२	३०	५१	३१	७	२९	
१४	७	४	११	२२	१	३२	५४
६०	४४	०$^{२}_{१६}$	७४	६	३	५९	
२	१	२८	३२	२६	११	४७	

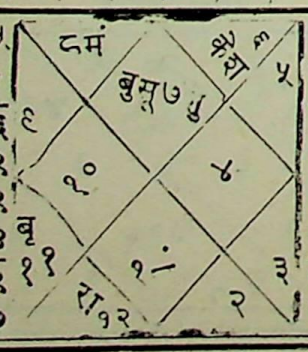

३०पं.का.कृ.७बृ.इ.३६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	१०	६	५	११	६
१६	४	१७	४	१३	५	२	१६
७	१४	४	३८	३८	१६	४३	२९
१७	२८	३४	३५	१०	१	१६	४०
६०	४४	०$^{२}_{१७}$	१७	४	६	३	६०
१८	२०	२७	२०	३८	१३	११	४

३१पं.का.कृ.१४गु.इ३५।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	१०	६	५	११	६
२३	९	२८	४	२२	५	२	२३
९	२९	२१	५६	२५	५८	२३	३१
५६	३५	४७	३५	३७	२६	१	२
६०	४४	९९	२	७४	५	३	६०
३०	३९	१४	४५	२८	५०	११	१७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*६ के श शु बु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिकशुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शरद्ऋतुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५६६८स. १६५०
१	शु ४६ ४१ वि ३६ ५० सौ २० ४६ कं २२ ३४	२६ ५२	६ ३८	५ २२	१०	२४	२८	बृ. २२।५१	वृश्चिके बुधः ३५/५५ अन्नकूटंव्यापारेसं. २००७
२	श ४३ ४८ अ ३२ ४८ शो १३ ६ वा १६ ४४	४६	३८	२२	११	२५	२६	वृश्चिके	चन्द्र द.
३	र ३७ ५७ ज्ये २८ ३८ अ २२ ५२/१७ तै १० ५२	४६	३६	२१	१२	२६	१	ध. २८।३८	सफर २ मैत्रे बुधः ३६।११
४	चं ३२ २४ मू २४ ४३ ध २० ७ व ५ १०	४३	३६	२१	१३	२७	२	धनुषि	भ. ५।१० उ. ३२।२४ या.
५	मं २७ २७ पू २१ २७ शू ४३ १ वा २७ २७	४०	४०	२०	१४	२८	३	म. ३५।४६	पूषायां भौमः ३७।०
६	बु २३ ४ उ १८ ४२ गं ३६ ३६ तै २३ ४	३७	४१	१६	१५	२६	४	मकरे	वृश्चिके शुक्रः ३५।१३
७	गु १६ ४० श्र १६ ४८ वृ ३१ ५ व १६ ४०	३४	४१	१६	१६	३०	५	कु. ४६।२४	भ. १६/४० उ. ४५/२७ या. वृश्चिकेऽर्कः २१।४६ *]
८	शु १७ १५ ध १६ १ ध्रु २६ १६ ब १७ १५	३१	४२	१८	१७	१	६	कुम्भे	गोपाष्टमी [*उफागां ४ शनिः ५६।३०
९	श १६ ० श १६ १४ व्या २२ २२ कौ १६ ०	२८	४२	१८	१८	२	७	कुम्भे	मैत्रे शुक्रः १६।० अक्षयाः कुष्मांड ९
१०	र १६ ६ पू १७ १६ ह १६ २८ ग १६ ६	२६	४३	१७	१६	३	८	मी २।२३	भ. ४६।५१ उ. अनुराधायां रविः ३६।३७
११	चं १७ ३४ उ २० २६ व १७ ३४ वि १७ ३४	२३	४३	१७	२०	४	९	मीने	भ. १७।३४ या. प्रबोधिनी ११ ब्र. पंचभीष्म
१२	मं २० ५ रे २४ २७ सि १६ २७ वा २० ५	२१	४४	१६	२१	५	१०	मे. २४।२७	ज्येष्ठायां बुधः २६।२५ प्रदोषः
१३	बु २३ ५४ अ २६ ३३ व्य १६ ३६ तै २३ ५४	१८	४४	१६	२२	६	११	मेषे	वैकुण्ठः १४
१४	गु २८ २८ भ ३५ २७ व १७ ५६ व २८ २८	१६	४५	१५	२३	७	१२	वृ. ५२।१	भ. २८।२८ उ. पश्चिमोदयी बुधः ५७।६
१५	श ३३ ३१ सु ४१ ४२ प १८ २१ वि १ ०	१३	४५	१५	२४	८	१३	बृषे	भ. १।० या. पुष्कर यात्रा का स्ना. पू.

३२पं. का.शु.७वृ.इ.३५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	१०	७	५	११	७
०	१४	९	५	१	६	२	०
१४	४८	१९	२४	१५	३७	०	३३
०	२५	१९	११	११	५२	४६	४७
६०	४४	९८	४	७४	५	३	५०
४०	५६	१	१	३८	२२	११	३७

गोचरग्रहाः

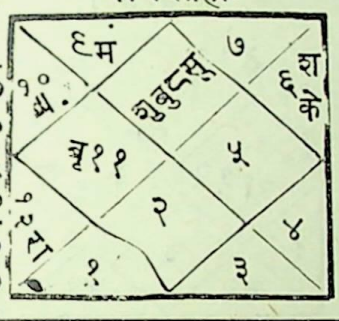

कार्तिक शुक्ला७गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धन्या भाव सम) शुक्रास्तः पूर्व स्याम्।

गोचरग्रहाः

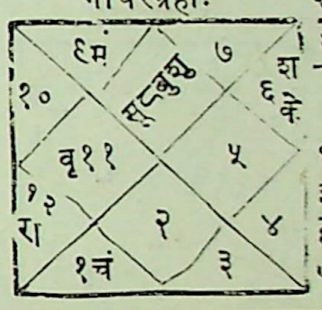

३३ पंका.शु.१४बृ.इ.३५।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	१०	७	५	११	७
७	२०	२०	६	१०	७	१	७
१९	७	५	०	१	१३	३८	३७
३४	४८	२	४०	३४	३४	३०	४४
६०	४५	९७	५	७४	४	३	६०
५३	१	३७	११	३८	५३	११	४२

ति.	मार्गशीर्षकृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविदक्षिणेकार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्र
१	श ३८ ४० रो ४८ १ शि १६ ३२ वा ६ ५	२६ १०	४६	५४	२५	९	१४	बृषे	
२	र ४३ ४० मृ ५४ १५ सि २० ४३ तै ११ १०	८	४६	१४	२६	१०	१५	मि २१।८	
३	चं ४८ १४ आ ५६ ५० सा २१ ४४ व १५ ५७	५	४७	१३	२७	११	१६	मिथुने	भ. १५।५७ उ. ४८।१४ या.
४	मं ५१ ३५ पु ६० ० शु २१ ४६ ब १६ ५४	३	४७	१३	२८	१२	१७	क. ४८।१४	ज्येष्ठायां शुक्रः ५०।२१ चतुर्थी ब्र.
५	बु ५३ ५७ पु ४ २१ शु २१ २४ कौ २२ ४६	०	४८	१२	२९	१३	१८	कर्के	शते १ गुरुः ४२।३६
६	बृ ५५ ६ पु ७ ५३ ब्र १९ ५१ ग २४ ५१	२५/५८	४८	१२	३०	१४	१९	कर्के	भ. ५५।६ उ. धनुषि बुधः १४।४१
७	शु ५४ ५७ श्ले १० १७ ए. १७ २७ वि २५ २	५६	४९	११	१	१५	२०	सि १०।१७	भ. २५।२ या. दिसम्बर मा.१२ता.३१
८	श ५३ २७ म ११ ७ वै १३ ५८ वा २४ १२	५४	४९	११	२	१६	२१	सिंहे	ज्येष्ठायां रविः ४६।३६ उषायां [*
९	र ५० ४८ पू १० ५६ वि ९ ३१ तै २२ ७	५२	५०	१०	३	१७	२२	क. २५।३५	[* भौमः ६।४७
१०	चं ४७ १९ उ ९ ३४ पी १२/४४ ए. ५३/९ व १९ ३	५०	५०	१०	४	१८	२३	कन्या	भ. १९।३ उ. ४७।१९ या.
११	मं ४२ ५० ह ७ १७ सौ ५१ २१ ब १५ ४	४९	५०	१०	५	१९	२४	तु. ३५।४४	उत्पत्ति ११ ब्र. रमा. वै.
१२	बु ३७ ४२ चि ४ ११ शो ४४ ९ कौ १० १६	४६	५१	९	६	२०	२५	तुला	मकरे भौमः २१/३३ उत्पत्ति ११, ब्र. नि.
१३	गु ३२ ४१ स्वा ४० ५६/३ अ ३६ ३५ ग ४ ५८	४६	५१	९	७	२१	२६	बृ. ४२।४६	भ. ३२।१४ उ. ५९।२२ या. प्रदोषः
१४	शु २६ ३१ अ ५२ ४२ सु २८ ४५ श २६ ३१	४४	५१	९	८	२२	२७	बृश्चिके	
३०	श २० ३१ ज्ये ४८ ३३ धृ २० ५८ ना २० ३७	४३	५१	९	९	२३	२८	ध. ४८।३३	पुषायां बुधः १९।५३ धनुषि शुक्रः २९।७

३४पं.मा.कृ.६बृ.इ.३५।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	१०	७	५	११	७
१४	२५	०	६	१८	७	१	१४
२६	३०	३३	४५	५०	४५	१६	४३
२०	५४	१८	३६	१७	५०	१५	४
६१	४५	९७	६	७४	४	३	६०
३१	१७	१४	२३	३२	२३	११	५०

गोचरग्राह

गोचरग्रहाः

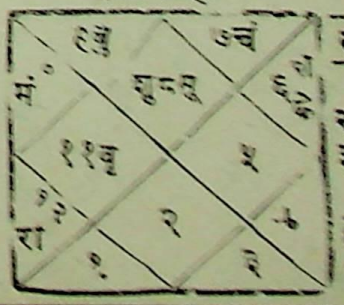

३५पं.मा.कृ.१३बृ.इ.३५।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	१०	७	५	११	७
२१	०	१०	७	२७	८	०	२१
२४	५५	२४	३८	३८	१३	५३	४९
७	३७	१६	२८	१७	५२	५९	२०
६१	४५	९४	७	७४	३	३	६०
११	३७	५०	२२	३२	४३	११	५६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त.	मार्गशीर्षशुक्लपक्षः सं० २००७ शाकः १८७२	दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५७२८स १९५०
१	र १४ ४९ मू ४४ ३९ शू १३ १४ ब १४ ४९	२५/४३	६/५२	५/८	१०	२४	२९	धनुषि	पश्चिमोदयम् शुक्रः १९।४८ प.उ.शु.
२	चं ९ २० पू ४१ १६ गं ५/३६ ५२/४८ को ९ २०	४१	५२	८	११	२५	३०	म.५५।३१	चंद्रद.
३	मं ४ २६ उ ३८ १६ धु ५१ ४६ ग ४ २६	४०	५२	८	१२	२६	१	मकरे	भ. ३२।२२ उ. रविलावल ३
४	बु ० १९ श्र ३६ १७ ष्या ४५ ४७ वि ० १९	३९	५२	८	१३	२७	२	मकरे	भ. ०।१९ या.
५	बु ५६ ४१ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
६	गु ५४ ४८ ध ३५ २६ ह ४० ४० को २५ ५४	३८	५२	८	१४	२८	३	कु.५।५१	चंपा ६
७	शु ५३ ३९ श ३५ ९ व ३६ २९ ग २४ १३	३८	५२	८	१५	२९	४	कुम्भे	भ. ५३।३९ उ. धनुष्यर्कः ५०।२१
८	श ५३ ५५ पू ३६ २० सि ३३ १४ वि २३ ४७	३७	५३	७	१६	१	५	मी २१।२	भ. २३।४७ या.
९	र ५५ २७ उ ३८ ४५ व्य ३० ५४ बा २४ ४१	३७	५३	७	१७	२	६	मीने	कल्पादिः [× ११ ब्र. स्मा
१०	चं ५८ ५ रे ४२ ३३ व २९ ३४ तै २६ ४६	३७	५३	७	१८	३	७	मे. ४२।३३	[*११ ब्र. वै. नि.
११	मं ६० ० अ ४७ २१ प २९ १८ व ३० ५	३६	५३	७	१९	४	८	मेषे	भ.३०।५उ.श्रवणे भौमः ९।१मोक्षदा×
१२	बु २ ४ भ ५३ ६ शि २९ ३९ वि २ ४	३६	५३	७	२०	५	९	मेषे	भ.२।४या.पूषायां शुक्रः २।१२मोक्षदा*
१३	गु ६ ४४ कृ ५९ २१ सि ३० ३६ बा ६ ४४	३६	५३	७	२१	६	१०	बृ.९।४०	प्रदोषःपातस्पर्शः २/१ ३/५ पातमोक्षः ४०।५२
१३	शु ११ ५० रो ६० ० सा ३१ ५१ तै ११ ५०	३६	५३	७	२२	७	११	बृषे	उत्तरायणप्रवृत्तिः २०।५४
१४	श १७ ६ रो ५ ४४ शु ३२ ५३ व १७ ६	३६	५३	७	२३	८	१२	मि ३८।५१	भ.१७।६उ.४९।३८या.शते २गुरुः ९।६
१५	र २२ १० मृ ११ ५९ शु ३४ ४ ब २२ १०	३६	५३	७	२४	९	१३	मिथुने	वक्रीबुधः ४।३० कुंभेराहुःसिंहेकेतुः ३३।२६

३६पं.मा.शु.६बृ.इ.३४।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	१०	८	५	११	७
२८	६	१९	८	६	८	०	२८
४२	२२	२३	३८	२६	३७	३१	५६
५०	३७	४९	२८	४२	१६	४४	५
६१	४५	८२	८	७४	३	३	६१
१९	४३	५	३०	३२	६	११	०

गोचरग्रहाः

मार्गशीर्ष शुक्ला ७ शुक्रे धनुष्यर्कः प्र. वा. २ न. ३ बालावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ३० (धान्य भावसमं) शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

३७पं.मा.शु.१२बृ.इ.३४।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१०	८	५	११	८
५	११	२४	९	१५	८	०	६
५२	५१	४३	४५	१४	५५	९	३
१६	७	२६	११	३१	४९	२९	६
६१	४५	३६	९	७४	०	३	३१
२२	४६	५५	२१	२६	२०	११	६५

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं० २००७ शाकः १८७२	दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरेमार्गकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	चं २६ ३६ आ १८ ५ व्र ३४ २० कौ २६ ३६	२५/३७	६/५३	५/७	२५	१०	१४	मिथुने	
२	मं २९ ५७ पु २२ ३५ ऐं ३३ ४० ग २९ ५७	३७	५३	७	२६	११	१५	क.६।२८	पश्चिमास्तो बुधः ४९।२९
३	बु ३२ १८ पु २६ २८ वै ३२ ५४ व १ ८	३८	५२	७	२८	१२	१६	कर्के	भ. १।८ उ. ३२।१८ या.
४	गु ३३ २२ श्ले २८ २६ वि ३० ४४ ब २ ५०	३८	५२	८	२८	१३	१७	सिं २८।२६	पूषायां रविः ५१।५८ चतुर्थी ब्र.
५	शु ३३ ७ म ३० १२ प्री २७ ४१ कौ ३ १४	३९	५२	८	२९	१४	१८	सिंहे	
६	श ३१ ३५ पू ३१ २३ आ २३ ३९ ग २ २१	३९	५२	८	३०	१५	१९	कं.४५।५१	भ. ३१।३५ उ. उषायां शुक्रः ४१।२९
७	र २८ ५२ उ २९ १६ सौ १८ ३५ वि ० १४	४०	५२	८	३१	१६	२०	कन्या	भ. ०।१४ या.
८	चं २५ १७ ह २७ २१ शो १२ ४१ कौ २५ १७	४१	५२	८	१	१७	२१	तु. ५५।५३	जनवरी मा १ ता० ३१ सन् १९५१
९	मं २० ४४ चि २४ २५ अ १/१ ६/३ ५३/५६ ग २० ४९	४२	५२	८	२	१८	२२	तुलायां	भ. ४८।१३ उ. मकरेशुक्रः १७।२४
१०	बु १५ ३८ स्वा २० ५० धृ ५१ ३७ वि १५ ३८	४३	५१	९	३	१९	२३	तुलायाँ	भ १५।३८ या. पातस्पर्शः ५७।४७
११	गु १० ४ वि १७ १० शू ४३ ५१ बा १० ४	४४	५१	९	४	२०	२४	बृ. ३।७	वक्री भूले बुधः ५५।५० सफला ११*
१२	शु ४ २३ अ १३ ४ गं ३६ १ तै ४ २३	४५	५१	९	५	२१	२५	बृश्चिके	भ.५८।३१उ.धनिष्ठायांभौमः १/३ ४/२ प्रदोषः
१३	शु ५४ ८ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [* ब्र. पातमोक्षः १२।३९
१४	श ५२ ५१ ज्ये ८ ५३ वृ २८ १६ वि २५ ४१	४७	५१	९	६	२२	२६	ध.८।५३	भ. २५।४१ या.
२०	र ४७ १७ मू ४ ५९ धु २० ३१ च १९ ५४	४८	५०	१०	७	२३	२७	धनुषि	पूर्वोदयी बुधः २५।१४

३८पं..पौ.कृ.४गु.इ.३४।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१०	८	५	१०	८
१३	१७	२२	१०	२४	९	२९	१३
२	१९	१५	५७	२	१०	४७	११
९	५९	५०	५८	५१	५९	१३	३१
११	४५	६६/३४	१०	७४	१	३	६१
२६	५०	ब	४	२६	३८	११	६

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

३९पं.पौ कृ.११गु.इ.३४।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१०	९	५	१०	८
२०	२२	१३	१२	२	९	२९	२०
१२	४८	४८	१६	५०	१८	२४	१९
७	४७	०	५	२	११	५८	४०
६१	४५	७८/३२	१०	७४	०	३	६१
२६	५५	ब	५१	२६	५७	११	६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौषः शुक्ल पक्षः सं २००७ शाकः १८७२	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५७५७स. १६५१
१	चं ४२ ४३ पू २२ ५७	व्या १३ १३	कं १५ ०	२५ ५०	५ १०	८	२४	२८	म. १५।३६
२	मं ३८ ३३ श्र ५६ १८	ह ७ २७	बा १० ३८	५२ ५०	१०	६	२५	२६	मकरे चन्द्रदर्शनम् शते ३ गुरुः ५४।२५
३	बु ३५ २७ ध ५४ ४२	व ० ५४ १४	तै ७ ०	५४	४६ ११	१०	२६	१	कु. २५।३० उषायां रविः ५३।२६ मार्गीबुधः ४७।१६*
४	गु ३१ १७ श ५४ ३३	बा ५० २४	व ४ २२	५६	४६ ११	११	२७	२	कुम्भे भ. ४।२२ उ. ३३।१७ या.
५	शु ३२ २० पू ५५ २७	व ४६ १	ब २ ४८	५८	४८ १२	१२	२८	३	मी. ४०।१६ वक्री शनिः ४०।४४
६	श ३१ ५१ उ ५७ ३८	प ४४ ११	कौ २ ५	२६	४८ १२	१३	२६	४	मीने कुम्भे भौमः ४५।२६
७	र ३४ २२ रे ६० ०	शि ४२ ३७	ग ३ ६	३	४७ १३	१४	३०	५	मीने भ. ३४।२२ उ. मकरेऽर्कः ८।५३
८	चं ३७ १७ रे १ १२	सि ४१ ५६	वि ५ ४६	६	४७ १३	१५	१	६	मे. १।१२ भ. ५।४६ या.
९	मं ४१ ११ अ ५ ४०	सा ४२ १	बा ६ १४	८	४६ १४	१६	२	७	मेषे पातस्पर्श ५०।४०
१०	बु ४५ ५६ भ ११ १४	शु ४२ ४७	तै १३ ३५	१०	४६ १४	१७	३	८	वृ. २७।४७ पातमोक्षः ५।५२
११	गु ५१ ७ कृ १७ २६	शु ४३ ५८	व १८ ३३	१२	४६ १४	१८	४	९	वृषे भ. १८।३३ उ. ५१।७ या. पुत्रदा ११ ब्र.
१२	शु ५६ २३ रो २३ ४७	ब ४५ १७	ब २३ ४५	१५	४५ १५	१९	५	१०	मि. ५७।० [* श्रवणेशुक्रः १९।९ रविलाखर ४
१३	श ६० ० मृ ३० १४	ऐं ४६ १९	कौ २८ ५१	१७	४५ १५	२०	६	११	मिथुने अभि. प्र. रविः ४०।१० धनिष्ठायांशुक्रः+
१३	र १ १९ आ ३६ ४१	वै ४६ ५५	तै १ १९	२०	४४ १६	२१	७	१२	मिथुने पूषायांबुधः १०।२८ [+५७।५९प्रदोष.
१४	चं ५ ४१ पु ४१ ९	वि ४६ ५६	व ५ ४१	२२	४४ १६	२२	८	१३	क. २५।२ भ. ५।४१ उ. ३७।२४ या. शतेभौमः ४।४६
१५	मं ९ ७ पु ४५ १२	प्री ४६ ५	ब ९ ७	२५	४३ १७	२३	९	१४	कर्के श्रवणे रविः ५६।१०

४० पं.पौ.शु.४बृ. इ.३४।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१०	९	५	१०	८
२७	२८	८	१३	११	९	२९	२७
२१	१९	४१	३९	३६	२१	२	२७
५७	४४	४२	०	५८	११	४३	४४
६१	४५	५६	११	७४	०	३	६१
२४	५५	मा	२४	२०	६	११	६

गोचरग्रहाः

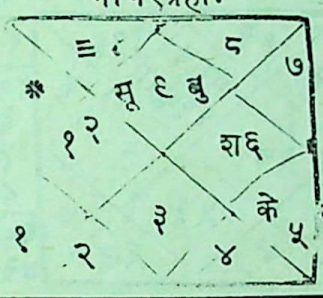

पौष शुक्ला ७ रवौ मकरेऽर्कः प्र.वा.३न.३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ३० (धान्य भा. सम) शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

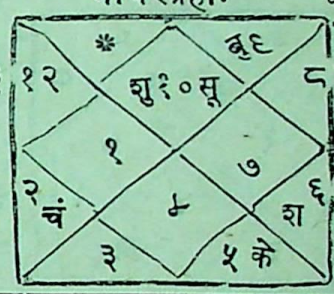

४१ पं.पौ.शु.११बृ.इ.३४।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	१०	९	५	१०	९
४	३	१०	१५	२०	९	२८	४
३१	५०	५३	६	२२	१८	४०	३५
२९	२	४६	११	५५	५०	२७	३४
६१	४५	५६	१२	७४	३२	३	६१
१९	४९	१३	३	१८	ब	११	३

ति.	माघ कृष्ण पक्षः सं. २००७ शाकः १८७२	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरऋतूरविरुत्तरेपौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु ११ १७ श्ले ४८ १०	आ ४४ १९	कौ ११ १७	२७ ४३	६ १७	२४	१०	१५	सि ४८।१० अभि. नि. रविः ४८।२६
२	गु १२ १३ म ४९ २५	सौ ४१ ३३	ग १२ १३	२०	४२ १८	२५	११	१६	सिंहे भ. ४२।३ उ. शर्ते ४ गुरुः ५०।२
३	शु ११ ५३ पू ५० ८	शो ३७ ३८	वि ११ ५३	३३	४१ १९	२६	१२	१७	सिंहे भ. ११।५३ या. कुम्भशुक्रः १६।२६ चतुर्थीब्र.
४	श १० १६ उ ४९ १५	अ ३२ २६	बा १० १६	३६	४१ १९	२७	१३	१८	कं. ४।५५
५	र ७ २९ ह ४७ २४	सु २७ ३२	तै ७ २९	३९	४० २०	२८	१४	१९	कन्या
६	चं ३ ४३ चि ४४ ३७	धृ २१ १७	व ३ ४३	४२	४० २०	२९	१५	२०	तु. १६।० भ. ३।४३ उ. ३१।२६ या.
७	चं ५५ २७ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	० ०	०	०	०	० क्षयः
८	मं ५४ ० स्वा ४१ १९	शू १४ २८	बा २६ ३५	४५	३९ २१	३०	१६	२१	तुलायां
९	बु ४८ २५ वि ३७ ४२	गं ५८ ५२ ३६	तै २१ १२	४८	३८ २२	३१	१७	२२	वृ. २३।३७ शते शुक्रः ३५।४०
१०	गु ४२ ३९ अ ३३ ४०	ध्रु ५१ ३७	व १५ ३२	५२	३८ २२	१	१८	२३	वृश्चिके भ. १५/३२ उ. ४३/३९ या. फरवरीमा. २ता० २८
११	शु ३६ ४९ ज्ये २९ ३०	व्या ४३ ५६	ब ९ ४४	५५	३७ २३	२	१९	२४	ध. २९।३० उषायां बुधः १९।१ षट्तिला ११ ब्र.
१२	श ३१ ११ मू २५ ३९	ह ३५ ५८	कौ ४ ०	५९	३६ २४	३	२०	२५	धनुषि प्रदोषः
१३	र २५ ५१ पू २१ ५५	व २८ ३८	व २५ ५१	२७/२	३६ २४	४	२१	२६	म. ३६।८ भ. २५।५१ उ. ५३।२४ या. मकरे बुधः ४४/१२
१४	चं २० ५७ उ १८ ४७	सि २१ ३५	श २० ५७	६	३५ २५	५	२२	२७	मकरे
३०	मं १७ २ श्र १६ २१	व्य १५ १८	ना १७ २	९	३४ २६	६	२३	२८	कु. ४५।२९ धनिष्ठायां रविः २।२

४२ पं मा.कृ.२बृ.इ.३४।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	१०	९	५	१०	९
११	९	१७	१६	२९	९	२८	११
४०	२०	१५	३६	८	११	१८	४२
१७	६	४	४३	६	१३	११	४६
६१	४५	७३	१२	७४	२/१	३	६०
१३	४९	५५	३८	८	ब	११	५९

गोचरग्रहा

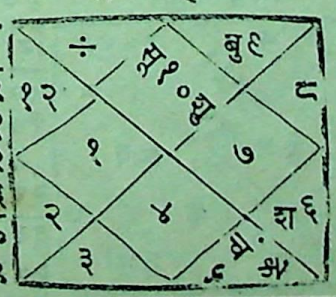

गोचरग्रहा

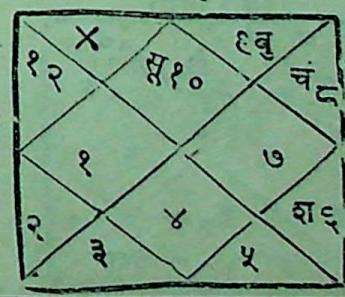

४३ पं.मा.कृ.१०वृ.इ.३४।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	१०	१०	५	१०	९
१८	१४	२५	१८	७	८	२७	१८
४८	४९	३८	१०	५२	५८	५५	४९
१७	२६	४६	२३	४१	४१	५७	१९
६१	४५	८२	१२	७४	२/०	३	
४	४३	३९	५०	२	ब	११	

*११चं.बृ.रा. ÷११राबुमं (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) * ११बु मं रा ×११शुमंबुरा

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं.२००७शाकः १८७२	दि.	उ.	अ	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५७८७स.१९५१

१	बु	१३	५२	ध	१४	३७	व	९	४१	ब	१३	५२	२७ १२	६ ३४	५ २९	७	२४	२९	कुम्भे
२	गु	११	५०	श	१४	१६	प	४	५६	को	११	५०	१६	३३	२७	८	२५	१	मी ५९।४५
३	शु	१०	५०	पू	१४	५४	शि	१ ४	५ ८	ग	१०	५०	१९	३२	२८	९	२६	२	मीने
४	श	११	२०	उ	१६	५२	सा	५६	२१	वि	११	२०	२३	३१	२९	१०	२७	३	मीने
५	र	१३	७	रे	२०	१	शु	५५	२३	त्रा	१३	७	२६	३१	२९	११	२८	४	मे.२०।१
६	चं	१६	५	अ	२४	३६	शु	५५	१८	तै	१६	५	३०	३०	३०	१२	२९	५	मेषे
७	मं	२०	६	भ	२९	४०	व	५६	३	व	२०	६	३४	२९	३१	१३	१	६	वृ. ४६।१०
८	बु	२४	४७	कृ	३५	३९	ऐं	५७	४	ब	२४	४७	३८	२८	३२	१४	२	७	वृषे
९	गु	२९	५५	रो	४२	५	वे	५८	३१	को	२९	५५	४२	२८	३२	१५	३	८	वृषे
१०	शु	३५	१२	मृ	४८	११	वि	५९	२८	तै	२	३३	४६	२७	३३	१६	४	९	मि.१५।८
११	श	३९	५९	आ	५४	३६	री	६०	०	व	७	३६	५०	२६	३४	१७	५	१०	मिथुने
१२	र	४४	१८	पु	६०	०	प्री	०	२५	त्रा	१२	८	५४	२५	३५	१८	६	११	क.४३।४०
१३	चं	४७	३२	पु	०	१	आ	०	४८	को	१५	५५	५८	२४	३६	१९	७	१२	कर्के
१४	मं	४९	३९	पु	४	१४	सौ	२९ ०	५८ २०	ग	१८	३६	२	२४	३६	२०	८	१३	कर्के
१५	बु	५०	२९	श्ले	७	२०	अ	५६	१९	वि	१९	५९	६	२३	३७	२१	९	१४	सिं ७।२०

चंद्रदर्शनम्
ज़मादिलावल ५ पूभायां भौमः १०।८
भ ४१।५उ. पूभायां १ गुरुः ३/३ ५/४ तिल४
भ. ११।२० या.
श्रक्णे बुधः ३/१ ९/५ पूभायांशुक्रः २/२ ९/६ वसंत५*
कुम्भेऽर्कः ३/५ ५/८
भ. २०।६ उ. ५२।३१ या रथ ७
भीष्माष्टमी.
[*पातस्पर्शः ४/७ १ पातमोक्षः ५२।३७
भ. ७।३६ उ.३९।५९ या. जयां ११ब्र
भीष्म १२
शतेरविः १/१ १/९ मीने शुक्रः२१।४२प्रदोष
भ. ४/३ ९/९ उ. धनिष्ठायां बुधः २८।१मीने×
भ. १९।५९ या [× भौमः ५७।५५

४४पं.भा.शु.२वृ.इ.२४।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१०	१०	५	१०	९
२५	२०	५	१९	१६	८	२७	२५
५५	१८	२९	४६	३५	४१	३३	५५
५	४०	१७	३७	४९	१०	४१	२०
६०	४५	८८	१३	७३	४२ ५१	३	६०
५५	३१	२	१२	५६	ब	११	४७

गोचरग्रहाः

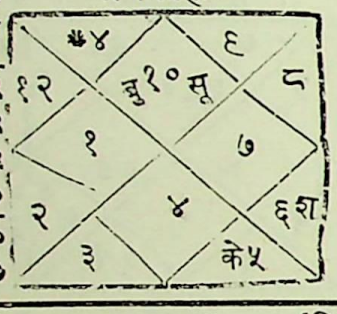

माघ शुक्ला ६ चंद्रे कुम्भेऽर्कः प्र वा २ न. ३ प्रौढ़ावस्था (बैठी)मु.१५(धान्य भावतेज) शुक्रोदय पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

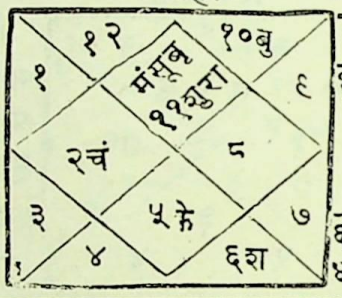

४५पं.मा.शु.९वृ.इ.२४।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	१०	१०	५	१०	१०
३	२५	१५	२१	२५	८	२७	३
१	४७	३७	२४	१७	१९	११	०
८	१०	१९	५४	५३	२६	२६	५
६०	४५	९२	१३	७३	२ २३	३	६०
४२	२८	४०	२०	५०	ब	११	३७

त.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं.२००७ शाक १८७२	दि	उ.	अ.	इ	हि	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेमाघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	गु	५०	२	म	९	१७	सु	५२	५५	त्रा	२०	१६	९ ८ १०	६ २२	५ ३८	२२	१०	१५	सिंहे
२	शु	४८	१६	पू	१०	४	धृ	४८	३२	तै	१९	९	१४	२१	३९	२३	११	१६	क. २४।५५
३	श	४५	२०	उ	९	२८	शू	४३	१६	व	१६	४८	१८	२०	४०	२४	१२	१७	कन्या
४	र	४१	३३	ह	७	५०	गं	३७	१५	ब	१३	२६	२२	२०	४०	२५	१३	१८	तु. ३६।३३
५	चं	३६	५१	चि	५	१६	वृ	३१	४२	को	९	१२	२६	१९	४१	२६	१४	१९	तुलायां
६	मं	३१	३६	स्वा	२ १३	५७ ४१	शु	२३	३३	ग	४	१३	३०	१८	४२	२७	१५	२०	वृ. ४४।२६
७	बु	२५	५६	अ	५४	३१	ज्या	१६	५	ब	२५	५६	३४	१७	४३	२८	१६	२१	बृश्चिके
८	गु	२०	८	ज्ये	५०	२०	ह	८	५६	को	२०	८	३८	१६	४४	१	१७	२२	ध. ५०।२०
९	शु	१४	२६	मू	४६	२३	व	४०	५२ १९	ग	१४	२६	४२	११	४४	२	१८	२३	धनुषि
१०	श	८	३२	पू	४२	४१	व्य	४५	२९	वि	८	३२	४६	१५	४५	३	१९	२४	म.५६।५१
११	र	३	१६	उ	३९	२१	व	३८	७	बा	३	१६	५०	१४	४६	४	१०	२५	मकरे
१२	र	५५	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२०
१३	चं	५४	२४	अ	३६	५०	प	३१	५७	ग	२६	२३	५४	१३	४७	५	२१	२६	मकरे
१४	मं	५१	१७	ध	३४	२४	शि	२६	७	वि	२२	५०	५८	१२	४८	६	२२	२७	कु. ५।३७
१५	बु	४९	११	श	३४	६	सि	२१	२८	च	२०	१४	२ ३	१२	४८	७	२३	२८	कुम्भे

उभायां शुक्रः ४।२१ पूर्वास्तोबुधः ५/४ ७/८
पूभायां २ गुरुः ४२।५४
भ. १/४ ६/८ उ. ४/२० ५/० या.कुम्भे बुधः २१।३०
उभायां भौमः३५।१ पूभायां २राहुः*
[*पूफायां४केतुः २८।१८चतुर्थी ब्र.
भ. ३१।३६उ. ५/४ ८/६ या. अस्तं गुरोः५४।३६
शते बुधः २०।२४ अ.गु.
मार्च मा. ३ ता.३१
भ. ४१।२९ उ.
भ. ८।३२ या.
पूभायां रविः २६।७ रेवत्यां शुक्रः≡
क्षयः [≡ ५३।३७ विजया ११ब्र.
भ. ५४।२४ उ. प्रदोषः
भ. २२।५० या. महाशिवरात्री ब्र.
पूभायां बुधः ४६।४८

४६ पं.फा.कृ.१बृ.इ.३५।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	१०	११	५	१०	१०
१०	१	२६	२३	३	७	२६	१०
५	१३	४८	४	५७	५३	४९	३
३९	४४	५८	४४	५८	५६	११	३५
६०	४५	९८	१३	७३	५२ ५३	३	६०
३१	२८	३४	३२	४७	ब	११	२५

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

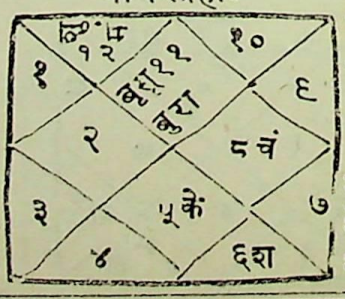

४७ पं.फा.कृ८बृ.इ.३५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	१०	११	५	१०	१०
१७	६	८	२४	१२	७	२६	१७
८	३९	५२	४५	३६	२५	२६	५
२९	७	५	४०	४७	१९	५५	४८
६०	४५	९०	१३	७३	४ १०	३	६०
२०	२२	३०	३२	४०	ब	११	१२

* ४मं बृ चं रा शु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२००७शाक: १८७२ दि. उ. अ. इ. हि. मु. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५८१६स.१६५१

१	गु	४८	१५	पू	३४	३७	सा	१७	७	क	१८	४३	२६	६	५६	८ २४ २६ मी.१६।३०	
२	शु	४८	४२	उ	३६	१६	शु	१३	५८	बा	१८	२८	१०	१०	५०	६ २५ ३० मीने	चंद्रद. पूभायां ३ गुरुः ३३।२०
३	श	५०	२५	रे	३६	१८	शु	११	४८	तै	१६	३३	१४	६	५१	१० २६ १ मे.२६।१८	जमादिलारवर ६
४	रं	५३	२३	अ	४३	२०	ब	२१	५४	व	१६	८	५२	११	२७	२ मेषे	भ.२१ उ.५३ या वक्री उफायां३शनिः४८
५	चं	५७	२५	भ	४८	२३	ब	२५	२४	ब	२३	७	५३	१२	२८	३ मेषे	अस्तं भौमः ३८।२४
६	मं	६०	०	कृ	५४	२३	रा	६०	०	कौ	२६	४५	२८	६	५४	१३ २६ ४ बृ. ४।५३	मीने बुधः २।५३ [*रेवत्यां भौमः३७।६
६	बु	२	४	रा	६०	०	वि	११	५६	ती	२	४	३२	६	५४	१४ ३० ५ बृषे	मीनेऽर्कः२६।२५उभायां बुधः४१।५४*
७	गु	७	१३	रो	०	४१	प्री	१३	१३	व	७	१३	३६	५	५५	१५ १ ६ मि ३३।५५	भ.७।१३उ.३६।४४या.शुक्रः४५।३६×
८	शु	१२	१६	मृ	७	६	आ	१४	३५	ब	१२	१६	४०	४	५६	१६ २ ७ मिथुने	[× होई ८ होलाष्टकं
६	श	१७	१०	आ	१३	२२	सो	१५	४४	कौ	१७	१०	४४	३	५७	१७ ३ ८ भिथुने	उभायां रविः ४७।३
१०	र	२१	१८	पु	१८	५६	शो	१६	२७	ग	२१	१८	४६	२	५८	१८ ४ ६ क. २।३३	भ. ५२।५० उ.
११	चं	२४	२३	पु	२३	२६	अ	१६	४	वि	२४	२३	५३	१	५६	१६ ५ १० कर्के	भ. २४।२३ या. आमलकी ११ व्र.
१२	मं	२६	२२	श्ले	२६	४६	सु	१४	५४	बा	२६	२२	५७	१	५६	२० ६ ११ सिं २६।४६	प्रदोषः
१३	बु	२७	७	म	२८	४४	धृ	१२	५१	ती	२७	४	०	०	०	२१ ७ १२ सिंहे	रेवत्यां बुधः २१।२२
१४	गु	२६	३०	पू	२६	५६	शू	६	४८	व	२६	३०	६	५	६	२२ ८ १३ क. ४४।५४	भ. २६।३० उ. ५५।३३ या.
१५	शु	२४	३७	उ	२६	४१	गं	५	४३	ब	२४	३७	१०	५८	२	२३ ६ १४ कन्या	पूभायां ४ मीने गुरुः २१।४३

४८ पं.फा.शु.१ब.इ.३५।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	१०	११	५	१०	१०
२४	१२	२१	२६	२१	६	२६	२४
९	२	३२	२६	१३	५४	४	६
५०	२०	३८	५६	५५	२२	४०	३२
६०	४५	५१	१३	७३	२८	३	५९
५	१२	१९	३८	२६	ब	११	५८

४६.पं.फा.शु.७बृ.इ३६।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१०	११	५	१०	११
१	१७	५	२८	२९	६	२५	१
९	२४	९	८	४८	२१	४२	५
३२	२५	३६	४२	२९	५८	२४	४४
५९	५५	१९	१३	७३	४०	३	५९
४९	७	१९	४८	१४	बृ	११	४१

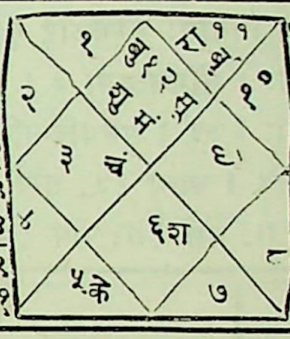

५८पं.फा.शु.१४.गु.इ३६।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१०	०	५	१०	११
८	२२	१९	२९	८	५	२५	८
७	४३	९	४९	२०	४८	२०	३
२६	४१	३६	४८	३५	४३	९	२०
५९	४४	९	१३	७२	४०	३	५९
३५	४७	४२	३२	५९	ब	११	२९

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२ दि. उ. अ. इ. हिं. मु. चंद्रः [वसंतर्तू रविरुत्तरेफाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्रा

१	श	२१	३६	ह	२८	१८	धृ	४८	५४	की	२१	३६	३०	५	६	२४ १० १५ तु.५७।१० पश्चिमोदयी बुधः ३२।५१
२	र	१७	४७	चि	२६	२	व्या	४६	५	ग	१४	४७	१८	५६	४	२५ ११ १६ तुलायां भ० ४५।२३ उ०
३	चं	१२	५६	स्वा	२२	५५	ह	४१	५१	वि	१२	५६	२२	५६	४	२६ १२ १७ तुलायां भ०१२।५६या.भरण्यांशुक्रः४३।४१च. ब्र.
४	मं	७	३६	वि	१६	२५	व	३४	६	बा	७	३६	२६	५५	५	२७ १३ १८ वृ.५।१८
५	बु	१	४८	अ	१५	२८	सि	२६	४६	ती	१	४८	३०	५४	६	२८ १४ १६ वृश्चिके भ. ५६।० उ. उदयं गुरोः४०।१२
६	बु	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० क्षयः उ.गु.
७	गु	५०	४	ज्ये	११	३३	व्य	१६	१४	वि	२३	२	३४	५३	७	२६ १५ २० ध.११।३३ भ. २३।२ या. मेषे बुधः २५।१४
८	शु	४४	१७	मू	७	२२	व	११	३२	बा	१७	१०	३८	५२	८	३० १६ २१ धनुषि शीतला ८
६	श	३८	४६	पू	३	२६	प	५६	५२	ती	११	३३	४२	५२	८	३१ १७ २२ म.१७।३६ रेवत्यांरविः १४।३१
१०	र	३३	५७	उ	८	३२	सि	५०	१२	व	६	२३	५७	५१	६	१ १८ २३ मकरे भ.६।२३उ.३३।५७या.अप्रे ल मा.४*
११	चं	२६	५५	ध	५५	१७	सा	४४	१७	ब	१	५६	५१	५०	१०	२ १६ २४ कु.२५।५६ पापमोचिनी११ब्र.
१२	मं	२६	४५	श	५४	१५	शु	२६	१०	तै	२६	४५	५६	४६	११	३ २० २५ कुम्भें प्रदोषः [*ता. ३० मेषे भोमः १६।५३
१३	बु	२४	३६	पू	५४	२७	शु	३४	५८	व	२४	३६	३१ ०	४८	१२	४ २१ २६ मी.३६।२४ भ. २४।३६ उ. ५४।५ या.
१४	गु	२३	३४	उ	५५	४८	न	३२	८	श	२३	३४	३१ ४	४७	१३	५ २२ २७ मीने [×२१।४६ अहर्गणः५८।४५च.३के.
३०	शु	२३	५८	रे	५८	२३	एं	२६	२८	ना	२३	५८	८	४६	१४	६ २३ २८ मे. ५८।२३ कृतिकायांशुक्रः४६।२३ उभायां१ गुरुः×

५१ पं.चै.कृ.७ब.इ.३६।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	११	०	५	०	११
१५	२८	१	१	१६	५	२४	१४
३	१	५३	३०	४९	१५	५७	५९
२९	३०	३१	२५	५९	५८	५३	१५
५९	४४	९५	१३	७२	३४	३	५९
१८	२६	५	३१	४५	ब	११	१६

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

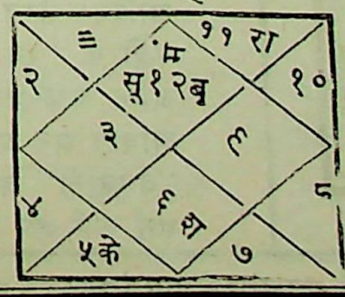

५२पं.चै.कृ.१४बृ.इ.३७।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	११	०	५	१०	११
२१	३	११	३	२५	४	२४	२१
५७	१७	१	१०	१६	४४	३५	५३
४२	१७	४१	५	३०	२०	२८	३१
५९	४४	४४	१३	७२	१६	३	५९
४	२२	३२	२०	२५	बृ	११	४

*१२मंचंशु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

≡१शुबुमं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पङ्कज-स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५२ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५२ भोग्यकलिः ४२६९४८ अथास्मिन्सम्बत्सरे श्रीमन्नृपति-विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दाः सम्वत् २००८ शाकः १८७३ अथास्मिन्वर्षेराजा शनिः । मंत्री शुक्रः । सस्येशोश्चन्द्रः। धान्येशोःरविः । मेघेशोशुक्रः । रसेशो बुधः । नीरसेशोश्चंद्रः । फलेशो गुरुः । धनेशोः चंद्रः । दुर्गेशो-शुक्रः । एतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानांमध्ये विष्णुविंशतिकायां १८ क्रोधीनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्क-समये गतमासादिः २।१७।१८।० भोग्यमासादिः ९।१२।४२।० वैश्व-दैवतंयुगम् । वर्ष नामभाद्रपदः । मेघ ४ नाम द्रोणः । समय निवासः कुम्भकार गृहे (अग्नौ) रोहिणी निवासः पर्वते । समय विश्वा २० । समय वाहनं-महिषः । स्तम्भ२ वाय्वंत्रयोः । सोमवत्यमा ३ । सोमवतो पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १७ । तिथि वृद्धिः ११ । उत्पति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा १५ । धान्य १५. तृण ५. शीत ५. तेज ५ वायु १३ शनि दृष्टिर्दक्षिणे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यं ९९ सत्यं ॥. धर्म १॥. पाप १८ ग्रहणे २ सूर्याचन्द्रमसोः ।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

श्रीजगदम्बेईश्वरी भैरव करे पुकार ।
आठ साल अब आइयां जिसका करो विचार ।।

भवानी उत्तर

आठ साल आठों दिशा वर्षे झीना मेह ।
अन धन जन सम्पति बढ़े राज प्रजा में नेह ।।
शनि राजा इस वर्श में इनकी खोटी रीत ।
पण मंत्री भार्गवभये ना कुछ हो वितरीत ।।
संवत् विश्वा वीस है स्तंभ लगे हैं दोय ।
तृण की कुछ कमती रहै अन्न घनेरा होव ।।
आश्विन तेरह दिवस का पक्ष किया करतार ।
कहीं क रव देश में मांचे हा हा कार ।।
अग्नि चक्र जग में चले ज्येष्ठ मास के माँय ।
श्रावण अरु आषाढ में मघवा करै सहाय ।।
"बनवारी" जगदीश का कर बन्शीधर जाप ।
धर्म कर्म जप तप किये मिटे सभी संताप ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् २।०

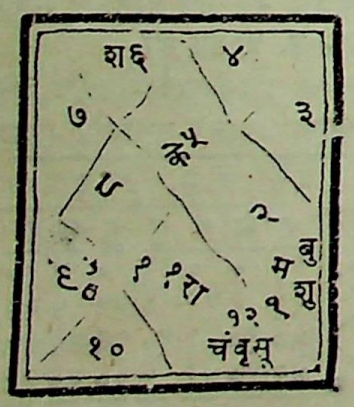

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	बृ	ध	म	कु	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ५।२९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४९।०। केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।९।३७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अस्मिन् वर्षे राजा शनिस्तत्फ०—शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलै प्रभूतरोगैःपरिपीड्यते जनः। युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यै र्भ्रमंति लोकाः क्षुधितांश्चदेशान्॥ मंत्री शुक्रस्तत्फ० भृगु सुते ननु मंत्रिपदं गते शलभमूषकरावथ माहिषैः। भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोऽधिकम्॥ सस्येशश्चंद्रस्तत्फ० सस्याधिपे शीतकरे प्रजा सुखं मेघाः पयो मुन्चति गोपगोधुक। देवद्विजाराधन तत्परा नृपा धरा भवेद्धान्य धनौघपूर्णा॥ धान्यशो रविस्कतत्फ०—पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि। विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरषीडनम्॥ मेघेशः शुक्रस्तत्फ० भृगुसुते जलदस्य पतिर्यदा जलयुताजलदा दिवि शोभना॥ धननिधानयुताद्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः॥ रसेशो बुधस्तत्फ०- रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्यघृतादियुता जनाः। प्रमुदिता वरनायक पालिता बहुजलाखिलदेश सुरक्षिताः नीरसेशश्चंद्रस्तत्फ०—शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससाम्। अर्घ वृद्धि प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे॥ फलेशो गुरुस्तत्फ०—सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभया वनराशि महाद्रुमाः यजन याजनकोत्सवमन्दिराः श्रुति विचारपरा द्विजपूर्वकाः॥ धनेशश्चंद्रस्तत्फ०—धनपतिर्मृग लांछन को यदा रसचयात् क्रयविक्रयतो धनम्। वसन शालि युवं धनजं बहुः द्रविण तैल घृतं नृप सौख्यकम्॥ दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलं नरवरेषु विशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्य करोमतः। विनय वाणिज गेह समः सुखो गत वने निकटोपे च दूरतः॥ वर्षनाम भाद्रपदस्तत्फ०—अर्घ महर्घतां याति धनं धान्यं समं भवेत्॥ मघवा वर्षति स्वच्छं संपदो भाद्र वर्षके॥ क्रोधीनामसंवत्सरस्तत्फ०—क्रोधाब्दे निखिला लोकाः क्रोधलोभ परायणाः ईति दोषेण सततं मध्य सस्यार्घ वृष्टयः॥ मेघनाम द्रोणस्तत्फ०—द्रोणे वर्षति सर्वदा॥ रोहिणी निवासः पर्वते फलम्—पर्वते विदुमात्रश्चा सनय निवासः कुम्भकार गृहे फलम् अनावृष्टिः प्रजापतौ॥ एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्॥

सं० २००८ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला१२गुरो हस्तेल.१०(घ.४६।२६३,रे.७॥ऽबृऽबृ ऽ॥॥
,, १५ शनौ स्वात्यांल. १० रे. ७॥॥ऽसू।ऽऽ॥

वैशाख मासः

कृष्णा ४ बुधे मूलेल. १० रे. ६ऽश॥॥॥ऽ अग्निऽऽ॥
शुक्ला१३शनौ स्वा ल.१(चंद्रोऽत्रपूज्य)रे.७ऽ॥॥ऽनृपऽ॥॥

ज्येष्ठ मासः

कृ.१भौमे मूलेल.१रे.७ऽश॥ऽशु॥ऽ॥॥ पादतोवेधाऽभाव
,, ४ गुरौ उषा ल. १ रे.७॥॥ऽशु।ऽऽ॥
,, ६ भौमे उभा. ल. १ रे ७॥ऽबृ।ऽश॥ऽ॥
शु. ५ रवौ मघाल. १रे. ६।ऽ॥॥॥॥॥
,, १३ रवौ अनु.ल. ऽन्यगोरे.रे.८॥॥॥ऽअग्निऽ॥

आषाढ मासः

शुक्ला ३ शनौ मघाल. १.२ रे. ६॥ऽशु॥॥॥॥॥

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ७ बुधे मघाल. अन्यगो४ रे८॥॥॥ऽनृ।ऽ॥
शु. २शुक्रे मूलेल. ७ रे. ८॥ऽबु॥॥ऽ॥॥
,, ४ रबौ उषाल.७रे.८ऽ॥॥॥ऽ॥

शु.१५गुरौ मृगे ल ४.७रे.६ऽराऽ॥ऽरा॥॥ऽ॥ आवश्यके

माघ मासः

कृ. ५ गु. उफा. ल. गो. ८.६रे६॥॥॥ऽ॥
,, १० भौमे अनु.ल.ऽन्यगो.६रे. ८ऽमं॥॥॥ऽरो॥॥॥
शु. ५ गुरौ रेव. ल. ८.६ रे. ७॥ऽबृ।ऽशऽरो॥॥॥

फाल्गुन मासः

कृ. ७ सोमे अनु. ल. ६.१० रे. ७ऽवुशु॥॥॥ऽचो.।ऽ॥॥
,, १० बुधे मूले.ल. १० रे.७॥॥॥ऽरोऽऽ॥

माघ शु.१५ रवौ स्वल्पग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा १।४०

		स्प.	म.	मो.	पर्व		
रेल्वे टाइम	घं.	४	५	६	२		
	मि.	३४	७	४१	७		
देशी टाइम	घं.	३	४	६	२		
	मि.	५३	२६	०	७		

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|श्री चैत्रशुक्लपक्षः सं० २००८शाकः १८७३|दि.|उ.|अ.|इ.|हि.|मु.| चंद्रः |वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५८४६ सन्१९५०

१	श	२५	३५	अ	६	०	चे	२७	१६	ब	२५	३५	३/१२	५/४६	६/१४	७	२४	२९	मेषे	चंद्रद. सम्वत्सरारंभः नवरात्रा.
२	र	२८	२६	अ	१	५८	वि	२७	४०	कौ	२८	२६	१६	४५	१५	८	२५	१	मेषे	भरण्यां बुधः ४३।३३ रज्जव ७
३	चं	३२	३	भ	७	२	प्री	२७	५१	तै	०	१५	२०	४४	१६	९	२६	२	वृ.२३।३०	बृषे शुक्रः ३२।५ गणगीरीपू.
४	मं	३६	५७	कृ	१२	५३	आ	२९	१	व	४०	३०	२४	४३	१७	१०	२७	३	बृषे	भ. ४।३० उ. ३६।५७ या.
५	बु	४१	४५	रु	१९	१५	सौ	३०	१८	ब	९	२१	२८	४२	१८	११	२८	४	मि५२।२७	वक्री बुधः ४२।५७
६	गु	४७	२	रो	२५	४०	शो	३१	४५	कौ	१४	२३	३२	४२	१८	१२	२९	५	मिथुने	
७	शु	५१	३८	आ	३१	५८	अ	३२	५९	ग	१९	२०	३६	४१	१९	१३	३०	६	मिथुने	भ. ५१।३८ उ. मेषेऽर्कः ४९।२
८	श	५५	५१	पु	३७	३३	सु	३३	४७	वि	२३	४४	४०	४०	२०	१४	१	७	क.२१।९	भ.२३।४४या. [*३९।३२पातभोक्षः४/५९
९	र	५८	३५	पु	४२	३७	धृ	३३	३६	बा	२७	१३	४४	३९	२१	१५	२	८	कर्के	पश्चिमास्तो बुधः ४६।५ राम ९
१०	चं	६०	०	श्ले	४६	९	शू	३३	१४	तै	२९	४१	४८	३८	२२	१६	३	९	सिं ४६।९	
१०	मं	०	४७	म	४८	१०	गं	३१	२८	ग	०	४७	५२	३८	२२	१७	४	१०	सिंहे	भ३१।५उ.रोहिण्यांशुक्रः५९।०पातस्पर्शः*
११	बु	१	२४	पू	४९	२४	बृ	२८	४६	वि	१	२४	५५	३७	२३	१८	५	११	सिंहे	भ. १।२४ या. कामदा ११ ब्र.
१२	शु	०	४६	उ	४९	२६	धु	२५	३	बा	०	४६	५९	३६	२४	१९	६	१२	कं.४।२५	भरण्यां भौमः ८।४२ प्रदोषः
१३	गु	५८	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [≡ हनुमज्जयंती
१४	शु	५५	४४	ह	४८	१४	व्या	२०	३३	ग	२७	१६	३/२	३६	२४	२०	७	१३	कन्या	भ. ५५।४४ उ. उभायां २ गुरुः३९।१७
१५	श	५१	४१	चि	४६	९	ह	१४	५८	वि	२३	४२	६	३५	२५	२१	८	१४	तु. १७।११	भ.२३।४२या.बक्रीअश्विन्यांबुधः२६।१८≡

१पं. चै.शु.७शु.इ.५२।५८

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	११	१	५	१०	०
०	९	१५	५	५	४	२४	०
३	२६	३१	७	९	७	९	०
५०	२	४४	८	४३	५२	२०	० ५
५८	४४	५९	१३	७१	५६	३	५८
४५	११	ब	८	५९	ब	११	४४

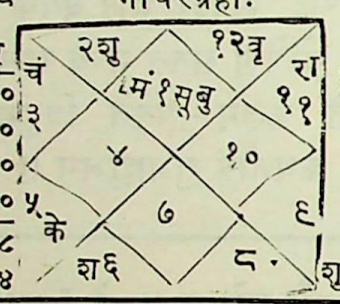

चैत्र शुक्ला७शुक्रे
मेषेऽर्कः प्र.वा. न३
भ. ४ प्रगल्भावस्था
(बैठी) मुहूर्ताः ४५
(धान्य भाव मंदा)
शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

२ पं.चै.शु.१४शु.इ५३।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	११	१	५	१०	०
६	१४	१३	६	१३	३	२३	६
५४	२६	४३	४२	२७	४१	४७	५०
१	४३	१६	५८	४३	१७	५	३८
५८	४४	४२/१६	१२	७१	३/५	३	५८
२१	१	ब	४४	३१	ब	११	३१

ति.|बैशाखकृष्ण पक्षः सं० २००८ शाकः१८७३ |दि.| उ.|अ.| इ.|हिं.| मु.| चंद्रः |बसंतर्तू रविस्तरे चैत्रकृष्णेति महाराष्ट्रः

१	र	४६	५६	स्वा	४३	१७	व	८	४७	बा	१९	१८	३/१०	५/३४	६/२६	२२	९	१५	तुलायां	
२	चं	४१	२४	वि	३९	५०	सि	२/७	५२/४८	तै	१४	१०	१४	३३	२७	२३	१०	१६	बृ.२५।४२	
३	मं	३५	३५	अ	३५	५९	व	४७	२६	व	८	२९	१८	३२	२८	२४	११	१७	बृश्चिके	भ.८।२९ उ. ३५।३५ या. चतुर्थी ब्र.
४	बु	२९	३९	ज्ये	३१	५५	प	३९	५८	व	२	३७	२२	३२	२८	२५	१२	१८	ध. ३१।५५	
५	गु	२३	३६	मू	२७	५१	शि	३१	५८	तै	२३	३६	२६	३१	२९	२६	१३	१९	धनुषि	
६	शु	१७	५१	पू	२३	५६	सि	२४	३२	व	१७	५१	२९	३०	३०	२७	१४	२०	भ.३८।५	भ.१७/५१उ.४५/३या.भरण्यां रविः३२/३९वक्री*
७	श	१२	१६	उ	२०	३१	सा	१७	९	ब	१२	१६	३३	२९	३१	२८	१५	२१	मकरे	[* उफायां२ शनिः२४/२३अगस्त्यास्तः३५/३१
८	र	७	१८	श्र	१७	३२	शु	१०	४२	कौ	७	१८	३६	२९	३१	२९	१६	२२	कु.४६।२५	मृगेशुक्रः१७।११पूभायां१राहुः३केतुः≈
९	चं	३	८	ध	१५	१९	शु	२९/४	५४/४९	ग	३	८	४०	२८	३२	३०	१७	२३	कुम्भे	भ.३१३१उ.५९।५५या. पातमोक्ष.५।२६
१०	चं	५६	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [≡ २४।१९ पातस्पर्शः ५४।४७
११	मं	५७	३७	श	१४	१०	ऐं	५४	५७	व	२८	४६	४३	२७	३३	१	१८	२४	मी५९।००	**मई मा. ५ ता.३१**वरूथिनी११ब्र.स्मा.
१२	बु	५६	३२	पू	१३	५६	वै	५१	१७	कौ	२७	४	४७	२७	३३	२	१९	२५	मीने	वरूथिनी ११ ब्र. वै. नि.
१३	गु	५६	४७	उ	१५	८	वि	४८	४५	ग	२६	३९	५०	२६	३४	३	२०	२६	मीने	भ.५६ ४७उ.पूर्वोदयीबुधः३९।३प्रदोषः
१४	शु	५८	१२	रे	१७	११	प्री	४७	१३	वि	२७	२९	५४	२५	३५	४	२१	२७	मे.१७।११	भ. २७।२९ या.
३०	श	६०	०	अ	२०	५७	आ	४६	४३	च	२७	३८	५७	२५	३५	५	२२	२८	मेषे	मिथुने शुक्रः २ ३० अमापुण्यम्
३०	र	१	५	भ	२५	३६	सौ	४७	०	ना	१	५	३/१	२४	३६	६	२३	२९	बृ. ४१।५९	उभायां ३ गुरुः ३।१४

३ पं. वै.कृ.६शु. इ.५३।३२

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	११	१	५	१०	०
१३	१९	९	८	२१	३	२३	१३
४२	४४	१४	१५	४०	१८	२४	३९
२५	४६	१३	५४	५५	२५	४९	४१
३८	४३	३५/८	१२	७१	५५	३	५८ ५
१२	४२	बृ	२०	४	ब	११	१९

इस मास का फल
सामान्य है कहीं २
कुछ वर्षा होगी
धान्य भाव सामान्य
रहेगा अलसी मटर
सफेद गेहूँ तेज होंगे

गोचरग्रहाः

४पं.वै.कृ. १४ शु.इ.५३।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	११	१	५	१०	०
२०	२४	५	९	२९	२	२३	२०
२९	५०	५३	४६	४९	५९	२	२७
३	१५	४९	५	४४	२८	३४	२२
५७	४३	३/२८	१२	७०	२/१९	३	५८
५७	२६	बु	१२३	ब्र	११	६	

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं०२००८ शाकः १८७३	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५८७६ स.१९५१
१	चं ५ २ कृ ३१ ९ शो ४८ ७ ब ५ २ ३३/४ ५/२३ ५/३७ ७ २४ ३०							वृषे	चंद्रद. कृतिकायां भौमः २५।२४
२	मं ९ ३१ रा ३७ २४ अ ४९ २८ कौ ९ ३१ ७ २३ ३७ ८ २५ १							वृषे	सावान्द्र ८
३	बु १४ २३ मृ ४३ ५३ सु ५० ५२ ग १४ २३ १० २२ २८ ९ २६ २							मि१०।३८	भ. ४६।५२ उ. अक्षया ३
४	गु १९ २२ आ ५० १७ धू ५२ २१ वि १९ २२ १३ २१ ३९ १० २७ ३							मिथुने	भ.१/२ ९/२ या.मार्गीबुधः ४/५ ८/३ आर्द्रायां शुक्रः ५/१ ३/२
५	शु २३ ५६ पु ५६ १ शू ५३ १५ वा २३ ५६ १६ २१ ३९ ११ २८ ४							क ३९।३५	कृत्तिकायां रविः १८।२१
६	श २८ ७ पु ६० ० गं ५३ ४२ तै २८ ७ १९ २० ४० १२ २९ ५							कर्के	बृधे भौमः ३।५०
७	र ३१ ४ पु १ १ बृ ५३ १६ व ३१ ४ २२ २० ४० १३ ३० ६							कर्के	भ.३१।४उ.पातस्पर्शः ३/५ ६/९ पातमोक्षः ४/१ ७/०
८	चं ३२ ४७ श्ले ५ १ धु ५१ ४४ वि १ ५६ २५ १९ ४१ १४ ३१ ७							सिं५।१	भ. १।५६ या. वृषेऽर्कः ४६।८
९	मं ३३ ४३ म ७ ४८ व्या ४९ १३ वा ३ १५ २८ १८ ४२ १५ १ ८							सिंहे	
१०	बु ३२ ३९ पू ९ १७ ह ४६ ६ तै ३ ११ ३१ १८ ४२ १६ २ ९							कं २४।२२	
११	गु ३० ४० उ ९ ३८ व ४१ ३० व १ ४० ३४ १७ ४३ १७ ३ १०							कन्या	भ.१।४०उ.३०।४०या.मोहिनी११ब्र.
१२	शु २७ ४३ ह ८ ४६ सि ३६ २० वा २७ ४३ ३६ १७ ४३ १८ ४ ११							तु.३७।४७	प्रदोषः
१३	श २३ ३७ चि ६ ४८ व्य ३० २१ तै २३ ३७ ३९ १६ ४४ १९ ५ १२							तुलायां	नृसिंहजयंती
१४	र १८ ११ स्वा ४ १० व २३ ५६ व १८ ११ ४१ १६ ४४ २० ६ १३							वृ.४६।३८	भ. १८।११ उ.४५।३९या.कूर्मजयन्ती
१५	चं १३ ७ वि ४७ ५/१ ६/१ प १६ ५१ ब १३ ७ ४४ १५ ४५ २१ ७ १४							वृश्चिके	अन्नदानं वैशाख स्नान पूर्तिः

५ पं.बै.शु.५ शु.इ.५३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	११	२	५	१०	०
२७	२९	६	११	७	२	२२	२७
१४	५२	२१	१२	५१	४४	४०	१३
१७	५२	४३	२५	३६	४९	१९	२०
५७	४२	३/५३	११	६९	४/३	३	५७
४५	१७	मा	२४	३४	ब	११	५४

गोचरग्रहः

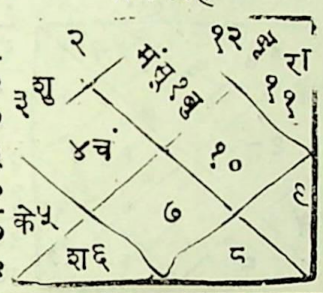

वैशाख शुक्ला ८
चंद्रे वृषेऽर्कः प्र. वा.
४न.४कुमारावस्था
(बैठी) मुहूर्ताः३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचरग्रहः

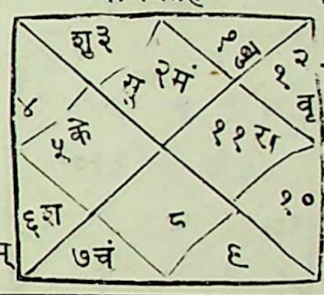

६पं.बै बै.शु.१२शु.इ.५४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	११	२	५	१०	१
३	४	९	१२	१५	२	२२	३
५७	५२	६	३५	४७	३५	१८	५८
५४	५५	२९	२४	१७	१०	३	२८
५७	४३	२४	१०	६८	५/८	३	५७
३४	७	५५	५३	४५	ब	११	५४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं०२००८शाकः १८७३	दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मऋतूरविरुत्तरे वैशाखकृ.महाराष्ट्राः
१	मं ७ ९ ज्ये ५२ ५६ शि ९ २८ कौ ७ ९ ३३/४६ ५/१५ ६/४५ २२ ८ १५							धः५२।५६	पुनर्वसौशुक्रः ४/५ ३/८ उभायां४ गुरूः३९।३४
२	बु १ १४ मू ४८ ५३ सि ५१/५२ ५२/२२ ग १ १४ ४८ १४ ४६ २३ ९ १६							धनुषि	भ.२८।१२उ.५५।०९या.भरण्यांबुधः४२
३	बृ ५३ ५५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							०	क्षयः
४	गु ४९ १३ पू ४४ ५५ शु ४६ ७ ब २२ ११ ५० १४ ४६ २४ १० १७							म.५९।१	चतुर्थी ब्र.
५	शु ४३ २२ उ ४१ २० शु ३९ ३९ कौ १६ १७ ५२ १४ ४६ २५ ११ १८							मकरे	रोहिण्यांरविः१२।१७पातस्पर्शः५८।५४
६	श ३८ ३८ अ ३८ ७ ब्र ३२ ५३ ग ११ ० ५४ १३ ४७ २६ १२ १९							मकरे	भ.३८।३८ उ.रोहिण्यां भौमः ७।२०*
७	र ३४ २१ ध ३५ ५० वै ३६ ४३ वि ६ २९ ५६ १३ ४७ २७ १३ २०							कु.६।५८	भ. ६।२९ या. [*पातमोक्षः १२।१२
८	चं ३० ५८ श ३५ २२ ऐं २१ १६ बा २ ३९ ५८ १२ ४८ २८ १४ २१							कुम्भे	मार्गीशनिः ३४।१२
९	मं २८ ३५ पू ३६ ० वि १६ ४६ ग २८ ३५ ३/० १२ ४८ २९ १५ २२							मी २०।५१	भ. ५८।५ उ.
१०	बु २७ ३५ उ ३६ २८ प्री १३ २ वि २७ ३५ २ १२ ४८ ३० १६ २३							मीने	भ. २७।३५ या.
११	गु २७ ३६ रे ३७ ४७ आ ९ २७ बा २७ ३६ ४ ११ ४९ ३१ १७ २४							मे.३७।४७	कर्के शुक्रः ४८।११ अपरा ११ ब्र.
१२	शु २८ ५८ अ ३९ ५९ सौ ८ ३५ तै २८ ५८ ६ ११ ४९ १ १८ २५							मेषे	जून मा. ६ ता. ३० प्रदोषः
१३	श २१ ३३ भ ४४ ३५ शो ८ ० ग ० १५ ८ १० ५० २ १९ २६							मेषे	भ. ३१।३३ उ.
१४	र ३५ १५ कृ ४९ ५३ अ ८ ६ वि ३ ४४ ९ १० ५० ३ २० २७							बृ.०।५४	भ.३।२४या.कृतिकायांबुधः३९।०पुष्ये-
३०	चं ३९ ४९ रा ५६ ० सु ९ ५६ च ७ ३२ ११ १० ५० ४ २१ २८							बषे	भावुका३०वट पूजनं [- शुक्रः ४९।५

७पं.ज्ये.कृ.५शु.इ.५४।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	११	२	५	४	१
१०	९	१५	१३	२३	२	२१	१०
४०	५०	३४	५३	३४	३०	५५	४२
५	३८	१६	२	२६	११	४८	२०
५७	४२	४९	१०	६७	०/९	३	५७
२३	४६	४२	११	३८	ब	११	३५

गोचरग्रहः

इस मास में धूप की अधिकता प्रजा में रोगादि उपद्रव विस्फोटक भय जगत में रक्त विकार की बीमारी अधिक।

गोचरग्रहः

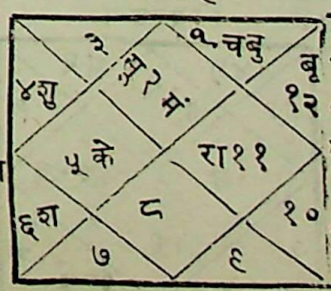

८पं.ज्ये.कृ.१२शु.इ.५४।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	११	२	५	१०	१
१७	१४	२४	१५	१	२	२१	१७
२१	५५	३९	७	१३	३०	३३	२५
११	४७	४	२३	५	२२	३२	७
५७	४२	६९	९	६६	०/२६	३	५७
१३	२६	१८	२८	२०	मा	११	३७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं.२००८शाकः १८७३ दि.उ.अ.इ.हि.मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५६०५स.१६५१

१	मं	४४	४४	मू	६०	०	धृ	१०	२४	क	१२	१६	३४/१२	१५/१०	५०/५०	५	२२	२६	मि२६।११	बृषे बुधः ७।८
२	बु	४६	२६	मू	२	२२	शू	११	५०	घा	१७	६	१४	६	५१	६	२३	३०	मिथुने	चन्द्रदर्शनम् [÷अग्निऽ।।।
३	गु	५४	१४	आ	८	५०	गं	१३	१६	तै	२१	५१	१५	६	५१	७	२४	१	क.५८।१७	रमजान ६ रोजा रम्भा व्र.
४	शु	५८	७	पु	१४	४६	धृ	१४	३५	व	२६	१०	१६	६	५१	८	२५	२	कर्के	भ.२६।१०उ.५८।७यामृगेरविः ११।६*
५	श	६०	०	पु	१६	५०	ध्रु	१५	२	ब	२६	३४	१७	६	५१	६	२६	३	कर्के	[*पातस्पर्शः२२।४३पातमोक्षः४०।१२
५	र	१	२	श्ले	२४	६	व्या	१४	४५	घा	१	२	१८	८	५२	१०	२७	४	सिं२४।६	मघा ल. १ रे. ६ ।ऽ।।।।।।।।
६	चं	२	४८	म	२७	१३	ह	१३	३१	तै	२	४८	१६	८	५२	११	२८	५	सिंहे	रोहिण्यांबुधः२६।५८रेवत्यां१गुरुः३०/२५
७	मं	३	२१	पू	२८	५७	व	११	२६	घ	३	२१	२०	८	५२	१२	२६	६	क.४४।७	भ. ३।२१ उ. ३३।० या.
८	बु	२	४०	उ	२६	३६	सि	८	१८	ब	२	४०	२१	८	५२	१३	३०	७	कन्या	[! ११।५४ निर्जला ११ ब्र. स्मा.
६	गु	०	४०	ह	२६	२	व्य	४/५	५५/३३	कौ	०	४०	२१	८	५२	१४	३१	८	तु.५८।१०	वरीयानक्षयः५५।३३मृगेभौमः१४।५६?
१०	गु	५६	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [?दूर्वास्तंबुधः३/२गंगादशहरा
११	शु	५३	३३	चि	२७	१६	प	५३	१८	व	२५	३२	२२	८	५२	१५	३२	६	तुलायां	भ.२५।३३उ.५३।३३या.मिथुनेऽर्कः!
१२	श	४८	३६	स्वा	२४	४३	शि	४६	४३	ब	२१	६	२२	८	५२	१६	१	१०	तुलायां	सार्पेशुक्रः ३८।१६. निर्जला११ब्र.वै.
१३	र	४३	४	वि	२१	३१	सि	३६	४७	कौ	१५	५१	२२	८	५२	१७	२	११	वृ. ७।१६	मृगेबुधः५/६सावित्रीव्रतारम्भः प्रदोषः×
१४	चं	३७	१२	अ	१७	५७	सा	३२	३३	ग	१०	८	२३	७	५३	१८	३	१२	वृश्चिके	भ.३/१७/२उ. [×अनु.ल.ज्यगो.रे.८।।।।÷
१५	मं	३१	६	ज्ये	१३	५०	शु	२५	४	वि	४	११	२३	७	५३	१६	४	१३	ध. १३।५०	भ.४।११या.गुर्जरागांवटपूजनंमन्वादिः

६ पं.ज्ये.शु.४शु.इ.५४।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	११	३	५	१०	१
२४	१९	५	१६	८	२	२१	२४
१	३९	५६	१५	३९	३५	११	७
७	४	२	४७	५४	४६	१७	८
५७	४२	९४	८	६४	१	३	५७
५	१६	२	४०	४४	११	११	२१

गोचरग्रहाः

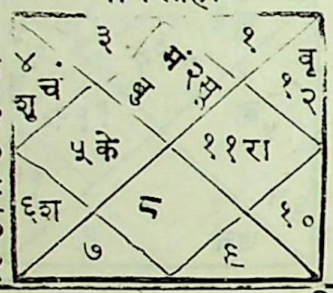

ज्येष्ठ शुक्ला ११ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा.५न.५प्रगल्भावस्था(बैठी) मु.३०(धा.भा.सम) शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

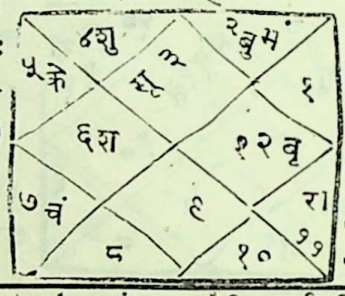

१० पं.ज्ये.शु.११शु.इ.५४।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	११	३	५	१०	२
०	२४	१९	१७	१५	२	२०	०
४०	२९	१४	१८	५३	४५	४९	४८
१५	३१	३१	०	५३	४७	२	२५
५६	४२	३/२६	७	६२	१	३	५७
५७	०	३२	४१	५०	५०	११	१७

ति. आषाढ़कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३ दि.उ.अ.इ.हिं.मु. चंद्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेज्येष्ठकृष्णोतिमहाराष्ट्रा

१	बृ	२५	२	मू	१०	२५	शु	१७	३२	कौ	२५	२	३४/२४	५/७	६/२६	२०	५	१४	धनुषि	मिथुनेबुधः५७।५
२	गु	१६	२	पू	५	५३	ब्र	१०	२७	ग	१६	२	२४	७	५३	२१	६	१५	म.२०।३	भ४/६उ.पातस्पर्शः३/५पातमोक्षः५४।२४
३	शु	१३	१५	उ	३४/२	५६/१५	ऐं	२/४७	५३/१८	वि	१३	१५	२४	७	५३	२२	७	१६	मकरे	भ.१३।१५या.आर्द्रायांरविः १३।२६सं.!
४	श	८	१३	ध	५६	३०	वि	४६	४०	घा	८	१३	२४	७	५३	२३	८	१७	कु.२७।३६	मिथुनेभौमः५/४वर्षा[! स्त्री.पु.चं.चं.वा*
५	र	३	५२	श	५५	१	प्री	४४	६	तै	३	५२	२४	७	५३	२४	६	१८	कुम्भे	आर्द्रायांबुधः४।२५ [*खर.वर्षासमाः
६	चं	०	२३	पू	५३	५२	आ	३/६	४२	व	०	२३	२३	७	५३	२५	१०	१६	मी.३६।६	भ२/३उ.२/१०या.[=श्रवणाक्षयः५६।१५?
७	चं	५७	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः[?५/६च.व्र.दक्षिणायनप्रवृत्तिः१४/१०
८	मं	५६	३६	उ	५४	२४	सौ	३५	३४	तै	२७	१७	२३	७	५३	२६	११	२०	मीने	बर्षा.[+११व्र.वै.नि. पा.२१/५४ पा.३/२८
९	बु	५६	४०	रे	५६	७	शो	३२	४१	घा	२६	२३	२३	७	५३	२७	१२	२१	मे. ५६।७	बर्षा धूप अधिक
१०	गु	५७	५६	अ	५६	६	अ	३०	५०	व	२७	१६	२२	८	५२	२८	१३	२२	मेषे	भ. २७।१६ उ. ५७।५६ या.
११	शु	६०	०	भ	६०	१०	सु	२६	५३	ब	२६	११	२२	८	५२	२६	१४	२३	मेषे	उ ३ शनिः४/५यो.११ब्र.स्मा.चातु.व्र.
११	श	०	२३	भ	३	१६	धृ	२६	५५	तै	०	२३	२१	८	५२	३०	१५	२४	बृ.१६।३८	पु.बुधः२/६म.सि.चशुक्रः३/५/२ योगिनी+
१२	र	४	७	कृ	८	३६	शू	३०	४६	घा	४	७	२०	८	५२	१	१६	२५	बृषे	जुलाईमा.७ता.३१शर्त४राहुपू.फायां-
१३	चं	८	३०	रा	१४	२७	गं	३२	५	व	८	३०	१६	८	५२	२	१७	२६	मि४७।३६	भ.८।३०उ.४/५०या.[-२केतुः१/६ प्रदोषः
१४	मं	१३	१८	मृ	२०	४५	वृ	३३	५८	श	१३	१८	१८	८	५२	३	१८	२७	मिथुने	आर्द्रायां भौमः ४८।० वर्षा रा.
३०	बु	१८	१	आ	२७	१३	ध्रु	३५	८	ना	१८	०१	१७	६	५१	४	१६	२८	मिथुने	कर्के बुधः ५०।२६ अमावस्या

११ पं.आ.कृ.३श.इ.५४।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	११	३	५	११	२
७	२९	४	१८	२२	३	२०	७
१८	१७	१०	१३	५१	०	२६	२९
४३	५६	८	३७	३६	४७	४६	१७
५६	४१	५/७	६	६०	२	३	५७
५४	५०		४०	२२	२९	११	१३

गोचरग्रहाः

उदये च तुरौ बृष्टिरस्तेबृष्टि भृगो मृते चलत्यं गारके बृष्टि स्त्रिधा बृष्टिः शनैश्चरे। मंगल का चार वर्षा करेगा।

गोचरग्रहाः

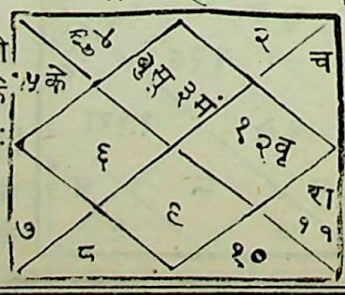

१२ पं.आ.कृ.११शु.इ.५४।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	११	३	५	१०	२
१३	४	१९	१०	२९	३	२०	१४
५६	४	२८	२	३०	२०	४	९
४६	८	३०	१३	४	१७	३१	४५
५६	४१	५/८	५	५७	३	३	५७
५०	४०	४८	४६	१६	१३	११	७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढशुक्ल पक्षः सं २००८ शाकः १८७३	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्राष्मर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६३५.स.१६५१
१	गु २२ ४२	पु ३३ ११	व्या ३६ २४	ब २२ ४२	३४/१६ ५/६ ६/१	५ २० २६	क.१६।४२		चंद्रदर्शनं
२	शु २६ ४६	पु ३८ २६	ह ३६ ५८	कौ २६ ४६	१४ ६ ५१	६ २१ १	कर्के		पुनर्वसौरदिः ३/७सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.*
३	श २६ ४५	श्ले ४३ २५	व ३७ ७	ग २६ ४५	१३ ६ ५१	७ २२ २	सिं४३।२५		मघा ल.१-२रे.६।।ऽशु।।।।।।।
४	र ३१ २४	म ४६ २६	सि ३५ ५६	व ० ३५	१२ १० ५०	८ २३ ३	सिंहे		भ.०।३५उ.३१।२४ या. ब्र.
५	चं ३२ १६	पू ४८ ३४	व्य ३४ ४	व १ ५०	१० १० ५०	६ २४ ४	सिंहे		वर्षायोगागः पूफा[*वा.जंबूकःवर्षनिष्ठा=
६	मं ३१ ३३	उ ४६ २४	व ३० ५६	कौ १ ५४	६ १० ५०	१० २५ ५	कं.३।४६		रेवत्यां२गुरुः ३/५ ३/५ [=पुष्पेबुधः ४/१३ ×
७	बु २६ ३६	ह ४६ २०	प २७ ५	ग ० ३५	७ ११ ४६	११ २६ ६	कन्या		भ. २/३६ उ. ५/५ या. [× पश्चिमोदय-
८	गु २६ ३४	चि ४८ ०	शि २२ १२	व २६ ३४	५ ११ ४६	१२ २७ ७	तु.१८।४०		[-बुधः४५।२०सव्वाल१०ईद रथयात्रा
६	शु २२ ३३	स्वा ४५ ७	सि १६ २६	कौ २२ ३२	४ ११ ४६	१३ २८ ८	तुलायां		भड़ली ६
१०	श १७ ४०	वि ४२ ७	सा १० ५	ग १७ ४०	२ १२ ४८	१४ २६ ६	वृ. २७।५२		भ. ४/५ ४/५ उ.सार्पेबुधः १।४३मन्वादिः
११	र १२ १०	अ ३८ २६	शु १/२ ३/५	वि १२ १०	३/० ४/० १२	४८	१५ ३० १०	वृश्चिके	भ. १/१० या. शुक्लयोगक्षयः ५/४ ५/४ !
१२	चं ६ २६	ज्ये ३४ ३०	ल ४८ १६	बा ६ २६	३/५ ३/५ १२	४८	१६ ३१ ११	ध. ४।३०	कर्केऽर्कः ५/१ ०/१ पूफायांशुक्रः १/३ ७/२ प्रदोषः ?
१३	मं ० २२	मू ३० २५	पें ४० ४८	तै ० २२	५६ १२ ४७	१७ १ १२	धनुषि		भ. ५४।१२ [? हरिवासराऽभावः
१४	मं ५३ ५०	० ० ०	० ० ०	८ ० ०	० ० ०	० ० ०	०		क्षयः [! देवशयनी ११ ब्र.
१५	बु ४८ १०	पू २६ १६	वै ३३ २१	वि २१ ११	५४ १३ ४७	१८ २ १३	म. ४०।१८		भ. २१/६ १/६ या.व्यासपूजा.वायुपरीक्षामंन्वादिः

१३पं.आ.शु.७शु. इ.५४।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	११	४	५	१०	२
२०	८	३	१९	५	३	१९	२०
३४	४५	४३	४२	४२	४४	४२	५०
४२	११	१२	५४	५०	६	१६	९
५६	४१	०/१०	४०	५२	३	३	५७
५०	२०	२२	४	१०	४६	११	७

गोचरग्रहाः

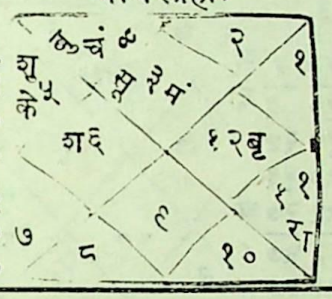

आषाढशुक्ला १२ चंद्रे कर्केऽर्कः प्र. वा.४ न. ६ युवावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

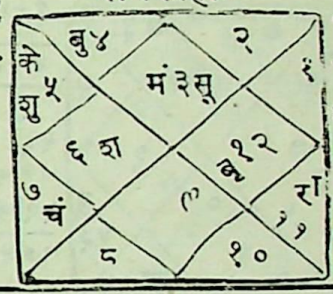

१४पं.आ.शु.९शु.इ.५३।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	१०	४	५	१०	२
२७	१३	१६	२०	११	४	१९	२७
१२	२९	२८	१५	२५	१२	२०	३०
४८	५६	८	३६	१९	७	००/१०	३२
५६	४१	९१	३	४७	४	३	५७
५५	४	२८	३९	५५	२५	११	१२

ति.	श्रावण कृष्ण पक्षः सं.२००८ शाकः १८७३	दि,	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षाऋतू रविर्दक्षिणेऽ.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु ४२ २२	उ २२ २२	वि २५ ५८	आ १५ १६	३/५ ३/२ ५/१	४/६	१६ ३ १४	मकरे	वर्षा सायं
२	शु ३७ १३	अ १६ १०	पी १६ ३	तै ६ ४७	५० १४ ४६	२० ४ १५	कु.४७।४७		पुष्पे रवि-२/३ सं.स्त्री.पु.चंचंवामहिषः
३	श ३२ ४६	ध १६ २५	आ १२ ३७	व ५ ०	४८ १४ ४६	२१ ५ १६	कुम्भे		भ.५।०उ.३/४ या.चतुर्थीं ब्र.[! वर्षश्रेष्ठा
४	र २६ १२	श १४ २६	सो ६ ५१	ब ० २६	४५ १५ ४५	२२ ६ १७	मी५८।४६		मघायाँ सिंहे च बुधः ४२।१४
५	चं २६ ४०	पू १३ ३६	शो ५/८ ५/० ६/०	तै २६ ४०	४३ १५ ४५	२३ ७ १८	मीने		अतिगंडक्षयः ५/० ६/० पुनर्वसौभौमः ३/३ ६/२ *
६	मं २५ १६	उ १३ ५३	सु ५४ ५३	व २५ १६	४० १६ ४४	२४ ८ १६	मीने		भ.२५।१६उ.५५।१७या.[*ना.५म.
७	बु २५ १६	रे १५ १२	धृ ५२ ४६	ब २५ १६	३८ १६ ४४	२५ ६ २०	मे.१५।१२		उदयं भौमः११।३६ वर्षा योगः
८	गु २६ २६	अ १७ ५४	शू ५१ ४५	कौ २६ २६	३५ १७ ४३	२६ १० २१	मेषे		
६	शु २६ ५	भ २१ ४८	गं ५१ ३३	ग २६ ५	३२ १८ ४२	२७ ११ २२	वृ.३८।१		
१०	श ३२ २६	कृ २६ ४१	बृ ५२ ११	व ० ४७	२० १८ ४२	२८ १२ २३	वृषे		भ. ०।४७ उ. ३२।२६ या.
११	र ३६ ४८	रो ३२ ३२	धु ५३ २४	ब ४ ३८	२७ १६ ४१	२६ १३ २४	बृषे		कामिका ११ ब्र.
१२	चं ४१ ३२	मृ ५८ ५०	व्या ५४ ५५	कौ ६ १५	२४ १६ ४१	३० १४ २५	मि.५।४१		दुर्दिनं [= पूफायां बुधः५७।६दुर्दिनं
१३	मं ४६ ३८	आ ४५ १५	ह ५६ ३६	ग १४ ५	२१ २० ४०	३१ १५ २६	मिथुने		भ. ४६।३८ उ. प्रदोषः
१४	बु ५१ ६	पु ५१ २३	व ५७ ५६	वि १८ ४२	१८ २० ४०	१ १६ २७	क.३४।५१		भ. १८।४२या.अगस्त मा.८ ता.३१=
३०	गु ५५ ८	पु ५७ १	सि ५८ ३७	च २३ ७	१५ २१ ३६	२ १७ २८	कर्के		वक्री गुरुः ४४।३४हरियाली३०वर्षा

१५पं श्रा.कृ.२शु.इ.५३।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	११	४	५	१०	३
३	१८	२७	२०	१६	४	१८	४
५१	९	४०	३९	२६	४४	५७	११
१६	७	५९	४३	३५	६	४५	१३
५६	४०	७६	२	४१	७	३	५७
५७	५३	५५	१४	८	५१	११	१५

गोचरग्रहा

इस मास में वर्षा उत्तम हीगी प्रजा में सुख शांति रुई में बुध शुक्र का योग मन्दी किया करता है धान्य भाव मंदा रहेगा

गोचरग्रहा

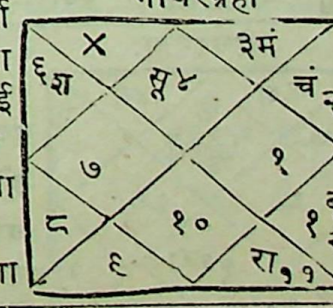

१६पं.श्रा.कृ.९शु.इ.५३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	११	४	५	१०	३
१०	२२	७	२०	२०	५	१८	१०
३०	४६	१५	५४	३४	१९	३५	५२
३३	५९	०/२२	५९	२६	२९	१९	
५७	४०	६५	०	२२	५	३	५७
५	३७	१८	५६	८	१८	११	२०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्ल पक्षः सं.२००८ शाकः १८७३	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चंद्र	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५९६४सन् १९५१
१	शु ५८ १७ श्ले ६० ० व्य ५८ ४७ कं २६ ४२	३३ १२	५ २२	६ ३८	३	१८	२९	कर्के	आश्लेषायां रविः २१।४०
२	श ६० ० श्ले १ ४२ व ५८ ० ब्रा २९ २८	९	२२	३८	४	१९	३०	सिं. १।४२	चन्द्रद.
२	र ० ४० म ५ १६ प ५६ १७ कौ ० ४०	६	२३	३७	५	२०	१	सिंहे	जिल्काद ११
३	चं ० १६ पू ७ ३७ शि ५३ २५ ग ० ५६	३	२३	३७	६	२१	२	कं. २२।५५	भ. ३०।४० उ. मधुश्रवा
४	मं ० २५ उ ८ ४९ सि ४९ ३७ वि ० २५	३० ०	२४	३६	७	२२	३	कन्या	भ. ०।२५ या. वरद ४ नाम ५
५	मं ५८ ७ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [÷ पवित्रा११ ब्र.
६	बु ५६ ३६ ह ८ ४० सा ४४ ४६ कौ २७ ३४	५७	२५	३५	८	२३	४	तु. ३८।१	कर्के भौमः ०।७ वर्ण ६
७	गु ५१ ४२ चि ७ ४३ शु ३९ ११ ग २४ ९	५४	२५	३५	९	२४	५	तुलायां	भ. ५१।४२ उ. शीतला ७ तुलसीज.
८	शु ४६ ५४ स्वा ५ १० शु ३२ ५२ वि १९ १८	५०	२६	३४	१०	२५	६	बृ. ४८।७	भ. १९।१८ या. उफायां ४ शनि; ५८।२७
९	श ४१ ३० वि २९ ५६ व्र २५ ५९ ब्रा १४ १२	४७	२७	३३	११	२६	७	बृश्चिके	
१०	र ३५ ४२ ज्ये ५४ ५१ ऐं १८ ३८ तै ८ ३६	४३	२७	३३	१२	२७	८	ध. ५४।५१	पुष्ये भौमः ५८।५२
११	चं २९ ४२ मू ५० ४४ वै ११ ४ व २ ४२	४०	२८	३२	१३	२८	९	धनुषि	भ. २।४२ उ. २९।४२ या. वक्री शुक्रः २।३७÷
१२	मं २३ ३७ पू ४६ ३६ वि २९ ५३ ब्रा २३ ३७	३६	२९	३१	१४	२९	१०	धनुषि	प्रदोषः
१३	बु १७ ३० उ ४२ ४२ आ ४८ ३१ तै १७ ३०	३३	२९	३१	१५	३०	११	म. ०।४८	
१४	गु ११ ३९ श्र ३९ १८ सौ ४१ २८ व ११ ३९	२९	३०	३०	१६	३१	१२	मकरे	भ. ११।३९ उ. ३९।६ या.
१५	शु ६ ३४ ध ३६ १९ शो ३४ ४६ व ६ ३४	२६	३१	२९	१७	३२	१३	कुं ७।४८	सिंहेऽर्कः १८।७

१७पं.श्रा.शु.१शु.इ५४।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	११	४	५	१०	३
१७	२७	१४	२०	२३	५	१८	१७
१०	२२	५४	५९	३३	५७	१६	२४
२२	३०	०	५६	११	४३	२४	०
५७	४०	४८	० ११	२०	५	३	५७
१२	२६	२८	ब	२९	४४	११	२४

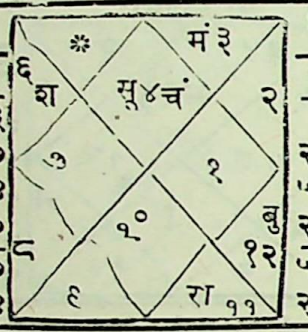

१८पं.श्रा.शु.८शु.इ.५३।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	११	४	५	१०	३
२३	१	२०	२०	२५	६	१७	२४
५१	५५	५	५५	१	२९	५०	१६
२९	५९	३८	४३	३०	२९	५९	२७
५७	४०	२९	३७	५	६	३	५७
२२	१०	१९	ब	१८	५	११	२३

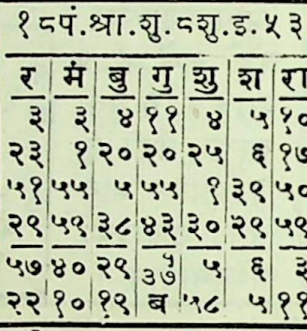

१९पश्रा.शु.१५शु.इ५३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	११	४	५	१०	४
०	६	२१	२०	२४	७	१७	०
३३	२७	५६	४१	४३	२३	१८	५९
४४	५८	३५	४२	३०	२७	४३	४७
५७	२९	२	५६ ५८	४६ ५०	६	३	५७
२४	५६	२८	ब	ब	२६	११	४०

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २००८ शाकः १८७	दि.	उ.	अ	इं.	हि.	मु.	चन्द्र	वर्षतूं रविर्दक्षिणेश्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श २ ५ श ३४ १ अ २८ ४६ कौ २ ५	३२ २२	५ ३२	६ २८	१८	१	१४	कुम्भे	वक्री बुधः १९।४२
२	श ५६ २३ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	र ५५ ५४ पू ३२ ५९ सु २३ ४२ व २७ ११	१८	३२	२८	१९	२	१५	मी १८।१५	भ. २७।११ उ. ५५।५४ या. कज्जली ३
४	चं ५४ २७ उ ३३ ० धृ १९ २२ व २५ १०	१५	३३	२७	२०	३	१६	मीने	चतुर्थी ब्र. बहुला ४
५	मं ५४ २९ रे ३४ ५ शू १६ ५ कौ २४ २८	११	३४	२६	२१	४	१७	मे. ३४।५	
६	बु ५५ ३७ अ ३६ २७ गं १३ ४२ ग २५ ३	८	३४	२६	२२	५	१८	मेषे	भ. ५५।३७ उ. चंद्र ६ हल ६
७	गु ५७ ५९ भ ४० ७ वृ १२ २१ वि २६ ४८	४	३५	२५	२३	६	१९	बृ. ५६।१८	भ. २६।४८ या. पश्चिमास्तोभृगुः ४।४८
८	शु ६० ० कृ ४४ ५२ धु ११ ५९ वा २९ ४४	३२ ३०	३६	२४	२४	७	२०	बृषे	पश्चिमास्तोबुधः २३।२७ श्रीकृष्णजयन्ती
८	श १ ३० रो ५० ३४ व्या १२ २७ कौ १ ३०	५१ ४६	३७	२३	२५	८	२१	बृषे	प.अ.शु.
९	र ५ ५३ मृ ५६ ४३ ह १३ ३४ ग ५ ५३	५२	३८	२२	२६	९	२२	मि २३।३८	भ. ३८।१६ उ.
१०	चं १० ३९ आ ६० ० व १५ २८ वि १० ३९	४८	३८	२२	२७	१०	२३	मिथुने	भ. १०।३९ या.
११	मं १५ ३४ आ ३ ८ सि १६ ३३ ब्रा १५ ३४	४४	३९	२१	२८	११	२४	क. ५१।७	अजा ११ ब्र. अगस्त्योदयः १७।३५
१२	बु २० २० पु ९ ६ व्य १८ १ तै २० २०	४०	४०	२०	२९	१२	२५	कर्के	वक्री रेवत्यां १ गुरुः २९।१८ प्रदोषः वत्स १२
१३	गु २४ २६ पु १४ ५८ व १८ ५१ व २४ २६	३६	४१	१९	३०	१३	२६	कर्के	भ. २४।२६ उ. ५६।२ या.
१४	शु २७ ३९ श्ले १९ ५८ प १९ ० श २७ ३९	३२	४२	१८	३१	१४	२७	सिं. १९।५०	पूफायां रविः ८।५८ वक्री मघायां बुधः ५।२५
३०	श २९ ४६ म २३ ४७ शि १८ २२ ना २९ ४६	२८	४२	१८	१	१५	२८	सिंहे	सितंबर मा. ९ ता. ३०

२० पं.भा.कृ.८श.इ.५३।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	११	४	५	१०	४
७	१०	१९	२०	२२	८	१७	७
१७	५६	३१	१९	३१	९	६	४४
१६	५३	३७	१	१	३२	२८	१७
५७	३९	३६ ३२	४ ५	२६ १९	६	३	५७
४५	४२	ब	व	ब	३८	११	४८

गोचरग्रहाः

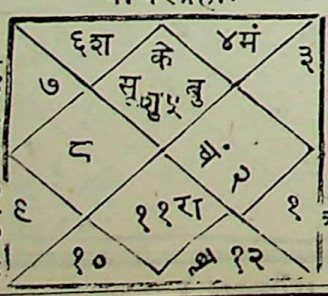

इस मास में यातो वर्षा होगी नहीं यदि होगी तो भयंकर वर्षा होगी जिससे अनेक स्थानोंमें नदियों में बाढ़से नुकसान।

गोचरग्रहाः

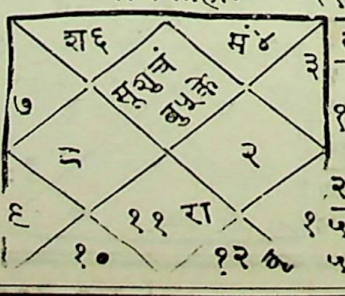

२१पं.भा.कृ.१४.शु.इ.५२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	११	४	५	१०	४
१४	१५	१२	१९	१८	८	१६	१४
२	२५	२८	४७	४२	५७	४४	२९
२८	३७	१९	२६	१८	४०	१३	५४
१	५७	२९ ६५ १७	१५	३५ ३४	६	३	५८
	५७	२५	ब	ब	५६	११	१

(सं० २००१ ममारभ्य २१००पर्यन्तम्)

*५बुशुके

*५बुशुके

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपदशुक्लपक्षः सं.२००८शाकः १८७३ दि. उ. अ. इ. हि. मु. चंद्रः वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६६४स.१६५१

१	र	३०	४२	पू	२६	१५	श्ले	१६	६	क	०	१४	३५	४३	१७	२	१६	२६	क.४१।३८	सार्पे भौमः ४६।६ शते३राहुःपूफाया%
२	चं	३०	१५	उ	२७	४६	मा	१४	६	वा	०	२८	२१	४४	१६	३	१७	३०	कन्या	चंद्रदर्शनम् [% १ केतुः १२।२४
३	मं	२८	३४	ह	२७	५८	शु	६	५६	ग	२८	३४	१८	४४	१६	४	१८	१	तु.५७।२७	भ. ५७।८ उ. जिल्हेज १२
४	बु	२५	४२	चि	२६	५७	शु	५	५६	वि	२५	४२	१४	४५	१५	५	१६	२	तुलायां	भ. २५।४२ या. गणेश ४
५	गु	२१	५४	स्वा	२४	५३	ब्र	१८	५३	वा	२१	५४	१०	४६	१४	६	२०	३	तुलायां	ऋषि ५
६	शु	१७	१६	वि	२२	१२	वै	३७	२४	तै	१७	१६	६	४७	१३	७	२१	४	बृ.७।५२	[* बुधश्च ३२।४६ दुर्वा ८ पू.उ.शु
७	श	११	५६	अ	१८	४८	वि	४०	३	व	११	५६	२	४८	१२	८	२२	५	बृश्चिके	भ५१६उ.३६।६या.पूर्वोदयीशुक्र१४।२४*
८	र	६	१३	ज्ये	१४	५०	प्री	३२	२६	ब	६	१३	३५८	४८	१२	६	२३	६	ध. १४।५०	वक्रीमघायांशुक्रः५१।३हस्ते१शनिः४५४
६	चं	०	१८	मू	१०	४८	आ	२४	४४	कौ	०	१८	५३	४६	११	१०	२४	७	धनुषि	[— १७।२५ जलभूलनी ११ ब्र. स्मा.
१०	चं	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षय
११	मं	४८	११	पू	६	३७	सौ	१७	१२	व	२१	१२	४६	५०	१०	११	२५	८	म.२०।३८	भ.२१।१२ उ.४८।११ या. मार्गीबुधः—
१२	बु	४२	३३	उ	४१	५६	शो	६	४१	ब	१५	२२	४५	५१	६	१२	२६	६	मकरे	अस्तंशनिः३२।३०जलभूलनी११ब्र.वै.नि.
१३	गु	३७	२०	ध	५५	५३	अ	३०	५२	कौ	६	५६	४०	५२	८	१३	२७	१०	कु.२७।२६	उफायां रविः ५३।३७
१४	शु	३२	४५	श	५३	४३	धृ	४६	२७	ग	५	२	३६	५३	७	१४	२८	११	कुम्भे	भ. ३२।४५ उ. अनन्त १४
१५	श	२६	१४	पू	५१	५६	शू	४४	१	वि	१	०	३२	५४	६	१५	२६	१२	मी ३७।२३	भ. १।० या. महालयारम्भः प्रौष्ठपदी१५

२२पं.मा.शु.६ इ.५२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	११	४	५	१०	४
२०	१९	८	१९	१४	९	१६	२१
४९	५१	५५	७	२७	४७	२१	१६
८	४०	८	१६	४३	१७	५७	५८
५८	३९	४०	१६	३४	७	३	५८
१२	२४	बृ	ब	ब	६	११	१३

गोचरग्रहाः

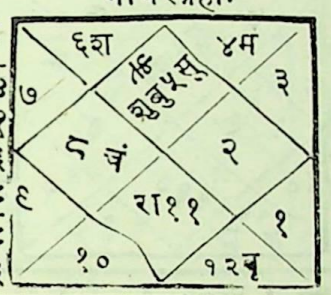

कन्यायां मिथुने मीने बृषे धनुषि वास्थितः । शनिः करोति दुर्भिक्ष राज युद्ध परस्परम् । कन्या राशिपरशनि धीरे२ रुई में तेजी

गोचरग्रहाः

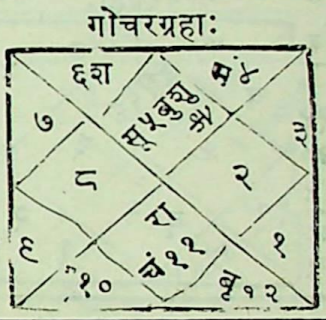

२३पंभा.शु.१४श.इ.५२।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	११	४	५	१०	४
२७	२४	१०	१८	१०	१०	१५	२८
३७	१५	२८	२०	५५	३७	५९	५
३२	५८	२६	४९	१	५२	४२	२४
५८	३९	४२	७	२३	७	३	५४
२९	८	मा	ब्र	ब	१४	११	२६

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं.२००८ शाकः १८७३ दि. उ. अ. इ. हि. मु. चन्द्रः वर्षतूं रविर्दक्षिणेभाद्रपद कृष्णेतिमहाराष्ट्र

१	र	२६	४१	उ	५१	५६	गं	३६	२५	कौ	२६	४१	३८	५५	६	१६	२०	१३	मीने	
२	चं	२५	२०	रे	५२	४४	वृ	३५	४७	ग	२५	२०	२४	५५	५	१७	२१	१४	मे.५२।४४	भ. ५५।१६ उ. कन्यायामर्कः १८।४८
३	मं	२५	१६	अ	५४	४६	धु	३३	६	वि	२५	१६	२०	५६	४	१८	१	१५	मेषे	भ.२५।१६या.पूफायांबुधः५४।४चतुर्थीब्र.
४	बु	२६	३०	भ	५८	१३	व्या	२१	२५	बा	२६	३०	१६	५७	३	१६	२	१६	मेषे	
५	वृ	२८	५३	कृ	६०	०	ह	३०	४७	तै	२८	५३	१२	५८	२	२०	३	१७	बृ.१४।२०	[— इन्दिरा ११ ब्र. नि.
६	शु	३२	२१	कृ	२	४२	व	३१	८	ग	०	३७	८	५८	२	२१	४	१८	बृषे	भ. ३२।२१ उ.
७	श	३६	५१	रा	८	१२	सि	३२	३	वि	४	३६	४	५६	१	२२	५	१६	मि४१।१२	भ. ४।३६ या.
८	र	४१	४२	मृ	१४	१२	व्य	३३	१२	बा	६	१६	०	०००	०००	२३	६	२०	मिथुने	सिंहे भौमः ५६।११
६	चं	४६	३८	आ	२०	३२	व	३४	४२	तै	१४	१०	२५५	१	५६	२४	७	२१	मिथुने	मार्गीशुक्रः ५५।२२ मातृ ६
१०	मं	५१	३२	पु	२६	४६	प	३६	१७	व	१६	५	५१	२	५८	२५	८	२२	क.१०।१३	भ. १६।५उ.५१।३२ या.
११	बु	५५	४६	पु	३२	४३	शि	३६	५६	ब	२३	३६	४६	३	५७	२६	६	२३	कर्के	पूर्वास्तोबुधः५४।२५इंदिरा११ब्र.स्मा वै.
१२	गु	५६	६	श्ले	३७	४६	सि	३७	३१	कौ	२७	२६	४२	४	५६	२७	१०	२४	सिं३७।४६	हस्तेरवि ३१।१६ उफायां बुधः३।१५—
१३	शु	६०	०	म	४१	५६	सा	३६	५३	ग	३०	१५	३८	४	५६	२८	११	२५	सिंहे	कन्यायां बुधः ४६।५१ वक्रीउभायां ४≡
१३	श	१	२५	पू	४४	४६	शु	३५	५६	ब	१	२५	३४	५	५५	२६	१२	२६	सिंहे	भ. १।२५ उ. ३१।५५ या.
१४	र	२	२५	उ	४६	२८	शु	३२	५६	श	२	२५	३०	६	५४	३०	१३	२७	क.७।११	सर्वपितृ ३० [≡ गुरुः ११।१६ प्रदोषः
३०	चं	२	३	ह	४६	५७	ब्र	२६	२५	बा	२	३	२६	७	५३	१	१४	२८	कन्या	अक्टूबरमा.१०ता०३१मातामहश्राद्धम्

२४पं.आ.कृ.६शु.इ.५२।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	११	४	५	१०	५
४	२८	१८	१७	९	११	१५	४
२७	३९	२३	२९	२	२९	३७	५५
३७	३२	५६	२४	३१	२०	२६	१७
५८	३९	९७	४०	२७	७	३	५८
४५	१	४७	ब	ब	२०	११	३८

गोचरग्राह

आश्विन कृष्णा२चन्द्रे कन्यायामर्कःप्र.वा.४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी)मु.३०(धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे वत्सश्च राहु रुत्तरे मूलं स्वर्गे ।

गोच-ग्राह

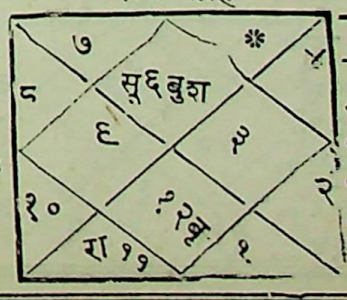

२५पं.आ.कृ.१३.शु.इ५२।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	११	४	५	१	५
११	२	०	१६	९	१२	१५	११
१९	५९	९	३४	९	२१	१५	४६
२ ४३	२४	३६	३७	७	७	११	५५
५९	३८	४९	५२	७	७	३	५९
०	३६	३८	बृ	मा	२०	११	५२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|आश्विनशुक्लपक्षः सं०२००८ शाकः १८७३| दि| उ.|अ.| इं.|हिं|मु.|चन्द्रः|शरदृतुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०२४स.१६५१

१	मं	०	२३	चि	४६	१३	ऐं	२४	४३	ब	०	२३	२४/२२	६/८	५/३	२	१५	२६	तु.१६।३५
२	मं	५७	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	बु	५३	५६	स्वा	४४	११	वै	१६	४०	तै	२५	५०	१८	८	५२	३	१६	१	तुलायां
४	गु	४६	२५	वि	४१	२५	वि	१३	२६	व	२१	४२	१४	६	५१	४	१७	२	बृ.२७।७
५	शु	४४	१४	अ	३८	२४	प्री	३/६	५/२	ब	१६	४६	१०	१०	५०	५	१८	३	बृश्चिके
६	श	३८	३३	ज्ये	३४	४३	सौ	५१	५३	कौ	११	२३	६	११	४६	६	१६	४	ध. ३४।४३
७	र	३२	४६	मू	३०	३४	शो	४४	७	ग	५	४१	२	१२	४८	७	२०	५	धनुषि
८	चं	२६	४३	पू	२६	२६	अ	३६	२१	ब	२६	४३	३/५	१२	४८	८	२१	६	म.४०।२७
९	मं	२०	४५	उ	२२	२९	सु	२८	४४	कौ	२०	४५	५४	१३	४७	९	२२	७	मकरे
१०	बु	१५	९	श्र	१८	४८	धृ	२१	२३	ग	१५	९	५०	१४	४६	१०	२३	८	कु.४७।१०
११	गु	१०	२	ध	१५	३३	शू	१४	२४	वि	१०	२	४६	१५	४५	११	२४	९	कुम्भे
१२	शु	५	३१	श	१३	१५	गं	८	०	ब	५	३१	४२	१६	४४	१२	२५	१०	मी ५६।५२
१३	श	२	५	पू	११	२५	वृ	२/१८	५५/६	तै	२	५	३८	१६	४४	१३	२६	११	मीने
१४	श	५७	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	र	५८	२०	उ	१०	४८	व्या	५३	३०	वि	२८	५९	३४	१७	४३	१४	२७	१२	मीने

चंद्रदर्शनम् नवरात्रा.
क्षयः
मोहोरम १ सन् १३७१
भ.३/४२उ.४९।२५या.हस्तेबुधः२४।४६
उपांगललिता ब्र.
हस्ते२शनिः ५०।१५
भ.३२/४९उ.५९/४६ या. सरस्वत्यावाहनं
सरस्वती पूजनं
बौद्धज. सरस्वतीवि. विजया १०
भ. ४२।३५ उ. विजया १०
भ.१०।२ या. चित्रायां रविः१।५३×
प्रदोः ताजिया
भ.५९।३८उ. [*०।५पापांकुशा११ब्र.
क्षयः[×चित्रायांबुधः५/४९पूफायांशुक्रः*
भ. २८'५९ या. शरत्पूर्णिमा

२६पं.आ.शु.५शु.इ.५२।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	११	४	५	१०	५
१८	७	१२	१५	११	१३	१४	१८
१३	१७	४२	३८	३	१२	५२	४०
३१	५३	३२	१३	२२	५४	५६	१२
५९	३८	५९/३५	७	२२	७	३	५९
१६	२०	५५/३५	५२	५३	२०	११	९

गोचरग्रहाः

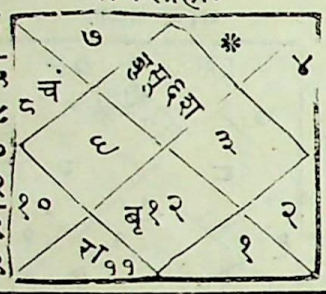

इस मास में प्रजा
में पीड़ा व्यापार
में घटबढ़ धान्य
भाव सामान्य मूंग
मोठ बाजरा चूंला
मंदासोनाचांदीतेज

गोचरग्रहाः

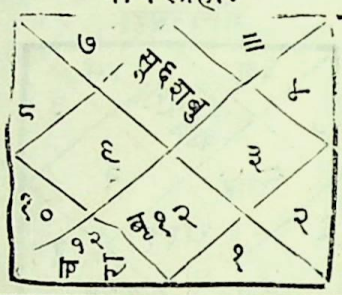

२७पं.आ.शु.१२शु.इ५१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	११	४	५	१०	५
२५	११	२५	१४	१४	१४	१४	२५
९	३५	१	४२	२३	४	३०	३५
१४	२४	३७	५८	१७	३७	४०	७
५९	२८	०/८७	४७	३३	७	३	५१
३१	७	३३	ब	५६	१४	११	२१

ति.|कार्तिककृष्णपक्षः सं०२००८ शाकः १८७३ दि.| उ.|अ. इं.|हिं.|मु. | चन्द्रः |शरदृतुः रविर्दक्षिणेऽाश्विन-कृष्णेति महा.

१	चं	५८	२६	रे	११	२३	ह	५०	४१	वा	२८	२३	२८/३०	६/१८	५/४३	१५	२८	१३	मे.११।२३
२	मं	५९	३६	अ	१२	४९	व	४८	३२	तै	२९	१	२६	१९	४१	१६	२९	१४	मेषे
३	बु	६०	०	भ	१६	१५	सि	४७	३३	व	३०	२४	२२	२०	४०	१७	३०	१५	बृ.२२।१८
३	गु	१	१२	कृ	२०	२८	व्य	४६	५४	वि	१	१२	१८	२०	४०	१८	१	१६	बृषे
४	शु	५	३९	रा	२५	४३	व	४८	८	वा	५	३९	१४	२१	३९	१९	२	१७	मि५८।३६
५	श	१०	१४	मृ	३१	२९	प	४९	१७	तै	१०	१४	१०	२२	३८	२०	३	१८	मिथुने
६	र	१५	१०	आ	३७	५७	शि	५०	३५	व	१५	१०	६	२३	३७	२१	४	१९	मिथुने
७	चं	२०	१३	पु	४४	२१	सि	५१	५४	ब	२०	१३	२	२४	३६	२२	५	२०	क.२७।४५
८	मं	२५	१२	पु	५०	१८	सा	५३	७	कौ	२५	१२	२७/५८	२४	३६	२३	६	२१	कर्के
९	बु	२९	३२	श्ले	५५	४९	शु	५३	२५	ग	२९	३२	५४	२५	३५	२४	७	२२	सिं५५।४९
१०	गु	३२	५४	म	६०	०	शु	५३	०	व	१	१३	५०	२६	३४	२५	८	२३	सिंहे
११	शु	३५	१२	म	०	२	न	५१	४१	व	४	३	४६	२७	३३	२६	९	२४	सिंहे
१२	श	३६	२३	पू	३	२२	ऐं	४९	२९	कौ	५	४७	४२	२८	३२	२७	१०	२५	कं१८।४६
१३	र	३६	१०	उ	४	५८	वै	४६	१३	ग	६	१७	३८	२८	३२	२८	११	२६	कन्या
१४	चं	३४	३४	ह	५	५१	वि	४२	०	वि	५	२२	३४	२९	३१	२९	१२	२७	तु.३५।३७
३०	मं	३१	५२	चि	५	२४	प्री	३६	४७	च	३	१३	३१	३०	३०	३०	१३	२८	तुलायां

तुलायांबुधः४०।०पूफायाभौमः३६।३९
भ.३/२०उ.तुलायामर्कः४/३७उदयीशनिः२/७
भ. १।१२ या. चतुर्थी ब्र.
स्वात्यां बुधः ४६।४६
भ. १५।१० उ. ४२।४१ या.
होई ८
स्वात्यांरविः२/३७वक्रीउभायां३गुरुः१/१९
भ. १।१३ उ. ३२।५४ या.
रमा ११ ब्र.
विशाखायांबुधः५९।१५गोवत्स पू.
भ.३/१०उ.प्रदोषः धन१३यमदीपदानं
भ.५।२२या. उफायांशुक्रः४/३९रूप१४
महालक्ष्मीपूजनम्

२८पं..का.कृ.४शु.इ.५१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	११	४	५	१०	६
२	१५	६	१३	१८	१४	१४	२
६	४९	४८	५०	४९	५५	८	३१
४३	५९	३२	५३	५१	१९	२५	३५
५९	३७	०/८०	१७	४२	७	३	५९
४६	४३	२३	ब	१३	८	११	३४

गोचरग्रहाः

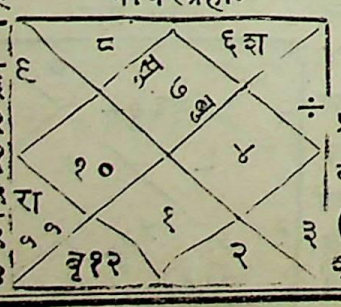

कार्तिक कृष्णा३
बुधे तुलायामर्कः
प्र.वा.३न.४ बृद्धा-
वस्था(बैठी)मु.२०
(धान्य भावसमं)
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

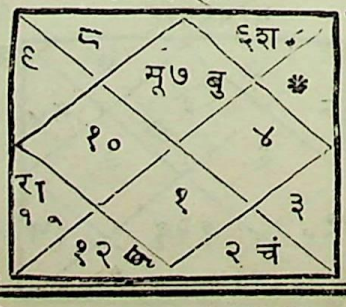

२९पं.का कृ.११शु.इ.५१।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	११	४	५	४	६
९	२०	१८	१३	२४	१५	१३	९
६	२	९	३	१५	४५	४६	२९
५	२०	२९	२५	४३	०	१०	५४
६०	३७	९८	२/६०	४८	६	३	५९
२	३०	३	ब	३७	५६	११	४७

*५केमंशु ÷५शुकेमं (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम) =५केमंशु *५शुमंचंके

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २००८शाक: १८७३|दि.|उ.|अ.|इ.|हि.|मु.| चंद्रः |शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०५३सन्१९५१

१	बु	२८	१३	स्वा	३	४८	आ	२०	४७	कं	००	१३	२७	३१	५	३१	१४	२९
२	शु	२३	४४	वि	१९	५७	सो	२४	५	कौ	२३	४४	२३	३१	२९	१	१५	३०
३	शु	१८	३८	ज्ये	५४	२९	शो	१६	५९	ग	१८	३८	२०	३२	२८	२	१६	१
४	श	१३	३	मू	५०	२८	अ	९	२४	वि	१३	३	१६	३३	२७	३	१७	२
५	र	७	१५	पू	४६	२९	सु	३९	५२	वा	७	१५	१३	३३	२७	४	१८	३
६	चं	१	२१	उ	४२	२०	शू	४६	५	तै	१	२१	९	३४	२६	५	१९	४
७	चं	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	मं	४९	३५	श्र	३८	३१	गं	३८	३१	वि	२२	३०	६	३५	२५	६	२०	५
९	बु	४४	५५	ध	३५	११	वृ	३१	२३	वा	१७	१५	३	३५	२५	७	२१	६
१०	गु	४०	३५	श	३२	२७	धु	२४	४५	तै	१२	४५	५९	३६	२४	८	२२	७
११	शु	३७	१	पू	३०	३०	व्या	१८	४७	व	८	४८	५६	३७	२३	९	२३	८
१२	श	३४	४९	उ	२९	४०	ह	१३	२७	ब	५	५५	५२	३८	२२	१०	२४	९
१३	र	३३	३७	रे	२९	५७	व	९	२५	कौ	४	१३	४९	३८	२२	११	२५	१०
१४	चं	३३	४९	अ	२१	१९	सि	६	७	ग	३	४३	४६	३९	२१	१२	२६	११
१५	मं	३५	९	भ	३४	१३	व्य	३	४६	वि	४	२९	४३	३९	२१	१३	२७	१२

१	बु	३७	४४	कृ	३८	१३	व	२	२२	मा	६	२६	२९	४०	२०	१४	२८	१३
२	गु	४१	२८	रो	४३	१५	प	१	५५	तै	९	३६	३७	४१	१९	१५	२९	१४
३	शु	४६	५	मृ	४९	३	शि	२	५६	व	१३	४६	३४	४१	१९	१६	३०	१५
४	श	५१	६	आ	५५	२२	सि	३	१७	व	१८	३५	३१	४२	१८	१७	१	१६
५	र	५६	१७	पु	६०	०	सा	४	३९	कौ	२३	४१	२९	४२	१८	१८	२	१७
६	चं	६०	०	पु	१	४६	श	५	४९	ग	२८	४९	२६	४३	१७	१९	३	१८
७	मं	१	२१	पु	७	४९	सु	६	५१	व	१	२१	२४	४३	१७	२०	४	१९
८	बु	५	४३	श्ले	१३	२३	ब्र	७	२१	ब	५	४३	२१	४४	१६	२१	५	२०
९	गु	९	१०	म	१७	५८	ऐं	७	१२	कौ	९	१०	१८	४४	१६	२२	६	२१
१०	शु	११	२९	पू	२१	२५	वे	६	१६	ग	११	२९	१६	४५	१५	२३	७	२२
११	श	१२	३७	उ	२३	३७	वि	४	१४	वि	१२	३७	१३	४५	१५	२४	८	२३
१२	र	१२	२१	ह	२४	३९	प्री	१३	५५	वा	१२	२१	११	४६	१४	२५	९	२४
१३	चं	१०	४७	चि	२४	२८	सौ	५२	११	तै	१०	४७	८	४६	१४	२६	१०	२५
१४	मं	८	७	स्वा	२३	१	शो	४६	२०	व	८	७	६	४७	१३	२७	११	२६
१५	बु	४	३२	वि	२०	४८	अ	३९	४८	श	४	३२	३	४७	१३	२८	१२	२७
१६	बु	५५	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

ज्येष्ठायां बुधः ५९।३७

भ.१३।४६उ.४६।५या.बृश्चिकेऽर्कः ३७/२०

चतुर्थी ब्र.

अनु. रवि. ५५।८

भ.१।२१उ.३३।३२या.पातस्पर्शः५।२६*

भैरवजयन्ती

[* पातमोक्षः १९।५४

भ. ४२।३ उ.

भ. १२।३७ या. धनुषि बुधः ४३।२४

चित्रायांशुक्रः ४८।५० उत्पत्ति ११ब्र.

प्रदोषः

भ. ८।७ उ. ३६।१९ या.

क्षयः

३०पं.का.शु.३शु.इ.५१।२७

गोचरग्रहाः

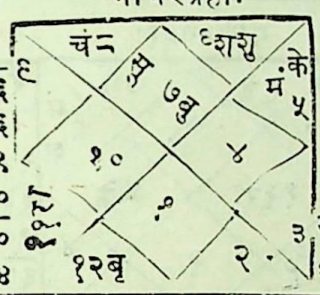

कन्या राशि पर शनि मंगल का योग रुई में १००) १२५)की तेजी का योग है यह योम सं१९८०में हुआ। था तब३००)की तेजी

गोचरग्रहाः

३१पं.का.शु.११शु.इ५१।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	११	५	५	१०	६
२३	२८	९	११	६	१७	१३	२३
९	१९	३१	४९	५६	१९	१	३१
४७	१६	५२	३४	५६	३४	३९	२
६०	३६	९४	४	५७	६	३	६०
३०	४८	५०	ब	२२	२६	११	१७

३२पं. मा.कृ.३शु. इ.५१।२

गोचरग्रहाः

मार्गशीर्षकृष्णा३ शुक्रे बृश्चिकेऽर्कःप्र.वा.३ न.३बृद्धावस्था (बैठी) मु.३०(धान्यभावसम) शुक्रोदयं पूर्वे वत्सो दक्षिणे राहुः।

गोचरग्रहाः

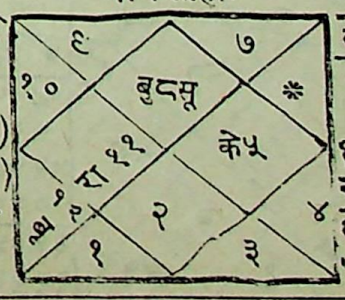

३३पं.मा.कृ.९शु.इ.५०।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	११	५	५	१०	७
७	६	२८	११	२१	१८	१२	७
१९	२४	४३	१०	१६	४५	१७	३७
२६	२२	५२	५५	४४	०	८	४४
६०	३५	८६	७/३५	६२	५	३	६०
५३	४७	५४	ब	४०	४३	११	४२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष सं.२००८शाकः १८७३ |दि|उ.|अ|इ.|हि.|मु.| चंद्रः |हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०८२स.१९५१

१	गु	५४	५१	अ	१७	५४	सु	३२	४२	क	२७	२५	२६/००	४८/	५/२	२९	१३	२८	बृश्चिके
२	शु	४९	२३	ज्ये	१४	१२	धू	२५	७	चा	२२	७	२५/५८	४९	११	३०	१४	२९	ध. १४।१२
३	श	४३	३९	मू	१०	१३	शु	१७	२४	तै	१६	३१	५६	४९	११	१	१५	१	धनुषि
४	र	३७	४९	पू	६	११	गं	९	३९	व	१०	४४	५४	५०	१०	२	१६	२	म.२०।८
५	चं	३१	५९	उ	२/१	५६/३	बृ	१/५३	५२/१८	ब	४	५४	५२	५०	१०	३	१७	३	मकरे
६	मं	२६	३३	ध	५४	४०	श्रा	४६	५२	तै	२६	३३	५१	५०	१०	४	१८	४	कु.२६।२२
७	बु	२१	४३	श	५१	४६	ह	३९	५०	व	२१	४३	४९	५१	९	५	१९	५	कुम्भे
८	गु	१७	२७	पू	४९	४१	व	३३	३९	ब	१७	२७	४७	५१	९	६	२०	६	मी ३५।१२
९	शु	१४	११	उ	४८	३८	सि	३८	१६	कौ	१४	११	४६	५१	९	७	२१	७	मीने
१०	श	११	५५	रे	४८	३७	व्य	२३	४१	ग	११	५५	४४	५१	९	८	२२	८	मे. ४८।३७
११	र	१०	५०	अ	४९	५२	व	२०	४	वि	१०	५०	४३	५२	८	९	२३	९	मेषे
१२	चं	११	८	भ	५२	२०	प	१७	२३	बा	११	८	४२	५२	८	१०	२४	१०	मेषे
१३	मं	१२	४२	कृ	५६	२	शि	१५	४१	तै	१२	४२	४१	५२	८	११	२५	११	वृ. ८।१५
१४	बु	१५	२३	रा	६०	०	सि	१४	४१	व	१५	२३	४०	५२	८	१२	२६	१२	वृषे
१५	गु	१९	२०	रो	०	५७	सा	१५	५	ब	१९	२०	३९	५२	८	१३	२७	१३	मि.३३।४५

इस मास में प्रजा में सुख शांति रस कस तेज बुधे पंच रस क्षयः मूंग मोंठ बाजरा गेहूँ जौ चणा मंदा ।

चंद्रदर्शनम् हस्ते भौम १०।५८
तुलायां शुक्रः ५/३ ३/६ मार्गीगुरूः १/३ ४/७ रवि×
भ.१०।४४उ. ३७।४९ या.
ज्येष्ठायां रविः २।७
चंपा ६ [×लावल ३ दि.मा.१२ ता.३१
भ. २१।४३ उ. ४९।३५ या.
[*हस्ते ४ शनिः १९।२२
स्वात्यां शुक्रः ४९।४२
भ. ४१।२२उ. वक्रीबुधः २४।४८*
भ. १०।५० या. मोक्षदा ११ ब्र.
प्रदोषः
पश्चिमास्तोबुधः ४/६ पशाच मोचनश्रा.
भ. १५/२३ उ. ४७/२१ या. श्रीदत्तजयंती

३४पं.मा.शु.२शु.इ.५०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१७	५	८	११	५	५	१०	७
२४	१०	६	११	२८	१९	११	१४
१६	२३	११	७	५२	२३	५४	४३
६१	२४	१७	३४	१६	१७	५३	४
१	३५	६८	०/४	६४	५	३	६०
३	२५	१७	ब	२१	१३	११	५०

गोचरग्रहाः

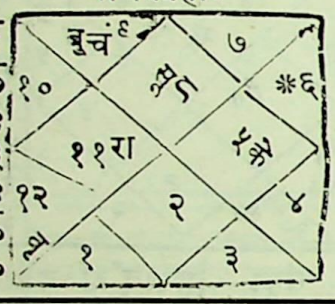

गोचरग्रहाः

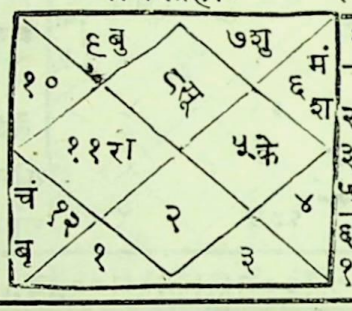

३५पं.मा.शु.९शु.इ.५०।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	११	६	५	१०	७
२१	१४	८	११	६	१९	११	२१
३३	१७	५६	१३	४०	५७	३२	४९
५८	४६	४२	४४	४८	४०	३७	२०
६१	२४	७	६	६६	४	२	६०
११	४९	५१	मा	०	५०	११	५६

ति.| पौष कृष्णपक्षः सं.२००८ शाकः १८७३ |दि|उ.|अ.|इ|हि|मु.| चंद्रः |हेमंतर्तू रविदक्षिणेमार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	शु	२४	१	मृ	६	३७	शु	१५	५१	कौ	२४	१	५/३८	६/५२	५/८	१४	२८	१४	मिथुने
२	श	२९	८	आ	१२	४९	शु	१७	२	ग	२९	८	२८	५२	८	१५	२९	१५	मिथुने
३	र	३४	१९	पु	१९	८	बृ	१८	१३	व	१	४३	३७	५३	७	१६	३०	१६	क. २।३३
४	चं	३९	२१	पु	२५	२५	ऐं	१९	१४	ब	६	५०	३७	५३	७	१७	१	१७	कर्के
५	मं	४३	५२	श्ले	३१	९	वै	२०	१०	कौ	११	३६	३७	५३	७	१८	२	१८	सिं ३१।९
६	बु	४७	९	म	३५	५३	वि	२०	१	ग	१५	३०	३६	५३	७	१९	३	१९	सिंहे
७	गु	४९	२५	पू	३९	४०	वी	१९	२४	वि	१८	१७	३६	५३	७	२०	४	२०	क. ५५।२०
८	शु	५०	२८	उ	४२	२२	आ	१७	३५	बा	१९	५६	३६	५३	७	२१	५	२१	कन्या
९	श	५०	१३	ह	४३	२८	सौ	१४	५६	तै	२०	२०	३६	५३	७	२२	६	२२	कन्या
१०	र	४८	३६	चि	४३	३२	शो	११	७	व	१९	२४	३६	५३	७	२३	७	२३	तु. १३।३०
११	चं	४५	५४	स्वा	४२	२५	अ	६	२५	ब	१७	१५	३७	५३	७	२४	८	२४	तुलायां
१२	मं	४२	२४	वि	४०	१९	सु	५/४	०/४५	कौ	१४	९	३७	५३	७	२५	९	२५	वृ. २५।५१
१३	बु	३७	५१	अ	३७	२४	शु	४७	३६	ग	१०	८	३७	५३	७	२६	१०	२६	बृश्चिके
१४	गु	३२	४०	ज्ये	३४	३	गं	४०	१७	वि	५	१५	३८	५२	८	२७	११	२७	ध. ३४।३
३०	शु	२७	११	मू	३०	१०	बृ	३२	३८	ना	२७	११	३८	५२	८	२८	१२	२८	धनुषि

भ.१।४३उ.३४।१९या. धनुष्यर्कं ५।५२
वक्रीज्येष्ठायां वृश्चिके च बुधः २७।२*
*चतुर्थी बृत
भ.४७।९ उ. विशाखायां शुक्रः २५।६
भ. १८।१७ या.

उत्तरायण प्रवृत्तिः ३५।२८
भ. १९/२४ उ. ४८/३६ या. पूर्वोदयीबुधः८।१०
चित्रायांमौमः २/३ सफला ११ब्र.स्मा.वै.
सफला ११ ब्र. नि.
भ.३७।५१मार्गी बुधः५।११प्रदोषः
भ.५।१५या.बृश्चिके शुक्रः ५८।१७
अमावस्या

३६पं.पौ.कृ.१शु.इ.५०।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	११	६	५	४	७
२८	१८	३	११	१४	२०	११	२८
४२	८	५४	२९	३८	२८	१०	५६
४१	१०	२५	४९	१०	३७	२२	५
६१	२४	४५/४९	२	६७	४	३	६१
१९	६	ब	२९	२०	१४	११	०

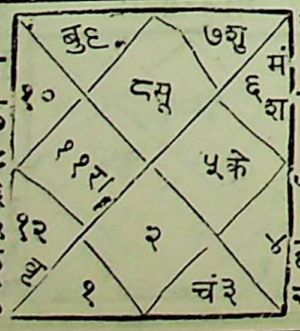

३७पं.पौ.कृ.८शु.इ५०।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	११	६	५	१०	८
५	२१	२५	११	२२	२०	१०	६
५२	५४	२०	५५	४५	५५	४८	३
७	४०	१०	५२	३६	२६	६	३६
६१	३३	५४/८	३	६८	३	३	६१
२२	२६	ब	५३	२५	३४	११	५

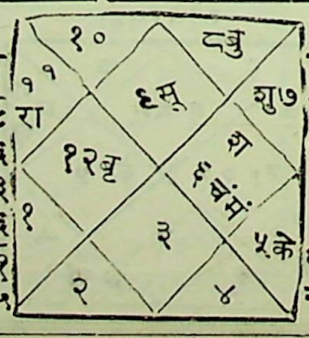

३८पं.पौ.कृ.३०.शु.इ५९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	११	७	५	१०	८
१३	२५	२२	१२	०	२१	१०	१३
२	३५	५२	३१	५९	१६	२५	११
०	३१	५२	५	३१	१२	५१	३१
६७	३२	३४/६	५	६९	२	३	६१
२६	३५	मा	४	१०	५२	११	६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* ६ शु मं श

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं.२००८ शाकः १८७३	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	हेमंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः६११२स.१९५१
१	श २१ २९ पू २६ ७ ध्रु २४ ४६ व २१ २९	२५/३९	५२	६/५	२९	१३	२९	म.४०।५	पूषायां रविः ७।२७
२	र १५ ३७ उ २१ ५८ व्या १६ ५९ की १५ ३७	४०	५२	८	३०	१४	३०	मकरे	चंद्रदर्शनम् मैत्रे शुक्रः ५१।४७
३	चं ९ ५१ अ १८ ० ह ९ १६ ग ९ ५१	४०	५२	८	३१	१५	१	कु.४६।१४	भ.३७।८उ. रविलारवर ४
४	मं ४ २५ ध १४ २९ व ४/४ ५/९ वि ४ २५	४१	५२	८	१	१६	२	कुम्भे	भ.४।२५उ. ५२।५९ जनवरीमा.१*
५	मं ५५ १२ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	९	०	०	०	०	०	०	क्षयः [*ता०३१ सन् १९५२
६	बु ५५ ३८ श ११ २३ व्य ४८ १४ की २७ ३७	४२	५२	८	२	१७	३	मी५४।४५	
७	गु ५२ २४ पू ९ १२ व ४२ २७ ग २४ १	४३	५१	९	३	१८	४	मीने	भ. ५२।२४ उ.
८	शु ५० २० उ ८ ८ प ३७ ३४ वि २१ २२	४४	५१	९	४	१९	५	मीने	भ. २१।२२ या.
९	श ४९ १८ रे ७ ३५ शि ३३ ४१ बा १९ ४९	४५	५१	९	५	२०	६	मे.७।३५	उभायां४गुरुः४/५ शते१राहुः मघायां२≡
१०	र ४९ ४५ अ ८ ३१ सि ३० २८ तै १९ ३१	४७	५१	९	६	२१	७	मेषे	तुलायां भौमः२५।५९[≡केतु५७।४१
११	चं ५१ २५ भ १० ४० सा २८ ३५ व २० ३५	४८	५०	१०	७	२२	८	बृ.२६।३३	भ.३/५उ.५/२१या.धनुषि बुधः३/८पुत्रदा–
१२	मं ५४ ११ कृ १४ ११ शु २७ ३१ व २२ ४८	५०	५०	१०	८	२३	९	बृषे	पुत्रदा११ब्र.नि. [–११ब्र.स्मा.वै.
१३	बु ५८ १७ रा १८ ४६ शु २७ ३५ की २६ १४	५२	५०	१०	९	२४	१०	मि५१।३२	प्रदोषः
१४	गु ६० ० मृ २४ १९ ब्र २८ १ ग ३० ४०	५४	४९	११	१०	२५	११	मिथुने	ज्येष्ठायां शुक्रः ५६।४१
१४	शु ३ ३ आ ३० २८ ऐं २९ ६ व ३ ३	५६	४९	११	११	२६	१२	मिथुने	भ.३/३उ.३५।३७या.उषायां रविः ८।५७
१५	श ८ १२ पु ३६ ५५ चै ३० १५ व ८ १२	५८	४८	१२	१२	२७	१३	क.२०।१८	माधस्नानारंभः

३९पं.पौ.शु.८शु.इ.४९।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	११	७	५	१०	८
२०	२९	२७	१३	९	२१	१०	२०
११	८	२०	१४	१९	३४	३	१९
५८	५६	३१	३१	५	३७	३६	४०
६१	३१	७०	६	७०	२	३	६१
२६	५२	२८	१३	०	१०	११	९

गोचरग्रहाः

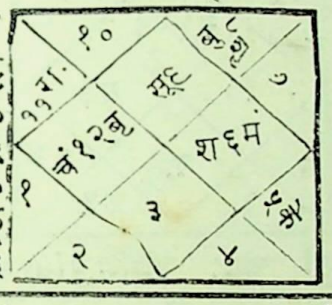

इस मास का फल सामान्य है धान्य-भाव मंदा वस्त्र तेज केशर कपूर और सुगंधित वस्तु तेज होंगी।

गोचरग्रहाः

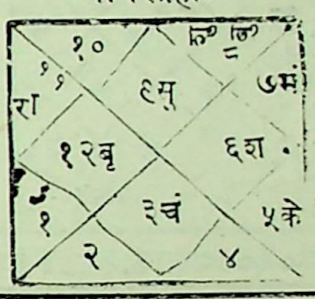

४०पं.पौ.शु१४शु.इ.४९।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	११	७	५	१०	८
२७	२	५	१४	१७	२१	९	२७
२१	३५	४	६	४२	४६	४१	२७
४९	२४	२३	२२	३२	५२	२०	४३
६१	३०	८३	७	७०	१	३	६५
२४	३४	१६	११	३८	२५	११	६१

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविरुत्तरेपौष कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र १३ ३० पु ४३ ९ वि ३१ २६ की १३ ३०	२६	४८	६/१२	१३	२८	१४	कर्के	
२	चं १८ २६ श्ले ४९ २४ मी ३२ २६ ग १८ २६	३	४७	१३	१४	२९	१५	सिं४९।२४	भ. ५०।३९उ. मकरेऽर्कः २४।२४
३	मं २२ ५२ म ५४ ४ आ ३२ ३६ वि २२ ५२	६	४७	१३	१५	१	१६	सिंहे	भ.२२।५२या. चतुर्थी ब्र.
४	बु २६ ७ पू ५८ १० सौ ३२ ८ बा २६ ७	८	४६	१४	१६	२	१७	सिंहे	
५	गु २८ २० उ ६० ० शो ३० ४८ तै २८ २०	१०	४६	१४	१७	३	१८	क.१३।४४	[*२५।३२पातस्पर्शः ५२।३९
६	शु २९ १९ उ ० २८ अ २८ २४ व २९ १९	१२	४६	१४	१८	४	१९	कन्या	भ.२९।१९उ.५९।७या. पूषायां बुधः१/३५
७	श २८ ५५ ह २ ३१ सु २५ ३ ब २८ ५५	१४	४५	१५	१९	५	२०	तु. ३३।१२	
८	र २७ १५ चि ३ ५४ धृ २० ५१ की २७ १५	१७	४५	१५	२०	६	२१	तुलायां	अभि.प्र.रविः ५५।४१ स्वात्यां भौमः*
९	चं २४ २८ स्वा २ ६ शू १५ ३३ ग २४ २८	१९	४४	१६	२१	७	२२	बृ.४५।४७	भ. ५२।३८ उ. पातमोक्षः ६।१३
१०	मं २० ४८ वि २१/५७ गं ९ २७ वि २० ४८	२२	४४	१६	२२	८	२३	बृश्चिके	भ. २०।४८या. धनुषि शुक्रः ३।४०
११	बु १६ १६ ज्ये ५४ १४ धृ ५१/५२ बा १६ १६	२४	४३	१७	२३	९	२४	ध.५४।१४	षट्तिला ११ ब्र.
१२	गु १० ५९ मू ५० ३१ व्या ४८ २ तै १० ५९	२७	४३	१७	२४	१०	२५	धनुषि	श्रवणे रविः११।४१ प्रदोषः
१३	शु ५ २४ पू ४६ २७ ह ४० १४ व ५ २४	३०	४२	१८	२५	११	२६	धनुषि	भ.५।२४उ. ३२।३३ अभि.नि.रविः×
१४	शु ५४ १९ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [×३।५७वक्री शनिः९।२६
३०	श ५३ ५१ उ ४२ १८ व ३२ २६ च २६ ४७	३३	४१	१९	२६	१२	२७	म.०।२५	मौनी ३०

४१पं.मा.कृ.६शु.इ.४९।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	११	७	५	१०	९
४	५	१४	१५	२६	२१	९	४
३१	५३	१६	५	९	५४	१९	३५
१७	१७	२३	२४	५४	०	५	३४
६१	२९	८८	८	७१	०	३	६१
१८	१६	३७	२३	१२	४७	११	३

गोचरग्राह

माघ कृष्णा २ चंद्रे मकरेऽर्कः प्र, वा. २ नं. ३ मु. १५ (धान्य भाव तेज शुक्रोदयं पूर्वस्याम्

गोचरग्राह

४२पं.मा.कृ१२.शु.इ४६।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	११	८	५	१०	९
११	९	२४	१६	४	२१	८	११
४०	३	१८	१५	३९	५५	५६	४२
८	४७	०	२०	५८	४४	५०	४६
६१	२७	९२	९	७१	०	३	६०
१३	५४	१५	११	३७	ब्र	११	५९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*चंशु६बु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २००८शाकः १८७३										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शिशि.रविस्तरेऽहर्गणः ६१४१सन् १९५२
१	र	४८	११	अ	३८	२०	सि	२४	४६	कि	२१	१	२६/३६	६/४१	५/१९	२७	१३	२८	मकरे	उषायां बुध २२।१०
२	चं	४२	३७	ध	३४	३९	व्य	१७	२४	आ	१५	२४	३९	४०	२०	२८	१४	२९	कु.६।२९	चंद्रदर्शनम् रेवत्यां १ गुरुः ५७।७
३	मं	३८	७	श	३१	३९	व	९	५२	ते	१०	२२	४२	४०	२०	२९	१५	१	कुम्भे	मक्करे बुधः ३६।४७ जमादिलावल ५
४	बु	३४	३	पू	२९	१५	प	२१/२१	५/५	ध	६	५	४५	३९	२१	३०	१६	२	मी१४।५९	भ. ६।५ उ. ३४।३ या. तिल ४
५	गु	३१	२	उ	२७	२९	सि	५२	१९	ब	२	३२	४८	३८	२२	३१	१७	३	मीने	बसंत ५
६	शु	२८	५६	रे	२७	२	सा	४७	५७	ते	२८	५६	५२	२८	२२	१	१८	४	मे.२७।२	फरवरी मा.२ता० २९ पू.शुक्र ५६।५२
७	श	२८	३	अ	२७	४४	शु	४३	५५	व	२८	३	५५	३७	२३	२	१९	५	मेषे	भ.२८।३ उ. ५/५ या.पूर्वास्तोबुधः ५/१ पा.
८	र	२८	४५	भ	२९	३५	शु	४२	६	ब	२८	४५	५९	३६	२४	३	२०	६	वृ.४५।२४	भीष्माष्टमी [*१/६ पातमोक्षः ३/२५ रथ.
९	चं	३०	२०	कृ	३२	५२	त्र	४१	०	कौ	३०	२०	२७/२	३६	२४	४	२१	७	बृषे	श्रवणे बुधः ५१।४
१०	मं	३३	१९	रो	३७	९	ऐं	४०	५३	ते	१	४९	३	३५	२५	५	२२	८	बृषे	[+रविः १७।३३ जया ११ब्र.
११	बु	३७	२०	मृ	४२	३०	वै	४०	५०	व	५	१९	९	३४	२६	६	२३	९	मि९।८९	भ.५।१९उ. ३७।२०या. धनिष्ठायां+
१२	गु	४२	११	आ	४८	३३	वि	४१	५०	ब	९	४५	१३	३३	२७	७	२४	१०	मिथुने	भीष्म १२
१३	शु	४७	२१	पु	५४	५४	प्री	४३	५	की	१४	४६	१६	३३	२७	८	२५	११	क.३८।१९	प्रदोषः
१४	श	५२	३५	पु	६०	०	आ	४४	२५	ग	१९	५८	२०	३२	२८	९	२६	१२	कर्के	भ. ५२।३५ उ.
१५	र	५७	२७	पु	१	२१	सौ	४५	२३	वि	२५	१	२३	३१	२९	१०	२७	१३	कर्के	भ.२५।१या.चन्द्रग्रहणम्

४३पं.मा.शु.६शु.इ.४९।५७

गोचरग्रहाः

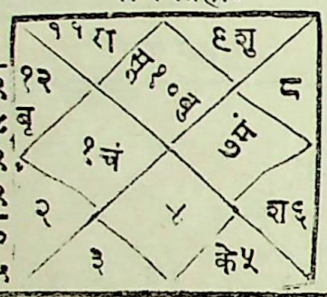

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	११	८	५	१०	९
१८	१२	५	१७	१३	२१	९	१८
४८	१	९	२२	११	५२	३४	४९
८	४४	४०	४१	४२	१२	३४	१९
६०	२५	९६	९	७२	४७	३	६०
४	४९	११	५५	२	ब्र	११	५५

इस मास में बुध शुक्र का योग होगा सो रुई चांदी मंदी करेगा और कहींर वर्षा करेगा धान्य भाव मंदीकारक है

गोचरग्रहाः

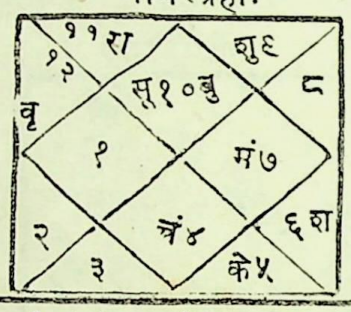

४४पं.मा.शु.१२शु.इ५०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	११	८	५	१०	९
२५	१४	१६	१८	२१	२१	८	२५
५४	४७	१४	४१	४५	४३	१२	५५
५६	१३	३१	२	५८	३७	१९	२०
६०	२३	०/०	१०	७२	३४/३७	३	६०
५५	४८	९/११	४०	२०	ब	११	४७

ति.	फाल्गुन कृष्ण पक्षः सं०२००८शाकः १८७३										दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शिशि.रविरुत्तरे माधकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	६०	०	श्रे	७	५४	शो	४५	५५	वा	२९	३५	२७/२७	६/३१	५/२९	११	२८	१४	सिं. ७।४५	
१	मं	१	४३	म	१२	३४	अ	४५	४८	की	१	४३	३०	३०	३०	१२	२९	१५	सिंहे	कुम्भेऽर्कः ५१।२९ उषायां शुक्रः ४७।४४
२	बु	५	१	पू	१६	५२	सु	४४	४५	ग	५	१	३४	२९	३१	१३	१	१६	कं.३२।४०	भ.३६।१उ.धनिष्ठायां बुधः ७।३९
३	गु	७	२	उ	२०	५	धु	४२	४७	वि	७	२	३८	२८	३२	१४	२	१७	कन्या	भ.७।२ या.चतुर्थी ब्र. [*पा.मोक्ष ५/२८
४	शु	७	५०	ह	२१	४२	शु	२९	४६	वा	७	५०	४२	२८	३२	१५	३	१८	तु. ५२।८	मकरेशुक्रः ३/३ रेवात्यां२ गुरु ३/४ पा. ४/३ *
५	श	७	१९	चि	२२	३४	गं	३५	४४	त्रै	७	१९	४६	२७	३३	१६	४	१९	तुलायां	कुम्भे बुधः ५३।२४
६	र	५	३४	स्वा	२२	२	बृ	३०	१३	व	५	३४	५०	२६	३४	१७	५	२०	तुलायां	भ.५।३४उ.३४।५ या
७	चं	२	३७	वि	२०	२१	धु	२५	१०	व	२	३७	५४	२५	३५	१८	६	२१	बु. ५।४६	सीताष्टमी
८	चं	५६	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
९	मं	५४	३	अ	१७	४७	व्या	१८	४७	त्रै	२६	२३	५८	२४	३६	१९	७	२२	बृश्चिके	शतेरविः २६/५० [+४/४ ३/५ म.शि.ब्र.स्मा.प्रदोष
१०	बु	४८	४९	ज्ये	१४	३६	ह	११	५१	व	२१	२६	२८/२	२४	३६	२०	८	२३	ध.१४।३६	भ.२१/२६ उ.४/४८ या शतेबुधः४२।१७
११	गु	४३	११	मू	११	३	व	१/५	५/२४	ब	१६	०	६	२३	३७	२१	९	२४	धनुषि	विजया ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	शु	३७	२४	पू	७	३	व्य	४८	५५	की	१०	१७	१०	२२	३८	२२	१०	२५	भ. २१।१	विजया ११ व्रत नि.
१३	श	३१	३२	उ	५६	२/५६/४	व	४१	११	ग	४	२८	१४	२१	३९	२३	११	२६	मकरे	भ.३१।३२उ.५८।४८ या. श्रवणेशुक्रः+
१४	र	२६	५	ध	५५	१२	प	३३	३४	श	२६	५	१८	२०	४	२४	१२	२७	कुं.२७।६	विशा।खायां भौमः १/२५ महाशिवरात्री वै.
३०	चं	२०	३३	श	५१	५७	शि	२६	१३	वा	२०	३३	२२	२०	४०	२५	१३	२८	कुम्भे	सूर्यग्रहणम्

४५पं. फा.कृ.शु.४इ.५०।२१

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	११	९	५	१०	१०
३	१७	२८	२०	०	२१	७	३
०	१९	८	३	२१	३०	५०	०
५९	३४	१७	४	४	४	४	५
५०	२०	०/९	११	७२	२/३	३	६०
४२	५७	१/१९	१८	३८	ब	११	३७

फाल्गुण कृष्णा २ भौमे कुम्भेऽर्कः प्र. वा. २ नं. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० (धान्यभाव सम)

गोचरग्रहाः

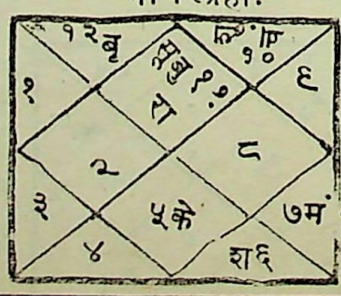

४६पं.फा.कृ.१२शु.इ.४०/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	११	९	५	१०	१०
१०	१९	१०	२१	८	२१	७	१०
५	३३	४२	२९	५६	११	२७	३
३१	४७	२२	३१	५३	४६	४८	३५
६०	१८	२/९	११	७२	५०	३	६०
३१	७	१/१०	५६	५६	ब	११	२५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं २००८ शाकः १८७३ दि. उ. अ. इं. हिं. मु. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६१७१स.१९५२

१	मं	१५	४०	पू	४९	२१	सि	१९	२०	ब	१५	४०	२५ २६	३ १९	५५ ४१	२६	१४	२९	मी ३५।१०
२	बु	११	४७	उ	४७	२८	सा	१३	१२	को	११	४७	३०	१८	४२	२७	१५	१	मीने
३	गु	८	४०	रे	४६	४७	शु	७	५५	ग	८	४०	३४	१७	४३	२८	१६	२	मे.४६।४७
४	शु	६	४१	अ	४७	१३	शु	२८ ३	५५ २५	वि	६	४१	३८	१६	४४	२९	१७	३	मेषे
५	श	५	४५	भ	४८	५२	एं	५७	१४	चा	५	४५	४२	१६	४४	१	१८	४	मेषे
६	र	६	२१	कृ	५१	४६	वै	५५	४०	तै	६	२१	४६	१५	४५	२	१९	५	वृ.४।३५
७	चं	८	१२	रा	५६	५	वि	५४	३९	व	८	१२	५०	१४	४६	३	२०	६	वृषे
८	मं	११	१६	मृ	६०	०	प्री	५५	१०	ब	११	१६	५४	१३	४७	४	२१	७	मि २८।३२
९	बु	१५	२१	मृ	०	५९	आ	५६	११	को	१५	२१	५८	१२	४८	५	२२	८	मिथुने
१०	गु	२०	३	आ	६	४९	सो	५७	३६	ग	२०	३	२ ३	१२	४८	६	२३	९	क.५६।३८
११	शु	२५	८	पु	१३	१४	शो	५८	४४	वि	२५	८	६	११	४९	७	२४	१०	कर्के
१२	श	३०	२१	पु	१९	२४	अ	५९	४५	चा	३०	२१	१०	१०	५०	८	२५	११	कर्के
१३	र	३५	३	श्ले	२५	४९	सु	६०	०	को	२	४२	१४	९	५१	९	२६	१२	सिं २५।४९
१४	चं	३९	१६	म	३१	२२	सु	०	३८	ग	७	९	१९	८	५२	१०	२७	१३	सिंहे
१५	मं	४२	१८	पू	३५	५२	धृ	०	५८	वि	१०	४७	२३	७	५३	११	२८	१४	कं.५१।४३

चन्द्रद. [*पातस्पर्शः ५६।५२फुलरिया२ जमादिलाखर६पूभायांबुधः५१।२४*
भ.३७।४०उ.पातमोक्षः६।४२
भ. ६।४१ या.
मार्च मा. ३ ता० ३१
रेवत्यां ३ गुरुः ३१।७
भ.८।१२उ.३९।४४या.पूभायांरविः!
[!४१।३८मीनेबुधः५५ २होईन्होलाष्टकं
उभायांबुधः४ ६धनिष्ठायांशुक्रः ३२।३३
भ. ५२।३५ उ.
भ.२५।८या.पश्चिमोदयीबुधः४०।४३≡
धनिष्ठायां४राहुःमघायां२केतुः५३।२५
प्रदोषः [≡ आमलकी११व्र.
भ. ३९।१६ उ. कुंभे शुक्रः५९।४९
भ. १०।४७ या. होलिकादहनम्

४७पं.फा.शु.४शु. इ.५०।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	११	९	५	१०	१०
१७	२१	२३	२२	१७	२०	७	१७
८	२९	५६	५९	३२	४९	५	५
२०	३८	३८	२४	५६	३४	३३	४८
६०	१४	५९	१२	७३	३५	३	६०
२०	७	५९	२०	१४	ब्र	११	१२

गोचरग्रहाः

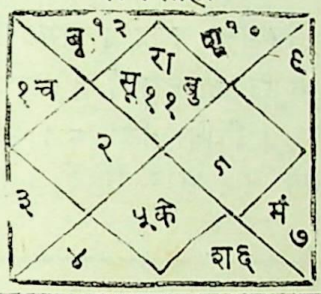

इस मास का फल सामान्य धान्य भाव मंदा प्रजा में सुख शांति राहु रवि का योग रुई मंदी करता है ।

गोचरग्रहाः

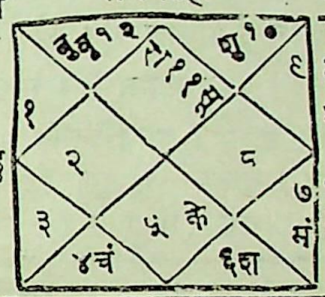

४८पं.फा.शु.११शु.इ५१।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	११	११	९	५	१०	१०
२४	२३	७	२४	२६	२०	६	२४
९	१	१७	३२	९	२३	४३	६
४२	१	३१	२०	२९	२८	१८	३२
६०	९	२०	१२	७३	५३	३	५९
५४	९	१२	४३	२०	ब्र	११	५८

चैत्र कृष्ण पक्षः सं.२००८ शाकः १८७३ दि. उ. अ. इ. हि. मु. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरे फा.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	बु	४४	१७	उ	३९	१६	शु	५३	५५	ब्रा	१३	१७	२९ २८	६ ६	५५ ५४	१२	२९	१५	कन्या
२	गु	४४	५४	ह	४१	२६	बृ	५५	५३	तै	१४	३५	३२	६	५४	१३	३०	१६	कन्या
३	शु	४४	१६	चि	४२	२७	ध्रु	५२	१७	व	१४	४०	३६	५	५५	१४	१	१७	तु.११।५६
४	श	४२	१८	स्वा	४२	११	व्या	४७	४३	व	१३	१७	४०	४	५६	१५	२	१८	तुलायां
५	र	३९	१५	वि	४०	४५	ह	४२	१२	कौ	१०	४६	४४	३	५७	१६	३	१९	वृ.२६।७
६	चं	३५	१९	अ	३८	२३	व	३६	१६	ग	७	१७	४८	२	५८	१७	४	२०	बृश्चिके
७	मं	३०	२७	ज्ये	३५	२६	सि	३०	२८	वि	२	५३	५३	१	५९	१८	५	२१	ध.३५।२६
८	बु	२५	८	मू	३१	५१	व्य	२२	१५	कौ	२५	८	५७	१	५९	१९	६	२२	धनुषि
९	गु	१९	२४	पू	२७	५३	व	१४	१५	ग	१९	२४	३० १	६ ०	० ०	२०	७	२३	म.४१।५१
१०	शु	१३	३३	उ	२३	४६	प	३ ६	५ १ ४८	वि	१३	३३	६	५ ९	६ १	२१	८	२४	मकरे
११	श	७	४७	श्र	१९	४६	सि	५१	५२	चा	७	४७	१०	५८	२	२२	९	२५	कु.४७।५३
१२	र	१	५०	ध	१६	०	सा	४४	२९	तै	१	५०	१४	५७	३	२३	१०	२६	कुम्भे
१३	र	५४	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	चं	५१	४१	श	१२	३४	शु	३७	३५	वि	२४	७	१८	५६	४	२४	११	२७	मी५५।३३
२०	मं	४७	४२	पू	९	५२	शु	३१	१५	च	१९	४१	२२	५६	४	२५	१२	२८	मीने

छारेंडी बसंत १
मीनेऽर्कः४१।५६रेवत्यांबुधः१६।३१*
भ.१४।४०उ.४४।१६ या.
चतुर्थी ब्र. [*वक्रीहस्ते३शनिः३८।७
शतेशुक्रः २४।२१
भ.३५।१९ उ. उभायांरविः२।३४≡
भ.२।५३या. [≡रेवत्यांऽगुरुः१७।४९
शीतला पूजनम्
भ. ४६।२८ उ. वक्री भौमः१०।३६
भ. १३।३३ ब्र.
पापमोचनी ११ ब्र.
भ. ५३।३४ उ. प्रदोषः
क्षयः
भ. २४।७ या. वक्री बुधः १८।४६
अहर्गण ६१।९९ च. ३ के.

४९ पं चै.कृ.३शु.इ.५१।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	११	१०	५	१०	११
१	२४	१८	२६	४	१९	६	१
९	६	५१	७	४६	५४	२१	५
२४	१८	३६	५९	१६	५४	२	४४
५९	४	८३	१२	७३	४० १०	३	५८
४९	१८	५	८	३२	ब्र	११	४१

गोचरग्रहा

चैत्र कृष्ण २ गुरौ मीनेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ प्रौढा वस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहा

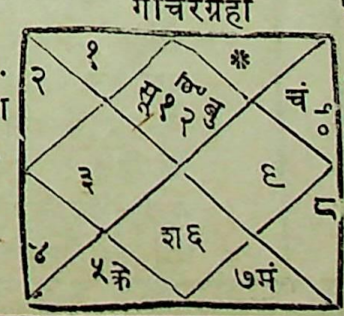

५०पं.चै.कृ.१०शु.इ५१।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	११	१०	५	१०	११
८	२४	२५	१७	१३	१९	५	८
७	४४	५४	४५	२२	२४	५८	३
१८	४९	४३	११	४८	४	४७	२०
५९	२२	२०	१३	७३	४ ३२	३	५८
३५	ब्र	५५	२०	४४	ब्र	११	२९

*११शुरा

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*११ शु रा

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पङ्कज-स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५३ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५३ शेषं भोग्यकलिः ४२६९४७ अस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दाः सम्वत् २००९ शाकः १८७४ अस्मिन्वर्षेराजा बुधः । मंत्री रविः । सस्येशो बुधः । धान्येशोःश्चन्द्रः । मेघेशःशनिः । रसेश शुक्रः । नीरसेशोभौमः । फलेशः शुक्रः । धनेशोः भौमः । दुर्गेशः शनिः । एतेदशाधिकारिणाः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानांमध्ये विष्णुविंशतिकायां १९ विश्वावसुनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः २।२१।३१।१२ भोग्यमासादिः ९।८।२८।४८ वैश्व-दैवतंयुगम् । वर्षनामःआश्विनः । मेघ ४ नाम आवर्तः । समयनिवासोमालाकार गृहे (चडसार्मे) रोहिणी निवासः समुद्रे । समय विश्वा १२ । समय वाहनं-सिंचाणुः । स्तम्भ १ तृणस्यः । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी १ । अङ्गारकी चतुर्थी ३ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३३० । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १३ । तिथि बृद्धिः ८ । उत्पति विश्वा १०५ । खपति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा ७ । धान्य ७. तृण ११. शीत ५. तेज ५ वायुः १३ शनि दृष्टिर्दक्षिणे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यं ८९ सत्यं ।।. धर्म १।।. पाप १८ ग्रहणे द्वे चन्द्रमसः ।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे मात से जिमि पूछा हर साल ।
तिमि पूछों इससाल में कहो शुभा शुभ हाल ।।१।।

भवानी उत्तर

नवनिधि हो नव वर्ष में हर्ष मनाओ संत ।
मानसिंह महाराज का वैभव बढ़े अनंत ।।२।।
बुध राजा इस बर्ष में बर्षे अमृत मेह
जग में सुख सम्पति बढ़े ना इसमें संदेह ।।३।।
राज नीति में चतुर हैं वासरनाथ प्रधान ।
अपने शासन में कभी ना होने दे हान ।।४।।
रोहिणी वसी समुद्र में सम्वत् विश्वा अर्क ।
जल तृण की कमती नहिं इसमें रहे न फर्क ।।५।।
श्रावण में वर्षा लगे करै धान्य की मोल ।
तापतिजारा नहरुआ घरघर घालैं रोल ।।६।।
ग्रहण चंद्र के दोय हैं स्तंभ लगा है एक ।
धर्म कर्म करते रहो ईश्वर राखें टेक ।।७।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	१४	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ८।१४

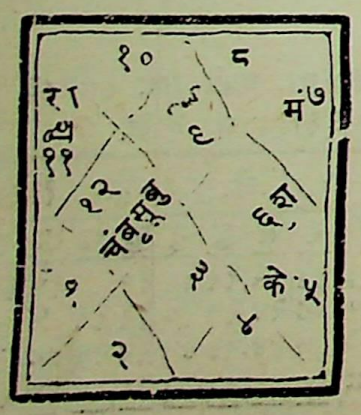

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	बृ	ध	म	कु	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् १।४

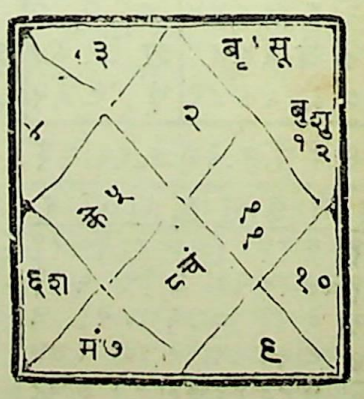

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५०।०। केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१०।२७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फ०—बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्य विवाह मंगलम्। प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धन्यधान्य संकुलम् मंत्री रवितत्फ० नृपभयंगदातोपि हि तस्करात् प्रचुर धान्य धनादि महीतले। रसचयं हि समर्घतमं तदारविरमात्य पदं हि समागतः। सस्येशोबुधस्तत्फलम्-जलधरा जलराशिमुचो भृशंसुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम्। द्विजगणाः स्तुतिपाठकरः सदा प्रथम सस्यपतौ सति बोधने॥ धान्येशश्चंद्रतत्फ.—चंद्रे धान्याधिपे जाते प्रजा वृद्धिः प्रजायते गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोषु क्षीरं तथा बहु॥ मेघेशः शनितत्फ० रविसुते जलदस्य पतौ भवेद्विरतवृष्टियुती वसुधा तदा। मनसि तापकरो नृपतिः सदा विविध रोग युता जनतापदा॥ रसेशो शुक्रतत्फ० यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषितमानसाः। सुखसुभिक्षसमादवतीधरा धरणिपाहत पापगणाः प्रिया॥ नीरसेशो भौमतत्फ०नीरसेशो यदा भौमः प्रवात रक्त वाससाम् रक्तचंदन तम्राणामर्घ वृद्धिर्दिने दिने॥फलेशः शुक्रस्तत्फ०-यदि फलस्यपतौ भृगुजेधरा मृदुकुमार महीरुह राशयः। बहुपथा नरनाथ सुभोगदा द्विजवराःश्रुतिपाठपरायणाः॥ घनेशो भौमस्तत्फ०—असतिमौल्य करो धरणीसुतः शरदितापकरस्तुषधान्यहृत्। महसिमासि भवेद्द्विगुणं तदा नरपतिर्जन शोकविधायकः॥ दुर्गेशः शनिस्तत्फ०—रविसुते गढपालिनिविग्रहे सकलदेशगताश्चलिता जनाः। विविध वैरविशेषितनागरा कृषिधनं नलभेद्भुवि कश्चन। वर्षनाम आश्विनस्तत्फ०—दुर्भिक्षं पूर्व सस्यं स्याज्ज्वर रोगा कुलं जगत्। आश्विने शोभनावृष्टिर्नृपसौख्यकरी सदा॥ विश्वावसु नाम संवत्सरस्तत्फ०—अब्दे विश्वावसौ शश्वद्घोररोगधरा नराः। सस्यार्घं वृष्टयो मध्या भूपाला नातिभूतयः॥ मेघनाम आवर्तस्तत्फ०—आवर्ते छिन्नवृष्टिः स्यात्॥ रोहिणीनिवासः समुद्रे फ०—समुद्रे तु महावृष्टिः समयनिवासो मालाकार गृहेफ०—मालिनः प्रचुरावृष्टि॥ एवसंचिंत्य दैवज्ञैः कथनियं शुभाशुभम्॥

सं० २००९ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ५ बुधे उषा ल.९रे.७।।।।।ऽऽ१९ऽ।गणितेनक्रांति साम्याऽभावः निरंशकः आवश्यके

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला २ बुधे मूले ल. ५ रे. ८।।ऽ।।ऽ।।। शुक्रयु.

१५ चंद्रे रोहि ल. ५ रे. ८ ।।।।ऽसू. बु. ।।ऽ१५।।

पौष मासः

कृष्णा ९ बुधे उफा ल.ऽन्यगोरे ७।।।।।ऽ चौऽऽ२२।।

माघ मासः

शुक्ला ४ चन्द्रे उभा ल. ८-९रे.८।।।।।ऽचोऽ।।।बृश्चिक लग्नं अंश १७ उपरांत

,, ५ भौमे रेव ल. ८।९ रे. ८ऽम।।।।।ऽ।।।

,, १० शनौ रोहि. ल. ८ (चन्द्रःऽमे.पू.) रे. ७।।।।। ऽअग्नि।ऽऽ।गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ चन्द्रे उफाल गो. ८.९ रे. ७।।।ऽमं. ऽअग्नि।ऽ१८।।गो. सोग्रांगः वृश्चि. शनिःपू.

,, ६ गुरौ. स्वात्यां ल. ९ रे. ९।ऽ।।।।।।।

,, ७शुक्रे स्वात्यांल.ऽन्यगो(सोग्रांगः)रे.८।ऽ।।ऽचो।।।।

,, १० चंद्रे मूले ल.८ (श.१२पू.)रे.८।ऽ।।।।ऽ२४।। शुक्ला ४ भौमे रेवल. ८-९ रे. ६।ऽऽ।।ऽऽ।।शुक्रयुति दोषः आवश्यके.

चैत्र मासः

कृष्णा ४ गुरौ स्वा.ल.९ रे. ७।।।ऽशु।।ऽऽ।व्याघातदोषः

,, ६शनौ अनु.ल.९रे.७ऽचंऽ।ऽ।।।।।पादतोवेधाऽभावः

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

श्रावण शु.१५ भौमे खंडग्रा चन्द्रग्रहणम् विश्वा ११।६

		स्प.	म.	मो.	पर्व		
रेल्वे टाइम	घं.	१२	१	२	२		
	मि.	३	१८	३३	३०		
देशी टाइम	घं.	११	१२	२	२		
	मि.	३१	४४	१	३०		

माघ शु. १५ गुरौ खग्रासं चंद्र ग्र. विश्वा २६-९५

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	प.
रेल्वे टाइम	घं.	३	४	५	६	७	३
	मि.	३१	४२	२४	७	१७	४६
देशी टाइम	घं.	२	४	४	५	६	३
	मि.	५०	१	४३	२६	३६	४६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्ल पक्षः सं.२००६शाकः १८७४ दि. उ. अ. इ. हि. मु. चन्द्रः बसंततुं रविरुत्तरेऽहर्गणः६२००स.१९५२

१	बु	४४	३५	अ	७	१५	व्र	२५	४०	क्र	१६	८	३०/२६	५५	६५	२६ १३ २९	मीने	संवत्सरारंभः नवरात्रा. घटस्था.
२	गु	४२	३३	रे	६	४५	एं	२१	१	बा	१३	३४	३०	५४	६	२७ १४ ३०	मे. ६।४५	चन्द्रर्शनम् पुभायां शुक्रः १४ ५९
३	शु	४१	४१	अ	७	०	वे	१७	१६	तै	१२	७	३४	५३	७	२८ १५ १	मेषे	पश्चिमास्तोबुधः१६।४२ रज्जव ७!
४	श	४	१४	भ	८	२३	वि	१४	२४	व	११	५८	३८	५२	८	२९ १६ २	बृ.२४।५	भ५१ उ.४३ या[! गनगौरीपू.मत्स्यजयंती
५	र	४३	५९	कृ	११	१०	प्री	१२	३५	ब	१३	६	४२	५२	८	३० १७ ३	बृषे	रेवत्यां रविः ३०।२
६	चं	४७	४	रा	१४	५२	आ	११	४८	कौ	१५	३१	४७	५१	९	३१ १८ ४	मि४७।१८	मेषे गुरुः ३१।४२
७	मं	५१	६	मृ	१९	४४	सौ	११	४२	ग	१९	५	५१	५०	१०	१ १९ ५	मिथुने	भ. ५१।६ उ. अप्रे ल मा.४ ता.३०
८	बु	५५	४५	आ	२५	३३	शो	१२	३०	वि	२३	२५	५६	४९	११	२ २० ६	मिथुने	भ. २३।२५ या.
९	गु	६०	०	पु	३१	४८	अ	१३	४३	ब्रा	२८	१८	३१/००	४८	१२	३ २१ ७	क.१५।१४	राम ९
१०	शु	०	५१	पु	३८	१४	सु	१५	०	कौ	०	५१	४	४७	१३	४ २२ ८	कर्के	भीनेशुक्रः २३।२२
११	श	५	५०	श्ले	४४	३२	धृ	१६	४३	ग	५	५०	८	४६	१४	५ २३ ९	सिं४४।३२	भ. ३८।१४ उ.अस्त गुरुः २१।३६
१२	र	१०	३९	म	५०	१७	शू	१७	३०	वि	१०	३९	११	४६	१४	६ २४ १०	सिंहे	भ. १०।३९ या. कामदा ११ व्र.
१३	चं	१४	३८	मू	५४	५८	गं	१८	५८	ब्रा	१४	३८	१५	४५	१५	७ २५ ११	सिंहे	उभायां शुक्रः ५।४१ प्रदोषः
१४	मं	१७	३०	उ	५८	३८	धृ	१७	३६	तै	१७	३०	१८	४४	१६	८ २६ १२	क.१०।५३	
१५	बु	१९	२०	ह	६०	०	ध्रु	१६	१२	व	२९	२०	२२	४४	१६	९ २७ १३	कन्या	भ. १९।२० उ. ४९।४० या.
१५	गु	२०	०	ह	०	५३	व्या	१३	५८	व	२०	०	२५	४३	१७	१० २८ १४	तु.३१।३६	हनुमज्जयन्ती वैशाखस्नानारंभः

५१पं.चै.शु.३शु.इ.५२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	११	१०	५	१०	११
१५	२४	२७	२९	२१	१८	५	१४
३	४८	४	२४	५९	५१	३६	५९
२१	४	१६	१८	४२	४७	३१	१५
५९	५८	५४	१३	७३	४०	३	५८
१८	व्र	बृ	२६	५०	बृ	११	१६

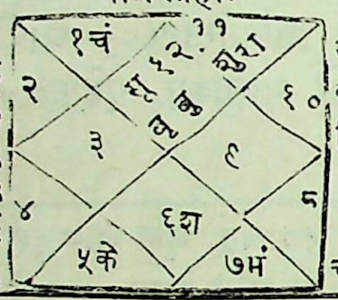

नव दिन कहिये
नवरताशुक्ल चैत्र
के मास,जल बूढ़े
बिजली हुये जानो
गर्भ विनाश १
यदि चैत्र सुदी
चारोंदिनवर्षाश्रेष्ठा

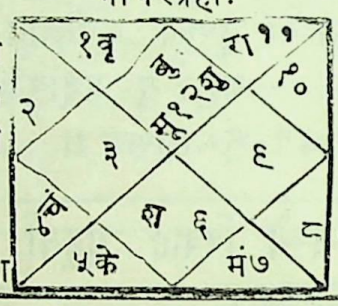

५२पं.चै.शु.९शु.इ५२।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	०	११	५	१०	११
२१	२४	२२	१	०	१८	५	२१
५७	१६	५७	४	३६	१८	१४	५३
३३	४१	१४	१९	०	५४	१५	३१
५९	५८	५०	१३	७३	४०	३	५८
४	व्र	ब	३२	५६	ब	११	४

ति. वैशा.वकृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७४ दि. उ. अ. इ. हिं मु. चंद्रः बसंततुं रविरुत्तरेचैत्र कृष्णेति महाराष्ट्रा

१	शु	१९	४	चि	२	२०	ह	१०	३९	कौ	१९	४	३१/२८	५२	६/१८	११ २९ १५	तुलायां	
२	श	१७	०	स्वा	२	२०	व	६	२५	ग	१७	०	३२	४२	१८	१२ ३० १६	वृ.४६।२७	भ. ४५।२६ उ.
३	र	१३	५२	वि	१/४	५७/५५	सि	२०/१७	५४/१३	वि	१३	५२	३६	४१	१९	१३ ३१ १७	वृश्चिके	भ. १२।५२ या. मेषेऽर्कः ४।३४ ?
४	चं	९	५०	ज्ये	५६	१९	व	४९	५	ब्रा	९	५०	४०	४०	२०	१४ १ १८	ध.५६।१९	वक्रीउभायांबुधः४/१ अश्विन्यां गुरुः१४/२६
५	मं	४	५३	मू	५२	५१	ष	४२	९	तै	४	५३	४३	३९	२१	१५ २ १९	धनुषि	भ. ५९।२९ उ.
६	मं	५४	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०	क्षयः [?पूर्वोदयीबुधः१९।१६च.व्र.
७	बु	५३	३७	पू	४९	०	शि	३४	४५	वि	२६	३४	४७	३९	२१	१६ ३ २०	धनुषि	भ. २६।३४ या.
८	गु	४७	४२	उ	४४	५६	सि	२७	२४	ब्रा	२०	३९	५०	३८	२२	१७ ४ २१	म.२।५९	रेवत्यांशुक्रः ५८।१५
९	शु	४१	४१	श्र	४०	५२	सा	१९	२३	तै	१४	४२	५४	३७	२३	१८ ५ २२	मकरे	
१०	श	३५	५९	ध	३६	५७	शु	११	५४	व	८	५०	५८	३६	२४	१९ ६ २३	कु.८।५४	भ८।५०उ.३५।५९या.मार्गीबुधः३९।४३
११	र	३०	२५	श	३३	३२	शु	१/५५	५३/१८	ब	३	१२	३/२	३६	२४	२० ७ २४	कुम्भे	वरूथिनी ११ ब्र.
१२	चं	२५	३१	पू	३०	३४	ऐं	५१	४६	तै	२५	३१	५	३५	२५	२१ ८ २५	मी१६।१९	प्रदोषः
१३	मं	२१	२५	उ	२८	२१	वै	४५	२४	व	२१	२५	९	३४	२६	२२ ९ २६	मीने	भ. २१।२५ उ. ४९।५१ या वक्री-श
१४	बु	१८	१८	रे	२७	१२	वि	४०	४०	श	१८	१८	१३	३३	२७	२३ १० २७	मि२७।१२	रेवत्यां बुधः २८।३६
३०	गु	१६	७	अ	२६	५८	प्री	३६	३५	ना	१६	७	१७	३३	२७	२४ ११ २८	मेषे	अमावस्या [* स्वात्यांभौमः ३८ ५२

१ पं.चै.कृ.३सू.इ.८।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	०	११	५	१०	०
०	२२	१७	३	५०	१७	४	०
३	५१	१८	४	४५	३९	४७	०
४२	०	२५	५९	३६	४०	५७	०
५८	२०	३४	१३	७४	२८	३	५८
४५	ब्र	ब	३८	२	ब	११	४४

वैशाख कृष्णा ३
खौ मेषे ऽर्कः
प्र.वा.४न.४बुद्धा-
वस्था (बैठी)
मु.३०(धा.भा.
सम) शुक्रोदयः
पूर्वे राहु र्दक्षिणे

२ पं.वै.कृ.११सू.इ.८।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	०	११	५	१०	०
६	२१	१५	४	१९	१७	४	६
५३	२	४७	४५	२१	९	२५	५०
५३	५३	५३	५०	७	०	४२	३८
५८	२७	१०/५०	१३	७४	४०/१०	३	५८
२९	ब्र	मा	३८	८	ब	११	३१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं०२००६ शाकः १८७४									दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६२३० स. १९५२
१	शु	१४	१०	भ	२८	१२	आ	३३	३६	ब	१४	१०	३३/३१	५/३२	६/२८	२५	१२	२६	बृ.४३।४३	चंद्रदर्शनम् [-स्तः ५१।२
२	श	१५	३४	कृ	३०	१५	सौ	३१	३४	कौ	१५	३४	२५	३१	२६	२६	१३	१	बृषे	भरण्यांरविः४५।५८सावान८अगस्त्या-
३	र	१७	८	रो	३४	१	शो	३०	३६	ग	१७	८	२६	३०	३०	२७	१४	२	वृषे	भ.४/४८उ.वक्रीहस्ते२शनिः १५/३८अक्षया ३
४	चं	२०	१३	मृ	३८	४१	अ	३०	२६	वि	२०	१३	३०	२६	३१	२८	१५	३	मि६।२१	भ.२/१०या.मेषेशुक्रः ४७/४५आश्विन्यां३गुरुः १५
५	मं	२४	१६	आ	४४	१४	सु	३१	११	वा	२४	१६	३६	२६	३१	२६	१६	४	मिथुने	
६	बु	२८	५२	पु	५०	२६	धृ	३२	२२	तै	२८	५२	४०	२८	३२	३०	१७	५	क.३३।५५	
७	गु	३३	४८	पु	५६	५८	शू	३३	४४	ग	१	२०	४३	२७	३३	१	१८	६	कर्के	भ.३३।४८उ.मई मा. ५ ता. ३१
८	शु	३८	४६	श्ले	६०	०	गं	३५	१४	वि	६	१८	४७	२७	३३	२	१६	७	कर्के	भ. ६।१८ या. उ. गु.
९	श	४३	१६	श्ले	३	२२	बृ	३६	२३	वा	११	४	५०	२६	३४	३	२०	८	सिं३।२२	उदयं गुरुः २१।०
१०	र	४७	५८	म	६	६	ध्रु	३७	६	तै	१५	३८	५४	२५	३५	४	२१	९	सिंहे	[*शुक्रः४१।४८कूर्मजयंती.बै.स्ना.पूर्ति.
११	चं	५०	१६	पू	१४	५	व्या	३७	०	व	१६	८	५७	२५	३५	५	२२	१०	कं २६।५०	भ.१६।८उ.५/१०या.मोहिनी११ब्र.स्मा.वै.
१२	मं	५१	५४	उ	१७	५	ह	३६	१	व	२१	६	३/१	२४	३६	६	२३	११	कन्या	गुरोर्बाल्यत्वसमाप्तिः २१।०मोहिनी ११नि.
१३	बु	५२	४५	ह	२०	५२	व	३३	५८	कौ	२२	१६	४	२३	३७	७	२४	१२	तु.५१।३६	प्रदोषः
१४	गु	५१	३५	चि	२२	२०	सि	३१	५	ग	२२	१०	७	२३	३७	८	२५	१३	तुलायां	भ. ५१।३५ उ. नृसिंहजयंती
१५	शु	४६	३४	स्वा	२२	४१	व्य	२७	६	वि	२०	३५	१०	२२	३८	६	२६	१४	तुलायाँ	भ.२०।३५या.मेषेबुधः २१।११भरण्यां*

३ पं.बै.शु.३ सू.इ.८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	०	११	५	१०	०
१३	१८	१८	६	२७	१६	४	१३
४२	४८	९	२६	५७	४०	३	३९
१७	११	४३	३५	४०	२६	२६	४१
५८	२६/१०	२४	१३	७४	५२/ब	३	५८
१२	ब	२६	३४	१६		११	२०

गोचरग्रहः

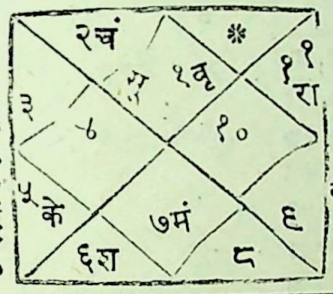

इस मास का फल श्रेष्ठ है प्रजा में सुख शाँति बुध शुक्र का योग होगा सो वर्षा करेगा और रुई चांदी मंदा होगी।

गोचरग्रहः

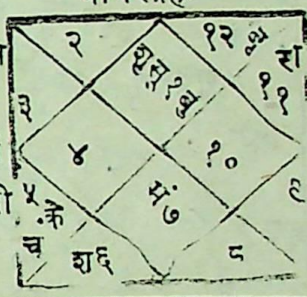

४पं. बै. शु.१०सू.इ.९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	०	०	५	१०	०
२०	१६	२३	८	६	१६	३	२०
२८	१६	४३	६	३२	१४	४१	२७
५५	५	४८	३६	४९	४९	११	२२
५७	२५/३०	४३	१३	७४	३/२०	३	५८
५७	ब	४७	३२	२०	ब	११	६

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं०२००६ शाकः १८७४									दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	बसंतर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृ.महाराष्ट्राः
१	श	४६	२४	वि	२१	४८	घ	२२	१८	ग्रा	१७	५९	३३/१३	५/२१	६/३९	१०	२७	१५	वृ.७।१	कृतिकायां रविः ३२।५३ धनिष्ठायां३*
२	र	४२	१८	अ	१९	५०	ध	१६	३७	तै	१४	२१	१६	२१	३९	११	२८	१६	वृश्चिके	[*राहुः मघायां१ केतुः५८।५५
३	चं	३६	४५	ज्ये	१७	११	शि	१०	२०	व	९	३१	१९	२०	४०	१२	२९	१७	ध.१७।११	भ. ९।३१उ.३६।४५या. अश्विन्यां४-
४	मं	३१	३९	मू	१३	४८	सि	३३	४५	ब	४	१२	२२	२०	४०	१३	३०	१८	धनुषि	[- गुरुः १४।८ चतुर्थी ब्र.
५	बु	२५	४०	पू	१०	४	शु	४८	४४	तै	२५	४०	२५	१९	४१	१४	३१	१९	म.२४।२	बृषेऽर्कः १।४०
६	गु	१९	४५	उ	५	५७	शु	४१	१७	व	१९	४५	२८	१८	४२	१५	१	२०	मकरे	भ.१९।४५उ.४६।४३या. पातस्पर्शः≡
७	शु	१३	४१	श्र	५४/१	५३/२	ला	३३	४०	ब	१३	४१	३१	१८	४२	१६	२	२१	कु.२९।५५	[≡ ३१।४२ पातमोक्ष४४।१६
८	श	७	४९	श	५४	२१	पें	२६	१८	कौ	७	४९	३४	१७	४३	१७	३	२२	कुम्भे	
९	र	२	०	पू	५१	८	वै	१९	२२	ग	२	०	३६	१७	४३	१८	४	२३	मी ३६।५७	भ.२९।४० उ. ५७।२० या.
१०	र	५५	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [! पूर्वास्तःशुक्रः९।०
११	चं	५३	८	उ	४९	५२	वि	१२	५४	ब	२५	१४	३९	१६	४४	१९	५	२४	मीने	भरण्यांबुधः०।२० अपरा ११ब्र.स्मा.
१२	मं	४९	५१	रे	४८	२४	प्री	७	४	कौ	२१	९	४१	१६	४४	२०	६	२५	मे.४८।२४	कृतिकायांशुक्रः ३०।५७अपरा ११ब्र.वै.नि.
१३	बु	४७	३७	अ	४९	३	आ	३/१	५५/८	ग	१८	४४	४४	१५	४५	२१	७	२६	मेषे	भ. ४७।३७ उ. प्रदोष,
१४	गु	४६	३७	भ	४९	३१	शो	५४	५२	वि	१७	१२	४६	१५	४६	२२	८	२७	मेषे	भ. १७।१२ या. पू.अ.शु.
३०	शु	४६	५५	कृ	५०	५१	अ	२२	३९	च	१६	५१	४८	१४	४६	२३	९	२८	ब. ४।५१	वृषे शुक्रः १९/२८ वटप. भावुका३० !

५पं.ज्ये.कृ.२सू.इ.९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	०	०	०	५	१०	०
२७	१३	१	९	१५	१५	३	२७
१४	४५	५१	४५	८	५२	१८	१३
९	३२	७	३६	३५	३७	५५	३०
५७	२२/३७	६१	१३	७४	२	४९	२	५७
४५	ब	३९	२०	२६	ब	११	५४

गोचरग्रहः

ज्येष्ठ कृष्ण ५ बुधेबृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न.४ युवावस्था (मृती) मुहूर्ताः३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचरग्रहः

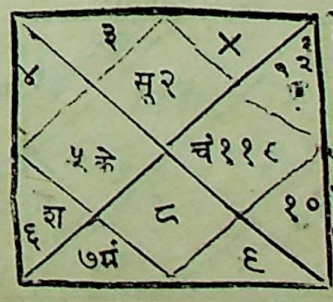

६ पं.ज्ये.कृ.९सू.इ.९।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	०	०	५	१०	१
३	११	१२	११	२३	१५	२	३
५७	२८	३	२३	४४	३४	५६	५८
४६	४४	२२	२	३१	२६	४०	२८
५७	१७/३२	९०	१३	७४	२/१०	३	५७
३४	ब	२५	१४	२६	ब	११	४४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं.२००९ शाकः १८७४									दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चंद्र	ग्रीष्मऋतूरविरुत्तरेऽहर्गणः६२५९सन१९५२
१	श	४८	२८	रो	५३	३	सु	५१	३१	कि	१७	४१	३३ ५०	५ १४	६ ४६	२४	१० २९	बृषे
२	र	५१	१३	मृ	५७	४०	धृ	५१	१५	ब्रा	१९	५०	५२	१४	४६	२५	११ ३०	मि २५।२१
३	चं	५५	४	आ	६०	०	शु	५१	४८	तै	२३	८	५४	१३	४७	२६	१२ १	मिथुने
४	मं	५९	४१	आ	२	५८	गं	५२	५८	व	२७	२२	५६	१३	४७	२७	१३ २	क. ५२।३३
५	बु	६०	०	पु	९	५	वृ	५४	३२	ब	३२	११	५८	१२	४८	२८	१४ ३	कर्के
५	गु	४	४०	पु	१५	२७	धु	५५	५४	ब्रा	४	४०	० ०	१२	४८	२९	१५ ४	कर्के
६	शु	९	२५	श्ले	२१	५५	व्या	५७	२५	तै	९	२५	२	१२	४८	३०	१६ ५	सिं.२१।५५
७	श	१४	९	म	२७	५१	ह	५८	६	व	१४	९	४	११	४९	३१	१७ ६	सिंहे
८	र	१७	५८	पू	३२	५४	व	५८	१४	ब	१७	५८	६	११	४९	१	१८ ७	कं.४८।५८
९	चं	२०	४५	उ	३७	१०	सि	५७	२६	कौ	२०	४५	८	१०	५०	२	१९ ८	कन्या
१०	मं	२२	२३	ह	४०	१७	व्य	५५	४४	ग	२२	२३	९	१०	५०	३	२० ९	कन्या
११	बु	२२	५१	चि	४२	०	व	५३	५	वि	२२	५१	११	१०	५०	४	२१ १०	तु.११।८
१२	गु	२२	२	स्वा	४२	३९	प	४९	१६	बा	२२	२	१२	१०	५०	५	२२ ११	तुलायां
१३	शु	१९	५४	वि	४२	४	शि	४४	३७	तै	१९	५४	१४	९	५१	६	२३ १२	बृ.२७।१३
१४	श	१६	४२	अ	४०	२१	सि	३९	१२	व	१६	४२	१५	९	५१	७	२४ १३	बृश्चिके
१५	र	१२	३६	ज्ये	३७	४४	सा	३२	४९	ब	१२	३६	१६	९	५१	८	२५ १४	ध.३७।४४

रोहिण्यां रविः २७।४९
चंद्रदर्शनम्[*४६।५९रमजान१रोजा
कृतिकायांबुधः४१।३१ भरण्यां१गुरुः*
भ. २७।२२उ. ५९।४१या.
बृषेबुधः४०।१८पूर्वास्तोबुधः५१।२०

भ.१४।९उ.४६।३या.रोहिण्याँशुक्रः २४/२५
जूनमा ६ ता० ३०
रोहिण्यां बुधः १४।२८
भ. ५२।३७ उ.
भ. २२।५१ या. निर्जला ११ ब्र.
प्रदोषः
[– २६।३८ मार्गी भौमः३।२७
भ.१६।४२उ.४४।३९या. मृगेरवि.–
मृगेबुधः १८।५० वटपूजनं

७ पं.ज्ये.शु.२ सू.इ ९।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	०	१	५	१०	१
१०	९	२४	१२	२	१५	२	१०
३९	४२	५	५९	२०	२०	३४	४२
५७	२६	१३	२	३१	४९	२५	२०
५७	१५	०	१२	७४	१	३	५७
२३	ब	९	५५	३२	ब	११	३५

८पं.ज्ये.शु.८शु.इ.९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	०	१	५	१०	१
१७	८	७	१४	१०	१५	२	१७
२१	३२	४९	३२	५६	११	१२	२५
३	४२	५५	१३	१३	४९	९	७
५७	५ ३१	० २८	१२	७४	५२	३	५७
१३	ब	२८	३१	३२	ब	११	२७

९ पं ज्ये.शु.१५सू.इ ९।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	०	१	५	१०	१
२४	८	२३	१६	१९	१५	१	२४
०	२	०	२	३२	७	४९	७
५९	२८	२२	४६	२४	३४	५४	८
५७	३ २	२९ ४३	१२	७४	१४	३	५७
५	मा		१४	३२	ब	११	२२

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं० २००९ शाकः १८७४ दि. उ. अ. इं. हि. मु. चन्द्र ग्रीष्मऋतूरविरुत्तरेज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्रा

१	चं	७	३८	मू	३४	३२	शु	२६	१६	कौ	७	३८	३४ १७	५ ६	५ १	९	२६	१५	धनुषि
२	मं	२	१	पू	३०	५८	शु	१९	१०	ग	२	१	१८	८	५२	१०	२७	१६	म.४४। ५६
३	मं	५४	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	बु	५०	४	उ	२६	५१	व	११	४३	ब	२३	६	१९	८	५२	११	२८	१७	मकरे
५	गु	४३	५९	श्र	२३	२६	ऐं	१५ ५	४३ ५२	कौ	१७	२	२०	८	५२	१२	२९	१८	कुं ५१।१०
६	शु	३७	५१	ध	१८	५४	वि	४९	४२	ग	१०	५५	२१	८	५२	१३	३०	१९	कुम्भे
७	श	३२	१६	श	१५	३५	प्री	४२	१९	वि	५	३	२२	८	५२	१४	३१	२०	मी ५७।४७
८	र	२७	२१	पू	११	५०	आ	३५	४५	कौ	२७	२१	२३	८	५२	१५	१	२१	मीने
९	चं	२३	२	उ	९	३२	सौ	२९	४१	ग	२३	२	२३	७	५३	१६	२	२२	मीने
१०	मं	१९	४०	रे	८	३	शो	२४	५१	वि	१९	४०	२३	७	५३	१७	३	२३	मे. ८।३
११	बु	१७	१८	अ	६	५५	उ	२०	२५	बा	१७	१८	२३	७	५३	१८	४	२४	मेषे
१२	गु	१६	४	भ	७	२७	सु	१७	०	ते	१६	४	२४	७	५३	१९	५	२५	बृ. २२।५३
१३	शु	१६	१६	कृ	९	११	धृ	१४	४७	व	१६	१६	२४	७	५३	२०	६	२६	बृषे
१४	श	१७	४१	रो	११	१२	शू	१९	१५	श	१७	४१	२४	७	५३	२१	७	२७	मि. ४३।४८
३०	र	२०	११	मृ	१६	२३	गं	१३	४	ना	२०	११	२४	७	५३	२२	८	२८	मिथुने

भ२९।४उ५६।७या मार्गीशनिः ७।१७
क्षयः[*भरण्यां२गुरुः१२।१८चतुर्थीब्र.
मिथुनेबुधः२५।१७मृगे शुक्रः१२।५४*

भ. ३७।५१ उ.
भ. ५।३ या. मिथुनेऽर्कः २७।२६÷
[÷ आर्द्रायां बुधः २०।५३
भ. ५१।२१ उ. मिथुनेशुक्रः ३९।२६
भ. १९।४० या.
योगिनी११ब्र.दक्षिणामनप्रवृतिः२८।४४
पश्चिमोदयी बुधः २९।१४ प्रदोषः
भ.१६।१६उ.४६।५८या. पुनर्वसौ≡
आर्द्रायां रविः२८।५८[≡बुधः४५।२९
आर्द्रायाँशुक्रः६।२ अमावस्यापुण्यम्

१० पं.आ.कृ.८सू.इ.९।४०

र	मं	शु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	०	१	५	१०	२
०	८	८	१७	२८	१५	१	०
४०	१२	१९	३०	८	८	२७	४८
७	०	५२	७	२०	१३	३९	२५ ७
५६	७	५९	११	७४	० ३६	३	५७
७	०	४९	४२	३८	मा	११	१७

गोचरग्रहाः

आषाढ़ कृष्णा७ शनौ
मिथुनेऽर्कः प्र. वा ४
न. ६ बालावस्था
(बैठी)मु.३०(धान्य
भाव सम) शुक्रोस्तः
पूर्वस्यान्

गोचरग्रहाः

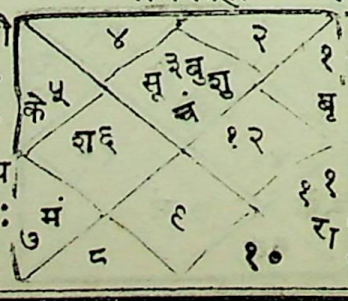

११पं.आ.कृ.३०.सू.इ.९।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	२	०	२	५	१०	२
बृ ७	८	२२	१८	६	१५	१	७
१८	५९	२६	५४	४४	१४	५	२९
११ ३५	२	२८	०	२८	१०	२३	१७
रा ५६	११	३	११	७४	१	३	५७
५४	४५	२८	६	३८	१६	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्ष सं.२००६ शाकः १८७४										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६२८९स.५२
१	चं	२४	३	आ	२१	४१	बृ	१३	२८	व	२४	३	३४ २४	५ ७	६ ५३	२३	९	२९	मिथुने	चंद्रदर्शनम्
२	मं	२८	३२	पु	२७	३२	शु	१४	३५	कौ	२८	३२	२४	७	५३	२४	१०	१	क.११।४	सव्वाल १० ईद.
३	बु	३३	२२	पु	३३	५०	व्या	१६	५	तै	०	५७	२४	७	५३	२५	११	२	कर्के	कर्के बुधः ४४।२२
४	गु	३८	६	श्ले	४०	१८	ह	१७	३६	व	५	४४	२३	७	५३	२६	१२	३	सिं ४०।१८	भ. ५।४४ उ. ३८।६ या.
५	शु	४२	४६	म	४६	१६	व	१९	२	ब	१०	२६	२३	७	५३	२७	१३	४	सिंहे	भरण्यां ३ गुरुः ४८।५९
६	श	४८	४८	पू	५१	४१	सि	१९	५६	कौ	१४	४७	२२	८	५२	२८	१४	५	सिंहे	पुष्पेबुधः ७।१९
७	र	४९	४२	उ	५६	२९	व्य	२०	१९	ग	१८	१५	२२	८	५२	२९	१५	६	क. ७।५३	भ. ४९।४२ उ.
८	चं	५१	२५	ह	५९	३३	व	१९	४६	वि	२०	३३	२१	८	५२	३०	१६	७	कन्या	भ. २०।३३ या.
९	मं	५१	५९	चि	६०	०	ष	१८	१३	ला	२१	५७	२०	८	५२	१	१७	८	तु. ३०।३५	जुलाई मा. ७ ता. ३१ भडली ९
१०	बु	५१	८	चि	१	३७	शि	१५	४६	तै	२१	३३	१९	८	५२	२	१८	९	तुलायां	पुनर्वसौशुक्रः ५७।५८
११	गु	४९	५	स्वा	२	२७	सि	१२	१३	व	२०	६	१८	८	५२	३	१९	१०	वृ. ४७।२३	भ. २०/६ उ. ४९/५५ या. देवशयनी ११ ब्र. स्मावै.
१२	शु	४६	५६	वि	२	२२	सा	७	४५	व	१८	५	१७	९	५१	४	२०	११	वृश्चिके	देवशयनी ११ नि. हरि. ध. २२/२ उ. ५५/२१ या.
१३	श	४१	४९	अ	३	५७	शु	२५	५३	कौ	१४	२३	१६	९	५१	५	२१	१२	धनुषि ५८.।९	पुनर्वसौर व ३२।५९
१४	र	६	५२	मू	५५	९	ब्र	४९	४१	ग	९	२०	१४	९	५१	६	२२	१३	धनुषि	भ. ३६।५२ उ.
१५	चं	३१	७	पू	५१	३०	ऐं	४२	२८	वि	४	०	१३	९	५१	७	२३	१४	धनुषि	भ. ४।० या. सार्पेबुधः १६/३४ व्यासपूजा

१२पं.आ.शु.७र.इ.९।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	२	५	१०	२
१३	१०	४	२०	१५	१५	०	१४
५६	२१	४८	१४	२१	२४	४३	९
३८	४३	१८	६	७	३६	८	४५
५६	१५	८५	१०	७४	१	३	५७
५०	५६	८	३०	३८	५५	११	७

गोचरग्रहाः

इस मास का फल श्रेष्ठ है प्रजा में सुख शांति और वर्दा पक्ष में वर्षा श्रेष्ठ सुदी में बुध शुक्र के बीच में सूर्य आता है।

गोचरग्रहाः

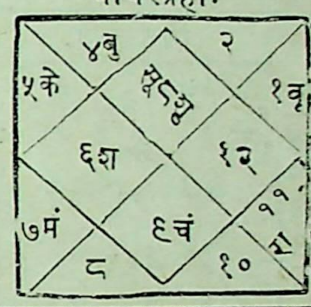

१३पं.आ.शु.१४र.इ.९।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	२	५	१०	२
२०	१२	१५	२१	२३	१५	०	२०
३४	१३	२५	२९	५८	३९	२०	५०
३४	३०	५	२	१	३६	५२	९
५६	१९	६६	९	७४	२	३	५७
५०	३७	५८	४७	३५	३३	११	७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं.२०९ शाकः १८७४										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तौ रविर्दक्षिणे आषाढ़ कृ. महाराष्ट्राः
१	मं	२५	३०	उ	४७	३१	वै	२५	१०	कौ	२५	३०	३४ ११	५ १०	५६ ५०	८	२४	१५	म.५।३०	
२	बु	१९	२६	श्र	४३	२६	वि	२७	३८	ग	१९	२६	१०	१०	५०	९	२५	१६	मकरे	भ.४६।२० उ.
३	गु	१३	१४	ध	३९	१७	मी	२०	५	वि	१३	१४	८	१०	५०	१०	२६	१७	कु.२१।२१	भ. १३।१४ या. चतुर्थी बृत
४	शु	७	१५	श	३५	२३	आ	१२	३७	ला	७	१४	७	११	४९	११	२७	१८	कुम्भे	कर्के शुक्रः ४।४२
५	श	१	२७	पू	३२	११	सौ	३ ५१	५३ १८	तै	१	२७	५	११	४९	१२	२८	१९	मी १७।५९	भ.५६।२२ उ. मकरे राहुः कर्के*
६	श	५४	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [*केतु ४३।१५ नाग ५मरुस्थले
७	र	५१	५८	उ	२९	२७	अ	५२	४६	वि	२४	१०	४	११	४९	१३	२९	२०	मीने	भ.२४।१०या.पुष्पे शुक्रः ४५।५२
८	चं	४८	२२	रे	२७	३१	सु	४७	२६	ला	२०	१०	२	१२	४८	१४	३०	२१	मे. २७।३१	
९	मं	४६	४	अ	२६	३८	धू	४२	५९	तै	१७	१३	३४ ०००	१२	४८	१५	३१	२२	मेषे	
१०	बु	४४	५०	भ	२६	५६	शू	३९	३०	व	१५	२७	३३ ५८	१२	४८	१६	३२	२३	वृ. ४२।१६	भ.१५।२७उ.४४।५०या.कर्केऽर्कः ५।४३
११	गु	४४	५४	कृ	२८	१६	गं	३६	५६	ब	१	५२	५६	१३	४७	१७	१	२४	वृषे	भरण्यां ४ गुरुः २०।२८कामिका ११ब्र.
१२	शु	४६	१४	रो	३०	५८	बृ	३५	२६	कौ	१५	३४	५४	१३	४७	१८	२	२५	वृषे	[×बुधः ३८।८ प्रदोषः
१३	श	४८	५६	मृ	३४	५३	धु	३४	५१	ग	१७	३५	५२	१४	४६	१९	३	२६	मि. २।५५	भ.४८।५६उ.पुष्पे रविः ३६।२४×
१४	र	५२	२८	आ	३९	४६	व्या	३५	९	वि	२०	४२	५०	१४	४६	२०	४	२७	मिथुने	भ.२०।४२ या.
३०	चं	५६	५१	पु	४५	३७	ह	३६	५	च	२४	३९	४७	१५	४५	२१	५	२८	क.२९।९	हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ.७र इ.९।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	३	५	९	२
२७	१४	२४	२२	२	१५	२९	२७
१२	३१	२	३९	३४	५९	५८	५०
४०	३४	३५	७	४८	३१	३७	३२
५६	२३	५०	९	७४	३	३	५७
५५	८	१४	५	३२	१८	११	११

गोचरग्रहाः

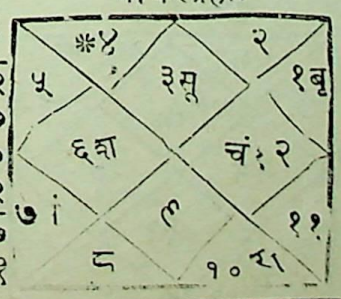

श्रावण कृष्णा १०
बुधः कर्केऽर्कं प्र.वा.
५नं.५प्रगल्भावस्था
(बैठी) मु.१५धान्य
भाव तेज शुकास्तः
पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

१५पं.श्रा.कृ.१४र.इ.९।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	०	३	५	९	३
३	१७	०	२३	११	१६	२९	४
५१	१२	१६	४३	११	१३	३६	११
८	४७	१६	२६	३८	२०	२३	१३
५६	२६	३१	८	७४	३	३	५७
५७	११	२६	२०	३२	५०	११	१५

* शु.के.बु.

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं.२००६शाक: १८७४ | दि. उ | अ. इ. हि. मु | चन्द्रः | वर्षाऋतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६३१८स५२

१	मं	६०	०	पु	५१	५५	व	३७	२६	क	२६	१४	३३ ४५	५ १५	४५ ६	२२	६	२६	कर्के
१	बु	१	३८	श्ले	५८	१०	सि	३६	७	ब	१	३८	४२	१६	४४	२३	७	३०	सिं५८।२०
२	गु	६	४३	म	६०	०	व्य	४०	३६	कौ	६	४३	४०	१६	४४	२४	८	१	सिंहे
३	शु	११	११	म	४	२८	व	४१	३६	ग	११	११	३७	१७	४३	२५	६	२	सिंहे
४	श	१५	८	पू	१०	६	प	४२	४	वि	१५	८	३५	१७	४३	२६	१०	३	क.२६।१६
५	र	१८	१०	उ	१४	४७	शि	४१	४४	बा	१८	१०	३२	१८	४२	२७	११	४	कन्या
६	चं	२०	२५	ह	१८	२०	सि	४०	२४	तै	२०	२५	३०	१८	४२	२८	१२	५	तु.४६।३०
७	मं	२०	३२	चि	२०	४१	सा	३८	६	व	२०	३२	२७	१६	४१	२६	१३	६	तुलायां
८	बु	१६	५२	स्वा	२१	५२	शु	३४	४६	ब	१६	५२	२४	१६	४१	३०	१४	७	तुलायां
६	गु	१७	५२	वि	२१	४२	शु	३०	३२	कौ	१७	५२	२१	२०	४०	३१	१५	८	वृ.६।४५
१०	शु	१४	४८	अ	२०	२५	व्र	२५	२२	ग	१४	४८	१८	२०	४०	१	१६	६	वृश्चिके
११	श	१०	५०	ज्ये	१८	१२	ऐं	१६	२१	वि	१०	५०	१५	२१	३६	२	१७	१०	ध.१८।१२
१२	र	५	५७	मू	१५	२७	वै	१२	४६	बा	५	५७	१२	२२	३८	३	१८	११	धनुषि
१३	चं	०	३०	पू	११	४४	वि	५ ०	५२ ३६	तै	०	३०	६	२२	३८	४	१६	१२	म.२६।१
१४	चं	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	मं	४८	३७	उ	८	५२	आ	५०	४०	वि	२१	३६	६	२३	३७	५	२०	१३	मकरे

नक्त व्रतारंभः
चन्द्रर्शनम्
जिल्दकाद११सार्पेशुक्रः ३४।४७हस्ते*
भ. ४३।६. उ.तीज *३सनिः३४।४१
भ. १८।५या.विशाखायां भौमः३६।२
नाग ५
पश्चिमोदयीशुक्रः ५५।१२ प.उ.
भ. ४२ उ.अगस्तमा०८ता.३१ श.
भ. १ या आश्लेषायांरविःपवित्रा११ब्र.
प्रदोषः
भ.५४।४० उ.सिंहे शुक्रः२४।४७
क्षयः
भ. २१ या.पश्चिमास्तोबुधः ३ चंद्रग्रह.

१६पं.श्रा.शु.५र.इ.६।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	०	३	५	९	३
१०	२०	३	२४	१९	१६	२९	१०
३०	१४	३०	४१	५१	५१	१४	५२
२५	१३	१४	४२	२२	३२	७	१९
५७	२८	९	७	७४	४	३	५७
५	२५	८	१३	२६	२९	११	२०

गोचरग्रहाः

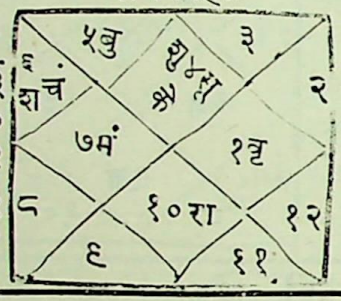

उदयास्ते गपेचेत्प्याज्जव दृष्टो यदा ग्रहाः पीदोनं र्णदृष्ट-यावा तदावर्षंति नान्यथा ।

गोचरग्रहाः

१७ पं.श्रा.शु१२र.८।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	०	३	५	९	३
१७	२३	३	२५	२८	१७	२८	१७
१०	३३	२	३२	२५	२३	५१	३४
१४	०	३१	४६	५२	२८	५२	००
५७	३०	५८ ३	६	७४	४	३	५७
१२	१५	ब	१९	२६	५६	११	२४

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं.२००६ शाकः १८७४ | दि. उ | अ. इ. हिं | मु. | चंद्रः | वर्षतूरविर्दक्षिणेश्वा.कृष्णेति महाराष्ट्रा

१	बु	४२	३१	अ	४ ४५	५ ३७	सो	४३	४	बा	१५	३४	३ ३	५ २३	६ ३७	६	२१	१४	कुं.३१।४१
२	गु	३६	२३	श	५५	४३	शो	३५	३०	तै	६	२७	००	२४	३६	७	२२	१५	कुम्भे
३	शु	३०	३३	पू	५२	२०	अ	२८	१४	व	३	२८	५२ ५७	२५	३५	८	२३	१६	मी३८।११
४	श	२५	३१	उ	४६	२१	सु	२१	२४	बा	२५	३१	५४	२५	३५	६	२४	१७	मीने
५	र	२१	७	रे	४७	३	धृ	१५	८	तै	२१	७	५०	२६	३४	१०	२५	१८	मे.४७।३
६	चं	१७	३२	अ	४६	१	शु	६	३४	व	१७	३२	४७	२७	३३	११	२६	१६	मेषे
७	मं	१५	५	भ	४६	३	गं	४	५५	ब	१५	५	४३	२७	३३	१२	२७	२०	मेषे
८	बु	१३	४७	कृ	४७	६	धृ	१ ८	५७ ११	कौ	१३	४७	४०	२८	३२	१३	२८	२१	बृ.१।१६
६	गु	१३	५५	रो	४६	३१	व्या	५६	३३	ग	१३	५५	३६	२६	३१	१४	२६	२२	बृषे
१०	शु	१५	७	मृ	५३	११	ह	५५	४५	वि	१५	७	३३	२६	३१	१५	३०	२३	मि२ ।२१
११	श	१७	३५	आ	५७	५७	व	५५	५१	बा	१७	३५	२६	३०	३०	१६	३१	२४	मिथुने
१२	र	२१	११	पु	६०	०	सि	५६	४१	तै	२१	११	२६	३१	२६	१७	१	२५	क.४७।१४
१३	चं	२५	३६	पु	३	३६	व्य	५८	२६	व	२५	३६	२२	३२	२८	१८	२	२६	कर्के
१४	मं	३०	२७	पु	६	४८	व	५६	३१	श	३०	२७	१६	३२	२८	१६	३	२७	कर्के
३०	बु	३५	१७	श्ले	१६	१३	प	६०	०	च	२	५२	१५	३३	२७	२०	४	२८	सिं१६।१३

धनिष्ठाक्षयः ५६।३७
भ.३।२८उ.३०।३३या.बक्रीकर्केबुधः *४०।२६ चतुर्थी ब्र.
चन्द्रषष्ठी
भ.१७।३२उ.४६।१८ या.हल ६
जन्माष्टमी ब्र. स्मॉ.
जन्माष्टमी ब्र. वै.
भ. ४४ उ.कृत्तिकायां १ गुरुः ६।३८
भ. १५ या. फायांशुक्रः १५ वृ.भौमः ३०
सिंहेऽर्कः३३।३६अजा ११ ब्र.
प्रदोष ब्रवत्स १२
भ.२५।३६ उ.५८।३ या.

१८पं.भा.कृ.५सू.इ.८।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	०	४	५	९	३
२३	२७	२८	२६	७	१७	२८	२४
५१	११	५०	१६	३	५८	२९	१६
२१	४६	१३	३४	७	४८	३६	२७
५७	३२	४७ २६	३	७४	५	३	५७
२२	२७	ब	१२	२६	२३	११	३३

गोचरग्रहाः

भाद्रपद कृष्णा ११शनौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ ५ गता ल्काऽव स्था(ऊभी) मु.१५(धान्यभाव तेज) शुक्रोदयं पश्चिचने

गोचरग्रहा

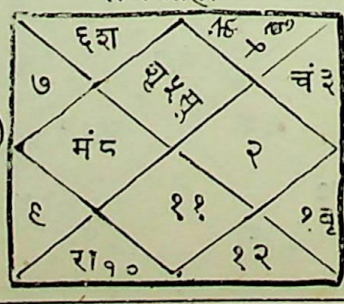

१९पं.भा.कृ.१२सू.इ.८।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	०	४	५	९	४
०	०	२३	२६	१५	१८	२८	०
३३	५५	२८	५२	४०	३७	७	५९
३४	४४	२३	२३	१९	८	२०	४७
५७	३३	५८ ३	४	७४	५	३	५७
३४	५९	ब	५	२०	५०	११	४०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं २००९ शाकः १८७४										दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३४८स.१९५२
१	गु	४०	३	म	२२	११	प	१	६	कं	७	४०	३२ १२	५ ३४	६ २६	२१	५	२९	सिंहे	मैत्रे भौमः २४।२१
२	शु	४४	६	पू	२८	३	शि	२	११	बा	१२	५	८	३४	२६	२२	६	३०	कं.४४।१६	चंद्रदर्शनम् पूर्वोदयीबुधः ३।३८
३	श	४७	१२	उ	३२	५५	तै	२	४३	सि	१५	३९	४	३५	२५	२३	७	१	कन्या	जिल्हेज १२
४	र	४९	१८	ह	३६	५१	स	२	३२	वा	१८	१२	०	३६	२४	२४	८	२	कन्य	भ. १८।१२ उ. ४९।११या.गणेश४
५	चं	४९	५९	चि	३९	१९	शु	२ १	५७ १	व	१९	३५	३१ ५६	३७	२३	२५	९	३	तु.८।५	मार्गीबुधः ६।२५ ऋषि ५
६	मं	४९	२३	स्वा	४०	४९	ब्र	५६	५	कौ	१९	४१	५२	३८	२२	२६	१०	४	तुलायां	उफायां शुक्रः ३।४१
७	बु	४७	३३	वि	४१	०	ए	५२	३	ग	१७	२८	४८	३८	२२	२७	११	५	वृ. २५।५२	भ. ४ ३ ३ उ.महालक्ष्मीब्र.अगस्तोदयः ३ ३ ६
८	गु	४४	३४	अ	३९	५९	वे	४६	४७	वि	१६	३	४४	३९	२१	२८	१२	६	वृश्चिके	भ.१६।३या.कन्यायांशुक्रः४६।५९
९	शु	४०	३८	ज्ये	३७	५५	वि	४०	५४	वा	३२	३६	४०	४०	४०	२९	१३	७	ध.३७।५५	[*लयारंभ कुमारीणांसंध्याप्र.अनंत१२
१०	श	३५	५७	मू	३५	१३	प्री	३४	२२	तै	८	१८	३६	४१	३९	३०	१४	८	धनुषि	पूफायांरविः ३ ४ ३ ० हस्तेशनिः४५।५५
११	र	३०	३१	पू	३२	५२	आ	२७	१८	व	३	१४	३२	४२	३८	३१	१५	९	म.४६।३७	भ. ३ १ ४ उ. ३ ३ ० १ या.जलझूलनी११ब्र.
१२	चं	२४	४३	उ	२७	५१	सो	१९	२०	बा	२४	४३	२८	४२	३८	१	१६	१०	मकरे	सितंबर मा. ९ ता० ३० प्रदोषः
१३	मं	१८	४४	अ	२३	४९	शो	१२	१४	तै	१८	४४	२५	४३	३७	२	१७	११	कु.५१।४३	
१४	बु	१२	४०	ध	१९	३८	अ	७	५ ३ ५ ७	व	१२	४०	२१	४४	३६	३	१८	१२	कुम्भे	भ. १ ४ २ ० उ. ३ ३ ६ ८ या.सिंहेबुधः ३ ५ ४ २ महा-*
१५	शु	६	३६	श	१५	४२	भ्र	४९	४२	व	६	३६	१८	४४	३६	४	१९	१३	मो५७।५७	प्रौष्ठपदी १५

२ पं.भा.शु.४सू. इ.८।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	०	४	५	९	४
७	४	२१	२७	२४	१९	२७	७
१७	५६	५७	१९	१७	१८	४५	४४
८	५६	१८	२३	२४	४०	५	१७
५७	३५	९ ५३	२	७४	६	३	५७
४५	१७	बृ	५८	१४	११	११	४८

गोचरग्रहाः

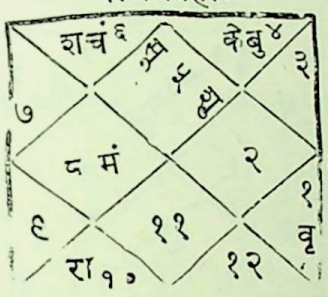

इस मास में वर्षा साधारण धान्य तेज मूंग मोठ बाजरा चणा धान्य तेज चांदी सोना लोहा पीतल मंदा

गोचरग्रहाः

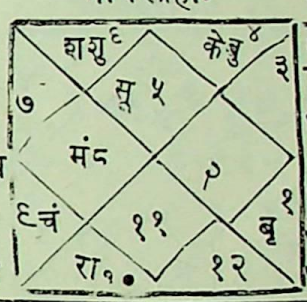

२१पं.भा.शु.११सू.इ८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	०	५	५	९	४
१४	९	२६	२७	२	२०	२७	१४
२	७	२३	३७	५४	२	२२	२९
१९	१२	३५	४१	३६	२४	४९	५४
५७	३६	९ ४३	१	७४	६	३	५७
५७	४८	मा	३२	८	२६	११	१

ति.	आश्विनकृष्ण पक्षः सं.२००९ शाकः १८७४										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षाऋतुरविर्दक्षिणेभा.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	१	१	पू	१२	१	श्र	४२	४९	बा	१	१	३ १ ४	४ ५	१ ५	५	२०	१४	मीने	हस्ते शुक्रः ५३।४५
२	शु	५४	४९	०	०	०	०	०	०	=	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	श	५१	२०	उ	८	५५	गं	३६	२१	व	२३	३५	१०	४६	१४	६	२१	१५	मीने	भ. २३।३५ उ. ५१।२० या.
४	र	४७	५२	रे	६	४५	बृ	३०	३४	ब	१९	३६	६	४७	१३	७	२२	१६	मे.६।४५	चतुर्थी ब्र.
५	चं	४५	२६	अ	४	५८	धु	२५	३६	कौ	१६	३९	२	४८	१२	८	२३	१७	मेषे	
६	मं	४४	९	भ	४	५९	व्या	२१	३२	ग	१४	४२	३ ५ ०	४८	१२	९	२४	१८	वृ. २०।१०	भ. ४ ४ उ.वक्रीगुरुः १ ४ ३ ९ पूर्वास्तोबुधः १ ४ ४ ८
७	बु	४४	१७	कृ	५	४५	ह	१८	२८	वि	१४	१३	५४	४९	११	१०	२५	१९	वृषे	भ. १४।१३ या.
८	गु	४५	३२	रो	७	५३	व	१६	२१	बा	१४	५४	४९	५०	१०	११	२६	२०	मि३९।३५	पूफायां बुधः १९।५९
९	शु	४८	१	मृ	११	१७	सि	१५	१६	तै	१६	४६	४५	५१	९	१२	२७	२१	मिथुने	ज्येष्ठायां भौमः ९।४५ मातृ ९
१०	श	५१	३४	आ	१५	४७	व्य	१५	१०	व	१९	४७	४०	५२	८	१३	२८	२२	मिथुने	भ. १ ४ ६ ७ उ. ५ ३ १ ४ या.उफायांरविः ९।९ *
११	र	५६	८	पु	२१	१७	व	१५	४८	ब	२३	५०	३६	५३	७	१४	२९	२३	क.४।५५	इन्दिरा११ब्र.स्मा.वै.[*धनिष्ठायां१!
१२	चं	६०	०	पु	२७	१७	ष	१६	५३	कौ	२८	३४	३२	५४	६	१५	३०	२४	कर्के	इन्दिरा११ब्र.नि.[! रा.हुः ग्रापें २केतुः ३ ६ ६ ९
१२	मं	१	०	श्ले	३३	२७	शि	१८	१६	तै	१	०	२८	५४	६	१६	३१	२५	सिं ३३।३७	कन्यायामर्कः ३ ४ २ ० चित्रायांशुक्रः ४ ३ ३ १ प्रदोषः
१३	बु	५	५६	म	३९	५१	सि	१९	५३	व	५	५६	२४	५५	५	१७	१	२६	सिंहे	भ. ५।५६ उ. ३८।२१ या.
१४	गु	१०	४६	पू	४५	४८	सा	२०	५२	श	१०	४६	२०	५६	४	१८	२	२७	सिंहे	उफायांबुधः १८।४७ सर्वपितृ ३०
३०	शु	१४	५४	उ	५०	५०	सु	२१	३०	ना	१४	५४	१६	५७	३	१९	३	२८	कं. २।३	देवकार्येऽमा

२२पं आ.कृ.४सू.इ. ८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	०	५	५	९	४
२०	१३	६	२७	११	२०	२७	२१
४९	२८	८	४६	३१	४८	०	१६
०	१९	२८	१६	४१	३२	३४	५८
५८	७	९ ०	७	७३	६	३	५८
१२	४९	५५	२५	५६	३८	११	१३

गोचरग्रहा

आश्विन कृष्ण १२ भौमःकन्यायामर्कः प्र.वा४न.५.प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३०(धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहा

२३ पं.आ.कृ.११सू.इ८।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	०	५	५	९	४
२७	१७	१८	२७	२०	२१	२६	२८
३७	५६	४९	४५	८	३६	३८	५
२४	२४	८	११	३८	१४	१९	२४
५८	३८	९ ०	५८	७३	६	३	५८
२९	४६	३२	ब	५०	५६	११	२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|आश्विनशुक्लपक्षः सं०२००९ शाकः १८७४| दि|उ.|अ. इं.|हिं|मु.|चन्द्रः|शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३७८स.१९५२

१	श	१८	६	ह	५५	०	शु	२१	२४	व	१८	६	३० १२	५ ५८	६ ३	२०	४	२९	कन्या
२	र	२०	१७	चि	५७	५०	त्र	२०	२३	कौ	२०	१७	८	५८	२	२१	५	३०	तु.२६।२५
३	चं	२१	३८	स्वा	५९	३१	ऐं	१८	२४	ग	२१	३८	४	५९	१	२२	६	१	तुलायां
४	मं	२०	३६	वि	६०	०	वै	१५	२७	वि	३०	३६	०	० ६	० ६	२३	७	२	बृ.४४।५३
५	बु	१८	४३	अ	५९	१५	वि	११	१७	ग	१८	४३	२९ ५५	१	५९	२४	८	३	बृश्चिके
६	गु	१५	५४	ज्ये	५७	१३	मी	६	३२	तै	१५	५४	५१	२	५८	२५	९	४	ध.५७।१३
७	शु	१२	३	मू	५४	२७	आ	४७	५९	व	१२	३	४६	३	५७	२६	१०	५	धनुषि
८	श	७	२३	पू	५१	२५	शो	४७	२०	व	७	२३	४२	४	५६	२७	११	६	धनुषि
९	र	२	८	उ	४७	४४	अ	३९	५५	कौ	२	८	३८	४	५६	२८	१२	७	म.५।३०
१०	र	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	चं	५०	३६	श्र	४३	३५	सु	३२	१५	व	२३	२९	३४	५	५५	२९	१३	८	मकरे
१२	मं	४४	२९	ध	३९	२७	धृ	२४	३१	व	१७	३३	३०	६	५४	३०	१४	९	कु.११।३१
१३	बु	३८	२९	श	३५	२०	शू	१७	२९	कौ	११	३४	२६	७	५३	१	१५	१०	कुम्भे
१४	गु	३३	४	पू	३१	४९	गं	९	२३	ग	५	४६	२२	८	५२	२	१६	११	मी १७।४५
१५	शु	२७	५८	उ	२८	३४	बृ	९४	२०	वि	०	३१	१८	८	५२	३	१७	१२	मीने

कन्यायां बुधः ५।४१ नवरात्रारंभः
चन्द्रदर्शनम्
भ.५१।७उ.तुलायांशुक्रः८।४२मोहोरम?
भ.२०।३६या. [? १ सन् १३७२
अस्तंशनिः ३५।१७
हस्ते बुधः ३२।२१
भ. १२३उ.४३९या. हस्तेरवि ४६।४८
स्वात्यांशुक्रः३३।५८
चित्रायां१शनिः ४३।४० विजया१०
क्षयः
भ.२३९उ.५३०या.पापांकुशा११ब्र.स्मा.
पापांकुशा ११ ब्र.वै.नि.
अक्टूबरमा.१०ता.३१प्रदोषःताजिया
भ.३४उ.धनुषिभौयः३०१शरत१५ब्र.
भ.०।३१या.चित्रायांबुधः१७३शरद१५

२४पं.आ.शु.२सू.इ.७।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	०	५	५	९	५
४	२२	१	२७	२८	२२	२६	४
२७	३२	५७	३३	४५	२५	१६	५५
२८	४२	५४	५४	११	३०	३	१७
५८	३९	५०	२२	७३	७	३	५८
४५	३६	४९	ब	४५	८	११	३८

गोचरग्रहाः

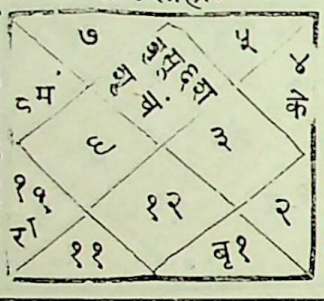

इस मास में राज प्रजा में सुख शांति धान्य जो गेहूं चणा मूंग मोठ बाजरा प्रियंगु इनका भाव मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

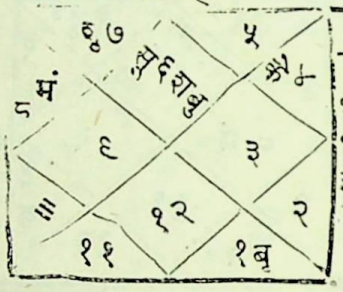

२५ पं.आ.शु.९सू.इ७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	०	६	५	९	५
११	२७	१४	२७	७	२३	२५	११
१९	१७	३६	१२	२१	१५	५३	४६
२४	१३	७	३६	२९	४०	४८	५५
१२	४०	०८	३८	७२	७	३	५८
०	१३	३८	ब	३७	१४	११	५३

ति.|कार्तिककृष्णपक्षः सं०२० ९ शाकः १८७४ दि.|उ.|अ. इं.|हिं.|मु.| चन्द्रः |शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽाश्विनकृष्णेति महा.

१	श	२३	३०	रे	२६	१३	व्या	४९	३१	कौ	२३	३०	२९ १४	६ ६	५ ५१	४	१८	१३	मे.२६।१३
२	र	२०	८	अ	२४	२७	ह	४४	१६	ग	२०	८	१०	१०	५०	५	१९	१४	मेषे
३	चं	१७	४६	भ	२३	५१	व	३९	५४	वि	१७	४६	६	११	४९	६	२०	१५	बृ.२९।००
४	मं	१६	३४	कृ	२४	२६	सि	३६	२९	वा	१६	३४	२	१२	४८	७	२१	१६	बृषे
५	बु	१६	४८	रो	२५	५३	व्य	३४	५	तै	१६	४८	२८ ५८	१२	४८	८	२२	१७	मि५७।३६
६	गु	१८	२	मृ	२९	१९	व	३२	३८	व	१८	२	५४	१३	४७	९	२३	१८	मिथुने
७	शु	२०	४०	आ	३३	३२	प	३१	३९	ब	२०	४०	५०	१४	४६	१०	२४	१९	मिथुने
८	श	२४	१७	पु	३८	४८	शि	३२	३०	कौ	२४	१७	४६	१५	४५	११	२५	२०	क.२२।२९
९	र	२८	५६	पु	४४	३५	सि	३३	३३	ग	२८	५६	४२	१६	४४	१२	२६	२१	कर्के
१०	चं	३३	५३	श्ले	५१	२	सा	३४	४४	व	१	२४	३८	१६	४४	१३	२७	२२	सिं५१।२
११	मं	३८	५५	म	५७	२६	शु	३६	८	ब	६	२४	३४	१७	४३	१४	२८	२३	सिंहे
१२	बु	४३	५०	पू	६०	०	शु	३७	३८	कौ	११	२२	३०	१८	४२	१५	२९	२४	सिंहे
१३	गु	४८	४	पू	३	२३	त्र	३८	५	ग	१५	५७	२६	१९	४१	१६	३०	२५	कं १९।४६
१४	शु	५१	२१	उ	८	५४	ऐं	३८	४	वि	१९	४३	२२	२०	४०	१७	३१	२६	कन्या
३०	श	५३	२९	ह	१३	६	वै	३७	१३	च	२२	२५	१८	२०	४०	१८	१	२७	तु.४४।४६

भ.५५उ.वकीभरण्यां४गुरुः५०।४६
भ. १७।४६ या. चतुर्थी ब्र.
तुलायां बुधः १०।३५
विशाखायां शुक्रः २५।४५
भ. १८।२ उ. ४९।२१ या.
चित्रायां रविः १७।२५ होई ८
स्वात्यां बुधः २१।२५
पश्चिमोदयो बुधः ३०।४३
भ. १।२४ उ. ३३।५३ या.
रमा ११ ब्र.
गोवत्स पू. [*धन १३प्रदोषः
भ. ४८।४उ.वृश्चिकेशुक्रः ३१।५९*
भ.१९।४३या तुलायामर्कः०।९रूप१४
महालक्ष्मी पूजनम्

२९पं.का.कृ.२सू.इ.७।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	०	६	५	९	६
१८	२	२६	२६	१५	२४	२५	१८
१३	७	३३	४३	५७	६	३१	४०
२३	३०	२९	२६	३२	४३	३३	१२
५९	४१	००	४६	७३	७	३	५९
१६	७	४३	ब	२४	२०	११	९

गोचरग्रहाः

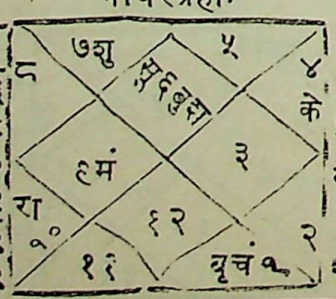

कार्तिक कृष्ण१४ शुक्रे तुलायामर्कः प्र.वा.४न. ३बृद्धावस्था(बैठी)मु.४५ (धान्यभावमंदा) शुक्रोदयः पश्चिमा.

गोचरग्रहाः

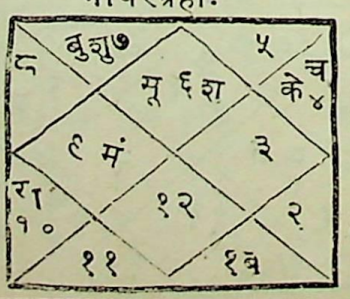

२७पं.का कृ.९सू.इ.७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	०	६	५	९	५
२५	७	७	२६	२४	२४	२५	२५
९	३	५३	५	३३	५७	९	३५
५	७	४९	१७	७	५४	१७	७
५९	४१	९६	५५	७३	७	३	५९
३१	४४	२२	ब	१४	२०	११	२१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

	कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२००९ शाकः १८७५	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चंद्र	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६४०७सन्१९५२

१	र	५४	३१	चि	१६	२६	वि	३५	२९	क	२४	०	२८/१४	६/२१	३/३९	१९	२	२८	तुलायां
२	चं	५४	१०	स्वा	१८	१	प्री	३२	४२	ब्रा	२४	२०	१०	२१	३८	२०	३	२९	तुलायाँ
३	मं	५२	२४	वि	१८	५४	आ	२८	५२	तै	२३	१७	६	२३	३७	२१	४	१	बृ.३।४१
४	बु	४९	३६	अ	१८	२६	सौ	२४	९	व	२१	०	२	२४	३६	२२	५	२	वृश्चिके
५	गु	४५	५१	ज्ये	१६	५०	शो	१८	४१	ब	१७	४३	२७/५८	२४	३६	२३	६	३	ध. १६।५०
६	शु	४१	१५	मू	१४	२१	आ	१२	१०	कौ	१३	३३	५४	२५	३५	२४	७	४	धनुषि
७	श	३६	४	पू	१२	४	सु	१६/१८	५२/३८	ग	८	२९	५०	२६	३४	२५	८	५	म.२५।५५
८	र	३०	२७	उ	७	३०	शू	५०	१४	वि	३	१६	४६	२७	३३	२६	९	६	मकरे
९	चं	२४	३४	श्र	३/२९	५६/१९	गं	४२	२८	कौ	२४	३४	४२	२८	३२	२७	१०	७	कुं ३१।२९
१०	मं	१८	३९	श	५५	२१	बृ	३४	४४	ग	१८	३९	२८	२८	३२	२८	११	८	कुम्भे
११	बु	१२	४३	पू	५१	३२	ध्रु	२७	४	वि	१२	४३	३५	२९	३१	२९	१२	९	मी ३७।३०
१२	गु	६	५३	उ	४८	१२	व्या	१९	४२	ग्रा	६	५३	३१	३०	३०	३०	१३	१०	मीने
१३	शु	२	१३	रे	४५	२९	ह	१२	५०	तै	२	१३	२८	३०	३०	३१	१४	११	मे.४५।२९
१४	शु	५५	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	श	५४	२९	अ	४३	३२	व	६	३१	वि	२६	१४	२५	३१	२९	१	१५	१२	मेषे

	विशाखायांबुधः५९।२९ मैत्रे शुक्रः १/२६
	चद्रद. पूषायांभौमः ५६/२५ भातृ२यम२
	सफर २
	भ. २१।० उ. ४९।३६ या.
	स्वात्यांरविः ४१।९
	[*शनिःप्रबोधिनी११ब्र.तुलसीविवाह
	भ. ३६।४ उ.
	भ.३।१६या.वृश्चिकेबुधः५/३४/२चित्रायां२*
	कुष्मांड ९ अक्षय ९
	भ. ४५।४१ [=त्रैव ६।५२गोपाष्टमी
	भ.१/४३या.मैत्रेबुधः५/१६उदयीशनिः२/३३=
	ज्येष्ठायां शुक्रः ९।५ प्रदोषः
	भ. ५८।० उ. बैकुंठ १४
	क्षयः
	भ.२६।१४या.नवम्बरमा.११ता०३०

२८ पं.का.शु.१सू.इ.७।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	०	७	५	९	६
२	१२	१८	२५	३	२५	२४	२
६	३	३८	१९	८	४९	४७	३१
२४	१८	२४	३५	४६	१२	२	३५
२९	४२	९३	३६	७२	७	३	५९
४६	८	३९	ब	५८	२०	११	२४

गोचरग्रहाः

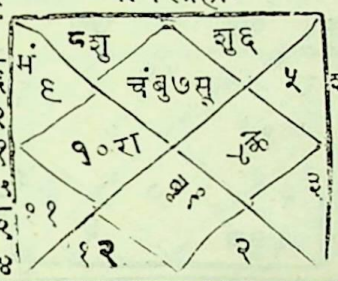

इस मास में पांच शनिवार महा अशुभ है जो अशुभ फल करेंगे "शनेश्चयं चकंदृष्ट्वा पाताले कंपते फणी ।

गोचरग्रहाः

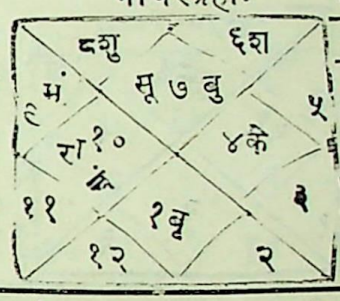

२९ पं.का.शु..८सू.इ.७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	०	७	५	९	६
९	१७	२८	२४	११	२६	२४	९
५	७	४८	२८	४२	४०	२४	२९
५७	४८	११	५२	४	१	४६	५४
६०	४२	९०	७	७२	७	३	५९
२	४०	४१	२८	४६	१४	११	४७

ति	गौरीपेकृष्णपक्षः सं०२००९ शाकः १८७४	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्र	शरदृतूरविर्दक्षिणेकार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्रां

१	र	५२	९०	भ	९९	४३	स्व	१/१	५५/२०	ब्रा	२३	२६	२७/२०	६/३२	५/२८	२	१६	१३	बृ. ५७।४७
२	चं	५१	१८	कृ	४३	०	व	५२	३९	तै	२१	५०	१७	३३	२७	३	१७	१४	बृषे
३	मं	५१	३५	रो	४४	२२	प	४९	५०	व	२१	२६	१३	३३	२७	४	१८	१५	बृषे
४	बु	५३	२	मृ	४७	१७	शि	४८	८	व	२२	१९	१०	३४	२६	५	१९	१६	मि १५।४९
५	गु	५५	४४	आ	५१	१८	सि	४७	१९	कौ	२४	२३	६	३५	२५	६	२०	१७	मिथुने
६	शु	५९	३३	पु	५६	२०	सा	४७	२५	ग	२७	२८	३	३५	२५	७	२१	१८	क. ४०।५
७	श	६०	०	पु	६०	०	शु	४८	५	वि	३१	५३	२९/२६	३६	२४	८	२२	१९	कर्के
८	र	४	१४	पु	२	८	शु	४९	१२	ब	४	१४	५६	३७	२३	९	२३	२०	कर्के
९	चं	९	१६	श्ले	८	२७	ब्र	५०	२४	कौ	९	१६	५२	३८	२२	१०	२४	२१	सिं.८।२७
१०	मं	१४	२६	म	१४	५१	एं	५१	४९	ग	१४	२६	४९	३८	२२	११	२५	२२	सिंहे
११	बु	१९	२८	पू	२०	५४	वै	५२	३६	वि	१९	२८	४६	३९	२१	१२	२६	२३	कं.३७।१७
१२	गु	२३	४३	उ	२६	२८	वि	५२	४०	ब्रा	२३	४३	४३	३९	२१	१३	२७	२४	कन्या
१३	शु	२७	३	ह	३१	२	ग्री	५२	७	तै	२७	३	४०	४०	२०	१४	२८	२५	कन्या
१४	श	२९	१४	चि	३४	२९	आ	५०	३१	व	२९	१४	३७	४१	१९	१५	२९	२६	तु.२।४५
१५	र	३०	३	स्वा	३६	४१	सौ	४८	३	श	३०	१३	३४	४१	१९	१६	१	२७	तुलायाँ
१६	चं	२९	४८	त्रि	३७	४२	शो	४४	२९	ना	२९	४८	३१	४२	१८	१७	२	२८	बृ. २२।२७

	वक्री भरण्यां ३ गुरुः ५२।२१
	भ. २१।२६ उ. ५१।३५ या.
	विशाखायांरविः५८।३४ चतुर्थी ब्र.
	भ.५९।३३उ.उषायांभौमः५९।२३
	भ.३१।५३या [+पातमोक्षः२९।४२
	ज्येष्ठायांबुधः१५।५८पातस्पर्शः१५/५४+
	मूले शुक्रः ७।५७
	भ, ४६।५७ उ.
	भ. १९।२८ या. मकरे भौमः३७।४
	उत्पत्ति ११ ब्र.
	प्रदोषः
	भ.२९/१४उ.५९/४३या.बृश्चिकेऽर्कः५२।५२*
	[*श्रवणे४रांहुःसार्पे२केतुः२८।४३
	सोमवत्यमापुण्यम

३० पं.मा.कृ.१सू.इ ६।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	०	७	५	९	६
१६	२२	८	२३	२०	२७	२४	१६
७	१६	१२	३३	१४	३०	२	२९
०	१२	४७	५०	३८	११	३१	४०
६०	४२	८६	५२/७	७२	७	३	६०
१८	५८	१८	ब	२७	३	११	४

३१ पं. मा.शु.७सू.इ.६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	०	७	५	९	६
२३	२७	१६	२२	२८	२८	२३	२३
९	२८	२८	३६	४६	१८	४०	३१
३९	२६	१	५८	२३	५४	१६	२
६०	४३	७७	५२/७	७२	६	३	६०
३०	१३	१	ब	२	५२	११	१७

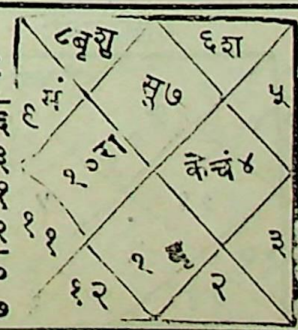

३२ पं मा.कृ.१४सू.इ ६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	८	५	९	७
०	२	२२	२१	७	२९	२३	०
१३	४३	१६	४०	१६	६	१८	३३
४३	५५	५५	२६	४१	०	०	४७
६०	४३	५१	५७/७	७१	६	३	६०
४०	३२	२०	ब	४४	३५	११	३०

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्षशुक्लपक्षः सं०२००६ शाकः १८७४ | दि. | उ. | अ. | इ. | हिं. | मु. | चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६४३७स.१६५२

१	मं	२८	५	अ	३७	३०	अ	३६	५५	ब	२८	५	२६	६	५	१८	३	२६	वृश्चिके
२	बु	२५	१६	ज्ये	३६	३	सु	३४	२७	कौ	२५	१६	२६	४३	१७	१६	४	३०	ध.३६।३
३	गु	२१	३६	मू	३३	५०	धृ	२८	१५	ग	२१	३६	२४	४३	१७	२०	५	१	धनुषि
४	शु	१७	०	पू	३०	५५	शू	२१	२३	वि	१७	०	२१	४४	१६	२१	६	२	म.४४।५६
५	श	११	४७	उ	२७	१३	गं	१४	४	वा	११	४७	१६	४४	१६	२२	७	३	मकरे
६	र	६	१७	अ	२३	१४	वृ	२८	५६	तै	६	१७	१६	४५	१५	२३	८	४	कु.५१।१३
७	चं	०	३०	ध	१६	१२	व्या	५०	५०	व	०	३०	१४	४५	१५	२४	६	५	कुम्भे
८	चं	५४	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	मं	४८	४८	श	१५	२	ह	४३	८	वा	२१	४३	११	४६	१४	२५	१०	६	मी५७।४
१०	बु	४३	२३	पू	११	५	व	३५	३५	तै	१६	५	६	४६	१४	२६	११	७	मीने
११	गु	३८	३५	उ	८	४२	सि	२८	२७	व	१०	५६	६	४७	१३	२७	१२	८	मीने
१२	शु	३४	२३	रे	४	४५	व्य	२१	५६	ब	६	२६	४	४७	१३	२८	१३	६	मे.४।४५
१३	श	३१	१२	अ	२	४३	व	१६	६	कौ	२	४७	१	४८	१२	२६	१४	१०	मेषे
१४	र	२६	३	भ	१	४०	प	१	६	ग	०	७	२५	४८	१२	३०	१५	११	बृ.१६।४०
१५	चं	२८	३	कृ	१	४०	शि	७	४	ब	२८	३०	५६	४६	११	१	१६	१२	बृषे

अनुराधायां रविः १०।४०चंद्रद. भ. ४६।१६ उ. रविलावल ३
भ. १७°या.वक्रीबुधः २५ पूषायांशुक्रः ३५
पातस्पर्शः २४।११ पातमोक्षः ३८।३
चम्पा ६
भ. ३°उ. २७ ३४ या.चित्रायां ३तुलायांशनिः*
क्षयः [* २७।३१पश्चिमास्तोबुधः ४७ ५५
श्रवणे भौमः ५१।७

भ.१०।५६उ.३८।३५ या.मोक्षदा११ब्र.

वक्रीमैत्रेबुधः १४।५६वक्रीभरण्यां २गुरुः!
भ.२६।२उ.५८।३२या. [! ३ ६ ५ प्रदोषः
दिसंबर मा.१२ता ३१ श्रीदत्तजयंती

३३पं.मा.शु.६सू.इ.६।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	८	५	९	७
७	७	२२	२०	१५	२९	२२	७
१९	५९	३४	४६	४४	५१	५५	३७
१७	३१	४४	३०	३५	२५	४५	४४
६०	४३	५९	७	७१	६	३	६०
५३	५०	ब	बृ	२०	२०	११	४२

गोचरग्रहः

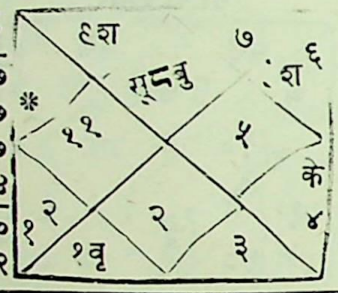

यहां शनि गुरु का राशि सप्तम होता है इसका फल महा राअशभ है क्रूराणां सह सोम्येश्च यदा- स्मात्सप्त सप्रक्रम् ।

गोचरग्रहः

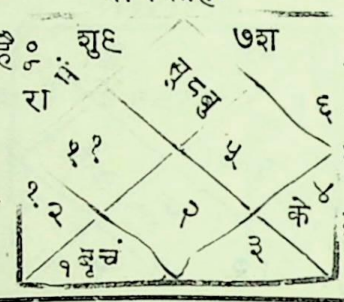

३४पं.मा. शु.१४सू.इ.६।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	८	६	९	७
१४	१३	१५	१९	२४	०	२२	१४
२६	२०	१६	५७	११	३२	३३	४३
३	१७	३०	७	१३	२४	३०	४
३१	४४	५६	२८	७०	६	३	५०
३	१	ब	ब	५०	१	११	६०

ति. पौष कृष्णपक्षः सं०२००६ शाकः १८७४ | दि. | उ. | अ. | इ. | हिं. | मु. | चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः शीर्षकृ.महाराष्ट्राः

१	मं	२८	३०	गं	२	५५	सि	३	५७	कौ	२८	३०	२५	६	५	२	१७	१३	मि२४।६
२	बु	३०	११	मृ	५	२४	सा	१	४८	ग	३०	११	५३	४६	११	३	१८	१४	मिथुने
३	गु	३२	५८	आ	६	६	शु	०	३३	व	१	३४	५१	५०	१०	४	१६	१५	क ५७।४६
४	शु	३७	३	पु	१३	५६	शु	०	२८	ब	५	१	५०	५०	१०	५	२०	१६	कर्के
५	श	४१	४८	पु	१६	४२	न	०	५७	कौ	६	२५	४८	५०	१०	६	२१	१७	कर्के
६	र	४६	५५	श्ले	२५	५४	ऐं	१	५७	ग	१४	२१	४६	५१	६	७	२२	१८	सिं२५।५४
७	चं	५२	६	म	३२	१३	वै	३	११	वि	१६	३०	४५	५१	६	८	२३	१६	सिंहे
८	मं	५७	४	पू	३८	३०	वि	४	२४	ग	२४	३५	४३	५१	६	६	२४	२०	कं ५४।५६
६	बु	६०	०	उ	४४	१४	धी	५	२६	तै	२६	१८	४२	५२	८	१०	२५	२१	कन्या
६	गु	१	३१	ह	४८	५८	आ	५	३६	ग	१	३१	४१	५२	८	११	२६	२२	कन्या
१०	शु	४	४३	चि	५२	४४	सौ	५	१६	वि	४	४३	४०	५२	८	१२	२७	२३	तु.२०।५१
११	श	७	४६	स्वा	५५	२६	शो	४	१	ना	७	४६	३६	५२	८	१	२८	२४	तुलायां
१२	र	७	४४	वि	५६	३१	अ	४ ५	५ ६	तै	७	४४	३८	५२	८	१४	२६	२५	ब. ४१।१५
१३	चं	७	२१	अ	५६	३५	धृ	५४	१२	व	७	२१	३८	५२	८	१५	३०	२६	वृश्चिके
१४	मं	५	३६	ज्ये	५५	२७	शू	४६	२	श	५	३६	३७	५३	७	१६	१	२७	ध. ५५।२७
३०	बु	२	४७	मू	५३	२१	गं	४३	६	ना	२	४७	३७	५३	७	१७	२	२८	धनुषि

ज्येष्ठायांरविः १७।३६उषायांशुक्रः १२।२
भ. १।३४उ.३२।५८या.मकरेशुक्र. ५४।४६
चतुर्थीब्र.पातस्पर्शः ३।३७पातमोक्षः २२ २८
पूर्वोदयी बुध. ३५।४५
भ. ४६।५५ उ.
भ. १६।३० या.
मार्गी बुध. ८।४६

भ. ३३।७ उ.
भ. ४।४३ या.
श्रवणे शुक्र. १६।१० धनिष्ठायां भौम.*
प्रदोषः [* ८।३२सफला ११ब्र
भ.७।२१ उ. ३६।२८या धनुष्यर्क २१ २४
पितृकार्येऽमा
देवकार्येऽमा.

३५पं.पौ.कृ.६स्.इ.५।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	९	६	९	७
२१	१८	७	१९	२	१	२२	२१
३३	३९	५९	१३	३३	१४	११	४९
५०	५८	१०	५२	२५	२०	१४	२०
६१	४३	२२	३४	७०	५	२	६०
२१	५६	ब	ब	१५	३२	११	५६

गोचरग्रहः

पौष कृष्णा १३
चंद्रे धनुष्यर्कः प्र.वा.
३ ८. वृद्धावस्था
(बैठी) मु तः ३०
(धान्यभाव सम)
क्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचरग्रहः

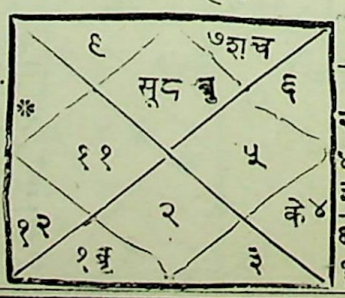

३६पं.पौ.कृ.१२स्.इ.५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	९	६	९	७
२८	२४	८	१८	१०	१	२१	२८
४२	२	११	३९	५३	३०	४८	५६
३३	६	७	७	४९	३५	५९	५
६१	४४	४ २२	६९	५५ २८	५	३	६१
१८	१६	ब	३२	मा	२	११	०

#१०चंमंरा +१०शुरामं (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *राशुमं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं.२००६ शाकः १८७४	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	हेमंततुं रविरुत्तरेऽहर्गणः६४६७स.१६५२
१	बु ५६ २३	० ० ०	० ० ०	० ० ०	८ ० ०	० ० ०	०	०	क्षयः
२	गु ५४ ३०	पू ५० २६	बृ ३६ २३	बा २६ ५०	२५ ६ ५	१८ ३ २६	धनुषि	चंदर्शनम्
३	शु ५६ १५	उ ४७ ४	ध्रु २६ १६	तै २१ ५२	२६ ५३ ७	१६ ४ १	म.४।३५	रविलाखर ४
४	श ४३ ४४	श्र ४३ ११	व्या २१ ४६	व १६ १६	३६ ५३ ७	२० ५ २	मकरे	भ. १६।२६ उ. ४३।४४ या.
५	र ३८ १	ध ३६ ८	ह १३ ५६	ब १० ५२	३६ ५३ ७	२१ ६ ३	कु.११।६	कुंभेभौमः५५।४उत्तरायणप्रवृत्तिः५०।२
६	चं ३२ ८	श ३४ ५६	व ६ ५३	कौ ५ ४	३६ ५३ ७	२२ ७ ४	कुम्भे	ज्येष्ठायां बुधः ३७।३१
७	मं २६ २४	पू ३१ १	व्य ५० ४३	व २६ २४	३६ ५३ ७	२३ ८ ५	मी१७।१	भ.२६।२४ उ. ५३।४२ या.
८	बु २१ १	उ २७ ३१	व ४३ २६	ब २१ १	३७ ५३ ७	२४ ६ ६	मीने	धनिष्ठायां शुक्रः ३४।५६
६	गु १६ १६	रे २४ २५	प ३६ ४३	कौ १६ १६	३७ ५३ ७	२५ १० ७	मे.२४।२५	
१०	शु १२ २२	अ २२ १४	शि ३० ३४	ग १२ २२	३७ ५३ ७	२६ ११ ८	मेषे	भ. ४०।४७ उ.
११	श ६ १३	भ २१ २०	सि २५ १५	वि ६ १३	३८ ५२ ८	२७ १२ ६	बृ.३६।२	भ. ६।१३ या.पुत्रदा११ ब्र.
१२	र ७ १४	कृ २० ३८	सा २० ५६	ग ७ १४	३८ ५२ ८	२८ १३ १०	बृषे	षायां रविः २३।१ प्रदोषः
१३	चं ६ २०	रा २१ ३४	शु १७ ३०	तै ६ २०	३६ ५२ ८	२६ १४ ११	मि५ २।३६	[* शतेभौमः ३७।३४
१४	मं ६ ५४	अ २३ ४४	शु १४ ५६	व ६ ५४	३६ ५२ ८	३० १५ १२	मिथुने	भ. ६।५४उ.३७।४७ या.कुंभेशुक्रः २५/५*
१५	बु ८ ४०	आ २७ १५	न १३ २५	व ८ ४०	४० ५२ ८	३१ १६ १३	मिथुने	माघस्नान प्रारंभः

३७पं.पौ.शु.५सू.इ.५।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	०	९	६	९	८
५	२९	१४	१८	१९	२	२१	६
५१	२३	३३	११	८	२४	२६	३३
५८	२८	४७	५६	२८	२९	४४	३६
६१	४४	८२	५६	६८	४	३	६१
२२	११	१६	ब	५०	३९	११	५

गोचरग्रहाः

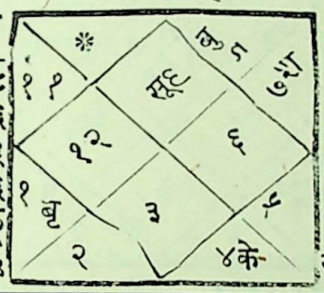

शनि महाराज तुला वृश्चिक धन राशि में ७।। वर्ष तक भारी उपद्रव करेंगे। तुला वृश्चिक चाप स्थोय दायातिशनैश्चरः

गोचरग्रहाः

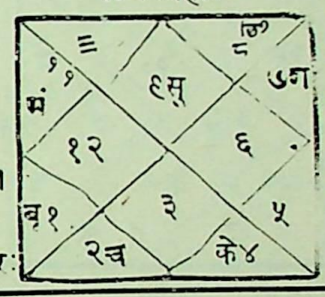

३८पं.पौ.शु१२सू.इ.५।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	०	९	६	९	८
१३	४	२३	१७	२७	२	२१	१३
१	४८	२४	५५	१८	५३	४	११
५२	०	४०	८	७	३१	२८	२१
६१	४४	८९	५२	६७	४	३	६१
२६	८	५३	ब	५५	४	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७४	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंततुं रविरुत्तरेपौष कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ११ ३४	पु ३१ ५१	ऐं १२ ५८	कौ ११ ३४	२५ ६ ५	१ १७ १४	क.१५।४२	जनवरीमा १ ता०३१ सन्१६५२*
२	शु १५ ४७	पु ३७ २४	वै १३ ६	ग १५ ४७	४२ ५२ ८	२ १८ १५	कर्के	भ. ४८।११ उ. [*मूले बुधः ५६।३१
३	श २० ३६	श्ले ४३ ३३	वि १४ ०	वि २० ३६	४३ ५१ ६	३ १६ १६	सिं४३।३३	भ. २०।३६ या. चतुर्थी व्र.
४	र २५ ४७	म ४६ ५६	प्री १५ १३	ग २५ ४७	४४ ५१ ६	४ २० १७	सिंहे	चित्रायां ४ शनि. २२।१८
५	चं ३१ ३	पू ५६ १४	आ १६ १७	तै ३१ ३	४६ ५१ ६	५ २१ १८	सिंहे	शतेशुक्र. १६।५५ मार्गी गुरु. ३८।३३
६	मं ३५ ५७	उ ६० ०	सौ १७ २७	ग ३ ३०	४७ ५१ ६	६ २२ १६	क.१२।४८	भ. ३५।५७ उ.
७	बु ४० २१	उ २ २६	शो १७ ५७	वि ८ ६	४६ ५० १०	७ २३ २०	कन्या	भ. ८।६ या.
८	गु ४३ २८	ह ७ ८	अ १७ ३८	बा ११ ५५	५० ५० १०	८ २४ २१	तु. ३६।११	
६	शु ४५ ३५	चि ११ १४	सु १७ २	तै १४ ३१	५२ ५० १०	६ २५ २२	तुलायां	[× २४।२६ उषायां बुधः ५२।१२
१०	श ४६ २६	स्वा १३ ३२	धृ १५ ०	व १६ १	५४ ४६ ११	० २६ २३	तुलायां	भ.१६।१ उ.४६।२६ या. उषायाँराव.×
११	र ४५ ५६	वि १५ ३४	शू १२ ६	ब १६ ११	५६ ४६ ११	११ २७ २४	बृ.०।४	षट्तिला ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	चं ४४ १०	अ १६ ५७	गं ८ १७	कौ १५ ३	५८ ४८ १२	१२ २८ २५	बृश्चिके	पूर्वास्तंबुध.१२।४७षट्तिला११ब्र.नि.
१३	मं ४१ १५	ज्ये १५ ८	बृ ३ ५३ २ ६ १४	ग १२ ४२	२ ६ १	१३ २६ २६	ध. १५।८	भ.४१।१५उ.मकरेऽर्क. ३६।५६प्रदोषः
१४	बु ३७ २६	मू १३ २३	व्या ५१ २१	वि ६ २२	३ ४७ १३	१४ १ २७	धनुषि	भ. ६।२२ या.
२०	गु ३२ ५२	पू १० ३६	ह ४४ २६	च ५ ११	५ ४७ १३	१५ २ २८	म.२४।४६	मौनी ३०

३६पं.मा.कृ.४सू.इ.५।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	०	१०	६	९	८
२०	१०	३	१७	५	३	२०	२०
११	१०	१५	४७	२०	१९	४२	१९
५०	४४	३६	५३	१०	१	१३	४०
६१	४४	९२	१६	६६	३	३	६१
२६	१०	२२	ब	४८	२८	११	६

गोचरग्राह

माघकृष्णा १३भौमे मकरेऽर्कः प्र वा. २ नं. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पश्चिमायाम्

गोचरग्राह

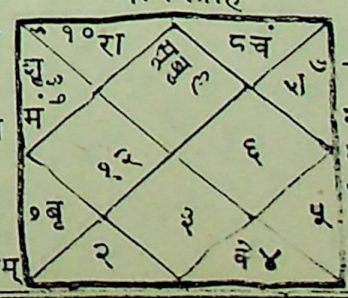

४०पं.मा.कृ११.सू.इ५।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	०	०	६	९	८
२७	१५	१३	१७	१३	३	२०	२७
२१	३३	४०	५२	१४	४०	१९	२७
४०	५४	४१	४१	१०	३०	५७	४४
६१	४४	९५	५६	६५	२	३	६१
२४	१९	३५	मा	२७	४१	११	६

*१० रा चं मं शु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

≡१० शु ६ रा

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २००९ शाकः १८७४			दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शिशि. ऋतूरविरुत्तरेऽहर्गणः ६४९६स. १९५३
१	शु २७ ३३	उ ७ १५	न्न ३७ १	त ० १२	२६ ६ ५	१६ ३ २९				मकरे	पूभायां भौमः ५०।३५ श्रीबल्लभज.
२	श २१ ५५	श्र ३ ५ ५	सि २९ १३	कौ २१ ५५	१० ४६ १४	१७ ४ ३०				कु.३१।३०	चन्द्रदर्शनम् पूभायांशुक्रः १०।५४श्रवणे*
३	र १६ १२	श १५ १९	व्य २१ २६	ग १६ १२	१२ ४६ १४	१८ ५ १				कुम्भे	भ. ४३।१६ उ.जमादिलावल ५
४	चं १० २१	पू ५१ २१	व १३ ४२	वि १० २१	१५ ४५ १५	१९ ६ २				मी ३७।२१	भ.१०।२१या. उषायांबुधः २४।११
५	मं ४ ४३	उ ४७ ४०	प ५ ७ ३ ५	बा ४ ४३	१७ ४५ १५	२० ७ ३				मीने	अभि.प्र.रविः ११।१३ वसंत ५
६	मं ५४ २६	० ० ०	० ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०				०	क्षयः [*३रा.सार्पे १के.२१।४८
७	बु ५४ ४७	रे ४४ ४०	सि ५१ ३७	ग २६ ५८	२० ४४ १६	२१ ८ ४				मे. ४४।४०	भ.५४।४७ उ.मकरेबुधः ३८।५ रथ ७
८	शु ५० ४६	अ ४२ १७	सा ४५ १८	वि २२ ४७	२२ ४४ १६	२२ ९ ५				मेषे	भ.२२।४७या.पातस्पर्शः ४८।१४भीष्म८
९	शु ४७ ५१	भ ४० ३१	शु २९ ५३	बा १९ १८	२५ ४३ १७	२३ १० ६				वृ.५५।२४	श्रवणेरविः २७।१३ पातमोक्षः २।११
१०	श ४५ ५३	कृ ४० ५	शु ३५ ६	तै १६ ५२	२७ ४३ १७	२४ ११ ७				बृषे	अभि. नि. रविः १९।२९
११	र ४५ ८	रो ४० २७	व्र ३० ३०	व १५ ३०	३० ४२ १८	२५ १२ ८				बृषे	भ.$\frac{१५}{३०}$उ.४५।८या.जया ११ब्र.स्मा. वै.
१२	चं ४५ ५९	मृ ४२ ३९	ऐं २८ ३२	ब १५ ३३	३३ ४१ १९	२६ १३ ९				मि.११।३३	मीनेशुक्रः $\frac{३३}{४७}$जया ११ब्र.नि.भीष्म १२
१३	मं ४७ ४४	आ ४५ ५६	वे २६ ४५	कौ १६ ५१	३६ ४१ १९	२७ १४ १०				मिथुने	श्रवणेबुधः ३५।६ प्रदोषः
१४	बु ५० ५२	पु ५० १३	वि २५ ५५	ग १९ १८	३९ ४० २०	२८ १५ ११				क.३४।९	भ $\frac{५०}{५२}$उ.[×मीनभौमः $\frac{५}{१}\frac{३}{८}$खग्रासंचंद्रग्र.
१५	गु ५४ ५६	पु ५५ ३५	ग्री २६ १	वि २२ ५४	४२ ४० २०	२९ १६ १२				कर्के	भ. २२।५४या.उभायांशुक्र ४०।५४×

४१ पं.मा.शु.३सू.इ.५।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	०	१०	६	९	९
४	२०	२४	१८	२०	३	१९	४
३१	५५	३१	४	५७	५४	५७	३५
९	१	२३	५९	४७	५४	४२	३४
६१	४४	९७	२	६३	१	३	६१
१९	१६	३८	२०	५४	५९	११	३

गोचरग्रहाः

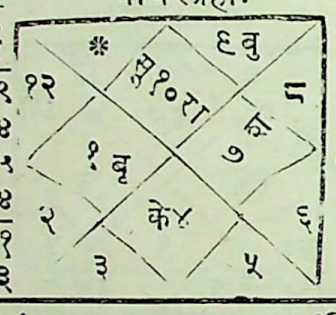

माघ कृष्णा यदाष्टभ्यां कृतिकायदिनो भवेत् फाल्गुने रोलिकापातः श्रावणे वान वर्षणम्

गोचरग्रहाः

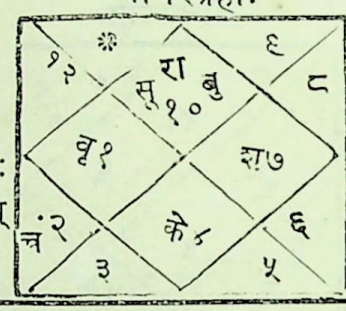

४२ पं.मा.शु.११सू.इ.५।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	०	१०	६	९	९
११	२६	५	१८	२८	४	१९	११
४०	१६	४८	२८	२८	५	३५	४२
०	१३	४	१६	१९	१३	२७	४६
६१	४४	० ०	३	६२	१	३	६०
१३	१३	५०	४४	६	१८	११	५९

ति.	फाल्गुन कृष्ण पक्षः सं० २००९ शाकः १८७४			दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शिशि. रविरुत्तरे माधकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ५९ ५३	श्ले ६० ०	आ २६ ३५	ब्रा २७ २४	२६ ६ ५	३० १७ १३				कर्के	
२	श ६० ०	श्ले १ ३८	सौ २७ ५३	तै ३२ २८	४८ ३८ २२	३१ १८ १४				सिं. १।३८	
३	र ५ ४	म ७ ५९	शो २८ ५९	ग ५ ४	५२ ३८ २२	१ १९ १५				सिंहे	भ. ३७।४१ उ फरवरी २ता० २८
३	चं १० १९	पू १४ २६	अ ३० ७	वि १० १९	५५ ३७ २३	२ २० १६				कं.३१।४	भ. १०।१९ या.चतुर्थी ब्र.
४	मं १५ ९	उ २० ५९	सु ३० ४४	बा १५ ९	५९ ३६ २४	३ २१ १७				कन्या	उभायां भौमः २६।२०
५	बु १९ १९	ह २५ २९	धृ ३१ ५	तै १९ १९	२७ ३६ २४	४ २२ १८				तु. ५७।४७	धनिष्ठायां बुधः २१।३०
६	गु २२ ३०	चि २९ ५६	शू ३० २७	व २२ ३०	६ ३५ २५	५ २३ १९				तुलायां	भ.$\frac{२२}{३०}$उ.$\frac{५}{३}\frac{३}{८}$या.धनिष्ठायाँ रवि:३३।५*
७	शु २४ २७	स्वा ३३ ९	गं २८ ५३	व २४ २७	९ ३४ २६	६ २४ २०				तुलायां	[*वक्रीशनिः $\frac{५३}{५४}$ पातस्पर्शः $\frac{२०}{१९}$+
८	श २५ ७	वि ३५ ४५	वृ २६ २२	कौ २५ ७	१३ ३३ २७	७ २५ २१				बु. २०।६	सीताष्टमी. [+पातमोक्षः ३३।१७
९	र २४ ३०	अ ३५ ३७	धु २२ ३९	ग २४ ३०	१६ ३३ २७	८ २६ २२				बृश्चिके	भ. ५३।३३ उ.कुम्भेबुधः ९।५०
१०	चं २२ ३७	ज्ये ३५ ४	व्या १७ ४०	वि २२ ३७	२० ३२ २८	९ २७ २३				ध.३५।४	भ. २२।३७ या.
११	मं १९ ३६	मू ३३ २३	ह १२ ५८	बा १९ ३६	२३ ३१ २९	१० २८ २४				धनुषि	विजया ११ ब्र.
१२	बु १५ ३८	पू ३० ४८	व ६ ५३	तै १५ ३८	२७ ३१ २९	११ २९ २५				म. ४५।०	भरण्यां ३ गुरुः ३।५२ प्रदोषः
१३	गु १० ५२	उ २७ ३७	सि ० ४	व १० ५२	३० ३० ३	१२ ३० २६				मकरे	भ $\frac{१०}{५२}$उ.$\frac{३}{१५}$या.कुम्भेऽर्कः ७।१शतेबुधः $\frac{१}{८}$=
१४	शु ५ ३८	श्र २४ ४	व ४५ १८	श ५ ३८	३४ २९ ३१	१३ १ २७				कुं.५२।४	महा शिवरात्री ब्र.वै. [=रेवत्यां शुक्र*
३०	शु ५४ १८	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०				०	क्षयः [*२१।३४महाशिवरात्रीब्र.स्मा

४३ पं. फा.कृ.२सू.इ.५।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	०	११	६	९	९
१८	१	१७	१९	५	४	१९	१८
४८	३६	३३	०	४३	११	१३	४९
०	४३	४०	४३	१६	६	११	१९
६१	४३	० ०	४	५९	०	३	६०
४	५७	५९	५६	३१	३५	११	५५

गोचरग्रहाः

फाल्गुण कृष्णा १३ गुरौ कुम्भेऽर्कः प्र. वा. ३ नं. ३ प्रगलभावस्था (बैठी) मु४५(धान्यभावमंदा) शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

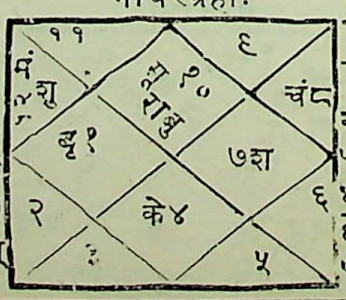

४४ पं.फा.कृ.९सू.इ.५।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	८	११	६	३	९
२५	६	२९	१९	१२	४	१८	२५
५४	५५	५१	५१	३६	११	५०	५५
४७	२३	५४	४६	३२	२८	५६	२०
६०	४३	० ०	६	५६	१९	३	६०
५५	५६	८	१६	ब	११	४७	

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७४ | दि. उ. अ. इ. हि. मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ६३२५३

१	श	५४	१०	ध	२०	४	प	३७	३३	क	२७	३	२७	३	५	कुम्भे
२	र	४८	१६	श	१५	५७	शि	२६	५२	बा	२१	१४	४२	२८	३२	मी५८।०
३	चं	४२	५७	पू	१२	१	सि	२२	४	तै	१५	३८	४६	२७	२३	मीने
४	मं	३७	२७	उ	८	१३	सा	१४	२६	व	१०	१२	५०	२६	३४	मीने
५	बु	३२	३६	रे	४	५८	शु	७	२४	ब	५	३	५४	२५	३५	मे.४।५८
६	गु	२८	५०	अ	२	२३	शु	१२	५४	को	०	४४	५८	२४	३६	मेषे
७	शु	२५	५१	भ	०	२५	ऐं	५०	२१	व	२५	४१	२८	२४	३६	बृ.१५।२०
८	श	२४	१	रो	६०	०	चै	४६	२०	व	२४	१	६	२३	३७	बृषे
९	र	२३	१२	रो	०	१६	वि	४३	१७	को	२३	१२	१०	२२	३८	मि३।१६
१०	चं	२३	५८	मृ	१	५६	प्री	४१	१३	ग	२३	५८	१४	२१	३६	मिथुने
११	मं	२५	५८	आ	४	५०	आ	४०	६	वि	२५	५८	१८	२२	३८	क.५३।५
१२	बु	२६	१०	पु	६	६	सो	३६	५३	बा	२६	१०	२२	२०	४०	कर्के
१३	शु	३३	२०	पु	१४	४	शो	४०	२७	को	१	१५	२६	१६	४१	कर्के
१४	शु	३८	५	श्ले	१६	५४	अ	२१	३१	ग	५	४२	३०	१८	४२	सिं१६।५४
१५	श	४३	१३	म	२६	१६	सु	४२	५२	वि	१०	२६	३४	१७	४३	सिंहे

१	र	४८	२८	पू	३२	२६	धृ	४४	१	बा	१५	५०	२८	६	५४	क.४६।५
२	चं	५३	७	उ	३८	५४	शु	४५	०	तै	२०	४७	४२	१६	४४	कन्या
३	मं	५७	१६	ह	४४	२७	गं	४५	३२	व	२५	११	४६	१५	६५	कन्या
४	बु	६०	०	चि	४८	५६	बृ	४५	५	ब	२८	४४	५०	१४	४६	तु.१६।४१
५	गु	०	१३	स्वा	५२	२०	ध्रु	४४	१	बा	०	१३	५४	१३	४७	तुलायां
६	शु	२	७	वि	५४	२६	व्या	४१	४८	तै	२	७	५८	१२	४८	वृ.२८।५७
७	श	२	४०	अ	५५	३०	ह	३८	५६	व	२	४०	२९	१२	४८	वृश्चिके
८	र	१	५४	ज्ये	५४	१३	व	२४	२६	ब	१	५४	६	११	४६	ध.५४।१३
९	र	५७	५५	मू	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	चं	५६	४१	पू	५३	४७	सि	२६	२५	तै	२८	१५	१०	१०	५०	६	२५	२२	धनुषि
११	मं	५२	४२	पू	५१	२५	व्य	२३	३४	व	२४	४१	१४	६	५१	१०	२६	२३	धनुषि
१२	बु	४७	४५	उ	४८	२८	व	१८	११	ब	२०	१४	१६	८	५२	११	२७	२४	म.५।४१
१३	गु	४२	२६	श्र	४४	५२	प	१०	१२	को	१५	५	२३	७	५३	१२	२८	२५	मकरे
१४	शु	३६	३८	ध	४०	५५	शि	४७	५२ / ५३	ग	६	३२	२८	६	५४	१३	२६	२६	कु.१२।५४
१५	श	३०	४६	श	३६	४७	सा	४७	२८	वि	३	४३	३२	६	५४	१४	१	२७	कुम्भे
३०	र	२५	४	पू	३२	४७	शु	३६	५३	ना	२५	४	३६	५	५५	१५	२	२८	मी१८।४७

चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
*जमादि लाखर ६
भ. १०।१२ उ.३७।२७ या.
शतेरविः ४२।२२
दूफायांबुधः १३/१४ पश्चिमोदयीबृधः २४/१८
भ.२५/४१ उ.५४/५१ या.रेवत्यांभौमः ५६/६ होई८
होलाष्टकं
भ. ५४।५८ उ.
भ. २५।५८ या. मीनेबुधः ४६।४३*
*आमलकी ११ब्र.
प्रदोषः
भ.३८।५उ.उभायांबुधः२५।२
भ. १०।३६ उ. होलिका दहनं

४५पं.फा.शु.२र.इ.५।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	११	६	९	१०
३	१२	१२	२०	१९	४	१८	३
०	१२	३७	३१	३	६	२८	०
५०	२२	४१	१	४	४०	४१	५
६०	४३	२८	७	५२	५८	३	६०
४२	३९	२५	११७	ब	११	३७	

गोचरग्रहाः

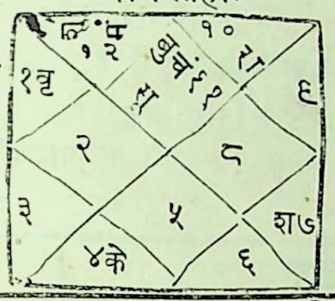

कुम्भ मीन के अन्तरे अष्टमी रोहिणी होय द्विगुणा तिगुणा चौगुणा कणका कवड़ा जोय।

गोचरग्रहा

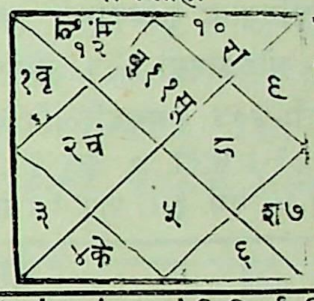

४६ पं.फा.शु६र.इ.५।५६.

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	११	६	९	१०
१०	१७	२५	२१	२४	३	१८	१०
५	२८	१०	२७	५४	५६	६	३
२२	३४	४८	३२	२९	४९	२५	३५
६०	४३	३० / ५७	८	४६	४४	३	६७
३१	३४		१३	४७	ब	११	२५

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७४ | दि. उ. अ. इ. हिं. मु. | चंद्रः | शिशिर्तौ रविरुत्तरेफा.कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	र	४८	२८	पू	३२	२६	धृ	४४	१	बा	१५	५०	२८	६	५४	१	१७	१४	क.४६।५
२	चं	५३	७	उ	३८	५४	शु	४५	०	तै	२०	४७	४२	१६	४४	२	१८	१५	कन्या
३	मं	५७	१६	ह	४४	२७	गं	४५	३२	व	२५	११	४६	१५	६५	३	१९	१६	कन्या
४	बु	६०	०	चि	४८	५६	बृ	४५	५	ब	२८	४४	५०	१४	४६	४	२०	१७	तु.१६।४१
५	गु	०	१३	स्वा	५२	२०	ध्रु	४४	१	बा	०	१३	५४	१३	४७	५	२१	१८	तुलायां
६	शु	२	७	वि	५४	२६	व्या	४१	४८	तै	२	७	५८	१२	४८	६	२२	१९	वृ.२८।५७
७	श	२	४०	अ	५५	३०	ह	३८	५६	व	२	४०	२९	१२	४८	७	२३	२०	वृश्चिके
८	र	१	५४	ज्ये	५४	१३	व	२४	२६	ब	१	५४	६	११	४६	८	२४	२१	ध.५४।१३
९	र	५७	५५	मू	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	चं	५६	४१	मू	५३	४७	सि	२६	२५	तै	२८	१५	१०	१०	५०	९	२५	२२	धनुषि
११	मं	५२	४२	पू	५१	२५	व्य	२३	३४	व	२४	४१	१४	९	५१	१०	२६	२३	धनुषि
१२	बु	४७	४५	उ	४८	२८	व	१८	११	ब	२०	१४	१९	८	५२	११	२७	२४	म.५।४१
१३	गु	४२	२६	श्र	४४	५२	प	१०	१२	को	१५	५	२३	७	५३	१२	२८	२५	मकरे
१४	शु	३६	३८	ध	४०	५५	शि	४७	५२ / ५३	ग	६	३२	२८	६	५४	१३	२९	२६	कु.१२।५४
१५	श	३०	४६	श	३६	४७	सा	४७	२८	वि	३	४३	३२	६	५४	१४	१	२७	कुम्भे
३०	र	२५	४	पू	३२	४७	शु	३६	५३	ना	२५	४	३६	५	५५	१५	२	२८	मी१८।४७

मार्च मा३ता.३१ मेषे शुक्रः३।८छा.
.पातस्पर्शः ५४।४५
भ.२५/१९ उ.५७/१६ या.पूभायां रविः ५७/१० *
चतुर्थी व्रत *पातमोक्षः ५।५३
भरण्यां ४ गुरुः ५।१०शीतलापू.
भ.२।४०उ.३२।१७या वक्रीबुधः२३।०
क्षयः
वक्रीचित्रायां ३ शनिः ८।३६
भ.२४/४१ उ.५३/४२ या.पश्चिमास्तो बुधः२४/५६
मेषे भौमः२।२२पापमोचनी११ब्र.स्मार्वै
पामोचनी ११ ब्र. नि
भ.२६।२८उ.मीनेऽर्कः५७।२८ प्रदोषः
भ. ३।४२ या.
अहर्गण ६५।५४ उ. ३ के

४७पं.चै.कृ.१सू.इ.६।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	०	०	६	९	१०
१७	२२	५	२२	०	३	१७	१७
८	४१	१६	३०	२	४२	४४	५
१२	४२	१२	४७	२	७	१०	४८
६०	४३	६८	९	३९	२०	३	६०
२०	२९	५६	४	५६	ब	११	१२

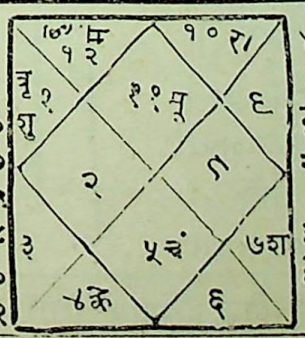

४८पं.चै.कृ.७मू.इ६।३७.

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	०	०	६	९	१०
२४	२७	९	२३	४	३	१७	२४
९	५३	४४	३९	११	२३	२१	६
३३	२४	१३	५०	५६	६	५४	३२
६०	४३	८	९	३०	०	३	५९
५	१३	ब	४८	२८	ब	११	५८

४९पं.चै.कृ.३० सू.इ.६।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५९	०	११	०	०	६	९	११
८१	३	७	२४	७	३	१६	१
९	३	२९	५४	२	०	५९	५
१५	७	६	३६	२८	११	२९	४४
५९	४२	४९	१०	१८	४/१	३	५९
४९	५८	ब	३२	४१	ब	११	४१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पङ्कज-स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५४ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५४ शेषं भोग्यकलिः ४२६९४६ अथास्मिन्सम्बत्सरे श्रीमन्नृपति-विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दाः सम्वत् २०१० शाकः १८७५ अस्मिन्वर्षेराजा चंद्रः । मंत्री चंद्रः । सस्येशो गुरुः । धान्येशोः भौमः । मेघेशो रविः । रसेश शनिः । नीरसेशोबुधः । फलेशः रविः । धनेशोः बुधः । दुर्गेशो रविः । एतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानांमध्ये विष्णुविंशतिकायां २० पराभवनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः २।२५।४४।२४ भोग्यमासादिः ९।४।१५।३६ वैश्व-दैवतंयुगम् । वर्षनामःकार्तिकः-मेघ ४ नाम संवर्तः । समयनिवासः कुंभकारगृहे (जलपात्रे) रोहिणी निवासः पर्वते । समय विश्वा १८ । समय वाहनं मृग । स्तम्भ १ वायोः । सोमवत्यमा १ । सोमवतो पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी १। रविदशमी १ । समय मुहूर्ताः ४०५ । समयदिनानि ३८४ । तिथिक्षयः १४ । तिथि वृद्धिः ८ । उत्पति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ८४ । वर्षा विश्वा १३ । धान्य ७. तृण ११. शीत ५. तेज ५ वायुः १३ शनि दृष्टिपश्चिमे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यं ९५ सत्यं ॥. धर्म १॥. पाप १८ ग्रहणे द्वे चन्द्रमसः ।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

मात भवानी अंबिके पूछे भैरव लाल ।
संबत्सर दश का कहो मुखसे सच्चा हाल ॥१॥

भवानी उत्तर

दशों दिशा दश साल में मंगल गावें नार ।
भेरि नगारा दुंदुभि अरु वाजे सहतार ॥२॥
निशा नाथ राजा हुये ले मंत्री का भार ।
अन धन जन संपति बढ़े सुख पावे संसार ॥३॥
चौमासे चारों दिशा घटा चढ़े घन घोर ।
वर्षा लगे सुहावनी बोलें दादुर मोर ॥४॥
अठ्ठारह विश्वा समय अधिक मास बैशाख ।
फलपति पदपाया रवी धनी नीपजे साख ॥५॥
फल संवत्सर का कहा यूं "बनवारीलाल" ।
भजन करो जगदीश का वे हैं दीनदयाल ॥६॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्ष लग्नम् ४।७

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ३।२९

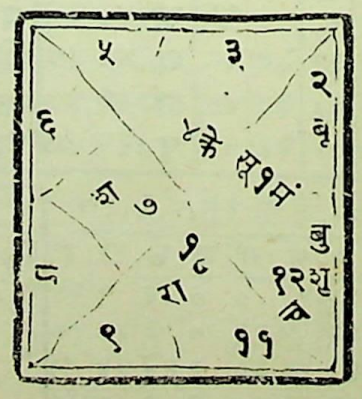

वर्षादौ मेषार्केग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५१।०। केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।११।१७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अस्मिन् वर्षे राजा चंद्रस्तत्फ०—चंद्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम् ॥ मंत्री चंद्रस्तत्फ०—शशिनि मंत्रिगते बहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुखमंडिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखराशिसुशोभिताः ॥ सस्येशो गुरुस्तत्फ० सुरगुरुर्यदि सस्यपतिस्तदा सकल सौख्यकरः श्रुतिपूर्वकाः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयोसि बहूनि वसूनि वै ॥ धान्येशो भौमस्तत्फ०—भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्य महर्षकम् । शालीक्षु घृत तैलादि महर्घाणि भवंति च ॥ मेघेशः सूर्यस्तत्फ० - जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनतारसम् । यवचणेक्षु निवारसुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ॥ रसेशः शनिस्तत्फ०—रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गजवाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषु नरान्नरसैर्युताः ॥ नीरसेशो बुधस्तत्फ०—चित्रवस्त्रादिकं चैव शंख चंदन पूर्वकम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ॥ फलेशो रविस्तत्फ०—द्रुमवती फलपुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विरोधतः । बहुजलं जलदी भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ॥ धनेशो बुधस्तत्फ०—द्रविणपो हिमरश्मिसुतो यदा विविधसंग्रह वस्तुफलातदा । द्विजवरा जपयज्ञसुसंयुताः कृषि विशेष विशेषित मानसाः ॥ दुर्गेशो रविस्तत्फ०—नयविशेषकरस्तरणिस्तदा गतभया नरराजपुरोगमाः । समधिकेन तदा नृपतेन्यतः पथिषु संव्रजतां न भयं क्वचित् वैशाखोऽधिमासतत्फ०—स्वल्प वृष्टिभवेन्मेधो धनधान्य समाकुलम् घृतं तैलं च कार्पासं सुभिक्षं माधवद्वये ॥ वर्षनाम कार्तिकस्तत्फ० पापबुद्धिरता लोका भवंति कार्तिके सदा । देवता नैव मन्यन्ते राज्यं च तस्करैः हृतम् ॥ पराभवनाम संवर्तस्तत्फः—संवर्ते जलपूरिता ॥ रोहिणी निवासः पर्वतेफलम्—पर्वते बिंदुमात्रश्च ॥ समय निवासः कुंभकार गृहे फ०—अनावृष्टिः प्रजापतौ । एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभा शुभम् ॥

सं० २०१० मध्ये विवाह मुहूर्ताः

ज्येष्ठ मासः

शुक्ला ७ गुरौ उफा ल. १ अंश २२ या. रे.६।।।।।।।ऽ॥
,, ६ शनौ हस्ते ल. २ रे. ८।ऽ।।।ऽ।।।
,, १२ बुधेअनु.ल.२[सप्तमेचंद्रोऽर्च्य] रे.७ऽसूऽ।ऽ शु।।।।।। पादवेधाद्वेधाऽभावः आवश्यके
,, १४ शुक्रे मूले ल. १ रे. ७।।।।ऽअग्निा।ऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः

आषाढ मासः

कृष्णा ७ शुक्रे रेव.ल.२रे७।।।।।।ऽऽाऽद्ग्धादोषःआवश्यके
,, ११ भौमेरोहि.ल.१.२रे.७।ऽऽबृ।।।।ऽ२५।।बृष लग्ने "गोकर्कस्थोविधुस्तनौ"

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ शनौ रोहिल.३.५रे.८।।।।ऽसू।।ऽ१५॥
,, ७ शुक्रे मघाल.ऽन्यगो.३रे.७ऽबुबृ।।।ऽअग्निाऽ२१।।
,, ६ रवौ उफा. ल.३अं२०उ.रे७ऽशु।।।।ऽनृाऽ२३॥
,, १० चंद्रे उफा.ल.ऽन्यगो.रे७ऽशु।।।।।।ऽ२३ाऽद्ग्धा दोषः आव.
,, १० भौमे हस्तेल.ऽन्यगो.रे.८।।।।।ऽचो.।ऽ॥

फाल्गुन मासः

शुक्ला २ शनौ. रेव. ल. १० रे. ६।।।।ऽनृ।।।।
,, ६ बुधे रोहि. ल. १० रे. ७।।।।ऽरोऽऽ७॥
अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यंबुधैः

आषाढ़ शु.१५ रवौ खग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा ३६।८

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	प.
रेल्वे टाइम	घं.	४	४	५	६	७	३
	मि.	१	५	५६	३६	३६	३५
देशी टाइम	घं.	३	४	५	६	७	३
	मि.	२८	२६	१६	६	३	३५

पौष शु. १५ चंद्रे सर्वग्रासं चंद्र ग्र. विश्वा २०।०

		स्प.	म.	मो.	पर्व		
रेल्वे टाइम	घं.	६	८	६	३		
	मि.	२७	५	४४	१७		
देशी टाइम	घं.	५	७	६	३		
	मि.	४६	२७	६	१७		

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं २०१० शाकः १८७५	दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः ६५५५स. १९५३
१	चं १९ १० उ २९ १ शु ३२ १६ ब १९ १०	२२ ४०	६ ४	५ ६	१६	३	२९	मीने	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारम्भः नवरात्रा
२	मं १३ ५९ रे २५ ३६ व्र २५ २३ कौ १३ ५९	४४	३	५७	१७	४	१	मे.२५।३६	उभार्यारविः १८।६ रज्जव ७
३	बु ९ ९ अ २२ ५४ ऐं १८ ३२ ग ९ ९	४९	२	५८	१८	५	२	मेषे	भ. ३७।१३ उ. गणगौरी पू.
४	गु ५ १७ भ २० १७ वै १२ ३७ वि ५ १७	५३	१	५९	१९	६	३	वृ.३५।१९	भ. ५।१७ या.वक्रीपूभायां बुधः २९ ३७
५	शु २ १९ कृ १९ ४७ वि ७ ३२ बा २ १९	५७	१	५९	२०	७	४	वृषे	
६	शु ५७ ५ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	श ५९ ४० रो २० ३ मी ३ २१ ग २९ ३२	३० १	६ ०	६ ०	२१	८	५	मि५०।४५	भ.५९ ४० उ.श्रवणे २ राहुःपुष्पे ४ केतु १९ १७
८	र ६० ० मृ २१ २७ आ ३ ५७ ४० वि ३० १	६	५ ९	६ १	२२	९	६	मिथुने	भ. ३०।१ या.
९	चं ० २३ आ २४ १४ शो ५६ २६ ब ० २३	१०	५८	२	२३	१०	७	मिथुने	वक्रीकुम्भेबुधः ५९ १ वक्रीशुक्रः २५ १४ राम ९
१०	मं २ १६ पु २७ ५७ अ ५६ ० कौ २ १६	१४	५७	३	२४	११	८	क.१२।१	कृतिकायां १ गुरुः २६।५
११	बु ५ २९ पु ३२ ४४ सु ५६ २३ ग ५ २९	१८	५६	४	२५	१२	९	कर्के	भ. ३७।३३ उ. पूर्वोदर्यीबुधः १।४८
१२	गु ९ ३८ श्ले ३८ ३८ धृ ५७ २१ वि ९ ३८	२२	५६	४	२६	१३	१०	सिं३८।३८	भ. ९।३८ या. कामदा ११ ब्र.
१३	शु १४ २० म ४४ ५३ शू ५८ ३६ बा १४ २०	२६	५५	५	२७	१४	११	सिंहे	प्रदोषः
१४	श १९ ३० पू ५१ १९ गं ५९ ५८ तै १९ ३०	३०	५४	६	२८	१५	१२	सिंहे	
१५	र २४ ३० उ ५७ ३७ बृ ६० ० व २४ ३०	३४	५३	७	२९	१६	१३	कं.७।५३	भ. २४ ३० उ. ५९ ५३ या.भरण्यां भौमः १३ १८
१६	चं २९ १६ ह ६० ० बृ १ १६ ब २९ १६	३८	५२	८	३०	१७	१४	कन्या	रेवत्यांरविः ४५।३४ हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.८सू. इ.७।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	०	६	९	११
८	८	१२ ५	८	२	१६	८	
७	१०	१९	१४	१४	२३	२७	३
९	२७	४४	१०	५३	५४	२४	२७
५९	४२	४५ ४६	११	३ ५३	३	५९	
२५	५३	बृ	१०	२४	ब	११	२९

गोचरग्रहाः

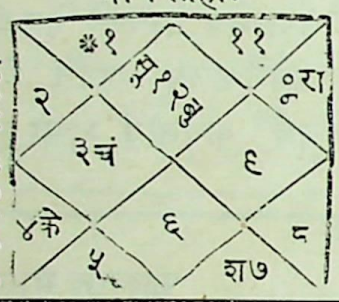

चैत्राय प्रतियन्मेघो गर्जिते वर्षणं तथा श्रावणे भाद्र मासे च तदा वृद्धिर्न जायते चैत्र सुदी १ को वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

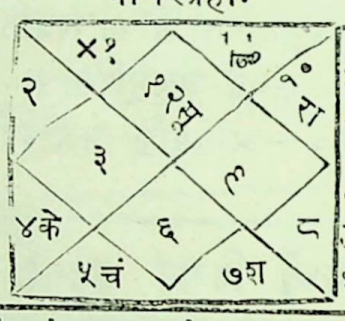

५१पं.चै.शु.१४सू.ई७।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	०	६	९	११
१५	१३	२७	२७	७	२	१६	१४
३	१५	१४	३७	३०	५	१५	५९
१२	५८	२	४१	४७	४२	८	१५
५९	४२	५३	११	५३ ४८	१६	३	५९
१८	४३	ब	४८	ब	ब	११	१६

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं.२०१० शाकः १८७५	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	बसंतर्तुरविरुत्तरेचै.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं ३३ १४ ह ३ २२ ध्रु १ ५८ बा १ १५	३० ४२	५ ३२	६ ८	३१	१८	१५	तु. ३५।४२	मार्गीबुधः ४४।२७
२	बु ३६ ३ चि ८ ३ व्या १ ५८ ग ४ ३८	४७	५१	९	१	१९	१६	तुला	अप्रेल मा. ४ ता० ३०
३	गु ३७ ४५ स्वा ११ ४२ ह ५ ९ ० ५ वि ६ ५४	५१	५०	१०	२	२०	१७	वृ. ५८।२३	भ.६।५४उ.३७।४५यां.चतुर्थी ब्र.
४	शु ३८ ९ वि १३ ५६ सि ५६ २५ वा ७ ५७	५६	४९	११	३	२१	१८	बृश्चिके	
५	श ३७ १७ अ १५ २३ व्य ५२ ३५ कौ ७ ४३	३ १ ० ०	४८	१२	४	२२	१९	बृश्चिके	
६	र ३५ ६ ज्ये १५ २२ व ४८ १२ ग ६ ११	४	४७	१३	५	२३	२०	ध.१५।२२	भ. ३५।६ उ.
७	चं ३१ ५५ मू १४ ११ प ४२ ३५ वि ३ ३०	८	४६	१४	६	२४	२१	धनुषि	भ. ३।३० या
८	मं २७ ४९ पू १२ ६ शि ३९ ८ कौ २७ ४९	१२	४६	१४	७	२५	२२	म.२६।२२	
९	बु २२ ४४ उ ९ १० सि २९ २४ ग २२ ४४	१६	४५	१५	८	२६	२३	मकरे	भ.५०।१ उ. * बृषेगुरुः १४ ११
१०	गु १७ २१ श्र ५ ४३ सा २१ ५३ वि १७ २१	२०	४४	१६	९	२७	२४	कु.२३।४७	भ. १७ २१ या.मीनेबुधः ५८ ५० कृतिकायां २*
११	शु ११ २४ श ५२ ५ ३ ७ शु ४१ ३३ बा ११ २४	२४	४३	१७	१०	२८	२५	कुम्भे	पश्चिमास्तं शुक्रः ३७ १२ बल्थनी ११ ब्र.
१२	श ५ ३२ पू ५३ ४६ शु ५७ ५२ २९ तै ५ ३२	२८	४२	१८	११	२९	२६	मी२९।४९	भ. ५९।३३ उ.प्रदोषः प.अ.
१३	श ४५ १ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः श.
१४	र ५३ ४५ उ ४९ ४८ ऐं ५१ ४४ वि २६ ३९	३२	४२	१८	१२	३०	२७	मीने	भ. २६।३९ या.
३०	चं ४८ १८ रे ४६ २२ वै ४० ३३ च २१ १	३६	४१	१९	१३	३१	२८	मे.४६।२३	मेषेऽर्कः २०।५.बक्रीमीनेशुक्रः २१ २३

५२पं प्र.वै.कृ.६सू.इ.७।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	०	६	९	११
२१	१८	२७	२९	४	१	१५	२१
५७	१८	३०	४	५१	३५	५२	५३
२५	१४	५०	४४	२५	६	५३	३१
५९	४२	३६	१२	३६	३४	३	५९
४	२८	ब्र	१४	ब्र	ब्र	११	४

गोचरग्रहा

प्र.वैशाख कृष्णा ३० चंद्र मेषेऽर्कः प्र. वा ४ न ४ अतिवध्यावस्था (सूती) मु. ३० (धान्यभाव)

शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

गोचरग्रहा

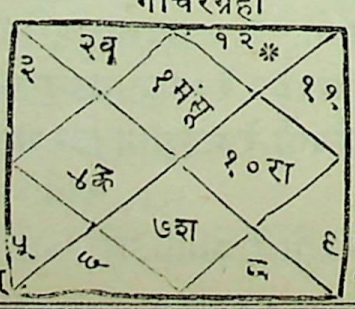

५३पं.प्र.वै.कृ.३०चं.इ २३ ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१	११	६	९	०
०	२४	२	०	२९	०	१५	०
३	१३	२४	५२	५८	५५	२६	०
२४	२३	८	४१	३४	४१	३५	०
५८	४२	४३	१२	३६ ३४	४०	३	५८
४५	७	२	४०	ब	ब	११	४४

*बृमंशु ×मंशुबृ (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) +बृशुमं *बुचंशु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	प्र.वैशाखशुक्लपक्षः सं.२०१०शाकः १८७५										दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चंद्र	वसंतर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः६५८४सन्१९५३
१	मं	४३	३२	अ	४३	३६	वि	३७	५३	कं	१५	५५	३१ ४०	५ ४०	६ २०	१४	१	२६	मेषे	पूर्वोदयीशुक्रः२६।२६उभायाबुधः२७ ४१
२	बु	३६	४०	भ	४१	२३	खी	३२	२१	बा	११	३६	४४	३६	२१	१५	२	३०	वृ. ५६।६	चन्द्रद. पू.उ शु.
३	गु	३६	३७	कृ	४०	१५	आ	२६	३०	तै	८	८	४८	३८	२२	१६	३	१	बृषे	कृतिकायां भौमः ५२।३६ सावान ८
४	शु	३४	३३	रो	४	१	सो	२२	११	व	५	३५	५१	३८	२२	१७	४	२	बृषे	भ. ५।३५ उ. ३४।३३ या.
५	श	३३	४५	मृ	४१	१५	शो	१८	३३	ब	४	६	५५	३७	२३	१८	५	३	मि १०।३८	
६	र	३४	१६	आ	४३	१६	अ	१६	७	को	४	२	५८	३६	२४	१६	६	४	मिथुने	
७	चं	३५	५६	पु	४७	५	सु	१४	३४	ग	५	५६	३३	३६	२४	२०	७	५	क. ३१।१६	भ. ३५।५६ उ.
८	मं	३६	१२	पु	५१	४६	धृ	१४	८	वि	७	३५	६	३५	२५	२१	८	६	कर्के	भ. ७।३५ या. वृषे भौमः ३३।५३
९	बु	४३	२३	श्ले	५७	१६	शू	१४	२३	बा	११	१७	९	३४	२६	२२	९	७	सिं. ५७।१६	
१०	गु	४८	१	म	६०	०	गं	१५	३१	तै	१५	४२	१३	३३	२७	२३	१०	८	सिंहे	[* गुरुः२२।२६कमला११ब्र.स्मा वै.
११	शु	५२	५६	म	३	३४	बृ	१६	५२	व	२	३०	१७	३३	२७	२४	११	९	सिंहे	भ.२०।३०उ.५२।५६या.कृतिकायां३*
१२	श	५८	०	पू	१०	३	धु	१८	१३	ब	२५	२६	२१	३२	२८	२५	१२	१०	कं. २६।३६	रेवत्यांबुधः३६ ४वक्रीचित्रायां२कन्यायां≡
१३	र	६०	०	उ	१६	२७	व्या	१६	३८	को	३०	१४	२५	३१	२९	२६	१३	११	कन्या	प्रदोषः [≡ शनिः३४ १६कमला११नि.
१३	चं	२	२६	ह	२२	११	ह	२०	३२	तै	२	२९	२९	३०	३०	२७	१४	१२	तु.५४।४०	भरण्यांरविः१।२९अगस्त्यास्तः६।३४
१४	मं	६	३७	चि	२७	१०	व	२०	५७	व	६	३७	३३	२९	३१	२८	१५	१३	तुलायाँ	भ. ६।३७ उ. ३८।० या.
१५	बु	९	२३	स्वा	३१	९	सि	२०	२२	ब	९	२३	३६	२९	३१	२९	१६	१४	तुलायां	सब्बरात

२ पं.प्रवै.शु.७चं.इ.२४।२ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१	११	६	९	०
६	२९	९	२	२५	०	१५	६
५३	११	४१	२५	४६	२३	४	५०
४५	४	३८	३७	३७	२०	१९	३८
५८	४२	५८	१३	३३	४०	३	५८
२९	२	४२	५	ब	ब	११	३१

इस मास में पांच मंगलवार प्रजा में रोगादि उपद्रव, बुध शुक्र का योग और मंगल गुरुका योग वर्षाकारक है।

गोचरग्रहाः ३ पं.प्र.वै.शु.१३चं.इ.२४।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	१	११	५	९	०
१३	४	१९	४	२३	२२	१४	१३
४२	७	३	०	१	५१	४२	३९
९	१२	२५	२५	५	४३	४	४१
५८	४१	७२	१३	२६	२४	३	५८
१२	५२	५३	२०	ब	ब	११	२०

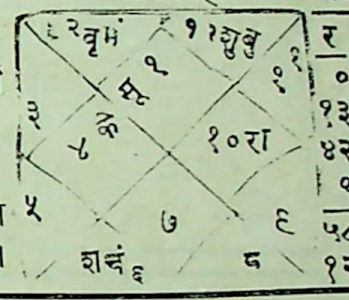

ति	द्वि.वैशाखकृष्णपक्षः सं०२०१०शाकः १८७५										दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्र	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽधिकवैशाखकृष्णेतिमहा०
१	गु	१०	५४	वि	३३	५५	व्य	१८	४५	कौ	१०	५४	३२ ४०	५ २८	३२	३०	१७	१५	वृ. १८।१४	
२	शु	११	३८	अ	३५	२३	व	१६	११	ग	११	३८	४३	२७	३३	१	१८	१६	बृश्चिके	भ. ४१।० उ. मई मा. ५ ता० ३१
३	श	१०	२२	ज्ये	३५	४३	प	१२	४८	वि	१०	२२	४७	२७	३३	२	१९	१७	ध. ३५।४३	भ. १०।२१ या. चतुर्थी ब्र.
४	र	८	१३	मू	३४	५०	शि	८	१६	बा	८	१३	५०	२६	३४	३	२०	१८	धनुषि	
५	चं	५	१	पू	३२	५१	सि	५ २	५३ ५५	तै	५	१	५४	२५	३५	४	२१	१९	म.४७। ११	मेषे बुधः २३।४५ मार्गीशुक्रः३।४
६	मं	०	४८	उ	३०	१३	शु	५०	२४	व	०	०८	५७	२५	३५	५	२२	२०	मकरे	भ.४८ उ.२५ या.रोहिण्यां भौमः५० २३
७	मं	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
८	बु	५०	३	श्र	२६	४९	शु	४३	१६	बा	२२	३८	३३ ५१	२४	३६	६	२३	२१	कुं ५४।५७	
९	गु	४४	४	ध	२३	५	व्र	३५	५२	तै	१७	३	४	२३	३७	७	२४	२२	कुम्भे	
१०	शु	३८	१०	श	१८	५९	ऐं	२८	१०	व	११	३	७	२३	३७	८	२५	२३	कुम्भे	भ. १३ ७उ.३५ १०या.कृतिकायां४गुरुः५१।१०
११	श	३२	७	पू	१४	५५	वै	२०	३२	व	५	९	१०	२२	३८	९	२६	२४	मी ०।५६	कमला ११ ब्र.
१२	र	२६	१७	उ	१०	५७	वि	१३	१५	तै	२६	१७	१३	२१	३९	१०	२७	२५	मीने	कृतिकायांरविः४६ २४अस्तंभौमः४७प्रदोषः
१३	चं	२०	३३	रे	७	२२	प्री	५ ६	५३ ५४	व	२०	३३	१६	२१	३९	११	२८	२६	मे.७।२२	भ.२०३३उ.४८।१४या.बुधः५१।४६
१४	मं	१५	५५	अ	४	१०	सौ	५२	१	श	१५	५५	१९	२०	४०	१२	२९	२७	मेषे	अस्तंगुरुः ५१।३६ अ गु.
३०	बु	११	४८	भ	१	५४	शो	४७	३६	ना	११	४८	२२	२०	४०	१३	३०	२८	वृ. १६।४७	पूर्वास्तोबुधः३१।१२अमापुण्यम्

४पं.द्वि.वै.कृ.५चं.इ.२४।३१ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	१	११	५	९	०
२०	९	०	५	२६	२९	१४	२०
२८	०	१	३७	४८	२१	१९	२७
४७	११	८	५	४	४०	४८	२२
५७	४१	८८	१३	५३ ५७	१९	३	५८
५७	४८	३८	२६	मा	ब्र	११	६

इस मास का फल उत्तम रहेगा। "वैशाख बाम धान्याभां निष्यतिर शुभः क्वचित"

गोचरग्रहाः ५पं.द्वि.वै.कृ.१३चं.इ.२४।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	१	११	५	९	०
२७	१३	१२	७	२२	२८	१३	२७
१४	५२	३२	१४	४१	५४	५७	१३
१	१२	१३	३८	४९	७	३३	३०
५७	४१	०	१३	१६	५२	३	५७
४५	४४	५९	३२	११	ब	११	५४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|द्वि.वैशाखशुक्लपक्षः सं०२०१० शाकः १८७५| दि| उ.|अ.| इं.|हिं|मु.| चन्द्रः|ग्रीष्मऋतूरविरुत्तरेऽहर्गणः ६६१४स.१६५३

१	गु	८	३६	कृ	१	२६	अ	४२	५६	ब	८	३६	३३ २५	५ १६	४६	१४	३१	२६	बृषे
२	शु	६	३१	रो	२	६	सु	३६	३६	को	६	३१	२८	१८	४३	१५	१	१	मि३२।२०
३	श	५	५१	मृ	२	३४	धृ	३६	४५	ग	५	५१	३१	१८	४२	१६	२	२	मिथुने
४	र	६	६	आ	३	५५	शू	३५	६	वि	६	६	३४	१७	४३	१७	३	३	क.५०।३५
५	चं	७	४८	पु	६	८	गं	३४	३४	ग्रा	७	४८	३६	१७	४३	१८	४	४	कर्के
६	मं	१०	४०	पु	१०	४५	बृ	३४	४८	तै	१०	४०	३६	१६	४४	१६	५	५	कर्के
७	बु	१४	३८	श्ले	१६	३	शु	३५	३६	व	१४	३८	४१	१६	४४	२०	६	६	सिं १६।३
८	गु	१६	१२	म	२२	१०	व्या	३७	२	व	१६	१२	४४	१५	४५	२१	७	७	सिंहे
९	शु	२४	२३	पू	२८	३२	ह	३८	३४	को	२४	२३	४६	१५	४५	२२	८	८	कं.४५।६
१०	श	२६	१०	उ	३५	०	व	४०	३	ग	२६	१०	४८	१४	४६	२३	९	९	कन्या
११	र	३३	५५	ह	४०	५६	सि	४१	१६	व	१	३२	५०	१४	४६	२४	१०	१०	कन्या
१२	चं	३७	४०	चि	४५	५६	व्य	४१	३६	ब	५	४७	५२	१४	४६	२५	११	११	तु.१३।२८
१३	मं	४०	२२	स्वा	५०	१५	व	४१	१६	को	६	१	५४	१३	४७	२६	१२	१२	तुलायां
१४	बु	४१	५६	वि	५३	२१	प	४०	०	ग	११	६	५६	१३	४७	२७	१३	१३	बृ.३७।३५
१५	गु	४२	१५	अ	५५	४	शि	३७	५२	वि	१२	५	५८	१२	४८	२८	१४	१४	बृश्चिके

दृ.|ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं०२०११ शाकः १८७५ दि.| उ.|अ.| इं.|हिं.|मु.| चन्द्रः|शरदृतूरविर्दक्षिणेऽाश्विनकृष्णेति महा.

१	शु	४१	२१	ज्ये	५५	४२	सि	३४	४०	वा	११	४८	३४ ००	५ १३	४६	२९	१५	१५	ध.५५।४२
२	श	३९	६	मू	५५	६	सा	३०	१४	तै	१०	१३	२	१२	४८	३०	१६	१६	धनुषि
३	र	३५	४७	पू	५३	२३	शु	२५	२१	व	७	२६	४	११	४९	३१	१७	१७	धनुषि
४	चं	३१	३८	उ	५०	४६	शु	१९	१८	व	३	४२	६	११	४९	१	१८	१८	म.७।४४
५	मं	२६	३४	श्र	४७	३३	व्र	१२	४०	तै	२६	३४	७	११	४९	२	१९	१९	मकरे
६	बु	२०	५२	ध	४३	५९	ऐं	४५	५३	व	२०	५२	९	१०	५०	३	२०	२०	कु.१५।४६
७	गु	१५	०	श	३९	५२	वि	५०	५३	ब	१५	०	१०	१०	५०	४	२१	२१	कुम्भे
८	शु	८	५५	पू	३६	२७	प्री	४३	२५	को	८	५५	१२	१०	५०	५	२२	२२	मी २२।१९
९	श	२	४९	उ	३१	५५	आ	३६	८	ग	२	४९	१३	९	५१	६	२३	२३	मीने
१०	श	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	र	५१	९	रे	२८	३६	मो	२८	४३	ब	२४	१	१५	९	५१	७	२४	२४	मे.२८।३६
१२	चं	४६	२१	अ	२४	५२	शो	२१	५०	को	१८	४५	१६	९	५१	८	२५	२५	मेषे
१३	मं	४२	७	भ	२२	३	अ	१५	२९	ग	१४	१४	१७	९	५१	९	२६	२६	बृ. २७।११
१४	बु	३८	५१	कृ	२१	५	सु	९	५७	वि	१०	२९	१८	८	५२	१०	२७	२७	वृषे
३०	गु	३६	३६	रो	१९	५८	धृ	५	३५	च	७	४३	१९	८	५२	११	२८	२८	मि५०।१४

६पं.द्विवै.शु.५च.इ.२४।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	१	११	५	९	१
३	१८	२६	८	२५	२८	१३	३
५७	५१	३४	५२	९	२९	३५	५८
३८	२	१९	३७	५४	२०	१८	२८
५७	४१	२९	१३	२८	३ २२	३	५७
३४	३४	३१	३८	४३	ब	११	४४

गोचरग्रहाः

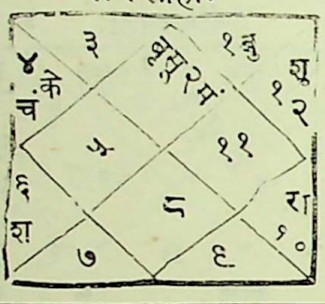

द्वि.वैशाखशुक्ला ११ गुरौ वृषेऽर्कः प्र. वा.४ त. ५कुमारावस्था(बैठी)मु ४५ (धान्य भावमंदा) शुक्रोदयः पूर्वस्याम्.

गोचरग्रहाः

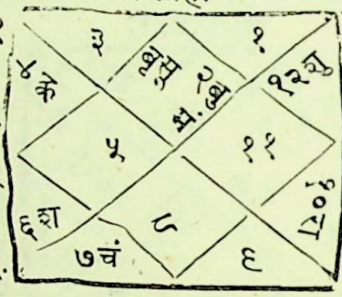

७ पं.द्विवै.शु.१२चं.इ२४।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	१	११	५	९	१
१०	२३	११	१०	२८	२८	१३	१०
३९	२९	४८	३१	५७	८	१३	४२
४९	१७	५८	१२	११	१०	३	२०
५७	४१	५९	१३	२८	४३ ४२	३	५७
२३	१४	४४	३८	३८	ब	११	३५

गो.ग्रहाः ३ १ सू १२ मं.बु ११ ८ ९ ४ के ५ ६ श ७ चं १० रा

मृगेभौमः ११।२७
प्रदोषः
भ.४१।५६उ.मेषेशुक्रः२।५७नृसिंहजयंती
भ.१२।५या. कूर्मजयन्ती वै. स्ना. पू.

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ बुदी में गाज बीज श्रेष्ठ और सुदी में हो तो वर्षा काल में वर्षा कम होवे।

९पं.ज्ये कृ.१२चं.इ.२५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	१	०	५	९	१
२४	२	१०	१३	५	२७	१२	२४
०	५७	४८	४७	११	३७	२८	७
५१	३६	५८	१३	६	५८	३२	८
५७	४१	५९	१३	५१	३७	३	५७
५	०	२३	३२	२३	ब	११	२२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*१०राचं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०१० शाकः १८७५ दि. उ. अ. इ. हि. मु. चंद्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६६४३स.१९५३

१	शु	३५	३१	मृ	२०	३०	शू	५	६	कं	६	३	३४	५	६	१२	२९	२९	मिथुने	
२	श	३५	५२	आ	२२	१४	वृ	५७	१६	वा	५	४१	२०	८	५२	१३	३०	३०	मिथुने	चंद्रद.पुनर्वसौबुधः ३/४भरण्यांशुक्रः २६/१=
३	र	३७	२५	पु	२५	१७	धु	५६	७	तै	६	३८	२२	८	५२	१४	३१	१	क.९।३१	मिथुनेऽर्कः ४२।५७सब्बाल १०ईद
४	चं	४०	४	पु	२९	२८	व्या	५६	१६	व	८	४४	२२	८	५२	१५	१	२	कर्के	भ. ४४/५ उ. ४०/४ या. [=आर्द्रायांभौमः५८।५
५	मं	४४	०	श्ले	३४	४६	ह	५७	०	व	१२	२	२३	७	५३	१६	२	३	सिं.३४।४६	
६	बु	४८	३४	म	४०	३७	व	५८	२१	कौ	१६	१७	२३	७	५३	१७	३	४	सिंहे	
७	बु	५३	२४	पू	४६	५५	सि	६०	०	ग	२०	५९	२३	७	५३	१८	४	५	सिंहे	भ. ५३।२४ उ.
८	शु	५८	८	उ	५३	२३	सि	०	५	वि	२५	४६	२४	७	५३	१९	५	६	कं.३।३२	भ. २५।४६ या. कर्के बुधः ५१।५
९	श	६०	०	ह	५९	२१	व्य	१	२७	वा	३०	२७	२४	७	५३	२०	६	७	कन्या	रोहिण्यां ३ गुरुः ५६।३
१	र	२	४६	चि	६०	०	व	२	५२	कौ	२	४६	२४	७	५३	२१	७	८	तु. ३२।३	आर्द्रायांरविः ४४/३ दक्षिणायनप्रवृत्तिः ४३/८
१०	चं	६	४३	चि	४	४६	प	३	१३	ग	६	४३	२४	७	५३	२२	८	९	तुलायां	भ. ३८।५ उ. गंगा दशहरा
११	मं	९	२८	स्वा	९	३३	शि	३	२९	वि	९	२८	२४	७	५३	२३	९	१०	बु. ५६।५१	भ.९।२८या.पुष्येबुधः २१।५६ मार्गी*
१२	बु	११	५	वि	१२	३७	सि	२	१५	वा	११	५	२४	७	५३	२४	१०	११	वृश्चिके	पातस्पर्शः ३।५६पातमोक्षः ३/० प्रदोषः
१३	गु	११	३५	अ	१४	४०	सा	१/८	५७/०	तै	११	३५	२३	७	५३	२५	११	१२	वृश्चिके	[* शनिः२२।३९ निर्जला ११ब्र.
१४	शु	१०	३५	ज्ये	१५	२०	शु	५३	१३	व	१०	३५	२३	७	५३	२६	१२	१३	ध.१५।३०	भ. १०।३५ उ. ४०।३५ या.
१५	श	८	२६	मू	१५	२५	न	४८	१९	व	८	२६	२३	७	५३	२७	१३	१४	धनुषि	कृतिकायांशुक्रः ३/४ गुर्जरागांवटप्रजनं

१०पं. ज्ये.शु.४चं.इ.२५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	०	५	९	२
०	७	२२	१५	१५	२७	१२	०
३९	३९	३७	२४	१४	२९	६	४८
५९	११	१२	०	६	४६	१७	२५
५६	४०	७५	१३	५७	४०/०	३	५७
५७	५०	३४	२६	५०	ब्र	११	१७

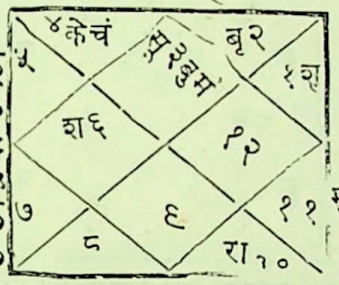

ज्येष्ठ शुक्ल ३ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ४ नं. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

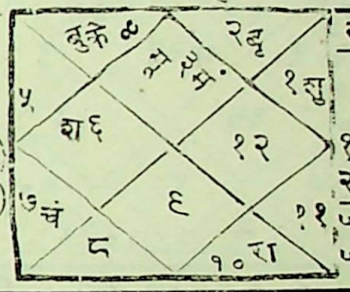

११पं.ज्ये.शु.१०चं.इ.२५।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	१	०	५	९	२
७	१२	२	१६	२१	२७	११	७
१८	१९	१९	५९	४३	२६	४४	२९
२७	२६	२३	४६	४४	३१	१	१७
५६	४०	५४	१३	५९	७	३	५७
५४	४६	२०	२०	१५	ब	११	१३

ति. आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं०२०१०शाकः १८७५ दि. उ. अ. इ. हिं. मु. चंद्रः ग्रिष्मर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	र	५	१३	पू	१४	४	ऐं	४२	२३	कौ	५	१३	३४/२२	५/८	६/२	२८	१४	१५	भ. २९।२०	
२	चं	१	२	उ	११	१०	वै	३६	५	ग	१	२	२२	८	५२	२९	१५	१६	मकरे	भ. २८।३१ उ. ५६।० या.
३	चं	५४	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
४	मं	५०	२३	अ	८	१०	वि	२९	१४	ब	२३	१२	२१	८	५२	३०	१६	१७	कु.३६।२०	बृषे शुक्रः ४८।२ चतुर्थी ब्र.
५	बु	४४	३४	ध	४	३१	ग्री	२१	५६	कौ	१७	२८	२०	८	५२	१	१७	१८	कुम्भे	जुलाई मा. ७ ता. ३१
६	शु	३८	३०	श	३/२	५५/५५	आ	१४	१७	ग	११	३२	१९	८	५२	२	१८	१९	मी४२।२८	भ. ३८।३० उ.
७	शु	३२	१९	उ	५२	१८	सो	४४/४	५२/३३	वि	५	२५	१८	८	५२	३	१९	२०	मीने	भ. ५।२५ या.
८	श	२६	२०	रे	४७	२४	अ	५१	५५	कौ	२६	२०	१७	९	५१	४	२०	२१	मे. ४७।२४	पुनर्वसौ भौमः ५।५०
९	र	२०	३४	अ	४५	१३	सु	४५	३	ग	२०	३४	१६	९	५१	५	२१	२२	मेषे	भ.४८/३ उ.पुनर्वसौरवि ४५/० रोहिण्यां४×
१०	चं	१५	३४	भ	४२	२९	धृ	३८	३८	वि	१५	३४	१४	९	५१	६	२२	२३	वृ.५७।०	भ. १५।३४ या. [× गुरुः५७।३३
११	मं	११	३	कृ	४०	३५	शू	३२	५८	बा	११	३	१३	९	५१	७	२३	२४	बृषे	योगिनी ११ ब्र.
१२	बु	७	५०	रो	३९	४१	गं	२८	८	तै	७	५०	११	१०	५०	८	२४	२५	बृषे	अभि.प्र.राहुः २१।४
१३	गु	५	३१	मृ	३९	३९	बृ	२३	१२	व	५	३१	१०	१०	५०	९	२५	२६	मि.९।५०	भ.५।।।३१ उ.३५/६ या.वक्रीबुधः ५०।९
१४	शु	४	२२	आ	४१	१९	ध्रु	२१	१०	श	४	२२	८	१०	५०	१०	२६	२७	मिथुने	रोहिण्यां शुक्रः ३९।४९
१५	श	४	३५	पु	४४	२	व्या	१९	८	ना	४	३५	७	११	४९	११	२७	२८	क. २८।२१	देवकार्येमा

१२पं.आ.कृ.२चं.इ.२४।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	१	०	५	९	२
१३	१६	९	१८	२८	२७	११	१४
५६	५६	३४	३३	३४	२७	२१	९
३०	५३	१६	५४	१९	५०	४६	४५
५६	४०	३३	१३	६१	८४	३	५७
५०	३६	१३	५	५२	मा	११	७

इस मास में सूर्य से आगे मंगल का रथ चलता है सो वर्षा रोकता है और गुरु शुक्र का वोग वर्षा करता है

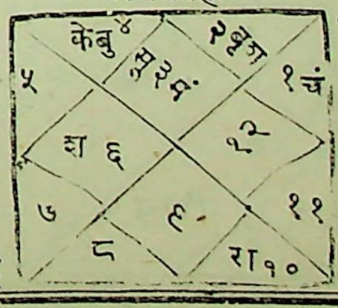

१३पं.आ.कृ.१०चं इ२४।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	१	१	५	९	२
२०	२१	१३	२०	५	२७	१०	२०
३४	३३	५२	५	४०	३४	५९	५०
२६	४०	१९	४६	४१	१२	३०	९
५६	४०	११	१२	६३	१	३	५७
५०	२६	४३	४१	५५	१६	११	७

*१०राचं

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढशुक्लपक्षः सं.२०१० शाकः १८७५	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६६७३स.१९५३
१	र ६ ० पु ४७ ५७ ह १८ १३	ब	६	०	३४ ५ ४९	१२	२८	२९	कर्के	चंद्रदर्शनम्
२	चं ८ ५० श्ले ५२ ५१ व १८ ४	कौ	८	५०	४ ११ ४९	१३	२९	१	सिं५२।५१	जिल्दकाद ११ रथयात्रा
३	मं १२ २९ म ५८ ४२ सि १८ ४७	ग	१२	२८	२ १२ ४८	१४	३०	२	सिंहे	भ. ४४।४२ उ.
४	बु १६ ५७ पू ६० ० व्य २० १	वि	१६	५७	३४ ०० १२ ४८	१५	३१	३	सिंहे	भ. १६।५७ या.
५	गु २१ ४४ पू ५ ० व २१ ३४	बा	२१	४४	३३ ५८ १२ ४८	१६	३२	४	क.२१।३६	कर्केऽकः २१।१४
६	शु २६ ४९ उ ११ २५ प २३ १४	तै	२६	४९	५६ १३ ४७	१७	१	५	कन्या	पश्चिमास्तं बुधः १९।२८
७	श ३१ १३ ह १७ ३३ शि २४ ३०	व	३१	१३	५४ १३ ४७	१८	२	६	तु.५०।२२	भ. ३१।१३ उ.
८	र ३५ ६ चि २३ ११ सि २५ १२	वि	३	९	५२ १४ ४६	१९	३	७	तुलायां	भ.३।९या.पुष्येरविः ५५ १५ कर्केभौमः ५१ ९६
९	चं ३८ १ स्वा २७ ५१ सा २५ १९	बा	६	३३	५० १४ ४६	२०	४	८	तुलायां	
१०	मं ४० १० वि ३१ २४ शु २४ ३१	तै	९	५	४७ १५ ४५	२१	५	९	वृ. १५।३१	मृगे १ गुरुः ५५।४९
११	बु ४० ९ अ ३३ ४४ शु २२ ४१	व	१०	१०	४५ १५ ४५	२२	६	१०	बृश्चिके	भ १०० उ. ४०९ या.मृगेशुक्रः ५५ १९ देवशयनी११ब्र
१२	गु ३९ २१ ज्ये ३४ ५५ व १९ ५१	ब	९	४५	४२ १६ ४४	२३	७	११	ध. ३४।५५	हनिवासराऽभावः
१३	शु ३७ १४ मू ३४ ४५ ऐं १६ २	कौ	८	१७	४० १६ ४४	२४	८	१२	धनुषि	पुष्येभौमः ३१।५प्रदोषः
१४	श ३४ ६ पू ३३ ५८ वै ११ २४	ग	५	४	३७ १७ ४३	२५	९	१३	म.४७।५४	भ.३४।६उ.उषायां४राहुपुष्ये२केतुः २७
१५	र ३० १ उ ३१ १४ वि ३५ ३९	वि	२	३	३५ १७ ४३	२६	१०	१४	मकरे	भ.२।३या.खग्रासंचंग्रहणम्

१४पं.आ.शु.२चं.इ.२४।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	१	१	५	९	२
२७	२६	१४	२१	१३	२७	१०	२७
१२	९	४४	३५	०	४५	३७	२०
३२	७	२८	६	११	२२	१५	३०
५६	४०	३२ १५	१२	५६	२	३	५७
५५	१६	ब	२०	३४	१	११	११

गोचरग्रहाः

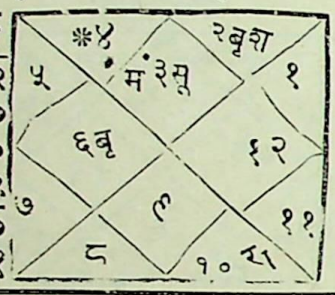

आषाढ़ शुक्ला५गुरौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ५ नं.५कुमारावस्था (बैठी) मृ. ४५ (धान्य भाव मन्दा) शुक्रोदयं पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

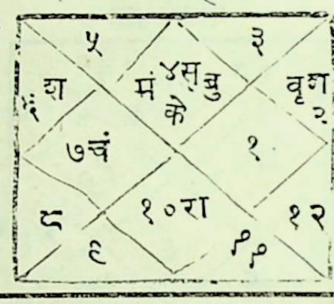

१५पं.आ.शु९चं.इ.२४।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	१	५	९	३
३	०	१२	२३	२०	२८	१०	४
५१	४३	१	१	३२	१	१५	११
०	१२	४४	४८	२	५	०	१३
५६	४०	३४ ५९	११	६६	२	३	५७
५७	६	ब	५८	५९	४०	११	१५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षाऋतूरविर्दक्षिणेआषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं २५ २ श २८ २९ आ ५२ २२	कौ	२५	२	३३ ३२ ५ १८ ६ ३२	२७	११	१५	कु.५६।३७	
२	मं १९ ३२ ध २४ ४५ सौ ४५ १	ग	१९	३२	३० १८ ४२	२८	१२	१६	कुम्भे	भ. ४६।३४ उ. मिथुने शुक्रः५८।१६
३	बु १३ ३७ श २० ५३ शो ३७ २७	वि	१३	३७	२७ १९ ४१	२९	१३	१७	कुम्भे	भ. १३।३७ या. चतुर्थी ब्र.
४	गु ७ ३२ पू १६ ४६ अ २९ ५२	बा	७	३२	२४ १९ ४१	३०	१४	१८	मी २।४८	
५	शु १ २७ उ १२ ३८ सु २२ २७	तै	१	२७	२१ २० ४०	३१	१५	१९	मीने	भ. ५५।१७ उ. नाग ५
६	शु ५३ ५० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	० ० ०	०	०	०	०	क्षयः
७	श ४९ ३० रे ८ ४४ ध्रु १५ ६	वि	२२	२३	१८ २० ४०	१	१६	२०	मे.८।४४	भ.२२।२३ या.अगस्त मा.८ ता०३१
८	र ४४ ३२ अ ५ २१ शु ८ ४	बा	१७	१	१५ २१ ३९	२	१७	२१	मेषे	आश्लेषायांरविः ५२।४३
९	चं ४० १४ भ २ २३ गं २७ १ ५४ ६	तै	१२	२३	१२ २२ ३८	३	१८	२२	बृ.१६।४८	आर्द्रायांशुक्रः ५३ ६९ पूर्वोदयीबुधः २९।२९
१०	मं ३६ ४३ कृ ० ५ ५८ ध्रु ५० ३३	व	८	२८	९ २२ ३८	४	१९	२३	बृषे	भ. ८।२८ उ.३६।४३ या.
११	बु ३४ २२ मृ ५९ ६ व्या ४६ १६	ब	५	३३	६ २३ ३७	५	२०	२४	मि २९।५	कामिका११ब्र.
१२	गु ३३ १० आ ६० ० ह ४३ २	कौ	३	४६	३ २३ ३७	६	२१	२५	मिथुने	
१३	शु ३३ २६ आ ० १२ च ४० ४१	ग	३	१८	३० ०० २४ ३६	७	२२	२६	क.४६।५९	भ. ३३।२६ उ. प्रदोषः
१४	श ३४ ४२ पु २ ३५ सि ३९ २६	वि	४	४	३२ ५७ २५ ३५	८	२३	२७	कर्के	भ.४।४या.मार्गीबुधः ०४ ५५ मृगे२गुरुः ३४।५९
३०	र ३७ १७ पु ६ १६ व्य ३९ ९	च	६	०	५४ २५ ३५	९	२४	२८	कर्के	हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.१चं.इ.२४।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	१	५	९	३
१०	५	७	२४	२८	२८	९	१०
३०	१५	२६	२४	१३	२१	५२	५२
१७	५०	१३	४३	२६	१८	४४	१९
५७	४०	४६ ५८	११	६८	३	३	५७
५	६	ब	२२	८	२५	११	२०

गोचरग्राह

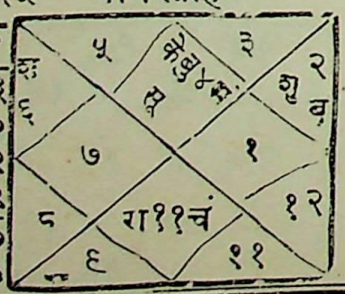

इस मास में प्रजा में सुख शांति राजा प्रजा में सुख धान्थ भाव सम रुई अलसी तेज ।

गोचरग्राह

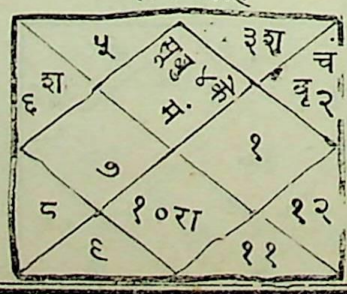

१७पं.श्रा.कृ९.चं.इ२४।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	२	५	९	३
१७	९	४	२५	६	२८	९	१७
१०	४७	१९	४३	२	४५	३०	३४
६	२	१६	४४	४६	४७	२९	००
५७	३९	३४ ४०	१०	६९	४	३	५०
१२	४९	ब	५१	१	३	११	२४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*४ चं के बु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं.२०१० शाकः १८७५ दि. उ. अ. इ. हिं. मु. चंद्रः वर्षार्तुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७०२ स. १९५३

१	चं	४१	०	श्ले	११	२	व	३९	४२	कं	९	९	३३	५	६	१०	२५	२९	सि ११।२	नक्त व्रतारम्भः
२	मं	४५	३०	म	१६	४४	प	४०	५२	सा	१७	५५	४७	२७	३९	११	२६	३०	सिंहे	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	५०	२०	पू	२२	५३	शि	४२	५१	तै	२२	४६	४३	२७	३३	१२	२७	१	कं ३९।२९	जिल्हेज १२ तीज
४	गु	५५	१२	उ	२९	१८	सि	४३	५७	व	२७	३२	४०	२८	३२	१३	२८	२	कन्या	भ. २७।३२ उ. ५५।१२ या.
५	शु	५९	५३	ह	३५	१६	सा	४५	२२	व	३१	५१	३६	२९	३१	१४	२९	३	कन्या	सार्पभौमः १३।१७
६	श	६०	०	चि	४१	८	शु	४६	१६	कौ	३१	२८	३३	२९	३१	१५	३०	४	तु.८।१२	पुनर्वसौशुक्र. ४०।३९
६	र	३	५०	स्वा	४५	५९	शु	४६	२५	तै	३	५०	२९	३०	३०	१६	३१	५	तुलायां	सिंहेऽर्कः ४९।१०
७	चं	६	४९	वि	४९	५५	ब्र	४५	४५	व	६	४९	२९	३१	२९	१७	१	६	बृ. ३३।५६	भ.६।४९उ.३७।४४या तुलसीजयंती
८	मं	८	३९	अ	५२	२२	ऐं	४४	२	ब	८	३९	२७	३२	२८	१८	२	७	वृश्चिके	[*३तुलायां शनिः८।५९ हज्ज
९	बु	९	२०	ज्ये	५३	५२	वै	४१	२९	कौ	९	२०	१९	३२	२८	१९	३	८	ध. ५३।५२	कल्किजयंती
१०	गु	८	३५	मू	५४	३	वि	३७	४६	ग	८	३५	१५	३३	२७	२०	४	९	धनुषि	भ.३७।३४उ.सार्पे बुधः १७/४ चित्रायां*
११	शु	६	३३	पू	५३	१	प्री	३३	१६	वि	६	३३	१२	३४	२६	२१	५	१०	धनुषि	भ. ६।३३या. पवित्रा ११ ब्र.
१२	श	३	३०	उ	५०	५७	आ	२७	३२	ग्रा	३	३०	८	३४	२६	२२	६	११	म.७।३०	प्रदोषः
१३	श	५५	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [+बुधः ३०/९ श्रावणीकर्म
१४	र	५४	४३	अ	४८	१५	सो	२१	१८	ग	२७	६	४	३५	२५	२३	७	१२	मकरे	भ.५४।५३उ.ऋग्वेदानां श्रावणी
१५	चं	४९	१२	ध	४४	५०	शो	१४	३३	वि	२१	५७	३२/०८	३६	२४	२५	८	१३	कु. १६।३२	भ.२१/५७ या. कर्के शुक्र. १५/६ वर्षास्ते+

१८पं.श्रा.शु.१चं.इ २४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	२	५	९	३
२३	१४	६	२६	१३	२९	९	२४
५१	१७	२	५८	५९	१४	८	१६
१३	४९	५६	२६	१०	२०	१४	२७
५७	३९	५७	१०	६९	४	३	५७
२२	४९	मा	८	५५	३७	११	३३

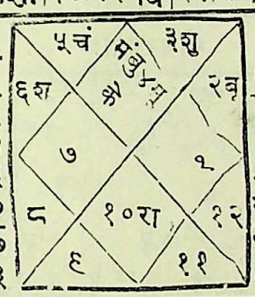

१९पं.श्रा.शु.७चं.इ.२३।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	१	२	५	९	४
०	१८	१२	२८	२२	२९	८	०
३३	४६	५८	७	१	४६	४५	५९
२६	१	१६	५९	३७	२६	५८	४७
५७	३९	७६	९	७०	४	३	५७
३४	३९	३२	२६	३७	५६	११	४०

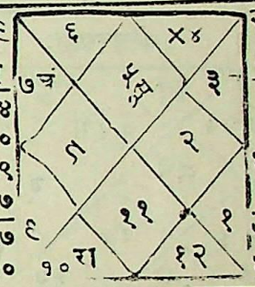

२०पश्रा.शु.५चं.इ२३।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	१	३	६	९	४
७	२३	२४	२९	०	०	८	७
१७	१३	११	१२	१०	२१	२३	४४
०	५५	४९	७	१९	५८	४३	१७
५७	३९	५९	८	७१	५	३	५७
४५	२२	२२	३७	१४	२६	११	४८

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं.२०१० शाकः १८७५ दि. उ. अ. इं. हिं. मु. चंद्रः वर्षार्तुः रविर्दक्षिणे श्रावण कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	४३	११	श	४०	५२	अ	७/१२	५३/२७	ग्रा	१६	१२	३१/५६	५/३७	६/२३	२५	९	१४	कुम्भे	[*पुण्ये शुक्रः ३।३५ चतुर्थी ब्र.
२	बु	३७	१९	पू	३६	५०	धृ	५१	५५	तै	१०	१५	५२	३८	२२	२६	१०	१५	मी २२।५१	अगस्त्योदयः ४८।३८
३	गु	३१	१४	उ	३२	३९	शू	४४	२५	व	४	१७	४८	३८	२२	२७	११	१६	मीने	भ.४।१७उ.३१।१४या. सिंहेबुधः २९/४*
४	शु	२५	९	रे	२८	४३	गं	३६	५९	ग्रा	२५	९	४४	३९	२१	२८	१२	१७	मे. २८।४३	[+मृगे३मिथुने गुरुः १।४३ हल६
५	श	१९	३४	अ	२५	२	बृ	२९	५१	तै	१९	३४	४०	४०	२०	२९	१३	१८	मेषे	चन्द्रषष्ठी
६	र	१४	२५	भ	२१	५६	धु	२३	७	व	१४	२५	३६	४१	१९	३०	१४	१९	बृ. ३६।२४	भ.१४।२५उ.४२।११ पूफायांरविः ४०/१+
७	चं	९	५७	कृ	१९	४७	व्या	१६	५६	ब	९	३७	३२	४२	१८	३१	१५	२०	बृषे	श्रीकृष्ण जयंती ब्र. दुर्वाष्ट
८	मं	६	३५	ग	१८	१	ह	११	२	कौ	६	३५	२८	४२	१८	१	१६	२१	मि ४८।१	सितंबर माह. ता.३०
९	बु	४	१४	मृ	१८	१	व	७	६	ग	४	१४	२४	४३	१७	२	१७	२२	मिथुने	भ.३३।३९उ. उदयीभौमः २७।५९
१०	गु	३	५	आ	१८	४८	सि	३	३	वि	३	५	२१	४४	१६	३	१८	२३	मिथुने	भ.३।५या.पूफायां बुधः १२।३९
११	शु	३	१९	पु	२०	५७	व्य	५९/३०	५८/३०	ग्रा	३	१९	१७	४५	१५	४	१९	२४	क ५।२५	सिंहे भौमः ७।२६ अजा. ११ ब्र.
१२	श	४	४१	पु	२४	२१	प	५९	१	तै	४	४१	१४	४५	१५	५	२०	२५	कर्के	प्रदोषः वत्सद्वादशी
१३	र	७	१६	श्ले	२८	५२	शि	५९	२९	ब	७	१६	१०	४६	१४	६	२१	२६	सि २८ ५२	भ.७।१६ उ. ३९।६ या.
१४	चं	१०	५६	म	३४	२२	सिं	६०	०	शु	१०	५६	६	४७	१३	७	२२	२७	सिंहे	सार्पे शुक्रः २२।१ पिठोरो ३०
३०	मं	१५	३३	पू	४०	२२	सिं	०	२८	ना	१५	३३	२	४८	१२	८	२३	२८	क. ५६।५७	लोहार्गलस्नानां कुशाग्रहणी

२१पं.भा.कृ.७चं.इ.२३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	२	३	६	९	४
१४	२७	७	०	८	१	८	१४
२	४१	४०	१०	२३	०	१	२९
११	१३	१	१३	५३	२५	२७	५४
५७	३९	५९	७	७१	५	३	५८
५७	२२	४९	३६	४१	५०	११	१

गोचरग्रहः

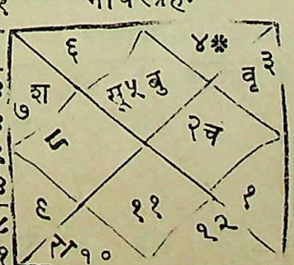

गोचरग्रहः

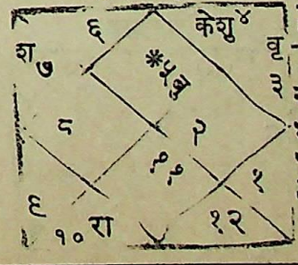

२२पं.भा. कृ.१४चं.इ.२३/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	२	३	६	३	४
३	२०	२	२१	१	१६	१	७	२१
	४८	७	१६	१	४१	४२	३९	१६
	५२	४४	३४	१२	४९	४	१२	५८
	५८	३९	५९	६	७२	६	३	५८
	१२	५	५९	३५	२	१४	११	१३

×शुकेमं (सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्) *मंसूचं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०२० शाकः १८७५									दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७३२ स. १९५३
१	बु	२०	२७	उ	४६	४२	सा	१	३८	ब	२०	२७	३० ५५	४८	६ १२	९	२४	२९	कन्या	
२	गु	२५	२०	ह	५२	५६	शु	३	१२	को	२५	२०	५३	४९	११	१०	२५	३०	कन्या	चंद्रदर्शनम् उफायां बुधः १२।१८
३	शु	३०	८	चि	५८	५३	शु	४	५०	ग	३०	८	४९	५०	१०	११	२६	१	तु. २५।५४	मोहोरम. १ सन् १३७३
४	श	३४	१०	स्वा	६०	०	ब्र	५	२८	व	२	९	४४	५१	९	१२	२७	२	तुलायां	भ. २९ उ. ३४ १० या. कन्यायांबुधः २१ ग. ४
५	र	३७	१५	स्वा	३	४५	ऐं	५	५२	ब	५	४२	४०	५२	८	१३	२८	३	वृ. ५२।०	उफायां रविः २४।४० ऋषि पंचमी
६	चं	३९	१९	वि	८	५	वै	५	२४	को	८	१७	३६	५३	७	१४	२९	४	बृश्चिके	
७	मं	४०	०	अ	११	५३	वि	३	४६	ग	९	३९	३२	५४	६	१५	३०	५	वृश्चिके	भ.४०।० उ. महालक्ष्मी ब्र.
८	बु	३९	१८	ज्ये	१२	३४	प्री	२२ १	५६ २७	वि	९	३९	२८	५४	६	१६	३१	६	ध. १२।३४	भ.९।३९या. कन्यायामर्कः ४९।५०
९	गु	३७	२०	मू	१३	३	सौ	५३	७	बा	८	१९	२४	५५	५	१७	१	७	धनुषि	हस्ते बुधः ४१।३४
१०	शु	३४	२४	पू	१२	१७	शो	४७	५८	तै	५	५२	२०	५६	४	१८	२	८	म. २६।४६	सिंहे शुक्रः ३०।३४
११	श	३०	२७	उ	१०	१५	अ	४१	४४	व	२	२५	१६	५७	३	१९	३	९	मकरे	भ. २५ उ. ३० ७ या. जलझूलनी ११ब्र.
१२	र	२५	४१	श्र	७	२८	सु	३४	५४	ब	२५	४१	१२	५८	२	२०	४	१०	कु. ३५।५७	प्रदोषव्रतं ताजिया
१३	चं	२०	२२	ध	४	२६	धृ	२७	४६	तै	२०	२२	८	५८	२	२१	५	११	कुम्भे	*शनिः ३४ ८ अनंत १४ महालयारंभः
१४	मं	१४	३३	श	४५	५५ १	शू	२०	१९	व	१४	३३	४	५९	१	२२	६	१२	मी ४२।३८	भ.१४।२२ उ.४१।३८या. चित्रायां४*
१५	बु	८	४४	उ	५२	२८	गं	१२	२६	ब	८	४४	३० ०	० ६	६ ०	२३	७	१३	मीने	पश्चिमोदयीबुधः १३ ८ प्रोष्ठपदी १५

२३पं.भा.शु.६ चं.इ.२३।२३ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	२	३	६	९	४
२७	६	४	१	२५	२	७	२८
३७	३३	९	४५	३	२५	१६	५
१५	२९	७	१४	५४	४४	५७	२४
५९	३८	९९	५	७२	६	३	५८
२९	५८	१४	२९	२९	२८	११	२६

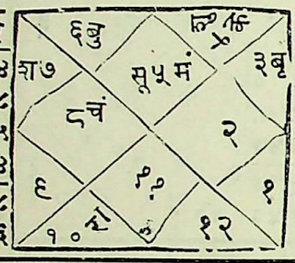

भाद्रपद शुक्ला ८बुधे कन्यायार्कः प्र.वा. ४नं.४ कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

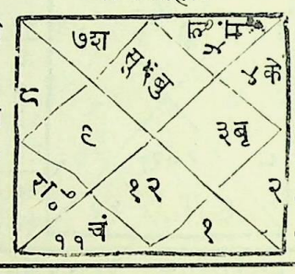

२४पं.भा.शु.१३ चं.इ.२३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	२	४	६	९	५
४	१०	१६	२	३	३	६	४
२७	५८	१२	२१	२९	११	५४	५५
२०	४१	४०	०	३५	३१	४१	१७
५८	३८	९९	४	७२	४	३	५८
४५	५८	७	२७	५०	४४	११	३८

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०१० शाकः १८७५									दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेभाद्रपदकृ.महाराष्ट्राः
१	गु	२	३५	रे	४८	३१	वृ	४३	५३ २५	को	२	३५	५५	६ १	५ ६	२४	८	१४	मि.४८।३१	
२	गु	५३	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *बुधः ४३ ५ पूफायांभौमः १० २४
३	शु	५१	२	अ	४४	५०	व्या	४६	५२	ब	२३	४८	५१	२	५८	२५	९	१५	मेषे	भ. २३।४८ उ. ५१।२या. चित्रायां*
४	श	४६	०	भ	४१	३६	ह	४२	५९	ब	१८	३१	४६	३	५७	२६	१०	१६	बृ.५६।००	उषायां ३ राहुः पुष्पे १ केतु २९ चतुर्थीब्र.
५	र	४१	३६	कृ	३९	१४	व	३६	३९	को	१३	४८	४२	४	५६	२७	११	१७	बृषे	हस्ते रविः २।१९
६	चं	३८	१९	रो	३७	२९	सि	३१	२	ग	९	५७	३८	४	५६	२८	१२	१८	बृषे	भ.३८।१९ उ.
७	मं	३६	३	मृ	३६	५३	व्य	२६	१४	वि	७	११	३४	५	५५	२९	१३	१९	मि ७।११	भ.७।११या. तुलायांबुधः ५८।११+
८	बु	३४	५७	आ	३७	२९	व	२२	२७	बा	५	३०	३०	६	५४	३०	१४	२०	मिथुने	पूफायां शुक्रः २५।१९
९	गु	३५	१८	पु	३८	१७	प	२०	१	तै	५	७	२६	७	५३	१	१५	२१	क.२३।३५	अक्टूबर मा.१० ता.३१ मातृ९
१०	शु	३६	३८	पु	४२	२४	शि	१७	४१	व	५	५८	२२	८	५२	२	१६	२२	कर्के	भ. ५।५८ उ. ३६।३८ या.
११	श	२९	२१	श्ले	४६	३७	सि	१६	४७	ब	८	०	१८	८	५२	३	१७	२३	सिं ४६।३७	इन्दिरा ११ब्र.
१२	र	४३	३	म	५१	५३	सा	१६	१५	को	११	१२	१४	९	५१	४	१८	२४	सिंहे	स्वात्यां बुधः २६।५२
१३	चं	४७	४६	पू	५७	२९	शु	१७	३०	ग	१५	२४	१०	१०	५०	५	१९	२५	सिंहे	भ. ४७।४६ उ. प्रदोषः
१४	मं	५२	४३	उ	६०	०	शु	१८	४६	वि	२०	१४	६	११	४९	६	२०	२६	क १४।१६	भ.२०।१४ या.
३०	बु	५७	४४	उ	४	७	व्र	२०	९	च	२५	१३	२	१२	४८	७	२१	२७	कन्या	अस्तं शनिः १३।११ सर्वपितृ ३०

२५पं.आ.कृ.६ चं.इ.२३।६ गोचरग्राह

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	२	४	६	९	५
११	१५	२७	२	११	३	६	११
१९	२४	३०	४८	५९	५९	३२	४६
२६	११	३२	७	२०	२०	२६	५५
५९	३८	९४	३	७३	७	३	५८
०	४०	१९	१८	५	०	११	५३

इस मास में रसकस घृत तैल लबण तेज होगा "बुधे पंच रस क्षयः" प्रजा में सुख शांति हो।

गोचरग्राह

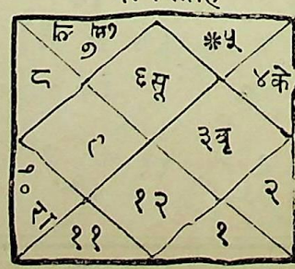

२६पं.आ.कृ.१३ चं.इ.२२।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	२	४	६	९	५
१८	१९	८	३	२०	४	६	१८
१३	४८	३	६	३२	४८	१०	४०
१५	५४	५०	४	१३	१४	११	१२
५९	३८	८९	१	७३	७	३	५९
१६	३४	४३	५०	२०	८	११	९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं २०१० शाकः १८७५	दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुर्रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७६१स. १९५३
१	गु ६० ०	ह	१०	३१	ऐं	२१	२८	कं	३० १० २५ ५८ ६ १२ ५ ४८ ८ २२ २८ तु. ४३।२९ नवरात्रा
१	शु २ ३६	चि	१६	२८	वै	२२	३४	ब	२ ३६ ५४ १३ ४७ ९ २३ २९ तुलायां चंद्रदर्शनम्
२	श ६ ४५	स्वा	२१	५९	वि	२३	०	कौ	६ ४५ ५० १४ ४६ १० २४ १ तुलायाँ चित्रायां रविः ३२।५६
३	र ९ ५४	वि	२६	१०	प्री	२२	३२	ग	९ ५४ ४६ १५ ४५ ११ २५ २ वृ. १०।८ भ. ४०।५४ उ.
४	चं ११ ५५	अ	२९	३०	आ	२१	१२	वि	११ ५५ ४२ १६ ४४ १२ २६ ३ बृश्चिके भ.११।५५ या.
५	मं १२ ४९	ज्ये	३१	४	सो	१८	५८	बा	१२ ४९ ३८ १६ ४४ १३ २७ ४ ध. ३१।४ विशाखयांबुधः ५ ६ कन्यायांशुक्रः ५।५६
६	बु १२ १८	मू	३१	५०	शो	१५	४०	तै	१२ १८ ३४ १७ ४३ १४ २८ ५ धनुषि
७	गु १० २७	पू	३१	२८	अ	११	२३	ब	१० २३ ३० १८ ४२ १५ २९ ६ म. ४६।४ भ. १ २ ३ उ. ३ ५ ५ या. वक्री गुरुः ५२।४५
८	शु ७ २७	उ	२९	५२	सु	६	२९	व	७ २७ २६ १९ ४१ १६ ३० ७ मकरे उफायां भौमः ३०।२३
९	श ३ ३४	श्र	२७	२२	धृ	९	५ १ ३ ९	कौ	३ ३४ २२ २० ४० १७ ३१ ८ कु. ५६।१३ तुलायामर्कः १५।४० विजया १०*
१०	र ५५ २०	०	०	०	०	०	०	ः	० ० ० ० ० ० ० क्षयः *सरस्वती विसर्जन
११	र ५ ३ ३७	ध	२५	५	गं	४६	२१	व	२६ १५ १८ २० ४० १८ १ ९ कुम्भे भ. २ १ ५ उ. ५ ३ ७ या. पापांकुशा ११ ब्र. स्मा.
१२	चं ४७ ५६	श	२०	३१	वृ	३८	४७	ब	२० ४६ १४ २१ ३९ १९ २ १० कुम्भे पापाँकुशा ११ ब्र. वै. नि.
१३	मं ४२ २	पू	१६	३०	ध्रु	३१	०	कौ	१४ ५९ १० २२ ३८ २० ३ ११ मी. २।३० स्वात्यां १ शनिः ५४।१३ प्रदोषः
१४	बु ३६ ४	उ	१२	३१	व्या	२३	८	ग	९ ३ ६ २३ ३७ २१ ४ १२ मीने भ. ३ ६ ४ उ. हस्तेशुक्र; १ ३ कन्यायांभौमः ४ ३ ७
१५	शु ३० ८	रे	८	३२	ह	१५	२९	वि	३ ६ २ २४ ३६ २२ ५ १३ मे. ८।२२ भ. ३।६या. बृश्चिके बुधः २।२६

२७पं.आ.शु.४चं.इ.२२।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	२	४	६	९	५
२५	२४	१७	३	२९	५	५	२५
८	८	४७	१४	७	३८	४७	३५
५७	२८	४२	४९	८	२०	५५	७
५९	३८	८४	०	७	३	५९	
२१	३४	५९	४१	२८	१४	११	२१

गोचरग्रहाः

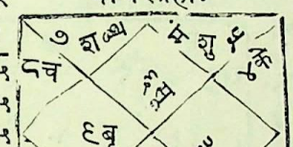

आश्विन शु.शनौ तुलायामर्कः प्र. वा ४ न ४युवा वस्था (सूती) मु. ३०(धान्यभावसम) शुक्रोदयम् पू.

गोचरग्रहाः

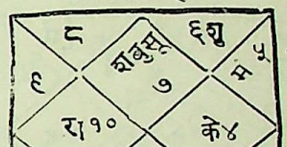

२८पं.आ.शु.१२चं.ई२२।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	२	५	६	९	६
२	२८	२५	३	७	६	५	२
६	३०	३१	१४	४४	२८	२५	३१
२६	१८	५	६	१०	४८	५०	३५
५९	३८	७८	४९	७३	७	३	५९
४६	२६	२५	ब	४४	२०	११	२४

ति.	कार्त्तिक कृष्णपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुर्रविर्दक्षिणेआश्विनकृ. महाराष्ट्राः
१	शु २४ २०	अ	४	३	व	८	४	बा	२७ ६ ५ २४ २० ६ २३ ६ १४ मेषे स्वात्याँरविः ५६।४०
२	श १९ ४२	भ	१ ४	५ ७ १ ६	सि	५ ०	५ ३ २ ५	ग	१९ ४२ ५४ २५ ३५ २४ ७ १५ वृ. १५।३३ भ. ४७।३७ उ.
३	र १५ ३३	रो	५६	२४	व	४८	२४	वि	१५ ३३ ५० २६ ३४ २५ ८ १६ वृषे भ. १५।३३यां. करक चतुर्थी ब्र.
४	चं १२ ७	मृ	५५	४५	प	४३	१८	बा	१२ ७ ४६ २७ ३३ २६ ९ १७ मि २६।९ मैत्रे बुधः ६।५१
५	मं १० ४	आ	५६	३	शि	३९	१०	तै	१० ४ ४२ २८ ३२ २७ १० १८ मिथुने *रूप १४ नरक १४
६	बु ९ ५	पु	५७	२६	सि	३५	५८	व	९ ५ ३८ २८ ३२ २८ ११ १९ क. ४२।५ भ. ९।५ उ. ३९।१८ या.
७	गु ९ ३१	पु	६०	०	सा	३३	४३	ब	९ ३१ ३५ २९ ३१ २९ १२ २० कर्के होई ८
८	शु ११ १	पु	०	२१	शु	३२	३२	कौ	११ १ ३१ ३० ३० ३० १३ २१ कर्के +विशाखायां रविः १ ५ महालक्ष्मीपू.
९	श १४ १७	श्ले	४	२२	शु	३२	९	ग	१४ १७ २८ ३० ३० ३१ १४ २२ सिं ४।२२ भ. ४६।०उ. चित्रायां शुक्रः ५४।४४
१०	र १७ ४४	म	९	२५	ब्र	३५	४६	वि	१७ ४४ २४ ३१ २९ १ १५ २३ सिंहे भ. १ ४ ४ या. नवंबर मा. ११ ता० ३०
११	चं २२ २८	पू	१५	१३	ऐं	३३	३९	बा	२२ २८ २० ३२ २८ २ १६ २४ कं. ३१।४१ रमा ११ ब्र.
१२	मं २७ ३२	उ	२१	३२	वै	३४	५९	तै	२७ ३२ १७ ३३ २७ ३ १७ २५ कन्या प्रदोषः ब्र. गोवत्स पू.
१३	बु ३२ ४२	ह	२७	५६	वि	३६	२२	ग	० ७ १३ ३३ २७ ४ १८ २६ कन्या भ. ३२।४२उ. यमदीपदानं धन १३
१४	गु ३७ ३८	चि	३३	५९	प्री	३७	२२	वि	५ १० १० ३४ २९ ५ १९ २७ तु. ९।५८ भ. ५।१० या. वक्री बुधः ०।२०*
२०	शु ४१ ५०	स्वा	३९	३३	आ	३७	५४	च	९ ४४ ६ ३५ २५ ६ २० २८ तुलायां तुलायां शुक्रः १ ९ हस्तेभौमः ५३।९+

२९पं का.कृ.४चं.इ.२२।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	२	५	६	९	६
९	२	३	३	१६	७	५	९
५	५२	३६	२	२५	१९	३	२९
४९	२३	४३	५३	१२	४१	२४	५४
६०	३८	६४	३ ३	७३	७	३	५९
२	१९	३०	ब	५०	२०	११	४७

गोचरग्रहा

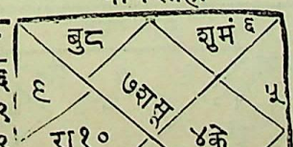

यहां शुक्रवार को महालक्ष्मी पूजन आगे संवत्सर के लिये शुभ है।

गोचरग्रहा

३०पं.का.कृ.११चं.इ.२२/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	२	५	६	९	६
१६	७	७	२	२५	८	४	१६
६	१३	२९	४२	७	१०	४१	२९
५२	१	३८	३६	४८	२६	९	४०
६०	३८	३०	३ ३	७३	७	३	६०
१८	१०	१	ब	५६	१४	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०१० शाकः १८७५ | दि. उ. अ. इ. हि. मु. चंद्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७९१स१९५३

१	श	४५	४	वि	४४	७	सौ	३७	४६	कं	१३	२७	२७/३	६/३५	५/२५	७	२१	२९	बृ. २७।५९
२	र	४७	५	अ	४७	३३	शो	३६	४८	बा	१६	४	२६/५९	३६	२४	८	२२	३०	बृश्चिके
३	चं	४७	५७	ज्ये	४९	४४	अ	३४	४१	तै	१७	३१	५६	३७	२३	९	२३	१	ध. ४९।४४
४	मं	४७	२२	मू	५०	४५	सु	३१	४१	व	१७	३९	५२	३८	२२	१०	२४	२	धनुषि
५	बु	४५	३१	पू	५०	३३	धृ	२७	३९	ब	१६	२६	४९	३८	२२	११	२५	३	धनुषि
६	गु	४२	३९	उ	४९	५	शु	२२	३७	की	१४	५	४६	३९	२१	१२	२६	४	भ. ५।११
७	शु	३८	५०	अ	४६	५२	गं	१६	४३	ग	१०	४४	४३	३९	२१	१३	२७	५	मकरे
८	श	३४	४	ध	४३	५७	बृ	१०	१	वि	६	२७	४०	४०	२०	१४	२८	६	कु. १५।२४
९	र	२८	४६	श	४०	१४	ध्रु	५५/५५	२३/२४	बा	१	२५	३३	४१	१९	१५	२९	७	कुम्भे
१०	चं	२३	१४	पू	३६	१५	ह	४७	३७	ग	२३	१४	३४	४१	१९	१६	३०	८	मी २२।१५
११	मं	१७	२५	उ	३१	४६	व	३९	५१	वि	१७	२५	३१	४२	१८	१७	१	९	मीने
१२	बु	११	३३	रे	२८	३	सि	३२	३	बा	११	३३	२९	४२	१८	१८	२	१०	मे. २८।३
१३	गु	५	४२	अ	२४	६	व्य	२४	२४	तै	५	४२	२६	४३	१७	१९	३	११	मेषे
१४	शु	०	१९	भ	२०	४३	व	१७	८	व	०	१९	२४	४३	१७	२०	४	१२	वृ. ३५।०
१५	श	५५	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अन्नकूट
चंद्रद. पश्चिमास्तोबुधः ४६/२७ भ्रातृ२यम२
रविलावल ३
भ. १७/३९ उ. ४७/२२ या. उदयंशनिः २०।५०
वक्रीविशाखायांबुधः २६/२४ स्वात्यांशुक्रः ३५/२९
भ. ३८।५० उ.
भ. ६।२७ या. वक्रीतुलायांबुधः १३।३९
कुष्मांड ९ अक्षया ९
भ. ५०।१९ उ. बृश्चिकेऽर्कः ८।२३
भ. १७/२५ या. स्वात्यां २शनिः ४९/२३ प्रबोधिनी*
प्रदोष. [* ११ ब्र.
अनुराधायां रविः २६।११ बैकुंठ १४
भ. १९/३९ उ. २७/२९ या. पूर्वोदयीबुधः ३।२९
क्षयः

३१ प. का. कृ. २ चं. इ. २२।१

गोचरग्रहाः

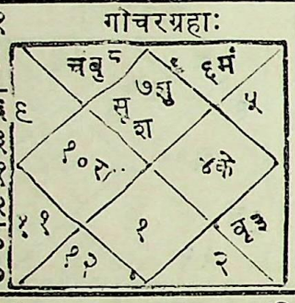

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	२	६	६	९	६
२३	११	५	२	३	९	४	२३
९	३४	३	१२	५१	०	१८	३१
३०	१२	४	५८	४०	३६	५४	२
६०	३७	४९/४३	४/३७	७४	७	३	६०
३०	५८	ब	ब	२	८	११	१७

कार्तिक शुक्ल १०
चंद्र बृश्चिकेऽर्कः प्र.
वा. ३ नं. ४
प्रौढावस्था (बैठी)
मु ३० (धान्यभावसम)
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

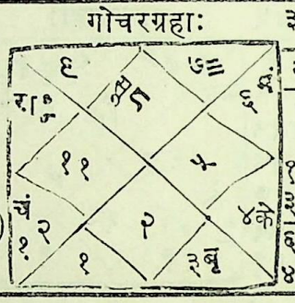

३२ पं. का. शु. १० चं इ २१।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	२	६	६	९	७
०	१५	२६	१	१२	९	३	०
१३	५३	४०	२४	३६	४९	५६	३३
३५	२४	५२	२६	५०	४४	३८	४३
६०	३७	५३/१४	४९/४	७४	३	३	६०
४०	४३	ब	ब	८	११	११	३०

ति. मार्गशीर्षकृष्णपक्षः सं० २०१० शाकः १८७५ | दि. उ. अ. इ. हिं. मु. चंद्रः | हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणेकार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्रा

१	श	५१	२७	कृ	१७	५०	प	१०	४	बा	२३	३०	२६/२१	६/४४	५/१६	२१	५	१३	बृषे
२	र	४८	२०	रो	१५	४५	शि	५३/५८	५४/४३	तै	१९	५३	१९	४४	१६	२२	६	१४	मि. ४५।१४
३	चं	४६	१६	मृ	१४	४३	सि	५४	६	व	१७	१८	१६	४५	१५	२३	७	१५	मिथुने
४	मं	४५	२२	आ	१४	४३	शु	५०	३१	ब	१५	४९	१४	४५	१५	२४	८	१६	मिथुने
५	बु	४५	५७	पु	१५	५९	शु	४७	५८	की	१५	३९	११	४६	१४	२५	९	१७	क. ०।४०
६	गु	४७	४२	पु	१८	२८	ब्र	४६	२१	ग	१६	४९	९	४६	१४	२६	१०	१८	कर्के
७	शु	५१	३५	श्ले	२२	११	ऐं	४५	२९	वि	१९	३८	६	४७	१३	२७	११	१९	सिं. २२।११
८	श	५४	४७	म	२७	४	वे	४५	५९	बा	२३	११	४	४७	१३	२८	१२	२०	सिंहे
९	र	५९	३५	पू	३२	४७	वि	४६	४८	तै	२७	११	१	४८	१२	२९	१३	२१	कं. ४९।२०
१०	चं	६०	०	उ	३८	५९	प्री	४८	३	व	३२	९	२५/५८	४८	१२	३०	१४	२२	कन्या
१०	मं	४	४४	ह	४५	१८	आ	४९	१६	वि	४	४४	५६	४९	११	१	१५	२३	कन्या
११	बु	९	५४	चि	५१	३५	सौ	५०	१७	बा	९	५४	५४	४९	११	२	१६	२४	तु. १८।२६
१२	गु	१४	५०	स्वा	५७	१९	शो	५१	१२	तै	१४	५०	५२	५०	१०	३	१७	२५	तुलायां
१३	शु	१९	१३	वि	६०	८	अ	५१	४	व	१९	१३	५१	५०	१०	४	१८	२६	बृ. ४५।५२
१४	श	२२	१५	वि	२	२	सु	५०	२५	श	२२	१५	४९	५०	१०	५	१९	२७	बृश्चिके
३०	र	२४	१८	अ	५	४८	धृ	४८	३१	ना	२४	१८	४८	५०	१०	६	२०	२८	वृश्चिके

मार्गी बुधः ५४।५ विशाखायां शुक्रः १४/२८
भ. १७।१८ उ. ४६।१६ या.
चतुर्थी ब्र.
पातस्पर्शः ९।३३ पातमोक्षः २७।१७
भ. ४७।४२ उ.
भ. १९/३ या. उषायां २राहु. पुनर्वसौ ४केतुः ५७/३
चित्रायाँ भौमः ३३।२२ भैरवजयंती
भ. ३२।९ उ. वृश्चिकेशुक्रः १३।० वक्री*
भ. ४।४४ या. दिशंबर मा. १२ ता० ३१
ज्येष्ठायां रविः ३०/१० मैत्रेशुक्रः ५४/२९ उत्पत्ति ११ ब्र
प्रदोषः [*मृ २पादे बृषेचगुरुः ०।८
भ १९।१३ उ. ५०।४४ या.
वृश्चिके बुधः ४६।४९
अमावस्या

३३ पं. मा. कृ. ३ चं. इ. २१।३५

गोचरग्रहाः

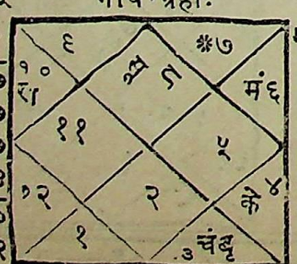

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	२	६	६	९	७
७	२०	२१	०	२१	१०	३	७
१९	१०	१६	४८	२३	३७	३४	३७
९	३४	५९	४७	२	४४	२३	४४
६०	३७	६/३२	४/१९	७४	६	३	६०
५३	४०	मा	ब	१४	५२	११	४२

मार्गशीर्षस्याचाष्टाम्यां
दृश्यंते विद्युतोयदा
तदा वृष्टिः श्रावणेच
मासि संजायते
ध्रुवम्।

गोचरग्रहाः

३४ पं. मा. कृ. १० चं. इ. २१।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	१	७	६	९	७
१४	२४	२४	२९	०	११	३	१४
२५	२७	२६	५७	१०	२३	१२	४३
५४	१८	२८	२२	२३	५६	८	४
६१	३७	७१	२६/२	७४	६	३	६०
३	२३	४४	ब	२०	३२	११	५०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५ | दि. उ. अ. इ. हि. मु. | चन्द्रः | हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६८२१स५३

१	चं	१५	५	ज्ये	८	२६	शु	४५	४६	ब	२५	५	२५/६	५/१	६	७	२१	२६	ध. ८।२६	मैत्रे बुधः ५८।३३
२	मं	२४	३२	मू	६	३४	गं	४१	५८	कौ	२४	३२	४५	५१	६	८	२२	३०	धनुषि	चन्द्रदर्शनम् पातस्पर्शः ५२।११
३	बु	२२	३६	पू	६	३७	बृ	३७	१४/०	ग	२२	३६	४३	५१	६	६	२३	१	म. २४।२०	भ. ५/१० उ. तुलायां भौमः ३३/८ रविलाखर*
४	गु	१६	४२	उ	८	२६	धु	३१	३८	वि	१६	४२	४२	५२	८	१०	२४	२	मकरे	भ. १६।४२या. [*४पातमोक्षः १३।३५
५	शु	१६	०	अ	६	२३	व्या	२५	२१	बा	१६	०	४१	५२	८	११	२५	३	कु. ३४।५५	
६	श	११	१३	ध	३	२७	ह	१८	१३	तै	११	१३	४०	५२	८	१२	२६	४	कुम्भे	चम्पा ६
७	र	५	५४	श	७/५	६/७	व	१०	५३	व	५	५४	३६	५२	८	१३	२७	५	मी ४२।११	भ. ५/५४ उ. ३३/७ या. ज्येष्ठायां शुक्रः २७।३
८	चं	०	२१	उ	५२	६	सि	१३/३	५३/४	ब	०	२१	२८	५२	८	१४	२८	६	मीने	कल्पादिः
९	चं	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +११ब्र.स्मा.वै
१०	मं	४८	४४	रे	४८	०	प	४७	२६	ते	२१	४१	३८	५२	८	१५	२६	७	मे. ४८।०	धनुष्यर्कः ३६।५५ ≡११ ब्र. नि
११	बु	४३	०	अ	४४	१२	व	३६	४८	व	१५	५२	३७	५३	७	१६	१	८	मेषे	भ. १५।५२उ. ४३।०या मोक्षदा+
१२	गु	३७	३६	भ	४०	३२	शि	३२	१६	ब	१०	५८	३७	५३	७	१७	२	६	बृ. ५४।४५	ज्येष्ठायां बृधः ११।१७ मोक्षदा ≡
१३	शु	३२	५४	कृ	३४	२६	सि	२५	१५	कौ	५	१७	३७	५३	७	१८	३	१०	वृषे	प्रदोषः ×शनिः ४६।३३
१४	श	२६	५	रो	३५	१६	सा	१८	४६	ग	१	३०	३६	५३	७	१६	४	११	वृषे	भ. २६।५उ. ५७।३४या. स्वात्यां ३×
१५	र	२६	२	मृ	३४	१३	शु	१३	५	ब	२६	१	३६	५३	७	२०	५	१२	मि ४।४४	स्वात्यां भौमः २५।३६

३५पं.मा.शु.१चं.इ.२१।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१	७	६	९	७
२१	२८	२	२९	८	१२	२	२१
३३	४४	२३	२	५८	८	४९	४१
४१	३८	१७	१३	३४	२	५२	२०
६१	३७	९१	५२/७	७४	६	३	६०
११	११	४	ब	२६	१८	११	५६

गोचरग्रहाः

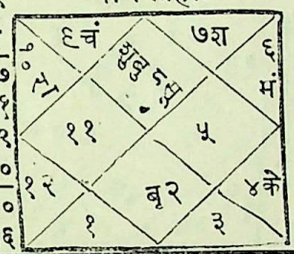

मार्गशीर्ष शुक्ला १० भौमेधनुष्यर्कः
प्र. वा. २ न. ३
प्रौढ़ावस्था (बैठी)
मु. ३० (धान्य-भाव सम)

गोचरग्रहा

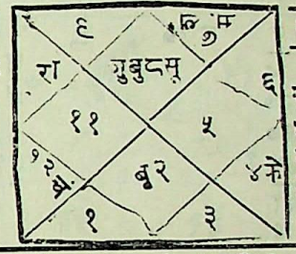

३६पं.मा.शु.६च.इ.२०।५६.

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	१	७	६	९	७
२८	३	१२	२८	१८	१२	२	२८
४२	०	८	४	४६	५०	२७	५६
२४	०	६	३७	५५	१७	३७	५
६१	३६	९५	५२/७	७४	५	३	६१
१९	५३	४८	ब	२६	५०	११	०

ति. पौष कृष्णपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५ | दि. उ. अ. इ. हिं मु. | चंद्रः | हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणेमा.कृष्णोतिमहाराष्ट्राः

१	चं	२४	६	आ	३३	४०	शु	८	१६	कौ	२४	६	२५/६	५/३	७	२१	६	१३	मिथुने	पूर्वास्तं बुधः ५१।११
२	मं	२३	२०	पु	३४	३७	ब्र	४	२५	ग	२३	२०	३६	५३	७	२२	७	१४	क. १६।२२	भ. ५/४ ३/२ उ. उत्तरायण प्रवृत्तिः ४।३६
३	बु	२४	५	पु	३६	४८	ऐं	२७	१५/०	वि	२४	५	३७	५३	७	२३	८	१५	कर्के	भ. २४।५या. चतुर्थी ब्र.
४	गु	२५	५६	श्ले	४०	१६	वि	५८	२५	ग्रा	२५	५६	३७	५३	७	२४	९	१६	सिं ४०।१६	धनुषिशुक्रः २५/५ वक्रीमृगे १गुरुः ५०।२०
५	शु	२६	०	म	४४	५६	प्री	५८	२८	ते	२६	०	३७	५३	७	२५	१०	१७	सिंहे	
६	श	३३	१८	पू	५०	२६	आ	५८	५७	ग	१	६	३८	५२	८	२६	११	१८	सिंहे	भ. ३३।१८उ. धनुषिबुधः २१।२०
७	र	३८	११	उ	५६	३८	सौ	६०	०	वि	५	४४	३८	५२	८	२७	१२	१९	क. ७।१	भ. ५।४४या.
८	चं	४३	२२	ह	६०	०	सौ	०	२	ग्रा	१०	४६	३८	५२	८	२८	१३	२०	कन्या	पूषायां रविः ३८।३२
९	मं	४८	३६	ह	३	१	शो	१	२५	ते	१६	०	३६	५२	८	२९	१४	२१	तु. ३६।१०	
१०	बु	५३	३०	चि	६	१६	अ	२	२५	व	२१	४	३६	५२	८	३०	१५	२२	तुलायां	भ. २१।४उ. ५३।३०या. *११ब्र.नि.
११	गु	५७	४६	स्वा	१५	३४	सु	३	२६	ब	२५	३६	४०	५२	८	३१	१६	२३	तुलायां	सधला ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	शु	६०	०	वि	२०	१३	धृ	३	३०	कौ	२६	१८	४१	५२	८	१	१७	२४	वृ. ४।४	जनवरी मा. १ ता. ३१ सफला*
१३	श	०	४८	अ	२४	१६	शू	२	२६	ते	०	४८	४२	५२	८	२	१८	२५	वृश्चिके	पूर्वास्तो भृगुः ५८।४८प्रदोषः पू.अ.
१४	र	३	२६	ज्ये	२६	३५	ग	३/३	३/६	व	३	२६	४३	५१	६	३	१६	२६	ध. २६।३५	भ. ३।२६उ. ३२।३०या. पूषायां + शु
१५	चं	३	३२	मू	२८	२७	शु	५५	४२	श	३	३२	४४	५१	६	४	२०	२७	धनुषि	पितृकार्ये मा +बुध ४६।१ पूषायां ≡.
३०	मं	२	५४	पू	३०	०	व्या	५१	२५	ना	२	५४	४५	५१	६	५	२१	२८	म. ४४।३२	नेवकार्ये मा ≡शुक्रः ३७।३८

३७पं.पौ.कृ.१चं.इ.२०।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	१	७	६	९	८
५	७	२२	२७	२६	१३	२	६
५१	१३	३१	८	३५	२८	५	३
५०	३७	४१	५२	४९	१६	२१	३६
६१	३६	१६	५०/७	७४	५	३	६१
२२	३१	५२	ब	२६	२६	११	५

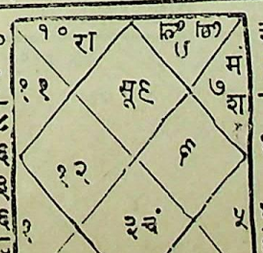

३८पं.पौ.कृ.८चं.इ२०।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	१	८	६	९	८
१३	११	३	२६	५	१४	१	१३
१	२६	१४	१४	२४	३	४३	११
४३	४२	१३	२८	३२	२६	६	३१
६१	३६	९७	५७/७	७४	४	३	६१
२६	१५	३८	ब	३२	५६	११	६

३९पं.पौ.कृ१४चं.इ.२०।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	१	८	६	९	८
१०	१५	१४	२३	१४	१४	१	२०
११	३६	१२	२४	१३	३५	२०	१९
४१	२२	०	४३	२३	२	५१	४०
६१	३५	९८	२६/७	७४	४	३	६१
२६	५५	४६	ब	३२	३२	११	६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०१० शाकः १८७५	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६८५१स. १९५४
१	बु ० ५६	उ २८ १०	ह ४५ ५६	ब ० ५६	२५ ६ ५	६ २२ २६	मकरे	चन्द्रदर्शनम्
२	बु ५६ ५६	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	क्षयः
३	गु ५४ ६	श्र २७ २४	व ३६ ५३	ते २६ ३	४८ ५० १०	७ २३ १	कु.५५।३१	जमादिलावल ५
४	शु ४६ २६	ध २३ ३८	सि ३३ १४	व २१ ४८	५० ५० १०	८ २४ २	कुम्भे	भ.२१।४८ उ. ४६।२६ या.
५	श ४४ ३	श २० १६	व्य २६ ५	ब १६ ४४	५२ ५० १०	९ २५ ३	कुम्भे	
६	र ३८ २३	पू १६ ३३	व १८ २२	कौ ११ १३	५४ ४६ ११	१० २६ ४	मी २।२८	उषायां रविः ४०।०
७	चं ३२ ४२	उ १२ २६	प १० ३२	ग ५ ३२	५६ ४६ ११	११ २७ ५	मीने	भ.३ ४ २ उ.५ ४ ६ या. विशाखायां भौमः ४७ ३३
८	मं २६ ५२	रे ८ २३	शि ३ ४३ ५ १६	ब २६ ५२	५८ ४८ १२	१२ २८ ६	मे.८।२३	उषायां बुधः ३।५५
९	बु २१ १४	अ ४ २२	सा ४७ १५	कौ २१ १४	२६ ० ० ४८ १२	१३ २९ ७	मेषे	मकरेऽर्कः ५५।३७
१०	गु १५ ३६	भ ४ ० १ ५७	शु ४० ७	ग १५ ३६	३ ४७ १३	१४ १ ८	बृ. १४।५६	भ.३ ४ १ उ मकरेबुधः ५ १६ उषायांशुक्रः १५ ०
११	शु ११ २४	रो ५५ १६	शु ३३ २६	वि ११ २४	५ ४७ १३	१५ २ ९	बृषे	भ. ११।२४ या. पुत्रदा ११ ब्र.
१२	श ७ २८	मृ ५३ ३३	ब्र २७ ३३	बा ७ २८	८ ४६ १४	१६ ३ १०	मि २४।२६	मकरे शुक्रः ५१।३५ प्रदोषः
१३	र ४ ३६	आ ५३ ८	ऐं २२ २५	ते ४ ३६	१० ४६ १४	१७ ४ ११	मिथुने	
१४	चं २ ४५	पु ५३ ५०	वै १८ १८	व २ ४५	१२ ४६ १४	१८ ५ १२	क.३८।४०	भ. २।४५ उ. ३२।२६ या.
१५	मं २ ८	पु ५५ ४३	वि १४ २०	ब २ ८	१५ ४५ १५	१९ ६ १३	कर्के	चंद्रग्रहणम्

४०पं.पौ.शु.७च.इ.२०।३४ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	१	८	६	९	८
२७	१९	२५	२४	२३	१५	०	२७
२१	४४	२६	४१	२	२	५८	२७
३२	२	३१	१७	१७	५३	३५	४४
६१	३५	० ५	३१	७४	३	३	६१
२४	३०	४ ७	ब	३२	५१	११	६

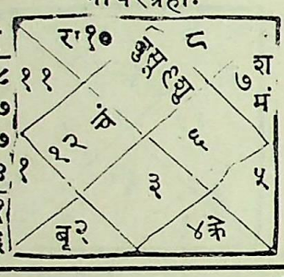

पौष शुक्ला ७ बुधे मकरेऽर्कः प्र. वा. २ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भावतेज) शुक्रास्तः पूर्वस्याम्.

गोचरग्रहाः

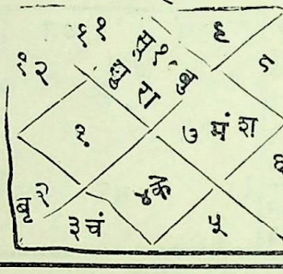

४१पं.पौ.शु.१४चं.इ२०।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	१	९	६	९	९
४	२३	७	२४	१	१५	०	४
३१	५०	१	५	५०	२६	३६	३५
७	३५	१९	३१	३८	२०	२०	३४
६१	३४	५ ०	१८	७४	३	३	६१
१९	४८	३९	ब	३८	१६	११	३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं०२०१० शाकः १८७५	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरऋतुर्तू रविरुत्तरेपौष कृष्णेति महा.
१	बु ३ ८	श्ले ५६ ०	प्री १२ ४४	कौ ३ ८	२६ १७ ४५ १५	२० ७ १४	सिं५.६।०	अभि.प्र.रविः २६।४४ श्रवणे बुधः २।१
२	गु ५ ०	म ६० ०	आ ११ २९	ग ५ ०	२० ४४ १६	२१ ८ १५	सिंहे	भ. ३६।३८ उ.
३	शु ८ १७	म ३ १८	मो ११ ३	वि ८ १७	२२ ४४ १६	२२ ९ १६	सिंहे	भ. ८।१७ या चतुर्थी ब्र.
४	श १२ २६	पू ८ ४०	शो ११ २१	बा १२ २६	२५ ४३ १७	२३ १० १७	कं.२५।११	श्रवणेरविः ४२।४४
५	र १७ २७	उ १४ ४३	अ १२ २२	तै १८ २७	२७ ४३ १७	२४ ११ १८	कन्या	अभि.नि.रविः ३५।० श्रवणेशुक्रः ४९।४३
६	चं २२ ४२	ह २१ ४	सु १३ ३७	व २२ ४२	३० ४२ १८	२५ १२ १९	तु.५४।१७	भ. २२।४२ उ. ५५।१९ या.
७	मं २७ ५७	चि २७ ३१	धृ १४ ५८	ब २७ ५७	३३ ४१ १९	२६ १३ २०	तुलायां	[÷ पश्चिमोदयीबुधः १४।५६ प्रदोषः
८	बु ३२ ४६	स्वा ३४ ४	शू १५ ५२	बा ० २२	३६ ४१ १९	२७ १४ २१	तुलायां	धनिष्ठायां बुधः ४३।१३
९	गु ३६ ५६	वि ३८ ४४	गं १६ १९	तै ४ ५१	३९ ४० २०	२८ १५ २२	बृ.२२।३४	वृश्चिके भौमः ५४।३१
१०	शु ३९ ५९	अ ४३ ०	बृ १६ ९	व ८ २७	४२ ४० २०	२९ १६ २३	बृश्चिके	भ. २ ५७ उ. ३ ५९ या. धनुषिराहुः मिथुनेकेतु ४६ १०
११	श ४१ ४७	ज्ये ४६ १३	ध्रु १५ ९	ब १० ५३	४५ ३९ २१	३० १७ २४	ध. ४६।१३	षट्तिला ११ ब्र.
१२	र ४२ २१	मू ४७ ४८	व्या १२ ५८	कौ १२ ४	४८ ३८ २२	३१ १८ २५	धनुषि	कुंभेबुधः २१ ४५ [* रोहिण्यां ४गुरुः ४२ २६ ÷
१३	चं ३१ ३५	पू ४८ ३९	ह १० ४	ग ११ ५८	५२ ३८ २२	१ १९ २६	धनुषि	भ. ४ ३ १ ५ उ.फरवरीमा. २ता० २८ बक्री-*
१४	मं ३९ ३६	उ ४८ ६	व ५ ४०	वि १० ३५	५५ ३७ २३	२ २० २७	म. ३।३१	भ. १०।३५ या.
३०	बु ३६ २९	श्र ४६ २५	सि ० ५ ४ १ २ ४ १	च ८ २	५९ ३६ २४	३ २१ २८	मकरे	शतेबुधः ५५।४५ मैत्रेभौमः ४९।२२

४२पं.मा.कृ.६चं.इ.२०।३५ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	१	९	६	९	९
११	२७	१८	२३	१०	१५	०	११
३९	५४	५८	३८	३८	४५	१४	४२
५१	४७	५२	१७	२४	२२	५	४६
६१	३४	० ८	१३	७४	२	३	६०
१३	२३	३७	ब	३८	२८	११	५९

अलि राशि गते राहौ तथा धनुषि संस्थितेईतयो बहुधारोगा जायते नात्र संशयः

गोचरग्रहाः

४३पं.माकृ.१३चं.इ२०।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	१	५	६	८	९
१८	१	१	२३	१९	१५	२९	१८
४७	५६	५०	२०	२५	५९	५१	४९
५१	१३	१३	३८	४८	२०	४८	१९
६१	३३	२ ५	४५	७४	१	३	६०
४	४९	९	ब	३८	४१	११	५५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्लपक्षः सं. २०१०शाकः १८७५ दि. उ. अ. इं. हि. मु. चंद्र शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६८८०सन् १९५४

१	गु	३२	२७	ध	४३	५०	व	४८	३६	कं	४	२८	२७	६	५	४	२२	२९	कु १५।७	धनिष्ठायां शुक्रः २९।०
२	शु	२७	३३	श	४०	३८	प	४१	२५	की	२७	३३	२	३६	२४	५	२३	३०	कुम्भे	धनिष्ठायां रविः ४८।३६ चन्द्रदर्शनम्
३	श	२२	१९	पू	३७	५	शि	३३	५५	ग	२२	१९	६	३४	२६	६	२४	१	मी २२।५९	भ.४९।२७उ. जमादिलाखर६तिल४
४	र	१६	३५	उ	३३	५	सि	२६	१७	वि	१६	३५	१३	३३	२७	७	२५	२	मीने	भ.१६।३५ या.
५	चं	१०	५०	रे	२८	५८	सा	१८	३१	बा	१०	५०	१३	३३	२७	८	२६	३	मे.२८।५८	बसन्त ५
६	मं	४	५९	अ	२५	२	शु	१०	४३	तै	४	५९	२०	३२	२८	९	२७	४	मेषे	भ.$\frac{५}{२}$$\frac{९}{३}$उ.कुं मेशुक्रः४७।५मार्गीगुरुः२५।३
७	मं	५४	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
८	बु	५४	१४	भ	२१	१४	शु	३७	५२ ४०	वि	२६	४८	२३	३१	२९	१०	२८	५	वृ. ३५।२५	भ. २६।४८या.भीष्माष्टमी
९	गु	४९	३०	कृ	१८	०	ऐं	४८	५४	बा	२१	५२	२७	३१	२९	११	२९	६	बृषे	
१०	शु	४४	४८	रो	१५	२४	वै	४२	४७	तै	१७	९	३०	३०	३०	१२	३०	७	मि ४४।२८	कुम्भेऽर्कः२२।३२
११	श	४२	५३	मृ	१३	३२	वि	३७	३०	व	१३	५०	३४	२९	३१	१३	१	८	मिथुने	भ. १३।५० उ.४२।५३या.जया११ब्र.
१२	र	४१	११	आ	१२	५३	प्री	३३	२	ब	११	३९	३८	२८	३२	१४	२	९	क. ५८।१२	पूभायां बुधः ९।३३ भीष्म १२
१३	चं	४०	२९	पु	१३	१९	आ	२९	३५	की	१०	५०	४२	२८	३२	१५	३	१०	कर्के	शते शुक्रः ६।२ प्रदोष
१४	मं	४१	२६	पु	१४	५९	सौ	२६	५५	ग	१०	५८	४६	२७	३३	१६	४	११	कर्के	भ. ४१।२६ उ.
१५	बु	४३	३४	श्ले	१७	५४	शो	२५	२३	वि	१२	३०	५०	२६	३४	१७	५	१२	सिं. १७।५४	भ. १२।३० या. माघस्नान पूर्तिः

४४पं.मा.शु.५चं.इ. २०।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	१	९	६	८	९
२५	५	१२	२३	२८	१६	२९	२५
५४	५२	४४	१२	१२	८	२९	५५
३९	३७	४२	२९	४७	१०	३२	२०
६०	३३	९०	११०	७४	१	३	६०
५५	१०	४०	बृ	३८	५	११	४७

गोचरग्रहाः

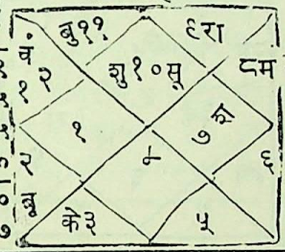

माघ शुक्ला १०
दमशुक्रे कुंभेऽर्कः प्र.वा.
३न. ४ प्रौढावस्था
(बैठी) मुहूर्ताः ३०
(धान्य भाव सम) ३के
शुक्रास्तः पूर्वेवत्सः

गोचरग्रहाः

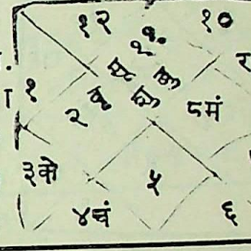

४५ पं.मा.शु.१३चं.इ.२१।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	१	१०	६	२	१०
३	९	२१	२३	६	१६	२९	३
०	४६	०	१४	५८	१२	७	०
४२	३७	४३	३८	४४	०	१७	५
६०	३२	५०	६	७४	०	३	६०
४२	१४	५४	मा	३२	१९	११	३७

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं२०१०शाकः१८७५ दि. उ. अ. इं. हि. मु. चन्द्र शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा

१	गु	४६	५४	म	२२	१४	अ	२४	४४	बा	१५	१४	२७	६	५	१८	६	१३	सिंहे	शतेरविः५७।५२वक्रीशनिः३१।७
२	शु	५१	१०	म	२७	९	सु	२५	३	तै	१९	२	५८	२४	३६	१९	७	१४	कं.४३।३६	वक्रीबुधः १७।५६मृगे १गुरुः३६।४७
३	श	५६	१	पू	३२	५९	धृ	२५	५६	व	२३	३५	२८	२४	३६	२०	८	१५	कन्या	भ. २३।३५ उ. ५६।१ या.
४	र	६०	०	उ	३९	२४	शू	२७	१	ब	२८	३७	६	२३	३७	२१	९	१६	कन्या	पश्चिमोदयी शुक्रः ३५।२४ चतुर्थीब्र.
४	चं	१	१३	ह	४५	३४	गं	२८	२७	बा	१	१३	१०	२२	३८	२२	१०	१७	तु.१२।२९	पश्चिमास्तंबुधः०।५७ प.उ शु.
५	मं	६	२९	चि	५१	५९	बृ	२९	२५	तै	६	२९	१४	२१	३९	२३	११	१८	तुलायाँ	
६	बु	११	५	स्वा	५७	३०	ध्रु	३०	१६	व	११	५	१८	२०	४०	२४	१२	१९	बृ. ४१।९	भ. ११।५ उ. ४३।८ या
७	गु	१५	१२	वि	६०	०	व्या	३०	२९	ब	१५	१२	२२	२०	४०	२५	१३	२०	बृश्चिके	पूभायां शुक्रः ४७।४
८	शु	१८	१	अ	२	०	ह	२९	३८	की	१८	१	२६	१९	४१	२६	१४	२१	बृश्चिके	वक्रीशते बुधः ७।३५।सीताष्टमी
९	श	१९	४९	ज्ये	५	२४	व	२७	४६	ग	१९	४९	३०	१८	४२	२७	१५	२२	ध. ५।२४	भ. ५०।२ उ.
१०	र	२०	१३	मू	७	३३	सि	२५	९	वि	२०	१३	३४	१७	४३	२८	१६	२३	धनुषि	भ. २०।१३ या. ज्येष्ठायांभौमः५।२९
११	चं	१९	२१	पू	८	३३	व्य	२१	२७	बा	१९	२१	३८	१६	४४	१	१७	२४	म. २३।२९	मार्चे मा. ३ ता० ३१ विजया११ब्र.
१२	मं	१७	३७	उ	८	१६	व	१६	४४	तै	१७	३७	४२	१६	४४	२	१८	२५	मकरे	प्रदोषः [* पितृकार्येऽमा
१३	बु	१३	५७	श्र	६	४९	प	११	९	व	१३	५७	४६	१५	४५	३	१९	२६	कुं .३५।३७	भ.$\frac{५}{२}$$\frac{३}{७}$उ.$\frac{४}{५}$$\frac{१}{५}$या.महाशिवरात्रिब्र.स्मा.
१४	गु	९	५३	ध	४	२६	शि	५ ४६	५ ४१	श	९	५३	५०	१४	४६	४	२०	२७	कुम्भे	पूभायांरविः$\frac{१}{४}$$\frac{२}{१}$महाशिवरात्री ब्र.वै.*
२०	शु	४	५३	श	२ ९	५ २४	सा	५१	०	ना	४	५३	५४	१३	४७	५	२१	२८	मी.४३।४७	मीनेशुक्रः४६।५८ देवकार्येऽमा

४६पं.फा.कृ.५चं.इ.२१।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	१	१०	६	८	१०
१०	१३	२२	२३	१५	१६	२८	१०
५	३४	२८	२६	४४	१०	४५	३
१४	१९	४८	३५	२८	५५	२	३५
६०	३१	३९	२	७४	२३	२	६९
४१	७	बृ	२४	३२	ब्र	११	२५

गोचरग्रहाः

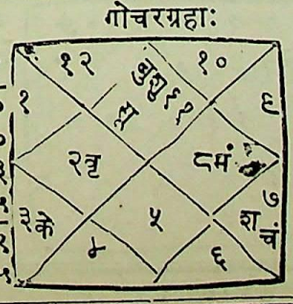

गोचरग्रहाः ४७पं.फा.कृ.११चं.इ.२१।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	१	१०	६	८	१०
१७	१७	१७	२३	२४	१६	२८	१७
८	१८	९	४७	२८	४	२२	५
३	७	०	५६	४८	४४	४७	४८
६०	३०	६८ ५०	३	७४	१ १६	३	६०
२०	१	बृ	४७	३२	ब्र	११	१२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त.फाल्गुन शुक्लपक्ष सं.२०७०शाकः १८७५ दि.उ.अ इ.हि.मु. चंद्रः शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६९१०स.५४

१	शु	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
२	श	५३	४६	उ	५३	५६	शु	४३	२६	बा	२६	३९	२८ ५९	६ १२	५ ४८	६	२२	२९	मीने	चन्दद.फुलरिया२पातस्पर्शः२०।४५*
३	र	४७	५७	रे	४९	४८	शु	३६	३०	तै	२०	५१	२९ ३	१२	४८	७	२३	१	मे. ४९।४८	रज्जव ७ [*पातमोक्षः३०।४८
४	चं	४२	१३	अ	४५	४८	त्र	२७	५८	व	१५	५	६	११	४९	८	२४	२	मेषे	भ.१५।५उ.४२।१३या.उभायांशुक्रः×
५	मं	३६	२१	भ	४२	२	ऐं	२०	२५	ब	९	१७	१०	१०	५०	९	२५	३	वृ. ५६।११	[×२८।११पूर्वोदयीबुधः२।३१
६	बु	३१	१५	कृ	३८	३७	वै	१२	५९	को	२	४८	१४	९	५१	१०	२६	४	वृषे	
७	गु	२६	२९	रा	३५	५६	वि	६	५३ ४१	व	२६	२९	१७	८	५२	११	२७	५	वृषे	भ.२६।२९उ.५४।३६या. होईष्ट
८	शु	२२	४४	मृ	३३	२०	आ	५४	१५	ब	२२	४४	२३	७	५३	१२	२८	६	मि.४।३८	होलाष्टकं
९	श	१९	५१	आ	३२	५०	सो	४९	३७	को	१९	५१	२७	७	५३	१३	२९	७	मिथुने	मार्गीबुधः २३।३१
१०	र	१८	४	पु	३३	६	शो	४५	५३	ग	१८	४	३२	६	५४	१४	३०	८	क.१८।२	भ. ४७।४६ उ. मीनेऽर्कः१२।५९
११	चं	१७	२८	पु	३४	३०	अ	४३	५	वि	१७	२८	३६	५	५५	१५	१	९	कर्के	भ. १७।२८ या. आमला ११ व्र.
१२	मं	१८	२१	श्ले	३७	१८	सु	४१	१२	बा	१८	२१	४०	४	५६	१६	२	१०	सिं ३७।१८	प्रदोषः
१३	बु	२०	२३	म	४१	१	धृ	४०	४०	तै	२०	२३	४४	३	५७	१७	३	११	सिंहे	उभायां रविः ३३।३७
१४	गु	२३	४३	पू	४५	५४	शू	४०	२३	व	२३	४३	४९	२	५८	१८	४	१२	सिंहे	भ. २३।४३ उ.५५।५१या.होलिका द.
१५	शु	२८	०	उ	५१	४३	गं	४१	१२	ब	२९	०	५३	१	५९	१९	५	१३	क. २।२१	रेवत्यां शुक्रः ११।५७ छारेंडी

४८पं.फा.शु.४चं.इ.२१।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	१	११	६	२	१०
२४	२०	१०	२४	३	१५	२८	२४
९	५५	३८	१८	१२	५३	०	६
२५	३७	३७	११	१८	३१	३१	३२
६०	२८	३० ३८	५	७४	५० ५१	३	५९
५	५०	बु	५८	२६	ब	११	५८

गोचरग्रहाः

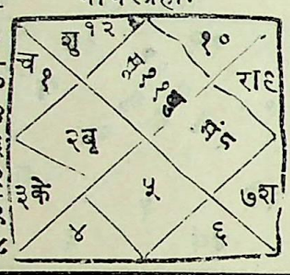

फाल्गुन शुक्ला १०
रवौ:मीनेऽर्कं प्र.वा.
३ नं.३ प्रौढावस्था
(बैठी)मु.४५धान्य
भाव मंदा शुकोदयं:
पश्चिमे वत्सश्च राहु-
र्दक्षिणे मूलंभूमौ ।

गोचरग्रहाः

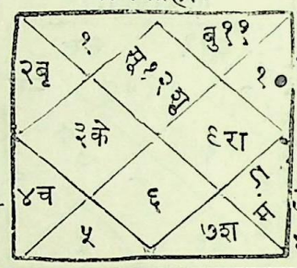

४९पं.फा.शु.११चं.इ२२।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	१	११	६	८	११
१	२४	८	२४	११	१५	२७	१
९	२५	४१	५७	५३	३७	३८	५
७	१	४९	१	१	४८	१६	४४
५९	२७	१२ ५५	६	७४	३०	३	५९
४९	१८	मा	८	२६	ब	११	४१

ति.चैत्र कृष्णपक्षः सं.२०१० शाकः १८७५ दि.उ.अ.इ हि मु. चंद्रः बसंतर्तू रविर्दक्षिणे फाल्गुन कृ.महाराष्ट्राः

१	श	३२	४६	ह	५७	५८	बृ	४२	२५	बा	०	२४	२९ ५७	६ १	५ ५९	२०	६	१४	कन्या	बसंत १
२	र	३८	१	चि	६०	०	शु	४३	४०	तै	५	२५	३० १	६ ०	० ०	२१	७	१५	तु. ३१।११	कलम दवात पूजा
३	चं	४३	१	चि	४	२४	ज्या	४५	०	व	१०	३१	६	५ ५९	१ ६	२२	८	१६	तुलायां	भ. १०।३१ उ. ४३।१ या.
४	मं	४७	४६	स्वा	१०	४२	ह	४५	५४	ब	१५	२३	१०	५८	२	२३	९	१७	तुलायां	चतुर्थी व्रतम्
५	बु	५१	४१	वि	१६	२७	व	४६	२९	को	१९	४३	१४	५७	३	२४	१०	१८	वृ. ०।१	
६	गु	५४	२३	अ	२१	७	सि	४६	२	ग	२३	२	१८	५६	४	२५	११	१९	बृश्चिके	भ. ५४।२३ उ.
७	शु	५६	०	ज्ये	२४	४६	व्य	४४	२९	वि	२५	११	२२	५६	४	२६	१२	२०	ध. २४।४६	भ.२५।११या. धनु ष भौमः ५६।२७
८	श	५६	१५	मू	२७	०	व	४२	१२	बा	२६	७	२६	५५	५	२७	१३	२१	धनुषि	[×केतुः४२।४३
९	र	५५	१८	पू	२८	२६	प	३८	४७	तै	२५	४६	३०	५४	६	२८	१४	२२	म. ४३।२६	[* ५७।३९ मृगे २गुरुः४२।१२
१०	चं	५३	१	उ	२८	२५	शि	३४	२६	व	२४	९	३४	५३	७	२९	१५	२३	मकरे	भ. २४।९ उ.५३।१ या. मेषे शुक्र*
११	मं	४९	४४	श्र	२७	१४	सि	२९	१७	ब	२१	२२	३८	५२	८	३०	१६	२४	कु.५६।११	पापमोचनी११व्र.स्मा.वै. [+ ३४ ३७ प्रदोषः
१२	बु	४५	३६	ध	२५	८	सा	२३	२४	को	१७	४०	४३	५१	९	३१	१७	२५	कुम्भे	रेवत्यांरविः१।५पापमोचनी११व्र.नि.
१३	गु	४०	३०	श	२२	११	शु	१६	५०	ग	१३	३	४७	५१	९	१	१८	२६	कुम्भे	भ. ४० उ.अप्रेलमा.४ता.३०पूषायांबुधः+
१४	शु	३५	३	पु	१८	४४	शु	९	४९	वि	७	४६	५२	५०	१०	२	१९	२७	मी४।३५	भ.७।४६या.पूषायां४राहुःपुनर्वसौ२×
३०	श	२९	५	उ	१४	५३	त्र	५७ १ ४१	५ ३	च	२	४	५६	४९	११	३	२०	२८	मीने	अहर्गणः ५९३८ च. ३ के

५०पं.चै.कृ.३चं.इ.२२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	१	११	५	८	११
८	२७	११	२५	२०	१५	२७	८
७	४९	२०	४३	३९	१७	१९	३
१	३४	३१	३७	३६	५३	१	२०
५७	२५	५८	७	७४	३ ३	३	५९
३५	२९	३१	१	२९	ब	११	२९

गोचरग्रहाः

चैत्र बदी में बादल
वर्षा होकर सुदी
में न हो तो श्रेष्ठ
इससे विपरीत
अशुभ फल कारक
है ।

गोचरग्रहाः

५१पं.चै.कृ.१०चं.इ.२३।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१	११	६	८	११
१५	०	१७	२६	२९	१४	२६	१४
३	५७	१२	३७	१७	५३	५३	५९
४	०	७	२३	२	५३	४६	१५
५०	२३	५५	८	७४	४ ६	३	५९
१८	२०	२८	११	२०	ब	११	१६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५५ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२०० तन्मध्येगतकलिः ५०५५ शेष भोग्यकलिः ४२६९४५ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०११ शाकः १८७६ अथाऽस्मिन्वर्षेराजासूर्यः १ । मंत्री भौमः २ । सस्येशश्शुक्रः३ । धान्येशोबुधः ४ मेघेशश्चंद्र५ । रसेशोरविः६ । नीरसेशःशुक्रः७ । फलेशश्चंद्रः धनेशश्शुक्रः ९ । दुर्गेशो भौमः१० । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १ प्लवङ्गनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः२।२९।५७।३६भोग्यमासादिः९।०।२।२४सोम दैवतं युगम् वर्षनाममार्गशीर्षः । मेघ३नाम पुष्करः । रोहिणीनिवासः समुद्रे । समय निवासोः मालाकारगृहे । समय विश्वा १८ । समय वाहनमश्वः । स्तम्भाश्चत्वारः ४ जल तृणवाय्वन्ननां सोमवत्यमां नास्ति । सोमवती पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी नास्ति । बुधाष्टमी नास्ति । भानुसप्तमी २ । रविदशमी १ । समय मुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १४ । तिथि वृद्धिः ९ । उत्पत्ति विश्वा ९९ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा ५ । धान्यम् १३. तृणम् ११. शीतम् ५. तेज ५ वायुः १३ । शनि दृष्टिपश्चिमे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ७ । ऐक्यं ८ . सत्यम् ॥. धर्म १ ॥. पाप १८ । ग्रहणे द्वे सूर्याचन्द्रमसोः

भैरव–भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तूं जगकी प्रतिपाल ।
संवत् ग्यारह का कहो शुभाशुभ हाल ॥

भवानी उत्तर

माता कहे पुकार के सुन भैरव दे ध्यान ।
धान्य घणेरा नीपजे बढै मान सम्मान ॥
शनिचार गुरुचार अरु नृप मंत्रीं का योग ।
जनता में पीड़ा बढ़े चौपायों में रोग ॥
श्रावण भादव मास में चढ़े घटा घनघोर ।
सुन्दर देख तलांइयाँ बोले दादुर मोर ॥
बसी रोहिणी जलधि में स्तंभ लगे हैं चार ।
अन्न जल की कमती नहीं संवत् मालाकार ॥
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जाने वही जो हैं जगकरतःर ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२

वर्षेश लग्नम् ५।१०

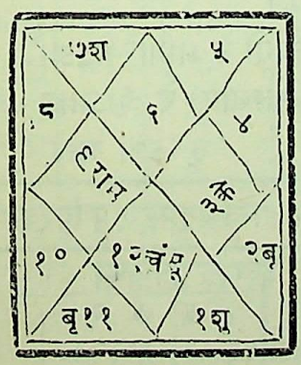

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्ष लग्नम् ६।२१

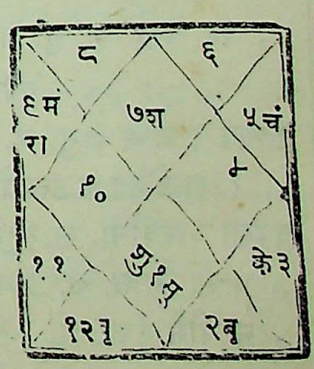

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४२।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३।४६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथास्मिन् वर्षे राजा सूर्येस्तत्फलम्-सूर्येनृपे स्वल्प जलाश्चमेघाः स्वमल्पंपयो गोषु जनेषु पीडा ॥ स्वल्पं सुधान्यं फलनल्प वृक्षाश्चौराग्निबाधानिधनं नृपाणां ॥ मन्त्रीभौमस्तत्फलम्—अवनिजो ननु मन्त्री-पदङ्गतो भवति दस्युगदाविजवेदना जनपदेषु जयंसुखसंञ्चयं न बहुगोषु पयो द्विजकर्म च ॥ सस्येशश्शुक्रस्त-त्फलम्—शुक्रोयदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूमसालेक्षुधनप्रियंगु वृक्षेषुपुष्पाणि सुखप्रदानि ॥ धान्येशोबुधस्तत्फलम्-बुधे धान्याधिपे मेघा जलमुंचति वैभृशम् । सन्धवे लाटदेशे च भाधवो-ऽल्पं च वर्षति ॥ मेघेशश्चन्द्रस्तत्फलम्—शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजवरादिषु दुग्धरसतदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती ननुभामिनी ॥ रसेशो रविस्तत्फलम्-रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरस भोगरतालपपयोधराः । वसनतैलघृतप्रियमानवाः सुखरसञ्च भुनक्ति महीपतिः ॥ नीरसेशश्शुक्रस्तत्फलम्-कर्पूरागरुगन्धानां हेममौक्तिक वाससाम् ॥ अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदा फलेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-यदिविधुः फलपो द्रुमराशयः फलयुता व्रतिभिः कुसुमैर्युता ॥ द्विजमुखा वरभोग समन्विता नृपतयो नयानाटन तत्परा ॥ घनेशशुक्रस्तत्फलम्—द्रविताषो भृगुजो द्रविणेयुता समंधनाः सकला भुविमानवाः ॥ समसुखा क्रय-विक्रयजीविनो नृपतयो जनपालनतत्पराः ॥ दुर्गेशोभौमस्तत्फलम्-अवनिजे गढनायकतां गते विविधदुःख वियोग समधनाः जनपदेषु जनाः क्रय विक्रये भय विशेषतया न फलम् क्वचित् ॥ वर्षनाममाशीर्षस्तत्फलम्-कार्पासादि महर्घं स्यारद्धोधूमाश्च तिलादिकम् । मेघोवर्णतिदेवोवा मागशीर्षे विशेषतः प्लवङ्ग नाम संवत्सरस्तत्फलम्-प्लवं गोब्दे मध्ये वृद्धि रोग चौरा कुला धरा ॥ अन्योन्य समरे भूवाः शस्तुभिर्हतभूभयः मेघनामपुष्करस्तत्फलम्-पुष्करे मन्दवृष्टिश्च । रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् समुद्रे तु महावृष्टिः । समय निवासोमालाकारगृहेफलम्—मालिनः प्रचुरवृष्टिः । एवसचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयंशुभाऽशुभम् ॥

सं० २०११ शाके १८७६ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्ण ३ बुधे अनु. ल. गो. रे. ७।ऽ शु ॥ऽ॥
,, १२ शुक्रे रे. व.ल १०-११ रे, ६।॥॥॥ऽ॥ कृष्णा नंग धतुर्दिनं
शुक्ला २भौमेरोहि.ल १०।११।१२ रे७।ऽशु॥ऽवहिनऽ॥॥
,, ३ बुधे मृगे ल. १०।११-१२रे. ६॥ऽवृ॥॥॥॥
,, ८ चंद्रे मघा.ल.गो.११रे. ६ऽवृ॥॥ऽ.रो.ऽ ऽ। च. पू
,, ११ गुरौ हस्ते ल. १०-१२ रे. ८॥॥ ऽ अग्निऽ॥
मी. च. पू.
,, १५ चन्द्रे अ. नु. ल. १२रे७॥ ऽसू.।ऽऽ१५ दंडः॥

ज्येष्ठ मास

कृष्णा १ भौमे अनु. ल.११-१०रे.८॥॥।ऽसू.।ऽ१५दंडः॥
,, ११शुक्रे रेव ल.ऽन्यगो.११रे.७॥।।ऽनृऽऽ२४कुल. ।
शुक्ला ६ रवौघा. ल.११रे७॥॥॥ऽनृऽऽ७भूकम्पा॥चं.पू.
,, ७चंद्रे मघा. ल. ऽन्यगो.रे.७॥॥ ऽनृऽऽ७भूकंपा॥
,, ८ भौमे उफा. ल. ११ रे. ८॥॥॥चौ.।ऽ॥चं. पू.
,, ९बुधे उफा. ल. गो. रे. ८॥॥॥ऽचो.।ऽ।
,, ९गुरौ हस्ते ल. १२ रे. ८॥॥॥ऽ॥ चं. पू.

—मार्गशीर्ष मासः— (गुरोर्वक्रत्वदोषः)

शुक्ला२शनौमूले. ल.६-७रे. ८॥॥।ऽअ.ऽ॥तुलासोग्रांग
,, ९ शनौ ल. गो. ६ रे. ८ऽमं॥॥॥॥॥ऽ कन्या
चन्द्र. पू. दग्धादोषः
,, १४गुरौ गुरौ रोहि.ल.६रे.७॥॥ऽबु।ऽऽ१४निर्घात॥॥

—पौष मासः— (गुरोर्वक्रत्वदोषः)

शुक्ला १ शुक्रे मृगे. ल गो. ६ रे. ६।ऽ॥सूऽचौऽ१५ दंड।आवश्यके
,, ५ भौमे मघा. ल.८रे. ७।ऽ॥ऽऽ ॥शनिपूज्य
,, ६ बुधे मघा ल.ऽन्यगो.रे.७।ऽ॥ऽअग्निऽ॥

माघ मास

कृष्णा ८ रवौ स्वात्यां ल. ऽन्यगो.रे.७॥॥॥२अऽऽ॥
,, १० भौमे अनु. ल. ७ (सोग्नाग्र) रे. ६।ऽ॥ऽ नृ. ऽऽ॥ आव.

आषाढशु १५ांगुराखंडग्रासंग्रस्तास्तंचंद्रग्रहणम् विश्वा८।६

		स्प.	म	मो.	प		
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	४	५	७	२		
	पल	३६	५०	१	२२		
रेल्वे टाइम मध्यान्हे	घं.	५७	६०	६३	५		
	मि.	१२	१०	७	५५		

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं०२०११ शाकः १८७६ |दि.| उ.|अ.| इ.|रा.|मु.| चंद्रः |वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६६३६सन्१९५४

१	र	२३	१५	रे	११	०	वै	४७	७	ब	२३	१५	३ ५ ५ ६	४	२१	२६	मि.	११	०	च.द.कल्पादिः नवरात्रा संवत्सरारम्भः
२	चं	१७	१७	अ	६	४७	वि	३६	४६	कौ	१७	१७	३ ० ४ ७	१ ३	५	२२	१	मेषे		सावान ऽमत्स्य जयन्ती
३	मं	११	३३	भ	४ ३	५ ६ ३ ५	भी	३२	१	ग	११	३३	८	४६	१४	६	२३	२	वृ.	१६	५८	कृति. ५ ३ भ. ५ १ उ. गणगौरी पूजा
४	बु	६	६	रो	५५	४८	आ	२४	५३	वि	६	६	१२	४६	१४	७	२४	३		बृषे		भ. ६।६ या.
५	गु	१	२५	मृ	५४	१६	सो	१८	२८	वा	१	२५	१६	४५	१५	८	२५	४	मि	२५	१२	कल्पादिः
६	गु	५६	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०		*भरण्यां भृगुः ४६।३६
७	शु	५४	४७	आ	५३	०	शो	१२	५०	ग	२६	१४	२०	४४	१६	६	२६	५		मिथुने		भ. ५४।४७ उ. मीने बुधः ३५।३५*
८	श	५३	५५	पु	५२	५८	अ	७	५६	वि	२२	५१	२४	४३	१७	१०	२७	६	क.	३८	१६	भ. २३।५१ या.
९	र	५२	१२	पु	५४	४	सु	४	५	वा	१२	३३	२८	४२	१८	११	२८	७		कर्के		उभायां बुधः १६।३१ रामनवमी
१०	चं	५३	०	श्ले	५६	२४	धृ	१४ ५ ४ ६	७	तै	२२	३६	३२	४२	१८	१२	२६	८	सि	५६	२४	शूलयोगक्षयः ५७।४६
११	मं	५४	५७	म	५६	४४	गं	५७	२५	व	२३	५८	३६	४१	१६	१३	३०	९		सिंहे		भ. २३।५८उ. ५४।५७या. कामदा११+
१२	बु	५८	१३	पू	६०	०	बृ	५८	८	ब	२६	३५	३६	४०	२०	१४	१	१०		सिंहे		कामदा११ब्र.निबार्का.हरिदमनोत्सवः
१३	गु	६	०	पू	४	३७	शु	५८	४८	कौ	३०	१८	४२	४०	२०	१५	२	११		कं	२१	३	प्रदोषः
१३	शु	२	२०	उ	१०	२२	व्या	५६	५६	तै	२	२०	४६	३६	२१	१६	३	१२		कन्यायां		+ब्र.वै.स्मार्ता लक्ष्मीकां.
१४	श	७	२	ह	१६	३७	ह	६०	०	व	७	३	५०	३८	२२	१७	४	१३		तु.	४६	१५२	भ ७।२ उ. ३६।३५ या.
१५	र	१२	७	चि	२३	७	ह	१	१८	ब	१२	७	५४	३७	२३	१८	५	१४		तुलायां		सव्वरात मन्वादिः हनुमज्जयन्ती

५२पं.चै,शु.२च.इ.२३ २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१	०	६	८	११
२१	३२	२७	७	१४	२६	२१	
५७	५१	१३	३८	५७	२७	३१	५३
१७	४०	५५	२८	१४	११	३१	३१
५९	२०	६८	९	७४	४ ३	३	५९
४	५५	३	२	१४	ब	११	४

गोचरग्रहाः

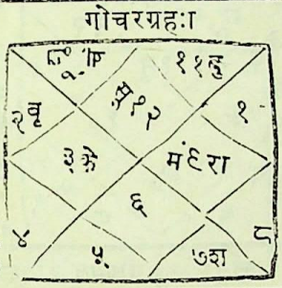

चैत्र शुक्ला ११ भौमे मेषेऽर्कः प्र. वा.३न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शु.प.

गोचरग्रहाः

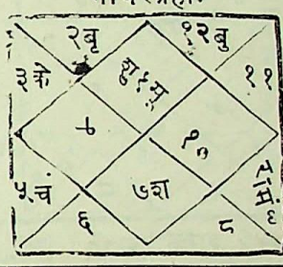

१पं.चै.शु.११मं.इ.३ १

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१	०	६	८	०
०	७	७	२८	१८	१३	२६	०
३	१०	०	५५	६	५३	५	०
१९	३१	५८	५२	५९	३	२५	०
५८	१७	९३	९	७४	२ ४	३	५८
४५	४३	२	५४	५	ब	११	४३

ति.| वैशाख कृष्णपक्षः सं.२०११ शाकः १८७६ |दि.|उ.|अ|इं.|रा.|मु.| चंद्रः |बसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.

१	चं	१७	७	स्वा	२६	२६	ब	२	४५	कौ	१७	७	३ ५ ३ ६ ३ ३	५ ६ २ ४	१६	६	१५		तुलायां		रेव.बुधः४०।१५मृगे३मि.गुरुः२६।५६
२	मं	२१	३६	वि	३५	१४	सिं	३	५५	ग	२१	३६	३ २	३६	२४	२०	७	१६	वृ.	१८	१७	भ. ५३।३६ उ. कृति. भृगुः ३६।५५
३	बु	२५	३३	अ	४०	१३	व्य	४	३०	वि	२५	३३	५	३५	२५	२१	८	१७		वृश्चिके		भ. २५।५३या.वक्रीस्वा.२चर्णेशनि.५ ६
४	गु	२८	१७	ज्ये	४४	१२	व	४	२३	वा	२८	१७	०	३४	२६	२२	९	१८	ध.	४४	१२	
५	शु	३०	३	मू	४६	५६	प	३	१४	तै	३०	३	१३	३३	२७	२३	१०	१९		धनुषि		वृषे भृगुः १९।०
६	श	३०	०	पू	४८	२५	शि	१	५७ ४	व	३०	०	१७	३३	२७	२४	११	२०		धनुषि		५७।४भ.३०।०उ.५९।५८या.
७	र	२८	५६	उ	४८	४५	सा	५४	५	ब	२८	५६	२१	३२	२८	२५	१२	२१	म.	३	३०	*१७।१अश्वि.मेषेबुधः२।३७अग.२२।५
८	चं	२६	३७	श्र	४७	५१	शु	४९	९	कौ	२६	३७	२५	३१	२९	२६	१३	२२		मकरे		
९	मं	२३	२६	ध	४३	५२	शु	४३	२६	ग	२३	२६	२९	३०	३०	२७	१४	२३	कु.	१५	५२	भ.५०।५८उ.पू,बुधः८।३८भरण्यांरविः*
१०	बु	१८	३१	श	४३	१४	न	३७	८	वि	१८	३१	३२	३०	३०	२८	१५	२४		कुम्भे		भ. १८।३१ या.
११	गु	१३	५७	पू	३९	५०	ऐं	३०	१४	वा	१३	५७	३५	२९	३१	२९	१६	२५	मी	२८	२४	वरूथिनी ११ ब्र. सर्वेषाम
१२	शु	८	२०	उ	३६	६	वै	२२	५७	तै	८	२०	३८	२८	३२	३०	१७	२६		मीने		प्रदोषः
१३	श	२	२८	रे	३१	५५	वि	१५	२१	व	२	२८	४२	२८	३२	१	१८	२७	मे.	३१	५५	भ.२ ३८ उ.२ ९ ८ या.मई ५ता.३१रोहिण्यां×
१४	श	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०		× भृगुः ३१।५१
३०	र	५०	२८	अ	२७	५६	भी	७	४१	च	२३	२८	४६	२७	३३	२	१९	२८		मेषे		अमावस्या

२पं.वै.कृ.२मं.इ. ३ १ ९ ९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	२	०	६	८	०
६	९	१८	०	२६	१३	२५	६
५३	३५	२४	१०	४२	२२	४३	५०
३०	५	२७	३१	८	४	१०	३८
५८	१४	७ ९	१०	७४	३ ४	३	५८
२९	४५	६ ६	३८	२	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

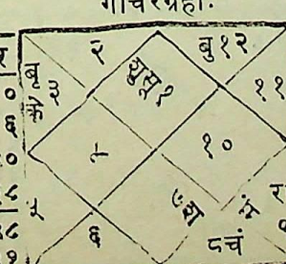

इस मास में ५ सोमवार हैं प्रजा में सुख शांति और प्रसन्नता रहे धान्य, कपड़ा पाट कुष्ठा में मन्दी।

गोचरग्रहाः

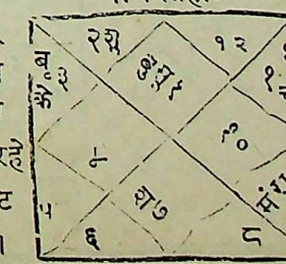

३ पं. वै.कृ.९मं.इ.३ ९ ३ ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	२	१	६	८	०
१३	१५	१	१	३	१२	२५	१३
४१	३५	१२	२५	५९	५०	२०	३९
५०	५४	५६	५७	७	१६	५४	४१
५८	१०	९ ९	११	७३	३ ४	३	५८
१२	५१	२ ०	१४	५३	ब	११	१९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं.२०११शाकः १८७६ | दि. | उ.अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | वसंतर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः २८ स१९५४

१	चं	४४	२३	भ	२३	५८	आ	१४	५३	कि	१७	२६	३२	५	२६	३४	२	२०	२९	वृ. ३८।४
२	मं	३९	११	कृ	२०	२३	शो	४७	५३	ना	११	४७	५४	२५	३५	४	२१	३०		वृषे
३	बु	३४	२४	रो	१७	११	अ	३१	१९	तै	६	४८	५७	२५	३५	५	२२	१		मि४६।३
४	गु	३०	२४	मृ	१४	५५	सु	३३	३४	च	२	२४	३३	२४	३६	६	२३	२		मिथुने
५	शु	२७	२१	आ	१४	२७	धृ	२८	३६	ना	२७	२१	३	२३	३७	७	२४	३		क.५९।१२
६	श	२५	२२	पु	१४	७	शू	२४	३३	तै	२५	२२	६	२३	३७	८	२५	४		कर्के
७	र	२४	५२	पु	१५	३७	गं	२१	२६	च	२४	५२	९	२२	३८	९	२६	५		कर्के
८	चं	२५	१४	श्ले	१६	५७	बृ	१९	१६	ब	२५	१४	१२	२२	३८	१०	२७	६		सिं १६।५७
९	मं	२७	३	म	१९	११	ध्रु	१८	८	की	२७	३	१५	२१	३९	११	२८	७		सिंहे
१०	बु	३०	७	पू	२३	४८	व्या	१७	५५	ग	३०	७	१८	२०	४०	१२	२९	८		कं.४०।८
११	गु	३४	१२	उ	२९	६	ह	१८	३०	व	२	१०	२१	२०	४०	१३	३०	९		कन्यायां
१२	शु	३९	०	ह	३५	१४	ब	१९	४१	ब	६	३६	२४	१९	४१	१४	३१	१०		कन्यायां
१३	श	४३	४९	चि	४१	३६	स्वि	२१	५	की	११	२५	२७	१९	४१	१५	१	११		तु.८।२५
१४	र	४८	४२	स्वा	४८	४	व्य	२२	४५	ग	१६	१६	३०	१८	४२	१६	२	१२		तुलायां
१५	चं	५३	१५	वि	५३	५९	व	२३	५४	वि	२०	५९	३३	१७	४३	१७	३	१३		बृ.३८।२९

भरण्यां बुधः ४१।३७
चन्द्रदर्शनम्
पूषा.भौमः ३ ५२ रमजानद. रोजा प.ज.*
भ.२।२४उ.३०।२४या. *अक्षयाद
मृगे ४ गुरुः ४२।३५
पातः स्पर्श ४७।३२
भ.२४।५२उ.५५।३या.कृतिकायांबुधः+
+४९।१२ पातमोक्षः १।१७
कृति. रविः ४।५६ बृषे बुधः २३।२७
मृगे भृगुः २८।२३
भ.२।१०उ. ३४।१२या. मोहिनी११ब्र.
वृषेऽर्कः ३२।४३
रोहिण्यां बुधः ५६।२९ प्रदोषः
भ.४ ५२उ.वक्री भौम.५ ६नृसिंह जयंती
भ.५ ०या.मि.भृगु ५ ७ कूर्मज.जलघटीदानं

४ पं.वै.शु.२ मं.इ.३ ६ ४ ८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	२	५	६	८	०
२०	१३	१५	२	१३	१२	२४	२०
२८	१६	२२	४३	५१	१८	५८	२७
३२	४७	१५	५४	१८	३०	३९	२१
५७	७	२९	११	७३	३ ४७	३	५८
५७	३०	३ ५१	५०	ब	११	६	

गोचरग्रहाः

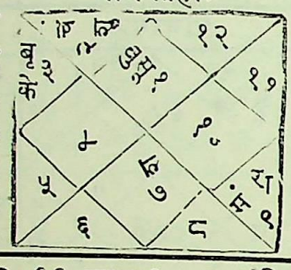

वैशाख शु. १२
वृषेऽर्कः प्र.वा.
४ न. ४ कुमारावस्था (बैठी)
मु.३०(धान्यभाव सम) शुक्रोदयं

गोचरग्रहाः

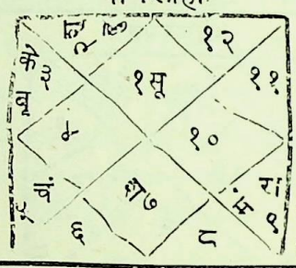

५ पं.वै.शु.९ मं.इ. ४ ०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	१	२	१	६	८	०
२७	१४	०	४	२२	११	२४	२७
१३	२४	३५	१०	२०	४७	३६	१३
४६	१०	८	१२	३७	४९	२४	३२
५७	३	७	१२	७३	१ ४	३	५७
४५	१६	१ ०	१७	३८	ब	१६	५ ४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं.२०११ शाकः १८७६	दि.	उ.अ.	इं.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तौ रविरुत्तरे वैशाख कृ.महाराष्ट्राः

१	मं	५७	४	अ	५९	२	प	२४	४१	बा	२५	१०	३३ ३६	५ १७	६ ४३	१८	४	१४	वृश्चिके
२	बु	५९	४८	ज्ये	६०	०	शि	२४	४७	व	२८	२६	३८	१६	४४	१९	५	१५	वृश्चिके
३	गु	६०	०	ज्ये	३	१८	सि	२३	५९	तै	३०	३२	४०	१६	४४	२०	६	१६	ध.३।१८
४	शु	१	१५	मू	६	२४	सा	२२	११	वि	१	१५	४२	१६	४४	२१	७	१७	धनुषि
५	श	१	३०	पू	८	७	शु	१९	२५	बा	१	३०	४४	१५	४५	२२	८	१८	म.२३।१६
६	र	०	२६	उ	८	४३	शु	१५	३७	तै	०	२६	४६	१५	४५	२३	९	१९	मकरे
७	चं	५४	४३	श्र	८	७	व्र	१०	५६	वि	२६	२५	४९	१४	४६	२४	१०	२०	कु.३७।१६
८	मं	५०	२८	ध	६	२४	ऐं	२ ५	३ ३७	बा	२२	३६	५२	१४	४६	२५	११	२१	कुम्भे
९	बु	४५	२५	श	३	४७	वि	५२	२३	तै	१७	५७	५४	१३	४७	२६	१२	२२	मी४६।०
१०	गु	३९	४६	पू	०	५७ ३९	प्री	४५	१६	च	१२	३६	५६	१३	४७	२७	१३	२३	मीने
११	शु	३४	५०	रे	५२	५३	आ	३७	४४	ब	७	१८	५८	१२	४८	२८	१४	२४	मे.५२।५३
१२	श	२७	४५	अ	४९	२८	सौ	३०	२०	तै	२७	४५	३४ ०	१२	४८	२९	१५	२५	मेषे
१३	र	२१	३७	भ	४४	५६	शो	२२	५६	व	२	३७	२	१२	४८	३०	१६	२६	बृ.५९।६
१४	चं	१५	४४	कृ	४१	३७	अ	१५	२७	श	१५	४४	४	११	४९	३१	१७	२७	वृषे
१५	मं	१०	९	रो	३७	५३	सु	८	१७	ना	१०	९	३४ ६	११	४९	१	१८	२८	वृषे

अनु. ल. ११।१२
पश्चिमोदयं बुधः ५६।३९
भ. ३०।३२ उ.
भ. १।१५ या.
मृगे बुधः ३६।१९
भ.५८।६उ. आर्द्रायां.भृगुः ३०।३ आर्द्रायां*
१ गुरुः ३७।७
भ.२६।२५या.रोहिण्याँ रविः५८।५२
वैधृतियोग क्षयः ५३।३७
मिथुने बुधः २०।७
भ. १२।३६ उ. ३९।४६ या.
अपरा ११ ब्र.
प्रदोषः
भ.२१।३७उ. ४८।४१ या. आर्द्रायां+
+बुधः २७।५१
जून मा. ६ ता. ३० वट पूजनम्

६ पं.ज्ये.कृ.१ मं.इ. ४ ० ९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	२	२	६	८	१
३	१५	१५	५	०	११	२४	३
५७	३	२४	३७	५२	१८	१४	५८
२३	४६	२७	१	८	३३	१८	२६
५७	३	९	१२	७३	४	३	५७
४	९		३९	२४	ब	११	४४

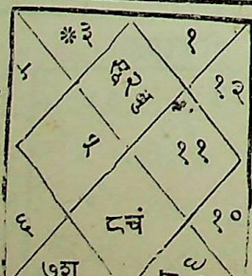

७ पं.ज्ये.कृ.८ मं.इ. ४ ० १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	२	२	६	८	१
१०	१५	२८	७	९	१०	२३	१०
३९	७	४८	६	१८	५२	५१	४२
४०	१४	४४	४७	५५	१५	५३	२०
५७	२५	०	१३	७३	४	३	५७ ६
२३	ब	१४	३	१४	ब	११	३५

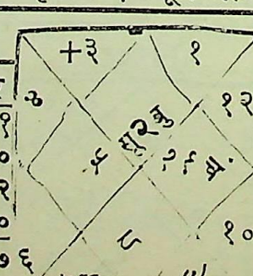

८ पं.ज्ये.कृ.३० मं.इ. ४ ० २ ०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	२	२	६	८	१
१७	१४	९	८	१७	१०	२३	१७
२०	२६	४९	२८	४३	२८	२९	२५
४०	१	१३	३५	३७	१९	३७	५
५७	२४	८४	१३	७२	१ ३	३	५७
१३	ब	२०	१८	५६	ब	११	२७

* बृ.के.शु. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) + के.शु.बृ.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०११ शाकः १८७६ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८स. १६५४

| | | |

त. आषाढ शुक्ल पक्षः सं.२०११ शाकः१८७६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | ग्रीष्मतुर्वरुत्तरेऽहर्गणः८७५४.१६५४

१	गु	२७	१२	पु	५२	४४	ध्रु	१३	३१	ब	२७	१२	३४ ३०	५ ५	५२	१	१७	२६	क. ३७।५७
२	शु	२५	०	पु	५३	०	व्या	६	७	कौ	२५	०	१६	८	५२	२	१८	३०	कर्के
३	श	२३	५६	श्ले	५४	२१	ह	५	४४	ग	२३	५६	१८	८	५२	३	१६	१	सिं.५४।२१
४	र	२४	२१	म	५७	४	व	३	१२	वि	२४	२१	१७	८	५२	४	२०	२	सिंहे
५	चं	२६	३	पू	६०	०	सि	१	४८	बा	२६	३	१६	६	५१	५	२१	३	सिंहे
६	मं	२८	३८	पू	१	०	व्य	१	१२	तै	२८	३८	३४	६	५१	६	२२	४	कं.१६।५८
७	बु	३२	२७	उ	४	५४	व	१	२५	ग	०	३३	१३	६	५१	७	२३	५	कन्यायां
८	गु	३६	५८	ह	१०	२७	प	२	३५	वि	४	४३	१२	१०	५०	८	२४	६	तु.४४। ०
९	शु	४२	४	चि	१८	४	शि	४	१	बा	६	३१	११	१०	५०	९	२५	७	तुलायां
१०	श	४६	४३	स्वा	२४	२६	सि	५	४०	तै	१४	२४	६	१०	५०	१०	२६	८	तुलायां
११	र	५१	१४	वि	३०	३७	सा	६	५	व	१८	५६	७	११	४६	११	२७	९	वृ.१४।५
१२	चं	५५	३	अ	३४	१४	शु	८	५	ब	२३	६	५	११	४६	१२	२८	१०	वृश्चिके
१३	मं	५८	१८	ज्ये	४०	५४	शु	८	३०	कौ	२६	४१	३४	११	४६	१३	२६	११	ध.४०।५४
१४	बु	५६	२६	मू	४४	२७	व	८	११	ग	२८	५२	२	१२	४८	१४	३०	१२	धनुषि
१५	गु	५६	५३	पू	४६	४५	ऐं	६	४८	वि	२६	४०	३४ ०	१२	४८	१५	३१	१३	धनुषि

जुलाई मा. ७ ता. ३१
चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
भ. ५४।८ उ जिल्काद ११
भ. २४।२१ या.
[*आर्द्रायां बुधः३५।१३
मार्गीशनिः ३ ६ पुनर्वसौरविः ४ वक्री-*
भ ३ ७ उ. २८।६ आर्द्रायां ४ गुरुः १६।३६
भ. ४।४३ या.
भड्ली ६
[+ चन्द्रग्रहणम् गन्वादिः
भ. १ ८ उ. ५ १ या. उदयंगुरुः ३ ६ देव=
देवशयनी ११ ब्र. [=शयनी ११ब्र.
प्रदोषः
भ. ५६।२६ उ.
भ.२६।४० या. ८ र्वोदयंबुधः ५ ८ ग्रस्तास्तं+

१२पं.आ.शु.६मं.इ. ४ ०।७

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	२	३	६	८	२
२०	६	१९	१६	२९	९	२१	२०
३४	२४	५७	३१	३	३०	३८	५०
११	१७	२	१	१६	२६	२१	६
५६	७ ९	३६ ७	१३	७०	मा	३	५७
५०	ब	ब	३८	५१	१	११	७

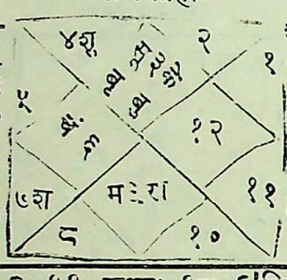

आषाढसुदी९-१५योग
पूनम नौमी साढ
सुदी निर्मल निशा
मयंक । दुर्भिक्ष
निश्चिय जानिये रुले
प्रजा अरु रंक ।।

गोचरग्रहाः

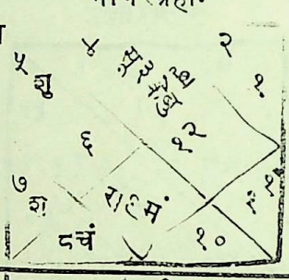

१४पं.आ.शु १३चं.इ३९।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	२	४	६	८	२
२७	५	१६	१८	७	९	२१	२७
१२	१	२९	६	१०	२३	१६	३०
१७	५९	३२	७	१०	५९	५	३२
५६	६ ६	२४ २	१३	७०	०	३	५७
५५	ब	ब	३२	११	५१	११	१

ति श्रावण कृष्णपक्षः सं०२०११ शाकः १८७६ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | वर्षाऋतुरविर्दक्षिणेआषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्रा:

१	शु	५८	५१	उ	४७	५७	वै	७४	२८	आ	२९	२२	३३ ५८	५ १२	४८	१६	३२	१४	म २।३
२	श	५६	३७	अ	४७	४८	वि	१ ०	५५ ४३	तै	२७	४४	५६	१३	४७	१७	१	१५	मकरे
३	र	५३	१८	ध	४६	२९	आ	५१	२८	व	२४	५८	५४	१३	४७	१८	२	१६	कु. १७।८
४	चं	४९	४	श	४४	१५	सौ	४५	२८	ब	२१	११	५२	१४	४६	१९	३	१७	कुम्भे
५	मं	४४	५	पू	४१	३०	शो	३८	५२	कौ	१६	३५	५०	१४	४६	२०	४	१८	मी २७।१०
६	बु	३८	३३	उ	३७	४६	अ	३२	५६	ग	११	१९	४८	१४	४६	२१	५	१९	मीने
७	गु	३२	२८	रे	३३	५४	सु	२४	१७	वि	५	३६	४६	१५	४५	२२	६	२०	मे. ३३।५४
८	शु	२६	३३	अ	२९	४७	धृ	१६	४६	कौ	२६	३३	४४	१५	४५	२३	७	२१	मेषे
९	श	२०	२४	भ	२५	३९	शू	८	१४	ग	२०	२४	४१	१६	४४	२४	८	२२	वृ.३९।४०
१०	र	१४	१६	कृ	२१	४५	गं	५ ७	५२ ३६	वि	१४	१६	३८	१६	४४	२५	९	२३	वृषे
११	चं	८	४४	रो	१८	२२	ध्रु	४७	४६	बा	८	४४	३५	१७	४३	२६	१०	२४	मि.४६।३८
१२	मं	३	३८	मृ	१५	२४	व्या	४१	३१	तै	३	३८	३२	१८	४२	२७	११	२५	मिथुने
१३	बं	५५	४४	०	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	बु	५५	५९	आ	१३	७	ह	३६	४	वि	२७	४१	३०	१८	४२	२८	१२	२६	क.५७।२१
३०	गु	५३	४२	पु	१२	६	व	३१	३०	च	२४	५१	२७	१८	४२	२९	१३	२७	कर्के

कर्केऽर्कः ३६।४६
प्रीतियोग क्षयः ५५।४३
भ.२४।५८उ.५३।१८या.मार्गीबुधः१०।०
फाल्गुनीयां भृगुः४।१४ च.ब्र.
पुष्ये रविः ७।२७
भ. ३८।३३ उ मार्गी भौमः१२।३३
भ.५।३६या.पुनर्वसौ१गुरुः८।१०
मन्वादिः
भ. ४७।२० उ.
बृद्धि योगक्षयः५२।३६भ.१४।१६या.
३१।८ कामिका ११ ब्र.
भ. ५९।२२ उ. प्रदोषः
भ. २७।४१ या.
अमावस्या हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.५ मं.इ ३९।५१

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	२	२	४	६	८	३
३	४	१७	१९	१५	९	२०	४ ६
५०	३	२५	४०	१०	२८	५३	११
४५	३८	५१	१२	८	११	५०	१३
५६	० ९	१३ २०	१३	६९	१	३	५७
५७	ब	मा	२७	१९	३०	११	१५

श्रावण कृ.१शुक्रे
कर्केऽर्कः प्र, वा.
५ न. ५ गतालका-
वस्था (ऊभी)
मु. ४५ (धान्य
भावसम) शुक्रोदय प.

गोचरग्रहाः

१६पं.श्रा.कृ१२मं.इ३९।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	२	२	४	६	८	३
१०	३	२१	२१	२३	९	२०	१०
३०	१७	९	१२	५	५१	३१	५२
२	५०	४९	५५	६	३४	३४	१५
५७	४५ ३	६१	१३	६८	२	३	५७
५	मा	५	२०	२८	९	११	२०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्ल पक्षः सं.२०११ शाकः १८७६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ११६ स. १६५४

१	शु	५२	३७	पु	१२	८	सि	२७	४७	कि	२३	१०	१३/२४	१५/१६	४१	३०	१४	२८
२	श	५२	५८	श्ले	१३	१३	व्य	२५	६	बा	२२	४८	२१	२०	४०	३१	१५	२६
३	र	५४	२५	म	१५	३८	तै	२३	४२	तै	२३	४२	८	२०	४०	१	१६	१
४	चं	५७	६	पू	१६	१८	व	२५	४७	ब	१५	२१	३६	२	१७	२		
५	मं	६०	०	उ	२४	५	शि	२२	५५	ब	१२	२२	३८	३	१८	३		
५	बु	०	५२	ह	२६	४८	सि	२३	४६	ना	०	५२	६	२२	३८	४	१६	४
६	गु	५	२५	चि	३५	५७	सा	२४	३६	तै	५	२५	६	२३	३७	५	२०	५
७	शु	१०	१७	स्वा	४२	२२	शु	२६	४५	ब	१०	१७	३	२३	३७	६	२१	६
८	श	१५	१२	वि	४८	२०	शु	२८	१७	ब	१५	१२	०	२४	३६	७	२२	७
९	र	१६	४५	अ	५४	११	न	२६	२०	की	१६	४५	३३/५७	२४	३६	८	२३	८
१०	चं	२३	३८	ज्ये	५६	२	ए	२६	५०	ग	२३	३८	५४	२५	३५	९	२४	९
११	मं	२६	३४	मू	६०	०	वै	२६	४०	वि	२६	४१	५०	२६	३४	१०	२५	१०
१२	बु	२८	४१	मू	२	५८	वि	२८	२५	बा	२८	१४	४७	२६	३४	११	२६	११
१३	गु	२८	४६	पू	५	२४	प्री	२६	१३	तै	२८	४६	४४	२७	३३	१२	२७	१२
१४	शु	२७	५२	उ	६	५४	आ	२३	४	व	२७	५२	४१	२८	३२	१३	२८	१३
१५	श	२५	४२	अ	७	६	सौ	१९	२	ब	२५	४२	३८	२८	३२	१४	२९	१४

कर्के
सिं १३।१३
सिंहे
क.३५।३०
कन्यायां
कन्यायां
तु.२।५२
तुलायां
वृ.३१।५०
वृश्चिके
ध.५९।२
धनुषि
धनुषि
म.२०।४६
मकरे
कु ३६।३४

४८।१ नक्त व्रतारम्भः
चन्द्रद.
अगस्त मा. ८ता.३१जिल्हेज१२तीज
भ.२५।४७उ.५७।६या. कन्यायांभृगुः ५१/३५

पुष्ये बुधः ३८।२
भ.१०।१७उ ४२।४५या.पुनर्व सौ२गुरुः*
[*पूषायां२राहुःआर्द्रायां४केतु.३५।१०
कल्किजयन्ती
भ.५५।१० उ.पूर्वास्तंबुधः १।१७हज्ज
भ.२६।४१या.बकरीद पवित्रा११ ब्र.
हस्ते भृगुः५६।३७ प्रदोषः
श्लेषायांबुधः४९।४७
भ.२७।५२ उ.५६।४७ या.
रक्षाबन्धनम् श्रावणी कर्म

१७पं.श्रा.शु.५मं.इ.३९।३४ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	२	५	६	८	३
१७	३	०	२२	०	१०	२०	१७
९	५८	५	४३	५४	८	९	३३
५१	३८	५०	५८	८	९	१९	५७
५७	७	९८	१३	६७	२	३	५७
१२	२०	२०	९	२६	४८	११	२४

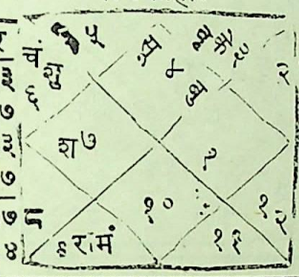

इस मास का फल उत्तमहै प्रजा में सुख शांति राजाओं में विरोध हो सुदी में वर्षा सामान्य होगी। तैल गुड़ खांड मन्दा

गोचरग्रहाः

१८पंश्रा.शु११मं.इ३९।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	२	५	६	८	३
२३	४	१२	१४	८	१०	१९	२४
५०	४७	२७	१३	३५	२८	४७	१६
५८	४०	२०	४४	१	४१	४	२६
५७	११	९९	१३	६६	३	३	५७
२२	४७	१७	४६	३	२७	११	३३

ति. भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं.२०१२ शाकः १८७६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽश्वायणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	र	२२	३०	ध	६	२	शो	१५	४१	की	२२	३०	३३/३४	२९	३१/३१	१५	३०	१५
२	चं	१८	२५	श	३	५८	अ	७	४९	ग	१८	२५	३०	३०	३०	१६	३१	१६
३	मं	१३	२९	पू	१/१६	५६/३५	शु	१/२२	२५/५४	वि	१३	२९	२६	३१	२९	१७	३२	१७
४	बु	७	५५	रे	५३	५३	शु	४६	५१	ब्रा	७	५५	२३	३१	२९	१८	१	१८
५	गु	२	६	अ	४९	५१	गं	३९	१३	तै	२	६	२०	३२	२८	१९	२	१९
६	गु	५३	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	शु	४९	५२	भ	४५	४०	बृ	३१	३९	वि	२२	५६	६	३३	२७	२०	३	२०
८	श	४३	५६	कृ	४१	४४	धु	२४	१०	ब्रा	१६	५५	१२	३४	२६	२१	४	२१
९	र	३९	१५	रा	३८	३	व्या	१६	५०	तै	११	३६	८	३४	२६	२२	५	२२
१०	चं	३३	८	मृ	३५	६	ह	१०	४	व	६	१२	४	३५	२५	२३	६	२३
११	मं	२८	५०	आ	३२	४८	व	२/३८	५४/२०	ब	०	५९	३२/३०	३६	२४	२४	७	२४
१२	बु	२५	२९	पु	३१	२२	व्य	५२	५७	तै	२५	२९	३१/३६	३७	२३	२५	८	२५
१३	गु	२३	१२	पु	३१	२	व	४८	५७	व	२३	१२	५२	३८	२२	२६	९	२६
१४	शु	२२	७	श्ले	३१	५०	व	४५	५८	श	२२	७	४८	३८	२२	२७	१०	२७
१५	श	२२	३१	म	३४	०	शि	४४	०	ना	२२	३१	४४	३९	२१	२८	११	२८

कुम्भे
मी४६।५६
मीने
मे.५३।५२
मेषे
वृ ५९।४१
वृषे
वृषे
मि६।३४
मिथुने
क१६।४३
कर्के
सिं३१।५०
सिंहे

भ. ४५।५७ उ.
भ.१६।२९ या.५६।३५सिंहेऽर्कः ४।४२

भ ५५।५९ उ.मघायांसिंहे बुधः२०।५५*
चन्द्रषष्ठी
भ.२२।५६ य.
जन्माष्टमीव्रतम् स्मा. वै.
पुनर्वसौ ३ गुरुः३९।३६
भ. ६।१२ उ. ३३।८ या.
सिद्धि५४।२०चित्रायांभृगु३०।१अजा११ब्र
प्रदोषः वत्स द्वादशी
भ.२३।१२उ.५२।४०या.पूफायांबुध ४/२८

लोहार्गलस्नानम्अगस्तयोदयः ४।९

१९पं.भा.कृ.३मं. इ. ३९।१६ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	३	२	५	६	८	४
०	६	२६	२५	१६	१०	१९	०
३३	२५	३६	४०	८	५४	२४	५९
११	४६	१५	४	८	३	४८	४५
५७	१६	५०	१२	६४	४	३	५७
२४	३	१५	२१	३०	६	११	४०

भाद्रपद कृष्णा३भौमे सिंहेऽर्कः प्र. वा.५न. ६बुद्धावस्था बैठी) मु४५ (धान्यभाव-मन्दा) शुक्रोदयं पश्चिमे।

गोचरग्रहा

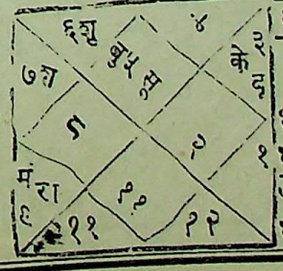

२०पं.भा.कृ.११मं.इ३९।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	२	५	६	८	४
७	८	१०	२७	२३	११	१९	७
१६	८	३३	३	२९	२२	२	४४
४५	३०	५४	५८	३०	५५	३३	१५
५७	१८	९९	१३	६२	४	३	५७
४५	५६	४५	२	४४	३९	११	४८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०११ शाकः १८७६ दि. उ. अ इं. रा. मु. चंद्रः | वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १४६स.१९५४

१	र	२३	५६	पू	३७	२४	सि	४२	५६	ब	२३	५६	३१ ४०	४० ६०	२६	१२	२६	क.५३।३२
२	चं	२६	३६	उ	४१	५५	सा	४२	५८	कौ	२६	३६	३६	४१ १६	३०	१३	३०	कन्यायां
३	मं	३०	२४	ह	५०	२५	शु	४३	४१	ग	३०	२४	३२	४२ १८	३१	१४	१	कन्यायां
४	बु	३५	०	चि	५३	२६	शु	४४	५०	व	३	०	२६	४२ १८	१	१५	२	तु. २१।५६
५	गु	३६	५३	स्वा	५६	४६	न	४६	१८	ब	७	५३	२६	४३ १७	२	१६	३	तुलायां
६	शु	४४	५६	वि	६०	०	ऐं	४७	५६	कौ	१२	२५	२२	४४ १६	३	१७	४	बृ. ४३।२६
७	श	४६	३५	वि	६	०	वै	४८	५६	ग	१७	१६	१८	४४ १६	४	१८	५	बृश्चिके
८	र	५३	३३	अ	११	५६	वि	४६	३७	वि	२१	३४	१४	४५ १५	५	१९	६	बृश्चिके
९	चं	५६	३१	ज्ये	१६	५८	प्री	४६	३५	ग्रा	२५	२	१०	४६ १५	६	२०	७	ध. १६।५८
१०	मं	५८	२३	मू	२१	८	आ	४८	५७	तै	२७	२७	६	४७ १३	७	२१	८	धनुषि
११	बु	५८	५९	पू	२३	५४	सौ	४६	३३	व	२८	४१	२	४८ १२	८	२२	९	म. ३९।२०
१२	गु	५८	८	उ	२५	३७	शो	४३	३४	ब	२८	३४	३० ५८	४८ १२	९	२३	१०	मकरे
१३	शु	५६	२	श्र	२६	४	अ	३९	३१	कौ	२७	५	५४	४९ ११	१०	२४	११	कु.५५।४२
१४	श	५२	५७	ध	२५	१९	सु	३४	३७	ग	२४	३०	५०	५० १०	११	२५	१२	कुंभे
१५	र	४८	५७	श	२३	१६	ध्रु	२८	४९	वि	२०	५७	४६	५१ ९	१२	२६	१३	कुंभे

पूफाया सँरविः ५५/३३ चन्द्रद.
तुलायांभृगुः ०।१५मोहोरम १ सन् १३७४
भ ३/० उ ३५/० यानितंबरमा.९ना३०गणेश४
उफायांबुधः १८।३९ ऋषि ५

[* भूलनी ११ब्र.वै. वामनज.
भ.४९।३५उ.कन्यायांबुधः६।१५दूर्वाद
स्यात्यांभृगुः ४६।२२
मार्गो पूषायां भौमः ३९।१
भ.२५/१९उ.५५/९या जलभूलनी ११ब्र.स्मा.
पुनर्वसौ४कर्केगुरुः २/१ ताजियाजल *
हस्तेबुधः ६/६प्रदोषः
भ. ५२।५७उ.अनंत १४व्रतं
भ.२०।५७या. महालयारम्भः

२१ पं.भा.शु३मं इ ३८।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	२	६	६	८	४
१४	१०	२३	२८	०	११	१८	१४
२२	२६	२४	३८	५५	४०	२९	म
४३	३०	०३	५६	८	१८	७४	
२२	०	११	६०	५	३	५८	
६	२७	२५	९	५	११	१	

गोचरग्रहः

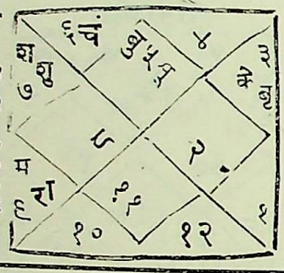

इस मास में प्रजा में पीड़ा होगी वदी पक्ष में वर्षा साधारण और सुदी में उत्तम होगी।

गोचरग्रहाः

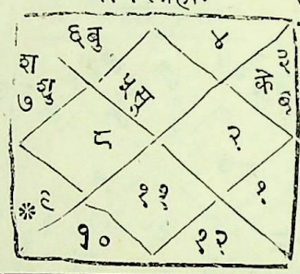

२२ पं.भा.शु.१०म.इ३८।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	२	६	६	८	४
२०	१३	५	२९	७	१२	१८	२१
४८	१५	४३	४१	३०	३१	१८	१६
३७	५५	८	३६	६	३	२	५९
८	२४	०३	१०	५७	५	३	५८
१२	२९	५४	५३	१८	३२	११	१३

ति. आश्विनकृष्णपक्षः सं. २०११शाकः १८७६ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः वर्षाऋतुरविर्दक्षिणेभाद्रपदकृष्णेति. महाराष्ट्रः

१	चं	४४	६	पू	२०	२९	शू	२२	२१	वा	१६	३२	३० ४१	५ ५२	६ ८	१३	२७	१४	मी ६।११
२	मं	३८	३७	उ	१७	२७	गं	१५	२४	तै	११	२२	३६	५३	७	१४	२८	१५	मीने
३	बु	३२	१०	रे	१३	४६	वृ	७	५९	ब	५	२४	३२	५४	६	१५	२९	१६	मे. १३।४६
४	गु	२६	४७	अ	९	३३	ध्रु	१९ ०९	५२ ५८	बा	२६	४७	२८	५४	६	१६	३०	१७	मेषे
५	शु	२०	४५	भ	५	२९	ह	४५	०	तै	२०	४५	२४	५५	५	१७	३१	१८	वृ. १९।१०
६	श	१४	४९	कृ	३२	५६	व	३७	३३	व	१४	४९	२०	५६	४	१८	१	१९	बृषे
७	र	९	११	मृ	५४	३७	सि	३०	२७	ब	९	११	१६	५७	३	१९	२	२०	मि २६।१४
८	चं	४	९	आ	५२	१५	व्य	२३	४७	कौ	४	९	१२	५८	२	२०	३	२१	मिथुने
९	चं	५५	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	मं	५६	३७	पु	५०	३०	व	१७	५२	व	२८	१६	८	५८	२	२१	४	२२	क. ३५।५६
११	बु	५४	२५	पु	४९	५५	प	१२	४१	ब	२५	३१	४	५९	१	२२	५	२३	कर्के
१२	गु	५३	२३	श्ले	५०	३१	शि	८	२७	कौ	२३	५४	०	६ ०	२३	६	२४	सिं	५०।३०
१३	शु	५३	५२	म	५२	०	मिं	५	९	ग	२३	३८	२९ ५८	६ १	२४	७	२५	सिंहे	
१४	श	५५	२२	पू	५५	२७	सा	२	४९	वि	२४	३७	५२	२	५८	२५	८	२६	सिंहे
३०	र	५८	७	उ	५९	४०	शु	१	३१	च	२६	४५	४८	२	५८	२६	९	२७	क. ११।३०

उफाया रविः ४०।१२

भ. ५।२४ उ. ३२।१०या.
स्वात्यां३शनिः ११।५६
कन्यायामर्कः ५।२३
भ.४९/१६उ.५/३७या.चित्रायांबुधः५४/६
मानू ९ सौभाग्यवतीनां श्राद्धं
भ.२८/१९उ.५६/३७या.विशाखायांभृगुः ३०/३८
इंदिरा ११ ब्र. स्मार्तानाम्
तुलायांबुधः३८।५८इंदिरा११ब्र.वै.नि.
भ. ५३।५२ उ. प्रदोषः
भ.२४।३७ या.शस्त्रांदिहतानांश्राद्धम्
सर्वपितृ श्राद्धम्

२३पं.आ.कृ२मं.इ. ३८।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	३	६	६	८	४
२७	१६	१६	०	१४	१३	१७	२८
३७	२८	५५	५३	०	१०	५५	५
०	४५	७	१८	२५	४५	४७	२१
५८	२७	९४	१०	५३	५	३	५८
२९	७	३१	१०	३२	५७	११	२६

गोचरग्रहाः

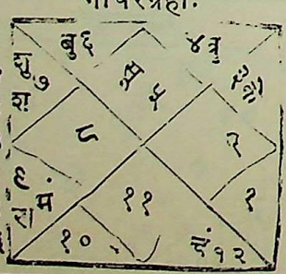

आ. कृ. ५ शुक्रे-कन्यायामर्कः प्र.वा.४ न.४ कुमारावस्था (बैठी) मु.१५(धान्य भावतेज) शुक्रोदयं परे।

गोचरग्रहः

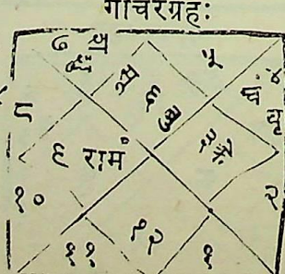

२४पं.आ.कृ१०मं.इ३८।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	३	६	६	८	५
४	२०	२७	२	२०	१३	१७	४
२७	२	१०	०	६	५२	१२	५५
५	३१	२५	९	२३	१३	१६	१२
१८	२९	८४	९	४८	६	३	५८
४५	३	२६	२६	४०	२०	११	३८

*९ मं चं रा

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिथ्यादि: आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०११शाकः १८७६ दि.उ.अ.इ.हि.मु. चंद्रः शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽर्कगणः १७५स.१९५४

| | | |

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०११ शाकः १८७६ | दि. उ. अ. इ. हि. मु. चंद्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २०५स.१६५४

१	बु	४५	५६	स्वा	२४	३६	प्री	१६	१५	क	१३	२३	२७/४३	२६/३३	५/३	२७	१०	२६	तुलाया
२	गु	५१	६	वि	४१	०	आ	२०	३८	बा	१८	३३	४०	२८	३२	२८	११	३०	बृ.२४।२४
३	शु	५५	५७	अ	४७	३	सौ	२१	५२	तै	२३	३३	३६	२६	३१	२६	१२	१	बृश्चिके
४	श	६०	०	ज्ये	५२	३६	शो	२२	४०	व	२७	५६	३२	३०	३०	३०	१३	२	ध.५२।३६
४	र	०	१	मू	५७	६	अ	२२	४८	वि	०	१	२८	३०	३०	३१	१४	३	धनुषि
५	चं	३	५	पू	६०	०	सु	२२	१८	बा	३	५	२४	३१	२६	१	१५	४	धनुषि
६	मं	५	४	पू	०	३६	धृ	२०	३६	तै	५	४	२०	३२	२८	२	१६	५	म.१६।८
७	बु	५	४५	उ	२	४५	शु	१८	१०	व	५	४५	१७	३३	२७	३	१७	६	मकरे
८	गु	४	२	श्र	३	४७	गं	१४	३२	ब	४	२	१४	३३	२७	४	१८	६	कु.३३।४२
६	शु	३	३	ध	३	३६	बृ	१०	१	कौ	३	३	११	३४	२६	५	१६	८	कुम्भे
१०	श	२	०	श	२/६	५७/४७	ध्रु	३०/३०	४/५	ग	२	०	८	३४	२६	६	२०	६	मी ४५।२७
११	श	५४	८	०	०	०	०	०	८		०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	र	५१	२३	उ	५६	५८	ह	५१	३१	ब	२३	४६	४	३५	२५	७	२१	१०	मीने
१३	चं	४५	५६	रे	५३	१५	ब	४४	१०	कौ	१८	४१	०	३६	२५	८	२२	११	मे.५३।१५
१४	मं	४०	२०	अ	४६	१६	सि	३६	३२	ग	१३	१०	२६/५६	३७	२३	६	२३	१२	मेषे
१५	बु	३४	२७	भ	४५	१४	व्य	२८	४८	वि	७	२४	५३	३७	२३	१०	२४	१३	बृ.५६।१२

अभिजिन्नवृत्तो भौमः ४।५६ अन्नकूट
चन्द्रदर्शनम्यम२ भ्रातृ २
रविलाबल ३
भ. २७।५६ उ.
भ.०।१ या.
नवम्बर मा. ११ ता. ३०
*विशाखायांरविः२६।२७ प्र.११ब्र.
भ.५।४५उ. ३४।५४या. गोपाष्टमी
वक्री तुलायां बुधः २६।२६
पूर्वोदय बुधः १६।५७ अक्षयन्
भ.२६।४उ.५७।८या.पू.भ.क्ष.५७/४३
+भृगुः१४।१० प्रदोषः
मार्गी बुधः४३/३४प्रबोधिना११ब्र.वै.नि.
पश्चिमा.भृ.१।४८वक्रोवि.+ प.अ.भृ.
भ. ४०।२० उ. वैकुण्ठ१४
भ.२७/४या.पुष्ये२गुरुः३३/३ का.स्ना.पू.

३०पं.का.शु.६ मं.इ.३७।२०

गोचरग्रहा

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	३	७	६	८	६
१६	१५	८	६	५	१८	१५	१६
६	२२	२१	२२	४८	३७	१९	२९
३७	३४	२	४१	२०	४१	५९	४०
६०	३४	५९/३७	३	२०/३७	७	३	६०
१८	२३	बृ	९	ब	२०	११	४

इस मास में पांच बुधवार हैं रसकस तेज होगा धान्य अलसी रूई में मन्दी होगी।

गोचरग्रहा

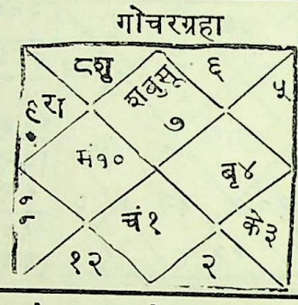

३१पं.का.शु.१४मंइ३७।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	३	७	६	८	६
२३	१९	५	६	२	१९	१४	२३
९	५१	५४	३८	३४	२९	५७	३१
१५	३	२९	२८	३३	०	४४	१
६०	३७	२२/५४	१	२२/४८	७	३	६०
३०	३०	ब	३९		२०	११	१७

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०११ शाकः १८७६ | दि. उ. अ. इ. हि. मु. | चन्द्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणेकृकार्तिक.महाराष्ट्राः

१	गु	२८	३३	कृ	४१	४	व	२१	४	वा	१	३०	२६/५०	३६/३६	२३/२३	११	२५	१४	बृषे
२	शु	२२	४८	रो	३७	७	प	१३	२३	ग	२२	४८	४७	३८	२२	१२	२६	१५	वृषे
३	श	१७	२६	मृ	३३	४४	शि	५३/५३	५२/४७	वि	१७	२६	४४	३६	२१	१३	२७	१६	मि ५।२६
४	र	१२	३४	आ	३०	५१	सा	५५	६	वा	१२	३४	४१	८०	२०	१४	२८	१७	मिथुने
५	चं	८	३६	पु	२८	४७	शु	४६	२५	तै	८	३६	३८	४०	२०	१५	२६	१८	क.१४।१८
६	मं	५	३३	पु	२७	४५	शु	४१	३३	ब	५	३३	३४	४१	१६	१६	३०	१६	कर्के
७	बु	३	३६	श्ले	२७	४६	व्र	३७	३०	ब	३	३६	३२	४२	१८	१७	१	२०	सिं २७।४६
८	गु	२	४६	म	२६	१	ऐं	३४	२६	कौ	२	४६	३०	४२	१८	१८	२	२१	सिंहे
६	शु	३	३४	पू	३१	५५	वै	३२	२२	ग	३	३४	२८	४२	१८	१६	३	२२	कं.४७।४४
१०	श	५	२४	उ	३५	१३	वि	३१	११	वि	५	२४	२५	४३	१७	२०	४	२३	कन्या
११	र	८	२७	ह	४०	७	प्री	३१	६	वा	८	२७	२२	४४	१६	२१	५	२४	कन्या
१२	चं	१२	३६	चि	४५	५१	आ	३१	४०	तै	१२	३६	१६	४४	१६	२२	६	२५	तु. १२।५६
१३	मं	१७	२८	स्वा	५२	३	सौ	३२	४५	व	१७	२८	१६	४५	१५	२३	७	२६	तुलायां
१४	बु	२२	३७	वि	५८	२२	शो	३३	५७	श	२२	३७	१४	४५	१५	२४	८	२७	बृ. ४१।४७
३०	गु	२७	४८	अ	६०	०	अ	३५	५	ना	२७	४८	१२	४६	१४	२५	६	२८	वृश्चिके

मार्गी स्वात्यां बुधः३८।३५
भ. ५०।८ उ.
सिद्धि योगक्षयः५२/४७ भ.१७/२६या. च.ब्र.
ध.भौमः २७।७वक्रो तु.भृगुः२।२०*
*विशाखायां १ शनिः४।३७
भ.५।३३उ. ३४।३५या. बृ २३।५५

वक्री गुरुः२७।२०
भ.२४/२६उ. अनुराधायां रविः ४१।४३
भ.२५/२४या.पूर्वोदयंभृगुः१।१२ पू.उ.
उत्पत्ति११ब्र.सर्वेषाम् भृ.
उदयंशनिः१७/५०वक्रीपुष्ये१गुरुः४१।५८
भ.१७।२८उ.५०।२या. वि. बुधः५६/६६
कुम्भे भौमः २३।१४
अमावस्या

३२पं.मा.कृ.६मं.इ.३७।५

गोचरग्रहाः

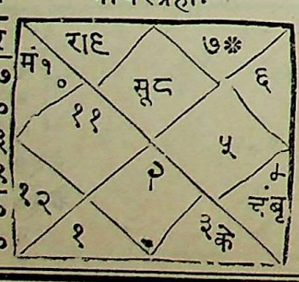

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	३	६	६	८	७
०	२४	११	६	२८	२०	१४	०
१३	४२	२०	४३	२७	१८	३५	३३
२०	३२	१६	२४	३२	२८	२८	४९
६०	३८	६८	०	५५/५१	७	३	६०
४०	८	२४	२१	ब	१६	११	३०

मार्गशीर्ष कृ.६भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३ नं.३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम)
शुक्रास्तः

गोचरग्रहाः

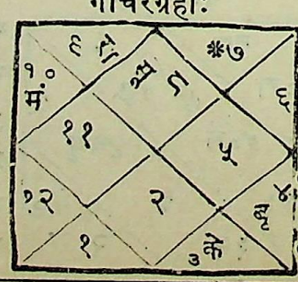

३३पं.मा.कृ१३मं.इ३६।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	३	६	६	८	७
७	२९	२०	६	२४	२१	१४	७
१८	३०	३८	३९	३६	८	१३	३७
५०	९	२५	६	१८	६	१३	४२
६०	२८	८५	०	५९/५२	७	३	६०
५३	३७	३९	ब	बृ	८	११	४२

* श. शु. बु.

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* चं बु. श.शु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०११ शाकः १८७६ दि. उ. अ. इं. हि. मु. चंद्र हेमन्तर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३५सन् १९५४

१	शु	३२	४७	अ	४	३९	सु	३६	१४	क्र	०	१८	२६	१०	६	४६	१५	२६	१०	२९	वृश्चिके	
२	श	३६	४८	ज्ये	१०	२२	धृ	३६	१९	बा	४	४८	७	४६	१४	२७	११	३०	ध.१०।२२	चन्द्रदर्शनम्
३	र	४०	५२	मू	१५	५	शू	३६	७	तै	८	५०	४	४७	१३	२८	१२	१	धनुषि	रविलाखर ४
४	चं	४१	४५	पू	१८	५१	गं	३४	४४	व	११	१९	१	४८	१२	२९	१३	२	म.३४।३१	भ. ११ उ. ४५ या. वृश्चिकेबुधः ५१/४४
५	मं	४२	२८	उ	२१	३१	वृ	३२	२५	ब	१२	७	२५	४८	१२	३०	१४	३	मकरे	पूर्वास्तोबुधः ७।१५
६	बु	४१	४४	अ	२२	३६	ध्रु	२९	९	को	१२	६	५६	४९	११	१	१५	४	कु. ५३।८	**दिसम्बर मा.१२ ता. ३१**
७	गु	३९	४४	ध	२३	४०	व्या	२४	४९	ग	१०	४४	५४	४९	११	२	१६	५	कुम्भे	भ. ३४ उ. ज्येष्ठायांरविः ४५ अनुराधायां*
८	शु	३६	४१	श	२१	३०	ह	१९	२८	वि	८	१३	५२	५०	१०	३	१७	६	कुम्भे	भ. ८।१३ या. [*बुधः १३।१५
९	श	३२	४९	पू	१९	२४	व	१२	४१	बा	४	४५	५०	५०	१०	४	१८	७	मी. ४।५५	शते भौमः ६।३०
१०	र	२८	३	उ	१६	२८	सि	५	५३	तै	०	२६	४८	५०	१०	५	१९	८	मीने	भ. ५५।२४ उ.
११	चं	२२	४५	रे	१३	६	व	५२	२०	वि	२२	०५	४७	५१	९	६	२०	९	मे.१३।६	भ.२२।४५ या. मोक्षदा११ब्र.सर्वेषाम्
१२	मं	१७	७	अ	९	१३	प	४४	३०	बा	१७	७	४६	५१	९	७	२१	१०	मेषे	मार्गभृगुः ३।२४ प्रदोषः
१३	बु	११	१२	भ	५	९	शि	३६	३३	तै	११	१२	४४	५१	९	८	२२	११	वृ. १९।७	पिशाचमोचन श्राद्धम्
१४	शु	५	२१	कृ	१	५६	सि	२८	५९	ब	५	२१	४३	५१	९	९	२३	१२	वृषे	भ. ५।२१ उ. ३२।३१ या. दत्तजयन्ती
१५	गु	५४	२०	रो	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः

३४पं.मा.शु.५मं.इ. ३६।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	३	६	६	८	७
१४	५	१	६	२२	२१	१३	१४
२५	२३	९	२४	४	५६	२०	४२
३९	२९	५१	४८	३	४४	५८	५६
६१	३९	९३	२९	५५	७	३	६०
३	२	१६	ब	ब	१	११	५०

गोचरग्रहाः

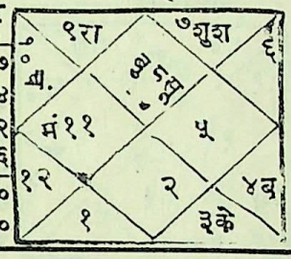

इस मास में धान्य रूई अफीम अलसी चांदी में मन्दी हो बदी में बु. शु. का योग वर्षा कारक है।

गोचरग्रहाः

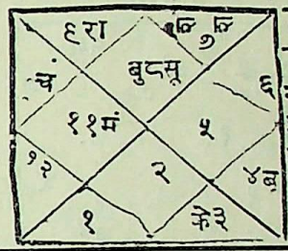

३५ पं.मा.शु.१२चं.इ.३६।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	३	६	६	८	७
२१	९	१२	६	२१	२२	१३	२१
३३	१९	०	१	२६	४३	२८	४०
२६	४	१	१४३	५७	४०	४२	१
६१	३९	९६	४९	१७	६	३	६०
११	२५	१	ब	ब	४१	११	५६

ति. पोष कृष्ण पक्षः सं०२०११ शाकः १८७६ दि. उ. अ. इं. हि. मु. चन्द्रः शिशिरर्तु रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	शु	५४	२५	मृ	५३	३३	सा	२१	२०	बा	२७	३	४३	५३	८	१०	२४	१३	मि २५।१८	ज्येष्ठयांबुधः ३१।२४मूले४राहुःआर्द्रायां÷
२	श	४९	४१	आ	५०	२८	शु	१	९	तै	२२	३	४१	५२	८	११	२५	१४	मिथुने	[÷३केतुः २०।२६
३	र	४५	५०	पु	४८	१७	शु	१७	१८	व	१७	४६	४०	५२	८	१२	२६	१५	क. ४३।२२	भ. १७।४६ उ. ४५।५० या.
४	चं	४२	५६	पु	४७	१५	ब्र	१	५४	ब	१४	२३	३९	५२	८	१३	२७	१६	कर्के	विशाखायां २ शनिः ८।३ च. ब्र.
४	मं	४०	२८	श्ले	४६	४१	वै	५१	४१	को	११	४७	३८	५२	८	१४	२८	१७	सिं.४६।४१	
५	बु	४०	२८	म	४७	३९	वि	४८	१६	ग	१०	३३	३८	५२	८	१५	२९	१८	सिंहे	भ. ४०।२८ उ. धनुष्यर्कः ५२।२७
६	गु	३९	२१	पू	४९	५१	प्री	४५	४६	वि	९	५५	३८	५२	८	१६	१	१९	सिंहे	भ. ९।५५ या.
७	शु	४३	११	उ	५३	२२	आ	४४	२१	बा	११	१६	३७	५३	७	१७	२	२०	कं. ५।४४	
८	श	४६	३५	ह	५७	५९	सौ	४२	५३	तै	१४	५३	३७	५३	७	१८	३	२१	कन्यां	
९	र	५०	४९	चि	६०	०	शो	४४	८	व	१८	४२	३७	५३	७	१९	४	२२	तु. ३०।४६	भ. १८।४२ उ. ५०।४९ या. धनुषि*
१०	चं	५५	४५	चि	३	३३	अ	४५	१	ब	२३	१७	३६	५३	७	२०	५	२३	तुलायां	सफला ११ ब्र. स्मा. वै. [*बुधः १२/५९
११	मं	६०	०	स्वा	९	४२	सु	४६	१६	को	२८	२३	३६	५३	७	२१	६	२४	बृ. ५९।३०	सफला ११ ब्र. नि.
१२	बु	१	०	वि	१६	५	धृ	४७	१८	तै	१	०	३६	५३	७	२२	७	२५	बृश्चिके	पृभायां भौमः ४१।५७ प्रदोषः
१३	गु	६	१४	अ	२१	५३	शु	४८	२७	व	६	१४	३७	५३	७	२३	८	२६	बृश्चिके	भ. ६।१४ उ. ३८।४० या.
१४	शु	११	५	ज्ये	२८	३७	गं	४८	५६	श	११	५	३७	५३	७	२४	९	२७	ध.२८।३७	
३०	श	१५	१२	मू	३३	१६	बृ	४८	३०	ना	१५	१२	३७	५३	७	२५	१०	२८	धनुषि	अमावस्या

३६पं.पौ.कृ.५मं.इ.३६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	३	६	६	८	७
२८	१४	२२	५	२२	२३	१३	२८
४२	१६	५५	२९	५४	२९	६	५५
९	५१	१४	३४	४४	२९	२७	५८
६१	३१	९८	५४	१६	६	३	६०
१९	४९	४	ब	१६	२७	११	१

गोचरग्रहाः

पौष कृष्णा ६ बुधे धनुष्यर्कः प्र.वा. २न. ४ बद्धावस्था (बैठी) मूहूर्ताः ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

३७पं.पौ.कृ.१२मं.इ.३६।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	३	६	६	८	८
५	१९	३	४	२५	२४	१२	६
५१	१६	५८	४९	५५	११	४४	३
३५	४२	१	४१	५५	१८	१२	३३
६१	४०	९९	७	२८	६	३	६१
२२	४	४६	ब्र	२८	११	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. पौष शुक्लपक्षः सं० २०११ शाकः १८७६ | दि. उ. अ. इं. हिं. मु. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २६५स. १९५४

१	र	१८	१४	पु	३७	२२	ध्रु	४७	४७	व	१८	१४	२५/३८	६/५२	५/८	२६	११	२९	म.५२।५६
२	चं	२०	४	उ	३७	३६	ध्या	४५	४३	की	२०	४	३८	५२	८	२७	१२	१	मकरे
३	मं	२०	४०	श्र	४१	३८	ह	४२	४६	ग	२०	४०	३८	५२	८	२८	१३	२	मकरे
४	बु	१९	५३	ध	४३	२	व	३८	५३	वि	१९	५३	३९	५२	८	२९	१४	३	कु. १२।२४
५	गु	१७	४८	श	४१	११	शि	३४	२	त्रा	१७	४८	२९	५२	८	३०	१५	४	कुम्भे
६	शु	१४	४३	पू	३९	२५	व्य	२८	१०	तै	१४	४३	४०	५२	८	३१	१६	५	मी २४।५२
७	श	१०	४६	उ	३६	३९	व	२१	४८	व	१०	४६	४१	५२	८	१	१७	६	मीने
८	र	५	१२	रे	३३	१७	प	१४	५१	त्रा	५	१२	४२	५२	८	२	१८	७	मे. ३३।१७
९	चं	०	२८	अ	२९	३४	शि	७/२२	५२/४१	की	०	२८	४३	५२	८	३	१९	८	मेषे
१०	चं	५४	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	मं	४९	५	भ	२५	३०	सा	५१	४७	व	२२	१	४४	५१	९	४	२०	९	वृ. ३९।२५
१२	बु	४३	१६	कृ	२१	२१	शु	४४	२	ब	१६	११	४५	५१	९	५	२१	१०	बृषे
१३	गु	३७	४२	रो	१७	२३	शु	३६	२७	की	१०	२९	४६	५१	९	६	२२	११	मि ४५।३३
१४	शु	३२	३०	मृ	१३	४२	ब्र	२८	५४	ग	५	६	४८	५०	१०	७	२३	१२	मिथुने
१५	श	२७	५४	आ	१०	४३	ऐं	२१	५९	वि	०	१२	५०	५०	१०	८	२४	१३	क. ५३।५६

भ. ५२।५६ चन्द्रदर्शनम्
पूषायांबुधः ३/१२ जमादिलावल ५
भ. ५/१० उ. पूषायांरविः ५/४ मार्गवृश्चिके *
भ. १९।५३ या. *भृगुः १८।३६
+अनुराधायां भृगुः ५१।४७
भ. १/४९ उ. ३/५९ या. जनवरी मा. १ता. १+
वक्री पुनर्वसौ ४ गुरुः ५।२१
÷ पुत्रदा ११ व्र.स्मा.वै
भ. २२/१ उ. ४/५ या. उषायां बुधः ४/१ ÷
मीनेभौमः ४०।० पुत्रदा ११व्र. नि.
मकरे बुधः ४१।७
भ. ३२।३० उ.
भ. ०।१२ या. माघस्नानारम्भः

३८पं.पौ.शु.३मं.इ.३५।५८

गोचरग्रहाः

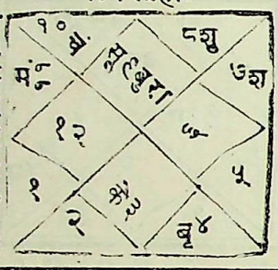

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	३	७	६	८	८
१३	१४	१५	४	०	२४	१२	१३
१	१७	६	२	१०	५१	२१	११
२८	१३	४९	१६	५९	३७	५६	३२
६१	४०	०/२	५३/५	३७	५	३	६१
२६	२१	३/२	ब	५६	४४	११	६

इस मास में साधारण फल होगा रूई सूत जो गेहूँ चना मंदा हो तेज हो।

गोचरग्रहाः

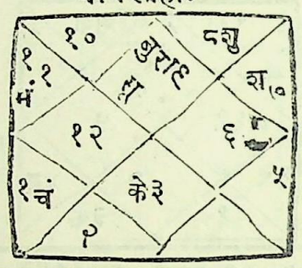

३९पं.पौ.शु.११मं.इ३५।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	३	७	६	८	८
२०	२९	२६	३	५	२५	११	२०
११	१६	२८	१	२४	२८	५९	१९
२६	५१	१२	१	५	७७	४१	३७
६१	४०	०/२	३४/५	४५	५	३	६१
२६	२३	२८	ब	२२	१६	११	६

ति. माघ कृष्णपक्षः सं० २०११ शाकः १८७६ | दि. उ. अ. इं. हिं. मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेपौष कृष्णेति महा.

१	र	२४	१०	पु	८	२०	वै	१५	४५	की	२४	१०	२५/५२	६/५०	५/१०	९	२५	१४	कर्के
२	चं	२१	४	पु	६	३४	वि	१०	१२	ग	२१	४	५४	४९	११	१०	२६	१५	कर्के
३	मं	१९	४२	श्ले	६	९	प्री	५	३४	वि	१९	४२	२५/५६	४९	११	११	२७	१६	सिं ६।९
४	बु	१९	२२	म	६	५३	आ	२/३	५७/४	त्रा	१९	२२	५८	४८	१२	१२	२८	१७	सिंहे
५	गु	२०	२१	पू	८	४६	शो	५७	२४	तै	२०	२१	५६	४८	१२	१३	२९	१८	कं. २४।३५
६	शु	२२	१७	उ	१२	३	अ	५६	३१	व	२२	१७	२	४८	१२	१४	३०	१९	कन्या
७	श	२५	४०	ह	१६	२१	सु	५६	३३	ब	२५	४०	४	४७	१३	१५	१	२०	तु. ४९।२
८	र	३०	१६	चि	२१	४३	धृ	५७	१६	की	३०	१६	६	४७	१३	१६	२	२१	तुलायां
९	चं	३५	२	स्वा	२७	४७	शू	५९	०	तै	२	३९	९	४६	१४	१७	३	२२	तुलायां
१०	मं	४०	१७	वि	३४	८	गं	५९	३९	व	७	४०	१२	४६	१४	१८	४	२३	वृ. १७।३२
११	बु	४५	२८	अ	४०	३५	बृ	६०	०	ब	१२	५३	१४	४६	१५	१९	५	२४	बृश्चिके
१२	गु	५०	१८	ज्ये	४७	८	बृ	०	४३	की	१७	५३	१६	४५	१५	२०	६	२५	ध. ४७।८
१३	शु	५४	२२	मू	५१	४७	ध्रु	१	२९	ग	२२	२०	१८	४४	१६	२१	७	२६	धनुषि
१४	श	५७	१९	पू	५६	३	व्या	१	३२	वि	२५	५१	२१	४४	१६	२२	८	२७	धनुषि
३०	र	५९	१	उ	५९	१६	ह	०/५३	५८/२२	च	२८	१०	२४	४३	१७	२३	९	२८	म. ११।५१

*१/२ अभिजित्प्रवृत्तोबुधः ४७।५०
भ. ५/२३ उ. उषायांरविः ५/३५ उभायांभौमः *
भ. १९।४२ या. चतुर्थी व्रतम्
श्रवणे बुधः ४६।१७
अभिजिन्निवृत्तोबुधः १७।५२
भ. २२/१७ उ. ५/५९ या. मकरेऽर्कः १०।५९
पश्चिमोदयोबुधः ८।४७
ज्येष्ठायांभृगुः १८।५
भ. ७।४० उ. ४०।१७ या.
षटतिला ११ व्रतम्
अभिजित्प्रवृत्त.रविः ४/५३ धनिष्ठायांबुध×
भ. ५/२४ उ. प्रदोषः ×५/३ विशाखायां३÷
भ. २५।५१ या. ÷शनिः १५।४४
श्रवणेरविः ५८।१६

४०पं.मा.कृ.३म.इ.३५।५१

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	३	७	६	८	८
२०	४	८	२	११	२६	११	२७
२१	१७	१	१४	२१	२	२७	२७
१०	५३	५४	८	५०	४०	२६	४२
६१	४०	०/२	५९/५	५०	४	३	६१
२४	३१	०/२	ब	५५	४९	११	६

माघ कृ. ६ शुक्रे मकरेऽर्कः प्र. वा. ३ न. २ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्य भाव मंदा)
शुक्रोदयः

गोचरग्रहाः

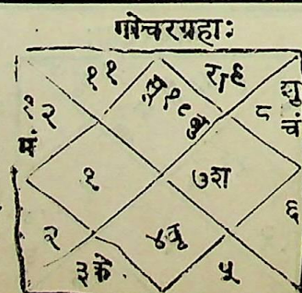

४१पं.मा.कृ.९०मं.इ३५/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	३	७	६	८	९
४	९	१९	१	१७	२६	११	४
३०	१७	३१	१८	५१	३२	१५	३५
४५	२५	३५	२८	३४	५२	१०	३३
६१	४०	१६	५७	५५	४	३	६१
१९	२८	२०	ब	१४	१७	११	४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६ | दि. उ. अ. इ. हि. मु. | चन्द्रः | शिशिरतूरविरुत्तरेऽहर्गणः २६४ स. १६५५

१	चं	५८	२७	अ	६०	०	सि	५६	३६	कं	२८	४४	२६ / २७	६ / ४३	५ / १७	२४	१०	२६	मकरे
२	मं	५८	३६	अ	०	५०	व्य	५२	४७	बा	२८	३२	३०	४२	१८	२५	११	३०	कु. ३१।१५
३	बु	५६	२७	ध	१	४०	व	४७	४६	तै	२७	३२	३३	४१	१६	२६	१२	१	कुम्भे
४	गु	५३	८	श	७ / १५	५ / ५६	प	४३	०	व	२४	४८	३६	४१	१६	२७	१३	२	मी ४४।५१
५	शु	४६	१७	उ	५६	५१	शि	३६	४८	ब	२१	१३	३६	४०	२०	२८	१४	३	मीने
६	श	४४	२०	रे	५३	३६	सि	२६	५६	कौ	१६	४६	४२	४०	२०	२६	१५	४	मे. ५३।३६
७	र	३८	५८	अ	५०	६	सा	२२	४६	ग	११	३६	४५	३६	११	३०	१६	५	मेषे
८	चं	३३	१४	भ	४६	६	शु	१५	१७	वि	६	६	४८	३८	२२	३१	१७	६	मेषे
९	मं	२७	२३	कृ	४२	६	शु	३२ / ७	५३ / ५६	वा	०	१६	५२	३८	२२	१	१८	७	वृ. ०।७
१०	बु	२१	३७	रो	३८	३	ऐं	५१	५२	ग	२१	३७	५५	३७	२३	२	१६	८	वृषे
११	गु	१६	०	मृ	३४	१५	वै	४५	१६	वि	१६	०	५८	३६	२४	३	२०	९	मि ६।१६
१२	शु	९	५४	आ	३१	१	वि	३७	११	वा	९	५४	२७ / १	३६	२४	४	२१	१०	मिथुने
१३	श	६	१५	पु	२८	२५	पी	३०	४६	तै	६	१५	४	३५	२५	५	२२	११	क. १४।४
१४	र	२	३७	पु	२६	३३	आ	२५	४	व	२	३७	८	३४	२६	६	२३	१२	कर्के
१५	र	२७	१६		०	०		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०

भ. २८।४४ उ. ५३।८ या. तिल ४
वक्रोपुनर्वसू ३ च. मिथुनेगुरुः ३/४ वसन्त ५
रेवत्यांभौमः ६।४२
भ. ३८।५८ उ. धनुषिभृगुः ३५।५ रथ ७
भ. ६।६ या. भीष्माष्टमी
फरवरी मा. २ ता. २८
भ. ४८।४९ उ.
भ. १६।० या. जया ११ व्र. सर्वेषाम्
वक्रोबुधः १।० भीष्मद्वादशी
[*८।४६ धनिष्ठायांरवि ३/४ माघस्नानपूर्तिः
भ. २।३७ उ. ३१।५ या. पश्चिमास्तंबुधः*
क्षयः

४२ पं. मा. शु. २ मं. इ. ३५।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	३	७	६	८	९
११	१४	२९	०	२४	२६	१०	११
३९	१७	५४	२२	४८	५८	५२	४२
३६	१३	५	४२	४२	५३	५५	५९
६१	४०	७८	३७	५८	३	३	६०
१३	३८	४०	ब	३९	३७	११	५९

गोचरग्रहाः

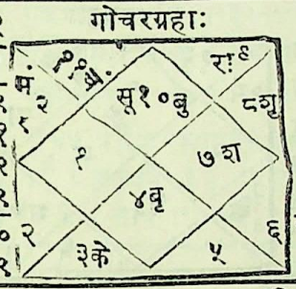

इस मास में पांच रविवार रोग वृद्धिकारक हैं 'पंचार्कः वासरे रोगाः रुई सूत कपड़ा घृत तेज होगा ।

गोचरग्रहा

४३ पं. मा. शु. ६ म. इ. ३०।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	२	८	६	८	९
१८	१९	५	२९	२	२७	१०	१८
४७	१७	५७	३०	२	२०	३०	४९
३६	२५	३९	५	३१	४	३९	३२
६१	४०	२७	७ / ६	६१	२	३	३
४	३८	५९	ब	१८	५५	११	५७

ति. फाल्गुनकृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६ | दि. उ. अ. इ. हिं. मु. | चंद्रः | शिशिरतूरविरुत्तरेमा. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	चं	५८	१६	ज्ये	२५	५५	सौ	२०	११	बा	२९	५	२७ / ५२	६ / ३४	२६ / ५	७	२४	१३	सिं २५।५५
२	मं	५७	४७	म	२६	२१	शो	१६	१०	तै	२८	२	१६	३३	२७	८	२५	१४	तिहे
३	बु	५८	५१	पू	२८	१	अ	१३	८	व	२८	१९	१९	३२	२८	९	२६	१५	क. ४३।५५
४	गु	६०	०	उ	३०	५७	सु	११	७	ब	२९	५७	२२	३२	२८	१०	२७	१६	कन्यां
४	शु	१	३	ह	३५	३७	धृ	१०	२	वा	१	३	२६	३१	२९	११	२८	१७	कन्यां
५	श	४	२९	चि	४०	१२	शू	९	४९	वै	४	२९	३०	३०	३०	१२	२९	१८	तु. ७।५५
६	र	८	५३	स्वा	४६	३	ग	१०	२६	व	८	५३	३४	२९	३१	१३	१	१९	तुलायां
७	चं	१४	५०	वि	५२	२८	बृ	११	२७	ब	१४	५०	३८	२८	३२	१४	२	२०	वृ. ३५।५२
८	मं	१९	७	अ	५८	२८	ध्रु	१२	४६	कौ	१९	७	४२	२८	३२	१५	३	२१	वृश्चिके
९	बु	२४	१६	ज्ये	६०	०	व्या	१३	५७	ग	२४	१६	४६	२७	३३	१६	४	२२	वृश्चिके
१०	गु	२८	५७	ज्ये	५	३	ह	१४	५१	वि	२८	५७	५०	२६	३४	१७	५	२३	ध. ५।३
११	शु	३२	२८	मू	१०	३५	व	१५	१८	व	०	५८	५४	२५	३५	१८	६	२४	धनुषि
१२	श	३५	४८	पू	१५	३	सि	१४	५८	कौ	४	२३	५८	२४	३६	१९	७	२५	म. ३०।५४
१३	र	३७	२१	उ	१८	२७	व्य	१३	४४	ग	६	३५	२५ / २	२४	३६	२०	८	२६	मकरे
१४	चं	३७	४१	श्र	२०	३५	व	११	१७	वि	७	३१	६	२३	३७	२१	९	२७	कु. ५१।५
२०	मं	३६	४३	ध	२१	३०	पू	८	२	च	७	१२	१०	२२	३८	२२	१०	२८	कुम्भे

भ. २८।१९ उ. ५८।५१ या.
पातस्पर्श ४/५ २/३ पातमोक्षः ३/५ ५/३ चतुर्योव्रतम्
मूले ३ राहुः आर्द्रायां १ केतुः १४।२९
कुम्भेऽर्कः ३८।४ पूषायांभृगुः १०।१७
भ. ८।५३ उ. ४/५ १/२ या. बक्री मकरे बुधः १/२

भ. ५६।३६ उ. मेषे भौमः ४६।५४
म. २८।५७ या. वक्री श्रवणे बुधः ५२।२७
विजया ११ व्र.
पूर्वोदयो बुधः १७।३८ शौरविः १३।२५
भ. ३७।२१ उ. प्रदोषः शिवरात्रिव्र. स्मा.
भ. ७।३१ या. महाशिवरात्रि व्र. वै.

४४ पं. फा. कृ. २ चं. इ. ३६।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	२	८	६	८	९
२५	२४	४	२८	९	२७	१०	२५
५४	१४	१४	४२	३३	३७	८	५५
२४	५९	७	५०	४१	११	२४	१९
६०	४०	५३ / १०	५६ / ५	६३	२	३	६०
५५	३८	ब	ब	२५	१४	११	४७

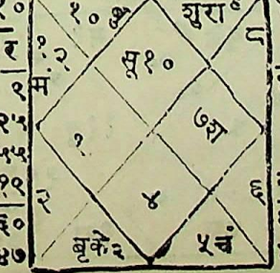

४५ पं. फा. कृ. ८ मं. इ ३६।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	२	८	६	८	१०
३	२९	२६	२८	१७	२७	९	३
०	१२	४९	१	१६	४९	४६	०
२७	७	२६	२०	४४	१३	९	६
६०	४०	७४ / ३८	५ / ६	६५	१	३	६०
४२	४४	ब	ब	२	३३	११	३७

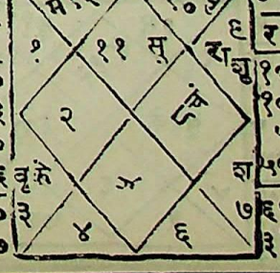

४६ पं. फा. कृ २ मं. इ ३६।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	२	८	६	८	१०
१०	४	२१	२७	२५	२७	९	१०
५	७	१७	४३	८	५६	२३	१३
५९	४८	५२	५	२५	३२	५३	३६
६०	४०	२५ / ४७	५९ / ३	६६	०	३	६०
३१	३३	ब	ब	२९	५२	११	२५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०११शाकः १८७६ | दि. उ.अ. इ.हि. मु. चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२४स १९५५

१	बु	३४	२७	श	२१	१७	शि	४९	५२	कि	५	३५	२९	३९	४	२३	११	२९	कुम्भे
२	गु	३१	८	पू	१९	५०	सा	५२	४२	बा	२	४९	१८	२०	४०	२४	१२	३०	मी५।२८
३	शु	२७	१	उ	१७	२८	शु	४७	१६	ग	२७	१	२२	२०	४०	२५	१३	१	मीने
४	श	२१	५९	रे	१४	३०	शु	३९	१२	वि	२१	५९	२६	१९	४१	२६	१४	२	मे. १४।३०
५	र	१६	३३	अ	१०	५४	ब्र	३१	४३	बा	१६	३३	३०	१८	४२	२७	१५	३	मेषे
६	चं	१०	४६	भ	६	५७	ऐं	२४	३५	तै	१०	४६	३४	१७	४३	२८	१६	४	बृ. २०।५५
७	मं	५	५	कृ	४९	५९	वै	१६	२२	व	५	५	३८	१६	४४	१	१७	५	बृषे
८	मं	५३	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	बु	५३	२७	मृ	५५	३	वि	८	४२	बा	२६	१५	४२	१६	४४	३	१८	६	मि २६।५६
१०	गु	४८	१५	आ	५१	३८	प्री	१९	३३ ५५	तै	२०	५१	४६	१५	४५	३	१९	७	मिथुने
११	शु	४३	४२	पु	४८	५७	सौ	४७	१	व	१५	५९	५०	१४	४६	४	२०	८	क. २४।३७
१२	श	४०	३	पु	४६	२१	शो	४१	२७	ब	११	५३	५४	१३	४७	५	२१	९	कर्के
१३	र	३७	१९	श्ले	४५	५२	अ	३६	१६	कौ	८	४१	५८	१२	४८	६	२२	१०	सिं ४५।५२
१४	चं	३५	४०	म	४६	८	सु	३२	२९	ग	६	३०	२१	१२	४८	७	२३	११	सिंहे
१५	मं	३५	११	पू	४७	३२	धृ	२८	५३	वि	५	२६	६	११	४९	८	२४	१२	सिंहे

उषायां भृगुः ५९।१८
चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
म. ५४।३० उ. रज्जव ७
भ. २१/५९ या. मार्गीबुधः ५१।३९ मकरेभृगुः ५१/५५

भ. ५।५उ. ३२।४या. मार्चमा. ३ता. ३१*
[*वक्रीशनिः २९।११होलाष्टकम् होई ८

[+प्रवृत्तौभृगुः ४५/५० आमलकी ११ब्र. स्मा. वै.
भ. १५/५९ उ. ४३/४२ या. पूभायांरविः २६/१७ अभिजि+
मार्गीधनिष्ठायांबुधः ५५/२० आमलकी ११ब्र. नि
प्रदोषः [= श्रवणेभृगुः ३४।२३
भ. ३५।४० उ. भरण्यांभौमः ४५।१४=
भ. २९/५९ या. अभिजिन्निवृत्तौभृगुः ३०/५९ होलिका

४७पं.फा.शु.७मं.इ.३६।५७ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	२	९	६	८	१०
१७	९	२२	२७	३	२७	९	१७
७	३	९	२	७	५८	१	५
४८	३	२०	१४	७	५९	३८	४७
६०	४०	२६	४३	६७	०	३	६०
२०	३१	मा	ब	४१	ब	११	१२

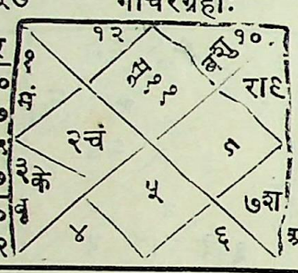

इस माह का फल साधारण है। बदी पक्ष की तिथि बृद्धि और सुदी पक्ष की तिथि क्षय धान्य रुई अफीम गल्ला में तेजी

गोचरग्रहाः

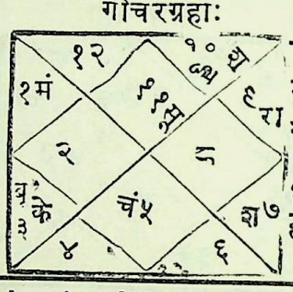

४८पं.फा.शु.१५मं.इ.३७।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	२	९	६	८	१०
२४	१३	२५	२६	११	२७	८	२४
९	५५	४९	४६	११	५६	३९	६
१०	१०	४८	१२	५८	२६	२३	३२
६०	४०	४६	१९	६८	४२	३	५९
५	३३	५	ब	३९	ब	११	५८

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०११शाकः १८७६ | दि. उ.अ. इ.हिं. मु. चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेफाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	बु	३६	१३	उ	५०	२१	शु	२६	२५	बा	५	४२	२९	६	५०	६	२५	१३	क. ३।१४
२	गु	३८	२६	ह	५३	४	गं	२५	२०	तै	७	२०	१४	६	५१	१०	२६	१४	कन्या
३	शु	४१	५१	चि	५८	५७	बृ	२४	५५	व	१०	६	१८	८	५२	११	२७	१५	तु. २६।०
४	श	४६	१५	स्वा	६०	०	ध्रु	२५	२१	ब	१४	३	२२	८	५२	१२	२८	१६	तुलायां
५	र	५१	१२	स्वा	४	४७	व्या	२६	१८	कौ	१८	४४	२६	७	५३	१३	२९	१७	बृ. ५४।२८
६	चं	५६	२२	वि	११	२	ह	२७	३१	ग	२३	४७	३१	६	५४	१४	३०	१८	बृश्चिके
७	मं	६०	०	अ	१७	२९	व	२८	५१	वि	२८	५६	३६	५	५५	१५	१	१९	वृश्चिके
७	बु	१	३०	ज्ये	२३	४६	सि	३०	८	व	१	३०	४०	४	५६	१६	२	२०	ध. २३।४६
८	गु	६	१	मू	२९	३०	व्य	३०	३९	कौ	६	१	४४	३	५७	१७	३	२१	धनुषि
९	शु	९	५४	पू	३४	१०	व	३०	४९	ग	९	५४	४८	२	५८	१८	४	२२	म. ५०।४
१०	श	१२	३३	उ	३७	४८	प	२९	३७	वि	१२	३३	५२	२	५८	१९	५	२३	मकरे
११	र	१४	३	श्र	४०	२	शि	२७	४०	बा	१४	३	५६	१	५९	२०	६	२४	मकरे
१२	चं	१४	१४	ध	४१	२८	सि	२४	४८	तै	१४	१४	३०	६	०	२१	७	२५	कुं १०।४५
१३	मं	१३	११	श	४१	२७	सा	२०	५३	व	१३	११	६	५/९	१	२२	८	२६	कुंभे
१४	ब	१०	४९	पू	४०	५	शु	१६	४	श	१०	४९	१०	५८	२	२३	९	२७	मी २५।२६
३०	गु	७	२७	उ	३८	९	शु	१०	३०	ना	७	२७	१४	५७	३	२४	१०	२८	मीने

वसन्तोत्सवः छारडी

भ. १०।९उ. ४१।५१या. कुम्भेबुधः ५५।३९

वक्री पुनर्वसौ २ चरणे गुरुः १९।४७
भ. ५६।२२ उ. मीनेऽर्कः २८।३१
भ. २८।५६ या. मार्गीगुरुः १२।३६
शीतलापूजनं
उभायांरविः ४९।९ शते बुधः५८।५९
म. ४१।१४ उ.
भ. १२।३६ या. धनिष्ठायां भृगुः ०।१५
मार्गीपुनर्वसौ३चरणेगुरु१३पापमोचनी११ब्र
प्रदोषः
भ. १३।११ उ. ४२।० या.

कुम्भेभृगुः ४२।१२अहर्गणः ३५।३च. ४के.

४९पं. चै.कृ.७.मं.इ. ३७।३६ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	२	९	६	८	११
१	१८	४	२६	१९	२७	८	१
८	४७	३	४०	२०	४८	१७	५
५२	२२	२९	१७	५०	३७	७	४४
५९	४०	६६	५	६९	२१	३	५९
४९	३३	२५	मा	२५	ब	११	४१

चैत्र कृष्णा ६
चंद्र मीनेऽर्कः प्र.
वा. ३ नं. ४
प्रगल्भावस्था (बैठी)
मृ३०(धान्यभावसम)
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

५०पं.चै.कृ.१३मं.इ.३७।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१०	२	९	६	८	११
८	२३	१३	२६	२७	२७	७	८
६	५६	२	४३	२४	३७	५४	३
१०	४६	५०	३२	१३	३९	१७	५२	१९
५९	४०	८२	१	७०	३/९	३	५९
३५	३५	२०	२०	११	ब	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५६ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५६ भौग्यकलिः ४२६९४४ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०१२ शालिवाहनीय शाकः १८७७ अस्मिन्वर्षेराजा शुक्रः । मंत्री बुधः । सस्येशश्शनिः । धान्येशश्शुक्रः । मेघेशो बुधः । रसेशश्शन्द्रः । नीरसेशःशनिः । फलेशः भौमः । धनेशोःशनिः ९ । दुर्गेशो बुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये शिर्वविंशतिकायां २ कोलकनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ३।४।१०।४८ भोग्यमासादिः ८।२५।४९।१२ सौम-दैवतं युगम् । वर्षनामः माधः । मेघः ४ नाम द्रोणः । रोहिणीनिवासः सन्धौ । समयनिवासो वाणिग्गृहे । समय विश्वा ५ । समय वाहनं दर्दुरः । स्तम्भ २ । जलतृणयोः । सोमवत्यमा ३ । सोमवती पंचमी ३ । अङ्गारकी चतुर्थी ३ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३८४ । तिथिक्षयः १४ । तिथि वृद्धिः ८ । उत्पत्ति विश्वा ८९ । खपति विश्वा १२६ । वर्षा विश्वा ११ । धान्यम् १३. तृणम् ११. शीतम् ५. तेज ५ वायुः १३. शनिदृष्टिपश्चिमे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ७ । ऐक्यं ९५ । सत्यं ।। धर्म १।। पाप १८ । ग्रहणानि ३ । सूर्यस्य २ । चन्द्रमसः १।।

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय जगदम्बे ईश्वरी तू जग की प्रतिपाल ।
बारह विक्रम साल का मुख से कह दो हाल ॥

भवानी उत्तर

बारह विग्रह होयसी मध्यम वर्षै तोय ।
व्यापाराँ घट-बढ़ चले रोग-युद्ध बहु होय ॥
श्रावण भादव मास में गुरु मंगल का योग ।
पवन चक्र जग में चले वर्षा योग कुयोग ॥
आपस भूपति लडैं बहै रक्त की धार ।
धरा कंप अरु रोग से घटे मही का भार ॥
पण भृगु राजा वर्ष में यह सब जग हर्षाय ।
मंत्री पद बुध को मिला करे न्याय की न्याय ॥
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जाने वही जो है जगकर्तार ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	२	११	४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्षेश लग्नम् ९।१९

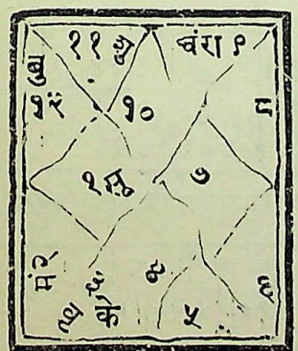

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	बृ	ध	म	कु	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्ष लग्नम् १।६

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५३।०। केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१२।५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथ फलम्-अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम्—शुक्रस्य राज्ये बहुसस्यसंकुला स्वतीव्रवेगाः सारितोम्बुराशिभिः । फलन्ति वृक्षा बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिवसौख्यसयुता ॥ मन्त्री बुधस्तत्फलम्—शशिसुते शुभमन्त्रिसमागते स्वपतिना कुरुते मदनक्रियाम् । बहुधनं बहुवारिसमन्वितं यवमसूरिचणान्नमहर्घता ॥ सस्येशः शनिस्तत्फलम्—रविसुते यदि धान्यपतौ जनो नृपतिभिः परिपीडितविग्रहः । गदभयं तुषधान्यहरं सदा दुरितवादविवादयुता नराः ॥ धान्येशः शुक्रस्तत्फलम्—भृगौ पश्चिमधान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्यः समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ॥ मेघेशः बुधस्तत्फलम्—अमृतरश्मिसुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम् । द्विजवराय जनोत्सुकचेतसः विविधसौख्ययुताधरणी तदा ॥ रसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां बुभुजेयुवतिंप्रियाम् जलधरा बहुवारिविधायका रसवती धनधान्यवती मही ॥ नीरसेशः शनिस्तफलम्-त्रपुपिंडादिलोहानां कृष्णवस्त्रादिवस्तुनाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसनायके । फलेशः भौमस्तत्फलम्—फलपतिर्यदि भूतनयो भवेत्सुबहुपुण्यफलान्वितमेदिनी । गदभयान्वितदेशजनास्तदा नृपतयो बहुविग्रहकारकाः ॥ धनेशः शनिस्तत्फलम्-द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयःसदा । अर्घानिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीड़ितमानसाः ॥ दुर्गेशःबुधस्तत्फलम्-विषयसाम्यसुखं शशिजे प्रभौभवतिराशगते तु विशेषतः । शशिसुते यदि कोटिकपालके पथि षु द्रव्ययुजां न भयं क्वचित । वर्षनाममाघस्तत्फलम्-सुभिक्षं पूर्वयाम्यांचमध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरे रौरवं माघे वर्षे धान्यमहर्घता ॥ कीलकनामसम्वत्सरस्तत्फलम्—कीलकाब्दे त्वीतिभीतिः प्रजाक्षोभनृपाहवौ । तथापि वर्द्धते लोकः समधान्यार्घवृष्टिभिः ॥ मेघनामद्रोणस्तत्फलमद्रोणेवर्षति सर्वदा ॥ रोहणीनिवासः सन्धौ तत्फलम्-खण्डवृष्टिश्चसन्धिषु ॥ समयनिवासो वणिग्गृहे फलम्-वणिग्गृहे शुभं नास्ति एवं सञ्चित्य दैवज्ञैः कथनीयम् शुभाऽशुभम् ॥

सं० २०१२ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ४ भौमे मृगे ल. गो. रे. ८।।।।।ऽऽ।। गो. भौमाष्टमे महादोषः

„ ६ शनौमघा.ला.गो.रे ८।।।।।ऽ ऽरिक्काभौमाष्टम महादोषः पात सामीप्यात्त्याज्यमेव.

„ ११ चन्द्रे उफा. ल. १०–१२ रे. ८ऽबृ ।।।।ऽ।।। मकरे गुरुशुक्रौ पूज्यौ । मीने चं.पू.

„ १४ गुरौ स्वात्यां ल. १० रे ६।।।।।ऽ।। गु. पू. सत् घ. ४६।५१ यावत् श्रेष्ठः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा. १० भौमे उभाल. ऽत्यगो. ११ रे. ६ऽबु ।।।ऽऽऽ।। गो. भौ. ने.

„ ११ बुधे रेव. ल. ऽन्यगो. ११ रे. ६।।।।।।ऽ।। गो. भौ ने.

शुक्ला ६ चन्द्रे उफाल. गो. १० रे. ८।।।।ऽचौऽ।।। गौ.भौ ने. मकरे गुरुः पूज्यः

„ ६ चन्द्रे हस्ते ल.१२रे.८।।।।ऽचौऽ।। चंपू. सत्

अषाढ़ मासः

कृष्णा. ६ भौमे रेव. ल. ११-२ रे. ७ऽरा।।।।ऽ।ऽ।।

शुक्ला५ शुक्रे मघा ल. ११-२रे७।।।।ऽऽऽ।कुम्भे चं पू

„ ८ चन्द्रे हस्ते ल.१०रे.६ऽ।।।ऽ।ऽ।ऽआवश्ये.गुरुःपूज्यः

„ १० बुधे स्वात्यां ल. १०–११ रे ८।।।।।ऽ ऽ। मकरे गुरुः पूज्यः

अत्र क्वचित्स्मृतिदृष्टिदोषश्चेत्क्षन्तव्यं सुधीभिः ।

अषाढ़ कृष्णा ३० चन्द्रे खण्डग्रास सूर्यग्रहणम् विश्वा२।०

		स्प.	म.	मो.	प.		
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	४	५	६	२		
	पल	२०	२६	३८	१८		
रेल्वे टाइम	घं.	८	८	८	००		
	मि.	१३	४१	८	५५		

कार्तिक शु. १५ यां भौमे खण्डग्रासं चंद्र ग्र. विश्वा३-५

		स्प.	म.	मो.	प.		
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	३८	४०	४२	३		
	पल	१७	६	१	४४		
रेल्वे टाइम	घं	६	१०	११	१		
	मि.	४६	३१	१५	२६		

मार्गशीर्षकृष्णा ३० बुधे खण्डग्रासं सूर्यग्रहणम् विश्वा८.५

		स्प.	म	मो.	प		
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	११	१५	२०	८		
	पल	७	३६	१	५४		
रेल्वे टाइम	घं.	१०	१२	२	३		
	मि.	५६	४३	३०	३४		

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७	दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः ३५४स.१६५५
१	शु ३५२ रे ३५ १२	ब्र १२ ५३	व ३ १२	३० ५ ६	२५	११	२६	मे.३५।१२	चंद्रद.नव.रा.घटस्था सम्वत्सरारम्भः
२	शु ५४ ५५ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	०	क्षयः
३	श ५२ ३१ अ ३१ ४५	वै ४६ ४६	तै व २५ १६	२२ ५६ ४	२६	१२	१	मेषे	सावान ८मत्स्य जयंति गणगोरी पू.
४	र ४६ ४१ भ २७ ५४	वि ४२ २६	व १६ ३६	२६ ५५ ५	२७	१३	२	वृ.४१।५६	भ. १६ उ. ४३ या कृत्तिकायाँ भौम ५३ *
५	चं ४० ४६ कृ २४ १	मी ३४ ४६	ब १३ ४४	३० ५४ ६	२८	१४	३	वृषे	कल्पादिः [*पूभायांबुधः ३०
६	मं ३४ ५१ रो १६ ४८	आ २७ ७	कौ ७ ४६	३४ ५३ ७	२६	१५	४	मि४७।४६	[+शतेभृगुः २०।४
७	बु २६ १० मृ १५ ५०	सो १६ ३१	ग २ ०	३८ ५२ ८	३०	१६	५	मिथुने	भ. २६।१० उ. ५६।३१ या.+
८	गु २३ ५३ आ १२ २५	शो १२ २०	ब २३ ५३	४३ ५१ ६	३१	१७	६	क.५४।४३	रेवत्यां रविः १६ ३ वृषे भौम :५६।२६=
९	शु १६ १६ पु ८ ४६	श्र ३७ ५५ ३८	कौ १६ १६	४७ ५१ ६	१	१८	७	कर्के	अप्रेल मा. ४ ता० ३० राम ६
१०	श १५ ३४ पु ७ १७	धृ ५४ २०	ग १५ ३४	५२ ५० १०	२	१६	८	कर्के	म.४४।१०उ.मीने बुधः ५२।५२
११	र १२ ४६ श्ले ६ ४	शू ४६ ५८	वि १२ ४६	५६ ४६ ११	३	२०	६	सिं६।४	भ. १२।४६ या. कामदा ११ ब्र.
१२	चं ११ ४ म ५ ५६	गं ४६ ४४	बा ११ ४	३१ ० ४८ १२	४	२१	१०	सिंहे	उभायां दुधः ४५।३ प्रदोषः
१३	मं १० ३० पू ७ ६	ब्रु ४४ २२	तै १० ३०	४ ४७ १३	५	२२	११	कं.२२।४१	[=भवान्युत्पत्तिः
१४	बु ११ २५ उ ६ २६	ध्रु ४२ ३	व ११ २५	८ ४६ १४	६	२३	१२	कन्यायां	भ. ११।२५ उ. ४२।२६ या.
१५	गु १३ ३३ ह १२ ४७	व्या ४२ ५	व १३ ३३	१२ ४६ १४	७	२४	१३	तु.४५।१३	हनूमज्जयंतीः वै. स्ना. प्रा.

५१पं.चै.शु.६मं.इ.३८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	२	१०	६	८	११
१५	२८	२३	२६	५	२७	७	१४
२	२४	२३	५५	५०	१५	३२	५९
४९	२८	३५	३४	४२	१८	३७	१४
५९	४०	९५	२	७०	४७ ३	३	५९
१८	३६	२१	४७	४८	ब्र ११	१६	

गोचरग्रहाः

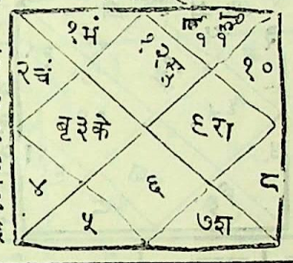

इस मास का फल साधारण है, पशु पीड़ा रसकस तेज होगा। शुक्रवार का चन्द्र दर्शन रूई धान्य तेज।

गोचरग्रहाः

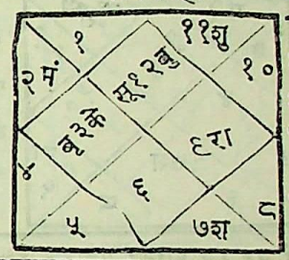

५२पं.चै.शु.१३मं.इ३८।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	२	१०	६	८	११
२१	३	४	२७	१४	२६	७	२१
५७	११	५५	१६	६	५८	१०	५३
२	३१	३३	४९	३५	२४	२१	२९
५९	४०	०	४	७१	२३	३	५९
४	२४	५८	३	२०	ब	११	४

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तुरविरुत्तरे चैत्र कृ. महाराष्ट्राः
१	शु १७ ५५ चि १७ ४०	ह ४२ ११	कौ १७ ५५	२१ ६ ४५ १५	८	२५	१४	तुलायां	सब्बरात
२	श २१ १२ स्वा २३ २१	व ४३ १८	ग २१ १२	२० ४४ १६	९	२६	१५	तुलायां	भ. ५३।३६ उ.
३	र २६ १ वि २९ ३६	सिं ४४ ३३	वि २६ १	२४ ४३ १७	१०	२७	१६	वृ. १३।२	भ.२६।१या.पूवास्तंबुधः ४ ८ पू.भृगुः ३ ७
४	चं ३१ ६ अ ३६ १	व्य ४५ ५६	बा ३१ ६	२८ ४२ १८	११	२८	१७	वृश्चिके	
५	मं ३६ १३ ज्ये ४२ २२	व ४७ १३	कौ ३ ४०	३२ ४२ १८	१२	२९	१८	ध.४२।२२	रेवत्यां बुधः १०।३३
६	बु ४० ४१ मू ४८ ७	प ४८ ८	ग ८ २७	३६ ४१ १९	१३	३०	१९	धनुषि	भ.४०।४१उ. मेषेऽर्कः ५१।८
७	गु ४४ २९ पू ५३ १९	शि ४८ ७	वि १२ ३५	४० ४० २०	१४	१	२०	धनुषि	भ. ७।३५ या.
८	शु ४७ ३ उ ५७ ५	सिं ४७ ४२	बा १५ ४६	४४ ३९ २१	१५	२	२१	म.९।१५	रो.भौमः ४ १० मूले २राहुः मृगे ४केतुः ११।२
९	श ४८ २५ श्र ५९ २७	सा ४६ १४	तै १७ ४४	४८ ३८ २२	१६	३	२२	मकरे	
१०	र ४८ ३२ ध ६० ०	शु ४३ ४३	व १८ २८	५१ ३८ २२	१७	४	२३	कु.३०।१०	भ. १८।२८ उ. ४८।३२ या.
११	चं ४७ २० ध ० ५४	शु ४० ३	ब १७ ५६	५५ ३७ २३	१८	५	२४	कुम्भे	मेषेबुधः ५ २ मीनेभृगुः ४ ४ वरूथिनी ११ब्र.
१२	मं ४४ ५६ श १ ११	व्र ३५ ३८	कौ १६ ८	५८ ३६ २४	१९	६	२५	मी ४५।३३	पातस्पर्शः ५ ३ परूथिनी ११ब्र.नि.
१३	बु ४१ २९ पू ० ५९	ऐं ३० १८	ग १३ १२	३ ३ ३६ २४	२०	७	२६	मीने	भ. ४१।१९उ. पातमोक्षः ५ ४ प्रदोषः
१४	गु ३७ ७ रे ५६ ३६	वै २३ ३०	वि ९ १८	६ ३५ २५	२१	८	२७	मे.५६। ३६	भ. ९।१८ या. उभायां भृगुः ४६।५
३०	शु ३१ ५९ अ ५२ १५	वि १७ ३३	च ४ ३३	९ ३४ २३	२२	९	२८	मेषे	

१पं वै.कृ.६बु.इ.५४।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	२	१०	६	८	०
०	८	२०	२७	२३	२६	६	०
३	४८	५	५१	५६	२८	४४	०
११	३	२७	५७	२४	३३	४	०
५८	४०	९	३ ३०	७१	५३	३	५८
४५	२४	४२	ब्र	५०	ब्र	११	४४

गोचरग्रहाः

वैशाख कृष्णा ६ बुधे मेषेऽर्कः प्र. वा. ४ न ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

२पं.वै.कृ.१३बु.इ.५४।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	२	११	६	८	०
६	१३	४	२८	२	२६	६	६
५३	३०	१४	३१	१८	१	२१	५०
९	२२	१७	१३	५१	१३	१९	४९
५८	४०	९	३ ३०	६	७२	३	५८
२९	१९	५	३२	८	ब्र	११	३१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं.२०१२ शाकः १८७७ | दि. | उ. | अ. | इ. | हि. | मु. | चंद्रः | वसंतर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ३८३स. १६५५

१	श	२६	२२	भ	४८	३५	प्री	१०	२६	ब	२६	२२	३३/१३	५/३३	६/२७	२३	१०	२६	मेषे	चन्द्रदर्शनम्
२	र	२०	२५	कृ	४४	२२	आ	५८	५२/२५	कौ	२०	२५	१७	३३	२७	२४	११	१	बृ.२।३२	रमजान ६ रोजा परशुराम ज. के.
३	चं	१४	२४	रो	४०	१६	शो	४७	२३	ग	१४	२४	२१	३२	२८	२५	१२	२	वृषे	भ.४/१५उ.भरण्यांबुधः४/८ परशुरामज.
४	मं	८	२६	मृ	३६	२१	अ	४४	५	वि	८	२६	२५	३१	२६	२६	१३	३	मि८।२०	भ. ८।२६ या
५	बु	२	४५	आ	३२	४८	सु	३२	३८	वा	२	४५	२६	३०	३०	२७	१४	४	मिथुने	भरण्यां रविः ३२।३२
६	बु	५४	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	गु	५२	४३	पु	२६	४१	धृ	२६	७	ग	२५	२	३३	२०	३१	२८	१५	५	क.१५।२८	भ. ५२।४३ उ.
८	शु	४८	५३	पु	२७	२०	शू	१६	४७	वि	२०	४८	३६	२५	३१	२६	१६	६	कर्के	भ. २०।४८ या.
९	श	४५	५६	श्ले	२५	५३	गं	१४	२८	बा	१७	२६	४०	२८	३२	३०	१७	६	सिं२५।५३	कृतिकायां बुधः १५।३७
१०	र	४४	११	म	२५	२८	बृ	१०	०	तै	१५	५	४३	२७	३३	१	१८	८	सिंहे	मई मा. ५ ता. ३१
११	चं	४३	४४	पू	२६	२७	ध्रु	६	१३	ब	१३	५७	४७	२७	३३	२	१६	९	कं.४१।५५	भ.१/५३उ.४/४४या.वृषेबुधः५/६मो.११ब्र.
१२	मं	४४	२०	उ	२८	१७	व्या	३	३३	ब	१४	२	५०	२६	३४	३	२०	१०	कन्या	रेवत्यांभृगुः४/४पुनर्वसौ४कर्केगुरुः३/२२
१३	बु	४६	१७	ह	३१	४७	ह	१	५२	कौ	१५	१८	५४	२५	३५	४	२१	११	कन्या	पश्चिमोदयी बुधः ३२।३७ प्रदोषः
१४	गु	४६	४१	चि	३६	१२	ब	१	१३	ग	१७	५६	५७	२५	३५	५	२२	१२	तु.४।०	भ.४/४६उ.मृगेभौमः३/४६नृसिंहजयंती
१५	शु	५३	५१	स्वा	४१	३७	सि	१	२१	वि	२१	४६	७/१	३/२४	३६	६	२३	१३	तुलायां	भ.३/६१या. कूर्मजयंती वै. स्ना. पतिः

३पं.वै.शु.५ बु.इ.५४।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	३	२	११	६	८	०
१३	१८	१९	२९	१०	२५	५	१३
४१	१६	२२	१८	४२	३१	५९	३९
५८	१९	२८	१९	५	५३	३४	४१
४६	४०	३/५	७	७२	३/४०	३	५८
१२	२१	३/५	२७	२८	ब	११	१९

गोचरग्रहा

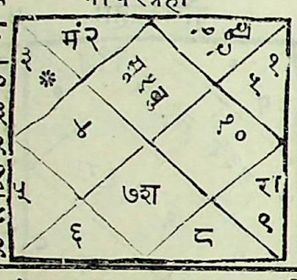

इस मास में ५ शुक्र उत्तम हैं प्रजामें सुख शांति धान्य अफीम रूई का भाव साधरण

गोचरग्रहा

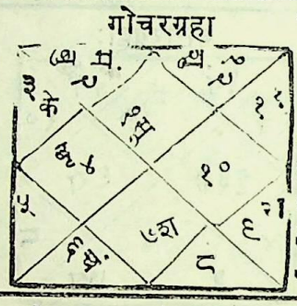

४पं.वै.शु.१३बु.इ.५५।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	३	११	६	८	०
२०	२२	३	००	१८	२५	५	२०
२८	५२	४९	१२	५	०	३७	२७
२४	११	५४	२५	३१	६	१८	२१
५७	४०	३/५	८	७२	४/४०	३	५८
५७	५०	३/५	२९	५०	ब	११	६

ति. ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं.२०१२ शाकः १८७७ | दि. | उ. | अ. | इ. | हि. | मु. | चन्द्रः | गीष्मर्तौ रविरुत्तरे वैशाखकृ.महाराष्ट्राः

१	श	५८	३४	वि	४७	४६	व्य	२	२२	बा	२६	१२	३३	५	३७	७	२४	१४	बृ. ३१।४१	
२	र	६०	०	अ	५४	१४	व	३	४०	तै	३१	४	७	२३	३७	८	२५	१५	वृश्चिके	रोहिण्यां बुधः ३।२०
२	चं	३	३४	ज्ये	६०	०	प	५	२	ग	३	३४	१०	२२	३८	९	२६	१६	वृश्चिके	भ. ३६।० उ.
३	मं	८	२६	ज्ये	०	३६	शि	६	३२	वि	८	२६	१३	२१	३९	१०	२७	१७	ध.०।३६	भ. ८।२६ या.
४	बु	१२	५४	मू	६	३३	सि	७	३५	बा	१३	५४	१०	२१	३९	११	२८	१८	धनुषि	कृत्तिकायां रविः २०।२७
५	गु	१६	३७	पू	११	४२	सा	८	५	तै	१६	३७	१९	२०	३०	१२	२९	१९	म.२७।४६	
६	शु	१९	१०	उ	१५	५७	शु	७	४४	व	१९	१०	२२	२०	४०	१३	३०	२०	मकरे	भ.१/१९उ. ५/६७या. मेषे भृगुः ५६।०
७	श	२०	४५	श्र	१९	०	शु	६	२४	ब	२०	४५	२५	१९	४१	१४	३१	२१	कु.४९।५५	वृषेऽर्कः ४८।१४
८	र	२०	३१	ध	२०	४६	व्र	४	४	कौ	२०	३१	२८	१८	४२	१५	१	२२	कुम्भे	मिथुने भौमः४२।२०
९	चं	१९	१७	श	२१	१७	ऐं	५/०	५/५	ग	१९	१७	३१	१८	४२	१६	२	२३	कुम्भे	भ. ४८।२ उ. मृगे बुधः ३८।३३
१०	मं	१६	४८	पू	२०	४३	वि	५	१	वि	१६	४८	३४	१७	४३	१७	३	२४	मी५।४२	भ. १६।४८ यां
११	बु	१३	२९	उ	१८	५३	प्री	४	३६	बा	१३	२९	३६	१७	४३	१८	४	२५	मीने	अपरा ११ ब्र.
१२	गु	८	२५	रे	१६	२४	आ	३	१६	तै	८	२५	३६	१६	४४	१९	५	२६	मे.१६।२४	प्रदोषः
१३	शु	३	४६	अ	१३	८	सो	३	१८	व	३	४६	४१	१६	४४	२०	६	२७	मेषे	भ. ३।४६उ. ३०।५४ या.
१४	शु	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	श	५२	४	भ	९	२९	शो	२४	५९	च	२५	३	४४	१५	४५	२१	७	२८	ब्र.२३।५७	माबुका वट पूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.४बु.इ.५५।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	३	११	६	८	०
२७	२७	१६	१	२७	२४	५	२७
१३	३१	२२	१२	३२	२८	१५	१३
३८	०	५	६	५८	५४	३	२२
५७	३९	९९	९	७३	४/४०	३	५७
४५	५६	०	९९	८	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

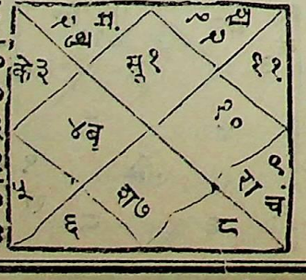

ज्येष्ठकृष्णा ७शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ४नं.४ कुमारावस्था (बैठी) मृ. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं

गोचरग्रहाः

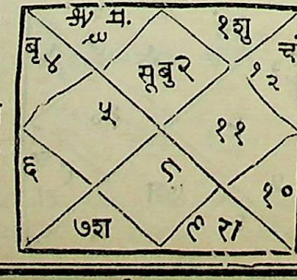

६पं.ज्ये.कृ११बु.इ५५।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	३	०	६	८	१
३	२	२६	२	५	२३	१४	३
५७	८	०	१६	५९	५७	५२	५८
१५	१३	२६	५५	२०	३२	४७	२६
५७	३९	७०	१०	७३	४/३४	३	५७
३४	४९	१६	२	२०	ब्र	११	४४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं.२०१२ शाकः १८७७ दि. उ. अ. इं. हि. मु. चंद्रः ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः २३५ सन्१९५५

१	र	४६	१	कृ	५	२१	अ	१७	३२	कं	१९	२	३३ ४६	५५ १५	६५ ४५	२२	८	२९	वृषे	मिथुने बुधः २०।५०
२	चं	३१	५९	रो	२२	५५ ५९	सु	९	४६	बा	१३	०	४८	१४	४६	२३	९	३०	मि २९।२१	चन्द्रदर्शनम्
३	मं	३३	५५	आ	५३	४१	धृ	२५	५३ ४३	तै	६	५७	५०	१४	४६	२४	१०	१	मिथुने	सव्वाल १० ईद
४	बु	२८	४४	पु	५०	२१	गं	४८	१५	व	१	१९	५२	१४	४६	२५	११	२	क. ३६।११	भ.१९उ.२५या.रोहिण्यांरविः १४ आर्द्रायां*
५	गु	२४	१	पु	४७	५२	वृ	४१	५६	बा	२४	१	५४	१३	४७	२६	१२	३	कर्के	[*भौमः ४९ भरण्यांभृगुः ५ ४ पुष्ये१गुरुः १५
६	शु	२०	३	श्ले	४७	१४	ध्रु	३६	२७	तै	२०	३	५६	१३	४७	२७	१३	४	सिं.४७।१४	वक्रीविशाखायां १ शनिः ४२।१०
७	श	१७	३	म	४७	३४	व्या	३१	४५	व	१७	३	५८	१२	४८	२८	१४	५	सिंहे	भ. १७।३ उ. ४६।६ या.
८	र	१५	९	पू	४७	५४	ह	२८	३	व	१५	९	३ ४०	१२	४८	२९	१५	६	सिंहे	
९	चं	१४	३१	उ	४८	५५	व	२५	५	कौ	१४	३९	२	१२	४८	३०	१६	७	कं. ३।९	
१०	मं	१५	६	ह	५०	५४	सि	२३	२१	ग	१५	६	४	११	४९	३१	१७	८	कन्या	भ. ४६।३ उ. गङ्गादशहरा
११	बु	१७	०	चि	५५	१४	व्य	२२	२५	वि	१७	०	६	११	४९	१	१८	९	तु.२३।४	भ. १७ या. जूनमा.९ता.३०निर्जला११व्र
१२	गु	२०	८	स्वा	६०	०	व	२२	२९	बा	२०	८	७	११	४९	२	१९	१०	तुलायां	वक्री बुधः १६।२३ प्रदोषः
१३	शु	२४	१२	स्वा	०	२४	प	२३	८	तै	२४	१२	९	१०	५०	३	२०	११	वृ.४९।५२	वटसावित्री व्रतारम्भः
१४	श	२९	१	वि	६	२२	शि	२४	३३	व	२९	१	१०	१०	५०	४	२१	१२	बृश्चिके	भ. २९।१ उ. [÷वटसावित्री पूज.
१५	र	३२	४५	अ	१२	४४	सि	२६	२	वि	२	२३	१२	१०	५०	५	२२	१३	बृश्चिके	भ.२३ या.कृत्तिकायांभृगुः १ ६ गुर्जराणां÷

७पं.ज्ये.शु.४बु.इ. ५५।३८

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	३	०	६	८	१
१०	६	२	३	१४	२३	४	१०
३९	४४	३१	२६	२३	२७	३०	४२
२३	२	५८	४१	२३	३१	३२	२०
५७	३९	३५	१०	७३	१ ४९	३	५७
२३	५३	२८	४४	३०	ब	१२	३५

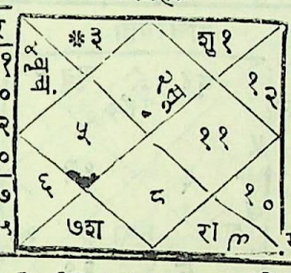

इस मास का फल मध्यम है, प्रजा में पीड़ा रोग अग्नि भय भूकम्प आदि का उपद्रव हो। रुई अनाज तेजी-मंदी

गोचरग्रहाः

८ पं.ज्ये.शु.११बु.इ.५५।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	३	०	६	८	१
१७	११	५	४	२२	२२	४	१७
२०	१८	१८	४१	५३	५८	८	२०
३२	१८	४०	१६	२०	३१	१७	४
५७	३९	१	११	७३	५ ४९	३	५७
१३	४९	१४	१९	४४	ब	११	२७

ति. आषाढकृष्णपक्षः सं०२०१२ शाकः १८७७ दि. उ. अ. इं. हि. मु. चन्द्रः ग्रीष्मऋतूरविरुत्तरेज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	चं	३८	३४	ज्ये	१९	१२	सा	२७	२९	बा	६	४	३४ १३	५९ ५१	६	२३	१४	ध.१९।१२	पश्चिमास्त बुधः ५५।२६
२	मं	४२	५९	मू	२५	१७	शु	२८	४५	तै	१०	४६	१५	९	५१	७	२४	१५	धनुषि	वृषेभृगुः ४८।३७
३	बु	४६	३७	पू	३०	३१	शु	२९	२३	व	१४	४८	१६	९	५१	८	२५	१६	म.४६।३८	भ.१४।४८उ.४६।३७या.मृगे रविः १३ १२
४	गु	४९	११	उ	३५	१	ब्र	२९	१२	ब	१७	५४	१७	९	५१	९	२६	१७	मकरे	
५	शु	५०	२७	श्र	३८	२३	ऐं	२८	५	कौ	१९	४९	१८	८	५२	१०	२७	१८	मकरे	
६	श	५०	३३	ध	४०	२४	वै	२६	९	ग	२०	३०	१९	८	५२	११	२८	१९	कु. २४।९	भ. ५०।३३ उ.
७	र	४९	१८	श	४१	१०	वि	२३	९	वि	१९	५५	२०	८	५२	१२	२९	२०	कुम्भे	भ. १९।५५ या. पुष्ये२गुरुः ३७।५०
८	चं	४६	५०	पू	४०	५६	भी	१९	६	बा	१८	४	२१	८	५२	१३	३०	२१	मी. २६।०	
९	मं	४३	२१	उ	३९	२१	आ	१४	१४	तै	१५	६	२२	८	५२	१४	३१	२२	मीने	[* पुनर्वसौ मौमः१८।४७
१०	बु	३८	५७	रे	३६	५७	सो	८	३१	व	११	९	२२	८	५३	१५	३२	२३	मे.३६।५७	भ.११।९उ.३८।५७या.मिथुनेऽर्कः ४० ० *
११	गु	३३	४७	अ	३३	२२	शो	२	५५ १९	ब	६	२२	२३	७	५३	१६	१	२४	मेषे	रोहिण्यांभृगुः २।१७ योगिनी ११
१२	शु	२८	३	भ	३१	३	सु	४८	३	कौ	०	५५	२३	७	५३	१७	२	२५	वृ. ४४।५२	वक्री वृषेबुधः ५५ ५५ मूले१राहुःगृगे३≡
१३	श	२२	४	कृ	२६	१८	धृ	४०	२६	व	२२	४	२३	७	५३	१८	३	२६	बृषे	भ.२२।४उ.४९।१या. [≡केतुः ४ २ प्रदोष
१४	र	१५	५७	रो	२२	५३	शू	३३	८	श	१५	५७	२४	७	५३	१९	४	२७	मि ५०।३६	
३०	चं	९	५०	मृ	१८	१९	गं	२५	४५	ना	९	५०	२४	७	५३	२०	५	२८	मिथुने	पातस्पर्शः८।८सोमवत्यमा रविग्रहणम्

९पं.आ.कृ.३बु.इ.५५।४४

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	३	१	५	८	१
२४	१५	५	५	१	२२	३	२४
०	५२	२४	५०	२२	३३	४६	७
२८	१	२१	४२	४०	२२	१	८
५७	३९	२३ ४९	११	७३	३ ९	३	५७
५	३९	ब	५५	१३	ब	११	२२

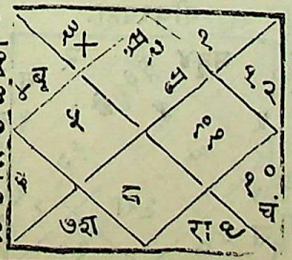

आषाढ कृष्णा १० बुधे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ५न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

१०पं.आ.कृ.१०बु.इ.५५।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	३	१	६	८	४
०	२०	१	७	९	२२	३	०
३९	२४	६	२०	५१	१०	२३	४८
३६	२९	३६	३४	५४	४४	४६	२५
५६	३९	३३ २९	१२	७३	३ ४	३	५७
५७	४६	बृ	१८	५६	बृ	११	१७०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७ | दि. उ. अ. इ. हि. मु | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः ४४२ सन् १९५५

१	मं	३	५८	आ	१४	५५	वृ	१८	२४	ब	३	५८	३४	५	५३	२१	६	२९
२	मं	५४	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	बु	५३	३३	पु	११	३	ध्रु	११	१५	तै	२५	५९	२४	७	५३	२२	७	१
४	गु	४९	३१	पु	८	३०	व्या	५४	५४	व	२१	३२	२४	७	५३	२३	८	२
५	शु	४६	२५	श्ले	६	५७	व	५	४४	ब	१७	५८	२४	७	५३	२४	९	३
६	श	४४	२५	म	५	३०	सि	५०	३०	कौ	१५	२५	२३	७	५३	२५	१०	४
७	र	४३	३६	पू	५	५१	व्य	४७	३३	ग	१४	०	२३	७	५३	२६	११	५
८	चं	४४	१३	उ	७	१८	ब	४५	२७	वि	१३	५४	२३	७	५१	२७	१२	६
९	मं	४५	५१	ह	१०	५	पू	४४	२८	वृ	१५	२	२२	८	५१	२८	१३	७
१०	बु	४९	०	चि	१४	०	शि	४४	२०	तै	१७	२५	२२	८	५१	२९	१४	८
११	गु	५२	५९	स्वा	१९	८	सि	४५	१	व	२०	५९	२१	८	५१	३०	१५	९
१२	शु	५७	३३	वि	२४	४९	सा	४६	१५	ब	२५	१६	२०	८	५१	१	१६	१०
१३	श	६०	०	अ	३१	७	शु	४७	४६	कौ	२९	५६	१९	८	५१	२	१७	११
१३	र	२	१९	ज्ये	३७	३५	शु	४९	१७	तै	२	१९	१८	८	५१	३	१८	१२
१४	चं	७	१५	मू	४३	४२	ध्रु	५०	३५	व	७	१५	१७	९	५१	४	१९	१३
१५	मं	११	३९	पू	४९	१५	ऐं	५१	२६	ब	११	३९	१६	९	५१	५	२०	१४

१	मं	३	५८	आ	१४	५५	वृ	१८	२४	ब	३	५८	३४	५	५३	२१	६	२९
२	मं	५४	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	बु	५३	३३	पु	११	३	ध्रु	११	१५	तै	२५	५९	२४	७	५३	२२	७	१
४	गु	४९	३१	पु	८	३०	व्या	५४	५४	व	२१	३२	२४	७	५३	२३	८	२
५	शु	४६	२५	श्ले	६	५७	व	५	४४	ब	१७	५८	२४	७	५३	२४	९	३
६	श	४४	२५	म	५	३०	सि	५०	३०	कौ	१५	२५	२३	७	५३	२५	१०	४
७	र	४३	३६	पू	५	५१	व्य	४७	३३	ग	१४	०	२३	७	५३	२६	११	५
८	चं	४४	१३	उ	७	१८	ब	४५	२७	वि	१३	५४	२३	७	५१	२७	१२	६
९	मं	४५	५१	ह	१०	५	पू	४४	२८	वृ	१५	२	२२	८	५१	२८	१३	७
१०	बु	४९	०	चि	१४	०	शि	४४	२०	तै	१७	२५	२२	८	५१	२९	१४	८
११	गु	५२	५९	स्वा	१९	८	सि	४५	१	व	२०	५९	२१	८	५१	३०	१५	९
१२	शु	५७	३३	वि	२४	४९	सा	४६	१५	ब	२५	१६	२०	८	५१	१	१६	१०
१३	श	६०	०	अ	३१	७	शु	४७	४६	कौ	२९	५६	१९	८	५१	२	१७	११
१३	र	२	१९	ज्ये	३७	३५	शु	४९	१७	तै	२	१९	१८	८	५१	३	१८	१२
१४	चं	७	१५	मू	४३	४२	व्र	५०	३५	व	७	१५	१७	९	५१	४	१९	१३
१५	मं	११	३९	पू	४९	१५	ऐं	५१	२६	ब	११	३९	१६	९	५१	५	२०	१४

१	मं	३	५८	आ	१४	५५	वृ	१८	२४	ब	३	५८	३४	५	५३	२१	६	२९
२	मं	५४	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	बु	५३	३३	पु	११	३	ध्रु	११	१५	तै	२५	५९	२४	७	५३	२२	७	१
४	गु	४९	३१	पु	८	३०	व्या	५४	५४	व	२१	३२	२४	७	५३	२३	८	२
५	शु	४६	२५	श्ले	६	५७	व	५	४४	ब	१७	५८	२४	७	५३	२४	९	३
६	श	४४	२५	म	५	३०	सि	५०	३०	कौ	१५	२५	२३	७	५३	२५	१०	४
७	र	४३	३६	पू	५	५१	व्य	४७	३३	ग	१४	०	२३	७	५३	२६	११	५
८	चं	४४	१३	उ	७	१८	ब	४५	२७	वि	१३	५४	२३	७	५१	२७	१२	६
९	मं	४५	५१	ह	१०	५	पू	४४	२८	वृ	१५	२	२२	८	५१	२८	१३	७
१०	बु	४९	०	चि	१४	०	शि	४४	२०	तै	१७	२५	२२	८	५१	२९	१४	८
११	गु	५२	५९	स्वा	१९	८	सि	४५	१	व	२०	५९	२१	८	५१	३०	१५	९
१२	शु	५७	३३	वि	२४	४९	सा	४६	१५	ब	२५	१६	२०	८	५१	१	१६	१०
१३	श	६०	०	अ	३१	७	शु	४७	४६	कौ	२९	५६	१९	८	५१	२	१७	११
१३	र	२	१९	ज्ये	३७	३५	शु	४९	१७	तै	२	१९	१८	८	५१	३	१८	१२
१४	चं	७	१५	मू	४३	४२	व्र	५०	३५	व	७	१५	१७	९	५१	४	१९	१३
१५	मं	११	३९	पू	४९	१५	ऐं	५१	२६	ब	११	३९	१६	९	५१	५	२०	१४

१	मं	३	५८	आ	१४	५५	वृ	१८	२४	ब	३	५८	३४	५	५३	२१	६	२९
२	मं	५४	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	बु	५३	३३	पु	११	३	ध्रु	११	१५	तै	२५	५९	२४	७	५३	२२	७	१
४	गु	४९	३१	पु	८	३०	व्या	५४	५४	व	२१	३२	२४	७	५३	२३	८	२
५	शु	४६	२५	श्ले	६	५७	व	५	४४	ब	१७	५८	२४	७	५३	२४	९	३
६	श	४४	२५	म	५	३०	सि	५०	३०	कौ	१५	२५	२३	७	५३	२५	१०	४
७	र	४३	३६	पू	५	५१	व्य	४७	३३	ग	१४	०	२३	७	५३	२६	११	५
८	चं	४४	१३	उ	७	१८	ब	४५	२७	वि	१३	५४	२३	७	५१	२७	१२	६
९	मं	४५	५१	ह	१०	५	पू	४४	२८	वृ	१५	२	२२	८	५१	२८	१३	७
१०	बु	४९	०	चि	१४	०	शि	४४	२०	तै	१७	२५	२२	८	५१	२९	१४	८
११	गु	५२	५९	स्वा	१९	८	सि	४५	१	व	२०	५९	२१	८	५१	३०	१५	९
१२	शु	५७	३३	वि	२४	४९	सा	४६	१५	ब	२५	१६	२०	८	५१	१	१६	१०
१३	श	६०	०	अ	३१	७	शु	४७	४६	कौ	२९	५६	१९	८	५१	२	१७	११
१३	र	२	१९	ज्ये	३७	३५	शु	४९	१७	तै	२	१९	१८	८	५१	३	१८	१२
१४	चं	७	१५	मू	४३	४२	व्र	५०	३५	व	७	१५	१७	९	५१	४	१९	१३
१५	मं	११	३९	पू	४९	१५	ऐं	५१	२६	ब	११	३९	१६	९	५१	५	२०	१४

चन्द्रदर्शनम्

जिल्काद ११ आर्द्रायां रविः १५।३२
भ. २१।३२ उ. ४९।३१ या.
अस्तं भौमः २८।४१
पूर्वोदयी बुधः २०।४८
भ. ४३।३६ उ.
भ. १३।५८ या. मृगेभृगुः ३।१
[* ४६।४३ देवशयनी ११ ब्र. स्मा. वै.
मार्गीबुधः ३०।१३ पुष्ये ३ गुरुः १।१६
भ. २०।५५ ९ उ. ५२।५९ या. कर्के भौमः *
जुलाईमा. ७ ता. ३१ देवशयनी ११ ब्र. नि.
मिथुने भृगुः २६।४४ प्रदोषः

भ. ७।१५ उ. ३९।२७ या.
व्यासपूजा

११पं.आ.शु.३ बु.इ. ५५।४०

गोचरग्रहाः

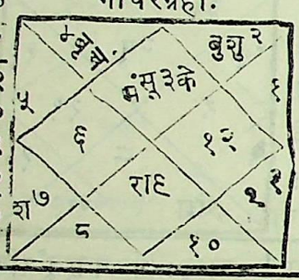

इस मास में जो गेहूँ बाजरा चावल रूई अफीम मूंग मन्दा होगा सुदी में प्रजा में कोई बीमारी होगी।

गोचरग्रहा

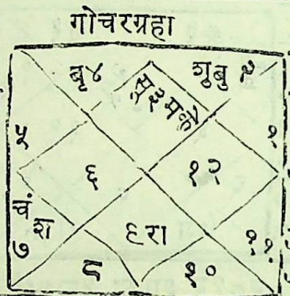

१२पं.आ.शु १०बु.इ.५५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	३	१	६	८	२
१३	२९	२६	१०	२६	२१	२	१४
५६	२६	५४	११	५३	३६	३९	९
७	१९	३५	५१	१५	९	१५	४६
५६	३९	३१	१३	७४	५१	३	५७
५०	३२	बु	५	८	मा	११	७

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६ | दि. उ. अ. इ. हिं मु. | चंद्रः | वर्षाऋतुरविर्दक्षिणेऽश्रा.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	बु	१५	१९	उ	५४	८	वै	५१	३१	कौ	१५	१९	३४	५	६	६	२१	१५
२	गु	१७	५५	श्र	५७	३५	वि	५०	३३	ग	१७	५५	१३	९	५१	७	२२	१६
३	शु	१९	१७	ध	५९	५६	प्री	४८	४३	वि	१९	१७	११	१०	५०	८	२३	१७
४	श	१९	२६	श	६०	०	आ	४५	५७	ग्र	१९	२६	१०	१०	५०	९	२४	१८
५	र	१८	१६	श	०	५७	सौ	४२	६	तै	१८	१६	८	१०	५०	१०	२५	१९
६	चं	१५	४८	पू	१	४९	शो	३७	१९	व	१५	४८	७	११	४९	११	२६	२०
७	मं	१२	२४	रे	५७	१८	अ	३१	४१	ब	१२	२४	६	११	४९	१२	२७	२१
८	बु	८	०	अ	५४	२६	सु	२५	२६	कौ	८	०	४	११	४९	१३	२८	२२
९	गु	२	५२	भ	५०	५५	धृ	१८	३८	ग	२	५२	२	१२	४८	१४	२९	२३
१०	गु	५४	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	शु	५१	१८	कृ	४६	५८	शू	११	२७	व	२४	१६	०	१२	४८	१५	३०	२४
१२	श	४५	७	रा	४२	५३	गं	५३	५५	कौ	१८	१२	३५	१२	४८	१६	३१	२५
१३	र	३९	०	मृ	३८	४४	ध्रु	४८	५०	ग	१२	३	५६	१३	४७	१७	१	२६
१४	चं	३३	५	आ	३४	४६	व्या	४१	२५	वि	६	२	५४	१४	४७	१८	२	२७
३०	मं	२७	२५	पु	३१	२७	ह	३४	२६	च	०	१५	५२	१४	४६	१९	३	२८

पुनर्वसौरविः १३ पुष्येभौमः ० मार्गीबुधः ५४
म. ४८।३६ उ. आर्द्रायांभृगुः ५४।२२
भ. १९।१७ या. अस्तं गुरुः ५७।३६

अ. गु.
नाग ५
भ. १५।४८ उ. ४४।६ या.
मन्वादिः
आर्द्रायांबुधः ३५।१५
भ. ३०।३ उ. ५७।१४ या. पुष्ये ४ गुरुः ३५

कामिका ११ ब्र. स्मा.
कर्केऽर्कः ५२।१७ कामिका ११ ब्र.
भ. ३९।० उ.
भ. १ या. मार्गीशनिः ४५ पुनर्वसौ भृगुः ५०
हरियाली ३०

१३पं.श्रा.कृ.१बु.इ.५५।३०

गोचरग्रहाः

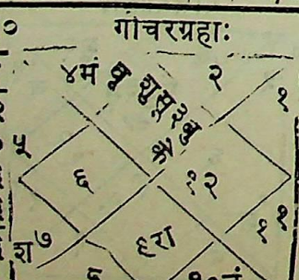

श्रावणकृष्णा १२ शन कर्केऽर्कः प्र. वा ४ न. ६ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वं।

गोचरग्रहाः

१४पं.श्रा.कृ.८मं.इ५५।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	२	६	८	२
२७	८	७	१३	१४	२१	१	२७
१२	२५	५	१०	१	१९	५४	३०
९	४	५५	२९	१	२५	४४	३२
५६	३९	७७	१३	७४	२९	३	५७
५५	२९	१८	२५	२०	बृ	११	११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	२	६	८	२
२०	३	०	११	५	२१	२	२०
३४	५६	०	४०	२७	२५	१७	५६
३	२९	३२	२७	५	२	०	६
५६	३९	३८	१३	७४	१३	३	५६
५०	३२	११	१९	१९	बु	११	७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.श्रावणशुक्लपक्षः सं० २०१२ शाकः १८७७ | दि.उ.अ. इं.हिं.मु. चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २६५स.१६५५

१	बु	२२	३३	पु	२८	३२	ब	२७	५५	ब	२२	३३	३३/३०	५/१४	४६/६	२०	४	२६	कर्के
२	गु	१८	२७	श्ले	२६	२८	सि	२१	६	कौ	१८	२७	४७	१५	४५	२१	५	१	सिं २६।२८
३	शु	१५	१५	म	२५	१७	व्य	१७	२	ग	१५	१५	४५	१५	४५	२२	६	२	सिंहे
४	श	१३	१०	पू	२५	२२	व	१२	५२	वि	१३	१०	४२	१६	४४	२३	७	३	कं.४०।३८
५	र	१२	१५	उ	२६	२५	प	६	४५	ग्रा	१२	१५	४०	१६	४४	२४	८	४	कन्या
६	चं	१२	४६	ह	२०	५४	शि	७	२७	तै	१२	४६	३७	१६	४३	२५	६	५	कन्या
७	मं	१४	३८	चि	३२	३४	सि	६	१८	व	१४	३८	३५	१७	४३	२६	१०	६	तु.०।४४
८	बु	१७	२१	स्वा	३७	१५	सा	५	५६	ब	१७	२१	३२	१८	४२	२७	११	७	तुलायां
९	गु	२१	१६	वि	४२	६	शु	६	२६	कौ	२१	१६	३०	१८	४२	२८	१२	८	बृ.२५।५६
१०	शु	२५	५६	अ	४६	१२	शु	७	३६	ग	२५	५६	२७	१६	४१	२६	१३	६	बृश्चिके
११	श	३०	५४	ज्ये	५५	३७	ब्र	६	५	वि	३०	५४	२४	१६	४१	३०	१४	१०	ध.५५।२७
१२	र	५५	३४	मू	६०	०	ऐं	१०	४१	ब	३	१४	२१	२०	४०	३१	१५	११	धनुषि
१३	चं	४०	०	मू	१	५१	चै	१२	६	कौ	७	४७	१८	२०	४०	१	१६	१२	धनुषि
१४	मं	४३	४५	पू	७	३५	वि	१२	५८	ग	११	५३	१५	२१	३६	२	१७	१३	म.२३।४८
१५	बु	४६	५४	उ	१२	२८	प्री	१३	१२	वि	१५	१६	१२	२२	३८	३	१८	१४	मकरे

चन्द्रदर्शनपुष्येरविः २२।५८नक्तव्रता.
जिल्हेज १२ सिंझारा
भ. ४४।१३ उ. पुनर्वसौबुधः १८।२८
भ. १३।१० या.
नाग ५ [÷भौमः ५२।५६ कर्के
पूर्वास्तंबुधः २।१६ वर्ण ६
भ.१४।३८उ.४५।५६या.अश्लेषायां÷
कर्केबुधः२७।११ दुर्वा [×भृगुः ५६/३०
कल्किजयन्ती [—आश्लेषायां १ गुरुः ४८/३०
भ.५६/५७उ.हज्ज पुष्येयबुधः६ पुष्येभृगुः—
भ.३०।५४ या. वकरीद पवित्रा ११ ब्र.
पवित्रार्पण [# रक्षाबन्धनम्
उदयंगुरु३५/४ अगस्तमा.न्ता.३१प्रदोष
भ. ४३।४५ उ. उ. गु.
भ.१५/१६या.सार्पेरविः३३/३६श्रावणी कर्म *

१५पं.श्रा.शु.१बु.इ. ५५।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	३	२	६	८	३
३	१२	१७	१४	२२	२१	१	४
५०	५२	३०	४२	३५	१७	३२	१९
३७	५८	५७	१	२०	५३	२९	१३
५६	३९	०/२६	१२	७४	१३/७	३	५७
५७	२९	६/२६	३२	२६	मा	११	१५

१६पं.श्रा.कृ.८बु.इ ५५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	३	३	६	८	३
१०	१७	०	१६	१	२१	१	१०
२५	२०	५६	१४	९	२१	१०	५२
५४	४९	२४	१४	०	४८	१४	१५
५७	३२	२/२७	१३	७४	१	३	५७
५	२६	६/२८	३८	२९	९	११	२०

१७पं.श्रा.शु१५बु.इ ५५।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	३	३	६	८	३
१७	२१	१५	१७	९	२१	०	१७
९	४८	२५	४७	४८	२९	४७	३३
४३	५५	२४	४	३६	५८	५८	५७
५७	२९	२/२८	१२	७४	१	३	५७
१२	२६	२२	३८	३२	४०	११	२४

ति.प्र.भाद्रपदकृष्णपक्षः सं०२०१२ शाकः १८७७ दि. उ.अ. इं.हिं.मु. चन्द्रः | वर्षाऋतुर्रविर्दक्षिणेश्रावणकृष्णेति महा.

१	गु	४७	५५	अ	१६	१६	आ	२२	३४	ज्ये	१७	२४	३/३६	२/२	३/३८	४	१६	१५	कु.४७।३८
२	शु	४८	१४	ध	२८	५६	सौ	१०	५६	तै	१८	४	६	२३	३७	५	२०	१६	कुम्भे
३	श	४७	७	श	२०	१९	शो	८	२०	व	१७	४०	३	२३	३७	६	२१	१७	कुम्भे
४	र	४४	४६	पू	२०	२८	अ	३४/३४	५५/३५	ब	१५	५७	०	२४	३६	७	२२	१८	मी ५।२६
५	चं	४१	२४	उ	१९	२२	धृ	५४	२५	कौ	१३	५	३२/३७	२५	३५	८	२३	१९	मीने
६	मं	३७	८	रे	१७	१९	शू	४८	१२	ग	९	१६	५४	२५	३५	९	२४	२०	मे.१७।१९
७	बु	३२	६	अ	१४	४०	गं	४१	२५	वि	०	३७	५०	२६	३४	१०	२५	२१	मेषे
८	गु	२६	३०	भ	११	९	वृ	३४	९	कौ	२६	३०	४७	२७	३३	११	२६	२२	बृ. २५।११
९	शु	१९	३५	कृ	७	१९	ध्रु	२६	३६	ग	१९	३५	४३	२७	३३	१२	२७	२३	बृषे
१०	श	१४	३१	रा	३/३	६/५२	व्या	१९	२	वि	१४	३१	४०	२८	३२	१३	२८	२४	मि२१।८
११	र	८	२३	आ	५५	८	ह	११	२९	ब्रा	८	२३	३६	२९	३१	१४	२९	२५	मिथुने
१२	चं	२	२०	पु	५१	३७	व	०/०	५२/५३	तै	२	२०	३३	२९	३०	१५	३०	२६	क.३७।३०
१३	चं	५४	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	गं	५१	५३	पु	४८	२८	व्य	५०	१०	वि	२४	२३	२९	३०	३०	१६	३१	२७	कर्के
३०	बु	४७	४१	श्ले	४६	१	व	४४	५	च	१९	४७	२६	३१	२९	१७	३२	२८	सिं.४६।१

आश्लेषायांबुधः २६।६
भ. १७।४० उ. ४७।७ या.
चतुर्थी व्रतम् पू. अ. भृ.
पूर्वास्तंभृगुः ४३।४८ चन्द्रषष्ठी
भ.३७।८उ. अश्लेषायां भृगुः ३०।३६
भ. ३७/३८या.सिंहेबुधः २९/३१जन्माष्टमी स्मा.
जन्माष्टमी ब्र. वै.
भ. ४७।३ उ. गोगा ९
भ. १४/१५ या. आश्लेषायां २ गुरुः ५१/४३
अजा ११ ब्र. वामनावतारः
भ. ५६।५३ उ. प्रदोषः गोवत्स पू.
क्षयः [*लोहार्गल स्ना.पिठोरी ३०
भ. २४।२३ या. सिंहेभौमः४६।२७
सिंहेऽर्कः२०।१३कुशाग्रहणीसतीपू. *

१८पं.भा.कृ.७बु.इ.५४।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	३	३	६	८	३
२३	२६	२९	१९	१८	२१	०	२४
५०	१६	५१	१९	२४	४२	२५	१६
५०	११	०	४८	३६	३९	४३	२६
५७	३९	२/२८	१३	७४	२	३	५७
२२	२६	४/४१	३८	३९	१९	४३	३३

गोचरग्रहाः

भाद्रपद कृष्णा
३० बुधे सिंहेऽर्कः
प्र. वा. ५ न. ५
पुत्रवत्सावस्था
(सूती) मु. ३०
(धान्यभाव तेज)

गोचरग्रहाः

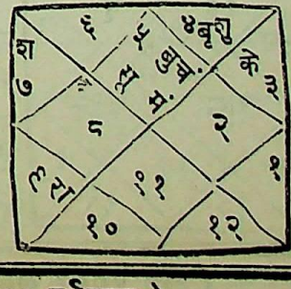

१९पं.भा.शु.३०बु.इ५४।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	३	३	६	८	४
०	०	१२	२०	२७	२२	०	०
३३	४४	५९	५२	२	०	३	५९
३	३८	२७	१	५६	४३	२८	४५
५४	३९	२/२९	१३	७४	२	३	५७
३७	१६	२	३२	३५	५८	११	४०

*३शुकेबु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. प्र.भाद्र. शुक्लपक्षः सं० २०१२शाकः १८७७ | दि. उ.अ. इ.हि. मु. | चंद्रः | वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५००सन्१९५५

१	गु	४४	३०	म	४४	४६	प	३८	५१	क	१६	५	३ १२	५ ३	६ २८	१८	१	२६	सिंहे	फायांबुधः४ ५ ज्येष्ठायां४बृश्चिकेराहुःमृगे*
२	शु	४२	२२	पू	४४	३३	शि	३४	२५	बा	१३	२६	१६	३२	२८	१६	२	३०	कं.५६।४६	चन्द्रदर्शनम् पश्चिमोदयी बुधः २।२६
३	श	४१	२७	उ	४५	२४	सि	३०	५६	तै	११	५४	१५	३३	२७	२०	३	१	कन्यायां	मोहरम७सन्१३७५सिंहे भृगुः १७।५
४	र	४१	५७	ह	४७	३१	सा	२८	२६	व	११	४२	१२	३४	२६	२१	४	२	कन्यायां	भ ११।४२ उ.५ ७ या. गणेश ४
५	चं	४३	३४	चि	५०	५६	शु	२६	५६	ब	१२	३५	८	३४	२६	२२	५	३	तु. १६।१३	[* २ वृषेकेतुः५६।५६
६	मं	४६	२३	स्वा	५५	२६	शु	२६	२७	को	१४	५८	४	३५	२५	२३	६	४	तुलायां	
७	बु	५०	१६	वि	६०	०	व्र	२६	४६	ग	१८	१६	०	३६	२४	२४	७	५	बृ.४४।३६	म. ५०।१६ उ.
८	गु	५४	५४	वि	०	५६	ऐं	२७	५०	वि	२२	३५	३१ ५६	३७	२३	२५	८	६	बृश्चिके	भ. २२।३५ या. उफायांबुधः५४।५८
९	शु	५६	४७	अ	७	५	ब	२८	४०	बा	२७	२०	५२	३८	२२	२६	९	७	वृश्चिके	
१०	श	६०	०	ज्ये	१२	३०	वि	३०	४५	तै	२२	१५	४८	३८	२२	२७	१०	८	ध.१२।३०	कन्यायांबुधः ५३ ३७
१०	र	६	४४	मू	१६	३१	प्री	३२	१४	ग	४	४४	४४	३९	२१	२८	११	९	धनुषि	म.३७।०उ. [+कमला ११ब्र.वामनज
११	चं	४	१६	पू	२५	३२	आ	३३	१२	वि	९	१६	४०	४०	२०	२९	१२	१०	म.४१।४८	भ. १ ६ या.ताजियाआश्लेषायाँ३गुरुः ५ ८ १ +
१२	मं	१३	४	उ	३०	३६	सौ	३३	२८	बा	१३	४	३६	४१	१९	३०	१३	११	मकरे	प्रदोषः
१३	बु	१५	५२	श्र	३४	४५	शो	३२	५८	तै	१५	५२	३२	४२	१८	३१	१४	१२	मकरे	फायांरविः ११।४ पूभायां भृगुः ५ १ १ २
१४	गु	१७	३३	ध	३७	२९	अ	३१	२७	व	१७	३३	२८	४२	१८	१	१५	१३	कुं.६।७	भ. १ ७ उ. ४ ७ या. सितंबरमा.ह्ता.३०
१५	शु	१७	५८	श	३९	१५	सु	२९	१	ब	१७	५८	२४	४३	१७	२	१६	१४	कुंभे	

२०पं.प्र.भा.शु.७बु.इ.५४।२९ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	३	४	६	७	४
७	५	२४	२२	५	२२	२९	७
१६	१२	५८	२३	४३	२१	४१	४४
३७	१६	३	३७	१३	२४	१२	१५
५७	३९	९	१३	७४	३	३	५७
४५	१६	८	२६	३८	३७	११	४८

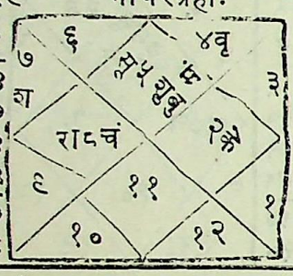

इस माह में बदी पक्ष में गुरु मंगल का योग तथा रवि से आगे मंगल वर्षा का अवरोधक योग है सो वर्षा नहीं होगी

गोचरग्रहाः

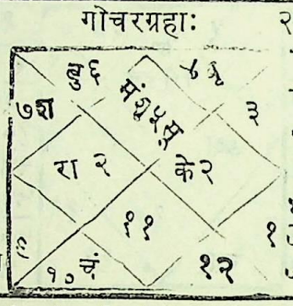

२१पं.प्रभा.शु.१३मंइ५४।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	४	६	७	४
१४	९	६	२३	१३	२२	२९	१४
१	४०	३	४५	२३	४७	१८	२९
४८	१३	०	४०	५६	२५	५७	५४
१ ५७	३९	९१	१३	७४	४	३	५८
५७	१६	१२	२०	३८	१६	११	१

ति.द्वि.भाद्रपदकृष्णपक्षः सं०२०१२शाकः१८७७ | दि. | उ. | अ. | इ. | हिं. | मु. | चंद्रः | वर्षर्तूरविर्दक्षिणेप्र.भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	श	१६	५६	पू	३६	३६	धृ	२५	३०	कौ	१६	५६	३१ २१	४ ४	५ १६	३	१७	१५	मी २४।३३	हस्तेबुधः ३०।१६
२	र	१४	४६	उ	३८	५४	सु	२१	१०	ग	१५	४६	१७	४५	१५	४	१८	१६	मीने	भ. ४३।६ रु.
३	चं	११	३२	रे	३७	०	गं	१५	३५	वि	११	३२	१४	४५	१५	५	१६	१७	मे. ३७।०	म. ११।३२ या.
४	मं	७	२५	अ	३४	२६	बृ	६	२७	बा	७	२५	१०	४६	१४	६	२०	१८	मेषे	फायांभौमः ४३।६
५	बु	२	२०	भ	३१	६	ध्रु	४ ६	४ ७	तै	२	३०	६	४७	१३	७	२१	१६	बृ.४५।११	भ. ५६।५८ उ.
६	बु	५४	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	गु	५१	७	कृ	२७	१८	ह	४८	५	वि	२४	२	२	४८	१२	८	२२	२०	वृषे	भ.२४।२या.मार्गीविशाखायां२शनिः २ ८
८	शु	४५	३	रो	२३	१६	व	४०	२०	बा	१८	५	३ ५८	४८	१२	९	२३	२१	मि ५१।१०	
९	श	३९	०	मृ	१९	५	सि	३२	४७	तै	१२	१	५३	४९	११	१०	२४	२२	मिथुने	उफायां भृगुः ४७।११
१०	र	३३	११	आ	१५	७	व्य	२५	१६	व	६	५	४९	५०	१०	११	२५	२३	क.५७।१८	भ. ६।५ उ. ३३।११ या.
११	चं	२७	३३	पु	११	२१	ब	१८	०	ब	०	२२	४४	५१	९	१२	२६	२४	कर्के	कमला११ब्र. [*कन्यायांभृगुः २ ९ ३ प्रदोषः
१२	मं	२२	३४	पु	८	१२	प	११	१०	तै	२२	३४	४०	५२	८	१३	२७	२५	कर्के	उफायांरविः ५ ४ ३ चित्रायांबुधः५६।१३*
१३	बु	१८	२५	श्ले	५	४४	शिं	४ ७	५ ४ २ ९	ब	१८	२५	३६	५३	७	१४	२८	२६	सिं ५।४४	भ. १ २ ५ उ. ४ ६ ९ य.सार्पे४गुरुः १३।१८
१४	गु	१५	१३	म	४	६	सा	५	४ ३ ५	श	१५	१३	३२	५४	६	१५	२९	२७	सिंहे	
३०	शु	१३	७	पू	३	२९	सु	५०	४७	ना	१३	७	२८	५४	६	१६	३०	२८	कं.१८।३८	अमावस्या

२२पं.द्वि.भा.कृ.५बु.इ.५४।१२ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	४	६	७	४
२०	१४	१५	२५	२३	२३	२८	२१
४८	६	५४	२२	५	१७	३६	१६
२९	२४	९	३	२४	१५	४१	५९
५८	३९	७८	१३	७४	४	३	५८
१२	९	५०	६	३८	४६	११	१३

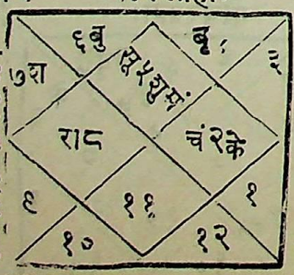

इस मास में पांच शनिवार अशुभ हैं। शनिवारा यदा पंच पाताले कम्पतेफणी। ईशान देशभंगश्च वन्हिदाहो महर्घता

गोचरग्रहाः

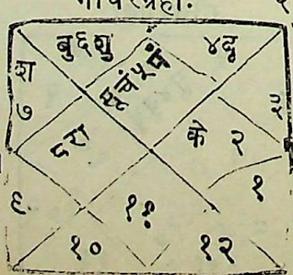

२३पं.द्वि.भा.कृ.१३बु.इ.५४।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	५	६	७	४
२७	१८	२४	२६	१	२३	२८	२८
१ २६	३२	१७	४८	४६	५०	३४	५
५२	३३	३९	२७	४०	३६	२६	२१
५८	३९	६३	१२	७४	५	३	५८
२९	९	४	४१	३२	१२	११	२६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|द्वि.भाद्रपद शुक्लपक्ष सं.२०१२शाकः१८७७|दि|उ.|अ|इ.|हि.|मु.| चंद्रः |शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३०स.१६५५

१	श	१२	१४	उ	४	३	शु	४८	१	ब	१२	१४	३० २४	५५	६ ५	१७	३१	२६	कन्या
२	र	१२	४७	ह	५	५५	त्र	४६	१२	कौ	१२	४७	२०	५६	४	१८	१	१	तु. ३७।३०
३	चं	१४	२३	चि	६	४	ऐं	४५	२२	ग	१४	२३	१६	५७	३	१६	२	२	तुलायां
४	मं	१७	१३	स्वा	१३	२१	वै	४५	३४	वि	१७	१३	१२	५८	२	२०	३	३	तुलायां
५	बु	२१	१०	वि	१८	४३	वि	४६	२३	वा	२१	१०	८	५८	२	२१	४	४	बृ. २।२३
६	गु	२५	५१	अ	२४	३४	प्री	४७	३०	तै	२५	५१	४	५६	१	२२	५	५	हस्तेभृगुः ३०।१७ ऋषि ५
७	शु	३०	४८	ज्ये	३०	५४	आ	४८	५७	व	३०	४८	३० ०	६	६ ०	२३	६	६	वृश्चिके
८	श	३५	५१	मू	३७	८	सौ	५०	३४	वि	३	२०	२६ ५५	६ १	५ ५६	२४	७	७	ध. ३०।५४ धनुषि भ. ३०।४८ उ.
९	र	४०	३०	पू	४३	१५	शो	५१	२०	वा	८	११	५१	२	५८	२५	८	८	म. ५६।३३ भ. ३।२० या. [≡कूमारीपू.प्रोष्टपदी
१०	चं	४४	२६	उ	४८	२७	अ	५१	४६	तै	१२	२८	४६	३	५७	२६	९	९	मकरे [* मा. १०ता. ३१ महालयारम्भः≡
११	मं	४७	२१	श्र	५२	५१	सु	५१	२६	व	१५	५३	४२	४	५६	२७	१०	१०	मकरे भ१५।५४उ४७।२१या.हस्तेरविः५३।२२+
१२	बु	४९	६	ध	५५	५८	धृ	५०	४०	ब	१८	१५	३८	४	५६	२८	११	११	कु. २४।२५ [+ उफायांभौमः३९।२६जलभू११ब्र.
१३	गु	४९	४१	श	५७	५५	शू	४७	४८	कौ	१९	२५	३४	५	५५	२९	१२	१२	कुम्भे प्रदोषः
१४	शु	४८	४७	पू	५८	३२	गं	४४	२९	ग	१९	१४	३०	६	५४	३०	१३	१३	मी ४३।२३ भ. ४८।४७ उ. वक्रीबुधः१ ३।५१अनन्त
१५	श	४६	३८	उ	५८	८	वृ	४०	८	वि	१७	४२	२६	७	५३	१	१४	१४	मीने भ.१७।४२या.सिंहेगुरुः११।३१ अक्टूबर

२४पं.द्विभा.शु.५.बु.इ५३।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	३	५	६	७	५
४	२३	१	२८	१०	२४	२८	४
२६	१	१५	१२	२९	२६	१२	५५
५७	१३	५४	१९	२०	५७	११	१२
५८	३९	४२	१२	७४	५	३	५८
४५	९	३२	१८	३२	३९	११	३८

गोचरग्रहाः

द्वि.भाद्रपद शुक्ला १ शनौकन्यायामर्कंप्र.वा. ४ नं.५कुमारावस्था (बैठी) मु.३०धान्य भाव सम शुक्रास्तः पूर्वे, वत्सः पूर्वे, राहुःउत्तरे,मूल स्वर्गे

गोचरग्रहाः

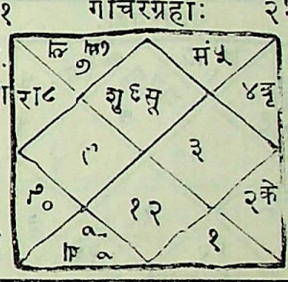

२५पं.द्विभा.शु.१२बु.इ५३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	३	५	६	७	५
११	२७	५	२९	१९	२५	२७	११
१९	२८	२०	३२	१२	६	४९	४३
३	२२	२४	४३	२१	४३	५५	५५
५९	३९	९	११	७४	६	३	५८
०	२	५८	५३	२८	५	११	५३

ति.|आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०१२ शाकः१८७७ |दि |उ. |अ.|इ |हि |मु.| चंद्रः | शरदृतूद्वि. भाद्रपद कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	र	४३	३२	रे	५६	१५	श्रु	३४	५६	बा	१५	५	२९ २२	६	५ ५३	२	१५	१५	मे. ५६।१५ कन्यायांभौमः५५।१चित्रायांभृगुः११।५१
२	चं	३६	३१	अ	५३	४४	व्या	२८	५५	तै	११	३१	१८	८	५२	३	१६	१६	मेषे
३	मं	३४	४२	भ	५०	४५	ह	२२	१०	व	७	६	१४	६	५१	४	१७	१७	मेषे भ. ७।६ उ. ३४।४२ या.
४	बु	२६	१२	कृ	४७	६	व	१५	७	ब	१	५७	१०	१०	५०	५	१८	१८	वृ. ४।५१ [– ३शनिः०।४शस्त्रादिहतानाम् श्राद्ध
५	गु	२२	४७	रो	४२	५६	सि	३७ १	५२	तै	२२	४७	६	११	४६	६	१६	१६	वृषे उदयी भौमः ४१।२५
६	शु	१७	२८	मृ	२८	५५	व	५२	२	व	१७	२८	२	१२	४८	७	२०	२०	मि. १०।५७ भ.१७।२८उ.४४।२८या.पश्चिमास्तं *
७	श	११	२६	आ	३४	५५	प	४४	२४	ब	११	२६	२८ ५८	१२	४८	८	२१	२१	मिथुने [* बुधः ३१।११तुलायांभृगुः ३४।१२
८	र	५	४२	पु	३१	६	शि	३७	१	कौ	५	४२	५४	१३	४७	९	२२	२२	क. १७।६ सौभाग्यवतीनां श्राद्ध
९	चं	०	१०	पु	२७	४७	सि	२९	५७	ग	०	१०	५०	१४	४६	१०	२३	२३	कर्के भ. २७।४३ उ. ५५।१६ या.
१०	चं	५५	६	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० क्षयः [≡ १७।४७ ११बृ.स्मा.ब.
११	मं	५१	१६	श्ले	२५	१६	सा	२३	२६	व	२३	१४	४६	१५	४५	११	२४	२४	सिं २५।१६ चित्रायां रविः३।५६वक्रीकन्यायांबुधः≡
१२	बु	४८	४	म	२३	१९	शु	१७	४०	कौ	१९	२७	४२	१६	४४	१२	२५	२५	सिंहे स्वात्यांभृगुः ५३।२७कमला११ब्र.नि.
१३	गु	४६	३	पू	२२	२४	शु	१२	३८	ग	१७	३	३८	१६	४४	१३	२६	२६	क. ३७।३० भ. ४६।३ उ. प्रदोषः
१४	शु	४५	१४	उ	२२	५०	त्र	८	३७	वि	१५	३८	२४	१७	४३	१४	२७	२७	कन्यायां भ. $\frac{१५}{३}$या.पश्चिमोदयीभृगुः $\frac{४०}{४८}$विशाखायां–
३०	श	४५	५३	ह	२३	५६	ऐं	५	२५	च	१५	३४	३०	१८	४२	१५	२८	२८	तु.५५।३५ सर्वपितृ ३० प.उ.भृ.

२६पं.आ.कृ.४बु.इ.५३।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	४	५	६	७	५
१८	१	४	०	२७	२५	२७	१८
१२	५६	२५	४९	५५	४८	२७	४०
५२	११	९	४९	१२	२३	४०	९
५९	३०	४२	११	७४	६	३	५९
१६	२	ब	१४	२६	२३	११	९

गोचरग्रहाः

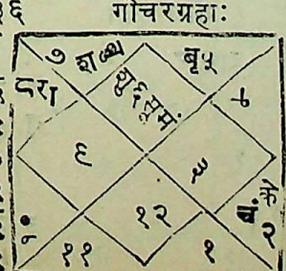

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथि क्षय हुई है और शुक्ल पक्ष की तिथि बढी है सो हरेक में मंदी का असर होगा।

गोचरग्रहाः

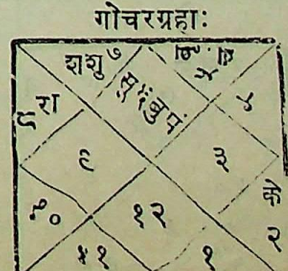

२७पं.आ.कृ.१२बु.इ.५३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	४	६	६	७	५
२५	६	२७	२	६	२६	२७	२५
८	२७	३९	२	३९	३२	५	३५
३४	१	५८	४६	५४	३९	२५	८
५९	३९	५१	१०	७४	६	३	५९
३१	५	ब	३९	२६	२		

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०१२ शाकः १८७७	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५५६स. १६५५
१	र ४७ ३२ चि २७ १० व ३ २१ किं १६ ४३	२६	१६	५१	१६	२६	२६	तुलायां	वक्री हस्तेबुधः १८।२८ नवरात्र
२	चं ५० २७ स्वा ३१ ६ वि २ १६ बा १८ ५६	२२	२०	४०	१७	३०	३०	तुलायां	चन्द्रद. तुलायामर्कः ४३।४३
३	मं ५४ २८ वि ३६ १६ प्री २ १ तै २२ २७	१८	२०	४०	१८	१	१	वृ. १६।५८	रविलावल३ हस्तेभौमः ३१।४३
४	बु ५६ १४ अ ४१ ५४ आ २ ३३ व २६ ५१	२४	२१	३६	१६	२	२	वृश्चिके	भ. २६।५१उ. ५६।१४या.
५	गु ६० ० ज्ये ४८ १६ सौ ३ ३६ ब ३१ ४६	१०	२२	३८	२०	३	३	ध. ४८।१६	पूर्वोदयीबुधः ४६/५५ २गुरुः ४६/५६ ज्ये.३राहुः*
५	शु ४ १८ मू ५४ ४३ शो ४ ५७ बा ४ १८	६	२३	३७	२१	४	४	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम् *मृगु१केतुः ५२/३७
६	श ६ १५ पू ६० ० अ ६ १६ तै ६ २५	२	२४	३६	२२	५	५	धनुषि	सरस्वती पू. ≡वि. भृगुः ३३।५६
७	र १४ १२ पू ० ४६ सु ७ २३ व १४ १२	२३/२८	२४	३६	२३	६	६	म. १७।१३	भ. १४/१२ उ. ४६/१९ या. मार्गीबुधः ०।५७≡
८	चं १८ ११ उ ६ २६ धृ ८ ५ ब १८ ११	५४	२५	३५	२४	७	७	मकरे	स्वात्यांरविः २७/४३ सरस्वीविसर्जनंदुर्गापू.
६	मं २१ ८ श्र १० ५३ शू ७ २८ को २१ ८	५०	२६	३४	२५	८	८	कु. ४२।४१	बौद्धजयंती दशहरा
१०	बु २३ २ ध १४ २८ गं ६ ३८ ग २३ २	४६	२७	३३	२६	६	६	कुंभे	भ.५३।२०उ.विजया१०
११	गु २३ ३६ श १७ ४६ बृ ४ २४ वि २३ ३६	४२	२८	३२	२७	१०	१०	कुंभे	भ. २३।३६ या. पापांकुश ११व्र.
१२	शु २२ ४६ पू १७ २४ ध्रु १८/५५/३ बा २२ ४६	३८	२८	३२	२८	११	११	मी. २।३०	मार्गी चित्रायांबुधः४०।३७ प्रदोषः
१३	श २० ४६ उ १७ १६ ह ५२ ६ तै २० ४६	३५	२६	३१	२६	१२	१२	मीने	
१४	र १७ ४३ रे १५ ५० व ४३ १५ व १७ ४३	३१	३०	३०	३०	१३	१३	मे. १५।५०	भ.४३/१७ उ ४५/४४ या.अस्तंशनिः ५७/५३ शरत् १५
१५	चं १३ ४५ अ १३ ३० सि ३६ ४६ ब १३ ४५	२८	३०	३०	३१	१४	१४	मेषे	वृश्चिके भृगुः ३३।५७ व्र. शरत् १५

२८पं.आ.शु.४बु.इ.५३।१५ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	४	६	६	७	६
२	१०	२०	३	१५	२७	२६	२
६	५३	५८	१०	२४	१८	४३	३१
३	३	१३	५६	१	४८	९	३५
४९	३९	३६	९	७४	६	३	५९
४६	२	ब्र	५५	२२	५६	११	३४

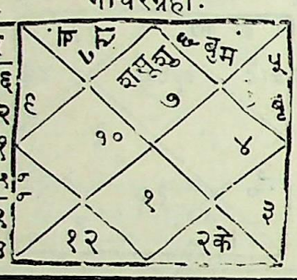

आ. शु. २ चन्द्रे तुलायामर्कः प्र. वा. ३ न. ४ गतालकावस्था उमी मृ. ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयं ।

गोचरग्रहाः

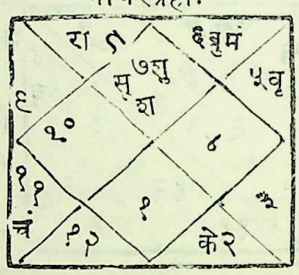

२७पं.आ.शु.१०बु.इ.५३/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	४	६	६	४	६
९	१५	२१	४	२४	२८	२६	९
५	२२	५५	१३	६	६	२०	२९
२६	४३	१८	४३	३९	१०	५४	५१
५०	३९	४७/५५	९	७४	७	३	५५
२	८		८	२०	४	११	४७

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं.२०१२ शाकः १८७७	दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणे आश्विन कृ. महाराष्ट्राः
१	मं ८ ५६ भ ११ २१ व्य ३२ ३७ को ८ ५६	२७/२४	३/१	५/२६	१	१५	१५	वृ. २५।१४	नवम्बर मा. ११ ता. ३०
२	बु ३ ३८ कृ ६ ५५ व २५ २ ग ३ ३८	२०	३२	२८	२	१६	१६	वृषे	भ. ३०।४६ उ. ५७।५४ या.
३	बु ५४ १६ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	*भृगुः १५।३५ करक ४
४	गु ५२ ० गो ५६/२ ५६/३ प १७ २२ व २४ ५७	१७	३३	२७	३	१७	१७	मि. ३०।५७	तुलायां बुधः ४६।३१ अनुराधायां*
५	शु ४६ ६ आ ५४ ४६ शि ६ ३२ को १६ ३	१३	३३	२७	४	१८	१८	मिथुने	
६	श ४० : पु ५० ५२ सि ४०/१ ५२/३१ ग १३ ४	१०	३४	२६	५	१६	१६	क. ३६।५०	भ. ४०।२ उ.
७	र ३४ ५७ पु ४७ २५ शु ४७ ० वि ७ ३०	६	३५	२५	६	२०	२०	कर्के	भ.७।२०या.विशाखायांरविः४५।८
८	चं १० १० श्ले ४४ ३२ शु ४० १६ बा २ ३३	३	३५	२५	७	२१	२१	सिं. ४४।३२	≡स्वात्यांबुधः १३।५८
६	मं २५ ५६ म ४२ २७ व्र ३४ १५ ग २५ ६६	२६/५६	३६	२४	८	२२	२२	सिंहे	भ.५४।३५उ.चित्रायांभौमः४२।२६≡
१०	बु २३ ११ पू ४१ २० ऐं २८ ५७ वि २३ ११	५६	३७	२३	६	२३	२३	क. ५६।२२	भ. २३।११ या.
११	गु २१ १५ उ ४१ २७ वै २४ २३ बा २१ १५	५२	३८	२२	१०	२४	२४	कन्यायां	रमा ११ व्र. गोवत्स १२
१२	शु २० ३० ह ४२ २६ वि २१ १३ तै २० ३०	४६	३८	२२	११	२५	२५	कन्यायां	धन १३ ×वि.४वृश्चिकेशनिः ४७ रूप १४
१३	श २१ १६ चि ४५ १३ प्री १८ ४३ व २१ १६	४६	३६	२१	१२	२६	२६	तु १३।५४	भ. २१/६ उ. ५३/१० या. पूर्वांस्तंबुधः ३।४७×
१४	र २३ ४ स्वा ४८ ५६ आ १७ १८ श २३ ४	४३	३६	२१	१३	२७	२७	तुलायां	ज्येष्ठायां भृगुः ५४।१५ महालक्ष्मी पू.
३०	चं २६ ७ वि ५३ ४७ सौ १६ ३६ ना २६ ७	४०	४०	२०	१४	२८	२८	वृ. ३७।३५	अन्नकूटं बलि पू. गोवर्धन पू.

३०पं.का.कृ.२बु.इ.५२।३५ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	४	७	६	७	६
१६	१९	२८	५	२	२८	२५	१६
६	५१	४६	१०	५१	५५	५८	२९
२९	४६	३८	११	५४	१८	३८	४०
४०	२१	८२	८	७४	७	३	६०
३१	११	१७	१६	१४	१४	११	४

इस मास में पांच मंगलवार प्रजा में अशुभ फलकारक हैं। बदी में धान्य जौ गेहूँ रूई मंदा हो

गोचरग्रहाः

३१पं.का.कृ.१०बु.इ.५२/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	४	७	६	७	६
२३	२४	९	६	११	२९	२५	२३
९	२२	१३	१	३३	४४	३६	३१
७	१३	८	१९	४६	२१	२३	१
६०	३८	९३	७	७४	७	३	६०
३०	५४	२	१०	८	२०	११	१७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०१२ शाकः १८७७ | दि. उ. अ. इ. हि. मु. | चंद्रः | हेमंततूं रविरुत्तरेऽर्हर्गणः५८६स.१६५५

१	मं	२०	१५	अ	५६	२८	शो	१६	५८	ब	३०	१५	२६/३७	४/१	५/६	१५	२६	२६	वृश्चिके	*बुधः३१।४१ यम २
२	बु	३५	६	ज्ये	६०	०	अ	१७	४३	ब्रा	२	४०	२४	४१	१६	१६	३०	३०	वृश्चिके	चंद्रद.वृश्चिकेऽर्के३६।२६विशाखायां*
३	गु	४०	१७	ज्ये	५	४४	सु	१८	५७	ते	७	४०	३१	४२	१८	१७	१	१	ध.	५।४४ रविलाखर ४
४	शु	४५	३०	मू	१०	८	धृ	२०	१५	ब	१२	५२	२६	४२	१८	१८	२	२	धनुषि	भ.१/३उ.४/३०या.तुलायांभौमः३५।१३
५	श	५०	१८	पू	१८	१७	शू	२१	१६	ब	१७	५४	२६	४३	१७	१६	३	३	म.	३४।३२ अनुराधायाँ रविः ५७।१४
६	र	५४	२१	उ	२३	१५	गं	२१	५५	की	२२	२०	२४	४३	१७	२०	४	४	मकरे	
७	चं	५७	२१	श्र	२८	४७	वृ	२१	५५	ग	२५	५१	२१	४४	१६	२१	५	५	मकरे	भ. ५७।२२ उ.
८	मं	५६	१६	ध	३२	२६	ध्रु	२१	४	वि	२८	१६	१६	४४	१६	२२	६	६	कु.	०।३८ भ.२/६या.वृश्चिकेबुधः ५४।४६गोपा.
६	बु	५६	५२	श	३४	५६	व्या	१६	६	बा	२६	३४	१६	४५	१५	२३	७	७	कुम्भे	कुष्माण्ड ६ अक्षय ६.
१०	गु	५८	४	पू	३६	१०	ह	१६	२३	ते	२८	५८	१४	४५	१५	२४	८	८	मी	२०।५२ अनुराधायाँबुधः५/६७ धनुषिभृगुः३८।१६
११	शु	५७	०	उ	३६	१६	च	१२	२३	ब	२७	३२	१३	४६	१४	२५	६	६	मीने	भ.३/३२उ.५/७या.प्रबोधिनी११ब्र.स्मा.
१२	श	५३	५७	रे	२५	२	सि	७	३८	ब	२५	२८	६	४६	१४	२६	१०	१०	मे.	३५।२ प्रबोधिनी११ब्र.वै.नि.हरिवासरघ.१५उ.
१३	ब	५०	०	अ	३२	५७	व्य	५/३	१/३	५/३	३/३	३/३	२१	५६	६	४७	१३	२७	११	११	मेमें	प्रदोषः
१४	चं	४५	१५	म	३०	८	प	४८	२२	ग	१७	३७	४	४७	१३	२८	१२	१२	वृ.	४४।१५ भ.४/५उ.स्वात्यांभौमः५/३४ वैकुण्ठ१४
१५	मं	३६	५३	क्र	२६	२८	शि	४०	५३	वि	१२	३४	१	४८	१२	२६	१३	१३	बृषे	भ.१/३४या.पर्णिमा का.स्ना.पूर्ति.चं.ग्र.

३८पं.का.शु.२बु.इ.५२।२८ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	४	७	७	७	७
०	२८	२०	६	२०	०	२५	०
१३	५३	३३	४५	१९	२४	१४	३३
१२	१६	५६	२	७५	४८	८	४९
६०	३८	९७	६	७४	७	३	६०
४०	५८	५६	१०	२	२०	११	३०

का. शु. २ बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ (धान्यभावतेज) शुक्रोदयं

गोचरग्रहाः ३३पं.का.शु.९बु.इ५२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	४	७	७	७	७
७	३	१	७	२९	१	२४	७
१८	२४	३३	२०	३	२५	५१	३७
४६	१२	४८	२९	१८	१३	५२	४२
६०	३८	९७	५	७३	७	३	६०
५३	५८	५४	०	५६	२०	११	४२

ति. मार्गशीर्षकृष्ण पक्षः सं.२०१२ शाकः १८७७ दि. उ. अ. इ. हि. मु. | चन्द्रः | हेमंततूं रविदक्षिणेकार्तिककृ.महाराष्ट्राः

१	बु	३४	१५	रो	२२	४१	मि	३३	१०	बा	७	४	२५/५८	६/४८	५/१२	३०	१४	१४	मि	५०।४०
२	गु	२८	२५	मृ	२८	३६	सा	२५	२५	ते	१	२०	५६	४६	११	१	१५	१५	मिथुने	भ.५५/३०उ.दिसंबर मा.१२ ता.३१
३	शु	२२	३५	आ	१४	२६	शु	१७	२८	वि	२२	३५	५४	४६	११	२	१६	१६	क	५६।३० भ.२२।३५ या.
४	श	१६	५६	पु	१०	३०	शु	६	५७	बा	१६	५६	५३	५०	१०	३	१७	१७	कर्के	ज्येष्ठायांरविः४।१३ उदयंशनिः४/२२*
५	र	११	४२	पु	६	५६	ब्र	३२	५५	ते	११	४२	५१	५०	१०	४	१८	१८	कर्के	ज्येष्ठायांबुधः १५।१५
६	चं	६	५६	श्ले	३	५५	वै	४६	११	ब	६	५६	४६	५०	१०	५	१६	१६	सिं.	३ ५५ भ.५/६उ.३/५०या. पूभायांभृगुः१८।४६
७	मं	३	५	म	१	४१	वि	४३	४१	ब	३	५	४८	५०	१०	६	२०	२०	सिंहे	
८	बु	०	१२	पू	०	२१	मी	२८	५७	की	०	१२	४६	५१	६	७	२१	२१	क.	१५।१८
९	बु	५८	१२	०	०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०		०
१०	गु	५७	४६	उ	०	१०	आ	३५	१३	व	२८	६	४५	५१	६	८	२२	२२	कन्या	भ. २८।६ उ. ५७।४६ या.
११	शु	५८	४०	ह	१	१०	सो	३२	२३	ब	२८	१४	४३	५१	६	६	२३	२३	तु.	३२।१६ उत्पत्ति ११ ब्र. स्मा.
१२	श	६०	०	चि	३	३८	शो	३०	२४	की	२६	४०	४२	५२	८	१०	२४	२४	तुलायां	उत्पत्ति ११ ब्र. वै. नि.
१२	र	०	४०	स्वा	६	५१	अ	२६	३२	ते	०	४०	४१	५२	८	११	२५	२५	बृ.	५५।१६ धनुषिबुधः ५५।७ प्रदोषः
१३	चं	३	५३	वि	११	२८	सु	२६	४१	ब	३	५३	४०	५२	८	१२	२६	२६	वृश्चिके	भ. ३।५३ उ. ३५।३० या.
१४	मं	७	८	अ	१७	२	धृ	३०	२२	श	७	८	३६	५२	८	१३	२७	२७	बृश्चिके	अनुराधायां १ शनिः १८।२४
३०	बु	१३	४	ज्ये	२३	११	शू	३१	२८	ना	१३	४	३८	५२	८	१४	२८	२८	ध.	२३।११ सूर्यग्रहणम्

३४पं.मा.कृ.१बु.इ. ५२।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	४	८	७	७	७
१४	७	१२	७	७	२	२४	१४
२५	५७	४२	४७	४६	१४	२९	४२
४१	३	५२	३४	२१	१२	३७	५६
६१	३९	९९	२	७३	७	३	६०
३	१	२१	५०	५६	१४	११	५०

३५पं.मा.कृ. ८बु.इ ५१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	४	८	७	२	७
२१	१२	२३	८	१६	३	२४	२१
२३	२९	४५	६	२८	३	७	४९
१८	३१	१८	३	४	२५	२२	१
६१	३८	०	२	७३	७	३	६०
११	४७	२८	२५	४४	४	११	५६

३६पं. मा.कृ३०बु.इ५१।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	४	८	७	७	७
२८	१७	४	८	२५	३	२३	२८
४२	२	४८	१४	११	५०	४५	५९
१	५	३५	५६	९	४५	६	५८
६१	३८	९८	१	७३	६	३	६१
१९	५१	५	२	३२	५५	११	०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्षशुक्लपक्षः सं.२०१२ शाकः १८७७ दि. उ.अ. इ. हिं. मु. चंद्रः हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६१९स१९५५

१	गु	१८	१६	मू	२९	३०	गं	३२	४०	ब	१८	१६	३५/३८	५२/५८	५८	१५	२९	२९	धनुषि	चन्द्रदर्शनम			
२	शु	२३	२७	पू	३५	५०	बृ	३३	४४	को	२३	२७	३७	५३	७	१६	३०	१	म.५२।१८	जमादिलावल५धनुष्यर्कः ५८/७ उषायां *			
३	श	२८	२५	उ	४१	४१	ध्रु	३४	४३	ग	२८	२५	३७	५३	७	१७	१	२	मकरे	[*भृगुः ४।८			
४	र	३२	२१	अ	४६	२९	व्या	३४	४०	व	०	२३	३७	५३	७	१८	२	३	मकरे	भ. ०।२३ उ. ३२/२१ या. मकरेभृगुः ४१/२९			
५	चं	३६	२०	ध	५०	२९	ह	३४	११	ब	४	२०	३६	५३	७	१९	३	४	कु.१८।३९	विशाखायाँ भौमः २२।४५			
६	मं	३७	७	श	५३	३९	व	३२	३०	को	६	४४	३६	५३	७	२०	४	५	कुम्भे	वक्रोगुरूः २१/१९ पूषायाँबुधः ५९/१० चम्पा.६			
७	बु	३७	४४	पू	५४	५८	सि	२९	५९	ग	७	२५	३६	५३	७	२१	५	६	मा३९।३८	भ. ३७।४४ उ.			
८	गु	३६	५३	उ	५५	१५	व्य	२६	२२	वि	७	१८	३६	५३	७	२२	६	७	मानें	भ. ७।१८ या. ज्येष्ठायां २ रा हुः ÷			
९	शु	३४	४६	रे	५४	२२	व	२१	४७	ग्र	६	४९	३७	५३	७	२३	७	८	मे.५४।२२	[÷रोहिण्यां ३ केतुः ४५।१३			
१०	श	३१	४५	अ	५२	२६	प	१६	१२	तै	३	१५	३७	५३	७	२५	८	९	मेषे	भ. ५९/४७ उ. अभिजित्प्रवृत्तोभृगुः ८।३७			
११	र	२७	४८	भ	५९	४३	शि	१०	१३	वि	२७	४८	३७	५३	७	२५	९	१०		भ. २७।४८ या. मोक्षद्या ११ ब्र.			
१२	चं	२३	१	कृ	४६	२७	सि	१६/१९	३५/४६	ग्रा	२३	१	३८	५२	८	२६	१०	११	बृ.३।५४	श्रवणेभृगुः ४५।३२ प्रदोषः [×भृगुः २९/१५			
१३	मं	१७	४२	रो	४२	३८	शु	४८	२५	तै	१७	४२	३८	५२	८	२७	११	१२	वृषे	पश्चिमोदयीबुधः ३५/५३ अभिजित्प्रवृत्तो×			
१४	बु	१२	४	मृ	३८	३४	शु	४०	३१	व	१२	४	३८	५२	८	२८	१२	१३	मि१०।३६	भ.१२।४ उ. ३२।७ या. उषायां बुधः +			
१५	गु	६	११	आ	३४	२६	व्र	३२	४६	ब	६	११	३९	५२	८	२९	१३	१४	मिथुने	पूषायांरविः ९।३५ [+४१।४१ दत्तत्रयन्त।			

३७पं.मा.शु.७बु.इ.५१।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	४	९	७	७	८
५	२१	१६	८	३	४	२३	६
५१	३६	४	१४	५२	३६	२२	३
२७	१२	४५	११	२२	५१	५१	२३
६१	३८	९८	१७/७	७३	६	३	६१
२२	४८	१७	ब	२१	३६	११	५

गोचरग्रहाः

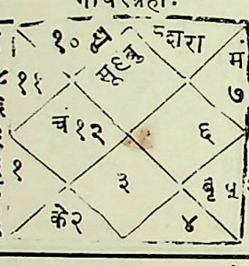

मार्गशीर्ष शुक्ला२ शुक्रे धनुष्यर्कः प्र. वा. ३ नं. ३ गतालकावस्था(ऊनी) मु३०(धान्यभावसम) शुक्रोदयं पश्चिमे

गोचरग्रहाः

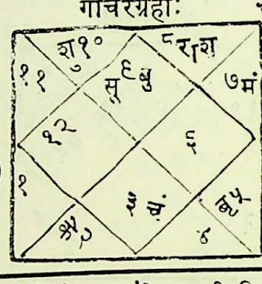

३८पं.मा.शु.१४बु.इ.५१।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	४	९	७	७	८
१३	२६	२६	८	१२	५	२३	१३
१	१०	५५	४	३३	२०	०	११
२०	२३	२२	५२	३३	५७	३५	३२
६१	३८	९५	४९/६	७३	६	३	६१
२६	४६	५७	ब	१४	२२	११	६

ति. पौष कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७ दि. उ.अ. इं. हिं. मु. चंद्रः हेमन्तर्तू रविरुत्तरे माघ कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	०	२२	पु	३०	२६	ऐं	२५	३	को	०	२२	२५/३९	५३/५२	५	३०	१४	१५	क.१६।२६	मकरे बुधः ४६।४८			
२	शु	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०				
३	श	४९	३४	पु	२६	४८	वैं	१७	२७	व	२२	११	४०	५२	८	३१	१५	१६	कर्के	भ. २२।११ उ. ४९।३४ या.			
४	र	४४	५९	श्ले	२३	३४	वि	१०	२१	ब	१७	१६	४१	५२	८	१	१६	१७	सिं२३।३४	**जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९५६**			
५	चं	४१	१४	म	२१	१३	प्री	४८/३	५४/६	को	१३	२	४२	५२	८	२	१७	१८	सिंहे				
६	मं	३८	२८	पू	१९	५७	सो	५२	५५	ग	९	४६	४३	५१	९	३	१८	१९	क.३४।४५	भ. ३८।२८ उ. वृश्चिके भौमः ४१।३९			
७	बु	३६	४८	उ	१९	८	शो	४८	५२	वि	७	३८	४४	५१	९	४	१९	२०	कन्यायां	भ.७।३८या.अभिजित्प्रवृत्तोबुधः ११।४८			
८	गु	३६	१८	ह	१९	५३	अ	४५	४४	वा	६	३३	४५	५१	९	५	२०	२१	तु.५०।४०				
९	शु	३७	१८	चि	२१	४६	सु	४३	२९	तै	६	४८	४७	५१	९	६	२१	२२	तुलायां	श्रवणेबुधः २७।२४ धनिष्ठायांभृगुः ३५/३५			
१०	श	३९	१८	स्वा	२५	२	धृ	४२	२०	व	८	१८	४८	५०	१०	७	२२	२३	तुलायां	भ. १८/१८ उ. ३९/१५ या. अभिजित्प्रवृत्तो ३३/३४			
११	र	४२	४९	वि	२९	२५	शू	४२	९	ब	११	३	५०	५०	१०	८	२३	२४	बृ. १३।१९	अनुराधायां भौमः ४४/१२ सफला ११ ब्र.			
१२	चं	४७	८	अ	३४	४५	गं	४२	३६	को	१४	५८	५२	५०	१०	९	२४	२५	बृश्चिके				
१३	मं	५२	७	ज्ये	४०	५०	वृ	४३	३४	ग	१९	३७	५४	४९	११	१०	२५	२६	व.४०।५०	भ. ५२।७ उ. प्रदोषः			
१४	बु	५७	१४	मू	४७	१३	धु	४४	५०	वि	२४	४१	५६	४९	११	११	२६	२७	धनुषि	भ.४०/४५ या.उषायांरविः ११/१३ कुम्भेभृगुः ५९/२३ -			
३०	गु	६०	०	पू	५३	३	व्या	४५	५३	च	२९	५६	५८	४८	१२	१२	२७	२८	धनुषि	[-अनुराधायां २ शनि ३३।३८			
३०	शु	२	३७	उ	५९	५६	ह	४६	५९	ना	२	३७	२९/०	४८	१२	१३	२८	२९	म.९।४६				

३९पं.पौ.कृ.७बु.इ.५१।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	४	९	७	७	८
२०	०	७	७	२१	६	२२	२०
११	३८	३८	४४	१३	१३	८	१९
१८	१३	१३	३१	८	५९	२०	३७
६१	३८	८८	१४/७	७२	६	३	६१
२९	४०	२९	ब	५८	१	११	९

गोचरग्रहाः

इस मास के लगते ही रुई अनाज गल्ला अफीम, चांदी में मन्दी होगी अमावस्या के आस-पास तेजी होगी ।

गोचरग्रहाः

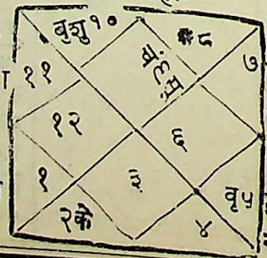

४०पं.पौ. कृ.१४बु.इ.५१।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	४	९	७	७	८
२७	५	१६	७	२९	६	२२	२७
२१	१९	३५	१६	५०	४१	१६	२७
९	५५	२७	४०	९	३८	५	४२
६१	३८	६२	२/२	७२	५	३	६१
२४	२८	७	ब	४६	२४	११	६

...llection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. पौष शुक्ल पक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७ दि. उ. अ. इं. हि. मु. चंद्रः हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६४६सन् १९५६

१	श	७	२४	अ	६०	०	ब	४७	१३	ब	७	२४	२६ ३	४७ ६	१३ ५	१४	२६	३०	मकरे	चन्द्रदर्शनम् मकरेऽर्कः २६।३०
२	र	११	२२	अ	४	४५	सि	४६	२७	कौ	११	२२	५	४७	१३	१५	१	१	कु.२६।५५	जमादिलाखर ६
३	चं	१४	१८	ध	९	५	व्य	४५	४१	ग	१४	१८	८	४६	१४	१६	२	२	कुम्भे	भ. ४५।९ उ.
४	मं	१६	०	श	११	४०	व	४३	२७	वि	१६	०	१०	४६	१४	१७	३	३	मी.५८।२४	भ. १६।० या. शते भृगुः २४।४४
५	बु	१६	२९	पू	१३	५८	प	४०	११	बा	१६	२९	१२	४६	१४	१८	४	४	मीने	वक्रीबुधः४४।४७वक्रीमघायां २गुरुः ५ ६ २
६	गु	१५	३५	उ	१५	३२	शि	३६	४	ते	१५	३५	१५	४५	१५	१९	५	५	मीने	
७	शु	१३	२३	रे	१४	२	सि	३०	५८	व	१३	२३	१७	४५	१५	२०	६	६	मे.१४।२	भ. १ ३ उ. ४ १ या. अभिजित्प्रवृत्तोरविः ५ ७ २ ४
८	श	१०	१५	अ	१२	२६	सा	२४	५९	ब	१०	१५	२०	४४	१६	२१	७	७	मेषे	पश्चिमास्तं बुधः १५।२७
९	र	६	१३	भ	९	४९	शु	१८	२७	कौ	६	१३	२२	४४	१६	२२	८	८	वृ.२४।१	[* पश्चिमे,
१०	चं	०	२७	कृ	६	३५	शु	११	२०	ग	०	३७	५५	४३	१७	२३	९	९	बृषे	भ२८।१७उ.५५।५७या.पुत्रदा११स्माक्षय;
११	चं	५५	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	मं	५०	१६	रो	४ ५	५ ८	ब्र	३ ४७	५ १३	ब	२३	६	२७	४३	१७	२४	१०	१०	मि ३०।५६	श्रवणेरवि१३।४७पुत्रदा ११ब्र.वै.नि.
१३	बु	४४	२५	आ	५४	४६	वे	४८	११	कौ	१७	२०	३०	४२	१८	२५	११	११	मिथुने	अभिजिन्निवृत्तोरवि ६।३ प्रदोषः
१४	शु	३८	३८	पु	५०	४६	वि	४०	३०	ग	११	३१	३३	४१	१९	२६	१२	१२	क. ३६।४६	भ. ३८।३८ उ.
१५	शु	३३	७	पु	४७	०	प्री	३३	४	वि	५	५२	३६	४१	१९	२७	१३	१३	कर्के	भ. ५।५२ या. माघ स्ना. प्रा.

४१ पं.पौ.शु.५बु.इ. ५१।१२ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	४	१०	७	७	९
४	९	२०	६	८	७	२१	४
३०	५६	४	४०	२४	१७	५३	३५
३७	४८	३०	३९	१८	४०	४९	३३
६१	३८	५८	३४	७२	५	३	६१
१९	२१	ब	ब	२२	६	११	२

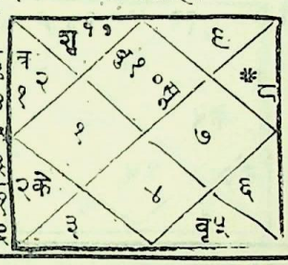

पौष शु. १ शनौ-मकरेऽर्कः प्र. वा. २ न. ३ कुमारावस्था(बैठी)मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः

गोचरग्रहाः

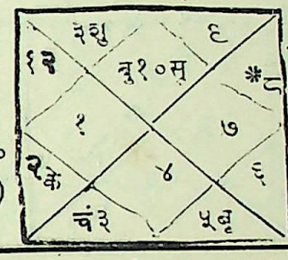

४२पं.पौ.शु.१३बु.इ.५१।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	५	४	१०	७	७	९
११	१४	१५	५	१६	७	२१	११
३९	२९	१६	५७	५७	४९	३१	४२
२८	३६	२६	२७	५७	४६	३४	५९
६१	३८	५५ ८	२० ३४	७२	४	३	६०
१३	१८	ब	ब	३	३८	११	५९

ति. माघ कृष्ण पक्षः सं० २०१२ शाकः १८७७ दि. उ. अ. इं. हि. मु. चन्द्रः शीशिरर्तू रविरुत्तरेज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	श	२७	५७	श्ले	४३	५३	आ	२५	३०	ला	०	३२	२६ ३	४० ६	२० ५	२८	१४	१४	सिं४३।५३	पूभायाभृगुः २२।५१
२	र	२३	२५	म	४१	१७	सौ	१८	४८	ग	२३	२५	४२	४०	२०	२९	१५	१५	सिंहे	भ.५१।३५उ.ज्येष्ठायांभौमः१५।३१*
३	चं	१९	४६	पू	३९	२३	शो	१२	५१	वि	१९	४६	४५	३९	२१	३०	१६	१६	कं.५६।१२	भ.१९।४६ या. वक्रीउषायांबुधः६।४२
४	मं	१७	६	उ	३८	३७	अ	७	४०	बा	१७	६	४८	३८	२२	३१	१७	१७	कन्या	[* वक्री अभिजित्प्रवृत्तोबुधः१५।५३
५	बु	१५	२९	ह	३९	११	सु	१ ८	५ ३	ते	१५	२९	५२	३८	२२	१	१८	१८	कन्या	धृतियोगक्षयः ५ ६ ३ ९ फरवरी मा.रता.२९
६	गु	१५	१६	चि	४०	४४	शू	५७	१३	व	१५	१६	५५	३७	२३	२	१९	१९	तु.९।५७	भ.१५।१६उ.४५।४४या.पूर्वोदयीबुधः÷
७	शु	१६	११	स्वा	४३	४५	गं	५५	४८	ब	१६	११	५९	३६	२४	३	२०	२०	तुलायां	[÷२८।५७वक्रीअभिजिनिवृत्तोबुधः १ ७ २
८	श	१८	२६	वि	४७	५०	वृ	५५	१४	कौ	१८	२६	२७ २	३६	२४	४	२१	२१	वृ.३१।४९	
९	र	२१	५०	अ	५३	१	धु	५५	२३	ग	२१	५०	६	३५	२५	५	२२	२२	बृश्चिके	भ. ५४।४ उ. मीनेभृगुः ३४।३२
१०	चं	२६	१८	ज्ये	५८	५५	व्या	५६	१८	व	२६	१८	९	३४	२६	६	२३	२३	घ.५८।५५	भ.२६।१८या.धनिष्ठायांरविः१९।३९
११	मं	३१	१७	मू	६०	०	ह	५८	१०	बा	३१	१७	१३	३३	२७	७	२४	२४	धनुषि	षट्तिला ११ व्र.
१२	बु	३६	३२	मू	५	१६	व	५८	४९	कौ	३	५४	१६	३३	२७	८	२५	२५	धनुषि	उभायांभृगुः २२।४६
१३	गु	४१	३९	पू	११	४३	सिं	५९	४९	ग	९	६	२०	३२	२८	९	२६	२६	म.२८।२३	भ.४१।३९उ.मार्गीबुधः२७।१६प्रदोषः
१४	शु	४६	२२	उ	१८	२२	व्य	६०	०	वि	१४	०	२३	३१	२९	१०	२७	२७	मकरे	भ. १४।० या.
२०	श	५०	१८	श्र	२३	१३	व्य	०	२७	च	१८	२०	२७	३१	२९	११	२८	२८	कु.५५।२९	युगादिः

४३पं.मा.कृ.५बु.इ.५१।२३ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	४	११	७	७	९
१८	१९	७	५	२५	८	२१	१८
४७	७	७	८	२६	१८	९	४९
२८	१८	७	२२	३४	९	१९	३२
६१	३८	५९	२०	७१	४	३	६०
५५	८	ब्र.	ब्र	४४	३	११	५५

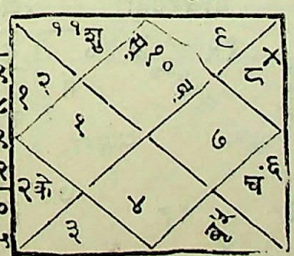

इस मास में शीत अधिक पड़ेगा कहीं२ खेतियों में नुकसान होगा। सुदी में रुई सूत धान्य चांदी में तेजी का असर है।

गोचरग्रहाः

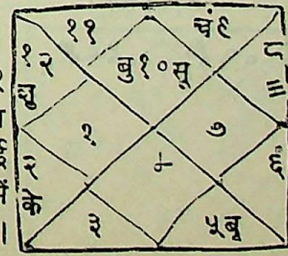

४४पं.मा.कृ.५बु.इ.५।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	४	११	७	७	९
२५	२३	६	४	३	८	२०	२५
५४	४४	२१	१५	५४	४२	४७	५५
१६	२८	४०	८	१४	२७	३	१९
६०	३८	२४ ३	४८ ७	७१	३	३	६०
५५	३	ब	ब	२०	२२	११	४७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| माघ शुक्लपक्षः सं० २०१२ शाकः १८७७ दि. उ.|अ.| इ.हि.| मु.| चंद्रः |शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६७८सन् १९५६

१	र	५३	६	ध	२७	४५	व	२८	४९	क	२१	४२	३७	३०	३०	१२	२९	२९	कुम्भे
२	चं	५४	४०	श	३१	११	शि	५७	४१	बा	२३	५३	३४	२९	३१	१३	१	३०	कुम्भे
३	मं	५४	५६	पू	३३	९	सि	५४	५३	तै	२४	४८	३८	२८	३२	१४	२	१	मी १७।४०
४	बु	५३	५७	उ	३४	७	सा	४९	४७	व	२४	२६	४२	२८	३२	१५	३	२	मीने
५	गु	५१	३९	रे	३३	५६	शु	४५	४०	ब	२२	४८	४६	२७	३३	१६	४	३	मे. ३३।५६
६	शु	४८	१३	अ	३२	२३	शु	४०	३६	कौ	१९	५६	५०	२६	३४	१७	५	४	मेषे
७	श	४३	४	भ	३०	१	व्र	३४	१७	ग	१५	३८	५४	२५	३५	१८	६	५	बृ. ४४।१५
८	र	३९	४४	कृ	२६	५७	ऐं	२७	१८	वि	११	९	५८	२४	३६	१९	७	६	वृषे
९	चं	३३	४५	रा	२३	२९	वै	२०	६	ब्रा	६	२९	२२	२४	३६	२०	८	७	मि ५१।३०
१०	मं	२८	०	मृ	१९	३१	वि	१२	२३	तै	०	५२	६	२३	३७	२१	९	८	मिथुने
११	बु	२२	८	आ	१५	२५	प्री	५८	५३	वि	१२	८	१०	२२	३८	२२	१०	९	क. ५७।२९
१२	गु	१६	२५	पु	११	३०	सौ	४९	१६	बा	१६	२५	१४	२१	३९	२३	११	१०	कर्के
१३	शु	१०	४४	पु	७	३३	शो	४१	४९	तै	१०	४४	१८	२०	४०	२४	१२	११	कर्के
१४	श	४	३७	श्ले	४	११	अ	३४	५४	व	४	३७	२२	२०	४०	२५	१३	१२	सिं ४।११
१५	र	१	७	म	२९	५७	सु	२८	४०	ब	१	७	२६	१९	४१	२६	१४	१३	सिंहे

कुम्भेऽर्कः ५३।३५
चन्द्रदर्शनम्
रज्जव७मार्गो अभिजित्प्रवृत्तो बुधः ५४/५२
भ. ३४/२९ उ. ५३/१८ या. वक्रोमघायां १ गुरुः ५३/१८ *
वसंत ५ [* तिल ४

भ. ४३।४३ उ. धनुषिभौमः २८।१९ रथ७
भ. ११/१ या. शतेरविः २८/५६ श्रवणेबुधः २१/१ ×
अभिजिन्निवृत्तोबुधः १३।१
भ. ५५/४ उ. [×रेवत्यांभृगुः ३६।१२ भीष्माष्ट
भ. २२।८ या. जया ११ ब्र.
ज्येष्ठायां १ राहुः रोहिण्यां ३ केतुः ३९/४९ +
कल्पादिः [+ प्रदोषः भीष्म १२
भ. ४।३७ उ. ३२।५२ या.
माघस्नान. पूर्ति.

४५ पं.मा.शु.४ बु.इ.५१।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	४	११	७	७	१०
३	२८	७	३	१२	९	२०	३
०	१८	१५	२०	१५	२	२४	०
१९	४९	६	१२	१८	५	४८	६
६०	२७	३६	५२	७०	२	३	६०
४२	४३	मा	ब	४६	४१	११	३७

गोचरग्रहाः

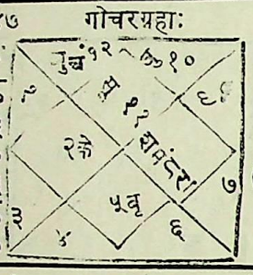

माघ शुक्ला १ रवौ
कुम्भेऽर्कः प्र. वा २
न. ३ बालावस्था
(बैठी) मुहूर्ताः १५
(धान्यभाव तेज)
शुक्रोदयं पश्चिमे,

गोचरग्रहाः

४६ पं.मा.शु.११ बु.इ. ५२।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	३	४	११	७	७	१०
१०	२	१३	२	२०	९	२०	१०
४	५५	३३	२५	३२	१६	२	३
५१	२	३३	१३	४५	५५	३२	३६
६०	३७	६०	५७	७०	१	३	६०
३१	२९	२६	ब	११	५९	११	२५

ति.| फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०१२ शाकः १८७७ दि.| उ.|अ.| इ.हिं.| मु.| चंद्रः |शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णे तिमहाराष्ट्राः

१	र	५६	२१		०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
२	चं	५४	४९	उ	५८	२६	घृ	२३	१३	ते	२६	८	२८/३०	६/१८	५/४२	२७	१५	१४	कं. १४।१०	
३	मं	५३	१४	ह	५८	४२	शू	१८	३८	व	२४	१	३४	१७	४३	२८	१६	१५	कन्यायां	
४	बु	५२	५३	चि	६०	०	गं	१४	५९	ब	२३	४	३८	१६	४४	२९	१७	१६	तु. २९।२२	
५	गु	५४	०	चि	०	३	वृ	१२	१२	कौ	२३	२७	४२	१६	४४	१	१८	१७	तुलायां	
६	शु	५६	१७	खा	२	४४	ध्रु	१०	३६	ग	२५	८	४६	१५	४५	२	१९	१८	बृ. ५१।१	
७	श	५९	४७	वि	७	६	व्या	९	३७	वि	२८	२	५०	१४	४६	३	२०	१९	वृश्चिके	
८	र	६०	०	अ	११	२१	ह	९	२०	वा	३२	०	५४	१३	४७	४	२१	२०	वृश्चिके	
९	चं	४	१३	ज्ये	१७	१४	व	१०	३५	कौ	४	१३	५८	१२	४८	५	२२	२१	ध. १७।१४	
१०	मं	९	९	मू	२३	२६	सि	११	४१	ग	९	९	२९/२	१२	४८	६	२३	२२	धनुषि	
११	बु	१४	२२	पू	२९	५२	व्य	१३	२२	वि	१४	२२	६	११	४९	७	२४	२३	म. ४६।२८	
१२	गु	१९	२३	उ	३६	१७	व	१४	८	बा	१९	२३	१०	१०	५०	८	२५	२४	मकरे	
१३	शु	२३	५९	श्र	४१	५६	प	१५	६	तै	२३	५९	१४	९	५१	९	२६	२५	मकरे	
१४	श	२७	४८	ध	४६	४३	शि	१५	२६	व	२७	४८	१७	८	५२	१०	२७	२६	कु. १४।२०	
१५	र	३०	२८	श	५०	२२	सि	१४	५५	श	३०	१८	२३	७	५३	११	२८	२७	कुम्भे	
२०	चं	३१	५२	पू	५२	४७	सा	१३	१८	च	१	१०	२८	७	५३	१२	२९	२८	मी. ३७।११	

भ. २४।२ उ. ५३।१४ या.

मेषे भृगुः ५६।३२ मार्च मा. ३ ता. ३१
भ. ५६।१७ उ.
भ. २/३ या. पूर्भायां रविः ४/४ धनिष्ठायां बुधः ३/२५

भ. ४१।४५ उ. कुम्भेबुधः ५१।२८
भ. १४।२२ या.
विजया ११ ब्र.
पूषायांभौमः ५१।३२ प्रदोषः
भ. ४८/३७ उ. ५९/६ या. महाशिवरात्रीब्र.स्मा.
शतेबुधः ३१।४३ महाशिवरात्री.वै.
वक्रो शनिः ४४।४ सोमवतो पुण्यम्

४७ पं.फा.कृ.४ बु.इ.५२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	४	११	७	७	१०
१७	७	२०	१	२८	९	१९	१७
७	३१	४६	३१	४५	२७	४०	५
४०	५७	२१	५०	४६	३१	१७	४७
६०	३७	७०	२७	९९	१	३	६०
२२	२१	५२	ब	२२	१९	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास का फल
सामान्य है आलू शु
मजीठ, रूई, सूत,
अनाज गल्ला मन्दा
हो सुदी में गुड़ २
खांड़ घृत तेल तेज

गोचरग्रहाः

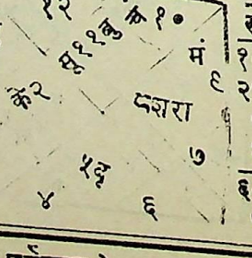

४८ पं.फा.कृ.१० बु.इ.५२।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	४	८	७	७	१०
२४	१२	१	०	०	९	१९	२४
९	६	२७	४२	४९	३२	१८	६
२	२७	१६	१६	१९	५५	२	३२
६०	३७	८५	३८/३६	६८	०	३	५९
५	७	३९	ब	३१	३४	११	५८

Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०१२शाकः१८७७ |दि.|उ.|अ|इ.|हिं.|मु.| चंद्रः | शिशिरर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणाः७०८ स.१६५६

१	मं	३२	६	उ	५३	५८	शु	१०	५०	कं	२१	०	३६	६	५४	१३	३०	२६	मीने
२	बु	३०	५०	रे	५४	०	शु	७	२१	बा	१	२६	३६	५	५५	१४	१	१	मे.५४।०
३	गु	२८	२४	अ	५२	४६	ब्र	५५	५३	ग	२८	२४	४०	४	५६	१५	२	२	मेषे
४	शु	२४	५६	भ	५०	३४	वै	५१	२८	वि	२४	५६	४४	३	५७	१५	३	३	मेषे
५	श	२०	४३	कृ	४७	४५	वि	४६	१०	बा	२०	४३	४६	२	५८	१७	४	४	वृ.४।५२
६	र	१५	३६	रो	४४	१७	मी	३७	५०	तै	१५	३६	५३	१	५६	१८	५	५	वृषे
७	चं	१०	३	मृ	४०	२२	आ	३०	२२	व	१०	३	५७	१	५६	१६	६	६	मि१२।२०
८	मं	४	१३	आ	३६	१५	सो	२३	१४	ब	४	१३	०	०	०	२०	७	७	मिथुने
९	मं	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	बु	५२	२५	पु	३२	१४	शो	१५	३	तै	२५	२६	६	५	५	२१	८	८	क.१८।१४
११	गु	४६	५०	पु	२८	२४	अ	७	२६	व	१६	३७	१०	५८	२	२२	९	९	कर्के
१२	शु	४१	३७	श्ले	२४	५३	सु	०	५३	ब	१४	१४	१४	५७	३	२३	१०	१०	सिं २४।५३
१३	श	३७	७	म	२१	५६	शू	४६	४०	कौ	६	२२	१८	५६	४	२४	११	११	सिंहे
१४	र	३३	२६	पू	१६	१४	गं	४०	५६	ग	५	१७	२२	५६	४	२५	१२	१२	क. ३४।३
१५	चं	३०	४४	उ	१८	३०	बृ	३६	१२	वि	१	५	२६	५५	५	२६	१३	१३	कन्या

भ-$\frac{१}{३}$$\frac{६}{७}$उ.$\frac{४}{५}$$\frac{६}{०}$या.आमलकी११ब्र.स्मा.वै
मीनेबुधः $\frac{३}{२}$$\frac{२}{२}$ आमलकी ११ ब्र. नि.
प्रदोषः
भ. $\frac{३}{२}$$\frac{३}{६}$उ. कृत्तिकायाँ भृगुः ४०।२६
भ. २।५ या. होलिकादहनम्

४६पं.फा.शु.२ब्रु.इ५२।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	३	०	७	७	११
१	१६	१२	२९	१४	९	१८	१
८	४१	१६	५८	४५	३३	५५	५
४४	२६	२८	२८	३२	१६	४६	४४
५२	३६	२६	४४	६७	५३	३	५९
४९	३८	४१	ब	३३	ब	११	४१

गोचरग्रहाः

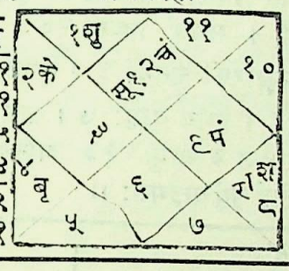

फा,शु. १ भौमे मीनेऽर्कः प्र, वा. ३ न. ३ कुमारावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभावमंदा) शुक्रोदयं

गोचरग्रहाः

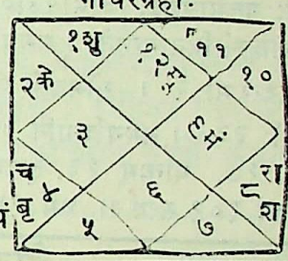

५०पं.फा.शु.१०ब्रु.इ५३।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	३	०	७	७	११
८	२१	२७	२९	२२	९	१८	८
६	१४	२	२१	३२	२९	३३	३
२८	१४	१८	१२	५२	११	३१	१९
५९	३६	७	३	६६	५०	३	५९
३५	२४	३९	ब	१२	ब	११	२९

ति.| चैत्र कृष्णपक्षः सं.२०१२ शाकः१८७७ |दि.|उ.|अ.|इ.|हि.|मु.| चंद्रः | वसंतर्तौ रविरुत्तरेफा.कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	मं	२६	१०	ह	१८	३१	शु	३२	१७	कौ	२६	१०	३०	५४	६	२७	१४	१४	तु. ४६।५
२	बु	२७	४७	चि	१६	३६	व्या	२६	१६	ग	२८	४७	३४	५३	७	२८	१५	१५	तुलायां
३	गु	२६	५१	स्वा	२२	१४	ह	२७	२०	वि	२६	५१	३८	५२	८	२६	१६	१६	तुलायां
४	शु	३२	६	वि	२५	३८	व	२६	२६	बा	१	०	४३	५१	६	३०	१७	१७	बृ. ६।४७
५	श	३५	३८	अ	३०	१८	सि	२६	१२	कौ	३	५४	४७	५१	६	३१	१८	१८	बृश्चिके
६	र	४०	०	ज्ये	३५	५८	व्य	२६	५२	ग	७	४६	५२	५०	१०	१	१६	१६	ध. ३५।५८
७	चं	४४	५६	मू	४२	१०	व	२८	१	वि	१२	२८	५६	४६	११	२	२०	२०	धनुषि
८	मं	५०	१	पू	४८	३५	प	२६	१७	बा	१७	२८	३१	४८	१२	३	२१	२१	धनुषि
९	बु	५५	२	उ	५४	५७	शि	३०	३०	तै	२२	३१	४	४७	१३	४	२२	२२	म.५।१०
१०	गु	५६	२३	श्र	६०	०	सि	३२	१६	व	२७	१२	८	४६	१४	५	२३	२३	मकरे
११	शु	६०	०	श्र	०	५१	सा	३२	३५	ब	३१	१३	१२	४६	१४	६	२४	२४	कु. ३३।१७
११	श	३	४	ध	५	४४	शु	३२	६	बा	३	४	१६	४५	१५	७	२५	२५	कुम्भे
१२	र	५	३७	श	६	३८	शु	३०	५४	तै	५	३७	२०	४४	१६	८	२६	२६	मी ५६।३५
१३	चं	६	५४	पू	१२	१४	श्र	२८	४६	व	६	५४	२३	४३	१७	९	२७	२७	मीने
१४	मं	६	५४	उ	१३	५०	ऐं	२५	३६	श	६	५४	२६	४२	१८	१०	२८	२८	मीने
३०	बु	५	३८	रे	१४	६	वै	२१	३०	ना	५	३८	३०	४२	१८	११	२९	२९	मे.१४।६

रोहिण्याँभृगुः $\frac{१}{४}$$\frac{६}{६}$पा,मो. ११ब्र.वै.नि.
प्रदोषः
भ.५$\frac{६}{४}$उ. ३६।५४ या. मेषेबुधः $\frac{३}{२}$$\frac{१}{५}$
मन्वादिः
अमा. × केतकी. अहर्गणाः$\frac{७}{७}$चक्रं ४

५१पं.चै.कृ.२ब्रु.इ.५३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	३	१	७	७	११
१५	२५	६	२८	०	९	१८	१४
२	४७	४०	५१	८	२०	११	९५
४१	१	५३	४१	६	२८	१६	१५
५९	३५	५९	३७	६४	४१	३	५९
१८	५२	२९	ब	३८	ब	११	१६

गोचरग्रहाः

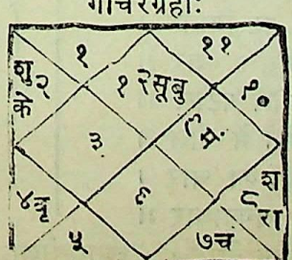

इस मास में प्रजा में रक्तविकारक पीड़ा हो, धान्य गेहूँ चणा तुहर उड़द तेज होगी ।

गोचरग्रहाः

५२पं.चै.कृ.९बु.इ.५४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	३	१	७	७	११
२१	०	२०	२८	७	९	१७	२१
५६	१६	३१	३०	२८	५	४९	५३
५४	३६	४२	४७	२२	५२	०	२९
५९	३५	५९	२	६२	२	३	५९
४	२०	१४	ब	५०	ब्र	११	४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५७ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५७ भौग्यकलिः ४२६९४३ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०१३ शालिवाहनीय शाकः १८७८ अस्मिन्वर्षेराजा शुक्रः । मंत्री शुक्रः । सस्येशश्चन्द्रः । धान्येशश्शनिः । मेघेशो गुरुः । रसेशोबुधः । नीरसेशः रविः । फलेशोः बुधः । धनेशो रविः ९ । दुर्गेशो गुरुः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ३ सौम्यनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ३।८।२४।० भोग्यमासादिः ८।२१।३६।० सौम-दैवतं युगम् । वर्षनाम फाल्गुनः । मेघः ४ नाम आवर्त्तः । रोहिणीनिवासस्तटेः । समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा २० । समय वाहनं चातकः । स्तम्भ १ । वायोः । सोमदत्यमा २ । सोमवती पंचमी नास्ति । अङ्गारकी चतुर्थी ३ । बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३३० । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १३ । तिथि वृद्धिः ७ । उत्पत्ति विश्वा ८७ । खपति विश्वा ११४ । वर्षा विश्वा १७, धान्यम् १३. तृणम् ११. शीतम् ५. तेज ५ वायुः १३ शनिदृष्टिपश्चिमे, वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ७ । ऐक्यं १०१ सत्यं ॥. धर्म १॥. पाप १८ । ग्रहणेद्वे सूर्यचन्द्रमसः ॥

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे प्रेम से माता को सिर नाय ।
तेरह संवत् का मुझे हाल कहो समझाय ॥

भवानी उत्तर

माता के कहे विचार के सुन हो भैरवलाल ।
तेरह संवत् मांय ने धणां नीपजे माल ॥
राजा गुरु मंत्री भृगु यह है सौम्य सुयोग ।
राज प्रजा आनन्द से भोगे उत्तम भोग ॥
चौमासे मघवा चढ़े जग में हो सुख चैन ।
मोर पपीहा मस्त हो बोलें मीठे बैन ॥
संबत् वासा रजक घर रोहिणि तट निर्धार ।
मेघाधिप के योग से वर्षे मूसल धार ॥
धान्यादि शनि धान्य में करसी गोल मटोल ॥
टीडी मूसा कातरा करैं जगत में रोल ॥
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
बंशीधर का कथन है आखिर जगदाधार ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

वर्षेश लग्नम् ११।९

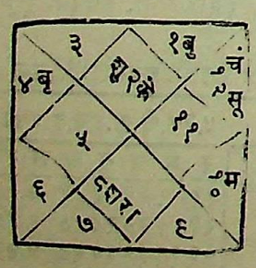

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	बृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्ष लग्नम् १।१७

*१सू

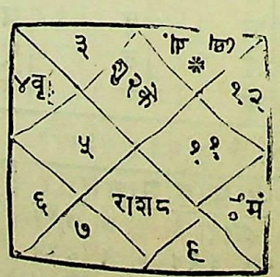

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५४।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१३।४८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

...ity Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथ फलम्—अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुस्तत्फलम्-गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुधाश्च धेनवः यजन्ति विप्रा बहवोऽग्नि होत्रिणो महोत्सवं सर्व जनेषु वर्तते ॥ मन्त्री शुक्रस्तत्फलम्—भृगुसुते ननु मन्त्री पदङ्गते शलभमूषकरावथ माहिषैः भवति धान्य समर्घतयां भय जनपदेषु जल सरितोऽधिकम् ॥ सस्ये शश्चन्द्रस्तत्फलम्—सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघा षयो मुञ्चति गोपगोधुक । देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्य धनौघपूर्णाः धान्येशः शनिस्तत्फलम्—दुर्भिक्षं जायते तत्र कलहं देश विग्रहम् । सौराष्ट्र देशनष्टश्च यत्र धान्याधिपः शनिः । मेघेशो गुरुस्तत् फलम्—गुरुरविप्रियदृष्टि करः सदा खिलविलासवती धरणीतदा । श्रुतिविचारपरा नरपालका रस समृद्धियुताखिल मानवाः ॥ रसेशो बुधस्तत्फलम्—रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्य घृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहुजलाखिल देश सुरक्षिता ॥ नीरसेशो रविस्तत्फलम्—नीरसाधिपतौ सूर्ये त्रपुचन्दनयोरपि । रत्नमाणिक्य मुल्कादेर्घ वृद्धि प्रजायते ॥ फलेशो बुधस्तत्फलम्—यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशि मुचत्तदा । बहु तृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदा जनसौख्य मुदान्विता । धनेशो रविस्तत्फलम्—द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतौ बहुद्रव्यसमागमः । गजतुरङ्गम मेष खरोष्ट्रतो धनचयं लभते क्रयविक्रयात ॥ दुर्गेशो गुरुस्तत्फलम्—सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवरा नरपा करपालिता । गिरिषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शस्त्रवतां विशान् । वर्षनाम फाल्गुनस्तत्फलम्—सुभिक्षप्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्यपश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुने वत्सरे शुभम् ॥ सौम्यनाम सम्बत्सरस्ततफलम्—सौम्यब्दे निखिला लोका बहुसस्यार्घवृष्टिभिः । विचरिणो धराधीशा विप्राश्चाध्वर तत्पराः । मेघनाम आवर्तस्तत्फलम् आवर्तेछिन्न वृष्टिश्च ॥ रोहिणो निवासस्तटेतत्फलम्-तटे वृष्टिः सुशोभनाः ॥ समपनिवासो रजकगृहेफलम्-रजके वृष्टिरुत्तमा । एवं सञ्चित्य देवज्ञैः कथनीयम् शुभाऽशुभम् ॥

सं० २०१३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला ६ गुरौ मघायां. ल. ११रे. ६।ऽ।।ऽचो.।ऽऽ।
गणितेनक्रांतिसाम्याऽभावत्वेपिरेखाल्पत्वान्नेष्टम्
,, ११ शनौ उफाल.१२चं.पू.सत्रे.७ऽसू।।।।ऽरो।।ऽ।
,, १२ रवौ उफ.ल.ऽन्यगो.रे.६ऽसू।।।।।।।।
,, १२ रवौ हस्ते ल. १२ चं.पू सं.रे. ६।।।।।।ऽ।।।.
,, १४भौमेस्वात्यांल.११रे.६।।।।।ऽसूऽअ.ऽऽ।।आवश्यके

वैशाख मासः

कृष्णा ४ रवौ मूले ल. ११-१२ रे.८।।।।ऽशु।।ऽ।।
,, ६भौमे उषा.ल.१२ (घ.५५-२३उ.) रे.७ऽचं
ऽ।ऽशु.।।।।।।पादवेधाद्भृगोर्वेधाऽभाव
,, ११ रवौ उभा ल. ११ रे. ८।ऽ।।।।।ऽ।।
,, १२ चन्द्रे रेवल ११रे.।।।।।।ऽ।।। कृष्णानंग चतुर्दिनम्
शुक्ला१शुक्रे रोहि ल.११-१२ रे.८।।ऽबु.।ऽश।।।।।।
,, ८ गुरौ ल. गो. ११ (कु.चं.पू.) रे८।।।।ऽमं।।ऽ।।
,, १० शनौ.उफा.ल.ऽन्यगो. १२चं.पू.सत्रे८।ऽ।।।।।ऽ।।
,, ११ रवौ हस्ते ल. १२ (चं.पू.सत्) रे. ८।।।।।ऽचौऽ।।।

कार्तिक मासः

शुक्ला १५रवौ रोहि ल. ६ रे. ७।।।।ऽश.रा.ऽअग्निऽ।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ चन्द्रे रोहि ल. ४ रे. ८।।।।ऽसू.श.रा. ऽ।।।
,, २ भौमे मृगे ल. गो. रे. ८।।।।।नृऽ।।।
,, ७ शनौ मघा ल. ७ रे. ६ऽसू।।।।।।।।। तात
सामिप्यादशुद्धम्
,, १० भौमे हस्ते ल. ऽत्यगो. (सोग्रांग) ४-७ रे
७।।।।ऽअग्निऽऽ।।
शुक्ला ३ बुधेउषा. ल. ७ रे. ६।।।।।अ. (व३६उ.) ।।।।

वैशाख शु. १५ गुरौसर्वग्रास चन्द्रग्रहणम् विश्वा १६।६

		स्प.	म.	मो.	प.		
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	३१	३६	४०	८		
	पल	५८	१७	३६	३८		
रेल्वे टाइम	घं.	७	८	१०	३		
	मि.	१४	५८	४१	२७		

मार्ग कृ. ३० रवौ खण्डग्रासं सूर्य ग्रहणम् विश्वा ५-८

		स्प.	म.	मो.	प.		
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	१५	१६	२२	६		
	पल	५२	३	२६	३४		
रेल्वे टाइम	घं.	१२	२	२	२		
	मि.	४८	६	२५	३८		

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	बसंततुर्रविरुत्तरेऽहर्गणः७३८स.१९५६
१	गु ३ ६	अ १३ ८	वि १६ २४	ब ३ ६	३१ ५ ६	१२ ३० ३०		मेषे ०	चंद्रद. घटस्था.नवरा. सम्बत्सरा.
२	शु ५६ ३१	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०		वृ.२५।३८	मेषेऽर्कः६।४० रमजानद गणगौरीपू.
३	श ५५ १२	भ ११ ११	ग्री १० ५२	तै २७ २४	३६ ४१ १९	१३ ३५ १		वृषे	भ.३२७उ.५०२या.अभिजित्प्रवृत्तोभौ.५८१
४	श ५० २	कृ ८ ५७	आ २९ ५७	व २२ ३७	४० ४० २०	१४ १ २		मि३३।१५	भरण्यांबुधः ५१।४६
५	र ४४ २४	रो ५ ३	शो ५० १९	ब १७ १३	४४ ३९ २१	१५ २ ३		मिथुने	मार्गीगुरुः १।३५
६	चं ३८ २८	मृ २९ ५७	अ ४२ ५०	कौ ११ २६	४८ ३८ २२	१६ ३ ४		क ३९।२०	भ.३२।२८उ.५९।३० या.
७	मं ३२ २८	पु ५३ १९	सु ३४ ५८	ग ५ २८	५१ ३८ २२	१७ ४ ५		कर्के	पश्चिमोदयीबुधः २।३५भवान्युत्पत्तिः
८	बु २६ ३३	पु ४९ २१	धृ २७ ३५	ब २६ ३३	५४ ३७ २३	१८ ५ ६		सिं.४५५०	राम द
९	गु २० ५३	श्ले ४५ ५०	शु १९ ४९	कौ २० ५३	५८ ३६ २४	१९ ६ ७		सिंहे	भ.४३।१५उ श्रवणेभौमः३।२३
१०	शु १५ ३३	म ४२ ४३	गं १२ ५७	ग १५ ३३	३ ३६ २४	२० ७ ८		क.५५।१	भ.५०या.अभिजिन्निवृत्तोभौमः ३५*
११	श १० ५८	पू ४० २१	बृ ६ २७	वि १० ५८	६ ३५ २५	२१ ८ ९		कन्यायां	कृत्तिकायांबुधः ४७ प्रदोषः
१२	र ७ १७	उ ३९ १	ध्रु ३९ ५५	वा ७ १७	९ ३४ २६	२२ ९ १०		कन्यायां	*मृगे भृगुः १३।८ का.११व्र.
१३	चं ४ २८	ह ३८ ३३	ह ५१ ३१	तै ४ २८	१३ ३३ २७	२३ १० ११		तु.९।१	भ. ४८ उ. ३३ या. वृषेबुधः ५५
१४	मं २ ४८	चि ३९ ३९	व ४८ २२	ब २ ४८	१७ ३३ २७	२४ ११ १२		तु.९।१	हनुमज्जयन्ती वै. स्ना. प्रा.
१५	बु २ १९	स्वा ४१ २०	सि ४६ १३	व २ १९	२१ ३२ २८	२५ १२ १३		तुलायां	

१पं.चै.शु.३शु.इ.९।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	१	७	७	०
०	५	७	२८	१५	८	१७	०
३	२६	४८	१६	४९	४५	२२	०
३	१७	२१	१५	२३	२४	४३	०
५८	३५	३१	३५	५९	३३	३	५८
४५	३	३	ब्र	५५	ब	११	४४

गोचरग्रहाः

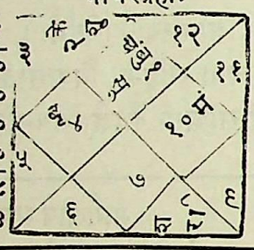

चैत्र शुक्ला ३ शुक्रे मेषेऽर्कः प्र. वा. ४ न ४ युवा वस्था (सूती) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रो. प.

२पं.चै.शु.१०शु.इ१७।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	१	७	७	०
६	१०	२१	२८	२२	८	१७	६
५३	३	४५	१४	२०	२१	०	५०
१४	५०	११	९	३५	५६	२८	३८
५८	३४	२२	५२	५६	४०	३	५८
२९	१३	२५	मा	३२	ब	११	३१

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं.२०१३ शाकः १८७८	दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंततुर्रविरुत्तरे चैत्र कृ. महाराष्ट्राः
१	गु ३ १५	वि ४४ ५१	व्य ४५ ४	कौ ३ १५	३२ ५ ६	२६ १३ १४		वृ.२८।५८	भरण्यां रथिः ४५ अनुराधायां ४राहु+
२	शु ५ २३	अ ४९ १८	व ४४ ५१	ग ५ २३	२९ ३० ३०	२७ १४ १५		वृश्चिके	भ.३७।८उ. [+रोहिण्यां२केतुः ३५
३	श ८ ५४	ज्ये ५४ ४१	प ४५ २४	वि ८ ५४	३३ २९ ३१	२८ १५ १६		ध.५४।४१	भ.८।५४या.मिथुनेभृगुः४८।५०
४	र १३ १०	मू ६० ०	शि ४६ २४	बा १३ १०	३६ २९ ३१	२९ १६ १७		धनुषि	
५	चं १७ ५६	मू ० ५१	सि ४७ ५४	तै १७ ५६	४० २८ ३२	३० १७ १८		धनुषि	पातस्पर्शः१८।८पातमोक्षः३७।९
६	मं २२ ५८	पू ७ १९	सा ४९ २४	व २२ ५८	४३ २७ ३३	१ १८ १९		म.२१।२४	भ.२२उ.५५या.मईमा.५ता.३१+
७	बु २७ ४८	उ १३ ४१	शु ५० ५१	ब २७ ४८	४५ २७ ३३	२ १९ २०		मकरे	रोहिण्यांबुधः३६।१६
८	गु ३२ १३	श्र १९ ३९	शु ५१ २७	बा ० ५	५० २६ ३४	३ २० २१		कु.५२।१२	
९	शु ३५ ५१	ध २४ ४६	व ५१ ३०	तै ४ २	५४ २५ ३५	४ २१ २२		कुम्भे	
१०	श ३८ १६	श २९ १	ऐं ५० ३९	व ७ ३	५७ २५ ३५	५ २२ २३		कुम्भे	
११	र ३९ ४६	पू ३२ ३	वै ५८ ४५	ब ९ १	३ २४ ३६	६ २३ २४		मी १६।१७	भ.७।३२उ.३८।१६या.
१२	चं ३९ २६	उ ३३ ८	वि ४६ २	कौ ९ ३६	४ २३ ३७	७ २४ २५		मीने	वरूथिनी ११ व्र.
१३	मं ३८ ५	रे ३४ २१	प्री ४२ १३	ग ८ ४६	७ २३ ३७	८ २५ २६		मे.२४। २१	आर्दायां भृगुः २३।५१
१४	बु ३५ ३३	अ ३३ ४४	आ ३७ २८	वि ६ ४९	१० २२ ३८	९ २६ २७		मेषे	भ.३८।५ उ. प्रदोषः
३०	गु ३२ ७	भ ३१ ५५	सो ३१ ५८	च ३ ५०	१३ २१ ३९	१० २७ २८		वृ. ४६।१८	भ. ६।४९ या.
									कृत्तिकायां रविः ३५।५९

३पं वै.कृ.२शु.इ.१०।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	३	१	७	७	०
१३	१४	३	२८	२८	७	१६	१३
४१	२९	१६	२३	३३	५६	२८	३९
३८	२०	२३	७	३९	३२	१३	४१
५८	३३	८७	२	५२	४०	३	५८
१२	२४	८	११	३६	ब्र	११	१९

गोचरग्रहाः

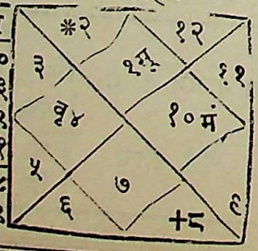

इस मास में ५ गुरुवार शुभ हैं व्यापारी वस्तुओं में घटा-बढ़ी चना मूंगफली मटर लूण तेज हों।

गोचरग्रहाः

४पं.वै.कृ.९शु.इ.१०।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	३	२	७	७	०
२०	१८	११	२८	४	७	१६	२०
२८	४८	२१	३९	७	२८	१५	२७
१६	५७	३	२०	१५	१	५७	२१
५७	३२	५१	३	४७	११	३	५८
५७	२७	३४	३४	२५	ब	११	६

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८ | दि. | उ. | अ. | इं. | हिं. | मु. | चन्द्रः | बसंतर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः ७६७स. १९५६

१	शु	२६	५१	कृ	२९	२६	शो	१५	४४	ब	२६	२१	३३	५५	११	२८	२९	वृषे	चन्द्रदर्शनम् धनिष्ठायां भौमः५०।११
२	श	२२	१६	रा	२६	९	अ	१८	५८	कौ	२२	१६	१९	२०	१२	२९	१	मि५४।१९	सव्वाल १० ईद
३	र	१६	३१	मृ	२२	२९	सु	११	४८	ग	१६	३१	२२	२०	१३	३०	२	मिथुने	भ. ४३।३४ उ.वक्रीबुधः ३/३ अक्षयाः३
४	चं	१०	३६	आ	१८	२३	धु	१/४	५/३	वि	१०	३६	२५	१९	१४	३१	३	मिथुने	भ. १०।३६ या, वृषेऽर्क ३।४६
५	मं	४	३३	पु	१४	२४	गे	४९	१९	बा	४	३३	२८	१८	१५	१	४	क.०।२४	वक्री अनुराधायां १ शनिः ३१।३०
६	मं	५४	०	पु	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५	०	
७	बु	५२	२२	पु	१०	२१	वृ	४१	४४	ग	२५	२७	३१	१८	१६	२	५	कर्के	भ.५२।२२ उ.पश्चिमास्तोबुधः२४।३८
८	गु	४७	२५	श्ले	६	४२	धु	३४	४५	वि	१९	५४	३४	१७	१७	३	६	सिं.६।४२	भ. १९।५३ या.
९	शु	४२	४७	म	३	२५	व्या	१८	९	बा	१५	६	३६	१७	१८	४	७	सिंहे	
१०	श	३८	५७	पू	०	५४	ह	२२	१४	तै	१०	५२	३९	१६	१९	५	८	क. १५।४५	
११	र	३६	२	उ	०	१७	व	१७	९	व	७	३०	४१	१६	२०	६	९	कन्यायां	भ.७।३०उ.३६।२या.मोहिनी११ब्र.
१२	चं	३४	२०	ह	०	३९	सि	१२	५३	व	५	११	४४	१५	२१	७	१०	तु.३०।४७	[* दानं वै.स्ना.पूर्तिः च.ग्र.
१३	मं	३३	५८	चि	०	५५	व्य	९	३८	कौ	४	९	४६	१५	२२	८	११	तुलायां	कुम्भेभौमः ४/५ मार्गीसिंहेगुरुः २/३ प्रदोषः
१४	बु	३४	३४	स्वा	१	५८	व	७	१५	ग	४	१६	४८	१४	४६	२३	९	१२	वृ ४८।२८	भ. ३४।३४ उ. नृसिंहजयन्ती
१५	गु	३६	३६	वि	३	५८	प	५	५७	वि	५	३५	५०	१४	४६	२४	१०	१३	वृश्चिके	भ.५।३५या.रोहिण्यांरविः २/३५ कूर्मजयं.*

५पं.वै.शु.१शु.इ.१०।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	३	२	७	७	०
२७	२२	१५	२९	८	६	१५	२७
१३	५९	४८	४	४९	५८	५३	१३
३०	१२	११	४०	५५	१४	४२	३२
५७	३१	१०	४	३९	३४/३४	३	५७
४५	३९	१४	४४	२०	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

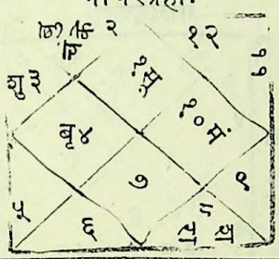

वैशाख शुक्ला ४ चन्द्रे वृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रो. प.

गोचरग्रहाः

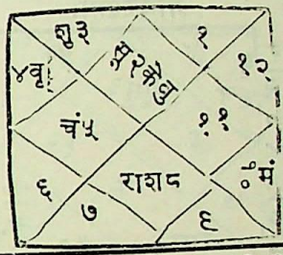

६पं.वै.शु.६शु.इ१०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	१	३	२	७	७	१
३	२७	१४	२९	१२	६	१५	३
५७	८	४२	३९	३१	२७	३१	५८
७	३५	३२	३२	४१	३६	२६	२६
५७	३०	२०/३३	५	२९	४०/४०	३	५७
३४	४९	ब	४९	३२	ब	११	४४

ति. | ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८ | दि. | उ. | अ. | इं. | हि. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरेवैशाख कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	३९	५३	अ	८	१९	शि	५	३४	वा	८	१४	३३/३२	१४/५	४/६	२५	११	१४	वृश्चिके		
२	श	४४	४	ज्ये	१३	२८	मि	६	०	तै	११	५८	५४	१३	४७	२६	१२	१५	ध.१३।२८		
३	र	४८	५४	मू	१९	२४	सा	७	६	व	१६	२९	५६	१३	४७	२७	१३	१६	धनुषि	भ. १६।२९ उ. ४८।५४ या.	
४	चं	५३	४०	पू	२५	४६	शु	८	३४	ब	२१	१७	५८	१२	४८	२८	१४	१७	भ. ४२।२४	वक्रीकृत्तिकायां बुधः२९।२१चतुर्थीब्र.	
५	मं	५८	२८	उ	३२	१७	शु	१०	९	कौ	२६	४	३८/३०	१२	४८	२९	१५	१८	मकरे		
६	बु	६०	०	अ	३८	२१	त्रि	११	२६	ग	३०	३८	२	१२	४८	३०	१६	१९	मकरे		
६	गु	२	४८	ध	४३	३५	ऐं	१२	३२	व	२	४८	४	११	४९	३१	१७	२०	कु. १०।५८	भ. २।४८ उ. ३४।३४ या.	
७	शु	६	२१	श	४८	५	वै	१२	३९	ब	६	२१	६	११	४९	१	१८	२१	कुम्भे	वक्रीभृगुः३५।१९ जून मा.६ता.३०	
८	श	८	४७	पू	५१	२६	वि	१२	५	कौ	८	४७	७	११	४९	२	१९	२२	मी३५।३६		
९	र	९	५५	उ	५३	२५	ग्री	१०	२२	ग	९	५५	९	१०	५०	३	२०	२३	मीने	भ. ३९।५५ उ.	
१०	चं	९	५६	रे	५४	१५	आ	७	५७	वि	९	५६	१०	१०	५०	४	२१	२४	मे.५४।१५	भ.५/६ या.पूर्वोदयंबुधः ४/८ शतेभौमः २७/१२	
११	मं	८	३२	अ	५३	५८	सौ	३/२०	५/२६	बा	८	३२	१२	१०	५०	५	२२	२५	मेषे	अपरा ११ ब्र.	
१२	बु	५	५८	श	५२	२३	अ	५४	२६	तै	५	५८	१३	९	५१	६	२३	२६	मेषे	मार्गीबुधः ४४।१९ प्रदोषः	
१३	गु	२	२४	कृ	४९	५९	सु	४८	१२	व	२	२४	१५	९	५१	७	२४	२७	वृ. ६।४७	भ.२।२४उ.३/१० या.मृगेरविः २८।४४	
१४	गु	५५	३२	रो	०	०	धृ	०	०	च	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
३०	शु	५२	४२	रो	४६	२३	धृ	४१	४२	च	२५	१९	१६	९	५१	८	२५	२८	वृषे	वटप्जनम्	

७पं ज्ये.कृ.१शु.इ.११।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	४	२	७	७	१
१०	१	११	०	१४	५	१५	१०
३९	११	४६	१९	५९	५५	९	४२
१८	५२	३०	४	२४	७	११	२०
५७	२९	३३/३३	६	१६	४/४०	३	५७
२३	३५	ब	४९	५२	ब	११	३५

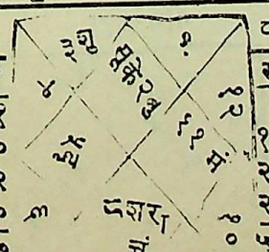

८ पं.ज्ये.कृ.९शु.इ.११।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	४	२	७	७	१
१७	५	८	१	१६	५	१४	१७
२०	७	२८	५	३५	२४	४६	२१
२४	५३	१	२१	३१	२१	५३	४
५७	२८	२५/२५	७	०	४/३०	३	५७
१३	११	ब	५०	५९	ब	११	२७

९पं.ज्ये.कृ.३०शु. इ.११।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	४	२	७	७	१
२४	८	७	१	१४	५	१४	२४
०	५५	७	५९	३६	५५	२४	७
२०	५५	१४	५६	४७	३७	२०	८
५७	२७	४/३	८	१/१८	४/१	३	७२
५	१३	मा	४५	ब	ब	११	२२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८ | दि. उ. अ. इ. हि. मु | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ७९६सन् १९५६

१	श	४६	५९	मृ	४४	३	शु	३४	३६	कं	१९	५०	३४ ५ ६	९	२६	२९	मि १५।१३	
२	र	४०	५९	आ	३९	१८	ग	२७	११	बा	१३	५९	१८	१०	२७	३०	मिथुने	
३	चं	३४	५३	पु	३५	५४	बृ	१९	४२	तै	७	५६	१९	११	२८	१	क. २१।४५	
४	मं	२८	४९	पु	३१	१९	धु	१२	२८	व	१५	१	२०	१२	२९	२	कर्के	
५	बु	२२	५७	श्ले	२७	५६	व्या	४ ४६	५३ ५५	बा	२२	५७	२१	१३	३०	३	सिं २७।५६	
६	गु	१७	३०	म	२४	५	व	५१	०	तै	१७	३०	२२	१४	३१	४	सिंहे	
७	शु	१२	४५	पू	२३	३८	सि	४४	५९	व	१२	४५	२२	१५	१	५	क. ३७।४३	
८	श	८	४८	उ	१९	५८	व्य	३९	५४	ब	८	४८	२३	१६	२	६	कन्या	
९	र	५	४८	ह	१८	३४	व	३५	१०	कौ	५	४८	२३	१७	३	७	तु. ४८।४४	
१०	चं	३	५२	चि	१८	५४	प	३१	५७	ग	३	५२	२३	१८	४	८	तुलायां	
११	मं	३	११	स्वा	२०	२१	शि	२९	१३	वि	३	११	२४	१९	५	९	तुलायां	
१२	बु	३	५६	वि	२३	९	सि	२७	५४	बा	३	५६	२४	२०	६	१०	वृ. ७।२७	
१३	गु	५	४०	अ	२७	४	सा	२७	१२	तै	५	४०	२४	२१	७	११	वृश्चिके	
१४	शु	८	५३	ज्ये	३२	१४	शु	२७	४४	व	८	५३	२४	२२	८	१२	ध. ३२।१४	
१५	श	१२	५८	मू	३७	५८	शु	२८	४०	ब	१२	५८	२४	२३	९	१३	धनुषि	

चन्द्रदर्शनम्
जिलकाद ११
भ. १।५१ उ. २८।४९ या.
[*२४।१६मघायाँ२गुरुः ७।३२
मिथुनेऽर्कं २९।३२
भ. १२।४५ उ. ४०।४७ या.
पश्चिमास्तंभृगुः ३३ ४९मार्गीरोहिण्यां*
भ. ३४।५० उ. प. अ. भृ.
भ. ३।११ या. निर्जला ११ व्र.
प्रदोषः
आर्द्रायां रविः ३१।४
भ. ८।५३ उ. ४०।५५ या.
वक्रीमृगेभृगुः ३३।५८

१०पं.ज्ये.शु.७शु.इ.११।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	४	२	७	७	२
०	१२	९	३	११	४	१४	०
२९	२२	१	१	३७	२८	२	४८
२८	१२	५१	२६	३३	४१	२५	२५
५६	२५	२६	९	३० ५१	५३	३	५७
५७	४७	१२	३९	ब	ब	११	१७

गोचरग्रहाः

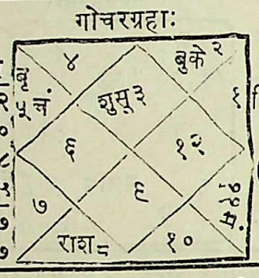

ज्येष्ठ शुक्ला ६ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्र. वा ४ न. ६ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पश्चिमे ।

गोचरग्रहा

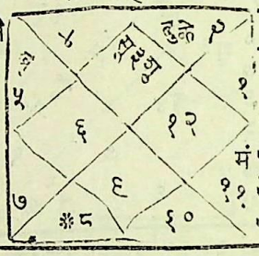

११पं.ज्ये.शु.१४शु.इ.११।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	४	२	७	७	२
१	७	१५	१४	४	७	४	१३	७
१७	२६	५१	५	३०	३	४०	२९
मं ५६	३४	२१	१५	३१	९	१०	१७
११ ५६	२३	६१	१०	३३ ६	३३	३	५७
५४	३१	३१	१५	ब	ब	११	१३

ति. आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८ | दि. उ. अ. | इ. हिं मु. | चंद्रः | ग्रीष्मऋतूत्तरविरुत्तरे ज्ये कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	र	१७	३६	पू	४४	१२	व्र	३०	९	कौ	१७	३६	३४ ५ ६	२४	१०	१४	धनुषि	
२	चं	२२	२२	उ	५०	४०	ऐं	३१	४५	ग	२२	२२	२३	७	५३	२५	११	१५	म. ०।४९
३	मं	२७	१६	अ	५७	४६	वै	३३	९	वि	२७	१६	२३	७	५३	२६	१२	१६	मकरे
४	बु	३१	३९	ध	६०	०	वि	३४	२०	बा	३१	३९	२३	७	५३	२७	१३	१७	कु. २९।३३
५	गु	३५	१४	ध	२	२०	प्री	३४	४३	कौ	३	२६	२२	८	५२	२८	१४	१८	कुम्भे
६	शु	३७	५४	श	७	१२	आ	३४	१८	ग	६	३४	२२	८	५२	२९	१५	१९	मी ५४।४७
७	श	३९	१	पू	१०	३९	सौ	३२	५२	वि	८	२७	२१	८	५२	३०	१६	२०	मीने
८	र	३९	०	उ	१२	५८	शो	३०	३६	बा	९	०	२०	८	५२	१	१७	२१	मीने
९	चं	३७	४४	रे	१४	०	अ	२७	१२	तै	८	२२	१९	८	५२	२	१८	२२	मे. १४।०
१०	मं	३५	१२	अ	१४	७	सु	२२	५२	व	६	२८	१८	८	५२	३	१९	२३	मेषे
११	बु	३१	४०	भ	१२	५५	धृ	१७	३९	ब	३	२६	१७	९	५१	४	२०	२४	वृ. २७।१६
१२	गु	२७	१३	कृ	१०	२०	गं	११	४१	तै	२७	१३	१६	९	५१	५	२१	२५	वृषे
१३	शु	२२	०	रो	७	२८	शू	४ ५५	५३ १५	व	२२	०	१४	९	५१	६	२२	२६	मि. ३५।४२
१४	श	१६	२०	मृ	३ ३३	५६ ३	धु	५०	३९	श	१६	२०	१३	९	५१	७	२३	२७	मिथुने
३०	र	१०	२१	पु	५५	५४	व्या	४३	७	ना	१०	२१	११	१०	५०	८	२४	२८	क. ४१।५५

भ. ५४।४९ उ.
भ. २७।१६ या. चतुर्थी व्रतम्
पूर्वोदयं भृगुः १०।१२
मृगेबुधः ५०।४९ अनुराधायां ३÷
भ. ३७।५४ उ. [÷राहुः रोहिण्यां १÷
भ. ०८।२८ या [÷केतुः ३१।२५
पूभायां भौमः ५ ३१ जुलाईमा.ञ्ता २१
[+५।३७ पू. उ. भृ.
भ. ६।२८ उ. ३५ १२ या. मिथुनेबुधः ११ ४४
योगिनी ११ [-गुरुः १०।३२
पुनर्नंसौरविः ३५ ५ प्रदोषः [×बुधः ४०।१६
भ. २२।० उ. ४९।१० या. आर्द्रायां -
वक्री वृषेभृगुः १४।४२ मघाया ३ ×
पूर्वास्तंबुधः २१ ४८ वक्रीविशाखायां ४ शनिः +

१२पं.आ.कृ.६शु.इ.१०।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	४	२	२	७	२
१३	१८	२३	५	३	३	१३	१४
५५	५२	५०	१४	२४	४१	१७	९
५९	५४	२०	२६	१८	५	५४	४६
५६	२१	९०	१२	३० १५	५३	३	५७
५०	४	११	५८	ब	ब	११	७

गोचरग्रहाः

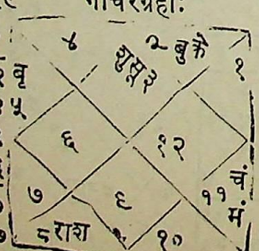

इस मास में पांच रविवारबृद्धि कारक "हैपङ्चाऽकं वासरे रोगः" बदीमें चांदी चपड़ा लाख अलसी तेज हो वर्षा उत्तम

गोचरग्रहाः

१२पं.आ.कृ.१३शु.इ१०।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	४	२	७	७	०
१	२०	२१	५	६	० ०	३	१२	२०
३३	१९	४३	२८	१७	२४	५५	५०
१ ५५	२४	३८	३४	३८	२२	३९	७
मं ५६	१८	३०	११	१६	३	३	५७
५०	२२	५	३०	ब	ब	११	७

*८ चं.श.रा

...iversity Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ़ शुक्लपक्षः सं.२०१३ शाकः १८७८ दि. उ. अ. इ. हि. मु. चंद्रः ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः८२६स.१६५६

१	चं	३	१२	पु	५१	४५	ह	३५	३५	ब	३	१२	३४/१०	५/१०	६/५०	६	२५	२६	कर्के ०	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
२	चं	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
३	मं	५२	२०	श्ले	४८	१६	व	२८	५	ते	२५	७	८	१०	५०	१०	२६	१	सिं ४८।१६	जिल्हेज १२
४	बु	४६	२८	म	४४	२६	सि	२०	२५	व	१६	१६	७	११	४६	११	२७	२	सिंहे	भ. १६।१६ उ ४६।२८ या.
५	गु	४१	४६	पू	४१	३४	व्य	१४	८	ब	१४	७	६	११	४६	१२	२८	३	क. ५६।३	
६	शु	३७	४६	उ	३६	२६	व	७	५६	कौ	६	४६	४	११	४६	१३	२६	४	कन्यायां	मार्गीभृगुः३।२ पुनर्वसौबुधः२५।३२
७	श	३४	४१	ह	३८	२१	ध	३/१	२५/२६	ग	६	१४	२	१२	४८	१४	३०	५	कन्यायां	भ. ३४।४१ उ.
८	र	२२	४१	चि	३८	२५	सि	५४	१६	वि	३	४१	०	१२	४८	१५	३१	६	तु. ८।२३	भ. ३।४१ या.
९	चं	३१	५५	स्वा	३६	२८	सा	५१	२६	बा	२	१८	३३/५६	१२	४८	१६	३२	७	तुलायां	कर्केऽर्कः ७।४६ भडली ६
१०	मं	३२	२३	वि	४१	५६	शु	४६	५५	ते	२	६	५६	१३	४७	१७	१	८	वृ. २६।२१	*१४।२६ देव शयनी ११ ब्र.
११	बु	३४	२६	अ	४५	३८	शु	४६	१२	व	३	२५	५४	१३	४७	१८	२	६	वृश्चिके	भ.३।२५उ.३४।२६या.हज्जकर्के बुधः*
१२	शु	३७	१८	ज्ये	५०	२१	व	४६	२३	ब	५	५२	५२	१४	४६	१६	३	१०	ध. ५०।२१	बकरीदपुष्येरविः३८।३०पुष्येबुधः४६
१३	शु	४१	१८	मू	५५	१३	ऐं	५०	१८	कौ	६	१८	५०	१४	४६	२०	४	११	धनुषि	मार्गी मिथुने मृगुः२६।२८ प्रदोषः
१४	श	४५	५३	पू	६०	०	वै	५१	३४	ग	१३	३५	४७	१५	४५	२१	५	१२	धनुषि	भ. ४५।५३ उ.
१५	र	५०	५६	पू	२	१७	वि	५३	१४	वि	१८	२६	४५	१५	४५	२२	६	१३	म. १८।५३	भ. १८।२६ या. मन्वादि व्या. पूजा

१४पं.आ.शु.६शु.इ१०।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	४	१	७	७	२
२७	२३	१९	७	२९	३	१२	२७
१२	५४	२९	४५	५५	१०	३३	३०
१	३१	२०	३९	७	५४	२३	३२
५६	१६	२९	१२	१८	४२	३	५७
५५	३९	२२	६	मा	ब	११	११

गोचरग्रहाः

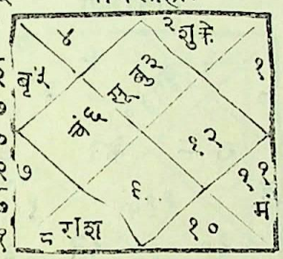

आ,शु. ६ चंद्रे कर्केऽर्कः प्र, वा. ५ न.५ गतालका वस्था (ऊनी) मु. १५ (धान्य-भाव तेज) शुक्रोदयं

गोचरग्रहाः

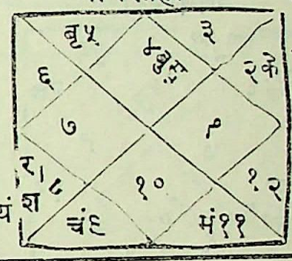

१५पं.आ.शु.१४शु.इ१०।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	३	४	१	७	७	३
३	२५	४	९	२९	३	१२	४
५०	४४	४	६	५५	१	११	११
२९	४३	१	४	४४	५	८	१३
५६	१४	२९	१२	१६	५३	३	५७
५७	१९	२४	२५	९	ब	११	१५

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं.२०१३ शाकः १८७८ दि. उ. अ. इ. हि. मु. चंद्रः वर्षर्तू रविदक्षिणे आ.कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	चं	५५	३६	उ	८४	२	मी	५४	४६	बा	२३	१८	३३/४३	५/१६	६/४४	२३	७	१४	मकरे
२	मं	६०	०	श्र	१४	५५	आ	५५	५४	ते	२७	४८	४०	१६	४४	२४	८	१५	कु. ४७।४८	मघायां ४ गुरुः ५३।५१
३	बु	६०	०	ध	२०	४१	सौ	५६	२५	व	३१	४६	३७	१७	४३	२५	९	१६	कुम्भे	भ. ३१।४६ उ.
३	गु	३	३८	श	२५	३२	शो	५६	१५	वि	३	३८	३५	१७	४३	२६	१०	१७	कुम्भे	भ.३।३८या. आश्लेषायां बुधः२।३०
४	शु	६	३६	पू	२६	२४	अ	५५	४	बा	६	३६	३२	१८	४२	२७	११	१८	मी १३।२६	
५	श	७	३३	उ	३१	५८	सु	५२	५४	ते	७	३३	३०	१८	४२	२८	१२	१९	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	र	७	४१	रे	३३	२२	धृ	४६	४५	व	७	४१	२७	१९	४१	२९	१३	२०	मे. ३३।२२	भ. ७।४१ उ. ३७।४ या.
७	चं	६	२६	अ	३३	३१	शू	४५	३४	ब	६	२६	२४	१९	४१	३०	१४	२१	मेषे	मार्गीशनिः ३।५६
८	मं	४	१	भ	३२	२३	गं	४०	३३	कौ	४	१	२१	२०	४०	३१	१५	२२	बृ. ४६।५३	*२१/४०सिंहेबुधः५६/५७अगस्त मा.८ता.३१
९	बु	०	३२	कृ	३०	२१	बृ	३४	४३	ग	०	३२	१८	२०	४०	१	१६	२३	बृषे	भ.३५/३२उ.५६।११या.पश्चिमोदयीबुधः*
१०	बु	५५	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
११	शु	५१	५	रो	२७	४२	धु	२८	११	ब	२३	३८	१५	२१	३९	२	१७	२४	मि ५५।५६	सार्पेरविः ३९/९ कामिका ११ब्र. स्मा.
१२	शु	४५	२८	मृ	२४	९	व्या	२०	९	कौ	१८	१६	१२	२२	३८	३	१८	२५	मिथुने	कामिका ११ ब्र. वै. नि.
१३	श	३९	३२	आ	२०	१९	ह	१३	४६	ग	१२	३०	९	२२	३८	४	१९	२६	मिथुने	भ.३३/३२उ आर्द्रायां भृगुः ३२/५० प्रदोषः
१४	र	३३	२७	पु	१६	१३	व	१३/१७	५२/२३	वि	६	३०	६	२३	३७	५	२०	२७	क. २।१५	भ. ६।३० यां.
३०	चं	२७	२८	पु	१२	५	ब	५१	४	च	०	२७	३	२३	३७	६	२१	२८	कर्के	हरियाली ३० सोमवती पुण्यम्

१६पं.श्रा.कृ.४शु.इ.१०।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	३	४	२	७	७	३
१०	२७	१८	१०	२	२	११	१०
२९	१०	५५	२९	१६	५६	४८	५२
४६	२८	४४	११	३०	२१	५३	२५
५७	११	५५	१२	२८	१९/२०	३	५७
५	२७	४८	४९	३४	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ चंद्र ५ भौम हैं सौ रसादि पदार्थं मन्दे होकर तेज होंगे।

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ१२शु.इ.१०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	४	४	२	७	७	३
१७	२८	२	११	५	२	११	१७
९	४	१०	५४	५३	५५	२६	३३
३५	६	२६	५२	३३	२८	३७	५७
५७	८	०/१	१३	३८	२७	३	५७
१२	५२	४०/४१	११	२६	ब	११	२४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त.	श्रावणशुक्लपक्षः सं० २०१३ शाकः १८७८	दि	उ.	अ.	इं.	हिं	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८५५स. १९५६
१	मं २१ १४ श्ले ८ ८ व ४३ ४१ ब	२१	१४	३३/०	२४/३६	७	२२	२९ सिं ८	चन्द्रदर्शनम् नक्षत्रतारम्भः
२	बु १५ ५० म ४ ३९ प ३६ २९ कौ	१५	५०	३२/३७	२५	३५	८	२३ १ सिंहे	मोहरम १ सन् १३७६ सिंधारा
३	गु १० ५५ पू ३७/१ ५७/३२ शि ३० २६ ग	१०	५५	५४	२५	३५	९	२४ २ कं. १५।५३	भ.३५/२ उ. पूफायांबुधः ४०।३६ तीज
४	शु ६ ४९ ह ५७ ४९ सि २४ ४३ वि	६	४९	५०	२६	३४	१०	२५ ३ कन्या	भ.६।४९या.पूफायां १ गुरु; ३।१७
५	श ३ ४१ चि ५७ ३६ सा १९ ५६ बा	३	४१	४७	२७	३३	११	२६ ४ तु. २७।४२	
६	र १ ४० स्वा ५८ २६ शु १६ १ तै	१	४०	४३	२७	३३	१२	२७ ५ तुलायां	
७	चं ० ५३ वि ६० ० शु १२ ४ व	०	५३	४०	२८	३२	१३	२८ ६ बृ. ४।५४	भ. ०।५३ उ. ३१।११ या.
८	मं १ २९ वि ० ३६ ध्रु ११ ६ ब	१	२९	३६	२९	३१	१४	२९ ७ बृश्चिके	
९	बु ३ १२ अ ४ ० ऐं १० १० कौ	३	१२	३३	२९	३१	१५	३० ८ वृश्चिके	कल्कि जयन्ती
१०	गु ६ ५ ज्ये ८ ३२ चै १० १० ग	६	५	२९	३०	३०	१६	३१ ९ ध. ८।३२	भ.३५/३ उ. सिंहेऽर्कः ३५/४५ उभायांबुधः ५७/३०
११	शु १० १ मू १४ ४ वि १० ५४ वि	१०	१	२६	३१	२९	१७	१ १० धनुषि	भ.१०।१या. ताजिया पवित्रा ११ब्र.
१२	श १४ ४१ पू २० ७ मी ११ ३५ बा	१४	४१	२२	३२	२८	१८	२ ११ म. २६।४४	प्रदोषः *कर्म रक्षाबन्धनम्
१३	र १९ ३४ उ २६ ३५ आ १३ ४२ तै	१९	३४	१९	३२	२८	१९	३ १२ मकरे	कन्यायांबुधः ११।४०
१४	चं २४ २६ श्र ३२ ३६ सौ १५ १५ व	२४	२६	१५	३३	२७	२०	४ १३ मकरे	भ. २४।२६ उ. ५६।४०या. अ.शु.
१५	मं २८ ५४ ध ३८ ३८ शो १६ ३० ब	२८	५४	१२	३४	२६	२१	५ १४ कु. ५।३७	अस्तंगुरोः ४७ पुनर्वसौभृगुः ५५/१६ श्रावणी*

१८पं.श्रा.शु.४शु.इ.१०।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	४	४	२	७	७	३
२३	२८	१४	१३	१०	३	११	२४
३०	२८	८	२१	३५	०	४	१६
४२	३०	४९	३२	३५	१०	२२	२६
५७	५	९८	१३	४५	१	३	५७
२२	५८	२७	२०	५४	११	११	२३

गोचरग्रहा

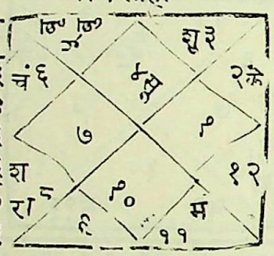

श्रावण शुक्ला १० गुरौ सिंहेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ५ प्रगल्भावस्थाबैठी मु. ३० (धान्य भाव सम)

गोचरग्रहा

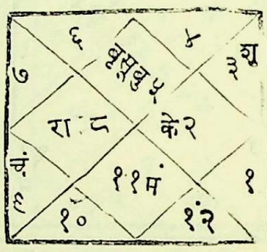

१९पं.श्रा.शु.११शु.इ.११।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	४	४	२	७	७	४
०	२८	२३	१४	१५	३	१०	०
३२	२६	५८	४९	५८	९	४२	५९
५५	३५	४१	४८	५	५	७	४५
५७	३	८९	१३	६१	१	३	५७
३४	२२	२६	३०	३४	५०	११	४०

ति.	प्र.भाद्रपदकृष्णपक्षः सं० २०१३ शाकः १८७८ दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षाऋतू रविर्दक्षिणेश्रावणकृष्णेति महा
१	बु ३२ ३८ श ४३ ४० अ १७ ६ बा	०	४६	३२/८	३४/५	२६/६	२२	६ १५ कुम्भे	
२	गु ३५ १८ पू ४७ ४९ सु १७ ३ तै	३	५८	४	२५	२५	२३	७ १६ मी ३१।४०	मार्गी अनुराधायां १ शनि ३२।१६
३	शु ३६ ५० उ ५० ३२ धृ १६ ३ व	६	४	०	३६	२४	२४	८ १७ मीने	भ. ६।४ उ. ३६।५० या.
४	श ३७ ७ रे ५२ १८ शू १४ १ ब	६	५८	३५/६	३७	२३	२५	९ १८ मे. ५२।३८	पूफायां २ गुरुः ३८।१०
५	र ३५ ५९ अ ५२ ४३ गं ११ ५ कौ	६	३३	५२	३८	२२	२६	१० १९ मेषे	चन्द्रषष्ठी
६	चं ३३ ४० भ ५१ ५५ वृ ७ १२ ग	४	३७	४८	३८	२२	२७	११ २० मेषे	भ.३३।४०उ. श्रजन्माष्टमी ब्र. स्मा.
७	मं ३० १८ कृ ५० २ ध्रु २/१ ५४/१६ वि	१	५०	४४	३९	२१	२८	१२ २१ बृ. ६।२७	भ.१।५९या.वक्रीभौमः २७ श्रीकृष्ण*
८	बु २६ ४ रो ४७ २८ ह ४९ ५० कौ	२६	४	४०	४०	२०	२९	१३ २२ बृषे	हस्तेबुधः १९/१४ श्रीकृष्णजन्माष्टमी वै.
९	गु २१ ३ मृ ४४ १० व ४२ ४९ ग	२१	३	३६	४१	१९	३०	१४ २३ मि १५।४९	भ.४८।१५उ.पूफायांरविः २६।३६ ÷
१०	शु १५ २८ आ ४० १८ सि ३५ २७ वि	१५	२८	३२	४२	१८	३१	१५ २४ मिथुने	भ.१५/२९या. अनु.२राहुः कृत्तिकायाँ+
११	श ९ ३६ पु ३६ १६ व्य २७ ४९ बा	९	३६	२८	४२	१८	१	१६ २५ क. २२।१६	कर्के भृगुः ३४/१० सितम्बरमा.९.ता०३०×
१२	र ३ ३१ पु ३२ ६ व २० १२ तै	३	३१	२४	४३	१७	२	१७ २६ ०	भ.५/२७ उ.प्रदोषः वत्सद्वादशी
१३	र ५३ ५७ ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० कर्के	क्षयः +४केतुः २४।३०
१४	चं ५१ ३८ श्ले २८ ७ प १२ ३७ वि	२४	३३	२१	४४	१६	३	१८ २७ सिं. २८।७	भ.२४।३३या. ×अजा ११ब्र.
३०	मं ४५ ५ म २४ २२ शि १२/५ ५३/० च	१८	२१	१७	४५	१५	४	१९ २८ सिंहे	कुशाग्रहणी सती पूजनं

२०पं.भा.कृ.३शु.इ.९।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	४	२	७	७	४
७	२७	३	१६	२२	३	१०	७
१६	५८	५१	२०	२	२१	१९	४४
२९	२८	११	५	३०	३४	५१	१५
५७	०	७०	१३	५५	२	३	५७
४५	५६	४४	३२	५१	३०	११	४८

गोचरग्रहाः

इस मासमें प्रजा सुख शांति और वर्षा होगी गुरु-वार चन्द्रदर्शन रूई चांदी में घटा बढ़ी अधिक हो।

गोचरग्रहाः

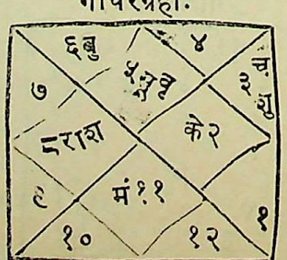

२१पं.भा.कृ.१०शु.इ९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	४	२	७	७	४
१४	२६	११	१७	२८	३	९	१४
१	५६	३६	५२	३६	४२	५७	२९
४०	४७	४७	३७	२०	२३	३६	५४
३७	४०/३	५०	१३	५९	३	३	२८
५७	ब	१५	३८	१५	९	११	८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८ दि. उ. अ. इं. हि. मु. चंद्रः | वर्षार्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८८४ सन् १९५६

१	बु	४१	६	पू	२१	१४	सा	५१	४१	कं	१३	७	३१/१४	४५	१५/६	५	२०	२६	क. ३५।३७	पुष्ये भृगुः २।२८
२	गु	३७	६	उ	१८	४५	शु	४५	४८	ब्रा	६	७	१०	४६	१४	६	२१	३०	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	३३	५८	ह	१७	६	शु	४०	४४	तै	५	३२	६	४७	१४	७	२२	१	तु. ४६।५२	सफर २ हरितालिका ३
४	श	३१	५८	चि	१६	३४	ब्र	३६	२६	व	२	५८	२	४८	१२	८	२३	२	तुलायां	भ. २।५८ उ. ३१।८ या. गणेश ४
५	र	३१	११	स्वा	१७	५	ऐं	३३	१८	ब	१	३४	३०/८	४८	१२	६	२४	३	तुलायां	पूफायां ३ गुरुः ५३।३३ ऋषि ५
६	चं	३१	५१	वि	१८	५६	वै	३१	३	कौ	१	३१	५३	४६	११	१०	२५	४	वृ. ३।३१	
७	मं	३३	३३	अ	२२	८	वि	२६	४८	ग	२	४२	४६	५०	१०	११	२६	५	वृश्चिके	भ. ३३।३३ उ. वक्री बुधः ५२।४२
८	बु	३६	२६	ज्ये	२६	२६	प्री	२६	३३	वि	४	५६	४४	५१	६	१२	२७	६	ध. २६।२६	भ. ५।० या.
९	गु	४०	२८	मू	३४	४७	आ	३०	५	ब्रा	८	२७	४०	५२	८	१३	२८	७	धनुषि	उफायां रविः ११।१५
१०	शु	४५	१०	पू	३७	३६	सो	३१	७	तै	१२	४६	३६	५३	७	१४	२६	८	म. ५४।१४	*३०/३ जलभू ११ ब्र. स्मा वैष्णवानां
११	श	५०	५	उ	४३	५६	शो	३२	३१	व	१७	३८	३२	५४	६	१५	३०	९	मकरे	भ. १७/३८ उ. ५०/५ या. उदयीगुरुः * उ.गु.
१२	र	५५	६	श्र	५०	१३	अ	३४	७	ब	२२	३५	२८	५४	६	१६	३१	१०	मकरे	कन्यायामर्कः ३६/६ जलभू. ११ ब्र. नि.+
१३	चं	५६	३६	ध	५३	२०	सु	३५	१५	कौ	२७	२२	२४	५५	५	१७	१	११	कु. २३।१७	आश्लेषायाँ भृगुः ५४।१५ प्रदोषः
१४	मं	६०	०	श	६०	०	धृ	३५	५६	ग	३१	३३	२०	५६	४	१८	२	१२	कुम्भे	अनन्त १४ +श्रा. द्वा. वामनज.
१५	बु	३	२७	श	१	३०	शू	३५	१७	ब	३	२७	१६	५७	३	१९	३	१३	मी ४९।४९	भ. ३।२७ उ. ३४।५१ या. महालया
१५	गु	६	१५	पू	५	५५	गं	३५	१८	वि	६	१५	१२	५८	२	२०	४	१४	मीने	पश्चिमास्तं बुधः ७।२४ प्रौष्ठपदी.

२२ पं.भा.शु.३ शु.इ.९।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	४	३	७	७	४
२०	२५	१७	१९	५	४	९	२१
४८	३९	२१	२२	३१	५	३५	१६
२९	३	३२	५८	७	३३	२०	५९
५८	१९/३	२५	१३	६१	३	३	५८
१२	ब	५०	३८	५३	४९	११	१३

गोचरग्रहाः

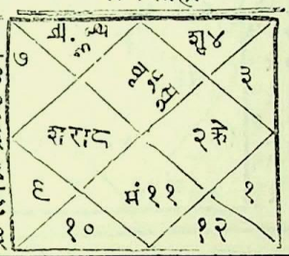

भाद्र. शु. १२ रवौ कन्यायां मर्कः प्र.वा. ४ न. ४ कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

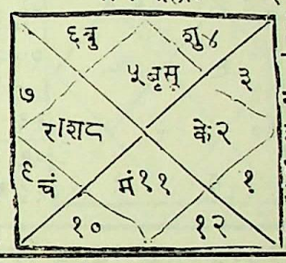

२३ पं.भा.शु.१० शु.इ.९।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	४	३	७	७	४
२७	२४	१९	२०	१२	४	९	२१
३६	१२	५	५५	४०	३३	१३	५
४४	५	५३	२४	३०	३०	५	२१
५८	२०/३	१५/२	१३	६३	४	३	५८
२९	ब	ब	३४	५५	२७	११	२६

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०१३ शाकः १८७८ दि. उ. अ. इं. हि. मु. चन्द्रः | शरदृतूं रविर्दक्षिणेभाद्र. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	शु	७	५२	उ	६	१	वृ	३३	१५	कौ	७	५२	०/८	५/५८	६/२	२१	५	१५	मीने	
२	श	८	१४	रे	१०	५७	ध्रु	३०	२६	ग	८	१४	४	५६	१	२२	६	१६	मे. १०।५७	भ. ३७।४२ ज.
३	र	७	११	अ	११	३७	व्या	२६	३६	वि	७	११	३०/०	६/०	०/०	२३	७	१७	मेषे	भ. ७।११ या.
४	चं	४	५६	भ	११	१०	ह	२१	४६	ब्रा	४	५६	२६/१	६/५	५/६	२४	८	१८	बु. २५।४२	
५	मं	१	४२	कृ	६	१७	व	१६	१२	तै	१	४२	५१	२	५८	२५	९	१९	वृषे	भ. ५७।३५ उ. पूफायां ४ गुरुः ३७।१२
६	मं	५५	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	बु	५२	४२	रो	६	४६	सि	६	४७	वि	२५	८	४६	३	५७	२६	१०	२०	मि. ३७।१६	भ. २५।८ या.
८	गु	४५	११	मृ	३	४६	व्य	५५/३	५२/३८	ब्रा	१८	५६	४२	४	५६	२७	११	२१	मिथुने	हस्ते रविः ५५/६ वक्री उफायां बुधः ४।१२
९	शु	४०	४४	आ	०/९	५५/२	प	४७	५२	तै	१२	५७	३८	४	५६	२८	१२	२२	क. ४२।१	सौभाग्यवतीनाँ श्राद्धम्
१०	श	३५	२४	पू	५१	५७	शि	४०	११	व	८	४	३४	५	५५	२९	१३	२३	कर्के	भ. ८।४ उ. ३५।२४ या.
११	र	२९	२४	श्ले	४७	५५	सि	३२	३९	ब	२	२४	३०	६	५४	३०	१४	२४	सि ४७।५५	मार्गीभौमः ५५/५ ३७/३ सिंहे भृगुः ३/३ इंदिरा ११ ब्र
१२	चं	२३	२६	म	४४	१०	सा	२५	३५	तै	२३	३६	२६	७	५३	१	१५	२५	सिंहे	अक्टूबर मा. १० ता. ३१ प्रदोषः
१३	मं	१८	६	प	४०	४६	शु	१७	४८	ब	१८	६	२२	८	५२	२	१६	२६	कं. ५५।११	भ. १/६ उ. ४५/४ यां. शस्त्रादिहतानां श्रा.
१४	बु	१३	१६	उ	३८	१८	शु	११	०	श	१३	१६	१८	८	५२	३	१७	२७	कन्यायां	पूर्वोदयीबुधः ३४।४५ पितृकार्येऽमा.
२०	गु	६	१६	ह	३६	२१	ब्र	५२/४	३६/५४	ना	६	१६	१४	६	५१	४	१८	२८	कन्यायां	देवकार्येऽमा

२४ पं.आ.कृ.१ शु.इ.९।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	३	७	७	५
४	२२	१५	२२	२०	५	८	४
२६	५५	५१	२५	१०	२	५०	५५
४९	२८	३९	१३	५	२१	५०	१
५८	२/१९	६/१९	१३	६५	४	३	५८
४५	ब	ब्र	३२	३४	५४	११	३८

गोचरग्रहाः

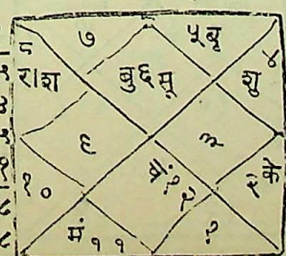

इस मास का फल उत्तम है। कहीं २ बालकों में रोग तथा वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

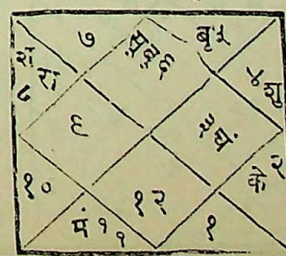

२५ पं.आ.कृ.९ शु.इ.९।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	२	७	७	५
११	२१	८	२३	२७	५	८	११
१८	३७	३६	५३	४८	३५	२८	४३
५५	५९	२९	४६	५७	४५	३४	५१
५९	६/३०	७७	१३	६६	५	३	५८
०	ब	ब	२०	५९	२०	११	५३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०१३ शाकः १८७८ दि. उ. अ. इ. हि. मु. चंद्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६१४स.१६५६

१	शु	६	१४	चि	३५	२६	वै	५४	५६	ब	६	१४	२६	६	५	५	१६	२६	तु.५.१५५
२	श	४	१८	स्वा	३५	५२	वि	५१	२७	कौ	४	१८	१०	१०	५०	५	२०	१	तुलायां
३	र	३	३७	वि	३७	२	प्री	४८	५३	ग	३	३७	६	११	४६	६	२०	१	वृ.२१.४५
४	चं	४	४	अ	४०	१४	आ	४५	१८	वि	४	४	२३	१२	४८	७	२१	२	वृश्चिके
५	मं	६	७	ज्ये	४४	१३	सौ	४६	४०	बा	६	७	५८	१३	४७	८	२२	३	ध.४४.१३
६	बु	६	५	मू	४६	१८	शो	४६	५५	तै	६	५	५०	१४	४६	१०	२४	५	धनुषि
७	गु	१३	११	पू	५४	५६	अ	४७	४७	ध	१३	११	४६	१५	४५	११	२५	६	धनुषि
८	शु	१७	५७	उ	६०	०	सु	४६	१	ब	१७	५७	४२	१६	४४	१२	२६	७	म. ११.३५
९	श	२३	०	उ	१	२४	धृ	५०	२८	कौ	२३	०	२८	१६	४४	१३	२७	८	मकरे
१०	र	२८	४	श्र	७	४८	शु	५१	४०	ग	२८	४	३४	१६	४३	१४	२८	९	कु.४०.५०
११	चं	३२	४५	ध	१३	५३	गं	५२	३२	व	०	२४	३०	१८	४२	१५	२९	१०	कुम्भे
१२	मं	३६	३६	श	१९	३४	बृ	५२	३९	ब	४	४०	२६	१९	४१	१६	३०	११	कुम्भे
१३	बु	३९	२८	पू	२३	५७	धु	५२	०	कौ	८	२	२२	२०	४०	१७	३१	१२	मी.७.५१
१४	गु	४१	११	उ	२७	३२	व्या	५०	२०	ग	१०	१९	१८	२०	४०	१८	१	१३	मीने
१५	शु	४१	३९	रे	३०	५४	ह	४७	४७	वि	११	२५	१४	२१	३९	१९	२	१४	मे. ३०.५४

चंद्रद. मार्गीबुधः ३५.४६ नवरा. *
रविलावल ३ *घटस्था.अभिजिति
भ. ३३.५० उ.
भ.४.४या +उफायां१गुरुः ३२/४३
अनुराधायां २ शनिः ४६.३१
चित्रायांरविः १९/१९ सरस्वत्यावाहनम्
भ. १३/११ उ ४५/३४या.पूफायांभृगुः५०.१०+
सरस्वती वलीदानम्
सरस्वती विसर्जनम् विजया १०
मार्गीहस्तेबुधः १५/१ विजया १०पट्टाभिषेके
भ.२४°उ.३२/४५या. पापांकुशा ११ब्र.

तुलायामर्कः २.१५
भ. ४१.११ उ.
भ.११/२५या.शरत्पूर्णिमा का.स्ना.प्रा.

२६पं.आ.शु.१शु.इ. ८.५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	४	७	७	५
१८	२१	४	२५	५	६	८	१८
१२	३	०	२३	४२	१४	६	४०
४४	५९	१८	३०	७	४३	१९	९
५९	४०	२५	१२	६८	५	३	५९
१६	मा	ब	१३	७	४७	११	०

२७पं.आ.शु.८शु.इ ८.४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	४	७	७	५
२५	२१	७	२६	१३	६	७	२५
८	४	४२	४७	४१	५४	४४	३५
२६	५	५४	४५	२७	४७	४	६
५९	३	६४	१२	६९	६	३	५९
३१	५३	मा	५३	३	१४	११	२१

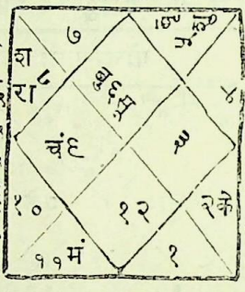

२८पं.आ.शु१५शु.इ८.३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	५	४	४	७	७	६
२	२१	१६	२८	२१	७	७	२
५	२७	३९	११	४६	३७	२१	३१
५५	१२	३९	१७	४१	१७	४८	३५
५९	६	९१	१२	६९	६	३	५९
४६	५६	४२	३१	५३	२८	११	३४

ति. कार्तिक कृष्ण पक्षः सं.२०१३ शाकः १८७८ दि. उ. अ. इ. हि. मु. चन्द्रः | शरदृतौ रविदक्षिणे आश्विनकृ.महाराष्ट्राः

१	श	४०	४२	अ	३०	२८	ब	४४	५	त्रा	११	११	२८	६	५५	२०	३	१५	मेषे
२	र	३८	३१	भ	३०	१९	सि	३९	२८	तै	९	३६	१०	२२	३८	२१	४	१६	वृ. ४४.५७
३	चं	३५	२०	कृ	२८	५२	व्य	३४	०	व	६	५५	६	२३	३७	२१	५	१७	वृषे
४	मं	३१	१८	रो	२६	३२	व	२७	५३	ब	३	१९	२	२४	३६	२२	५	१७	
५	बु	२६	२६	मृ	२४	२३	प	२०	५४	तै	२६	२६	२७	२४	३६	२३	६	१८	मि.५५.२७
६	गु	२१	२	आ	१९	५५	शि	१३	३५	व	२१	२	५४	२५	३५	२४	७	१९	मिथुने
७	शु	१५	१७	पु	१५	५६	सि	५/५६	१५/५३	ब	१५	१७	५०	२६	३४	२५	८	२०	मिथुने
८	श	९	२०	पु	१२	०	शु	५०	२५	कौ	९	२०	४६	२७	३३	२६	९	२१	क.१.१६
९	र	३	२५	श्ले	७	४६	शु	४२	४६	ग	३	२५	४२	२८	३२	२७	१०	२२	कर्के
१०	र	५३	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३८	२८	३२	२८	११	२३	सिं ७.४६
११	चं	५२	१९	म	३	५३	त्र	३५	२२	ब	२४	५०	०						०
१२	मं	४७	३३	पू	२७	५७	ऐं	२८	२३	कौ	१९	४६	३५	२९	३१	२९	१२	२४	सिंहे
१३	बु	४३	३०	ह	५५	२८	वै	२१	५८	ग	१५	३१	३१	३०	३०	३०	१३	२५	कं. १४.४४
१४	गु	४०	४५	चि	५४	२४	वि	१६	१८	वि	१२	७	२८	३१	२९	१	१५	२७	कन्यायां
३०	शु	३८	५६	स्वा	५४	३०	पी	११	३१	च	९	५०	२०	३२	२८	२	१६	२८	तु. २४.५६
																			तुलायां

४९.५४चित्रायांबुधः
भ. ५५/६ उ. ३५/२० या. चतुर्थी ब्र.
स्वात्यांरविः ४३.१५पूर्वास्तं बुधः*
उफायांभृगुः २२.९
भ. २१.२ उ. ४८.१० या.
कन्यायांभृगुः ६.३२
तुलायां बुधः १८.३१
भ. ३०.२३ उ. ५७.२२ या.
क्षयः
रमा ११ ब्र. स्मा.
स्मा. ११ ब्र. वै. नि.
भ. ४/३० उ.स्वा.बुधः १५/३९ प्रदोषःघन१३
भ. १२/९या अनु.१राहुःकृत्ति.३केतु १७/२३+
म.लक्ष्मीपू.+नव.मा.११ता.३०रू५१४

२९पं.का.कृ.७शु.इ.८.२७ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	५	४	५	७	७	६
९	२२	२८	२९	००	८	६	९
५	२५	३	३२	२	२०	५९	२९
१८	४५	३	३८	१६	१४	३३	५२
६०	१०	०	१२	७०	६	३	५९
२	९	८	८	३४	४३	११	४७

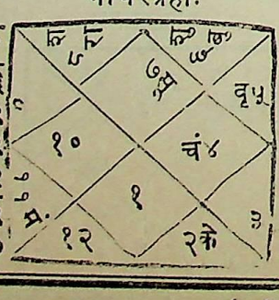

इस मास का फल सामान्य है धान्य रुई गल्लाअफीम गेहूं, जौ, चावल, मजीट,मोठ मंदा होगा ।

गोचरग्रहाः

३०पं.का.कृ.३०शु.इ८.१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	५	५	७	७	६
१६	२३	९	०	०	८	९	६	१६
६	५७	४५	४९	२०	७	३७	२९
२१	१७	१८	४३	५९	४७	१८	४०
६०	१३	०	११	७१	७	३	६०
१८	२०	२५	३१	१०	१११	४	

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०१३ शाकः १८७८ | दि. | उ.अ. | इ. | हिं. | मु. | चंद्रः | शरदर्तौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६४३स१६५६

१	श	३८	२१	वि	५५	३८	आ	७	४०	कि	८	३८	२७	३	१७	२६	वृ ४०।२१	हस्ते भृगुः ३१।४४ अन्नकूटं
२	र	३६	१०	अ	५८	१८	सो	४	४६	बा	८	४५	१३	४	१८	३०	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम् यम २ भ्रातृ २
३	चं	४१	५	ज्ये	३०	०	शो	२	५१	तै	१०	८	१०	५	१६	१	वृश्चिके	रविलाखर ४
४	मं	४४	१७	ज्ये	२	३	अ	१	५४	ब	१२	४१	६	६	२०	२	ध.२।३	भ.१३ उ.४४ या.विशाखा यांरविः४०
५	बु	४८	२४	मू	६	५३	सु	१	५४	ब	१६	२०	३	७	२१	३	धनुषि	
६	गु	५३	१६	पू	१२	३३	धृ	२	३१	कौ	२०	५०	२६	८	२२	४	म.२६।७	विशाखायां बुधः २२।२७
७	शु	५८	२६	उ	१८	४६	शू	३	३३	ग	२५	५१	५६	६	२३	५	मकरे	भ.५ उ.अनु.३शनिः५०।४६
८	श	६०	०	अ	२५	१३	गं	४	५५	वि	३१	०	५२	१०	२४	६	कु.५८।१७	भ.३ या.अस्तं शनिः४२।४६ गो.८
९	र	३	३५	ध	३१	२१	वृ	५	१३	ब	३	३५	४६	११	२५	७	कुम्भे	
१०	चं	८	१८	श	३७	३	धु	६	६	कौ	८	१८	४६	१२	२६	८	कुम्भे	*३०।३प्रबोधिनी११ब्र. तुलसीवि.
११	मं	१२	१५	पू	४१	५१	व्या	७	४	ग	१२	१५	४३	१३	२७	९	मी२५।३६	भ. ४३।४१ उ.
१२	बु	१५	७	उ	४५	३४	ह	६	५२	वि	१५	७	४०	१४	२८	१०	मीने	भ.१५ यावृश्चिकेबुधः३ चित्रायांभृगुः*
१३	शु	१६	५२	रे	४७	५८	व	५	२७	बा	१६	५२	३७	१५	२९	११	मे.४७।५८	बृश्चिकेऽर्कः५५।१ प्रदोषः
१४	श	१७	१९	अ	४९	१३	सि	३	५६	तै	१७	१९	३४	१६	१	१२	मेषे	अनु.बुधः३ उफः यां३गुरुः५ वै.१४
१५	र	१४	१३	भ	४९	१९	व	५५	१८	ब	१५	२२	३१	१७	२	१३	मेषे	भ. १५ उ. ४४ या.
		१४	१३	कृ	४८	३	प	४९	५६	ब	१४	१३	२९	१८	३	१४	बृ.४।१५	पुष्कर यात्रा का. स्ना पू.

३१पं.का.शु.७शु.इ ८।४ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	५	५	७	७	६
३	२५	२१	२	१६	९	६	२३
८	४९	१६	३	४८	५४	१५	३१
५९	५	३७	८	३९	५५	२	१
६०	१७	०	१०	७१	७	३	६०
३०	२३	५०	५८	३७	८	११	१७

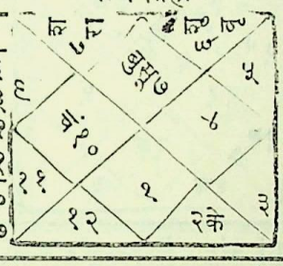

कार्तिक शुक्ला १२ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. २ नं. ४ युवावस्था (सूती) मृ.३० (धान्य भाव सम शुक्रोदयं पू.

गोचरग्रहाः

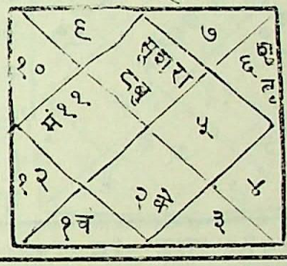

३२पं.का.शु.१३शु.इ. ७।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	५	५	७	७	७
०	२८	२	३	२५	१०	५	०
१३	२०	३१	११	१७	४४	५२	३३
४	१९	४४	४४	१७	४१	४७	४९
६०	१९	९९	१०	७१	७	३	६०
४०	२०	४९	१२	५७	१६	११	३०

ति. मार्गशीर्षकृष्णपक्षः सं.२०१३शाकः१८७८ | दि. | उ.अ. | इ. | हिं. | मु. | चंद्रः | हेमन्तर्तौ रविर्दक्षिणेकार्तिक कृ.महाराष्ट्राः

१	चं	११	४	ग	४५	५६	शि	४३	५०	कौ	११	४	२६	४	१७	१६	४	१५	वृषे	अनु. रविः१२।४६ तुलायांभृगुः५
२	मं	७	२	मृ	४३	१०	सि	३७	६	ग	७	२	२४	४३	१७	२०	५	१६	मि१।४।३४	भ. ३४।३६ उ.
३	बु	२	११	आ	३६	३८	सा	२६	४७	वि	२	११	२१	४४	१६	२१	६	१७	मिथुने	भ. २।११ या. मीने भौमः १२।०
४	बु	५४	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	गु	५१	८	पु	३५	४१	शु	२२	१३	कौ	२३	५८	१६	४४	१६	२२	७	१८	क.२१।४०	
६	शु	४५	१७	पु	३१	३६	शु	१५	२६	ग	१८	१२	१६	४५	१५	२३	८	१६	कर्के	भ. ४५।१७ उ.
७	श	३६	२६	श्ले	२७	२६	व	३	५	वि	१२	२१	१४	४५	१५	२४	९	२०	सिं२७।२६	भ. १२।२२ या.
८	र	३३	४७	म	२३	३०	वै	५१	१८	बा	६	३६	११	४६	१४	२५	१०	२१	सिंहे	ज्येष्ठायांबुधः३ स्वात्यांभृगुः२८।२४
९	चं	२८	३६	पू	२०	१	वि	४४	६	तै	१	११	९	४६	१४	२६	११	२२	क.३४।१५	भ. ५६।१४ उ.
१०	मं	२३	५३	उ	१६	५७	धृ	३७	२९	वि	२३	५३	६	४७	१३	२७	१२	२३	कन्यायां	भ. २३।५३ या.
११	बु	२०	८	ह	१४	४२	आ	३१	३१	बा	२०	८	४	४७	१३	२८	१३	२४	तु.४४।३	उत्पत्ति ११ ब्र.
१२	गु	१७	१९	चि	१३	२५	सो	२६	२५	तै	१७	१९	१	४८	१२	२९	१४	२५	तुलायाँ	उभायांभौमः ८।४५ प्रदोषः
१३	शु	१५	३८	स्वा	१३	१३	शो	२२	११	ब	१५	३८	२५	४८	१२	३०	१५	२६	वृ.५८।५७	भ. १५।३८ उ. ४५।२४ या.
१४	श	१५	११	वि	१४	१२	अ	१८	५५	श	१५	११	५६	४९	११	१	१६	२७	वृश्चिके	दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
३०	र	१६	५	अ	१६	४२	सु	१६	३९	ना	१६	५	५४	४९	११	२	१७	२८	वृश्चिके	ज्येष्ठायां रविः ९९।४५ रविग्रहणम्

३३पं.मा.कृ.६शु.इ.७।२८ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	५	६	७	७	७
७	०	१३	४	३	११	९	७
१८	४०	३३	१६	५०	३३	३०	३७
३८	४६	१८	३	१७	४४	३१	४२
६०	२१	९८	९	७२	७	३	६०
५३	९	२५	२७	२०	२०	११	४२

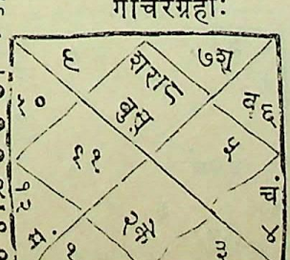

इस मास में पांच सोमवार प्रजा में सुख शांति फल कारक है। रुई अलसी गेहूँ चणा में घटाबड़ी हो।

गोचरग्रहाः

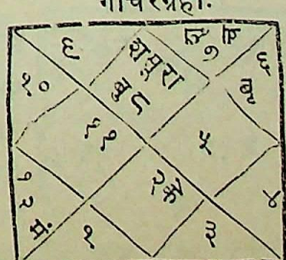

३४पं.मा.कृ.१३शु.इ.७।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	५	६	७	७	७
१४	३	२५	५	१२	१२	५	१४
२५	४३	४१	१३	२१	२३	८	४२
२३	११	४५	५४	३	५२	१६	५६
६१	२३	९६	८	७२	७	३	६०
३	४२	४३	३४	४३	२०	११	५०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०१३ शाकः १८७८	दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	हेमतर्तू रविदक्षिणेऽहर्गणः ९७३ सन् १९५६
१ चं १८ १६ ज्ये १९ ५५ धृ १५ १६ ब १८ १६	२५ २२	५ ६	१० ५	३	१८	२९	ध. १९।५५	चन्दद धनुषि बुधः ५२।२८
२ मं २१ ३५ मू २४ ३४ शू १५ ० कौ २१ ३५	५१	५०	१०	४	१९	१	धनुषि	ज़मादिलावल ५
३ बु २५ ५४ पू ३० ७ गं १५ २५ ग २५ ५४	४९	५०	१०	५	२०	२	भ. ४६।३९	भ. ५८।२३ उ.
४ गु ३० ५२ उ ३६ १९ बृ १६ २२ व ३० ५२	४८	५०	१०	६	२१	३	मकरे	भ. ३/५ ३/२ या. पश्चिमोदयी बुधः ३/१ ५/८ विशा-*
५ शु ३९ २ श्र ४२ ३५ ध्रु १६ ३४ ब ३ २७	४६	५१	९	७	२२	४	मकरे	अनुराधायां ४ शनिः ५७।०
६ श ४१ ११ ध ४८ ५५ व्या १८ ५१ कौ ८ ३६	४५	५१	९	८	२३	५	कु. १५।४५	[* खायां भृगुः १३।४४
७ र ४६ ३ श ५४ ४७ ह २० १ ग १३ ३७	४३	५१	९	९	२४	६	कुम्भे	भ. ४६।३ उ.
८ चं ५९ ५३ पू ५९ ४३ व २० १३ वि १७ ५८	४२	५२	८	१०	२५	७	मी ४३।२९	भ. १७।५८ या.
९ मं ५३ ४४ उ ६० ० सि २० ८ वा २१ ४८	४१	५२	८	११	२६	८	मीने	कल्पादिः
१० बु ५४ २४ उ ३ ४४ व्य १८ ५६ तै २४ ४	४०	५२	८	१२	२७	९	मीने	पूषायां बुधः ३/३ ४/९ उफायां ४ गुरुः १६।२४
११ गु ५४ ५१ रे ६ ४१ व १६ ४७ व २४ ३७	३९	५२	८	१३	२८	१०	मे. ६।४१	भ. २/३ ४/७ उ. ५/५ ४/१ या. मोक्षदा ११ ब्र. स्मा. वै.
१२ शु ५३ ५४ अ ८ १ प १३ ४३ ब २४ २२	३८	५२	८	१४	२९	११	मेषे	उदयी शनिः १५।८ वृश्चिकेभृगु १८।५८×
१३ श ५१ ४१ भ ८ १९ शि ९ ३४ कौ २२ ४८	३८	५२	८	१५	३०	१२	बृ. २३।५	धनुष्यर्कः २/३ ३/० [×मोक्षदा ११ ब्र. निः
१४ र ४८ ३३ कृ ७ २३ सि २९ ४/५ ५/४ ग २० ७	३७	५३	७	१६	१	१३	वृषे	भ. ४८।३३ उ. पिशाचमोचन श्रा.
१५ चं ४४ ३९ रो ५ २८ शु ५२ ५ वि १६ ३१	३७	५३	७	१७	२	१४	मि ३४।६	भ. १६।३१ या अनुराधायां भृगुः २।५१

३५ पं. मा. शु. ५ गृ. इ. ७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	५	६	७	७	७
२१	७	५	६	२१	१३	४	२१
२३	३	४	६	५	१३	४६	४९
१०	४७	५९	१४	२	५५	१	१
६१	२५	९३	७	७२	७	३	६०
११	५३	५७	२२	५६	२०	११	५९

गोचरग्रहाः

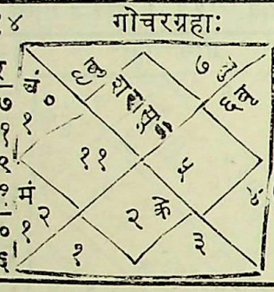

माघशीर्ष शु. १ शनौ धनुष्यर्कः प्र. वा ३ न. ३ युवावस्था (सुती) मुहूर्ताः ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे,

गोचरग्रहाः

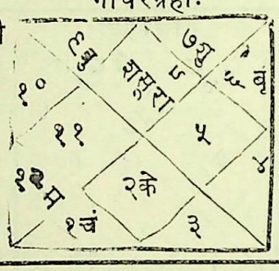

३६ पं. मा. शु. १२ शु. इ. ७।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	५	६	७	७	७
२८	१०	१५	६	२९	१४	४	२८
४१	३५	३६	५२	४५	३	२३	५५
५३	१६	३६	१	२५	१४	४५	५०
६१	२८	८८	६	७३	७	३	६१
१९	९	४३	३२	१४	१२	११	०

ति. पौष कृष्णपक्षः सं० २०१३ शाकः १८७८	दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	हेमतर्तू रविर्दक्षिणेमार्गकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१ मं ३९ ३७ मृ ४५ ४/३ शु ४५ ० बा १२ २	३ ५/७	५/३	६/७	१८	३	१५	मिथुने	आर्द्रक्षयः ५६।४२
२ बु ३४ १६ पु ५५ ३८ व्र ३७ ३१ तै ६ ५०	३६	५३	७	१९	४	१६	क. ४१।३५	
३ गु २८ ३७ पु ५१ ३५ ऐं २९ ४५ व १ २६	३६	५३	७	२०	५	१७	कर्के	भ. १।२६ उ. २८।३७ या.
४ शु २२ ४३ श्ले ४७ २७ वै २१ ५६ वा १२ ४३	३६	५३	७	२१	६	१८	सिं ४७।४७	
५ श १६ ५५ म ४३ २६ वि १४ ८ तै १६ ५५	३६	५३	७	२२	७	१९	सिंहे	उषायां बुधः
६ र ११ २१ पू ३९ ५० प्री २/६ ५/२ व ११ २१	३७	५३	७	२३	८	२०	कं. ५४।२	भ. ११।२१ उ. ३८।१७ या.
७ चं ५ १४ उ ३६ ३६ सौ ५२ १८ ब ५ १४	३७	५३	७	२४	९	२१	कन्यायां	मकरे बुधः १२।५८
८ मं १ ४३ ह ३४ १४ शो ४६ २ कौ १ ४३	३७	५३	७	२५	१०	२२	कन्यायां	रेवत्यां भौमः ४।२०
९ मं ५६ २१ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१० बु ५५ २४ चि ३३ ० अ ४० ३७ व २६ ४४	३८	५२	८	२६	११	२३	तु. ३।३७	भ. २६।४४ उ. ५५।२४
११ गु ५६ ४९ स्वा ३२ १३ सु ३६ ४ व २४ ३६	३८	५२	८	२७	१२	२४	तुलायां	ज्येष्ठायां भृगुः ३/३ ६/५ सफला ११ ब्र. स्मा. वै.
१२ शु ५३ २८ वि ३२ ५५ धृ ३२ ३३ कौ २३ ३९	३८	५२	८	२८	१३	२५	बृ. १७।४५	पूषायां रविः २५।७ सफला ११ ब्र. नि.
१३ श ५४ ३४ अ ३४ ५० शु २९ ५१ ग २४ १	३९	५२	८	२९	१४	२६	वृश्चिके	भ. ५४।३४ उ. प्रदोषः
१४ र ५६ ४० ज्ये ३३ ६ गं २८ १० वि २५ ३७	३९	५२	८	३०	१५	२७	ध. ३८।६	भ. २५।३७ या.
३० चं ६० ० मू ४२ ३० बृ २७ ३३ च २८ २८	४०	५२	८	३१	१६	२८	धनुषि	
३० मं ० १७ पू ४७ ५१ ध्रु २७ ४२ ना ० १७	४१	५२	८	१	१७	२९	धनुषि	वक्री बुधः १/९ ७/८ जनवरी मा. १ ता ३१ सन् ५७

३७ पं. पौ. कृ. ४ शु. इ. ६।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	५	७	७	७	८
५	१४	२५	७	८	१४	४	६
५१	१८	२४	२९	२७	५०	१	३
१९	१९	५०	४९	४१	५१	३०	३३
६१	२९	७६	५	७३	७	३	६१
२२	११	२६	२०	२१	२	१५	५

गोचरग्रहाः

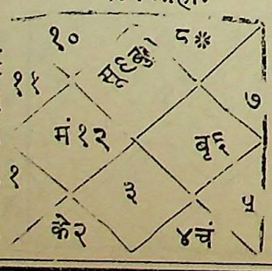

इस मास में सामान्य फल रहेगा गुड़ खांड शक्कर तिल तेल घृत बिनोला निमक चांदी अलसी तेज होगी।

गोचरग्रहाः

३८ पं. पौ. कृ. १२ शु. इ. ६।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	५	७	७	७	८
१३	१८	२	७	१७	१५	३	१३
१	१२	५२	५८	१३	२४	३९	११
१२	१९	४४	४८	१९	१६	१५	३२
६	२०	४४	४	७३	६	३	६१
२६	२२	२०	११	३५	४७	११	६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिथि: पौष शुक्ल पक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८ दि. उ. अ. इं. हि. मु. चंद्रः हेमन्तर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः १००३सन् १९५६

१	बु	४	४१	उ	५३	५५	व्या	२८	२५	ब	४	४१	५५/४२	५२	६/५	२।१८।३०	म.४।२२	चन्द्रदर्शनम्
२	गु	९	४१	श्र	६०	८	ह	२९	३७	को	९	४१	४३	५१	९	३।१९	१	मकरे	जमादिलाखर६विशायां४राहुःकृत्ति- *
३	शु	१४	५८	श्र	०	१८	व	३०	४२	ग	१४	५८	४४	५१	९	४।२०	२	कु.३३।१३	भ. ४७/३७ उ. पश्चिमांस्तबुधः १०।५४
४	श	२०	१६	ध	६	९	सि	३१	५६	वि	२०	१६	४५	५१	९	५।२१	३	कुम्भे	भ. २०।१६ या.
५	र	२४	५१	श	१३	२	व्य	३२	३४	वा	२४	५१	४७	५१	९	६।२२	४	कुम्भे	ज्येष्ठायां १ शनिः ४७।१८
६	चं	२८	४४	पू	१७	४९	व	३२	२६	तै	२८	४४	४८	५०	१०	७।२३	५	मी ३१।३७	धनुषिभृगुः १८।२४
७	मं	३१	३३	उ	२२	९	प	३१	५१	ग	०	८	५०	५०	१०	८।२४	६	मीने	भ. ३१।३३उ वक्रीधनुषिबुधः३८।६
८	बु	३३	७	रे	२४	४३	शि	२९	५१	वि	२	२०	५२	५०	१०	९।२५	७	मि.२४।४३	भ. २।२० या.
९	गु	३६	२८	अ	२७	१	सि	२७	१८	वा	३	१७	५४	४९	११	१०।२६	८	मेषे	उषायां रवि:३६/३५ वक्री पूषायांबुध ४४/१४
१०	शु	३२	२७	भ	२८	३६	सा	२३	३३	तै	२	५७	५६	४९	११	११।२७	९	वृ.४३।१३	[* कायां २ केतु ९।४८
११	श	३०	१२	कृ	२७	३	शु	१८	५५	व	१	१९	५८	४८	१२	१२।२८	१०	वृषे	भ. १९/१८ उ.३१/१२ या.पुत्रदा११ व्र.मन्वदिः
१२	र	२६	५७	रा	२५	२८	शु	१३	१६	बा	२६	५७	२९/०	४८	१२	१३।२९	११	मि.५४।१०	मकरेऽर्कः ४ २।२ प्रदोषः
१३	चं	२२	५०	मृ	२२	५१	न	६	५७	तै	२२	५०	३	४७	१३	१४।१	१२	मिथुने	
१४	मं	१७	८	आ	१९	३६	ऐं	७	५३/३९	व	१७	८	५	४७	१३	१५।२	१३	मिथुने	भ. १७।८ उ. ४४।४८ या.
१५	बु	१२	२९	पु	१५	५७	वि	४५	३	ब	१२	९	८	४६	१४	१६।३	१४	क.१।५२	पूर्वोदयबुधः ३१।३० मा. स्ना. प्रा.

३९ पं.पौ.शु.३शु.इ.६।३९

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	५	७	७	७	८
२०	२२	३	८	२५	१६	३	२०
११	२७	२६	१७	५९	२२	१६	१९
७	४२	१७	३१	१७	३३	५९	३७
६१	३१	५३/३२	२	७३	६	३	६१
२६	४१	ब	५१	४८	३१	११	६

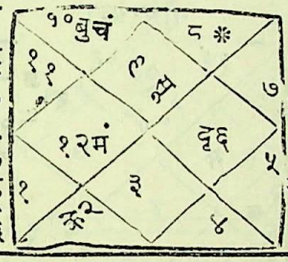

पौष. शु. १२ रवौ मकर्कः प्र.वा.२न. ३वारनामवोरा,गता लकावस्था (ऊमी) मु.३०(धान्यभावसम) शुक्रोदयं पूर्वस्याम् ।

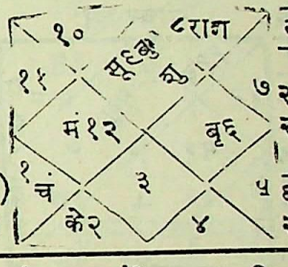

गोचरग्रहाः ४०पं.पौ.शु.१०शु.इ.६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	५	८	७	७	८
७ २७	२६	२६	८	४	१७	२	२७
२१	२०	४	२८	४१	५	५४	२७
१	९	३०	५०	१३	३१	४४	४२
५ ६१	३१	९५/६	१	७३	६	३	६१
२४	३३	ब	२३	५६	१७	११	६

तिथि: माघ कृष्ण पक्षः सं० २०१३ शाकः १८७८ दि. उ. अ. इं. हि. मु. चन्द्रः शिशरऋतुरविरुत्तरेपौष.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	गु	६	४८	पु	११	५५	ग्री	३७	२०	को	६	४८	२६/१०	४६	५/१४	१७	४	१५	कर्के	अश्विन्यां मेषे भौमः १४।३९
२	शु	०	५६	श्ले	७	४७	आ	२९	२६	ग	०	५६	१२	४६	१४	१८	५	१६	सि.७।४७	भ. २८/३३ उ.५५/१० या.वक्रीगुरुः २६/१९ पुषायां+
३	शु	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [+भृगुः १।३८
४	श	४८	४०	म	३	४६	सो	२१	४९	ब	२१	५५	१५	४५	१५	१९	६	१७	सिंहे	चतुर्थी व्रतम्
५	र	४४	३५	पू	०/१	५६/५४	शो	१४	१६	को	१६	३८	१७	४५	१५	२०	७	१८	क.१४।१५	अभिजित्प्रवृत्तोरविः १३।३९
६	चं	४०	९	ह	५४	१९	अ	७	१३	ग	१२	२२	२०	४४	१६	२१	८	१९	कन्यायां	भ. ४०।९
७	मं	३६	३६	चि	५२	२५	सु	५४/५८	५४/१७	वि	८	२२	२२	४४	१६	२२	९	२०	तु.२३।२२	भ. ८।२२ या. मार्गीबुधः ४९।९
८	बु	३४	१	स्वा	५१	४२	शू	५०	१९	बा	५	१८	२५	४३	१७	२३	१०	२१	तुलायां	श्रवणे रविः २९।१९
९	गु	३२	३३	वि	५२	१३	गं	४६	३१	तै	३	१७	२७	४३	१७	२४	११	२२	वृ. ३७।५	पातस्पर्शः ३६/१६ अभिजिन्निवृत्तोरविः २१/३४
१०	शु	३२	२८	अ	५३	४७	बृ	४३	२८	व	२	३१	३०	४२	१८	२५	१२	२३	वृश्चिके	भ.३२/३१ उ.३२/२८ या.पातमोक्षः १०/२३
११	श	३३	३२	ज्ये	५६	४९	ध्रु	४१	३१	ब	३	०	३३	४१	१९	२६	१३	२४	ध.५६।४९	षट् तिला ११ व्र.
१२	र	३५	५४	मू	६०	०	व्या	४०	३१	को	४	४३	३६	४१	१९	२७	१४	२५	धनुषि	
१३	चं	३९	२७	मू	०	५४	ह	४०	२५	ग	७	३९	३९	४०	२०	२८	१५	२६	धनुषि	म. ३९/२७ उषायां भृगुः ३८/१९ प्रदोषः
१४	मं	४३	५७	पू	६	५	व	४१	९	वि	११	४२	४२	४०	२०	२९	१६	२७	म.२२।३४	भ. १०/४२ या.
३०	बु	४९	०	उ	१२	०	सि	४२	५५	च	१६	२९	४५	३९	२१	३०	१७	२८	मकरे	युगादिः

४१पं.मा.कृ.२शु.इ.६।३५

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	५	८	७	७	९
४	०	१८	८	१३	१७	२	४
३०	२९	५५	३१	२६	४५	३२	३५
२९	१	५१	३६	६	३८	२८	३३
६१	३३	३९/४९	४	७३	५	३	६१
१९	३१	ब	०	५६	५०	११	३

इस मास में धान्य मन्दा हो मूंगा रक्त-वर्ण की वस्तु गुड़, शक्कर, गेहूँ, तेज वर्षा होगी ।

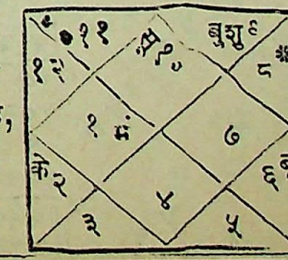

गोचरग्रहाः ४२पं.मा.कृ.१०शु.इ.६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	५	८	७	७	९
११	४	१८	८	२२	१८	२	११
२९	४५	४१	२४	१२	२३	१०	४२
२०	४९	४९	२	२	२२	१३	५९
६१	२४	९९/९८	२१	७४	५	३	६०
१३	१९	मा	ब्र	२	२३	११	५९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | माघ शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | शिशिरर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः १०३२स. १६५७

१	गु	५४	१४	अ	१८	२१	व्य	४३	३३	क	२१	३७	२६ ४८	६ ३८	५ २२	२१	१८	३०	कु. ५१।३४
२	शु	५६	१६	ध	२४	४८	व	४४	३२	वा	२६	४६	५२	३८	२२	१	१६	१	कुम्भे
३	श	६०	०	श	३१	२६	प	४५	२७	तै	३१	३६	५५	३७	२३	२	२०	२	कुम्भे
३	र	३	५६	पू	३६	१८	शि	४५	४१	ग	३	५६	५६	३६	२४	३	२१	३	मी २०।५
४	चं	७	५१	उ	४०	४६	सि	४५	१३	वि	७	५१	२७ ३२	३६	२४	४	२२	४	मीने
५	मं	१०	२८	रे	४४	१५	सा	४३	४७	बा	१०	२८	६	३५	२५	५	२३	५	मे. ४४।१५
६	बु	११	५७	अ	४६	१२	शु	४१	२६	तै	११	५७	६	३४	२६	६	२४	६	मेषे
७	गु	१२	६	भ	४७	१२	शु	३७	५१	व	१२	६	१३	३३	२७	७	२५	७	मेषे
८	शु	१२	५६	कृ	४६	५८	व	३३	०	ब	१०	५६	१६	३३	२७	८	२६	८	वृ. २।८
९	श	८	३७	रो	४५	२५	ऐं	२८	२४	कौ	८	३७	२०	३२	२८	९	२७	९	वृषे
१०	र	५	७	मृ	४३	३	वै	२२	२४	ग	५	७	२३	३१	२९	१०	२८	१०	मि १४।१४
११	चं	०	५२	आ	३९	५८	वि	१५	४४	वि	०	५२	२७	३१	२९	११	२९	११	मिथुने
१२	चं	५५	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१२	०	१२	०
१३	मं	५०	३२	पु	३६	२९	प्री	८	३२	कौ	२३	१६	३०	३०	३०	१२	३०	१२	क. २२।२१
१४	बु	४४	४६	पु	३२	३१	आ	१ ५ ३		ग	१७	३९	३४	२९	३१	१३	१	१३	कर्के
१५	गु	३८	५५	श्ले	२८	२७	शो	४५	३०	वि	११	५०	३८	२८	३२	१४	२	१४	सिं २८।२७

[*फरवरी मा.२ता.२८
चन्द्रदर्शनम् करे भृगुः २०।१० *
रज्जव ७
भ. ३५।५५ उ. तिल ४
भ. ७।५१या.मार्गी उषायांबुधः२३।५८
धनिष्ठायांरविः ३ ५ अभिजित्प्रवृत्तोभृगुः+
[+३९।२०बसंत५
भ. १ ६ उ. ४ ३ या.मकरेबुधः७।३६रथ७
भरण्यांभौमः २ ८ श्रवणेभृगुः २ ९ भीष्माष्टमी
अभिजिन्निवृत्तोभृगुः ४।१८
भ. ३३।० उ.
भ. ०।५२ या. जया ११ ब्र.
क्षयः
कुम्भेऽर्कः. ६ अभिजित्प्रवृत्तोबुधः ४ ७ प्रदोषः
भ. ४४।४६ उ.
भ.११।५०या.श्रवणेबृधः५३।२५

४३ पं.मा.शु.२शु.इ.६।४६ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	५	९	७	७	९
१८	८	२३	८	०	१८	१	१८
४७	५६	५५	६	५७	५७	४७	४९
२०	३०	३०	१७	३५	२४	५८	३२
६१	३५	५०	४८	७४	४	३	६०
४	१	३	ब्र	८	५६	११	५५

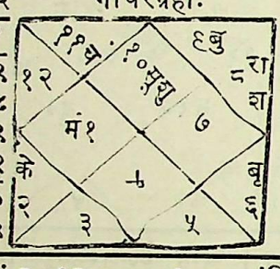

माघ शुक्ला १२ भौमे कुम्भेऽर्कः प्र. वा. ३ न गतालका वस्था (ऊभी) मु. ४५ (धान्य भाव सम) शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः ४४पं.मा.शु.८शु.इ६।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	५	९	७	७	९
२५	१३	१	७	९	१९	१२	१३
५४	११	८	४१	४२	२५	२५	५५
८	१९	२७	५३	२१	२३	४२	१९
६०	३५	६९	४	७४	४	३	६०
५५	२६	१३	ब्र	१४	२७	११	४७

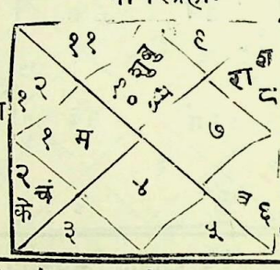

ति. फाल्गुनकृष्णपक्षः सं.२०१३ शाकः १८७८ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | शिशिरर्तुरविरुत्तरेमाघ कृ.महाराष्ट्राः

१	शु	३३	१५	म	२४	२६	अ	२७	३२	बा	६	५	२७ ४२	२८	३ ३	१५	३	१४	सिंहे
२	श	२७	३७	पू	२०	३४	सु	३०	८	तै	०	२६	४६	२७	३३	१६	४	१५	क. ३४।४४
३	र	२१	३३	उ	१७	१३	धृ	२२	५७	वि	२१	३३	५०	२६	३४	१७	५	१६	कन्यायां
४	चं	१८	१०	ह	१४	२८	शू	१६	३२	बा	१८	१०	५४	२५	३५	१८	६	१७	तु. ४३।२७
५	मं	१४	२७	चि	१२	२६	गं	१०	४७	तै	१४	२७	५८	२४	३६	१९	७	१८	तुलायां
६	बु	१२	७	स्वा	११	३०	वृ	५	३६	व	१२	७	२ ५	२४	३६	२०	८	१९	वृ. ५६।४१
७	गु	१०	४०	वि	११	४५	ध्रु	२ ४	१ ५ ४ ७	ब	१०	४०	६	२३	३७	२१	९	२०	वृश्चिके
८	शु	१०	२९	अ	१३	६	ह	५६	०	कौ	१०	२९	१०	२२	३८	२२	१०	२१	वृश्चिके
९	श	११	४४	ज्ये	१५	४८	व	५४	४४	ग	११	४४	१४	२१	३९	२३	११	२२	ध. १५।४८
१०	र	१४	१०	मू	२०	१०	सि	५४	२४	वि	१४	१०	१८	२०	४०	२४	१२	२३	धनुषि
११	चं	१७	४५	पू	२४	३७	व्य	५४	५१	बा	१७	४५	२२	२०	४०	२५	१३	२४	म. ४१।२
१२	मं	२२	१३	उ	३०	१९	व	५५	४९	तै	२२	१३	२६	१९	४१	२६	१४	२५	मकरे
१३	बु	२७	१२	श्र	३६	४१	प	५७	१०	व	२७	१२	३०	१८	४२	२७	१५	२६	मकरे
१४	गु	३२	२६	ध	४२	५६	शि	५८	२५	श	३२	२६	३४	१७	४३	२८	१६	२७	कु. ६।४८
३०	शु	३७	२५	श	४९	२१	सि	५९	३०	च	४	५३	२८	१६	४४	१	१७	२८	कुम्भे

अभिजिन्निवृत्तोबुधः ३२।१४
भ.५४।३५उ.ज्येष्ठायां २ शनिः४९।११
भ. २१।३३ या.
शतेरविः ४४।२८
धनिष्ठायांभृगुः ०।५४
भ.१२।७उ.४ ३ या.वक्रीउफायां ३गुरुः १ ५ ६
[×४६।४ शतेभृगु; ५ ८ मार्चमा.३ता.३१
[+कुम्भे बुधः२६।३७महाशिवरात्रिब्र.वै.
म. ४२।५७ उ. [÷कुम्भेभृगुः२३।१६
भ. १४।१०या. धनिष्ठायां बुधः४८÷
विजया ११ब्र.भृगौर्वृद्धत्वारंभः २२।१२
प्रदोषः
भ. २७ १२ उ ५ ४ ९ ६ या.महाशिवरात्रीब्र.स्मा.
पूर्वास्तंभृगु २२।११+ पू.अ.भृ.
कृत्तिकायां भौमः×

४५पं फा.कृ.१शु.इ.७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	५	९	७	७	१०
३	१७	१०	७	१८	१९	१	३
०	३५	१८	७	२७	५३	३	०
११	३७	५४	३६	५६	३४	२७	६
६०	३५	८२	१ ४	७४	३	३	६०
४२	५६	२५	ब्र	२०	४७	११	३७

४६पं.फा.कृ.८शु.इ.७।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	५	९	७	७	१०
१०	२२	२०	६	२७	२०	०	१०
४	१	१९	२८	११	१६	४१	३
४३	४९	४४	१२	२४	४५	१२	३६
६०	३६	९२	२ ६	७४	३	३	६०
३१	१३	४०	ब्र	२६	६	११	२५

४७पं.फा.कृ.३०श.इ.७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	५	१०	७	७	१०
१७	२६	१	५	५	२०	०	१७
७	१६	९	४२	४७	३५	१८	५
३२	३२	२	४९	२२	१९	५६	४७
६०	३६	०	७	७४	२	३	६०
२०	४२	४५	ब्र	२६	२५	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०१३ शाकः१८७८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१०६२स.१६५७

१	श	४१	५८	पू	५५	२	सा	६०	०	कं	६	४१	२८ ४२	१६	४५	२	१८	२६	मी ३८।३७
२	र	४५	४१	उ	५६	४७	सा	२	५६ ५६	ब्रा	१३	४६	४६	१५	४५	३	१६	३०	मीने
३	चं	४८	१६	रे	६०	०	शु	५८	२८	तै	१६	५८	५०	१४	४६	४	२०	१	मीने
४	मं	४६	३६	रे	३	२६	न	५६	४४	व	१८	५६	५४	१३	४७	५	२१	२	मे.३।२६
५	बु	४६	३८	अ	५	४६	ऐं	५३	३८	व	१६	३७	५८	१२	४८	६	२२	३	मेषे
६	गु	४८	२१	भ	७	२	वै	५०	२	कौ	१८	५६	२६	१२	४८	७	२३	४	वृ. २२।२
७	शु	४५	४६	कृ	७	३	वि	४४	४५	ग	१७	५	६	११	४६	८	२४	५	बृषे
८	श	४२	२१	रो	५	४७	मृ	३६	३	वि	१४	५	१०	१०	५०	६	२५	६	मि ३४।४१
६	र	३८	०	मृ	३	३६	आ	३३	४०	बा	१०	१०	१४	६	५१	१०	२६	७	मिथुने
१०	चं	३२	५१	आ	५ ७	५६ ३०	सौ	२५	४६	ते	५	२५	१७	८	५२	११	२७	८	क.४२।५८
११	मं	२७	१६	पु	५३	२२	शो	१८	२६	व	०	५	२३	७	५३	१२	२८	६	कर्के
१२	बु	२१	२६	श्ले	४६	१७	अ	११	२०	बा	२१	२६	२७	७	५३	१३	२६	१०	सिं ४६।१७
१३	गु	१५	४५	म	४५	१४	सु	३	५३ ५३	ते	१५	४५	२२	६	५४	१४	१	११	सिंहे
१४	शु	६	४४	पु	४१	२४	शू	४७	५८	व	६	४४	३६	५	५५	१५	२	१२	क.५५।३२
१५	श	४	१३	उ	३७	५५	गं	४०	४३	व	४	१३	४०	४	५६	१६	३	१३	कन्यायां

[* फुलरिया २
चन्द्रदर्शनम् पूभायां रविः ५६।१६ *
सावान ८ शते बुधः २८।४६
भ.१५६उ.४३६या पूर्वास्तंबुधः ४४।१६
विशाखायाँ२तुलायांराहुःकृत्तिकायां१≡
भ. ४५।४६ उ. [≡ मेषेकेतुः५।३२
भ. १४।५ या होलाष्ठकम्

[÷ पूभायां भृगुः३४५७आमलकी११ब्र.
भ.०।५उ.२७।१६या.पूभायांबुधः१७३÷
मीनेऽर्कः ५६।३४ प्रदोषः

भ.६।४४उ ३६।५८या.होलिकादहनं छारेंडी

४८पं.फा.शु.७शु.इ८।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	५	१०	७	६	१०
२४	०	१३	४	१४	२०	२९	२४
८	४४	३	५१	४०	४८	५६	६
५४	४५	२८	२८	४	५३	४१	३२ ३
६०	३६	५०	४७	७४	४	३	५९
५	५९	५०	ब	२६	४४	११	५८

गोचरग्रहाः

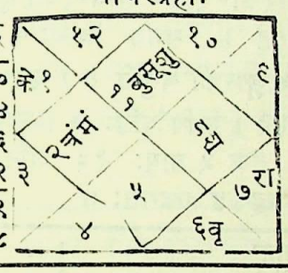

फाल्गुन,शु.१२ बुधे मीनेऽर्कः प्र,वा. २ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० (धान्यभावसम) शुक्रोदयं पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

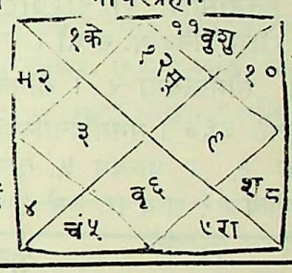

४६पं.फा.शु.१४शु.इ८।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	५	१०	७	६	११
१	५	२५	३	२३	२०	२९	१
८	१	४७	५७	२३	५७	३४	५
३६	५४	५६	३८	१	९	२५	४४
५९	३७	५९	५२	७४	१	३	५९
४९	१८	५४	ब	३२	४	११	४१

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं.२०१३ शाकः१८७८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः वसन्तर्तू रविरुत्तरे फा.कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	श	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	र	५४	४०	ह	३५	१	बृ	३४	१२	तै	२६	५३	२९ ४४	६ ३	५ ५७	१७	४	१४	कन्यायां
३	चं	५१	८	चि	३२	१५	ध्रु	१७	५५	व	२२	५४	४६	२	५८	१८	५	१५	तु. ३।२८
४	मं	४८	३४	स्वा	३१	३४	व्या	२२	४२	व	१६	५१	५३	१	५६	१६	६	१६	तुलायां
५	बु	४७	८	वि	२१	३५	ह	१८	२३	कौ	१७	५१	५७	१	५६	२०	७	१७	बृ. १६।३५
६	गु	४६	५५	अ	३२	४१	ब	१३	५८	गं	१७	१	३० ०	६ ०	० ६	२१	८	१८	बृश्चिके
७	शु	४८	७	ज्ये	३५	१६	सि	१२	२८	वि	१७	३१	६	५ ५	६ ६	२२	६	१६	ध. ३५।१६
८	श	५०	३२	मू	३८	४२	व्य	११	२	ब	१६	२१	१०	५८	२	२३	१०	२०	धनुषि
६	र	५४	८	पू	४३	२४	व	१०	२८	तै	२२	२०	१४	५७	३	२४	११	२१	म.५६।४६
१०	चं	५८	३४	उ	४६	३	प	१०	४७	व	२६	२१	१८	५६	४	२५	१२	२२	मकरे
११	मं	६०	०	श्र	५५	१५	शि	११	३७	ब	३१	३	२२	५६	४	२६	१३	२३	मकरे
११	बु	३	३२	ध	६०	०	सि	१२	५२	ब्रा	३	३२	२६	५५	५	२७	१४	२४	कु. २८।२७
१२	गु	८	३८	ध	१	४०	सा	१४	१३	तै	८	३८	३०	५४	६	२८	१५	२५	कुम्भे
१३	शु	१३	३८	श	८	२	शु	१५	३४	व	१३	३८	३४	५३	७	२९	१६	२६	मी५७।२८
१४	श	१८	०	पू	१३	५७	शु	१६	२३	श	१८	०	३८	५२	८	३०	१७	२७	मीने
३०	र	२१	३५	उ	१८	४८	व	२६	३२	ना	२१	३५	४३	५१	६	३१	१८	२८	मीने

क्षयः
सव्बरात उभायांरविः२०१२मीनेबुधः१६३६
भ. २२।५४ उ. ५१।८ या.
उभायांबुधः६।१६वक्रीउफायां२गुरुः५६५६
मीने भृगुः २८।३ [! सं.१८७६
भ.४५६५उ.*राष्ट्रीयचैत्रमा.१ दि. ३०!
भ.१७१या.रोहिण्यांभौमः५३६शीतलापू.*
उभायांभृगुः६२
वक्रीशनिः ३१।५४
भ.२६उ.५५३४या.रेवत्यांबुध ४४।१५
पापमोचनी ११ ब्र. स्मा.
पापमोचनी ११ ब्र. वै. नि.
प्रदोषः
भ. १३।३८ उ. ४५।५६ या.
रेवत्यां रविः ४७।४०
के. अहर्गणः १०६१ च. ४

५० पं.चै.कृ.७शु.इ.८।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	५	११	७	६	११
८	९	९	३	२२	१९	२९	८
६	३२	२६	३	५	०	१२	३
३०	४	४५	-१	४	५२	१०	१९
५९	३७	०	१२	७४	०	२	५९
३५	२४	३६	४९	३२	१५	११	१९

गोचरग्रहाः

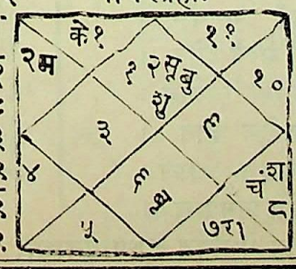

इस मास में पांच रविवार 'पंचाऽर्कवासरे' रोग वृद्धिः बालकों को पीड़ा रुई अफीम गल्ला मंदा ।

गोचरग्रहाः

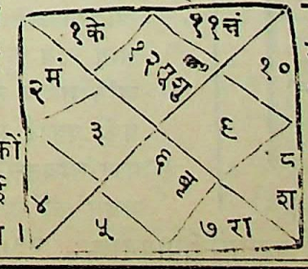

५१ पं.चै.कृ१३शु.इ.६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	५	११	७	६	११
१५	१३	२३	२	१०	२०	२८	१४
२	५१	४५	९	४६	५८	४९	५९
३३	३४	५०	४५	३२	५७	५५	१९
५९	३७	० ५५	७ ३४	७४	२९	३	५९
१८	२८	५५	ब	३२	ब्र	११	१६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५८ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५८ भोग्यकलिः ४२६९४२ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०१४ शालिवाहनीय शाकः १८७९ अस्मिन्वर्षेराजा चन्द्रः । मंत्री शनिः । सस्येशोभौमः । धान्येशोरविः । मेघेशो शुक्रः । रसेशोगुरुः । नीरसेशश्चन्द्रः । फलेशोः शुक्रः । धनेशोःश्चन्द्रः ९ । दुर्गेशः शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ४ साधारणनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये: गतमासादिः ३।१२।३७।१२ भोग्यमासादिः ८।१७।२२।४८ सौम-दैवतं युगम् । वर्षनाम फाल्गुनः । मेघः २ नाम सम्वर्तः । रोहिणीनिवासः सन्धौ । समयनिवासो वणिग्गृहे । समय विश्वा ८ । समय वाहनं मृगः । स्तम्भौ द्वौ जलतृणयोः । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी १ । अङ्गारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी १ । समय मुहूर्ताः ३६० । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १३ । तिथि वृद्धिः ७ । उत्पत्ति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ८४ । वर्षा विश्वा ९ । धान्यम् ५. तृणम् १७. शीतम् ५. तेज ५ वायुः १३ शनिदृष्टिपश्चिमे, वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ७ । ऐक्यं ९१ सत्यं ॥. धर्म १॥. पाप १८ । ग्रहणेद्वं चन्द्रमसः ॥

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ भैरव खड़ा सुनो भवानी मात ।
चौदह सम्वत् का कहो श्रीमुख से कुशलात ॥

भवानी उत्तर

चौदह सम्वत् चौगुणा बर्षे झीणा मेह ।
अन धन जन सम्पत्ति बढै राज प्रजा में नेह ॥
अधिक लिया इस सालमें सोम्य ग्रहां अधिकार ।
राजा गढ पति योग से सुख पावे संसार ॥
सम्वत् विश्वा आठ है वर्षा विश्वा अङ्क ।
सबही को सुख होयसी क्या राजा क्या रङ्क ॥
श्रावण अरु आषाढ में मेघ चढै घनघोर ।
भाद रवि कुंज योग से जग में मांचे शोर ॥
शनि मन्त्री सस्येश कुज इनकी खोटी बान ।
पकी पकाई साख में करसी कुछेक हान ॥
फल सम्वतसर का कहा यूं मक्खन लाल ।
भजन करें जगदीश का वे करसी प्रतिपाल ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्षेश लग्नम् ३।२९

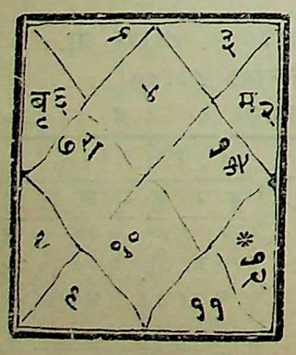

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	बृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ४।१०

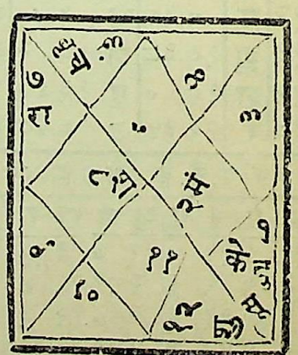

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१४।४१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अर्थ फलम्—अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रस्तत्फलम्-चन्द्र नृपे मङ्गल शोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचुरंच धान्यम् सौख्यं जनानामुदयोनृपाणां प्रशाम्यतिव्याधिजरानाराणाम् ॥ मन्त्री शनिस्तत्फलम्-रविसुते यदि मन्त्रिणि पार्थवा विनय संरहिता बहुदुखःदा नजलदा जलदा बहुतापदा जनपदेषु सुखन्न फनं क्वचित ॥ सस्येशो भौमस्तत्फलम्-प्रथम धान्यपतौ धरणीपतौ गज तुरङ्ग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदा बहुरोग धनौजलं न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत् ॥ धान्यशो रविस्तफलम्-पश्चाद्धान्याधिपेसूर्ये पश्चाधान्यं तदानहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घ ज्वरपीडनम् । मेघेशस्शुक्रस्तत्फलम् भृगुसुतेजलदस्यपतिर्यदा । जलदस्यपतिर्यदा जलयुतो जलदा दिविशोभनाः धननि धानयुता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ॥ रसेशो गुरुस्तत्फलम्—यांद गुरौ रसपे जन सोख्यदे कमलवन्ति सरांसि तृणानिच । जनपदा द्विजपूजनं तत्परा गज सवाजि रथोष्ट्रयुता नृपाः । नीरसेशचन्द्रस्तत्फलम्-शुक्लवर्णादि वस्तुनां मुक्ता रजत वाससाम् । अर्घ वृद्धि प्रजायेत शशांके नीरशाधिपे फलेशः शुक्रस्तत्फलम्-यदि फलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदुकुमार महिरुह राशयः बहुपथानरनाराथ सुभोगगा द्विजवरा श्रुतिपाठ परायणाः ॥ धनेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-धनपति-मृगलांछनको यदा यदा रस चयात् क्रयविक्रतो धनम् । वसनराशियुगं धनज बहुद्रविण तैल घृतं नृप सौख्यकम् ॥ दुर्गेशः शुक्रत्तफलम्-नरवरेषु विशेषपतिर्यदा भृगु सुतो बहु सौख्यकरो मतः । विनय वाणिज गेहसमः सुखो गत बन निटेपि च दूरतः ॥ वर्षनाम् फाल्गुनस्तत्फलत्-सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्य पश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुने वत्सरे शुभम् ॥ साधारण नाम सम्वत्सरस्तफलम्-साधारणाब्दे वृष्ट्यर्घं भयं साधारणं मतम् । सध्वसम्पद्धराधीशः प्रजासुः स्वस्थ चेतसः ॥ मेघ-नाम सम्वर्तस्तत्फलम्-सम्वर्ते जलपूरिता ॥ रोहिणीनिवासः सन्धौस्तत्फलम्-खण्डवृष्टिश्च सन्धिषु ॥ समय निवासो वणिग्गृहे फलम् वणिग्गृहे शुभं नास्ति ॥

सं० २०१३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

आषाढ मासः

कृष्णा ६ शुक्रे रेव.ल. ऽन्यगो. रे. ७॥।ऽबृ ।ऽ चो ।ऽ॥ पादवेधाद्वेधाऽभावः

शुक्ला ४ चन्द्रे मघा ल. ऽन्यगो. रे. ७ऽ म ।॥॥।ऽऽ ॥गोधूल्यां भौमष्टमदोषः

,, ७ गुरौ हस्ते ल. १२ (घ. ४७।२० या.) गु. पू. स. रे. ८॥।॥॥।ऽ।ऽ दग्धादोषः

,, ८ शुक्रे स्वात्यां रे. ८॥।॥।ऽऽ॥। लग्नाऽभावः

,, ९ शनौ स्वात्यां ल. गो. रे. ८॥।॥।ऽअ. ऽ॥।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १२ चन्द्रे हस्ते ल.ऽन्यगो. रे. ८॥।। ऽअ.।ऽ॥

शुक्ला २ शनौ मूले ल. ५-६ रे. ८ऽवृ. ।॥॥।ऽ॥।

,, ४ चन्द्रे उषा. ल. ५ (अंश २२ या.) वा. ६ रे. ७॥ऽशु. ।॥ऽऽ॥

,, १४ शुक्रे रोहि. ल. ६ रे. ७॥।ऽशु. ॥ऽऽ॥ पादवेधाद्वेधाऽभावः

,, १५ शनौ मृगे ल. ६ रे. ७।ऽ॥ऽ सू. ॥ऽ॥

पौष मासः

कृष्णा ६ गुरो मघायां ल. ६ रे. ६ऽचंऽ।ऽशु.॥ऽ॥। पादवेधातशुक्रवेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ शुक्रे उफा. ल. गो रे. ६॥।॥।ऽ॥।

,, ५ शनौ हस्ते. ल गो. रे. ८ ।॥॥।ऽरो.।ऽ॥

,, ८ भौमे अनु. ल. ६ रे. ७ ऽशु.।॥॥ऽअग्नि पं. ।ऽ॥ भौमवासरत्वादग्निभयम्

शुक्ला २ गुरौ उभा. ल. १० श. पू. स.रे. ७ऽश. ऽ॥।ऽ रोग ।॥॥

,, ३ शुक्रे उभा. ल. ६ (चं. पू. सत्) वा. ल. ८ रे. ८ ऽ श. ऽ॥।॥॥॥

वैशाख शु. १५ यां चन्द्रे खग्रास चन्द्रग्रहणम् विश्वा २६।३

		स्प.	स.	म.	उ.	मो.	पव.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	४६	५२	५४	५५	५८	८
	पल	३४	२४	०	३६	२६	५२
रेल्वे टाइम	घं.	२	३	४	४	५	३
	मि.	१७	२५	३४	१	४६	३३

कार्तिक शु. १५ गुरौ खग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा २०-३४

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	पव.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	२६	३३	३३	३४	३८	८
	पल	२६	२४	४३	२	१०	३४
रेल्वे टाइम	घं.	६	७	७	८	९	३
	मि.	१३	४६	६	४	३६	२६

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०१४ शाकः १८७६ | दि. उ. अ. इ. हि. मु. | चन्द्रः | बसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १०६२स १६५७

१	चं	२४	०	रे	२२	४३	ऐं	१५	४७	ब	२४	०	३०/४७	५१	६/६	१	११	२६	मे. २२।४३
२	मं	२५	१२	अ	२५	१६	वै	१३	५६	को	२५	१२	५२	५०	१०	२	१२	१	मेषे
३	बु	२५	५	भ	२६	५३	वि	११	२५	ग	२५	५	५६	४६	११	३	१३	२	वृ. ४१।५७
४	गु	२३	४३	कृ	२७	६	प्री	६	४२	वि	२३	४३	३१/०	४८	१२	४	१४	३	वृषे
५	शु	२१	६	रा	२६	६	आ	३/६	५५/१	बा	२१	६	४	४७	१३	५	१५	४	म ५५।११
६	श	१७	३०	मृ	२४	१३	शो	५१	४५	तै	१७	३०	८	४६	१४	६	१६	५	मिथुने
७	र	१३	३	आ	२१	२६	अ	४४	५५	व	१३	३	१२	४६	१४	७	१७	६	मिथुने
८	चं	७	५२	पु	१८	४	सु	३७	२८	ब	७	५२	१६	४५	१५	८	१८	७	क. ३।५५
९	मं	२	६	पु	१४	१६	धृ	३०	११	को	२	६	२०	४४	१६	९	१९	८	कर्के
१०	मं	५४	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	बु	५०	१६	श्ले	१०	२७	शु	२२	३२	व	२३	१८	२४	४३	१७	१०	२०	९	सिं १०।२७
१२	गु	४४	२४	म	६	१३	गं	१४	५१	ब	१७	२२	२८	४२	१८	११	२१	१०	सिंहे
१३	शु	३८	४५	पू	१३/२	५९/२९	बृ	७	१८	को	११	३४	३२	४२	१८	१२	२२	११	क. १६।२०
१४	श	३३	३१	ह	५४	५५	धु	०/४	५३/१३	ग	६	८	३६	४१	१९	१३	२३	१२	कन्यायां
१५	र	२९	५	चि	५३	१४	ह	४७	७	चि	१	१८	४०	४०	२०	१४	२४	१३	तु. २४।५

चन्द्रद. बुधः २७/३८ अप्रे लमा. ता. २०*
रमजानद्रोजा पश्चिमोदयीबुधः ४४/१६
भ. ५४/४उ. रेवत्यांभृगुः ५७ मत्स्यजयंती
भ. २३।४३ या.
कल्पादिः
[*सम्वत्सरारम्भः नवम्भः घटस्था.
भ. १३।३ उ. ४०।२७ या.
भरण्यांबुधः १४।४४ राम ६.

क्षयः [+मृगेभौमः १२।३मेषेभृगुः ४/१०
भ. २३।१८उ. ५/६या. कामदा ११ब्र.स्मा.
कामदा ११ ब्र. वै. नि. हरिदमनोत्सवः
प्रदोषः
भ. ३३।३१ उ. मेषेऽर्कः २२।११+
भ. १।१८ या. हनुमज्ज. वै स्ना.प्रा.

५२पं.चै.शु.५श.इ.६। २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	०	५	११	७	६	११
२१	१८	७	१	१९	२०	२८	२१
५६	१८	१५	२०	२७	५३	२७	५३
४६	२	४८	४३	२४	८	३९	२९
५९	३७	३/५४	५/६	७४	१५/१	३	५९
४	४०	५४	ब	३८	ब	११	४

गोचरग्रहाः

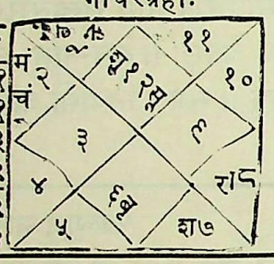

चैत्र शुक्ल। १४ शनौ मेषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ प्रग-ल्भाबस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शु.पू.

गोचरग्रहा

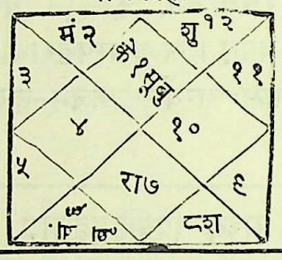

१पं.चै.शु १४श.इ.२५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	७	६	०
०	२३	१९	०	२९	२०	२८	०
२	२८	३७	२५	४१	४०	१	०
५५	१९	२२	८	२०	५९	२२	०
५८	३८	७२	५/६	७४	२/२	३	५८
४५	२	५९	ब	३८	ब	११	४४

ति. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७६ | दि. उ. अ. इ. हिं मु. | चंद्रः | बसंतऋतूरविरुत्तरेचै. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	चं	२५	३५	स्वा	५२	३	व	४१	४३	को	२५	३५	३१/४४	३/६	५/६	२१/६	१५	२५	१४	तुलायां
२	मं	२२	५४	वि	५१	३६	सि	३७	१७	ग	२२	५४	४८	३८	२२	१६	२६	१५	वृ. ३६।४३
३	बु	२१	२१	अ	५२	३३	व्य	३३	३०	वि	२१	२१	५१	३८	२२	१७	२७	१६	वृश्चिके
४	गु	२१	४	ज्ये	५४	२३	व	३०	५१	बा	२१	४	५५	३७	२३	१८	२८	१७	ध. ५४।२३
५	शु	२२	५	मू	५७	२५	प	२९	१६	तै	२२	५	५८	३६	२४	१९	२९	१८	धनुषि
६	श	२४	२३	पू	६०	०	शि	२८	३६	ब	२४	२३	३२/२	३६	२४	२०	३०	१९	धनुषि
७	र	२८	०	पू	२	२३	सि	२८	४६	व	२८	०	६	३५	२५	२१	१	२०	म १८। ४४
८	चं	३२	१८	उ	७	४६	सा	२९	४७	बा	०	९	९	३४	२६	२२	२	२१	मकरे
९	मं	३७	६	अ	१३	१६	शु	३१	४	तै	४	४२	१३	३३	२७	२३	३	२२	कु. ४६।५०
१०	बु	४२	९	ध	२०	२४	शु	३२	२५	व	९	३८	१७	३३	२७	२४	४	२३	कुम्भे
११	गु	४६	५६	श	२६	४६	न	३३	५१	ब	१४	३३	२१	३२	२८	२५	५	२४	कुम्भे
१२	शु	५१	२१	पू	३२	४४	ऐं	३४	४९	को	१९	८	२५	३१	२९	२६	६	२५	मी १६।१४
१३	श	५४	५३	उ	३७	५१	वै	३५	१८	ग	२३	७	२९	३०	३०	२७	७	२६	मीने
१४	र	५७	१२	रे	४२	५	वि	३४	५४	वि	२६	३	३३	२९	३१	२८	८	२७	मे. ४२।५
३०	चं	५८	३८	अ	४५	७	प्री	३३	२५	च	२८	२५	३६	२९	३१	२९	९	२८	मेषे

भ. ५२।७ उ.
भ. २१/२९ या. वक्री उफायां १ सिंहेगुरुः २४/२९
राष्ट्रीय वैशाख मा. २ दि. ३१
मिथुने भौमः ४७।४ कृतिकायां बुधः १४/०
भ. ३७/६उ. ४२/६या. वक्रीबुधः ३६/५५ वक्रीमर.*
वरुथनी ११ब्र. [*बुधः ४०/० भर. भृगुः २८/१७
पश्चिमास्तं बुधः ४७।२७
भ. ५४।५३उ. भरण्यां रविः ३।३५ प्र.
भ. २६।२ या.
वक्री ज्येष्ठायां १ शनिः ६।५७

२पं.वै.कृ.६श.इ.२५।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	४	०	७	६	०
६	२७	२५	२९	८	२०	२७	६
५३	४९	२६	४५	२१	२४	३९	५०
६	५१	२७	२८	१०	४३	७	३८
५८	३८	२६	४/६	७४	३/६	३	५८
२९	८	११	ब	३८	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

इस मास का फल श्रेष्ठ है प्रजा मेंसुखशांति धान्य चांदी मंदी सुदी में गुड़ खांड घृत गुड़ तैल तेज।

गोचरग्रहाः

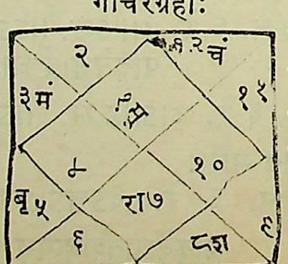

२पं.वै.कृ.१३श.इ२५।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	७	०	७	६	०
१३	२	२५	२९	१७	२०	२७	१३
४१	१९	५१	१६	०	५	१६	३९
३०	६	१२	३८	२७	२९	५२	४१
५८	३८	५७/६	४०/४	७४	१५/३	३	५८
१२	१०	ब	ब	३२	ब	११	१९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०१४ शाकः १८७६ दि. | उ.अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | वसतर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ११२१ सन् १९५७

१	मं	५८	११	भ	४६	५१	आ	२१	१	क्ति	२८	२४	३२ ४०	५ २८	६ ३२	३०	१०	२९	मेषे
२	बु	५६	४६	कृ	४७	२३	सो	२७	४४	वा	२७	२८	४३	२७	३३	१	११	३०	बृ. १.५९
३	गु	५४	१०	रा	४६	४७	शो	२३	२१	तै	२५	२८	४६	२७	३३	२	१२	१	वृषे
४	शु	५०	३६	मृ	४४	५७	अ	१८	१२	व	२२	२३	५०	२६	३४	३	१३	२	मि १५.२२
५	श	४५	२७	आ	४२	३०	सु	१२	१२	ब	१८	१	५४	२५	३५	४	१४	३	मिथुने
६	र	४०	३१	पु	३९	१०	धृ	४६ ५१	५२ ५७	कौ	१२	५९	५७	२५	३५	५	१५	४	क. २५.०
७	चं	३४	५३	पु	३५	३०	गं	५१	२३	ग	७	४२	३३ ३९	२४	३६	६	१६	५	कर्के
८	मं	२९	०	श्ले	३१	२४	बृ	४३	४४	वि	१	५६	४	२३	३७	७	१७	६	सिं ३१.२४
९	बु	२२	५८	म	२७	२५	धु	३६	४	कौ	२२	५८	७	२३	३७	८	१८	७	सिंहे
१०	गु	१७	०	पू	२३	२२	व्य	२८	४४	ग	१७	०	१०	२२	३८	९	१९	८	कं. ३७.२७
११	शु	११	४	ह	१९	४३	ह	२१	२७	वि	११	४	१३	२१	३९	१०	२०	९	कन्यायां
१२	श	६	१	उ	१६	२७	ब	१४	३४	बा	६	१	१६	२१	३९	११	२१	१०	तु. ४५.१२
१३	र	१	२६	चि	१३	५६	सि	८	१५	तै	१	२६	१९	२०	४०	१२	२२	११	तुलायां
१४	र	५६	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	चं	५४	५७	स्वा	१३	१९	व्य	४७ ५३	५५ १९	वि	२६	२०	२२	२०	४०	१३	२३	१२	बृ. ५८.३६

क्षयः *जलकु.दान. चन्द्रग्रहणम्

भ. २३/२० या. कूर्मजयंती वै. स्ना. पूर्ति.

४ पं.वै.श.५श.इ.२५.५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	४	०	७	६	०
२०	६	२२	२८	२५	१९	२६	२०
२८	२९	४८	५३	३८	४१	५४	२७
८	७	३२	१६	४५	४५	३६	२१
५७	२८	३५ ३७	२५	७४	४९	३	५८
५७	१५	ब	ब	३२	ब	११	६

गोचरग्रहाः

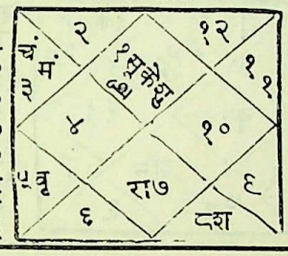

इस मास में सोमवार शुभ है सुदी १५ का चन्द्रग्रहण प्रत्येक व्यापारी वस्तुओं में घटा बढ़ी हो

गोचरग्रहाः

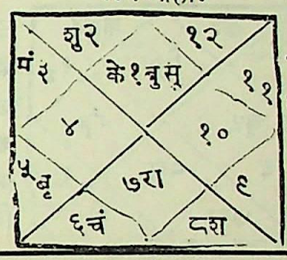

५ पं.वै.शु.१२श.इ.२६.९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	४	१	७	६	३
२७	११	१८	२८	४	१९	२६	२७
१३	५	५७	३९	१६	१५	३२	१३
२२	१९	१३	६	५४	३५	३१	३२
५७	२८	३० ३८	५	७४	४	३	५७
४५	२६	ब	ब	३२	ब	११	५४

ति. ज्येष्ठकृष्णपक्षः सं० २०१४ शाकः १८७९ दि. | उ.अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तौ रविरुत्तरेवैशाख कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	५३	२३	वि	१३	४२	प	५४	१९	बा	२४	१०	३३ ३५	५ १९	६ ४१	१४	२४	१३	बृश्चिके
२	बु	५३	६	अ	१३	५८	शि	५१	४१	तै	२३	१४	२८	१८	४२	१५	२५	१४	बृश्चिके
३	गु	५३	५४	ज्ये	१५	२	सि	४९	४१	व	२३	३०	३१	१८	४२	१६	२६	१५	ध. १५.२
४	शु	५६	३	मू	१७	२	सा	४८	५८	ब	२४	५८	३४	१७	४३	१७	२७	१६	धनुषि
५	श	५९	२६	पू	२१	२४	शु	४९	५	कौ	२७	४४	३६	१७	४३	१८	२८	१७	म. ३७.४१
६	र	६०	०	उ	२६	३३	शु	४९	५०	ग	३१	३४	३९	१६	४४	१९	२९	१८	मकरे
७	चं	३	४२	श्र	३२	३२	व्र	५१	१४	व	३	४२	४१	१६	४४	२०	३०	१९	मकरे
८	मं	८	३४	ध	३८	५४	ऐं	५२	४१	ब	८	३४	४४	१५	४५	२१	३१	२०	कु. ५.४३
९	बु	१३	२३	श	४५	२२	वै	५४	१२	कौ	१३	२३	४६	१५	४५	२२	१	२१	कुम्भे
१०	गु	१८	१२	पू	५१	२६	वि	५५	२७	ग	१८	१३	४८	१४	४६	२३	२	२२	मी ३४.३५
१०	शु	२२	२८	उ	५६	४०	प्री	५५	५९	वि	२२	२८	५०	१४	४६	२४	३	२३	मीने
११	श	२५	५५	रे	६०	०	आ	५५	४५	बा	२५	५५	५२	१४	४६	२५	४	२४	मीने
१२	र	२८	१६	रे	१	९	सो	५४	३३	तै	२८	१६	५४	१३	४७	२६	५	२५	मे. १.९
१३	चं	२९	२०	अ	४	३०	शो	५२	३५	ब	२९	२०	५६	१३	४७	२७	६	२६	मेषे
१४	मं	२९	१३	भ	६	२८	अ	४९	२७	श	२९	१३	५८	१२	४८	२८	७	२७	बृ. २१.४०
३०	बु	२७	४४	कृ	७	१८	सु	४५	२४	ना	२७	४४	३४ ०	१२	४८	२९	८	२८	बृषे

भावुकां ३० बटपूजनम्

६ पं.ज्ये.कृ.५श.इ.२६.१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	४	१	७	६	१
३	१५	१७	२८	१२	१८	२६	३
५६	३०	९	३३	५३	४६	१०	५८
५९	३७	३२	५७	१३	५५	६	२६
५७	२८	१९ ६	१९ ०	७४	२६	३	५७
३४	२९	ब	मा	२६	ब	११	४४

गोचरग्रहाः

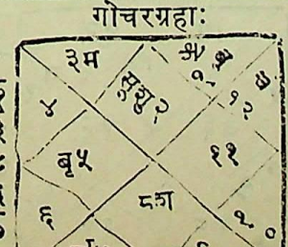

ज्येष्ठ कृष्णा १ भौमे बृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.५कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य-भाव सम) शुक्रो.

गोचरग्रहाः

७ पं.ज्ये.कृ.११श. इ.२६/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	४	१	७	६	१
१०	१९	१७	२८	२१	१८	२५	१०
३९	५१	५४	४०	३०	१६	४७	४२
१०	४६	५७	४३	१४	११	५०	२०
५७	३८	१९ ८	१	७४	३८	३	५७
२३	३७	मा	३१	२६	ब	११	२५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०१४ शाकः १८७६ | दि. उ. अ. इं. हिं. मु. चन्द्रः | ग्रीष्मर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ११५१ स. १६५७

१	गु	२५	४	रो	७	१	धृ	४०	२०	ब	२५	४	३४ २५	१२	४८	२०	६	२६	मि २६।१३
२	शु	२१	२५	मृ	५	२५	शू	३४	४२	कौ	२१	२५	४	११	४६	३१	१०	१	मिथुने
३	श	१६	५२	आ	३	५६ ५४	गं	२७	५६	ग	१६	५२	६	११	४६	१	११	२	क. ४४।३३
४	र	११	३५	पु	५७	४	बृ	२१	१४	वि	११	३५	७	११	४६	२	१२	३	कर्के
५	चं	५	४८	श्ले	५२	१६	धु	१३	५७	वा	५	४८	६	१०	५०	३	१३	४	सिं. ५२।१६
६	चं	५४	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	मं	५३	४४	म	४८	५५	च्या	२४ ६	३४ ५३	ग	२६	४७	१०	१०	५०	४	१४	५	सिंहे
८	बु	४७	४०	पू	४४	२०	व	५१	२६	वि	२०	४२	१२	१०	५०	५	१५	६	कं. ५८। २६
६	गु	४१	५१	उ	४०	५७	सि	४४	७	वा	१४	४५	१३	६	५१	६	१६	७	कन्यायां
१०	शु	३६	२६	ह	३७	६	व्य	३७	१३	तै	१०	४०	१५	६	५१	७	१७	८	कन्यायां
११	श	३१	४६	चि	३४	३६	व	३०	४५	व	५	३६	१६	६	५१	८	१८	६	तु. ५।५२
१२	र	२७	५६	स्वा	३२	१	प	२५	७	बा	२७	५६	१७	६	५१	६	१६	१०	तुलायां
१३	चं	२४	५६	वि	३१	३७	शि	२०	३७	तै	२४	५६	१८	८	५२	१०	२०	११	बृ. १६।४३
१४	मं	२३	१८	अ	३१	५७	सि	१६	२७	व	२३	१८	१६	८	५२	११	२१	१२	बृश्चिके
१५	बु	२२	४७	ज्ये	३३	२५	सा	१३	३३	व	२१	४७	२०	८	५२	१२	२२	१३	ध. ३३।२५

चन्द्रदर्शनम्
जिल्काद ११
भ. ४४ उ. मिथुनेभृगुः २१ जून मा. ६ता २०
भ. ११।३५ या.

भ. ५३।४४ उ.
भ. ४० या. मार्गीकृत्तिकायांबुधः १४।७
अर्द्रायांभृगुः ४६।१४
मृगे रविः ४४ वृषेबुधः ५५ दशहरा.
भ. ४।६ उ. ३१ या. निर्जला ११ ब्र.
प्रदोषः
कर्के भौमः ४४ वटसावित्री व्रतारम्भः
भ. २३।१८ उ. ५३।२ या.
वट सावित्री पूजा

८पं. ज्ये. शु. ३श. इ. २६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	४	२	७	६	१
१७	२४	२३	२८	०	१७	२५	१७
२०	१२	९	४८	६	४५	२५	२५
१६	२९	२२	५८	१९	१२	३५	४
५७	३८	४८	२	७४	३४	३	७५
१३	३७	२८	५६	२६	ब	११	७२

गोचरग्रहाः

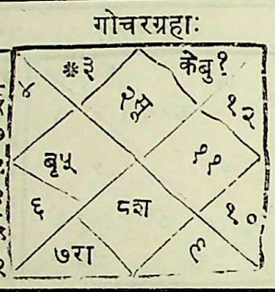

इस मास में प्रजा में उपद्रव धूप अधिक पड़ेगी अग्नि भय रोग भय होगा वायु विशेष चलेगी।

गोचरग्रहाः

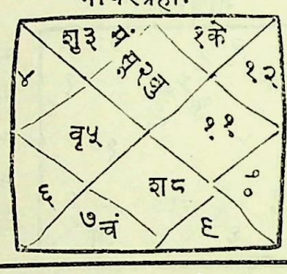

९पं. ज्ये. शु. ११श. इ. २६।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	४	२	७	६	१
२४	२८	०	२९	८	१७	२५	२४
०	३४	४३	१०	४०	१	३	७
१२	४४	५५	३४	३१	५५	१९	८
५७	३८	७६	४	७४	३४	३	५७
५	४७	४	९	२०	ब	११	२२

ति. आषाढ़ कृष्णपक्षः सं० २०१४ शाकः १८७६ | दि. उ. अ. इं. हिं. मु. चन्द्रः | ग्रीष्मर्तौ रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति महा.

१	गु	२३	२८	मृ	३६	१३	शु	११	३२	कौ	२३	२८	३४ २१	५८	५२	१३	२३	१४	धनुषि
२	शु	२५	३१	पू	४०	६	शु	१०	३५	ग	२५	३१	२२	८	५२	१४	२४	१५	म. ५६।२६
३	श	२८	५२	उ	४५	१६	व्र	१०	३४	वि	२८	५२	२२	८	५२	१५	२५	१६	मकरे
४	र	३२	५६	श्र	५०	२६	ऐं	११	२०	व	१	५	२३	७	५३	१६	२६	१७	मकरे
५	चं	३७	४०	ध	५७	१७	वै	१२	२६	कौ	५	२०	२३	७	५३	१७	२७	१८	कु. २४।८
६	मं	४२	२४	श	६०	०	वि	१४	३	ग	१०	२	२३	७	५३	१८	२८	१९	कुम्भे
७	बु	४७	१५	श	३	४५	प्री	१५	४२	वि	१४	४६	२४	७	५३	१९	२९	२०	मी ५३।२०
८	गु	५१	३५	पू	६	५१	आ	१६	५२	वा	१६	२५	२४	७	५३	२०	३०	२१	मीने
९	शु	५५	१	उ	१५	२५	सौ	१७	५०	तै	२३	१८	२४	७	५३	२१	३१	२२	मीने
१०	श	५७	२२	रे	२०	१६	शो	१७	४१	व	२४	११	२४	७	५३	२२	१	२३	मे. २०।१६
११	र	५८	३५	अ	२३	४२	अ	१६	४६	व	२७	५८	२४	७	५३	२३	२	२४	मेषे
१२	चं	५८	२७	भ	२६	१	सु	१४	५५	कौ	२८	३१	२४	७	५३	२४	३	२५	बृ. ४१।१६
१३	गं	५७	४	कृ	२७	३	धृ	१२	५	ग	२७	४५	२३	७	५३	२५	४	२६	बृषे
१४	बु	५४	२७	रो	२७	१०	शू	८	१४	वि	२५	४६	२३	७	५३	२६	५	२७	मि ५६।३४
२०	शु	५०	५२	मृ	२५	५७	गं	२३ ३	५४ ५३	च	२२	३६	२३	७	५३	२७	६	२८	मिथुने

*रोहिण्यांबुधः ४७।१५
भ. ५७।११ उ. मिथुनेऽर्कः ४५।३*
भ. २८।५२ या. पुष्येभौमः ५४।५६
वक्री अनुराधायां ४ शनीः २६।३६
पुनर्वसौ भृगुः ३६।१०
भ. ४२।२४ उ.
भ. १४।५० या. मार्गी उफायां २+
+कन्यायांगुरुः ५५।४६
आर्द्रायांरविः ४६।३५
भ. २६ उ. ५७ या. मृगेबुधः १० राष्ट्रीय×
पूर्वास्तंबुधः ३६ योगिनी. ११ब्र. स्मा.
योगिनी. ११ब्र. वै. नि. ×आ. ४दि. ३१
भ. ५७ उ. मिथुनेबुधः ३८ कर्केभृगुः ÷
भ. २५।४५ या.
÷५४।४४ प्रदोषः

१०पं. आ. कृ. ३श. इ. २६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	४	२	७	६	२
०	३	११	२९	१७	१६	२४	०
३९	१	६	३९	१५	४४	४१	४८
२०	४१	२५	११	५०	३९	४	२५
५५	३८	०	५	७४	२४	३	५७
५७	३७	३३	१५	१४	ब	११	१७

गोचरग्रहा

आषाढ कृष्णा २ शुक्रे मिथुनेऽर्कः
प्र. वा. ४ न. ५
प्रगलभावस्था बैठी
मु. ४५ (धान्य भाव मंदा)

गोचरग्रहा

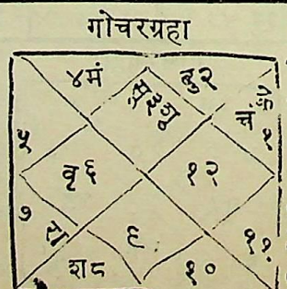

११पं. आ. कृ. १०श. इ. २६ २६

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	५	२	७	६	२
७	७	२३	०	२५	१६	२४	७
१७	२३	५०	१५	४८	१६	१८	२९
४८	१५	५८	५९	१९	६	४९	१७
५६	३८	०	६	७४	४७	३	५७
५४	४४	२०	२२	२	ब	११	१३

* ३ मं. शु. चं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७६ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ११८०स.१६५७

१	शु	४६	२०	आ	२३	२२	ध्रु	५१	२७	क	१८	३६	३४/२२	५/५	६/५२	२८	७	२६	मिथुने	आर्द्रायां बुधः ३८।० पुष्ये भृगुः ३६।५३
२	श	४१	६	पु	२०	२६	व्या	४४	३७	घा	१३	४३	२२	८	५२	२६	८	३०	क.६।१२	चन्द्रदर्शनम्
३	र	३५	२५	पु	१६	५६	ह	३७	२४	तै	८	१५	२१	८	५२	३०	६	१	कर्के	जिल्हेज १२
४	चं	२६	२४	श्ले	१२	५६	ब	२६	४८	व	२	२४	२०	८	५२	१	१०	२	सिं १२।५६	भ. २४ उ. २६ या. जुलाई ७ ता. ३१
५	मं	२३	१६	म	८	५५	सि	२२	१५	घा	२३	१६	१६	८	५२	२	११	३	सिंहे	
६	बु	१७	१०	पू	४	४६	व्य	१४	४७	तै	१७	१०	१८	८	५२	३	१२	४	क.१८।५४	
७	गु	११	१७	उ	१६	५६/५१	व	७	२२	व	११	१७	१५	६	५१	४	१३	५	कन्यायां	भ. १७ उ. ३६ या. पुनर्वसौ बुधः ४४/३४
८	शु	५	५५	चि	५४	२६	प	२७	५३/२६	ब	५	३५	१६	६	५१	५	१४	६	तु.२६।३	पुनर्वसौरविः ५०।३६
९	श	१	३	स्वा	५२	३२	सि	४८	११	को	१	३	१४	६	५१	६	१५	७	तुलायां	मन्वादिः
१०	श	५६	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[* देवशयनी ११
११	र	५४	६	वि	५१	२३	सा	४३	१२	घ	२५	३६	१३	६	५१	७	१६	८	वृ. ३६।४०	भ. २५/६ उ. ५४/६ या. आश्लेषायां भौमः १५/१*
१२	चं	५२	१५	अ	५१	२८	शु	३६	७	व	२३	१०	११	१०	५०	८	१७	६	वृश्चिके	हज्जदेवशयनी ११ ब्र. वै. [÷३/४ प्रदोषः
१३	मं	५१	३५	ज्ये	५२	३२	शु	३५	५६	को	२१	५५	१०	१०	५०	६	१८	१०	ध.५.२।३२	बकरीदः कर्के बुधः २५/४४ आश्लेषायां भृगुः÷
१४	बृ	५२	२०	मू	५५	२	व्र	३३	२७	ग	२१	५७	८	१०	५०	१०	१६	११	धनुषि	भ. ५२/२० उ. विशाखायां १ राहुः भरण्यां ३×
१५	गु	५४	२३	पू	५८	४३	ऐं	३२	४२	वि	२३	२२	७	११	४६	११	२०	१२	धनुषि	भ. २३/२ या. पुष्ये बुधः १/३ [×केतुः ५/१८

१२ पं.आ.शु.२श.इ.२६।२२ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	५	३	७	६	२
१३	११	८	०	४	१५	२३	१४
५५	४५	२२	५९	२१	५०	५६	९
५१	४६	४	५८	२	४८	३३	४६
५६	३८	२७/३७	७	७४	४८/३	३	५७
५०	५०		१७	०	ब	११	७

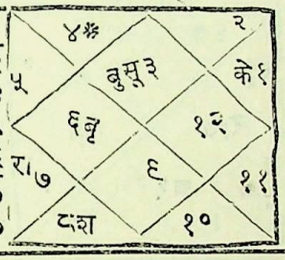

इस मास में पांच गुरुवार श्रेष्ठ हैं प्रजा में सुखशांति और हवा के साथ वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः १३ पं.आ.शु.९श.इ२६।१६

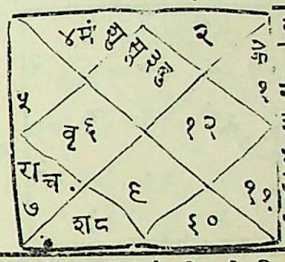

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	५	३	७	६	२
१२०	१६	२३	१	१२	१५	२३	२०
३३	८	३५	५०	५२	२५	३४	५६
४७	११	१०	३	४५	४९	१८	६
५६	३८	२७/३७	८	७३	२३/३	३	५७
५०	४५		१९	५६	ब्र	११	७

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं.२०१४ शाकः १८७६ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः वर्षर्तुः रविर्दक्षिणेऽषाढकृ. महाराष्ट्राः

१	शु	५७	१६	उ	६०	०	वै	३२	२७	वा	२५	५१	३४/६	५/१९	४६	१२	२१	१३	भ. १४।५४	
२	श	६०	०	उ	३	२६	वि	३१	१	तै	२६	२०	४	११	४६	१३	२२	१४	मकरे	
३	र	१	२२	अ	८	१७	प्री	३४	१२	ग	१	२२	२	१२	४८	१४	२३	१५	कु.४१।५४	भ. ३३।४१ उ.
४	चं	६	१	ध	१५	२२	आ	३५	४३	वि	६	१	०	१२	४८	१५	२४	१६	कुम्भे	भ. ६।१ या. पश्चिमोदयी बुधः ४६/५२
५	मं	११	५	श	२१	४७	सौ	३७	१६	वा	११	५	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१७	कुम्भे	कर्केऽर्कः २३।२०
६	बु	१५	४०	पू	२८	०	शो	३८	४१	तै	१५	४०	५६	१३	४७	१७	२६	१८	मी ११।२७	आश्लेषायां बुधः ५८/२७ उफायाँ ३*
७	गु	१९	५८	उ	३३	४६	अ	३९	२८	व	१९	५८	५४	१३	४७	१८	२७	१९	मीने	भ १९/८ उ. ५१/२ या. [*गुरुः ३८/३४ नाग५
८	शु	२३	२६	रे	३८	३७	सु	३९	४२	ब	२३	२६	५२	१४	४६	१९	२८	२०	मे. ३८।३७	पुष्येरविः ५४।१
९	श	२६	२२	अ	४२	२७	धृ	३९	१	को	२६	२२	५०	१४	४६	२०	२९	२१	मेषे	सिंहेभृगुः ३१।४१
१०	र	२७	१०	भ	४५	२	शू	३७	१३	ग	२७	१०	४७	१५	४५	२१	३०	२२	मेषे	भ. ५७।१० उ.
११	चं	२७	१८	कृ	४६	२५	गं	३४	३७	वि	२७	१०	४५	१५	४५	२२	३१	२३	वृ. ०।२३	भ. २७।१० या.
१२	मं	२५	४९	रो	४६	३३	धृ	३०	५८	वा	२५	४९	४२	१६	४४	२३	१	२४	वृषे	कामिता ११ ब्र. राष्ट्रीयश्रावणमा५दि३१
१२	बु	२३	१६	मृ	४५	२६	धु	२६	१९	तै	२३	१६	४०	१६	४४	२४	२	२५	मि १५।५५	प्रदोषः ११ ब्र.
१३	गु	१९	४४	आ	४३	२३	व्या	२०	५०	ब	१९	४४	३७	१७	४३	२५	३	२६	मिथुने	भ. १९/४४ उ. ४७/३० या. सिंहे बुधः ३२।४२
१४	शु	१५	१७	पु	४०	४३	ह	१४	३३	श	१५	१७	३५	१७	४३	२६	४	२७	क. २६।१८	
३०	श	१०	८	पु	३७	१०	व	७	४७	ना	१०	८	३२	१८	४२	२७	५	२८	कर्के	

१४ पं.श्रा.कृ.२श.इ.२६।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	५	३	७	६	२
२७	२०	८	२	२१	१४	२३	२७
११	३३	२	४५	२२	५८	१२	३०
५३	१४	५२	५६	५४	५४	३	३२
५६	३८	२०/२८	९	७३	४३/३	३	५७
५५	४७		८	४६	ब	११	११

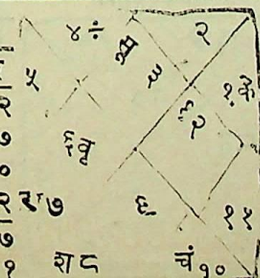

१५.पं.श्रा.कृ.८श.इ.२६।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	५	३	७	६	३
३	२४	२१	३	२९	१४	२२	४
५०	५८	८	४७	५३	४८	४९	११
२१	१३	७	३२	२	५५	४७	१३
५६	३८	२०/२८	९	७३	२/९	३	५७
५७	५५		५२	३२	ब	११	१५

१६पं.श्रा.कृ३०श.इ२५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	५	४	७	६	३
१०	२९	३	४	८	१४	२२	१०
२९	२१	०	५४	२१	३६	२७	५२
३८	२३	५	१९	४५	२७	३२	२५
५७	३८	९५/१०	७३	३/१	३	५७	
५	५८	२९	३६	२०	ब्र	११	२०

*४ शुचंमं ÷४ बुशुमं (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| श्रावण शुक्लपक्षः सं.२०१४ शाकः१८७६ |दि.|उ.|अ|इ.|रा.|मु.| चंद्रः |वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१२१०स.१६५७

१	र	४	२७	श्ले	३३	२०	सि	३०	५३ २८	ब	४	२७	३३ ३०	५८	६ ४२	२८	६	२६	सि ३३।२०
२	र	५४	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	चं	५२	२२	म	२६	१४	व	४५	२५	तै	२५	२५	२७	१६	४१	२६	७	१	सिंहे
४	मं	४६	१४	पू	२५	६	प	३७	२४	व	१६	१८	२४	१६	४१	३०	८	२	क.३६।७
५	बु	४०	१२	उ	२१	६	शि	३०	३२	व	१३	१३	२१	२०	४०	३१	६	३	कन्यायां
६	गु	३४	५१	ह	१७	४०	सि	२३	३१	की	७	३२	१८	२०	४०	१	१०	४	तु.४६।६
७	शु	३०	२	चि	१४	३२	सा	१६	४६	ग	२	२६	१५	२१	३६	२	११	५	तुलायां
८	श	२६	१	स्वा	१२	५	शु	१०	४८	ब	२६	१	१२	२२	३८	३	१२	६	बृ. ५६।१०
९	र	२२	५६	वि	१०	५१	शु	४	२८	की	२२	५६	६	२२	३८	४	१३	७	वृश्चिके
१०	चं	२१	४	अ	१०	३६	ब्र	१८ ५६	२७	ग	२१	४	६	२३	३७	५	१४	८	वृश्चिके
११	मं	२०	२५	ज्ये	११	३०	वै	५५	२६	वि	२०	२५	३	२३	३७	६	१५	९	ध.११।३०
१२	बु	२०	३४	मू	१३	३६	वि	५४	०	ला	२०	३४	०	२४	३६	७	१६	१०	धनुषि
१३	गु	२२	५४	पू	१७	४	ग्री	५३	३५	तै	२२	५४	३२ ५७	२५	३५	८	१७	११	म. ३३।१२
१४	शु	२५	५५	उ	२१	३७	आ	५४	१	व	२५	५५	५४	२५	३५	९	१८	१२	मकरे
१५	श	२८	५५	श्र	२७	९	सौ	५५	६	ब	२८	५५	५०	२६	३४	१०	१९	१३	मकरे

चन्द्रद. सिंहेभौमः २५ ५६ नक्तव्रतारम्भः क्षयः [*३४।१४ नाग५
मोहोरम१सन्१३।७७मधुश्रवा३गुर्जरे
भ. १६।१८ उ, ४६।१४या. वरद४
अस्तभौमः ४२।५६ पूफायांभृगुः*
अगस्त मा ८ ता० ३१ बर्षा ६
म. ३०।२उ,५८।१ या,सार्परविः +
पूफायांबुधः ४२।१६ दुर्वा ८
[+ ५४।४६ शीतला ७
भ. ५०।४४ उ. कल्किजयन्ती
भ. २०।२५ या. उफ़ायां ४ गुरुः-
ताजिया प्रदोषः पवित्रार्पण
[-३२।३० पवित्रा ११ ब्र.
भ. २५।५५ उ. ५७।२५ या.
रक्षाबन्धनम् श्रावणीकर्म

१७पं.श्रा.शु.८श.इ २५।४३ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	५	४	७	६	३
१७	३	१२	६	१६	१४	२२	१७
९	४४	५८	५	४०	२०	५	३३
२७	८	७	११	१०	४९	१६	५७
५७	३९	७९	११	७३	४९	३	५७
१२	२	१८	११	११	ब	११	२४

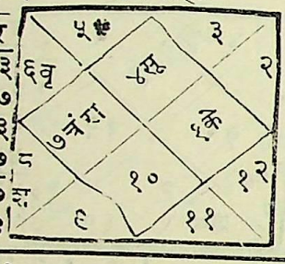

इस मास में वर्षा मध्यम होगी प्रजा में फल साधारण रहेगा बुध शुक्र का योग धान्य रुई में मन्दी करेगा।

गोचरग्रहाः

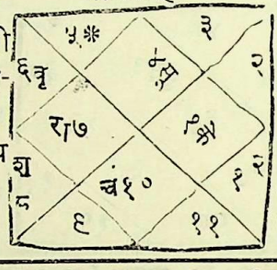

१८पं.श्रा.शु.१५श.इ२५।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	५	४	७	६	३
२३	८	२१	७	२५	१४	२१	२४
५०	९	२१	२०	१५	२६	४३	१६
३४	२४	७	४५	१४	१३	१	२६
५७	३९	६०	११	७२	७	३	५७
२२	२	२८	४९	५०	ब	११	३३

ति.| भाद्रपद कृष्णपक्षः सं.२०१४ शाकः१८७६ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चंद्रः |वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रा.कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	र	३३	३४	ध	३३	१५	शो	५५	५६	ब्रा	१	१५	३३ ४७	५ ४७	६ ३३	११	२०	१४	कु. ०।१२
२	चं	३६	२७	श	३६	४०	अ	५८	७	तै	६	३०	१३	२७	३३	१२	२१	१५	कुम्भे
३	मं	४४	१७	पू	४५	४१	सु	५६	३५	व	११	५२	४०	२८	३२	१३	२२	१६	मी २६।११
४	बु	४८	४०	उ	५१	४३	धृ	६०	०	ब	१६	२६	३६	२६	३१	१४	२३	१७	मीने
५	गु	५२	१६	रे	५०	४५	धृ	०	३०	की	२०	२८	३३	२६	३१	१५	२४	१८	मे. ५६।४५
६	शु	५४	४८	अ	६०	०	शू	०	४७	ग	२३	३२	३६	३०	३०	१६	२५	१९	मेषे
७	श	५६	११	अ	०	५३	गं	१७ ०	५८ २७	वि	२५	३०	२६	३१	२६	१७	२६	२०	मेषे
८	र	५६	२०	भ	३	३६	धु	५६	१६	ब्रा	२६	१६	२२	३२	२८	१८	२७	२१	बु १६।२
९	चं	५५	५	कृ	५	२१	व्या	५२	४६	तै	२५	४३	१६	३२	२८	१६	२८	२२	वृषे
१०	मं	५२	३७	रो	५	४५	ह	४८	२३	ब	२३	५१	१५	३३	२७	२०	२९	२३	मि.२५।२१
११	बु	४९	८	मृ	४	५८	ब	४२	४९	ब	२०	५२	१२	३४	२६	२१	३०	२४	मिथुने
१२	गु	४४	५१	आ	३	४	सि	३६	३८	की	१६	५९	८	३४	२६	२२	३१	२५	क.४६।८
१३	शु	३९	४५	पु	२९ ०	५९ ४३	व्य	२९	५७	ग	१२	१८	४	३५	२५	२३	१	२६	कर्के
१४	श	३४	६	श्ले	५३	१९	ब	२२	४३	वि	६	५५	०	३६	२४	२४	२	२७	सि.५३।१९
३०	र	२८	१३	म	४९	१७	प	१५	१३	च	१	१०	३५ १९	३७	२३	२५	३	२८	सिंहे

मार्गी शनिः २५।३४उफांयांभृगुः ३५ २३
[-मास ६ ता ३१
भ. ११।५२ उ. ४४।१७ या.
कन्यायांभृगुः २३।३२
उफायाँबुधः २९।६
भ. ५४ ४८ उ. सिंहेऽर्कः ५१ १९ चन्द्र ६
भ. २५।२९ या.
पूफायांभौमः३४।१३जन्माष्टमीस्मा.वै.
गोगा ९
भ. २३ ५१ उ.५२ ३७या.कन्यायाँबुधः ५५ ३७
अजा ११ ब्र. स्मा. वै.
हस्ते भृगुः४२।३४ अजा. ११ ब्र.नि
भ. ३९ ४५ उ. प्रदोषःराष्ट्रीय भाद्रपद-
भ. ६।५५ या. हस्ते १ गुरुः
वक्रीबुधः ५६ ५२ पिठोरी३०कुशाग्रहणी

१९पं.भा.कृ.७श.इ.२५।२५ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	५	७	६	४
०	१२	२७	८	३	१४	२१	०
३२	३५	५१	३८	३९	२६	२०	५९
४७	६	१५	५३	५८	४९	४६	४५
५७	३९	२६	१२	७२	४३	३	५७
३४	९	४५	१६	२८	मा	११	४०

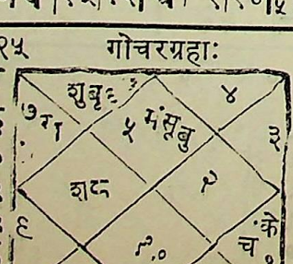

भाद्रपद,कृ. ६शुक्रे सिंहेऽर्कः प्र,वा. ४ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभावसम) शुक्रोदयं पश्चिमे।

गोचरग्रहाः

२०पं.भा.कृ१४श.इ२५।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	५	५	७	६	४
७	१७	२	१०	१२	१४	२०	७
१६	०	१०	०	३	३३	५८	४४
२१	४५	३९	३८	२७	१६	३०	१५
५७	३९	९	१२	७२	१	३	५७
४५	९	२७	३८	८	२३	११	४८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं.२०१४ शाकः १८७६ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः | वर्षतुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२३६सन १६५७

१	चं	२२	६	पू	४५	७	शि	७	५३	ब	२२	६	३१	५	६	२६	४	२६	क.५६।७	
२	मं	१६	२	उ	४१	८	सा	५२	३०	को	१६	२	४८	३८	२२	२७	५	१	कन्यायां	सफर २
३	बु	१०	१४	ह	३७	२३	शु	४५	२१	ग	१०	१४	४४	३६	२१	२८	६	२	कन्यायां	भ.३७।२८उ.हरितालिका३गणेश४
४	गु	४	४२	चि	३४	१६	शु	३८	३१	वि	४	४२	४०	४०	२०	२६	७	३	तु.५।४६	भ. ४।४२ या. ऋषि ५
५	शु	५५	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	शु	५५	५०	स्वा	३१	४८	ब्र	३२	१५	को	२७	४६	३६	४१	१६	३०	८	४	तुलायां	पूफायांरविः ४।२७
७	श	५२	४८	वि	३०	११	ऐं	२६	४६	ग	२४	१६	३२	४२	१८	३१	६	५	वृ.३५।११	भ. ५२।४८ उ.
८	र	५०	५४	अ	२६	३७	वै	२२	१३	वि	२१	५१	२८	४२	१८	१	१०	६	वृश्चिके	भ. २१।५१ या.सितम्बरमा.६ता.३०
९	चं	५०	१६	ज्ये	३०	८	वि	१८	३१	बा	२०	३५	२४	४३	१७	२	११	७	ध.३०।८	पश्चिमास्तोबुधः ५०/४ वक्रीसिंहेबुधः ३२/२६*
१०	मं	५०	५६	मू	३२	२	मी	१५	४८	तै	२०	३८	२१	४४	१६	३	१२	८	धनुषि	[* चित्रायां भृगु ५२।६
११	बु	५०	४६	पू	३५	१२	आ	१४	८	व	२०	५४	१७	४५	१५	४	१३	९	म.५१।२७	भ.३५/४उ.५४/६या.जलभूलनी१ः.ब्र.स्मा.वै
१२	गु	५५	४६	उ	३६	३१	सो	१३	२८	ब	२३	१६	१४	४५	१५	५	१४	१०	मकरे	जलभूलनी११ब्र.नि.वामनजयन्ती
१३	शु	५६	५	श्र	४७	५२	शो	१३	४६	को	२७	२७	१०	४६	१४	६	१५	११	मकरे	वक्रीपूफायांबुधः ५५/३ प्रदोषः
१४	श	६०	०	ध	५०	४४	अ	१४	४५	ग	३१	५१	६	४७	१३	७	१६	१२	कु.१६।१८	अनन्त१४ [+तुलायांभृगुः ३६/५ महालय.
१५	र	४	३७	श	५७	४	सु	१५	५४	व	४	३७	२	४८	१२	८	१७	१३	कुम्भे	भ.४।३७उ.३७।४या.उफायांभौमः ३०/८+
१५	चं	६	३१	पू	६०	०	धू	१७	५४	ब	६	३१	३०/८	४८	१२	६	१८	१४	मी ४६।४४	हस्ते २ गुरुः ३५।४३ प्रौष्ठपदी

२१ पं.भा.शु.७श.इ.२५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	५	५	७	६	४
१४	२१	१	११	२०	१४	२०	१४
१	२९	११	२४	२४	४३	३६	२९
३२	१५	१३	३१	५	३	१५	१४
५७	३९	३३	२२	०१	२	३	५८
५७	१९	ब	२	४७	३	११	१

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच रविवार तथा सोमवार साधारण हैं और रवि से आगे मंगल वर्षा का अवरोधक योग हैं।

गोचरग्रहाः

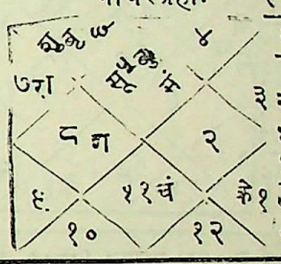

२२प.भा.शु.१४२.इ.२४।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	५	७	६	४
३	२०	२५	२६	१२	२८	१४	२०	२१
	४८	५७	७	५१	४२	१७	१४	१६
	१३	१०	२५	१	५६	४६	००	५९
	५८	३९	६८	१३	७१	२	३	५८
	१२	२६	ब	१८	२२	४२	११	१३

ति. आश्विनकृष्णपक्षः सं०२०१५ शाकः १८७६ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः वर्षतुरविर्दक्षिणभाद्रपद.कृष्णेऽहर्गणः १२३८

१	मं	१३	२८	पू	३	१८	शु	१६	३	को	१३	२८	३०/५	४/६	१/१	१०	१६	१५	मीने	
२	बु	१८	५७	उ	६	२५	गं	१६	४८	ग	१८	५७	४६	५०	१०	११	२०	१६	मीने	भ.५/७उ.स्वात्यां.४राहुःभरण्याँ२केतुः ४/६
३	गु	२२	३७	रे	१४	३६	ब्र	२०	१७	वि	२२	३७	४४	५१	६	१२	२१	१७	मे.१४। ३६	भ. २२।३७ या.
४	शु	२५	१७	अ	१८	५६	ध्रु	१६	५६	बा	२५	१७	४०	५२	८	१३	२२	१८	मेषे	उफायांरविः २/६ कन्यायांभौमः ५/१८
५	श	२६	४७	भ	२२	५	व्या	१६	६	तै	२६	४७	३६	५३	७	१४	२३	१६	वृ.३७।३४	स्वात्यांभृगुः ६।२
६	र	२५	५६	कृ	२४	०	ह	१६	११	व	२६	५६	३२	५४	६	१५	२४	२०	वृषे	भ. २६।५६ उ. ५६।२३ या.
७	चं	२५	४६	रो	२४	४०	व	१२	५०	ब	२५	४६	२८	५४	६	१६	२५	२१	मि.५४।२६	कन्यायामर्कः ५/७ पूर्वोदयोबुधः५०।४४
८	मं	२३	२५	मृ	२४	१३	सि	८	२६	को	२३	२५	२४	५५	५	१७	२६	२२	मिथुने	
९	बु	२०	३	आ	२२	१६	व्य	१६/३	५४/५	ग	२०	३	२०	५६	४	१८	२७	२३	मिथुने	भ. ४६।५६ उ.
१०	गु	१५	४६	पु	१६	४७	प	५०	२३	वि	१५	४६	१६	५७	३	१९	२८	२४	क.५।२५	भ. १५।४६ या. मार्गीबुधः७।११
११	शु	१०	५१	पु	१६	४७	शि	४३	२०	बा	१०	५१	१२	५८	२	२०	२९	२५	कर्के	अस्तंगुरुः६।३६ इन्दिरा११ब्र.अ.गु.
१२	श	५	१५	श्ले	१३	१०	सि	३५	४७	तै	५	१५	८	५८	२	२१	३०	२६	सिं १३।१०	भ. ५८।४५ उ. प्रदोषः
१३	श	५३	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१४	र	५३	२४	म	६	२	सा	३८	५	वि	२६	५	४	५६	१	२२	३१	२७	सिंहे	भ. २६।५ या. [+मा.७दि ३०
३०	चं	४७	२२	पू	४	५८	शु	२०	३१	च	२०	२३	३०/०	६/०	६/०	२३	१	२८	क.१८।५८	सोमवतीअमावश्यांराष्ट्रीयआश्विन+

२३पं.आ.कृ.५श.इ.२४।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	५	६	७	६	४
२७	०	१९	१४	६	१५	१९	२८
३६	२७	३४	१८	५८	१७	५१	५
३६	३४	४२	३४	३८	१४	४४	२१
५८	३९	३५/९	१३	७०	३	३	५८
२९	३६	ब	२५	४९	२२	११	२६

गोचरग्रहाः

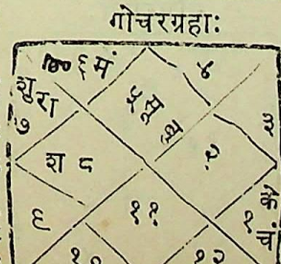

आश्विन कृ. ७ चन्द्रे कन्यायामर्क प्र. वा. ४ न. ५ कुमारावस्था(बैठी) सु.३० (धान्यभावसम) शुक्रोदयंपश्चायाम्।

गोचरग्रहाः

२४पं.आ.कृ.१२श.इ.२४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	५	६	७	६	५
४	४	१८	१५	१५	१५	१९	४
२६	५८	१३	४८	१३	४२	२९	५५
४१	३६	४	३७	५३	३७	२९	१२
५८	३९	३५/०	१३	७०	४	३	५८
४५	३६	मा	३२	१२	१	११	३८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०१४ शाकः १८७६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२६८स. १६५७

१	मं	४१	३६	उ	५६	१५	शु	१२	४७	क्वं	१४	२६	२६	६	५	२४	२	२६	कन्यायां
२	बु	३६	११	चि	५३	५०	ज्ये	२७	५३	वा	८	५३	५१	२	५८	२५	३	३०	तु.२५।३१
३	गु	३१	२२	स्वा	५१	२०	वै	५२	३	तै	३	४६	४६	३	५७	२६	४	१	तुलायां
४	शु	२७	२६	वि	४६	२४	वि	४६	२१	वि	२७	२६	४२	४	५६	२७	५	२	वृ.३४।५३
५	श	२३	३२	अ	४८	३२	प्री	४१	२४	वा	२३	३२	३८	४	५६	२८	६	३	वृश्चिके
६	र	२२	४२	ज्ये	४८	५५	आ	३७	३०	तै	२२	४२	३४	५	५५	२६	७	४	ध. ४८।५५
७	चं	२२	६	मू	५०	६	सौ	३४	२०	व	२२	६	३०	६	५४	३०	८	५	धनुषि
८	मं	२२	५४	पू	५३	१८	शो	३२	२४	ब	२२	५४	२६	७	५३	१	६	६	धनुषि
६	बु	२४	५०	उ	५७	१३	अ	३१	२७	कौ	२४	५०	२२	८	५२	२	१०	७	म. ६।१७
१०	गु	२६	५३	श्र	६०	०	सु	३०	१५	ग	२६	५३	१८	८	५२	३	११	८	मकरे
११	शु	३२	१२	श्र	२	२३	धृ	३१	५५	वि	३२	२	१४	६	५१	४	१२	६	कु.३५।१३
१२	श	३६	४६	ध	८	४	शू	३२	५८	ब	४	२६	१०	१०	५०	५	१३	१०	कुम्भे
१३	र	४१	५०	श	१४	२६	गं	३४	२७	कौ	६	१६	६	११	४६	६	१४	११	कुम्भे
१४	चं	४६	५१	पू	२०	५३	बृ	३५	४७	ग	१४	२०	२	१२	४८	७	१५	१२	मी.४।१७
१५	मं	५१	२७	उ	२६	५८	धु	३६	५६	वि	१६	६	२५	१२	४८	८	१६	१३	मीने

नवरात्रा.
चन्द्रदर्शनम् विशाखायांभृगुः २६।११*
भ. ५२ ६६ उ.रविलावल ३[*हस्ते ३गुरुः ३३ ३४
भ. २७।२६या.हस्तेरविः २४।२५ उ.
हस्तेभौमः २।३६
भ. २२ ६२ उ. ५२ ३२ या.मार्गीउफायां बुधः ५७ ६
अक्टूबर मा. १० ता० ३१
कन्यायांबुधः २२।१७ मन्वा. वलिदा.
भ ५२ ६७ उ.विजया १०बौद्धजसरस्वतीविसर्जनं
भ. ३३ ३२ या.वृश्चिकेभृगुः ३ ५६ पापांकुशा ११ब्र.
मार्गी ज्येष्ठायां १शनिः १०।१६
पूर्वास्तंबुध १८।२४ प्रदोषः
भ. ४६।५१ उ.अनुराधायांभृगुः ०।२६
भ. १६।१६या हस्तेबुधः २२।२३शरत्ता.१५

२५पं.आ.शु.५श.इ.२४।३२ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	५	६	७	६	५
११	२	२४	१७	२३	१६	१९	११
१८	३४	२०	१८	२३	१०	७	४३
४७	५२	३५	५५	५७	२	१३	५५
५९	३५	८०	१३	६९	४	३	५८
०	३६	५४	३७	२५	३६	११	५३

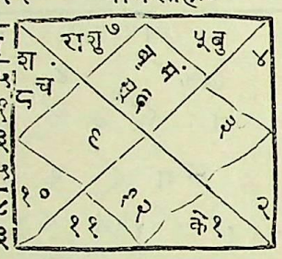

इस मास में प्रजा है धान्य होगी धान्य रुई में मन्दी चांदी अलसी तेजी होगी

गोचरग्रहाः

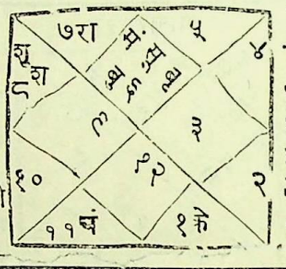

२६ पं.आ.शु.१२शु.इ.२४।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	५	७	७	६	५
१८	१४	५	१८	१	१६	१८	१८
१२	४	३	४९	३०	४१	४४	४०
३६	१३	२३	४६	५	११	५८	९
५९	३९	९९	१३	६८	५	३	५९
१६	४६	५८	२८	२०	३	११	९

ति. कार्तिक कृष्णा पक्षः सं.२०१४ शाकः १८७६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणे आश्विनकृ.महाराष्ट्राः

१	बु	५५	३४	ध	५९	४०	व्या	३८	५	वा	१५	१६	३८	६	४७	६	१७	१४	मे. ३२।३६
२	गु	५७	५४	अ	३७	०	अ	५८	७	तै	६	६	२६	३३	५०	१४	४६	१०	१८	१५	मेषे
३	शु	५६	३१	भ	४०	३५	ब	३५	५५	व	२८	४३	४६	१५	४५	११	१६	१६	वृ. ५६।२६
४	श	५६	४६	कृ	४३	५६	सि	३३	५२	ब	२६	३६	४२	१६	४४	१२	२०	१७	वृषे
५	र	५८	४३	रो	४३	३१	ज्य	३०	४१	कौ	२६	१४	३८	१६	४४	१३	२१	१८	वृषे
६	चं	५६	२४	मृ	४३	२१	व	२६	३५	ग	२८	५	३४	१७	४३	१४	२२	१६	मि.१३।२६
७	मं	५३	६	आ	४१	५४	प	२१	२८	वि	२४	४५	३०	१८	४२	१५	२३	२०	मिथुने
८	बु	४८	५६	पु	३६	३४	शि	१५	३४	वा	२१	१	२६	१६	४१	१६	२४	२१	क.२५।१६
६	गु	४४	२	पु	३७	२४	सि	८	५६	तै	१६	२६	२२	२०	४०	१७	२५	२२	कर्के
१०	शु	३८	३२	श्ले	३२	५६	सा	५६	१५२	व	११	१७	१८	२०	४०	१८	२६	२३	सिं ३२।५६
११	श	३२	४५	म	२८	५७	सु	४६	४५	ब	५	३८	१४	२१	३६	१६	२७	२४	सिंहे
१२	र	२६	४८	पू	२५	१	व	३८	५३	तै	२६	४८	१०	२२	३८	२०	२८	२५	कं. ३८।५८
१३	चं	२०	५०	उ	२०	४७	ऐं	३१	११	व	२०	५०	६	२३	३७	२१	२६	२६	कन्यायां
१४	मं	१४	५०	ह	१६	५४	व	२३	३६	श	१४	५०	२	२४	३६	२२	३०	२७	तु, ४५।११
३०	बु	६	५०	चि	१३	२८	वि	१६	३६	ना	६	५०	३८	२४	३६	२३	१	२८	तुलायां

चित्रायांरविः ३५।२हस्ते ४गुरूः ५३।१ भ. २८।४३ उ. ५६।३१ या.

[*राष्ट्रीय कार्तिक मा ८ दि ३०
भ. ५६।२४ उ.
भ. २४।४५ या.
उदयंगुरुः १६।४८चित्रायांबुधः ६ ३ गु.
तुलायामर्कः १७।४६
भ. ११।१७ उ. ३८ ३२ या.ज्येष्ठायां भृगुः ३५ ३६
चित्रायांभौमः ३४ ४१ तुलायांबुधः ४६ ४३ रमा ११ब्र
प्रदोषः धन १३
भ. २०।५० उ. ४७।५७या. रूप.१४
महालक्ष्मी पूजनम्
स्वात्यांरविः ५८ ६६ स्वात्यांबुधः ३८ ८८ अन्नकूट*

२७पं.का.कृ.४श.इ.२४।११ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	५	७	७	८	५
२५	१८	१७	२०	९	१७	१८	२५
८	३७	९	२०	३४	१६	२२	३५
१८	३४	४०	४३	१६	१३	४३	६
५९	३९	७०	१३	६७	५	३	५९
३१	३९	७५	३८	४०	३०	११	१२

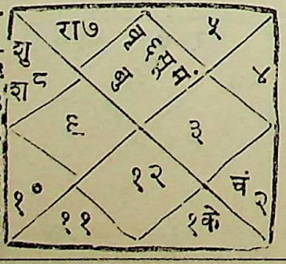

कार्तिक कृ. ६ गुरौ तुलायामर्कः प्र. वा.४ न.४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं।

गोचरग्रहाः

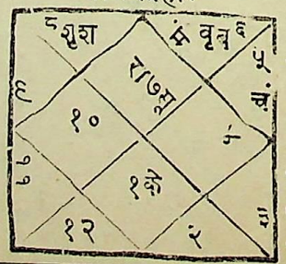

२८पं.का.कृ.११श.इ.२४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	५	७	७	६	६
२	२३	२९	२१	१७	१७	१८	२
५	१२	१५	५०	३३	५३	०	३१
४७	५५	५९	२९	४१	४३	२७	३५
५९	३९	७०	१३	६६	५	३	५४
४६	४९	४८	३२	३१	५६	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.कार्तिकशुक्लपक्षः सं.२०१४ शाकः १८७६ दि.उ.अ.इ.रा.मु. | चन्द्रः | शरदृतुः रविरुत्तरेऽहर्गणः १२६८स १६५७

१	गु	५	८	स्वा	१०	३६	प्री	६	४७	व	५	८	२७	६	५	२४	२	२६	वृ.५४।२
२	शु	१	८	वि	८	३१	आ	४	५४	कौ	१	८	५०	२६	३४	२५	३	१	वृश्चिके
३	शु	५७	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	श	५६	४४	अ	७	२७	शो	५४	१६	व	२७	३७	४६	२७	३३	२६	४	२	वृश्चिके
५	र	५६	१७	ज्ये	७	३३	अ	५०	५८	व	२६	३०	४२	२८	३२	२७	५	३	ध.७।३३
६	चं	५७	११	मू	८	४०	सु	४८	३६	कौ	२६	४४	३८	२८	३२	२८	६	४	धनुषि
७	मं	५६	११	पू	११	२१	धृ	४७	१७	ग	२८	११	३५	२६	३१	२६	७	५	म.२७।१८
८	बु	६०	०	उ	१५	८	शू	४६	४६	वि	३०	४७	३१	३०	३०	३०	८	६	मकरे
८	गु	२	२४	श्र	१०	५८	गं	४७	१४	ब	२	२४	२८	३०	३०	३१	६	७	कु.५२।४८
६	शु	६	४०	ध	२५	३८	बृ	४८	३	कौ	६	४०	२४	३१	२६	१	१०	८	कुम्भे
१०	श	११	३१	श	३१	५४	धु	४६	१८	ग	११	३१	२०	३२	२८	२	११	६	कुम्भे
११	र	१७	३२	पू	३८	१८	व्या	५०	४२	वि	१७	३२	१७	३३	२७	३	१२	१०	मी२१।४२
१२	चं	२१	५०	उ	४४	२६	ह	५१	४६	वा	२१	५०	१३	३३	२७	४	१३	११	मीने
१३	मं	२६	२६	रे	५०	८	ब	५२	२२	वै	२६	२६	१०	३४	२६	५	१४	१२	मे.५०।८
१४	बु	३०	१५	अ	५४	५५	सि	५२	२३	व	३०	१५	६	३५	२५	६	१५	१३	मेषे
१५	गु	३३	१	भ	५८	३७	व्य	५१	३३	वि	१	३८	३	३५	२५	७	१६	१४	मेषे

चन्द्रदर्शनम्
रविलाखर ४
क्षयः
भ.२७/३६ उ.५६/४४ या.चित्रायां १ गुरुः १६।२८
ध.७।३३
धनुषि
म.२७।१८
भ.५६।११ उ.तुलायां भौमः ३७।१५
भ.३०।४७ या.धनुषि भृगुः ३३/३४ गोपाष्टमी
विशाखायां बुधः ५७।३५
नवम्बर मा.११ता.३०
भ. ४४।३२ उ.
भ. १७।३२ या. प्रबोधिनी ११ ब्र.
प्रदोषः मन्वादिः
भ.३०।१५ उ.विशाखायां रविः १६।११
भ.१/३८ या. वृश्चिके बुधः २१/२८ चन्द्रग्रहणम्

२६पं.का.शु.४श.इ.५३/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	५	७	७	६	६
९	२७	१०	२३	२५	१८	१७	९
५	५१	५९	२१	१९	३७	३८	२९
१०	६	५२	३९	४	४	१२	५२
६०	३९	५९	१३	६५	६	३	५९
२	५९	५९	२५	६	१९	११	४७

गोचरग्रहाः

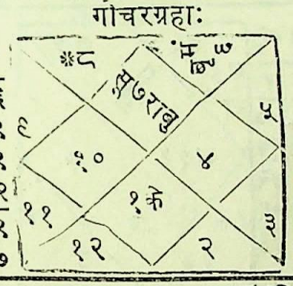

इस मास में
गुड़ खांड घृत
चावल सौंठमिर्च
नारियल तेज
होगा ।

गोचरग्रहाः

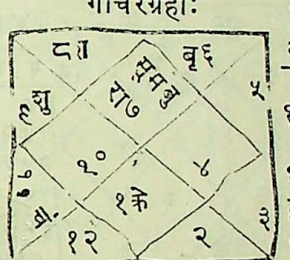

२०पं.का.शु.१०श.इ.३३/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	५	८	७	६	६
१६	२	२२	२४	३	१९	१७	१६
६	२८	२३	४९	०	१९	१५	२९
१३	४७	२३	७	६	५८	५७	४०
६०	३९	५९	१३	६३	६	३	६०
१८	५२	५७	१८	३२	३३	११	४

ति.मार्गशीर्षकृष्णपक्षः सं.२०१४ शाकः १८७६ दि.उ.अ.इ.रा.मु. | चंद्रः | शरदृतुः रविर्दक्षिणेकार्तिककृष्ण

१	शु	३४	३७	कृ	६०	०	चं	४६	३६	रा	३	४६	२६/२८	६/३६	५/२४	८	१७	१५	वृ. १८
२	श	३४	५५	कृ	१	२	प	४६	४३	तै	४	४६	५६	३७	२३	६	१८	१६	वृषे
३	र	३२	५०	ए	२	१६	शि	४२	४६	व	३	५३	५२	३८	२२	१०	१६	१७	मि३२।१८
४	चं	३१	३१	मृ	२	२१	सि	३७	५६	ब	२	१०	४६	३८	२२	११	२०	१८	मिथुने
५	मं	२८	१६	आ	१/६	५५/५७	सा	३२	१३	तै	२८	१६	४६	३६	२१	१२	२१	१६	क.४४।१६
६	बु	२४	७	पु	५६	११	शु	२५	४३	व	२४	७	४३	३६	२१	१३	२२	२०	कर्के
७	शु	१६	१२	श्ले	५२	३६	शु	१८	३५	ब	१६	१२	४०	४०	२०	१४	२३	२१	सिं५२।३६
८	शु	१३	४६	म	४८	४२	व	११	४	कौ	१३	४६	३७	४१	१६	१५	२४	२२	सिंहे
६	श	८	४	प	४४	४०	ऐं	२/३२	५२/१७	ग	८	४	३४	४१	१६	१६	२५	२३	क.५८।३७
१०	र	२	१२	उ	४०	३०	वि	४७	५१	वि	२	१२	३१	४२	१८	१७	२६	२४	कन्यायां
११	र	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	चं	५०	४४	ह	३६	३१	प्री	४०	८	कौ	२३	३२	२६	४२	१८	१८	२७	२५	कन्यायां
१३	मं	४५	३६	चि	३३	२	आ	३२	४७	ग	१८	१०	२६	४३	१७	१६	२८	२६	तु.४।४६
१४	बु	४०	५८	स्वा	२६	५६	सो	२५	४३	वि	१३	१७	२४	४३	१७	२०	२६	२७	तुलायां
३०	गु	३७	१७	वि	२७	४५	शो	१६	२८	च	६	७	२१	४४	१६	२१	३०	२८	बृ. १३।१६

शरदृतुः रविर्दक्षिणेकार्तिककृष्ण
[illegible]
[illegible]बुधः २४ ४७
भ. ३।५३ उ. ३२।५० या.
उदयंभौमः ६।५७ चित्रायां २ गुरुः १२।३२
पूषायां भृगुः १०।२२
भ.२४।७ उ.५१।४० या.स्वात्यां ३ राहुः*
*भरण्यां १ केतुः ४१।४७
पश्चिमोदयी बुधः २३।५२
भ. २५।८ उ. वृश्चिकेऽर्कः १०।३२
भ. २।१२ या. उत्पत्ति ११ ब्र. स्मा.
क्षयः
ज्येष्ठायां बुधः १६/१ उत्पत्ति ११ब्र.वै नि.
भ.४५/३६ उ.अनुराधायां रविः ३५/१७ प्रदोषः
भ. १३।१७ या.

३१पं.मा.कृ.२श.इ.२३।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	५	८	७	६	६
२३	७	३	२६	१०	२०	१६	२३
८	६	१७	१६	२८	४	५३	३१
५१	४७	५०	२०	४९	३८	४१	१
६०	४०	९७	१३	६०	६	३	६०
३०	८	१८	१	३२	५०	११	१७

गोचरग्रहाः

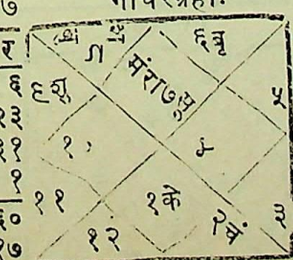

मार्ग. कृष्ण।६
शनौ वृ.ऽर्कः प्र.
वा.३ न.४ प्रग-
ल्भावस्था (बैठी)
मु. ३० (धान्य
भाव सम) शु.प.

गोचरग्रहा

३२पं.मा.कृ६श.इ.२३।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	५	८	७	६	७
००	११	१	२७	१७	२०	१६	०
१२	४९	६	४०	४७	५०	२१	३३
५६	४३	४५	१४	१	४४	२६	४९
६०	४०	९३	१२	५९	७	३	६०
४०	६	४७	३६	२	२	११	२०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | मार्गशीर्षशुक्लपक्षः सं.२०१४ शाकः १८७६ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १३२७स १६५७

१	शु	३४	३४	अ	२६	२८	अ	१४	३	कृ	५	५५	२६/१६	४४	६/१६	२२	६	२६	वृश्चिके
२	श	३२	५८	ज्ये	२६	१६	सु	६	२४	ब्रा	३	४६	१६	४५	१५	२३	७	३०	ध.२६।१६
३	र	३२	३६	मू	२७	१५	धृ	५	४१	तै	२	४८	१४	४५	१५	२४	८	१	धनुषि
४	चं	३३	३६	पू	२६	४६	शू	२	५४	व	३	७	११	४६	१४	२५	६	२	म.४५।३५
५	मं	३५	५४	उ	३२	५६	गं	१	११	ब	४	४५	६	४६	१४	२६	१०	३	मकरे
६	बु	३६	२०	श्र	३७	३६	वृ	०	१३	को	७	३७	६	४७	१३	२७	११	४	मकरे
७	गु	४३	४२	ध	४३	१२	ध्रु	०	३२	ग	११	३१	४	४७	१३	२८	१२	५	कु.१०।२५
८	शु	४८	४१	श	४६	२१	व्या	१	१७	वि	१६	११	१	४८	१२	२६	१३	६	कुम्भे
९	श	५३	५१	पू	५५	४०	ह	२	२६	ब्रा	२१	१६	२५/८	४८	१२	३०	१४	७	मी३६।१५
१०	र	५८	५७	उ	६०	०	व	३	४०	तै	२६	२४	५६	४६	११	१	१५	८	मीने
११	चं	६०	०	उ	२	०	सि	४	४४	व	३१	२१	५४	४६	११	२	१६	९	मीने
११	मं	३	४५	रे	७	५२	व्य	५	४३	वि	३	४५	५२	५०	१०	३	१७	१०	मे.७।५२
१२	बु	७	२७	अ	१२	४८	व	५	३८	ब्रा	७	२७	५१	५०	१०	४	१८	११	मेषे
१३	गु	११	१२	भ	१६	४७	प	५	६	तै	११	१२	४६	५०	१०	५	१६	१२	बृ.३२।३१
१४	शु	११	४५	कृ	१६	४४	सि	३	२६	व	११	४५	४८	५०	१०	६	२०	१३	वृषे
१५	श	१२	४	रा	२१	४	शि	५/१	१६	ब	१२	४	४६	५१	६	७	२१	१४	मि५१।१३

भ. ११/४ उ. ४३/५५ या. अभिजित्प्रवृत्तोभृगुः २५/२७
पुषायां बुधः ४३/५५ ज्येष्ठायां ३ शनिः ५५/१२

अस्तं शनिः १५/१४ राष्ट्रीयमार्ग.मा.६दि.३०
चन्द्रदर्शनम्
जमादिलावल ५
भ. ३/७ उ. ३३/३६ या. उषायाँ भृगुः २६/३३
*भृगुः ४५/५८ चित्रायां ३ तुलायां गुरुः ३५/१
धनुषिबुधः २४।५१
भ.४३।४२ उ.विशाखायांभौमः २७/३८ मकरे*
भ. १६।१२ या.
कल्पादि
दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
भ. ३१/२१ उ.ज्ये.रविः ३५/१६ मोक्षदा ११ ब्रस्मा.
भ. ३।४५ या. मोक्षदा ११ ब्र.
प्रदोषः

३३पं.मा.शु.२श.इ. २३।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	५	८	७	६	७
७	१६	२४	२९	२४	२१	१६	७
१८	३०	२९	३	४५	३७	९	३७
३०	२४	७	१६	३०	५३	१०	४२
६०	४०	८५	१२	५५	७	३	६०
५३	१६	२९	१२	५०	१४	११	४२

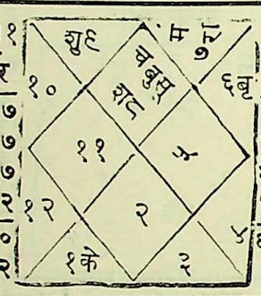

३४पं.मा.शु.६श.इ.२२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	९	७	६	७
१४	२१	३	०	१	२२	१५	१४
२५	१७	५९	२०	२१	२७	४६	४२
१५	५	२	४८	१३	३१	५५	५६
६१	४०	८०	११	५१	७	३	६०
३	९	२५	४०	५५	२०	११	२०

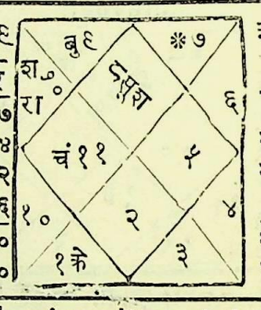

३५पं.मा.शु१५श.इ२२।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	९	७	६	७
२१	२६	१२	१	७	२३	१५	२१
२३	००	५८	३४	२३	१६	२४	४९
२	२१	३३	५९	५२	१	४०	१
६१	४०	६३	११	४६	७	३	६०
११	२३	२१	५	४३	२०	११	५६

ति. | पौषकृष्णा २ सोम: सं. २०१४ शाकः १८७९ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणेमार्गशीर्षकृ.महाराष्ट्राः

१	र	१०	२७	मृ	२९	४०	अ	५८	७	तै	१०	५७	२५/४५	५१/६	५/६	८	२२	१५	मिथुने
२	चं	८	३८	आ	२०	२६	शु	४७	६	ग	८	३८	४३	५१	६	६	२३	१६	मिथुने
३	मं	५	२३	पु	१८	३०	ब्रा	४०	५५	वि	५	२३	४२	५२	८	१०	२४	१७	क.३।५६
४	बु	१	१३	पु	१५	४६	ऐं	३३	५६	ब्रा	१	१३	४१	५२	८	११	२५	१८	कर्के
५	बु	५५	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	गु	५०	५३	श्ले	१२	२८	वै	२६	३७	ग	२३	३५	४०	५२	८	१२	२६	१९	सिं१२।२८
७	शु	४५	१३	म	८	३६	वि	१६	०	वि	१८	३	३६	५२	८	१३	२७	२०	सिंहे
८	श	३६	२०	पू	४	३६	प्री	११	६	ब्रा	१२	१६	३८	५२	८	१४	२८	२१	क.१८।३४
९	र	३३	३१	उ	२८/०	५५/५६	आ	१८/१८	५३/१६	तै	६	२५	३८	५२	८	१५	२९	२२	कन्यायां
१०	चं	२७	५६	चि	५२	५१	शो	४८	०	व	०	४५	३७	५३	७	१६	१	२३	तु.२४।३६
११	मं	२२	५३	स्वा	४६	३८	अ	४०	५५	ब्रा	२२	५३	३७	५३	७	१७	२	२४	तुलायाँ
१२	बु	१८	२८	वि	४७	१७	सु	३४	२२	तै	१८	२८	३७	५३	७	१८	३	२५	वृ.३२।५२
१३	गु	१४	५२	अ	४६	२	धृ	२८	३२	व	१४	५२	३६	५३	७	१९	४	२६	वृश्चिके
१४	शु	१२	२०	ज्ये	४५	१६	शू	२३	३५	श	१२	२०	३६	५३	७	२०	५	२७	ध.४५।१६
३०	श	१०	५०	मू	४५	५८	गं	१९	३७	ना	१०	५०	३६	५३	७	२१	६	२८	धनुषि

भ. ३७।० उ.
भ. ५।२३ या. श्रवणेभृगुः ३५।८
अभिजिन्नबृत्तोभृगुः ३९।५०

भ. ५०।५३ उ.
भ. १८।३ या. बृश्चिके भौमः ९।१२

५२।१६ धनुष्यर्कः ३९।१
भ.०।४५उ.२७।५९या.वक्रीबुधः८।१९
अनुराधायांभौमः ५५।५ सफला ११ब्र.
चित्रायां ४ गुरुः १५।५५ प्रदोषः
भ.१५/२ उ.४३/३६ या.पश्चिमास्तोबुधः४८।२३

३६पं.पौ.कृ.८श.इ.२२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	६	९	७	६	७
२८	०	१८	२	१२	२४	१५	२८
४१	४९	४	४५	५०	६	२	५५
४५	२२	१	१०	३१	४३	२४	५८
६१	४०	२२	१०	४०	७	३	६१
१९	२७	२१	२१	१	२०	११	०

गोचरग्रहाः

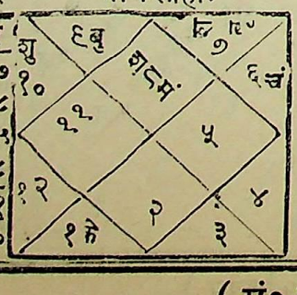

पौष कृष्णा ६ रवौ धनुष्यर्कः प्र. वा. २ नं. ३ प्रोढावस्था (बैठी) मु.२०(धान्य भाव सम शुक्रोदयं पू.

गोचरग्रहाः

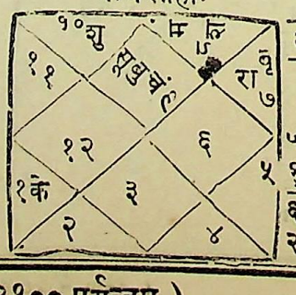

३७पं.पौ.कृ.२०श.इ.२२/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	६	९	७	६	८
५	५	१५	३	१८	२४	१४	६
५१	४०	४४	४९	५५	५५	४०	३
११	१९	१४	४९	४९	३	९	३३
६१	४०	६६/१७	९	२१	७	३	६१
२२	३८	ब	३६	२१	१४	११	५

*७रामंबु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| पोष शुक्लपक्षः सं० २०१४ शाकः १८७६ |दि.| उ.|अ.| इ.|रा.| मु.| चंद्रः |हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १३५७५न् १६५७

१	र	१०	३८	पू	४७	५३	बृ	१६	३०	ब	१०	३८	३५/३६	५३	५	२२	७ २६	धनुषि	चन्द्रदर्शनम् राष्ट्रीयपौष मा.१० दि.३०
२	चं	११	५१	उ	६१	१०	ध्रु	१४	२०	कौ	११	५१	३७	५३	७	२३	८ १	म.३।४२	जमादिलाखर ६ वक्रीमूलेबुधः ३२।४६
३	मं	१४	६	अ	५५	३५	व्या	१३	१३	ग	१४	६	३७	५३	७	२४	६ २	मकरे	भ. ४५।५७ उ.
४	बु	१७	४८	ध	६०	०	ह	१३	५	वि	१७	४८	३७	५३	७	२५	१० ३	कु.२८।१५	भ. १७।४८ या. उदयं शनेः ३६।६
५	गु	२२	१६	ध	०	५६	व	१३	२६	बा	२२	१६	३८	५२	७	२६	११ ४	कुम्भे	
६	शु	२७	१८	श	७	०	सि	१४	२०	तै	२७	१८	३८	५२	८	२७	१२ ५	मी५६।४७	
७	श	३२	३४	पू	१३	२३	व्य	१५	४७	व	३२	३४	३८	५२	८	२८	१३ ६	मीने	भ. ३२।३४ उ. पूषायाँ रविः ४०।३८
८	र	३७	३६	उ	१६	१४	व	१६	५१	वि	५	६	३६	५२	८	२६	१४ ७	मीने	भ. ५।६ या.
६	चं	४२	२०	रे	२६	७	प	१७	५६	बा	१०	०	३६	५२	८	३०	१५ ८	मे.२६।७	पूर्वोदयी बुधः ४६।३४
१०	मं	४६	४	अ	३०	५४	शि	१८	५	तै	१४	१२	४०	५२	८	३१	१६ ६	मेषे	१६५८ पुत्रदां ११ ब्र.स्मा. वै.
११	बु	४८	४६	भ	३५	१३	सि	१७	१४	व	१७	३१	४१	५२	८	१	१७ १०	वृ.५०।५२	भ १७/२५ उ. ४८/४६ या. जनवरीमा.१ता.२१ *
१२	गु	५०	१४	कृ	३७	४७	सा	१६	२६	ब	१६	३०	४२	५२	८	२	१८ ११	बृषे	पुत्रदा ११ ब्र. नि.
१३	शु	५०	२६	रो	४०	४	शु	१४	८	कौ	२०	२०	४३	५१	६	३	१६ १२	बृषे	प्रदोषः
१४	श	४६	१८	मृ	४१	३६	शु	१०	५०	ग	१६	५२	४४	५१	६	४	२० १३	मि१०।५१	भ ४६।१८ उ.
१५	र	४६	५५	आ	४०	६	च	६	४१	वि	१८	७	४५	५१	६	५	२१ १४	मिथुने	भ.१८।७या.ज्येठायां४श नि;३४।१४

३८पं.पौ.शु.७श.इ.२२।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	६	९	७	६	८
१३	१०	६	४	२०	२५	१४	१३
१२	९	५७	५०	४४	४४	१७	११
४	२८	५८	२५	२८	५४	५४	३२
६१	४०	५२	८	२०	७	३	६१
२६	४२	ब	४४	४	७	११	६

गोचरग्रहाः

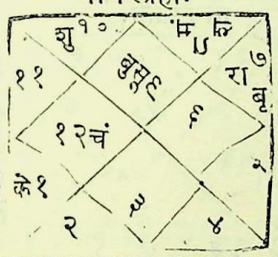

इस मास में ५ रविवार रोग वृद्धि कारक हैं 'पंञ्चार्कः वासरे रोगाः' रुई गल्ला में मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

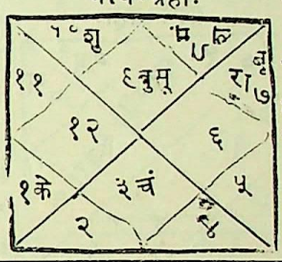

३६पं.पौ.शु.१४श.इ.२२।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	६	९	७	६	८
२०	१५	१	५	२२	२६	१३	२०
११	२१	४३	४३	२६	३१	५५	१९
२	२९	३७	१४	७	३७	३८	३७
६१	४०	१२/५	७	६	६	३	६१
२६	५६	ब	४५	५	५८	११	६

ति.| माह शुकृष्णपक्षः सं०२०१४शाकः१८७६ |दि.| उ.|अ.| इ.|रा.| मु.| चंद्रः | हेमंतर्तू रविरुत्तरे पोष क[illegible]

१	चं	४३	३६	पु	३८	३०	ऐं	२७/२८	५५/५६	ग	१५	१५	३५/३७	५१/५२	६/७	५/६	६ २२	१५	क.२३[illegible]
२	मं	३६	२४	पु	३५	५२	वि	४८	५१	तै	११	३०	४८	५०	१०		७ २३	१६	कर्के
३	बु	३३	४०	श्ले	३२	२७	पी	४१	४३	व	६	३२	५०	५०	१०		८ २४	१७	सिं.३२।२७
४	गु	२८	५७	म	२८	५८	आ	२४	१०	ब	१	१८	५२	५४	१०		९ २५	१८	सिंहे
५	शु	२३	१६	पू	२४	५६	सो	२३	२०	तै	२३	१६	५४	४६	११		१० २६	१६	कं.३८।५४
६	श	१७	२५	उ	२०	४८	शो	१८	३०	व	१७	२५	५६	४६	११		११ २७	२०	कन्यायां
७	र	१२	४२	ह	१४	४७	अ	१०	४८	ब	१२	४२	५८	४८	१२		१२ २८	२१	तु. ४४।५५
८	चं	६	१४	चि	१३	२	सु	३३/३४	५२/५३	कौ	६	१४	२६/२७	४८	१२		१३ २९	२२	तुलायां
९	मं	१	१२	स्वा	९	५६	शू	४९	४	गं	१	१२	३	४७	१३		१४ १	२३	बृ.५३।०
१०	मं	५५	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		० ०	०	०
११	बु	५३	२४	वि	७	२१	गं	४३	३	ब	२५	६	५	४७	१३		१५ २	२४	बृश्चिके
१२	गु	५०	५६	अ	५	२८	वृ	२७	५१	कौ	२२	१०	८	४६	१४		१६ ३	२५	बृश्चिके
१३	शु	४९	३४	ज्ये	४	४५	ध्रु	३३	२९	ग	२०	१५	१०	४६	१४		१७ ४	२६	ध. ४।४५
१४	श	४९	३८	मू	५	१३	व्या	३०	२१	वि	१९	३६	१२	४६	१४		१८ ५	२७	धनुषि
३०	र	५०	४८	पू	६	५१	ह	२७	३४	च	२०	१३	१५	४५	१५		१९ ६	२८	म.२२।३६

उषायांरविः ४२।६
भ. १७।२५ उ. ४५।३ या.
स्वात्यां १ गुरुः
मकरेऽर्कः ५७।३३
भ. २९।० उ. ५६।४९
क्षयः
स्वात्यां२राहुःआश्विन्यां४केतुः ३/३ ४/५ षट्*
षट्तिला ११ ब्र. वै. नि.
भ. ४९।३४ उ. प्रदोष
भ. १९।३६ या.
*तिला ११ ब्र. स्मा.

४०पं.मा.कृ.६श.इ.२२।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	६	९	७	६	८
२७	२०	४	६	२२	२७	१३	२७
२०	१४	५	३०	२८	१७	३३	२७
५३	२०	१६	५	२३	९	२३	४२
६१	४१	३७/१	६	५/६	६	३	६१
२४	०	मा	४१	ब	३८	११	६

गोचरग्रहाः

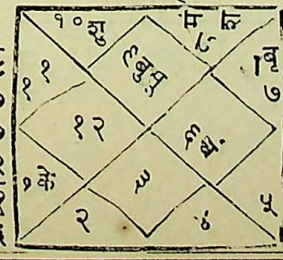

माघ कृष्णा ८ चंद्रे मकरेऽर्कः प्र. वा.१ न.३प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्यभाव तेज) शुक्रो.

गोचरग्रहाः

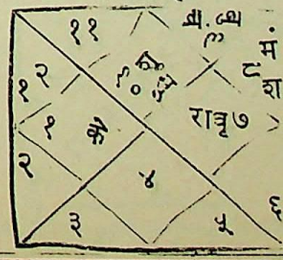

४१पं.मा.कृ.१४श. इ.२१/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	६	९	७	६	९
४	२५	११	७	२०	२८	१३	४
३०	९	०	९	४२	१	११	२५
२१	४९	१७	२८	१७	२५	७	३३
६१	४१	६२	५	२०/२१	६	३	६१
१९	५	४६	३४	ब	२५	११	३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघशुक्लपक्षः सं० २०१४ शाकः १८७९ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | शिशिरर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः १३८६स. १९५८

१	चं	५३	१८	उ	६	५३	बा	२६	१८	क	२२	३	२६	६	५	२०	३०	२९	मकरे
२	मं	५६	५८	श्र	१३	५६	सि	२५	४३	बा	२५	८	२०	४४	१६	२१	१	३०	कु. ४६।२४
३	बु	६०	०	ध	१६	१०	व्या	२५	५४	तै	२६	१४	२२	४४	१६	२२	२	१	कुम्भे
४	गु	१	३१	श	२५	५	ब	२६	५०	ग	१	३१	२५	४३	१७	२३	३	२	कुम्भे
५	शु	६	३६	पू	३१	२६	प	२८	४२	वि	६	३६	२७	४३	१७	२४	४	३	मी १४।५१
६	श	११	५२	उ	३७	५३	शि	२९	२१	बा	११	५२	३०	४२	१८	२५	५	४	मीने
७	र	१६	५४	रे	४४	३१	सि	३०	१९	तै	१६	५४	३३	४१	१९	२६	६	५	मे. ४४।३१
८	चं	२१	३१	अ	४९	२३	सा	३०	५२	व	२१	३१	३६	४१	१९	२७	७	६	मेषे
९	मं	२५	१६	भ	५३	५३	शु	३०	४७	ब	२५	१६	३९	४०	२०	२८	८	७	मेषे
१०	बु	२७	४९	कृ	५७	१८	शु	२९	४८	कौ	२७	४९	४२	४०	२०	२९	९	८	बृ. ९।४४
११	गु	२९	९	रा	५९	१५	न	२८	१	ग	२९	९	४५	३९	२१	३०	१०	९	बृषे
११	शु	२९	१२	मृ	६०	०	ऐं	२५	७	वि	२९	१२	४८	३८	२२	३१	११	१०	मि २९।४५
१२	श	२७	५८	मृ	०	१५	वै	२१	३	बा	२७	५८	५२	३८	२२	१	१२	११	मिथुने
१३	र	२५	३०	आ	०	५८	वि	१५	३२	तै	२५	३०	५५	३७	२३	२	१३	१२	क ४३।५०
१४	चं	२१	५७	पु	५६	४	मी	१०	३२	व	२१	५७	५९	३६	२४	३	१४	१३	कर्के
१५	मं	१७	३५	श्ले	५२	५९	आ	४	५३	ब	१७	३५	२७	३६	२४	४	१५	१४	मि. ५२ ५९

अभिज. २८।५० मार्गोऽषायां बुधः ३५ १
चन्द्रद. राष्ट्रीय माघ मा. ११ दि. ३० रज्जब ७
भ. ३४।३ उ. श्रवणेरविः ४४।५०
भ. ६।३६या. अभिजिन्निवृतोरविः ३७।५
पश्चि. भृगुः ४८ धनुषि भौमः १२ १० प. अ. भृ.
भ. २१।३१ उ. ५३।२३ या.

*उषायां बुधः ४०।१७
भ. ५ ६ उ. पूर्वोदयीभृगुः २७ ३६ * पू. अ.
भ. २९।१२या. जया ११ ब्र. भृ
मकरेबुधः ५४ ९ फर. मा. २ता. २८ प्रदोषः
कल्पादिः
भ. २१।५७ उ. ४९।४६ या.
वक्री अभिजित्प्रवृतोभृगुः २८।४४

४२पं.मा.शु.५श.इ.२२।१

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	६	९	७	६	९
११	०	१२	७	१७	२८	१२	११
३९	६	२२	४०	१	४३	४८	४२
१२	४५	१७	२५	४२	५०	५२	५९
३१	४१	७६	४	३४	६	३	६०
१३	३	५९	२३	ब्र	७	११	५९

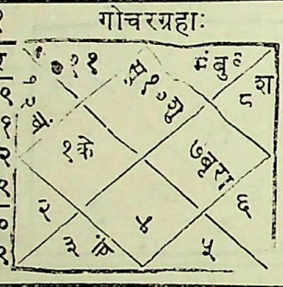

इस मास का फल साधारण है प्रजा में उपद्रव कहीं पर युद्ध की संभावना और शीत अधिक पड़ेगा।

गोचरग्रहाः

४३पं.मा.शु.१२श.इ२२।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	६	९	७	६	९
१८	५	२९	८	१२	२९	१२	१८
४७	४	८	३	४८	२३	३६	४३
१२	३९	८	५६	४९	८	३७	३२
६१	४१	८७	३	३४	५	३	६०
४	६	१५	९	ब्र	४०	११	५९

ति. फा. २७ | पक्षः सं० २०१४ शाकः १८८३ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | शिशिरर्तौ रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.

१	बु	१२	३९	म	४९		अ	१८	७	तै	१	कौ	१२	३९	२७	६	३५	२५	५	१६	१५	सिंहे
२	गु	७	११	पू	४५	३२	अ	४२	३	ग	७	११	९	३४	२६	६	१७	१६	क. ५९।३१
३	शु	१	२५	उ	४१	२८	सु	३४	१७	वि	१	२५	१३	३३	२७	७	१८	१७	कन्यायां
४	शु	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	श	४९	५९	ह	३७	२७	धृ	२५	२९	कौ	२२	४८	१६	३३	२७	८	१९	१८	कन्यायां
६	र	४४	२३	चि	३३	३५	शू	२८	४९	ग	१७	११	२०	३२	२८	९	२०	१९	तु. ५।३१
७	चं	३८	२३	स्वा	३०	१४	गं	११	२५	वि	११	२३	२३	३१	२९	१०	२१	२०	तुलायां
८	मं	३५	६	वि	२७	३०	वृ	२८	५३	बा	६	४५	२७	३१	२९	११	२२	२१	बृ. १३।११
९	बु	३१	४०	अ	२५	२९	व्या	५२	५१	तै	३	२३	३०	३०	३०	१२	२३	२२	वृश्चिके
१०	गु	२९	१६	ज्ये	२४	३३	ह	४८	१६	व	०	२८	३४	२९	३१	१३	२४	२३	ध. २४।३३
११	शु	२७	२७	मू	२४	४८	व	४४	३५	बा	२७	२७	३८	२८	३२	१४	२५	२४	धनुषि
१२	श	२७	५६	पू	२६	१०	सि	४१	५८	तै	२७	५६	२५	२८	३२	१५	२६	२५	म. ४२।५०
१३	र	२९	१९	उ	२८	५२	व्य	४०	९	व	२९	१९	४६	२७	३३	१६	२७	२६	मकरे
१४	चं	३१	५४	श्र	३३	१५	ध	३९	२२	वि	०	३७	५०	२६	३४	१७	२८	२७	मकरे
३०	मं	३५	३६	ध	३३	४२	प	३९	२५	च	३	४५	५४	२५	३५	१८	२९	२८	कु. ५।२८

धनिष्ठायांरविः ५०।४२
भ. ३ १ ४ ८ उ. अभिजि. बुधः ३ ३ २ ८ वक्रीउषायां*
भ. १।२५ य. *भृगुः ४०।२०

श्रवणेबुधः ३९।४३
भ. ४४।२३उ. अभिजन्निवृतोबुधः १ ३ २ ४
भ. ११।२३या. १धनुषि शनिः १६।४४

कुम्भेऽर्कः २ ४ ३ ८ पूषायां भौमः ४६।४२
भ. ०।२८ उ. २९।१६ या.
पूर्वास्तंबुधः विजयां ११ ब्र.

भ. २९।१९ उ. प्रदोषः महाशिवरा.
भ. ३ ७ या. वक्रीगुरुः ३ ३ ४ धनिष्ठायांबुधः २ ०
शतेरविः ५९।५९

४४पं.फा.कृ.५श.इ.२२।१९

गोचरग्रहा

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	६	९	७	६	९
२५	१०	९	८	९	२९	१२	२५
५४	५	२२	१७	१८	५०	४	५५
०	५०	२५	१७	४०	५	२१	१९
६०	४१	९५	१	२४ ३९	५	३	६०
५५	१८	२	३८	ब	१२	११	४७

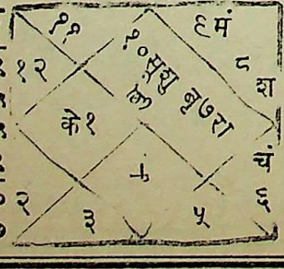

फाल्गुन कृष्णा ९ बुधे कुम्भेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ प्रोढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम)

गोचरग्रहा

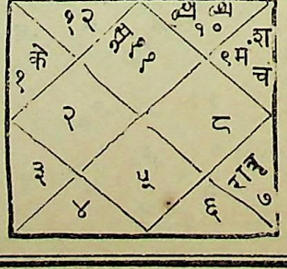

४५पं.फा.कृ.१२श.इ. २२/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	६	९	८	६	१०
३	१५	२०	८	७	०	११	३
०	७	३३	२०	३६	३१	४२	०
३	१४	४६	५९	३५	५०	६	६
६०	४१	०	०	४४	४	३	६०
४२	१७	५६	१९	ब्र	४४	११	३०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०१४ शाकः १८७९ | दि. | उ.अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १४१६स. १९५८

१	बु	४०	६	श	४३	२४	शि	४०	३०	क	७	५१	२७	२४	३६	५	१६	३०	२६	कुम्भे
२	गु	४५	१०	पू	४६	४६	सि	४१	२५	बा	१२	३८	२८	२४	३६	२०	१	३०	मी	३३।११
३	शु	५०	२६	उ	५६	१	सा	४२	४८	तै	१७	४८	६	२३	३७	२१	२	१	मीने	
४	श	५५	२३	रे	६०	०	शु	४३	४८	ब	२२	५४	१०	२२	३८	२२	३	२	मीने	
५	र	५६	२२	रे	२	२६	शु	४४	४३	ब	२७	४७	४४	२१	३६	२३	४	३	मे.	२।२६
६	चं	६०	०	अ	८	७	ज्ये	४५	२०	कौ	३१	४१	१८	२०	४०	२४	५	४	मेषे	
६	मं	३	३०	भ	१२	५१	ऐं	४४	२०	तै	३	३०	२२	२०	४०	२५	६	५	वृ.	२८।४६
७	बु	५	५७	कृ	१६	२६	चै	४२	३८	ब	५	५७	२६	१६	४१	२६	७	६	बृषे	
८	गु	७	८	रा	१८	५३	वि	४०	४	ब	७	८	३०	१८	४२	२७	८	७	मि	४६।२६
९	शु	७	३	कृ	२०	५	ग्री	३६	३२	कौ	७	३	३४	१७	४३	२८	९	८	मिथुने	
१०	श	५	४०	आ	२०	५	आ	३२	०	ग	५	४०	३८	१६	४४	१	१०	९	मिथुने	
११	र	३	५	पु	१८	५०	सो	२६	३५	वि	३	५	४२	१६	४४	२	११	१०	क	४।६
१२	र	५६	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	चं	५५	५	पु	१६	३८	शो	२०	४३	कौ	२७	१८	४६	१५	४५	३	१२	११	कर्क	
१४	मं	४६	५८	श्ले	१३	४८	अ	१४	४७	ग	२२	३२	५०	१४	४६	४	१३	१२	सिं.	१३।४८
१५	बु	४४	२५	म	१०	१८	सु	१६	५३	वि	१७	११	५४	१३	४७	५	१४	१३	सिंहे	

भ. ३४।२३उ. मार्च मा. ३ ता. ३१
भ. ३५ या. श्रवणे भृगुः २७ आमलकी १२ व्र.
*बुधः २।२४ अभिजिन्नि वृतो भृगुः ३५
उषायां भौमः २३।४४ प्रदोषः
भ. ४६।५८ उ. पूभायां रविः १४ ७ पूभायां*
भ. १७।१२ या. होलिकाद.

४६पं.फा.शु.४श.इ.२२।४८ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	६	९	८	६	१०
१०	२०	२	८	७	१	११	१०
४	९	२५	२४	३६	१	१९	३
३५	४०	५३	८	२९	१६	५१	३६
६०	४१	०	२०	४९	४	३	६०
३१	२७	२१	व	मा	१२	११	२५

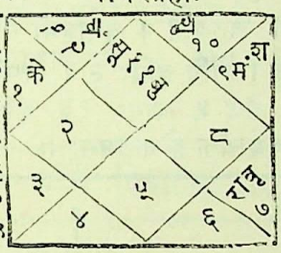

इस मास में पांच बुधवार रस कस तेज होगा रुई चांदी अफीम सूत सन कुछा में घटा बढ़ी होगी।

गोचरग्रहाः

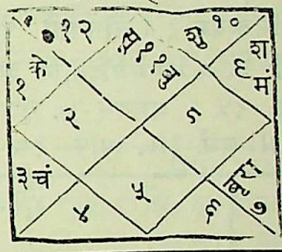

४७पं.फा.शु.१०श.इ२३।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	६	९	८	६	१०
१७	२५	१४	८	९	१	१०	१७
७	१६	५७	४	४४	२४	५७	५
२४	२१	५६	४३	१	४५	३५	४७
६०	४१	५९	२९	२१	३	३	६०
२०	३६	४५	ब	२७	११	११	१८

ति. चैत्र कृष्ण पक्षः सं० २०१४ शाकः १८७९ | दि. | उ.अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे फा. कृष्णेति मन्त्र

१	गु	३८	३७	पू	६	२३	शु	५१	५५	बा	११	३१	२५	२८	३५	६	१५	१४	क	चन्द्र २।
२	शु	३२	५३	उ	२०	५५	गं	४३	५८	तै	५	४५	२९	१२	४८	७	१६	१५	कन्यायां	
३	श	२६	५४	चि	५४	२५	वृ	३६	४	वि	२६	५४	६	११	४९	८	१७	१६	तु.	२६।३०
४	र	२१	२८	स्वा	५०	५६	ध्रु	२८	३८	बा	२१	२८	१०	१०	५०	९	१८	१७	तुलायां	
५	चं	१६	२४	वि	४८	३	व्या	२१	३७	तै	१६	२४	१४	९	५१	१०	१९	१८	वृ.	३४।१६
६	मं	१२	५	अ	४५	१८	ह	१५	१५	व	१२	५	१७	८	५२	११	२०	१९	वृश्चिके	
७	बु	८	४०	ज्ये	४४	३७	व	९	३५	ब	८	४०	२३	७	५३	१२	२१	२०	ध.	४४।३७
८	गु	६	१३	मू	४४	३८	सि	४	५०	कौ	६	१३	२७	७	५३	१३	२२	२१	धनुषि	
९	शु	४	५५	पू	४५	४४	व्य	५९	५७	ग	४	५५	३२	६	५४	१४	२३	२२	धनुषि	
१०	श	४	५२	उ	४८	२२	प	५६	२	वि	४	५२	३६	५	५५	१५	२४	२३	म.	१।२४
११	र	६	१२	श्र	५१	४७	शि	५५	५	बा	६	१२	४०	४	५६	१६	२५	२४	मकरे	
१२	चं	८	४८	ध	५६	२९	सि	५५	४	तै	८	४८	४४	३	५७	१७	२६	२५	कु.	२४।८
१३	मं	१२	२९	श	६०	०	सा	५५	३४	व	१२	२९	४९	२	४८	१८	२७	२६	कुम्भे	
१४	बु	१६	५९	श	२	८	शु	५६	४३	श	१६	५९	५३	१	५९	१९	२८	२७	मी	५१।४७
२०	ग	२२	२	पू	८	२०	श	५७	५८	ना	२२	२	५७	१	५९	२०	२९	२८	मीने	

मुब्बरात बसन्त १
भ. २९।२४ या.
मीनेबुधः १३।३९
उभायांबुधः ५६।१९
भ. १२।५ उ. ४०।२३ या.
*भौमः १४ १६ रेवत्यांबुधः ४७ ४९ प्रदोषः
शीतला पूजनम्
भ. ३४।५४ उ. मीनेऽर्कः १५।५५
भ. ४।५२ या.
पापमोचनी ११ व्र.
उभायाँरविः ३५ ४३ पश्चि.बुधः ३५ ५८ अभिजि.*
भ. १२।२९ उ. ४४।४४ या.
स्वात्यां १ राहुः अश्विन्यां ३ केतुः ३०।१
अहर्गणः १४।४५ चक्रं ४ कंतकी

४८पं.चै.कृ.३श.इ.२३।२५ गोचरग्रहा

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	६	९	८	६	१०
२४	२९	२८	७	१२	१	१०	२४
८	५५	२२	४०	३	४६	३५	६
४६	१४	७	२५	४५	२५	२०	३२
६०	४९	५९	४	३२	२	३	५९
५	२६	५३	ब	५९	५१	११	५८

चैत्र कृष्णा ९ शुक्रे मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम)

गोचरग्रहा

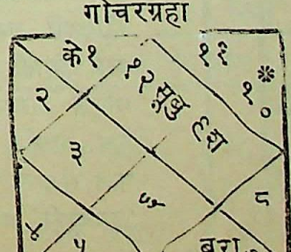

४९पं.चै.कृ.१०श.इ.२३ ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	६	९	८	६	११
१	५	१२	७	१७	२	१०	१
८	२३	३	११	४०	३	१३	४
२८	३	३८	४४	४३	५६	४	४४
५९	४१	५९	४६	४१	२	३	५९
४९	३०	५९	ब	२६	१०	११	४९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *मंशुचं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५९ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५९ भोग्यकलिः ४२६९५१ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०१५ शालिवाहनीय शाकः १८८० अथास्मिन्वर्षेराजा भृगुः । मंत्री रविः । सस्येशोबुधः । धान्येशोचन्द्रः । मेघेशो रविः । रसेशोशुक्रः । नीरसेशोबुधः । फलेशोः शनिः । धनेशोबुधः । दुर्गेशो रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ५ विरोधकृतनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ३।१६।५०।२४ भोग्यमासादिः ८।१३।९।३६ सौम-दैवतं युगम् । वर्षनाम चैत्रः । मेघः ३ नाम पुष्करः । रोहिणीनिवासः समुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा १२ । समय वाहनं दर्दुरः । स्तम्भ एक तृणस्य । सोमवत्यमा १ । सोमवती पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी नास्ती । रविवारीसप्तमी ३। रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३९० । समयदिनानि ३८५ । तिथिक्षयः १५ । तिथि वृद्धिः ९ । उत्पत्ति विश्वा ८९ । खपति विश्वा १२६ । वर्षा विश्वा १५ । धान्यम् ५. तृणम् १७. शीतम् ५. तेज ५ वायुः १३ वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ७ । ऐक्यं ९७ सत्यं ॥. धर्म १॥. पाप १८ । ग्रहणानित्राण सूर्यस्यैक द्वे चन्द्रमसः ॥

भैरव-भवानी सम्वाद

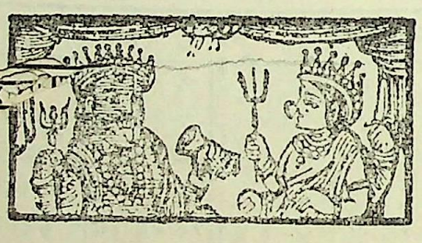

भैरव प्रश्न

कर जोड़े भैरव खड़ा माता थारे द्वार ।
पन्द्रह सम्वत् का कहो श्रीमुख से शुभसार ॥

भवानी उत्तर

भैरव पन्द्रह साल का भेद सुनाऊं तोय ।
नभचर चार विचार से श्रेष्ठ जमाना होय ॥
अधिकलिया इस साल में सौभ्य ग्रहांअधिकार ।
घर-घर वजे बधावणां घर-घर मंगलाचार ॥
भृगुराजा इस वर्ष में दिन मणि हुये प्रधान ।
फूलै फलै वसुन्धरा वर्षे मेघ महान् ॥
रोहिणी बसी समुद्र में संवत विश्वा अर्क ।
जल तृणकी कमती नहीं इसमें रहे न फर्क ॥
पहिले श्रावण वर्ष कर दुजा करसी तंग ।
बुध भार्गव के योग से भादव वर्षे रंग ॥
फल संवत्सर का कहा देख नभश्चर चार ।
'बनवारी' जगदीश का भजन जगत में सार ॥

खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	२	११	२४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्षेश लग्नम् ३।२४

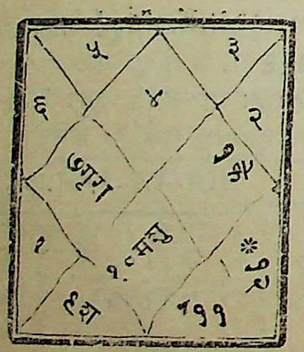

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्ष लग्नम् ७।२

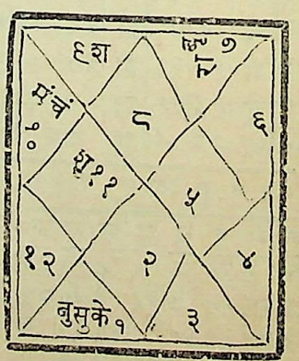

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१४।४१

* चसूबु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथ वर्ष फलम्। अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम्-शुक्रस्यराज्ये बहु सस्य सकुला स्वतीव्रवेगा सरितोम्बुराशिभिः। फलंति वृक्षा बहुगो प्रसूतिर्वसुंधरा पार्थिव सौख्य संयुताः। २। मंत्री रविस्तत्फलम्-नृप भयं गदतापिहितस्करात् प्रचुर धान्य धनादि महीतले। रसचर्यहि समर्धतमंतदा रविरमात्य पदंहि समागतः। सस्येशोबुधस्तत्फलम्-जल धरा जल राशिमुचो भृश सुख समृद्धि युतं निरुपद्रवम्। द्विजगणाः स्तुति पाठकरः सदा प्रथम सस्यपतौ सति बोधने। धान्येशश्चन्द्रस्तत्फलम्-चन्द्रे धान्याधिपे जाते प्रजावद्धि प्रजायते। गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोषुक्षीरं तथा बहुः ॥५॥ मेघेशोरविस्तत्फलम्-जलपदे यदिवासरपे यदासरसि वैरमते जनतारसम्। यवचनेक्षु निवार सुशालिभिः सुखचयं सुखभं भुविवर्तते। रसेशः शुक्रस्तत्फलम्-यजन याजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषित मानसाः। सुखसुभिक्ष समोदवतीधरा धरणिपाहत पापगणाः प्रियाः। नीरसेशी बुधस्तत्फलम् चित्र वस्त्रादिवस्तूनां शंख चन्दन पूर्वकम। अर्घवृद्धिःप्रजायते नीसेशो बुधोयदि। फलेश-शनिस्तत्फलम्-यदि शनिः फलपःकलहो भवेज्जनित पुष्पगणस्तरवो ध्रुवम्। हिमभय नरतस्तरजं तदा जनपदा जन राशि समाकुलाः॥ धनेशोबुधस्तत् फलम्-द्रविणपोहिम रश्मिसुदोयदा विविध संग्रह वस्तु मूल्यदा। द्विजवश जप यज्ञ सुसंयुता कृषि विशेष विशेषित मानसाः। दुर्गेशोरविस्तत्फलम्-नय विशेषकरस्तरणिस्तदागतभयानरराज पुरोगमा। समधिकेन तदानृपदोन्यतःपथिषु संव्रजतांनभयंक्वचित्। वर्षनाम् चैत्रस्तत्फलम्-सस्यानि घृतकापसि तैलादि-सुखसंचय चैत्रवर्षे भवेद्बृद्धिर्नृप सौख्यफलप्रदा। विरोधकृत्संवत्सरस्तत्फलम्-विरोधकृद्वत्सरे तु परस्परविरोधिनः। सर्वेजनानृपाश्चैवमध्यसस्यार्घवृष्टयः। मेघनामपुष्कर स्तत्फलम्-पुष्करेमन्दवृष्टिश्च। रोहिणीनिवासः समुद्रेफलम् समुद्रे तुमहावृष्टिः। समयनिवासोमालाकारगृहेफलं-मालनःप्रचुरावृष्टिः। एवसंचित्यदैवज्ञैः कथनीयशुभाद्रशभम्

सं० २०१५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैसाख मासः

शुक्ला. ३ भौमे रोहि. ल.८चंपू. सतरे.६।।।।ऽरो.।।।।।
" ४ बुधे. मृगे ल.ऽन्यगो. रे८।।।।।ऽऽ।।
" ६ चंद्रे. मघा.ल.गो.८रे.८।।।।।ऽऽगणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः।
" १२ बुधे उफा.ल.ऽन्यगोऽरे७।।ऽबुऽशु।ऽ।।।
पादवेधाद्बुधस्यवेधाऽभावः।
" १२ बुधे हस्ते ल. १० रे. ८ऽसू.ऽ।।।।।।।

जेष्ठ मासः

कृष्णा. १२ गुरौ रेब ल. ऽन्यगो. रे७ऽमं।ऽसु. ।।।ऽ।।
शुक्ला. २ भौमे मृगे ल. ऽन्यगो. १० रे ६।।।।।ऽ।।।
" ६ भौमे. उफा. ल. गो. १०रे ८।।।।मऽ।।।
" १० बुधे हस्ते लंगो. १० रे ८।।।।ऽ।ऽ।।
" १५ रवौ अनु. ले.१० रे.७।।।ऽबु.ऽरों.।ऽ।।

आषाढ मासः

शुक्ला. ८ भौमे हस्ते ल. अन्यगो। १०रे.८।।।।।ऽ।ऽ
१० गुरौ ल. १०रे७।।।ऽके.ऽअग्नि।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ३ शनौ उषा ल४ (चंपू) रे. ६ऽबृ।।।।।।।।

पौष मासः

शुक्ला १२ बुधे मृगे ल.गो.रे७ऽमं।।।।।।ऽऽ

क्रांति दग्धा दोषत्वान्नेष्टम्

माघ मासः

शुक्ला ८ चन्द्रे रोहि. ल.ऽन्यगो. रे.६।।।।ऽबृ.।।।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ७ रवौ अनु.ऽन्यगो १० (श.पू. सत्)
चंद्रे ६।।।।ऽरोऽऽ।।

अत्र क्वचित्स्मृ[illegible]तव्य सुधीभि,

वैशाख कृ. ३० शनी खंडग्रासं सूर्यग्रहणम् विश्वा ७।३६

		स्प.	म.	मो.	पव.	
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	०	३	५	५	
	पल	२८	०	३१	३	
रेल्वे टाइम	घं.	६	७	८	२	
	मि.	४१	४१	४२	१	

वैशाख शु. १५ शनौ ग्रस्तोदयं चन्द्रग्रहणम् विश्वा ०।३८

		स्प.	म.	मो.	पवं.	
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	२७	२८	२६	४	
	पल	५	११	०	३८	
रेल्वे टाइम	घं.	२२	५	६	०	
	मि.	२४	४३	३	३६	

फागुन शु.१५ यां भोमे खंडग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा ५।५६

		स्प.	म	मो.	प	
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	४५	४७	५०	४	
	पल	३८	५४	२०	५२	
रेल्वे टाइम	घं.	१२	१	२	१	
	मि.	३८	३७	३५	७५	

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्ल पक्षः सं.२०१५ शाकः १८८० दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १४४६सन् १९५८

१	शु	२७	८	उ	१४	४५	न	५९	१९	ब	२७	८	३०/१	६/०	०/०	२१	३०	२९	माने
२	श	३२	९	रे	२१	७	ऐं	६०	०	कौ	३२	९	६/५	५/९	१/६	२२	१	१	मे. २१।७
३	र	३६	३६	अ	२७	२	ऐं	०	३२	तै	४	१७	१०	५८	२	२३	२	२	मेषे
४	चं	३९	५४	भ	३१	५३	वै	०	५५	व	८	१०	१३	५७	३	२४	३	३	वृ. ४७।५१
५	मं	४२	१३	कृ	३५	४६	वि	३९/३८	५८/३८	ब	११	३	१८	५६	४	२५	४	४	वृषे
६	बु	४३	१८	रा	३८	२०	आ	५७	३	कौ	१२	४५	२२	५६	४	२६	५	५	वृषे
७	गु	४३	४	मृ	३९	५६	सो	५३	४८	ग	१३	११	२६	५५	५	२७	६	६	मि.९।८
८	शु	४१	३६	आ	४०	११	शो	४९	३४	वि	१२	२०	३०	५४	६	२८	७	७	मिथुने
९	श	४८	५६	पु	३९	१२	अ	४४	३०	बा	१०	१६	३४	५३	७	२९	८	८	क.२४।५७
१०	र	३५	१८	पु	३७	१५	सु	३८	४६	तै	७	७	३८	५२	८	३०	९	९	कर्के
११	चं	३०	४६	श्ले	३४	३०	धृ	३२	१८	व	३	२	४३	५१	९	३१	१०	१०	सिं ३४।३०
१२	मं	२५	३४	म	३१	५	शू	२५	२०	बा	२५	३४	४७	५१	९	१	११	११	सिंहे
१३	बु	१९	४९	पू	२७	२०	गं	१७	३४	तै	१९	४९	५२	५०	१०	२	१२	१२	क.४१।२२
१४	गु	१३	५९	उ	२३	२८	वृ	१०	१६	व	१३	५९	५६	४९	११	३	१३	१३	कन्यायां
१५	शु	८	२	ह	१०	१४	ध्रु	४२/३	१९/५२	शू	८	२	३१/०	४८	१२	४	१४	१४	तु. ४७।१४

चन्द्रदर्शनम्श्रवणेभौमः ४/१ ३/७ वक्रीचित्रायां+
रमजानद रोजाग्रभिजिन्निवृत्तौभौमः ५/३ ९/० *
धनिष्ठायांभृगुः ४/१ ३/२ मत्स्यज.गणगौरीपूजा
भ.१०/० उ.३/५ ९/४ या [+४गुरुः १/४ ३/३ संवत्सरारंभः
अश्विन्यांषेमेबुधः ४९।८

[* राष्ट्रीय चैत्रारंभ सं.१८८०
भ. ४३।४ उ.
भ. १२।२० या
रामनवमी,
कुम्भेभृगुः २६।३७
भ.३।२उ.३०।४५या. रेवत्यांरविः ÷
अप्रेल मा. ४ ता. ३०
÷१ १/३ कामदा ११ ब्र. लक्ष्मीकांतदोलोत्सवः
भ. १३।५९ उ. ४१।१ या.
हनुमज्ययंती वैःस्ना.प्रा.

५० पं. चै.शु.२श.इ.२४।६

गोचरग्रहाः

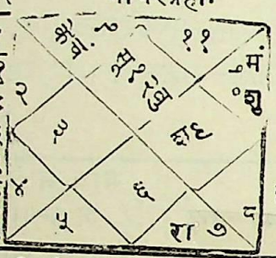

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	६	९	८	६	११
८	१०	२४	६	२२	२	९	८
६	२८	३९	३३	१६	१३	५०	३
२२	५३	३७	२०	३९	३१	४९	१९
५९	४१	९९	६/७	४८	१	३	५१
३५	२६	२१	ब	३	२९	११	२९

इस मास में फल शुभ होगा शुक्रवार को चन्द्रदर्शन धान्य रूई अफौम में तेजी होगी।

गोचरग्रहाः ५१ प.चै.शु.९श.इ.२४।२७

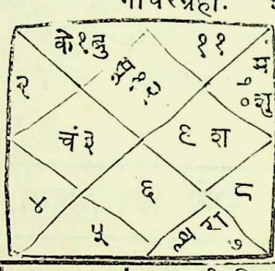

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	०	६	९	८	६	११
१५	१५	३	५	२९	२	९	१४
२	३४	४१	४९	४	१९	२८	५९
२५	४३	५५	२८	५४	४६	३४	१५
५९	४१	६१	५/७	५३	०	३	५९
१८	४०	५२	ब	१०	४९	११	१६

ति. वैशाख कृष्णपक्षः सं०२०१५ शाकः १८८० दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः वसन्तर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	[illegible]															
२	श			स्वा												
३	र	५१	२४	वि	७	५७	सि	३३	५३	व	२३	५७	८	४६	१४	६	१६	१६
४	चं	४७	४	वि	७	५७	व्य	२८	८	ब	१९	१४	१२	४६	१४	७	१७	१७
५	मं	४३	४२	अ	६	१७	ज्ये	४	४९	कौ	१५	२३	१६	४५	१५	८	१८	१८
६	बु	४१	८	ज्ये	४	४९	व	२३	१२	ग	१२	२५	२०	४४	१६	९	१९	१९
७	गु	३९	४४	मू	४	३२	प	१९	८	वि	१०	२६	२४	४३	१७	१०	२०	२०
८	शु	३९	३६	पू	५	२३	शि	१६	७	बा	९	४०	२८	४२	१८	११	२१	२१
९	श	४०	५३	उ	७	२८	सि	१३	४८	तै	१०	१४	३२	४२	१८	१२	२२	२२
१०	र	४३	२१	श्र	१०	३५	सा	१२	०	व	१२	७	३६	४१	१९	१३	२३	२३
११	चं	४७	५८	ध	१५	१६	शु	१२	३३	ब	१५	१५	४०	४०	२०	१४	२४	२४
१२	मं	५१	२४	श	२०	४४	शु	१२	५१	कौ	१९	१६	४४	३९	२१	१५	२५	२५
१३	बु	५६	१३	पू	२७	१	न	१४	१५	ग	२३	४८	४८	३८	२२	१६	२६	२६
१४	गु	६०	०	उ	३३	२९	ऐं	१५	३४	वि	२८	४५	५१	३८	२२	१७	२७	२७
१४	शु	१	१७	रे	२९	५१	वै	१७	१	श	१	१७	५५	३७	२३	१८	२८	२८
३०	श	६	५	अ	४५	४९	वि	१८	१३	ना	६	५	५८	३६	२४	१९	२९	२९

तुलायां
०
वक्रीशनिः ०।१३
भ.२३।५८उ.५१।२४या. वक्रीबुध-१/२ ९/९ *
[* शतेभृगुः ३२।४४
वृ.५३।५४
वृश्चिके
वृश्चिके
ध.४।४९
धनुषि
म.२०।५४
मकरे
कु.४२।५५
कुम्भे
कुम्भे
मी १०।२७
मीने
मे. ३९।५१
मेषे
पश्चिमास्तंबुधः ५८।१०
भ.४१।८उ.धनिष्ठायां भौमः ६।४
भ. १०।२६ या.
भ. १२/७ उ.४३/२१ या.अश्विन्यांमेषेऽर्कः ३७/४३
वरूथिनी ११ ब्र.
भ. ५६।१३ उ. प्रदोषः
भ. २८।४५ या. कुम्भेभौमः५०।४०
वक्रीचित्रायांगुरूः३१।४
पूषायां भृगु, ४९।१९ सूर्यग्रहणम्

५२ पं.वै.कृ.१श.इ. २४।४७

गोचरग्रहाः

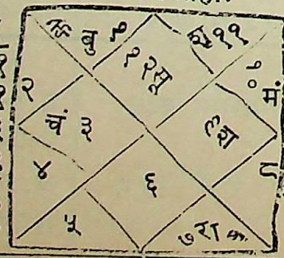

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	०	६	१०	८	६	११
२१	२०	७	५	५	२	९	२१
५६	४६	३९	००	३५	२२	६	५३
२८	५	३६	२२	२८	५८	१८	२९
५९	४१	६	७/३७	५६	०/३	३	५९
४	४४	३	ब	५९	ब	११	४

वैशाख कृ. १०
रवौ मेषेऽर्क प्र.
वा. ३ न. ४
वृद्धावस्था (बैठी)
मु.३०(धान्यभावसम)
शुक्रोदयंपूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः १ पं.वै.कृ.१०सू.इ.४०।३३

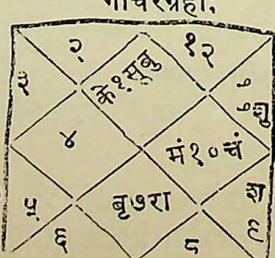

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	६	१०	८	६	०
०	२६	५	३	१३	२	८	०
२	४९	१३	५६	४२	४४	४०	०
४६	४१	२६	२०	३	४९	१	०
५८	४१	४/२४	५२	६०	४/७	३	५८
४५	३३	ब	ब्र	३२	ब	११	४४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं०२०१५ शाकः १८८० दि. उ.अ. इ.रा. मु. चंद्रः बसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १४७६सन् १९५८

१	र	१०	२६	भ	५०	५५	प्री	१८	५६	ब	१०	२६	३२	३५	२४	२०	३०	३०	मेषे
२	चं	१३	५०	कृ	५५	६	आ	१८	५३	कौ	१३	५०	६	३५	२५	२१	१	१	वृ.६।५६
३	मं	१६	२	रो	५८	१०	सौ	१७	५६	ग	१६	२	६	३४	२६	२२	२	२	बृषे
४	बु	१७	११	मृ	५६	५४	शो	१५	५७	वि	१७	२१	१३	३३	२७	२३	३	३	मि२६।२
५	गु	१६	४६	आ	६०	०	अ	१३	८	वा	१६	४६	१७	३३	२७	२४	४	४	मिथुने
६	शु	१५	१४	आ	२३	५६	चु	६	१४	तै	१५	१४	२१	३२	२८	२५	५	५	क. ४४।५२
७	श	१२	३३	पु	५७	५६	धृ	२४	२४	व	१२	३३	२५	३१	२६	२६	६	६	कर्के
८	र	८	५५	श्ले	५५	२६	गं	५२	३४	ब	८	५५	२६	३०	३०	२७	७	७	सिं५५।२६
९	चं	३	५५	म	५२	१२	वृ	४५	४५	कौ	३	५५	३३	२६	३१	२८	८	८	सिंहे
१०	चं	५५	१		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	मं	५३	९	पू	४८	३१	ध्रु	३८	३०	व	२६	२	३६	२९	३१	२९	९	९	सिंहे
१२	बु	४७	१७	उ	४४	२५	व्या	३०	५८	ब	२०	१३	४०	२८	३२	३०	१०	१०	कं. २।२९
१३	गु	४२	०	ह	४०	२६	ह	२३	१६	कौ	१४	३९	४३	२७	३३	१	११	११	कन्यायां
१४	शु	३५	२३	चि	३६	२३	व	१५	४७	ग	८	४२	४७	२७	३३	२	१२	१२	तु. ८।२४
१५	श	२९	२६	स्वा	३१	४५	सि	८	२०	वि	२	२५	५०	२६	३४	३	१३	१३	तुलायां

चन्द्रदर्शनम्
सव्वाल १० ईदबक्री रेवत्यां. बुधः १५/२ प. *
भ. ४६।४२उ, अक्षया ३
भ. १७।२१ या.
पातस्पर्शः ५/६ *ज. रा.वै.मा.२दि.३१
पातमोक्षः १८।४८पूर्वोदयीबुधः २।२१
१२/३३ उ. ४०।४४ या.
भरण्यां रविः १९।७शतेभौमः७।११
क्षयः
भ. २६/३ उ. ५३/५ या. मीनेभृगुः १६/६ मो. ११ब्र.
मोहिनी ११ ब्र. वै.नि.
मई मा. ५ ता. ३१ प्रदोषः
भ. ३५/३ उ. मार्गीबुधः २४ उभायां, भृगुः २३/२ १+
भ. २।२५ या. +नृसिंह जयंती

२पं.वै.शु.१स.इ.४०।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	६	१०	८	६	०
६	१	०	३	२०	२	८	६
५२	५७	२३	२	५२	३६	१७	५०
५७	३७	२७	५९	५८	४३	४६	३८
५८	४१	४० / ११	५२ / ७	६२	३३ / ९	३	५८
२९	२८	ब	ब	५०	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

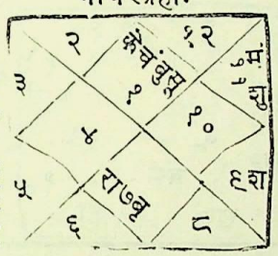

इस मास में शनिवार अशुभ है रुई चांदी अनाज गल्ला में घट् बढ़ होगी।

गोचरग्रहाः

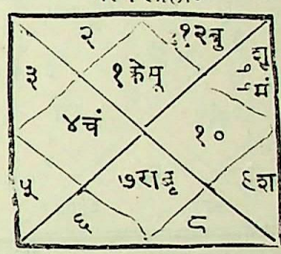

३पं.वै.शु.८स्.इ.४१।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	६	१०	८	६	०
१३	७	२७	२	२८	२	७	१३
४१	३	१६	१०	१६	२३	५५	३९
२१	२७	४६	३	४६	५८	३१	४१
५८	४१	३६ / २३	३७ / ९	६४	१२	३	५८
१२	२७	ब	ब	३६	ब	११	१९

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं०२०१५शाकः१८८० दि. उ.अ. इ.रा. मु. चंद्रः बसंततर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृ. मुहू

१	र	२४	३०	वि	२९	२६	व्य	१८	५३ / २४	कौ	२४	३०	३२ / ५४	२५	३५	४	१४	१४	बृ.
२	चं	२०	१	अ	२६	५८	ध	४८	४६	ग	२०	१	५७	२५	३५	५	१५	१५	बृश्चिके
३	मं	१६	२४	ज्ये	२६	२१	शि	४३	४४	वि	१६	२४	३३ / ९	२४	३६	६	१६	१६	ध. २६।२१
४	बु	१३	४६	मू	२६	४५	सि	३९	३१	वा	१६	४६	४	२३	३७	७	१७	१७	धनुषि
५	गु	१२	२२	पू	२७	१	सा	३६	१४	तै	१२	२२	७	२३	३७	८	१८	१८	म. ४२।१७
६	शु	१२	११	उ	२८	६	शु	३३	५६	व	१२	११	१०	२२	३८	९	१९	१९	मकरे
७	श	१३	१०	अ	३०	६	शु	३२	४०	ब	१३	१०	१३	२१	३९	१०	२०	२०	मकरे
८	र	१५	२५	ध	३४	२८	व	३२	१९	कौ	१५	२५	१६	२१	३९	११	२१	२१	कु. २।१७
९	चं	१८	५४	श	३९	३८	ऐं	३२	४५	ग	१८	५४	१९	२०	४०	१२	२२	२२	कुम्भे
१०	मं	२३	१६	पू	४५	३७	वै	३३	५३	वि	२३	१६	२२	२०	४०	१३	२३	२३	मी १९।७
११	बु	२८	१०	उ	५१	५९	वि	३५	२०	वा	२८	१०	२५	१९	४१	१४	२४	२४	मीने
१२	गु	३२	५९	रे	५८	२७	प्री	३६	४५	कौ	०	३५	२८	१८	४२	१५	२५	२५	मे. ५८।२७
१३	शु	३७	४९	अ	६०	०	आ	३८	१८	ग	५	२४	३१	१८	४२	१६	२६	२६	मेषे
१४	श	४२	२	अ	४	३१	सौ	२९	१	वि	९	५५	३४	१७	४३	१७	२७	२७	मेषे
३०	र	४५	२१	म	१०	१४	शो	३९	१४	च	१३	४१	३६	१७	४३	१८	२८	२८	वृ. २६।१३

वक्री

१ कृतिकायां रविः ७।२
भ. ५१।५ उ.
भ. २३।१६ या.
वृषेऽर्कः ३/४ ४/९ रेवत्यांभृगुः २/३ ६/७ अपरा ११ब्र.
पूभायां भौमः १/१
भ. ३७।४९ उ. प्रदोषः
भ. ५/९ या. बक्रीचित्रायां २ क. गुरुः ३४।६
भाबुका ३०

४पं.ज्ये.कृ.१स.इ. ४१।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	११	११	८	६	०
२०	१२	२७	१	५	२	७	२०
२७	१०	४०	१९	५२	६	३३	२७
५९	२२	४८	५८	४	५७	१५	२१
५७	४१	३३ / २३	७	६६	४७ / २	३	५८
५७	१९	मा	४	७	ब	११	६

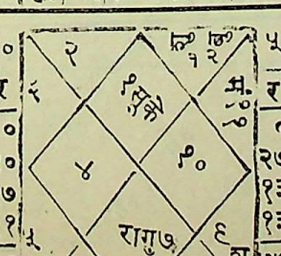

५पं.ज्ये.कृ.८.मूइ.४१।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	६	११	८	६	०
२७	१७	१	०	१३	१	७	२७
१३	१५	३४	३३	३४	४६	११	१३
१३	२८	४	५३	२५	२५	०	३२
५७	४१	३९	१९ / ९	६७	२९ / ३	३	५७
४५	२१	५४	ब	२७	ब	११	५४

६पं.ज्ये.कृ३०सू.इ४१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	०	५	११	८	६	१
३	२२	८	२९	२१	१	६	३
५६	२१	२२	५४	२३	२१	४८	५८
५०	७	१	४	४२	४७	४५	२६
५७	४१	६६	१९ / ९	६८	५० / ३	३	५७
३४	१२	५	ब	७७	ब	११	४४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*७रामंबु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८० | दि. उ. अ इं. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः १५०५स १६५८

१	चं	४७	३६	कृ	१४	१३	अ	२८	३६	क्रं	१६	२६	३१	५६	१६	४४	१६	२६	२६	वृषे
२	मं	४८	३३	रो	१७	३३	सु	३६	५५	बा	१८	४	४१	१६	४४	२०	३०	३०		मि ४८।३२
३	बु	४८	१८	मृ	१६	३२	धृ	३४	२१	तै	१८	२६	४४	१५	४५	२१	३१	१		मिथुने
४	गु	४६	४४	आ	२०	२१	श	३०	३६	व	१७	३१	४६	१५	४५	२२	१	२		मिथुने
५	शु	४४	०	पु	२०	३	गं	२६	५	ब	१५	२२	४८	१४	४६	२३	२	३		क. ५।८
६	श	४०	१६	पू	१८	२७	बृ	२०	४२	कौ	१२	८	५०	१४	४६	२४	३	४		कर्के
७	र	३५	४२	श्ले	१६	२	धृ	१४	२५	ग	७	५६	५१	१४	४६	२५	४	५		सिं १६।२
८	चं	३०	२३	म	१२	२६	व्या	७	५१	वि	३	२	५४	१३	४७	२६	५	६		सिंहे
९	मं	२४	३८	पू	१०	५	ह	४४	५२ ३३	कौ	२४	३८	५६	१३	४७	२७	६	७		कं. २३।५४
१०	बु	१८	३६	उ	५	२०	सि	४५	४७	ग	१८	३६	५८	१२	४८	२८	७	८		कन्यायां
११	गु	१२	३४	ह	५५	५५ २६	व्य	३८	२३	बा	१२	३४	३४	१२	४८	२९	८	९		तु. २ ९।३८
१२	शु	६	३२	स्वा	५३	५९	व	३०	४५	वि	६	३२	२	१२	४८	३०	९	१०		तुलायां
१३	श	०	४३	वि	५०	८	प	२३	४८	तै	०	४३	४	११	४९	३१	१०	११		वृ. ३६।६
१४	श	५४	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०
१५	र	५०	५२	अ	४७	४१	शि	१७	०	वि	२३	१०	६	११	४९	१	११	१२		बृश्चिके

करिदिनं
चन्द्रदर्शनम्
जिल्काद ११ चित्रायां ४ राहुः अश्विन्यां २*
भ. १७/५ उ. ४६/४४ या. भरण्यां बुधः ४६।११+
*केबुः २६।३६ रम्भा ब्र.
+राष्ट्रीयज्येष्ठारम्भः ३
भ. ३५।४२ उ. रोहिण्यां रविः ०।५८
भ. ३।३ या. मेषे भृगुः १७।१६

भ. ४५।३७ उ. गंगादशहरा
भ. १३/३४ या. मीनेभौमः १३/२४ निर्जला ११ ब्र.
प्रदोषः वट सावित्री व्रतारम्भः
भ. ५५।२८ उ. कृतिकायां बुधः २४।४०

भ. २३/१० या. जून मा. ६ ता. ३० बटसा. पू. व

७पं. ज्ये. शु. ७सू. इ. ४१/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	०	५	११	८	६	१
१०	२७	१७	२९	२९	०	६	१०
३९	२९	३८	२०	१८	५१	२६	४२
१	५	२०	४८	५७	२५	२९	२०
५७	४१	८८	४/८	६९	४/६	३	५७
२३	३	१६	ब	१८	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

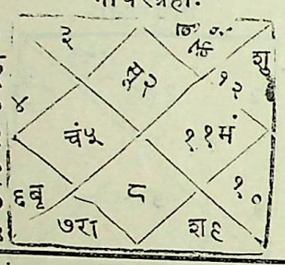

ज्येष्ठ कृ. ११
बुधे वृषेऽर्कः प्र. वा ४ न. ४ गतालकावस्था (ऊर्मी) मु. ४५ (धान्य भाव-सम शुक्रोदयं पू.

गोचरग्रहाः

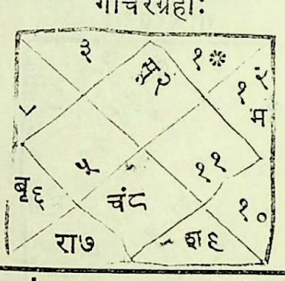

८पं. ज्ये. शु. १५सू. इ. ४१/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	५	०	८	६	१
१७	२	२८	२८	७	०	६	१७
२०	२०	५९	५५	१८	२६	४	२०
७	५७	७	१३	२६	३२	१४	४
५७	४०	९/७	३/७	७०	२/८	३	५७
१३	३४	७	ब	७	ब	११	२७

ति. | आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८० | दि. उ. अ इं. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तौ रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	४६	३	सि	११	०	वा	१६	०	३४	५	६	२	१२	१३	ध. ४६।२
२	मं	४											९	१०	५०	३	१३	१४		धनुषि
३	बु	४२	४१	पू	४५	७	तै	१८	३२				१०	१०	५०	४	१४	१५		धनुषि
४	गु	४२	१८	उ	४६	२८	व	५५	२६	ब	१२	२६	१२	१०	५०	५	१५	१६		म. ०।२२
५	शु	४३	१८	अ	४६	१६	ऐं	५४	१	कौ	१२	४८	१३	६	५१	६	१६	१७		मकरे
६	श	४५	१६	ध	५३	१३	चै	५३	३६	ग	१५	१७	१५	६	५१	७	१७	१८		कु. २१।१६
७	र	४८	४५	श	५८	२४	वि	५३	५७	वि	१७	०	१६	६	५१	८	१८	१६		कुम्भे
८	चं	५२	५८	पू	६०	०	प्री	५४	५८	वा	२०	५५	१७	६	५१	९	१९	२०		मी ४७।३६
९	मं	५७	३६	पू	४	४	आ	५६	२७	तै	२५	१८	१८	८	५२	१०	२०	२१		मीने
१०	बु	६०	०	उ	१०	२२	सौ	५८	२	व	३०	२	१६	८	५२	११	२१	२२		मीने
१०	गु	२	२४	रे	१६	५०	शो	५६	२८	वि	२	२४	२०	८	५२	१२	२२	२३		मे. १६।५०
११	शु	७	१७	अ	२२	५६	अ	६०	०	वा	७	१७	२१	८	५२	१३	२३	२४		मेषे
१२	श	११	३२	भ	२८	२६	अ	०	३४	तै	११	३२	२२	८	५२	१४	२४	२५		बृ. ४४।४२
१३	र	१४	५२	कृ	३३	२०	सु	०	५६	ब	१४	५२	२२	८	५२	१५	२५	२६		वृषे
१४	चं	१७	६	रो	३६	४६	धृ	०	५८	श	१७	६	२३	७	५३	१६	२६	२७		वृषे
२०	मं	१८	१२	मृ	३६	५	गं	५६	३५	ना	१८	१२	२३	७	५३	१७	२७	२८		मि. ७।५५

बृषे बुधः १५।३६
उभायाँ भौमः ६।१२
भ. १३।३२ उ. ४२:४१ या.

भरण्यां भृगुः ५७।४६
भ. ४५।१६ उ. मृगेरविः ५६।४७ पूर्वास्तं*
भ. १७।१या. वक्री ज्येष्ठायां ४ बृश्चिके×
*बुधः ४१।६ रोहिण्यां बुधः २६।४२
×शनिः २।२

भ. ३०।२ उ,
भ. २।२४ या.
मृगे बुधः ५५।४८ योगिनी ११ ब्र.
प्रदोषः
भ. १४/५२ उ. ४६/६ या. मिथुनेऽर्कः ०।३५

मार्गी गुरुः २४।१ मिथुने बुधः ३।२०

६पं. श्रा. कृ. ७सू. इ. ४१।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	५	०	७	६	१
२४	७	१२	२८	१५	२९	५	२४
०	२७	१३	३७	२२	५६	४१	७
३	५८	२४	३४	४५	५४	५८	८
५७	४०	९/८	४०	७०	४/८	३	५७
५	७	५६	ब	४६	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

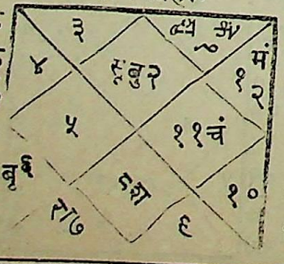

आषाढ कृ. १३
रवौ मि. ऽर्कः प्र. वा. ५ न. ४ प्रगत्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शु. पू.

गोचरग्रहा

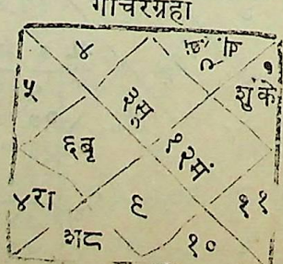

१०पं. श्रा. कृ. १३सू. इ. ४१/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	५	०	७	६	२
०	१२	२७	२८	२३	२९	५	०
३९	१६	६	२९	२५	२५	१९	४८
११	५९	१/३	१०	२	१९	४३	२५
५६	३९	७/९	१८	७१	४/०	३	७७
५७	५०	५८	ब	१९	ब	११	१७

* १केबुशु

(स० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्ल पक्षः सं.२०१५ शाकः १८८० दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः शिशिरऋतूरविरुत्तरेऽहर्गणः १५३५स.१९५८

१	बु	१७	५६	आ	४०	६	वृ	५३	९	ब	१७	५६	३४/२३	५	५३	१८	२८	२९	मिथुने	चन्द्रद. कृतिकायांभृगुः ३०।९
२	गु	१६	२४	पु	४०	१२	भु	४८	५३	को	१६	२४	२४	७	५३	१९	२९	१	क.२५।११	जिल्हेज १२ आर्द्रायांबुधः ५६।२६
३	शु	१३	४१	पु	३८	५९	च्या	४३	३०	ग	१३	४१	२४	७	५३	२०	३०	२	कर्के	भ. ४१।४९ उ.
४	श	९	५७	श्ले	३६	२४	ह	३७	४१	वि	९	५७	२४	७	५३	२१	३१	३	सिं ३६।२४	भ.५७या.रेवत्यांभौमः५३/४वृषेभृगुः१७/१
५	र	५	२३	म	३३	३१	ब	३०	५१	वा	५	२३	२४	७	५३	२२	१	४	सिंहे	आर्द्रायांरवि२।७राष्ट्रीयआषाढारंभः४
६	चं	०	२	पू	२९	५७	सि	२४	२	ते	०	२	२४	७	५३	२३	२	५	क.४३।५८	भ. ५४।२३ उ.
७	चं	५४	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
८	मं	४८	२२	उ	२६	०	व्य	१६	३१	वि	२१	२२	२४	७	५३	२४	३	६	कन्यायां	भ. २१।२३ या.
९	बु	४२	१४	ह	२१	५६	च	९	०	वा	१५	१८	२२	७	५३	२५	४	७	तु. ४९।५२	
१०	गु	३६	११	चि	१७	४९	प	३/२	१५/२९	ते	९	१२	२३	७	५३	२६	५	८	तुलायां	पुनर्वसौ बुधः १४।८
११	शु	३०	२०	स्वा	१४	१८	वि	४६	५४	व	३	१५	२३	७	५३	२७	६	९	वृ. ५६।२८	भ ३।१६उ.३०या.हज्जदेवशयनी११ब्र
१२	श	२५	०	वि	१०	३२	सा	४०	११	वा	२५	०	२२	८	५२	२८	७	१०	बृश्चिके	बकरीद प्रदोषः हरिवासरःघ.१०/३२उ
१३	र	२०	१७	अ	७	३८	शु	३४	२	ते	२०	१७	२२	८	५२	२९	८	११	बृश्चिके	पश्चिमोदयीबुधः५६/४८रोहिण्यांभृगुः४९/१४
१४	चं	१६	२८	ज्ये	५	३४	शु	२८	३७	व	१६	२८	२१	८	५२	३०	९	१२	ध. ५।३४	भ. १६।२८ उ. ४५।१ या.
१५	मं	१३	३३	मू	४	२६	भ	२४	८	ब	१३	३३	२०	८	५२	१	१०	१३	धनुषि	कर्केबुधः १५/१५ जुलाई मा. ७ ता ३१

११ पं.आ.शु.५सू.इ.४१।४९ गोचरग्रहाः

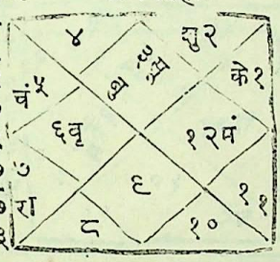

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	५	१	७	६	२
७	१७	१२	२८	१	२८	४	७
१७	११	३०	२९	४१	५४	५७	२९
२९	५६	१८	१३	२	१८	२८	१७
५६	२९	९	५८	७१	३६	३	५७
५४	२४	५५	मा	४६	ब	११	१३

इस मास का फल साधारण हैं घृत तैल चांदी धान्य रुई तेज होगा कहीं कहीं वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः १२ पं.आ.शु.१सू.इ.४१।४५

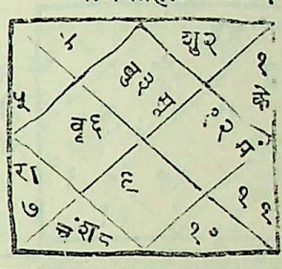

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	५	१	७	६	२
१३	२२	२६	२८	९	२८	४	१४
५५	३	५४	३८	५४	२५	३५	९
४२	३१	१०	५	३७	४	१२	४६
५६	३८	९/८	२	७२	१४/१५	३	५७
५०	५७	१५	१४	७	ब	११	७

ति.प्र.श्रावणकृष्ण पक्षः सं.२०१५ शाकः १८८० दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणेआषाढकृ.महाराष्ट्र

१	बु	११	५०	पू	४	३१	ऐं	२०	३२	को	११	५०	३४/१९	५	५२	२१	१०	५	मी. चं.५२	पक्षे बुधः ५५।५२
२	गु	११	२०	उ	५	३५	वे	१७	५३	ग	११	२०	१८	८	५२	३	१२	१५	मकरे	
३	शु	१२	१२	अ	८	६	वि	१६	१७	वि	१२	१२	१७	९	५१	४	१३	१६	कु. ३९।५६	भ. २१।१२ या.
४	श	१४	२२	ध	११	४७	मी	१५	३८	वा	१४	२२	१६	९	५१	५	१४	१७	कुम्भे	
५	र	१७	२५	श	१६	३१	आ	१५	५०	ते	१७	२५	१४	९	५१	६	१५	१८	कुम्भे	
६	चं	२१	३१	पू	२१	२१	सौ	१६	४८	व	२१	३१	१३	९	५१	७	१६	१९	मी.५।९	भ. २१।३१ उ. ५३।५५ या.
७	मं	२६	१८	उ	२८	२७	शो	१८	९	ब	२६	१८	११	१०	५०	८	१७	२०	मीने	
८	बु	३१	१४	रे	३४	५२	अ	१९	४८	को	३१	१४	१०	१०	५०	९	१८	२१	मे. ३४।५२	मन्वादिः
९	शु	३५	४७	अ	४१	५	सु	२१	१९	ते	३	३०	८	१०	५०	१०	१९	२२	मेषे	श्लेषायां बुधः ४६।२०
१०	शु	४०	१	भ	४६	५१	धृ	२२	२३	व	७	५४	७	११	४९	११	२०	२३	मेषे	भ.५४उ.४०/१या.मेषेभौमः३४/३९मृगेभृगुः४।७
११	श	४३	२५	कृ	५१	४१	शू	२२	५५	ब	११	४३	६	११	४९	१२	२१	२४	बृ. ३।३	कामिका ११ ब्र.
१२	र	४६	१२	रो	५५	३१	मृ	२२	४२	को	१४	४९	४	११	४९	१३	२२	२५	बृषे	
१३	चं	४६	५०	मृ	५८	५	वृ	२१	२९	ग	१६	३१	२	१२	४८	१४	२३	२६	मि २६।४८	भ. ४६।५० उ. प्रदोषः
१४	मं	४६	४४	आ	५९	२८	पु	१९	१६	वि	१६	४७	०	१२	४८	१५	२४	२७	मिथुने	भ. १६।४७ या.
३०	बु	४५	१३	पु	५९	३६	व्या	१६	३	च	१५	५८	३३/२८	१२	४८	१६	२५	२८	क. ४४।३४	कर्केऽर्क३२/३५मिथुनेभृगुः३३/३८हरियाली३०

१३पं.प्र.श्राकृ.५सू.इ.४१।४९ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	५	१	७	६	२
२०	२६	९	२८	१८	२७	४	२०
३३	४३	४५	५६	११	५६	१२	५०
३८	५९	५८	३	५४	२५	५७	७
१६	३८	९/७	३	७२	४/५	३	५७
२०	१६	३८	२५	२८	ब	११	७

प्रथम श्रावण कृ.३० बुधे कर्केऽर्कः प्र. वा.४ न५पुत्रवत्सवस्था (सूती) मु. ४५ (धान्य भाव मन्दा) शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

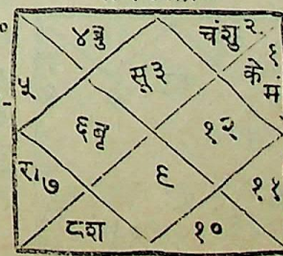

१४पं.श्रा.कृ१२सू.इ४१।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	५	१	७	६	२
२७	१	२१	२९	२६	२७	३	२७
११	१९	१	२१	३१	३०	५०	३०
४४	५१	२९	३१	४	५३	४२	३२
५६	३७	८९	४	७२	४/५	३	५७
५५	३१	३३	४४	५०	बृ	११	११

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.प्र.श्रावण शुक्लपक्षः सं.२०१५ शाकः१८८० दि.उ.अ.इ.रा.मु. चंद्रः वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः१५६४स.१६५८

१	गु	४२	३५	पु	५८	२८	ह	११	४८	क	१३	५४	३३ ५६	१३	५ ४७	१७	२६	२६	कर्के
२	शु	३८	५५	श्ले	५६	२५	व	६	४४	बा	१०	४५	५४	१३	४७	१८	२७	३०	सिं.५६।२५
३	श	३४	२०	म	५३	४५	सिं	४	५३ २८	तै	६	३७	५२	१४	४६	१६	२८	१	सिंहे
४	र	२६	८	पू	५०	११	व	४	१५	ब	१	४४	५०	१४	४६	२०	२६	२	सिंहे
५	चं	२३	२८	उ	४६	२१	प	३६	५२	बा	२३	२८	४७	१५	४५	२१	३०	३	कं.४।१३
६	मं	१७	२७	ह	४२	१५	शि	३२	१६	तै	१७	२७	४५	१५	४५	२२	३१	४	कन्यायां
७	बु	११	२२	चि	३८	७	सि	२४	४६	व	११	२२	४२	१६	४४	२३	१	५	तु.१०।११
८	गु	५	१३	स्वा	३४	१०	सा	१७	१७	ब	५	१३	४०	१६	४४	२४	२	६	तुलायां
९	शु	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	शु	५३	५८	वि	३०	४२	शु	१०	०	तै	२६	३७	३७	१७	४३	२५	३	७	वृ.१६।३४
११	श	४९	११	अ	२६	३४	शु	८	५३ ४२	ब	२१	३४	३५	१७	४३	२६	४	८	वृश्चिके
१२	र	४५	१६	ज्ये	२५	७	ऐं	५१	१३	ब	१७	१४	३२	१८	४२	२७	५	९	ध.२५।७
१३	चं	४२	१९	मू	२३	५४	वै	४६	३१	कौ	१३	४८	३०	१८	४२	२८	६	१०	धनुषि
१४	मं	४०	३०	पू	२३	४२	वि	४२	४१	ग	११	२४	२७	१९	४१	२९	७	११	म.३८।५५
१५	बु	४०	१	उ	२४	३३	प्री	३९	४९	वि	१०	१६	२४	१९	४१	३०	८	१२	मकरे

भ.२१/३५ उ.४९/१९ या.कमला११ ब्र.स्मा.वै.
कमला ११ ब्र. नि.
ताजिया प्रदोषः
भ. ४०।३० उ.
भ.१९/१९ या.वक्रीज्येष्ठायां:३शनि.५५।४४

चन्द्रदर्शनम्
मोहोरम १ सन् १३७८
भ.४४/१ उ.२९/३ या.पुष्येरविः ३/३ सिंहेबुधः १५/४३
मार्गीचित्रायां३तुलायांगुरुः३३।४९
आर्द्रायांभृगुः ९।२४
भ.११/२२ उ.३५/१९ या. चित्रायां ३ राहुः*
[* अश्विन्यां१के तुः२०।२०×
क्षयः [× राष्ट्रीय श्रवण मास५

१५पं.प्र.श्रा.शु.४सू.इ ४१।२३

गोचरग्रहाः

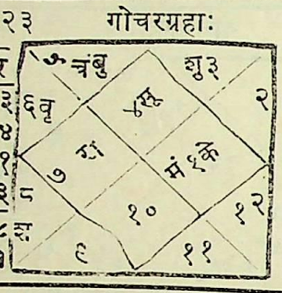

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	५	२	७	६	३
३	५	०	२९	४	२७	३	४
५०	५२	२९	५४	५२	७	२८	११
१२	५६	५७	५५	४१	५९	२६	१३
५६	३६	७०	५	७३	१३/३	३	५८
५७	४०	८	४९	९	ब	११	५१

इस मास का फल उत्तम है वर्षा होगी अनाज गेहूँ जो मोठ चांवल मंदा होकर तेज होगा।

गोचरग्रहाः

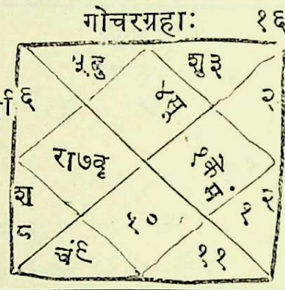

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	६	२	७	६	६
१०	९	७	०	१३	२६	३	१०
२९	५६	५६	३५	१७	४८	६	५२
२९	२९	५०	३६	५८	१६	११	३५
५७	३५	४७	६	७३	३/३३	३	५७
५	२५	१४	४८	२०	ब	११	२५

१६पं.प्र.श्रा.शु.१२सू.इ४१।१४

ति.द्विश्रावण कृष्णपक्षः सं.२०१५ शाकः१८८० दि.उ.अ.इ.रा.मु. चंद्रः वर्षतूरविर्दक्षिणेप्र.श्रा.कृष्णेति महाराष्ट्राः

२	र	५०	४६	श्र	२६	४३	आ	३८	०	बा	१०	२४	३३ ५१	५ ३०	६ ४०	३१	९	१३	कु.५८।११
३	शु	४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	कुम्भे
४	श	४५	५०	श	३४	५८	७	३८	७	तै	ब	१४	४२	१५	२१	३९	२	११	१५ कुम्भे
५	र	४९	५६	पू	४०	१४	अ	३८	३	ब	१७	५३	१२	२२	३८	३	१२	१६	मी.२३।५१
६	चं	५४	३५	उ	४६	२०	सु	३८	४८	कौ	२२	१६	९	२२	३८	४	१३	१७	मीने
७	मं	५९	२७	रे	५२	४५	धृ	४०	५७	ग	२७	१	६	२३	३७	५	१४	१८	मे.५२।४५
७	बु	६०	०	अ	५८	४६	शू	४२	३१	वि	३१	५२	३	२३	३७	६	१५	१९	मेषे
७	गु	४	१६	भ	६०	०	गं	४३	४२	ब	४	१६	०	२४	३६	७	१६	२०	मेषे
८	शु	८	३२	भ	४	४८	बृ	४४	१५	कौ	८	३२	३३ ५७	२५	३५	८	१७	२१	वृ. २१।३
९	श	१२	०	कृ	९	४९	धु	४४	१०	ग	१२	०	५४	२५	३५	९	१८	२२	वृषे
१०	र	१४	३७	रो	१३	५७	व्या	४३	८	वि	१४	३७	५०	२६	३४	१०	१९	२३	मि.४५।१८
११	चं	१५	४२	मृ	१६	३९	ह	४१	३	बा	१५	४२	४७	२७	३३	११	२०	२४	मिथुने
१२	मं	१५	३९	आ	१८	२४	व	३८	४	तै	१५	३९	४३	२७	३३	१२	२१	२५	मिथुने
१३	बु	१४	१७	पु	१८	४८	सि	३४	११	ब	१४	१७	४०	२८	३२	१३	२२	२६	क. ३।४२
१४	गु	११	४२	पु	१८	०	व्य	३८	५९	श	११	४२	३६	२९	३१	१४	२३	२७	कर्के
३०	शु	८	७	श्ले	१६	६	व	२३	११	ना	८	७	३३	२९	३१	१५	२४	२८	सिं.१६।६

अगस्त मा. ८ ता० ३१
भ.१४/२ उ.४५/५० या.भरण्यां भौमः९।२९*
सार्पे रविः १०।२१
[* पुनर्वसु भृगुः १५।५४
भ. ५९।२७ उ.पू.फायांबुधः२०।५८
भ. ३१।५२ या.
वक्री बुधः ४६।२०

भ. ४३।१९ उ.
भ. १४।३७ या. कर्के भृगुः२९।२९
कमला ११ ब्र.
प्रदोषः
भ.१४।१७उ.४३।०या.पुष्येभृगुः १३/१३

वक्री मघायां बुधः ३१।४२

१७पं.द्वि.श्रा.कृ.४सू.इ.४१।६

गोचरग्रहाः

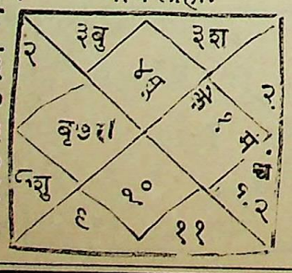

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	६	२	७	६	३
१७	१४	१२	१	२१	२६	२	१७
९	१२	४८	२३	४४	३२	४३	३३
१८	२७	९	१५	२६	३३	५५	५७
५७	३४	१९	७	७३	२/०	३	५७
१२	२१	८	४९	३२	ब	११	२४

इस मास में ५ गुरुवार तथा ५ शुक्रवार श्रेष्ट हैं वर्षा साधारण होगी।

गोचरग्रहाः

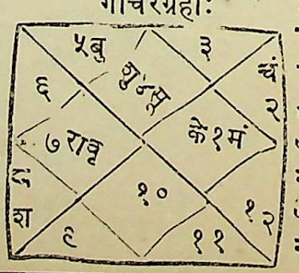

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	६	३	७	६	३
२३	१८	१४	२	०	२६	२	२४
५०	२२	१७	१७	१४	२०	२१	१६
२५	८	३८	३१	६	१४	४०	२६
५७	३२	५३/३८	८	७३	२१/०	३	५७
२२	४९	बृ	४५	४४	बु	११	३२

१८पं.द्विश्रा.कृ१०सू.इ४०।५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. द्वि. श्रावणशुक्लपक्षः सं.२०१५ शाकः १८८० | दि. उ.अ. इ. रा. मु. चंद्रः | वर्षतूर्रविर्दक्षिणोऽहर्गणः १५६४स१६५८

१	श	३	५४	म	१३	३१	प	१६	४६	ब	३	४४	३२/१६	५/३०	६/०	१६	२५	२६	सिंहे
२	श	५४	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	र	५२	५०	पू	१०	१३	शि	६	४७	तै	२५	४१	२६	३१	२६	१७	२६	१	क.२४।१५
४	चं	४६	५५	उ	६	२०	सि	२६/२	५३/२१	ब	१६	५३	२२	३२	२८	१८	२७	२	कन्यायां
५	मं	४०	४८	ह	१८/२	५५/५०	शु	४७	१५	ब	१३	५१	१६	३२	२८	१६	२८	३	तु.३०।१३
६	बु	३४	४२	स्वा	५४	६	शु	३६	४२	कौ	७	४५	१५	३३	२७	२०	२६	४	तुलायां
७	गु	२८	५५	वि	५०	२५	ल	३२	२०	ग	१	४८	१२	३४	२६	२१	३०	५	वृ.३६।२१
८	शु	२४	२६	अ	४७	१८	ऐं	२५	३०	ब	२४	२६	८	३४	२६	२२	३१	६	वृश्चिके
९	श	१८	३७	ज्ये	४४	५०	वै	१८	५१	कौ	१८	३७	४	३५	२५	२३	१	७	ध.४४।५०
१०	र	१४	४४	मू	४३	१४	वि	१३	२	ग	१४	४४	०	३६	२४	२४	२	८	धनुषि
११	चं	११	४६	पू	४२	४०	प्री	८	४	वि	११	४६	३१/५६	३७	२३	२५	३	९	म.५७।४८
१२	मं	१०	०	उ	४३	१२	आ	३	५५	बा	१०	०	५२	३८	२२	२६	४	१०	मकरे
१३	बु	९	३०	श्र	४५	६	सौ	४/६	५७/५०	तै	९	३०	४८	३८	२२	२७	५	११	मकरे
१४	गु	१०	१६	ध	४८	१६	अ	५७	३२	ब	१०	१६	४४	३६	२१	२८	६	१२	कु.१६।४१
१५	शु	१२	१३	श	५२	३५	सु	५७	२१	ब	१२	१३	४०	४०	२०	२९	७	१३	कुम्भे

चंद्रद.पश्चिमास्तंबुधः ५/६ नक्षत्रतारम्भः
क्षयः
सफर२मघायाँ सिंहेऽर्कः ४/६ वर्षा ने*
भ. १६।५३ उ. ४६।५५ या. वरद ४
चित्रा क्षयः ५५।५०
*चित्रायां४गुरुः२६।५२मघुश्रवा३
भ. २८।५५ उ. ५६।४२ या.
+श्लेषायांभृगुः १०।२
राष्ट्रीय भाद्रपदारंभः ६ दि. ३१
भ. ४२।१७उ. मार्गशिनिः ८।२६श्ले. १०/२
भ. ११।४९ या. पवित्रा ११ ब्र.
प्रदोषः
कृतिकायां भौमः २३/१६ ऋग्वेदीनाश्रा.कर्म
भ. १०।१६ उ. ४१।१६
रक्षाबन्धनं. श्रावणी कर्मः

१६पं.द्वि.श्रा.शु.३सू.इ.४०/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	६	३	७	६	४
०	२१	११	३	८	२६	१	०
३२	५८	३७	१७	४४	१४	५९	५९
३८	४५	५२	२८	४२	३९	२५	४५
५७	३१	३८/२८	९	७	३६/३०	३	५७
३४	९	ब	३३	५६	ब	११	४०

गोचरग्रहाः

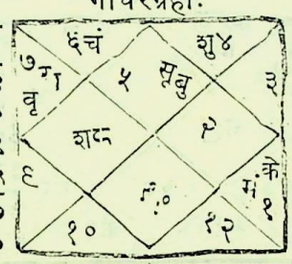

द्वि. श्रा. शु. ३ रवौ सिंहेऽर्कः प्र. वा.५न.५ युवावस्था (सूती) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रो.

गोचरग्रहाः

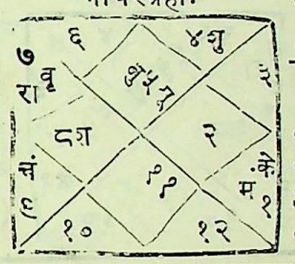

२०पं.द्वि.श्रा.शु.१०सू.इ.४६/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	६	३	७	६	४
७	२५	५	४	१७	२६	१	७
१६	३०	४८	२२	१७	१२	३७	४४
१२	५१	१३	३६	४४	४२	९	१५
५७	२९	५३/५३	१०	७२	०/३	३	५७
४५	१२	ब	१७	५७	मा	११	४८

ति. भाद्रपदकृष्णपक्षः सं.२०१५ शाकः १८८० | दि. उ.अ. इं. रा. मु. चंद्रः | वर्षतूर्रविर्दक्षिणेद्वि.श्रावणकृ.महाराष्ट्रः

१	श	१५	१७	पू	६०	०	धृ	५७	५५	कौ	१५	१७	३१/३६	४/५१	६/१६	३०	८	१४	मे.२८।२
२	र	१६	२८	पू	०	५७	शू	५६	५	ग	१६	२८	३२	४२	१८	३१	९	१५	मीने
३	चं	२४	१०	उ	३	४६	गं	६०	०	वि	२४	१०	२८	४२	१८	१	१०	१६	मीने
४	मं	२६	३	रे	१०	६	गं	०	३२	बा	२६	३	२४	४३	१७	२	११	१७	मे.१०।६
५	बु	३३	०	अ	१६	२३	वृ	२	११	कौ	१	१	२१	४४	१६	३	१२	१८	मेषे
६	गु	३८	२२	भ	२२	३०	ध्रु	३	१७	ग	५	४१	१७	४५	१५	४	१३	१९	बृ.३८।४७
७	शु	४१	५५	कृ	२७	४०	व्या	४	३	वि	१०	८	१४	४५	१५	५	१४	२०	वृषे
८	श	४४	३०	रो	३२	३	ह	४	४	बा	१३	१२	१०	४६	१४	६	१५	२१	वृषे
९	र	४५	५१	मृ	३५	८	ब	३	३०	तै	१५	१०	६	४७	१३	७	१६	२२	मि३।३५
१०	चं	४५	५२	आ	३७	३	सि	२४/१	५७/१२	व	१५	५२	२	४८	१२	८	१७	२३	मिथुने
११	मं	४४	३१	पु	३७	४३	व	५४	४१	ब	१५	१२	३०/५८	४८	१२	९	१८	२४	क.२२।३३
१२	बु	४२	३	पु	३७	१५	प	४९	५३	कौ	१३	१७	५३	४९	११	१०	१९	२५	कर्के
१३	गु	३८	३४	श्ले	३५	२१	शि	४४	१६	ग	१०	१८	४९	५०	१०	११	२०	२६	सिं३५।२१
१४	शु	३४	१४	म	३२	४१	सिं	३७	५०	वि	६	२४	४४	५१	९	१२	२१	२७	सिंहे
३०	श	२९	९	पू	२९	४९	सा	३०	५८	च	१	४२	४०	५२	८	१३	२२	२८	कं.४३।५४

मेषे भौमः ५।५२ पफायांरविः ५७।३९ [illegible]
[illegible]ध्यायांबुधः ४९।५१
भ.१०या. सितम्बर मा.९ ता.३०
मार्गी बुधः ४०।३१
वृषे भौमः ३९।५२ चन्द्र ६
भ. ३८।२२ उ. सिंहे भृगुः ०।१७
भ. १०।९ या. जन्माष्टमी ब्र. स्मा.
जन्माष्टमी ब्र. वै.
स्वात्यां १ गुरुः ३।१५ गोगा ९
भ. १५।५१ उ. ४५।५२ या.
अजा. ११ ब्र. स्मा. वै.
अजा. ११ ब्र. नि.
भ. ३८।३४ उ. प्रदोषः
भ. ६।२४ या.
उफायांरविः ४२।१८ पिठोरी ३०

२१पं.भा.कृ.२सू.इ.४०।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	६	३	७	६	४
१४	२८	१	५	२५	२६	१	१४
१	५२	४१	३२	५३	१४	१४	२९
२३	३२	३६	१९	२९	१	५४	५४
५७	२७	३०/३३	१०	७४	०	३	५८
५७	१९	ब	५९	२	५४	११	१

गोचरग्रहाः

इस मास में धान्य रुई अलसी जौ गेहूँ चना मंदा चांदी चंदन चावल पाट कुछ तेज हो।

गोचरग्रहाः

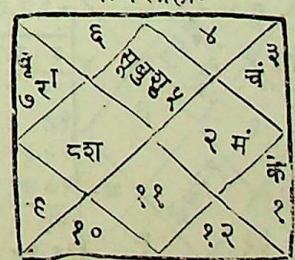

२२पं.भा.कृ.९सू.इ.४०/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	६	४	७	६	४
२०	१	३	६	४	२६	०	२१
४८	३९	३६	४७	५९	२२	५२	१६
४	२०	४३	८	५२	१८	३९	५९
५८	२४	२२/५३	११	७४	१	३	५८
१२	४७	मा	३२	१०	३३	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपदशुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०/दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६२३स. १६५८

१	र	२३	३२	उ	२६	११	शु	२३	३८	ब	२३	२२	३०/३६	५३	६	१४	२३	२६	कन्यायां
२	चं	१६	५६	ह	२२	३	शु	१५	५८	कौ	१६	५६	३२	५४	६	१५	२४	३०	तु. ५०।१
३	मं	११	३६	चि	१७	५६	व	८	१७	ग	११	३६	२८	५४	६	१६	२५	१	तुलायां
४	बु	५	३४	स्वा	१३	५७	ऐं	३६/३०	५३/३	वि	५	३४	२४	५०	५	१७	२६	२	वृ. ५६।६
५	बृ	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	गु	५४	२६	वि	१०	१३	वि	४६	०	कौ	२७	७	२०	५६	४	१८	२७	३	वृश्चिके
७	शु	४६	३८	अ	६	५२	मी	३६	१५	ग	२२	२	१६	५७	३	१६	२८	४	वृश्चिके
८	श	४५	४६	ज्ये	४	२२	आ	३३	२	वि	१७	४४	१२	५८	२	२०	२६	५	ध. ४।२२
९	र	४२	५७	मू	२	३६	सौ	२७	५४	आ	१४	२३	८	५८	२	२१	३०	६	धनुषि
१०	चं	४१	१३	पू	१	३४	शो	२३	३०	तै	१२	५	४	५६	१	२२	३१	७	म. १६।४०
११	मं	४०	४७	उ	१	५८	अ	२०	३	व	११	०	३०/३०	६/०	०	२३	१	८	मकरे
१२	बु	४१	३१	श्र	३	६	सु	१७	३८	ब	११	६	२६/५५	६/१	५६	२४	२	६	कु. ३।४।४५
१३	गु	४३	३६	ध	६	२२	धृ	१६	८	कौ	१२	३५	५२	२	५८	२५	३	१०	कुम्भे
१४	शु	४६	४८	श	१०	२२	शू	१५	३७	ग	१५	१३	४६	३	५७	२६	४	११	मी ४६।१२
१५	श	५१	४	पू	१५	२८	गं	१५	५८	वि	१८	५६	४२	४	५६	२७	५	१२	मीने

पूफायाँ भृगुः ४६।१५
चन्द्रद. मार्गीपूफायां बुधः ४६।८
भ. ३८।३५ उ. रविलावल३ गणेश४
भ. ३५/४ या. कन्यायामर्कः २६/७ मार्गाज्ये. *
*४ शनिः १६।५३ ऋषी ५

भ. ४६।३८उ. पूर्वास्तंबुधः ५४।५३
भ. १७।६४ या.
+११ब्र. राष्ट्रीय आश्विन मा.७दि.३० रामदेवजी का मेला
भ. ११/० उ ४०/४७ या. उफायांबुधः ३६/४५ जलभू.+
स्वात्यां२ गुरुः २५।० चित्रायां२ केतुः×
कन्यायांबुधः ३०/३८ उफायांभृगुः ३५/५२ प्रदोषः
भ. ४६।४८उ. अनंत१४ ×१३/१६ वामनज.
भ. १५/१६ या. हस्तेरविः ३६/३७ महालयारम्भः

२३पं.भा.शु.१सू.इ.४०।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	६	४	७	६	४
२७	४	११	८	१३	२६	०	२८
३६	४	२२	५	८	२३	३०	५
२७	३१	४३	७	४७	६	२३	२१
५८	२१	९३	१२	७४	३	३	६०
२९	४७	२२	८	२०	१३	११	६०

गोचरग्रहाः

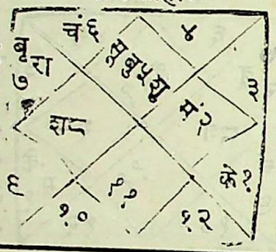

भा. शु. ४ बुधे कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न.४ बाला वस्था(बैठी)मु.१५ (धान्यभावसम)शु.

गोचरग्रहाः

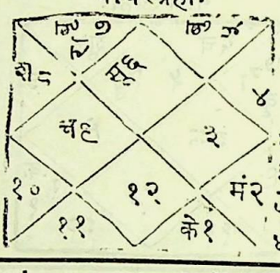

२४पं.भा.शु.६सू.इ.४०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	४	६	४	७	६	५
४	६	२३	९	२१	२६	०	४
२६	६	२२	२५	४८	५०	८	५१
३२	१२	६	४६	२३	१८	८	१२
५८	१८	९/०	१२	७४	२	३	५८
४५	२९	१/१३	२७	२४	५३	११	१२

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०/दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणेभाद्रपद कृ. महाराष्ट्राः

१	र	५	५०	उ	२१	६	बृ	१६	५३	बा	२३	२०	२१/३८	६/५	५६	२८	६	१३	मीने
२	चं	६	५०	ह	१८	०	बृ	१८	५३	बा	१	२०	३४	५	५५	२९	७	१४	मे. २७।३४
३	मं	०	५०	अ	३३	५९	अ	५८	७	वै	०	५०	३०	६	५४	३०	८	१५	मेषे
४	बु	५	५०	भ	४०	३	चि	२०	५४	वि	५	५०	२६	७	५३	१	९	१६	वृ. ५६।२८
५	गु	१०	१९	कृ	४५	४३	व	२२	२४	बा	१०	१९	२२	८	५२	२	१०	१७	वृषे
६	शु	१३	५६	रो	५०	५	सि	२१	५३	तै	१३	५६	१८	८	५२	३	११	१८	वृषे
७	श	१६	३२	मृ	५३	३९	व्य	२१	१९	व	१६	३२	१६	९	५१	४	१२	१९	मि २१।५२
८	र	१७	५९	आ	५७	३	व	१९	२८	ब	१७	५९	१०	१०	५०	५	१३	२०	मिथुने
९	चं	१८	६	पु	५६	३४	प	१६	५४	कौ	१८	६	६	११	४९	६	१४	२१	क. ४१।४१
१०	मं	१६	५२	पु	५६	२३	श्लि	१३	१५	ग	१६	५२	२	१२	४८	७	१५	२२	कर्के
११	बु	१४	२६	श्ले	५४	५६	सा	८	३६	वि	१४	२६	२३/५५	१२	४८	८	१६	२३	सिं ५४।५६
१२	गु	११	१	म	५२	३६	सा	४०/२५	५/१	बा	११	१	५३	१३	४७	९	१७	२४	सिंहे
१३	शु	६	४६	पू	५०	२६	शु	५०	०	तै	६	४६	५०	१४	४६	१०	१८	२५	सिंहे
१४	श	१	४५	उ	४५	५७	व्र	४२	४२	व	१	४५	४६	१५	४५	११	१९	२६	क. ४।१९
१५	श	५४	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	र	५०	२३	ह	४१	५८	ऐं	३५	५	च	२३	१८	४२	१६	४४	१२	२०	२७	कन्यायां

कन्यायां भृगुः १७।५
भ. ३३।२० उ. हस्ते बुधः ४४।४२
भ. ५।५०या. अक्टूबर मा.१०ता.३१

भ. १६।३२ उ ४७।१६ या.

हस्ते भृगुः १६।४३
भ. ४५।३९ उ.
भ. १४।२६या. चित्रायां बुधः १२।३१
इन्दिरा ११ ब्र.
चित्रायांरविः ५०/५३ स्वात्यां३गुरुः ४१/४३ प्रदोषः
भ. ४५/१ उ. २९/० या. शस्त्रादिहतानांश्रा. क्षयः
तुलायाँ बधः १५।१२

२५पं.आ.कृ.१सू.इ३९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	६	५	७	५	५
११	७	६	१०	०	२७	२९	११
१८	२६	१२	५०	२८	११	४५	४३
१८	१	३०	२१	२०	७	५२	५५
५९	१७	०/०	१२	७४	३	३	५८
०	४२	३३/३	५२	२६	३३	११	५३

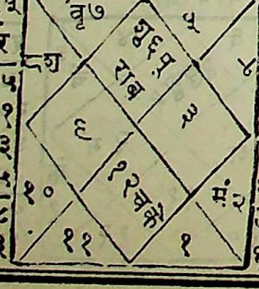

२६पं.आ.कृ.७.मृइ.३९।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	६	५	७	५	५
१८	८	१/१२	९	२७	२९	१८	
१२	३१	४५	१७	१४	३६	२३	४०
२७	४९	४१	१५	७	१२	३७	९
५९	९	०/३	१३	७४	४	३	५९
१६	१८	२५/२५	१३	२६	१३	११	९

२७पं.आ.कृ२०सू.इ३९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	६	६	५	७	५	५
२५	१८	०	१३	१७	२८	२९	२५
८	४७	४२	४५	५८	५	१	३५
९	१७	१	४७	९	१४	२२	६
५९	४	०/०	१३	७४	४	३	५९
३१	३२	२५/२५	२०	३२	४४	११	२१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०१५ शाकः१८८० दि.| उ.| अ.| इं.| रा.| मु.| चंद्र | शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१६५२स.१६५८

१	चं	४४	२५	चि	३८	२	च	२७	१६	क्ष	१७	२४	३८	१६	४४	१३	२१	२८	तु. १०।०	नवरात्रारम्भ घटस्था अभिजित.
२	मं	३८	२६	स्वा	३३	४८	वि	१६	३८	बा	१०	२६	३४	१७	४३	१४	२२	२६	तुलायां	चन्द्रदर्शनम् *चित्रायांभृगुः५५।४६
३	बु	३२	२६	वि	२६	५६	प्री	११	५८	ते	५	२६	३०	१८	४२	१५	२३	१	बृ.१५।५४	भ. ५६।५८ उ. रविलाखर ४
४	गु	२७	२७	अ	२६	३०	आ	३६	५३	वि	२७	२६	२६	१६	४१	१६	२४	२	वृश्चिके	भ.२७।२६या. स्वात्यांबुधः ७।१५ *
५	शु	२२	५१	ज्ये	२३	३८	शो	५१	२५	बा	२२	५१	२२	२०	४०	१७	२५	३	ध. २३।३८	तुलायामर्कः ३३।१८
६	श	१८	५५	मू	२१	२३	अ	४५	३८	ते	१८	५५	१८	२०	४०	१८	२६	४	धनुषि	वक्रीभौमः ३५/३३ सरस्वत्यावाहनं पू.उ.
७	र	१६	३१	पू	२०	२६	सु	४१	७	व	१६	२१	१४	२१	३६	१६	२७	५	म. ३५।३१	भ.२१/२६ उ.४५/३७या.पूर्वास्तोभृगुः ३१/३० स.पू.भृ.
८	चं	१४	३३	उ	२०	२६	धृ	३७	१६	ब	१४	३३	१०	२२	३८	२०	२८	६	मकरे	अस्त गुरुः३६।३६ अ. गु.
९	मं	१४	२२	श्र	२१	४५	शू	३४	२७	की	१४	२२	६	२३	३७	२१	२६	७	कु. ३५।५	मन्वादि विजयादशमी
१०	बु	१५	२३	ध	२४	२५	गं	३२	३६	ग	१५	२३	२	२४	३६	२२	३०	८	कुम्भे	भ.४६/२६ उ. तुलायां भृगुः१७/४५ विजया१०
११	गु	१७	२६	श	२८	१२	बृ	३१	५५	वि	१७	२६	५७/५८	२४	३६	२३	१	९	कुम्भे	भ.५७/२६या.पापांकुशा११ ब्र.रा.कार्तिकार.
१२	शु	२०	४७	पू	३३	३	धु	३१	५०	बा	२०	४७	५४	२५	३५	२४	२	१०	मी १६।५०	स्वात्यांरविः१४/१८ विशा.बुध ४/१० प्रदोषः
१३	श	२५	७	उ	३८	४३	व्या	३२	२०	ते	२५	७	५०	२६	३४	२५	३	११	मीने	पश्चिमोदयी बुधः
१४	र	२६	५६	रे	४४	५६	ह	३३	३७	ब	२६	५६	४६	२७	३३	२६	४	१२	मे. ४४।५६	भ.५/२६ उ.स्वात्यां४गुरुः७।२१शरत्पूर्णिमा
१५	चं	३५	६	अ	५१	२३	ब	३५	९	वि	२	३३	४२	२८	३२	२७	५	१३	मेषे	भ ३/३३ या.स्वा.भृगुः३/३० शरत्पूर्णिमावै.

२८पं.आ.शु.७सू.इ.३६।२४ गोचरग्रहा

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	६	५	७	५	६
२	८	१२	१५	२६	२८	२८	२
५	१८	८	१६	४३	३७	३९	३१
३०	३४	४०	३	१७	४९	६	३५
५०	४३/४४	०/०	१३	७४	५	३	५९
४६	ब	३/३	३२	३२	११	११	३४

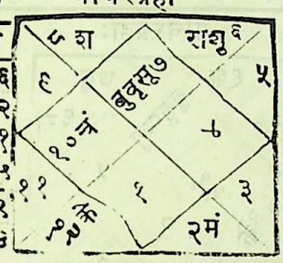

आश्विन शुक्ला ५ शुक्रे तुलायामर्कः प्र.वा.३न. ५गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्य भावासम)

गोचरग्रहा

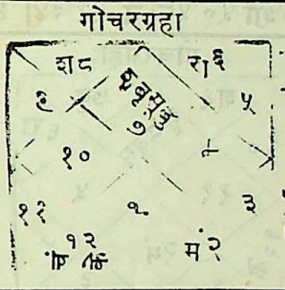

२९पं.आ.शु.१४सू.इ.३६/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	६	६	७	५	६
९	७	२३	१६	५	२९	२८	९
४	८	२	४७	२९	१३	१६	२९
५३	५०	५९	१२	२	३३	५१	५२
६०	३६/३८	९५	१३	७४	५	३	४९
२	ब	२५	३३	३२	३८	११	४७

ति.| कार्तिक कृष्णपक्षः स.२०१५ शाकः १८८० दि.| उ.| अ.| इं.| रा.| मु.| चंद्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणे आश्विन कृ. मुख्य चंद्र.

१	मं	४०	१३	भ	५७	३१	सि	३६	१७	बा	७	३६	२७/३८	२८/२९	३२/३३	२८	६	१४		
२	बु	५३	४४	कृ	६०	०	व्य	३७	१२	ते	१२	२८	३५	२६	३१	२६	७	१५	वृ. १३।५	
३	गु	४८	२३	कृ	३	१३	व	३७	२६	व	१६	३४	३१	३०	३०	३०	८	१६	बृषे	भ. १८।२४ उ. ४८।२३ या.
४	शु	५१	१	रो	७	५६	प	३७	२	व	१६	४२	२८	३०	३०	३१	९	१७	मि २६।५०	वृश्चिके बुधः १६।४२
५	श	५२	२०	मृ	११	४१	शि	३५	३५	की	२१	५५	२४	३१	२६	१	१०	१८	मिथुने	नवम्बर मा. ११ ता. ३०
६	र	५२	३७	आ	१४	५	सि	३३	१०	ग	२२	३४	२०	३२	२८	२	११	१९	मिथुने	भ.५२।३७उ.अनुराधायांबुधः३३।५३
७	चं	५०	२४	पु	१५	१६	सा	२६	४७	वि	२१	३१	१७	३३	२७	३	१२	२०	क. ०।१	भ.२१/३१या. मूले१धनुषि शनिः४७।५४
८	मं	४६	१	पु	१५	२४	शु	२५	२१	बा	१६	४२	१३	३३	२७	४	१३	२१	कर्के	
९	बु	४७	४७	श्ले	१४	८	शु	२०	२	ते	१८	२४	१०	३४	२६	५	१४	२२	सिं १४।८	
१०	गु	४१	२२	म	१२	३	न	१४	४३	व	१४	३५	६	३५	२५	६	१५	२३	सिंहे	भ.१४/३५ उ ४१/२२या.विशाखायां रविः३१/४१
११	शु	३६	२२	पू	९	१३	ऐं	७/१०	५३/४५	ब	८	५२	३	३५	२५	७	१६	२४	कं २३।२०	विशाखायां भृगुः ११।११रमा ११ब्र.
१२	श	३०	५४	उ	५	४०	वि	५२	२०	की	३	३८	२६/२७	३६	२४	८	१७	२५	कन्यायां	धन १३
१३	र	२५	६	ह	४३/४४	५५/५८	प्री	४४	३४	ब	२५	६	५६	३७	२३	९	१८	२६	तु. २९।४२	भ. २५।६ उ. ५२।१३ या. रूप१४
१४	चं	१६	१६	स्वा	५३	३१	आ	३६	५०	श	१६	१६	५२	३८	२२	१०	१९	२७	तुलायां	विशाखायां१गुरुः१५/१७महालक्ष्मी पूजनं
३०	मं	१३	२२	वि	४६	३२	सौ	२६	७	ना	१३	२२	४६	३८	२२	११	२०	२८	वृ. ३५।३२	ज्येष्ठायां बुधः ५०।३६ अन्नकूटं

३०पं.का.कृ.६सू.इ.३६।२ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	७	६	६	७	५	६
१६	५	३	१८	१४	२९	२७	१६
५	१४	२७	१९	१६	५३	५४	२९
५६	३०	४२	३२	००	१	३६	४०
६०	१०/१३	८९	१३	७४	६	३	६०
१८	ब	२६	३८	३८	५	११	४

इस मास में प्रजा में पीड़ा होगी। गुड़ खांड़ घृत तिल तैल तेज होगा। चांदी में मंदी हो।

गोचरग्रहाः

३१पं.का.कृ.१३सू.इ.३५/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	७	६	६	८	५	६
२३	२	१३	१९	२३	००	२७	२३
८	५८	२१	५१	३	३४	३२	३१
३४	२	११	८	४०	२७	३०	१
६०	१४/३०	८१	१३	७४	६	३	६०
३०	ब	५०	३८	३८	२४	११	१७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.कार्तिकशुक्लपक्षः सं.२०१५ शाकः १८८० | दि.उ.अ.इ.रा.मु | चन्द्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६४२से १६५८

१	बु	७	४७	अ	४६	४	शो	२१	३५	ब	७	४७	२३ ४६	६ ३६	५ २१	१२	२१	२६	बृश्चिके
२	गु	२	४३	ज्ये	४३	१	अ	१४	२५	की	२	४३	४३	३६	२१	१३	२२	१	ध. ४३।१
३	गु	५५	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	शु	५४	३२	मू	४०	४०	सु	७	४४	व	२६	१६	४०	४०	२०	१४	२३	२	धनुषि
५	श	५१	५४	पू	३६	३०	धृ	५०	१ ५५	व	२३	१३	३७	४१	१६	१५	२४	३	म.५३।५७
६	र	५०	२४	उ	३७	१६	गं	५२	४१	की	२१	६	३४	४१	१६	१६	२५	४	मकरे
७	चं	५०	१३	श्र	४०	१६	बृ	४६	२७	ग	२०	१६	३१	४२	१८	१७	२६	५	मकरे
८	मं	५१	१४	ध	४२	५०	ध्रु	४७	१२	वि	२०	४३	२६	४२	१८	१८	२७	६	कु.११।२४
९	बु	५३	४१	श	४६	३	व्या	४५	५४	वा	२२	२८	२६	४३	१७	१६	२८	७	कुम्भे
१०	गु	५७	१४	पू	५०	४४	ह	४४	४२	तै	२५	२७	२४	४३	१७	२०	२६	८	मी ३४।३४
११	शु	६०	०	उ	५६	१७	व	४६	८	ब	२६	२७	२१	४४	१६	२१	३०	९	मीने
११	श	१	४०	रे	६०	०	सि	४७	१०	वि	१	४०	१६	४४	१६	२२	१	१०	मीने
१२	र	६	३८	रे	२	२६	व्य	४८	२४	वा	६	३८	१६	४५	१५	२३	२	११	मे.२।२६
१३	चं	११	४७	अ	८	४५	व	४६	३७	तै	११	४७	१५	४५	१५	२४	३	१२	मेषे
१४	मं	१६	५२	भ	१५	५	प	५०	४४	व	१६	५२	११	४६	१४	२५	४	१३	बृ. ३१।२३
३०	बु	२१	३४	कृ	२०	५७	शो	५०	५८	व	२१	३४	६	४६	१४	२६	५	१४	वृषे

चन्द्रदर्शनम्
जमादिलावल ५ भ्रातृ २
क्षय.
भ. २६।२० उ. ५४।३२ या,
उदयंगुरुः ३ ४ बृश्चिकेभृगुः८।५६ उ.शु.
बृश्चिकेऽर्कः २६।४
भ.५०।१२उ. अनुराधायांभृगुः४६।४५
भ. ३ ४ या. वक्रीमेषेभौमः६।४६ गोपाष्टमी
अनुराधायांरविः ४३।३६ कुष्मांडह
* मार्गशीर्ष मासारंभः
भ. ३ ६ उ.प्रबोधिनी११ब्र.स्मा.तुलसीवि.
भ.१।४०या.प्रबोधिनी११ब्र.राष्ट्रीय*
हरिवासरः घः २।२६ या.
धनुषिबुधः १०।५५ वैकुण्ठ १४
भ. १ ५ उ. ४ १ ३ या.विशाखायां२गुरुः २ ३
चित्रायां१राहुः रेवत्यां३केतुः ४ ३ का.स्ना.पू

३२पं.का.शु.६सू.इ. ३ ३ ८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	६	७	८	५	७
०	०	२२	२१	१	१	२७	०
१२	२०	३४	२३	५१	१८	१०	३२
३९	२५	३१	४४	३०	२०	५४	९
६०	१७ १८	४७	१३	७४	६	३	६०
४०	ब	१	३२	३८	३७	११	३०

गोचरग्रहाः

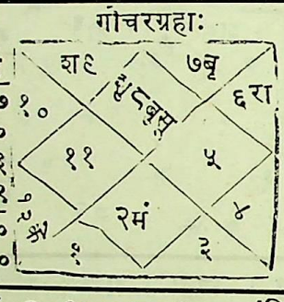

कार्तिक शुक्ला६
रवौ दृश्चिकेऽर्कः
प्र. वा. ३ न. ३
युवावस्था (सूती)
मु. ४५ (धान्य
भाव सम) शु.पू.

गोचरग्रहाः

३३पं.का.शु.१२सू.इ. ३ २ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	७	८	५	७
७	२८	२९	२२	१०	२	२६	७
१८	२	३४	५५	३९	४	४७	३७
१३	७	३१	३	३४	१०	४९	४२
६०	५६	४७	१३	७४	६	३	६०
५३	ब	१	२८	३२	५७	११	४० २

दिसम्बर मा. १२ ता. ३१

१	शु	२५	७				अ	५८	७	ते		२५	७	२६ ६	४७	५ १३	२७	६	१५	मि ५७।५१
२	शु	२८	४६	मृ	२६	५१	स्वा	४९	२६	ग	२८	४६	४	४७	१३	२८	७	१६	मिथुने
३	श	२९	९	आ	३२	४८	शु	४७	२९	वि	२९	९	१	४८	१२	२९	८	१७	मिथुने
४	र	२९	१८	पु	३४	७	शु	४४	२२	वा	२९	१८	२५ ५८	४८	१२	३०	९	१८	क.१८।४७
५	चं	२८	४	पु	३४	३४	ब्र	४०	११	ते	२८	४	५६	४९	११	१	१०	१९	कर्के
६	मं	२५	३८	श्ले	३३	२८	ऐं	३५	६	व	२५	३८	५४	४९	११	२	११	२०	सिं ३३।२८
७	बु	२२	१८	म	३१	३२	वै	२९	१९	ब	२२	१८	५२	५०	१०	३	१२	२१	सिंहे
८	गु	१८	३	पू	२८	४८	वि	२२	३८	की	१८	३	५१	५०	१०	४	१३	२२	कं.४२।५८
९	शु	१३	२	उ	२५	२९	प्री	१५	३५	ग	१३	२	४९	५०	१०	५	१४	२३	कन्यायां
१०	श	७	३७	ह	२१	४०	आ	८	८	वि	७	३७	४८	५०	१०	६	१५	२४	तु. ४९।३४
११	र	१	५६	चि	१७	२७	सौ	२०	५३ १९	वा	१	५६	४६	५१	९	७	१६	२५	तुलायां
१२	र	५४	५		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	चं	५०	१३	स्वा	१३	२९	अ	४४	४६	ग	२३	७	४५	५१	९	८	१७	२६	वृ. ५५।२८
१४	मं	४४	४०	वि	९	५८	सु	३७	५	वि	१७	२६	४३	५१	९	९	१८	२७	बृश्चिके
३०	बु	३९	३९	अ	५	५३	धृ	२९	५०	च	१२	९	४२	५२	८	१०	१९	२८	बृश्चिके

हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणे कार्तिककृ. महा.
वक्री भरण्यां भौमः ५१।४७
भ.५८।५८उ. ज्येष्ठायां भृगुः २३।०
भ. २९।९ या. वक्री बुधः ५२।५९
* मूलेशनिः ५७।७
भ. ३ ५ उ. ३ ५ या.ज्येष्ठायांरविः५०।४८
×बुधः ५२।२१
अस्तंशनिः७।५९ पश्चिमास्तंबुधः ४ ४ *
भ.४०।२०उ. वक्री ज्येष्ठायां बृश्चिके×
भ. ७।३७ या.
शौभनयोगक्षयः५२।११ उत्पत्ति११ब्र.
क्षयः +१५।०प्रदोषः
भ.५०।१३उ.पश्चिमोदयंभृगुः+ प.उ.
भ.१७।२७या.मूलेधनुषिभृगुः१।५८ भृ.

३४पं.मा.कृ.४सू.इ.३८।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	८	६	७	८	५	७
१४	२५	२	२४	१९	२	२६	१४
२५	५८	२७	२४	२७	५०	३ ५४	२
६	१८	२४	२४	५७	५२	४	५६
६५	१२	४३	१३	७४	७	३	६०
३	ब	ब्र	२०	३२	५	११	५०

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में सुखशांति रुई अनाज गेहूँ जौ चणा मूंग मोठ वाजरा चावल मंदा होगा।

गोचरग्रहा

३५पं.मा.कृ११सू.इ. ३ ५ ०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	७	८	५	७
२१	२४	२७	२५	२८	३	२६	२१
३२	२७	२२	५३	१५	३९	३	४९
५३	३२	१	२०	५४	२५	१९	१
६१	१३	८ ३४	१३	७४	७	३	६०
११	ब्र	ब्र	७	३२	१४	११	५६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०१५शाकः १८८ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | हेमन्तर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १८११स. १९५८

१	गु	३१	१८	ज्ये	२	४०	शू	२३	०	क्ष	७	२९	३५/४१	५/५	५/५	११	२०	२९	ध. २।४०	विशाखायां ३ गुरुः २९।३६
२	शु	३१	४८	मू	१०	५८/४९	गं	१६	४४	बा	३	३३	४०	५२	८	१२	२१	३०	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
३	श	२९	२१	उ	५८	१८	बृ	११	२२	तै	०	३४	३९	५२	८	१३	२२	१	म. १३।५३	भ. ५८।२५ उ. जमादिलाखर ६
४	र	२७	२९	अ	५९	२	धु	६	५३	वि	२७	२९	३८	५२	८	१४	२३	२	मकरे	भ. २७।२९ या.
५	चं	२७	५५	ध	६०	०	व्या	३	२२	बा	२७	५५	३८	५२	८	१५	२४	३	कु. ३०।०	मूलेधनुष्यर्कः ५४।३३पूर्वोदयीबुधः ५५/५९
६	मं	२९	१५	ध	०	५७	इ	४/४	५८/२३	तै	२९	१५	३७	५३	७	१६	२५	४	कुम्भे	वक्रीअनुराधायां बुधः २७।५५चम्पा६
७	बु	३१	३३	श	४	१४	सि	५८	३३	ग	०	२४	३७	५३	७	१७	२६	५	मी ५२।३३	भ. ३१।३३ उ.
८	गु	३५	२२	पू	८	३९	व्य	५८	४२	वि	३	२७	३७	५३	७	१८	२७	६	मीने	भ. ३।२८ या.
९	शु	३९	५३	उ	१४	१	व	५९	२९	बा	७	३७	३६	५३	७	१९	२८	७	मीने	पुषायांभृगुः २४।५७ कल्पादिः
१०	श	४४	५५	रे	२०	५	प	६०	०	तै	१२	२४	६	५३	७	२०	२९	८	मे. २०।५	मार्गीबुधः २५।१५
११	र	५०	१०	अ	२६	२८	प	०	४२	व	१७	३२	३६	५३	७	२१	३०	९	मेषे	भ. १७।३३उ. ५९/६० या.मोक्षदा११ब्र.
१२	चं	५५	१८	भ	३२	१९	शि	१	४७	व	२२	४४	३६	५३	७	२२	१	१०	वृ. ४९।२	**राष्ट्रीय पौष मासः**
१३	मं	५९	५२	कृ	३९	१२	सि	२	५८	कौ	२७	३५	३७	५३	७	२३	२	११	वृषे	मार्गीभौमः ५९/६मार्गीज्येष्ठायांबुधः ४०/३३*
१४	बु	६०	०	रो	४३	५८	सा	३	३४	ग	३१	४०	३७	५३	७	२४	३	१२	वृषे	पिशाच मोचन श्राद्धम् [* प्रदोषः
१५	गु	३	२९	मृ	४८	१७	शु	३	२०	व	३	२९	३७	५३	७	२५	४	१३	मि १६।८	भ. ३।२९ उ. ३४।४७
१५	शु	६	५	आ	५०	५०	श	२	४४	ब	६	५	३८	५२	८	२६	५	१४	मिथुने	

३६ पं.मा.शु.४सू.इ.३७।४८ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	८	८	५	७
२८	२३	१८	२०	७	४	२५	२८
४१	३७	४२	१९	४	२८	४१	५५
३६	३३	५०	४४	१९	२२	३	५८
६१	६/६	५२/५७	१२	७४	७	३	६१
१९	ब	ब	४०	३१	२०	११	०

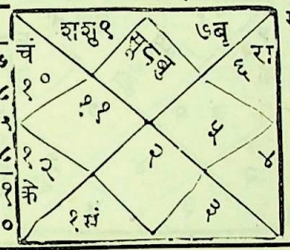

मार्गशीर्ष शु.५ चंद्रे धनुष्यर्कः प्र. वा. २ न. ३ गताल का वस्था (उभी) मु.३०(धान्यभाव सम) शुक्रोदयं ।

गोचरग्रहाः

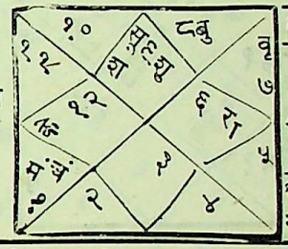

३७पं.मा.शु.११सू.इ.३७।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	६	८	८	५	८
५	२३	१६	२८	१५	५	२५	६
११	२७	११	४३	५२	१८	१८	३
२	२३	७	३५	१३	१४	४८	३३
६१	३/२	३/४	१२	७४	७	३	६१
२२	ब	मा	१७	२६	२३	११	५

ति. पौष कृष्ण पक्षः सं. २०१४शाकः १८७९ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | हेमन्तर्तुरविरुत्तरे मार्ग कृष्णेति.महाराष्ट्र

१	श	७	२५	पु	५३	७	ब्र	०/४५	५७/१३	कौ	७	२५	२५/३८	५०/५२	६/८	११	२७	६	१५	क चन्द्र ३३	*विशाखायां४वृश्चि
२	र	७	२८	पु	५४	४१	वै	५४	९	ग	७	२८	३८	५२	८	१२	२८	७	१६	ककें	[ ] तारावः ५६।१० *
३	चं	६	११	श्ले	५३	८	वि	४९	२९	वि	६	११	३९	५२	८	१३	२९	८	१७	सिं ५३।८	भ. ९।११ या.
४	मं	३	४२	म	५१	३२	प्री	४३	४७	बा	३	४२	३९	५२	८	१४	३०	९	१८	सिंहे	उषायांभृगुः १२।३०
५	बु	०	१६	पू	४८	५४	आ	३७	२६	तै	०	१६	४०	५२	८	१५	३१	१०	१९	सिंहे	भ. ५६।० उ.
६	बृ	५५	४४		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×जनवरी मा१ता.३१सन्१९५९
७	गु	५०	११	उ	४५	३९	सौ	३०	३३	वि	२४	५	४१	५२	८	१	११	२०	क. ३।५	भ. २४/६ या.मकरेभृगु.४९।२२ ×
८	शु	४५	१७	ह	४१	५९	शो	२३	११	बा	१७	४३	४२	५२	८	२	१२	२१	कन्यायां	मूले ३ शनिः २२।५४
९	श	३९	४५	चि	३७	५७	अ	१५	२६	तै	१२	३१	४३	५१	९	३	१३	२२	तु. ९।५८	
१०	र	३३	५४	स्वा	२३	४९	सु	७	५२/१४	व	६	४९	४४	५१	९	४	१४	२३	तुलायां	भ. ६।५० उ. ३३।५४ या.
११	चं	२८	११	वि	२९	४८	शु	५२	११	ब	१	२	४५	५१	९	५	१५	२४	बृ. १५।४८	धनुषि बुधः ४०।७ सफला ११ ब्र.
१२	मं	२२	४५	अ	२६	४	गं	४४	३५	तै	२२	४५	४७	५१	९	६	१६	२५	वृश्चिके	उदयंशनेः २५।० प्रदोषः
१३	बु	१७	४९	ज्ये	२२	५८	बृ	३७	३८	व	१७	४९	४८	५०	१०	७	१७	२६	ध. २२।५८	भ. १७/४९ उ. ४५/४० या.अभिजित्प्रवृतोभृगु ११/४७
१४	गु	१२	३१	मू	२०	२३	धु	३१	१५	श	१३	३१	५०	५०	१०	८	१८	२७	धनुषि	
३०	शु	१०	१२	पू	१८	३०	व्या	२५	३८	ना	१०	१२	५२	५०	१०	९	१९	२८	म. ३२।५०	श्रवणेभृगुः ४९।३६

३८ पं पौ.कृ.२सू.ई.३७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	७	८	८	५	८
१३	२३	२०	०	२४	६	२४	१३
०	५५	४७	३	४२	७	५६	११
५५	२	५०	४८	८	२८	३३	३२
६१	४/२	५२	११	७४	७	३	६१
२६	मा	५६	४९	२६	२०	११	६

गोचरग्रहः

इस मास में पांच शनिवार अशुभ हैं प्रजा में पीडा शीत अधिक कहीं कहीं खेतियों में नुकसान होगा ।

गोचरग्रहः

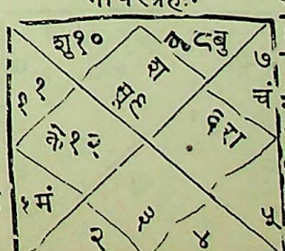

३०पं.पौ.कृ१०सू.ई.३७।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	७	९	८	५	८
२०	२४	२८	१	३	६	२४	२०
१०	५७	४३	२०	२८	५६	२४	१९
५३	०	५५	४२	२९	१३	१७	३७
६१	९	७२	११	७४	७	३	६१
२६	७	४८	९	२६	१४	११	६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. पौष शुक्ल पक्षः सं.२०१५ शाकः १८८० दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः हेमन्तर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः १७४१ सन् १९५९

१	श	७	४९	उ	१५	४८	ह	२०	५२	ब	७	४९	२५/५४	४९/१९	१०	२०	२९
२	र	६	३५	श्र	१८	१९	व	१७	७	की	६	३५	५६	४९	११	२१	१
३	चं	६	५०	ध	१९	५४	सिं	१४	६	ग	६	५०	५८	४८	१२	२२	२
४	मं	८	१७	श	२२	५७	व्य	१२	१२	वि	८	१७	२६/०	४८	१२	२३	३
५	बु	१०	४३	पू	२७	३	व	११	१४	ला	१०	४३	३	४७	१३	१४	२४	४
६	गु	१४	२७	उ	३२	१५	प	११	७	तै	१४	२७	५	४७	१३	१५	२५	५
७	शु	१९	२०	रे	३८	१०	शिं	११	४६	व	१९	२०	८	४६	१४	१६	२६	६
८	श	२४	१२	अ	४४	३१	सिं	१३	३१	ब	२४	१२	१०	४६	१४	१७	२७	७
९	र	२९	२७	भ	५०	५८	सा	१४	३	की	२९	२७	१२	४६	१५	१८	२८	८
१०	चं	३४	२९	कृ	५७	३६	शु	१५	१२	तै	१५	८	१५	४५	१५	१९	२९	९
११	मं	३८	५९	रो	६०	०	शु	१६	३	व	६	४४	१७	४५	१५	२०	३०	१०
१२	बु	४२	३९	रो	२	२७	न	१६	१७	ब	१०	४९	२०	४४	१६	२१	१	११
१३	गु	४५	७	मृ	६	५७	ऐं	१५	४१	की	१३	५३	२२	४४	१६	२२	२	१२
१४	शु	४६	१७	आ	१०	२२	वै	१४	११	ग	१५	४२	२५	४३	१७	२३	३	१३
१५	श	४५	१३	पु	१२	१८	वि	११	४४	वि	१५	४५	२७	४३	१७	२४	४	१४

मकरे कु. ४९।६ कुम्भे कुम्भे मी ११।२ मीने मे. २८।१० मेषे मेषे बृ. ७।३८ वृषे मि ३४।४२ मिथुने क. ५६।४९ कर्के

चन्द्रदर्शनं उषायां ५/३ ७/८ अभिजिन्नवृत्तो*
रज्जब ७ [÷धनिष्ठायां भृगु ३/२ पुत्र ११ ब्र.म.
भ. ३/४ ७ उ. मार्गी कृत्तिकायां भौमः ५/१ ५
भ. ८।१७ या.
मकरेऽर्कः १३।५ [*भृगुः ३२।३९
पूषायां बुधः २८।१०
भ. १/२ ९ उ, ५/४ १ याअनुराधायां. १ गुरुः ३/५ ७
[+वस्था (उभी) मु. ३० (धान्यभांबसम)
शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

भ. ४/४ ६ उ. ३/५ ६ याअभिजित्प्रवृत्तोरविः ४/२ ÷

प्रदोषः [+रवि ५/३ ७ उषायांबुधः १/२ ७
भ. ४/१ ७ उ. वृषे भौमः ५/४ ६
भ. १/५ ५ याश्रवणेरविः ०/२ अभिजिन्निवृत्तो÷

४० पं. पौ.शु.२सू.इ.३७।२३ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	७	९	८	५	८
२७	२६	८	२	१२	७	२४	२७
२०	२३	५	३३	१३	४४	१२	२७
४४	५६	३१	२४	३२	३१	२	४२
६१	१३	८३	१०	७४	७	३	६१
२४	३	३३	२९	२०	२	११	२४

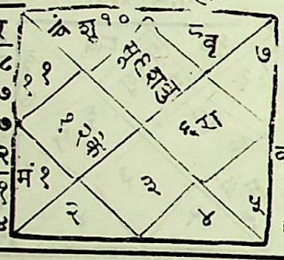

पौष शुक्ला ५ बुधे मकरेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ गतालका वस्था (उभी) मू. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदय पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः ४१ पं.पौ.शु.९सू.इ.३७।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	०	८	७	९	८	९
बृ	४	२८	१८	३	२१	८	८	४
३०	११	१२	४१	०	३०	४९	३५
१२	५	३	१९	२	५६	४७	३३
६१	१७	९२	९	७४	६	३	६१
१९	१४	३७	४४	१४	५२	११	३

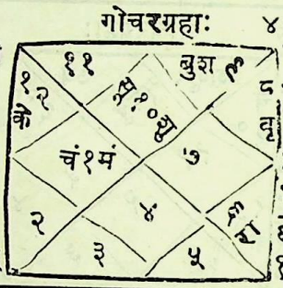

ति. माघ कृष्णपक्षः सं०२०१५ शाकः १८८० दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः शिशिरर्तु रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१																	
२	चं	४१	१८	श्ले													
३	मं	३८	४१	म	११	२९	शा	२२	२६	व	१०	०	३६	४१	१९	२६	६	१६
४	बु	३४	२४	पू	९	६	अ	५४	३९	ब	६	३३	३९	४०	२०	२८	८	१८
५	गु	२९	१९	उ	६	१	सु	३८	२७	की	१	५२	४२	४०	२१	२९	९	१९
६	शु	२३	४७	ह	३/१	२/५	धृ	३१	३	व	२३	४७	४५	३९	२२	३०	१०	२०
७	श	१८	३	स्वा	५४	२९	श्र	२३	१९	ब	१८	३	४८	३८	२२	३१	११	२१
८	र	१२	१२	वि	५०	२८	गं	१५	३२	की	१२	१२	५२	३८	२३	१	१२	२२
९	चं	६	४०	अ	४६	३७	बृ	३/७	५/२	गं	६	४०	५५	३७	२४	२	१३	२३
१०	मं	१	७	ज्ये	४३	१६	व्या	५२	४७	वि	१	७	५९	३६	०	३	१४	२४
११	मं	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२४	०	०	०
१२	बु	५१	५५	मू	४०	३६	ह	४६	२१	की	२३	३३	२७/३	३६	२५	४	१५	२५
१३	गु	४८	३९	पू	३८	३१	व	४०	२७	ग	२०	१७	६	३५	२५	५	१६	२६
१४	शु	४६	२२	उ	३७	३५	सि	३५	२८	वि	१७	३१	९	३४	२६	६	१७	२७
३०	श	४५	९	अ	३७	५१	व्य	३६	१९	च	१५	४६	१३	३३	२७	७	१८	२८

कर्के सिं. १३।३ सिंहे क. २३।२० कन्यायां तु. ३०।३२ तुलायां बृ. ३६।२८ वृश्चिके ध. ४३।१६ ० धनुषि म. ५३।१७ मकरे मकरे

पूर्वास्तं बुधः २३/५२ कुम्भे भृगुः ४९/३९
मकरे बुधः १९।८ [*३६।४२
भ. १०उ. ३५/४१ याहस्ते ४ राहुः रेवत्यां-
[- २केतुः ५९।४

भ. २३/४७ उ. ५०/५५ या. अभिजित्प्रवृतोबुधः ३६/४२
पातस्पर्शः ५४।१८ शते भृगुः ८।४८
पातमोक्षः ३७/५३ श्रवणेबुधः ४/५१ मूले ४ शनिः ×
भ. ३३।५४ उ. अभिजिन्निवृतोबुध ६।२
भ. १।७ या षट् तिला ११ ब्र.स्मा
[× ४३/२५ फरवरी मा. २ ता २८
षट्तिला ११ ब्र. वै. नि.
भ. ४८।३९ उ. प्रदोषः
भ. १७।३१ या. धनिष्ठायांरबिः ६।१४

४२ पं.मा.कृ.१सू.इ.३७।३४ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	७	९	८	५	९
११	०	२८	४	२९	९	२३	११
३९	३४	५१	४३	४४	१६	२७	४२
३	२१	२४	७	५१	२४	३१	५९
६१	२०	९८	८	७४	६	३	६०
१९	२८	३१	५६	८	३३	११	५९

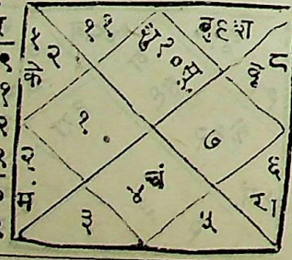

माघ शुक्ला ५ गुरौकुम्भेऽर्कः प्र. वा. २ न. २ कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० धान्य भाव सम शुक्रोदयो पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः ४३ पं.मा.कृ.८सू.इ. २७।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	७	१०	८	५	९
१८	३	१०	५	८	९	२३	१८
४७	१८	४	४०	२९	५९	५	४९
३	५३	२६	२५	३०	२२	१६	३२
६१	२२	०/३५	७	७४	६	३	६०
४	४३	५९	५८	२	२०	११	५५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| माघ शुक्लपक्षः सं.२०१५ शाकः१८८० |दि.उ.|अ|इ|रा.मु.| चंद्रः |शिशिरर्तू रविस्तरेऽहर्गणः१७७०स.१६५६

१	र	४५	१७	ध	३६	१३	व	२८	७	कं	१५	१३	२७	६	५	८	१६	२६	कु.६।३२	
२	चं	४६	५०	श	४१	५६	प	२५	५५	बा	१६	३	२०	३२	२८	६	२०	३०	कुम्भे	चन्द्रदर्शनम् धनिष्ठायां बुधः २८।२०
३	मं	४६	३२	पू	४६	१६	शि	२४	४३	तै	१८	११	२३	३१	२६	१०	२१	१	मी.३०।१३	सावानष्टपृभायांभृगु:$\frac{५}{३०}$अनुराधायां२*
४	बु	५३	२२	उ	५०	४७	सि	२४	२५	ब	२१	२७	२७	३१	२६	११	२२	२	मीने	भ.$\frac{२१}{२७}$उ.$\frac{५१}{१२}$या.तिल४| *गुरुः१२।३३
५	गु	५७	५७	रे	५६	२६	सा	२४	५३	ब	२५	३६	३०	३०	३०	१२	२३	३	मे. ५६।२६	कुम्भेऽर्कः४०।१० वसन्त ५ श्री ५
६	शु	६०	०	अ	६०	०	शु	२५	५३	को	३०	२६	३४	२६	३१	१३	२४	४	मेषे	कुम्भे बुधः २३।३७
६	श	३	०	अ	२	५१	शु	२७	१०	तै	३	०	३८	२८	३२	१४	२५	५	मेषे	पातस्पर्शः२४।११मोक्षः ४७।१
७	र	८	१७	भ	६	६	श	२८	१६	व	८	१७	४३	२८	३२	१५	२६	६	वृ. २५।४२	भ.८।१७उ.४०।४६या.रथ ७
८	चं	१३	१४	कृ	१५	३१	ऐं	२६	२८	ब	१३	१४	४६	२७	३३	१६	२७	७	वृषे	शते बुधः५६।५४भीष्मष्ट
६	मं	१७	३८	रो	२१	१२	वे	२६	५३	को	७	३८	५०	२६	३४	१७	२८	८	मि. ५३।३३	रोहिण्यां भौमः२६।१६
१०	बु	२१	६	मृ	२५	५५	वि	२६	३६	ग	२१	६	५४	२५	३५	१८	२६	६	मथुने	भ.५२।२१उ.भौमे भृगुः ५८।७
११	गु	२३	३२	आ	२६	३३	प्री	२८	२८	वि	२३	३२	५८	२४	३६	१६	३०	१०	मथुने	भ.$\frac{३}{३३}$या.शतेरविः१५।३१जया११व्र.
१२	शु	२४	३५	पु	३१	५६	आ	२६	२७	बा	२४	३५	२६	२४	३६	२०	१	११	क. १६।२६	प्रदोषः भीष्म१२राष्ट्रीय फाल्गुन !
१३	श	२४	२५	पु	३३	८	सो	२३	१२	तै	२४	२५	६	२३	३७	२१	२	१२	कर्के	उ.भायांभृगुः$\frac{३८}{३८}$ [! मा.१२दि.३०
१४	र	२२	५६	श्ले	३३	८	शो	१६	५	व	२२	५६	१०	२२	३८	२२	३	१३	स. २३।८	भ. २२।५६ उ. ५१।३६ या.
१५	चं	२०	१५	म	३१	५१	अ	१४	२	ब	२०	१५	१४	२१	३६	२३	४	१४	सिंहे	सव्व्रात माघस्नान पूर्तिः

४४पं.मा.शु.१सू.इ२७।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	७	१०	८	५	९
२५	५	२१	६	१७	१०	२२	२५
५३	५५	४९	२९	१२	३९	४३	५५
५१	४५	३४	१४	५१	४७	००	१९
६०	२४	७	६	७३	५	३	६०
५५	५९	८	५३	५३	५७	११	४७

४५.प.मा.शु.७सू.इ.२७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	७	१०	८	५	१०
२	९	४	७	२५	११	२२	३
५९	१०	८	११	५३	१८	२०	०
५४	०	२५	५९	१९	४९	४५	६
६०	२६	८	५	७३	५	३	६०
४२	५६	८	५०	५६	२०	११	३७

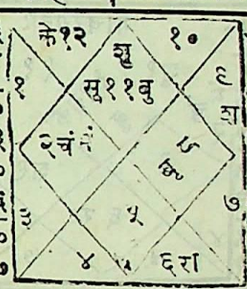

४६पं.मा.शु.१४सू.इ२८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	७	११	८	५	१०
१०	१२	१७	७	४	११	२१	१०
४	२३	९	४६	३३	५३	५८	३
७	२६	५३	५	४९	११	५०	३०	३६
६०	२८	८	४	७३	५	३	६०
२१	२३	८	४१	४४	२	११	२५

ति.| फाल्गुण कृष्णपक्षः सं.२०१५ शाकः१८८०|दि.उ.|अ|इ|रा.मु.| चंद्रः |शिशिरर्तू रविरुत्तरेमाघकृष्णोऽहर्गणः१७७१स.१६५७

१	मं	१६	३७	पू	२६	४०	सु	८	१६	कौ	१६	३७	२८	६	५	२४	५	१५	कं.४३।५७	
२	बु	१२	८	उ	२६	५०	धृ	५१	५२	ग	१२	८	२२	२०	४०	२५	६	१६	कन्यायां	भ. २८।३२ उ.
३	गु	६	५८	ह	२३	१६	गं	४७	२७	वि	६	५८	२६	१६	४१	२६	७	१७	तु.५१।२१	भ. ६।५८ या.
४	शु	१	१२	चि	१६	२४	वृ	४०	१८	बा	१	२२	३०	१८	४२	२७	८	१८	तुलायां	
५	शु	५४	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
६	श	४६	५२	स्वा	१५	१६	धु	३२	५	ग	२२	४३	३४	१७	४३	२८	६	१६	वृ. ५७।१७	भ. ४६।५२ उ.
७	र	४३	५७	वि	११	१६	व्या	२४	२६	वि	१६	५५	३८	१६	४४	१	१०	२०	वृश्चिके	भ.$\frac{५}{५}$या.पश्चिमदयीबुधः$\frac{२३}{२३}$ मीने *
८	चं	३८	३४	अ	७	२६	ह	१६	४६	बा	११	१५	४२	१६	४४	२	११	२१	वृश्चिके	[*बुधः२८।३६मार्च मा. ३ ता०३१
६	मं	३३	३४	ज्ये	३	५८	व	६	३५	तै	६	४	४६	१५	४५	३	१२	२२	ध. ३।५८	उमायां बुधः १६।५७
१०	बु	२६	२२	मू	१	५७	सि	५२	५३	ब	१	२८	५०	१४	४६	४	१३	२३	धनुषि	भ.१।२८उ.२६।२२या.पूभायांरविः$\frac{३०}{१०}$=
११	शु	२६	६	उ	५७	३६	व	५१	३८	बा	२६	६	५४	१३	४७	५	१४	२४	म. १३।१०	विजया ११व्र. [=रेवत्यांभृगुः३२।४७
१२	शु	२३	४८	श्र	५७	४१	प	४७	१२	तै	२३	४८	५८	१२	४८	६	१५	२५	मकरे	प्रदोषः
१३	श	२२	३६	ध	५८	४८	शि	४४	१०	व	२२	३६	२६	१२	४८	७	१६	२६	कु.२८।१४	भ.$\frac{३२}{३६}$उ.५२।४०या.महाशिवरात्री व्र.
१४	र	२२	४३	श	६०	०	सि	४१	२५	श	२२	४३	६	११	४६	८	१७	२७	कुम्भे	
३०	चं	२४	१२	श	१	२६	सा	४०	०	ना	२४	१२	१०	१०	५०	६	१८	२८	मी४६।०	सोमवती पुण्यं

४७ प.फा. कृ.७सू.इ.२८।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१८	७	११	८	५	१०
१७	१५	०	८	१३	१२	२१	१७
७	४८	१७	१२	६	२५	३६	५
१५	२	२६	१५	२३	१८	१४	४७
६०	३०	७	३	३१	४	३	६०
२०	११	५५	२८	३२	३५	११	१२

गोचरग्रहाः

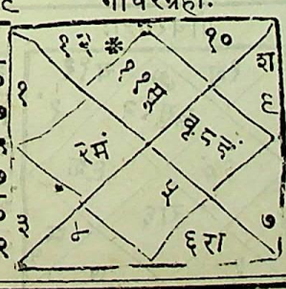

इस मास में ५ मंगलवार रक्त विकारक पीड़ा कारक है भूकंप आदि का भय होगा।

गोचरग्रहाः

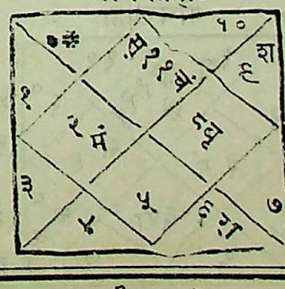

४८पं.फाकृ१४सू.इ२८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	७	११	८	५	१०
२४	१९	११	८	२१	१२	२१	२४
८	१३	४५	३१	४८	५२	१३	६
३७	४	३	३६	४९	१८	५९	३२
६०	३१	८	२	७३	३	३	५९
५	१२	३८	२	२०	५९	११	५८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्ल पक्षः सं.२०१५ शाकः १८८० दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | शिशिरतूं रविरुत्तरेऽहर्गणः १८००स.१९५९

१	मं	२६	५५	पू	४	५१	शु	३६	२६	ब	२६	५५	२९ / १४	६ / ५१	१०	१६	२६	मीने
२	बु	३०	४४	उ	६	३४	शु	३६	४८	कौ	३०	४४	१७	८	५२	११	२०	१	मीने
३	गु	३४	२६	रे	१५	१३	न	४०	४०	ते	२	३६	२३	७	५३	१२	२१	२	मे. १५।१३
४	शु	४०	२२	अ	२१	२५	ऐं	४१	५३	व	७	२५	२७	७	५३	१३	२२	३	मेषे
५	श	४५	२६	भ	२७	५०	वै	४३	१२	ब	१२	५५	३२	६	५४	१४	२३	४	वृ. ४४। २५
६	र	५०	२८	कृ	३४	१२	वि	४४	२६	कौ	१७	५८	३६	५	५५	१५	२४	५	बृषे
७	चं	५४	४२	रो	४०	७	मृ	४५	१५	ग	२२	३५	४०	४	५६	१६	२५	६	वृषे
८	मं	५८	५	मृ	४४	५७	आ	४५	१३	वि	२६	२३	४४	३	५७	१७	२६	७	मि १२।३२
९	बु	६०	०	आ	४८	५०	सौ	४४	३६	वा	२९	११	४९	२	५८	१८	२७	८	मिथुने
१	गु	०	१८	पु	५१	२३	शो	४२	३२	कौ	०	१८	५३	१	५९	१९	२८	९	क. ३५।४५
१०	शु	१	१६	पु	५२	५९	अ	३९	५१	ग	१	१६	५७	१	५९	२०	२९	१०	कर्के
११	श	०	५८	श्ले	५३	१४	सु	३६	३	वि	०	५८	३० / १	६ / ०	६ / ०	२१	३०	११	सिं ५३।१४
१२	श	५८	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	र	५६	३७	म	५२	१४	धृ	३१	२२	कौ	२८	०	६	५ / ६	६ / १	२२	१	१२	सिंहे
१४	चं	५२	५६	पू	५०	१७	शू	२५	५७	ग	२४	४६	१०	२८	२	२३	२	१३	सिंहे
१५	मं	४८	१६	उ	४७	३२	गं	१६	४२	वि	२०	३७	१४	५७	३	२४	३	१४	क. ४।३६

चन्द्रदर्शनम्
रमजान ९ रोजा फुलरिया २
पातस्पर्शः १/३ ६/४ मोक्षः ३/३ ५/७ रेवत्यांबुधः ३।४
भ. ७।२६ उ. ४०।२२ या.
मीनेऽर्कः ३०।३७
मेषे भृगुः २०।२०
भ ५/४ ५/२ उ मृगेभौमः १/१ ६/५ पूषायां १शनिः ४/३ ७/७
भ २६।२४ या. उभाय ां रविः ५/१ ५/५ होलाष्टक

वक्रीबुधः ४१।५६ वक्रीगुरुः २५।४२
भ. ३१।७ उ.
भ. ५/९ ०या. पश्चिमास्तंबुधः ३/३ ०/१ आमल *
क्षयः [* को ११ ब्र.
प्रदोषः राष्ट्रीयचैत्रारंभः मा, १/८ दिन ३० सन् १८८०
भ ५२।५६ उ. [८/८ दिन ३० सन् १८८०
भ. २०।३८ या. होलिकादहनं चन्द्रग्र.

४९ पं.फा.शु.६सू.इ.२९।८ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	७	०	८	५	११
१२	२३	१८	८	०	१३	२०	१
८	०	२८	२९	२२	१६	५१	५
१९	१३	४८	५२	५७	१४	४४	४४
५९	३२	३७	०	७२	३	३	५२
४९	७	५६	४१	१४	१८	११	४१

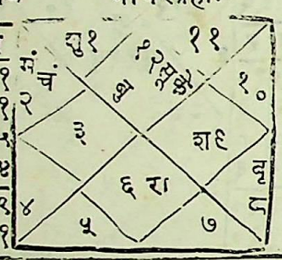

फाल्गुन शु. ५ शनौ मीनेऽर्कः प्र. वा. २ न४कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो. प.

गोचरग्रहाः

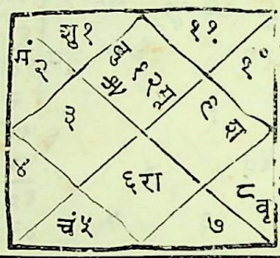

५० पं.फा.शु.१२सू.इ.३९।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	७	०	८	५	११
८	२६	१९	८	८	१३	२०	८
६	३७	२०	४०	१४	३५	२९	३
१३	५०	१९	१०	१६	२२	२८	१९
५९	३२	२७ / ४२	३० / ५०	७२	२	३	५९
३५	५१	ब	ब	५६	३८	११	२९

ति. चैत्र कृष्ण पक्षः सं. २०१५ शाकः १८८० दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुनकृ.महाराष्ट्राः

१	बु	४९	५	[illegible]	४४	७	वृ	१२	५८	वा	१५	४३	३० / १८	५ / ६	६ / ४	२५	४	१५	कन्यायां
२	गु	३७	२०	चि	४०	२१	धु	२८ / ५	५३ / ३१	तै	१०	१३	२२	५	६	४	२६	५	१६	तु. १२।१४
३	शु	३१	३०	स्वा	३६	२९	ह	५०	१८	व	४	२५	२६	५	५	५	२७	६	१७	तुलायां
४	श	२५	३५	वि	३२	१५	व	४२	४५	वा	२५	३५	३०	५	४	६	२८	७	१८	बृ. १।१९
५	र	१९	४६	अ	२८	१५	सि	३५	९	तै	१९	४६	३४	५	३	७	२९	८	१९	बृश्चिके
६	चं	१४	१३	ज्ये	२४	४५	व्य	२७	५३	व	१४	१३	३८	५	२	८	३०	९	२०	ध. २४।४५
७	मं	९	१२	मू	२०	५९	ब	२१	७	ब	९	१२	४३	५	१	९	३१	१०	२१	धनुषि
८	बु	४	५६	पू	१९	१९	प	१४	५७	कौ	४	५६	४७	५	१	९	१	११	२२	म. ३३।५०
९	गु	१	४३	उ	१७	५२	शि	९	३३	ग	१	४३	५२	५	०	१०	२	१२	२३	मकरे
१०	गु	५७	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	शु	५८	०	अ	१७	३५	सि	५	४	ब	२८	३८	५६	४९	११	३	१३	२४	कु. ४८।००
१२	श	५८	२	ध	१८	३६	सा	३८ / १	५७ / १२	कौ	२८	१	३० / १	४८	१२	४	१४	२५	कुम्भे
१३	र	५९	२४	श	२०	३२	शु	५६	४९	ग	२८	४३	४	४	७	१३	५	१५	२६	कुम्भे
१४	चं	६०	०	पू	२३	३९	व्र	५६	४६	वि	३०	४३	८	४	६	१४	६	१६	२७	मी. ७।५२
१५	मं	२	२	उ	२८	२०	ऐं	५६	३३	श	२	२	१२	४	६	१४	७	१७	२८	मीने
३०	बु	६	४८	रे	३३	४९	वै	५७	३५	ना	६	४८	१६	४५	१५	८	१८	२९	मे. ३३।४९

अहर्गणः १८२९ च.४ केतकी.

५१पं.चै.कृ.५सू.इ.२९।५० गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	७	०	८	५	११
१५	००	१४	८	१७	१३	२०	१४
२	२०	३७	३०	२३	५०	७	५९
१६	४८	५०	४२	३३	१२	१३	१५
५९	३३	५३	३	७२	१	३	५९
१८	४४	ब	ब	२६	५७	११	१६

इस मास में फल साधारण हैं रहेगा गुड खांड घृत तेज हो अनाज रुई गेहूं चांवल मन्दी होके तेज होगी।

गोचरग्रहाः

५२पं.चै.कृ.१३सू.इ.४०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	७	०	८	५	११
२१	४	९	८	२५	१४	१९	२१
५६	१६	२३	११	४८	००	४४	५३
२५	२८	२९	१८	३१	५	५७	२९
५९	३४	३६ / ३५	३ / २९	७२	१	३	५९
४	१४	ब	बृ	१५	१७	११	४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६० तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६० भौग्यकलिः ४२६९४० अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०१६ शाकः १८८१ अथाऽस्मिन्वर्षेराजागुरुः । मंत्री चन्द्रः । सस्येशोगुरुः । धान्येशोबुधः । मेघेशो चन्द्रः । रसेशोशनिः । नीरसेशोगुरुः । फलेशोः रविः । धनेशोगुरुः । दुर्गेशो चन्द्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ६ परिधाविनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ३।२१।३।३६ भोग्यमासादिः८।८।५६।२४ दैवतं युगम् वर्षनाम वैशाखः । मेघ ४ नाम द्रोणः । समय निवासो रजकगृहे । रोहिणीनिवासः स्तटे । समय विश्वा १८ । समय वाहनंचातकः । स्तम्भ ३ वाय्वन्नतृणानां । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी ३ । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३६० । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १८ । तिथि वृद्धिः १२ । उत्पत्ति विश्वा ८७ । खपति विश्वा ११४ । वर्षा विश्वा ७ । धान्यम् ११. तृणम् १७. शीतम् ५. तेज ५ वायुः १३ । शनि दृष्टिपश्चिमे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं ९९ सत्यं ॥. धर्म १॥. पाप १८ । ग्रहणं नवलदुर्गे नास्ति ।

भैरव–भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे मात से जिमि पूछे हर साल ।
जिमि पूछो इस साल में कहो शुभाशुभ हाल ॥

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला सम्वत्सर का सार ।
जल वर्षे हर्षे प्रजा मंगल गावें नार ॥
संवत् सोलह साल में राजा भये गुरुराज ।
निशानाथ मंत्री भये सारे सबके काज ॥
तट में रोहिणी वास है वर्षा विश्वा सात ।
स्तम्भ तीन नववर्ष में हो सुन्दर जलपात ॥
गुरु राजा मंत्री शशि है यह उत्तम योग ।
जग में सुख संपति बढ़े जनता भोगे भोग ॥
कहींक पश्चिम देश में बढ़े रोग और द्वेष ।
पर चिन्ता करना नहीं ईश्वर राखे टेक् ॥
धर्म कर्म करते रहो यही जगत में सार ।
फल संवत्सर का कहा देख नभस्चर चार ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

वर्षेश लग्नम् १।१३

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कु	मी
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४.५	११	८	८	८	११

वर्ष लग्नम् १०।२५

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१८।२

+चंकेबुसू

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथास्मिन्वर्षे राजा गुरुस्तत्फलम्-गुरौनृपेवर्षतिकामदंजल महीतलेकादुवाश्च धेनवः। यजन्तिविप्राः बहवोऽग्नि होत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषुवर्तते। मंत्री चन्द्रस्तत्फलम्-शशिनिमंत्रिगते बहुसस्यवत्यपिधरा रमतेसुखमंडिता। विरति वारिधराबहु वर्षिणोजनपदाः सुखराशि सुशोभिताः। सस्येशोगुरुस्तत्फलम्-सस्यपतौ सुरराज पुरोहिते सकल सौख्यकरःश्रुतिपूर्वकाः। जलधराजलदाः बहुसस्यदारसपयांसि बहूनिसूनिवै। धान्येशोबुधस्तत्फलम्-बुधेधान्याधिपे मेघाजलं मुञ्चतवैभृशम सैन्धवेलाट देशेचमाधवोऽल्पंच वर्षति। मेघेशश्चन्द्रश्तत्फलम्-शशिनि तोयदयेयदि गोमहिष्यजवरादिषु। दुग्धरसंतदा। फलवतींधन धान्यवती धराविविध भोगवती ननु भामिनी। रसेशोशनिस्तत्फलम् रविसुते रसते रससंचयोनजलदा गददाश्चपयोधराः अजगवां गजवाजिजिखरोष्ट्रहा जनपदेषुनारान्नरसैर्युता। नीरसेशो गुरुस्तत्फलम्-हरिद्रापीतवस्तूनां पीतवस्त्रादिकंचयत्। नारसेशो यदाजोवः सर्वेषांप्रीतिरुत्तमा। फलेशोरविस्तत्फलम्-द्रुमवती फलपुष्पवतीधरा प्रमुदिता फल भोग विरोधतः, बहु जलं जलदोभुविमुञ्चति क्वचिदपि प्रमितंफलयोरविः। धनेशोगुरुस्तत्फलम्-सुमनसांच गुरुद्रविणाधिपो वणिज वृत्तिपरा सुखभोजनाः। फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुविमानवाः। दुर्गेशचन्द्रस्तत्फलम्-गढ़पतिर्मृग लांछनकोयदा नृपसुराज्य विलासित पौरजा बहुधनेक्षुजगोरसभोगिनो नरवरा नरवर्णित विग्रहाः वर्षनाम वैशाखस्तत्फलम्-अर्घ विविध भावेन जायते द्रविण प्रदम्। नीरुजा निर्भया लोका वैशाखे जनपूजिताः परिधावी नाम संवत्सरस्तत्फलम् सुपाहवो महारोगो मध्य सस्यार्घ वृष्टयः, दुखिनोजन्तवः सर्वेवत्सरेपरिधाविनी। मेघनाम द्रोणः फलम्- द्रोणेः वर्षाति सर्वदा। रोहिणी निवासस्तटे—फलम्—तटे वृष्टिः सुशोभनाः समय निवासो रजके गृहे—फलम्—रजकेवृष्टिरुत्तमा। एवं संचिन्त्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम्।

सं० २०१६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

चैत्रशुक्ला १५ गुरौस्वात्या ल. ११ रे. ७।।।ऽ।ऽऽ।।

वैसाख मासः

वैशाखकृष्णा ४ सूर्य मूलेल. गो. रे. ८।।।।।ऽऽ।।

" " ६ भौमे उषायां ल. ११ (घ. ५२-३ उ.) रे ८ऽऽ।।।।।।।

" शुक्ला २ शनौरोहिण्यां ल. ११ रे. ८।।।ऽगु।ऽ।।

३ सूर्ये मृगे ल. ११ रे. ६।।।।ऽरो४१ घ. उ.।।।।

" ७ शुक्रे मघायांल.११रे.६।।।।।।ऽ।। चन्द्रोपूज्यः

" १३ बुधे स्वात्यां ल. ११ रे. ८।ऽ।। ऽचो.।।।।

" १५ शुक्रे अनु यां ल. ११ रे. ६।।ऽऽ।ऽऽ।।

आवश्यके पादतो बुधस्य बेधाऽभावः

ज्येष्ठ मास :

ज्येष्ठ शुक्ला ६ शुक्रे मघायां ल, ऽन्यगो. रे. ८ऽऽ।।।।।।। बु. पू.

आषाढ मासः

आषाढ कृष्णा २ चन्द्रे उषायां ल. १ रे. ८ऽ।।ऽ।।।।

गुरु सप्तमे समः

" ८ सूर्ये रेवत्यां ल. १ रे. ७।।।ऽ।ऽऽ।।

आषा. शुक्ला ५ शनौ उ. फा. यां.ल.अन्यागो.सोग्रामः रे. ८ऽमं।।।।ऽ चौ।।।।

आषाढ़ शुक्ला ६ भौमे स्तात्यां ल. गो. रे.९।।।।।।ऽ।।।

माघ मासः

माघ कृष्णा२शनौ मघा.ल.गो.रे.६।।।।ऽअ।।।।क्रां ल.गो८

माघ कृष्णा ७ गुरौ स्वात्यां ल.८रे.७।।।।ऽऽ।।

माघ शुक्लाऽशनौरोहिण्यांरे.८।।।।।।ऽ।ऽक्रांल.गो ८

गणितेन क्रां. साम्याऽभावः

वर्षेऽस्मिन् नवलदुर्गे ग्रहणाऽभावः

आश्विन कृष्णा ३० यां शुक्रे (ता. २-१०-१९५९) पश्चिम भारते क्वचित् ग्रस्तास्तं सूर्यग्रहण संभवः स्पर्शः रेल्वे ६।३० मोक्षः रेल्वे ७।५१ यह ग्रहण नवलगढ़ जयपुर हरिद्वार मथुरा उदयपुर दिल्ली एवं बंगाल बिहार आसाम आदिमें नहीं होगा। जहां नहीं दीखे वहां ग्रहण जन्य स्नानादि की आवश्यकता नहीं हैं।

पश्चिमी राजस्थान जैसलमेर के आसपास में एवं द्वारिका, जूनागढ़, पोरबन्दर, राजकोट तथा कच्छ-प्रदेश व पश्चिमी पाकिस्तान में ग्रस्तास्त होगा।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं०२०१६शाकः १८८१ | दि. | उ.अ. | इ.रा. | मु. | चंद्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १८३०सन् १९५९

१	शु	१०	५२	अ	४२	१७	वै	०	४०	ब	१०	४६	३१ ३०	५ ४४	१६ ९	१९	३०	मेषे
२	शु	१६	५९	भ	४९	५०	वि	२	५८	कौ	१६	५९	२४	४३	१७	१०	२०	१	मेषे
३	श	२३	२२	कृ	५७	२५	प्री	५	१७	ग	२३	२२	२८	४२	१८	११	२१	२	वृ.६।४४
४	र	२९	१७	रो	६०	०	आ	७	३२	वि	२९	१७	३२	४२	१८	१२	२२	३	वृषे
५	चं	३५	४७	रो	५	१	सौ	९	४१	ब	२	३०	३६	४१	१९	१३	२३	४	मि३८।२०
६	मं	४०	४५	मृ	११	४०	शो	११	४०	कौ	८	१६	४०	४०	२०	१४	२४	५	मिथुने
७	बु	४४	४६	आ	१७	२३	अ	१२	२०	ग	१२	४५	४३ ४३	३९	२१	१५	२५	६	मिथुने
८	गु	४७	७	पु	२१	४३	सु	११	४७	वि	१५	५६	४७	३९	२१	१६	२६	७	क.५।३८
९	शु	४७	२८	पु	२४	९	धृ	९	५९	वा	१७	१७	५१	३८	२२	१७	२७	८	कर्के
१०	श	४५	५३	श्ले	२४	४१	शू	६	३६	वै	१६	४०	५५	३७	२३	१८	२८	९	सिं२४।४१
११	र	४२	१०	म	२३	१०	गं	३ ११	५३ १५	व	१४	१	५८	३६	२४	१९	२९	१०	सिंहे
१२	चं	३६	३३	पू	१९	४१	ध्रु	४६	३२	व	९	२१	३२ ३२	३६	२४	२०	३०	११	कं३३।२२
१३	मं	२९	१२	उ	१४	२६	व्या	३६	१२	कौ	२	५२	६	३५	२५	२१	१	१२	कन्यायां
१४	बु	२०	३७	ह	७	५०	ह	२६	५४	व	२०	३७	१०	३४	२६	२२	२	१३	तु.३४।१०
१५	ग	११	४	चि	३१ ०	५३ १७	ब	१६	१४	ब	११	४	१४	३३	२७	२३	३	१४	तूलायां

चं.द.वृषेशुक्र १३/२० सं.नवरात्रा ध्वजारो.
सव्वाल १० आर्द्रा.भौमः ६।४९ सिधारा
भ. ५३/५० उ.गणगौरी.पू. मत्स्य जयन्ती
भ. २९।१७ या.
अश्वि.मेषेऽर्कः ५५/६ (दृश्यः ५५/६) मार्गी बुधः*
*५.२।३४ कल्पादिः
भ. ४४।४६ उ.
भ.१५।५६या. भवान्युत्पत्तिः दुर्गा ८
रोहि.शुक्रः ३७/८ वक्रीशनिः ३५/६ रामनवमी
पातस्पर्शः ५।५ पातमोक्षः २२।१४
भ. १४/१ उ. ४३/१० या.कामदा ११ब्र.स्मा वै.
कामदा ११ ब्र. नि.
राष्ट्रीय वैशाखारम्भः प्रदोषः
भ. ५०।३७ उ. ४५।५० या.
हनूमज्जयन्ती.वै.स्ना, प्रा. मन्वादिः

१पं.चै.शु.५च.इ.५५/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	७	१	८	५	०
६	१२	१०	७	१३	१३	१८	६
५२	५०	३९	३	५६	४३	५६	५०
४८	५६	४०	५०	१७	४८	१७	४१
५८	३५	२०	५३	७१	२२०	३	५८
२९	२१	२२	ब	२३	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

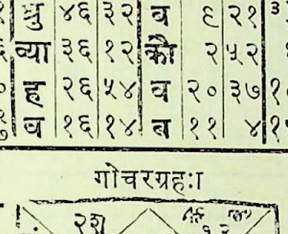

चैत्र शुक्ला ५
चंद्रे मेषेऽर्कः प्र.
वा.३न.३ गतालकावस्था (ऊभी)
मु. ३० (धान्य-भाव सम) शु.प.

गोचरग्रहाः

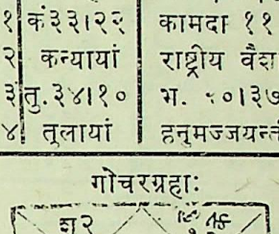

२पं.चै.शु.१२च.इ.५५/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	७	१	८	५	०
६	१२	१०	७	१३	१३	१८	६
५२	५०	३९	३	५६	४३	५६	५०
४८	५६	४०	५०	१७	४८	१७	४१
५८	३५	२०	५३	७१	२२०	३	५८
२९	२१	२२	ब	२३	ब	११	३१

ति वैशाख कृष्णपक्षः सं.२०१६ शाकः १८८१ | दि. | उ. | अ | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | बसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.

१	शु	१	१९	वि	४५	११	सि	२३ ५	३२ ४३	कौ	१	१९	३ १७	३ ५	२७ ६	२४	४	१५	वृ.३२।७
२	शु	५०	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	श	४२	३१	अ	३८	२२	ब	४४	५६	ब	१७	३	२१	३२	२८	२५	५	१६	वृश्चिके
४	र	३४	३८	ज्ये	३२	३३	ब	३६	१०	ब	८	३५	२५	३१	२९	२६	६	१७	ध.३२।३३
५	चं	२८	११	मू	२८	५	शि	२८	३७	कौ	१	२४	२९	३०	३०	२७	७	१८	धनुषि
६	मं	२३	२६	पू	२५	३१	सि	२२	१५	ब	२३	२६	३२	३०	३०	२८	८	१९	म.४०।१८
७	बु	२०	२६	उ	२४	४१	सा	१७	४०	ब	२०	२६	३६	२९	३१	२९	९	२०	मकरे
८	गु	१९	१४	अ	२५	२९	शु	१४	१२	कौ	१९	१४	४०	२८	३२	३०	१०	२१	कु.५६।५१
९	शु	१९	४६	ध	२८	१४	शु	१२	११	ग	१९	४६	४३	२७	३३	१	११	२२	कुम्भे
१०	श	२१	४०	श	३२	५	ज्ये	११	२५	वि	२१	४०	४७	२७	३३	२	१२	२३	कुम्भे
११	र	२५	१	पू	३७	२३	ऐं	११	५४	वा	२५	१	५१	२६	३४	३	१३	२४	मी२१।४
१२	चं	२९	३७	उ	४३	२८	वै	१२	४९	वै	२९	३७	५४	२५	३५	४	१४	२५	मीने
१३	मं	३४	५२	रे	५०	३१	वि	१४	२७	गं	२	१५	५७	२५	३५	५	१५	२६	मे.५०।३१
१४	बु	४०	४१	अ	५७	३६	प्री	१६	२८	वि	७	४६	३ ३१	२४	३६	६	१६	२७	मेषे
३०	ग	४६	५९	भ	६०	०	आ	१८	४६	च	१३	५०	४	२३	३७	७	१७	२८	मेषे

* अनु. १ गुरुः ७।२४
भ. १७।३ उ. ४२।३१ या. वक्री.*
चतुर्थी व्र.
भरण्यां रविः ३४।३८
भ.२३।२६उ.५१।५६या.रेवत्यां बुधः +
पातस्पर्शः १९।५८ पातमोक्षः ४२।४६
+३।३८ मृगे शुक्रः ५६।२७
भ. ५०।४३ उ. मई मा. ५ ता. ३१
भ. २१।४० या.
पुनर्वसौभौमः २६।१०वरूथिनी ११ब्र.
मिथुनेशुक्रः ४३।१८
भ. ३४।५२ उ. प्रदोषः
भ. ७।४६ या.

३पं.वै.कृ.५च.इ.५६/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	७	१	८	५	०
१३	१६	१६	६	२२	१३	१८	१३
४१	५२	३३	२१	९	३८	३४	३९
१३	१२	१४	७	१४	१०	१४	५४
५८	३५	५६	६	७०	१०	३	५८
१२	४०	५३	४२	४९	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

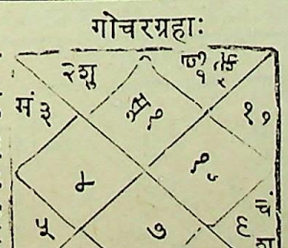

इस मास का फल श्रेष्ठ रहेगा प्रजा में सुख शांति और प्रसन्नता रहे धान्य, गेहूं, जौ चना में मन्दी।

गोचरग्रहाः

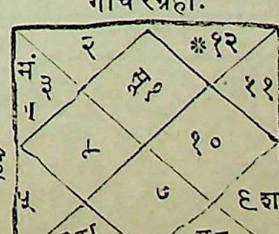

४पं.वै.कृ.१२च.इ.५६/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	७	२	८	५	०
२०	२०	२४	५	०	१३	१८	२०
२७	५४	५२	२३	१५	२८	११	२७
५३	१८	१९	२६	३२	३०	४६	२२
५७	३५	७७	२७	७०	४९	३	५८
५७	५९	५३	ब	१०	ब	११	६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* चं.के.बु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाखशुक्लपक्षः सं.२०१६ शाकः १८८१ | दि. उ. अ. इ. रा. मु | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः १८५६स१९५६

१	शु	५३	१	भ	५	१५	सौ	२१	१३	क	२०	०	३७	५३	३७	८	१८	२६	बृ.२२।६
२	श	५६	६	कृ	१२	४०	शो	२३	३५	बा	२६	५	१०	२२	३८	६	१६	३०	वृषे
३	र	६०	०	रा	२०	८	अ	२५	५३	तै	३१	५६	१३	२१	३६	१०	२०	१	मि५३।३१
३	चं	४	५०	मृ	२६	५४	सु	२७	१८	ग	४	५०	१६	२१	३६	११	२१	२	मिथुने
४	मं	६	४७	आ	३२	५०	धृ	२८	३३	वि	६	४७	१६	२०	४०	१२	२२	३	मिथुने
५	बु	१३	५२	पु	३७	५३	शू	२६	२	बा	१३	५२	२२	२०	४०	१३	२३	४	क.२१।३७
६	गु	१६	४१	पु	४१	२५	गं	२८	७	तै	१६	४१	२५	१६	४१	१४	२४	५	कर्के
७	शु	१८	२	श्ले	४३	४५	बृ	२६	१	व	१८	२	२८	१८	४२	१५	२५	६	सिं४३।४५
८	श	१७	४६	म	४४	६	ध्रु	२२	४४	ब	१७	४६	३०	१८	४२	१६	२६	७	सिंहे
९	र	१५	३२	पू	४२	५०	व्या	१७	४७	कौ	१५	३२	३३	१७	४३	१७	२७	८	कं ५६।५४
१०	चं	११	३३	उ	३६	२७	ह	११	२५	ग	११	३३	३६	१७	४३	१८	२८	९	कन्यायां
११	मं	५	४३	ह	३४	३३	व	४०	५० ५६	वि	५	४३	३६	१६	४४	१९	२९	१०	कन्यायां
१२	मं	५२	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	बु	४६	२६	चि	२८	१२	व्य	४४	३५	कौ	२३	५८	४१	१६	४४	२०	३०	११	तु.१।२३
१४	गु	३६	४७	स्वा	२०	४६	व	३३	५०	ग	१४	३८	४३	१५	४५	२१	३१	१२	वृ.५६।४८
१५	शु	२६	४३	वि	१२	४६	प	२२	५७	वि	४	४५	४६	१५	४५	२२	१	१३	वृश्चिके

आश्वि. मेषे बुधः ४७।४५
चन्द्रद. वक्री मूले ४ शनिः २१।२५
ज़िल्काद ११ आर्द्रायां शुक्रः ३ ६ परशु.ज.*
भ. ३ १७ उ. कृतिकायां रविः २२।३३
भ. ६।४७ या.
*अक्षया ३ त्रेतायुगादिः कल्पादिः
वृषेऽर्कः ५०।२० (दृश्य · ४६।२४)
भ. १८।२ उ. ४७।५४ या.
भरण्यां बुधः ५२।३८
=वक्री विशाखा. ४गुरुः ३८।०
भ. ३८।३८ उ.
भ. ५।४३या. मोहनी ११ ब्र.
× पुनर्वसौ शुक्रः २८।१=
कर्के भौमः २६।१८ प्रदोषः
भ. ३६।४७उ. नृसिंह जयंती
भ. ४।४५ या. राष्ट्रीय ज्येष्ठारम्भः ×

५पं.वै.शु.३चं.इ. ५ ६ ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	७	२	८	५	०
२७	२४	५	४	८	१३	१७	२७
१३	५८	५	४१	१६	१३	४९	१३
७	१	५३	४३	३०	५२	३०	३३
५७	३६	९७	५२	६९	२२	३	५७
४५	२५	१	ब	१९	ब	११	५३

गोचरग्रहाः

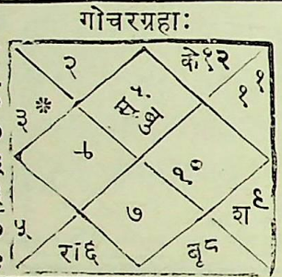

वै. शुक्ला ६ गुरौबृषेर्कः प्र. वा.४न. ५ प्रग-ल्भावस्था (बैठौ) मु.१५(धान्यभाव तेज़ शुक्रोदयं

गोचरग्रहाः

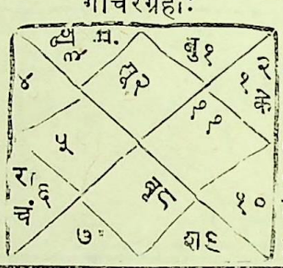

६पं.वै.शु.१०चं इ. ५ ७ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	७	२	८	५	१
३	२९	१७	३	१६	१२	१७	३
५६	३	१३	४८	९	५५	२७	५८
४५	३२	३७	५८	४०	१२	१४	३१
५७	३६	८ ५	५२	६८	३	३	५७
३४	४४	३७	ब	२६	ब	११	५३

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरे वैशाख कृ. महा.

१	श	१६	३५	अ	४ ५३	५२ ४१	शि	१२	५	कौ	१६	३५	२० ४८	५ १४	४६	२३	२	१४	ध.५७।३४
२	र	१०	१५	मू	५१	१६	सि	४६	१ ५० ४५	ग	१०	१५	५०	१४	४६	२४	३	१५	धनुषि
३	चं	१	५६	पू	४६	३१	शु	४४	३७	वि	१	५६	५२	१४	४६	२५	४	१६	धनुषि
४	चं	५३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	मं	५०	३४	उ	४३	५०	शु	३७	५६	कौ	२२	५८	५४	१३	४७	२६	५	१७	म.०।५१
६	बु	४७	५६	श्र	४२	५२	ब्र	३३	६	ग	१६	१६	५६	१३	४७	२७	६	१८	मकरे
७	गु	४७	३२	ध	४४	०	ऐं	२६	४६	वि	१७	४५	५८	१२	४८	२८	७	१९	कु.१३।२६
८	शु	४८	५७	श	४६	५६	वै	२८	१३	बा	१८	१५	३४ ०	१२	४८	२९	८	२०	कुम्भे
९	श	५२	०	पू	५१	५८	वि	२८	१४	तै	२०	३८	२	१२	४८	३०	९	२१	मी३५।४४
१०	र	५६	३८	उ	५८	३	प्री	२८	२१	व	२४	१९	४	११	४९	३१	१०	२२	मीने
११	चं	६०	०	रे	६०	०	आ	३०	३८	ब	२९	२३	६	११	४९	१	११	२३	मीने
११	मं	२	८	रे	५	१०	सौ	३३	१	बा	२	८	७	११	४९	२	१२	२४	मे.५।१०
१२	बु	८	१५	अ	१२	३६	शो	३५	२९	तै	८	१५	९	१०	५०	३	१३	२५	मेषे
१३	गु	१४	३७	भ	२०	१७	अ	३८	३	व	१४	३७	१०	१०	५०	४	१४	२६	बृ.३७।७
१४	शु	२०	३४	कृ	२७	३७	सु	४०	२२	श	२०	३४	१२	१०	५०	५	१५	२७	वृषे
३०	श	२६	२६	रा	३४	५०	धृ	४२	२३	ना	२६	२६	१३	९	५१	६	१६	२८	वृषे

जून मा.६ता.३० अपरा११ ब्र.स्मा.
कृति.बुधः५५।२७ बुधाऽस्तः २।५६
भ. ३६।७ उ.
भ. ५ १ या. ३ ६ वृषेबुधः ३१।४७.च.ब्र.
पुष्येभौमः १०।४४
भ. ४७।५६ उ.
भ. १७।४५ या.
रोहिण्यां बुधः १३।५६
भ. २ ४ उ. ५ ६ या. कर्के शुक्रः ३५।२३
हस्ते.२राहुःउभा.४केतुः ५ ११ ११ब्र.वै.
पुष्ये शुक्रः ३७।४८ प्रदोषः
भ. १४।३७ उ. ४७।३६ या.
मृगे बुधः २५।१६
वटपूजनम् भावुका ३०

७पं.ज्ये.कृ.३चं.इ. ५ ७ १०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	७	-	८	५	१
१०	३	०	२	२३	१२	१७	१०
२८	११	५१	१६	५४	३३	४	४२
५६	२८	४१	६	२९	७	५९	२२
५७	३६	९	५२	६७	४३	३	५७
२३	५९	३४	ब	१६	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

इस मास का फल साधारण रहेगा घृत गुड़ अनाज आदि में साधारण तेजी गरमी का जोर

गोचरग्रहाः

८पं.ज्ये.कृ.११च.इ. ५ ७ १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	७	३	८	५	१
१७	७	१५	२	१	१२	१६	१७
२०	२१	५३	४	२९	७	४२	२५
२	४३	२४	८	४६	४१	४३	९
५७	२७	५	२५	५५	२८	३	५७
१३	१०	४२	ब	४७	ब	११	२७

*शुचंमं

(स० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं.२०१६शाकः १८८१ | दि. | उ.अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः१८८६स१९५६

१	र	३१	३२	मृ	४१	१८	शु	४३	५३	ब	३१	३२	३४/१४	५६/५१	७	१७	२६	मि८।४	
२	चं	३५	५८	आ	४७	०	गं	४४	४६	बा	३	४५	१६	६	५१	८	१८	३०	मिथुने	चन्द्रद.मृगेरविः १५/८मिथुने बुधः२१।१०
३	मं	३६	२६	पु	५१	५०	वृ	४४	५६	तै	७	४२	१७	६	५१	६	१६	१	क.३५।३८	जिल्हेज १२
४	बु	४१	५८	पु	५५	४०	शु	४४	५	ब	१०	४२	१८	८	५२	१०	२०	२	कर्के	भ. १०।४२ उ. ४१।५८
५	गु	४३	१०	श्ले	५८	१६	व्या	४२	४३	ब	१२	३४	१६	८	५२	११	२१	३	सिं५८।१६	आर्द्रायां बुधः २६।५८ या.
६	शु	४३	१७	म	५६	३७	ह	४०	१३	कौ	१३	१३	२०	८	५२	१२	२२	४	सिंहे	
७	श	४१	५४	पू	५६	४४	व	३६	४४	ग	१२	३६	२१	८	५२	१३	२३	५	सिंहे	भ. ४१।५४ उ.
८	र	३६	२२	उ	५८	२०	सि	३१	५६	वि	१०	३८	२१	८	५२	१४	२४	६	कं.१४।२३	भ. १०/३८या.बुधोदयः पश्चिमायाम्११।५०
९	चं	३५	५	ह	५५	३५	व्य	२५	५४	बा	७	१४	२२	८	५२	१५	२५	७	कन्यायां	मिथुनेऽर्कः १६।५ (दृश्यः६।३०)
१०	मं	२६	३६	चि	५१	२५	च	१८	५७	तै	२	२२	२२	८	५२	१६	२६	८	तु. २३।३०	भ. ५६/१०उ.आश्ले.शुक्रः ३४/३५ गंगा १०
११	बु	२२	४१	स्वा	४५	५६	प	१०	४०	वि	२२	४१	२३	७	५३	१७	२७	६	तुलायां	भ. २२/४१या.आश्ले.भौमः २५/२६निर्जला११ब्र
१२	गु	१४	३५	वि	३६	२२	शि	३५/१५	५०/८	बा	१४	३५	२३	७	५३	१८	२८	१०	बृ.२६।०	पुनर्वसौ बुध १४।५१ प्रदोषः
१३	शु	५	४२	अ	३२	२३	सा	४१	२२	तै	५	४२	२३	७	५३	१९	२९	११	बृश्चिके	भ. ५६।१६ उ
१४	शु	५०	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	भ.२१।३७या.वटसावित्री पू. गुर्जराणां
१५	श	४६	५८	ज्ये	२५	५	शु	३१	२	वि	२१	३७	२४	७	५३	२०	३०	१२	ध.२५।५	

१०पं.ज्ये.शु.२चं.इ.५७/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	७	३	८	५	१
२३	११	१	१	८	११	१६	२४
५९	३३	१६	१६	५१	४०	२०	७
५८	०	२३	१९	८	१९	२१	१०
५७	३७	२९/५७	४६/ब	६४	१६/७	३/ब	५७
५	२९				११	२२	

गोचरग्रहाः

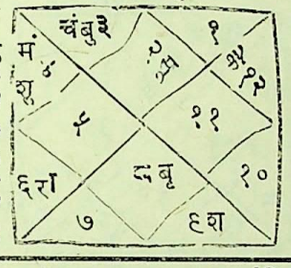

ज्येष्ठ शु. ९
चंद्रे मि.र्कः प्र.
वा.५न.५ गता-
लकावस्था (ऊभी)
मु.३०(धान्यभाव
सम) शुक्रोदयं

गोचरग्रहाः

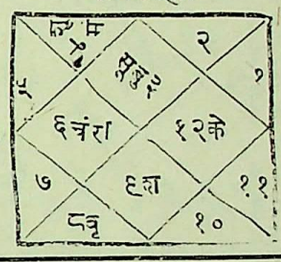

१०पं.ज्ये.शु.९चं.इ.५७/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	७	३	८	५	२
०	१५	१५	०	१६	११	१५	०
३९	४४	३२	३३	१	१०	५८	४८
७	३५	३८	२२	२३	५९	१२	२७
५६	३७	८/५४	५४	६२	३४	३	५७
५७	४१	३५	ब्र	४	ब	११	१७

ति. आषाढकृष्णपक्षः सं.२०१६ शाकः १८८१ | दि. | उ.अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	र	३८	११	मू	१८	१६	शु	२१	१५	बा	१२	३५	३३/२४	५७/५३	६/२१	३१	१३		धनुषि
२	चं	३०	३१	पू	१२	२०	ग	१२	५	तै	४	२१	२४	७	५३	२२	१	१४	म.२६।११
३	मं	२४	२८	उ	७	४६	एं	१४/५४	५३/३७	वि	२४	२८	२४	७	५३	२३	२	१५	मकरे
४	बु	२०	१६	अ	५	२	वि	५२	५६	बा	२०	१६	२४	७	५३	२४	३	१६	कु.३५।४३
५	गु	१८	२५	भ	४	२३	प्री	४६	५१	तै	१८	२५	२३	७	५३	२५	४	१७	कुम्भे
६	शु	१८	३०	श	५	५६	आ	४८	२८	ब	१८	३०	२३	७	५३	२६	५	१८	मी५३।३८
७	श	२०	५०	पू	६	३२	सौ	४८	३८	ब	२०	५०	२३	७	५३	२७	६	१९	मीने
८	र	२४	४६	उ	१४	५१	शो	४६	३६	कौ	२४	४६	२२	८	५२	२८	७	२०	मीने
९	चं	३०	५	रे	२१	२५	अ	५१	४३	ग	३०	५	२२	८	५२	२९	८	२१	मे.२१।१५
१०	मं	३६	४	अ	२८	४६	सु	५४	५	ब	३	४	२१	८	५२	३०	९	२२	मेषे
११	बु	४२	२६	भ	३६	१७	धृ	५६	४८	ब	९	१६	२०	८	५२	१	१०	२३	वृ.५३।११
१२	शु	४८	३२	कृ	४३	५१	शू	५६	१५	कौ	१५	३०	१९	८	५२	२	११	२४	वृषे
१३	शु	५४	१३	रा	५०	५६	गं	६०	०	ग	२१	२२	१८	८	५२	३	१२	२५	वृषे
१४	श	५८	२६	रो	५७	१५	गं	१	१२	वि	२६	३६	१७	९	५१	४	१३	२६	मि२४।७
१५	र	६०	०	आ	६०	०	बृ	२	३३	च	३०	४७	१५	९	५१	५	१४	२७	मिथुने
३०	चं	२	३४	आ	२	२३	ध्रु	२	५६	ना	२	३४	१४	९	५१	६	१५	२८	क.५ ०।४१

+आर्द्रायां रविः १७।३८
भ. ५७/२९ उ. राष्ट्रीय आषाढारम्भः+
भ. २४।२८ या चतुर्थी ब्र.
कर्के बुधः ८।८
भ. १/३०उ. ४९/४०या. पुष्ये बुधः ७।२३
*विशा.३तुलायां गुरुः१८।४४
× शुक्रः २६।५८
भ. ३।४ उ. ३६।४ या. मघा सिंहें ×
जुलाईमा.७ता.३१वक्रीमूल. ३शनिः≡
≡५६।४२ योगिनी ११ ब्र.
भ. ५४।१३ उ. प्रदोषः
भ. २६।३६ या.
– बुधः ३५।३७ सोमवती ३०
पुनर्वसौ रविः २१।३९ आश्लेषा. –

११पं.आ.कृ.२चं.इ.५७/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	६	३	८	५	२
७	१९	२८	२९	२२	१०	१५	७
१७	५७	१	५६	५२	४०	३५	२९
३४	५०	१	५६	४३	२३	५६	१९
५६	३७	०/३८	४७/ब	५९	४८/२५	३	५७
५४	५२						

१२पं.आ.कृ.९चं.इ.५७/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	६	२	८	५	२
१३	२४	८	२९	२९	१०	१५	१३
५५	१२	३३	२७	२२	९	१३	९
३९	५०	२९	५८	५२	१८	४१	४७
५६	३८	८/१	४०/३	५५	४०/४	३	५७
५०	५	३	ब	५६	ब	११	७

१३पं.आ.कृ.३०चं.इ.५७/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	६	४	८	५	२
२०	२८	१७	२९	५	९	१४	२०
३३	२८	०	६	२५	३९	५१	५०
३३	५२	२५	४७	४४	१४	२२	१३
५६	३८	५७	२६/१	५१	३३/४	३	५७
५०	१२	११	ब्र	२०	ब	११	७

(स० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं.२०१६ शाकः १८८१ दि. उ. अ इं. रा. मु. चंद्रः वर्षतूरविदक्षिणेऽहर्गणः १९१९स.१९५९

१	मं	५	१२	पु	६	४७	व्या	२	३७	ब	५	१२	३४ १३	५ ६ ५१	७	१६	२९	कर्के	दक्षिण भारते चंद्रद. संभवः
२	बु	६	४१	पु	९	४९	ह	१ २६	५८ ०	कौ	६	४१	११	१०	५०	८	१७	१	कर्के	चन्द्र. मो. १ सन् १३७९ हि.
३	गु	७	२	श्ले	११	४७	सिं	५ ६	३१	ग	७	२	१०	१०	५०	९	१८	२	सिं ११।४७	भ. ३६।४४ उ.मो १सन्१३७९हिजरी *
४	शु	६	२५	म	१२	५५	व्य	५ २	५७	वि	६	२५	८	१०	५०	१०	१९	३	सिंहे	भ. ६।२५ या. [*मघा.सिंहेभौमः २० ११
५	श	४	४८	पू	१३	१७	व	४८	४१	ता	४	४८	७	११	४९	११	२०	४	क. २८।४	
६	र	२	११	उ	१२	२४	प	४ ३	२७	तै	२	११	५	११	४९	१२	२१	५	कन्यायां	भ. ५८।४४ उ.
७	र	५	६ ३ ३		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	चं	५	४ २	८	ह	१०	३४	शि	३७	३५	वि	२	६ ३	६	४	११	४९	१३	२२	६ तु. ३९।१३	भ. २६।३६ या.
९	मं	४	९ ११		चि	७	५२	सि	३०	५६	बा	२१	५०	२	१२	४८	१४	२३	७	तुलायां	[देवशयनी ११ व्र.चातुर्मास्यव्रतारम्भः
१०	बु	४	३ ५		स्वा	४	२८	सा	२३	३४	तै	१ ६	८	०	१२	४८	१५	२४	८	बृ. ४६।५९	मन्वादिः
११	गु	३	६ १०		वि	०	५ ४	शु	१५	३१	व	९	३७	३३ ५५	१२	४८	१६	२५	९	बृश्चिके	भ ३ ६ उ ३ १० या कर्केऽर्कः ५ ४ ३ (दृश्य ३३ ४१)
१२	शु	२	८ ३	४	ज्ये	४	९ २५	शु	७	५१ ०	ब	२	२२	५६	१३	४७	१७	२६	१०	ध. ४९।२५	पूफायां शुक्रः १६ २८ प्रदोषः ताजिया
१३	श	२	० ४ ३		मू	४	३ ४	६	एं	४	९ ६	तै	२	० ४	३	५४	१३	४७	१८	२७	११	धनुषि	[व्यास पूजा. गुरु १५ मन्वादि
१४	र	१	३ २		पू	२	८ २५	वे	४	० २३	ब	१	३ २	५	२	१४	४६	१९	२८	१२	म. ५२।१५	भ. १ ३ २ उ. ३ ६ या. मार्गीगुरुः ५ ४ वायु परीक्षा.
१५	चं	५	५०		उ	३	३ ४	४	वि	३	२ २३	व	५	५०	५	१४	४६	२०	२९	१३	मकरे	२५।४ वर्षा श्रेष्ठा

१४पं.आ.शु.८चं.इ.५६।५४ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	६	४	८	५	२
२७	२२	२८	१०	९	१४	२७	
११	४६	५६	५४	५७	१०	२९	३०
४०	४१	३८	०	१८	१	१०	३४
५६	३८	२९	३	४५	१३	३	५७
५५	३१	५९	ब	५७	ब	११	११

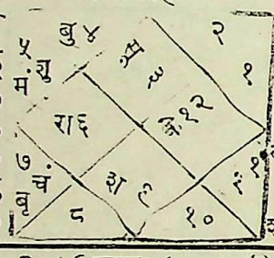

आषाढ शुक्ला ११ गुरौकर्केऽर्कःप्र वा. ४ न ५ बालावस्था (बैठी) मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयंवत्सउ राहु

गोचरग्रहाः

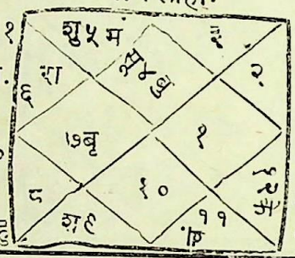

१५पंआ.शु१५चं.इ.५६।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	६	४	८	५	३
३	७	२५	२८	१५	८	१४	४
५०	६	४७	५०	४०	४२	६	११
७	७	१७	५३	५२	३६	५४	१६
५६	२८	०	२ ०	३८	५ ३	३	५७
५७	३७	४२	मा	२२	ब	११	१५

ति. श्रावण कृष्ण पक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः वर्षतूरावदक्षिण आषाढकृष्णेऽत.महाराष्ट्राः

१	चं	५	३ ५	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	५	५	६	अ	३०	७	श्री	२५	१९	तै	२७	२५	३३ ४७	१५	५ ४५	२१	३०	१४	कुं ५९।१५	वक्री बुध ६।२३
३	बु	५	२ १७		ध	२८	२३	आ	१९	२९	व	२३	४१	४५	१५	४५	२०	३१	१५	कुंभे	भ. २३।४१ उ. ५२।१७ या.
४	गु	५	१ २२		श	२८	४०	सो	१५	८	ब	२१	५०	४२	१६	४४	२३	१	१६	कुंभे	राष्ट्रीय श्रावणारम्भः चतुर्थी ब्र.
५	शु	५	२ ४ १		पू	३०	४५	शो	१२	२७	कौ	२२	२	४०	१६	४४	२४	२	१७	मी १५।१४	नाग ५ मरुस्थले
६	श	५	५ ५ २		उ	३४	४१	अ	११	२७	ग	२४	१६	३७	१७	४३	२५	३	१८	मीने	भ. ५५।५२ उ.
७	र	६	०	०	रे	४०	११	सु	११	२८	वि	२८	१५	३५	१७	४३	२६	४	१९	मे ४०।११	२८।१५ या.
७	चं	०	३ ८		अ	४७	८	धृ	१२	५५	ब	०	३८	३२	१८	४२	२७	५	२०	मेषे	
८	मं	६	१७		भ	५४	२८	शू	१४	५६	कौ	६	१७	२९	१८	४२	२८	६	२१	मेषे	बुधास्तः पश्चिमायाम् ४०।५६
९	बु	१२	३३		कृ	६०	०	गं	१७	२६	ग	१२	३३	२६	१९	४१	२९	७	२२	बृ. ११।२२	भ. ४५।३४ उ.
१०	गु	१८	३४		कृ	२	४	वृ	१९	५६	वि	१८	३४	२४	१९	४१	३०	८	२३	बृषे	भ. १ ३ ४ या पूफायां भौमः ५२।४६
११	शु	२४	१३		रो	९	२१	ध्रु	२२	१२	वा	२४	१३	२१	२०	४०	३१	९	२४	मि ४२।३३	कामिका ११ व्र.
१२	श	२८	५९		मृ	१५	४५	व्या	२३	३८	तै	२८	५९	१८	२०	४०	१	१०	२५	मिथुने	अगस्त मा. ८ ता. ३१ प्रदोषः
१३	र	३२	९		आ	२०	५६	ह	२४	३	ग	०	३४	१५	२१	३९	२	११	२६	मिथुने	भ.३२।९उ. [स्त्री चं.चं.वा.गजवर्षासमा.
१४	चं	३४	१०		पु	२४	५६	व	२३	२४	वि	३	२०	१२	२२	३८	३	१२	२७	क. ८।५६	भ. २ ३ यांआश्लेषायांरविः २५ २ सं. स्त्री ≡
३०	मं	३४	४२		पु	२७	२५	सि	२१	३९	च	४	२१	९	२२	३८	४	१३	२८	कर्के	हस्त.१ राहुः उ.भा. ३ केतुः ४ ९ २४ हरि. ३०

१६ पं.श्रा.कृ.७चं.इ. ५६।२७ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	६	४	८	५	६
१०	११	२४	२८	१९	८	१३	१०
३९	२३	५६	५५	२७	१७	४४	५२
२४	१७	४९	४४	१४	५३	३८	२५
५७	३८	५२	१	२८	३७	३	५७
५४	ब	२७	३८	ब	११	२०	

श्रावण मास का फल उत्तम है वर्षा अच्छी होगी घृत कपास धान्य गुड़ अलसी मंदे होंगे।

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ१४चं.इ५६।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	६	४	८	५	३
१७	१५	२०	२९	२१	७	१३	१७
९	४८	३७	९	५८	५६	२२	३४
१२	२२	५९	५४	२६	१७	२३	२
५७	३८	४९ ५१	२	१६	५८	३	५७
१२	५४	ब	५२	१	ब	११	२४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| श्रावण शुक्लपक्षः सं.२०१६ शाकः १८८१ दि.| उ.| अ.| इ.| रा.| मु.| चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९४८ स. १९५९

१	बु	३३	४६	श्ले	२८	२८	व्य	१८	२०	क्र	४	१४	३३/६	५	६	५	१४	२६	सिं.२८।२८	नक्त व्रतारम्भः
२	गु	३१	४७	म	२८	२६	ब	१५	६	वा	२	४६	३	२३	३७	६	१५	३०	सिंहे	चन्द्र द.
३	शु	२८	५०	पू	२७	२२	प	१०	४१	तै	०	१८	०	२४	३६	७	१६	१	कं.४२।९	भ. ५७।४ उ. सफर २
४	श	२५	१७	उ	२५	५९	शि	१६/५	४५/१६	वि	२५	१७	३२/६	२५	३५	८	१७	२	कन्यायां	भ. २५।१७ या.
५	र	२१	३	ह	२३	३८	सा	५३	२४	वा	२१	३	५३	२५	३५	९	१८	३	तु.५२। २४	वक्री पुष्ये बुधः १६।१२ नाग ५
६	चं	१६	३४	चि	२१	१०	शु	४७	४	तै	१६	३४	५०	२६	३४	१०	१९	४	तुलायां	वर्णा षष्ठी
७	मं	११	४५	स्वा	१८	९	शु	४०	२७	न	११	४५	४७	२७	३३	११	२०	५	तुलायां	भ.११।४५ उ.३९।११ या. वक्री शुक्रः८।४५
८	बु	६	३८	वि	१४	५१	ज्ये	३३	२५	ब	६	३८	४३	२७	३३	१२	२१	६	वृ.०।४०	
९	गु	१	४	अ	११	१७	मू	३३	२६	१९	कौ	१	४	४०	२८	३२	१३	२२	७	वृश्चिके
१०	गु	५४	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०
११	शु	४९	२८	ज्ये	७	४०	पू	१८	४८	ब	२२	२२	३६	२९	३१	१४	२३	८	ध.०।४०	गुरुः २२।१ ऋग्वेदीनामुपाकर्म
१२	श	४३	३४	मू	४५/४	५६/१४	वि	११	२४	ब	१६	३१	३३	२९	३१	१५	२४	९	धनुषि	भ.२२।२२ उ४९।२८ या. पवित्रा ११ ब्र.स्म।
१३	र	३८	२	उ	५६	३७	श्री	४/०	५२/५८	कौ	१०	४८	२९	३०	३०	१६	२५	१०	म. १४।८	पूर्वोदयी बुधः७।८ पवित्रा ११ ब्र.वै
१४	चं	३३	६	श्र	५३	५६	सो	५०	४१	ग	५	३४	२६	३१	२९	१७	२६	११	मकरे	५३।५९ मार्गीबुधः८।५३ प्रदोषः
१५	मं	२९	१७	ध	५२	१०	शो	४५	१	वि	१	११	२२	३२	२८	१८	२७	१२	कु. २३।३	भ. ३३।६ उ. २२।१९

भ. १।११ या. श्रांवणीकर्म, रक्षाब.

१८पं.श्रा.शु.६चं.इ. ५६।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	६	४	८	५	३
२३	२०	१५	२९	२२	७	१३	२४
५०	१२	३४	३०	५३	३७	०	१६
१९	७	५५	१३	४२	५५	७	२८
५७	३	३६/०	४	०	१९/२	३	५७
२२	१	ब	२	३५	ब	११	३२

गोचरग्रहाः

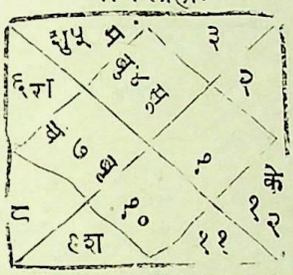

श्रावणशु.१४चन्द्रे सिंहेऽर्कः प्र, व. ५न. ६ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभावसम) शुक्रोदय वत्सःपूर्वे ।

गोचरग्रहाः

१९पं.श्रा.शु १४चं.इ५६।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	७	४	८	५	४
०	२४	१४	०	२१	७	१२	०
३२	३७	३९	२	५५	२३	३७	५९
३२	८	३६	५६	८	३५	५२	४७
५७	३९	२३/१३	५	५९/२६	४९/१	३	५७
३४	८	म।	९	ब	ब	११	४०

ति.| भाद्रपद कृष्णपक्षः सं.२०१६ शाकः १८८१ दि.| उ.| अ.| इ.| रा.| मु.| चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेश्रावण कृष्णेात महारा.ब्र.

१	बु	२६	५०	श	५२	७	अ	४०	३२	कौ	२६	५०	३२/१९	५/३२	६/२८	१९	२८	१३	कुम्भे	
२	गु	२५	५६	पू	५३	२८	सु	३७	११	ग	२५	५६	१५	३३	२७	२०	२९	१४	मी३८।८	भ ५६।२१ उ.
३	शु	२६	४५	उ	५६	३१	धृ	३५	२९	वि	२६	४५	११	३४	२६	२१	३०	१५	मीने	भ२६।४५ या.४।३४ चतुर्थीव्रतयाशुक्रास्तः*
४	श	२९	२१	रे	६०	०	शू	२४	४१	वा	२९	२१	८	३४	२६	२२	३१	१६	मीने	३५।१३ शु.अ.प.
५	र	३३	३२	रे	१	६	गं	३५	२२	कौ	१	२६	४	३५	२५	२३	१	१७	मे. १।६	राष्ट्रीय भाद्रपदारम्भः चंद्र षष्ठी
६	चं	३८	४९	अ	७	२८	वृ	३६	५५	ग	६	१०	०	३६	२४	२४	२	१८	मेषे	भ. ३८।४९ उ. [*पश्चिमायाम्
७	मं	४५	१	भ	१४	२०	ध्रु	३९	२	वि	११	५५	३७/६	३७	२३	२५	३	१९	वृ.३१।१३	भ. ११।५५ या.
८	बु	५१	७	कृ	२१	५१	व्या	४१	२५	वा	१८	४	५२	३८	२२	२६	४	२०	वृषे	कन्या.भौमः २१।४६ श्रीकृ.ज.ब्र.गन्वादिः
९	गु	५६	५७	रो	२९	१९	ह	४३	४६	तै	२४	२	४८	३८	२२	२७	५	२१	वृषे	गोगानवमी
१०	शु	६०	०	मृ	३६	१४	व	४५	३८	व	२९	२५	४४	३९	२१	२८	६	२२	मि.२।४६	भ. २९।५५ उ.
१०	श	१	५३	आ	४१	५२	सि	४६	२७	वि	१	५३	४०	४०	२०	२९	७	२३	मिथुने	भ. १।५३ या.
११	र	५	२१	पु	४६	६	व्य	४६	७	वा	५	२१	३६	४१	१९	३०	८	२४	क. ३०।२	अजा ११ ब्र.
१२	चं	७	२४	पु	४८	३८	ब	४४	३५	तै	७	२४	३२	४२	१८	३१	९	२५	कर्के	पू.फा.यां.रविः १३।१० प्रदोषवत्साद्वदशी
१३	मं	७	४०	श्ले	४९	३०	प	४१	४०	व	७	४०	२८	४२	१८	१	१०	२६	सि.४९।३०	भ७।४० उ३६।४७ ासितम्बरमाहेता ३०
१४	बु	५	५५	म	४८	५०	शि	३७	१२	श	५	५५	२५	४३	१७	२	११	२७	सिंहे	[= मघासिंहेबुधः २४।२
३०	गु	२	५६	पू	४६	४८	सि	३१	४३	ना	२	५६	२१	४४	१६	३	१२	२८	सिंहे	वक्री मघायांशुक्रः ३४/४३ ३० कुशाग्रहणम्

२०पं.भा.कृ.६ चं.इ ५६।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	७	४	८	५	४
७	२९	१९	०	१९	७	१२	७
१६	३	२६	४१	४	१३	१५	४४
५	५०	४९	२४	४८	५९	३६	१६
५७	२९	७१	६	३९/८	४	३	५७
४५	१८	५	१७	ब	ब	११	४८

गोचरग्रहाः

इस मास में वर्षा का योग उत्तम है। पांच बुधवार है जो प्रजा में सुख शान्ति के द्योतक है।

गोचरग्रहाः

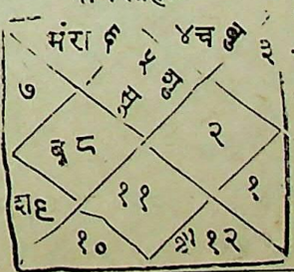

२१पं.भा.कृ.१२बृ.इ५५।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	७	४	८	५	४
१४	३	२९	१	१४	७	११	१४
१	३२	११	२७	५६	९	५३	२९
१७	२८	३८	१४	३५	७	२०	५६
५७	२९	०/९	७	३९/८	२५/१	३	५८
५७	३५	९/५	१४	ब	ब	११	१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०१६ शाकः१८८१ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | शरदर्तौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९७७सन् १९५९

१	गु	५५	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	शु	५३	१२	उ	४३	५०	सा	२५	२५	बा	२५	४८	३१ ५७	४५	५५ ६	४	१३	२९	क.१.३
३	श	४७	३१	ह	४०	६	शु	१८	२६	तै	२०	२६	१३	४५	१५	५	१४	१	कन्यायां
४	र	४१	३७	चि	३६	२	शु	१०	५७	व	१४	३४	६	४६	१४	६	१५	२	तु.८.४
५	चं	३५	३७	स्वा	३२	५	ज्ये	१७	३ ५२	ब	८	३७	५	४७	१३	७	१६	३	तुलायाँ
६	मं	२९	५२	वि	२८	१५	वै	४८	३१	कौ	२	४४	१	४८	१२	८	१७	४	वृ.१४.१३
७	बु	२४	२२	अ	२४	३८	वि	४१	१७	व	२४	२२	३० ५७	४९	११	९	१८	५	वृश्चिके
८	गु	१९	१४	ज्ये	२१	१८	प्री	३४	२२	ब	१९	१४	५३	४९	११	१०	१९	६	ध.२१.१८
९	शु	१४	३४	मू	१८	२१	आ	२७	४४	कौ	१४	३४	४८	५०	१०	११	२०	७	धनुषि
१०	श	१०	५	पू	१५	४६	सो	२१	३१	ग	१०	५	४४	५१	९	१२	२१	८	म ३०.१९
११	र	६	२५	उ	१३	५८	श्रो	१५	३५	वि	६	२५	४०	५२	८	१३	२२	९	मकरे
१२	चं	३	१०	श्र	१२	४१	अ	१०	२२	बा	३	१०	३६	५३	७	१४	२३	१०	कु.४२.५०
१३	मं	०	५२	ध	१२	८	सु	५	४२	तै	०	५२	३२	५४	६	१५	२४	११	कुम्भे
१४	मं	५८	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	बु	५९	२९	श	१२	३८	धू	५० १	४७ २	वि	२९	३३	२८	५४	६	१६	२५	१२	मी.५८.५२

चन्द्रद.संभवः ११.५३ पूर्वास्तं बुधः०.५

भ.१४.३४ उ.४१.३७ या.ग.चं शु.पू.
भौमास्तः९.२८ ऋषि ५
पूफायां बुधः३७.१७ शु.उ.पू.
भ. २४.२२ उ. ५१.४८ या.
हस्ते भौमः ५२.५६

भ. ३८.१५ उ.रामदेवजी का मेला
भ.६.२५ या.५७.४९ जलझू.११ व्र.
हरिवासराऽभावःप्रदोषः
भ५९.३७ उ.उफायांबुधः४३.२१ अनु. *
[* १गुरुः४.२१ अनंत चतुर्दशीव्र.
भ ३३ या ५३ महालयाश्राद्धारंभः कु.संध्यापू.

२२पं.भा.शु.५चं.इ.५५.४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	७	४	८	५	४
२०	८	१२	२	१०	७	११	२१
४७	२	१	२०	४५	८	३१	१६
५७	४२	२३	२	७	३५	५	५८
५८	३९	२९	८	३५ १३	२४	३	५८
१२	४३	३२	२३	ब	मा	११	१३

गोचरग्रहाः

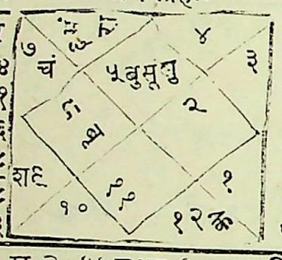

इस मास में २ तिथियों का क्षय हुआ है जिससे १३ दिन का पक्ष आया है। जिसका फल अच्छा नहीं है

गोचरग्रहाः

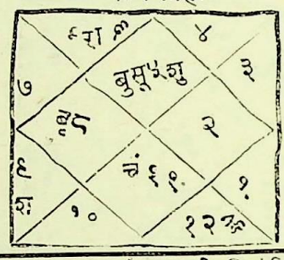

२३पं.भा.शु१२चं.इ.५५.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	७	४	८	५	४
२७	१२	२५	३	७	७	११	२८
३६	३४	२८	१८	४०	१३	८	५
२०	४८	२६	४०	५९	१९	४९	२२
५८	२९	२८	९	१७	१	३	५८
२९	५२	३५	८	४४	१०	११	२६

ति. आश्विन कृष्णपक्षः स.२०१६ शाकः१८८१ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | शरदर्तौ रविर्दक्षिणेभाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	गु	६०	०	पू	१४	१७	गं	५७	१०	वा	३०	८	३० २४	५५	५	१७	२६	१३	मीने
१	शु	०	४८	उ	१७	२७	वृ	५६	१७	कौ	०	४८	२०	५६	४	१८	२७	१४	मीने
२	श	३	४१	रे	२१	५२	धु	५६	१५	ग	३	४१	१६	५७	३	१९	२८	१५	मे.२१.५२
३	र	७	४४	अ	२७	४१	व्या	५७	३५	वि	७	४४	१२	५८	२	२०	२९	१६	मेषे
४	चं	१२	५१	भ	३४	११	ह	५९	१९	बा	१२	५१	८	५८	२	२१	३०	१७	वृ.५१.२
५	मं	१८	५७	कृ	४१	३७	व	६०	०	तै	१८	५७	४	५९	१	२२	३१	१८	वृषे
६	बु	२५	१०	रो	४९	१३	व	१	४२	व	२५	१०	३०	६०	६०	२३	१	१९	वृषे
७	गु	३१	२५	मृ	५६	३५	सि	४	५	ब	३१	२५	२९ ५५	६० १	५९ ५९	२४	२	२०	मि२२.५४
८	शु	३६	५६	आ	६०	०	व्य	६	२०	बा	४	१०	५१	२	५८	२५	३	२१	मिथुने
९	श	४०	५९	आ	३	१०	व	७	४०	तै	८	५७	४७	३	५७	२६	४	२२	क. ५२.१०
१०	र	४३	४१	पु	८	१६	प	८	१३	व	१२	२०	४३	३	५७	२७	५	२३	कर्के
११	चं	४४	२५	पु	११	४७	शि	७	२८	ब	१४	३	३८	४	५६	२८	६	२४	कर्के
१२	मं	४३	७	श्ले	१३	२४	सि	५	७	कौ	१३	४६	३४	५	५५	२९	७	२५	सिं.१३.२४
१३	बु	३९	५८	म	१३	६	सा	१२	५४ ४०	ग	११	३२	३०	६	५४	३०	८	२६	सिंहे
१४	गु	३४	५५	पू	१०	५६	शु	४९	५	वि	७	२६	२६	७	५३	१	९	२७	क. २५.३
३०	शु	२८	३६	उ	७	२६	ब	४१	१६	च	१	४६	२२	८	५२	२	१०	२८	कन्यायां

२३.० कन्यायां बुधश्च १९.२

भ. ३५.४२ उ.
भ. ७.४४ या. चतुर्थी व्र.

हस्ते बुधः ४९.२० मार्गीशुक्रः १९.५१
भ.३५ उ.५८ या. राष्ट्रीयआश्विनारम्भः

[मातृ ९ सौभाग्यवतीनाम् श्राद्धम्
भ. १२.२० उ.४३.४१ या.३५.२८
इन्दिरा ११ व्र.
[+ चित्रायां भौमः१७.२
भ.३९.५८ उ.३४.५४ प्रदोषः
भ.२७ या.अक्टूबर मा. १० ता. ३१+
सर्वपितृश्राद्धम् प.प्र.क्वचित्सूर्यग्रहण

२४ पं.आ.कृ.४चं.इ.५५.२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	७	४	८	५	५
४	१७	८	४	६	७	१०	४
२६	८	२१	२२	२७	२२	४६	५५
२७	३८	०	५२	४०	४४	३४	१७
५८	३९	०	९	५	१	३	५८
४५	५९	०	५२	ब	४३	११	३८

गोचरग्रहाः

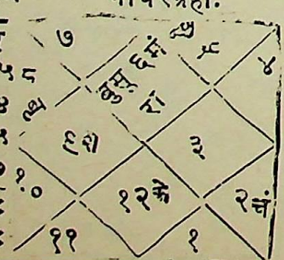

आश्विन कृ.१ गुरौ कन्यायामर्कः प्र.वा. ४ न.५ कुमवारावस्था (बैठी) मु.४५ (धान्यभावमंदा) शुक्रोदयंपूर्वे।

गोचरग्रहाः

२५पं.आ.कृ.११चं.इ.५५.१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	७	४	८	५	५
११	२१	२०	५	७	७	१०	११
१८	४५	२६	३२	१२	३६	२४	४६
३५	७	२८	३५	१८	२२	१८	५३
५९	४०	०	१०	२३ ५४	२	३	५८
०	१०	२९	३५	मा	२९	११	५३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०१६शाकः१८८१ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः शरदृतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२००७स.१६५६

१	श	२१	१८	हु	२७	५४	ऐ	३२	२५	व	२१	१८	२६	६	५	३	११	२६	तु. २६।४१
२	र	१३	३८	स्वा	५१	८	वै	२३	२६	की	१३	३८	१४	६	५१	४	१२	३०	तुलायां
३	चं	५	५३	वि	४५	२८	वि	१४	१६	ग	५	५३	१०	१०	५०	५	१३	१	बृ. ३१।५३
४	चं	५२	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	मं	५१	३८	अ	४०	१०	प्री	५	५	व	२५	४	६	११	४६	६	१४	२	वृश्चिके
६	बु	४५	३३	ज्ये	३५	४४	सो	४८	२८	की	१८	३६	२	१२	४८	७	१५	३	ध. ३५।४४
७	गु	४०	२६	मू	३२	२	शो	४१	१६	ग	१३	०	२८	१२	४८	८	१६	४	धनुषि
८	शु	३६	२०	पू	२६	२५	अ	३४	५६	वि	८	२३	५४	१३	४७	६	१७	५	म.४४।०
९	श	३३	१७	उ	२७	४५	सु	२६	२२	बा	४	४८	५०	१४	४६	१०	१८	६	मकरे
१०	र	३१	५	श्र	२७	११	धृ	२४	३४	तै	२	११	४६	१५	४५	११	१६	७	कु.५७।२३
११	चं	३०	६	ध	२७	३५	शू	२०	३३	व	०	३७	४२	१६	४४	१२	२०	८	कुम्भे
१२	मं	३०	२२	श	२६	२२	गं	१७	२८	ब	०	१६	३८	१६	४४	१३	२१	९	कुम्भे
१३	बु	३१	३१	पू	३१	५०	वृ	१५	२६	की	०	५६	३४	१७	४३	१४	२२	१०	मी१६।१३
१४	गु	३३	५३	उ	३५	३७	ध्रु	१४	५	ग	२	४२	३०	१८	४२	१५	२३	११	मीने
१५	शु	३७	२०	रे	४०	२३	व्या	१३	३८	वि	५	३६	२६	१९	४१	१६	२४	१२	मे.४०।२३

मातामह श्रा.
चन्द्रद. तुलायां बुधः ४६।५८
भ. ३२/१२ उ. ५८/३०या. १५/२७ बु.प.३९/५०
उफ.४राहुःउमा.२केतुः३३/३७उ.ल.ब्र.
भ.१४०।२६ उ. स्वात्यांदुधः ५५।२७
भ. ८।२३ या. सरस्वती पू.
स. विसर्जनं
६।५वर्षा श्रे.तु.भौमः३५/३७वि.१०बौ.ज.
भ ३७उ.३९या.पू.शुक्रः४३/२७ पा.११ब्र.
प्रदोषः
भ. ३३।५३ उ. का जागरी ब्र.
भ.३५/६या.श.पू.मा.नवा.भक्ष.का.स्ना.प्रा

२६पं.आ.शु.३चं.इ.५५।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	७	४	८	५	५
१८	२६	१	६	९	७	१०	१८
१२	२२	४९	४६	३९	५४	२	४०
१८	५९	४४	५२	२२	४०	२	११
५९	४०	९६	११	२७	३	३	५९
१६	२९	३५	१४	१४	१६	११	५

गोचरग्रहाः

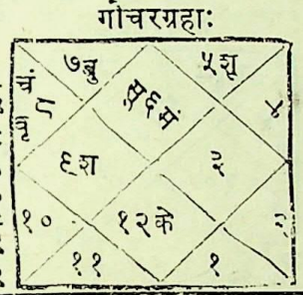

इस मास में जौ गेहूँ बाजरा ज्वार मक्का गुड़ घृत आदि भोज्य पदार्थ सस्ते होंगे प्रजा में पोड़ा।

गोचरग्रहाः

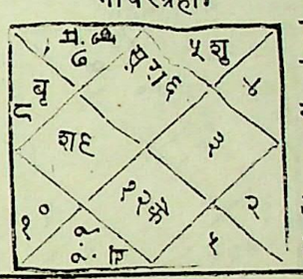

२७पं.आ.शु.११चं.इ५५।४५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	७	४	८	५	५
२५	११२	८	१३	८	९	२५	
८	२	३३	५	२७	१७	३९	३५
०	३८	४३	१३	४३	३८	४७	७
५९	४०	९२	११	३७	३	३	५९
३१	३६	४७	५२	२	५०	११	२१

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं.२०१६ शाकः १८८१ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः शरदृतुं रवि र्दक्षिणे आश्विन कृ. महा.

१	श	४२	०	अ	४६	१३	हु	१३	५३	बा	९	४०	२९/२२	२०	४५	१७	२५	१३	मेषे
२	र	४७	२४	भ	५२	३८	व	१५	२	तै	१४	४२	२९	२०	४०	१८	२६	१४	मेषे
३	चं	५३	२८	कृ	५९	५५	सि	१६	३२	व	२०	२६	१४	२१	३९	१९	२७	१५	वृ.९।२७
४	मं	५९	४५	रो	६०	०	व्य	१८	४०	ब	२६	३६	१०	२२	३८	२०	२८	१६	बृषे
५	बु	६०	०	रो	७	२८	व	२१	१०	की	३२	५६	६	२३	३७	२१	२९	१७	मि४१।१८
५	गु	६	७	मृ	१५	७	प	२३	२९	तै	६	७	२	२४	३६	२२	३०	१८	मिथुने
६	शु	१२	८	आ	२२	१३	शि	२५	३२	व	१२	८	२७/२८	२४	३६	२३	१	१९	मिथुने
७	श	१७	१२	पु	२८	१८	सि	२६	४६	ब	१७	१२	५४	२५	३५	२४	२	२०	क.१३।५४
८	र	२०	३७	पु	३३	१५	मा	२६	५६	की	२०	३७	५०	२६	३४	२५	३	२१	कर्के
९	चं	२२	३१	श्ले	३६	२२	शु	२५	५५	ग	२२	३१	४६	२७	३३	२६	४	२२	सिं३६।२२
१०	मं	२२	१०	म	३७	२९	शु	२३	१६	वि	२२	१०	४२	२८	३२	२७	५	२३	सिंहे
११	बु	१९	५३	पू	३६	३५	ज्ये	१९	६	बा	१९	५३	३९	२८	३२	२८	६	२४	क.५०।५३
१२	गु	१५	४४	उ	३३	४९	ऐं	१३	९	तै	१५	४४	३५	२९	३१	२९	७	२५	कन्यायां
१३	शु	९	३६	ह	२९	८	वै	४०	५/१३	व	९	३६	३१	३०	३०	३०	८	२६	तु.५६।८
१४	श	२	१	चि	२३	७	प्री	४७	१९	श	२	१	२७	३१	२९	३१	९	२७	तुलायां
३०	श	५१	२९		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०

तुलायांमर्कः ४८।४९ (दृश्यः २२।९)
वि. बुधः ४।१९
भ. २०।२६उ.५३।२८ या.
करक चतुर्थी व्र.
स्वात्यां भौमः १५।१
अनुराधा. ३ गुरुः ३३।४४
भ.१३/६उ.४४/४०या. राष्ट्रीय कार्तिकारम्भ.
स्वात्यां रविः २९।५२
वृश्चिके बुधः २०।६
भ. ५२।२१ उ.
भ. २२।१० या.
अनु.बुधः ०।४० रमा ११ ब्र.
प्रदोषः यमदीपदानं धन १३
भ.३९/६उ.३५/४८या.१९/६रूप१४ नरक १४
महालक्ष्मी पूजनम्

२८पं.का.कृ.३चं.इ.५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	७	४	८	५	६
२	५	२२	९	१८	८	९	२
५	४५	३९	२७	१८	४४	१७	३१
३०	२९	११	२५	०	२४	३१	३२
५९	४०	८४	१२	४४	४	३	५९
४६	४६	४०	१८	५०	३०	११	३४

गोचरग्रहाः

कार्तिक कृ. १ शनौतुलायामर्कः प्र.वा.३न.४युवा वस्था(सूती)मु.१५ (धान्यभावतेज) शुक्रोदय पू.

गोचरग्रहाः

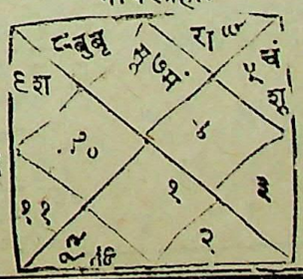

२९पं.का.कृ.९चं.इ.५४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	७	४	८	५	६
९	१०	१	१०	२३	९	८	९
४	३०	५७	५२	५६	१५	५५	२९
५०	०	४३	४१	३५	०	१६	५१
६०	४०	७३	१२	५०	४	३	५९
२	५६	४४	३८	२२	५६	११	४७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०१६ शाकः१८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०३६स.१६५६
१	र	४४	१७	स्वा	१६	२६	आ	३७	२	कं	१८	५४	२७	६	५	१	१०	२८	वृ.५५।५५	नव.११ता.३० अन्नकूट गोवर्धन पूजा
२	चं	३५	६	वि	६	४	सौ	२६	३०	बा	६	४३	२४	३१	२६	२	११	२६	बृश्चिके	च.द.कन्या.शुक्रः ५१० कलमदा.पू.यम२*
३	मं	२६	३२	अ	५६	५३	शो	१६	७	तै	०	५१	१६	३२	२७	३	१२	१	ध. ५५।२६	भ.५२।३६उ.जमादिलावल५ *भ्रातृ२
४	बु	१८	४०	मू	४६	४४	अ	१३	५०	वि	१८	४०	१३	३३	२७	४	१३	२	धनुषि	भ. १५० या. मूल. ४ शनिः ५.४।२५
५	गु	११	५२	पू	४५	३४	धृ	४६	६	वा	११	५२	६	३४	२६	५	१४	३	म.५६।५१	
६	शु	६	३५	उ	४२	४१	शू	४२	१६	तै	६	३५	६	३५	२५	६	१५	४	मकरे	विशा.खायां रविः ४७।१४
७	श	२	५०	श्र	४१	२०	गं	३६	५२	व	२	५०	२	३६	२४	७	१६	५	मकरे	भ.२।५०उ.३१।४६या. अनु.४गुरुः÷
८	र	०	४८	ध	४१	३३	बृ	३२	२६	ब	०	४८	२५	३६	२४	८	१७	६	कु.११।२६	÷३५।३३कल्पादिः गोपाष्टमी
९	चं	०	२	श	४३	२३	ध्रु	२६	२५	कौ	०	२	५६	३७	२३	९	१८	७	कुम्भे	विशा.भौमः ४५६ अक्षया.९कुष्मांड९युगा.
१०	मं	०	५६	पू	४६	३६	व्या	२७	३३	ग	०	५६	५३	३७	२३	१०	१९	८	मी २०।४८	भ. ३१।५८ उ.
११	बु	३	१	उ	५०	५०	ह	२६	३२	वि	३	१	४९	३८	२२	११	२०	९	मीने	भ.३।१या.प्रबो .११ब्र.तुलसीविवाह
१२	गु	६	२०	रे	५६	१७	व	२६	५०	वा	६	२०	४६	३९	२१	१२	२१	१०	मे.५६।१७	ज्ये.बुधः ५६ हरिवासराऽभावः प्रदोषः
१३	शु	१०	४४	अ	६०	०	सि	२७	१८	तै	१०	४४	४३	३९	२१	१३	२२	११	मेषे	वक्री बुधः ३९ हस्ते शुक्रः ४३ वैकुण्ठ १४
१४	श	१६	१	अ	२	२७	व्य	२८	४०	व	१६	१	४०	४०	२०	१४	२३	१२	मेषे	भ. १६१ उ. ४५३ यां. ×बुधः ३१।२३
१५	८	२१	४६	भ	९	१४	व	३०	२४	ब	२१	४६	३२	४१	१९	१५	२४	१३	ब २६।२	पुष्करयात्रा.का.स्नानपूर्तिः वक्री अनु.×

३०पं.का.शु.२चं.इ.५४।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	७	५	८	५	६
१६	१५	१०	१२	०	९	८	१६
५	१६	२	२०	११	४२	३३	२९
५४	५५	३८	५३	३१	८	०	३७
६०	४१	५७	१३	५४	५	३	६०
१८	६	५५	५	५६	२६	११	४

गोचरग्रहाः

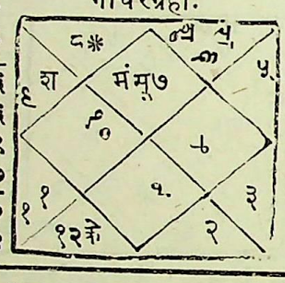

इस मास का फल साधारण है प्रजा में कुछ कष्ट शीत की विशेषता तुला राशिका मंगल धान्य मंदा करेगा

गोचरग्रहाः

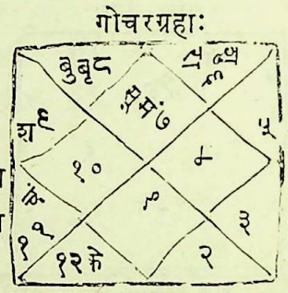

३१पं.का.शु.६चं.इ.५४।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	७	५	८	५	६
२३	२०	१५	१३	६	१०	८	२३
८	५	२८	५०	२४	२६	१०	३१
३२	४२	२०	४९	५८	३८	४४	०
६०	४१	२८	१३	५८	५	३	६०
३०	१६	१२	२९	५०	११	१७	

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०१६ शाकः१८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे कार्तिक कृ. महाराष्ट्राः
१	चं	२८	१	कृ	१६	२५	प	३२	२२	कौ	२८	१	२६ ३४	४३	६ १९	५ ६	१६	२५	१४	बृषे
२	मं	३४	२४	रो	२३	५६	शि	३४	३८	तै	१	१३	३१	४२	१८	१८	१७	२६	१५	मि५७।४३
३	बु	४०	४१	मृ	३१	३१	सि	३६	५७	व	७	३२	२९	४२	१८	१८	२७	१६		मिथुने
४	गु	४६	४४	आ	३८	४७	सा	३९	७	ब	१३	४२	२६	४३	१७	१९	२८	१७		मिथुने
५	शु	५१	५२	पु	४५	२५	शु	४०	३१	कौ	१९	१८	२४	४३	१७	२०	२९	१८		क.२८।४९
६	श	५६	५	पु	५१	८	शु	४१	२७	ग	२३	५८	२१	४४	१६	२१	३०	१९		कर्के
७	र	५९	१	श्ले	५५	२६	ब्र	४१	२२	वि	२७	३३	१९	४४	१६	२२	१	२०		सिं५५।२६
८	चं	६०	०	म	५८	१७	ऐं	३९	५६	वा	२९	३०	६	४५	१५	२३	२	२१		सिंहे
९	मं	५९	२०	पू	५९	१५	वै	३७	१६	तै	२९	४०	१३	४५	१५	२४	३	२२		सिंहे
१०	बु	५६	३१	उ	५८	११	वि	३२	५८	व	२७	५६	११	४६	१४	२५	४	२३		कं. १३।५८
११	शु	५१	५२	ह	५५	१६	पी	२७	९	ब	२४	१२	८	४६	१४	२६	५	२४		कन्यायां
१२	शु	४५	२६	चि	५०	३५	आ	१९	३७	कौ	१८	३९	६	४७	१३	२७	६	२५		तु. २२।५५
१३	श	३७	३२	स्वा	४४	२७	सौ	१०	५३	ग	११	२९	३	४७	१३	२८	७	२६		तुलायां
१४	र	२८	२४	वि	३७	१६	शो	०	४९ २८	वि	२	५८	१	४८	१२	२९	८	२७		वृ.२४।३
३०	चं	१८	४८	अ	२९	२२	सु	३९	१७	ना	१८	४८ २५	२५ ६	४८	१२	३०	९	२८		वृश्चिके

बृश्चिकेऽर्कः४१।३२(दृश्यः२०।३३)

भ.३७उ.४९या.पश्चिमास्तंबुधः२०।२४
अनु. रविः ५.९।२० चतुर्थी ब्र.

भ. ५६।५ उ.
भ २७।३३या.राष्ट्रीय मार्गशीर्षारंभ.÷
÷ज्येष्ठा१गुरुः४२।७गुर्वस्तः२४।० गु.अ.
वृश्चिके भौमः ८।२
भ.२५६उ.५६या.चित्रायां शुक्रः४०।४१
उत्पत्ति ११ ब्र. स्मार्तानाम्
वक्री विशा.बुधः ४९ उत्पत्ति११ब्र.वै.
भ.३७उ.अनु भौमः५०।४९प्रदोषः
भ. २।५८ या.
पूर्वोदयी बुधः२८।३६सोमवती ३०

३२पं.मा.कृ.१चं.इ.५४।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	७	५	८	५	७
०	२४	१५	१५	१४	११	७	०
१२	५७	५१	२२	१	६	४९	३२
२६	०	४०	४४	२३	२६	२९	४४
६०	४१	३५	१३	६१	६	३	६०
४०	३७	ब	२६	१०	१४	११	३०

३३पं.मा.कृ.८चं.इ.५३।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	६	५	८	५	७
७	२९	८	१६	२१	११	७	७
१८	५०	४४	५६	२७	४९	२६	३७
९	५६	३८	१०	४	१२	१३	४०
६०	४१	४८	१३	६३	६	३	६०
५३	४०	ब	३२	२३	३१	११	४२

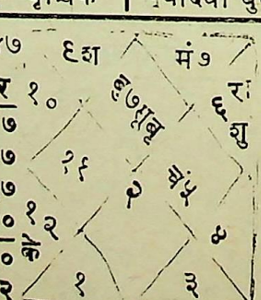

३४पं.मा.कृ.३०चं.इ५३।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	५	८	५	७
१४	४	१	१८	२९	१२	७	१४
२७	४५	१८	३०	६	३३	३	४२
५५	३६	१८	४०	२५	३२	५८	५५
६१	४१	३७ ४६	१३	६३	६	३	६०
३५०	ब	३८	२	४४	११	५०	

*वृचंबु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्षशुक्लपक्षः सं.२०१६ शाकः१८८१ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०६६स१९५९

| | | |

ति.| पौष शुक्लपक्षः सं.२०१६ शाकः १८८१ |दि. उ. अ|इं.रा.मु.| चंद्रः |शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २०६५स.५६-६०

१	बु	३६	२	पू	३५	३	ध्रु	२६	५३	कि	१०	३६	२५	४०	५६	५६
२	गु	२७	४६	उ	२८	४३	व्या	१६	५६	बा	१	४५	४०	५२	८	३१
३	शु	२१	२	श्र	२३	४४	ह	१०	५६	ग	२१	२	४१	५२	८	१
४	श	१५	५८	ध	२०	३२	व	१४	५४	वि	१५	५८	४२	५२	८	२
५	र	१२	५६	श	१६	८	व्य	५३	१६	बा	१५	५६	४३	५१	६	३
६	चं	१२	८	पू	२०	४	व	५०	३७	तै	१२	८	४४	५१	६	४
७	मं	१३	१८	उ	२२	४६	प	४६	३७	व	१३	१८	४६	५१	६	५
८	बु	१६	२८	रे	२७	३६	शि	५०	०	ब	१६	२८	४७	५१	६	६
९	गु	२१	११	अ	२३	४५	सि	५१	७	की	२१	११	४६	५०	१०	७
१०	शु	२७	५	भ	४१	२	सा	५३	१७	ग	२७	५	५१	५०	१०	८
११	श	३३	२८	कृ	४८	२५	शु	५५	२५	व	०	१६	५२	५०	१०	९
१२	र	४०	१०	रो	५६	५	शु	५७	४८	ब	६	४६	५४	४६	११	१०
१३	चं	४६	३५	मृ	६०	०	ब्र	५६	४७	की	१३	२२	५६	४६	११	११
१४	मं	५२	२७	मृ	३	२४	ऐं	६०	०	ग	१६	३१	५८	५८	१२	१२
१५	बु	५७	३६	आ	१०	३०	ऐं	१	२८	वि	२५	३	२६	४८	१२	१३

४७।३१ अनुराधा. शुक्रः ३२।२३
चन्द्रदर्शनम्
भ. ४८।३० उ. जनवरी मा.१ ता३१*
भ. १५।५८ या.
[*सन् १९६०ई. रज्जब ७
मूलेधनुषिभौमः५८।३६पूर्वास्तंबुधः २५।२
भ.१३।१८उ.४४।५३या.पूषा. २शनि ३५
ज्येष्ठा. ४ गुरुः २८।४
पूषायांबुधः ४८।११
भ०।१६उ.३३।२८यांपुत्रदा११ब्र.मन्वादि
ज्येष्ठायां शुक्रः३४।५१
उ.षा.यांरविः१३।९ प्रदोषः
भ५३।२७ उ
भ २५।३ या माघस्नान प्रारम्भः

३९पं.पौ.शु६च.इ ५२।४८ गोचरग्रहः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	७	७	८	५	८
२०	२९	७	२६	९	१६	५	२०
१०	५५	३५	१९	४६	३४	१२	१९
३९	५२	१०	१	४४	२६	४०	३५
६१	४२	९४	१३	७०	७	३	६१
२६	४६	४७	१३	१३	२०	११	६

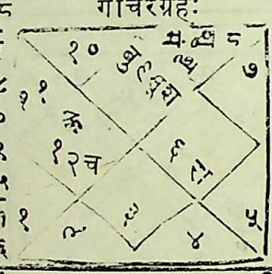

इस मास में शनि रवि का योग प्रजामें कष्ट होगा। धान्य भाव सम रूई चांदी में साधारणतेजीआएगी।

गोचरग्रहाः ४० पं.पौ.शु.१३चं.इ५२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	७	७	८	५	८
२७	५	१८	२७	१८	१७	४	२७
२०	४	२४	४८	१२	२३	५०	२७
३१	३०	७	४०	०	५३	२४	४१
६१	४२	९८	१२	७०	७	३	६१
२४	५४	५१	५०	५१	१४	११	६

त.| माघ कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१ |दि.| उ.|अ. इं.रा.मु.| चन्द्रः |शिशिरर्तू रविरुत्तरेपौषाढकृष्णेति.महाराष्ट्राः

१	गु	६०	०	पु	१६	२९	वै	२	३५	बा	२९	४४	२६	४७	५३	१४
१	शु	१	४९	पु	२१	४३	वि	२	५९	की	१	४९	५	४७	१३	१५
२	श	५	१	श्ले	२५	४८	प्री	२	३४	ग	५	१	८	४६	१४	१६
३	र	७	१८	म	२९	१	आ	२	५७	वि	७	१८	१०	४६	१४	१७
४	चं	८	२१	पू	३१	३	शो	५	३३	बा	८	२१	१२	४६	१४	१८
५	मं	८	२३	उ	३२	१०	अ	५	५२	तै	८	२३	१५	४५	१५	१९
६	बु	७	२२	ह	३२	१५	सु	४८	१४	व	७	२२	१७	४५	१५	२०
७	गु	५	१३	चि	३०	५३	धृ	४२	४०	व	५	१३	२०	४४	१६	२१
८	शु	१	५२	स्वा	२८	३६	शू	३६	५	की	१	५२	२२	४४	१६	२२
९	शु	५५	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	श	५१	४५	वि	२५	७	गं	२८	३८	व	२४	३६	२५	४३	१७	२३
११	र	४५	५	अ	२०	३४	वृ	२०	२५	ब	१८	२५	२७	४३	१७	२४
१२	चं	३७	३३	ज्ये	१४	५९	ध्रु	११	१६	की	११	१९	३०	४२	१८	२५
१३	मं	२९	२२	मू	८	५६	व्या	४४	५०	ग	३	२७	३३	४१	१९	२६
१४	बु	२१	८	पू	३७	४१	व	४२	५	शु	२१	८	३६	४१	१९	२७
२०	गु	१३	९	श्र	५०	४५	सि	३२	५०	ना	१३	९	३९	४०	२०	२८

मकरेऽर्कः २८।३६ (दृश्यः २२।२०)
भ. ३६।१० उ.
भ.७।१८या.उषायांबुधः९।१उदयः शनि*
[* २६।२८ च. ब्र.
मकरे बुधः ६।३८
भ.७।२२उ.३६।१८या.अभि.प्र.रविः५९
रांष्ट्रीयमघारम्भःमूलेधनुषिशक्रः३९।५४
५६।४२ मूल. १ धनुषि गुरुः ३२।५५
भ. २४।३६ उ.५१।४५ या
१५।५३ षट्तिला११ब्र.स्मा. वै.
८।८ श्रवणे बुधः ९।३९ ११ ब्र.नि
भ. २९।२२ उ. ५५।१५या. प्रदोषः
युगादिः

४१पं.मा.कृ४चं.इ. ५२।४४ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	७	७	८	५	९
४	१०	२९	२९	१६	१८	४	४
२०	१४	१६	१६	४१	१२	२८	२५
०	५६	२२	८	१०	४३	८	३१
३१	४३	८०	१२	७१	७	३	६१
१९	८	५३	२०	२२	८	११	३

माघ कृष्णा १गुरौ-मकरेऽर्कः प्र.वा. १ न.२ कुमारावस्था (बैठी) मु.३०(धान्य भावसम शुक्रोदयं पूर्वे.।

गोचरग्रहः

४२पं.मा.कृ१२चं.इ५२।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	८	८	८	५	९
११	१५	११	०	५	१९	४	११
३८	२७	१६	४०	१२	०	५	४२
५१	७	१	४१	०	२२	५३	५७
६१	४३	८०	१२	७१	६	३	६०
१३	१९	४४	२	४६	५७	११	५९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्लपक्षः सं.२०१६ शाकः१८८१ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २११५सन्१९६०

१	शु	६	५	ध	४६	२८	व्य	२४	३५	ब	६	५१	२६	४२	४०	२०	२६	६	२६	कु. १८।३७	चन्द्रदर्शनम्
२	श	०	१४	श	४३	४४	व	१७	२७	कौ	०	१४	४६	३६	२१	३०	१०	१	कुम्भे	सावान ८
३	श	५५	५३	श	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
४	र	५४	१५	पू	४२	५३	प	११	३६	व	२५	११	४६	३८	२२	३१	११	२	मी. २८।६	भ.२५।११ उ. ५४।१५ या.
५	चं	५४	१३	उ	४४	१३	शि	७	४४	व	२४	१४	५२	३८	२२	१	१२	३	मीने	फरवरी मा. २ता. २६ वसंत पंचमी
६	मं	५६	२३	रे	४७	४३	सि	५	३२	कौ	२५	१८	५५	३७	२३	२	१३	४	मि. ४७।४३	
७	बु	६०	०	अ	५२	४८	सा	४	५६	ग	२८	२१	५६	३६	२४	३	१४	५	मेषे	पूषा. ३शनिः५६।४मन्वादिः रथ७
७	गु	०	१८	भ	५६	१६	शु	५	११	व	०	१८	२७	३६	२४	४	१५	६	मेषे	भ ०।१८ उ. ३३।२ या.
८	शु	५	४६	कृ	६०	०	शु	६	५०	ब	५	४६	६	३५	२५	५	१६	७	वृ. १६।५	कुम्भे बुधः ३४।१३ भीष्मदपा. ४६।२६
९	श	११	५७	कृ	६	२३	ब	८	४८	कौ	११	५७	६	३४	२६	६	१७	८	वृषे	२१।४५ पातमोक्षः १९।१६
१०	र	१८	३२	रो	१४	६	ऐं	११	८	ग	१८	३२	१३	३३	२७	७	१८	९	मि ४७।५१	भ. ५१।४५ उ.
११	चं	२४	५८	मृ	२१	३४	वे	१३	१६	वि	२४	५८	१६	३३	२७	८	१९	१०	मिथुने	भ. २४।५८ या. जया ११ व्रतम्
१२	मं	३०	४३	आ	२८	३८	वि	१४	५६	चा	३०	४३	२०	३२	२८	९	२०	११	मिथुने	१७/२०उषायां भौमः५३/३३ भीष्म. १२
१३	बु	३५	३६	पु	३४	३७	मी	१६	८	कौ	३	११	२४	३१	२९	१०	२१	१२	क. १८।८	प्रदोषः
१४	गु	३९	११	पु	३९	१६	आ	१६	१७	ग	७	२५	२७	३१	२९	११	२२	१३	कर्के	भ. ३९।११ उ.
१५	शु	४१	२९	श्ले	४३	४	सो	१५	२५	वि	१०	२०	३१	३०	३०	१२	२३	१४	सिं. ४३।४	भ. १०/२०या. कुम्भेऽर्कः ५५/१९ बुधोदयः प. ३२/१७

४३पं मा.शु.५चं.इ.५२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	८	८	५	९	
१८	२०	२३	२	१३	१९	३	१८
४६	४०	२४	०	४४	४६	४३	४९
५२	४४	४३	५०	१३	१९	३७	३१
६१	४३	०/२०	११	७२	६	३	६०
४	२४	१५	२३	५	४०	११	५५

गोचरग्रहाः

माघ शुक्ला १५ शुक्रे कुम्भेऽर्कः प्र. वा. १त. २ कुमारावस्था (बैठी) मृ. २० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयंपूर्वे ।

गोचरग्रहाः

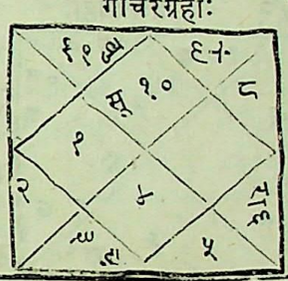

४४पं.मा.शु११चं.इ.५३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	८	८	८	५	९
२५	२५	५	३	२२	२०	३	२५
५३	५६	५६	१७	१८	३०	२१	५५
३९	३५	३१	३१	५०	२२	२२	१८
६०	४२	०/२०	१०	७२	६	३	६०
५५	५५	३४/३८	५०	२९	२६	११	४७

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं.२०१६ शाकः१८८१ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति महाराष्ट्रा

१	श	४२	३५	म	४५	२३	शो	१३	४१	बा	१२	२	२७/३५	६/२९	५/३५	१३	२४	१५	सिंहे	
२	र	४२	३३	पू	४६	३४	अ	११	३	ते	१२	३४	३८	२८	३२	१४	२५	१६	सिंहे	मकरे भौमः १२।३१
३	चं	४१	२१	उ	४६	५२	सु	७	२३	व	११	५७	४२	२८	३२	१५	२६	१७	क. १।३८	भ. ५/१७ उ. ४/१९ या. मकरे शुक्रः ८।१३
४	मं	३९	१५	ह	४६	१९	धृ	११/३	५/६	ब	१०	१८	४६	२७	३३	१६	२७	१८	कन्यायां	पूभायां बुधः५७।२१ चतुर्थी व्रतम्
५	बु	३६	२६	चि	४४	५९	गं	५२	४२	कौ	७	५०	५०	२६	३४	१७	२८	१९	तु. १५।३९	
६	शु	३३	३	स्वा	४३	२	धृ	४६	४०	ग	४	४५	५४	२५	३५	१८	२९	२०	तुलायां	भ. ३/३३ उ. पातस्पर्शः २/५९ पातमोक्षः ४/३३
७	शु	२९	१३	वि	४०	२६	ध्रु	४०	१०	वि	१	८	५८	२४	३६	१९	३०	२१	वृ. २६।१३	भ. १।८ या. शते रविः ३१।२
८	श	२४	२६	अ	३७	१९	व्या	३३	१५	कौ	२४	२६	२/५९	२४	३६	२०	१	२२	वृश्चिके	राष्ट्रीय फाल्गुनारम्भः
९	र	१९	२०	ज्ये	३३	३२	ह	२५	३६	ग	१९	२०	६	२३	३७	२१	२	२३	ध. २३।३२	भ. ४६।२६ उ.
१०	चं	१३	३२	मू	२९	२३	व	१७	४७	वि	१३	३२	१०	२२	३८	२२	३	२४	धनुषि	भ. १३।३२ या.
११	मं	७	१७	पू	२४	४६	सि	९	३५	बा	७	१७	१४	२१	३९	२३	४	२५	म ३८।३७	श्रवणे शुक्रः १७।५५ विजया ११ व्रतम्
१२	बु	०	५०	उ	२०	९	व्य	२७/१५	१/४३	ते	०	५०	१८	२०	४०	२४	५	२६	मकरे	भ. ५४।२१ उ. मीने बुधः २३।५१ प्रदोषः
१३	बु	५३	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
१४	गु	४८	२०	श्र	१५	३५	प	४५	२८	वि	२१	२१	२२	२०	४०	२५	६	२७	कु. ४।३।३७	भ. २१।२१ या. श्रीमहाशिवरात्रीव्रतम्
३०	शु	४३	५	ध	११	५०	शि	३८	३२	च	१५	४३	२६	१९	४१	२६	७	२८	कुंभे	

४५ पं.फा.कृ.३चं.इ५३।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	८	९	८	५	१०
२	१	१८	४	०	२१	२	३
५९	१३	१२	२९	५४	१२	५९	०
४२	५५	५८	५६	४३	४०	६	४३
६०	४४	०/२०	१०	७२	६	३	६०
४२	५	१७	१	४८	११	११	३७

गोचरग्रहाः

यहां धन राशि में शनि गुरु का योग चल रहा जो प्रजा के लिए साधारण है। धान्य रुई चना आदि तेज होंगे।

गोचरग्रहाः

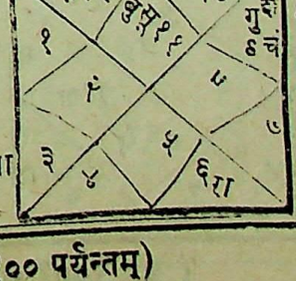

४६पं.फा.कृ.१०चं.इ.५३।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	८	९	८	५	१०
१०	६	२८	५	४	२१	२	१०
४	३२	१२	३६	३०	५२	३६	३
१५	१०	२५	१८	२२	१	५०	२५
६०	४४	७१	९	७३	५	३	६०
३१	७	३०	१९	०	४८	११	२५

+६ मंगुशुश

*६ मं गु शु श

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त.| फाल्गुन शुक्ल पक्षः सं.२०१६ शाकः १८८१| दि.| उ.| अ.| इ.| रा.| मु.| चंद्रः | वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः २१५४स.१९६०

१	श	३६	२	श	६	६	सि	३२	३१	कें	११	४	३०	६	५	४२	२७	८	२६	मो	५३।६	श्रवणे भौमः २२।१६
२	र	३६	४८	पू	७	४६	सा	२७	५५	बा	७	५५	३४	१७	४	३	२८	६	३०		मीने	चंद्रद. फुलरिया २
३	चं	३६	१४	उ	८	१६	शु	२४	३६	तै	६	३१	३८	१६	४	४	२६	१०	१		मीने	रमजान ६
४	मं	३७	३२	रे	१०	२०	शु	२२	५७	व	६	५३	४२	१६	४	४	१	११	२		मे. १०।२०	भ.६।५३उ.३७।३२या.मार्चमा.३ता.३१
५	बु	४०	४१	अ	१४	२०	ब्र	२२	२६	ब	६	६	४६	१५	४	५	२	१२	३		मेषे	
६	गु	४५	२०	भ	१६	५६	ऐं	२३	२१	कौ	१३	०	५०	१४	४	६	३	१३	४		वृ. ३६।४०	पू.भा.यां.रविः४५।५०प.बुधः२।३५
७	शु	५१	७	कृ	२६	४०	वै	२४	५६	ग	१८	१४	५४	१३	४	७	४	१४	५		वृषे	भ. ५१।७ उ.
८	श	५७	३२	रो	३४	२	वि	२७	११	चि	२३	२०	५८	१२	४	८	५	१५	६		वृषे	भ २४।२० या. ८।१६ हो.
९	र	६०	०	मृ	४१	३२	प्री	२९	२७	बा	३०	४४	२९	१२	४	८	६	१६	७		मि.७।४७	
१०	चं	३	५५	आ	४८	४४	आ	३१	२८	कौ	३	५५	६	११	४	९	७	१७	८		मिथुने	वक्री कुम्भे बुधः ३७।४५
११	मं	२	४८	पु	५५	९	सौ	३३	२	ग	९	४८	१०	१०	५	०	८	१८	९		क. २८।३३	भ. ४२।१५ उ.
१२	बु	१४	४२	पु	६०	०	शो	३३	२२	वि	१४	४२	१४	९	५	१	९	१९	१०		कर्के	भ.१४।४२या.ग्रामन की ११ व्रतम्
१३	गु	१९	५७	पु	०	२	अ	३२	३९	बा	१७	५७	१९	८	५	२	१०	२०	११		कर्के	कुम्भे शुक्रः ३५।१० प्रदोषः
१४	शु	१९	५४	श्ले	३	४१	सु	३०	४०	तै	१९	५४	२३	७	५	३	११	२१	१२		सिं ३।४१	[*भद्रोत्तरेऽर्द्धरात्रिपश्चात्होलिकादहनं
१५	श	२०	१६	म	५	३६	धृ	२७	२०	व	२०	१६	२७	७	५	३	१२	२२	१३		सिंहे	भ. $\frac{२०}{१६}$ उ. $\frac{४}{३}\frac{६}{७}$ या.पूषा. ४शनिः२।३१*
१५	र	१८	५०	पू	६	१	शु	२३	११	ब	१८	५०	३२	६	५	४	१३	२३	१४	क.	२०।५१	मन्वादिः छारेंडी

४७पं.फा.शु.३चं. इ.५३।५२ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	८	९	८	५	१०
१७	११	२	६	१८	२२	२	१७
७	५१	३२	३७	७	२८	१४	५
४	४३	२८	१६	४१	४४	३५	४६
६०	४४	८	८	७३	५	३	६०
२०	१३	११	२९	१४	२०	११	१२

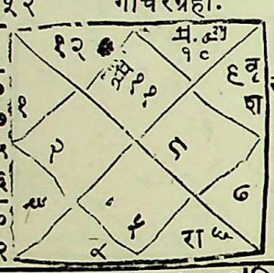

फाल्गुन शुक्ला १५ सूर्यमीनेऽर्कः प्र वा. न. ३ कुमारावस्था (बैठी) मु.४५धान्या भाव मंदा शुक्रोदयं पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

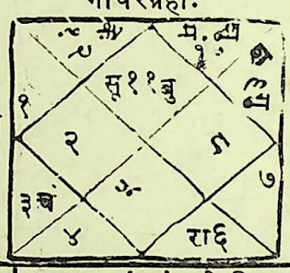

४८पं.फा.शु.६चं.इ.५४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	८	९	८	५	१०
२४	१७	२९	७	२६	२३	१	२४
८	१२	४४	३२	४३	२	५२	६
२७	१४	११	१३	१	३५	१९	३०
६०	४४	$\frac{५६}{३७}$	७	७३	४	३	५९
५	१९	बु	१९	२५	५०	११	५८

ति| श्रीचैत्र कृष्णपक्षः सं०२०१६ शाकः १८८१| दि.| उ.| अ.| इं.| रा.| मु.| चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरेफाल्गुनकृष्णेति महाराष्ट्राः

१	चं	१६	२२	उ	५	२०	गं	१७	५३	कौ	१६	२२	३६	६	५	५	१४	२४	१५		कन्यायां	वसंत १
२	मं	१२	३८	हु	३	२८	बृ	११	५०	ग	१२	३८	४०	४	५	६	१५	२५	१६		तु. ३२।७	भ. ४०।२६ उ. शते शुक्रः५६।४७
३	बु	८	१४	चि	४७	५२	शु	२२	५३	वि	८	१४	४४	३	५	७	१६	२६	१७		तुलायां	भ. ८।१४ या.कल्पादिःच.व्रतम्
४	गु	३	२४	वि	५४	२०	ह	५१	२९	बा	३	२४	४९	२	५	८	१७	२७	१८		वृ. ४०।१०	उ.भा.यां रविः६।४६ पू. बुधः२९।४७
५	शु	५४	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	
६	शु	५३	७	अ	५१	४	व	४४	२२	ग	२५	४५	५३	१	५	९	१८	२८	१९		वृश्चिके	भ. ५३।७ उ. शीतला पू.
७	श	४८	५	ज्ये	४७	३७	सि	३७	१२	धि	२०	३६	५७	१	५	९	१९	२९	२०		ध.४७।३७	भ.२०।३६या.वक्री शते बुधः ४०।२३
८	र	४३	१	मू	४४	१६	व्य	३०	६	वा	१५	३३	३०	१	६	०	२०	३०	२१		धनुषि	
९	चं	३७	५२	पू	४१	२	व	२२	५९	ते	१०	२९	५	५	६	१	२१	३१	२२		म. ५५।१४	[* चैत्रारम्भःशके १८८२
१०	मं	३२	५५	उ	३७	५२	प	१६	५	व	५	२३	१०	५	८	२	२२	२	२३		मकरे	भ. ५।२३ उ. ३२।५५ या. राष्ट्रीय*
११	बु	२८	५	श्र	३४	५९	शि	९	२३	ब	०	३०	१४	५	७	३	२३	३	२४		मकरे	पापमोचनी ११ व्र.
१२	गु	२३	४४	ध	३२	४१	सि	३	५४	ते	२३	४४	१८	५	६	४	२४	४	२५		कु. ३।५०	कुंभे भौमः ४०।२२ प्रदोषः
१३	शु	२०	५	श	३०	५९	शु	५२	२	व	२०	५	२३	५	५	५	२५	५	२६		कुम्भे	भ. २०।५ उ. ४८।३४ या.
१४	श	१७	२	पू	३०	१६	शु	४७	४५	श	१७	२	२७	५	५	५	२६	५	२७		मी १५।२७	पूभायां शुक्रः५०।५५ मार्गीबुधः३।२८
३०	र	१५	३१	उ	३०	५२	व्र	४४	३८	ना	१५	३१	३१	५	४	६	२७	६	२८		मीने	मन्वादिः अहर्गणः२१८३चक्र४केतकी.

४९पं. चै.कृ१चं.इ.५४।३१ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	८	१०	८	५	११
१	२२	२३	८	५	२३	१	१
८	३३	७	२०	१९	३२	३०	५
९	५४	१२	२	५५	३१	३	४३
५९	४४	$\frac{५६}{४६}$	६	७३	४	३	५१
४९	२५	बु	२०	३७	२२	११	४१

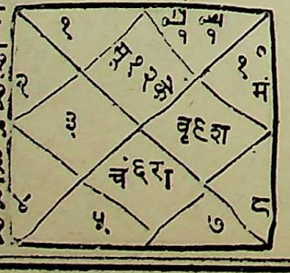

इस मास का फल अच्छा रहेगा मीन का सूर्य प्रजा में सुख शान्ति का कारक है ।

गोचरग्रहाः

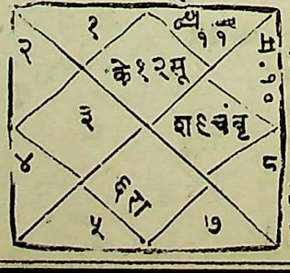

५०पं.चै कृ.९चं.इ.५४।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	८	१०	८	५	११
८	२७	१९	९	१३	२३	१	८
६	५६	१३	०	५७	५८	७	३
४	५३	$\frac{३४}{२०}$	२५	२२	२६	४८	२३
५९	४४	$\frac{४३}{२०}$	५	७३	३	३	५९
३५	३८	बु	१०	४४	४१	११	२९

*१२ चं के बु

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६१ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६१ भौग्यकलिः ४२६९३९ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०१७ शाकः १८८२ अथाऽस्मिन्वर्षेराजाचन्द्रः । मंत्री बुधः । सस्येश.शनिः । धान्येशोगुरुः । मेघेशो भौमः । रसेशचन्द्रः । नीरसेशःशुक्रः । फलेशोः भौमः । धनेशोशुक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ७ प्रमादी नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ३।२५।१६।४८ भोग्यमासादिः८।४।४३।१२ दैवतं युगम् वर्षनाम ज्येष्ठः । मेघ १ नाम आवर्तः । समय निवासो वणिक्गृहे । रोहिणीनिवासः संधौ । समय विश्वा ५ । समय वाहनंमृगः । स्तम्भ २ जल तृणयोः । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी १ । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी १ । समय मुहूर्ताः ३१५ । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १६ । तिथि वृद्धिः ११ । उत्पत्ति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ८४ । वर्षा विश्वा १३ । धान्यम् ११. तृणम् १७. शीतम् ५. तेज ५ वायुः १३ । शनि दृष्टिपश्चिमे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०५ सत्यं ॥. धर्म १॥. पाप १८ । ग्रहणे २ चन्द्रमसः । १ सूर्यस्य ।

भैरव-भवानी सम्वाद

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्षेश लग्नम् २।२५

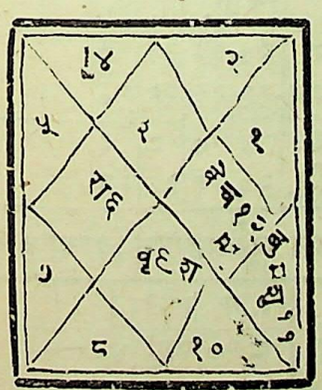

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तूं जगकी प्रतिपाल ।
संवत् सत्रह आइया कहो शुभाशुभ हाल ॥

भवानी उत्तर

सुनहो भैरव लाडला में समझाऊं तोय ।
चार ग्रहों का देखतां मध्यम सम्वत् होय ॥
शशिराजा इस वर्ष में मंत्री भये युवराज(बुध)
प्रचुर धान्य और मेघ से सारे जगका काज ॥
मेघाधिप भये भूमिसुत है यह मध्यम योग ।
कहीं क वर्षा अधिक हो कहींक व्यापे रोग ॥
वर्षा विश्वा विश्व (१३) है संवत् विश्वाबाण ।
बसी रोहिणी संधीमें हो वर्षा की हान (नि) ॥
समयनिवासो वणिक्घर फल इसका शुभनाय ।
देख ग्रहों से फल कहा संवत् सत्रह मांय ॥
दशाधिकारी योग से संवत् अच्छा होय ।
परगुरू शनि के योगसे फल नहीं अच्छा होय ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	बृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् १।२९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१७।२२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथास्मिन्वर्षे राजा चंद्रस्तत्फलम्-चंद्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचुर च धान्यम्। सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम्। मंत्री बुधस्तत्फलम्-शशिसूते शुभमंत्रिसमागते स्वपतिना कुरुते मदनक्रियाम्। बहुधनं बहुवारिसमन्वितंयवमसूरिचणान्नमहर्घता। रुस्येशःशनिस्तत्फलम्-रविसुते यदि सस्यपतौ जनो नृपतिभिःपरिपीडितविग्रहः। गदभयंतुषधान्यहरं सदा दुरितबादविवाद-युता नराः। धान्येशो गुरुस्तत्फलम्—गुरौ धान्यपतौ याते यवगोधूमशालयः पच्यंते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्रह्मवादिनः। मेघेशो भौमस्तत्फलम्—अवनिजे जलदस्यपतौ भुवि श्रुतिविचारविहीनधराभवाः। क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रचुरं बहुतोयदम्। रसेशश्चंद्रस्तत्फलम्—यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम्। जलधरा बहुवारिविधायकाः रसवती धन-धान्यवती मही। नीरसेशःशुक्रस्तत्फलम्—कर्पूरागरुगंधानां हेममौक्तिकवाससाम्। अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि। फलेशो भौमस्तत्फलम्-फलपतिर्यदि भूतनयो भवेत्सुबहुपुष्पफलान्वितमेदिनी। गतभयानृत-देशजनास्तदां नृपतयो बहुविग्रह-कारकाः। धनेशः शुक्रस्तत्फलम्—द्रविणपोभृगुजो द्रविणैर्युता समधनाः सकला भुवि मानवाः। समसुखाः क्रयविक्रयजीविनो नृपतयो जनपालनतत्पराः। दुर्गेशो भौमस्तत्फलम्—अवनिजे गढ़ानायकतां गते विविध-दुःखवियोगसमन्विताः। जनपदेषु जनाःक्रयविक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित्। वर्ष नाम ज्येष्ठ-स्तत्फलम्—तस्करैः पापरोगैर्वा पीड्यंते पीडया जनाः। भ्रमंते स्वेच्छया भूम्यां निर्द्रव्यैर्ज्येष्ठसंज्ञके। प्रमादिनाम संवत्सरस्तत्फलम्—प्रमादीवत्सरे तत्र मध्यसस्यार्ध वृष्टयः। प्रजाः कथंचिज्जीवंति समात्सर्याः क्षितीश्वराः। मेघनाम आवर्त-फलम्-आवर्ते छिन्नवृष्टिश्च। रोहिणी निवासः संधौ-फलम्-खंडवृष्टिश्च संधिषु समय निवासो वणिकगृहे-फलम्-वणिक् गृहे शुभं नास्ति। एवं संचिन्त्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम्।

सं० २०१७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

वै. कृ. ५ शनौ मूले ल. गो.८ १२ रे.६।।ऽ।।ऽऽऽ

,, ,, ६ सूर्ये उ.षा.यां. ल.१२ रे.७।।।।।ऽनृऽऽ।।

,, ,, ७ चन्द्रे उषायां ल. ऽन्यगो ८रे.८।।।।।।ऽऽ।।

,, शुक्ला ३ गुरो रोहिण्यां ल. १२ रे. ८।।।।।ऽऽ।।।

,, ,, ६ गुरौ मघायां ल गोधू.रे.८।।।।।।ऽ।ऽ गणितेन क्रां साम्याभावः

मार्गशीर्ष मासः

मार्ग. शु. ६ सूर्ये उ.भा.यां. ल.गो.रे. ६।।।।।ऽऽऽ।ऽदग्धा आवश्यके

,, , १४ शुक्रे रोहिण्यां ल. ६ रे. ७।।।।।ऽऽऽ।।

पौष मासः

पौष कृ. ८ सूर्ये उ.फाल्यां.ल. ऽन्यगो७ रे.८।।।।।।ऽऽ।।

,, ,, ६ चन्द्रे हस्ते ल. रे. ८।।।।।ऽ।ऽ कंपा।।

माघ मासः

माघ शु. १० गुरौ रोहण्यां ल. गो. रे.७।।।। ऽऽ।

गणितेन क्रां. साऽम्याभाव.

फाल्गुन मासः

फा. कृ. ३ शनौ उ.फा.यां.ल.गो.रे. ८।।।।ऽनृ।ऽ।।

,, ,, ४ सूर्ये हस्ते ल.गो.रे.६।।।ऽऽ।ऽऽशुक्रस्य पाद-वेधाद्वेधाऽभावःआवश्यके

भाद्रपद शु.१५यां चन्द्रे खंडग्रासंचन्द्रग्रहणम् विश्वा२६।२

		स्प.	स.	म.	उ.	मो.	पव.
उज्जयिनी मध्यमकालः	घ.	२१	२४	२५	२७	३०	८
	पल	३२	५४	५६	४७	२०	४८
रेल्वे टाइम	घं.	१५	१६	१६	१७	१८	३
	मि.	४	५	४६	३४	३५	३१

नोट—यह ग्रहण दिन के ३ बजकर ४ मिनट पर स्पर्श होगा तथा ६-३५ पर शुद्ध होगा। अतः जहाँ सूर्यास्त रेल्वे ६-३५ से पहले होगा, वहां ही यह ग्रहण ग्रस्तोदय दिखाई देगा, अन्यत्र ग्रहण का अभाव रहेगा।

फाल्गुन शु.१५गुरौ ग्रस्तोदयं खंड.चन्द्रग्रहणम् विश्वा१५।१

		स्प.	म.	मो.	पर्व.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	२७	२१	३५	८
	पल	१६	२४	२६	१०
रेल्वे टाइम	घं.	५	७	८	३
	मि.	२३	१	३६	१६

फाल्गुण कृ.३०यां बुधे खंडग्रासं सूर्यग्रहणम् विश्वा ५।३३

		स्प.	म	मो.	प
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	१८	२०	२२	४
	पल	२३	४०	५८	३५
रेल्वे टाइम मध्यान्हे	घं.	१	२	३	१
	मि.	४८	४३	३८	५०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०१७ शाकः १८८२ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | वसंतर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः २१८४स. १९६०

१	चं	१५	९	रे	३२	५५	ए	४२	४७	व	१५	९	३०	५	६	२८	१५	२९	मे. ३२।५५	प भा यांबुधः ५७/२ चंद्रद. संवत्सरारम्भ *
२	मं	१६	२३	अ	३६	२३	चे	४१	४३	को	१६	२३	३४	५३	७	२९	१६	१	मेषे	सिधारा सव्वांल १० *नवरात्रारंभ
३	बु	१९	२२	भ	४१	१६	वि	४१	४९	ग	१९	२२	३८	५३	७	३०	१७	२	वृ. ५७।५०	मत्स्य ज. गण भ. ५१/३ उ. रेव. रविः ३४/१४
४	गु	२३	४०	कृ	४७	३४	प्री	४३	१३	वि	२३	४०	४३	५२	८	३१	१८	३	बृषे	भ. २३।४० या.
५	शु	२९	३	रा	५४	३०	आ	४५	१९	वा	२९	३	४८	५१	९	१	१९	४	वृषे	अप्रेल मा. ४ ता. ३०
६	श	३५	१३	मृ	६०	०	सी	४७	४१	को	२	८	५२	५०	१०	२	२०	५	मि २८।१७	शते भौमः ११।४
७	र	४१	३३	मृ	२	३	शो	४९	५६	ग	८	२३	५६	४९	११	३	२१	६	मिथुने	भ. ४१।३३ या. मीने शुक्रः ५७।१६
८	चं	४७	४१	आ	९	२९	अ	५१	५८	वि	१४	३७	७१/०	४८	१२	४	२२	७	क ५९।५०	भ. १४।३७ या. उत्पत्तिः
९	मं	५२	५२	पु	१६	३४	सु	५३	६	वा	२०	१९	४	४७	१३	५	२३	८	कर्के	रामनवमी
१०	बु	५६	३४	पु	२२	१४	धृ	५३	९	तै	२५	४३	८	४६	१४	६	२४	९	कर्के	मूले ४ गुरुः ०।५९ उ. भा यां शुक्रः ३९।२२
११	गु	५८	४१	श्ले	२६	३१	शृ	५१	४८	व	२७	३६	१२	४६	१४	७	२५	१०	मि. २६ ३१	भ. २७/३८ उ. ५८/४ या. कामदा ११ ब्र. स्मा.
१२	शु	५८	५८	म	२८	५३	गं	४९	१	ब	२८	४९	१६	४५	१५	८	२६	११	सिहे	कामदा ११ ब्र. वै. नि.
१३	श	५७	१५	पू	२९	३१	बृ	४४	३९	को	२८	६	२०	४४	१६	९	२७	१२	क. ४४।१२	प्रदोषः
१४	र	५४	२६	उ	२८	१७	धु	३८	५५	ग	२५	५०	२४	४३	१७	१०	२८	१३	कन्यायां	मीने बुधः ४१।९ भ. ५४।२६ उ.
१५	चं	४८	४९	ह	२५	३३	व्या	३१	१८	वि	२१	३७	२८	४२	१८	११	२९	१४	तु. ५३।३५	भ. २१।३७ या. मन्वादिः हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.१चं.इ. ५५/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	८	१०	८	५	११
१५	३	१९	९	२२	२४	०	१४
२	१८	५८	३२	३४	२०	४५	५९
९	७०	१३	५४	३५	३५	३२	१७
५९	४४	१४	४	७३	२	३	५९
१८	४४	२०	१५०	५	११	१६	

गोचरग्रहाः

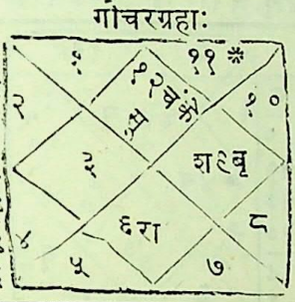

इस मास का फल श्रेष्ठ है धान्य गेहूँ जौ चणा मटर अलसी में मंदी रहेगी रस कसमें सामान्य हो।

गोचरग्रहाः

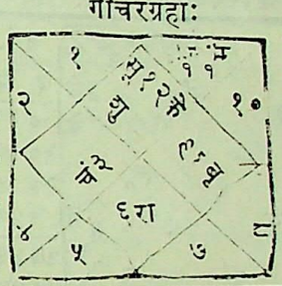

५२पं.चै.शु.८चं.इ. ५५/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	८	११	८	५	११
२	८	२४	९	१	२४	००	२१
५६	४२	२२	५७	११	३७	२३	५३
२०	२४	२३	०	१०	५९	१७	२९
५९	४४	४३	२	७३	२	३	५९
४	४९	१	४५	५६	२०	११	४

ति.	वैशाखकृष्ण पक्षः सं० २०१७ शाकः १८८२	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तुरविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	मं ४२ ४६ चि २१ ३६ ह २३ ९ बा १५ ४७	३५/३४	४१	५/१९	६	१२	३०	१५	तुलायां
२	बु ३६ ४ स्वा १७ ४ व १५ ० तै ९ २५	३३/४०	४०	२०	१३	३१	१६		सिंहे राहुः कुम्भे केतु ३०।२९
३	गु २९ ७ वि १२ ३ सि ४७/३७ ५५/३७ व २ ३५	४०	३९	२१	१४	१	१७		बृ. ५८। १८ मेषे रविः ८।४६ उ. भा. यां. बुधः ३३।२३
४	शु २२ ५ अ ७ ३ व ५१ १३ बा २२ ५	५१	३८	२२	१५	२	१८		वृश्चिके भ. २।३५ उ. २९।७ या. च. ब्र.
५	श १५ ३१ ज्ये २३/२ ५०/४४ त ४३ ३४ तै १५ २१	५६	३७	२३	१६	३	१९		बृश्चिके ध. २।२३
६	र ९ ३६ पू ५४ २४ शि ३६ ० व ९ ३६	३२/०	२६	२४	१७	४	२०		धनुषि भ. ३९/३६ उ. ३५/१९ या रेवत्यांभृगुः ३१।४३
७	चं ४ ७ उ ५१ ४१ सि २९ १८ व ४ ७	३२/३३	३५	२५	१८	५	२१		म. ८।४३
८	चं ५५ १५ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	मं ५५ २४ श्र ४९ ३० सा २३ ५ तै २७ २३	७	३५	२५	१९	६	२२		मकरे पू. भा. यां. भौमः ४५/५ वक्री गुरुः ३१.२३
१०	बु ५२ ८ ध ४८ १३ श ३७ ३४ व २३ ४६	१०	३४	२६	२०	७	२३		कु. १८। ५१ भ. २३।४६ उ. ५२।८ या.
११	गु ४९ ३९ श ४७ ४६ शु १२ ४२ ब २० ५३	१३	३३	२७	२१	८	२४		कुम्भे वरूथिनी ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	शु ४८ १३ पू ४७ ९ न ८ ३७ को १८ ५६	१७	३३	२७	२२	९	२५		मी ३३।४८ वरूथिनी १९ ब्र. नि.
१३	श ४७ ५८ उ ४९ ३७ ऐं ५ २१ ग १८ ५	२०	३२	२८	२३	१०	२६		मीने भ. ४७।५८ उ. रेवत्यांबुधः ११।२ प्रदोषः
१४	र ४८ २५ रे ५२ ८ वै २ ४८ वि १८ ११	२३	३१	२९	२४	११	२७	मे. ५२।८	भ. १८।११ या.
३०	चं ५० २६ अ ५५ ५१ वि १ ३० च १९ २५	२७	३१	२९	२५	१२	२८	मेषे	सोमवती अमावस्या

१पं.वै.कृ.२बु.इ.११।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	८	११	८	४	०
०	१५	२	१०	११	२४	२९	०
२	३	५४	१४	२१	५३	५७	०
२९	१८	२९	५३	४०	४२	५०	०
५८	४५	६९	१	७४	१	३	५८
४५	३	३१	८	२	३३	११	४४

गोचरग्रहाः

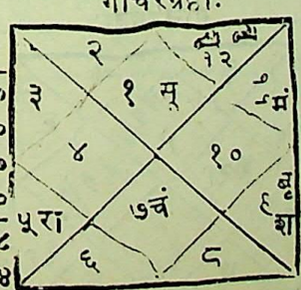

वैशाख कृष्णा २ बुधेमेषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शु. पू.

गोचरग्रहा

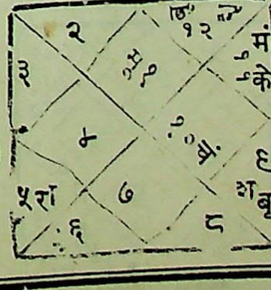

२पं.वै.कृ१०बु.इ. ११/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	८	११	८	४	०
६	२०	१२	१०	१९	२५	२९	६
५२	२३	२०	१९	५७	०	३५	५०
४०	२	१३	४४	३६	५४	३५	३८
५८	४५	८६	७	७४	०	३	५८
२९	२	४९	बृ	९	५४	११	३१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* शु मं.बु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं०२०१७ शाकः १८८२ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः बसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः २२१३सन् १९६०

१	मं	५३	२	अ	६०	०	प्री	०	१५	क्र	२१	१३	३१ ३२	५ ३०	३० ३९	२६	१३	२९	मेषे	भरण्यां रविः ५.०।१०
२	बु	५७	४९	भ	१	३१	आ	१	४	बा	२५	२५	३४	२९	३१	२७	१४	३०	बृ. १७।५०	वक्रोशनिः ३३।२५ चन्द्र,
३	गु	६०	०	कृ	६	४६	सौ	२	२०	तै	३०	४	३८	२८	३२	२८	१५	१	वृषे	मेषंऽश्विन्यांव शुक्रः ३१ ३२ परशुराम ज.÷
३	शु	३	९	रो	१३	२४	शो	२	५९	ग	३	१९	४२	२८	३२	२९	१६	२	मि ४७।१४	भ.३६।१४उ. ÷जिलकाइ११अक्षया३
४	श	९	१९	मृ	२१	३	अ	६	१२	वि	९	१९	४६	२७	३३	३०	१७	३	मिथुने	भ.९।१९ या.
५	र	१५	४४	आ	२८	४४	सु	८	४९	बा	१५	४४	५०	२६	३४	१	१८	४	मिथुने	मई ५ ता. २१ बुधः १३।२५
६	चं	२१	५२	पु	३६	७	धृ	११	१४	तै	२१	५२	५४	२५	३५	२	१९	५	क.१९।१६	पातस्य ३६।२९ मीने भौमः ३९।५०
७	मं	२७	३३	पु	४२	४४	शू	१३	१२	व	२७	३३	५८	२४	३६	३	२०	६	कर्के	भ.२७।३३ उ.५९।४१ या.पार.६।१८
८	बु	३१	४९	श्ले	४८	६	गं	१४	१०	ब	३१	४९	३३ ३२	२४	३६	४	२१	७	सिं ४८।६	वक्रीमूले ३ गुरुः ३३।३०
९	गु	३४	४७	म	५१	५३	बृ	१३	५६	बा	३	१८	७	२३	३७	५	२२	८	सिंहे	
१०	शु	३५	४९	पू	५२	४२	धु	१२	२०	तै	५	१८	१२	२२	३८	६	२३	९	सिंहे	पूर्वास्तं बधः २३।७
११	श	३४	४६	उ	५३	२२	व्या	९	५	व	५	१७	१७	२१	३९	७	२४	१०	कं.७।५२	भ.१७ ५७उ.४३ ४६या मो.११व्र. उ.भौ.७।५४
१२	र	३१	३९	ह	५०	५५	ह	१३ ४	५३ ३५	ब	३	१२	२१	२०	४०	८	२५	११	कन्यायां	भरणीं बुधः १२।३० प्रदोषः
१३	चं	२६	३५	चि	४६	१०	सि	५०	१	तै	२६	३५	२६	१९	४१	९	२६	१२	तु. १८।३३	भरण्यां शुक्रः १४।४८ नृसिंह जयंती
१४	मं	१९	५१	स्वा	४१	४४	व्य	४१	३	व	१९	५१	३१	१८	४२	१०	२७	१३	तुलायां	भ.१५ १६उ.५५ ४३या.क्र.रवि. ३८।५
१५	बु	१२	२	वि	३५	२७	व	३१	३५	ब	१२	२	३६	१७	४३	११	२८	१४	बृ. २२।१	अग्नजल कुम्भदानं.

३पं.बै.शु.२बु.इ.११।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	८	११	८	४	०
१३	२५	२३	१०	२८	२५	२९	१३
४१	४८	१६	१५	३३	३	१३	३९
५	७	८	२६	४३	२९	१९	३९
५८	४४	९ ०	२९	७४	०	३	५८
१२	४९	९	ब	२०	२	११	२०

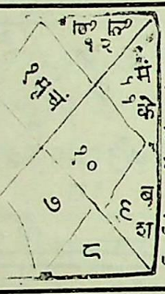

४पं.वै.शु.८बु.इ.१२।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	०	८	४	०
२०	१	५	१०	७	२५	२८	२०
२७	८	४३	१	९	१५	१	२७
५	४९	२३	१	३२	२३	३	२०
५७	४४	९ ०	३	७४	३ ०	३	५८
५७	४५	९	ब	२०	ब	११	६

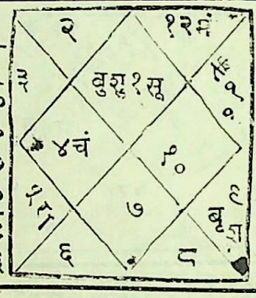

५पं.वै.शु.१५बु.इ.१२।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	०	८	४	०
२७	६	१९	९	१५	२४	२८	२७
१३	२८	३३	३८	४५	५४	२८	१३
०	३०	५६	३५	४६	४०	४८	३३
५७	४४	९ ०	३	७४	२३	३	५७
४५	४७	९	ब	२६	ब	११	५४

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं०२०१७ शाकः १८८२ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः बसंततूं रविरुत्तरे वैशाख कृ. महाराष्ट्राः

१	गु	३	२८	अ	२८	४९	प	२१	४१	कौ	३	२८	३३ ३७	५ १७	४ ३	१२	२९	१५	बृश्चिके	
२	गु	५१	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	४६	५	ज्ये	२२	३	शि	११	३६	व	२०	२२	३८	१७	४३	१३	३०	१६	ध. २२।३	भ.२०।३२उ.४६।५या.
४	श	३८	१४	मू	१६	११	सि	२५	५१ ४	ब	१२	९	३९	१६	४४	१४	३१	१७	धनुषि	वृषेऽर्कः ५।१२चतु.व्र.कृत्तिका बुधः ३ ५ ४
५	र	३०	५४	पू	१०	४२	शु	४५	१८	कौ	४	२९	४०	१६	४४	१५	१	१८	म. २४।४९	
६	चं	२४	५५	उ	७	११	शु	३८	२०	व	२४	५५	४०	१६	४४	१६	२	१९	मकरे	भ.२४।५५उ.५२।३४या.वृषे बुधः २।२५
७	मं	२०	१३	श्र	३	२६	ध	३२	४	ब	२०	१३	४१	१६	४४	१७	३	२०	कु. ३२।३४	
८	बु	१६	५०	ध	१	४३	ऐं	२७	२६	कौ	१६	५०	४२	१६	४४	१८	४	२१	कुम्भे	
९	गु	१४	४५	श	१	२९	वै	२३	३५	ग	१४	४५	४४	१५	४५	१९	५	२२	मी ४७।७	भ. ४४।२१ उ.
१०	शु	१३	५८	पू	२	२०	वि	२१	४८	वि	१३	५८	४७	१५	४५	२०	६	२३	मीने	भ.५ १३या.रोहि.बुधः ३ ९ कृति.भृगुः ४ ३
११	श	१४	४१	उ	४	२७	ग्री	१९	५	बा	१४	४१	४९	१४	४६	२१	७	२४	मीने	अपरा.११व्र.पूर्वास्तोभृगुः ४ ६ ३ पू.अ.
१२	र	१६	१९	रे	७	३९	आ	१८	१७	तै	१६	१९	५२	१४	४६	२२	८	२५	मे.७।३९	वृषे शुक्रः ४९।१५ प्रदोषः शु.
१३	चं	१९	१९	अ	१२	९	सौ	१८	३१	व	१८	१९	५५	१३	४७	२३	९	२६	मेषे	भ. १९।१९उ.५१।११ या.
१४	मं	२३	४	भ	१७	३२	शो	१९	०	ग	२२	४	५७	१३	४७	२४	१०	२७	बृ ३४।५	रोहिण्यां रबिः ३२।१रेवत्यां भौमः ३ ८ ०
३०	बु	२७	१०	कृ	२३	४५	अ	२०	२६	ना	२७	१०	३४ ०	१२	४८	२५	११	२८	बृषे	वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ.८बु.इ.१२।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	८	०	८	४	१
३	११	४	९	२४	२४	२८	३
५६	४७	४४	७	२१	४२	६	५८
३७	२४	४२	२३	५०	५८	३२	२६
५४	४४	९ ०	९	७४	३	३	५७
२४	३७	९	ब	२६	ब	११	४४

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृ. ४ शनौ वृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ५ बाला वस्था(बैठी)मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे.

गोचरग्रहाः

७पं.ज्ये.कृ३०बु.इ.१२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	८	१	८	४	१
१०	१७	१९	८	२	२४	२७	१०
३८	५	५९	२९	५८	२६	४४	४२
४८	६	५४	५६	१	५३	१७	२५
५७	४४	९ ०	१४	७४	३५	३	५७
२३	२४	९	ब	३२	ब	११	३५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२ दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः २२४३स १६६०

१	गु	३३	१४	रो	३०	४१	सु	२२	१७	ब	०	६	३४	५	६	२६	१२	२६						
२	शु	३६	१३	मृ	२८	६	धृ	२४	३८	बा	६	१६	३	१२	४८	२७	१३	३०						
३	श	४५	२१	आ	४५	३८	शू	२७	४	तै	१२	२३	५	११	४६	२८	१४	१						
४	र	५१	४६	पु	५३	१४	ग	२६	२७	च	१८	५५	७	११	४६	२६	१५	२						
५	चं	५७	२६	पु	६०	०	वृ	३१	४६	व	२४	३६	६	१०	५०	३०	१६	३						
६	मं	६०	०	पु	०	१६	धु	३३	३८	कौ	२६	५५	११	१०	५०	३१	१७	४						
७	बु	२	२१	श्ले	६	३६	व्या	३४	२३	ते	२	२१	१२	१०	५०	१	१८	५						
८	गु	५	५७	म	११	४१	ह	३४	०	व	५	५७	१४	६	५१	२	१६	६						
९	शु	८	६	पू	१५	५	व	३२	१७	ब	८	६	१६	६	५१	३	२०	७						
१०	श	८	२१	उ	१६	२२	सि	२८	५७	कौ	८	२१	१८	६	५१	४	२१	८						
११	र	६	३५	ह	१५	५५	व्य	२४	२	ग	६	३५	२०	८	५२	५	२२	९						
१२	चं	२	३४	चि	१४	२२	व	१७	३४	वि	२	३४	२२	८	५२	६	२३	१०						
१३	मं	५४	१०	स्वा	०	०	प	०	०	कौ	०	०	०	०	०	०	०	०						
१४	बु	४६	१०	वि	८	५०	शि	६	२६	कौ	२२	५६	२४	७	५३	७	२४	११						
१५	गु	४०	१४	ज्ये	३०	२४	श्रा	३६	२८	वि	१४	४५	२५	७	५३	८	२५	१२						
		३०	२४		४८	१७		३६			५	१६	२६	७	५३	६	२६	१३						

													३	१२	४८	२६	१२	२६						
													५	११	४६	२७	१३	३०						
													६	११	४६	२८	१४	१						
													७	११	४६	२६	१५	२						
													६	१०	५०	३०	१६	३						
													११	१०	५०	३१	१७	४						
													१२	१०	५०	१	१८	५						
													१४	६	५१	२	१६	६						
													२२	८	५२	३	२०	७						
													१८	६	५१	४	२१	८						
													२०	८	५२	५	२२	९						
													२२	८	५२	६	२३	१०						
													०	०	०	०	०	०						
													२४	७	५३	७	२४	११						
													२५	७	५३	८	२५	१२						
													२६	७	५३	६	२६	१३						

बृषे	
मि४।२३	
मिथुने	
क.३६।२०	
कर्के	
कर्के	
सिं६।३६	
सिंहे	
क.३०।३४	
कन्यायां	
तु.४५।१६	
तुलायां	
०	
बृ.४६।५०	
वृश्चिके	
ध.४८।१७	

मृगे बुधः ४८।२१
चन्द्रदर्शनम्
जिल्हेज १२ पश्चिमोदयी बुधः २७।४६
भ. १८।२१ उ. ५१।४६ या.
मिथुनेबुधः६।५रोहिण्यांभृगुः५७।३

जून मा. ६ ता. ३०
भ.५५ उ.३७ या.आर्द्रायांबुधः४२।७

भ. ३४।३५ उ. गंगा दशहरा
भ. २।३४ या. निर्जला ११ व्र.

मृगे रविः ३०।४६ प्रदोषः
भ. ४०।१४ उ.
भ.५।१८ या.गुर्जरागाँ वट पू.

८पं.ज्ये.शु.६बु.इ.१२।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	८	१	८	८	५
१७	२२	३	७	११	२४	२७	१७
१९	२०	५१	४५	३३	७	२२	२५
५४	१२	५८	११	५४	१६	१	८
५७	४४	५८	५७	७४	३	३	५७
१३	१४	५८	ब	३२	१४	१९	२७

गोचरग्रहाः

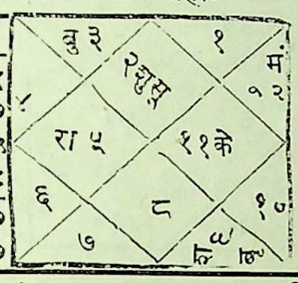

इस मास का फल साधारण है धान्य भाव सम धूप अधिक रुई चांदी साधारण तेज हो।

गोचरग्रहा

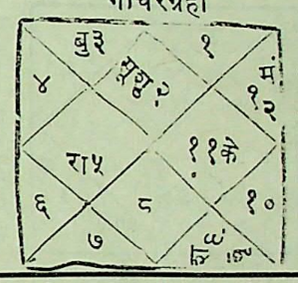

९पं.ज्ये.शु.१४बु.इ.१२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	८	१	८	४	१
२३	२७	१५	६	२०	२३	२६	२४
५९	३३	२०	५६	९	४४	५९	७
५०	३३	५४	६	४३	२२	४५	८
५७	४४	९३	७	७४	३	३	५७
५	११८	ब्र	३२	४६	११	९	

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२ दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरेऽयेष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	२०	३५	मू	४०	२४	शु	२८	३३	कौ	२०	३५	३४	५	६	१०	२७	१४						
२	श	१०	३७	पू	३२	५६	शु	१८	६	ग	१०	५७	३७	७	५३	११	२८	१५						
३	र	१	४३	उ	२६	५८	ल	७	५२	वि	१	४३	२८	६	५४	१२	२६	१६						
४	ब	५२	६	७	०	०	०	१०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०						
५	चं	४७	१५	अ	२१	१३	वै	५१	४४	कौ	२०	३४	२६	६	५४	१३	३०	१७						
६	मं	४२	३८	ध	१७	५६	वि	४५	२६	ग	१४	५६	२६	६	५४	१४	३१	१८						
७	बु	३६	३२	श	१६	८	ग्री	४०	४०	वि	११	५	३०	६	५४	१५	१	१६						
८	गु	३८	२८	पू	१६	८	आ	३७	१३	बा	६	०	३०	६	५४	१६	२	२०						
९	शु	३६	३	उ	१७	५३	सौ	३५	२३	तै	६	५	३०	६	५४	१७	३	२१						
१०	श	४१	५	रे	२१	२२	शो	३४	३०	व	१०	३	३१	६	५४	१८	४	२२						
११	र	४४	३५	अ	२६	४	अ	३५	८	ब	१२	५०	३१	६	५४	१६	५	२३						
१२	चं	४८	५८	भ	३१	४६	सु	३६	४	कौ	१६	४६	३१	६	५४	२०	६	२४						
१३	मं	५४	१६	कृ	३८	२७	धृ	३७	४८	ग	२१	३८	३१	६	५४	२१	७	२५						
१४	बु	६०	०	रो	४५	५०	शू	३६	५२	वि	२७	१२	३२	६	५४	२२	८	२६						
१५	गु	०	६	मृ	५३	८	गं	४२	१४	श	०	६	३२	६	५४	२३	६	२७						
३०	शु	६	२१	आ	६०	०	ब्र	४५	५१	ना	६	२१	३२	६	५४	२४	१०	२८						

धनुषि
म.४६।२७
मकरे
०
कु.५०।३६
कुम्भे
कुम्भे
मी१।८
मीने
मे.२१।२२
मेषे
वृ.४८।२८
वृषे
वृषे
मि१६।२६
मिथुने

पू.बुधः ५५ मृगेभृगुः ४५ वक्रीमूले २गुरुः २०
भ.३६।२०उ.अश्वि.मेषे भौमः ३२।१७
भ. १।४३ या. च. प्र.
*पू.पा.३शनिः ४६।३८पू.फा.४राहुः÷
+पू.मा.२केतुः २५।३१
भ.४२।३८उ.मिथुनेऽर्कः ३१।३६वक्री*
भ. ११।५ या.
मिथुने भृगुः १३।०

भ.१०।४उ.४१।५या.कर्के बुधः४५।११
योगिनी ११ व्र.
÷शुक्रः ३८।२२ प्रदोषः
भ.५४।१६उ.आर्द्रायांरविः ३३ आर्द्रा.÷
भ. २७।१३ या.
पुष्ये बुधः ४।१७

१०पं.आ.कृ.७बु.इ.१२।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	८	१	८	४	२
०	२	२५	६	२८	२३	२६	०
२८	४४	२७	३	४५	१८	३७	४८
५९	३८	६	४	५४	१४	३०	५०
५६	४३	६९	५	७४	६	३	५७
५७	४७	२५	ब्र	३८	ब	११	१७

गोचरग्रहा

आषाढ कृष्णा ६ भौमे मिथुनेऽर्कः प्र.वा.४ न.

६ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भावातेज)

गोचरग्रहा

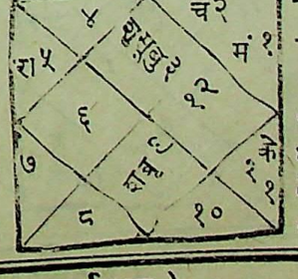

११पं.आ.कृ.१४बु.इ.१२।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	८	२	८	४	२
७	७	२	५	७	२२	२६	७
१७	४९	२०	९	२२	५०	१५	२९
२६	१	१०	५८	३४	२४	१४	२०
५६	४३	४०	५२	७४	१९	३	५७
५४	३३	३३	ब्र	३८	ब	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं.२०१७ शाकः १८८२	दि.	उ.अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २०७३स१९६०
१	श १२ २८ आ ० २९	ध ४७ २९	ब १२ २८	३४ ३२	५ ६ ५४	२५ ११ २९	क.५१.३	
२	र १८ २५ पु ७ ५५	व्या ४९ ४०	कौ १८ २५	३२	६ ५४	२६ १२ ३०	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथ २
३	चं २३ ५९ पु १४ ५९	ह ५१ ०	ग २३ ५९	३२	६ ५४	२७ १३ १	कर्के	भ.५६।२० उ. मोहोरम १सन् १३८०
४	मं २८ ४१ श्ले २१ २१	व ५२ १०	वि २८ ४१	३२	६ ५४	२८ १४ २	सिं २१।२१	भ. २८।४१ या.
५	बु ३२ ३२ म २६ ५३	सि ५२ ३८	बा ० ३६	३१	६ ५४	२९ १५ ३	सिंहे	भरण्यां भौमः ४८।३४
६	गु ३५ १० पू ३१ १४	व्य ५१ ५३	कौ ४ ५१	३०	६ ५४	३० १६ ४	कं ४६।५५	*वक्री बुधः ३५।१३
७	शु ३६ १६ उ ३३ ५९	व ५० २	ग ५ ४३	२७	७ ५३	१ १७ ५	कन्यायां	भ. ३६।१६ उ.जुलाई मा.७ ता.३१*
८	श ३५ ४९ ह ३५ १५	प ४६ ४२	वि ६ २	२५	७ ५३	२ १८ ६	कन्यायां	भ. ६।२ या. पुनर्वसौ भृगुः २६।१
९	र ३३ १६ चि ३४ ५७	शि ४२ १	बा ४ ३२	२२	८ ५२	३ १९ ७	तु.५।६	÷ देवशयनी ११ ब्र.
१०	चं २९ ९ स्वा ३२ २९	सि ३५ ३९	तै ११ २०	२०	८ ५२	४ २० ८	तुलायाँ	भ. ५६।१० उ. मन्वादि.
११	मं २३ १२ वि २८ १६	सा २७ ४२	वि २३ १२	१८	८ ५२	५ २१ ९	वृ.१४।१९	भ.२३।१२या. पुनर्वसौरविः ३७।११÷
१२	बु १५ ४६ अ २२ ३३	शु १९ १२	वा १५ ४६	१६	९ ५१	६ २२ १०	वृश्चिके	हरिवासराऽभावः प्रदोषः
१३	गु ६ ४७ ज्ये १५ ३८	शु ९ ४९ २९	तै ६ ४७	१५	९ ५१	७ २३ ११	ध.१५।३८	भ.५७।०८उ. वक्रीमूले १ गुरुः ०।५८
१४	गु ५० २१ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	० ०	० ० ०	०	
१५	शु ४७ १० मू ७ ५७	ऐं ४७ ४५	वि २२ ९	१४	९ ५१	८ २४ १२	धनुषि	भ. २२/१९ या. व्यासगं. पश्चिमास्तं बुधः ३।४

१२पं.श्रा.शु.५बु.इ.१२/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	८	९	८	४	२
१३	१२	६	४	१५	२२	२५	१४
५५	५४	२	१६	५९	२०	५२	९
३१	२९	३१	४१	१७	५२	५१	४६
५६	४३	१०	४३/७	७४	३८/३७	३	५७
५०	१	३२	ब	३८	ब	११	७

गोचरग्रहाः

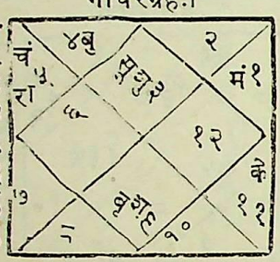

इस मास का फल साधारण है व्यापारिक घटा बढ़ी अधिक होगी वर्षा का योग अच्छा है। धान्य भाव सम रुई तेज़।

गोचरग्रहाः

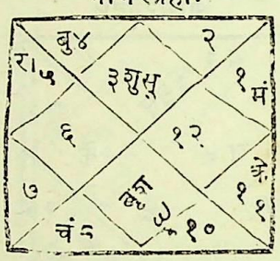

१३पं.श्रा.शु.१२बु.इ.२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	८	२	८	४	२
२०	१७	६	३	२४	२१	२५	२०
३३	५५	१९	२५	३६	१०	३०	५४
२५	१९	१६	५२	१५	२	४३	१३
५६	४२	२०/१६	५/५	७४	३८/३८	३	५७
५०	४१	ब	ब	३२	ब	११	७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं.२०१७ शाकः १८८२	दि.	उ.अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽषाढ कृ.महाराष्ट्राः
१	श २७ २६ पू ० १४ ५२ १५	वै ३६ ५२	ग्रा १२ २३	३४ १४	४ ६ ५१	९ २५ १३	म.१३।२०	
२	र २७ ४३ अ ४५ ३०	वि २६ ३२	तै २ ३९	१३	९ ५१	१० २६ १४	मकरे	भ. ५३।३४ उ. कर्के शुक्रः २७।४४
३	चं १९ २५ ध ४० ३	प्री १७ ८	वि १९ २५	१२	१० ५०	११ २७ १५	कु.१२।४६	भ.१९।२५या. च.ब्र.
४	मं १२ ५२ श २६ ३	आ ९ १२	ग्रा १२ ५२	११	१० ५०	१२ २८ १६	कुम्भे	
५	बु ८ ११ पू २४ १७	सौ २ ५५ ३३	तै ८ ११	१०	१० ५०	१३ २९ १७	मी १९।४३	वक्रीपुनर्वसौ बुधः १७/९ पुष्ये भृगुः १५/१ नागः
६	गु ५ ३८ उ ३४ ३१	अ ५४ २१	व ५ ३८	८	१० ५०	१४ ३० १८	मीने	भ. ५।३८उ. ३५।३०या.
७	शु ५ २३ रे ३६ ४९	सु ५२ ४५	ब ५ २३	६	११ ४९	१५ ३१ १९	मे.३६।४९	
८	श ६ ४९ अ ४० ४८	धृ ५२ ३८	कौ ६ ४९	४	११ ४९	१६ ३२ २०	मेषे	कर्केऽर्कः ९।५५
९	र १० १४ भ ४६ २१	शू ५३ २२	ग १० १४	२	१२ ४८	१७ १ २१	मेषे	भ. ४२।३३ उ.
१०	चं १४ ५२ कृ ५३ ६	गं ५५ ६	वि १४ ५२	०	१२ ४८	१८ २ २२	बृ.३।२	भ.५/१४ या. कृति. भौमः ४/३ वक्रीमिथुने*
११	मं २० ४१ रो ५९ ५७	वृ ५७ २७	ग्रा २० ४१	३३/५८	१३ ४७	१९ ३ २३	वृषे	पुष्ये रविः ४०।३६ कामिका ११ब्र.
१२	बु २६ २७ मृ ६० ०	ध्रु ५९ ५८	तै २६ २७	५६	१३ ४७	२० ४ २४	मि ३३।५२	प्रदोषः *बुधः ४१।५६
१३	गु ३२ ५८ मृ ७ ४८	व्या ६० ०	व ३२ ५८	५४	१३ ४७	२१ ५ २५	मिथुने	भ. ३२।५८ उ.
१४	शु ३८ ५२ आ १५ ३३	व्या २ ३८	वि ५ ५५	५२	१४ ४६	२२ ६ २६	मिथुने	भ ५।५५ या.
३०	श ४४ ४४ पु २२ ३८	ह ४ ५६	च ११ ४८	४९	१४ ४६	२३ ७ २७	क.५।५२	वृषे भौमः २९।६

१४पं.श्रा.कृ.५बु.इ.१२/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	८	३	८	४	२
२७	२२	३	२	३	२१	२५	२७
११	५१	२३	३९	१२	१८	८	३०
३२	२८	१७	२२	२६	५०	२७	३२
५६	४२	३७/१२	६/३३	७४	४/४०	३	५७
५५	१३	ब	ब	३२	ब	११	११

गोचरग्रहाः

श्रा. कृ. ८ शनौकर्केऽर्कः प्र. वा.५न.५ युवावस्था (सूती) मु. ३० (धान्यभाव सम) शु.प्र.

गोचरग्रहाः

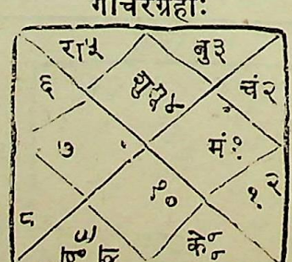

१५पं.श्रा.कृ.१२बु.इ.१२/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	२	८	३	८	४	३
३	२७	२८	१	११	२०	२४	४
५०	४२	४९	५८	४९	४८	४६	११
०	१८	२४	१	१	४७	१२	१६
५६	४१	३८/३६	३८/३८	७४	२४/२७	३	५७
५७	५७	ब	ब	३२	ब	११	१५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्ल पक्षः सं.२०१७ शाकः१८८२ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२३०२स.१९६०

१	र	४९	३७	पु	२९	३८	व	६	५३	कं	१	१०	३३ ४७	५ १५	६ ४५	२४	८	२८	कर्के	आश्लेषायां शुक्रः ६।३३
२	चं	५३	५७	श्ले	३५	३०	सि	८	१८	ब्रा	२१	३७	४५	१५	४५	२५	९	२९	सिं३५।३०	चन्द्रदर्शनम् सिंहारापूर्वोदयंबुधः५५।२३
३	मं	५७	१०	म	४७	४	ज्य	९	१२	ते	२५	३३	४२	१६	४४	२६	१०	१	सिंहे	तोज सफर २
४	बु	५९	२९	पू	४४	५५	व	९	२९	व	२८	२०	४०	१६	४४	२७	११	२	सिंहे	भ.२८ उ.५९ हया.वरद४ प.उ.शु.
५	गु	६०	०	उ	४८	१३	प	८	२९	व	३०	१	३७	१७	४३	२८	१२	३	क.०।४४	मार्गबुधः४३ ४५ पश्चिमोदयं शुक्रः५८ १२
५	शु	०	३४	ह	५०	५	शि	७	४	ग्रा	०	३०	३४	१७	४३	२९	१३	४	कन्यायां	नागपंचमी
६	श	०	३१	चि	५०	४९	सि	४	४३	तै	०	३१	२१	१८	४२	३०	१४	५	तु. २७।२७	भ. ५९।२ उ.
७	श	५८	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	र	५६	१५	स्वा	५०	१७	सा	१ ८	५५ १३	वि	२७	३८	२९	१८	४२	३१	१५	६	तुलायां	भ. २७।३८ या.
९	चं	५१	५८	वि	४८	०	शु	५०	२७	ब्रा	२४	६	२६	१९	४१	१	१६	७	वृ. ३३।३४	अगस्तमा.८मा.३१वक्रो.प.२ शुनिः३ ९ ७
१०	मं	४६	२७	अ	४४	३५	ब्र	४३	२४	तै	१९	१२	२३	१९	४१	२	१७	८	वृश्चिके	अश्लेषायांरविः४१।२४
११	बु	३९	३७	ज्ये	३९	४५	ऐं	३५	१८	व	१३	२	२०	२०	४०	३	१८	९	ध. ३९।४५	भ.१३।२३ उ. ३९।३७ या. मघायां*
१२	गु	३१	२२	मू	३३	३९	वै	२९	२०	व	५	३०	१७	२१	३९	४	१९	१०	धनुषि	कर्के बुधः५३।१९पुत्रदा११ब्र. नि.प्रदोषः
१३	शु	२२	२५	पू	२७	२	वि	१९	२९	तै	२२	२५	१४	२१	३९	५	२०	११	म. ४०।१३	[*सिंहेबमृः५७।२९पुत्रदा११स्मा.वै.
१४	श	१३	१०	उ	१९	४५	ग्री	२१	४९ ३९	व	१३	१०	१०	२२	३८	६	२१	१२	मकरे	भ. १३।१० उ. ३८।३८या.
१५	र	४	६	श्र	१२	४९	सौ	४६	११	व	४	६	७	२३	३७	७	२२	१३	कु. ३९।३९	रोहिण्यांभौमः५३ श्रावणाकर्करक्षावं

१६पं. श्रा.शु.४बु.इ १२।० गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	८	३	८	४	३
१०	२	२६	१	२०	२०	२४	१०
२९	२९	२४	२४	२६	२०	५३	५२
१६	१७	५५	०	३८	२	५६	१९
५७	४१	१७	५३	७४	४	३	५७
५	२६	ब्र	व	२६	ब	११	२०

यह मास साधारण है प्रजा में कष्ट हो। वर्षा कहीं २ अधिक होने से आर्थिक हानि होने का भय है।

गोचरग्रहाः १७ पं.श्रा.शु.११बु.इ.११।५२

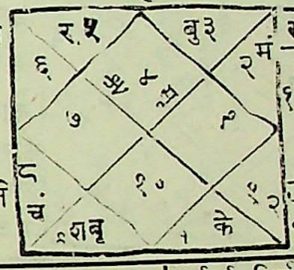

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	८	३	८	४	३
१७	७	२८	०	२९	१९	१४	१७
९	१०	४९	५७	३	५३	१	३४
४	३७	१	४३	२५	३१	४१	१५
५७	४१	४०	२९	७४	४	३	५७
१२	१	२०	ब	२६	ब	११	२४

ति. भाद्रपदकृष्णपक्षः सं.२०१७ शाकः १८८२ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृ.महाराष्ट्राः

१	र	५१	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	चं	४७	५४	ध	६	३०	शो	३७	९	तै	२१	३९	३ ४	५ २३	६ ३७	८	२३	१४	कुम्भे	पुष्ये बुधः २०।३३
३	मं	४२	५	श	२०	१५ ३४	अ	२८	५९	व	१४	५९	०	२४	३६	९	२४	१५	मी४३।२३	भ.१४।५९उ.४२।५ या.
४	बु	३८	६	उ	५५	५६	सु	२२	२७	ब	१०	५	३३ ५६	२५	३५	१०	२५	१६	मीने	चतुर्थी व्र.
५	गु	३६	१४	रे	५६	३०	धृ	१७	२९	को	७	१०	५३	२५	३५	११	२६	१७	मे.५६।३०	चन्द्रषष्ठी
६	शु	३६	४०	अ	५९	११	शू	१४	२२	ग	६	२७	५०	२६	३४	१२	२७	१८	मेषे	भ. ३६।४० उ०
७	श	३९	१३	भ	६०	०	गं	१२	५२	वि	७	५६	४७	२७	३३	१३	२८	१९	मेषे	भ. ७।५६ या. जन्माष्टमी स्मा.
८	र	४३	२०	भ	३	४०	वृ	१२	२	ग्रा	११	१६	४३	२७	३३	१४	२९	२०	बृ.२०।७	पू फा यां शुक्र४८।४५जन्माष्टमी वै गोगा ९
९	चं	४८	४५	कृ	९	२९	ध्रु	१३	५६	तै	१६	२	४०	२८	३२	१५	३०	२१	बृषे	
१०	मं	५४	४५	रो	१६	४२	ज्या	१६	३	व	२१	४५	३७	२९	३१	१६	३१	२२	मि५०।२५	भ.४१उ.५४या. सिंहेरविः३७ श्लेषायां*
११	बु	६०	०	मृ	२४	८	ह	१८	२२	व	२८	२	३४	२९	३१	१७	१	२३	मिथुने	अजा ११ व्र. स्मार्ता.
११	गु	१	१९	आ	३१	५०	व	२०	५५	ब्रा	१	१९	३०	३०	३०	१८	२	२४	मिथुने	अजा. ११ व्र. पूर्वास्तं बुधः ७।२
१२	शु	७	२३	पु	३९	२	सि	२३	२०	तै	७	३३	२६	३१	२९	१९	३	२५	क.२२।१४	[*बुधः५५ पू.फा३राहुःपू.भा.१केतु१७
१३	श	१३	७	पु	४५	५२	व्य	२५	२१	व	१३	७	२२	३२	२८	२०	४	२६	कर्के	भ. १३।७ उ. ४५।२८ या.
१४	र	१७	४९	श्ले	५१	२५	व	२६	४१	श	१७	४९	१९	३२	२८	२१	५	२७	सिं५१।२५	मार्गी गुरुः ११।३०
३०	चं	२१	१९	म	५६	१४	प	२६	५९	ना	२१	१९	१५	३३	२७	२२	६	२८	सिंहे	ग्र. सं. पिठोरी ३० कुशाग्रहणम्

१८पं.भा.कृ.४बु.इ.११।४३ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	८	४	८	४	३
२३	११	६	०	७	१९	२३	२४
५०	४५	०	३९	४०	२२	३९	१६
११	१४	७	११	४१	२४	२५	२६
५७	३९	८६	३	७४	२५	३	५७
२२	५७	२५	ब	२०	ब	११	३३

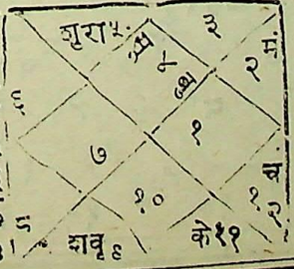

भाद्रपद,कृ.१०भौमे सिंहेऽर्कः प्र.,वा. ४ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभावसम) शुक्रोदयं पश्चिमे।

गोचरग्रहाः १९.प.भा.कृ११बु.इ११।३४

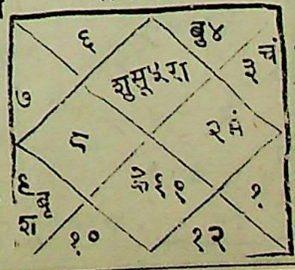

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	३	८	४	८	४	४
०	१६	१७	०	१६	१९	२३	०
३२	१६	१०	१९	१७	८	१७	५९
२४	१	३०	४६	४६	३८	९	४५
५७	३९	८	४२	७४	४६	३	५७
३४	१८	ब	बृ	२०	व	११	४०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०१७ शाकः १८८२ दि.उ.अ.इं.रा.मु. चंद्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३३२सन् १९६०

१	मं	२३	४२	पू	५९	५०	शि	२६	२९	ब	२३	४२	३२/१२	५४/३४	६६/२६	२३	७	२९	सिंहे
२	बु	२५	६	उ	६०	०	सि	२५	२१	कौ	२५	६	८	३४	२६	२४	८	३०	क.१५।२७
३	गु	२५	२०	उ	२	२०	सा	२३	१५	ग	२५	२०	४	३५	२५	२५	९	१	कन्यायां
४	शु	२४	३६	ह	३	४८	शु	२०	५	वि	२४	३६	०	३६	२४	२६	१०	२	तु.३४।४
५	श	२२	५६	चि	४	२०	शु	१६	०	ला	२२	५६	५१/६	३७	२३	२७	११	३	तुलायां
६	र	२०	१६	स्वा	४	०	ब्र	१२	१९	तै	२०	१६	५२	३८	२२	२८	१२	४	बृ. ४८।६
७	चं	१६	३६	वि	२	४८	ऐं	६	५३	व	१६	३६	४८	३८	२२	२९	१३	५	वृश्चिके
८	मं	१२	२१	अ	२७	५९/४६	वै	०	१५३/३४	ब	१२	२१	४४	३९	२१	३०	१४	६	ध. ५७।१३
९	बु	७	१०	मू	५	२३	प्री	४७	६	कौ	७	१०	४०	४०	२०	३१	१५	७	धनुषि
१०	गु		११०	पू	४८	४१	आ	३९	२	ग	१	१०	३६	४१	१९	१	१६	८	धनुषि
११	गु	५३	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	शु	४६	५३	उ	४३	२४	सौ	३०	२९	ब	२०	३६	३२	४२	१८	२	१७	९	म.२।२२
१३	श	३९	१४	श्र	३७	४४	शो	२१	४१	कौ	१३	३	२९	४२	१८	३	१८	१०	मकरे
१४	र	३१	४१	ध	३२	१०	अ	१२	४६	ग	५	२७	२५	४३	१७	४	१९	११	कु.४।५७
१५	चं	२४	५३	श	२७	२२	सु	४/१	५३/३	ब	२४	५३	२२	४४	१६	५	२०	१२	कुम्भे

मघा. सिंहे बुधः ४६।१
चन्द्रदर्शनम्
भ.५५/८ उ.फायांशक्रः ३५/३३ हरितालिकाव्रत*
भ.३३/६४ या.गणेशचतुर्थी [*रविलावल३
ऋषिपंचमी
मृगशीर्षेभौमः ४३/३२ कन्यायांशुक्रः २०/१२
भ.३१/६ उ. ४४/२८ या.
पू.फा.यां.रवि; २५/४२ पू.फा.यां, बुधः २९/१२ —पद्मा११ब्र.स्मा.
भ.४७/५५ उ.५४/२० या.सितम्बर ६ता.३०—

पद्मा११ ब्र.बै नि वामनावतार
हरिवासरः प्रदोषः
भ. ३१।४१ उ.५८।१७या.अनन्त१४
हस्ते शुक्रः २७।२४ महालयारम्भः

२० पं. भा.शु.२ बु.इ.११।२४ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	८	४	८	४	४
७	२०	०	०	२४	१८	२२	७
१५	३९	५०	३०	५४	५१	५४	४४
५७	२२	१३	११	२२	४०	५४	१६
५७	३८	९/८	३२/२९	७४	१३/१२	३	५७
४५	६	४०/४०	मा	८	ब	११	४८

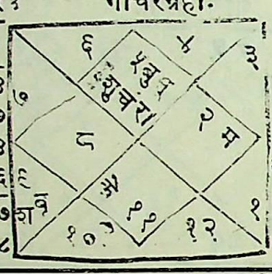

इस मास का फल अच्छा रहेगा। सिंह का सूर्य उत्तम-वर्षा कारक है। प्रजा में सुख शांति रुई-चांदी मंदी होगी।

गोचरग्रहाः २१ पं.भा.शु.९ बु.इ.१२।१६

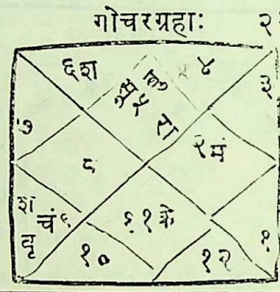

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	८	५	८	४	४
१४	२४	१४	०	३	१८	२२	१४
१	५२	४१	३९	३१	३९	३२	२०
९	३०	४९	२५	१	७	३८	५६
५७	३७	५/५	१	७४	३३/३३	३	५८
५७	१९	४/४	४७	२	ब	११	१

ति.आश्विनकृष्णपक्षः स०२०१७ शाकः १८८२ दि.उ.अ.इं.रा.मु. चन्द्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणभाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	मं	१८	५७	पू	२३	२२	श्र	४८	४८	कौ	१८	५७	३१/१८	४५	१५/६	६	२१	१३	मी ६।२२
२	बु	१४	३५	उ	२०	४०	गं	४३	२	ग	१४	३५	१३	४५	१५	७	२२	१४	मीने
३	गु	१२	०	रे	१६	५४	वृ	३८	४२	वि	१२	०	९	४६	१४	८	२३	१५	मे.१९।५.४
४	शु	११	३८	अ	२१	३	धृ	३५	५२	बा	११	३८	४	४७	१३	९	२४	१६	मेषे
५	श	१२	५६	भ	२४	३९	व्या	३४	४८	तै	१२	५६	०	४८	१२	१०	२५	१७	बु. ४०।४४
६	र	१६	२३	कृ	२८	५९	ह	३४	४४	व	१६	२३	३०/५	४९	११	११	२६	१८	वृषे
७	चं	२१	१७	रो	३५	३३	व	३५	५६	ब	२१	१७	५१	५०	१०	१२	२७	१९	वृषे
८	मं	२७	६	मृ	४२	३४	सिं	३७	५०	कौ	२७	६	४६	५१	९	१३	२८	२०	मि. ९।३
९	बु	३३	२१	आ	५०	१७	व्य	४०	१५	तै	०	१३	४२	५२	८	१४	२९	२१	मिथुने-
१०	गु	३९	५२	पु	५७	४६	व	४२	५९	व	६	३६	३७	५३	७	१५	३०	२२	क.४२।५४
११	शु	४५	१९	पु	६०	०	प	४५	५	ब	१२	३७	३२	५४	६	१६	३१	२३	कर्के
१२	श	५०	८	पु	४	३५	शि	४६	२५	कौ	१७	४३	२८	५४	६	१७	१	२४	कर्के
१३	र	५३	२०	श्ले	१०	१८	सिं	४६	४६	ग	२१	४४	२४	५५	५	१८	२	२५	सिं.१०।१८
१४	चं	५५	१४	म	१४	५१	सा	४६	३	वि	२४	१७	२०	५६	४	१९	३	२६	सिंहे
३०	मं	५५	३५	पू	१७	५५	शु	४४	१४	च	२५	२४	१६	५७	३	२०	४	२७	क.३३।८

उ. फा. यां. बुधः २४।२१
भ. ४३।१७ उ.
भ १२/० या.मिथुनेभौमः ५३/१२ कन्यायांबुधः≡ [≡३६/३२ चतुर्थी ब्र.
भ. १६।२३ उ. ४८।५०
[*बुधः ३३।५२
उ.फा.यां.रविः १३।२१
हस्ते बुधः १०।१३ मातृ ९
भ ६३ उ ३५/३२ यामार्गीशनि २७/२२ पश्चिमोदयं*
कन्यायामर्कः ३३ इचित्रायांशुक्रः १७।२०≡ [≡ इन्दिरा ११ ब्र,
भ.५३।२०उ.प्रदोषः
भ. २४।१७या.शस्त्रादिहतानांश्राद्धम्
सर्वपितृ ३०

२२ पं.आ.कृ.२ बु.इ.११।७ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	८	५	८	४	४
२०	२८	२७	०	१२	१८	२२	२१
४७	५९	४७	५७	७	३१	१०	१६
४६	१०	३८	५४	४८	१२	२३	५८
५८	३६	८/८	३	७३	४७	३	५८
१२	२१	५३	१९	५१	ब	११	१३

आश्विनकृष्णा ११ शुक्रे कन्यायामर्कंप्रव ४न.४कुमारावस्था (बैठी)मु.३०धान्य। भाव सम शुक्रोदयं पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः २३पं.आ.कृ.९ बु.इ. १०।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	८	५	८	४	४
२७	२	१०	१	२०	१८	२१	२८
३६	५३	१	२४	४४	२७	४८	५
१२	३१	१९	३६	३८	५८	७	२०
५८	३५	०/०	४	७३	०/८	३	५८
२९	१३	४९/४९	२२	४६	ब	११	२६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०१७ शाकः१८८२ दि.उ.अ.इ.रा.मु. चंद्रः | शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२३६१स.१६६०

| | | |

ति.|कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०१७ शाकः १८८२|दि.|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः |शरदर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३९१स.१९६०

१	शु	२२	४५	स्वा	३७	३३	प्री	४५	५	ब	२२	४५	२३ ५८	६ ५	४ ३	२१	४	२९	तुलायां	पुनर्वसौ भौमः २०।४६
२	श	१७	२९	वि	३३	४४	आ	३७	५१	कौ	१७	२९	२२	२०	४०	२२	५	३०	वृ.१९।४१	यम २ भाऊ २ चंद्रदर्शनम्
३	र	११	४०	अ	२९	४४	सौ	३०	१७	ग	११	४०	१६	२१	३९	२३	६	१	वृश्चिके	भ.३५ उ.स्वात्यांरविः ४५ बृश्चिकेबुधः *
४	चं	५	४४	ज्ये	२५	४३	शो	२२	२४	वि	५	४४	१०	२२	३८	२४	७	२	ध.२५।४१	भ. ५।४४ या. [*१२ जमादिलावल५
५	चं	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+शुक्रोदयः पश्चिमे,
६	मं	५४	९	मू	२१	३०	अ	१४	४२	कौ	२७	२	४	२३	३७	२५	८	३	धनुषि	मूले ३ गुरुः ५४।५२
७	बु	४८	५९	पू	१७	४८	सु	२२	५२ ३७	ग	२१	३४	२७ ५८	२४	३६	२६	९	४	म.३१।५९	भ. ४८।५९ उ. वक्री बुधः ४७।१४+
८	गु	४३	४७	उ	१४	३१	शु	५२	५०	वि	१६	२३	५५	२५	३५	२७	१०	५	मकरे	भ १६।२३ या. गोपाष्टमी
९	शु	३९	२०	श्र	११	१०	गं	४६	११	बा	११	३३	५१	२६	३४	२८	११	६	कु.३९।५६	अक्षय ९ [÷तुलसीविवाह
१०	श	३५	९	ध	८	४२	बृ	३९	५३	तै	७	१४	४८	२६	३४	२९	१२	७	कुम्भे	ज्येष्ठायांशुक्रः ४७ मार्गीपूषा२शनिः ३९
११	र	३०	४५	श	६	२४	धु	३४	२	व	२	५७	४५	२७	३३	३०	१३	८	मो ५०।७०	भ.२।५७उ.३०।४५याप्रबोधनि११ब्र.÷
१२	चं	२७	५३	पू	४	५५	व्या	२८	४५	बा	२७	५३	४२	२८	३२	३१	१४	९	मीने	वक्री तुलायां बुधः ३२।३० प्रदोषः
१३	मं	२६	५३	उ	४	३	ह	२४	१	तै	२६	५३	३९	२८	३२	१	१५	१०	मीने	नवंबर मा. ११ ता. ३० वैकुंठं१४ -
१४	बु	२६	८	रे	४	८	व	२०	११	व	२६	८	३६	२९	३१	२	१६	११	मे. ४।८	भ.२६।८उ.५६।१३या.[-पश्चिमास्तं-
१५	गु	२६	१८	अ	५	४२	सि	१७	८	ब	२६	१८	३३	२९	३१	३	१७	१२	मेषे	मन्वादिः [-बुधः ३५।१३

२९ पं.का.शु.७बु.इ.९।५९ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	७	८	७	८	४	६
९	२१	०	६	१२	१९	१९	९
४	१९	४७	४२	१५	४५	२४	२९
४२	३०	२४	३४	४३	५८	३३	४९
६०	२१	६	१०	७२	४	३	५९
२	५९	२	११	३८	५	११	४७

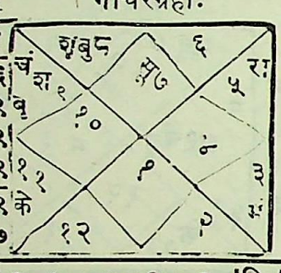

कार्तिक कृष्णा१२ चंद्रे तुलायामर्कः प्र.वा. ४न.४ युवावस्था (सूती) मु.३० (धान्यभाव सम)।

गोचरग्रहाः

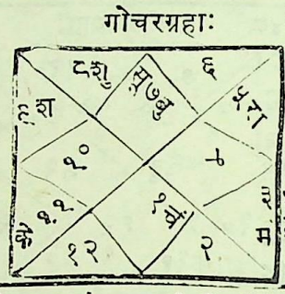

३०पं.का.शु.१४बु.इ.९।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	८	७	८	४	६
१६	२३	२८	७	१०	२०	१९	१६
५	९	१९	५७	४६	१४	१२	२९
४६	५४	३७	५०	४१	१४	१८	३८
६०	१७	५१	१०	७२	४	३	६०
१८	५५	ब	५३	२०	३५	११	४

ति.|मार्गशीर्षकृष्णपक्षः सं.२०१७शाकः १८८२ |दि,|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः | शरदर्तुरविर्दक्षिणेमार्ग कृष्णेति. महाराष्ट्राः

१	शु	२८	०	भ	७	५९	व्य	१५	१८	कौ	२८	०	२७ २९	६ ३०	५ ३०	४	१८	१३	वृ. २३।५५	
२	श	३०	४५	कृ	११	४४	व	१४	२०	ग	३०	४५	२५	३१	२९	५	१९	१४	वृषे	
३	र	३५	३०	रा	१६	४९	प	१४	२१	व	३	७	२१	३२	२८	६	२०	१५	मि.४९।५९	भ.३ उ.३५ या. विशाखायां रविः २ ४
४	चं	४०	४७	मृ	२३	८	शि	१५	३०	ब	८	८	१७	३३	२६	७	२१	१६	मिथुने	चतुर्थी ब्र.
५	मं	४६	३३	आ	३०	१४	सि	१७	९	कौ	१३	४०	१३	३३	२७	८	२२	१७	मिथुने	[=६।३२मूलेधनुषिचभृगुः४४।१७
६	बु	५३	२६	पु	३७	४८	सा	१९	१८	ग	१९	५९	१०	३४	२६	९	२३	१८	क.२०।५५	भ. ५३।२६ उ. वक्री स्वात्यांबुधः =
७	गु	५९	५५	पु	४५	१८	शु	२१	४६	वि	२६	४१	७	३५	२५	१०	२४	१९	कर्के	भ. २६।४१ या.
८	शु	६०	०	श्ले	५२	२५	शु	२३	५२	बा	३२	४४	४	३५	२५	११	२५	२०	सिं ५२।२५	
८	श	५	२८	म	५८	२४	ब	२५	१३	कौ	५	२८	०	३६	२४	१२	२६	२१	सिंहे	मूले ४ गुरुः ५२।११
९	र	९	३३	पू	६०	०	ऐं	२५	४०	ग	९	३३	२६ ५८	३६	२४	१३	२७	२२	सिंहे	भ. ५९ उ. पूर्वोदयी बुधः ५९
१०	चं	१२	९	पू	२	४८	वै	२४	५२	वि	१२	९	५६	३७	२३	१४	२८	२३	क.१८।२७	भ. १२।९ या.
११	मं	१२	५४	उ	५	२६	वि	२२	२६	बा	१२	५४	५४	३७	२३	१५	२९	२४	कन्यायां	बृश्चिकेऽर्कः ५७।३ उत्पति ११ ब्र.
१२	बु	११	३८	ह	६	२	प्री	१८	३१	तै	११	३८	५२	३८	२२	१६	१	२५	तु. ३५।२४	प्रदोषः
१३	गु	८	१५	चि	४	४७	आ	१३	२	व	८	११	४९	३८	२२	१७	२	२६	तुलाया	भ.८।१५उ.२५।४३यामार्गोबुध १।२४
१४	शु	३	११	स्वा	४९	५५ २९	सो	६ १७	५२ ८	श	३	११	४६	३९	२१	१८	३	२७	वृ.३४।२३	
३०	शु	५३	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३१ पं.मा.कृ.६बु.इ.९।३६ गोचरग्रहः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	८	७	८	४	६
२३	२४	१९	९	२९	२०	१८	२३
८	२७	५८	१७	१८	४६	५०	३०
२४	०	५	२४	२२	२६	२	५४
६०	१३	२३ ३१	११	७१	५	३	६०
३०	३०	ब	२९	५६	६	११	१७

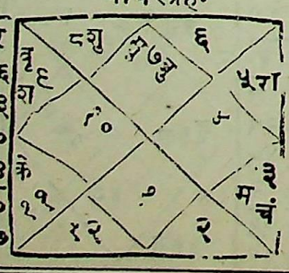

मार्गशीर्षकृष्णा११ भौमे बृश्चिकेऽर्कः प्र. वा.२न.३ युवावस्था (सूति) मु३० (धान्य-शुक्रोदयः पश्चिमे

गोचरग्रहाः

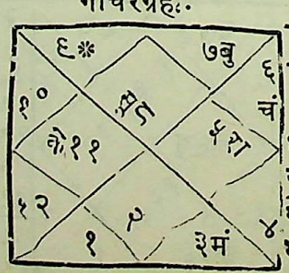

३२पं.मा.कृ१२बु.इ.९।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	८	८	८	४	७
०	२५	१४	१०	७	२१	१८	०
१२	७	४५	४०	४७	२१	२७	३३
२८	२३	४३	३४	४३	५८	४७	४३
६०	८	४५ ७	१२	७१	५	३	६०
४०	२०	ब	६	३८	३९	११	३७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*९वृशुश

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०१७ शाकः १८८२ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २४१०स.१९६०

१	श	४९	३६	अ	५२	५	अ	४९	१०	कि	२३	१६	३६	४०	२०	१९	४	२८	वृश्चिके
२	र	४१	५९	ज्ये	४६	१२	मु	४०	९	वा	१५	४७	३९	४०	२०	२०	५	२९	ध.४६।१२
३	चं	३४	९	मू	४०	१२	धृ	३०	५०	तै	८	४	३६	४१	१९	२१	६	१	धनुषि
४	मं	२६	३८	पू	३४	४३	शू	२१	२५	व	०	२३	३३	४१	१९	२२	७	२	म.४८।२८
५	बु	२०	१४	उ	२९	४४	गं	१२	४१	वा	२०	१४	२८	४२	१८	२३	८	३	मकरे
६	गु	१४	३	अ	२५	२६	वृ	४९	५३	तै	१४	३	२५	४३	१७	२४	९	४	कु.५३।५४
७	शु	९	६	ध	२२	२२	व्या	५०	३३	व	९	६	२३	४३	१७	२५	१०	५	कुम्भे
८	श	५	१०	श	२०	२०	ह	४४	५८	ब	५	१०	२१	४४	१६	२६	११	६	कुम्भे
९	र	२	२०	पू	१९	२९	ब	४०	८	कौ	२	२०	१९	४४	१६	२७	१२	७	मी ४।४४
१०	चं	९	४१	उ	१९	२४	सि	३६	६	ग	०	४१	१७	४५	१५	२८	१३	८	मीने
११	चं	५९	१५		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	मं	६०	०	रे	२०	३०	व्य	३२	५४	ब	३०	१४	१४	४५	१५	२९	१४	९	मे.२०।३०
१२	बु	०	३२	अ	२२	५०	व	३०	५६	वा	०	३२	१२	४६	१४	३०	१५	१०	मेषे
१३	गु	२	१	भ	२६	३	प	२९	२४	तै	२	१	१०	४६	१४	१	१६	११	वृ.४२।७
१४	शु	४	३८	कृ	३०	२०	शि	२८	५३	व	४	३८	८	४६	१४	२	१७	१२	बृषे
१५	श	८	२०	रो	३५	३०	सि	२९	९	ब	८	२०	६	४७	१३	३	१८	१३	वृषे

दिसंबर १२ ता. ३१ उषायां भृगुः ५१।१०
भ. ३ ४८ उ. ३ ६ या. ज्येष्ठायाँ रविः २ १ दत्तज.
वृश्चिकेबुधः १२।६

३३पं.मा.शु.५बु.इ.९।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	८	८	८	४	७
७	२५	१७	१२	१६	२२	१८	७
१८	१५	४४	६	१४	०	५	३७
१	२६	४२	३२	४२	०	३१	३६
६०	४	५४	१२	७१	६	३	६०
५३	१	४९	२६	११	१	११	४२

गोचरग्रहाः

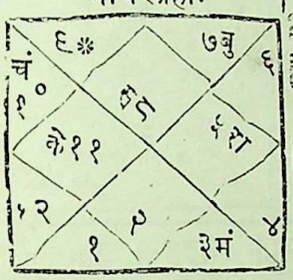

इस मास में तुला की संक्रांति मंगल वार की धान्यादि समस्त पदार्थों में तेजी कारक है पशुओं में रोग।

गोचरग्रहाः

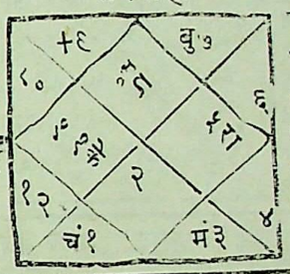

३४पं.मा.शु.१२बु.इ८।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	८	८	८	४	७
१४	२४	२५	१३	२४	२२	१७	१४
२४	३४	५५	२६	३९	४१	४३	४२
४७	१६	३०	१८	४१	२२	१५	४८
६१	५९	७८	१२	७०	६	३	६०
३	ब	४८	५२	३८	२२	११	५०

ति. | पौष कृष्णपक्षः सं.२०१७ शाकः १८८२ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणे मार्ग. कृ. महा.

१	र	१३	१८	आ	४१	५५	सा	३०	१७	कौ	१३	१८	२९	४	४७	१३	४	१९	१४	मि८।४२
२	चं	१८	४८	पु	५६	२१	शु	३१	४१	ग	१८	४८	३	४	४७	१३	५	२०	१५	मिथुने
३	मं	२५	५	पु	६०	०	शु	३३	४५	वि	२५	५	१	४	४८	१२	६	२१	१६	क. ३९।२९
४	बु	३०	५७	पु	३	५१	ज्ये	३६	६	बा	३०	५७	०	४	४८	१२	७	२२	१७	कर्के
५	गु	३७	५९	पु	३	५१	मू	३८	१५	कौ	४	२८	२५	४	४८	१२	८	२३	१८	कर्के
६	शु	४३	५८	श्ले	११	२५	पू	४०	२३	ग	१०	५८	५८	४	४८	१२	९	२४	१९	सिं ११।२५
७	श	४९	०	म	१८	३	उ	४१	३२	वि	१६	२९	५७	४९	११	१०	२५	२०		सिंहे
८	र	५२	३६	पू	२३	२९	अ	४१	४७	बा	२०	४८	५६	४९	११	११	२६	२१	कं ३९।३१
९	चं	५४	२०	उ	२७	३६	ध	४०	३९	तै	२३	५८	५५	४९	११	१२	२७	२२	कन्यायां
१०	मं	५४	६	ह	२९	५७	श	३७	५७	ब	२४	१३	५४	४९	११	१३	२८	२३	कन्यायां
११	बु	५१	५१	चि	३०	६	श	३३	४१	ब	२२	५७	५२	५०	१०	१४	२९	२४	तु.०।१
१२	गु	४७	३३	स्वा	२८	१०	श	२७	४३	कौ	१९	४२	५२	५०	१०	१५	३०	२५	तुलायां
१३	शु	४१	२६	वि	२४	२२	स	२०	२४	ग	१४	२९	५२	५०	१०	१६	१	२६	वृ.१०।१९
१४	श	३३	४५	अ	१९	०	धृ	११	३५	वि	७	३५	५१	५०	१०	१७	२	२७	वृश्चिके
२०	र	२५	१८	ज्ये	१२	२१	शू	५०	४९	ना	२५	१८	५१	५०	१०	१८	३	२८	ध.१२।२१

मकरे भृगुः ३२।४१
भ. ५१।५६उ. अनु. बुधः २३।५७
भ.२५।४या.पूषायाँ४शनिः२८।१४च.ब्र.

*५५।१९ पूर्वास्तं.बुधः १२।५४
भ. ४३।५८ उ.
भ. १६।२९ या.

श्रवणे भृगुः ५९।२१
भ.२४।१३उ.५४।६या. पूषायां२गुरुः*
ज्ये.बुधः १७सफला ११ब्र स्मा.वै.
धनुषिरविः २५।३६सफला ११ब्र.नि.
भ. ४१।२५ उ. प्रदोषः
भ. ७।३५
वक्री आर्द्रायां भौमः ९।२

३५पं.पौ.कृ.४बु.इ.८।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	८	९	८	४	७
२१	२३	५	१५	३	२३	१७	२१
३२	१५	५३	८	९	२४	२१	४८
३४	१४	२	४२	६	५४	०	५४
६१	३२ ३०	८७	१३	७०	६	३	६०
११	ब	२८	१३	१	३६	११	५६

गोचरग्रहाः

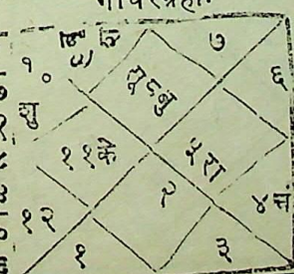

पौ. कृ. १२ गुरौधनुष्यर्कः प्र. वा.३ न. ३युवा वस्था(सूती)मु.१५ (धान्यमावतेज, शु.

गोचरग्रहाः

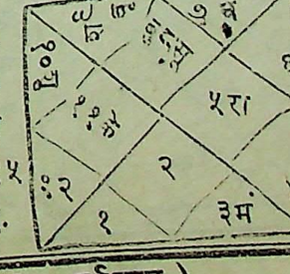

३६पं.पौ.कृ.११ब.इ८।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	८	९	८	४	७
२८	२१	१६	१६	११	२४	१६	२८
४१	१७	२१	४२	१९	१०	५८	५५
१७	४९	५५	५४	४१	४८	४४	५१
६१	२५	९३	१३	६९	६	३	६१
१९	ब	२४	८	१४	५४	११	०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* शु बृ.श.

+ शु.श.बृ.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. पौष शुक्लपक्षः सं.२०१७ शाकः १८८२ | दि. उ. अ. इ. रा. मु | चन्द्रः | हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २४५०स १९६०

१	चं	१६	१०	मू	५३ ५३	बृ	४०	४६	ब	१६	१०	२५ ६ ५	५० १६	१६	४	२६	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	६	५७	उ	५१	३	ध्रु	३०	१८	कौ	६	५७	५१	५०	१०	२०	५	१	म.७।१८	पूफा १ राहुः शते ३ केतु · २।८रज्जव।७
३	मं	५१	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	बु	५०	३०	श्र	४४	४८	व्या	२०	१६	व	२४	२५	५०	५०	१०	२१	६	२	मकरे	भ. २४।२५ उ. ५०।३० या.
५	गु	४४	६	ध	३६	५३	ह	१०	५८	ब	१७	१८	५०	५०	१०	२२	७	३	कु.१२।२१	मूले धनुषि च. बुधः ५२।२१
६	शु	३८	५०	श	३६	१६	व	५३	५३	कौ	११	२८	५०	५०	१०	२३	८	४	कुम्भे	
७	श	३५	११	पू	३४	८	व्य	५०	१८	ग	७	०	५०	५०	१०	२४	९	५	मी१९।४१	भ. ३५ ६ उ.धनिष्ठायां भृगुः २७ ५५
८	र	३३	८	उ	३३	५६	व	४५	५७	वि	४	९	५०	५०	१०	२५	१०	६	मीने	भ. ४ या.अस्तंगुरुः ३ ६ ६ अस्तंशनिः २ ६ ५
९	चं	३२	४२	रे	३४	४८	प	४२	५३	बा	२	५५	५०	५०	१०	२६	११	७	मे.३४।४८	अ. गु.
१०	मं	३३	५४	अ	३७	१७	शि	४०	५४	ते	३	१८	५०	५०	१०	२७	१२	८	मेषे	
११	बु	३६	२१	भ	४१	४	सि	३९	५५	व	५	७	५०	५०	१०	२८	१३	९	बृ.५७।२०	भ ५ ७ उ. ३ ६ १ शा.पूषायां रविः २७ २ ५ पूषावां *
१२	गु	४०	०	कृ	४६	९	सा	४०	१३	ब	८	६०	५२	५०	१०	२९	१४	१०	वृषे	*गुरुः ३३ ६ पुत्रदा ११ व्र.
१३	शु	४४	३८	रो	५१	५९	शु	४०	४२	कौ	१२	१९	५४	४९	११	३०	१५	११	वृषे	कुंभे शुक्रः १३।४ प्रदोषः
१४	श	५०	१	मृ	५८	२३	शु	४१	५६	ग	१७	१९	५६	४९	११	३१	१६	१२	मि२५।१६	भ.५०।१उ. पूषायां बुधः १४।५५
१५	र	५५	४८	आ	६०	०	ब्र	४३	३९	वि	२२	५५	५८	४८	१२	१	१७	१३	मिथुने	भ. २३ ५ ५ जनवरी १ ता. ३१ सन् ६१

३७पं.पौ.शु.४बु.इ.२ ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	७	८	९	८	४	८
५	१८	२७	१८	१९	२४	५६	६
५०	५४	१२	१८	३२	५७	३६	३
४२	५०	१९	१४	६	३६	२९	२८
६१	२४	९६	१३	६८	७	३	६१
२२	ब	४८	३२	३०	३	११	५

गोचरग्रहः।

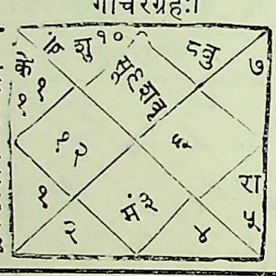

इस मास का फल श्रेष्ठ है कपास सूत कपड़ा घृत तैल तिल सोना आदि के भाव में मंदी अयेगी।

गोचरग्रहाः

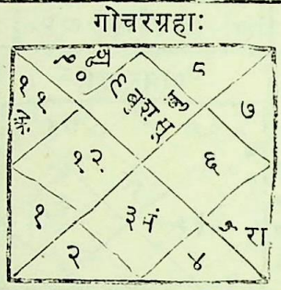

३८पं.पौ.शु.११बु.इ.१ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	८	९	८	४	८
१३	१६	८	१९	२७	२५	१६	१३
०	३४	१०	२४	३९	४५	१४	११
३४	३७	४१	१८	३२	५८	१३	२४
६१	४०	५९	१३	६७	७	३	६१
२६	ब	२५	३५	३२	१५	११	६

ति. माघ कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | हेमंतर्तु रविर्दक्षिणे पौष कृ. ३ महा.

१	चं	६०	०	आ	५	३३	ऐं	४५	४४	बा	२९	१	२५ ६ ५	४८ १२	२	१८	१४	क.५६।७
१	मं	२	१५	पु	१२	५८	वै	४७	५९	कौ	२	१५	२९ १	४८ १२	३	१९	१५	कर्के
२	बु	८	४४	पु	२०	२८	वि	५०	९	ग	८	४४	२	४८ १२	४	२०	१६	कर्के
३	गु	१५	१	श्ले	२७	५१	प्री	५२	१२	वि	१५	१	३	४७ १३	५	२१	१७	सिं २७।५१
४	शु	२०	५९	म	३४	५०	आ	५३	४१	बा	२०	५९	४	४७ १३	६	२२	१८	सिंहे
५	श	२६	२	पू	४०	५९	सौ	५४	३२	ते	२६	२	६	४७ १३	७	२३	१९	कं ५७।१४
६	र	३०	१२	उ	४५	५९	शो	५४	२१	व	३०	१२	७	४७ १३	८	२४	२०	कन्यायां
७	चं	३२	५३	ह	४९	३८	अ	५३	२	वि	१	३२	८	४६ १४	९	२५	२१	कन्यायां
८	मं	३३	५१	चि	५१	२६	सु	५०	२२	बा	३	२२	९	४६ १४	१०	२६	२२	तु.२०।३२
९	बु	३३	३	स्वा	५१	३०	धृ	४५	५९	ते	३	२७	१०	४६ १४	११	२७	२३	तुलायाँ
१०	गु	३०	९	वि	४९	३८	शू	४०	१३	व	१	३६	१२	४६ १४	१२	२८	२४	वृ.३५।१६
११	शु	२५	३०	अ	४५	५९	गं	३२	४८	बा	२५	३०	१४	४५ १५	१३	२९	२५	वृश्चिके
१२	श	१९	११	ज्ये	४०	३०	वृ	२४	११	ते	१९	११	१६	४५ १५	१४	१	२६	ध.४०।३०
१३	र	११	११	मू	३३	४१	ध्रु	१४	२५	ब	११	११	१८	४४ १६	१५	२	२७	धनुषि
१४	चं	२	३	पू	२६	११	व्या	३ ४	४ ३	श	२	३	२०	४४ १६	१६	३	२८	म.३९।१२
३०	चं	५०	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०			०

प्रदोषः
भ.१९।११उ.३६।३७ या.
श्रवणेबुधः ४०।१८ युगादिः

३९पं.मा.कृ.२बु.इ.१ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	८	१०	८	४	८
२०	१३	१९	२१	५	२६	१५	२०
१०	४७	२१	३२	३९	३४	५१	१९
४१	२८	४	२२	३२	६	५७	३०
६१	२९	९०	१३	६६	७	३	६१
२६	ब	३५	३८	१९	२०	११	६

गोचरग्रहः

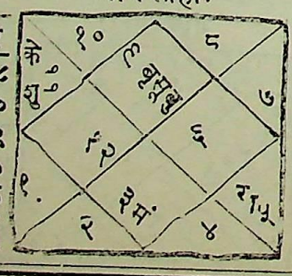

माघ कृ. ११ शुक्रे मकरेऽर्कः प्र. वा.२न.३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शु.पू.

गोचरग्रहः

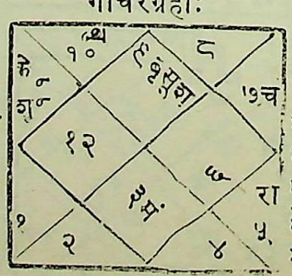

४०पं.मा.कृ.९बु.इ.८ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	९	८	१०	८	४	८
२७	११	०	२३	१३	२७	१५	२७
२०	३०	४७	११	३०	२४	१९	२७
२३	२९	३५	२०	०	५०	४२	३६
६१	२४	९०	१३	६४	७	३	६१
२४	ब	३४	३८	५५	२०	११	६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं.२०१७शाकः १८८२										दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	मं	४२	३५	उ	१८	१५	व	४१	२६	क्ति	१७	२८	२६	६	५	१७	४	२६	मकरे
२	बु	३३	६	श्र	१०	३७	रो	३०	४६	ग्रा	७	५२	२४	४३	१७	१८	५	३०	कु.३७।८
३	गु	२४	५०	ध	३८	५४	ज्ये	२०	५३	ग	२४	५०	२६	४३	१७	१६	६	१	कुम्भे
४	शु	१७	४८	पू	५३	४४	व	११	४७	वि	१७	४८	२८	४२	१८	२०	७	२	मी३८।५०
५	श	१२	३७	उ	५१	३०	प	२६	५४	वा	१२	३७	३०	४२	१८	२१	८	३	मीने
६	र	६	१४	रे	५१	६	सि	५४	१६	तै	६	१४	३०	४२	१८	२२	६	४	मे.५१।६
७	चं	७	४४	अ	५२	४१	सा	५१	३२	व	७	४४	३४	४१	१६	२३	१०	५	मेषे
८	मं	८	२४	भ	५६	४	शु	५०	५	ब	८	२४	३६	४१	१६	२४	११	६	मेषे
९	बु	१०	४१	कृ	६०	०	शु	५०	२०	को	१०	४१	३८	४०	२०	२५	१२	७	वृ.१२।१६
१०	गु	१४	३८	कृ	१	४	न	५०	५३	ग	१४	३८	४१	४०	२०	२६	१३	८	वृषे
११	शु	१६	४२	रो	७	६	एं	५२	३१	वि	१६	४२	४४	३६	२१	२७	१४	६	मि४०।३८
१२	श	२५	३७	मृ	१४	७	वै	५४	३४	वा	२५	३७	४८	३६	२१	२८	१५	१०	मिथुने
१३	र	३१	५१	आ	२१	१६	वि	५६	४४	तै	३१	५१	५२	३८	२२	२९	१६	११	मिथुने
१४	चं	३८	२८	पु	२९	२०	प्री	५८	५२	ग	५	६	५६	३७	२३	३०	१७	१२	क.१२।१६
१५	मं	४४	३६	पु	३६	५५	आ	६०	०	वि	११	३२	५६	३६	२४	३१	१८	१३	कर्के

पूभायां भृगुः २।५२
चन्द्रदर्शनम् *अभि.प्र.रविः १५।२५
भ. ५१।१६ उ. सावान ८
भ.१७।४८या.उदयंगुरुः२७।३६* उ.गु.
वसंत५ ×अभि.नि.रविः२३।३६
+मीने शुक्रः ३२।२७
भ.७।४४उ.३८।४या.श्रवणेरविः३१रथ७
धनिष्ठायां बुधः ३४।१० भीष्म ८ ×
पश्चिमोदयो बुधः २६।४४
भ. ४७।१उ.उषायां १ गुरुः १४।५४ +
भ.१६या. जया११ उदयंशनेः ४५।३४
कुम्भे बुधः २२।४३
उभायां शुक्रः ४०।४८ प्रदोषः
भ. ३८।२८ उ.
भ. ११।३२ या.

४१पं.मा.शु.२बु.इ.८।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	८	१०	८	४	९
४	९	१२	२४	२१	२८	१५	४
२९	३६	३२	४८	९	१५	७	३५
५२	१९	१०	५०	२९	०	२६	३७
६१	२८	०३	१३	६३	७	३	६१
१९	ब	७	३२	१८	२०	११	३

गोचरग्रहाः

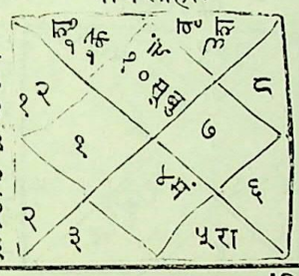

इस मास में प्रजा में पीड़ा रोग आदि होंगे शीत अधिक पड़ेगा।

गोचरग्रहा

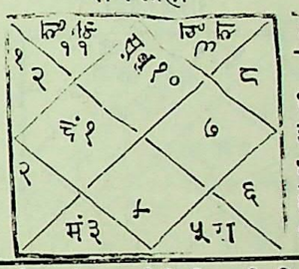

४२पं.मा.शु.९बु.इ.१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	८	१०	८	४	९
११	८	२४	२६	२८	२९	१४	११
३८	१९	२८	२५	३४	३	४५	४२
४३	५५	१	३	८	५४	११	५४
६१	५७	०४	४	६	१३	६१	७
१३	ब	२७	२५	८	१४	११	५९

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं.२०१७ शाकः १८८२										दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चंद्रः
१	बु	५०	४७	श्ले	४३	५०	आ	१	१	ग्रा	१७	४१	२७	६	५	१	१६	१४	सिं४३।५०
२	गु	५६	२०	म	५०	१४	सो	२	५३	तै	२३	३३	७	३५	२५	२	२०	१५	सिंहे
३	शु	६०	०	पू	५६	११	शो	४	१४	व	२८	३८	१०	३४	२६	३	२१	१६	सिंहे
३	श	०	५६	उ	६०	०	अ	४	५६	वि	०	५६	१४	३३	२७	४	२२	१७	कं.१२।३०
४	र	४	५०	उ	१	२६	सु	५	२	वा	४	५०	१७	३३	२७	५	२३	१८	कन्यायां
५	चं	७	३०	ह	५	१४	धृ	४	१५	तै	७	३०	२०	३२	२८	६	२४	१९	तु. ३६।४०
६	मं	८	५७	चि	८	११	शू	२४	५७	व	८	५७	२४	३१	२९	७	२५	२०	तुलायां
७	बु	९	३	स्वा	९	३५	बृ	५५	१४	ब	९	३	२८	३०	३०	८	२६	२१	बृ.५४।३१
८	गु	७	३३	वि	९	३०	ध्रु	४९	४३	को	७	३३	३२	३०	३०	९	२७	२२	बृश्चिके
९	शु	४	२९	अ	७	४२	व्या	४२	४६	ग	४	२९	३६	२९	३१	१०	२८	२३	बृश्चिके
१०	शु	५५	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	श	५३	३३	ज्ये	२०	५५	ह	३४	४४	ब	२६	३५	३९	२८	३२	११	२९	२४	ध.४।२०
१२	र	४५	४८	पू	५३	३२	ग्र	२५	३६	को	१९	४०	४२	२८	३२	१२	३०	२५	धनुषि
१३	चं	३७	१४	उ	४६	२७	सि	१५	४२	ग	११	३१	४६	२७	३३	१३	१	२६	म.६।४६
१४	मं	२७	५९	श्र	३८	५८	व्य	५१	४९	वि	२	३६	५०	२६	३४	१४	२	२७	मकरे
३०	बु	१८	३०	ध	३१	३३	प	४३	२८	ना	१८	३०	५४	२५	३५	१५	३	२८	कु.५।१५

फरवरी मा.२ता.२८ शते बुधः४२
उषायां २ मकरे च शनिः १४।४१
भ. २८।३८ उ.
भ.०।५६या.मार्गी भौमः२७।५१ च.ब्र.
धनिष्ठायां रविः ३७।१७
*रेवत्यांभृगुः४२।१२विजया वै.नि.
भ. ८।५७ उ. ३९।० या.

पातस्पर्शः ४३।२०
भ.३२।३२उ. ५९:३७या.उषा२ मकरे×
×गुरुः ५।३० पातमोक्षः ४।२९
विजया ११ स्मा.
कुम्भेऽर्कः ११।१३ वक्री बुधः४४।०*
भ. ३७/१४ उ. महाशिवरात्रिव्रतम्
भ. ३६/२ या. पश्चिमास्त बुधः ४१।२६
सूर्यग्रहणम्

४३पं.फा.कृ.१बु इ.८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	१०	८	११	८	४	९
१८	७	५	२८	५	२९	१४	१८
४६	३४	४८	०	४३	५२	२२	४९
४४	३७	१४	४०	३०	१२	५५	२६
६१	५४	८९	१३	५८	७	३	६०
४	बु	३७	१९	२८	३	११	५९

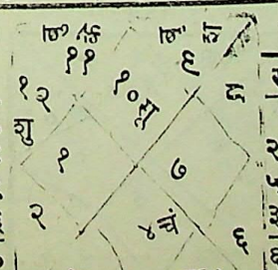

४४पं.फा.कृ.७बु.इ.८।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	१०	८	११	९	४	९
२५	७	१३	२९	१२	०	१४	२५
५३	२२	५६	३४	२२	३८	०	५५
३१	६	१०	३०	५५	४६	३९	१५
६०	२७	५२	१३	५५	६	३	६०
५५	मा	२९	४	५५	५४	११	४७

४५पं.फा.कृ.३०बु.इ.८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	९	११	९	४	१०
२	७	१५	१	१८	४	१३	३
५९	५४	१९	६	४३	२१	३८	०
३४	३२	४४	११	१९	५८	२४	०
६०	६	५७	१२	५०	६	३	६०
४२	३८	बु	३८	३०	३६	११	३७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation USA

ति.|फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०१७ शाकः १८८२|दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चन्द्रः |शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२५०९स.१९६१|

| | | |

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८५०६२ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६२ भोग्यकलिः ४२६९३८ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०१८ शाकः १८८३ अथाऽस्मिन्वर्षेराजा शुक्रः । मंत्री गुरुः । सस्येशोरविः । धान्येशोशुक्रः । मेघेशो बुधः । रसेशोभौमः । नीरसेशोशनिः । फलेशोः बुधः । धनेशोशनिः । दुर्गेशो बुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ८ आनन्दनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ३।२९।३०।० भोग्यमासादिः ८।०।३०।० वर्षनाम आषाढः । मेघ २ नाम संवर्त । समय निवासो वणिकगृहे । रोहिणीनिवासः संधौ । समय विश्वा १० । समय वाहनमश्वः । स्तम्भ एक धान्यस्य । सोमवत्यमा १ । सोमवती पंचमी १ । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३८३ । तिथिक्षयः १८ । तिथि वृद्धिः ११ । उत्पत्ति विश्वा ९९ । खपति विश्वा १२६ । वर्षा विश्वा ५ । धान्यम् १७. तृणम् १७. शीतम् ५. तेज ५ वायुः १३ । शनि दृष्टिरुत्तरे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०३ सत्यं ।।. धर्म १।।. पाप १८ । ग्रहणं नास्ति ।

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे मात से हाथ जोड़ शिर नाय ।
नया वर्ष अब आइया कहो हाल समझाय ।।

भवानी उत्तर

सुन भैरव माता कहे संवत् सर का हाल ।
ग्रह योगों से देखतां मध्यम निपजे माल ।।
राजा भृगु मंत्री गुरु है यह सुन्दर योग ।
नर नारी आनन्द से भोगें उत्तम भोग ।।
आगे कुज पीछे रवि श्रावण भादों मास ।
कर वर्षा की खैंच कहीं करे धान्यका नाश ।।
समयनिवासो वणिक्घर रोहिणी संधिवास ।
कमर्ता कर शुभ फलोंको करें आश का नाश ।।
नीच राशि के गुरूजी प्रथम दिखायें काल ।
मंत्री पद के कारणें पोछे करें सुकाल ।।
दश विश्वा संवत् बना वर्षा विश्वा बाण (५)
धान्यपति भृगुजी भये हो न धान्य की हान ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	२	११	२४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्षेश लग्नम् ७।१८

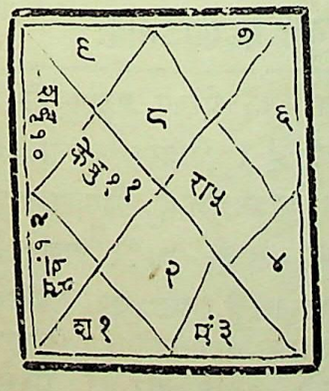

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कु	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्ष लग्नम् ४।२१

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१८।२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथ वर्ष फलम्। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा भृगुस्तत्फलम्-शुक्रस्य राज्ये बहु सत्य संकुला स्वतीव्र वेगाः सरितोम्बुराशिभिः। फलंति वृक्षा बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिवसौख्यसंयुता। मंत्री गुरुस्तत्फलम्-विविध धान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुरतोयघना मुदिता भवेत्। नृपतयो जन-पालनतत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्री समागते। सस्येशो रविस्तत्फलम्-सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्वधान्यसमर्घं बहवोऽपि चौ.ाः। युद्ध नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पंचसस्यं बहुभूरुहाश्च। धान्येशो शुक्रस्तत्फ—भृगौपश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति। सस्याः समर्घतां यांति स्वल्पं क्षीरं गवामपि। मेघेशो बुधस्तत्फ-अमृतरश्मि सुते यदिवारिये बहुजलं तुष धान्य रसादिकम्। द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसा विविधसौख्ययुता धरणीतदा। रसेशो भौमस्तत्फ-यदि धरातनयो रसयो भवेन्नरसराशियुता जनताशुभा। नरपतिर्विषमो जनतापदो न जलदो बहुवृष्टिकरोभुवि। नीरसेशोशनिस्तत्फलं-त्रपुपिण्डादि लोहानां कृष्णवस्त्रादि वरतूनाम् अर्घवृद्धिः प्रजायेत्.मन्दे नीरसनायके। फलेशो बुधस्तत्फ-यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधराः जलराशिमुचस्तदा। बहुतृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदा जनसौख्यमुदान्विताः धनेशःशनिस्तत्फलम्:-द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरताः धरणीपतयः सदा। अधनिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीडितमानसाः। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्-विषयसाम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राशिगते तु विशेषतः। शशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुजां न भयं क्वचित्। वर्ष नाम आषाढस्तत्फलम्-अर्घं महर्घतां याति धन धान्यं समंभवेत्। आषाढे स्वल्पवृष्टिश्च तुषधान्यं महर्घतां। आनन्द नाम संवत्सरस्तत्फलम्-आनन्दाद्धे ऽखिलालोकाः सर्वदानन्द चेतसः। राजानः सुखिनः सर्वे वत्सरे मेदिनी शिवम्। मेघ नाम संवर्तस्तत्फलम्-संवर्ते जलपूरिता। रोहिणी निवासः संधौ फलं-खंड वृष्टिश्च संधिषु समय निवासो वणिक गृहे फलम्-वणिक गृहे शुभं नास्ति। ज्येष्ठो ऽधिमासस्तत्फ—विडम्बरं भूमिपाद् भीतिस्तस्करादि भयंभवेत्। घृतं तैलं तथा धान्य समर्घं स्याद्द्विज्येष्ठके। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीय शुभाशुभम्।

सं० २०१८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैसाख मासः

वै. शुक्ला १३ शुक्रे हस्ते ल. अन्यगो ८रे.८ऽऽ।।।।।।।

जेष्ठ मासः

प्र.ज्ये.कृ. ४ गुरौ मूले ल.गो. ८ रे.८।।।।ऽग्नि. ।ऽकेतु।।

द्वि.ज्ये.शु.७ भौमे उ.फा.यां.ल.अ.रे८ऽ।।।।।ऽशूल।।

,, ,, ८ बुधे हस्ते ल.२रे.८।।।।ऽचो. ।शूल।। दग्धा. राहु पूज्य.

,, ,, ६ गुरौ हस्ते ल. अ. रे. ६।।।।।।ऽशूल।।

,, ,, १३ चंद्रे अ नु.यां.ल. अ. रे. ७ऽऽ।।ऽग्नि।।।।

आषाढ मासः

आ. कृ. ७ भौमे उ.भा.यां.ल.ऽन्यगो.रे. ८ऽ।।।।।ऽमोह।।

कार्तिक मासः

कार्ति.शु. ११ शनौ रेवत्यां ल. ६रे ७ऽ।।।ऽग्नि.ऽ।।।

,, ,, १२ सू. रेवत्यां ल.३ रे. १०।।।।।।।।। गुरुपूज्यः

,, ,, १५ बुधे रो.ल.५ रे.६।।।ऽऽऽचो.ऽदंड।। गुरौः पादवेधाभावः

मार्गशीर्ष मासः

मार्ग. कृ. १ गुरौ रोहिण्यां ल. ३रे. ८।।।ऽऽ।।दंड।।

गुरौः पादवेधा भावः गुरुऽपूज्यः

मार्ग. कृ. ६ शुक्रे उ. फा. यां. ल. ऽन्यगो ५ रे. ७ऽ।।।ऽ चो. ।ऽ कंप।।।

,, ,, ११ चंद्रे स्वात्यां ल. ५ रे. ६।।।।।।ऽ।।

फाल्गुन मासः

फा.कृ. ८ बुधे मूले ल. ८ रे. ८।।।।।ऽऽ।।घ.४४।३२ उप.

,, ,, ६ गुरौ मूले ल.ऽन्यगो.रे.७।।।।ऽरो.ऽऽ।।

फा.शु. १ बुधे उ.भा.यां. ल. ८-६ रे. १०।।।।।।।।।

,, ,, २ गुरौ रेवत्यां ल. ८-६ रे. ८।।।।ऽचो ऽ।।।

,, ,, ६ सूर्ये रोहिण्यां ल. ८ रे.८ ।।।।।ऽऽ।।

घ. ४२।३० उप. चं. ७ पू

वर्षेऽस्मिन् नवलदुर्गे ग्रहणाऽभावः

सूचना—इस वर्ष भारत में दो अदृश्य ग्रहण होंगे। जो दिखाई न देने से अमान्य हैं। श्रावण शुक्ला १५ पूर्णिमा शनिवार को खंडग्रास चन्द्रग्रहण है जिसका स्पर्श मोक्षादिकाल रेल्वे समय प्रातः यह है, ७।११ स्पर्शकाल ८।४४ मध्यकाल १०।१७ मोक्षकाल है। अतः जहां सूर्योदय रेल्वे ७।११ से बाद होगा ग्रस्तास्त ग्रहण होगा। अन्यत्र नहीं। इसी तरह माघ कृष्णा १४ सूर्यवार को अदृश्य सूर्यग्रहण होगा जिसका स्पर्शकाल रेल्वे ३।३० बजे रात्रि में होगा और मोक्ष रात्रि में ४।५४ बजे।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्लपक्षः सं.२०१८ शाकः १८८३ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः बसन्ततूरविरुत्तरेऽहर्गणः२५३८स.१९६१

१	शु	३६	५८	उ	४१	४	शु	३९	५३	कि	१०	३०	२९	६ ५५	१७	३	२९	मीने
२	श	३१	१६	रे	३७	४०	न	३२	४९	वा	४	७	५४	२ ५८	१८	४	३०	मे.३७।४०
३	र	२७	११	अ	३५	५०	ऐं	२७	१२	ग	२७	११	५८	१ ५९	१९	५	१	मेषे
४	चं	२५	१२	भ	३६	१७	वै	२३	१	वि	२५	१२	३०	० ६०	२०	६	२	बृ.५१।५३
५	मं	२५	१९	कृ	३८	४०	वि	२०	५१	वा	२५	१९	३०	० ०	२१	७	३	बृषे
६	बु	२७	४२	रो	४२	४४	पी	२०	१०	तै	२७	४२	६	५ ९	२२	८	४	बृषे
७	गु	३१	३७	मृ	४८	४२	आ	२०	४५	व	३१	३७	११	५८	२३	९	५	मि१३।४३
८	शु	३७	५	आ	५५	३६	सौ	२२	१६	वि	४	२९	१६	५७	२४	१०	६	मियुने
९	श	४३	१	पु	६०	०	शो	२४	२१	वा	१०	३	२०	५६	२५	११	७	क.४५।५४
१०	र	४९	३५	पु	२	४०	अ	२६	४०	तै	१६	१८	२३	५६	२६	१२	८	कर्के
११	चं	५५	४८	पु	१०	४४	सु	२९	११	व	२२	४१	२८	५५	२७	१३	९	कर्के
१२	मं	६०	०	श्ले	१७	४९	धृ	३१	२	व	२८	३६	३२	५४	२८	१४	१०	सिं १७।४९
१३	बु	१	२४	म	२४	२०	शू	३२	७	वा	१	२४	१४	५३	२९	१५	११	सिंहे
१४	गु	६	१	पू	२९	४९	गं	३२	१८	तै	६	१	२८	५३	३०	१६	१२	क. ४५।४४
१५	शु	९	२३	उ	३३	५१	शू	३१	३१	व	९	२३	४२	५२	३१	१७	१३	कन्यायां
१५	श	११	२४	ह	३६	३८	ध्रु	२९	५२	ब	११	२४	४७	५१	९	१	१८	१४ कन्यायाँ

भ. ३१।३७ उ.
भ. ४।२१ या.
रामनवमी
भ.२२।४१या.५५।४८उ.कामदा११ब्र.
कामदा ११ ब्र. ति.
प्रदोषः [=२४।११रेवत्यांरविः४९।४६
पुनर्वसौभौमः ३३।५९ पुभायां बुधः=
भ. ९।२३ या. ४०।२३ उ.
अप्रेल ४ ता. ३० हनुमज्ज.

उभायांरवि३३ संवत्सराम्भःनवरात्रा
चन्द्रदर्शनम् सिंधारः [*सब्बाल१०
भ.५६ उ. शतेबुधः३३ गणगौरी पु.*
भ. २५।१२ या. वक्री भृगुः४२।४१
कल्पादिः

५० पं.चै.शु.६बु. इ.१०।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	९	०	९	४	११
८	१६	१०	७	५	४	११	८
५	४०	२२	५४	४१	३६	४७	३
५६	४८	५९	२५	२०	४०	६	१८
५९	२४	५७	९	३३	४	३	५९
३५	२७	७	४१	ब	४०	११	२१

गोचरग्रहाः

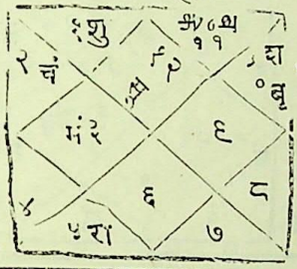

इस मास का फलअच्छा रहेगा। प्रजा में सुख शान्ति चाँदी, रुई धान्यादि के भावों मंदी रहेगी

गोचरग्रहाः

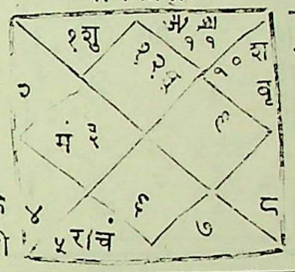

५१ पं.चै.शु१२बु.इ१०।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	९	०	९	४	११
१५	१९	१८	९	४	५	११	१५
२	२३	२७	१	२१	५	२४	५९
१	२	२९	५९	५०	१३	५०	१३
५९	२६	७५	८	२०	४	३	५९
१८	३६	२६	५९	ब	७	११	१६

ति. बैशाख कृष्णपक्षः सं.२०१८ शाकः१८८३ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः बसन्ततूरविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	र	११	५३	चि	३८	१८	व्या	२७	६	कौ	११	५३	३०	५ ६०	२	१६	१५	तु. ७।२८
२	चं	११	३१	स्वा	३८	५१	ह	२३	३७	ग	११	३१	५६	४९	११	३	२०	१६ तुलायां
३	मं	९	५५	वि	३८	३०	व	१९	२७	वि	९	५५	०	४८	१२	४	२१	१७ बृ. २३।४१
४	बु	७	२५	अ	३७	२७	ज्ये	१४	३०	वा	७	२५	३१	४७	१३	५	२२	१८ बृश्चिके
५	गु	४	१९	ज्ये	३५	४६	ष्य	९	०	तै	४	१९	८	४७	१३	६	२३	१९ ध. ३५।४६
६	शु	०	३८	मू	३३	२४	व	१० ३३	५३ ३६	व	०	३८	१२	४६	१४	७	२४	२० धनुषि
७	शु	५५	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
८	श	५१	३३	पू	३०	३३	शि	४९	५१	बा	२३	५६	१६	४५	१५	८	२५	२१ म. ४४।४१
९	र	४६	१२	उ	२७	७	सि	४२	२६	तै	१८	५३	२०	४४	१६	९	२६	२२ मकरे
१०	चं	४०	२५	श्र	२३	१६	सा	३४	४८	व	१३	१८	२४	४३	१७	१०	२७	२३ कु. ५१।४
११	मं	३४	१४	ध	१८	५३	शु	२६	४१	ब	७	२०	२८	४२	१८	११	२८	२४ कुम्भे
१२	बु	२७	४३	श	१४	१६	शु	१८	४२	कौ	०	५८	३२	४२	१८	१२	२९	२५ मी ५५।५१
१३	गु	२१	२५	पू	९	२	व	१०	४५	व	२१	२५	३६	४१	१९	१३	३०	२६ मीने
१४	शु	१५	२९	उ	६	१४	ऐं	३ ५५	९ ३३	श	१५	२९	४०	४०	२०	१४	१	२७ मीने
३०	श	१०	१८	रे	२	१	वि	५०	३३	ना	१०	१८	४३	३९	२१	१५	२	२८ मे. ३।१

भ. ४०।४३ उ.
भ.९।५५ या. श्रवणे१गुरुः४४ च.ब्र.
मीने बुधः १४।२०
भ.३८उ३७या.वक्रीरेवत्यांमीने१शुक्रः२२
प.अ.शु
पश्चिमास्तोभृगुः३९।३६उभायांबुधः२६
भ. १३।१८ उ. ४०।२५ या.
वरूथिनी ११ ब्र.
प्रदोषः
भ.२१।२५उ.४८।२७ या.मेषेऽर्कः२४ *
[* शुक्रोदयः पूर्वस्यां पू.उ.शु

५२ पं.बै.कृ.४बु.इ१०।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	९	०	९	४	११
२१	२२	२८	१०	५	५	११	२१
२६	१८	२४	३	१९	२९	२	१३
१२	२२	२२	३६	२०	३८	३५	२८
५९	२८	९०	८	३३	३	३	५९
४	२४	३१	५	ब	२६	११	४

गोचरग्रहाः

वैशाखकृष्णा१३
गुरौमेषेऽर्कःप्र वा.३
नपुंवृद्धावस्था(बैटी)
मु.४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयं पूर्व

गोचरग्रहाः

१पं.बै.कृ.१३गु.इ.२६।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	९	११	९	४	०
०	२५	११	११	२६	५	१०	०
२	५८	४७	११	७	५५	२६	०
२१	२६	५६	१०	०१	४१	०	०
५८	३०	९०	६	३३	२	३	५८
४५	८	९२	५२	ब	३९	११	४४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्ल पक्षः सं.२०१८ शाकः १८८३	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २५६८स. १९६१
१	र ६ १५ अ १ ४४	प्री ४५ ५६	ब ६ १५	३१ ५ ६	१६ ३ २९			मेषे	रेवत्यां बुधः ११ चन्द्रदर्शनम्
२	चं ३ ५८ भ ० ३५	आ ४२ ४४	कौ ३ ५८	५९ ३८ २२	१७ ४ १			वृ.१५।५५	जित्फ.द ११ परशुराम जयं.
३	मं ३ २४ कृ १ ५४	सौ ४१ ८	ग ३ २४	५४ ३७ २३	१८ ५ २			वृषे	भ.३४।१० उ. अक्षया ३
४	बु ४ ५६ रो ५ ६	शो ४० ३६	वि ४ ५६	५८ ३६ २४	१९ ६ ३			मि३७।२६	भ. ४।५६ या. पूर्वास्तो बुधः ४९।३१
५	गु ८ ५ मृ ९ ४७	अ ४१ ३४	बा ८ ५	३३ ३६ २४	२० ७ ४			मिथुने	
६	शु १२ ४९ आ १६ ११	सु ४३ ९	तै १२ ४९	६ ३५ २५	२१ ८ ५			मिथुने	कर्के भौमः ५५।२ [+पातमोक्षः ४६।३१
७	श १८ १९ पु २३ ६	धृ ४५ २९	व १८ १९	१० ३४ २६	२२ ९ ६			क.६।२२	भ. १८।१९उ.५१।३१ या
८	र २४ ४४ पु ३० ५०	शू ४७ ५४	ब २४ ४४	१४ ३३ २७	२३ १० ७			कर्के	अश्वि. मेषे बुधः १७।३५
९	चं ३० ४९ श्ले ३८ १२	गं ५० २	कौ ३० ४९	१८ ३२ २८	२४ ११ ८			सिं३८।१२	मघायां३राहुगते१केतुः ४ ५ पातस्पर्शः २ ५ +
१०	मं ३५ ३१ म ४५ ०	बृ ५१ ४२	तै ३ १०	२२ ३२ २८	२५ १२ ९			सिंहे	
११	बु ४१ १३ पू ५० २८	धु ५२ १५	व ८ २२	२६ ३१ २९	२६ १३ १०			सिंहे	भ. ८।२२ उ.४१।१३या.मोहिनी११व्र.
१२	शु ४४ १८ उ ५४ ४३	व्या ५१ ४८	ब १२ ४५	२९ ३० ३०	२७ १४ ११			क.६।३२	भरण्यां रवि. ५।४१
१३	शु ४५ ५८ ह ५७ १५	ह ४९ ५४	कौ १५ ८	३२ ३० ३०	२८ १५ १२			कन्यायां	पुष्ये भौमः ४७।१६ प्रदोषः
१४	श ४५ ४६ चि ५८ २०	व ४६ ४५	ग १५ ५२	३६ २९ ३१	२९ १६ १३			तु.२७।४७	भ.४५।४६ उ. भरण्यां बुधः ४१।५६
१५	र ४४ ५ स्वा ५८ ५	सि ४२ ४०	वि १४ ५६	४० २८ ३२	३० १७ १४			तुलायाँ	भ. १४ या. जलकुंभदान अन्नदान.

२ पं वै.शु.५ वृ.इ.२७।० गोचरग्रहः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	९	११	९	४	०
६	२९	२४	११	२२	६	१०	६
२२	१४	२७	८	१४	१०	१३	५०
११	३१	११	४१	१८	४४	४४	३७
५८	३१	८	५	२६	२	३	५८
२९	०	४	५२	ब	०	११	३१

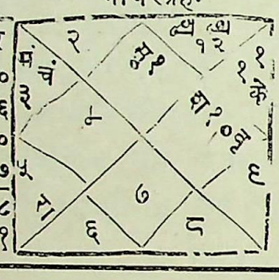

इस मासमें पांच रविवार हैं जो साधारणहैं। जो धान्यादि के भावों में मन्दी का असर करेगीपंचार्कंवासरे

गोचरग्रहः

३पं.वै.शु१२ बृ.इ.२७।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	९	११	९	४	०
१३	२	८	१२	२०	६	९	१३
४०	२७	२५	३८	२	२१	५१	३९
५६	२३	३४	२८	६	४	२८	४३
५८	३२	२९	४	३७	१	३	५८
१२	०	५०	४७	बृ	२०	११	१९

ति.	प्र.ज्येष्ठकृष्ण पक्षः सं.२०१८ शाकः १८८३	दि,	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति. महाराष्ट्रा
१	चं ४१ १२ वि ५६ ३०	व्य ३७ १८	ब्रा १२ २४	३२ ५ ६	१ १८ १५			वृ.४१।५४	मई मा. ५ता.३१ मार्गी शुक्रः५२।२९
२	मं ३७ १४ अ ५३ ४९	व ३१ १२	ते ९ १३	४३ २७ ३३	२ १९ १६			वृश्चिके	
३	बु ३२ २६ ज्ये ५१ ४	प २४ ४१	व ४ ५०	५० २६ ३४	३ २० १७			ध.५१।४	भ. ४।५० उ. ३२।२६ या.चं.व्र.
४	गु २७ २१ मू ४७ ४८	शि १७ ४५	बा २७ २१	५४ २५ ३५	४ २१ १८			धनुषि	
५	शु २१ ५६ पू ४४ २४	सि १० ३३	ते २१ ५६	५७ २५ ३५	५ २२ १९			म ५८।३२	कृतिकायां बुधः ५७।२३
६	श १६ ४५ उ ४० ५६	सा २९ ३ ५५	व १६ ४५	३० २४ ३६	६ २३ २०			मकरे	भ.१६।४५ उ. ४४।१ या.
७	र ११ १७ श्र ३७ २९	शु ४९ ३०	ब ११ १७	३ २३ ३७	७ २४ २१			मकरे	वृषे बुधः ३१।२९ श्रवणे२गुरुः १४।१६
८	चं ६ १४ ध ३४ १६	न ४२ १३	कौ ६ १४	६ २३ ३७	८ २५ २२			कु.५।५३	
९	मं ० ५७ श ३१ ५	ऐं ३५ ४७	ग ० ५७	९ २२ ३८	९ २६ २३			कुम्भे	भ. २८ उ. ५५ या.
१०	मं ५४ ५८ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०			०	*११ स्मा.
११	बु ५१ ११ पू २८ ११	वै २९ १४	ब २३ ३३	१२ २२ ३८	१० २७ २४			मी.१३।५५	वक्रीशनिः ३ ५ कृतिकायांरविः ५ ३ अपरा*
१२	गु ४६ ५३ उ २५ ३३	वि २३ १२	कौ १९ २	१६ २१ ३९	११ २८ २५			मीने	अपरा ११ वै.नि.
१३	शु ४३ १५ रे २३ ४०	प्री १७ ११	ग १५ ४	१९ २० ४०	१२ २९ २६			मे.२३।४०	भ. ४ ३ उ. रोहिण्यां बुधः ११ प्रदोषः
१४	श ४० १६ अ २२ ३३	आ १२ २७	वि ११ ४५	२२ २० ४०	१३ ३० २७			मेषे	भ. ११ या. पश्चिमोदयंबुधः ५ २
३०	र ३८ ४१ भ २२ २२	सौ ८ २९	च ९ २८	२४ १९ ४१	१४ ३१ २८			वृ.३७।३८	वृषेऽर्क २१।२३ वट पूजनम्

४पं.प्र.ज्ये.कृ.४.गु.इ.२७।२९ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	९	११	९	४	०
२०	६	२३	१३	१९	६	९	२०
२७	७	२९	९	२५	२७	२९	२७
३६	४१	१७	५४	२८	०	१३	२१
५७	३२	२९	३	१२	०	३	५८
५७	५३	८	३८	मा	३८	११	६

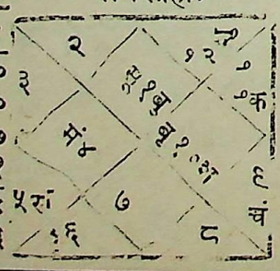

प्र. ज्येष्टकृ. ३० सूर्येवृषेऽर्कः प्र.वा. ४ न. ४पुत्रवत्यवस्था(सूती)मु१५. (धान्यभावतेज) शुक्रोदयंपूर्वे ।

गोचरग्रहाः

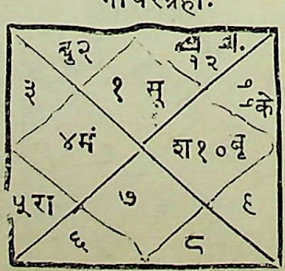

५पं.प्र.ज्ये.कृ१२गु.इ.२७।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	९	११	९	४	०
२७	९	८	१३	२१	६	९	२७
१२	४४	२९	३३	६	२७	६	१३
५०	५३	२४	४०	५८	५०	५७	३६
५७	३३	२९	२	२०	५	३	५७
४५	३८	४८	१७	५०	ब	११	५४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. प्र. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं.२०१८ शाकः १८८३ दि. ३. व्य. इं. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः २५६७स.१६६१

१	चं	३६	८	कृ	२३	२७	शो	५	२२	क	८	५४	३३	५	४	१५	१	२६	वृषे	पुरुषोत्तम मासारम्भः					
२	मं	४०	३१	रो	२७	३	अ	३	३६	वा	६	४६	३०	१८	४२	१६	२	३०	मि५.६।७	चन्द्रदर्शनम्					
३	बु	४२	४४	मृ	३१	१०	सु	२	४३	तै	११	३७	३३	१७	४३	१७	३	१	मिथुने	जिल्हेज १२					
४	गु	४७	६	आ	३६	२४	धृ	२	५६	व	१४	५६	३६	१७	४३	१८	४	२	मिथुने	भ. १४।५६ उ. ४७।६ या.					
५	शु	५२	१८	पु	४२	५२	शू	४	१४	व	१६	४३	३८	१६	४४	१६	५	३	क.२६।१५	मृगशीर्षंबुधः २०।१८					
६	श	५८	२७	पु	५०	२६	गं	६	२४	की	२५	२३	४०	१६	४४	२०	६	४	कर्के						
७	र	६०	०	श्ले	५७	५२	वृ	८	४७	ग	३१	३५	४३	१५	४५	२१	७	५	सिं५.७।५२						
७	चं	४	४३	म	६०	०	ध्रु	११	५६	व	८	४३	४६	१५	४५	२२	८	६	सिंहे	भ. ४।४३ उ. ३७।३७ या.					
८	मं	१०	३१	म	५	१२	व्या	१३	१०	व	१०	३१	४८	१४	४६	२३	९	७	सिंहे	मिथुने बुधः ३३।३४					
९	बु	१५	२६	पू	११	३५	ह	१४	३२	की	१५	२६	५०	१४	४६	२४	१०	८	क.२७।४६	वक्रीगुरुः १।३८ रोहिण्यांरविः ४७/३२*					
१०	शु	१६	४	उ	१६	३२	व	१४	४०	ग	१६	४	५२	१४	४६	२५	११	९	कन्यायां	भ.५०।१उ. * आश्लेःभौमः३०।४					
११	शु	२०	५८	ह	१६	२३	सि	१३	३२	वि	२०	५८	५४	१३	४७	२६	१२	१०	तु.५०।२१	भ.२०।५८या.कमला११ब्र.					
१२	श	२०	४७	चि	२१	१६	व्य	१०	५३	ग्रा	२०	४७	५६	१३	४७	२७	१३	११	तुलायां	प्रदोषः					
१३	र	१८	४६	स्वा	२०	५४	व	६	४४	तै	१८	४६	५८	१२	४८	२८	१४	१२	तुलायां	मेषेऽश्विन्यांभृगुः ५५/६ आर्द्रायांबुधः २१/३७					
१४	चं	१५	३	वि	१८	४७	प	१	५४	व	१५	३	३४	१२	४८	२९	१५	१३	वृ. ३।४७	भ. १५।३ उ. ४२।२६ या.					
१५	मं	६	४६	अ	१५	५६	सि	४६	५१	ब	६	४६	२	१२	४८	३०	१६	१४	वृश्चिके						

६पं.प्र.ज्ये.शु.४बृ.इ.२७।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	९	११	९	४	१
३	१३	२१	१३	२४	६	८	३
५६	२६	४८	४७	३	२४	४४	५८
२८	४२	४	४८	०	१४	१२	२८
५७	२४	९/७	०	२२	५०/५८	३	५७
३४	१२	५८	२६	ब	११	५४	

गोचरग्रहाः

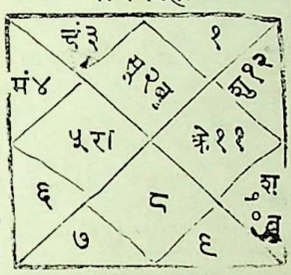

अधिक ज्येष्ठ मास का फल साधारण है धान्यादि पदार्थं तेज। एरंडा तेज रुई चांदी सोना में घटा बढ़ी।

गोचरग्रहाः

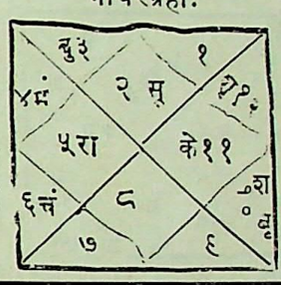

७पं.प्र.ज्ये.शु.१०बृ.इ२७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	९	११	९	४	१
१०	१७	२	१३	२८	६	८	१०
३८	१३	३८	५३	१२	१६	२२	४२
२९	३४	४९	६	०	१२	२६	१४
५७	३४	८३	१५/५	४१/३५	१/३	३	५७
२३	४८	१९	ब	१२	ब	११	३७

ति. द्वि. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं.२०१८ शाकः १८८३ दि. ३. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तौ रविरुत्तरे अ.ज्येष्ठ कृ.महाराष्ट्राः

१	बु	३	१८	ज्ये	१०	४६	श्रा	३८	२७	की	३	१८	३४	५१	४६	३१	१७	१५	ध१०।४६						
२	बु	५३	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०						
३	गु	४६	१४	मृ	५	५०	शु	२६	५६	व	२२	५६	६	११	४६	१	१८	१६	धनुषि	भ.५३/६ उ.४६/१४ या.	जून ६ ता. ३०				
४	शु	४२	८	पू	४२/०	५५/७	शु	२१	३३	व	१५	४१	७	११	४६	२	१६	१७	म.१६।५८	चतुर्थी व्र.					
५	श	३५	२१	अ	५१	१०	न	१३	१२	की	८	४४	८	११	४६	३	२०	१८	मकरे						
६	र	२८	५४	ध	४७	१२	ऐं	२७/५५	४९/१	ग	२	७	२०	१०	५०	४	२१	१६	कु.१६।११	भ.२८।५४ उ.५६।१५ या.					
७	चं	२३	३६	श	४३	४७	वि	५१	३०	ब	२३	३६	१२	१०	५०	५	२२	२०	कुम्भे						
८	मं	१८	५६	पू	४१	३४	प्री	४५	१३	की	१८	१६	१३	१०	५०	६	२३	२१	मी२७।७						
९	बु	१४	५४	उ	३६	४६	आ	३६	२६	ग	१४	५४	१४	९	५१	७	२४	२२	मीने	भ.४३।१६उ.मृगेरविः४६।२१					
१०	गु	११	४४	रे	३७	३१	सौ	३५	२	वि	११	४४	१६	९	५१	८	२५	२३	मे.३७।३१	भ. ११।४४ या.					
११	शु	९	२५	अ	३८	५०	शो	३१	६	ग्रा	९	२५	१७	९	५१	९	२६	२४	मेषे	कमला ११ व्र.					
१२	श	७	५०	भ	३६	५४	अ	२८	४	तै	७	५०	१८	८	५२	१०	२७	२५	वृ.५५।१०	प्रदोषः					
१३	र	७	४४	कृ	४१	०	सु	२५	४६	व	७	४४	१८	८	५२	११	२८	२६	बृषे	भ.७।४४उ.३८।१					
१४	चं	८	१८	रो	४५	८	धृ	२४	२९	श	८	१८	१९	८	५२	१२	२९	२५	वृषे	वक्रीबुधः ५६।२५ * १गुरुः४१।५१					
३०	मं	१०	३५	मृ	४९	४९	शू	२४	३	ना	१०	१५	२०	८	५२	१३	३०	२८	मि१७।२८	भरण्यांशुक्रः ३७।३० बक्री श्रवणे*					

८पं.द्वि.ज्ये.कृ.३बृ.इ२८।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	९	०	९	४	१
१७	२१	१०	१३	३	६	८	१७
१९	५	४६	४८	१३	३	०	२५
४५	६	५	११	५५	२२	१०	८
५७	३५	५२	३९/३२	४७	१२/१३	३	५७
१३	३३	२७	ब	५८	बु	११	३७

गोचरग्रहाः

मास फल साधारण है। कहीं २ साधारण बूंदा बांदी होने की संभावना है। धूप भी अधिक पड़ेगी

गोचरग्रहाः

९पं द्वि.ज्ये.कृ.११ब.इ२८।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	९	०	९	४	१
२३	२४	१५	१३	८	५	७	२४
५२	१९	३५	२४	४३	४५	३७	७
४१	२८	१३	४४	४८	४०	५५	१०
५७	३५	१९	५५/५	५३	५०/३	३	५७
५	५३	२९	ब	१२	ब	११	२१

(सं० २०११ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. द्वि ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०१८ शाकः १८८३ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २६२७स. १९६१

१	बु	१३	४४	आ	५५	२३	गं	२४	१५	ब	१३	४४	३४/२१	५/८	५/२	१४	३१	२९	मिथुने	मिथुनेऽर्कः ४७।९ चंद्रदर्शनसंभवः
२	गु	१८	३८	पु	६०	०	बृ	२५	३९	की	१८	३८	२२	८	५२	१५	१	१	क ४६।१०	मोहर्रम १ सन् १३८१
३	शु	२३	२४	पु	२	५	धु	२७	१८	ग	२३	२४	२२	८	५२	१६	२	२	कर्के	भ. ५६।३२ उ.
४	श	२९	४०	पु	९	२	व्या	२९	२८	वि	२९	४०	२२	८	५२	१७	३	३	कर्के	भ. ४०/९ या. मघायां सिंहे च भौमः १०/९
५	र	३५	४९	श्ले	१६	४४	ह	३२	२	ब	२	४४	२३	७	५३	१८	४	४	सिं १६।४४	पश्चिमास्तं बुधः ६।५
६	चं	४१	४९	म	२४	१२	व	३४	४०	की	८	४९	२३	७	५३	१९	५	५	सिंहे	
७	मं	४७	१८	पू	३१	१८	सि	३६	३०	ग	१४	३३	२३	७	५३	२०	६	६	क. ४७।४८	भ. ४७।१८
८	बु	५१	३२	उ	३७	१७	व्य	३७	३२	वि	१९	२५	२४	७	५३	२१	७	७	कन्यायां	भ. १९।२५ या. आर्द्रायांरविः ४८।४१
९	गु	५४	११	ह	४१	५४	व	३७	२४	बा	२२	५१	२४	७	५३	२२	८	८	कन्यायाँ	
१०	शु	५४	५७	चि	४४	३८	प	३९	२	तै	२४	३४	२४	७	५३	२३	९	९	तु. १३।१६	गंगा १०
११	श	५३	४१	स्वा	४४	५६	शि	३३	१	ब	२४	१९	२४	७	५३	२४	१०	१०	तुलायां	भ. २४/१९ उ. ५३/४१ यां निर्जला ११ ब्र स्मा.
१२	र	५१	२०	वि	४४	१	सि	२८	१२	ब	२२	३१	२४	७	५३	२५	११	११	तृ. २९।१५	निर्जला ११ वै. नि.
१३	चं	४५	४	अ	४१	३	सा	२१	५८	की	१८	१२	२३	७	५३	२६	१२	१२	वृश्चिके	मघा २ राहुः धनिष्ठा ४ केतुः ४/७ प्रदोषः
१४	मं	३८	४	ज्ये	३६	११	शु	१४	१५	ग	११	३४	२३	७	५३	२७	१३	१३	ध. ३६।११	भ. ३८।४ उ. कृतिकायांशुक्रः ३१।४७
१५	बु	३०	१३	मू	३०	८	शु	२२	५०/२९	वि	४	८	२३	७	५३	२८	१४	१४	धनुषि	भ. ४।८ या गुर्जरराणां वटसा. ब्र.

१०पं. द्वि. ज्ये. शु. २ बृ. इ. २८ २

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	९	०	९	४	२
०	२८	१६	१३	१५	५	७	०
३८	५७	४८	१२	५	२५	१५	४८
५०	२८	३६	५०	१३	१९	३९	२७
५६	३६	१/९	४/३	५७	३/३२	३	५७
५७	३०	ब	ब	४	ब	११	१७

गोचरग्रहाः

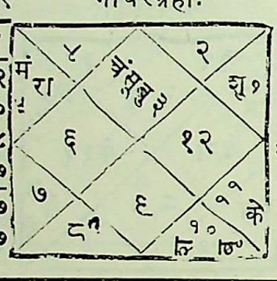

द्वि. ज्येष्ठ शु. १ बुधे मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ५ गतालकावस्था ऊर्ध्वी मु. १५ (धान्य भाव तेज) शु. पू.

गोचरग्रहा

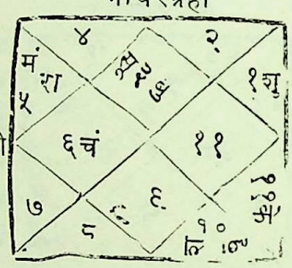

११पं. द्वि. ज्ये. शु. ९ बृ. इ. २५/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	०	९	४	२
७	२	१४	१२	२१	५	६	७
१७	५८	४५	४१	४४	१	५३	२९
१०	२६	५७	२८	३४	१	२४	२०
५६	३६	३०/७	५५	६०	५३/०	३	५७
५४	५६	ब	ब	२७	ब	११	१३

ति. आषाढ़कृष्ण पक्षः सं० २०१८ शाकः १८८३ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति महा.

१	गु	२१	१६	पू	२३	३०	ऐं	४६	५६	की	२१	१६	३४/२२	५/८	५/२	२९	१५	१५	म. ३६।४६	
२	शु	१२	२९	उ	१९	३५	वै	३६	२	ग	१२	१९	२१	८	५२	३०	१६	१६	मकरे	भ. ३७।५८ उ. वृषेभृगुः ४३।२८
३	श	३	३९	श्र	१०	३८	वि	२६	२४	वि	३	३९	२०	८	५२	१	१७	१७	कु. ३७।५६	भ. ३।३९ या. जुलाई ७ ना. ३१ च. ब्र.
४	श	५१	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	र	४८	२७	ध	५५	५४/१७	ग्री	१७	२८	की	२२	२	१९	८	५२	२	१८	१८	कुम्भे	
६	चं	४२	२१	पू	५५	४१	आ	९	१२	ग	१५	२४	१८	८	५२	३	१९	१९	मी ४१।३५	भ. ४२।२१ उ.
७	मं	३६	४१	उ	५३	१५	सौ	२	५४/२	वि	९	३१	१७	९	५१	४	२०	२०	मीने	भ. ९।३१ या.
८	बु	३४	२२	रे	५२	२०	अ	५१	१४	बा	५	३१	१६	९	५१	५	२१	२१	मे. ५२।२०	पुनर्वसौ रविः ५२।४२
९	गु	३२	२४	अ	५२	२२	सु	४७	२३	तै	३	२१	२३	९	५१	६	२२	२२	मेषे	पूर्वोदयं बुधः ४१।२४
१०	शु	३२	२०	भ	५३	४५	धृ	४४	४१	व	२	१९	२२	१०	५०	७	२३	२३	मेषे	भ २।१९ उ. ३२।२० या.
११	श	३२	२५	कृ	५६	१०	शू	४३	१४	ब	२	२२	१२	१०	५०	८	२४	२४	बृ. ९।२१	योगिनी ११ ब्र.
१२	र	३४	१२	रो	६०	०	गं	४२	३२	की	२	१९	१०	१०	५०	९	२५	२५	बृषे	मार्गी बुधः ५७।७
१३	चं	३७	२२	रो	०	४९	बृ	४२	५४	ग	५	४७	८	१०	५०	१०	२६	२६	मि ३३।१९	भ. ३७/३२ उ. रोहिण्यां शुक्रः २५/४ प्रदोषः *
१४	मं	४१	१५	मृ	५	४९	धु	४३	२७	वि	९	१८	६	११	४९	११	२७	२७	मिथुने	भ. ९।१८ या. * फूफायां भौमः ११/४ प्र.
३०	बु	४६	१३	आ	११	४१	व्या	३४	५२	च	१३	४४	५	११	४९	१२	२८	२८	मिथुने	

१२पं. आ. कृ. १ बृ. इ. २७।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	९	०	९	४	२
१३	७	१०	१२	२८	४	६	१४
५०	४	५७	३	४१	३४	३१	९
२२	१९	४८	१४	९	२३	८	४८
५६	३७	४९/९	१/६	६२	९/६	३	५७
५०	२५	ब	ब	३६	ब	११	७

गोचरग्रहा

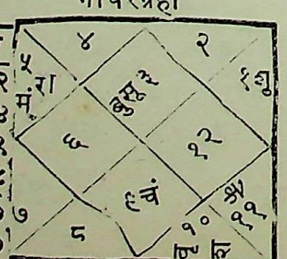

आषाढ शु ३ रवौकर्केऽर्कः प्र. वा. ५ न. ५ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शु. पू.

गोचरग्रहा

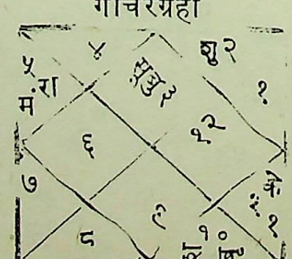

१३पं. आ. कृ. ९ बृ. इ. २७/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	९	१	९	४	२
२०	११	८	११	५	४	६	२०
३३	१३	७	१८	५२	६	८	५०
१६	८	२३	४०	४४	३६	५२	९
५६	३७	५७/५०	५/६	६४	२७/४	३	५७
५८	५२	ब	ब	२९	ब	११	७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ़ शुक्लपक्षः सं०२०१८ शाकः १८८३ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २६५६सन् १९६१

१	गु	५।१	३३	पु	१८	२३	ह	४६	४१	कं	१८	५३	३	४	५	६	१३	२६	२६	क.१।४३
२	शु	५।७	४०	पु	२५	३३	ब	४८	५७	बा	२४	३६	२	१२	४८		१४	३०	३०	कर्के
३	श	६०	०	श्ले	३३	६	सि	५१	२४	तै	३०	४६	३	१२	४८		१५	३१	१	सिं ३३।६
३	र	३	५२	म	४०	४७	व्य	५३	५२	ग	३	५२	३	१२	४८		१६	३२	२	सिंहे
४	चं	१०	३	पू	४८	१४	व	५६	६	वि	१०	३	५	१३	४७		१७	१	३	सिंहे
५	मं	१५	४५	उ	५४	५१	प	५७	५६	बा	१५	४५	५	१३	४७		१८	२	४	कं.४।५३
६	बु	२०	३५	ह	६०	०	शि	५८	४६	तै	२०	३५	५	१४	४६		१६	३	५	कन्यायां
७	गु	२४	१	ह	०	४०	सि	५८	२१	व	२४	१	५	१४	४६		२०	४	६	तु. ३२।४१
८	शु	२५	५७	चि	४	४३	सा	५६	४४	ब	२५	५७	४	१४	४६		२१	५	७	तुलायां
९	श	२५	५३	स्वा	६	४६	शु	५३	३२	कौ	२५	५३	४	१५	४५		२२	६	८	वृ. ५२।२०
१०	र	२३	५७	वि	७	३१	शु	४८	४३	ग	२३	५७	४	१५	४५		२३	७	९	बृश्चिके
११	चं	१९	५३	अ	५	५२	ल	४२	१४	वि	१९	५३	४	१६	४४		२४	८	१०	वृश्चिके
१२	मं	१३	५०	ज्ये	३ ३	५५ १३	ऐं	३४	२२	बा	१३	५०	३	१६	४४		२५	९	११	ध. २।३३
१३	बु	६	१४	पू	५०	४४	वै	२५	१८	तै	६	१४	३	१७	४३		२६	१०	१२	धनुषि
१४	बु	५०	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०
१५	गु	४७	२५	उ	४३	४	वि	१५	८	वि	२२	१७	३	१८	४२		२७	११	१३	म. ३।४८

चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
सफर २
भ.३६।५७उ.वक्री उषायां २ शनिः*
भ.१०।३या.वक्री उषा.४गुरुः २५।३०
*५६।२८कर्केऽर्कः २५।२६
पुष्ये रविः ५६।७
भ. २४।१ उ. ५४।५९ या.

मृगे शुक्रः ४०।२
भ. ५१।५५ उ.
भ. १९।५३ या. देवशयनी ११
पुनर्वसौ बुधः २१।४५हरिवासराऽभावः÷
भ. ५७।८ उ. ÷प्रदोषः

भ २३/१७या.मन्वादिःव्यासपू.वायु परीक्षा

१४पं.आ.शु.१बृ.इ.२७।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	९	१	९	४	२
२७	१५	८	१०	१३	३	५	२७
११	२४	५१	२८	१९	३६	४६	३०
२३	२५	०	५९	१	११	३७	३३
५६	३८	५७	२४	६६	३९	३	५७
५५	६	मा	ब	३	ब	११	१२

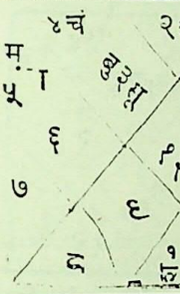

१५पं.आ.शु.७बृ.इ.२७।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	९	१	९	४	३
३	१९	१३	९	२०	३	५	४
४९	३७	५८	३६	५१	४	२४	११
५०	४४	१	११	४	५	२१	१३
५६	३८	६३	५७	६७	३९	३	५७
५७	३	३४	ब	२६	ब	११	१५

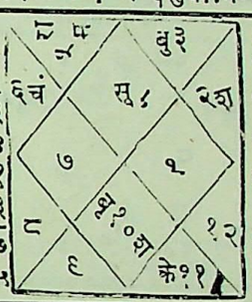

१६पं.आ.शु.१५बृ.इ२७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	९	१	९	४	३
१०	२३	२३	८	२८	२	५	१०
२९	५४	७	४१	३५	३३	२	५२
७	२९	३७	१७	३१	४	६	१९
५७	३८	९९	५०	६८	३९	३	५७
५	५४	९	ब्र	२८	ब	११	२०

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०१८ शाकः १८८३ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़ कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	२७	३०	अ	३५	३२	प्री	३४	४९	बा	१२	२७	३ ३	५	६	२८	१२	१४	मकरे
२	श	२७	४६	ध	२७	४२	सो	४३	८	तै	२	३८	२६	१९	४१	२९	१३	१५	कु.१।२७
३	र	१८	३६	श	२०	३८	शो	३२	५७	वि	१८	३६	२३	१९	४१	३०	१४	१६	कुम्भे
४	चं	१०	४५	पू	१४	२०	अ	२४	८	बा	१०	४५	२	२०	४०	३१	१५	१७	मी ०।५०
५	मं	४	१२	उ	९	३५	सु	१६	१३	तै	४	१२	१७	२१	३९	१	१६	१८	मीने
६	मं	५६	३०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	बु	५६	५२	रे	७	५१	धृ	९	५०	वि	२६	११	१५	२१	३९	२	१७	१९	मि.७।५१
८	गु	५५	४८	अ	७	७	शू	४	४७	बा	२६	२०	१२	२२	३८	३	१८	२०	मेषे
९	शु	५६	३३	भ	७	५२	गं	२९	५८	तै	२६	१०	९	२२	३८	४	१९	२१	वृ २३।३३
१०	श	५८	४३	कृ	१०	३८	ध्रु	५८	४४	व	२७	३८	६	२३	३७	५	२०	२२	बृषे
११	र	६०	०	रो	१४	४७	व्या	५९	२२	ब	३०	३६	३	२३	३७	६	२१	२३	मि ४७।२४
११	चं	२	२९	मृ	२०	२	ह	६०	०	बा	२	२९	३ ०	२४	३६	७	२२	२४	मिथुने
१२	मं	७	७	आ	२६	१५	ह	०	१७	तै	७	७	३ ७	२५	३५	८	२३	२५	मिथुने
१३	बु	१२	५१	पु	३३	२३	व	२	११	व	१२	५१	५३	२५	३५	९	२४	२६	क.१६।३६
१४	गु	१८	२३	पु	४०	२९	सि	४	१२	ब	१८	२३	५०	२६	३४	१०	२५	२७	कर्के
३०	शु	२४	४६	श्ले	४८	७	व्य	६	२७	ना	२४	४६	४६	२७	३३	११	२६	२८	सिं ४८।७

मिथुने शुक्र. ४१।२५
भ. ५३।११ उ.
भ. १८।३६ या. चतुर्थी ब्र.
कर्के बुधः ३८।२३
भ.५९।४२उ.अगस्तदृता.३१ उकायां*
*भौमः ३।३६ नाग ५ मरुस्थले
भ.२६।११या.पुष्येबुधः२१।२सार्पेरविः÷
आर्द्रायां शुक्रः ३८।[illegible]८
÷५६।५५पूर्वास्तंबुधः३२।१५
भ. २७।३८ उ. ५८।४३ या.
कन्यायांभौमः९।४२कामिका११ब्र.स्मा.
कामिका ११ ब्र. वै.
अश्लेषायां बुधः ५७।४६ प्रदोषः
भ.१२।५१उ. ४५।३७ या.

हरियाली ३०

१७पं.श्रा.कृ.८बृ इ.२७।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	९	२	९	४	३
१७	२८	५	७	६	२	४	१७
८	१३	२९	४८	२६	३	३९	३४
५५	५१	२	१८	५२	१८	५०	१
५७	३९	५९	४४	६९	१९	३	५७
१२	१२	५४	ब्र	९	ब	११	२३

गोचरग्रहाः

इस मास का फल मध्यम है सूर्यके आगे मंगल है यह वर्षा को रोकता है तेजी का जोर हो।

गोचरग्रहाः

१८पं.श्रा.कृ१४बृ.इ.२७।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	९	२	९	४	३
२३	२	१९	६	१४	१	४	२४
५०	३५	४२	५१	२५	३४	१७	१६
२	४२	२५	०	३४	५२	३४	२८
५७	३९	५९	४४	७०	४	३	५७
१२	३५	३१	ब	८	ब	११	३३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | श्रावण शुक्लपक्षः सं.२०१८ शाकः१८८३ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | वर्षर्तुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२६८६स.१६६१

१	श	३१	०	म	५५	३६	व	६	६	ब	३१	०	३२ ४३	५ २७	६ ३३	१२	२७	२६	सिंहे	व्रक्री उषा.३गुरुः ४७।२८
२	र	३६	४३	पू	६०	०	प	११	२४	ब्रा	३	५१	४०	२८	३२	१३	२८	३०	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिधारा
३	चं	४१	४६	पू	२	५०	शि	१३	३६	तै	६	१४	३६	२६	३१	१४	२६	१	कं.१६।३३	तीज रविलावल ३
४	मं	४७	३	उ	६	४१	सि	१५	१६	व	१४	२४	३३	३०	३०	१५	३०	२	कन्यायां	भ.२४उ.४७या.मघायां सिंहेबुधः२८।७*
५	बु	५०	५०	ह	१५	४५	सा	१६	१७	ब	१८	५७	२६	३०	३०	१६	३१	३	तु.४८।१०	सिंहेऽर्कः५३।२२ नाग५
६	गु	५३	१५	चि	२०	३६	शु	१५	३६	कौ	२२	२	२६	३१	२६	१७	१	४	तुलायां	*पुनर्वसौ शुक्रः २०।२४
७	शु	५३	५२	स्वा	२४	१२	शु	१४	५१	ग	२३	३३	२२	३२	२८	१८	२	५	तुलायां	भ. ५३।५२ उ.
८	श	५३	३६	वि	२६	११	ज	१२	५६	वि	२३	४६	१६	३२	२८	१६	३	६	वृ.१०।४२	भ. २३।४६ या.
९	र	५१	१२	अ	२६	३६	ऐं	६	३८	ब्रा	२२	२५	१५	३३	२७	२०	४	७	वृश्चिके	+फायांबुधः३३ ४६पवित्रा११ब्र.स्मा.
१०	चं	४६	३५	ज्ये	२५	५	वै	५८	५३ ४६	तै	१८	५२	१२	३४	२६	२१	५	८	ध.२५।५	
११	मं	४१	१	मू	२१	५२	भी	५४	१२	व	१३	४८	८	३४	२६	२२	६	९	धनुषि	भ.१३ ४८उ.४१ ५या. हस्ते भौमः२१।५५+
१२	बु	३३	२३	पू	१६	५४	आ	४३	३०	ब	७	१२	४	३५	२५	२३	७	१०	म.३०।३४	कर्के शुक्रः ५३ ४३ पवित्रा ११ ब्र. वै.
१३	गु	२४	८	उ	१०	३३	सौ	३२	३६	तै	२४	८	०	३६	२४	२४	८	११	मकरे	प्रदोषः
१४	शु	१४	५४	श्र	२१ ३६	५३ २५	शो	२२	०	व	१४	५४	३१ ५६	३७	२३	२५	९	१२	कु.२७।५३	भ. १४।५४ उ. ४०।२४ या.
१५	श	५	५३	श	४७	१८	अ	११	१७	ब	५	५३	५२	३८	२२	२६	१०	१३	कुम्भे	पुष्ये शुक्रः४१ ३७रक्षांबंधनं श्रा.कर्मः

१६पं.श्रां.शु.६बृ.इ.२६ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	९	२	९	४	४
०	७	३	६	२२	१	३	०
३२	०	५६	९	२८	९	५५	५९
१५	३९	२०	५०	५८	१४	१९	५१
५७	३९	८९	३६	७०	४५	३	५७
३४	५३	९९	ब	४९	ब	११	४०

गोचरग्रहाः

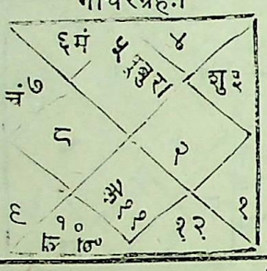

श्रावण शु. ५ बुधे सिंहेऽर्कः प्र. वा.४न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्य-भाव सम) शु.पू.

गोचरग्रहाः

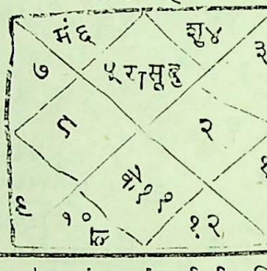

२०पं.श्रा.शु.१३बृ.इ.२६ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	९	३	९	४	४
७	११	१७	५	०	०	३	७
१५	२८	१२	२८	३९	४६	३३	४४
४८	५	५७	४१	३२	१	३	१८
५७	४०	८९	३७	७१	९३	३	५७
४५	१०	९७	ब	२२	ब	११	४८

ति | भाद्रपद कृष्णपक्षः सं.२०१८ शाकः १८८३ | दि. | उ. | अ | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | वर्षर्तुः रविर्दक्षिणे श्रावण कृ. महा.

१	श	४६	०	०	०	०	०	०	०	तै	२०	१८	३१ ४८	५ ३८	६ २३	२७	११	१४	मी २६।५६	*धनि.३केतुः३३।१५पश्चिमोदयं×
२	र	४५	४४	पू	४०	८	सु	२०	४५ ३३	व	११	४२	४४	४६	२१	२८	१२	१५	मीने	×बुधः ५३।१६
३	चं	३७	३६	उ	३३	५०	शू	४०	३८	व	११	४२	४४	४६	२१	२८	१२	१५	मीने	भ.११।४२उ.३७।३६या.मघा.१राहुः*
४	मं	३१	२०	रे	२६	०	गं	३२	११	ब	४	३०	४०	४०	२०	२६	१३	१६	मे.२६।०	उफायां बुधः ४६।५५ च. ब्र.
५	बु	२६	५७	अ	२६	२३	वृ	२५	२६	तै	२६	५७	३६	४१	१६	३०	१४	१७	मेषे	फूफायां रविः ४४।१३ चंद्र ६
६	गु	२४	३०	भ	२५	२८	शु	२०	१५	व	२४	३०	३२	४२	१८	३१	१५	१८	वृ.४०।४६	भ.३४ ३०उ.५४ २८या. कन्यायां बुधः ४५।३
७	शु	२४	२५	कृ	२६	५३	व्या	१६	५०	व	२४	२५	२८	४२	१८	१	१६	१६	वृषे	सितम्बरहता.३०श्रीकृष्णजयंती ब्र.
८	श	२६	१६	रो	२६	१	ह	१५	१	कौ	२६	१६	२४	४३	१७	२	१७	२०	वृषे	मन्वादिः जन्माष्टमी ब्र. वै.
९	र	२६	३५	मृ	२४	५८	व	१४	५६	ग	२६	३५	२१	४४	१६	३	१८	२१	मि.१।५६	गोगा ६
१०	चं	३४	२६	आ	४१	१२	सि	१५	३४	व	२	२	१८	४४	१६	४	१६	२२	मिथुने	भ. २।२ उ. ३४।२६ या.
११	मं	४०	२२	पु	४८	२६	व्य	१६	१५	व	७	२५	१४	४५	१५	५	२०	२३	क.३१।४०	अजा ११ ब्र.
१२	बु	४६	२६	पु	५५	४६	व	१६	४१	कौ	१३	२५	१०	४६	१४	६	२१	२४	कर्के	हस्ते बुधः ५८।१६ आश्लेषा. शुक्रः+
१३	गु	५२	५७	श्ले	६०	०	प	२२	४३	ग	१६	४३	६	४७	१३	७	२२	२५	कर्के	भ. ५२।५७ उ प्रदोषः
१४	शु	५६	६	श्ले	३	२४	शि	२४	४८	वि	२६	१	२	४८	१२	८	२३	२६	सिं३।२४	भ.२६।१या. +५८।४५वत्स१२
३०	श	६०	०	म	११	८	सि	२७	५	च	३१	५७	३० ५७	४६	११	९	२४	२७	सिंहे	कुशाग्रहणम्
३०	र	४	४६	पू	१७	५६	सा	२६	५	ना	४	४६	५२	५०	१०	१०	२५	२८	क.२४।३०	

२१पं.भा.कृ.६बृ.इ.३६ ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	९	३	९	४	४
१४	१५	२९	४	८	०	३	१४
१	५८	२८	५४	५४	२६	१०	२९
०	१२	१	४०	१७	३८	४८	५५
५७	४०	८०	२६	७१	३३	३	५८
५७	२१	१३	ब	५०	ब	११	१

गोचरग्रहाः

इस मास का फल सामान्य है रूई चांदी, चावल आदि मंदे होंगे वर्षा कम और वायु अधिक।

गोचरग्रहाः

२२पं.भा.कृ.१३बृ.इ.३० ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	९	३	९	४	४
२०	२०	१०	४	१७	०	२	२१
४७	२०	४४	२८	१३	१०	४८	१६
४०	५४	२७	३७	२३	२६	३२	५८
५८	४०	९४	२६ ३३	७२	५७	३	५८
१२	३८	३८	ब्र	११	ब्र	११	१३

(स० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपदशुक्ल पक्षः सं.२०१८शाकः१८८३दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | वर्षेतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२७१६म.१९६१

१	चं	१०	४२	उ	२४	१३	शु	३०	१९	ब	१०	४२	३०	५५	१०	११	२६	२९	कन्यायां	चित्रायां भौमः ३६।१२ चन्द्रदर्शनम्
२	मं	१४	२	ह	२९	४५	शु	३२	३९	कौ	१४	२	४४	५१	९	१२	२७	१	कन्यायां	रवि लाखर ४
३	बु	१७	२३	चि	३३	३८	ब्र	३२	२	ग	१७	२३	४०	५२	८	१३	२८	२	तु.१।४१	भ.४५२६उ.वक्री उपा१धनुषिरविः ३५२ –
४	गु	१९	२९	स्वा	३७	११	ऐं	३१	६	वि	१९	२९	३६	५३	७	१४	२९	३	तुलायां	भ. १९।२९ या.गणेशचतुर्थी
५	शु	२०	३७	वि	३९	३६	वै	२९	२३	वा	२०	३७	३०	५४	६	१५	३०	४	बृ. २४।००	ऋषि ५ [–शनि ३३५उफायां
६	श	२०	२७	अ	४१	१४	वि	२६	५७	तै	२०	२७	२६	५५	५	१६	३१	५	वृश्चिके	चित्रायांबुधः७।१७कन्यायामकंः ५४।३
७	र	१९	११	ज्ये	४१	५२	प्री	२३	१८	व	१९	११	२२	५६	४	१७	१	६	घ.४१।५२	भ. १९।११ उ. ४७।५० या
८	चं	१६	२९	मू	४०	३०	आ	१८	३०	ब	१६	२९	१८	५६	४	१८	२	७	धनुषि	मघायां सिंहेच शुक्रः४।२८
९	मं	११	४९	पू	३७	४०	सौ	१२	३८	कौ	११	४९	१४	५७	३	१९	३	८	म.५१।३९	
१०	बु	६	२४	उ	३३	३६	शो	३ ५५	५३	ग	६	२४	११	५८	२	२०	४	९	मकरे	भ.३२५६उ.५२९या.जलभू.११ ब्र. स्मा.
११	बु	५३	५	ध	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=वामनावतारहरिवासरजलभू११ब्रवैनि
१२	गु	५१	३२	ध	२८	२३	सु	४८	४२	ब	२५	३१	८	५८	२	२१	५	१०	कु.५५।११	तुलायांभौमः४५।७ तुलायां बुधः १५५=
१३	शु	४२	५३	ध	२१	५८	धृ	३९	१	कौ	१७	१२	४	५९	१	२२	६	११	कुम्भे	प्रदोष
१४	श	३४	९	श	१५	०	शू	२८	५०	ग	८	३१	०	६ २	०	२३	७	१२	मी५१।३५	भ. ३४ ९उ.५९।२७ या.अनंत १४
१५	र	२४	४५	पू	७	४७	गं	१८	२८	ब	२४	४५	२९ २५	१	५९	२४	८	१३	मीने	महालयश्रारंभः

२३पं.भा.शु.४बृ. इ.२६।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	९	३	८	४	४
२७	२५	२०	४	२१	२३	२	२१
३६	६	५९	११	३६	५८	२६	५२
३	२	३८	१३	४३	४८	१६	२
५८	४	८३	७	७२	२१	३	५८
२९	५	२६	ब	३२	ब	११	२६

गोचरग्रहाः

भाद्र. शुक्ला ६शनौ कन्यायामकं प्र वा.४ न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.१५घान्या भाव तेज शुक्रोदयं पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

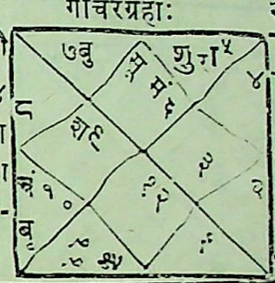

२४ पं.भा.शु१२बृ.इ२६।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	९	४	८	४	५
४	२९	०	४	४	२९	२	४
२६	४५	९	२	५	५२	४	५४
१०	४०	३६	५३	२	२९	१	२४
१८	४१	७	४०	७२	३३	३	५९
४५	२०	५	ब	५३	ब	११	३१

ति. अश्विन कृष्णपक्षः सं.२०१८शाकः१८८३दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः शरदतूरविर्दक्षिणेभाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	चं	१६	१७	उ	१२	५४	बृ	८ ३६	५० ५२	कौ	१६	१७	२९ ५०	६ २	५ २८	२५	९	१४	मे. ५५।२०	मार्गीगुरुः१०।४
२	मं	९	३	अ	५१	०	व्या	५१	२२	ग	९	३	४६	३	५७	२६	१०	१५	मेषे	भ. ३६।१७ उ.
३	बु	३	३०	भ	४८	१४	ह	४४	३३	वि	३	३०	४२	४	५६	२७	११	१६	मेषे	भ.३०या.स्वात्यांबुधः ७४४मार्गीशनिः*
४	बु	५६	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[* हस्ते रविः६।३१ च.ब्र.
५	शु	५८	२३	कृ	४७	४६	व	३९	२८	कौ	२९	५	३८	५	५५	२८	१२	१७	बु ३।७	
६	शु	५८	४३	रो	४९	२०	सि	३६	१	ग	२८	३३	३४	५	५५	२९	१३	१८	वृषे	भ. ५८।४३उ.फाल्गुनीफायांशुक्रः ३।४३
७	श	६०	०	मृ	५२	५७	व्य	३४	२४	वि	३०	१९	३०	६	५४	३०	१४	१९	मि. २१।८	भ. ३०।१९या.
७	र	१	५४	आ	५८	१७	व	३४	२८	ब	१	५४	२९	७	५३	१	१५	२०	मिथुने	
८	चं	६	९	पु	६०	०	प	३५	१४	कौ	६	९	२१	८	५२	२	१६	२१	क.४८।१९	अक्टूबर।१०ता.३१स्वात्यांभौम४१।१४
९	मं	११	५५	पु	४	५९	शि	३७	२६	ग	११	५५	१८	९	५१	३	१७	२२	कर्के	भ. ४४।५७ उ.
१०	बु	१७	५९	पु	१२	२२	सि	३९	३५	वि	१७	५९	१४	९	५१	४	१८	२३	कर्के	भ. १७।५९ या.
११	गु	२४	३५	श्ले	२०	६	सा	४२	१२	ग	२४	३५	१०	१०	५०	५	१९	२४	सिं.२०।६	इन्द्रा ११ ब्र.
१२	शु	३०	५७	म	२७	४२	शु	४४	३१	तै	३०	५७	६	११	४९	६	२०	२५	सिंहे	[×सर्वपितृ ३०
१३	श	३६	३	पू	३४	४७	शु	४६	४७	ग	३	३०	४	११	४९	७	२१	२६	क.५१।१८	भ. ३६।३ उ. युगादि प्रदोषः
१४	र	४१	१२	उ	४०	५२	ब्र	४७	४७	वि	८	३७	०	१२	४८	८	२२	२७	कन्यायां	भ. ८।३७ या. शस्त्रादि हतानां श्राद्ध
२०	चं	४४	५१	ह	४५	४८	ऐं	४७	५६	च	१३	१.५०	१३	४७	१	९	२३	२८	कन्यायां	उ.फाल्गुनीशुक्रः५६।२९वक्रीबुधः२९।४३×

२५ पं.आ.कृ.५बृ.इ२६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	९	४	८	४	५ ८
११	४	७	४	१०	२९	१	११
१८	२६	५०	४	३३	५०	३१	४६
१४	१२	४२	५२	३९	४९	४५	५५ १०
५९	४१	५४	३५	७३	०	३	५८ बृ
०	३२	९	मा	५१	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

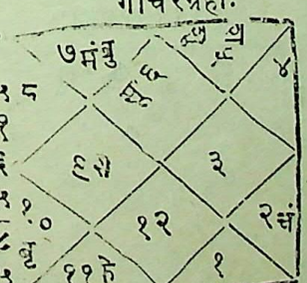

इस मास में पांच सोमवार प्रजा में सुखशांतिकारक है। कृष्ण वस्त्र तथा रसकश आदि तेज होंगे मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

२६पं.आ.कृ.११बृ.इ.२५।५४

र	मं	शु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	९	४	८	४	५
१८	९	१३	४	२१	२९	१	१८
१२	१०	१६	१५	७	५३	१९	४०
१	३०	१९	१६	२३	५३	३०	९
५९	४१	२६	५	७३	०	३	५९
१३	४८	४४	मा	३३	५६	११	९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*१२ चंबुशु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०१८ शाकः १८८३ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः शरदर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७४५.सन् १९६१

१	मं	४७	३२	चि	४९	५४	वे	४७	२७	कं	१६	११	३५ ६	१४	४६	१०	२४	२९
२	बु	४८	२३	स्वा	५२	५२	वि	४६	२	बा	१७	५७	४६	१५	४५	११	२५	३०
३	गु	४८	३२	वि	५४	३४	मी	४३	३८	तै	१८	२७	४२	१६	४४	१२	२६	१
४	शु	४७	४२	अ	५५	४२	आ	४०	२३	व	१८	७	३८	१६	४४	१३	२७	२
५	श	४६	९	ज्ये	५५	४१	सौ	३६	२८	ब	१६	५५	३४	१७	४३	१४	२८	३
६	र	४३	२१	मू	५४	४०	शो	३२	७	कौ	१४	४५	३०	८	४२	१५	२९	४
७	चं	४०	१	पू	५२	५४	अ	२६	३५	ग	११	४१	२६	१९	४१	१६	३०	५
८	मं	३५	४०	उ	५०	१८	सु	२०	३८	वि	७	५१	२२	२०	४०	१७	३१	६
९	बु	३०	२९	अ	४६	५१	धृ	१४	१	बा	३	४	१८	२०	४०	१८	१	७
१०	गु	२४	३७	ध	४२	३९	शु	४३ ६	५१ ७	ग	२४	३७	१४	२१	३९	१९	२	८
११	शु	१८	४	श	३७	४१	बृ	५०	१७	वि	१८	४	९	२२	३८	२०	३	९
१२	श	१०	४८	पू	३२	१२	ब्रु	४१	२३	बा	१०	४८	४	२३	३७	२१	४	१०
१३	र	३	२९	उ	२६	४८	व्या	३३	१५	ते	३	२९	२७ ९	२४	३६	२२	५	११
१४	र	५२	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	चं	४९	४७	रे	२१	३४	ह	२३	४९	वि	२२	५५	५४	२५	३५	३	६	१२

चित्रायां रविः ३७ ९ मातामहश्राद्धं नवरात्रारंभः
उषाः २ मकरे शनिः १३ ५६ चंद्रदर्शनम्
कन्यायांशुक्रः ३९.४३ जमादिलाघल ५
भ. १८.७ उ. ४७.४२ या.

भ. ४०.१ उ. अस्तं भौमः ५२.३०
भ.७.५१या.तुलायामर्क १९.५२बलिदानं≡
मन्वादिः दुर्गा ९ [* ११ ब्र.
भ. ५१.२१ उ. विजया १० पट्टाभिषेके
भ.१८.४या हस्तेशुक्रः ४६.२७पापांकुशा*
विशाखायांभौमः ४७ ६ प्रदोषवक्रीचित्रायांबुध ३५ ५
भ. ५६.३ उ.
[≡ पश्चिमास्तं बुधः १.४६
भ. २२.५५ या. कोजागर्तिव्रतंशरद्

२७पं. आ.शु.३बृ.इ.२५.४३

गोचरग्रहाः

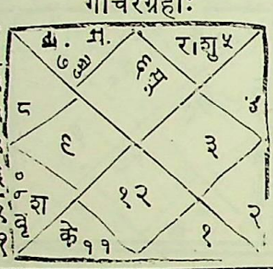

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	६	९	४	९	४	५
२५	१३	१४	४	२९	०	०	२५
७	५७	३९	३६	४२	१	५७	३५
४३	१८	५०	२९	५४	४८	१४	६ ०
४९	४१	१९ ७	३	७३	३	३	५२
३१	५८	ब	१८	३२	३८	११	२१

आश्विनशुक्ला ८ तुलायामर्कः प्र. वा.४न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० (धान्यभाव सम, शुक्रोदयंपूर्वे ।

गोचरग्रहाः २८ पं.आ.शु.१०बृ.इ.२५.३३

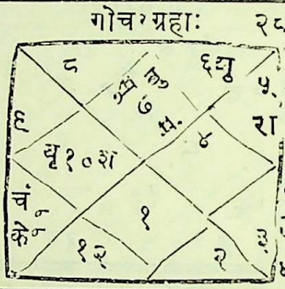

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	९	५	९	४	६
९	१८	९	५	८	०	०	२
५	४७	५२	६	२०	१४	३४	३१
१३	२०	०१	३६	३४	२०	५८	३३
५९	४२	३३	४	७३	२	३	५९
४६	१४	ब	३०	४५	२०	११	३४

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं०२०१८ शाकः १८८३ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः गतिःशरदर्तुरविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेति महा.

१	मं	४४	३	अ	१७	८	व	१५	४४	ब्रा	१६	५५	२७ ९	३४	२४	७	१३	
२	बु	३९	५६	भ	१३	५०	सि	८	२९	तै	११	५९	४६	२७	३३	२५	८	१४
३	गु	३७	४५	कृ	१२	१५	ज्ये	३० ३	५५ २७	ब	८	५१	४२	२८	३२	२६	९	१५
४	शु	३७	२४	रो	१२	३७	प	५५	०	व	७	३४	३८	२८	३२	२७	१०	१६
५	श	३९	१६	मृ	१४	४१	शि	५३	३६	कौ	८	२०	३५	२९	३१	२८	११	१७
६	र	४३	०	आ	१८	४९	सि	५३	२३	ग	११	८	३२	३०	३०	२९	१२	१८
७	चं	४८	७	पु	२४	३२	सा	५४	३४	वि	१५	३४	२९	३०	३०	३०	१३	१९
८	मं	५४	५	पु	३१	२४	शु	५६	२२	ब्रा	२१	६	२६	३१	२९	३१	१४	२०
९	बु	६०	०	श्ले	३९	४५	शु	५८	३७	तै	२७	२२	२३	३१	२९	१	१५	२१
९	गु	०	४०	म	४६	१९	ब्र	६०	०	ग	०	४०	२०	३२	२८	२	१६	२२
१०	शु	७	४	पू	५३	४४	न	१	३	वि	७	४	१५	३३	२७	३	१७	२३
११	श	१२	४५	उ	६०	०	ऐं	३	६	ब्रा	१२	४५	१४	३३	२७	४	१८	२४
१२	र	१७	२४	उ	०	३	वै	४	२४	तै	१७	२४	१०	३४	२६	५	१९	२५
१३	चं	२०	४४	ह	५	९	वि	४	४९	व	२०	४४	७	३५	२५	६	२०	२६
१४	मं	२३	५७	चि	८	४८	प्री	४	२	श	२३	५७	४	३५	२५	७	२१	२७
३०	बु	२२	५८	स्वा	११	७	आ	१३ ३	५६ ५२	ना	२२	५८	०	३६	२४	८	२२	२८

स्वात्यांरविः ०.२५

म.८.५१ उ. ३७.४५ या.
वक्री कन्यायां बुधः ५९.८ कर्कं ४ ब्र
पूर्वोदयं बुधः ५३.३
भ. ४३.० उ.
भ.१५.३४योकर्के राहु.मकरेकेतः २५.२२
नवम्बर ११ ता. ३०

भ. ३३.५२ उ. +रूप १४
भ.७.४ या. उषायां४गुरुः ३८.४०
वृश्चिकेभौम २४.४४रमा ११तुलाबुध९.९
तुलायांभृगुः ५१.४१प्रदोषः धन १३
भ ४४ ३० उ ५३ २० यावि शाखायांरविः १८.१७+
महालक्ष्मी पू.
अन्नकूट गोवर्धन पूजा

२९ पं.का.कृ.३बृ.इ. २५.२२

गोचरग्रहाः

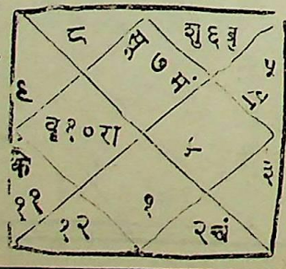

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	९	५	९	४	६
९	२३	१	५	१७	०	०	९
४	३९	५०	४४	१	३१	१२	२९
३३	१८	१३	४९	४८	५२	४३	५०
६०	४२	७० ३१	५	७३	२	३	५९
२	३५	ब	३७	५१	५४	११	४७

इस मास में पांच मंगलवार प्रजामें पीड़ा कारक है। धान्यादि में मंदी । चांदी सोना पीतवस्त्र आदि तेज ।

गोचरग्रहाः ३०पं.का.कृ.९बृ.इ. २५.१

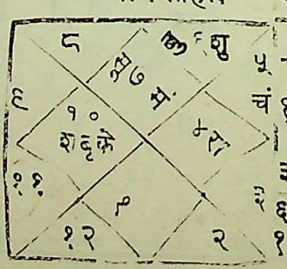

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	९	५	९	३	६
१६	२८	२९	६	२५	०	२९	१६
५	३४	१५	३१	४५	५३	५०	२९
३७	१९	३०	५५	३२	५३	२७	३९
६०	४३	७० ४१	६	७३	३	३	६०
१८	१	म	३६	५६	३८	११	४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०१८ शाकः १८८३ | दि. उ. अ | इं. रा. मु. | चंद्रः | शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७७५ स. १९६१

१	गु	२१	४७	वि	१२	५	शो	५५	१	व	२१	४७	२६	६	५	९	२२	२९	वृश्चिके	अनुयां भौमः ७।४१ चन्द्रदर्शन संभवः
२	शु	१९	३९	अ	११	६०	अ	५०	२०	कौ	१९	३९	५३	३७	२३	१०	२४	१	वृश्चिके	यम २ जमादिलाखर ६
३	श	१६	४७	ज्ये	१०	४८	सु	४४	३६	ग	१६	४७	५०	३८	२२	११	२५	२	ध. १०।४८	भ. ४४/५० उ. स्वात्यांबुधः ३/उ स्वात्यांशुक्रः ११/६
४	र	१२	५३	मू	८	५३	धृ	३९	२	वि	१२	५३	४६	३९	२१	१२	२६	३	धनुषि	भ. १२।५३ या.
५	चं	८	५३	पू	६	४५	शू	३२	४	वा	८	५३	४३	३९	२१	१३	२७	४	म. २१।३	
६	मं	४	४४	उ	३	५६	गं	२५	२४	तै	४	४४	४०	४०	२०	१४	२८	५	मकरे	भ. ५९।३७ उ.
७	मं	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	बु	५४	३९	अ	१/५	५६/४४	वृ	१८	३०	वि	२७	८	३७	४१	१९	१५	२९	६	कु. २८।५५	भ. २७।८ या. गोपाष्टमी
९	गु	४९	२८	श	५४	११	शु	११	१४	वा	२२	३	३४	४१	१९	१६	३०	७	कुम्भे	वृश्चिकेऽर्कः १९।३५ अक्षय ९
१०	शु	४४	५	पू	५०	३०	व्या	५४/३	४२/४	तै	१६	४६	३२	४२	१८	१७	१	८	मी ३६।२५	[* प्रबोधिनी ११ ब्र
११	श	३८	४३	उ	४६	४८	व	४९	१७	व	११	२४	२९	४२	१८	१८	२	९	मीने	भ. ११/२४ उ. ३५/४३ या. तुलसी विवाहः*
१२	र	३३	२५	रे	४३	२३	सि	४२	५	व	६	४	२६	४३	१७	१९	३	१०	मे. ४३।२२	अनुयाँ रविः ३०।२३ हरिवासराऽभाव
१३	चं	२८	२३	अ	४०	२०	व्य	३५	२	कौ	०	५४	२४	४३	१७	२०	४	११	मेषे	विशाखायां बुधः २०।७ वैकुं ठ १४ प्रदोषः
१४	मं	२४	८	भ	३७	३९	त्र	२८	३५	व	२४	८	२०	४४	१६	२१	५	१२	वृ. ५२।२०	भ. २४/८ उ. ५३/६ या. विशाखायां शुक्रः ४८।६
१५	बु	२०	५३	कृ	३६	२३	प	२२	५५	व	२०	५३	२०	४४	१६	२२	६	१३	वृषे	मन्वादिः

३१पं.का.शु.१वृ.इ.२४।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	९	६	९	३	६
२३	३	४	७	४	१	२९	२३
८	३२	३९	२५	२८	१९	२८	३०
१५	२७	५०	१२	५१	२३	१२	५९
६०	४३	७१	७	७४	४	३	६०
३०	११	३१	४२	२	२०	११	१७

गोचरग्रहाः

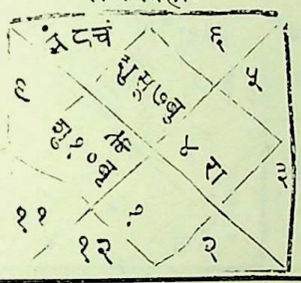

कार्तिकशुक्लाद्दे
गुरौ वृश्चिकेऽर्कः
प्र. वा. ३न.४
कुमारावस्था
(बैठी) मु.१५
(धान्यभावतेज)

गोचरग्रहाः

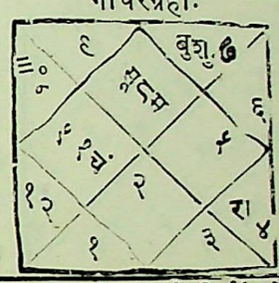

३२पं.का.शु९वृ.इ.२४।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	९	६	९	३	७
०	८	१४	८	१३	१	२९	०
१२	३३	१७	२५	१३	४९	५	३३
१९	८	४९	५९	२३	२६	५६	४६
६०	४३	८१	८७	४	३	६०	
४०	३१	५३	४२	८	५०	११	३०

ति. मार्गशीष कृष्ण पक्षः सं.२०१८ शाकः १८८३ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति. महाराष्ट्रा

१	गु	१९	६	रो	३६	२९	शि	१८	७	कौ	१९	६	२६/६	४५/१५	२३	७	१४	वृषे	पूर्वास्तं बुधः ४८।१०
२	शु	१८	४४	मृ	३७	५९	सि	१४	५२	ग	१८	४४	१३	४६	१४	२४	८	१५	मिथुने	भ. ४९।३२ उ.
३	श	२०	२०	आ	४१	८	सा	१२	५६	वि	२०	२०	१०	४६	१४	२५	९	१६	मिथुने	भ. २०।२० या. च. ब्र.
४	र	२३	३०	पु	४५	५०	शु	११	४७	वा	२३	३०	८	४७	१३	२६	१०	१७	क. २९।४०	वृश्चिके बुधः ४४।४८ श्रवणे १ गुरुः ५/९
५	चं	२८	९	पु	५२	२४	शु	१२	१०	तै	२८	९	६	४७	१३	२७	११	१८	कर्के	ज्येष्ठायां भौमः ३६।४९
६	मं	३३	५१	श्ले	५९	२९	ल	१३	२९	ग	१	०	४	४७	१३	२८	१२	१९	सिं ५९ २४	भ. ३३।५१ उ. अनु. बुधः ४८।४२
७	बु	४०	२१	म	६०	०	ले	१५	१८	वि	७	६	१	४८	१२	२९	१३	२०	सिंहे	भ. ७।६ या. वृश्चिके शुक्रः ४५।५८
८	गु	४६	४५	म	६	५६	ले	१७	३३	वा	१३	३३	२५/८	५८	१२	३०	१४	२१	सिंहे	[* ज्येष्ठायां रविः ३७।२२
९	शु	५२	४५	पू	१४	१७	वि	१९	४२	तै	१९	४५	५६	४९	११	१	१५	२२	क. ३०।३१	दिसम्बर १२ ता० ३१
१०	श	५७	४२	उ	२१	१५	प्री	२१	१२	व	२५	१३	५५	४९	११	२	१६	२३	कन्यायां	भ २५।१३ उ. ५७।४२ या. अनु. भृगुः २७/२३*
११	र	६०	०	ह	२६	५१	आ	२२	१२	ब	२९	२८	५३	४९	११	३	१७	२४	तु. ५८।५४	उषायां. ३ अनिः ५/३ उत्पाति ११ ब्र. स्मा
११	चं	१	१५	चि	३०	५८	सौ	२१	४८	वा	१	१५	५	५०	१०	५	१८	२५	तुलायां	उत्पात्ति ११ ब्र. वै.
१२	मं	३	११	स्वा	३६	२८	शो	२०	७	तै	३	११	५०	५०	१०	४	१९	२६	तुलायां	प्रदोषः
१३	बु	३	७	वि	३४	११	अ	१७	१	व	३	७	४८	५०	१०	६	२०	२७	वृ. १९।०	भ. ३।७ उ. ३२।१४ या.
१४	गु	१	२२	अ	३३	२६	सु	१२	३३	श	१	२२	४६	५१	९	७	२१	२८	बृश्चिके	ज्येष्ठायां बुधः १४।४२
२०	गु	५६	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

२३पं.मा.कृ१बृ.इ. २४।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	९	६	९	३	७
७	१३	२४	९	२२	२	२८	७
१७	२६	५१	३३	०	२३	४३	३७
५२	१४	३	४०	०७	६	४०	४०
६०	४३	९४	९	७४	५	३	६०
५३	०७	४१	३३	१८	१६	११	४८

३४पं.मा.कृ.८ बृ.इ.२४।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	९	७	९	३	७
१४	१८	५	१०	०	३२	१४	०
२४	४२	५४	४६	४७	०	२१	४२
३८	४०	२५	४१	३४	०	२५	५४
६०	४३	९६	१०	७४	५	३	६०
३	५६	११	१८	२०	४४	११	५०

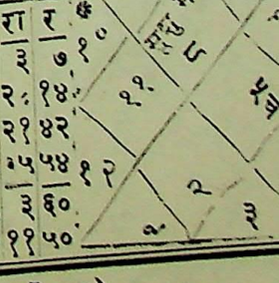

३०पं.मा.कृ१४बृ इ २४।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	९	७	९	३	७
२१	२३	१६	१२	९	३	१७	२१
२२	५१	५५	३	३५	४०	५९	४८
२५	२८	३०	४६	३८	१	९	५८
६०	४४	९८	११	७४	६	३	६०
११	६	२०	२२	६	१२	११	५६

८१०केशबृ *१० शवृक

CC-0. Gurukul Kangri Uni... Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०१८ शाकः १८८३|दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.|चन्द्रः|हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २८०४स.१९६१

१	शु	५३	३६	ज्ये	३१	३	धृ	६	५१	कं	२५	५२	३५/४५	५६	५	८	२२	२६	ध.३१।१
२	श	४८	२१	मू	२७	५५	शू	८	५३/३४	ब्रा	२०	५८	४३	५१	६	६	२३	३०	धनुषि
३	र	४२	३६	पू	२४	३	बृ	४५	८	तै	१५	२८	४२	५२	८	१०	२४	१	म. ३७।५७
४	चं	३६	३६	उ	१६	४१	ध्रु	३७	६	व	६	३७	४१	५२	८	११	२५	२	मकरे
५	मं	३०	५३	श्र	१५	३५	व्या	२६	६	ब	३	४६	४०	५२	८	१२	२६	३	कु.४३।४३
६	बु	२५	१६	ध	११	५१	ह	२१	३३	तै	२५	१६	३६	५२	८	१३	२७	४	कुम्भे
७	गु	२०	३	श	८	३	व	१८	२	व	२०	३	३८	५२	८	१४	२८	५	मी ५०।४१
८	शु	१५	३	पू	४	५३	सि	६	४८	ब	१५	३	३८	५२	८	१५	२६	६	मीने
९	श	१०	४८	उ	५१	५७/३६	व्य	७	५३/३८	कौ	१०	४८	३८	५२	८	१६	१	७	मे. ५६।३०
१०	र	७	४६	अ	५७	४७	प	४७	५६	ग	७	४६	३७	५३	७	१७	२	८	मेषे
११	चं	३	३८	भ	५६	५५	शि	४२	४३	वि	३	३८	३७	५३	७	१८	३	९	मेषे
१२	मं	१	८	कृ	५६	३०	सि	३८	३	बा	१	८	३७	५३	७	१९	४	१०	वृ.११।४९
१३	बु	५८	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	गु	५८	४८	रो	५७	१४	सा	३४	१२	ग	२९	५	३७	५३	७	२०	५	११	वृषे
१५	शु	५९	१२	म	५९	१५	शु	३१	११	वि	२९	०	३६	५३	७	२१	६	१२	मि. २८।१४

चन्द्रदर्शनम्
रज्जव ७
भ. ९।३७ उ. ३६।३९ या.
ज्येष्ठायां शुक्रः ५९।३५
श्रवणे २ गुरुः ४३।३३
भ. २०।३ उ. ४७।३३ या.
मूलेधनुषिचभौमः४१।३१धनुषिबुधः*
[* ३७।१७ धनुष्यर्कः ४१।७
भ. ३५।४४ उ.
भ.२।३८या.मोक्षदा११ब्र.गीताजयंती
प्रदोषः
भ. ५८।४८ उ.
भ. २९।० या. दत्तजयंती.

३६पं.मा.शु.७ बृ.इ २३।५७

गोचरग्रहाः

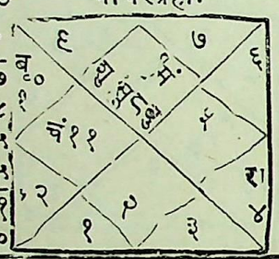

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	९	७	९	३	७
२८	२९	२७	१३	१८	४	२७	२८
४१	२५	२७	२७	२४	२२	५६	५५
८	२०	३६	१४	४०	४४	५३	५५
६१	४४	९९	११	७४	६	३	३१
१९	३६	४९	३६	२६	२७	११	०

मार्ग. शु. ८
शुक्रे धनुष्यर्क प्र. वा. २ न.३कुमारावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभावमंदा)
शुक्रोदयं पूर्वे.।

गोचरग्रहाः

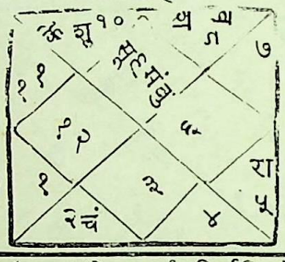

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	९	७	९	३	८
५	४	९	१५	२७	५	२७	६
५०	१५	२	५३	१३	६	१४	३
१३	३६	४९	५३	३४	४७	३७	३१
६१	४४	०	१२	७४	६	३	६१
२२	३६	५५	११	२६	४२	११	५

३७पं.मा.शु.१५बृ.इ२३।४८

निं.|पौष कृष्णपक्षः सं.२०१८ शाकः १८८३ दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.|चन्द्रः|हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणेमार्गशीर्षकृष्णेतिमहाराष्ट्रा

१	शु	६०	०	आ	६०	०	शु	२९	२७	ब्रा	३०	१५	३६/२५	५६	७	२२	७	१३	मिथुने
१	श	१	१९	आ	२	३७	व्र	२८	१८	कौ	१	१९	३६	५३	७	२३	८	१४	क. ५०।५९
२	र	४	३२	पु	७	३	ऐं	२८	१५	ग	४	३२	३६	५३	७	२४	९	१५	कर्के
३	चं	८	४३	पु	१३	६	वै	२९	१६	वि	८	४३	३६	५३	७	२५	१०	१६	कर्के
४	मं	१४	१२	श्ले	१९	४५	वि	३०	५२	ब्रा	१४	१२	३७	५३	७	२६	११	१७	स. १९।४५
५	बु	२०	२८	म	२७	८	प्री	३२	५१	तै	२०	२८	३७	५३	७	२७	१२	१८	सिंहे
६	गु	२७	६	पू	३४	४५	आ	३५	१३	व	२७	६	३८	५२	८	२८	१३	१९	कं.५.१।३८
७	शु	३३	३०	उ	४२	१७	सौ	३७	२०	वि	०	२०	२८	५२	८	२९	१४	२०	कन्यायां
८	श	३९	२	ह	४८	३७	शो	३८	३७	ब्रा	६	१६	३९	५२	८	३०	१५	२१	कन्यायां
९	र	४३	१५	चि	५४	४६	अ	३९	११	तै	११	८	४०	५२	८	३१	१६	२२	तु.२१।४१
१०	चं	४५	५५	स्वा	५७	१७	सु	३८	१९	व	१४	३५	४१	५२	८	१	१७	२३	तुलायां
११	मं	४६	४०	वि	५८	५०	धृ	३६	४	ब	१६	१७	४२	५२	८	२	१८	२४	वृ. ४३।२७
१२	बु	४५	१७	अ	५८	२४	शू	३२	९	कौ	१५	५८	४३	५१	९	३	१९	२५	वृश्चिके
१३	गु	४१	४६	ज्ये	५६	१६	गं	२६	५०	ग	१३	१	४४	५१	९	४	२०	२६	ध.५६।१६
१४	शु	३६	४७	मू	५२	१७	बृ	१९	५९	वि	९	१६	४५	५१	९	५	२१	२७	धनुषि
३०	श	३०	१३	पू	४८	११	ध्रु	११	५४	च	३	३०	४६	५१	९	६	२२	२८	धनुषि

मूले धनुषिच्च शुक्रः ३७।५७
भ. ३६।३७ उ. पूषायां बुधः ५।५७
भ. ८।४३ या. च. ब्र.

भ २७।६ उ. पूषायां रविः ४२।४३
भ.०।२०या श्रवणे३गुरुः४२/४४ पू.ब्रा.शु.
[×सार्पे३राहुःधनिः१केतुः१६।४४
[* पूर्वास्तोभृगुः ३९/३९ उषायांबुधः १३/१९ ×
भ १४/३५ उ ५५/५५ या.जनवरी१ता.३१सन्१९६२
पूषायांभौमः२४।२४सफला११ब्र.स्मा.वै
मकरे बुधः २४।३ पूषायां शुक्रः १०।४
भ ४१।४६उषायां४शनिः१०।४९प्रदोषः
भ. ९।१६ अस्तं शनिः ५४।४१

३८. पपौ.कृ.६बृ इ. २३।३९

गोचरग्रहाः

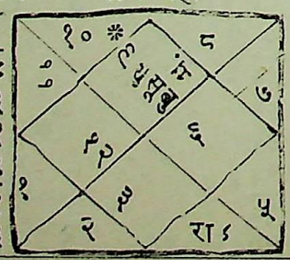

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	५	८	९	३	८
१३	९	२०	१६	६	५	२६	१३
०	३१	१६	३	२	५३	५२	११
२५	४४	५२	३०	१०	३०	२२	२९
६१	४४	०	१२	७४	७	३	६१
२६	५७	५५	३१	३२	०	११	६

इस मास में पांच शनिवार महा अशुभ हैं। पश्चिमी देशों का संहार, अग्नि भय होगा।

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	८	९	३	८
२०	१४	१	१७	१४	६	२६	२०
१०	४९	३७	५६	५१	४१	३०	१९
२३	२३	३८	५६	१८	३१	६	२४
६१	४४	९८	१३	७४	७	३	६१
२६	५७	३५	०	३२	८	११	६

३९पं.पौ.कृ १३बृ.इ२३।३४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| पौष शुक्ल रात्रः सं.२०१८ शाक:१८८३ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चंद्रः |हेमंततुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२८३४स.१६६२

१	र	२२	५२	उ	४१	४१	व्या	३	५०	ब	२२	५२	४८	५०	५०	७	२३	२६	म.१।३३	चंद्रदर्शनम् पश्चिमोदयंबुधः ६।२०
२	चं	१५	१०	अ	३५	३६	व	४४	६	को	१५	१०	५०	५०	१०	८	२४	१	मकरे	सावान ८
३	मं	७	२०	ध	२६	४४	सि	३४	४५	ग	७	२०	५२	५०	१०	९	२५	२	कु.२।४१	भ.३३।३६उ.५६।५७या.श्रवणे बुधः ३०/५६
४	मं	५२	३७		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु	५३	२१	श	२४	२३	व्य	२५	४५	ब	२६	३६	५४	४६	११	१०	२६	३	कुम्भे	उषायां रविः ४४।१२
६	गु	४७	२८	पू	१६	५१	व	१७	२७	को	२०	२४	५६	४६	११	११	२७	४	मी५।५६	
७	शु	४२	३१	उ	१६	१५	प	६	४६	ग	१४	५६	५८	४८	१२	१२	२८	५	मीने	भ. ४२।३१ उ. ,
८	श	३८	५१	रे	१३	३१	शि	३	५४	वि	१०	४१	२६	४८	१२	१३	२६	६	मे.१३।३९	भ.१०।४१या. उषायां शुक्रः४८।४१*
९	र	३६	१	अ	१२	६	सा	५२	३५	ब	७	२६	२	४८	१२	१४	१	७	मेषे	*श्रवणे४गुरुः २८।२१मकरेऽर्कः ५६।३६
१०	चं	३४	३३	भ	११	४०	शु	४८	३४	तै	५	१७	४	४७	१३	१५	२	८	वृ२६।४६	
११	मं	३४	३	कृ	१२	१७	शु	४५	२६	व	४	१८	६	४७	१३	१६	३	९	बृषे	भ. ४।१८ उ. ३४।३या. मकरे शुक्रः×
१२	बु	३४	५६	रा	१४	६	व्र	४३	२६	ब	४	२९	९	४६	१४	१७	४	१०	मि४५।२४	× २३।३० पुत्रदा ११ व्र.
१३	गु	३६	२७	मृ	१६	४२	ऐं	४२	१०	को	५	४१	१२	४६	१४	१८	५	११	मिथुने	धनिष्ठायां बुधः ३८।५० प्रदोषः
१४	शु	३९	२१	आ	२०	४८	वै	४१	५३	ग	७	५४	१५	४५	१५	१९	६	१२	मिथुने	भ.३९।२१उ. उषायां भौमः५४।३१
१५	श	४३	१४	पु	२५	४३	वि	४२	३	वि	११	१७	१७	४५	१५	२०	७	१३	क.९।२९	भ.११।१७या. अभि.प्र. रविः३०।५७

४०पं.पौ.शु.६वृ.इ.२३।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	८	९	३	८
२७	२०	१२	१९	२३	७	२६	२७
२०	९	५२	३२	३९	३०	७	३९
१४	११	१६	२४	३६	४३	५०	४७
६१	४५	९४	१३	७४	७	३	६१
२४	२	२	२१	३२	१७	११	५

गोचरग्रहाः

पौष शु. ८ शनौ मकरेऽर्कः प्र.वा. २ न. ३ कुमारावस्था बैठी मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रास्त पूर्वे.

गोचरग्रहाः

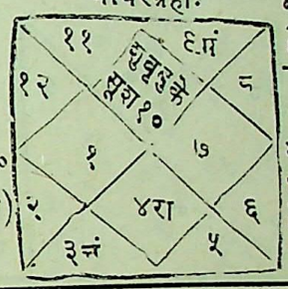

४१पं.पौ.शु१३वृ.इ.२३।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	९	९	९	३	९
४	२५	२३	२१	२	८	२५	४
२९	३१	०	९	२८	१९	४५	३५
४३	१२	५०	४०	१२	४०	२५	३०
६१	४५	७६	१३	७४	७	३	६१
१९	२१	५३	२३	३८	२०	११	३

ति.| माघ कृष्णपक्षः सं० २०१८ शाकः १८८३ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चंद्रः |शिशिरर्तुं रवि उत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्राः

१	र	४८	२४	पु	३१	४१	प्री	४३	५	ब्रा	१५	४९	२६	६ ४४	५ १६	२१	८	१४	कर्के	
२	चं	५३	५१	श्ले	३८	२०	आ	४४	३४	तै	२१	७	२३	४३	१७	२२	९	१५	सिं ३८।२०	
३	मं	६०	०	म	४५	४२	सौ	४६	३८	व	२७	०	२५	४३	१७	२३	१०	१६	सिंहे	भ. २७।०उ. श्रवणे रविः ४६।५६
४	बु	०	९	पू	५३	१५	शो	४८	४७	वि	०	९	२५	४३	१७	२४	११	१७	सिंहे	भ.०।९या.मकरे भौमः१०।४० श्रवणे*
५	गु	६	३७	उ	६०	०	अ	५१	२०	बा	६	३७	३०	४२	१७	२५	१२	१८	कं.१०।१०	*शुक्रः२१।४९च.व्र.अभि.नि.रविः ३९/५१
६	शु	१३	६	उ	०	५६	सु	५२	५८	तै	१३	६	३३	४१	१९	२६	१३	१९	कन्यायां	
७	श	१८	५३	ह	८	३७	धृ	५४	३	व	१८	५३	३६	४१	१९	२७	१४	२०	तु. ४१।२३	भ.१८।५३उ. ५१।१८या.वक्री बुधः+
८	र	२३	४४	चि	१४	९	शू	५४	१६	ब	२३	४४	४०	४०	२०	२८	१५	२१	तुलायां	+४०।४२धनिष्ठा१गुरुः४२।२८
९	चं	२७	५	स्वा	१९	१	गं	५३	२१	को	२७	५	४३	४०	२०	२९	१६	२२	तुलायां	अस्तं गुरुः २५।१ अ.गु.
१०	मं	२८	३७	वि	२२	२	वृ	५०	५२	गं	२८	३७	४६	३९	२१	३०	१७	२३	वृ. ६।१७	भ. ५८/२९ उ पश्चिमास्तं बुधः ६।२०
११	बु	२८	२०	अ	२३	५	धृ	४६	४४	वि	२८	२०	४९	३८	२२	३१	१८	२४	वृश्चिके	भ. २८।२० या.
१२	शु	२५	५४	ज्ये	२२	१४	व्या	४०	५६	बा	२५	५४	५२	३८	२२	१	१९	२५	ध. २२।१४	फरवरी२ता.२८श्रवणे१शनिः२२।११÷
१३	शु	२१	३३	मू	१९	१८	ह	३३	४३	तै	२१	३३	५५	३७	२३	२	२०	२६	धनुषि	प्रदोषः ÷षट्तिला ११ व्र.
१३	श	१५	१५	पू	१४	३९	व	२४	५४	व	१५	१५	५७	३७	२३	३	२१	२७	म.२८।९	भ. १५।१५उ. ४१।२१ या.
१४	र	७	२८	उ	८	३९	सि	१५	१८	श	७	२८	२७	३६	२४	४	२२	२८	मकरे	धनिष्ठायां शुक्रः १।२३
२०	र	५१	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

४२पं.मा.कृ ४बृ.इ.२३।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	९	९	९	३	९
११	०	२९	२२	११	५	२५	११
२८	५५	२	४८	१६	१०	२३	४२
२४	१९	४६	४०	४८	१६	१९	५६
६१	४५	२९	१३	७४	७	३	६०
१३	३२	४०	३२	३८	२०	११	५९

गोचरग्रहाः

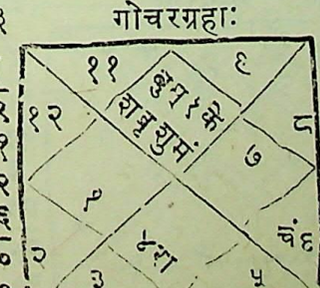

इस मास का फल अच्छा नहीं है अमावस्या के पास ८ ग्रह एक राशि में हैं जो बहुत अशुभ हैं

गोचरग्रहाः

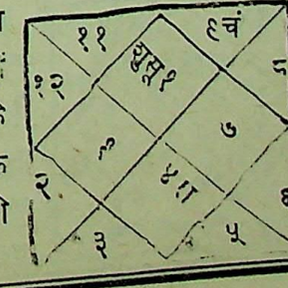

४३पं.मा.कृ११वृ.इ२३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	९	९	९	३	९
१८	६	२७	२४	२०	१०	२५	१८
४६	१९	९	२८	३	०	१	४९
३५	४४	५८	५२	५०	११	४	२९
६१	४६	६१	१३	७४	७	३	६०
४	९	ब	३७	३६	१९	११	५५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| माघ शुक्लपक्षः सं.२०१८शाकः १८८३ |दि.|उ.|अ|इं.|रा.|मु | चन्द्रः |शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः २८६३स. १६६२

१	चं	४६	३५	श्र	५ ३५	५४ ४६	व्य	५६	४६ १८	क	२४	१४	२७ ४	६ ३५	५ २५	५	२३	२६	कु.	२७	१०	वक्रीश्रवणेबुधः ६।१२ धनि.रवि. ५२ ४८
२	मं	४०	२६	श	४७	३	प	४३	४०	बा	१५	२	८	३४	२६	६	२४	३०	कुम्भे			श्रवणेभौमः ५।५१ चन्द्रदर्शनम्
३	बु	३१	४६	पू	४०	२१	शि	३२	३६	तै	६	७	१२	३४	२६	७	२५	१	मी	२७	२	भ. ५७।४० उ. रमजान ६
४	गु	२३	३७	उ	३४	४३	सि	२३	५१	वि	२३	३७	१६	३३	२७	८	२६	२	मीने			भ. २३।३७या. उदयंशनेः ५३।१४
५	शु	१७	३५	रे	३०	२३	सा	१५	४६	बा	१७	३५	२०	३२	२८	६	२७	३	मे.	३०	२३	कुम्भेभृगुः १६।४२ वसंत ५
६	श	१२	१८	अ	२७	२७	शु	८	४८	तै	१२	१८	२३	३१	२६	१०	२८	४	मेषे			धनिष्ठा. २ गुरुः ३७।५६
७	र	८	४	भ	२६	२०	शु	५ २	५५ ४३	व	८	४	२६	३१	२६	११	२६	५	वृ.	४१	२४	भ.८।४उ.३७।४० या. रथ ७
८	चं	७	१७	कृ	२६	३५	ऐं	५५	३३	ब	७	१७	३०	३०	३०	१२	३०	६	बृषे			कुम्भेऽर्कः ३६ ४३ भीष्माष्टमी पूर्वोदय बुधः ३७ १
९	मं	६	३५	रो	२८	२४	वै	५३	४६	कौ	६	३५	३४	२६	३१	१३	१	७	वृषे			
१०	बु	७	५१	मृ	३१	४७	वि	५२	५१	ग	७	५१	३८	२८	३२	१४	२	८	मि.	०।५		भ.३६।५.शते शुक्रः ३८।१५
११	गु	१०	१८	आ	३६	१६	प्री	५३	१२	वि	१०	१८	४२	२८	३२	१५	३	९	मिथुने			भ. १०।१८ या. जया. ११ ब्र.
१२	शु	१४	५	पु	४१	३६	आ	५३	४४	बा	१४	५	४६	२७	३३	१६	४	१०	क.	२५	१८	प्रदोषः
१३	श	१८	४१	पु	४८	८	सौ	५५	६	तै	१८	४१	५०	२६	३४	१७	५	११	कर्के			
१४	र	२४	२३	श्ले	५४	५६	शो	५६	४६	व	२४	२३	५४	२५	३५	१८	६	१२	सिं	५	४।५७	भ. २४ २३ उ. ५७ १४ या. मार्गीबुधः ५७ ३४
१५	चं	३०	५	म	६०	०	अ	५८	५७	ब	३०	५	५६	२५	३५	१९	७	१३	सिंहे			शते रविः २।५

४४पं.मा.शु.४बृ.इ.२३।५१

गोचरग्रहाः

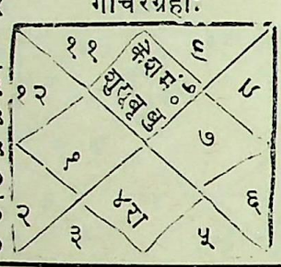

माघ शु. ८ चंद्रे कुम्भेऽर्कः प्र.वा. ३ न ४ कुमारावस्था बैठो मु ४५ (धान्यभावमंदा) शुक्रास्त पूर्वे.

गोचरग्रहाः

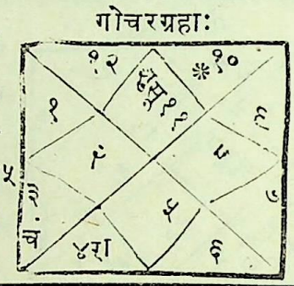

४५पं.मा.शु.११बृ.इ२४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	९	१०	९	३	१०
२	१७	१५	२७	७	११	२४	३
५९	१२	१७	५०	३६	३७	१६	०
२५	१४	२०	१०	५४	५	३२	५
६०	४५	३० २३	१३	७४	७	३	६०
४२	५७	ब्र	३७	३२	२	११	३७

ति.| फाल्गुन कृष्णपक्षः सं.२०१८ शाकः १८८३|दि.|उ.|अ|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः | शिशिरर्तौ रवि रुत्तरे माघ कृ. महा.

१	मं	३६	३०	म	२	१४	सु	६०	०	बा	३	१७	२६ १	६ २४	५ ३६	२०	८	१४	सिंहे			पश्चिमोदयं शुक्रः २१।० भौमोदयः ४७ १५ प. उ.
२	बु	४२	३७	पू	६	५२	सु	१	६	तै	६	३३	६	२३	३७	२१	६	१५	क.	२६	।४६	
३	गु	४६	३	उ	१७	१४	धृ	३	२४	व	१५	५०	१०	२२	३८	२२	१०	१६	कन्यायां			भ. १५।५० उ.४६।३ या. शु.
४	शु	५४	४८	ह	२४	२७	शू	५	३२	ब	२२	१६	१६	२१	३६	२३	११	१७	तु.	५७	।३७	धनिष्ठायां भौमः ८।२०
५	श	५६	४४	चि	३०	४८	गं	६	५४	कौ	२७	१६	२०	२०	४०	२४	१२	१८	तुलायां			धनिष्ठा. ३ कुम्भे गुरुः ३६३१
६	र	६०	०	स्वा	३६	३३	वृ	७	४२	ग	३१	४१	२४	१६	४१	२५	१३	१६	तुलायां			पूभायां शुक्रः १२।२६ उदयंगुरुः ३८ २४
६	चं	३	३८	वि	४०	४६	धु	७	४५	व	३	३८	२८	१८	४२	२६	१४	२०	बृ.	२४	।४३	भ. ३।३८ उ. ३४।५५ या. उ.गु.
७	मं	६	१३	अ	४३	३२	व्या	६	२२	ब	६	१३	३१	१८	४२	२७	१५	२१	वृश्चिके			
८	बु	६	५०	ज्ये	४४	३२	ह	५ ५१	५५ ५३	कौ	६	५०	३४	१७	४३	२८	१६	२२	ध.	४४	।३२	
९	गु	५	४३	मू	४३	३२	सि	५४	८	ग	५	४३	३८	१६	४४	१	१७	२३	धनुषि			भ. ३४।१३ उ. मार्च ३ ता. ३१
१०	शु	२	४४	पू	४०	३३	व्य	४६	५५	वि	२	४४	४२	१६	४४	२	१८	२४	म.	५४	।२३	भ. २।४४या. विजया ११ ब्र. स्मा.
११	शु	५५	७	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०			
१२	श	५१	१३	उ	३५	५२	व	३८	२६	कौ	२४	३२	४६	१५	४५	३	१६	२५	मकरे			कुम्भे भौमः ४ ३ ६ ३ श्रवणे २शनिः १ ५ ७ वि.११
१३	र	४३	१	श्र	२६	४३	प	२८	४७	ग	१७	७	५०	१४	४६	४	२०	२६	कु.	५	६।६	भ. ४ ३ पूभायां रविः १ ५ ६ ३ प्रदोषः शि.ब्र.स्मा.
१४	चं	३३	५२	ध	२२	३५	शि	१८	२२	वि	८	२६	५४	१३	४७	५	२१	२७	कुम्भे			भ. २६ धनिष्ठायां बुधः २५ ४ मीने शुक्रः १ ६ ६ *
२०	मं	२४	११	श	१४	३३	सि	१७ २	४६ ६	ना	२४	११	५८	१२	४८	६	२२	२८	मी	५	३।४४	*मार्पे २ राहुः श्रवणे ४ केतुः ११ ६ शि.ब्र.वै.

४६पं.फा.कृ.३बृ.इ.२४ २८

गोचरग्रहाः

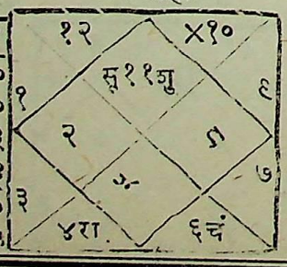

इस मास का फल साधारण है गुरु शुक्र का उदय व्यापारी वस्तुओं में घटा बढी में मंदा है

गोचरग्रहाः

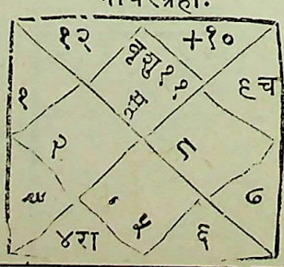

४७पं.फा.कृ.९ब.इ.२४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	१०	१०	९	३	१०
१७	२८	२०	१	२५	१३	२३	१७
६	८	३	९	६	८	३२	५
४७	४६	४७	२५	१४	५३	१	४८
६०	४६	४९	१३	७४	६	३	६०
२०	३	०	२४	२६	३०	११	१२

× के.मं.बृ.बु.श. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) * श.मं.वृ.के.बु. + मं.श.के.बु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०१८ शाकः१८८३ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः शिशिरर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः२८९३स१९६२

१	बु	१४	९	पू	४८	५३	शु	४५	३२	ब	१४	९	२९	१२	४८	७	२३ २९	मीने	चंद्रदर्शनम्
२	गु	४	४४	रे	५२	५१	शु	३५	३२	कौ	४	४४	६	११	४९	८	२४ १	मे.५२।५१	उभायांशुक्रः०।५९ पातस्पर्शं४८।५१*
३	शु	५२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	*सव्वाल १० फुलरिया २
४	शु	४९	१४	अ	४७	५६	ब्र	२६	२८	ब	२३	१	१०	१०	५०	९	२५ २	मेषे	भ.२३।१उ.४९।१४या. पातमोक्षः१।८
५	श	४४	५	भ	४४	४२	ऐं	१८	४८	ब	१६	३९	१५	९	५१	१०	२६ ३	वृ.५९।२५	कुम्भेबुधः३७धनि.४गुरुः५३।१८
६	र	४०	४६	कृ	४३	३०	वे	१३	१	कौ	१२	२५	२०	८	५२	११	२७ ४	वृषे	
७	चं	३९	२१	रा	४४	१०	वि	८	३४	ग	१०	३	२४	७	५३	१२	२८ ५	वृषे	भ. ३९।२१ उ शते भौमः २२।४
८	मं	४०	३	मृ	४७	१	प्री	५	५०	वि	९	४२	२८	६	५४	१३	२९ ६	मि१५।३५	भ. ९।४२ या. होलाष्टकः
९	बु	४२	२६	आ	५१	२	आ	४	३७	ब्रा	११	१४	३२	६	५४	१४	३० ७	मिथुने	मीनेऽर्कः १७।११
१०	गु	४६	२६	पु	५६	३८	सौ	४	४७	तै	१४	२६	३६	५	५५	१५	१ ८	क.४०।१४	शते बुधः २९।४६
११	शु	५१	२७	पु	६०	०	शो	५	३२	व	१८	५६	४०	४	५६	१६	२ ९	कर्के	भ.५९उ५१या.आमलकी११स्मा.वै.
१२	श	५७	३०	पु	३	९	अ	७	१७	ब	२४	२८	४४	३	५७	१७	३ १०	कर्के	उभायांसूर्यः३७आमलकी११ब्र. नि.
१३	र	६०	०	श्ले	१०	२७	सु	९	२१	कौ	३०	३२	४८	२	५८	१८	४ ११	सिं१०।२७	रेवत्यांशुक्रः ४५।३ प्र. ब्र.
१३	चं	३	३५	म	१७	५२	धृ	११	३७	तै	३	३५	५३	२	५८	१९	५ १२	सिंहे	
१४	मं	१०	४	पू	२५	२०	शू	१३	५७	व	१०	४	५८	१	५९	२०	६ १३	कं ४१।५५	भ.१०।४उ.४३।७या.होलिकादहनं=
१५	बु	१६	१०	उ	३१	४१	गं	१६	२३	ब	१६	१०	३०	०	०	२१	७ १४	कन्यायाँ	छारेंडी = भद्रोत्तरे

४८पं.फा.शु.२बृ.इ.२४/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	१०	१२	९	३	१०
२४	३	२७	२	३	१३	२३	२४
८	३७	२९	४७	४९	५२	९	६
१०	४१	५२	२	४४	३३	४६	४
६०	४५	६७	१२	७४	६	३	५९
५	८	४८	१८	२६	१७	११	५८

गोचरग्रहाः

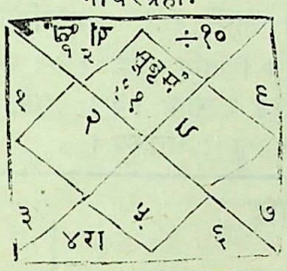

फा. शु. ९ बुधे
मीनेऽर्कः प्र.वा.
३ न.३ वारनाम
गतालकावस्था उभी
मु.१५ धान्य भाव
तेज शुक्रो. प.

गोचरग्रहाः

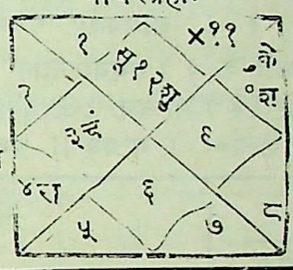

४९पं.फा.शु.१०बृ इ.२५/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	१०	११	९	३	११
१	९	६	४	१२	१४	२२	१
७	६	३३	२३	३२	३२	४७	५
५२	५६	४७	२८	१०	४२	३०	४
५९	४६	८२	१२	७४	५	३	५९
४९	८	५४	२	२६	५३	११	४९

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | बसंतर्तुः रविरुत्तरे फाल्गुन कृ. महा.

१	गु	२२	११	ह	३८	४२	वृ	१८	१	कौ	२२	११	३०	६	५९	६	२२ ८ १५	कन्यायां	बसन्त १
२	शु	२७	१८	चि	४५	५०	ध्रु	१९	३२	ग	२७	१८	१०	५८	१	२३	९ १६	तु.१२।४६	भ. ५९।३१ उ.
३	श	३१	४६	स्वा	५१	२३	व्या	२०	९	वि	३१	४६	१४	५७	३	२४	१० १७	तुलायां	भ.३१या.पूभायां.बुधः३६।४०च.व्र.
४	र	३५	२३	वि	५५	५६	ह	२०	११	ब	३	३४	१८	५६	४	२५	११ १८	वृ.३९।३८	शते १ गुरुः ४९।१७
५	चं	३७	४४	अ	५९	१८	व	१९	२३	कौ	६	३३	२२	५६	४	२६	१२ १९	वृश्चिके	
६	मं	३८	५७	ज्ये	६०	०	सि	१७	३८	ग	८	२०	२६	५५	५	२७	१३ २०	वृश्चिके	भ. ३८।५७ उ.
७	बु	३८	३६	ज्ये	१	१९	व्य	१४	४२	वि	८	४६	३०	५४	६	२८	१४ २१	ध.१।१९	भ. ८।४६ या. शीतलापूजनम्
८	गु	३६	५४	मू	१	५४	व	१०	५०	ब्रा	७	४५	३४	५३	७	२९	१५ २२	धनुषि	पूभा.भौमः१३मेषेऽश्विन्यां च शुक्रः३१।४
९	शु	३३	३६	पू	०	५७	प	२२	२०	तै	५	१५	३८	५२	८	३०	१६ २३	म.१५।४८	मीने बुधः २५।५९
१०	श	२८	३७	अ	५४	१४	सि	५०	५८	वि	१	७	४२	५२	८	३१	१७ २४	मकरे	भ.१।७उ.२३या.रेवत्यांरविः५।१७
११	र	२२	१४	ध	४८	३६	सा	४२	३	ब्रा	२२	४	४६	५१	९	१	१८ २५	कु.२१।२५	अप्रेल४ता३०उभा.बुधः३१पा.मो.११ब्र
१२	चं	१४	२९	श	४२	१२	शु	३२	२१	तै	१४	२९	५०	५०	१०	२	१९ २६	कुम्भे	प्रदोषः पूर्वास्तं बुधः ४३।५०
१३	मं	५	४२	पू	३४	५६	शु	२१	४५	व	५	४२	५५	४९	११	३	२० २७	मी२१।४५	भ. ५।४२ उ. ३१।१ या.
१४	मं	५०	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	
३०	बु	४६	४४	उ	२७	२३	रे	११	१०	च	२१	३२	०	४८	१२	४	२१ २८	मीने	मन्वादिःकेतकीअहर्गणः२९२१चक्रः४

५०प.चै.कृ १वृ.इ. २५/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	१०	११	९	३	११
८	१४	१६	५	२१	१५	२२	८
५	३६	५३	५७	१४	१०	२५	३
४७	२९	५६	१४	१३	४८	१४	२०
५९	४६	८५	१२	७४	५	३	५९
३५	८	५	३६	२३	२४	११	२९

गोचरग्रहाः

इस मास का फल अच्छा रहे गा प्रजा में सुख शांति बढ़ेगी धा न्यादि में कुछ महर्घता आयेगी।

गोचरग्रहाः

५२पं.चै.कृ.८बृ.इ.२५/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	१०	११	९	३	११
१५	२०	२८	७	२९	१५	२२	१४
१	४	२४	२७	५३	४५	२	५९
८	५२	५९	२९	५०	४२	२९	५९
५९	४६	९५	१२	७४	४	३	५९
१८	४	३५	१५	२०	५७	११	१६

÷ श.के.बु. * बु.मं.वृ. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) +वृ.बु.म. × बृ.मं.बु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६३ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६३ भोग्यकलिः ४२६९३७ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०१९ शाकः १८८४ अथाऽस्मिन्वर्षेराजागुरुः । मंत्री शुक्रः । सस्येशश्चंद्रः । धान्येशोशनिः । मेघेशःशुक्रः । रसेशोबुधः । नीरसेशश्चंद्र । फलेशोगुरुः । धनेशश्चन्द्रः । दुर्गेशः शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ९ राक्षस नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ४।३।४३।१२ भोग्यमासादिः ७।२६।१६।४८ वर्षनाम श्रावणः । मेघ ३ पुष्कर, । समयनिवासो रजकगृहे । रोहिणी निवासस्तटे । समय विश्वा २० । समय वाहनंचातकः । स्तम्भ २ जलवाव्वोः सोमवत्यमां १ । सोमवती पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३०० । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १७ । तिथि वृद्धिः १२ । उत्पत्ति विश्वा ८७ । खपति विश्वा ११४ । वर्षा विश्वा ११ । धान्यम् १७. तृणम् १७. शीतम् ५. तेज ५ वायुः १३ । शनि दृष्टिरुतरे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं-१०९ सत्यम् ॥. धर्म १॥. पाप १८ । ग्रहणे १ चन्द्रस्य ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	११	५९	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ८।१४

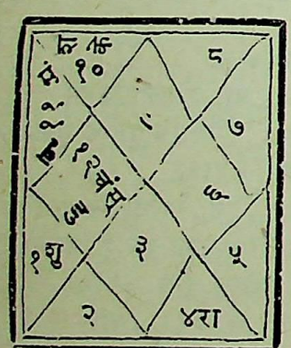

पौष शु.१५ यांबुधे स्वल्पग्रास चंद्रग्रहणम् विश्वा ०।३२

		स्प.	म	मो.
उज्जयिनी मध्यमकालः	घ.	५५	५६	५६
	पल	४५	११	३७
रेल्वेटाइम मध्यान्हे	घं.	४	४	५
	मि.	४५	५५	६

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तू जग सर्जनहार ।
नव संवत् फल जानने आया भैरव द्वार ॥

भवानी उत्तर

आ भैरव नव वर्ष फल कहूँ तुझे समझाय ।
शुभफल ज्यादा जानियो संवत् उन्नीस मांय ॥
अधिक लिया इसवर्षमेंसौम्यग्रहां अधिकार ।
चहुँदिशि सुख-संपति बढे जगआनन्दअपार ॥
राजा गुरु मंत्री भृगु मेघ पति भये शुक्र ।
दोनों के शुभ योग से विनशे जगत् कुचक्र ॥
सस्य पति शशिजी भये संवत् विश्वा बीस ।
जल-वायु के स्तम्भ दो वर्षा विश्वा ईश(११)॥
समय निवासो रजकघर रोहिणी तटनिर्धार ।
उत्तम वर्षा योग से नदियाँ बहे अपार ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कु	मी
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् ७।१३

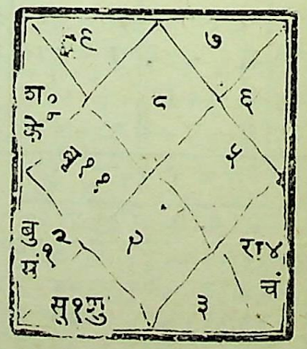

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१८।५२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाऽस्मिन्वर्षे राजागुरुस्तत्फलम्—गुरौनृपे वर्षतिकामदं जलं महीतले काम दुधाश्च धेनवः, यजन्ति विप्राः बहवोऽग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषुवर्तते। मंत्री शुक्रस्तत्फलम्—भृगुसुतेननु मंत्री पदंगते शलभ मूषकरावथ माहिषैः। भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषुजलं सरितोऽधिकम्। सस्येशस्चन्द्रस्तत्फलम्, सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघाःपयोमुंचति गोपगोधुक्। देवद्विजाराधन तत्परानृपा धरा भवेद्धान्य धनौघपूर्णा। धान्येथःशनिस्तत्फलम्—दुर्भिक्षं जायते तत्र कलहं देशविग्रहम् सौराष्ट्र देश नष्टश्च यत्र धान्याधिपःशनिः। मेघेशःशुक्रस्तत्फलम्—भृगुसुते जलदस्यपतियेदा जलयुतो जलदा दिविशोभनाः। धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकः। रसेशोबुधस्तत्फलम्—रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्यघृतादि युताजनाः। प्रभुदितावरनायकपालिता बहुजलाखिलदेश-सुरक्षिताः। नीरसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्—शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्तारजत वाससाम्। अर्घवृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे। फलेशोगुरुस्तत्फलम्—सुरगुरुःफल नायकतांगतो गतभया वनराशि महाद्रुमाः, यजन याजनकोत्सव मंदिराः श्रुतिविचारपरा द्विजपूर्वका। धनेशचन्द्रस्तत्फलम्—धनपतिर्मृग लांछनकोयदा रसचयात् क्रयविक्रयतोधनम्। वसनशालयुगं धनजंबहु द्रविण तैल घृतं नृपसौख्यकम्। दुर्गेशो भृगुस्तत्फलम्—नरवरेषुविशेषपतिर्यदा भृगुसुतो वहुसौख्य करोमतः। वनयवाणिजगेह समःसुखो गतवनंनिकटेपिच दूरतः। वर्षनामश्रावणस्तत्फलम्—मनोल्हादं प्रकुर्वन्तिजनाः सौख्यसमायुताः, श्रावणे वृष्टिरत्युग्रा गोमाहिष्यादिकं सुखम्। राक्षस नाम संवत्सरस्तत्फलम्—राक्षासाब्देऽखिलालोका राक्षसा इव निष्कृपाः, इन्द्रोपि नजलंदद्यात् सुभिक्षं नैव जायते। मेघनाम पुष्करस्तत्फलम्-पुष्करेमन्दवृष्टिश्च। रोहिणी निवासःस्तटेफलम्—तटेवृष्टिः सुशोभनाः। समय निवासोरजकगृहेफलम्—रजके वृष्टिरुत्तमा। एवसचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयंशुभाऽशुभम्।

सं० २०१९ शाके १८८४ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चै.शु. १२ च उफायां.ल.९ रे.८ऽसू।।।।।।।ऽक्रां।गणि-
तेन क्रांसाम्याऽभावः घ. ४५।४३ या.
,, १३ मं उफायां. ल.९रे.९ऽसू।।।।।।।।
वै.कृ. ६ गुरौ उषायां. ल.११रे. ८।।।।।मोह।।शनिपू.
वै.शु. ३ सूर्ये मृगे ल.११रे. ९।।।।ऽनृ।।।। शनि१२पू.
,, ११ भौमे हस्ते ल.गो.रे.९।।।।।।ऽ।।।
ज्ये.कृ. २ चन्द्रे मूले. ल.गो.रे.७ ।।।ऽऽचोऽ।।।
,, ४ बुधे उषायां. ल.गो. १२रे.६।।।ऽबु।ऽरो.
ऽऽउल्का ।। (आवश्यके) पादतो वेधाऽभाव
,, १० भौमे रेव. ल. ऽन्यगो. रे.८।।।।।ऽऽकुलिश।।
ज्ये.शु. ८ सूर्ये उफायां ल. गो. रे.९।।।।।।।ऽशूल।।
,, ११ गुरौ स्वात्यां ल.ऽन्यगोरे.७।।।ऽगु।ऽग्निऽ।।।
आ.कृ. ७ सूर्ये उभायां.ल.ऽन्यगो. २ रे.८।।।।।।ऽ।ऽऽवृष
लग्ने शु.पू.
,, शु ५ शनौ उफायां. ल. १ रे.१०।।।।।।।।। रा.पू.
,, ९ बुधे स्वात्यां ल.गो.रे.८।।।ऽगु।।ऽ।।। पादतो वे.
मा.कृ. १० बुधे उफायां ल.७रे.८ऽशु।।।।।।ऽ।। भौ.पू.
,, ११ गुरौ हस्ते ल.ऽन्यगो.रे.७।। ।।ऽचौऽऽ।।
,, १ बुधे मूले ल.६रे.९।।।।।।ऽ।।
मा.शु. २ गुरौ मूले ल.५रे.८।।।।।ऽनृऽ।।। घ.४३।११याः
गुरु शुक्रौ मध्यमौ
मा.कृ. ५ चन्द्रे उफायां ल.८रे.९।।।।।।।ऽउल्का।।।
,, ६ बुधे हस्ते ल.८रे. ७ऽ।।।ऽग्निऽ।।।
,, १० सूर्ये अनु. यां.ल.६रे.६।ऽ।।।ऽऽऽ।।
,, १२ भौमे मूले रे. ७।।।ऽचं।ऽरो.ऽ।।।ल.६
घ. ३७।३८ उप.
मा.शु. ४ भौमे उभायां.ल.८रे.७।।।।।ऽचोऽऽ।।
,, ५ बुधे रेवत्यां ल.८रे. १०।।।।।।।।।
,, १० सूर्ये रोहिण्यां ल.६रे.७।।।।ऽग्निाऽऽ।
फा.कृ. ३ चंद्रे उफायां.ल.८रे.७।।।।ऽगुऽऽ।।।
,, ६ गुरौ स्वात्यां ल.८रे.६ऽऽ।।ऽ।।ऽक्रां।
गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावःआवश्वके
,, ७ शनौ अनु.यां.रे ८।।।।।ऽनृ।ऽ।।ल.७शु.मं.पूज्यौ.
,, ८ सूर्ये अनु.यांल.ऽन्यगो.६रे.८।।।।।ऽनृ।ऽ।।
,, १० भौमे मूले ल.ऽन्यगो.६रे.८ ।।।।।ऽऽ।।
फा.शु. २ चन्द्रे उभायां.ल.६ (३५घ.या.)
रे.७ऽ।।।ऽनृ।।। चं. पू.
,, ३ भौमे रेवत्यां रे.१०।।।।।।।।। ल. ६ चं.पू.
लग्न ८ तत्र रेखा ९.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त.	चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०१६ शाकः १८८४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः २६२२स. १६६२
१	गु ३७ ३१ रे २० ८ ऐं ३६ ५३ कि १२ ७ ३१ ४ ४७ १३ ६	५	२२	२६	मे. २०।८	संवत्सरारम्भ नवरात्रारं.
२	शु २६ १८ अ १३ ४१ वि ४१ ५७ बा ३ २५ ८ ४६ १४	६	२३	३०	मेषे	चन्द्रदर्शनम् मत्स्यज सिंधारा
३	श २२ २६ भ ६ १२ प्री ३४ ११ ग २२ २६ १२ ४६ १४	७	२४	१	बु २३।१८	भ. ४६।५६ उ. गौरोब्र. जिल्काद ११
४	र १७ २४ कृ ५ ३७ आ २७ ५६ वि १७ २४ १६ ४५ १५	८	२५	२	वृषे	भ. १७।२४ या. रेवत्यांबुधः ३६।५०
५	चं १४ ३४ रो ४ ११ सौ २३ ५२ बा १४ ३४ २० ४४ १६	६	२६	३	मि ३४।४४	भरण्यांशुक्रः १७।५७ कल्पादिः
६	मं १३ ५८ मृ ५ १७ शो २१ ५ ति १३ ५८ २४ ४३ १७	१०	२७	४	मिथुने	श्रवणेऽशनि ५३।४६ शते २ गुरुः २६।४६
७	बु १५ ८ आ ८ ७ अ २० ५ व १५ ८ २८ ४२ १८	११	२८	५	क. ५६।४४	भ. १५।८ उ. ४६।५० या. मौनेभौमः २५
८	गु १८ ३२ पु १२ ५७ सु २० ३१ ब १८ ३२ ३२ ४२ १८	१२	२६	६	कर्के	
६	शु २३ १६ पु १६ १ धृ २१ ४५ की २३ १६ २६ ४१ १६	१३	३०	७	कर्के	मेषेऽश्विन्यायामर्कः ३६।४६ रामनवमी
१०	श २६ १२ श्ले २६ २२ शू २४ ६ ग २६ १२ ४० ४० २०	१४	१	८	सिं. २६।२२	[= ब्र. पातस्पर्श ४२।५७ मोक्षः ५६।१
११	र ३५ २६ म ३३ ४७ गं २६ २६ व २ १६ ४४ ३६ २१	१५	२	६	सिंहे	भ. २।१६ उ. ३५।२६ या. उभायांभौमः *
१२	चं ४१ ५४ पू ४१ ३३ बृ २६ ३ ब ८ ४० ४८ ३६ २१	१६	३	१०	क. ५८।२०	[* ३०।२२ मेषेबुधः ७।१३ कामदा ११=
१३	मं ४७ ५६ उ ४८ ४३ ध्रु ३१ १५ की १४ ५७ ५१ ३८ २२	१७	४	११	कन्यायां	प्रदोष ब्र.
१४	बु ५३ ३३ ह ५५ ३३ व्या ३३ ७ ग २० २६ ५४ ३७ २३	१८	५	१२	कन्याया	भ. ५३।३३ उ.
१५	गु ५८ ६ चि ६० ० ह ३४ २१ वि २५ ४६ ५८ ३६ २४	१६	६	१३	तु. २८।३०	भ. २५।४६ या. मध्वादि हनुमज्जयंति

५२पं. चै.शु. १ कृ.इ. २६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	१०	०	९	३	११
२१	२५	१०	८	८	१६	२१	२१
५६	३२	५९	५५	३३	१६	४०	५३
३	५३	७	३७	२५	५१	४३	२९
५९	४५	०	११	७४	४	३	५१
४	५९	३	४७	१४	२०	११	४

गोचरग्रहाः

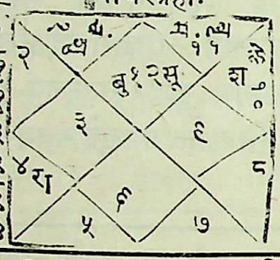

चैत्र शु. ६ शुक्रे मेषेर्कः प्र. वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. १५ (धान्यभावसम) शुक्रोदयं पश्चिमे ।

गोचरग्रहाः

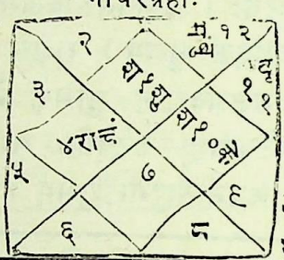

१ पं. चै. शु. ६ कृ. इ. ४२।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	१०	०	९	३	०
०	१	२७	१०	१८	१६	२१	०
२	५७	१९	३६	३७	५०	१४	०
१२	३	४	१	३४	३४	४५	०
५८	४५	०	११	७४	३	३	५८
४५	४९	३	४	२	४६	११	४४

ति	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०१६ शाकः १८०५	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविर्दक्षिणे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु ६० ० चि १ २७ व ३४ ३६ बा २६ ५८ ३२ २६ २४	२०	७	१४	तुलायां	कृत्तिकायां शुक्रः १०।२८
१	श १५० स्वा ६ २७ सि ३४ २१ की १ ५० ६ ३५ २५	२१	८	१५	बृ. ५.४।२०	भरण्यां बुधः १४।५७
२	र ४ ३८ वि १० १८ व्य ३३ १५ ग ४ ३८ १० ३४ २६	२२	९	१६	वृश्चिके	भ. ३५।२२ उ. वृषेशुक्रः ५२।३७ च. ब्र.
३	चं ६ ५ अ १३ २१ व ३१ २३ वि ६ ५ १४ ३३ २७	२३	१०	१७	वृश्चिके	भ. ६।५ या.
४	मं ६ ३६ ज्ये १५ २० प २८ ३५ बा ६ ३६ १८ ३२ २८	२४	११	१८	ध. १५।२०	
५	बु ६ ५ मू १६ १५ शि २४ ५६ तै ६ ५ २० ३२ २८	२५	१२	१९	धनुषि	
६	गु ४ २८ पू १६ ३ सि २० ३६ च ४ २८ २६ ३१ २६	२६	१३	२०	म. ३०।४२	भ. ४।२८ उ. ३३।१२ या.
७	शु १ ५५ उ १४ ३८ सा १५ १० ब १ ५५ २६ ३० ३०	२७	१४	२१	मकरे	कृतिकायांबुधः २६।४२ भरण्याँ रविः *
८	शु ५६ १३ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०			०	[* २१।१३ पश्चिमोदयंबुधः ३६।३०
६	श ५३ १५ श्र १२ १८ शु ८ ५३ ति २५ ४४ ३३ २६ ३१	२८	१५	२२	कु. ४१।३६	शते ३ गुरुः ४०।५४
१०	र ४७ १७ ध १० ५४ शु ४ २ १ ५ ३ व २० १६ ३६ २६ ३२	२६	१६	२३	कुम्भे	भ. २०/६ उ. ४७/१७ या. वृषेबुधः २१।२०
११	चं ४० ४ श ४/८ ५५/२ ए ४५ ११ ब १३ ४० ४० २८ ३२	३०	१७	२४	मी ४५।२६	वरुथिनीं ११ ब्र.
१२	मं ३२ ५३ उ ५२ ५६ वै ३५ ५४ की ६ २८ ४३ २७ ३३	१	१८	२५	मीने	मई ५ ता. ३१ रोहिण्यांशुक्रः २।३६
१३	बु २४ २४ रे ४६ ४६ वि २६ २१ ग २४ २४ ४६ २७ ३३	२	१९	२६	मे. ४६।४६	भ. २४।२४ उ. ५०।१६ या. रेवत्यांभौमः ४/५२
१४	गु १६ १४ अ ४० ३६ प्री १६ ५६ शू १६ १४ ५० २६ ३४	३	२०	२७	मेषे	
२०	शु ८ ६ भ ३५ १८ आ ७/५ ५/१ ना ८ ६ ५४ २५ ३५	४	२१	२८	वृ. ४६।१६	रोहिण्यां बुधः ५२।२

२पं. वै. कृ. १ शु. इ. ४२।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१०	०	९	३	०
६	७	१२	११	२७	१७	२०	६
५२	२३	११	५५	१९	१३	५२	५०
२३	४५	२४	५८	४८	८	३०	४१
५८	४५	५९	१०	७३	६	३	५८
२९	५५	५	२४	५८	३	११	३१

३पं. वै. कृ. ७ शु. इ. ४२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१०	१	९	३	०
१३	१२	२६	१३	५	१७	२०	१३
४०	४८	४५	१०	५४	३१	३०	३९
४८	३६	५०	३०	१८	३३	१४	४२
५८	४५	५९	९	७३	२	३	५८
१२	५५	५	४७	५६	२७	११	१९

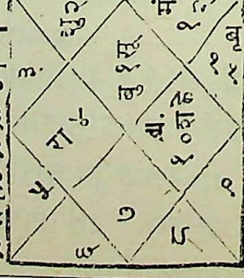

४पं. वै कृ. ३० शु. इ ४२।५२

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	१०	१	९	३	०
२०	१८	९	१४	१४	१७	२०	२०
३७	११	४४	२०	२७	४५	७	२७
२८	२७	४९	१३	७	२१	५८	२०
५७	४५	९९	९	७३	१	३	५८
५७	४४	२२	२	४६	४७	११	६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं २०१९ शाकः १८८४ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः वसन्तर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः २९५२सन् १९६२

| | | |

ति.| ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं.२०१६ शाकः १८८४ |दि.उ.|अ|इं.रा.मु.| चंद्रः | ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २६८१स.१६६२

१	र	२६	५५	मृ	५०	५४	धृ	१२	५५	ब	२६	५५	३४/१०	१	५०	६	३	२०	२६	मि.२१।२७	पुनर्वसौ शुक्रः ८।२५
२	चं	२४	४५	आ	५१	१८	शू	८	२८	कौ	२४	४५	११	१	५०		४	२१	३०	मिथुने	चंद्रदर्शनम्
३	मं	२४	१७	पु	५३	३६	ग	५	२३	ग	२४	१७	१२	१	५०		५	२२	१	क. ३८।२	भ.५५।४उ मोहरम१ सन्१३८२
४	बु	२५	५१	पु	५७	४६	वृ	४	५०	वि	२५	५१	१३		५१		६	२३	२	कर्के	भ.२५।५१या.वक्रीरोहिण्यांबुधः२३।७
५	गु	२६	०	श्ले	६०	०	शु	३	२१	ब्रा	२६	०	१५		५१		७	२४	३	कर्के	भरण्यां भौमः ३।०
६	शु	३४	४०	श्ले	२	२६	व्या	४	२५	कौ	१	५०	१६		५१		८	२५	४	सिं २।२६	मृगेरविः १।५३
७	श	३६	२०	म	१०	५	ह	६	७	ग	७	०	१६		५१		६	२६	५	सिंहे	भ. ३६।२० उ.
८	र	४५	३२	पू	१७	३५	व	८	२६	वि	१२	२६	१७		५१		१०	२७	६	क.३४।२४	भ. १२।२६ या.
९	चं	५१	३५	उ	२५	४	सि	१०	५३	ब्रा	१८	३३	१८		५२		११	२८	७	कन्यायां	कर्केशुक्रः २६।३१
१०	मं	५७	८	ह	३३	८	व्य	१३	६	तै	२४	२१	१६		५२		१२	२६	८	कन्यायां	गंगादशमी
११	बु	६०	०	चि	३६	२५	व	१४	५३	व	२६	२२	२०		५२		१३	३०	९	तु. ६।१७	भ.२६।२२उ.निर्जला११व्र. स्मा.
११	गु		१	३७	स्वा	४४	२४	प	१५	२५	वि	१	३७	२१		८	५२	१४	३१	१०	तुलायां	भ.३७/३या.पुष्येशुक्रः२३/३निर्जला११व्र.वै.
१२	शु		४	२१	वि	४७	४५	शि	१४	५६	ग्रा	४	२१	२२		८	५२	१५	३२	११	वृ. ३१।५५	मिथुनेऽर्कः २।४१
१३	श		५	४७	अ	४६	३३	सि	१३	७	तै	५	४७	२२		८	५२	१६	१	१२	वृश्चिके	पूर्वोदयं बुधः ३०।५६
१४	र		५	१८	ज्ये	४६	३८	सा	१०	४	व	५	१८	२२		८	५२	१७	२	१३	ध.४६।३८	भ. ५।१८ उ. ३४।२० या.
१५	चं		३	२१	मृ	४८	३२	शु	५	४८	ब	३	२१	२३		७	५३	१८	३	१४	धनुषि	मन्वादिः वटसावित्री व्र. गुर्जराणां

९ पं.ज्ये.शु६शु इ ४३।२५

गोचरग्रहः

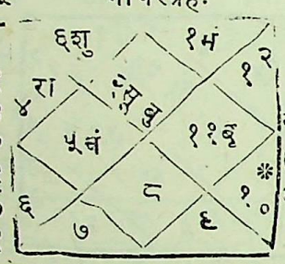

ज्येष्ठ शु. १२शुक्रे-मिथुनेऽर्कः प्र.वा.५ न.५ कुमारावस्था (बैठी) मु.४५(धान्य भावसम) शुक्रोदयं पश्चिमे।

गोचरग्रहाः

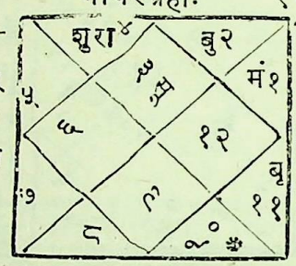

१० पं.ज्ये.शु.१२शु.इ४३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१०	३	९	३	२
०	१९	१८	१८	४	१७	१७	०
३८	४३	५०	५६	५७	२९	५४	४८
४२	५१	९	१६	२४	४९	२५	२६
५६	४४	३८/१०	२	७२	२/२०	३	५७
५७	३३	ब	३६	५	ब	११	१७

ति.| आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८४ |दि.|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेज्येष्ठकृष्णेति.महाराष्ट्राः

१	म	०	६	पू	४६	२२	रा	३६/०	५४/०	कौ	०	६	३४/२३	५	५३	६/३	१६	४	१५	धनुषि	
२	मं	५५	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	बु	५०	५८	उ	४३	२४	ऐं	४८	१	व	२३	२७	२३	७	५३	२०	५	१६		म. ०।४५	भ.२३/२७उ.५०/५८या.मार्गीबुधः५२।५६
४	गु	४५	३३	श्र	४०	१०	वै	४१	५	ब	१८	१५	२४	७	५३	२१	६	१७		मकरे	च. व्र.
५	शु	४०	०	ध	३६	४१	वि	२४	७	कौ	१२	४६	२४	७	५३	२२	७	१८		कु.८।२५	आर्द्रायांरविः ४।१३
६	श	३४	३६	श	३३	५	प्री	२७	१०	ग	७	२०	२४	७	५३	२३	८	१६		कुम्भे	भ. ३४।३६ उ.
७	र	२६	६	पू	२६	४४	आ	२०	११	वि	१	५४	२४	७	५३	२४	६	२०		मी १५।३४	भ. १।५४ या.
८	चं	२३	५६	उ	२६	२२	सौ	१३	५	कौ	२३	५६	२३	७	५३	२५	१०	२१		मीने	कृत्तिकायांभौमः १२।११सार्पेशुक्रः ३६/४१
९	मं	१८	३७	रे	२३	२	शो	६/४	५३/२८	ग	१८	३७	२३	७	५३	२६	११	२२		मे. २३।२	भ. ४६।७ उ.
१०	बु	१३	३८	अ	२०	६	सु	५२	५७	वि	१३	३८	२३	७	५३	२७	१२	२३		मेषे	भ. १३।३८ या.
११	गु	८	५२	भ	१७	३१	धृ	४६	५४	ब्रा	८	५२	२३	७	५३	२८	१३	२४		वृ. ३१।५८	योगिनी ११ व्र.
१२	शु	४	३६	कृ	१५	२१	शू	४१	२४	तै	४	३६	२२	८	५२	२९	१४	२५		वृषे	वृषे भौमः ५२।१९ प्रदोष व्र.
१३	शु	१	७	रो	१३	४९	ग	३६	२५	व	१	७	२१	८	५२	३०	१५	२६		मि.४३।४७	भ.७उ.२९/४या.मृगेबुधः५३/७वक्रीगुरु.४।१
१४	श	५७	१५		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	र	५६	५९	मृ	१३	४४	बृ	३२	४४	च	२७	४०	२०	८	५२	१	१६	२७		मिथुने	जुलाई ७ ता. ३१

११पं.आ.कृ५शु.इ. ४३।२१

गोचरग्रहाः

इस मास का फल श्रेष्ठ रहेगा। धान्यादि के भाव मन्दे होंगे।

गोचरग्रहः

५२पं.आ.कृ१२.शुइ४३।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१०	३	९	३	२
१३	२९	२२	१९	२१	१६	१७	१४
५५	५३	२९	२२	२५	४९	९	९
१३	२४	२८	३७	३०	५५	४४	५१
५६	४३	४३	४/०	७/३५	३	३	५७
५०	५१	४८	मा	१५	ब	११	७

*१० के श

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*१० के श

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त. आषाढ शुक्लपक्षः सं०२०१६ शाकः १८८४ | दि. | उ.अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३०१०सन् १९६२

| | | |

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं.२०१६शाकः १८८४ | दि. उ. अ | इं. रा. मु | चन्द्रः | वर्षर्तुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०४०स. १६६२

१	बु	३१	४२	श्ले	४३	४६	व्य	४८	४३	कं	०	३	३३ ५ ६	२०	४०	१	१६ २६
२	गु	३६	३१	म	४६	३५	व	५०	८	बा	४	६	१५	२१	३६	२	१७ ३०
३	शु	४१	४८	पू	५६	५२	प	५१	४४	तै	६	६	१२	२२	३८	३	१८ १
४	श	४७	५५	उ	६०	०	शि	५४	३	व	१४	५१	६	२२	३८	४	१६ २
५	र	५४	५	उ	४	२४	सि	५६	४४	ब	२१	०	६	२३	३७	५	२० ३
६	चं	६०	०	ह	१२	५	सा	५६	१७	कौ	२७	१०	३	२३	३७	६	२१ ४
६	मं	०	१६	चि	१६	३१	शु	६०	०	तै	०	१६	०	२४	३६	७	२२ ५
७	बु	५	३६	स्वा	२६	३	शु	१	२०	व	५	३६	३३ ५ ७	२५	३५	८	२३ ६
८	गु	६	४४	वि	३१	२३	शु	२	१८	ब	६	४४	३३ ५ ४	२५	३५	६	२४ ७
६	शु	१२	२४	अ	३५	१	व	२	१३	कौ	१२	२४	३३ ५ ०	२६	३४	१०	२५ ८
१०	श	१३	१	ज्ये	३६	६	ऐं	३८	५७	ग	१३	१	३३ ४ ७	२७	३३	११	२६ ६
११	र	११	४०	मू	३६	१८	वि	५२	५२	वि	११	४०	३३ ४ ४	२७	३३	१२	२७ १०
१२	चं	८	२	पू	३४	२	प्री	४६	३८	बा	८	२	३३ ४ ०	२८	३२	१३	२८ ११
१३	मं	२	४४	उ	२६	५५	आ	३८	५०	तै	२	४४	३३ ६	२६	३१	१४	२६ १२
१४	मं	५३	१	०	०	०	८	८	८	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१५	बु	४७	२८	श्र	२४	२७	सौ	२६	५६	वि	२१	३६	३२	३०	३०	१५	३० १३

सि ४३।४६ | सिंहे | सिंहे | क. १३।४५ | कन्यायां | तु. ४५।४८ | तुलायां | तुलायां | बृ. १५।३ | वृश्चिके | ध. ३६।६ | धनुषि | म. ४८।० | मकरे | ० | कु. ५१।१४

अग. ८ ता. २१ *३६।२२चन्द्रदर्शनम्
मृगशीर्षेभौमः २१।३६ कन्यायां शुक्रः*
अश्ले. रविः ३/६तीज. रविलाबल ३
भ. १४।५१उ. ४७।५५या. वरद ४
नाग पंचमी
+पश्चिमोदयी बुधः २८ ५२
मघायां सिंहे च बुधः १६।२
भ. ५।३६ उ. ३७।४० या.
≡१३।४० पवित्रा ११ ब्र.
भ. ४२।२१उ. हस्ते शुक्रः ४२।२६ +
भ. ११।४० या. मिथुने भौमः≡
वक्री शते ३ गुरुः ५३।१ प्रदोषः ब्र.
भ. ५५।४५ फूफायां बुधः ३२।१३
भ. ३१/३६या. श्रावणी कर्म रक्षाबन्धन

१७पं.श्रा.शु.३शु.इ.४२/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	१०	५	९	३	३
१७	४	२३	१७	१	१४	१५	१७
८	१६	९	४४	४	२५	१८	२४
४७	२२	४८	३१	९	३३	३६	१८
५७	४१	०/३८	५/१९	६६	४०	३	५७
१२	४४		ब	५९	ब	११	२४

गोचरग्रहाः

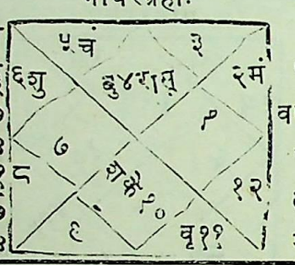

इस पक्ष का फल उत्तम है वर्षा श्रेष्ठ होगी रुई चांदी सोना लोहा तांबा में साधारण मंदे होंगे।

गोचरग्रहाः

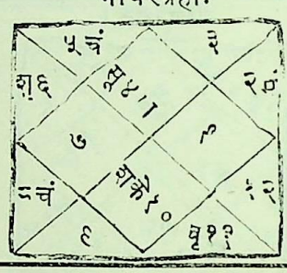

१८पं.श्रा.शु.६शु.इ.४२।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	१०	५	९	३	३
२३	२८	६	१७	८	१३	१४	२४
४९	५७	३१	१	५४	५४	५६	१६
५४	३२	४	२३	३	३६	२०	२६
५७	४१	०/४८	५/४४	६५	३/३५	३	५७
२२	६		ब	३५	ब	११	३३

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं.२०१६ शाकः १८८४ | दि. उ. अ | इं. रा. मु. | चन्द्रः | वर्षर्तुः रविर्दक्षिणे श्रावण कृ. महा.

१	गु	३८	३६	ध	१८	१	शो	२०	३१	वा	१३	३	३२ २६	५ ३०	६	१६	३१ १४
२	शु	२६	४४	श	११	८	अ	१०	३०	तै	४	१२	२६	३१	२६	१७	३२ १५
३	श	२०	५७	पू	५७	०/५४	सु	२८	०/२१	वि	२०	५७	२२	३२	२८	१८	१ १६
४	र	१२	६	रे	५२	२५	शू	४१	४२	वा	१२	५६	६	३२	२८	१६	२ १७
५	चं	५	४७	अ	४८	१	गं	३३	२३	तै	५	४७	१५	३३	२७	२०	३ १८
६	चं	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
७	मं	५५	१६	भ	४५	३	वृ	२६	११	वि	२७	३७	१२	३४	२६	२१	४ १६
८	बु	५२	१५	कृ	४३	२१	धु	२०	८	वा	२३	८	६	३४	२६	२२	५ २०
६	गु	५०	२४	रो	४३	११	व्या	१५	६	तै	२१	१६	४	३५	२५	२३	६ २१
१०	शु	४६	५८	मृ	४४	१	ह	११	२०	व	२०	११	०	३६	२४	२४	७ २२
११	श	५०	५२	आ	४६	२८	वृ	८	३०	ब	२०	२५	३१/५६	३७	२३	२५	८ २३
१२	र	५२	४७	पु	४६	५०	सिं	६	५५	कौ	२१	४६	५२	३८	२२	२६	६ २४
१३	चं	५६	१०	ए	५४	३२	व्य	६	८	ग	२४	२८	४८	३८	२२	२७	१० २५
१४	मं	६०	०	श्ले	६०	०	व	६	३०	वि	२८	१४	४४	३६	२१	२८	११ २६
१५	बु	०	१६	श्ले	०	४	प	६	५७	श	०	१६	४०	४०	२०	२६	१२ २७
३०	गु	५	३३	म	६	२८	शि	८	२६	ना	५	३३	३६	४१	१६	३०	१३ २८

सिं० १४ | कुम्भे | मी ५०।४५ | मीने | मे. ५२।२५ | मेषे | ० | वृ. ५६।३७ | वृषे | वृषे | मि १३।३६ | मिथुने | क. ३४।० | कर्के | कर्के | सिं० १४ | सिंहे

*३८।५७मन्वादिः श्रीकृष्ण ज.
भ. ५५/२०उ. सिंहेऽर्कः ८।३३
भ. २०/५७या. वक्री श्रव. १शनिः ४३/५१ च. ब्र.
×५१।३३ चित्रा. शुक्रः २३।२७
भ. ५६।५६ उ. चन्द्रषष्ठी
भ. २७।३७ या.
आर्द्रायां भौमः ३४।१७ उफायां बुधः*
गोगा ६
भ. २०/६१ उ. ५६/६८ या. कन्यायां बुधः×
अजा. ११ ब्र.
वत्स १२
भ. ५६।१० उ. प्रदोषः ब्र.
भ. २८।१४ या.
पिठोरी ३० कु.
फूफायांरविः ५६।४५ कुशाग्रहणी ३०

१६पं.भा.कृ.२शु.इ.४२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१०	५	९	३	४
०	३	१८	१६	१६	१३	१४	०
३२	३४	४३	१२	२०	२४	३४	५९
७	५२	५१	२१	२०	१८	४	४८
५७	४०	०/५२	२८/५२	६३	४/३३	३	५७
३४	४०		ब	५३	ब	११	४०

गोचरग्रहाः

भाद्र कृ. २ शुक्रे सिंहेऽर्कः प्र. वा. ५ न. ५ प्रौढावस्था बैठो मु १५ (धान्यभावसम) शुक्रोदयं पश्चि.

गोचरग्रहाः

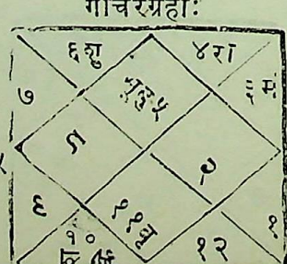

२०पं.भा.कृ.१०शु.इ.४२।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१०	५	९	३	४
७	८	२९	१५	२३	१३	१४	७
१५	५	४५	१९	३९	५७	११	४
४३	५६	५०	२२	१८	११	४९	१६
५७	४०	९०	५/१९	६/	५/७३	३	५७
४५	१७	२९	ब	५२	ब	११	४८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

+ के.शु.बृ.बु.मं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०१६शाकः१८८४ | दि. | उ.अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३०७० स१९६२

१	शु	१०	५८	पू	१३	१४	सि	१०	१५	ब	१०	५८	६	५	६	२१	१४	२९	क.	३०।७	हस्तेबुधः ५६ तुलायांशुक्रः २९ चन्द्रदर्शनम्
२	श	१७	१४	उ	२०	४७	सा	१२	२९	की	१७	१४	३२	४२	१८	१	१५	१	कन्यायां		सित. मा. ६ ता. ३० रविलाखर ४
३	र	२३	३०	ह	२८	२१	शु	१५	३	ग	२३	३०	२४	४३	१७	२	१६	२	कन्यायां		भ. ५३।४० उ.
४	चं	२९	५१	चि	३६	१	शु	१७	१८	वि	२९	५१	२१	४४	१६	२	१७	३	तु. २।११		भ. २९।५१ या. गणेश चतुर्थी
५	मं	३५	२५	स्वा	४३	२	ब्र	१९	३६	ब	२	३८	१८	४४	१६	४	१८	४	तुलायां		ऋषि ५
६	बु	५०	१४	वि	४९	८	ऐं	२१	२९	की	७	४९	१४	४५	१५	५	१९	५	बृ. ३२।३७		
७	गु	४३	४१	अ	५४	५	वै	२२	१०	ग	११	५७	१०	४६	१४	६	२०	६	बृश्चिके		भ. ४३।४१ उ. स्वात्यांशुक्रः ५०।२७
८	शु	४५	२८	ज्ये	५७	२४	वि	२१	५०	वि	१४	३५	६	४७	१३	७	२१	७	ध. ५७।२४		भ. ६४।३५ या.
९	श	४५	२५	मू	५८	५४	प्री	२०	१२	वा	१५	२६	२	४७	१३	८	२२	८	धनुषि		वक्रीशते २ गुरुः ५१।३५
१०	र	४३	१८	पू	५८	२१	आ	१६	५९	ते	१४	२१	५८	४८	१२	९	२३	९	धनुषि		पुष्ये१ राहुः श्रवणे१ केतुः ५९।२८
११	चं	३९	२०	उ	५५	५५	सो	११	५	च	११	१९	५४	४९	११	१०	२४	१०	म. १२।४४		भ. ११ उ. ३६ या. जलझूलनी ११ ब्र.
१२	मं	३३	३५	अ	५१	१७	शो	४०	५५	ब	६	२७	४८	५०	१०	११	२५	११	मकरे		चित्रायां बुधः ४९।३ वामन १२
१३	बु	२५	३३	ध	४५	२०	सु	४८	३८	ते	२५	३३	४४	५१	९	१२	२६	१२	कु. १८।१८		पुनर्वसौ भौमः ४९।४७
१४	गु	१६	४१	श	३८	१५	धृ	३८	१४	च	१६	४१	४०	५२	८	१३	२७	१३	कुम्भे		भ. १६।४१ उ. ४१।४५ या. उफायां. रविः ×
१५	शु	६	५०	पू	३०	३२	शू	२७	३९	ब	६	५०	३६	५३	७	१४	२८	१४	मी १७।२८		××४।२४ अनन्त१४ महालय श्राद्धा.

२१पं.भा.शु.१शु.इ.४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	१०	६	९	३	४
१४	१२	९	१४	०	१२	१३	१४
०	३३	३८	२४	३९	३१	४९	२९
५२	५०	१३	२१	७	५१	३४	७
५७	३९	७८	५५	५९	३६	३	५८
५७	३३	१५	ब	२१	ब	११	१

२२पं.भा.शु.८शु.इ.४५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	१०	६	९	३	४
२०	१६	१८	१३	७	१२	१३	२१
४७	५४	३	२९	२७	९	२७	१६
३२	५८	३९	६	५४	४६	१८	५७
५८	३८	७१	५०	५६	३	३	५८
१२	५४	३१	ब	८	ब	११	१३

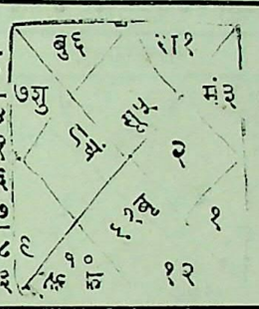

२३प.भा.शु.१५शु.इ.४५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	१०	६	९	३	४
२७	२१	२५	१२	१३	११	१३	२८
३५	११	१६	३६	४७	५१	५	५
५५	२४	८	९	२७	७	२	१३
५८	२८	४०	२७	५१	२६	३	५८
२९	६	२१	ब	५६	ब	११	२६

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०१६ शाकः१८८४ | दि. | उ.अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	५०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०				
२	श	४६	४२	उ	२२	४५	गं	१६	४५	ते	२१	५३	३०	५	६	१५	२९	१५	मीने				
३	र	३८	१७	रे	१४	५३	बृ	६	४९	च	१२	३०	२८	५४	६	१६	३०	१६	मे. १४।५३		भ. १२।३० उ. ३८।१७ या.		
४	चं	३०	३३	अ	८	४७	व्या	४६	५१	ब	४	२५	२४	५५	५	१७	३१	१७	मेषे		कन्यायांमर्कः ६।३५		
५	मं	२४	१६	भ	३	५६	ह	३८	५१	ते	२४	१६	२०	५६	४	१८	१	१८	वृ. १६।५६				
६	बु	२०	१	रो	५८	२०	ब	३२	१८	व	२०	१	१६	५७	३	१९	२	१९	वृषे		भ. २०।१ उ. ४८।४१ या.		
७	गु	१७	२०	मृ	५८	१९	सि	२७	२०	च	१७	२०	१२	५८	२	२०	३	२०	मि २८।२०				
८	शु	१६	३८	आ	६०	०	अ	२३	४२	की	१६	३८	८	५८	२	२१	४	२१	मिथुने		*विशाखायां शुक्रः ६।२०		
९	श	१७	३८	आ	०	१८	च	२१	४५	ग	१७	३८	४	५९	१	२२	५	२२	क. ४७।५१		भ. ४८।५० उ. वक्रीबुधः ३४।४०*		
१०	र	२०	२	पु	३	४२	प	२०	४२	वि	२०	२	०	०	०	२३	६	२३	कर्के		भ. २०।२ या.		
११	चं	२३	५७	पु	८	३३	शि	२१	१५	वा	२३	५७	५५	१	५९	२४	७	२४	कर्के		इन्दिरा ११ ब्र.		
१२	मं	२८	४६	श्ले	१४	३०	सि	२२	६	ते	२८	४६	५०	२	५८	२५	८	२५	सिं १४।३०				
१३	बु	३४	४२	म	२१	२०	सा	२३	५४	ग	१	४४	४६	३	५७	२६	९	२६	सिंहे		भ. ३४।४२ उ. प्रदोषः ब्र		
१४	गु	४०	१९	पू	२८	३२	शु	२५	५५	वि	७	३०	४२	४	५६	२७	१०	२७	क. ४५।२२		भ. ७।२० या. हस्ते रविः २२।३ शस्त्रा-+		
३०	शु	४७	०	उ	३५	५४	शु	२८	१४	च	१३	३९	३८	४	५६	२८	११	२८	कन्यायां		सर्वपित ३० +दिव्रतानां श्रद्धं		

२४ पं.आ.कृ.८शु.इ.४५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	१०	६	९	३	५
४	२५	२८	११	१९	११	१२	४
२६	१९	१९	४७	३८	३७	४२	५५
२	१२	५१	१३	१४	१	४७	१९
५८	३७	६	४५	४६	४७	३	५८
४५	२९	१०	ब	४४	ब	११	३८

गोचरग्रहाः

आ. कृ. ४ चंद्रे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४ न. ६ कुमारावस्था (बैठी) मु.१५(धान्यभाव सम) शुक्रोदयं

गोचरग्रहाः

२५पं.आ.कृ.३०शु.इ.४५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	१०	६	९	३	५
११	२९	२७	१	२४	११	१२	११
१८	२१	२१	४	५१	२७	२०	४६
६	२५	५२	२५	२८	३	३१	५६
५९	२६	४३	१३	२९	५	३	५८
०	४२	ब	ब	५०	ब	११	५३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०१६ शाकः १८८४ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०६६ स. १९६२

१	श	५३	८	ह	४३	४०	त्र	२०	३३	क	२०	४	२६	६	५५	२६	१२	२६	कन्यायां
२	र	५६	१५	चि	५०	५८	ऐं	३२	५१	ब्रा	२६	११	३०	६	५४	३०	१३	३०	तु १७।१६
३	चं	६०	०	स्वा	५७	५१	वै	३५	६	तै	३१	५६	२६	७	५३	१	१४	१	तुलायां
३	मं	४	४३	वि	६०	०	वि	३६	३२	ग	४	४३	२२	८	५२	२	१५	२	बृ. ४७।३२
४	बु	६	१८	वि	४	५	प्री	३७	१८	वि	६	१८	१८	८	५२	३	१६	३	वृश्चिके
५	गु	१३	२१	अ	६	३७	आ	२७	४६	ब्रा	१३	२१	१४	६	५१	४	१७	४	वृश्चिके
६	शु	१५	४४	ज्ये	१३	५०	सौ	३६	५७	तै	१५	४४	१०	१०	५०	५	१८	५	ध. १३।५०
७	श	१६	४५	मू	१६	३६	शो	३५	२	व	१६	४५	६	११	४६	६	१६	६	धनुषि
८	र	१६	७	पू	१७	४६	अ	३१	४०	ब	१६	७	६	१२	४८	७	२०	७	म. ३२, ४१
६	चं	१३	४५	उ	१७	१८	सु	२६	५७	कौ	१३	४५	२५ ५६	१२	४८	८	२१	८	मकरे
१०	मं	६	३०	श्र	१४	५६	धृ	२०	४२	ग	६	३०	५४	१३	४७	६	२२	६	कु. ४२।४२
११	बु	३	२८	ध	१०	२५	शू	१३	६	वि	३	२८	५०	१४	४६	१०	२३	१०	कुम्भे
१२	बु	५२	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	गु	४७	१२	श	१४ ५४	५३ १०	गं	२३	२२	कौ	२१	३४	४६	१५	४५	११	२४	११	मी ४५।७
१४	शु	३७	३६	उ	५०	४७	धु	४३	५०	ग	१२	२६	४२	१६	४४	१२	२५	१२	मीने
१५	श	२७	४५	रे	४३	१८	व्या	३२	५६	वि	२	३७	३८	१६	४४	१३	२६	१३	मे. ४३।१८

कर्के भौमः ३७/४० मा. श्राद्धं नवरात्रारम्भः
चन्द्रद. पश्चिमास्तं बुधः १४।१०
अक्टू. १७ता. ३१ जमादिलावल ५
भ. ३७।० उ.
भ. ६।१८ वा. वक्री हस्ते बुधः ४८।४८

पुष्ये भौमः ४७।१५
भ. १६।४६ उ. ४६।२६ या.
वृश्चिके शुक्रः ११।२६ बलिदानं
मार्गी शनिः ५७।१७ मन्वादिः विजया १०
भ. ३६।२६ उ.
भ. ३।२८ या. चित्रायां रविः ५२।४० *
* पापांकुशा ११ ब्र.

भ. ३७।३६ उ. वक्री शते १ गुरुः ५५।५६
भ. २।३७ या. पर्वोदयं बुधः ३६।४७

२६पं. आ. शु. ६ शु इ. ४१।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	१०	६	९	३	५
१८	३	२०	१०	२९	११	११	१८
११	१६	४३	२९	१३	२२	२८	४०
५३	२६	४४	२	३३	८	१५	८
५९	३५	३/४	४४	३०	२/०	३	५९
१६	४८	ब	ब	५५	ब	११	९

गोचरग्रहाः

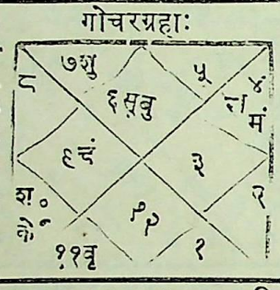

इस मास में पांच शनिवार अशुभहैं प्रजा में पीड़ारोग बड़े पश्चिम देश में विग्रह हो।

गोचरग्रहाः

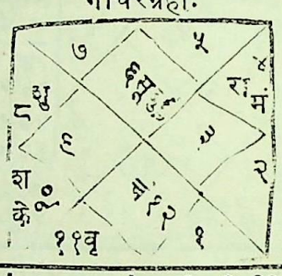

२७पं. आ. शु. १४ शु. इ. ४१/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	१०	७	९	३	५
२५	७	१४	१०	२	११	११	२०
७	३	१२	०	२९	२२	३६	३५
३५	१४	१०	५४	२०	५	०	१
५९	२४	३१/५८	३८	१९	२४/०	३	५९
३१	३९	ब	ब	२८	मा	११	२०

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०१६ शाकः १८८४ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | रदृतौ रविर्दक्षिणे आश्विन कृ. महाराष्ट्राः

१	र	१८	२	अ	३५	४०	ह	२१	५६	कौ	१८	२	२६ ३४	६ १७	४३	१४	२७	१४	मेषे
२	चं	६	७	भ	२८	४४	व	११	२४	ग	६	७	३०	१८	४२	१५	२८	१५	बृ. ४२।२२
३	मं	१	१५	कृ	२३	१५	सि	४६ ५१		वि	१	१५	२६	१६	४१	१६	२६	१६	बृषे
४	मं	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	बु	५०	५८	रो	१६	२७	व	४६	३३	कौ	२३	३४	२२	२०	४०	१७	३०	१७	मि ४८।३१
६	गु	४६	१	मृ	१७	३५	प	४१	१६	ग	१६	५६	१८	२०	४०	१८	१	१८	मिथुने
७	शु	४६	११	आ	१७	५२	शि	३७	४१	वि	१६	६	१४	२१	३६	१६	२	१६	मिथुने
८	श	५१	६	पु	२०	११	सि	३५	४५	ब्रा	२०	८	१०	२२	२८	२०	३	२०	क ४।३६
६	र	५४	५४	पु	२४	२०	सा	३५	२४	तै	२३	०	५	२३	३७	२१	४	२१	कर्के
१०	चं	६०	०	श्ले	३०	१	शु	३५	५६	व	२७	२८	०	२४	३६	२२	५	२२	सिं ३०।१
१०	मं	०	२	म	३६	३६	शु	३७	३५	वि	०	२	२७ ५५	२५	३५	२३	६	२३	सिंहे
११	बु	६	६	पू	४४	४	ज्ये	३६	४२	बा	६	६	५०	२६	३४	२४	७	२४	सिंहे
१२	गु	१२	१८	उ	५१	४०	ऐं	४२	६	तै	१२	१८	४३	२७	३३	२५	८	२५	क. ०।५८
१३	शु	१८	५७	ह	५६	१६	वै	४४	४१	व	१८	५७	४२	२८	३२	२६	६	२६	कन्यायां
१४	श	२५	२	चि	६०	०	वि	४६	४८	श	२५	२	३६	२८	३२	२७	१०	२७	तु ३२।५२
३०	र	३०	५८	चि	६	२८	प्री	४८	३८	ना	३०	५८	३६	२९	३१	२८	११	२८	तुलायां

भ. ३५।११ उ. मार्गी बुधः ४८।३३ *
भ. १।१५ या. कर्कः ४ ब्र.
*अनु. यां. शुक्रः १७।१७

तुलायामर्कः ३५।२४
भ. ४६।१ उ.
भ. १६।६ या.

वक्री भृगुः ५६।३
भ. २७।२८ उ.
भ. ०।२ या.
स्वात्यां रविः १६।२६ रमा ११ ब्र.
प्रदोषः ब्र.
भ. १८।५७ उ. ५१।५६ या. दीपदानं
चित्रायां बुधः ३३।५१ रूप १४
महालक्ष्मी पूजनम्

२८पं. का. कृ. ७ शु. इ. ४०।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	१०	७	९	६	६
२	१०	१४	९	४	११	११	२
५	४०	२३	४२	१८	२६	१३	३१
५	२६	४५	२८	०	२१	४४	३३
५९	३३	४/५७	२/५५	५	१	३	५९
४६	२९	मा	ब	१७	११	११	२४

गोचरग्रहाः

का. कृ. ५ बुधे तुलायामर्कः प्र. वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. २० (धान्य भाव सम) शु. प.

गोचरग्रहाः

२९पं. का. कृ. १३ शु. इ. ४०/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	१०	७	५	३	६
९	१४	२२	९	४	११	१०	९
४	५	६	३३	१२	३६	५१	३३
२५	५०	७	०/८	२८	१८	२९	५७
६०	३२	८३	५३/४७	५०	१	३	५९
२२	२१	२८	ब	ब	५१	११	४७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिकशुक्ल पक्षः सं.२०१६ शाकः १८८५ दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३१२६स.१६६२

| | | |

ति.मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०१९ शाकः १८८४ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः | हेमन्ततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३१५९स.१९६२

१	बु	१७	४	ज्ये	४३	५२	सु	३	४	ब	१७	४	२६/३	४७/१३	५/६	२८	१२	२९	ध.४३।५२
२	गु	१८	३१	मू	४६	११	धृ	३/१	५७/५०	की	१८	३१	०	४८	१२	२९	१३	१	धनुषि
३	शु	१८	२८	पू	४७	२०	गं	५५	४४	ग	१८	२८	२५/५८	४८	१२	३०	१४	२	धनुषि
४	श	१७	३३	उ	४७	३९	धृ	५१	४६	वि	१७	३३	५७	४९	११	१	१५	३	म. ५।२५
५	र	१५	५३	अ	४७	१२	ध्रु	४७	२२	वा	१५	५३	५६	४९	११	२	१६	४	मकरे
६	चं	१३	१२	ध	४५	४६	व्या	४१	५५	तै	१३	१२	५४	४९	११	३	१७	५	कुं १६।२९
७	मं	९	४४	श	४३	२५	ह	३५	४९	व	९	४४	५२	५०	१०	४	१८	६	कुंभे
८	बु	५	३२	पू	४०	२९	व	२९	५	ब	५	३२	५०	५०	१०	५	१९	७	मी २६।१०
९	गु	०	२६	उ	३६	४४	सि	२१	४२	की	०	२६	४८	५०	१०	६	२०	८	मीने
१०	गु	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	शु	४८	१२	रे	३२	९	व्य	१३	३९	व	२१	२६	४६	५१	९	७	२१	९	मे. ३२।९
१२	श	४१	८	अ	२७	३	व	५/६	५१/१२	ब	१४	४०	४४	५१	९	८	२२	१०	मेषे
१३	र	३४	१	भ	२१	३६	शि	४७	२३	की	७	३४	४३	५१	९	९	२३	११	बृ. ३५।१६
१४	चं	२७	९	कृ	१६	१८	मि	३८	३८	ग	०	३५	४२	५१	८	१०	२४	१२	बृषे
१५	मं	२०	४४	रो	११	३७	सा	३०	२९	ब	२०	४४	४१	५१	८	११	२५	१३	मि ३९।४४

चन्द्रदर्शनम्
रज्जव ७
भ ४/८ उ.ज्येष्ठायां बुधः ५/४ श्रवण २ शनिः १/३९
भ.१७।३३या.दिशंबर १२ता. ३१
ज्येष्ठायां रविः ५२।५४
भ.९।४४उ.३७।३८या मार्गीभृगुः ३५/४३
कल्पादिः
भ. २१/२६ उ.४८।१२या.मोक्षदा ११ब्र.स्मा.
धनुषिबुधः २४।५६मोक्षदा ११ब्र वै.
प्रदोष ब्र.
भ.२७।९उ.५३।५६ या.दन्तज.

३४पं मा.शु.२शु.इ.३९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१०	६	९	३	७
१४	२७	१७	११	१९	१३	९	१४
२४	२६	४४	१५	५	२२	०	४२
३०	५६	१६	४७	६	१०	१०	२२
६१	२०	९९	५	६	४	३	६०
३	५३	२१	३२	ब	५९	११	५०

गोचरग्रहाः

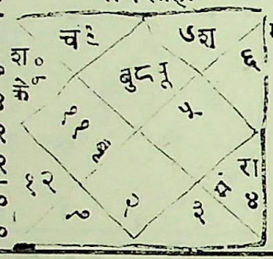

मास फल साधारण है। प्रजा में साधारण कष्ट शीत अधिक। धान्यादि के भाव में कुछ महर्घता।

गोचरग्रहाः

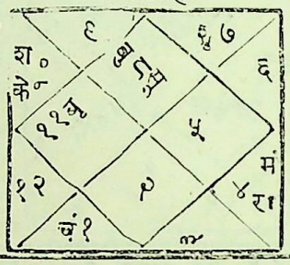

३५पं.मा.शु११शु.इ.३९।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१०	६	९	३	७
२१	२९	२८	१२	१९	१४	८	२१
३२	३	४५	३	१४	७	३७	४८
१०	४३	०	७	२०	४४	५५	५७
६१	१७	९७	६	७	५	३	६०
११	७	५९	३९	मा	२७	११	५६

ति. पौष कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | हेमन्ततूं रविर्दक्षिणे मार्गशीर्ष कृष्णे ति.महा.

१	बु	१५	२५	मृ	७	५१	शु	२३	६	की	१५	२५	२५/४०	६/५२	५/८	१२	२६	१४	मिथुने
२	गु	११	४६	आ	५	३६	शु	१७	११	ग	११	४६	३६	५२	८	१३	२७	१५	क.५०।११
३	शु	९	२४	पु	५	२	ब	१२	३५	वि	९	५४	४८	५२	८	१४	२८	१६	कर्के
४	श	९	४८	पु	६	१२	एं	९	२५	वा	९	४८	३८	५२	८	१५	२९	१७	कर्के
५	र	१२	०	श्ले	९	३९	वै	८	२०	तै	१२	०	३८	५२	८	१६	१	१८	सिं ९।३९.
६	चं	१५	४८	म	१४	३०	वि	८	०	व	१५	४८	३८	५२	८	१७	२	१९	सिंहे
७	मं	२१	१६	प	२०	५९	यी	९	८	ब	२१	१६	३७	५३	७	१८	३	२०	क.३७।४७
८	बु	२७	२६	ज	२८	१२	आ	१०	५४	की	२७	१६	३७	५३	७	१९	४	२१	कन्यायां
९	गु	३४	२	ह	३५	४८	सौ	१२	५९	तै	०	४४	३७	५३	७	२०	५	२२	कन्यायां
१०	शु	४०	१७	चि	४३	१२	शो	१५	१५	व	७	९	३६	५३	७	२१	६	२३	तु. ९।३०
११	श	४६	६	स्वा	५०	८	अ	१७	१८	ब	१३	११	३६	५३	७	२२	७	२४	तुलायां
१२	र	५०	३६	वि	५५	४८	सु	१८	२९	की	१८	२१	३६	५३	७	२३	८	२५	बृ. ३९।२१
१३	चं	५३	५३	अ	६०	०	धृ	१८	४८	ग	२२	१४	३६	५३	७	२४	९	२६	बृश्चिके
१४	मं	५५	३१	अ	०	९	शू	१७	५५	वि	२४	४२	३७	५३	७	२५	१०	२७	बृश्चिके
३०	बु	५५	५०	ज्ये	३	४	गं	१५	५१	च	२५	४०	३७	५३	७	२६	११	२८	ध. ३।८

विशाखा.शुक्रः २८।२०
भ.४०।५० उ. सिंहे भौमः ४१।१५
भ. ९।५४ या. च. ब्र.
धनुष्यर्कः ५६।३९
दूषायां बुधः ५८।२०
भ.१५।४८उ.४८।३२या.शते ३गुरुः ३४/३०
पश्चिमोदयीबुधः ५३।५
भ. ७।९ उ. ४०।१७ या.
सफला ११ व्रतम्
भ. ५३।५३ उ. प्रदोष ब्र.
भ. २४।४२ या. उषायां बुधः ३६।१३

३६ पं.पौ.कृ.३शु.इ३९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	१०	६	९	३	७
२८	०	९	१२	२१	१४	८	२८
४१	११	४०	५७	७	४६	१५	५२
०	३८	४०	५०	३०	१६	१९	१३
६१	१२	९६	७	२१	५	३	६१
१९	१२	१४०	११	५०	११	०	

गोचरग्रहाः

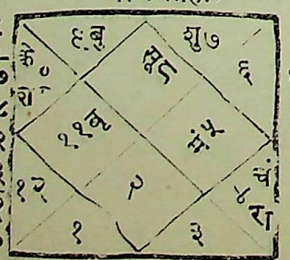

पौष कृ ४ शनौ धनुष्यर्कः प्र. वा.२ न. ३ युवावस्था (सूती मु. १५ (धान्यभावसम) शुक्रोदयं पूर्वे

गोचरग्रहाः

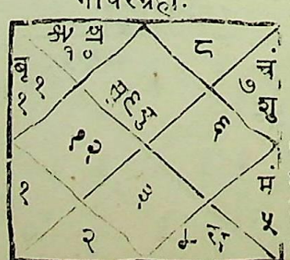

३७पं.पौ.कृ.१०शु.इ.३९।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	१०	६	९	३	८
५	०	२०	१४	२४	१५	७	६
५०	४३	३३	०	४३	२७	५३	३
२५	२६	५४	७	४१	१४	२४	३०
६१	६	९३	८	३२	६	३	६१
२२	३५	४५	४१	१७	१८	११	५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

नि. पौष शुक्लपक्षः सं.२०१६ शाकः१८८४ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३१८८सन्१९६२

१	गु	५४	१३	मू	४	३५	बृ	१२	४२	कं	२५	१	३५	६	५
२	शु	५२	१९	पू	४	४५	ध्रु	८	२८	वा	२३	६	३८	५२	८
३	श	४९	२०	उ	४	२	व्या	४	५४	तै	२०	४९	३८	५२	८
४	र	४५	२९	अ	१२	४७	व	५१	३२	व	१७	२४	१९	५२	८
५	चं	४१	२२	श	५७	२४	सि	४५	११	व	१३	२५	४०	५२	८
६	मं	३६	४९	पू	५४	३५	व्य	३८	३५	कौ	९	६	४१	५२	८
७	बु	३२	२	उ	५२	२४	व	३१	२८	ग	४	२५	४२	५२	८
८	गु	२७	९	रे	४७	५९	प	२४	२४	ब	२७	९	४३	५१	९
९	शु	२२	७	अ	४४	३०	शि	१७	१५	कौ	२२	७	४४	५१	९
१०	श	१६	४५	भ	४०	४१	सि	९	४१	ग	१६	४५	४५	५१	९
११	र	११	३३	कृ	३७	१४	सा	१	५५	मि	११	३३	४६	५१	९
१२	चं	६	१	रो	३३	५२	शु	४८	२	बा	६	१	४८	५०	१०
१३	मं	१	३९	मृ	३१	१४	व्र	४१	४१	तै	१	३९	५०	५०	१०
१४	बुं	५५	४९		०	०		०	०		०	०	०	०	०
१५	बु	५४	३५	आ	२९	१८	एं	३५	५७	वि	२६	२	५२	५०	१०

१	७	१२	२९	धनुषि	मकरे बुधः ५९।२४										
२	८	१३	३०	म.१९।३४	वक्रीभौमः ३५ उषायां.रविः ५५ चन्द्रदर्श.										
३	८	२९	१४	१	मकरे	वृश्चिकेशुक्रः३३।११सावन ८									
४	८	३०	१५	२	कु.३१।६	भ.१७।२४ उ.४५।२९ या.									
५	८	३१	१६	३	कुम्भे										
६	८	१	१७	४	मी४०।१७	जनवरी १ ता. ३१ सन् १९६३									
७	८	२	१८	५	मीने	भ.३२।२उ.५९।३५या. अनु. शुक्रः*									
८	९	३	१९	६	मे.४७।५९	[* ४२।१४श्रवणेऽशनिः १५।३५									
९	९	४	२०	७	मेषे	श्रवणे बुधः ३७।४८									
१०	९	५	२१	८	बु ५४।४९	भ. ४४।९उ.वक्री कर्के भौमः १६।४४									
११	९	६	२२	९	वृषे	भ११।२३या.शनै४गुरु ५।७पुत्रदा ११ ब्र									
१२	९	७	२३	१०	वृषे										
१३	९	८	२४	११	मि२।३३	भ. ५७।२८ उ.									
१४	९	०	०	०	०										
१५	९	९	२५	१२	मिथुने	भ.२६।२या.स्वल्पग्रासं चन्द्रग्रहणम्									

३८पं.पौ.शु.२शु इ.३९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	१०	६	९	३	८
१३	०	१	१५	२९	१६	७	१३
०	४१	०	८	२३	१०	३१	११
१७	६	५०	५३	२	११	८	२६
६१	२८	८५	९	४०	६	३	६१
२६	ब	३६	३२	२२	३२	११	६

गोचरग्रहाः

इस मास में पाँच बुधवार प्रजा में सुख शान्ति कारक है। धान्य के भाव सम रहेंगे।

गोचरग्रहाः

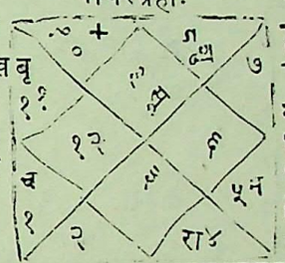

३९पं.पौ.शु.९शु.इ.३८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	३	१०	७	९	३	८
२०	०	१०	१६	४	१६	७	२०
१०	४	१	२३	५२	५६	८	१८
१४	३७	१२	३१	३०	२०	५१	१४
६१	२७	६२	१०	४७	६	३	६१
२६	ब	२१	१७	३३	५०	११	६

नि. माघ कृष्णपक्षः सं० २०१९ शाकः १८ ४ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणेचैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	शु	५३	४	पु	२८	४८	चै	३१	२४	बा	२३	४९	२५	४९	५
२	शु	५२	५८	पु	२९	४२	वि	२७	५३	तै	२३	१	५६	४९	११
३	श	५४	४६	श्ले	३२	२८	वी	२६	३	च	२३	५२	५८	४८	१२
४	र	५८	१२	म	३६	२६	आ	२४	५६	ब	२६	२९	२९	४८	१२
५	चं	६०	०	पू	४२	१७	सौ	२५	१२	कौ	३०	४०	२	४८	१२
५	मं	३	८	उ	४८	५२	शो	२६	३६	तै	३	८	४	४७	१३
६	बु	९	९	ह	५६	२२	अ	२८	२६	व	९	९	६	४७	१३
७	गु	१५	२०	चि	६०	०	सु	३०	१०	ब	१५	२०	९	४६	१४
८	शु	२१	४५	चि	३	५७	धृ	३२	४४	कौ	२१	४५	१२	४६	१४
९	श	२७	५०	स्वा	११	११	शू	३४	३१	ग	२७	५०	१५	४५	१५
१०	र	३३	१	वि	१७	२५	गं	३५	१४	व	०	२५	१७	४५	१५
११	चं	३५	५७	अ	२२	१६	वृ	३४	४७	ब	४	२९	२०	४४	१६
१२	मं	३७	३८	ज्ये	२५	३६	ध्रु	३३	९	कौ	६	४७	२२	४४	१६
१३	बु	३६	३८	मू	२७	२९	व्या	३०	७	ग	७	८	२४	४३	१७
१४	गु	३५	३०	पू	२६	५६	ह	२५	२५	वि	६	४	२७	४३	१७
२०	शु	३२	९	उ	२५	४	व	१९	४७	च	३	४९	३०	४२	१८

१	८	१३	३०	क.१३।५६	उषायां रविः ५९।४४										
२	८	१४	१	कर्के	वक्री बुधः ३७।४८										
३	८	१५	२	वि.३२।२८	भ. २३।५२ उ.५४।४६ या.										
४	८	१६	३	सिंहे	पुष्ये१२ हु.उषायां३केतु४३।३७चं.ब्र.										
५	८	१७	४	क.५८।५६	मकरेऽर्क १५।११पश्चिमास्तोबुधः २१ ३										
५	८	१८	५	कन्यायां	[≡ अस्तं शनिः २६।५३										
६	८	१९	६	कन्यायां	भ.९।९ उ.४२।१४ या.										
७	८	२०	७	तु. ३०।९	वक्रीउषायांबुधः ३ ३ ज्येष्ठायां शुक्रः २ ३ ५ ≡										
८	८	२१	८	तुलायां											
९	८	२२	९	तुलायां											
१०	८	२३	१०	बृ. ०।५.१	भ.२५उ३३।१या.अभि.प्र.रविः४६।२९										
११	८	२४	११	वृश्चिके	षट्तिला११पातस्पर्शः४८।२										
१२	८	२५	१२	ध. २५।३६	पातमोक्षः२८।११पू.भा.१गुरुः४२।२८										
१३	८	२६	१३	धनुषि	भ.३६।३८उ.प्रदोषब्र.										
१४	८	२७	१४	म ४१।२८	भ६या श्रवणे रविः २७ अभि.नि.रविः ५४ ४३										
२०	८	२८	१९	मकरे	वक्री धनुषि बुधः ४७।८										

४०पं.मा.कृ.२शु इ.३८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	९	१०	७	९	३	८
२७	२८	१३	१७	११	१७	६	२७
२०	४६	१६	४३	४	४३	४६	२७
६	५८	४	४०	२६	५८	३७	४०
६१	१६	१०	११	५२	७	३	६१
२४	ब	ब	०	४३	२	११	५

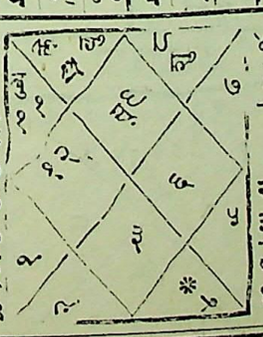

४१पं.मा.कृ.८शु.इ.३८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	१०	७	९	३	९
४	२६	८	१९	१७	१८	६	४
२९	५९	२६	७	४५	३२	२४	३५
३५	२०	५२	३७	२१	४२	२१	२९
६१	३३	२६	११	५६	७	३	६१
१९	ब	ब	३८	३५	१४	११	३

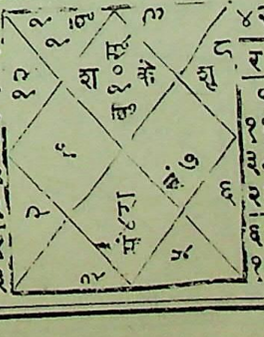

४२पं.मा कृ३०शु.इ ३८।५६

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	१०	७	९	३	९
११	२४	०	२०	२४	१९	६	११
३८	५१	८	३५	०	२२	२	४२
२६	४३	४	४८	२६	२६	६	५४
६१	१५	८	५२	५९	७	३	६०
१३	ब	ब	११	४३	२०	११	५९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्ल पक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२१८सं. १९६३

१	श	२७	२६	अ	२२	१५	सि	१२	५६	व	२७	२६	२६/३३	६/१	५/२८	२६	१२	२९	कु. ५०।२३	पूर्वोदयं बुधः २।१३
२	र	२१	५८	ध	१८	३१	अ	५/३८	५/१६	की	२१	५८	३५	४१	१९	२७	१३	३०	कुम्भे	रुद्रदर्शनम्
३	चं	१६	०	श	१४	१७	प	४९	४६	ग	१६	०	३८	४०	२०	२८	१४	१	मी ५६।७	भ.४३।३ उ. रमजान ९
४	मं	१०	६	पू	१०	४	शि	४१	५१	वि	१०	६	४१	४०	२०	२९	१५	२	मीने	भ. १०।६ या.
५	बु	४	७	उ	६	१९	सि	३४	१४	ब्रा	४	७	४४	३९	२१	३०	१६	३	मीने	धनुषिशुक्रः ३/१८श्रवणे४शनिः ५/३४वसंतपं
६	बु	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	९	०	४	०	
७	गु	५३	२२	रे	३/८	५/३९	सा	२६	४८	ग	२५	५३	४८	३८	२२	३१	१७	४	मे. २।३८	भ. ५३।२२ उ मन्वादि रथ ७
८	शु	४८	२१	भ	५६	१२	शु	१९	३६	वि	२०	५२	५२	३८	२२	१	१८	५	मेषे	भ.२०।५२या फरवरी२ता.२८वार्गी*
९	श	४४	५	कृ	५३	४४	शु	१२	४२	ब्रा	१५	१३	५५	३७	२३	२	१९	६	वृ.१०।३५	पातस्पर्शः ४।२ [*बुधः ४९।३६ भीष्मट
१०	र	४०	१०	रो	५१	३०	न	६	२५	तै	१२	७	५८	३६	२४	३	२०	७	वृषे	पातमोक्षः २।४९
११	चं	३७	१४	मृ	५०	१२	ऐं	७/३	५४/४४	व	८	४२	२७/२	३६	२४	४	२१	८	मि.२०।५१	३७।१४ या. जया ११ ब्र.
१२	मं	३४	३८	आ	४९	२८	वि	५०	५१	ब	५	५६	५	३५	२५	५	२२	९	मिथुने	भ ८।४२ उ.
१३	बु	३३	१	पु	४९	३७	मी	४६	५९	की	३	४९	९	३४	२६	६	२३	१०	क. ३४।३५	पूभाया२गुरुः ५/२७धनिष्ठायांरविः २/८प्रदोष
१४	गु	३२	४१	पु	५१	४	आ	४३	५९	ग	१	५१	१२	३४	२६	७	२४	११	कर्के	भ. ३२।४१ उ.मकरे बुधः ४९।५४
१५	शु	३३	१८	श्ले	५३	४१	सो	४२	१५	वि	२	५९	१६	३३	२७	८	२५	१२	सि.५३।४१	भ. २।५९ या.

४३ पं.मा.शु.८शु.इ. ३९।४ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	१०	८	९	३	९
१८	२२	२७	२२	२	२०	५	१८
४६	३४	२१	७	१०	१२	३९	४९
२५	४	१८	८	५१	३९	५०	२६
६१	३४/५९	५९/१२	१२	६२	७	३	६०
४	ब	बृ	३५	७	२०	११	५५

माघ कृ.५चंद्रे मकरेऽर्कः प्र, वा. ३ न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्य भावसम) शुक्रोदय प.

गोचरग्रहाः ४४पं.मा.शु.१५शु.इ३९।१४

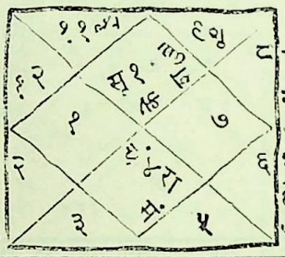

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	१०	८	९	३	९
२५	२०	०	२३	९	२१	५	२५
५३	१४	३१	४१	४६	२	१७	५५
१४	३१	१२	५६	२२	५२	३४	१६
६०	३४/३८	२७	१२	६४	७	३	६०
५५	ब	५७	५६	२	२०	११	४७

ति. फाल्गुन कृष्ण पक्षः सं. २ १९ शाकः १८८४ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तौ रविरुत्तरे माघकृष्णेति महाराष्ट्राः

१	श	२५	२५	म	५७	२१	शो	४१	३०	धा	४	२१	२५/२०	६/३२	५३/२८	९	२६	१३	सिंहे	
२	र	२९	१	पू	६०	०	अ	४१	७	तै	७	१३	२३	३१	२९	१०	२७	१४	सिंहे	
३	चं	४३	४४	पू	२	३९	सु	४२	१२	व	११	२२	२६	३१	२९	११	२८	१५	कं. १९।२७	भ. ११।२२उ ४३/४४या षायां शुक्रः ५/९
४	मं	४९	१८	उ	९	२८	धृ	४३	५७	व	१६	३१	३०	३०	३०	१२	२९	१६	कन्यायां	कुम्भेऽविः ४२।१६ च.ब्र.
५	ब	५५	४२	ह	१६	४१	शू	४६	९	की	२२	३०	३४	२९	३१	१३	१	१७	तु.५०।२३	
६	गु	६०	०	चि	२४	६	गं	४८	२७	ग	२८	५५	२८	२८	३२	१४	२	१८	तुलायां	
७	शु	२	८	स्वा	३१	३८	बृ	५०	३८	व	२	८	४२	२८	३२	१५	३	१९	तुलायां	भ.२/८उ ३/१६ ।.पातस्पर्शः ४७।३८
८	श	८	२४	वि	२८	५५	ध्रु	५२	२	ब	८	२४	४६	२७	३३	१६	४	२०	वृ.२ २।१६	पातमोक्षः ४।२६
९	र	१३	३९	अ	४४	३१	व्या	५२	३२	की	१२	३९	५०	२६	३४	१७	५	२१	वृश्चिके	
१०	चं	१७	४२	ज्ये	४८	५२	ह	५१	४४	ग	१७	४२	५४	२५	३५	१८	६	२२	ध.४८।५२	भ.४८।५३उ श्रवणे बुधः ३४।१०
११	मं	२०	५	मू	५१	२२	व	४९	३५	वि	२०	५	५८	२४	३६	१९	७	२३	धनुषि	भ २०।५या.शतेरग्निः १७।३७
१२	बु	२०	२६	पू	५१	५०	सि	४५	४३	ब्रा	२०	२६	२/२	२४	३६	२०	८	२४	धनुषि	विजया ११ब्र.उदयंशनिः ०।१३
१३	गु	१८	४१	उ	५०	२३	व्य	४०	२३	तै	१८	४१	६	२३	३७	२१	९	२५	म. ६।२८	वक्रीपुष्येभौमः १/१६ भायां३गुरुः ५/१४प्रदोष
१४	शु	१५	५	श्र	४७	२४	व	३३	३२	व	१५	५	१०	२२	३८	२२	१०	२६	मकरे	भ.१५।५उ.४२।२३या.शिवरात्रिव्रतम्
१५	श	९	४१	ध	४२	४१	प	२५	३५	श	९	४१	१४	२१	३९	२३	११	२७	कु. १५।२	उषायां, शुक्रः ४५।०
३०	र	२	२९	श	३७	९	शि	१६	४१	ना	२	२९	८	२०	४०	२४	१९	२८	कुम्भे	

४५पं.फा.कृ.६ शु.इ ३९।२८ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	१०	८	९	३	१०
२	१८	७	२५	१७	२१	४	३
५९	१	१	१९	३२	५२	५५	०
१७	४८	७	८	४२	३३	१९	२
६०	३९/२९	६१	१३	६५	७	३	६०
४२	ब	१६	१५	३५	१४	११	३७

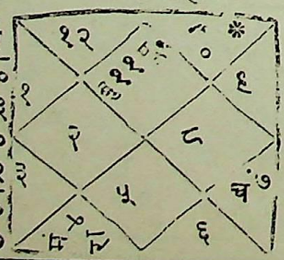

फाल्गुन कृष्णा ४ भौमेकुम्भेऽर्कः प्र वा. २ न. ३ कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० धान्या भाव सम शुक्रोदयं पूर्वे ।

गोचरग्रहाः ४६पं.फा.कृ१३शु.इ३९।४३

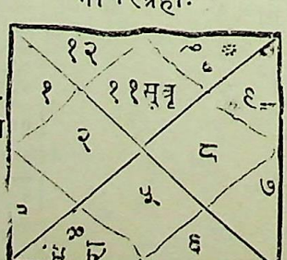

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	५	१०	८	९	३	१०
१०	१६	१५	२६	२५	२२	४	१०
३	१	३५	५०	२७	४१	३३	३
५०	१३	३८	८	१०	४५	३	३२
६०	३३/३८	७७	१३	६६	७	३	६०
३१	बृ	३०	२२	५६	६	११	२५

*१० के बु श

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

*१० श के बु चं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०१६ शाकः१८८४ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः३२४८स१६६३

१	र	५२	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४७	२७	पू	३१	६	सि	५६	५०	वा	२१	२६	३८	६	४०	२५	१३	२६	मी	१७	३७
३	मं	३६	२५	उ	२५	५	शु	४८	२५	तै	१३	२६	२६	१६	४१	२६	१४	१	मीने		
४	बु	३२	६	रे	१६	२२	शु	३६	१८	व	५	४५	३०	१८	४२	२७	१५	२	मे.	१६	२२
५	गु	२५	२१	अ	१४	१७	ब्र	३१	१८	वा	२५	२१	३४	१७	४३	२८	१६	३	मेषे		
६	शु	१६	२३	भ	१०	१	ऐं	२३	३२	तै	१६	२३	३८	१६	४४	१	१७	४	बृ.	२४	१४
७	श	१४	३०	कृ	६	५४	वै	१६	५६	व	१४	३०	४२	१६	४४	२	१८	५	वृषे		
८	र	१०	४१	रा	४	५१	वि	११	१०	ब	१०	४१	४६	१५	४५	३	१६	६	मि	२४	१६
९	चं	८	६	मृ	३	२७	प्री	६	२१	कौ	८	६	५०	१४	४६	४	२०	७	मिथुने		
१०	मं	६	२८	आ	४	०	आ	३२	५३	ग	६	२८	५४	१३	४७	५	२१	८	क.	५०	१२
११	बु	६	३	पु	५	१६	शो	५७	२७	वि	६	३	५८	१२	४८	६	२२	९	कर्के		
१२	गु	६	५३	पु	७	४७	अ	५६	१०	वा	६	५३	२९	१२	४८	७	२३	१०	कर्के		
१३	शु	८	३१	श्ले	११	१२	सु	५५	५४	तै	८	३१	६	११	४९	८	२४	११	सिं	११	१२
१४	श	११	३८	म	१५	४०	धृ	५६	९	व	११	३८	१०	१०	५०	९	२५	१२	सिंहे		
१५	र	१५	२३	पू	२१	३	शू	५७	१३	ब	१५	२३	१५	९	५१	१०	२६	१३	कं	३७	४४

चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
मकरे शुक्रः ३६/२९ सव्वाल १०
म.४५ उ.३२/६ या.पातस्पर्श ५८।३३
धनिष्ठायां बुध.२७/४५ धनि.१शनिः१०/८*
मार्च ३ ता. ३१ [*षा. मो. १०/३५
भ. १४।३० उ.४२।३५ या.
होलाष्टक अ.गु.
पूभायां. रविः ३२।२५
भ.३६/१६ उ.कुम्भे बुध.२०/० अस्तं गुरोः२७।०
भ. ६।३ या. आमलकी ११ व्र.
श्रवणे शुक्रः१५।१७ मीनेगुरुः१६ २६
[÷होलिकादहनं भद्रोत्तरे
भ.११/३८ उ.४३/३० या. शतेबुधः१२।२२÷
मन्वादिः छार्लेंडी

४७पं.फा.शु.६शु.इ.४०/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	१०	९	९	३	१०
१७	१४	२५	२८	३	२३	४	१७
६	२९	६	३८	२८	३०	१०	५
३९	४२	०	९	२२	२८	४८	५६
६०	५६/१४	८८	१३	६८	६	३	६०
२०	ब	२८	३२	०	२९	११	१२

गोचरग्रहाः

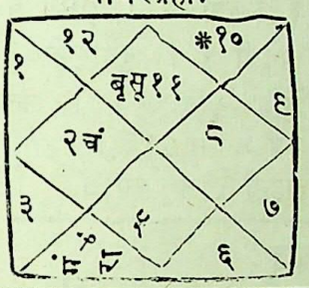

इस मास में पाँच रविवार नेष्ट हैं प्रजा में रोगादि की संभावना है। रूई शेयर चांदी मँदे धान्यादि सस्तेहों

गोचरग्रहाः

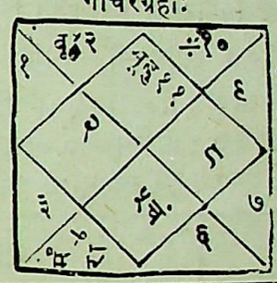

४८पं.फा.शु.१३शु इ४०/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	१०	११	९	९	३	१०
२४	१३	५	०	११	२४	३	२४
८	२९	४७	१९	३७	१६	४८	६
२	३८	३४	१	४०	३७	३२	३०
६०	१४/९८	९८	१३	६८	६	३	५९
५	ब	१३	३८	५४	३९	११	५८

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं २०१६ शाकः १८८४ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः शिशिरर्तु रविरुत्तरे फाल्गुन कृ. महा.

१	चं	२०	३६	उ	२७	४७	गं	५८	४२	कौ	२०	३६	२६/२०	६	५२	११	२७	१४	कन्यायाँ		
२	मं	२६	६	ह	३४	४१	बृ	६०	०	ग	२६	६	२४	७	५३	१२	२८	१५	कन्यायां		
३	बु	३२	२४	चि	४२	१०	वृ	०	५३	वि	३२	२४	२८	६	५४	१३	२९	१६	तु.	८	२५
४	गु	३८	४४	स्वा	४६	५७	धु	३	१६	ब	५	३४	३२	६	५४	१४	३०	१७	तुलायां		
५	शु	४५	१२	वि	५७	२३	व्या	५	३८	कौ	११	५८	३६	५	५५	१५	१	१८	वृ.	४०	३२
६	श	५०	५६	अ	६०	०	ह	७	४८	ग	१८	५	४०	४	५६	१६	२	१९	वृश्चिके		
७	र	५५	३६	अ	३	५६	व	६	५	वि	२३	१७	४४	३	५७	१७	३	२०	वृश्चिकें		
८	चं	५८	५१	ज्ये	६	३०	सि	६	२०	वा	२७	१३	४८	२	५८	१८	४	२१	ध.	६	३०
९	मं	६०	०	मू	१३	१८	व्य	८	३२	तै	२६	३०	५३	१	५९	१९	५	२२	धनुषि		
१०	बु	०	१०	पू	१५	२६	व	६	६	ग	०	१०	५८	१	५९	२०	६	२३	म.	३०	३१
११	गु	५६	४१	उ	१५	३६	प	१०	१२	ब	२८	५	३०	६	०	२१	७	२४	मकरे		
१२	शु	५२	२	अ	१३	३०	सि	४६	१४	कौ	२४	२१	६	५६	१	२२	८	२५	कु.	४१	३५
१३	श	४५	२६	ध	६	४१	सा	४०	४२	ग	१८	४४	१०	५८	२	२३	९	२६	कुम्भे		
१४	र	३७	२३	श	४४/४४	५३/५३	शु	३१	५	वि	११	२४	१४	५७	३	२४	१०	२७	मी	४४	२१
३०	चं	२८	३०	उ	५०	१२	शु	२०	४२	च	२	५६	१८	५६	४	२५	११	२८	मीने		

वसंत १
भ. ५६।१६ उ.
भ. ३२।२४ या. कल्पादिः
मीनेऽर्कः ३२।४३ च. व्र.
*पूर्वास्तंबुधः २८।४३
भ.५०।५६उ. मार्गीभौमः ४५।५३
भ२३/१७या.पूभायांबुधः५५/४ पुन.राहुः+
धनिष्ठायां शुक्रः ४३/२० शीतला ८
+उषायां केतुः३३/१९ उभायाँ रविः५३/१९
भ. २९।५० उ. ५६।३० या.

उभा या.१गुरुः१०/४८पापमो. ११व्र.स्मा.
मीनेबुधः३६/१६पाममोचनी११व्र. वै.
भ.४५/२६ उ.प्रदोषः ÷उभा.बुधः२३।१७
भ.११।२५या.कुम्भेशुक्रः २०।२३÷
सोमवती३० अह.३२।७६ के. च.४

४९पं.चै.कृ ५शु.इ. ४०/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	१५	९	९	३	११
१	१२	१७	२	१९	२५	३	१
७	५८	२८	०	४७	१	२६	५
४४	४८	४	३६	४५	२२	१७	४२
५९	५०/२९	८९	१३	६९	६	३	५९
४९	ब	२०	३८	४३	२६	११	४१

गोचरग्रहाः

चैत्र कृष्णा ४ गुरौ मीनेऽर्कः प्र. वा. ३न. ३ कुमारावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव सम) शु.पू.

गोचरग्रहाः

५०पं.चै.कृ.१२शु.इ.४१/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	११	९	९	३	११
८	१३	०	३	२८	२५	३	८
५	४	३	४२	१	४३	४	३
३९	४८	५०	३२	५९	५८	१	१९
५९	२९/२९	८९	१३	७०	६	३	५९
३५	ब	४३	३६	२६	९	११	२९

* शु.श.बु.के. × श.शु.के. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) + श.शु.के. ÷ शु.श.के.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६४ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६४ भोग्यकलिः ४२६९३६ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२० शाकः १८८५ अथाऽस्मिन्वर्षेराजाभौमः । मंत्री शनिः । सस्येशोभौमः । धान्येशश्चंद्रः । मेघेशः शनिः । रसेशोगुरुः । नीरसेशोभौमः । फलेशोशुक्रः । धनेशोभौमः । दुर्गेशः शनिः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १० नल नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ४।७।५६।२४ भोग्यमासादिः ७।२२।३।३६ वर्षनाम भाद्रपद । मेघ ४ नामद्रोण । समयनिवासो मालाकारगृहे (क्यारी में) रोहिणी निवासःसमुद्रे । समय विश्वा ८ । समय वाहनंवृषभः । स्तम्भ १ जलस्यः सोमवत्यमां १ । सोमवती पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी १ । समय मुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १५ । तिथि वृद्धिः १० । उत्पत्ति विश्वा ९ ६ । खपति विश्वा १०८ । वर्षा विश्वा १७ । धान्यम् १७. तृणम् १७. शीतम् ५. तेज ५ वायुः १३ । शनि दृष्टिरुत्तरे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं ११५ सत्यम् ।. धर्म १।. पाप १८ । ग्रहणे २ चन्द्रमसः ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	८	२	५	१४	२	५
खर्च	१४	८	५	२	१४	५

वर्ष लग्नम् ५।३

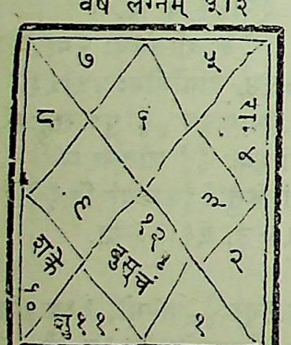

आषाढ़ शु. १५ शनौखंडग्रासं चंद्रग्रहणम् विश्वा १५।५

		स्प.	म	मो.	प.
उज्जयिनी मध्यमकाल	घ.	४९	५२	५६	७
	पल	१	४९	३७	३६
रेल्वेटाइम मध्यान्हे	घं.	२	३	५	३
	मि.	३	३४	५	२
	से.	२४	३६	४८	२४

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

मात भवानी अम्बिके भैरव करे पुकार ।
नया वर्ष अब आइया कहो शुभाशुभ सार ॥

भवानी उत्तर

सुनहो भैरव लाडल संवत् सर का सार ।
जल तृण कुछ कमती रहे साखन होय अपार ॥
राजा कुज मंत्री शनि इनकी खोटी वान ।
आपस में कर द्वेषता करे जगत् में हान ॥
अधिक लिया इस वर्ष में पापग्रहां अधिकार ।
रोहिणी वास समुद्र में संवत् मालाकार ॥
स्तम्भ एक जलका हआ ग्रहण चन्द्र के दोय ।
दशाधिकारी योग से संवत् शुभ नहीं होय ॥
पर गुरु शनि के चार से संवत् मध्यम जान ।
घटे अशुभफल बढ़े शुभ कम हो जग में हान ॥
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
धर्म कर्म करते रहो यही जगत् में सार ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	२	८	११	१४	१४	११
खर्च	८	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् १०।२१

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१९।४२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाऽस्मिन्वर्षे राजाभौमस्तत्फलम्—भौमेनृपे वन्हिभयं जनक्षय चौराकुलं पार्थिव विग्रहच । दुःख प्रजा व्याधि वियोग पीडा स्वल्पंपयोमुंचति वारिवाहाः । मंत्रीशनिस्तत्फ - रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरंहता बहु दुःखदा, न जलदाजलदा जनतापदा जनपदेषु सुख धनदं क्वचित् । सस्येशोभौमस्तत्फलम्—प्रथम धान्य पतौ धरणी पतौ गजतुरंग खरोष्ट्रगवामपि । प्रभवदा बहुरोगधनो जलनं समसौख्यकरं तुषधान्यहृतू धान्येशस्चंद्रस्तत्फ—चन्द्रे धान्याधिपेजाते प्रजावृद्धिः प्रजायते, गोधूमाः सर्वपास्चैव गोषुक्षीरं तथा बहु । मेघेशोशनिस्तत्फ—रविसुते जलदस्यपतौ भवेद्विरतवृष्टिवती वसुदा तदा, मनसिताप करो नृपतिः सदा विवधरोगरता जनता तदा । रसेशोगुरुस्तत्फ-यदि गुरौ रसये जन सौख्यदे कमलवन्ति सरांसि तृणानिच, जनपदाद्विज पूजन तत्परा गजसवाजिरथोष्ट्रयुतानृपाः । नीरसेशौभौमस्तत्फ—नीरसेशो यदा भौमः प्रवाला रक्त वाससाम, रक्तचन्दन ताम्राण मर्घ वृद्धिर्दिनेदिने । फलेशोशुक्रस्तत्फ यदि फलस्यपतौ भृगुजे धरामृदुकुमार महीरुहराशचः, बहुयथा नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुति पाठ परायणाः। धनेशौ भौमस्तत्फलं-असति मौल्यकरो धरणीसुतः शरदि ताम्रकरस्तुषधान्य हृत् । महिमिभासिभवे द्विगणं तदा नरपतिर्जनशोकविधायकः । दुर्गेशोशनिस्तत्फलं-रविसुते गढ़पालिनि विग्रहे सकल देश गताश्चलिता जना, विविधवैरिविशोषित नागराः कृषिधनं न लभेद्भुवि कश्चन । वर्षनाम भाद्रपदस्तत्फ-अर्घं महर्घतायाति धन धान्यसमं भवेत, मघवा वर्ष तिस्वच्छं संपदो भाद्र वर्षके । नलनामसंवत्सरस्तत्फ-नलाब्दे मध्यसस्यार्घ वृष्टिभिः प्रवरा धरा, नृप संक्षोभसंजाता भूरितस्करभीतयः। मेघनाम द्रोणस्तत्फ-द्रोणे वर्षति सर्वदा । रोहिणी निवासः समुद्रे फलं-समुद्रे तु महावृष्टि ः। समय निवासो मालाकार गृहे फः-मालिन प्रचुरा वृष्टिः। आश्विनोऽधिमासस्तत्फ--सस्यं महर्घतां याति स्वल्प वृष्टिभंगं नृपात् शरदानिचस्वल्पानि गज वाधाश्विन द्वये । एवंसंचिंत्यदैवज्ञैः कथनीयं शुभा शुभम् ।

सं० २०२० शाके १८८५ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वै. शु. २ गुरौ रोहिण्यां ल. १२ रे. ८ऽगु।।।।ग्नि।।।।
,, ,, ६ गुरौ मघायां ल. गो. रे ७।।।ऽश।ऽ।ऽ ।
गणितेन क्रां. साम्याऽभावः
,, ,, ११ शनौ उफायां. ल. अन्यगो रे ७।।।ऽशु
।ऽग्निऽ।।।पादतोवेधाऽभावः
,, ,, १२ सूर्ये हस्ते लऽन्यगोरे ६ऽऽ।ऽऽ।।।। (आवश्यके)
ज्ये कृ. ११ सूर्ये उभायां ल. ऽन्यगो रे. ८।।।।ऽनृऽ।।।
,, ,, ११ सूर्ये रेवत्यां ल.१रे.७।।ऽगु।।ऽनृ।ऽपरिवेष ॥
,, ,, १२ चंद्रे रेवत्यांल.ऽन्यगोरे८।।ऽगु।।।।ऽ।।
,, शु. ६ शुक्रे उफायां ल. गो रे. ७ऽमं।।ऽगु ।।ऽ।।।
,, ,, १० शनौ हस्ते ल.गो.रे ६।।।।।।ऽ अशनि।।
,, ,, १२ चंद्रे स्वात्यां ल.ऽन्यगो.रे.६ऽसूरा।।।।।।।।
,, ,, १३ बुधे अनु.यां ल.१२ रे.७।।।ऽबु शुऽग्निऽ।
आ. कृ ८ शनौ उभायां.ल.१ रे८।।।।।।ऽऽनिर्घात ॥
अन्य गोधूलौ रेखा ७
,, शु० ४भौमे मघायां ल.ऽन्यगोरे७।।।।ऽशा।ऽऽविद्युत।।
,, ७ शुक्रे हस्ते ल२रे७ऽमं।।।।।।ऽशूल ऽ (दग्धादोष)
,, ,, ६ सूर्ये स्वात्यां ल. १ रे८ऽरा।।।।।।ऽअशनि ॥
(७ मे चंद्रः सामान्यः)

दृष्य गणितादत्र क्षयमास दोषः

का,, शु. १४ शनौ रोहिण्यां ल५।६रे७।ऽगु।।।ऽसू।।ऽदंड।।
मार्ग कृ. १ सूर्ये मृगे ल.६रे ८।।।।।ऽ चोऽ।।गु.७ पूज्य
,, ,, ८ सूर्ये उफायां.ल.५रे७।।।।नृऽऽ गुरु ८ नेष्ट
,, ,, ११ बुधे स्वात्यां ल-६रे. ६।।।।।।ऽपरिवेश ॥
(गुरुर्मध्यमः)
माघ शुक्ला ५ सूर्ये उभायां. ल. ८रे.६।।।।।।ऽ।।
,, ,, ६ चंद्रे रेवत्यां ल. ८रे७।।ऽगु।।ऽचोऽभूकंप ॥
फा. कृ. ४ शनौउफायां ल.-८रे७।।ऽगुऽशु।।ऽकेतु॥
,, ,, १० शनौ मूले ल रे ८ऽ।।।ऽ कुलिस ॥
प्र चै.कृ. १ शुक्रे उफायां. ल ८ रे ६ ।।ऽशु गु।ऽ।।।
पादतोवेधाऽभाव
,, ,, ७ गुरौ अनुयां ल. अन्यगो. रे ८ ऽचंऽ।।।।।।।
,, ,, ६ शनौ मूले ल अन्यगो रे ६ ।।।।।।निर्घात॥

पौषशु.१५यांचन्द्रे खंडग्रासंग्रस्तोऽयंचन्द्रहणम् विश्वा२७।२

		स्प.	से.	म.	उ.	मो.	पव.
उज्जयिनी मध्यमकालः	घ.	२१	२३	२५	२७	२६	८
	पल	११	४६	३१	१३	५१	४०
रेल्वे टाइम	घं.	२	३	४	५	६	३
	मि.	५५	५८	३६	२०	२३	२८
	से	२४	३६	२४	१२	२४	०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५ | दि. ३ | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | वसन्तर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२७७स.१६३

१	मं	१६	५	रे	४२	५७	व्र	१०/११	४६/२५	ब	१६	५	३०/२२	५६	६/४	२६	१२	२६	मे.४२।५७
२	बु	६	४६	अ	३५	४६	वै	४६	३४	को	६	४६	२६	५५	५	२७	१३	१	मेषे
३	गु	१	४	भ	२६	३०	वि	४०	३	ग	१	४	४०	५४	६	२८	१४	२	वृ४३।१३
४	गु	५१	५२	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	शु	४६	२२	कृ	२४	२३	प्री	३१	५५	ब	१६	३६	३४	५३	७	२६	१५	३	बृषे
६	श	४१	१२	रो	२०	४०	आ	२४	४४	को	१३	५१	३६	५२	८	३०	१६	४	मि४६।४४
७	र	३७	४८	मृ	१८	४७	सौ	१६	१४	ग	६	३०	४३	५१	६	३१	१७	५	मिथुने
८	चं	३५	५०	आ	१८	१७	शो	१४	४६	वि	६	४६	४८	५१	६	१	१८	६	मिथुने
९	मं	३५	२२	पु	१६	३७	अ	११	३६	बा	५	४१	५२	५०	१०	२	१६	७	क.४।१७
१०	बु	३६	४६	पु	२२	५	सु	६	५१	तै	६	१०	५६	४६	११	३	२०	८	कर्के
११	गु	३६	१५	श्ले	२५	५७	धृ	८	५६	व	८	२	३/०	४८	१२	४	२१	९	सिं २५।५७
१२	शु	४३	१	म	३१	५	शु	६	२६	ब	११	८	४	४७	१३	५	२२	१०	सिंहे
१३	श	४३	३६	पू	३६	५६	गं	१०	१	को	१५	१८	८	४६	१४	६	२३	११	कं.५३।४०
१४	र	५३	१३	उ	४३	५१	बृ	११	३८	ग	२०	२४	१२	४६	१४	७	२४	१२	कन्यायां
१५	चं	५८	४३	ह	५०	४७	ध्रु	१३	३३	वि	२५	५८	१६	४५	१५	८	२५	१३	कन्यायां

चंद्रद संव.नवरात्रा.घटस्था.कल्पादिः
जिल्काद ११मत्स्य जयंती सिंधारा
भ.२७।०उ.५२।५६या. गणगौरी पू.
*रेवत्यां बुधः १०।७
शते शुक्रः ५६।४०
= धनिष्ठायां २ शनिः २८।४
भ. ३७।४८उ.रेवत्यां रविः २०।४६*
भ. ६।४६ या. अप्रेल ४ ता. ३०=
श्रीरामजयन्ती
उभायां २ गुरुः ५८।२१
भ.५३उ ३१५था.उदयं गुरुः २५/४८= उ.गु.
= कामदा ११ ब्र.
मेषे बुधः ३५।२१ प्रदोष ब्र.
भ. ५३।१३ उ.
भ. २५/२८ या. मन्वादिः हनुमज्जयन्ती

५१ पं.चै.शु ५शु.इ.४१।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	११	१०	९	३	११
१५	१३	१३	५	६	२६	२	१४
१	४४	४१	२३	१९	२४	४१	५९
२१	१७	१३	३४	५	७	४६	१४
५९	१०	२/५	१३	७०	५	३	५९
१८	४४	९	३२	५८	४३	११	१६

गोचरग्रहाः

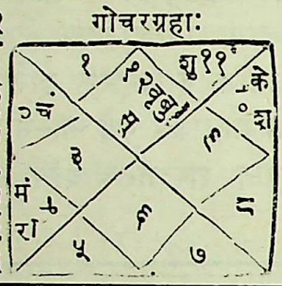

इस मास का फल अच्छा है गुरु का उदय व्यापारिक वस्तुओं में मन्दी कारक है।

गोचरग्रहाः

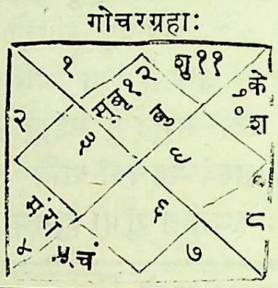

५२ पं.चै.शु १२शु.इ४१।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	११	१०	९	३	११
२१	१४	२८	७	१४	२७	२	२१
५५	५१	९	३	३८	१	१९	५३
५४	५०	३२	१०	१३	१२	३०	२०
५९	१४	२/५	१३	७१	५	३	५९
४	४४	४७	२७	२९	१६	११	४

ति. वैशाखकृष्णपक्षः सं० २०२० शाकः १८८५ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | बसंतर्तौ रवि रुत्तरे चैत्रकृ. महाराष्ट्राः

१	मं	६०	०	चि	५८	१६	व्या	१५	४०	बा	३१	५३	३१/२०	४५/४४	१६	६	२६	१४	तु. २४।३२
१	बु	५	२	स्वा	६०	०	ह	१८	०	को	५	२	२४	४३	१७	१०	२७	१५	तुलायां
२	गु	११	२५	स्वा	५	४७	व	२०	१६	गं	११	२५	२८	४२	१८	११	२८	१६	वृ.५६।२१
३	शु	१७	३२	वि	१३	१२	सि	२२	२५	वि	१७	३२	३२	४२	१८	१२	२९	१७	वृश्चिके
४	श	२२	५४	अ	२०	०	व्य	२४	३	बा	२२	५४	२६	४१	१९	१३	३०	१८	बृश्चिके
५	र	२७	५१	ज्ये	२६	६	व	२६	८	तै	२७	५१	४०	४०	२०	१४	१	१९	ध. २६।६
६	चं	३१	२५	मू	३१	७	प	२५	१२	व	३१	२५	४३	३९	२१	१५	२	२०	धनुषि
७	मं	३३	४३	पू	३४	३५	शि	२४	४	वि	२	३४	४७	३९	२१	१६	३	२१	म.५०।४
८	बु	३३	५९	उ	३६	२९	सि	२१	३४	बा	३	५१	५०	३८	२२	१७	४	२२	मकरे
९	गु	३२	४७	श्र	३६	१८	सा	१७	४१	तै	३	२३	५४	३७	२३	१८	५	२३	मकरे
१०	शु	२९	२७	ध	३४	२४	शु	१२	६	वि	१	७	५८	३६	२४	१९	६	२४	कु.५।२१
११	श	२४	१५	श	३०	३७	शु	५/७	५२/२०	बा	२४	१५	३/२	३६	२४	२०	७	२५	कुम्भे
१२	र	१७	१९	पू	२५	६	ऐं	४७	१६	तै	१७	१९	५	३५	२५	२१	८	२६	मी ११।२९
१३	चं	९	८	उ	१८	२९	वै	३६	५३	व	९	८	९	३४	२६	२२	९	२७	मीने
१४	चं	५०	१९	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	मं	४९	८	उ	१०	५१	वि	२५	५३	च	२४	१७	१३	३३	२७	२३	१०	२८	मे. १०।५१

पूभायां शुक्रः १०।४९
भ. ४४।२९ उ.
भ. १७/३२या.पश्चिमोदयं बुधः ९।३५च.व्र.
मेषेर्कः५५।२३भरण्यां बुधः ११।३६
अश्लेषायां भौमः ०।८
भ. २६।६
धनुषि
भ. ३१।२५ उ.
भ. २।३४ या.
उभायां ३ गुरुः ५७।४०
मीने शुक्रः ३४।४०
भ. १।७ उ. २९।२७ या.
वरूथिनी ११ ब्र.
कृत्ति.बुधः १९/० उभायाँ.शुक्र. २०/३९ प्रदोषः
भ. ९।८ उ. ३४।१८ या.
वृषे बुधः ३७।४६

१ पं.वै.कृ.३श.इ.५७।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	११	१०	९	३	०
०	१६	१४	९	२४	२७	१	०
२	३८	४५	६	३१	४२	५३	०
२	५६	०	४४	५	४०	१३	०
५८	१९	२/५	१३	७१	४	३	५८
४५	१४	३९	२०	५२	५०	११	४४

गोचरग्रहाः

वै. कृ. ४ शनौ मेषेऽर्कः प्र.वा.३ न. ४ गतालका वस्था ऊभी मु.१५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदयं पूर्वे.

गोचरग्रहाः

२ पं.वै कृ ११श.इ.५७।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	११	११	९	३	०
६	१८	२६	१०	२	२८	१	६
५२	४८	८	३८	५२	१२	३०	५०
२३	०	६	५६	२६	२५	५८	३५
५८	२२	८७	१२	७२	४	३	५८
५२	२६	७	५८	१८	१४	११	३१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५ | दि. उ. अ. रा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गण ३३०६स.१६६३

१	बु	३६	३६	अ	२६	५२ / १६	प्री	१५	२०	कि	१४	२२	३२ / १७	५ / ३	६ / २७	२४	११	२६	मेषे
२	गु	३०	७	कृ	४७	५७	आ	२०	५० / १०	बा	४	५०	२१	३२	२८	२५	१२	३०	वृ.८।४
३	शु	२१	४४	रो	४२	२	शो	४५	२०	ग	२१	४४	२५	३१	२६	२६	१३	१	वृषे
४	श	१४	३५	मृ	३७	५१	अ	३७	५५	वि	१४	३५	२६	३०	३०	२७	१४	२	मि६।५७
५	र	६	३३	आ	३५	४६	सु	३२	१६	बा	६	३३	३२	२६	३१	२८	१५	३	मिथुने
६	चं	६	१	पु	३५	२५	धृ	२७	४८	तै	६	१	३६	२६	३१	२६	१६	४	क.२०।१६
७	मं	४	३५	पु	३७	१७	शू	२५	६	व	४	३५	४०	२८	३२	३०	१७	५	कर्के
८	बु	५	२६	श्ले	४०	४४	गं	२३	५४	ब	५	२६	४३	२७	३३	१	१८	६	सिं ४०।४०
९	गु	७	३८	म	४५	५७	बृ	२४	६	को	७	३८	४७	२७	३३	२	१९	७	सिंहे
१०	शु	११	३२	पू	५२	१५	धु	२४	३८	ग	११	३२	५०	२६	३४	३	२०	८	सिंहे
११	श	१६	३८	उ	५६	१८	व्या	२६	३२	वि	१६	३८	५४	२५	३५	४	२१	९	क.६।१
१२	र	२२	२२	ह	६०	०	ह	२८	४६	बा	२२	२२	५७	२५	३५	५	२२	१०	कन्यायां
१३	चं	२८	२६	ह	६	२	व	३१	१५	तै	२८	२६	३३	२४	३६	६	२३	११	तु.४०।६
१४	मं	३४	४८	चि	१४	११	सि	३३	३०	ग	१	३८	४	२३	३७	७	२४	१२	तुलायां
१५	बु	४०	३६	स्वा	२१	२७	व्य	३५	४१	वि	७	४४	७	२३	३७	८	२५	१३	तुलायां

चन्द्रदर्शनम्
भ.४८/६ उ.जिल्हेज १२ अक्षया ३ परशुरामज.
भ.१४।३५ या.भरण्यांरविः ३६।४४

भ. ४।३५ उ. ३५।०० या.
मई ५ ता ३१ पातस्पर्श ५२।५
रेवत्यांभृगुः २६/५ पातमोक्षः ४६/६ उभा.४B
भ. ४४।५ उ. B गुरुः ५०।२६
भ. १६।३८ या. मोहिती ११ ब्र.
वक्री बुधः ५३।४० प्रदोषः

भ. ३४।४८ उ. नरसिंह जयन्ती
भ ७।४४ या. जलकुम्भदानं अन्नदानं

३पं.वै.शु.४श.इ. ५८।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	११	११	९	३	०
१३	२१	३	१२	११	२८	१	१३
४०	८	५१	१४	१५	३८	८	३९
३८	३५	२९	१०	३२	६	४२	४०
५८	२४	४७	१३	७२	५	३	५८
१२	५२	५६	३५	३७	३४	११	२०

गोचरग्रहाः

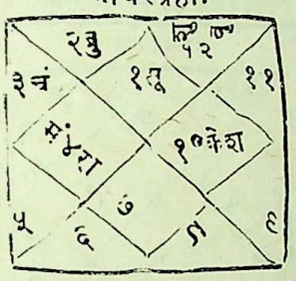

इस मास में सुख शांतिकारक फल है। धान्य रूई वस्त्र अलसी चाँदी मोती शोना आदि शस्ते होंगे.

गोचरग्रहा

४पं.वै.शु.११श.इ५८।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	११	११	९	३	०
२०	२३	७	१३	१९	२८	०	२०
२७	४३	२८	४६	४०	५९	४६	२७
१८	३७	१६	८	५५	२८	२६	२२
५७	२७	५३	१२	७२	२	३	५८
५७	८	मा	१६	५६	५६	११	६

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५ | दि. उ. अ. रा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तु रविरुत्तरे वैशाख कृ. महाराष्ट्राः

१	गु	४६	३०	वि	२८	२४	व	३७	४२	बा	१३	३४	३३ / १०	५ / २२	६ / ३८	९	१६	१४	वृ ११।४
२	शु	५१	३४	अ	३४	१	प	३९	१६	तै	१९	२	१३	२१	३९	१०	२७	१५	बृश्चिके
३	श	५५	४२	ज्ये	४०	५०	शि	४०	८	व	२३	२८	१६	२१	३९	११	२८	१६	ध.४०।५०
४	रे	५९	१	मू	४५	३६	सि	४०	१७	ब	२७	२१	२९	२०	४०	१२	२९	१७	धनुषि
५	चं	६०	०	पू	४९	२१	सा	३९	३८	को	३०	८	२२	२०	४०	१३	३०	१८	धनुषि
५	मं	१	१५	उ	५१	५२	शु	३७	५४	तै	१	१५	२५	१९	४१	१४	३१	१९	म.४।५९
६	बु	२	७	श्र	५३	१९	शु	३५	१६	व	२	७	२८	१८	४२	१५	१	२०	मकरे
७	गु	१	४५	ध	५३	८	त्र	३१	२६	ब	१	४५	३१	१८	४२	१६	२	२१	कु.२३।१४
८	गु	५८	७	०	०	०	०	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	शु	५६	१२	श	५१	११	ऐं	२६	५	तै	२८	२	३४	१७	४३	१७	३	२२	कुम्भे
१०	श	५०	५३	पू	४७	५८	वै	१९	२५	व	२३	३२	३६	१७	४३	१८	४	२३	मी ३३।४६
११	र	४४	२७	उ	४३	१८	वि	१२	२	ब	१७	३९	३९	१६	४४	९	५	२४	मीने
१२	चं	३६	१८	रे	३७	७	प्री	३ / ५० / २६		को	१०	२२	४१	१६	४४	२०	६	२५	मे. ३७।७
१३	मं	२६	०	अ	३०	८	सौ	४३	८	बा	१	९	४४	१५	४५	२१	७	२६	मेषे
१४	बु	१७	५९	भ	२२	४१	शो	३२	३१	श	१७	५९	४६	१५	४५	२२	८	२७	वृ ३५।५२
२०	गु	८	१७	कृ	१५	२४	अ	२२	८	ना	८	१७	४८	१४	४६	२३	९	२८	वृषे

पश्चिमास्त बुधः ४।४८

भ. ३/३ उ. ५५/४३ या.कृत्ति.रवि २४।३९
चतुर्थी व्रतम्
मेषेऽश्विन्यांशुक्रः ३१।४
वृषेऽर्कः ५२।२६
भ. २।७ उ. ३१।५६ या.

भ. ३/१ उ. ५०/५३ या.रेवत्यां १गुरुः५१।२८
मघा.सिंहेचभौमः ४३/४९ पुन.३मिथुनेराहुः S
अपरा ११ ब्र. नि.
भ. २६।० उ. ५२।० या.
S उषा.१धनुषिकेतुः ३४/४४ अपरा११ब्र.स्मा.
वट पूजनम्

५ पं.ज्ये.कृ.३श.इ.५८।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	११	११	९	३	०
२७	२६	६	१५	२८	२९	०	२७
१२	३४	१३	१५	६	१६	२४	१३
३२	५२	५	४०	५७	५५	११	३४
५७	२८	२६ / १२	११	७३	२	३	५७
४५	४९	बु	५२	१४	१४	११	५४

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृ. ५ भौमे वृषेऽर्कः. प्र. वा. ४ न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

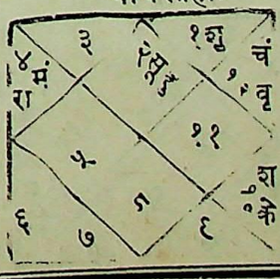

६पंज्ये.कृ१०श.इ५८।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	११	०	९	३	१
३	२९	३	१६	६	२९	०	३
५६	३७	४५	४१	१३	२९	१	५९
१०	०४	३२	९	७	५३	५५	२८
५७	३०	३६ / २८	११	७३	१	३	५७
३४	५	ब	१५	२०	३८	११	४४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं.२०२० शाकः १८८५ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३३३६ सन् १९६३

१	गु	५०	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	मि. ३५।४३	चन्द्रदर्शनम्वक्रीमेषेबुधः १९ भर.शुक्रः ३०
२	शु	५०	४८	रो	८	४०	सु	१२	१८	बा	२४	५५	३३ ५०	५ १४	४६	२४	१०	२९	मिथुने				मोहोरम १सन् १८३३ रोहि.१ वि:१८।३५
३	श	४४	१३	मृ	४२	५५ ५६	धृ	३२	५२ ५७	तै	१७	३०	५२	१४	४६	२५	११	१	क. ४१।५२				भ.१९।४३ उ. ३९।१४ या.
४	र	३९	१४	पु	५६	१७	गं	५०	२	व	११	४३	५४	१३	४७	२६	१२	२	कर्के				पूर्वोदयं बुधः १९।३५
५	चं	३६	१८	पु	५६	१८	बृ	४५	५३	ब	७	४६	५६	१३	४७	२७	१३	३	सिं ५८।१५				
६	मं	३५	४९	श्ले	५८	१५	शु	४३	१२	कौ	५	३३	५८	१२	४८	२८	१४	४	सिंहे				भ. ३६।५४ उ.
७	बु	३६	५४	म	६०	०	व्या	४२	१४	ग	६	२१	३४ ०	१२	४८	२९	१५	५	सिंहे				भ. ८।३५ या.
८	गु	४०	१६	म	२	३	ह	४२	४२	वि	८	३५	२	१२	४८	३०	१६	६					
९	शु	४५	८	पू	७	४०	व	४३	५५	बा	१२	४२	४	११	४९	३१	१७	७	क.२४।१९				
१०	श	५०	४७	उ	१४	१८	सि	४६	१३	तै	१७	५८	६	११	४९	१	१८	८	कन्यायां				जून६ता.३० मार्गीबुधः २७ गंगादशहरा
११	र	५७	०	ह	२१	५०	व्य	४८	३९	व	२३	५४	८	१०	५०	२	१९	९	तु. ५५।३७				भ. ३४ उ.५७।०या.निर्जला ११ व्र.स्मा.वै.
१२	चं	६०	०	चि	२९	२४	व	५१	११	ब	३०	८	९	१०	५०	३	२०	१०	तुलायां				वक्रीशनिः४९।१८निर्जला ११ व्र.नि.
१३	मं	३	१७	स्वा	३६	१६	प	५३	३५	बा	३	१७	११	१०	५०	४	२१	११	तुलायां				कृत्तिकायां शुक्रः ३३।१७ प्रदोषः
१३	बु	९	१०	वि	४३	५०	शि	५५	२८	तै	९	१०	१२	१०	५०	५	२२	१२	वृ. २६।५७				रेवत्यां २गुरुः ५६।५२
१४	गु	१४	३८	अ	५०	५	सि	५६	३७	व	१४	३८	१४	९	५१	६	२३	१३	वृश्चिके				भ.१४।३८उ.४६।४५या.वृषेबुधः २५।३
१५	शु	१८	५३	ज्ये	५५	२४	सा	५७	१२	ब	१८	५३	१५	९	५१	७	२४	१४	ध.५५।२४				वृषेशुक्रः ३० ४०

७ पं.ज्ये.शु.३श इ.५२।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	११	०	९	२	१
१०	२२	९	१८	१५	२९	२९	१०
३८	४९	१९	३	०	३७	३९	४२
२४	५०	१९	४७	५०	४	४०	२३
५७	३१	२३ २६	१०	७३	०	३	५७
२३	२९	ब	३८	३२	५६	११	२५

गोचरग्रहाः

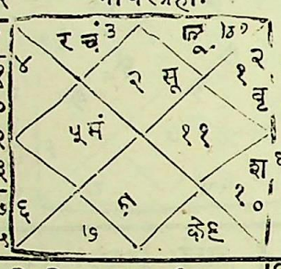

इस मास का फल श्रेष्ठ है। प्रजा में सुख शान्ति और उत्साह धान्यादि पदार्थ मन्दे रहेंगे।

गोचरग्रहाः

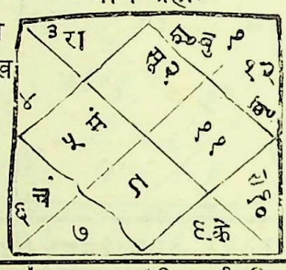

८ पं.ज्ये.शु.१०श.इ.५८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	११	०	९	२	१
१७	६	२८	१९	२३	२९	२९	१७
१९	१२	३३	२०	३०	४९	१७	२५
२७	४	४	३५	०	२०	२४	८
५७	३२	१ २	९	७३	१० १०	३	५७
१३	२९	मा	५६	४७	मा	११	२७

ति आषाढकृष्णपक्षः सं० २०२० शाकः १८-५ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तौ रविरुत्तरेज्येष्टकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	श	२२	३०	मृ	५९	५१	हा	५६	५३	कौ	२२	३०	३४ १६	५ ५१	६	८	२५	१५	धनुषि				मृगेरविः १७।२४
२	र	२४	५६	पू	६०	०	शु	५५	४८	ग	२४	५६	१७	९ ५१	९	२६	१६		धनुषि				भ. ५५।३३ उ.
३	चं	२६	१०	पू	३	१३	व	५४	९	वि	२६	१०	१८	८	५२	१०	२७	१७	म. १८।४७				भ. २६।१० या. च. ब्र.
४	मं	२६	२४	उ	५	२९	ऐं	५१	१८	बा	२६	२४	१९	८	५२	११	२८	१८	मकरे				
५	बु	२५	३८	अ	६	५०	वै	४७	३७	तै	२५	३८	२०	८	५२	१२	२९	१९	कु. ३६।५८				
६	गु	२३	५७	ध	७	६	वि	४३	१४	व	२३	५७	२१	८	५२	१३	३०	२०	कुम्भे				भ. २३।५७ उ. ५२।३१ या.
७	शु	२१	६	श	६	१२	प्री	३७	५९	ब	२१	६	२२	८	५२	१४	३१	२१	मी ५०।७				
८	श	१७	३	पू	४	४५	आ	३२	२०	कौ	१७	६	२२	८	५२	१५	३२	२२	मीने				मिथुनेऽर्कः १८।१२पूफा.यांभौमः५८।४३*
९	र	१२	२१	उ	४०	५६ १२	सो	२५	४९	ग	१२	२१	२३	७	५३	१६	१	२३	मे. ५७।५२				भ.३९।८उ. [* रोहिण्यांशुक्रः४४।११
१०	चं	५	५६	अ	५३	५	शो	१७	५	वि	५	५६	२३	७	५३	१७	२	२४	मेषे				भ. ५।५६ या. योगिनी ११ब्र.स्मा.
११	चं	५२	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०				
१२	मं	५१	२१	भ	४७	११	अ	२८	५१ २३	कौ	२५	७	२३	७	५३	१८	३	२५	मेषे				रोहिण्यांबुधः १५।३९योगिनी ११ब्र.वै.
१३	बु	४३	७	कृ	४१	६	धृ	४९	५७	ग	१७	१४	२४	७	५३	१९	४	२६	वृ. ०।४०				भ. ४३।७ उ. प्रदोष ब्र.
१४	गु	३४	३४	रो	३५	१२	शू	४०	४३	वि	८	५१	२४	७	५३	२०	५	२७	वृषे				भ. ८।५१ या.
३०	शु	२६	५०	मृ	२९	१६	ग	३१	४२	च	०	३७	२४	७	५३	२१	६	२८	मि. २।१४				अमावस्या

९ पं.आ.कृ.१श.इ५८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	११	१	९	२	१
२३	९	१	२०	१	२९	२८	२४
५९	४२	२२	३२	५८	३९	५५	७
२३	२९	८	४२	३४	४०	८	१२
५७	३३	३१	९	७३	२०	३	५७
५	३२	५४	१०	५६	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

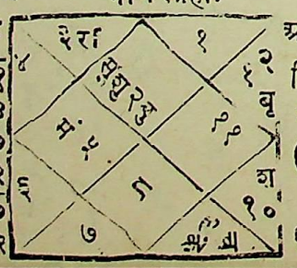

आषाढ कृ ८ शनौ मिथुनेऽर्कः प्र. वा.५ न. ५ युवावस्था (सूती मु. ४५ (धान्यभावमंदा) शुक्रोदयं पूर्वे

गोचरग्रहाः

१० पं.आ.कृ.८श.इ.५८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	११	१	९	२	२
०	१३	७	२१	१०	२९	२८	०
३८	२०	३३	३९	२८	३३	३२	४८
३२	२०	४३	३६	२३	४७	५३	२८
५६	३४	६३	८	७३	९ ९	३	५७
५७	३२	५९	२१	५९	ब	११	१७

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| आषाढ शुक्लपक्षः सं.२०२० शाकः १८८५|दि. उ. अ|इं. रा. मु.| चंद्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३३६५स.१९६३

१	श	१६	५६	आ	२४	४१	वृ	२३	३३	व	१६	५६	३४	५	६	२५	७	२६	मिथुने	चन्द्रदर्शनम् आर्द्रायां रविः १६।४४
२	र	१४	६	पु	२१	१४	धु	१६	५२	कौ	१४	६	२४	७	५३	२३	८	१	क.७।६	सफर २ रथयात्रा
३	चं	१०	१८	पु	१६	४१	व्या	११	१८	ग	१०	१८	२४	७	५३	२४	६	२	कर्के	भ. ३६।३० उ.
४	मं	८	४३	श्ले	१६	५६	ह	७	११	वि	८	४३	२३	७	५३	२५	१०	३	सिं १६।५६	भ. ८।४३ या.
५	बु	८	५०	म	२२	२८	व	४	५७	त्रा	८	५०	२३	७	५३	२६	११	४	सिंहे	मृगेशक्रः १३।५१
६	गु	११	१७	प	२६	४७	सि	४	३१	ते	११	१७	२२	७	५३	२७	१२	५	क.४३।१६	मृगेबुधः १२।४२रेवत्यां३गुरुः ४६।३१
७	शु	१५	४	उ	३२	४४	व्य	४	५३	व	१५	४	२२	८	५२	२८	१३	६	कन्यायां	भ. १५।४ उ. ४७।५१ या.
८	श	२०	३६	ह	३६	४५	व	६	२८	ब	२०	३६	२१	८	५२	२९	१४	७	कन्यायां	
९	र	२६	३५	चि	४७	१	प	८	४७	कौ	२६	३५	२०	८	५२	३०	१५	८	तु. ४५।०	मिथुने बुधः ४७।८ [* बुधः ४०।४५
१०	चं	३२	४७	स्वा	५४	५२	शि	११	३८	ग	३२	४७	१९	८	५२	१	१६	९	तुलायां	जुलाई७ता.३१मिथुनेशुक्रः५।६।५वर्षास्तं *
११	मं	३८	३५	वि	६०	०	मि	१४	१४	व	५	४१	१८	८	५२	२	१७	१०	बृ. ४५।०	भ. ५।४१उ.३८।३५या.देवशयनी११व्र.
१२	बु	४४	६	वि	१	४१	सा	१५	४५	ब	११	२०	१७	८	५२	३	१८	११	वृश्चिके	हरिवासरः घ.१।४१उप.
१३	गु	४८	१२	अ	८	८	शु	१७	८	कौ	१६	९	१६	९	५१	४	१९	१२	वृश्चिके	आर्द्राया बुधः९।८ प्रदोषः
१४	शु	५०	५२	ज्ये	१३	१५	शु	१७	२०	ग	१९	३२	१४	९	५१	५	२०	१३	ध. १३।१५	भ.५०।५२उ. [≡वायुपरीक्षाचन्द्रग्रहणम्
१५	श	५२	२४	मू	१७	११	त्र	१६	३७	वि	२१	३८	१३	९	५१	६	२१	१४	धनुषि	भ. ३१/३८य.पुनर्वसौरविः ३३/४५व्यासपूजा≡

११पं.आ.शु.१श.इ.५८।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	११	१	९	२	२
७	१७	१६	२२	१९	२९	२८	७
१७	५	४७	४०	०	२२	१०	२९
०	३५	४१	४४	११	३७	३७	२१
५६	३५	९२	७	७	५२	३	५७
५४	२	७	३२	२	ब	११	३

१२पं.आ.शु.८श.इ.५८।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	११	१	९	२	२
१३	२०	२८	२३	२७	२९	२७	१४
५५	५६	३१	३४	३१	७	४८	९
४	२०	३८	१९	३०	१६	२२	५१
५३	३५	९२	६	७४	२७	३	५७
५०	४६	९	३०	१२	ब	११	७

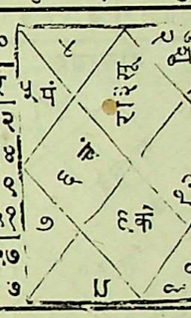

१३पं.आ.शु.१५श.इ.५८।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	११	२	९	२	२
२०	२४	१२	२४	६	२८	२७	२०
३२	५१	३३	२१	४	४७	२६	५०
५८	५०	०	५४	४८	५३	६	१०
५६	२६	९२	५	७४	२८	३	५७
५०	२९	९२	२९	२२	ब	११	७

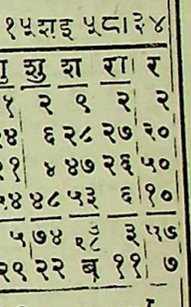

ति.| श्रावण कृष्ण पक्षः सं. २०२ शाकः १८८५ |दि,| उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः |ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेआषाढकृष्णेति.महाराष्ट्र.

१	र	५२	३३	पू	१६	५२	ऐं	१४	४२	त्रा	२२	२८	३४	५	६	७	२२	१५	म. ३५।१०	आर्द्रायाँ शुक्रः २६।५८
२	चं	५१	३६	उ	२१	५	वै	१२	२०	ते	२२	४	१०	१०	५०	८	२३	१६	मकरे	
३	मं	४६	३६	अ	२१	२६	वि	८	४५	व	२०	३६	८	१०	५०	९	२४	१७	कुं ५१।११	भ.२६उ.४३६या.उफायांभौमः५६।२७
४	बु	४६	३७	ध	२०	५४	प्री	४०	५५	ब	१८	६	७	११	४९	१०	२५	१८	कुंभे	पुनर्वसौबुधः३ ३।७
५	गु	४३	८	श	१९	४२	सौ	५४	५१	कौ	१४	२२	५	११	४९	११	२६	१९	कुंभे	नाग ५ मरुस्थले
६	शु	३६	१७	पू	१७	४२	शो	४८	१५	ग	११	१२	४	११	४९	१२	२७	२०	मी ३।१२	भ. ३६।१७ उ.
७	श	३४	३६	उ	१५	२१	अ	४०	१०	वि	६	५७	२	१२	४८	१३	२८	२१	मीने	भ. ६।५७ या.
८	र	२६	२०	रे	१२	२०	सु	३५	१४	त्रा	१	५८	०	१२	४८	१४	२९	२२	मे. १२।२०	
९	चं	२४	४	अ	९	५	धृ	२८	९	ग	२४	४	३३/५६	१२	४८	१५	३०	२३	मेषे	भ५१/०य.कन्यायांभौमः ४५/८कर्के बुधः ३५
१०	मं	१८	१६	भ	५	१५	शू	२०	३६	वि	१८	१६	५६	१३	४७	१६	३१	२४	बृ. १६।१४	भ१६/१६यांकर्केऽर्कः ५६/६पुष्येबुधः ३६।३४
११	बु	११	५१	कृ	९	२३	गं	१२	५०	त्रा	११	५१	५४	१३	४७	१७	१	२५	बृषे	कामिका ११व्र.
१२	गु	५	१७	मृ	५२	२९	वृ	११	५२	ते	५	१७	५२	१४	४६	१८	२	२६	मि २४।३०	भ.५९।६उ.पुनर्वसौशुक्रः २२।३४प्रदोषः
१३	गु	५३	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१९	३	२७	मिथुने	भ. २६।१४
१४	शु	५३	२१	आ	४८	३८	व्या	५०	७	वि	२६	१४	५०	१४	४६	२०	४	२८	क २१।२४	पुष्ये रविः २७।६ हरियाली ३८
३०	श	४८	१३	पु	४५	३९	ह	४३	२६	च	२०	४७	४७	१५	४५					

१४पं.श्रा.कृ.७श.इ.५८।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	११	२	९	२	२
२७	२८	२७	२५	१४	२८	२७	२७
११	५३	४०	०	२७	२५	३	३०
५	५६	८	२५	५९	०	५०	३४
५६	३७	९२	४	७४	४८/५३	३	५७
५५	९	९२	२०	२५	ब	११	११

गोचरग्रहाः

श्रावण कृ.१० भौमे कर्केऽर्कः प्र. वा. ४ नं. ५ कुमारावस्था(बैठी)मु.३० (धान्यभावसम) शुक्रोदयं पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

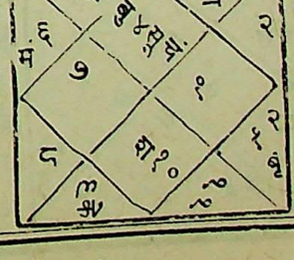

१५पं.श्रा.कृ.२०श.इ.५८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	११	२	९	२	३
३	३	१२	२५	२३	२७	२६	४
४९	०	१६	३०	१३	५९	४१	११
३२	४०	४	३९	१९	४६	३५	१५
५६	३७	९२	३	७४	४८/५३	३	५७
५७	२५	९२	१४	२९	ब	११	१५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावणशुक्ल पक्षः सं. २०२० शाकः १८८५	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वर्षतूँ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३३६४ सं. १६६३
१	र ४४ ३२ पु ४३ ४० व ३७ ४३	कं	१६ २३	३३ ४५	५ १५	४५ ६	२१ ५	२६	कर्के
२	चं ४२ ३८ श्ले ४३ २८ सिं ३३ ११	बा	१३ ३५	४२ १६	४४	२२ ६	३०	सिं.४३।२८	पुनर्वसौ २ राहुः पूषण्यां ४ केतुः २८।८
३	मं ४२ १८ म ४४ ५६ व्य ३० ३	तै	१२ २८	४० १६	४४	२३ ७	१	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
४	बु ४४ ६ पू ४८ २१ व २८ ३१	व	१३ १२	३७ १७	४३	२४ ८	२	सिंहे	रविलाबल ३ सार्पे बुधः ८।४३ तीज
५	गु ४७ २२ उ ५३ ० प २८ १५	ब	१५ ४४	३५ १७	४३	२५ ९	३	क.४।३१	भ. १३।१२ उ. ४४।६ या. वरद ४
६	शु ५२ २० ह ५९ ३० शि २९ ११	कौ	१९ ५१	३२ १८	४२	२६ १०	४	कन्यायां	नाग ५
७	श ५७ ४८ चि ६० ० सिं ३१ ५२	ग	२५ ४	३० १८	४२	२७ ११	५	तु.३३।४	कर्के भृगुः २९।५० पश्चिमोदयी बुधः १।११
८	र ६० ० चि ६ ३७ सा ३३ ५४	वि	३० ५५	२७ १९	४१	२८ १२	६	तुलायाँ	भ. ५७।४८ उ.
८	चं ४ ३ स्वा १४ ५ शु ३६ १२	ब	४ ३	२४ १९	४१	२९ १३	७	तुलायां	भ. ३०।५५ या.
९	मं ९ ५६ वि २१ २३ शु ३७ ५५	कौ	९ ५६	२१ २०	४०	३० १४	८	वृ.४।३४	पुष्ये भृगुः १०।५२
१०	बु १५ ३७ अ २८ २३ व ३९ ३३	ग	१५ ३७	१८ २०	४०	३१ १५	९	वृश्चिके	मघायां सिंहेच बुधः ११।१२
११	गु १९ ५३ ज्ये ३३ ४५ ऐं ४० ९	वि	१९ ५३	१५ २१	३९	१ १६	१०	ध.३३।४५	भ. ४७।४५ उ.
१२	शु २२ २३ मू ३७ ४९ वै ३९ ४०	बा	२२ २३	१२ २२	३८	२ १७	११	धनुषि	भ. १९।५३ या. अगस्तदृता. ३१ हस्ते*
१३	श २३ ४२ पू ४० १७ वि ३७ ५९	तै	२३ ४२	९ २२	३८	३ १८	१२	म.५५।३०	प्रदोषः [*भौमः ४४।१७ पवित्रा ११ व्र.
१४	र २३ ८ उ ४१ ८ प्री ३४ ४५	व	२३ ८	६ २३	३७	४ १९	१३	मकरे	श्लेषायाँ रविः २७।५७
१५	चं २० ५० श्र ४० २४ आ ३० ३१	ब	२० ५०	३ २३	३७	५ २०	१४	मकरे	भ. २३।८ उ. ५१।५९ या.
									रक्षाबंधनं श्रावणीकर्म

१६ पं.श्रा.शु.७ श.इ.५८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	११	३	९	२	३
१०	७	२५	२५	१	२७	२६	१०
२८	११	३७	५२	४९	३१	१९	५२
५२	६	५९	४४	४१	५	१९	१९
५७	३७	४	१	७४	३८	३	५७
५	५९	३२	५०	३१	ब्र	११	२०

गोचरग्रहः

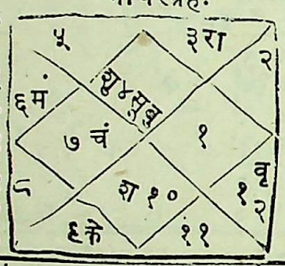

इस मास का फल साभान्य है प्रजा में रोगादि उपद्रव हो। वर्षा योग है धान्य तृणादि सस्ते होंगे।

गोचरग्रहाः

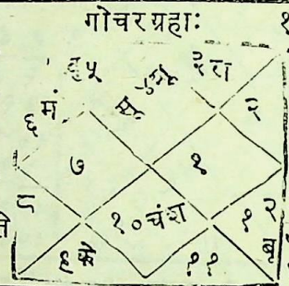

१७ पं.श्रा.शु.१३ श.इ.८।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	११	३	९	२	३
१७	११	७	२६	१०	२७	२५	१७
८	२६	४०	५	२६	१	५७	२४
२७	२०	१२	२४	२४	८	४	१
५७	३८	९०	४४	७४	३४	३	५७
१२	४४	३७	मा	३२	ब	११	२४

ति.	भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं. २०२० शाकः १८८५	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वर्षतूँ रविर्दक्षिणेऽश्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं १७ ४१ ध ३८ ३९ सौ २५ १४	कौ	१७ ४१	३३ ०	२४ ५	३६ ६	६ २१	१५	कु.९।३१
२	बु १३ १४ श ३५ ५५ शो १९ ५२	ग	१३ १४	३२ ५७	२५ ३५	७ २२	१६	कुंभे	भ. ४०।४० पूफायां बुधः २६।५ पू. अ. शु
३	शु ८ ६ पू ३२ ४७ अ १२ २९	वि	८ ६	५४ २५	३४	८ २३	१७	मी १८।३४	भ. द्वया. वक्रीगुरुः १६ वक्रीधनि. १ शनिः*
४	शु २ ४५ उ २९ १४ सु ३३ ५२	बा	२ ४५	५० २६	३४	९ २४	१८	मोने	सार्पे शुक्रः १।४१
५	शु ५४ २५ ० ० ० ० ०	०	० ०	० ०	०	० ०	०	०	[*४३ पूर्वास्तोभृगुः ४२।३६ च. ब्र.
६	श ५१ ३९ रे २५ ३९ शु ५१ ९	ग	२४ २५	४७ २७	३३	१० २५	१९	मे.२५।३९	भ. ५१।३९ उ.
७	र ४६ ११ अ २२ ११ गं ४३ ५९	वि	१८ ५५	४३ २७	३३	११ २६	२०	मेषे	भ. १८।५५ या. जन्माष्टमी स्मा.
८	चं ४१ ८ भ १८ ३७ वृ ३७ ११	बा	१३ ४०	४१ २८	३२	१२ २७	२१	वृ.३२।४९	जन्माष्टमी वै.
९	मं ३५ ५३ कृ १५ २५ ध्रु ३० ११	तै	८ ३०	३८ २८	३२	१३ २८	२२	बृषे	गोगा ९
१०	बु ३० ४७ रो १२ २६ व्या २३ ३०	व	३ २०	३५ २९	३१	१४ २९	२३	मि४१।४	भ. ३।२० उ. ३०।४७ या.
११	गु २६ २२ मृ ९ २ ह्व १७ ११	बा	२६ २२	३२ ३०	३०	१५ ३०	२४	मिथुने	अजां ११ व्र.
१२	शु २२ २३ आ ७ २१ व ११ ९	तै	२२ २३	२९ ३०	३०	१६ ३१	२५	क.५१।७	प्रदोषः वत्स १२
१३	श १८ ५६ पु ५ ४२ सि ५ ४३	व	१८ ५६	२६ ३१	२९	१७ ३२	२६	कर्के	भ. १८।५६ उ. ४७।४० सिंहेऽर्कः २४।२४
१४	र १६ २४ पु ४ ४६ व्य ४३ ५६	श	१६ २४	२२ ३२	२८	१८ १	२७	कर्के	[+ उफायां बुधः ६।२५
३०	चं १५ २७ श्ले ५ २ प ५३ ४३	ना	१५ २७	१९ ३२	२८	१९ २	२८	सिं.५।२	मघायांसिंहेच शुक्र ४८।३१ कुशाग्रहणम्

१८ पं.भा.कृ ६ श.इ. ५७।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	११	३	९	२	३
२३	१५	१८	२६	१९	२६	२५	२४
४९	४६	२३	८	४	२९	३४	१६
४४	४४	९	३८	१९	२०	४८	२१
५७	३९	८५	३९	७४	४०	३	५७
२२	१०	५३	ब	७२	ब	११	३३

गोचरग्रहाः

भाद्रपद कृ.१३ शनौ-सिंहेऽर्कः प्र. वा. ५ न. ६ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भावसम) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहः

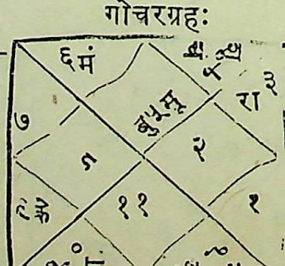

१९ पं.भा.कृ १३ श.इ. ५७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	११	३	९	२	४
०	२०	२७	२६	२७	२५	२५	०
३१	१०	३९	१	४२	५८	१२	५९
५७	५९	०	२३	२२	८	३१	४८
५७	३९	६९	२	७४	४०	३	५७
३४	३२	१९	ब	३२	ब	११	४०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०२० शाकः १८८५						दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४२४स. १९६३
१	मं	१५	४०	म	६	२७	शि	५२	१०	ब	१५	४०	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् कन्यायां बुधः ०।२०
२	बु	१७	१८	पू	९	३०	सि	५१	६	कौ	१७	८	क.२५।३८	रविलाखर ३
३	गु	२०	२१	उ	१४	१	सा	५१	३३	ग	२०	२१	कन्यायां	भ. ५२।४६ उ. हरितालिका ब्र.
४	शु	२५	१२	ह	१९	५०	शु	५२	३८	वि	२५	१२	तु.५८।१२	भ २५।१२ या. चित्रायां भौमः २।७×
५	श	३०	३१	चि	२६	३५	शु	५४	४८	वा	३०	३१	तुलायां	ऋषि पंचमी
६	र	३६	४२	स्वा	३३	५०	ब्र	५७	२२	कौ	३	३६	तुलायां	[×गणेश चतुर्थी रा.भा.प.मा.६ दि.३१
७	चं	४२	४९	वि	४१	२५	ऐं	५९	४४	ग	९	४५	वृ. २४।३१	भ. ४२।४९ उ.
८	मं	४८	३८	अ	४८	५२	वै	६०	०	वि	१५	४४	बृश्चिके	भ.१५।४४या.दूर्वा ८
९	बु	५३	२७	ज्ये	५४	५८	वै	१	४९	वा	२१	२	ध.५४।५८	÷वामनावतारः नि.वै.
१०	गु	५७	४६	मू	६०	०	वि	३	१४	तै	२५	३७	धनुषि	
११	शु	५८	१९	मू	०	५	प्री	३	२३	व	२८	२	धनुषि	भ.२८।२उ.५८, १९या.पूफायांशुक्रः ३४/५९
१२	श	५८	२	पू	३	२	आ	३	३०	ब	२८	१०	म.१८।२३	पूफायां रविः १५।१६हस्तेबुधः १५।४१÷
१३	र	५५	४१	उ	४	२४	शो	५५	१८	कौ	२६	५२	मकरे	सितम्बर ९ ता. ३० प्रदोषः
१४	चं	५१	३६	श्र	३	५४	अ	४९	४६	ग	२३	३८	कु.३२।४५	भ.५१।३६उ.तुलायां भौमः ११/३२ अनंत१४
१५	मं	४५	५७	ध	३६/३	५६/०	सु	४२	५४	वि	१८	४५	कुम्भे	भ. १८।४५. या. महालयारम्भः

२०पं.भा.शु.५श.इ. ५७/३३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	११	४	९	२	४
७	२४	५	२५	६	२५	२४	७
१५	३८	८	४६	२२	२७	५०	४४
२०	४६	२०	४२	१	७	१७	१६
५७	३९	५०	१३/९	७४	२८/४	३	५७
४५	५४	२७	ब	३८	ब	११	३८

गोचरग्रहाः

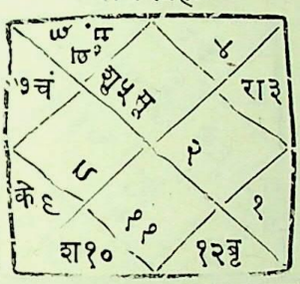

इस मासमें पांच मंगलवार अशुभ हैं। प्रजामें रोग पीडा चिंता आदि रहेंगे धान्यादिके भाव सायान्य वर्षा मध्यम होगी

गोचरग्रहाः

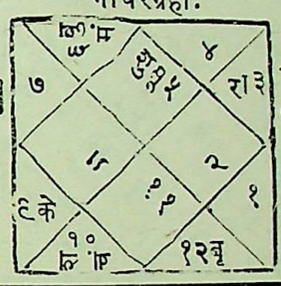

२१पं.भा.शु.१२श.इ. ५७/२५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	११	४	९	२	४
१४	२९	१०	२५	१५	२४	२४	१४
०	१०	१५	१९	२	५७	२८	२९
४२	१२	४०	४१	४२	४०	१	५७
५७	४०	२३	२०/४	७४	१०/९	३	५८
५७	१९	६	ब	३८	ब	११	१

ति.	प्र.आश्विनकृष्णपक्षः सं० २०२० शाकः १८८५						दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूं रविर्दक्षिणे भाद्र कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	बु	३९	१९	पू	३	१४	धृ	३४	१२	वा	१३	३८	३१/१८	४/५ ४४/१६	४	१३	१५	मी ३९।२७	
२	गु	३२	८	उ	४७	५७	शू	२६	४२	तै	५	४३	१४	४५ १५	५	१४	१६	मीने	भ.५८।२९उ. वक्रीबुधः १०।२८
३	शु	२४	५०	रे	४२	५१	गं	१७	५५	वि	२४	५०	१०	४६ १४	६	१५	१७	मे.४२।५१	भ.२४।५०या. चतुर्थी ब्र.
४	श	१७	३४	अ	३७	४०	बृ	९	२६	बा	१७	३४	६	४७ १३	७	१६	१८	मेषे	+३९/२० वक्री उफायां बुधः २८।३९*
५	र	१०	३९	भ	३२	५३	धु	५३/५	५७/७	तै	२०	३९	२	४८ १२	८	१७	१९	वृ.४६।५२	*इंदिरा ११ ब्र. स्मा.
६	चं	४	३७	कृ	२८	४७	ह	४५	२१	व	४	३७	३०/५८	४८ १२	९	१८	२०	बृषे	भ. ४।३७उ. २१।५६या.
७	च	५४	३८	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	०	०	∧क. शुक्रः ५९।४५
८	मं	५४	३८	रो	२५	४५	व	३८	२७	वा	२६	५६	५४	४९ ११	१०	१९	२१	मि५४।२८	उफायां. शुक्रः १८।५२
९	बु	५१	०	मृ	२३	१२	सि	३२	१२	तै	२२	४९	४९	५० १०	११	२०	२२	मिथुने	सौभाग्यवतीनां श्राद्ध
१०	गु	४८	१०	आ	२१	२८	व्य	२६	५१	व	१९	३५	४५	५१ ९	१२	२१	२३	मिथुने	भ.१९/३५उ. ४८/१०या.स्वा. भौमः २३।१५∧
११	शु	४६	१०	पु	२१	१	व	२२	१०	ब	१७	१०	४०	५२ ८	१३	२२	२४	क.६।०८	उफायां रविः ५९।५५ पश्चिमास्तंबुधः+
१२	श	४५	१५	पु	२१	११	प	१८	५	कौ	१५	४३	३६	५३ ७	१४	२३	२५	कर्के	इन्दिरा ११ ब्र. नि.
१३	र	४५	२९	श्ले	२२	२९	शि	१५	३	ग	१५	२२	३२	५४ ६	१५	२४	२६	सिं २२।१९	भ.४५।२९ उ. प्रदोषः
१४	चं	४६	३६	भ	२४	४५	सि	१२	३९	वि	१६	२	२८	५४ ६	१६	२५	२७	सिंहे	भ.१६।२या.शस्त्रा. श्राद्धं दृश्यः क. ५२/८
२०	मं	४९	१२	पू	२८	२२	सा	११	२९	च	१७	५४	२४	५५ ५	१७	२६	२८	क.४४।३०	कन्यायामर्कः २५।६

२२पं.प्र.आ.कृ.४श.इ. ५७/१६							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	११	४	९	२	४
२०	३	११	२४	२३	२४	२४	२१
४७	४६	५३	४५	४३	३०	५	१६
२३	३७	६	५५	५२	११	४६	५७
५८	४०	३५/१३	२८/५	७४	५३/२	३	५८
१२	२७	बु	ब	३८	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

प्र.आ. कृ. ३० भौमे कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न. ४ पुत्रे वत्सलावस्था (सूती) मु ३० (धान्य भावसम) शुक्रास्तः पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

२३पं.प्र.आ.कृ.१२श.इ. ५७/७							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	११	५	९	२	४
२७	८	८	२४	२	२४	२३	२८
३५	२५	३१	४	२५	५	४३	५
४६	३४	४८	१६	४८	२	३०	१३
५८	४१	५९/४९	२६/९	७४	३८/२	३	५८
२९	१०	ब	ब	३२	ब	११	२६

दृश्यः (आश्विन कृष्णा) (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	प्र.आश्विनशुक्लपक्षः सं.२०२०शाकः१८८५										दि.	उ.	अ	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३४५३स १९६३
१	बु	५२	४९	उ	३२	५२	शु	११	३	क	२०	५०	३०/२०	५६	६/४	१८	२७	२९	कन्यायां	मा.मह श्राद्ध वैरमतेनाऽधिकमासारंभः
२	गु	५७	४७	ह	३८	४५	शु	११	१३	श	२५	१७	१६	५७	३	१९	२८	३०	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	६०	०	चि	४५	१४	न	१२	३४	तै	३०	३०	१२	५८	२	२०	२९	१	तु.१२।०	जमादिलावल ५
३	श	३	१३	स्वा	५२	३३	ऐं	१४	५	ग	३	१३	८	५८	२	२१	३०	२	तुलायां	भ. ३६/२३ २ गुरुः २७/४३ हस्ते भृगुः २।२८
४	र	९	३३	वि	६०	०	वै	१६	२०	वि	९	३३	४	५९	१	२२	३१	३	वृ.४३।१६	भ.३६/३३या.पुनर्वसौ १राहुःपू. ३केतुः३०/११
५	चं	१५	४२	वि	०	१०	वि	१८	२२	ना	१५	४२	०	६०/०	०	२३	१	४	बृश्चिके	वक्रीसिंहे बुधः ९।१६
६	मं	२२	७	अ	७	४९	मी	२१	२६	तै	२२	७	२९/५५	१/२९	५/५	२४	२	५	वृश्चिके	*चित्रायां शुक्रः ४५।४१
७	बु	२७	२५	ज्ये	१४	५६	आ	२३	१८	व	२७	२५	५१	२	५८	२५	३	६	ध.१४।५६	भ. २७।२५ उ. ५९।३१ या.
८	गु	३१	२८	मू	२०	४४	सौ	२४	१७	ब	३१	३८	४६	३	५७	२६	४	७	धनुषि	+ ४शनिः ८।५०
९	शु	३४	७	पू	२५	१५	शो	२४	२०	ग	२	५३	४२	४	५६	२७	५	८	म.४०।५५	हस्तेरविः३७।३४ पूर्वोदयं बुधः४२।३३
१०	श	३४	४५	उ	२७	५६	अ	२२	४६	तै	४	२६	३८	४	५६	२८	६	९	मकरे	
११	र	३३	१९	श्र	२८	४६	सु	१९	४१	व	४	२	३४	५	५५	२९	७	१०	कु.५८।६	भ.५/२उ. ३३/१९या. मार्गीबुधः २३/१७ ११ब्र.
१२	चं	२९	४६	ध	२७	२६	धृ	१४	५८	ब	१	३२	३०	६	५४	३०	८	११	कुम्भे	प्रदोषः
१३	मं	२४	२०	श	२४	२	शू	८	३३	तै	२४	२०	२६	७	५३	१	९	१२	कुम्भे	अक्टूबर१०ता.३१ विशा. भौमः ५५/२४*
१४	बु	१७	१४	पू	१९	१५	ग	४८/०	५१/०	न	१७	१४	२२	८	५२	२	१०	१३	मी५।२७	भ. १७/१४ उ. ४३/१२ या. वक्री श्रव.÷
१५	गु	९	९	उ	१३	१५	धृ	४२	१७	ब	९	९	१८	८	५२	३	११	१४	मीने	

२४पं.प्र.आ.शु.३श.इ.५६/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	११	५	९	२	५
४	१२	१	२३	११	२३	२३	४
२५	८	२७	१६	७	४४	२१	५५
५२	३५	४७	३०	४१	१७	१४	१९
५८	४१	७३/१०	१/१७	७४	५३	३	५८
४५	२६	ब	ब	३२	ब	११	३८

गोचरग्रहाः

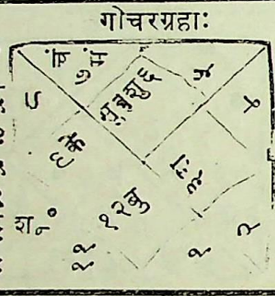

इस मास का फल साधारण है प्रजा में सुख शांती व्यापार में अधिक घट बढ़ ,शेयर सोना चांदी तेज

गोचरग्रहाः

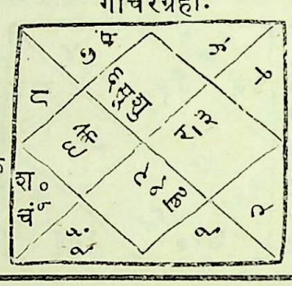

२५पं.प्र.आ.शु१०श.इ.५६/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	११	५	५	२	५
११	१७	२७	२२	१९	२३	२२	११
१७	५४	२८	२३	५०	२६	५८	४६
५६	५५	३७	५६	१७	५६	५९	५६
५९	४१	२२/२	४७/३	७४	२/१०	३	५८
०	५३	ब	ब	३१	ब	११	५३

ति.	द्वि.आश्विनकृष्णपक्षः सं.२०२० शाकः १८८५										दि.	उ.	अ	इं.	रा.	मु.	चंद्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे प्र. आ. कृ. महा.
१	शु	०	२५	रे	६/२५	५२/५३	व्या	३२	०	कौ	०	२५	२९/१४	६/९	५/५१	४	१२	१५	मे.६।२५	
२	शु	५१	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	श	४२	३७	भ	५२	५०	ह	२१	५६	व	१७	३	१०	१०	५०	५	१३	१६	मेषे	भ. १७/३उ. ४३/३७या. कन्यायाँ बुधः१९/४५
४	र	३४	५०	कृ	४६	४२	ब	११	५४	ब	८	४३	६	११	४९	६	१४	१७	वृ.६।४८	च. ब्र.
५	चं	२७	४५	रो	४१	३६	सि	४/२९	५१/२३	कौ	११	८	२	१२	४८	७	१५	१८	वृषे	तुलायां शुक्रः ६।५.१
६	मं	२२	७	मृ	३७	५५	व	४७	०	व	२२	७	२२/५८	१२	४८	८	१६	१९	मि९।४६	भ. २२।७ उ. ४९।५२ या.
७	बु	१७	३७	आ	३५	३२	प	४०	४४	ब	१७	३७	५४	२३	४७	९	१७	२०	मिथुने	*स्वात्यां शुक्रः २६।१७
८	गु	१४	५१	पु	३४	२९	शि	३५	३४	कौ	१४	५१	५०	१४	४६	१०	१८	२१	क.१९।४५	
९	शु	१२	२८	पु	३४	५४	सि	३१	४६	ग	१२	२८	४६	१५	४५	११	१९	२२	कर्के	भ. ४२।४९उ. चित्रायां रविः ८।११
१०	श	१३	१०	श्ले	३६	४२	सा	२८	४८	वि	१३	१०	४२	१६	४४	१२	२०	२३	सिं२६।४२	भ. १३।१० या. हस्ते बुधः ५८।२४*
११	र	१४	१९	म	३९	५४	शु	२७	७	ना	१४	१९	३८	१६	४४	१३	२१	२४	सिंहे	कमला ११ ब्र.
१२	चं	१६	४३	पू	४४	७	शु	२६	८	तै	१६	४२	२४	१७	४३	१४	२२	२५	सिंहे	पश्चिमोदयं शुक्रः ४२।३६ प्रदोषः
१३	मं	२०	२५	उ	४९	२०	न	२६	३१	व	२०	२५	३०	१८	४२	१५	२३	२६	क.०।२५	भ.२०।२५उ.५२।३३ प.उ.शु.
१४	बु	२४	४१	ह	५५	१४	ऐं	२७	०	श	२४	४१	२६	१९	४१	१६	२४	२७	कन्यायां	वक्री रेवत्यां१गुरुः५६/४५ बृश्चिके भौमः२३/२३
२०	ग	२०	११	चि	६०	०	वै	२८	१२	ना	३०	११	२२	२०	४०	१७	२५	२८	तु.२८।३५	तुलायामर्कः५५/५०(३०/३५)पूर्वास्तोबुधः३०/३६

२६पं.द्वि.आ.कृ.३शइ.४०/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	११	५	९	२	५
१८	२२	०	२१	२८	२३	२२	१८
११	४४	३९	२८	३२	१३	३६	४०
४३	३५	३६	५	५६	१	४३	८
५९	४२	६४/८	५२/७	७४	३४/१	३	५९
१६	११	मा	ब	२६	ब	११	९

गोचरग्रहाः

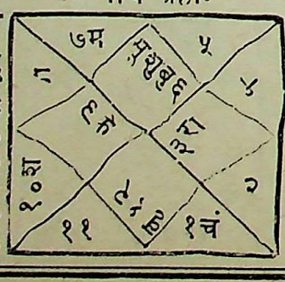

द्वि.आ.कृ.३०गुरौ तुलायामर्कः प्र. वा.३न.४ सन्या सीव्यवस्था(ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावेसमता शु प.

गोचरग्रहाः

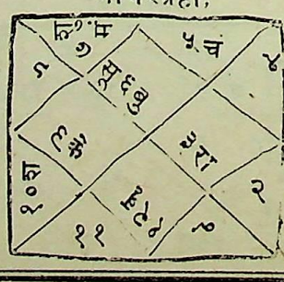

२७पं.द्वि.आ.कृ.१०श.इ.५६/२९

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	१२	६	९	२	५
२५	२७	९	२०	७	२३	२२	२१
७	३७	५७	३१	१७	४	१४	३५
२५	५५	७	३०	२८	४८	२८	५
५९	४२	५३	५२/७	७४	५२/०	३	५९
३१	२६	५३	ब	२६	ब	११	२१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.द्वि.आश्विनशुक्लपक्षः सं.२०२०शाकः१८८५ दि.३ उ.२८ अ.६ इं.५० रा.१८ मु.२६ चन्द्रः २० शरदृतू रविरुत्तरेऽहर्गणः३४८३स१६६३

१	शु	३५	५१	चि	१५	७	वि	२६	५६	कं	३	१	२८	६	५०	१८	२६	२६	तुलायां	नवरात्रारम्भः घटस्थापनं
२	श	४२	१०	स्वा	६	१८	प्री	३१	५६	बा	६	०	१४	२१	३६	१६	२७	३०	वृ.५६।५६	चन्द्रदर्शनम्
३	र	४८	४४	वि	१६	५२	आ	३४	३४	तै	१५	२७	१०	२२	३८	२०	२८	१	वृश्चिके	जमा.६भौमः५८।५० चित्रायां बुधः५८
४	चं	५४	४६	अ	२४	२६	सो	३६	५५	व	२१	४७	६	२३	३७	२१	२६	२	वृश्चिके	भ.२१।४७उ.५४।४६यामार्गीशनिः१५
५	मं	६०	०	ज्ये	३१	५६	शो	३८	५७	ब	२७	४८	२	२४	३६	२२	३०	३	ध.३१।५६	*सरस्वती पूजनम्
६	बु	०	४७	मू	३८	२४	अ	४०	४१	बा	०	४७	२३	२४	३६	२३	१	४	धनुषि	विशाखायां शुक्रः ८।३४रा. कार्तिक+
७	गु	५	३२	पू	४३	१२	सु	४१	२६	तै	५	३२	५४	२५	३५	२४	२	५	म.५६।२६	स्वात्यारविः३१।५८तुलायां बुध४७ ३०*
८	शु	८	५३	उ	४८	१०	धृ	४१	७	व	८	५३	५०	२६	३४	२५	३	६	मकरे	भ.८।५३उ. ३६।५२ या.
९	श	१०	५१	अ	५०	३८	शू	३६	२४	ब	१०	५१	४६	२७	३३	२६	४	७	मकरे	सरस्वती विसर्जनम्
१०	र	१०	४४	ध	५०	५७	गं	३६	१५	की	१०	४४	४२	२८	३२	२७	५	८	कु २०।४८	विजया१०दशहरा
११	चं	८	४१	श	४६	३०	वृ	३१	२२	ग	८	४१	३८	२८	३२	२८	६	९	कुम्भे	भ. ३६।४१ स्वात्यां बुधः ३०।३६
१२	मं	४	४०	पू	४६	३	ध्रु	२४	५३	वि	४	४०	३५	२९	३१	२९	७	१०	मी३१।५५	भ.४।४० या. पापांकुशा ११ ब्र.
१३	बु	५१	४	उ	४०	३४	व्या	१६	४६	की	२४	४६	३१	३०	३०	३०	८	११	मीने	+मासद दि.३०
१४	गु	४२	१०	रे	३४	६	ह	४१ ७	४६ ४६	ग	१६	३८	२८	३०	३०	३१	९	१२	मे.३४।६	हरिवासराऽभाव
१५	शु	३२	२५	अ	२६	५३	सि	४६	४१	वि	७	१७	२४	३१	२९	१	१०	१३	मेषे	भ. ४२।१०उ.वृश्चिके शुक्रः ६।२६
																				भ.७।१७या.नवम्बर११ता.३० शरद१५

२८पं.द्वि.आ.शु.२श.इ. ५६ १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	११	६	९	२	६
२	२	२१	१९	१६	२३	२१	२
४	३५	३४	३६	१	१	५२	३१
५	२४	५२	३६	३०	१६	१०	३३ ११
५९	४२	०	३७	७४	१०	३	५९
४६	४८	४०	ब	२६	ब	११	३४

गोचरग्रहाः

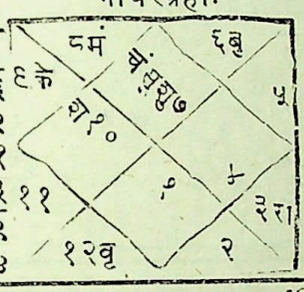

इस मासका फल साधारण है धान्यादिका भाव सामान्य शेयर मार्केट में मंदी सौर मत से आश्विन अधिक है

गोचरग्रहाः

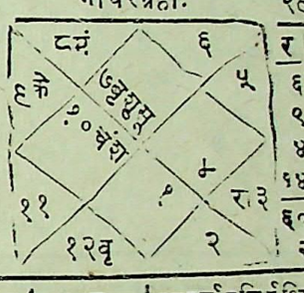

२९पं.द्वि.आ.शु.८श.इ. ५६ ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	११	६	९	२	६
९	७	३	१८	२४	२३	२१	९
४	३५	३०	४५	१४	२	२९	२०
१४	३५	२५	०	५३	३१	५६	५०
६०	४३	०	५६	७४	४४	३	५९
२	१३	४४	ब	२०	मा	११	३५

चि.कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०२० शाकः १८८५ दि ३ उ ३२ अ. इ.२८ रा. मु. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृ महाराष्ट्रा

१	श	२२	३६	भ	१८	४८	व्य	३५	३३	की	२२	३६	२७	६	५८	२	११	१४	वृ. ३१।५३	अनु. या. शुक्रः ४८।३६
२	र	१३	१६	कृ	११	६	ब	२४	४५	ग	१३	१७	१७	३३	२७	३	१२	१५	वृषे	भ.३८।५१उ.
३	चं	४	२४	रा	४	५४ ५८	प	१४	१६	वि	४	२४	१३	३३	२७	४	१३	१६	मि ३३।५	भ. ४।२४ या. करक ४ ब्र.
४	चं	५२	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	A२०।२२ रुप १४ नरक १४
५	मं	५०	३५	आ	५३	४४	शि	५६	५० ५३	की	२३	४१	१०	३४	२६	५	१४	१७	मिथुने	विशाखायां बुधः ४५।५७
६	बु	४६	३०	पु	५१	९	सा	५०	१५	ग	१८	२२	६	३५	२५	६	१५	१८	क ३६।४८	भ.४६।३० उ.विशाखां रविः ४९।२०
७	गु	४४	१०	पु	५०	१५	शु	४५	९	वि	१५	२०	३	३५	२५	७	१६	१९	कर्के	भ. १५।२०या.
८	शु	४३	४१	श्ले	५१	२२	शु	४१	२१	बा	१३	५५	३२ ३३	३६	२४	८	१७	२०	सिं५१।२२	ज्येष्ठायां भौमः २६।१३
९	श	४५	११	म	५४	८	[illegible]	३९	९	तै	१४	२६	५६	३७	२३	९	१८	२१	सिंहे	धनि. १ शनिः ५८।१२
१०	र	४७	४९	पू	५८	२०	ए	३८	७	ब	१६	३०	५२	३८	२२	१०	१९	२२	सिंहे	भ १६।३० उ. ४७।४९ या.
११	चं	५२	६	उ	६०	०	वे	३८	३३	ब	१९	५८	४६	३९	२२	११	२०	२३	क १९।४३	रमा. ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	मं	५७	१४	उ	३	५४	वि	३९	२१	की	२४	४०	४६	३९	२१	१२	२१	२४	कन्या	वृश्चिके बुधः ४।४५ रमा ११ ब्र.नि.
१३	बु	६०	०	ह	१०	२१	प्री	४०	५६	ग	३०	१९	४३	३९	२१	१३	२२	२५	तु. ४३।५७	ज्येष्ठायाँ शुक्रः २७।५८ धनि १३
१३	गु	३	२५	चि	१७	३४	आ	४२	५२	व	३	२५	४०	४०	२०	१४	२३	२६	तुलायां	भ.३।२५ उ. ३६।२० या. अनु.बुधः A
१४	शु	९	१६	स्वा	२४	५५	सो	४५	४	श	९	१६	३७	४१	१९	१५	२४	२७	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्
३०	श	१५	५२	वि	३२	२३	शो	४७	२२	ना	१५	५२	३४	४१	१९	१६	२५	२८	वृ. १५।३१	वृश्चिकेऽर्क ४३ ४०(२२।२) अ. गोवर्धन

३०पं.का कृ.१श.इ. ५५ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	११	७	९	२	६
१६	१२	१५	१७	३	२३	२१	१६
५	३२	११	१८	२८	९	७	२९
१९	१८	२४	५२	५९	७	४१	३६
६०	४२	०	१०	७४	१	३	६०
१८	२९	४४	ब	११	३६	११	४

३१पं.का.कृ.९श.इ. ५५ ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	११	७	९	२	६
२३	१७	२६	१७	१२	२३	२०	२३
७	४५	२५	२०	१२	१९	४५	३०
५७	१४	६	४६	२	५५	२५	५३
६०	४३	०	५	७४	२	३	६०
३०	४३	२९	ब	२	११	१७	४

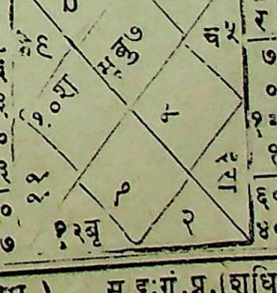

३२पं.का.कृ.२०श.इ. ५५ ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	११	७	५	२	७
०	२२	७	१६	२०	२३	२०	०
१२	५६	३५	५०	१६	३५	२३	३३
१	२४	३१	६	२८	५६	१०	४७
६०	४४	१८	५३	७४	२	३	६०
४०	५४	१	ब	२	४४	११	३०

दृश्यः(द्वि.कार्तिक कृष्णा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) सू.इ.गं.प्र.(शधिक)कार्तिक कृ.महाराष्ट्राः

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०२ *शाकः १८८५ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३५१२सं. १९६३

१	र	२२	७	श	३६	५६	अ	४६	२८	ब	२२	७	२६/३१	६/४२	५/१८	१७	२६	२६	वृश्चिके
२	चं	२८	१७	ज्ये	४७	१२	सु	५१	३७	की	२८	१७	२६	४२	१८	१८	२७	१	ध. ४७।१२
३	मं	३३	५६	मू	५३	४५	धृ	५२	५२	तै	१	८	२६	४३	१७	१६	२८	२	धनुषि
४	बु	३८	४३	पू	५६	४६	शू	५३	४६	व	६	२१	२४	४३	१७	२०	२६	३	धनुषि
५	गु	४२	२३	उ	६०	०	गं	५४	६	ब	१०	३३	२१	४४	१६	२१	३०	४	म. १५।५५
६	शु	४४	५२	उ	४	२३	वृ	५३	१८	की	१३	३२	१६	४४	१६	२२	१	५	मकरे
७	श	४५	४३	श्र	७	५०	ध्रु	५१	११	ग	१५	१८	१६	४५	१५	२३	२	६	कु. ३८।५२
८	र	४५	१६	ध	६	५४	व्या	४७	४७	वि	१५	२६	१५	४५	१५	२४	३	७	कुम्भे
९	चं	४२	५८	श	१०	६	ह	४३	१०	वा	१४	७	११	४६	१४	२५	४	८	भी ५२।७
१०	मं	३८	३५	पू	८	४६	व	३६	५३	तै	१०	४६	६	४६	१४	२६	५	९	मीने
११	बु	३२	५०	उ	५	३८	सि	२९	१८	व	५	४२	६	४७	१३	२७	६	१०	मीने
१२	गु	२५	१५	रे	४१/०	५३/५३	व्य	२०	३५	वा	२५	१५	४	४८	१२	२८	७	११	मे ०।४१
१३	शु	१६	४०	भ	४७	३०	व	१०/३३	४९/२१	तै	१६	४०	१	४८	१२	२९	८	१२	मेषे
१४	श	७	१०	कृ	३९	३७	शि	४९	१	व	७	१०	२५/२८	४८	१२	३०	९	१३	बृ. ०।३२
१५	श	५०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

चंद्रदर्शनम् संभवः दक्षिण भारते
रज्जव ७ यम भाऊ २
वक्री उभायां ४ गुरुः ३१।३५
भ. २१/६ उ. ३५/४३ या. अनुयां रविः २९/१
भ. १५।५५
ज्येष्ठायांबुधः ४९।४ रा. मार्ग. मा. ९ दि. ३०
भ. ४५।४३ उ.
भ. १५/२९ या. धनुषि शुक्रः १२/२८ आर्द्रायां ४*
अक्षया ९
मूले धनुषित भौमः २६।४४
भ. ४५/२ उ. ३२/५० या. तुलली वि. प्रबो. ११ ब्र.
पश्चिमोदयंबुधः २३।१५
बैकुण्ठ १४
भ. १०/७ उ. ३२/१९ या. दत्तजयंति
*राहु पूषायां २ केतुः १२/१० गोपाष्टमी

३३पं.का.शु.७ श.इ. ५५/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	११	७	९	२	७
७	२८	१८	१६	२९	२३	२०	७
१७	८	२५	२८	३९	५६	०	३७
२४	१०	४१	४४	३६	२१	५४	३८
६०	४४	९५	२/३७	७३	३	३	६०
५३	१९	५०	ब्र	५६	३२	११	४२

गोचरग्रहाः

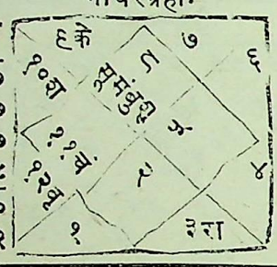

का. कृ. ३० शनौ
वृश्चिकेऽर्कः प्र वा.
३ न. ४ सन्यासिनी
वस्था (ऊमी मु. ३०
धान्यादि भावे
समता शु. प.

गोचरग्रहाः

३४पं.का.शु.१४श इ. ५५/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	११	८	५	२	७
१४	३	२९	१६	८	२४	१९	१४
२४	२२	३	१६	२३	२२	३८	४२
२०	२४	७	३७	१३	२३	३८	२२
६१	४४	९२	५/५६	७३	४	३	६०
३	३१	३२	ब्र	५०	८	११	५०

ति. मागशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०२०शाकः १८८५ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेका. कृष्णेति महाराष्ट्रा.

१	र	४७	४८	रा	३१	४७	सं	३७	५१	वा	२५	३५	२५/५६	४९/६	१/५	१	१०	१४	मिथु ८८
२	चं	३९	०	मृ	२४	२८	सा	२७	१०	तै	१३	२४	५४	४९	११	२	११	१५	मिथुने
३	मं	३१	२८	आ	१८	१२	कुं	१७	२९	व	५	१४	५२	४९	११	३	१२	१६	क. ५९।३८
४	बु	२५	२६	पु	१३	२७	शु	९	४	वा	२५	२६	५१	५०	१०	४	१३	१७	कर्के
५	गु	२१	४६	पु	१०	३७	व्र	५५/५४	४१	तै	२१	४६	५०	५०	१०	५	१४	१८	कर्के
६	शु	२०	५६	श्ले	९	५६	वै	५२	४८	व	२०	४६	४८	५०	१०	६	१५	१९	सिं. ९।५६
७	श	२०	२१	म	११	१७	वि	५०	४७	ब	२०	२१	४६	५१	९	७	१६	२०	सिंहे
८	र	२२	३४	पू	१४	३३	मी	५०	१९	की	२२	३४	४५	५१	९	८	१७	२१	क. ३०।४८
९	चं	२६	४६	उ	१९	३३	आ	५०	४९	ग	२६	४६	४३	५१	९	९	१८	२२	कन्यायां
१०	मं	३१	५२	ह	२५	४७	सौ	५२	१६	वि	३१	५२	४२	५२	८	१०	१९	२३	भ. ५९।१९ उ.
११	बु	३७	१७	चि	३२	५८	शो	५४	२३	व	४	३५	४१	५२	८	११	२०	२४	तु. ५९।२२ भ. ३१।५२ या. पूषायां बुधः ४२।१२
१२	गु	४४	३६	स्वा	४०	३६	अ	५६	२९	की	१०	५७	४०	५२	८	१२	२१	२५	तुलायां उत्पत्ति ११ व्र.
१३	शु	५१	२३	वि	४८	३१	सु	५९	१०	ग	१७	५९	३९	५२	८	१३	२२	२६	तुलायां
१४	श	५७	४०	अ	५५	५१	धृ	६०	०	वि	२४	३१	३८	५२	८	१४	२३	२७	बृ. ३१।३० भ. ५१/२३ उ. षायां भौमः ५५/५४ प्रदोषः
२०	र	६०	०	ज्ये	६०	०	धृ	१	७	च	२०	३३	३८	५२	८	१५	२४	२८	बृश्चिके भ. २४।३१ या.
०	चं	३	२६	ज्ये	२	५१	शू	२	५४	ना	३	२६	३७	५३	७	१६	२५	२९	ध. २.५१ दृश्यो धनुष्यर्कः ५७।४६

धनुष्यर्कः १२/१० मूलेच) उषायांशुक्रः ४१/४४

३५पं.मा.कृ.७श. इ ५४/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	११	८	९	२	७
२१	८	९	१६	१७	२५	१९	२१
२२	४१	२०	१५	५	५१	१६	४८
	२४	२८	४३	४६	२२	२३	५७
२१	४४	८६	२/२०	७३	४	३	६०
११	५६	२६	मा	४१	३४	११	५६

गोचरग्रहा

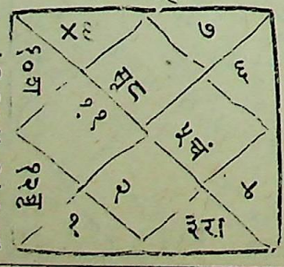

मार्ग. कृष्णा ३०
चंद्रे धनुष्यर्कः
प्र. वा. ३ न. ३
सन्यासिव्यवस्था
मु. ३० धान्यभाव
सम शु. प.

ग्रोचरग्रहाः

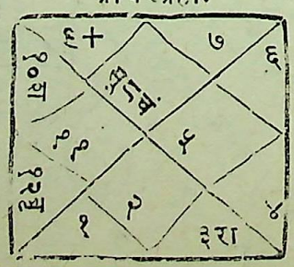

३६पं. मा. कृ. १४श. इ. ५५/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	११	८	९	२	७
२८	१४	१८	१६	२५	२१	१८	२८
४०	१	४९	२४	४८	२४	५४	५५
५०	४१	१२	१४		४३	७	५४
६१	४५	७४	१/७३	५	३	६१	
१९	७	२५	२६	३०	८	११	०

दृश्यः पौष कृष्णा) ×मं.शु.बु. (त्रयोऽयम् मासः) सूक्ष्म गणिता मार्ग कृष्णेती महाराष्ट्रः * मं.के.शु. + मं.शु.बु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| पौष शुक्लपक्षः सं० २०२० शाकः १८८५ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गणः ३५४३स १९६३

१	मं	८	२५	मू	६	१	गं	३	५७	ब	८	२५	३५ ३७	५३ ५३	६ ७	१७	२६	३०	धनुषि
२	बु	१२	४०	पू	१४	२६	वृ	४	३१	कौ	१२	४०	३७	५३	७	१८	२७	१	म.३०।३१
३	गु	१५	५१	उ	१८	४७	ध्रु	४	२१	ग	१५	५१	३६	५३	७	१९	२८	२	मकरे
४	शु	१८	४	श्र	२२	२४	व्या	३	१६	वि	१८	४	३६	५३	७	२०	२९	३	कु.५३।३४
५	श	१८	५३	ध	२४	४५	ह	२२ ११	५७ ३०	वा	१८	५३	३६	५३	७	२१	३०	४	कुम्भे
६	र	१८	४५	श	२५	५८	सि	५४	५९	तै	१८	४५	३६	५३	७	२२	१	५	कुम्भे
७	चं	१७	२२	पू	२५	४९	व्य	५०	३३	व	१७	२२	३६	५३	७	२३	२	६	मी १०।५१
८	मं	१४	२०	उ	२४	२३	व	४४	१०	ब	१४	२०	३७	५३	७	२४	३	७	मीने
९	बु	१०	२०	रे	२१	३०	प	३७	१५	कौ	१०	२०	३७	५३	७	२५	४	८	मे. २१।३०
१०	गु	४	५१	अ	१७	३९	शि	२९	४६	ग	४	५१	३७	५३	७	२६	५	९	मेषे
११	गु	५३	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	शु	५०	२५	भ	१२	३१	सि	२०	१७	ब	२४	२१	३८	५२	८	२७	६	१०	वृ २५।५७
१३	श	४१	५५	कृ	१४ ६	५३ २१	सा	१०	३६	कौ	१६	१०	३८	५२	८	२८	७	११	बृषे
१४	र	३३	२०	मृ	५२	३७	शु	२८ ०	४९ ३४	ग	७	३८	३९	५२	८	२९	८	१२	मि २६।६
१५	चं	२४	३७	आ	४५	५७	ल	४०	३	ब	२४	३७	३९	५२	८	३०	९	१३	मिथुने

धनि. २ शनिः ३६।२१ प्रदोषः
भ.३३३०उ. ५६या. पूषायां. रविः १३४५×
चन्द्रग्रहणम् दत्तजयन्ति

चन्द्रदर्शनम्
सावान ८ मकरे भृगुः २३।५४
भ. ४६।५७
भ.१८।४या. रेवत्यां १गुरुः ५३।५३
*१९।३ पुत्रदा ११ व्र. स्मा.
रा. पौषमासः १० दि. ३०
भ. १७।२२ उ. ४५।५१

वक्री बुधः ५२।६
भ.२१।३५उ.५८।२८या. श्रवणेभृगुः*
×पश्चिमास्तोबुधः ४५ ७
पुत्रदा ११ व्र. नि. वै.

३७पं.पौ.शु.५श.इ.५४/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	११	९	९	२	८
५	१९	२५	१६	४	२६	१८	६
५०	२३	४६	४२	२८	६	३१	३
१५	४२	३७	५८	४८	४४	५२	२०
६१	४५	४२	२	७३	५	३	६१
२२	१७	१७	५६	२०	३८	११	५

गोचरग्रहाः

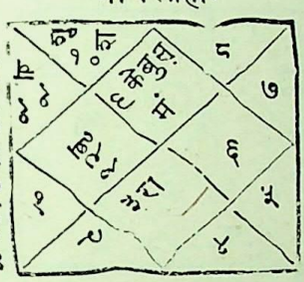

(सौरमतं से मार्ग शीर्ष क्षय मास है, दृश्य से द्वि. कार्तिक क्षय है) इस मास में रोग उपद्रव होगे।

गोचरग्रहाः

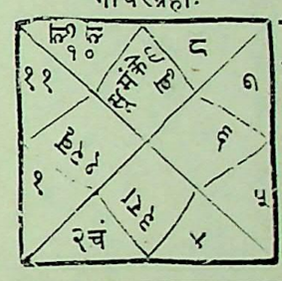

३८पं.पौ.शु.१३श.इ.५४/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	११	९	९	२	८
१३	२४	२६	१७	१३	२६	१८	१३
०	४८	३२	११	८	४१	९	११
७	१८	१३	९	४९	४२	३६	२६
६१	४५	३२/२६	४	७३	६	३	६१
२६	३२	ब	८	१२	२	११	६

ति.| माघ कृष्णपक्षः सं २०२० शाकः १८८५ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे पौष कृ. महाराष्ट्रः

१	मं	१६	३२	पु	४०	१४	ऐं	३०	५२	कौ	१६	३२	४० ४२	५२ ५२	८	३१	१०	१४	क.२६।४०
२	बु	१०	७	पु	३६	५	वै	२२	३३	ग	१०	७	४१	५२	८	१	११	१५	कर्के
३	गु	४	५२	श्ले	३३	३५	वि	१५	३४	वि	४	५२	४२	५२	८	२	१२	१६	सि ३३।३५
४	शु	१	४४	म	३३	५२	प्री	१०	१८	वा	१	४४	४३	५१	९	३	१३	१७	सिंहे
५	श	०	४७	पू	३४	४८	आ	६	४१	तै	०	४७	४४	५१	९	४	१४	१८	क.५०।४७
६	र	१	४६	उ	३८	४३	सो	४	५२	व	१	४६	४६	५१	९	५	१५	१९	कन्यायां
७	चं	५	८	ह	४४	८	शो	४	२६	ब	५	८	४७	५१	९	६	१६	२०	कन्यायां
८	मं	९	४७	चि	५१	८	अ	५	६	कौ	९	४७	४९	५०	१०	७	१७	२१	तु.१७।१८
९	बु	१६	०	स्वा	५८	१८	सु	६	५९	ग	१६	०	५०	५०	१०	८	१८	२२	तुलायां
१०	गु	२२	३२	वि	६०	०	धृ	८	५८	वि	२२	३२	५२	५०	१०	९	१९	२३	बृ ४९।११
११	शु	२९	९	वि	६	९	शू	११	३३	वा	२९	९	५४	४९	११	१०	२०	२४	वृश्चिके
१२	श	३५	३१	अ	३	२५	गं	१३	३४	कौ	२	२०	५६	४९	११	११	२१	२५	बृश्चिके
१३	र	४१	१७	ज्ये	२०	२५	वृ	१५	१७	ग	८	२४	५८	४८	१२	१२	२२	२६	ध.२०।२५
१४	चं	४५	३९	मू	२६	२३	ध्रु	१६	२४	वि	१३	२८	२६ ५९	४८	१२	१३	२३	२७	धनुषि
१५	मं	४९	१३	पू	३१	१४	व्या	१६	३५	च	१७	२६	३	४७	१३	१४	२४	२८	म.४७।१५

उषायां भौमः २१।३६
भ.३७३०उ. जनवरी १ ता. ३१स.१९६४
भ. ४।५२ या. च. व्र.

मकरे भौमः ३५।२७
भ. १।४६ उ. ३३।२७ या.
धनिष्ठायां शुक्रः १०।४७

भ. ४९।१६
भ. २२।३२ या. वक्रीमूले बुधः४८।०
षट्तिला ११व्र. पूर्वोदयं बुधः२५।१३
उषायां. रविः १५१५कुम्भे शुक्रः३३।५४
भ. ४१।१७ उ.
भ. १३।२८ या.
मकरेऽर्कः ३०/४२ (दृश्यः२३।५३)

३९पं.मा.कृ.५श.इ.५४/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	११	९	९	२	८
२०	०	१९	१७	२	२७	१७	२०
१०	१४	१०	५९	४६	२३	४७	१९
५	२०	५९	२६	५९	५६	२०	३४
६१	४५	२३/२८	५	७२	६	३	६१
२६	४२	ब	२०	५४	२३	११	६

गोचरग्रहाः

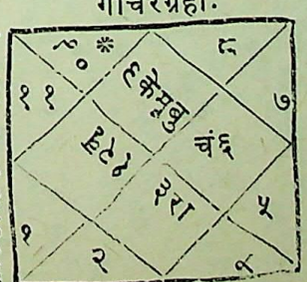

मा.कृ. ३०भौमे मकरेऽर्कः प्र.वा. २न. २पुत्रेवत्सला वस्था सूती) मु. ४५धान्यादि भावे मन्दा शु प.

गोचरग्रहाः

४०पं.मा.कृ.१२श.इ.४५/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	११	१०	९	२	८
२७	५	१२	१८	०	२८	१७	२७
१९	४२	०	३५	२३	८	२५	२७
५७	१८	२२	२२	४६	५४	०	
६१	४५	३७/५७	६	७२	६	३	६१
२४	५२	ब	३०	२६	२८	११	६

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

मं.श.गु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | माघ शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५७२स.१९६४

१	बु	५१	१३	उ	३५	१८	ह	१५	५३	कं	२०	१३	२६ ५	४७	६ ३३	१५	२५	२९	मकरे
२	गु	५२	२२	श्र	३७	५४	व	१४	२१	वा	२१	४८	८	४६	१४	१६	२६	३०	मकरे
३	शु	५२	११	ध	३९	२८	सि	११	५०	तै	२२	१६	१०	४६	१४	१७	२७	१	कु.८।४१
४	श	५१	१९	श	४०	८	व्य	८	२७	व	२१	४५	१२	४६	१४	१८	२८	२	कुंभे
५	र	४९	२५	पू	३९	५९	व	२१ ४	५५ ३१	ब	२०	२२	१५	४५	१५	१९	२९	३	मी २५।२
६	चं	४६	३७	उ	३८	५१	शि	५४	२४	की	१८	५	१७	४५	१५	२०	३०	४	मीने
७	मं	४३	८	रे	३६	५७	सि	४८	१९	ग	१४	५२	२०	४४	१६	२१	१	५	मे.३६।५७
८	बु	३९	३	अ	३४	३१	सा	४१	३६	वि	११	५	२२	४४	१६	२२	२	६	मेषे
९	गु	३३	५५	भ	३०	३०	शु	३४	२५	ला	६	२९	२५	४३	१७	२३	३	७	वृ.४४।२७
१०	शु	२८	६	कृ	२६	२०	शु	२६	२६	तै	१	०	२७	४३	१७	२४	४	८	बृषे
११	श	२१	४०	रो	२१	३९	ब्र	१७	५४	वि	२१	४०	३०	४२	१८	२५	५	९	मि४९।८
१२	र	१४	४९	मृ	१६	३७	ऐं	९	४४	त्रा	१४	४९	३३	४१	१९	२६	६	१०	मिथुने
१३	चं	७	४१	आ	११	१९	त्रै	२३	५१ ३०	तै	७	४१	३६	४१	१९	२७	७	११	क.५२।४२
१४	मं	०	३६	पु	६	२९	प्री	४३	३६	व	०	३६	३९	४०	२०	२८	८	१२	कर्के
१५	मं	५३	५५	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	१३	०

×प्रभि. नि. रविः १०।१४
चन्द्रद मार्गाब्धः २२।५९
रमजानद श्रव.भौमः ३२ १शतेभृगुः०।६
भ २१।४५ उ. ५१।१९ या.
वसन्त ५ *अभि.प्र. रविः२।०÷
÷ रा. माघ मा. ११ दि. ३०
भ. ४३।८ उ. मन्वादिः रथ ७ *
भ ११।५ या. भीष्माष्टमी
पूषायां बुधः ५ ३० रेवत्यां २गुरुः ३।१८
भ. ५ ४ उ. श्रवणे रविः १७।५८
भ. २१।४० या. जया. ११ ब्र. ×
आर्द्रां.३राहुः पूषा. १केतुः५।० प्रदोषः
पूभायां शुक्रः ५९।१९ कल्पादिः
भ.३ ६ उ.२ ७ ३३ या.धनि.३कुम्भेचशनिः १ ७

४१पं.मा.शु.४ श.इ.५ ४ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	११	१०	९	२	९
४	११	११	१९	८	२८	१७	४
२९	११	५२	२८	५७	५५	२	३५
२६	४६	३७	४४	२२	३७	४९	२९
६१	४६	२३	७	७२	६	३	६१
१९	२	मा	३२	१८	५६	११	३

गोचरग्रहाः

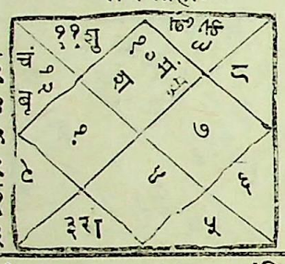

इस मास प्रजा में सुख शांति और उत्साह रहे घृत तैल आदि तेज धान्यादि मंदी, शीत अधिक।

गोचरग्रहाः

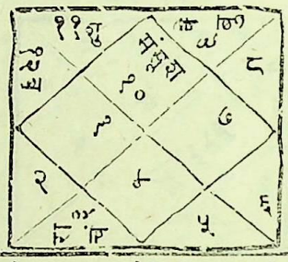

४२पं.मा.शु.११ श.इ.५ ४ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	११	१०	९	२	९
११	१६	१७	२०	१७	२९	१६	११
३८	४१	१	३०	२९	४३	४०	४२
१६	४२	८	११	५३	३७	३४	५४
६१	४६	३२	८	७१	७	३	६०
१३	१७	४०	२६	५४	८	११	५९

ति. | फाल्गुन कृष्णपक्षः सं.२०२० शाकः १८८५ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृ.महाराष्ट्राः

१	बु	४९	२८	पु	१७ ३	५५ ६	भा	३६	२२	बा	२२	०	२६ ४	४०	५ २०	२९	९	१३	सिं५९।१४
२	गु	४५	५६	म	५७	५४	सो	३०	२३	तै	१७	४२	४५	३९	२१	३०	१०	१४	सिंहे
३	शु	४४	१३	पू	५८	२१	शो	२५	४६	व	१५	४	४८	३८	२२	३१	११	१५	सिंहे
४	श	४४	१४	उ	६०	०	अ	२२	४१	व	१४	१३	५२	३८	२२	१	१२	१६	क.१४।८
५	र	४६	४६	उ	०	५९	सु	२१	२२	की	१५	३०	५५	३७	२३	२	१३	१७	कन्यायां
६	चं	५०	४४	ह	५	२०	धृ	२०	५७	ग	१८	४५	५९	३६	२४	३	१४	१८	तु.२८।१४
७	मं	५६	१०	चि	११	९	शू	२१	५७	वि	२३	२७	२७ ३	३६	२४	४	१५	१९	तुलायां
८	बु	६०	०	स्वा	१८	३३	गं	२३	४७	वा	२९	१७	६	३५	२५	५	१६	२०	तुलायां
८	गु	२	२५	वि	२५	५८	बृ	२६	२	की	२	२५	९	३४	२६	६	१७	२१	बृ.९।७
९	शु	९	३	अ	३३	२४	ध्रु	२८	१३	ग	९	३	१३	३३	२७	७	१८	२२	बृश्चिके
१०	श	१५	१५	ज्ये	४०	४५	व्या	३०	१६	वि	१५	१५	१६	३३	२७	८	१९	२३	ध.४०।४५
११	र	२०	५५	मू	४६	५४	ह	३१	२८	वा	२०	५५	२०	३२	२८	९	२०	२४	धनुषि
१२	चं	२५	८	पू	५१	३३	व	३१	४३	तै	२५	८	२३	३१	२९	१०	२१	२५	धनुषि
१३	मं	२८	२३	उ	५५	१	सि	३०	५७	व	२८	२३	२७	३१	२९	११	२२	२६	म.७।२५
१४	बु	२९	२६	श्र	५६	५५	व्य	२१	५३	श	९	२६	३०	३०	३०	१२	२३	२७	मकरे
३०	गु	२९	३९	ध	५७	३५	व	२५	४६	ना	२९	३९	३४	२९	३१	१३	२४	२८	कु २७।१५

अस्तशनेः १५।४०
*उषायां बुधः २८।१५
भ. १५।४ उ. ४४।१३ या.
फरवरी २ ता. २९ च. ब्र.
+रेवत्यां३गुरुः४५।५१ महाशिवरात्रीब्र.
म. ५०।४४ उ. धनिष्ठायांभौमः ३१ ५८*
भ. २३।२७ या.
मीने शुक्रः १६।७
धनिष्ठायां. रविः ३३ ५१ मकरे बुधः ४।०
भ. ४२।९ उ.
विजया ११ ब्र,
प्रदोषः
भ.२ ३ ३ उ. ५ ९ ० या.कुम्भे भौमः४९।५४+
कुम्भेऽर्कः ५७।४७ (९ ५८।२१)
श्रवणे बुधः १८।५

४३पं.फा.कृ.४ श.इ.५ ४ २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	११	१०	१०	२	९
१८	२२	२४	२१	२५	०	२६	१८
४६	१२	४८	३७	५८	३२	१८	४८
१३	२९	०७	४८	१९	४२	१८	५४
६१	४६	७०	९	७१	७	३	६०
४	१७	५२	२६	३५	१४	११	५५

गोचरग्रहाः

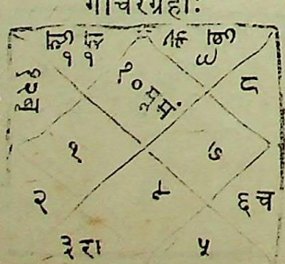

फा. कृ. १४ बुधे कुम्भेऽर्कः प्र.वा२न.३ पुत्रेवत्सला वस्था (सूती) मु ३० धान्यादिभावे सम शुक्रोदयं पश्चिमे

गोचरग्रहाः

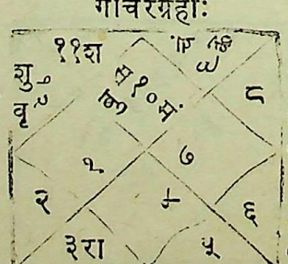

४४पं.फा.कृ.१० श.इ.५ ४ ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	११	११	१०	२	९
२५	२७	३	२२	४	१	१५	२५
५२	४४	५०	१०	२३	२३	५६	५५
४	१७	४०	५६	२८	३१	२	१६
६०	४६	८३	१०	७	७	३	६०
५५	२७	७	११	८	२०	११	४७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०२० शाकः १८८५ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६०२स.१६६४

१	शु	२८	१३	श	५७	११	प	२१	४०	व	२८	१३	३७	२८	३३	५	१४	२५	२६	कुम्भे			
२	श	२५	५५	पू	५५	५२	शि	१६	४४	को	२५	५५	४२	२८	३२	१५	२६	३०	मी	४१।१३			
३	र	२२	३८	उ	५३	३०	सि	१०	५७	ग	२२	३८	४६	२७	३३	१६	२७	१	मीने				
४	चं	१८	३८	रे	५१	१३	सा	३४	५३	वि	१८	३८	५०	२६	३४	१७	२८	२	मे	५१।१३			
५	मं	१४	१५	अ	४८	१६	शु	५१	३०	वा	१४	१५	५४	२५	३५	१८	२९	३	मेषे				
६	बु	९	४६	भ	४५	८	ग	४४	३६	तै	९	४६	५८	२४	३६	१९	३०	४	वृ.	५९।१९			
७	शु	४	५२	कृ	४१	५१	छं	३७	१३	व	४	५२	२३	२४	३६	२०	१	५	वृषे				
८	शु	५४	५९	रो	३८	२०	वे	३०	२१	वा	२७	१६	६	२३	३७	२१	२	६	वृषे				
९	श	५४	४१	मृ	३४	५२	वि	२२	५४	तै	२२	७	१०	२२	३८	२२	३	७	मि	६।३६			
१०	र	४९	३३	आ	३१	१८	प्री	१५	४४	व	१६	५०	१४	२१	३९	२३	४	८	मिथुने				
११	चं	४४	७	पु	२७	५९	आ	८	२९	व	११	३०	१८	२१	३९	२४	५	९	क.	१३।४९			
१२	मं	३८	५२	पु	२५	९	सौ	२९	५४	को	६	३६	२२	२०	४०	२५	६	१०	कर्के				
१३	बु	३४	२०	श्ले	२२	५६	अ	४९	४७	ग	२	३०	२६	१९	४१	२६	७	११	सिं	२२।५६			
१४	गु	३०	४०	श्ले	२१	४३	सु	४५	१६	ब	२७	३०	३०	१८	४२	२७	८	१२	सिंहे				

चंद्रदर्शनन् फुलरिया २
भ.५०।३८ उ. सव्वाल १०
भ. १८।३८ या.

*भद्रापुच्छे पूर्वास्तं बुधः३६।१५
शतेरवि ३३।८रेवत्यां शुक्रः १४।१७
भ.४।५२उ.३२।२२ या. शतेभौमः÷
÷१२।११होलाष्टकरा.फा.मा १२दि.३०
धनि. याः बुधः ५५।६

भ.५०उ ४७या.आमलकी११ब्र.स्मा वै.
धनिष्ठायां४शनिः५०आमलकी११ब्र.नि.
कुम्भे बुधः ५५।६ प्रदोषः
भ. ३०।४०उ.५९।५या.होलिका दहनं*
मन्वादि छारेंडी

४५पं.फा.शु.२श.इ.३४ ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	११	११	१०	२	१०
२	३	१४	२४	१२	२	१५	३
५९	१५	२	९	४४	१४	३३	०
७	१८	३५	२९	७	४२	४७	३
६०	४३	९२	१०	७०	७	३	६०
४२	२७	४०	५६	३५	२०	११	३७

गोचरग्रहाः

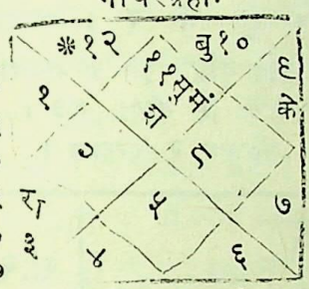

चै. कृ.१४ शुक्रः मीनेऽर्कः प्र. वा. ३न.३पुत्री वत्सलावस्था (सूती) मु. ३० (धान्य भावसम) शुक्रोदयं पश्चिमे।

गोचरग्रहाः

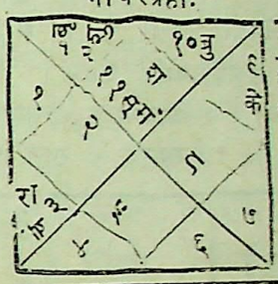

४६पं.फा.शु १०श इ ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	११	११	१०	२	१०
१०	८	२४	२५	२१	३	१५	१०
३	४६	५९	३३	०	५	११	३
४०	८	४३	१८	४	१८	३१	३२
६०	४६	०	११	६९	७	३	६०
३१	२७	२९	५५	२०	११	२५	

ति. प्र.चैत्र कृष्णपक्षः सं २०२० शाकः १८८५ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तुः रविरुत्तरे फाल्गुन कृ.महा.

१	शु	२६	१०	पू	२२	८	धृ	४१	३०	को	२६	१०	३५	१७	४३	२८	९	१३	क.	३७।३४			
२	श	२६	११	उ	२३	५३	शू	४०	८	ग	२६	११	२८	१६	४४	२९	१०	१४	कन्या				
३	र	२८	६	ह	२७	२१	गं	३८	५४	वि	२८	६	४२	१६	४४	१	११	१५	तु.	५९।४५			
४	चं	३१	२२	चि	३२	९	वृ	३९	२१	वा	३१	२२	४६	१५	४५	२	१२	१६	तुलायां				
५	मं	३६	३३	स्वा	३८	३७	शु	४०	४४	को	३	५७	५०	१४	४६	३	१३	१७	तुलायां				
६	बु	४२	३४	वि	४५	३५	व्या	४२	४९	ग	९	३३	५४	१३	४७	४	१४	१८	वृ.	२८।५१			
७	गु	४८	४०	अ	५३	१७	ह	४४	५५	वि	१५	३७	५८	१२	४८	५	१५	१९	बृश्चिके				
८	शु	५५	६	ज्ये	६०	०	अ	४७	१६	वा	२१	५३	२९	१२	४८	६	१६	२०	बृश्चिके				
९	श	६०	०	ज्ये	०	३६	सि	४९	१	तै	२७	५६	६	११	४९	७	१८	२१	ध.	०।३६			
१०	र	०	४७	मू	७	२२	व्य	४९	५३	ग	०	४७	१०	१०	५०	८	१७	२२	धनुषि				
११	चं	५	२७	पू	१२	१	व	४९	२८	वि	५	२७	१४	९	५१	९	१९	२३	म.	२८।१५			
१२	मं	८	३७	उ	१६	५६	प	४७	४९	वा	८	३७	१९	८	५२	१०	२०	२४	मकरे				
१३	बु	१०	४	श्र	१९	१६	शि	४४	१४	तै	१०	४	२३	७	५३	११	२१	२५	कु.	४९।३६			
१४	गु	९	३४	भ	१९	५५	सि	४०	११	व	९	३४	२८	६	५४	१२	२२	२६	कुं	मे			
१५	शु	७	१४	श	१८	४९	सा	३४	३५	श	७	१४	३२	६	५४	१३	२३	२७	कुं	मे			
३०	श	३	३४	पू	१६	३४	शु	२७	५६	ना	३	३०	३६	५	५५	१४	२४	२८	मी.	२।८			

रेवत्यां ४ गुरुः १५।२४ वसंत१
भ.५७।८उ.शते बुधः ५४।१७
भ.२८।६या. मार्च३ता.३१मेषे शुक्रः×
उदयं शनेः५९।२६ [×३९।४५च ब्र.
पूभायां रविः५७।५६
भ.४२।३४उ.
भ. १५।३७
शीतला ८
भरण्यां शुक्रः २१।८
भ ३३।७उ. पूभायां. भौमः १२।१५*
भ ५।२७या. [*पूभायां बुधः२०२७
पापमोचनी ११ ब्र.
प्रदोषः
भ.९।३४उ. २८।२४या.
मीनेऽर्क४८१४दृश्यः ५०।१मीने बुधः३५५३
मन्वादिः अश्वि. १मेषे गुरुः ३०।५०

४७पं.प्र.चै.कृ.२श.इ.५५ २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	११	११	१०	२	१०
१७	१४	६	२७	२९	३	१४	१७
६	१७	४२	०	९	५५	४९	५
३०	३५	१४	२	२९	१६	१६	४३
६०	४६	३	१२	६८	७	३	६०
२०	२७	२६	७	५८	१४	११	१२

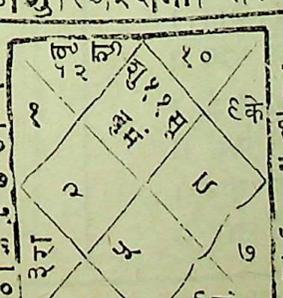

४८पं.प्र.चै.कृ.९श.इ.५५ ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	११	०	१०	२	१०
२४	१९	१९	२८	७	४	१४	२४
७	४७	१२	३०	११	४४	२७	४
५३	१३	५८	४	१७	३१	०	४१
६०	४६	३०	१२	६८	७	३	५९
६	२७	३१	२०	११	२	११	१८

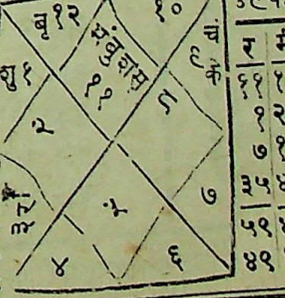

४९पं.प्र.चै.कृ.३०श.इ.५६ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	०	०	१०	२	११
१	२५	२	०	१५	५	१४	१
७	१०	२८	४	६	३२	४	५
३५	४९	४६	२६	२२	४६	४४	४२
५९	४६	०	१२	६७	६	३	५९
४९	१७	५३	३२	६	५०	११	४१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*शु. वृ. चं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६५ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६५ भोग्यकलिः ४२६९३५ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२१ शाकः १८८६ वर्षेऽस्मिन्राजा शनिः । मंत्री चंद्रः । सस्येशः बुधः । धान्येशोभौमः । मेघेशो रविः । रसेशोशुक्रः । नीरसेशोबुधः । फलेशोरविः । धनेशोबुधः । दुर्गेशो-रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ११ पिंगल नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये: गतमासादिः५।१।०।२९ भोग्यमासादिः ६।२८।५९।३१ वर्षनाम आश्विनः मेष नाम आवर्तः। रोहिणी निवासः संधौ। समय निवासो वणिग्गृहे। समय विश्वा १२ । समयवाहनमश्वः स्तम्भाः १ अन्नस्य । सोमवत्यमाः २ । सोमवती पंचमी ३ । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी २ समय मुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३८२ । तिथिक्षयः १८ । तिथि वृद्धिः १० । उत्पत्ति विश्वा ९९ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा ९ । धान्यम् ९. तृणम् ९. शीतम् ११. तेजः ५ वायुः १३ । शनिदृष्टिः रुत्तरे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ । ऐक्यम् ९७ सत्य ।। धर्म १।। पाप १८ ग्रहणम् २ चन्द्रस्य ।

सं. २०२१ज्येष्ठ शु.१५ बुधे खंग्रास चंद्रग्रहणं ग्रस्ताऽस्तत्र

		स्प. सं.	म.	उ.	मो
उज्ज.	घं.	४ ५	६	२ ७	८
मध्यम.	पल	४१ ४८	३८	७	३४
रेल्वे	घं.	४ ५	६	६	८
टाइम	मि.	१० १७	७	५६	३

यह ग्रहण जहां रेल्वे ४।४१ पहिले चंद्रास्त होगा वहां नहीं होगा ।

वर्ष लग्नम् ३१।२९

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

मात भवानी अम्बिके पूछे भैरवलाल ।
शुभ संवत् ईकीस का मुख से कहदो हाल ।।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला मैं समझाऊं तोय ।
संवत्सर इकीस का मध्य जमाना होय ।।
राजा शनि महाराज है इनका क्रूर स्वभाव ।
यह सुख से नहीं रहन दे बिच २ खेलें दाव ।।
समय निवासो वणिक घर रोहिणी संधिवास ।
मेघपति सूरज भये करें आश का नाश ।।
मंत्री शशि शस्येश बुधः यही सहारा जान ।
जग में सुख संपति करें प्रजा राखे मान ।।
स्तभ एक अन्न का बना संवत् विश्वा अर्क ।
संवत्सर उत्तम हुये कहीं कहां रहसी फर्क ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
बंसीधर का कथन है भजन जगत में सार ।।

सं.२०२१मार्ग.शुक्ले १४शुक्र. ग्रस्तास्तं चंद्रग्रहणम्

		स्प. सं.	म	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	६ ७	८	८	९
मध्यम	पल	२९ ३८	८	३९	४७
रेल्वे	घं.	६ ७	७	८	९
टाइम	मि.	४ १३	४३	१४	२२

यह ग्रहण जहां रेल्वे ६।२९ पहिले चंद्रास्त होगा वहाँ नहीं दीखेगा ।

वर्षेश लग्नम् २।२२

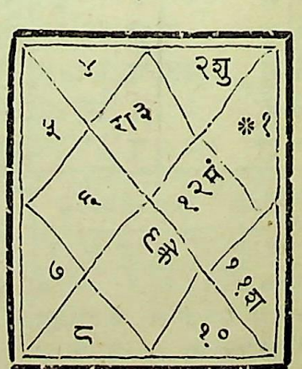

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२०।३३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा शनिस्तत्फलम् —शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यये जनाः । युद्धं नृणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् । मन्त्री चन्द्रस्तत्फलम्—शशिनि मन्त्रिगते बहु सस्य वत्यपि धरा रमते सुख मंडिता । विपति वारिधरा बहु वर्षिणो जनपदाः सुखराशि सुशोभिताः ॥ सस्येशो बुधस्तत्फलम्—जलधरा जलराशिमुचो भृशं सुख-समृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणः श्रुति पाढकरः सदा प्रथमसस्यपतौ सति बोधमे ॥ धान्येशो भौमस्त-त्फलम्-भूमिजे ग्रीष्मधान्येशो ग्रीष्मधान्यमहर्घकम् । शालीक्षुघृततैलादि महर्घाणि भवन्ति च ॥ मेघेशो रविस्तत्फलम्—जलदपे यदि वासरये तदा सरसि वै रमते जनतारसम् । यवचणोक्षुनिवार सुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुविवर्तते ॥ रसेशः शुक्रस्तत्फलम्—यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषितमानसाः । सुख सुभिक्ष सुमोदवतीधरा धरणिया हृत पापगण प्रियाः ॥ नीरसेशो बुधस्तत्फलम्—चित्रवस्त्रादिकं चैव शंख चन्दन पूर्वकम् । अर्धवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ॥ फलेशो रवि-स्तत्फलम्—द्रुमवती वर पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता । बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलयो रविः ॥ धनेशो बुधस्तत्फलम्—द्रविणयो हिम रश्मि सुतो यदा विविध संग्रह वस्तु फलार्घदा । द्विजवरा जययज्ञ सुसंयुताः कृषि विशेष विशेषित मानसाः ॥ दुर्गेशो रविस्तत्फलम्—नयविशेष करस्त रणिस्तदा गतभया नरराजपुरोगमाः । समधिकोन तदा नृपजोऽन्यजः स्वयथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ॥ वर्षनामाश्विनस्तत्फलम्-अब्दे त्वाश्वयु जेत्यर्थं सुखिनः सर्वजंतवः । मध्यमं पूर्व-सस्यं स्यात् परिपूर्णा विपच्यते । पिंगलनाम संवत्सरतत्फलम्— पिंगलाऽब्दे त्वीति भीतिर्मध्य-सस्यार्घ वृष्टयः । राजानो विक्रमा क्रांता भुंजते शत्रु मेदिनीम् ॥ मेघनाम आवर्तस्तत्फलम्—आवर्ते छिन्नवृष्टिश्च ॥ रेवतिणीनिवासः संवौफलम्—छिन्नवृष्टिश्च संधिषु ॥ समय निवासो वणिग्गृहे फलम्—वणिग्गृहे शुभं नास्ति ॥ चैत्रोधिमासस्तत्फलम्—चैत्रद्वये शुभं धान्ये वैश्यानामुदयो महान् । एवं संचित्य दैवज्ञैःकथनीयम् शुभा शुभम् ।

सं० २०२१ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः

शु. २ बुधे मृगे ल. १० रे. ८।।।।ऽअऽ।। शुक्रः ६ दोषः
,, ७ चन्द्रे मघा. ल. अन्यगो. रे. ८।।।।ऽनृऽ।
,, १० बुधे उफा. ल. गो. १० रे. ७ऽ।।ऽचौऽ।

ज्येष्ठ मासः

कृ. ४ शनौ उषा. ल. १२ रे. ७।।।।ऽचोऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः श. १२ पूज्यः
,, ६ गुरौउभा.ल.अन्यगो.१०रे.८।।।।ऽअऽ।मकरेशु.६दोषः

आषाढ़ मासः

कृ. ६ बुधे उभा ल. १ रे. ६।।।।।।।ऽ।
,, ७ गुरौ उभा. ल. अन्यगो. १० रे. ७।।।।ऽरो.ऽ.ऽ
,, ७ गुरौ रेव. ल. १ रे. ६।।।।ऽरोऽऽ।ऽ
,, ८ शुक्रे रेव. ल. अन्यगो. १० रे, ८।।।।।ऽऽ।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. १ शुक्रे रोहि. ल. ४ रे. ७।।।।ऽऽ।ऽ।
,, ६ शुक्रे उफा.ल.४।७रे.६।।।।।।ऽ।तु.गुरुःपूज्यःदग्धादोषः
,, १० शनौ हस्ते ल. ७ रे. ६ऽ।।।।ऽऽऽ। गुरु पूज्यः
,, ११ रवौ हस्ते ल. अन्यगो. रे. ७ऽ।।।।ऽऽ।
,, १२ चन्द्रे स्वा.ल.४रे.७।।ऽशु।।ऽचौऽ।।शुक्रयुतिदोषःआवश्यके

माघ मासः ।

कृ. २ भौमे मघा. ल गो. रे. १०।।।।।।।।।।
,, ६ शुक्रे हस्तेल.गो.७रे.७ऽ।।।।ऽरो(घ.३१या.)ऽ।।।तु.गु.७पू
,, ६ भौमे अनु.ल.अन्यगो.रे.७।।।ऽबृ।।ऽऽ।।पादतोवेधाऽभावः
,, ११ गुरौ मूले ल. ७ रे. ६।।।।ऽऽऽऽऽ गू. पू. आवश्यके
शु. ४ शुक्रे उभा. ल. ६ रे. ६।।।।ऽ।।।।। घ. ५२।२ उप.
,, १४ चन्द्रे मघा. ल. ६ रे. ६।।।ऽशु।ऽऽ। पादतोवेधाभावः

फाल्गुन मासः ।

कृ. ३ गुरौ हस्ते ल.७ (घ.३८।२६उप.) रे.६ऽ।।।ऽचो।ऽ।ऽ

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.	तु	बृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	५	२	२	११	२	५	१४	५	१४	१४	५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | प्र.चैत्रशुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः २६३२स.१६४

१	श	५५	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	५२	५०	उ	१३	७	शु	२०	२६	बा	२५	४३	२६ / ४०	६ / ४५ / ५६	१५	२५	२६	मीने
३	चं	६	५१	रे	८	४४	न	१२	२३	तै	१६	५१	४४	३	५७	१६	२६	१	मे.८।४४
४	मं	४०	३५	अ	४	२३	ऐं	४ / ३५	५२ / ३६	व	१३	४३	४६	२	५८	१७	२७	२	मेषे
५	बु	३४	२६	भ	० / ३	५६ / २८	वि	४६	२	ब	७	३२	५३	१	५६	१८	२८	३	बृ.१४।७
६	गु	२८	३३	रो	५२	४	मृ	४१	३१	कौ	१	३१	५८	६ / ०	६ / ०	१६	२६	४	वृषे
७	शु	२३	१०	मृ	४८	५३	आ	३४	२२	व	२३	१०	३० / २	०	०	२०	३०	५	मि२०।२८
८	श	१८	१७	आ	४५	५७	सौ	२७	५३	व	१८	१७	६	५ / ६	१	२१	१	६	मिथुने
९	र	१३	५८	पु	४३	५३	शो	२१	३०	कौ	१३	५८	१०	५८	२	२२	२	७	क २६।४४
१०	चं	१०	१०	पु	४२	१६	अ	१५	५२	ग	१०	१०	१४	५७	३	२३	३	८	कर्के
११	मं	७	०	श्ले	४१	२६	सु	१०	४०	वि	७	०	१८	५६	४	२४	४	९	सिं४१।२६
१२	बु	४	२६	म	४१	१७	धृ	६	१२	बा	४	२६	२२	५६	४	२५	५	१०	सिंहे
१३	गु	२	५८	पू	४२	२१	शू	३७ / ३७	५७ / ७	तै	२	५८	२६	५५	५	२६	६	११	क.५७।५४
१४	शु	२	४३	उ	४४	३३	वृ	५८	७	व	२	४३	३०	५४	६	२७	७	१२	कन्यायां
१५	श	३	२०	ह	४८	४	ध्रु	५७	११	ब	३	२०	३४	५३	७	२८	८	१३	कन्यायां

चन्द्रद. उभागां बुधः १६।४३
जिल्काद ११
भ.१३/४ उ.४/३५ या.उ.भा.यां. रविः८।५२
भ.२३/१५ उ. ५/४३ या. मीने भौमः५५।५
रेवत्यां बुधः ५५।२४ चैं मा.१दि.३१
*शते १ शनिः ४।४६ प्रदोषः
भ. ३८।३५ उ.
भ. ७।० या. कमला ११ ब्र.
उभायां.भौमः१५/६ कृतिकायां शुक्रः३/३०*
पश्चिमोदयं बुधः १०।३०
भ. २।४३ उ. ३३।१ या.
मेषेऽश्विन्यां च बुधः५/९ वृषे शुक्रः ३८।०

५०पं.प्र.चै.शु.८श.इ.५/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	०	०	१०	२	११
८	०	१६	१	२२	६	१३	८
५	८७	४२	४०	४९	१९	४२	३
३०	२	१८	१९	५९	२३	२९	१९
५९	४६	५९	१३	६०	६	३	५९
३५	१३	४५	१३	४२	३४	११	२९

गोचरग्रहाः

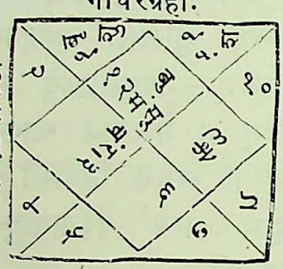

सुभिक्षं शुभ बृष्टिश्च
धन धान्य समांकुलं
घृत तेल च कार्पासं
सुभिक्षं चैत्रकद्वये ।।

गोचरग्रहाः

५१पं.प्र.चै.शु १५श.इ.५/६४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	०	१	१०	२	११
१५	६	०	३	०	७	१३	१४
१	१५	११	१७	१९	३	२०	५९
३५	३२	५३	४९	५९	५९	१३	१४
५९	४६	५९	१३	६४	६	२	५९
१८	२	५२	२०	५	२०	११	१६

ति. | द्वि.चैत्र कृष्णपक्षः सं.२०२१ शाकः १८८६ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | वसन्ततूं रविरुत्तरे अधिक.चैत्रकृ.महा.

१	र	५	४३	चि	५२	४३	व्या	५७	३२	कौ	५	४३	३० / ३८	५ / ५२	६ / ८	२९	९	१४	तु.२९।२४
२	चं	९	७	स्वा	५८	४३	ह	५८	२९	ग	९	७	४२	५२	८	३०	१०	१५	तुलायाँ
३	मं	१४	१	वि	६०	०	व	६०	०	वि	१४	१	४७	५१	९	३१	११	१६	वृ.४८।४६
४	बु	१९	२९	वि	५	२७	व	०	१९	बा	१९	२९	५१	५०	१०	१	१९	१७	वृश्चिके
५	गु	२५	३५	अ	१३	३	सि	२	२८	तै	२५	३५	५५	४९	११	२	१३	१८	वृश्चिके
६	शु	३२	४	ज्ये	२०	३१	व्य	४	४८	व	३२	४	५९	४८	१२	३	१४	१९	ध.२०।३१
७	श	३८	७	मू	२७	५५	व	७	११	वि	५	५	३ / ४	४३	१३	४	१५	२०	धनुषि
८	र	४३	१३	पू	३४	१२	प	८	४९	बा	१०	४०	८	४६	१४	५	१६	२१	म.५०।२८
९	चं	४७	२	उ	३९	१८	शि	९	२३	तै	१५	७	११	४६	१४	६	१७	२२	मकरे
१०	मं	४९	०	श्र	४२	४३	सि	८	५१	व	१८	१	१५	४५	१५	७	१८	२३	मकरे
११	बु	४८	५७	ध	४४	१०	सा	६	४१	ब	१८	५९	१८	४४	१६	८	१९	२४	कु.१३।२६
१२	गु	४६	५५	श	४३	४४	शु	५९ / २	४५ / ५५	कौ	१७	५६	२२	४४	१६	९	२०	२५	कुम्भे
१३	शु	४३	१०	पू	४१	१७	न	५१	११	ग	१५	३	२५	४३	१७	१०	२१	२६	मी२६।५४
१४	श	३७	२६	उ	३७	३३	ऐं	४३	१	वि	१०	१८	२९	४२	१८	११	२२	२७	मीने
३०	र	३०	२३	रे	३२	१२	वै	३४	८	च	३	५४	३२	४२	१८	१२	२३	२८	मे. ३२।१२

भ. ४१।३४उ रेवत्यां रविः ३६।२०
भ. १४।१ या. च. ब्र.
अप्रैल ४ ता. ३०
भ. २२।४ उ.
भ. ५।५ या.
भरण्यां बुधः २६।२१
भ. १५/१ उ. ४/० या. रोहिण्यां शुक्रः १५/२८
कमला ११ ब्र. स्मा. वै.
कमला ११ ब्र. वै. नि.
भ. ४३।१० उ. प्रदोषः
भ. १०।१८ या. रेवत्यां भौमः १४।८
अश्वि.३गुरुः१५।५९ अस्तोगुरुः१८।०

५२पं.द्वि चै.कृ.७शु.इ.५/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	०	१	१०	२	११
२१	११	११	४	७	७	१२	२१
५५	४१	२२	५७	३६	४५	५७	५३
४६	५३	३४	१४	५०	५७	५८	२९
५९	४५	७६	१३	६२	६	३	५५
४	५२	५६	३२	२	२	११	४

गोचरग्रहाः

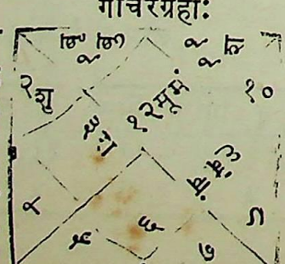

इस मास का फल साधारण है पांच रविवार होने से प्रजा में रोग पीडा आदि उपद्रव होगे ।

गोचरग्रहाः

५३पं.द्वि.चै.कृ.३०शु.इ.१/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	०	१	१०	२	११
२९	१७	१७	६	१४	८	१२	२९
४	१४	१७	३९	४८	२८	३४	१
२९	४८	४२	१७	२३	२५	३०	२४
५८	४५	२१	८३	५९	५	३	५८
४५	५७	३९	३८	११	३२	११	३६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. द्वि.चैत्र शुक्लपक्षः सं.२०२१ शाकः १८८६ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः | वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६६१ स.१९६४

१	चं	२२	३२	अ	२६	३०	वि	२४	५०	ब	२२	३२	३१/३६	५/४१	६/१६	१३	२३	२६	मेषे
२	मं	१४	२६	भ	२०	७	प्री	१५	२६	की	१४	२६	४०	४०	२०	१४	२४	१	वृ. ३१।३५
३	बु	६	२६	कृ	१४	३	आ	५८/६	५१/४	ग	६	२६	४३	३९	२१	१५	२५	२	वृषे
४	बृ	५२	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	गु	५१	४२	रो	८	३६	शो	८८	५२	ब	२५	१०	४७	३९	२१	१६	२६	३	मि ३६।१५
६	शु	४५	३०	मृ	३	५४	अ	४१	१६	की	१८	३६	५१	३८	२२	१७	२७	४	मिथुने
७	श	४०	३७	आ	७	५६/६८	सु	३४	४३	ग	१३	४	५५	३७	२३	१८	२८	५	क. ४२।१४
८	र	३६	४७	पु	५५	५७	धृ	२९	७	वि	९	१२	५८	३६	२४	१९	२९	६	कर्के
९	चं	३४	९	श्ले	५५	४०	शू	२४	२०	ब्रा	५	२८	३३	३६	२४	२०	३०	७	सिं ५५।४०
१०	मं	३२	३१	म	५६	२८	गं	२०	२५	तै	३	२०	६	३५	२५	२१	१	८	सिंहे
११	बु	३२	१०	पू	५८	१७	धृ	१७	४१	ब	२	२१	१०	३४	२६	२२	२	९	सिंहे
१२	गु	३३	१	उ	६०	०	शु	१५	३७	ब	२	३५	१४	३३	२७	२३	३	१०	क. १४।२
१३	शु	३४	४७	उ	१	१७	व्या	१४	३६	की	३	५४	१७	३३	२७	२४	४	११	कन्यायां
१४	श	३७	५४	ह	५	३१	ह	१४	२५	ग	६	२१	२१	३२	२८	२५	५	१२	तु. ३८।१
१५	र	४१	४३	चि	१०	३२	ब	१४	५०	वि	९	४९	२५	३१	२९	२६	६	१३	तुलायां

दृश्योमेषेऽर्कः १२/५० (सौरः १०/५४) चंद्रदर्शनम्*
सिंधारा. जिल्हेज १२ *नवरात्रारंभः
भ. ३३/३२ उ. ५५/३८ या. गणगौरी मत्स्य जयंती.

वक्री बुधः २२।३३

भ. ४/३७ उ. पश्चिमास्तो बुधः ४५।४४
भ. ९ १२ या.
रामनवमी
मृगेशुक्रः २१।४५ राष्ट्रीय वैशाखारम्भः
भ. २।२१ उ. ३२।१० या. कामदा ११ व्र.
×(सौरः ५/१२/३२) अ. ४ गुरुः १/५ हनुमज्जयन्ती
प्रदोषः व्र.
भ. ३७।५४ उ.
भ. ४/६ या. दृश्यो भरण्यां रविः ५/३ ×

१पं.द्वि.चै.शु.१चं.इ. १/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	०	१	१०	२	०
०	१८	१७	६	१५	८	१२	०
०	०	३९	५२	४७	३३	३१	१
०	५४	२१	५५	३४	५७	२८	५५
५८	४५	२१	१३	५९	५	३	५८
४५	५८	३९	३८	१८	३४	११	४५

गोचरग्रहाः

द्वि.चै.शु १चन्द्रे मेषेऽर्कः प्र.वा. ४ न.४ बालावस्था (बैठी) मु ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

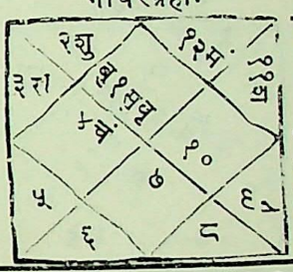

१पं.द्वि चै.शु.९चं.इ. १३/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	०	१	१०	२	०
६	२३	१७	८	२२	९	१२	६
५०	२३	४७	३४	१६	९	९	५२
४२	४९	९	३३	५१	५४	१२	६
५८	४५	५६	१३	५५	५	३	५८
३१	४७	ब	३८	१४	२	११	२९

ति. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे द्वि.चैत्र कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	४६	५१	स्वा	१६	४०	सि	१६	५	ग्रा	१४	१६	३२/२९	३०/५	३०/६	२७	७	१४	तुलायां
२	मं	५२	२९	वि	२३	१७	व्य	१७	५०	तै	१९	४०	३२	३०	३०	२८	८	१५	वृ. ६।३८
३	बु	५८	३४	अ	२९	४१	ध	१९	५९	ब	२५	३१	३६	२९	३१	२९	९	१६	वृश्चिके
४	गु	६०	०	ज्ये	३८	१४	प	२२	३२	ब	३१	४२	४०	२८	३२	३०	१०	१७	ध. ३८।१४
४	शु	४	५०	मू	४५	४९	शि	२४	५५	ब्रा	४	५०	४३	२७	३३	१	११	१८	धनुषि
५	श	११	१	पू	५२	५२	सि	२७	८	तै	११	१	४७	२७	३३	२	१२	१९	धनुषि
६	र	१६	२४	उ	५९	२	सा	२८	३१	ब	१६	२४	५१	२६	३४	३	१३	२०	म. ९।२४
७	चं	२०	४६	श्र	६०	०	शु	२९	२	ब	२०	४६	५४	२५	३५	४	१४	२१	मकरे
८	मं	२३	३३	श्र	३	४५	शु	२८	१५	की	२३	३३	५७	२५	३५	५	१५	२२	कु. ३५।१५
९	बु	२४	४३	ध	६	४६	ब्र	२५	५९	ग	२४	४३	३/३	२४	३६	६	१६	२३	कुम्भे
१०	गु	२३	४९	श	७	५५	ऐं	२२	७	वि	२३	४९	४	२३	३७	७	१७	२४	मी ५।२।१६
११	शु	२०	५२	पू	६	५०	वै	१६	४०	ब्रा	२०	५२	७	२३	३७	८	१८	२५	मीने
१२	श	१५	४५	उ	५/६	५५/५९	वि	९	३८	तै	१५	४५	१०	२२	३८	९	१९	२६	मे. ५५।११
१३	र	८	५०	अ	५२	५९	प्री	१/५	५०/२७	ब	८	५०	१३	२१	३९	१०	२०	२७	मेषे
१४	चं	०	३५	भ	४५	५४	सौ	४१	१९	श	०	३५	१६	२१	३९	११	२१	२८	वृ. ५९।२
३०	चं	५०	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

वक्री अश्विन्यांबुधः १/५७ अश्वि. मेषेभौमः ४/५
भ. २५/१ उ. ५/३४ या. मिथुने शुक्रः १८।३८
चतुर्थी व्रतम्.
शत. २ शनिः २४।३ मई ५ ता. ३१

भ. १६।२४ उ. ४८।३५ या.

पूर्वोदयी बुधः ५८।३१
भ. ५४।१६ उ.
भ. २३।४९ या. उदयी भौमः ५।१८
वरूथिनी ११ व्र. उ. गु.
आर्द्रा. शुक्रः ५/६ प्रदोषः व्र. उ. गुरो ३/२४
भ. ५/० उ. ३४/३७ या. दृश्यः कृत्तिकारविः ३/६ +
+सौरः ४० ९ भरणी १ गुरुः ७।५५

३पं.वै. कृ.१चं.इ. १/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	०	१	१०	२	०
१३	२८	१४	१०	२८	९	११	१३
३९	४७	०	१५	१४	५२	४६	४०
४३	१६	३६	४३	२०	२१	५७	३१
५८	४५	५६/५९	१३	५०	४	३	५८
१७	३७	ब	३८	३८	३८	११	१२

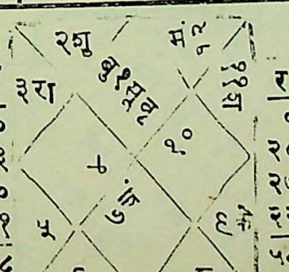

४पं.वै कृ ७चं.इ. १३/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	०	२	१०	२	०
२०	४	९	११	३	१०	११	२०
२७	५५	५५	५५	३३	११	२४	२७
२२	४९	५१	८	२१	२४	४१	१२
५८	४६	३०/१३	१३	४४	४	३	५७
९	२५	ब	३२	३२	२	११	५७

५पं.वै.कृ.१४चं.इ १/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	०	२	१०	२	०
२१	९	८	१३	७	१०	११	२७
१३	२१	२१	३४	५९	३६	२	१२
२४	३९	४२	५२	१६	३२	२५	२५
५७	४५	४/६	१३	३६	३	३	५७
४५	२२	ब	३२	२०	२०	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं.२०२१शाकः १८८६ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः ३६६०स.१६६४

१	मं	४१	५६	कृ	३८	२३	शो	३०	४६	कं	१६	४५	३३/५६	५/२०	६/४०	१२	२२	२६	वृषे
२	बु	३२	२६	रो	३१	१	अ	२०	१४	बा	७	११	२२	२०	४०	१३	२३	३०	मि५७।४२
३	गु	२३	३०	मृ	२४	२३	सु	१०	१८	ग	२३	३०	२५	१६	४१	१४	२४	१	मिथुने
४	शु	१५	२५	आ	१८	३२	धृ	४/५१	५/५२	वि	१५	२५	२८	१८	४२	१५	२५	२	मिथुने
५	श	८	४४	पु	१४	४	गं	४५	३६	बा	८	४४	३०	१८	४२	१६	२६	३	क.०।११
६	र	३	३०	पु	११	१४	वृ	३६	५६	तै	३	३०	३३	१७	४३	१७	२७	४	कर्के
७	चं	०	४	श्ले	६	५०	ध्रु	३५	३५	व	०	४	३६	१७	४३	१८	२८	५	सिं६।५०
८	चं	५७	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	मं	५७	४७	म	१०	३	व्या	३२	२७	बा	२७	५४	३६	१६	४४	१६	२६	६	सहे
१०	बु	५६	११	पू	१२	६	ह	३०	४२	तै	२८	२६	४१	१६	४४	२०	३०	७	क.२७।५७
११	गु	६०	०	उ	१५	३१	व	२६	५८	व	३०	२७	४३	१५	४५	२१	३१	८	कन्यायां
११	शु	१	४३	ह	१६	५६	सि	३०	३८	वि	१	४३	४६	१५	४५	२२	१	९	तु.५२।५३
१२	श	५	२८	चि	२५	४७	व्य	३१	२३	बा	५	२८	५८	१४	४६	२३	२	१०	तुलायां
१३	र	६	५६	स्वा	३२	१६	व	३२	५५	तै	६	५६	५०	१४	४६	२४	३	११	तुलायां
१४	चं	१५	३५	वि	३६	१०	प	३४	५४	ब	१५	३५	५२	१४	४६	२५	४	१२	वृ.२२।२६
१५	मं	२१	१५	अ	४६	३८	शि	३७	१६	ब	२१	१५	५४	१३	४७	२६	५	१३	वृश्चिके

मार्गी बुधः ३६।१०
चद्रदर्शनम्
भ.४/२६उ दृश्यो वृषेऽर्कः १/७सौरः७।५७+
भ.१५।२५ या.
भरण्यां भौमः ३५।५
पातस्पर्शः३/७ मोक्षः ४६।४०
भ.०।४उ. २६।३या.
+अक्षया३परशु.ज.मो.१ सन्१३८४हि.
*११ ब्र. वै. राष्ट्रीय ज्येष्ठारम्भः
×भरणी २गुरुः२८।४नृसिंह१४
भ.३०।२७उ.मोहिनी११ब्र. स्मा.
भ.१।४३या.भरण्यां बुधः४/३० मोहिनी*
प्रदोषः
दृश्यो रोहिः रविः२६।५२(सौरः२४।६)
भ.१५।३५उ. ४८।२५ या.
अन्न जल कुंभदानम्

६पं.वै.शु.७चं.इ. १३।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	०	२	१०	२	१
३	१४	९	१५	११	१०	१०	३
५८	३४	३५	१३	२०	५७	४०	५६
२६	३०	२७	१५	४२	२५	१०	३
५७	४१	२०/३०	१३	२५	२	३	५७
४४	१२	मा	२०	२८	४४	११	३४

गोचरग्रहाः

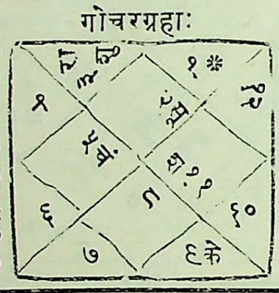

वै. शुक्ले ३गुरौ वृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ५ प्रौढा वस्था (बैठी)मु. ३०धान्यादिभावे समता शु. प.

गोचरग्रहा;

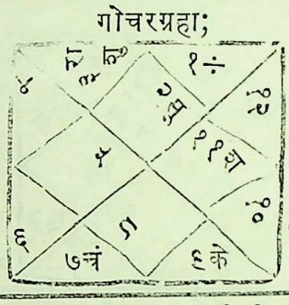

७पं.वै.शु.१४चं.इ.१४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	०	२	१०	२	१
१०	१९	१५	१६	१३	११	१०	१०
४२	४५	३४	५०	१४	१३	१७	३८
२५	४	८	९	४२	४८	५४	१४
५७	४४	५२	१२	११	२	३	५७
३५	५७	४१	१४	५६	२	११	२३

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६ | दि. इ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरे वैशाख कृ.महाराष्ट्राः

१	बु	२७	१७	ज्ये	५४	१	सि	३६	३८	कौ	२७	१७	३३/५६	५/१३	६/४७	२७	६	१४	ध.५४।१
२	गु	३३	२६	मू	६०	०	सा	४२	१	तै	०	२४	५८	१२	४८	२८	७	१५	धनुषि
३	शु	३६	२५	मू	१	१६	शु	४४	७	व	६	२७	३४/००/	१२	४८	२६	८	१६	धनुषि
४	श	४४	४४	पू	८	२६	शु	४५	५४	ब	१२	५	२	१२	४८	३०	९	१७	म.२५।२
५	र	४६	१४	उ	१४	५०	न	४६	५६	कौ	१६	५६	४	११	४६	३१	१०	१८	मकरे
६	चं	५२	३३	श्र	२०	२६	ऐं	४७	६	ग	२०	५४	६	११	४६	१	११	१६	कु.५२।३२
७	मं	५४	३५	ध	२४	३३	वै	४६	१३	वि	२३	३४	७	११	४६	२	१२	२०	कुम्भे
८	बु	५४	५२	श	२७	६	वि	४३	५२	बा	२४	४३	६	१०	५०	३	१३	२१	कुम्भे
९	गु	५३	१४	पू	२८	२	प्री	३६	५६	तै	२४	३	१०	१०	५०	४	१४	२२	मी१२।४६
१०	शु	४६	३८	उ	२७	४	आ	३४	३८	ब	२१	२६	१२	१०	५०	५	१५	२३	मीने
११	श	४४	५	रे	२४	६	सौ	२७	४७	ब	१६	५२	१३	६	५१	६	१६	२४	मे.२४।६
१२	र	३७	१६	अ	१६	१८	शो	१६	३२	कौ	१०	४०	१४	६	५१	७	१७	२५	मेषे
१३	चं	२८	४७	भ	१२	१२	अ	१०/१७	४६/३८	ग	३	१	१६	६	५१	८	१८	२६	वृ.२५।३८
१४	मं	१६	६	कृ	५८	५२/१७	धृ	४८	५६	श	१६	६	१७	६	५१	९	१९	२७	वृषे
३०	बु	६	६	रो	५०	१८	शू	३८	६	ना	६	६	१८	८	५२	१०	२०	२८	मि२१।१७

*मूल. ३ केतुः५२।११ च. ब्र.
+५/१४ भरणी३ गुरुः २६ ५८ प्रदोषः
भ.६।२७ उ. ३६।२५ या.
वक्री शुक्रः २१।१४ आर्द्रा. १ राहुः*
पातस्पर्शः२।५४ मोक्षः ३६।२२
भ.५२।२३ उ. मा. जून ६ ता. ३० .
भ. २३।३४ या.
कृत्तिका. बुधः३/१६कृत्ति. भौमः३६।३१
÷अपरा ११ ब्र. नि.
भ.२१/६उ.४६।३८या. वृषे बुधः ४६।२
अपरा ११ ब्र. स्मा. वै.
दृश्यो मृगे रविः ३४।४८(सौरः३/५५)÷
भ.२८।४७ उ.५३।५६ या. वृषे भौमः+
वटपूजनम

ऽपं ज्ये.कृ.६चं.इ.१४।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	०	२	१०	२	१
१७	२४	२३	१८	१३	११	९	१७
२५	५३	४०	२५	२२	२५	५३	१९
८	४५	३	६	४०	३०	३९	२०
१७	४४	७८	१२	५४	१	३	५७ ६
२७	४७	१३	५०	ब	२६	११	१३

गोचरग्रहाः

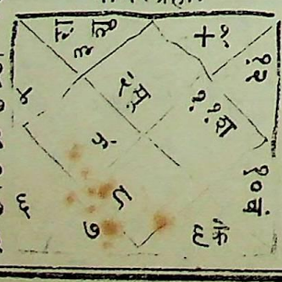

इस मास में रस पदार्थ गुड खांड घृत तेलादि तेज होंगे सर्दी में रुई चाँदीमें घटा बढी अधिक होकर मंदी होगी ।

गोचरग्रहाः

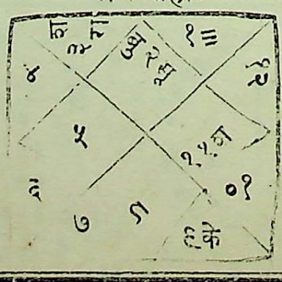

९पं.ज्ये.कृ.१३चं.इ.१४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	०	२	१०	२	१
२४	२९	४	१९	१२	१	९	२३
७	५३	१०	५७	६	३३	३३	५९
१२	३१	३३	२१	३०	१४	२३	१६
५७	४	०	२	४/३	३	५७	
२२	३१	२८	२८	ब	४४	११	५

*बु.बृ.मं. +बु. वृ.मं. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ÷बु.बृ.मं. ≡चं.मं.वृ.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६ दि. उ.अ. इ. रा. मु. चंद्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३७२०स१६६४

१	बु	४६	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	गु	४८	१६	आ	४३	४३	गं	१७	२८	वा	२३	३८	३४	५	६	११	२१	२६
३	शु	४०	५६	पु	३७	१६	वृ	१६	४०	तै	१४	३७	२०	८	५२	१२	२२	१
४	श	३३	५२	पु	३१	४०	धु	८	३६	च	७	२४	२१	८	५२	१३	२३	२
५	र	२८	४३	श्ले	२८	२४	व्या	१०	५४	ब	११	७	२१	८	५२	१४	२४	३
६	चं	२६	१६	म	२७	१	व	५१	२	तै	२६	१६	२२	८	५२	१५	२५	४
७	मं	२४	५	पू	२८	३२	सि	४८	२०	व	२४	५	२२	८	५२	१६	२६	५
८	बु	२४	४७	उ	३०	१७	व्य	४७	२	ब	२४	४७	२३	७	५३	१७	२७	६
९	गु	२७	२०	ह	३४	३५	व	४७	१४	की	२७	२०	२३	७	५३	१८	२८	७
१०	शु	३१	१८	चि	४०	१३	प	४८	१	ग	२८	४९	२३	७	५३	१९	२९	८
११	श	३६	१५	स्वा	४६	४९	शि	४९	५२	व	३	४७	२४	७	५३	२०	३०	९
१२	र	४२	६	वि	५४	६	सि	५२	२२	ब	६	१०	२४	७	५३	२१	३१	१०
१३	चं	४८	६	अ	६०	०	सा	५४	४९	की	१५	६	२४	७	५३	२२	१	११
१४	मं	५४	११	अ	१	३१	शु	५७	५	ग	२१	८	२४	७	५३	२३	२	१२
१५	बु	६०	०	ज्ये	६	१०	शु	५९	२९	वि	२७	११	२४	७	५३	२४	३	१३
१५	गु	०	११	मू	१६	९	ध्रु	६०	०	ब	०	११	२३	७	५३	२५	४	१४

१५	गु	०	११	मू	१६	९	ध्रु	६०	०	ब	०	११	२३	७	५३	२५	४	१४

धनुषि

रोहि. बुधः ४०।४६ चंद्रदर्शनम्
मफर २ *शनिः ३९/५०
भ ७।२४ उ. ३३।५२ या.
दृश्योमिथुनेऽर्कः ३३/३६ (सौरः ३३/४२) वक्री*
पश्चिमास्तं शुक्रः ४८।० प.अ.
भ. २४/५५ उ. ५४/२६ या पूर्वास्तोबुधः १३/४८ शु.
वक्री मृगे शुक्रः ५०।१
मृगे बुधः ३२।४४
गंगादशमी ×बुधः ४२।३८
भ. ३।४७उ ३६।१५या. निर्जला ११व्र.
दृश्य आर्द्रायांरविः २२/५८ सौरः ३५/५५ मिथुने×
रोहि. भौमः १५/५५ प्रदोषः रा.आषाढ़ारंभ
भ. ५४।११ उ. शु.उ.
भ २७/५१ या. आर्द्रा. बुधः ५३/५९ भरणी ४+ पू.
+गुरुः ३४/३४ शुक्रोदयः पू ४६/५२ ग्र चंद्रग्रहणम्

१०ग.ज्ये.शु. ६च.इ. १४/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	०	२	१०	२	२
०	५	१६	२१	८	११	९	०
४८	२	४७	२६	७	३५	११	३८
२५	३४	२७	५६	५८	१३	७	२५
५७	४४	५९	१२	३३/५२	४०/४	३	५६
१७	११	३७	८	ब	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

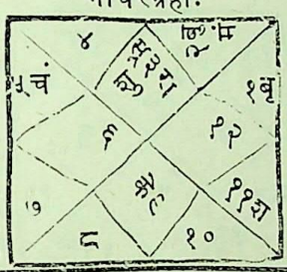

ज्येष्ठ शु. ५ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

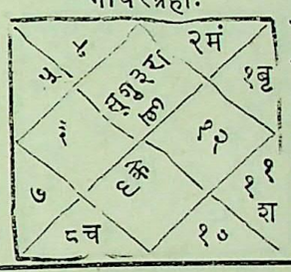

११पं.ज्ये.शु.१०चं.इ. १४/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	०	२	१०	२	२
७	१०	१	२२	३	११	८	७
२९	२	६	५३	४६	३२	४८	१६
२४	६	३६	२	२२	४६	५२	५२
५७	४३	५९	११	३५/५०	४०	३	५६
१३	५५	७/६	३२	ब	ब	११	५४

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृ. महाराष्ट्राः

१	शु	५	४१	पू	२३	८	व	१	३२	की	५	४१	३४/२३	५	५३/६	२६	५	१५
२	श	१०	४२	उ	२९	९	ऐं	३	२	ग	१०	४२	२३	७	५३	२७	६	१६
३	र	१४	४०	अ	३४	३४	वै	३	४३	वि	१४	४०	२२	८	५२	२८	७	१७
४	चं	१७	२५	ध	३८	५०	वि	४	००	बा	१७	२५	२२	८	५२	२९	८	१८
५	मं	१९	३२	श	४२	११	ती	३	२५	ते	१९	३२	२१	८	५२	३०	९	१९
६	बु	२०	१८	पू	४४	५	आ	४४	५७/३८	व	२०	१८	२०	८	५२	१	१०	२०
७	गु	१९	३२	उ	४४	३१	शो	५५	२०	ब	१९	३२	१९	८	५२	२	११	२१
८	शु	१७	२५	रे	४३	३४	अ	५०	१३	की	१७	२५	१८	८	५२	३	१२	२२
९	श	१३	४३	अ	४०	५६	सु	४३	४७	ग	१३	४३	१७	९	५१	४	१३	२३
१०	र	८	२६	भ	३५	५९	धृ	३६	१०	वि	८	२६	१५	९	५१	५	१४	२४
११	चं	१	४३	कृ	३१	३८	शू	२७	२५	बा	१	४३	१४	९	५१	६	१५	२५
१२	चं	५२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	मं	४४	५१	रो	२५	१	गं	१८	१	ग	१९	१९	१३	९	५१	७	१६	२६
१४	बु	३५	१३	मृ	१७	५२	बृ	४९/७	३२/४९	वि	१०	२	११	१०	५०	८	१७	२७
३०	गु	२५	२९	आ	१०	२२	व्या	४६	५८	च	०	२१	१०	१०	५०	९	१८	२८

मि ५१।२७ मिथुने
क ५०।२१

भ. ४२।४१ उ.
भ.१४।४०या.वक्रीवृषेशुक्रः ४७।५७च.व्र.

पुन. बुधः ४८।४१
भ. २०/१८ उ. ४५/५५ या. जौलाई मा.७ ता. ३१

भ. ४१।५ उ.
भ. २९/५८ या. दृश्यः पु.रविः २१/१४ सौरः ३९/१६ *
योगिनी ११ व्र. *वर्केबुधः ३४।९

भ. ४४/५१ उ. पुष्येबुधः १२।५२ प्रदोषः
भ. १०।२या. पश्चिमोदयीबुधः ३३।१०
देवपितृ कार्येऽमा

१२पं.आ.कृ.४च.इ. १४/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	०	१	१०	२	२
१४	१४	१६	२४	२९	११	८	१३
९	५८	३७	१६	४८	२५	२६	५४
५०	५१	१	१२	३२	१२	३६	५७
५७	४३	५९	११	२३/२६	२८	३	५६
७	४५	४२	२	ब	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

इस मास में पाँच शुक्रवार उत्तम हैं अनाज गेहूँ चणा मोठ बाजरा तेज होगा सुदीमें वर्षा श्रेष्ठ होगी।

गोचरग्रहाः

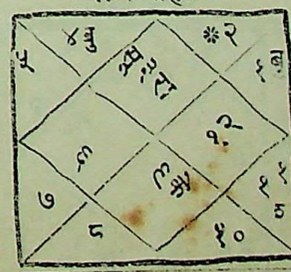

१३पं.आ.कृ.११चं.इ. १३/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	०	१	१०	२	२
२०	१९	१	२१	२०	११	८	२०
५०	५१	२०	३५	४३	१२	४	३२
१०	२९	३८	२०	१५	४७	२१	५१
५७	४३	५९	११	२२/५५	१०/२	३	५६
७	२९	३४	२०	ब	ब	११	५०

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* शु.मं.चं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | आषाढ़ शुक्लपक्षः सं.२०२१शाकः१८८६ | दि. | उ. | अ | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३७४६स १६६४

१	शु	१६	२३	पु	४०	५३	ह	३७	१२	ब	१६	२३	३४	५५	६	१०	१६	२६	कर्के
२	श	८	१६	श्ले	५२	११	व	२८	१६	कौ	८	१६	७	११	४६	११	२०	१	सिं५२।११
३	र	१	४३	म	४८	४८	सि	२०	४४	ग	१	४३	५	११	४६	१२	२१	२	सिंहे
४	र	५५	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	चं	५४	१२	पू	४७	४७	व्य	१४	२३	ब	२५	३३	४	११	४६	१३	२२	३	सिंहे
६	मं	५३	४४	उ	४८	५०	व	१०	१८	कौ	२३	५८	२	१२	४८	१४	२३	४	क.३।३
७	बु	५५	१६	ह	५१	४४	प	७	४०	ग	२४	३०	०	१२	४८	१५	२४	५	कन्यायां
८	गु	५८	४४	चि	५६	३५	शि	६	५०	वि	२७	०	३३ ५८	१२	४८	१६	२५	६	तु.२४।६
९	शु	६०	०	स्वा	६०	०	सि	७	१४	चा	३१	५	५६	१३	४७	१७	२६	७	तुलायां
१०	श	३	२६	स्वा	२	४१	सा	८	३०	कौ	३	२६	५४	१३	४७	१८	२७	८	वृ.५३।७
११	र	९	२४	वि	९	५५	शु	१०	५२	ग	९	२४	५२	१४	४६	१९	२८	९	बृश्चिके
१२	चं	१५	३६	अ	१७	२०	शु	१३	४	वि	१५	३६	५०	१४	४६	२०	२९	१०	वृश्चिके
१३	मं	२१	४१	ज्ये	२४	५९	न	१५	४७	चा	२१	४१	४७	१५	४५	२१	३०	११	ध.२४।५९
१४	बु	२७	३५	मू	३२	१३	ऐं	१८	३	तै	२७	३५	४५	१५	४५	२२	३१	१२	धनुषि
१५	गु	३१	४३	पू	३८	५१	वै	१९	५४	च	३१	४३	४२	१६	४४	२३	१	१३	म.५५।१६
१५	शु	३६	२६	उ	४४	३२	वि	२१	१०	वि	४	३४	४०	१६	४४	२४	२	१४	मकरे

मार्गी शुक्रः ४८।११ चन्द्रदर्शनम्
मृगे भौमः१७।४४रथयात्रा।रविलावल३
भ.२९।१८उ. ५६।५३ या. कृत्तिका×
१ गुरुः २४।४९

आश्लेषा. बुधः २४।३१
भ.५५।१६उ.दृश्यः कर्केऽर्कः५०।३८
भ.२७।०या.कर्केऽर्कः सौरः१२।०
*(सौरः४२।४१)
≡देवशयनी ११ब्र.
भ.४२।३० उ. दृश्यः पुष्ये रविः १५ ६५*
भ. १५।३६ या. वृषे भौमः ५२।३४≡
प्रदोषः
मघा. सिंहे बुधः २५।३०
भ.३१।४३ उ. राष्ट्रीय श्रावणारम्भः
भ. ४।३४ या. व्यास पूजा वायुपरीक्षा

१४पं.आ.शु.५चं.इ.१३।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	०	१	१०	२	२
२७	२४	१४	२६	२६	१०	७	२७
३०	४३	२९	४७	५४	५६	४२	१०
३२	४८	३४	५२	४६	२८	५	५८
५७	४३	२७ ५८	९	६ ३	४० २	३	५६
११	१९	४२	३८	मा	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

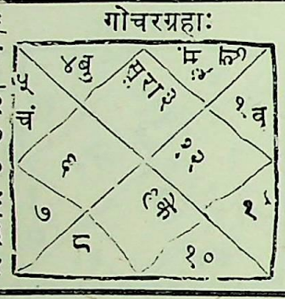

आ. शु. ७ बुधे कर्केऽर्कः प्र. वा. ४न. ५ प्रगल्भा वस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु पूर्व.

गोचरग्रहाः

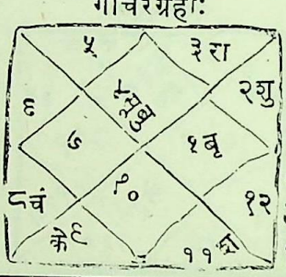

१५पं.आ.शु११च.इ.१३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	०	१	१०	२	३
४	२९	२६	२७	२८	१०	७	३
११	३२	१३	५६	१२	३६	१९	४९
१७	१३	४८	२०	४६	२१	४९	२५
५७	४२	९५	८	२०	१ ६	३	५६
१५	१२	४२	५६	३४	बृ	११	५७

ति. | श्रावण कृष्णपक्षः सं.२०२१ शाकः १८८६ | दि. | उ. | अ | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | वर्षर्तुः रविर्दक्षिणे आषाढ कृ. महा.

१	श	४०	१६	श्र	४६	२१	ग्री	२१	३६	बा	८	२२	३३ ३७	१७	४३	२५	३	१५	मकरे
२	र	४२	३७	ध	५३	०	आ	२१	२०	तै	११	२८	३५	१७	४३	२६	४	१६	कु.२१।११
३	चं	४३	४०	श	५५	४६	सौ	२०	६	च	१३	८	३२	१८	४२	२७	५	१७	कुम्भे
४	मं	४३	४७	पू	५७	२६	शो	१८	१४	व	१३	४४	२६	१८	४२	२८	६	१८	मी ४२।१
५	बु	४२	४६	उ	२८	१०	अ	१५	२६	कौ	१३	१८	२६	१६	४१	२६	७	१९	मीने
६	गु	४०	५५	रे	५७	५१	सु	१२	१	ग	११	५१	२४	१६	४०	३०	८	२०	मे. ५७।५१
७	शु	३७	४८	अ	५६	३४	धृ	७	३८	वि	९	२२	२१	२०	४०	३१	९	२१	मेषे
८	श	३३	५३	भ	५४	१४	शू	१९	२५ ५३	चा	५	२१	१८	२०	३९	१	१०	२२	मेषे
९	र	२८	५८	कृ	४९	५८	वृ	४९	१२	तै	१	२५	१५	२१	३८	२	११	२३	वृ. ८।१०
१०	चं	२२	५३	रो	४६	२६	ध्रु	४१	३५	वि	२२	५३	१२	२२	३८	३	१२	२४	वृषे
११	मं	१५	४४	मृ	४१	७	व्या	३२	५५	ज्ञा	१५	४४	९	२२	३८	४	१३	२५	मि.१३४६
१२	बु	८	१३	आ	३५	१७	ह	२४	२	तै	८	१३	६	२३	३७	५	१४	२६	मिथुने
१३	बु	५१	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	गु	३१	४५	पु	२९	९	व	१४	४०	वि	२५	५०	३	२३	३७	६	१५	२७	क.१५।४१
२०	शु	४४	३	पु	२३	२८	सि	३२ ५१	५१ ४	च	१७	५४	०	२४	३६	७	१६	२८	कर्के

मिथुने शुक्रः १७।१५
÷मृगे.४राहुःमूल. २केतु.४४।४९
भ. १३।८ उ. ४३।४० या.
चतुर्थी व्रतम
नागं ५ मरुस्थले
भ. ४०।५५उ. आर्द्रा. भौमः ५५ ४३ वक्री*
भ. ९।२२या.
अगस्त मा.८ना.२१पुकामां बुधः ४१ १९ ÷
म.५५ ५५ उ. दृश्य आश्लेषा. रविः १५ ६६+
भ ५३ ५३ या. कृत्तिका. २वृषे गुरुः५३।५६
कामिका ११ ब्र.
भ.५९।५५उ आर्द्रा. शुक्रः २५ ४९ प्रदोषः
*शत.१ शनिः ४२।४०
भ २५।५० या. ÷(सौरः ४३।३०)
हग्यालो

१६पं.श्रा.कृ.२चं.इ.१३।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	०	२	१०	२	३
१०	४	६	२८	११	१०	६	१०
५२	१७	५५	५९	३	१२	५७	२८
१९	१७	१५	१६	३	२२	३४	४२
५७	४२	७८	८	३२	४ ३	३	५७
२०	३६	२५	२	३२	बृ	११	५

गोचरग्रहाः

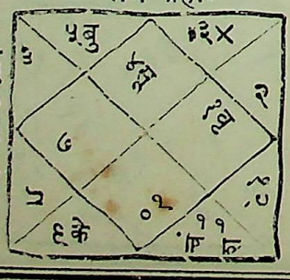

इस मासमें ५ शनिवार नेष्ट है वर्षामें कमी अनाज गल्ला तेज प्रजा में पीडा होवे।

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ.१०चं.इ.१३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	०	२	१०	२	३
१७	८	१४	२९	५	९	६	१७
२४	५८	५०	५५	६	४५	३५	८
१	५२	४२	१९	७	४३	१८	३०
५७	५२	५९	६	४१	४ ३	३	५७
२५	९	६	५६	१६	बृ	११	१२

×शु.रा.मं. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) +रा.मं,शु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.। श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६ दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७७८स१६६४

१	श	३७	१६	श्ले	१८	८	व	४८	२६	कि	१०	४०	३२ ५६	२५	३५ ६	८	१७	२६	सि १८।८
२	र	३१	५३	म	१४	१५	प	४१	३१	वा	४	३४	५३	२५	३५	६	१८	३०	सिंहे
३	चं	२८	१७	पू	११	४८	शि	३५	५५	तै	०	५	५०	२६	३४	१०	१६	१	क.२६।३८
४	मं	२६	४६	उ	११	८	सि	३१	५३	वि	२६	४६	४५	२७	३३	११	२०	२	कन्यायां
५	बु	२७	१८	ह	१२	३२	सा	२६	३२	वा	२७	१८	४३	२७	३३	१२	२१	३	तु.४४।२६
६	गु	२६	४६	चि	१६	१६	शु	२६	३	तै	२६	४६	४०	२८	३२	१३	२२	४	तुलायां
७	शु	३३	५६	स्वा	२१	२६	शु	२६	२५	ग	१	५३	३६	२६	३१	१४	२३	५	तुलायां
८	श	३६	२६	वि	२८	६	ज्ये	३१	५	वि	६	४२	३३	२६	३१	१५	२४	६	वृ.११।२६
९	र	४५	२८	अ	३५	६	ऐं	३३	१४	वा	१२	२६	२६	३०	३०	१६	२५	७	बृश्चिके
१०	चं	५१	४४	ज्ये	४२	५०	वै	३५	३५	तै	१८	३६	२६	३१	२६	१७	२६	८	ध.४२।५०
११	मं	५७	४४	मू	५०	१२	वि	३७	४६	व	२४	४४	२२	३२	२८	१८	२७	९	धनुषि
१२	बु	६०	०	पू	५७	१	प्री	४०	५७	व	३०	२०	१६	३२	२८	१६	२८	१०	धनुषि
१३	गु	२	५६	उ	६०	०	आ	४१	१६	वा	२	५६	१५	३३	२७	२०	२६	११	म. १३।२४
१४	शु	६	५६	उ	२	३३	सो	४१	३८	तै	६	५६	११	३४	२६	२१	३०	१२	मकरे
१५	श	६	४३	श्र	७	८	शो	४०	५०	व	६	४३	८	३४	२६	२२	३१	१३	कु.२८।४०
१५	र	१०	५८	ध	१०	१३	अ	३६	१०	ब	१०	५८	४	३५	२५	२३	११	१४	कुम्भे

चंद्रदर्शनम् सिधारा
भ. ५७।३३ उ. तीज रविलाखर ४
भ. २६।४६ या. वरद ४
नागपंचमी

भ. ३३।५६ उ.
भ. ६।४२ या.
दृश्योमघा.सिंहेऽर्क ५/६ (सौर:३६।५५)
वक्री बुधः ५१।४५
भ. २४ उ. ५७/४ या.पवित्रा ११ब्र.स्मा.वै.
पुन. भौमः ४६/० पवित्रा ११ ब्र. नि.
प्रदोषः
* रा. भाद्रपदारम्भः
भ. ४३/६ उ. ४/२१ या. पुन. शुक्रः ६।२८
श्रावणी कर्म. रक्षाबंधनम् *

१८पं.श्रा.शु.२.चंइ.१३/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	१	२	१०	२	३
२४	१३	२१	०	१०	९	६	२३
१६	३७	७	४४	३	१५	१३	१६
२६	५१	२२	९	०	५७	३	२६
५७	४१	३४	६	४८	२६/२	३	५७
३३	४२	२२	२	२	ब	११	३३

गोचरग्रहाः

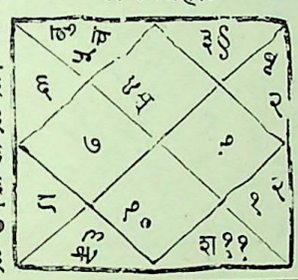

श्रा. शु. ६ रवौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न. ५ कुमार्यावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावेसमताशु.पू.

गोचरग्रहाः

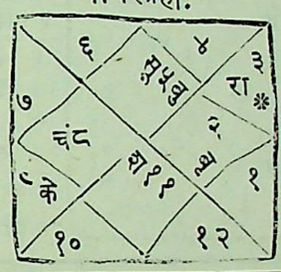

१६पं.श्रा.शु.१०चं.इ.१३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१	२	१०	२	४
०	१८	२४	१	१५	८	५	०
५९	१३	२१	२५	४२	४५	५०	३१
४९	२६	२५	४४	४६	५४	४७	५०
५७	४१	३	४	५३	३४	३	५७
४०	१	३३	५६	१७	ब	११	३४

ति.| भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २०२१ शाकः १८८६ दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	१०	५३	श	१२	४	सु	३६	२४	कौ	१०	५३	३२ ००	३६	५ ६	२४	२	१५	मी५७।३२
२	मं	९	४९	पू	१२	४१	धृ	३२	४०	ग	९	४९	३१ ५६	३७	२३	२५	३	१६	मीने
३	बु	७	३५	उ	१२	३१	शू	२८	१६	वि	७	३५	५२	३८	२२	२६	४	१७	मीने
४	गु	४	४३	रे	११	३२	ग	२३	२२	वा	४	४३	४८	३८	२२	२७	५	१८	मे.११।३२
५	शु	०	५८	अ	६	२१	वृ	१७	४८	तै	०	५८	४४	३९	२१	२८	६	१९	मेषे
६	शु	५६	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	श	५२	३२	भ	७	२८	ध्रु	११	४०	वि	२४	४६	४०	४०	२०	२९	७	२०	वृ.२१।४८
८	र	४७	३६	कृ	४	४८	व्या	२९/५५	५३/५५	वा	२०	४	३६	४१	१९	३०	८	२१	वृषे
९	चं	४२	४७	रो	४२/१	५६/२५	व	५१	२२	तै	१५	१२	३२	४२	१८	३१	९	२२	मि २९।४४
१०	मं	३६	१४	आ	५४	८	सि	४३	५६	व	९	३१	२८	४२	१८	१	१०	२३	मिथुने
११	बु	२९	५९	पु	४९	५०	व्य	३६	११	ब	३	७	२५	४३	१७	२	११	२४	क.३५।५५
१२	गु	२३	४४	पु	४५	३६	व	२८	२९	तै	२३	४४	२१	४४	१६	३	१२	२५	कर्के
१३	शु	१७	४०	श्ले	४१	३६	प	२०	५०	व	१७	४०	१७	४५	१५	४	१३	२६	सिं४१।३६
१४	श	१२	९	म	३८	१७	शि	१३	२६	श	१२	९	१३	४५	१५	५	१४	२७	सिंहे
३०	र	७	२७	पू	३५	५८	सि	६	५२	ना	७	२७	९	४६	१४	६	१५	२८	क.५०।४५

भ. ३८।४२ उ.
भ. ७।३५ या.
पश्चिमास्तो बुधः ५।९ च. ब्र.
*जन्माष्टमी ब्रतम्
भ. ५७।१ उ. वंद्रषष्ठी
×९ ता. ३० कर्के शुक्रः ३६।७
भ. २४।४६ या.
दृश्यःपूफायांरविः २७ सौरः३०।४७)*
गोगा ९
भ. ९।३१उ. ३६।१४या. सित. मा ×
अजा ११ ब्रतम्
वत्स द्वादशी प्रदोषः
भ. ४७/० उ. ४५/५ या. कर्के भौमः ४१।५७
पुष्ये शुक्रः ०।२७
वक्री मघा. बुधः १३/७ कुशाग्रहणी पि.३०

२०पं.भा.कृ.१ चइ.१२/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१	२	१०	२	४
७	२२	२३	१	२१	८	५	७
४४	४५	३७	५९	५६	१३	२८	१५
१७	४७	५५	२	२७	५१	३१	२३
५७	४०	३५/२	३	५७	४०/४	३	५७
५८	५६	ब	५०	८	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

भा. शु. १०बुधे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४ न. ४ प्रौढ़ावस्था(बैठी)मु.३० धान्यादि भावे समता शु. पू.

२१पं.भा.कृ.९चं.इ.१२/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१	२	१०	२	४
१४	२७	१८	२	२८	७	५	१४
२९	१५	३१	२३	३६	४२	९	०
५६	०	३०	३४	२२	२१	१६	३५
५८	४०	९/२५	२	६०	४०/४	३	५७
१	३४	ब	३२	१४	ब	११	५७

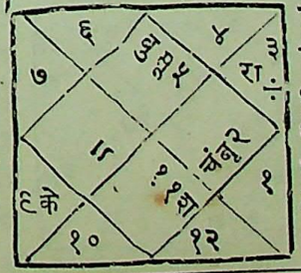

*मं.शु. ÷मं.शु. §रा.मं.शु. +शु.मं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति| भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०२१ शाकः १८८६ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा|मु.| चन्द्रः |शरदतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८०८स.१६६४

१	चं	४	२	उ	३५	५	सा	१०/३५	५५/३१	ब	४	२	३१/५	४७/५३	६/१	७ १६ २६	कन्यायां
२	मं	२	२१	ह	३५	४६	शु	५३	२६	को	२	२१	१	४८	१२	८ १७ १	कन्यायां
३	बु	२	२६	चि	२८	१५	ब्र	५१	५४	ग	२	२६	३०/५७	४६	११	६ १८ २	तु.७।१
४	गु	४	३२	स्वा	४२	२६	ऐं	५१	१५	वि	४	३२	५६	४६	११	१० १६ ३	तुलायां
५	शु	८	२	वि	५८	२५	वै	५२	१६	वा	८	२	४८	५०	१०	११ २० ४	वृ.३१।५५
६	श	१३	७	अ	५४	२	वि	५३	५२	तै	१३	७	४४	५१	६	१२ २१ ५	वृश्चिके
७	र	१८	५२	ज्ये	६०	०	मी	५६	८	व	१८	५२	४०	५२	८	१३ २२ ६	वृश्चिके
८	चं	२५	११	ज्ये	२	२४	आ	५८	३४	ब	२५	११	३६	५३	७	१४ २३ ७	ध.२।२४
६	मं	३१	१६	मू	६	५७	सौ	६०	००	को	३१	१६	३२	५४	६	१५ २४ ८	धनुषि
१०	बु	३६	४५	पू	१७	८	सौ	००	४०	तै	४	२	२८	५४	६	१६ २५ ६	म.२३।३६
११	गु	४१	०	उ	२३	१४	शो	२	२०	व	८	५२	२४	५५	५	१७ २६ १०	मकरे
१२	शु	४३	४२	श्र	२७	५६	अ	२	५५	ब	१२	२१	२०	५६	४	१८ २७ ११	कु.५६।३५
१३	श	४४	३६	ध	३१	१४	सु	२	२६	को	१४	१०	१६	५७	३	१६ २८ १२	कुंभे
१४	र	४३	५६	श	३२	४४	धृ	३१/०	५७/४७	ग	१४	१७	१२	५८	२	२० २६ १३	कुंभे
१५	चं	४१	४३	पू	३२	४०	गं	५२	५६	वि	१२	४६	८	५८	२	२१ ३० १४	मी १७।४१

चंद्रदर्शन म्
जमादिलाबल ५
भ. ३३/१ उ.पुष्ये भौमः ४१/२० पूर्वीदयी*
भ.४।३२या. * बुध ३५/५१ गणेश ४
मार्गीबुधः ४८।५ ऋषिपंचमी
दृष्य उफायां रविः ४४।४८
भ.१५/२ उ.५३/६या.उफायां रविःसौरः१५/२५+
वक्री धनिष्ठा ४ शनिः ५३।१६
[+वक्री गुरुः ४६।१०
दृश्यःकन्यायामर्कः१०/६ सौरः४०।३७)
भ.५/२ उ. ४३।०या. अश्लेषा. शुक्रः=
पूफायां बुधः१३।१८ वामनजयन्ती
प्रदोषः [= ४३/६ जलझूलनी ११ब्र.
भ. ४३।५६उ. अनंत १४
भ.१२/४या. महालयारंभःकु. सं पू.

२२पं.भा.शु.१चं.इ.१२/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	१	३	१०	२	४
२१	१	१२	२	५	७	४	२०
१६	४०	३१	३९	३६	११	४४	४७
५५	४०	४८	०	५४	३१	०	१५
५८	४०	४८/३५	१	६२	२४/६	३	५८
१३	५	ब	८	८	ब	११	१२

२३ पं.भा.शु.२चं.इ.१२/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	१	३	१०	२	४
२७	६	११	२	१२	६	४	२८
५	२	३५	४	५३	४२	२१	३५
२४	९	४५	३	५३	४६	४५	३८
५८	३९	२८/५९	४/०	६४	४	३	५८
२६	४२	मा	ब	१०	ब	११	२९

२४पं.भा.शु.१५चं.इ.१२/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	१	३	१०	२	५
४	१०	१७	२	२०	६	३	४
५५	२०	२४	४०	२६	१५	१९	२५
१	१९	१०	११	४४	२४	३	२९
५८	३९	८१	२/२	६६	४/६	३	५८
३८	०	५०	ब	२	ब	११	४५

ति.|आश्विन कृष्णपक्षः सं २०२१ शाकः १८८६ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चन्द्रः |शरदतुं रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृ.महाराष्ट्राः

१	मं	३८	२	उ	३१	२२	वृ	४७	२१	बा	६	५२	३०/४	५/०	६/१	७ ३१ १५	मीने
२	बु	३३	४५	रे	२६	१२	ध्रु	४१	१२	तै	५	५३	३०	०	६	२३ १ १६	मे.२६।१२
३	गु	२८	३५	अ	२६	११	व्या	३४	२४	व	१	१०	१/५५	६/५	५/६	२४ २ १७	मेषे
४	शु	२३	४	भ	२२	१५	ह	२७	२०	बा	२३	४	५१	२	५८	२५ ३ १८	वृ.३६।२२
५	श	१७	३४	कृ	१८	४३	व	२०	००	तै	१७	३४	४७	३	५७	२६ ४ १९	बृषे
६	र	१२	१०	रा	१५	५	सि	१२	४६	व	१२	१०	४३	३	५७	२७ ५ २०	मि४३।१७
७	चं	६	४७	मृ	११	२६	व्य	३२/५	५३/५३	व	६	४७	३८	४	५६	२८ ६ २१	मिथुने
८	मं	१	४४	आ	८	११	प	५१	२३	को	१	४४	३४	५	५५	२९ ७ २२	क.५०।४६
९	मं	५४	५७	०	०	०	०	०	९	०	०	०	०	०	०	० ८	०
१०	बु	५२	६	पु	४	५७	शि	४४	४०	व	२४	५३	३०	६	५४	३० ८ २३	कर्के
११	गु	४७	५२	पु	२/१	५७/२७	सि	३८	१५	व	१९	५९	२६	७	५३	१ ९ २४	सिं५७।२७
१२	शु	४३	५८	म	५७	४९	सा	३२	२०	को	१५	५६	२२	८	५२	२ १० २५	सिंहे
१३	श	४०	५५	पू	५६	४	शु	२६	५१	ग	१२	२६	१८	८	५२	३ ११ २६	सिंहे
१४	र	३८	४६	उ	५६	२४	श	२१	५५	वि	६	५०	१४	६	५१	४ १२ २७	क.न्यायां
३०	चं	३८	१	ह	५७	३३	न्न	१७	५४	च	८	२३	१०	१०	५०	५ १३ २८	क११।६

राष्ट्रीय आश्विनारम्भः
भ. १।१०उ. २८।३५या. चतुर्थी.ब्र.
*शुक्रः ५०।१८ मातृ ६
दृश्यो हस्ते रविः२३/६५ (सौरः५३।६
भ. १२/१० उ. ३६/६या. उफायां बुधः १७/५२
पूवास्तो बुधः ५७।२०
कन्यायां बुधः १४।२५ मघा. सिंहे *
×भौमः ५८।३८ इंदिरा ११ ब्र
भ. २४।५३ उ. ५२।६ या.
अक्टू. मा. १० ता. ३१ आश्लेषा. ×
÷१ केतुः ३७।११ प्रदोषः
भ. ४०।५५ उ. मृग. ३ राहुः मूल
भ.५/० या.हस्तेबुधः५३/२० शस्त्रा.हता.श्रा.
सवंपितृ ३०

२५पं.आ.कृ.७चं.इ.१२/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	१	३	१०	२	५
११	१४	२८	२	२८	५	३	११
४६	३३	१५	२६	९	५१	३७	१७
५५	२९	४	३४	४६	३	१३	४९
५८	३८	०/०	४/६	६७	५/६	३	५९
३२	४१	०/१४	ब	२६	ब	११	०

गोचरग्रहाः

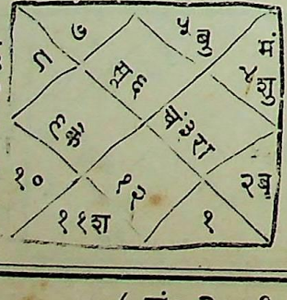

इस मास में गुड़ खांड घृत तैल तिल मूंगफली अलसी तेज, रुई गेहूँ चावल मूंग मोठ जौ मंदा।

गोचरग्रहाः

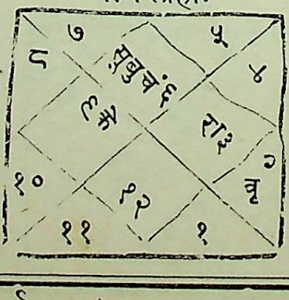

२६पं.आ.कृ.३०चं.इ.१२/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	१	४	१०	२	५
१८	१८	१०	२	६	५	३	१८
४०	४२	३४	३	१३	२९	१४	११
८	४३	४	३२	१८	३४	५८	३६
५९	३८	०/७	५/८	६८	४/०	३	५९
९	४	३७	ब	३०	ब	११	१६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्वि॰ शुक्लपक्षः सं० २०२१ शाकः १८८६ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८३७स. १६६४

१	मं	३८	२५	चि	५६	५०	ऐं	१४	४०	क	८	१३	२६	१	६	४५	६	१४	२६	तु २८।४१
२	बु	४०	२८	स्वा	६०	०	वे	१३	७	वा	६	२७	२	१२	४८	७	१५	३०	तुलायां
३	गु	४३	५६	स्वा	३	४१	वि	१२	४	ते	१२	१२	२५	१२	४८	८	१६	१	वृ.५२।३४
४	शु	४८	५६	वि	८	५१	मी	१२	२१	व	१६	२७	५४	१३	४७	६	१७	२	वृश्चिके
५	श	५४	३४	अ	१५	१५	आ	१३	२७	ब	२	४६	५०	१४	४६	१०	१८	३	वृश्चिके
६	र	६०	०	ज्ये	२२	२७	सो	१५	२७	को	२७	४२	४६	१५	४५	११	१६	४	ध.२२।२७
६	चं	०	५०	मू	३०	०	गो	१७	५७	ते	०	०	४२	१६	०४	१२	२०	५	धनुषि
७	मं	७	१६	पू	३७	४२	अ	२०	११	व	७	१६	३८	१६	४४	१३	२१	६	म.५४ २५
८	बु	१३	१३	उ	४४	३५	सु	२२	१५	ब	१३	१३	३४	१७	४३	१४	२२	७	मकरे
६	गु	१८	६	श्र	५०	१४	धृ	२३	३३	को	१८	६	३०	१८	२	१५	२३	८	मकरे
१०	शु	२१	२०	ध	५४	१६	शू	२६	३२	ग	२१	२०	२६	१६	४१	१६	२४	६	कु.२२।१५
११	श	२२	५५	श	५६	२१	गं	२२	२५	वि	२२	५५	२२	२०	४०	१७	२५	१०	कुम्भे
१२	र	२२	२२	पू	५६	४५	वृ	१६	४६	वा	२२	२२	१८	२०	४०	१८	२६	११	मी ४१।३६
१३	चं	१६	५६	उ	५५	१३	ध्रु	१५	२५	ते	१६	५६	१४	२१	३६	१६	२७	१२	मीने
१४	मं	१५	४७	रे	५२	७	व्या	६	४२	व	१५	४७	१०	२२	३८	२०	२८	१३	मे. ५२।७
१५	बु	१०	१३	अ	४७	४७	ह	५५ ३	५२ ०	ब	१०	१३	६	२३	३७	२१	२६	१४	मेषे

मातामह श्राद्धं नवरात्रारम्भः
चन्द्रदर्शनम्
जमादिलाखर ६
भ. १६/२६ उ. ४५/५६ यां. दृश्यश्विन्ना.रविः ५५/१६
सौरश्विन्ना. रविः २३।४२
पुफायाँ शुक्रः ३२।३४
चित्रा.बुधः २८।१० श्रीसरस्वतीवाहनं
भ.७।१६ उ.४०।१५ या.सर.पू.भद्र.श्रव.
बलिदानम्
विजया १० सरस्वतीविसर्जनम्
भ. ५२/७ उ. दृश्यस्तुलार्कः ३/६ तुला बुधः B
भ ३३/५५ या.तुला.सौरः २/५ पापांकुशा ११ ब्र.
प्रदोष ब्र. B ३३/२० विजया १० पट्टाभिषेके
A १३।५४ शरद् १५ कोजागरी ब्र.
भ.१५।४७ उ ४३।० या.स्वात्यां बुधः A
शरद् १५ वै का. स्ना. प्रा.

२७पं.आ.शु.६चं.इ.११।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	१	४	१०	२	५
२५	२२	२२	१	१४	५	२	२५
३५	४७	५७	३१	५	१३	५२	७
६	२७	३६	३३	१३	२३	४२	१८
५९	३७	०/७	५/४	६९	३/४	३	५९
२१	१६	३८	ब	२०	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

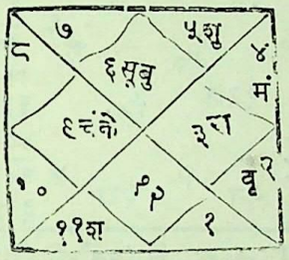

आ. शु. १० शुर्के तुलायामर्कः प्र. वा. ३ न. ४ प्रग-ल्भावस्था (बैठी मु. ३० (धान्य भाव सम) शु. प.

गोचरग्रहाः

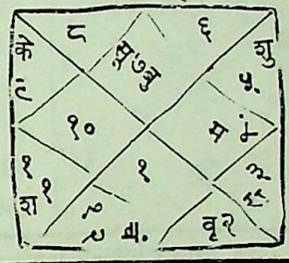

२८पं.आ.शु.१३.चंइ.१/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	१	४	१०	२	६
२	२६	४	०	२२	५	२	२
३१	४६	५२	५०	२५	१	३०	४
३४	१	३८	४६	४८	५५	२७	४८
५९	३६	०/८	१/०	७०	१	३	५९
३४	४२	३४	ब	२	२२	११	४६

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०२१ शाकः १८८६ दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | शरदर्तू रविर्दक्षिणे आश्वि॰ कृ. महाराष्ट्राः

१	गु	३	३३	भ	४२	३८	सि	४६	१७	को	३	३३	२५/२	६/२४	५/३६	२२	३०	१५	बृ. ५६।१६
२	गु	५४	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	शु	४६	११	कृ	३७	६	व्य	३७	२५	व	२२	४६	३७/५८	२४	३६	२३	१	१६	बृषे
४	श	४१	५६	रा	२१	४६	व	२८	३४	ब	१५	३३	५४	२५	३५	२४	२	१७	मि ५६।१६
५	र	३५	१८	मृ	२६	४२	प	१६	५८	को	८	३७	५०	२६	३४	२५	३	१८	मिथुने
६	चं	२६	१६	आ	२२	२३	शि	११	४७	ग	२	१७	४६	२७	३३	२६	४	१६	मिथुने
७	मं	२४	०	पु	१८	३८	सि	४/२	५५/८	ब	२४	०	४२	२८	३२	२७	५	२०	क ४।३४
८	बु	१६	४३	पू	१५	४७	शु	५०	३७	को	१६	४३	३६	२८	३२	२८	६	२१	कर्के
६	गु	१६	८	श्ले	१३	४३	शु	४५	११	ग	१६	८	३५	२६	३१	२६	७	२२	मि १३।४३
१०	शु	१३	३६	म	१२	४४	ए	४०	१६	वि	१३	२६	३१	३०	३०	३०	८	२३	सिंहे
११	श	११	५५	पू	१२	४५	ऐं	३६	२०	वा	११	५५	२७	३१	२६	३१	६	२०	क. २७।५६
१२	र	११	१७	उ	१३	२८	वे	३३	६	ते	११	१७	२४	३१	२६	१	१०	२५	कन्यायां
१३	चं	११	५६	ह	१५	४१	वि	३०	५२	व	११	५६	२०	३२	२८	२	११	२६	तु ४७।३२
१४	मं	१३	२५	चि	१६	२४	मी	२६	३१	श	१३	२५	१६	३३	२७	३	१२	२७	तुलायां
३०	बु	१६	२२	स्वा	२५	१३	आ	२८	५७	ना	१६	२२	१३	३३	२७	४	१३	२८	तुलायां

उफायां शुक्रः ५३।१३
A रविः २१।४ (सौरः ४७/२८) राष्ट्रीयकार्ति.
भ.२२।४६ उ.४६।११ या.दृश्यः स्वा.A
करक चतुर्थी व्र.
कन्या.शुक्रः ४३/५३ मघा.सिंहे भौमः ५।४१
भ १६/१६ उ. ५३/६८ या.वक्रीकृति.१ मेषेगुरुः ४०/७
S७।१५ महालक्ष्मी पूजनम्
विशाखा. बुधः १८।२७
भ. ४४।५२ उ.
भ. १३।३६ या.
मार्गी शनिः ५१।२० रमा ११ ब्र.
नव.मा.१ ति.३० प्रदोषः धन १३
भ.११।५६ उ. ४२।४२ या. रूप १४
बृश्चिके बुधः ४८।३१ हस्ते शुक्रः S
अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा

२६पं.का.कृ.६चं.इ.११।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	१	५	१०	२	६
९	०	६	०	०	४	२	९
२९	३९	२६	३	३३	५४	८	४
४०	२५	३०	२५	६	३२	१	८
५९	३५	०/५३	५८/६	७०	३४	३	६०
४७	५६	५३	ब	४४	ब	११	२

गोचरग्रहाः

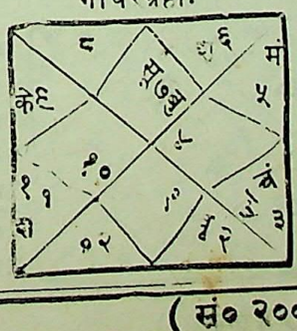

मंगल की लक्ष्मी पूजा उत्तम नहीं है। धान्यादि तेज हो प्रजा में पीड़ा रहे।

गोचरग्रहाः

३०पं.का.कृ.१३च.इ.१/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	०	५	१०	२	६
१६	४	२७	२९	८	४	१	१६
२९	२७	२१	१०	५३	५२	४५	५
३८	२१	४३	४०	११	४४	५५	१२
६०	२५	९७	३४/७	७१	८	३	६०
४	११	४३	ब	२०	मा	११	१८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०२१ शाकः १८८६ दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | हेमंततुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८६७स १६६४

१	गु	२०	८	वि	३१	२४	सौ	२६	०४	ब	२०	८	२७ ६	५	५	१४	२६	बृ. १४।५०	दृश्यो विशाखायां रवि ४/१७ पश्चिमोदयी*
२	शु	२५	२५	अ	३८	१०	शो	३०	१६	कौ	२५	२५	६	३५	२५	६	१५	३०	वृश्चिके	विशाखा. रविः सौरः ४।५२ अनु. बुधः +
३	श	३१	११	ज्ये	४४	३६	अ	३१	५८	ग	३१	११	२	३६	२४	७	१६	१	ध. ४४।३६	रज्जब७ [+१४।० चन्द्रद. भ्रातृ २ यम २
४	र	३७	३५	मू	५१	२	सु	३४	७	व	४	२३	२६/५६	३६	२४	८	१७	२	धनुषि	भ. ४।२३ उ. ३७।३५ या. [*बुधः ३५/२१
५	चं	४४	६	पू	५७	१२	धृ	३६	२७	ब	१०	५०	५६	३७	२३	६	१८	३	धनुषि	[=(सौरः ५६/६) ज्येष्ठा. बुधः ६।१६
६	मं	५०	२२	उ	६०	०	शू	३६	१	कौ	१७	१४	५३	३७	२३	१०	१६	४	म. १३।५३	[×वैकुण्ठ १४
७	बु	५५	५२	उ	३	५७	गं	४०	४४	ग	२३	७	४६	३८	२२	११	२०	५	मकरे	भ. ५५।५२ उ.
८	गु	६०	०	अ	१०	३०	बृ	४१	३६	वि	२७	५८	४०	३६	२१	१२	२१	६	कु. ४३।१३	भ. २७।५८ या. गोपाष्टयो
८	शु	०	५	ध	१५	५६	धृ	४१	३४	ब	०	५	४३	३६	२१	१३	२२	७	कुम्भे	
६	श	२	३७	श	१६	३२	व्या	४०	२	कौ	२	३७	४०	४०	२०	१४	२३	८	कुम्भे	चित्रा शुक्रः ६।२६
१०	र	३	८	पू	२१	१४	ह	३६	५४	ग	३	८	३७	४१	१६	१५	२४	६	मी ५।४६	भ. ३२।२५ उ. दृश्यो वृश्चिकेऽर्कः ३७/२५ =
११	चं	१	४२	उ	२०	५५	व	३२	०४	वि	१	४२	३४	४१	१६	१६	२५	१०	मीने	भ. १/४२ या प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसीविवाहः
१२	चं	५६	१६	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷शुक्रः ३६/४० दुफायां भौमः १४/३७ मन्वादि?
१३	मं	५२	३४	रे	१८	२६	सि	२५	४७	कौ	२५	१७	३१	४२	१८	१७	२६	११	मे. १८।२६	प्रदोषः [?का. स्ना. पूर्तिः
१४	बु	४५	२६	अ	१४	२३	व्य	१७	५६	ग	१६	००	२६	४२	१८	१८	२७	१२	मेषे	भ. ४५/२६ उ. दृश्योऽनुराधा. रविः ५५/४६ ×
१५	गु	३७	२५	भ	८	५०	व	५३/५५	५०/३५	वि	११	२६	२६	४३	१७	१६	२८	१३	वृ. २२।१२	भ. १/२६ या. अनु. रविः सौरः १६/५७ तुला. ÷

३१पं.का.शु.५च.इ. ११/८

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	०	५	१०	२	६
२३	८	७	२८	१७	४	१	२३
३०	६	५७	१४	१९	५५	२३	७
५८	५०	२८	४९	५१	३६	४०	०
६०	३४	९३	७	७१	०	३	६०
१७	१०	५९	४०	४४	५६	११	३०

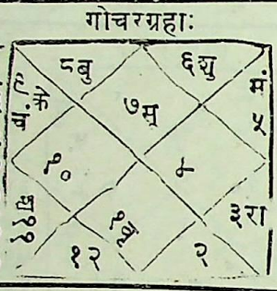

कार्तिक शु. १०
रवौ दृश्चिकेऽर्कः
प्र. वा. ३ न. ४
बृद्धावस्था (बैठो)
मु. ४५ (धान्य
भाव समघता)
शुक्रोदयं पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

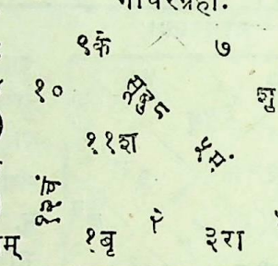

३२पं.का.शु.११चं.इ.१०/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	५	१०	२	७
०	१०	१८	२७	२५	५	१	०
३३	३८	१३	७	४९	३	१	११
४७	५२	३३	२१	२३	३९	३४	०४
६०	३३	८६	५७	७२	१	३	६०
३०	२	४९	ब	२	४०	११	४०

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०२१ शाकः १८८६ दि. ३. अ इं. रा. मु. | चन्द्रः | हेमंततुं रविर्दक्षिणे कार्तिक कृ. महानाष्ट्राः

१	शु	२८	३६	कृ	१७	५२/३०	शि	४८	४७	वा	४	०	२६/२४	६/४३	५/१७	२०	२६	१४	वृषे	वक्रीभरणी ४ गुरुः ४६।२
२	श	१६	४६	मृ	४८	१५	सि	३८	३६	ग	१६	४६	२१	४४	१६	२१	३०	१५	मि २०।२२	भ. ४५।३१ उ.
३	र	११	१४	आ	४१	४६	सा	२८	२७	वि	१०	१४	१६	४४	१६	२२	१	१६	मिथुने	भ. ११/१४ या. च व्र. राष्ट्रीयमार्गशीर्षारम्भः
४	चं	३	२०	पु	३६	७	शु	१६	०६	बा	३	२०	१६	४५	१५	२३	२	१७	क. २२।३२	
५	चं	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	मं	५०	५८	पु	३१	४३	शु	१०	२२	ग	२३	४१	१३	४५	१५	२४	३	१८	कर्के	भ. ५०/५८ उ. मूलेधनुषि बुधः ५०।४ +
७	बु	४६	५३	श्ले	२८	४०	न	५/५५	३/३३	वि	१८	५५	११	४६	१४	२५	४	१६	सिं २८।४०	भ. १८।५५ या. स्वात्यां शुक्रः ३।३० *
८	गु	४४	१४	म	२६	५६	वै	५१	११	बा	१३	३३	८	४६	१४	२६	५	२०	सिंहे	+ पातस्पर्शः ४६।१७
६	शु	४२	५४	पू	२६	४६	वि	४७	११	तै	१३	३४	६	४७	१३	२७	६	२१	क. ४२।४	* पातमोक्षः ५।१
१०	श	४३	४	उ	२७	४६	प्री	४४	१०	व	१२	५६	३	४७	१३	२८	७	२२	कन्यायां	भ. १२।५६ उ. ४३।४ या.
११	र	४४	४१	ह	३०	२२	आ	४२	२७	बु	१३	५२	१	४८	१२	२६	८	२३	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	चं	४७	१४	चि	३४	१	सौ	४१	२७	कौ	१५	५८	२५/६८	४८	१२	३०	६	२४	तु. २।१२	
१३	मं	५१	१३	स्वा	३८	५४	शो	४१	४१	ग	१६	१४	५७	४६	११	१	१०	२५	तुलायां	भ. ५१/१३ उ. दिसम्बर मा. १२ ता. ३१ ()
१४	बु	५५	४१	वि	४४	३६	अ	४२	७	त्रि	२३	२७	५५	४६	११	२	११	२६	बृ. २८।१२	भ. २३।२७ या. दृश्यो ज्येष्ठा. रविः ?
३०	गु	६०	०	अ	५१	१५	सु	४३	२७	च	२८	३५	५३	४६	११	३	१२	२७	बृश्चिके	() प्रदोषः
३०	श	१	२६	ज्ये	५८	११	ध	४५	०५	ना	१	२६	५१	५०	१०	४	१३	२८	ध. ५८।११	? ५।५६ (सौरः २३।५७)

३३प.मा.कृ.४च.इ.१०।४२

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	६	१०	२	७
७	१५	२७	२६	४	५	०	७
३७	२०	५०	२१	२३	१६	३९	१७
३७	५६	४२	५४	४९	३०	१९	२७
६०	३२	७८	४०/७	७२	२	३	६०
४२	१	४	ब	२६	२०	११	५३

इस मास का फल साधारण है अनाज रुई चावल मूंग सूत कपड़ा चांदीचपड़ी मंदी होकर तेज होवे।

गोचरग्रहाः

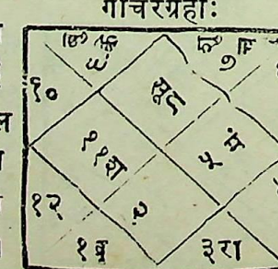

३४पं.मा.कृ.१२चं.इ.१०/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	०	६	१०	२	७
१४	१८	६	२५	१०	५	०	१४
४२	१४	११	२८	०	३४	१६	२४
५४	९	२४	३४	१४	४४	५३	१३
६०	३०	६०	७	७२	३	३	६१
५०	३७	२५	७	५०	२	११	३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं २०२१ शाकः १८८६ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८६७ म १६६४

१	श	७	२२	मू	६०	०	शु	४७	१७	ब	७	२२	२५/४६	५०/६०	५/१०	५	१४	२६	धनुषि
२	र	१३	५०	मू	५	४७	गं	४६	२६	कौ	१३	५०	४८	५०	१०	६	१५	१	धनुषि
३	चं	२०	२३	पू	१३	२६	वृ	५१	४६	ग	२०	२३	४६	५१	६	७	१६	२	म.३०।२०
४	मं	२६	५४	उ	२१	१	धु	५३	४८	वि	२६	५४	४५	५१	६	८	१७	३	मकरे
५	बु	३२	३२	अ	२७	५६	व्या	५५	२८	वा	३२	३२	४४	५१	६	६	१८	४	मकरे
६	गु	३७	२३	भ	३३	४७	ह	५६	१६	कौ	४	५७	४२	५२	८	१०	१६	५	कु.०।५३
७	शु	४०	४८	श	३८	५३	व	५५	४८	ग	६	५	४१	५२	८	११	२०	६	कुम्भे
८	श	४२	२२	पू	४२	१४	सिं	५४	२	वि	११	३५	४०	५२	८	१२	२१	७	मी२६।२४
९	र	४२	३५	उ	४३	५०	व्य	५०	४३	वा	१२	२	३९	५२	८	१३	२२	८	मीने
१०	चं	४०	२६	रे	४३	१६	व	४५	५६	तै	११	३०	३८	५२	८	१४	२३	९	मे.४३।१६
११	मं	३६	२०	अ	४०	४४	प	३९	२८	ग	८	२३	३८	५२	८	१५	२४	१०	मेषे
१२	बु	३०	१०	भ	३६	१९	शि	२१	३२	ब	३	१५	३७	५३	७	१६	२५	११	वृ.४९।५०
१३	गु	२२	३२	कृ	३०	२३	सिं	२२	२१	तै	२२	३२	३७	५३	७	१७	२६	१२	वृषे
१४	शु	१३	४७	रो	२३	१७	सा	१२	५	व	१३	४७	३७	५३	७	१८	२७	१३	मि४९।२५
१५	श	४	१६	मृ	१५	३४	शु	१६	४५/५०	ब	४	१६	३६	५३	७	१९	२८	१४	मिथुने

विशा शुक्र ४/५ मृग-वृषेराहुःज्येष्ठा४=
सावान८ [=वृ.केतुः ३/५ चंद्रद.सेभाव्यः
भ. ५३।४७ उ.
भ.३/५ या वक्री बुधः ४६।७
+१३/११ (सौरः ३७/४१) मोक्षदा ११ व्र.गीताज.
चम्पा ६
भ.४०।४८ उ.
भ.११।३५ या.पश्चिमास्तो बुधः ४५/५७
वृश्चिके शुक्रः ५३।३५

भ.२३/५३ उ, ३६/५० या.दृश्यो मूले धनुष्यर्कः+
अनु शुक्रः ३७।२६ प्रदोषः
शतभिषा १ शनिः ५९ १०
भ १३/४७ उ. ३६/५१ या. खग्रास चंद्र ग्रहणम्*
दत्त जयंती [*ग्रस्तास्तञ्च

३५पं.मा.शु.३चं.इ. १०/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	०	६	१०	१	७
२१	२१	११	२४	२१	५	२९	२१
४८	१५	१५	४१	३९	५७	५४	३२
५८	५८	५०	२	२९	०	३७	०
६०	२८	१८	१६/१७	३	३	६१	
५६	५९	५७	ब	८	४४	११	११

गोचरग्रहाः

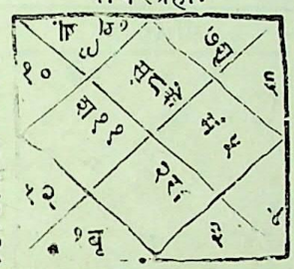

मार्गशीर्ष शुक्ले ११भौमे धनुष्यर्कःप्रविष्टः वा.३ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु ३० धान्यादि भाव समता शु पू.

गोचरग्रहाः

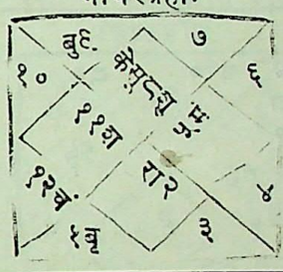

३६पं.मा.शु.१०चं.इ. १०/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	०	७	१०	१	७
२८	२४	८	२३	०	६	२९	२८
५५	३	५९	५९	२०	२१	३२	४०
५२	३२	२०	३८	१०	१८	२२	४३
६१	२७	६७/६८	५	७/८	४	३	६१
०	८	ब्र	१०	१४	२०	११	१९

ति. पौष कृष्णपक्षः सं २०२१ शाकः १८८६ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृ. महाराष्ट्राः

१	श	५०	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०
२	र	४५	३	आ	७	४०	त्र	३९	५	तै	१९	४९	३५/३६	५/५३	५/७	२०	२९	१५	क.४७।३
३	चं	३६	२०	पु	१०/११	४३/२६	पुं	२८	३४	च	१०	४१	३६	५३	७	२१	३०	१६	कर्के
४	मं	२८	५६	श्ले	४८	१७	वै	१९	१४	ब	२	२	३६	५३	७	२२	१	१७	सिं४८।१७
५	बु	२३	२	म	४४	४६	वि	१०	५८	ते	२३	२	६	५३	७	२३	२	१८	सिंहे
६	गु	१९	५	पू	४३	८	मी	४/६	५४/४०	व	१९	५	३७	५३	७	२४	३	१९	क.५८।१०
७	शु	१६	५७	उ	४३	१६	सौ	५४	४५	ब	१६	५७	३७	५३	७	२५	४	२०	कन्यायां
८	श	१६	४२	ह	४५	१०	शो	५२	३६	कौ	१६	४२	७	५३	७	२६	५	२१	कन्यायां
९	र	१८	१७	चि	४८	३८	अ	५१	२८	ग	१८	१७	३८	५२	८	२७	६	२२	तु. १६।५४
१०	चं	२१	५२	स्वा	५३	४१	सु	५१	५१	वि	२१	५२	२८	५२	८	२८	७	२३	तुलायां
११	मं	२६	२५	वि	५९	४८	धृ	५२	३५	वा	२६	२५	३९	५२	८	२९	८	२४	बृ.४३।१६
१२	बु	३१	४६	अ	६०	०	शू	५४	१४	तै	३१	४६	४	५२	८	०	९	२५	बृश्चिके
१३	गु	३८	१२	अ	६	४१	गं	५६	६	ग	४	५९	४०	५२	८	३१	१०	२६	बृश्चिके
१४	शु	४४	२३	ज्ये	१३	५७	वृ	५८	३	वि	११	१७	४१	५२	८	१	११	२७	ध.१३।५७
३०	श	५०	५८	मू	२१	३३	धु	६	०	च	१७	४०	४२	५२	८	२	१२	२८	धनुषि

=बुधः ३३/४३ उफाया भौम. ३३/४० राष्ट्राय+
+पौषारम्भः
भ १०/११ उ. ३६/२० या. बक्री ज्येष्ठा. वृ.=
वक्री भरणी ३ गुरुः ५०।१६

भ.१९/५ उ. ४५/६ या. पूर्वोदयी बुधः ६।३७

भ.५०।१५उ ज्येष्ठा. शुक्रः १५।२८
भ. २१/२२ या. दृश्यः पुषायां रविः*
मार्गी बुधः २८।२८ सफला ११ व्र.
*१८।७ सौरः २९।१९)
भ. ३८।१२ उ प्रदोषः
भ.११/१७ या. जनवरी मा.१ता.३१ १९६५
कन्या. भौमः ७।५

३७ पं.पौ.कृ.३चं.इ.५९/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	०	७	१०	१	८
६	२६	०	२३	९	६	२९	५
३	३४	३५	२६	३	५५	१०	५०
२९	१९	२	३८	११	२२	६	८
६१	२४	१२/१७	३/८	७३	४	३	६१
४	५७	ब्र	ब्र	२६	५०	११	२२

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ रविवार प्रजा में पीड़ा कारक है! धान्यादि वस्तुओं में मंदी होकर तेजी होवे।

गोचरग्रहाः

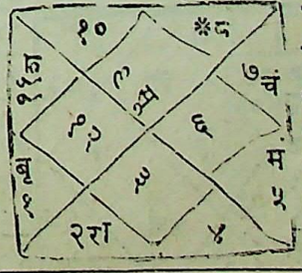

३८पं.पौ.कृ.१०चं.इ. ४९/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	०	७	१०	१	८
१३	२८	२	२३	१७	७	२८	१३
११	४७	७	२०	४६	३०	४७	०
३१	१३	३७	३८	५१	०	५१	०
६१	२१	१०	२	७२	५	३	६१
६	३७	५३	४६	२८	२०	११	२६

(स० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* शु.के.बु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | पौष शुक्लपक्षः सं०२०२१ शाकः १८८६ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्र : | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६२६मन् १६६५

१	र	५७	१३	पू	२६	२	ध्रु	०	२६	कं	२४	५	२५/४३	५६/५१	५/६	३	१३	२६	म.४५।५३
२	चं	६०	०	उ	३६	२५	व्या	२	११	घा	३०	१६	४४	५१	६	४	१४	३०	मकरे
२	मं	३	१६	श्र	४३	१८	ह	४	४६	कौ	३	१६	४६	५१	६	५	१५	१	मकरे
३	बु	८	४८	ध	४६	२२	व	६	२	ग	८	४८	४७	५१	६	६	१६	२	कु.१६।२०
४	गु	१३	१६	श	५४	४६	सिं	६	४६	वि	१३	१६	४६	५०	१०	७	१७	३	कुम्भे
५	शु	१६	४८	पू	५८	५४	व्य	६	५८	घा	१६	४८	५१	५०	१०	८	१८	४	मी४२।५२
६	श	१६	१	उ	६०	०	व	६	१०	तै	१६	१	५२	५०	१०	६	१६	५	मीने
७	र	१६	३६	उ	१	३८	प	४	५	व	१६	३६	५४	४६	११	१०	२०	६	मीने
८	चं	१८	५०	रे	२	५२	शि	४/०	५५/१८	ब	१८	५०	५६	४६	११	११	२१	७	मे.२।५२
६	मं	१६	४	अ	२	१४	सा	४६	५५	कौ	१६	४	५८	४८	१२	१२	२२	८	मेषे
१०	बु	१२	०	भ	३०	५५/३७	शु	४२	१६	ग	१२	०	२६/१	४८	१२	१३	२३	६	वृ.१४।१७
११	गु	६	१०	रे	५०	४२	शु	३३	४०	वि	६	१०	३	४७	१३	१४	२४	१०	वृषे
१२	गु	५२	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	शु	५०	८	मृ	४३	५८	न	२३	४६	कौ	२४	२५	५	४७	१३	१५	२५	११	मि१७।२०
१४	श	४०	४६	आ	३६	२२	ऐं	१३	१३	ग	१५	२७	८	४६	१४	१६	२६	१२	मिथुने
१५	र	३०	५५	पु	२८	३३	वै	२/१०	४८/५५	वि	५	५१	१०	४६	१४	१७	२७	१३	क.१५।३०

चन्द्रदर्शनम्
रमजान ६
भ.४१।३उ.मूलेधनुषिशुक्रः५८।५८
भ.१३।१६या. मूले धनुषि बुधः४४।७
भ.१६।३६उ.४६।१५या.दृश्यःउषायां*
* २२।५१ (सौरः३०।४६) मार्गी+
+गुरुः ३२।२१
भ.३६।५उ.दृश्यो मकरेऽर्कः ३६।१५£
भ.६।१०या पुत्रदा११ब्र.पातस्पर्शः A
A२२।५० मोक्षः ४१।१३
प्रदोषः £(सौरः ४६।११)
भ. ४०।४६उ. Fमाघ.स्ना.प्रा.
भ. ५।५१या. उषायां शुक्रः ३५।०F

३६पं.पौ.शु.२चं.इ.४६/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	०	७	१०	१	८
२०	०	२७	२२	२६	८	२८	२०
१९	३	२४	४८	३१	८	२५	९
२६	४२	४८	३६	४४	९	३५	५७
६१	१८	४०/३८	२२/५७	७१	५	३	६१
६	५६	मा	ब	५०	५०	११	२६

गोचरग्रहाः

पौष शुक्ला १०
बुधेमकरेऽर्कः प्र.
वा.२न.३ वृद्धा
वस्था (बैठी)
मु. ३० (धान्य-
भाव सम) शु.प्र.

गोचरग्रहाः

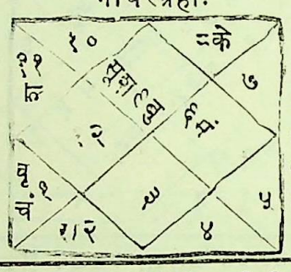

४०पं.पौ.शु.८चं.इ.४६/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	०	८	१०	१	८
२७	२	४	२२	५	८	२८	२७
२७	५	२२	४४	१७	४९	३	१९
४०	३१	५९	५२	९	४	१९	४९
६१	१४	६४	८/७१	६	३	६१	
६२	४३	मा	५६	१४	११	२४	

ति. | माघ कृष्ण पक्षः सं.२०२१ शाकः १८८६ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेपौषकृष्णेतिमहाराष्ट्रा

१	चं	२१	२५	पु	२०	५८	प्री	४०	२७	कौ	२१	२५	२६/१२	५६/४६	५/१४	१८	२८	१४	कर्के
२	मं	१२	४७	श्ले	१४	१२	आ	३०	४४	ग	१२	४७	१५	४५	१५	१६	२६	१५	सिं१४।१
३	बु	५	१६	म	८	४२	सो	२२	८	वि	५	१६	१७	४५	१५	२०	३०	१६	सिंहे
४	बु	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०
५	गु	५५	५०	पू	३	५५	शो	१५	१	कौ	२७	४२	२०	४४	१६	२१	१	१७	क.१८।४०
६	शु	५४	१२	उ.	२	५६	अ	६	३३	ग	२५	१	२२	४४	१६	२२	२	१८	कन्यायां
७	श	५४	४७	ह	३	१६	सु	५	४६	वि	२४	२६	२५	४३	१७	२३	३	१६	तु.२४।३२
८	र	५७	१८	चि	५	४६	धृ	३	३५	बा	२६	३	२७	४३	१७	२४	४	२०	तुलायां
६	चं	६०	०	स्वा	६	५०	शू	२	४	तै	२६	२३	३०	४२	८	२५	५	२१	वृ.५६।११
६	मं	१	२८	वि	१५	३८	गं	३	२६	ग	१	२८	२३	४१	१६	२६	६	२२	बृश्चिके
१०	बु	६	१६	अ	२२	३१	बृ	४	५४	वि	६	१६	२६	४१	१६	७	७	२३	वृश्चिके
११	गु	१३	२३	ज्ये	२६	५४	धृ	७	५	घा	१३	२३	२६	४०	२०	२८	८	२४	ध.२६।५४
१२	शु	१६	४०	मू	३७	३१	व्या	६	२५	ते	१६	४०	४२	४०	२०	२६	६	२५	धनुषि
१३	श	२६	१८	पू	४५	४	ह	११	४७	व	२६	१८	४६	३६	२१	३०	१०	२६	धनुषि
१४	र	३२	२८	उ	५२	४८	व	१३	५२	श	३२	२८	४६	३८	२२	३१	११	२७	म.२।०
३०	चं	३८	१५	श्र	५८	५५	सि	१५	४०	च	५	२२	५२	३८	२२	१	१२	२८	मकरे

उषायां बुधः १६।३६
भ. ३६।३ उ.
भ.१/१६या.दृश्योऽभि.प्र.रविः १२/०सौ.१७/३३£
£च. ब्र.
राष्ट्रीय माघारम्भः
भ.५८।१२उ.शत. २शनिः २१।१७
भ.२४/२३या.दृश्यःश्रव.रविः २५/२३सौरः ३३/३०
दृश्योऽभि.नि.रविः २०।५२ सौरः २५/४६
Bपातस्पर्शः ३२।५ पातमोक्षः५०।१७
भ. ३३।५२ उ.
भ. ६। ६ या. उषायां बुधः ४५।५४B
उषा.शुक्रः १७/३वक्रीभौमः५५ भरणी४*
प्रदोषः *गुरुः ४५/४षट्तिला११ब्र.
भ.२६।१८उ.५६।२३या मकरे बुधः×
×४।१ मकरे शुक्रः ५३।२१
फरवरी मा. २ ता. २८

४१पं.मा.कृ.१चं.इ.३६/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	०	८	१०	१	९
४	३	१३	२२	१४	९	२७	४
३५	५	६	५१	२	३२	४१	२९
३१	१६	५४	२१	४५	५२	४	१८
६१	९	७८	१	७४	६	३	६१
३	१७	३९	२०	२	३२	११	१९

४२पं.मा.कृ.९च.इ.४६/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	०	८	१०	१	९
११	३	२२	२३	२२	१०	२७	११
४२	३३	१०	७	४८	१८	१८	३८
५८	०	१३	४८	५०	५४	४८	९
६०	३	८८	२	७४	६	३	६१
५९	६	४८	४	२	४४	११	१३

४३पं.मा.कृ.३०च.इ.५०/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	०	९	१०	१	९
१८	३	३	२३	१	११	२६	१८
४९	२७	१८	३३	३४	६	५६	४६
२६	४३	३९	५४	३०	५०	३३	१०
६०	१०/४	९४	४	७४	७	३	६१
५४	ब	४४	८	८	२	११	४

*शुकेबु (सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्लपक्ष सं. २०२१ शाकः १८८६ दि. उ. अ इं. रा. मु. चंद्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३६५६स. १६६५

१	मं	४३	७	ध	६०	०	व्य	१६	४३	क	१०	४१	२६ ५५	६ ३७	५ २३	२	१३	२६	कु. ३१।४३
२	बु	४७	३	ध	४	३०	व	१७	२१	गा	१५	५	५६	३६	२४	३	१४	३०	कुंभे
३	गु	५०	८	श	६	२८	प	१७	१०	तै	१८	३५	२७ २२	३६	२४	४	१५	१	मी ५७।२६
४	शु	५२	२	पू	१३	२५	शि	१५	५६	व	२१	५	६	३५	२५	५	१६	२	मीने
५	श	५२	४७	उ	१६	७	सि	१४	३	ब	२२	२४	६	३४	२६	६	१७	३	मीने
६	र	५२	२२	रे	१७	५४	सा	११	३०	कौ	२२	३४	१३	३३	२७	७	१८	४	मे. १७।५४
७	चं	५०	४०	अ	१८	२६	शु	७	४३	ग	२१	३१	१६	३३	२७	८	१६	५	मेषे
८	मं	४७	५०	भ	१८	३६	शु	५६ २३	५४ ८	वि	१६	१५	२०	३२	२८	६	२०	६	वृ. ३२।५०
६	बु	४३	२६	कृ	१५	३४	ऐं	५०	१३	वा	१५	४०	२४	३१	२६	१०	२१	७	वृषे
१०	गु	३७	५८	रो	१२	११	वै	४२	१३	तै	१०	४४	२७	३१	२६	११	२२	८	मि. २६।५०
११	शु	३१	२३	मृ	७	४२	वि	३३	१४	व	४	४०	३१	३०	३०	१२	२३	६	मिथुने
१२	श	२३	३८	आ	२	५३ ४४	प्री	२२	५४	गा	२३	३८	३५	२६	३१	१३	२४	१०	क. ४०।४४
१३	र	१५	१३	पु	४८	४७	आ	१३	५३	तै	१५	१३	३८	२८	३२	१४	२५	११	कर्के
१४	चं	६	१८	श्ले	४२	७	सौ	३८ २८	५० ५	व	६	१८	४२	२८	३२	१५	२६	१२	सि. ४२।७
१५	चं	५१	३१		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

चंद्रदर्शनम्
सव्वाल १० | *सौरः ३६ १६ श्रवणेबुधः ३४ २८
भ. २१ ५ उ. ५२ ३ या. दृश्योधनिष्ठा. रविः ३६ ४ *
मृग. १ राहुः ज्येष्ठा २ केतु २२।१५ पूर्वास्तो ≡
श्रवणेशुक्रः ५३।५८ [≡ बुधः ०।३६ वसंत ५
भ. ५०।४० उ. भानु ७ रथ ७
भ. १ ६ या. अस्तंः शनेः १८।१७ भीष्माष्टमी

[+(सौरः १३।१८) जया. ११ ब्र.
भ ४।४० उ. ३ १ या. दृश्यः कुंभेऽर्कः १ ५ १ ६ +
धनिष्ठा. बुधः ३७।३८ प्रदोषः

भ. ६।१८ उ. ३२।३ या. माघस्ना. पूर्तिः

४४ पं.मा.शु.७ चं.इ. १०।० गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	०	९	१०	१	९
२५	२	१४	२४	१०	११	२६	२५
५५	५१	२२	९	१९	५६	३४	५२
१६	२५	४१	६	५२	१३	१७	५७
६०	१ २५	०	५	७४	७	३	६०
४७	ब	२०	२	२०	१४	११	५५

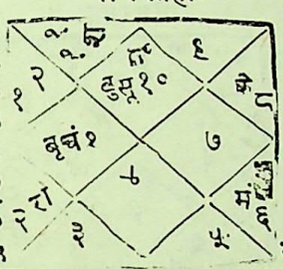

माघ शु.११ शुक्रे कुम्भेऽर्कः प्र, वा. ३ न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भावसम) शुक्रोदय पू.

गोचरग्रहाः

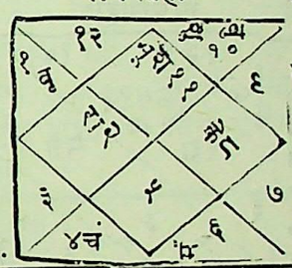

४५पं.मा.शु.१४ चं.इ १०।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	०	९	१०	१	१०
३	१	२६	२४	१९	१२	२६	२
०	३०	५	५२	४	४६	१२	५९
४	१९	२०	८	३०	२२	१	०
६०	२० ७	७	६	७४	७	३	६०
३७	ब	७	२६	२०	२०	११	४२

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघकृष्णेति. महाराष्ट्राः

१	मं	५६	५६	म	३६	८	अ	४४	२२	गा	२३	५६	२७ ४६	६ २७	५ ३३	१६	२७	१३	सिंहे
२	बु	४३	२६	पू	३१	४	सु	३६	७	तै	१६	४१	५०	२६	३४	१७	२८	१४	कं. ४५।१३
३	गु	३८	२६	उ	२७	४१	धृ	२६	८	व	१०	५६	५४	२५	३५	१८	२६	१५	कन्यायां
४	शु	३५	२५	ह	२६	१०	शू	२३	५२	ब	६	५६	५८	२४	२६	१९	३०	१६	तु. ५६। ३४
५	श	३४	३८	चि	२६	५६	गं	२०	११	कौ	५	१	२ २८	२४	३६	२०	१	१७	तुलायां
६	र	३५	५४	स्वा	२६	३८	वृ	१८	१७	ग	५	१६	६	२३	३७	२१	२	१८	तुलायां
७	चं	३६	१४	वि	२४	६	धु	१८	१	वि	७	३४	१०	२२	३८	२२	३	१६	वृ. १७।५६
८	मं	४४	१	अ	४०	११	ज्या	१६	२	वा	११	३८	१४	२१	३६	२३	४	२०	वृश्चिके
६	बु	५०	१७	ज्ये	४७	२७	ह	२०	२०	तै	१७	६	१८	२०	४०	२४	५	२१	ध. ४७।२७
१०	गु	५६	२८	मू	५४	५६	व	२२	३५	व	२३	२२	२२	२०	४०	२५	६	२२	धनुषि
११	शु	६०	०	पू	६०	०	सि	२५	५	ब	२६	४५	२६	१६	४१	२६	७	२३	धनुषि
११	श	३	२	पू	२	३८	व्य	२७	७	ग	३	२	३०	१८	४२	२७	८	२४	म १६।११
१२	र	६	१०	उ	८	५०	व	२६	१३	तै	६	१०	२४	१७	४१	२८	६	२५	मकरे
१२	चं	१४	४४	अ	१६	२५	प	३०	११	व	१४	४४	३८	१६	४४	१	१०	२६	कु. ५०।३
१४	मं	१६	६	ध	२३	४२	शि	३०	२२	श	१६	६	४२	१६	४४	२	११	२७	कुम्भे
३०	बु	२२	१०	श	२६	८	सि	२६	४६	ना	२२	१०	४६	१५	४५	३	१२	२८	कुम्भे

[*४८।२० सौरः ४८।४० धनिष्ठा शुक्रः ३६ २२
कुंभेबुधः २१।४०
भ. १०।५६ उ ३८।२६ या. दृश्यः शतेरवि *
शत. ३शनिः ४८।४८ च.ब्र.
राष्ट्रीय फाल्गुनारम्भः
भ ३५।५४ उ. शतेबुधः १२।३४
भ ७।३४ या. वक्रीसिंहेभौमः ११।३०
कुंभे शुक्रः ५५।४६
[*शतेशुक्रः १५।४५ महाशिवरात्रीब्र.स्मा.
भ. २३।२२ उ ५६।२८ या.
विजया ११ ब्र. स्मा.
पूर्वास्तं शुक्र २ १ विजया ११ ब्रवै. पू. अ. शु
पू. बुध. ३ १ कृत्तिका; १ गुरुः ५८। ६ प्रदोषः
भ. १४ ४४ उ ४६।५५ या मा ६ २ ता. ३१ +
महाशिवरात्री ब्र. वै.
वक्री पूफायां भौमा ४२।४१

४६पं.फा.कृ.७ चं.इ १०।२६ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	०	९	१०	१	१०
१०	०	८	२५	२७	१३	२५	१०
३	०	२८	४३	४९	३७	४९	३
३२	२८	४	५	१९	१९	४६	३३
६०	३७	२१	७	७४	७	३	६०
२५	ब	५८	२६	२६	२०	११	३१

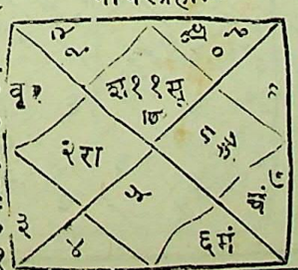

इस मास में प्रजा में रोग भय होवे रस पदार्थ तेज अनाज गल्ला भी तेज होवे।

गोचरग्रहाः

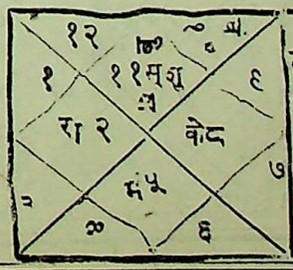

४७मं फा.कृ १३ चं.इ १०।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	०	१०	१०	१	१०
१७	२८	२१	२६	६	१४	२५	१७
५	२	२४	४१	३३	२८	२७	६
४६	४२	४	४४	५०	५९	३०	२२
६०	३२ ४०	८	८	७४	७	३	६०
१२	ब	५३	३२	२६	२०	११	२०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुनशुक्ल पक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | वसंतर्तूरविउत्तरेऽहर्गणः ३९८६सं. १९६५

१	गु	२३	५९	पू	२९	९	सा	२८	१३	ब	२३	५९	३८	६	४५	४	१३	२९	मी १३।२४
२	शु	२५	७	उ	३१	१४	शु	२५	५०	कौ	२५	७	५४	१३	४७	५	१४	१	मीने
३	श	२४	३२	रे	३२	९	शु	२२	२४	ग	२४	३२	५८	१२	५८	६	१५	२	मे. ३२।९
४	र	२३	२२	अ	३२	२०	ब्र	१८	१२	वि	२३	२२	२९	१२	४८	७	१६	३	मेषे
५	चं	२१	१०	भ	३१	३५	ऐं	१३	४६	ला	२१	१०	६	११	४९	८	१७	४	बु ४६।११
६	मं	१८	५	कृ	२९	५९	वै	८	२४	तै	१८	५	१०	१०	५०	९	१८	५	वृषे
७	बु	१४	२७	रो	२७	४८	वि	१६	२३	व	१४	२७	१४	९	५१	१०	१९	६	मि ५६।१६
८	गु	१०	१	मृ	२४	४४	आ	४८	३४	ब	१०	१	९	८	५२	११	२०	७	मिथुने
९	शु	४	५१	आ	२०	२१	सौ	४०	४१	कौ	४	५१	२३	७	५३	१२	२१	८	मिथुने
१०	शु	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	श	५२	२९	पु	१६	४०	शो	३२	२९	च	२५	४६	२७	७	५३	१३	२२	९	क. २।३५
१२	र	४५	२३	पु	११	५४	अ	२३	४९	ब	१८	५६	३२	६	५४	१४	२३	१०	कर्के
१३	चं	३८	२९	श्ले	६	४०	सु	१५	१७	कौ	११	५६	३६	५	५५	१५	२४	११	सिं. ६।४०
१४	मं	३१	३४	म	३०	५५	धृ	३०	५२	ग	४	३१	४०	४	५६	१६	२५	१२	सिंहे
१५	बु	२५	२९	उ	५३	३८	गं	५१	३६	व	२५	२९	४४	३	५७	१७	२६	१३	क. १०।०

दृश्यः पूभायांरविः २५ सौर २३ चंद्रदर्शनम्
मीनेबुधः २६ फुलरिया २जिल्काद ११
भ. ५३।५७उ.
भ. २३।२२या. उभायांबुधः १३।५६

[* ३९।१२आमलकी ११ब्र.वै.
भ. ३५ उ. ५३ या. आमलकी ११ब्र.स्मा.
दृश्योमीनेऽर्कः २५ सौरः ४३ रेवत्यांबुधः *
उदयंः शनेः १६।२० प्रदोषः
भ ३१।३४उ. ५५ या. होलिकादहनंभद्रोत्तरं
दृश्यउभायांरविः २६ सौर. २४।२३छारेंडी

४८पं फा.शु५चं.इ. ११।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	११	०	१०	१०	१	१०
२४	२५	५	२७	१५	१५	२५	२३
६	४७	६	४६	१७	२०	५	७
२९	५३	१०	५	२७	७	१५	४५
३५	३९	१२	९	७४	७	३	६०
५८	ब	१	२०	२६	२०	११	६

गोचरग्रहाः

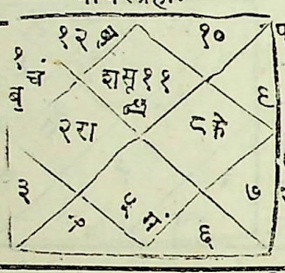

फाल्गुन शु.१२रवौ-मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भावसम) शुक्रोदयं पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहः

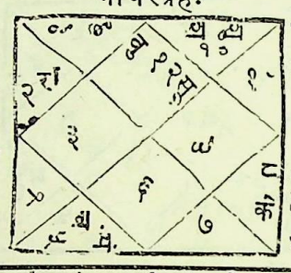

४९पं.फा.शु१३चं.इ५१।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	१०	१०	१	११
१२३	१७	२८	२४	१६	२४	१	
५	२८	३३	५६	०	१०	४२	७
४२	५	१७	५२	२१	८	५९	२७
५९	३९	०	१०	७४	७	३	९
४१	ब	२४	८	३२	१४	११	४९

ति. चैत्र कृष्ण पक्षः सं. २ २१ शाकः १८८६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | वसंतर्तूरविरुत्तरेफाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्रः

१	गु	२०	२४	ह	५१	१७	वृ	४५	४१	कौ	२०	२४	२९	६	५५	१८	२७	१४	कन्यायां
२	शु	१७	२८	चि	५०	५४	वृ	४१	५	ग	१७	२८	५३	१	५९	१९	२८	१५	तु. २१।५
३	श	१५	२७	स्वा	५२	२०	व्या	३८	६	वि	१५	२७	५७	१	५९	२०	२९	१६	तुलायां
४	र	१५	४३	वि	५५	४३	ह	३६	५३	बा	१५	४३	०	६	०	२१	३०	१७	बृ. ५२।५२
५	चं	१८	४	अ	६०	०	व	३६	३४	तै	१८	४	६	५	१	२२	१	१८	वृश्चिके
६	मं	२२	७	अ	०	३९	सि	३७	३८	व	२२	७	१०	५८	२	२३	२	१९	वृश्चिके
७	बु	२७	३९	ज्ये	७	११	व्य	३९	३४	ब	२७	३९	१४	५७	३	२४	३	२०	ध. ७।११
८	गु	३३	४२	मू	१४	२०	व	४१	४३	गा	०	४०	१८	५६	४	२५	४	२१	धनुषि
९	शु	४०	४	पू	२१	५७	प	४४	४१	तै	६	५३	२३	५५	५	२६	५	२२	म. ३८।४८
१०	श	४६	११	उ	२९	२१	शि	४६	९	व	१३	८	२७	५५	५	२७	६	२३	मकरे
११	र	५१	३३	श्र	३६	८	सि	४७	३१	व	१८	५२	३१	५४	६	२८	७	२४	मकरे
१२	चं	५५	३८	ध	४१	२५	सा	४७	५१	कौ	२३	२५	३५	५३	७	२९	८	२५	कु. ८।५२
१३	मं	५८	२३	श	४५	५१	शु	४७	२	ग	२७	१	३९	५२	८	३०	९	२६	कुम्भे
१४	बु	५९	२९	पू	४८	२५	शु	४५	५	वि	२८	५६	४४	५१	९	३१	१०	२७	मी ३२।४७
२०	गु	५९	८	उ	४९	४१	च	४१	५८	च	२९	१९	४८	५०	१०	१	११	२८	मीने

दृश्यः पूभायांरविः २ सौर ३ चंद्रदर्शनम्
मीनेबुधः २ फुलरिया २जिल्काद ११
भ. ५३।५७उ.
भ. २३।२२या. उभायांबुधः १३।५६

[≡ सौरः ५१।५१प्रदोषः
भ. २ उ. इश्योरेवत्यांरविः ५ दृश्यः ५ ≡
भ २ या. वक्रीरेवत्यांमीनेबुधः ५ पश्चिमा *
अप्रे ल ४ता ३० मन्वादिः [*स्तोबुधः

५० पं.चै.कृ५चं.इ.१९।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	१	११	१०	१	११
८	२१	२६	०	२	१६	२४	८
३	१०	३५	१२	४३	५९	२०	५
१८	१९	४९	२५	३९	५२	४३	२२
५९	२७	६०	१०	७४	७	३	५९
२९	ब	२६	१०	३२	२	११	३५

गोचरग्रहः

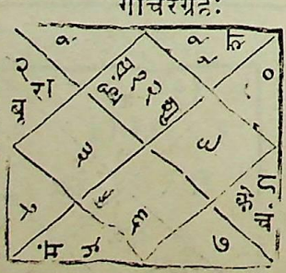

इस मास का फल श्रेष्ट है। प्रजा में सुखशांति रहे। चैत्र में वर्षा होना श्रेष्ट नहीं है।

गोचरग्राहाः

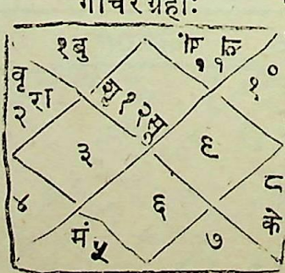

५१पं.चै.कृ.१२चं.इ१२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	०	१	११	०	१	११
१४	१९	०	१	११	१७	२३	१५
५९	६	२	३२	२४	४८	५८	१
८ १३	२२	२०	२७	१८	२१	२८	२७
के ५९	२३	०	११	७४	६	३	५९
१६	ब	१०	२०	३२	५०	११	१८

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६६ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६६ भोग्यकलिः ४२६९३४ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२२ शाकः १८८७ वर्षेऽस्मिन्राजाङ्कः । मंत्री भौमः । सस्येशो शुक्रः । धान्येशोबुधः । मेघेशश्चंद्रः । रसेशोशनिः । नीरसेशोगुरुः । फलेशःचन्द्रः । धनेशोगुरुः । दुर्गेशः इचन्द्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १२ कालाख्यनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ५।५।१३।५५ भोग्यमासादिः ६।२४।४६।५ नासत्यदैवतंयुगम् वर्षनाम कार्तिकः । मेघ नाम २ संवर्तः । रोहिणी निवासः तटे । समय निवासो रजक गृहे । समय विश्वा १८ । समय वाहनंदुर्दुरः । स्तम्भ ३ अन्नजल तृणानाम् सोमवत्यमां । सोमवती पंचमी । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी समय मुहूर्ताः ४२० । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १७ । तिथि वृद्धिः १२ । उत्पत्ति विश्वा ६६ । खपति विश्वा १२६ । वर्षा विश्वा १५ । धान्यम् ९. तृणम् ९. शीतम् ११. तेज ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०३ सत्यम् ॥. धर्म १॥. पाप १८ । ग्रहण १ सूर्यस्य भारते । ज्येष्ठ शुक्ले १५ चन्द्रं सुदूर पश्चिम देशो प्रातः ग्रस्ताऽस्त चन्द्र ग्रहणम् । स्पर्श रे. ६।३१ मोक्ष. ८।९ शुभम्ः ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ११।१२

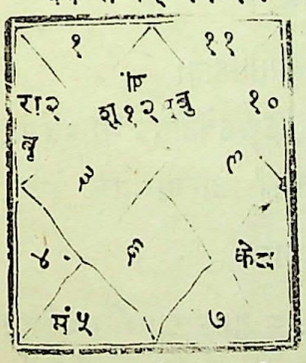

मार्ग कृ. ३० भौमे ग्रास्तोदय
सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म	मो.
उज्जयिनी मध्यमकाल	घ.	१	३	७
	पल	१२	५६	१९
रेल्वेटाइम	घं.	६	८	९
	मि.	५६	१	२३

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

श्री जगदंबेईश्वरी तू जन सर्जन हार ।
संवत्सर बाईस का कहो शुभाशुभ सार ॥

भवानी उत्तर

माता बोली प्रेम से सुन भैरव दे ध्यान ।
दशाधिकारी योग से फल उत्तम तूं जान ॥
राजा तो भृगु देव है मत्री मंगल जानि ।
उत्तम फल होते हुवे करे मध्य में हानि ॥
समय निवासो रजकघर रोहिणी तट निर्धार ।
मेघाधिप के योग से वर्षे मूसलधार ॥
वर्षा विश्वा पंचदश स्तंभ बने हैं तीन ।
संवत् अच्छा होयगा इसमें मेष न मीन ॥
ज्येष्ठ धान्य संग्रह करो लाभ चौगुणा होय ।
रस कस भी तेजी रहे संशय करो न कोय ॥
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जानें वही जो हैं जग करतार ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ५।१२

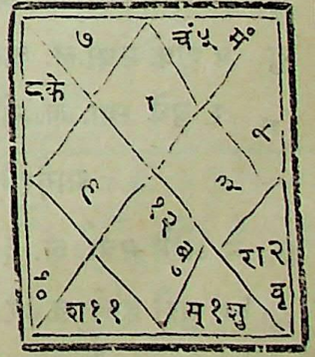

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२१।२३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम् । शुक्रस्य राज्ये बहुसस्य संकुला स्वतीव्र वेगा सरितोंबु राशिभिः । फलंति वृक्षाः बहु गो प्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुताः ॥ मंत्री भौमस्तत्फलम । अवनि जो ननु मंत्रि पदं गतो भवति दस्यु गदादिज वेदनाः । जनपदेषु जयं सुख संचयं न बहु गोषु पयो द्विज कर्म च ॥ सस्येशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ शुक्रो यदा धान्य पतिर्धरायां, मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालेक्षुधन प्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुख प्रदानि ॥ धान्येशः बुधस्तत्फलम् ॥ बुधे धान्याधिपे मेघाः जलं मुंचन्ति वै भृशम् । सैंधवे लाटदेशेच माघवोऽल्पं च वर्षति ॥ मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम् ॥ शशिनि तो यदपे यदि गो महिष्यजव रादिषु दुग्ध रसं तदा । फलवती धन धान्यवती धरा विविध भोगवती ननु भामिनी ॥ रसे शः शनिः फलम् ॥ रवि सुते रसये रस संक्षयोनजलदागददाश्च पयोधराः । अज गवांगज वाजि खरोष्ट्रहा जन पदेषु नरान्न रसैर्युताः ॥ नीरसे शो गुरुस्तत्फलम् ॥ हरिद्रापीतवस्तूनां सीत वस्त्रादिकञ्च यत् । नीरसेशो यदा जीवो सर्वेषां प्रीति रुत्तमाः ॥ फलेशश्चंद्रः फलम् ॥ यदि विधुः फलयो द्रुम राशयः फलयुता व्रतिभिः कुसुमैर्युता । द्विज मुखावर भोग समन्विता नृप तयो नयनाटन तत्पराः ॥ धनेशो गुरुस्तत्फलम् ॥ सुमनसांचगुरुर्द्रविणाधिपो वणिजवृत्तिपरा सुखभा जनाः । फलित पुष्पित भूमि रुहाः सदा विविध द्रव्य युता भुवि मानवाः ॥ दुर्गेशश्चंद्रः फलम् ॥ गढ़पतिर्मृग लांछन को यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेसुजगा रस भोगिनो नरवराः नरवर्णित विग्रहाः ॥ वर्षनाम कार्तिकस्तत्फलम् ॥ पाप बुद्धिरताः लोका भवंति कार्तिके सदा । देवता नैव मन्यन्ते राज्य च तस्करैर्हृतम् ॥ संवर्त नाम मेघ स्तत्फलम् ॥ संवर्त जल पूरिता ॥ कालाख्य नाम संवत्सरः फलम् ॥ वत्सरे कालयुक्ताख्ये सुखिनः सर्व जन्तवः । ततोपि संति सस्यानि प्रचुराणि तथा गदाः ॥ रोहिणी निवा स्तटे फलम् ॥ तटै वृष्टिः सुशोभना ॥ समय निवासो रजक गृहे फलम् ॥ रजके वृष्टि रुत्तमा ॥

एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयम् शुभाशुभम्

सं० २०२२ शाके १८८७ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैसाख मासः ।

शु. १० चंद्रे उफा. ल. १२रे. ६ऽ।।।ऽ रो ऽ।।
शु. श. पूज्यौ

,, ११ भौमे हस्ते ल. अन्यगो १२ रे. ८ऽऽ।।।।।।
मीनेशुक्रशनिपूज्यौ

आषाढ़ मासः ।

कृ. ८ भौमे उभा.ल..अन्यगो. रे.७।।।ऽ।।ऽऽदग्धा.
शु. ४ शुक्रे मघा.ल. अन्यगो.रे.७।।।।ऽरोऽऽ।।
,, ६ बुधे स्वा. ल. गो. रे. ७ ऽ।।।ऽ ल. ऽ।।

मार्गशीर्षमासः ।

कृ ८ भौमे मघा. ल. ६ रे. ७ ऽ।। ।ऽऽ।।घ.५२या.
,, १० गुरौ हस्ते ल.७रे.६।।।।।।ऽ।। शु. पू.
,, ११ शुक्रे हस्ते ल. अन्यगो. रे. ८।।।।।ऽऽ।।
शु. भौ. ८ दोषः

शु. ६ गुरो उभायां. ल. ६ रे.६।।।।ऽरो।।।। चं.७पू.
,, १० शुक्रे उभा.ल.गो.रे.८।।।।ऽरो।।।ऽभौ.८दोषः

माघमासः ।

कृ. ८ शुक्रे स्वा. ल. ६ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
शु. १० भौमे रोहि.ल.गो.रे.६।।।ऽशुऽके।।ऽऽ।भौ.८दोषः
पादतोवेधा भावः गणितेभ्यां साम्या भावः आव.

फाल्गुन मासः

कृ. ३ भौमे उफायां ल. गो.रे. ८ ।।।ऽ।ऽ।।भौम८दोषः
,, १० चंद्रे मूले ल. १०रे.६।ऽ।।ऽऽअ.।ऽ।।आवश्यके
,, ११ भौमे मूले ल.अन्यगो.रे.७।ऽ।।ऽ।।ऽ।।भौ.७दोषः
शु. ३ बुधे रेवत्यां ल.१० रे. ७ऽमं।।।।ऽअ.।।।ऽ दग्धा.
आवश्यके

चैत्र मासः ।

कृ. ४ गुरौ स्वा. ल.गो.रे. ६।।।।ऽरो।ऽऽऽभौ. ८दोषः
गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावःदग्धा आवश्यके

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | वसन्ततुं रविरुत्तरेऽहर्गणः४०१५स.१६६५

१	शु	५७	२२	रे	४६	४६	ऐं	३७	५२	कं	२८	१५	३०	५	६	२	१३	२६	मे. ४६।४६	रेव.शुक्रः २७ संवत्सरारम्भः नवरात्रा.
२	श	५४	३७	अ	४७	३६	वै	३३	४	वा	२५	५६	५६	४६	११	३	१४	३०	मेषे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	र	५१	१	भ	४५	४४	वि	२७	२२	तै	२२	४६	३१	४८	१२	४	१५	१	मेषे	मत्स्य ज. गणगौरी जिल्हेज १२
४	चं	४६	४३	कृ	४४	८	प्री	२०	५६	व	१८	५१	४	४७	१३	५	१६	२	वृ.०।५०	भ. १८।५१ उ. ४६।४३ या.
५	मं	४२	१०	रा	४१	२५	आ	१४	३५	ब	१४	२७	८	४६	१४	६	१७	३	वृषे	
६	बु	३७	१३	मृ	३८	१४	सौ	८	१०	की	६	४१	१२	४६	१४	७	१८	४	मि६।४६	कृतिका. ३ गुरुः ६।५७
७	गु	३२	१५	आ	३५	६	शो	१५	५३	ग	४	४४	१६	४५	१५	८	१६	५	मिथुने	भ. ३२।१५ उ. ५६।४४ या.
८	शु	२७	१३	पु	३१	५०	सु	४७	२	व	२७	१३	२०	४४	१६	६	२०	६	क.१७।४०	* २६।४० रामनवमी
९	श	२१	४८	पु	२८	१८	धृ	३६	४४	की	२१	४८	२४	४३	१७	१०	२१	७	कर्के	रोहि. ४ राहुः ज्येष्ठा. २ केतुः
१०	र	१६	२८	श्ले	२४	४७	शू	३२	३८	ग	१६	२८	२८	४२	१८	११	२२	८	सिं२४।४७	भ. १६।२८ उ. ४३।४६ या.
११	चं	११	१०	म	२१	२२	गं	२५	३६	वि	११	१०	३२	४२	१८	१२	२३	९	सिंहे	कामदा ११ व्रतम्
१२	मं	६	६	पू	१८	३०	वृ	१६	४	वा	६	६	३६	४१	१९	१३	२४	१०	क.३२।५३	दृश्योऽश्वि.मेषेऽर्कः२८।१४सौरः२६।२५A
१३	बु	१	३२	उ	१६	३	ध्रु	१३	५	तै	१	३२	४०	४०	२०	१४	२५	११	कन्यायां	भ. ५७।३४ उ.
१४	बु	५६	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	A मेषे शुक्रः १२।५१ प्रदोषः
१५	गु	५४	४६	ह	१४	२३	व्या	७	२०	वि	२६	१०	४३	३९	२१	१५	२६	१२	तु.४४।१५	भ.२६।१०या.हनुमज्जयंती मन्वादिः

५२पं.चै.शु.४त्तं.इ.१२।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	१	११	१०	१	११
२१	१७	२७	२	२०	१८	२३	२१
५३	३०	४२	५६	५	३५	३६	५५
३१	११	५५	३८	१७	१३	१२	३८
५२	१३३	३२	११	७४	६	३	५९
४	ब	ब	५६	३८	३१	११	४

गोचरग्रहाः

चै.शु.१२ भौमे मेषेऽर्कः प्र.वा.३ न. ५ गतालका वस्था ऊभी मु.४५ (धान्य भाव सम.) शुक्रास्तः पूर्व.

गोचरग्रहाः

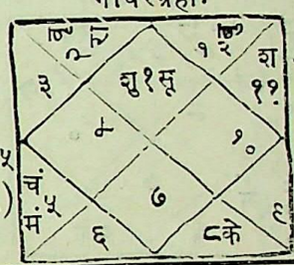

१पं.चै.शु१२मं.इ.२८।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	१	०	१०	१	०
०	१६	२१	४	०	१९	२३	०
०	१७	३९	३५	१९	२७	१०	१
०	२	५०	१७	८	२२	२२	४७
५८	४	३५	१२	७४	६	३	५८
४४	ब	ब	२५	३८	१६	११	४४

ति. | वैशाखकृष्णपक्षः सं० २०२२ शाकः १८८७ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | बसंततुं रवि रुत्तरे चैत्रकृ. महाराष्ट्राः

१	शु	५३	२४	वि	१४	४	ह	३	५६	वा	२४	५	३७	५	६	२	१६	२७	१३	तुलायां	पूर्वोदयी बुधः २५।५५
२	श	५३	३८	खा	१५	२	सि	५८	७	तै	२३	३१	५१	३८	२२	१७	२८	१४	तुलायां	*२६।५६ पूभा. १ शनिः ४८।३५
३	र	५५	३७	वि	१७	५२	व्य	५७	२	व	२४	३८	५५	३७	२३	१८	२९	१५	वृ.२।१०	भ.२४।३८उ.५५।३७या.मार्गी भौमः*
४	चं	५९	१	अ	२२	१३	व	५७	३८	ब	२७	१९	५८	३६	२४	१९	३०	१६	बृश्चिके	चतुर्थी व्रतम्
५	मं	६०	०	ज्ये	२८	१	प	५९	२	की	३१	३३	३३	३६	२४	२०	३१	१७	ध.२८।१	
५	बु	४	५	मू	३४	३७	शि	६०	०	तै	४	५	६	३५	२५	२१	१	१८	धनुषि	राष्ट्रीय वैशाखारम्भः
६	गु	९	१८	पू	४२	५	शि	०	५९	व	९	१८	१०	३४	२६	२२	२	१९	म.५८।५७	भ.१९उ.४३या. कृति. ४गुरुः५८।९
७	शु	१५	५८	उ	४९	३४	सि	३	२५	ब	१५	५८	१४	३३	२७	२३	३	२०	मकरे	भरण्यां शुक्रः ५८।३१
८	श	२२	११	अ	५६	४४	सा	५	४१	की	२२	११	१७	३३	२७	२४	४	२१	मकरे	मार्गी बुधः १६।५५
९	र	२७	४५	ध	६०	०	शु	७	१४	ग	२७	४५	२१	३२	२८	२५	५	२२	कु.२९।४८	भ ५९।५६ उ.
१०	चं	३२	७	ध	२	५३	शु	८	३४	वि	३२	७	२५	३१	२९	२६	६	२३	कुम्भे	भ. ३२।७ यां.
११	मं	३४	५२	श	७	४०	ज्ञ	८	२९	ब	३	३०	२९	३०	३०	२७	७	२४	मी५४।५४	दृश्योभरण्यां रविः८।३०(सौरः७।४३)+
१२	बु	३६	२	पू	१०	३९	ऐं	६	५४	की	५	२७	३२	३०	३०	२८	८	२५	मीने	+वरूथिनी १९ व्रतम्
१३	गु	३५	९	उ	१२	५	वै	४	५५	ग	५	३५	३६	२९	३१	२९	९	२६	मीने	भ. ३५।९ उ. प्रदोषः
१४	शु	३२	२२	रे	११	४४	प्री	५३	५७	वि	३	५१	४०	२८	३२	३०	१०	२७	मे.११।४४	भ. ३।५१ या.
३०	श	२८	३५	अ	९	४६	आ	४७	२१	च	०	३३	४३	२७	३३	१	११	२८	मेषे	मई ५ ता. ३१

२ पं.वै.कृ ५मं.इ. २८।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	१	०	१०	१	०
६	१५	१९	६	८	२०	२२	६
५०	८	२२	७	५८	९	४८	५१
४२	१८	१	५५	४८	४३	६	५८
५८	१३३	२५	१२	७४	५	३	५८
३१	मा	ब	५०	३८	५०	११	२९

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में भय हो धान्य रुई अफीम चांदी सोना गुड़ खांड तेज सुदी में तेल तेज रहे

गोचरग्रहाः

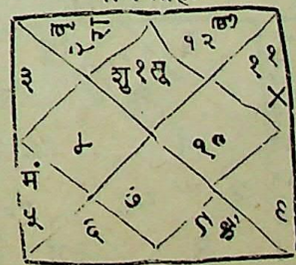

३पं.वै.कृ११मं.इ२८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	१	०	१०	१	०
१३	१६	१९	७	१७	२०	२२	१३
३९	११	४३	४२	३८	४८	२५	४०
४३	४६	३७	५०	१७	५८	५१	२३
५८	७	१३३	१३	७४	५	३	५८
१७	४०	मा	११	३२	२४	११	१२

*वृ.चं.रा. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×श.चं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं.२०२२ शाकः १८८७ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः ४०४५स.१६६५

१	र	२३	१२	भ	६	४०	सौ	३६	५४	ब	२३	१२	३२/४७	५/२७	६/३३	२	१२	२६	वृ.२०।३६
२	चं	१७	४	कृ	३६/२	५५/३४	शो	३२	७	को	१७	४	५१	२६	३४	३	१३	१	वृषे
३	मं	१०	४०	मृ	५३	४६	अ	२४	०	ग	१०	४०	५४	३५	३५	४	१४	२	मि२५।५८
४	बु	४	१२	आ	४६	२०	सु	१६	१	वि	४	१२	५७	२५	३५	५	१५	३	मिथुने
५	बु	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	गु	५२	२	पु	४५	१८	धृ	८	३०	को	२५	५	३३/१	२४	३६	६	१६	४	क.३१।१७
७	शु	४६	२३	पु	४१	४७	शू	१/५	५३/५१	ग	१६	१३	४	२३	३७	७	१७	५	कर्के
८	श	४१	२३	श्ले	३८	४१	ब्र	४७	२०	वि	१३	५३	७	२३	३७	८	१८	६	सिं ३८।४१
९	र	३७	०	म	३६	११	ध्रु	४१	१३	वा	६	१२	१०	२२	३८	९	१९	७	सिंहे
१०	चं	३३	११	पू	३४	२१	व्या	३५	३८	तै	५	५	१३	२१	३६	१०	२०	८	क.४६।२
११	मं	३०	४	उ	३३	४	ह	३०	४७	व	१	३७	४६	२१	३६	११	२१	९	कन्यायां
१२	बु	२७	३४	ह	३२	३६	व	२६	३१	बा	२७	३४	१६	२०	४०	१२	२२	१०	कन्यायां
१३	गु	२६	१६	चि	३३	१८	सि	२२	५६	तै	२६	१६	२२	२०	४०	१३	२३	११	तु.२।५७
१४	शु	२५	५६	स्वा	३५	१३	व्य	२०	१२	व	२५	५६	२५	१६	४१	१४	२४	१२	तुलायां
१५	श	२६	५०	वि	३८	३	व	१८	४५	ब	२६	५०	२८	१८	४२	१५	२५	१३	वृ २२।२०

चन्द्रद.
परशुराम ज. मोहोरम१सन१३८५हि.
भ. ३७/२६ उ. कृत्ति का शुक्रः ४५/२ अक्षया३
भ.४।१२ या. प.उ.शु.
=(सौरः २३।२८)
×३६/४ शुक्रोदयः पश्चिमायाम २६/२४
भ.४६/२३ उ.वृषे शुक्रः २६ रोहि.१गुरु.×
भ. १३/५८ या. पात स्पर्शः ४७।२४
पातमोक्षः १।२
दृश्यःकृत्तिका.रविः ५४/२५ (सौरः ५५/४०) *
भ.१।३७उ. ३०।४या. मोहिनी११ब्र.
प्रदोष ब्र. *मेषे बुधः २४।४५
नृसिंह जयंती
भ.२५/६६ उ.५६/२३ या.दृश्यो वृषेऽर्कः २१/४०=
रोहि. शुक्रः ३६/१३ अन्नजल कुंभदानम्

४पं.वै.शु.३मं.इ. २६।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	१	०	१०	१	०
२०	१६	२४	९	२६	२१	२२	२०
२७	५८	२	१७	१६	२४	३	२७
२२	१२	३८	४६	२३	२९	३५	३
५८	१२	४३	१३	७४	४	३	५७
६५२	५०	२०	३२	५८	११	५७	

गोचरग्रहाः

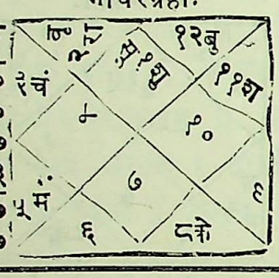

वै. शु. १४ शुक्रे वृषेऽकं. प्र. वा. ४ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव महर्घता शुक्रो.प.

गोचरग्रहा

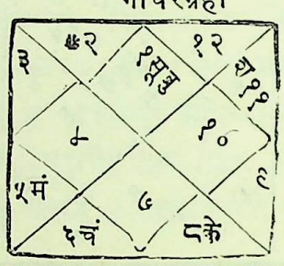

५पं.वै.शु.११मं.इ२६।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	१	१	१०	१	०
२७	१८	१	१०	४	२१	२१	२७
१३	१५	१४	५३	५३	५६	४१	१२
३४	५०	२०	४२	४६	५३	२०	१७
५७	१५	६९	१३	७४	४	३	५७
५४	४०	११	२८	३०	३५	११	४५

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरे वैशाख कृ.महाराष्ट्राः

१	रे	२६	७	अ	४२	२४	प	१८	०	को	२६	७	३३/३०	५/१८	६/४२	१६	२६	१४	बृश्चिके
२	चं	३३	३७	ज्ये	४७	४७	शि	१८	८	तै	१	२२	३३	१७	४३	१७	२७	१५	ध.४७।४७
३	मं	३७	३४	मू	५४	१६	सि	१६	३१	व	५	३५	३६	१७	४३	१८	२८	१६	धनुषि
४	बु	४२	५४	पू	६०	०	सा	२१	१६	ब	१०	१४	३६	१६	४४	१६	२६	१७	धनुषि
५	गु	४६	०	पू	१	२०	शु	२३	३७	को	१५	५७	४१	१६	४४	२०	३०	१८	म.१८।१५
६	शु	५५	२०	उ	८	५६	शु	२६	१४	ग	२२	१०	४३	१५	४५	२१	३१	१६	मकरे
७	श	६०	०	अ	१६	२६	ब्र	२८	२७	वि	२८	१६	४६	१५	४५	२२	१	२०	कु.४६।५५
७	र	१	१८	ध	२३	२१	ऐं	३०	१४	व	१	१८	४८	१४	४६	२३	२	२१	कुम्भे
८	चं	६	३	श	२६	६	वै	३१	२	को	६	३	५०	१४	४६	२४	३	२२	कुम्भे
९	मं	६	३१	पू	३३	२६	वि	३०	२७	ग	६	३१	५२	१४	४६	२५	४	२३	मी १७।२२
१०	बु	११	१७	उ	३५	५२	प्री	२८	३२	वि	११	१७	५४	१३	४७	२६	५	२४	मीने
११	गु	१०	५७	रे	३६	१२	आ	२४	५३	बा	१०	५७	५६	१३	४७	२७	६	२५	मे. ३६।१२
१२	शु	८	३२	अ	३४	३७	सो	१६	५७	तै	८	३२	५८	१२	४८	२८	७	२६	मेषे
१३	श	४	२३	भ	३१	२४	शो	१३	११	व	४	२३	३४/०	१२	४८	२९	८	२७	वृ ४५।१०
१४	श	५४	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	र	५१	७	कृ	२६	२९	अ	५/२३	५१/४०	च	२४	४६	२	१२	४८	३०	९	२८	वृषे

भ. ५।३५ उ. ३७।३४ या.
अस्तं गुरोः ३३।० च. ब्र.
भरण्यां बुधः ४७।३ गु.अ.
भ. ५५।२० उ.
भ.२८।१९या. रोहि. २ गुरुः४।८+
+राष्ट्रीय ज्येष्ठारम्भः
दृश्यो रोहि. रविः ४५/१५ (सौरः ४९/३७)
भ. ४०।२४ उ.
भ.११।१७ या. मृगे शुक्रः २७।४६
अपरा ११ ब्र.
कृत्ति. बुधः १७।५१ प्रदोषः
भ.४।२३ उ. ३१/२५ या. वृषे बुधः ५५/१०

वट पूजनम्

६पं.ज्ये.कृ.३मं.इ.२६।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	१	१	१०	१	१
३	१९	१०	१२	१३	२२	२१	३
५८	५९	४१	३१	३१	२५	१९	५५
२६	४२	१०	१२	५	१९	४	५५
५७	२०	६९	१३	७४	३	३	५७
४४	१९	१३	३२	२६	५५	११	३४

गोचरग्रहाः

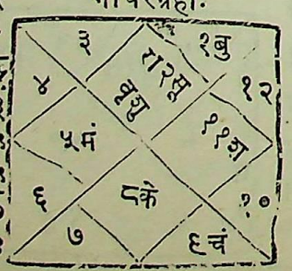

इस मास में रोग पीड़ा धूप अधिक धान्य रूई चाँदी सोना सूत गुड़ गेहूँ मंदी होकर तेजी धान्य संग्रह से अच्छा लाभहो

गोचरग्रहाः

७पंज्ये.कृ६मं इ २६।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	१	१	१०	१	१
१०	२२	२१	१४	२२	२२	२०	१०
४२	७	३८	९	७	४९	५६	३८
२५	१६	२	२९	३७	५९	४८	६
५७	२२	७०	१३	७४	३	३	५७
३५	१८	३६	३८	२६	१६	११	२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं.२०२२ शाकः१८८७ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४०७४सन्१९६५

| | | |

ति. आषाढ़ शुक्लपक्षः सं.२०२२शाकः १८८७ | दि. | उ. | अ | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१०४स. १६५

१	मं	५०	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३४	५	६	३०	६	२६	क. १२।५०	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
२	बु	५०	११	पु	२५	५८	व्या	४४	२७	ग्रा	२५	११	३१	८	५२	१	१०	१	कर्के	जौलाई ७ ता. ३१ रविलावल ३
३	गु	४१	५	पु	१८	४४	ह	३४	२६	तै	१७	३८	२०	८	५२	२	११	२	सिं १२।१४	भ. ७।३ उ. ३३।१ या.
४	शु	३३	१	श्ले	१२	१४	व	२४	५६	व	७	३	१६	८	५२	३	१२	३	सिंहे	
५	श	२६	२०	म	६	५८	सि	१६	४४	ग्रा	२६	२०	१८	८	५२	४	१३	४	क. १७।४६	मृग. १ गुरुः २३।४४
६	र	२१	३	पू	३	१८	व्य	६	४०	तै	२१	३	१७	६	५१	४	१४	५	कन्यायां	भ. १७।३८उ. ४६।४४या. दृश्यः पुन.*
७	चं	१७	३८	उ	१	२०	व	४	५५ ३३	व	१७	३८	१५	६	५१	५	१४	६	तु ३१।१४	*रविः २६।३७ सौरः ५४।४७ हस्ते+
८	मं	१५	५०	ह	०	५६	शि	५६	३४	ब	१५	५०	१४	६	५१	६	१५	६	तुलायां	+ भौमः ३७।२५
९	बु	१५	४७	चि	१	३३	सि	५५	४७	कौ	१५	४७	१३	६	५१	७	१६	७	तुलायां	भ ४८।२६उ. अश्लेषा. बुधः ५।३६
१०	गु	१७	६	स्वा	४	५०	सा	५४	६	ग	१७	६	११	१०	५०	८	१७	८	वृ. ५२।५५	भ. १६।४७या. अश्लेषा. शुक्र ४।३६S
११	शु	१६	४७	वि	८	५६	शु	५४	५५	वि	१६	४७	१०	१०	५०	९	१८	९	वृश्चिके	प्रदोषः
१२	श	२३	४०	अ	१४	१०	शु	५५	४०	ग्रा	२३	४०	९	१०	५०	१०	१९	१०	वृश्चिके	S देवशयनी ११ ब्र.
१३	र	२८	१५	ज्ये	२०	६	व्र	५७	१५	तै	२८	१५	७	११	४६	११	२०	११	ध. २०।६	भ. ३३।५६ उ.
१४	चं	३३	५६	मू	२७	४	ऐं	५६	१२	ग	१	७	५	११	४६	१२	२१	१२	धनुषि	भ ६।६०या. व्यासपूजा वायु परीक्षा
१५	मं	३६	४२	पू	३४	१०	वै	६०	०	वे	६	५०	४	११	४६	१३	२२	१३	म. ५१।४	

१३पं.आ.शु.८मं.इ.२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	३	१०	१	२
२०	१०	१४	२३	१३	३	१८	२०
५०	२९	१५	४७	२८	४०	४३	२२
१०	२०	४७	१३	५२	४१	१५	४३
५७	३३	८९	१३	७३	४९	३	५६
१०	५४	५०	०	५०	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

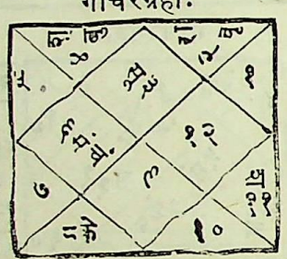

इस मास में पाँच भौमवार नेष्ट हैं प्रजा में पीड़ा और वायु के साथ वर्षा होगी। गुड़ खांड घृत तेल तेज़ हो

गोचरग्रहाः

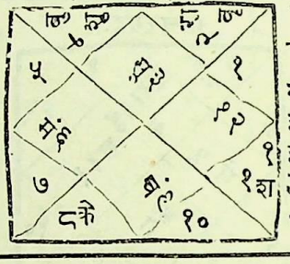

१४पं.आ.शु.१५मं इ.२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	३	१०	१	२
२७	१४	२४	२५	२१	२३	१८	२७
३०	१३	२१	१७	५९	३२	२०	१०
३२	३७	५०	५६	२	२८	५९	५०
५७	३४	६८	१२	७३	३४	३	५६
११	५८	३७	३५	४३	ब	११	५५

ति. श्रावणकृष्णपक्षः सं.२०२२ शाकः १८८७ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़ कृष्णेति महा.

१	बु	४५	४६	उ	४१	४६	चै	१	३३	ग्रा	१२	४४	३४	५	६	१४	२३	१४	मकरे	
२	गु	५१	५३	श्र	४६	११	वि	३	५०	तै	१८	५०	२	१२	४८	१५	२४	१५	मकरे	*कर्केऽर्कः ६।१ सौरः २७।३१
३	शु	५७	४४	ध	५६	३३	प्री	६	२०	व	२३	४८	३३ ५८	१२	४८	१६	२५	१६	कु. २२।५२	भ. २३।४८ उ. ५७।४४ या. दृश्यः*
४	श	६०	०	श	६०	०	आ	८	३०	ब	३०	१६	५६	१३	५७	१७	२६	१७	कुम्भे	चतुर्थी व्रतम्
४	र	२	५४	श	३	१६	सौ	१०	२१	ग्रा	२	५४	५४	१३	४७	१८	२७	१८	मी ५२।४४	+सिंहे बुधः १७।३६ नाग ५ मरुस्थले
५	चं	७	१५	पू	६	१२	शो	११	२६	तै	७	१५	५२	१४	४६	१६	२८	१६	मीने	दृश्यःपुष्येरविः ३५।१८ सौरः५८।१२+
६	मं	१०	३०	उ	१४	१	अ	११	०	व	१०	३०	५०	१४	४६	२०	२६	२०	मीने	भ.१०।३०उ.४१।२५या. सिंहे शुक्रः÷
७	बु	१२	१६	रे	१७	१७	सु	१०	३२	व	१२	१६	४७	१५	४५	२१	३०	२१	मे. १७।१७	÷५।४६ मृग २गुरुः २।८ वक्री पूभा.×
८	गु	१२	१६	अ	१६	३	धृ	८	१८	कौ	१२	१६	४५	१५	४५	२२	३१	२२	मेषे	×१ शनिः १५।२०
९	शु	१०	४०	भ	१८	५६	शु	३६	४५ ४०	ग	१०	४०	४२	१६	४४	२३	१	२३	वृ ३३।२८	भ. ३८।५१उ. राष्ट्रीय श्रावणारम्भः
१०	श	७	२	कृ	१६	५५	बृ	५	२६	वि	७	२	४०	१६	४४	२४	२	२४	बृषे	भ. ७।२ या.
११	र	१	२४	रो	१३	५	ध्रु	४४	२०	वा	१	२४	३७	१७	४३	२५	३	२५	मि ४०।२६	कामिका ११ ब्र.
१२	र	५२	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	चं	४५	४२	मृ	७	४७	व्या	३५	५	ग	१६	५६	३५	१७	४३	२६	४	२६	मिथुने	भ. ४५।४२ उ. प्रदोषः
१४	मं	३५	४	आ	१ ३	५२ २४	ह	२४	५५	वि	१०	२३	३२	१८	४२	२७	५	२७	क. ४०।२१	भ. १०।२३ या.
३०	बु	२५	५८	पु	४५	२६	व	१४	२	ना	२५	५८	२६	१८	४२	२८	६	२८	कर्के	हरियाली ३०

१५पं.श्रा.कृ.६मं.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	१	४	१०	१	३
४	१८	०	२६	०	२३	१७	३
११	५	१४	४५	२८	१९	५८	४९
१७	३५	१४	४७	३०	२०	४४	१७
५७	३६	४५	१२	७३	११	३	५६
१५	४	३४	१६	२७	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

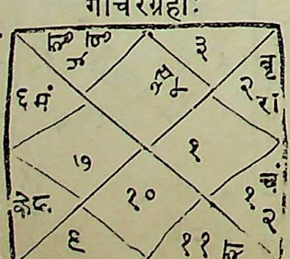

श्रा. कृष्णा ३ शुक्रे कर्केऽर्कः प्र. वा. ५ न.५ प्रग-लभावस्था(बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शु.प.

गोचरग्रहाः

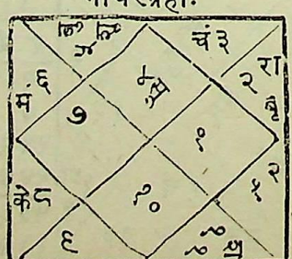

१६पं.श्रा.कृ.१४मं.इ.२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	१	४	१०	१	३
१०	२२	५	२८	८	२३	१७	१०
५२	५	१९	१०	५६	२	३६	२८
१९	४९	४४	४४	१३	२०	०८	३४
५७	३६	१६	११	७३	४५	३	५७
२०	५६	१	४७	१७	ब	११	५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं २०२२ शाकः १८८७ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४१३३स १६६५

१	शु	१५	५४	श्ले	३७	३३	सि	३ ४८	ब	१५	५४	३३ २६	५ १६	४१	२६	७	२६	सि ३७।३३
२	शु	६	२४	म	३०	४२	ध	४२	४०	को	६	२४	२४	१६	४१	३०	८	१	सिंहे
३	शु	५१	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	श	५१	६	पू	२४	५३	प	३३	३३	ब	२४	३५	२१	२०	४०	३१	६	२	क. ३८।५१
५	र	४५	५६	उ	२०	४५	शि	२५	४६	ब	१८	३४	१८	२०	४०	१	१०	३	कन्यायां
६	चं	४२	४८	ह	१८	३५	सि	२०	२	को	१४	२४	१५	२१	३६	२	११	४	तु. ४८।२३
७	मं	४१	४४	चि	१८	११	सा	१५	३२	ग	१२	१६	१२	२	३८	३	१२	५	तुलायां
८	बु	४२	३६	स्वा	१६	४७	रा	१२	४८	वि	१२	१०	६	२२	३८	४	१३	६	तुलायां
९	गु	४५	१०	वि	२३	२१	शु	११	२६	वा	१३	५३	६	२३	३७	५	१४	७	वृ. ७।२८
१०	शु	४६	२१	अ	२८	२६	ज्ये	११	४४	तै	१७	१५	३	२३	३७	६	१५	८	वृश्चिके
११	श	५४	२५	ज्ये	३४	४७	पूं	१२	३५	व	२१	५३	०	२४	३६	७	१६	९	ध. ३४।४७
१२	र	६०	०	मू	४१	५३	वै	१४	२२	ब	२७	२४	३२ ५६	२५	३५	८	१७	१०	धनुषि
१३	चं	०	२३	पू	४६	६	वि	१६	४४	वा	०	२३	५३	२५	३५	९	१८	११	धनुषि
१४	मं	६	३२	उ	५६	४१	प्री	१६	२	तै	६	३२	५०	२६	३४	१०	१६	१२	म. ६।२
१५	बु	१२	३७	अ	६०	०	आ	२१	२६	व	१२	३७	४७	२७	३३	११	२०	१३	मकरे
१६	गु	१८	३२	अ	३	५७	सो	२३	४२	ब	१८	३२	४३	२७	३३	१२	२१	१४	कु. ३७।३२

चित्रा. भौमः २६।२६ चन्द्रद. सिंधारा
वक्रीबुधः ५६।२८ तीज रविलाखर ४

भ. २४ ३५ उ. ५१।६या. पूफायां शुक्रः ८।५८
नागपंचमी अगस्त मा. ८ता. ३१
दृश्य आश्लेषा. रविः ३२ ६२ (सौरः ५६।१)
भ. ४१।४४ उ.
भ. १२।१० या.
मृग ३ मिथुने गुरुः ५७।५६
§शुक्रः १०।५८
भ. २१।५३ उ. ५५ ५५ या. पवित्रा ११ व्र.
पश्चिमास्तो बुधः २०।१४ पवित्रा*
तुला भौमः ४७।३६ प्रदोषः
*११ व्र. निम्बा.
भ. १२।३७ उ. ४५।३५ या उफायां§
श्रावणी कर्म. रक्षाबंधनम्

१७ पं. श्रा. शु. ७ मं इ. २८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	१	४	१०	१	३
१७	२६	६	२९	१७	२२	१७	१७
२४	१३	२८	३२	२३	४०	१४	८
१	८	२३	१३	१३	१९	१२	२२
५७	३७	५५ ५६	११	७३	२४ ३५	३	५७
२५	३६	ब	११	२	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

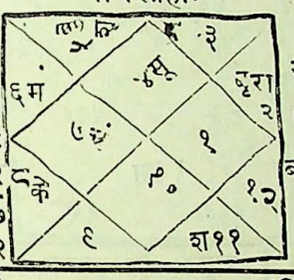

इस मास का फल उत्तमहै। वर्षा श्रेष्ठ अनाज जौ गेहूँ बाजरा मोठ चावल मंदा हो।

गोचरग्रहाः

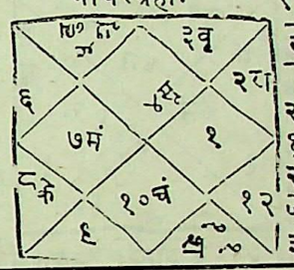

१८ पं. श्रा. शु. १३ मं इ २८।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	२	४	१०	१	३
२४	०	३	०	२५	२२	१६	२३
१६	२६	३३	४९	४८	१५	११	४९
२६	६	३६	४४	४०	५८	५७	२९
५७	३८	४६ ४७	१०	७२	४२ ४३	३	५७
३३	१३	ब	३५	४६	ब	११	२२

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं २०२२ शाकः १८८७ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | वर्षर्तू रविरुत्तरे श्रावण कृ. महाराष्ट्रः

१	शु	२४	३	ध	११	७	शो	२५	३६	को	२४	३	४० ३२	२८ ५	३६ ३	१३	२२	१५	कुम्भे
२	श	२८	५६	श	१७	४२	अ	२७	८	ग	२८	५६	३६	२९	३१	१४	२३	१६	कुम्भे
३	र	३२	४८	पू	२३	२२	सु	२८	०	व	०	५२	३३	२९	३१	१५	२४	१७	मी ६।५७
४	चं	३५	३७	उ	२८	५	धृ	२८	८	ब	४	१३	२९	३०	३०	१६	२५	१८	मीने
५	मं	३७	३०	रे	३१	५१	शू	२७	२८	को	६	४९	२६	३१	२९	१७	२६	१९	मे. ३१।५१
६	बु	३८	८	अ	३४	१८	ग	२५	४५	ग	७	४९	२२	३२	२८	१८	२७	२०	मेषे
७	शु	३७	३०	भ	३५	३५	बृ	२३	५	वि	७	४९	१९	३२	२८	१९	२८	२१	वृ ५०।३०
८	शु	३५	१६	कृ	३५	१७	धृ	१९	१६	वा	६	२३	१५	५३	२७	२०	२९	२२	वृषे
९	श	३१	१८	रो	३३	२७	व्या	१४	११	तै	३	१७	११	३४	२६	२१	३०	२३	वृषे
१०	र	२६	९	मृ	३०	७	ह	७	४८	वि	२६	९	८	३४	२६	२२	३१	२४	मि. १।३७
११	चं	१९	१७	आ	२५	२७	व	१०	५१ २८	बा	१९	१७	४	३५	२५	२३	१	२५	मिथुने
१२	मं	११	२१	पु	१९	३६	व्य	४२	१५	तै	११	२१	०	३६	२४	२४	२	२६	क. ६।४
१३	बु	२	३५	पु	१२	४३	ध	३२	१३	व	२	३५	३१ ५६	३७	२३	२५	३	२७	कर्के
१४	बु	५०	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	गु	४३	३१	श्ले	६ २७	५३ ३५	प	२१	३८	च	१८	१८	५२	३८	२२	२६	४	२८	सि. ६।२७

कन्या. शुक्रः ५५।१२
वक्रीअस्ते कर्के बुध. ५५ ४६ रोहि. २ राहुः*
भ ० ५२ उ. ३२ ४८ या. चतुर्थी व्र
दृश्योमघा. सिंहेऽर्कः २६।१४ (सौरः ५५ २६
चन्द्रषष्ठी *अनु ४ केतुः १३।५२
भ. ३८।८ उ.
भ. ७।४६ या. जन्माष्टमी व्र. स्मा
स्वात्यांभौमः २६ १७ जन्माष्टमी व्र. वै.
भ. ५८।४३ उ. गोगा ६
भ. २६।६या. हस्तेशक्रः १६।५१
अजा ११ व्र. राष्ट्रीय भाद्रपदारम्भः
पूर्वोदयी बुधः १३ १७ वत्सद्वादशी. प्रदोषः
भ. २।३५ उ. २७।५० या. मृग. ४ गुरुः ३२ ३५

मार्गी बुधः १३।५२ कुशाग्रहणी

१६ पं. भा. कृ. ५ म. इ २८।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	२	५	१०	१	४
०	४	२७	२	४	२१	१६	०
५९	४४	४४	२	१२	४८	२९	३१
४९	३५	४८	३१	७	३२	४१	४२
५७	३८	५४ ५५	९	७२	४ ५	३	५७
४०	५७	ब	५३	२०	ब	११	३४

गोचरग्रहाः

भाद्रपद कृ. ४ चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ कुमार्यवस्था बैठी मु. ४५ (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

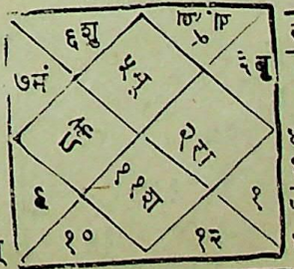

२० पं. भा. कृ. १२ मं इ. २८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	२	५	१०	१	४
७	९	२४	३	१२	२१	१६	७
४४	१०	२५	१०	३४	१८	७	१५
१७	१२	२२	१२	८	४३	२६	१५
५७	३९	२७ ५७	९	७१	२४ ५८	३	५७
४८	३८	ब	९	५९	ब	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपदशुक्ल पक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१६२ सं. १९६५

१	शु	३४	२९	पू	५१	२०	शि	११	१८	कि	९	०	३१/४८	५/३८	६/२२	२७	५	२९	सिंहे
२	शु	२६	३५	उ	४५	३०	सि	२०	५/१	की	२६	३५	४४	३९	२१	२८	६	३०	क. ४।५३
३	र	२०	१३	ह	४१	२९	शु	४४	३८	ग	२०	१३	४०	४०	२०	२९	७	१	कन्यायां
४	चं	१५	३९	चि	३९	१८	शु	३८	२८	वि	१५	३९	३९	४१	१९	३०	८	२	तु. १०।२३
५	मं	१३	१६	स्वा	३९	१६	ब्र	३४	९	वा	१३	१६	३२	४२	१८	३१	९	३	तुलायां
६	बु	१२	५७	वि	४१	१५	ऐं	३१	२७	तै	१२	५७	२८	४२	१८	१	१०	४	बृ. २५।४५
७	गु	१४	३८	अ	४५	२०	वै	३०	१७	व	१४	३८	२५	४३	१७	२	११	५	बृश्चिके
८	शु	१८	१८	ज्ये	५०	५६	वि	३०	४०	ब	१८	१८	२१	४४	१६	३	१२	६	ध. ५०।५६
९	श	२३	१३	मू	५७	४७	प्री	३१	५२	की	२३	१३	१७	४५	१५	४	१३	७	धनुषि
१०	र	२९	२६	पू	६०	०	आ	३४	८	ग	२९	२६	१३	४५	१५	५	१४	८	धनुषि
११	चं	३५	३५	पू	५	२	सौ	३६	५६	व	२	३०	९	४६	१४	६	१५	९	म. २१।५८
१२	मं	४१	५३	उ	१२	४५	शो	३८	२८	ब	८	४४	५	४७	१३	७	१६	१०	मकरे
१३	बु	४७	४३	श्र	२०	१७	अ	४१	१८	की	१४	४८	१	४८	१२	८	१७	११	कुं ५३।४७
१४	गु	५२	५९	ध	२७	१८	सु	४३	७	ग	२०	२१	३०/५७	४९	११	९	१८	१२	कुम्भे
१५	शु	५७	१२	श	३३	२५	धृ	४४	१६	वि	२४	५	५३	४९	११	१०	१९	१३	कुम्भे

भ४७।५६ उ. हरितालिका ३ जमा. दिलावज ५
भ. १५।३९ या. इश्यः पूफायां रविः १५/१ *
ऋषिपंचमी [*सौरः ४६।१८ गणेश ४
सितम्बर मा. ९ ता. ३०
भ. १/३ ४/८ उ. ४/२८ या. चित्रा. शुक्रः ३०।३४
[÷महालयारंभ
मघा. सिंहे बुधः २९।५

चन्द्रदर्शनम्

भ. २।३० उ. ३५।३५ या. जलझूलनी ११ ब्र.
वामनजयंती
तुलायां शुक्रः ८।५५ प्रदोषः
भ. ५/५ २/९ उ. विशाखा. भौमः ५/४ ४/७ अनंत १४
भ. २४/५ : या. बक्री शते ४ शनिः ४/५ १/५ ÷

२१ पं. भा. शु. ५ मं. इ. २८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	२	५	१०	१	४
१४	१३	२६	४	२०	२०	१५	१४
२९	४३	३८	१२	५३	४७	४५	०
५६	२६	१७	४	५३	२४	१०	२७
५८	४०	५१	८	७१	४	३	५७
१	२२	५९	२०	३८	४०	११	५७

गोचरग्रहाः

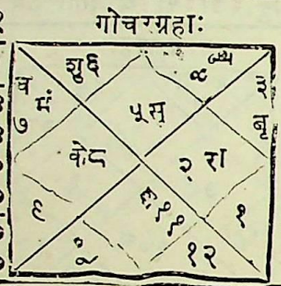

इस मास में चांदी सोना लोहा रुई रंग तेज हो। बदो में मंदी होगी। चावल घृत मंदी। खेतोकी हानि, भाव तेज।

गोचरग्रहाः

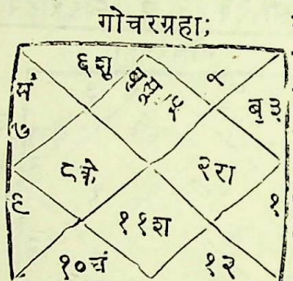

२२ पं. भा शु. १२ मं इ २८।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	२	५	१०	१	४
२१	१८	४	५	२९	२०	१५	२०
१६	२०	३९	७	११	१५	२२	४७
५६	२०	२२	५२	२८	४	५४	७
५८	४०	९३	७	७१	४/४०	३	५८
१३	४५	४०	१८	१४	ब	११	१२

ति. आश्विनकृष्ण पक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेभाद्र. कृष्णे तिमहाराष्ट्रः

१	श	६०	०	पू	३९	२८	शु	४४	३६	वा	२८	४९	३०/४८	५/५०	६/१०	११	२०	१४	मी २२।५७
१	र	०	२६	उ	४२	४२	गं	४४	१३	की	०	२६	४४	५१	९	१२	२१	१५	मीने
२	चं	२	३४	रे	४५	५३	बृ	४२	५५	ग	२	३४	४०	५२	८	१३	२२	१६	मे. ४५।५३
३	मं	३	३०	अ	४७	५८	ध्रु	४०	५४	वि	३	३०	३६	५३	७	१४	२३	१७	मेषे
४	बु	३	३६	भ	४९	११	व्या	३८	२	वा	३	३६	३२	५४	६	१५	२४	१८	मेषे
५	गु	२	३५	कृ	४९	२१	ह	३४	१६	तै	२	३५	२८	५४	६	१६	२५	१९	बृ. ४।१३
६	शु	०	३२	रा	४८	२३	व	२९	५२	व	०	३२	२४	५५	५	१७	२६	२०	बृषे
७	शु	५७	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	श	५३	३८	मृ	४६	३१	सि	२४	३३	वा	२५	३८	२०	५६	४	१८	२७	२१	मि. १७।२७
९	र	४८	४६	आ	४३	४२	व्य	१८	२४	तै	२१	१२	१६	५७	३	१९	२८	२२	मिथुने
१०	चं	४२	४२	पु	३९	४४	व	११	३०	ब	१५	४४	१२	५८	२	२०	२९	२३	क. २५।४३
११	मं	३५	५६	पु	३५	२	प	४४/३	५१/३६	ब	९	१९	८	५८	२	२१	३०	२४	कर्के
१२	बु	२८	१८	श्ले	२९	२५	सि	४६	२३	तै	२८	१८	४	५९	१	२२	३१	२५	सिं. २९।२५
१३	गु	२०	१६	म	२३	३३	सा	३६	५६	व	२०	१६	३०/०	६/०	६/०	२३	१	२६	सिंहे
१४	शु	१२	२२	पू	१८	४३	शु	२८	४७	श	१२	२२	२६/५५	१/५९	५/९	२४	२	२७	क. ३१।३९
३०	श	४	४६	उ	१२	१४	शु	१८	५१	ना	४	४९	५१	२	५८	२५	३	२८	कन्यायां

पूफायां बुधः ४३।४ पूर्वास्तोदुधः ४६।५७
भ. ३३।२ उ. इश्य उफायां रविः ०।११ *
भ. ३।३० या. चतुर्थी ब्र.
[* सौरः ३०।५६ स्वात्यां शुक्रः ४७/३३
इश्यः कन्यायामर्कः २५।३२ सौरः ५६।८
भ. ०।३२ उ. २९।५ या.

उफायाँ बुधः ५०।३२ मातृ ९
भ. १५।४४ उ. ४२।४२ या.
कन्या. बुधः ३७/६ आर्द्रा. १ गुरुः ४५/८ इंदिरा ११ ब्र
प्रदोषब्रतम् [= रात्रा. घटस्था. अभिजिति
भ. २०/१६ उ. ४६/१९ या. राष्ट्रीय आश्विनारम्भः
बृश्चिके भौमः ४१।३ सर्वपितृश्राद्धम्
विशाखा. शुक्रः ९।८ मातामहश्राद्धम् नव- =

२३ पं आ. कृ. ३ मं. इ. २७।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	२	६	१०	१	४
२८	२३	१६	५	७	१९	१५	२७
५	१	३१	५६	२७	४३	०	३५
२४	३०	५५	४९	२९	१	३९	३०
५८	४१	७/५२	६	७०	३/४६	३	५८
२६	२४		२२	३७	ब	११	२९

गोचरग्रहाः

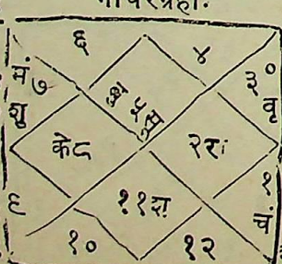

आश्विन कृ. ५ गुरौ कन्यायमर्कः प्र.वा. ४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभावसम) शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

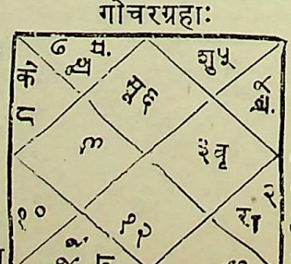

२४ पं. आ. कृ ११ मं. इ. २७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	२	६	१०	१	५
४	२७	२०	६	१५	१९	१४	४
५५	४८	४०	२८	३९	११	३८	२५
१९	०	५८	२८	३६	३१	२३	३७
५८	४०	९/५८	५	६९	१/४	३	५८
३८	५८		१४	५६	ब	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७ दि. उ. अ इं. रा. मु. चंद्रः शरहतूरविर्दक्षिणोऽहर्गणः ४१६२स.१६६५

१	श	५३	३४	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	
२	र	४३	१३	ह	७	३८	त्र	१०	४५	वा	२५	४८	३०	५	६	२६
३	चं	५०	७	चि	४	२५	ऐं	४२	५४	तै	२१	४०	४३	३	५७	२७
४	मं	४८	५३	स्वा	३	०	वि	५४	४६	व	१६	३०	३८	४	५६	२८
५	बु	४६	३६	वि	३	३६	प्री	५१	१४	ब	१६	१४	३४	५	५५	२६
६	गु	५२	२३	अ	६	६	आ	५०	४६	की	२१	०	३०	६	५४	३०
७	शु	५६	४७	ज्ये	१०	३१	सौ	५०	५१	ग	२४	३५	२६	७	५३	१
८	श	६०	०	मू	१६	२७	शो	५२	२३	वि	२६	४२	२२	८	५२	२
९	र	२	३८	पू	२३	३५	अ	५४	२६	ब	२	३८	१८	८	५२	३
१०	चं	८	४८	उ	३१	२	सु	५६	५४	की	८	४८	१४	६	५१	४
११	मं	१५	७	श्र	३८	३६	धृ	५८	१८	ग	१५	७	१०	१०	५०	५
१२	बु	२१	८	ध	४५	४७	शू	६०	०	वि	२१	८	६	११	४६	६
१३	शु	२६	५०	श	५२	३	शू	१	१	वा	२६	२०	२	१२	४८	७
१४	शु	३०	१८	पू	५६	५२	गं	२	२१	तै	३०	१८	२५	१२	४८	८
१५	श	३२	५४	उ	६०	०	वृ	२	२३	ग	१	३६	५४	१३	४७	९
१५	र	३४	११	उ	०	४३	शु	३७	४८	वि	३	३२	५०	१४	४६	१०

१	चं	३४	८	रे	३	२	ह	५६	५०	वा	४	१०	४८	१५	४५	११
२	मं	३२	५७	अ	४	११	व	५३	४१	तै	३	३२	४२	१६	४४	१२
३	बु	३०	४७	भ	४	१३	सि	४८	३५	व	१	५२	३८	१६	४४	१३
४	शु	२७	५३	कृ	३	४२	व्य	४३	३०	ब्रा	२७	५३	३४	१७	४३	१४
५	शु	२४	८	रा	२	६	व	३७	३८	तै	२४	८	३०	१८	४२	१५
६	श	२०	११	मृ	०	३८	प	३१	३१	व	२०	११	२६	१६	४१	१६
७	र	१५	४३	पु	५४	३६	शि	२५	५	ब	१५	४३	२२	२०	४०	१७
८	चं	१०	५०	पु	५१	१५	सि	१८	२०	की	१०	५०	१८	२०	४०	१८
९	मं	५	३३	श्ले	४७	२५	सा	१०	५६	ग	५	३३	१४	२१	३६	१६
१०	मं	५४	१८		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०
११	बु	५३	४३	म	४३	२५	शु	३५	५२	ब	२६	४७	१०	२२	३८	२०
१२	गु	४७	५३	पू	३६	१२	व्र	४८	३	की	२०	४८	६	२३	३७	२१
१३	शु	४२	२	उ	३५	१५	ऐं	४०	२०	ग	१४	५८	२	२४	३६	२२
१४	श	३६	४७	ह	३१	१४	वै	३३	३	वि	६	२४	२७	२४	३६	२३
१५	र	३२	२४	चि	२८	५२	वि	२६	१८	च	४	३५	५४	२५	३५	२४

२५ आ.शु..४ मं.इ. २७।३६ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	२	६	१०	१	५
१९	२	१२	७	२३	१८	१४	११
४६	२९	२७	१०	४८	४२	१६	१७
५५	३६	१४	५२	५०	४७	८	४१
५८	४२	०	४	६९	४	३	५९
५३	१३	३३	८	११	ब	११	०

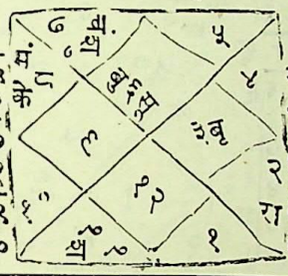

इस मास का फल मध्यम है प्रजा में रोग भय रहे रुई में घटा २ बढ़ी सोना चांदी रा तेज अनाज गल्ला के तेज भाव रहें।

गोचरग्रहाः २६ आ.शु १० मं.इ २७।२६

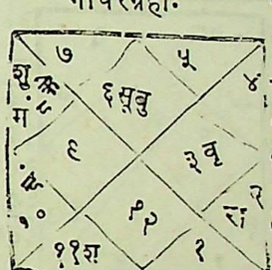

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	२	७	१०	१	५
१९	७	२४	७	१	१८	१३	१८
४०	३३	२४	२४	५३	१६	५३	११
८	४७	५९	२७	१३	३०	५२	२८
५९	४२	०	२	६८	४	३	५९
९	४६	३४	५२	१९	ब	११	६

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः शरहतूरविर्दक्षिणेऽश्विनकृ. महाराष्ट्राः

स्वात्यांबुधः ४७।३२ [=बुधः १।११
भ.१।५२उ.३०/४७या च.ब्र.
[×राष्ट्रीयकार्तिक
[*१राहुः अनु.३केतुः ५/३
भ.३०/१९उ४/५७या.दृश्यस्तुलार्कः ५/२५रोहि*
तुलायामर्कः सौरः २१/५६ पश्चिमोदयी=
ज्येष्ठा.शुक्रः २३/६ज्येष्ठा.भौमश्च १०।२२
भ.३२।४२उ.५६.१५१या.
प्रारम्भः
वक्रीगुरुः १६।२५ रमा ११ब्र.स्मा.
विशाखा.बुधः १५।४४ रमा ११ब्र.वै.
भ.४२।२उ.प्रदोषब्र.धन ३
भ.२४/६याहृश्यः स्वा.रविः ३२/६७रूप १४×
स्वात्यांरविः सौरः ५/३४महालक्ष्मीपूजनम्

२७ पं.का.कृ.२ मं.इ २७।१५ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	२	७	१०	१	५
२५	१२	६	७	९	१७	१३	२५
२५	३३	५	४९	५५	५२	३१	७
६	०	५६	४१	३०	१९	२६	१०
५९	४३	०	१	६७	९	३	५९
२१	७	४४	२६	१९	ब	११	३१

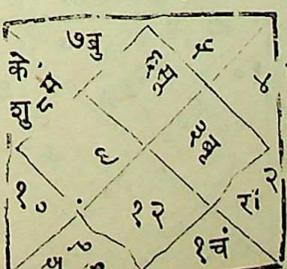

कार्तिक कृष्णे ७ रवौ तुलायामर्कः प्र. वा. ४ न.५ कुमार्यावस्था (बैठो) मु. ४५ धन्यादि भावे समर्धता शुक्रोदयप.

गोचरग्रहाः २८ का.कृ ९ मं.इ २७।५

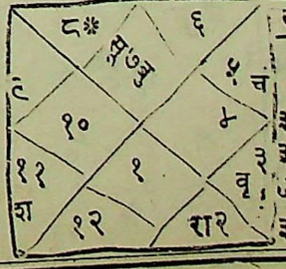

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	२	७	१	१	६
२	१७	१७	७	१७	१७	१३	२
३१	३५	३	५४	५०	३२	९	४
३	३४	४९	३६	४०	२४	५३	२२	४०
५९	४३	९७	०	६६	२	३	५९
३४	३९	२५	१०	१२	९	११	३६

८* के मं शु

CC-0. Gurukul Kangri Vishwavidyalaya Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिकशुक्लपक्षः सं० २०२२ शाकः १८८७	दि	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२२१स. १९६५
१	चं २९ २५ स्वा २६ १७	प्री २० ३५	ब २९ २५	२७ ५०	६ २६	५४ ३४	२५ ३	२९	तुलायां चन्द्रदर्शनम् अन्नकूटः गोवर्द्धनपूजा
२	मं २८ २	वि २७ २३	आ १६ ४	को २८ २	४६	२७ ३३	२६ ४	१	वृ. १२।५ भ्रातृ २ यम २ रज्जब ७
३	बु २८ २९	अ २९ २	सौ १३ १६	ग २८ २९	४२	२८ ३२	२७ ५	२	वृश्चिके भ. ५९।३८ उ.
४	गु ३० ४८	ज्ये ३२ १६	शो ११ ३	वि २८ ४८	३९	२८ ३२	२८ ६	३	ध. ३२।१६ भ. २९।४८ या. वृश्चिके बुधः ८।७
५	शु ३४ ३८	मू ३७ १७	अ ९ ५८	ब २ ४३	३५	२९ ३१	२९ ७	४	धनुषि
६	श ३९ ५८	पू ४३ ५३	सु ११ १३	कौ ७ १८	३१	३० ३०	३० ८	५	धनुषि अनु बुधः ३६।३ मूलेधनुषिशुक्रः २४।२०
७	र ४५ ५६	उ ५० ५८	धृ १२ ४४	ग १२ ४७	२७	३१ २९	३१ ९	६	म. ०।३९ भ. ४५।५६ उ.
८	चं ५२ २१	श्र ५८ २५	शू १४ ५१	वि १९ ८	२४	३१ २९	१ १०	७	मकरे भ. १९ या. गोपाष्टमी नवम्बरमा. ११ता. ३०
९	मं ५८ ४०	ध ६० ०	गं १७ १०	बा २५ ३१	२०	३२ २८	२ ११	८	कू. ३२।१३ कूष्मांड ९ अक्षय ९
१०	बु ६० ०	ध ५ ५१	वृ १९ १४	तै ३१ २५	१६	३३ २७	३ १२	९	कुम्भे
११	गु ४ ९	श १२ ३६	ध्रु २० ४२	ग ४ ९	१२	३३ २७	४ १३	१०	कुम्भे भ. ३९ उ. प्रबोधिनी ११ ब्रस्मा तुलसीविवाहः
११	शु ८ २६	पू १८ २	व्या २१ ११	वि ८ २६	९	३४ २६	५ १४	११	मी १।४० भ २९ या. दृश्योविशा. रविः ५९ मूले *
१२	श १० ५२	उ २२ ३	ह २० ३५	बा १० ५२	६	३५ २५	६ १५	१२	मीने विशाखायांरविःसौर २०।२३ प्रदोषव्रतम्
१३	र ११ ५१	रे २४ १७	व १८ ३७	तै ११ ५१	२	३६ २४	७ १६	१३	मे. २४।१७ बैकुंठ १४ [*धनुषिभौम १५ प्रबोधिनी ११ वै
१४	चं ११ ५	अ २४ ५३	सि १५ २३	व ११ ५	२५ ९	३६ २४	८ १७	१४	मेषे भ. ११।५ उ. ३९।५७ या.
१५	मं ८ ४९	भ २४ ३	व्य १० ४१	ब ८ ४९	५६	३७ २३	९ १८	१५	वृ. ३८।३३ ज्येष्ठा. बुधः ५८।१७ मन्वादिः

२९ पं.का.शु २ मं.इ. २६।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	२	७	१०	१	६
९	२२	२७	७	२५	१७	१२	९
२९	४२	३०	५०	३९	१७	४४	४
४९	२९	१८	३८	१४	१३	५	०
५९	४२	८८	१०	६४	५५	३	६०
४७	५६	४४	ब	३४	ब	११	२

३० पं.का.शु. ९ मं.इ. २६।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र	शु
६	७	७	२	८	१०	१	६	९
१६	२७	७	७	३	१७	१२	१६	
२९	५३	९	३५	११	६	२४	५	
३८	६	३६	५३	६	७	५०	४	
६०	४४	८०	३५	६२	३९	३	६०	
४	१३	४३	ब	५२	ब	११	१८	

३१ पं.का.श. १५ मं.इ २६।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	२	८	१०	१	६
२३	३	१५	७	१०	१७	१२	२३
३०	५	५९	१२	३६	०	२	७
५८	४९	९	१४	१८	१८	३४	४२
६०	४४	७७	५३	६०	२७	३	६०
१७	३२	१३	ब्र	४१	ब	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०२२ शाकः १८८७	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृ. महाराष्ट्राः
१	बु ५ २०	कृ २२ ३	व १४ ५४	को ५ २०	२६ ५३	६ ३७	५ २३	१० १९	१६ वृषे
२	गु ० ५७	रो १९ १४	शि ५१ ५४	ग ० ५७	४९	३८ २२	११ २०	१७	मि. ४७।३१
३	गु ५४ ४१	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	० ०	० ०	० ०	०
४	शु ५० ११	मृ १५ ४८	सि ४४ ४०	ब २२ ५४	४६	३९ २१	१२ २१	१८	मिथुने पूषायां शुक्रः ८।२१ च. ब्र.
५	श ४४ ४५	आ १२ ११	सा ३७ ३	को १७ २८	४३	३९ २१	१३ २२	१९	क. ५४।२३ मार्गी शनिः ३८।१८
६	र ३९ २७	पु ८ २८	शु २८ ४१	ग १२ ६	४०	४० २०	१४ २३	२०	कर्के भ २९।२७ उ. [*पातस्पर्शः ५५।२०
७	चं ३४ १३	पु ४ ५१	शु २२ १६	वि ६ ५०	३७	४१ १९	१५ २४	२१	कर्के भ. ६।५० या. दृश्योबृश्चिकेऽर्कः ५२।४८ *
८	मं २९ ९	श्ले २४ १	व्र १५ ५६	बा १ ४१	३४	४१ १९	१६ २५	२२	सिं. १।२४ वृश्चिकेऽर्कः सौरः १४।४० वक्रीमृग ४ गुरुः +
९	बु २४ २१	पू ५५ १८	ऐं ८ ३	ग २४ २१	३१	४२ १८	१७ २६	२३	सिंहे भ. ५२।७ उ. [+ २५।६ पातमोक्षः ९।८
१०	गु १९ ५४	उ ५२ ४८	वै ११ ५३	वि १९ ५४	२९	४२ १८	१८ २७	२४	कं. ९।४० भ. १९।५४ या.
११	शु १५ ५०	ह ५० ४२	प्री ४८ ४०	बा १५ ५०	२६	४३ १७	१९ २८	२५	कन्यायां दृश्योऽनुराधारविः ११ सौरः ३२ उत्पत्ति ११ ब्र
१२	श १२ २८	चि ४९ १४	आ ४३ ९	तै १२ २८	२४	४३ १७	२० २९	२६	तु. १९।५८ प्रदोष व्रत
१३	र ९ ४०	स्वा ४८ २७	सौ ३८ ११	च ९ ४०	२१	४४ १६	२१ ३०	२७	तुलायां भ. ९।४० उ. ३८।४५ या.
१४	चं ७ ५०	वि ४९ ९	शो ३४ ३	श ७ ५०	१९	४४ १६	२२ १	२८	वृ. ३३।५८ वक्रीबुधः ४३ पूषायां भौमः ५७ राष्ट्रीय *
३०	मं ७ २४	अ ५० ४७	अ ३१ २	ना ७ २४	१६	४५ १५	२३ २	२९	वृश्चिके सूर्यग्रहणम् *मार्गशीर्षारम्भः

३२ पं.मा.कृ८ मं.इ. २६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	८	१०	१	७
०	८	२२	६	१७	१६	११	०
३३	२२	५८	३९	४६	५९	४०	११
४७	५२	४	५४	४४	४२	१८	४६
१०	४४	४४	२	५७	१८	३	६०
३०	४८	३८	ब	५८	म	११	४०

गोचरग्रहाः

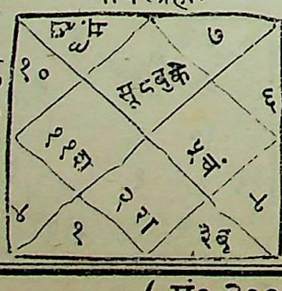

मार्गशीर्षकृ. ८ भौमे-वृश्चिऽर्कः प्र.वा. ३ १न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्य भावसम) शुक्रोदयं पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

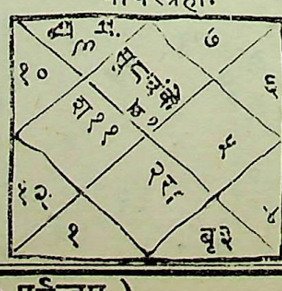

३३ पं.मा.कृ १३ मं.इ २६।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	८	१०	१	७
७	१३	२५	५	२४	१७	११	७
३७	४१	४४	५८	३१	४	१८	१७
३७	३८	३१	१९	५२	३४	३	१९
६०	४५	५३	१६	५४	१	३	६०
४२	४	ब	ब	३१	७	११	५३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०२२शाकः१८८७	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४२५१ स१९६५
१	बु ८ ८ ज्ये ५४ ४८ सु २९ १९ ब ८ ८	२३/१३	४५	१५	२४	३	३०	ध.५४।८	
२	गु १० ३८ मू ५८ ४० धृ २८ १२ कौ १० ३८	११	४६	१४	२५	४	३१	धनुषि	उषायां शुक्रः ४७।६ चन्द्रदर्शनम्
३	शु १४ १९ पू ६० ० शू २८ ३१ ग १४ १९	८	४६	१४	२६	५	१	धनुषि	भ. ४७।० उ. सावान ८
४	श १९ ४० पू ४ ४१ गं २९ २८ वि १९ ४०	६	४७	१३	२७	६	२	म.२१।२२	भ.१९।४०या.पश्चिमास्तौ बुधः३७।४३
५	र २५ ३३ उ ११ २५ बृ ३१ १८ वा २५ ३३	३	४७	१३	२८	७	३	मकरे	पातस्पर्शः ५.५।३
६	चं ३२ १ अ १८ ५६ धु ३३ ४७ ते ३२ १	१	४८	१२	२९	८	४	कु.५.२।४३	मकरेशुक्रः १/५३ चंपा६ पातमोक्षः १५।३२
७	मं ३८ २५ श्र २६ ३० व्या ३६ ५७ ग ५ १३	३५/५६	४८	१२	३०	९	५	कुम्भे	भ. ३८।२५ उ.
८	बु ४४ २३ श ३३ ५१ ह ३८ ० वि ११ २४	५७	४९	११	१	१०	६	कुम्भे	भ.११।२४या.दिसम्बर१२ता.३१
९	गु ४९ ११ पू ४० १ व ३९ ३ वा १६ ४७	५५	४९	११	२	११	७	मी२३।२९	इंद्र्योज्येष्ठा,रविः२१।२२ (सौरः३/९)
१०	शु ५.२ २४ उ ४४ ५३ सि ३९ १० ते २० ४७	५३	४९	११	३	१२	८	मीने	वक्री अनु बुधः १२।२२
११	श ५३ ४८ रे ४७ ५८ व्य ३८ १ च २३ ६	५१	५०	१०	४	१३	९	मे.४७।५८	भ.२३/६ उ.५/४३ या.मोक्षदा११ब्र.गीताज.
१२	र ५३ १७ अ ४९ १६ व ३५ १२ ब २३ २३	४९	५०	१०	५	१४	१०	मेषे	मोक्षदा ११ ब्र. नि.
१३	चं ५० ५४ भ ४८ ३७ प ३० ५१ कौ २२ ५	४८	५०	१०	६	१५	११	मेषे	*५७।४८ दत्त जयंती
१४	मं ४६ ३७ कृ ४६ ११ शि २५ ७ ग १८ ४५	४६	५१	९	७	१६	१२	वृ.३।०	भ. ४६।३७ उ.
१५	बु ४१ ५ रो ४२ २१ सि १८ ७ वि १३ ५१	४५	५१	९	८	१७	१३	वृषे	भ. १३।५१ या. पूर्वोदयी बुधः*

३४पं.मा.शु.७मं.इ. २५/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	९	१०	१	७
१४	१९	२०	५	१	१७	१०	१४
४२	३	४५	११	०	१३	५५	२४
५४	४३	०	१०	५४	५६	४७	५
६०	४५	६/८	५/६	५०	१	३	६१
५०	१९	ब	ब	६	४८	११	३

गोचरग्रहाः

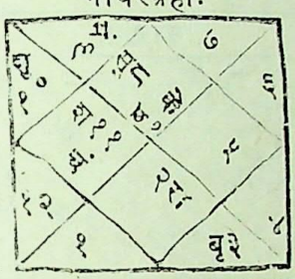

इस मास में ५ बुधवार हैं रस पदार्थ तेज रहै धान्यादि वस्तुओं व रुई में मंदीहो चांदी में घटाबढ़ी

गोचरग्रहाः

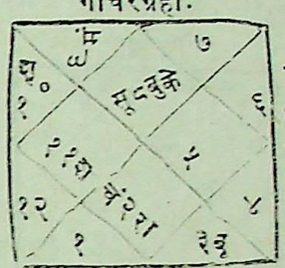

३५पं.मा.शु.१४मं.इ.३५/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	९	१०	१	७
२१	२४	१२	४	६	१७	१०	२१
४८	२६	९	१८	५४	२८	३३	३१
५८	४६	४०	२५	७	१६	३२	५२
६०	४५	६/८	७/३५	४४	२	३	६१
५६	३४	ब्र	ब	३२	२९	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं.२०२२ शाकः १८८७	दि.	उ.	अ. इं.	रा.	मु.	चंद्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग. कृ. महाराष्ट्राः
१	गु ३४ १४ मृ ३७ २५ सा १० ७ वा ७ ४०	२५/४४	५१/९	५/९	९	१८	१४	मिथु।५३	
२	शु २७ १४ आ ३२ ३ शु २३/१ ५०/५८ ग २७ १४	४२	५२	८	१०	१९	१५	मिथुने	भ. ४८।३५ उ. उषायां भौमः २१।७
३	श १९ ५६ पु २६ ३५ ब्र ४३ २४ वि १९ ५६	४३	५२	८	११	२०	१६	क.१२।५८	भ.५/९या.श्र.शु.५/९च.ब्र.पा.स्प.५७।८
४	र १२ ४८ पु २१ १३ ऐं ३४ २८ वा १२ ४८	४०	५२	८	१२	२१	१७	कर्के	पातमोक्षः १७।२८
५	चं ६ १२ श्ले १६ २० वै २६ ८ ते ६ १२	३९	५२	८	१३	२२	१८	सिं१६।२०	मार्गी बुधः ११।८
६	मं ० ११ म १२ ३३ वि १८ २४ व ० ११	३८	५२	८	१४	२३	१९	सिंहे	भ.१९/९ उ.३७/४१ या.मकरेभौमः ३५/४ वक्री*
७	मं ५५ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	*मृगे.३ गुरुः ३५।१६
८	बु ५० ५८ पू ६ १२ मी ११ १८ वा २३ ५	३८	५२	८	१५	२४	२०	क.२३।३६	इंद्र्योमूलेधनु.२८।३४(सौरः४३।१२)
९	गु ४७ ३५ उ ६ ४८ आ ५१/९ २२/४४ ते १९ १६	३७	५३	७	१६	२५	२१	कन्यायां	+राहुः अनु. २ केतुः ५७।५०
१०	शु ४५ १५ ह ५ २० शो ५४ २२ व १६ २५	३७	५३	७	१७	२६	२२	तु. ३५।८	भ. १६।२५ उ. ४५।१५ या. कृति.४+
११	श ४३ ५६ चि ४ ५६ अ ५० २० ब १४ ३५	३७	५३	७	१८	२७	२३	तुलायां	सफला ११ ब्र.
१२	र ४२ ३५ स्वा ५ १७ सु ४७ ११ कौ १३ ४६	३६	५३	७	१९	२८	२४	वृ.५१।३७	
१३	चं ४४ २५ वि ७ ३ धृ ४४ ४३ ग १४ ०	३६	५३	७	२०	२९	२५	बृश्चिके	भ. ४४।२५ उ. प्रदोषः
१४	मं ४६ १२ अ ९ २० शू ४३ २० वि १५ १८	३६	५३	७	२१	३०	२६	बृश्चिके	भ. १५।१८ या.
३०	बु ४९ २० ज्ये १३ १० गं ४२ ४८ च १७ ४६	३६	५३	७	२२	१	२७	ध.१३।१०	ज्येष्ठा.बुधः५८।३ राष्ट्रीय पौषारम्भः

३६ पं.पौ.कृ.६मं.इ. २५/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	९	१०	१	७
२८	२९	९	३	१२	१७	१०	२८
५५	५२	२९	२१	०	४८	११	४०
५२	३४	१३	१८	४०	४	१६	३५
६१	४५	१५/९	७/५२	३७	३	३	६१
०	४४	मा	बु	१	११	११	१९

गोचरग्रहाः

पौष कृ. ८ बुधे धनुष्यर्कः प्र. वा. २न.३ गतालका वस्था ऊभी) मु. ४५ धान्य भाव समता शु. पू.

गोचरग्रहाः

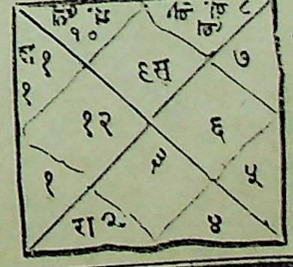

३७पं.पौ.कृ.१४मं.इ.२५/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	२	९	१०	१	८
६	५	१५	२	१६	१८	९	५
३	२१	१३	२५	११	१२	४९	५०
२९	४	३४	१	१३	२२	०	०
६१	४५	५५	५/३	२७	३	३	६१
४	४९	५६	बु	३५	५२	११	२२

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| पौष शुक्लपक्षः सं०२०२२ शाकः १८८७|दि.| उ.|अ.| इ.|रा.|मु.| चंद्र : |शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४२८०सन्१९६५

१	गु	५३	३०	मू	१७	५९	बृ	४२	५६	किं	२१	२५	२५ ३६	६ ५३	५ ७	२३	२	२८	धनुषि
२	शु	५८	५०	पू	२३	५३	ध्रु	४४	१२	बा	२६	१०	३७	५३	७	२४	३	२९	म.४०।३२
३	श	६०	०	उ	३०	२९	व्या	४५	३३	तै	३१	५१	३७	५३	७	२५	४	१	मकरे
३	र	४	५३	श्र	३७	५८	ह	४७	४०	ग	४	५३	३७	५३	७	२६	५	२	मकरे
४	चं	११	१६	ध	४५	२२	व	४९	३४	वि	११	१६	३८	५२	८	२७	६	३	कु.११।४४
५	मं	१७	५४	श	५३	१८	सि	५२	२२	बा	१७	५४	३८	५२	८	२८	७	४	कुम्भे
६	बु	२४	१४	पू	६०	०	व्य	५४	२३	तै	२४	१४	३९	५२	८	२९	८	५	मी४३।२९
७	गु	२९	३७	पू	०	१२	व	५५	१०	व	२९	३७	४०	५२	८	३०	९	६	मीने
८	शु	३३	५०	उ	६	२	प	५५	१२	वि	१	४३	४०	५२	८	३१	१०	७	मीने
९	श	३६	१४	रे	१०	४२	शि	५३	३३	बा	५	२	४१	५२	८	१	११	८	मे.१०।४२
१०	र	३६	४२	अ	१३	१८	सि	५०	३२	तै	६	२८	४२	५२	८	२	१२	९	मेषे
११	चं	३५	११	भ	१३	४८	सा	४५	४५	व	५	५७	४३	५१	९	३	१३	१०	बृ.२८।२७
१२	मं	३१	२३	कृ	१२	२५	शु	३९	२२	ब	३	१७	४४	५१	९	४	१४	११	वृषे
१३	ब	२५	५७	रो	९	१३	शु	३१	३४	तै	२५	५७	४६	५१	९	५	१५	१२	मि३६।३९
१४	गु	१८	४३	मृ	४ ६	५३ ५०	ब्र	२२	२४	व	१८	४३	४७	५१	९	६	१६	१३	मिथुने
१५	शु	१०	३४	पु	५१	८ ऐं	१२	३८	ब	१०	३४	४९	५०	१०	७	१७	१४	क.३७।५०	

चन्द्रदर्शनम्
रमजान ९
भ. ३८।५ उ.
भ.११।१६या.श्रवणे भौमः १९।५८
दृश्यः पूषायां रविः ३३/३० सौरः४४।५०

भ. २९।३७ या.
भ. १।४३ या.
जनवरी मा. १ ता. ३१ स.१९६६
*बुधः ९।४३ पुत्रदा ११ब्र.
भ.५।५७उ. ३५।११या मूले धनुषि*
वक्री शुक्रः ३३।१६
प्रदोषः
भ. १८।४३उ. ४४।३८ या.
माघ. स्ना. प्रा.

३८पं.पौ.शु.५मं.इ.२५/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	२	९	१०	१	८
१३	१०	२२	१	१९	१८	९	१२
११	४९	२२	२८	३	४१	२६	५९
२१	५९	३७	३४	२५	६	४५	५२
१	४५	७५	७	१५	४	३	६१
६	५९	५	३८	१८	३१	११	२६

गोचरग्रहाः

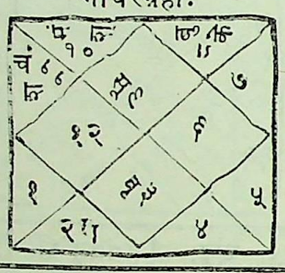

इस मास का फल श्रेष्ठ है। धान्यादिमें मंदी सुदीमें शुक्र को चंद्रदर्शनसे सोना चांदी रुई तेज

गोचरग्रहाः

३९पं.पौ.शु.१२मं इ.२५/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	२	९	१०	१	८
२०	१६	१	०	२०	१९	९	२०
१९	१९	४७	३५	२२	१३	४	९
२६	५५	३८	४२	१	५	२९	४९
६१	४६	८५	७	०	४	३	६१
६	५	४३	ब्र	१९	५९	११	२६

ति.| माघ कृष्ण पक्षः सं.२०२२ शाकः १८८७ |दि.| उ.|अ.| इ.| रा.| मु.| चन्द्रः |शिशिरर्तू रविरुत्तरेपौषकृष्णेतिमहाराष्ट्रा

१	श	१	४६	पु	४४	७	वै	२ १८	४६ ३५	कौ	१	४६	२५ ५१	५०	७०	८	१८	१५	कर्के
२	श	५१	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	र	४४	१६	श्ले	३७	११	प्री	४१	४७	व	१८	३७	५२	५०	१०	९	१९	१६	सिं३७।११
४	चं	३६	२७	म	३१	१	आ	३२	१९	ब	१०	२१	५४	४९	११	१०	२०	१७	सिंहे
५	मं	२९	३६	पू	२५	५८	सौ	२३	२०	तै	२९	३६	५६	४९	११	११	२१	१८	क.४०।४
६	बु	२४	१७	उ	२२	२२	शो	१५	४७	व	२४	१७	५८	४८	१२	१२	२२	१९	कन्यायां
७	गु	२०	१२	ह	१९	५६	अ	९	१९	ब	२०	१२	२९ १	४८	१२	१३	२३	२०	तु.४९।२९
८	शु	१७	४८	चि	१९	३	सु	३ ५८	५५ ५६	कौ	१७	४८	३	४७	१३	१४	२४	२१	तुलायां
९	श	१७	८	स्वा	१९	३४	शु	५६	४९	ग	१७	८	५	४७	१३	१५	२५	२२	तुलायाँ
१०	र	१७	११	वि	२१	३१	गं	५४	५९	वि	१७	११	८	४६	१४	१६	२६	२३	वृ.६।२
११	चं	१८	४६	अ	२४	४७	बृ	५४	००	बा	१८	४६	१०	४६	१४	१७	२७	२४	वृश्चिके
१२	मं	२१	३२	ज्ये	२९	४	ध्रु	५४	१६	तै	२१	३२	१२	४६	१४	१८	२८	२५	ध.१९।४
१३	बु	२५	३९	मू	३४	४०	व्या	५४	४०	व	२५	३९	१५	४५	१५	१९	२९	२६	धनुषि
१४	गु	३०	१२	पू	४०	५२	ह	५६	४	श	३०	१२	१७	४५	१५	२०	३०	२७	म.५७।३५
३०	शु	३६	३३	उ	४७	४२	व	५८	१५	च	३	२२	२०	४४	१६	२१	१	२८	मकरे

*मृग. २ गुरुः २७।३८
भ. १८।३७उ. ४४।१६ या. वक्री*
द.उषा.रविः३८।१४ सौरः४६।१७च.ब्र
÷भौमः२१।४९ पूभा.१२शनिः २५।४
भ.२४।१७उ.५२।१५या.पूषा.बु.३१।५३
दृश्यः मकरेऽर्कः ५४।३८ धनिष्ठा.÷
मकरेऽर्कः सौरः १।४२
भ. ४७।१० उ.
भ.१७।११या. पूर्वास्तो बुधः २६।२३
षट्तिला ११ ब्र.
प्रदोषः +उषायां बुधः ४८।३८
भ. २५।३९ उ. ५७।५५ या.
दृश्योऽभि प्र.रविः२७।२३ सौरः ३३।४+
कुम्भेभौमः५०।२५ राष्ट्रीय माघारम्भः

४०पं.मा.कृ.५मं.इ.२५/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१	९	१०	१	८
२७	२१	११	२९	१९	१९	८	२७
२७	५०	३७	४७	३९	४९	४२	१९
४०	२०	१९	४६	४	८	१४	४१
६१	४६	९२	५५ ५६	५५ ५९	५	३	६१
६	५	१२	ब	ब	२६	११	२४

गोचरग्रहाः

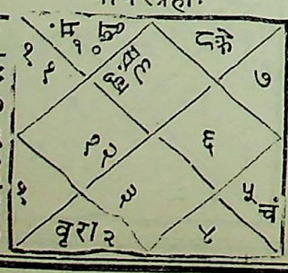

मा. कृष्णा ७ गुरौ मकरेऽर्कः प्र. वा. २ न. ३ गता त्कावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शु.प.

गोचरग्रहाः

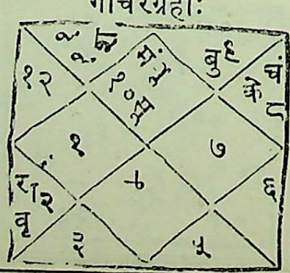

४१पं.मा.कृ.१२मं.इ.२५/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	१	९	१०	१	९
४	२७	२२	२९	१६	२०	८	४
३५	२२	४७	७	५३	२९	१९	२९
३१	१	१०	५	४६	१३	५८	१०
६१	४६	९७	५ ७	२० ३४	५	३	६१
३	९	१७	ब	ब	५४	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | माघ शुक्लपक्षः सं.२०२२ शाकः १८८७ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४३१०स१९६६

१	श	४२	१७	श्र	५४	५७	सि	५६	५६	क	६	२५	२६/२२	६/४४	५६/१६	२२	२	२६	मकरे
२	र	४८	३८	ध	६०	०	व्य	६०	०	बा	१५	२७	२५	४३	१७	२३	३	३०	कु.२८।४५
३	चं	५५	२०	ध	२	३३	व्य	२	१०	तै	२१	५६	२७	४३	१७	२४	४	१	कुम्भे
४	मं	६०	०	श	१०	८	व	४	२४	व	२८	२०	३०	४२	१८	२५	५	२	कुम्भे
४	बु	१	४०	पू	१७	३५	प	६	१७	वि	१	४०	३३	४१	१६	२६	६	३	मी०।४३
५	गु	७	१७	उ	२३	५६	शि	७	५७	बा	७	१७	३६	४१	१६	२७	७	४	मीने
६	शु	११	५७	रे	२६	३३	सि	८	५०	तै	११	५७	३६	४०	२०	२८	८	५	मे.२६।३३
७	श	१५	१३	अ	३३	४१	सा	८	२७	व	१५	१३	४२	४०	२०	२९	९	६	मेषे
८	र	१६	५२	भ	३४	५२	शु	६	४९	ब	१६	५२	४६	३९	२१	३०	१०	७	वृ.५०।१४
९	चं	१६	४१	कृ	३६	१९	शु	३/३	५५/२७	को	१६	४१	४९	२८	२२	३१	११	८	वृषे
१०	मं	१४	२०	रा	३४	५२	ऐं	५२	३३	ग	१४	२०	५२	३८	२२	१	१२	९	वृषे
११	बु	१०	१८	मृ	३१	२०	वै	४४	४१	वि	१०	१८	५५	३७	२३	२	१३	१०	मि.३।६
१२	गु	३	५८	आ	२६	७	वि	३५	३०	बा	३	५८	५९	३६	२४	३	१४	११	मिथुने
१३	गु	५२	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	शु	४७	२३	पु	१९	२९	प्री	२५	१५	ग	२१	५०	२७/२	३६	२४	४	१५	१२	क.६।९
१५	श	३७	३८	पु	११	५२	आ	१४	३०	वि	१२	३५	६	३५	२५	५	१६	१३	कर्के

[£पूर्वस्याम् १९।४८
दृश्यः श्रवणेरविः ४/४ ३/१ (सौरः ४/१ ९/१) मकरे*
अभि.नि.रविः ४/१ ११/७ (दृश्यः ३/१ ६/५) शुक्रास्तः×
भ. २/३० उ. [×प. २५/१२ सव्वाल १०
भ.१।४०या. [*बुधः ४/३ चंद्रद. शु.अ. वसन्त ५ प.
[¿(सौरः५४।५२)
भ. १/१५ उ. ४/६ या.श्रवणे बुधः १/९ शु.£
शते भौमः ३/९ भीष्माष्टमी+ शु.उ.
वक्री उषायां शुक्रः ३।१३ पू.
भ.४२।१९उ.फरवरी मा.२ ता.२८
भ. १०।१८ या. जया ११ व्र.
प्रदोषः
[+पातस्पर्शः ३/९ पातमोक्ष५४।८
भ. ४७।२३ उ.
भ.१/३५या. दृश्यो धनिष्ठा. रविः ५/३¿

४२पं.मा.शु.४म.इ.२५/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१	९	१०	१	९
११	३	३	२८	१३	२१	७	११
४२	५३	५५	३३	१५	११	५७	३८
५८	३८	५९	५४	११	३१	४२	१
६०	४६	०/५३	५५/३५	५७/३५	६	३	६१
२९	९	ब्र	ब	ब	१८	११	१३

गोचरग्रहाः

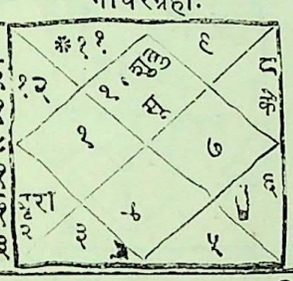

इस मासमें धान्य जौ गेहु चावल मूंग बाजराज्वार में मंदी होकर सुदीमें तेजी होगी। चांदी सोना तेज वर्षा होगी ।

गोचरग्रहाः

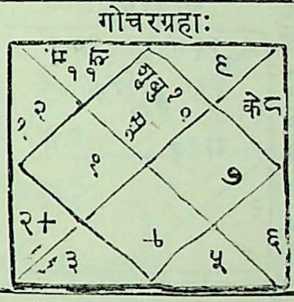

४३पं.मा.शु.१०म.इ.२५/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१	९	१०	१	९
१८	८	१५	२८	९	२१	७	१८
४९	२४	२९	१०	१६	५७	३५	४६
२६	१०	३१	१६	१	०/२	२७	२
६०	४६	७/०	२/३८	३२/१३	६	३	६१
५५	३	५/१२	ब्र	ब	३२	११	४

ति. | फाल्गुन कृष्णपक्षः सं.२०२२ शाकः १८८७ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेमाघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	र	२७	५९	श्ले	५९/३	५२/५१	सो	४९/२१	०/३	को	२७	५९	२९/३	६/४	५/२६	६	१७	१४	सिं.३।५९
२	चं	१८	३१	पू	४९	११	अ	४१	४८	ग	१८	३१	१३	३३	२७	७	१८	१५	सिंहे
३	मं	९	४७	उ	४३	१३	सु	३२	२०	वि	९	४७	१६	३३	२७	८	१९	१६	क.२।४२
४	बु	२	१८	ह	३९	१२	धृ	२४	९	बा	२	१८	२०	३२	२८	९	२०	१७	कन्या
५	बु	५४	१८	०	०	०	०	०	०,	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	गु	५२	४५	चि	३६	११	शू	१७	६	ग	२४	४०	२४	३१	२९	१०	२१	१८	तु.७।४२
७	शु	५०	३८	स्वा	३५	२०	गं	११	४८	वि	२१	४२	२७	३१	२९	११	२२	१९	तुलायां
८	श	५०	३५	वि	३६	२९	तृ	७	४७	बा	२०	३७	३१	३०	३०	१२	२३	२०	बृ.२१।१२
९	र	५२	१७	अ	३९	२८	धु	५	३५	तै	२१	२६	३५	२९	३१	१३	२४	२१	बृश्चिके
१०	चं	५५	१९	ज्ये	४३	४७	व्या	४	२६	व	२३	४८	३८	२८	३२	१४	२५	२२	ध.४३।४७
११	मं	५९	४७	मू	४९	२७	ह	४	४६	ब	२७	३३	४२	२८	३२	१५	२६	२३	धनुषि
१२	बु	६०	०	पू	५५	५४	व	५	२९	को	३२	२६	४६	२७	३३	१६	२७	२४	धनुषि
१२	गु	५	५	उ	६०	०	सिं	७	११	तै	५	५	५०	२६	३४	१७	२८	२५	म.१२।४४
१३	शु	११	२३	उ	३	१२	व्य	९	५	व	११	२३	५४	२५	३५	१८	२९	२६	मकरे
१४	श	१७	४०	श्र	१०	३३	व	११	२१	श	१७	४०	५८	२४	३६	१९	३०	२७	कु.४४।१९
३०	र	२४	३	ध	१८	५	प	१३	४२	ना	२४	३	२९/२	२४	३६	२०	१	२८	कुम्भे

धनिष्ठा.बुधः१।७ [*भौमः४।३१
भ. ४४।९उ. [=महाशिवरात्री व्र.वै.
भ.९।४७या.च.व्र.
कुम्भे बुधः ४/१९
[÷१केतुः ५/४१ महाशिवरात्रीव्र. स्मा.
भ.५२।४५उ.
भ.२१।४१या.
दृश्यःकुम्भेऽर्कः ३७/२२ (सौरः२८।४९)
शतेबुधः २३/१४ पूभा. २शनिः ३५/१ अस्तो*
भ.२३/४८उ.५५/१९ या. मार्गी गुरुः२६।१९
विजया११व्र. स्मा.
मार्गीशुक्रः ५/२५ पूभायांभौमः १/३० विजया+
प्रदोषः [+११ व्र. वै.
भ २१/२३उ.४४/३१या.कृत्तिका.३राहुःअनु. ÷
दृश्यःशते रविः३।४३ (सौरः४।११)≡
पू.भा.यां बुधः ३/५ २/१ राष्ट्रीय फाल्गुनारंभः

४४पं.फा.कृ.३म.इ.२५।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१	९	१०	१	९
२५	१३	२७	२७	६	२२	७	२५
५५	५४	४३	५५	९	४३	१३	५२
१६	५४	१६	१९	३६	४१	११	४९
६०	४६	०/१३	०/४२	६	३	६०	२
४७	३	२९	ब्र	ब	४९	११	५५

गोचरग्रहाः

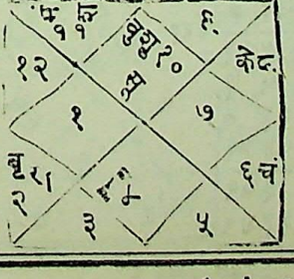

फाल्गुन कृष्णे ८ शनौ कुम्भेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ गतालकावस्था (ऊभी)मु.४५घा-न्यादि भाव सम-र्घता शुक्रोदयःपू.

गोचरग्रहाः

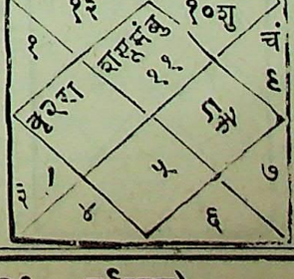

४५पं.फा.कृ.११मं.इ.२५/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१	९	१०	१	१०
३	१९	१०	२७	४	२३	६	२
०	२५	२६	५१	५७	३२	५०	५८
४	३७	२८	४	७	५८	५६	५२
६०	४५	२९/२	०/१२	३/१०	७	३	६०
३७	५८	२	मा	ब	२	११	४२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०२२ शाकः १८८७	दि	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१ चं	३०	२५	श २५	३३	शि १५	४८	व ३०	२५	२६	२३	५७	२१	२	२६	कुम्भे
२ मं	३६	२२	पू ३२	४५	सि १७	४७	ब ३	२३	१०	२२	३८	२२	३	३०	मी १५।५७
३ बु	४१	३५	उ ३६	१०	सा १६	१८	ते ८	५८	१४	२१	३६	२३	४	१	मीने
४ गु	४५	५०	रे ४४	४५	शु २०	३	व १३	४२	१८	२०	४०	२४	५	२	मे. ४४।४५
५ शु	४६	३२	अ ४६	२६	शु २०	११	ब १७	४२	२२	२०	४०	२५	६	३	मेषे
६ श	५१	४१	भ ५२	५६	ब १६	३६	कौ २०	३७	२६	१६	४०	२६	७	४	मेषे
७ र	५२	२४	कृ ५४	४७	ऐं १७	३५	ग २२	०	३०	१८	४१	२७	८	५	बृ. ८।२४
८ चं	५१	२६	रा ५४	११	वै १४	२१	वि २१	५५	३४	१७	४३	२८	९	६	बृषे
९ मं	४८	३६	मृ ५३	३८	वि ९	५१	बा २०	१	३८	१६	४४	१	१०	७	मि २३।५५
१० बु	४४	१७	आ ५०	२२	प्री ३	५३ ४०	तै १६	२६	४२	१६	४४	२	११	८	मिथुने
११ गु	३८	२२	पु ४५	३८	सौ ४७	४४	व ११	१६	४६	१५	४५	३	१२	९	क. ३१।४९
१२ शु	३०	३८	पु ३९	३०	शो ३८	४	ब ४	३०	५०	१४	४६	४	१३	१०	कर्के
१३ श	२२	०	श्ले ३२	२६	अ २७	३९	तै २२	०	५४	१३	४७	५	१४	११	सि ३२। २६
१४ र	१२	२६	म २४	४१	सु १६	४२	व १२	२६	५८	१२	४८	६	१५	१२	सिहे
१५ चं	२	४२	पू १६	५७	धृ ५०	४९	ब २	४२	२९	१२	४८	७	१६	१३	क. ३०।७

वसंतर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३४०स. १९६६

अस्तः शनिः ३९।३५

पश्चिमोदयीबुधः ३।५५चंद्रद.फुलरिया २ जिलकाद ११

भ. १३।४२ उ. ४५।५० या.

मीनेबुधः ९।२८

भ. ५२।२४ उ.

भ. ३१/५ या. उभायां बुधः ४३/५ मीने भौमः*

मार्चे मा. ३ ता. ३१ [*५५/३५ होलाष्टकं

[=दहनं भद्रोत्तरं

भ. ११/१९ उ. ३८।२२ या. आमलकी ११ व्र.

दृश्यः पूभायां रविः १९/६५ (सौरः १/६५) प्रद्रोषः?

श्रवणे शुक्रः ३/५५ उभायां भौमः ९।७.

भ. १२।२६ उ. ३७।३४ या. होलिका= छारेंडी [?दृश्यः १९/४५

४६पं.फा.शु.२मं.इ.२५।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१	९	१०	१	१०
१०	२४	२३	२७	५	२४	६	१०
३	५६	२०	५६	४५	२२	२८	३
३२	२८	२०	२८	११	३०	४०	२५
६०	४५	८/९	१	३२/३१	७	३	६०
२५	५८	३१	२७	मा	१३	११	३१

गोचरग्रहाः

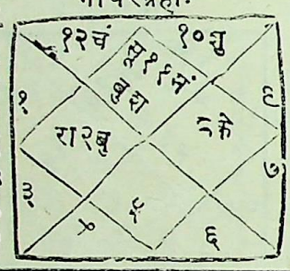

चैत्र कृ. ८ चन्द्रे मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४ गताल-कावस्था मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदय पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

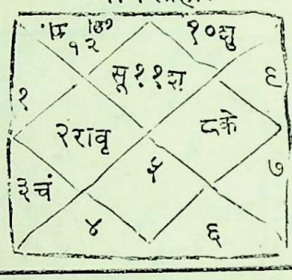

४७पं.फा.शु.९मं.इ.२६/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	१	९	१०	१	१०
१७	०	४	२८	८	२५	६	१७
५	२३	४०	११	१७	१३	६	६
४६	२८	४१	२०	६	३४	२४	१४
६०	४५	८५	२	२५	७	३	६०
१२	४७	३७	५५	४८	२०	११	२०

ति. श्रीचैत्र कृष्णपक्षः सं० २०२२ शाकः १८८७	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१ चं	५०	२३	० ०	०	० ०	०	० ०	०	०	०	०	०	०	०
२ मं	४४	२६	उ ६	३५	गं ४५	२५	तै १८	४५	२९/६	११	५/४९	८	१७	१४	कन्यायां
३ बु	३६	५६	ह २३/३	५५/२५	बृ ३६	४४	व १०	४१	१०	१०	५०	९	१८	१५	तु ३१।५
४ गु	३१	१७	स्वा ५६	६	ध्रु २९	३६	ब ४	६	१४	९	५१	१०	१९	१६	तुलायां
५ शु	२७	३३	वि ५५	१४	व्या २४	८	ते २७	३३	१९	८	५२	११	२०	१७	बृ. ४०।२७
६ श	२६	११	अ ५६	३९	ह २०	१४	व २६	११	२३	७	५३	१२	२१	१८	वृश्चिके
७ र	२६	४३	ज्ये ६०	०	व १८	१५	ब २६	४३	२७	७	५३	१३	२२	१९	वृश्चिके
८ चं	२९	१२	ज्ये ०	१७	सि १७	४७	कौ २९	१२	२२	६	५४	१४	२३	२०	ध. ०।१७
९ मं	३३	३०	मू ५	२१	व्य १८	१२	ते १	२१	३६	५	५५	१५	२४	२१	धनुषि
१० बु	३८	५४	पू ११	३४	व १९	३४	व ६	१२	४०	४	५६	१६	२५	२२	म. २८।२५
११ गु	४५	७	उ १८	५६	प २१	५३	ब १२	०	४४	३	५७	१७	२६	२३	मकरे
१२ शु	५१	२६	श्र २६	२०	शि २४	१३	कौ १८	१७	४९	२	५८	१८	२७	२४	मकरे
१३ श	५७	५९	ध ३४	१	सि २६	४४	ग २४	४२	५३	१	५९	१९	२८	२५	कु. ०।१०
१४ र	६०	०	श ४१	२७	सा २८	५४	वि ३०	५९	५७	१	५९	२०	२९	२६	कुम्भे
१४ चं	३	५९	पू ४८	२३	शु ३०	४५	श ३	५९	३०/१	६/०	६/०	२१	३०	२७	मी २१।३९
३० मं	९	२९	उ ५४	२२	शु ३१	५६	ना ९	३९	६	५५/९	१	२२	१	२८	मीने

वसंतर्तौ रविरुत्तरे फाल्गुन कृ. महाराष्ट्राः

*९।१९ पातमोक्षः १८।५३

भ. १०।४१ उ. ३६।५६ या. पातस्पर्शः*

च. व्र.

भ. २६/१९ उ. २६/२७ या. वक्री बुधः ३।२६

पूभा. १शनिः ४६/६ पश्चिमास्तो बुधः ५४/१०

दृश्योमीनेऽर्कः २०।४५ (सौरः १९।१८)=

=शीतला पूजनम्

भ. ६।१२ उ. ३८।५४ या.

दृश्य उभायां रविः ४१।४९ सौरः ३५/४४ ×

×पापमोचनी ११ व्र.

भ. ५७।५९ उ. प्रदोषः

भ. ३०।५९ या.

रेवत्यां भौमः २८।४८ राष्ट्रीय चैत्रारंभः

४८पं.चै.कृ.२मं.इ.२६।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	१	९	१०	१	१०
२४	५	१०	२८	१२	२६	५	२४
६	५०	४७	३५	१०	४	४४	७
२९	२०	४९	१७	३७	५५	९	३७
५९	४५	३६	४	३५	७	३	६०
५८	४२	२	११	५६	२०	११	६

४९पं.चै.कृ.९मं.इ२६।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१	९	१०	१	११
१	११	११	२९	१७	२६	५	१
५	१५	४१	८	२	१७	२१	७
४२	४०	१७	२०	४९	७	५३	१९
५९	४५	३३/५०	६	४३	७	३	५९
४१	३२	ब	५५	५३	२०	११	४२

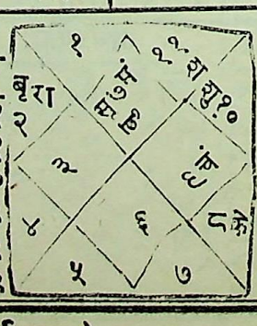

५०पं.चै.कृ.३०मं.इ.२७/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१	९	१०	१	११
८	१६	७	२९	२२	२७	४	८
३	२८	३	४९	४०	४८	५९	५
१८	४६	११	५२	१५	४३	२८	१४
५९	४५	५९/६	६	४९	७	३	५९
२९	२२	ब	२८	५१	१४	११	३५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०६७ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६७ भोग्यकलिः ४२६९३३ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२३ शाकः १८८८ वर्षेऽस्मिन्राजाशुक्रः । मंत्री बुधः । सस्येशोशनिः । धान्येशोगुरुः । मेघेशभौमः । रसेशोचंद्रः । नीरसेशोशनिः । फलेशःभौमः । धनेशोशुक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १३ सिद्धार्थीनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ५।९।२७।२२ भोग्यमासादिः ६।२०।३२।३८ नासत्यदैवतंयुगम् वर्षनाम मार्गशीर्षः मेघ नाम पुष्करः । रोहिणी निवासः तटे । समय निवासो रजक गृहे । समय विश्वा ५ । समय वाहनंसिंचायुः । स्तम्भ१ जलस्य । सोमवत्यमां २ । सोमवती पंचमी ३ । अङ्गारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी २ समय मुहूर्ताः ३६० । समयदिनानि ३८३ । तिथिक्षयः १६ । तिथि वृद्धिः ९ । उत्पत्ति विश्वा १०५ । खपति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा ७ । धान्यम् १५. तृणम् ९. शीतम् ११. तेज ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०१ शनिदृष्टिः उत्तरे । ग्रहण १ सूर्यस्य भारते ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सि	कं.
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	बृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् १।१८

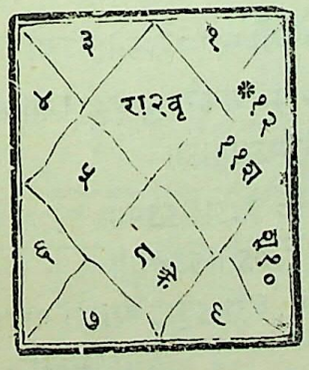

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

मात भवानीं अम्बिके भैरव तणों सवाल ।
शुभसंवत् तेवीस का कैसा निपजे माल ।।

भवानी उत्तर

तूं भैरव सुण ध्यान दे संवत्सर का हाल ।
राज प्रजा संपत्ति रहे मध्यम नीपजे माल ।।
राजा तो बुधजी भये मंत्री पद को पाय ।
धान्याधिय गुरुदेव है यह जग को हर्षाय ।।
मेघपति अरु फलपति गढपति मंगल जान ।
शुभ फल को मध्यम करे मंगल की यह बान ।।
अधिकमास श्रावण बना इसका फल शुभनांय ।
भाद्रव बुध भृगुयोग से फिर जग को हर्षाय ।।
वर्षा विश्वा सात है स्तंभ लगा है एक ।
धर्म कर्म पर डटे रहो ईश्वर राखे टेक ।।
फल संवत्सरकाकहा निज गुरु का धर ध्यान ।
'बंशीधर' भगवान् का भजन करे कल्याण ।।

संवत् २०२३ शाके १८८८
ज्येष्ठ कृ.३०शुक्रे सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म	मो.
उज्जयिनी मध्यमकाल	घ.	२२	२५	२८
	पल	५६	५०	२३
रेल्वेटाइम	घं.	३	४	५
	मि.	३७	४७	४८

वर्षेश लग्नम् ८।२

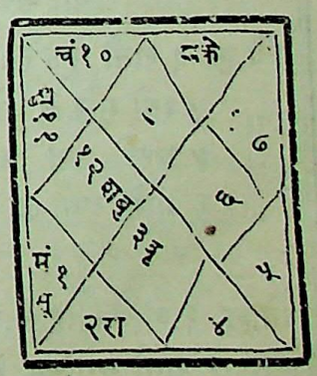

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२२।१३

* चं.बु.सू.मं

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षेराजा बुधस्तत्फलम् ॥ बुधस्यराज्ये सजलं महीतलं, गृहे गृहे तूर्य विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दान दया जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ॥ मंत्री बुधस्तत्फलम् ॥ शशि सुते शुभ मंत्रि समागते स्वपतिना कुरुते मदन क्रियाम् । बहु धनं बहुवारि समन्वितम् यव मसूरि चणान्न महर्घता ॥ सस्ये शः शनि स्तत्फलम् ॥ रविसुते यदि धान्य पतौ जनो नृपतिभिः परिपीड़ित विग्रहः। गद भयं तुष धान्य हरं सदा दुरितवाद विवाद युतानराः ॥ धान्येशोगुरुः फलम् ॥ गुरौ धान्य पतौ याति पव गोधूमशालयः पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्ञानो ब्रह्मवादिनः॥ मेघेशोभौमस्तत्फलम् ॥ अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि, श्रुति विचार विहीन धरा भवाः । क्वचिदपि प्रचुरं जल मल्पकम् क्वचिदपि प्रचुरं बहुता पदम् ॥ रसेशश्चंद्रः फलम् ॥ यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतींबु भुजे प्रियाम् । जल धरा बहुवारि विधायका रसवती धन धान्यवती मही ॥ नीरसेशः शनिस्तत्फलम् ॥ त्रपुपिंडादिश्लेहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तूनाम् । अर्घ बृद्धि प्रजायते मंदेनीरसनायके ॥ फलेशो भौमः फलम् ॥ फलपति यदि भूतनयो भवेत् सु बहु पुण्य क्रयान्वित मेदिनी । गत भयानृत देश जनास्तदा नृपतयो बहु विग्रह कारकाः॥ धनेशः शुक्रस्त-त्फलम् ॥ द्रविण भृगुजो द्रविणैर्युताः समधना सकला भुवि मानवाः । सम सुखाः क्रय विक्रय जीविनो नृपतयोजन पालनतत्पराः॥ दुर्गेशोभौमः फलम् । अवनिजो गढ़नायक तां गतो विविध दुःख वियोग समन्वितः। जन पदेपुजनाः क्रय विक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ॥ सिद्धार्थी नाम संवत्सरः फलम् ॥ सिद्धार्थी वत्सरे भूपाः शान्तवैरास्तथा प्रजाः। सकला वसुधाभाति बहु सस्यार्घ बृष्टिभिः॥ वर्षनाम मार्गशीर्षः फलम् ॥ कार्यासादि महर्घं स्यात् गोधूमापतिलादिकम् । मेघो वर्षति देवोवा मार्गतीर्षे विशेषतः॥ मेघनाम पुष्करः फलम् । पुष्करे मंद बृष्टिश्च ॥ रोहिणी निवासः तटे फलम् । तटे बृष्टिः सुशोभना । समयनि वासो रजकगृहे फलम् । रजके बृष्टि रुत्तमा ॥ एवं संचित्यदैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्

सं० २०२३ शाके १८८८ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख ज्येष्ठाषाढ मासेषु गोधूल्यां भौम ७ दोषः ।

वै.शु. ३ शनौ रोहि. ल.१०-११ रे.१०।।।।।।।।।

,, ६ शुक्रे मघा. ल.६।११ रे.६।।।।चोऽऽगणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः आवश्यके

,, ११ रवौ उफा. ल. ६-१०रे. ६।।ऽबुऽशुऽरोऽ।। पादवेधाद्बुधस्य वेधाऽभावः

,, १२चंद्रे हस्ते ल.ऽन्यगो.६रे.६ऽऽ।ऽशुऽ।।।।घ.४२ या. पादवेधात् शुक्रस्य वेधाऽभावः

ज्ये.कृ. ३ शनौ मूले ल. १०-११रे.६।।।।।ऽ।।

,, ४ रवौ मूले ल. गो. रे. ८।।।।ऽचोऽ।।

,, ५ चन्द्रे उषा. ल.११(घ.५०।७३.). रे८।ऽ।।।।।।ऽ

,, ६ भौमे उषा. ल. अन्यगो. ६ रे. ७।ऽ ।।ऽरो।। ऽ धनुलग्ने गुरु ७ मध्यमः

ज्ये.शु. १ शनौ रोहि.ल.अन्यगो.सोग्रांगःरे.६।।।।।ऽचो।।।।

,, १ शनौ मृगे. ल. १०-११ रे.८ऽ।।।।ऽ।।।

,, ७ गुरौ मघा.ल.६।११ रे.७ ।।।ऽअऽऽ।।

,, ६ शनौ उफा. ल. ६।१० रे.८।।।।ऽनृऽ।।।

,, १२ भौमे.स्वा.ल. ६ (घ.४१या.) रे.८ऽ।।ऽ।।।।।

,, १४ गुरौ अनु.ल.११(घ.४६।५२उ.)रे.८।।।।ऽ।।ऽ।।

आ.कृ. शनौ मूले ल.१०-११रे.८।ऽ।।।ऽअ.।।।।

पौ.शु. ५ चन्द्रे उभा.ल.अन्यगो.८।।।।।ऽअ.ऽ।।।

,, १२ चन्द्रे मृगे ल.अन्यगो.रे.८ऽ।।।।।।।।ऽतथ्यंत.द.

मा.कृ.१शुक्रे मघा.ल. ८रे.६ऽ।।ऽबुऽऽनृ।।।।पादतोवेधाभाव

,, ४ रवौ उफा. ल. गो. ८ रे. ७।।।ऽऽचोऽ।।

,, ५ चन्द्रे हस्ते ल.गो.८रे.७ऽ।।।।ऽऽ।।

,, ११ रवौ मूले ल. ८ रे. ६।।।।ऽनृऽऽ।ऽ दग्धा.

मा.शु. ६ रवौ मृगे ल. अन्यगो.८।१०रे.८।।।।ऽचोऽ।।

वृश्चिके चं. ७ पू. मकरे गु.७पू. रेखा ६

,, १५ शुक्रे मघा. ८ रे.८ऽ।।।।ऽ।।

फा.कृ. १ शनौ उफा.ल.८।१० रे.ऽ।।ऽऽ।।।।

,, २ रवौ उफा. ल. गो.रे.७ऽ ।।ऽऽनृ।।।।

,, ६ शनौ मूले ल. ८ रे. ६ऽ।।ऽवृ।ऽ अ।ऽ।। पादतो वेधाऽभावः

,, ११ चंद्रे उषा. ल. अन्यगो. ८ रे.८।।।।ऽ।।ऽ।।

वृश्चिके नृपपंचकः

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं.२०२३ शाकः १८८८ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | बसंतर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गण ४३७०स.१६६६

१	बु	१४	१	रे	५६	३७	त्र	३२	३३	व	१४	१	३०/१०	५/८	६/३	२३	२	२६	मि. ५६।३७
२	गु	१७	४४	अ	६०	०	ऐं	३२	२०	कौ	१७	४४	१४	५७	३	२४	३	१	मेषे
३	शु	२०	२६	अ	३	५३	वै	३१	११	ग	२०	२६	१८	५६	४	२५	४	२	मेषे
४	श	२२	६	भ	७	८	वि	२६	२६	वि	२२	६	२३	५५	५	२६	५	३	वृ.१६।४२
५	र	२२	४२	कृ	६	१७	प्री	२७	१	बा	२२	४२	२७	५५	५	२७	६	४	वृषे
६	चं	२१	५५	रो	१०	१७	आ	२३	१७	तै	२१	५५	३१	५४	६	२८	७	५	मि४०।१२
७	मं	२०	७	मृ	१०	८	सौ	१८	२६	व	२०	७	३५	५३	७	२६	८	६	मिथुने
८	बु	१६	५२	आ	८	३६	शो	१२	४६	ब	१६	५२	३६	५२	८	३०	६	७	क.५१।३७
९	गु	१२	३५	पु	५	५८	अ	६/५	५३/१३	कौ	१२	३५	४४	५१	६	३१	१०	८	कर्के
१०	शु	६	४८	पु	१/५८	५५/५५	धृ	४६	३८	ग	६	४८	४८	५०	१०	१	११	६	सिं ५६।५३
११	श	०	४	म	५०	४४	शू	४०	२२	वि	०	४	५२	५०	१०	२	१२	१०	सिंहे
१२	श	५२	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	र	४३	३४	पू	४४	११	गं	३०	२५	कौ	१७	४६	५६	४६	११	३	१३	११	क.५७।२८
१४	चं	३४	४१	उ	३७	२१	बृ	२०	११	ग	६	८	३१/०	४८	१२	४	१४	१२	कन्यायां
१५	मं	२६	८	ह	३०	५४	धु	१०	३०	वि	०	२५	४	४७	१३	५	१५	१३	तु.५८।११

धनिष्ठा. शुक्रः १५/६ संवत्सरारंभः *
मृगे३भिथुने गुरुः १/१ सिंधाराजिल्हेज १२
भ. ५/१६ उ. मत्स्यजयन्ती गणगौरी
भ. २२।६ या. [×मा.४ ता.३०
उदयः शनिः५.६।६
पूर्वोदयी बुधः ५.३।४८
भ. २०।७ उ. ४८।३० या.
कुम्भे शुक्रः ४०।८ राम ६ स्मा.
दृश्यो रेवत्यां रविः६।३२(सौरः ७/२)B
भ.३/६ उ. कामदा ११व्र.स्मा. अप्रेल×
भ. ०।४ या. कामदा ११ व्र. वै.
[B व्रक्की कुम्भे बुधः १५/६ रामनवमी वै.
मार्गी बुधः१२।६ प्रदोष व्र.
भ.३४/१ उ. [* नवरात्रारंभः रुद्रद.
भ. ०।२५ या. हनुमज्जयंती

५.१पं.चै.शु.७मं.इ.२७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	२	९	१०	१	११
१४	२२	४	०	२८	२८	४	१५
५२	०	५	३८	५४	३९	३७	१
१३	५४	२८	१७	४	४७	२२	१९
५९	४६	३/३	७	५४	७	३	५९
१६	३२	ब	२६	२९	८	११	१८

गोचरग्रहाः

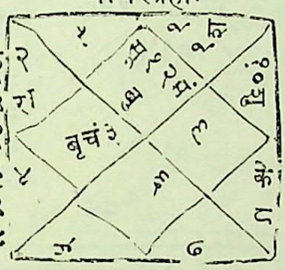

इस मास में गुड़ खाड घृत तेल तेज प्रजामें पीड़ा और अनाज के भाव साधारण चाँदी सोना मंदा

गोचरग्रहाः

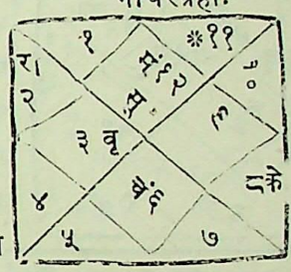

५.२पं.चै.शु१५मं.इ २७।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	२	१०	१०	१	११
२१	२७	२९	१	५	२९	४	२१
५३	१९	४२	३४	३०	२९	१५	५५
३१	४४	१८	१२	५०	३५	६	३०
५९	४५	१७	८	५८	७	३	५९
४	७	२२	२८	७	१	११	४

ति.| वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | बसंतर्तौ रविरुत्तरे चैत्र कृ.महाराष्ट्राः

१	बु	१८	१७	चि	२५	२८	व्या	२४/२५	५१/५५	कौ	१८	१७	३१/८	५/६	६/१४	६	१६	१४	तुलायां
२	गु	११	४७	स्वा	२१	१२	व	४६	२०	ग	११	४७	१२	४६	१४	७	१७	१५	तुलायां
३	शु	६	४४	वि	१८	४५	सि	४१	१०	वि	६	४४	१६	४५	१५	८	१८	१६	वृ.४।२२
४	श	३	४६	अ	१८	२२	व्य	३७	३३	बा	३	४६	२०	४४	१६	९	१९	१७	बृश्चिके
५	र	३	२	ज्ये	२०	८	व	३५	३६	तै	३	२	२४	४३	१७	१०	२०	१८	ध.२०।८
६	चं	४	२५	मू	२३	५६	प	३५	२६	व	४	२५	२८	४२	१८	११	२१	१९	धनुषि
७	मं	७	४४	पू	२९	१७	शि	३६	८	ब	७	४४	३२	४२	१८	१२	२२	२०	म.४६।३
८	बु	१२	३०	उ	३६	२१	सि	३८	३	कौ	१२	३०	३६	४१	१९	१३	२३	२१	मकरे
९	गु	१८	३२	श्र	४३	३७	सा	४०	८	ग	१८	३२	४०	४०	२०	१४	२४	२२	मकरे
१०	शु	२४	३५	ध	५१	२०	शु	४२	४०	वि	२४	३५	४३	३९	२१	१५	२५	२३	कु.१७।२८
११	श	३०	५४	श	५८	४३	शु	४४	५८	बा	३०	५४	४७	३९	२१	१६	२६	२४	कुम्भे
१२	र	३६	४१	पू	६०	०	व	४७	२	कौ	३	१८	५१	३८	२२	१७	२७	२५	मी ४८।५७
१३	चं	४१	७	पू	५	४२	ऐं	४८	११	ग	८	५४	५५	३७	२३	१८	२८	२६	मीने
१४	मं	४६	७	उ	११	३५	वै	४८	२६	वि	१३	३७	५८	३६	२४	१९	२९	२७	मीने
३०	बु	४९	१०	रे	१६	२०	वि	४७	५१	च	१७	९	३३	३६	२४	२०	३०	२८	मे.१६।२०

मीने बुधः २९।० शते शुक्रः३९।१५
भ. ३९।१५ उ.
भ. ६।४४ या. च. व्र.
अश्वि.मेषे भौमः ०।५९ पू. भा. ४*
[*मीने शनिः ४७।५७
भ. ४।२५उ. ३६।५ या.
[+ (सौरः ४१।५७)
दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः ४३।३७+
भ. ५१।३३ उ.
भ. २४।३५या. उभांयां बुधः३१।८
वरूथिनी ११ व्र.
मृग. ४ गुरुः २४।१७
भ. ४१।७ उ. प्रदोषः
भ. १३।३७या. पूभाया शुक्रः४४।३५

१पं.वै.कृ.८बु.इ. ४३।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	२	१०	११	१	०
०	३	२	२	१३	०	३	०
०	३३	१८	४५	४५	२७	४८	१
०	२५	३२	४३	४७	७	५८	३८
५८	४४	३४	९	६१	६	३	५८
४४	४७	१८	२७	२४	४०	११	४५

गोचरग्रहाः

वै. कृ. ८ बुधे मेषेऽर्कः. प्र. वा. ३. न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० (धान्य भाव समता शुक्रो. पू.

गोचरग्रहा

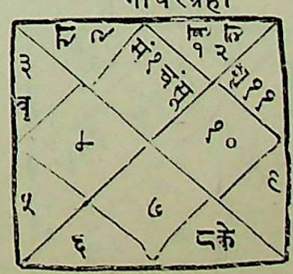

२पं.वै.कृ.३०बु.इ४३।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	२	१०	११	१	०
६	८	९	३	२१	१	३	६
५०	४८	२७	५३	२	१३	२६	५१
४२	४	३६	५३	४९	४४	४३	४९
५८	४४	५९	१०	६३	६	३	५८
३१	२६	२०	११	३१	२६	११	२९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैसाख शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः४३९९स.१९६६
१	गु ५० ४८ अ १९ ५७ प्री ४६ १३ कि १९ ५९	३२/६	५/३५	६/२५	२१	१	२९	मेष	राष्ट्रीय वैशाखारम्भः
२	शु ५१ २० भ २२ २३ आ ४३ ५० बा २१ ४	१०	३४	२६	२२	२	३०	बु ३७।४४	कृत्ति.२राहुःविशाखां.४केतुः५/३०/१ चंद्रद.
३	श ५० ५८ कृ २३ ४९ मो ४० ३४ तै २१ ५	१४	३३	२७	२३	३	१	वृषे	अक्षया३ परशुराम जयन्ती मोहोरम१+
४	र ४९ ८ रो २४ ८ शो ३६ २३ व १९ ५४	१७	३३	२७	२४	४	२	मी५४।१	भ.५/१९उ.४/९या. [+सन्१३८६हिजरी
५	चं ४६ ५० मृ २३ ५३ अ ३२ ० ब १७ ५९	२१	३२	२८	२५	५	३	मिथुने	
६	मं ४३ २३ आ २२ ३५ सु २६ ४३ की १५ ६	२५	३१	२९	२६	६	४	मिथुने	रेवत्यां बुधः४४।४ भरण्यां भौमः५/४८
७	बु ३९ २४ पु २० ३४ धृ २० ४८ ग ११ २३	२९	३०	३०	२७	७	५	क.६।५	भ.३/२९/४उ. दृश्यो भरण्यां रविः२३/५३*
८	गु ३४ ४४ प्र १८ ० शू १४ १७ वि ७ ४	३२	३०	३०	२८	८	६	कर्के	भ. ७।४ या. [*(सौरः२३/६५)
९	शु २९ १५ श्ले १३ ५५ गं ७/२१ ५३/२३ की २९ १५	३६	२९	३१	२९	९	७	सिं १३।५५	मीने शुक्रः ६/३४ पातस्पर्शः ५६।३१
१०	श २२ १४ म १० २९ धृ ५१ ३६ ग २२ १४	४०	२८	३२	३०	१०	८	सिंहे	भ. ४९।१९ उ. पातमोक्षः ७।४३
११	र १६ २४ पू ५ ४९ व्या ४२ ६ वि १६ २४	४३	२७	३३	१	११	९	क.१९।३४	भ.१/२९या.मोहिनी११व्र.मईमा.५ ता.३१
१२	चं ९ ३० उ ५०/५ ५४/५० ह ३४ ३५ बा ९ ३०	४७	२७	३३	२	१२	१०	कन्यां	उभायां शुक्रः१२।२१ प्रदोषः
१३	मं २ २८ चि ५० ५४ व २६ १३ तै २ २८	५१	२६	३४	३	१३	११	तु.२३।१६	भ. ५५।३८ उ. नृसिंह जयन्ती
१४	बु ५३ १० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	बु ४९ ५६ स्वा ४७ ७ सि १८ ३२ वि २२ ४७	५४	२५	३५	४	१४	१२	तुलायाँ	भ.२२।४७ या. अन्नजल कुंभदानम्

३पं.वै.शु.४बु.इ.४४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	२	१०	११	१	०
१३	१३	१७	५	२८	१	३	१३
३९	५५	५९	७	३१	५७	४	४०
५३	२४	२७	८	५	५७	२७	१४
५८	४४	७९	१०	६५	६	३	५८
१७	१७	१८	५५	९	११	११	१२

गोचरग्रहाः

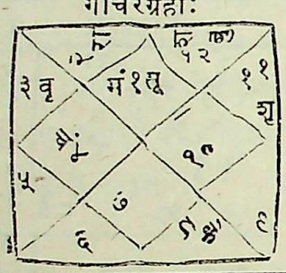

इस मास में ५बुधवार हैं रस पदार्थ गुड़ खांड़ घत तिल तेल अलसी तेज हो। धान्य भाव सम।

गोचरग्रहाः

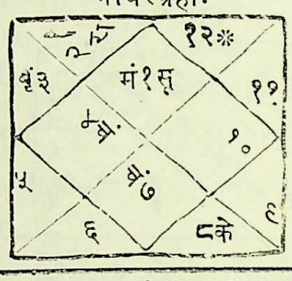

४पं.वै.शु१५बु.इ.४४।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	८	११	११	१	०
२०	१९	२८	६	६	३	२	२०
२७	८	२१	२५	८	३९	४२	२६
२२	३८	४३	२३	४९	४३	१२	५४
५८	४४	९६	११	६६	५	३	५७
६	७	२१	२६	३७	४५	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०२३ शाकः १८८८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तुरवि रुत्तरे वैसाखकृ. महाराष्ट्राः
१	गु ४३ ५४ वि ४३ ५७ व्य ११ ३४ बा १६ ५५	३२/५७	२५/३५	६/३५	५	१५	१३	क.२९।४४	अश्वि.मेषे बुधः ४५।३०
२	शु ४१ ३६ अ ४२ ४७ व ६ ४४ तै १२ ४५	३३/१	२४	३६	६	१६	१४	वृश्चिके	आर्द्रा.१गुरुः१।६
३	श ४० ८ ज्ये ४३ २० प १४/१ ५७/२ ब १० ५२	४	२३	३७	७	१७	१५	ध.४३।२०	भ.१०।५२उ.४०।८या.
४	र ४० ४१ मू ४५ ४६ सि ५६ ५८ ब १० २४	७	२३	३७	८	१८	१६	धनुषि	चतुर्थी ब्र.
५	चं ४२ ५३ पू ५० ७ सा ५६ ४६ कौ ११ ४७	१०	२२	३८	९	१९	१७	धनुषि	[* (सौरः ११।१२)
६	मं ४६ ४९ उ ५५ ५९ शु ५७ ५२ ग १४ ५१	१३	२१	३९	१०	२०	१८	म.६।३५	भ. ४६।४९उ.
७	बु ५२ ८ श्र ६० ० शु ५९ ५१ वि १९ २९	१६	२१	३९	११	२१	१९	मकरे	भ.१/२९या.दृश्यःकृत्तिका.रविः ९।४८*
८	गु ५८ ७ अ २ ४४ व्र ६० ० बा २५ ८	१९	२०	४०	१२	२२	२०	कु.३६।३१	उ.भा. १शनिः४/२९ पातस्पर्शः२८।५+
९	शु ६० ० ध १० १८ व्र २ ९ तै ३१ ८	२२	२०	४०	१३	२३	२१	कुम्भे	भरण्यां बुधः१/५९ [+पातमोक्ष ५/२९
१०	श ४ १० श १७ ४६ ऐं ४ ३४ ग ४ १०	२५	१९	४१	१४	२४	२२	कुंभे	भ.३/८७उ.दृश्यो वृषेऽर्कः३/३७(सौरः३/९०)≡
११	र १० ९ पू २४ ५९ वै ६ ४४ वि १० ६	२८	१८	४२	१५	२५	२३	मी८।११	भ.१०।६या. कृत्तिका भौम :१।३५A
१२	चं १५ १६ उ ३१ १ वि ८ १४ ता १५ १६	३०	१८	४२	१६	२६	२४	मीने	अपरा ११ व्रतम् [Aपूर्वास्तोबुधः५/९
१३	मं १९ २ रे ३५ ५१ ग्री ८ ३८ तै १९ २	३३	१७	४३	१७	२७	२५	मे.३५।५१	प्रदोषः [≡रेवत्यां शुक्रः१०।४८
१४	बु २१ २३ अ ३९ २० आ ८ ४ व २१ ३३	३६	१७	४३	१८	२८	२६	मेषे	भ.२१।२३उ. ५१।५८ या.
१५	गु २२ २३ अ ४१ १७ सौ ६ ११ श २२ २३	३९	१६	४४	१९	२९	२७	वृ.५६।२१	वृषे भौमः ४ ०।१३
२०	शु २१ ४५ कृ ४१ ३४ शो ३/९ ५५/४८ ना २१ ४५	४१	१६	४४	२०	३०	२८	तुलायां	कृत्तिका. बुधः२।२७ सूर्यग्रहणम्

५पं.ज्ये.कृ ७बु.इ.४४।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	२	११	११	१	०
२७	२४	१०	७	१३	३	२	२७
१३	१५	२१	४६	५४	१८	१९	१२
३४	४७	७	३७	१४	२२	५६	८
५७	४३	९/३४	११	६८	५	३	५७
५४	५६		१८	२२	११	४५	

गोचरग्रहाः

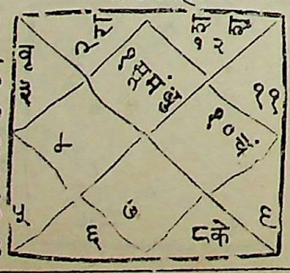

ज्ये. कृ. ९ शनौ वृषेऽर्कः प्र.वा.४ न.४प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्व.

गोचरग्रहाः

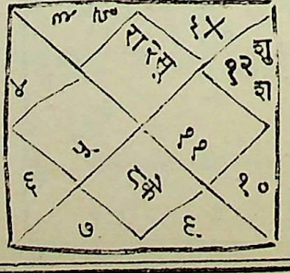

६पं.ज्ये.कृ१३बु.इ.४४।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	२	११	११	१	१
३	२९	२४	९	२१	३	१	३
५८	१९	०	११	४६	५४	५७	५५
२६	४१	२	४२	१९	७	४०	४६
५७	४३	९/३०	१२	६८	४	३	५७
४४	३७		२२	४५	५३	११	३४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं.२०२३ शाकः १८८८ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४४२९सन् १९६६

१	श	१९	४६	रो	४०	५६	सु	५४	५	ब	१९	४६	३३/४५	१५/५५	४५/६	२१	३१	२९	वृषे
२	र	१६	४४	मृ	२९	२९	धृ	४८	२९	की	१६	४४	४६	१५	४५	२२	१	१	मि १०।११
३	चं	१२	५५	आ	३६	५९	शू	४२	७	ग	१२	५५	४८	१४	४६	२३	२	२	मिथुने
४	मं	८	१४	पु	३४	८	गं	३५	४६	वि	८	१४	५०	१४	४६	२४	३	३	क. १९।५१
५	बु	३	३८	पु	३१	१०	वृ	२९	१३	वा	३	३८	५२	१४	४६	२५	४	४	कर्के
६	बृ	५४	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	गु	५२	५९	श्ले	२७	५५	धु	२२	२४	ग	२५	३६	५४	१३	४७	२६	५	५	सिं २७।५५
८	शु	४७	४८	म	२४	४१	व्या	१५	२४	वि	२०	२३	५६	१३	४७	२७	६	६	सिंहे
९	श	४२	१५	पू	२१	१५	ह	८	२८	वा	१५	२	५८	१२	४८	२८	७	७	कं. ३५।१९
१०	र	३६	४६	उ	१७	३१	व्य	१०/१	५३/७	तै	९	३०	३४/०	१२	४८	२९	८	८	कन्यायां
११	चं	३१	२०	ह	१४	२५	त्र्य	४७	२२	व	४	३	२	१२	४८	३०	९	९	तु. ४२।४९
१२	मं	२६	१६	चि	११	१३	व	४१	०	वा	२६	१६	४	११	४९	३१	१०	१०	तुलायां
१३	बु	२१	५६	स्वा	८	३०	प	३५	२	तै	२१	५६	६	११	४९	१	११	११	वृ. ५२।१
१४	गु	१८	२	वि	६	३२	शि	२९	४२	व	१८	२	७	११	४९	२	१२	१२	वृश्चिके
१५	शु	१५	४२	अ	५	४१	सि	२५	३२	व	१५	४२	९	१०	५०	३	१३	१३	वृश्चिके

गंगादशमी
भ. ४।३३ उ. २१।२० या. निर्जला ११ व्र.
प्रदोषः
मृगे बुधः १८।३१ जून मा. ६ ता. ३०
भ. १८।२उ ४६/५२ या. रोहि. भौमः २८।४५
गुर्जरराणां वट सावित्री व्र.

७पं.ज्ये.शु.५बु.इ.४४/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	२	११	११	१	१
१०	४	८	१०	२९	४	१	१०
४२	२१	५०	३८	४२	२५	२५	३७
२५	५८	२	९	५४	५५	२५	५०
५७	४३	५९	१२	६९	४	३	५७
३५	२३	५८	४७	३५	२७	११	२३

गोचरग्रहाः

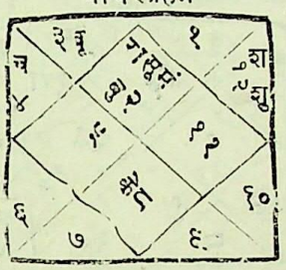

इस मास का फल श्रेष्ठ है धान्य जौ गेहूँ चणा चावल रुई अफीम में मंदी होकर तेजी होगी ।

गोचरग्रहाः

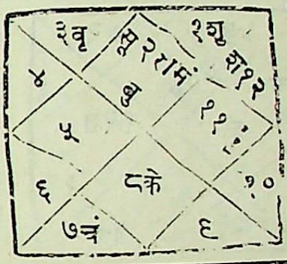

८पं.ज्ये.शु.१३बु.इ.५४/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	२	०	११	१	१
१७	९	२४	१२	७	४	१	१७
२५	२१	१६	८	४४	५४	१३	१९
८	१८	८	३१	४९	१८	९	३
५७	४३	७	१३	७०	३	३	५७
२७	१	३२	१०	२२	४९	११	१३

ति. आषाढकृष्णपक्षः सं० २०२३ शाकः १८८८ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	श	१४	२१	ज्ये	६	९	सा	२२	१३	कौ	१४	२१	३४/१०	५०/१०	५०/६	४	१४	१४	ध. ६।९
२	र	१४	४४	मू	८	२	शु	२०	४३	ग	१४	४४	१२	१०	५०	५	१५	१५	धनुषि
३	चं	१६	५३	पू	११	२४	शु	१९	४३	वि	१६	५३	१३	९	५१	६	१६	१६	म. २७।४३
४	मं	२०	२५	उ	१६	४३	ब्र	२०	२१	वा	२०	२५	१५	९	५१	७	१७	१७	मकरे
५	बु	२५	२३	श्र	२३	२	ऐं	२१	४९	तै	२५	२३	१६	९	५१	८	१८	१८	कु. ५६।३३
६	गु	३०	४६	ध	३०	४	वै	२३	५३	व	३०	४६	१७	९	५१	९	१९	१९	कुम्भे
७	शु	३६	५३	श	३७	४१	वि	२६	२०	वि	३	५	१८	८	५२	१०	२०	२०	कुम्भे
८	श	४३	०	पू	४५	१	गी	२८	४१	वा	९	५६	१९	८	५२	११	२१	२१	मी २८।११
९	र	४८	१२	उ	५१	५०	आ	३०	४३	तै	१५	६	२०	८	५२	१२	२२	२२	मीने
१०	चं	५२	१७	रे	५७	१०	सों	३१	४६	व	२०	१४	२१	८	५२	१३	२३	२३	मे. ५७।१०
११	मं	५४	५७	अ	६०	०	शो	३१	४२	ब	२३	३७	२१	८	५२	१४	२४	२४	मेषे
१२	बु	५५	३९	भ	१	२०	अ	३०	१४	की	२५	१८	२२	८	५२	१५	२५	२५	मेषे
१३	गु	५४	३८	भ	३	२८	सु	२७	२०	ग	२५	९	२२	८	५२	१६	२६	२६	वृ १८।३५
१४	शु	५१	५९	कृ	३	५४	धृ	२२	५८	वि	२३	१८	२३	७	५३	१७	२७	२७	बृषे
३०	श	४७	२९	रो	२/३३	५७/१३	शू	१७	३०	च	१९	४४	२३	७	५३	१८	२८	२८	मि ३१।१०

मिथुने बुधः २६।४३
भ. ४५।४८ उ.
भ. ५६/३ या. भरण्यांशुक्रः ३६।४७ च ब्र.
इ. मृगे रविः ५५/३४ आर्द्रा. बुधः ४५/८ आर्द्रा. ३*
मृगे रविः सौरः ३।५८ पा.मो. १।२०
भ. ३०।४६ उ.
भ. ३।५० या.
*गुरुः १५।४२ पश्चि. बुधः १४/५० पा स्प. ३९/५२
+५।४ योगिनी ११ व्र नि.
भ. २०।१४ उ. ५२।१७ या.
इ मिथुनेऽर्कः ५५/५२ योगिनी ११ व्र. स्मा वै.
मिथुनेऽर्कः सौरः ४।४५ पुन. बुधः+
भ. ५४।३८ उ. प्रदोषः
भ. २३।१८ या. कृतिका. शुक्रः ५४।४३

९पं.आ.कृ.५बु.इ४४।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	२	०	११	१	१
२४	१४	८	१३	१५	५	०	२३
७	१८	३७	३९	५१	१८	५०	५८
१२	०	२३	५०	३६	३९	५४	५९
५७	४२	७	१३	७०	३	३	५७
२२	४१	२५	२०	५८	१०	११	५

गोचरग्रहाः

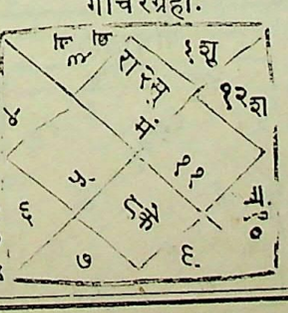

आ. कृ ११ भौमे मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ कुमार्यवस्था बैठी । मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

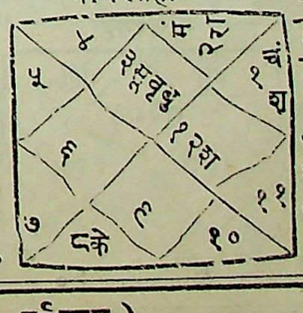

१०पं.आ.कृ.१२बु.इ.४४।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	२	०	११	१	२
०	१९	२१	१५	२३	५	०	०
४८	१२	७	१२	५९	३८	२८	३८
२५	२२	८	३२	२७	४६	३८	८
५७	४२	९/०	१३	७१	२	३	५६
१७	३१	२	२८	२८	३१	११	५७

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ़ शुक्लपक्षः सं.२०२३शाकः १८८८ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४४५८स १६६६

१	र	४२	६	आ	५६	२	गं	१०	५३	कि	१४	४६	३४/२३	५	५६/५३	१६	२६	२६	मिथुने
२	चं	३६	३	पु	५१	३६	बृ	३४/३	५२/०	बा	६	६	२४	७	५३	२०	३०	३०	क.२७।३
३	मं	२६	१४	प	४७	४	व्या	४७	३१	तै	२	३८	२४	७	५३	२१	३१	१	कर्के
४	बु	२२	२४	श्ले	४२	२६	ह	२६	२५	वि	२२	२४	२४	७	५३	२२	१	२	सिं ४२।२६
५	गु	१६	३	म	३८	११	व	३१	५५	बा	१६	३	२४	७	५३	२३	२	३	सिंहे
६	शु	६	५६	पू	३४	२७	सि	२४	२७	तै	६	५६	२४	७	५३	२४	३	४	क.४८।३३
७	श	४	२४	उ	३०	५२	व्य	१७	२०	व	४	२४	२३	७	५३	२५	४	५	कन्यायां
८	श	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	८	०	०	०
९	र	५४	३६	ह	२८	५	व	१०	४८	बा	२६	५६	२३	७	५३	२६	५	६	तु ५७।५
१०	चं	५०	७	चि	२६	६	प	४४/४४	५५/३६	तै	२२	३०	२३	७	५३	२७	६	७	तुलायां
११	मं	४८	५	स्वा	२४	५०	सि	५५	२६	व	१६	६	२२	८	५२	२८	७	८	तुलायाँ
१२	बु	४५	४८	वि	२४	५	सा	५०	१३	ब	१६	५६	२२	८	५२	२६	८	९	वृ.९।१६
१३	गु	४४	२८	अ	२४	१०	शु	४६	५०	कौ	१५	८	२१	८	५२	३०	९	१०	वृश्चिके
१४	शु	४४	२०	ज्ये	२५	२८	शु	४४	१५	ग	१४	२४	२०	८	५२	१	१०	११	ध.२५।२८
१५	श	४५	२३	मू	२७	५१	द्र	४२	४६	वि	१४	५२	१६	८	५२	२	११	१२	धनुषि

* ३६/५५ मृगे भौमः ४२/५५ रविलावल ३ वृषे शुक्रः ५५।११ रथयात्रा चन्द्रद. भ.५५/४६उ.द.आर्द्रा. रवि५५/४कर्के बुधः* भ.२२/२४या.आर्द्रा.रविः सौरः१६/८आर्द्रा.४= = गुरुः १५।१५ राष्ट्रीयआषाढरारम्भ पुष्येबुधः७/४मेषेराहुःतुला.केतुः४४/५३अस्तंB भ.२४उ.३/५०या. Bगुरोः१७/१२ अ.गु. A११ ब्र. स्मा. बै. £शयनी ११ ब्र. नि. ×जौलाई मा. ७ ता. ३१ भ. १६।६उ. ४८ ५या. देवशयनी A रोहिण्यां शुक्रः २२।४३ देव- £ प्रदोषः भ.४४।२०उ. मिथुने भौमः १६।४६× भ. १४/५२ या. व्यास पजा. वायु परीक्षा

११पं.आ. शु.४बु.इ.४४।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	२	१	११	१	२
७	२४	१	१६	२	५	०	७
२९	३	३०	४६	११	५४	६	१६
२४	४०	३२	४१	२०	१४	२२	३५
५७	४२	७९	१३	७१	१	३	५६
१३	१४	५५	३२	५०	५२	११	५४

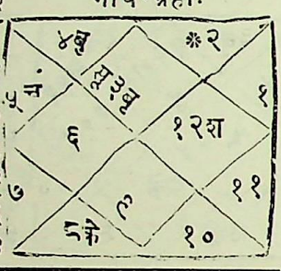

गोचरग्रहाः

इस मास का फल अशुभ है वर्षा में कमी धान्य तेज, सुदी में कहीं २ वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

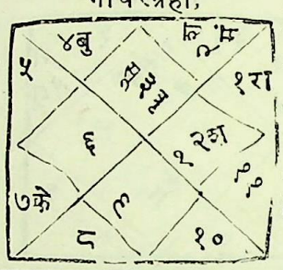

१२पं.आ शु.१२बु.इ ४४।४६

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	२	१	११	०	२
१४	२८	९	१८	१०	६	२९	१३
९	५३	५१	२१	२६	४	४४	५४
५०	२४	१८	१८	३८	२६	७	४०
५७	४२	५५	१३	७२	१	३	५६
७	४	६	३८	१८	१४	११	५०

ति.प्र.श्रावणकृष्णपक्षः सं.२०२३ शाकः १८८८ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति महा.

१	र	४७	५२	पू	३१	३२	ऐं	४२	८	बा	१६	३८	३४/१८	५/५२	६	३	१२	१३	म.४७।४४
२	चं	५०	५४	उ	३६	१६	चै	४२	१२	तै	१६	२३	१७	६	५१	४	१३	१४	मकरे
३	मं	५६	२०	श्र	४२	२६	वि	४३	४७	व	२३	३७	१५	६	५१	५	१४	१५	मकरे
४	बु	६०	०	ध	४६	१४	प्री	४५	३६	ब	२६	४	१४	६	५१	६	१५	१६	कु.१५।५१
४	गु	१	४८	श	५६	४४	आ	४७	५४	बा	१	४८	१३	६	५१	७	१६	१७	कुम्भे
५	शु	७	५३	पू	६०	०	सौ	५०	२७	तै	७	५३	११	१०	५०	८	१७	१८	मी४७।२५
६	श	१४	८	पू	४	१६	शो	५२	५४	व	१४	८	१०	१०	५०	६	१८	१६	मीने
७	र	१६	५३	उ	११	४१	अ	५४	३७	ब	१६	३३	८	१०	५०	१०	१६	२०	मीने
८	चं	२४	३५	रे	१८	४	सु	५५	२६	कौ	२४	३५	७	११	४६	११	२०	२१	मे.१८।४
६	मं	२६	५८	अ	२३	०	धृ	५४	५८	ग	२६	५८	५	११	४६	१२	२१	२२	मेषे
१०	बु	२६	२६	भ	२६	२०	शू	५३	७	वि	२६	२६	४	११	४६	१३	२२	२३	वृ ४१।४०
११	गु	२८	५६	कृ	२७	३६	गं	४६	३२	बा	२८	५६	२	१२	४८	१४	२३	२४	बृषे
१२	शु	२६	२३	रो	२७	७	वृ	४४	३१	तै	२६	२३	०	१२	४८	१५	२४	२५	मि५५।५१
१३	श	२२	१	मृ	२४	३५	धु	३७	५६	व	२२	१	३३/५८	१२	४८	१६	२५	२६	मिथुने
१४	र	१५	५०	आ	२०	३०	व्या	३०	१६	श	१५	५०	५६	१३	४७	१७	२६	२७	मिथुनें
३०	चं	८	२२	पु	१५	४	ह	२१	२१	ना	८	२२	५४	१३	४७	१८	२७	२८	क.१।२६

* पुनर्वसौ रविः ५२।० भ. २३।३७ उ. ५६।२० या. दृश्यः* पुन.रविःसौरः१०।१६पुन.१गुरुः५/४७× ×उदयो मौमः ४।४६ चतुर्थी व्र नाग ५ मरुस्थले भ.१४/८उ. ४७/०या. अश्लेषा. बुधः५।५४ मृगे शुक्रः ४०।५ आर्द्रा भौमः १३/२४ वक्री शनिः १८।३० भ. ५८।१३ उ. वक्री बुधः ४६।३५ भ. २६।२६ या. कामिका ११ ब्र. प्रदोषः +३१/२४(सौरः४६/३)मिथुनेशुक्रः ६/७ भ. २२/१उ ४५/५५या. दृश्यः कर्केऽर्कः + उदय गुरोः ४३।४८ उ.गु सोमवती हरियाली ३०

१३पं प्र.श्रा.कृ.४बु.इ.४४/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	२	१	११	०	२
२०	३	१५	१९	१८	६	२९	२०
५०	४०	३४	५६	४३	१०	२१	३२
१०	१	५५	३५	४८	२३	५१	३४
५७	४१	२७	१३	७२	०	३	५६
७	५२	४०	३८	३७	३०	११	५०

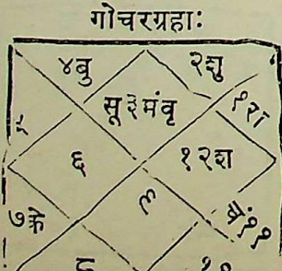

गोचरग्रहाः

प्र.श्रावण कृ.१३ शनौ कर्केऽर्कः प्र. वा.५न.५प्रगल्भा वस्था(बैठी)मु.३० (धान्य भावसम) शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

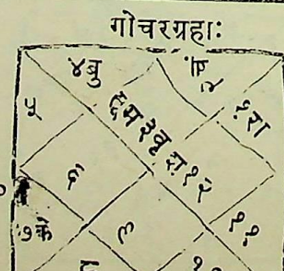

१४पं.प्र.श्रा.कृ.१०इ.२४/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	२	१	११	०	२
२७	८	१७	२१	२७	६	२८	२७
३०	२४	४५	३१	४	१०	५९	१०
३२	२९	२५	३४	१९	२८	३६	४१
५७	४१	२४/१९	१३	७२	१९/०	३	५६
११	२८	ब	३६	५१	ब	११	५५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.प्र.श्रावण शुक्लपक्षः सं.२०२३ शाकः१८८८ दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४४८८स१९६६

१	मं	०	१३	पु	८५९	व	१२	३	व	०	१३	३३ ५२	५ १४	६ ४६	१९	२८	२९	कर्के
२	मं	५१	२८		०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	बु	४३	२४	श्ले	२ ३४	सि	२ २६	५ ३५	तै	१७	३२	५०	१४	४६	२०	२९	१	सिं.२।३४
४	गु	३५	२८	पू	५०	व	४३	४४	व	९	२६	४७	१५	४५	२१	३०	२	सिंहे
५	शु	२८	२४	उ	४५	प	३५	३१	ब	१	५६	४५	१५	४५	२२	३१	३	कं. ४।२९
६	श	२२	१३	ह	४२	शि	२७	५५	तै	२२	१३	४२	१६	४४	२३	१	४	कन्यायां
७	र	१७	१४	चि	२९	सि	२१	१४	व	१७	१४	४०	१६	४४	२४	२	५	तु. ८।४३
८	चं	१३	२३	स्वा	३७	सा	१५	३१	ब	१३	२३	३७	१७	४३	२५	३	६	तुलायां
९	मं	१०	५८	वि	३७	शु	१०	५२	की	१०	५८	३५	१७	४३	२६	४	७	वृ. २२।५४
१०	बु	९	३८	अ	३८	श	७	८	ग	९	३८	३२	१८	४२	२७	५	८	वृश्चिके
११	गु	९	२९	ज्ये	४०	अ	४	२०	वि	९	२९	२९	१८	४२	२८	६	९	भ. ३९।३३ उ.
१२	शु	१०	२८	मू	४३	ध	२	४३	ग्रा	१०	२८	२६	१९	४१	२९	७	१०	भ. ९।२९ या. कमला ११ व्र.
१३	श	१२	३८	पू	४८	ध	१	४७	तै	१२	३८	२४	१९	४१	३०	८	११	धनुषि
१४	र	१५	५३	उ	५३	भ	१	४८	च	१५	५३	२१	२०	४०	३१	९	१२	धनुषि
१५	चं	२०	१	श्र	५९	श	२	१४	ब	२०	१	१८	२०	४०	१	१०	१३	मकरे

प्रदोषः पुष्ये रविः५०।४१ चन्द्रदर्शनम् *१५।१०पश्चि.बुधः१२।५५रविलाखर ४ पुष्येरविः सौरः१३।४४वक्री पुष्येबुधः* भ.९।२६उ. ३५।२८या. आर्द्रा.शुक्रः÷ ÷४४।१४ पुन. २ गुरुः ४७।२० राष्ट्रीय श्रावणारम्भः भ. १७।१४ उ. ४५।१८ या. पुन शुक्रः५०।२४ अगस्त मा. ८ता.३१

१५पं.प्र.श्रा.शु२बु.इ ४४ २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	२	२	११	०	३
४	१३	१६	२३	५	६	२८	३
११	६	२४	५	२७	९	३७	४९
१७	४०	३२	४९	०	५०	२०	८
५७	४१	३३ ४५	१३	७३	५५	३	५६
१५	१९	ब	३२	१६	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

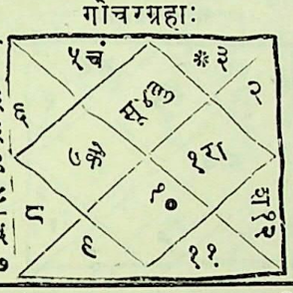

इस मासका फल मध्यम है। गुरु काउदय रुई चांदी सोना सूत गुड़ में तेजी होकर मंदी होवे।

गोचरग्रहाः

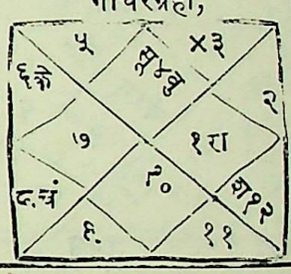

१६पं.प्र.श्रा.शु.१०बु.इ.४४ १८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	२	२	११	०	३
१०	१७	१२	२४	१३	५	२८	१०
५२	४६	२६	३८	५२	५७	१५	२८
१९	५१	४	३८	१	५४	४	२५
५७	४१	४९	१३	७२	३९	३	५७
२०	१	ब	२६	२२	ब	११	५

ति.द्वि.श्रावण कृष्णपक्षः सं.२०२३ शाकः१८८८ दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणे प्र. श्रावण कृ. महा.

१	मं	२५	१४	ध	६०	०	आ	३	३८	की	२५	१४	३२ ५५	५ २१	६ ३९	२	११	१४	कु. ३३।१६
२	बु	३०	५९	ध	६	३९	सौ	५	२२	ग	३०	५९	१२	२२	३८	३	१२	१५	कुम्भे
३	गु	३७	३	श	१३	५४	शो	७	४०	त्र	४	१	९	२२	३८	४	१३	१६	कुम्भे
४	शु	४३	९	पू	२१	२२	अ	१०	८	ब	१०	६	६	२३	३७	५	१४	१७	मी ४।३०
५	श	४९	७	उ	२९	१	सु	१२	३७	की	१६	८	३	२३	३७	६	१५	१८	मीने
६	र	५४	३१	रे	३६	०	धृ	१४	५८	ग	२१	४९	०	२४	३६	७	१६	१९	मे. ३६।०
७	चं	५८	३२	अ	४२	२	शू	१६	२४	वि	२६	३१	३२ ३६	२५	३५	८	१७	२०	मेषे
८	मं	६०	०	भ	४६	४५	गं	१६	५८	ग्रा	२९	४५	५३	२५	३५	९	१८	२१	मेषे
९	बु	०	५८	कृ	४९	३४	वृ	१६	२२	की	०	५८	५०	२६	३४	१०	१९	२२	वृ. २।२७
१०	शु	१	४७	रो	५०	३२	ध्रु	१४	१३	ग	१	४७	४७	२७	३३	११	२०	२३	वृषे
११	शु	०	२८	मृ	४९	३५	व्या	१०	३२	वि	०	२८	४२	२७	३३	१२	२१	२४	मि २०।३
१२	श	५९	३९		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	र	५१	४०	आ	४६	२७	ह	१६ ५९	५३ ५४	की	२४	२३	४०	२८	३२	१३	२२	२५	मिथुने
१४	चं	४४	४१	पु	४१	५३	सि	५०	२	ग	१८	१०	३६	२९	३१	१४	२३	२६	क. २८।२
१५	मं	३६	१०	पु	३५	४१	व्य	४०	३२	वि	१०	२७	३३	२९	३१	१५	२४	२७	कर्के
३०	मं	२६	५७	श्ले	२८	१०	व	३०	२५	ना	२६	५७	२९	३०	३०	१६	२५	२८	सिं २८।१०

दृश्योऽश्लेषायां रविः ४७।४२ अश्लेषा. रविः सौरः १४।३३ भ. ४।१ उ. ३७।३ या. पुन.३गुरुः ५५ ५४ पूर्वोदयी बुधः ५३ ५४ च.व्र. भ. ५४।३१ उ. भ. २६।१३या. मार्गी बुधः २७।४५ कर्के शुक्रः ३।४२ भ. ३१।७ उ. भ. ०।२८ या. पुष्ये शुक्रः ४६।१३* *कमला ११ व्र. स्मा. कमला ११ व्र. वै. भ. ४४।४१ उ. प्रदोषः भ.१०।२७या. कर्के भौमः २७।३५ दृश्यो मघा. सिंहेऽर्कः ४१।३७

१७पं.द्वि.श्रा.कृ२बु.इ. ४४ १०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	२	२	११	०	३
१७	२२	७	२६	२२	५	२७	१७
३४	२३	४८	१०	१९	४३	५२	८
१	२	१८	४८	३७	५२	४९	१३
५७	४०	३३ ३३	१३	७३	२ १६	३	५७
२५	४४	बु	१८	३८	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

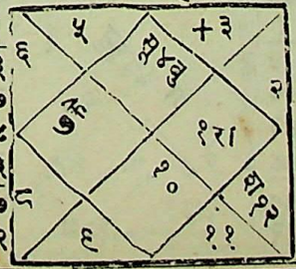

द्वि. श्रावण कृ. ३० भौमेसिंहेऽर्कः प्र वा.४न.६प्रब्राजिकावस्था (उभी)मु.३०(धान्य भाव सम) शु.पू.

गोचरग्रहाः

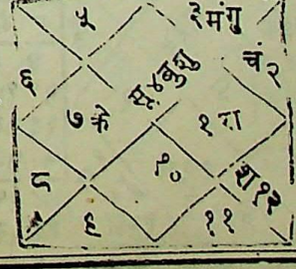

१८पं.द्वि श्रा.कृ.बु.इ.४४ १

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	२	३	११	०	३
२१	२६	७	२७	०	५	२७	२१
१६	५८	२५	४१	४९	२६	३०	४९
२६	५०	४४	१३	३७	४२	३३	२०
५७	४०	५५ ३८	१३	७३	२ ५०	३	५७
३३	३१	मा	२	५०	ब	११	२२

* बृ.शु.मं. +मं.वृ.शु. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) × मं.बृ.शु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं २०२३शाकः१८८८ | दि.उ.अ.इ.रा.मु | चन्द्रः | वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४५१७स१९६६

१	बु	१७	५	म	२०	३२	प	१९	४४	ब	१७	५१	३२/२६	५/३१	८/२९	सिंहे
२	गु	७	३४	पू	१३	५०	शि	९/५	४९/१	कौ	७	३४	२२	३२	२८	क.२६।५६
३	गु	५०	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	शु	५०	३८	उ	६	१३	सा	४९	१५	व	२४	९	१९	३२	२८	कन्यायां
५	श	४४	३	ह	१९/०	५५/२७	स्वा	४०	५४	ब	१७	२०	१५	३३	२७	तु.२८।२
६	र	३८	५५	स्वा	५२	५५	शु	३३	५२	कौ	११	२९	११	३४	२६	तुलायां
७	चं	३५	४२	वि	५२	११	ज्ये	२८	५१	ग	७	१९	८	३४	२६	वृ.२७।२२
८	मं	३३	५७	अ	५	१९	ऐं	२३	२५	वि	४	५०	४	३५	२५	वृश्चिके
९	बु	३४	८	ज्ये	५४	३४	वै	२०	२५	बा	४	२	०	३६	२४	ध.५४।३४
१०	गु	३५	४२	मू	५८	५	वि	१८	२८	तै	४	५५	३१/५६	३७	२३	२५	३	८	धनुषि
११	शु	३८	३८	पू	६०	०	प्री	१७	४९	व	७	१०	५२	३८	२२	२६	४	९	धनुषि
१२	श	४२	४४	पू	३	६	आ	१८	२५	ब	१०	४१	४८	३८	२२	२७	५	१०	म.१९।३४
१३	र	४७	३७	उ	८	५९	सौ	१९	१८	कौ	१५	१०	५४	३९	२१	२८	६	११	मकरे
१४	चं	५३	१७	श्र	१५	३१	शो	२०	३८	ग	०	२७	४०	४०	२०	२९	७	१२	कु.४९।२
१५	मं	५९	१७	ध	२२	३३	अ	२२	४०	वि	२६	१७	३६	४१	१९	३०	८	१३	कुम्भे

सिंहेऽर्कः सौरः १/२९ सिधारा चन्द्रदर्शनम्
तीज जमादिलावल ५

*राष्ट्रीय भाद्रपदारम्भः
भ.२४।९उ. ५०।३८ या. वरद ४
पुष्ये भौमः २५।२८ नागपंचमी
अश्ले.बुधः ३/४ पुन.४ कर्के गुरुः५४।३७
भ. ३५।४२ उ.
भ.४।५०या.अश्लेषा. शुक्रः ४३।२६*
+ राहुः विशा. २ केतुः ३७।२५ ×
×पूर्वास्तोबुधः ५३।३७ पवित्रा ११ब्र.
भ. ७।१० उ. ३८।३८ या. भर.४+
§श्रावणी कर्म. रक्षाबंधनं भद्रोत्तरे प्रदोषः
भ.५३।१७उ. मघा. सिंहे बुधः ०।५१
भ.२६/२७या.दृश्यःपूफायां रविः ३१।१४§

१९पं.द्वि.श्रा.शु.१बु इ.४/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	२	३	११	०	४
०	१	१२	२९	९	५	२७	०
५९	३१	२०	८	२१	४	८	३
४९	३०	५३	२४	११	४८	१८	३३
५७	४०	७१	१२	७३	२९/३	३	५७
४०	१७	४१	३८	५६	ब	११	३४

गोचरग्रहाः

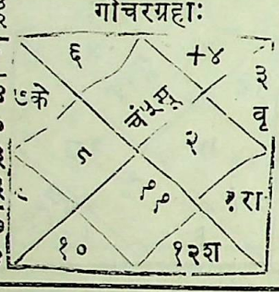

इस मास में कहीं वर्षा अधिक कहीं कम होगी। अ-नाज गल्ला रुई सोना मयूर चणा तेज हो।

गोचरग्रहाः

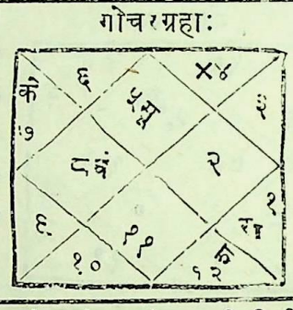

२०पं.द्वि.श्रा.शु.९बु इ.४/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	३	३	११	०	४
७	६	२२	०	१७	४	२६	७
४४	२	१७	२४	५४	३८	४६	१५
१७	२०	९	३७	२२	२०	२	६
५७	३९	०/५७	१२	७४	५३/०	३	५७
४८	५०	१७	१७	२	ब	११	४५

ति.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८ | दि.उ.अ.इ.रा.मु. | चंद्रः | शरदर्तुरविर्दक्षिणेश्रावण कृ.महाराष्ट्रा

१	बु	६०	०	श	२९	५९	सु	२५	५१	बा	३२	२२	३१/३२	५/४२	६/१८	३१	९	१४	कुम्भे
१	गु	५	२७	पू	३७	२५	धृ	२७	२४	कौ	५	२७	२८	४२	१८	१	१०	१५	मी२०।३४
२	शु	११	३३	उ	४४	५०	शू	२९	४९	ग	११	३३	२५	४३	१७	२	११	१६	मीने
३	श	१७	१६	रे	५१	४९	गं	३१	५३	वि	१७	१६	२१	४४	१६	३	१२	१७	मे.५१।४९
४	र	२२	२२	अ	५७	५७	वृ	३३	३६	बा	२२	२२	१७	४५	१५	४	१३	१८	मेषे
५	चं	२६	४४	भ	६०	०	ध्रु	३४	३५	तै	२६	४४	१३	४५	१५	५	१४	१९	मेषे
६	मं	२९	५९	भ	३	१८	व्या	३४	४३	व	२९	५९	९	४६	१४	६	१५	२०	वृ १९।२४
७	बु	३१	४७	कृ	९	४२	ह	३३	४४	वि	०	५३	५	४७	१३	७	१६	२१	वृषे
८	गु	३१	४४	रो	९	४०	व	३१	३१	बा	१	४६	१	४८	१२	८	१७	२२	मि.४०।५
९	शु	३०	१	मृ	१०	२९	सि	२७	४९	तै	०	५३	३०/५७	४९	११	९	१८	२३	मिथुने
१०	श	२६	१९	आ	९	१९	व्य	२२	३०	वि	२६	१९	५३	४९	११	१०	१९	२४	क.५२।४
११	र	२०	३९	पु	६	१९	व	१५	४८	बा	२०	३६	४८	५०	१०	११	२०	२५	कर्के
१२	चं	१३	४२	पु	१/३३	५४/५१	प	२०/८	५०/२९	तै	१३	४२	४४	५१	९	१२	२१	२६	सिं.६।२४
१३	मं	४	५९	म	४८	५०	सि	४८	१०	व	४	५९	४०	५२	८	१३	२२	२७	सिंहे
१४	मं	५०	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	बु	४५	३७	पू	४१	१०	सा	३७	१७	च	२०	३२	३६	५३	७	१४	२३	२८	कं५४।१२

पूफायां रविः सौरः १।५०
सितम्बर मा. ९ ता. ३०
भ. ४४।२५ उ. च ब्र.
भ १७।१६या. मघा. सिंहे शुक्रः३४।५
पूफायां बुधः ५०।५५
चन्द्रषष्ठी
भ. २९।५९ उ.
भ. ०।५३ या. जन्माष्टमी ब्र. स्मा.
पुष्य.१ गुरुः३।२९ जन्माष्टमी व्र बै.
भ. ५८।१० उ. गोगा ९
भ २६।१९या अश्ले. भौमः १९५।१
उफायां बुधः ५७।८ अजा ११ ब्र.
वक्री पू.भा.४शनिः३।२५. व.द्वा. प्रदोषः
भ ४।५९उ.३०।१३या. द.उफा.रविः*
*१५।३४(सौरः४६।२८)कन्या बुधः ४/७
पूफायां शुक्रः २२।७ कुशाग्रहणी

२१पं.भा.कृ.१बु इ.४/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	३	२	११	०	४
१४	१०	५	१	२६	४	२६	१४
२९	३०	१३	५७	२१	९	२३	०
१४	४०	५	२५	३१	५४	४६	१८
१८	३९	५/५८	११	७४	१०/०	३	५७
१	२९	२७	५०	४	ब	११	१७

२२पं.भा.कृ.७बु.इ.४/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	३	४	११	०	४
२१	१४	१८	३	५	३	२६	२०
१६	५६	५१	१६	७	३९	१	४६
५०	५३	३२	१५	८	२९	३१	५८
५८	३९	३/५	११	७४	३/४	३	१८
१३	३२	५९/१३	१३	१४	ब	११	१२

२३प.भा.कृ.३०बृ.इ.४/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	३	४	११	०	४
२८	१९	१	४	१३	३	२५	२७
५	२०	५६	३०	४६	७	३९	३५
२४	४६	३१	५७	१२	३४	१५	२१
५८	३९	१०/५९	७४	४०/४	३	५८	
२६	११	५९/३७	२०	ब	११	२९	

+ शु.संवृ.. * बृ.शु.मं. (सं० २००१ समारभ्य२१०० पर्यन्तम्) × वृ.शुबु.मं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०२३शाकः१८८८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४५४६ स१९६६
१	गु ३५ ३२ उ ३३ १७ शु २६ २२ कं १० ३५	३०	५५	६	१५	२४	२९	कन्यायां	
२	शु २६ १६ ह २५ ४० शु १५ २८ ब्रा १ ०	२८	५४	६	१६	२५	३०	तु.५२।३४	दृश्यः कन्याऽर्कः ४०।५५ चंद्रदर्शनम्
३	श १८ १ चि १९ २८ त्र ३५ ५० ४९ ग १८ १	२४	५५	५	१७	२६	१	तुलायां	भ.३४ उ.कन्यायामर्क.सौरः११० हरिA
४	र ११ ११ स्वा १४ १६ वै ४८ ३७ वि ११ ११	२०	५६	४	१८	२७	२	वृ.५६।५६	भ.११ या. गणेश४
५	चं ६ २२ वि ११ १० वि ४२ ३४ ब्रा ६ २२	१६	५७	३	१९	२८	३	बृश्चिके	हस्तेबुधः १८।५३ ऋषि ५
६	मं ३ २३ अ ९ ५० प्री २८ २२ तै ३ २३	१२	५८	२	२०	२९	४	वृश्चिके	[Aतालिका ३ जमादिलाखर६
७	बु २ ३८ ज्ये १० ३७ आ ३५ २० च २ ३८	८	५८	२	२१	३०	५	ध.१०।३७	भ. २।३८ उ. ३३।१० या.
८	गु ३ ४१ मू १३ २८ सौ ३३ ४६ ब ३ ४१	४	५९	१	२२	३१	६	धनुषि	[Sकन्या.शुक्रः४७ पश्चिमोदयी बुधः५०
९	शु ६ ३८ पू १७ ४४ शो ३३ ४० की ६ ३८	३०	६	०	२३	१	७	म.३४।१०	रा.अ श्विनारंभः
१०	श ११ ० उ २३ २८ अ ३४ ९ ग ११ ०	२९	१	५९	२४	२	८	मकरे	भ.४३।३८ उ
११	र १६ १७ श्र ३० ७ सु ३५ ४३ वि १६ १७	५१	२	५८	२५	३	९	मकरे	भ.१६ या.उफायांशुक्रः३५ जल भू.११व्र.
१२	चं २२ २४ ध ३७ ३५ ध ३७ ५८ ब्रा २२ २४	४७	३	५७	२६	४	१०	कु.३।५१	दृश्योहस्तेरविः५४ वामन ज. प्रद्योषः
१३	मं २८ ३८ श ४५ ७ शू ३९ ५६ तै २८ ३८	४३	३	५७	२७	५	११	कुम्भे	हस्ते रविः सौरः२४ चित्रा. बुधः १७S
१४	बु ३४ ४५ पू ५२ ३३ गं ४२ २३ ग १ ४६	३८	४	५६	२८	६	१२	मी३५।४२	भ.३४ उ.पुष्य२ गुरुः ४।४ अनन्त१४
१५	गु ४० ५६ उ ५९ ४४ बृ ४४ २९ वि ७ ५५	२४	५	५५	२९	७	१३	मीने	भ.७।५५ या.महालयश्राद्धारंभः

२४पं.भा.शु.७मं.इ.४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	३	४	११	०	५
४	२३	१४	५	२२	२	२५	४
५५	४२	१३	४०	२५	३४	१७	२५
१९	४०	१६	५५	६	४१	०	२८
५८	३८	५	९	७४	४०	३	५८
३८	५१	२२	५२	२६	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

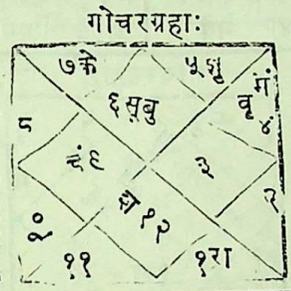

भाद्रपद शु.२शुक्रे कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न.५ युवावस्था (सूती) मु. ३०धान्यादि भावे समता शु पूर्व. खंड वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

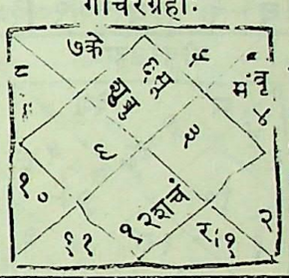

२५पं.भा.शु.१४बु.इ.४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	३	५	११	०	५
११	२८	२५	६	१	२	२४	११
४६	१	४४	४५	८	२	५४	१७
५५	१९	५६	५०	२८	३५	४४	३२
५८	३८	९९	९	७४	३४	३	५९
५३	४३	४६	२	२६	ब	११	०

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०२३शाकः १८८८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	शरदृतौ रविर्दक्षिणे भाद्र. कृ. महाराष्ट्राः
१	शु ४६ २६ रे ६० ३६ धु ४६ २१ वा १३ ४१	२९	६	५४	३०	८	१४	मीने	
२	श ५१ १६ रे ६ ३५ व्या ४७ ३८ तै १८ ५१	२६	७	५३	१	९	१५	मे.६।३५	तुलायां बुधः१६।२३मघा.सिंहे भौमः*
३	र ५५ १२ अ १२ २४ ह ४८ १८ व २३ १४	२२	८	५२	२	१०	१६	मेषे	भ.२३।१४उ. ५५।१२ या.
४	चं ५८ ५ भ १७ ४१ ब ४८ ३० व २६ ३८	१८	८	५२	३	११	१७	वृ.३३।४४	चतुर्थी व्र.
५	मं ५९ ५० कृ २१ ५३ सि ४७ ३९ की २८ ५७	१४	९	५१	४	१२	१८	बृषे	[* ४६ अक्टूबर मा.१० ता.३१
६	बु ६० ० रो २४ ५५ व्य ४५ ५८ ग ३० ९	१०	१०	५०	५	१३	१९	मिथु५५।५१	स्वात्यां बुधः ४१ हस्ते शुक्रः ४९।७
६	गु ० २८ मृ २६ ४७ व ४३ २० ब ० २८	६	११	४९	६	१४	२०	मिथुने	भ. ०।२८ उ. २९।२५ या.
७	गु ५८ २२ ० ० ० ० ० ० ०	०			०	०	०	०	
८	शु ५७ २७ आ २७ २२ प ३९ ३८ वा २८ ८	२	१२	४८	७	१५	२१	मिथुने	
९	श ५३ ३७ पु २६ ६ शि ३४ ४० तै २५ ३२	२५	१२	४८	८	१६	२२	क.११।२५	मातृ ९
१०	र ४८ २९ पु २४ ३६ सि २८ २० व २१ ३	२४	१३	४७	९	१७	२३	कर्के	भ.२१।३उ.४८।२९ या.
११	चं ४१ ४४ श्ले १९ ३७ सा २१ ११ व १५ ६	२०	१४	४६	१०	१८	२४	सिं१९।३७	दृश्य श्चिभायां रविः२६।२(सौरः४५+
१२	मं ३४ ० म १४ २० शु १२ ३५ की ७ ५२	१६	१५	४५	११	१९	२५	सिंहे	[+ इंदिरा ११ व्र.
१३	बु २५ १२ पू ७ ५८ शु २३ ४९ व २५ २२	१२	१६	४४	१२	२०	२६	क.२१।११	भ. २५।१२उ. ५०।३२ या. प्रदोषः
१४	गु १५ ५३ उ ५२ ३४ ऐ ४२ १५ श १५ ५३	८	१६	४४	१३	२१	२७	कन्यायां	शस्त्रादि हतानां श्राद्धं पितृकार्येऽमा
३०	शु ६ ४१ चि ४६ २६ वै ३१ ४९ ना ६ ४१	३४	१७	४३	१४	२२	२८	तु.१९।५६	मातामह श्रा. नवरात्रारंभः

२६ पं.आ.कृ.६बृ.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	३	५	११	०	५
१८	२	६	७	९	१	२४	१८
४०	१८	४२	४४	५२	३१	३२	११
८	१९	२५	३८	१२	२४	२८	१९
५९	३८	९२	८	७४	९४	३	५९
९	१६	७	१६	२६	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

इस मासमें धान्य जौ,गेहूँ,मूंग,मोठ बाजरा रसपदार्थ चावलमें घटा बढ़ी मंदी होकर तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

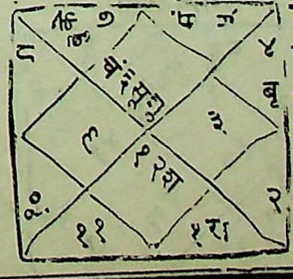

२७मं.आ.कृ.१३मं.इ.४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	३	५	११	०	५
२५	६	१६	८	१८	१	२४	२५
३५	३२	३७	३७	३५	२	१०	७
६	२	१९	१२	५६	२८	१२	१
५९	३७	८४	७	७४	५९	३	५९
२१	५३	११	१३	३२	बृ	११	३१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विनशुक्लपक्षः सं०२०२३ शाकः १८८८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५७६ सन् १९६६

१	शु	५१	१०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	श	५०	११	स्वा	४०	१७	वि	२१	५५	बा	२४	१	२८	३	५	१५	२३	२९
३	र	४४	८	वि	३५	२३	प्री	१२	१६	तै	१७	१०	२६	१९	४१	१६	२४	१
४	चं	३९	४६	अ	३२	१५	आ	४	५४	व	११	५७	२२	२०	४०	१७	२५	२
५	मं	३७	३८	ज्ये	३१	९	सौ	५४	१२	ब	८	३७	८	२०	४०	१८	२६	३
६	बु	३७	३८	मू	३२	२०	शो	५१	२१	कौ	७	३८	१४	२१	३९	१९	२७	४
७	गु	३९	४१	पू	३५	१८	अ	५०	६	ग	८	३९	१०	२२	३८	२०	२८	५
८	शु	४३	४१	उ	४०	१०	सु	५०	१२	वि	११	४१	६	२३	३७	२१	२९	६
९	श	४८	५०	श्र	४६	२०	धृ	५१	१६	बा	१	१६	२	२४	३६	२२	३०	७
१०	र	५५	९	ध	५३	३९	शु	५३	३०	तै	२२	०	२७	२४	३६	२३	१	८
११	चं	६०	०	श	६०	०	गं	५५	३२	व	२८	२०	५४	२५	३५	२४	२	९
११	मं	१	३२	श	१	७	वृ	५८	७	वि	१	३२	५०	२६	३४	२५	३	१०
१२	बु	७	५५	पू	८	५५	ध्रु	६०	०	बा	७	५५	४६	२७	३३	२६	४	११
१३	गु	१३	५८	उ	१५	५९	व्या	०	१९	तै	१३	५८	४२	२८	३२	२७	५	१२
१४	शु	१९	१३	रे	२२	३८	ह	१	५४	व	१९	१३	३९	२८	३२	२८	६	१३
१५	श	२३	२०	अ	२८	१५	व	३	१	ब	२३	२०	३५	२९	३१	२९	७	१४

विशाखा. बुधः ७।६ चंद्रदर्शनम्
चित्राशुक्रः २८।७ रज्जब ७
भ. ११/५७ उ. ३९/४६ या दृश्य स्तुलायामर्क ९/५८*
शुक्रास्तः पू. १/० (*सौरः ३७/२८) पू.अ. सरस्वत्यावाहनम् शु.
भ. ३९।४१ उ. सरस्वती पू.
भ. ११/४१ या. तुला शुक्र ५०/८ भद्रकाल्यवतार+ सरस्वती विसर्जनम् + बलिदानम्
दृश्यःस्वा. र. ५/१० वृ बुध १/५५ बिजया १०
भ. २८/२० उ. स्वा. रविःसौरः १/२६ पूफा. भौ. १२/५४=
भ. ३१/३२ या. पापां. ११ब्र. वै. =पापां ११ब्र.
अनु. बुधः २३/५५ पुष्य. ३ गुरुः ४२।५ प्रदोषः
स्वात्यां शुक्रः ८।४४
भ. १९/१ उ. ५१/१६ या. भर ३ राहु विशा १३ तुः ×
शरद ऋतुर्गिमा वै. [×२३/४३ शरद १५ स्मा.

२८पं.आ.शु.६बु.इ.४२/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	३	५	११	०	६
२	१०	२५	९	२७	०	२३	२
३१	४३	४५	२२	२१	३६	४७	४
३४	१२	५८	५२	२५	१४	५७	३१
५९	३७	७३	६	७४	३८	३	५९
३४	२४	७	१४	३२	ब	११	४६

गोचरग्रहाः

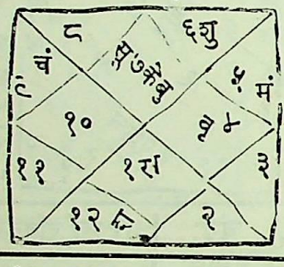

आ. शुक्रा ४
चंद्रे तुलाया मर्कः प्र. वा. ४ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मृ. ३० (धान्य भाव सम) शु.पू.

गोचरग्रहाः

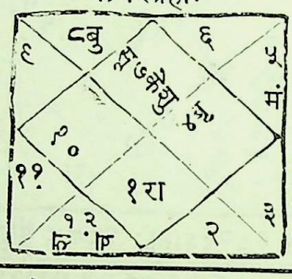

२९पं.श्रा.शु.१२बु इ.४२/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	३	६	११	०	६
९	१४	३	१०	६	०	२३	९
२९	५२	३७	०	७	१२	२५	३
४९	१२	४	१	९	३२	४२	५१
५९	३७	५५	५	७४	३९	३	६०
४७	२	४४	५	३२	ब	११	२

ति. कार्तिक कृष्ण पक्षः सं.२०२३ शाकः १८८८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽश्विनकृ. महाराष्ट्राः

१	र	२६	३६	भ	३२	५२	सि	३	१४	कौ	२६	३६	३७/३१	६/३०	५/३०	३०	८	१५
२	चं	२८	५१	कृ	३६	२५	व्य	२	४६	ग	२८	५१	२७	३१	२९	३१	९	१६
३	मं	२९	३६	रा	३८	५६	व	१/१७	५७/४८	वि	२९	३६	२४	३१	२९	१	१०	१७
४	बु	३०	३०	मृ	४०	३१	शि	५६	३	बा	३०	३०	२०	३२	२८	२	११	१८
५	गु	२८	३८	आ	४०	५६	सि	५२	२०	तै	२८	३८	१६	३३	२७	३	१२	१९
६	शु	२६	४०	पु	४०	२९	सा	४७	४२	व	२६	४०	१३	३३	२७	४	१३	२०
७	श	२३	३८	पु	३९	८	शु	४२	१९	ब	२३	३८	९	३४	२६	५	१४	२१
८	र	१९	४६	श्ले	३६	४३	शु	३६	६	कौ	१९	४६	६	३५	२५	६	१५	२२
९	चं	१४	४९	म	३३	२३	व्र	२९	४	ग	१४	४९	२	३६	२४	७	१६	२३
१०	मं	९	५	पू	२९	९	ऐं	२१	२४	वि	९	५	२९/२८	३६	२४	८	१७	२४
११	बु	२	२०	उ	२४	१	वै	१२	५७	बा	२	२०	५६	३७	२३	९	१८	२५
१२	बु	५२	४३	०	०	८	०	०	०	८	०	८	०	०	०	०	०	०
१३	गु	४७	१७	ह	१८	२०	वि	५/४	५०/३६	ग	२१	१०	५३	३७	२३	१०	१९	२६
१४	शु	३९	३२	चि	१२	२८	आ	४५	३०	वि	१३	२४	४९	३८	२२	११	२०	२७
२०	श	३२	२१	स्वा	६	५३	सौ	३६	२९	च	५	५६	४६	३९	२१	१२	२१	२८

भ. ५५/३३ उ. वक्री पूभा. ३ कुंभे शनिः ४।४९
भ. ३९/३६ या. च.ब्र. नवंबरमा. ११ ता. ३०

*(सौरः ३५/५५ विशाखा. शुक्रः ४३।३७
भ. २६।४० उ. ५५।१० या.
वक्री बुधः ४१।५९
दृश्यो विशाखा. रविः १२।१३*
भ. ४१।५७ उ.
भ. ९।५ या.
रमा ११ ब्र.
×२४।० रूप १४
भ. ४७।१७ उ. प्रदोषः धन १३
भ. १३।२४ या. पश्चिमास्तो बुधः ×
महालक्ष्मी पूजनम्

३०पं.का.कृ.४बु.इ. ४२/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	३	६	१०	०	६
१६	१८	८	१०	१४	२९	२३	१६
२९	५७	५९	२९	५४	५३	३	१४
३८	४७	३१	२	७	५३	२६	५५
६०	३६	२५	३	७४	२०	३	६०
४	३०	४७	५७	३२	ब	११	१८

गोचरग्रहाः

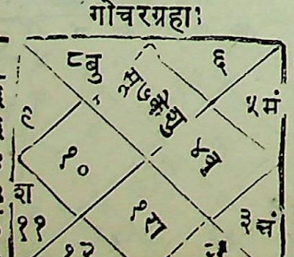

इस मास में अनाज गल्ला चावल मूंग बाजरा जौ गेहूँ में मंदी सोना चांदी सम रोग हो।

गोचरग्रहाः

३१पं.का.कृ.११बु.इ.४१/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	३	६	१०	०	६
२३	२२	९	१०	२३	२९	२२	२३
३०	५७	१३	५०	४१	३९	४१	७
५८	३६	४१	२४	४६	०	१०	३३
६०	३६	३६/२५	२	७४	४५	३	६०
१७	२	ब्र	२९	३८	ब	११	३०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०२३ शाकः १८८८ | दि.उ.अ.इं.रा.मु. | चन्द्रः | हेमंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ४६०५स.१६६६

१	र	२६	१२	वि	५	६	शो	२८	२०	ब	२६	१२	२६	५	१३	२२	२६	बृश्चिके
२	चं	२१	२२	ज्ये	५५	५०	अ	२१	१६	की	२१	२२	४०	४०	२०	१४	२३	३०	ध.५५।५०
३	मं	१८	३०	मू	५५	३१	सु	१५	२२	ग	१८	३०	३७	४१	१६	१५	२४	१	धनुषि
४	बु	१७	२६	पू	५७	२	धृ	११	५	वि	१७	२६	३४	४१	१६	१६	२५	२	धनुषि
५	गु	१८	३७	उ	६०	०	शू	८	२७	त्रा	१८	३७	३१	४२	१८	१७	२६	३	ग. १२।५८
६	शु	२१	४१	उ	०	४३	गं	७	११	तै	२१	४१	२६	४३	१८	१८	२७	४	मकरे
७	श	२६	२४	श्र	५	५३	बृ	७	४७	व	२६	२४	२६	४३	१७	१६	२८	५	कुं ३६।१७
८	र	३२	१८	ध	१२	४०	ध्रु	६	१०	व	३२	१८	२४	४३	१७	२०	२६	६	कुम्भे
९	चं	३८	४०	श	१६	५२	व्या	११	५	घा	५	२६	२१	४४	१६	२१	३०	७	कुम्भे
१०	मं	४५	५	पू	२७	३२	ह	१३	२१	तै	११	५२	१६	४४	१६	२२	१	८	मी १०।३७
११	बु	५१	१५	उ	३४	५५	व	१५	३६	व	१८	१०	१६	४५	१५	२३	२	९	मीने
१२	गु	५६	३६	रे	४१	३७	सि	१७	२३	व	२३	५५	१३	४५	१५	२४	३	१०	मे.४१।३७
१३	शु	६०	०	अ	४७	७	व्य	१८	३८	की	२८	२९	११	४६	१४	२५	४	११	मेषे
१३	श	०	२२	भ	५१	२९	व	१८	३७	तै	०	२२	८	४६	१४	२६	५	१२	मेषे
१४	र	३	४	कृ	५४	३०	प	१७	३५	व	३	४	६	४७	१३	२७	६	१३	बृ.७।१४
१५	च	४	१०	रा	५६	११	शि	१५	३८	ब	४	१०	३	४७	१३	२८	७	१४	बृषे

अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा
बृश्चिके शुक्रः ४१/१० भ्रातृ२ यम२ चन्द्रद.
भ.४५/५८उ. वक्री वि. बुधः ५५/६१ सावनंद
भ.१७/२६या. दृश्यो वृ. ११/५५(सौरः ३०/१२)उ.*
अनु.शुक्रः २३/३७ [*भौमः १६।३७
वक्री तुला. बुधः ०।१४
भ.२६/६४उ ५५/६१या.दृश्योऽनुराधा. रविः÷
गोपाष्टमी [÷३६/३५ (सौरः४८।०)
कुष्मांडनवमी अक्षयनवमी
कन्यायां भौमः १२/१६राष्ट्रीयमार्गशीर्षारंभः
भ.६/६८उ.५१/६५या.वक्रीगुरुः ४३/६६ पू.बुधः+
[+५५/६१प्रबोधिनी ११ब्र. तुलसी विवाहः
प्रदोषः
मार्गीशनिः१।२८
भ.३।४उ.३३/३७या.मार्गीबुधः १६/१५ ज्येष्ठा.=
मन्वादिः [=शुक्रः ५५/५५ वैकुण्ठ १४

३२पं.का.शु.४३.इ.४१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	३	७	१०	०	७
०	२६	२	११	२	२९	२२	०
३३	५४	८	१	२९	२९	१८	११
४७	५४	१३	१६	१७	१३	५५	३७
६०	३५	५७/५८	१	७४	५/६	३	६०
३०	४०	ब	११	३८	व	११	४०

गोचरग्रहाः

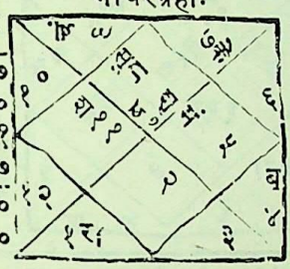

का. शुक्ले ४ बुधे वृश्चिकेऽर्कः. प्र. वा.३ न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रा. पू

गोचरग्रहाः

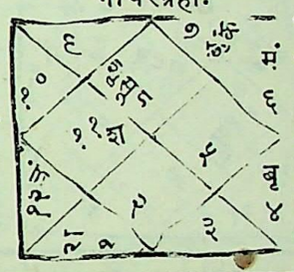

३३पं.का.शु.१६बु इ ४१/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	३	७	१०	०	७
७	०	२५	११	११	२९	२१	७
३७	४८	३	२	१७	२४	५६	१७
३७	४०	२५	३१	४६	५०	३९	१०
६०	३५	३०/३८	०	७४	०/१७	३	६०
४२	८	ब	ब्र	३२	ब	११	५३

ति.मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०२३श कः १८८८ | दि.उ.अ.इं.रा.मु. | चन्द्रः | हेमंततूं रविरुत्तरे का. कृ.महाराष्ट्राः

१	मं	४	६	मृ	५६	६	मा	१२	३८	की	४	६	२६/२७	६/८	५/७	२९	८	१५	मि.२६।३३
२	बु	२	५४	आ	५६	३	सा	८	४०	ग	२	५४	२५/२९	४८	१२	३०	९	१६	मिथुने
३	गु	१	३८	पु	५८	१२	शु	५५/५६	५४/५९	वि	१	३८	५७	४९	११	१	१०	१७	क. ४०।१२
४	शु	५६	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	शु	५३	५३	पु	५८	१	ल	५	४३	की	२६	१०	५५	४९	११	२	११	१८	क र्के
६	श	४९	५७	श्लें	५०	३८	ऐं	४६	३४	ग	२१	५५	५३	४९	११	३	१२	१९	सिं.५०।२८
७	र	४५	२९	म	४७	५६	वै	४०	२	वि	१७	४३	५१	५०	१०	४	१३	२०	सिंहे
८	चं	४०	३८	पू	४४	४७	वि	३३	८	घा	१३	३	४९	५०	१०	५	१४	२१	क.५९।४१
९	मं	३५	३८	उ	४१	१७	प्री	२५	४९	तै	८	८	४८	५०	१०	६	१५	२२	कन्यायां
१०	बु	२९	५९	ह	३०	२१	आ	१८	२०	व	२	४८	४६	५१	९	७	१६	२३	कन्यायां
११	गु	२४	१२	चि	३३	२०	सौ	१०	२६	घा	२४	२२	४५	५१	९	८	१७	२४	तु. ५।२१
१२	शु	१८	२४	स्वा	२९	१६	शो	४९/५०	५३/५४	तै	१८	२४	४४	५१	९	९	१८	२५	तुलायां
१३	श	१२	५३	वि	२५	३९	सु	४७	४९	व	१२	५३	४२	५२	८	१०	१९	२६	बृ.११।३१
१४	र	८	०	अ	२२	३०	धृ	४१	१६	श	८	०	४१	५२	८	११	२०	२७	बृश्चिके
२०	चं	३	५१	ज्ये	२०	२०	शू	३४	२३	ना	३	५१	४०	५२	८	१२	२१	२८	ध. २०।२०

भ.३२।१६ उ.
भ.१।३८या.चतुर्थीव्र. दिस.१२ ता ३१

दृश्यो ज्येष्ठा.रविः ३६/४५ (सौरः५५।०)
भ.४९।५७ उ.
भ.१७।४३या.
[* पश्चिमायाम् २५।४८
वृश्चिके बुधः २०।४४
भ.२।५८उ. २९।५९ या. शुक्रोदयः*
मूलेधनुषिशुक्रः ३४/३५ उत्पत्ति ११ब्र. शु.उ.
अनु. बुधः १२।३६ प्रदोषः प.
भ.१९।३३ उ. ४०।२६ या. हस्तेऽ
[≡ भौमः ३७।१७

३ ५पं.मा कृ.२बु.इ. ४१।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	३	७	१०	०	७
१४	४	२४	१०	२०	२९	२१	१४
४२	३६	५२	५४	५	२४	३४	२३
५४	३६	२३	२१	२४	४	२४	५६
६०	१४	३८/३७	३२	७४	३४/३०	३	६१
५०	१३	मा	ब	३२	मा	११	३

गोचरग्रहाः

इस मास में भी मंदी बाजार में रहे,शुक्रका उदय हुई चाँदी रस धान्य तृणादि में मंदी का रक है। सुदीमें कुछ तेजी

गोचरग्रहाः

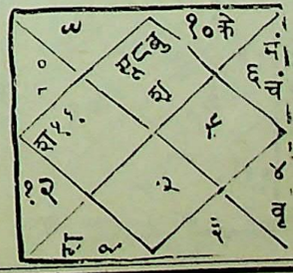

३५पं.मा कृ.१०बु.इ४१।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	३	७	१०	०	७
२१	८	११	१०	२८	२९	२१	२१
४८	२१	३३	३६	५३	३१	१२	३१
५८	२२	२९	१८	४७	८	८	४३
६०	३३	६९	५८/२	७४	१	३	६१
५६	३५	४९	ब	३२	१७	११	११

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८ | दि. उ. अ | इं. रा. मु. | चंद्रः | हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४६३५ स. १९६६

१	मं	१	१६	मू	१९	५५	गं	३०	४३	ब	१	१६	२५/३	६/५२	५/८	१३	२२	२९	धनुषि
२	बु	०	७	पू	२०	४१	बृ	२७	२३	कौ	०	७	३८	५२	८	१४	२३	३०	म ३६।२१
३	गु	०	५३	उ	२३	२०	शु	२५	४३	ग	०	५३	३८	५२	८	१५	२४	१	मकरे
४	शु	३	२७	श्र	२७	४८	व्या	२४	५२	त्रि	३	२७	३७	५३	७	१६	२५	२	मकरे
५	श	७	३०	ध	३३	३८	ह	२५	३७	वा	७	३०	३७	५३	७	१७	२६	३	कु ०।४३
६	र	१३	१	श	४	२२	व	२७	५	तै	१३	१	३७	५३	७	१८	२७	४	कुम्भे
७	चं	१९	१७	पू	४८	१	सि	२९	६	व	१९	१७	३६	५३	७	१९	२८	५	मी ३१।८
८	मं	२५	४२	उ	५५	२३	व्य	३१	२३	ब	२५	४२	३६	५३	७	२०	२९	६	मीने
९	बु	३२	५	रे	६०	०	व	३३	२०	कौ	३२	५	३६	५३	७	२१	३०	७	मीने
१०	गु	३७	३४	रे	२	३४	प	३४	५४	तै	४	५०	३६	५३	७	२२	१	८	मे. २।३४
११	शु	४१	३८	अ	८	३५	शि	३५	२१	व	९	३६	३६	५३	७	२३	२	९	मेषे
१२	श	४४	२३	भ	१३	११	सि	३४	४०	ब	१२	०	३७	५३	७	२४	३	१०	वृ. २८।५८
१३	र	४५	२	कृ	१६	१९	सा	३२	४४	कौ	१४	४३	३७	५३	७	२५	४	११	बृषे
१४	चं	४४	१३	रो	१७	४८	शु	२९	१०	ग	१४	३७	३७	५३	७	२६	५	१२	मि ४७।४०
१५	मं	४१	४६	मृ	१७	३२	शु	२४	३७	वि	१२	५९	३	५२	८	२७	६	१३	मिथुने

चन्द्र द.
भ. ३/१०२ उ. दृश्यो मूले धनुष्यर्कः ४३।५७*
भ. २/३७ या. वक्री पुष्य. २ गुरुः ५९/६+
[+पातमोक्षः ७।१५
ज्येष्ठायां बुधः ४७।२१ चम्पा ६
भ. १९।१७ उ. ५/३०२ या. पूषायां शुक्रः ५/७१
[*(सौर. ५/४/५) रमजानेऽपातस्पर्शः ४/२५
[×४१।२० दत्तजयन्ती
पूभा ४मीने शनिः ३/५९० रा. पौषारम्भः
भ. ९।३६ उ ४/३१२ या मोक्षदा ११ब्र.÷
[÷गीताजयन्ती
प्रदोष व्र.
भ ४४।१३ उ. पूर्वास्तो बुधः १४।४०
भ. १३।० या. मूले धनुषि बुधः×

३६पं.मा.शु.२ बु.इ.४०।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	३	८	१०	०	७
२८	११	१०	१०	७	२९	२०	२८
५५	५९	५८	९	४१	४२	४९	४०
५२	१७	४३	३६	२५	०	५२	२६
६१	३२	८३	४	७४	१	३	६१
०	४७	३६	१०	२६	५८	११	१९

गोचरग्रहाः

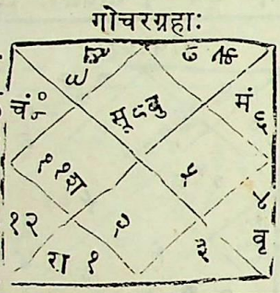

मार्गशीर्ष शु. ३ गुरौ धनुष्यर्कः प्र. वा. २ न. ३ वृद्धावस्था (बैठो) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु. प.

गोचरग्रहाः

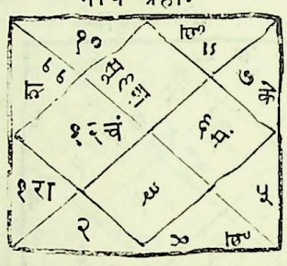

३७पं मा.शु.९ बु.इ.४०।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	३	८	१०	०	८
६	१५	२१	९	१६	२९	२०	५
३	२९	१	३४	२९	५७	२७	४९
२९	३८	१२	१९	३८	५७	३७	५१
६१	३१	५०	२/५३	७४	२	३	६१
४	४८	२४	ब	२६	४०	११	२२

ति. पौष कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | शिशिरतूं रविरुत्तरे मार्गं कृ. महाराष्ट्राः

१	बु	३८	१०	आ	१६	५	व्र	१८	५८	चा	९	५८	२५/३	६/५२	५/८	२८	७	१४	क ५९।५
२	गु	३३	३३	पु	१३	२५	ऐं	१२	२९	तै	५	५२	३९	५२	८	२९	८	१५	कर्के
३	शु	२८	१३	पु	९	५०	वै	२/१९	५/३२	व	०	५३	४०	५२	८	३०	९	१६	कर्के
४	श	२२	४६	श्ले	५	५७	प्री	५०	२१	वा	२२	४६	४०	५२	८	३१	१०	१७	सिं ५।५७
५	र	१७	१४	म	३/१९	५/६	आ	४२	३८	तै	१७	१४	४१	५२	८	१	११	१८	सिंहे
६	चं	११	५४	उ	५५	१४	सौ	३५	१०	व	११	५४	४२	५२	८	२	१२	१९	क १२।५४
७	मं	६	४६	ह	५१	४९	शो	२८	२	ब	६	४६	४३	५१	९	३	१३	२०	कन्यायां
८	बु	१	४३	चि	४८	५४	अ	२०	५५	कौ	१	४३	४४	५१	९	४	१४	२१	तु. २०।५१
९	बु	५५	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	९	०	०	०	०	०	०
१०	गु	५२	५०	स्वा	४६	१०	सु	१४	१०	व	२५	०	४६	५१	९	५	१५	२२	तुलायां
११	शु	४८	५१	वि	४३	५०	धृ	७	३४	ब	२०	५०	४७	५१	९	६	१६	२३	वृ. २९।२५
१२	श	४५	३९	अ	४२	१३	शू	२/९	५/४०	कौ	१७	१५	४९	५०	१०	७	१७	२४	बृश्चिके
१३	र	४३	१२	ज्ये	४१	१०	शू	५१	११	ग	१४	२५	५१	५०	१०	८	१८	२५	ध. ४१।१०
१४	चं	४१	३५	मू	४१	१४	ध्रु	४७	१३	वि	१२	२४	५२	५०	१०	९	१९	२६	धनुषि
३०	मं	४१	२१	पू	४२	३४	व्या	४४	५	च	११	२८	५४	४९	११	१०	२०	२७	म. ५८।१३

दृश्यः पूषायां रविः ४८।५३
पूषायां रविः सौरः २२° उषायां शुक्रः ४/६९
भ. ०।५३ उ २५/१३ या. भर. २ राहुः स्वाती.*
[*४ केतुः २१।२४ चतुर्थी व्र.
शुक्रः २२/३९ जनवरी मा. १ ता. ३१+
भ. ११।५४ उ. ३९।२० यां.
[+ सन् १९६७ ई०

भ. २५।० उ. ५/५२० या. पूषायां बुधः १/३५
सफला ११ व्र. स्मा. वै.
चित्रा भौमः १६।२६ सफला ११ व्र. नि.
भ ४३।१२ उ. प्रदोष व्र.
भ. १२।२४ या. श्रवणे शुक्रः २१।५३
दृश्य उषायां रविः ५३।३७

३८पं. पौ.कृ.१ बु.इ ४०।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	३	८	११	०	८
१३	१८	१	८	२५	०	२०	१२
११	४९	३३	५१	१७	१९	५	९
२१	४८	४०	२९	४९	५	२१	४३
६१	३०	९४	२/८	७४	३	३	६१
६	३५	५३	ब	२६	२१	११	२६

गोचरग्रहाः

पौष कृ ४ शनौ मकरेऽर्कः प्र.वा. ३ नं. ३ प्रगल्भावस्था (बंठी मु १५ धान्यादिभावे महर्घता शु. प.

गोचरग्रहाः

३९पं.पौ.कृ८ बु.इ ४०।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	३	९	११	०	८
२०	२२	१२	८	४	०	१९	२०
१९	३	२८	३	५	४४	४३	९
२६	०	१३	११	६	३८	६	४०
६१	२९	९६	२/७	७४	४	३	६१
६	३७	४६	ब	२०	२	११	२६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. पौष शुक्लपक्षः सं २०२३ शाकः १८८८ दि. उ अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ४६६४स १६६७

१	बु	४२	२४	उ	४५	११	ह	४२	५१	किं	११	५२	२५	४	५	११	२१	२८	मकरे
२	गु	४५	८	श्र	४६	१७	व	४१	५२	बा	१२	४६	५८	४	१२	१२	२२	२६	मकरे
३	शु	४६	१०	ध	५५	४४	सि	४२	१३	तै	१७	६	२६	४	१२	१३	२३	१	कु. २२।२१
४	श	५४	२८	श	६०	०	व्य	४३	१७	व	२१	४६	३	४	१३	१४	२४	२	कुम्भे
५	र	६०	०	श	१	११	व	४५	८	ब	२७	२८	५	४	१३	१५	२५	३	मी ५१।६
६	चं	०	२८	पू	७	४८	प	४७	३१	बा	०	२८	८	४	१४	१६	२६	४	मीने
७	मं	६	५७	उ	१५	०	शि	४६	४३	तै	६	५७	१०	४	१४	१७	२७	५	मीने
८	बु	१३	२६	रे	२३	२६	सि	५१	४३	व	१३	२६	१२	४	१४	१८	२८	६	मे. २३।२६
९	गु	१६	२३	अ	३०	१५	सा	५२	४८	ब	१६	२३	१५	४	१५	१६	२६	७	मेषे
१०	शु	२४	०	भ	३५	४४	शु	५२	४०	कौ	२४	०	१७	४	१५	२०	३०	८	वृ. ५२।१६
११	श	२७	१३	कृ	३६	५०	शु	५१	१४	ग	२७	१३	२०	४	१६	२१	१	९	वृषे
१२	र	२८	२४	रो	४१	५६	ज्ये	४८	३१	वि	२८	२४	२२	४	१६	२२	२	१०	वृषे
१३	चं	२७	४२	मृ	४२	६	ऐं	४४	३	बा	२७	४३	२५	४	१७	२३	३	११	मि. १२।४
१४	मं	२५	५	आ	४०	३०	वै	३८	८	तै	२५	५	२७	४	१७	२४	४	१२	मिथुने
१५	बु	२०	४५	पु	३७	२२	वि	३०	५०	व	२०	४५	३०	४	१८	२५	५	१३	क. २३।६
१६	गु	१४	५३	पु	३२	४७	मी	२२	३७	ब	१४	५३	३३	४	१८	२६	६	१४	कर्के

उषायां रविः सौरः १।४६
चन्द्र दर्शनम्
उषायां बुधः ३१।१ सव्वाल १०
भ. ३१/४१ उ. ५४/२८ या. दृश्योमकरेऽर्कः १०।१*
मकरे बुधः ४५/१३ वक्री पुष्य. १गुरुः २३/३६
[* (सौरः १७।१४)

भ. १३।२६उ. ४६।२५ या.
धनिष्ठा. शुक्रः ४७।१६
दृश्योऽभि. प्र. रविः ४२।४६ (सौरः ४५/२६)
भ. ५७/४८ उ. श्रवणे बुधः ३०/१६ रा माधारंभः
भ. २८।२४ या. पुत्रदा ११ व्र.
दृश्यः श्रवणे रविः ५६।६
सौर. श्रवणे रविः ४।३३ दृश्योऽभि. नि.+
भ. २०।४५ उ. ४७/४६ या. कुम्भे शुक्रः २२/३८
+रविः ५१/३८ (सौरः ५४/४६) तुला. भौमः १०/३७ प्रदोष

४०पं.पौ.शु.१बु.इ.४०/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	३	९	११	०	८
२७	२५	२३	७	१२	१	१९	२७
२७	६	३२	८	५१	१४	२०	१९
४०	३३	३५	४२	४०	५२	१०	३२
६१	२७	०/२८	४३	७४	४	३	६१
६	४१	४/२	ब	२०	३८	११	२४

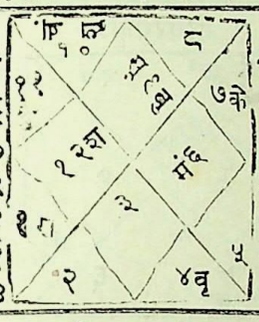

४१पं.पौ.श.७बु.इ।४०।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	३	९	११	०	९
४	२८	५	६	२१	१	१८	४
३५	०	४	११	३७	४८	५८	२९
३१	४०	३७	४२	१९	३२	३४	१
६१	२५	०/२९	७	७४	५	३	६१
३	३७	१/२०	ब	१३	५	११	१९

४२पं.पौ.शु.१४बु.इ.४०/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	३	१०	११	०	९
११	०	१६	५	०	३	१८	११
४२	३५	५८	१६	२२	२५	३६	३७
५८	१०	२३	५२	१	४४	१९	५२
६०	२३	०/२७	५२	७४	५	३	६१
५९	२९	२/२	ब	२	३८	११	१३

ति. माघ कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | शिशिरर्तु रविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्रा

१	शु	७	५८	श्ले	२७	२८	आ	१३	४५	कौ	७	५८	२६/३६	४/१	१६/१६	५/२७	७	१५	सिं २७।२८
२	श	०	५२	म	२१	४५	सो	४/३७	५०/३६	ग	०	५२	३६	४०	२०	२८	८	१६	सिंहे
३	श	५२	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२६	६	१७	०
४	र	४६	६	पू	१६	१७	अ	४६	२७	ब	१६	४३	४२	४०	२०	०	०	०	क. ३०।०
५	चं	३६	२२	उ	११	७	सु	३७	५४	कौ	१२	४५	४६	३६	२१	३०	१०	१८	कन्या
६	मं	३३	३५	ह	६	३६	धृ	३०	१४	ग	६	२६	४६	३८	२२	३१	११	१६	तु. ३४।४३
७	बु	२८	२८	चि	२	४७	शू	२३	०	वि	१	२	५२	३८	२२	१	१२	२०	तुलायां
८	गु	२४	२४	स्वा	०	५८/१०	गं	१६	३४	कौ	२४	२४	५५	३७	२३	२	१३	२१	वृ. ४३।४४
९	शु	२१	६	अ	५७	११	वृ	१०	१३	ग	२१	६	५६	३६	२४	३	१४	२२	बृश्चिके
१०	श	१८	५६	ज्ये	५७	२०	ध्रु	६	३२	वि	१८	५६	२/१	३६	२४	४	१५	२३	ध. ५७।२०
११	र	१७	४४	मू	५८	२१	व्या	४/६	५७/१	बा	१७	४४	६	३५	२५	५	१६	२४	धनुषि
१२	चं	१७	३२	पू	६०	०	व	५७	४१	तै	१७	३२	६	३४	२६	६	१७	२५	धनुषि
१३	मं	१८	३२	पू	०	३६	सि	५६	३८	व	१८	३२	१३	३३	२७	७	१८	२६	म. १६।२८
१४	बु	२०	१५	उ	३	५५	व्य	५६	११	श	२०	१५	१६	३३	२७	८	१९	२७	मकरे
१५	गु	२३	४८	श्र	८	१९	व	५५	४८	ना	२३	४८	२०	३२	२८	९	२०	२८	कु. ४१।१

भ. २७।४उ. ५३।१७ या.

धनिष्ठा. बुधः २०।२१ चतुर्थी व्र.
शते शुक्रः ४२।४६
भ. ३३।३५उ.
भ. १।२ या. फरवरी मा.२ ता.२८
कुम्भे बुधः ६।२४
भ. ५०।२ उ. उभा. १शनिः ४४।५
भ. १८।५६ या.
शते बुधः ५१।३३ पश्चिमोदयी बुधः*
दृश्योधनिष्ठा रविः ७/३० (सौरः १०/२४) प्रदोषः
भ. १८।३२ उ. ४९।२३ या.

[* ६।१५ षट् तिला ११ व्र.

४३पं.मा.कृ.७बु.इ.४०।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	३	१०	११	०	९
१८	२	२९	४	९	३	१८	१८
४९	३७	१४	२२	५	७	१४	४५
२६	५८	२०	१६	२४	३७	३	५३
६०	२०	०/२७	२८	७४	६	३	६१
५५	३७	१०/२०	ब	२	१	११	४

गोचरग्रहाः

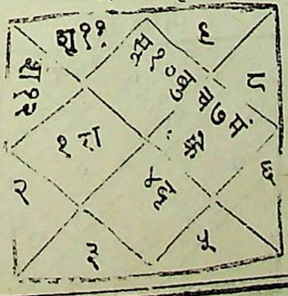

इस मासका फल
श्रेष्ठहै धान्य रुई
चांदी सोना गुड़
अफीम मूंगफली
तिल तेल में
घटा बढ़ी हो।

गोचरग्रहाः

४४पं.मा.कृ.१४बु.इ.४०/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	१०	३	१०	११	०	९
२५	४	११	३	१७	३	१७	२५
५५	५९	१६	३१	४८	५१	५१	५२
१६	४६	४१	१	१८	४	१८	४०
६०	१७	९८	४४/६	७३	६	३	६०
४७	४३	६	ब	५६	२२	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.। माघ शुक्लपक्षः सं.२०२३ शाकः १८८८ | दि.उ.अ.इं.रा.मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ४६६४स१६६७

१	शु	२८	६	ध	१३	४४	प	५६	५६	ब	२८	६	३७/२४	६/१	५/२६	१०	२१	२६	कुम्भे
२	श	३४	३०	श	२०	५	शि	५८	३४	बा	१	१८	२७	३१	२६	११	२२	३०	कुम्भे
३	र	३६	२७	पू	२७	१४	सि	६०	०	तै	६	५६	३१	३०	३०	१२	२३	१	मी १०।२७
४	चं	४५	५७	उ	३४	४६	सि	०	४१	व	१२	४२	३५	२६	३१	१३	२४	२	मीने
५	मं	५२	३६	रे	४२	२४	सा	३	१	ब	१६	१७	३८	२८	३२	१४	२५	३	मे.४२।२४
६	बु	५८	५०	अ	४६	५८	शु	५	३६	की	२५	४३	४२	२८	३२	१५	२६	४	मेषे
७	गु	६०	०	भ	५६	२३	शु	७	२६	ग	३१	२०	४६	२७	३३	१६	२७	५	मेषे
८	शु	४	१	कृ	६०	०	न	८	२७	व	४	१	५०	२६	३४	१७	२८	६	बृ.१२।४१
९	श	८	३	कृ	१	३७	ऐं	८	२६	ब	८	३	५४	२५	३५	१८	२९	७	बृषे
१०	र	१०	१६	रो	५	११	वै	७	१	की	१०	१६	५८	२४	३६	१९	३०	८	मि.३६।०
११	चं	१०	३२	मृ	६	५०	वि	४/५५	५५/१८	ग	१०	३२	२८/२	२४	३६	२०	१	९	मिथुने
१२	मं	८	४०	आ	६	२१	आ	५३	१४	वि	८	४०	६	२३	३७	२१	२	१०	क. ४९।३१
१३	बु	४	४९	पु	५/४	५५/४३	सौ	४५	२६	बा	४	४९	१०	२२	३८	२२	३	११	क र्के
१३	बु	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	गु	५२	३२	श्ले	५३	५३	शो	३६	२४	ग	२५	४७	१४	२१	३९	२३	४	१२	सिं५३।५३
१५	शु	४३	१७	म	४७	१५	अ	२६	४०	वि	१७	२५	१८	२०	४०	२४	५	१३	सिंहे

भ. ५२।३२ उ. वक्री बुधः १८।४७
भ. १७।२५ या.

पूभा.शुक्रः ३७/३९ वक्री पुन. ४गुरुः १८।५६
चन्द्रदर्शनम् *४४।२१) जिल्काद११
दृश्यः कुम्भेऽर्कः ४२।४५ (सौरः*
भ. १२।४२ उ. ४५।५७ या.
पूभायां बुधः ४०।४४ वसंत ५
स्वात्यां भौमः ३१।३७
भानु ७
भ. ४।१ उ. ३६।२ या.
मीने शुक्रः ३१।४८ भीष्माष्टमी
दृश्यः शतेरविः १९।६ (सौरः१९।४३)
भ.३९।३६उ. राष्ट्रीय फाल्गुनारम्भः
भ.४०/५या.उभा.शुक्रः१२।५जया११व्र.
प्रदोषः

४५पं.मा.शु.६व्र.इ.४१।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	३	१०	११	०	१०
३	६	२१	२	२६	४	१७	२
०	४२	१०	४५	२९	३७	२९	५८
४	७	५९	२९	४९	१	३२	४३
६०	१३	७०	५७/५३	७३	६	३	६०
३७	३२	४०	ब	५०	३५	११	४२

गोचरग्रहाः

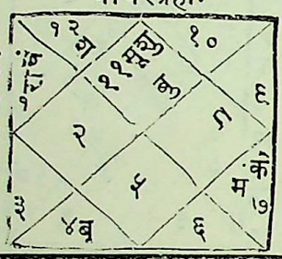

मा. शुक्ले ३रवौ कुंभेऽर्कः. प्र. वा. २ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.

गोचरग्रहाः

४६पं.मा.शु.१२बु.इ ४१/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	३	११	११	०	१०
१०	७	२५	२	५	५	१७	१०
३	५७	२०	७	९	२५	७	३
३२	४७	३८	५	३२	८	१६	१६
६०	८	६	४/५३	७३	६	३	६०
२५	२४	७	ब्र	४२	५४	११	३१

ति.फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२३शाकः १८८८ | दि.उ.अ.इं.रा.मु. | चन्द्रः | वसंतर्तौ रविरुत्तरे माघ. कृ.महाराष्ट्राः

१	श	३४	२४	पू	४०	७	सु	१६	१५	ब्रा	८	५१	२८/२२	६/२०	५/४०	२५	६	१४	क.५३।२२
२	र	२५	२४	उ	३३	८	धृ	५५/५२	४६/४७	ग	२५	२४	२६	१६	४१	२६	७	१५	कन्यायां
३	चं	१६	३८	ह	२६	४३	गं	४६	२	वि	१६	३८	३०	१८	४२	२७	८	१६	तु. ५३।४५
४	मं	८	३६	चि	२०	४७	वृ	३७	४	ब्रा	८	३६	३४	१७	४३	२८	९	१७	तुलायां
५	बु	१	५५	स्वा	१६	२२	ध्रु	२६	३१	तै	१	५५	३८	१६	४४	१	१०	१८	बृ.५९।२
६	बु	५४	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	गु	५२	२८	वि	१३	१५	व्या	२२	५७	वि	२४	३०	४२	१६	४४	२	११	१९	वृश्चिके
८	शु	५०	१	अ	११	३४	ह	१७	५२	ब्रा	२१	१४	४६	१५	४५	३	१२	२०	बृश्चिके
९	श	४८	५३	ज्ये	११	३०	व	१३	३१	तै	१९	२७	५०	१४	४६	४	१३	२१	ध. ११।३०
१०	र	४९	२३	मू	१२	३५	सि	१०	३५	व	१९	८	५४	१३	४७	५	१४	२२	धनुषि
११	चं	५१	५	पू	१५	२८	व्य	८	५८	ब	२०	१४	५८	१२	४८	६	१५	२३	ग. ३१।२४
१२	मं	५४	०	उ	१९	१४	व	७	५९	की	२२	३२	२९/२	१२	४८	७	१९	२४	मकरे
१३	बु	५८	७	श्र	२४	१८	प	८	२३	ग	२६	३	६	११	४९	८	१७	२५	कुं ५७।९
१४	गु	६०	०	ध	३०	०	शि	८	५५	वि	३०	३४	१०	१०	५०	९	१८	२६	कुम्भे
१४	शु	३	१	श	३६	४७	सि	१०	१९	श	३	१	१४	९	५१	१०	१९	२७	कुम्भे
३०	श	८	३५	पू	४३	५५	सा	१२	१	ना	८	३५	१९	८	५२	११	२०	२८	मी २७।८

पश्चिमास्तो बुधः १२।४५
भ. ५१।१ उ.
भ.१६।३८या.च.व्र. पातस्पर्शः५३।१३
पातमोक्षः २।२६
भ.५६।३२उ. मार्च मा.३ ता. ३१
*वक्रीशतेबुधः ४५/५३ रेवत्यां शुक्रः४।२१
भ. २४।३० या.
भरणी १ राहुः स्वाती ३ केतुः ५६।६
दृश्यःपूभायांरविः३५।११(सौरः ३४/३०)*
भ.१९।८उ.४९।२३या.वक्री भौमः ५९/८+
विजया ११ व्र स्मा. वै.
विजया११व्र.नि. +उभा २शनिः १६/२३
भ. ५८।७ उ. प्रदोषः
भ. ३०।३४ या. महाशिवरात्री व्रतम्
पूर्वोदयी बुधः ४९।३०

४७पं.फा.कृ.५बु.इ. ४१।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	३	११	११	०	१०
१७	८	२३	१	१३	६	१६	१७
५	४५	१३	२६	४७	१४	४५	६
४६	४३	३७	१८	३१	४९	१	५
६०	३	६२/५९	३४/३८	७२	७	३	६०
१२	१७	ब	ब	२८	२	११	२०

गोचरग्रहाः

इस मास का फल नेष्ट है । सुदी में रुई सोना चाँदी घृत तेल गुड़ तेज धान्य भाव मंदा कहीं२ रोग भय

गोचरग्रहाः

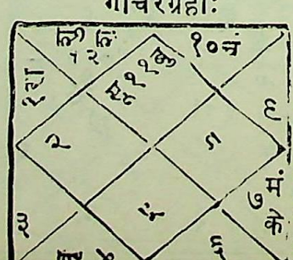

१८पं.फा.कृ.१२बु.इ ४१/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	३	११	११	०	१०
२४	९	१५	१	२२	७	१६	२४
६	५	२०	१४	२३	५	२२	७
२९	२४	१३	४२	२८	४६	४५	२८
५९	२०/३०	५९/१०	२/१३	७३	७	३	६०
५८	ब	ब	ब	२०	१४	११	६

×मं.चं.के.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०२३शाकः१८८८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः४७२४ स.१९६७
१	र १४ ४६	उ ५१ २१	शु १४ ५	ब १४ ४६	२९ ६ ५३	१२ २१	२९	मीने	चन्द्र द.
२	चं २१ ५	रे ५९ २	शु १६ २७	कौ २१ ५	२७ ७ ५३	१३ २२	१	मे.५९।२	फुलरिया२जिल्काद.१२ पातस्पर्शः *
३	मं २७ ३५	आ ६० ०	त्र १८ ५६	ग २७ ३५	३२ ६ ५४	१४ २३	२	मेषे	मीनेऽर्क ३४/५० (दृश्यः ३६/५) अश्वि.मेषेशुक्रः ५५/५
४	बु ३३ ३३	अ ६ ३७	ऐं २० ५४	व ० ३४	२६ ५ ५५	१५ २४	३	मेषे	भ.०।३४उ ३३।३३या.
५	गु ३९ १५	भ १३ २९	वै २२ ३८	ब ६ २४	४० ४ ५६	१६ २५	४	वृ.३०।०	
६	शु ४३ ४७	क्र १९ ३४	वि २३ ३९	कौ ११ ३१	४४ ३ ५७	१७ २६	५	वृषे	दृश्य उभायां रवि:५७।१२(सौर:५५/६)
७	श ४६ ४१	रो २४ २०	प्री २३ १७	ग १५ १४	४९ २ ५८	१८ २७	६	मि५५।५७	भ. ४६।४१ उ.
८	र ४८ ८	मृ २७ ३४	आ २१ ५०	वि १७ २५	५३ १ ५९	१९ २८	७	मिथुने	भ.१७।२५या.मार्गीबुधः१४।२४मार्गी×
९	चं ४७ ४२	आ २८ ५९	सो १८ ५५	वा १७ ५५	५७ १ ५९	२० २९	८	मिथुने	[×गुरुश्च १४।५८ होलाष्टकं
१०	मं ४५ १२	पु २८ १७	शो १४ १६	तै १६ २७	३०/१ ६/०	२१ ३०	९	क.१३।२८	
११	बु ४० ३९	पु २५ ४४	अ ८ ४	व १२ ५६	६ ५/९	२२ १	१०	कर्के	भ.१२।५६उ.४०/३०या आमलकी११व्र.+
१२	गु ३४ ९	श्ले २१ १९	सु २२ ५१/१	ब ७ २४	१० ५८	२३ २	११	सिं२१।१९	[+ रा. चैत्रारम्भः
१३	शु २६ २०	म १५ २१	शु ४१ १०	तै २६ २०	१४ ५७	२४ ३	१२	सिंहे	प्रदोषः [* २।५०मोक्षः१३।५२
१४	श १७ १३	पू ८ १२	गं ३० ३१	व १७ १३	१८ ५६	२५ ४	१३	क.२१।१६	भ.१७/१३उ.४२।२३या. भरण्यां शुक्रः ९
१५	र ७ ३३	उ ३० ५३/०	वृ १९ २८	ब ७ ३३	२३ ५५	२६ ५	१४	कन्यायां	छा:रेंडी[९५४।६होलिकादहनं भद्रोत्तरं

४९पं.फा.शु.४बु.इ. ४/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	३	०	११	०	११
१	८	११	१	०	७	१६	१
५	५०	३०	२	५७	५७	०	७
४२	१७	३२	३५	२५	२२	३०	१०
५९	१२/१७	१८	४४/४०	७२	७	३	५९
४१	ब	ब	ब	७	२०	११	४९

गोचरग्रहाः

फाल्गुनशु. ३भौमे मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादि भावे समता शु. प.

गोचरग्रहाः

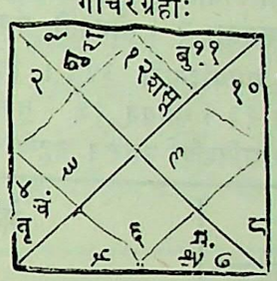

५०पं.फा.शु.११बु.इ.४/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	३	०	११	०	११
८	८	१२	०	९	८	१५	८
३	०	३४	५९	२७	४९	३८	५
२८	२२	४४	२४	२९	४१	१४	५
५९	१७/१७	१७/४७	४०/४३	७२	७	३	५९
२९	ब	मा	मा	५०	२०	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं.२०२३शाकः १८८८	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तौ रविरुत्तरे फाल्गुन कृ. महाराष्ट्राः
१	र ५० ३	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं ४६ ५८	चि ४४ ५३	धु ३३/३० ५८/४९	तै २२ १७	३०/२७ ५५	६/५ २७	६ १५	तु. १८।४१	
३	मं ३९ ११	स्वा ३८ १६	ह ४८ ३४	व १३ ४	३१ ५४	६ २८	७ १६	तुलायां	भ. १३।४ उ. ३९।११ या.
४	बु ३१ ३७	वि ३३ ५	व ४० ७	ब्रा ३१ ३७	३५ ५३	७ २९	८ १७	बृ.१९।२३	वक्री चित्रा. भौमः३४।१९ च. व्र.
५	गु २५ ३४	अ २९ ३१	सि ३३ ११	तै २५ ३९	३९ ५२	८ ३०	९ १८	बृश्चिके	[A२४।५५ (सौर:२२।५०)शीतलापू.
६	शु २१ ५४	ज्ये २७ ५०	व्य २७ ४८	व २१ ५४	४४ ५१	९ ३१	१० १९	ध.२७।५०	भ.२१/४उ.५०।५३या.हस्थो रेवत्यांरविः A
७	श १९ ५२	मू २७ ५१	व २३ ५१	ब १९ ५२	४८ ५०	१० ११	११ २०	धनुषि	पूभायांबुधः५९/९ उभा.३शनिः१०।१०*
८	र १९ ५१	पू २९ ५६	प २१ ३५	कौ १९ ५१	५२ ५०	१० २	१२ २१	म.४५।५०	[* अप्रैल मा. ४ ता.३०
९	चं २१ ३५	उ ३३ ३३	शि २० ३१	ग २१ ३५	५६ ४९	११ ३	१३ २२	मकरे	भ. ५३।५उ.
१०	मं २४ ३५	श्र ३८ ४४	सि २१ ४	वि २४ ३५	३/० ४८	१२ ४	१४ २३	मकरे	भ. २४।३५ या.
११	बु २९ ८	ध ४४ ५१	सा २१ ५०	ब्रा २९ ८	४ ४७	१३ ५	१५ २४	कु.११।४७	कृत्तिका. शुक्रः५७।१० पापमोचनी११व्र.
१२	गु ३४ २७	श ५१ ५५	शु २३ ३५	कौ १ ४८	७ ४७	१३ ६	१६ २५	कुम्भे	
१३	शु ४० ३२	पू ५९ ५	शु २५ ४७	ग ७ ३०	२१ ४६	१४ ७	१७ २६	मी४२।१८	भ. ४०।३२ उ. प्रदोष व्र.
१४	श ४६ ३७	उ ६० ०	व्र २८ ९	वि १३ ३४	१४ ४५	१५ ८	१८ २७	मीने	भ.१३।३४या. वृषे शुक्रः ४३।२९
३०	र ५२ ५०	उ ६ ४६	ऐं ३० २७	च १९ ४३	१८ ४४	१६ ९	१९ २८	मीने	मन्वादि

५१ पं.चै.कृ.४बु.इ. ४/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	३	०	११	०	११
१४	६	१७	१	१७	९	१५	१५
५९	३६	३५	६	५५	४२	१५	१
१३	३६	१३	५०	४१	०	५८	१०
५९	२३/४७	४६	१	७२	२०/७	३	५९
१६	ब	२३	५०	२७	ब	११	१८

गोचरग्रहाः

इस मासमें बालकों को पीड़ा हो रुई चांदी चावल नमक चपड़ा लाख सज्जी लहसन अनाज तेज हो।

गोचरग्रहाः

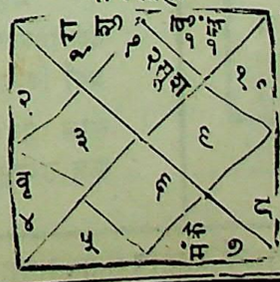

५२पं.चै.कृ.११बु.इ.४/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	३	०	११	०	११
२१	४	२४	१	२६	१०	१४	२१
५३	४३	३४	२३	२३	३३	५३	५५
३१	१९/२८	८	२४	६	४०	४३	२१
५९	४४	६७	३	७२	७	३	५९
४	ब	३१	१७	६	१४	११	४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६८ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६८ भोग्यकलिः ४२६९३२ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२४ शाकः १८८९ वर्षेऽस्मिन्राजाचन्द्रः । मंत्री गुरुः । सस्येशोशनिः । धान्येशोशुक्रः । मेघेशगुरुः । रसेशोभौमः । नीरसेशोरविः । फलेशोबुधः । धनेशःशनिः । दुर्गेशो बुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १४ रौद्रनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ५।१३।४०।४७ भोग्यमासादिः ६।१६।१९।२१ नासत्यदैवतंयुगम् वर्षनाम पौषः । मेघ नाम द्रोणः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकार गृहे । समय विश्वा १० । समय वाहनंमृगः । स्तम्भ३ अन्नजल वायुनाम् । सोमवत्यमाः २ । सोमवती पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी२ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी२ । रविदशमी १ समय मुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १८ । तिथि वृद्धिः १२ । उत्पत्ति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ८४ । वर्षा विश्वा १३ । धान्यम् १५. तृणम् ९. शीतम् ११. तेज ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०७ शनिदृष्टिः उत्तरे । ग्रहणे २ चन्द्रमसः ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कु	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ९।२४

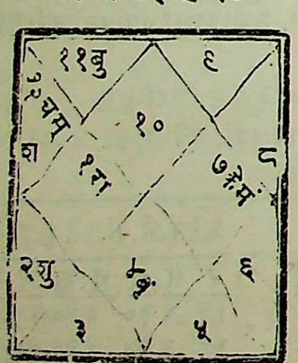

भैरव-भवानी सम्वाद

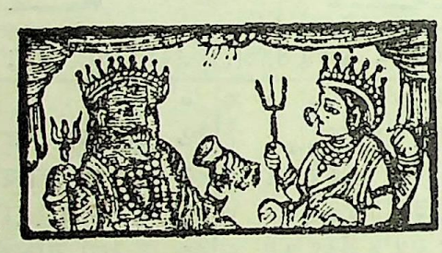

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तूं जग पालनहार ।
संवत्सर चौबीस का कहदो मुख से सार ।।

भवानी उत्तर

चौबीसो चारु दिशा नवो चलायो राह ।
धनबंता धन संपजै कोई न लेवे थाह ।।

शशि राजा मंत्री गुरु सबकी राखे रेख ।
सुख उपजे दुःख रिछड़े इसमें लीन मेष ।।

रोहिणी बसी समुद्र में संवत् मालाकार ।
वर्षा ऋतु के मध्य में वर्षे मुसलधार ।।

दश विश्वा वत्सर बका स्तंभ लगे हैं तीन ।
वर्षा विश्वा विश्व १३ है जग में हो सुख चैन ।।

साख प्रथम मध्यम रहे दूजी साख अपार ।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।।

संवत् २०२४ शाके १८८९
चैत्र शु. १५ चंद्रे खग्रास
ग्रस्तोदित चंद्रग्रहणम्

		स्प.	स.	म	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	२३	२६	२७	२९	३२
मध्यम.	प ल	४३	२२	५२	३२	११
रे.टा.	घं.	३	५	५	६	७
	मि.	५	०	३८	१६	१९

वर्षेश लग्नम् ११।२२

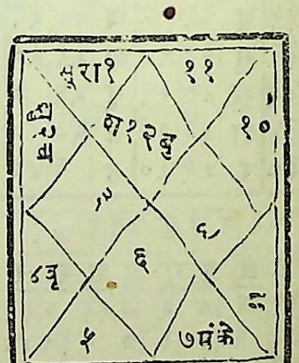

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२३।३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रस्तत्फलम् ॥ चन्द्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरं चधान्यम् । सौख्यं जनानांमुदयोनृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ॥ मंत्री गुरुस्तत्फलम् ॥ विविध धान्य युता खलु मेदिनी प्रचुर तोय धना मुदिता भवेत् । नृप तयो जन पालन तत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रि समागते ॥ सस्येशोरविस्तत्फलम् ॥ सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घं वहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं वहु भूरुहाश्च ॥ धान्येशः शुक्रस्तत्फलम् । भृगौ पाश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्याः समर्घतां यान्ति स्वल्पं क्षीरम् गवामपि ॥ मेघेशो गुरुः फलम् ॥ गुरु रपि प्रिय वृष्टिः करः सदाखिल विलासवती धरणी तदा । श्रुति विचार परां नरपालकाः रस समृद्धि युता खिल मानवाः । रसेशो भौमस्तत्फलम् ॥ यदि धरा तनयो रसपो भवेत् नरसराशियुता जनताशुभा । नरपति विष-भोजन तापदो नजलदो बहु वृष्टि करो भुवि ॥ नीरसेशो रविः फलम ॥ नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्र चंदन योरपि । रत्न माणिक्य मुक्तादे रर्घ बृद्धि प्रजायते ॥ फलेशोबुधस्तत्फलम् ॥ यदि बुधे फलपफल मुत्तमम् जल धराजल राशि भुचस्तदा बहु तृणं कुसुमं कमलैर्युतं जन पदा जनसौख्य मुदान्विताः ॥ धनेशः शनिः फलम् ॥ द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरताः धरणी पतयः सदा । अधनतां वाणिजः कृषि जीविनो द्विज-वराः परि पीडित मानसाः ॥ दुर्गेशो बुधः फलम् । विषय साम्य सुखं शशिजे प्रभौ भवति राष्ट्र जनेषु विशेषतां । शशिसुते यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्यवतां न भयं कृचित् ॥- रौद्र नाम संवत्सरस्तत्फलम् ॥ रौद्राब्दे नृप संभूत संक्षोभ क्लेश भागिनः । सततं त्वखिलाः लोकाः मध्य सस्यार्धवृष्टयः ॥ वर्ष नाम पौषः फलम् ॥ ज्वर रोग क्षुधार्ताश्च नाना जनपदाः सदा । महर्घं तु त्रयोमासाः पौषे स्वास्थ्यं ततः परम् ॥ मेघ नाम द्रोणः फलम् ॥ द्रोणे वर्षति सर्वदा ॥ रोहिणी विनासः समुद्रे फलम् । समुद्रे तु महा वृष्टिः ॥ समयनिवासो मालाकार गृहे फलम् ॥ मार्लिनः प्रचुरा वृष्टिः ॥ एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्

सं० २०२३ शाके १८८८ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चैत्र मासः ।

शुक्ला ४ शुक्रे मृगे ल. ११रे. ८।।।।ऽऽ।।

वैसाख मासः ।

कृष्णा ५ शुक्रे मूले ल. गो. रे.८।।ऽगु।।ऽ।।पादवेध।-दृगुरोर्वेधाऽभावः

,, ७ रवौ उषा.ल.अन्यगो. रे. ७ऽऽऽशु।।।।।पाद-वेधात् शुक्रस्य वेधाऽभावः

शुक्ला ३ शुक्रे मृगे ल.अन्यगो.सौम्यांगःरे.६।।।।।ऽ।।।

,, ८ बुधे मघा.ल.अन्यगो.रे. ७।।।।ऽअ.।ऽऽ।गणि-तेनक्रांति साम्याऽभावः

१० शुक्रे उफा. ल. गो. रे.७।ऽ।।ऽनृ।ऽ।।

ज्येष्ठ मासः ।

कृष्णा ४ शनौ उप.ल. गो. रे.६।।।ऽबु।ऽ।।ऽऽ। गणितेन-क्रांति साम्याऽभावः

शुक्ला ५ भौमे मघा ल. अन्यगो.रे.६।ऽ।।।।।।

,, १२ चन्द्रे अनु. ल.२रे.८।।।।।ऽनृऽ।।चं.७मध्यमः

,, १३ भौमे अनु.ल.अन्यगो.रे.६।।।।।।ऽ।।

आषाढ़ मासः ।

कृष्णा १ शुक्रे उषा. ल.२ रे.८।।।।ऽऽरो।।।।

,, ६ बुधे उभा. ल. २रे.६।।।।।।।ऽ।।

,, ७ गुरौ उभा. ल. अन्यगो. २ (घ.५५।१५या.) रे. ७।।।।ऽनृ।ऽ।ऽ

शुक्ला ३ चंद्रे मघा. ल.अन्यगो. २रे. ६।।।।ऽचो।।।।

,, ६ गुरौ हस्ते ल. अन्यगो २ रे. ७ऽ।।।।ऽऽ।।

मार्गशीर्षादि मासेषुसिंहस्थ गुरु दोषः ।

सं० २०२५शाके१८८६आश्वि.शु.१५बुधेखग्रासं पूर्वे भारते चन्द्रहणम्

		स्प.	स.	म.	उ.	मो.
उज्जयिनी मध्यमकालः	घ.	१८	२१	२३	२५.	२७
	पल	२५	२१	११	१	५६
रेल्वे टाइम	घं.	१	२	३	४	५
	मि.	४६	५६	४३	२७	३८

नोट-यह ग्रहण रेल्वे टाइम ५।३८से पहिले चं द्रोदय होने वाले प्रदेशों में इष्ट होगा, यहाँ नहीं होगा ।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त. श्रीचैत्रशुक्ल पक्षः सं.२०२५ शाकः १८८९ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७५३ सं. १९६७

१	चं	५९	९	रे	१४	१५	वै	३२	३५	कं	२६	०	३१/२१	५/४४	६/१९	१०	२०	२९	मे.१४। १५
२	मं	६०	०	अ	२१	३९	वि	३४	४१	बा	३२	३	२५	४३	१७	११	२१	३०	मेषे
२	बु	४	५७	भ	२८	२१	प्री	३६	१३	कौ	४	५७	२८	४२	१८	१२	२२	१	वृ.४४।५१
३	गु	९	५३	कृ	३४	२१	आ	३७	४	ग	९	५३	३२	४२	१८	१३	२३	२	वृषे
४	शु	१३	५८	रो	३९	३१	सौ	३७	२६	वि	१३	५८	३६	४१	१९	१४	२४	३	बृषे
५	श	१७	१६	मृ	४३	३३	शो	३६	५१	बा	१७	१६	४०	४०	२०	१५	२५	४	मि ११।३२
६	र	१९	९	आ	४६	११	अ	३४	५३	तै	१९	९	४३	३९	२१	१६	२६	५	मिथुने
७	चं	१९	२७	पु	४७	१२	सु	३१	५०	व	१९	२७	४७	३९	२१	१७	२७	६	क.३२।५७
८	मं	१८	२१	पु	४६	३१	धृ	२६	४६	ब	१८	२१	५१	३८	२२	१८	२८	७	कर्के
९	बु	१५	२०	श्ले	४४	१७	शू	२१	३५	कौ	१५	२०	५५	३७	२३	१९	२९	८	सिं ४४।१७
१०	गु	१०	४२	म	४०	२३	गं	१४	२८	ग	१०	४२	५८	३६	२४	२०	३०	९	सिंहे
११	शु	४	२८	पू	३५	२	बृ	४/३३	५/३२	वि	४	२८	३२	३६	२४	२१	१	१०	क.४८।१८
१२	शु	५२	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	श	४७	५४	उ	२८	१९	व्या	४६	११	कौ	२२	१९	६	३५	२५	२२	२	११	कन्यायां
१४	र	३८	१०	ह	२०	५२	ह	३५	३०	ग	१३	२	१०	३४	२६	२३	३	१२	तु.४७।०
१५	चं	२८	१५	चि	१३	७	व	२४	३८	वि	३	१२	१४	३३	२७	२४	४	१३	तुलायां

मीनेबुधः९।१९संवत्सरारंभः नवरात्रा. चंद्रदर्शनम् *१ सन् १३८७ हि. उभायांबुधः२६।३५सिधारा मोहोरम* भ.४१।५५उ दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्के:५९।०= भ. १३।५८ या. = सौरः ५७।२८) गणगौरी भ.१९/३७उ. ४५/५४या.रोहि. शुक्रः१०।४६ वक्री कन्या.भौमः४७।४७ रामनवमी भ. ३७।३५ उ. पातस्पर्शः ५१।५७ भ.४।२८या.रेवत्यां बुधः२।१० कामदा×× ×११व्र. रा.वैशाखारम्भ.पातमोक्षः ३/३७ प्रदोषः भ.३८।१० उ. भ. ३।१२या. चंद्रग्रहणम् हनुमज्जयंत

१पं.चै.शु.३वृ.इ.५९/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	३	१/२	११	०	०
०	२	५	१	६	११	१४	०
०	१	३५	५०	१०	४७	२७	१
०	४४	३७	२७	५५	२०	३८	३०
५८	३०/२९	८७	४	७१	७	३	५८
४५	बृ	२५	४२	४०	५	११	४५

गोचरग्रहाः

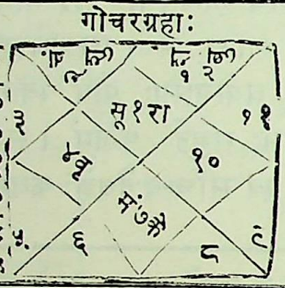

चैत्र शु. ३ गुरौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः बा. ३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शु.प.

गोचरग्रहाः

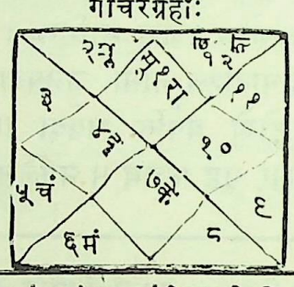

२पं.चै.शु.१०बृ.इ.५३/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	११	३	१	११	०	०
६	२९	१६	२	१४	१२	१४	६
५०	२५	३५	२४	२८	३७	५	५१
४२	३०	६	४०	१	१५	२३	४१
५८	५८/५७	८/०	५	७१	६	३	५८
३१	बृ	४२	४८	१२	५७	११	२०

ति. | वैशाख कृष्ण पक्षः सं.२०२४ शाकः १८८९ | दि. | उ. | अ. | इ | रा | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेतिमहाराष्ट्रः

१	मं	१८	३६	स्वा	२९/५	३८/३	सि	१४	४	कौ	१८	३६	३२/१७	५/३३	६/२७	२५	५	१४	वृ.४५।४२
२	बु	९	५६	अ	५२	५०	व्य	२२/४	३३/५१	ग	९	५६	२१	३२	२८	२६	६	१५	बृश्चिके
३	गु	२	१९	ज्ये	४९	२७	प	४८	४३	वि	२	१९	२५	३१	२९	२७	७	१६	ध.४९।२७
४	गु	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	शु	५३	०	मू	४७	२६	शि	४३	१४	कौ	२४	५१	२९	३०	३०	२८	८	१७	धनुषि
६	श	५१	३१	पू	४७	५०	सि	३९	२४	ग	२२	१५	३२	३०	३०	२९	९	१८	धनुषि
७	र	५२	१२	उ	५०	१७	सा	३७	२६	वि	२१	५१	३६	२९	३१	३०	१०	१९	म. ३।२७
८	चं	५४	३९	श्र	५४	२९	शु	३७	०	बा	२३	२६	४०	२८	३२	१	११	२०	मकरे
९	मं	५८	५६	ध	६०	०	शु	३७	२९	तै	२६	४७	४३	२७	३३	२	१२	२१	कु.२७।२६
१०	बु	६०	०	ध	०	२३	व	३८	५३	व	३१	३०	४७	२७	३३	३	१३	२२	कुम्भे
१०	गु	४	४	श	७	१२	ऐं	४१	२२	वि	४	४	५१	२६	३४	४	१४	२३	मी ५७।४९
११	शु	१०	१७	पू	१४	४१	वै	४३	४९	बा	१०	१७	५४	२५	३५	५	१५	२४	मीने
१२	श	१६	३७	उ	२२	२७	वि	४६	२२	तै	१६	३७	५७	२५	३५	६	१६	२५	मीने
१३	र	२२	५९	रे	२९	५९	प्री	४८	४०	व	२२	५९	३३/१	२४	३६	७	१७	२६	मे. २९।५९
१४	चं	२८	५१	अ	३७	५	आ	५०	३७	श	२८	५१	४	२३	३७	८	१८	२७	मेषे
३०	मं	३४	८	भ	४३	४०	सौ	५१	५२	च	१	२९	७	२३	३७	९	१९	२८	मेषे

भ. ३६।७ उ. भ.२।१९या.दृश्योभरण्यां रविः३९।१६* *(सौरः३८।४६)उ.भा ४शनिः५९/४च.व्र अश्वि. मेषे बुधः४९/३७ मृगे शुक्रः३३।४८ भ.५१।३१उ. पुष्य.१गुरुः ४८।३३ भ.२१।५१या.पूर्वास्तं बुधः २४।३२ मई भा. ५ ता. ३१ भ. ३१।३० उ. भ. ४।४ या. मिथुने शुक्रः २४।१ भरण्यांबुधः१९।४अश्वि.४राहुःस्वा.२+ प्रदोषः भ. २२।५९ उ. ५५।५०या. +केतुः१५।४७वरूथिनी ११ व्र.

३पं.वै.कृ.३ बृ.इ.५९/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	११	३	१	११	०	०
१३	२७	२८	३	२२	१३	१३	१३
३९	७	२४	७	३५	२६	४३	४०
४३	७	४९	३७	४३	२	७	०६
५८	२४/३३	८/५	६	७०	६	३	५८
१७	बृ	९/८	४९	३४	२८	११	१२

गोचरग्रहाः

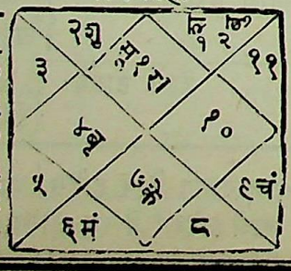

इस मास में ५ मंगलवार अशुभ हैं प्रजा में पीड़ा अग्निभय होवे। गुड़ खांड़ शक्कर सोना मसूर मित्रं तेज.

गोचरग्रहाः

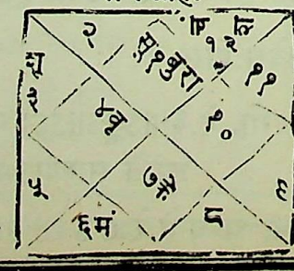

४पं.वै.कृ.१०बृ.इ.५९/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	३	२	११	०	०
२०	२६	१२	३	०	१४	१३	२०
२७	४५	४०	५५	४१	१२	२०	२६
२२	५४	४	५५	३८	२८	५१	४६
५८	२०/२२	९/१०	७	६९	६	३	५७
०६	बृ	१०	५०	५३	२५	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैसाख शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८६ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७८३स. १६६७

१	बु	३८	१६	कृ	४६	३	शो	५२	३३	क्रि	६	१३	३३/१०	२२/५	३६/६	१०	२०	२६	बु.०।१
२	गु	४१	४८	रो	५३	४८	अ	५२	२८	बा	१०	४	१३	२१	३६	११	२१	३०	वृषे
३	शु	४४	१२	मृ	५७	१८	सु	५१	२५	तै	१३	०	१६	२१	३६	१२	२२	१	मी २५।३३
४	श	४५	३२	आ	५६	५२	धृ	४६	२८	च	१४	५२	१६	२०	४०	१३	२३	२	मिथुने
५	र	४५	४५	पु	६०	०	शू	४७	०	ब	१५	३८	२२	२०	४०	१४	२४	३	क.४६।५
६	चं	४४	४५	पु	१	२६	गं	४३	३०	कौ	१५	१५	२५	१६	४१	१५	२५	४	कर्के
७	मं	४२	३६	पु	२	५	बृ	३८	५६	ग	१३	४२	२८	१८	४२	१६	२६	५	कर्के
८	बु	३६	७	श्ले	१	५७	ध्रु	३३	१७	वि	१०	५३	३०	१८	४२	१७	२७	६	सिं १।४
९	गु	३५	२२	पू	५५	३६	व्या	२६	४४	त्रा	७	१४	३३	१७	४३	१८	२८	७	सिंहे
१०	शु	२८	४५	उ	५१	५	ह	१६	१७	ग	२८	४५	३६	१७	४३	१९	२९	८	क.९।२८
११	श	२२	१८	ह	४५	२७	व	१०	४७	वि	२२	१८	३६	१६	४४	२०	३०	९	कन्यां
१२	र	१३	४५	चि	३६	११	सिं	२६/१	५०/२३	बा	१३	४५	४१	१६	४४	२१	३१	१०	तु.१२।१६
१३	चं	५	१४	स्वा	३२	३६	व	४१	४८	तै	५	१४	४३	१५	४५	२२	१	११	तुलायाँ
१४	चं	५१	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	मं	४७	४२	वि	२५	५२	प	३२	११	वि	२२	१	४६	१५	४५	२३	२	१२	वृ.१२।३४

आर्द्रा.शुक्रः १६/१४ वक्री हस्ते भौमः ३९।४२
दृश्यः कृत्तिका रविः २५/१६ (सौरः २६/१३) कृत्ति.*
अक्षया ३ परशु.ज सफर २ *बुधः ३२/३० चंद्रद.
भ.१४।५२उ. ४५।३२या.वृषेबुधः६।०
द वृषेऽर्कः ५२।२६ (सौरः ५४।३१)
÷पातमोक्षः ५९।४०
भ.४२।३९ उ. पातस्पर्शः ४६।३४÷
भ.१०।५३या. रोहि. बुधः ३५।४३
=पश्चि.३७।१७नृसिंहज. रा.ज्येष्ठारम्भः
भ. ५५।३१ उ.
भ.२२।१८या. मोहिनी ११व्रतम्
प्रदोषः
भ.५६।२०उ.पुन.शुक्रः३।४२बुधोदय =
+अन्नजल कुंभदानम्
भ. २२।१ या. मार्गी भौमः ५.।३+

५पं.वै.शु.२बृ.इ. ५/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	३	२	११	०	०
२७	२३	२७	४	८	१४	१२	२७
१३	५	३८	५१	३९	५६	८	१२
३४	१६	४५	३५	१४	४२	३६	०
५७	१५	२९	८	६८	६	३	५७
५४	ब्र	२०	४६	५८	९	११	४५

गोचरग्रहाः

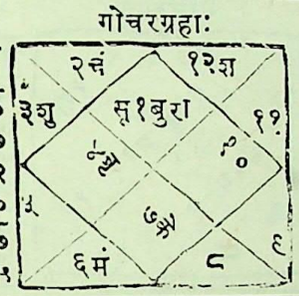

वै. शु. ५ रवौ
बृषेऽर्कः प्र.वा ४
न.४गतात्कावस्था
(ऊभी) मृ.४५धा-
न्यादिभावे समर्घता
शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

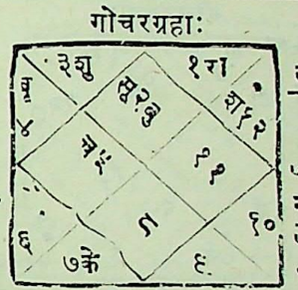

६पं.वै.शु१०शु.इ. ०/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	३	२	११	०	१
३	२	१२	५	१६	१५	१२	३
५८	८	५५	५२	३१	३९	३६	५५
२६	४५	१९	४४	५८	७	२०	३८
५७	४५	२९	८	६७	७	३	५७
४४	ब्र	३०	३५	५९	४३	११	३४

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०२४ शाकः १८८६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रवि रुत्तरे वैसाखकृ. महाराष्ट्राः

१	बु	३९	५०	अ	१९	५१	शि	२३	४	बा	१३	४६	३३/४८	५/१४	६/४६	२४	३	१३	वृश्चिके
२	गु	३३	२४	ज्ये	१५	३	सि	१५	६	तै	६	३७	५०	१४	४६	२५	४	१४	ध.१५।३
३	शु	२८	२८	मू	११	३८	सा	८	२०	च	०	५६	५२	१४	४६	२६	५	१५	धनुषि
४	श	२५	३२	पू	१०	२१	शु	३	५/५६	बा	२५	३२	५४	१३	४७	२७	६	१६	म २५।३४
५	र	२४	५१	उ	११	११	ना	५७	३६	तै	२४	५१	५६	१३	४७	२८	७	१७	मकरे
६	चं	२६	१४	श्र	१३	४८	धृ	५७	२१	व	२६	१४	५८	१२	४८	२९	८	१८	कु.४६।९
७	मं	२९	४५	ध	१८	३१	वै	५८	२	ब	२९	४५	३४/००	१२	४८	३०	९	१९	कुम्भे
८	बु	३४	२०	श	२४	३३	वि	६०	०	ब्रा	२	२	२	१२	४८	३१	१०	२०	कुंभे
९	गु	४०	९	पू	३१	५१	वि	०	४	तै	७	१५	४	११	४९	१	११	२१	मी १५।२
१०	शु	४६	२७	उ	३९	१७	प्री	२	२१	च	१२	८	६	११	४९	२	१२	२२	मीने
११	श	५२	४१	रे	४६	५७	आ	४	५४	व	१९	३४	७	११	४९	३	१३	२३	मे.४६।५७
१२	र	५८	३०	अ	५३	५९	सौ	७	२०	कौ	२५	३६	९	१०	५०	४	१४	२४	मेषे
१३	चं	६०	०	भ	६०	०	शो	९	१८	ग	३१	२	१०	१०	५०	५	१५	२५	मेष
१३	मं	३	३४	भ	०	२९	अ	१०	३४	व	३	३४	१२	१०	५०	६	१६	२६	बृ.१६।४८
१४	बु	७	११	कृ	५	४३	सु	१०	५३	श	७	११	१३	९	५१	७	१७	२७	वृषे
२०	गु	९	५०	रो	९	४५	धृ	१०	१८	ना	९	५०	१४	९	५१	८	१८	२८	मि ४१।१३

मृगे बुधः ८।२२ पुष्य. २ गुरुः ८।९
दृश्यो रोहि.रविः १६।१ (सौरः २०।४०)
भ. ०।५६ उ. २८।२८ या. च. ब्र.
मिथुने बुधः ३९।४५
पातस्पर्शः ५५।२
भ.२६।१४उ.५८।०या.पा.मो.१०।५५
रेवती १ शनिः १०।३७
आर्द्रा. बुधः ३९।७ कर्के शुक्रः २२।५७
जून मा. ६ ता. ३०
भ. १३।१८ उ. ४६।२७ या.
पुष्येशुक्रः २६।४८ अपरा ११व्र स्मा वै.
अपरा ११ व्र. नि.
प्रदोषः
भ. ३।३४ उ. ३५।२२ या.
*१९।२९) वटपूजनम्
दृश्यो मृगे रविः १०।५७ (सौरः *

७पं.ज्ये.कृ.३शु.इ. १/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	३	२	११	०	१
१०	२१	२६	६	२४	१६	१२	१०
४२	४२	५१	५९	१४	१८	१४	३७
२५	१४	३५	१६	१३	७	५	४९
५७	२/८	०/३२	१०	६६	५	३	५७
३५	मा	३२	१८	४९	१७	११	२३

गोचरग्रहाः

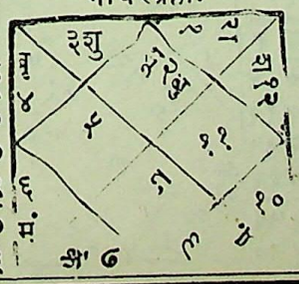

इस मास में
धूप अधिक रस
पदार्थ गुड़ खांड़
घृत तेल तेज हो
धान्य चावल मूंग
मंदा होके तेज।

गोचरग्रहाः

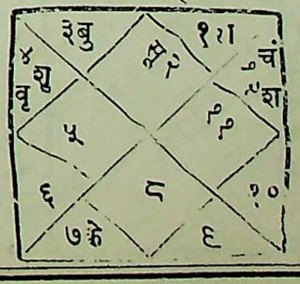

८पं.ज्ये.कृ१०शु.इ. १/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	२	३	३	११	०	१
१७	२१	८	८	१	१६	११	१७
२५	५५	४४	१०	४५	५३	५१	१८
८	१२	४१	५५	५४	४३	४९	५५
५७	७	९२	१०	६५	४	३	५७
२७	४३	१०	५९	१६	५१	११	१३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०२४ शाकः १८८९ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ४८१३स. १९६७

१	शु	११	१	मृ	१२	४२	शू	८	५०	ब	११	१	३४/१६	५/६	५/६	९	१९	२९	मिथुने	चंद्रदर्शनम्
२	श	११	७	आ	१४	३१	गं	६	२६	कौ	११	७	१७	९	५१	१०	२०	१	मिथुने	पुः बुधः ४३।५० रविलावल ३
३	र	१०	२२	पु	१५	१९	बृ	११/३	५५/४८	ग	१०	२२	१८	८	५२	११	२१	२	क. ०।७	भ.३/१६ उ.चित्रा.भौमः २१/२९ पुष्यः २गुरुः ४७/४९
४	चं	८	४०	पु	१५	२	व्या	५४	३२	वि	८	४०	१९	८	५२	१२	२२	३	कर्के	भ. ८।४० या.
५	मं	५	४०	श्ले	१४	१२	ह	४९	२३	बा	५	४०	२०	८	५२	१३	२३	४	सिं १४।१२	
६	बु	२	२०	म	१२	२८	व	४३	३४	तै	२	२०	२१	८	५२	१४	२४	५	सिंहे	भ. ५८।३० उ. +आसाढारंभः
७	बृ	५६	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[*गुर्जराणांवट सावित्री पू. राष्ट्रीय+
८	गु	५३	३४	पू	१०	२०	सि	३७	७	वि	२६	२	२१	८	५२	१५	२५	६	क.२४।३५	भ.२६/३१ या.दृश्योमिथुनेऽर्कः ६/३५ सौरः २०/१६
९	शु	४८	११	उ	७	१९	व्य	३०	१२	बा	२०	५२	२२	८	५२	१६	२६	७	कन्यायां	आश्लेषा. शुक्रः ३४।०
१०	श	४२	६	ह	३/३५	५५/४४	व	२२	४१	तै	१५	९	२२	८	५२	१७	२७	८	तु ३१।२७	गंगादशमी
११	र	३५	२३	स्वा	५४	१९	प	१४	४९	व	८	४४	२३	७	५३	१८	२८	९	तुलायां	भ. ८।४४ उ.३५।२३या. निर्जला ११व्र.
१२	चं	२८	२४	वि	४९	२१	शि	६/२७	५१/३७	वा	२८	२४	२३	७	५३	१९	२९	१०	बृ.३५।३६	प्रदोषः
१३	मं	२१	२१	अ	४४	३५	सा	५०	५६	तै	२१	२१	२३	७	५३	२०	३०	११	वृश्चिके	पातस्पर्शः २०।३९ पातमोक्षः ३७।५८
१४	बु	१४	३०	ज्ये	४०	१९	शु	४२	१२	व	१४	३०	२४	७	५३	२१	३१	१२	ध.४०।१९	भ. १४।३० उ. ४१।२८ या.
१५	गु	८	२६	मू	३६	५४	शु	३५	१९	ब	८	२६	२४	७	५३	२२	१	१३	धनुषि	दृश्य आर्द्रायां रविः ९।२७ (सौर २१/४९*)

९पं.ज्ये.शु.१शु.इ.०।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	२	३	३	११	०	१
२४	२२	१८	९	९	१७	११	२३
७	५०	३	२६	३	२६	२९	८
१२	२४	४६	१६	२९	१४	३३	४१
५७	१२	६७	१२	६३	४	३	५७
२२	३४	२२	५	२२	२४	११	५

गोचरग्रहाः

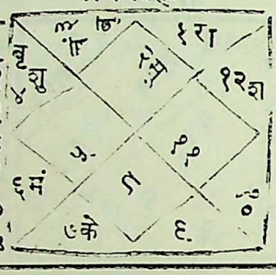

ज्ये. शु. ८ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ५ न. ५ वृद्धावस्था बैठीमु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदय पश्चि.

गोचरग्रहाः

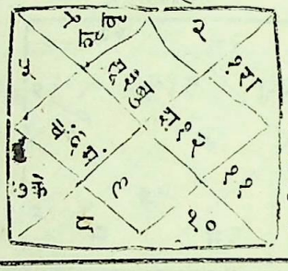

१०पं.ज्ये.शु. ६शु.इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	३	११	०	२
०	२४	२४	१०	१६	१७	११	०
४८	११	३९	४५	५	५४	७	३८
२५	२७	५७	२२	२७	१०	१८	०
५७	१६	३६	१३	६१	३	३	५६
१७	४७	२९	८	३०	४६	११	५७

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं० २०२४ शाकः १८८९ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | वर्षर्तुः रविर्दक्षिणेऽयने ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	३	२१	पू	३४	४८	व्र	२९	३६	कौ	३	२१	३४/२४	५/७	५/३	२३	२	१४	म.४९।४५	
२	श	०	२६	उ	३४	३७	ऐं	२५	१२	ग	०	२६	२४	७	५३	२४	३	१५	मकरे	भ.२९।४४ उ.५९।३ या. वक्रीबुधः ४/२
३	श	८	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	र	५९	२५	श्र	३६	५	वै	२२	१४	ब	२९	१४	२४	७	५३	२५	४	१६	मकरे	चतुर्थी व्रतम्
५	चं	६०	०	ध	३९	२९	वि	२१	४	कौ	३०	४३	२३	७	५३	२६	५	१७	कु.७।४७	
५	मं	२	१	श	४४	२७	प्री	२०	४८	तै	२	१	२३	७	५३	२७	६	१८	कुम्भे	
६	बु	५	५७	पू	५१	३	आ	२१	५९	व	५	५७	२३	७	५३	२८	७	१९	मी ३४।२४	भ. ५।५७ उ.३८.४१ या.
७	गु	११	२४	उ	५८	१५	सौ	२३	५०	व	११	२४	२२	८	५२	२९	८	२०	मीने	पुष्य. ४ गुरुः ४।१४
८	शु	१७	२७	रे	६०	०	गो	२६	१७	कौ	१७	२७	२२	८	५२	३०	९	२१	मीने	मघा.सिंहे शुक्रः ५६ २१प.बुधः २५।६
९	श	२३	३२	रे	५	५९	अ	२८	४१	ग	२३	३२	२१	८	५२	१	१०	२२	मे.५।५९	भ.५६।३५उ. जीलाई मा.७ मा. ३१
१०	र	२९	३८	अ	१३	११	सु	३१	१	वि	२९	३८	२०	८	५२	२	११	२३	मेषे	भ. २९।३८ या.
११	चं	३४	२	भ	१९	५९	धृ	२२	३०	ब	१	५०	१९	८	५२	३	१२	२४	बृ २६।५९	योगिनी ११ व्रतम् +(सौरः २५।५०)
१२	मं	३८	७	कृ	२५	२०	शू	३३	२	कौ	६	४	१८	८	५२	४	१३	२५	बृषे	तुला. भौमः ३८।५२
१३	बु	४०	१५	रो	२९	२१	गं	३२	२१	ग	९	११	१५	९	५१	५	१४	२६	बृषे	भ. ४०।१५ उ. प्रदोषः
१४	गु	४०	४०	मृ	३१	४८	दृ	३०	२९	वि	१०	२८	१५	९	५१	६	१५	२७	मि ०।३४	भ. १०/२८या.दृश्यः पुनर्वसौ रविः २३ +
२०	शु	३९	५०	आ	३२	५६	भु	२७	२४	च	१०	१५	१४	९	५१	७	१६	२८	मिथुने	अश्वि ३ राहुः स्वा. १ केतुः ९।५१

११पं.आ.कृ.१शु.इ.०।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	३	११	०	२
७	२६	२७	१२	२२	१८	१०	७
२९	५	५६	७	५१	१८	५	१६
२४	१६	५६	४१	३९	३९	२	२७
५७	२०	७	२	५९	३	३	५६
१३	२३	४०	२६	५२	७	११	५४

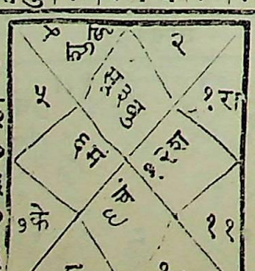

१२पं.आ.कृ.८.शु.इ.०।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	३	११	०	२
१४	२८	२७	१३	२९	१८	१०	१३
९	२४	४२	३१	८	३९	२२	५५
५०	३	४३	५८	४९	१४	४७	३२
५७	२३	२९/५६	१२	५४	२	३	५६
७	२५	ब	५०	४१	२८	११	५०

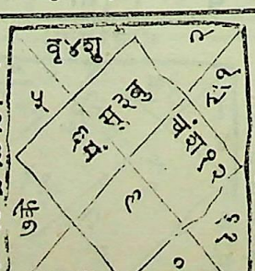

१३पं.आ.कृ. ३०शु.इ.०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	३	४	११	०	२
२०	१	२४	१४	५	१८	१०	२०
५०	२	५१	५९	०	५४	०	३२
१०	३२	३२	२	३६	२८	३१	२६
५७	२६	३३/९६	१३	४९	१	३	५६
७	३४	ब	११	४३	५०	११	५०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं.२०२४ शाकः १८८६ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४८४२सन् १९६७

१	श	३७	३२	पु	३२	३६	व्या	२३	१४	क	८	३१	३४/१३	५/६	५/६	८	१७	२९	क. १७।४१
२	र	३४	१६	पु	३१	१४	ह	१८	२३	ग	५	५२	११	१०	५०	९	१८	३०	कर्के
३	चं	३०	१	श्ले	२९	५	व	१३	४८	तै	२	६	१०	१०	५०	१०	१९	१	सि २९।५
४	मं	२५	१७	म	२६	२६	सि	१८/१३	५३/२९	वि	२५	१७	८	१०	५०	११	२०	२	सिंहे
५	बु	२०	२०	पू	२३	२३	व	५३	२०	बा	२०	२०	७	११	४९	१२	२१	३	क. ३७।३५
६	गु	१५	१२	उ	२०	११	प	४६	२५	तै	१५	१२	५	११	४९	१३	२२	४	कन्यायां
७	शु	१०	२	ह	१६	४४	शि	३९	२८	व	१०	२	४	११	४९	१४	२३	५	तु. ४५।१०
८	श	४	१०	चि	१३	३७	सि	३२	३४	ब	४	१०	२	१२	४८	१५	२४	६	तुलायां
९	श	५५	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	र	५३	५०	स्वा	१०	१५	सा	२५	२४	तै	२६	३५	०	१२	४८	१६	२५	७	वृ. ५२।४२
११	चं	४८	४२	वि	६	५१	वि	१८	४३	ब	२१	१६	३३/५	१२	४८	१७	२६	८	वृश्चिके
१२	मं	४३	३५	अ	३	४४	शु	११	५१	ब	१६	८	५६	१३	४७	१८	२७	९	वृश्चिके
१३	बु	३९	१८	ज्ये	५०	५७		५	५४	कौ	११	२६	५४	१३	४७	१९	२८	१०	ध. ०।५०
१४	गु	३५	३५	पू	५७	१२	वै	५४	१६	ग	७	२६	५२	१४	४६	२०	२९	११	धनुषि
१५	शु	३३	७	उ	५७	२	वि	५०	३	वि	४	२१	५०	१४	४६	२१	३०	१२	म. १२।९

दृश्यः कर्केऽर्कः ३६।४७ सौरः ५८।३४)
भ. २/१ उ. ४/५ या देवशयनी ११ व्र स्मा. वै.
पू फाया शुक्र ४/३ ५/५ बोधः पू ३/० देव. *
स्वात्यां भौमः ५/४ ६/१ प्रदोषः *११ व्र.नि.
भ. ३/३ ५/५ उ. दृश्यः पुष्ये रविः ६/४ (सौरः २/१ ६/५)
भ २/१ या मार्गी बुधः ४/२ १/९ व्यास पू. वायु प.

१४पं. आ.शु.६ब्र इ. ५/६ ७

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	३	४	१	०	२
२७	३	१९	१६	१०	१९	९	२७
३०	५९	४९	२०	२५	३	३८	१०
३२	१६	८	५२	८	५०	५	३३
५७	२८	३१/०	१२	४३	१	३	५६
११	४६	ब	२०	२९	११	११	५५

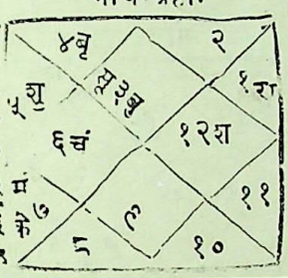

आ. शु १० रवौ
कर्केऽर्कः प्र. वा ४
न. ६ प्रौढावस्था
(बैठी मु. ४५
धान्य भाव सम
शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

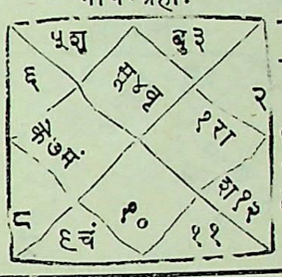

१५पं. आ.शु.१४बृ.इ. ५/४ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	२	३	४	११	०	३
४	७	१८	१७	१४	१९	९	३
११	१२	३९	५९	४१	९	१६	४९
१७	१८	१०	२४	२४	४३	०	०
५७	३०	४८/०	१३	३५	०	३	५६
१५	४३	ब	३०	२०	२६	११	५७

ति श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०२४ शाकः १८८९ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	श	३२	१२	अ	५८	२१	श्री	४६	५६	बा	२	४०	३३/४७	५/१	४/५	२	२१	१३	मकरे
२	र	३२	३३	ध	६०	०	आ	४५	२७	तै	२	२२	४५	१५	४५	२३	१	१४	कु. २९।४९
३	चं	३४	४९	ध	१	१७	सौ	४४	२८	व	३	४१	४२	१६	४४	२४	२	१५	कुम्भे
४	म	३८	२१	श	५	४२	शो	४५	५	ब	६	३५	४०	१६	४४	२५	३	१६	मी ५५।५
५	बु	४३	३२	पू	११	३३	अ	४६	२७	कौ	१०	५६	३७	१७	४३	२६	४	१७	मीने
६	गु	४९	१६	उ	१८	१४	सु	४८	३४	ग	१६	२४	३५	१७	४३	२७	५	१८	मीने
७	शु	५५	२६	रे	२५	४३	धृ	५०	५४	वि	२२	२१	३२	१८	४२	२८	६	१९	मे. २५।४४
८	श	६०	०	अ	३३	८	श	५३	२८	बा	२८	२८	२९	१८	४२	२९	७	२०	मेषे
९	र	१	३०	भ	४०	२५	गं	५५	२७	कौ	१	३०	२६	१९	४१	३०	८	२१	वृ. ५६।५९
१०	चं	६	४९	कृ	४६	४०	धृ	५६	३१	ग	६	४९	२४	१९	४१	३१	९	२२	वृषे
११	मं	१०	३९	रो	५१	८	धु	५६	२३	वि	१०	३९	२१	२०	४०	१	१०	२३	वृषे
१२	बु	१३	११	मृ	५४	६	व्या	५५	१	बा	१३	११	१८	२०	४०	२	११	२४	मि २२।३७
१३	गु	१३	४५	आ	५५	१९	ह	५२	१२	तै	१३	४५	१५	२१	३९	३	१२	२५	मिथुने
१४	शु	१२	३५	पु	५४	४०	व	४७	५१	ब	१२	३५	१२	२२	३८	४	१३	२६	क. ३९।५०
१५	श	९	२३	पु	५२	३२	सि	४२	२०	श	९	२३	९	२२	३८	५	१४	२७	कर्के
३०	र	४	५७	श्ले	४९	८	व्य	३५	३९	ना	४	५७	६	२३	३७	६	१५	२८	मि ४९।८

राष्ट्रीय श्रावणारम्भ.
भ. ३।४१ उ. ३४।४९ या. च. व्र.
वक्रीशनिः ७।५१
पुन बुधः १०।१३ नाग ५ मरुस्थले
भ. ४९।१६ उ अस्तं गुरोः ७।४८ अ
भ २२।२ या. गु

आश्लेषा. २ गुरुः ८।४१
भ. ३८।४४ उ
भ. १०।३९ या. अगस्त मा.८ता २१
कामिका ११ व्रतम्
दृश्यः आश्लेषा. रविः ३/५ (सौरः ३/० ५/४) प्रदोषः
भ. १२/३ २/५ उ. ४/५ ०/९ या. वर्के बुधः ३८।५४

पुष्येबुधः ५८।४ हरियाली ३०

१६पं. श्रा.कृ.६बृ.इ. ५/४ ०

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	२	३	४	११	०	३
१	१०	२१	१९	१८	१९	८	१०
५२	४२	१९	२०	१	९	५३	२८
१९	१०	३०	५४	५४	३९	४	१७
५७	३२	३५/०	१३	२४	१८	३	५७
२०	३८	मा	३२	३४	ब	११	५

इस मास में वर्षा साधारण हो। अनाज गल्ला अफीम रुई तेज सिंह शुक्र जब होय भवानी। चालेपतन नहीं वर्षे पानी।

गोचरग्रहाः

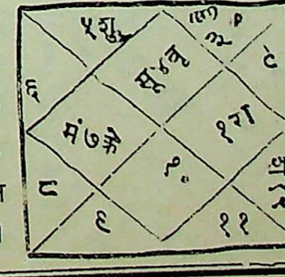

१७पं. श्रा.कृ.१२बृ इ. ५/३ २

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	३	४	११	०	३
१७	१४	२९	२१	२०	१९	८	१७
३४	२४	३	३	५	५	३१	८
१	५७	२५	१८	३	३१	२९	५
५७	३४	८६	१३	१०	५९	३	५७
२५	२१	३८	४९	ब	११	१२	

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रावण शुक्लपक्षः सं.२०२४ शाकः ८८६ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा | मु. | चन्द्रः | वर्षतुः रविर्दक्षिणेऽहर्गण ४८७२स१६६७

१	र	५४	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	चं	५२	४४	म	४४	५५	व	२८	७	वा	२५	५८	३३	५	६	७	१६	२६
३	मं	४६	१२	पू	४०	२०	प	२०	१४	तै	१६	२८	०	२३	३७	८	१७	४
४	बु	३६	१८	उ	३५	३५	शि	१२	१	व	१२	४४	३२	२४	३६	८	१८	२
५	गु	३२	५३	ह	३१	४	सि	४१	५३	ब	६	५	५३	२५	३५	१०	१६	३
६	शु	२६	५६	चि	२६	५७	शु	४८	३८	तै	२६	५६	५०	२६	३४	११	२०	४
७	श	२१	१४	स्वा	२३	१४	शु	४१	२७	व	२१	१४	४७	२७	३३	१२	२१	५
८	र	१६	१५	वि	२०	१३	८	३४	५६	ब	१६	१५	४३	२७	३३	१३	२२	६
९	चं	१२	५	अ	१७	५२	ऐं	२८	४८	कौ	१२	५	४०	२८	३२	१४	२३	७
१०	मं	८	२३	ज्ये	१६	११	वै	२३	२०	ग	८	२३	३६	२९	३१	१५	२४	८
११	बु	५	३१	मू	१०	१३	वि	१८	३४	वि	५	३१	३३	२९	३१	१६	२५	९
१२	गु	३	२४	पू	१५	६	मी	१४	२०	वा	३	२४	२९	३०	३०	१७	२६	१०
१३	शु	२	२६	उ	१५	५८	आ	१०	५९	तै	२	२६	२६	३१	२९	१८	२७	११
१४	श	२	३०	अ	१७	४८	सौ	८	१९	व	२	३०	२२	३२	२८	१९	२८	१२
१५	र	३	४८	ध	२०	५२	शो	६	५६	ब	३	४८	१९	३२	२८	२०	२९	१३

सिंहे
क.५४।६
कन्यायां
तु.५९।०
तुलायां
तुलायां
वृ.५।५८
बृश्चिके
धनुषि
म.३०।१९
मकरे
कु.४९।२०
कुम्भे

सिंधारा चन्द्रद.
वक्री शुक्रः३८।५७तीज जमादिला वलय
भ.१२।४४उ.३९।१८ या.वरद४
नाग ५

भ.२१।१४उ ४५।४५या पूर्वास्तो बुधः८।५७
विशाखा. भौमः ५८।२
आश्ले.बुधः२७।२६आश्ले. ३गुरुः१६।५९
भ.३६।५७ उ.
भ ३५।या.दृश्यो मघा.सिंहेऽर्कं.५७।०पवित्रा+
सिंहेऽर्कः सौर.२६।२९प्रदोषः [+११व्र.
[*३४।१२रक्षा बधनश्रावणीकर्म. शु.अ.
भ ३०।२उ.३३।०या. शु. पश्चि. ४०।१२ प.
मघा.सिंहेबुध.४५।४२उदयं गुरोः* उ.गु.

८पं.श्रा.शु.५ बृ.इ.५९।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	३	३	४	११	०	३
४	१८	१०	२२	२०	१८	८	२३
६	१४	१४	३५	१६	५५	९	४९
२६	४५	२	६	३३	५८	१३	१२
१७	३५	२१	१३	२९	४२	३	५७
३२१	२२	३८	ब	ब	११	२२	

गोचरग्रहाः

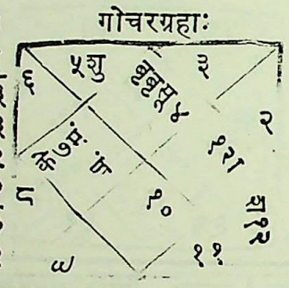

श्रा. शुक्ले ११बुधे सिंहेऽर्कं. प्र. वा ४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रो. प

गोचरग्रहाः

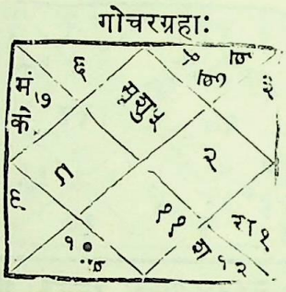

१९पं.श्रा.शु.१२बृ.इ.५९।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	३	३	४	११	०	४
०	२२	२४	२४	१८	१८	७	०
५९	२२	१	७	३८	४१	४६	३१
४९	५	५१	३०	४९	४९	५७	२५
५७	३६	२	१३	३५	२७	३	५७
४०	२२	२	३४	ब	ब	११	३

१	चं	६	२५	श	२५	२१	अ	६	८	कौ	६	२५	३२	५	३३	६	२७	२१
२	मं	१०	२३	पू	३१	०	सु	६	२८	ग	१०	२३	११	३४	२६	२२	३१	१५
३	बु	१५	१९	उ	३७	२३	धृ	७	४७	वि	१५	१९	८	३४	२६	२३	१	१६
४	गु	२०	५१	रे	४४	४२	शु	९	३८	वा	२०	५१	४	३५	२५	२४	२	१७
५	शु	२७	४	अ	५२	३०	गं	१२	०	तै	२७	४	०	३६	२४	२५	३	१८
६	श	३३	२५	भ	५९	५४	बृ	१४	२९	ग	०	१४	५९	३७	२३	२६	४	१९
७	र	३९	१५	कृ	६०	०	धु	१६	५१	वि	६	२०	५२	३८	२२	२७	५	२
८	चं	४३	४७	कृ	६	५१	व्या	१८	३६	वा	११	३१	४८	३८	२२	२८	६	२१
९	मं	४७	८	रो	१२	२६	ह	१९	२६	तै	१५	२७	४४	३९	२१	२९	७	२२
१०	बु	४८	३२	मृ	१६	३०	ब	१८	५६	व	१७	५०	४८	४०	२०	३०	८	२३
११	गु	४८	०	आ	१८	५०	सि	१७	८	ब	१८	१६	३६	४१	१९	३१	९	२४
१२	शु	४५	२०	पु	१९	९	व्य	१३	३१	कौ	१६	४०	३२	४२	१८	१	१०	२५
१३	श	४०	५१	पु	१७	२६	व	८	३०	ग	१३	५	२८	४२	१८	२	११	२६
१४	र	३४	३२	श्ले	१४	९	प	५७	५३	वि	७	४१	२५	४३	१७	३	१२	२७
३०	च	२७	०	म	९	१५	सि	४५	४	ना	२७	०	२१	४४	१६	४	१३	२८

कुंभे
मी१४।३५
मीने
मे ४४।४२
मेषे
मेषे
वृ.१६।३८
बृषे
मि४४।२८
मिथुने
मिथुने
क.१४।४
कर्के
सिं१४।९
सिंहे

[+४६।३७वृश्चिके भौमः २९।४
भ.४२।५१ उ.
भ.१५।१९या. च व्र.रा. भाद्रपदारंभः
[÷ पूर्वस्यां ३४ कुशा ग्रहणी
चंद्रषष्ठी [*४९।४० गोगाष्ट
भ.३३।२५ उ.
भ ६।२० या. ८फायां बुधः ३८।१७F
जन्माष्टमी व्र.वै. [Fजन्माष्टमीव्र स्मा.
वक्री मघा. शुक्रः०।२२आश्ले.४गुरुः*
भ.५०।३उ.४५।३या. दृश्यः ८फायां रविः+
८फायांरविःसौरः१७।२५अजा११व्र.स्मा.वै
अजा११व्र.नि वत्स१२सित. मा.९ता.३०
भ.४०।५१उ. प्रदोषः
भ.७।४१ या. उफायां बुधः४८।५८
अनु.भौमः५५।३३ शुक्रोदयः÷ शु.उ.पु.

२०पं.भा.कृ.४बृ.इ.५९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	२	४	११	०	४
७	६	८	२५	१५	१८	७	७
४४	२५	४	३९	१५	२३	२४	१४
१७	५२	४०	३२	१६	३१	४२	५८
५७	२७	५९	१२	३३	२	३	५७
४८	५०	५०	३२	ब	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

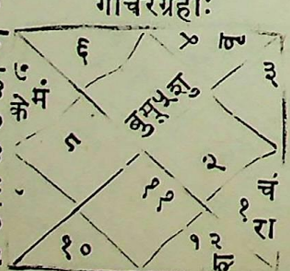

इस मास मे वर्षा उत्तमहोगी धान्य में मंदी रुई चांदी सोना मजीठ तेज हो सुपारीका भाव भी तेज रहे।

गोचरग्रहाः

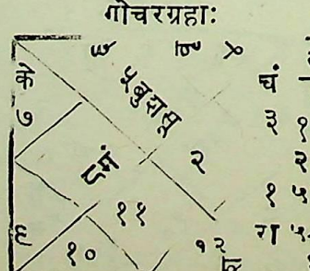

२१पं.भा.कृ.११बृ.इ.५९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	३	४	११	०	४
३	१४	०	२१	२७	१९	१८	७	१४
२९	५७	२३	९	४	०	२	०
१	५६	५४	४५	२८	५	५४	२६	१०
रा	५८	३८	५९	१२	३३	४२	३३	३	५७
	१	४१	३६	२२	ब	ब	११	५७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं०२०२४ शाकः १८८६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६०१स१६६७

१	मं	१८	४६	पू	३ २०	५३ ४१	सा	३५	४१	त्र	१८	४६	३१ १७	५ ४५	६ १५	५	१४	२६	क.१६।४६
२	बु	१०	१३	ह	५०	३३	शु	२६	२	की	१०	१३	१०	४५	१५	६	१५	३०	कन्यायां
३	शु	२	१	चि	४४	२१	शु	१६	२८	ग	२	१	६	४६	१४	७	१६	१	तु.१७।२७
४	गु	५२	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	शु	४६	५३	स्वा	३६	६	व्र	७ २	५१ ३६	ब	२०	२८	५	४७	१३	८	१७	२	तुलायाँ
६	श	४१	१	वि	३४	४७	वै	५०	५६	की	१३	५७	१	४८	१२	६	१८	३	वृ.२०।५२
७	र	३६	२२	अ	३१	३५	वि	४४	१०	ग	८	४१	३० ५७	४६	११	१०	१६	४	वृश्चिके
८	चं	३२	३८	ज्ये	२६	३०	प्री	३८	२२	वि	४	३०	५३	४६	११	११	२०	५	ध.२६।३०
९	मं	३०	२५	मू	२८	३६	आ	३३	३३	ग	१	३२	४८	५०	१०	१२	२१	६	धनुषि
१०	बु	२६	१६	पू	२६	११	सौ	२६	४४	ग	२६	१६	४४	५१	६	१३	२२	७	म.४४।३६
११	गु	२६	२४	उ	३०	५१	शो	२६	५५	वि	२६	२४	४०	५२	८	१४	२३	८	मकरे
१२	शु	३०	४२	अ	३३	४७	अ	२५	११	ग	३०	४२	३६	५३	७	१५	२४	९	मकरे
१३	श	३३	८	ध	३७	३६	सु	२४	१७	की	१	५५	३२	५४	६	१६	२५	१०	कु.५।४३
१४	र	३६	४४	श	४२	२६	धृ	२४	१५	ग	४	५६	२८	५४	६	१७	२६	११	कुम्भे
१५	चं	४१	७	पू	४८	२२	शू	२४	४६	वि	८	५५	२४	५५	५	१८	२७	१२	मी३१।५४

कन्या बुधः ५०।१२
चन्द्रदर्शनम्
भ.२८।२उ ५४।३या गणेश चतुर्थी+
+जमादिलारवर ६
अश्वि२राहुःचित्रा४केतुः२।१४*
=सिंहेगुरुः३०।१९जलझूलनी ११व्र.
भ.३६।२२उ.
भ.४।३०या हस्ते बुधः४४।४४
*बद्धोदयःपश्चिमे३८।१९ऋषिपंचमी
भ.५९।२०उ दृश्य,उफायां रविः३०।५७
भ २९।२४या.उफायांरविःसौरः१।५९=
वामन जयंती [×अनन्त १४
दृश्यः कन्याऽर्कः ५६।१८ प्रदोषः
भ.३६।४४उ.कन्यायामर्कःसौरः २७/१९×
भ.८।५५या महालयारम्भः

२२पं.भा.शु.३बृ.इ. ५८/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	३	४	११	०	४
२१	५	३	२८	६	१७	६	२०
१६	२६	४५	२८	२८	३४	२०	४६
५५	५२	२०	२८	७	४९	११	५०
५८	२९	५०	१३	२७	५३	३	५८
१३	३१	२३	१५	ब	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

भाद्र. शु. १३शनौ कन्यायामर्कः प्र. वा. ४न. ५प्रौढ़ावस्था बैठी) मु. १५धान्यादि भावे महर्घता शु. पु.

गोचरग्रहाः

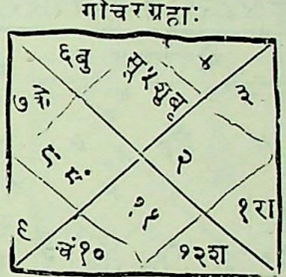

२३पं.भा.शु.११बृ.इ. ५८/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	४	४	११	०	४
२८	१०	१५	०	४	१७	६	२७
५	४	१५	३	५१	५	१७	३५
२४	४०	३	३	३	५२	५५	१३
५८	४०	९७	१२	३९/२८	४/१९	३	५८
२६	१०	२९	४९	ब	ब	११	२९

ति. आश्विन कृष्ण पक्षः सं.२०२४शाकः१८८९ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेभाद्रपदकृ.महाराष्ट्रा.

१	मं	४६	२४	उ	५४	५७	गं	२६	४	ग	१३	४५	३०	५६	६४	१६	२८	१३	मीने
२	बु	५२	१८	रे	६०	०	वृ	२७	३६	तै	१६	२१	१६	५७	३	२०	२६	१४	मीने
३	शु	५८	२६	रे	२	५	वृ	२६	५१	व	२५	२४	१२	५८	२	२१	३०	१५	मे.२।५
४	शु	६०	०	अ	६	३४	व्या	३३	१८	व	३१	३६	८	५८	२	२२	३१	१६	मेषे
४	श	४	४८	भ	१७	१४	ह	३५	४२	ग	४	४८	४	५६	१	२३	१	१७	बृ.३४।३
५	र	१०	५१	कृ	२४	३०	व	३७	०	तै	१०	५१	३०	६०	६०	२४	२	१८	वृषे
६	चं	१५	५७	रा	३०	५३	सि	३८	२२	व	१५	५७	२९ ५५	१	५९ ६	२५	३	१९	वृषे
७	मं	२०	४	मृ	३६	२७	व्य	३८	५३	ब	२०	४	५१	२	५८	२६	४	२०	मि३।४०
८	बु	२२	२६	आ	४०	१०	व	३८	१९	की	२२	२६	४७	३	५७	२७	५	२१	मिथुने
९	शु	२३	२०	पु	४२	१०	प	३६	९	ग	२३	२०	४३	३	५७	२८	६	२२	क.२६।४०
१०	शु	२१	३	पु	४२	१४	शि	३२	२४	वि	२२	३	३८	४	५६	२९	७	२३	कर्के
११	श	१८	४४	श्ले	४०	४	सि	२७	१०	ग	१८	४४	३४	५	५५	३०	८	२४	सिं४०।१४
१२	र	१३	१८	म	३६	४	सा	२०	११	तै	१३	१८	३०	६	५४	५	९	२५	सिंहे
१३	चं	८	१६	पू	३०	३९	शु	११	५०	व	८	१६	२६	७	५३	२	१०	२६	क.४३।५६
१४	चं	५१	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	मं	४८	३४	उ	२३	४९	शु	५०	४९	च	२३	१२	२२	८	५२	३	११	२७	कन्यायां

चित्रा बुधः२१।२६मार्गीशुक्र ४१।३१*
भ.२५। ४उ५८।२९या [×श्राद्धम्
च.व्र. [*वक्रीउ.भा.४शनि ५५/३५
वक्रीउ.भा.४शनिः रा आश्विनारम्भः
तुलायां बुधः५२।१६ज्येष्ठाभौमः ४२/५७
भ.१५।५७उ४८।० या.

दृश्योहस्तेरविः९।२४ (सौरः२९।४०)
भ.५२।४१ उ. मातृ ९
भ.२२।३या.स्वात्यांबुधः ५४।३१
इन्दिरा ११ व्रतम्
मघा.२गुरुः१०।१७ प्रदोष :अक्टूबर=
[=मा. १० ता० ३१
भ.६।१६उ.३२।३या.शास्त्रादिहतानां×

२४पं.आ.कृ.बृ.३इ. ५८/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	४	४	११	०	५
४	१४	२५	१	४	१६	५	४
५५	४७	४३	३१	१८	२५	५५	२५
१९	२४	१९	३०	३२	१६	३९	२०
५८	४१	१८	१२	२२/३१	४/३८	३	५८
३८	४	३७	३१	मा	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

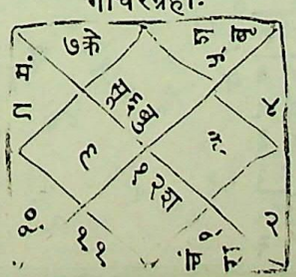

इस मासमें ज्वार बाजरा जौ मौठ मूंग गेहूँ चांवल गुड़ खांडं आदि रस पदार्थ तेज होंगे।

गोचरग्रहाः

२५पं.आ.कृ.९बृ.इ. ५८/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	४	४	११	०	५
११	१९	५	२	५	१६	५	११
४६	३६	२३	५३	३८	२	३३	१७
५५	५०	५६	१७	३५	३१	२४	२४
५८	४१	७८	२	१९	४०/४८	३	५९
५३	४०	४	९	५	ब	११	०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|आश्विनशुक्लपक्षः सं २०२४ शाकः १८८९ |दि.|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः | रदत्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९३०स.१९६७

१	बु	३८	५८	ह	१६	२९	ऐं	४१	२४	कं	१३	४६	३७/१८	६/८	५/२	४	१२	२८	तु.४२।३५	नवरात्रारंभः मातामहश्राद्धम्
२	गु	२८	५९	चि	८	४१	वै	३०	३२	बा	३	५८	१४	९	५१	५	१३	२९	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
३	शु	२०	५३	स्वा	३१	५३/२७	वि	२०	१६	ग	२०	५३	१०	१०	५०	६	१४	१	वृ४१।३६	भ.४६।५०उ रज्जव७
४	श	१२	४६	अ	४९	४३	प्री	१०	२४	वि	१२	४६	६	११	४९	७	१५	२	बृश्चिके	भ.१२।४६या.
५	र	६	१०	ज्ये	४६	५	आ	४९/१	५३/०	बा	६	१०	२	१२	४८	८	१६	३	ध.४६।५	[+भौम ४९/६ पायांकुशा ११ब्र स्मा.
६	चं	१	२३	मू	४४	०	शो	४८	३४	तै	१	२३	३५/८	१२	४८	९	१७	४	धनुषि	भ.५८।२८उ सरस्वत्यावाहनम्
७	चं	५७	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		[=सरस्वतीपूजाबलिदानञ्च
८	मं	५६	५९	पू	४३	३३	अ	४३	५७	वि	२७	४३	५४	१३	४७	१०	१८	५	म.५८।५४	भ.२७/४३उ. दृश्यश्चित्रा. रविः४१।२५=
९	बु	५७	२७	उ	४४	५८	सु	४०	४७	बा	२७	१३	५०	१४	४६	११	१९	६	मकरे	चित्रायां रविः सौरः १०'१६
१०	गु	५९	१०	श्र	४७	५६	धृ	३८	४१	तै	२८	१९	४६	१५	४५	१२	२०	७	मकरे	विशाखा बुधः९।२४विजया १०सरस्वती*
११	शु	६०	०	ध	५२	१४	शु	३८	५४	व	३०	४४	४२	१६	४४	१३	२१	८	कु.२०।५	भ.३०/४उ फायां शुक्रः३५/४मूलेधनुषि+
११	श	२	१६	श	५७	३०	गं	३८	२७	वि	२	१६	३८	१६	४४	१४	२२	९	कुम्भे	भ.२।१६या.पापां कुशा ११ब्र वै.
१२	र	६	४१	पू	६०	०	बृ	३९	११	बा	६	४१	३५	१७	४३	१५	२३	१०	मी४७।५	प्रदोषः [*विसर्जनम्
१३	चं	१२	३	पू	३	३७	ध्रु	४०	४४	तै	१२	३	३०	१८	४२	१६	२४	११	मीने	[×(सौरः५२/९ शर दर्शिणमाकोजागरीव्र
१४	मं	१७	४७	उ	१०	४४	व्या	४२	३६	व	१७	४७	२६	१९	४१	१७	२५	१२	मीने	भ १७/४७उ.५०° याद्दश्यस्तुलायामर्कः२५/१×
१५	बु	२३	५३	रे	१७	५३	ह	४४	२६	ब	२३	५३	२२	२०	४०	१८	२६	१३	मे. १७।५३	पूर्वं भारते ग्रस्तोदयं चन्द्रग्रहणम्

२६प.आ.शु.२बृ.इ.५/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	४	४	१	०	५
१	२४	१३	४	८	१५	५	१८
४०	१०	५३	१२	२४	२९	१	११
८	३	४९	३९	२६	२७	८	११
५९	४२	६३	१२	३०	४०/४	३	५९
९	०	१२	५	५३	ब	११	१६

गोचरग्रहाः

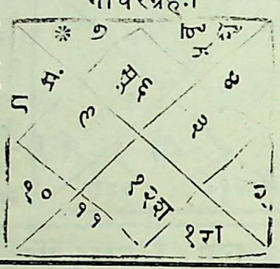

आश्विन शुक्ले १४
भौमेतुलायामर्कः
प्रविष्टः वा ४न.
४ वृद्धावस्था (बैठी)
मु.२० धान्यादि
भावे सभता शुक्रो
दयः र्वस्याम

गोचरग्रहाः

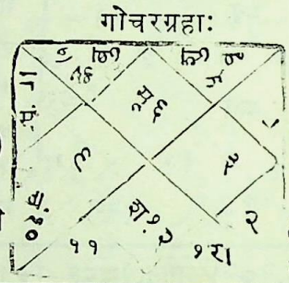

२७पं.आ.शु.१०बृ.इ.५/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	४	४	११	०	
२५	२९	२०	५	१	१४	४	२५
३५	२९	३४	२८	५५	५०	४८	६
६	२०	१	१२	२६	५६	५३	५३
५९	४२	४२	११	३९	४/३२	३	५९
२१	४१	०	१	५७	ब	११	३१

ति.|कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०२४ शाकः १८८९ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चंद्रः |शरदृतुरविर्दक्षिणेऽश्विन कृ. महाराष्ट्राः

१	गु	३०	५	अ	२५	१९	व	४६	४०	कौ	३	५	२९/१८	६/२०	५/४०	१९	२७	१४	मेषे	
२	शु	३६	२६	भ	२२	५३	सि	४८	५५	तै	३	१५	१४	२१	३९	२०	२८	१५	वृ. ४९।४२	वक्रीबुधः२३/३मघा.३गुरुः५।४५
३	श	४२	२०	कृ	४०	९	व्य	५१	३	व	९	२३	१०	२२	३८	२१	२९	१६	बृषे	भ.९।२३उ.४२/२०या.
४	र	४७	२९	रा	४७	८	व	५२	२५	ब	१४	५४	६	२३	३७	२२	३०	१७	बृषे	चतुर्थीव्रतम् [§११ता.३०
५	चं	५१	५१	मृ	५२	५८	प	५३	३७	कौ	१९	४०	२	२४	३६	२३	१	१८	मि२०।३	रा कार्तिकारंभः
६	मं	५५	४	आ	५७	२७	शि	५३	५८	ग	२३	२८	२७/५८	२५	३५	२४	२	१९	मिथुने	भ ५५।४उ.दृश्यःस्वात्यांरविः ०।१३*
७	बु	५६	४७	पु	६०	०	सि	५२	४९	वि	२५	५५	५४	२५	३५	२५	३	२०	क. ४४।४५	भ.२५/५५या. [*(सौरः३३/५७)
८	गु	५६	५२	पु	०	३१	सा	५०	३९	गा	२६	५०	५०	२६	३४	२६	४	२१	कर्के	पश्चिमास्तंबुधः२३।२
९	शु	५५	२	पु	२	६	शु	४६	५७	तै	२५	५७	४६	२७	३३	२७	५	२२	कर्के	[+प्रदोषःधन १३
१०	श	५१	२०	श्ले	४७/१	५७/५०	शु	४१	४३	व	२३	११	४०	२८	३२	२८	६	२३	सिं।१४७	भ.२३/१३उ ५२/१०या वक्रीस्वात्यांबुधः१३।७
११	र	४५	५४	पू	५५	४४	न	३५	४	ब	१८	३७	३९	२९	३२	२९	७	२४	सिंहे	रमा११ब्र स्मा.वै.
१२	चं	३८	५५	उ	५०	१३	ऐं	२६	५८	कौ	१२	२४	३५	३९	३१	३०	८	२५	क.९।२२	उफायांशुक्रः३२/६रया११ब्र निम्बा
१३	मं	३०	३१	ह	४३	३६	वै	१७	४४	ग	४	४३	३१	३०	३०	३१	९	२६	कन्या	भ.३/३०उ.५५/४३या.षायां भौमः५।१।३४+
१४	बु	२०	५६	चि	३५	५९	वि	२५/५७	४९/१३	श	२०	५६	२७	३१	२९	१	१०	२७	तु.९।४७	रूप.१४महालक्ष्मीपूजनम्नवबंरमा §
३०	गु	११	१७	स्वा	२८	३	आ	४५	३२	ना	११	१७	२४	३१	२९	२	११	२८	तुवायां	कन्यायांशुक्रः५४/२३अन्नकुटंगोवर्द्धनपूजा

२८पं.का.कृ.१वृ.इ.५/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	४	४	११	०	६
२	४	२३	६	१७	४	४	२
११	३३	२	३८	४७	२५	२६	४
४	२९	१३	३८	२	३७	२७	२३
९	४३	२	१०	४६	१३/२३	३	५९
३४	७	५९	२२	५६	ब	११	४६

२९पं.का.कृ.८बृ.इ.५/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	४	४	११	०	६
९	९	२१	७	२३	१३	४	९
२९	४०	१९	४०	३३	५५	४	३
४९	३७	४	७	३९	५८	२१	४३
५९	४३	६/२२	९	५२	७/५	३	६०
४७	२५	ब	२७	१८	ब	११	२

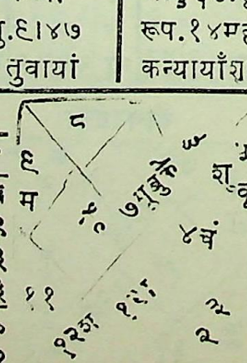

३०पं.का.कृ.३०बृ.इ.५/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	४	५	११	०	६
१६	१४	१३	८	०	१३	३	१६
२९	१२	२१	५५	२	३०	४२	४
३८	१	५७	०	४९	०	६	५७
६०	२	६२/१	८	५६	३५/५	३	६०
४	२१	ब	४८	२१	ब	११	१८

*बुचंके

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्त्तिक शुक्ल पक्षः सं.२०२४ शाकः १८८६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६६०सं.१६६७

१	शु	१	२४	वि	२०	२३	सौ	३४	३३	ब	१	२४	२७ ६ ५	३	१२	२६	बृ.७।१८	
२	शु	५०	५०	०	०	०	०		०		०	०	२० ३२ २८	०	०	०	०	
३	श	४४	१३	अ	१३	२७	शो	२४	१६	तै	१८	१४	१६ ३३ २७	४	१३	३०	वृश्चिके	
४	र	३७	४५	ज्ये	७	४४	अ	१५	०	व	१०	५६	१२ ३३ २७	५	१४	१	ध.७।४४	
५	चं	३३	१६	मू	३	३६	सु	६	५६	ब	५	३२	६ ३४ २६	६	१५	२	धनुषि	
६	मं	३०	२३	पू	१	४२	धू	३८	५५ ५४	कौ	१	५१	६ ३५ २५	७	१६	३	म. १६।३६	
७	बु	२६	५५	उ	१	२८	गं	५२	४१	ग	०	६	२ ३६ २४	८	१७	४	मकरे	
८	गु	३१	२२	श्र	३	३०	बृ	५१	३	वि	०	३६	२६ २६ २४	६	१८	५	कुं ३५।२३	
६	शु	३४	२३	ध	७	१६	धु	५०	५६	वा	२	५२	५६ ३७ २३	१०	१६	६	कुम्भे	
१०	श	३६	१२	श	१२	४५	व्या	५१	३५	तै	६	१८	५३ ३७ २३	११	२०	७	कुम्भे	
११	र	४४	४४	पू	१८	४८	ह	५३	१६	व	११	५८	४६ ३८ २२	१२	२१	८	मी २।१७	
१२	चं	५०	५६	उ	२६	५	व	५५	२८	ब	१७	५१	४६ ३६ २१	१३	२२	६	मीने	
१३	मं	५७	२६	रे	३३	२०	सि	५८	६	कौ	२४	१३	४३ ३६ २१	१४	२३	१०	मे. ३३।२०	
१४	बु	६०	०	अ	४१	६	व्य	५६	५८	ग	३०	३४	४० ४० २०	१५	२४	११	मेषे	
१५	गु	३	४२	भ	४८	२४	व	६०	०	व	३	४२	३७ ४१ १६	१६	२५	१२	मेषे	
१५	शु	६	५१	कु	५५	२४	व	२	१	ब	६	५१	३४ ४१ १६	१७	२६	१३	बृ.५।६	

भ्रातृद्वयम २
[*४४।५५ सावान ८
चन्द्र द.
भ. ११ उ. ३७ या. वक्री उ भा ३शनिः*
दृश्यो विशाखा. रविः ३७/६ (सौरः ५१/२६)
बुधोदयः पूर्वस्याम्३५।५६
भ.२६।५५ उ.
भ ३६ या. मार्गीबुधः ५७ अश्वि. १ राहुः+
कुषमाडहअक्षय्य ६
[+चित्रा ३ केतुः५४।८गोपाष्टमी
भ ११/५८ उ.४४ या मघा. ४गुरुः ३४/५८F
हस्ते शुक्रः १।५८
प्रदोषः [Fप्रबोधिनी११ब्र तुलसीवि.
वैकुण्ठ १४
भ.३।४२उ.३६/४६ या. दृश्यो वृश्चिकेऽर्कः.≡
[≡ २३।३४ (सौरः४५।४३)

३१पं.का.शु.८वृ इ.५७/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	४	५	१	०	६
२३	२०	८	९	६	१३	३	२३
३०	६	९	४०	५६	७	१९	७
५८	५७	३	१२	३८	४	०	२५
६०	४४	३	७	३९	५५	३	६०
१७	१०	मा	३२	३४	ब	११	३०

गोचरग्रहाः

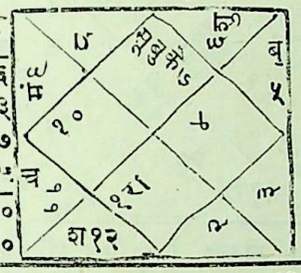

का.शु. १४ गुरौ
वृश्चिकेऽर्कः प्र.
वा. ३ न. ३
वृद्धावस्था (बैठी)
मु. १५ (धान्य
भाव तेज) शु. पू.

गोचरग्रहाः

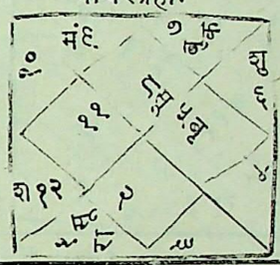

३२पं.का.शु.१४बृ इ.५७/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	४	५	१	०	७
०	२५	११	१०	१४	१२	२	०
३३	२५	४	२७	८	८	५७	११
४७	२६	३३	२९	४५	१०	३५	२९
६०	४४	६	६	६२	३६	३	६०
३०	२२	४	१४	६	३	ब	११	४०

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२ २४ शाकः१८८६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे का.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	श	१५	२४	रा	६०	०	प	३	४७	कौ	१५	२४	२६ ६ ५	१८	२७	१४	बृ.६	
२	र	१६	५०	रो	१	४२	शि	५	५	ग	१६	५०	२६ ४२ १८	१६	२८	१५	मि.३४।३२	
३	चं	२४	१०	मृ	७	२१	सि	५	२४	वि	२४	११	२६ ४३ १७	२०	२६	१६	मिथुने	
४	मं	२६	५६	आ	११	५५	सा	५	३६	वा	२६	५६	२४ ४३ १७	२१	३०	१७	क. ५६।३५	
५	बु	२८	४६	पु	१५	२८	शु	४	४२	तै	२८	४६	२१ ४४ १६	२२	१	१८	कर्के	
६	गु	२६	१४	पु	१७	५१	शु	२	५०	व	२६	१४	१६ ४४ १६	२३	२	१६	कर्के	
७	शु	२८	३२	श्ले	१६	१	न	१०	५६	ब	२८	३२	१६ ४५ १५	२४	३	२०	सिं १६।१	
८	श	२६	२१	म	१८	४४	वै	५०	५६	कौ	२६	२१	१३ ४५ १५	२५	४	२१	सिंहे	
६	र	२२	३३	पू	१६	४६	वि	४४	३४	ग	२२	३३	११ ४६ १४	२६	५	२२	क. ३१।०	
१०	चं	१७	२६	उ	१३	३६	प्री	३७	६	वि	१७	२६	८ ४६ १४	२७	६	२३	कन्यायां	
११	मं	१०	५५	ह	६	८	आ	२८	३१	वा	१०	५५	६ ४७ १३	२८	७	२४	तु. ३६।१२	
१२	बु	३	६	चि	३ ५३ ७ २०		सौ	५६	२	तै	३	६	३ ४७ १३	२६	८	२५	तुलायां	
१३	बु	५१	३६	०	०	०	०	०	०		०	०	० ० ०	०	०	०	०	
१४	गु	४५	३१	वि	४६	१६	शो	४५ ४८	३२	वि	२०	६	१ ४८ १२	३०	६	२६	बृ. ३६।६	
३०	शु	३६	२४	अ	४२	११	सु	४७	५१	च	१०	५७	२५ ४८ १२	१	१०	२७	बृश्चिके	

उषायां भौम. ३७।५३
भ.५२।०उ.दृश्यो ऽनुराधा रविः ४१/५८
भ.२४/६या.अनु. रविःसौरः ३।३१च.व्र.

मकरे भौम.५५।४७रा मार्गशीर्षारम्भः
भ. २६।१४ उ. ५८।५३या.
विशाखा. बुधः २१।१५
चित्रा शुक्रः ३०।२६
भ.५०।० उ.
भ १७।२६ या.
उत्पत्ति ११ ब्र.
भ.५४।४२उ. प्रदोषः
[*दिसम्बर मा. १२ता. ३१
भ.२०।६या.
वृश्चिकेबुधः १०।३३ तुला. शुक्रः २९/७*

३३पं.मा.कृ ६ब्र.इ. ५६/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	४	५	११	०	७
७	०	१९	१५	२१	१२	२	७
३७	५५	२७	७	४०	३३	३५	१७
३७	२१	१४	१	५	५७	१५	२
६०	४४	८०	५	६	३९	३	६०
४२	३४	३२	२२	१	ब	११	५२

गोचरग्रहा

शनेश्च पंच के
दृष्टवा पाताले
कंपते फणी ।
ईशानदेश भंगश्च
बहिदा हो मह-
र्घता । हरेकवस्तु
तेज रहे ।

गोचरग्रहाः

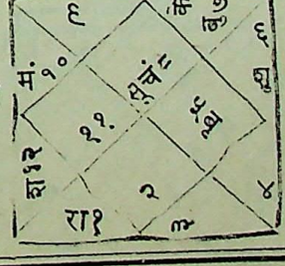

२४पं.मा.कृ.१४बृ.इ.५६/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	४	५	११	०	७
१४	६	२९	११	२९	१२	२	१४
४२	७	३९	३९	२३	२५	१३	२३
५४	४४	०	१८	५६	८	३	४०
६०	४४	९०	४	६५	५३	३	६१
५०	४६	३४	३३	३६	ब	११	३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष. सं. २०२५ शाकः १८८६ | दि. उ. अ | इं. रा. मु. | चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४६८६ स. १९६७

१	श	२७	५४	ज्ये	३५	२६	पू	३७	४२	ब	२७	५४	३५/५७	४६	१५/१९	२	११	२६	ध. ३५। २६
२	र	२०	२३	मू	३	५	शु	२८	३०	औ	२०	२३	५५	४६	११	३	१२	३०	धनुषि
३	चं	१४	५०	पू	२६	७	गं	२०	४२	ग	१४	५०	५३	४६	११	४	१३	१	म. ४०। ४७
४	मं	१०	२६	उ	२४	४८	वृ	१४	०	मि	१०	२६	५१	५०	१०	५	१४	२	मकरे
५	बु	८	३८	श्र	२४	३	भु	६	२१	ना	८	३८	४६	५०	१०	६	१५	३	कु ५५। ३
६	गु	८	५०	ध	२६	३	व्या	६	२३	तै	८	५०	४८	५०	१०	७	१६	४	कुम्भे
७	शु	११	२६	श	३०	८	ह	५	५	व	११	२६	४६	५१	६	८	१७	५	कुम्भे
८	श	१५	२७	पू	३५	५२	व	५	५	ब	१५	२७	४५	५१	६	९	१८	६	मी. १६। २६
९	र	२०	५२	उ	४२	४१	सि	६	४	औ	२०	५२	४४	५१	६	१०	१९	७	मीने
१०	चं	२७	१७	रे	५०	३	व्य	८	१४	तै	२७	१७	४२	५२	८	११	२०	८	मे. ५०। ३
११	मं	३३	४७	अ	५७	५२	व	१०	१०	व	०	३२	४१	५२	८	१२	२१	९	मेषे
१२	बु	४०	१५	भ	६०	०	पृ	१२	४०	ब	७	१	४०	५२	८	१३	२२	१०	मेषे
१३	गु	४६	१३	भ	५	२५	शि	१४	४५	औ	१३	१४	३९	५२	८	१४	२३	११	वृ. २२। ६
१४	शु	५१	२८	कृ	१२	२१	सि	१६	२६	ग	१८	५०	३८	५२	८	१५	२४	१२	बृषे
१५	श	५५	३६	रो	१८	२४	सा	१७	२३	वि	२३	३३	३८	५२	८	१६	२५	१३	मि ५०। ५४

दृश्यो ज्येष्ठा. रविः ५२। ८
ज्येष्ठायांरविःसौरः १३/१९ अनु.बुधः २३/३ चंद्रद.
भ ४२। ४०उ. रमजान ६
भ. १२/१९ या. श्रवणे भौम. ५४/२० वर्जितं +
[÷ध: १६। ४६
स्वात्यां शुक्रः २२। २४ चंपा ६
भ. ११। २६उ. ४३। २६ या.
मार्गी शनिः १७। ४

[× दत्तजयंती
भ. ०। ३२ उ ३३। ४७ या. ज्येष्ठा. बुधः *
[*१०। ४१ मोक्षदा ११ व्र. गीताजयंती प्रदोषः
भ. ५१। २८ उ. दृश्योधनुष्यर्कः ५६। २०
भ. २३। ३३ या धनुष्यर्कः सौरः १४। १५ ×

३५पं. मा. शु. ६ वृ. इ. ५६। २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	४	६	११	०	७
२१	११	१०	१२	७	१२	१	२१
४८	३१	१९	२	८	२१	५०	३१
५८	१२	१	५३	९	२९	४८	३५
६०	४४	९८	३	३७	१९	३	६१
५६	४९	७	१८	१०	ब	११	११

गोचरग्रहाः

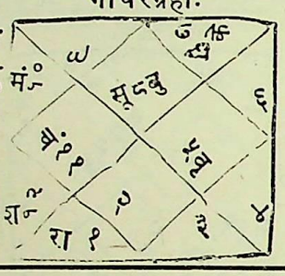

मार्गशीर्ष शु. १४
शुक्रे धनुष्यर्कः
प्र. वा. २ न. ३
वृद्धावस्था (बैठी)
मु. ४५ धान्यादि
भावे समता शु.पू.

गोचरग्रहाः

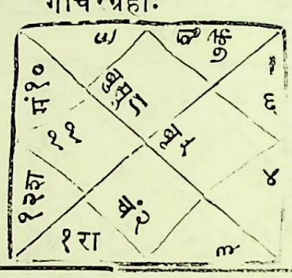

३६पं. मा. शु. ६ बृ. इ. ५६। १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	४	५	१०	०	७
२८	१६	२१	१२	१५	१२	१	२८
५५	१५	९	१७	१८	२२	२८	४०
५२	३	७	२४	३६	१	३२	१८
६१	४५	७	१	६८	४७	३	६१
०	१	३२	५९	४	मा	११	१९

ति. पौष कृष्ण पक्षः सं. २०२४ शाकः १८८६ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविरुत्तरे मार्गं क्र. महाराष्ट्राः

१	र	५८	५६	मृ	२३	२३	शु	१७	३६	चा	२७	१७	२५/३७	५३/५३	५/७	१७	२६	१४	मिथुने
२	चं	६०	०	आ	२७	२४	शु	१६	५६	तै	२६	५६	३७	५३	७	१८	२७	१५	मिथुने
२	मं	०	५७	पु	३०	१२	ऋ	१५	२६	ग	०	५७	३७	५३	७	१९	२८	१६	क १४। ४५
३	बु	१	४८	पु	३२	२०	ऐं	१३	२	वि	१	४८	३६	५३	७	२०	२९	१७	कर्के
४	गु	१	३८	श्ले	३३	१३	वै	९	५९	ना	१	३८	३६	५३	७	२१	३०	१८	सिं ३३। १३
५	शु	०	३३	म	३३	१३	वि	६	३	तै	०	३३	३६	५३	७	२२	१	१९	सिंहे
६	शु	५८	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	श	५५	३८	पू	३२	६	प्री	२३/२२	५४/४०	वि	२७	६	३६	५३	७	२३	२	२०	क ४७। ३५
८	र	५१	४२	उ	३०	१२	सौ	४९	३८	ना	२३	४०	३६	५३	७	२४	३	२१	कन्यायां
९	चं	४६	५१	ह	२७	२६	शो	४२	४४	तै	१९	१६	३७	५३	७	२५	४	२२	तु. ५५। ३३
१०	मं	४१	७	चि	२३	४०	अ	३३	५२	व	१३	५९	३७	५३	७	२६	५	२३	तुलायां
११	बु	३४	३२	स्वा	१९	३	सु	२६	२९	ब	७	५०	३७	५३	७	२७	६	२४	वृ. ५९। ५९
१२	गु	२७	१८	वि	१३	३८	धृ	१७	३२	औ	०	५५	३८	५२	८	२८	७	२५	बृश्चिके
१३	शु	१९	४७	अ	८	३	शू	१३/१३	५८/५६	व	१९	४७	३	५२	८	२९	८	२६	वृश्चिके
१४	श	१२	१४	ज्ये	२/१८	५४/४३	शू	५०	१२	श	१२	१४	३९	५२	८	३०	९	२७	ध. २। १८
३०	र	५	१०	पू	५२	२९	ध्रु	४२	५	ना	५	१०	४०	५२	८	३१	१०	२८	धनुषि

विशाखा. शुक्रः ४९। ३९
भ. ३१। २२ उ
भ. १। ४८ या. मूले धनुषि बुधः ३/८ च. व्र.
भ. ५८। ३४ उ. रा. पौषारंभः
भ. २७। ६ या धनिष्ठा. भौमः १३। ४२
वक्री गुरुः २३। ५
भ. १३। ५९ उ. ४१। ७ या.
बृश्चिके शुक्रः १९। ८ सफला ११ व्र.
पुषायां बुधः ५'७ २७ प्रदोषः
भ. १९। ४७उ ४६। ० या. दृश्यः षायां*
अनु. शुक्रः १०। ५४
*रविः ४ १६ (सौरः १५। ५३)

३७पं. पौ. कृ. ४ बृ इ ५६। ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	४	६	११	०	८
६	२२	२	१२	२३	१२	१	५
३	२१	९	२१	३४	३०	६	४९
२९	५०	१०	५०	१२	४	१७	५३
६	४४	९९	०	६८	१	३	६१
४	५८	१५	२८	५६	२४	११	२२

गोचरग्रहाः

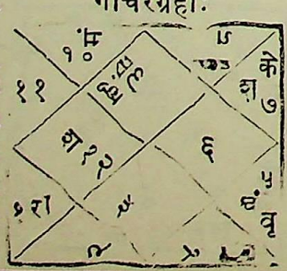

इस मासमें रोग पीड़ा और पशुओं को कष्ट हो। साहमी व्यापारी मंदी में माल का संग्रह करें आगे लाभ होगा।

गोचरग्रहाः

३८पं. पौ. कृ १२ बृ इ ५५। ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	४	७	११	०	८
१३	२७	१३	१२	१	१२	०	१२
११	२८	७	७	२	३२	४	५९
३१	५९	७	३८	३३	१०	१	३५
६१	५५	०	५२	६९	२	३	६१
६	६	५३	ब	४६	५	११	२६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. पौष शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८६ | दि. | उ. | अ | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ५०१६स १६६८

१	र	५३	५८	०	०	०	०	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	५४	४२	उ	४६	२६	व्या	३४	४६	ता	२६	५५	२५	६	५	१	११	२६	मी.६।४३	कुंभेभौम.३।५।६जनवरीमा.१ता.३१*
३	मं	५२	५	अ	४८	१६	ह	२६	२	तै	२३	२३	४०	५२	८	२	१२	१	मीने	सव्वाल १० [*सन्१६६८चन्द्रदर्शनं
४	बु	५१	१७	ध	४६	५४	व	२४	४४	व	२५	४१	४१	५२	८	३	१३	२	कु.१६।५	भ २१।४१उ.५१।१७ या.
५	गु	५२	४१	श	५१	३३	सि	२२	१	व	२१	५६	४२	५१	६	४	१४	३	कुम्भे	≡(सौर:३।५)श्रवणे बुधः १०।२५
६	शु	५६	४	पू	५६	८	व्य	२१	७	की	२४	२२	४४	५१	६	५	१५	४	मी४०।०	[+उ.भा.४शनिः३।१रेवती४राहुःचित्राः×
७	श	६०	०	उ	६०	०	व	२१	११	ग	२८	२६	४६	५१	६	६	१६	५	मीने	उषायां बुधः ६।११
७	र	०	५४	उ	२	४	प	२२	३०	व	०	५४	४४	५१	६	७	१७	६	मीने	भ.०।५४उ.३३।५११ या.
८	चं	६	८८	रे	६	१५	शि	२४	२१	ब	६	४८	४६	५०	१०	८	१८	७	मे.६।१५	मकरे बुधः ७।२३
६	मं	१३	१६	अ	१६	४४	सि	२६	४७	की	१३	१६	५१	५०	१०	६	१६	८	मेषे	शते भौमः १२।४
१०	बु	१६	४३	भ	२४	२०	सा	२६	१	ग	१६	४३	५२	५०	१०	१०	२०	६	वृ ४१।५	[×२केतुः४।६पुत्रद।११व्र.
११	गु	२५	५७	कृ	३१	५६	शु	३०	२६	वि	२५	५७	५४	४६	११	११	२१	१०	वृषे	भ.५२।५० उ. ज्येष्ठा शुक्रः १४।१३
१२	शु	३१	२	रो	३७	२६	शु	३१	३८	वा	३१	२	५६	४६	११	१२	२२	११	वृषे	भ.२५।७याहृश्यउषायांरविः६।(सौर:१७।२०)+
१३	श	३४	४८	मृ	४२	२२	न	३१	३७	की	२	५५	५८	४८	१२	१३	२३	१२	मिथु६।५५	प्रदोषः
१४	५	३७	२३	आ	४६	११	ऐं	३०	४०	ग	६	५	२६	४८	१२	१४	२४	१३	मिथुने	भ.३७।२३उ.दृश्योमकरेऽर्कः२५।२४≡
१५	चं	३८	२८	पु	४८	२०	चै	२८	३७	वि	७	५५	३	४७	१३	१५	२५	१४	क.३२।४८	भ.७।५५

३६पं.पौ. शु.५बृ.इ.५५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	४	७	११	०	८
२०	३	२	१२	१०	१२	०	२०
१९	१४	३	३	१३	९	२१	९
२६	३१	५६	५४	१५	३८	४५	३२
६१	५	०	२२	७०	२	२	६१
६	१	७३	ब	२९	५७	११	६

गोचरग्रहाः

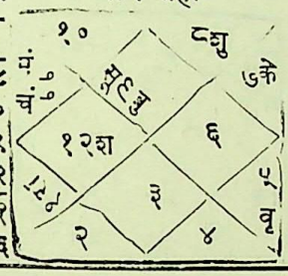

पौष शु.१४ रवौ मकरेऽर्कः प्र.वा. ३ न. ३ प्रगल्भा वस्था(बैठी)मु.१५ (धान्य भावनेज) शुक्रोदय; पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

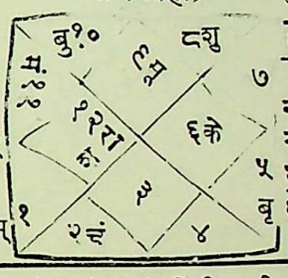

४०पं.पौ शु.११बृ.इ.५५।४६

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
७	८	१०	९	४	७	११	८
२७	८	६	११	१८	१३	२९	२७
२७	३	१०	४०	४०	२१	५९	१९
५	४०	८	३०	२२	१२	२	३०	२४
बृ	६	४	८	४३	७०	२	३	६१
	६	७	१८	ब	५९	२८	११	२४

ति. माघ कृष्णपक्षः स.२०२४ शाकः १८८६ | दि. | उ. | अ | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तौ रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.

१	मं	३८	५	पु	४६	१४	वि	२५	३२	ग	८	१७	२६	५	४७	१३	१६	२६	१५	कर्के	
२	बु	३६	४४	श्ले	४६	५	प्री	२१	३०	तै	७	२५	८	४६	४	१७	२७	१६	सि ४६।५	
३	गु	३४	१५	म	४८	७	आ	१६	४१	व	५	२६	१०	४६	१४	१८	२८	१७	सिंहे	भ.५।६उ३।४याबुद्धोदयःपश्चिमायाम्३।३
४	शु	३१	१०	पू	४६	२३	सो	१२	५८	ब	३	१२	१२	४६	१४	१६	२६	१८	सिंहे	च व्र.
५	श	२७	२१	उ	४४	१४	शो	२४	५३	तै	२७	२१	१५	४५	१५	२०	३०	१६	क.०।५१	दृश्योऽभि.प्र.रविः५८।६
६	र	२३	२१	ह	४१	३८	सु	५२	२६	व	२३	२१	७	४५	५५	२१	१	२०	कन्यायां	भ.२।३उ.५१।१या.अभि.प्रः रविः सौरः४।७*
७	चं	५८	४१	चि	३८	३०	धृ	४५	३१	व	५८	४१	२०	४४	१६	२२	२	२१	तु १०।४	धनिष्ठा बुधः१५।२८
८	मं	४	१०	स्वा	३५	१४	शू	३८	१३	की	१४	१०	२२	४४	१६	२३	३	२२	तुलायां	[*मूलेऽनुषि क्रः४।६७
६	बु	६	५१	वि	३१	५३	गं	३०	२३	ग	६	५१	२५	४३	१७	२४	४	२३	वृ.१७।४३	भ.३।५उ.दृश्यःश्रवणेःरवि१।५सौरः२०।४
१०	गु	३	१८	अ	२७	४३	बृ	२३	२	वि	३	१८	२७	४३	१७	२५	५	२४	वृश्चिके	भ.३।१८या.द.अभि.नि.रविः७।१+
११	गु	५४	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		[+सौरः१२।२०षटतिला११व्र.स्मा.
१२	शु	५१	५६	ज्ये	२३	४८	ध्रु	१५	२४	की	२४	५०	३०	४२	१८	२६	६	२५	ध.२३।४८	कुंभेबुधः३६।६ पूभायांभौमः२८।१×
१३	श	४६	०	मू	१६	५७	व्या	७	५२	ग	१६	२४	३३	४१	१६	२७	७	२६	धनुषि	भ.५।६उ. प्रदोषः [×षटतिला११व्र.वै
१४	र	४१	४३	पू	१६	३५	ह	३८	५३	वि	१४	१६	२६	४१	१६	२८	८	२७	म.३०।५६	भ.१४।१६ या.
३०	चं	३७	५६	उ	१३	५६	सि	४८	२२	च	६	५६	३६	४०	२०	२६	६	२८	मकरे	सोमवत्यमा

४१पं मा.कृ.३बृ.इ.५५।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	४	७	११	११	९
४	१४	१७	११	२७	१३	२९	४
३५	८	४९	९	१०	४७	३७	२८
३१	४५	५५	५०	४४	४२	१५	५३
६१	४५	९९	५४	७	४	३	६१
३	४	११	ब	३०	१०	११	९

गोचरग्रहाः

इस मास में घटा बढ़ी अधिक, पहिले मंदी होकर तेजीं होगी। माघ मास जो पड़े न शीत। तबभी समय जानियो मीत

गोचरग्रहाः

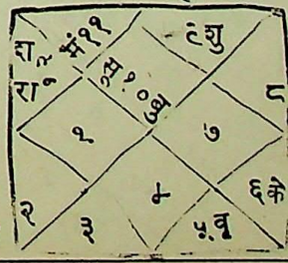

४२पं.मा.कृ१०बृ.इ ५५।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	९	४	८	११	११	५
११	१९	२८	१०	५	१४	२९	११
४०	३५	५५	३०	४	१८	१४	३७
५०	५२	५५	२८	२४	४६	५९	४४
५०	४४	०७	६	७१	४	३	६१
५९	०९	५०	ब	५०	४२	११	१३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| माघ शुक्लपक्षः सं.२०२३ शाकः१८८९ |दि.| उ. |अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः | शिशिरतौ रवौ उत्तरेऽहर्गणः५०४८स१९६८

१	मं	३५	२५	श्र	१२	४६	व्य	४३	४६	क	६	४१	२६/४३	६/४०	५/२०	३०	१०	२९	कु. ४२।५३
२	बु	३४	३६	ध	१३	०	व	४०	२९	बा	५	१	४६	३९	२१	३१	११	३०	कुम्भे
३	गु	३५	३१	श	१४	५२	प	३९	१७	तै	५	३	४९	३८	२२	१	१२	१	कुम्भे
४	शु	३८	२	पू	१८	२०	शि	३७	५६	व	६	४६	५२	३८	२२	२	१३	२	मी २।२८
५	श	४२	२०	उ	२३	३४	सि	३८	४०	ब	१०	११	५५	३७	२३	३	१४	३	मीने
६	र	४७	५९	रे	३०	७	सा	४०	१९	कौ	१५	१०	५९	३६	२४	४	१५	४	मे. ३०।७
७	चं	५४	२१	अ	३७	१०	शु	४२	२८	ग	२१	१०	२७/२	३६	२४	५	१६	५	मेषे
८	मं	६०	०	भ	४४	५०	शु	४४	३४	वि	२७	३३	६	३५	२५	६	१७	६	मेषे
९	बु	०	४६	कृ	५२	६	ब्र	४६	३९	ब	०	४६	९	३४	२६	७	१८	७	वृ. १। ३९
१०	गु	७	०	रा	५८	५१	ऐं	४८	७	कौ	७	०	१३	३३	२७	८	१९	८	वृषे
११	शु	१२	१९	मृ	६०	०	वै	४८	३६	ग	१२	१९	१८/३३	२७		९	२०	९	मि ३१। २९
१२	श	१६	१२	मृ	४	७	वि	४७	४२	वि	१६	१२	२०	३२	२८	१०	२१	१०	मिथुने
१३	र	१८	३७	आ	८	१	प्री	४५	४५	ब्रा	१८	३७	२४	३१	२९	११	२२	११	क. ५४।३६
१४	चं	१९	१९	पु	१०	८	आ	४२	२५	तै	१९	१९	२७	३१	२९	१२	२३	१२	कर्के
१५	मं	१८	९	पु	१०	४५	सौ	३७	५२	व	१८	९	३१	३०	३०	१३	२४	१३	कर्के
१५	बु	१५	३०	श्ले	८	३९	शो	३२	१२	ब	१५	३०	३५	२९	३१	१४	२५	१४	सिंह। ३९

वक्रीमघा. ३गुरुः ३५।५२
चन्द्र द.
शतेबुधः ३०/२४ षायांशुक्रः १/१ फ२.मा.२ *
भ.६।४६उ.३८।२या.
वसन्त ५श्रां५
[= शुक्रः४।४९उभायां भौमः३९।१३
भ.५४।२१उ.भानु७रथ७
भ.३/३७या. दृश्यो धनिष्ठा. रविः २२/५३ ×
[×(सौरः२५/५५)वक्री बुधः २८/२० भीष्माष्टमी
मीने भौमः २३/५९ पश्चिमास्तं बुधः२४।२३
भ.४४।१५उ. [*ता.२९जिल्काद११
भ. १६।१२ या जया ११ व्रतम्
वक्री धनिष्ठा.बुधः५९ ५० प्रदोषः
दृश्यःकुम्भेऽर्कः ५८/८(सौरः५५/५२ उषायां=
भ.१८।९उ.४६।५०या.
मकरे शुक्रः ४३।५२

४३पं.मा.शु.३बृ.इ.५५/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	१०	४	८	१	११	९
१८	२	७	९	१४	१४	२८	१८
४२	०	२	४३	१६	५४	२	४५
२६	५४	२७	५८	१९	१४	४३	४५
६०	४४	५२	५३	२	५/१०	२	६१
५५	५३	४२	ब	१४	ब	११	४

गोचरग्रहाः

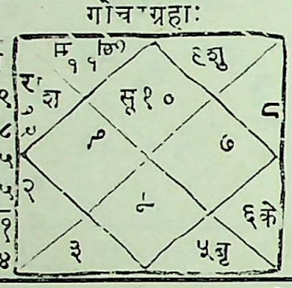

माघ शु.१३ चंद्रे कुम्भेऽर्कः प्र. वा. २ न.३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शु.पू.

गोचरग्रहाः;

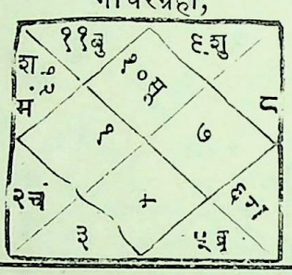

४४पं.मा.शु.९बृ.इ.५६/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	४	८	१/१	११	९
२५	०	८	८	२२	१/२	२८	२५
५५	२४	७	५३	५१	३/-	३०	५२
१६	०	५१/-	१३	५४	४९/-	७	३२
६०	४४	२८/४३	३७	२	३८/-	२	६०
४	०	७	ब	ब	२२	ब	१/-	५५

ति.| फाल्गुन कृष्णपक्षः सं.२०२४ शाकः१८८९ |दि.| उ. |अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः | शिशिरतौ रवौ उत्तरे माघ कृ.महाराष्ट्राः

१	गु	११	५९	म	६	२८	अ	२५	४१	कौ	११	५१	३७/३८	६/२८	३२	१५	२६	१५	सिंहे
२	शु	६	५६	पू	४	२०	सु	१८	२६	ग	६	५६	४२	२८	३२	१६	२७	१६	कं.१८।२५
३	श	१	१५	उ	०/३९	५६/१०	धृ	१	२	वि	१	१५	४६	२७	३३	१७	२८	१७	कन्यायां
४	श	५४	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	र	५०	१	चि	५२	५४	शू	१८/१९	५२/२२	कौ	२२	५३	५०	२६	३४	१८	२९	१८	तु. २४।५२
६	चं	४४	४०	स्वा	४९	१२	वृ	४८	१२	ग	१७	२१	२४	२५	३५	१९	३०	१९	तुलायां
७	मं	३९	२१	वि	४५	४०	धु	४०	५९	वि	१२	०	५८	२४	३६	२०	१	२०	वृ. ३१।३७
८	बु	३४	२०	अ	४२	२६	व्या	३३	५३	ग्रा	६	५१	२/२	२४	३६	२१	२	२१	वृश्चिके
९	गु	२९	४६	ज्ये	२९	३३	ह	२७	१२	तै	२	३	६	२३	३७	२२	३	२२	ध. २९। ३३
१०	शु	२५	१७	मू	३७	१०	व	२०	५२	वि	२५	१७	१०	२२	३८	२३	४	२३	धनुषि
११	श	२१	३६	पू	३५	१८	सि	१४	५६	त्रा	२१	३६	१४	२१	३९	२४	५	२४	म. ४९।५९
१२	र	१८	२	उ	३४	२	व्य	९	३१	तै	१८	२०	१८	२०	४०	२५	६	२५	मकरे
१३	चं	१६	१	अ	३३	२९	व	४	५०	च	१६	१	२२	२०	४०	२६	७	२६	मकरे
१४	मं	१४	३६	ध	३४	३७	प	५/६	५७/१६	श	१४	३६	२६	१९	४१	२७	८	२७	कु. ४।३
३०	बु	१४	२९	श	३६	३५	सि	५६	१५	ना	१४	२९	३०	१८	४२	२८	९	२८	कुम्भे

भ ३४।५ उ.
भ. १।१५ या.वक्रीमकरेबुधः ३७/३० च.व्र.

* रेवतीं. १ शनिः ५६।३७
भ.४४/४० उ दृश्य.शनेरविः ३४/२९ (सौरः ३५/१४) *
भ १२।०या. रा. फाल्गुनारम्भः
बुधोदयः पूर्वस्याम् २९।३५
भ. ७।३१ उ. श्रवणे शुक्रः५३।१६
भ २५।१७ या.
विजया ११व्र.
प्रदोषः
भ.१६।१उ.४५।१८या.वक्रीमघा २=
=गुरुः२ ५महाशिवरात्री व्र.

४५पं.फा.कृ.१वृ.इ.५६/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	४	९	११	११	१०
३	५	२	७	११	१६	२८	२
०	४५	१३	५९	२८	१४	८	५८
४	४७	१	१३	१	५६	१२	३५
६०	४४	७/५६	५२	७२	६	३	६०
२७	४२	ब	ब	५०	५	११	४२

गोचरग्रहाः

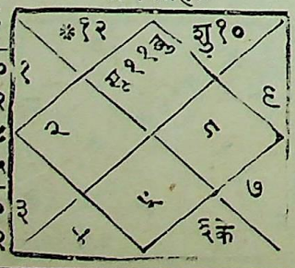

फाल्गुन शु. १४ बुधेमीनेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३०(धान्य भाव सम) शु.पू.

गोचरग्रहाः

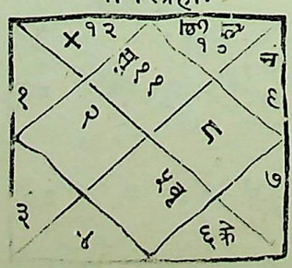

४६पं.फा.कृ.९वृ.इ.५६/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	४	९	११	११	१०
१०	११	२	७	१०	१६	२७	१०
३	५	२६	४	४	५९	४५	३
३२	५६	५७	१९	५	९	५६	८
६०	४४	४५/२१	५२	७३	६	३	६०
२५	३२	ब	ब	३	२३	११	३१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८६ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५०७८स १९६८

१	गु	१५	४२	पू	४०	३	सा	५५	१६	ब	१५	४२	२८/३४	६/१७	५/४३	२६	१०	२	२३।११ मार्गी बुधः ३६।३६ चन्द्रदर्शनम्
२	शु	१८	३६	उ	४४	४०	शु	५४	३६	कौ	१८	३६	३८	१६	४४	१	११		मीने रेवत्यांभौमः १/१६ फुलरिया २मार्चमा. ३+
३	श	२२	३४	रे	५०	४४	शु	५५	४२	ग	२२	३४	४२	१६	४४	२	१२		५०।४४ भ. ५५/१२ उ. [+ता · ३१ जिल्हेज १२
४	र	२७	५०	अ	५७	३६	न	५७	२	वि	२७	५०	४६	१५	४५	३	१३		मेषे भ. ५/५७ या.दृश्यःपभायारविः ५/३० सौर. ५/०
५	चं	३३	५५	भ	६०	०	ऐं	५६	४१	ब	०	४७	५०	१४	४६	४	१४		मेष धनिष्ठा.शुक्रः ४१।५६
६	मं	४०	२१	भ	५	५	वै	६०	०	कौ	७	३	५४	१३	४७	५	१५		५।२१।५८ [×४/३३ होलिका दहनं गोधूलि समये
७	बु	४६	२१	कृ	१०	३८	वै	१	५६	ग	३	२१	५८	१२	४८	६	१६	६	वृषे भ.४६।२१उ.
८	गु	५२	२०	रो	१६	२	वि	४	४	त्रि	१६	२१	२६/३	१२	४८	७	१७	७	मेषे ५२।३० भ १६।२१ या.होलाष्टक
९	शु	५६	४७	मृ	२५	५६	मी	५	१७	ना	२४	३४	६	११	४६	८	१८	८	मिथुने
१०	श	५६	४८	आ	३१	१६	आ	५	३३	नै	२८	१७	१०	१०	५०	९	१९	९	मिथुने
११	र	६०	०	पु	३३	५३	सौ	४	३३	न	३०	१६	५४	९	५१	१०	२०	१०	क.१८।१४ भ ३/१६ उ.कुंभेशुक्रः ४०/५ आम ११ब्र स्मा
११	चं	०	४४	पु	३५	३	शो	३९/०	५८/१६	वि	०	४४	१६	८	५२	११	२१	११	कर्के भ.०।४४या.कुंभेबुधः २/१६ आमलकी*
१२	चं	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० [*११ब्र.वै.
१३	मं	५६	५१	श्ले	३४	१४	सु	५३	४	कौ	२८	१८	२३	७	५३	१२	२२	१२	सिं ३४।१४ प्रदोषः
१४	बु	५२	५	म	३१	३८	धृ	४६	६	ग	२४	२८	२७	७	५३	१३	२३	१३	सिंहे भ. ५/५२ उ दृश्योमोनेऽर्कः ५/३१ (सौरः ५/२९)
१५	गु	४६	७	पू	२७	५०	शू	३८	६	त्रि	१६	६	३२	६	५४	१४	२४	१४	क.४१।३४ भ.१६।६या.रेवती ३ राहुः चित्रा १ केतु ×

४७पं.फा.बृ.१बु.इ. ५/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	४	९	११	११	१०
१७	१६	२३	६	१८	१७	२७	१७
५	२५	५७	९	४२	४६	२३	५
४६	४४	५७	२९	४	१	५१	५७
६०	४४	३/१६	४/७	७३	६	३	६०
१२	१५	मा	ब्र	२०	३७	११	२०

४८पं.फा.श.८बृ.इ.५७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	४	९	११	११	१०
२४	२१	२७		२७	१८	२७	२४
६	४२	१६	१७	१९	३५	१	७
२९	२९	५८	९	४	२७	२५	२०
५९	४३	३६	७	७३	६	३	६०
५८	५५	१७	६	२८	५६	११	६

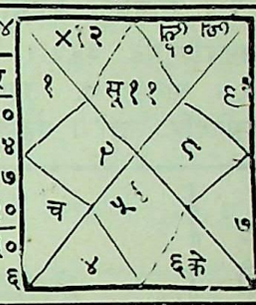

४९पं.फा.शु.१५बृ.इ.५/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	४	१०	११	११	११
१	२६	३	४	५	१९	२६	५
५	२७	३६	३०	५६	२५	३९	७
४२	१८	३९	२५	२४	४८	९	२
५९	४३	५९	२/२०	७३	७	३	५९
४१	४४	३८	ब्र	४०	४	११	४९

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८६ | दि. उ. अ. इ. रा मु. | चंद्रः | वसनर्तू रविरुत्तरे फा. कृ. महाराष्ट्रः

१	शु	३८	५७	उ	२२	४४	गं	२९	१४	ना	१२	३२	२९/३६	६/५	५/५	१५	२५	१५	कन्यां शते शुक्रः ३३।५छारंडी बसंत१
२	श	३१	३६	ह	१७	३	बृ	२०	१७	नै	५	१६	४०	४	५६	१६	२६	१६	तु.४४।८ भ.५७।४५उ.
३	र	२३	५५	चि	११	१४	बु	११	५	त्रि	२३	५५	४४	३	५७	१७	२७	१७	तुलायाँ भ.३/५५ याद्दश्य उभायां रविः १२।३५*
४	चं	१६	३०	स्वा	५	५७	व्या	१५/२३	५१/२८	बा	१६	३०	४९	२	५८	१८	२८	१८	शतेबुध ३/३ मेषे भौम. ५/२४ अस्तंशनिः ४७/१५ बृ. ४७।५६
५	मं	९	४०	वि	५/६	५४/४४	व	४५	५४	नै	९	४०	५३	१	५९	१९	२९	१९	वृश्चिके रेवती २शनिः ३४।४१
६	बु	३	३५	ज्ये	५३	२१	सि	३८	५	व	३	३५	५७	१	५९	२०	३०	२०	ध. ५३।२१ भ ३।३५उ ३१।५या.
७	बु	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५	०	०	०	०	०	०
८	गु	५४	१६	मू	५०	५४	व्य	२२	१२	ना	२६	२५	३०/१	६/०	६/०	२१	१	२१	धनुषि शीतलापूजशम् राष्ट्रीयचैत्रारंभ
९	शु	५१	८	पू	४९	३९	व	२६	४७	नै	२२	४२	६	५/५९	१	२२	२	२२	धनुषि [*(सौरः १०।५७च.ब्र.
१०	श	४८	५१	उ	४९	१२	प	२१	५९	व	१९	५९	१०	५८	२	२३	३	२३	म ४।३२ भ.१९।५९उ.४८।५१या.
११	र	४७	४२	श्र	४९	५४	शि	१८	११	ब	१८	१६	१४	५७	३	२४	४	२४	मकरे पापमोचिनी ११ब्र स्मा वै.
१२	चं	४७	३४	ध	५१	३६	सि	१५	१४	कौ	१७	३८	१८	५६	४	२५	५	२५	कु. २०।४५ पापमोचिनी ११ब्र स्मा
१३	मं	४८	२९	श	५४	२१	सा	१३	५	ग	१८	१	२३	५५	५	२६	६	२६	कुंभे भ ४/२९ उ भायांशुक्र २४/१ प्रदोषः
१४	बु	५०	३६	पू	५८	२१	शु	१२	५६	वि	१९	३३	२७	५५	५	२७	७	२७	मी ४२।२१ भ. १/३३ या.पभायां बुधः ४/३३ वक्रीमघा.÷
२०	गु	५३	५१	उ	६०	०	शु	११	४५	च	२२	१३	३१	५४	६	२८	८	२८	मीने मन्वारि [÷१गुरुः ५१।५४

५०पं.चै.कृ.८बृ इ. ५/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	४	१०	११	११	११
८	२	१२	३	१४	२०	२६	८
३	१०	२	४९	३४	१७	१६	४
१८	४	६	४४	३०	१६	३५	५७
१९	४३	७६	१/५५	७३	७	३	५९
२९	४३	२५	ब	५०	१४	११	३५

गोचरग्रहाः

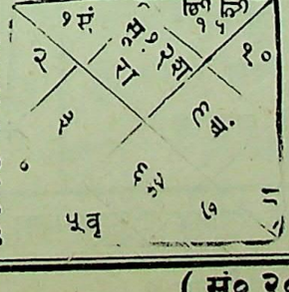

इस मास में मंदी का जोर रहे चांदी सोना आदि धातुओं में तेजी होगी। सुदी में गुड खांड घृत तेल नमक तेज हो

गोचरग्रहाः

५१पं.चै.कृ.२०बृ.इ.५/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	४	१०	११	११	११
१४	७	२१	३	२३	२१	२५	१५
५९	१९	५२	१५	९	९	५४	१
१३	५८	७	२९	३	३९	३८	२
५९	४३	९०	४/५	७२	७	२	५९
१६	३५	५०	ब्र	५६	२०	११	८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६९ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६९ भौग्यकलिः ४२६९३१ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२५ शाकः १८९० वर्षेऽस्मिन्राजाशुक्रः । मंत्री शनिः । सस्येशोचंद्रः । धान्येशोरविः । मेघेशशुक्रः । रसेशोबुधः । नीरसेशश्चंद्रः । फलेशोशुक्रः । धनेशश्चंद्रः । दुर्गेश शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १५ दुर्मतिनाम-सम्वत्सर प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ५।१७।५४।१४ भोग्यमासादिः ६।१२।५।४६ नासत्यदैवतंयुगम् वर्षनाम माधः मेघ नाम आर्क्तः । रोहिणी निवासः पर्वते । समय निवासो कुंभकार गृहे । समय विश्वा २० । समय वाहनंदुर्दुरः । स्तम्भ १ तृणस्य । सोमवत्यमाः २ । सोमवती पंचमी १ । अङ्गारकी चतुर्थी ३ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी२ । रविदशमी १ समय मुहूर्ताः ३६० । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १७ । तिथि वृद्धिः १२ । उत्पत्ति विश्वा ९९ । खपति विश्वा ८४ । वर्षा विश्वा ५ । धान्यम् ७. तृणम् १५. शीतम् ११. तेजः ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ । ऐक्यम् ९७ शनिदृष्टिः उत्तरे । ग्रहणे २ सूर्यस्य १ चन्द्रमसः १ ।

सं० २०२५ शाके १८९० आश्विन कृष्णा ३० रवौ ग्रस्तास्त सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.		
उज्ज.	घं.	२५	२८	३०		
मध्यम.	पल	३४	९	१९		
रेल्वे	घ.	४	५	६		
टाइम	मि.	४०	४३	४२		

वर्ष लग्नम् ९।२५

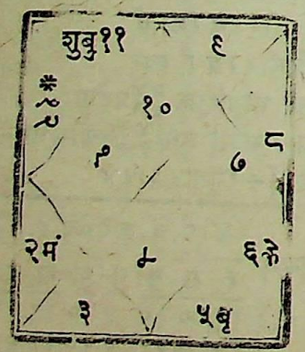

* चं सू. रा श.

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

कर जोड़े भैरव कहे माता सुण दे ध्यान ।
साल पचीस अब आइया कहदो इसका ज्ञान ।।

भवानी उत्तर

पचीसै पवन बाजमी पिछे मेहां मार ।
भाग सुभागी नीपजे ना सारे इक सार ।।
राष्ट्रपति अरु मेघपति फलपति भृगु महाराज ।
जग में सुख संपति करै सबका सारे काज ।।
मंत्री पद शनि को मिला इसका फल शुभ नाय ।
कहीं रोग कहीं युद्ध भय बर्षा स्वल्प दिखाय ।।
अधिक लिया इससाल में सौम्य ग्रहां अधिकार ।
सुजनों को सुख होयसी दुष्टां कष्ट अपार ।।
स्तंभ १ तृण का बना संवत विश्वा बीस ।
संवत मध्यम होयगा भजन करो जगदीश ।।

संवत् २०२५ शाके १८९० आश्विन शु. १५ रवौ ग्रस्तोदित खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	स.	म	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	२२	२५	२६	२८	३१
मध्यम.	पल	२९	४४	५५	६	२१
रेल्वे	घं.	३	४	५	५	६
टाइम	मि	२७	४५	१३	४१	५९

वर्षेश लग्नम् ३।०

÷ बु.शु.श.रा.

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।६।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२३।५३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणाम् फलम् अस्थाम्मिन वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम् । शुक्रस्य राज्ये बहु रस्य संकुला स्वतीव्र वेगाः सरितोम्बु राशिभिः । फलंति बृक्षा बहु गो प्रसूति वसुंधरा पार्थिव सौख्य संयुता ॥ मंत्री शनिः फलम् ॥ रविसुते यदि मंत्रिणी पार्थिवा विनय संरहिता बहु दुःखदा । नजलदा जलदा जनतापदा जन पदेषु सुखं धनदं क्वचित ॥ सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम् । सस्याधिपेशीतकरे प्रजासुखं नेघः पयो मुञ्चाति गोप गो घुक । देव द्विजा राधन तत्पराः नृपाः धरा भवेद्धान्य धनौद्य पूर्णा ॥ धान्ये शो रविः फलम् ॥ पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घ ज्वर पीडनम् ॥ मेघेशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ भृगुसुतौ जलदस्य पतिर्मदा जलमुचो जलदा दिवि शोभनाः धन निधान पुता द्विज पालकाः नृपतयो जनता सुख दायकाः ॥ रसेशो बुधस्तत्फलम् ॥ रसयतौ द्विज राज सुते मही सुलभ धान्य घृतादि युताजनाः प्रमुदितावर नायक पालिता बहु जलाखिल देश सुरक्षिता ॥ नीरसेशश्चंद्रः फलम् ॥ शुक्र वर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ॥ फलेशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ यदि फलस्य यतौ भृगुने धरा मृदु कुमार महीरुह राशयः बहुफला नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुति पाठ परायणाः ॥ धनेशश्चंद्रः फलम् ॥ धनपतिर्मृग लाञ्छनको यदा रस चया क्रयविक्रयतो धनम् । व्रसन शालि सुगंध रसं बहु द्रव्य तैल घृतं नृप सौख्य दम् ॥ दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ नगर देश विशेष पतिर्यदा भृगु सुतो बहु सौख्य करो मतः विनय वाणिज गेह समः सुखो नग वने निकटे पिच दूरतः ॥ दुर्मतिनाम संवत्सरः फलम् ॥ दुर्मत्यब्दे क्षिला भूपा लोका दुर्मतयः सदा । तथापि सुखि नः सर्वे सग्रामा संति चेदपि ॥ वर्षनाम माद्यः फलम् ॥ सुभिक्षं पूर्वयाम्यायां मध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरे गौरवं माघे वर्षे धान्य महर्घता ॥ मेघनाम आवर्तः फलम् आवर्तेच्छिन्न वृष्टिः । रोहिणी निवासः पर्वते फलम् ॥ रोहिणी नाम नक्षत्रं पर्वतस्थं यदा भवेत् । वृष्टि हानिस्तदा ज्ञेया सर्व सस्य विनाशनम् ॥ समय निवासः कुंभकार गृहे फलम् ॥ अना वृष्टि प्रजायतौ ॥ एवं सचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभा शुभम् —

सं० २०२५ शाके १८९० मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैसाख ज्येष्ठाषाढ मासेषु सिहस्थ गुरुदोषः

मार्गशीर्ष मासः ।

शुक्ला ३ शुक्रे मूले ल. ५ रे. ८ ।।।।ऽचोऽ।।।

,, ४ शनौ उषा.ल.५(घ.४४।१७उप.) रे ६।ऽ।।रोऽऽ।।

,, ५ रवौ उषा.ल अन्यगो.रे.६।ऽ।।ऽरोऽऽ।।

पौष मासः ।

कृष्णा ६ बुधे मघा. ल. अन्यगो. रे ६ऽऽ।।ऽरोऽ।।

माघ मासः ।

कृष्णा११भौमे अनु. ल. अन्यगो. रे.६ऽऽ।।।ऽऽ।।

शुक्ला १० चंद्रे रोहि.ल.८ (चं.७पू.) रे. ८।।।।' ऽऽ।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १० भौमे रोहि. ल.गो. रे.७।।।।ऽचो ऽऽ।गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

फाल्गुन मास. ।

कृष्णा ६ शनौ स्वा. ल. अन्यगो, रे. ७ऽऽ।।ऽ।।।

,, १० बुधे मूले ल. १० रे ८।ऽ।।।ऽ।।शु.३पू

चैत्र मासः ।

कृष्णा ३ शुक्रे स्वा. ल. ९।१० रे.७।।।।।।ऽऽऽदग्धा.

गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, ४ शनौ स्वा. ल. गो.रे.६।।।ऽऽचोऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, ८ भौमे मूले ल. अन्यगो. ८ ऽ।।।।।ऽ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्लपक्षः सं.२०२५ शाकः १८९० दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | वसंततुं रविरुत्तरेऽहर्गणः५१०७स.१९६८

१	शु	५८	२०	उ	३	२६	त्र	११	५४	कें	२३	५	३०/३५	५३	६	२९	९	२९	मीने
२	श	६०	०	रे	९	३१	ऐं	१३	१८	ग	३१	२	३९	५२	८	३०	१०	३०	मे. ९।३१
३	र	३	४४	अ	१६	६	वै	१४	५१	कौ	३	४४	४४	५१	९	३१	११	१	मेषे
४	चं	९	३७	भ	२३	३५	वि	१७	८	ग	९	३७	४८	५०	१०	१	१२	२	वृ.४०। २९
५	मं	१६	१	कृ	३१	१०	प्री	१९	३०	वि	१६	१	५२	५०	१०	२	१३	३	वृषे
६	बु	२	२९	रा	३८	५०	आ	२२	४	ग	२२	२९	५६	४९	११	३	१४	४	वृषे
७	गु	२८	३०	पु	४५	४६	सौ	२४	६	तै	२८	३०	३१/००	४८	१२	४	१५	५	मि१२। १८
८	शु	३३	२६	आ	५१	३६	शो	२५	६	ग	०	५८	४	४७	१३	५	१६	६	मिथुने
९	श	३७	१२	पु	५५	९	अ	२५	१०	वि	५	१९	८	४६	१४	६	१७	७	क.३९।१६
१०	र	३९	१०	पु	५८	४२	सु	२४	६	बा	८	११	१२	४६	१४	७	१८	८	कर्के
११	चं	३९	७	श्ले	५९	१०	धृ	२१	८	तै	९	८	१६	४५	१५	८	१९	९	सिं.५९।१०
१२	मं	३७	८	म	५७	३३	शू	१६	३१	व	८	७	२०	४४	१६	९	२०	१०	सिंहे
१३	बु	३२	४८	पू	५४	११	गं	१०	३२	ब	४	५८	२४	४३	१७	१०	२१	११	सिंहे
१४	गु	२६	५३	उ	४९	६	बृ	५२/५९		तै	२६	५३	२८	४२	१८	११	२२	१२	कं.७।५५
१५	शु	१९	७	ह	४२	४५	व्या	४४	१२	व	१९	७	३२	४२	१८	१२	२३	१३	कन्यायां
१६	श	१०	३३	चि	३५	५८	ह	३४	०	च	१०	३३	३६	४१	१९	१३	२४	१४	तु. ९। २१

सवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
दृश्यो रेवत्यां रविः ४०/१८ (सौरः ३/२५)*
सिधारा मोहोरम १सन् १३८८ हि.
भ.४३/४उ.गणगौरी अप्रेल मा.५ता.३०
भ. १६।१ या. [*चंद्रदर्शनम्
मीने बुधः १५/१५मीने शुक्रश्च ३१।२५
[÷भरण्यां भौमः ८।३१
भ. ३३।२६ उ. उभायां बुधः ८।२०
भ. ५।१९ या.उभायां शुक्रः१३।३१÷
राम नवमी.
[= पूर्वास्तो बुधः २७।३७
भ ८।७ उ. ३७।८ या. कामदा११व्र.
[×हनुमज्जयन्ती
प्रदोषः
भ.१९।७उ.४४/५०या.रेवत्यां बुधः४०/५८=
दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः १४/२३(सौरः १३।०)×

५२पं.चै.९६वृ इ ५८/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	५	४	५	१	११	११
२१	१२	३	२	९	२२	२५	२१
५३	२९	४५	४७	५	३२	५५	
३१	३०	१८	२९	३५	२	२३	१३
५९	४३	०	३८	४४	७	३	५९
४	१७	५५	ब	२	६	११	४

गोचरग्रहाः

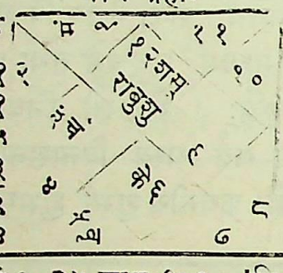

चैत्र शु.१५ शौ
मेषेऽर्क प्र. वा.
४ न.४ कुमार्य
वस्था बैठी)
मु. ३० (धान्य-
भाव सम) शु.प.

गोचरग्रहाः

१पं.चै शु. १५श.इ.१४/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	४	१	११	११	०
०	१८	१७	२	११	२२	२५	०
०	२९	४	२९	५७	५३	६	१
०	३५	३१	१३	५०	५३	१८	२१
५८	४२	५	१९	४	७	३	५८
४४	१९	४	ब	७	२०	११	४५

ति. वैशाख कृष्णपक्षः सं.२०२५ शाकः १८९० दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | वसंततुं रविरुत्तरे चैत्र कृ.महाराष्ट्राः

१	र	१	२७	स्वा	२८	४७	व	२३	४१	कौ	१	२७	३१/४०	४	५	२	१४	२५	१५	तुलायां ०
२	र	५०	४८		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	चं	४३	३३	वि	२१	४८	सि	१३	१९	व	१७	५४	४३	३९	२१	५	२६	१६	वृ. ८।३३
४	मं	३	१२	अ	२५	३२	व्य	५३	५१/८	ब	९	२३	४७	३९	२१	१६	२७	१७	वृश्चिके
५	बु	२८	११	ज्ये	१०	१९	ध	४७	१५	कौ	१	४२	५१	३८	२२	७	२८	१८	ध.१०। १९
६	गु	२२	४१	मू	६	२६	शि	१०	४७	व	२२	४१	५५	३७	२३	१८	२९	१९	धनुषि
७	शु	१८	४२	पू	३	४१	सि	३५	१४	ब	१८	४२	५८	३६	२४	२९	३०	२०	म १८।३५
८	श	१६	१०	उ	३	१७	सा	३१	३४	कौ	१६	१०	३३	३६	२४	२०	३१	२१	मकरे
९	र	१५	१२	अ	३	४५	शु	२८	३७	ग	१५	१२	६	३५	२५	२१	१	२२	कु. ३४।३७
१०	च	१५	२८	ध	५	२९	शु	२७	३	वि	१५	३८	१०	३४	२६	२२	२	२३	कुम्भे
११	मं	१७	२४	श	९	१४	[illegible]	२६	१७	[illegible]	१७	२४	१४	३३	२७	२३	३	२४	मी ५७।३७
१२	बु	२०	२८	पू	१	४	ऐं	२६	४२	तै	२०	२८	१७	३३	२७	२४	४	२५	मीने
१३	गु	२४	२२	उ	१९	१६	वै	२७	२०	व	२४	२२	२१	३२	२८	२५	५	२६	मीने
१४	शु	२९	२३	रे	२५	४१	वि	२८	१२	श	२९	२३	२५	३१	२९	२६	६	२७	मे. २५।४१
१५	श	३५	४	अ	३२	२९	प्री	२९	५८	च	२	१३	२९	३०	३०	२७	७	२८	मेषे

भ. १७।५४उ. ४३।३३ या.
रेवती ३ शनिः २६।३२ च. व्र.
रेवत्यां शुक्रः ५।२७
भ. २२।४१ उ. ५०।४२या.
मेषे बुधः ४१।४३ मार्गी गुरुः ४१।५७*
[* अस्तो भौमः८।१२
भ. ४५।२५ उ.रा, वैशाखारंभः
भ. १५।३८या. उदयः शनि २९।४९
बरूथिनी ११ व्र.
कृत्तिका भौमः३३।४३ प्रदोषः
भ.२४।२२ उ. ५५/५२या.भरण्यांबुधः ३९/५१
दृश्यो भरण्यां रविः ५४।३९(सौरः ५४/१८)
अश्वि मेषे शुक्र.५४।५१

२पं बै क्र. ८श.इ. १४/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	४	११	११	११	०
६	२३	१	२	२०	२३	२४	६
५०	३३	७	२२	४४	४६	४४	५१
४	२५	५५	४१	८	१२	२	३२	५
५८	४२	ॐ	३	७४	७	३	८	बृ
३१	५५	३८	मा	१४	१४	११	२९	

गोचरग्रहाः

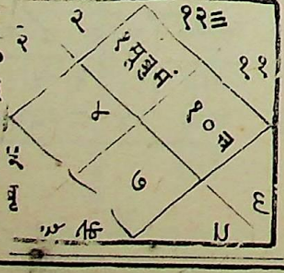

इस मासमें प्रजामें रोग बढे। धान्य जौ गेहूँ आदि मंदे सोना चांदी शेयर गुड़खांड घृत तिल तेल तेज होगा।

गोचरग्रहाः

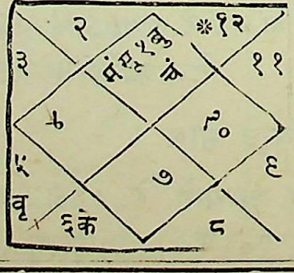

३पं.वै.कृ.३०श.इ.५४/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	४	११	११	११	०
१३	२८	१६	२	२९	२४	२४	१३
३०	३४	२०	२५	१०	३७	२१	३०
४३	२६	१९	१९	३०	४८	४७	५७
५८	२	ॐ	३	७४	७	३	५८
१७	३५	४९	ब	३२	२०	२	११	१२

≡रा.शु.श. (स० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *शु.श.रा. ≠श.रा.शु.बु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०२५ शाकः १८९० | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५१३७स. १९६८

१	र	४०	५७	भ	३९	५३	आ	२	२४	कृ	८	०	३३	५	६	२८	८	२९	वृ	५६।४६
२	चं	४७	४	कृ	४७	२४	रो	३४	५२	मृ	१४	०	३६	२९	३१	२९	९	३०	बृषे	
३	मं	५३	३५	रो	५५	१	मृ	३७	२९	आ	२०	१९	४०	२८	३२	३०	१०	१	बृषे	
४	बु	५९	३५	मृ	६०	०	आ	३९	४३	पु	२६	३०	४३	२७	३३	१	११	२	मि	२८।३८
५	गु	६०	०	मृ	२	१५	पु	४१	३२	पु	३२	४	४७	२७	३३	२	१२	३	मिथुने	
६	शु	४	३३	आ	८	४०	पु	४२	४४	श्ले	३	४	५१	२६	३४	३	१३	४	क	५७।४४
७	श	८	५४	पु	१४	५	पु	४२	४१	म	३	५४	५४	२५	३५	४	१४	५	कर्के	
८	र	११	८	पु	१८	३	मं	४१	२१	पू	११	८	५७	२५	३५	५	१५	६	कर्के	
९	चं	१२	४२	श्ले	२०	२३	बृ	३८	३२	उ	१२	४२	३	२४	३६	६	१६	७	सिं	२०।२३
१०	मं	१२	२	म	२०	४६	हु	३४	१०	ह	१२	२	४	२३	३७	७	१७	८	सिंहे	
११	बु	९	७	पू	१९	१५	व्या	२८	७	ग	९	७	७	२३	३७	८	१८	९	क.	३३।२१
१२	गु	४	२४	उ	१५	२८	ह	२०	२७	वि	४	२४	१०	२२	३८	९	१९	१०	कन्यायां	
१३	शु	५३	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	श	४९	३४	ह	१०	२१	व	११	३८	कौ	२३	३७	१३	२१	३९	१०	२०	११	तु.	३७।३
१५	र	४०	२७	चि	४५	५२	सि	४५	४८	ग	१४	५५	१६	२१	३९	११	२१	१२	तुलायां	
१६	चं	३०	२५	वि	४८	१२	व	४०	१२	वि	५	२१	१९	२०	४०	१२	२२	१३	वृ	३५।१९

बृषेभौमः ३५।३१ चन्द्रदर्शनम्
अक्षया ३परशुरामजयन्तीसफर २
भ. ३६/३५ उ ५६/३५ या. कृतिबुधः ५७/४२ मईमा. +

बृषेबुधः ३५।३४
[+५ता. ३१
भ. ११।८उ. ४१।५५या.
पश्चिमोदयीबुधः १२।४५

दृश्यः कृत्तिका. रविः ४०/३४ (सौरः ४६/१५), प्रदोष
भ. ४०।१७उ. नृसिंहजयन्ती
भ ५।२१ या. अन्नजल कुम्भदानम्

४पं.वै.शु.६श.इ. ५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	४	०	११	११	०
२०	३	२	५	२५	२३	२०	
७	३२	२०	३६	४६	२८	२९	६
२	३४	५६	४३	५५	८	३१	३७
५८	४०	५७	२	०४	६	३	५७
६	२५	३७	४५	२६	५५	११	५७

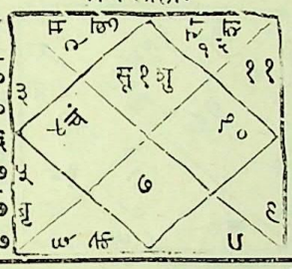

शकुन विचार
शुक्लपक्ष वैशाख की तिथि दशमी दिन देख। बादल हो पावस वि से जल नहीं पडे विशेष ।।

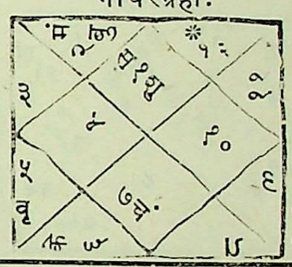

५पं.वै.शु. १४श.इ.१५।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	४	०	११	११	०
२७	८	१४	२	१६	२६	२३	२७
१३	२८	४४	५६	३२	१७	७	११
३४	४	९	४२	६	२	१६	५१
५७	४२	०		४	७४	६	३	५७
५४	२०	७	२३	२	२६	३७	११	४५

ति. ज्यष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०२५ शाकः १८९० दि. | उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	चं	२०	१९	अ	४०	२४	पु	२९	१६	कौ	२०	१९	३२	२०	४०	१३	२३	१४	वृश्चिके	
२	मं	२०	४१	ज्ये	३३	१३	शि	१८	५२	ग	१०	४१	२५	१९	४१	४	२४	१५	ध.	३३।१३
३	बु	१	४३	मू	२७	२१	सि	९	२०	वि	१	४३	२८	१८	४२	१५	२५	१६	धनुषि	
४	बु	५२	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	गु	४८	२३	पू	२२	४८	सा	१२	५३	कौ	२१	१५	३०	१८	४२	१६	२६	१७	म.	३७ ८
६	शु	४४	२८	उ	२०	८	शु	४८	४२	ग	१६	२५	३३	१७	४३	१७	२७	१८	मकरे	
७	श	४२	२८	अ	१९	१५	च	४४	५०	वि	१३	२८	३६	१७	४३	१८	२८	१९	कु.	४९।५१
८	र	४२	२४	ध	२०	२७	ऐं	४२	३३	बा	१२	२६	३९	१६	४४	१९	२९	२०	कुम्भे	
९	चं	४३	५९	श	२३	२५	वै	४१	३३	तै	१३	११	४१	१६	४४	२०	३०	२१	कुं	भे
१०	मं	४७	१४	पू	२७	४८	वि	४२	७	ब	१५	३६	४३	१५	४५	२१	३१	२२	मी	११।४२
११	बु	५१	३५	उ	३३	३५	प्री	४३	१	ब	१९	२४	४६	१५	४५	२२	१	२३	मीने	
१२	गु	५६	५६	रे	४०	१३	आ	४४	५६	कौ	२४	१५	४८	१४	४६	२३	२	२४	मे.	४०।१३
१३	शु	६०	०	अ	४७	२७	सो	४७	५	ग	२९	५६	५०	१४	४६	२४	३	२५	मेषे	
१३	श	२	५७	भ	५४	५५	शो	४९	३०	व	२	५७	५२	१४	४६	२५	४	२६	मेषे	
१४	र	९	१	कृ	६०	०	अ	५२	३	श	९	१	५४	१३	४७	२६	५	२७	वृ.	११।५०
३०	चं	१५	६	कृ	२	३६	सु	५४	५३	ना	१५	६	५६	१३	४७	२७	६	२८	बृषे	

रोहिण्याभौम. २४।४३
भ. ३/१३ उ दृश्योबृषेऽर्कः ७/४९ (सौरः १०/३)+
भ. १।४३या च.व्र.
[+रेवती ४शनिः ४३।३८
मृगेबुधः ४०/५८ रे. २राहुः हस्त. ४केतुः ४/१७
भ. ४/२८ उ मघा. २गुरुः १७/४० शुक्रास्तः *
भ. १३।२८या. शु.अ.
कृत्तिकाशुक्रः ४०।५ पू.
[* वर्ष्यां २१।०
भ. १५/३६ उ. ४७/१४ या. मिथुनेबुधः ३१।५३
बृषेशुक्र ३०/२० अपरा ११व्र. स्मा. वै. रा. ×
अपरा ११व्र. निम्बा.
दृश्योरोहिण्यांरविः ३१/२४ (दृश्यः सौरः ३६/१२) ≡
भ. २।५७उ. ३६।०या.
[×ज्येष्ठारम्भः
वटपूजनम्सोमवती [≡प्रदोषः

६पं.ज्ये.कृ.७शु.इ.०१५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	४	०	११	११	१
३	१३	२५	३	२४	२०	२३	३
५०	२२	३०	२४	५९	३	१५	५५
२६	३०	०	५७	६	५४	०	२९
५७	१२	८२	१७	६	३	५७	६
४४	०	३०	८	२६	२३	११	३४

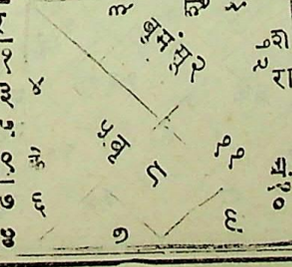

ज्ये.कृ.२ भौमः बृषेऽर्क प्रविष्टः वा. ४नं५ प्रौढावस्था (वैठी) मु. १५ धान्यादि भावें महर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्

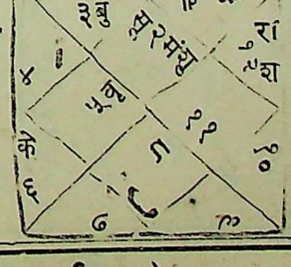

७पं.ज्ये.कृ १३श इ.१५।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	४	१	११	११	१
१०	८	३	४	३	२७	२२	१०
४२	१३	१८	०	३५	४८	५२	३७
२५	१८	५०	२५	२०	२९	४४	४०
५७	४	४५	६	७४	६	३	५७
३५	५०	९	१६	२२	६	११	२३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *श.रा.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०२५ शाकः १८९० | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५१६७म१९६८

१	मं	२१	१७	रो	९	५१	धृ	५६	२९	ब	२१	१७	३३/५५	१/२	४८	२८	७	२९	मि४३।२२	आद्रा बुधः२६।३० चन्द्रदर्शनम्
२	बु	२६	४६	मृ	१६	५३	शू	५८	२	कौ	२६	४६	३४/०	१२	४८	२९	८	१	मिथुने	रवि लावल ३
३	गु	३१	३२	आ	२३	८	गं	५९	०	ग	३१	३२	२	१२	४८	३०	९	२	मिथुने	रोहि. शुक्रः २९।५३
४	शु	३५	३४	पु	२८	४३	वृ	५९	१२	व	३	३३	४	११	४९	३१	१०	३	क.१२।१९	भ.३।३३उ.३५।३४
५	श	३८	३०	पु	३३	८	धु	५८	४७	ब	७	२	६	११	४९	१	११	४	कर्के	मृगे भौमः ४१।२०जून मा. ६ता० ३०
६	र	४०	६	श्ले	३६	२४	व्या	५६	५८	कौ	९	१८	७	११	४९	२	१२	५	सिं३६।२४	
७	चं	४०	१६	म	३८	२७	ह	५४	०	ग	१०	११	९	१०	५०	३	१३	६	सिंहे	भ.४०।१६उ.
८	मं	३८	४५	पू	३८	२१	व	४९	४४	वि	९	३१	१०	१०	५०	४	१४	७	क.५३।१	भ.९।३१या.वक्रीबुधः४५।४२
९	बु	३५	४२	उ	३६	५९	शि	४४	३	वा	७	१३	१२	१०	५०	५	१५	८	कन्या	
१०	गु	३०	३५	ह	३३	४५	व्य	३७	६	तै	३	८	२०	९	५१	६	१६	९	कन्या	भ.५७।२५उ गंगादशमी
११	शु	२४	१४	चि	२९	१२	च	२८	५८	वि	२४	१४	१४	९	५१	७	१७	१०	तु.१।२८	भ.२४/१४या.दृश्योमृगेरविः२९/२० सौरः३५/१*
१२	श	१६	२०	स्वा	२३	४	प	१९	३४	ग	१६	२०	१६	९	५१	८	१८	११	तुलायां	प्रदोषः [*निर्जला११ब्र.
१३	र	७	११	वि	१५	५२	शि	२४/९	४९/२०	तै	७	११	१७	९	५१	९	१९	१२	वृ.२।४०	भ.५७।२९उ पश्चिमास्तबुध ८।१३
१४	र	५०	१८	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	चं	४७	२९	अ	८	२७	सा	४७	५८	वि	२२	२९	१८	८	५२	१०	२०	१३	बृश्चिके	भ २३/२९या मृगेशुक्रः १५/४३ वटसा.ब्र.गुजरा

८पं.ज्ये.शु.५श.इ. १५/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	४	१	११	११	१
१७	२३	७	४	१२	२८	२२	१७
२५	२	२६	४४	१	३०	३०	१८
८	१७	२६	१३	२७	२६	२९	४६
५७	४१	१४	८	७४	५	३	५७
२७	४	४९	१०	३२	४०	४१	१३

गोचरग्रहाः

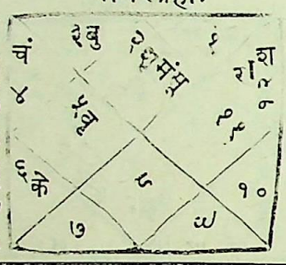

इसमासमें ५सोमवार श्रेष्ठ है। अनाज गल्ला रुई अफीम रस जौ गेहूँ चांवल मूंग में मंदी तेजी हो

गोचरग्रहाः

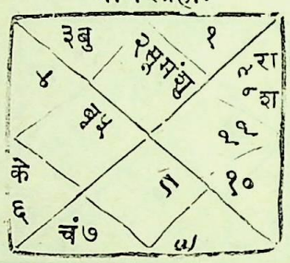

९पं.ज्ये.शु.१२श.इ. १५/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	४	१	११	११	१
२४	२७	८	५	२०	२९	२२	२३
७	१०	१०	२४	७	९	८	५८
१२	४९	२२	८	३	५४	१३	४२
५७	४१	१४/४९	८	७४	५	३	५७
२२	२६	ब	१३	३२	१४	११	५

ति. आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं.२०२५शाकः१८९० दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृ.महाराष्ट्राः

१	मं	३७	५६	ज्ये	२/९	५२/५१	धृ	३७	२२	वा	१२	४२	३४/१९	५८	५२	११	२१	१४	ध.०।२३	मिथुनेभौमः२२।४७
२	बु	२९	१६	पू	४७	३	शू	२७	५०	तै	३	३६	२०	८	५२	१२	२२	१५	धनुषि	भ.५५।३३उ.
३	गु	२१	५१	उ	४२	२८	व्र	१९	१४	वि	२१	५१	२१	८	५२	१३	२३	१६	म.०।५७	भ २१/५या.वक्रीमृगेबुधः२३/३च.ब्र.
४	शु	१६	५	अ	३९	५०	ऐं	१२	१२	वा	१६	५	२१	८	५२	१४	२४	१७	मकरे	दृश्योमिथुनेऽर्कः२४/३(सौरः३४/५)
५	श	१२	४२	ध	३९	५	वै	६	३४	तै	१२	४९	२२	८	५२	१५	२५	१८	कु.९।२७	मिथुनेशुक्रः४४।४७
६	र	११	८	श	४०	३७	वि	२	४६	च	११	८	२२	८	५२	१६	२६	१९	कुम्भे	भ.११/८उ ४१/२६या मघा ३गुरुः२०।१३
७	चं	११	४४	पू	४४	३	प्री	०	३५	ब	११	४४	२३	७	५३	१७	२७	२०	मी२८।१२	[*आर्द्रा.शुक्रः१/७ आर्द्राभौमश्च१/६*
८	मं	१४	२६	उ	४८	५७	आ	०	१७	कौ	१४	२६	२३	७	५३	१८	२८	२१	मीने	आश्वि१मेषेशनिः१३।२४
९	बु	१९	३६	रे	५५	८	सौ	०	४७	ग	१९	३६	२३	७	५३	१९	२९	२२	मे.५५।८	भ.५१।४६उ.
१०	गु	२३	५७	अ	६०	०	शो	२	१०	वि	२३	५७	२४	७	५३	२०	३०	२३	मेषे	भ.२३।५७या.
११	शु	३०	७	अ	२	३८	अ	४	४५	वा	३०	७	२४	७	५३	२१	३१	२४	मेषे	दृश्य आर्द्रायां रवि २४/५० (सौरः३७/२१)*
१२	श	३६	१८	म	१०	१५	सु	७	१०	कौ	३	१२	२४	७	५३	२२	१	२५	वृ.२७।१६	रा.आषाढारम्भः
१३	र	४२	२७	कृ	१८	२१	धृ	१०	४	ग	९	२३	२४	७	५३	२३	२	२६	बृषे	भ.४३/२७उ.प्रदोषः
१४	चं	४८	१४	रो	२५	९	शू	१२	२०	वि	१५	२०	२४	७	५३	२४	३	२७	मि५८।३३	भ.१५।२०या.
२०	मं	५३	२१	मृ	३१	५७	ग	१४	१४	च	२०	१८	२३	७	५३	२५	४	२८	मिथुने	[*योगिनी११ब्र.

१०पं.आ.कृ.५श.इ. १५/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	४	१	११	११	२
०	२	५	६	२९	२९	२१	०
४८	२६	३९	३०	२३	४५	४५	३७
२५	५४	४३	१४	४९	४७	५८	५१
५७	४१	३१/०	९	७४	४	३	५६
१७	२६	ब	५	३८	४८	११	५७

गोचरग्रहाः

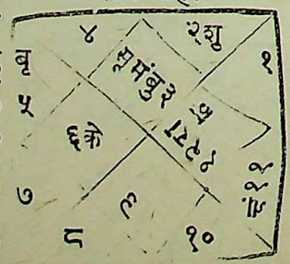

आ. कृ. ४ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा ४न. ५गतालकावस्था ऊभी)मु. ३० धान्यादिभावे समता शु पूर्वाश्याम्

गोचरग्रहाः

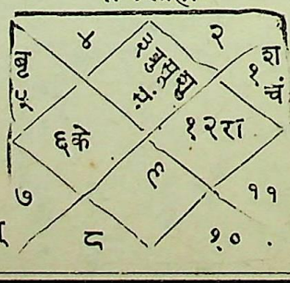

११पं.आ.कृ.१२श.इ. १५/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	४	२	०	११	२
७	७	१	७	८	०	२१	७
२९	१८	५७	३१	०	१७	२३	१६
२४	१४	४	४४	२९	५२	४२	१८
५७	४१	३१/४४	९	७४	४	३	५६
१३	६	ब	४८	३८	२०	११	५४

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं.२०२५ शाकः १८९० दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५१९६सन् १९६८

१	बु	५७	२६	आ	३७	५१	बृ	१५	२४	कं	२५	२३	३४/३३	५/७	६/५	२६	५	२६	मिथुने	
२	गु	६०	०	पु	४२	४५	शु	१६	११	वा	२६	२	२३	७	५३	२७	६	३०	क.२६।३२	रथयात्राचन्द्रदर्शनम्
२	शु	०	३८	पु	४६	५६	व्या	१६	२	कौ	०	३८	२२	८	५२	२८	७	१	कर्के	वक्रीबुधेपूर्वोदयंबुधः ३/१रविलाखर४
३	श	२	४७	श्ले	४९	५९	ह	१५	०	ग	२	४७	२२	८	५२	२९	८	२	सिं४९।५९	वभ.३३।२ उ.
४	र	४	१	म	५२	३६	व	१३	८	वि	४	१	२१	८	५२	३०	९	३	सिंहे	भ,४।१या.
५	चं	३	५३	पू	५२	५३	सि	१०	४१	वा	३	५३	२०	८	५२	१	१०	४	सिंहे	मार्गीबुधः ३/३ ८/५ पुनःशुक्रः ५/४ ८/६ जौलाईमा.*
६	मं	२	४१	उ	५२	३६	व्य	७	१९	ते	२	४१	१९	८	५२	२	११	५	क.७।४९	[*७ता० ३१
७	बु	०	२७	ह	५१	११	व	४२/४३	५४/४३	घ	०	२७	१८	८	५२	३	१२	६	कन्यायां	भ २७ उ. ४०/३५ या मिथुनेबुध २२।५७
८	बु	५६	२६	०	०	०	०	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	गु	५२	७	चि	४८	१७	शि	५०	४५	बा	२४	३०	१७	९	५१	४	१३	७	तु. १९।४४	
१०	शु	४६	७	स्वा	४४	२३	सि	४३	१४	ते	१९	७	१५	९	५१	५	१४	८	तुलायां	दृश्यःपु वै वि:३/१ (सौर:४१।२२)
११	श	३९	७	वि	३९	१५	सा	३५	२	व	१२	३७	१४	९	५१	६	१५	९	बृ.२५।३२	भ.१३/७ उ.३९/८ या.देवशयनी११ब्र स्मा.वै
१२	र	३१	७	अ	३३	२९	शु	२५	५८	ब	५	७	१३	९	५१	७	१६	१०	बृश्चिके	मघा.४गुरुः १/२ ७/३ देवशयनी११ब्र नि. प्रदोषः
१३	चं	२२	३०	ज्ये	२६	५९	शु	१६	११	ते	२२	३०	११	१०	५०	८	१७	११	ध.२६।५९	
४	मं	१३	४४	मू	२०	४३	ब्र	२५/२६	५०/३१	व	१३	४४	१०	१०	५०	९	१८	१२	धनुषि	भ.१३।४४ उ.३९। ४या.वायुपरीक्षा
१५	बु	५	४	पू	१३	५८	वै	४७	५३	ब	५	४	८	१०	५०	१०	१९	१३	म.२७।३७	कर्के शुक्रः १०।१७या मपूजा

१२पं.आ.शु.३श.इ. १५/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	४	२	०	११	२
१४	१२	२९	८	१६	०	२१	१३
९	०	४	३८	३७	४६	१	५४
५०	१	३१	२	५	१२	२	२३
५७	४०	२३/२८	१०	७४	३	३	५६
७	५६	ब	३१	३८	४२	११	५०

गोचरग्रहाः

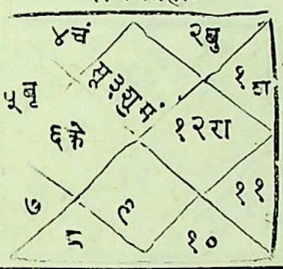

इस मास में वायु का जोर रहे सुदी में कहीं २ वर्षा अच्छी होगी घृत गुड़ खांड तेज धान्य का भाव सम रहे।

गोचरग्रहाः

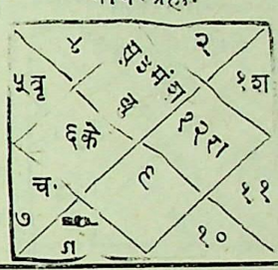

१३पं.आ.शु.११श.इ. १५/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	४	२	०	११	२
२०	१६	१	९	२५	१	२०	२०
५०	३९	७	९	१३	१०	३९	३२
१०	५०	१५	१५	५५	२२	११	१७
५७	४०	२३/२३	११	७४	३	३	५६
७	४६	मा	८	३२	३	११	५०

ति श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०२५ शाकः १८९० दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः वर्षतूरविर्दक्षिणे आ. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	बु	५१	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०		
२	गु	५०	७	उ	८	२४	वि	३९	५४	ते	२३	१६	३४/३७	५/११	४९	११	२०	१४	मकरे	पुनर्वसौभौमः १९।२५
३	शु	४६	३	अ	४	३३	वी	३२	५७	व	१८	५	५	११	४९	१२	२१	१५	कु.३३।१९	भ १८'५उ.४६।३या पुष्येशुक्रः ५१।२
४	श	४३	३	ध	२	६	आ	२७	४२	ब	१४	४९	४	११	४९	१३	२२	१६	कुम्भे	आर्द्रा.बुधः ११।१च ब्र.
५	र	४२	५८	श	२	०	सौ	२४	३२	कौ	१३	१६	२	१२	४८	१४	२३	१७	मी४९।०	नाग५मरुस्थले
६	चं	४४	३३	पू	४	४०	शो	२२	१६	ग	१३	४५	०	१२	४८	१५	२४	१८	मीने	भ.४/३ उ.दृश्यःकर्केऽर्कः ५२।१०
७	मं	४८	२	उ	७	३८	अ	२२	५	वि	१७	१८	३/५ ८/८	१२	४८	१६	२५	१९	मीने	भ.१६।१८या.कर्केऽर्कः सौरः १४।६
८	बु	५३	०	रे	१३	६	सु	२२	४५	वा	२०	३१	५६	१३	४७	१७	२६	२०	मे.१३।६	[*(सौरः ४४ ४७)
९	गु	५९	०	अ	२०	१	धृ	२४	३५	ते	२६	०	५४	१३	४७	१८	२७	२१	मेषे	रेव.१राहुःहस्त.३केतुः ३४।४२
१०	शु	६०	०	भ	२७	१५	शू	२६	५५	व	३२	१	५२	१४	४६	१९	२८	२२	वृ.४४।८	भ.३२।१उ.दृश्यःपुष्येरविः २१।२७*
१०	श	५	३	कृ	३४	४९	गं	२९	२८	वि	५	३	५०	१४	४६	२०	२९	२३	वृषे	भ.५।३या.
११	र	११	४४	रो	४२	११	बृ	३१	५५	बा	११	४४	४७	१५	४५	२१	३०	२४	वृषे	कामिका ११ब्र
१२	चं	१६	५८	मृ	४९	५	धु	३३	४८	ते	१६	५८	४५	१५	४५	२२	३१	२५	मि१५।३८	पुन बुधः ३८।२ प्रदोषः
१३	मं	२१	४६	आ	५४	४८	व्या	३५	२०	व	२१	४६	४२	१६	४४	२३	१	२६	मिथुने	म.२१/६ उ.५३/८ या.आश्लेषा.शुक्रः ३/६ रा.×
१४	बु	२५	११	पु	५९	२८	ह	३५	२५	श	२५	११	४०	१६	४४	२४	२	२७	क ४३।१८	[×श्रावणारंभः
३०	गु	२७	४३	पु	६०	०	व	३४	५३	ना	२७	४३	३७	१७	४३	२५	३	२८	कर्के	पू.फा १गुरुः १८।५३हरियाली

१४पं.श्रा.कृ.४श इ. १५/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	४	३	०	११	२
२७	२१	६	११	३	१	२०	२७
३०	१८	४४	४	५०	३०	१६	१०
३२	२५	४२	२६	१३	७	५५	२४
५७	०	६४	११	७४	२	३	५६
११	३५	५९	४४	३२	२५	११	५५

गोचरग्रहाः

श्रा. कृ ६ चंद्रे कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी मु. ४५ धान्य भाव सम शुक्रोदयः पूर्व.

गोचरग्रहाः

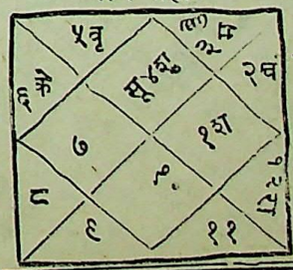

१५पं.श्रा कृ.१०श.इ. १५/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	४	३	०	११	३
४	२५	१६	१२	१२	१	१९	३
११	५३	३	२२	२७	४४	५४	४८
५७	५६	५४	५१	०	५६	४०	५१
५७	४०	९८	१२	७४	१	३	५६
१५	१९	५९	१५	२६	४६	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|श्रावण शुक्लपक्षः स २०२५ शाकः १८९० |दि.| उ.|अ.| इ.|रा.| मु.| चन्द्रः |वर्षर्तुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५२२६स.१९६८

१	शु	२८	४८	पु	२	४९	सि	३३	२०	ब	२८	४८	३३/३५	५/१७	६/४३	२६	४	२९	कर्के
२	श	२८	४१	श्ले	५	१	व्य	३०	५४	कौ	२८	४१	३२	१८	४०	२७	५	१	सिं५.१
३	र	२७	४३	म	६	१	ध	२७	३६	ग	२७	४३	२९	१८	४२	२८	६	२	सिंहे
४	चं	२५	३८	पू	६	१७	प	२३	२६	वि	२५	३८	२६	१९	४१	२९	७	३	क.२१.८
५	मं	२२	५२	उ	५	४१	शि	१८	५६	बा	२२	५२	२४	१९	४१	३०	८	४	कन्या
६	बु	१९	१४	ह	४	१९	सि	१३	४१	तै	१९	१४	२१	२०	४०	३१	९	५	तु. ३३.१९
७	गु	१५	२	चि	२/१८	५७/१९	सा	७	४७	व	१५	२	१८	२०	४०	१	१०	६	तुलायां
८	शु	१०	१४	वि	५६	११	शु	२५/२५	५३/१	ब	१०	१४	१५	२१	३९	२	११	७	बृ.४२.३
९	श	४	५३	अ	५१	५८	ज्ये	४६	५७	कौ	४	५३	१२	२२	३८	३	१२	८	बृश्चिके
१०	श	५३	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	र	५२	१०	ज्ये	४७	४३	ऐं	३९	१२	व	२५	७	९	२२	३८	४	१३	९	ध.४७.४३
१२	चं	४५	११	मू	४२	५५	वै	२०	५४	ब	१८	४१	६	२३	३७	५	१४	१०	धनुषि
१३	मं	३८	१६	पू	३७	५६	वि	२३	४०	कौ	११	४३	३	२३	३७	६	१५	११	म.५१.४८
१४	बु	३१	३०	उ	३२	२३	प्री	१४	३७	ग	४	५३	०	२४	३६	७	१६	१२	मकरे
१५	गु	२५	५२	श्र	२९	४७	आ	६	५१	ब	२५	५२	३२/३९	२५	३५	८	१७	१३	कु.५८.२४

कर्के भौम ३३/५४ उदयः पश्चिमायां २५/२४ *
सिधारा जमा दिलावल ५ शु.उ
भ.५६/४० उ.कर्के बुधः २।४४तीज प.
भ.२५।३८या.पुष्येबुधः४७।३४वर्द४
नागप [*पूर्वास्तोबुधः३६/१६चंद्रद संभवः
पुष्ये भौमः४२।५९
भ.१५।२उ.४३/३८या.अगस्तमा.८ता.३१
दृश्यग्राह्यश्लेषा रविः१८/२८(सौरः४५।३६)
मघा.सिंहेशुक्रः३०।२८

भ.२५।७उ.५२/१०या.पवित्रा११ब्र.स्मा.
आश्लेषा.बुधः६।३३पवित्रा११ब्र.वै.
वक्रीशनिः४४।५६प्रदोषः
भ ३१।३०उ.५८।४१या.
श्रावणीकर्म.रक्षाबन्धनम्

१६पं.श्रा.शु २श.इ. १५/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२		३	०	११	३
१०	०	२८	१३	२१	१	१९	१०
५२	२७	२९	४४	३	५५	३२	२८
१९	४०	२	२०	४३	१२	२५	८
५७	४	५५	१२	७४	१	३	५७
२०	१९	२९	३४	२६	८	११	५

गोचरग्रहाः

इस मास में ५गुरुवार शुभ हैं वर्षा कहीं कम कहीं अधिक हो गल्ला में मंदी हो

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.शु.६श.इ.१४/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	४	३	०	११	३
१७	५	१२	१५	९	२	१९	१७
३४	१	५१	८	४०	०	१०	७
१	८	०	२०	४४	५४	८	५६
५७			१२	७१	०	३	७
२५	६		१९	२६	२०	११	१२

ति.| भाद्रपद कृष्णपक्षः स २०२५ शाकः १८९०|दि.|उ|अ.|इ.|रा.|मु| चन्द्रः | वर्षर्तुः रविर्दक्षिणे श्रावण कृ. महा.

१	शु	२१	२०	ध	२७	१	सो	१०	५४/८	कौ	२१	२०	३३/५३	२५	३५	६	१८	१४	कुम्भे
२	श	१८	२३	श	२५	५३	अ	४९	४	ग	१८	२३	५०	२६	३४	१०	१९	१५	कुम्भे
३	र	१६	५२	पू	२६	२४	सु	४६	४८	वि	१६	५२	४७	२७	३३	११	२०	१६	मी११.१६
४	चं	१७	५२	उ	२९	६	धृ	४५	३७	ग	१७	५२	४३	२७	३३	१२	२१	१७	मीने
५	मं	२०	३०	रे	३३	३२	शु	४५	२०	तै	२०	३०	४०	२८	३२	१३	२२	१८	मे.३३.३२
६	बु	२४	५९	अ	३९	३६	ग	४६	२२	व	२४	५९	३६	२९	३१	१४	२३	१९	मेषे
७	गु	३०	२१	भ	४६	२५	वृ	४८	१८	ब	३०	२१	३३	२९	३१	१५	२४	२०	मेषे
८	शु	३६	३६	कृ	५३	५३	ध्रु	५०	४४	बा	३	२८	२९	३०	३०	१६	२५	२१	वृ.३.१७
९	श	४२	३८	रो	६०	०	व्या	५३	४	तै	९	३७	२६	३१	२९	१७	२६	२२	वृषे
१०	र	४८	२७	रो	१	२६	ह	५५	९	व	१५	३३	२२	३२	१८	१८	२७	२३	मि ३४.५९
११	चं	५३	२०	मृ	८	३३	व	५६	५१	ब	२०	५३	१९	३२	१८	१९	२८	२४	मिथुने
१२	मं	५६	५२	आ	१४	३३	सि	५७	९६	कौ	२५	६	१५	३३	२७	२०	२९	२५	मिथुने
१३	बु	५९	५	पु	१९	२५	व्य	५७	१६	ग	२७	५८	११	३४	२६	२१	३०	२६	क.३.१२
१४	गु	५९	१९	पु	२२	२९	ध	५४	३८	वि	२९	१२	८	३४	२६	२२	३१	२७	कर्के
३०	शु	५८	१३	श्ले	२३	०	प	५१	३०	च	२८	४६	४	३५	२५	२३	१	२८	मि २३.०

भ.४७।३७उ.फा.२गुरुः३६।११
भ १५/२या.मघा सिंहेबुध.३६।३च.ब्र.

चंद्रषष्ठी
भ २४/५८उ.५७।४०या.फायांशुकः २१।९
जन्माष्टमीब्र स्मारतानाम्
दृश्योमघा.सिंहेऽर्कं १२/२३ सौरः४२।१ *
गोगाऽउदयोभौमः २१/१६
भ.१५/३उ ४५/२७या पूफायांबुधः३५।५९
अजा११ब्र.स्मा.वै. [*जन्माष्टमीब्र.वै
अजा११ब्र निम्बा.वत्सद्वादशी
भ.५९।५उ.आश्लेषा.भौमः २६/८प्रदोषः×
भ.२६/१६या.[×पश्चिमोदयीबुधः९।२७
कुशाग्रहणीपिटोरी३० रा,भाद्रपदारंभः

१८पं.भा.कृ.२श.इ.१४।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	४	४	०	११	३
२४	९	२७	१६	८	२	१८	२३
१६	३२	१७	३५	१७	१	४७	४९
२६	२८	२	१६	४०	५	५३	३
५७	२४		१३	७४	२२	३	५७
३३	५२		१६	२०	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

भाद्र. कृष्णे ८ शुक्रे सिंहेऽर्कः प्र. वा.५न ५गताल कावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादि भावे समता शु.प.

गोचरग्रहाः

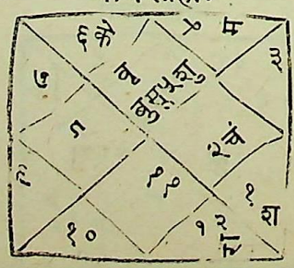

१९पं.भा.कृ.९श.इ.१४/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	४	४	०	११	४
०	१४	१०	१८	१६	१	१८	०
५९	१	४५	३	५४	५६	२५	३१
४९	४८	५४	०	३९	२४	३७	१९
५७	३९		१३	७१	५	३	७
४०	४३		२२	१४	ब	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

न. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०२५ शाकः१८९० दि. उ.अ. इ. रा. मु. चंद्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२५५स.१९६८

१	श	५५	४४	म	२४	१९	शि	४७	२८	कं	२६	५८	३२	५	६	२४	२	२९	सिंहे
२	र	५३	४३	पू	२३	२६	सि	४२	१४	वा	२४	४४	३१	३७	२३	२५	३	३०	क.३७।५७
३	चं	४८	४	उ	२१	३२	सा	३६	३५	तै	२०	५३	५२	३८	२२	६	४	१	कन्यायां
४	मं	४३	१३	ह	१८	५१	शु	२९	५९	व	१५	२८	४८	३८	२२	२७	५	२	तु.४७।२०
५	बु	३८	१७	चि	१५	४९	शु	२३	२६	ब	१०	४५	४४	३९	२१	२८	६	३	तुलायां
६	गु	३२	५९	स्वा	१२	४४	ना	१६	५०	की	५	३८	४०	४०	२०	२९	७	४	वृ.५५।१८
७	शु	२७	५०	वि	९	२९	ऐं	९	५३	व	२७	५०	३६	४१	१९	३०	८	५	वृश्चिके
८	श	२२	४१	अ	५	५७	वै	३	५३	ब	२२	४१	३२	४२	१८	३१	९	६	वृश्चिके
९	र	१७	२५	ज्ये	४	३२	मी	४८	४६	की	१७	२५	२८	४२	१८	१	१०	७	ध.२।४१
१०	चं	११	१८	पू	५६	१२	आ	४१	५१	ग	११	१८	२५	४३	१७	२	११	८	धनुषि
११	मं	७	१	उ	५३	८	सौ	३५	५	वि	७	१	२१	४४	१६	३	१२	९	म.१०।२६
१२	बु	२	१२	श्र	५०	४०	शो	२८	५३	वा	२	१२	१७	४५	१५	४	१३	१०	मकरे
३	बु	५५	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	गु	५४	४७	ध	४८	५८	अ	२३	०	ग	२६	२८	१३	४५	१५	५	१४	११	कु.१९।४९
१५	शु	५२	३५	श	४८	१९	सु	१७	४४	वि	२३	४१	९	४६	१४	६	१५	१२	कुम्भे

+४०।१२ जमादि लाखर ६
उफायां शुक्र ९।५० चन्द्र दर्श.
उफायां बुधः १४/५४ फा ३गुरुः अस्तं गुरो +
भ.१५/३८उ.४३/१३या.कन्या.शुक्रः५/३९ ग च.
कन्या.बुधः२३।३३ ऋषि पंचमी अ. गु.
भ.२७/५०उ.५५/१५ या.दृश्यः पूफायां रविः*
[*२।० (सौरः ३२।५३)
सितम्बर मा. ९ ता. ३०
भ. ३९।१० उ.
भ.७।१या. हस्ते बुधः ४७/५३ जल भूलनी×
प्रदोषः [×११ ब्र. वामन ज

२०प भा.शु.१श.इ.१४/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	४	४	०	११	४
७	१८	२३	१९	२५	०	१८	७
४४	१०	९	३१	३१	४६	३	१४
७	५०	२८	५५	१९	८	२२	४९
३७	३९	०/५३	१३	७४	४९	३	५७
४८	३	५३	३२	८	बु	११	४५

गोचरग्रहाः

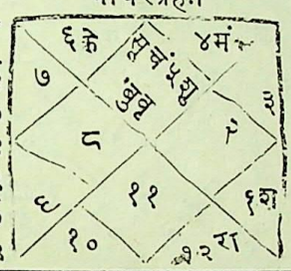

इस मासका फल श्रेष्ठ है। वर्षा उत्तम होगी गुरु का अस्त चांदी सोना रुई सूत में मंदी तेजी।

गोचरग्रहाः

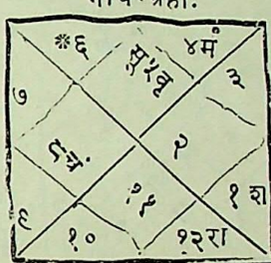

२१पं.भा.शु.८श.इ.१४/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	४	५	०	११	०४
१४	२२	४	२१	४	१	१७	१४
२९	५८	३०	२	७	३०	४१	०
५६	३०	२५	९	३७	५७	६	१
५७	३९	९/५३	१२	७१	१/५३	३	५७
१	२२	०	३५	२	ब	११	५७

नि. आश्विन कृष्णपक्षः सं०२०२५शाकः १८९०दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र.कृ. महाराष्ट्राः

१	श	५१	४६	पू	४९	६	धृ	१४	३०	वा	२२	१०	३१/५	४७	६/१३	७	१६	१३	मी २३।५४
२	र	५२	४५	उ	५१	२०	शू	१०	२६	तै	२२	१६	१	४८	१२	८	१७	१४	मीने
३	चं	५५	१०	रे	५५	२	गं	८	४६	व	२३	५८	३०/७	४९	११	९	१८	१५	मे.५५।२
४	म	५८	५९	अ	६०	०	बृ	७	४१	ब	२७	४	५३	४९	११	१०	१९	१६	मेषे
५	बु	६०	०	अ	०	१०	ध्रु	८	१६	की	३१	३७	४८	५०	१०	११	२०	१७	मेषे
५	गु	४	१६	भ	६	४	व्या	९	३२	तै	४	१६	४४	५१	९	१२	२१	१८	वृ २३।१
६	शु	१०	१५	कृ	१३	५३	ह	११	३०	व	१०	१५	४०	५२	८	१३	२२	१९	वृषे
७	श	१६	२७	रो	२१	२५	व	१३	५८	ब	१६	२७	३६	५३	७	१४	२३	२०	मि५५।७
८	र	२२	३६	मृ	२८	५०	सि	१६	१६	की	२२	३६	३२	५४	६	१५	२४	२१	मिथुने
९	चं	२८	१	आ	३५	३६	व्य	१८	१२	ग	२८	१	२८	५४	६	१६	२५	२२	मिथुने
१०	मं	३१	४३	पु	४०	२१	व	२९	१८	वि	३१	४३	२४	५५	५	१७	२६	२३	क.२४।१०
११	बु	३४	१४	पु	४४	४७	प	१९	१३	ब	२	५८	०	५६	४	१८	२७	२४	कर्के
१२	गु	३४	३९	श्ले	४६	४९	शि	१७	४२	की	४	२६	१६	५७	३	१९	२८	२५	सिं४६।४९
१३	शु	३३	२२	म	४६	५७	सि	१४	५४	ग	४	०	१२	५८	२	२०	२९	२६	सिंहे
१४	श	३०	१३	पू	४५	३३	सा	१०	२३	वि	१	४७	८	५८	२	२१	३०	२७	क.५९।५०
२०	र	२५	३२	उ	४२	४०	शु	४७	५३/१२	ना	२५	३२	४	५९	१	२२	३१	२८	कन्यायां

भ. २३।५८ उ. ५५।१० या.
चतुर्थी व्रतम्
सिंहे भौमः २५।३९ फा.४गुरुः१।२१
दृश्य उफायां रविः ४६।२०
भ.१५/२०उ.४३/२१या.उफायां रविः सौरः *
[*१७।३१ चित्रा. बुधः ४६।५
चित्रायां शुक्रः ५१।२०
भ.५५/६३उ.दृश्यःकन्यायामकं: ११।४१÷
भ.३१।४३या. [÷सौरः ४२/४३ मातृ ९
इन्दरा ११ व्रत
तुलायांबुधः१५/१२उभा ४राहुःहस्त२केतुः२६/४५
भ.३३/३२उ.प्रदोषः ×शस्त्रादिहतानाँश्रा.
भ.४७या तुलायाँशुक्रः१६/५४उदयगुरोः३६/३६×
सूर्य ग्रहणम् उ. गु.

२२पं.आ.कृ.१श.इ.१४/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	४	५	०	१	
२१	२७	१४	२२	१२		१७	२०
१९	२५	४७	३३	४४	११	१८	४६
५५	१	९	७	२	५६	५०	४१
५८	३९	८३	१३	७३	५८	३	५८
१	१८	३१	३८	५६	ब	११	१२

२३पं.आ.कृ.७श.इ.१४/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	४		४		०	११	४
	२८	१	२३	२४	२१	०	१६	२७
	५	४९	५२	३	२०	४८	१६	३५
१श	२४	३०	२६	४७	१६	४७	३५	४
	५८	२९	४९	१३	७३	३५	३	५८
	२८	१	१५	३८	५०	ब	११	२८

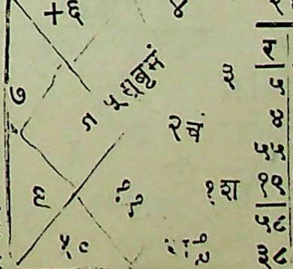

२४पं.आ.कृ.१४श.इ.१३/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४				०	१	
४	६	१	२५	२९		१३	४
५५	१	२४	३-	५४	२२	३४	२५
१९	३५	९	४०	१७	४९	१९	२१
५८	३८	४१	३	७-	५३	२	५-
३८	४४	३८	३२	४०	ब	११	४५

(स० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) * शु.बु.के. + शु. के. बु.

× शु.के.बु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त आश्विनशुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९० दि. उ. अ इं. रा. मु. चन्द्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५२८३.स १९६८

१	चं	१९	५०	ह	३८	४०	न	५०	२३	ब	१९	५०	३०	६	६	२३	१	२९	कन्यायां
२	मं	१३	२०	चि	३४	९	ऐं	४२	११	कौ	१३	२०	००	१	५५	२४	२	३०	तु ६।२४
३	बु	६	३९	स्वा	२९	१२	चै	३३	५९	ग	६	३९	५१	२	५८	२५	३	१	तुलायां
४	दु	५३	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
	गु	५३	२८	वि	२४	२८	वि	२५	३५	ब	२६	३८	४७	३	५७	२६	४	२	वृ. १०।३९
६	शु	४७	२९	अ	२०	७	प्री	१७	५०	कौ	२०	२८	४३	३	५७	२७	५	३	वृश्चिके
७	श	४२	७	ज्ये	१६	१०	आ	१०	४	ग	१४	४८	३८	४	५६	२८	६	४	ध. १६।१०
८	र	३७	२४	मू	१२	५०	सौ	२५	५३	वि	९	४५	३४	५	५५	२९	७	५	धनुषि
९	चं	३३	१०	पू	९	१६	अ	४९	५९	ना	५	१७	३०	६	५४	३०	८	६	म. २३।५९
१०	मं	२९	५५	उ	८	१०	सु	४४	२९	तै	१	३२	२६	७	५३	१	९	७	मकरे
११	बु	२७	७	श्र	६	५०	धृ	३९	३६	वि	२७	१७	२२	८	५२	२	१०	८	कु. ३६।३५
१२	गु	२५	३४	ध	६	२१	शु	३५	३०	बा	२५	३४	१८	८	५२	३	११	९	कुम्भे
१३	शु	२४	५९	श	६	४९	गं	३२	१	तै	२५	५२	१४	९	५१	४	१२	१०	मी ५३।६
१४	श	२५	११	पू	८	३२	बृ	२९	२६	व	२५	११	१०	१०	५०	५	१३	११	मीने
१५	र	२६	४८	उ	११	६	ध्रु	२७	५८	ब	२६	४८	६	११	४९	६	१४	१२	मीने

मातामहश्राद्धम् नवरात्रारम्भ. रा.*
चंद्रदर्शनम् [*आश्विनारम्भः
भ.३३।१४उ. ५९।४८या. रज्जव७
[×शुक्रः ४२/१८उफा१गुरुः २४/४वक्रीरे.४मीने=
दृश्योहस्तेरविः २४/७(सौरः ५५/१२) स्वात्यां×
[-वाहनं मूलभे [=शनिः २२/४९
भ.४२।७उ.स्वात्यांबुधः ३२/१६सरस्वत्यांऽ
भ.९।४५ या. भद्रकाली ज.
सरस्वती पू. बलिदानं
भ.५९/३९उ विजया१०सरस्वती विसर्जनं+
भ.२७/१७या.वक्री बुधः०।७पूफायांभौमः?
प्रदोषः [? ४१/११ पापांकुशा ११ ब्र.
[+अवदूबर मा. १० ता. ३१
भ.२५/११उ ५६।०या.शरदपूर्णिमा स्मा.
खग्रास चन्द्र ग्रहणम्

२५पं.आ.शु.७श.इ.१३।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	४	६	११	१	५
१	१०	६	२७	८	२९	१६	११
९	३८	३२	४	३१	५२	१२	१७
५५	१७	३८	३७	५५	१२	४	१५
५८	३८	२३	१३	७३	१४/१३	३	५९
२३	४१	५२	२८	२६	ब	११	०

गोचरग्रहाः

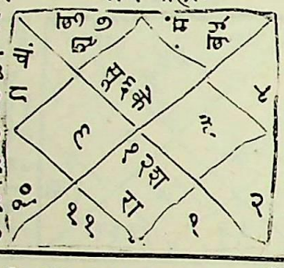

आ.कृ.९ चंद्रे कन्यायामर्कः प्र.वा ४ न. ४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भावसम्) शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

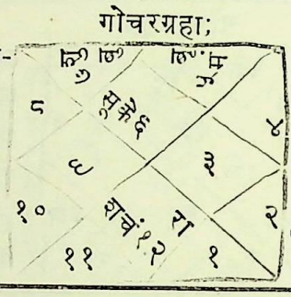

२६पं.आ.शु.१४श.इ १३/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	४	६	११	११	५
१८	१४	७	२८	१७	२९	१५	१८
४०	५८	५२	३३	६	२०	४९	११
८	०	१९	१०	१८	४६	४/०	२
५९	२८	२०/२३	२	२७	३६	३	९
९	३७	ब	२०	१८	ब	११	१६

त कार्तिक कृष्णपक्षः सं.२०२५ शाकः १८९० | दि. उ. अ इं. रा. मु. चन्द्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽश्विनकृष्णेति महा.

१	चं	२९	५१	रे	१४	५९	ज्या	२७	४२	कौ	२९	५१	२९/१२	६/५	४८	७	१५	१३	मे. १८।५९
२	मं	३३	५३	अ	२०	१	ह	२७	१६	तै	२	२२	२८/५८	१२	४८	८	१६	१४	मेषे
३	बु	३९	१५	भ	२६	२०	व	२८	३५	व	६	३४	५४	१३	४७	९	१७	१५	वृ ४३।२
४	गु	४५	५	कृ	३३	८	सि	३०	१७	ब	१२	१०	५०	१४	४६	१०	१८	१६	वृषे
५	शु	५१	१७	रो	४०	४१	व्य	३२	३३	कौ	१८	११	३६	१५	४५	११	१९	१७	वृषे
६	श	५७	४५	मृ	४८	२३	व	३५	१	ग	२४	३१	४२	१६	४४	१२	२०	१८	मि १४।३२
७	र	६०	०	आ	५५	३८	प	३७	१७	वि	३०	४०	३८	९६	४४	१३	२१	९	मिथुने
७	चं	३	३६	पु	६०	०	शि	३८	५७	ब	३	३६	३५	१७	४३	१४	२२	२०	क ४५।२३
८	मं	८	१५	पु	१	५८	मि	३९	३९	कौ	८	१५	३०	१८	४२	१५	२३	२१	कर्के
९	बु	११	३७	पु	७	०	सा	३९	८	ग	११	३७	२६	१९	४१	१६	२४	२२	कर्के
१०	गु	१२	५३	श्ले	१०	१६	शु	३७	१७	वि	१२	५३	२२	२०	४०	१७	२५	२३	सिं १० १६
११	शु	१२	२२	म	११	३४	शु	३३	४४	बा	१२	२२	१८	२०	४०	१८	२६	२४	सिंहे
१२	श	९	४१	पू	१०	४५	न	२८	४०	तै	९	४१	१४	२१	३९	१९	२७	२५	क. २५।६
१३	र	५	३२	उ	८	११	ऐं	२१	५७	ब	५	३२	१०	२२	३८	२०	२८	२६	कन्यायां
१४	र	५३	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	चं	५१	७	ह	५३/३	५४/२७	वै	१४	३	चं	२४	५१	६	२३	३७	२१	२९	२७	तु. ३१।७

विशाखा. शुक्रः ३५।४६

भ.६।३४उ.३९।१५या.दृश्यश्चित्रा ×
चित्रायां रविः सौरः २५।४८ च. ब्र.
[×रविः ५४/९वक्री चित्रा. बुधः २७/३२+
भ.५७।४५उ.उफा.२कन्या.गुरुः १२।२
भ. ३०।४० या. [*४७।५रूप१४
वक्री कन्या. बुधः ३०।४
वृश्चिकेशुक्रः ४५।२५
भ.४२।१५उ.दृश्यस्तुलार्कः४०।३४
भ.१२।५३ या तुलायामर्कःसौरः८।३१
अनुराधाशुक्रः२७।११ रमा ११व्रतम्
प्रदोषः धनः १३
भ.५।३२उ.३२।३या वक्रीहस्तेबुधः*
[+पश्चिमास्तो बुधः ४८/३८
महालक्ष्मी पूजा पर्वोदयं बुधः ४९।५९

२७पं. का.कृ.६श.इ.१३/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	५	६	११	११	५
२५	१९	३	०	२५	२८	१५	२५
३५	१९	०	०	४१	४७	२७	६
६	५५	३६	२८	००	३१	३२	४४
५९	३८	७९/१७	२३	७२	४०/४०	३	५९
२	२९	ब	८	५	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

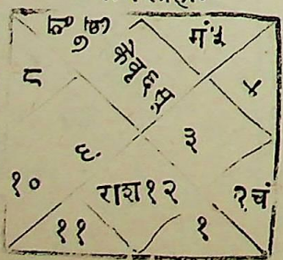

कार्तिक कृष्णे ९ बुधे तुलायामर्कः प्र.वा.३न.४ प्रगल्यावस्था बैठी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रो.पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

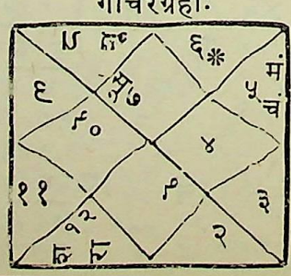

२८पं.का.कृ.१२श.इ १३/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	५	७	११	११	६
२	२३	२५	१	४	२८	१५	२
३१	३८	८	२५	१५	१३	५	४
३४	४६	३८	२६	५४	४४	१७	४
५९	३८	६९/२७	१२	७२	४४	३	५५
३४	१२	ब	४३	१०	ब	११	४६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त. कार्त्तिक शुक्ल पक्षः सं.२०२५ शाकः १८९० दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | शरदतूँ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३१४ सं. १९६८

| | | |

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९० | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चंद्रः | हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३४४स. १९६८

१	गु	७	१८	अ	५०	५२	सु	४७	२३	ब	७	१८	२६	४६	५६	२१	३०	२६	ध. ५७।४१
२	गु	५०	४३		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	४६	१४	मू	५०	१६	धृ	३६	५१	तै	२३	३७	१६	४४	१६	२२	१	३०	धनुषि
४	श	४१	३२	पू	४४	१७	शु	२६	५५	व	१५	२३	१६	४५	२५	२३	२	१	म. ५८।६
५	र	३५	१५	उ	३६	४४	गं	१८	७	ब	८	२३	१२	४५	१५	२४	३	२	मकरे
६	चं	३०	३८	श्र	३६	४७	धृ	१०	३७	की	२	५६	११	४६	१४	२५	४	३	मकरे
७	मं	२७	५२	ध	३५	४२	शु	२५	५५ १६	व	२७	५२	८	४६	१४	२६	५	४	कु. ६।१५
८	बु	२६	४५	श	३६	१३	ह	५६	२१	ब	२६	४५	६	४७	१३	२७	६	५	कुम्भे
९	गु	२७	२६	पू	३८	२४	व	५४	१५	की	२७	२६	३	४७	१३	२८	७	६	मं. २२।५१
१०	शु	२६	३७	उ	४१	५६	सि	५३	२२	ग	२६	३७	१	४८	१२	२९	८	७	मीने
११	श	३३	५	रे	४७	२३	व्य	५३	४६	व	१	२१	२५ ९	४८	१२	३०	९	८	मे. ४७।२३
१२	र	३७	३८	अ	५३	०	व	५४	३१	ब	५	२१	५७	४९	११	१	१०	९	मेषे
१३	चं	४३	३	भ	५९	३९	प	५५	४९	की	१०	२०	५५	४९	११	२	११	१०	मेषे
१४	मं	४९	५	कृ	६०	०	शि	५७	४०	ग	१६	५	५३	४९	११	३	१२	११	वृ. १६।२५
१५	बु	५५	२६	कृ	६	४२	सि	५९	५२	वि	२२	१४	५१	५०	१०	४	१३	१२	बृषे

उभा. ३ राहुः हस्त. १ केतुः १८।५०

चंद्रदर्शनम् रा. मार्गशीर्षारंभः
भ. १५।२३उ. ४१।३२या. बृश्चिकेबुधः*
*८।२१ रमजान ९
अनु. बुधः १०।४७ चंपा६ पातस्पर्शः≡
भ. २७।५२ उ. ५७।१८ या.
≡१६ १४पातमोक्षः २९।२५
×११ व्रतं गीताजयंती
+शुक्रः १३ ३ दत्तजयन्ती
भ. १।२१ उ. ३३।५ या. मोक्षदा×
उषायांशुक्रः ३/१२ दिसम्बर १२ता ३१
द. ज्येष्ठा. रवि ३ ७/१ (सौर २ ६/३) प्रदोषः
भ. ४९।५ उ
भ. २२।१४या. ज्येष्ठा. बुधः ०।२४ मकरे+

३३पं. मा. शु. ४श. इ १२/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	५	८	११	११	७
७	४	०	७	१६	२५	१३	७
३७	१४	६	४१	४४	५२	१३	१६
३	५०	२१	२	९	८	५९	५३
६०	२७	९८	९	७०	४७	३	६०
४२	१	५	१०	५८	ब	११	५३

गोचरग्रहाः

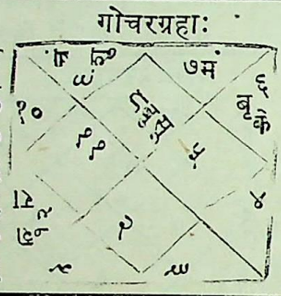

इस मास में ५बुध रसपदार्थों में तेजीकारक हैं 'बुधे पंचरस क्षयः' अनाज में मन्दी होकर तेजी हो।

गोचरग्रहाः

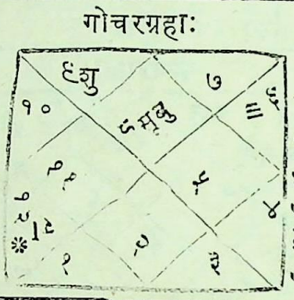

३४पं. मा. शु. ११श. इ १२/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	५	८	११	११	७
१४	१९	१०	८	२५	२	१२	१४
४२	५	५५	४३	८	२४	५१	२३
५४	८	५	९९	३	१	४३	२९
६०	२६	९९	९	७०	११/३	३	६१
५०	२९	२	५	२७	ब	११	३

ति. पौष कृष्ण पक्षः सं. २०२५ शाकः १८९० | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | हेमंततूं रविरुत्तरे मार्गक्रे महाराष्ट्राः

१	गु	६०	०	रो	१४	१४	सा	६०	०	चा	२८	३४	२५/४९	५०	५०	५	१४	१३	मि ४७।५८						
१	शु	१	४२	मृ	२१	४२	सा	२	१	की	१	४२	४८	५०	१०	६	१५	१४	मिथुने						
२	श	८	८	आ	२९	८	शु	४	१०	ग	८	८	४६	५१	९	७	१६	१५	मिथुने						
३	र	१४	१	पु	३५	५७	शु	६	१६	वि	१४	१	४५	५१	९	८	१७	१६	क. १९।१५						
४	चं	१९	५	पु	४२	७	ब	७	३५	चा	१९	५	४४	५१	९	९	१८	१७	कर्के						
५	मं	२३	३३	श्ले	४७	२९	ऐं	८	२७	तै	२३	३३	४२	५२	८	१०	१९	१८	सिं ४७।२९						
६	बु	२६	४२	म	५१	२९	वै	८	२९	व	२६	४२	४१	५२	८	११	२०	१९	सिंहे						
७	गु	२८	२४	पू	५३	५४	वि	७	२३	ब	२८	२४	४०	५२	८	१२	२१	२०	सिंहे						
८	शु	२८	३६	उ	५४	५८	प्री	५	७	की	२८	३६	३९	५२	८	१३	२२	२१	क. ९।१०						
९	श	२७	३९	ह	५३	५३	सौ	१८ ५	५४ ४३	ग	२६	३९	३८	५२	८	१४	२३	२२	कन्यायां						
१०	र	२३	४३	चि	५०	५९	शो	५०	२३	वि	२३	४३	३८	५२	८	१५	२४	२३	तु. २२।२६						
११	चं	१७	२६	स्वा	४६	२५	अ	४१	१४	चा	१७	२६	३७	५३	७	१६	२५	२४	तुलायां						
१२	मं	१०	२६	वि	४०	२५	सु	३२	१	तै	१०	२६	२७	५३	७	१७	२६	२५	वृ. २६।५५						
१३	बु	२	२	अ	३२	१८	धृ	२१	४७	व	२	२	३७	५३	७	१८	२७	२६	बृश्चिके						
१४	बु	५०	३९	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०						
३०	गु	४३	७	ज्ये	२५	४०	शु	१० ४	४९ ३	च	१७	५४	३६	५३	७	१९	२८	२७	ध. २५।४०						

भ. ४१।५ उ. चित्रा. भौभः १९।४६
भ. १४।१ या. च. व्र.
हस्ते १ गुरुः ५०।३२

भ. २६।४२ उ. ५८।३३ या.
मूले धनुषि बुधः २३।५८ श्रवणे *
*शुकः ४२।५३

भ. ५५।११ उ.
भ २३।४३या. दृश्यो मूले धनुष्यर्कः§
सफला ११ ब्र.
प्रदोषः §१४।४३ (सौरः २९।५७)
भ. २।२उ २७।२२या. तुला. भौमः ४७।५६

३५प. पौ. कृ. २श. इ. ११/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	५	९	११	११	७
२१	२३	२१	९	३	२५	१२	२१
८	१५	५८	३८	२७	२०	२९	३१
५८	११	३७	२४	५०	५६	२८	२६
६०	२६	९९	८	६९	२९	३	६१
५६	२४	५२	१०	४५	ब	११	११

गोचरग्रहाः

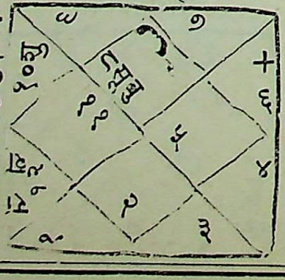

पौष कृष्णा १४ रवौ धनुष्यर्कः प्र. वा. ३ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु. प.

गोचरग्रहाः

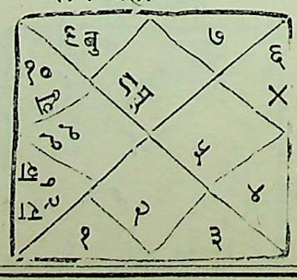

३६पं. पौ. कृ. ९ श. इ. ११/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	५	९	११	११	७
२८	२७	२	१०	११	२५	१२	२८
५५	२१	५९	२६	४२	१२	७	४०
५२	४	१३	३९	४	३२	१२	९
६१	३५	९९	७	६९	४४	३	६१
०	५७	५२	४	०	ब	११	१९

+मं. वृ. के. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मं. वृ. चं. के. *श. चं. ≡के. बृ. मं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. पौष शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९० | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३७३स१९६८

| | | |

ति. माघ शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९० | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४०३स१९६९

१	र	१	३५	अ	२५	३५	सि	४१	५३	ब	१	३५	२६/१५	६/६	५/४	१९	२९	२९	कु.	५३। १५
२	र	५२	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	चं	४८	२६	ध	२०	५६	व्य	३३	५२	तै	२१	२१	१७	४५	१५	२०	३०	१	कुम्भे	
४	मं	४४	५२	श	१७	३७	व	२७	१०	व	१६	३९	२०	४४	१६	२१	१	२	कुं	भे
५	बु	४३	१२	पू	१६	३९	प	२२	२०	ब	१४	२	२२	४४	१६	२२	२	३	मी	१।५४
६	गु	४४	२४	उ	१७	५५	शि	१९	२९	कौ	१३	४८	२५	४३	१७	२३	३	४	मीने	
७	शु	४६	१८	रे	२०	५६	सि	१७	५३	ग	१५	२१	२७	४३	१७	२४	४	५	मे	२०।५६
८	श	५०	२४	अ	२५	५५	सा	१७	५४	वि	१८	२१	३०	४२	१८	२५	५	६	मेषे	
९	र	५६	२	भ	३२	१४	शु	१८	५१	चा	२३	१३	३३	४१	१९	२६	६	७	वृ.	४९।५
१०	चं	६०	०	कृ	३९	३०	शु	२०	५३	तै	२९	१३	३६	४१	१९	२७	७	८	बृषे	
१०	मं	२	२३	रो	४७	१	ब	२२	५९	ग	२	२३	३९	४०	२०	२८	८	९	बृषे	
११	बु	९	३	मृ	५४	४४	ऐं	२५	२२	वि	९	३	४२	४०	२०	२९	९	१०	मि	२०।५२
१२	गु	१५	१९	आ	६०	०	वै	२७	३५	चा	१५	१९	४६	३९	२१	३०	१०	११	मिथुने	
१३	शु	२१	२०	आ	१	५०	वि	२९	११	तै	२१	२०	४९	३८	२२	३१	११	१२	क.	५१।४६
१४	श	२६	३१	पु	८	२७	मी	३०	१०	व	२६	३१	५२	३८	२२	१	१२	१३	कर्के	
१५	र	३०	२२	पु	१३	४८	आ	३०	१९	ब	३०	२२	५५	३७	२३	२	१३	१४	कर्के	

चन्द्रदर्शनम्

[*बुधः २४।४ जिल्काद ११
इ. अभि.प्र.रविः १३/३२ (सौरः १९/३९) वक्री*
भ १६।३९उ ४४।५२या.रा.माघारंभः
वक्री गुरुः २५।२७ वसंतपश्चिमास्तं+
दृश्यःश्रवणे रविः २९/५५ (सौरः ३५/३६) वि.×
भ.४६/१८उ.इ अभि.नि.रविः ३२/२४ सौरः ३७/३२÷
भ.१५/२१या भीष्माष्टमी पातस्पर्शः ४९।४३
मीने शुक्रः ३१।२२ पातमोक्षः ३।३६
×भौमः २५/३१ उभा.२राहुःउफा.४केतुः ११/१४
भ.३५।४३उ. +बुधः ५९।४५
भ.९।३या.उभायां शुक्रः*३/१ जया ११ ब्र
प्रदोषः ÷भानु ७
रेवती ४ शनिः १२।३२
भ.२६।३१उ.५८।२६या.फर मा.२ता.२८
वक्री उषायां बुधः ५७।४९

४२पं.मा.शु.८श.इ.११।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	५	१०	११	११	९
११	२०	२०	१२	२८	२६	९	११
४२	५६	१३	३०	३९	१६	५३	३७
५८	४९	५०	२५	२९	२३	३८	३५
९०	३२	६९/५०	० /३०	६०	३	३	६१
५९	१५	ब	ब	१७	३६	११	१३

गोचरग्रहाः

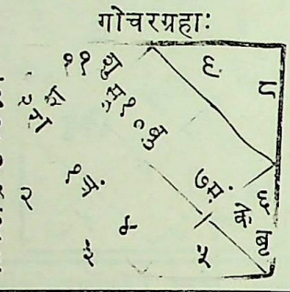

माघ कृ.१०चन्द्रे मकरेऽर्कः प्र.वा. २न.३ वृद्धावस्था (बैठी) मूहूर्ता४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. प

गोचरग्रहाः

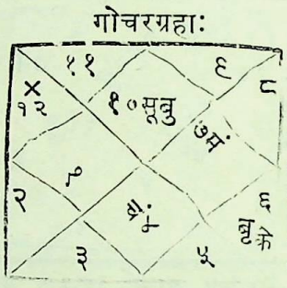

४३पं.मा.शु १४श इ ११/२२.

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	५	१	११	११	९
१८	३४	१२	१२	५	२६	९	१८
४९	३७	२१	१९	४	४४	३१	४५
२६	१२	५१	५	३८	१२	२३	३६
५०	२	५९/३५	४७/१	३	४	३	६१
५५	२१	ब	ब	७	१७	११	४

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९० | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तौ रविरुत्तरे माघ कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	३३	२७	श्ले	१८	४४	सौ	२९	३८	ग	१	५५	२६/५९	६/३६	२४/४	३	१४	१५	सिं	१८ ४४
२	मं	३५	१५	म	२५	३५	शो	२८	११	तै	४	२१	२७/२	३६	२४	४	१५	१६	सिंहे	
३	बु	३५	५३	पू	३	५३	अ	२५	४७	व	५	३४	६	३५	२५	५	१६	१७	क.	३९।१
४	गु	३५	३७	उ	२५	१०	सु	२२	४०	व	५	४५	९	३४	२६	६	१७	१८	कन्यायां	
५	शु	३४	२०	ह	२५	३४	धृ	१८	३५	कौ	४	५८	१३	३३	२७	७	१८	१९	तु.	५५।१
६	श	३२	८	चि	२५	२	शू	१४	५	ग	३	१४	१६	३३	२७	८	१९	२०	तुलायां	
७	र	२९	२	स्वा	२३	२८	गं	८	३८	वि	०	३५	२०	३२	२८	९	२०	२१	तुलायां	
८	चं	२५	८	वि	२१	११	वृ	२७/२३	५१/५३	कौ	२५	८	२५	३१	२९	१०	२१	२२	बृ.	६।४
९	मं	२०	२७	अ	१७	५०	व्या	४७	५४	ग	२०	२७	२७	३१	२९	११	२२	२३	बृश्चिके	
१०	बु	१४	२०	ज्ये	१३	४७	ह	३९	४१	वि	१४	२०	३१	३०	३०	१२	२३	२४	ध.	१३।४
११	गु	७	४४	मू	८	५४	व	३०	५०	चा	७	४४	३५	२९	३१	१३	२४	२५	धनुषि	
१२	शु	०	४१	पू	३/१६	५५/१६	सि	२१	३८	तै	०	४१	३८	२८	३२	१४	२५	२६	म.	१६।५
१३	शु	५२	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	श	४५	२८	श्र	५२	२०	व्य	१२	३४	वि	१९	१२	४२	२८	३२	१५	२६	२७	मकरे	
३०	र	३८	३५	ध	४७	३२	व	४५/३	५१/४३	च	१२	२	४६	२७	३३	१६	२७	२८	कु.	१९।५६

[*बृश्चिके भौमः ४२।१७
पूर्वोदयी बुधः०।११
भ.५।३४उ.३५।५२या.दृश्यो धनिष्ठा+
च ब्र.
[+ रविः ३८।१६ (सौरः ४१।२७
भ. ३२।८ उ पातस्पर्शः ३३।४४×
भ ०।३५ या.
[× पातमोक्षः ४४।२५
भ. ४७।२३उ. मार्गी बुधः ३७।५९*
भ. १४।२० या. दृश्यः कुम्भेऽर्कः?
रेवत्यां शुक्र- ६।५० विजया ११ ब्र.
भ. ५२।५६ उ. प्रदोषः
? १३।३१ (सौर- १५।२४)
भ. १९।१२ या. महाशिवरात्री व्रतम्

४४पं.फा.कृ.६श.इ.११।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	५	११	११	११	९
२५	२८	७	११	१२	२७	९	२५
५५	१२	५	५८	१७	१९	९	५२
१९	१८	२०	३७	२०	३४	७	२३
६०	३०	३३/५५	३/२९	५३	४	३	६०
४७	१७	ब्र	ब	३३	४७	११	५५

गोचरग्रहाः

फा. कृ. १० बुधे कुंभेऽर्कः प्र. वा. ३न.३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शु.पश्चि.

गोचरग्रहाः

४५पं.फा.कृ.१४श.इ.९/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	५	११	११	११	१०
३	१	८	११	१८	२७	८	२
०	४०	७	३०	२	५२	४६	५८
४	२६	२६	१८	१४	५५	५२	२६
६०	२८	३३/३२	४/३३	४८	५	३	६०
३७	४६	मा	ब	३७	१५	११	४१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | फल्गुन शुक्ल पक्षः सं.२०२५शाकः१८९० | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिरतूर्यविरुत्तरेऽहर्गणः५४३२म.१९६९

| | | |

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७० तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७० भोग्यकलिः ४२६९३० अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२६ शाकः १८९१ वर्षेऽस्मिन्राजाबुधः । मंत्री रविः । सस्येशोबुधः । धान्येशोचंद्रः । मेघेशः शनिः । रसेशोगुरुः । नीरसेशोभौमः । फलेशोशनिः । धनेशोभौमः । दुर्गेशः शनिः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १६ दुंदुभिनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ५।२२।७।४० भोग्यमासादिः ६।७।५२।२० भगदैवतंयुगम् वर्षनाम फाल्गुनः मेघ नाम संवर्त्तः । रोहिणी निवासः तटे । समय निवासो रजक गृहे । समय विश्वा १२ । समय वाहनंसिंचायुः । स्तम्भ १ अन्नस्य । सोमवत्यमाः २ । सोमवती पंचमी ३ । अङ्गारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी२ । रविदशमी ३ समय मुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३८४ । तिथिक्षयः १७ । तिथि वृद्धिः ११ । उत्पत्ति विश्वा १०५ । खपति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा ११ । धान्यम् ७. तृणम् १५. शीतम् ११. तेजः ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ । ऐक्यम् १०३ शनिदृष्टिः पूर्वस्यां । ग्रहणस्याभावेऽस्मिन् वर्षे भारते ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् १।१३

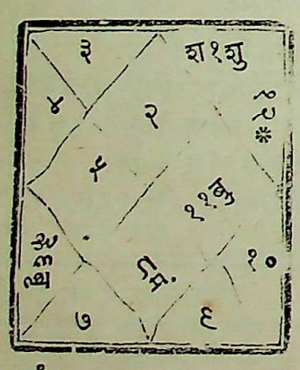

*चं.सू.रा.

भैरव–भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

माता के दरबार में पूछे भैरव लाल ।
शुभ संवत् छबीस का सच्चा कहदो हाल ॥

भवानी उत्तर

छहो दिशा छबीस में महंगा घोड़ा बैल ।
रोग उपद्रव युद्धभय घर २ पड़सी गैल ॥

राजा बुधजी बापड़ा चलै न इन का जोर ।
मंत्री पद रवि को मिला करे और की और ॥

मेघपति अरु फलपति गढपति शनि महाराज ।
शुभफलको कमती करे इनका यहही है काज ॥

समय निवासो रजक घर रोहिणी तट निर्धार ।
स्तंभ एक प्रन्न का बना होवे बेडा पार ॥

दुंदुभि संवत्सर हुवा होय आनंद अपार ।
मंदों का भी जोर हो याद करो करतार ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ५।२०

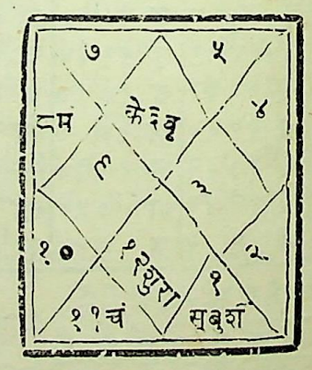

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२४।४३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणाम् फलम्। अथास्मिन वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ॥ बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्य विवाह मंगलम्। प्रकुर्वते दान दयां जनोऽपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ॥ मंत्री रविः फलम् ॥ नृप भयं गदतोपिहितस्करात् प्रचुर धान्य धनादिं महीतले रस चयंहि समर्घतमं सदा रवि रमात्य पदं हि समागतः ॥ सस्येशो बुधस्तत्फलम् ॥ जल धरा जलराशि मुचो भृशं सुख समृद्धि युतं निरुपद्रवम्। द्विज गणः श्रुति पाठ करः सदा प्रथमसस्य यतौ सति बोधने ॥ धान्येशश्चंद्रः फलम् ॥ चंद्रे धान्याधिपे जोत प्रजा बृद्धिः प्रजायते। गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोषु क्षीर तदा बहु ॥ मेघशः शनिः फलम् ॥ रविसुते जलदस्य यतौ भवद्विरल वृष्टिवती वसुधा तदा। मनसि ताप करो नृपातिः सदा विविध रोग रतांः जनता मता। रसे शो गुरुः फलम् ॥ यदि गुरू रसयो जन सौख्यदः कम लवन्ति सरांसि तृणानि च। जन पदा द्विज पूजन तत्परा गज सुवाजि रथोष्ट्र युता नृपाः ॥ नीरसेशो भौमस्तत्फलम्। नीरसेशो यदा भौमः प्रवाल रक्त वाससां। रक्त चंदन तम्राणांमर्घ बृद्धिर्दिनेदिने ॥ फलेशः शनिः फलम् ॥ यदि शनिः फलयः फलहा भवेज्जनित पुण्य गणस्य दूनुमः सदा। हिम भयं वर वस्कर जन्तुभी जनपदो गद राशि महाकुलः ॥ धनेशो भौमस्तत्फलम् ॥ असम मौल्यकरो धरणी सुतः शरदि तापं कर स्तुष धान्य हृत् सहसि मासि भवद्वि गुणं तदा नरपतिर्जन शोकवि धायकः ॥ दुर्गेशः शनिः फलम् ॥ रविसुते गढ़ पालिनी विग्रहैः सकल देश गताश्चलिताजनाः। विविध वैरि विशेषित नागराः कृषि धनं शलभै र्मुषितं भुवि ॥ दुंदुभिनाम संवत्सरः फलम् ॥ सर्व सस्ययुता धात्री पालिता धरणी धरैः। पूर्व देशादिनाशः स्यात् तत्र दुंदुभि वत्सरे ॥ वर्षनाम फाल्गुनस्तत्फलम् ॥ सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टि रुत्तरे या य पश्चिमे। पूर्वस्यां रौरवं घोरम् फाल्गुने वत्सरे शुभम् ॥ मेघ नाम संवर्तः फलम् ॥ संवर्ते जल पूरिता ॥ रोहिणी निवासः तटे फलम् तटे वृष्टि सुशोभना ॥ समय निवासो रजक गृहे फलम् रजके वृष्टि रुत्तमा ॥ एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयम् शुभाशुभम् ॥

सं० २०२६ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैसाख मासः।

शुक्ला ३ शनौ रोहि. ल. १० रे. ७०।।।।।।।।

,, ५ चंद्रे मृगे ल.अन्यगो ६ रे.७।।।ऽऽऽऽ। धनु-लग्नेचद्र७मध्यमः

,, ६ शनौ मघा. ल. गो. रे. ७ऽ।।।।ऽऽ गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, १४ मुरौ स्वा. ल.१०रे ७।।।ऽऽरोऽऽ।शुक्रश्पूज्यः

ज्येष्ट मास.।

कृष्णा ४ चंद्रे मूले ल.गो.१०रे.६।।।।।ऽ।

शुक्ला १ शनौ रोहि. ल.अन्यगो. १०रे.६।।ऽबु।।।।।

अन्यगो.भौ. १ दोषः

,, २ रवौ मृगे ल. अन्यगो. ६ रे. ७।।।ऽऽनृऽ।।

अन्यगो. भौम १ दोषः।

,, ७ शुक्रे मघा. ल.६ (घ.३६।५४उ.)रे.८।।।।ऽरोऽ।।

,, ८ शनौ मघा.ल.अन्यगो.६रे.६।।।।।।ऽ।।अन्यगो. भौ.१दोषः

,, १४ शुक्रे अनु.ल.६ १० (घ. ७।४४उप.)रे.७ऽ।।।ऽ चोऽ।।

प्र. आषाढ़ मासः।

कृष्णा १ रवौ मूले ल.गो.१०रे.७ऽऽ ।।ऽरो।।।। गोधू. भौ. १ दोषः

,, ६ रवौ उभा. ल. ६।१० रे. ६।।।ऽऽचोऽऽ।।

कार्तिक मासः।

शुक्ला १२ गुरौ रेव. ल. गो. ६रे. ६।।।।।ऽनृ ।।। कन्या-लग्नेचंद्र ७ मध्यमः

मार्गशीर्ष मासः।

कृष्णा १ चंद्रे रोहि. ल. ६रे.७।।।ऽऽरोऽऽ।

,, २ भौमे भृगे ल ६(घ.४८।२१या.)रे.६।।।।ऽ।

,, ६ रवा मघा. ल.६रे.७।।।ऽऽचो।ऽ।शु.३पू.

,, १२ शनौ स्वा. ल. ६रे ८।।।ऽ।ऽ।शु. ३पूज्यः कृष्णानंगचतुर्दिनम्

शुक्ला २ गुरौ उषा ल.६रे.६।।।।ऽरो।।।।

फाल्गुत मासः।

कृष्णा ७ शनौ अनु. ल. अन्यगो. ६।१०रे. ७ऽ।।।।ऽऽ।।

,, ६ चन्द्रे मूले ल.अन्यगो.१०रे ८।।।।।ऽऽ।।मकर-लग्न घ. ५५।३४ यावत्

शुक्ला २ चन्द्रे रेव. ल.६।१०रे.६।।।।।ऽ।।

,, ६ शुक्रे रोहि ल. अन्यो.६।१० रे. ७।।।ऽऽऽ।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| श्रीचैत्रशुक्लपक्षः सं.२०२६ शाकः १८९१ |दि.|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः |वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः५४६२स १९६९

१	बु	६	३५	उ	५	२२	न	५५	४८	ब	६	३५	२९/३३	६/१	५/९	१९	२८	३०	मीने
२	गु	५	४४	रे	७	२०	ऐं	५४	१२	की	५	४४	५७	१	५९	२०	२९	१	मे ७।२४
३	शु	६	४८	अ	९	२९	वै	५३	१८	ग	६	४८	३०/१	९/०	९/०	२१	३०	२	मेषे
४	श	९	५२	भ	१३	४२	वि	५४	७	वि	७	४२	६	५/९	१	२२	१	३	वृ.३०।१३
५	र	१३	५३	कृ	१९	४६	प्री	५५	३५	त्रा	१३	५३	१०	५८	२	२३	२	४	वृषे
६	चं	९	६	रा	२६	२९	आ	५७	३८	तै	१९	६	१	५७	३	२४	३	५	बृषे
७	मं	२५	३९	मृ	३४	१	सो	६०	०	व	२५	३९	१८	५६	४	२५	४	६	मि०।१५
८	बु	३१	४९	आ	४१	३३	सौ	०	४	ब	३१	४९	२३	५५	५	२६	५	७	मिथुने
९	गु	३७	५०	पु	४८	३२	शो	२	१०	त्रा	४	४९	२७	५५	५	२७	६	८	क.३१।४७
१०	शु	४२	५४	पु	५४	३४	अ	३	५३	तै	१०	२२	३१	५४	६	२८	७	९	कर्के
११	श	४६	४०	श्ले	५९	१२	सु	४	३२	व	१४	४७	३५	५३	७	२९	८	१०	सिं५९।१२
१२	र	४८	४५	म	६०	०	धृ	३	५१	ब	१७	४२	३९	५२	८	३०	९	११	सिंहे
१३	चं	४९	५	म	२	६	शु	२/५	५६/४३	की	१८	५५	४४	५१	९	३	१०	१२	सिंहे
१४	मं	४७	३६	पू	३	१६	बृ	५४	१६	ग	१८	२०	४८	५०	१०	१	११	१३	क.१८।९
१५	बु	४४	४४	उ	२	४९	ध्रु	४८	३७	वि	१६	१०	५२	५०	१०	२	१२	१४	कन्या

चन्द्रद. संवत्सरारंभ नव त्रारंभः
सिंधारा,मत्स्यज मोहोरम१स.१३८९हि
भ. ३/१५ उ. भायां बुधः ४/९ गणगौरी
भ.४/२ या.ज्ये.भौमः ५/२० रा.चैत्रारंभः
=उफा.३गुरु-३/३ रामदा११ब्र.
÷अस्त शनेः ६।८ अप्रेलमा.४ता.३०
भ. २५।३९ उ. ५८।४४ या.
मीनेबधः ५/१ वर्म्ति बुधः ३६।३८
उभा १राहुः उफा २केतुः २/३ रामनवमी
उभायां बुध ४०।४१
भ. १४।४७ उ. ४६।४० या. वक्री=
दृश्यो रेवत्यां रविः ५/१ (सौर: ५/७
प्रदोष व्रतम्
भ. ४/३ उ. वक्री रेव.मीने शुक्रः२।२०÷
भ.१६।१०या. हनुमज्जयंती

५०पं चै.शु.४श.इ. १/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	५	०	०	११	११
८	१६	२१	७	३	१	६	८
३	२१	५४	३६	२०	३७	५५	४
१८	३८	४७	४०	३१	३७	३४	४/४
५९	१७	०/०	५२	१८	६	३	५९
९	४९	९	ब	ब	५९	११	३५

गोचरग्रहाः

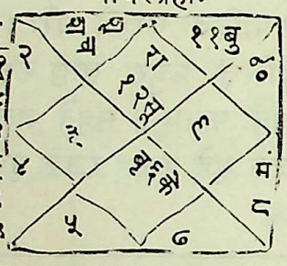

इस मास में रस पदार्थ घृत तिल तेल गुड़ खांड़ आदि तेज होंगे। रुई चांदी सोना सण भूत मंदा हो

गोचरग्रहाः

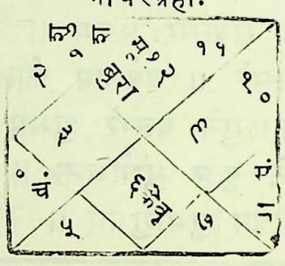

५१पं.चै.शु. ११श.इ. १/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	५	०		११	११
१४	८	४	६	१	२	६	१५
५९	२९	२२	४२	८	२९	३३	०
१३	५७	४१	३०	१३	१०	१८	५३
५९	१४	०/०	४८	२४	७	३	५५
१६	१७	९	ब	ब	६	११	१८

२	वै	१९	५९	उ	५	५७	व्या	८२	८	वा	१२	३४	३०/३९	४९/०	६/१	३	१३	१५	तु.२९।७
२	शु	३५	२३	स्वा	५४	३५	ह	३४	५९	ते	७	५४	३१/०	४८	१२	४	१४	१६	तुलायां
३	श	२९	२९	वि	५०	३४	व	२७	२९	व	२	२६	४	४७	१३	५	१५	१७	वृ ३६ ३४
४	र	२३	४१	अ	४६	३७	सि	१९	५४	ा	२३	४१	८	४६	१४	६	१६	१८	वृश्चिके
५	चं	१७	४९	ज्ये	४२	४२	व्य	१२	२४	ते	१७	४९	१२	४६	१४	७	१७	१९	ध ४२।४२
६	मं	१२	७	मृ	३९	६	व	५९/४	४३/४४	ब	१२	७	१६	४५	१५	८	१८	२०	धनुनि
७	बु	६	४७	पू	३५	४२	शि	५०	५१	व	६	४७	२०	४४	१६	९	१९	२१	म.४९।५८
८	गु	१	३८	उ	३२	४४	सि	४४	४	की	१	३८	२४	४३	१७	१०	२०	२२	मकरे
९	गु	५५	२६	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	शु	५२	३१	अ	२९	५७	सा	३७	५१	व	२४	४७	२८	४२	१८	११	२१	२३	कु.५९।१
११	श	४८	४३	ध	२८	५	शु	३२	८	ब	२०	३७	३२	४२	१८	१२	२२	२४	कुम्भे
१२	र	४५	३६	श	२६	३४	ु	२६	५८	की	१७	९	३६	४१	१९	१३	२३	२५	कुम्भे
१३	चं	४३	१४	पू	२५	४६	ल	२१	११	ग	१४	२५	४०	४०	२०	१४	२४	२६	मी १०।५८
१४	मं	४१	५३	उ	२६	८	ऐं	१८	२४	वि	१२	३४	४३	३९	२१	१५	२५	२७	मीने
३०	बु	४१	५३	रे	२७	३९	वै	१५	४१	च	११	५३	४७	३९	२१	१६	२६	२८	मे.२७।३९

वैशाख कृष्णपक्षः सं.२०२६ शाकः१८९१ |दि.|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृ. महाराष्ट्राः

रेवत्यां बुधः ३७।३१
भ.२/२ उ.२/२ या.शुक्रा.पश्चि.३/१२ अश्वि.२X
Xशनिः ४।१९ च. ब्र. शु.अ.प.

भ. १२।७ उ. ३९.२७ या.

=वरूथिनी ११ ब्र. नि.
*शुक्रोदयः पूर्वस्यां०।२४ शु.उ.पू.
भ.२४/४७ उ.५२/३१ या.अश्वि.मेषेबुधः१।४७*
वरूथिनी ११ ब्र. स्मा. वै.
दृश्योऽश्वि.मेषेऽर्कः ३/४९ (सौर:२८।३१)=
भ. ४३।१४ उ. प्रदोषः
भ. १२।३४ या.
देवपितृ कार्याऽमा.

५२पं.बै.कृ.३श.इ. १/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	५	११	०	११	११
२१	२०	१५	५	२७	३	६	२१
५३	३७	५१	५०	२३	२१	११	५५
३१	५५	५३	३०	५८	१०	२०	४
५९	१०	०/०	२०	३४/३७	७	३	५९
४	१३	३२	ब	ब	१४	११	४

गोचरग्रहाः

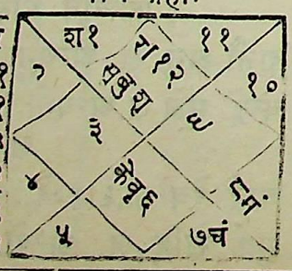

वै. कृ. १२ रवौ मेषेऽर्कः प्र. वा. २ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० (धान्यभाव सम) शु.पू.

गोचरग्रहाः

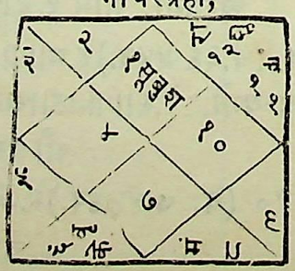

१पं.वै.कृ.१२र.इ. २/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	५	११	०	११	०
० २२	५	४	२२	४	५	०	
०	८	७	५४	५९	२३	४४	१
०	५६	२६	२	५६	१३	५५	१३
५८	५	२९/३९	२९/४७	३३/४७	७	३	५८
४४	१७	९	ब	ब	२०	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

वि. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२६शाकः१८९१ दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चद्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५४९१स.१९६९

| | | |

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०२६ शाकः १८९१ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५५२१स. १९६९

१	ग	२१	५०	ग	६०	०	अ	३३	५४	ब	२१	५०	३३/३३	५/१७	६/४३	१७	२७	२९	वृषे	चंद्रदर्शनम
२	र	२७	७	रो	४	४८	सु	३५	२९	कौ	२७	७	३६	१७	४३	१८	२८	१	मि ३८।२२	रविलावल ३
३	चं	३३	५	पु	११	५६	धृ	३७	५२	तै	०	६	३९	१६	४४	१९	२९	२	मिथुने	पश्चिमास्तो बुधः ३३।२८
४	मं	३९	१४	आ	१९	२०	शू	४०	१९	व	६	९	४१	१६	४४	२०	३०	३	मिथुने	भ. ६।९ उ. ३९।१४ या.
५	बु	४५	३२	पु	२७	७	गं	४३	२	ब	१२	२३	४३	१५	४५	२१	३१	४	क १०।१०	मार्गी गुरुः ९।४९
६	गु	५१	२१	पु	३४	३१	दृ	४५	१०	कौ	१८	२६	४६	१५	४५	२२	१	५	कर्के	पातस्पर्शः ४/९ पातमोक्षः ५/३ रा.ज्येष्ठारंभः
७	शु	५६	५	श्ले	३९	५४	ध्रु	४६	२१	ग	२३	४३	४८	१४	४६	२३	२	६	सिं ३९।५४	भ. ५६।५ उ.
८	श	५९	३५	म	४६	१	व्या	४६	४०	वि	२७	५०	५०	१४	४६	२४	३	७	सिंहे	भ. ३७/५० या. दृश्योरोहि. रवि. ४/४७ (सौरः ५१/४३)
९	र	६०	०	पू	४९	२६	ह	४५	३१	ग	३०	२९	५२	१४	४६	२५	४	८	सिंहे	
९	चं	१	२३	उ	५१	७	व	४२	५३	कौ	१	२३	५४	१३	४७	२६	५	९	क. ४।५१	गंगादशमी
१०	मं	०	५९	ह	५०	३१	सि	३८	२८	ग	०	५९	५६	१३	४७	२७	६	१०	कन्यायां	भ. ३९/९ उ. ५३/२ या. निर्जला ११ब्र. स्मा.
११	मं	५७	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×निर्जला ११ब्र वै.
१२	बु	५४	३	चि	४८	५	व्य	३२	३५	ब	२६	१७	५८	१२	४८	२८	७	११	तु. १९।१८	अश्वि. मेषेशक्रः ५/५ प्रश्वि. ४शनिः ५१।४६×
१३	गु	४९	४९	स्वा	४३	४१	व	२५	२	कौ	२०	५६	३०/०	१२	४८	२९	८	१२	तुलायां	पूभा. ४राहुः उफा. २केतुः ४।५६ प्रदोषः
१४	शु	३९	५६	वि	३७	४४	प	१८	५२	ग	१३	५२	२	१२	४८	३०	९	१३	बृ. २४।१३	भ. ३९।५६ उ.
१५	श	३१	७	आ	३१	४.	शि	३२/६	५०/४९	वि	५	३१	४	११	४९	३१	१०	१४	वृश्चिके	भ. ५।३१ या. वक्री अनु. भौमः ३६।९

६पं.ज्ये.शु.२र.इ.३०।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	१	५	११	०	११	१
३	२०	८	२	२३	८	३	३
५८	४०	३१	३९	१	४६	५३	५५
२६	१	८	५८	३३	३०	३६	२१ के
५७	१६	९	२८	३५	६	३	५७ ६ बृ
४४	बृ	बृ	बृ	३८	५३	११	३४

गोचरग्रहाः

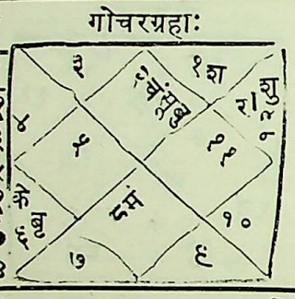

इस मास में ५ शनिवार अशुभ है। भूकंप अग्नि भय युद्धभय हो। धान्यअनाज गल्ला बूरुई रेसम सोना चांदी तेज रहे।

गोचरग्रहाः

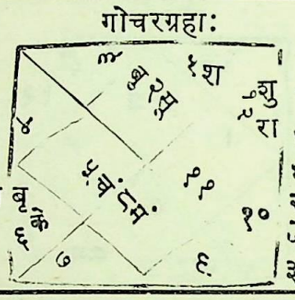

७पं. ज्ये.शु. ९र.इ.३१।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	१	५	११	०	११	१
१०	१८	१६	३	२७	९	३	१०
४२	३८	१९	२८	३०	२५	११	३७
२५	४५	९	३	२८	५२	२१	३२
५७	५४	५९	४६	४२	६	३	५७
३५	बु	ब	मा	४७	३६	११	२३

ति.प्र.आषाढ़कृष्णपक्षः सं० २०२६ शाकः १८९१ दि. | उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति महाराष्ट्राः

१	र	२१	४८	ज्ये	२३	४६	सा	४५	५७	कौ	२१	४८	३४/६	५/११	६/४९	१	११	१५	ध. २३।४६	जून मा. ६ ता २०
२	चं	१२	२३	मू	१६	३०	शु	३५	४८	ग	१२	२३	७	११	४९	२	१२	१६	धनुषि	भ. ३७।५२ उ.
३	मं	३	२१	पू	९	४९	शु	२६	१२	वि	३	२१	९	१०	५०	३	१३	१७	म. २३ २०	भ. ३।२१ या. च. ब्र
४	मं	५१	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[*रोहि बुधः ३०।३७ प्रदोषः
५	बु	४८	५	उ	५३/५	५६	त्र	१७	१९	कौ	२१	३५	१०	१०	५०	४	१४	१८	मकरे	[×उफा. ३ गुरुः २३।३०
६	गु	४२	३०	ध	५६	१०	ऐं	९	३८	ग	१५	१७	१२	१०	५०	५	१५	१९	कु. २८।२	भ. ४२।३० उ.
७	शु	३८	३३	श	५४	३८	वै	११/३	५४/४४	वि	१०	३१	१३	९	५१	६	१६	२०	कुम्भे	भ. १०।३१ या.
८	श	३६	१	पू	५४	२६	प्री	५३	५०	बा	७	१७	१४	९	५१	७	१७	२१	मी ३९।२९	दृश्यो मृगे रविः ४१।४३ (सौरः ५०।३२)+
९	र	३४	५५	उ	५५	४९	आ	५१	५	तै	५	२८	१६	९	५१	८	१८	२२	मीने	वक्री कृत्ति. बुधः ५८ १७
१०	चं	३५	३५	रे	५८	४३	सो	४९	३१	व	५	१५	७	९	५१	९	१९	२३	मे. ५८।४३	भ. ५।१५ उ. ३५।३५ या.
११	मं	३७	२१	अ	६०	०	शो	४८	४९	ब	६	२८	१८	८	५२	१०	२०	२४	मेषे	यो गनी ११ ब्र.
१२	बु	४०	२७	अ	२	४४	अ	४९	३०	कौ	८	५४	१९	८	५२	११	२१	२५	मेषे	[+बुधोदयः वर्स्यां
१३	गु	४४	३२	भ	७	४३	सु	५०	१०	ग	१२	३०	२०	८	५२	१२	२२	२६	बृ. २४।१२	भ. ४४।३२ उ मार्गी बुधः १।१०*
१४	शु	४९	३३	कृ	१३	३८	धृ	५१	५३	वि	१७	२	२१	८	५२	१३	२३	२७	वृषे	भ. १७।२ या भरण्यां शुक्रः ४४।२८
३०	श	५५	१२	रो	२०	४०	शू	५३	४७	च	२२	२३	२१	८	५२	१४	२४	२८	मि ५४।१३	दृश्यो मिथुनेऽर्कः ४/२५ (सौरः ५११।१९ ×

८पं.प्र.आ. कृ.१र.इ.३१।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	१	५	०	०	११	१
१७	१६	१२	२	२	१०	३	१७
२५	२३	४०	४४	४	२३	९	२८
८	४५	५१	५६	११	२०	५	३८
७	५५	३१	२	४९	६	३	५७
७	ब	ब	४	५३	२३	११	१३

गोचरग्रहाः

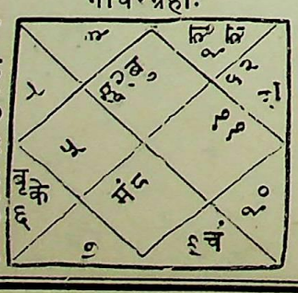

प्र.आ.कृ.३०शनौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४नं५ सुतार्थिन्य-वस्था (सूती) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

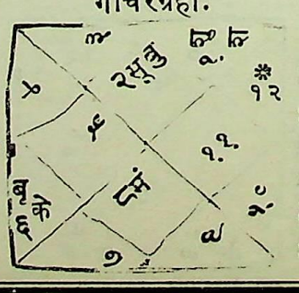

९पं.प्र.आ.कृ ९र.इ.३१।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	१	५	०	०	११	१
२४	१४	१०	३	८	११	२	२३
७	८	६	१	४२	८	४६	५८
१२	१६	४६	४४	०	२७	४९	३४
५७	५९	३६	३	५४	६	३	५७
२२	ब	ब	२३	३५	७	११	५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त. प्र आषाढ शुक्लपक्षः सं.२०२६ शाकः १८९१ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ५५५०स.१९६९

१	र	६०	०	पू	२७	४७	गं	५६	४	कं	२८	८	३४	५	६	१५	२५	२९	मिथुने	अधिक मास प्रारम्भ
१	चं	१	५	आ	३५	२१	वृ	५८	३८	ब	१	५	२२	८	५२	१६	२६	३०	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	७	१३	पु	४२	५८	बु	६०	०	कौ	७	१३	२३	७	५३	१७	२७	१	क.२६।४	रविलाखर ४
३	बु	१३	२०	पु	५०	२०	धु	१	११	गा	१३	२०	२३	७	५३	१८	२८	२	कर्के	भ. ४६।१९ उ.
४	गु	१९	१८	श्ले	५७	७	श्रे	३	१७	वि	१९	१८	२३	७	५३	१९	२९	३	सिं५७।७	भ. १९।१८ या.
५	शु	२४	१५	म	६०	०	ह	५	१	वा	२४	१५	२४	७	५३	२०	३०	४	॑मिथु	
६	श	२८	१२	म	२	५९	व	६	१३	ते	२८	१८	२४	७	५३	२१	३१	५	सिंहे	दृश्यः आर्द्रा.रविः ४/१३ (सौरः५२।५२)
७	र	३०	५०	पू	७	३९	सि	६	१२	व	३०	५०	२४	७	५३	२२	१	६	क.२३।२८	भ ३०।५०उ. रा. आषाढारम्भः
८	चं	३१	३४	उ	१०	५२	व्य	४	५०	बि	१	१२	२४	७	५३	२३	२	७	कन्यायां	भ. १।१२ या.
९	मं	३०	४०	ह	१२	१२	व	११ ३२	५५ ३९	वा	०	७	२४	७	५३	२४	३	८	तु.४१।५३	
१०	बु	२७	४०	चि	११	३४	शि	५१	५९	ग	२७	४०	२३	७	५३	२५	४	९	तुलायां	भ. ५५।१३ उ.
११	गु	२२	४५	स्वा	८	५५	सि	४५	२९	वि	२२	४५	२३	७	५३	२६	५	१०	बृ.५०।३९	भ. २२।४५ या. कमला ११ व्रतम्
१२	शु	१५	५२	वि	३४	५४ ००	सा	२६	५२	बा	१५	५२	२३	७	५३	२७	६	११	बृश्चिके	कृत्तिका शुक्रः २८।३७ प्रदोषः
१३	श	८	३८	ज्ये	५१	२२	शु	२५	५९	ते	८	३८	२२	८	५२	२८	७	१२	ध.५१।२२	भ. ५८।१० उ.
१४	श	४९	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	र	४८	११	मू	४३	३०	शु	१५	२४	वि	२३	१०	२२	८	५२	२९	८	१३	धनुषि	भ.२३।१०या. मृगे बुधः५१।२३

१०पं.प्र.आ.शु.१र इ. ३१/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	१	५	०	०	११	२
०	१२	१०	३	१५	१	२	०
४८	२	४	२५	३	५१	२४	३७
२५	५२	४९	१२	३२	२८	४	४३
५७	५५	५४	४	५८	५	३	५६
१७	बु	मा	३७	१६	३८	११	५७

११पं.प्र.आ.शु.७र.इ. ३१/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	१	५	०	०	११	२
०	७	१०	१५	३	२१	१२	२	७
२९	२३	२	५७	४७	३०	२	१६
२४	३८	४२	१८	३४	५७	१८	१०
५७	३२ ७	४७	५	६१	५	३	५६
१३	बु	५२	४३	५	१४	११	५४

१२पं प्र.आ.शु.१५ र.इ. ३०/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	५	०	११	२		
१४	९	२२	४	२८	१३	१	१३
९	२२	५२	३७	४९	७	४०	१४
५०	१	१५	८	१९	१९	३	१५
५७	५५	८१	६	६२	४	२	५९
७	बु	३३	४३	२०	४६	११	५०

ति. द्वि आ. कृष्णपक्षः सं० २०२६ शाकः १८९१ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तुः रविर्दक्षिणेप्र.आ.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	चं	३७	५६	पू	३५	३५	न	२६	४९	गा	१३	४	३४ २१	५	६ २	०	९	१४	म.४८।४०	वृषे शुक्रः ३७।५६
२	मं	२८	१९	उ	२७	५६	चै	४३	११	ते	३	८	२०	८	५२	१	१०	१५	मकरे	भ ५/३ उ. जौलाई मा. ७ ता.३१
३	बु	१९	२४	अ	२१	११	वि	३३	३७	वि	१९	२४	१९	८	५२	२	११	१६	कु.४८।३५	भ १/२४ या. भरणी १शनिः १/३७ च. ब्र
४	गु	११	५३	ध	१५	५९	गी	२५	१८	गा	११	५३	१८	८	५२	३	१२	१७	कुम्भे	मार्गी भौमः ११।३७
५	शु	६	२	श	१२	१९	आ	१८	१७	ते	६	२	१७	९	५१	४	१३	१८	मीं५६।०	मिथुने बुधः ३०।५१
६	श	२	५	पू	१०	३४	सौ	१२	५०	व	२	५	१५	९	५१	५	१४	१९	मीने	भ.२।५उ. ३१।११या.दृश्यः पुनर्वसौ*
७	र	०	१७	उ	१०	४२	शो	८	५८	ब	०	१७	१४	९	५१	६	१५	२०	मीने	*रविः ३८।९ (सौरः५६।५३)
८	चं	०	२८	रे	१२	४७	अ	६	३५	कौ	०	१८	१३	९	५१	७	१६	२१	मे.१२।४७	
९	मं	२	८	अ	१६	३५	सु	४	४१	ग	२	१८	११	१०	५०	८	१७	२२	मेषे	भ. ३३।४३उ. आर्द्रा. बुधः १२।१९
१०	बु	५	१८	म	२१	५२	धृ	६	१८	वि	५	१८	१०	१०	५०	९	१८	२३	वृ.३८।२५	भ. ५।१८ या.
११	गु	९	५६	कृ	२८	४	शू	७	१४	बा	९	५६	८	१०	५०	१०	१९	२४	वृषे	रोहि. शुक्रः १८।२९ कमला११व्रतम्
१२	शु	१५	२२	रो	३५	१६	गं	९	११	ते	१५	२२	७	१०	४९	११	२०	२५	वृषे	पूर्वास्तो बुधः १८।१४ प्रदोषः
१३	श	२१	२०	मृ	४२	३४	बृ	११	२६	व	२१	२०	५	११	४९	१२	२१	२६	मिं८।५५	भ. २१।२० उ. ५४।२५ या.
१४	र	२७	३१	आ	४९	५९	धु	१३	५०	श	२७	३१	४	११	४९	१३	२२	२७	मिथुने	
३०	चं	३३	३५	पु	५७	३६	व्या	१६	११	च	०	३३	२	१२	४८	१४	२३	२८	क ४ ।४२	सोमवती३०पुरुषोत्तममास समाप्तिः

१३पं.द्वि.आ.कृ.७र.इ. ३०/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	२	५	१	०	११	२
२०	८	३	५	६	१३	१	२०
५०	५९	३६	२२	९	४०	१७	३२
१०	५२	५०	५५	२१	८	४७	९
५७	३८ ३२	०	१	६५	४	३	५६
७	मा	२२	४४	२	२६	११	५०

गोचरग्रहाः

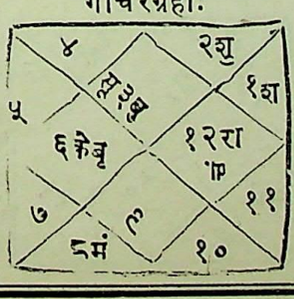

इस मास का फल साधारण है रुई अनाज गल्ला सोना चांदी में तेजी हो कर सुदीमें मंदी हो

गोचरग्रहाः

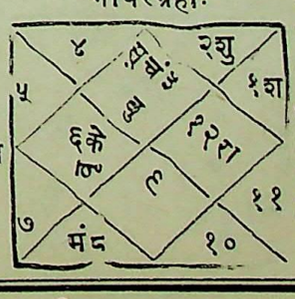

१४पं.द्वि.आ.कृ.११र.इ. ३०/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	२	५	१	०	११	२
२७	९	१६	६	१३	१४	०	२७
३०	१६	५४	१६	३३	८	५५	१०
३२	२६	७	१	१४	२७	३१	१६
५७	७	२९	८	६६	३	३	५६
११	५३	१२	४३	३३	४१	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|द्वि.|आषाढ़शुक्लपक्षः सं.२०२६ शाकः १८९१|दि.|उ.|अ|इं.|रा.|मु.|चन्द्रः|वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५५८०स १६६६

१	मं	३६	३२	पु	६०	०	ह	१८	३२	क	६	३३	३४ ०	५ १२	४८	१५	२४	२६	कर्के	पुनर्वसौ बुधः २।०
२	बु	४४	५४	पु	४	५६	व	२०	४७	ग	१२	१३	३३ ५८	१२	४८	१६	२५	३०	कर्के	दृश्यः कर्के ऽर्कः ३३ सौरः २६ उफा.४ गुरुः +
३	गु	४६	३७	श्ले	११	३६	मि	२२	२७	तै	१७	१५	५६	१३	४७	१७	२६	१	सिं	११.३६ जमादिलावल ५+ ११ १४ चद्रदर्श रथयात्रा
४	शु	५४	२६	म	१७	२५	व्य	२३	१५	व	२२	१	५	१३	४७	१८	२७	२	सिंहे	भ २२।१ उ.५४।२६ या.
५	श	५६	८	पू	२२	१६	व	२३	३३	ब	२५	१७	५०	१४	४६	१६	२८	३	क.	२८।१७ दृश्यः पुष्पेरविः ३६ ५० वर्के बुधः ४० १४
६	र	५७	३२	उ	२६	११	प	२२	५६	कौ	२६	५०	५०	१४	४६	२०	२६	४	कन्यायां	पुष्पे रविः सौरः ० १८
७	चं	५७	३१	ह	२६	३४	शि	२१	१६	ग	२७	३२	४७	१५	४५	२१	३०	५	तु.	५६।२३ भ ५७ ३१ उ पुष्पे बुधः १५ ३
८	मं	५५	५६	चि	२६	३१	सि	१८	२३	वि	२६	४३	५५	१५	४५	२२	३१	६	तुलायां	भ २६।४३ या. मृगेऽर्कः २३।४२
९	बु	५२	३८	स्वा	२८	५६	सा	१४	६	ग	२४	१७	५२	१६	४४	२३	१	७	तुलायां	रा. श्रावणारम्भः
१०	गु	४७	३७	वि	२६	३५	शु	८	२६	तै	२०	८	४०	१६	४४	२४	२	८	वृ.	१२।१०
११	शु	४१	१०	अ	२२	४६	शु	३६	१५ ४०	व	१४	२४	३७	१७	४३	२५	३	९	वृश्चिके	भ. १ २४ उ. ४ १० या देवशयनी ११ व्र स्मा.वै.
१२	श	३३	५४	ज्ये	१७	२५	ऐं	४४	१२	ब	१	१२	२५	१७	४३	२६	४	१०	ध.	१७।२५ देवशयनी ११ व्र. नि. प्रदोषः
१३	र	२४	१०	मू	११	४८	वै	३४	६	तै	२४	१४	३०	१८	४२	२७	५	११	धनुषि	आश्लेषा. बधः ३७।१६
१४	चं	१४	२६	पू	१८ ५६	५६	वि	२३	३१	व	१४	२६	२६	१८	४२	२८	६	१२	म.	१६।३८ भ १ २६ उ. ३ ६ या. मिथुनेशुक्र २३ १५ वा.प.
१५	मं	४	४७	श्र	४८	६	मी	१२	४७	ब	४	४७	२६	१९	४१	२६	७	१३	मकरे	व्यास ' जा

१५ पं.द्वि आ.शु.६र इ ३० ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	५	१	०	१०	३
४	१०	४	७	२१	१४	०	३
११	९	५५	१४	२	३३	३३	४८
५७	२०	३९	२०	१४	१०	१६	४३
५७	१२	८	५	६७	३	३	५६
१३	८	२०	२	४७	२	११	५७

गोचरग्रहाः

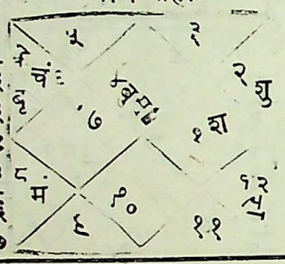

द्वि. आ. शुक्ले २ बुधेकर्केऽर्कः प्र. वा ५८.५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव सम) शु. पू.

गोचरग्रहाः

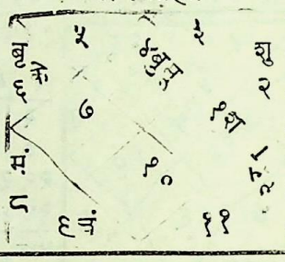

१६ पं.द्वि.आ शु.१३ र.इ ३० २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	२				११	३
१०	११	१६	८	२८	१४	०	१०
५२	३	२६	७	१९	५२		२८
१९	३३	२	४९	२७	४५	०	१०
५७			०	२८	२	३	५७
२०	१९	५८	११	४९	२९	११	५

त|श्रावण कृष्णपक्षः सं.२०२६ शाकः १८९१|दि.|उ.|अ|इं.|रा.|मु.|चन्द्रः|वर्षर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.आ कृष्णेतिमहा.

१	मं	५०	१८	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	८	०	०	०
२	बु	४६	२२	ध	४१	२६	आ	२ २६	५० १७	तै	२०	४३	३३ २४	५ १६	४१	३०	८	१४	कु.	१४।४६ पूभा.३ कुम्भे राहुः उफा. १ सिंहेकेतुः ५७ ४७
३	गु	३६	२	श	३५	५६	शो	४४	७	व	१२	४२	२१	२०	४०	३१	६	१५	कुम्भे	भ १२।४२ उ. ३६।२ या. च व्र.
४	शु	३३	२६	पू	३२	२१	अ	३६	५६	ब	६	१४	१८	२०	४०	१	१०	१६	मी	१८।१५ अगस्त ८ ता. ३
५	श	३०	५	उ	३०	२५	सु	३१	२२	कौ	१	४६	५	२१	३६	२	११	१७	मीने	दृश्य आश्लेषा रवि ३ ५ ना.गं. मरुस्थले
६	र	२८	५०	रे	३०	४७	धृ	२७	२६	व	२८	५०	१२	२२	३८	३	१२	१८	मे.	३०।४७ भ. २८ ५० उ. ५ ६ या आश्ले रविः सौरः ७ सिंहे *
७	चं	२६	४०	अ	३३	८	शु	२५	१७	ब	२६	४०	६	२२	३८	४	१३	६	मेषे	बुधोदयः पश्चिमायां ७।२६
८	मं	३२	२१	भ	३७	३५	गं	२४	५०	बा	१	०	६	२३	३७	५	१४	२०	वृ	५४।१ *बुधः ३०।५५ आर्द्रा.शुक्रः १६।५२
९	बु	३६	४७	कृ	४३	१६	बृ	२५	१८	तै	४	३४	३	२३	३७	६	१५	२१	वृषे	हस्ते १ गुरुः ३१।३१
१०	गु	४२	१६	रा	५०	१७	शु	२६	४५	व	६	३२	०	२४	३६	७	१६	२२	बृषे	भ. ६।३२ उ. ४२।१८ या.
११	शु	४८	१८	मृ	५७	४६	व्या	२६	१४	ब	१५	१७	५ २	२५	३५	८	१७	२३	मि	२४।१ कामिका ११ व्र.
१२	श	५४	५५	आ	६०	०	ह	३१	४०	कौ	२१	३६	३	२५	३५	९	१८	२४	मिथुने	
१३	र	६०	०	आ	५	३४	ब	३४	२०	ग	२७	५५	५०	२६	३४	१०	१९	२५	क.	५६।१० प्रदोषः व्रतम्
१३	चं	०	५६	पु	१३	२	सि	२६	३४	व	०	५६	४७	२७	३३	११	२०	२६	कर्के	भ. ५ ६ उ ३३ २ या पूफायां बुधः ४।१८
१४	मं	५	५९	पु	२०	१२	व्य	३८	३२	श	५	५९	४३	२७	३३	१२	२१	२७	कर्के	ज्येष्ठायां भौमः १९।४७
३०	बु	११	४६	श्ले	२६	१९	व	३९	४१	ना	११	४६	४०	२८	३२	१३	२२	२८	सि	२६।१९ हरियाली ३०

१७ पं. श्रा.कृ.६र.इ.३० १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	५	२	०	१०	३
१७	१३	२९	९	६	१५	२९	१७
२४	३३	५८	२७	५२	८	४८	७
१	५४	५२	०	८	१६	४५	२८
५७	१९	२	१०	६९	१	३	५७
२५	३०	५०	५५	३७	४४	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ बुधवार घृत तैल गुड़ आदि रस तेज करे। रुई चांदी सोना सम सूत गेहूँ मदा।

गोचरग्रहाः

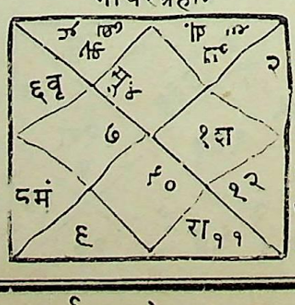

१८ पं.श्रा.कृ.१ र.इ ३० १०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	४	५	२	०	१०	३
२४	१५	१२	१०	१४	१५	२९	२३
१६	५७	१८	३९	५२	१८	२६	४८
२६	४६	५०	१	१२	२५	२९	५५
५५	२३	०	१	७०	१	३	५७
३३	७	३९	२६	२५	८	११	२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

नि. श्रावण शु. कृष्णपक्षः सं २०२६ शाकः १८९१ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६१०स.१९६९

१	गु	१५	१४	म	३१	४७	प	४०	१५	व	१५	१४	३२/३६	५/२९	६/३१	१४	२३	२९	सिंहे	पुनर्वसौ शुक्रः ५९।१३
२	शु	१८	४०	पू	३६	२२	शि	४०	१३	की	१८	४०	३३	२९	३१	१५	२४	३०	क.५२।१४	चद्रद सिधारा
३	श	२०	४७	उ	३९	५०	सि	३९	१२	ग	२०	४७	२९	३०	३०	१६	२५	१	कन्या	भ. ५/१३ उ. दृश्यो मघा. सिंहेऽर्कः २७/४९*
४	र	२१	३८	ह	४२	९	सा	३७	१३	वि	२१	३८	२६	३१	२९	१७	२६	२	कन्यां	भ २१।३८ वग्द ४
५	चं	२१	३५	चि	४३	३६	शु	३४	३७	बा	२१	३५	२२	३२	२८	८	२७	३	तु. १२।५२	नाग५ *(सौरः५/३२)तीज जमादिलाखर६
६	मं	२०	२०	स्वा	४३	५०	शु	३१	९	ते	२०	२०	१९	३२	२८	१९	२८	४	तुलायां	उफायां बुधः ३८।४०
७	बु	१७	५२	वि	४२	४९	-	६	४१	व	१७	५२	५	३३	२७	२०	२९	५	बृ. २८।४	भ. ५/२ उ. ४/९ या. वक्रीशनिः ५५।८
८	गु	१४	२०	अ	४०	३५	ऐं	२१	८	ब	१४	२०	११	३४	२६	२१	३०	६	बृश्चिके	
९	शु	९	३५	ज्ये	३७	२८	वै	१४	४३	की	९	३५	८	३४	२६	२२	३१	७	ध.३७।२८	कन्या. बुधः ०।१५
१०	श	३	४०	मू	३२	५३	वि	२०	७/३९	ग	३	४०	४	३५	२५	२३	१	८	धनुषि	भ.३०उ ५/४०या.कर्के शुक्रः ३/३१पवित्रा×
११	श	५३			०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	×११ ब्र. स्मा. रा. भाद्रपदारंभः
१२	र	४८	४१	पू	२७	२५	भा	५०	२	ब	२२	४०	०	३६	२४	२४	२	९	म.४०।५४	हस्ते २ गुरुः५/१२ पवित्रा ११ ब्र.वै.
१३	चं	४०	१४	उ	२१	२१	सौ	४०	२६	की	१४	२७	३/५६	३७	२३	२५	३	१०	मकरे	प्रदोषः
१४	मं	३१	३४	अ	१४	५३	शो	३०	३४	ग	५	५४	५२	३८	२२	२६	४	११	कु.४१.३९	भ.३/३४उ ५/२या.पुष्ये शुक्रः १९।११
१५	बु	२३	१०	ध	८	२५	अ	२१	५	ब	२३	१०	४८	३८	२२	२७	५	१२	कुम्भे	श्रावणी कर्म. रक्षा बन्धनम्

१९पं.श्रा.शु ४र.इ.३०।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	५	२	०	१०	४
०	१८	२३	११	२२	१५	२९	०
५९	४८	२	५५	८	४	-	३१
४९	३९	४	४८	३०	७	१	८
५०	२५	९०	१२	७१	०	३	५७
४०	४	५५	२	१२	११	३४	

गोचरग्रहाः

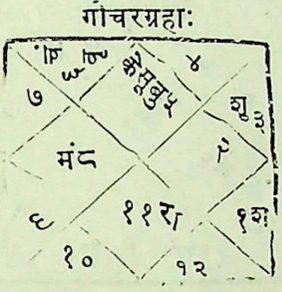

श्रावण शु. ३ श. सिंहेऽर्कः प्र. वा.४ न ४ प्रग- ल्भावस्था बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समता शु.प्र.

गोचरग्रहाः

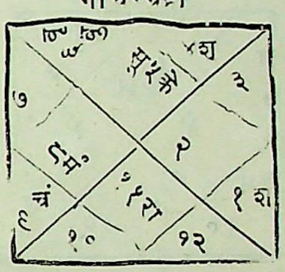

२०पं.श्रा शु.१२श.इ.२९/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	५	३	०	१०	४
७	२१	३	१३	१	१५	२८	७
४४	५९	१५	१५	९	२४	४१	१४
१७	४५	५४	३६	३६	३	५८	४१
५७	२८	७८	१२	७१	२२/०	३	५७
४८	१४	३४	२०	३४	ब	११	४५

१	गु	१५	४६	श	३४/३८	५५/१६	सु	१२	८	की	१५	४६	३१/४४	५/३९	६/२१	२८	६	१३	मी४४।१	
२	शु	९	३३	उ	५४	३५	धृ	५९/५८	३/५५	ग	९	३३	४०	४०	२०	२९	७	१४	मीने	भ. ३७।१७ उ. हस्तेबुधः ५२।४४
३	श	५	१	रे	५३	१६	ग	५१	४०	वि	५	१	३६	४१	१९	३०	८	१५	मे.५३।१६	भ.५।१या दृश्यःपूफायारवि१७।२३*
४	र	२	४०	अ	५४	१०	यृ	५७	५४	ग	२	४०	३२	४२	१८	३१	९	१६	मेषे	सौरः४८।२४) च.ब्र.
५	चं	२	१६	भ	५७	५	धु	४६	१	तै	२	१६	२८	४२	१८	१	१०	१७	मेषे	चंद्रषष्ठी सितम्बर ९ ता. ३०
६	मं	४	६	कृ	६०	०	व्या	४५	३३	व	४	६	२५	४३	१७	२	११	१८	वृ.१३।१५	भ. ४।६ उ. ३५।५७ या.
७	बु	७	४९	कृ	१	४६	ह	४६	१५	च	७	४९	२१	४४	१६	३	१२	१९	वृषे	जन्माष्टमी ब्र स्मा. श्र कृष्णजयन्ती
८	गु	१२	५३	रा	८	२	व	४८	९	की	१२	५३	१७	४५	१५	४	१३	२०	मि ४१।३५	जन्माष्टमी ब्र. वै.
९	शु	१८	४८	मृ	१५	८	सि	५०	१६	ग	१८	४८	१३	४५	१५	५	१४	२१	मिथुने	भ. ५२।१ उ. गोगा ९
१०	श	२१	१५	आ	२२	४३	व्य	५२	५२	वि	२५	१५	९	४६	१४	६	१५	२२	मिथुने	भ.१५/५या.आश्लेषा शुक्रः३४।५१
११	र	३१	१८	पु	३०	१८	व	५५	१४	बा	३१	१८	५	४७	१३	७	१६	२३	क.१३।२४	अजा ११ ब्र
१२	चं	३७	१	पु	३७	१९	प	५७	८	की	४	९	१	४८	१२	८	१७	२४	कर्के	मूले धनुषि भौमः५४।५० वत्स१२
१३	मं	४१	५४	श्ले	४३	५०	शि	५८	२३	ग	७	५७	३०/५७	४९	११	९	१८	२५	सिं४३।५०	भ. ४१।५४ उ. प्रदोषः
१४	बु	४५	२२	म	४८	४६	सि	५८	३५	वि	१३	३८	५३	४९	११	१०	१९	२६	सिंहे	भ. १३।३८ या. हस्ते३ गुरुः१६।४
३०	गु	४७	४९	पू	५२	५०	सा	५७	५६	च	१६	३६	४८	५०	१०	११	२०	२७	सिंहे	कुशाग्रहणी

२१पं.भा.कृ.४र.इ.४९/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	५	३	०	१०	४
१४	२५	११	१४	९	-५	२८	१३
२९	२९	३६	३७	२५	१९	१९	५९
५६	५२	७	५८	२४	१९	५२	५३
५७	२०	५९	२७	५१	५	३	५७
१	२८	२८	२	५३	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

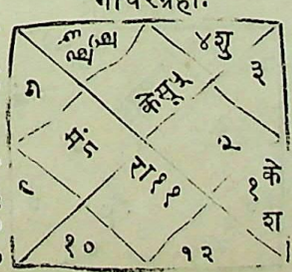

इस मास में ५गुरुवार शुभ हैं धान्य जौ गेहूँ मूंग मोठ बाजरा व चावल मंदा हो

गोचरग्रहाः

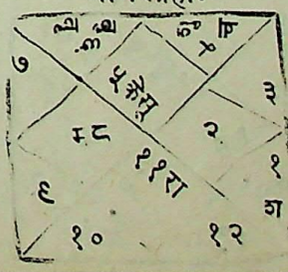

२२पं.भा.कृ११र.इ.३९/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	५	३	०	१०	४
२१	२९	१७	१९	१७	१५	२७	२०
१६	१४	५७	३	४५	१	५७	४६
१	५५	१३	४३	२५	५८	१४	२७
५८	३२	२७	१३	७२	४०	३	५८
१३	१३	२	११	२०	ब	११	१०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.। भाद्रपद शुक्लपक्षः सं २०२६ शाकः १८९१ दि.उ.अ.इं.रा.मु.। चन्द्रः । शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५६३६स१९६९

१	शु	४८	४४	उ	५५	२२	शु	५६	११	क	१८	१६	३० ४४	५ ५१	६	१२	२१ २८	क.८।२८
२	श	४८	२७	ह	५७	१	शु	५३	३५	ग	१८	३६	४०	५२	८	१३	२२ २९	कन्या
३	र	४२	२३	चि	५७	३८	न	५०	१९	तै	१७	५५	३६	५३	७	१४	२३ १	तु.२७।१९
४	चं	४५	१७	स्वा	५७	२१	ऐं	४५	५७	व	१६	२०	३२	५४	६	१५	२४ २	तुलायां
५	मं	४२	२३	वि	५६	५	वै	४१	१०	ब	१३	४९	२८	५४	६	१६	२५ ३	वृ.४१।२४
६	बु	३८	५४	अ	५४	२७	वि	३५	५५	कौ	१०	३८	२४	५५	५	१७	२६ ४	वृश्चिके
७	गु	३४	४४	ज्ये	५१	५८	प्री	३०	४	ग	६	४९	२०	५६	४	१८	२७ ५	ध.५१।५८
८	शु	२९	५६	मू	४९	२	आ	२३	३३	वि	२	२०	१६	५७	३	१९	२८ ६	धनुषि
९	श	२४	३८	पू	४५	१४	सौ	१६	४०	कौ	२४	३८	१	५८	२	२०	२९ ७	म.५९।१२
१०	र	१७	४७	उ	४१	७	शो	९	८	ग	१७	४७	८	५८	२	२१	३० ८	मकरे
११	चं	१२	११	श्र	३६	३१	अ	२२ ५१	४२	वि	१२	११	४	५९	१	२२	३१ ९	मकरे
१२	मं	५	१७	ध	३१	४६	धृ	४४	५४	वा	५	२७	३० ०	०	६०	२३	१ १०	कु.४।८
१३	मं	५३	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	०	० ०	०
१४	बु	५२	२९	श	२७	५	शु	३६	४७	ग	२४	३७	२९ ५५	१	५९	२४	२ ११	कुम्भे
१५	गु	४६	५२	पू	२२	५७	गं	२९	१	वि	१९	४५	५१	२	५८	२५	३ १२	मी८।५९

दृश्य उफायां वि:१।४३(सौर:३३।२ *हरितालिका।३रज्जब ७ [*चंद्रद. भ.१६२०उ ४५१७ या. वक्री बुधः ४।३०÷ दृश्यःकन्यायामर्कः२७।४सौर:५५१४ऋषिपू मघा.।हे शुक्रः४०।४ [÷गणेशचतुर्थी भ. ३४।४४ उ. भ.२।२० या.

भ.४५।० उ. भ.१२११ या. पश्चिमास्तो बुधः ५०।५९≡ प्रदोषः रा. आश्विनारंभः [≡जलझू.११ब्र वामनजयंती भ ५.२।२९उ.ग्रनन१४ भ.१९।४५ या. महालय श्राद्धारंभः

२३पं.भा.शु.३र.इ.२९।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	५	३	०	१०	४
२८	३	२०	१७	२९	१४	२७	२७
५	१२	२३	३०	९	५३	३५	३४
२४	४३	१३	३९	३	५२	११	५६
५८	३३	३	४३	७२	२३	३	५८
२६	३४	५०	२०	४९	ब	११	२९

गोचरग्रहाः

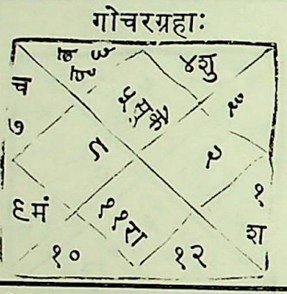

भा. शु. ५ भौमे कन्यायामकं: प्र. वा.४न.५ कुमार्यंवस्था(बैठी मुहूर्ता ४५ धान्यादिभावे समर्घताशुक्रो. र्व

गोचरग्रहाः

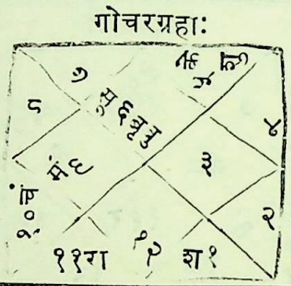

२४पं.भा.शु.१०र.इ.२९।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	४	०	१०	५
४	७	२०	१८	४	१४	२७	४
५५	२१	१३	५९	३८	३३	१२	५५
१९	२१	९	९	४९	५	५५	१९
५८	२५	४३	१२	७२	५३	३	५८
३८	३	ब	२९	५६	ब	११	४५

ति.।आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२६शाकः१८९१ दि.उ.अ.इं.रा.मु.। चन्द्रः । शरदृतौ रविर्दक्षिणे भाद्र कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	४२	४०	उ	१९	५६	वृ	२२	१७	ना	१४	२५	२९ ४७	६ ३	५ ५८	२६	४ १३	मीने
२	श	४०	८	रे	१८	१	शु	१६	१९	तै	११	२४	४३	३	५७	२७	५ १४	मे.१८।१
३	र	४९	१२	अ	१७	५४	व्या	१	४६	व	९	४०	३८	४	५६	२८	६ १५	मेषे
४	चं	४०	२०	भ	१९	४४	ह	८	२८	ब	९	४६	३४	५	५५	२९	७ १६	वृ.३५।२६
५	मं	४३	११	कृ	२३	१३	व	७	२२	कौ	११	४५	३०	६	५४	३०	८ १७	बृषे
६	बु	४७	९	रा	२८	२२	सि	६	५५	ग	१५	१०	२६	७	५३	१	९ १८	बृषे
७	गु	५३	२४	मृ	३४	५९	व्य	७	५४	वि	२०	१६	२२	८	५२	२	१० १९	मि१।४०
८	शु	५९	४६	आ	४२	७	च	९	३७	ना	२६	३५	१८	८	५२	३	११ २०	मिथुने
९	श	६०	०	पु	४९	४६	प	११	५१	तै	३२	५३	१४	९	५१	४	१२ २१	क. २।५१
९	र	६	१	पु	५७	१	शि	१४	१५	ग	६	१	१०	१०	५०	५	१३ २२	कर्के
१०	चं	११	५३	श्ले	६०	०	सि	१६	१७	वि	११	५३	६	११	४९	६	१४ २३	कर्के
११	मं	१६	४८	श्ले	३	४२	सा	१७	४४	ना	१६	४८	२	१२	४८	७	१५ २४	सिं ३।४२
१२	बु	२०	१२	म	८	५८	शु	१८	८	तै	२०	१२	२९ ५९	१२	४८	८	१६ २५	सिंहे
१३	गु	२२	४	पू	१२	५४	शु	१७	२९	व	२२	१४	५४	१३	४७	९	१७ २६	क.२८।२०
१४	शु	२२	३५	उ	१५	१६	न	१५	२९	श	२२	३५	५०	१४	४६	१०	१८ २७	कन्या
२०	श	२१	२३	ह	१६	१२	ऐं	१२	१७	ना	२१	२३	४६	१५	४५	११	१९ २८	तु ४५।५३

दृश्यो हस्तेरविः४१०हस्त. ४गुरुः२० ७A हस्ते रविःसौरः १०।४३ अ.गु. भ ४०९उ ३१९या. पूफायां शुक्रः३८।३७ चतुर्थी ब्र [Aअस्तगुरोः३।० भ.४७९उ.वक्री३फा. बुधः१४९ पूषायाँ+ [+भौमः९।५८।भा.२राहुःपूफा.४केतुः* भ. २०।१६ या. [×अश्वि.४शनिः५४४ मातृ९ [*५०।१अक्टू १०ता ३१ भ.३८।५७ उ. भ ५११३या बुधोदयः वंस्यां३४।० इंदिरा ११ब्र मार्गी बुधः३६।१४ प्रदोषः भ.२३१४उ.५३२५या. उफाय. शुक्रः२०।५२ दृश्यश्चित्रा रविः१३१ (सौर:४१९)वक्री× चित्रा १गुरुः४१३७सर्वपितृ ३०

२५पं.श्रा.कृ.३र.इ.२९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	४	०	१०	५
११	११	१३	२०	१३	१४	२९	११
४६	४२	४२	२९	८	१०	५०	१७
५५	५४	४९	९	१३	३०	४०	७ १०
५८	२९	८०	३	३३	३७	३	५९
५३	२७	ब्र	३२	१४	ब	११	०

गोचरग्रहाः

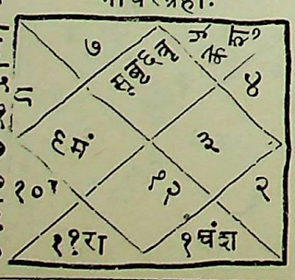

इस मास में गेहूँ गुड़सिरस्युं मंगफली रुई सूत चांदीसोनामें मंदी होकर सुदीमें तेज होगा, वर्षा होगी

गोचरग्रहाः

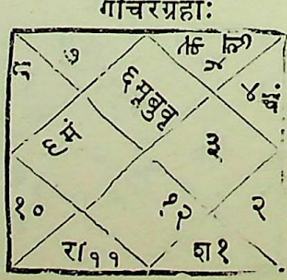

२६पं.आ.कृ.९र.इ.२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	४	०	१०	५
१८	१९	७	२२	२१	१३	२९	१८
४०	१५	२३	०	४२	४३	२८	१०
८	१८	२	१८	७	३७	२४	५४
५९	२७	३	३	७३	५८	३	५९
९	२४	ब्र	३	२९	ब	११	१९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०२६शाकः१८९१ दि. उ.अ. इ. रा. मु. चंद्रः शरदृतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६६९स.१९६९

१	र	१८	५१	चि	१५	३४	वै	८	४	ब	१८	५१	३५	५	तुलायां
२	चं	१५	१५	स्वा	१३	२	वि	५३	५४	की	१५	१५	३८	१६	वृ.५७।८
३	मं	११	२	वि	११	५०	आ	५०	१२	ग	११	२	३४	१७	वृश्चिके
४	बु	७	२१	अ	८	५३	सो	४३	१३	वि	७	२१	३०	१८	वृश्चिके
५	गु	१	२१	ज्ये	५	३७	शो	३६	३४	बा	१	२१	२६	१९	ध.५।३७
६	शु	५	४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	शु	५	१	४	मू	२६	५६	अ	२९	३४	ग	२३	३६	२२	२०
८	श	४	५	५८	उ	५	४४	सु	२२	२६	वि	१८	३१	१८	२०
९	र	४०	५२	अ	५	२३	ध	१५	१९	बा	१३	२५	१४	२१	३९
१०	चं	३५	५२	ध	४९	८	शु	८	१३	तै	८	२२	१०	२२	३८
११	मं	३१	५२	श	४६	१०	गं	२३	५३	व	३	५२	६	२३	३७
१२	बु	२६	३२	पू	४३	३३	शु	४८	८	बा	२६	३२	२	२४	३६
१३	गु	२२	४२	उ	४१	३६	व्या	४२	१६	तै	२२	४२	५८	२४	३६
१४	शु	१९	३९	रे	४०	२२	ह	३६	५९	व	१९	३९	५४	२५	३४
१५	श	१७	५६	अ	४०	४०	व	३२	४१	ब	१७	५६	५०	२६	३५

१	र	१८	५१	चि	१५	३४	वै	८	४	ब	१८	५१	३५	५	तुलायां
२	चं	१५	१५	स्वा	१३	२	वि	५३	५४	की	१५	१५	३८	१६	वृ.५७।८
३	मं	११	२	वि	११	५०	आ	५०	१२	ग	११	२	३४	१७	वृश्चिके
४	बु	७	२१	अ	८	५३	सो	४३	१३	वि	७	२१	३०	१८	वृश्चिके
५	गु	१	२१	ज्ये	५	३७	शो	३६	३४	बा	१	२१	२६	१९	ध.५।३७
६	शु	५	४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	शु	५	१	४	मू	२६	५६	अ	२९	३४	ग	२३	३६	२२	२०
८	श	४	५	५८	उ	५	४४	सु	२२	२६	वि	१८	३१	१८	२०
९	र	४०	५२	अ	५	२३	ध	१५	१९	बा	१३	२५	१४	२१	३९
१०	चं	३५	५२	ध	४९	८	शु	८	१३	तै	८	२२	१०	२२	३८
११	मं	३१	५२	श	४६	१०	गं	२३	५३	व	३	५२	६	२३	३७
१२	बु	२६	३२	पू	४३	३३	शु	४८	८	बा	२६	३२	२	२४	३६
१३	गु	२२	४२	उ	४१	३६	व्या	४२	१६	तै	२२	४२	५८	२४	३६
१४	शु	१९	३९	रे	४०	२२	ह	३६	५९	व	१९	३९	५४	२५	३४
१५	श	१७	५६	अ	४०	४०	व	३२	४१	ब	१७	५६	५०	२६	३५

शरदृतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६६९स.१९६९

कन्या.शुक्रः १३/५० नवरात्रारंभः मा.श्रा.
चंद्रदर्शनम्
भ. ३९।११ उ. सावान ८
भ. ७।२१ या. हस्ते बुधः १०।५२
दृश्यस्तुलायामर्कः ५५।५७
+बुधः ४०/६ शरद् १५स्मा.
भ. ५१/४ तुलायामर्कः सौरः २४/६ सर.वाह.च
भ १८।३१ या. वलिदानम्
सरस्वती विसर्जनम्
हस्ते शुक्रः २०।२४ विजया १०
भ. ५३/२ उ ३१/५२ या.उपायांभौमः २९/६ उदयं*
प्रदोषः *गुरौः ४६/४८ पापांकुशा११ब्र. उ.
दृश्यःस्वात्यां रविः३५/५७ रा.कार्तिकारंभः गु
भ. १९/३९ उ ४८/५७ या.स्वा.रविःसौरः५/० चित्रा.+
मकरे भौमः ५१।११ शरद् १५ वै.

२७प.श्रा.शु. १र.इ.२५/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	५	०	१०	५
२५	२०	७	२३	०	१३	२६	२५
३५	५०	५०	३०	१८	१३	६	६
६	३१	३१	४३	२१	१९	९	३६
५९	३८	४७/६	१३	७३/१४	४	३	५९
२१	१४	मा	३८	३८	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

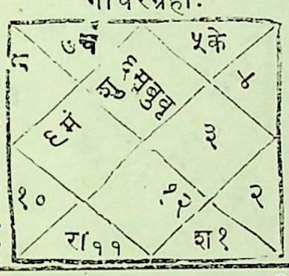

आ. शु. ५ गुरौ तुलायामर्कः प्र. वा.३न.४ युवावस्था (मृती) मु. ३० धान्य भाव सम शु. पू.

गोचरग्रहाः

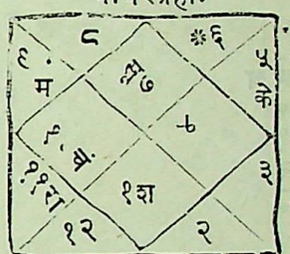

२८पं.आ.शु.९र.इ.२५/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	५	५	०	१०	६
२	२५	१५	२५	८	१२	२५	२
३१	३४	२४	१	५६	४०	४३	४
३४	२६	५४	५५	१७	३७	५३	६
५९	३९	८५	१३	७३	३४	३	५९
३४	०	२६	३२	५०	ब	११	४६

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०२६ शाकः १८९१ दि. उ.अ. इ. रा. मु. चंद्रः हेमंतर्तुं रविर्दक्षिणे आश्विनकृ.महाराष्ट्राः

१	र	१७	२७	भ	४२	७	सि	२९	३३	की	१७	२७	४६/२७	६/३३	५/२६	४	१३	वृ. ५७।५४
२	चं	१८	३८	कृ	४५	१६	व्य	२७	४६	ग	१८	३८	४२	२८	३२	२७	५	१४	वृषे
३	मं	२१	२१	रो	४९	४१	व	२६	४४	बि	२१	२१	३९	२८	३२	२८	६	१५	वृषे
४	बु	२५	३८	मृ	५५	४४	प	२७	४	बा	२५	३८	३५	२९	३१	२९	७	१६	मि२२।४२
५	गु	३१	२	आ	६०	०	शि	२८	१९	तै	३१	२	३१	३०	३०	३०	८	१७	मिथुने
६	शु	३७	१२	आ	२	२४	सि	३०	१७	ग	४	७	२७	३१	२९	३१	९	१८	क.५३।१४
७	श	४३	३३	पु	१०	८	सा	३२	३२	वि	१०	२२	२४	३१	२९	१	१०	१९	कर्के
८	र	४९	५२	पु	१७	३३	शु	३४	४३	बा	१६	४३	२०	३२	२८	२	११	२०	कर्के
९	चं	५५	१३	श्ले	२४	४३	शु	३६	४१	तै	२२	३२	१६	३३	२७	३	१२	२१	सि२४।४३
१०	मं	५९	५	म	३०	४०	ब	३७	३७	ब	२७	९	१३	३३	२७	४	१३	२२	सिंहे
११	बु	६०	०	पू	३५	२५	ऐं	३७	२८	ब	३०	१७	९	३४	२६	५	१४	२३	क.५१।८
१२	गु		१	३०	उ	३८	१६	वै	३५	५८	बा	१	३०	६	३५	२५	६	१५	२४	कन्यायां
१३	शु		१	५८	ह	३९	२३	वि	३३	१	तै	१	५८	२	३६	२४	७	१६	२५	कन्यायां
१४	श		०	३१	चि	३८	३६	मी	२८	३०	ब	०	३१	५९/२६	३६	२४	८	१७	२६	तु.८।५९
१५	श	५	६	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	९	०	०	०
१०	र	५	२	४४	स्वा	३५	२८	आ	२२	४६	च	२५	२	५६	३७	२३	९	१८	२७	तुलायां

पूर्वास्तं बुधः ४७।४८
भ.५०।०उ. चित्रा. २ गुरुः ३ २७
भ.२१।२१या.तुला.बुधः४७।५च.ब्र.

भ ३७।१२उ.चित्रा.शुक्रः१।३५
भ. १०/२२ या.स्वा.बुधः ४४/४७ नव.११ता.३०

भ. २७।९ उ. ५९।५या.
दृश्योः विशाखा.रविः ५५/२२ तुला.शुक्रः २५/४४ ×
विशाखा.रविः(सौरः ३३/३९ रमा.११ब्र.वै.
प्रदोषः धन१३ ×रमा ११ ब्र. स्मा.
भ. ०।३१उ. २८।५६ या. रूप १४
*महालक्ष्मी पू.
विशाखा.बुधः ४९/१२ श्रवणे नौमः १।२६*

२९पं.का.कृ.१र.इ.२५/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	५	५	५	०	१०	६
९	०	२६	२६	१७	१२	२५	९
२९	२४	१४	३२	३९	७	२१	३
४९	२६	५०	६	७	३०	३७	२६
५९	२९	९७	१३	७३	४०/४	३	६०
४७	३७	२६	३२	५६	ब	११	२

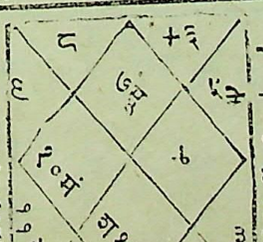

३०पं.का.कृ.८र.इ.२५/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	५	५	०	१०	६
१६	५	७	२८	२६	११	२४	१५
२९	१८	५१	१	२१	३३	५९	४
२८	२८	२९	१९	०	१०	२२	३०
६०	४०	९/०	१३	७४	४०/४	३	६०
४	१६	९/०	२०	२	ब	११	१८

३१पं.का.कृ.३०र.इ.२५/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	५	६	०	१०	६
२३	१०	१९	२९	५	११	२४	२३
३०	१८	२४	२९	६	०	३७	७
५८	०	२८	१४	७	०	६	८
६०	४०	०/०	१३	७४	२०/४	३	६०
१७	३५	४७/०	१४	२	ब	११	३०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

+ शु.बृ.बु.

* बु.वृ.शु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.कार्त्तिक शुक्ल पक्षः सं.२०२६ शाकः १८९१ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६९८सं.१९६९

१	चं	४६	५४	वि	३२	४०	सौ	१५	५०	कें	१९	४९	२६/५३	६/३७	५/२३	१०	१९	२८	बृ.१८।२२
२	मं	४०	२४	अ	२८	८	शो	८/७	५१/३७	वा	१३	३९	४९	३८	२२	११	२०	२९	बृश्चिके
३	बु	३३	५१	ज्ये	२३	२८	सु	५१	१७	तै	७	७	४६	३९	२१	१२	२१	१	ध.२३।२८
४	गु	२७	५	मू	१८	३८	धृ	४२	४०	व	०	२८	४३	३९	२१	१३	२२	२	धनुषि
५	शु	२०	४७	पू	१४	१	शू	३४	४०	ब	२०	४७	४०	४	२०	१४	२३	३	म.२७।५७
६	श	१४	५६	उ	९	४५	गं	२६	५३	तै	१४	५६	३७	४१	१९	१५	२४	४	मकरे
७	र	९	३७	श्र	६	८	वृ	१९	२३	व	९	३७	३४	४१	१९	१६	२५	५	कु.३४।३७
८	चं	५	३	ध	३	५	ध्रु	१२	३३	ब	५	३	३१	४२	१८	१७	२६	६	कुंभे
९	मं	१	५	श	०/३८	५८/३९	व्या	६	२३	कौ	१	५	२९	४२	१८	१८	२७	७	मी४४।३१
१०	मं	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	बु	५५	४२	उ	५८	३५	ह	४९/९	५६/७	व	२६	५३	२६	४३	१७	१९	२८	८	मीने
१२	गु	५४	११	रे	५८	३६	सि	५१	३८	व	२४	४७	२	४३	१७	२०	२९	९	मे ५८।३६
१३	शु	५३	५३	अ	५९	४२	व्य	४८	१२	कौ	२४	३	२१	४४	१६	२१	३०	१०	मेषे
१४	श	५४	३०	भ	६०	०	व	४५	३६	ग	२४	११	१९	४४	१६	२२	१	११	मेषे
१५	र	५६	३२	भ	१	४५	प	४४	७	वि	२५	३१	१६	४५	१५	२३	२	१२	बृ.१७।३९

स्नात्यां शुक्रः ४४/८ अन्नकूटगोवर्द्धनपूजा
चि.३तुला.गुरुः ४७/३३ चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ२
रमजान ९
भ.०।२८ उ. २७।५ या.

दृश्यो बृश्चिकेऽर्कः५४।२०
भ.९।३७उ.३७/२० या बृश्चिकेऽर्कःसौरः*
[*१६/९बृश्चि.बुधः२।३७गोपाष्टमी
अनु.बुधः१।३१ अक्षया ९
≡(सौरः३४/३४प्रबोधिनी११ब्र.तुलसीविवाहः
भ २६/५३उ. ५५/४२या. दृश्योऽनु. रविः१२/४४≡
प्रबोधि. ११ ब्र. वै.
विशाखा. शुक्रः२०।९ प्रदोषः
भ.५४/३०उ. वैकुण्ठ १०रा मार्गशीर्षारंभः
भ.२५/१या.वक्री अश्वि. २शनिः१५।२१

३२पं.का.शु.७र.इ.२७/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	६	६	०	१०	७
०	१५	०	०	१३	१०	२४	०
३३	२३	४२	५५	५०	२८	१४	११
४७	९	२५	२६	५६	२२	५१	१२
६०	४०	०/९	१२	७४	१०/४	३	६०
२०	५४	५९	४८	१४	ब्र	११	४०

गोचरग्रहाः

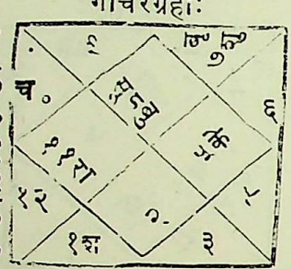

का. शुक्ले.६शनौ
बृश्चिके.र्कः प्र.
वा.३न.४प्रगल्भा
वस्था(बैठी, मु. ३०
धान्यादि भावे
समता शु. पू.

गोचरग्रहाः

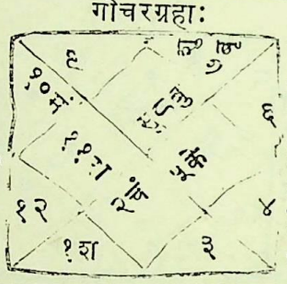

३३पं.का.शु.१५र.इ.२७/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	६	६	०	१०	७
७	२०	११	२	२२	९	२३	७
३७	२८	४७	१८	३७	५९	५२	१६
३७	१५	३८	४३	५९	१३	३५	४५
६०	४५	९९	१२	७४	५०/०	३	६०
४२	१९	११	२३	२२	ब	११	५२

त.मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०२६ शाकः१८९१ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | हेमंततूं रविर्दक्षिणे का.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	चं	५९	४४	कृ	५	२१	शि	४३	२०	आ	२८	८	२६/१३	६/४५	५/१५	२४	३	१३	बृषे
२	मं	६०	०	रो	९	५१	सि	४३	२४	तै	३२	२	११	४६	१४	२५	४	१४	मि४२।४५
२	बु	४	२०	मृ	१५	४०	सा	४४	३५	ग	४	२०	८	४६	१४	२६	५	१५	मिथुने
३	गु	९	३९	आ	२०	८	शु	४६	१२	वि	९	३९		४७	१३	२७	६	१६	मिथुने
४	शु	१५	४६	पु	२९	३८	शु	४८	१६	वा	१५	४६	३	४७	१३	२८	७	१७	क.१२।४५
५	श	२२	१४	पु	३७	१६	ब्र	५०	४०	तै	२२	१४	१	४८	१२	२९	८	१८	कर्के
६	र	२८	४२	श्ले	४४	४८	ऐं	५२	५२	व	२८	४२	२५/९	८	१२	३०	९	१९	सिं४४।४८
७	चं	३४	३५	म	५१	३५	वै	५३	२५	वि	१	३८	५७	४९	११	१	१०	२०	सिंहे
८	मं	३९	२७	पू	५७	१५	वि	५४	१०	वा	६	५९	५५	४९	११	२	११	२१	सिंहे
९	बु	४२	३५	उ	६०	०	प्री	५४	४१	तै	१०	५८	५३	४९	११	३	१२	२२	क.१३।१७
१०	गु	४३	५२	उ	१	२३	भा	५२	४६	व	१३	१३	५१	५०	१०	४	१३	२३	कन्यायां
११	शु	४३	१२	ह	३	४२	सो	४९	११	व	१३	३२	४९	५०	१०	५	१४	२४	तु.३३।४८
१२	श	४०	३०	चि	३	५५	श्ले	४४	१	कौ	११	५१	४८	५०	१०	६	१५	२५	तुलायां
१३	र	३५	५२	स्वा	१२/२	५६/३१	अ	३७	२४	ग	७	४१	४६	५१	९	७	१६	२६	बृ.४४।३५
१४	च	२९	३२	अ	५३	४१	सु	२९	१९	वि	२	४२	४५	५१	९	८	१७	२७	बृश्चिके
१५	मं	२२	१०	ज्ये	४७	४४	धृ	२०	१७	ना	२२	१०	४५	५१	९	९	१८	२८	ध ४७ ४४

[*अनु. शुक्रः ०।१६
भ.३७।०उ.ज्येष्ठा.बुधः २४।२९
भ.९।३९या.धनिष्ठा. भौमः१५/२च ब्र.
चित्रा ४गुरुः५३।२६
बृश्चिके शुक्रः१५/६ पातस्पर्शः१५।७≡
भ. २८।४२उ. [≡मोक्ष.३१।३८
भ.१।३८या. दिसम्बर १२ ता.३१
दृश्यो ज्येष्ठा.रवि ३३/४(सौरः४१।५१ *
पूभा १राहुः पूफा.३केतुः ४१।५१
भ.१३।१३ उ.४७।५२ या.
मूले धनुषि बुधः १५/३ उत्पत्ति ११ ब्र.
कुम्भे भौमः२२।३१
भ.३५।५२उ.प्रदोषः
भ.२।४२ या.
बुधोदयः पश्चिमायाँ ३५ ९

३४पं.मा.कृ ६ र.इ. २७/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	६	७	०	१०	७
१४	२०	२२	३	१	९	२३	१३
४२	३६	४४	३८	२४	३२	३०	२३
५४	०	३	४९	५४	६	१९	३१
६०	४१	९७	१२	७४	२४/७	३	६१
५०	३१	३८	२	२३	ब	११	३

गोचरग्रहाः

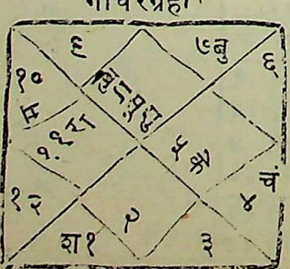

इस मास का
फल साधारण
है। राजाओं में
विग्रह हो विदेश
यात्रा अधिक और
अन्नादिक का भाव
मन्दा होवे ।

गोचरग्रहाः

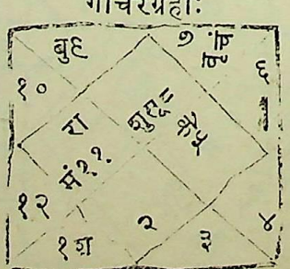

२५पं.मा.कृ.१३र.इ.२७/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	६	७	०	१०	७
२१	०	३	४	१०	९	२३	२१
४८	४५	३५	५५	१३	१०	८	३१
५८	०	२०	५८	३७	१५	४	१८
६०	४१	९५	११	७४	४३/३	३	६१
५६	४४	२८	२३	२८	ब	११	११

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१ दि. उ. अ इं. रा. मु. चंद्रः | हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५७२८स. १९६९

१	बु	१३	५६	मू	४१	११	शु	१०	३१	ब	१३	५६	२५/४	५२	८	१०	१९	२९	धनुषि
२	शु	५	२८	पू	३४	३१	गं	३२	५९	की	५	२८	४१	५२	८	११	२०	३०	म.४७।५७
३	शु	५१	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	शु	४९	३८	उ	२८	१५	शु	४०	५५	ब	२३	२६	४०	५२	८	१२	२१	१	मकरे
५	श	४२	४७	श्र	२३	२	व्या	३१	५६	ब	१६	१३	३९	५२	८	१३	२२	२	कु.५०।५२
६	र	३७	७	ध	१८	४१	ह	२४	१	की	९	५७	३८	५२	८	१४	२३	३	कुम्भे
७	चं	३२	२८	श	१५	१८	व	१६	५८	ग	४	५२	२८	५२	८	१५	२४	४	मी.५८।५०
८	मं	२९	३०	पू	१२	२०	सि	१०	५३	वि	१	४	३७	५३	७	१६	२५	५	मीने
९	बु	२८	३७	उ	१२	३२	व्य	५	५९	की	२८	३७	३७	५३	७	१७	२६	६	मीने
१०	शु	२७	७	रे	१३	७	व	५९/१	५७/३	ग	२७	७	३७	५३	७	१८	२७	७	मे.१३।७
११	शु	२७	५७	अ	१५	५	शि	५७	६	वि	२७	५७	३६	५३	७	१९	२८	८	मेषे
१२	श	२९	४२	भ	१८	१३	सि	५६	७	वा	२९	४२	३६	५३	७	२०	२९	९	वृ.३४।१२
१३	र	३२	५०	कृ	२२	१०	सा	५६	२	की	१	१६	३६	५३	७	२१	३०	१०	बृषे
१४	चं	३६	४७	रा	२७	२७	शु	५६	२५	ग	४	४९	३६	५३	७	२२	१	११	वृषे
१५	मं	४१	४७	मृ	३३	२१	शु	५७	३५	वि	९	१७	३६	५३	७	२३	२	१२	मि०।२४

	*पा.स्पर्शः २/४ पातमोक्षः ३/४/९ सव्वाल १०
	चंद्रदर्शनम्
	+(सौरः ४५।१८) शते भौमः ३१।४८
	भ. २/३/६ उ. ४/३/८ या. ज्येष्ठा. शुक्रः ३४।२०*
	पूषायां बुधः ५२।२७
	चंपा ६
	भ. ३/३/२/८ उ. दृश्यो मूले धनुष्यर्कः ३०।६+
	भ. १।४ या.
	स्वा. १ गुरुः १८।५८
	भ. ५७ ३२ उ.
	भ. ५/७ या. मोक्षदा ११ व्रतं गीताजयंती
	×मूले धनु. शुक्रः १०।२०
	प्रदोषः
	भ. ३६।४७ उ. रा पौषारंभः
	भ ९।१७ या. उषायां बुधः २।४१×

३६पं.मा.शु.६र.इ. २७/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	९	७	०	१०	७
२८	५	१४	६	१८	८	२२	२८
५५	५४	१२	९	५९	५२	४५	४०
५२	२६	४६	०	४२	४८	४८	११२
६१	४२	९१	१०	७४	१०/२	३	६१
०	३	३५	४९	२६	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

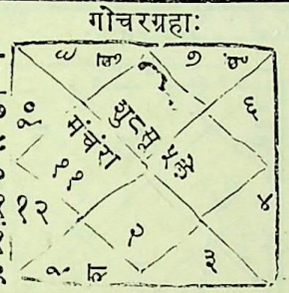

मार्ग. शुक्ला ७
चंद्रे धनुष्यर्कः
प्र. वा. ३ न. ४
प्रगल्भावस्था (बैठी)
मु. ३० धान्यादि
भावे समता शु.पू.

गोचरग्रहाः

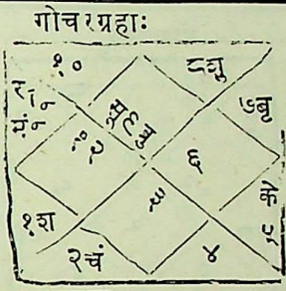

३७पं मा.शु १३र.इ. २६/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	९	७	०	१०/२	८
६	११	२४	७	२७	८	२२	५
३	९	२८	१७	५१	४०	२३	४९
२९	२१	८	१३	२८	४४	३३	२६
६१	४२	८२	१०	७४	२/२	३	६१
४	२२	३६	२	३२	ब	११	२२

ति. पौष कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१ दि, उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तूं रविरुत्तरे मार्गक्र. महाराष्ट्राः

१	बु	४७	२२	आ	३९	५८	ब	५९	१३	चा	१४	२५	२५/३७	६/५३	७	२४	३	१३	मिथुने
२	गु	५३	४६	पु	४७	२२	ऐं	६०	०	तै	२०	३४	३७	५३	७	२५	४	१४	क.३०।३१
३	शु	६०	०	पु	५४	४९	ऐं	१	१४	व	२६	५७	३७	१३	७	२६	५	१५	कर्के
३	श	०	९	श्ले	६०	०	वै	३	२९	वि	०	९	३८	५२	८	२७	६	१६	कर्के
४	र	६	३५	श्ले	२	२६	वि	५	४५	वा	६	३५	३८	५२	८	२८	७	१७	सिं २।२६
५	चं	१२	४६	म	९	४१	प्री	७	४६	तै	१२	४६	३९	५२	८	२९	८	१८	सिंहे
६	मं	१७	५९	पू	१५	५९	आ	९	७	व	१७	५९	४०	५२	८	३०	९	१९	क.२२।२०
७	बु	२२	०	उ	२१	२४	सौ	९	३८	ब	२२	०	४०	५२	८	३१	१०	२०	कन्यायां
८	गु	२४	३७	ह	२५	११	शो	८	५९	की	२४	३७	४१	५२	८	१	११	२१	तु.५६।१९
९	शु	२४	६	चि	२७	७	अ	६	४६	ग	२४	६	४२	५२	८	२	१२	२२	तुलायां
१०	श	२२	४१	स्वा	२७	७	सु	३/२	५४/४७	वि	२२	४१	४३	५१	९	३	१३	२३	तुलायां
११	र	१९	१	वि	२५	८	शु	५०	५६	वा	१९	०	४४	५१	९	४	१४	२४	वृ.१०।३८
१२	चं	१४	४०	अ	२०	५९	गं	४२	३०	तै	१४	४०	४६	५१	९	५	१५	२५	वृश्चिके
१३	मं	७	४१	ज्ये	१५	२६	वृ	३२	५८	व	७	४१	४७	५१	९	६	१६	२६	ध.१५।२६
१४	मं	५१	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	बु	५०	२	मू	८	३८	शु	२२	३७	च	२४	३७	४९	५०	१०	७	१७	२७	धनुषि

	मकरे बुधः २६।४७
	भ. २६।५७ उ.
	भ. ०।९ या. च. व्र.
	दृश्यः पूषायांरविः ३/५/२ (सौरः ४६।५६)
	भ. १/५/९ उ. ५/० या. शुक्रास्तः पूर्वस्याम् १/२/४
	शु.अ.पू.
	जनवरी १ ता. ३१ सन् १९७०
	भ ५/२/३ उ. पूषा. शुक्रः ४/१/३ पूभा. भौमः १/२/८
	भ. २२।४१ या.
	वक्रीबुधः ३/४/९ मार्गीशनिः ४/१/७ सफला ११ व्र.
	प्रदोषः
	भ. ७।४१ उ. ३३।२६ या.
	पश्चिमास्तो बधः २५।५३

३८पं. पौ.कृ. ४र.इ. २६/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	६	८	०	१०	८
१३	१६	२	८	६	८	२२	१२
११	१८	५८	१९	३९	३३	१	५९
२१	३९	४	११	५७	२१	१७	१८
६१	४२	५९	९	७४	४०	३	६१
६	२०	४०	२०	३२	ब	११	२६

गोचरग्रहाः

इस मास में
घटाबढ़ी अधिक
होगी धान्य रुई
चांदी सोना मजीठ
गुड़ तेज होगा।

गोचरग्रहाः

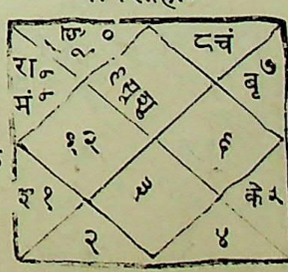

३९पं.पौ.कृ ११र.इ. २६/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	६	८	०	१०	८
२०	२१	६	९	१०	८	२१	२०
१९	३०	२२	१७	२७	३१	३९	९
२६	१०	१९	१०	१४	३३	१	१०
६१	४२	०	८	७४	०	३	६१
६	११	ब	२०	३२	ब	११	२६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | पौष शुक्लपक्षः सं० २०२६ शाकः १८९१ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५७५७स १९७०

१	गु	४०	२७	पू	१३	५३	ज्या	११	४४	कं	१५	१५	२५	६	५	८	१८	२८	म. १४।१८
२	शु	३१	१०	श्र	४६	१२	ह	४७	४९	बा	५	४८	५२	५०	१०	९	१९	२९	मकरे
३	श	२१	५६	ध	३९	३२	सि	४०	४	ग	२१	५६	५४	४९	११	१०	२०	१	कु. १२।५२
४	र	१४	५९	श	३४	१७	व्य	३१	११	वि	१४	५९	५६	४९	११	११	२१	२	कुम्भे
५	चं	८	४४	पू	३०	४०	व	२३	३७	बा	८	४४	५८	४८	१२	१२	२२	३	मी १६।३४
६	मं	४	१९	उ	२८	३३	प	१७	२०	तै	४	१९	२६	४८	१२	१३	२३	४	मीने
७	बु	१	३६	रे	२८	१४	शि	१२	२६	व	१	३६	३	४७	१३	१४	२४	५	मे. २८।१४
८	गु	०	३८	अ	२९	४१	सि	९	५	ब	०	३८	५	४७	१३	१५	२५	६	मेषे
९	शु	१	३१	भ	३२	४९	सा	६	५५	को	१	३१	८	४६	१४	१६	२६	७	वृ. ४८।५४
१०	श	३	५०	कृ	३७	८	शु	५	५४	ग	३	५०	१०	४६	१४	१७	२७	८	बृषे
११	र	७	३२	रो	४२	१७	श	६	२२	वि	७	३२	१२	४६	१४	१८	२८	९	बृषे
१२	चं	१२	११	मृ	४८	५९	ब्र	७	३	बा	१२	११	१५	४५	१५	१९	२९	१०	मि १५।३८
१३	मं	१७	५०	आ	५६	९	ऐं	८	३१	तै	१७	५०	१७	४५	१५	२०	३०	११	मिथुने
१४	बु	२३	४४	पु	६०	७	वै	११	२७	व	२३	४४	२०	४४	१६	२१	१	१२	क. ४६।३१
१५	गु	३०	१७	पु	३	१९	वि	१२	३४	ब	३०	१७	२२	४४	१६	२२	२	१३	कर्के

४०पं.पौ.शु.४र.इ.२६/३६ | गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	६	८	०	१०	८
२७	२६	१	१०	२४	८	२१	२७
२७	४२	३३	७	१७	३५	१६	१९
४०	३९	२६	५५	३४	२	४६	७
६१	५२	८७	७	७४	५९	३	६१
६	१६	ब्र	१४	३५	मा	११	२४

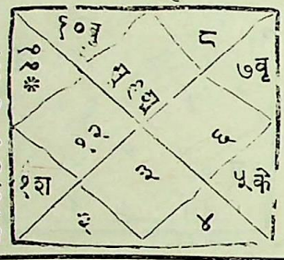

पौष शुक्ले ६ भौमे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २न. ३प्रगल्या-वस्था (बैठी) मु. २० धान्यादि भावे समता शु.पू.

गोचरग्रहाः

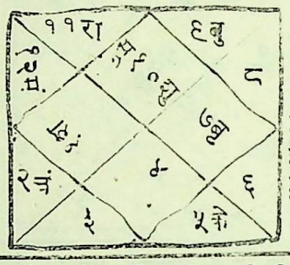

४१पं.पौ.शु.११र.इ.२६/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	६	९	०	१०	९
४	१२	२३	१०	३	८	२०	४
३५	५४	१२	५२	६	४३	५४	२८
३१	०	५०	३७	३	५१	३०	३२
६१	४२	६५	६	७४	१	३	६१
३	१४	ब्र	१४	३८	३८	११	१९

ति. | माघ कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्रः

१	शु	३६	२५	पु	१०	५४	प्री	१४	४८	बा	३	२६	२६	४३	१७	२३	३	१४	कर्के
२	श	४२	५७	श्ले	१८	२०	आ	१६	५७	तै	९	४६	२७	४३	१७	२४	४	१५	सिं १८।२०
३	र	४८	४२	म	२५	२८	सौ	१८	४४	व	१५	५०	३०	४२	१८	२५	५	१६	सिंहे
४	चं	५३	४७	पू	३२	१	शो	२०	१४	ब	२१	१५	३३	४१	१९	२६	६	१७	क. ४८।२७
५	मं	५८	२	उ	३४	४५	अ	२१	७	को	२५	५४	३६	४१	१९	२७	७	१८	कन्या
६	बु	६०	०	ह	४२	२२	सु	२१	४	ग	२९	३५	३९	४०	२०	२८	८	१९	कन्या
६	शु	१	७	चि	४५	३७	धृ	२०	९	व	१	७	४२	४०	२०	२९	९	२०	तु. १४।०
७	शु	२	३४	स्वा	४७	१३	शू	१७	४१	ब	२	३४	४६	३९	२१	३०	१०	२१	तुलायां
८	श	१	३३	वि	४७	५	गं	१४	४	को	१	३२	४९	३८	२२	३१	११	२२	वृ. ३२।७
९	र	०	२२	अ	४५	१२	बृ	८	५०	ग	०	२२	२५	३८	२२	१	१२	२३	बृश्चिके
१०	र	५६	२१	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	चं	५१	८	ज्ये	४१	२६	ध्रु	१५	५२	ब	२३	५५	५५	३७	२३	२	१३	२४	ध. ४१।२६
१२	मं	४४	६	मू	३६	७	ह	४५	६	को	१७	३७	५९	३६	२४	३	१४	२५	धनुषि
१३	बु	३५	३६	पू	२९	३६	व	३४	३४	ग	९	५१	२७	३६	२४	४	१५	२६	म. ४२।४४
१४	गु	२६	१४	उ	२२	८	सि	२४	१	वि	०	५५	६	३५	२५	५	१६	२७	मकरे
३०	शु	१६	३७	श्र	१४	१२	व्य	१२	५३	ना	१६	३७	९	३४	२६	६	१७	२८	कु ४०।१८

४२पं.मा.कृ. ३र.इ.२६/३७ | गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	६	९	०	१०	९
११	७	२०	११	११	८	२०	११
४२	५	२४	२७	५४	५८	३२	३७
५८	१७	४३	२८	१०	१	१५	२८
६०	४२	४७	५	७४	२	३	६०
५९	६	मा	४	३८	२०	११	१३

इस मास में शीत अधिक कहीं कहीं खेतियों में हानि हो। खांड़ गुड़ घृत गेहूँ तैल चांदी सोना तेज।

गोचरग्रहाः

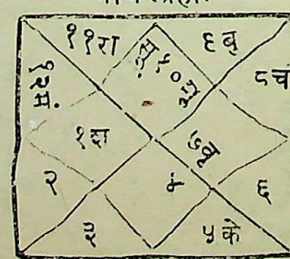

४३पं.मा.कृ.९र.इ.२६/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	६	९	०	१०	९
१८	१२	२३	११	२०	९	२०	१८
४९	१४	४८	५०	४१	१६	९	४५
२६	२५	४९	१५	४९	५५	५९	२८
६०	४२	४०	३	७४	२	३	६१
५५	१४	१३	५३	३८	५९	११	४

* रा.चं.मं.

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्लपक्षः सं० २०२६ शाक: १८९१ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५७८७स. १९७०

१	श	६	४७	ध	२४	५३	व	५२	४८	ब	६	४७	२७	६	५	७	१८	२९	कुम्भे
२	श	५१	०	०	०	०	शि	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	र	४९	५८	पू	५३	४७	शि	४२	१३	तै	२३	५२	१६	३३	२७	८	१९	१	मी ४०।१२
४	चं	४३	४७	उ	४९	३७	सि	३३	५५	व	१६	५२	२०	३२	२८	९	२०	२	मीने
५	मं	३९	२४	रे	४७	२३	सा	२७	२९	ब	११	३५	२५	३१	२९	१०	२१	३	मे. ४७।२३
६	बु	३७	३	अ	४७	१८	शु	२२	३५	कौ	८	१३	२७	३१	२९	११	२२	४	मेषे
७	शु	३६	५७	भ	४९	११	शु	१९	१८	ग	७	०	३१	३०	३०	१२	२३	५	मेषे
८	शु	३८	४५	कृ	५२	५४	ज्ये	१७	३७	वि	७	५१	३५	२९	३१	१३	२४	६	वृ. ५।७
९	श	४२	११	रो	५८	७	ए	१७	२९	बा	१०	२८	३८	२८	३२	१४	२५	७	वृषे
१०	र	४७	४	मृ	६०	०	वै	१८	२	तै	१४	३७	४२	२८	३२	१५	२६	८	मि ३१।२१
११	चं	५२	५८	मृ	४	३४	वि	१९	४१	व	२०	१	४६	२७	३३	१६	२७	९	मिथुने
१२	मं	५९	१०	आ	११	४८	प्री	२१	४०	ब	२६	४	५०	२६	३४	१७	२८	१०	मिथुने
१३	बु	६०	०	पु	१९	१९	आ	२४	५	कौ	३२	३०	५०	२५	३५	१८	२९	११	क. २।२६
१३	गु	५	५०	पु	२६	५१	सो	२६	२४	तै	५	५०	५८	२४	३६	१९	३०	१२	कर्के
१४	शु	१२	१२	श्ले	३३	५०	शो	२८	२२	व	१२	१२	२३	२४	३६	२०	१	१३	सिं. ३३।५०
१५	श	१७	२	म	४१	४	अ	३०	१०	च	१७	२	६	२३	२७	२१	२	१४	सिंहे

मकरे बुधः ५५/४१ रेवत्यां भौमः २६।५९*

कुम्भे शुक्रः ५४।२३ जिल्हेज १२
भ. १६।५२ उ. ४३।४७ या.
वसन्त ५ [*चन्द्र द.

भ. २६।५७ उ. दृश्यः कुम्भेऽर्कः २८।५४=
भ. ७।५१ या. अश्वि. ४ शनिः ११।५५+
शते शुक्रः ११।१४ [+भीष्माष्टमी
[=(सौरः ३०।५५) भातृ ७
भ. २०।१ उ. ५२।५८ या. श्रवणे बुधः×
[×९।२० जया. १ ब्र प. उ.
पश्चिमोदयं शुक्रस्य १।१२ प्रदोषः शु.
दृश्यः शते रविः ५।१५ (सौरः ६।१७)
भ. १२।१२ उ. ४४/३७ या रा. फाल्गुनारंभः
वक्री गुरुः १२।१

४४पं. मा. शु. ३ र. इ. २६।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	६	९	०	१०	९
२५	१७	०	१२	२९	९	१९	२५
५५	२२	३२	१८	२८	४१	४७	५२
१६	८	३१	१५	४०	२७	४३	१५
६०	४२	६२	३	७४	३	३	६०
४७	११	२८	२९	३२	४१	११	५५

गोचरग्रहाः

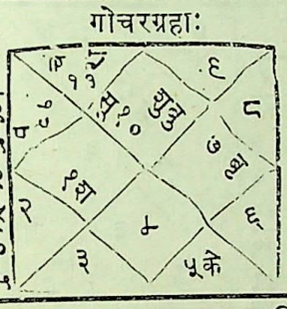

माघ शुक्ले ७ गुरौ कुर्मऽर्कः प्र. वा. ३ नं ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

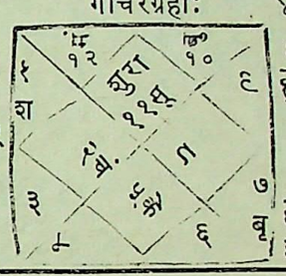

४५पं. मा. शु. १० र. इ. २७।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	६	१०	०	१०	१०
३	२२	९	१२	८	१०	१९	२
०	२९	५	२४	१४	९	२५	५८
४	३१	१३	१८	३१	४६	२८	१८
६०	४२	७७	१	७४	४	३	६०
३७	१३	५६	४	३२	२०	११	४२

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०२६ शाक: १८९१ दि. | उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति महाराष्ट्राः

१	र	२३	१८	पू	४७	११	सु	३१	२०	कौ	२३	१८	२८	६	५	२२	३	१५	सिंहे
२	चं	२७	५६	उ	५२	३२	धृ	३१	५६	ग	२७	५६	१४	२१	३९	२३	४	१६	कं. ३।३१
३	मं	३१	२४	हू	५६	५५	शू	३१	४७	वि	३१	२४	१८	२०	४०	२४	५	१७	कन्यायां
४	बु	३३	५९	चि	६०	०	गं	३०	५०	ब	६	४१	२२	२०	४०	२५	६	१८	तु. २८।३९
५	शु	३५	२२	चि	०	२२	वृ	२९	४	कौ	४	४०	२६	१९	४१	२६	७	१९	तुलायां
६	शु	३४	४०	स्वा	२	३७	ध्रु	२६	१३	ग	५	१	३०	१८	४२	२७	८	२०	वृ. ४८।५६
७	श	३४	३६	वि	३	४२	व्या	२२	२५	वि	४	३८	४	१७	४३	२८	९	२१	वृश्चिके
८	र	३२	७	अ	३	२३	ह	१७	२३	बा	३	२१	३८	१६	४४	१	१०	२२	वृश्चिके
९	च	२८	१०	ज्ये	३५/१	५६/४२	व	११	३	तै	०	८	४२	१६	४४	२	११	२३	ध. १।३५
१०	मं	२२	५८	पू	५३	४९	सि	५०/३०	३१/३८	वि	२२	५८	४६	१५	४५	३	१२	२४	धनुषि
११	बु	१६	८	उ	४८	१३	व	४६	१४	बा	१६	८	५०	१४	४६	४	१३	२५	स. ७।२५
१२	गु	८	२४	अ	४१	३७	प	३६	१७	तै	८	२४	५४	१३	४७	५	१४	२६	मकरे
१३	शु	५१	२८	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	शु	५०	४६	भ	३४	२७	शि	२५	५१	वि	२५	१९	५८	१२	४८	६	१५	२७	कु. ८।२
३०	श	४१	५४	श	२७	२३	सि	१५	२६	च	१६	२०	२९/२३	१२	४८	७	१६	२८	कुम्भे

दृश्यः पूभायां रविः २१/२० (सौरः २१।४)÷
भ. ५९/६३ उ. शते बुधः ५९।२१ प्रदोषः
[÷मीने शुक्रः ५४।१३ विजया ११ ब्र.
भ. २५।१९ या महाशिवरात्री ब्र.
उभायां शुक्रः ३४।६

४६पं. फा. कृ. १ र. इ. २७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	६	१०	०	११	१०
१०	२७	१८	१२	१६	१०	१९	१०
३	३३	४०	२५	५९	४३	३	२
३२	१८	५९	३०	४९	८	१२	५१
६०	४१	६९/६३	०	७४	४	३	६०
२५	५०	ब्र	ब्र	३२	१०	११	३१

गोचरग्रहाः

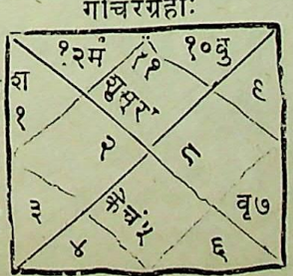

इस मासमें प्रजा में रोग पीड़ा हो अनाज गल्ला में तेजी होकर मंदी होगी। सुदी में रुई रंग चांदी सोना तेज हो।

गोचरग्रहाः

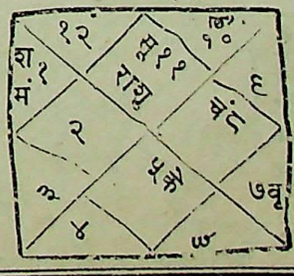

४७पं. फा. कृ ८ र. इ. २७।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	६	१०	०	१०	१०
१७	२	२९	१२	२५	११	१८	१७
५	१६	२९	१७	४३	२०	४०	५
४६	२५	३१	४२	४८	१०	५७	४०
६०	४१	९७	४९/४	७४	५	३	६०
१२	५१	५५	ब्र	२६	१७	११	२०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०२६ शाकः १८९१ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५८१६स.१९७०

१	र	३३	२४	पू	२०	५२	सा	३६	५०	कि	७	३९	२९	६	११	४९	८	१७	२९	मी	७।३०
२	चं	२६	६	उ	१५	२४	शु	४८	३०	कौ	२६	६	१०	१०	५०	९	१८	३०		मीने	
३	मं	२०	२८	रे	११	३५	ब्र	४१	५१	ग	२०	२८	१४	९	५१	१०	१९	१		मे.	११।३५
४	बु	१६	४१	अ	९	३३	ऐं	३७	९	वि	१६	४१	१९	८	५२	११	२०	२		मेषे	
५	गु	१५	१४	भ	९	४३	वै	३४	४	ब्रा	१५	१४	२३	७	५३	१६	२१	३		बृ.	२५।१४
६	शु	१५	३५	कृ	११	४६	वि	३२	४१	तै	१५	३५	२७	७	५३	१३	२२	४		बृषे	
७	श	१८	१२	रो	१६	१	प्री	३२	३८	व	१८	१२	३२	६	५४	१४	२३	५		मि.	४८।५५
८	र	२२	३०	मृ	२१	४९	आ	३३	४०	ब	२२	३०	३६	५	५५	१५	२४	६		मिथुने	
९	चं	२८	८	आ	२८	४७	सौ	३५	४४	कौ	२८	८	४७	४	५६	१६	२५	७		मिथुमे	
१०	मं	३४	२०	पु	३६	४	शो	३७	४९	तै	१	१४	४४	३	५७	१७	२६	८		क.	१९।१५
११	बु	४०	५१	पु	४३	४८	अ	४०	२०	व	७	३६	४९	२	५८	१८	२७	९		क र्के	
१२	गु	४६	४	श्ले	५१	११	सु	४२	२९	ब	१३	२७	५३	१	५९	१९	२८	१०		सिं.	५१।११
१३	शु	५२	४९	म	५८	०	धृ	४४	१९	कौ	१९	२७	५७	१	५९	२०	२९	११		सिंहे	
१४	श	५७	३७	पू	६०	०	शू	४५	१९	ग	२५	१३	३०	६	०	२१	३०	१२		सिंहे	
१५	र	६०	०	पू	३	५४	गं	४५	३२	वि	२९	३०	६	५	१	२२	१	१३		क.	२०।६
१५	चं	१	२२	उ	८	४२	बृ	४४	५८	ब	१	२२	१०	५	२	२३	२	१४		कन्यायां	

पूर्वास्तबुधः ३/१ पातस्पर्शः५७।४६
चन्द्रद. फुलरिया २ पातमोक्षः६।३०
भ. ४/३ उ. मोहोरम १ सन् १३९० हि.
भ. १६।४१ या.
*२२।१७(सौरः२१।२४)
पूभायां बुधः ३६।४६
भ.१८।१२उ ५०।२१या.दृश्योमीनेऽर्क*
होलाष्टकः
भरण्यां भौमः ३०।२
दृश्य उभा.रविः४३।२१(सौरः४२।०)
भ.३ ७/३ उ.४०।५१या.मीने बुधः५३।५७F
Fरेव. शुक्रः १७/५२ आमलकी ११।ब्र.
उभायांबुधः ४/५ ५/५ भरणी१शनिः ५/२ ५/६ प्रदोषः
भ. ५७।३७ उ.
भ.२ ६/३ ०या.होलिकादहनं रा चैत्रारंभः
छारंडी

४८पं.फा.शु.१र.इ.२५/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	६	११	०	१०	१०
२४	७	११	११	४	१२	१८	२४
६	३७	३	५९	२६	०	१८	७
२९	३०	१०	३४	५३	३	४१	३
५९	४१	८०	१९/३	७४	५	३	६०
५८	५२	१३	ब	२६	४४	११	६

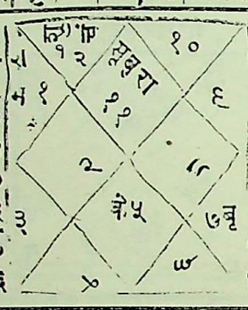

४९पं.फा शु.८र.इ.२५/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	६	११	०	१०	११
१	१२	२३	११	१३	१२	१७	१
५	३७	३१	३३	९	४३	५६	६
४२	१४	१	५७	४३	५१	२५	४५
५९	४१	२/३	१५/४	७४	६	३	५९
४१	३६	३/१	ब	२६	११	११	४९

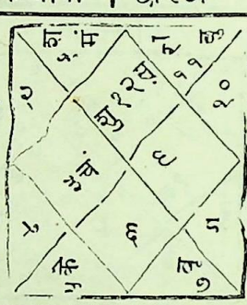

५०पं.फा.शु.१५.र.इ.२५/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	६	११	०	१०	११
८	१७	६	११	२१	१३	१७	८
३	३४	५४	०	५१	३०	३४	४
१८	२३	३६	३९	२१	०	१०	४०
५९	४१	२/३	२५/४	७४	६	३	५९
२९	३७	२/१	ब	२०	२६	११	३५

त. चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०२६ शाकः १८९१ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृ. महा.

१	मं	३	५९	ह	१२	३०	धु	४३	२५	कौ	३	५९	३०/१	५	७/३	२४	३	१५	तु.	४३।४८	
२	बु	५	३५	चि	१५	६	ज्या	४१	५	ग	५	३५	१८	५६	४	२५	४	१६	तुलायां		
३	गु	५	५९	स्वा	१६	५०	ह	३८	३	वि	५	५९	२३	५५	५	२६	५	१७	तुलायां		
४	शु	४	२०	वि	१७	३२	व	३४	११	ब्रा	४	२०	२७	५५	५	२७	६	१८	बृ.	२।२२	
५	श	२	४४	अ	१७	२७	सि	२९	३४	तै	२	४४	२१	५४	६	२८	७	१९	बृश्चिके		
६	र	१	२२	ज्ये	१६	१३	व्य	२३	४९	व	१	२२	३५	५३	७	२९	८	२०	ध.	१६।१३	
७	र	५६	३६		०	०	८	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०		
८	चं	५३	५५	मू	१४	११	व	१८	२	ब्रा	२५	५७	३९	५२	८	३०	९	२१	धनुषि		
९	मं	४८	४२	पू	१०	२६	प	११	२०	तै	२१	१९	४४	५१	९	३१	१०	२२	म.	२४।४५	
१०	बु	४२	४९	उ	७	४३	शि	५३/५२	५१/४९	व	१५	४६	४८	५०	१०	१	११	२३	मकरे		
११	गु	३६	६	श्र	३/१	५५/५४	सा	४७	५	ब	९	२७	५२	५०	१०	२	१२	२४	कुं	३०।३८	
१२	शु	२८	५०	श	५२	२६	शु	३८	५	कौ	२	२८	५६	४९	११	३	१३	२५	कुम्भे		
१३	श	२१	१८	पू	४६	५४	शु	२९	५	व	२१	१८	३०/१	४८	१२	४	१४	२६	भी	३३।१७	
१४	र	१३	४७	उ	४१	४३	न	२०	३१	श	१३	४७	४	४७	१३	५	१५	२७	मीने		
३०	चं	७	६	रे	३७	३७	ऐं	१२	२९	ना	७	६	८	४६	१४	६	१६	२८	मे	३७।३७	

वसन्त १
भ. ३५।४७ उ.
भ. ५।५९ या. चतुर्थी ब्र.
रेवत्यां बुधः १६।१९

भ.२ १/२ उ. २९।४०या.अश्वि.मेषेशुक्रः २ ३/९
*३६।९ अप्रे ल४त।.३०
शीतलापूजनम
दृश्यो रेवत्यांरविः १।१४(सौरः९।२८)
भ १ ५/९ उ. ४ ३/९ या. वक्री स्वा.१गुरुः *
अश्वि.मेषेबुधः ५/४ ९पापमोचनी११ब्र.
प्रदोषः
भ.५ २१/८ उ. ४ ७/३ २या.कृतिका.भौमः२६।३७
बुधोदयः पश्चिमायां २१।१७
सोमवती मन्वादिः

५१पं.चैत्रकृ.६र.इ.२९/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	६	०	०	१०	११
१४	२२	२१	१०	०	१४	१७	१५
५९	३०	८	२०	३१	१८	११	०
१३	०	२९	१३	४०	४	५४	४५
५९	४१	२/३	२९/६	७४	६	३	५९
१६	३२	२३	ब	२०	४१	११	१८

गोचरग्रहाः

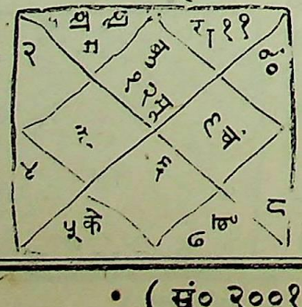

फा. शु. ७ शनौ मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४ वृद्धावस्था(बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शु. प.

गोचरग्रहाः

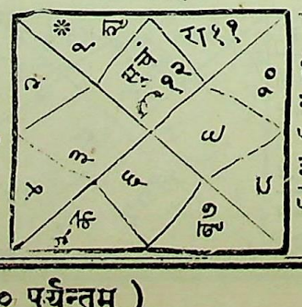

५२पं.चैत्रकृ.१४र.इ.२९/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	६	०	०	१०	११
२१	२७	५	९	९	१५	१६	२१
५३	२३	०	३३	१०	८	४९	५४
३१	३१	५४	५७	३३	३८	३९	५६
५९	४१	२/३	१३/७	७४	६	३	५९
४	२८	४/९	ब	८	५९	११	४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

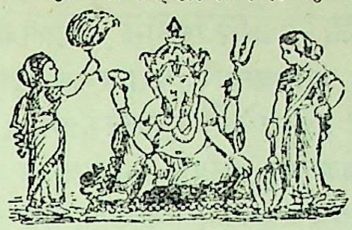

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७१ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७१ भोग्यकलिः ४२६९२९ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२७ शाकः १८९२ वर्षेऽस्मिन्राजाभौम । मंत्री चंद्रः । सस्येशोगुरुः । धान्येशोभौमः । मेघेशः रविः । रसेशःशनिः । नीरसेशोगुरुः । फलेशोरविः । धनेशोबुधः । दुर्गेशः रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां रुधिरोद्गारी नाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ५।२६।२१।६ भोग्यमासादिः ६।३।३८।५४ भगदैवतंयुगम् वर्षनाम चैत्रः मेघ नाम पुष्करः । रोहिणी निवासः पर्वते । समय निवासो कुम्भकार गृहे । समय विश्वा १८ । समय वाहनंवृषभः । स्तम्भौ २ अन्नवाच्यो । सोमवत्यमाः २ । सोमवती पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी३ । रविदशमी २ समय मुहूर्ताः ३६० । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १६ । तिथि वृद्धिः १० । उत्पत्ति विश्वा ९६ । खपति विश्वा १०८ । वर्षा विश्वा १७ । धान्यम् ७. तृणम् १५. शीतम् ११. तेजः ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ । ऐक्यम् १०९ शनिदृष्टिः पूर्वस्यां । ग्रहणस्य भावेऽस्मिन् वर्षे भारते ।

भैरव–भवानी सम्वाद

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	८	२	५	१४	२	५
खर्च	१४	८	५	२	१४	५

भैरव प्रश्न

भैरव कहे पुकार के सुन जगदम्बे मात ।
साल सताइस आईया सभी कहो कुशलात ॥

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे सुन ले सोच विचार ।
संवत् सखरो होयसी घर घर दुःख प्रपार ॥

जन्मे सो जीवें नहीं बालक कष्ट विशेष ।
कामनियां दुःख पायसी इसमें मीन न मेष ॥

राष्ट्रपति भये भूमिसुत इनका क्रूर स्वभाव ।
यह सुख से नहीं रहन दे बिच बिच देखे दाव ॥

चन्द्रदेव मंत्री भये सस्यपति गुरु जान ।
यह शुभ फल दातार है बढै मान सम्मान ॥

आषाढां आगे चाले रविरथ से कुजराय ।
श्रावण कृष्णा पाखलौ वर्षा स्वल्प दिखाय ॥

रुधिरोद्गारी वर्ष है तेजी कारक योग ।
ग्रीष्म धान्य संचय करो ईश्वर दें सब भोग ॥

वर्ष लग्नम् १।१५

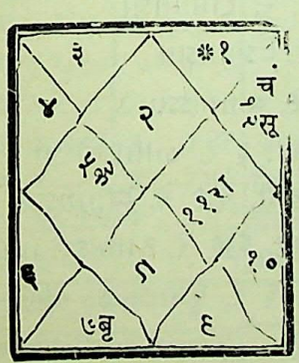

* शु.श.मं.बु.

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	बृ	ध	म	कु	मी.
लाभ	२	८	११	१४	१४	११
खर्च	८	१४	९	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ८।११

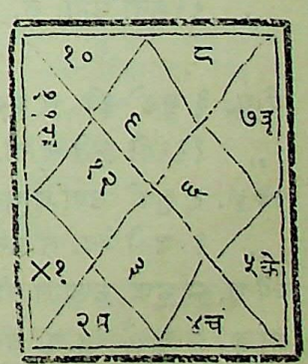

× श.मू.शु.बु.

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२५।३३

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणाम् फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा भौमस्त फलम् ॥ भौमे नृपे वह्नि भयं जन क्षयं चौरा कुलं पार्थिवविग्रहम् च । दुःखं प्रजा व्याधि वियोग पीडा स्वल्पं पयो मुंचति वारिवाहः ॥ मन्त्री चन्द्रस्तत्फलम् । शशिनि मन्त्रि गतेबहु सस्यवत्यपि धरा रमते सुख मंडिता । वियति वारिधरा बहु-वर्षिणो, जनपदा सुख राशि सुशोभिताः ॥ सस्येशो गुरुस्तत्फलम् ॥ कणयतौ सुर राज पुरोहिते सकल सौख्य करः श्रुति पूर्वकः । जलधरा जलदा बहु सस्यदा रस पयांसि बहूनि वसूनि वै ॥ धान्येशो भौमः-फलम् ॥ भूमिजे ग्रीष्म धान्येशे ग्रीष्म धान्य महर्घकम् । शालीक्षु घृत तैलादि महर्घाणि भवंति च ॥ मेघेशो रविः फलम् । जलदयं मदिवासरं येतदा सरसि वै रमते जनता रसम् । यव चणेक्षु नीवार सुशालिभिः सुख चयं सुलभं भुविवर्तते ॥ रसेशः शनिः फलम् ॥ रवि सुते रसये रस संक्षयो नजलदा गददाश्च पयो-धराः । अजगवां गजवाजि खरोष्ट्र हाजन पदेपुनरा न रसैं युताः ॥ नीरसेशो गुरुः फलम् । हरिद्रा पीत वस्तूनि पीत वस्त्रादि कंचयत् । नीरसेशो यदाजीवः सर्वेषां प्रीति रुत्तमा ॥ फलेशो रविः फलम् ॥ द्रुमवती फल पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता । बहुजल जलदो भुवि मुंचति कृचिदपि प्रांमतं फलशे रविः ॥ धनेशो बुधस्तत्फलम् ॥ द्रविणयो हिस राशी सुतो यदा विविध संग्रह वस्तु फलार्थदा । द्विजवराजय यज्ञ सुसंयुताः कृषि विशेष विशेषित मानसाः ॥ दुर्गेशो रविः फलम् ॥ क्षम विशेष करस्त-राणिस्तदा गतभया नर राज पुरोगमाः । समधि कोनतदा नृपजोऽन्यजः स्वपथजं व्रजतांन भयं क्वचित् ॥ रुधिरोद्गारि संवत्सरः फलम् ॥ आहवेनिरताः सर्वे भूपारोगैस्तथा जनाः । यथा कथंचिज्जीवंति रुधिरी-द्वारिवत्सरे ॥ वर्षनाम चैत्रस्तत्फलम् ॥ सस्यानि घृत कार्या स तैलादि सुख संचयः । चैत्र वर्षे भवेद्वृद्धिः नृप सौख्य फलप्रदा । मेघनाम पुष्करः फलम् ॥ पुष्करे मंदवृष्टिश्च ॥ रोहिणी निवासः पर्वते फलम् ॥ रोहिणी नाम नक्षत्र पर्वतस्थंयदा भवेत् । वृष्टि हानि स्तदाज्ञेया सर्व सस्य विनाशनम् ॥ समयनिवा स कुंभकार गृहे फलम् ॥ अना वृष्टि प्रजायतौ ॥ एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयम् शुभाशुभम् ॥

सं० २०२७ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चैत्र वैशाख ज्येष्ठाषाढ़ मासेषु गोधुल्या भौम ७ ८ दोषः

चं. शु. १०गुरौ मघा.ल. गो.९रे ७।ऽ।।।।ऽऽ।गणितेन क्रांति-साम्याऽभावः

,, १२शनौ उफा. ल. ९।१०रे. ९ऽ।।।।।।।।

,, १३रवौ हस्तेल. अन्यगो.- ९।१०रे. ९।।।।।ऽ।।।

वै कृ ४शनौ मूले ल गो.१०रे.७।।।। ऽअ.ऽऽ।

,, १२शनौ उभा. ल. १०रे. ८।ऽ।।।ऽ। तिथ्यंतःकृष्णा-नंगचतुर्दिनञ्च

वै.शु. ३ शुक्रे मृगे ल.अन्यगो.रे.८ऽ।।।ऽचो।।।।

,, ११रवौ हस्ते ल गो.रे. ८।।।।ऽअ.ऽ।।।

ज्ये.कृ. ९ शुक्रे उभा.ल.अन्यगो.रे.९।।।।।।ऽ।।भौ.शु.८दोषः

,, १०शनौ रेव. ल.अन्यगो.रे ७।।।।ऽऽऽ।।भौ.शु.८दोषः

ज्ये शु. ८ शुक्रे उफा.ल गो रे.९।।।।।।।ऽ।।भौ.शु.८दोषः

आ कृ. ८ शुक्रे रेव.ल. अन्यगो २रे.९।।।।ऽअ.ऽऽ।ऽवृष लग्रे-रेखा७ दग्धाऽभावः शु. श पूज्यौ

आ.शु. ५गुरौउफा.ल अन्यगो२रे.१०।।।।।।।।।वृषेशनि१२पूज्यः

,, ६ शुक्रे हस्ते ल.अन्यगो २रे.-।।।।।ऽऽ।। ,, ,,

मा.कृ. ११ भौमे हस्ते ल. अन्यगो.४रे. ७।।।।ऽगोऽऽ।

मा.शु. २ चन्द्रे. मूले ल ६ रे.८।।ऽबु।।।ऽ।।

,, ४ बुधे उफा.ल.४ ६रे.९।।।।।।।।।।कर्के च.७पूज्यः

,, ८ रवौ उभा.ल.अन्यगो. ६रे.९।।।।ऽ।।।।कन्या.च.७पू.

,, १० भौमे रेव.ल गो.४ (ध.$\frac{3}{3}$६या.) रे.६।ऽ।।ऽनृऽऽ।

,, १४ शुक्रे रोहि.ल.४।६ (ध.३३।७उ.) रे.७ऽ।।।।ऽऽ।।

,, १५ शनौ मृगे ल. ४।६रे. ७।ऽ।।ऽ।।ऽ।।

पौ.कृ. १ रवौ मृगे ल. गो. रे. ६।ऽऽ.ऽ।।ऽ।।

माघकृ.५शनौ उफा. ल. ६।९ रे.८।।।।।ऽअ.।ऽ।।

,, ६ रवौ उफा. ल. गो. रे. ९।।।।।।।ऽ।।

,, ६ रवौ हस्ते ल. ९ रे. ८ऽ।।।।ऽ।।।

,, ७ भौमे स्वा. ल. ९ रे. ८।।।।।ऽऽ।।

,, ८ बुधे स्वा ल. अन्यगो. ६ रे. ७।।।।।ऽचोऽऽ।।

माघशु.४ शनौ उभा. ल. अन्यगो. ६।९ रे. ८।।।।।ऽऽ।।

,, ५ रवौ रेव. ल. अन्यगो. ६।९ रे. ९।।।।।ऽरो.।।।।

,, ९ गुरौ रोहि. ल. गो. ६ रे. ६ऽ।।ऽ।।ऽऽ। गणितेन क्रा. सा. अभाव.

फा.कृ ३ शनौ उफा. ल. गो. रे. ९।।।।।।ऽ।।।

,, ४ रवौ हस्ते ल. ९ रे. ८।।।।।ऽ।ऽ।।

,, ६ भौमे स्वा.ल.गो.६रे.७ऽऽ।।।। ।ऽ।गणि.क्रा.सा.अभाव.

फा.शु. १३शुक्रे उभा. ल. ९ रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।।।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चंद्रः | वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८४६स १९७०

१	मं	१	५	अ	३४	३७	चे	३४	१२	च	१	५	३१/१२	४६/१४	७	१७	२९	मेषे
२	मं	५५	३५		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०
३	बु	५४	१८	भ	३३	३९	प्री	५५	३४	तै	२५	२९	१६	४५	१५	८	१८	१
४	गु	५३	४४	कृ	३४	१७	आ	५२	४०	च	२४	१	२०	४४	१६	९	१९	२
५	शु	५५	१९	रो	४७	७	सौ	५१	५६	च	२४	३१	२४	४३	१७	१०	२०	३
६	श	५८	३५	मृ	४१	४०	शो	५१	५६	को	२६	५७	२८	४२	१८	११	२१	४
७	र	६०	०	आ	४७	४९	अ	५३	२५	ग	३१	५	३२	४२	१८	१२	२२	५
७	चं	३	३४	पु	५५	०	पु	५५	२७	च	३	३४	३६	४१	१९	१३	२३	६
८	मं	९	२५	पु	६०	०	धृ	५७	५०	च	९	२५	४०	४०	२०	१४	२४	७
९	बु	१५	५५	पु	२	३७	शू	६०	०	को	१५	५५	४३	३९	२१	१५	२५	८
१०	गु	२१	५८	श्ले	१०	२	शू	०	५	ग	२१	५८	४७	३९	२१	१६	२६	९
११	शु	२७	४७	म	१७	२	गं	२	७	द्वि	२७	४७	५१	३८	२२	१७	२७	१०
१२	श	३२	१९	पू	२३	१०	वृ	३	२५	वा	०	३५	५५	२७	२३	१८	२८	११
१३	र	३५	४०	उ	२७	४६	ध्रु	३	३५	को	३	५९	५८	३६	२४	१९	२९	१२
१४	चं	३७	३३	ह	३१	११	व्या	२	४२	ग	६	३६	३३/३२	३६	२४	२०	३०	१३
१५	म	३७	५५	चि	३३	१३	ह	४५	५७/०	वि	७	४४	६	३५	२५	२१	१	१४

१५	म	३७	५५	चि	३३	१३	ह	४५	५७/०	वि	७	४४	६	३५	२५	२१	१	१४

तु. २। १२

चन्द्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नव. सिंधारा
*३१/१६ गणगौरी सफर २
भरण्यां शुक्रः ५/१७ शते ३ राहुः पूफा. १ केतुः*
भ. २४/१ उ. ५/४ या. भरण्यां बुधः ५/५ वृषे=
=भौमः १५।४८

भ. ३३/४ उ. ३६/० या. हस्थोऽश्वि. मेषेऽर्कः ४५/६ +
रामनवमी स्मा. +(सौरः ४४।३)
अस्तः शनेः ७।५५ राम ९ वै.
भ. ५४।५२ उ.
भ. २७/४ या. भरणी. २ शनिः २/४० कामदा×
×११ व्र. पातस्पर्शः १/२ मोक्षः १२/४२
कृत्तिका. शुक्रः ४५।२४ प्रदोषः
भ. ३७।३३ उ.
भ. ४७/४ या कृत्तिका. बुधः ५/६ हनु. ज. रा. वैशा.

१ पं. चै. शु. ७ चं. इ. ४५/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	०	०	१०	०
०	३	१८	८	१९	१६	१६	०
०	६	५७	३६	२०	११	९३	१
०	३०	५७	५७	२४	९	३१	४
५८	४१	८६	४७	७४	७	३	५८
४४	१३	३४	ब	२	९	११	४५

गोचरग्रहाः

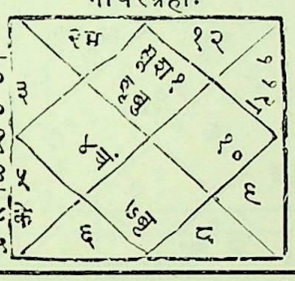

वै. शु. ७ चन्द्रे मेषेऽर्कः प्र. वा ३ न. ३ बाला-वस्था (बैठीं) मु. ४५ (धान्य भाव सम) शु. प.

गोचरग्रहाः

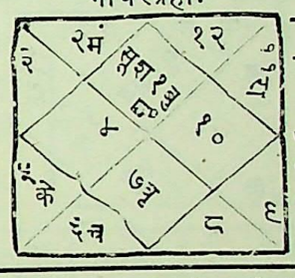

२ पं. चै. शु. १४ चं. इ. ४५/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	०	०	१०	०
६	७	२६	७	२७	१७	१६	६
५०	५६	२५	४२	५४	३	१	५१
४२	४९	१२	४३	०	४६	१५	१५
५८	४०	४५	५२/५	७३	७	३	५८
३१	५२	५	ब	५६	१७	११	२९

ति. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२ | दि. उ. अ | इं. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मतूं रविरुत्तरे चैत्र कृ. महाराष्ट्राः

१	बु	३६	५८	स्वा	३३	४९	सि	५३	४३	घा	७	२६	३२/१०	५४/३	६/२६	२२	२	१५	तुलायाँ
२	गु	३५	०	वि	३३	२६	व्य	४९	१	तै	५	५९	१४	३३	२७	२३	३	१६	वृ. १८।३२
३	शु	३१	५३	अ	३२	१६	व	४३	४३	व	३	२६	१७	३३	२७	२४	४	१७	वृश्चिके
४	श	२८	१२	ज्ये	३०	१७	प	३७	५१	वा	२८	१२	२१	३२	२८	२५	५	१८	ध. ३०।१७
५	र	२३	५८	मू	२७	५१	शि	३१	३४	तै	२३	५८	२५	३१	२९	२६	६	१९	धनुषि
६	चं	१९	३१	पू	२५	१	सि	२५	५	व	१९	३१	२९	३०	३०	२७	७	२०	म. ३९।१८
७	मं	१४	४२	उ	२२	८	सा	१८	२०	ब	१४	४२	३२	३०	३०	२८	८	२१	मकरे
८	बु	९	३५	श्र	१८	४१	शु	११	१७	को	९	३५	३६	२९	३१	२९	९	२२	कु. ४६।५४
९	गु	३	१४	ध	१५	७	शु	४/३	५२/३४	ग	३	१४	४०	२८	३२	३०	१०	२३	कुम्भे
१०	गु	५५	१७		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	शु	५२	४७	श	११	११	ऐं	४९	१४	ब	२५	३९	४३	२७	३३	१	११	२४	मी ५३।२४
१२	श	४७	१	पू	७	२९	वै	४२	५	को	१९	५४	४७	२७	३३	२	१९	२५	मीने
१३	र	४१	३६	उ	३	५३	वि	३५	४	ग	१४	१९	५१	२६	३४	३	१३	२६	मीने
१४	चं	३६	५७	रे	४४/०	५७/४०	प्री	२८	५०	वि	९	१६	५४	२५	३५	४	१४	२७	मे. ०।४४
१५	मं	३३	१९	भ	५७	२२	आ	२३	१५	च	५	८	५७	२५	३५	५	१५	२८	मेषे

वृषे शुक्रः २७।४२
रोहि. भौमः ४६।१८
भ. ३।२६ उ. ३१।५३ या. च. ब्र.

भ. १३/६ उ. ४०/९ या. हस्थो भरण्यारविः ३५/५ *
* सौरः ३५/६ वक्री बुधः २५/६
वक्री चित्रा ४ गुरुः २।१४
भ. ३५/३ उ. ५३/६ या. रोहि. शुक्रः ३६/३ बुधास्तः÷
÷पश्चिमायां २१।४६
वरूथिनी ११ व्र. स्मा. मई ५ ता. ३१
वरूथिनी ११ व्र. वै.
भ. ४१/३६ उ. प्रदोषः
भ. ९।१६ या.

३ पं. बै. कृ. ५ चं. इ. ४५/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	१	०	१०	०
१३	१२	२९	६	६	१७	१५	१३
३९	४४	१७	५०	३०	५७	३९	३९
४३	६	२०	२	७	२१	०	४०
५८	४०	१९/२	५२/७	७३	७	३	५८
१७	४८	ब्र	ब	५६	२०	११	१२

गोचरग्रहाः

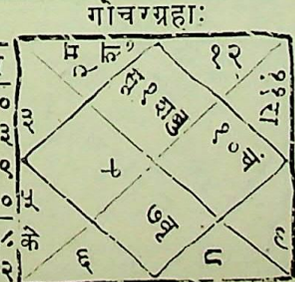

इस मास में मदी के योग हैं । कृ. पक्ष की तिथि घढ जाय । एक चीज तो क्या बदे सभी चीज बढ जाय ।

गोचरग्रहाः

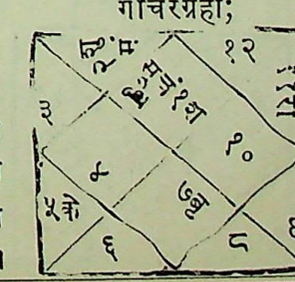

४ पं. वै. कृ. १४ चं. इ. ४५/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	१	०	१०	०
२०	१७	२७	५	१५	१८	१५	२०
२७	३०	३१	५७	२	५२	१६	२६
२२	७	५१	५०	२०	८	४४	२०
५८	४०	३०/२१	२७	७३	७	३	५७
६	५५	ब	ब	४३	२०	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| वैशाखशुक्ल पक्षः सं.२०२७ शाकः १८९२ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चंद्रः | ग्रीष्मतूं रविरुत्तरेऽहर्गणः५८७५सं.१९७०

१	बु	३१	६	कृ	५७	५१	सौ	१८	५५	कं	२	१३	३३/१	५/२४	६/३६	६	१६	२९	वृ.१२।२९
२	गु	३०	२०	रो	५९	५१	शो	१५	४७	वा	०	४३	४	२३	३७	७	१७	१	वृषे
३	शु	३१	२५	मृ	६०	०	अ	१४	१०	तै	०	५३	७	२३	३७	८	१८	२	मि३१।३८
४	श	३४	१२	मृ	३	२५	सु	१३	२८	व	२	४८	१०	२२	२८	९	१९	३	मिथुने
५	र	३८	२९	आ	८	३८	धृ	१४	१४	व	६	२०	१३	२१	३९	१०	२०	४	क.५८।३५
६	चं	४३	४९	पु	१५	१४	शू	१५	५८	कौ	११	९	१६	२१	३९	११	२१	५	कर्के
७	मं	५०	२	पु	२२	१९	गं	१८	८	ग	१६	५५	१९	२०	४०	१२	२२	६	कर्के
८	बु	५६	१६	श्ले	२९	५४	बृ	२०	३७	वि	२३	९	२२	२०	४०	१३	२३	७	सि२९।५४
९	गु	६०	०	म	३७	११	धु	२२	४७	बा	२९	११	२५	१९	४१	१४	२४	८	सिंहे
१०	शु	२	५	पू	४३	५६	व्या	२१	२९	कौ	२	५	२८	१८	४२	१५	२५	९	क.५९।५९
११	श	६	३१	उ	४८	७	ह	२५	१२	ग	६	३१	३०	१८	४२	१६	२६	१०	कन्यायां
१२	र	१०	२०	ह	५२	५६	व	२४	४७	वि	१०	२०	३३	१७	४३	१७	२७	११	कन्यायां
१३	चं	१२	१	चि	५४	४६	सि	२३	४	बा	१२	१	३६	१७	४३	१८	२८	१२	तु. २३।५१
१४	मं	१२	७	स्वा	५५	१०	व्य	१९	५६	तै	१२	७	३९	१६	४४	१९	२९	१३	तुलायां
१५	बु	१०	१४	वि	५३	४८	व	१५	२२	व	१०	१४	४१	१६	४४	२०	३०	१४	बृ.३९।९
१५	गु	६	५७	अ	५१	२२	प	९	५१	ब	६	५७	४३	१५	४५	२१	३१	१५	वृश्चिके

वक्री भरण्यां बुधः २८।२६ चंद्रदर्शनम्
परशुराम जयंती रदिलावल ३
अक्षया ३
भ. २।४८ उ. ३४।१२ या.
*मृगेशुक्रः ३६।३९
दृश्यः कृत्तिका. रविः ११/२० (सौरः १३/१८)*
भ. ५०/२ उ.पातस्पर्शः ४३/४४ मोक्षः ५/४६
भ. २३/५ या.मृगे भौमः २४/७ भरणी. २शनि ४५/५७
दृश्यो वृषेऽर्कः ३८।३५ (सौरः४१।६)

भ. ३८।२५ उ.
भ. १०/२० या.मिथुने शुक्रः २६/४ मोहि.११ व्र.
पूर्वोदयी बुधः १७।७ प्रदोषः
नृसिंह १४
भ. १०/१४ उ. ३५/३५ या. उदयं शनेः ४५/२०
यमाय जलान्न कुंभदानम्

५पं.वै.शु.६ चं.इ.४६/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	१	०	१०	०
२७	२२	२४	५	२३	१९	१४	२७
१३	१३	२२	९	३१	४५	५४	११
३४	१९	१५	५८	३७	१४	२८	३४
५७	४०	३१/३३	४६/४९	७३	७	३	५७
५४	५०	बृ	ब	२७	२०	११	५४

गोचरग्रहाः

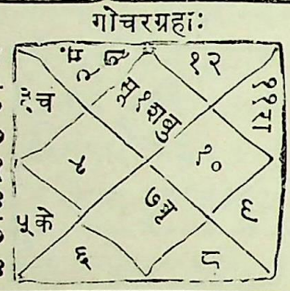

वै. शुक्ले.९ गुरौ वृषेऽर्कः प्रविष्टो वा. ४ न. ५गतालका वस्था (ऊभी, मु. ३० धान्यादि भावे समता शु. प.

गोचरग्रहाः

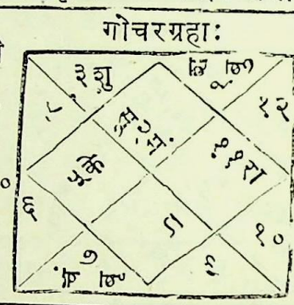

६पं.वै.शु.१२चं इ.४६/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	६	२	०	१०	१
३	२६	२०	४	२	२०	१४	३
५८	५५	२०	२५	१	३८	३२	५५
२६	३६	२१	४८	४	३८	१३	२७
५७	४०	२०/१९	६/८	७३	७	३	५७
४४	५४	बृ	ब	१७	१४	११	३४

ति.| ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं.२०२७ शाकः १८९२ |दि.|उ.|अ.|इ|रा|मु.| चंद्रः | ग्रीष्मतूं रविरुत्तरे वै.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	शु	२	१९	ज्ये	४७	५३	शिं	२०/२	५२/५७	कौ	२	१९	३३/४६	१/५	६/४५	२२	१	१६	ध.४७।५३
२	शु	५४	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	श	५०	५५	मू	४३	५९	सा	४९	४९	व	२३	५८	२८	१४	४६	२३	२	१७	धनुषि
४	र	४४	५०	पू	३९	५३	शु	४१	१५	व	१७	५३	५०	१४	४६	२४	३	१८	म.५३।५२
५	चं	३८	४१	उ	३५	४७	शु	३३	२४	कौ	११	४५	५२	१४	४६	२५	४	१९	मकरे
६	मं	३२	५५	अ	३१	५७	ज्ये	२५	१०	ग	५	५८	५४	१३	४७	२६	५	२०	मकरे
७	बु	२७	३१	ध	२८	२८	ऐं	१९	५	वि	०	१३	५६	१३	४७	२७	६	२१	कु.०।१३
८	गु	२२	११	श	२५	१०	चै	१२	१३	कौ	२२	११	५८	१२	४८	२८	७	२२	कुम्भे
९	शु	१७	३१	पू	२२	२५	वि	३८/५	५३/५३	ग	१७	३१	४३/००	१२	४८	२९	८	२३	मी८।६
१०	श	१३	२	उ	२०	४	आ	५३	५३	वि	१३	२	२	१२	४८	३०	९	२४	मीने
११	र	९	१६	रे	१८	२६	सौ	४८	५६	बा	९	१६	४	११	४९	३१	१०	२५	मे.१८।२६
१२	चं	६	५	अ	१७	२२	शो	४४	१७	तै	६	५	६	११	४९	१	११	२६	मेषे
१३	मं	३	५२	भ	१७	१६	अ	४०	४३	व	३	५२	७	११	४९	२	१२	२७	वृ.२२।३२
१४	बु	२	४४	कृ	१८	१९	सु	३७	५९	श	२	४४	९	१०	५०	३	१३	२८	बृषे
३०	गु	२	४३	रो	२०	३१	धृ	३६	३१	ना	२	४३	१०	१०	५०	४	१४	२९	मि५२।१७

आर्द्रा.शुक्रः३९।२७ रा. ज्येष्ठारम्भः

भ. २३।५८ उ.५५/५९ या मिथुने भौमः २३/१५
मार्गी बुधः ४।५९ च. व्र.
दृश्योः रोहि. रविः १/२० (सौरः७।१५)
भ. ३२।५५ उ.
भ. ०।१३ या.

भ. ४५।१६ उ.
भ. १३।२ या.
अपरा ११ व्र.
वक्री चित्रा ३गुरुः ६/३३ प्रदोषः जून६ता३०
भ.३।५२उ.३३।१८या पुनः शुक्रः ४३/४६*
* आर्द्रा. भौमः २३।४६

वटपूजनम्

७पं.ज्ये.कृ.५ चं.इ.४६/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	६	२	०	१०	१
१०	१	२०	३	१०	२१	१४	१०
४२	३६	१/४७	२७	३१	९	३२	
२५	३२	३३	३८	३२	२२	५७	२३
५७	४०	२६/२७	४६/४९	३७	७	३	५७
३५	२८	ब	ब	२	२	११	२३

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ शुक्रवार शुभ हैं। धूप अधिक वायु का जोर रहे अनाज जौ गेहूँ आदिमें मंदी होकर तेजी होगी

गोचरग्रहाः

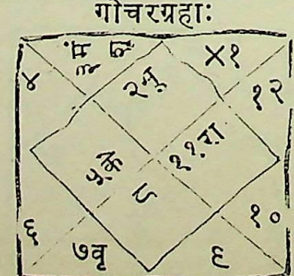

८पं.ज्ये.कृ.१२चं.इ.४६/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	६	२	०	१०	१
१७	६	२३	३	१८	२२	१३	१७
२५	१५	३७	१७	५०	२३	४७	१७
८	०	५९	३१	३४	१६	४२	२९
५७	४०	४१	४३/४४	७२	६	३	५७
२७	१६	४९	ब	४६	१२	११	१३

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

×चं.श.बु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२७शाकः १८९२ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५६०५.स.१६७०

१	शु	४	३	मृ	२४	३	शु	३५	३६	व	४	३	३४/१२	१०/५०	६	५	१५	३०	मिथुने
२	श	६	५३	आ	२८	४६	ग	३६	५	कौ	६	५३	१३	६	५१	६	१६	१	मिथुने
३	र	११	६	पु	३४	५६	मृ	३७	२१	ग	११	६	१४	६	५१	७	१७	२	क.१८।२७
४	चं	१६	२१	पु	४१	५८	धु	३६	१६	वि	१६	११	१६	६	५१	८	१८	३	कर्के
५	मं	२२	२०	श्ले	४६	३४	व्या	४१	५६	चा	२२	२०	१७	६	५१	६	१६	४	सिं४६।३४
६	बु	२८	३४	म	५७	६	ह	४४	२२	तै	२८	३४	१८	८	५२	१०	२०	५	सिंहे
७	गु	३४	३५	पू	६०	०	व	४६	४१	ग	१	३४	१९	८	५२	११	२१	६	सिंहे
८	शु	३६	५५	पू	४	१७	सि	४८	८	वि	७	१५	२०	८	५२	१२	२२	७	क.२०।४७
९	श	४३	४३	उ	१०	१६	व्य	४८	३७	चा	११	४६	२१	८	५२	१३	२३	८	कन्यां
१०	र	४६	१४	ह	१४	५६	व	४७	४६	तै	१४	५८	२२	८	५२	१४	२४	९	तु.४६।३०
११	चं	४६	४३	चि	१८	४	प	४५	२३	व	१६	२८	२२	८	५२	१५	२५	१०	तुलायाँ
१२	मं	४५	२	स्वा	१६	८	शि	४१	२८	ब	१५	५३	२३	७	५३	१६	२६	११	तुलाया
१३	बु	४१	३४	वि	१८	१०	सि	३५	५६	कौ	१३	१८	२३	७	५३	१७	२७	१२	बृ.३।२५
१४	गु	३५	१०	अ	१५	२३	सा	२६	२	ग	८	२२	२३	७	५३	१८	२८	१३	वृश्चिके
१५	शु	२६	२७	ज्ये	११	७	शु	२१	१७	वि	२	२४	२४	७	५३	१९	२९	१४	ध.११।७

प्रदृश्यो मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४ न. ४प्रगल्भावस्था बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु. प.

भरणी. ४ शनिः ५२।१४
शते २राहुः मघा. ४ केतुः २८।५४
भ.३४।३५उ. कर्के शुक्रः ६।५७
भ ७।१५ या.
पुष्ये शुक्रः ५६।२
दृश्यो मिथुनेऽर्कः५५।४४ गंगा १०
भ.१६उ.४३या. मिथुनेऽर्कः सौरः५६*
*रोहि.बुधः५७।२ निर्जला ११ब्र.
प्रदोषः
भ. ३५।१० उ.
भ. २।२४या. वट सावित्री ब्र. गुर्ज.

९पं.ज्ये.शु.४चं.इ.४६/२६

गोचरग्रहाः

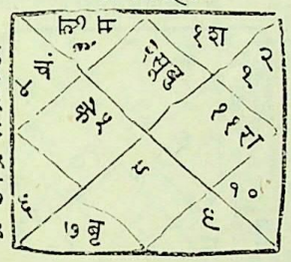

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	६	२	०	१०	१
२४	१०	०	२	२७	२३	१३	२३
७	५२	१७	५१	१०	१२	२५	५८
१२	४४	१३	१५	४०	४६	२६	२५
५७	४०	६६	२९	७२	६	३	५७
२२	१३	२९	ब	२०	३६	११	५

गोचरग्रहाः

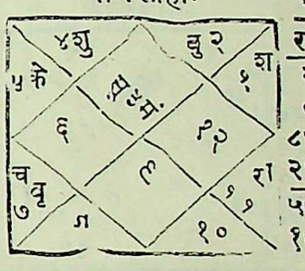

१०पं.ज्ये.शु.११चं.इ.४६/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	६	३	०	१०	२
०	१५	९	२	५	२४	१३	०
८४	२८	४३	४०	२८	०	३	२७
२५	४	३७	२०	४८	५८	१०	२४
५७	४०	५२	३७	१	६	३	५६
१७	१३	४९	ब	५६	२३	११	५७

ति. | आषाढ कृष्णपक्षः सं.२०२७ शाकः १८९२ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृ.महाराष्ट्राः

१	श	२१	५५	मृ	५	५५	शु	१२	३०	कौ	२१	५५	३४/२४	५/५३	६	२०	३०	१५	धनुषि
२	र	१४	७	पू	०/२	५४/२	ग	२५/३	५०/४४	ग	१४	७	२४	७	५३	२१	३१	१६	म १३।३२
३	चं	५	५३	श्र	४८	१६	वै	४५	२३	वि	५	५३	२४	७	५३	२२	१	१७	मकरे
४	चं	५२	१८	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	मं	५१	१३	ध	४३	२१	वि	३६	५१	कौ	२४	४२	२४	७	५३	२३	२	१८	कु.१५।५०
६	बु	४४	५८	श	३९	८	प्री	२८	५७	ग	१८	५	२४	७	५३	२४	३	१९	कुंभे
७	शु	३९	४४	पू	३५	३४	आ	२१	५१	वि	१२	२१	२३	७	५३	२५	४	२०	मी२१।२८
८	शु	३५	२६	उ	३३	२०	सौ	१५	३२	वा	७	३५	२३	७	५३	२६	५	२१	मीने
९	श	३२	१६	रे	३१	५९	शो	१०	८	तै	३	५१	२३	७	५३	२७	६	२२	मे.३१।५९
१०	र	३०	४	अ	३१	४८	अ	५	३४	व	१	१०	२२	८	५२	२८	७	२३	मेषे
११	चं	२९	४	भ	३२	३५	सु	५०/१	५७/५१	ना	२९	४	२२	८	५२	२९	८	२४	वृ.४८।५
१२	मं	२९	१०	कृ	३४	३५	शू	५७	११	तै	२९	१०	२१	८	५२	३०	९	२५	वृषे
१३	बु	३०	२	३	रा	३७	२८	गं	५६	१५	व	३०	२३	२०	८	५२	१	१०	२६	बृषे
१४	गु	३२	३८	मृ	४१	४४	बृ	५६	११	वि	१	३०	२९	८	५२	२	११	२७	मि९।३६
१५	शु	३६	६	आ	४६	४९	धु	५६	३५	च	४	२२	१८	८	५२	३	१२	२८	मिथुने

गुरुः५१/५२ पा.स्पर्शः२६/२० मोक्षः ४२।३५
भ.४०दृश्यः आर्द्रा. रविः५५।३६मार्गी
भ.५।५३या.आर्द्रा.रविः सौर.८।२४÷
÷पुन.भौमः४१/५५च.ब्र.रा.आषाढारम्भः
मृगे बुधः ४४।५६
भ. ४४।५८ उ.
भ.१२।२१या.आश्ले. शुक्रः १२।३१
पूर्वास्तं बुधः ८।१०
मिथुने बुधः १९।५८
भ. १।१० उ. ३०। ४ या.
योगिनी ११ ब्र.
आर्द्रा. बुधः ३१।४४ प्रदोषः
भ.३०।२३उ. जौलाई ७ ता. ३१
भ, १।३०

११पं.आ.कृ.३च.इ.४६/२५

गोचरग्रहाः

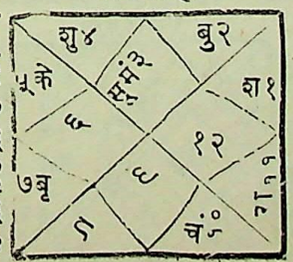

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं प्रजा में पीड़ा अग्निभय वर्षाकम और हरेक वस्तु तेज हो।

गोचरग्रहाः

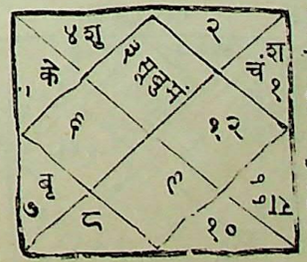

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	६	३	०	१०	२
१४	२४	५	२	२१	२५	१२	१३
९	३६	५	३८	५२	२९	१८	५४
५०	४३	२०	५२	५८	२४	४०	६
५७	३९	५९	१०	७१	६	३	५६
७	५९	४०	ब	२४	०	४१	११	५०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.। आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२ दि.उ.अ.इं.रा.मु.। चन्द्रः । वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५९३४स१९७०.

१	श	४०	२९	पु	५३	२	व्या	५८	२	कं	८	१३	३४/१७	५/९	५१	४	१३	२९	क.	३६	१	२८
२	र	४५	४६	पु	५९	४३	ह	३९	४९	बा	१३	७	१५	९	५१	५	१४	३०	कर्के			
३	चं	५१	५०	श्ले	६०	०	व	६०	०	तै	१८	४८	१४	९	५१	६	१५	१	कर्के			
४	मं	५८	८	श्ले	७	७	व	२	११	व	२४	५९	१३	९	५१	७	१६	२	सिं	७	१७	
५	बु	६०	०	म	१४	४०	सि	४	३२	ब	३१	१२	११	१०	५०	८	१७	३	सिंहे			
६	गु	४	१६	पू	२२	२१	व्य	७	१६	बा	४	१६	१०	१०	५०	९	१८	४	क.	३९	१	६
७	शु	९	५६	उ	२९	२३	व	९	३५	तै	९	५६	८	१०	५०	१०	१९	५	कन्या			
८	श	१४	३५	ह	३५	६	प	१०	४७	व	१४	३५	७	११	४९	११	२०	६	कन्या			
९	र	१७	४९	चि	३९	२९	शि	११	३	ब	१७	४९	५	११	४९	१२	२१	७	तु.	७	१७	
१०	चं	१९	२५	स्वा	४१	५८	सि	१०	२	कौ	१९	२५	४	११	४९	१३	२२	८	तुलायां			
११	मं	१८	५९	वि	४२	१८	सा	७	२१	ग	१८	५१	२	१२	४८	१४	२३	९	वृ.	२७	१३	
१२	बु	१६	१८	अ	४०	५६	शु	३/५	५४/१०	वि	१६	१८	०	१२	४८	१५	२४	१०	बृश्चिके			
१३	गु	११	३८	ज्ये	३७	२७	व	४९	४७	बा	११	३८	३३/५	१२	४८	१६	२५	११	ध.	३७	१२	७
१४	शु	५	८	मू	३२	१६	ऐं	४१	२	तै	५	८	५६	१३	४७	१७	२६	१२	धनुषि			
१५	श	५८	१७	पू	२५	५३	वै	३१	२०	वि	२२	४५	५४	१३	४७	१८	२७	१३	म.	३८	१३	६

दृश्यःपुनर्वसौ रविः ५/३३ चंद्रद. रथयात्रा पुन.रवि. सौरः १२/२५ पुनर्व. बुधश्च २९/५६* भ.२४।५९ उ.५८।८या. कर्के भौमः२।२८

[*मघा. शिहे शुक्रः ४६/१७ जमादिलावलपू. भ.३४/५ उ.४६।१२या.कर्के बुधः९।१४ पुष्ये बुधः४७।७कृत्तिका. १शनिः२४।१९ पुष्पे भौमः १५।१९ भ.४७।३५ उ. भ.१६।१८या.चित्रा.४ गुरुः२८।११÷ दृश्यः कर्केऽर्कः ३२/५६ (सौरः४५।९) प्रदोषः भ. ५७।१२ उ. [÷देवशयनी ११ ब्र. [×२७/५६ बुधोदयःपश्चिमायां २७/३२ व्यास१५ भ.२२/४५या.आश्ले बुध.२०/९पूफा. शुक्रः×

१२पं.आ.शु.३चं.इ.४६।१७ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	६	४	०	१०	३
२०	२९	२०	२	०	२६	११	२०
५०	९	४१	५१	०	२	५६	३२
१०	१४	१६	२८	०	४६	२४	०
५७	३१	५९	२	७०	५	३	५६
७	५९	५८	४७	२७	१४	११	५०

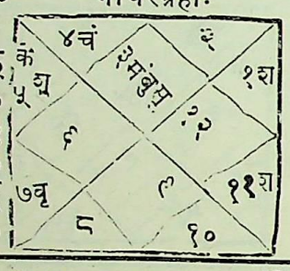

आ. शु. १२ गुरौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ५न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घताशुक्रो.पर्व

गोचरग्रहाः

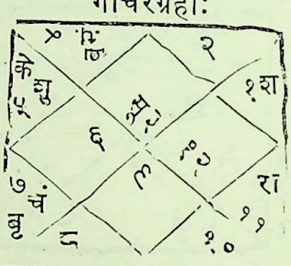

१४पं.आ.शु.९चं.इ.४६।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	६	४	०	१०	२
२७	३	५	३	८	२६	११	२७
३०	४०	२०	१३	१	४६	३४	१०
३२	३०	३४	२८	४८	३४	८	७
५७	३९	२९	४	६९	४	३	५६
११	५६	३९	२	३८	४९	११	५५

ति.।श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२ दि.उ.अ.इं.रा.मु.। चन्द्रः । वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ.कृ. महाराष्ट्रः

१	र	३८	५०	उ	१८	४६	वि	२१	१३	बा	१३	३४	३३/५२	५/१४	४६	१९	२८	१४	मकरे			
२	चं	२९	१९	श्र	११	२६	प्री	१०	४९	तै	३	५	५०	१४	४६	२०	२९	१५	कु.	३७	५०	
३	मं	२०	२०	पू	४/१४	५३/३३	आ	०/३२	५०/२१	वि	२०	२०	४७	१५	४५	२१	३०	१६	कुम्भे			
४	बु	१२	५	ध	५२	२८	शो	४१	४७	बा	१२	५	४५	१५	४५	२२	३१	१७	मी	२८	४८	
५	शु	५	५	उ	४८	२६	अ	३४	८	तै	५	५	४२	१६	४४	२३	१	१८	मीने			
६	गु	५४	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			
७	शु	५५	३५	रे	४६	७	सु	२७	३१	वि	२७	३५	४०	१६	४४	२४	२	१९	मे.	४६	१७	
८	श	५३	१९	अ	४५	२५	धृ	२२	१४	बा	२४	२७	३७	१७	४३	२५	३	२०	मेषे			
९	र	५२	१८	भ	४६	१	शू	१८	१३	तै	२२	४९	३५	१७	४३	२६	४	२१	मेषे			
१०	चं	५३	११	कृ	४८	८	गं	१५	२६	व	२२	४४	३२	१८	४२	२७	५	२२	वृ.	१	३३	
११	मं	५५	९	रा	५१	३८	बृ	१३	४९	ब	२४	१०	२९	१८	४२	२८	६	२३	बृषे			
१२	बु	५८	१९	मृ	५६	२२	ध्रु	१३	१४	कौ	२६	४४	२६	१९	४१	२९	७	२४	मि	२४	१०	
१३	गु	६०	०	आ	६०	०	व्या	१३	५२	ग	३०	२७	२४	१९	४१	३०	८	२५	मिथुने			
१३	शु	२	३५	आ	२	११	ह	१४	४३	व	२	३५	११	२०	४०	३१	९	२६	क.	५	२	१
१४	श	७	३५	पु	८	३८	व	१६	२४	श	७	३५	१८	२०	४०	१	१०	२७	कर्के			
२०	र	१३	१३	पु	१५	३२	सि	१८	२४	ना	१३	१३	१५	२१	३९	२	११	२८	कर्के			

दृश्यः पुष्ये रविः ५।२।१३ भ.५४।५०उ.पुष्ये रविः सौरः१५।५० भ. २०।२०या. च. ब्र.

भ.५/३९ उ नाग५मरुस्थलेरां श्रावणारंभः

भ.२७।३५ या. [+शुक्रः २२।३९ [* सिंहे बुधः ४।१४ भ. २२।४४ उ. ५३।११ या. मघा.* कामिका ११ ब्र. स्मा. वै. कामिका ११ नि. उफायां शुक्रः १७।५३ प्रदोषः भ. २।३५ उ. ३५।५या. अगस्त ८ ता. ३१ दृश्यः आश्लेषा.रविः ४९।१४ कन्या+

१५पं.श्रा.कृ.२च.इ.४५।५९ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	६	४	०	१०	३
४	८	१९	३	१५	२७	११	३
११	१०	२०	४१	५८	२०	११	४८
१७	४८	५६	५८	२२	६	५२	३४
५७	३९	३९	५६८	४	३	५६	
१५	४६	३२	८	५०	२२	११	५७

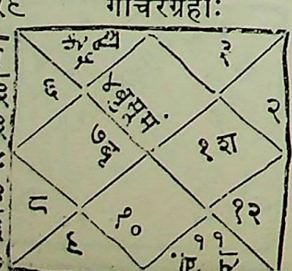

इस मासमें ५रवि ५सोमवार साधारण है प्रजा में रोग, वर्षाकम गुड़ खांड घृत धान्य तेज हो। सुदी में वर्षा श्रेष्ठ हो।

गोचरग्रहाः

१६पं.श्रा.कृ.१०च.इ.४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	६	४	०	१०	३
१०	१२	१	४	२३	२७	१०	१०
५२	३८	९	१८	४८	४८	४९	७
१९	२८	१८	४३	१४	२१	३७	५१
५७	३९	९९	६	६७	३	३	५७
२०	४६	५७	१४	४६	४४	११	५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५९६४ स. १९७०

१	चं	१९	२४	श्र	२२	५९	व्य	२०	३१	ब	१९	२४	३३/१२	५/२२	६/३८	३	१२	२९	सिं	२२।५९	आश्ले. रविः सौरः ४/९ आश्ले. भौमः १०/१८
२	मं	२५	३०	म	३०	३४	व	२३	७	की	२५	३०		९	२२	३८	४	१३	३०	सिंहे	पूफायां बुधः ४/९ चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	बु	३१	४०	पू	३८	१२	प	२५	४१	ग	३१	४०		६	२३	३७	५	१४	१	क.५४।५६	तीज जमादिलाखर ६
४	गु	३७	२२	उ	४५	९	शि	२७	४६	व	४	३१		३	२३	३७	६	१५	२	कन्या	भ. ४।३१ उ. ३७।२२ या.
५	शु	४२	१८	ह	५१	२७	सि	२९	३०	ब	९	५०		०	२४	३६	७	१६	३	कन्यां	नागपंचमी
६	श	४६	१५	चि	५६	५३	सा	३०	३६	की	१४	१६	३३/५६	२	२५	३५	८	१७	४	तु. २४।१०	*४३।९ स्वाती. १ गुरुः ४४।३१
७	र	४८	३७	स्वा	६०	०	शु	३०	३७	ग	१७	२६	५३	२५	३५	९	१८	५	तुलायां	भ. ४८।३७ उ.
८	चं	४९	२३	स्वा	०	४७	शु	२९	१९	वि	१९	०	५०	२६	३४	१०	१९	६	बृ. ४७।४०	भ. १९।० या.
९	मं	४८	२३	वि	२	५७	ज्ये	२६	३२	ना	१८	५३	४७	२७	३३	११	२०	७	वृश्चिके	हस्ते शुक्रः ३५।२७
१०	बु	४५	११	अ	३	२०	ऐं	२२	२२	ते	१६	४७	४३	२७	३३	१२	२१	८	वृश्चिके	शते १ राहुः मघा. २ केतुः २१।५०
११	शु	४०	१०	ज्ये	४/१	५/२६	वै	१७	३२	व	१२	४१	४०	२८	३२	१३	२२	९	ध. १।४१	भ. १२/४१ उ. ४०/१० या. पवित्रा ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	श	३३	१७	पू	५३	९	वि	९	२	ब	६	४४	३६	२९	३१	१४	२३	१०	धनुषि	पवित्रा ११ नि. प्रदोषः
१३	श	२५	५	उ	४६	२९	प्री	३१	५९	ते	२५	५	३३	२९	३१	१५	२४	११	म. ६।२९	उफायांबुधः ३०/३७ ×कर्म. रक्षा बन्धनम्
१४	र	१५	३४	अ	३८	४७	सौ	४०	८	व	१५	३४	२९	३०	३०	१६	२५	१२	मकरे	भ. १५/३४ उ. ४/३२ या. दृश्योमघा. सिंहेऽर्कः *
१५	चं	६	३१	ध	३०	५८	शो	२९	१२	ब	६	३१	२६	३१	२९	१७	२६	१३	कु. ४।५३	मघा. सिंहेऽर्कः सौरः १३।४ श्रावणी ×

१७पं.श्रा.शु.१चं.इ.४५/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	६	५	०	१०	३
१७	१७	११	५	१	२८	१०	१७
३४	९	५४	२	३२	१३	२७	७
१	५८	१०	९	६	४४	२१	२९
५७	३९	८५	७	६६	२	३	५७
२५	३६	११	११	३२	५	११	१२

१८पं.श्रा.शु.८चं.इ.४५/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	६	५	०	१०	३
२४	२१	२१	५	९	२८	१०	२३
१६	३९	५	५३	५	३३	५	४८
२६	३२	४५	९	५६	४३	६	४६
५७	३९	६८	८	६५	२	३	५७
३३	३६	१	११	१	२६	११	२२

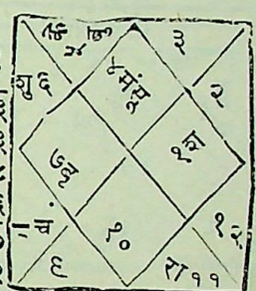

१९पं.श्रा.शु.१५चं.इ.४५/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	६	५	०	१०	४
०	२६	२८	६	१६	२८	९	०
५२	६	२४	४९	३९	५०	४२	३०
४९	५४	४३	१२	३०	२	५०	५९
५७	३९	४६	९	६३	१	३	५७
४०	२६	३७	४	१९	४७	११	२४

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं २०२७ शाकः १८९२ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु | चन्द्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणे श्रावण कृ. महा.

१	चं	४८	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०					
२	मं	४५	४६	श	२३	३	अ	१८	१०	तै	२०	३८	३२/२२	५/३३	६/२८	१८	२७	१४	कुम्भे					
३	बु	३७	०	पू	१५	३६	सु	३५/७	५०/२९	व	११	२३	१९	३२	२८	१९	२८	१५	मीने	भ. ११/२३ उ. ३७/० या. कन्या. बुधः ४/५ च.व्र.					
४	गु	२९	३५	उ	९	४७	शू	४९	३४	ब	३	१८	१५	३३	२७	२०	२९	१६	मीने	*स्मा. रा. भाद्रपदारंभः				
५	शु	२३	५९	रे	५	११	गं	४२	२७	तै	२३	५९	११	३४	२६	२१	३०	१७	मे. ५।११	चन्द्रषष्ठी				
६	श	२०	१६	अ	२	३२	शृं	३६	५३	व	२०	१६	८	३४	२६	२२	३१	१८	मेषे	भ. २०।१६ उ. ४९।२३ या.				
७	र	१८	३१	भ	१	४०	धु	३२	५३	ब	१८	३१	४	३५	२५	२३	१	१९	वृ. १६।५७	मघा. सिंहेभौमः ५४।८ जन्माष्टमी ब्र.०				
८	चं	१८	४८	कृ	२	४९	व्या	३०	३१	की	१८	४८	०	३६	२४	२४	२	२०	वृषे	चित्रा. शुक्रः २२।९ जन्माष्टमी ब्र. वै.				
९	मं	२०	४५	रा	५	५८	ह	२९	२९	ग	२०	४५	३१/५६	३७	२३	२५	३	२१	मि ३८।१६	भ. ५२।३० उ. गोगा ९				
१०	बु	२४	१४	बृ	१०	३४	व	३०	२	वि	२४	१४	५२	३८	२२	२६	४	२२	मिथुने	भ. २४।१४ या.				
११	शु	२८	५८	आ	१६	१९	सि	३०	५८	वा	२८	५८	४८	३८	२२	२७	५	२३	मिथुने	अजा ११ ब्र.				
१२	शु	३४	३१	पु	२३	९	व्य	३२	५३	की	१	४५	४४	३९	२१	२८	६	२४	क. ६।२७	वक्री बुधः २८।४९ वत्स १२				
१३	श	४०	३५	पु	२०	२१	व	३५	०	ग	७	३३	४०	४०	२०	२९	७	२५	कर्के	भ. ४०।३५ उ. प्रदोषः				
१४	र	४६	५८	श्ले	३८	२९	प	३७	२५	वि	१३	४६	३६	४१	१९	३०	८	२६	सिं ३८ २९	भ. १/४ या. दृश्यः पूफायां रविः ३२।४६				
३०	चं	५३	८	म	४५	२४	शि	३९	५७	च	२०	३	३२	४२	१८	३१	९	२७	सिंहे	पूफा. रविः सौरः ५/९ तुला. शुक्रः ३/९ कुशाग्र.				

२०पं.भा.कृ.८.चं इ.४५/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	६	५	०	१०	४
७	०	३	७	२३	२९	९	७
४४	३३	३२	५१	४३	०	२०	१४
१७	२९	२	२८	३०	१४	३४	३२
५७	३९	१९	९	६१	१	३	५७
४८	१९	२६	४८	५	८	११	४५

गोचरग्रहाः

श्रावण शु.१४ रवौ सिंहेऽर्कः प्र. वा.४ न. ६ वा. लावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शु.प.

चरग्रहाः

२१पं.भा.कृ.३०.चं इ.४५/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	६	६	०	१०	४
१४	५	४	८	०	२९	८	१३
२९	१	२९	५८	३९	६	५८	५९
५६	५	३१	५८	१८	५४	१९	४४
५८	३९	१७/३	१०	५८	०	३	५७
१	१९	ब	३१	१७	२१	११	५७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०२७ शाकः १८९२ | दि. | घ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५९९३स. १९७०

१	मं	५९	२	पू	५२	५५	सि	४२	८	क	२६	५	३१/२८	४२	१६	१	१०	२८	सिंहे
२	बु	६०	०	उ	५९	४६	सा	४४	२२	बा	३१	४३	२५	४३	१७	२	११	२९	क.९।३८
२	गु	४	२९	ह	६०	०	शु	४५	४३	कौ	४	२३	२१	४४	१६	३	१२	१	कन्या
३	शु	९	३	ह	५	५३	शु	४६	३६	ग	९	३	१७	४५	१५	४	१३	२	तु.३८।५६
४	श	१२	४४	चि	११	१९	ब्र	४६	४७	वि	१२	४४	१३	४५	१५	५	१४	३	तुलायां
५	र	१५	२९	स्वा	१५	३७	ऐं	४६	१०	बा	१५	२९	९	४६	१४	६	१५	४	तुलायां
६	चं	१६	४४	वि	१८	४४	वै	४४	२५	तै	१६	४४	५	४७	१३	७	१६	५	वृ.२।५७
७	मं	१६	४१	अ	२०	५३	वि	४१	२५	व	१६	४१	१	४८	१२	८	१७	६	वृश्चिके
८	बु	१४	५५	ज्ये	२०	४३	प्री	३७	१४	ब	१४	५५	३०/२९	४९	११	९	१८	७	ध.२०।४३
९	गु	११	४३	मू	१९	५	आ	३१	३७	कौ	११	४३	५३	४९	११	१०	१९	८	धनुषि
१०	शु	६	३९	पू	१६	४	सो	२४	४७	ग	६	३९	४८	५०	१०	११	२०	९	म.२९।५४
११	श	०	१९	उ	११	२५	श्रो	१६	३५	वि	०	१९	४४	५१	९	१२	२१	१०	मकरे
१२	श	५२	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	र	४३	३१	श्र	२६/२९	५३/५४	अ	७/१९	५०/०	कौ	१७	५७	४०	५२	८	१३	२२	११	कु.३१।५८
१४	चं	३४	१	श	५०	५८	धृ	४६	४०	ग	८	४६	३६	५३	७	१४	२३	१२	कुम्भे
१५	मं	२४	९	पू	४३	२०	शू	३५	५६	ब	२४	९	३२	५४	६	१५	२४	१३	मी३०।१५

सितम्बर ९ ता. ३०
चंद्रदर्शन संभवः
रज्जवः ७
भ.५३/४५उ.वक्रीशनिः १३/१७ हरितालिका३
भ.१२।४४ या. गणेश ४
स्वाती.२गुरुः ६/६पश्चिमास्तो बुधः ६/४७×
स्वात्यां शुक्रः६।३६ [×ऋषि ५
भ.१६/१४उ.४५/४८या. वक्री सिंहे बुधः ४/३७
÷फा. भौमः ५१।९ प्रदोषः
भ.३३।२९ उ.
भ.०।१९या. वक्री फाल्गुनीयां बुधः ३८/२४=
=जलझूलनी११ब्र. वामन१२
दृश्य उफायाँ रविः१७।६(सौरः४५/३४)÷
भ.३४।१ उ. ५९।५ या. अनंत १४
महालयाश्राद्धारंभः

२२पं.भा.शु.६रचं.इ.४४/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	६	६	०	१०	४
२१	९	१	१०	७	२१	८	२०
१६	२६	४	१०	१५	७	२६	४६
५५	२०	१२	३३	०	८	३	२४
५८	३९	५९/३४	११	५४	२९	३	५८
१३	९	ब	८	४५	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

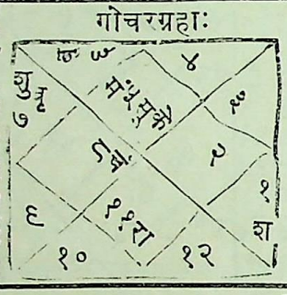

इस मास में ५ मंगलवार अशुभ है वर्षा कहीं कम कहीं अधिक होगी रुई चांदी सोना सण तिल मंदा घी तेज वर्षा हो

गोचरग्रहाः

२३पं.भा.शु.१४चं.इ.४४/४८

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	६	६	५	१०	४
२८	१३	२४	११	१३	२९	८	२७
५	५४	१५	२७	३९	२	१३	३४
२९	५४	२५	७	५०	२७	४८	४७
५८	३९	६/३८	११	५१	५/४	३	५८
२६	२	ब	४६	२६	ब	११	२९

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०२७ शाकः १८९२ | दि. | घ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणे भाद्र कृष्णेतिमहा.

१	बु	१४	४७	उ	३६	१०	गं	२५	२५	कौ	१४	४७	३०/२८	५५	६/६	१६	२५	१४	मीने
२	गु	६	१९	रे	३०	५	हृ	१५	३५	ग	६	१९	२४	५५	५	१७	२६	१५	मे.३०।५
३	गु	५२	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	शु	५३	५६	अ	२५	२८	धु	७/१४	५३/२४	ब	२६	३५	२०	५६	४	१८	२७	१६	मेषे
५	श	४९	४५	भ	२२	४६	ह	५३	५०	कौ	२१	५१	१६	५७	३	१९	२८	१७	वृ.३७।३३
६	र	४९	५२	कृ	२२	५	ब	४९	५०	ग	१९	४८	१२	५८	२	२०	२९	१८	वृषे
७	चं	५०	५२	रा	२३	२८	सि	४७	३३	वि	२०	२२	८	५८	२	२१	३०	१९	मि५५।२०
८	मं	५३	५३	मृ	२७	३	व्य	४६	५६	बा	२२	२२	४	५९	१	२२	३१	२०	मिथुने
९	बु	५८	२८	आ	३२	११	व	४७	२३	तै	२६	१०	३०/०	०/०	६/०	२३	१	२१	मिथुने
१०	गु	६०	०	पु	३८	३१	प	४८	४६	व	३१	१०	२९/५५	१/५	६/९	२४	२	२२	क.२१।५६
१०	शु	४	६	पु	४६	५	शि	५१	१	वि	४	६	५१	२	५८	२५	३	२३	कर्के
११	श	१०	१९	श्ले	५३	३५	सि	५३	२८	बा	१०	१९	४७	३	५७	२६	४	२४	सिं५३।३५
१२	र	१६	५३	म	६०	०	सा	५६	४	तै	१६	५३	४३	३	५७	२७	५	२५	सिंहे
१३	चं	२३	१६	म	१	१४	शु	५८	१३	व	२३	१६	३८	४	५६	२८	६	२६	सिंहे
१४	मं	२८	५३	पू	८	२९	शु	६०	०	श	२८	५३	३४	५	५५	२९	७	२७	क.२५।१०
३०	बु	३३	५७	उ	१५	११	शु	०	१०	च	१	२५	३०	६	५४	३०	८	२८	कन्यायां

दृश्यः कन्याऽर्कः ४२।२७
भ.३२।४७उ.५९।१५या. कन्यायामर्कः*
*सौरः १३।४६
चतुर्थी व्रतम्
Amातृ ९रा.अश्विनारंभ
भ.४९।५२उ.बुधोदयः पूर्वस्यां२७।२४
भ. २०।२२ या.
मार्गीबुधः ५।४५
विशाखा.शुक्रः३।७ भौमोदयः १।१३A
भ.३१।१७उ.स्वाती३गुवुः ३२ ९
भ ४।६ या.
दृश्यो हस्ते रविः५५।३३ इंदिरा११ब्र.
हस्ते रविः सौ.:२६।१५प्रदोषः
भ.२३।१६उ.५६।५या.
शस्त्रादिहतानांश्राद्धम्
सर्वपितृ ३०

२४पं. आ.कृ.७च.इ.४४/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	६	६	०	१०	५
४	१८	२०	१२	१९	२८	७	४
५५	२०	३५	४५	७	५१	५१	२४
१९	२०	१६	४६	४०	१८	३२	५४
५८	३९	३३/३३	१२	४४	४७/१	३	५८
३८	२	ब	१६	४६	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

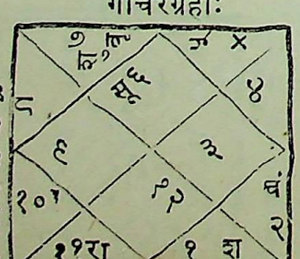

आ. कृ. १ बुधे कन्यायामर्कः प्र. वा.४न.५ प्रौढावस्था (बैठी) सु. ३०धान्यादिभावे समता शु. पश्चि.

गोचरग्रहाः

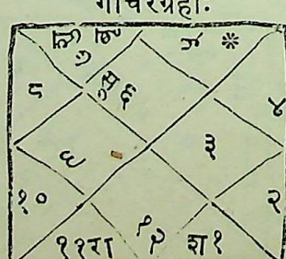

२५पं.आ.कृ.१२च.इ.४४/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	६	६	०	१०	५
११	२२	२३	१४	२४	२८	७	११
४६	४७	५९	८	०	३६	२९	१६
५५	१२	७	३८	१४	५०	१६	५८
५८	३८	६/५	१२	३७	१८	३	५९
५३	५५	मा	४१	३९	ब	११	०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०२७शाक:१८९२ दि. उ.अ. इ. रा. मु. चंद्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०२३स.१९७०

१	गु	३६	५८	ह	२०	५६	व्र	१	१३	कि	५	२७	२६	६	५	१	९	२९	तु.५३।२२
२	शु	४०	५३	चि	२५	४९	ऐं	१	४४	वा	८	५५	२२	८	५२	२	१०	३०	तुलायाँ
३	श	४३	०	स्वा	२९	४६	वै	१	२३	ते	११	५७	१८	८	५२	३	११	१	तुलायां
४	र	४३	५५	वि	३२	२९	वि	० १३	५५	व	१३	२८	१४	९	५१	४	१२	२	वृ.१६।४८
५	चं	४३	४४	अ	३४	२०	आ	५५	३१	व	१३	५०	१०	१०	५०	५	१३	३	वृश्चिके
६	मं	४२	२६	ज्ये	३५	५	सौ	५१	५७	की	१३	५	६	११	४०	६	१४	४	ध.३५।५
७	बु	४०	१	मू	३४	४४	शो	४७	१६	ग	११	१३	२	१२	४८	७	१५	५	धनुषि
८	गु	३६	२८	पू	३३	१०	अ	४१	४०	वि	८	१५	५८	१२	४८	८	१६	६	म.४७ २९
९	शु	३१	५२	उ	३०	२५	सु	३५	१७	वा	४	१०	५४	१३	४७	९	१७	७	मकरे
१०	श	२५	५७	अ	२६	३८	धृ	२७	५५	ग	२५	५७	५०	१४	४६	१०	१८	८	कु ५४।११
११	र	१९	६	ध	२१	४४	शू	१९	३७	वि	१९	६	४६	१५	४५	११	१९	९	कुम्भे
१२	चं	११	१९	श	१५	५९	गं	१०	३४	बा	११	१९	४२	१६	४४	१२	२०	१०	मी५६।१९
१३	मं	३	३	पू	९	४५	वृ	९ ४	५० ७	ते	३	३	३८	१६	४४	१३	२१	११	मीने
१४	मं	५१	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	बु	४६	३४	उ	३ २७	५३ ४९	व्या	४१	३७	वि	२०	३६	३४	१७	४३	१४	२२	१२	मे.५७।१६

उफा.बुधः १३ ५३ गाम.श्रा.नवरात्रारम्भः*
चन्द्रदर्शनम् *अक्टू. १० ता. ३१
कन्यायां बुधः ४३।५७ सावान ८
भ.१३ २८ उ.४३ ५५ या. उफायां भौमः५४।११
×पूर्वास्तं बुधः ४७।७
+(सौरः५५ ६१ कन्या.भौमः१ ४० विजया१०
भ. ४०।१ उ. सरस्वत्यावाहनम्
भ.८।१५या. सरस्वतीपू. बलिदानञ्च
हस्तेबुधः ४ ३६ वृश्चिके शुक्रः ४१।३८×
भ.५ ३१ उ.हस्तर्क्षत्रायां रविः२७।३४+
भ.१ ६४ या.स्वाती.४गुरुः५ ५७ पा.कु.११ब्र.
प्रदोषः
भ. ५४।३७ उ.
A२केतुः १३।४२ शरद् पूर्णिमा
भ,२०।३६या. धनिष्ठा. ४राहुः मघा.A

२६पं.आ.शु.५चं.इ.४४ ३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	६	६	०	१०	५
१८	२७	३	१५	२८	२८	७	१८
४०	१२	१२	३४	१	१६	७	१०
८	३२	७	१७	१५	४८	१	४५
५९	३८	९५	१३	२६	३ ४	३	५९
९	५१	४४	२	५६	ब	११	१६

गोचरग्रहाः

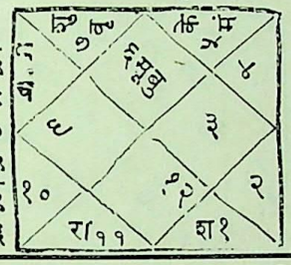

इस मासमें तिल तैल अलसी सिरस्यूं मूंगफली घृत गुड खांड तेज सुदीमें सोना चांदी तेज हो।

गोचरग्रहाः

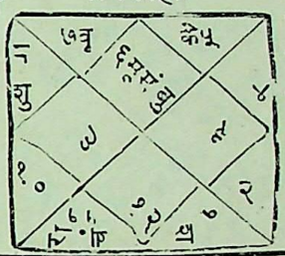

२७पं.आ.शु.३२.चं.इ.४४ १०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	६	७	०	१०	५
२५	१	१५	१७	०	२७	६	२५
३५	३८	३	१	४४	५३	४४	६
६	५६	०	४८	३४	६	४५	२७
५९	३८	० ९	१३	१४	३ ३४	३	५९
२१	४७	९	१९	३९	ब	११	३१

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं०२०२७ शाकः १८९२ दि. उ.अ. इ. रा. मु. चंद्रः शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृ.महाराष्ट्राः

१	गु	३९	१९	अ	५२	३	ह	३२	३१	वा	१२	५७	३०	१८	४३	१५	२३	१३	मेषे
२	शु	३३	२५	भ	४८	११	व	२४	१९	ते	६	२२	२६	१९	४१	१६	२४	१४	मेषे
३	श	२९	१४	कृ	४५	४९	सि	१७	२२	व	१	२०	२२	२०	४०	१७	२५	१५	वृ. २।३६
४	र	२७	१०	रा	४५	५२	व्य	११	४९	वा	२७	१०	१८	२०	४०	१८	२६	१६	वृषे
५	चं	२७	६	मृ	४७	३९	व	६	५७	ते	२७	६	१४	२१	३९	१९	२७	१७	मि १६।४६
६	मं	२९	१६	आ	५१	३५	प	५	५५	व	२९	१६	१०	२२	३८	२०	२८	१८	मिथुने
७	बु	३३	१२	पु	५६	५९	शि	५	२५	वि	१	१४	६	२३	३७	२१	२९	१९	क ४०।३८
८	गु	३८	३६	पु	६०	०	सि	५	५१	बा	५	५४	२	२४	३६	२२	३०	२०	कर्के
९	शु	४४	३३	पु	३	५२	सा	७	३८	ते	११	३४	२७ ५८	२४	३६	२३	१	२१	कर्के
१०	श	५१	१०	श्ले	११	१२	शु	९	४३	व	१७	५१	५४	२५	३५	२४	२	२२	सि ११।१२
११	र	५७	३३	म	१८	५६	शु	१२	९	ब	२४	२१	५०	२६	३४	२५	३	२३	सिंहे
१२	चं	६०	०	पू	२६	१४	व	१४	२४	की	३०	२०	४६	२७	३३	२६	४	२४	क ४२।५५
१३	मं	३	७	उ	३२	५८	ऐं	१६	१९	ते	३	७	४२	२८	३२	२७	५	२५	कन्या
१३	बु	८	५	ह	३८	३९	वै	१७	२५	व	८	५	३९	२८	३२	२८	६	२६	कन्या
१४	गु	११	३०	चि	४३	७	वि	१७	३२	श	११	३०	३५	२९	३१	२९	७	२७	तु. १०।५३
३०	शु	१३	४५	स्वा	४६	२०	प्री	१६	४७	ना	१३	४५	३१	३०	३०	३०	८	२८	तुलायां

भ.२० १ उ.२९ ४ या.दृश्यस्तुलायामर्कः११ २० *
* (सौरः३३ ३९ चित्रा.बुधः३३ ० करक४व्र.
वक्री शुक्रः ३२।१५
भ. २९।१५ उ.
भ. १।१४या. तुलामां बुधः १९।३३

दृश्यःस्वात्यांरविः५ २३ रा.कार्तिकारंभः
भ.५ १७ उ. ५ १० या. स्वा. रविः सौरः२ ३२
स्वा.बुधः३ २ हस्तेभौमः५ ५ ६ रमा११ब्र.
विशा.१गुरुः३ ५ ३ अस्तं गुरोः२ २ १२ अ.
प्रदोषः धन १३ गु.
भ. ८।५ उ. २९।४७ या, रूप १४
महालक्ष्मीपूजनन् +अन्नकूटगोवर्द्धनपू.
वक्रीतुला.शुक्रः४ ५ ३ वक्रीभरणी४श.५ ६१+

२८प.का.कृ.५चं.इ.४४ ०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	६	७	०	१०	६
२	६	२७	१८	१	२७	६	२
३१	४	१३	३०	५४	२५	२२	३
३४	४०	८	२८	५०	३३	३०	५७
५९	३८	० ९	१३	२०	५९	३	५९
३४	४०	४७	२५	ब	ब	११	४६

गोचरग्रहाः

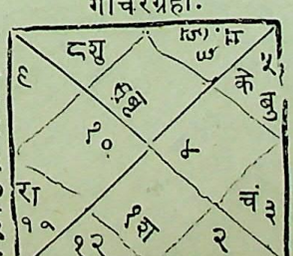

का. कृ. ३ शनौ तुलायामर्कः प्र. वा.४न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्य भाव सम शु. प.

गोचरग्रहाः

२९पं.का.कृ.१२चं.इ.४४ ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	६	७	०	१०	६
९	१०	९	२०	१	२६	६	९
२९	३१	३	१	१०	५४	०	३
४९	१८	४०	५१	५१	२८	१४	१७
५९	३८	० ९	१३	१६ ३४	१४	३	६०
४७	३३	१८	३२	ब	ब	११	२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्त्तिक शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२ | दि. उ. अ | इं. रा. मु. | चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०५३स.१९७०

१	श	१४	४४	वि	४८	१८	आ	१४	५६	ब	१४	४४	२७	६	५	३१	९	२९	वृ. ३२।४८
२	र	१४	२७	अ	४९	१७	सो	१२	१३	कौ	१४	२७	२४	३१	२९	१	१०	३०	वृश्चिके
३	चं	१३	१८	ज्ये	४९	१४	शो	८	४१	ग	१३	१८	२०	३२	२८	२	११	१	ध.४९।१४
४	मं	११	१०	मू	४८	२३	अ	४	५५	वि	११	१०	१६	३३	२७	३	१२	२	धनुषि
५	बु	८	२०	पू	४६	५६	धृ	५३	५४	वा	८	२०	१३	३३	२७	४	१३	३	धनुषि
६	गु	४	४८	उ	४४	४१	शू	४७	४९	तै	४	४८	९	३४	२६	५	१४	४	म.१।२२
७	शु	०	४३	श्र	४२	०	गं	४१	१५	व	०	४३	६	३५	२५	६	१५	५	मकरे
८	शु	५३	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	श	५०	४७	ध	३८	४३	वृ	३४	१९	वा	२२	२४	२	३६	२४	७	१६	६	कु.१०।२१
१०	र	४५	२	श	३४	५१	धु	२६	४६	तै	१७	५४	२९	३६	२४	८	१७	७	कुम्भे
११	चं	३८	४८	पू	३०	२९	व्या	१८	५८	व	११	५५	५६	३७	२३	९	१८	८	मी १६।३४
१२	मं	३२	१६	उ	२५	४८	ह	१०	३७	ब	५	३२	५३	३७	२३	१०	१९	९	मीने
१३	बु	२५	४९	रे	२०	४६	व	२	५१	तै	२५	४९	४९	३९	२१	११	२०	१०	मे. २०।४६
१४	गु	१९	५८	अ	१६	५९	व्य	४६	२६	व	१९	५८	४६	३९	२१	१२	२१	११	मेषे
१५	शु	१४	४१	भ	१३	३५	व	३९	३६	ब	१४	४१	४२	४०	२०	१३	२२	१२	वृ. २७।५७

चन्द्रदर्शनम् भ्रातृद्वयम द्वनव.१ १ता.३० भ.४३/१४ उ.विशाखा.बुधः ३५/३३ रमजानद भ.११/१० या.पश्चिमास्तंशुक्रस्य ४३/१२ प.अ. शु.

भ.४३° उ.३७/२१ या.दृश्यो विशाखा.रविः* * १३/४५ सौरः २८।१ गोपाष्टमी

कुष्मांड ९ अक्षय ९

वृश्चिके बुधः ४४।३१

भ.११/५५ उ.३५/४८ या.प्रबो.११ब्र तुलसी वि.

अनु.बुधः४६।२६विशा.२गुरुः ४२।२४

प्रदोषः वैकुंठ १४

भ. १९।५८ उ. ४७।२० या.

पुष्करस्नानं मन्वादिः

३०प.का.शु.३च.इ. ४३/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	६	६	०	१०	६
१६	१४	२०	२१	२८	२६	५	१६
२९	५८	३०	३४	२९	२२	३७	४
३८	१२	२८	१९	२०	३३	५८	२१
६०	२८	८	१२	२९/२६	४/३४	३	६०
४	३७	४	३८	ब	ब	११	१८

गोचरग्रहाः

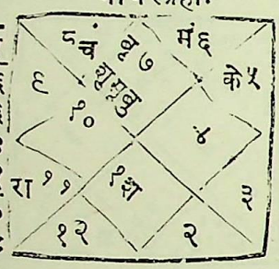

इस मासका फल श्रेष्ठहै वर्षाहोगी मंदी का यहां से जोर होगा धान्य गेहूँ चावल मूँग मोठ बाजरा मंदा हो ।

गोचरग्रहाः

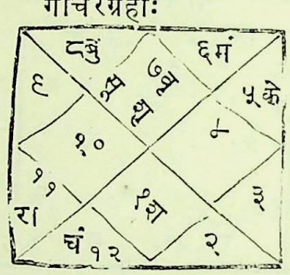

३१पं का.शु ११चं.इ.४३/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	६	६	०	१०	६
२३	१९	१	२३	२४	२५	५	२३
३०	२४	३६	६	३३	४८	१५	६०
५८	१४	३९	३६	१०	५७	४३	५९
६०	२८	९८	१३	३६/१३	४/४०	३	६०
१७	३७	२६	२८	ब	ब	११	३०

ति. मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२ | दि. उ. अ | इं. रा. मु. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे का.कृ. महाराष्ट्राः

१	श	१०	४३	कृ	११	५	प	३३	४४	कौ	१०	४३	२६	४०	२०	१४	२३	१३	बृषे
२	र	८	४२	रो	१०	१४	शि	२९	३	ग	८	४२	३७	४१	१९	१५	२४	१४	मि ४०।३५
३	चं	७	५१	मृ	१०	५६	सि	२५	४७	वि	७	५१	३४	४५	१९	१६	२५	१५	मिथुने
४	मं	९	१४	आ	१३	४८	सा	२४	२५	वा	९	१४	३१	४२	१८	१७	२६	१६	मिथुने
५	बु	१२	२९	पु	१८	२०	शु	२३	५०	तै	१२	२९	२९	४२	१८	१८	२७	१७	क.२।१२
६	गु	१७	२२	पु	२४	२१	शु	२४	३८	व	१७	२२	२६	४३	१७	१९	२८	१८	कर्के
७	शु	२३	७	ले	३१	१०	न	२६	१५	ब	२३	७	२४	४४	१६	२०	२९	१९	सि ३१।१०
८	श	२९	३६	म	३८	४४	ऐं	२८	३१	कौ	२९	३६	२१	४४	१६	२१	३०	२०	सिंहे
९	र	३६	०	पू	४६	१३	वै	३०	४२	तै	२	४८	१९	४४	१६	२२	१	२१	सिंहे
१०	चं	४१	५१	उ	५३	१४	वि	३२	४१	व	८	५५	१६	४५	१५	२३	२	२२	क.२।५८
११	मं	४६	५२	ह	५९	१६	प्री	३३	१०	ब	१४	२१	१३	४५	१५	२४	३	२३	कन्यायां
१२	बु	५०	१८	चि	६०	०	आ	३४	२९	कौ	१८	३५	११	४६	१४	२५	४	२४	तु.३१।३०
१३	गु	५२	१५	चि	३	४५	सो	३३	४५	ग	२१	१६	८	४६	१४	२६	५	२५	तुलायाँ
१४	शु	५२	३८	स्वा	६	५४	शो	३१	४०	वि	२२	२६	६	४७	१३	२७	६	२६	बृ. ५३।७
३०	श	५१	११	वि	८	३१	अ	२८	१६	ब	२१	५४	३	४७	१३	२८	७	२७	वृश्चिके

*शुक्रोउयःपूर्वस्याम् २१।० च.व्र. शु.उ. भ. ३५/१९ उ. चित्रा. भौमः ५७/४९ पू. भ.५७/१ या.दृश्योः वृश्चिकेऽर्कः ४३/३८ सौर ३२/१८ * वक्री स्वात्यांशुक्रः४६।५४ बुधोदयः पश्चिमायां ४१।४ भ.१७/२२ उ.५०/५५ या.दृश्योऽनुराधा.रविः २८/७ ÷ ÷सौरः ५०/६ ज्येष्ठा. बुधः २३।२६ उदयं गुरोः १९।१२ उ. रा. मार्ग शीर्षारंभः गु. भ. ८।५५ उ. ४१।५१ या. उत्पत्ति ११ ब्र. विशाखा. ३ गुरुः ५१।३९ भ. ५२।१५ उ.तुला. भौमः ३२/२० प्रदोषः भ. २२।२६ या. मूले धनुषि बुधः ३३।५९

३२पं. मा.कृ.३चं.इ ४३/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	६	६	०	१०	७
०	२३	१२	२४	२०	२५	४	०
३३	४९	२५	३९	३३	१४	५३	११
४७	२२	८	३६	४३	३१	२७	३
६०	२८	९५	१२	३९/२६	४/४०	३	६०
३०	४०	२७	३७	ब	ब	११	४०

गोचरग्रहाः

मार्ग. कृ.३ चंद्रे बृश्चिकेऽर्कः प्र. वा.३न.३ बाला वस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शु.पश्चि.

गोचरग्रहाः

३३पं.मा.कृ१०चं.इ ४३/० ०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	६	६	०	१०	७
७	२८	२३	२६	१७	२४	४	७
३७	१७	२१	१०	४२	४०	३१	१६
३७	५६	५०	५९	४३	५९	१२	३६
६०	२८	९१	१३	२४/२८	२८/४०	३	६०
४२	२६	५	३२	ब	ब	११	५३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०८२स १९७०

१	र	४८	४४	अ	८	३४	सु	२३	५३	कं	१९	५८	२३	४८	१२	५२	२९	८	२९	बृश्चिके
२	चं	४५	१	ज्ये	७	२३	धृ	१८	३२	वा	१६	१२	२५	४८	१२	३०	९	३०		ध. ७।२३
३	मं	४०	४२	मू	५	१६	शू	१२	२६	तै	१२	५१	५७	४९	११	१	१०	१		धनुषि
४	बु	३५	५९	पू	२०	५६	गं	४०	५२	व	८	२०	५५	४९	११	२	११	२		म. १६।३४
५	गु	३१	४	अ	५६	०	धु	५१	४७	ब	३	३२	५३	४९	११	३	१२	३		मकरे
६	शु	२५	५३	ध	५२	३१	व्या	४४	३८	तै	२५	५३	५१	५०	१०	४	१३	४		कु. २४।१५
७	श	२०	५१	श	४९	५	ह	३७	१३	व	२०	५१	४९	५०	१०	५	१४	५		कुंभे
८	र	१५	५५	पू	४५	५३	व	३०	११	ब	१५	५५	८	५०	१०	६	१५	६		मी ३१।४१
९	चं	१०	५६	उ	४२	४०	सि	२३	१	कौ	१०	५६	४६	५१	९	७	१६	७		मीने
१०	मं	६	११	रे	३९	३९	व्य	१६	१	ग	६	११	४५	५१	९	८	१७	८		मे. ३९।३९
११	बु	१	३२	अ	३६	५२	ब	९	१२	वि	१	३२	४	५१	९	९	१८	९		मेषे
१२	बृ	५५	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०
१३	गु	५३	५२	भ	३४	३८	प	५३	५४	कौ	२५	३७	४३	५२	८	१०	१९	१०		वृ. ४९।१५
१४	शु	५१	२	कृ	३३	७	सि	५१	४४	ग	२२	२७	४१	५२	८	११	२०	११		वृषे
१५	श	४९	४१	रो	३२	४४	सा	४७	१८	वि	२०	२२	४०	५२	८	१२	२१	१२		वृषे

चन्द्रदर्शनम्
दिसम्बर १२ ता. ३१ सव्वाल १०
भ. २८ उ. ३६ या. दृश्यो ज्येष्ठा. रचि ३६७*
*सौरः ५७९ मार्गशुक्लः ३९ पा. ४२८ मो. ५८०
चंपा ६
भ. २०।५१ उ. ४८।२३ या.
स्वात्यां भौमः ५४।२५

प्रदोषः
भ. ५१।२३ उ. विशाखा. ४ बृश्चिके गुरुः ४०५
भ. २०।२२ या. वक्रीभरणी. ३ शनि ४९०

३४ पं. मा. शु. २ चं. इ. ४२८

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	६	०	१०	७
१४	२	३	२७	१५	२४	४	१४
४२	४४	१	४२	२४	८	८	२३
५४	२०	४०	५०	३	२०	५६	२२
६०	३८	८४	१३	१२	४	३	६१
५०	२६	३७	२२	ब	ब	११	३

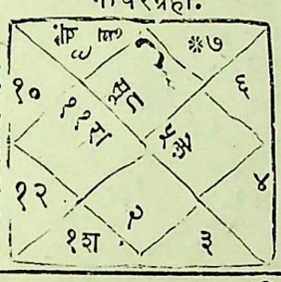

पौ. कृ. ३ भौमे:
धनुष्यर्कः प्रविष्टः
वा. २ न. ४ वृद्धा
वस्था (बैटी) मु. ३०
(धान्यभावसस)
शुक्रोदयः पू.

गोचरग्रहाः

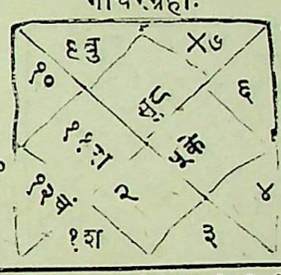

३५ पं. मा. शु. ९ चं. इ. ४३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	६	०	१०	७
२१	७	१२	२९	१७	२३	३	२१
४८	१०	१६	१२	१८	३९	४६	३१
५८	४४	१	१४	२८	४६	५०	९
६०	३८	६५	१३	१२	४९	३	६१
५६	१६	३८	१५	मा	ब	११	११

ति. पौष कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२ | दि | उ | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृ. महाराष्ट्राः

१	र	४३	२८	मृ	३३	५९	शु	४४	८	वा	१९	३५	२५	५९	५	६	१३	२२	१३	मि ३।२१
२	चं	५०	५९	आ	३६	२२	शु	४२	२४	तै	२०	१३	३८	५२	८		१४	२३	१४	मिथुने
३	मं	५४	०	पु	४०	१७	ब्र	४१	११	व	२२	२९	३८	५२	८		१५	२४	१५	क. २४।१८
४	बु	५८	२४	पु	४५	३८	ऐं	४२	३१	ब	२६	१२	३७	५३	७		१६	२५	१६	कर्के
५	गु	६०	०	श्ले	५२	६	वै	४२	४२	कौ	३१	९	३७	५३	७		१७	२६	१७	सिं ५२।६
५	शु	३	५३	म	५९	१९	वि	४४	३५	तै	५	५३	३७	५३	७		१८	२७	१८	सिंहे
६	श	१०	२५	पू	६०	०	प्री	४६	४०	व	१०	२५	३६	५३	७		१९	२८	१९	सिंहे
७	र	१६	५८	पू	७	३	आ	४८	५५	ब	१६	५८	३६	५३	७		२०	२९	२०	क. २३।५३
८	चं	२३	७	उ	१४	२४	सौ	५०	४७	कौ	२३	७	३६	५३	७		२१	३०	२१	कन्यायां
९	मं	२८	३३	ह	२१	१	शो	५१	४२	ग	२८	३३	३६	५३	७		२२	१	२२	तु. ५३।३९
१०	बु	३२	२६	चि	२६	१७	अ	५१	२९	व	०	२९	३६	५३	७		२३	२	२३	तुलायां
११	गु	३४	४२	स्वा	३०	४	सु	४९	५८	ब	३	३४	३७	५३	७		२४	३	२४	तुलायां
१२	शु	३५	२	वि	३१	५९	धृ	४७	४	कौ	४	५२	३७	५३	७		२५	४	२५	बृ. १६।३०
१३	श	३३	३३	अ	३२	४	शू	४२	२०	ग	४	१७	३७	५३	७		२६	५	२६	बृश्चिके
१४	र	३०	१९	ज्ये	३०	३४	गं	३६	३१	वि	१	५६	३८	५२	८		२७	६	२७	ध. ३०।३४
३०	चं	२५	२०	मू	२७	३२	शू	२९	३७	ना	२५	२४	३८	५२	८		२८	७	२८	धनुषि

*४५।२९ विशा. शुक्रः १५।३७
भ. २२ उ. ५४ या. दृश्योमूले धनुष्यर्कः*
धनुष्यर्कः सौरः ५० धनिष्ठा ३ राहुः मघा. १=
=केतुः ५।३९ चतुर्थी ब्र.
वक्रीबुधः ४०।४२
भ. १०।२५ उ. ४३।४१ या.

पश्चिमास्तं बुधः १४।१५ रा. पौषारंभः
भ. ०।२९ उ. ३२।२६ या.
सफला ११ ब्र.
÷अनु. १ गुरुः २।३१ सोमवती
भ. ३३।३३ उ. प्रदोषः
भ. १।५६ या. विशाखा. भौमः ५२।३०
दृश्यः पुषायांरवि ५२५ वक्रीमूले बुधः १५७÷

३६ पं. पौ. कृ. २ चं. इ. ४२२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	७	६	०	१०	७
२८	११	१९	०	१९	२३	३	२८
५५	३७	४	३९	४५	१३	२४	३९
५२	२६	४०	१८	५०	९	२५	५२
६१	२८	४०	१२	२५	२३	३	६१
०	१३	३९	५६	३५	ब	११	१९

३७ पं. पौ. कृ. ८ चं. इ. ४२५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	७	६	०	१०	८
६	१६	१९	२	२३	२२	३	५
३	४	५२	५	४१	५१	२	४९
२९	५८	३३	५६	३८	४३	९	१७
६१	३७	३७	१२	३५	४०	३	६१
४	५७	ब	२९	५३	ब	११	२२

३८ पं. पौ. कृ. ३० चं. इ. ४२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	७	६	०	१०	८
१३	२०	१२	३	२८	२२	२	१२
११	३१	२९	२८	४१	३४	३२	५९
३१	१९	३४	१	२८	३०	५५	९
६१	३७	९७	१२	४१	३	३	६१
६	५३	ब्र	९	४४	ब	११	२१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०२७ शाकः १८९२	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६११२स१९७०
१	मं १९ ३१ पू २३ १३	ध्रु २१ ४२	ब १९ ३१	२५/३९ ६/५२	५/८	२९ ८	२९	म.३७।१	पूषायाँ रविः सौरः २।२८
२	बु १२ ।८	उ १८ २३	व्या १३ २५	की १२ ५८	४० ५२	८ ३०	९ ३०	मकरे	वृश्चिके शुक्रः ३५।० चन्द्रदर्शनम्
३	गु ६ २०	श्र १३ २४	ह ५२/४	५/१० ग	६ २०	४० ५२	८ ३१	१० १	कु.४०।५५ भ.३३।०उ. ५९।३९या. जिल्काद११
४	गु ५३ १९	० ० ०	८ ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	०	०
५	शु ५३ १६	भ ८ २६	सि ४७ ५५	ब २५ ५७	४१ ५२	८ १	११ २	कुम्भे	जनवरी १ ता. ३१ सन् १९७१
६	श ४७ ३०	श ३ ५८	व्य ४० ६	की २० २३	४२ ५२	८ २	१२ ३	मी४६।३	
७	र ४२ ८	पू ० ५/२७	व ३२ २९	ग १४ ४९	४३ ५१	९ ३	१३ ४	मीने	भ. ४२।८ उ. अनु. शुक्रः १९।३० *
८	चं ३७ ४४	रे ५३ ५७	प २५ ४१	वि ९ ५६	४४ ५१	९ ४	१४ ५	मे.५३।५७	भ. ९।५६ या.
९	मं ३४ १	अ ५२ १	शि १९ १७	बा ५ ५३	४६ ५१	९ ५	१५ ६	मेषे	*बुधोदयः पूर्वस्यां २५।४९
१०	बु ३१ ६	भ ५० ५९	सि १३ ४२	तै २ ३३	४७ ५१	९ ६	१६ ७	मेषे	÷ उषायां रविः ५५।९
११	गु २९ १	कृ ५० ४०	सा ८ ५२	व ० ३	४९ ५०	१० ७	१७ ८	वृ.५।५४	भ. ०।३ उ. २९।१ या. पुत्रदा १२ ब्र.
१२	शु २७ ४१	रो ५१ २६	शु ४ ३९	बा २७ ४१	५१ ५०	१० ८	१८ ९	बृषे	मार्गी बुधः ५७।५६
१३	श २७ ४०	मृ ५३ १७	शु २५/१	५५/१२ तै	२७ ४०	५२ ५०	१० ९	१९ १०	मि२२।२१ प्रदोषः
१४	र २८ ३३	आ ५६ ११	ऐं ५६ ५९	व २८ ३३	५४ ४९	११ १०	२० ११	मिथुने	भ.२/३ ८/३ उ.५/४ १/९ या.दृश्य उषायां रविः ५/९
१५	चं ३० ४९	पु ६० ०	वै ५६ १७	ब ३० ४९	५६ ४९	११ ११	२१ १२	क.४४।१३	उषायां रविः सौरः ३।५५

३९पं.पौ.शु.८चं.इ.४२/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	७	७	०	१०	८
२०	२४	५	४	४	२२	२	२०
१९	५७	१४	४७	२७	२१	१७	९
२६	२५	२	३५	१८	४७	३८	६
६१	३७	३७/३९	११	४८	१७	३	६१
६	३३	व	३२	५६	ब	११	२६

गोचरग्रहाः

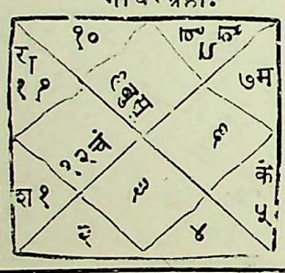

इस मासका फल साधारण है सोमवती अमावस्या हरेक वस्तु में मंदीकारक हैकहीं२ वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

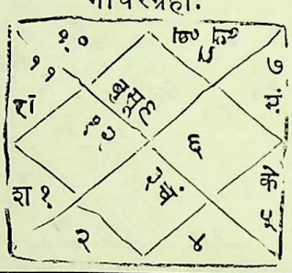

४०पं.पौ.शु.१५चं.इ.४१/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	७	७	०	१०	८
२७	२९	५	६	१०	२२	१	२७
२७	२२	८	३	५१	१४	५५	१८
४०	४८	२	४३	०	२७	२२	५८
६१	३७	२४	१०	५४	०/३९	३	६१
६	१९	मा	५८	४२	ब	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०२७ शाकः १८९२	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्रः
१	मं ३४ १६	पु ० १४	वि ५८ २३	बा २ ३३	२५/५९ ६/४८	५/१२	१२ २२	१३	कर्के	वृश्चिके भौमः ४१।४८
२	बु ३८ ५७	पु ५ ३३	प्री ५७ २८	तै ६ ३६	२६/१	४८ १२	१३ २३	१४	कर्के	
३	गु ४४ १७	श्ले १२ २	आ ५९ ९	व ११ ३७	३ ४७	१३	१४ २४	१५	सिं१२।२	भ.११।३७उ.४/१७या.दृश्यो मकरेऽर्कः*
४	शु ५० ३७	म १८ ५२	सौ ६० ०	ब १७ २७	५ ४७	१३	१५ २५	१६	सिंहे	अनु. २ गुरुः ०।२९ च, ब्र.
५	श ५७ १३	पू २६ ३०	सौ १ १६	की २३ ५५	८ ४६	१४	१६ २६	१७	क.४३।२४	*११।३३ (सौरः १९/२०)
६	र ६० ०	उ ३४ ७	शो ३ ३५	ग ३० २७	१० ४६	१४	१७ २७	१८	कन्या	ज्येष्ठा.शुक्रः ३९।१० अनु.भौमः ५/३९ ÷
६	चं ३ ४०	ह ४१ २५	अ ५ ४३	व ३ ४०	१२ ४६	१४	१८ २८	१९	कन्या	भ. ३।४० उ. ३६।३६ या.
७	मं ९ ३२	चि ४७ ३६	सु ७ २२	ब ९ ३२	१५ ४५	१५	१९ २९	२०	तु.१४।३०	÷ मार्गी शनिः ३३।३५
८	बु १४ १२	स्वा ५२ ४४	धृ ८ ८	की १४ १२	१७ ४५	१५	२० ३०	२१	तुलायां	दृश्योऽभि.प्र.रविः ४/१८ (सौरः ५०।४२)
९	शु १७ १४	वि ५५ ४९	शू ७ ३९	ग १७ १४	२० ४४	१६	२१ १	२२	वृ.४०।३	भ.४७उ.पुषायांबुधः ४/३ रा.माघारंभः
१०	शु १८ २०	अ ५७ ८	गं ५ ४०	वि १८ २०	२२ ४४	१६	२२ २	२३	बृश्चिके	भ. १८।२० या.
११	श १७ ३५	ज्ये ५६ १६	वृ १/१	२/५/१ बा	१७ ३५	२५ ४३	१७ २३	३ २४	ध.५६।१६	षट्तिला ११ ब्र.
१२	र १४ ४४	मू ५३ ३४	व्या ५० ३२	तै १४ ४४	२७ ४३	१७	२४ ४	२५	धनुषि	दृश्यः श्रवणे रविः०।४१ (सौरः ३/९) +
१३	चं ९ ५७	पू ४९ १३	ह ४२ २६	व ९ ५७	३० ४२	१८	२५ ५	२६	धनुषि	भ. ९।५७ उ. ३६।४५ या.
१४	मं ३ ३२	उ ४३ ३७	च ३४ १४	श ३ ३२	३३ ४१	१९	२६ ६	२७	म.२।४९	+ दृश्योऽभि. नि. रविः ५३।१० ×
३०	मं ५२ २४	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	० ०	०	०	× (सौरः ५८।५५) प्रदोषः

४१पं.मा.कृ.६चं.इ.४१/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	७	७	०	१०	९
४	३	१०	७	१७	२२	१	५
३५	४८	३०	१४	४०	१२	३३	२८
३१	३७	१८	२५	३०	४७	७	२७
६१	३७	५४	१०	५७	०/७	३	६१
३	५	४३	५	४९	मा	११	१९

गोचरग्रहाः

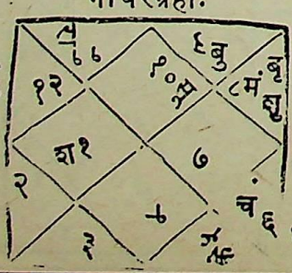

माघ कृ. ३ गुरौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.२प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शु.पू.

गोचरग्रहाः

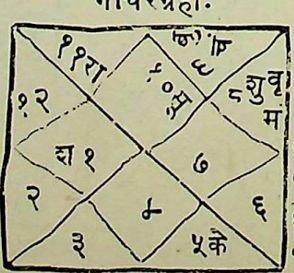

४२पं.मा.कृ १३चं.इ.४२/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	७	७	०	१०	९
११	८	१८	८	२४	२२	१	११
४२	१२	२९	२०	५१	१७	१०	३७
५८	२५	१०	४६	३	१२	५१	१८
६०	२६	७२	९	६०	०	३	६१
५९	५६	४६	३२	३८	५८	११	१३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०२७ शाकः १८९२	दि	उ.अ.	इं.रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ६१४१ स. १९७१
१	बु ४७ ३४	अ ३७ १०	सि २३ ३२	कि २१ ४५	२६ ४१ १५	२७ ७ २८	मकरे
२	गु ३८ ५६	ध ३० ३१	व्य १३ ३०	बा १२ १६	३६ ४० २०	२८ ८ २९	कु. ३।५०
३	शु ३० ४१	श २३ ५५	व ३३ ५०	तै ४ ५०	४२ ४० २०	२९ ९ १	कुम्भे
४	श २३ ३	पू १७ ५९	शि ४४ ४९	वि २३ ३	४६ ३९ २१	३० १० २	मी ४।२८
५	र १६ ११	उ १३ ५३	सि ३६ ४९	वा १६ ११	४९ ३८ २२	३१ ११ ३	मीने
६	चं १० ३७	रे ८ ५७	सा २९ ४२	तै १० ३७	५२ ३८ २२	१ १२ ४	मे. ८।५७
७	मं ६ ५	अ ६ २८	शु २४ २९	व ६ ५	५५ ३७ २३	२ १३ ५	मेषे
८	बु ३ १०	भ ५ ११	श १९ ३६	ब ३ १०	५९ ३६ २४	३ १४ ६	वृ. १९।५७
९	गु १ २८	कृ ४ १४	त्र १४ ३१	को १ २८	२७ ३६ २४	४ १५ ७	वृषे
१०	शु ० ५९	रो ६ २६	ऐं ११ ३८	ग ० ५९	६ ३५ २५	५ १६ ८	मि ३७।४६
११	श १ ५६	मृ ९ ७	वै ९ ५०	वि १ ५६	९ ३४ २६	६ १७ ९	मिथुने
१२	र ३ ५०	आ १२ ३८	वि ८ ५५	वा ३ ५०	१३ ३३ २७	७ १८ १०	मिथुने
१३	चं ७ ८	पु १७ २६	प्री ८ ५८	तै ७ ८	१६ ३३ २७	८ १९ ११	क. १।१४
१४	मं ११ १३	पु २३ ०	आ ९ १५	व ११ १३	२० ३२ २८	९ २० १२	कर्के
१५	बु १६ १६	श्ले २९ ३७	सौ १० २८	व १६ १६	२४ ३१ २९	१० २१ १३	सिं २९।३७

चन्द्रदर्शनम्
भ. ५६।५२ उ. जिल्हेज १२
भ. २३।३या. मूले धनु. शुक्रः ३१।१९
उषायां बुधः ५७।३१ वसन्त ५
फर्बरी २ता. २८गा स्प. ४५/२ मोक्षः ५६/४०
भ. ६।५ उ. ३४।३७ या. भानु ७
मकरे बुधः २०।२९ भीष्म ८
*(सौरः १३/३०) अनु. ३ गुरुः ४/७ जया ११ ब्र.
भ. ३१।२७ उ.
भ. १।५६या. दृश्यो धनिष्ठा. रविः ९।२*
प्रदोषः
ज्येष्ठा. भौमः ८।४८
भ. ११।१३ उ. ४३।४५ या.
श्रवणे बुधः १७।२७

४३पं.मा.शु.६चं.इ.४२/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	७	८	०	१०	०
१८	१२	२७	९	२	२२	०	१८
४९	३६	४२	३०	१७	२६	४८	४५
२६	२२	२५	६	६	३६	३६	१९
६०	३६	८३	८	६२	१	३	६०
५५	३४	५६	३३	५३	४०	११	४

गोचरग्रहाः

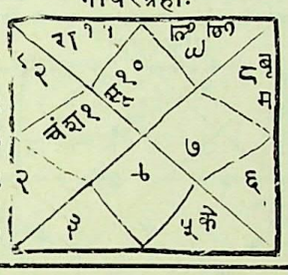

इस मास में
अलसी सिरस्युं
तिल मूंगफली
घृत गुड़ खांड
तेजी हो चांदी
सोनामें घटाबढ़ी

गोचरग्रहाः

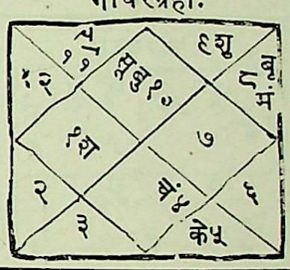

४४पं.मा.शु.१३चं.इ.४२/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	७	८	०	१०	९
२५	१७	७	१०	९	२२	०	२५
५५	०	३२	१५	५८	४१	२६	५२
१६	१४	४५	१८	३३	२०	२०	६
६०	३६	९२	७	६४	२	३	६०
४७	१४	५१	३२	३७	२०	११	५९

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०२७ शाकः १८९२	दि	उ.अ.	इं.रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तौ रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा.
१	गु २१ ५२	म २६ २७	शो १२ १०	कौ २१ ५२	२७ ३१ २९	११ २२ १४	सिंहे
२	शु २८ १९	पू ४४ ०	अ १४ १३	ग २८ १९	३१ ३० ३०	१२ २३ १५	सिंहे
३	श ३४ ४४	उ ५१ १७	सु १६ ३२	व १ ३२	३५ ३१ २९	१३ २४ १६	कं. ०।४९
४	र ४१ ७	ह ५९ ७	धृ १८ ५१	ब ७ ५५	३८ २८ ३२	१४ २५ १७	कन्यायां
५	चं ४७ ६	चि ६० ०	शु २० ५४	कौ १४ ७	४२ २८ ३२	१५ २६ १८	तु. ३२।३०
६	मं ५२ १९	चि ५ ५३	गं २२ १७	ग १९ ४२	४६ २७ ३३	१६ २७ १९	तुलायां
७	बु ५६ ५	स्वा ११ ५५	वृ २२ ५१	वि २४ १२	५० २६ ३४	१७ २८ २०	तुलायां
८	गु ५८ २१	वि १६ २४	ध्रु २२ १०	वा २७ १३	५४ २५ ३५	१८ २९ २१	वृ. ०।१७
९	शु ५८ ४७	अ १९ १६	व्या २० २	तै २८ ३४	५८ २४ ३६	१९ ३० २२	वृश्चिके
१०	श ५६ १३	ज्ये २० ७	ह १६ २८	व २७ ३०	२/२ २४ ३६	२० १ २३	ध. २०।७
११	र ५३ २३	मू १९ ९	व ११ १९	ब २४ ४८	६ २३ ३७	२१ २ २४	धनुषि
१२	च ४७ ४४	पू १६ ४	सि ३२/४ ५१/४२	कौ २० ३३	१० २२ ३८	२२ ३ २५	प. ३०।६०
१३	मं ४० २९	उ १२ १३	व ४६ ५०	ग १४ ७	१४ २१ ३९	२३ ४ २६	मकरे
१४	बु ३२ १	श्र ५६/४८ ५२/४२	प ३६ २४	वि ६ १६	१८ २० ४०	२४ ५ २७	कु. ३१।१७
३०	गु २२ ३१	श ५० ७	शि २५ ३६	ना २२ ३१	२२ २० ४०	२५ ६ २८	कुम्भे

पूषायां शुक्रः ४९।२१
दृश्यः कुभेऽर्कं ४४।१७ (सौरः ४६।२७)
भ. १।३२ उ. ३४।४४ या.
चतुर्थी ब्र *४ कर्के केतुः ५९।११
पातस्पर्शः २२।२६ मोक्षः ३४।२८
भ. ५२।१९ उ. धनि. २ मकरेराहुः आश्ले. *
भ. २४/१२ या. पूर्वास्तो बुधः ३०।४४
धनिष्ठा. बुधः २५।६
दृश्यः शतेरविः २०।३८ (सौरः २१।४९)
भ. २७/३० उ. ५६/१३ या. रा. फाल्गुनारंभः
भरणी. ४शनिः ११/४२ विजया ११ ब्र. स्मा.
कुंभे बुधः ३०।१२ विजया ११ ब्र. वै.
भ. ४०।२९ उ. उषायां शुक्रः ३०।७×
भ. ६।१६ या. महाशिवरात्रौ ब्र. वै.
× प्रदोषः महाशिवरात्री स्मा.

४५पं.फा.कृ.५चं.इ.४२/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	७	८	०	१०	१०
३	२१	१८	११	१७	२३	०	३
०	२२	४८	२	४९	१	४	५८
४	४४	२९	१०	२६	१	४	९
६०	२५	०/०	६	६६	३	३	६०
३७	५५	५९	२८	५	११	४२	

गोचरग्रहाः

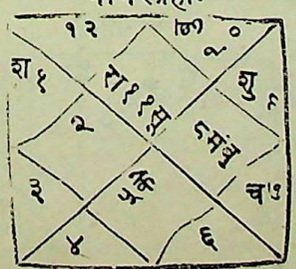

फा. कृष्णे २शुक्रे
कुभेऽर्कः प्र. वा.
४ नं ४ प्रगल्भा-
वस्था (बैठी) मु. ४५
धान्यादि भावे
समर्घताशुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

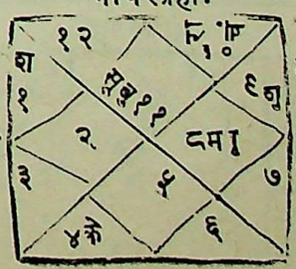

४६पं.फा.कृ.१२चं.इ.४२/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	७	८	०	९	१०
१०	२५	१०	११	२५	२३	२९	१०
३	४४	२२	४२	४६	२५	४१	२
३२	२	२२	४	१५	३७	४९	४२
६०	२५	०/०	५	६७	३	३	६०
२५	२८	४१	२२	२३	४२	११	३१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०२७ शाकः १८९२ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः | वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ६१७१स.१९७१

१	शु	१२	५०	पू	४२	२०	सिं	१४	४०	ब	१२	५०	२६	९ ६	४५	२६	७	२६	मी २९।१७
२	श	३	३०	उ	३५	२३	सा	४	५६	कौ	३	३०	३०	१८	४२	२७	८	१	मीने
३	श	५०	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	र	४७	८	रे	२९	१३	शु	४५	०	व	२०	४५	२५	१७	४३	२८	९	२	मे. २९।१३
५	चं	४०	५६	अ	२४	४३	ब्र	३७	२१	ब	१४	२	३८	१६	४४	१	१०	३	मेषे
६	मं	३६	३७	भ	२१	४४	ऐं	३१	१०	कौ	९	१६	४२	१६	४४	२	११	४	वृ. ३६।२८
७	बु	३३	५०	कृ	२०	३९	वै	२६	१५	ग	५	१३	४६	१५	४५	३	१२	५	बृषे
८	गु	३३	२	रा	२१	५	वि	२२	५१	वि	३	२६	५०	१४	४६	४	१३	६	मि ५१।१५
९	शु	३३	५६	मृ	२३	२६	प्री	२०	५२	बा	३	२९	५४	१३	४७	५	१४	७	मिथुने
१०	श	३६	१८	आ	२७	८	आ	१९	५८	तै	५	७	५८	१२	४८	६	१५	८	मिथुने
११	र	४०	४	पु	३२	१६	सौ	२०	२९	व	८	११	२ ३	१२	४८	७	१६	९	क. १५।५९
१२	चं	४४	४९	पु	३७	५५	शो	२१	१९	ब	१२	२६	६	११	४९	८	१७	१०	कर्के
१३	मं	५०	२६	श्ले	४५	१८	अ	२२	५०	कौ	१७	३६	१०	१०	५०	९	१८	११	सिं ४५।१८
१४	बु	५६	१०	म	५२	१४	सु	२४	३४	ग	२३	१३	१४	९	५१	१०	१९	१२	सिंहे
१५	गु	६०	०	पू	५९	५३	धृ	२६	५४	वि	२९	२४	१९	८	५२	११	२०	१३	सिंहे
१५	शु	२	३८	उ	६०	०	शू	२९	१०	ब	२	३८	२३	७	५३	१२	२१	१४	क. १६।४२

शते बुधः ५१/५ मकरे शुक्रः ३५/१२ चंद्रद.
फुलरिया २, पातस्पर्शः ३५/५९ मोक्षः ४५/९+
[+ मोहोरम १ सन् १३९१ हि.
भ. २०।४५उ.४७।८ या.
मूले धनुषि भौमः ३५/२५ मार्च ३ ता. ३१
*३६।४३ (सौरः ३६।३६) होलाष्टक
भ. ३३।५०उ.
भ. ३।२६ या. दृश्यः पूभायां रविः
पूभायां बुधः ४२।×७
श्रवणे शुक्रः ५७।४९
भ.८।११उ.४०।४या. आमलकी ११ब्र.
×पातस्पर्शः ५०।५५
प्रदोषः
फ.५६।१०उ.मीनेबुधेः५०।१३
भ.२९।२०या. होलिकादहनम्
उभायां बुधः ३९।५५ छारेंडी×

४७पं.फा.शु.५चं इ.४३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	७	९	०	९	१०
१७	०	१२	१२	४	२३	२९	१७
५	२	१	१४	५१	४	१९	५
४६	४५	५८	२७	३२	४३	३३	३०
६०	३४	२०	४	६८	४	३	६०
१२	५५	१९	९	२५	२३	११	२०

गोचरग्रहाः

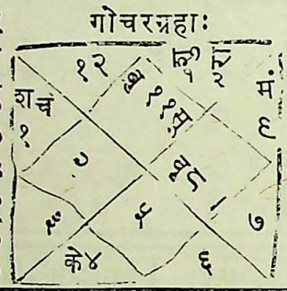

इस मासका फल उत्तम है धान्य रुई चावल जौ गेहूं बाजरा मोठ मूंग मंदा होगा सुदीमें तेजी होकर मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

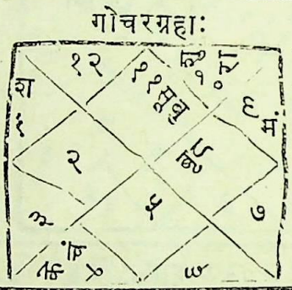

४८पं.फा.शु.१२चं.इ ४३/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	७	९	०	९	१०
२४	४	२५	१२	१२	२४	२८	२४
६	२०	५२	३७	१	२९	५७	६
२९	३४	३०	१६	४८	१०	१८	५४
५९	२४	२०	२	६९	४	३	६०
५८	३४	९	५३	१३	५२	११	६

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०२७ शाकः १८९२ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | वसंतर्तु रविरुत्तरे फाल्गुन कृ. महा.

१	श	९	१	उ	७	१५	गं	३१	२२	कौ	९	१	२९ २७	६ ७	५ ५३	१३	२२	१५	कन्यायां
२	र	१५	२८	ह	१४	३७	बृ	३३	१७	ग	१५	२८	३२	६	५४	१४	२३	१६	तु. ४८।५
३	चं	२०	५०	चि	२१	३४	शु	३४	५०	वि	२०	५०	३६	५	५५	१५	२४	१७	तुलायां
४	मं	२५	४१	स्वा	२७	३८	व्या	३५	४६	बा	२५	४१	४०	४	५६	१६	२५	१८	तुलायां
५	बु	२९	४६	वि	३२	४१	ह	३५	४७	तै	२९	४६	४४	४	५७	१७	२६	१९	वृ. १६।१५
६	शु	३२	२६	अ	३६	३७	व	३४	४७	ग	१	६	४९	२	५८	१८	२७	२०	बृश्चिके
७	शु	३३	४३	ज्ये	३९	७	सिं	३२	३७	वि	३	४	५३	१	५९	१९	२८	२१	ध. ३९।७
८	श	३३	२४	मू	३९	४७	व्य	२९	२	बा	३	३३	५७	१	५९	२०	२९	२२	धनुषि
९	र	३१	४	पू	३८	४७	व	२४	२	तै	२	१४	३० १	६ ०	६ ०	२१	३०	२३	म. ५३।३
१०	चं	२७	१	उ	३५	५२	प	१७	२४	वि	२७	१	६	५ ५९	१	२२	१	२४	मकरे
११	मं	२१	१३	श्र	३१	१९	शि	९	४४	बा	२१	१३	१०	५८	२	२३	२	२५	कु. ५८।२१
१२	बु	१३	५८	ध	२५	२४	सिं	३ ३	४९ २८	तै	१३	५८	१४	५७	३	२४	३	२६	कुम्भे
१३	गु	५	२०	श	१८	१९	शु	३९	५२	व	५	२०	१८	५६	४	२५	४	२७	मी ५७।३३
१४	गु	५०	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	शु	४६	७	पू	१०	३७	शु	२८	५६	च	२१	३	२३	५५	५	२६	५	२८	मीने

वसन्त १ पातमोक्षः १।५४ [+, सौरः ३६/५६)
भ. ४८।०उ. दृश्यो मीनेऽर्कः ३७।४०+
भ. २०।५० या चतुर्थी ब्र.
[×४०।२५ पापमोचनी ११ब्र.
दृश्यः उभायाँ रविः ५५/४४ (सौरः ५७।३२)
भ. ५२।२६उ. धनिष्ठा. शुक्रः २३।३६
भ. ३।४या. रेवत्यां बुधः ५/४४ शीतलापू.
बुधोदयः पश्चिमायां ६।०
भ. ५९।३ उ.
भ २७।१ या. रा. चैत्रारम्भः
पूषायां भौमः ३९।५५ वक्री गुरुः×
कुंभे शुक्रः०।२० प्रदोषः
भ. ५।२०उ ३०।४० या.

अश्वि. मेषे बुधः ५६।४मन्वादिः

४९पं.चैत्रकृ.३चं.इ.४३/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	७	९	०	९	११
१	८	९	१२	२०	२५	२८	१
५	३५	१९	५१	१३	६	३५	६
४२	५६	५५	४३	२९	१८	२	३६
५९	३३	२०	१	७०	५	३	५९
४१	५०	२९	२८	०	१८	११	४९

गोचरग्रहाः

चैत्र कृ. २रवौ मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ न.३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शु. पू.

गोचरग्रहाः

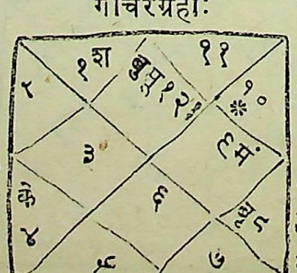

५०पं.चैत्रकृ.१०चं.इ ४४/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	७	९	०	९	११
८	१२	२३	१२	२८	२५	२८	८
३	४९	६	५६	३०	४६	१२	४
१८	१४	७	२४	१४	४१	४६	३१
५२	३३	२०	०	७०	५	३	५९
२९	४	२९	११	३८	४६	११	३५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *,चं,रा,शु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७२ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७२ भोग्यकलिः ४२६९२८ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२८ शाकः १८९३ वर्षेऽस्मिन्राजाशनिः । मंत्री बुधः । सस्येशोशुक्रः । धान्येशोगुरुः । मेघेशो भौमः । रसेशो रविः । नीरसेशोशुक्रः । फलेशश्चंद्रः । धनेशोगुरुः । दुर्गेशश्चन्द्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १८ रक्ताक्षी नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ६।०।३४।३३ भोग्यमासादिः ५।२९।२५।२७ भगदैवतंयुगम् वर्षनाम वैशाखः मेघ नाम द्रोणः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकार गृहे । समय विश्वा १८ । समय वाहनंमहिषः । स्तम्भः १ तृणस्य । सोमवत्यमाः २ । सोमवती पंचमी ० । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी ० । रविदशमी ० समय मुहूर्ताः ३०० । सभयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १६ । तिथि वृद्धिः ११ । उत्पत्ति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा ९ । धान्यम् १३. तृणम् १५. शीतम् ११. तेजः ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ । ऐक्यम् १०७ शनिदृष्टिः पूर्वस्यां । ग्रहण २ चन्द्रमसः

सं.२०२८श्रावण शु. १५शुक्रे खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	स.	म	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	४२	४४	४६	४८	५१
मध्यम.	पल	२७	४७	५०	५३	१३
रेल्वे	घं.	११	१२	१	२	२
टाइम	मि.	२६	२२	११	०	५६

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् ८।४

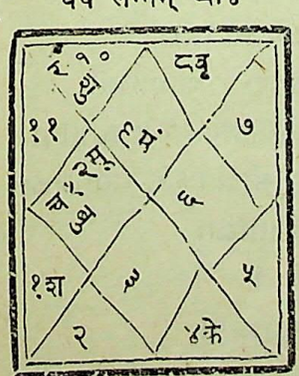

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय जननी ज्वालामुखी भैरव आया द्वार ।
अष्टाविंशति सालका कहदो फल विस्तार ॥

भवानी उत्तर

भैरव सुन तूं ध्यान से कहती फल समझाय ।
घर घर खेलै बालका दूजै धोली गाय ॥
रोहिणी सिंधु में बसी संबत् मालाकार ।
अष्ठादश विश्वा समय होवे जय जयकार ॥
मंत्री बुधजी बापड़ा चले न इनका जोर ।
राजा तो रवि तनय है करैं ओर की ओर ॥
वर्षा तो विश्वा वनी भौम गये मेघेश ।
रस कस कमती जानलो रसपति भये दिनेश ॥
शुभलक्षण शुभचार से कहा वर्ष निर्धार ।
धर्मकर्म करते रहो यही जगत में सार ॥

सं.२०२८ माघ शुक्ले १५ रवौ ग्रस्तोदयं खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो,
उज्ज.	घं.	२०	२४	२४	२५	२९
मध्यम.	पल	३९	५	५६	४७	१३
रेल्वे	घं.	२	४	४	४	६
टाइम	मि.	४३	५	२५	५६	८

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	बृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ०।४

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२६।२३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणाम् फलम् ॥ अथास्मिन वर्ष्ण राजा शनिः तत्फलम् ॥ शनैश्चरे भूमियतौ सकृज्जलं प्रभूत रोगैः परिपीउयते जनः । युद्धनृपाणां गद तस्कराद्यैः, भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ॥ मंत्री बुधस्तत्फलम् । शशिसुते शुभ मंत्रि समागते, स्वपतिन रमते मदन क्रियाम् । बहु धनं बहु वादि समन्वितं यवमसूर चणान्न महर्घता ॥ सस्येशः शुक्रस्तत्फलम् । शुक्रोयदा धान्य यतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालीक्षुधनं प्रियगु, बृक्षेषु पुष्पाणि सुख प्रदानि ॥ धान्ये शो गुरुः फलम् गुरौ धान्य पतौयोत यव गोधूम शालयः । पच्यन्ते सर्व देशेषु यज्ञानो ब्राह्मणादयः ॥ मेघेशो भौमस्तत्फलम् ॥ अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि श्रुति विचार विहीन धरामराः । क्वचिदपि प्रचुरं जल मल्यकं क्वचिदपि प्रशमं बहुतायदम् ॥ रसेशोरविः फलम् ॥ रसःपतौ तरणौ धरणी तदा विरस भाग रताल्प पयोधरा । वसन तैल घृत प्रिय मानवाः सुखरसं न भुनक्ति महीपतिः ॥ नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ कर्पूरा गर गन्धानां हेम मौलिक वाससां । अर्घ बृद्धिः प्रजाये त नीरसेशो भृगुर्यदि ॥ फलेशश्चंद्रस्तत्फलम् ॥ यदि विधु-फलयो-दुमराशयः फलयुतावलिभिः कुसुमैर्युताः । द्विज मुखावर भोग समन्विता नृपतयो नप नाटन तत्पराः ॥ धनेशो गुरुः फलम् ॥ सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिज बृति पराः सुख भाजनाः फलित पुष्पित भूमि रुहाः सदा, विविध द्रव्ययुता भुविमानवाः ॥ दुर्गेशश्चंद्रः फलम् ॥ गढपति शश लाञ्छनको यदा, नृपसुताज्य विलासित पौरजाः । बहु धने क्षुज गोरस भोगिनो, नरवरा वर वर्णित विग्रहाः ॥ रक्ताक्षी नामसंवत्सरः फलम् रक्ताक्षीवत्सरे सस्य बृद्धिर्बृष्टिरनुत्तमा । ईक्षते सर्वदा न्योन्य राजानो रक्त लोचनाः ॥ वर्षनाम वैशाखः फलम् ॥ अर्घ विविध भविन जायते द्रविण प्रदम् । नीरुजा निर्भया लोका वैशाखेजन पूजिताः ॥ मेघनाम द्रोणस्तत्फलम् । द्रोणे-वर्षति सर्वदा ॥ रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ॥ समुद्रे तुमहा बृष्टिः॥ समयनिवा सोंमाला कार गृहे फलम । मालिनःप्रचुरा बृष्टिः॥ एवं संचित्य दैवज्ञैःकथनीयं शुभाशुभम्—

सं० २०२८ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृष्णा ५ शुक्रे मूले ल.गो.८रे.६।।।।।ऽअऽऽ।ऽदग्धादोषः

शुक्ला ३ भौमे रोहि.ल.११।१२रे.६ऽ।।ऽऽनृऽ।।।

,, ११ गुरो उफा.ल. अन्यगो. रे. ७।।।ऽशु।ऽनृऽ।।।पाद वेधात्शुक्रस्य वेधाऽभावः

,, ११ गुरौ हस्ते ल. ६।१२ रे.७ऽऽ।।।ऽनृ।।।।मीनेच.७पू.

,, १२ शुक्रे हस्ते ल.अन्यगो.६रे.८ऽऽ।।।।।।।धनु लग्न-घटी ४३।५० यावत्

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १ भौमे अनु. ल. ११।१२ रे. ६।।ऽशु।ऽ।ऽऽ।।

,, ३ गुरौ मूले ल. १२रे.८।।।।।ऽअऽ।।।

,, ५ शनौ उषा.ल. गो. ६।१२रे.७।।।।।।ऽऽऽ।गणितेन-क्रांति साम्याऽभावः

,, १० गुरौ उभा. ल. अन्यगो.६रे.८।।।।।।ऽऽ।।

,, १२ शुक्रे रेव. ल. अन्यगो.६रे. ८।।।।।ःचौ।ऽ।।

शुक्ला ६ बुधे उफा. ल.गो.६रे ८।।।।।ऽरोऽ।।।

,, १४ चंद्रे अनु. ल.११।१२रे.६।।ऽशु ऽऽनृ ऽ।।

आषाढ़ मासः ।

कृष्णा १ बुधे मूले ल. गो. ११।१२रे ६।।।।चौऽऽ।।

,, ६ गुरौ रेव.ल.अन्यगो.११रे.७ऽ।।।।ऽअ.।ऽ।।

शुक्ला ६ भौमे उफा. ल. १२रे. ६।ऽ।।ऽनृऽऽ।।

,, ६ शुक्रे स्वा.ल.गो.११रे.६।।।।।।।ऽ।।

,, १० शनौ स्वा. ल. गो. रे.८।।।।ऽरोऽ।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः ।

शुक्ला २ शनौ मूले.ल ६।७रे.८।।।।।ऽनृऽ।।।

,, ४ चंद्रे उषा.ल.६।७रे. ६।ऽ।।ऽचौऽऽ।।

माघ मासः ।

शुक्ला ४ गुरौ उभा. ल ६रे. ८।।।।।ऽचौऽ।।।

,, ५ शुक्रे उभा.ल.अन्यगो.सोग्रांगः रे.६।।।।।।ऽ।।।

,, १० भौमे रोहि. ल.गो. रे. ७।।।।ऽअ. ।ऽऽ।गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः

फाल्गुन मासः ।

कृष्णा ४ गुरौ उफा.ल.गो.सोग्रांगःरे.७।।।।ऽऽअ।ऽ।।

,, ४ गुरौ हस्ते ल. ६रे.७।।।।ऽअ.ऽऽ।।

,, ५ शुक्रे हस्ते ल. गो.सोग्रांगः रे.८।।।।।।ऽऽ।।

,, ७ रवौ स्वा. ल. अन्यगो.सोग्रांगःरे.८ऽ।ऽ।।।।

,, ६ भौमे अनु. ल. अन्यगो. सोग्रांगःरे. ८।।।।ऽ।ऽ।।

शुक्ला ४ शुक्रे रेव. ल.६रे.७।ऽ।।।।ऽऽ।।

चैत्र मासः ।

कृष्णा १ बुधे उफाल.गो.६रे.८।।।।ऽऽ।।।।

,, ४ शनौ स्वा.ल.गो.६रे.६।।।।ऽऽअ.।ऽऽ।गणितेन क्रांति-साम्याऽभावः आवश्यके

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त.| चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः१८९३ |दि.|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चंद्रः | वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः६२००स१९७१

१	श	३७	१३	उ	४१	५३/४४	त	१७	५८	क्ति	१२	४०	३०/२७	५५	६/५	२७	६	२९	मे.५५।२५	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	र	२७	८	अ	४८	५२	ऐं	४९/४६	५०/२९	की	२७	८	३१	५४	६	२८	७	३०	मेषे	चन्द्रदर्शनम् मिधारा
३	चं	१९	१८	भ	४३	४८	वि	५०	५	ग	१९	१८	३५	५३	७	२९	८	१	वृ.५८।०	भ.१/६५उ.शतेशुक्रः३/६०मत्स्यज.गणगौरी*
४	मं	१३	११	कृ	४०	३७	प्री	४३	३८	वि	१३	११	३९	५२	८	३०	९	२	वृषे	भ. १३।११ या. *सफर २
५	बु	८	५०ं	रा	३९	१९	आ	३८	४६	बा	८	५०	४४	५१	९	३१	१०	३	वृषे	दृश्योरेवत्यांरविः३/६ (सौरः२५।०)+
६	गु	६	२७	मृ	४०	१३	सौ	३५	३७	तै	६	२७	४८	५०	१०	१	११	४	मि ९।४६	अप्रे ल४ता.३० +कृत्ति.१शनिः१/३
७	शु	६	२०	आ	४२	५९	शो	३३	५४	व	६	२०	५२	५०	१०	२	१२	५	मिथुने	भ. ६।२० उ. ३७।१३ या.
८	श	८	५	पु	४७	२७	अ	३३	४९	ब	८	५	५६	४९	११	३	१३	६	क.३१।२०	रामनवमी स्मा.
९	र	११	३८	पु	५३	२८	सु	३४	२६	की	११	३८	३०/१	४८	१२	४	१४	७	कर्के	राम. ९ वै.
१०	चं	१६	२९	श्ले	६०	०	धृ	३६	११	ग	१६	२९	४	४७	१३	५	१५	८	कर्के	भ. ४९।२५ उ.
११	मं	२२	२१	श्ले	०	३३	शू	३८	२७	वि	२२	२१	७	४७	१३	६	१६	९	सिं०।३३	भ. २२।२१या. कामदा ११ ब्र.
१२	बु	२८	१८	म	७	५६	गं	४०	५५	बा	२८	१८	११	४६	१४	७	१७	१०	सिंहे	
१३	गु	३४	५०	पू	१५	३१	बृ	४३	२०	की	१	१४	१४	४५	१५	८	१८	११	क.३०।५३	प्रदोषः
१४	शु	४१	२	उ	२३	१	ध्रु	४५	२२	ग	७	५६	१८	४४	१६	९	१९	१२	कन्यायां	भ.४/५३उ.वक्रीबुधः ४/३९भा.शुक्रः५/०७
१५	श	४६	४४	ह	३०	१०	व्या	४७	१५	वि	१३	५३	२१	४४	१६	१०	२०	१३	कन्यायां	भ.१३।५३या. हनुमज्जयन्ती

५१पं.चै.शु.३चं.इ.४/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	०	७	१०	०	९	११
१४	१६	३	१२	९	२६	२७	१५
५९	५८	४०	५३	४९	३१	५०	०
१३	२२	३७	४९	३७	४	३१	३१
५९	३२	७८	१५/१	७१	९	३	५९
१९	८	३७	ब	१०	१२	११	१८

गोचरग्रहाः

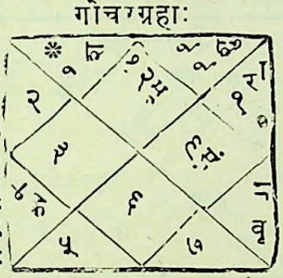

इस मास काफल मध्यम है प्रजामें रोग भय हो। धान्य गेहूँ चावल जो तिल सोना चाँदी तेज हो।

गोचरग्रहा;

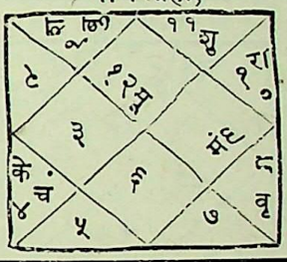

५२पं.चै.शु.१०चं.इ.४/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	०	७	१०	०	९	११
२१	२०	९	१२	१५	२७	२०	२१
५३	५९	३६	४०	८	१७	२८	५४
३१	४२	१४	४०	४६	४९	१५	४७
५९	३०	२६	३४/३	७१	६	३	५९
४	५९	४९	ब	३८	२६	११	४

१	र	५१	४९	चि	३६	३४	ह	४८	३२	बा	२०	१६	३१/२५	५/४३	१७	११	२१	१४	तु. ३।२२	पश्चिमास्तं बुधः ३९।५
२	चं	५६	८	स्वा	४२	५	व	४९	३	तै	२३	५९	२८	४२	१८	१२	२२	१५	तुलायां	
३	मं	५९	२२	वि	४७	५३	सि	४८	५९	व	२७	४५	३२	४२	१८	१३	२३	१६	वृ.३१।२७	भ.२७/४५उ.५/२९या.अश्वि.मेषेऽर्कः सौरः५/३९
४	बु	६०	०	अ	५१	२	व्य	४८	११	ब	२९	४१	३६	४१	१९	१४	२४	१७	वृश्चिके	दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः ०।३१ चतुर्थी ब्र.
४	गु	१	३६	ज्ये	५३	४२	व	४६	१९	बा	१	३६	४०	४०	२०	१५	२५	१८	ध.५३।४२	
५	शु	२	४७	मू	५५	१८	प	४३	३२	तै	२	४७	४३	३९	२१	१६	२६	१९	धनुषि	उषायाँ भौमः १।१३
६	श	२	४३	पू	५५	४१	शि	३९	५६	व	२	४३	४७	३९	२१	१७	२७	२०	धनुषि	भ. २।४३ उ. ३२।२ या.
७	र	१	२०	उ	५४	२९	सि	३४	५७	ब	१	२०	५१	३८	२२	१८	२८	२१	म. १०।२३	मीने शुक्रः ११।५२
८	र	५७	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	चं	५२	२६	श्र	५२	२	सा	२८	५५	तै	२५	५८	५५	३७	२३	१९	२९	२२	मकरे	*५/३०धनिष्ठा.१राहुः आश्ले.३केतुः५/९
१०	मं	४८	५८	ध	४८	७	शु	२१	५०	व	२०	१२	५८	३६	२४	२०	३०	२३	कु.२०।४	भ.२०।१२उ.४८।५८या. उभा.शुक्रः*
११	बु	४२	०	श	४२	५९	शु	१३	३७	ब	१५	२९	३३/२	३६	२४	२१	१	२४	कुम्भे	मकरे भौमः ४१।१० वरूथिनी ११×
१२	गु	३४	५	पू	३७	०	न	३४/४	५०/१०	की	८	२	६	३५	२५	२२	२	२५	मी २३।३०	×ब्र. रा. वैशाखारंभः
१३	शु	२५	३३	उ	३०	१२	वै	४४	३५	व	२५	३३	१०	३४	२६	२३	३	२६	मीने	भ. २५।३३ उ. ५०।५८ या. प्रदोषः
१४	श	१६	२३	रे	२३	४	वि	३४	१६	श	१६	२३	१४	३३	२७	२४	४	२७	मे. २३।४	
३०	र	७	२६	अ	१६	२१	प्री	२४	३४	ना	७	२६	१७	३३	२७	२५	५	२८	मेषे	

१ पं.बै.कृ.४बु.इ.३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	७	१०	०	९	०
०	२५	९	१२	२५	२८	२७	०
०	३९	३१	१६	०	११	२	०
०	४३	२३	२३	२५	१७	७	५६/५
५८	२९	४६/२५	४/३	७२	६	३	५८
४४	५८	ब	ब	२	४४	११	४५

गोचरग्रहाः

वै. कृ. ४ बुधे मेषेऽर्कः प्र. वा ४ न. ४ वाला-वस्था (बैठीं) मु. ३० (धान्य भाव सम) शु.पू.

गोचरग्रहाः

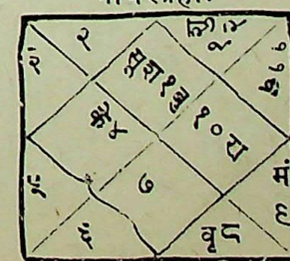

२ पं.वै.कृ.११बु.इ.४/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	७	११	०	९	०
६	२९	५	११	२	२९	२६	६
५०	४०	१०	४४	३४	२	३९	५१
४२	३४	३७	४२	०	२०	५१	७
५८	२८	३२/१	५/१३	७२	६	३	५८
३१	३९	ब	ब	२७	५९	११	२९

*बु.चं. (सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३ दि. उ. अ इं. रा. मु. चंद्रः | ग्रीष्मतूर्रविरुत्तरेऽहर्गणः ६२३०स. १९७१

१	र	५१	३१	८	०	०	१	०	२	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	५१	४१	भ	१०	१३	आ	१५	३४	बा	२५	१६	३२/२१	५/३	६/२८	२६	६	२९	वृ. २४।२
३	मं	४६	८	कृ	५	३१	सौ	७/३	५०/२०	तै	१८	५४	२५	३१	२९	२७	७	१	बृ.
४	बु	४३	१९	रो	२	२६	अ	५६	१९	व	१४	४३	२९	३०	३०	२८	८	२	मि. ३१।५८
५	गु	४०	५१	मृ	१	३१	सु	५३	१८	ब	१२	५	३२	३०	३०	२९	९	३	मिथुने
६	शु	४१	१९	आ	२	४९	धृ	५१	५९	कौ	११	५	३६	२९	३१	३०	१०	४	क. ५०।१२
७	श	४४	५	पु	५	५९	शू	५२	७	ग	१२	४२	४०	२८	३२	१	११	५	कर्के
८	र	४८	१३	पु	१०	५२	गं	५३	३	वि	१६	९	४३	२७	३३	२	१२	६	कर्के
९	चं	५३	४२	श्ले	१७	१५	बृ	५५	१४	बा	२०	५८	४७	२७	३३	३	१३	७	सिं. १७।१५
१०	मं	५९	४१	म	२४	३२	धु	५७	२०	तै	२६	४१	५१	२६	३४	४	१४	८	सिंहे
११	बु	६०	०	पू	३२	८	व्या	५९	५८	व	३२	५७	५४	२५	३५	५	१५	९	क. ४९।२
११	गु	६	१४	उ	३९	४३	ह	६०	०	वि	६	१४	५७	२५	३५	६	१६	१०	कन्यायां
१२	शु	१२	२३	ह	४६	५०	ह	२	२३	बा	१२	२३	३७/१	२४	३६	७	१७	११	कन्यायां
१३	श	१७	५३	चि	५३	१२	व	४	८	तै	१७	५३	४	२३	३७	८	१८	१२	तु. २०।१
१४	र	२२	२५	स्वा	५८	२४	सि	५	८	व	२२	२५	७	२३	३७	९	१९	१३	तुलायां
१५	चं	२५	४८	वि	६०	०	व्य	५	३४	ब	२५	४८	१०	२२	३८	१०	२०	१४	बृ. ४४।२६

चन्द्र दर्शनम्
दृश्योभरण्यां रविः ४०।४८ सौरः ४०/५२+
भ १४/३ उ. ४३/१९ या. कृत्ति. २बृषे शनिः ४५/३१×
अस्तं शनिः २९।४
[+अक्षया ३ रविलाबल ३
भ ४४।५ उ. मई ५ ता. ३१
भ. १६।९ या. रेवत्यां शुक्रः ३।३२
[×बुधोदयः पूर्वस्यां २।८
भ. ३३/५ मार्गी बुधः ३३/४५ मीहिनी ११ ब्र. स्मा.
भ. ६।१४ या. मोहिनी ११ वै.
प्रदोषः
वक्री शनु. २गुरुः ११।८ नृसिंह जयन्ती
भ. २२।२५ उ. ५४।६ या.
श्रवणे भौमः ४३/४ यमाय जलान्नकुंभदानं

३ प.वै.शु. ४ बु इ. १।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	७	११	०	९	०
१३	३	०	११	११	२९	२६	१३
३९	२७	४१	६	४८	५४	१७	३९
४३	११	१३	३६	५८	४३	३६	३२
५८	२७	२७/५६	६/१३	७२	७	३	५८
१७	५	ब	ब	४६	८	११	१२

गोचरग्रहाः

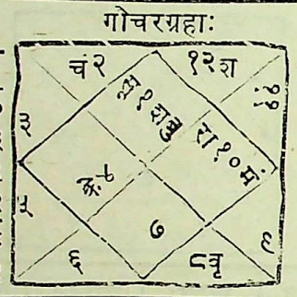

इस मासका फल साधारण है रुई अलसी सरसों पाट कुष्ठा सण सूत वारदाना फल फूल तेज हो।

गोचरग्रहाः

४पं वै.शु ११ बु.इ.१।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	७	११	१	९	०
२०	७	०	१०	२०	०	२५	२०
२७	४	०	२२	१६	४८	५५	२६
२२	५२	२५	१२	५	७	२०	१२
५८	२५	३४/५	७/९	७३	७	३	५७
६	२१	ब	ब	०	१४	११	५७

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | ग्रीष्मतूर्रविरुत्तरे वैशाख कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	२८	१०	वि	२	३७	व	४	५७	कौ	२८	१०	३३/१३	५/२१	६/३९	११	२१	१५	वृश्चिके
२	बु	२९	२०	अ	५	४६	प	३	३१	ग	२९	२०	१६	२१	३९	१८	२२	१६	बृश्चिके
३	गु	२९	२२	ज्ये	७	४६	शि	१३/१	५५/५६	वि	२९	२२	१९	२०	४०	१३	२३	१७	ध. ७।४६
४	शु	२८	२२	मू	८	५१	सा	५४	१५	बा	२८	२२	२२	२०	४०	१४	२४	१८	धनुषि
५	श	२६	३२	पू	८	५७	शु	५९	४७	तै	२६	२२	२५	१९	४१	१५	२५	१९	म. २३।४७
६	र	२३	५	उ	८	१९	शु	५४	२६	व	२३	५	२८	१८	४२	१६	२६	२०	मकरे
७	चं	२०	१६	श्र	६	५०	न	३८	३१	ब	२०	१६	३०	१८	४२	१७	२७	२१	कुं ३५।३७
८	मं	१५	५७	ध	४	२५	ऐं	३१	५२	कौ	१५	५७	३३	१७	४३	१८	२८	२२	कुम्भे
९	बु	१०	३८	श	७/१	५५/५९	वै	२४	३४	ग	१०	३८	३६	१७	४३	१९	२९	२३	भी ४३।०
१०	गु	४	२७	उ	५	२	११	वि	१६	३६	वि	४	२७	३९	१६	४४	२०	३०	२४	मीने
११	गु	५	३	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	शु	५	०	१६	रे	४६	४४	मी	८	५/१	कौ	२३	५९	४१	१६	४४	२१	३१	२५	मे ४६।४४
१३	श	४	२	५३	अ	४१	१५	सौ	५०	२८	ग	१६	३५	४३	१५	४५	२२	१	२६	मेषे
१४	र	३५	१२	भ	३६	३	शो	४२	७	वि	९	३	४६	१५	४५	२३	२	२७	बृ. ४९।५५
३०	चं	२८	३०	कृ	३१	३०	अ	३५	१३	च	१	५१	४८	१४	४६	२४	३	२८	वृषे

[+३शनिर्वै ३२।१ वट पूजनं
भ. ४३/५ उ. प्रदोषः रा. ज्येष्ठारम्भः
भ. ९।३ या. भरण्यां बुधः ३७।१०
भरण्या शुक्रः ११।५ कृत्तिका.+

५पं. ज्ये.कृ.२बु.इ १।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	७	७	११	१	९	०
२७	१०	२	९	२८	१	२५	२७
१३	३२	२१	३३	४१	४२	३३	११
३४	६	०	२२	१८	४३	५	२६
५७	२४	२३/४०	७/७३	७	३	५७
५४	३३	मा	ब	१४	२०	११	४५

गोचरग्रहाः

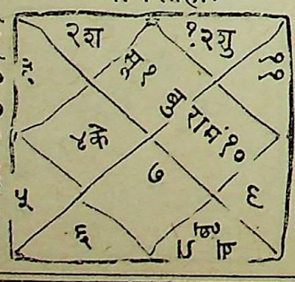

ज्ये. कृ. ४ शुक्रे बृषेऽर्कः प्र. वा. ३न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु. पूर्व.

गोचरग्रहाः

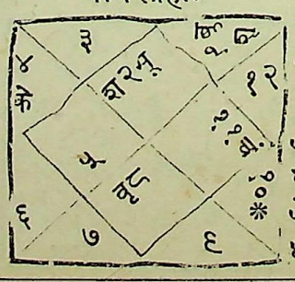

६पं.ज्ये.कृ.९बृ.इ.१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	७	०	१	९	१
३	१३	८	८	७	२	२१	३
५८	४८	१३	४०	७	३६	१०	५५
२६	१८	८	५२	५२	४७	४९	४
५७	२१	५६	५२/७	७३	७	३	५७
४४	५८	२६	ब	२६	२०	११	३४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३ दि. ३. अ. ३. इं. रा. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ६२५.६स.१६७१

१	मं	२२	४६	रो	२७	५३	सु	२७	१६	ब	२२	४६	३३/५०	५४	४६	२५	४	२६	मि ५६।५२
२	बु	१८	२८	मृ	२५	५२	धृ	२१	४०	की	१८	२८	५२	१४	४६	२६	५	१	मिथुने
३	गु	१६	४	आ	२५	५३	शू	१७	२१	ग	१६	४	५४	१३	४७	२७	६	२	मिथुने
४	शु	१५	३४	पु	२७	३०	गं	१४	४३	वि	१५	३४	५६	१३	४७	२८	७	३	क. १२।११
५	श	१७	१६	पु	३१	१६	वृ	१३	५८	वा	१७	१६	५८	१२	४८	२९	८	४	कर्के
६	र	२०	३६	श्ले	३६	३४	यु	१४	५	तै	२०	३६	३४/५०	१२	४८	३०	९	५	सि ३६।३४
७	चं	२५	२८	म	४३	१६	व्या	१५	३४	व	२५	२८	२	१२	४८	३१	१०	६	सिंहे
८	मं	३१	११	पू	५०	३६	ह	१७	३५	ब	३१	११	४	११	४९	१	११	७	सिंहे
९	बु	३७	३५	उ	५८	१५	व	२०	५	वा	४	२३	६	११	४९	२	१२	८	क. ७।३१
१०	गु	४३	४२	ह	६०	०	सि	२२	२५	तै	१०	३८	७	११	४९	३	१३	९	कन्यायां
११	शु	४९	७	ह	५	३१	व्य	२४	२८	व	१६	२४	९	१०	५०	४	१४	१०	तु. ३८।४६
१२	श	५३	३१	चि	१२	२	व	२५	५३	व	२१	१९	१०	१०	५०	५	१५	११	तुलायाँ
१३	र	५६	३५	स्वा	१७	२१	प	२६	८	की	२४	५८	१२	१०	५०	६	१६	१२	तुलायां
१४	चं	५८	८	वि	२१	१७	शि	२५	१९	ग	२७	२१	१३	९	५१	७	१७	१३	वृ. ५।१८
१५	मं	५८	१२	अ	२३	४८	मि	२३	२१	वि	२८	१०	१४	९	५१	८	१८	१४	वृश्चिके

दृश्यो रोहि.रविः १७/३३ (सौरः २२।४६)*
रविलारवर ४ *चन्द्रदर्शनम्
भ.४५।४९ उ.
भ.१५।३४ या.
×निर्जला ११
÷(सौरः २१।३५)
भ. २५।२८ उ. ५८।१९ या.
कृत्तिका.बुधः ४१।४३ जून६ ता.३०

बृषे बुधः ३९।१५ गंगा १०
भ.१/२४ उ.४९।७या. कृत्ति. शुक्रः८।६+
+वक्री अनु.१गुरुः०।१उदयं शनेः ३४/३५×
बृषे शुक्रः ५६।१७ द्रदोषः
भ. ५८।८ उ.
भ. २८।१०या. दृश्योमृगे रविः १२/२९÷

७पं.ज्ये.शु.२बु.इ. १।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	०	७	०	१	९	१
१०	१६	१६	७	१५	३	२४	१०
४२	५०	२६	४७	२५	३०	४८	३७
२५	२४	२	३५	४९	५८	३३	१५
५७	२०	७	५२/७	७३	७	३	५७
२५	११	१२	ब	३८	२०	११	२३

गोचरग्रहाः

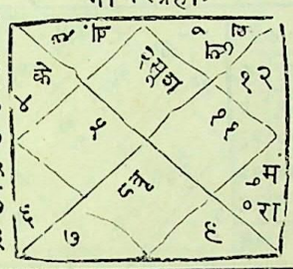

इस मास में ५ मंगलवार अशुभ हैं पीड़ाअग्निभय हो गुड़ खाड घृत रस तेज धान्य चावल गेहूँ जौ चना मंदा होवे।

गोचरग्रहाः

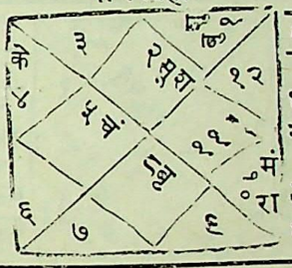

८पं.ज्ये.शु.९बु.इ.१।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	७	०	१	९	१
१७	१९	२७	६	२४	४	२४	१७
२५	३४	१४	५५	४	२४	२६	१८
८	३०	४२	१२	३७	२५	१८	२१
५७	१७	०/०	४७/४३	७३	७	३	५७
२७	२६	५९/५८	ब	५०	१४	११	१३

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं.२०२८ शाकः १८९३ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृ.महाराष्ट्राः

१	बु	५६	५८	ज्ये	२५	७	सा	२०	२५	वा	२६	५०	३४/१६	५९/५१	९	१९	१५	ध. २५।७
२	गु	५४	१३	मू	२५	८	शु	१६	३३	तै	२३	३६	१७	९	५१	१०	२०	१६	धनुषि
३	शु	५१	२३	पू	२४	४	शु	११	४०	व	२२	१८	१८	८	५२	११	२१	१७	म. ३८।३७
४	श	४७	२४	उ	२२	८	व	६	१९	व	१९	२३	१९	८	५२	१२	२२	१८	मकरे
५	र	४२	५५	अ	१९	५६	ऐं	२५/२५	५३/५३	की	१५	९	२०	८	५२	१३	२३	१९	कु. ४८।३४
६	चं	३८	२२	ध	१७	१८	वि	४७	४५	ग	१०	३८	२१	८	५२	१४	२४	२०	कुम्भे
७	मं	३३	२४	श	१४	३०	प्री	४१	५	वि	५	५३	२१	८	५२	१५	२५	२१	मी ५७।६
८	बु	२८	६	पू	११	१८	आ	३४	३	वा	०	४५	२२	८	५२	१६	२६	२२	मीने
९	गु	२२	४८	उ	७	५४	सौ	२७	०	ग	२२	४८	२२	८	५२	१७	२७	२३	मीने
१०	शु	१५	५८	रे	४	१२	शो	१९	३६	वि	१५	५८	२३	७	५३	१८	२८	२४	मे. ४।१२
११	श	११	१४	अ	२४/०	५६/१८	अ	१२	२६	वा	११	१४	२३	७	५३	१९	२९	२५	मेषे
१२	र	५	३४	कृ	५३	३४	सु	१८/१८	५३/१७	तै	५	३४	२३	७	५३	२०	३०	२६	वृ १०।५५
१३	चं	०	२२	गो	५०	५४	शु	५२	२३	व	०	२२	२४	७	५३	२१	३१	२७	बृषे
१४	चं	५५	१८		०	०		०	०		०	०	०	७	५३		०	०	०
१५	मं	५२	७	ब्र	४९	१२	गं	४७	०	ब	२३	५४	२४	७	५३	२२	१	२८	मि. २०।३

रोहि. बुधः ७।५०
पूर्वास्तो बुधः १९।३३
भ. २२।१८उ. ५१।२३ या.
धनिष्ठा.भौमः ५८।२१ च. ब्र.

भ.३८।२२ उ.
भ. २५/३ या.दृश्यो मिथुनेऽर्कः ११।७*
*सौरः ३२/३२मृगे बुधेः ३६/३७रोहि. शुक्रः८।६
भ. ४९।२३ उ.
भ.१५।१५या.मिथुने बुधः ४५।०६
योगिनी ११ ब्र.
कृत्तिका.४शनिः०।५३प्रदोषः
भ.०।२२उ.२८।१या. आर्द्रा. बुधः ४९/२८
≡राहुःआश्ले.२केतुः ५२/४०रा.आषाढारंभः
दृश्य आर्द्रा रविः १०/१९सौरः ३३/५५श्रवण.४≡

९पं.आ.कृ.१बु.इ.१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	१	७	१	१	९	१
२४	२१	९	६	७	५	२४	२३
७	५१	४८	४	३४	१७	४	५८
१२	२२	११	२६	३७	३५	२	१७
५१	१४	२९/२३	५७	७३	७	३	५७
२२	४२	ब	ब	५३	३	११	५

गोचरग्रहाः

आ. कृ. ७ भौमे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ५ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महघंता शु. पू.

गोचरग्रहाः

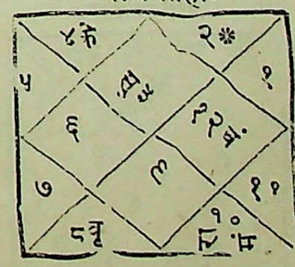

१०पं.आ.कृ.८बु.इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	१	७	१	५	९	२
०	२३	२४	५	११	६	२३	०
४८	५५	१३	१८	६	९	४१	३७
२५	५९	३०	२२	१८	३२	४७	२६
५७	११	७/२९	२३/२२	७४	६	३	५६
१७	४६	२०	ब	२	५४	११	५७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण ६२८८५१६७१

| | | |

ति. श्रावण शुक्ल पक्षः सं.२०२८ शाकः १८९३ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६३१८सं.१९७१

१	शु	२२	५	पु	१३	३१	व	१	१२	व	२२	५	३३/४५	६/५५	२३	१	२९	कर्के	मार्गीगुरुः५०।२६ रा.श्रावणारंभः
२	श	२५	८	श्ले	१७	५४	सि	०	२०	की	२५	८	४२	१६	४४	२४	२	३०	सिं १७।५४ चंद्रदर्शनम् सिधारा
३	र	२९	२६	म	२३	३६	व्य	०	४४	ग	२९	२६	४०	१६	४४	२५	३	१	सिंहे तीज जमा।दलाखर ६
४	चं	३४	३८	पू	३०	२	व	२	०	ब	२	२	३७	१७	४३	२६	४	२	क.४६।५३ भ. २।२उ ३४।३८या.कर्केशुक्रः२।४१
५	मं	४०	४२	उ	३७	२७	प	३	५४	ब	७	४०	३५	१७	४३	२७	५	३	कन्यायां नागपंचमी उपाकर्मः
६	बु	४७	१६	ह	४४	५६	शि	६	३१	की	१३	५९	३२	१८	४२	२८	६	४	कन्यायां पुष्येशुक्रः ४३।४४
७	गु.	५२	५८	चि.	५२	३४	सि	८	५९	ग	२०	७	२९	१८	४२	२९	७	५	तु. १३।४५ भ. ५२।५८ उ.
८	शु	५८	७	स्वा	५९	११	सा	११	१८	वि	२५	३२	२६	१९	४१	३०	८	६	तुलायां भ. २५।३२ या.
९	श	६०	०	वि	६०	०	शु	१२	५७	वा	२९	३	२४	१९	४१	३१	९	७	बृ.४४।४८
१	र	१	५९	वि	४	२६	शु	१३	२४	की	१	५९	२१	२०	४०	१	१०	८	अगस्त ८ ता. ३१ वृश्चिके
१०	चं	४	१८	अ	८	२६	ज्ये	१२	४६	ग	४	१८	१८	२०	४०	२	११	९	वृश्चिके भ.३४।२५ उ. पूफायां बुधः ४५।२५
११	मं	४	३२	ज्ये	१०	२१	ऐं	१०	१४	वि	४	३२	१५/१	२१	३९	३	१२	१०	ध.१०।२१ भ.३२/४ या.दृश्यः आश्लेषा. रविः३७/४*
१२	बु	२	४६	मू	१०	२२	वै	६	२२	वा	२	४६	१२	२२	३८	४	१३	११	धनुषि प्रदोषः *सौरः३२/१० पवित्रा ११ व्र.
१३	बु	५६	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० +पूर्वश्याम् २४/३६ शु.अ.पू.
१४	गु	५३	३९	पू	८	१७	वि	५६/८	५३/८	ग	२६	२०	९	२२	३८	५	१४	१२	म.२३।२३ भ.५३/९ उ. अनु. १ गुरुः१४/२० शुक्रास्तः+
१५	शु	४६	४४	उ	३४/९	५५/९	आ	४६	८	वि	२०	११	६	२३	३७	६	१५	१३	मकरे भ २०/१९ या:खग्रासचंद्रग्रहणम् रक्षाबंधनम्

१६पं.श्रा.शु.६बु.इ.१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	४	७	३	१	९	३
१०	२५	८	३	२	१०	२१	१०
५२	५३	१	९	२७	२५	२८	२७
१९	२४	८	०	११	३८	१३	४३
५७	५३/९	५६	४९/०	७४	४	३	५७
२०	ब	१९	मा	३१	५२	११	५

गोचरग्रहाः

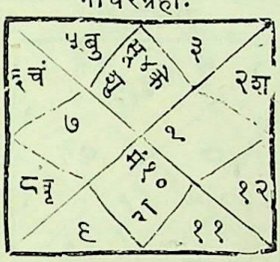

इस मास का फल श्रेष्ठ है खंड वर्षा हो सुदी१५ के आस पास वर्षा श्रेष्ठ होगी । हरे क वस्तु में तेजी

गोचरग्रहाः

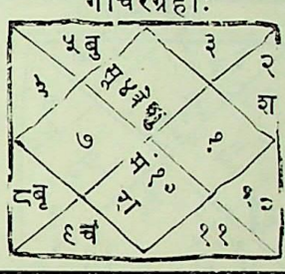

१७पं.श्रा.शु.१२बु इ.१।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	४	७	३	१	९	३
१७	२४	१३	३	११	११	२१	१७
३४	४५	५८	१७	४	५	५	७
१	४३	४१	४२	१	४३	५७	३१
५७	१३/२	२०	१	७४	४	३	५७
२५	ब	४१	५३	३२	१९	११	१२

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं.२०२८ शाकः १८९३ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽश्रा.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	श	३९	७	ध	५४	५	सो	३७	१७	वा	१२	५६	३३/३	५/२३	६/३७	७	१६	१४	कु.२४।३७
२	र	३१	७	श	४८	६	शो	२८	७	तै	५	७	०	२४	३६	८	१७	१५	कुम्भे भ ५६।२८ उ आश्ले.शुक्रः ३४।४
३	चं	२२	५०	पू	४२	१	अ	१८	५६	वि	२२	५०	३२/६	२५	३५	९	१८	१६	मी२८।३२ भ. २२।५० या.चतुर्थी व्र.
४	मं	१५	९	उ	३६	३८	सु	९	४९	वा	१५	९	५३	२१	३५	१०	१९	१७	मीने
५	बु	८	१४	रे	३१	५३	धृ	१५/५	५२/८	तै	८	१४	५०	२६	३४	११	२०	१८	मे.३१।५३ चंद्रषष्ठी
६	गु	२	०	अ	२७	५४	गं	४५	५६	व	२	०	४७	२७	३३	१२	२१	१९	मेषे भ. २।०उ.२९।२४या.वक्री बुधः३/२०
७	गु	५४	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	शु	५२	४०	भ	२५	६	बृ	३९	३१	बा	२४	४४	४३	२७	३३	१३	२२	२०	वृ.३९।४० जन्माष्टमी व्रतम्
९	श	४९	४२	कृ	२३	२१	ध्रु	३४	१०	तै	२१	११	४०	२८	३२	१४	२३	२१	बृषे वक्री श्रवणेभौमः २५।२७ गोगा९
१०	र	४७	३९	रो	२२	४०	व्या	२९	३७	व	१८	४०	३६	२९	३१	१५	२४	२२	मि५२।५० भ. १८।४० उ. ४७।३९ या.
११	चं	४६	४४	मृ	२३	१	ह	२५	५७	ब	१७	११	३३	२९	३१	१६	२५	२३	मिथुने दृश्यो मघा. सिंहेऽर्कः५/३२ अजा.११व्र.
१२	मं	४७	११	आ	२४	३६	व	२३	७	की	१६	५७	२९	३०	३०	१७	२६	२४	मिथुमे म. सिंहेऽर्कः सौरः२८।३५ वत्स १२
१३	बु	४८	३३	पु	२७	१५	सि	२१	१०	ग	१७	५२	२६	३१	२९	१८	२७	२५	क.११।३५ भ. ४८।३३ उ. प्रदोषः
१४	गु	५१	४	पु	३०	५१	व्य	२०	१४	वि	१९	४८	२२	३२	२८	१९	२८	२६	कर्के भ. १९।४८या.मघा. सिंहेशुक्रः २०/४५*
३०	शु	५४	४४	श्ले	३५	२८	व	२०	९	च	२२	५४	१९	३२	२८	२०	२९	२७	सिं.३५।२८ कुशाग्रहणी *पश्चिमास्तं बुधः१/१६

१८पं.भा.कृ ५ बु.इ.५/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	४	७	३	१	९	३
२४	२३	१७	३	१९	११	२०	२३
१६	२७	१४	३५	४२	३८	४३	४८
२६	४७	२	२	२५	५३	५२	३५
५७	१२/२	९	३	७४	३	३/०	५७
३३	ब	२८	१९	३२	४६	११	२२

गोचरग्रहाः

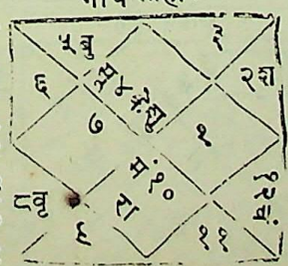

भा. कृ. १ चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र. वा. ४ न.५ गतालका वस्था (ऊभी) मु.१ धान्यादि भावे समता शु. पू.

ग्रोचरग्रहाः

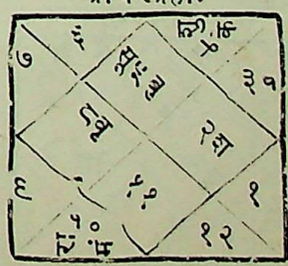

१९पं. भा.कृ.१३बु.इ ४/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	७	३	१	९	४
०	२२	१५	४	२८	१२	२०	०
५९	१२	५०	०	२०	४	२१	३०
४९	२९	५६	१८	३१	१९	२६	५१
५७	१/२	२६	४	७४	३	३	५७
४०	ब	१	२७	३८	९	११	३४

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०२८ शाकः१८९३ | दि. | उ. | अ | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३४७स १६७१

१	श	५६	३०	म	४१	१६	प	२१	३६	कं	२७	७	३२/१५	५/३३	६/२७	२१	३०	२८	सिंहे
२	र	६०	०	पू	४७	५२	शि	२२	७	वा	२६	४५	११	३४	२६	२२	३१	२६	सिंहे
२	चं	४	४५	उ	५५	२	सि	२३	४३	की	४	४५	८	३४	२६	२३	१	१	क.४।३६
३	मं	१०	५४	ह	६०	०	सा	२६	६	ग	१०	५४	५	३५	२५	२४	२	२	कन्यां
४	बु	१७	१३	ह	२	३८	शु	२६	३२	वि	१७	१३	०	३६	२४	२५	३	३	तु.३६।२७
५	गु	२३	३०	चि	१०	१६	शु	३१	५	चा	२३	३०	३५/५६	३७	२३	२६	४	४	तुलायाँ
६	शु	२६	४	स्वा	१७	४०	ल	३३	२६	तै	२६	४	५२	३८	२२	२७	५	५	तुलायां
७	श	३३	४४	वि	२३	५४	ऐं	३४	३६	ग	१	२४	४८	३८	२२	२८	६	६	बृ.७।१८
८	र	३६	५६	अ	२६	८	वै	३४	५५	वि	५	२१	४४	३६	२१	२६	७	७	वृश्चिके
६	चं	३७	२४	ज्ये	३२	२५	वि	३३	५१	ता	७	१२	४०	४०	२०	३०	८	८	ध.३२।२५
१०	मं	३७	४८	मू	३३	५८	मी	३१	२१	तै	७	३६	३६	३६	२१	३१	६	६	धनुषि
११	बु	३५	६	पू	३३	२५	आ	२७	७	व	६	५७	३२	४२	१८	१	१०	१०	म.४७।४७
१२	गु	३०	२३	उ	३०	५३	सौ	२१	१२	ब	२	४५	२८	४२	१८	२	११	११	मकरे
१३	शु	२३	५०	अ	२६	२४	शो	१३	४६	तै	२३	५०	२५	४३	१७	३	१२	१२	कु.५४।०
१४	श	१५	४५	ध	२१	३६	अ	५/३	५०/१७	व	१५	४५	२१	४४	१६	४	१३	१३	कुंभे
१५	र	६	५०	श	१३	४४	धृ	४५	१	ब	६	५०	१७	४५	१५	५	१४	१४	मी५३।१४

+महालयारम्भः
वक्री मङ्गः बुधः ४१।३ चंद्र द.
रा. भाद्रपदारम्भः रज्जव ७
भ.४४उ.श्रव.३राहुःग्राश्ले.१केतुः४५/१२
भ.१७।१२ या. गणेश ४
मार्गी भौमः७।१६ऋषि ५
÷सितम्बर१६ ता.२०
भ.३३।४४ उ.
भ.४।२१ या. [*शुक्रश्च ७।१६
दृश्यः पूफायां रविः ४८।६ पूफा.*
पूफायां रविः सौरः १६।२७
भ.६।५७उ.३५।६या.जलझूलनी११ब्र.÷
वामन१२ प्रदोषः
पूर्वोदयी बुधः ०।१६
भ.१५।४५उ.४१।१७ या. अनंत१४+
मार्गी बुधः २०।४१

२०पं.भा.शु.४बु.इ.०।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	७	४	१	९	४
७	२१	११	४	७	१२	१२	७
४४	६	६	३४	०	२५	५२	१४
१७	५०	४०	४८	११	१२	११	२४
५७	२०/५	५७/२०	५	७४	२	३	५७
४८	ब	ब	३५	३८	२८	११	४५

गोचरग्रहाः

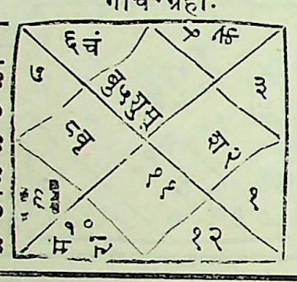

इस मासमें प्रजा में रोग पीड़ा अन्नादि का भाव तेज हो। सुदी में सरसों मूंग-फली बिनोलामंदा चांदी सोना तेज

गोचरग्रहाः

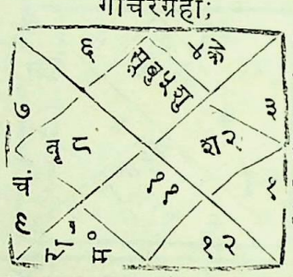

२१पं.भा.शु.११बु.इ.०।२८

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	७	४	१	९	४
१४	२०	५	५	१५	१२	१९	१३
२९	२३	११	२६	४०	४१	३६	५१
५६	२०/०	५३	५९	४८	२०	५५	३६
५८	३१	४२/४४	६	७४	१/१	३	५७
१	मा	ब	३५	३८	४३	११	५७

त	आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०२८ शाकः १८९३	दि.	उ.	अ	इं.	रा.	मु.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र कृष्णेतिमहा.

१	र	५०	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	चं	४८	०	पू	६/२४	५२/५६	शु	३४	३०	ते	२२	४२	३१/१३	५/४५	६/१५	६	१५	१५	मीने
३	मं	३६	१	रे	५२	८	ग	२४	८	व	१३	३०	६	४६	१४	७	१६	१६	मे.५२।८
४	बु	३०	४८	अ	४६	१२	धृ	१४	१६	व	४	५	५	४७	१३	८	१७	१७	मेषे
५	गु	२४	४	भ	४१	२३	शु	५/८	५३/४	ते	२४	४	१	४८	१२	९	१८	१८	वृ.।५५४०
६	शु	१८	४२	कृ	३८	३०	ह	५०	३७	व	१८	४२	३०/५७	४६	११	१०	१६	१६	वृषे
७	श	१४	५८	रो	३६	४६	व	४४	६	ब	१४	५८	५३	४६	११	११	२०	२०	वृषे
८	र	१२	४८	मृ	३६	४३	सि	४८	५६	कौ	१२	४८	४८	५०	१०	१२	२१	२१	मि६।४६
६	चं	१२	१२	आ	३८	१६	व्य	३८	४	ग	१२	१२	४४	५१	६	१३	२२	२२	मिथुने
१०	मं	१३	१४	पु	४१	२०	व	३६	२६	वि	१३	१४	४०	५२	८	१४	२३	२३	क.३०।३४
११	बु	१५	२२	पु	४५	२७	प	३५	४७	चा	१५	२२	३६	५३	७	१५	२४	२४	कर्के
१२	गु	१८	५४	श्ले	५०	४०	शि	३६	१६	तै	१८	५४	३२	५४	६	१६	२५	२५	सिं५०।४०
१३	शु	२३	२१	म	५६	४२	सि	३७	५	च	२३	२१	२८	५४	६	१७	२६	२६	सिंहे
१४	श	२८	४३	पू	६०	०	सा	३८	४४	श	२८	४३	२४	५५	५	१८	२७	२७	सिंहे
२०	र	३४	२७	पू	३	५०	शु	४०	४४	च	१	३५	२०	५६	४	१९	२८	२८	क.२०।३८

+२६।१७फायां बुधः२।५६

भ.१३।३०उ.३६।१या.
चतुर्थी ब्र.
उफायां शुक्रः ५१।२०
भ.१८।४२उ.४६।५०उ.

कन्या.शुक्रः ३३/३७अनु.२गुरुः ४४।४
भ.४३/४३उ.दृश्य उफायां रविः३२/२९ मातृ६
भ.१३।१४या.उफायां रविः सौरः४।५
इंदिरा ११ब्र.
दृश्यः कन्यायामर्कः ५७।५० प्रदोषः
भ.२३।११उ.५६।२या.कन्यार्कः सौरः+
वक्री शनिः५३।२०
सर्वपितृ ३०

२२पं. आ.कृ.४बु.इ.०।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	७	४	१	९	४
२१	२०	४	६	२४	१२	१९	२०
१६	५	४४	४	२१	५२	१४	४६
५७	१०	२५	४१	५८	५	३९	१६
५८	४	२६/१२	७	७४	१	३	५८
१३	४७	मा	३७	३६	१०	११	१२

गोचरग्रहाः

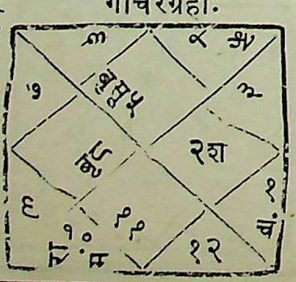

आ. कृ. १२गुरौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४न.५प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शु. पूर्व.

गोचरग्रहाः

२३पं.आ.कृ११बु.इ०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	७	५	१	९	४
२८	२०	१०	६	३	१२	१८	२७
५	२७	३२	५९	३	५८	५२	३४
२४	२५	३८	३५	१८	२३	२४	३९
५८	७	८१	८	७४	०	३	५८
२६	३६	४८	३८	३२	२५	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य२१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं २०२८ शाकः १८६३ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६२७७स. १६७१

१	चं	४०	४०	उ	११	३	शु	४२	२०	कृ	७	३३	३ ५६	५ ५७	६ ३	२०	२६	२६	कन्यायां
२	मं	४६	५५	ह	१८	३१	ब्र	४५	१७	ब्रा	१३	४८	१२	५८	२	२१	३०	३०	तु.५२।१६
३	बु	५३	१२	चि	२६	०	ऐं	४७	४६	तै	२०	४	८	५८	२	२२	३१	१	तुलायां
४	गु	५८	५४	स्वा	३३	२८	वै	४६	५०	व	२६	३	४	५६	१	२३	१	२	तुलायाँ
५	शु	६०	०	वि	४०	१०	वि	५१	५४	व	२८	५७	३ ० ०	६ ०	६ ०	२४	२	३	वृ.२३।२०
५	श	३	५३	अ	४६	७	मी	५३	२८	ब्रा	३	५३	२ ५ ५	१ ५ ६	२ ५	३	४		वृश्चिके
६	र	७	४३	ज्ये	५०	३६	आ	५२	१४	तै	७	४३	५१	२	५८	२६	४	५	ध.५०।३६
७	चं	१०	६	मू	५३	४४	सो	५१	६	व	१०	६	४७	३	५७	२७	५	६	धनुषि
८	मं	१०	४८	पू	५४	५६	शो	४८	२५	व	१०	४८	४३	३	५७	२८	६	७	धनुषि
६	बु	८	४०	उ	५४	२५	अ	४४	६	की	८	४०	३८	४	५६	२६	७	८	म.६।५०
१०	गु	६	३६	श्र	५१	४७	सु	३८	२५	ग	६	३६	३४	५	५५	३०	८	६	मकरे
११	शु	१	३६	ध	४७	२३	धृ	३०	५०	वि	१	३६	३०	६	५४	१	६	१०	कु.१६।३५
१२	शु	५३	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	श	४६	३४	श	४१	२६	शू	२२	१४	की	२०	३७	२६	७	५३	२	१०	११	कुम्भे
१४	र	३७	११	पू	३५	२६	गं	१२	२५	ग	११	५३	२२	८	५२	३	११	१२	मी२१।५६
१५	चं	२७	१७	उ	२६	३४	बृ	४२ १	४५ ५	वि	२	१२	१८	८	५२	४	१२	१३	मीने

हस्ते शुक्रः ३ ४ मातामह श्रा. नवरात्रा.
चन्द्रदर्शनम्
पूर्वास्तं बुधः ४४।३१ सावान ८
भ. २ ६ उ. ५ ८ या. रा. आश्विनारंभः
उफायांबुधः३।३३
कन्याबुधः ४ ७ *सौरः ४ १ सरस्व त्यावा.
भ. १ ६ उ. ४ २ या. दृश्योहस्ते रविः १ ५ *
सरस्वती पूजनं बलिदानं
भ. ३ ४ उ विजया १० सरस्वतीविसर्जनम्:
भ. ३ १ या. चित्रा. शुक्रः १ ५ पापांकुशा ११ ब्र. ÷
÷ अक्टूबर १० ता० ३१
हस्ते बुधः १७।५१ प्रदोषः
भ. ३ ७ उ. धनिष्ठा. भौमः ५।४८
भ २।१२ या. अनु. ३ गुरुः १२।४२

२४पं.आ.शु.३बु.इ. ०।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	४	७	५	१	९	५
४	२१	२१	८	११	१२	१८	४
५५	३	२१	१	४५	५८	३०	२४
१९	५८	२६	८	४०	१९	८	५६
५८	१०	०	९	७४	० ०	३	५८
३८	५४	५	३१	३२	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

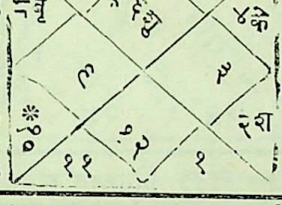

इस मास का फल साधारण है सुदी में अनाज गुड़ खांड घृत अलसी चांदी सोना तेज होकर मंदा हो।

गोचरग्रहाः

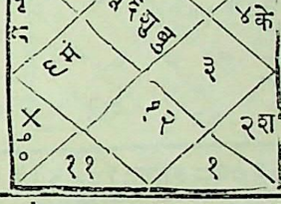

२५पं.आ.शु.८मं.इ.५६।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	७	५	१	९	५
११	२२	४	९	२०	१२	१८	११
४६	१९	०	७	२७	५३	७	१६
५५	५५	३२	५२	४०	३८	५३	५०
५८	१३	० ०	१०	७४	३ ३	३	५९
५३	३१	५७	११	२८	ब	११	

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं २०२८ शाकः १८६३ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणे आश्विन कृ.महा.

१	मं	१७	१७	रे	१८	३१	व्या	३६	४२	की	१७	१७	२ ६ १ ४	६ ६	५ ५ ५ १	५	१३	१४	मे.१८।३१
२	बु	७	४६	अ	१०	५५	ह	२८	५८	ग	७	४६	१०	१०	५०	६	१४	१५	मेषे
३	बु	५१	२४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	गु	५१	५७	भ	१ २	४ ५ ४ १	व	१६	१३	व	२५	३४	६	११	४६	७	१५	१६	वृ. १७।५२
५	शु	४६	३२	रो	५५	१५	सिं	१०	४०	की	१६	१५	२	१२	४८	८	१६	१७	बृषे
६	श	४३	२	मृ	५३	३१	व्य	१ ३ ६	५ ४ १७	ग	१४	४७	२ ५ ८	१२	४८	६	१७	१८	मि२४।२३
७	र	४१	३६	आ	५३	३५	प	५३	२२	वि	१२	१६	५४	१३	४७	१०	१८	१६	मिथुने
८	चं	४२	१०	पु	५५	१६	शि	५१	१	ब्रा	११	५३	५०	१४	४६	११	१६	२०	क.४०।२२
६	मं	४४	२५	पु	५६	४६	सि	४६	४८	तै	१२	४८	४६	१५	४५	१२	२०	२१	कर्के
१०	बु	४८	१३	श्ले	६०	०	सा	५०	१०	व	१६	१६	४२	१६	४४	१३	२१	२२	कर्के
११	शु	५३	१३	श्ले	५	१८	शु	५१	३	व	२०	४३	३८	१६	४४	१४	२२	२३	सिं ५।१८
१२	शु	५६	७	म	११	३०	शु	५२	५१	की	२६	१०	३ ३	१७	४३	१५	२३	२४	सिंहे
१३	श	६०	०	पू	१८	४६	न्न	५४	५६	ग	२६	३३	३०	१८	४२	१६	२४	२५	क.३५।३६
१३	र	५	१४	उ	२६	८	ऐं	५७	१३	व	५	१४	२६	१६	४१	१७	२५	२६	कन्यायां
१४	चं	११	४६	ह	३३	५०	वै	५६	३६	श	११	४६	२२	२०	४०	१८	२६	२७	कन्यायां
२०	मं	१७	५७	चि	४१	१४	वि	६०	०	ना	१७	५७	१८	२०	४०	१६	२७	२८	तु.७।२

भ. ३ ३ उ. ५ ६ या. तुला शुक्रः ३६।८
करक चतुर्थी ब्र.
भ. ४.७।२ उ. चित्रा. बुधः ५१।५१
भ. १२।१६ या. दृश्यश्चित्रा. रविः ४ ३ ७
चित्रा रविःसौरः १ २ २ स्वात्यांशुक्रः ५ १ ६ ८ ×
×शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ५ ० २ ४ शु.उ.
भ. १ ६ उ. ४ १ ३ या तुलाबुधः ४ ३ ६ प.
रमा ११ ब्र.
*सौरः ५ ५ ५ स्वा.बुधः ५ ० १ ३ रूप १४
प्रदोषः धन १३
भ. १ ५ ४ उ. ३ ८ ३ ० या. दृश्यस्तुलार्कः २ ६ ४ ३ *
महालक्ष्मी पूजनं
अन्नकूट गोवर्धन पूजा

२६पं.का.कृ.१मं.इ.५ ६ ४ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	७	५	१	९	५
१८	२४	१६	१०	२९	१२	१७	१८
४०	६	३६	१९	११	४३	४५	१०
८	४०	४०	३०	६	८	३७	३७
५९	१६	० ०	१०	७४	४ ६	३	५९
९	६	५ ५	५६	२६	ब	११	१६

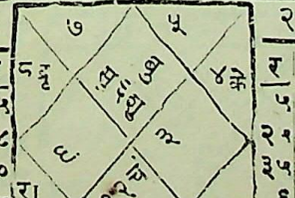

२७पं.का.कृ.६मं.इ.५ ६ ३ २

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	७	६	१	९	५
२१	२६	२८	११	७	१२	१७	२५
३५	२२	४८	३६	५४	२८	२३	६
६	८	११	४	४३	५	२१	१९
५९	१९	० ०	१५	७४	२ ०	३	५९
२१	७	५ ५	२८	२६	ब	११	२१

२८प.का.कृ.३०मं.इ.५ ६ २ २

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	७	६	१	९	६
२	२९	१०	१२	१६	१२	१७	२
३१	१	१७	५६	३८	७	१	३
३४	१	४६	१७	४५	५९	६	४९
५९	२१	० ०	१२	७४	३ ०	३	१९
३४	३०	५ ०	६	२०	ब	११	४६

* रा.मं. (सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) × रा.मं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०२८शाकः१८९३ | दि. | उ.अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६४०७स.१९७१

१	बु	२४	३	स्वा	४८	३०	वि	१	४०	व	२४	३	२६	६	५	२०	२८	२९	तुलायां
२	गु	२९	२२	वि	५४	५२	प्री	३	४८	कौ	२९	२२	१०	२२	२८	२१	२९	३०	बृ.३८।१७
३	शु	३४	४	अ	६०	०	आ	५	१२	तै	१	४३	६	२३	३७	२२	३०	१	बृश्चिके
४	श	३८	४४	अ	०	३७	सौ	५	४९	व	६	२४	२	२४	३६	२३	१	२	बृश्चिके
५	र	४०	२४	ज्ये	५	२८	शो	५	५६	ब	९	३४	२७	२४	३६	२४	२	३	ध.५।२८
६	चं	४१	४३	मू	९	१३	अ	५	१९	कौ	११	४	५५	२५	३५	२५	३	४	धनुषि
७	मं	४१	३६	पू	११	४६	सु	३	२२	ग	११	३९	५०	२६	३४	२६	४	५	म.२६ ५७
८	बु	३९	५८	उ	१२	३१	धृ	२०	५५	वि	१०	४७	४६	२७	३३	२७	५	६	मकरे
९	गु	३६	४७	श्र	११	५१	गं	५०	३४	बा	८	२३	४०	२८	३२	२८	६	७	कु ४०।४१
१०	शु	३१	५१	ध	९	३०	बृ	४३	४०	तै	३	४९	३९	२८	३२	२९	७	८	कुम्भे
११	श	२५	२९	श	५	३९	ध्रु	३५	२८	वि	२५	२९	३५	२९	३१	३०	८	९	मी४६।४६
१२	र	१७	३८	पू	२८	५३	व्या	२६	१३	बा	१७	३८	३१	३०	३०	३१	९	१०	मीने
१३	चं	८	५४	रे	४६	५१	ह	१६	८	तै	८	५४	२७	३१	२९	१	१०	११	मे.४६।५१
१४	चं	५०	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	मं	४९	५७	अ	३९	८	व	३३	४९	वि	२४	४४	२४	३१	२९	२	११	१२	मेषे

अनु. ४ गुरुः ५६/५८ चन्द्रदर्शनम् यम २ विशा.शुक्रः ४५/२९ कुम्भेभौमः ४३/५८ रमजान९ भ.६।२४उ. ३८।४४या. रा.कार्तिका. दृश्यःस्वात्यां रविः ८।४५ (सौरः ३६/३) *२ राहुः पुष्य. ४केतुः ३७।१२ भ.४१।३६उ. विशा.बुधः८।६ श्रवण* भ. १०।४७ या. गोपाष्टमी बुधोदयः पश्चिमायां ४७।५ अक्षय ९ भ. ५८।४० उ. भ.१५/२९या. बृश्चिके शुक्रः ४०/१८ प्रबोधिनी+ प्रदोषः +११ ब्र. तुलसी विवाह नवम्बर११ता.३१भ.५६/३२उ.वृश्चिकेबुधः A A ४१।३५ वैकुंठ १४ भ. २४/४४ या. अनु. शुक्रः २२/१० मन्वादिः

२९ श.का.शु. ७मं.इ. ५९/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	७	६	१	९	६
९	२	२१	१४	२५	११	१६	९
२९	०	२२	१९	२२	४४	३८	३
४९	५४	४१	४४	३६	१७	५०	९
५९	२३	९७	१२	७४	४०/३	३	६०
४७	२२	७	२०	१५	ब	११	२

गोचरग्रहाः

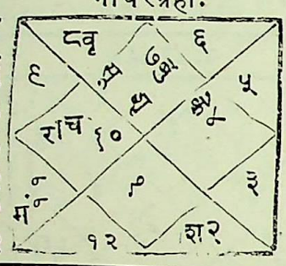

का.कृ. १३ रवौ तुलायामर्कः प्र. वा.४न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्य भाव सम शु. प.

गोचरग्रहाः

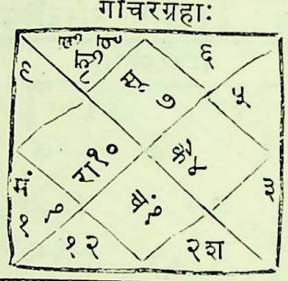

३० पं.का.शु.१५मं.इ. ५९/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	७	७	७	१	९	६
१६	५	१	१५	४	११	१६	१६
२९	२२	५८	४६	५	१६	१६	४
३८	१	५९	४१	३१	३४	३५	१३
६०	२६	९२	१२	७४	५३/८	३	६०
४	१२	१३	५०	८	ब	११	१८

ति. | मार्गशीर्षकृष्णपक्षः सं० २०२८ शाकः १८९३ | दि. | उ.अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | हेमन्तर्तौ रविर्दक्षिणे कार्तिक कृ. महा.

१	बु	४०	४५	भ	३१	४२	व्य	४४	८	ब्रा	१५	२१	२७	६	५	३	१२	१३	बृ. ४५।१
२	गु	३२	४०	कृ	२४	५८	व	३४	१२	तै	६	४२	१६	३३	२७	४	१३	१४	वृषे
३	शु	२५	४४	रा	१९	३५	प	२५	१९	वि	२५	४४	१३	३३	२७	५	१४	१५	मि ४७।१७
४	श	२०	४२	मृ	१५	०	शि	१७	५८	ब्रा	२०	४२	९	३४	२६	६	१५	१६	मिथुने
५	र	१७	४६	आ	१४	१४	सि	१२	०	तै	१७	४६	६	३५	२५	७	१६	१७	क ५९।३२
६	चं	१७	१३	पु	१४	३९	सा	७	४८	व	१७	१३	२	३६	२४	८	१७	१८	कर्के
७	मं	१८	३५	पु	१७	७	शु	५	१९	ब	१८	३५	२६/५९	३६	२४	९	१८	१९	कर्के
८	बु	२१	५८	श्ले	२१	४०	शु	४	३८	कौ	२१	५८	५६	३७	२३	१०	१९	२०	सिं २१।४०
९	गु	२६	४५	म	२७	२७	व	४	५४	ग	२६	४५	५३	३७	२२	११	२०	२१	सिंहे
१०	शु	३२	३४	पू	३४	३७	ऐं	६	६	वि	०	१५	४९	३८	२२	१२	२१	२२	क ५१।३१
११	श	३९	२	उ	४२	१३	वै	८	१४	ब	५	५३	४६	३९	२१	१३	२२	२३	कन्या
१२	र	४५	४५	ह	४९	५८	वि	१०	३४	कौ	१२	२३	४३	३९	२१	१४	२३	२४	कन्या
१३	चं	५२	८	चि	५७	२५	प्री	१३	८	ग	१८	५६	४०	४०	२०	१५	२४	२५	तु. २३।४२
१४	मं	५७	५४	स्वा	६०	०	आ	१५	१२	वि	२५	१	३७	४१	१९	१६	२५	२६	तुलायां
३०	बु	६०	०	स्वा	४	२४	सौ	१६	५६	च	२८	५७	३४	४१	१९	१७	२६	२७	बृ.५४।३
३०	गु	२	४९	वि	१०	३६	शो	१७	५३	ना	२	४९	३१	४२	१८	१८	२७	२८	वृश्चिके

अनु. बुधः ५१।४३ भ. ५९।१२ उ. भ.२५/४५या. शते भौमः५७।३५ च.ब्र. दृश्योविशा.रवि;२९।८(सौरः५३।३२) ज्येष्ठा. १ गुरुः १३।३७ भ. १७।१३ उ. ४७।५४ या. *५।४५ उत्पत्ति ११ ब्र. भ. ०।१५ उ. ३२।४४ या. ज्येष्ठा. बुधः १०।१३ ज्येष्ठा. शुक्रश्च* भ. ५२।८ उ. प्रदोषः भ. २५।१या. दृश्यो बृश्चिकेऽर्कः २५/६× ×(सौरः ४७।४९)

३१ पं.मा.कृ.७मं.इ. ५८/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	७	७	७	१	९	६
२३	८	१२	१७	१२	१०	१५	२३
३०	५२	६	१६	४९	४५	५४	६
५८	१६	११	२६	१९	४३	१९	५१
६०	२८	८५	१३	७२	५६/१९	३	६०
१७	२	५०	१४	२	ब	११	३०

गोचरग्रहाः

मार्ग.कृष्णा १४ भौमेबृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३ न.३ वन्ध्यावस्था (ऊभी मु. १५धान्यभाव महर्घता शु. पू.

गोचरग्रहाः

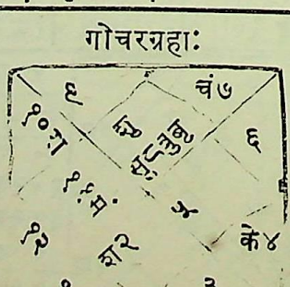

३२ पं.मा.कृ. १४मं.इ. ५८/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	७	१	९	७
०	१२	२१	१८	२१	१०	१५	०
३३	४०	३१	४७	३३	१२	३२	१०
४७	५२	३७	४६	७	४०	३	५५
६०	२९	७५	१३	७३	३४/४	३	६०
३०	१९	१३	२०	५६	ब	११	४०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्षशुक्लपक्षः सं.२०२८ शाकः १८९३ दि. उ. अ इं. रा. मु. चंद्रः | हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६४३७स.१९७१

१	शु	६	४८	अ	१५	५०	अ	१८	१६	च	६	४८	२६ / २९	६ / ४३	५ / १८	१९	२८	२९	वृश्चिके
२	श	९	५५	ज्ये	२०	१३	सु	१७	५५	कौ	९	५५	२६	४३	१७	२०	२९	३०	ध. २०।१३
३	र	११	३१	मू	२३	३३	धृ	१६	४०	ग	११	३१	२४	४३	१७	२१	३०	१	धनुषि
४	चं	१२	४१	पू	२५	४४	शू	१४	२४	वि	१२	४१	२१	४४	१६	२२	१	२	ग. ४१।२
५	मं	१२	२६	उ	२६	५७	गं	११	३६	ब	१२	२६	१९	४४	१६	२३	२	३	मकरे
६	बु	११	८	अ	२७	१०	वृ	७	५७	तै	११	८	१६	४५	१५	२४	३	४	कुं ५६।२५
७	गु	८	४४	ध	२६	०	धु	१ ३९	१ ४९	व	८	४४	१३	४५	१५	२५	४	५	कुम्भे
८	शु	५	१५	श	२३	५५	ह	५१	९	ब	५	१५	११	४६	१४	२६	५	६	कुम्भे
९	श	०	४३	पू	२०	४१	व	४३	२८	कौ	०	४३	८	४६	१४	२७	६	७	भी ६।२७
१०	श	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	र	४८	१३	उ	१६	२२	सि	३५	२४	व	२१	३९	६	४७	१३	२८	७	८	मीने
१२	चं	४०	४३	रे	११	१	व्य	२६	२७	व	१४	२८	३	४७	१३	२९	८	९	मे. ११।१
१३	मं	३२	३९	अ	५ ४	५ ३७	व	१६	५२	कौ	६	४६	१	४८	१२	३०	९	१०	मेषे
१४	बु	२४	२२	कु	५२	३१	प	५ ६७	५ ३८	व	२४	२२	२५ / ५९	४८	१२	१	१०	११	वृ. १२।१६
१५	गु	१६	३२	रो	४६	५४	सि	४८	२१	ब	१६	३२	५७	४९	११	२	११	१२	वृषे

दृश्योऽनुराधा. रविः ४३० वक्री कृत्ति. ४+
अनु. रविः सौरः ५।३७ चंद्रदर्शनम्
भ. ४२।६उ. सव्वाल १०
भ. १२४ या. ज्येष्ठा २ गुरुः २५३४ रा. ×
मूले धनुषि शुक्रः ४५२३ [×मार्गशीर्षारंभ
मूले धनु. बुधः १५।४४ चम्पा६
भ ८।४४ उ. ३६।५९ या.
[*स्मा. गीताजयन्ती अ.गु.
अस्तं गुरोः २६।३६ [+शनिः ४५।०
[= बुधः ३३।५३
भ. २१।३९उ. ४८।१३ या. मोक्षदा ११व्र. *
पूभायां भौमः ४३९ मोक्षदा ११व्र. वै.
प्रदोषः
भ. २४२२ उ. ५३७ या. दिसम्बर १२ता. ३१
दृश्यो ज्येष्ठा. रविः ५३।४० वक्री=

३३प.मा.शु.५ मं.इ.५८।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	८	१	९	७
७	१६	२९	२०	०	९	१५	७
२७	३५	४३	२०	१५	३९	९	१६
३७	४१	८	५६	५८	४	४८	२८
६०	३०	५७	१३	७३	४८	३	६०
४२	४०	४३	३२	५०	ब	११	५३

गोचरग्रहाः

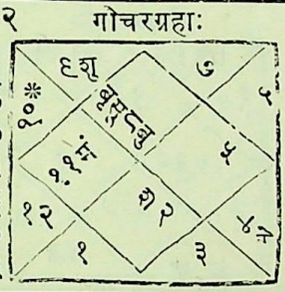

कृष्ण पक्ष की तिथि बढ़े शुक्ल-पक्ष घट जाय। एक चीज तो क्या घटे सभी चीज घट जाय।

गोचरग्रहाः

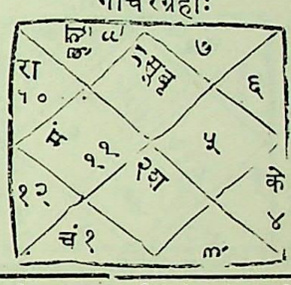

३४पं.मा.शु.१३म.इ५८।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	७	८	१	९	७
१४	२०	४	२१	८	९	१४	१४
४२	३९	३३	५४	५८	३	४७	२३
के ५४	५८	२६	२५	५९	५८	३२	१४
४ ६०	३२	१८	१३	७३	४	३	६१
१०	१	५२	३५	४४	४०	११	३

ति. पौष कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | हेमंततूं रविर्दक्षिणेमार्ग. कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	६	३२	मृ	४२	१३	मा	४०	४	कौ	६	३२	२५ / ५५	४ / ६९	५ / १५	३	१२	१३	मि. १४।३४
२	श	३	५८	आ	३६	६	शु	३२	५३	ग	३	५८	५३	४६	११	४	१३	१४	मिथुने
३	र	०	१	पु	२८	७	शु	२७	१८	वि	०	१	५१	५०	१०	५	१४	१५	क. २३।२२
४	र	५८	१५	०	०	०	:	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	चं	५८	२७	पु	३६	८	न	२३	२२	कौ	२८	२१	४६	५०	१०	६	१५	१६	कर्के
६	मं	६०	०	श्ले	४१	०	ऐं	२१	१२	ग	२८	४३	४८	५०	१०	७	१६	१७	सिं. ४१।०
६	बु	०	५६	म	४५	५१	वै	२०	३२	व	०	५६	४६	५१	९	८	१७	१८	सिंहे
७	गु	५	३	पू	५३	४	वि	२०	५४	ब	५	३	४५	५१	९	९	१८	१९	सिंहे
८	शु	१०	४५	उ	६०	०	प्री	२२	३४	कौ	१०	४५	४४	५१	९	१०	१९	२०	क. ६।४८
९	श	१६	५५	उ	०	१९	आ	२४	२८	ग	१६	५५	४२	५२	८	११	२०	२१	कन्यायां
१०	र	२३	३५	ह	७	५१	सौ	२६	५४	वि	२३	२५	४१	५२	८	१२	२१	२२	तु. ४१।४१
११	चं	३०	२	चि	१५	३०	शो	२९	२	बा	३०	२	४०	५२	८	१३	२२	२३	तुलायां
१२	मं	३५	५०	स्वा	२२	४४	अ	३०	४८	कौ	२	५६	३९	५२	८	१४	२३	२४	तुलायां
१३	बु	४०	३६	वि	२८	५५	सु	३१	२४	ग	८	१३	३८	५२	८	१५	२४	२५	बृ. १२।२२
१४	गु	४३	५४	अ	३३	४८	धृ	३१	५२	वि	१२	१५	३८	५२	८	१६	२५	२६	वृश्चिके
३०	शु	४६	५,	ज्ये	३७	३८	शू	३०	५९	च	१४	५९	३७	५३	७	१७	२६	२७	ध. ३७।३८

चयेष्ठा. रविः सौरः १२।३७
भ. ३१।५९ उ. पूषायांशुक्रः ३०।३४
भ. ०।१या. चतुर्थी ब्र.

पश्चिमास्तो बुधः ४७।३७
ज्येष्ठा. ३ गुरुः १३।४०
भ. ०।५६उ. ३३।०या.

वक्री ज्ये. बृश्चिके बुधः ११।४५
भ. ५०।१५ उ.
भ २३।३५ या.
सफला ११व्र.
+(सौरः १६९) मीने भोमः २५।३९
भ. ४३०९ उ. उषायां शुक्रः ११।३७ प्रदोषः
भ १२५ या. दृश्यो मूले धनुष्यर्कः ० ५२+
मकरे शुक्रः ५५।३

३५पं. पौ.कृ.६मं.इ५७ ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	७	८	१	९	७
२१	२४	२	२३	१७	८	१४	२१
४८	५२	२२	३०	४१	३०	२५	३१
५८	५९	३४	४	२४	४३	१७	१
६०	३२	६३ ५५	१३	७३	२८	३	६१
५६	५२	ब	३८	४४	ब	११	११

गोचरग्रहाः

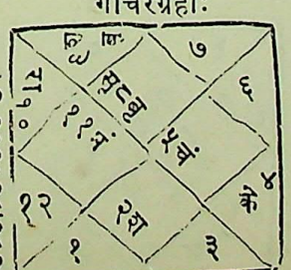

पौ. कृ. १४ गुरौ धनुष्यर्कः प्र.वा. ३ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु. पश्चि.

गोचरग्रहाः

३६पं.पौ.कृ.१२मं.इ.५४ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	८	१	५	७
२८	२९	२३	२५	२६	७	१४	२८
५५	१०	५	४	२३	५८	३	३९
५२	१९	५२	५९	२	४१	१	४४
६१	३३	९२ ३५	१३	७३	४ १०	३	६१
०	५५	ब	३८	२६	ब	११	१९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| पौष शुक्लपक्षः सं० २०२८ शाकः १८९३ | दि. | उ.अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | हेमन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६४६६स १९७१

१	श	४६	५६	मू	४०	७	वृ	२९	५	कृ	१६	३०	२५/३७	६/५३	५/७	१८	२७	२८	धनुषि	बुधोदयः पूर्वस्याम् ४।९
२	र	४६	३७	पू	४१	२२	गं	२६	१३	बा	१६	४६	३७	५३	७	१९	२८	२९	म.५६।२९	चन्द्रदर्शनम्
३	चं	४५	१८	उ	४१	५०	ध्रु	२२	२९	तै	१५	५७	३६	५३	७	२०	२९	१	मकरे	जिलकाद११ *२५/१९ ज्येष्ठा. ४गुरुः ५७/३३
४	मं	४३	९	श्र	४१	२६	व्या	१७	५४	व	१४	१३	३६	५३	७	२१	३०	२	मकरे	भ. १४/१३ उ. ४३/९ या. उभायां भौमः *
५	बु	४०	१३	ध	३९	५९	ह	१२	५७	व	११	४१	३६	५३	७	२२	१	३	कु.१०।४२	रा.पौषारंभः उदयंगुरोः ५८।१२ उ.गु.
६	गु	३७	३७	श	३८	२	च	७	२७	कौ	८	५५	३६	५३	७	२३	२	४	कुम्भे	मार्गी बुधः १९।५५
७	शु	३२	३५	पू	३५	३१	सि	२१/१९	५३/४४	ग	५	६	३६	५३	७	२४	३	५	मी२१।९	भ. ३२।३५ उ.
८	श	२७	५७	उ	३२	३०	व	४७	४६	वि	०	१६	३७	५३	७	२५	४	६	मीने	भ. ०।१६ या. श्रवणे शुक्रः ५४।२३
९	र	२२	४६	रे	२९	२	प	४०	३	कौ	२२	४६	३७	५३	७	२६	५	७	मे.२९।२	÷३केतुः २९।१२ पुत्रदा ११ब्र.
१०	चं	१७	११	अ	२५	२	शि	३२	१३	ग	१७	११	३७	५३	७	२७	६	८	मेषे	भ. ४४।७ उ.
११	मं	११	३	भ	२०	३२	सि	२४	२	वि	११	३	३८	५२	८	२८	७	९	वृ.३४।८	भ. ११।३ या श्रवण. १राहुः पुष्य.÷
१२	बु	४	४३	कृ	१४	५६	सा	१६	२	वा	४	४३	३८	५२	८	२९	८	१०	बृषे	दृश्यः उषायाँ रविः ५।४८ (सौरः ×
१३	बु	५३	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×१७।५९) प्रदोषः
१४	गु	५२	४६	रो	११	२६	शु	७	५४	ग	२५	३४	३९	५२	८	३०	९	११	मि३९।३४	भ. ५२।४६ उ.
१५	शु	४७	४३	मृ	७	४१	शु	०/९	५३/३१	वि	२०	१४	४०	५२	८	३१	१०	१२	मिथुने	भ. २०।१४ या.

३७पं.पौ.शु.४मं.इ.५७/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	७	७	९	१	९	८
६	३	१८	२६	५	७	१३	५
३	३७	२५	४०	३	२९	४०	४९
२९	१२	८	१	१८	२८	४५	९
६१	२४	२०/२८	१३	७३	५३	३	६१
४	५३	ब	३२	१४	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

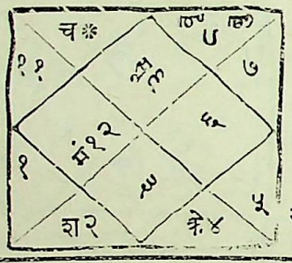

इस मासका फल
उत्तम है सुदी में
धान्य रुई चांदी
सोना सरसो मूंग
फली बिनोला
गुड खांड़ मंदा हो

गोचरग्रहाः

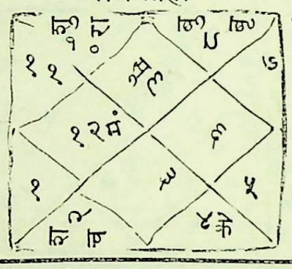

३८पं.पौ.शु.११मं.इ.५७/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	७	७	९	१	९	८
१३	८	२०	२८	१३	७	१३	१२
११	३	५७	१४	४२	३	१८	५९
३१	४७	३२	१७	१४	२२	३०	१
६१	२५	४२/५७	१३	७३	२०/३	३	६१
६	२४	मा	२६	३	ब	११	२६

ति.| माघ कृष्णपक्षः सं २०२८ शाकः १८९३ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्रः

१	श	४४	३	आ	४	३६	ऐं	४७	२६	बा	१५	५३	२५/४०	६/५२	५/८	१	११	१३	क.४८।३६	जनवरी १ ता. ३१ सन् १९७२
२	र	४२	९	पु	३	१६	वै	४२	४४	तै	१३	६	४१	५२	८	२	१२	१४	कर्के	
३	चं	४१	३९	पु	३	२१	वि	३९	२०	व	११	५४	४२	५२	८	३	१३	१५	कर्के	म. ११।५४ उ. ४१।३९ या.
४	मं	४३	२६	श्ले	५	१२	प्री	३८	२	ब	१२	६	४३	५१	९	४	१४	१६	सिं५।१२	तिल ४ ब्र.
५	बु	४६	४९	म	८	५४	आ	३७	२०	कौ	१५	८	४४	५१	९	५	१५	१७	सिंहे	धनिष्ठा.शुक्रः ४६/३२ मूल.१धनुषि गुरुः ५५/४४*
६	गु	५२	५५	पू	१४	५	सौ	३८	६	ग	१९	५२	४६	५१	९	६	१६	१८	क.३०।४४	भ.५२।५५उ.मूले धनु. बुधः ४६।२७
७	शु	५७	४८	उ	२०	४२	शो	३९	५०	वि	२५	२१	४७	५१	९	७	१७	१९	कन्या	भ. २५।२१ या.
८	श	६०	०	ह	२७	५५	अ	४१	५५	बा	२८	५४	४९	५०	१०	८	१८	२०	कन्या	* वक्री कृत्ति. ३शनिः २६।२६
९	र	४	१९	चि	३५	३५	सु	४४	७	कौ	४	१९	५१	५०	१०	९	१९	२१	तु.२।१५	
९	चं	१०	४३	स्वा	४६	५२	धृ	४६	५	ग	१०	४३	५२	५०	१०	१०	२०	२२	तुलायां	भ. ४३।४२ उ.
१०	मं	१६	४२	वि	४९	३२	शू	४७	१८	वि	१६	४२	५४	४९	११	११	२१	२३	बृ.३२।५२	भ.१६।४२या. दृश्य उषायाँ रविः १०/३२÷
११	बु	२१	२६	अ	५४	३८	गं	४७	३५	बा	२१	२६	५६	४९	११	१२	२२	२४	बृश्चिके	षट्तिला ११ ब्र.
१२	गु	२४	४४	ज्ये	५८	३५	वृ	४६	५५	तै	२४	४४	५८	४८	१२	१३	२३	२५	ध.५८।३५	÷(सौरः १९/२६) कुंभे शुक्रः १०/३८ रे.भौ. १२/५५
१३	शु	२६	४०	मू	६०	०	ध्रु	४४	४३	व	२६	४०	२६/५१	४८	१२	१४	२४	२६	धनुषि	भ. २६/४० उ. ५६/४० या. दृश्यो मकरेऽर्कः २६/५६+
१४	श	२६	४०	मू	०	४८	व्या	४१	२२	श	२६	४०	३	४७	१३	१५	२५	२७	धनुषि	+(सौरः ३४।५१) प्रदोषः
३०	र	२५	१५	पू	१	२५	ह	३६	५२	ना	२५	१५	५	४७	१३	१६	२६	२८	म. १६।१५	पुषायां बुधः ४१/२६ शते शुक्रः ३७।५१

३९पं.मा.कृ.४मं.इ.५७/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	७	७	९	१	९	८
२०	१२	२७	२९	२२	६	१२	२०
१९	३३	५७	४७	२०	४१	५६	८
२६	२९	४३	२	२०	१७	१४	५८
६१	३५	६७	१३	७२	३/३९	३	६१
६	५२	१६	२०	५०	ब	११	२६

गोचरग्रहाः

माघ कृ.१३शुक्रे
मकरेऽर्कः प्रविष्टः
वा.२ न.३ बृद्धा-
वस्था (बैठी)
मु. ३० धान्यादि
भावे सभता शु.प.

गोचरग्रहाः

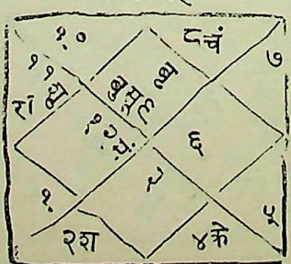

४०पं.मा.कृ.१०मं.इ.५७/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	८	१०	१	९	८
२७	१७	७	१	०	६	१२	२७
२७	६	९	१८	५६	२३	३३	१८
४०	५८	३६	१८	२८	५६	५९	५०
६१	३६	८०	१३	७२	३/०	३	६१
६	२५	३७	३	३२	ब	११	२४

*१०शु.श. **(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)**

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्लपक्षः सं० २०२८ शाकः १८९३ | दि. उ.अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः६४९६स.१९७२

१	च	२२	२९	उ	४९	५६	व	३१	२४	व	२२	२९	२६	४६	१४	१७	२७	२९	मकरे
२	मं	१८	४७	ध	५६	१९	सि	२५	१३	कौ	१८	४७	१०	४६	१४	१८	२८	१	कु. २७।३८
३	बु	१४	१९	श	५३	५	व्य	१८	३०	ग	१४	१९	१२	४६	१४	१९	२९	२	कुम्भे
४	गु	९	२३	पू	४९	५९	व	११	१२	वि	९	२३	१५	४५	१५	२०	३०	३	मी ३५।४६
५	शु	४	२०	उ	४६	३२	प	१२	४५	वा	४	२०	१७	४५	१५	२१	१	४	मीने
६	शु	५४	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	श	५४	११	रे	४३	४	सि	४९	३३	ग	२६	४३	२०	४४	१६	२२	२	५	मे. ४३।४
८	र	४९	१७	अ	३९	४२	सा	४२	४२	वि	२१	४४	२२	४४	१६	२३	३	६	मेषे
९	चं	४४	१७	भ	३६	२९	शु	३५	३४	वा	१६	४६	२५	४३	१७	२४	४	७	वृ. ५०।४१
१०	मं	३९	३६	कृ	३३	१८	श	२८	१९	तै	११	५७	२७	४३	१७	२५	५	८	वृषे
११	बु	३५	१०	रो	३०	३६	ब्र	२१	४५	व	७	२३	३०	४२	१८	२६	६	९	मि ५९।२७
१२	गु	३०	५१	मृ	२८	१९	ऐं	१५	३२	व	३	०	३३	४१	१९	२७	७	१०	मिथुने
१३	शु	२७	३८	आ	२६	३७	वै	९	४१	तै	२७	३८	२६	४१	१९	२८	८	११	मिथुने
१४	श	२५	५	पु	२५	४०	वि	४	२५	व	२५	५	२९	४०	२०	२९	९	१२	क. १०।५४
१५	र	२३	५२	पु	२६	७	प्री	० ३	५ ४९	व	२३	५२	४२	४०	२०	३०	१०	१३	कर्के

चन्द्रदर्शनम् सम्भवः
जिल्हेज १२
भ. ४१।४६ उ.
भ.९।२३या.दृश्योऽभि.प्र. रविः५९।४१
अभि.प्र.रविः सौरः६।१३ मूल.२गुरुः*
*३३।२७ वसन्त ५ रा. माघारंभः
भ. ५४।११ उ. भानु ७
भ. ३/४ या. भीष्मद पा स्प. ४/३ मोक्षः ५/९
दृश्यःश्रवणेरविः १/४ (सौरः२२।१०)
दृश्योऽभि.नि.रविः ३/३ (सौरः १४/२६)उषा.×
भ. २/३ उ. ३५/१० या.जया ११ ब्र. ×बुधः ३/९
मकरे बुधः ४२/१९ पूभायां शुक्रः ३६।४५
प्रदोषः पूर्वास्तो बुधः ३३।१६
भ. २५।५ उ. ५४।२९ या.
मार्गशनिः५१।३० ग्रस्तोदय चन्द्रग्रहणं

४१पं.मा.शु.२मं.इ.५७/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	८	१०	१	९	९
४	२१	१६	२	९	६	१२	४
३५	४१	४३	४७	३०	१२	१	२८
३१	१७	३४	३८	७	०	४३	१९
६१	३६	८८	१	७२	२३	३	६१
३	५९	३५	३६	९	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

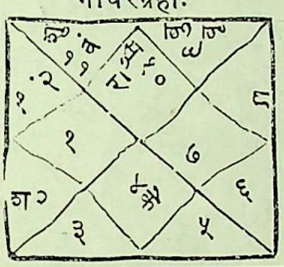

इस मास में ५ शनि ५ रवि हैं प्रजा में पीड़ा भय कारक है अनाज रुई चांदी गुड़ खांड़ तेज हो

गोचरग्रहाः

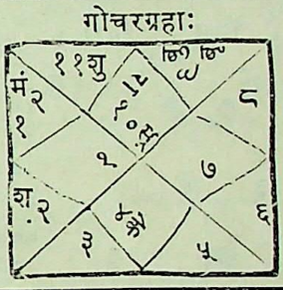

४२पं.मा.शु.१०मं.इ.५७/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	८	१०	१	९	५
११	२६	२७	४	१८	६	११	१
४२	१७	१२	१३	१	५	४९	३७
५८	२४	१८	५५	१	१३	२७	१०
६०	३७	९५	१२	७१	२०	३	६१
५९	२६	५२	१४	५०	ब	११	१३

१	च	२३	५३	श्ले	२७	४८	सो	५५	१८	कौ	२३	५३	२६/४६	३/९	५/२१	३१	११	१४	सि २७।४८
२	मं	२५	४३	म	३१	१	शो	५४	१२	ग	२५	४३	४९	३८	२२	१	१२	१५	सिंहे
३	बु	२८	४६	पू	३५	४४	अ	५४	३०	वि	२८	४६	५२	३८	२२	२	१३	१६	कं.५२।१६
४	गु	३३	२५	उ	४१	५४	सु	५५	४३	व	१	६	५५	३७	२३	३	१४	१७	कन्यायां
५	शु	३८	५९	ह	४८	३८	धृ	५७	३३	कौ	६	१२	५९	३६	२४	४	१५	१८	कन्यायां
६	श	४५	२८	चि	५६	५६	शू	५९	४९	ग	१२	१४	२/३	३६	२४	५	१६	१९	तु. २२।२७
७	र	५१	५५	स्वा	६०	०	गं	६०	०	वि	१८	४२	६	३५	२५	६	१७	२०	तुलायां
८	चं	५८	४	स्वा	३	२२	गं	१	५६	वा	२४	५९	९	३४	२६	७	१८	२१	वृ. ५४।१
९	मं	६०	०	वि	१०	५४	वृ	३	४८	तै	२९	२	१३	३३	२७	८	१९	२२	वृश्चिके
९	बु	३	१९	अ	१६	४६	ध्रु	४	४९	ग	३	१९	१६	३३	२७	९	२०	२३	वृश्चिके
१०	गु	६	५८	ज्ये	२१	२६	व्या	४	४२	वि	६	५८	२०	३२	२८	१०	२१	२४	ध. २१।२६
११	शु	९	२	मू	२४	१३	ह	३	७	वा	९	२	२४	३१	२९	११	२२	२५	धनुषि
१२	श	९	११	पू	२५	९	व	१ ०	५५ २८	तै	९	११	२७	३१	२९	१२	२३	२६	ध. ३९।५७
१३	र	७	२९	उ	२४	२०	व्य	४९	५९	व	७	२९	३१	३०	३०	१३	२४	२७	मकरे
१४	च	३	५२	थ	२१	५५	व	४३	१	श	३	५२	३५	२९	३१	१४	२५	२८	कु. ५०।३
३०	चं	५५	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०२८ शाकः १८९३ दि. उ.अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तौ रविरुत्तरे माघकृष्णेति महाराष्ट्राः

अश्वि. मेषे भौमः ३०।४३
भ.५७।१४उ. फर्बरी २ता. २९
भ.२८।४६या.श्रवणेबुधः५९।४१ च.ब्र
मीने शुक्रः ५४।३३
भ. ४५/२८ उ. पा.स्प. ४४/४८ मोक्षः५८।५४
म.१५/४३ या.दृश्योधनिष्ठा.रविः ३४/२५ सौ. २८/१
उभा.शुक्रः ३८।५०मूल. ३गुरुः२७।२
भ. ३५।९ उ.
भ. ६।५८ या. धनिष्ठा. बुधः ५७।३३
विजया ११ ब्र.
दृश्यः कुंभेऽर्कं ५९।४० प्रदोषः
भ. २/९ उ. ३५/४ या.कुंभेऽर्कः सौरः१।५८*
कुंभे बुधः ५२।२९
*महाशिवरात्री ब्र.

४३पं.फा.कृ.२मं.इ.५७/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	८	१०	१	९	९
१८	०	८	५	२६	६	११	१८
४९	५४	१२	३७	२९	३	२७	४५
२६	२९	४७	१६	१३	३२	२	११
६०	३७	०	११	७१	१२	३	६१
५५	३९	२८	४७	२६	मा	११	४

गोचरग्रहाः

फा. कृ.१२ शनौ कुंभेऽर्कः प्र. वा. २ नं ३ प्रगल्भावस्था(बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

४४पं.फा.कृ.२मं.इ.५७/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	८	११	१	९	९
२५	५	१९	६	४	६	११	२५
५५	३१	४८	५६	५३	८	४	५३
१६	१९	३६	४९	१७	१०	५६	५८
६०	३७	०	११	७१	१	३	६०
४७	४३	४८	८	०	०	११	५५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६५२५स १९७२

१	मं	५२	५४	ध	१८	१०	प	३५	५	क	२५	१७	२७	६	५	१५	२६	२९	कुंभे
२	बु	४६	७	श	१३	३१	शि	२६	३५	बा	२०	०	३८	२८	३२	१६	२७	३०	मी५४।४८
३	गु	३९	१४	पू	८	३४	सि	१८	२	तै	१२	४०	४२	२८	३२	१६	२७	३०	मी५४।४८
४	शु	३२	२५	उ	२४	५५	सा	९	११	ब	५	४९	४६	२७	३३	१७	२८	१	मीने
५	श	२६	४	अ	५४	१३	शु	५३	५३	बा	२६	४	५०	२६	३४	१८	२९	२	मे.५८।३४
६	र	२०	१०	भ	५०	२२	ब्र	४५	३८	तै	२०	१०	५४	२५	३५	१९	३०	३	मेषे
७	चं	१४	५०	कृ	४७	२२	ऐं	३८	४२	ब	१४	५०	५८	२४	३६	२०	१	४	मेषे
८	मं	१०	२५	रो	४५	२	वै	३२	३४	ब	१०	२५	२२	२४	३६	२१	२	५	वृ.४।३७
९	बु	६	४६	मृ	४३	४२	वि	२६	५०	कौ	६	४६	६	२३	३७	२२	३	६	बृषे
१०	गु	३	४९	आ	४३	८	प्री	२२	४	ग	३	४९	१०	२२	३८	२३	४	७	मि१४।२२
११	शु	१	४३	पु	४३	२५	आ	१७	५२	वि	१	४३	१४	२१	३९	२४	५	८	मिथुने
१२	श	०	३८	पु	४४	४४	सो	१४	४५	बा	०	३८	१८	२०	४०	२५	६	९	क.२७।५६
१३	र	०	४१	श्ले	४७	१५	शो	१२	१२	तै	०	४१	२२	१९	४१	२७	८	११	सिं४७।१५
१४	चं	१	३५	म	५०	५६	अ	११	३९	ब	१	३५	३०	१८	४२	२८	९	१२	सिंहे
१५	मं	३	५९	पू	५५	४३	शु	१०	२	ब	३	५९	३४	१७	४३	२९	१०	१३	सिंहे

पातस्पर्शः ३२/६ मोक्षः ४२/१८
चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
मोहोरम १सन् १३९२हि.
भ.४५/९ उ.३३/२५ या.शतेबुधः २९/१ रेव.शुक्रः*
दृश्यःशने रविः२६।१ (सौरः३७।२०)
भरण्यां भौमः४२।४६ रा.फाल्गुनारंभः
भ. १४।५० उ. ४७।३८ या.
होलाष्टकः
भ. ३२।४६ उ.
भ ४३/१ या. पूभायाँ बुधः ४१/१८ कृत्ति.४+
मूल. ४ गुरुः ३८।११ प्रदोषः
+शनिः ५७/१८ आमलकी ११ ब्र.
भ.३५/१ उ ३२/४७ या.होलिकादहनभद्रोत्तरम्
उषा. ४ राहुः पुष्य.२ केतुः २३/३९ छारेंडी

४५पं.फा.शु.१मं.इ. ५७/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	८	११	१	९	१०
३	१०	२	८	१३	५	१०	२
०	८	०	१२	१२	१७	४२	५८
४	३८	४०	११	४०	४६	४१	१
६०	३८	८.	१०	७०	१	३	६०
३७	३	४०	२९	२२	३५	११	४२

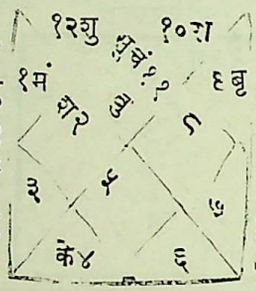

४६पं.फा.शु.८मं.इ. ५९/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	८	११	१	९	१०
१०	१४	१४	९	२१	६	१०	१०
३	४६	५२	२३	२५	३२	२०	२
३२	२३	३४	६	५२	५६	२५	३४
६०	३८	८.	९	६९	२	३	६०
५२	१७	८.	४४	३७	२२	११	३१

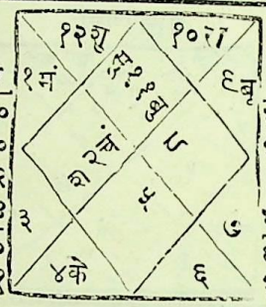

४७पं.मा.शु.१५मं.इ ५८/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	८	११	१	९	१०
१७	१९	२८	१०	२९	६	९	१७
५	२३	९	२९	३४	५३	५८	५
४६	१०	३६	४९	५	६	९	२३
६०	३८	८.	८	६८	३	३	६०
१२	३२	२२	५६	५१	८	११	२०

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०२८ शाकः १८९३ | दि | उ | अ. | ई. | रा. | मु. | चन्द्रः | वसंतर्तू रवि रुत्तरे फा. कृ महाराष्ट्राः

१	बु	७	२९	उ	६०	०	धृ	१०	२१	कौ	७	२९	३८	६	४४	१	११	१४	क.१२।११
२	गु	१२	२०	उ	१	३७	शू	११	२५	ग	१२	२०	४३	१६	४४	२	१२	१५	कन्यायां
३	शु	१७	४६	ह	८	८	गं	१२	५९	वि	१७	४६	४६	१५	४५	३	१३	१६	तु.४१।५२
४	श	२३	५४	चि	१५	३६	वृ	१५	२६	बा	२३	५४	५०	१४	४६	४	१४	१७	तुलायां
५	र	३०	२५	स्वा	२३	८	ध्रु	१७	४०	तै	३०	२५	५४	१३	४७	५	१५	१८	तुलायां
६	चं	३६	५५	वि	३०	४८	व्या	१९	५८	ग	३	४०	५८	१२	४८	६	१६	१९	बृ.१३।५३
७	मं	४२	२२	अ	३७	२६	ह	२१	३८	वि	९	३९	२९	१२	४८	७	१७	२०	बृश्चिके
८	बु	४६	५२	ज्ये	४३	६	व	२२	२६	बा	१४	३७	६	११	४९	८	१८	२१	ध.४३।६
९	गु	४९	४६	मू	४७	१७	सि	२२	८	तै	१८	१९	१०	१०	५०	९	१९	२२	धनुषि
१०	शु	५०	३६	पू	४९	२१	व्य	२०	१७	व	२०	११	१४	९	५१	१०	२०	२३	धनुषि
११	श	४९	३३	उ	४९	४०	व	१६	५८	ब	२०	४	१९	८	५२	११	२१	२४	म.४।२६
१२	र	४६	२१	श्र	४७	४६	प	११	५२	कौ	१७	५७	२३	७	५३	१२	२२	२५	मकरे
१३	चं	४१	२३	ध	४४	७	शि	१९/५	३३/२	ग	१३	४७	२७	७	५३	१३	२३	२६	कु.१५।५६
१४	मं	३४	४०	श	३९	१४	सा	४८	२८	वि	८	२	३७	६	५४	१४	२४	२७	कुंभे
२०	बु	२६	५४	पू	३२	५८	शु	३९	३३	च	०	४७	३६	५	५५	१५	२५	२८	मी १९।३५

मार्च ३ता. ३१ मीनेधुबः ५७/२४ अश्वि. मेषे ÷
भ.४५/३ उ पातस्पर्शः १९/४५ मोक्षः २८/१५ ÷शु. २१/२
भ.१७/४ या. दृश्यः पभायां रविः ५३/९ सौरः ५३/९
उ.भाबुंधः ४४/१२ बुधोदयः पश्चि १३/४ च.ब्र.
भ.३६।५५ उ.
भ. ९।३९ या.
शीतलापूजनम्
भ. २०।११ उ. ५०।३६ या.
कृत्ति.भौमः५७।४८ पापमोंचनी ११ब्र.
रेवत्यां बुधः १२।३२
भ ४१/२३ उ दृश्योंमीनेऽर्कः ५३/३ सौरः ५२/२७ *
भ. ८।२या. *भरण्यांशुक्रः ६।४प्रदोषः
मन्वादिः

४८ पं.चै.कृ.७मं.इ. ५८/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	११	८	०	१	९	१०
२४	२४	११	११	७	७	९	२४
६	०	१०	२८	३३	१८	३५	६
२९	२५	१९	१२	३२	१८	५४	४६
५९	३८	९६	८	६७	३	३	६०
५८	३५	५८	२५	३३	४३	११	६

गोचरग्रहाः

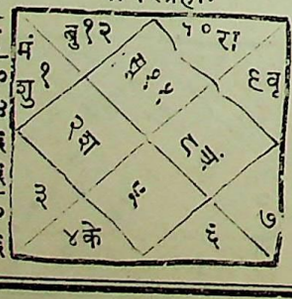

चैत्रकृ.१३ चन्द्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न. ४ वृद्धावस्था(बैटी) मु.१५ (धान्यभाव महर्धता) शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

४९पं.चै.कृ.१४चं.इ. ५९/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	८	०	१	९	११
१	२८	१९	१२	१५	७	९	१
५	३६	२५	२०	२५	४७	१३	६
४२	३२	३०	३८	३४	२४	३८	२८
५९	३८	५९	६	६६	४	३	५९
४१	३४	३७	५२	३९	२३	११	४९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

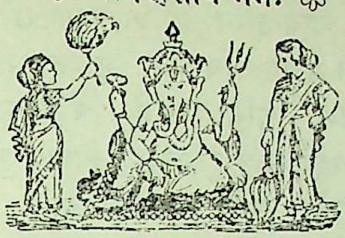

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०७३ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७३ भौग्यकलिः ४२६९२७ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२९ शाकः १८९४ वर्षेऽस्मिन्राजा गुरुः । मंत्री गुरुः । सस्येशोशनिः । धान्येशोशुक्रः । मेघेशो बुधः । रसेशश्चंद्रः । नीरसेशःशनिः । फलेशबुधः । धनेशःशनिः । दुर्गेशो-बुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १९. क्रोधन नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमयेः गतमासादिः ६।४।४७।५९ भोग्यमासादिः ५।२५।१२।१ भगदैवतंयुगम् वर्षनाम ज्येष्ठः मेघ नाम आवर्तः । रोहिणी निवासः पर्वते । समय निवासो कुम्भकार गृहे । समय विश्वा ५ । समय वाहनंचातकः । स्तम्भः २ अन्नवाच्यो । सोमवत्यमाः २ । सोमवती पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी २ समय मुहूर्ताः ४०५ । समयदिनानि ३८४ । तिथिक्षयः १७ । तिथि वृद्धिः ११ । उत्पत्ति विश्वा ८७ । खपति विश्वा ११४ । वर्षा विश्वा १५ । धान्यम् १३. तृणम् १५. शीतम् ११. तेजः ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ । ऐक्यम् ११३ शनिदृष्टिः पूर्वस्यां । ग्रहणस्या भावोऽस्मिन् वर्षे ।

भैरव-भवानी सम्वाद

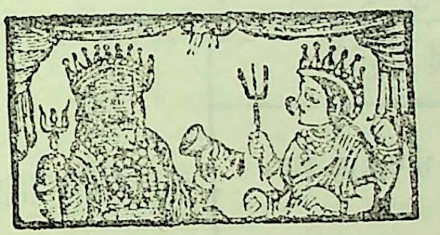

भैरव प्रश्न

भैरव बोला प्रेम से सुन माता चितलाय ।
गुनतीसा अब आईया हाल कहो समझाय ॥

भवानी उत्तर

गुनतीसो गुण आगलो झीना वर्षे मेह ।
जग में सुख संपति बढ़े राज प्रजा में नेह ॥

गुरु राजा इस वर्ष में आप भये परधान ।
तृण की कुछ कमती रहे वर्षा मध्यम जान ॥

जौ गेहूँ संचय करो श्रावण दुगुणा दाम ।
भाद्रव वर्षा वर्ष सी तेजी की हो थाम ॥

रोहिणी पर्वत में बसी समय बसे घटकार ।
कहीं क पूर्ध देश में मांचे हाहाकार ॥

अनहोनी होवे नहीं होणी होय सो होय ।
परमेश्वर के भजन विन सुख नहीं पाया कोय ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ४।१८

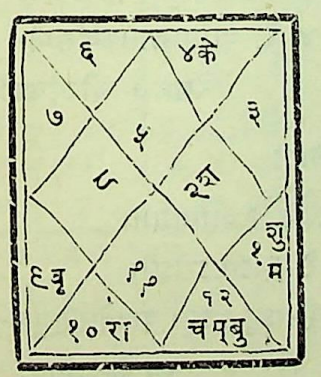

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् ३।८

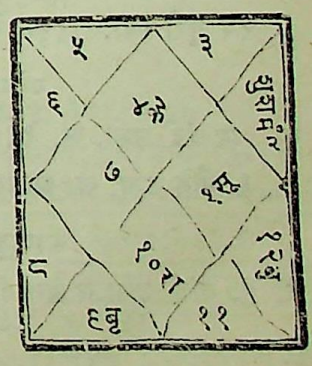

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२७।१३

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः ॥ गुरौ नृपे वर्षति काम दजलं मही तले काम दुधाश्च धेनवः । यजन्ति विप्राः वहवोऽग्नि होत्रिणो महोत्सव सर्व जनेषु वर्तते ॥ मन्त्री गुरुः फलम् ॥ निविध धान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुर तोय घना मुदिता भवेत् । नृपतयो जन पालन तत्पराः, सुर गुरौ ननु मन्त्रि समा गते ॥ सस्येशः शनिः फलम् । रवि सुते यदि धान्य पतोज ना नृपतिभिः परि पीडित विग्रहाः । गद भयं तुष धान्यहरं सदा दुरितवाद विवाद युता नराः ॥ धान्येशः शुक्रस्तत्फलम् । भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यंन पच्यते । सस्य समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ॥ मेघेशोबुधस्तत्फलम् ॥ अमृत रश्मि सुतेयदि वारिये बहु जलं तुष धान्य रसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्य युता धरणी तदा ॥ रसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्—यदि विधौ रसये भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् । जलधरा बहुवारि विधायकाः रसवती धनधान्यवती मही ॥ नीरसेशः शनिः फलम् ॥ अथः पिंडादि लोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तुनां । अर्घ वृद्धि प्रजायेत मन्दे नीरस नायके ॥ फलेशो बुधस्तत्फलम् ॥ यदि बुधे फलये फलमुत्तमं जल धराजल राशि मुचस्तदा । बहुतृणं कुसुमैः कमले युतं जन पदोजन सौख्य मुदान्वितः ॥ धनेशः शनिः फलम् ॥ द्रविण ये रविजे विरलं धनम् गदरता धरणी पतयः सदा । अधनतां वणिजां कृषिजीविनो द्विजवराः पर पीडन मानसाः ॥ दुर्गेशोबुधस्तत्फलम् ॥ विषम साम्य सुखं शशिजें प्रभौ भवति राष्ट्र जनेषु विशेषतां । शशिसुते यदि कोटक पालके पापेषु द्रव्य वतांन भयं क्वचित् ॥ क्रोधन नामसंवत्सरः फलम् ॥ क्रोधनाब्दि मध्य वृष्टि पूर्व देशे विशेषतः । संग्राम निरता सवे भूयाः क्रोध परायणाः ॥ वर्षनाम ज्येष्ठस्तत्फलम् ॥ तत्कैरः पाप रोगैर्वा पीडयन्ते पीडयाजनाः । भ्रमन्ते स्वेच्छया भूम्यां निर्द्रव्यैः ज्येष्ठ संज्ञके ॥ मेघनाम आवर्त फलम् ॥आवर्ते छिन्नवृष्टिस्यात् ॥ रोहिणी निवासः पर्वते फलम् ॥ रोहिणीं नाम नक्षत्रं पर्वतातस्थ यदा भवेत् । वृष्टि हानिस्तदा ज्ञेया सर्व सस्य विनाशनम् ॥ समय निवासः । कुंभ कार गृहे फलम् । अनावृष्टि—प्रजायतो ॥

एवं संचित्य दैवज्ञैःकथनीयं शुभाशुभम्—

सं० २०२९ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

द्वि. वैशाख ज्येष्ठाषाढ़ मासेषु गोधूल्यां भौम ७।८ दोषः

द्वि. वैशाख मासः

शु. ६ रवौ उफा.ल.११।१रे.८।ऽ।।।।ऽ।।कुंभेचं.७पूज्यः
,, १० चंद्रे उफा.ल.गो.रे.७।ऽ।।।ऽरो.।ऽ।।
,, १० चंद्रे हस्ते ल.१२।१रे ८।।।।।ऽरोऽ।।यीने चं. ७पू.
,, ११ भौमेहस्तेल.१२(घ.५४।१३या.)रे.६।।।।।ऽ।।चं.७पू.
,, १३ गुरौ स्वा.ल.११।१रे.८ऽ।।।ऽअ.।।।।मेषे चं.७मध्यमः

ज्येष्ठ मासः

कृ. ८ चंद्रे उभा. ल. ११।१ रे. ६।।।।।।ऽ।।
,, ६ भौमे उभा. ल. अन्यगो. रे. ७ऽबु.।।।।ऽनृ.।ऽ।।

आषाढ़ मासः ।

कृ. ७ चंद्रे उभा.ल.अन्यगो.११।१रे.६।।।।।।।ऽ।।कुंभे मेषेदग्धातिस्थिदोषः रेखा८

कार्तिक मासः ।

शु. ११ शुक्रे रेवत्यां ल.६रे.७ऽ।।।।ऽअ.ऽ।।।चं.७मध्यमः
,, १२ शनौ रेव. ल. गो. रे. ७ऽ।।।।ऽअ.ऽ।।।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. १ भौमे रोहि. ल. ४।६रे. ८।।।।ऽ।।ऽ।। कन्यालग्नेरेखा ७ चौरपंचकः
,, ६ रवौ मघा. ल. ६ रे. ८।।।।।ऽअ.ऽ।ऽ।।
,, ८ भौमे उफा. ल. ६ (घ.५०।५) रे. ७ऽ।।।।ऽनृ।ऽ।।
,, ६ बुधे उफा. ल. अन्यगो. ४ रे. ६ऽ।।।।ऽनृ।ऽ ऽकर्कलग्ने रेखा ७ नृपपंचकाऽभावः
,, १० गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. ४ रे. ८।।।।।।ऽऽ।।कर्कलग्नेरेखा ७ चौरपंचकः

माघ मासः

शु ४ बुधे उभा. ल. अन्यगो. रे. १०।।।।।।।।।।
,, ५ गुरौ रेव. ल. अन्यगो. रे. ६।ऽ।।ऽरोऽऽ।।
,, १५ शनौ मघा. ल. ७ रे. ६।।।ऽशु.ऽ।ऽऽ।। पादवेधात्शुक्रस्य वेधाऽभावः

फाल्गुन मासः ।

कृ. २ चद्रे उफा. ल. गो. ७ रे. ६।।।।ऽ।।।।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः१८९४ | दि. उ.अ. इं. रा. मु. | चंद्रः | वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः स६५५५ १९७२

१	गु	१८	२०	उ	२६	२१	शु	२८	४६	व	१८	२०	२९ / ४०	६ / ४	५ / ६	१६	२६	२९	मीने
२	शु	९	३६	रे	१९	३४	त्र	१८	४६	को	९	३६	४४	३	५७	१७	२७	१	मे. १९।३४
३	श	१	११	अ	१३	१३	ऐं	५ / ८	५० / ५४	ग	१	११	४९	२	५८	१८	२८	२	मेषे
४	श	५३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	र	४६	२५	भ	७	३२	वि	५२	३८	ब	२०	१९	५३	१	५९	१९	२९	३	वृ. २१।२७
६	चं	४०	२६	कृ	१३ / ७	५६ / ३०	मी	४४	४३	को	१३	२५	५७	१	५९	२०	३०	४	वृषे
७	मं	३६	१६	मृ	५७	३६	आ	३८	३५	ग	८	२१	३० / ०	० / ६	० / ६	२१	१	५	मि २८।३९
८	बु	३३	११	आ	५७	८	सो	३३	४२	वि	४	४४	६ / ५	५ / ९	१	२२	२	६	मिथुने
९	गु	३१	२२	पु	५७	४३	शो	२९	४२	वा	०	२७	१०	५८	२	२३	३	७	क. ४१।३४
१०	शु	३१	८	पु	५९	५०	अ	२६	५७	तै	१	१	१४	५७	३	२४	४	८	कर्के
११	श	३२	५	श्ले	६	०	सु	२५	१२	व	२	३४	१८	५६	४	२५	५	९	कर्के
१२	र	३३	५७	श्ले	२	५६	धृ	२४	२४	ब	४	५३	२३	५५	५	२६	६	१०	सिं २।५६
१३	चं	३७	१९	म	७	१६	शू	२४	३२	को	९	०	२७	५५	५	२७	७	११	सिंहे
१४	मं	४१	२०	पू	१२	३०	गं	२५	४	ग	१३	२०	३१	५४	६	२८	८	१२	क. २९।९
१५	बु	४६	३६	उ	१८	३८	बृ	२६	२३	वि	१९	१४	३५	५३	७	२९	९	१३	कन्यायां

चन्द्रद. संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
दृश्य उभायाँ रविः १४/७ (सौरः १३/३)*
भ. २७।५२उ. ५४।३४या. गणगौरी
*वृषेभौमः ८।५७ सिंधारा. सफर२
वक्री बुधः २।२२
भ. ३६।१६उ. रा. चैत्रारंभः
भ.४।४४या. पश्चिमास्तं बुधः५९।५
रामनवमी
पू. षा. १ गुरुः १६।२
भ. १।३७उ. ३२।५या. कृत्ति. शुक्रः×
×१६।४५ कामदा ११ ब्र.
प्रदोषः
भ. ४१।२०उ. वृषे शुक्रः २९।२०
भ.१९।१४या. हनुमज्जयन्ती

५०पं.चै.शु.७मं.इ ५९/२७

गोचरग्रहाः

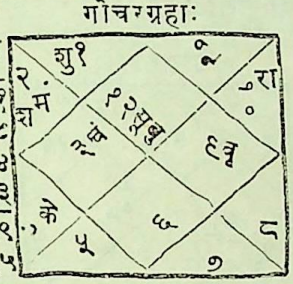

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	८	१	१	९	११
८	३	२२	१३	२३	८	८	८
३	१३	२५	६	५	२१	५१	४
१८	५९	२९	२५	५३	२५	२३	२३
५९	३८	२३/३	५	४५	४	३	५९
२९	४२	ब	५८	७	५०	११	२५

इस मास में ५ बुधवारहै रसकस गुड़ घृत खाँड तेलतिल अलसी मूंगफली नमक तेज करे।

गोचरग्रहाः

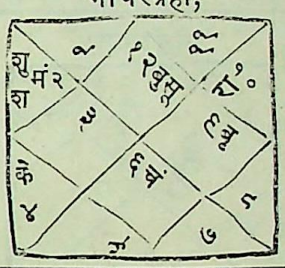

५१पं.चै.शु.१४मं.इ.५९/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	८	१	१	९	११
१४	७	१९	१३	०	८	८	१५
५९	४६	२९	४४	३२	५७	२९	०
१३	३४	१०	२०	१३	१३	७	२८
५९	३८	४७/५	४	६३	५	३	५९
१६	५०	ब	५२	२७	१८	११	१८

ति. वैशाख कृष्णपक्षः सं.२०२९ शाकः१८९४ | दि. उ. अ इं. रा. मु. | चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृ. महाराष्ट्राः

१	गु	५१	५९	ह	२५	२०	शु	२७	५१	वा	१९	१८	३० / ३९	५२ / ५	६ / ८	३०	१०	१४	तु. ५९।४
२	शु	५८	२५	चि	३२	४५	व्या	३०	१०	तै	२५	१२	४४	५१	९	३१	११	१५	तुलायां
३	श	६०	०	स्वा	४०	१६	ह	३२	३७	व	२९	१०	४८	५०	१०	१	१२	१६	तुलायां
४	र	४	४०	वि	४७	४९	व	३४	५५	वि	४	४०	५२	५०	१०	२	१३	१७	वृ. ३०।५६
५	चं	१०	५९	अ	५५	१	सि	३७	३	वा	१०	५९	५६	४९	११	३	१४	१८	वृश्चिके
६	मं	१६	४२	ज्ये	६०	०	व्य	३८	४०	तै	१६	४२	३१/०	४८	१२	४	१५	१९	वृश्चिके
७	बु	२१	३६	ज्ये	१	१२	व	३९	१५	व	२१	३६	४	४७	१३	५	१६	२०	ध. १।१२
८	गु	२५	१४	मू	६	४०	प	३८	४७	ब	२५	१४	८	४६	१४	६	१७	२१	धनुषि
९	शु	२७	८	पू	१०	२२	शि	३३	५९	को	२७	८	१२	४६	१४	७	१८	२२	म. २५।४९
१०	श	२७	१४	उ	१२	९	सि	३३	३२	ग	२७	१४	१६	४५	१५	८	१९	२३	मकरे
११	र	२५	१४	अ	१२	५	सा	२८	३५	वि	२५	१४	२०	४४	१६	९	२०	२४	कु. ४१।४
११	चं	२१	२१	ध	१०	३	शु	२१	५४	वा	२१	२१	२४	४३	१७	१०	२१	२५	कुम्भे
१२	मं	१५	२७	श	६	१	शु	१३	४४	तै	१५	२७	२८	४२	१८	११	२२	२६	मी ४७।४८
१३	बु	७	५८	पू	२३ / ०	५३ / ११	ब	२९	४४ / ५३	व	७	५८	३२	४२	१८	१२	२३	२७	मीने
१४	गु	५१	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	गु	४९	३८	रे	४६	०	वै	४३	४०	च	२४	२४	३६	४१	१९	१३	२४	२८	मे. ४६।०

दृश्योरेवत्यांरविः ४१/५० (सौरः४०।३१)
भ. ३१/३३ उ. वक्री उभा.बुधः ३५/२३ रोहि.*
भ. ४।४० या. चतुर्थी ब्र.
*भौ ३५/५९ अप्रेल ४ ता. ३०
भ. २१।३६ उ. ५३।२५ या.
रोहिण्यां शुक्रः १४।४६
भ. ५६।१४उ. रोहिणी. १शनिः ३६/५०+
भ. २५।१४ या.
वरूथिनी ११ ब्र.
प्रदोषः
भ. ७।५८ उ. ३३।३४ या.
+बुधोदयः पूर्वस्याम २३।४७
दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः १५/५४ (सौरः१५।६)

५२पं प्र.बै.कृ.६बु.इ. ०/८

गोचरग्रहाः

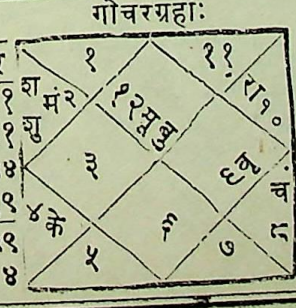

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	८	१	१	९	११
२१	१२	१३	१४	७	९	८	२१
५३	२१	५६	१४	४२	४०	६	५४
३१	७	२	६	४३	८	२१	३९
५९	२८	७०	३	६१	५	३	५९
४	५५	ब	३८	११	४६	११	४

प्र.वै. कृ.३०गुरौ मेषेऽर्कः प्र. वा ३ न. ४ अतिव न्ध्यावस्था(सूतीं) मु. ३० (धान्य भाव सम) शु.प.

गोचरग्रहाः

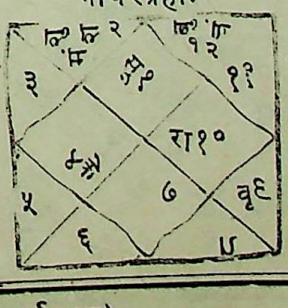

१पं.प्र.वै.कृ.३०वृ.इ.१५/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	८	१	१	९	०
०	१७	१०	१४	१५	१०	७	०
०	४३	२१	४०	४४	३२	४०	०
०	२३	१६	४४	२६	१०	४३	४७
५८	३८	१९/५	२	५७	६	३	५८
४४	५८	ब	०	४४	१५	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.प्र.वैशाख शुक्लपक्षः सं.२०२९ शाकः १८९४ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ६५८४ स. १९७२

१	शु	३९	४४	अ	३८	२२	वि	३२	३५	क्वि	१४	४१	३१/४०	५/२०	६	१४	२५	२९	मेषे
२	श	३०	५	भ	३०	५०	प्री	२२	७	बा	४	५४	४३	३९	२१	१५	२६	३०	वृ.४४।११
३	र	२१	१३	कृ	२४	१२	आ	१२	४	ग	२१	१३	४७	३९	२१	१६	२७	१	वृषे
४	चं	१३	३१	रा	१८	२८	सौ	३/२	५/१७	वि	१३	३१	५१	३८	२२	१७	२८	२	मि४६।१३
५	मं	७	२२	मृ	१४	५९	अ	४९	११	बा	७	२२	५५	३७	२३	१८	२९	३	मिथुने
६	बु	२	५५	आ	१२	५६	सु	४४	१४	तै	२	५५	५८	२६	२४	१९	३०	४	क.५७।३९
७	गु	०	१०	पु	१२	३३	धृ	४०	५१	व	०	१०	३/२	३६	२४	२०	३१	५	कर्के
८	गु	५९	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	शु	६०	०	पु	१४	८	शू	३८	४९	बा	२९	४२	६	३५	२५	२१	१	६	कर्के
९	श	०	२३	श्ले	१७	२३	गं	३८	२	कौ	०	२३	१०	३४	२६	२२	२	७	सिं१७।२३
१०	र	२	४२	म	२१	४९	इ	३८	३८	ग	२	४२	१४	३३	२७	२३	३	८	सिंहे
११	चं	६	२६	पू	२६	२६	ध्रु	३९	३५	वि	६	४६	१७	३३	२७	२४	४	९	क.४३।१९
१२	मं	११	५	उ	३३	५९	व्या	४१	११	बा	११	५	२१	३२	२८	२५	५	१०	कन्यायां
१३	बु	१७	७	ह	४१	४	ह	४३	२२	तै	१७	७	२५	३१	२९	२६	६	११	कन्यायां
१४	गु	२२	३४	चि	४८	२०	व	४५	३९	व	२२	३४	२९	३०	३०	२७	७	१२	तु.१४।४२
१५	शु	२८	५२	स्वा	५५	३४	सि	४७	५९	ब	२८	५२	३२	३०	३०	२८	८	१३	तुलायां

मार्गी बुधः ४५।६ अधिकमासारंभः
चन्द्रदर्शनम्
भ.४७।२२ उ. रविलाबल ३
भ.१३।३१या.
×भौमश्च ५५।२०
÷कमला ११ ब्र.
भ.०।१०उ.२९।३७ या.

रा. वैशाखारम्भः मृगेशुक्रः ४१।४मृगे×

भ.३४।३४ उ.
भ. ६।२६या. वक्री गुरुः २३।१३÷
प्रदोषः
दृश्यो भरण्यां रविः ५६/१९ (सौरः ५६।२४)
भ.३३/३४उ.५५।४३या.रेवत्यां बुधः १२।३

२पं.प्र.वै.शु.७वृ इ.१६।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	८	१	१	९	०
६	२२	११	१४	२२	११	७	६
५०	१५	६	५१	४	१९	१८	५०
४२	४२	५०	२२	२३	२३	२८	५८
५८	३९	१९/४३	०	५३	६	३	५८
३१	१	मा	४७	२८	२८	११	२९

गोचरग्रहाः

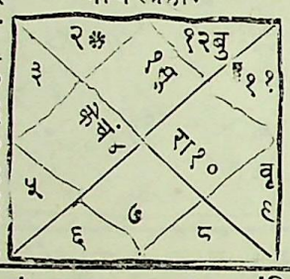

इस मासका फल श्रेष्ठ है प्रजा में सुख शांति रहे। धान्य रुई चांदी सोना अफीम में घटा बढ़ी हो सुदी में तेजी हो।

गोचरग्रहाः

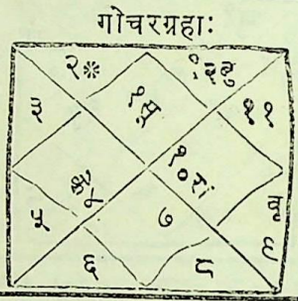

३पं.प्र.वै.शु.१४वृ.इ.१६/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	८	१	१	९	०
१३	२६	१६	१४	२७	१२	६	१३
२९	४६	४२	५२	५०	८	५६	२९
४३	५५	४३	४४	२४	२८	१२	२३
५८	२९	४७	३/३	४८	६	३	५८
१७	३	११	ब	४३	४३	११	१२

ति.द्वि.वैशाख कृष्णपक्षः सं.२०२९ शाकः १८९४ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे प्र.वैशा कृ. महा.

१	श	३४	५३	वि	६०	०	व्य	५०	१२	बा	१	५२	३२/३६	२/२९	५/७	२९	९	१४	वृ.४६।२४
२	र	४१	४	वि	३	२०	व	५२	१४	तै	७	५८	४०	२८	३२	३०	१०	१५	बृश्चिके
३	चं	४६	२२	अ	१०	२९	प	५३	५१	व	१३	४३	४३	२७	३३	१	११	१६	बृचिके
४	मं	५०	५७	ज्ये	१६	३६	शि	५४	४९	ब	१८	४०	४७	२७	३३	२	१२	१७	ध.१६।३६
५	बु	५४	३८	मू	२२	२०	सि	५५	१	कौ	२२	४७	५१	२६	३४	३	१३	१८	धनुषि
६	गु	५७	६	पू	२६	४९	सा	५४	७	ग	२५	५२	५४	२५	३५	४	१४	१९	म.४२।३५
७	शु	५८	३	उ	२९	५३	शु	५२	५	वि	२७	३५	५७	२५	३५	५	१५	२०	मकरे
८	श	५७	२६	श्र	३१	२९	शु	४८	४३	बा	२७	४५	३३/१	२४	३६	६	१६	२१	मकरे
९	र	५४	५७	ध	३१	१९	न	४३	५३	तै	२६	११	४	२३	३७	७	१७	२२	कु.१।२४
१०	चं	५०	३७	श	२९	५५	ऐं	३७	३४	व	२२	१७	७	२३	३७	८	१८	२३	कुम्भे
११	मं	४४	२६	पू	२५	३८	वै	२९	५६	ब	१७	३२	१०	२२	३८	९	१९	२४	मी११।४२
१२	बु	३७	६	उ	२०	२०	वि	२१	६	कौ	१०	४६	१३	२१	३९	१०	२०	२५	मीने
१३	गु	२८	२४	रे	१३	५१	प्री	११	१७	ग	२	४५	१६	२१	३९	११	२१	२६	मे.१३।५१
१४	शु	१८	४५	अ	१/१९	५/२	आ	४/१	४/१२	श	१८	४५	१९	२०	४०	१२	२२	२७	मेषे
३०	श	९	४७	कृ	५०	४०	शो	३८	५०	ना	९	४७	२२	२०	४०	१३	२३	२८	वृ.११।३२

मिथुने शुक्रः ५४।२
=पुष्य.१केतुः २२। ३९चतुर्थी ब्र.
भ.१३/४३उ. ४६/२२या. मई.५ ता.३१
मिथुने भौमः १७।५३ उषा. ३राहूः=
Aमेषे बुधः ५७।८
भ.५७, ६उ.
भ.२७।४५ या.
*४४।२१आर्द्रा.शुक्रः ४२।७
रोहिणी.२शनिः५।८
भ.२२।१७उ. ५० ३७ या. अश्वि.A
कमला ११ ब्र.
दृश्यः कृत्तिका. २रविः ४२।६ सौरः*
भ.२८।२४उ.५३।३४या.
आर्द्रा. भौमः३८।१८
अस्तं शनेः १३।४४

४पं.द्वि.वै. कृ.६वृ.इ.१६/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	८	२	१	९	०
०	१	२४	१४	२	१३	६	२०
२७	१७	२२	४५	५१	०	३३	२६
२२	१७	१३	२५	४१	१८	१७	३
५८	३९	७०	५९/१	४१	७	३	५७
६	२	२	ब्र	५६	११	११	५७

गोचरग्रहाः

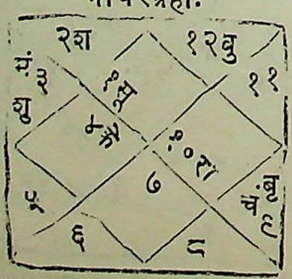

इस मासमें साधारण फल होंगे अनाज गला बिनोला जीरा धनिया कालीमीर्च तेज सुदी बाजार में सब मंदा हो

गोचरग्रहाः

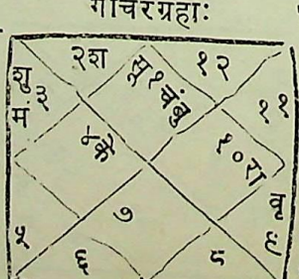

५पं.वै.कृ.१३वृ.इ १६।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	८	२	१	९	०
२७	५	३	१४	६	१३	६	२७
१३	४७	४६	२८	५९	५२	११	११
३४	२	१	३०	२०	३०	४१	१७
५७	३९	९७	२०/३	३३	७	३	५७
५४	२	२	ब्र	२२	६	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त.द्वि.वैशाखशुक्लपक्षः सं.२०२९ शाकः १८९४ दि.उ.अ.इं.रा.मु. चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६६१४स.१९७२

१	श	४९	७	०	०	८	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०
२	र	४९	४९	रो	४३	४६	अ	२८	४३	ग्रा	२४	२१	३३ २५	५ १९	६ ४१	१४ २४ २९
३	चं	४१	५७	मृ	३८	१	सु	१९	२१	तै	१५	५३	२८	१८	४२	१५ २५ १
४	मं	३५	४२	आ	३३	५५	धृ	११	८	व	८	४९	३०	१८	४२	१६ २६ २
५	बु	३१	२४	पु	३१	३६	शू	३७	५५ १३	व	३	३३	३२	१७	४३	१७ २७ ३
६	गु	२९	७	पु	३१	२७	बृं	५६	३४	कौ	०	१५	३६	१७	४३	१८ २८ ४
७	शु	२८	५८	श्ले	३३	२२	शु	५४	५४	ग	२८	५८	३९	१६	४४	१९ २९ ५
८	श	३०	४३	म	२६	५१	व्या	५४	५५	वि	०	२०	४१	१६	४४	२० ३० ६
९	र	३४	२०	पू	४२	१७	ह	५५	२९	ला	२	३१	४३	१५	४५	२१ ३१ ७
१०	चं	३९	१	उ	४८	४७	व	५७	२४	तै	६	४०	४६	१५	४५	२२ १ ८
११	मं	४४	५७	ह	५६	१३	सि	५९	४०	व	११	५९	४८	१४	४६	२३ २ ९
१२	बु	५०	५७	चि	६१	०	व्य	६०	०	व	१७	५७	५०	१४	४६	२४ ३ १०
१३	गु	५७	२०	चि	३	३२	व्य	२	११	की	२४	९	५२	१४	४६	२५ ४ ११
१४	शु	६०	०	स्वा	११	१८	व	४	४०	ग	२८	४०	५४	१३	४७	२६ ५ १२
१४	श	३	११	वि	१८	३०	प	६	५३	व	३	११	५६	१३	४७	२७ ६ १३
१५	र	९	५३	अ	२५	१८	शि	८	५०	व	९	५३	५८	१२	४८	२८ ७ १४

वृश्चिके

×चन्द्रदर्शनम्
दृश्यो वृषेऽर्कः९।२१ (सौरः१२।९)×
अक्षया ३परशुराम जयंती रविलारवर४
भ.८।४९उ. ३५।४२ या.
भरण्याँ बुधः१४।१३
*कृत्ति.बुध १/४ पूर्वास्तोबुधः१६।१९
भ. २८।५८ उ.
भ.०।२० या.

रा. ज्येष्ठारम्भः
भ.११।५९उ.४४।५७या.मोहिनी११व्र.
दृश्यो रोहि रविः३२।५६ (सौरः ३५/१८)*
बृषे बुधः५५।१०प्र.ब्र.
नृसिंह १४
भ.३।११उ. ३६/३ या.वक्री शुक्रः ५५/२ वक्री+
+मूल.४गुरुः८।४६

६पं.द्वि. वै शु.६ बृ.इ.१७।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	८	२	१	९	१
३	१०	१५	१४	९	१४	५	३
५८	१४	११	३	४८	४६	४९	५४
२६	४१	१३	१४	४७	१२	२५	५५
५७	३९	०/१३	२४/२७	२१	७	३	५७
४४	११	०/१३	ब	१९	१४	११	३४

गोचरग्रहाः

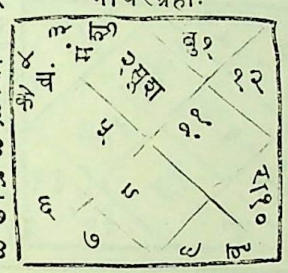

द्वि. वै.शु. २रवौ
बृषेऽर्कः प्र.वा.४
न.५ कुमार्यवस्था
(बैठी) मु ४५
धान्यादिभावे सम-
र्धता शु. पश्चि.

गोच.ग्रहाः

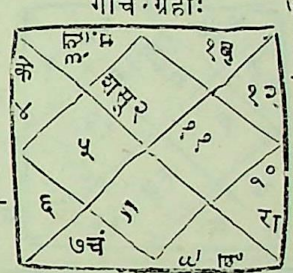

७पं द्वि.वै.शु १३बृ.इ.१७।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	८	२	१	९	१
१०	४	२८	१२	११	१५	५	१०
४२	४४	४७	३०	३१	४०	२७	३७
२५	२०	२	१४	२६	१२	१०	६
५७	३९	२९/३०	५/६	६	७	३	५७
३५	८	२०/२१	ब	३५	२०	११	२३

ति. ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४ दि, उ.अ.इं.रा.मु. चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेद्वि.वैशा कृ.महाराष्ट्राः

१	चं	१३	४१	ज्ये	३१	११	सि	१०	४	कौ	१३	४१	३३/१२	५/६	४८	२९ ८ १५
२	मं	१७	४१	मू	३६	११	सा	१०	४५	ग	१७	४१	२	१२	५८	३० ९ १६
३	बु	२०	४०	पू	४०	३५	शु	१०	४२	वि	२०	४०	५	११	४९	३१ १० १७
४	शु	२२	३२	उ	४३	५२	शु	९	५७	ला	२२	३२	६	११	४९	१ ११ १८
५	शु	२३	२६	श्र	४५	५७	तै	२३	२६	व	७	११	४९	२	१२	१९
६	श	२३	६	ध	४६	५१	ऐं	५	३१	व	२३	६	९	१०	५०	३ १३ २०
७	र	२१	३१	श	४६	१६	वै	५२/१	५५/५५	ब	२१	३१	१०	१०	५०	४ १४ २१
८	चं	१८	३२	पू	४४	२८	प्री	५१	७	कौ	१८	३२	१२	१०	५०	५ १५ २२
९	मं	१४	८	उ	४१	१५	आ	४४	१३	ग	१४	८	१३	९	५१	६ १६ २३
१०	बु	८	३२	रे	३६	४४	सौ	३६	१४	तै	८	३२	१४	९	५१	७ १७ २४
११	गु	१	३३	अ	३१	१६	शो	२७	१८	वा	१	३३	१६	९	५१	८ १८ २५
१२	गु	५२	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ०
१३	शु	४४	५४	भ	२४	४७	अ	१७	४७	ग	१९	१४	१७	९	५१	९ १९ २६
१४	श	३५	३२	कृ	१७	५९	सु	३४/७	४९/५५	वि	१०	१३	१८	८	५२	१० २० २७
३०	र	२६	३५	रो	१०	५४	शू	४७	५०	च	१	३	१९	८	५२	११ २१ २८

मि २७।४१

भ.४९।११उ. रोहिण्यां बुधः५३।५२
भ.२०।४० या. चतुर्थी ब्र.
रोहिणी. ३शनिः ५३/५४ जून६ ता.३०
पुनर्वसु. भौमः ३०।५१
भ.२३।६उ.५२।१८या.

मृगे बुधः५५।१०
भ.४१।२०उ.
भ.८।३२या.दृश्यो मृगे रविः२७।५२×
अपरा११ ब्र.
×(सौरः३७।७)
भ.४४।५४उ.मिथुनेबुधः ०।५१ प्रदोषः
भ.१०।१३या.
वक्री मृगे शुक्रः ५४।३८ वटपूजनम्

८पं. ज्ये.कृ.४बृ.इ १७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	८	२	१	९	१
१७	१९	१२	१२	१०	१६	५	१७
२५	१२	५७	४९	४५	३५	४	१८
८	११	५०	५२	३६	३१	५४	१२
५७	३८	२९/३०	६/३०	१०/३४	७	३	५७
२७	५८	९/१४	ब	ब	२०	११	१३

गोचरग्रहाः

इस मास में ५
सोमवार उत्तमहैं
गेहूं,जौ,चना.रुई,
ऐरंडा सीगदाना
सोना चांदी तैल
तिल मंदा सुदी
में कुछतेजी होगी

गोचरग्रहाः

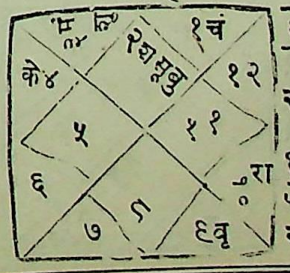

९पं.ज्ये.कृ.११बृ.इ.१७/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	८	२	१	९	१
२४	२३	२८	१२	८	१७	४	२३
७	३९	२६	४	१५	२९	४२	५८
१२	३९	३५	२६	४५	५६	३९	८
५७	३९	२९/३०	७/१३	२६/२८	७	३	५७
२२	४	२९	ब	ब	२०	११	५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६६४३स. १९७२

१	चं	१८	२	मू	२९	५४	गं	३८	५८	व	१८	२	३४	५	६	१२	२२	२९	मिथुने	आर्द्रा.बुधः २३।२५ चन्द्रदर्शनम्
२	मं	१०	५९	पु	५५	२९	वृ	३१	१	को	१०	५९	२१	८	५२	१३	२३	१	क.४१।२४	जमाद्रिलावल ५ ÷शुक्रास्तः पश्चि. १५
३	बु	५	३०	पु	५३	२३	धु	२४	३२	ग	५	३०	२१	८	५२	१४	२४	२	कर्के	भ. ३३ उ.दृश्योमिथुनेऽर्कः २९ सौरः ३७ ÷
४	गु	१	५०	श्ले	५३	३८	व्या	१९	४९	वि	१	५०	२२	८	५२	१५	२५	३	सिं ५३।३८	भ. १।५० या. शु.उ.
५	शु	०	३१	म	५५	५१	ह	१६	४६	बा	०	३१	२२	८	५२	१६	२६	४	सिंहे	बुधोदयः पश्चिमायाम् ७।२९ पू.
६	श	०	५८	पू	६०	०	व	१५	२८	तै	०	५८	२३	७	५३	१७	२७	५	सिंहे	§शुक्रः ३९ निर्जला ११ ब्र.
७	र	३	४९	पू	०	३	सि	१५	२८	व	३	४९	२३	७	५३	१८	२८	६	क.१६।२३	भ. ४३ उ. ३५ या. कर्के भौमः १० उदयं *
८	चं	७	५२	उ	५	२५	व्य	१६	२९	ब	७	५२	२३	७	५३	१९	२९	७	कन्यायां	पुनः बुधः २।४७ *शनेः २२।२६
९	मं	१३	३७	ह	१२	४३	व	१८	४०	को	१३	३७	२४	७	५३	२०	३०	८	तु.४६।२२	×गंगादशमी
१०	बु	१९	३०	चि	२०	१	प	२०	५२	ग	१९	३०	२४	७	५३	२१	३१	९	तुलायाँ	भ. ५२ उ.दृश्यआर्द्रा.रविः २६ सौरः ३९ ×
११	गु	२५	५०	स्वा	२७	४२	शि	२३	३२	वि	२५	५०	२४	७	५३	२२	१	१०	तुलायां	रा.आषाढारंभः भ. २५ या.वक्रीवृ.§ शु.उ.
१२	शु	३१	४७	वि	३५	८	सि	२६	२	बा	३१	४७	२४	७	५३	२३	२	११	वृ.१८।१६	पुष्येभौमः ३० शु.पू. ४३ पातस्पर्शः ℄ पू.
१३	श	३७	७	अ	४१	५६	सा	२७	५५	को	४	२७	२४	७	५३	२४	३	१२	वृश्चिके	कर्के बुधः ३९ वक्रीमूल.३गुरुः ५३ प्रदोषः
१४	र	४१	३१	ज्ये	४७	११	शु	२९	६	ग	९	१९	२३	७	५३	२५	४	१३	ध.४७।११	भ.४१।३१उ. ℄ २९ मोक्षः ३१
१५	चं	४४	४५	मू	५२	११	शु	२९	१६	वि	१३	८	२३	७	५३	२६	५	१४	धनुषि	भ. १३।८ या.पुष्येबुधः २९।१२

१०पं.ज्ये.शु.४बृ.इ.१७/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	८	२	१	९	२
०	२८	१२	११	४	१८	४	०
४८	७	५४	१३	२२	२३	२०	३७
२५	१	४३	१९	३५	५५	२३	१७
५७	३९	५९	४२	४९	७	३	५६
१७	१	२२	ब	ब	१४	११	५७

गोचरग्रहाः

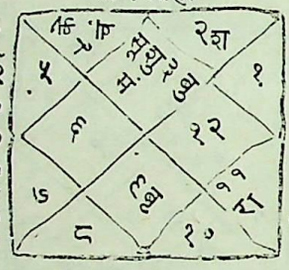

ज्येष्ठ शु. ३ बुधे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ प्रगल्भा वस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु.प.

गोचरग्रहाः

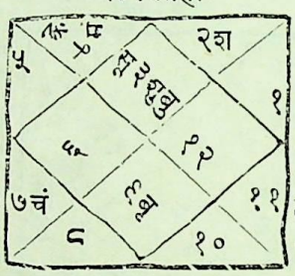

११पं.ज्ये.शु.११बृ.इ.१७/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	८	२	१	९	२
७	२	२५	१०	०	१९	३	७
२९	३२	४६	२०	५	१६	५८	१५
२४	२८	३०	२१	१७	५५	७	४४
५७	३९	५९	४२	४९	७	३	५६
१३	७	५७	ब	ब	४	११	५४

ति. | आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्रा

१	मं	४६	४९	पू	५५	१	व्र	२८	४०	वा	१५	४७	३४	५	६	२७	६	१५	धनुषि	रोहिणी. ४ शनः५८।२४
२	बु	४७	४६	उ	५८	१७	ऐं	२७	१५	तै	१७	१८	२७	८	५२	२८	७	१६	म. ११।२०	
३	गु	४७	३४	श्र	५९	३७	वै	२४	५५	व	१७	४०	२२	८	५२	२९	८	१७	मकरे	भ. १७।४०उ. ४७।३४ या.
४	शु	४६	१६	ध	५९	४३	वि	२१	५३	व	१७	०	२१	८	५२	३०	९	१८	कु.२९।४०	चतुर्थी ब्र.
५	श	४४	२२	श	५९	४३	प्री	१८	१	कौ	१५	१९	२०	८	५२	१	१०	१९	कुम्भे	जौलाई ७ ता. ३१
६	र	४१	२६	पू	५८	२३	आ	१३	३६	ग	१२	५४	१९	८	५२	२	११	२०	मी४३।४३	भ. ४१।२६ उ.
७	चं	३७	५४	उ	५६	२६	सौ	८	१३	वि	९	४०	१८	८	५४	३	१२	२१	मीने	भ. ९।४० या.
८	मं	३३	१४	रे	५३	३२	शो	१७	३२	बा	५	३४	१७	९	५१	४	१३	२२	मे.५३।३२	उषा.२राहुःपुन.४केतुः १६।२४
९	बु	२७	५०	अ	५०	२१	सु	४८	३५	तै	०	३२	१५	९	५१	५	१४	२३	मेषे	भ.५४।७उ.दृश्मपुनरविः २४ सौरः ४३
१०	गु	२१	४४	भ	४५	२५	धृ	४०	४१	वि	२१	४४	१४	९	५१	६	१५	२४	वृ.५९।१०	भ ३१ या.आश्लेषा.बुधः १२।४३
११	शु	१४	५८	कृ	४०	२३	शु	३२	१६	बा	१४	५८	१३	९	५१	७	१६	२५	वृषे	योगिनी ११ ब्र.
१२	श	७	३५	रो	३४	५८	गं	२३	३८	तै	७	३५	११	१०	५०	८	१७	२६	वृषे	मार्गीशुक्रः २४।७ प्रदोषः
१३	र	०	७	मृ	३०	३०	बृ	१५	५	व	०	७	१०	१०	५०	९	१८	२७	मि२।४४	भ. ०।७ उ. २६।२४ या.
१४	र	५२	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	चं	४६	२	आ	२४	४४	भृ	४१	५३	च	१९	२१	८	१०	५०	१०	१९	२८	मिथुने	सोमवती ३०

१२पं.आ.कृ.३बृ.इ.१७/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	८	१	१	९	२
१४	६	७	९	२६	२०	३	१३
९	५८	२७	२६	४१	९	३५	५३
५०	४४	३२	४२	३८	७	५२	५०
१७	३९	८८	५२	२३	६	३	५६
७	५	२७	ब	ब	५७	११	५०

गोचरग्रहाः

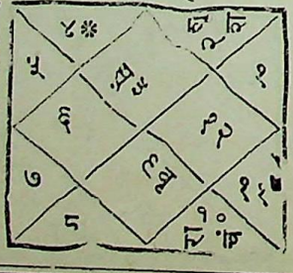

इस मासमें सोमवती अमावस्या हरेक वस्तु में मंदीं कारक है। अनाज रुई लोहा चांदी सोना मंदा

गोचरग्रहाः

१३पं.आ.कृ.१०बृ.इ.१७/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	८	१	१	९	२
२०	११	१६	८	२४	२१	३	२०
५०	२४	४४	३४	४८	०	१३	३१
१०	२९	४५	१	७	११	३६	४३
५७	३९	६६	३७	५५	६	३	५६
७	५	५३	ब	ब	३८	११	५०

* के.मं.बु.

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

+ के.मं.बु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९४ दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण ६६७२स१६७२

१	मं	४०	२५	पु	२०	४३	ह	५१	४८	कि	१३	१३	३४	७	१५	४६	११	२०	२६	क.६।४३
२	बु	३६	१६	पु	१७	५६	च	४६	१६	बा	८	२२		५	११	४६	१२	२१	३०	कर्के
३	गु	३४	१०	श्ले	१६	४	सि	४२	१३	तै	५	१४		४	११	४६	१३	२२	१	सिं १६।४
४	शु	३३	४८	म	१७	५१	व्य	३६	१६	च	३	५६		२	१२	४८	१४	२३	२	सिंहे
५	श	३५	३६	पू	२०	५३	च	३८	३७	ब	४	४२		०	१२	४८	१५	२४	३	क.३७।५
६	र	३६	१	उ	२५	४३	प	३८	४६	कौ	७	१८	३३ ५८		१२	४८	१६	२५	४	कन्या
७	चं	४४	८	ह	३१	४१	शि	४०	११	ग	११	३४		५६	१३	४७	१७	२६	५	कन्या
८	मं	४६	४६	चि	३८	४१	सि	४२	६	वि	१६	५७		५४	१३	४७	१८	२७	६	तु. ४।११
९	बु	५५	७	स्वा	४६	१६	सा	४४	४२	बा	२१	२६		५२	१४	४६	१९	२८	७	तुलायां
१०	शु	६०	०	वि	५३	३८	शु	४७	८	तै	२६	३३		५०	१४	४६	२०	२९	८	बृ. ३६।४८
१०	श	२	७	अ	६०	०	शु	४९	१४	ग	२	७		४७	१५	४५	२१	३०	९	बृश्चिके
११	श	७	३७	अ	०	३७	ज्ये	५०	३३	वि	७	३४		४५	१५	४५	२२	३१	१०	बृश्चिके
१२	र	११	४३	ज्ये	६	२९	ऐं	५०	५१	बा	११	४३		४२	१६	४४	२३	१	११	ध.६।२९
१३	चं	१४	४२	मू	११	४	वै	४९	५९	तै	१४	४२		४०	१६	४४	२४	२	१२	धनुषि
१४	मं	१६	१७	पू	१४	२४	वि	४८	१	च	१६	१७		३७	१७	४३	२५	३	१३	म.२९।४९
१५	बु	१५	५६	उ	१६	४	ग्री	४५	०	व	१५	५६		३५	१७	४३	२६	४	१४	मकरे

चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
जमादिलाखर ६
भ. ५ ३/९ उ. ३३/५८ या. आश्लेषा भौमः ३४/५
दृश्य. कर्केऽर्कः ५३।४२
कर्केऽर्कः सौरः १६।१२
भ.४४।८उ. भौमाऽस्तः १०।५८
भ. १६।५७ या.
दृश्यःपुष्ये रविः ३२/९ (सौरः४६।५३)
भ.३४।५३उ. देवशयनौ ११ब्र.स्मा.
भ. ७।३७या. देवशय. ११ ब्र. वै.
रा.श्रावणारंभः वक्री बुधः ३९/९ वक्री*
*मूल.२गुरुः १९।५४ प्रदोषः
भ.१६।१७उ. ४६।६या. वायुपरीक्षा
व्यास पूजा गुरुपूर्णिमा

१४पं.आ.शु.३बृ इ. १६/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	८	१	१	९	२
२७	१५	२३	७	२४	२१	२	२७
३०	४९	४०	४४	५६	४८	५१	९
३२	३७	५२	३१	२०	५६	२१	५०
५७	३९	११	७	२७	६	३	५६
११	९	२३	ब	मा	२६	११	५५

गोचरग्रहाः

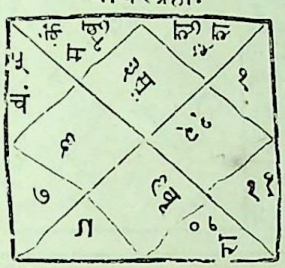

आषाढ शु. ५
शनो कर्केऽर्कः प्र.
वा.४ न ५ प्रग-
लभावस्था (ऊभी)
मु.४५ धान्यादि
भावेसमघंताशु.पू.

दोचरग्रहाः

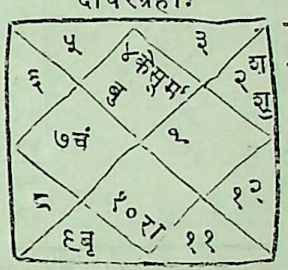

१५पं.आ.शु.१०बृ.इ. ९६/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	८	१	१	९	३
४	२०	२७	६	२६	२२	२	३
११	१४	४८	५९	५८	३५	२९	४८
१७	५३	२९	१७	११	६	५	१७
५७	३९	११	९/१९	२५	६	३	५६
१५	२	५३	ब	१०	११	११	५७

तिथि श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९४ दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृ. महा.

१	गु	१४	२६	अ	१६	३१	आ	४०	५८	कौ	१४	२६	३३ ३२	५ १८	४२	२७	५	१५	कु.४६।११
२	शु	११	५५	ध	१५	५०	सो	३६	१०	ग	११	५५	२९	१८	४२	२८	६	१६	कुम्भे
३	श	८	२८	श	१४	२१	शो	३०	४३	वि	८	२८	२६	१९	४१	२९	७	१७	मी५७।४१
४	र	४	१८	पू	१२	७	अ	२४	५०	बा	४	१८	२४	१९	४१	३०	८	१८	मीने
५	र	५५	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	चं	५४	५९	उ	९	२५	सु	१८	३४	ग	२७	२२	२१	२०	४०	३१	९	१९	मीने
७	मं	५०	९	रे	६	५१	धृ	११	५९	वि	२२	३४	१८	२०	४०	१	१०	२०	मे.६।५१
८	बु	४४	५०	अ	३	४०	शू	१७ ५५	५३ ०	बा	१७	२९	१५	२१	३९	२	११	२१	मेषे
९	गु	३९	२५	भ	१२ ०	५६ २९	बृ	५१	११	तै	१२	८	१२	२२	३८	३	१२	२२	वृ.१४।१९
१०	शु	३३	४०	रो	५३	५	ध्रु	४३	५५	व	६	३३	९	२२	३८	४	१३	२३	वृषे
११	श	२८	३	मृ	४९	२२	व्या	३६	४९	बा	२८	३	६	२३	३७	५	१४	२४	मि २१।१३
१२	र	२२	३१	आ	४६	२	ह	२९	५२	तै	२२	३१	३	२३	३७	६	१५	२५	मिथुने
१३	चं	१७	३५	पु	४३	१३	व	२३	८	व	१७	३५	०	२४	३६	७	१६	२६	क.२८।५५
१४	मं	१२	५९	पु	४१	८	सि	१७	१	श	१२	५९	३२ ५६	२५	३५	८	१७	२७	कर्के
३०	बु	९	४८	श्ले	४०	२२	व्य	११	३७	ना	९	४८	५२	२६	३४	९	१८	२८	सिं४० २२

मिथुनेशुक्रः ७।५९ मृग. १शनिः १९।५३
भ. ४०।१२ उ.
भ. ८।२८ या. च. व्र.
नाग ५ मरुस्थले
भ.५४।५९उ. बुधास्तःपश्चिमायांदि.१३
भ. २२।३४ या. अगस्त ८ ता. ३१
दृश्यः आश्ले.रविः २° (सौरः४७।४२)
भ. ३ ६/३ उ. ३३/४० या. मघा. सिंहे भौमः ३८/३९
कामिका ११ व्र.
आर्द्रा. शुक्रः १०।५१ प्रदोषः
भ. १७।३५ उ. ४५।१७ या.
हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.१बृ.इ. १६/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	८	२	१	९	३
१०	२४	२८	६	०	२३	२	१०
५२	४०	२६	२०	५	१९	६	२७
१९	४४	१७	२०	४२	४१	४९	२४
५७	३९	३३/३८	१६/१७	३५	५	३	५७
२०	२	ब	ब	३८	४५	११	५

गोचरग्रहाः

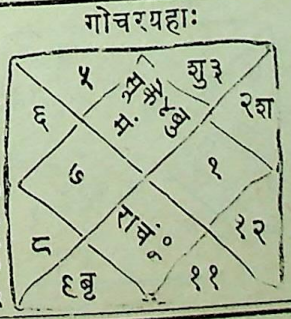

श्रा. कृ. ७ बुधे
सिंहेऽर्कः प्र. वा.
५ न.५ प्रगल्भा-
वस्था (बैठी) मु.
४५ धान्यादिभावे
समघंता शु.पू.

गोचरग्रहाः

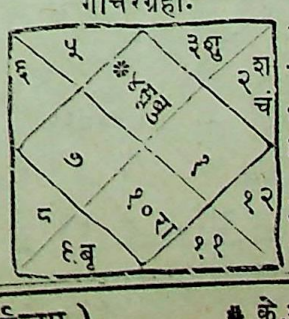

१७पं.श्रा कृ९बृ.इ. १६/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	८	२	१	९	३
१७	२९	२५	५	४	२२	१	१७
३४	६	१७	४८	२९	५९	४४	७
१	२२	२४	२६	२४	३५	३४	२२
५७	३२	३४/३९	८	४३	५	३	५७
२५	९	ब्र	ब्र	४६	९९	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* के.मं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं २०२६ शाकः १८६४ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७०२ स. १६७२

१	गु	७	५१	म	४०	५५	व	७	१७	ब	७	५१	३२	५	६	१०	१६	२६	सिंहे				
२	शु	७	२६	पू	४३	०	प	४	१७	कौ	७	२६	५०	२६	३४	११	२०	३०	क.५८।५७				
३	श	८	५६	उ	४३	४६	शि	२	४७	ग	८	५६	४३	२७	३३	१२	२१	१	कन्या				
४	र	१२	२	ह	५२	१८	सि	१	५६	वि	१२	२	४०	२८	३२	१३	२२	२	कन्या				
५	चं	१६	४७	चि	५८	५२	सा	२	४७	बा	१६	४७	३६	२६	३१	१४	२३	३	तु.२५।३५				
६	मं	२२	५	स्वा	६०	०	शु	४	२८	तै	२२	५	३३	२६	३१	१५	२४	४	तुलायां				
७	बु	२८	१४	स्वा	६	४	शु	६	४२	व	२८	१४	२६	३०	३०	१६	२५	५	वृ.५६।२०				
८	गु	३४	२६	वि	१३	५	ब्र	६	१०	वि	१	२०	२६	३१	२६	१७	२६	६	बृश्चिके				
६	शु	४०	१३	अ	२०	५६	एं	११	१०	बा	७	२०	२८	३२	२८	१८	२७	७	बृश्चिके				
१०	श	४४	४७	ज्ये	२७	३०	वै	१३	४	तै	१२	३०	१६	३२	२८	१६	२८	८	ध.२७।३०				
११	र	४७	५६	मू	३२	२७	वि	१३	१६	व	१६	२२	१५	३३	२७	२०	२६	६	धनुषि				
१२	चं	४६	४१	पू	३६	८	मी	१३	३२	ब	१८	४८	११	३४	२६	२१	३०	१०	म.५१।५०				
१३	मं	४८	५५	उ	३८	५७	आ	११	५५	कौ	१६	१८	८	३४	२६	२२	३१	११	मकरे				
१४	बु	४६	५६	श्र	३८	१	सौ	८	३६	ग	१७	५५	४	३५	२५	२३	१	१२	मकरे				
१५	गु	४२	५१	ध	३६	३०	शो	२	१४ २२	वि	१४	५३	०	३६	२४	२४	२	१३	कु.७।१६				

चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
भ. ४०।३० उ. तीज रज्जव ७
भ. १२।२ या. वरद ४
नागपंचमी
*हुधोदयः पूर्वस्यां ८:३२
भ. ३५/१४ उ.दृश्योमघा.सिंहेऽर्क १३/५५ सौरः ४४/७*
भ. १।२०या वक्रीपुष्ये बुधः २०।३६
मार्गी बुधः ३५।५५

भ. १६/३२ उ.४७/५६ या. आश्लेषा.बुधः ५३/४ ÷
÷पवित्रा ११ब्र.
पुनर्वशुक्रः २१।४४ प्रदोषः
रा. भाद्रपदारंभः४६।५६ उ.
भ. १४/५३ या.श्रावणीकर्म. रक्षाबं.भद्रोत्तरम्

१८पं.श्रा.शु.१वृ.इ.१६/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	८	२	१	९	३
२४	३	२०	५	९	२६	१	२३
१६	३१	१	२४	३९	३८	२२	४८
२६	५५	३०	२२	५४	१३	१८	२९
५७	३९	२६/२७	३/४	४९	४	३	५७
३३	३	ब	ब	५४	५४	११	२२

१९पं.श्रा.शु.८बृ.इ.१६/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	८	२	१	९	४
०	७	१६	५	१५	२५	१	०
५९	५७	४०	९	३२	१२	०	३०
४९	४७	५५	४०	२४	४८	३	४२
५७	३९	५२/२१	४/५	५४	४	३	५७
४०	९	ब	ब	३५	२८	११	३४

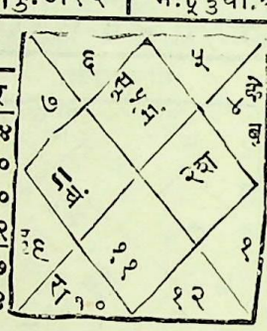

२०पं.श्रा.शु.१५वृ.इ.१५/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	८	२	१	९	४
७	१२	१९	५	२१	२५	०	७
४४	२४	३८	४	५३	४२	३७	१४
१७	५४	१०	१	४६	५०	४७	१५
५७	३९	५२/४१	०/१९	५८	३	३	५७
४८	१६	मा	ब	१७	५०	११	४५

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं २०२६ शाकः १८६४ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | शरदृतूं रविर्दक्षिणे श्रावण कृ.महा.

१	शु	३६	१	श	३३	५०	सु	५१	५०	बा	१०	५६	३१/५६	५/३७	६/३	२५	३	१४	कुम्भे				
२	श	३२	१७	पू	३०	६	धृ	५४	३१	तै	५	३६	५२	३८	२२	२६	४	१५	मी१६।४				
३	र	२६	०	उ	२६	४	शू	३६	५५	वि	२६	०	४८	३८	२२	२७	५	१६	मीने				
४	चं	१६	४४	रे	२१	४४	गं	२६	८	बा	१६	४४	४४	३६	२१	२८	६	१७	मे.२१।४४				
५	मं	१३	२६	अ	१७	२६	वृ	२१	१४	तै	१३	२६	४०	४०	२०	२६	७	१८	मेषे				
६	बु	७	४७	भ	१३	२२	धु	१३	४४	व	७	४७	३६	४१	१६	३०	८	१६	वृ.२७।२८				
७	गु	२	२७	कृ	६	४६	व्या	३२/५३	५३/५८	व	२	२७	३२	४२	१८	३१	६	२०	बृषे				
८	शु	५४	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०				
६	शु	५२	३३	रो	६	२७	व	५२	५८	तै	२४	४७	२८	४२	१८	१	१०	२१	मि२५।११				
१०	श	४८	२७	मृ	३	५५	सि	४६	४६	व	२०	३०	२५	४३	१७	२	११	२२	मिथुने				
११	र	४४	५५	आ	१	४८	व्य	४१	२२	व	१६	४१	२१	४४	१६	३	१२	२३	क.४५।४१				
१२	चं	४२	१७	पु	०/१६	५६/१७	व	३६	१७	कौ	१३	३६	१७	४५	१५	४	१३	२४	कर्के				
१३	मं	४०	२६	श्ले	५६	४०	प	३१	५६	ग	११	२३	१३	४५	१५	५	१४	२५	सिं५६।४०				
१४	बु	३६	४४	म	६०	०	शि	२८	१६	वि	१०	६	६	४६	१४	६	१५	२६	सिंहे				
३०	शु	४०	६	म	१	४	सि	२५	४४	च	६	५६	५	४७	१३	७	१६	२७	सिंहे				

फूफायां भौमः ४०।११
भ. ५६।६उ.मार्गी गुरुः २।२३
भ. २६।० या. च. ब्र.
÷मिथुनेकेतुः४/५ प्रदोषः
चन्द्रषष्ठी
भ.४७/५७ उ.३५/७ या.दृश्यःफूफायाँ रविः३/३२*
जन्माष्ठमीव्रतम् *(सौरः ३४।५६)
×गोगा ६ सितम्बर ६ ता. ३०
मघा.सिंहे बुधः ४२।८ कर्केशुक्रः ३४/१३×
भ. २०।३० उ. ४८।२७ या.
अजा ११ ब्र.
पुष्ये शुक्रः ५७।४४ वत्सद्वादशी
भ. ४०/२६ उ.उषा.१ धनुषिराहुः पुनः३÷
भ. १०/६ या. पूर्वास्तो बुधः ८।५३
कुशाग्रहणी मन्वादिः

२१पं.भा.कृ.७वृ.इ.१५/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	८	२	१	९	४
१४	१६	२७	५	२८	२६	०	१३
२९	५२	४३	६	४०	९	१५	५९
५६	३०	५९	४३	१२	०	३१	२७
५८	३९	९४	५६	६१	३	३	५७
१	१०	३५	मा	६	११	११	५७

गोचरग्रहाः

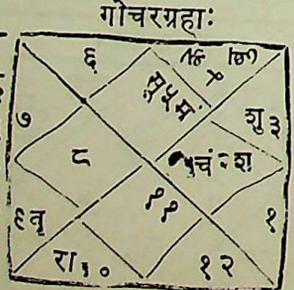

इस मास में रवि से आगे मंगल वर्षा कम करे। आगे मंगल पिछे भान। वर्षा होवे ओस समान।

गोचरग्रहाः

२२पं.भा.कृ.३०वृ.इ.१५/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	८	३	१	८	४
२१	२१	९	५	५	२६	२९	२०
१६	१९	१६	१८	४६	३०	५३	४६
५५	४८	१	४३	४४	४०	१६	७
५८	३९	५९/१७	२/१५	६३	२	३	५८
१३	१६	१७	१५	२१	३२	११	१२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं.२०२६ शाकः १८९४ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७३१सं.१९७२

१	शु	४२	४	पू	३	३१	मा	२४	२१	कि	११	६	३१	५	४८	६	८	१७	२८	क.१९।२७
२	श	४५	१६	उ	७	१५	शु	२३	३१	बा	१३	४०	३०	५७	४९	११	९	१८	२९	कन्यायां
३	र	४९	५८	ह	१२	१४	शु	२३	५८	तै	१७	३७	५३		४९	११	१०	१९	१	तु. ४५।२०
४	चं	५५	२१	चि	१८	२६	न	२५	१४	व	२२	३९	४८	५०	१०	११	२०	२		तुलायां
५	मं	६०	९	स्वा	२५	२८	ऐं	२६	५५	ब	२७	४१	४४	५१	९	१२	२१	३		तुलायां
६	बु	१	३४	वि	३३	९	वै	२९	२७	वा	१	३४	४०	५२	८	१३	२२	४		बृ.१६।१४
७	गु	७	५२	अ	४०	४०	वि	३१	५६	तै	७	५२	३६	५३	७	१४	२३	५		वृश्चिके
८	शु	१३	५८	ज्ये	४७	५९	प्री	३३	३४	व	१३	५८	३२	५४	६	१५	२४	६		ध. ४७।५९
९	श	१९	८	मू	५३	५२	आ	३५	४६	ब	१९	८	२८	५४	६	१६	२५	७		धनुषि
१०	र	२२	५८	पू	५८	३७	सौ	३६	९	कौ	२२	५८	२४	५५	५	१७	२६	८		धनुषि
११	चं	२५	१४	उ	६०	०	शो	३५	२६	ग	२५	१४	२०	५६	४	१८	२७	९		म.१४।२०
१२	मं	२५	२३	उ	१	२७	अ	३३	१	वि	२५	२३	१९	५७	३	१९	२८	१०		मकरे
१३	बु	२३	३३	श्र	२	२२	सु	२९	३	वा	२३	३३	१२	५८	२	२०	२९	११		कुं ३१।४८
१४	गु	१९	४३	ध	१५	५७	धृ	२३	३३	तै	१९	४३	८	५८	२	२१	३०	१२		कुम्भे
१५	शु	१४	३९	पू	५४	९	शू	१६	४०	व	१४	३९	४	५९	१	२२	३१	१३		मी४०।१९
१६	श	७	१८	उ	४८	३९	गं	८	५१	व	७	१८	३०	०	०	२३	१	१४		मीने

पूफायां बुधः ३७/५५ चंद्रदर्शन संभवः
मृग २शा:५६/४५ हरितालिका३सावानद
भ.३२/३९ उ. ५५।२१या. गणेश चतुर्थी
दृश्य उफायां रविः ४७।५२ ऋषि५
उफायां रविःसौरः १९।३७
[+४४।४९ उफा.बुधः९।१
भ.१५/३८ उ.४६/३७या.उफायांभौमः३४।१३
दृश्यः कन्यायामर्कः १३।१३ सौरः+
कन्या.बुधः५७/२९ आश्लेषा.शुक्रः२९।४०
भ. ५५।१८ उ.
भ. २५।२३ या. जलझूलनी ११ ब्र.
कन्या.भौमः४६/३८ वामनजयन्ती.प्रदोषः
[×महालय श्राद्धारम्भः
भ.१४।३९उ.४०।५८या. अनंत १४×
हस्ते बुधः २२।२७रा. आश्विनारम्भः

२३पं.भा.शु.६बृ.इ. १५।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	८	३	१	८	४
२८	२५	२१	५	१३	२६	२९	२७
५	४८	५	४०	९	४७	३१	३४
२४	१८	१३	२३	२९	४६	०	३०
५८	३९	१९	३	२	६५	१	३	५८
२६	२६	३४	२७	४	३२	११	२९

गोचरग्रहाः

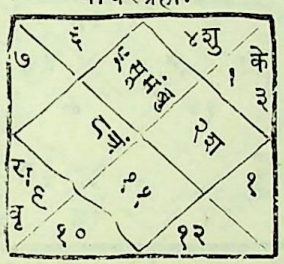

भा. शु. ८ शनौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न.४ बाला वस्था(बैठी,मु.३० धान्यादि भावे समता शु. पू.

गोचरग्रहाः

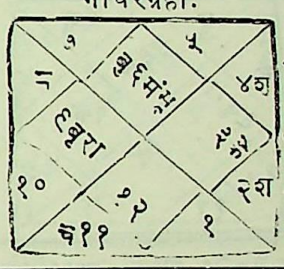

२४पं.भा.शु.१३बृ इ.१५/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	८	३	१	८	५
४	०	६	६	२०	२६	२	४
५५	१८	५	१०	४४	५८	८	२४
१९	५४	२४	१९	२०	५	५५	३०
५८	३९	३	४	६६	१	३	५८
२८	२६	४७	४६	३४	१३	११	४५

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०२६शाकः १८९५ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः शरदृतूं रविर्दक्षिणेभा.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	श	५२	२२		०	०	०		०	०	०		०	०	०		०	०	०	०
२	र	५१	४०	रे	४२	३८	धु	५०	१५	तै	२४	४०	३९	६	५५	५	२४	२	१५	मे ४२।३८
३	चं	४३	२३	अ	३६	२७	व्य	४०	४३	व	१७	३१	५१	२	५८	२५	३	१६		मेषे
४	मं	३५	५२	भ	३०	४१	ह	३१	४३	ब	९	३८	४७	३	५७	२६	४	१७		बृ.४४।२२
५	बु	२८	५७	कृ	२५	२७	व	२२	५६	कौ	२	२४	४३	३	५७	२७	५	१८		वृषे
६	गु	२२	४७	रो	२१	१	सि	१४	४६	व	२२	४७	३८	४	५६	२८	६	१९		मि४९। १९
७	शु	१७	५९	मृ	१७	३८	व्य	७	१६	ब	१७	५९	२४	५	५५	२९	७	२०		मिथुने
८	श	१३	५६	आ	१५	१८	व	४९	५४	कौ	१३	५६	०	६	५४	३०	८	२१		क. ५९।२७
९	र	११	१०	पु	१४	१०	शि	५०	३५	ग	११	१०	२६	७	५३	१	९	२२		कर्के
१०	चं	९	२८	पु	१४	८	सि	४६	५१	वि	९	२८	२२	८	५२	२	१०	२३		कर्के
११	मं	८	५४	श्ले	१५	४	सा	४३	५८	वा	८	५४	१८	८	५२	३	११	२४		सिं.१५।१४
१२	बु	९	३५	म	१७	१६	तै	९	३५	तै	९	३५	१४	९	५१	४	१२	२५		सिंहे
१३	गु	११	१४	पू	२०	३७	व	११	१४	व	११	१४	१०	१०	५०	५	१३	२६		क. ३६।४२
१४	शु	१४	२	उ	२४	५७	व्र	४०	५८	श	१४	२	६	११	४९	६	१४	२७		कन्यायां
३०	श	१७	५७	ह	३०	५	ऐं	४१	२६	ना	१७	५७	२	१२	४८	७	१५	२८		कन्यायां

[+मूल. ३गुरुः४६।७ चतुर्थी व्र.
भ.१७।३१ उ.४३। २३ या.
दृश्यो हस्ते रविः२६।१९ (सौरः५७/५८,+
भ. २२।४७ उ. ५०।२३या.
मघा.सिंहे शुक्रः ३३।५६
[* अक्टूबर १०ता. ३१
भ. ४०।४९उ. चित्रा. बुधः ४।५२*
भ. ९।२८ या. वक्री शनिः २५।१९
इंदिरा११ ब्र. [=१५।१९
प्रदोषः
भ.११।४२उ.४२।३०या. तुला.बुधः=
हस्ते भौमः १५।३९
बुधोदयःपश्चिमायां ४०।०सर्वपितृ३०

२५पं.आ.कृ.६वृ.इ.१५।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	८	३	१	८	५
११	४	१८	६	२८	२७	२८	११
४६	४९	२१	४८	३१	४	४६	१६
५५	१	१८	४३	८	३७	२९	४१
५८	३९	४०	५	६७	०	३	५९
५३	१९		५२	४७	२८	११	०

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ रविवार प्रजा में रोगपीड़ा कारक है। अनाज रुई किराना चांदी में घटाबढ़ी खांडगुड़ सोना तेज हो।

ग्रोचरग्रहाः

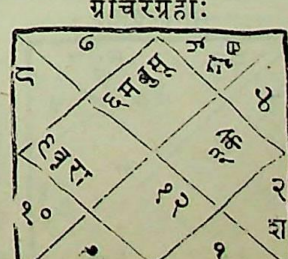

२६पं. आ.कृ.१३बृ.इ. १५/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	८	४	१	८	५
१८	९	२२	७	६	२७	२८	१८
४०	२०	५९	३५	२७	४	२४	१०
८	९	३८	३८	४७	२	१३	२८
५२	२९	४९	६	६८	०	३	५२
९	२९	४६	५३	४९	ब	११	१६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०२६ शाकः १८९४ | दि. उ. | अ | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७६१स. १९७२

१	र	२२	५९	चि	३७	३५	वै	४२	४७	ब	२२	५९	२५	१२	४५	८	१६	२९
२	चं	२८	२८	स्वा	४३	२१	वि	४४	२७	को	२८	२८	५४	१३	४७	९	१७	३०
३	मं	३४	४६	वि	५०	५८	मी	४६	४७	तै	१	३७	५०	१४	४६	१०	१८	१
४	बु	४१	१०	अ	५८	२६	आ	४९	४	व	७	५८	४६	१५	४५	११	१९	२
५	गु	४७	३९	ज्ये	६०	०	सौ	५१	३८	ब	१४	२५	४२	१६	४४	१२	२०	३
६	शु	५३	१४	ज्ये	६	७	शो	५३	४६	को	२०	२७	३८	१६	४४	१३	२१	४
७	श	५७	५८	मू	१३	५	अ	५४	५६	ग	२५	३६	३०	१७	४३	१४	२२	५
८	र	६०	०	पू	१९	८	सु	५५	६	वि	२८	५९	३०	१८	४२	१५	२३	६
८	चं	११	२	उ	२३	२३	धृ	५३	५६	ब	१	१२	२६	१९	४१	१६	२४	७
९	मं	२	४१	अ	२५	५०	शु	५०	२१	को	२	४१	२२	२०	४०	१७	२५	८
१०	बु	२	२	ध	२६	१९	ग	४७	१३	ग	२	२	१८	२०	४०	१८	२६	९
११	बु	५७	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	गु	५४	३५	श	२४	३७	मृ	४१	१७	व	२६	५५	१४	२१	३९	१९	२७	१०
१३	शु	४७	५९	पू	२१	१३	धु	३३	५०	को	२१	१७	१०	२२	३८	२०	२८	११
१४	श	४०	५	उ	१५	५६	व्या	२५	४	ग	१४	०	६	२३	३७	२१	२९	१२
१५	र	३१	४	रे	४	३२	ह	१५	८	वि	५	३५	२	२४	३६	२२	३०	१३

नवरात्रारंभः मातामह श्रा.
दृश्यश्चित्रा.रवि.५०स्वात्यां बुधः ३०४७*
चित्रा. रविःसौरः २७।५४ रमजान ९
भ.५८उ.४१०या.पूफायां शुक्रः १३।४९
* चन्द्रदर्शनम्

भ. ५७।५८ उ. सरस्वत्यावाहनम्
भ. २८।५९ या. सरस्वती पू. वलि.
दृश्यस्तुलायामर्कः ४२।६
तुलाऽर्कः सौरः १०।३७ विजया १०
भ. ३०उ.५९या.विशाखा. बुधः १५×
×पापांकुशा ११ ब्र. स्मा.
पापांकुशा ११ ब्र. वै.
प्रदोषः
भ. ४०।५ उ. कोजागरी ब्र.
भ.३५या.उफायाँ शुक्रः१०मूल.४गुरुः२९

२७प.आ.शु.२बु.इ.१४५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	८	४	१	८	५
२५	१३	११	८	१४	२७	२८	२५
३५	५१	०	२७	३०	०	१	६
६	२२	२९	४०	५४	२५	५८	१०
५९	३५	५५	७	६१	५९	३	५९
२१	२९	१३	५६	३७	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

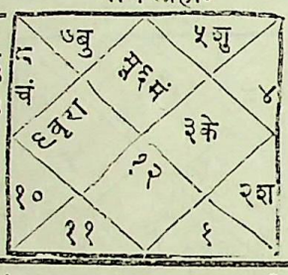

आ. शु. ८ चन्द्रे तुलायामर्कः प्र. वा.३न.४ गतालक्षावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावेसमता शु.पू.

गोचरग्रहाः

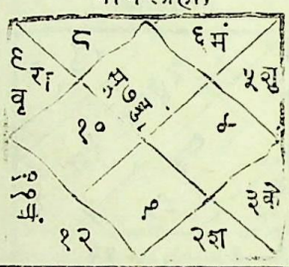

२८प.आ.शु.१०बु.इ.१४४५

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	८	४	१	८	६
२	१८	२१	९	२२	२६	२७	२
३१	२३	२२	२७	४१	५०	३९	३
३४	४२	१२	५८	२०	२०	४२	४०
५९	३१	८७	८	७०	४१	३	५९
३४	३०	५२	५२	२४	ब	११	४६

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं.२०२६ शाकः १८९४ | दि. उ. | अ | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेति महा.

१	चं	२१	४०	अ	५३	२४	व	२७	२७	को	२१	४०	५८	२४	३६	२३	१	१४
२	मं	१२	२३	कृ	४७	३२	व्य	४३	३६	ग	१२	२३	५४	२५	३५	२४	२	१५
३	बु	३	३३	रा	४१	५	व	३३	३४	वि	३	३३	५०	२६	३४	२५	३	१६
४	बु	५१	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	गु	४८	४९	मृ	३५	३८	प	२४	१७	को	२१	५६	४६	२०	३३	२६	४	१७
६	शु	४३	४१	आ	३१	३४	शि	१६	१२	ग	१६	१५	४२	२८	३२	२७	५	१८
७	श	४०	२४	पु	२९	१३	सि	९	१३	वि	१२	२	३९	२८	३२	२८	६	१९
८	र	३८	२२	पु	२८	३१	सा	४०५५	४९	आ	९	२३	३५	२९	३१	२९	७	२०
९	चं	३७	४	श्ले	२९	२३	शु	५६	२४	तै	७	४३	३१	३०	३०	३०	८	२१
१०	मं	३९	२०	म	३१	१७	न	५४	३७	न	८	१२	२७	३१	२९	३१	९	२२
११	बु	४१	४९	पू	३५	१७	ऐं	५४	०	ब	१०	३५	२४	३१	२९	१	१०	२३
१२	गु	४५	३९	उ	४०	१६	वै	५४	२९	को	१३	४४	२०	३२	२८	२	११	२४
१३	शु	५०	२५	ह	४६	२	वि	५५	५	ग	१८	२	१६	३३	२७	३	१२	२५
१४	श	५६	२	चि	५२	५०	वी	१६	४०	वि	२३	१४	१३	३३	२७	४	१३	२६
२०	र	६०	०	स्वा	५९	४३	आ	५८	२९	च	२८	१	९	३४	२६	५	१४	२७
३०	चं	१	५१	वि	६०	०	सौ	६०	०	ना	१	५१	६	३५	२५	६	१५	२८

मेषे
वृ. ७।५८
वृषे
मिथ ८।२१
मिथुने
क. १४।४८
कर्के
सिं २९।२३
सिंहे
क. ५१।३२
कन्यायां
कन्यायां
तु. १९।२६
तुलायां
वृ. ५०।२८

दृश्यःस्वात्यां रविः २४सौरः ५७रा.का.
भ. ३७उ.वक्री मृग. १ शनिः ६।२१
भ.३३या.वृश्चिकेबुधः ३५कन्या.शुक्रः*
* २३ करक चतुर्थी ब्र.
चित्रायां भौमः ३८।४४
भ. ४३।४१ उ. भौमोदयः ३६।३३
भ. १२।२ या. अनु. बुधः ०।३६

भ. ८।१२ उ. ३९।२० या.
रमा ११ ब्र नवम्बर ११ ता. २०
हस्ते शुक्रः ४४।३६
भ. ५०।२५ उ. प्रदोषः धन १३
भ.२३।१४या.रूप१४ +महालक्ष्मी पू.
दृश्यो विशाखा.रविः ४४तुलायांभौमः ५९÷
विशाखा.रविःसौरः ९४अन्नकूटंगोवर्धन पू.

२९प. का.कृ.५बृ.इ. १४३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	८	५	१	८	६
९	२२	१	१०	१	२६	२७	९
२९	५७	०	३३	०	३४	१७	३
४९	२९	९	११	४०	४८	२७	०
५९	३९	७९	९	७०	२६	३	६०
४७	३२	८	४०	५९	ब	११	२

गोचरग्रहाः

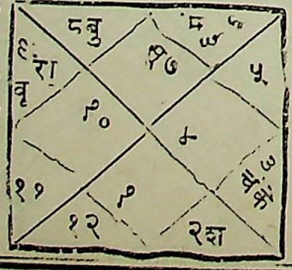

इस मास में ५ सोमवार उत्तम व्यापारी वस्तुओं में घटा बढ़ी अधिक होगी। सोना चांदी तेज

गोचरग्रहाः

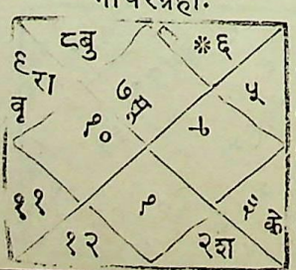

३०प.का.कृ.१२ब्र.इ.१४२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	८	५	१	८	६
१६	२७	९	११	९	२६	२६	१६
२९	३२	३७	४४	२४	१४	५५	४
३८	१०	५५	४९	०	५३	११	४
६०	३९	६५	१०	७१	५३	३	६०
४	३५	५५	२५	२९	ब	११	१८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०२६शाकः१८९४ दि. उ.अ. इ. रा. मु. चंद्रः हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७९१स.१९७२

१	मं	८	१८	वि	७	२३	सो	०	४७	ब	८	१८	२७	६	५	७	१६	२९	वृश्चिके
२	बु	१४	४२	अ	१४	४९	शो	२	५८	कौ	१४	४२	२९	३६	२४	८	१७	३०	वृश्चिके
३	गु	२१	६	ज्ये	२२	२०	अ	५	२३	ग	२१	६	५६	३७	२३	९	१८	१	ब.२२।२०
४	शु	२६	०	मू	२९	२२	सु	७	१६	वि	२६	०	५३	३७	२३	१०	१९	२	धनुषि
५	श	३१	५१	पू	३५	४३	धृ	८	४०	बा	३१	५१	४९	३८	२२	११	२०	३	म.५२।१
६	र	३५	४६	उ	४०	५५	शू	९	४६	कौ	३	४९	४६	३९	२१	१२	२१	४	मकरे
७	चं	३८	१३	श्र	४४	३	गं	९	३७	ग	७	०	४३	३९	२१	१३	२२	५	मकरे
८	मं	४८	५१	ध	४६	४६	बृ	७	७	वि	८	३२	४०	४०	२०	१४	२३	६	कु.१५।४०
९	बु	३७	४४	श	४७	९	ध्रु	५	३१	बा	८	१७	३७	४१	१९	१५	२४	७	कुम्भे
१०	गु	३४	३७	पू	४५	३७	व्या	१२	५८	तै	६	१०	३४	४१	१९	१६	२५	८	मी३१।०
११	शु	२९	३६	उ	४१	५९	व	४७	५२	च	२	७	३१	४२	१८	१७	२६	९	मीने
१२	श	२२	४६	रे	३६	४९	सि	३९	२०	बा	२२	४६	२९	४२	१८	१८	२७	१०	मे.३६।४६
१३	र	१४	४५	अ	३०	२१	व्य	२९	२७	तै	१४	४५	२६	४३	१७	१९	२८	११	मेषे
१४	चं	५	४३	भ	२२	५४	व	१८	४७	च	५	४३	२४	४३	१७	२०	२९	१२	बृ.२५।५३
१५	चं	४९	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

पूषां.४राहुःपुन.२ केतुः०।४१
चंद्रदर्शनम् भ्रातृ २ यम२
भ.५३३उ ज्येष्ठा.बुधः३७।२०सव्वाल१०
भ.२६।०या.पू.षा. १ गुरुः ५७।३५
+४।१० अक्षय ९
=१४।३३ वैकुण्ठ १४
भ.३८।१३उ.चित्रायां शुक्रः ४२।२७
भ. ८।३२ या. गोपाष्टमी
दृश्यो वृश्चिकेऽर्कः ४०।२९वक्रीबुधः+
वृश्चिकेऽर्कःसौरः२३स्वात्यां भौमः४०
भ.२।७उ ३६या प्रबोधिनी११व्र. तु.वि.
दृश्योऽनुराधा. रविः ५३ प्रदोषः
अनु.रविःसौरः २१।९ तुलायां शुक्रः=
भ.५।४३उ.३०।४० या. पश्चिमास्तो×
× बुधः ३६।५०

३१मं.का.शु. ३बृ.इ.१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	७	८	५	१	८	९
२३	२	१९	१३	१७	२५	२९	२३
३०	८	२३	०	५१	५०	३२	६
५८	४९	३८	५५	२५	५९	५५	४२
६०	३९	४२	११	७१	३४	३	६०
१७	३५	२५	५	५०	ब्र	११	३०

गोचरग्रहाः

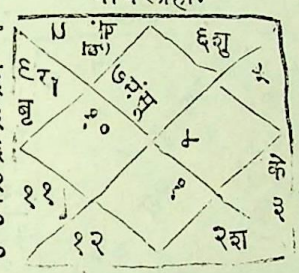

का. शु. ९ बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्र. वा.३न.३ युवावस्था (सूती मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्व.

गोचरग्रहाः

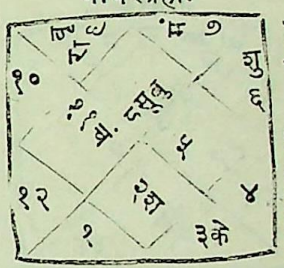

३२पं.का.शु.१०बृ.इ.१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	५	१	८	७
०	६	१९	१४	२६	२५	२३	०
३३	४५	५	२२	२२	३	१०	१०
४७	२९	५६	१६	३०	२८	४०	४६
६०	३९	३	११	७२	५८	३	६०
३०	३९	ब्र	४२	१६	ब्र	११	४०

ति. मागशीर्षकृष्णपक्षः सं० २०२९ शाकः१८९४ दि. उ.अ. इ. रा. मु. चंद्रः हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृ. महा.

१	मं	४५	४५	कृ	१४	४९	प	७	४८	बा	२०	४१	२६	६	५	२१	३०	१३	बृषे
२	बु	३६	२१	रो	७	५३	सि	४५	३७	तै	११	३	१९	४४	१६	२२	१	१४	मि ३३।२०
३	गु	२८	२	आ	५३	३६	सा	३५	४७	च	२	११	९	४५	१५	२३	२	१५	मिथुने
४	शु	२१	०	पु	४८	५९	शु	२७	४	बा	२१	०	१३	४५	१५	२४	३	१६	क ३५।८
५	श	१५	४५	पु	४६	२६	शु	२९	३२	तै	१५	४५	११	४६	१४	२५	४	१७	कर्के
६	र	१३	४१	श्ले	४५	४०	ब	१३	४२	च	१३	४१	८	४६	१४	२६	५	१८	सिं ४५।४०
७	चं	१२	३४	म	४६	५६	ऐं	९	१७	ब	१२	३४	६	४७	१३	२७	६	१९	सिंहे
८	मं	१२	२२	पू	५०	५	चै	६	३७	कौ	१२	२२	३	४७	१३	२८	७	२०	सिंहे
९	बु	१४	४६	उ	५४	४६	वि	५	२२	ग	१४	४६	१	४८	१२	२९	८	२१	क.६।१५
१०	गु	१८	५२	ह	६०	०	प्री	५	४१	चि	१८	५२	२५	४८	१२	३०	९	२२	कन्यायां
११	शु	२४	५	ह	१	४३	आ	६	२७	बा	२४	५	५७	४९	११	१	१०	२३	तु. ३४।४४
१२	श	३०	१४	चि	७	४२	सौ	८	७	तै	३०	१४	५५	४९	११	२	११	२४	तुलायां
१३	र	३६	३१	स्वा	१४	५८	शो	१०	१६	ग	३	२३	५३	४९	११	३	१२	२५	तुलायां
१४	चं	४३	५	वि	२२	३५	अ	१२	२६	वि	९	४८	५१	५०	१०	४	१३	२६	बृ.५।४१
३०	मं	४९	२०	अ	३०	१०	सु	१४	४३	च	१६	१३	४९	५०	१०	५	१४	२७	वृश्चिके

वक्रीअनु. बुधः ३०।२७
रा. मार्गशीर्षारम्भः
भ.२।११उ २८.२या. च.ब्र.
स्वात्यां शुक्रः३९।३ मातस्पर्शः ३१।४२*
[*मोक्षः ४८।४०
भ. १३।४१ उ. ४३।७ या.
पू. षा. २ गुरुः ३०।४
[+विशा.बुधः २५बुधोदयः पूर्वस्यां६।८
भ. ४६।४९ उ.
भ.१८।५२ या.
उत्पत्ति ११ व्र.
दृश्यो ज्येष्ठा.रविः९।३ सौरः२८।९वक्री+
भ.३६।३१ उ. प्रदोषः
भ. ९।४८ या.
मार्गी बुधः२४विशाखा. शुक्रः२३।२९

३३पं.मा.कृ.३बृ.इ.१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	६	१	८	७
७	११	१४	१५	४	२४	२५	७
३७	२४	८	४७	५६	५१	४८	१६
३७	३२	२	१०	४९	५८	२५	१९
६०	३९	५६	१२	७२	१३	३	६०
४२	४२	ब्र	१४	२५	ब्र	११	५३

गोचरग्रहाः

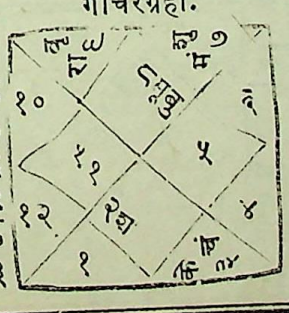

इस मास में गुड़ गेहूँ रुई चांदी सोना अफीम सण सूत तेज हो सुदी में हरेक वस्तु मंदी होगी ।

गोचरग्रहाः

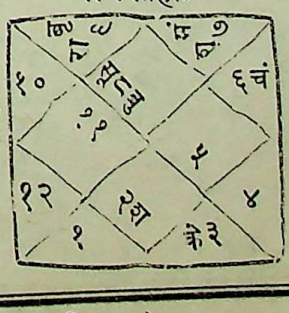

३४पं.मा.कृ.३०बृ.इ.१३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	६	१	८	७
१४	१६	५	१७	१३	२४	२५	१४
४२	३	६	१४	३४	१९	२६	२३
५४	५५	४३	१३	२३	८	८	५
६०	३९	४७	१२	७२	३४	३	६१
५०	४६	ब्र	३५	५५	ब्र	११	३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६८२०स१९७२

१	बु	५५	२९	ज्ये	३७	३२	धृ	१६	५०	कं	२२	२४	२५/४८	५०/६	१०/५	६	१५	२८	ध. ३७।३२
२	गु	६०	०	मू	४४	१२	शू	१८	४१	ग्रा	२७	४४	४६	५१	९	७	१६	२९	धनुषि
२	शु	०	५०	पू	५०	१२	गं	२०	२	कौ	०	५०	४५	५१	९	८	१७	१	धनुषि
३	श	५	३०	उ	५५	२९	बृ	२०	४१	ग	५	३०	४४	५१	९	९	१८	२	म. ६।३१
४	र	९	२१	श्र	५९	४९	ध्रु	२०	२९	वि	९	२१	४२	५२	८	१०	१९	३	मकरे
५	चं	११	५७	ध	६०	०	व्या	१९	४४	बा	११	५७	४१	५२	८	११	२०	४	कु ३१।१६
६	मं	१३	११	ध	२	४४	ह	१७	५३	तै	१३	११	४०	५२	८	१२	२१	५	कुम्भे
७	बु	१३	५	श	४	२५	व	१४	४४	व	१३	५	१९	५२	८	१३	२२	६	मी ४९।४७
८	गु	११	२३	पू	४	५४	सि	१०	२८	ब	११	२३	३८	५२	८	१४	२३	७	मीने
९	शु	८	९	उ	३	१९	व्य	४७/५३	५३/१९	कौ	८	९	३८	५२	८	१५	२४	८	मीने
१०	श	३	८	रे	०	४५/२८	प	४९	१७	ग	३	८	३७	५३	७	१६	२५	९	मे. ०।७
११	श	५३	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	र	४९	१३	भ	४९	४६	शि	४०	४३	व	२३	२४	३७	५३	७	१७	२६	१०	मेषे
१३	चं	४०	३६	कृ	४२	५३	सि	३०	४०	कौ	१४	५४	३७	५३	७	१८	२७	११	बृ. ३।३
१४	मं	३१	३९	रो	३५	३६	सा	१९	५९	ग	६	७	३६	५३	७	१९	२८	१२	वृषे
१५	बु	२१	४४	मृ	२७	५८	शु	९/२९	४९/२६	ब	२१	४४	३६	५३	७	२०	२९	१३	मि १।४७

विशाखा भौमः ७।११
चन्द्रदर्शनम्
जिल्काद ११
भ. ३७।२५ उ. अनु. बुधः ३।३४
भ. ९।२१ या.
वक्री रोहिणी ४शनिः ५७।५
पू.षा. ३गुरुः ४९३३ चंपा ६
भ. १३/५ उ. ४/१४ या. बृश्चिकेशुक्रः २७/४६
दृश्यो मूले धनुष्यऽर्कः १६/१५ (सौरः ३१/५३)
भ. ३/२ उ. ५६/५५ या. अनु. शुक्रः १५/२ मोक्षदाA
A११ब्र. स्नातां. गीता जयंती
मोक्षदा ११ ब्र. वै.
प्रदोषः
भ. ३१।३९ उ. ५६।४२ या.
वृश्चिकेभौमः ५७।२९. दत्तजयन्ती

३५ पं.मा.शु.२बृ.इ. १३/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	६	१	८	७
२१	२०	२	१८	२२	२३	२५	२१
४८	४३	४९	४५	१४	४५	३	३०
५८	५९	२३	३६	६	२५	५३	५२
६०	३९	३६/४०	१३	७३	४०/४८	३	६१
५६	५३	मा	२	१४	ब	११	११

गोचरग्रहाः

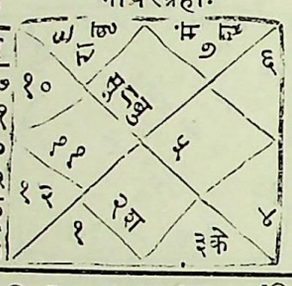

मा.शु. ९ शुक्ले
धनुष्यर्कः प्र.वा.
३न.४ युवावस्था
(नृतीं) मु. ३०
धान्यादि भावे
समता शुक्रो.पू.

गोचरग्रहाः

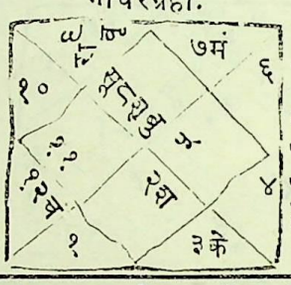

३६पं.मा.शु.८बृ.इ. १३/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	७	१	८	७
२८	२५	७	२०	०	२३	२४	२८
५५	२६	३५	१८	५३	९	४१	३९
५२	४२	५३	३२	२	२५	३७	३५
६१	३९	५७	१३	७३	४०/४८	३	६१
०	५०	२७	१८	२०	बृ	११	१९

ति. पौष कृष्णपक्षः सं० २०२९ शाकः १८९४ दि. उ. अ. ई. रा. मु. चन्द्रः हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृ.महाराष्ट्राः

१	शु	१२	४८	आ	२०	५१	व	४८	२८	कौ	१२	४८	२५/३६	५३/५३	५७	२१	३०	१४	मिथुने
२	शु	४	५१	पु	१४	५०	ऐं	३९	३२	ग	४	५१	३६	५३	७	२२	१	१५	क १।२०
३	शु	५३	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१६	०
४	श	५३	२८	पु	१०	१७	वै	३२	१	ब	२५	४०	३६	५३	७	२३	२	१७	कर्के
५	र	५०	४२	श्ले	८	३७	वि	२५	५६	कौ	२२	५	३७	५३	७	२४	३	१८	सिंह।३७
६	चं	१०	३७	म	७	७	प्री	२१	३३	ग	२०	३९	७	५३	७	२५	४	१९	सिंहे
७	मं	५२	७	पू	८	४३	आ	१९	१	वि	२१	२२	३७	५३	७	२६	५	२०	क २४।३६
८	बु	५५	३४	उ	१२	१६	सौ	१८	११	ब्रा	२३	५१	३८	५२	८	२७	६	२१	कन्या
९	गु	६०	०	ह	१७	२५	शो	१८	२२	तै	२७	४७	३८	५२	८	२८	७	२२	तु. ५०।३७
९	शु	०	२५	चि	२३	४९	अ	१९	३८	ग	०	२५	३९	५२	८	२९	८	२३	तुलायां
१०	श	३	४४	स्वा	३१	१३	सु	२१	४७	वि	६	४४	४०	५२	८	३०	९	२४	तुलायां
११	र	१३	८	वि	३८	५६	धृ	२४	२	ब्रा	१३	८	४०	५२	८	३१	१०	२५	बृ. २२।०
१२	चं	१९	५३	अ	४६	३७	शू	२६	२५	तै	१९	५३	४१	५२	८	१	११	२६	बृश्चिके
१३	मं	२६	१४	ज्ये	५३	४८	गं	२८	३४	व	२६	१४	४२	५२	८	२	१२	२७	ध. ५३।४८
१४	बु	३१	५०	मू	६०	०	वृ	३०	१९	श	३१	५०	४३	५१	९	३	१३	२८	धनुषि
३०	गु	३६	४८	मू	०	३२	ध्रु	३१	१३	च	४	१९	४४	५१	९	४	१४	२९	धनुषि

ज्येष्ठायां बुधः ४३।३२
भ. ३१/२१ उ. ५७/५२ या. रा पौषारंभः
चतुर्थी ब्र.
भ. ५०३७ उ. अनु. भौमः ५०।४८
भ. २१।२२ या ज्येष्ठा. शुक्रः ४८।५७
पू.षा. ४ गुरुः २४।३१
दृश्यः पूषायांरविः २१।११ (सौरः ३३/३१)
भ. ३३/३४ उ. अस्तं गुरोः ५७/३६ अ. गु.
भ. ६।४४ या.
मूले धनु. बुधः ११।३१ सफला १ १ब्र.
प्रदोषः जनवरी १ता. ३१सन् १९७३
भ. २६।१४ उ. ५९।२ या.

१३७पं.पौ कृ.१बृ.इ. १३/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	८	७	१	८	८
६	०	१६	२१	९	२२	२४	५
३	१०	०	५३	३८	३१	१९	४९
२९	१९	४७	५३	४२	७	२२	०
६१	३९	७७	१३	७३	२८/४८	३	६१
४	५३	४	२५	३२	ब	११	२२

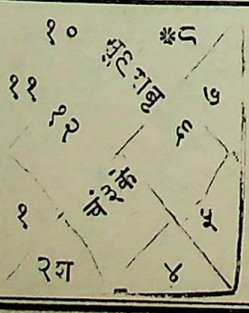

२८पं.पौ.कृ.९बृ.इ. १२/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	८	७	१	८	८
१३	४	२५	२३	१८	२२	२३	१२
११	५५	४२	३०	२३	३	५७	५८
३१	१	२९	५४	६	५०	६	५२
६१	४०	८६	१३	७३	४	३	६१
६	८	२९	३२	४४	७	११	२६

३९पं.पौ.शु.१५बृ.इ. १२/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	८	७	१	८	८
३०	९	६	२५	२७	२१	२३	२०
१९	४०	०	८	७	३४	३४	८
२६	२६	२०	२४	१४	४१	५१	४९
६१	४०	८२	१३	७३	४८	३	६१
६	८	८	३८	५२	ब	११	२६

* बु.मं.शु.

+ बु.मं.शु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| पौष शुक्लपक्षः सं० २०२६ शाकः १८६४ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ६८५०स१६७३

१	शु	४०	४२	पू	६	१	व्या	३१	२४	क्रं	८	४५	२५/४६	५६/१	५/६	५	१५	२६	म.२२।१२
२	श	४३	३७	उ	१०	४५	ह	३०	५५	ब्रा	१२	६	४७	५१	६	६	१६	३०	मकरे
३	र	४५	३४	अ	१४	२२	व	२६	३४	तै	१६	३६	४६	५०	१०	७	१७	१	कु.४५।४७
४	चं	४६	१८	ध	१७	१२	सि	२७	१४	व	१५	५६	५१	५०	१०	८	१८	२	कुम्भे
५	मं	४५	५२	श	१८	४४	व्य	२४	२५	ब	१६	५	५२	५०	१०	६	१६	३	कुम्भे
६	बु	४४	२८	पू	१६	१८	व	२०	४०	कौ	१४	५५	५४	४६	११	१०	२०	४	मी४।१०
७	गु	४२	२	उ	१६	०	प	१५	५४	ग	१३	१५	५६	४६	११	११	२१	५	मीने
८	शु	३८	२५	रे	१७	८	शि	१०	१४	वि	१०	१३	५८	४८	१२	१२	२२	६	मे. १७।८
६	श	३३	५५	अ	१४	३५	सि	४६/३	५२/३८	बा	६	१०	२६/१	४८	१२	१३	२३	७	मेषे
१०	र	२८	८	भ	१०	५३	शु	४८	५६	तै	१	३१	३	४७	१३	१४	२४	८	वृ. २४।४४
११	चं	२१	२६	कृ	६	१६	शु	३६	२४	वि	२१	२६	५	४७	१३	१५	२५	६	बृषे
१२	मं	१४	३	रो	४०	४५/३	न	२६	५५	बा	१४	३	८	४६	१४	१६	२६	१०	मि २१।३२
१३	बु	५	५५	आ	४८	८	ऐं	२०	७	तै	५	५५	१०	४६	१४	१७	२७	११	मिथुने
१४	बु	५२	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०
१५	गु	५०	१०	पु	४२	१६	वै	११	२६	वि	२४	६	१२	४६	१४	१८	२८	१२	क. २८।४६

×बुधः ४०।४६ चन्द्रदर्शनम्
मूले धनुषि शुक्रः ३३।१ पूर्वास्तं ×
जिल्हेज १२
भ.५६/१५ उ.१६/४६ या.पूषा.३राहुःपुन.१के.५३/५७
पूषा. बुधः ७।३२
दृ.उषा.रविः२५/५५ (सौरः३४/५८, उषा.१गु.४२/०
भ. ४२।२ उ.
भ. १०।१३ या.
दृश्यः मकरेऽर्कः ४२/१६ (सौरः५०।२३)
भ. ५४।४८उ. ज्येष्ठायां भौमः२६।५८
भ. २१।२६ या. पुत्रदा ११ ब्र.
प्रदोषः
भ.५८।६उ. उषायां बुधः ३५।३७*
*पूषायां शुक्रः ८।१७
भ.२४।६या. माघ स्ना. प्रारम्भः

४०पं.पौ.शु.७बृ.इ.४४/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	८	८	१	८	८
२७	१४	१६	२६	५	२१	२३	२७
२७	२७	४३	४६	५३	८	१२	१८
४०	५८	४८	५९	४६	६	३५	४१
६१	४०	९७	१३	७३	१/६	३	६१
६	१०	४०	३८	५६	ब	११	२४

गोचरग्रहाः

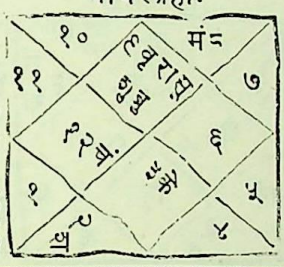

पौ. शु. ६ शनौ मकरेऽर्कः प्र.वा. २ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५धान्यादि भावे महर्घता शु. पू.

गोचरग्रहाः

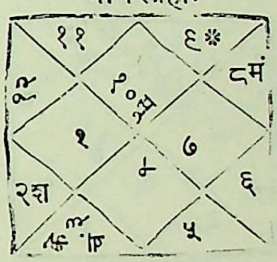

४१पं.पौ.शु.१५बृ.इ.१२/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	८	८	१	८	९
४	१९	२७	२८	१४	२०	२२	४
३५	१६	४२	२५	३९	४५	५०	२८
३१	३४	५०	२३	२९	५०	१९	१०
६१	४०	०/०	१३	७४	२/३७	३	६१
३	८	४/१	३६	२	ब	११	१९

ति.| माघ कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८६४ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तुः रविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्रः

१	शु	४३	३१	पु	३७	२५	वि	२६/१	५१/४४	बा	१६	५०	२६/१५	६/४५	१५/६	१९	२६	१३	कर्के
२	श	३८	२	ले	३३	३८	आ	४६	७	तै	१०	४६	१७	४५	१५	२०	३०	१४	सि ३३।३८
३	र	३४	१६	म	३२	४६	सौ	४०	२७	व	६	११	२०	४४	१६	२१	१	१५	सिंहे
४	चं	३२	४८	पू	३१	३२	शो	२६	३२	ब	३	३३	२२	४४	१६	२२	२	१६	क.४७।१
५	मं	३३	२	उ	३३	२८	अ	३४	१६	कौ	२	५५	२५	४३	१७	२३	३	१७	कन्यायां
६	बु	३५	४३	ह	३७	२२	सु	३३	२६	ग	४	२२	२७	४३	१७	२४	४	१८	कन्यायां
७	गु	४०	५	चि	४२	५६	धृ	३३	४८	वि	७	५४	३०	४२	१८	२५	५	१६	तु.१०।१०
८	शु	४५	४६	स्वा	४६	४७	शू	३५	२१	बा	१२	५७	३३	४१	१६	२६	६	२०	तुलायां
६	श	५१	५५	वि	५७	२१	गं	३७	१६	तै	१८	५२	३६	४१	१६	२७	७	२१	बृ. ४०।२७
१०	र	५७	३५	अ	६०	०	वृ	३६	४०	व	२४	४५	३६	४०	२०	२८	८	२२	वृश्चिके
११	चं	६०	०	अ	४	५७	धु	४२	०	ब	२८	४७	४२	४०	२०	२९	६	२३	बृश्चिके
११	मं	४	५३	ज्ये	१२	१६	व्या	४३	४१	बा	४	५३	४६	३६	२१	३०	१०	२४	ध. १२।१६
१२	बु	१०	३७	मू	१८	२६	ह	४४	४१	तै	१०	३७	४६	३८	२२	३१	११	२५	धनुषि
१३	गु	१५	११	पू	२४	२६	व	४४	४३	व	१५	११	५२	३८	२२	१	१२	२६	म.४०।३३
१४	शु	१८	२६	उ	२८	५५	सि	४३	५०	श	१८	२६	५५	३७	२३	२	१३	२७	मकरे
३०	श	२०	२६	श्र	३१	४८	व्य	४२	१	ना	२०	२६	५६	३६	२४	३	१४	२८	मकरे

मकरे बुधः ३३।३८
दृ.अभि.प्र. रविः १५/४ (सौरः२१।४५)
भ.६।११उ.३४।१६या. रा.माघारंभः
चतुर्थी ब्र.
दृश्यःश्रवणे रविः३१/३७ (सौरः३७।४२)
भ.३४/३५उ.दृ.अभि.नि.रविः२३/५६ सौ.२९/५८ ÷
भ.५४/७या.श्रवणेबुधः२८/१६उदयंगुरौ३६/३६*
÷उषा.२मकरेगुरुः५७/५८ *उ.गु.
उषायां शुक्रः ५.०।२०
भ. २४।४५ उ. ५८।३५ या.
षट्तिला ११ ब्र. स्मा.
मकरे शुक्रः २६/४४ षट्तिला ११ ब्र. वै.
प्रदोषः
फर्वरी २ ता. २८
भ.१२/१८उ. ४६/२९या. धनिष्ठा. बुधः २०/५३+
+धनुषि भौमः ४६।३४

४२पं.मा.कृ.७बृ.इ.१२/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	९	८	१	८	९
११	२४	९	०	२३	२०	२२	११
४२	६	२३	३	२५	२८	२८	२७
५८	७	७	१८	२६	३७	४	१
६०	४०	०/०	१३	७४	२/५	३	६१
५९	५	५९/३२	५	ब	११	१३	

गोचरग्रहाः

इस मासमें घृत तिल तेल रुईपाट वारदाना सोना चांदी धान्य अलसी सरसो तेज सर्दी का प्रकोप हो।

गोचरग्रहाः

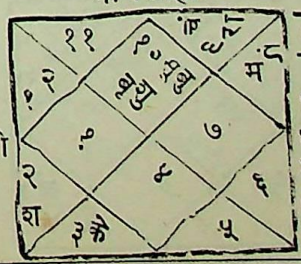

४३पं.मा.कृ.१३वृ.इ.१२/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	९	९	१	८	९
१८	२८	२१	१	२	२०	२२	१८
४९	५७	१८	३९	११	१६	५	४५
२६	२५	४७	३६	२०	१९	४८	२
६०	४०	०/०	१३	७४	२/२	३	६१
५६	५	९/३	२२	१४	ब	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्) * रा. बु. बृ. शु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्लपक्षः सं० २०२९ शाकः १८९४ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ६८८०स. १९७३

१	र	२१	७	ध	३३	३३	व	३९	९	व	२१	७	२७	६	५४	४	१५	२९	कु. २।४०
२	चं	२०	३६	श	३४	१३	प	३५	२०	कौ	२०	३६	६	३५	२५	५	१६	१	कुम्भे
३	मं	१९	२	पू	३३	५५	शि	३०	४०	ग	१९	२	९	३४	२६	६	१७	२	मी १९।०
४	बु	१६	४०	उ	३२	५४	सि	२५	३५	वि	१६	४०	१३	३३	२७	७	१८	३	मीने
५	गु	१३	३४	रे	३१	१७	सा	२०	३	वा	१३	३४	१६	३३	२७	८	१९	४	मे. ३१।१७
६	शु	९	५१	अ	२९	४	शु	१३	५३	तै	९	५१	२०	३२	२८	९	२०	५	मेषे
७	श	५	४४	भ	२६	९	शु	७	२१	व	५	४४	२४	३१	२९	१०	२१	६	वृ. ४०।३७
८	र	१	१	कृ	२३	०	त्र	२२	५२ ५७	ब	१	१	२७	३१	२९	११	२२	७	बृषे
९	र	५४	३०	८	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	चं	५०	४	रो	१९	१६	वै	४५	१६	तै	२२	५७	३१	३०	३०	१२	२३	८	मि ४७।११
११	मं	४४	५	मृ	१५	५	वि	३६	५९	व	१७	४	३५	२९	३१	१३	२४	९	मिथुने
१२	बु	३८	२८	आ	१०	५९	प्री	२९	५	व	११	१६	३८	२८	३२	१४	२५	१०	क. ५२।२२
१३	गु	३१	४१	पु	६	९	आ	२१	१	कौ	५	४	४२	२८	३२	१५	२६	११	कर्के
१४	शु	२६	१९	पु	२ १०	५६ ४५	सौ	१३	३२	व	२६	१९	४६	२७	३३	१६	२७	१२	सिं ५८।५५
१५	श	२१	६	म	५६	३५	शो	६	३६	ब	२१	६	५०	२६	३४	१७	२८	१३	सिंहे

दृश्यः कुंभेऽर्कः १५/३ (सौरः १७।३०)
भ. १७।४उ. ४४।५या. मार्गी शनिः÷
बुधोदयः पश्चिमायाँ ४०।५९
प्रदोषः ÷३५/३० जया ११ ब्र.
भ. २६।१९ उ. ५३।४२ या.
पूभा. बुधः १७।२७ मा. स्ना. पूर्तिः

चन्द्रदर्शनम् *मोहोरम १स. १३९३हि.
दृश्यो धनिष्ठा. रविः ३९/४८ (सौरः ४३/३३)*
भ. ५२।५१उ. कुम्भे बुधः १९।४०
भ. १६।४०या. श्रवणे शुक्रः २७।१६
उषा. ३गुरुः ३५/४९पा स्प. ३७/० मोक्षः ४९/२४×
शते बुधः ५८।३० ×वसन्त ५

४४पं. मा. शु. ५ वृ. इ. १३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	९	९	१	८	९
२५	३	३	३	१०	२०	२१	२५
१५	४९	२७	१५	५६	९	४३	५१
१६	५	१३	०	७६	४७	३३	४९
३०	४०	०/०	१३	७४	०/३३	३	६०
४७	११	४९	१४	२०	ब	११	५५

गोचरग्रहाः

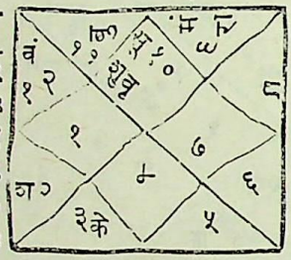

मा. शु. १० चंद्रे कुंभेऽर्कः प्र. वा. ३ नं ३ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

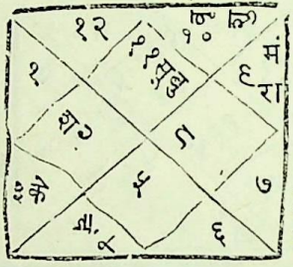

४५पं. मा. शु. १२ वृ. इ. १३/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	९	९	१	८	१०
३	८	१६	४	१९	२०	२१	२
०	४१	२३	४८	४१	८	२१	५७
४	२८	४२	४०	१३	६	१७	५२
६०	४०	०/०	१२	७४	१०/०	३	६०
३७	८	३१/३१	५५	२३	मा	११	४२

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०२९ शाकः १८९४ दि. | उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तौ रविरुत्तरे माघकृष्णेति महाराष्ट्राः

१	र	१७	३९	पू	५६	०	अ	४७	५५ २६	कौ	१७	३९	२७ ५४	६ २५	५ ३५	१८	२९	१४	सिंहे
२	चं	१५	५२	उ	५६	५६	ध	५२	५९	ग	१५	५२	५८	२४	३६	१९	३०	१५	क. ११।१४
३	मं	१५	३४	ह	५९	५२	शु	५१	३७	वि	१५	३४	२९/३	२४	३६	२०	१	१६	कन्यायां
४	बु	१७	२०	चि	६०	०	गं	५०	५२	बा	१७	२०	७	२३	३७	२१	२	१७	तु. ÷ २।२०
५	गु	२०	४६	चि	४	४७	बृ	५१	४६	तै	२०	४६	१०	२२	३८	२२	३	१८	तुलायां
६	शु	२६	७	स्वा	१०	३१	धुं	५३	१८	व	२६	७	१४	२१	३९	२३	४	१९	तुलायाँ
७	श	३१	५६	वि	१७	२९	व्या	५५	२९	व	३१	५६	१८	२०	४०	२४	५	२०	वृ. ०।४५
८	र	३८	२०	अ	२४	५६	ह	५७	५३	बा	५	८	२२	२०	४०	२५	६	२१	बृश्चिके
९	चं	४४	३९	ज्ये	३३	१९	व	५९	५६	तै	११	२९	२६	१९	४१	२६	७	२२	ध. २३।१९
१०	मं	५०	२५	मू	३९	२७	सि	६०	०	व	१६	३२	३०	१८	४२	२७	८	२३	धनुषि
११	बु	५५	३४	पू	४५	१७	सि	१	१७	ब	२२	५७	३४	१७	४३	२८	९	२४	धनुषि
१२	गु	५८	७	उ	४९	४१	व्य	१	३९	कौ	२६	५१	३८	१६	४४	१	१०	२५	म. १।२३
१३	शु	५९	४२	थ	५२	३५	व	५९ ६	५७ ५३	ग	२८	५४	४२	१६	४४	२	११	२६	मकरे
१४	श	५९	२९	ध	५३	५१	शि	५५	३४	वि	२९	३५	४६	१५	४५	३	१२	२७	कु. २३।१३
२०	र	५७	४२	श	५३	४३	सि	५९	२	च	२८	३५	५०	१४	४६	४	१३	२८	कुम्भे

दृश्यः शतेरविः ५१/२४ (सौरः ५३/५२) धनिष्ठा *
भ. ४५।४३ उ. *शुक्रः ९।४६
भ. १५/३४ या. च. ब्र. रा फाल्गुनारंभः पा. स्प. ÷
पूषायां भौमः ५१।५
÷४७।४७ मोक्षः ५९।५०
भ. २६/७ उ ५९/६ या. मीनेबुधः ५४/१ कुंभेशुक्रः +
+२८।४१ उषा. ४ गुरुः ४९।३६
शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ८।२४ शु. अ. पू.

भ. १६/३२ उ. ५०/२५ याः. उभायां बुधः ३।३२
शते शुक्रः ४८।३५ विजया. ११ ब्र.
मार्च ३ ता. ३१ ≡वक्री बुधः ७।५४
भ. ५९।४२ उ. प्रदोषः
भ. २९।२५. या. महाशिवरात्री ब्र.
दृश्यः पूभायां रविः २७/२९ (सौरः ७।३९)≡

४६पं. फा. कृ. ५ बृ. इ. १३/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१२	९	९	१	८	१०
१०	१३	२७	६	२८	२०	२०	१०
३	३५	३७	१९	२६	१२	५९	२
३२	२	३०	५९	४६	५८	१	२५
६०	४०	८४	१०	७४	१	३	६०
२५	११	५३	२९	२६	१	११	३१

गोचरग्रहाः

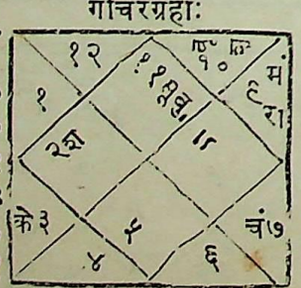

कुंभेराशौ स्थिते शुक्रे सुभिक्षंप्रचुरं जलम्। भवत्यत्र न सन्देहो लोकाः सर्वे निरामयः।

गोचरग्रहाः

४७पं. फा. कृ. १२ बृ. इ. १३/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	११	९	१०	१	८	१०
१७	१८	४	७	७	२०	२०	१७
५	२९	१९	४८	११	२२	३६	५
४६	४६	२६	४	२०	३७	४६	१४
६०	४०	२७	१२	७४	१	३	६०
१२	३	२२	११	२६	४७	११	२०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०२९ शाकः १८९४ दि. उ. अ इं. रा. मु. चंद्रः वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६९०९स.१९७३

१	चं	५४	३७	पू	५२	१६	सा	४५	४१	कं	२६	९	२६	५४	१३	४७	५	१४	२९	मी	३७	३८	
२	मं	५०	४१	उ	४९	५६	शु	३९	२५	ना	२२	९	२६	५८	१२	४८	६	१५	३०	मीने			
३	बु	४५	५६	रे	४६	४५	शु	३२	३२	तै	१७	८	२९	३	१२	४८	७	१६	१	मे.	४६	४५	
४	शु	४०	४९	अ	४३	२८	व्र	२५	१९	व	१३	२२	६	११	४९	८	१७	२	मेषे				
५	शु	३५	४२	भ	३९	५९	ऐं	१८	१६	व	८	१५	१०	१०	५०	९	१८	३	वृ.	५४	१६		
६	श	३०	१८	कृ	३६	२८	वै	११	१	की	३	०	१४	९	५१	१०	१९	४	वृषे				
७	र	२५	५	रा	३३	६	वि	३१	५३	व	२५	५	१९	८	५२	११	२०	५	वृषे				
८	चं	२०	९	रु	२९	५३	आ	४९	३८	ब	२०	९	२३	७	५३	१२	२१	६	मि	१	३०		
९	मं	१५	४	आ	२७	६	सौ	४२	४३	की	१५	४	२७	७	५३	१३	२२	७	मिथुने				
१०	बु	१०	२०	पु	२४	४	शो	३६	१७	ग	१०	२०	३२	६	५४	१४	२३	८	क.	९	५०		
११	गु	५	१०	पु	२१	२६	अ	३०	९	वि	५	१०	३६	५	५५	१५	२४	९	कर्के				
१२	शु	२	०	श्ले	१९	३५	सु	२४	३१	चा	२	०	४०	४	५६	१६	२५	१०	सिं	१९	३५		
१३	शु	५६	४०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०				
१४	श	५६	२७	म	१८	२३	धृ	१९	३१	ग	२७	३४	४४	३	५६	१७	२६	११	सिंहे				
१५	र	५५	१	पू	१८	१६	शू	१५	२३	वि	२५	४४	४९	२	५८	१८	२७	१२	क.	३३	३३		

बुधास्तः पश्चिमायाँ ३१/६ चंद्रद.फुलरियाः सफर २
भ.१३।२२उ.४०।४९ या.
वक्री पूभायां बुधः १९।१
*पूषा.२राहुः आर्द्रा.४केतुः ४/५ होलाष्टक
भ २५।५उ.५२।३७या.पूभायांशुक्रः ३१/४
उषायां भौमः ४/५ श्रवणा. १गुरुः ६।१८*
वक्री कुम्भे बुधः ३९।२३
भ.३७।४५उ.दृश्योमीनेऽर्कः ५/६ सौरः ७/९
भ ५।१०या.आमलकी ११ब्र.
प्रदोषः
+सौरः२८।३५ मकरेभौमः ४४।२४
भ.५६।२७उ.दृश्य उभायां रविः ३९/३०+
भ.२५।१४ या. होलिका दहनम्

४८प.फा.शु.४ बृ.इ.१४।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	११	९	११	१	८	१०
२४	२३	४	९	१५	२०	२०	२४
६	२४	१	१३	५५	३७	१४	६
२९	११	४८	८	३०	४१	३०	३७
५९	४०	३८/४०	१९	७४	२	३	६०
५८	२	ब	३४	३०	२२	११	६

गोचरग्रहाः

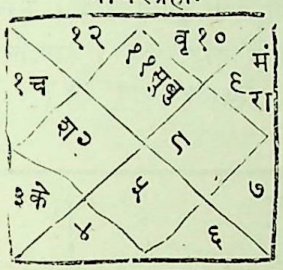

फा. शु. १० बुधे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु ४५ धान्यादिभावे समर्धता शु. पूर्व.

गोचरग्रहाः

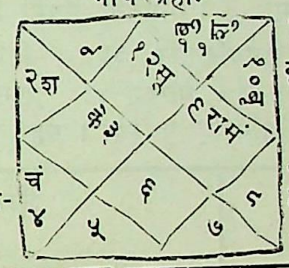

४९पं फा.शु.११बृ.इ.१४/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	९	१०	१	८	११
१	२८	२८	१०	२४	२०	१९	१
५	२१	२२	३४	२८	५७	५२	६
४२	१८	१२	३०	१३	४३	१५	१९
५९	३९	६३	११	७४	३	३	५९
४१	५०	ब	०	३२	२	११	४९

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४ दि, उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः वसंतर्तू रविरुत्तरेफाल्गुन कृ.महाराष्ट्राः

१	चं	५५	७	उ	१९	२५	ग	१२	१४	चा	२४	३४	२९/३३	६	५९/५९	१९	२८	१३	कन्यायां				
२	मं	५६	५५	ह	२२	३	धृ	९	४१	तै	२६	१	५७	१	५९	२०	२९	१४	तु.	५३	१५९		
३	बु	६०	०	चि	२५	५६	शु	९	३१	व	२८	२८	३०/३१	६	०/८	२१	३०	१५	तुलायां				
३	गु	०	३	खा	३१	३६	व्या	९	५८	वि	०	३	६	५९/५९	१	२२	१	१६	तुलायां				
४	शु	४	५१	वि	३८	०	ह	११	१४	ग्रा	४	५१	१०	५८	२	२३	२	१७	वृ.	२१	२४		
५	श	१०	७	अ	४५	२६	व	१३	४	तै	१०	७	१४	५७	३	२४	३	१८	बृश्चिके				
६	र	१६	४२	ज्ये	५२	५९	सि	१५	२६	व	१६	४२	१८	५६	४	२५	४	१९	ध.	५२	१५९		
७	चं	२३	७	मू	६०	०	व्य	१७	४६	ब	२३	७	२३	५५	५	२६	५	२०	धनुषि				
८	मं	२८	५५	मू	०	२३	व	१९	४३	की	२८	५५	२७	५५	५	७	६	२१	धनुषि				
९	बु	३४	२७	पू	६	५५	प	२०	५६	तै	१	४०	३१	५४	६	२८	७	२२	म.	२३	११		
१०	गु	३७	२२	उ	११	५९	शि	२०	४६	व	५	५५	३५	५३	७	२९	८	२३	मकरे				
११	शु	३९	११	श्र	१५	५२	सि	१९	२४	ब	८	१७	३९	५२	८	३०	९	२४	कु.	४६	१४२		
१२	श	३८	५९	ध	१७	३३	सा	१६	३४	की	९	५	४४	५१	९	३१	१०	२५	कुम्भे				
१३	र	३६	५०	श	१६	२९	शु	१२	१४	ग	७	५५	४८	५०	१०	१	११	२६	कुम्भे				
१४	चं	३३	४	पू	१५	४१	शु	२९	५३/८	वि	४	५७	५२	५०	१०	२	१२	२७	मी.	१	८		
३०	मं	२७	४९	उ	१२	२८	ऐं	५१	३७	च	०	२६	५६	४९	११	३	१३	२८	मोने				

मीने शुक्र.३३।४२ वसंत १ छारेंडी
बुधोदयः पूर्वस्यां ५६।५
भ. २८।२८ उ.
रा चैत्रारम्भः ०।३या. उभायां शुक्रः×
×१४।४२ च.ब्र.
भ.१६।४२उ.४९।५५ या.
शीतला पूजनम्
+श्रवण २गुरुः५८।२पापमोचनी११ब्र.
भ.५।५५ उ.३७/२२या मार्गी बुधः२३।२९
दृश्यो रेवत्यांरविः५/७ (सौरः५६।३,+
श्रवणे भौमः ५३।१४
भ.३६।५०उ.प्रदोषः अप्रेल४ ता.३०
भ.४।५७या.रेवत्यां शुक्रः १।४२
मन्वादि

५०पं. चै.कृ.३बृ.इ १४.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	९	११	१	८	११
८	३	२२	१९	३	२१	१९	८
३	१८	५८	५१	२०	२३	२९	४
१८	१४	१९	२५	१०	१३	५९	१४
५९	३९	३४/४४	१०	७४	२	३	५९
२९	५०	ब	१७	३२	४२	११	३५

गोचरग्रहाः

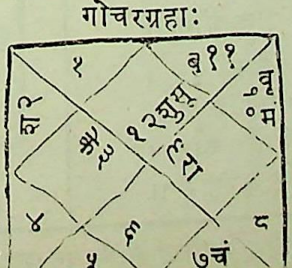

इस मासका फल साधारण है। बालकों में चेचक रोग फैले अनाज गल्ला रुई पाट घृत तेल गुड़में मंदी होकर तेजी हो।

गोचरग्रहाः

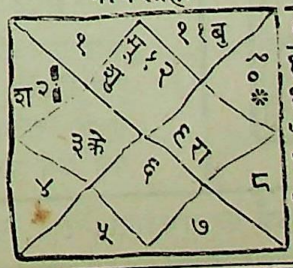

५१पं.चै.कृ.१०बृ.इ.१५/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	९	११	१	८	११
१४	८	२५	१३	१२	२१	१९	१५
५९	१४	५७	३	१	५३	७	०
१३	५६	२२	३६	५५	३८	४३	१९
५९	३९	४०/४४	९	७४	२/३	३	५५
१६	५३	ब	३४	३२	ब	११	१८

*चं.मं.वृ.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७४ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७४ भौग्यकलिः ४२६९२६ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३० शाकः १८९५ वर्षेऽस्मिन्राजा बुधः । मंत्री शुक्रः । सस्येशः चंद्रः । धान्येशःशनिः । मेघेशो गुरुः । रसेशोभौमः । नीरसेशोरविः । फलेशोगुरुः । धनेशोरविः । दुर्गेशो-गुरुः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां २० क्षय नाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ६।९।१।२६ भोग्यमासादिः ५।२०।५८।३४ भगदैवतंयुगम् वर्षनाम श्रावणः मेघ नाम संवर्तः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकार गृहे । समय विश्वा २० । स्तम्भाः ४ अन्नजल-तृणवायूनाम । सोमवत्यमाः १ । सोमवती पंचमी ३ । अङ्गारकी चतुर्थी ३ । बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी २ समय मुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १७ । तिथि वृद्धिः ११ । उत्पत्ति विश्वा १०५ । खपति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा ७ । धान्यम् ५. तृणम् ७. शीतम् १७. तेजः ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ । ऐक्यम् ९५ शनिदृष्टिः पूर्वस्यां । ग्रहणम् १ चन्द्रमस ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ५।४

भैरव–भवानी सम्वाद

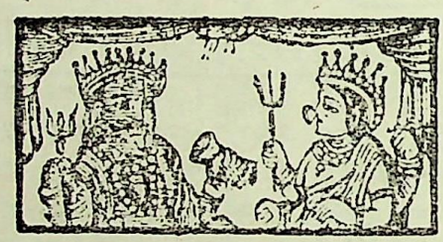

भैरव प्रश्न

श्री अम्बे मातेश्वरी भैरव पूछे तोय ।
विक्रम संवत् तीस का हाल सुनादो मोय ॥

भवानी उत्तर

चंद्र तनय राजा हुये मंत्री भृगु महाराज ।
कलानाथ सस्येश हैं सारें जग का काज ॥
रोहिणी बसी समुद्र में संवत् मालाकार ।
मेघपति गुरुदेव है वर्षे उत्तम धार ॥
आषाढां हल जोत हो जग में हो सुख चैन ।
मोर पपीहा मस्त हो बोलें मीठे बैन ॥
कठिन मास कार्तिक हुवा जन हानि का योग ।
चीन आदि कुरु देश में युद्ध रोग दुःख भोग ॥
अन्न तृण की कमती नहीं संवत् सातों तूर ।
रस में होवे गड़बड़ी रस का मालिक क्रूर ॥
संवत् विश्वा बीस है स्तभ लगे हैं चोर ।
धर्म कर्म पर डट रहो भली करे करतर ॥

सं.२०३०मार्ग.शुक्ले १५चन्द्रे खंडग्रासं ग्रस्तास्तंचंद्रग्रहणम्

		स्प.	म	मो.		
उज्ज.	घ.	०	१	३		
मध्यम.	पल	१४	५८	४२		
रेल्वे	घं.	६	७	७		
टाइम	मि	३३	१४	५६		

वर्षेश लग्नम् ५।२८

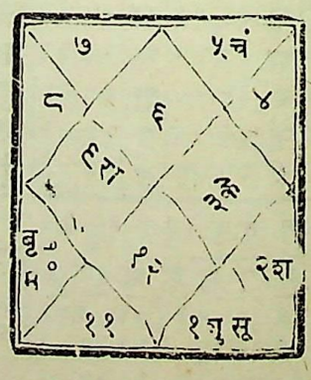

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।११।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२८।३

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ॥ बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं, गृहे गृहे तूर्य विवाह मंगलम् । प्रकुर्वंत दान दयां जनोऽपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ॥ मन्त्री शुक्रस्तत्फलम् भृगु सुते ननु मन्त्रि पदं गते शलभ मूषक रौहिषः । भवति धान्य समर्घतया भयं जन पदेषु जलं सारतोऽधिकम् ॥ सस्येशश्चन्द्रः फलम् । सस्याधिपे शीत करे प्रजासुखं मेघः पयो मुंचति गोप गोधुक् । देव द्विजा राघव तत्परा नृपान्धरा भवेत् धान्य धनौघ पूर्णा । धान्येशः शनिः फलम् ॥ निर्धनाः क्षिति भुजो रणादराः सस्य मल्य मति रोगिणो नराः । नैव वर्षति जलं सुरेश्वरः स्याघदांत्यकः शनैश्चरः ॥ मेघेशो गुरुः फलम् ॥ गुरु रपि प्रिय वृष्टि करः सदाखिलविला सवतीं धरणी तदा । श्रुति विचार परा नर पालका रस समृद्धि युता खिन्न मानवाः ॥ रसेशो भौमस्तत्फलम् ॥ यदि धरा तनयो रसयो भवेत् नर सग शियुता जनता शुभा । नरपति विषे भोजनतादोः नजलदो बहु वृष्टि करो भुवि ॥ नीरेसशो रविः फलम् ॥ नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्र चन्दनयो रपिः । रत्न माणिक्य मुक्त दिरर्घ वृद्धिः प्रजायते ॥ फलेशो गुरुः फलम् ॥ सुर गुरुः फल नायकतां गतो गत भया वन राशि महाद्रुमाः । यजनया जनकोत्सवमन्दिराः श्रुति विचार पराद्विज पूर्वकाः । धनेशो रविः फलम् ॥ द्रविणपे यदि वासर ये तदा वणिजतो बहु द्रव्य समागमः । गज तुरंगम मेष खरोष्ट्रतो धन चयंलभते क्रय विक्रयात् ॥ दुर्गेशो गुरुः फलम् ॥ सुर गुरौ गढये नय शोभिता । नरवरा नरयाः करपालिताः । गिरिषुवैनगरेषु समं सुखं सुख मति द्विज शास्त्रवेता ऽनिशम् ॥ क्षयनाम संवत्सरस्तत्फलम् ॥ कर्पास गन्ध तैलेक्षु मधु वस्य विनाशनम् । क्षीय माणाश्चापिनरा जीवन्ति क्षयवत्सरे ॥ वर्षनाम श्रावणस्तत्फलम् ॥ श्रावणाब्दे धरा भाति त्रिदशस्पर्द्धि मानवैः । धरा पुण्य फलै र्युक्ता परिपूर्णा ध्वरादिभिः । मेघानाम संवर्तस्तत्फलं ॥ संवर्ते जल पूरिता ॥ रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् समुद्रे तु महा वृष्टिः । सलय निवासो माजाकार गृहे फलम् ॥ मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ॥ एवं संचित्यदै वज्ञैः कथनीयम् शुभा शुभम् ।

सं० २०३० मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः

शु. ६ गुरौ मघा ल. गो. रे. ६।।।ऽब्धाऽरोऽाऽा गणितेनक्रांति साम्याऽभावः पादतो वेधाऽभावः आवश्यके

,, १२ रवौ हस्ते ल. अन्यगो. १०रे.८।।।।।ऽअ.ऽ।।।

,, १५ गुरौ अनु. ल.१०।१२ रे.६।।।।ऽऽअ.ऽऽ॥

ज्येष्ठ मासः

कृ. २ शनौ मूले ल.गो.१०।१२रे ७।।।।ऽऽनृ (घ.३६या.) ऽ।।।

,, १० रवौ उभा. ल. १ रे. ७ऽ।।।।ऽनृ।ऽ।।

,, ११ चन्द्रे रेव.ल.अन्मगो.१०।१२रे.६ऽ।।।ऽ।।।।ऽनृऽऽ।।

शु. ६ बुधेः मघा.ल.१२रे.६।।।ऽगु।ऽनृऽऽ।। पादवेधात् गुरोर्वेधाऽभावः ।

,, ८ शुक्रे उफा.ल. गो. १२रे.६ऽ।।।ऽऽचौ।ऽ।।मीने चं. ७पू.

,, ११ चंद्रे स्वा.ल.अन्यगो.१ रे.६।।।।।।ऽ।।।मेषे चं. ७ पू.

,, १३ बुधे अनु. ल. ११रे.८।।।।।ऽअ.ऽ।।।

आषाढ़ मासः

कृ. ८ रवौ रेव.ल अन्यगो.सोग्रांगः रे.७ऽ।।।।।ऽऽ।।

शु. ४ भौमे मघा.ल. २ (घटी५४उप.) रे.७.।।।ऽगु।।ऽऽ।।घटी ५५।२१ या. पादवेधः

शु. ६ गुरौ उफा. ल. २ रे. ८ऽऽश।।।।ऽअ.।।।।

,, ९ रवौ स्वा.ल.गो.सोग्राँगः१रे.८।।।।।ऽनृ ऽ।।मेषे-नृपपंच काऽभावःरेखा६चं.७मध्यमः

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ११ भौमे हस्ते ल.अन्यगो. ५रे.७ऽ।।।।ऽनृऽ।।।

शु. ६ भौमे उभा. ल. गो. वे १०।।।।।।।।।।

माघ मासः ।

कृ. ६ बुधे स्वा. ल. अन्यगो. रे. ६ऽ।।।।ऽअ.ऽऽ।।

चैत्र मासः

कृ. १ शनौ हस्ते ल.गो.रे.६.।।।।।।।।

,, ३ चन्द्रे स्वा. ल. गो. रे. ६।।।ऽगु।।।ऽऽऽ गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः पादवेधागुरोर्वेधाऽभावः

,, ५ बुधे अनु. ल. अन्यगो रे. ७ऽऽ।।।ऽअ.।।।।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं.२०३० शाकः १८९५ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ६९३९स.१९७३

१	बु	२१	२३	रे	७	५२	वै	४३	२०	ब	२१	२३	३१ ०	५ ४८	६ १२	४	१४	२९	मि.७।५२	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारम्भः नवरात्रारंभः
२	गु	१४	२०	अ	४९	२५	वि	३४	३९	की	१४	२०	४	४६	१३	५	१५	१	मेषे	सिंधारा. मत्स्य जयंती. रविलाबल३
३	शु	७	२२	कृ	५२	५६	प्री	२५	५०	ग	७	२२	८	४६	१४	६	१६	२	वृ.११।४४	भ.३३।४८उ. गणगौरी
४	श	०	१४	रो	४७	५३	आ	१७	३७	वि	०	१४	१२	४६	१४	७	१७	३	वृषे	भ. ०.१४ या.
५	श	५३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	९	०	०	०	
६	र	४७	३२	मृ	४३	४३	सौ	९	४७	की	२०	३५	१६	४५	१५	८	१८	४	मि१५।४८	✕३१।१७सौरः३०।३७कामदा ११व्र.
७	चं	४२	१०	आ	४०	१७	शो	१९	५३	ग	१४	५१	२०	४४	१६	९	१९	५	मिथुने	भ. ४२।१० उ.
८	मं	३७	३८	पु	३७	४३	सु	४९	१६	वि	९	५४	१४	४३	१७	१०	२०	६	क.२३।२४	भ. ९।५४या.
९	बु	३३	५२	पु	३५	५२	धृ	४३	४७	वा	५	४५	२८	४२	१८	११	२१	७	कर्के	मीने बुधः७।१रामनवमी
१०	गु	३१	१२	श्ले	३४	५८	शू	३९	१२	तै	२	३२	३२	४२	१८	१२	२२	८	सिं३४।५८	अश्वि.मेषे शुक्रः४५।२६
११	शु	२९	६	म	३५	७	गं	३५	९	व	०	९	३६	४१	१९	१३	२३	९	सिंहे	भ.०।९उ.२९।६या.इश्योऽश्वि मेषेऽर्के ✕
१२	श	२७	५७	पू	३६	८	हृ	३२	७	वा	२७	५७	४०	४०	२०	१४	२४	१०	क.५१।४०	उभायां बुधः२०।५६ प्रदोषः
१३	र	२७	५८	उ	३८	१६	ध्रु	२९	३३	तै	२७	५८	४३	३९	२१	१५	२५	११	कन्यायां	मृग. १शनिः २९।४७
१४	चं	२९	१	ह	४१	२०	व्या	२८	२३	व	२९	१	४७	३९	२१	१६	२६	१२	कन्यायां	भ. २९।१उ. ०।१२या.
१५	मं	३१	२४	चि	४५	३४	ह	२७	५३	वि	०	१२	५१	३८	२२	१७	२७	१३	तु.१३।२७	हनुमज्जयन्ती

५२पं.चै.शु.२वृ.इ.१५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	९	११	१	८	११
२१	१२	२५	१४	२०	२२	१८	२१
५३	११	०	९	४२	२३	४५	५४
३१	२	५०	५८	५८	३८	२८	३०
५९	३९	३३ ४	८	७४	४	३	५९
४	६	मा	५२	३८	५०	११	४

गोचरग्रहाः

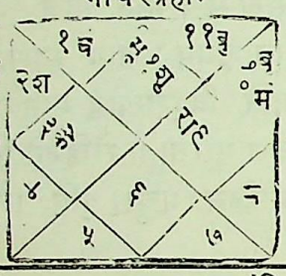

चैत्र शु ११शुक्रे मेषेऽर्कः प्र.वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु ३० धान्यादि भा.वे समता शुकास्तः पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

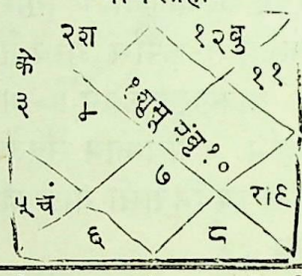

१पं.चै.शु.११शु.इ ३१।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	९	०	'	८	०
०	१९	२	१५	०	२३	१८	०
०	१	२८	२२	५७	९	१९	०
०	१६	४८	१६	४	२६	४१	३९
५८	३९	६१	७	७४	५	३५	८
४४	४०	५३	३५	४०	२१	११	४५

ति. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २० ० शाकः १८९५ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः वसतर्तु रविरुत्तरे चैत्र कृ. महाराष्ट्राः

१	बु	३४	५६	स्वा	५०	५३	व	२८	४	वा	३	१०	३१ ५५	५ ३७	६ २३	१८	२८	१४	तुलायां	
२	गु	३९	५०	वि	५७	६	सि	२९	२८	तै	७	२३	५८	३६	२४	१९	२९	१५	वृ.४०।३३	धनिष्ठा. भौमः ३४।७
३	शु	४५	३	अ	६०	०	व्य	३१	९	व	१२	२७	३३	३६	२४	२०	३०	१६	वृश्चिके	भ. १२।२७उ. ४५।३या.
४	श	५१	२०	अ	४	१९	व	३३	२५	व	१८	११	६	३५	२५	२१	१	१७	वृचिके	चतुर्थी व्र. रा. वैशाखारम्भः
५	र	५७	३०	ज्ये	११	५२	प	३५	५१	की	२४	२५	१०	३४	२६	२२	२	१८	ध.११।५२	
६	चं	६०	०	मू	१९	३३	शि	३८	२३	ग	३०	४०	१४	३३	२७	२३	३	१९	धनुषि	भरण्यां शुक्रः३१।५
६	मं	३	४९	पू	२६	५०	सि	४०	५	व	३	४९	१७	३३	२७	२४	४	२०	म.४३।२१	भ.३।४९उ. ३६।३०या. रेवत्यां बुधः*
७	बु	९	११	उ	३२	५५	सा	४१	७	व	९	११	२१	३२	२८	२५	५	२१	मकरे	*२८ २८ श्रवण. ३गुरुः २३।४३
८	गु	१३	२८	श्र	३७	५४	शु	४०	५१	की	१३	२८	२५	३१	२९	२६	६	२२	मकरे	
९	शु	१६	१	ध	४०	५३	शु	३९	१६	ग	१६	१	२९	३०	३०	२७	७	२३	कु.९।२४	भ.४६।२०उ.इश्यो भरण्यां रविः ११/३४=
१०	श	१६	३९	श	४२	७	'	३६	१	वि	१६	३९	३२	३०	३०	२८	८	२४	कुम्भे	भ. १६।३९ या.
११	र	१५	१०	पू	४१	१६	ऐं	३१	१६	वा	१५	१०	३६	२९	३१	२९	९	२५	मी२६।२९	कुम्भे भौमः १३।९ वरूथिनी ११व्र.
१२	चं	११	३८	उ	३८	२५	वै	२४	५१	तै	११	३८	१०	२८	३२	३०	१०	२६	मीने	प्रदोष =(सौरः ११।१५)
१३	मं	६	२५	रे	३४	२०	वि	१७	२	व	६	२५	४३	२७	३३	१	११	२७	मे.३४।२०	भ.६।२५उ.३२।५४या.मई५ ता.३१
१४	मं	५२	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	बु	५१	१५	अ	२८	१०	ग्री	६	४० २२	च	२५	१९	४७	२७	३३	२	१२	२८	मेषे	अश्वि मेषे बुधः३७।१९

२पं.वै. कृ.३शु.इ.३१ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	११	९	०		८	०
६	२३	११	१६	९	२३	१७	६
५०	५७	१०	१४	३	५१	५७	५०
४२	४३	५२	४३		२	५०	
५८	२९	७९	६	७	५	३	५८
२१	२३	५९	३७	२८	४५	११	२९

गोचरग्रहाः

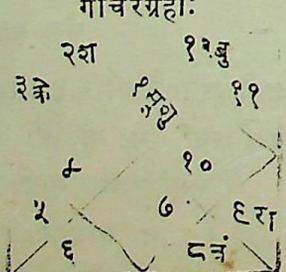

यदा मेष स्थिति भानुः फलं तूल तिलादिकम् । ईक्ष्वादि तिल तैलादे स्तदा चैव महर्घता ।।

गोचरग्रहाः

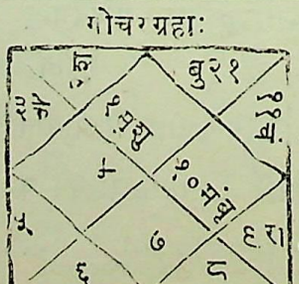

२पं.वै.कृ.९शु.इ २१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	९	०	१	८	०
१३	२८	२१	१	१८	२४	१७	१३
३५	५३	३६	०	१६	३६	३५	३९
४३	५६	५८	२५	८	३२	१०	१५
५८	३९	९७	५	७४	६	३	५८
१७	८	१०	३६	३२	१४	११	१२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं.२०३० शाकः १८९५ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः २८स.१९७३

१	शु	४२	५१	भ	२१	३०	सो	४८	२४	कि	१७	३	३३/५१	५/२६	३४/३८	३	१३	२९	वृ.३४।४७
२	शु	३३	२७	कृ	१४	३९	शो	३८	३१	बा	८	९	५४	२५	३५	४	१४	२०	बृषे
३	श	२४	४९	रा	७	५९	अ	२८	४३	ग	२४	४९	५७	२५	३५	५	१५	१	मि३४।५३
४	र	१६	५९	मृ	४९/१	५४/५२	सु	१९	३७	वि	१६	५९	३३/५	२४	३६	६	१६	२	मिथुने
५	चं	९	४९	पु	५२	४१	धृ	११	३७	वा	९	४९	४	२३	३७	७	१७	३	क.३८।४०
६	मं	४	१	पु	४९	५३	श्र	३१/४	५३/५२	तै	४	१	७	२३	३७	८	१८	४	कर्के
७	मं	५३	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५	०
८	बु	५६	३१	श्ले	४८	५१	बृ	५३	३१	वि	२८	०	१०	२२	३८	९	१९	५	सिं४८।५१
९	गु	५४	४८	म	४८	४६	धु	४९	४६	वा	२५	४०	१३	२१	३९	१०	२०	६	सिंहे
१०	शु	५४	२४	पू	४९	१०	व्या	४७	१	तै	२४	३६	१६	२१	३९	११	२१	७	सिंहे
११	श	५५	२९	उ	५२	५९	ह	५०	२३	व	२४	५७	१९	२०	४०	१२	२२	८	क.५।७
१२	र	५७	२५	ह	५६	४०	व	४१	४०	ब	२६	२७	२२	२०	४०	१३	२३	९	कन्या
१३	चं	६०	०	चि	६०	०	सि	४४	५७	की	२९	७	२५	१९	४१	१४	२४	१०	तु.२९।१४
१३	मं	०	४९	चि	१	४७	व्य	४५	२१	तै	०	४९	२८	१८	४२	१५	२५	११	तुलायां
१४	बु	४	५४	स्वा	७	२६	व	४६	४९	व	४	५४	३०	१८	४२	१६	२६	१२	वृ.५७।२९
१५	गु	१०	११	वि	१४	१०	प	४८	४५	ब	१०	११	३३	१७	४३	१७	२७	१३	वृश्चिके

*शुक्रोदयः पश्चिमायाँ ५/१२ शु.उ.प.
कृत्तिका. शुक्रः २०।३० चन्द्रदर्शनं*
भ. ५०/५४ उ. अक्षया ३ रविलाखर ४
भ. १६।५९ या.
बृषे शुक्रः १।३०
भ ५/२९ उ.शतेभौमः ३/३७ पूर्वास्तंबुधः ४/४९ ×
×पातस्पर्शः १७/१९ मोक्षः ३१/१९
भ. २८।० या. भरण्यां बुधः ४०।५
दृश्यःकृत्ति.रविः ५/२९ (सौरः५९ ५२)
÷शनि ७।३६ नृसिंह१४
भ. २४/५७ उ. ५५/२९ या. मोहिनी ११ब्र.
ℒ पुषा. १राहुः आर्द्रा.३केतुः ५/३० प्रदोषः
दृश्यो बृषेऽर्कः २४।४४ (सौरः२७।४०) ℒ
रोहिण्यां शुक्रः १२।१४ मृग २÷
भ. ५/४९ उ ३/३२ या. कृत्तिका.बुधः७।२७
बृषे बुधः ४२।१५

४पं.वै.शु.२शु.इ.३२/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	९	०	१	८	०
२०	३	३	१७	२६	२५	१७	२०
२७	४८	३२	३८	५४	२३	१२	२५
२२	५८	१०	१०	२२	४२	५४	५५
५८	३९	१०/२९	४	७४	६	३	५७
६	१५/२९	२६	३२	२८	११	५७	

गोचरग्रहाः

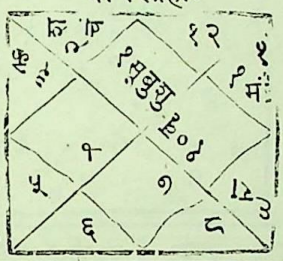

वै.शु.१३ चंद्रे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.५गताल-क्रावस्था (ऊर्भा) मु.३० धान्यादि भावेसमता शु.प.

गोचरग्रहाः

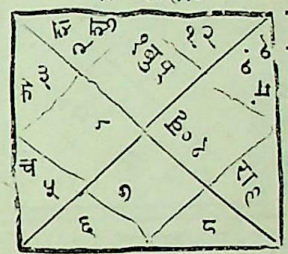

५पं.वै.शु १०शु इ ३२/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	९	१	१	८	०
२७	८	१७	१८	५	२६	१६	२७
१३	४२	१०	७	३१	१२	५०	११
३४	५५	१९	३७	५२	२५	३९	९
५७	३८	२९/१९	३	७४	६	३	५७
५४	४१	१३	९	३२	४९	११	४५

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः स २०३० शाकः १८९५ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरे वैशाख कृ.महा.

१	शु	१५	३३	अ	२१	३	शि	५१	७	की	१५	३३	३३/३६	५/१७	६/४३	१८	२८	१४	बृश्चिके
२	श	२१	४२	ज्ये	२८	३३	सि	५३	३०	ग	२१	४२	३९	१६	४४	१९	२९	१५	ध.२८।३३
३	र	२७	४७	मू	३६	३	सा	५५	५६	वि	२७	४७	४१	१६	४४	२०	३०	१६	धनुषि
४	चं	३३	५४	पू	४३	३२	शु	५८	१२	ब	०	५०	४३	१५	४५	२१	३१	१८	धनुषि
५	मं	३९	२९	उ	५०	१८	शु	५९	४३	की	६	१२	४४	१५	४५	२२	१	१७	म.०।१३
६	बु	४४	७	अ	५६	३	व्र	६०	०	ग	११	४८	४८	१४	५६	२३	२	१९	मकरे
७	गु	४७	२८	ध	६०	०	व्र	०	२९	वि	१५	४७	३०	१४	४६	२४	३	२०	कु.२८।१८
८	शु	४९	१०	ध	०	३२	ऐं	७/१३	५३/५७	ग	१८	१९	५२	१४	४६	२५	४	२१	कुम्भे
९	श	४९	१	श	३	१९	वि	५५	१५	तै	१९	५	५४	१३	४७	२६	५	२२	मी४८।४८
१०	र	४६	४७	पू	३	५७	प्री	५०	२३	व	१७	५४	५६	१३	४७	२७	६	२३	मीने
११	चं	४२	३४	उ	३	३	आ	४३	५७	ब	१४	४०	५८	१२	४८	२८	७	२४	मीने
१२	मं	२६	२७	रे	०/८	५४/५४	सो	३५	३९	की	९	३१	३४/००	१२	४८	२९	८	२५	मे.०।८
१३	बु	२८	४७	भ	४८	४०	शो	२६	४७	ग	२	३७	२	१२	४८	३०	९	२६	मेषे
१४	भु	२०	८	कृ	४१	२८	अ	१६	२१	श	२०	८	४	११	४९	३१	१०	२७	बृ.१।५२
३०	शु	९	५५	रो	३३	४१	सु	५/५८	४९/१२	ना	९	५५	६	११	४९	१	११	२८	मि५९।५६

भ. ५४।४५ उ.
भ. २७।४७ या. चतुर्थी व्र.
*४८।१९ (सौरः ५३।४९)
रोहिण्यां बुधः ५।४ रा. ज्येष्ठारंभः
भ. ४४।७ उ.
भ. १५।४७या.दृश्यो रोहिण्यां रविः*
÷अरतं शनेः११।५७ अपरा११ब्र.
मृगे शुक्रः १।५६
भ १७।५४ उ. ४६।४७ या.
मृगे बुधः २/१९ पूभायां भौमः ७।१६÷
वक्री गुरुः २।३१
भ. २८।४७उ. ५.४।२७ या. प्रदोषः
मिथुनेबुधः ४/२७ मिथुनेशुक्रश्च ३३/३३ बुधोदयः×
वटपूजनं पश्चिमायां १९/४२ जून६ता.३०

६पं.ज्ये.कृ.१शु इ. ३२/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	९	१	१	८	१
३	१३	१	१८	१४	२७	१६	३
५८	३४	४५	२८	८	३	२८	५४
२६	३७	५०	५२	२०	५०	२३	४७
५७	३८	५९	१	७४	६	३	५७
४४	१९	३५/५९	५२	२६	५९	११	३४

७पं.ज्ये.कृ.८शु.इ.३२/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	९	१	१	८	१
१०	१८	१७	१८	२२	२७	१६	१०
४२	२२	१९	४०	४३	५६	६	३६
२५	१९	५५	३४	२०	३१	८	५८
५७	३७	५९	०	७४	७	३	५७
३५	५३	१४	३७	२६	७	११	२३

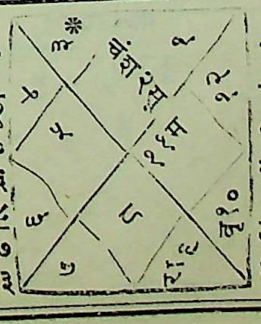

८पं.ज्ये.कृ.३०शु.इ.३२/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	९	२	१	८	१
१७	२३	१	१८	१	२८	१५	१७
२५	७	२८	४२	२०	४९	४३	१८
८	३७	३१	४०	३५	५२	५२	४
५७	३७	५९/१९	०	७४		३	५७
२७	२५	७/५१	ब	२०	१४	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *के.बु.शु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५ दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः५८स.१९७३

१	शु	५०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	५०	२०	मू	२६	१०	शु	४४	४१	बा	२५	८	३४ ७	५ १६	६ ४९	२	१२	२९	मिथुने
३	र	४१	१७	आ	१९	०	गं	३४	४०	तै	१५	४९	९	१०	५०	३	१३	१	क.५९।१३
४	चं	३३	३७	पु	१२	३७	वृ	२५	३०	व	७	२७	१०	१०	५०	४	१४	२	कर्के
५	मं	२७	१४	पु	८	१	धु	१७	४९	ना	२७	१४	१२	१०	५०	५	१५	३	कर्के
६	बु	२२	५४	श्ले	५	१	व्या	११	३०	तै	२२	५४	१३	९	५१	६	१६	४	सिं५।१
७	गु	२०	१४	म	३	४७	ह	६	४०	व	२०	१४	१४	९	५१	७	१७	५	सिंहे
८	शु	१९	२३	पू	४	२३	व	३	२१	ब	१९	२३	१६	९	५१	८	१८	६	क.२०।०
९	श	२०	३०	उ	६	५०	सि	१	२१	कौ	२०	३०	१७	९	५१	९	१९	७	कन्यायां
१०	र	२२	४९	ह	१०	४०	ल्य	०	३८	ग	२२	४९	१८	८	५२	१०	२०	८	तु.४३।१५
११	चं	२६	४४	चि	१५	५०	व	१	२४	वि	२६	४४	१९	८	५२	११	२१	९	तुलायाँ
१२	मं	३२	३१	स्वा	२१	५८	प	२	२०	ना	३२	३१	२०	८	५२	१२	२२	१०	तुलायां
१३	बु	३७	१४	वि	२९	३	शि	४	८	कौ	४	५२	२१	८	५२	१३	२३	११	वृ.१२।१७
१४	गु	४२	४६	अ	३६	१२	सि	६	१३	ग	१०	०	२१	८	५२	१४	२४	१२	वृश्चिके
१५	शु	४८	५८	ज्ये	४३	४७	सा	८	३३	वि	१५	५२	२२	८	५२	१५	२५	१३	ध.४३।४७

चन्द्रदर्शनम्
जमाद्रिलावल ५
भ. २७ उ. ३३ या. आर्द्रायां बुधः
आर्द्रायां शुक्रः ५४।३६

भ.२०।१४उ.४९।४८या.दृश्योमृगेरविः§
§४३।१५ (सौरः ५२।३८)

भ. ५४ उ.मृग.३मिथुनेशनिः ४१ गंगा१०
भ. २६।४४ या. निर्जला ११ब्र.
पु. बुधः २।५ मीने भौमः ५।०
प्रदोषः ×(सौरः५३।२५)
भ. ४२।४६उ. दृश्यो मिथुनेऽर्कः ४१ ×
भ. १५ या. गुर्जरागां वट सा. पू.

९पं.ज्ये.शु.८शु.इ.३२/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	२	९	२	१	८	१
२४	२७	१४	१८	९	२९	१५	२३
७	४९	१६	३५	५३	४४	२१	५८
१२	३७	८	३५	३०	१३	३६	०
५७	३६	८०	२	७४	७	३	५७
२२	५०	१३	ब	१४	२०	११	५

गोचरग्रहाः

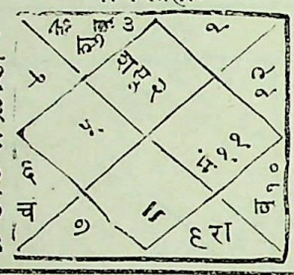

ज्येष्ठ शु. १४गुरौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ प्रगल्भा वस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे सभता शु.प.

गोचरग्रहाः

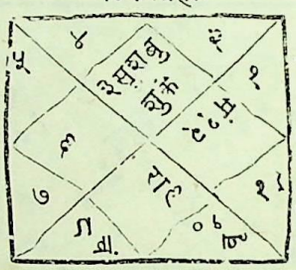

१०पं.ज्ये.शु.१५शु.इ.३२/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	९	२	२	८	२
०	२	२४	१८	१८	०	१४	०
४८	२७	३६	१९	२८	३८	५९	३७
२५	५८	४७	२६	५९	२८	२१	९
५७	३६	७८	३०	७४	७	३	५६
१७	१७	५३	ब	८	२०	११	५७

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं.२०३० शाकः १८९५ दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृ.महाराष्ट्राः

१	श	५४	५८	मू	५१	१७	शु	१०	५८	बा	२२	८	३४ ५८	५ ५३	६ १६	२६	१४		धनुषि
२	र	६०	०	पू	५८	२५	शु	१३	१९	तै	२७	५४	२३	७	५३	१७	२७	१५	धनुषि
२	चं	०	५०	उ	६०	०	ब्र	१५	२२	ग	०	५०	२३	७	५३	१८	२८	१६	म. १५।७
३	मं	६	४	उ	४	४४	ऐं	१६	५५	वि	६	५	२३	७	५३	१९	२९	१७	मकरे
४	बु	१०	२७	श्र	११	५	चै	१८	१	ना	१०	२७	२४	७	५३	२०	३०	१८	कु.४३।३१
५	गु	१४	१	ध	१५	५८	वि	१८	१६	तै	१४	१	२४	७	५३	२१	३१	१९	कुम्भे
६	शु	१६	११	श	१९	५८	प्री	१७	२६	व	१६	११	२४	७	५३	२२	१	२०	कुम्भे
७	श	१६	५२	पू	२२	८	आ	१५	३१	ब	१६	५२	२४	७	५३	२३	२	२१	मी६।३६
८	र	१६	५	उ	२२	४७	सौ	१२	२०	कौ	१६	५	२४	७	५३	२४	३	२२	मीने
९	चं	१३	२६	रे	२१	४६	शो	७	३२	ग	१३	२६	२३	७	५३	२५	४	२३	मे.२१।४६
१०	मं	८	५५	अ	१८	४९	अ	२२ ५	५२ ३०	वि	८	५५	२३	७	५३	२६	५	२४	मेषे
११	बु	२	४७	भ	१४	१५	धृ	४५	११	ना	२	४७	२३	७	५३	२७	६	२५	बृ.२८।१
१२	बु	५२	४३		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०
१३	गु	४६	१८	कृ		९	२४	शु	३५	२६	ग	२०	५४	२२	८	५२	२८	७	२६	वृषे
१४	शु	२६	३५	रो	५२	४५	गं	२४	५६	वि	११	२७	२२	८	५२	२९	८	२७	मि२७।४५
३	श	२६	३०	आ	४६	३	बृ	१४	४	च	१	३२	२१	८	५२	३०	९	२८	मिथुने

पुन.शुक्रः ४१ ६२ उभायांभौमः ५४ ५ पातस्पर्श*
पातमोक्षः २४।५७ *४०।५१
भ. ३३।२७ उ.
भ.६।४या.कर्केबुधः ३२।२१ च. ब्र.

दृश्य आर्द्रायां रविः ४१ ५ (सौरः ५४ ८)
भ. १९ उ. ४३ या. रा. आषाढारंभः
पुष्ये बुधः २१।५३
कर्के शुक्रः ५७।१८
भ. ४१।११ उ.
भ. ८।५५ या. योगिनी ११ ब्र.
पुष्ये शुक्रः ४४।७ योगिनी ११ब्र.वै.

भ. ४६।१८ उ. प्रदोषः
भ. ११।२७ या.

११पं.आ.कृ.६शु.इ.३२/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	९	२	२	८	२
७	६	२	१७	२७	१	१४	७
२९	५९	३७	५४	५	३३	३७	१५
२४	५६	१	४०	२४	५०	५	३६
५७	३५	५२	२५	७४	७	३	५६
१३	३७	१७	ब	२२०	११	५४	

गोचरग्रहाः

शनेश्च पंचकं दृष्ट्वा पाताले कंपते फणी। ईशा देश भंगश्च वह्निदांहो महर्घता ॥

गोचरग्रहाः

१२पं.आ.कृ.१४शु.इ.३२/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	९	३	२	८	२
१४	११	७	१७	५	२	१४	१३
९	२३	४५	२२	३३	२८	१४	५३
५०	३४	३५	५	३२	२२	५०	४१
५७	३४	२२	२८	७३	७	३	५६
७	३४	५३	ब	५६	१४	११	५०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं.२०३० शाकः१८९५ दि. उ.अ.इं.रा.मु. चंद्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८७ स.१९७३

१	र	१६	४२	पु	३८	२३	ध्रु	३ १५	४ ५८	व	१६	४२	३ ४०	५ ८	५ २	१	१०	२९	क.२५।१८	चन्द्रदर्शनम् संभवः जौलाई ७ ता.३१
२	चं	७	३२	पु	३१	५०	ह	४३	५०	कौ	७	३२	१९	८	५ २	२	११	१	कर्के	रथयात्रा जमादिलाखर ६
३	चं	५२	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	९	०	३	१२	२	०	
४	मं	५३	३८	श्ले	२६	५६	व	३५	३२	व	२६	४३	१८	८	५ २	३	१२	२	सिं२६।५६	भ. ३ ४३ उ. ५ ३८ या. उदयं शनेः ३ ५८
५	बु	४९	२१	म	२३	४७	सिं	२८	५९	ब	२१	२९	१७	९	५ १	४	१३	३	सिंहे	वक्रीबुधः ३८।५९
६	शु	४७	७	पू	२२	३२	व्य	२४	८	कौ	१८	१४	१५	९	५ १	५	१४	४	क.३७।४८	दृश्यः पुनः रविः ३९।४१ (सौरः ५ ८)
७	शु	४७	१४	उ	२३	२८	व	२०	५३	ग	१७	१०	१४	९	५ १	६	१५	५	कन्यायां	भ. ४ १४ उ.वक्रीश्रवण२गुरुः ४ २४ मृग४*
८	श	४९	७	ह	२६	१०	प	१९	७	वि	१८	१०	१३	९	५ १	७	१६	६	तु.५८।३०	भ. १८।१० या. *शनिः २०।२७
९	र	५२	४०	चि	३०	५१	शि	१९	१२	वा	२०	५३	११	१०	५०	८	१७	७	तुलायां	आश्लेषां शुक्रः ३ ५८ रेवत्यां भौमः १ १७
१०	चं	५७	३३	स्वा	३७	५	सि	२०	५०	तै	२५	६	१०	१०	५०	९	१८	८	तुलायां	
११	मं	६०	०	वि	४३	५५	सा	२१	३७	व	३०	३३	८	१०	५०	१०	१९	९	वृ.२७।१२	भ.३०।३३उ. देवशयनी ११ब्र. स्मा.
११	बु	३	३२	अ	५१	१४	शु	२३	५६	वि	३	३२	७	११	४९	११	२०	१०	वृश्चिके	भ. ३ ३२ या.पश्चि.बुधः १ २४ देवश ११ब्र.वै.
१२	गु	९	२८	ज्ये	५८	५६	शु	२६	३१	वा	९	२८	५	११	४९	१२	२१	११	ध.५८।५६	प्रदोषः
१३	शु	१५	४७	मू	६०	०	ब्र	२९	२	तै	१५	४७	४	११	४९	१३	२२	१२	धनुषि	
१४	श	२१	३२	मू	६	११	ऐं	३१	८	व	२१	३२	२	१२	४८	१४	२३	१३	धनुषि	भ.२१।३२उ.५४।२०या.वायुपरीक्षा
१५	र	२७	७	पू	१३	२३	वै	३३	५	ब	२७	७	०	१२	४८	१५	२४	१४	म.२९।५७	व्यास पूजा गुरुः १५

१३पं.श्रा.शु.७शु इ ३ २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	९	३	२	८	२
२०	१५	९	१६	१४	३	१३	२०
५०	४१	३१	४१	५	२१	५२	३१
१०	३१	३७	४२	३१	२५	३४	३५
५७	३३	२९	२७	७३	७	३	५६
७	४६	ब	ब	५०	६	११	५०

गोचरग्रहाः

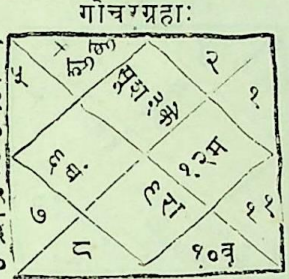

इस मास में बुध शुक्र का योग उत्तम वर्षा कारक है। धान्य में तेजी होकर मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

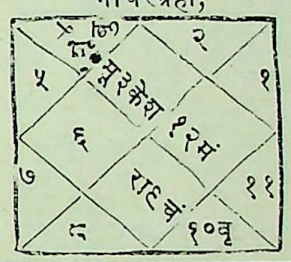

१४पं.श्रा.शु.१३शु.इ. ३ १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	९	३	२	८	२
२७	१९	७	१५	२२	४	१२	२७
३०	५०	४	५५	३४	१४	३०	९
३२	३१	४	४८	३२	१३	१८	४२
५७	३२	३५ ३२	१७	७३	६	३	५६
११	३४	ब	ब	३८	५९	११	५५

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं.२०३० शाकः१८९५	दि.	उ.	अ	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढकृ. महाराष्ट्राः

१	चं	३१	४६	उ	१९	३९	वि	३४	३२	कौ	३१	४६	३ ५८	१ २	४ ८	१९	२५	१५	मकरे	दृश्यःकर्केऽर्कः ५ (सौर ३ ४३) मूल.४रा.हुः*
२	मं	३५	४०	अ	२५	१५	प्री	३५	१०	तै	३	४३	५६	१३	४७	१५	२६	१६	कु.५७।३६	* आर्द्रा. २केतुः४६।२३
३	बु	३८	३२	ध	२९	५८	आ	३५	५	व	७	६	५४	१३	४७	१८	२७	१७	कुम्भे	भ.७।६ उ. २८।३२ या.
४	गु	४०	१९	श	३३	३९	सौ	३४	१४	ब	९	२६	५२	१४	४६	१९	२८	१८	कुम्भे	दृश्यःपुष्ये रविः ३ २ सिंहे शुक्रः ४ १९ चं.ब्र.
५	शु	४०	५१	पू	३६	११	शो	३२	२५	कौ	१०	३५	५०	१४	४६	२०	२९	१९	मी२०।३३	पुष्ये रविःसौरः २ ४ वक्रीपुनःबुधः ५ ३ +
६	श	४०	२२	उ	३७	३३	अ	२९	४७	ग	१०	३६	४७	१५	४५	२१	३०	२०	मीने	भ. ४०।२२ उ. + नाग ५ मरुस्थले
७	र	३८	४६	रे	३७	३९	सु	२६	२१	वि	९	३४	४५	१५	४५	२२	३१	२१	मे.३७।३९	भ. ९।३४ या.
८	चं	३५	३४	अ	३६	२९	धृ	२१	२९	वा	७	१०	४२	१६	४४	२३	१	२२	मेषे	रा. श्रावणारम्भः
९	मं	२१	११	भ	३४	२	शू	१५	३३	तै	३	२२	४०	१६	४४	२४	२	२३	वृ.४८।५	भ. ५८।२९ उ.
१०	बु	२५	४७	कृ	३०	१५	गं	८	३९	वि	२५	४७	३७	१७	४३	२५	३	२४	वृषे	भ. २५।४७ या.
११	गु	१८	३०	रो	२५	१५	धृ	४ ०	५१	वा	१८	२०	३५	१७	४३	२६	४	२५	मि५२।१३	कामिका ११ ब्र.
१२	शु	११	२०	मृ	१९	११	व्या	४२	२८	तै	११	२०	३२	१८	४२	२७	५	२६	मिथुने	प्रदोषः
१३	श	१	४७	आ	१२	३५	ह	३२	५३	व	१	४७	२९	१८	४२	२८	६	२७	क.५२।१९	भ. १।४७ उ. २५।१० या.
१४	श	५०	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	र	४३	३९	पु	३४	५५	व	२३	८	च	१८	६	२६	१९	४१	२९	७	२८	कर्के	बुधोदयःपूर्वस्यां ४ १७ हरियाली ३०

१५पं.श्रा.कृ.५शु.इ. ३ २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	९	४	२	८	३
४	२३	३	१५	१	५	१३	३
११	४९	३६	५	३	५	८	४८
१७	२३	३९	६	२१	१	३	९
५७	३१	४२ ३७	४७	७३	६	३	५६
१५	१४	ब	ब	२३	४१	११	५७

गोचरग्रहाः

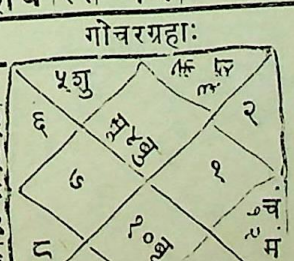

श्रा. कृ.१ चन्द्रे कर्केऽर्कः प्र. वा. ५ न. ४ गता लावस्था ऊर्ध्वी) मु. ४५ (धान्य भाव सम) शु.प.

गोचरग्रहाः

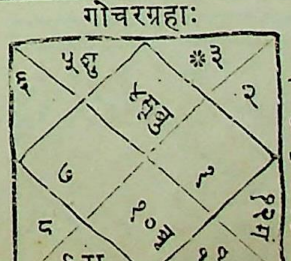

१६पं.श्रा.कृ.१२शु.इ. ३ १ ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	९	४	२	८	३
१०	२७	०	१४	९	५	१२	१०
५२	३५	५४	११	३०	५२	४५	२७
१९	४६	३९	२०	४३	२२	५७	२६
५७	२५	२६ ३७	५२	७३	६	३	५७
२०	२७	बु	बु	१४	२७	११	५

(सं.२०३१ समाप्तम् अथ २१०० पर्यन्तम्)

* चं.श.के.

CC-0. Gurukul Kangri Uni...ity Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.। श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५ दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ११६स१९७३

१	चं	३५	१९	श्ले	५३	४	सि	१२	४६	कि	९	२९	३३/२४	५/१९	६/४१	३०	८	२९	सि	५३।४
२	मं	२८	१९	म	४८	२८	व्य	५३	५२/७	कौ	२८	१९	२१	२०।	४०	३१	९	३०		सिंहे
३	बु	२२	५७	पू	४५	३२	प	४९	२६	ग	२२	५७	१८	२०।	४०	१	१०	१		सिंहे
४	गु	१९	२९	उ	४४	४५	शि	४४	३५	वि	१९	२९	१५	२१।	३९	२	११	२	क.	०।२१
५	शु	१८	१४	ह	४६	१	सि	४१	२६	ना	१८	१४	१२	२२।	३८	३	१२	३		कन्यायां
६	श	१९	१	चि	४९	१०	सा	४०	८	तै	१९	१	९	२२।	३८	४	१३	४	तु.	१७।३६
७	र	२१	४८	स्वा	५४	५४	शु	४०	०	व	२१	४८	६	२३।	३७	५	१४	५		तुलायां
८	चं	२६	१४	वि	६०	०	शु	४१	७	ब	२६	१४	३	२३।	३७	६	१५	६	बृ.	४४।१३
९	मं	३२	४	वि	०	३९	ज्ये	४३	१९	कौ	३२	४	०	२४।	३६	७	१६	७		बृश्चिके
१०	बु	३७	५५	अ	७	५१	ऐं	४५	३४	तै	५	५९	३२/५६	२५।	३५	८	१७	८		बृश्चिके
११	गु	४४	२४	ज्ये	१५	२९	वै	४८	१०	ग	११	१०	५३	२५।	३५	९	१८	९	ध.	१५।२९
१२	शु	५०	१६	मू	२३	१६	वि	५०	२६	ब	१७	२०	५०	२६।	३४	१०	१९	१०		धनुषि
१३	श	५५	३७	पू	३०	७	ग्री	५२	२०	कौ	२२	५६	४७	२७।	३३	११	२०	११	म.	४३।३४
१४	र	५९	४७	उ	३६	१६	आ	५३	२३	ग	२७	४२	४३	२७।	३३	१२	२१	१२		मकरे
१५	चं	६०	०	श्र	४१	१३	सो	५३	३६	वि	३१	२३	४०	२८।	२२	१३	२२	१३		मकरे
१६	मं	२	५९	ध	४५	३४	शो	५३	२	ब	२	५९	३६	२९।	३१	१४	२३	१४	कु.	१३।२३

पूफायां शुक्रः ३९।३९ × रज्जव ७
मार्गीबुधः ६।३० चद्रदर्शनम् सिधारा
भ.५१/१३ उ.मेषेभौमः ३/५ तीजअग ऊता ३१×
भ.१/२९ या.दृश्यःआश्लेषा. रविः ३५।२३
आश्लेषारविःसौरः १/३ वक्रीश्रवण. १गुरुः*
*८।१९आर्द्रा १शनिः ३२।४९ नाग५
भ. २१।४८ उ. ५४।१ या.

पूष्ये बुधः ४७।१४
भ.१/१० उ.४४/२४ या. पवित्रा ११ब्र.
उफायां शुक्रः ४७।७
प्रदोषः
भ. ५९।४७ उ.
भ.३१/३३ या.कन्यायां शुक्रः ३२/८ श्रा. कर्म÷
÷रक्षाबंधन भद्रोतरम्

१७प.श्रा.शु ५शु इ.३१/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	९	४	२	८	३
१७	१	०	१३	१७	६	१२	१७
२४	६	२२	१६	५६	२९	२३	७
१	४	४५	५५	२	५४	२२	१४
५७	२७	५४/५७	३७/३२	७२	६	३	५७
२५	५२	मा	ब	५६	८	११	१२

गोचरग्रहाः

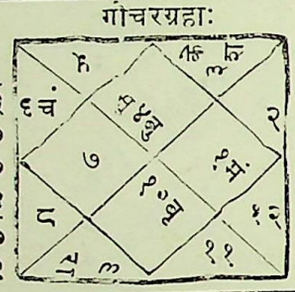

इस मास में गेहूं चना जौ मटर अरहर मूंग उड़द बाजरा मंदा होः घृत गुड़ तैलादि रस तेज रहे ।

दोचरग्रहाः

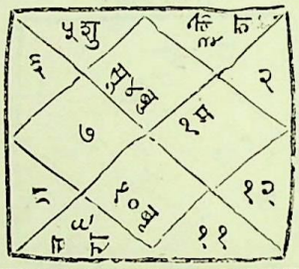

१८प.श्रा.शु.१२शु.इ.३१/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	९	४	२	८	३
२४	४	५	१२	२६	७	१२	२३
१६	२०	२६	२२	२१	३६	१	९८
२६	१७	२	३७	१८	१३	१६	११
५७	२५	७२	३४/३८	७२	५	३	५७
३३	५३	२४	ब	४३	५८	११	२२

ति.| भाद्रपद कृष्णपक्षः सं०२०३० शाकः १८९५ दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणे श्रावण कृ. महाराष्ट्राः

१	बु	४	५६	श	४८	२५	अ	५१	३०	कौ	४	५६	३३/२९	५/३१	६/३१	१५	२४	१५		कुम्भे
२	गु	५	४५	पू	५०	८	सु	४९	८	ग	५	४५	२९	३०।	३०	१६	२५	१६	मी	३४।४२
३	शु	५	१४	उ	५१	१	धृ	४५	५८	वि	५	१४	२६	३१।	२९	१७	२६	१७		मीने
४	श	३	५९	रे	५१	९	शू	४२	०	ना	३	५९	२२	३२।	२८	१८	२७	१८	मे.	५१।९
५	र	१	५६	अ	५०	७	ग	३७	२५	तै	१	५६	१९	३२।	२८	१९	२८	१९		मेषे
६	र	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०
७	चं	५५	१४	भ	४८	२५	वृ	३२	८	वि	२७	५	१५	३३।	२७	२०	२९	२०		मेषे
८	मं	५१	४	कृ	४५	५५	ध्रु	२६	१३	ना	२३	९	११	३४।	२६	२१	३०	२१	वृ.	२।४८
९	बु	४५	२२	रो	४२	४०	व्या	१९	३२	तै	१८	३	८	३४।	२६	२२	३१	२२		वृषे
१०	गु	३९	९	मृ	३८	३९	ह	१२	४३	व	१२	१६	४	३५।	२५	२३	१	२३	मि	१०।४०
११	शु	३४	३०	आ	३३	५९	व	३/९	५१/२०	व	५	४९	०	३६।	२४	२४	२	२४		मिथुने
१२	श	२५	१५	पु	२८	४२	व्य	४	३७	तै	२५	१५	३१/५६	३७।	२३	२५	३	२५	क.	१५।१
१३	र	१७	५८	पु	२३	२९	व	३९	२	व	१७	५८	५२	३८।	२२	२६	४	२६		कर्के
१४	चं	१०	४१	श्ले	१८	२८	प	३०	४३	श	१०	४१	४८	३८।	२२	२७	५	२७	सिं	१८ २८
३०	मं	४	१९	म	१४	५	शि	२२	५६	ना	४	१९	४४	३९।	२१	२८	६	२८		सिंहे

* २९।१८ (सौरः ५/३८
भ.२५।३०उ. दृश्यो मघा. सिंहेऽर्कः*
भ ५।१४ या. च. ब्र.
आश्लेषायां बुधः १ ७।५७
भ.५८।५६उ. वंद्रषष्ठी

भ.२७।५या. बुधाऽस्तः पूर्वस्यां ५७।५०
हस्ते शुक्रः५६।२५ जन्माष्टमी ब्र.
गोगा ९
भ.१२।१६उ.३९।९या.रा.भाद्रादारंभः
अजा११ ब्र.
मघा. सिंहे बुधः २२।१७ वत्स द्वांदशी÷
भ. १७।५८ उ. ४४।२० या.
÷प्रदोषः
कुशग्रहणी मन्वादिः

१९प.भा.कृ.३शु.इ.३१/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	३	९	५	२	८	४
०	७	१५	११	४	८	११	०
५९	१३	१९	३२	४३	८	२९	३०
४९	३०	१५	४१	५५	२४	०	२४
५०	२३	९/५८	५८/३२	७२	५	३	५७
४०	२९	२२	ब	१४	२२	११	३१

गोचरग्रहाः

भाद्र.कृ. २ गुरौ सिंहेऽर्कः प्र. वा. न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावेसमघंताशु.प.

गोचरग्रहाः

२०प.भा.कृ.११शु.इ.३१/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	३	९	५	२	८	४
७	९	२८	१०	१३	८	११	७
४४	४३	२०	४७	५	४६	१६	१४
१७	१६	५२	१६	३१	१५	४५	७
५७	२०	१८/५८	२६/२९	७१	४	३	५७
४८	१५	४९	ब	५०	५७	११	५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation USA

+ के.चं.श.

ति. भाद्रपदशुक्लपक्षः सं.२०३० शाकः१८९५ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १४६स१९७३

१	मं	५४	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	बु	५५	६	पू	१०	५०	सि	१५	५४	बा	२७	१	३१ ४०	५ ४०	२ ६	२६	७ २६
३	शु	५३	२०	उ	८	५४	सा	१०	१७	तै	२४	१४	३६	४१	१६	३०	८ १
४	शु	५३	११	ह	६	५	शु	६	१२	व	२३	१५	३२	४२	१८	३१	६ २
५	श	५५	१५	चि	१०	५८	शु	३	१८	व	२४	१३	२८	४२	१८	१	१० ३
६	र	५८	५२	स्वा	१४	४५	ब्र	२	२३	कौ	२७	३	२५	४३	१७	२	११ ४
७	चं	६०	०	वि	२०	१०	ऐं	२	२७	ग	३१	३०	२१	४४	१६	३	१२ ५
८	मं	४	८	अ	२६	५५	वै	३	५३	व	४	८	१७	४५	१५	४	१३ ६
९	बु	६	५८	ज्ये	३४	१३	वि	५	४६	ब	६	५८	१३	४५	१५	५	१४ ७
१०	शु	१६	२१	मू	४१	४७	प्री	८	१६	कौ	१६	२१	६	४६	१४	६	१५ ८
११	शु	२२	१६	पू	४६	१	आ	१०	३२	ग	२२	१६	५	४७	१३	७	१६ ९
१२	श	२७	४६	उ	५५	३३	सो	१२	३२	वि	२७	४६	१	४८	१२	८	१७ १०
१३	र	३१	५२	श्र	६०	०	शो	१३	५३	बा	३१	५२	३० ५७	४९	११	९	१८ ११
१४	चं	३४	४८	श्र	०	४०	अ	१४	७	कौ	३	२०	५३	४९	११	१०	१९ १२
१५	मं	३६	१	ध	४	३५	सु	१३	१३	ग	५	२४	४८	५०	१०	११	२० १३
१५	बु	३५	५८	श	६	५०	धृ	११	१२	वि	६	०	४४	५१	९	१२	२१ १४

चन्द्रदर्शनम् सम्भवः
दृश्यःपूफायां रबिः १५५ सौरः ५३० सावानट
भ.२३।१५उ.५३।११या.गणेश चतुर्थी
पूफायांबुधः ५५ ऋषि ५ सित.९ता.३०
चित्रायांशुक्रः १५३ वक्री उ.षा.४ गुरुः २३३

भ. ४।८ उ. ३७।३ या.

*३६७ रामदेवजी का मेला
भ. ५५२ उ.तुलायांशुक्रः ४३४ भरण्यां भौमः+
भ. ४६२७ या.उफायांबुधः ३६२ ज.भू.११ब्र.
कन्यायांबुधः ५३६२ आर्द्रा.२शनिः ३६४ वा.१२
प्रदोषः
भ. ३६।१ उ अनंत १४
भ. ६।० या. महालय श्राद्धरंभः

२१पं.भा.शु.४शु.इ. ३१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	९	५	२	८	४
१४	११	१२	१०	२१	९	१०	१३
२९	४६	१३	८	२४	२१	५४	५९
५६	५९	२६	१६	२८	२१	२९	१९
५८	१७	२७	२३	७१	४	३	५७
१३१	३७	ब	२९	३१	११	५७	

गोचरग्रहाः

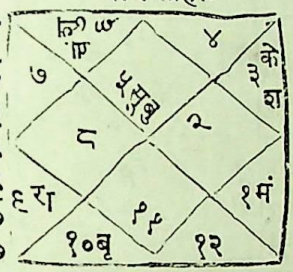

भूमि पुत्रो यदा मेषे सुभिक्षं सर्व-धान्य कम्। रसा-दीनि महर्धाणि क्रोधवांस्तु भवे-न्नृपः।

गोचरग्रहाः

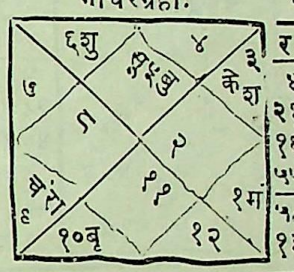

२२पं.भा.शु.१०शु.इ. ३१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	९	५	२	८	४
२१	१३	२५	९	२९	९	१०	२०
१६	१८	३३	३६	४०	५१	३२	४५
५५	५०	१०	३९	३०	४३	१४	५९
५८	१३	२८	४	७०	३	३	५८
१३	५५	८	ब	५९	५३	११	१२

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०३०शाकः१८९५ दि. उ. अ. ई. रा. मु. चन्द्रः शरदृतूं रविर्दक्षिणे भाद्र.कृ. महाराष्ट्राः

१	गु	३४	१५	पू	७	५२	शू	८	५	बा	५	६	३० ४०	५ ५२	६ ८	१३	२२ १५
२	शु	३१	४४	उ	७	३७	गं	५ ३६	५ ५६	तै	३	०	३६	५३	७	१४	२३ १६
३	श	२८	१२	रे	६	२५	धु	५३	१६	वि	२८	१२	३२	५४	६	१५	२४ १७
४	र	२४	०	अ	४	३०	व्या	४७	१६	बा	२४	०	२८	५४	६	१६	२५ १८
५	चं	१९	२९	भ	२ ९	५७ ५०	ह	४०	५०	तै	१९	२९	२४	५५	५	१७	२६ १९
६	मं	१५	५	रो	५६	५	व	३४	१३	व	१५	५	२०	५६	४	१८	२७ २०
७	बु	९	४४	मृ	५२	५८	सि	२७	२६	ब	९	४४	१६	५७	३	१९	२८ २१
८	शु	४	३१	आ	४९	३१	व्य	२०	१९	कौ	४	३१	१२	५८	२	२०	२९ २२
९	शु	५४	४१		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	० ०
१०	शु	५३	४३	पु	४५	२७	व	१३	११	व	२६	२८	८	५८	२	२१	३० २३
११	श	४८	१४	पु	४२	२५	प	५५ ५५	५३ ५६	ब	२०	४७	४	५९	१	२२	३१ २४
१२	र	४३	१	श्ले	३९	०	सि	५१	५०	कौ	१५	३८	३०० २९	० ०	६ ८	२३	१ २५
१३	चं	३८	१६	म	३५	५७	सा	४५	४	ग	१०	३८	५५	१	५६	२४	२ २६
१४	मं	३४	२	पू	३३	३६	शु	३८	५७	वि	६	९	५१	२	५८	२५	३ २७
३०	बु	३१	७	उ	३२	८	शु	३३	३५	च	२	३४	४७	३	५७	२६	४ २८

दृश्य उफायांरविः १५३ (सौरः ५३५) स्वा*
भ. ५९।५८ उ. *त्यां शुक्रः २६२१
भ. २५२या.हस्तेबुधः३७।६ च ब्र.
दृश्यः कन्यायामर्कः२८।३६
कन्याऽर्कःसौरः२०मूल.३राहुःआर्द्रा.१+
भ. १५५ उ.४३५या. +केतुः३८।२८
बुधोदयः पश्चिमायाम् २।१७
मातृ ९

भ. २६।२८ उ. ५३।४३ या.
इन्दिरा ११ ब्र.
चित्रायांबुधः४३।४८रा.आश्विनारंभः
भ. ३५६ उ. विशाखा. शुक्रः५२१८ प्रदोषः
भ.६।९या. शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
दृश्यो हस्तेरविः ४१।४२ सर्वपितृ३०

२३पं.आ.कृ.२शु.इ. ३०५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	५	९	६	२	८	४
२८	१४	८	९	७	१०	१०	२७
५	१५	०	१२	५५	१८	९	३४
२४	२९	१४	४६	८	११	५७	२२
५८	१०	०	३३	७०	३	३	५८
२६	०	३७	ब	२५	१४	११	२९

गोचरग्रहाः:

आ. कृ. ४ रवौ कन्यायामर्कः प्र.वा. ४न.४गतालका-वस्था (ऊभी)मु ३०धान्यादि भावे समता शुक्रो. प.

गोचरग्रहा

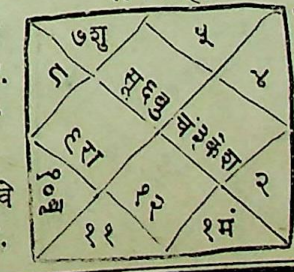

२४पं.आ.कृ.१०शु.इ. ३०४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	५	९	६	२	८	५
४	१४	१९	८	१६	१०	९	४
५५	३१	३७	५८	६	४०	४७	२४
१९	४१	५१	१२	०	१९	४२	२९
५८	५	०	४३	९९	२	३	५८
३८	४६	४	ब	४०	३५	११	४५

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं २०३० शाकः १८९५ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७५स.१९७३

१	शु	२९	३७	ह	३२	१३	ब्र	२९	१८	ब	२९	३७	२९/४३	६/३	५/५७	२७	५	२९	कन्यायां
२	शु	२९	३२	चि	३३	३९	ऐं	२६	१३	कौ	२८	४९	३८	४	५/५६	२८	६	३०	तु.२।५६
३	श	३१	१८	स्वा	३६	४७	वै	२४	४०	तै	०	२५	३४	५	५/५५	२९	७	१	तुलायां
४	र	३४	४१	वि	४१	२२	वि	२३	४४	व	२	५९	३०	६	५/५४	३०	८	२	वृ.२५।१३
५	चं	३९	४१	अ	४७	३१	प्री	२४	२३	ब	७	११	२६	७	५/५३	१	९	३	बृश्चिके
६	मं	४५	१३	ज्ये	५४	२३	आ	२६	१	कौ	१२	२७	२२	८	५/५२	२	१०	४	ध.५४।२३
७	बु	५१	३०	मू	६०	०	सौ	२७	५७	ग	१८	२१	१८	८	५/५२	३	११	५	धनुषि
८	गु	५७	४७	मू	१	५६	शो	३०	३०	वि	२४	३९	१४	९	५/५१	४	१२	६	धनुषि
९	शु	६०	०	पू	९	२२	अ	३२	३४	चा	३०	४१	१०	१०	५/५०	५	१३	७	म.२६।८
९	श	३	३५	उ	१६	२७	सु	३४	२०	कौ	३	३५	६	११	४९	६	१४	८	मकरे
१०	र	८	१०	श्र	२२	१२	धृ	३५	४	ग	८	१०	२	१२	४८	७	१५	९	कु.५४।१९
११	चं	११	१७	ध	२६	२६	शू	३४	३४	वि	११	१७	२५/२८	१२	४८	८	१६	१०	कुंभे
१२	मं	१२	३४	श	२९	७	गं	३२	५१	बा	१२	३४	५४	१३	४७	९	१७	११	कुंभे
१३	बु	१२	११	पू	३०	२	वृ	२९	३७	तै	१२	११	५०	१४	४६	१०	१८	१२	मी १४।४८
१४	गु	९	४७	उ	२९	१९	ध्रु	२४	५३	व	९	४७	४६	१५	४५	११	१९	१३	मीने
१५	शु	६	४	रे	२६	५७	व्या	१९	१६	ब	६	४	४२	१६	४४	१२	२०	१४	मे.२६।५७

हस्तेरविः सौ.१२/४९नवरा. मातामह श्रा.
तुलायां बुधः ११।४४ चन्द्रदर्शम्
रमजान ९
भ ३/८उ. ३४/५१या. मार्गी गुरुः११।२७
वक्री भौमः ११/३९ अक्दू. १० ता. ३१
स्वात्यां बुधः ४२।५३
भ.५/३०उ.बृश्चिकेशुक्रः३/३९वक्री अश्वि.*
भ. २४/३९ या. सरस्वती पू. बलिदा.
* भौमः ४५।५ सरस्वत्यावाहनम्
अनु.शुक्रः२७/५५विज.१०सरस्वती विसर्ज.
भ. ३९।४३ उ.
भ. ११।३७ या. पापांकुशा ११ ब्र.
प्रदोषः
दृश्यश्चित्रायांरविः१३/३३(सौरः४३।२५)
भ.४/९उ.३/५५या.शरद१५कोजागरी ब्र.
विशाखा. बुधः ५३।२

२५पं.आ शु.२ शु.इ. ३०/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	९	६	२	८	५
११	१४	०	८	२४	१०	९	११
४६	१३	२९	५३	१३	५७	२५	१६
५५	२६	२	५२	१९	७	२७	२३/२९
५८	१/९२	१/८	६८	१	३	५९	
५३	३२	७	ब्र	५३	५५	११	०

२६ पं.आ शु.९शु.इ. ३०/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	९	७	२	८	५
१८	१३	१०	८	२	११	९	१८
४०	१५	३०	५८	१५	८	३	१०
८	४०	१०	२२	४३	४२	११	२०
५९	२/२८	८२	५/७	६७	१	३	५९
९	ब	२४	मा	५७	१६	११	१६

२७पं.आ.शु.१५शु.इ. ३०/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	९	७	२	८	५
२५	११	१९	९	१०	११	८	२५
३५	४२	३३	१२	१४	१६	४०	६
६	३२	४	११/३१	१२	५६	२	
५९	६/७१	२	६६	०	३	५९	
२१	ब	५	१७	५२	३१	११	३१

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं २०३० शाकः १८९५ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणे आश्विनकृ. महाराष्ट्राः

१	श	१	८	अ	२३	४५	ह	१२	२६	कौ	१	८	२५/३८	६/१६	५/४४	१३	२१	१५	मेषे
२	श	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	र	४९	११	भ	१९	४२	व	४/५९	५/२८	व	२२	१७	३४	१७	४३	१४	२२	१६	बृ.३३।३९
४	चं	४३	२०	कृ	१५	२९	व्य	४९	७	व	१६	१६	३०	१८	४२	१५	२३	१७	बृषे
५	मं	३६	४७	रा	१०	५८	व	४१	८	कौ	१०	४	२६	१९	४१	१६	२४	१८	मि२८।५८
६	बु	३०	५३	मृ	६	५९	प	३३	५६	ग	३	५०	२२	२०	४०	१७	२५	१९	मिथुने
७	गु	२५	३४	आ	३/४	५६/२७	शि	२६	१६	व	२५	५४	१८	२०	४०	१८	२६	२०	क.४५।२४
८	शु	१९	४१	पु	५६	३५	सि	१८	५८	कौ	१९	४१	१४	२१	३९	१९	२७	२१	कर्के
९	श	१६	१४	श्ले	५४	१९	सा	१२	१६	ग	१६	१४	१०	२२	३८	२०	२८	२२	सिं५४।१९
१०	र	१३	१४	म	५२	३५	शु	६	९	वि	१३	१४	६	२३	३७	२१	२९	२३	सिंहे
११	चं	९	१६	पू	५१	३१	श	०/३५	५४/५४	बा	९	१६	२	२४	३६	२२	३०	२४	सिंहे
१२	मं	६	४६	उ	५१	१२	ऐं	५१	७	तै	६	४६	२७/५८	२४	३६	२३	१	२५	क.६।२६
१३	बु	५	१४	ह	५२	१	वै	४७	३१	व	५	१४	५४	२५	३५	२४	२	२६	कन्यायां
१४	गु	४	५९	चि	५३	५३	वि	४४	५८	श	४	५९	५०	२६	३४	२५	३	२७	तु.२२।५७
३०	शु	५	४४	स्वा	५७	२१	प्री	४३	३३	ना	५	४४	४६	२७	३३	२६	४	२८	तुलायां

*सौरः२६।८ वक्री शनिः १।२३
भ. २२।१७ उ. ४९।११ या.
करक चतुर्थी व्रतम्
दृश्यस्तुलायामर्कः ५७।२९
भ.२०।५३उ. ५८।१३या. तुलाऽर्कः*
ज्येष्ठायां शुक्रः १०।४२
+सौरः७।६ श्रवण. १गुरुः४६/५१ रूप१४
भ. ४४।४४ उ.
भ. १३।१४ या. ×कार्तिक
वृश्चिके बुधः ३८।५९ रमा ११ब्र.
दृस्वास्वात्यां.रविः३/६९प्रदोषःधन१३रा.×
भ.५।१४उ. ३५।७या. स्वात्यां रविः+
महालक्ष्मी पूजनम्
अन्नकुट गोवर्द्धन पूजा

२८पं.का.कृ.८शु.इ. ३०/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	६	९	७	२	८	६
२	९	२७	९	१८	११	८	२
३/१	४४	११	३५	७	१६	१८	३
३४	४२	४९	५३	८	८	४०	३२
१९	३/६	५३	३	६५	१/७	३	५९
३४	ब	२६	४१	४९	ब्र	११	४६

गोचरग्रहाः

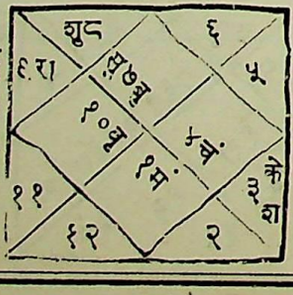

का. कृ. ५, भौमेः तुलायामर्कः प्र. वा.३न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भावसम) शु. प.

गोचरग्रहाः

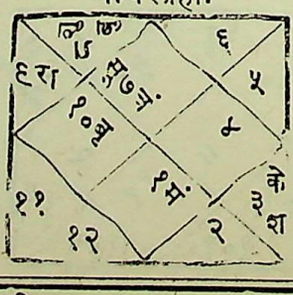

२९पं.का.कृ.३०शु.इ. २९/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	७	९	७	२	८	६
९	७	२	१०	२५	११	७	९
२९	३४	२१	८	४९	११	५६	२
४९	५	११	२०	१	४६	२४	५२
५९	१०/३२	२३	४	६३	५०/९	३	६०
४७	ब	२४	५१	५८	ब	११	२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | कार्तिकशुक्लपक्षः सं० २०३० शाकः १८९५ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २०५स. १९७३

१	श	७	५८	वि	६०	०	आ	४२	३१	ब	७	५८	२७	६	५	२७	५	२९	वृ. ४५।४०	
२	र	११	३२	वि	१	४६	सौ	४२	५२	को	११	३२	३९	२८	३२	२८	६	३०	बृश्चिके	
३	चं	१६	२१	अ	७	३७	शो	४४	४	ग	१६	३१	३५	२९	३१	२९	७	१	वृश्चिके	
४	मं	२२	१	ज्ये	१४	६	अ	४५	४१	वि	२२	१	३१	३०	३०	३०	८	२	ध. १४।६	
५	बु	२८	२७	मू	२१	५१	सु	४८	१०	वा	२८	२७	२७	३१	२९	३१	९	३	धनुषि	
६	गु	३४	४७	पू	२९	२४	धृ	५०	३२	को	१	३७	२४	३१	२९	१	१०	४	म. ४६।१५	
७	शु	४१	५	उ	३६	४९	शू	५२	४१	ग	७	५६	२०	३२	२८	२	११	५	मकरे	
८	श	४६	१७	अ	४३	३२	गं	५४	९	वि	१३	४१	१६	३३	२७	३	१२	६	मकरे	
९	र	५०	१४	ध	४८	५३	बृ	५४	३३	वा	१८	१५	१३	३३	२७	४	१३	७	कु. १६।१२	
१०	चं	५२	१९	श	५२	३२	धु	५३	४१	तै	२१	१६	९	३४	२६	५	१४	८	कुम्भे	
११	मं	५२	३५	पू	५४	२५	व्या	५१	११	व	२२	२७	६	३५	२५	६	१५	९	मी ३८।५७	
१२	बु	५०	३४	उ	५४	१६	ह	४७	२१	ब	२१	३५	२	३६	२४	७	१६	१०	मीने	
१३	गु	४६	५२	रे	५२	३४	व	४१	४४	को	१८	४३	२६	३६	२४	८	१७	११	मे. ५२।३४	
१४	शु	४१	२२	अ	४८	२३	सि	३४	४१	ग	१४	७	५६	३७	२३	९	१८	१२	मेषे	
१५	श	३४	२६	भ	४३	३१	व्य	२६	३१	वि	७	५४	५३	३७	२३	१०	१९	१३	वृ. ५७।१	

चन्द्र द. भ्रातृ २ यम २
भ. ४९ उ. वक्री बुधः ६।२ सव्वाल १०
भ. २२।१ या. मूले धनुषि शुक्रः १७।५५

नवम्बर ११ ता. ३१
भ ४१।५ उ.
भ. १३/४१ या पश्चिमास्तोबुधः ५५/३ गोपाष्टमी
अक्षय ९ कुष्मांड ९
दृश्यो विशाखा. रविः ५९।५४ वक्री×
भ. २२/२७ उ. ५३/३५ या. विशाखा. रविः सौरः +
+२४/३५ प्रबोधिनी ११ ब्र तुलसी वि.
प्रदोषः ×तुलायाँ बुधः २०।३२
भ. ४१।२२ उ. वैकुण्ठ १४
भ. ७।५४ या. पुष्कर यात्रा

३०पं.का.शु.७शु.इ. २९/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	७	९	८	२	८	६
१६	५	१	१०	३	११	७	१६
२९	३१	५२	४९	१८	१	३४	३
३८	१	३७	५५	४७	५९	९	५६
६०	२०/३४	३७/४९	५	६२	४३/५१	३	६०
४	ब	ब	५८	१०	ब	११	१८

गोचरग्रहाः

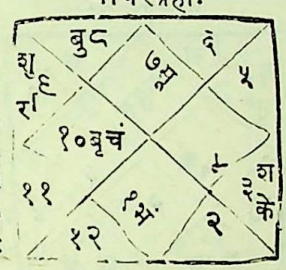

इस मासमें पांच शनि वार अशुभ हैं। प्रजामें पीडा एवं अग्नि युद्ध भय हो। रस पदार्थ तेज धान्य भाव साधारण रहे

गोचरग्रहाः

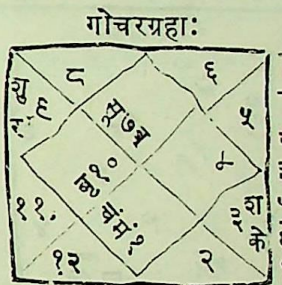

२१पं.का.शु.१४शु.इ. २९/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	६	९	८	२	८	६
२३	३	२५	११	१०	१०	७	२३
३०	४४	३	३७	३८	४६	१२	६
५८	४२	२६	४१	५३	४	५३	३४
६०	८/१७	८/१७	६	५९	१२/१९	३	६०
१७	ब	ब	४९	४२	ब	११	३०

ति. | मार्गशीर्षे कृष्णपक्षः सं० २०३० शाकः १८९५ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महा.

१	र	२६	४७	कृ	३७	२१	व	१७	२१	वा	०	२६	४९/४९	६/३८	५/२२	११	२०	१४	बृषे	
२	चं	१९	१५	रा	३१	२८	प	७/५६	५०/१७	गं	१९	१५	४६	३९	२१	१२	२१	१५	मि ५८।२८	
३	मं	१०	४९	मृ	२५	२८	सि	४८	५६	वि	१०	४९	४३	३९	२१	१३	२२	१६	मिथुने	
४	बु	३	८	आ	१९	५३	सा	३९	५०	वा	३	८	४०	४०	२०	१४	२३	१७	मिथुने	
५	बु	५३	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
६	गु	५०	२२	पु	१५	१	शु	३१	३६	ग	२३	२०	३७	४१	१९	१५	२४	१८	क. १।१४		
७	शु	४५	३२	पु	११	९	शु	२३	५७	वि	१७	५७	३४	४१	१९	१६	२५	१९	कर्के		
८	श	४१	४६	श्ले	८	९	व	१७	१७	बा	१३	३९	३१	४२	१८	१७	२६	२०	सिं ८।९		
९	र	३९	२३	म	६	२५	ऐं	११	४०	तै	१०	३४	२९	४२	१८	१८	२७	२१	सिंहे		
१०	चं	३७	५७	पू	५	५४	वै	७	०	व	८	४०	२६	४३	१७	१९	२८	२२	क. २१।१		
११	मं	३७	३४	उ	६	२३	वि	३	८	ब	७	४५	२४	४३	१७	२०	२९	२३	कन्यायां		
१२	बु	३८	३७	ह	८	७	प्री	१९/००	५५/३	को	८	५	२१	४४	१६	२१	३०	२४	तु. ९।३३		
१३	गु	४०	३३	चि	१०	५९	सौ	५७	२०	ग	९	३५	१९	४४	१६	२२	१	२५	तुलायां		
१४	शु	४३	४६	स्वा	१४	५०	शो	५७	१६	वि	१२	९	१६	४५	१५	२३	२	२६	तुलायाँ		
२०	श	४७	५३	वि	१९	५८	अ	५७	३५	च	१५	५०	३	४५	१५	२४	३	२७	वृ ३।४१		

*पूषायां शुक्रः ११।३०
भ. ४५।२ उ वक्री स्वात्यांबुधः ३६।५४*
भ १०।४९ या. च. ब्र.
÷पातस्पर्शः ६।४१ मोक्षः २३ १५
=बुधोदयः पूर्वस्यां ४९।२४
भ. ५०।२२ उ. दृश्यो वृश्चिकेऽर्क ५५/२÷
भ. १७।५७ या. वृश्चिकेऽर्कः सौर १५/२=
+राहुः मृग. ४ केतुः ३०।५५
×रविः १४।१६ (सौरः ३६/४०) मूल. २+
भ. ८।४० उ. ३७/५ या. दृश्योऽनुराधा×
मार्गी बुधः २।५२ उत्पत्ति ११ ब्र.
श्रवण. २ गुरुः २७।२८
भ. ४०।३३ उ. प्रदोषः रा. मार्गशीर्षारंभः
भ. १२।९ या. मार्गी भौमः १।३०
वक्री आर्द्रा. १ शनिः ७।१

३२पं.मा.कृ.७शु.इ.२९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	६	९	८	२	८	७
०	२	१८	१२	१७	१०	६	०
३३	३२	७	३४	४२	२६	५९	१०
४७	२४	३७	३७	०	४९	३८	३८
६०	५५/४७	४०/४७	८	५६	५०/५३	३	६०
२०	ब	बु	३	४६	ब	११	४०

गोचरग्रहाः

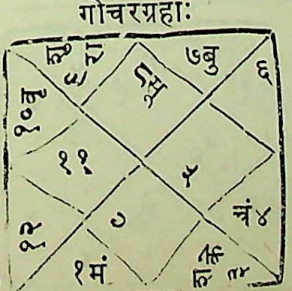

मार्ग कृ. ६ गुरौ वश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

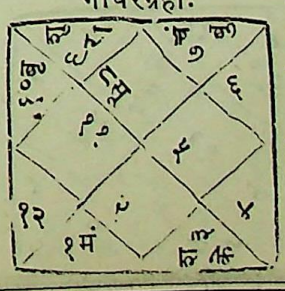

३३पं.मा.कृ.१४श.इ.२९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	६	९	८	२	८	७
७	१	१८	१३	२४	१०	६	७
३७	५६	१२	३८	२४	२	२७	१६
३७	१७	१८	१३	८	१७	२२	११
६०	२५	३०/४४	८	५३	३/३७	३	६०
४२	मा	मा	५९	५	ब	११	५३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०३० शाकः १८९५ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः। हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३४ सं. १९७३

१	र	५३	१७	अ	२५	५३	सु	५८	४३	कं	२०	३५	२६/१९	४६	५/१४	२५	४	२८	वृश्चिके	
२	चं	५८	५६	ज्ये	३२	३५	धृ	६०	०	बा	२६	७	८	४६	१४	२६	५	२९	ध. ३२।३५	विशाखा. बुधः ११।४६ उषायां शुक्रः=
३	मं	६०	०	मू	३९	५७	धृ	०	२२	तै	३२	१०	६	४७	१३	२७	६	१	धनुषि	जिल्काद ११ =१।४६ चंद्र द.
३	बु	५	२५	पू	४७	३४	शू	२	३९	ग	५	२५	३	४७	१३	२८	७	२	धनुषि	भ. ३८।४३ उ.
४	गु	१२	०	उ	५५	५	गं	४	४४	वि	१२	०	१	४८	१२	२९	८	३	म.४।२७	भ. १२।० या. मकरे शुक्रः ४१।२३
५	शु	१८	३०	श्र	६०	०	वृ	७	१८	बा	१८	३०	२५/१९	४८	१२	३०	९	४	मकरे	
६	श	२४	७	श्र	२	२२	ध्रु	९	२०	तै	२४	७	५७	४९	११	१	१०	५	कुं ३५।३१	चम्पा ६ दिसम्बर १२ ता. ३१
७	र	२८	५३	ध	८	४०	व्या	१०	२३	व	२८	५३	५५	४९	११	२	११	६	कुम्भे	भ.२८।५३उ. दृश्यो ज्येष्ठायां रविः*
८	चं	३२	१	श	१३	४७	ह	१०	३५	वि	०	२७	५३	४९	११	३	१२	७	कुम्भे	भ.०।२७ या.
९	मं	३३	२७	पू	१७	२	व	९	३०	बा	२	४४	५१	५०	१०	४	१३	८	भी १।१३	वृश्चिके बुधः १७।४२
१०	बु	३२	४७	उ	१८	३२	सि	६	४९	तै	३	७	४९	५०	१०	५	१४	९	मीने	* २४।२६ (सौरः ४३।४०)
११	गु	३०	४	रे	१८	७	व्य	३५/२९	५४/२९	व	१	२५	४८	५०	१०	६	१५	१०	मे. १८।७	भ. १।२५उ.३०।४या. अनु. बुधः ३५/२९ ×
१२	शु	२५	२०	अ	१५	४२	व	४९	१६	बा	२५	२०	४६	५१	९	७	१६	११	मेषे	प्रदोषः
१३	श	१८	४४	भ	११	२	शि	४०	२६	तै	१८	४४	४५	५१	९	८	१७	१२	बृ. २४।३२	×मोक्षदा ११ब्र. गीताजयंती
१४	र	१०	४१	कृ	५४/२९	३५/२९	सि	३०	३२	व	१०	४१	४४	५१	९	९	१८	१३	वृषे	भ. १०।४१उ.३६।२९या. ग्रस्तास्तA
१५	चं	२	१७	मृ	५०	३९	सा	२०	०	ब	२	१७	४२	५२	८	१०	१९	१४	मि २४।२४	पात स्पर्शः ४१।१८ Aचन्द्रग्रहणम्

३४पं.मा.शु.५ शु.इ.२९/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	६	९	९	२	८	७
१४	१	२५	१४	०	९	६	१४
४२	५८	२	४७	३८	३५	५	२२
५४	४१	६	२०	१३	२	६	५७
६०	२	७१	९	४८	५३	३	६१
५०	२	५०	४६	१३	ब्र	११	३

गोचरग्रहाः

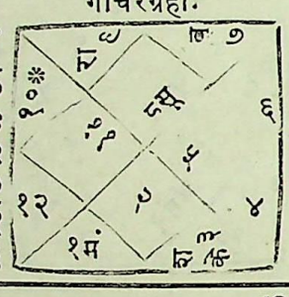

इस मासमें ५रवि ५सोम सामान्य है सोम वारा यदा पंचश्चांदमासे भवन्ति हि। धनं धान्यं समृद्धिः स्यात्सुखं सर्वत्र सुदरं

गोचरग्रहाः

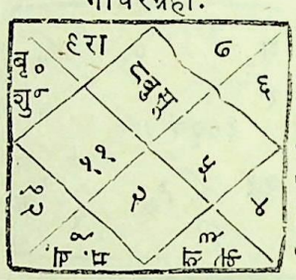

३५पं.मा.शु.१२शु इ.२९/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	९	९	२	८	७
२१	२	४	१६	६	९	५	२१
४८	२८	३०	२	१४	४	४२	३०
५०	५३	३२	३१	६	१	५०	४४
६०	६	८४	१०	४१	१५/१४	३	६१
५६	३५	५८	३१	५६	ब	११	११

१	चं	५०	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४३	११	आ	४३	७	शु	१४/९	४९/४६	तै	१७	५३	२५/४१	५२/५३	५/८	११	२०	१५	मिथुने	श्रवण. ३गुरुः २।३५पातमोक्षः २४।२२
३	बु	३४	३२	पु	३६	१५	ब्र	४८	२०	व	८	५१	४०	५२	८	१२	२१	१६	क. २२।५८	भ.८।५१उ.३४।३२या. श्रवणेशुक्रः ४१/१३
४	गु	२६	३९	पु	३०	१९	ऐं	३८	४६	ब	०	३६	३९	५२	८	१३	२२	१७	कर्के	चतुर्थी ब्र.
५	शु	२०	९	श्ले	२५	३५	वै	३०	३६	तै	२०	९	३८	५२	८	१४	२३	१८	सिं. २५।३५	
६	श	१५	७	म	२२	२३	वि	२३	३१	व	१५	७	३८	५२	८	१५	२४	१९	सिंहे	भ.१५।७उ.४/३या.दृश्योमूलेधनुष्यर्कः×
७	र	११	५५	पू	२०	४१	प्री	१७	५०	ब	११	५५	३७	५३	७	१६	२५	२०	क. ३५।४०	पूर्वास्तं बुधः ४०।३२
८	चं	१०	१४	उ	२०	३५	आ	१३	२७	को	१०	१४	३७	५३	७	१७	२६	२१	कन्यायां	×३/३ सौरः ४७/२४ ज्येष्ठा. बुधः ४१।४७
९	मं	१०	१२	ह	२२	२७	सो	१०	२२	ग	१०	१२	३७	५३	७	१८	२७	२२	तु. ५४।५	भ.४०।५८उ.
१०	बु	११	४४	चि	२५	४३	शो	८	२८	वि	११	४४	३६	५३	७	१९	२८	२३	तुलायां	भ. ११।४४ या.
११	गु	१४	२४	स्वा	३०	१	अ	७	४७	बा	१४	२४	३६	५३	७	२०	२९	२४	तुलायां	सफला ११ ब्र.
१२	शु	१८	३५	वि	३५	२८	सु	८	८	तै	१८	३५	३६	५३	७	२१	३०	२५	बृ. १९।६	प्रदोषः
१३	श	२३	२९	अ	४१	४६	धृ	८	५०	व	२३	२९	३६	५३	७	२२	१	२६	वृश्चिके	भ.२३।२९उ.५६।२६या.रा. पौषारंभः
१४	र	२९	२३	ज्ये	४८	५३	शू	९	२०	श	२९	२३	३६	५३	७	२३	२	२७	ध. ४८ ५३	
३०	चं	३५	१६	मू	५५	५९	गं	१२	१८	च	२	२०	३७	५३	७	२४	३	२८	धनुषि	मूले धनुषि बुधः १६।३२ सोमवती ३०

हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग. कृ. महाराष्ट्राः

३६पं.पौ.कृ.५ शु.इ २८।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	९	९	२	८	७
२८	३	१४	१७	११	८	५	२८
५५	५०	४७	२२	०	३०	२०	३९
५२	५५	२	१६	३६	५०	३५	२७
६१	१०	९१	११	३३	३४	३	६१
०	५२	५९	९	५३	ब	११	१९

गोचरग्रहा

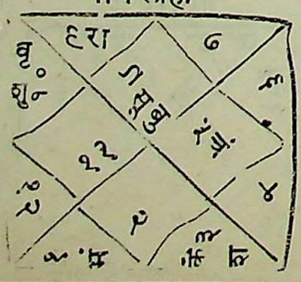

पौष कृ. ६ शनौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३ न.४ बृद्धावस्था (बैठ मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

ग्रोचरग्रहाः

३७पं.पौ.कृ.१२श.इ.२९/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	९	९	२	८	८
६	५	२५	१८	१४	७	४	५
३	४०	३१	४६	४७	५६	५८	४८
२९	४१	२६	५२	१२	१०	२०	५२
६१	१३	९५	११	२३	४०/३९	३	६१
४	५४	५०	४९	२२	ब	११	२२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation USA

ति. पौष शुक्लपक्षः सं० २०३० शाकः १८९५ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २६४स १९७३

१	मं	४१	४९	पू	६०	०	धृ	१३	२१	वृ	८	३२	२५/३७	६/५३	५/७	२५	४	२९	धनुषि	
२	बु	४८	१७	पू	३	४९	ध्रु	१६	२९	वा	१५	३	३७	५३	७	२६	५	३	म.२०।४०	
३	गु	५४	४३	उ	११	१५	व्या	१८	५०	ते	२१	३०	३८	५२	८	२७	६	१	मकरे	
४	शु	६०	०	श्र	१८	३२	ह	२०	४५	व	२७	३७	२८	५२	८	२८	७	२	कु.५१।४८	
५	श	०	३०	ध	२५	५	च	२२	८	वि	०	३०	३९	५२	८	२९	८	३	कुम्भे	
६	र	५	२६	श	३०	५५	सि	२३	४	वा	५	२६	४०	५२	८	३०	९	४	कुम्भे	
७	चं	९	९	पू	३५	२७	व्य	२२	५८	ते	९	९	४०	५२	८	३१	१०	५	मी१९।१९	
८	मं	११	४०	उ	३८	२७	व	२१	३७	व	११	४०	४१	५२	८	१	११	६	मीने	
८	बु	१२	१२	रे	३९	४७	प	१८	४३	ब	१२	१२	४२	५२	८	२	१२	७	मे. ३९।४७	
९	गु	११	६	अ	३९	९	शि	१४	३३	को	११	६	४३	५१	९	३	१३	८	मेषे	
१०	शु	७	४९	भ	३६	५२	सि	८	४९	ग	७	४९	४४	५१	९	४	१४	९	वृ. ५०।४१	
११	श	२	४८	कृ	३२	९	सा	२३/१	५१/२३	वि	२	४८	४६	५१	९	५	१५	१०	बृषे	
१२	श	५३	११		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	र	४८	१४	रो	२६	१४	शु	४२	५७	को	२२	७	४७	५१	९	६	१६	११	मि५२।४०	
१४	चं	३८	२६	मृ	१९	५	ब्र	३२	२२	ग	१३	२५	४९	५०	१०	७	१७	१२	मिथुने	
१५	मं	२८	४३	आ	११	२१	ऐं	२१	६	वि	३	४०	५९	५०	१०	८	१८	१३	क.५०।२३	

चन्द्रदर्शनम्
श्रवण. ४ गुरु १४।२४ जिल्हेज १२
भ.२७।३७उ. दृश्यः पूषायां रविः ३६/३४*
भ. ०।३० या.
*(सौरः ४९/२)

भ. ११/४० उ. ४१/५९ या. वक्री शुक्र ५५/५७÷
पूषायां बुधः ०।४
÷जनवरी १ ता. ३१ सन् १९७४
भ.३५।१८उ. पुत्रदा ११ ब्र. स्मा.
भ. २।४८ या. पुत्रदा ११ ब्र. वै.

वक्री मृग.४ शनिः ११।५८ प्रदोषः
भ. ३८।३६ उ.
भ. ३।४० या. माघ स्ना. प्रा.

३८पं.पौ.शु.४शु.इ.२५/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	९	९	२	८	८
१३	७	६	२०	१७	७	४	१२
११	५१	२४	१५	८	२१	२६	५८
२१	०	३६	७	२	०	४	४४
६१	१७	९२	१२	१०	४८	३	६१
६	३३	२८	१७	८	ब	११	२६

गोचरग्रहाः

इस मास में गुड़ घृत तिल तेल नमक बिनौला चांदी अलसी एरण्डा शेयर्स में तेजी हो।

गोचरग्रहाः

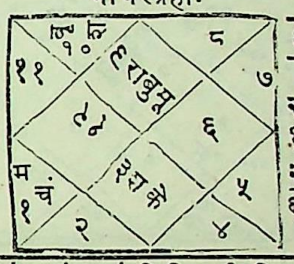

३९वं.पौ.शु.१०शु.इ.२८/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	९	९	२	८	८
२०	१०	१७	२१	१७	६	४	२०
१९	२१	३०	४६	३९	४७	१३	८
२६	५०	१४	८	५०	४२	४८	४१
६१	२०	९०	१२	३५/३५	२७/४	३	६१
६	११	२३	४०	ब	ब	११	२६

ति. माघ कृष्णपक्षः सं २०३० शाकः १८९५ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्राः

१	बु	१८	३४	पु	३/२३	५२/२०	वे	५/६	४/५	को	१८	३४	२५/५२	६/५०	५/१०	६	१६	१४	कर्के	
२	गु	६	४२	श्ले	४६	१	प्री	४६	१	ग	६	४२	५४	४६	११	१०	२०	१५	सि४६।१	
३	शु	१	३०	म	४३	४०	आ	४२	६	वि	१	३०	५६	४६	११	११	२१	५६	सिंहे	
४	शु	५३	८		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	७	०	
५	श	४६	३३	पू	४०	१६	सो	३२	३१	को	२२	५	५८	४८	१२	१२	२२	१७	क.५४।५०	
६	र	४६	२८	उ	३८	३४	शो	२६	४२	ग	१८	१	२६/१	४८	१२	१३	२३	१८	कन्यायां	
७	चं	४५	३४	ह	३८	५२	अ	२२	१३	वि	१६	१	३	४७	१३	१४	२४	१९	कन्यायां	
८	मं	४६	३५	चि	४१	१०	सु	१९	३०	वा	१६	४	५	४७	१३	१५	२५	२०	तु.१०।१	
९	बु	४९	११	स्वा	४५	७	धृ	१८	३	ते	१७	५३	८	४६	१४	१६	२६	२१	तुलायाँ	
१०	गु	५३	२५	वि	५०	२८	शू	१८	२२	व	२१	१८	१०	४६	१४	१७	२७	२२	बृ. ३४।८	
११	शु	५८	४४	अ	५६	५२	गं	१९	७	ब	२६	४	१२	४६	१४	१८	२८	२३	वृश्चिके	
१२	श	६०	०	ज्ये	६०	०	मू	२०	४६	को	३१	५३	१५	४५	१५	१९	२९	२४	बृश्चिके	
१२	र	५	१	ज्ये	४	१९	धु	२२	५६	ते	५	१	१७	४५	१५	२०	३०	२५	ध.४।१९	
१३	चं	११	३५	मू	१२	४८	व्या	२५	१०	व	११	३५	२०	४४	१६	२१	१	२६	धनुषि	
१४	मं	१७	५४	पू	१९	२४	ह	२७	३०	श	१७	५४	२२	४४	१६	२२	२	२७	म.२६।१३	
३०	बु	२४	१९	उ	२६	४०	व	२९	३१	ना	२४	१९	२५	४३	१७	२३	३	२८	मकरे	

* (सौरः ५०।२९) उषायां बुधः १०/२५
भ. २५/३६ उ. दृश्यः उषायां रविः ४१।१८*
भ. ३०/१ या. भरण्यांभौमः ५/४० धनिष्ठा. १गुरुः÷
÷ २५।४० च.ब्र.
मकरे बुधः ७।१०
भ. ४६/२८ उ. दृश्यो मकरेऽर्कः ५७।४२
भ.१६।१या. मकरेऽर्कः सौरः ५।५४

भ. २१/१८ उ. ५/३५ या. पा.स्प. ३/१ मोक्षः २८/४०
श्रवणे बुधः ७/३८ षट्तिला ११व्र.

दृश्योऽभि.प्र.रविः ३०/२७ (सौरः ३६/१६) प्रदोषः
भ. ११/३५ उ ४४/४४ या. मूल. १राहुः मृग.३+
+केतुः २३/३ शुक्रास्तः पश्चि. ५९/२४ रा.माघा.
दृश्यः श्रवणे रविः ४६/५० (सौरः ५३/१३)

४०पं.मा.कृ.३शु.इ.२८/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	९	९	२	८	८
२७	१३	२८	२३	१६	६	३	२७
२७	११	५३	२०	११	१५	११	१८
४०	१०	६	३२	२८	११	३३	३३
६१	२३	९५	१३	५०/२०	४७	३	६१
६	२१	४७	५	ब	ब	११	२४

गोचरग्रहाः

मा. कृ. ६ रवौ मकरेऽर्कः प्र.वा. २ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समता शु. प.

गोचरग्रहाः

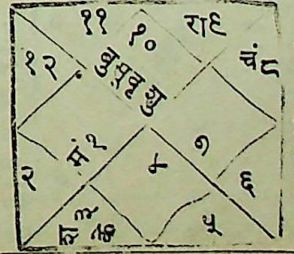

४१पं.मा.कृ.११शु.इ.२८/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	९	९	२	८	९
४	१६	१०	२४	९/३	५	३	४
३५	१४	३५	५८	७	४५	२९	२८
३१	२	३८	१६	८	४७	१७	२
६१	२५	९०	१३	३३/२४	४७/३	३	६१
३	२९	५४	२०	ब	ब	११	१९

शु. बृ. चं.

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २९४स.१९७४

१	गु	३०	१५	श्र	३३	२६	सि	३१	२६	ब	३०	१५	२६/२७	६/४३	५/१७	२४	४	२९	मकरे
२	शु	३५	३१	ध	४०	१२	व्य	३२	३२	बा	२	५३	३०	४२	१८	२५	५	३०	कु. ६।४९
३	श	४०	७	श	४५	५३	व	३३	८	तै	७	४९	३३	४१	१९	२६	६	१	कुंभे
४	र	४३	३७	पू	५०	३०	प	३३	४	व	११	५२	३६	४१	१९	२७	७	२	मी ३४।२१
५	चं	४६	४	उ	५४	४	शि	३२	१३	ब	१४	५०	३९	४०	२०	२८	८	३	मीने
६	मं	४७	७	रे	५६	२४	सि	३०	२२	की	१६	३५	४२	४०	२०	२९	९	४	मे. ५६।३४
७	बु	४६	५८	अ	५७	११	सा	२७	२०	ग	१७	२	४६	३९	२१	३०	१०	५	मेषे
८	गु	४५	९	भ	५६	३५	शु	२३	५	वि	१६	३	४९	३८	२२	३१	११	६	मेषे
९	शु	४१	५०	कृ	५४	१७	शु	१७	३०	ला	१३	२९	५२	३८	२२	१	१२	७	वृ. ११।०
१०	श	३६	४४	रो	५०	३४	ब्र	१०	४७	तै	९	१७	५५	३७	२३	२	१३	८	बृषे
११	र	३०	५४	मृ	४५	२९	ऐं	५०/५०		व	३	४९	५९	३६	२४	३	१४	९	मि १७।५८
१२	चं	२२	४५	आ	३९	३	वि	४३	४३	त्रा	२२	४५	२७/२	३६	२४	४	१५	१०	मिथुने
१३	मं	१३	५८	पु	३१	५२	प्री	३३	१६	तै	१३	५८	६	३५	२५	५	१६	११	क. १८।४०
१४	बु	४	४१	पु	२४	२१	आ	२२	२६	ब	४	४१	९	३४	२६	६	१७	१२	कर्के
१५	बृ	५०	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

ध.ऽभि.नि.रविः ३/९ ९/९ (सौरः ४/२ ५/९) वक्री*
धनि.बुधः ५/३ ३/५ धनि.२गुरुः ४/४ ६/८ चन्द्रदर्शनं
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ४/१ ३/२ मोहो १स.१३९४
भ. ११/५२ उ. ४/३ ३/७ या. *उषा.शुक्रः ४/९ ५/९ शु.उ.
बुधोदयः पश्चिमायां २५।३ वसन्त ५ पू.
कुम्भे बुधः ४४।१
भ. ४६।५८ उ. भानु ७ रथ ७
भ. १६।३ या. भीष्माष्टमी
फर्वरी २ ता. २८
शते बुधः ५२।५६
भ. ३।४९ उ. ३०।५४ या. अस्तं गुरोः×
प्रदोषः ×१८।० जया ११ ब्र. अ.गु.
दृश्यो धनिष्ठा.रविः ५/९ ५/९ सौरः ५९।४)
भ. ४।४१ उ. २/५ ६/७ या. माघ स्ना. पूर्तिः

४२पं.मा.शु.२ शु.इ. २/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	९	९	२	८	९
११	१९	२२	२६	९	५	३	११
४२	३०	३५	३५	१२	१९	७	३६
५८	०	५३	४९	५०	१३	२	५३
५०	२७	०/५	१३	४/३५	३/१७	३	६१
५९	२८	५	२७	बु	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

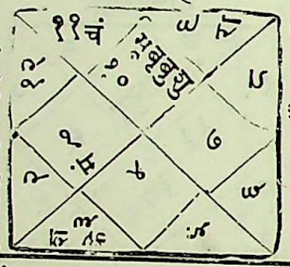

माघमें तेजी जानिये
फाल्गुन मंदी चाल ।
रसकस बेचो माघमें
अन्न खरीदो साघ ।
सरसों अण्डी तेल
में मन्दी के
ग्रहचाल ।

गोचरग्रहाः

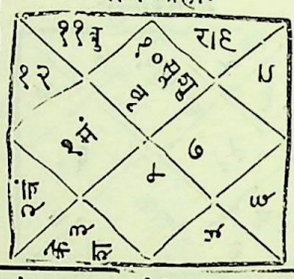

४३पं मा.शु.९ शु.इ. २/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	१०	९	९	२	८	९
१८	२२	४	२८	५	४	२	१८
४९	५७	२३	१४	१२	५७	४४	५४
२६	३४	५६	५६	५४	२/१५	४६	५
६०	२८	९६	१३	२७/५५	३/३७	३	६१
५५	४३	२५	३२	बृ	ब	११	४

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृ. महाराष्ट्राः

१	गु	४५	१९	श्ले	१७	१९	सौ	११	४८	बा	२०	१६	२७/१३	६/३३	५/२७	७	१८	१३	सिं १७।१९
२	शु	३८	२५	म	१०	२६	शो	४९/५१		तै	११	५१	१६	३३	२७	८	१९	१४	सिंहे
३	श	३१	५६	पू	५	१०	सु	४५	१७	व	५	१०	२०	३२	२८	९	२०	१५	क. १९।१६
४	र	२७	१८	उ	१	३३	धृ	३९	१०	बा	२७	१८	२४	३१	२९	१०	२१	१६	कन्यायां
५	चं	२४	४६	ह	०	३	शू	३४	५०	ते	२४	४६	२७	३१	२९	११	२२	१७	तु. ३०।१९
६	मं	२४	३५	चि	०	३५	गं	३२	४२	व	२४	३५	३१	३०	३०	१२	२३	१८	तुलायां
७	बु	२६	१४	स्वा	३	४	बृ	३१	२२	ब	२६	१४	३५	२९	३१	१३	२४	१९	बृ. ५१।३०
८	गु	२९	५४	वि	७	३९	ध्रु	३१	३४	की	२९	५४	३८	२८	३२	१४	२५	२०	बृश्चिके
९	शु	३४	५७	अ	१३	५५	व्या	३२	४५	ते	२	२५	४२	२८	३२	१५	२६	२१	बृश्चिके
१०	श	४१	६	ज्ये	२०	४३	ह	३४	५२	व	८	२	४६	२७	३३	१६	२७	२२	ध. २०।४३
११	र	४७	२७	मू	२८	१५	व	३७	१३	ब	१४	१६	५०	२६	३४	१७	२८	२३	धनुषि
१२	चं	५४	१०	पू	३५	५३	सि	३९	४३	की	२०	४८	५४	२५	३५	१८	२९	२४	म. ५२।४५
१३	मं	६०	०	उ	४३	२१	व्य	४१	५५	ग	२७	१८	५८	२४	३६	१९	३०	२५	मकरे
१३	बु	०	२६	श्र	५०	१७	व	४३	३५	व	०	२६	२/२	२४	३६	२०	१	२६	मकरे
१४	गु	६	१	ध	५६	१३	प	४४	३०	श	६	१	६	२३	३७	२१	२	२७	कु. २३।१५
३०	शु	१०	४३	श	६०	०	शि	४४	४२	ना	१०	४३	१०	२२	३८	२२	३	२८	कुम्भे

कृत्ति.भौमः ५/४ ०/६ धनिष्ठा.कुम्भे ३गुरुः ५/५
भ. ५।१० उ. ३१।५६ या. च. ब्र.

भ. २४।३५ उ. ५५।२५ या. दृश्यः*
*कुम्भेऽर्कः ३०।२६ (सौरः ३३।१)
मार्गी शुक्रः १२।२३
वक्री बुधः ५/२ ५/० बृषे भौमः ९।४६
भ. ८।२ उ. ४१।६ या.
बुधास्तः पश्चिमायां ५/२ ३/० विजया ११ ब्र.

दृश्यः शतेरविः ४/४ ६/७ (सौरः २/२ ५/३) प्रदोषः
भ. ०।२६ उ. ३३।१३ या. महाशिवरात्रीव्रत
÷ब्र. रा. फाल्गुनारंभः
धनिष्ठ. ४ गुरुः ४४।६

४४पं. फा.कृ.२ शु.इ २/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	१०	९	९	२	८	९
२५	२६	१४	२९	२	४	२	२५
५५	२८	१९	५४	४४	४०	२२	५१
१६	४४	६	५०	२८	१९	३०	४१
६०	३०	६९	१३	३३/३५	९/१	३	६०
४७	१६	३७	३७	बृ	बृ	११	५५

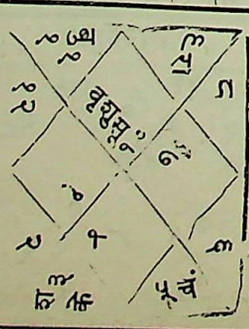

४५पं. फा.कृ.६ शु.इ २/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५०	१	१०	१०	५	२	८	१०
३	०	१८	१	३	४	२	२
०	०	१५	३५	२४	२७	०	५७
४	५४	२५	३८	५०	४७	१५	४४
६०	३१	४	१३	३/०	२/०	३	६०
२७	२६	२९	३८	मा	ब	११	४२

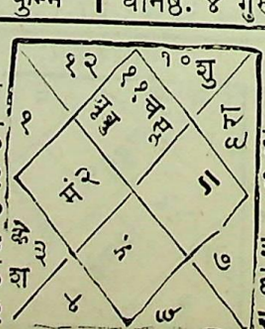

४६पं.फा.कृ.३० शु.इ. २/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	१०	९	२	८	१०
१०	३	१४	३	३	४	१	१०
३	५६	४६	१६	४९	२१	३७	२
३२	३५	१९	३४	२३	११	५९	१७
६०	३२	६६	१३	१४	०/३४	३	६०
२५	२३	बृ	३४	३८	ब	११	३१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०३०शाकः१८९५ दि.उ.अ इं.रा.मु. चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२४स १९७४

१	श	१४	२७	श	१	१६	सि	४४	२०	ब	१४	२७	२६/१४	६/२१	५/३९	२३	४	२९ मी४९।२०
२	र	१६	५८	पू	५	२१	सा	४२	५९	कौ	१६	५८	१८	२०	४०	२४	५	१ मीने
३	चं	१८	३६	उ	८	२३	शु	४०	३८	ग	१८	३६	२२	२०	४०	२५	६	२ मीने
४	मं	१९	७	रे	१०	२५	शु	३७	४६	वि	१९	७	२६	१९	४१	२६	७	३ मे.१०।२५
५	बु	१८	३७	अ	११	२७	ब्र	३४	२	सा	१८	३७	३०	१८	४२	२७	८	४ मेषे
६	गु	१७	४	भ	११	३५	ऐं	२९	२०	तै	१७	४	३४	१७	४३	२८	९	५ वृ.२६।१७
७	शु	१४	१६	कृ	१०	२५	वै	२३	४६	व	१४	१६	३८	१६	४४	१	१०	६ बृषे
८	श	१०	३५	रो	८	२१	वि	१७	२८	ब	१०	३५	४२	१६	४४	२	११	७ मि३६।४६
९	र	६	१८	मृ	५	१०	मी	१०	९	कौ	६	१८	४६	१५	४५	३	१२	८ मिथुने
१०	चं	०	४	आ	५८/०	५४/४९	आ	३/१९	५१/८	ग	०	४	५०	१४	४६	४	१३	९ क.४२।५
११	चं	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१२	मं	४५	४०	पु	४९	५७	शो	४४	४	ब	१९	२४	५४	१३	४७	५	१४	१० कर्के
१३	बु	३७	४३	श्ले	४४	११	अ	३४	२८	कौ	११	४१	५८	१२	४८	६	१५	११ सिं४४।११
१४	गु	२९	३१	म	३७	४४	सु	२५	१	ग	३	३७	२९/२	१२	४८	७	१६	१२ सिंहे
१५	शु	२१	५३	पू	३२	६	धृ	१६	१	व	२१	५३	६	११	४९	८	१७	१३ क.४६।१

फा. कृ. ६ भौमे कुंभेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

शते.१ गुरुः ५०।१४ छारेंडी

४७पं फा.शु.७शु.इ.२९।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	१०	९	२	८	१०
१७	७	७	४	६	४	१	१७
५	४७	३४	५६	५५	१९	१५	५
४६	४२	५९	३९	१९	३७	४३	६
६०	३३	५९/१०	१३	२९	०/९	३	६०
१२	११	ब	३१	५३	मा	११	२०

गोचरग्रहाः

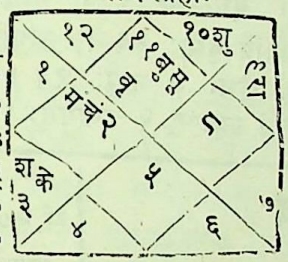

गोचरग्रहाः

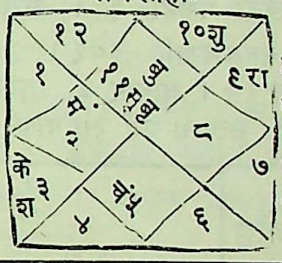

४८पं.फा.शु१५शु.इ.२९।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	१०	९	२	८	१०
२४	११	३	६	११	४	०	२४
६	४२	५३	३५	१२	२४	५३	६
२९	१४	३१	२४	३६	११	२८	२९
५९	३३	१९/२९	१३	३९	०	३	६०
५८	४०	बृ	२०	११	५९	११	६

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५ दि.उ.अ इं.रा.मु. चंद्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृ.महाराष्ट्राः

१	श	१५	१२	उ	२७	४६	शु	७	५३	कौ	१५	१२	२९/१०	६/१०	५/५०	९	१८	१४ कन्यायां
२	र	९	५३	ह	२४	३९	ग	४९/०	५४/२३	गं	९	५३	१४	९	५१	१०	१९	१५ तु.५४।१८
३	चं	६	८	चि	२३	५७	शु	५१	१०	वि	६	८	१९	८	५२	११	२०	१६ तुलायां
४	मं	४	५३	स्वा	२५	०	व्या	४८	५२	वा	४	५३	२३	७	५३	१२	२१	१७ तुलायां
५	बु	५	१४	वि	२८	३	ह	४८	२५	तै	५	१४	२७	७	५३	१३	२२	१८ वृ.१२।१७
६	गु	७	५३	अ	३२	५७	व	४८	३४	व	७	५३	३२	६	५३	१४	२३	१९ बृश्चिके
७	शु	१२	१२	ज्ये	३९	२१	सि	५०	१०	ब	४२	१२	३६	५	५४	१५	२४	२० ध.३९।२१
८	श	१७	५९	मू	४६	२५	व्य	५२	१९	कौ	१७	५९	४०	४	५५	१६	२५	२१ धनुषि
९	र	२४	५	मू	५४	३	व	५४	४३	ग	२४	५	४४	३	५७	१७	२६	२२ धनुषि
१०	चं	३०	४४	पृ	६०	०	प	५७	२	वि	३०	४४	४९	२	५८	१८	२७	२३ म.१०।५७
११	मं	३६	४५	उ	१	३८	शि	५८	५५	ब	३	४४	५३	१	५९	१९	२८	२४ मकरे
१२	बु	४२	१७	श्र	८	४०	सि	५९	५६	कौ	९	३१	५७	१	५९	२०	२९	२५ कु.४१।४०
१३	गु	४६	३५	ध	१४	४१	सा	६०	०	ग	१४	२६	३०/१	६/०	६/०	२१	३०	२६ कुम्भे
१४	शु	४९	३५	श	२०	१	सा	३/०	५९/७	वि	१८	५	६	५९/२	१	२२	१	२७ कुम्भे
३०	श	५१	१०	पू	२३	८	शु	५७	२०	च	२०	२२	१०	५८	२	२३	२	२८ मी.७।२१

पातस्पर्शः७।३२ पातमोक्षः१९/१० वसंत१ भ.३८।०उ. भ.४।५३या, मार्गीबुधः३१।२४च.ब्र. *मन्वादि भ.७।५३उ.४०।२या. दृश्यो मीनेऽर्कः+ शीतलापूजनम् +२३।४९ (सौरः २३।३०) भ. ५७।२५ उ. दृश्य उभायां रविः÷ भ. ३०।४४ या. शते बुधः १६।४८ पापमोचनी ११ब्र. ÷४४।५३ (सौरः ४४।६) भ. ४६।३५उ. प्रदोषः भ.१८।५या.रा. चैत्रारम्भः धनिष्ठा.शुक्रः४२।३शते.२ गुरुः२१।१४*

४९पं.चै.कृ.७शु.इ.२९।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	१०	९	२	८	११
१	१५	५	८	१६	४	०	१
५	४१	१८	१३	२६	३३	३१	६
४२	१३	२२	५	१०	३६	१२	११
५९	२४	२९/३५	१३	४६	१	३	५९
४२	२९	मा	१४	१८	४०	११	४९

गोचरग्रहाः

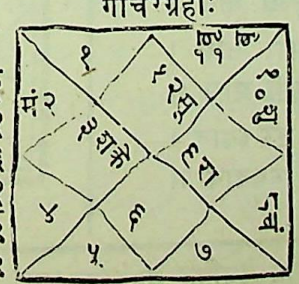

गोचरग्रहाः

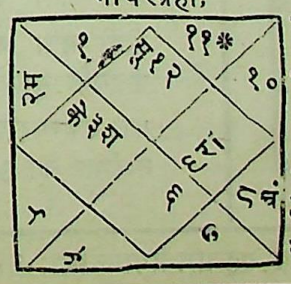

५०पं.चै.कृ१४शु.इ.३०।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	१०	९	२	८	११
८	१९	१०	९	२२	४	०	८
३	४२	२१	४९	१८	४७	८	४
१८	५४	२२	१	०	५६	७	६
५९	३४	०८	१२	५१	२	३	५९
२९	५३	४१	५५	४७	२०	११	३५

चै. कृ. ६ गुरौ मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो पूर्व.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७५ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७५ भोग्यकलिः ४२६९२५ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३१ शाकः १८९६ वर्षेऽस्मिन्राजा रविः । मंत्री शनिः । सस्येशः भौमः । धान्येशोरविः । मेघेशो शुक्रः । रसेशोगुरुः । नीरसेशोभौमः । फलेशोशुक्रः । धनेशोचंद्रः । दुर्गेशो-शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १ प्रभवं नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ६।१३।१४।५२ भोग्यमासादिः ५।१६।४५।८ विष्णु दैवतं युगम् । वर्षनाम भाद्रपदः मेघ नाम पुष्करः। रोहिणी निवासः संधौ । समय निवासो वणिक्गृहे । समय विश्वा ८ । समयवाहनमश्वः स्तंभः १ तृणस्य । सोमवत्यमाः २ । सोमवती पंचमी १ । अङ्गारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी ३ समय मुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३८५ । तिथिक्षयः १९ । तिथि वृद्धिः १३ । उत्पत्ति विश्वा ९९ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा १३ । धान्यम् ५. तृणम् ७. शीतम् १७. तेजः ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ । ऐक्यम् १०१ सत्य ॥ धर्म १॥ पापम् १८ शनिदृष्टिः पूर्वस्यां ग्रहणम् २ चन्द्रमसः ।

सं. २०३१शाके १८९६ ज्येष्ठ शु. १५भौमे खंडग्रास चंद्रग्रहणं

		स्प.	म.	मो		
उज्ज.	घं.	४९	५३	५७		
मध्यम.	पल	२	६	९		
रेल्वे	घं.	२	३	५		
टाइम	मि.	३	४१	१९		

वर्ष लग्नम् ९।२

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

नतमस्तक भैरव खड़ा माता के दरबार ।
शुभसंवत् इकतीस का कहदो हाल विचार ॥

भवानी उत्तर

एकतीसो सषरो समय सुनले ध्यान लगाय ।
वर्षामध्यम वर्षसी मंद मंद बाजे वाय ॥
राजा रवि मंत्री शनि यह है योग कुयोग ।
आपस में हो शत्रुता बढे द्वेश अरु रोग ॥
सस्यपति मंगल हुवा धान्याधिप रवि जान ।
मझ खेतीं के मायने होसी खैंचा नान ॥
टीडी मूषा कातरा करैं धान्यका नाश ।
फलपति भृगुमहाराजहै पूर्ण करसी आश ॥
फल संवन्सर का कहा निजगुरु का धर ध्यान ।
बंशीधर का कथन है भली करैं भगवान ॥

सं. २०३१शाके १८९६ कार्तिक शुक्ले १५ शुक्रे : खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	३१	३३	३५	३७	४०
मध्यम	पल	१६	५९	३९	१९	२
रेल्वे	घं.	६	८	८	९	१०
टाइम	मि.	५७	३	४३	२३	२८

वर्षेश लग्नम् ८।२०

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१२।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२८।५५

(सं० २००१ समारभ्य२१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् । वर्षेऽस्मिन् राजा रविः फलम् ॥ सूर्ये नृपे स्वल्प फलाश्च मेघाः स्वल्पं पयो गोषु जनेषु पीड़ा । स्वल्प सुधान्यं फल मल्प वृक्षाश्चौराग्निवाद्या निधनं नृपाणाम् ॥ मन्त्री शनिः फलम् ॥ रवि सुते यदि मंत्रिणी पार्थिवा विनय संरहिता बहुदुःखदाः । नजलदा जलदा जनता पदा जन पदेषु सुखं न धनं क्वचित् ॥ सस्येशो भौमस्तत्फलम् ॥ प्रथम धान्य पतौ धरणी सुते जग तुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग घनो जलं न क्षम सौख्य करं तुष धान्य हृत् ॥ धान्येशो रविः फलम् ॥ पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्य तदा नहिं । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वार पीडनम् ॥ मेघेशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ भृगुः सुतो जलदस्य पति र्यदा जलतुचो जलदा दिविशोभनाः । धन निधान युता द्विज पालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ॥ रसेशो गुरुः फलम् ॥ यदि गुरू रसयो जन सोख्याः कमल वन्ति सरांसि तृणानि च । जनपदा द्विज पूजन तत्परा गज सुवाजि रथोष्ट्र युता नृपाः ॥ नीरसेशो भौमस्तत्फलम् ॥ नीरसेशो यदा भौमः प्रवाल रक्त वाससाम् । रक्त चन्दन ताम्राणामर्घ वृद्धि र्दिने दिने ॥ फलेशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ यदि फलस्य पतौ भृगुजे धरा मृदु कुमार मही रुह राशयः । बहुफलानर नाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुति पाठ परायणाः ॥ धनेशश्चन्द्रस्तत्फलम् ॥ धनपति र्मृगलाञ्छनको यदा रस चयात्क्रय विक्रयतो धनम् ॥ वसन शालि सुगन्ध रसं बहु द्रविण तैल घृतं नृप सौख्यदम् ॥ दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ नगर देश विशेषपतिर्यदा भृगु सुतोबहु सौख्यकरो मतः । विनयः वाणिज गेट समः सुखो नग वने निकटेपिच दूरतः ॥ प्रभवनाम संवत्सरस्तत्फलम् ॥ ईतयश्चाग्निकोपश्च व्याधयः प्रचुरा भुवि । प्रभवाब्दे मंद वृष्टिः तथापि सुखिनो जनाः ॥ वर्षनाम भाद्रपदः फलम् ॥ अर्घं महर्घतां याति धन धान्यं समं भवेत् । मघवा वर्षति स्वच्छं सपदो भाद्र वर्षके ॥ मेघनाम पुष्करं फलम् । पुष्करे मंद वृष्टिश्च ॥ रोहिणीनिवासः संध्यौफलम् । खण्डवृष्टिश्च संधिषु ॥ समय निवासो वणिग्गृहे फलम् वणिग्गृहे शुभं नास्ति ॥ एवंसंचित्य दैवज्ञैःकथनीयम् शुभाशुभम् ॥

सं० २०३१ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः

शु. ६ भौमे मघा ल.गो. ११रे. ८।।।।।ऽऽऽ गणितेनक्रांति-साम्याऽभावः कुम्भे चंद्र ७ पूज्यः

,, ११ गुरौ उफा. ल.अन्यगो.१२रे.६।।।।।ऽ।। मीने चं७पू.

ज्येष्ठ मासः

कृ. ३ गुरौ मूले ल.गो.११।१२ रे ८।।।ऽ।ऽ।।

,, १० शुक्रे उभा. ल. ११।१ रे.६ऽ।।।ऽअ.ऽऽ।। मेषेऽग्नि-पंचकाऽभावः रेखा ७

शु. ६ चन्द्रे मघा. ल.११।१ रे.८।।।।।ऽऽ।। कुम्भे चं ७ पू.

,, ६ बुधे उफा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः १२रे. ८।।।।ऽऽ ।। मीने चंद्र ७ पूज्यः

,, १० गुरौ हस्ते ल. गो. सोग्रांगः १२रे८।।।।।ऽचो।ऽ।।

,, १२ शनौ स्वा.ल. अन्यगो. सोग्राँगः ११रे.७ऽ।।।ऽशु८रो।।।।

आषाढ़ मासः

कृ. ६ शुक्रे रेवत्यां ल. अन्यगो. रे.७ऽ।।।।ऽअ.।ऽ।। मासांतः

शु. ४ रवौ मघा. ल. १ रे.६ऽ।।।।ऽरोऽऽ।।

,, ५ चंद्रे मघा. ल. अन्यगो. रे.७ऽ।।।।।ऽऽ।। भौम ८ दोषः

शु. ७ बुधे हस्ते ल. १२ (चं.७पू) रे.६ऽ।।।।ऽअ.।ऽ।ऽ दग्धा. आवश्यके

,, ६ शुक्रे स्वा.ल.११।१२रे.८।।।।।ऽजृ।ऽ।। मेषे चं. ७ पू.

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. १२ भौमे स्वा. ल. ५ (घ.४०।२२या.) ऽ।।ऽगु।ऽचौ।ऽ।।

पादवेधा दगुरोर्वेधाऽभावः गु. ७ पू. आवश्यके

पौष मासः

शु. ६ शनौ उभा.ल.अन्यगो.६रे ८।।।।।ऽ।।कन्यायां चं.७पूज्यः

,, ७ रवौरेवत्यां ल.अन्यगो.६रे.६।।।।।।।ऽजृऽ।।कन्यायां चं.७पू.

माघ मासः ।

कृ. ३ गुरौ उफा. ल. गो. ७ रे. ८।।।।ऽ।ऽ।।

,, ४ शुक्रे हस्ते ल. गो. ७ रे. ६ऽ।।।।ऽरोऽऽ।।

,, ११ गुरौ मूले ल. ७ रे.८।ऽ।।।।ऽ।।

शु. ३ शुक्रे उभा. ल. १० रे. ८'।।।।ऽअ.।। ऽदग्धः

,, ४ शनौ रेव. ल. १० रे. ७।ऽ।।।।ऽऽ।।

फाल्गुन मासः ।

कृ. २ गुरौ उफा. ल. गो. रे.६।।।।ऽ।।।।

,, ६ गुरौ मूले. ल. अन्यगो. रे. ६।।।।।।।ऽ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.	तु	वृ	ध	म	कु	मी.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	५	२	२	११	२	५	१४	५	१४	१४	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५३स. १९७४

१	र	५२	३१	उ	२५	१९	त	५४	२८	किं	२१	५०	३०/१४	५७	६/३	२४	३	२९	मीने
२	चं	५०	३८	रे	२६	१७	ऐं	५०	४६	बा	२१	३४	१८	५६	४	२५	४	३०	मे २६।१७
३	मं	४८	५५	अ	२६	२५	वै	४६	१४	तै	१९	४६	२३	५५	५	२६	५	१	मेषे
४	बु	४६	१९	भ	२५	३३	वि	४१	९	व	१७	३७	२७	५५	५	२७	६	२	वृ.४०।११
५	गु	४२	४९	कृ	२४	५	प्री	३५	३५	ब	१४	३४	३१	५४	६	२८	७	३	वृषे
६	शु	३८	५५	रा	२२	७	आ	२९	२९	कौ	१०	५२	३५	५३	७	२९	८	४	मि५०।५२
७	श	३४	५७	मृ	१९	३७	सौ	२२	५३	ग	६	५६	३९	५२	८	३०	९	५	मिथुने
८	र	२९	४२	आ	१६	३४	शो	१६	७	वि	२	१९	४४	५१	९	३१	१०	६	क.५८।४७
९	चं	२४	१९	पु	१२	५२	अ	८	४९	कौ	२४	१९	४८	५०	१०	१	११	७	कर्के
१०	मं	१८	३४	पु	८	५८	सु	१२/१	५३/३	ग	१८	३४	५२	५०	१०	२	१२	८	कर्के
११	बु	१२	२८	श्ले	४	३४	शु	४५	२३	वि	१२	२८	५६	४९	११	३	१३	९	सि४।३४
१२	गु	६	६	म	२३/०	५५/४	गं	३७	३३	बा	६	६	३१	४८	१२	४	१४	१०	सिंहे
१३	गु	५३	५०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	शु	४	२१	पू	५२	२५	दृ	३०	१५	ग	२७	८	४	४७	१३	५	१५	११	क.९।४१
१५	श	४९	२९	ह	४९	४१	ध्रु	२३	३१	वि	२१	५५	८	४६	१४	६	१६	१२	कन्यायां

संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
ज्ये.४वृश्चिकेराहुःमृग.२वृषे केतुः१५/५४*
मत्स्य जयंती. गणगौरी रविलावल ३
भ. १७।३७ उ. ४६।१९ या:
मृगे भौमः ४३।५७
* चद्रदर्शनम् सिधारा.
भ. ३४।५७ उ. कुंभे शुक्रः ५३।३५
भ. १२/३ या.इ.रेवत्यांरविः १२/३६ (सौरः ११/३४)×
रामनवमी अप्रैल ४ ता. ३०
भ.४५।३१उ. ×पूभायांबुधः२२।२३
भ. १२।२८ या. कामदा ११ ब्र.
प्रदोषः
+हनुमज्जयन्ती
भ. ५४।२१ उ.
भ. २१।५५ या. शतेशुक्रः ४७।११ +

५१पं.चै.शु.६शु.इ.३०/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	१०	९	२	७	११
१४	२३	१७	११	२८	५	२९	१५
५९	४७	५१	२२	४२	८	४६	०
१३	२४	४	२३	४०	३१	४१	११
५९	३५	६९	१२	५५	२	३	५९
१६	१६	११	२९	५५	५९	११	१८

गोचरग्रहाः

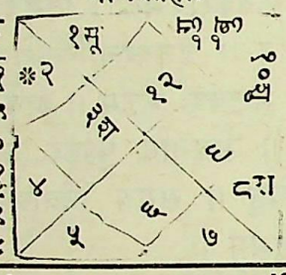

इस मास में वृष का मंगल, संपूर्ण धान्य रुई वस्त्र चंदन केसर तेज कारक है। प्रजा में पीडा हो।

गोचरग्रहाः

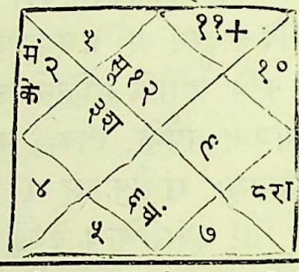

५२पं.चै.शु.१४शु.इ.३०/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	१०	०	२	७	११
२१	२०	२७	१२	५	५	२९	२१
५३	५५	६	५२	२५	३३	२४	५४
३१	३४	२५	५	८	०	२५	२२
५९	३५	८५	१२	५८	३	३	५९
४	५१	११	१०	५३	४०	११	७

ति. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृ. महाराष्ट्राः

१	र	४६	१	चि	४८	२२	व्या	१७	५८	वा	१७	४५	३१/१२	५/४६	६/१४	७	१७	१३	तु. १९।१
२	चं	४४	२३	स्वा	४८	४१	ह	१४	२६	तै	१५	१२	१६	४५	१५	८	१८	१४	तुलायां
३	मं	४४	१०	वि	५०	३७	व	१०	११	व	१४	१६	२०	४४	१६	९	१९	१५	वृ.३५।८
४	बु	४६	२	अ	५४	३०	सि	८	५५	ब	१५	६	२४	४३	१७	१०	२०	१६	वृश्चिके
५	गु	४९	२९	ज्ये	५९	५१	व्य	८	१६	कौ	१७	४५	२८	४२	१८	११	२१	१७	ध.५९।४१
६	शु	५४	३८	मू	६०	०	व	९	१०	ग	२२	३	३२	४२	१८	१२	२२	१८	धनुषि
७	श	६०	०	मू	६	२५	प	१०	५४	वि	२७	३४	३६	४१	१९	१३	२३	१९	धनुषि
७	र	०	३०	पू	१३	५५	शि	१३	५	ब	०	३०	४०	४०	२०	१४	२४	२०	म.३०।४८
८	चं	६	५०	उ	२१	२६	सि	१५	२७	कौ	६	५०	४३	३९	२१	१५	२५	२१	मकरे
९	मं	१२	५९	श्र	२८	४४	सा	१७	३१	ग	१२	५९	४७	३९	२१	१६	२६	२२	मकरे
१०	बु	१८	२८	ध	३५	१६	शु	१९	४	वि	१८	२८	५१	३८	२२	१७	२७	२३	कु.२।०
११	गु	२२	४७	श	४०	१५	शु	१९	३४	वा	२२	४७	५५	३७	२३	१८	२८	२४	कुम्भे
१२	शु	२५	३७	पू	४४	४	व	१७	८	तै	२५	३७	५८	३६	२४	१९	२९	२५	मी२८।७
१३	श	२६	४७	उ	४५	५५	ऐं	१३	४६	व	२६	४७	३२/२	३६	२४	२०	३०	२६	मीने
१४	र	२६	११	रे	४६	२६	वै	९	२०	श	२६	११	६	३५	२५	२१	१	२७	मे.४६।२६
३०	चं	२४	१०	अ	४५	२८	वि	५/३	५४/८	ना	२४	१०	१०	३४	२६	२२	२	२८	मेषे

मीने बुधः ३३।१० शते २ गुरुः
मिथुने भौमः ५९।१०
भ. १९/१६ उ. ४४/१० या. उभायां बुधः ५३।४
चतुर्थी व्रतम्
भ ५४।३४ उ.
भ. २७/३४ या.अश्वि.मेषेऽर्कः ४९/४० (सौरः ४६/९)
*२२।२४आर्द्रा. १शनिः ४३/५
भ. ४५।४३ उ.
भ. १८।२८या. रेवत्यां बुधः ५०।३६
वरूथिनी ११ ब्र.
पूभायाँ शुक्रः ३८।१५ प्रदोषः
भ.२६।४७उ.५९।२९या.आर्द्रा.भौमः*
रा. वैशाखारंभः
पूर्वास्तो बुधः ३८।१८ सोमवती ३०वै

१पं.वै.कृ.७श.इ.४६/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	१०	१०	२	७	०
०	२	९	१४	१३	६	२८	०
०	४४	५५	३६	५१	६	५८	०
०	१०	१५	४३	३६	५४	१७	३२
५८	३६	८/०	११	६२	४	३	५८
४४	१६	३१	२९	११	२७	११	४५

गोचरग्रहाः

बै. कृ. ७ शनौ मेषेऽर्कः प्र.वा.४ न.४ बालावस्था (बैठी) मु ३० धान्यादि भावे समता शु. पू.

गोचरग्रहाः

२पं.वै.कृ.१३श.इ.४६/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	१०	१०	२	७	०
६	६	२२	१५	२१	६	२८	६
५०	५४	१०	५८	१३	४०	३६	५०
४२	५४	३६	२६	२६	१९	२	४३
५८	३६	८/०	१०	६४	४	३	५८
३१	२४	३१	५७	७	५३	११	२९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | वैशाख शुक्लपक्षः सं.२०३१शाकः १८९६ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३८३स.१९७४

१	मं	२०	४७	भ	४३	२६	आ	५८	३	ब	२०	४७	३२/१४	५/३३	६/२७	२३	३	२९	वृ. ५७।४३
२	बु	१६	२८	कृ	४०	३४	सौ	५१	१७	कौ	१६	२८	१७	३३	२७	२४	४	१	वृषे
३	गु	११	२५	रो	३७	१०	शो	४३	४९	ग	११	२५	२१	३२	२८	२५	५	२	वृषे
४	शु	६	४	मृ	३३	३४	अ	३६	४४	वि	६	४	२५	३१	२९	२६	६	३	मिथु. १२२
५	श	०	४०	आ	२९	४	सु	२९	४९	बा	०	४०	२९	३०	३०	२७	७	४	मिथुने
६	श	५४	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	९	०	०	०	०
७	र	४९	४७	पु	२६	२६	धृ	२२	२८	ग	२२	२९	३२	३०	३०	२८	८	५	क. १२।५
८	चं	४४	३५	पु	२३	८	शू	१५	३२	वि	१७	४१	२६	२९	३१	२९	९	६	कर्के
९	मं	३९	३२	श्ले	१९	४७	गं	८	२४	बा	१२	४	४०	२८	३२	३०	१०	७	सिं १९।४७
१०	बु	३४	४१	म	१६	५२	वृ	५६/५	५४/५	तै	७	७	४३	२७	३३	१	११	८	सिंहे
११	गु	३०	१५	पू	१४	१६	व्या	४९	२५	व	२	२८	४७	२७	३३	२	१२	९	क. २८।४५
१२	शु	२६	१२	उ	१२	३१	ह	४३	५५	बा	२६	१२	५१	२६	३४	३	१३	१०	कन्यायां
१३	श	२२	५३	ह	१०	४०	व	३८	५९	तै	२२	५३	५४	२५	३५	४	१४	११	तु. ४०।२२
१४	र	२०	२९	चि	१०	५	सि	३५	२	व	२०	२९	५७	२५	३५	५	१५	१२	तुलायां
१५	चं	१९	३३	स्वा	१०	४६	व्य	३२	५	ब	१९	३३	३/३९	२४	३६	६	१६	१३	वृ. ५७।१४

चंद्रदर्शनम्
अश्वि.मेषेबु धः ५/५ शतभिषा४गुरुः १/९ *
भ. २८।४५ उ. अक्षया ३
भ. ६।४ या.
भरण्यां रविः २/६ (सौरः २७।२७)
*रविलाखर४
भ. ४९।४७ उ. मीने शुक्रः ५५।१२
भ. १७।४१ या.
पातस्पर्शः ५/९ पातमोक्षः २२।२९
भरण्यां बुध २/३ उभायां शुक्रः ५९।४७F
भ. २।२८उ. ३०।१५या. मोहिनी ११व्र.
प्रदोषः नृसिंह जयन्ती
Fमईप्रता.३१
भ. २०।२९ उ. ५०।१ या.
यमाय जलान्नकुंभदानम्

३पं.वै.शु.५श.इ. ४७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१०	१०	२	७	०
१३	११	५	१७	२८	७	२८	१३
३९	५	४६	१७	४५	१८	१३	३९
४३	२२	३०	१०	३६	४६	४६	८
५८	३६	२९/७	१०	६५	५	३	५८
१९	४९		१४	४१	१९	११	१२

गोचरग्रहाः

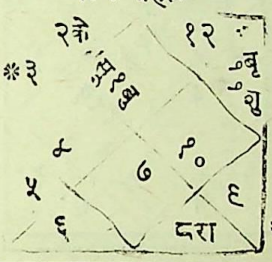

इस मास में धान्य भाव साधारण रहे सोना चांदी शेयर पाट वार-दाना घृत तेल चौपाया पशु तेजहो

गोचरग्रहा;

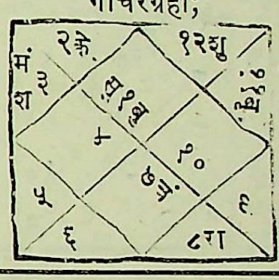

४पं.वै.शु. १३श.इ.४७।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१०	११	२	७	०
२०	१५	२०	१८	६	८	२७	२०
२७	१५	२४	३०	२७	०	५१	२५
२२	५४	४४	५०	२५	०	३१	४९
५८	३८	२९/७	९	६७	५	३	५७
६	५७		२७	४	५३	११	५७

ति. | ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६ | दि. | उ. | अ | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृ.महाराष्ट्राः

१	मं	१९	४४	वि	१२	४३	ब	३३	४०	कौ	१९	४४	३/४	२/३	५/३७	७	१७	१४	वृश्चिके
२	बु	२१	३५	अ	१६	५	प	२९	३७	ग	२१	३५	७	२३	३७	८	१८	१५	वृश्चिके
३	गु	२४	४५	ज्ये	२०	५२	शि	३०	७	वि	२४	४५	१०	२२	३८	९	१९	१६	ध. २०।५२
४	शु	२९	२७	मू	२७	७	सि	३१	२५	बा	२९	२७	१३	२१	३९	१०	२०	१७	धनुषि
५	श	३४	५२	पू	३३	४७	सा	३३	२७	कौ	२	१०	१६	२१	३९	११	२१	१८	म. ५०।४१
६	र	४१	२	उ	४१	२३	शु	३५	५३	ग	७	५७	१९	२०	४०	१२	२२	१९	मकरे
७	चं	४७	१९	अ	४९	५४	शु	३७	४७	वि	१४	५७	२२	२०	४०	१३	२३	२०	मकरे
८	मं	५३	९	ध	५५	५६	त्र	४०	१९	बा	२०	१४	२५	१९	४१	१४	२४	२१	कु. २२।२५
९	बु	५७	५५	श	६०	०	ऐं	४१	३१	तै	२५	३२	२८	१८	४२	१५	२५	२२	कुम्भे
१०	गु	६०	०	श	२	२	वै	४१	३४	व	२९	३१	३०	१८	४२	१६	२६	२३	मी ५०।११
१०	शु	१	७	पू	६	१३	वि	४०	२४	वि	१	७	३३	१७	४३	१७	२७	२४	मीने
११	श	२	३५	उ	९	३	ग्री	३७	४८	बा	२	३५	३६	१७	४३	१८	२८	२५	मीने
१२	र	२	५	रे	९	५६	आ	३३	२६	तै	२	५	३९	१६	४४	१९	२९	२६	मि. ९।५६
१३	र	५७	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	चं	५५	२३	अ	८	४९	सौ	२७	५०	वि	२७	३३	४१	१६	४४	२०	३०	२७	मेषे
२०	मं	४९	५३	भ	६	५	शो	२१	१	च	२२	३८	४३	१५	४५	२१	३१	२८	बृ. २०।६

भ. ५३।१० उ. वृषे बुधः ५९।३९
भ. २४।४५ या. चं. ब्र.
कृत्तिका.रविः १२।५२ (सौरः १५।२४)
भ. ४१।२उ. पुनर्वसौ भौमः ३७।२३
भ. ५/७ या.रोहि.बुधः ४७/५३ रेवत्यांशुक ५४/४१
वृषेऽर्कः ४/७ (सौरः ४/१२) पूभा.१गुरुः १०/२४
पश्चिमोदयो बुधः ४६।२७
भ. २९।३१ उ.
भ. १।७ या. अपरा ११ व्र. स्मा.
अपरा ११ व्र. वै.
भ. ५९।४३ उ. प्रदोषः
भ. २७।३३ या. मृगे बुधः ३७।७
वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.५श.इ.४७।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	१०	११	२	७	०
२७	१९	५	१९	१४	८	२७	२७
१३	२९	४९	३९	१५	४४	२९	११
३४	२	१५	१८	४३	३४	१५	३
५७	३७	२९/७	८	६८	६	३	५७
५४	२२		४२	९	११	११	४५

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृ. ८ भौमे वृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ प्रौढावस्था (वैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु. पू.

गोचरग्रहाः

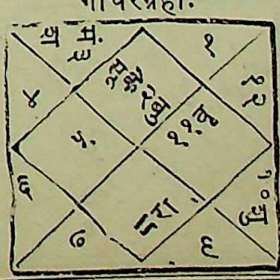

६पं.ज्ये.कृ.११श.इ.४७।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१०	११	२	७	१
३	२३	१९	२०	२२	९	२७	३
५८	४२	५०	४०	९	३१	६	५४
२६	५०	५२	४०	२५	१	५९	४२
२७	३७	२९/७	७	६९	६	३	५७
४४	२३	४७	४६	९	२६	११	३४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४१२स१९७४

१	बु	४३	८	कृ	२	५५	अ	१३	१०	के	१६	३१	३२/४६	५/१५	६/४५	२२	१	२९	वृषे
२	गु	३५	५२	मृ	५०	५३	सु	४/४६	५१/३	मा	९	३०	४८	१४	४६	२३	२	३०	मि २४।५
३	शु	२८	३७	आ	४६	४०	शू	४७	१९	तै	२	१४	५०	१४	४६	२४	३	१	मिथुने
४	श	२१	२२	पु	४१	३५	गं	३९	२	वि	२१	२२	५२	१४	४६	२५	४	२	क.२७।५२
५	र	१४	३५	पु	३७	८	बृ	३१	१३	मा	१४	३५	५४	१३	४७	२६	५	३	कर्के
६	चं	८	१८	श्ले	३३	२३	धु	२३	४४	तै	८	१८	५६	१३	४७	२७	६	४	सिं २३।२३
७	मं	२	४९	म	३०	१३	व्या	१६	५२	व	२	४९	५८	१२	४८	२८	७	५	सिंहे
८	मं	५५	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	बु	५४	३२	पू	२८	१	ह	१०	४४	बा	२६	२३	३४/०	१२	४८	२९	८	६	क.४२।४१
१०	गु	५१	३६	उ	२६	४०	ब	५	२४	तै	२३	४	२	१२	४८	३०	९	७	कर्के भौमः ३।३२
११	शु	४९	४१	ह	२६	२३	सि	५०/०	५६/१२	व	२०	३८	४	११	४९	३१	१०	८	कन्यायां
१२	श	४८	३५	चि	२६	४७	व	५४	४	ब	१९	११	६	११	४९	१	११	९	तुलायां
१३	र	४८	५२	स्वा	२८	२३	प	५१	४९	कौ	१८	४४	७	११	४९	२	१२	१०	तुलायां
१४	चं	४९	५८	वि	३०	५९	शि	५०	३७	ग	१९	२५	९	१०	५०	३	१३	११	बृ.१५।२०
१५	मं	५२	२८	अ	३४	४७	सि	५०	१३	वि	२१	१३	१०	१०	५०	४	१४	१२	बृश्चिके

गंगा दशमी

कन्यायां

भ. ३/८ उ. ४/९ या. निर्जला ११ ब्र.

जून ६ ता. ३०

प्रदोषः

भ. ४/५ उ. पुष्ये भौमः ३६।३

भ. २/५ या. चन्द्रग्रहणं पातस्पर्शः ४०/११

७पं.ज्ये.शु.४श.इ. ४७/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	१०	०	२	७	१
१०	२७	१	२१	०	१०	२६	१०
४२	५७	४१	३६	९	२०	४४	३६
२५	११	५२	५८	७	१०	४४	५३
५७	३७	५३	६	६१	६	३	५७
३५	४०	१०	४६	५३	३९	११	२३

गोचरग्रहाः

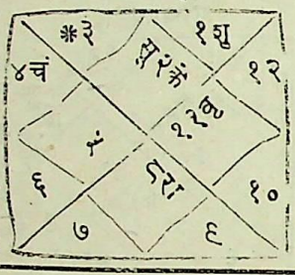

बुधो मिथुन राशिस्थो मघर्धं च चतुष्पदाम्। तदा वायु विजानीयान्मेघच्च प्रचुरो भवेत् ।। वायु का जोर, कहीं २ वर्षा

गोचरग्रहाः

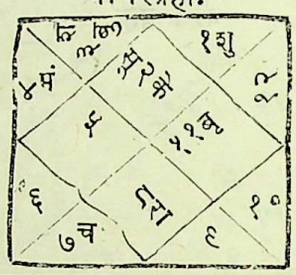

८ पं.ज्ये.शु.१२श.इ.४७/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	१०	०	२	७	१
१७	२	१०	२२	८	११	२६	१७
२५	११	४८	२५	११	१०	२२	१७
८	४६	५७	३४	४९	३०	२८	५९
५७	३७	६४	५	७०	६	३	५७
२७	५३	५८	३५	३५	५८	११	१३

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं० २०३१ शाकः १८९६ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	बु	५५	५९	ज्ये	३९	२८	सा	५०	३७	वा	२४	१३	३४/६२	१०/५०	६/५	५	१५	१३	ध.३९।३८
२	गु	६०	०	मू	४५	४९	शु	५९	०	तै	२८	२५	१३	९	५१	६	१६	१४	धनुषि
२	शु	०	५०	पू	५२	२५	शु	५३	४४	ग	०	५०	१४	९	५१	७	१७	१५	धनुषि
३	श	६	१२	उ	५९	५०	न	५६	१३	वि	६	१३	१६	९	५१	८	१८	१६	म. १०।१
४	र	१२	१५	श्र	६०	०	ऐं	५८	४०	बा	१२	१५	१७	९	५१	९	१९	१७	मकरे
५	चं	१८	३३	श्र	७	२८	वै	६०	०	तै	१८	३३	१८	८	५२	१०	२०	१८	कु.४१।१८
६	मं	२४	३२	ध	१५	४	वै	१	८	व	२४	३२	१९	८	५२	११	२१	१९	कुम्भे
७	बु	२८	५९	श	२१	३६	वि	३	२	ब	२८	५९	२०	८	५२	१२	२२	२०	कुम्भे
८	गु	३३	४६	पू	२७	१३	मी	४	९	बा	१	२२	२१	८	५२	१३	२३	२१	मी १०।४९
९	शु	३६	७	उ	३१	१४	आ	४	१	तै	४	५६	२१	८	५२	१४	२४	२२	मीने
१०	श	३६	२७	रे	३३	२७	सो	२/३७	५६/५२	व	६	१६	२२	८	५२	१५	२५	२३	मि.३३।२७
११	र	३४	५२	अ	३३	३२	अ	५४	४६	व	५	४७	२२	८	५२	१६	२६	२४	मेषे
१२	चं	३१	५	भ	३१	२८	सु	४८	२५	कौ	२	५८	२३	७	५३	१७	२७	२५	वृ.४५।४२
१३	मं	२५	२९	कृ	२७	५२	धृ	४०	४९	व	२५	२९	२३	७	५३	१८	२८	२६	वृषे
१४	बु	१८	७	रो	२२	२५	शू	३१	४९	श	१८	७	२३	७	५३	१९	२९	२७	मि४९।२६
३०	गु	९	५०	मृ	१६	१७	ग	२२	१५	ना	९	५०	२४	७	५३	२०	३०	२८	मिथुने

भरण्याँ शुक्रः १६।४७

भ. ३/३ उ. मृगे. रविः ५/३ पातमोक्षः ११/२९

भ. १/३ या. मृगे रविः सौरः८।१० च.ब्र.

भ. ३/२ उ. ५/४ या. पूभा. २गुरुः ३७।४९

अस्तः शनिः १८।४२

मिथुनेऽर्कः ५७।१६

भ. १/९ उ. ३/२ या. मिथुनेऽर्कः सौरः८।५७

वक्री बुधः ८।११ योगिनी ११ ब्र.

कृत्तिका. शुक्रः ३७।२७ प्रदोषः

भ. २/२ उ. ५/४ या. आर्द्रां. ३शनिः ५/१९

वृषे शुक्रः ३२।२२

९पं.आ.कृ.२श.इ. ४८/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	१०	०	२	७	१
२४	६	१७	२३	१६	१२	२६	२३
७	२७	८	६	१९	३	०	५७
१२	४३	४२	३९	२२	४७	१३	५५
५७	३७	३२	४	७१	७	३	५७
२२	५४	४५	४३	१०	५	११	५

गोचरग्रहाः

आ.कृ.९ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु. पू.

गोचरग्रहाः

१०पं.आ.कृ.१०श.इ.४७/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१०	०	२	७	२
०	१०	१९	२३	२४	१२	२५	०
४८	४४	४३	३९	२९	५६	२७	२७
२५	२४	१२	४०	२०	५६	५७	४
५७	३८	१	३	७१	७	३	५६
१७	५	१५	३५	३७	१४	११	५७

* बु.मं.श.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०३१ शाकः १८९६|दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.|चंद्रः

| | | |

तिथि: श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४७१स१९७४

१	श	१७	४	पु	२१	८	व	२०	३१	ब	१७	४	३३/५०	५/१४	६/४६	२०	२९	२९
२	र	७	२२	श्ले	१३	३८	सि	५९	४९	कौ	७	२२	४७	१५	४५	२१	३०	३०
३	र	५१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	चं	५०	३४	म	६	५५	व	५०	३७	व	२४	२८	४५	१५	४५	२२	३१	१
५	मं	४४	३०	पू	२१	५६	प	४२	४९	ब	१७	३२	४२	१६	४४	२३	१	२
६	बु	४०	५	ह	५५	२२	शि	३६	२३	कौ	१२	१७	४०	१६	४४	२४	२	३
७	गु	३७	३४	चि	५५	५	सि	३१	२५	ग	८	५०	३७	१७	४३	२५	३	४
८	शु	३६	५३	स्वा	५६	४०	सा	२७	५७	वि	७	१४	३५	१७	४३	२६	४	५
९	श	३८	९	वि	५९	५२	शु	२५	५०	बा	७	३१	३२	१८	४२	२७	५	६
१०	र	४०	४१	अ	६०	०	शु	२४	४९	तै	९	२५	२९	१८	४२	२८	६	७
११	चं	४४	४४	अ	४	२५	ज्ये	२५	३२	व	१२	४३	२६	१९	४१	२९	७	८
१२	मं	४९	२९	ज्ये	१०	४६	ऐं	२६	२८	ब	१७	४	२४	१९	४१	३०	८	९
१३	बु	५५	२०	मू	१६	५९	वै	२८	१४	कौ	२२	२५	२१	२०	४०	३१	९	१०
१४	गु	६०	०	पू	२४	८	वि	३०	१९	ग	२८	११	१८	२०	४०	१	१०	११
१४	शु	१	१	उ	३१	२९	प्री	३२	३५	व	१	१	१५	२१	३९	२	११	१२
१५	श	७	१४	श्र	३९	२	आ	३५	७	ब	७	१४	१२	२२	२८	३	१२	१३

कर्के	२९	२९	पुष्ये रविः सौरः १७.५६ सिंधारा
सिं १३।३८	३०	३०	आर्द्रायां शुक्रः १९।११ चन्द्रद. तीज
०	०	०	+१८।४५ श्रावणी कर्म. रक्षाबंधनम्
सिंहे	१	१	भ. २४।२८ उ.५०।३४ या. रज्जब७
क.१५।२३	२	२	नागपंचमी रा. श्रावणारम्भः
कन्यायां	२	३	×कर्के बुधः १।४८वक्रीपूभा. १गुरुः ५५/४४
तु.२५।१३	३	४	भ. ३७।३४ उ.
तुलायां	४	५	भ. ७।१४ या. पुनर्वसौ बुधः २६।१३
वृ.४४।४	५	६	
वृश्चिके	६	७	
वृश्चिके	७	८	भ. १२।४३ उ: ५४/४४ या. ज्येष्ठा. २राहुः÷
ध.१०।४६	८	९	÷रोहि.४केतुः ९।५८ पवित्रा ११ब्र.
धनुषि	९	१०	प्रदोषः
म.४०।५८	१०	११	पुन. शुक्रः २५/१२ अगस्त दता. ३१
मकरे	११	१२	भ.१।१उ.३४।७या आश्लेषा. रविः ५०/४९ ×
मकरे	१२	१३	पुष्ये बुधः ४९।३६आश्ले. रविः सौरः+

१५पं.श्रा. शु.१श.इ. ४७/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	१०	२	२	७	३
४	२	१४	२४	६	१७	२३	३
११	१९	१४	८	१	२८	४६	४८
१७	४८	२४	१७	१९	५२	३९	४
५७	३८	४६	५३	७३	७	३	५६
१५	३४	२४	ब	१६	८	११	५७

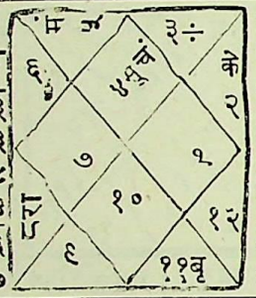

१६पं.श्रा शु ९श.इ.४७।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	१०	२	२	७	३
१०	६	२१	२३	१४	१८	२३	१०
५२	४२	५६	४३	२७	२१	२४	२७
१९	०	२	२३	०	१८	२३	२१
५७	३८	८५	३४	७३	७	३	५७
२०	३८	४९	ब	२६	१	११	५

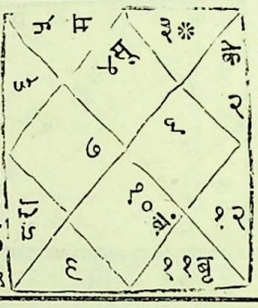

१७पं.श्रा.शु. १५श.इ. ४७/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	१०	२	२	७	३
१७	११	३	२३	२२	१९	२३	१७
३४	४	१५	१५	५४	१२	२	७
१	३४	३६	४०	४४	२९	८	९
५७	३८	८०	५	७३	६	३	५७
२५	५८	८	ब	४१	४०	११	१२

तिथि: प्र.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं.२०३१शाकः १८९६ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणे श्रावणकृ.महाराष्ट्राः

१	र	१३	१६	ध	४६	१३	सौ	३७	२८	कौ	१३	१६	३३/९	२/२२	५/३८	४	१३	१४
२	चं	१८	५९	श	५३	३१	शो	२९	३७	ग	१८	५९	६	२३	३७	५	१४	१५
३	मं	२४	९	पू	५९	२४	अ	४१	७	वि	२४	९	३	२३	३७	६	१५	१६
४	बु	२८	२८	उ	६०	०	सु	४२	१४	बा	२८	२८	०	२४	३६	७	१६	१७
५	गु	३१	४९	उ	४	५५	धृ	४२	३३	कौ	०	८	३३/५६	२५	३५	८	१७	१८
६	शु	३३	५३	रे	९	१७	शू	४१	४८	ग	२	५१	५३	२५	३५	९	१८	१९
७	श	३४	३३	अ	१२	५५	गं	३९	५५	वि	४	१३	५०	२६	३४	१०	१९	२०
८	र	३३	३८	भ	१३	४७	वृ	३६	३८	बा	४	५	४७	२७	३३	११	२०	२१
९	चं	३०	५३	कृ	१३	३८	ध्रु	३२	१०	तै	२	१६	४३	२७	३३	१२	२१	२२
१०	मं	२६	१३	रो	११	२७	व्या	२६	५	वि	२६	१३	४०	२८	३२	१३	२२	२३
११	बु	२०	१०	मृ	६	३९	हं	१८	२९	बा	२०	१०	५६	२९	३१	१४	२३	२४
१२	गु	१२	३५	आ	४०	५६	च	९	५२	तै	१२	३५	३३	२९	३१	१५	२४	२५
१३	शु	३	४७	पु	४८	५५	सि	०	४९/४०	व	३	४७	२९	३०	३०	१६	२५	२६
१४	शु	५०	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२०	श	४३	५९	श्ले	४१	१२	ब	३९	२	च	१८	५८	२६	३१	२९	१७	२६	२७

कु.१२।३८			*१शनिः २७।३५जन्माष्टमी ब्र. स्मा.
कुम्भे			भ.५१।३४ उ. पूर्वास्तो बुधः १४। ८
मी ४२।५०			भ. २४।९ या. चतुर्थी ब्र.
मीने			पू. फा. भौमः २८।३४
मीने			चन्द्रषष्ठी
मे.९।१७			भ. ३३।५३ उ. कर्के शुक्रः ३७।५६
मेषे			भ. ४।१३या.अश्लेषा. बुधः ३४/३८ पुन.*
वृ. २८।४४			जन्माष्टमी ब्र. वै.
वृषे			भ ५८।३३ उ. पुष्ये शुक्रः २०/२८ गोगा९
मि३९।३			भ.२६।१३या.
मिथुने			अजा ११ ब्र.
क.४२।५२			वत्स द्वादशी. प्रदोषः
कर्के			भ.४७ उ.५२/२८ या. मधा. सिंहेऽर्कः ४४/४१
०			+सौरः १५।१० कुशाग्रहणी
सिं ४१।१२			मघा.सिंहे बुधः ५।३८ म. सिंहेऽर्कः+

१८पं.प्र.भा.कृ.७श.इ.४७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	१०	३	२	७	३
२४	१५	१७	२२	१	२०	२२	२३
१६	२८	५	३७	२५	२	३९	४८
२६	५५	६	५	४	६	५२	१६
५७	३८	२९/७	१६/ब	७३	६	३	५७
३३	५८	७	ब	५०	२८	११	२२

गोचरग्रहाः

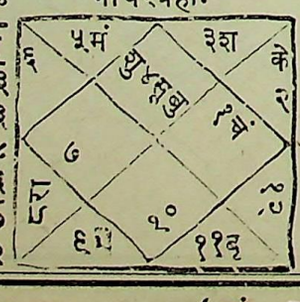

प्र.भाद्र.कृ.१२शुक्रे सिंहेऽर्कः प्र. वा. ५ न. ५ वन्ध्या-वस्था (ऊभी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शु. पू.

गोचरग्रहाः

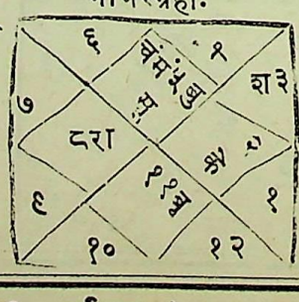

१९पं प्र.भा.कृ.३०श इ ४६/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१०	३	२	७	४
०	१९	१	२१	९	२०	२२	०
५९	५३	२२	५१	५६	४९	१७	३०
४९	५३	५८	५७	४९	०	३७	२५
५७	३९	५०/३४	५६/ब	७३	६	३	५७
४०	५	३४	ब	५६	१६	११	३४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.प्र.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०३१शाकः१८९६ दि.उ.अ.इ.रा.मु. | चंद्रः | वर्षर्तुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५००स.१९७४

| | | |

ति.	द्वि.भाद्रपदशुक्लपक्षः सं.२०३१शाकः१८९६												दि.		उ.		अ.		इ.		रा.		मु.		चन्द्रः
१	चं	५१	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४८	३५	ह	४२	१५	शु	२६	५२	ब्रा	२१	२८	३०	५	६	१७	२६	३०							कन्यायां
३	बु	४३	२८	चि	३८	३५	न	१८	५६	तै	१६	१	२०	५६	४	१८	२७	१							तु.१०।२५
४	गु	४१	१७	स्वा	३६	३२	ऐं	१३	१६	व	१२	४२	१६	५७	३	१६	२८	२							तुलायां
५	शु	३६	१७	वि	३६	५८	वै	७	६	ब	१०	१७	१२	५८	२	२०	२६	३							बृ.२१।५२
६	श	४०	२०	अ	३६	१६	वि	३	५६	कौ	६	४६	८	५८	२	२१	३०	४							बृश्चिके
७	र	४३	२६	ज्ये	४३	२६	मी	२	३१	ग	११	५३	४	५६	१	२२	३१	५							श.४३।२६
८	चं	४८	१	मू	४६	१७	आ	२	२०	वि	१५	४३	३०	६	६	२३	१	६							धनुषि
९	मं	५३	५६	पू	५६	१६	सु	४	६	ब्रा	२०	५६	२५	६	५	२४	२	७							धनुषि
१०	बु	६०	०	उ	६०	०	शो	५	१३	तै	२७	१	५१	२	५८	२५	३	८							म.१३।७
१०	गु	०	५	उ	३	३७	अ	७	२२	ग	०	५	४७	३	५७	२६	४	९							मकरे
११	शु	६	३६	श्र	११	१९	सु	१०	१	वि	६	३६	४३	३	५६	२७	५	१०							कु.४४।५८
१२	श	१२	३१	ध	१८	३७	धृ	११	५३	ब्रा	१२	३१	३८	४	५६	२८	६	११							कुम्भे
१३	र	१७	५८	श	२५	१९	शू	१४	१	तै	१७	५८	३४	५	५५	२९	७	१२							कुम्भे
१४	चं	२२	७	पू	३०	४९	गं	१५	२	व	२२	७	३०	६	५४	३०	८	१३							मी१४।२७
१५	मं	२५	१३	उ	३५	२६	बृ	१५	१०	ब	२५	१३	२६	७	५३	१	९	१४							मीने

*सौरः १५।५२ चन्द्रदर्शनम्
चित्रायां बुधः १७।१ कन्याऽर्कः *
हस्ते भौमः ४।३६ रमजान १
भ.$\frac{१२}{२३}$उ. ४१.१७या. गणेश चतुर्थी
ऋषि पंचमी
A$\frac{२०}{२६}$हस्तेरविःसौरः$\frac{२३}{२५}$जलभूल.११ब्र.वै
भ. ४३।२६ उ. तुलायां बुधः २०।२०
भ. $\frac{१५}{४४}$ या. रा. आश्विनारंभः
उफा. शुक्रः ४०।१५
Dरोहि. ३ केतुः २।२२ अनन्त १४
भ.३३।२०उ. हस्ते रविः५७।५ जलE
भ.$\frac{६}{३}$या स्वात्यांबुधः$\frac{१७}{५३}$कन्या.शुक्रःA
प्रदोषः Eभूलनी ११ ब्र. स्मा.
वक्रीशत. ३ गुरुः ०।१६
भ. $\frac{२३}{५}$उ. $\frac{३०}{४५}$या. ज्येष्ठा. १ राहुःD
महालय श्राद्धारम्भः अवट्टू. १० ता.३१

२४पं.द्वि.भा.शु.६श.इ. $\frac{४६}{६}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	१०	४	२	७	५
४	१२	२९	१७	२३	२४	२०	४
५५	२१	१६	२५	४	०	२६	२४
१९	११	३३	५५	१	५८	१९	२२
५८	३९	७६	७५	७४	३	३	५८
३८	४९	१६	ब	२६	५७	११	४५

गोचरग्रहाः

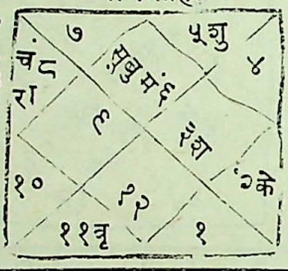

इस मासमें धान्य घृत गुड़ खांड तिल तैल अलसी धातु मूंगफली में मंदी होकर तेजी होगी ।

गोचरग्रहाः

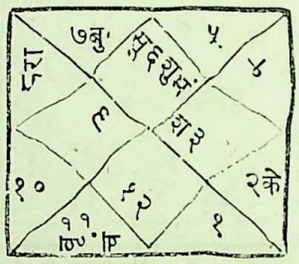

२५पं.द्वि.भा.शु.१२श.इ. $\frac{४६}{२}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	१०	५	२	७	५
११	१६	७	१६	१	२४	२०	११
४६	५५	३५	३८	४६	२७	४	१६
५५	२३	१३	२८	१२	३२	३	२५
५८	४०	६०	२६	७४	३	३	५९
५३	६	५२	ब	२६	१७	११	०

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०३१शाकः१८९६												दि.		उ.		अ.		ई.		रा.		मु.		चन्द्रः
१	बु	२७	४	रे	३८	४३	श्रु	१४	२६	कौ	२७	४	३९	६	५३	२	१०	१५							मे.३८।४३
२	गु	२७	४९	अ	४०	५८	ज्या	१२	४९	ग	२७	४९	१८	८	५३	३	११	१६							मेषे
३	शु	२७	२३	भ	४२	१६	ह	१०	१७	वि	२७	२३	१४	९	५१	४	१२	१७							वृ.५७।१९
४	श	२६	०	कृ	४२	३१	व	७	२	बा	२६	०	१०	१०	५०	५	१३	१८							बृषे
५	र	२३	५५	रा	४२	२	सिं	३०	५५	तै	२३	५५	६	११	४९	६	१४	१९							वृषे
६	चं	२०	५०	मृ	४०	३९	व	५२	४६	व	२०	५०	२	१२	४८	७	१५	२०							मि११।२०
७	मं	१७	१३	आ	३८	२५	प	४६	४७	ब	१७	१३	२५	१२	४८	८	१६	२१							मिथुने
८	बु	१२	४९	पु	३५	३७	शि	४०	५	कौ	१२	४९	५४	१३	४७	९	१७	२२							क २१।२२
९	गु	७	३२	पु	३२	२	सिं	३३	२	ग	७	३२	५०	१४	४६	१०	१८	२३							कर्के
१०	शु	१	३७	श्ले	२७	४४	सा	२५	८	वि	१	३७	४६	१५	४५	११	१९	२४							सिं२७।४४
११	शु	५३	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०							०
१२	श	४७	५६	म	२२	५१	शु	१६	५३	कौ	२१	२७	४२	१६	४४	१२	२०	२५							सिहे
१३	र	४०	५५	पू	१७	३७	शु	१०	५१	ग	१४	२५	३८	१६	४४	१३	२१	२६							क.३१।५२
१४	चं	३४	२०	उ	१२	३८	ऐं	५१	१८	वि	७	७	३४	१७	४३	१४	२२	२७							कन्यायां
३०	मं	२७	५३	ह	८	४	वै	४३	२३	च	१	७	३०	१८	४२	१५	२३	२८							तु. ३६।१९

भ. ५७।३६ उ.
भ. २७।२३ या. चतुर्थी ब्र.
हस्ते शुक्रः २२।०
भ, २०।५० उ. ४९।२ या.
चित्रा. भौमः २८।७
मातृ ९
भ. ३४।३३ उ. चित्रा. रविः २९।६*
भ. १।३७ या. इन्दिरा ११ ब्र. स्मा.
*(सौरः ५८।५७)
वक्री बुधः ५६।३६ इन्दिरा११ब्र.वै.
भ. ४०।५५ उ. प्रदोषः
भ. ७।७या.शस्त्रादि हतानां श्रा.
सर्वपितृ ३०

२६पं.आ.कृ.४श.इ. $\frac{४५}{५२}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	१०	५	२	७	५
१८	२१	१४	१५	१०	२४	१९	१८
४०	३१	२	५६	२९	४९	४१	१०
८	३४	२०	५३	३८	४४	४७	१२
५९	४०	३८	३५	७४	२	३	५९
९	६	५१	ब	२९	३७	११	१६

गोचरग्रहाः:

इस मासमें हरेक वस्तु मंदी होगी कृष्ण पक्ष की तिथि घटे शुक्ल पक्ष बढ़ जाय । एक चीजकी क्या सभीचीजबढ़जाय

गोचरग्रहाः

२७पं.आ.कृ.१२श.इ. $\frac{४५}{४१}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	१०	५	२	७	५
२५	२६	१७	१५	१९	२५	१९	२५
३५	९	१६	२२	१४	७	१९	५
६	११	२२	२६	१३	८	३२	५४
५९	४०	१	२४	७३	१	३	५९
२१	१६	३७	ब	३२	५८	११	३१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०३१ शाकः १८९६ दि. उ. अ इं. रा. मु. चन्द्रः | शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५५९स १९७४

१	बु	२२	४४	चि	४	१५	वि	३६	१९	व	२२	४४	२९	१	४५	१६	२४	२९	तुलायां
२	गु	१९	१७	स्वा	१	४५	प्री	३०	३४	की	१९	१७	२२	२०	४०	१७	२५	३०	वृ.४६।४
३	शु	१७	४६	वि	०	५०	आ	२६	२६	ग	१७	४६	१६	२०	४०	१८	२६	१	वृश्चिके
४	श	१८	४	अ	१	४९	सो	२३	१५	वि	१८	४	१४	२१	३९	१९	२७	२	वृश्चिके
५	र	२०	२७	ज्ये	४	५०	शो	२२	१४	वा	२०	२७	१०	२२	३८	२०	२८	३	ध.४।५०
६	चं	२४	१९	मू	९	३१	अ	२२	१३	ते	२४	१९	६	२३	३७	२१	२९	४	धनुषि
७	म	२९	५०	पू	१५	५५	सु	२३	२२	व	२९	५०	२	२४	३६	२२	३०	५	म.३२।३९
८	बु	३५	५४	उ	२२	५०	धृ	२५	१३	वि	२	५२	५८	२४	३६	२३	१	६	मकरे
९	गु	४२	२०	श्र	३०	५८	शू	२७	३३	वा	९	७	५४	२५	३५	२४	२	७	मकरे
१०	शु	४८	३५	ध	३७	५६	गं	२९	१३	ते	१५	२४	५०	२६	३४	२५	३	८	कु.४।२७
११	श	५३	५३	श	४४	३८	बृ	३१	५०	व	२१	११	४६	२७	३३	२६	४	९	कुम्भे
१२	र	५८	५	पू	५०	४२	धु	३३	२	ब	२५	५९	४२	२८	३२	२७	५	१०	मी३४।११
१३	चं	६०	०	उ	५५	२	व्या	३३	१४	की	२९	३१	३९	२८	३२	२८	६	११	मीने
१३	मं	०	५६	रे	५८	४	ह	३२	१६	ते	०	५६	३५	२९	३१	२९	७	१२	मे.५८।४
१४	बु	२	१	अ	५९	३८	च	३०	८	व	२	१	३१	३०	३०	३०	८	१३	मेषे
१५	गु	१	४६	भ	६०	०	मि	२६	५५	ब	१	४६	२७	३१	२९	३१	९	१४	मेषे

भ. ३२उ. ५१३या. शरद्पू. कोजागरी व्र.
वक्री शानः १५२८ वोंदयो बुधः ५६।३३

२८पं.आ.शु.४.श.इ ४५३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१०	४	२	७	६
२	०	१४	१४	२७	२५	१८	२
३१	४९	४७	५७	५९	१८	५७	३
३४	३७	३८	१४	९	५०	१६	२३
५९	४०	६०	२०	७४	१	३	५९
३४	२६	ब	ब	३२	१७	११	४६

गोचरग्रहाः

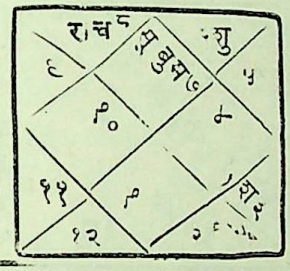

आश्विन शु.२गुरौ
तुलार्कः प्र. वा.४
र.५ गतालकाव.
ऊभी) मु. ४५
ग.भावे समर्घता
उदयः पूर्व.

गोचरग्रहाः

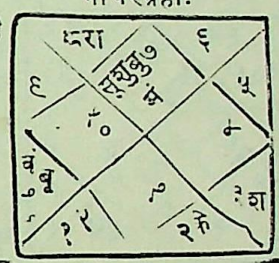

२९प.आ.शु ११श.इ ४५२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१०	६	२	७	६
९	५	६	१४	६	२५	१८	९
२९	३०	४९	४१	४५	२५	३५	२
४९	४३	४	२८	१८	५९	१	४३
५९	०	६०	५७	७४	०	३	६०
४७	३६	ब	ब	२६	२८	११	२

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं.२०३१ शाकः १८९६ दि. उ. अ इं. रा. मु. चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽश्विनकृ.महाराष्ट्राः

१	शु	०	१४	भ	३०	५८	व्य	२२	३४	की	०	१४	२३	३१	२९	१	१०	१५	वृ.१५।२२
२	शु	५७	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	श	५३	५८	रो	५८	१८	व	१७	२९	व	२५	४४	२०	२२	२८	२	११	१६	वृषे
४	र	४९	४५	मृ	५४	५७	प	११	४३	ब	२१	५१	१६	३३	२७	३	१२	१७	मि२६।३७
५	चं	४५	२१	आ	५२	११	शि	२३	२५	की	१७	३३	१३	३३	२७	४	१३	१८	मिथुने
६	मं	४०	३६	पु	४९	१०	सा	५१	५९	ग	१२	५८	९	३४	२६	५	१४	१९	क.३४।५५
७	बु	३५	४६	पु	४६	२	शु	४५	२	वि	८	११	६	३५	२५	६	१५	२०	कर्के
८	गु	३०	४६	श्ले	४२	४१	शु	३७	५६	वा	२	१६	२	३६	२४	७	१६	२१	सिं ४२।४३
९	शु	२५	३९	म	३९	१७	न	३०	४४	ग	२५	३९	२९	३६	२४	८	१७	२२	सिंहे
१०	श	२०	१४	पू	३५	४४	एं	२५	२३	वि	२०	१४	२६	३७	२३	९	१८	२३	क.४९।५२
११	र	१५	५	उ	३२	१५	वै	१७	२३	वा	१५	५	२३	३७	२३	१०	१९	२४	कन्यायां
१२	चं	१०	५	ह	२९	७	वि	९	१८	ते	१०	५	४९	३८	२२	११	२०	२५	तु.५७।५२
१३	मं	५	४१	चि	२६	३९	प्री	२३	५३	व	५	४१	४६	३९	२१	१२	२१	२६	तुलायां
१४	बु	१	४९	स्वा	२४	५१	सो	५०	५८	श	१	४९	४३	३९	२१	१३	२२	२७	तुलायां
३०	बु	५७	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

नवंबर ११ ता. ३०

भ २५।४४उ. ५३।५८या.
मार्गी बुधः ३३५५ करक चतुर्थी व्र.

भ. ४०३६ उ. मार्गी गुरुः २८।४७
भ. ८।११या. विशाखा. रविः १५१९ ×
×(सौरः ४०७) विशाखा शुक्रः १६१४
भ. ५२।५६ उ.
भ. २०।१४ या.
रमा ११ व्र.
प्रदोषः धन १३
भ.४५उ ३३४५या.स्वात्यां बुधः ४४रूप१४
महालक्ष्मीपूजनम्

३०पं.का.कृ.३श.इ ५५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१०	६	२	७	६
१६	१०	१	१४	१५	२५	१८	१६
२९	१४	३०	३५	३२	२६	१२	३
३८	१७	२८	३१	२०	३८	४५	४७
६०	४०	४५	३०	७४	५०	३	६०
४	२९	ब	ब	३८	ब	११	१८

गोचर ग्रहाः

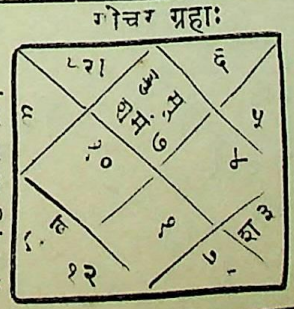

इस मास में तेरह
दिनका पक्ष अशु.
है धान्य रुई चौ.
पशुओं का नाश
हो। रस धातु
सोना चांदी तेज
रहे।

गोचर ग्रहाः

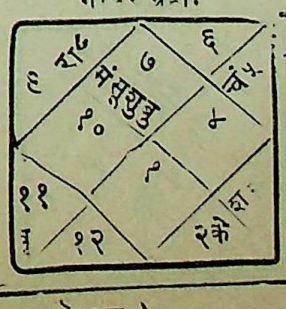

३१पं.का.कृ.१०श.इ ४४५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१०	६	२	७	६
२३	१४	४	१४	२४	२५	१७	२३
३०	५९	२४	३९	१९	२२	५०	६
८	२०	०	०	३७	४१	२९	२४
१७	४०	२५	४५	७४	५७	३	६०
१७	५०	मा	मा	३८	ब	११	३०

(सं० २०९१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५८८सं. १९७४

१	गु	५७	५५	वि	२४	२१	शो	४६	४१	कि	२८	३३	२६/४०	६/२०	१४	२३	२८	बृ.९।२८	वृश्चिके शुक्रः १३/५४ अन्नकूट गोवर्द्धनपूजा
२	शु	५८	१३	अ	२५	९	अ	४३	२०	ला	२८	४	३७	४१	१९	१५	२४	२९	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२
३	श	६०	०	ज्ये	२७	२९	सु	४१	३९	तै	२९	१९	३४	४१	१९	१६	२५	१	ध.२७।२	वृश्चिकेऽर्कः ११/१४ (सौरः ३४/२४) अनु. शुक्रः÷
३	र	०	२५	मू	३१	३१	धृ	३९	४१	ग	०	२५	३१	४२	१८	१७	२६	२	धनुषि	भ.३२।१० उ. विशाखा. भौमः
४	चं	३	५५	पू	३७	१	शु	४१	९	वि	३	५५	२९	४२	१८	१८	२७	३	म.५३।४१	भ.३।५५या. ÷५४।४१जिल्काद११
५	मं	९	५	उ	४३	४३	गं	४२	४३	वा	९	५	२६	४३	१७	१९	२८	४	मकरे	अनु. रविः २९।३९ (सौरः २५।१२)
६	बु	१५	१	श्र	५१	१	बृ	४४	४३	तै	१५	१	२४	४३	१७	२०	२९	५	मकरे	
७	गु	२१	२२	ध	५८	३३	धु	४६	५८	व	२१	२२	२१	४४	१६	२१/२	३०	६	कु.२४।४७	भ.२१/२२ उ.५४/३४ या.विशाखा. बुधः ३७।५०
८	शु	२७	४६	श	६०	०	व्या	४९	३	ब	२७	४६	१९	४४	१६	२२	१	७	कुंभे	गोपाष्टमी रा. मार्गशीर्षारम्भः
९	श	३३	३५	श	५	४९	वा	०	४१	१६	४५	१५	२३	२	८	मी	५५।४०			अक्षय ९ कूष्मांड ९
१०	र	३८	१८	पू	१२	१७	व	५१	३२	तै	५	५६	१३	४५	१५	२४	३	९	मीने	
११	चं	४१	२२	उ	१७	३०	सि	५०	५८	व	९	५०	११	४६	१४	२५	४	१०	मीने	भ.५/५० उ. ४१/२२ या. प्रबोधिनी ११ व्र. *
१२	मं	४२	४०	रे	२०	५१	व्य	४९	११	व	१२	१	८	४६	१४	२६	५	११	मे.२०।५१	पूर्वास्तो बुधः २६/३६ *तुलसी विवाहः
१३	बु	४२	५	अ	२२	३१	व	४५	५२	कौ	१२	२३	६	४७	१३	२७	६	१२	मेषे	ज्येष्ठायां शुक्रः २८।७ प्रदोषः
१४	गु	३९	४३	भ	२२	२९	प	४१	१०	ग	१०	५४	३	४७	१३	२८	७	१३	बृ.३७।४	भ.३/४ ६/३ उ.बृश्चिके बुधः १३/४३ वैकुंठ १४
१५	शु	३५	५२	कृ	२०	४९	शि	३५	११	वि	७	४७	१	४८	१२	२९	८	१४	बृषे	भ.४७।७ या चंद्रग्रहणम्

३२पं.का.शु.३श.इ.४४।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	१०	७	२	७	७
०	१९	१२	१४	३	२५	१७	०
३३	४६	५४	५२	७	१२	२८	१०
४७	३४	७	४८	३७	११	१४	२८
६०	४१	८२	२	७४	४३/१	३	६०
३०	०	३८	७	३८	ब	११	४०

गोचरग्रहाः

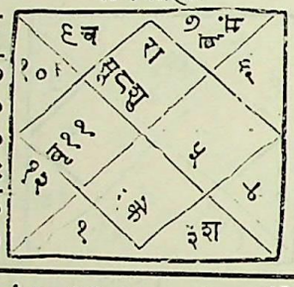

का. शु. ३ शनौ बृश्चिऽर्कः प्र.वा. ३ न. ३ युवा वस्था (सूती) मु. १५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो. पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

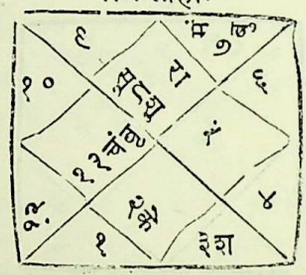

३३पं.का.शु.९श इ.४४।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	१०	७	२	७	७
७	२४	२३	१५	११	२४	१७	७
३७	३५	१८	१६	५५	५७	५	१६
३७	४९	२८	४४	४१	४७	५८	१
६०	४१	९४	३	७४	१९/२	३	६०
४२	४	०	३३	३२	ब	११	५३

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | हेमंततूं रविर्दक्षिणे कार्तिककृ. महाराष्ट्राः

१	श	३०	५२	रो	१८	३	सि	२८	२५	बा	३	२२	२५/९	६/८	५/१२	३०	९	१५	मि४६।७	अनु. बुधः १९।९
२	र	२५	२	मृ	१४	११	सा	२०	४२	ग	२५	२	५७	४९	११	१	१०	१६	मिथुने	भ.५/५ १८ उ.बृश्चिके भौमः ३/२० अनु.४राहुः*
३	चं	१८	५४	आ	९	४१	शु	१२	४१	वि	१८	५४	५५	४९	११	२	११	१७	क.१५।१४	भ. १८।५४या. ज्येष्ठा.रविः ३९।४९+
४	मं	१२	३५	पु	५	५	शु	४	५१/२३	वा	१२	३५	५३	४९	११	३	१२	१८	कर्के	*रोहि.२केतुः ५४/२२ दिसम्बर१२ ता.३१
५	बु	६	२०	पु	४४/०	५५/३	गै	४८	३५	तै	६	२०	५१	५०	१७	४	१३	१९	सिं५६।३८	+ (सौरः ५९।१२)
६	गु	०	५२	म	५३	११	वै	४१	५	व	०	५२	४९	५०	१०	५	१४	२०	सिंहे	भ. ०।५२उ. २८।१२या.
७	गु	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	शु	५०	४५	पू	४९	५३	वि	३३	४७	बा	२३	५	४८	५०	१०	६	१५	२१	सिंहे	अनुराधा. भौमः १७।७उदयी भौमः १५/३८
९	श	४६	३३	उ	४७	२६	प्री	२७	१२	तै	१८	३९	४६	५१	९	७	१६	२२	क.४।१६	शुक्रोदयः पश्चिमायां ३१।२२ अ.उ.प.
१०	र	४२	५९	ह	४५	१८	आ	२०	५५	व	१४	४६	४५	५१	९	८	१७	२३	कन्यायां	भ. १४।४६उ.४२।५९या.ज्येष्ठायां बुधः ≡
११	चं	४०	२	चि	४४	०	सौ	१५	१९	ब	११	३१	४५	५१	९	९	१८	२४	तु.१४।३९	शतभिषा.४ गुरुः १७।५२उत्पत्ति ११व्र.
१२	मं	३७	५१	स्वा	४३	२२	शो	१०	१३	कौ	८	५६	४२	५२	८	१०	१९	२५	तुलायां	
१३	बु	३६	४४	वि	४३	५६	अ	५	४५	ग	७	१७	४१	५२	८	११	२०	२६	बृ.२८।४७	भ. ३६।४४ उ. प्रदोषः
१४	गु	३६	४२	अ	४५	३२	सु	२/१२	५७/१९	वि	६	४३	४०	५२	८	१२	२१	२७	बृश्चिके	भ. ६।४३या.
३०	शु	३७	५०	ज्ये	४८	२२	शू	५७	५२	च	७	१६	२९	५२	८	१३	२२	२८	ध.४८।२२	

३४पं.मा.कृ.१श.इ.४४।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	१०	७	२	७	७
१४	२९	४	१५	२०	२४	१६	१४
४२	२७	०	४९	४३	३७	४३	२२
५४	०	७	३३	४४	५१	४३	४७
६०	४१	९५	४	७४	५८/१	३	६१
५०	१४	४०	४५	३२	ब	११	३

गोचरग्रहाः

मा. शु. २ रवौ धनुष्यर्कः प्रविष्ट वा.२ न.३ युवा वस्था (सूती) मु. ३०धान्यादिभावे समता शु. प.

गोचरग्रहाः

३५पं.मा.कृ.९श.इ.४४।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१०	७	२	७	७
२१	४	१५	१६	२९	२४	१६	२१
४८	२०	९	३०	३१	१३	२१	३०
५८	६	५०	५०	४८	४८	२७	६३
६०	४१	९९	५	७४	३७	३	१३
५६	२१	७	५२	३२	ब	११	११

(सं २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०३१ शाकः १८९६ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६१८स. १९७४

| | | |

ति. पौष शुक्ल पक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६ दि. उ. अ इं. रा. मु. चंद्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १७४१स. १९७५

१	चं	२७	४६	उ	२२	२	ह	११	६	व	२७	४६	२६ १	४८	६ १२	५	१३	२३	२६	मकरे
२	मं	३३	४४	श्र	२६	८	व	१३	१४	बा	०	४६	३	४७	१३	१४	२४	३०	मकरे
३	बु	४०	८	ध	३६	३६	सि	१५	२६	तै	६	५६	५	४७	१३	१५	२५	१	कु. २।५२
४	गु	४६	५१	श	४४	१३	व्य	१७	३३	व	१३	२६	८	४६	१४	१६	२६	२	कुम्भे
५	शु	५३	२०	पू	५१	२४	व	१६	४६	ब	२०	५	१०	४६	१४	१७	२७	३	मी ३४।३७
६	श	५८	५५	उ	५८	३५	प	२१	४७	की	२६	७	१२	४६	१४	१८	२८	४	मीने
७	र	६०	०	रे	६०	०	शि	२३	५	ग	३१	१२	१५	४५	१५	१६	२६	५	मीने
७	चं	३	३०	रे	४	२०	सि	२३	२२	व	३	३०	१७	४५	१५	२०	३०	६	मे. ४।२०
८	मं	५	३७	अ	८	३६	सा	२२	२८	व	५	३७	२०	४४	१६	२१	३१	७	मेषे
९	बु	७	४२	भ	११	४	शु	१६	४८	की	७	४२	२२	४४	१६	२२	२	८	वृ. २६।५६
१०	गु	७	२	कृ	११	३०	शु	१५	४२	ग	७	२	२५	४३	१७	२३	३	९	बृषे
११	शु	४	१४	रो	६	५५	ब्र	६	५२	वि	४	१४	२७	४३	१७	२४	४	१०	मि ३८।४
१२	श	५५	४	०	०	०	०	०	०	वि	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	र	५२	३४	मृ	६	१३	ऐं	२ ३	५१ ४	की	२५	५६	३०	४२	१८	२५	५	११	मिथुने
१४	चं	४४	२७	आ	५ ९	१ ५२	वि	४३	३६	ग	१८	३१	३३	४१	१९	२६	६	१२	क. ४१।२०
१५	म	३३	३५	पु	४६	५०	प्री	३३	१७	वि	१०	१	३६	४१	१९	२७	७	१३	कर्के

मकरेऽर्कः १३।५(सौरः २१।२६) चंद्र द. मोहोरम १ सन १३९५ हि. भ. १३।२९उ.४६।५१या.
÷३२।२५धनि. शुक्रः ३६।४३
×रविः ३५।५० (सौरः५।२।४८)
धनिष्ठा. बुधः ३४।५८ पूभा. २गुरुः÷
भ. ३।३०उ. ३४।३३ या. अभि. प्र.×
रा. माघारम्भः
पातस्पर्शः७।३९ पातमोक्षः३६।५
भ.३५।३८उ.पुत्रदा ११ ब्र. स्मा.
भ. १४ या.श्रवणेरविः १३ (सौरः ४५ कुंभे≡
≡शुक्रः ५५ ९ अभि.नि.रविः ५४ पु. ११ ब्र.वै.
कुंभे बुधः ३४।३५ अभि. नि. रविः*
भ. ४४।२७उ. *सौरः १।१प्रदोषः
भ.१०।१या.माघ स्ना. प्रा.

४१पं.पौ. शु. ६श.इ. ४३ ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१०	९	२	७	९
४	४	२२	२३	२२	२०	१४	४
३५	२१	५	१०	१४	५९	७	२७
२१	२५	४२	५५	१३	२	५३	५१
६१	४२	८६	११	७४	२४	३	६१
३	२२	३४	८	८	ब्र	११	१९

गोचर ग्रहाः

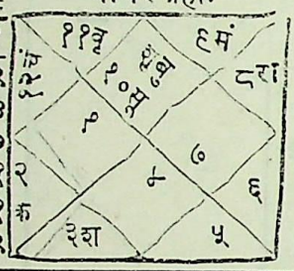

पौष शु २ भौमे मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ गतालका वस्था (ऊभी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.

गोचर ग्रहाः

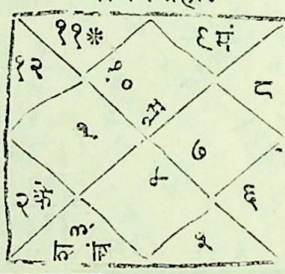

४२पं.पौ.शु. १३.मइ ४३ ३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	१०	१०	२	७	९
११	९	०	२४	०	२०	१३	११
४२	२७	७	३५	५८	२६	४५	३६
५८	२८	४४	४९	५१	५३	३८	४३
६०	४२	५१	११	७४	७	३	६१
५९	२६	४९	४७	२	ब्र	११	१३

ति. माघ कृष्ण पक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	२६	१०	श्ले	३९	३६	आ	२२	३२	की	२६	१०	२६ ३९	४०	६ २०	५ २८	८	१४	सि ३९।३६	
२	बु	१६	५६	म	३२	१६	सौ	११	४३	ग	१६	५६	४२	४०	२०	२९	९	१५	सिंहे	
३	गु	८	३	पू	२५	४१	शो	१ ३०	५० २५	वि	८	३	४६	३९	२१	३०	१०	१६	कं. ३९।१७	
४	शु	०	५	उ	२०	४	सु	४३	३२	बा	०	५	४९	३८	२२	३१	११	१७	कन्यायां	
५	शु	५३	२९		०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	श	४८	४७	ह	१६	१०	धृ	२६	१९	ग	२१	१६	५२	३८	२२	१	१२	१८	तु. ४४।५९	
७	र	४५	३३	चि	१३	४९	शू	३३	२८	वि	१७	१३	५५	३७	२३	२	१३	१९	तुलायां	
८	चं	४४	१५	स्वा	२३	५	गं	२६	१४	बा	१४	५२	५९	३६	२४	३	१४	२०	वृ. ५८।४३	
९	मं	४४	४	वि	१३	५५	वृ	२३	७	ते	१४	९	२७ २	३६	२४	४	१५	२१	वृश्चिके	
१०	बु	४५	५३	अ	१६	२०	ध्रु	२१	१७	ध	१५	४	६	३५	२५	५	१६	२२	वृश्चिके	
११	गु	४८	४८	ज्ये	२०	१२	व्या	२०	२९	ब	१७	२०	९	३४	२६	६	१७	२३	ध. २०।१२	
१२	शु	५३	३	मू	२५	२१	ह	२०	५१	की	२०	५५	१३	३३	२७	७	१८	२४	धनुषि	
१३	श	५७	५५	पू	३१	२२	व	२१	३२	ग	२५	२९	१६	३३	२७	८	१९	२५	ध. ४८।४	
१४	र	६०	०	उ	३५	११	सि	२३	४	वि	३०	५५	२०	३२	२८	९	२०	२६	मकरे	
१४	चं	३	५४	श्र	४५	१९	व्य	२४	५०	श	३	५४	२४	३१	२९	१०	२१	२७	मकरे	
३०	मं	९	५८	ध	५२	४४	व	२७	०	ना	९	५८	२७	३१	२९	११	२२	२८	कु. १८।५७	

भ. ४२।२९ उ.
भ.८।३या.पूषायां भौमः५।६।५५वक्री*
*बुधः ११।४ शते शुक्रः १५।२६च.ब्र.
≡पश्चिमास्तो बुधः ३ ५ फर.२, ता. २८
भ. ४ ५७ उ.वक्री आर्द्रा ४शनिः ६।१३≡
भ. १ ७ या.अनु.३राहुः रोहि.१केतुः ४७।६

वक्री मकरे बुधः ३ ७ पूभा.३गुरुः ३६।४७
भ. १५।४ उ. ४५ ५३ या.
धनिष्ठा. रविः १० ३४ (सौरः १४।३६)+
+षट्तिला ११ ब्र.
भ. ५७।५५उ. प्रदोषः
भ.३०।५५या. वक्री श्रवणे बुधः ५ ५०
पूभायां शुक्रः १।११

४३पं.मा.कृ. ६ श.इ. ४३ ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	१०	१०	२	७	९
१८	१४	१	२९	९	१९	१३	१८
४९	३६	१४	५४	२	५१	२३	४४
२६	१८	२४	१२	४३	३९	२३	४४
६०	४२	२९ ३४	१२	७३	४७	३	६१
५५	५२	ब्र	१६	५८	ब्र	११	४

गोचरग्रहाः

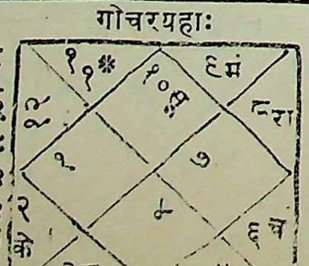

कुम्भ राशौ स्थिते शुक्रे सुभिक्षं-प्रचुरं जलम् । भवत्यत्र न संदेहो लोकाःसर्वे निरामयाः ।। सुभिक्ष एवं मंदी होवे ।

गोचरग्रहाः

४४पं मा.कृ.१३श इ ४३ ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१०	१०	२	७	९
२५	१९	२४	२७	१८	१९	१३	२५
५५	४६	५१	३७	२४	३	१	५१
१६	४	१८	५१	४०	८	७	३१
६०	४२	७ ५१	१२	७३	७ ५७	३	६०
४७	५७	ब्र	२८	५६	ब्र	११	५५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं.२०३१ शाकः १८९६	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चंद्रः
१	बु १६ २२	श ६० ०	प २९ १६	ब १६ २२	२७ ६ ५	१२ २३ २९		कुम्भे
२	शु २२ ५०	श ० २३	शि ३१ ४३	को २२ ५०	३१ ३० ३०	१३ २४ १		मी५।१२
३	शु २९ ११	पू ७ ५६	सि ३३ ३६	ग २९ ११	३५ २९ ३१	१३ २४ २		मीने
४	श ३४ ५१	उ १४ ४५	सा ३५ २	ब २ १	३८ २८ ३२	१४ २५ ३		मीने
५	र ३९ ३५	रे २१ ५	शु ३६ १	ब ७ १३	४२ २८ ३२	१५ २६ ४		मे.२१।५
६	चं ४३ ७	अ २६ ११	शु ३५ ५६	को ११ २१	४६ २७ ३३	१६ २७ ५		मेषे
७	मं ४५ १७	भ २९ ५७	न ३४ ३९	ग १४ ९	५० २६ ३४	१७ २८ ५		वृ ४५।२९
८	बु ४५ ४७	कृ ३२ ५	पें ३२ ४	वि १५ ३२	५४ २५ ३५	१८ २९ ६		वृषे
९	शु ४४ २२	रो ३२ २०	वै २८ २	वा १५ ४	५८ २४ ३६	१९ ३० ७		वृषे
१०	शु ४१ ३	मृ ३० ४७	वि २२ २१	ते १२ ४२	६ २३ ३७	२० १ ८		मि१।३३
११	श ३५ ४२	आ २७ १३	मी १५ ५	ब ८ २२	१० २२ ३८	२१ २ ९		मिथुने
१२	र २८ ५०	पु २२ ८	आ ३४ ५० २८	ब २ १६	१४ २१ ३९	२२ ३ १०		क.८।२५
१३	चं २० ३५	पु १५ ४०	शो ४६ २५	ते २० ३५	१८ २० ४०	२४ ५ १२		कर्के
१४	मं ११ ७	श्ले ८ ५	अ २५ १६	ब ११ ७	२२ २० ४०	२५ ६ १३		सिं८।५
१५	बु १ २२	म ० ५२ ९ १०	सु २३ १९	ब १ २२	२६ १९ ४१	२६ ७ १४		सिंहे

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६७८स.१९७५

कुम्भेऽर्कः ४५।४९(सौरः ४८।३३) चंद्रद. सफर २
पूर्वोदयी बुधः २५।५०
भ. २।१ उ. ३४।५१ या.
वसन्त ५ श्री ५
[= मीने शुक्रः ५।५८ भानु७
भ. ४५।१७उ. उषायां भौमः ५।५४=
भ.१५।३२या. शतेरविः २२।१०(सौरः५
उभायां शुक्रः ४६।८ला. फाल्गुनारम्भः
×२३।५५पूभा. ४गुरुः १४/३३ भीष्माष्टमी
भ.८।२२उ. ३५।४२या मकरेभौमः २७/५५*
*मार्गी बुधः २।१९जया ११ ब्र.
प्रदोषः
भ. ११।७उ. ३६।१५ या.
माधस्नानपूर्तिः

४५पं.मा.शु.४श.इ.४४।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	१०	१०	२	७	१०
३	२४	१७	२९	२७	९	१०	२
०	५८	५९	१३	५	८	३८	५७
४	१६	३८	१९	३४	४९	५१	३४
६०	४३	४५	१३	७३	३७	३	६०
३७	२	ब	४	५०	ब	११	४२

गोचरग्रहाः

माघ शु. १ बुधे कुंभेऽर्कः प्र. वा. २न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

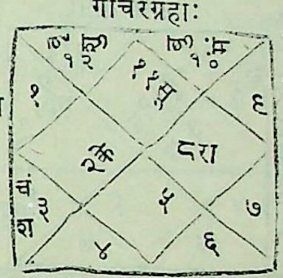

४६पं.मा.शु.११श.इ.४४/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	११	११	२	७	१०
१०	०	१७	०	५	१८	१२	१०
३	१५	४५	५१	४०	५१	१६	२
३२	२६	१८	०	०	०	३५	७
६०	४३	५	१३	७२	३	३	६०
२५	७	मा	१९	३८	ब	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	बु ५० ४	८ ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०		०
२	शु ४२ १	उ ४४ ५८	धृ १३ १९	ते १६ ४६	२८ ६ ५ / ३० १८ ४३	२७ ८ १५		क.५।२८
३	शु ३७ ४९	ह ३९ १५	शू ११ ५१	व ७ ५८	३४ १७ ४३	२८ ९ १६		कन्यायां
४	श २७ २	चि ३४ १०	वृ ४६ ४०	व ० २५	३८ १६ ४४	१ १० १७		तु.७।१६
५	र २२ २	स्वा ३१ ४०	ध्रु ४० ४०	ते २२ २	४२ १६ ४४	२ ११ १८		तुलायां
६	चं १९ १	वि ३० ९	व्या ३६ १०	व १९ १	४६ १५ ४५	३ १२ १९		वृ १६।७
७	मं १८ २	अ ३२ १३	व्या ३३ २७	ब १८ २	५० १४ ४६	४ १३ २०		वृश्चिके
८	बु १९ ११	ज्ये ३५ १९	ब ३२ २	को १९ ११	५४ १३ ४७	५ १४ २१		ध.३५।१९
९	शु २१ ५०	मू ४० १२	सि ३२ २३	ग २१ ५०	५८ १२ ४८	६ १५ २२		धनुषि
१०	शु २६ १६	पू ४६ १३	व्य ३३ ५	वि २६ १६	२ १२ ४८	७ १६ २३		धनुषि
११	श २१ ३०	उ ५३ ३४	व ३४ ५२	वा ३१ ३०	६ ११ ४९	८ १७ २४		म.२।४०
१२	र २७ ४७	श्र ६० ०	प ३७ ४	को ४ ३८	१० १० ५०	९ १८ २५		मकरे
१३	चं ४४ ४	श्र ० ३७	शि ३९ १८	ग १० ५५	१४ ९ ५१	१० १९ २६		कु.३४।२२
१४	मं ५० २६	ध ८ ७	सि ४१ ३८	वि १७ १४	१९ ७ ५३	११ २० २७		कुम्भे
२०	बु ५६ ४४	श १५ ५०	सा ४३ ४३	च २३ ३५	१ ७ ५३	१२ २१ २८		कुम्भे

+ ११।२९ पातमोक्षः १९।५६
भ.७।५८उ. ३३/४९या. च.ब्र. पातस्पर्शः+
मार्च ३ ता. ३१

भ.१९।१उ.४८।३२या.रेवत्यां शुक्रः ३६/४८
पू. भा.रविः ३८।१५ (सौरः ३८।४२)
धनिष्ठा. बुधः १/४९ उभा. १गुरुः २७।५९
भ. ५४।३उ.
भ. २६।१६या. श्रवणेभौमः ४६।१५
विजया ११ ब्र.

भ.४४।४उ. प्रदोषः
भ. १७/१४या.कुम्भेबुधः ४२/९ महाशिवरात्रि ब्र.
अस्त गुरोः १।१२ अ.गु.

वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृ. महाराष्ट्राः

४७पं.फा.कृ.४श.इ ४४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	११	११	२	७	१०
१७	५	२०	२	१४	१८	११	१७
५	२६	२०	३०	२२	३	५४	४
४९	२	१९	१४	४४	५३	२०	५७
६०	४३	२९	१३	७३	२३	३	६०
१२	२०	१	२२	२५	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

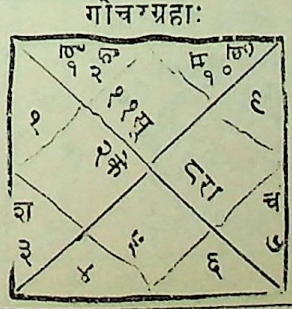

मकरे च स्थिते भौमे घृत तेल महर्घता। सुभिक्षं सर्व धान्यानां लोकानां दुःख पीडनम्॥

गोचरग्रहाः

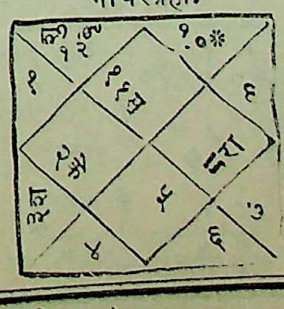

४८पं.फा.कृ. ११श.इ.४४/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	११	११	२	७	१०
२४	१०	२३	४	२२	१८	११	२४
६	४१	५८	१०	५८	३२	३२	६
२९	४२	२१	४४	८	२०	४	२०
५९	४२	६१	१२	७२	३४/९	३	६०
५८	२३	२१	३२	१४	ब	११	६

(शेष २०७१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*बु.मं.चं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०३१ शाकः१८९६ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | वसंतर्तौ रविरुत्तरे ऽहर्गणः७०७स.१९७५

१	गु	६०	०	पू	२३	४	शु	४५	४२	कं	२९	३७	२९/२७	६/७	५/५३	१३	२२	२९	मी६।१६
१	शु	२	३०	उ	२९	५०	शु	४७	५	ब	२	३०	३२	६	५४	१४	२३	३०	मीने
२	श	७	४३	रे	३५	४७	व्र	४७	४१	को	७	४३	३६	५	५५	१५	२४	१	मे.४५।४७
३	र	१३	५४	अ	४०	५३	ऐं	४७	३२	ग	११	५४	४०	४	५६	१६	२५	२	मेषे
४	चं	१५	१०	भ	४४	५६	वै	४६	५६	वि	१५	१०	४४	३	५७	१७	२६	३	मेषे
५	मं	१७	२३	कृ	४७	४८	वि	४५	११	वा	१७	२३	४९	२	५८	१८	२७	४	वृ.०।३९
६	बु	१८	७	रो	४९	१८	प्री	४४	१६	तै	१८	७	५३	१	५९	१९	२८	५	बृषे
७	गु	१७	३८	मृ	४९	२६	आ	३८	१४	व	१७	३८	५७	१	५९	२०	२९	६	मि१९।२२
८	शु	१५	४१	आ	४७	५३	सो	३२	४०	ब	१५	४१	३०/२१	०/००	०/००	२१	३०	७	मिथुने
९	श	११	५५	पु	४४	४८	शो	२६	१३	को	११	५५	६	५५/५९	१	२२	१	८	क ३०।३४
१०	र	६	५५	पु	४०	२५	अ	१८	२२	ग	६	५५	१०	५८	२	२३	२	९	कर्के
११	चं	०	२०	श्ले	३४	४१	सु	२७	५१/९	वि	०	२०	१४	५७	३	२४	३	१०	सिं३४।४१
१२	चं	५२	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	मं	४४	१९	म	२६	५२	थू	४९	१३	को	१९	२३	१८	५६	४	२५	४	११	सिंहे
१४	बु	३४	२१	पू	२०	३१	गं	३८	२८	ग	९	२०	२३	५५	५	२६	५	१२	क.३३।४०
१५	गु	२४	४६	उ	१३	२	वृ	२८	१	ब	२४	४६	२७	५५	५	२७	६	१३	कन्यायां

*मीनेऽर्कः ३/१२ (सौरः ३/१२) चंद्रदर्शनम्
अश्वि.मेषे शुक्रः ३२/२१ मार्गी शनिः ५१/२४ *
फुलरिया २ रविलावल ३
भ. ४३।३२उ. शते बुधः ३९।४२
भ. १५।१०या. उभायांरविः सौरः ५/३८
उभा. रविः ०।१६
उभा. २ गुरुः १७।१८
भ. १७।३८ उ. ४६।४०या.
होलाष्टकः
रा. चैत्रारम्भः
भ. ३३।३७उ. आमलकी ११ व्र. स्मा.
भ. ०।२० या. आमलकी ११ व्र. वै.
×४७।२० भरण्यां शुक्रः ३/३९ प्रदोषः
धनिष्ठा. भौमः ३५।४८ पूभायां बुधः×
भ.३४/२१उ.५/३३या. होलिकादहनं भदापु. छा.रेंडी

४९पं फा.शु.२श.इ.४५।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	११	०	२	७	११
१	१५	५	५	१	१८	११	१
५	५८	२८	५१	२९	३०	९	६
४२	१९	४४	४९	५२	४७	४९	२
५९	४३	७८	१३	७२	०/०	३	५९
४१	२७	३२	२८	५८	मा	११	४९

गोचरग्रहाः

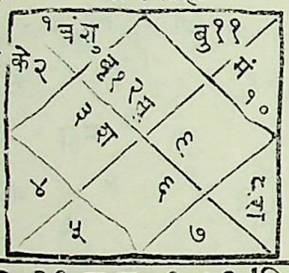

फा.शु. १ शुक्रे मीनेऽर्कः प्र.वा. ३न.४ गतालकावस्था(ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

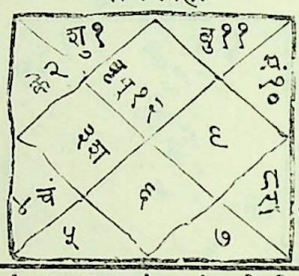

५०पं.फा.शु.९श.इ.४५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	११	०	२	७	११
८	२१	१५	७	१०	१८	१०	८
३	१६	२४	३३	१	३४	४७	३
१८	८	१४	४०	१५	४८	३३	५७
५९	४३	९१	१३	७२	०	३	५९
२९	४०	३	३८	४४	५८	११	३५

ति.| चैत्र कृष्ण पक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | वसंघर्तौ रविरुत्तरे फा. कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	१५	५१	ह	६	८	ध्रु	१८	८	को	१५	५१	३०/३१	५४/५४	६/६	२८	७	१४	तु. ३३।५
२	श	७	५५	चि	०/२	५५/३२	व्या	९	१०	ग	७	५५	३५	५३	७	२९	८	१५	तुलायां
३	र	१	१८	वि	५२	५७	ह	३४/१	५७/५७	वि	१	१८	३९	५२	८	३०	९	१६	बृ.३८।३७
४	र	५५	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	चं	५४	२२	अ	५२	२२	सि	५१	१४	को	२५	३४	४४	५१	९	३१	१०	१७	वृश्चिके
६	मं	५४	१०	ज्ये	५४	४	व्य	४८	३२	ग	२४	१६	४८	५०	१०	१	११	१८	ध.५४।४
७	बु	५५	५५	मू	५७	३४	व	४७	४३	वि	२५	२	५२	५०	१०	२	१२	१९	धनुषि
८	गु	५९	३५	पू	६०	०	प	४७	५	वा	२७	४५	५६	४९	११	३	१३	२०	धनुषि
९	शु	६०	०	पू	२	५०	शि	४९	९	तै	३२	३	३१/००	४८	१२	४	१४	२१	म.१९।२८
९	श	४	३१	उ	९	२३	सि	५१	२५	ग	४	३१	४	४७	१३	५	१५	२२	मकरे
१०	र	१०	४५	अ	१६	४४	सा	५३	४६	वि	१०	४५	८	४६	१४	६	१६	२३	कु.५०।३४
११	चं	१६	५९	ध	२४	२५	शु	५६	२३	वा	१६	५९	११	४६	१५	७	१७	२४	कुम्भे
१२	मं	२३	२२	श	३२	४	शु	५८	३४	तै	२३	२२	१५	४५	१५	८	१८	२५	कुम्भे
१३	बु	२९	२६	पू	३९	१५	व	६०	०	व	२९	२६	१९	४४	१६	९	१९	२६	मी२२ २८
१४	गु	३४	५२	उ	४५	४३	व	०	२०	वि	२	१५	२२	४४	१६	१०	२०	२७	मीने
२०	शु	३९	२०	रे	५१	५	ऐं	१	२१	च	७	५	२६	४३	१५	११	२१	२८	मे.५१।५

वसंत १
भ. ३४।३६ उ.
भ. १।१८या. चतुर्थी व्र.

रेवत्यांरविः २७/५९ (सौरः २७/९) मीनेबुधः ४८/२७
भ.५४/१०उ.उभा.३गुरुः ५/९ अप्रं ल४ता.३०
भ.२५।२या. उभायां बुधः ५२।३९
कुंभे भौमः १२।४३ शीतलापूजनम्
÷पूर्वास्तो बुधः ५३।४१
भ.३७/३८उ. कृत्तिकायां शुक्रः ३५।४६÷
भ. १/४५या. अनु.२राहुःकृत्ति.४केतुः४३/२८
पापमोचनी ११ व्र.
वृषे शुक्रः २२।३५ प्रदोषः
भ.२९।२६उ रेवत्यां बुधः ५७।३७
भ. २।१५या. उदयं गुरोः ३१।१२ ।गु.
मन्वादिः ।उ.

५१पं.चै.कृ.२श.इ.४५।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	११	०	२	७	११
१४	२६	२६	९	१८	१८	१०	१५
५९	३३	३०	१५	२८	४४	२५	०
१३	४७	४०	४	३३	१०	१७	३
५९	४३	०/०	१४	७२	१	३	५९
१६	४२	२४	३८	२०	३४	११	१८

गोचरग्रहाः

इस मास में गुरु का उदय वर्षा कारक है। धान्य रुई चांदी आदि धातु मंदा हो ।

गोचरग्रहाः

५२पं.चै.कृ.९श.इ.४६।१७

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	११	०	२	७	११
२१	१	८	१०	२६	१८	१०	२१
५३	५२	४६	५६	५२	५८	३	५४
३१	१	५२	२	३७	५५	२	१४
५९	४३	०/०	१३	७१	२	३	५९
४	४६	५७	३२	५७	१८	११	४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०७६ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०७६ भोग्यकलिः ४२६९२४ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीरविक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३२ शाकः १८९७ वर्षेऽस्मिन्राजा शनिः । मंत्री चन्द्रः । सस्येशो बुधः । धान्येशो भौमः । मेघेशो रविः । रसेशोःशुक्रः । नीरसेशो बुधः । फलेशो शनिः । धनेशो भौमः । दुर्गेशो-रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां २ विभव नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषा र्कसमयेः गतमासादिः ६।१७।२८।१८ भोग्यमासादिः ५।१२।३१।४२ विष्णु दैवतं युगम् । वर्षनाम भाद्रपदः मेघ नाम द्रोण :। रोहिणीनिवासःसमुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे। समय विश्वा १२ । समयवाहनम् महिषः स्तभौ २ नाय्वन्नयोः सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी १ । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी + । रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३३० । समयदिनानि ३५३ । तिथिक्षयः १४ । तिथिवृद्धिः ७ । उत्पत्ति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा ५ । धान्यम् ११. तृणम् ७. शीतम् १७. तेजः ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ । ऐक्यम् ९९ शनिदृष्टिपूर्वस्यां ग्रहणए् १ चन्द्रमसः ।

सं. २०३२ कार्तिक शु. १५
भौम खंडग्रासचंद्रग्रहणं

		स्प.	सं. म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	४९	५३	५३	५४ ५८
मध्यम.	पल	३४	३	५५	४७ १६
रेल्वे	घं.	२	३	४	५ ५
टाइम	मि.	१७	४०	१	२२ ४५

वर्षलग्नम् ७।८

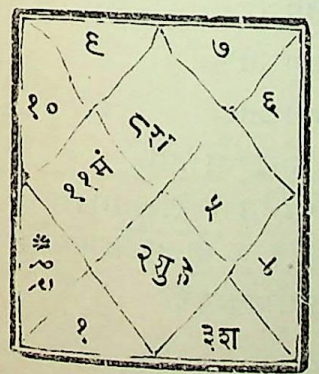

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

नमो नमो जगजननी सों करि हूँ बारंबार ।
सुष्टु साल बतीस का मोसू कहिये सार ॥

भवानी उत्तर

बतीसो आछो समय प्रजा दुःख न पाय ।
अन्नको भाव सुहावणु कहां आव कहां जाय ॥
विभव नाम वत्सर बना मंत्री भये द्विज राज ।
सस्याधिप दुध होण से सारैं जग का काज ॥
सागर में रोहिणी बसी संवत विश्वा अर्क ।
संवत् अच्छा होयगा कहीं कहीं रहसी फर्क ॥
रविसुत तो राजा भये ले फलपति अधिकार ।
युद्ध रोग फैले घणा प्रजा होय बेकार ॥
पण भैरव भय मत करे रक्षक है करतार ।
ईश्वरदत्त गुरु ज्ञान से बंशीधर कहा सार ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेशलग्नम् ०।१६

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१३।० केतकीमतेन वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशाः २३।२९।४२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा शनिस्तत्फलम् ॥ शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूत-रोगे परिपीड्यते जनः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमंति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ॥ मंत्रीचंद्रस्तत्फलम् । शशिनि मंत्रिगतेबहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुखमंडिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखशशि-सुशोभिताः ॥ सस्येशो बुधस्तत्फलम् ॥ जलधरा जलराशिमुचोभृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् ॥ द्विजगणः स्तुतिपाठकरः सदा प्रथमसस्यपतौ शशिबोधने ॥ धान्येशो भौमस्तत्फलम् ॥ भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्यमहर्घकम् । शालीक्षुघृततैलादि महर्घाणि भवंति च ॥ मेघेशो रविः फलम् ॥ जलदपे यदि-वास खेतदा सरसि वै रमते जनता रसम् । यावचनेक्षुनिवारसुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ॥ रसेशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ यजन याजनकोत्सवकोत्सुका जनपदाजल तोषित मानसाः सुखसुभिक्ष समोदवती-धरा, धरणीपाइत पापगणाप्रिया ॥ नीरसेशो बुधःफलम् ॥ चित्रवस्त्रादिकं चैव शंखचंदनपूर्वकम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ॥ फलेशो शनिः फलम् ॥ यदिशनिः फलपः कलहो भवेज्जनित पुष्पगणास्तरवः सदा । हिमभयं नरतत्करजं सदा जनपदा जनराशिसमाकुत्माः ॥ धनेशो भौमस्तत्फलम् ॥ अस्तिमौल्यकरो धरणीसुतः शरदि वाम्रकरस्तुषधान्यहृत् । महामेमासि भवेद्द्विगुणंतदा नरपतिर्जनशोक-विधायकः ॥ दुर्गेशः रविः फलम् ॥ नयविशेषकरस्तरणिस्तदागतभया नरराजपुरोगमा । समधिकेन तदानृपतोन्यतः पथिपु संव्रजतां न भयंक्वचित् ॥ विभव नाम संवत्सरफलम् ॥ दण्डनीतिपराभूयाबहुसस्यार्घ-वृष्टयः । विभवाब्देऽखिलालोकाः सुखिनः स्युर्विवैरिणः ॥ वर्षनाम भाद्रपदः फलम् । अर्घमहर्घतां याति धनधान्यं समं भवेत् । मघवा वर्षति स्वच्छं सम्पदा भाद्रवर्षके ॥ मेघनाम द्रोणफलम् ॥ द्रोणे वर्षति सर्वदा । रोहिणीनिवासः समुद्रे फलम् । समुद्रे तु महा वृष्टिः । समयनिवासो मालाकारगृहे फलम् ॥ मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एव संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्—

सं० २०३२ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः ।

शु. ५ बुधे मृगे ल. १२ रे.६।।।।ऽअ.ऽऽ।ऽ आवश्यके
,, १० चंद्रे मघा. ल. गो. रे ७।ऽ।।।।ऽऽ। गणितेनक्रांति-साम्याऽभावः
,, १२ बुधे उफा. ल. अन्यगो. रे ६ऽ।।।।।।।।
,, १२ बुधे हस्ते ल. १२ रे.७।।।ऽगुऽ।ऽ।। पादतोवेधाऽभावः चन्द्रः ७ पूज्यः

वैशाख मासः ।

शु. ८ रवौ मघा. ल. अन्यगो. १ रे.६।।।।।।।ऽ।
,, १३ शुक्रे स्वा. ल. अन्यगो. रे.७।ऽ।।।ऽरोऽ।।।

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ४ गुरौ उषा. ल. गो. सोग्रांगः रे.६।।।ऽबुऽ।ऽऽ। गणितेनक्रांतिसाम्याऽभावः पादतो वेधाभाव
शु. ५ शनौ मघा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः १ रे.८।ऽ।।।ऽअ.।।।।
,, ८ भौमे हस्ते ल. अन्यगो. रे.७।ऽअ.ऽ।।।
,, ११ गुरौ स्वा. ल.१ रे.८।।।।।ऽनृऽ।।चंद्र७ पूज्यः

आषाढ मासः ।

कृ. २ बुधे उषा. ल. गो. रे.६।।।।ऽ।।।।।
,, ६ चंद्रे उभा. ल. ११ रे.८ऽ।।।।।।ऽ।।
,, ७ भौमे उभा. ल. अन्यगो. रे.६ऽ।।।।ऽचो।ऽ।ऽ दग्धा
,, ८ बुधे रेव.ल.अन्यगो.रे ७।।।ऽबृ।।।ऽऽ।।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ७ भौमे मघा. ल.६रे.८ऽ।।।।।।ऽ।।गुरु भौमौ पूज्यौ
,, ६ गुरौ उफा. ल. अन्यगो. रे.७।।।ऽबृ।ऽअ.।ऽ।। पादवेधाद्गुरोर्वेधाऽभावः
शु ८ गुरौ उभा. ल. गो. रे.६ऽमं।।।।।।।।
,, १० शनौ रे व. ल. गो. रे. ६।।ऽऽबृ।।।ऽऽ।।

माघ मासः ।

कृ. ३ चन्द्रे मघा. ल. ६ रे.६।।।ऽबु।।।।।। पादतो वेधाभावः
,, ४ भौमे उफा. ल.६ (घ.५५।२२उ.) रे.७।।।ऽबृ।ऽचो।ऽ।।
,, ५ बुधे उफा. ल. गो. रे.८।।।ऽबृ।।।ऽ।। पादतोवेधाभावः
,, ६ गुरौ हस्ते ल. गो. रे.७ऽ।।।।ऽरोऽ।।।
,, ७ शुक्रे स्वा. ल.६ रे.७ऽ।।।।।ऽऽ।।
शु. ४ बुधे उभा. ल. ६ रे. ८।।।।।।ऽऽ।।
,, ५ गुरौ रेव. ल. अन्यगो. रे.८।।ऽबृ।।ऽनृ।।।।
,, ६ चन्द्रे रोहि. ल. ६ (घ ३४५०उ.) रे.७।।।।।ऽ।ऽ। गु.७ पूज्यः गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः ।
,, १५ रवौ मघा.ल.६.रे.६।।।।ऽऽ।।आवश्यके

फाल्गुन मासः ।

कृ. ३ बुधे हस्ते ल. गो. ६ रे.८।।।।।।।ऽ।ऽ दग्धा.
शु. ७ चन्द्रे रोहि. ल. अन्यगो. रे.७।।।।।ऽचोऽऽ दग्धा.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

चै. | श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं.२०३२ शाकः १८९७ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ७३७स. १९७५

१	श	४२	३६	अ	५५	४३	वै	१	४१	क	१०	५६	३१/२८	४३	५	६/१८	१२	२२	२६	मेषे	शतेभौमः ४/३ संवत्स. । रंभः नवरात्रारंभः
२	र	४४	५०	भ	५६	१०	वि	२	१५/४६	बा	१३	४६	३३	४१	१६	१३	२३	३०	मेषे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	४६	१०	कृ	६०	०	आ	५७	५२	तै	१५	२५	३६	४१	१६	१४	२४	१	वृ. १४।४७	अश्वि. मेषेऽर्कः २।३ सोरः १।४० गणगौरी *
४	मं	४६	२६	कृ	१	४०	सो	५५	२	व	१६	१७	४०	४०	२०	१५	२५	२	वृषे	भ. १६।१७उ. ४६।२६ या.
५	बु	४५	३४	रा	३	१२	शो	५१	३०	व	१५	५६	४३	३६	२१	१६	२६	३	मि ३३।२५	अश्वि. मेषे बुधः ३८।३१ रोहिण्यांशुक्रः +
६	गु	४३	४०	मृ	३	३८	अ	४७	१	को	१४	३७	४७	३६	२१	१७	२७	४	मिथुने	+४८।१० उ. भा. ४ गुरुः ३।५५
७	शु	४०	३७	आ	२	५५	सु	४१	२७	ग	१२	८	५१	३८	२२	१८	२८	५	क. ४६।४१	भ. ४०।३७उ.
८	श	३६	४३	पु	१/७	५७/२०	धृ	३५	८	वि	८	४०	५५	३७	२३	१९	२९	६	कर्के	भ. ८।४०या. *रविलाखर ४
९	र	३१	५१	श्ले	५४	५६	शू	२८	१३	बा	४	१७	५८	३६	२४	२०	३०	७	सिं ५४।५६	रामनवमी पातस्पर्शः ४/७ पातमोक्षः ३/३
१०	चं	२४	५२	म	५०	२०	गं	१९	२०	ग	२४	५२	३/३२	३६	२४	२१	१	८	सिंहे	भ. ५२।१ उ. रा वैशाखारम्भः
११	मं	१९	१०	पू	४४	४७	दृ	११	४०	वि	१९	१०	६	३५	२५	२२	२	९	क. ५८।१६	भ. १९।१०या. भरण्यां बुधः ५२।३९ ×
१२	बु	११	१६	उ	३८	४४	धृ	४०	२/५०	बा	११	१६	१८	३४	२६	३	३	१०	कन्यायां	प्रदोषः ×कामदा ११ व्र.
१३	शु	३	११	ह	३२	४५	ह	४३	५३	को	३	११	१४	३३	२७	२४	४	११	तु. ५९।५२	भ. ५४।२२उ. पुनर्व. १ शनिः ३१।२९
१४	शु	५१	११	८	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	शु	४७	२३	चि	२६	५९	व	३५	२	वि	२०	५२	१७	३३	२७	२५	५	१२	तुलायां	भ. २०।५२ या. हनुमज्जयन्ती

१पं.चै.शु.३चं इ. २।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	११	१	२	७	०
०	८	२४	१२	६	१९	९	०
०	६	४१	५२	४२	२०	३६	०
०	५४	९	५१	०	५३	५७	२४
५८	४३	२९	१३	७१	३	३	५८
४४	४१	२९	२२	३१	५	११	४५

गोचरग्रहाः

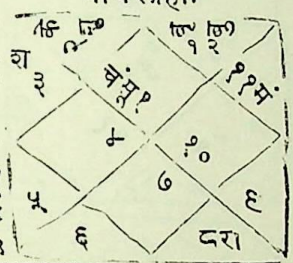

चै. शु. ३ चंद्रे मेषेऽर्कः प्र.वा.४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

२पं.चै.शु.१०चं.इ.२।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	११	१	२	७	०
६	१३	९	१४	१४	१९	९	६
५०	२०	२२	३१	५५	४६	१४	५०
४२	१०	१६	१	३३	२६	४२	३५
५८	४३	२९	१३	७१	३	३	५८
३१	५६	१/९	१५	४	४४	११	२९

वै. | वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृ. महाराष्ट्राः

१	श	४०	५५	स्वा	२२	३	सि	२७	१	बा	१४	९	३२/२१	५/३२	६/२८	२६	६	१३	तुलायां	भरण्याँ रविः ४२।२० (सौरः ४२।५८)
२	र	३५	३०	ति	१८	२७	व्य	२०	२	तै	८	१३	२५	३१	१९	२७	७	१४	वृ. ४।२१	भ. ३।१२उ. ३२।०या. मृगेशुक्रः १/६ च.व्र
३	चं	३२	०	अ	१६	४५	व	१४	२४	व	३	१२	२९	३०	३०	२८	८	१५	बृश्चिके	पूभायाँ भौमः ४/५ कृत्तिका. बुधः १२।४९
४	मं	३०	३३	ज्ये	१६	३५	प	१०	३४	ब	१	१६	३२	३०	३०	२९	९	१६	ध. १६।३५	वृषे बुधः ५१।२९ रेवती. १ गुरुः ३१।२*
५	बु	३१	७	मू	१८	४०	शि	८	१०	को	०	५०	३६	२९	३१	३०	१०	१७	धनुषि	भ. ३३।५८ उ. मई ५ ता. ३१
६	गु	३३	५८	पू	२२	३७	सि	७	३८	ग	२	३२	४०	२८	३२	१	११	१८	म. ३९।०	भ. ५।५८ या
७	शु	३७	५९	उ	२८	१०	सा	७	५९	वि	५	५८	४३	२७	३३	२	१२	१९	मकरे	*बुधोदयः पश्चिमायां १७।१
८	श	४३	४३	श्र	३५	७	शु	९	४२	बा	१०	५१	४७	२७	३३	३	१३	२०	मकरे	मिथुने शुक्रः ३।४८
९	र	४९	४३	ध	४२	२५	शु	११	२५	तै	१६	४३	५१	२६	३४	४	१४	२१	कु. ८।४६	भ. २२।५० उ ५५।५९ या.
१०	चं	५५	५९	श	५०	२	श	१४	१६	व	२२	५०	५४	२५	३५	५	१५	२२	कुम्भे	रोहिण्यांबुधः ३/९ वरूथिनी ११व्र. स्मा.
११	मं	६०	०	पू	५७	२४	ऐं	१६	४१	ब	२८	५९	५७	२५	३५	६	१६	२३	मी ४०।३४	वरूथिनी ११ व्र. वै.
११	बु	२	०	उ	६०	०	वै	१८	४०	वा	२	०	३/१	२४	३६	७	१७	२४	मीने	प्रदोषः
१२	गु	७	१९	उ	४	०	वि	१९	५५	तै	७	१९	४	२३	३७	८	१८	२५	मीने	भ. ११।१९ उ. ४२।३८ या. आर्द्रा. ×
१३	शु	११	१९	रे	९	२५	मी	२०	५	व	११	१९	७	२३	३७	९	१९	२६	मे. ९।२५	×शुक्रः ५७।१६
१४	श	१३	५६	अ	१३	२८	आ	१९	१७	श	१३	५६	१०	२२	३८	१०	२०	२७	मेषे	कृत्तिका. रविः २८।१५ सौरः ३०।५५)
३०	र	१५	१६	भ	१६	१३	सो	१७	३१	ना	१५	१६	१३	२१	३९	११	२१	२८	वृ. ३०।३९	

२पं.वै.कृ. ३चं.इ.२।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	११	१	२	७	०
१३	१८	२४	१६	२२	२०	८	१३
२९	४५	१७	७	५	१५	५२	२९
४३	४	३८	५८	२१	४२	२६	१०
५८	४३	२९	१२	७०	४	३	५८
१९	५७	४०	५७	२५	२३	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ शनिः ५ रवि मध्यम है रुई पाट वार-दाना सोना चांदी गुड खांड अनाज चावल सिरस्यु अलसी तेज हो ।

गोचरग्रहाः

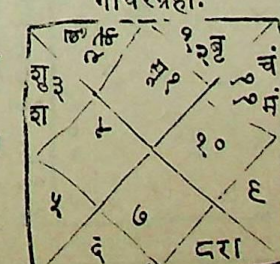

४पं.वै.कृ.१०चं.इ.२।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	१	११	२	२	७	०
२०	२४	७	१७	१	२०	८	२०
२७	३	४१	४१	८	४९	३०	२५
२२	२५	२०	४९	२७	३७	१०	००
५८	४३	२९	१२	६९	४	३	५७
६	४५	७/९	३२	३४	५१	११	५७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३२शाकः१८९७	दि.	उ.	अ	इं.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः७६७स.१९७५
१	चं १५ १९ कृ १७ ४० शो १४ ४४ ब १५ १२	३३/१६	२५/२१	६/३९	१२	२२	२९	बृषे	मीने भौमः ५८।४५ चन्द्रदर्शनम्
२	मं १३ ५६ रा १८ ९ अ ११ २ कौ १३ ५६	१९	२०	४०	१३	२३	१	मि४७।५१	परशुराम जयंती जमादिलावल ५
३	बु ११ ५९ मृ १७ ३४ सु ६ ३१ ग ११ ५९	२२	२०	४०	१४	२४	२	मिथुने	भ. ४०।३० उ. बृषेऽर्कः ५५।३० *
४	गु ९ २ आ १६ २२ धृ २०/२ ५४/३१ वि ९ २	२५	१९	४१	१५	२५	३	मिथुने	भ. ९।२ या. मृगे बुधः ४६।३७ ÷
५	शु ५ १५ पु १४ ४० गं ४९ ५२ वा ५ १५	२८	१८	४२	१६	२६	४	क.०।५	*(सौर:५८।४३) अक्षयात्र
६	श १ १३ पु १२ १५ बृ ४३ ३८ तै १ १३	३०	१८	४२	१७	२७	५	कर्के	भ.५६।३८उ उभायां भौमः १९।१०
७	श ५५ २५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	÷रेवती. २ गुरुः ३६।५५
८	र ५१ ३७ श्ले ९ २६ ध्रु ३६ ३८ वि २४ १३	३३	१७	४३	१८	२८	६	सिं९।२६	भ. २४।१३ या.
९	चं ४६ १४ म ६ १ व्या २९ ३५ वा १८ ५६	३६	१७	४३	१९	२९	७	सिंहे	D४८।२२ मोहिनी ११ब्र.
१०	मं ४० ९ पू १/५२ ५५/५६ ह २२ २ तै १३ ११	३९	१६	४४	२०	३०	८	क.१५।५१	
११	बु ३४ ० ह ५३ ३२ व १४ २२ व ७ ४	४१	१६	४४	२१	३१	९	कन्यायां	भ .७।४उ. ३४।० या. पुनर्व. शुक्र D
१२	गु २७ ४२ चि ४९ २६ सि ४२/९ ५२/१९ ब ० ५१	४३	१५	४५	२२	१	१०	तु.२१।२९	प्रदोषः रा ज्येष्ठारंभः
१३	शु २१ ३२ स्वा ४५ ४८ व ५१ ४४ तै २१ ३२	४६	१५	४५	२३	२	११	तुलायां	नृसिंह जयन्ती
१४	श १५ ५९ वि ४२ ४२ प ४५ १२ व १५ ५९	४८	१४	४६	२४	३	१२	बृ.२८।२९	भ. १५।५९ उ. ४३।३७ या.
१५	र ११ १५ अ ४० ४४ शि ३८ ४६ व ११ १५	५०	१४	४६	२५	४	१३	बृश्चिके	रोहिण्यां रविः १९।५ (सौर:२४।५२)

५पं.वै.शु.१चं.इ.३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	१	११	२	२	७	०
२७	२९	१८	१९	९	२१	८	२७
१३	१९	१९	१४	४	२६	७	१०
३४	१९	३७	३४	४	५२	५५	५५
५७	४३	८१	१२	६८	५	३	५७
५४	४९	५४	१४	४३	१६	११	४५

गोचरग्रहाः

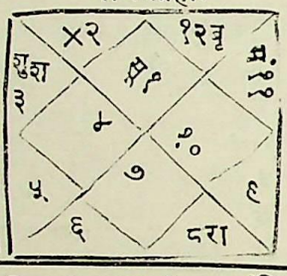

वै. शु. ३ बुधे वृषेऽर्कः प्र.वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावेमहर्घताशु.पू.

गोचरग्रहाः

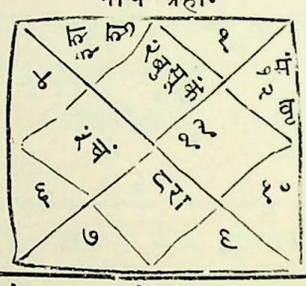

६पं वै.शु.६चं.इ.११/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	२	२	७	१
३	४	२५	२०	१६	२२	७	३
५८	३५	४७	४०	५३	८	४५	५४
२६	४२	२	५	४९	३१	३९	३४
१७	४३	४५	११	६७	२	३	१७
४४	४०	८	४९	३८	४३	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं.२०३२ शाकः१८९७	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृ.महाराष्ट्राः
१	चं ७ ५७ ज्ये ४० ३२ सि ३५ १७ कौ ७ ५७	३३/५२	५/१४	६/४६	२६	५	१४	ध.४०।३२	
२	मं ६ १४ मू ४१ ५० सा ३२ १२ ग ६ १४	५४	१३	४७	२७	६	१५	धनुषि	भ. ३६।१७ उ.
३	बु ६ २० पू ४४ ४९ शु ३० ५५ वि ६ २०	५६	१३	४७	२८	७	१६	धनुषि	भ.६।२०या. वक्री बुधः२०।२३ च.ब्र.
४	गु ८ ९ उ ४९ १ शु ३० १९ वा ८ ९	५८	१२	४८	२९	८	१७	म.०।५२	
५	शु ११ ४१ श्र ५५ १७ ब्र ३१ १० तै ११ ४१	३४/०	१२	४८	३०	९	१८	मकरे	पुन. २ शनिः २६।३६
६	श १६ ४४ ध ६० ० ऐं ३२ ५५ व १६ ४४	२	१२	४८	३१	१०	१९	कु २८।४२	भ.१६/४४उ. ४९/३९या.कर्के शुक्रः १३।१९
७	र २२ ३१ ध २ ७ वै ३५ १६ ब २२ ३१	४	११	४९	१	११	२०	कुम्भे	रेवती ३गुरुः२५/२४ पश्चिमास्तं बधः१७/२६*
८	चं २८ ३७ श ९ ४५ वि ३७ ४४ कौ २८ ३७	६	११	४९	२	१२	२१	कुंभे	*जून ६ ता. ३०
९	मं ३४ ३१ पू १७ ११ प्री ३९ ५९ तै १ ३४	७	११	४९	३	१३	२२	मी ०।१९	पुष्ये शुक्रः २०।९
१०	बु ३९ ३ उ २४ ८ भा ४१ ३८ व ६ ४७	९	१०	५०	४	१४	२३	मीने	भ. ४७/६उ. ३/६या. रेवत्यां भौमः १८/२२
११	गु ४४ ३ रे २९ ४९ सौ ४२ ३ ब १२ ३	१०	१०	५०	५	१५	२४	मे.२९।४९	अपरा ११ ब्र.
१२	शु ४६ ३८ अ २४ ६ शो ४१ ४२ कौ १५ २१	१२	१०	५०	६	१६	२५	मेषे	÷अनु. १ राहुः कृत्ति. ३ केतुः ४२।५
१३	श ४७ ३२ भ ३६ ५६ अ ३९ ४९ ग १७ ५	१३	९	५१	७	१७	२६	वृ.५२।११	भ. ४७।३२ उ. प्रदोषः
१४	र ४६ ३८ कृ ३७ ५६ सु ३६ ३७ वि १७ ५	१४	९	५१	८	१८	२७	बृषे	भ.१७/५या. मृगेरविः १४/१ (सौर:३३/४१)÷
३०	चं ४४ १४ रो ३७ २९ घृ ३२ १२ च १५ २६	१६	९	५१	९	१९	२८	वृषे	वर्जनं सोमवती ३०

७पं.ज्ये.कृ.१चं.इ १७/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	२	२	७	१
१०	९	२९	२	२४	२२	७	१०
४२	४९	३२	५	३२	५१	१३	३९
२५	५९	४५	२	८	३९	२५	४५
५७	४३	९	०	६६	६	३	५७
२५	३७	१४	५५	१६	८	११	२३

८पं.ज्ये.कृ.८चं.इ २२/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	२	२	७	१
७	१५	२०	२३	५	२३	१७	७
२५	२	२४	२६	५८	३७	१	१७
८	२८	०	३८	१५	३३	८	२१
५७	४३	१४	१०	६४	६	२	५७
२७	२१	ब	२९	४०	४३	११	१३

९पं.ज्ये.कृ.३०चं.इ.२३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	३	२	७	१
२४	२०	२६	२४	९	२४	६	१२
७	१२	२७	४४	१२	२६	३८	५७
१२	३२	५४	१३	३२	९	५२	४७
५७	४३	३२/३२	९	६२	६	३	५७
२२	७	ब	४७	५१	३७	११	५

×के.बु.चं. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७ दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ७९६सं. १९७५

१	मं	४०	३८	मृ	३५	४८	शु	२६	४८	कं	१२	२६	३४	५	६	१०	२०	२६	मि ६।४३
२	बु	३५	५९	आ	३३	१४	गं	२०	३३	वा	८	१९	१७	९	५१	११	२१	३०	मिथुने
३	गु	३०	४१	पु	२९	५२	वृ	१३	४७	तै	३०	२१	१९	८	५२	१२	२२	१	क. १५।४३
४	शु	२५	७	पु	२६	१६	धु	३९	५३	वि	२५	७	२०	८	५२	१३	२३	२	ककें
५	श	१९	२९	श्ले	२२	४३	ह	५२	३५	वा	१९	२९	२१	८	५२	१४	२४	३	सिं २२।४३
६	र	१३	५०	म	१९	१५	व	४५	२२	तै	१३	५०	२१	८	५२	१५	२५	४	सिंहे
७	चं	८	२९	पू	५५	३७	सि	३८	२२	व	८	२९	२२	८	५२	१६	२६	५	क.२९।४९
८	मं	३	५	उ	१२	२५	व्य	३१	२८	ब	३	५	२२	८	५२	१७	२७	६	कन्यायां
९	मं	५४	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	बु	५३	१०	ह	९	१७	व	२४	५६	तै	२५	३६	२३	७	५३	१८	२८	७	तु. ३७।५३
११	गु	४८	४५	चि	६	२३	प	१८	३१	व	२०	५७	२३	७	५३	१९	२९	८	तुलायां
१२	शु	४४	४९	स्वा	४	११	शि	१२	३८	ब	१६	४७	२३	७	५३	२०	३०	९	वृ.४७।५७
१३	श	४१	४०	वि	२	३२	सि	९	१९	कौ	१३	१४	२४	७	५३	२१	३१	१०	वृश्चिके
१४	र	३९	२५	अ	१	३२	सा	३४	२५	ग	१०	३२	२४	७	५३	२२	१	११	वृश्चिके
१५	चं	३८	२८	ज्ये	१	४३	शु	५५	५५	वि	८	५६	२४	७	५३	२३	२	१२	ध. १।४३

१०पं.ज्ये.शु.७ चं.इ.३।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१	११	३	२	७	२
०	२५	२२	२५	१९	२०	६	०
४८	१८	५७	२५	९	१६	१६	३६
२५	२५	१४	२३	३९	५१	३६	५६
५७	४२	२७	५४	९	६०	६	३	५६
१७	५१	ब्र		४	२३	५९	११	५७

गोचरग्रहाः

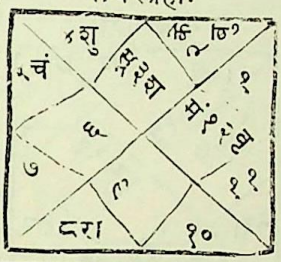

ज्येष्ठ शु. ६ रवौ मिथुनेऽर्के प्रविष्टः वा. ५ न.५ युवावस्था (मृती मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

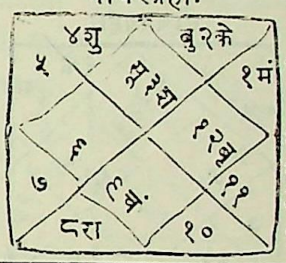

११पं.ज्ये.शु.१५ चं.इ.३।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	११	३	२	७	२
७	०	२१	२७	२२	२६	५	७
२९	२२	२४	०	४३	९	५४	१५
२४	४१	२८	०	४०	१८	२१	२४
५७	४२	२९	८	५७	७	३	५६
१३	३६	ब्र	१४	१	३	११	५४

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७ दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | वर्षर्तुः रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	३८	४७	मृ	२	५९	न	५४	२४	वा	८	३८	३४	५	६	२४	३	१३	धनुषि
२	बु	४०	५५	पू	५	४४	ऐं	५३	२७	तै	९	५१	२४	७	५३	२५	४	१४	ग. २१।४७
३	गु	४४	३	उ	९	५५	वै	५३	५६	व	१२	२९	२३	७	५३	२६	५	१५	मकरे
४	शु	४८	५९	अ	१५	३५	वि	५५	२५	ब	१६	३१	२३	७	५३	२७	६	१६	कुं ४८।५२
५	श	५४	२०	ध	२२	८	मी	५७	२३	कौ	२१	४०	२३	७	५३	२८	७	१७	कुम्भे
६	र	६०	०	श	२९	३१	आ	५९	५०	ग	२७	२४	२२	८	५२	२९	८	१८	कुम्भे
७	चं	०	२८	पू	३७	१	सौ	६०	०	व	०	२८	२२	८	५२	३०	९	१९	मी २०।१३
८	मं	६	३७	उ	४४	२२	सौ	२	१४	ब	६	३७	२०	८	५२	१	१०	२०	मीने
९	बु	१२	१४	रे	५०	५२	शो	४	२३	कौ	११	१४	२१	८	५२	२	११	२१	मे ५०।५२
१०	गु	१९	५३	अ	५५	५७	अ	५	५०	ग	१६	५०	१९	८	५२	३	१२	२२	मेषे
११	शु	१९	५२	भ	५९	३६	सु	४	५२	वि	१९	५२	१८	८	५२	४	१३	२३	मेषे
१२	श	२१	५	कृ	६०	०	धृ	४	४६	वा	२१	५	१७	९	५१	५	१४	२४	बृ. १४।५९
१३	र	२०	२२	कृ	१	११	शू	१३	५३	तै	२०	२२	१५	९	५१	६	१५	२५	वृषे
१४	चं	१७	४६	रो	५९	५८	वृ	५२	१९	व	१७	४६	१४	९	५१	७	१६	२६	मि ३०।१
१५	मं	१४	१९	आ	५५	३५	ध्रु	४५	९	श	१४	१९	१३	९	५१	८	१७	२७	मिथुने
३०	बु	७	३७	पू	५०	५३	व्या	३७	४१	ना	७	३७	११	१०	५०	९	१८	२८	क. ३७।४

१२पं.आ.कृ.६चं.इ ३।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	११	३	२	७	२
१४	५	२३	२७	२८	२७	५	१३
९	२३	२७	५५	५९	२	३२	५३
५०	२	१५	६	९	२०	६	२८
५७	४२	२९	७	५३	७	३	५६
७	७	मा	१७	१६	१४	११	५०

गोचरग्रहाः

इस मास में जौ गेहूं चना मटर मूंग बाजरा मंदा हो। घृत तैल गुड खांड तेज भाव रहें ।

ग्रोचरग्रहाः

१३पं.आ.कृ.१३चं.इ.३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	११	४	२	७	२
२०	१०	२९	२८	४	२७	५	२०
५०	१९	३१	५०	२८	५६	९	३१
१०	३७	२६	५६	३४	१२	५०	२२
५७	४१	६७	६	४७	७	३	२६
७	४६	२८	१८	५३	२०	११	५०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०३२ शाकः १८९७ दि.उ.अ.इ.रा.मु.चंद्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८२६स१९७५

१	गु	०	२६	पु	४५	३७	ह	२९	१२	ब	०	२६	३४/१०	५/१०	५०/६	१०	१९	२९	कर्के
२	गु	५	२४	०	०	०	ह	०	०	ब	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	शु	४५	४३	श्ले	४०	१९	व	२०	३८	तै	१९	२६	८	१०	५०	११	२०	१	सि ४०।१९
४	श	३८	२५	म	३४	५९	सि	११	४६	व	१२	४	७	११	४९	१२	२१	२	सिंहे
५	र	३१	३५	पू	२९	५८	व्य	१७/३	५/५	ब	४	५९	५	११	४९	१३	२२	३	क.४३।५५
६	चं	२५	१७	उ	२५	४६	प	४७	५३	तै	२५	१७	४	११	४९	१४	२३	४	कन्यायां
७	मं	१९	४८	ह	२२	२३	शि	४१	१	ब	१९	४८	२	१२	४८	१५	२४	५	तु.५१।७
८	बु	१०	१६	चि	१९	५२	सि	३५	२	ब	१४	१६	०	१२	४८	१६	२५	६	तुलायां
९	गु	११	३२	स्वा	१८	५	सा	२९	४२	कौ	११	३२	३३/५८	१२	४८	१७	२६	७	तुलायां
१०	शु	८	४४	वि	१७	२२	शु	२५	११	ग	८	४४	५६	१३	४७	१८	२७	८	बृ. २।३३
११	श	७	३	अ	१७	२३	शु	२१	१७	वि	७	३	५४	१३	४७	१९	२८	९	वृश्चिके
१२	र	६	८	ज्ये	१८	३४	न	१८	२८	वा	६	८	५२	१४	४६	२०	२९	१०	ध. १८।३४
१३	चं	६	३२	मू	२०	५१	ऐं	१६	१३	तै	६	३२	५०	१४	४६	२१	३०	११	धनुषि
१४	मं	७	४४	पू	२४	७	वै	१५	५	व	७	४४	४७	१५	४५	२२	३१	१२	म. ४०।११
१५	बु	१०	२८	उ	२८	२३	वि	१४	४४	ब	१०	२८	४५	१५	४५	२३	१	१३	मकरे

चंद्रदर्शन संभवः रथयात्रा

भरण्यां भौमः १९।१८ रज्जव ७
भ.१२।४ उ ३८।२५या.आर्द्रा.बुधः ३६/२४ ≡मेषे गुरुः४७।४६
A १५रा. श्रावणारम्भः
भ.१९।४८ उ.४७।२या.
कर्केऽर्कः ३९।५१
कर्केऽर्कः सौरः २।४६ अश्वि. १≡
भ ३७।५४उ.
भ.७।३या. देवशयनी ११ ब्र.
पुष्येरविः९।८(सौरः ३३/२७)पुन.बुधः २१/१६+
+पूफा.शुक्रः १७/४पूर्वास्तं बुधः ५२/३६प्रदोषः
भ ७।४४ उ. ३९।६ या. वायुपरीक्षा
पुन.४कर्के शनिः २।१२ व्यास पूजाA

१४पं.आ.शु.६चं.इ. ३।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	११	४	२	७	२
२७	१५	९	२९	९	२८	४	२७
३०	१२	१	३५	३८	५०	४७	९
३२	२१	४	४९	२४	२०	३४	२९
५७	४१	९८	५	४०	७	३	५६
११	११	६	१३	५८	२०	११	५५

गोचरग्रहाः

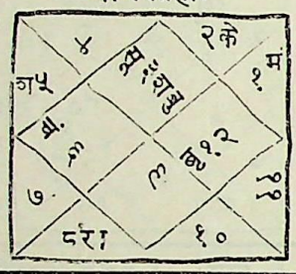

आ. शुक्ले ८ बुधे कर्केऽर्कः प्र. वा. ४ न. ६ कुमार्य वस्था (बैठा) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम ।

गोचरग्रहाः

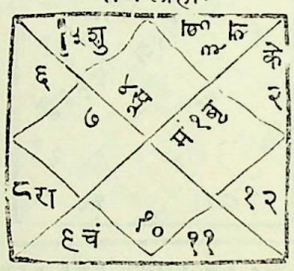

१५पं.आ.शु.१३चं.इ.२।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	२	०	४	२	७	३
४	२०	२१	०	१३	२९	४	३
११	१	२१	१३	४४	४५	२५	४७
१७	१९	२९	२३	२७	२५	१९	५६
२७	४०	२९	४	३२	७	३	५६
१५	४५	४४	१०	१	२०	११	५७

ति.| श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७ दि.उ.अ.इ.रा.मु.चंद्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृ. महाराष्ट्राः

१	गु	१४	८	श्र	३४	१६	ग्री	१५	३	को	१४	८	३३/४२	५/१६	४४/६	२४	२	१४	मकरे
२	शु	१९	१३	ध	४०	४३	आ	१६	३०	ग	१९	१३	४०	१६	४४	२५	३	१५	कु.७।२९
३	श	२४	२४	श	४७	४८	सौ	१८	१३	वि	२४	२४	३७	१७	४३	२६	४	१६	कुम्भे
४	र	३०	३६	पू	५५	२२	शो	२०	४४	वा	३०	३६	३५	१७	४३	२७	५	१७	मी ३८।२८
५	चं	३६	४९	उ	६०	०	अ	२२	१३	कौ	३	४३	४२	१८	४२	२८	६	१८	मीने
६	मं	४२	५१	उ	२	५७	सु	२५	४२	ग	९	५०	२९	१८	४२	२९	७	१९	मीने
७	बु	४७	५८	रे	१०	७	धृ	२७	४०	वि	१५	२४	२६	१९	४१	३०	८	२०	मे. १०।७
८	गु	५१	४८	अ	१६	७	शू	२८	४६	वा	१९	५३	२४	१९	४१	३१	९	२१	मेषे
९	शु	५४	४	भ	२०	५९	गं	२८	४६	तै	२२	५६	२१	२०	४०	१	१०	२२	वृ ३६।४६
१०	श	५४	११	कृ	२४	१	वृ	२७	१८	व	२४	७	१८	२०	४०	२	११	२३	बृषे
११	र	५२	२५	रो	२५	१०	ध्रु	२४	१७	ब	२३	१८	१५	२१	३९	३	१२	२४	मि ५४।४३
१२	चं	४८	३६	मृ	२४	१६	व्या	१९	३५	कौ	२०	३१	१२	२२	३८	४	१३	२५	मिथुने
१३	मं	४२	५०	आ	२१	२५	ह	१३	२२	ग	१५	४३	९	२२	३८	५	१४	२६	मिथुने
१४	बु	३५	२२	पु	१६	३८	व	४५/४३	५१/०	वि	९	९	६	२३	३७	६	१५	२७	क. २।५०
३०	गु	२७	१	पु	१०	४२	व्य	४७	१९	च	१	११	३	२३	३७	७	१६	२८	कर्के

कर्के बुधः ५३।४९
भ. ५१।५३उ.
भ. २४।३४ या. पुष्ये बुधः ३१/१७च.ब्र.
*बुधः ७।४६उदयं शनेः ५०/११ अगस्त
नागपुरुस्थले
भ. ४२।५१उ.
भ. १५।२४या. कृत्तिका. भौमः५९।६
अगस्त ८ता.३१
भ.२४।७उ. ५४।११ या. आश्लेषा.*
आश्लेषा. रविः६।९(सौरः३४।१६)×
×कामिका ११ ब्र.
भ. ४२।५०उ.वृषे भौमः ४।४६प्रदोषः
भ. ९।१या.वक्री शुक्रः२१।४६
हरियाली३०

१६पं.श्रा.कृ.५चं.इ.२।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	०	४	३	७	३
१०	२४	६	०	१६	०	४	१०
५२	४२	२७	४१	३५	३९	३	५२
१९	२२	३९	४९	९	२८	३	१९
५७	४०	९५	२	२०	७	३	५७
२०	१	९७	५८	१३	१६	११	२०

गोचरग्रहाः

वृष राशौ यदा भौमः सर्व धान्य महर्घता । चंदन कुंकुम वस्त्रं कार्यासादि महर्घता ।। सुदी में वर्षा श्रेष्ठ हो ।

गोचरग्रहाः

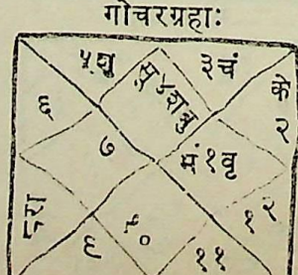

१७पं.श्रा.कृ.१२चं.इ.२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	०	४	३	७	३
१७	२९	२०	१	१८	१	३	१७
३४	१९	३३	१	२	३३	४०	७
१	१६	३	२६	९	२१	४८	१
५७	३९	९५	१	५	७	३	५७
२५	१७	४६	३७	३३	९	११	१२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं.२०३२शाकः १८०७ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः

१	शु	१७	५६	श्ले	३	५३	च	३७	२	ब	१७	५६	३३	५	६	८	१७	२६	सिं २।२
२	श	८	५२	पू	५०	१०	प	२७	८	कौ	८	५२	३२	२४	३६	८	१७	२६	सिंहे
३	र	०	७	उ	४३	५५	शि	१७	५	ग	०	७	५३	२५	३५	१०	१६	१	क. ३।३६
४	र	५१	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	चं	४४	५६	ह	३८	३३	सि	४७	५१	व	१८	३०	५०	२६	३४	११	२०	२	कन्यायां
६	मं	३६	१७	चि	३४	२६	शु	५२	२१	कौ	१२	८	४७	२७	३३	१२	२१	३	तु. ६।३१
७	बु	३४	५४	स्वा	३१	५५	शु	४६	११	ग	७	५	४३	२७	३३	१३	२२	४	तुलायां
८	शु	३२	३	वि	३०	४६	ब्र	४१	१३	वि	३	२८	४०	२८	३२	१४	२३	५	वृ. १६।६
९	शु	३०	३७	अ	३०	५६	ऐं	३७	२८	बा	१	२०	३६	२६	३१	१५	२४	६	बृश्चिके
१०	श	३०	३४	ज्ये	३२	३१	वै	३४	४४	तै	०	२४	३३	२६	३१	१६	२५	७	ध. ३२।३१
११	र	३१	५५	मू	३५	२६	वि	३३	१३	व	१	१४	२६	३०	३०	१७	२६	८	धनुषि
१२	चं	३४	११	पू	३६	३१	प्री	३२	२६	ब	३	२	२६	२६	३१	१८	२७	९	म. ५५।४६
१३	मं	३७	५६	उ	४४	३१	आ	३२	५५	कौ	६	२	२२	३२	२८	१६	२८	१०	मकरे
१४	बु	४२	१२	श्र	५०	२०	सो	३३	२४	ग	१०	५	१६	३२	२८	२०	२६	११	मकरे
१५	शु	४६	४०	ध	५७	६	शो	३५	२	वि	१४	४४	१५	३३	२७	२१	३०	१२	कु. २३।४५

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८५५स.१६७५

मघा. सिंहे बुधः ५४।१६
चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
भ.२६।४उ.५२।२या. त्रिशाखा.४राहुः*
*कृत्ति. २केतुः २४।४८तीज सावानट
नागपंचमी
+शुक्रास्तःपश्चिमामाम्३३६पवित्रा११ब्र.
भ. ३४।५.४ उ. वक्री गुरुः ५।३६
भ.२३या. बुधोदयः पश्चिमायाँ३५।१०
×श्रावणीकर्म.रक्षाबंधनंभद्रोतरम्
पूफायां बुधः ५।४०
भ.१५उ ५१या.मघा.सिंहेर्कः९सौ.३०१+
पुष्य. १ शनिः ३७।४४ शु.अ.प.
प्रदोषः
भ. ४२।१२ उ.
भ. १४।४४ या. रोहिण्यां भौमः२३×

१८पं.श्रा.शु.५च.इ.२।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	०	४	३	७	३
२४	३	४	१	१७	२	३	२३
१६	४८	५	११	३५	२५	१८	४८
२६	२२	४२	५३	३१	२३	३२	८
५७	२८	५०	०	११	७	३	५७
३३	२७	५०	२२	ब	२	११	२२

गोचरग्रहाः

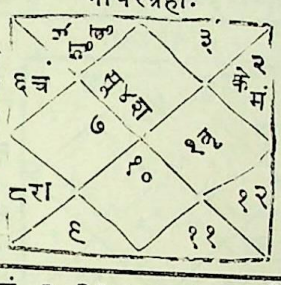

श्रा. शु. ११ रवौ
सिंहेऽर्कः प्र. वा.
५ न. ५ प्रगल्भा
वस्था (बैठी) मु.
३०धान्यादि भावे
समता शु. प.

गोचरग्रहाः

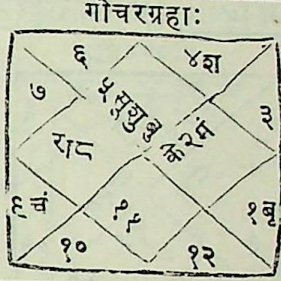

१९पं.श्रा.शु.१२चं.इ.१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	०	४	३	७	४
०	८	१६	१	१५	३	२	०
५९	७	४५	११	२२	१६	५६	३०
४३	५६	१४	४२	५२	१	१६	२१
५७	२७	५०	०	२६	६	३	५७
४०	२४	५५	ब	ब	४५	११	२४

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८०७ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः

१	शु	५३	२६	श	६०	०	अ	३६	४८	बा	२०	२८	३२	५	६	२२	३१	१३	कुम्भे
२	श	५६	२३	श	४	६	सु	३६	११	तै	२६	२०	११	३४	२६	२३	१	१४	मी५४।४७
३	र	६०	०	पू	११	३६	धृ	४१	३४	व	३२	२६	४	३५	२५	२४	२	१५	मीने
४	चं	५	३६	उ	१६	८	शू	४३	५८	वि	५	३६	०	३६	२४	२५	३	१६	मीने
५	मं	११	३५	रे	२६	३८	गं	४६	८	बा	११	३५	३१	३७	२३	२६	४	१७	मे. २६।३८
६	बु	१६	५५	अ	३३	१३	वृ	४७	५२	तै	१६	५५	५३	३८	२२	२७	५	१८	मेषे
७	शु	२१	२३	भ	३९	१	ध्रु	४८	५२	व	२१	२३	४८	३८	२२	२८	६	१९	वृ. ५.५।६
८	श	२४	३१	कृ	४३	२१	व्या	४८	१८	व	२४	३१	४४	३९	२१	२९	७	२०	बृषे
९	र	२५	५८	रो	४६	७	ह	४६	३६	कौ	२५	५८	४०	४०	२०	३०	८	२१	बृषे
१०	चं	२३	११	मृ	४६	४९	व	४३	३२	ग	२५	२९	३६	४१	१९	३१	९	२२	मि १६।५८
११	मं	१८	४७	आ	४५	४२	सि	३८	५३	वि	२३	११	३२	४२	१८	१	१०	२३	मिथुने
१२	बु	१२	१८	पु	४२	३४	व्य	३२	२९	बा	१८	४७	२८	४२	१७	२	११	२४	क २८।२१
१३	शु	४	२८	पु	३७	४०	व	२४	४०	तै	१२	१८	२५	४३	१७	३	१२	२५	कर्के
१४	गु	५०	५८	ले	३१	२७	प	१५	४०	व	४	२८	२१	४४	१६	४	१३	२६	सिं ३१।२७
१५	शु	४५	४९	म	२४	४७	शि	५३	४९	च	२०	३७	१७	४५	१५	५	१४	२७	सिंहे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृ.महाराष्ट्राः

वक्री मघा. शुक्रः २।१०
रा. भाद्रपदारम्भः
भ. ३२।२९ उ. उफाया बुधः ३।७
भ. ५ ३६ या. च. ब्र.
कन्या. बुधः ९।३१
चन्द्रषष्ठी
भ २१।२३ उ. ५२।५७ या.
जन्माष्टमी ब्र. स्मा.
पूफायां रविः५४९ जन्माष्टमी ब्र. वै.
भ.५४उ.पूफा. रविःसौरः२१३३ गोगाष्ट
भ.२३या. सितम्बर ९ ता. ३०
हस्ते बुधः२३।२० शुक्रोदयः पूर्वस्यां*
वत्स द्वादशी. प्रदोषः
भ. ४।२८ उ. २९।५७ या.
*१४।२४ अजा ११ ब्र.
कुशाग्रहणी. मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.३चं.इ.२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	०	४	३	७	४
७	१२	२८	१	११	४	२	७
४४	१८	१३	१	२४	५	२४	१३
१७	३२	२३	५६	२२	५३	१	५३
५७	३६	९४	२	३५	६	३	५७
४८	२३	५७	ब	ब	२०	११	४५

गोचरग्रहाः

इस मास में रुई
सोनाचांदी शेयर्स
के भावों में घटा
बढी रुख तेजरहे
तिल तेल गुड़खाँड़
तेज होवे ।

गोचरग्रहाः

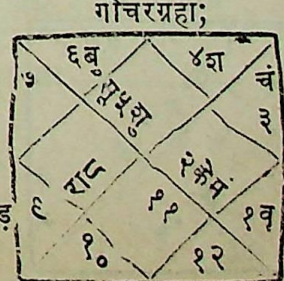

२१पं.भा.कृ.१०चं.इ.२।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	०	४	३	७	४
१४	१६	८	०	७	४	२	१३
२९	२०	७	४२	१८	५३	११	५९
५६	६	१२	५०	२२	३५	४५	५
५८	३५	८२	३४	३२	६	३	५७
१	७	१३	ब	ब	१७	११	५७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०३२शाकः१८९७ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शरदृतुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८८४स१९७५

१	श	३५	४७	पू	१६	२२	सा	४३	४७	कें	१०	४८	३१/१३	५/४५	६/१५	२८	क.२९।२५	
२	र	२६	३	उ	८	३७	शु	३३	१२	ब्रा	०	५५	९	४६	१४	७	१६	२९	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	चं	१७	१२	ह	१/२३	५/४३	शु	२३	३	ग	१७	१२	५	४७	१३	८	१७	१	तु.२८।१५	भ. ४३।२७उ. गणेश ४ रमजान ९
४	मं	९	४३	स्वा	५०	२८	न	१३	४१	वि	९	४३	१	४८	१२	९	१८	२	तुलायां	भ. ९।४२ या. ऋषि पंचमी
५	बु	३	४२	वि	४७	३१	ऐं	४/४	५/३७	ब्रा	३	४२	३०/५७	४/९	११	१०	१९	३	बृ.३३।१६	
६	बृ	५५	५१	०	०	०	०	०	८	०	०	८	०	०	०	८	०	०	०	
७	गु	५७	१५	अ	४६	१५	वि	५४	१०	ग	२८	२४	५३	४९	११	११	२०	४	बृश्चिके	भ.५७/१५उ.वक्री रेवती ४ मीने गुरुः४०/१२
८	शु	५६	५३	ज्ये	४६	५०	ज्री	५०	३५	वि	२६	४	४८	५०	१०	१२	२१	५	ध.४६।५०	भ. २६।४ या.
९	श	५८	१५	मू	४९	३३	आ	४८	२८	ब्रा	२७	३४	४४	५१	९	१३	२२	६	धनुषि	उफायां रविः३४/१ चित्रा. बुधः ७।२४
१०	र	६०	०	पू	५३	३७	सौ	४७	३७	तै	२९	३७	४०	५२	८	१४	२३	७	धनुषि	उफायां रविःसौरः१,६/१ मृगे भौमः१२/४०*
१०	चं	१	०	उ	५८	५९	शो	४८	१४	ग	१	०	३६	५३	७	१५	२४	८	म.९।५७	भ.३३।१०उ. *रामदेवजी का मेला
११	मं	५	२०	श्र	६०	०	अ	४९	११	वि	५	२०	३२	५४	६	१६	२५	९	मकरे	भ.२०/५या.कन्यायामर्कः५/२९ जलझू.११ब्र.
१२	बु	१०	१६	श्र	५	९	सु	५०	५८	बा	१०	१६	२८	५४	६	१७	२६	१०	कु.२८।४३	कन्याऽर्कः सौरः३१।२३ प्रदोषः
१३	गु	१६	१४	ध	१२	१६	धृ	५३	५	तै	१६	१४	२४	५५	५	१८	२७	११	कुम्भे	मार्गी शुक्रः २६।२ पुष्य २ शनिः३०/४
१४	शु	२२	१७	श	१९	२७	शू	५५	१९	व	२२	१०	२०	५६	४	१९	२८	१२	कुम्भे	भ. २२।१७उ.५५।२९ या. अनंत १४
१५	श	२८	२८	पू	२७	२	गं	५७	४०	ब	२८	२८	१६	५७	३	२०	२९	१३	मी१०।८	महालय श्राद्धारम्भः

२२पं.भा.शु.३चं.इ.५/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	०	४	३	७	४
२१	२०	१७	०	३	५	१	२०
१६	९	२२	१६	५४	३८	३९	४५
५५	४३	४१	८	२५	६	३०	४५
५८	३३	६८	२४/१९	२२/१९	५	३	५८
१३	४६	२१	ब	ब	५३	११	१२

गोचरग्रहाः

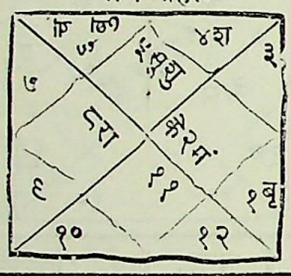

भा. कृ. ११भौमेः कन्यायामर्कः प्र. वा.३न.४कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भावसम) शु. पू.

गोचरग्रहाः

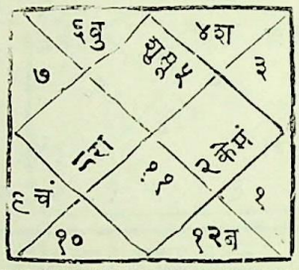

२३पं.भा.शु.१०चं.इ.४/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	११	४	३	७	४
२८	२३	२४	२९	२	६	१	२८
५५	४६	५३	४०	४	२१	२७	२४
२५	१	५३	८	२३	०	१४	७
५८	३९	४९	५८	१९/१९	५	३	५८
२६	५०	१७	ब	ब	२८	११	२९

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०३२शाकः१८९७ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शरदृतुः रविर्दक्षिणे भाद्र.कृ महाराष्ट्राः

१	र	३४	३२	उ	३४	१९	बृ	५९	४९	ब्रा	१	२९	३०/१२	५/८	६/२	२१	३०	१४	मीने	
२	चं	४०	२९	रे	४१	३१	शु	६०	०	तै	७	३१	८	५८	२	२२	३१	१५	मे.४१।३१	तुलायाँ बुधः२५।४२
३	मं	४५	२६	अ	४८	२	शु	१	५७	व	१२	५८	४	५९	१	२३	१	१६	मेषे	भ. १२।५८उ.४/६या.रा.आश्विनारंभः
४	बु	४९	४३	भ	५३	५९	व्या	३	२६	ब	१७	३४	३०/०	६/०	६/०	२४	२	१७	मेषे	चतुर्थी ब्र.
५	गु	५३	४	कृ	५८	४७	ह	४	१८	की	२१	२३	२९/५५	६/१	५/५९	२५	३	१८	वृ.१०।११	वक्री बुधः १४।७
६	शु	५५	८	रा	६०	०	व	४	१९	ग	२४	१	५१	२	५८	२६	४	१९	बृषे	भ. ५५।८ उ.
७	श	५५	४४	रो	२	२६	सि	३	२९	वि	२५	२६	४७	३	५७	२७	५	२०	मि२३।३२	२५/२६या हस्ते रविः १२।२८ (सौरः४/३/२)
८	र	५४	५३	मृ	४	३९	व्य	१/३४	५/४३	ब्रा	२५	१९	४३	३	५७	२८	६	२१	मिथुने	मिथुने भौमः ३७।३८
९	चं	५२	२०	आ	५	१६	प	५३	३४	तै	२३	३१	३८	४	५६	२९	७	२२	क.४९।३२	मातृ ९
१०	मं	४७	३२	पु	४	०७	शि	४७	३३	व	१९	५१	३४	५	५५	३०	८	२३	कर्के	भ. २९।५१ उ.४७।३२ या.
११	बु	४१	२९	पु	१/२७	५/३७	सि	४०	९	ब	१४	३१	३०	६	५४	१	९	२४	सिं५७।४	वक्रीकन्या. बुधः२०।५ इन्दिरा ११ब्र.*
१२	गु	३३	५६	म	५१	२३	सा	३१	२५	की	७	४३	२६	७	५३	२	१०	२५	सिंहे	* अक्टू. १० ता. ३१
१३	शु	२५	१६	पू	४४	२८	शु	२१	४५	व	२५	१६	२२	८	५२	३	११	२६	क.५७ २२	भ.२५/१६उ.५/२७या.पश्चिमास्तोबुधः३/२५ प्रदोषः
१४	श	१५	३८	उ	३६	३९	शू	११	२०	श	१५	३८	१८	८	५२	४	१२	२७	कन्यायां	शस्त्रादि हतानां श्राद्धम्. सर्व पितृ३०
३०	र	५	४९	ह	२८	५१	न	३०/७	४/९	ना	४९	१४	१४	९	५१	५	१३	२८	तु.५५।११	मातामहश्राद्धम्

२४पं.आ.कृ.२चं.इ.३/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	११	४	३	७	५
४	२७	२९	२८	२	६	१	४
५५	७	५२	५३	४	५९	४	२४
१९	१६	१९	३५	२३	२०	५८	१४
५८	२९	१९	४/८	४/७	५	३	५८
३८	३९	५	ब	मा	०	११	४५

गोचरग्रहाः:

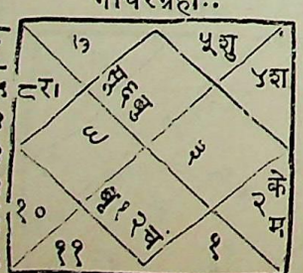

आ. शु.२३ शुक्रे तुलायामर्कः प्र. वा. ४न.४युवावस्था (सूती) मु ३०धान्यादि भावे समता शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

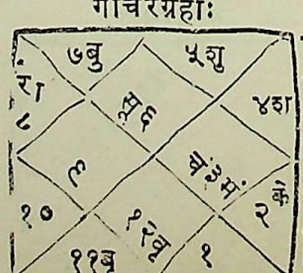

२५पं.आ.कृ.९चं.इ.२/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	११	४	३	७	५
११	०	०	२८	४	७	०	११
४६	१०	५२	६	१०	३५	४२	१६
५५	५५	५	५८	४१	१०	४३	१७
५८	२७	२३/३२	१७/२१	२३	४	३	५९
५३	३२	ब	ब	२६	२४	११	०

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं २०३२ शाकः १८९७ | दि. उ. अ | इ. रा | मु. | चन्द्रः | शरदर्तौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ९१४स.१९७५

१	र	५०	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	चं	४७	२७	चि	२१	३२	वै	३९	१५	बा	२१	४९	२९	६	५०	६	१४
३	मं	४०	१	स्वा	१५	३	वि	२९	३७	तै	१३	४४	६	११	४९	७	१५
४	बु	३४	३१	वि	१०	५	प्री	२१	४३	व	७	१०	२	१२	४८	८	१६
५	गु	३०	२८	अ	७	१	आ	१४	१९	व	२	२३	२९	१२	४८	९	१७
६	शु	२८	५१	ज्ये	५	४६	सौ	९	११	तै	२८	५१	५४	१३	४७	१०	१८
७	श	२९	२०	मू	६	५५	शो	५	४१	व	२९	२०	५०	१४	४६	११	१९
८	र	३१	४१	पू	९	३३	अ	३	४३	वि	०	३१	४६	१५	४५	१२	२०
९	चं	२५	४९	उ	१४	१९	सु	३	२६	बा	३	४५	४२	१६	४४	१३	२१
१०	मं	४१	६	श्र	२०	३१	धृ	३	५३	तै	८	२८	३८	१६	४३	१४	२२
११	बु	४७	२२	ध	२७	४६	श्र	५	२५	व	१४	१४	३४	१७	४३	१५	२३
१२	गु	५३	३२	श	३५	०	गं	७	४५	व	२०	२७	३०	१८	४२	१६	२४
१३	शु	६०	०	पू	४२	४४	वृ	१०	२	को	२६	४७	२६	१९	४१	१७	२५
१३	श	०	४	उ	५०	८	भु	१२	३४	तै	०	१	२२	२०	४०	१८	२६
१४	र	५	५८	रे	५७	१	व्या	१४	४०	व	५	५८	१८	२०	४०	१९	२७
१५	चं	११	३२	अ	६०	०	ह	१६	१३	व	११	३२	१४	२१	३९	२०	२८

नवरात्रा
वक्री हस्ते बुधः ३८।५६ चन्द्रदर्शनम्
सव्वाल १० ×सरस्वती पू.
भ. ७।१० उ. ३४।३१ या.
*सरस्वत्यावाहनम्
चित्रा रविः ४४/२ वक्रीरेवती ३गुरुः ५/० *
भ. २९।२० उ.चित्रा रविः सौरः १४/२८ ×
भ. ३९/१ या.विशा.२ तुला. राहुः कृ.१+
+मेषेकेतुः २७।२८ बलिदानम्
पूफायां शुक्रः ५६।१५ विजया दशमी
भ. १४।१४ उ ४७।२२ या.बुधोदयः÷
÷पूर्वस्यां ४४।३६पापांकुशा ११ ब्र.
तुलायामर्कः २८।१५ (सौरः ५/१७) प्रदोषः
आर्द्रा.भौम ४६।४१ मार्गी बुधः २९।३७
भ. ५/८ उ. ३५/४५ या. शरदपूर्णिमा≡
≡कोजागरी ब्र.

२६ पं.आ शु.२ चं.इ. १/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	११	४	३	७	५
१८	२	२४	२७	७	८	०	१८
४०	५३	२	१३	२८	६	२०	१०
८	४६	८	८	१२	०	२७	४
५९	२५	६७	५७	२४	३	३	५९
९	१६	ब	ब	२३	५९	११	१६

२७ पं. आ शु.९ चं.इ. १/४

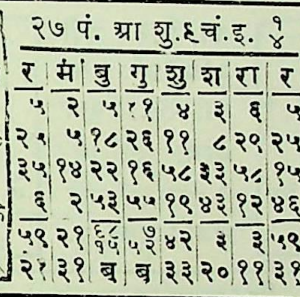

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	११	४	३	६	५
२१	५	१८	२६	११	८	२९	२५
३५	१४	२२	१६	५८	३३	५८	१५
६	२	५३	५५	१९	४३	१२	४६
५९	२१	६८	५७	४२	३	३	५९
२१	३१	ब	ब	३३	२०	११	३१

२८ पं.आ.शु. १५ चं.इ. ५/४

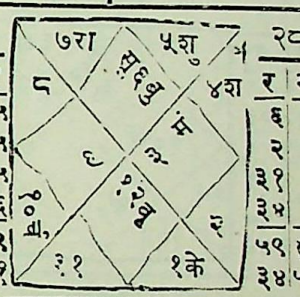

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	५	११	४	३	६	६
२	७	१५	२५	१७	८	२९	२
३१	२	५२	२०	७	५५	३५	३
३४	६	४६	४६	८	२३	८६	१५
५९	१७	२३/८	५२	४९	२	३	५९
३४	५२	मा	ब	४६	३९	११	४६

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं २०३२ शाकः १८९७ | दि. उ | अ. | इ. रा. | मु | चन्द्रः | शरदर्तौ रविर्दक्षिणे आश्विनकृ. महाराष्ट्राः

१	मं	१६	६	अ	३	१६	च	१७	२९	को	१६	६	२८/१०	६/२२	५/३८	२१	२९	१५	मेषे
२	बु	१९	५२	भ	८	३५	सि	१७	५९	ग	१९	५२	६	२३	३७	२२	३०	१६	बृ.२४।४३
३	शु	२२	३७	कृ	१३	७	व्य	१७	३८	वि	२२	३७	२	२४	३६	२३	१	१७	बृषे
४	शु	२४	१३	रा	१६	३१	व	१६	४०	बा	२४	१२	२७/५८	२४	३६	२४	२	१८	मि ४७।४४
५	श	२४	२	मृ	१८	५८	प	१४	३१	तै	२४	५२	५४	२५	३५	२५	३	१९	मिथुने
६	र	२४	८	आ	२०	९	शि	११	४८	व	२४	८	५०	२६	३४	२६	४	२०	मिथुने
७	चं	२२	३३	पु	२०	२३	सि	८	३	ब	२२	३३	४६	२७	३३	२७	५	२१	क.५।२०
८	मं	१९	२३	पु	१९	१	सा	५/७	५४/६८	को	१९	२३	४२	२८	३२	२८	६	२२	कर्के
९	ब्र	१५	५	श्ले	१५	३८	शु	५०	२८	ग	१५	५	३९	२८	३२	२९	७	२३	सिं १५।३८
१०	गु	९	२५	म	१२	५६	न	४२	३२	वि	९	२५	३५	२९	३१	३०	८	२४	सिंहे
११	शु	२	४७	पू	८	५	ऐं	३३	४९	बा	२	४७	३१	३०	३०	३१	९	२५	क.२१।३८
१२	शु	५२	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५	०	
१३	श	४६	३४	उ	१९/२२	५७/५८	वै	२४	२४	ग	२०	४७	२७	३१	२९	१	१०	२६	कन्यायां
१४	र	३७	४७	चि	४९	३	वि	१४	२५	वि	१२	१४	२४	३१	२९	२	११	२७	तु.२२।२५
२०	चं	२९	२४	स्वा	४२	२६	प्री	४/१५	५४/१३	च	३	३५	२०	३२	२८	३	१२	२८	तुलायां

भ. ४६/३४ उ प्रदोषः धन १३ नव. ११ ता. ३०
भ. १२/१४ या. तुला. बुधः १५।१५ रूप १४
क शु. २/१४ सोमवती महालक्ष्मी पूजा.

२९ पं.का.कृ.७ वं.इ.४/३

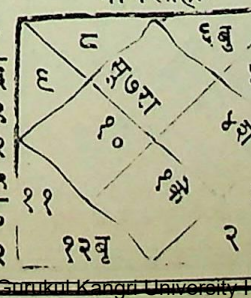

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	५	११	४	३	६	६
९	८	२१	२४	२३	९	२९	९
२९	२१	१६	२६	२४	१२	१३	२
४९	७	२६	१७	११	५८	४०	३५
५९	१३	७/५७	२२	५३	१/५९	३	६०
४७	८	२३	ब	४७	५९	११	२

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५ मंगलवार तेजी कारक है। सोमवती अमावस्या होने से बीच में मंदी भी होगी। प्रजामें पीडा रस तेज

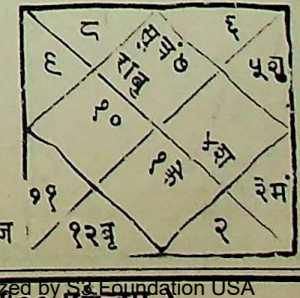

३० पं.का.कृ.३० चं.इ ३/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	११	४	३	६	६
१६	९	१	२३	२९	९	२८	१६
२९	२	९	२६	५९	२४	५१	३
३८	३८	१४	११	१	७	२५	३९
६०	७	९५	४९/०	५७	१	३	६०
४	४०	४४	ब	२६	१९	११	१८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S&S Foundation USA

ति. कार्तिकशुक्लपक्षः सं० २०३२ शाकः १८९७ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | हेमंततौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ९४३स. १९७५

१	मं	२१	३८	वि	३६	४८	सौ	४५	२५	ब	२१	३८	२७	१६	३३	५७	४	१३	२९
२	बु	१५	७	अ	३२	२०	शो	३७	२०	की	१५	७	१३	३२	२७	५	१४	३०
३	गु	१०	१७	ज्ये	२९	३२	अ	३०	२९	ग	१०	१७	९	३४	२६	६	१५	१
४	शु	७	२४	मू	२८	४१	सु	२५	१९	वि	७	२४	६	३५	२५	७	१६	२
५	श	६	४६	पू	३०	२	धृ	२१	५५	ना	६	४६	२	३६	२४	८	१७	३
६	र	८	६	उ	३३	२६	शू	२०	१८	ति	८	६	२५	३६	२४	९	१८	४
७	चं	११	३१	श्र	३८	३४	गं	२०	१	व	११	३१	५६	३७	२३	१०	१९	५
८	मं	१६	२५	ध	४५	५	वृ	२०	४५	व	१६	२५	५३	३७	२३	११	२०	६
९	बु	२२	३२	श	५२	२२	धु	२२	३८	की	२२	३२	४९	३८	२२	१२	२१	७
१०	गु	२८	५५	पू	६०	०	व्या	२४	४१	ग	२८	५५	४६	३९	२१	१३	२२	८
११	शु	३५	२६	पू	०	१७	ह	२७	१७	व	२	१०	४३	३९	२१	१४	२३	९
१२	श	४१	२६	उ	७	३३	व	२९	१५	ब	८	४४	४०	४०	२०	१५	२४	१०
१३	र	४६	५३	रे	१४	३९	सि	३१	२	की	१४	१०	३७	४१	१९	१६	२५	११
१४	चं	५१	०	अ	२०	४८	व्य	३१	५५	ग	१८	५६	३४	४१	१९	१७	२६	१२
१५	मं	५३	५९	भ	२५	३८	व	३१	४९	वि	२२	२९	३	४२	१८	१८	२७	१३

१	मं	२१	३८	वि	३६	४८	सौ	४५	२५	ब	२१	३८	२७	१६	३३	५७	४	१३	२९
२	बु	१५	७	अ	३२	२०	शो	३७	२०	की	१५	७	१३	३२	२७	५	१४	३०
३	गु	१०	१७	ज्ये	२९	३२	अ	३०	२९	ग	१०	१७	९	३४	२६	६	१५	१
४	शु	७	२४	मू	२८	४१	सु	२५	१९	वि	७	२४	६	३५	२५	७	१६	२
५	श	६	४६	पू	३०	२	धृ	२१	५५	ना	६	४६	२	३६	२४	८	१७	३
६	र	८	६	उ	३३	२६	शू	२०	१८	ति	८	६	२५	३६	२४	९	१८	४
७	चं	११	३१	श्र	३८	३४	गं	२०	१	व	११	३१	५६	३७	२३	१०	१९	५
८	मं	१६	२५	ध	४५	५	वृ	२०	४५	व	१६	२५	५३	३७	२३	११	२०	६
९	बु	२२	३२	श	५२	२२	धु	२२	३८	की	२२	३२	४९	३८	२२	१२	२१	७
१०	गु	२८	५५	पू	६०	०	व्या	२४	४१	ग	२८	५५	४६	३९	२१	१३	२२	८
११	शु	३५	२६	पू	०	१७	ह	२७	१७	व	२	१०	४३	३९	२१	१४	२३	९
१२	श	४१	२६	उ	७	३३	व	२९	१५	ब	८	४४	४०	४०	२०	१५	२४	१०
१३	र	४६	५३	रे	१४	३९	सि	३१	२	की	१४	१०	३७	४१	१९	१६	२५	११
१४	चं	५१	०	अ	२०	४८	व्य	३१	५५	ग	१८	५६	३४	४१	१९	१७	२६	१२
१५	मं	५३	५९	भ	२५	३८	व	३१	४९	वि	२२	२९	३	४२	१८	१८	२७	१३

वृ. २३।१३ बृश्चिके ध. २९।३२ धनुषि म. ४५।५३ मकरे मकरे कु. ११।४९ कुम्भे मी ४३।१९ मीने मीने मे. १४।३९ मेषे वृ. ४१।३७

अन्नकूट गोवर्धन पूजा
वक्री रेवती २ गुरुः २६/१ चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २
भ. ३५/१ उ. विशाखा रविः ३०/० (सौरः ५३/३)*
भ. २४ या.
*स्वात्यां बुधः ३६/३ बुधास्तः पू वै. ५४/८ जि. ११
भ. ११।३१ उ. ४३।५८ या.
गोपाष्टमी
वक्री भौमः ३।१४ अक्षय ९
हस्ते शुक्रः ३।२
भ. १०/२ उ. ३५/२ या विशाखा. बुधः ४६/१ वक्री +
+शनिः ५१।३३ प्रबोधि ११ ब्र. तुलसीवि.
वृश्चिकेऽर्कः २६/४ (सौरः ४९/५) प्रदोषः
भ. ५१।० उ. वैकुण्ठ १४
भ. २२।२९ या. खग्रास चंद्रग्रहणम्

३१पं.का.शु.७चं.इ.२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	११	५	३	६	६
२३	९	१२	२२	६	९	२८	२३
३०	३	२१	५१	५५	३०	२९	६
५८	४	३१	५५	४४	३६	९	१६
६०	१	९६	५४	६०	०	३	६०
१७	५५	२	ब	३१	३४	११	३०

गोचरग्रहाः

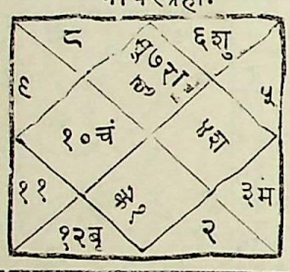

का. शु. १३ रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३न. ४ युवावस्था (सूती) मु ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

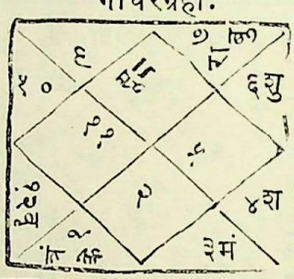

३२पं.का.शु.१४चं.इ.०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	११	५	३	६	७
०	८	२३	२२	१४	९	२८	०
२३	१८	४१	१४	१८	२१	६	१०
४७	४०	२५	४६	२२	५८	५४	२०
६०	३८	९९	४३	६२	५०	३	६०
३०	ब	४	ब	४९	ब	११	४०

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०३२ शाकः १८९७ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | हेमंततौ रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महा.

१	बु	५५	४८	कृ	२९	३७	प	३१	१०	बा	२४	५३	२९/२९	४२	६/१८	५/५	१९	२८	१४
२	गु	५६	३१	रा	३२	२०	शि	२९	२१	ते	२६	९	२६	४३	१७	२०	२९	१५
३	शु	५६	७	मृ	३३	५२	सि	२६	४०	व	२६	१९	२४	४३	१७	२१	३०	१६
४	श	५४	३८	आ	३४	३५	सा	२३	१५	ब	२५	२२	२१	४४	१६	२२	१	१७
५	र	५२	२२	पु	३४	२२	शु	१९	१	की	२३	३५	१९	४४	१६	२३	२	१८
६	चं	४९	३१	पु	३२	५८	शु	१४	१०	ग	२१	१	१६	४५	१५	२४	३	१९
७	मं	४५	५२	श्ले	३१	२४	व्र	८	४५	वि	१७	५३	१३	४५	१५	२५	४	२०
८	बु	४१	२९	म	२८	५८	ऐं	२/३८	५३/१८	बा	१३	४०	११	४६	१४	२६	५	२१
९	गु	३६	२९	पू	२५	४१	वि	४८	४३	ते	८	५९	८	४६	१४	२७	६	२२
१०	शु	३०	३७	उ	२१	४७	प्री	४०	५०	व	३	३२	६	४७	१३	२८	७	२३
११	श	२४	१३	ह	१७	२८	आ	३२	३७	ब	२४	१३	३	४७	१३	२९	८	२४
१२	र	१५	२१	चि	१२	१८	सौ	२३	५६	ते	१७	२१	१	४८	१२	३०	९	२५
१३	चं	१०	३४	स्वा	७	२०	शो	१५	२५	व	१०	३४	२५/९	४८	१२	१	१०	२६
१४	मं	३	५३	वि	२/२७	५५/५१	अ	५/६	५२/१	श	३	५२	५५	४९	११	२	११	२७
२०	गं	५४	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

१	बु	५५	४८	कृ	२९	३७	प	३१	१०	बा	२४	५३	२९/२९	४२	६/१८	५/५	१९	२८	१४
२	गु	५६	३१	रा	३२	२०	शि	२९	२१	ते	२६	९	२६	४३	१७	२०	२९	१५
३	शु	५६	७	मृ	३३	५२	सि	२६	४०	व	२६	१९	२४	४३	१७	२१	३०	१६
४	श	५४	३८	आ	३४	३५	सा	२३	१५	ब	२५	२२	२१	४४	१६	२२	१	१७
५	र	५२	२२	पु	३४	२२	शु	१९	१	की	२३	३५	१९	४४	१६	२३	२	१८
६	चं	४९	३१	पु	३२	५८	शु	१४	१०	ग	२१	१	१६	४५	१५	२४	३	१९
७	मं	४५	५२	श्ले	३१	२४	व्र	८	४५	वि	१७	५३	१३	४५	१५	२५	४	२०
८	बु	४१	२९	म	२८	५८	ऐं	२/३८	५३/१८	बा	१३	४०	११	४६	१४	२६	५	२१
९	गु	३६	२९	पू	२५	४१	वि	४८	४३	ते	८	५९	८	४६	१४	२७	६	२२
१०	शु	३०	३७	उ	२१	४७	प्री	४०	५०	व	३	३२	६	४७	१३	२८	७	२३
११	श	२४	१३	ह	१७	२८	आ	३२	३७	ब	२४	१३	३	४७	१३	२९	८	२४
१२	र	१५	२१	चि	१२	१८	सौ	२३	५६	ते	१७	२१	१	४८	१२	३०	९	२५
१३	चं	१०	३४	स्वा	७	२०	शो	१५	२५	व	१०	३४	२५/९	४८	१२	१	१०	२६
१४	मं	३	५३	वि	२/२७	५५/५१	अ	५/६	५२/१	श	३	५२	५५	४९	११	२	११	२७
२०	गं	५४	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

बृषे मि ३।६ मिथुने क. १९।२६ कर्के सिं ३१।२४ सिंहे क. ३९।४३ कन्यायां तु. ४४।५३ तुलायां वृ. ४८।४० वृश्चिके ०

अनु. रविः ४५।२
अनु. रविः सौरः ४७/३ पातस्पर्मः ४७/४६
भ. २६/१९ उ. ५६/७ या. वृश्चिके बुधः ३।१३
रा. मार्गशीर्षारभ चतुर्थीब्र. पांतमोक्ष २४/५५
अनु. बुधः ३।१९
भ. ४९।३१ उ.
भ १७/५३ या. वक्रीमृगेभौमः ५५/४७ चित्रा. शु. २०/२३
भ. ३।३२ उ. ३०।३७ या.
उत्पत्ति ११ ब्र.
प्रदोषः
भ. १०/३४ उ. ३७/१३ या. ज्येष्ठायां बुधः २४/१४ तुला. ÷
ज्ये. रविः ५५/१२ ÷ शुक्रः १६/३१ दि. १२ता. ३१

३३पं.मा.कृ.५र.इ. ५९/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	११	५	३	६	७
७	६	४	२१	२१	९	२७	७
३७	५३	५४	४६	५३	२७	४४	१५
३७	५६	१४	५२	१७	४३	२८	५३
६०	५५/१	९९	४४/३	६४	५५/०	३	६०
४२	ब	५५	ब	३६	ब	११	५३

गोचरग्रहाः

इस मासमें अनाज रुई बिनौला खांड गुड तिल तैल घृत नमक चांदी अलसी में मंदी होकर तेज़ी होगी।

गोचरग्रहाः

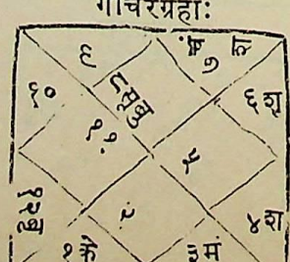

३४पं.मा.कृ.१२र.इ.५९/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	११	५	३	६	७
१४	४	१५	२१	२९	९	२७	१४
४२	५१	५९	२८	४१	१८	२२	२२
५४	०	१३	४८	२८	११	२२	३४
६०	५७/२	९९	१४/३	६६	४३/३	३	६१
५०	ब	४६	ब	७	ब	११	३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०३२शाकः१८९७ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः९७२स.१९७५

१	बु	५३	१४	ज्ये	५५	५	धृ	५२	०	किं	२५	३९	२५	६	५	३	१२	२८	ध.५५।५	ज्येष्ठां. रविः सौरः १४।४३
२	गु	५०	१३	मू	५३	४०	शु	४६	८	बा	२१	४३	५३	४९	११	४	१३	२९	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	४८	५२	पू	५४	४	गं	४१	४९	तै	१९	३२	५१	५०	१०	५	१४	१	धनुषि	जिल्हेज १२
४	श	४९	२९	उ	५५	५९	वृ	३८	३८	व	१९	१०	४९	५०	१०	६	१५	२	म.९।३२	भ. १९।१० उ. ४९।२९या.
५	र	५२	१	उ	५९	५५	ध्रु	३७	३३	ब	२०	४५	४८	५०	१०	७	१६	३	मकरे	÷व्रत गीताजयन्ती
६	चं	५६	२७	ध	६०	०	व्या	३७	२२	कौ	२४	९	४६	५१	९	८	१७	४	कु.३२।४८	स्वात्यां शुक्रः ५१।४०चम्पा ६
७	मं	६०	०	ध	५	११	ह	३८	२९	ग	२९	७	४५	५१	९	९	१८	५	कुम्भे	मूले धनुषि बुधः ४८।१०
७	बु	१	५८	श	१२	८	ब	४०	१०	व	१	५८	४४	५१	९	१०	१९	६	कुम्भे	भ. १।५८उ. ३५।६या.
८	गु	८	१४	पू	१९	३२	सि	४२	३२	ब	८	१४	४२	५२	८	११	२०	७	मी२।४१	×शुक्रः ३०।१४
९	शु	१४	४३	उ	२७	१२	ख्य	४४	३५	कौ	१४	४३	४१	५२	८	१२	२१	८	मीने	मार्गी गुरुः ९।२६
१०	श	२०	५९	रे	३४	३०	च	४६	२५	ग	२०	५९	४०	५२	८	१३	२२	९	मे.३४।३०	भ. ५३।४२ उ.
११	र	२६	३१	अ	४०	५९	प	४७	३२	वि	२६	३१	३९	५२	८	१४	२३	१०	मेषे	भ.३६/३५या. वक्री बृषे भौमः४।२०विशा.*
१२	चं	३०	३१	भ	४५	५८	शि	४७	४३	वा	३०	३१	३८	५२	८	१५	२४	११	मेषे	*२राहुःभरणी४केतुः१५ मोक्षदा११÷
१३	मं	३३	१६	कृ	४९	३८	सि	४६	४३	कौ	१	५३	३८	५२	८	१६	२५	१२	बृ.१।५३	मूले धनुष्यर्कः२।२४ (सौरः१८।२७)+
१४	बु	३४	२०	रो	५१	५२	सा	४४	२४	ग	३	४८	३७	५३	७	१७	२६	१३	बृषे	भ. ३४।२० उ. [+प्रद्योषः
१५	शु	३३	५४	प	५२	३३	शु	४१	८	वि	४	७	३७	५३	७	१८	२७	१४	मि२२।१३	भ.४।७या.पूषायां बुधः९।१३ विशाखा.×

३५पं.मा.शु.५र.इ.५९।३० गोचरग्रहाः

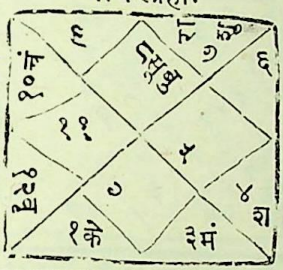

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	११	६	३	६	७
२१	२	२७	२१	७	९	२७	२१
४८	३०	०	१९	३८	२	०	३०
५८	५३	४७	८	३८	५३	७	२५
६०	३५	२८	४५	४७	३	३	६१
५६	बु	५०	बु	२६	बु	११	११

मार्ग.शु.१३भौमे धनुष्यकं: प्र.वा. ३न.३ युवावस्था (सूती' मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

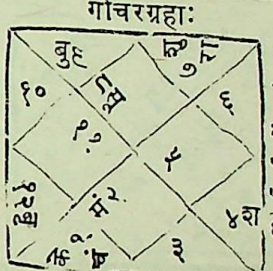

२६पं.मा.शु ११र.इ.५९।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	८	११	६	३	६	७
२८	२९	८	२१	९५	८	२६	२८
५५	३७	११	१०	४२	४२	३७	२९
५२	५	५२	१३	४३	५४	५१	८
६१	२५	१७	३२	६८	५९	३	६१
०	ब	२४	मा	२६	ब	११	१९

ति. | पौष कृष्णपक्षः सं. २०३२शाकः १८९७ दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे म.र्ग कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	३२	१४	आ	५२	१२	शु	३७	२	वा	३	४	३७	५३	६	५	१९	२८	१५	मिथुने	
२	श	२९	३६	पु	५०	३८	न	३१	२९	तै	०	५५	३६	५३		७	२०	२९	१६	क.३६।२	भ. ५७।४७ उ.
३	र	२५	५८	पु	४८	३२	ऐं	२५	२७	वि	२५	५८	३६	५३		७	२१	३०	१७	कर्के	भ.२५।५८ या. बुधोदयः पश्चिमायांD
४	चं	२१	३७	श्ले	४५	४५	वै	१९	९	वा	२१	३७	३६	५३		७	२२	१	१८	सिं४५।४५	रा. पौषारम्भः [D४१।८च. ब्र.
५	मं	१७	१०	म	४२	५२	वि	२	३१	तै	१७	१०	३६	५३		७	२३	२	१९	सिंहे	
६	बु	१२	२७	पू	३९	४४	मी	३५	५३	व	१२	२७	३६	५३		७	२४	३	२०	क.५३।५४	भ. १२।२७उ. ४०।३ या.
७	गु	७	४०	उ	३६	२५	सौ	५०	२७	ब	७	४०	३७	५३		५	२५	४	२१	कन्यायां	
८	शु	२	३७	ह	३३	१२	शो	४४	१५	कौ	२	३७	३७	५३		७	२६	५	२२	कन्यायां	उषायाँ बुधः ५५।१९
९	शु	५४	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	*बुधः १०।१५ अनुः शुक्रः ५१।४१
१०	श	५२	२५	चि	२९	३७	अ	३६	४४	व	२५	१	३७	५३		७	२७	६	२३	तु.१।२५	भ.२५।१उ.५२।२५या.बृश्चिकेशुक्रः २३
११	र	४७	२२	स्वा	२६	१५	सु	२९	४१	ब	१९	५३	३८	५२		८	२८	७	२४	तुलायाँ	सफला ११ व्र.
१२	चं	४२	३८	वि	२३	४	धृ	२२	४१	कौ	१५	०	३८	५२		८	२९	८	२५	वृ.८।५२	पूषायांरविः७।२०(सौरः२०।५)मकरे*
१३	मं	३८	२६	अ	२०	२०	शू	१५	५८	ग	१०	३१	३९	५२		८	३०	९	२६	बृश्चिके	भ. ३८।२६उ. प्रदोषः
१४	बु	२४	४९	ज्ये	१८	१३	गं	९	५४	वि	६	३४	४०	५२		८	३१	१०	२७	ध. १८।१३	भ. ६।३४या.
३०	गु	३२	३८	मू	१७	४	बृ	४	१८	च	३	४३	४०	५२		८	१	११	२८	धनुषि	जनवरी १ ता. ३१ सन १९७५

३७म.पौ.कृ. ३र.इ.५९।९ गोचरग्रहाः

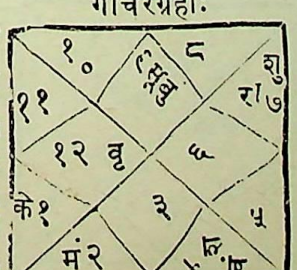

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	११	६	३	६	८
६	२७	१९	२१	२३	१८	२६	५
३	५	१३	३२	५९	१८	१५	४८
२९	६	५५	१०	२८	१८	३६	३३
६१	२४	९५	१	६९	२०	३	६१
४	ब	४९	५२	१५	ब	११	२२

इस मासमें हरेक वस्तु सम भाव रहें । सुदी में अनाज गल्ला रुई बिनोला अलसी मूंगफली चांदी सोना तेज होगा

गोचरग्रहाः

२८पं.पौकृ.११र.इ.५९।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	११	७	३	६	८
१३	२४	२९	२१	२	७	२५	१२
११	५२	४३	५४	१८	५१	५३	५८
३१	१६	१९	४	२९	३२	२०	२५
६१	२१	८८	३	७०	५९	३	६१
६	१६	५६	२०	३	ब	११	२६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | पौष शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७ | दि. | उ. | अ | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः १००२स १९७६

१	शु	३१	२९	पू	१७	२४	ऋ	१३	५७	ल्कि	२	३	३५	६	५	२	१२	२९	म.३२।४८
२	श	३२	५	उ	१९	०	ह	५५	१४	बा	१	४७	४२	५२	८	३	१३	३०	मकरे
३	र	३४	२९	श्र	२२	२२	व	५४	१३	तै	३	१७	४३	५१	९	४	१४	१	कु.५४।३८
४	चं	३८	१७	ध	२६	५४	सि	५५	३१	व	६	२३	४४	५१	९	५	१५	२	कुम्भे
५	मं	४३	३७	श	३३	१८	व्य	५५	५८	ब	१०	५७	४६	५१	९	६	१६	३	कुम्भे
६	बु	४९	३२	पू	४०	१८	व	५७	५९	को	१६	३५	४७	५१	९	७	१७	४	मी२३।३३
७	गु	५६	४	उ	४७	५५	प	६०	०	ग	२२	४९	४९	५०	१०	८	१८	५	मीने
८	शु	६०	०	रे	५५	१९	प	०	१४	वि	२९	१६	५१	५०	१०	९	१९	६	मे.५५।१९
८	श	२	२९	अ	६०	०	शि	२	२२	ब	२	२९	५२	५०	१०	१०	२०	७	मेषे
९	र	८	२	अ	२	१५	सि	४	५	को	८	२	५४	४९	११	११	२१	८	मेषे
१०	चं	१२	४४	भ	८	४	सा	४	३९	ग	१२	४४	५६	४९	११	१२	२२	९	वृ. २४।७
११	मं	१५	४७	कृ	१२	१६	शु	४	१०	वि	१५	४७	५८	४८	१२	१३	२३	१०	बृषे
१२	बु	१६	५२	रो	१४	५६	श	२३	५६	बा	१६	५२	२९	४८	१२	१४	२४	११	मि४५।२२
१३	गु	१६	१२	मृ	१५	४९	ऐं	५४	२०	तै	१६	१२	३	४७	१३	१५	२५	१२	मिथुने
१४	शु	१३	४१	आ	१४	४७	वै	४८	२२	व	१३	४१	५	४७	१३	१६	२६	१३	क.५७।५३
१५	श	९	४७	पु	१२	१४	वि	४१	२६	ब	९	४७	८	४६	१४	१७	२७	१४	कर्के

चन्द्रदर्शम्
वक्री रोहिण्यां भौमः ३३/४५ मोहोरम१*
भ. २३/६ उ. ३५/१७या.।श्रवणेबुधः २९।३०
* सन् १३९६ हि.

भ. ५६।४ उ.
भ.२९।१६ या. ज्येष्ठा शुक्रः ५१।१४

उषायां रविः १२।४ (सौरः २१।३२)
भ. ४४।१५ उ.
भ.१५/४७या.वक्रीपुष्यशनिः ३५/३८ पुत्रदा११ब्र.
मकरेऽर्कः ३५/२८(सौरः ३६/५७) वक्रीबुधः ५/६+
+ रेवतो ३ गुरुः ४३।२९ प्रदोषः
भ. १३।४१ उ. ४१।४४ या.
पश्चिमास्तो बुधः ९।० माघ स्नान प्रा.

३९पं पौ.शु.३र.इ.५८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	९	११	७	३	६	८
२०	२३	९	२२	१०	७	२५	२०
१९	१०	२२	२४	४०	१९	३१	१८
२६	२३	३४	३६	१६	३४	४	२२
६१	१६/२	७३	४	७०	१५/४	३	६१
६	ब	२६	२४	४३	ब	११	२६

गोचरग्रहाः

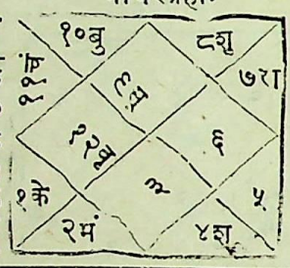

पौ. शु. १२ बुधे मकरेऽर्कः प्र. वा. २ न.३ गतालका वस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

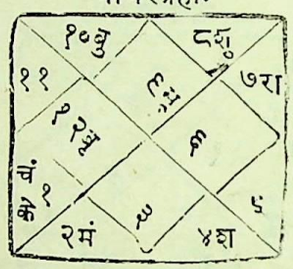

४०पं.पौ.शु६र.इ.५८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	९	११	७	३	६	८
२७	२२	१५	२३	१९	६	२५	२७
२७	६	२०	४	१०	४६	८	१८
४०	२९	३८	१६	३६	३०	४९	१४
६१	९/३९	२८	५७	१/३५	४	३	६१
६	बु	१०	४३	१६	बु	११	२४

ति. | माघ कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७ | दि. | उ. | अ | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिर्तुरविरुत्तरे पौष कृ.महाराष्ट्राः

१	र	४	४०	पु	८	३८	प्री	३३	३८	को	४	४०	२६/१०	६/४६	१५/१४	१८	२८	१५	कर्के
२	र	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०
३	चं	५२	१९	श्ले	४/२	५५/३३	आ	२५	३५	व	२५	३०	१२	४६	१४	१९	२९	१६	सिं४।२२
४	मं	४५	१०	पू	५५	२२	सौ	१७	२३	ब	१८	४४	१५	४५	१५	२०	३	१७	सिंहे
५	बु	३९	५१	उ	५०	५८	शो	९	१०	को	१२	३०	१७	४५	१५	२१	१	१८	क.९।१६
६	गु	३४	७	ह	४७	५	अ	१३/१	५५/३३	ग	६	५९	२०	४४	१६	२२	२	१९	कन्यायां
७	शु	२८	५९	चि	४३	४६	धृ	४६	२४	वि	१	३२	२२	४४	१६	२३	३	२०	तु.१५।२६
८	श	२४	७	स्वा	४०	४२	शू	३९	३७	को	२४	७	२५	४३	१७	२४	४	२१	तुलायां
९	र	२०	२	वि	३८	३८	ग	३३	२३	ग	२०	२	२७	४३	१७	२५	५	२२	वृ.२४।९
१०	चं	१६	३१	अ	३७	१	वृ	२७	४८	वि	१६	३१	३०	४२	१८	२६	६	२३	बृश्चिके
११	मं	१३	४९	ज्ये	३६	१४	धु	२२	४१	बा	१३	४९	३३	४१	१९	२७	७	२४	ध.३६।१४
१२	बु	११	४८	मू	३६	१२	व्या	१८	२३	तै	११	४८	३६	४१	१९	२८	८	२५	धनुषि
१३	गु	१०	५२	पू	३७	१४	ह	१४	५०	व	१०	५२	४९	४०	२०	२९	९	२६	म.५२।४७
१४	शु	१०	५३	उ	३९	२८	व	१२	१४	श	१०	५३	४२	४०	२०	३०	१०	२७	मकरे
३०	श	१२	१३	श्र	४२	५६	सि	१०	४६	ना	१२	१३	४६	३९	२१	३१	११	२८	मकरे

भ. २१।३० उ. ५२।१९ या.
मूले धनुषि शुक्रः ५२।२ चतुर्थी ब्र.
अभि.प्र.रविः १३/१ (सौरः १९/५) रा.माघ.प्रा.
भ. ३४।७ उ. वक्रीउषा. बुधः ३५।४६
भ. १।३२ या. मार्गी भौमः ८।१६
श्रावणे रविः १७।३६ (सौरः २४।१६)
भ. ४/१६ उ.अभि.नि. रविः १०/५ (सौरः १६/३२)*
भ. १६।३१ या. पातमोक्षः ८.५३
षट्तिला ११ ब्र.
बुधोदयः पूर्वस्याम् ४५।३४ प्रदोषः
भ. १०।५२उ.४०।५३ या.
* पातस्पर्शः २७।२२
षायां शुक्रः ४५।२०

४१पं.मा.कृ.१र.इ.५८।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	११	७	३	६	९
४	२१	१३	२३	२७	६	२४	४
३५	४१	४८	५३	४१	१२	४६	२७
३१	२	११	३१	१३	११	३३	४३
६१	१७/३	६७/३	६७	४०/४	४०	३	६१
३	ब	ब	४६	४०	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

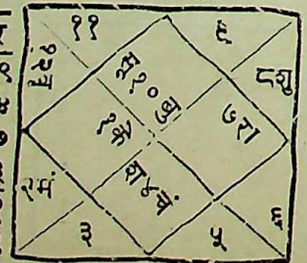

मा. शु. १३ शुक्रे कुम्भेऽर्कः प्र. वा. ३ न.३ गतालका वस्था (ऊभी मु ४५धान्यादिभावे समर्घता शु पू

गोचरग्रहाः

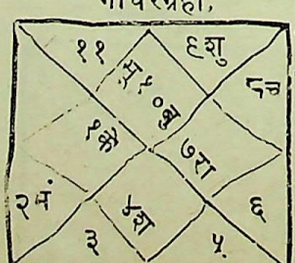

४२पं.मा कृ६र.इ.५८।५४

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
५	१	९	११	८	३	६	९
११	२१	५	२४	६	५	२४	११
४२	४३	१९	५४	१४	३७	२४	३६
५३	६	९	४७	२	२३	१८	३४
६०	१०/२	८/२०	७	७१	४०/४	३	६१
५९	मा	ब	४९	५८	ब	११	१३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation USA

ति. माघ शुक्लपक्षः सं २०३२ शाकः १८९७ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरतूं रविरुत्तरेऽहर्गणः १०३२स१९७६

१	र	१४	५६	ध्र	४७	४१	व्य	९	४९	ब	१४	५६	२६	३८	२३	१	१२	२९	कु.	१४	१९
२	चं	१८	५२	श	५२	४२	व	१०	३	कौ	१८	५२	५२	३८	२२	२	१३	१	कुम्भे		
३	मं	२४	१३	पू	६०	०	प	११	१९	ग	२४	१३	५५	३७	२३	३	१४	२	मी	४	३१	३६
४	बु	३०	२	पू	०	१०	शि	१२	४६	वि	३०	२	५९	३६	२४	४	१५	३	मीने		
५	गु	३६	२८	उ	७	४९	सि	१५	१०	च	३	१६	२७	३६	२४	५	१६	४	मीने		
६	शु	४३	२	रे	१५	२१	सा	१७	३५	शु	१९	४४	६	३५	२५	६	१७	५	मे.	१५	२१
७	श	४९	९	अ	२२	५३	शु	१९	४४	ग	१६	१	९	३४	२६	७	१८	६	मेषे		
८	र	५४	१८	भ	२९	२९	शु	२१	८	वि	२१	४३	१३	३३	२७	८	१९	७	वृ.	४	५१	५०
९	चं	५७	५६	कृ	३४	५०	न	२१	४०	वा	२६	१७	१६	३३	२७	९	२०	८	वृषे		
१०	मं	५९	४९	रो	३८	३४	ऐं	२०	५०	तै	२८	५३	२०	३२	२८	१०	२१	९	वृषे		
११	बु	५९	४५	मृ	४०	१९	वै	१८	२८	व	२९	४७	२४	३१	२९	११	२२	१०	मि	९	१६
१२	गु	५७	३१	आ	४०	५	वि	१४	२९	ब	२८	३८	२७	३१	२९	१२	२३	११	मिथुने		
१३	शु	५३	२३	पु	३८	४	मी	९	१	कौ	२५	२७	३१	३०	३०	१३	२४	१२	क.	२३	३४
१४	श	४७	३९	पु	३४	१०	आ	२	५०	ग	२०	३१	३५	२९	३१	१४	२५	१३	कर्के		
१५	र	४०	२७	श्ले	२८	५९	शो	४५	५४	वि	१४	३	३	२८	३२	१५	२६	१४	सिं	८	५९

वक्रीधनुषि बुधः ५८।० चंद्रदर्शनम् *
सफर २ * फर्वरी २ ता. २९
भ. ५७।८ उ.
भ. ३०।२ या.
मार्गी बुधः ६।५८ वसंत ५
धनिष्ठा. रविः ३५/७ (सौरः ३०/७ मृगेभौमः ÷
भ. ४९/९ उ.भानु७षातस्पर्श २४/९ मोक्षः ५१/२९
भ. २१।४३ या. भीष्माष्टमी
÷५०।४मकरेबुधः०।४३रेवती४गुरुः ११/२२
भ. २९/७ उ. ५४/५५ या.उषायां शुक्रः ४५/७ जया×
जया ११ब्र.वै. ×११ ब्र. स्मा.
कुम्भेऽर्कः १।१२ (सौरः ४।४) प्रदोषः
भ.४७।३९ उ. मकरे शुक्रः १९।१७
भ. १४/३ या.विशा १ राहुःभरणी ३केतुः १२/३८

४३पं.मा. शु.१र.इ. ५९/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	११	८	३	६	९
१८	२१	२९	२५	१४	५५	२४	१८
४९	३४	५९	५७	४८	३	२	४४
२६	८	३८	३२	४३	५८	२	३६
६०	८	२७/१७	८	७२	२९/१८	३	६१
५५	८	ब	४७	२०	ब	११	४

११चं शु ९० मृ२० ८ ७रा ६ ५ ३ १श मं

४४ पं.मा शु ८ र.इ. ५९/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	११	८	३	६	९
२५	२३	१	२७	२३	४	२३	२५
५५	४७	१८	६	२४	३१	३५	५१
१६	३५	११	५४	४	१९	४६	२३
६०	१२	२६/१७	९	७२	७/४	३	६०
४७	४९	मा	३७	४१	ब	११	५५

११ १शु ८ ७रा ६ ५ ३ चं२ मं

४५पं.मा शु १५ र.इ ५९/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	११	९	३	६	१०
३	२५	६	२८	२	४	२३	२
०	२६	४६	२२	१	२	१७	५७
४	५६	१६	१	४४	४२	३१	२६
६०	१६	५३	१०	७२	४७/२७	३	६०
३७	४१	१७	२२	५६	ब	११	४२

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं.२०३२शाकः १८९७ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिरतूं रविरुत्तरे माघ कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	३२	३६	म	२३	४	अ	३५	१९	वा	६	२२	२७	४२	२८	३२	१६	२७	१५	सिंहे		
२	मं	२४	२३	पू	१६	४३	सु	२५	२९	ग	२४	२२	४६	२७	३३	१७	२८	१६	क.	३	०८	
३	बु	१६	२२	उ	१०	२५	धृ	१५	५३	वि	१६	२२	५०	२६	३४	१८	२९	१७	कन्यायां			
४	गु	८	३४	ह	४/५	५/५	श	६/२	५/८	वा	८	३४	५४	२५	३५	१९	३०	१८	तु.	३	२१	७
५	शु	१	४४	स्वा	५५	२९	शृ	५०	२५	तै	१	४४	५८	२४	३६	२०	१	१९	तुलायां			
६	शु	५४	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			
७	श	५१	७	वि	५२	४०	शु	४३	४०	वि	२३	२८	२५/२	२४	३६	२१	२	२०	वृ.	३	८	२२
८	र	४७	३१	अ	५०	५३	व्या	३७	५५	आ	१९	१९	६	२३	३७	२२	३	२१	बृश्चिके			
९	चं	४५	१५	ज्ये	५०	३२	ह	३३	१४	तै	१६	२३	१०	२२	३८	२३	४	२२	ध.	५	०।	३२
१०	मं	४४	७	मू	५१	११	व	२९	२३	व	१४	४१	१४	२१	३९	२४	५	२३	धनुषि			
११	बु	४४	३४	पू	५३	५	सि	२६	३०	ब	१४	८	१८	२०	४०	२५	६	२४	धनुषि			
१२	गु	४५	२८	उ	५६	११	व्य	२४	४०	कौ	१४	४९	२२	२०	४०	२६	७	२५	म.	८	५	१
१३	शु	४७	४८	अ	६०	०	व	२३	४५	ग	१६	३८	२६	१९	४१	२७	८	२६	मकरे			
१४	श	५१	१७	अ	०	२३	प	२३	४४	वि	१९	३२	३०	१८	४२	२८	९	२७	कु.	३२	१५	५
२०	र	५५	४६	ध	५	२७	शि	२४	२	च	२३	३१	३४	१७	४३	२९	१०	२८	कुम्भे			

भ. ५०।२२ उ.
भ. १६।२२ या. चतुर्थी ब्र.
शते रविः ३७/३३ (सौरः ३९/२९ श्रवणेबुधः ३७/२५
भ. ५५।४९ उ. रा. फाल्गुनारंभः
भ. २३।२८ या.
श्रवणे शुक्रः २८।९
भ. १४/१ उ. ४४/७ या.आश्वि.१मेषेगुरुः ४/३
विजया ११ ब्र.
भ.४७।४८उ.वक्रीपुन.४शनिः ५१/७ प्रदोषः
भ.१९।३२ या. महाशिवरात्रि ब्र.
धनिष्ठा बुधः ३०।४

४६पं.फा.कृ. ८ र.इ.५९/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	११	९	३	६	१०
१०	२७	१४	२९	१०	३	२२	१०
३	२९	२२	४१	३८	३६	५५	१
३२	४९	४२	३१	३१	४७	१५	५९
६०	२०	७०	१०	७२	१७/७	३	६०
२५	८	१२	५०	१६	ब	११	२१

गोचरग्रहाः

१२बृ ११मं १०ह ९ ८ ७रा ६ ५ ४श ३ २ १के

इस मास में बुध शुक्र का योग वर्षा तथा धान्यादि में मंदी कारक है गुड़ खांड ताँबा सोना तेज होगा

गोचरग्रहाः

१२ ×१० ९ ८ ७रा ६ ५ ४श ३ २ १के बु

४७पं.फा.कृ.३०र.इ ५९/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	०	९	३	६	१०
१७	२९	२३	१	१९	३	२२	१७
५	५०	४७	६	१६	१४	३३	४
४६	४९	५३	०	१	३५	०	४९
६०	२२	८/४	१२	३/३७	३	३	६०
१२	४८	४१	३८	२०	ब	११	२०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.। फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १०६१स१९७६

१	चं	६०	०	श	११	३५	सि	२५	२५	किं	२८	२८	३५/३८	१६	४४	१	११	२९	कुम्भे
१	म	१	१९	पू	१८	१३	सा	२७	३	ब	१	२१	४२	१६	४४	२	१२	३०	मी १।३४
२	बु	७	५	उ	२५	३८	शु	२९	१७	की	७	५	४६	१५	४५	३	१३	१	मीने
३	गु	१३	३४	रे	३३	१६	शु	३१	२८	ग	१३	३४	५०	१४	४६	४	१४	२	मे. ३३।१६
४	शु	२०	४	अ	४०	५६	न	३३	५६	वि	२०	४	२४	१३	४७	५	१५	३	मेषे
५	श	२६	२२	भ	४८	१	ऐं	३६	८	वा	२६	२२	५८	१२	४८	६	१६	४	मेषे
६	र	३१	४४	कृ	५४	१७	वै	३७	२३	तै	३१	४४	२९/३२	१२	४८	७	१७	५	वृ. ४।३८
७	चं	३६	७	रो	५९	१८	वि	३७	४४	ग	३	५५	६	११	४९	८	१८	६	वृषे
८	मं	३८	५७	मृ	६०	०	प्री	३६	४९	वि	७	३२	१०	१०	५०	९	१९	७	मि ३०।५९
९	बु	४०	०	मृ	२	४१	आ	३४	१७	बा	९	२८	१४	९	३१	१०	२०	८	मिथुने
१०	गु	३८	५७	आ	३	५८	सौ	३०	१६	तै	९	२८	१९	८	५२	११	२१	९	क. ४८।३८
११	शु	३५	४९	पु	३	३२	शो	२४	७	च	७	२३	२३	७	५३	१२	२२	१०	कर्के
१२	श	३०	४१	पु	५०/१	५५/२५	अ	१७	२५	ब	३	१५	२७	७	५३	१३	२३	११	सिं ५६।१६
१३	र	२३	५१	म	५०	२८	सु	४४/८	५०/११	तै	२३	५१	३२	६	५४	१४	२४	१२	सिंहे
१४	चं	१५	३१	पू	४३	२८	शू	४८	३२	व	१५	३१	३६	५	५५	१५	२५	१३	क. ५६।३४
१५	मं	६	२६	उ	३५	५१	ग	३७	५२	ब	३	२६	४०	४	५६	१६	२६	१४	कन्यायां

मिथुने भौमः २४।९मार्च३ ता. ३१
चन्द्रर्क्षदर्शनम्
पूभायां रविः ५३/८(सौरः ५४/१३)फुलरिया२*
भ.४६:४९ उ. धनिष्ठा. शुक्रः१९।३६
भ. २०।४ या. कुम्भे बुधः २७।३०
*पातस्पर्शः१९.।७मोक्षः ३४/२८ रविलावल३

भ. ३६।७उ.
भ. ७।३२या.शते बुधः३३।१३ कुम्भे÷
[÷शुक्रः ४३।३ होलाष्टकः
अश्विनी २ गुरुः २८।३
भ.७।२३उ.३५।४९या.आमलकी११ब्र.
मीनेऽर्कः५४।२५(सौरः५४।३३)प्रद्वोषः
+६।५२ होलिकादहनं भद्रोत्तरं
भ.१५।३१ उ. ४०।४८या. शते शुक्रः+
छारेंडी

४८पं.फा.शु.७चं.इ. ०।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	०	९	३	६	१०
२४	२	४	२	२७	२	२२	२४
६	२८	८	३३	५४	५७	१०	६
२९	२३	३८	२२	४	४०	४४	१२
५९	२४	९७	१२	७३	३	३	६०
५८	५९	३८	१६	३२	ब	११	६

गोचरग्रहाः

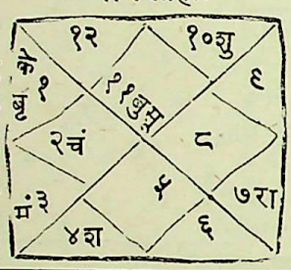

फा.शु. १२ शनौ
मीनेऽर्कः प्र. वा.
२न.३ गताजका
वस्था(ऊर्ध्वा)मु.१५
धान्यादि भावे
महर्घता शु. पू.

गोचरग्रहाः

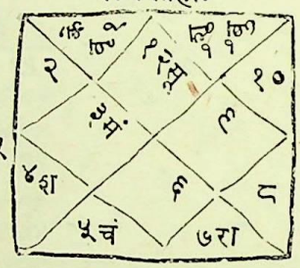

४९पं.फा.शु.१४चं.इ.०।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	०	१०	३	६	११
१	५	१५	४	६	२	२१	१
५	१८	२९	४	३२	४५	४८	५
४२	५४	४९	२६	२०	०	२८	५४
५९	२६	०/९	५२	७३	२/२१	३	५९
४१	५८	२/२३	३२	४४	ब	११	४९

ति.| चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०३२ शाकः १८९७ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	५१	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	बु	४७	२७	ह	२८	२२	बृ	२७	१	तै	२२	४१	२९/४४	३/३	५/५७	१७	२७	१५	तु. ५४।५०
३	गु	३८	२८	चि	२१	१७	ध्रु	१६	४५	व	१२	५८	४९	२	५८	१८	२८	१६	तुलायां
४	शु	३०	३१	स्वा	१५	२	व्या	१७/१७	५२/२९	ब	४	२९	५३	१	५९	१९	२९	१७	बृ. ५६।२८
५	श	२३	५५	वि	१०	१६	व	५१	३२	तै	२३	५५	५७	१	५९	२०	३०	१८	बृश्चिके
६	र	१८	५९	अ	६	५५	सि	४५	५३	व	१८	५९	३१/१	६/०	६/०	२१	१	१९	बृश्चिके
७	चं	१५	५२	ज्ये	५	२५	व्य	४१	५५	ब	१५	५२	६	५९/१	१/२२	२२	२	२०	ध. ५।२५
८	मं	१४	१४	मू	५	२८	व	३८	२०	की	१४	१४	१०	५८	२	२३	३	२१	धनुषि
९	बु	१४	३२	पू	७	९	प	३५	३१	ग	१४	३२	१४	५७	३	२४	४	२२	म. २२।५९
१०	गु	१६	७	उ	१०	२८	शि	३५	५२	वि	१६	७	१८	५६	४	२५	५	२३	मकरे
११	शु	१९	२	श्र	१५	३	सि	३६	२३	वा	१९	२	२३	५५	५	२६	६	२४	कु. ४७।५०
१२	श	२३	१८	ध	२०	३८	सा	३७	१४	तै	२३	१८	२७	५५	५	२७	७	२५	कुम्भे
१३	र	२८	१७	श	२७	३	शु	३८	२३	च	२८	१७	३१	५४	६	२८	८	२६	कुमे
१४	चं	३४	५	पू	३४	७	शु	४०	४७	वि	१	११	३५	५३	७	२९	९	२७	मी १७।२१
३०	मं	४०	१४	उ	४१	३१	व्र	४३	४	च	७	९	३९	५२	८	३०	१०	२८	मीने

उभायां रविः १५/३९(सौरः १५।१९)पूभायां÷
भ.५१८उ.३८/३९या. आर्द्रायां भौमः १।५
÷बुधः ३५/३८ पूर्वास्तं बुधः ५३।५५

भ.१८।५९उ. ४७।२५या. रा.चैत्रारंभ
शीतलापूजनम्
मीने बुधः ११।९
भ.४५।२०उ. उभायां बुधः ५७।५१
भ. १६।७या. पूभायां शुक्रः ५६।५१
अश्वि ३गुरुः २३।२४पापसौ. ११ब्र.
मार्गी शनिः २८।० प्रदोषः
भ. २८।१७उ.
म. १·११या.
रेवत्यां रविः४३।२२(सौरः ४३/३७)मन्वादि

५०पं.चै. कृ.७ चं.इ.०।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	०	१०	३	६	११
८	८	२७	५	१५	२	२१	८
३	१९	४८	३८	९	३७	२६	३
१८	५५	२९	३१	४३	५९	१३	४९
५९	२८	०/२९	१२	७३	३/३५	३	५९
२९	३१	२८	५७	५६	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

इस मास में रस पदार्थ तेज धान्य मन्दा हो और कहीं कहीं वर्षा होगी रक्त विकारक पीडा हो।

गोचरग्रहाः

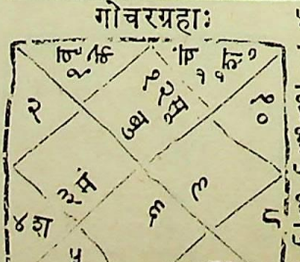

५१पं.चं.कृ.१४चं.इ. १।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	०	१०	३	६	११
१४	११	११	७	२३	२	२१	१४
५९	२५	८	१४	४७	३६	२	५९
१३	१३	४९	५३	२०	२३	५७	५५
५९	२९	२०/२९	१३	७३	१०/मा	३	५९
१६	५८	०/१	१३	५६	११	११	१८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७७ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्येगतंकलिः ५०७७ भोग्यकलिः ४२६९२३ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३३ शाकः १८९८ वर्षेऽस्मिन्राजा बुधः । मंत्री भौमः । सस्येशो गुरुः । धान्येशोबुधः । मेघेशश्चंद्रः । रसेशःशनिः । नीरसेशो गुरुः । फलेशश्चन्द्रः । धनेशोगुरुः । दुर्गेश-चन्द्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ३ शुक्ल नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ६।२१।४१।४५ भोग्यमासादिः ५।८।१८।१५ विष्णु दैवतं युगम् । वर्षनाम आश्विनः मेघ नाम१आवर्तः। रोहिणी निवास.संधौ । समय निवासो वणिक्गृहे । समय विश्वा १८ । समयवाहनसिचाणुः स्तंभाः ३ जल तृण वायूनां सोमवत्यमाः × । सोमवती पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी १ समय मुहूर्ताः ३६० । समयदिनानि ३५२ । तिथिक्षयः १८ । तिथि वृद्धिः १० । उत्पत्ति विश्वा १०५ । खपति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा ११ । धान्यम् ११. तृणम् ७. शीतम् १७. तेजः ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ । ऐक्यम् १०५ शनिदृष्टिर्दक्षिणे ग्रहणम् २ चन्द्र सूर्ययोः ।

सं. २०३३ वैशाख शु. १५ गुरौ खंडग्रास चंद्रग्रहणं

		स्प.	म.	मो		
उज्ज.	घ.	४५	४७	४६		
मध्यम.	पल	५४	३६	२४		
रेल्वे	घं.	१२	१	२		
टाइम	मि.	४६	३१	१३		

वर्ष लग्नम् ७।६

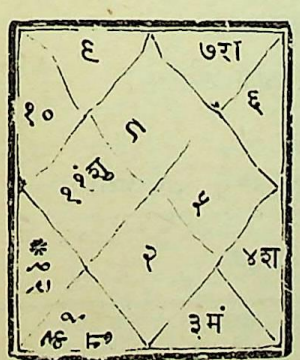

भैरव-भवानी सम्वाद

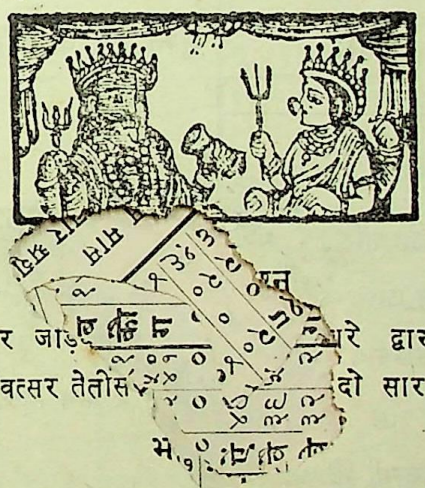

कर जाड़ [illegible] रे द्वार ।
संवत्सर तेतीस [illegible] दो सार ॥

राजा बुधजी बापड़ा चलै न इनका जोर ।
मंत्री पद कुज पायकर करै और की और ॥
मेघपति अरु गढपति फलपति है द्विजराज ।
सस्यधिप गुरुदेव हैं सारैं जग का कांज ॥
अष्टादश विश्वा समय वर्षा विश्वा रुद्र ।
द्विजजाति दुःख पायसी सुख पायेंगे शुद्र ॥
संवत्सर तेतीस में तृण का होय दुःकाल ।
अनधन सुख संपत्ति बढे ईश्वर करें निहाल ॥

सं. २०३३ वैशाख कृष्णे ३० गुरौ सूर्य ग्रहणम्

		स्प.	म	मो.		
उज्ज.	घ.	२५	२८	३१		
मध्यम	पल	७	१०	६		
रेल्वे	घं.	४	५	६		
टाइम	मि.	३०	४३	५३		

वर्षेश लग्नम् ३।१०

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१४।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३०।३५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ॥ बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्म विवाह मंमलम् । प्रकुर्वते दानदया जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ॥ मन्त्री भौमस्तत्फलम् ॥ अवनिजोननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्यु गदा दिज वेदना । जन पदेषु जयं सुख संचयं न बहु गोषु पयोद्विज कर्म च ॥ सस्येशो गुरूः फलम् ॥ कणयतो सुरराज पुरोहिते सकल सौख्यकृः श्रुति पूर्वकः । जन्धरा जलदा बहु सस्यदा रस पयांसि बहूनि वसूनि च ॥ धान्येशो बुधस्तत्फलम् ॥ बुधे धान्याधिपे मेघाजलं मुंचन्ति वैभृशम् । सैंधवे लाट देशे च माधवोऽल्पञ्च वर्षति ॥ मेघेशश्चन्द्रः फलम् ॥ शशिनितोदये यदि गोमहिष्यज खरादिषु दुग्ध रसंतदा । फलवती धन धान्यवती धरा विविध भोगवती नमु भामिनी ॥ रसेशः शनिः फलम् । रवियुते रसपे रस संचयो नजलदा गंददाश्च पयो धराः । अज गवां गजवाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषु नरा नरसै र्युताः ॥ नीरसेशो गुरुः फलम् ॥ हरिद्रा पीनवत्तूनि पीतवस्त्रादिकं च पत् । नीरसेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ॥ फलेशश्चन्द्रस्तत्फलम् ॥ यदि विधुः फलपोद्रुम राशयः फल युता वलिभिः कुसुमैर्युताः । द्विज मुखावर भोग समन्विता नृपतयो नयनाटन तत्पराः ॥ धनेशो गुरुः फलम् ॥ सुमनसां च गुरुः द्रविणाधिपो वणिज वृत्तिः पराः सुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमि रूहाः सदा विविध द्रव्य युता भुवि मानवाः ॥ दुर्गेशश्चन्द्रः फलम् ॥ गढ़पति शशलाञ्छनकोयदा नृप सुराज्य विला सित पौरजाः । बहु धनेज्जुज गोरस भोगिनो नर वरा वर वर्णित विग्रहाः । शुक्रज नामसंवत्सरस्तत्फल ॥ शुक्लाब्दे निखिला लोकाः सुखिन सुजनैः सह । राजानौ युद्ध निरताः परस्पर जयैषिणः ॥ वर्षनाम आश्विनः फलम् ॥ सुभिक्षं पूर्व सस्यं स्याज्ज्वर रोगा कुलं जगत् । आश्विने शोभना वृष्टिः नृप सौख्यकरी सदा ॥ मेघनाम आवर्तः फलम् । आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् । रोहिण निवासः संधौफलम् । खण्ड वृष्टिश्च संधिषु ॥ समयानिवासो वणिग्गृहे फलम् । वणिग्गृहे शुभं नास्ति ॥ एवंसंचित्य दैवज्ञैःकथनीयम् शुभाशुभम् ॥

सं० २०३३ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

मार्गशीर्ष मासः ।

कृष्णे १० बुधे उफा. ल.५रे. ६।ऽ।।।ऽअ.ऽऽ।। शनि १[illegible]

,, ११ गुरौहस्तेल.अन्यगो.५रे.८।।।।।ऽअ.।ऽ।।अन्य[illegible]

भौम ७ दोषःसिंहेरेखाहेअग्निपंचकाऽभाव.५८

शुक्ले २ भौमे मूले ल. ५।६ रे. ७ऽ।।।।ऽरौ ऽ।।।

,, ९भौमे उभा.ल गो.६रे.७।।।।।।ऽऽ।ऽ गोधूल्यां भौ.७दो[illegible]

कन्यालग्ने रोगपंचकः रेखाहेचं. ७ पू. आवश्यके

,, १५चंद्रे रोहि.ल.५।६रे.८।।।।।।ऽऽ।।कन्याघ.४९।३७ या,

पौष मासः

कृष्णे ८ भौमे उफा.ल. अन्यगो.(भौ७दोषः) रे.७।।।।।ऽअ.ऽऽ।।

माघ मासः ।

शुक्ले ५ चंद्रे उ भा.ल.८रे.७।।।।।ऽ अ.ऽऽ।।

शुक्ले ६ भौमे रेव.ल.अन्यगो.८ रे.९।।।।।ऽअ.(घ.३१या.)।।।।

ति. चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०३३ शाकः १८९८ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १०९१स१९७६

| | | |

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३३शाकः१८९८	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः११२१स.१९७६
१	शु २८ १५ भ १८ ४० आ ४ ३४ ब २८ १५	३२/४०	५/२८	६/३२	३०	१०	२९	वृ. ३५।१३	चंद्र दर्शन संभवः
२	श ३३ ५ कृ २४ ५० सौ ६ ० बा ० ४०	४३	२७	२३	१	११	१	वृषे	मई ५ ता. ३१ जमादिलावल ५
३	र ३७ ७ रो ३० २१ शो ६ ५० तै ५ १	४७	२७	३३	२	१२	२	वृषे	अक्षया ३ परशुराम जयंती
४	चं ४० १ मृ ३४ ४६ अ ६ ४३ व ८ ३४	५१	२६	३४	३	१३	३	मि३।३	भ. ८।३४ उ. ४०।१ या.
५	मं ४१ ५१ आ ३८ ४ सु ६ ५ ब १० ५६	५४	२५	३५	४	१४	४	मिथुने	कर्के भौमः १५।४७
६	बु ४२ २३ पु ४० १९ धृ ४ २३ कौ १२ ७	५७	२५	३५	५	१५	५	क.२४।४६	
७	गु ४१ ४१ पु ४१ ५ शू ३५/१ ५९/५ ग १२ २	३३/१	२४	३६	६	१६	६	कर्के	भ. ४१।४१ उ.
८	शु ३९ २४ श्ले ४० २५ बृ ५२ २५ वि १० ३२	४	२३	३७	७	१७	७	सिं ४०।२५	भ. १०/३२ या. रोहि. बुधः ५८।१
९	श ३५ २९ म ३८ ५ ध्रु ४६ २ बा ७ २६	७	२३	३७	८	१८	८	सिंहे	वक्रीबुधः २३/३४ भरण्यांशुक्रः ३०/९ भरणी.A
१०	र ३० १७ पू ३४ २० व्या ३८ २६ तै २ ५३	१०	२२	३८	९	१९	९	क.४८।५	भ.५६।५२उ. A २ गुरुः ८।९
११	चं २३ २८ उ २९ २० ह २९ ३८ वि २३ २८	१३	२१	३९	१०	२०	१०	कन्यायां	भ.२३/२९या.कृत्तिका.रविः४३/३८ (सौरः४६/२७) *
१२	मं १५ २७ ह २३ ७ व २१ ११ बा १५ २७	१६	२१	३९	११	२१	११	तु.४९।२९	वक्री कृत्तिका. बुधः २०/१२ बृधास्त पश्चि.×
१३	बु ६ ३० चि १५ ५२ सि ५५/२३ ४९/२३ तै ६ ३०	१९	२०	४०	१२	२२	१२	तुलायां	भ.५.७।७नृसिंह१४ ×५'५९ प्रदोषः
१४	बु ५० ३७ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	१३	२३	१३	०	*पुष्ये भौमः २६/३७ मोहिनी ११ ब्र.
१५	गु ४७ ३५ स्वा ८ ३२ व ४९ २ वि २२ २३	२२	२०	४०	१३	२३	१३	वृ.४८।९	भ. २२।२३ या. चन्द्रग्रहणम्

४पं.वै.शु.५मं.इ. १९/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	०	०	३	६	०
२०	०	८	१५	८	३	१९	२०
२७	१	४३	४२	२३	५०	८	२५
२२	२३	४८	४७	३५	९	५१	३२
५८	३४	२०	१३	७४	३	३	५७
६	१०	४८	२८	२६	४१	११	५७

गोचरग्रहाः

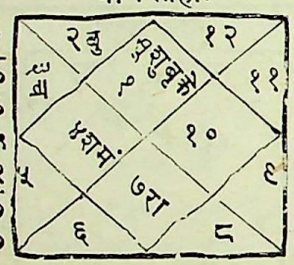

इस मास में सूर्य चन्द्र के दोनों ग्रहण महा अशुभ हैं प्रजा में पीड़ा राजाओं में विरोध एवं हरेक वस्तु नेज हो।

गोचरग्रहाः

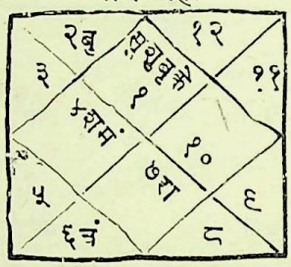

५पं वै.शु.१२मं.इ.१९/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	०	०	३	६	०
२७	३	१०	१७	१७	४	१८	२७
१३	५०	०	२२	०	१९	४६	१०
३४	१०	२९	५५	३६	५१	३५	४६
५७	३४	१४/१६	१३	७४	४	३	५७
५४	५०	ब	३२	२६	२०	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं.२०३३ शाकः१८९८	दि,	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृ.महाराष्ट्राः
१	शु ३८ २३ वि २२/१ ५२/३७ प ३९ २० बा १३ ४	३३/२५	५/१९	६/४१	१४	२४	१४	बृश्चिके	वृषेऽर्कः १०/५३ (सौरः १४/१५) उदयंगुरोः २६/२४
२	श ३० ४० ज्ये ४९ ४१ शि ३० १२ तै ४ ३७	२८	१८	४२	१५	२५	१५	ध.४९।४१	भ. ५७।२७ उ. (उ.गु.)
३	र २४ १४ मृ ४६ ८ सि २२ ४१ वि २४ १४	३०	१८	४२	१६	२६	१६	धनुषि	भ. २४/१४या.शुक्रास्तः पूर्वस्याम २९/२४ च.ब्र. (शु.अ.पू.)
४	चं १९ २६ पू ४४ २३ सा १६ ४९ बा १९ २६	३३	१७						९।३२
५	मं १७ ११ उ ४५ १ शु ११ १९ तै १७ ११	३६							बृ.५२ उ.
६	बु १६ ५१ श्र ४७ ३१ शु ९ ३४ व १६ ५१				०	३०	१८	बृश्चिके	भ. १६/५१ उ. ४७/४७ या.कृत्तिका.शुक्रः ९।५४
७	गु १८ ४३ ध ५२ ७ न ८ ४३ ब १८	४			२१	१	१९	बृश्चिके	
८	शु २२ २५ श ५७ ५९ ऐं ९ २ कौ २२ २	५९	१	२२	२	२०	ध.५।२५		वृषे शुक्रः५५।८
९	श २७ २२ पू ६० ० वै १० २१ ग २७ २२	५८	२	२३	३	२१			भरणी. ३ गुरुः १९।३८ रा. ज्येष्ठारंभः
१०	र ३३ २४ पू ५ १३ वि १२ ३७ व ० २३	५७	३	२४	४	२२	२३	मीने	भ. ०।२३उ. ३३।२४ या.
११	चं ३९ ३५ उ १२ २७ प्री १५ १० ब ६ २९	५६	४	२५	५	२३	२४	मीने	रोहिण्यांरविः ३४/२८ (सौरः ४०/२४ अपरा११ब्र.
१२	मं ४५ ५५ रे २० २६ आ १६ ४६ कौ १२ ४५	५२	१४	४६	६	४	२५	मे.२०।२६	
१३	बु ५१ ४७ अ २० ४७ सौ २० ७ ग १८ ५१	५४	१३	४७	२६	५	२६	मेषे	भ. ५१।४७ उ. प्रदोषः
१४	गु ५६ ५३ भ ३४ ४१ शो २२ १ वि २४ ५०	५६	१३	४७	२७	६	२७	वृ.५१।८	भ. २४।५० या.
३०	शु ६० ० कृ ४० ३० अ २३ १० च २८ ५८	५८	१२	४८	२८	७	२८	वृषे	बटपूजनम्
३०	श १ ४ रो ४५ २२ सु २३ ३३ ना १ ४	३४/००	१२	४८	२९	८	२९	बृषे	बुधोदयः पूर्वस्याम् ४४।४७

६पं.ज्ये.कृ.५मं.इ १९/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	०	०	३	६	१
३	७	७	१९	२५	४	१८	३
५८	४२	१२	१	३६	५२	२४	५४
२६	५०	२८	५२	२५	३७	१९	२६
५७	३५	२३/२९	१३	७४	४	३	५७
४४	२४	ब	२६	३२	५०	११	३४

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृ. १ शुक्रे वृषेऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु.पू.

ग्रोचरग्रहाः

७पं.ज्ये.कृ.१२मं.इ.१९/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	०	१	३	६	१
१०	११	३	२०	४	५	१८	१०
४२	३७	२९	३५	१२	२९	२	३६
२५	४१	३८	४७	५०	२८	४	३६
५७	३५	२९/५७	१३	७४	५	३	५७
३५	४४	ब	२०	३२	१४	११	२२

* वृ.शु.के.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | ग्रीष्मर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ११५१सं.१९७६

१	र	४	१४	मृ	४९	१२	धृ	२३	११	व	४	१४	३४/१२	५/१२	६/४८	३०	९	३०	मि १७।१७
२	चं	६	७	आ	५२	५	शू	२१	५५	कौ	६	७	४	११	४९	३१	१०	१	मिथुने
३	मं	७	१०	पु	५३	५३	गं	१९	४७	ग	७	१०	६	११	४९	१	११	२	क. ३८।२६
४	बु	७	५	पु	५५	३८	वृ	१६	५५	वि	७	५	७	११	४९	२	१२	३	कर्के
५	गु	५	५७	श्ले	५४	२५	ध्रु	१३	२३	वा	५	५७	९	१०	५०	३	१३	४	सिं ५४।२५
६	शु	३	४५	म	५३	८	व्या	८	५५	तै	३	४५	१०	१०	५०	४	१४	५	सिंहे
७	श	०	३७	पू	५१	२	ह	३७/३८	५०/४६	व	०	३७	१२	१०	५०	५	१५	६	सिंहे
८	श	५५	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	र	५०	२५	उ	४७	५३	सि	५०	२	वा	२३	२५	१३	९	५१	६	१६	७	क. ५।१४
१०	चं	४४	२२	ह	४३	४१	व्य	४२	४७	तै	१७	२४	१४	९	५१	७	१७	८	कन्यायां
११	मं	३८	२१	चि	३९	३७	व	३४	२२	व	११	२२	१६	९	५१	८	१८	९	तु. ११।३८
१२	बु	३०	४१	स्वा	३२	५९	प	२५	३१	व	४	३१	१७	९	५१	९	१९	१०	तुलायां
१३	गु	२२	२८	वि	२७	३	शि	१६	८	तै	२२	२८	१८	८	५२	१०	२०	११	वृ. १३।३२
१४	शु	१४	२५	अ	२१	०	सि	७/५५	१७/१७	व	१४	२५	१९	८	५२	११	२१	१२	वृश्चिके
१५	श	६	४७	ज्ये	१५	४६	शु	५०	२२	व	६	४७	२०	८	५२	१२	२२	१३	ध. १५।४६

रोहिण्यां शुक्रः २।४४ चन्द्रदर्शनम्
जमादिलाखर ६
भ. ३७।७ उ. जून ६ ता. ३०
भ. ७।५ या.
आश्लेषा. भौमः ५३/३ मार्गीबुधः ५१।२०
भ. ३०/७ उ. ३८/३६ या.भरणी.४ गुरुः ५४/४५
पुष्य. २ शनिः ७।५०
मृगेरविः २९।२४ (सौरः ३९/१३) गंगा दशमी
भ.११।२२ उ.३८।२१ या निर्जला११ व्र.
मृगे शुक्रः ५०।५८ प्रदोषः
भ. १४।२५ उ. ४०।३६ या.
गुर्जरागां वटसावित्री व्र

८पं.ज्ये.शु.३मं.इ.१८/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	०	१	३	६	१
१७	१५	१	२२	१२	६	१७	१७
२५	३६	२९	१५	४८	९	३९	१७
८	४०	३१	२२	५८	३२	४८	४२
५७	३६	५०/५९	१३	७४	५	३	५७
२७	९	ब्र	८	३२	४१	११	१३

गोचरग्रहाः

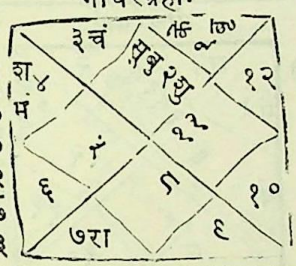

इस मासमें सोना चांदी रस पदार्थ एवं धान्यादि में तेजी होगी प्रजा में रोगों का भय और उपद्रव हो।

गोचरग्रहाः

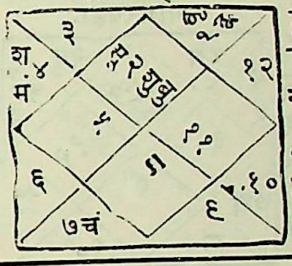

९पं.ज्ये.शु.११मं इ.१८/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	०	१	३	६	१
२४	१९	२	२३	२१	६	१७	२३
७	३७	५०	४९	२५	५३	१७	५७
१२	८	३८	४८	१९	१०	३३	३८
५७	३६	५०/५५	१२	७४	६	३	५७
२२	२८	मा	४३	३८	२	११	५

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | ग्रीष्मर्तौ रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	र	०	१३	मू	११	४	शु	४३	२५	कौ	०	१३	३४/२१	५/५	५२	१३	२३	१४	धनुषि
२	र	५४	५३	०	०	०	८	०	०	०	०	३	०	०	०	०	८	०	०
३	चं	५१	४५	पू	८	५५	न	३७	५१	व	२३	२५	२१	८	५२	१४	२४	१५	म. २३।४३
४	मं	५०	१५	उ	८	४	ऐं	३६	५९	व	२१						२५	१६	मकरे
५	बु	५०	५९	अ	८	५९	वै	३१	३७	कौ								१७	कु ४०।३३
६	गु	५३	४६	ध	१२	७	वि	३१	३	ग									मे. कुम्भे
७	शु	५८	४	पू	१७	१	प्री	३१	२८	वि									मे. कुम्भे
८	श	६०	०	पू	२३	२३	आ	३३	११	वा									४६।४८
९	र	३	४३	उ	३०	२७	सौ	३५	१६	कौ									मीने
१०	चं	९	४५	रे	३८	११	शो	३७	४९	ग	९	४५	२४						मे ३८।११
११	मं	१५	४८	अ	४५	३९	अ	४०	२४	वि	१५	४८	२४						मेषे
१२	बु	२१	२६	भ	५२	३७	सु	४२	१७	वा	२१	२६	२४						मेषे
१३	गु	२६	४२	कृ	५८	३४	धृ	४३	३९	तै	२६	४२	२४	७	५३	२४	३	२५	बृ. ९।७
१४	शु	३०	३२	रो	६०	०	शू	४३	५२	व	३०	३२	२३	७	५३	२५	४	२६	वृषे
१५	श	३२	५६	रो	३	७	गं	४३	८	वि	१	४४	२३	७	५३	२६	५	२७	मि २४।५०
३०	र	३४	२	मृ	६	३५	बृ	४२	२१	च	३	२९	२३	७	५३	२७	६	२८	मिथुने

भ.३३/२५ उ.५१/४५ या.मिथुनेऽर्कः २८/२ सौरः ४०
मिथुने शुक्रः १७।४४ च. व्र.
भ. ५३।४६ उ.
भ.२५।५५ या.रोहिण्यां बुधः ८।२६
आर्द्रा.शुक्रः ४३/३४ स्वाती.३ राहुः भ.१के.७
भ.४२/३६ उ.आर्द्रायां रविः २६।५४ (सौरः *
भ १५।४८ या.रा.आषाढारंभः
योगिनीं ११ व्र.
प्रयोषः *४१/३३) कृत्तिका.१ गुरुः ३३/७
भ. ३०।३२ उ.
भ. १।४४ या. मघा. सिंहे भौमः ८।१
मृगे बुधः २९।१३

१०पं.आ.कृ.४मं.इ.१८/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	०	२	३	६	२
०	२३	७	२५	०	७	१६	०
४८	४२	२९	२१	१	३८	५५	३६
२५	४	२	३६	१६	४६	१७	४७
५७	३६	५३	१२	७४	६	३	५६
७	५५	२३	२०	३८	२२	११	५७

गोचरग्रहाः

आ.कृ. ३ चन्द्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्ट वा.४ न.५ वृद्धा वस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शु. पू.

गोचरग्रहाः

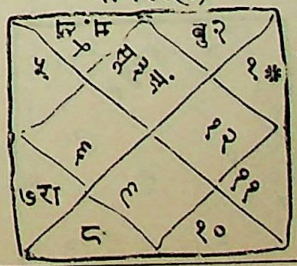

११पं.आ.कृ.१०मं.इ.१८/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	०	२	३	६	२
७	२७	१५	२६	८	८	१६	७
२९	४९	४६	४८	३८	२६	३३	१५
२४	४१	८	५४	२०	५३	१	१४
५७	३७	८४	१२	७४	६	३	५६
१३	१९	२८	१	३८	३७	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* के.चं.वृ.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं.२०३३ शाकः१८९८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः११८०स१९७६
१	चं ३३ ४२ आ ८ ३७	ध्रु	३८	२९	किं	३	५२	३४ ३२ ५ ८ ६ ५२	२८ ७ २९ क.५१।३५
२	मं ३२ १६ पु ९ ३४	व्या	३४	४७	बा	२	५९	२२ ८ ५२	२९ ८ ३० कर्के
३	बु २९ ५७ पू ९ १८	ह	३०	१३	तै	१	७	२१ ८ ५२	३० ९ १ कर्के
४	गु २६ ४९ श्ले ८ ११	व	२५	५	वि	२६	४९	२० ८ ५२	१ १० २ सिं८ ११
५	शु २२ ५२ म ६ २२	सि	१९	३६	बा	२२	५२	१९ ८ ५२	२ ११ ३ सिंहे
६	श १८ ४३ पू ४ १०	व्य	१३	४२	तै	१८	४३	१८ ८ ५२	३ १२ ४ क.१८।३२
७	र १३ ५८ उ ३ ७ १ ५ ५ ६ ३	व	७	१७	व	१३	५८	१७ ९ ५१	४ १३ ५ कन्यायां
८	चं ८ ४६ चि ५ ४ ५८ प ३ ५ ५ ५ २	बा	८	४६	१५	९	५१	५ १४ ६	तु.२६।४४
९	मं ३ १३ स्वा ५ १ २	सि	४६	९	कौ	३	१३	१४ ९ ५१	६ १५ ७ तुलायां
१०	म ५ ४ १० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ० ०
११	बु ५ १ १६ वि ४ ६ ५८	सा	३८	२६	व	२४	१९	१३ ९ ५१	७ १६ ८ बृ.३२।५९
१२	गु ४ ४ ५ ६ अ ४ २ ४ ७	शु	३०	५३	ब	१८	१	११ १० ५०	८ १७ ९ बृश्चिके
१३	शु ३९ ४८ ज्ये ३८ ४७	शु	२३	२४	कौ	१२	२२	१० १० ५०	९ १८ १० ध.३८।४७
१४	श ३३ ३१ मू ३५ २३	ब्र	१६	१६	ग	६	४०	८ १० ५०	१० १९ ११ धनुषि
१५	र २८ ५४ पू ३२ ४९	ऐं	९	४७	वि	१	१३	७ ११ ४९	११ २० १२ म.४७।३२

वर्षतूं रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ११८०स १९७६

चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
भ.५८।२३उ. रज्जव ७
भ.२६।४९या.मिथुने बुधः१२।०पुन.*
*शुक्रः ३१।८जौलाई ७ ता. ३१
÷बुधः ४४।२४ पूर्वास्तं बुधः २६।३५
भ. १३।५८उ. ४१।२२या. आर्द्रायां÷
पुन.रवृः २५।५०(सौरः४५।३४)पुष्य.×
+शन्यस्तः ३०।४९व्यासपूजा
×३शनिः ३।२९
भ.$\frac{२४}{१९}$उ.$\frac{५१}{१६}$या.देवशयनी ११ ब्र स्मा
कृत्ति.रवृषे गुरुः२८।२१ देवश.११ब्र.वै.
कर्केशुक्रः ३८।४१ प्रदोषः
भ.-३।३१उ. वायुपरीक्षा
भ. १।१३ या. पुन बधः २।५६+

१२पं.श्रा.शु.२म.इ.१८।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	०	२	३	६	२
१४	१२	२८	२८	१७	९	१६	१३
९	५९	३६	१३	१५	१६	१०	५३
५०	२४	२२	५९	१८	५५	४६	१९
५७	३७	९	११	७४	६	३	५६
७	३५	४२	३५	३५	५२	११	५०

गोचरग्रहाः

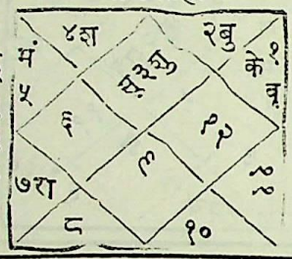

मिथुने कर्कटे संस्थो यस्मिन्काले भृगोसुतः । वातो वाति तदा नित्यं जलवृष्टिश्च जायते । कहीं२ वर्षा हो, धान्य तेज ।

गोचरग्रहाः

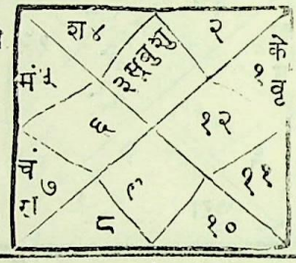

१३पं.श्रा.शु.९मा.इ.१८।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	०	२	३	६	२
२०	६	९	२९	२५	१०	१५	२०
१०	१०	५२	३६	५१	८	४८	२१
१०	३७	२६	२५	२२	४९	३०	१३
५७	३७	२९	१०	७४	७	३	५६
७	५८	७ ९	५४	२२	२	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०३३शाकः१८९८	दि.	उ	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणे आषाढकृ. महाराष्ट्राः
१	चं २५ २३ उ ३१ ४१	चै	४ ११	५५ ४०	कौ	२५	२३	३४ ५ ११ ६ ४९	१२ २१ १३ मकरे
२	मं २४ १९ श्र ३२ ८	प्री	५६	४२	ग	२४	१९	५ ११ ४९	१३ २२ १४ मकरे
३	बु २४ २७ ध ३४ ५६	आ	५६	२२	वि	२४	२७	२ १२ ४८	१४ २३ १५ कु ३।१७
४	गु २६ ३४ श ३८ २२	सौ	५५	१	बा	२६	३४	० १२ ०	कुंभे
५	शु ३० ८ पू ४३ ५०	शो	५५	५५	तै	३०	८	३ ३६	बृ.२२ ८
६	श ३५ १७ उ ५० ३०	अ	५७	४१	ग	२	४३	१ १ ०	० ३० १८ बृश्चिके
७	र ४१ ९ रे ५७ ४७	सु	५९	५३	वि	८	८	४ आर्द्रा ५	० २१ १ १९ बृश्चिके
८	चं ४७ १४ अ ६० ०	धृ	६०	०	बा	१४	१२	८ ५९	१ २२ २ २० ध.५।२५
९	मं ५३ २० अ ४ ५६	धृ	२	२५	तै	२०	१९	२ ५८	२ २३ ३ २१
१०	बु ५८ ३१ भ १२ २६	शु	४	४३	व	२५	५५	३ ५७	३ २४ ४ २२ बृ.२९।३
११	गु ६० ० कृ १८ ५२	गं	६	१६	व	३०	३३	४ ५६	४ २५ ५ २३ बृषे
११	शु २ ३५ रो २३ ४४	बृ	६	५१	ना	२	३५	४२ १६ ४ ४	२६ १ २४ मि५५।३२
१२	श ४ ४४ मृ २७ २२	ध्रु	६	३१	तै	४	४४	४० १६ ४४	२७ २ २५ मिथुने
१३	र ५ २६ आ २९ १४	व्या	७	३२	व	५	२६	३७ १७ ४३	२५ ३ २६ मिथुने
१४	चं ४ २० पु २९ २२	ह	१ ६	५२ ४२	व	४	२०	३५ १७ ४३	२६ ४ २७ क.१४।२०
३०	मं १ ४५ पु २८ ११	सि	५	२३	ना	१	४५	३२ १८ ४२	२७ ५ २८ कर्के

पुष्ये शुक्रः २३।१०
भ. ५४।२३ उ.
भ. २४।२७या. चतुर्थी ब्र.
कर्केऽर्कः ५५।१४ कर्के बुधश्च ४७।२४
कर्केऽर्कःसौरः १८।१८ नाग५ मरुस्थले
भ. २५।१७उ. पुष्ये बुधः१३।०
भ. ८।१३या. पूफायां भौमः १२।५३
पुष्ये रविः २४।३१ (सौरः ४८।५९)
[+ कामिका ११ ब्र. वै.
भ २५।५५उ.५८।३१या.
कामिका ११ ब्र स्मा.
आश्ले बुधः $\frac{४३}{५९}$ आश्ले.शुक्रश्च $\frac{११}{५०}$ शुक्रोदयः*
प्रदोषः (शु.उ.प.)
भ.५।२६उ. ३४।५३या.
*पश्चिमायां $\frac{३४}{१२}$ रा. श्रावणारंभः +
बुधोदयः पश्चिमायाँ ४७।१२

१४पं.श्रा.कृ.२मं.इ.१८।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	१	३	३	६	२
२७	१०	२४	१	४	११	१५	२७
३०	२३	४६	५३	२८	१	२६	९
३२	४२	४१	६	३७	४८	१५	२०
५७	३८	९	१०	७४	७	३	५६
११	१२	५८	१२	३२	१४	११	५५

गोचरग्रहाः

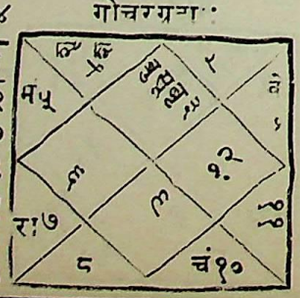

श्रा. कृ. ४ गुरौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ४न.५गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु. पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहा

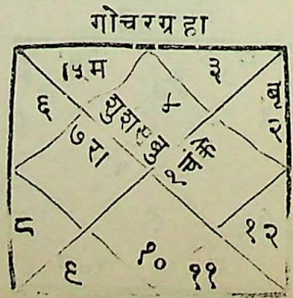

१५पं.श्रा.कृ.९मं.इ.१८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	१	३	३	६	३
४	१४	९	२	१३	११	१५	३
११	४०	३९	४	४	५५	३	४७
१७	१९	१४	५५	२३	१	५९	४७
५७	३८	९	९	७४	७	३	५६
१५	२६	४९	२९	२६	२०	११	५७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३३शाकः १८९८ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२१०स.१९७६

१	मं	५६	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	५२	५८	ले	२६	५८	व्य	४५	११	वा	२५	२७	३३ १९	५	४३	२८	६ २९	सिं २६।५८	कृत्तिका. ३ गुरुः चन्द्रदर्शनम् सिंघ रा
३	गु	४७	३९	म	२३	४३	व	३७	५९	ते	२०	१९	२६ १९	४१	२९	७	१	सिंहे	तीज ३ सावान ८
४	शु	४२	२	पू	१८	३१	प	३१	७	व	१४	५०	२४ १९	४१	३०	८	२	क.३२।४४	भ. १४ उ. ४३ या. मघा. सिंहे बुधः ५५ ३५
५	श	३६	१४	उ	१५	२१	शि	२४	११	व	९	८	२१ २०	४०	३१	९	३	कन्यायां	नागपंचमी
६	र	३०	२९	ह	११	४१	सि	१६	५२	कौ	३	२२	१८ २०	४०	१	१०	४	तु.३९।५०	अगस्त ८ ता. ३१
७	चं	२५	४	चि	७	५९	सा	९	३६	व	२५	४	१५ २१	३९	२	११	५	तुलायां	भ. २५ उ ५३ या. आश्लेषा.रविः २१ ३२*
८	मं	१९	४९	स्वा	४	३८	शु	३२	५३ ७	व	१९	४९	१२ २२	३८	३	१२	६	बृ.४७।१३	मघा सिंहे शुक्रः २।४२
९	बु	१४	४७	वि	२५	१५ ८	न	८	८४	कौ	१४	४७	९ २२	३८	४	१३	७	बृश्चिके	पुष्य ४ शनि. ८।४५ *(सौरः ४९ ८)
१०	शु	१०	३	ज्ये	२६	८	ऐं	४२	५५	ग	१०	३	६ २३	३७	५	१४	८	ध.५६।८	भ. ३७।४८ उ.
११	शु	५	२४	मू	५४	१३	वै	३६	५५	वि	५	२४	३ २३	३७	६	१५	९	धनुषि	भ. ५।३४ या. पवित्रा ११ब्र.
१२	श	१	४७	पू	५२	५६	वि	३१	४१	वा	१	५७	० २४	३६	७	१६	१०	धनुषि	प्रदोषः
१३	श	५७	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		[×भद्रोतरम.
१४	र	५७	४	उ	५३	४२	प्री	२७	४७	ग	२८	२	३२ ५६	२५	३५	८	१७	११	म.८।७	भ. ५७ उ.उफायांभौमः ४२ ५७ फायाँ बुधः ३३ ३४
१५	चं	५६	३५	श्र	५३	३८	आ	२३	१०	वि	२६	३७	५३	२५	३५	९	१८	१२	मकरे	भ. २६ या. श्रावणीकर्म. रक्षाबंधनं×

१६पं श्रा.शु.१म.इ. १८।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	१	३	३	६	३
१०	१८	२३	३	२१	१२	१४	१०
१२	५७	२४	११	४१	४८	२१	२७
१९	५४	१४	५३	३१	२२	४३	४
५७	३८	५९	८	७४	७	३	५७
२०	४३	५६	४१	२६	२०	११	५

गोचरग्रहाः

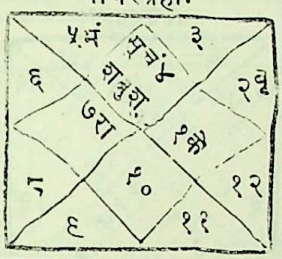

इस मास में पाँच सोमवार उत्तमहैं वर्षा श्रेष्ट होगी धान्य रुई अफीम धातु मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

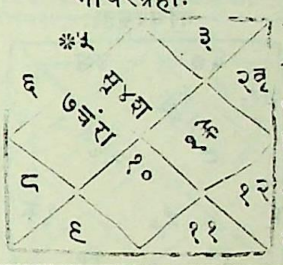

१७प.श्रा.शु.८चं.इ. १७ ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	१	४	३	६	३
१७	२३	५	४	०	१३	१४	१७
३४	१८	५२	१२	१८	१३	१९	६
१	५८	१	३६	५८	४८	२८	५२
५७	३८	०	७	७४	७	३	५७
२५	५०	२१	४	२६	२०	११	१२

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाक १८९८ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृ.महाराष्ट्राः

१	मं	५७	२	ध	५५	४३	सो	२०	१३	वा	२६	२७	३२ ५०	२६	३४	१०	१९	१३	कु. २४।४०	
२	बु	५९	१६	श	५९	१०	शो	१८	५०	ते	२८	९	५७	२७	३३	११	२०	१४	कुम्भे	
३	गु	६०	०	पू	६०	०	अ	१७	५५	व	३०	५५	४३	२७	३३	१२	२१	१५	मी ४७।५२	भ. ३०।५५ उ.
४	शु	२	३४	पू	४	५	सु	१८	२९	वि	२	३				२२		१६	मीने	भ.२।३४या.पूफायांशुक्रः ५४।७ च. ब्र.
५	श	७	५२	उ	१०	३४	धृ	१९	५३	वा								१७	मीने	कन्यायाँ भौमः २।२०
६	र	१३	११	रे	१७	३१	शू	२१	४७	ते									मे. १७।३१	चन्द्रषष्ठी ÷ ४६ १३ उदयंशनेः ४१।८
७	चं	१९	२३	अ	२५	१	गं	२४	१३	बृ									मेषे	भ. १६ उ. ५२ या.मघा.सिंहेऽर्कः १५ २७ सौरः *
८	मं	२५	३४	भ	३२	३०	शृ	२६	२८	ब									४९।१६	उफायां बुधः ९।२६जन्माष्टमी ब्र. स्मा.
९	बु	३१	१०	कृ	३९	३५	रो	४५	१७	व्या	३०	२	ते						वृषे	जन्माष्टमी ब्र. वै.
१०	गु	३५	३९	रो	४५	१७	व्या	३०	२	ते	३	२५							वृषे	कन्यायां बुधः ४८।३ गोगा ९
११	शु	३८	३८	मृ	४९	३९	ह	३०	१	व	७	८	१५						मि १७।२८	भ.७।८ उ. ३८।३८ या.
१२	श	३९	४०	आ	५२	१८	व	२९	१०	ब	९	८	११	३४				२४	मिथुने	स्वाती २ राहुः अश्वि.४ केतुः ५३ ९६ अजा+
१३	र	३८	५२	पु	५२	५९	सि	२६	२८	कौ	९	१६	८	३४	२६	२२	३१	२५	क ३७।४९	वत्स द्वादशी. + ११ ब्र.
१४	चं	३६	५	पु	५१	४५	व्य	२२	१८	ग	७	२८	५	३५	२५	२३	१	२६	कर्के	भ. ३६।५उ. रा. भाद्रपदारम्भः प्रदोषः
१५	मं	३१	२८	श्ले	४८	५५	व	१६	४०	वि	३	४७	०	३६	२४	२०	२	२७	सिं ४८।५५	भ. ३।४७ या.उफायां शुक्रः ४३।३०
२०	बु	२५	३४	म	४४	५०	प	९	५०	ना	२५	३४	३५ १९	३७	२३	२५	३	२८	सिंहे	कृतिका. ४ गुरु ४१।१३ कृशाग्रहणी.

१८पं. भा.कृ.१मं.इ १७ ५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	१	४	३	६	३
२४	२७	१७	५	८	१४	१३	२३
१६	४१	४३	६	५४	२६	५७	४७
२६	५३	४४	२२	४०	३६	१२	५९
५७	३९	९०	६	७४	७	३	५७
३३	८	४३	४०	२०	१४	११	२२

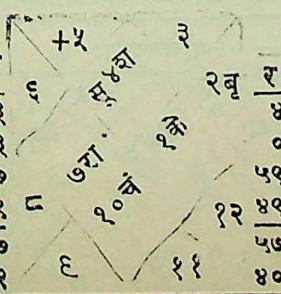

१९पंभा.कृ ७मं.इ १७ ४१

२बृ	र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
	४	५	४	१	४	३	६	४
	०	२	२६	५	५७	१५	१३	०
	५९	६	५०	५३	३१	२९	२४	३०
१२	४९	४०	२४	५३	५२	२	५७	१२
	५७	३९	७५	५	७४	७	३	५७
	४०	२५	३९	४७	१४	८	११	३४

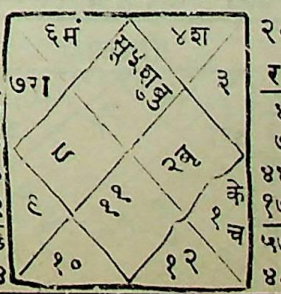

२०पं.भा.कृ.१४मं.इ. १७ ३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	१	४	३	६	४
७	६	४	६	२३	१६	१३	७
४४	३३	३	३३	७	२२	१२	१३
१७	११	७	२९	५५	५२	४१	४४
५७	३९	५७	४	७४	७	३	५७
४८	२५	२२	४०	५	२	१९	४५

+ मं.बु.शु. (स० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) * गु.सं.शु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं २०३३ शाकः १८९८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२३९स. १९७६

१	गु	१८	३२	पू	३९	३०	शि	५०	५१/३२	ब	१८	३२	३५/२	५/७८	६/२२	२६	४	२९	क.५३।१४	आश्लेषा.१शनिः ४३।४१
२	शु	११	११	उ	३४	८	सा	४६	३३	की	११	११	४८	३८	२२	२७	५	३०	कन्यायां	कन्यायां शुक्रः २५।२९ चन्द्रदर्शनम्
३	श	३	२५	ह	२८	३७	शु	३५	३८	ग	३	२५	४४	३९	२१	२८	६	१	तु.५६।२	भ. २९।५१उ. ५६।१८या. गणेश४*
४	र	५२	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५	०	*रमजान १
५	र	४९	१७	चि	३३	२८	शु	२४	५८	ब	२२	४७	४०	४०	२०	२९	७	२	तुलायां	हस्ते भौमः ४१/४२ हस्ते बुधश्च ८।५ऋषि५
६	चं	४३	१७	स्वा	१८	५२	ब्र	१९	२	की	१६	१७	३६	४१	१९	३०	८	३	तुलायां	पूफायांरविः ५।४ (सौरः३७।५)
७	मं	३७	५६	वि	१४	५०	ऐं	११	२९	ग	१०	३६	३२	४२	१८	३१	९	४	वृ. ०।५१	भ.३७।५६ उ.
८	बु	३३	२८	अ	११	४८	वै	२५/४	५३/१०	वि	५	४१	२८	४२	१८	१	१०	५	बृश्चिके	भ. ५।४१या. सितम्बर ९ ता. ३०
९	गु	२९	५९	ज्ये	९	४१	मी	५२	५६	बा	१	४३	२५	४३	१७	२	११	६	ध.९।४१	=जलझूलनी ११ब्र.
१०	शु	२७	२३	मू	८	३६	आ	४८	१९	ग	२७	२३	२१	४४	१६	३	१२	७	धनुषि	भ. ५/६/३उ. रामदेवजीका मेला नवलदुर्गे
११	श	२५	५३	पू	८	२०	सौ	४४	३०	वि	२५	५३	१७	४५	१५	४	१३	८	म.२३।२५	भ. २५।५३या. हस्ते शुक्रः ३४।३२=
१२	र	२५	१९	उ	९	२	शो	४१	३७	बा	२५	१९	१३	४५	१५	५	१४	९	मकरे	वामन जयन्ती. प्रदोषः
१३	चं	२५	५१	श्र	१०	५९	अ	३९	२३	तै	२५	५१	९	४६	१४	६	१५	१०	कु.४२।२७	वक्री बुधः ४४।२२
१४	मं	२७	२९	ध	१३	५६	सु	३८	१६	व	२७	२९	५	४७	१३	७	१६	११	कुंभे	म. २७।२९उ.५८.५५या. अनन्त १४
१५	बु	३०	२०	श	१७	५३	धृ	३७	५३	ब	३०	२०	१	४८	१२	८	१७	१२	कुंभे	महालय श्राद्धारम्भः

२१पं.भा.शु.७मं.इ.१७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	१	५	३	६	४
१४	११	११	७	४	१७	१२	१३
२९	३	१५	३	४४	१४	५०	५८
५६	१८	४३	४०	३१	२८	२६	५६
५८	२९	३५	३	७३	६	३	५७
१	४२	८	३१	५६	४४	११	५७

गोचरग्रहाः

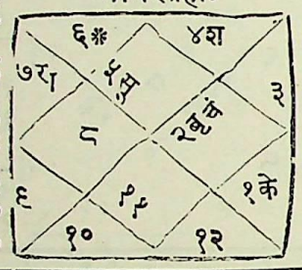

भाद्र. कृ.६ चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र. वा. ५ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु ३०धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.

गोचरग्रहाः

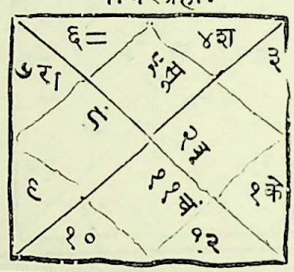

२२पं.भा.शु.१४मं.इ.१७/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	१	५	३	६	४
२१	१५	१४	७	१३	१८	१२	२०
१६	३५	३	३५	२०	३	१८	४५
५५	६	२५	४१	१३	७	१०	३६
५८	२९	५/९	२	७३	६	३	५८
१३	५८	ब	१२	५०	३२	११	१२

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०३३ शाकः १८९८ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति महा.

१	गु	३४	२५	पू	२२	५३	शु	३८	१६	बा	२	२२	३०/७	५/४९	६/११	९	१८	१३	मी ६।२९	
२	शु	२९	२५	उ	२९	१	गं	३९	४४	तै	६	५७	५३	४९	११	१०	१९	१४	मीने	*२५।२७ पश्चिमास्तं बुधः १९।३३
३	श	४५	११	रे	३५	४६	बृ	४१	१७	व	१२	२०	४७	५०	१८	१३	२०	१५	मे. ३५।४६	भ. १२।२० उ. ४५।११ या.
४	र	५१	१८	अ	४३	७	शु	४३	३४	ब	१८	१४	४४	[illegible]					कुंभे	उफायां रविः ४९।२४ चतुर्थी ब्र.
५	चं	५७	२५	भ	५०	५०	व्या	४६	१	की	२४	२६	४	[illegible]					बृ. २८	उफा. रविः सौरः २१।४३
६	मं	६०	०	कृ	५८	२७	ह	४१	३१	गं	३०	३	[illegible]			०	३०	१८	बृश्चिके	
६	बु	३	४२	रो	६०	०	च	५०	१८	व	३	[illegible]				२१	११	१९	बृश्चिके	भ. ३।४२उ. ३६।११या. चित्रा.शुक्रः*
७	गु	८	४०	रो	५	५	सि	५१	३०	ब	८	[illegible]				२२	२०	ध.५।२५		कन्यायामर्कः १४।४५ (सौरः४६।५३)
८	शु	१२	४०	मृ	१०	३७	व्य	५१	२२	की	१२	४०	[illegible]			२३	२१		मिथुने	B१०।१०वक्री गुरुः४२।१६
९	श	१४	४८	आ	१४	३४	व	४९	५८	गं	१४	४८	[illegible]			२४	२२	२२	मिथुने	भ.४/४उ. वक्री उफायां बुधः ४२।४८
१०	र	१४	५९	पु	१६	३८	प	४६	५६	वि	१४	५९	[illegible]			२५	२२	२३	क.१।७	भ. १४।५९ या. चित्रायां भौमः B
११	चं	१३	१०	पु	१६	४३	शि	४२	१३	बा	१३	१०	१२	५८	[illegible]	२६	२९	२४	कर्के	तुलायां शुक्रः ५१।३९ इंदिरा ११ ब्र.
१२	मं	९	१०	श्ले	१४	४१	सि	३५	५४	तै	९	१०	८	५८	२	२१	३०	२५	सिं १४।४१	प्रदोषः
१३	बु	३	२६	म	११	५५	सा	२८	१६	व	३	२६	४	५९	१	२२	३१	२६	सिंहे	भ. ३।२६ उ. २९।४१ या. शस्त्रादि+
१४	बु	५२	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+हतानां श्रा.
३०	गु	४७	३५	पू	३/४	५३/४	शु	१९	१७	च	२१	४५	३०/०	६/०	६/०	२३	१	२७	क.१८।५८	रा. आश्विनारंभः सर्वपितृ ३०

२३पं.आ.कृ.६मं.इ.१७।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	१	५	३	६	४
२८	२०	१२	७	२१	१८	१२	२७
५	९	५२	३७	५५	५०	५	३३
२४	२२	८	५५	५९	४२	५४	५८
५८	४०	४४	०	७३	६	३	५८
२६	१०	ब	५५	४४	१९	११	२९

गोचरग्रहाः

आ. कृ. ७ गुरौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४न.५ कुमार्यवस्था (बैठी)मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रो.प.

गोचरग्रहाः

२४पं.आ.कृ१२.मं.इ.५/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	१	६	३	६	५
५	२४	६	७	०	१९	११	४
५५	४१	२८	४०	३१	३५	४३	२४
१९	२५	३९	२२	४५	१७	३९	५
५८	४०	२८/७	२९/०	७३	५	३	५८
३८	२६	ब	ब	३६	५२	११	४५

*बु.शु.मं ×बु.मंशु. (सं० २००१ चमारंभ २१०० पर्यन्तम्) =मं.बु.शु.

CC-0. Gurukul Kangri Vishwavidyalaya Haridwar Collection. Digitized by eGangotri 3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | शरदतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२६८स१९७६

१	शु	३८	३५	ह	५२	५	शु	३१	४७	कं	१३	५	२६	६	५	२४	२	२८	कन्यायां
२	श	२९	२७	चि	४५	११	ऐं	४९	१४	बा	४	१	५१	२	५८	२५	३	२९	तु. १८। ३८
३	र	२०	४८	स्वा	३८	२९	वै	३९	१२	ग	२०	४८	४७	३	५७	२६	४	१	तुलायां
४	चं	१२	५०	वि	३२	३१	वि	२९	४०	वि	१२	५०	४३	३	५७	२७	५	२	बृ. १९। ०
५	मं	९	५७	अ	२७	५७	प्री	२१	७	वा	९	५७	३८	४	५६	२८	६	३	बृश्चिके
६	बु	०	१९	ज्ये	२४	२६	आ	१३	५५	तै	०	१९	३४	५	५५	२९	७	४	ध. २४। २६
७	बु	५५	५३		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	गु	५३	३९	मू	२२	३०	सो	७	२९	वि	२४	५५	३०	६	५४	३०	८	५	धनुषि
९	शु	५२	२६	पू	२१	५८	शो	२९	५९	वा	२३	२	२६	७	५३	१	९	६	म. ३७। १३
१०	श	५२	४६	उ	२२	५८	सु	५५	४४	तै	२२	३६	२२	८	५२	२	१०	७	मकरे
११	र	५४	२०	श्र	२५	१७	धृ	५४	१२	च	२३	३२	१८	८	५२	३	११	८	कु. ५७। १
१२	चं	५६	५७	ध	२८	४६	शू	५२	२५	ब	२५	३८	१४	९	५१	४	१२	९	कुम्भे
१३	मं	६०	०	श	३३	३२	गं	५२	४३	कौ	२८	५६	१०	१०	५०	५	१३	१०	कुंभे
१३	बु	०	५५	पू	३९	२१	वृ	५४	१४	तै	०	५५	६	११	४९	६	१४	११	मी २२। ५४
१४	गु	५	३२	उ	४५	३९	ध्रु	५५	४१	व	५	३२	२	१२	४८	७	१५	१२	मीने
१५	शु	११	४	रे	५२	२८	व्या	५७	२९	ब	११	४	२	१२	४८	८	१६	१३	मे. ५२। २८

मातामह श्रा. नवरात्रारंभ.
आश्लेषा. २ शनिः २। ५९ चंद्रदर्शनम्
भ ४/९ उ. हस्तेरविः ३/१ (सौरः ५/३९) स्वा÷
भ. १२। ५० या. ÷त्यांशुक्रः १/१ ५/ स. १०
+बुधः १/२ २/ बुधोदयः पूर्वस्याम् २/९ भौमा*
भ. ५/१ ९/ उ. तुलायांभौमः ८। ३६ वक्रीसिंहे+
❀स्तः ५९। ४१
भ. २४। ५५ या. सरस्वत्या वाहनम्
मार्गीबुधः १९। ५। ५ अक्टूबर १० ता. ३१×
विजयादशमी सरस्वती विसर्जनम्
भ. २३। ३२ उ. ५४। २० या. कन्या.=
=बुधः ४४। २६ पापांकुशा ११ व्र,
प्रदोषः ×सरस्वती पू. बलिदानं च

भ. ५। ३२ उ. ३८। १८ या. विशाखा.*
*शुक्रः १/४ शरद्पूर्णिमा कोजागरीव्र तं

२५पं.आ.शु.५मं.इ. १६। ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	१	६	३	६	५
११	२९	०	७	९	२०	११	११
४६	२४	३४	३३	७	१७	२१	१६
५५	१४	१	५४	८	४६	२३	८
५८	४०	४९/४४	१/४७	७३	५	३	५९
५३	२९	ब	ब	२३	३०	११	०

गोचरग्रहाः

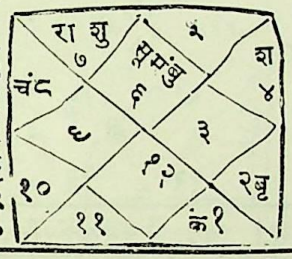

इस मास के आ. बुध शुक्र का योग उत्तम वर्षाकारक है। अनाज गल्ला मन्दा गुड़ खाँड़ किराणा तेज हो।

गोचरग्रहाः

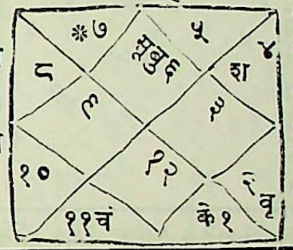

२६पं.आ.शु.१३म.इ.१६। ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	१	६	३	६	५
१८	४	१	७	१७	२०	१०	१८
४०	६	५	१६	४१	५६	५९	९
८	२९	६	५८	२१	१३	७	५५
५९	४०	४७/३३	१/५२	७३	५	३	५९
९	५३	मा	ब	१४	२	११	१६

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०३३ शाकः १८९८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | शरदर्तूरविर्दक्षिणेऽाश्विनकृष्णेतिमहा.

१	श	१६	५८	अ	५९	५०	ह	५९	४३	कौ	१६	५८	२८	६/५४	१/३	४/४७	९	१७	१४	मेषे
२	र	२३	१५	भ	६०	१०	व	६०	०	ग	२३	१५	५०	१/५	१/४६	१०	१८	१५	मेषे
३	चं	२९	३४	भ	७	१८	व	२	१	वि	२९					११	१९	१६	वृ. २४। ११
४	मं	३५	३७	कृ	१४	४९	सि	४	२७	कृ								१७	वृषे
५	बु	४०	५७	रो	२	३	व्य	६	२९	कृ									मि ५५। ४
६	गु	४५	३५	मृ	५	४	व	७	५८										मिथुने
७	शु	४८	३५	आ	३३	१४	प	८	४९										मिथुने
८	श	५०	१	पु	३६	४९	शि	१८	२५	बृ									ब. २०। ५५
९	र	४९	४३	पु	३८	४१	सि	६	४२	तै	१९	५९							कर्के
१०	चं	४७	१३	श्ले	३८	२६	सा	३/२	५५/२०	व	१८	२८							सिं ३८। २६
११	मं	४२	४९	म	३६	२८	शु	५२	२६	ब	१४	१							सिंहे
१२	बु	३६	२८	पू	३२	१४	व	४४	४५	कौ	९	३८							क. ४५। ५१
१३	गु	२८	४३	उ	२६	४०	ऐं	३५	३५	ग	२	३५							कन्यायां
१४	शु	१९	४०	ह	१९	५४	वै	२५	२४	श	१९	४०							तु. ४६। ७
३०	श	१०	४	चि	१२	१९	वि	१४	४४	ना	१०	४							तुलायाँ

चित्रायां रविः ५/५९-स्वात्यां भौमः ५/४७
भ ५६। २५ उ. चित्रा. रविः सौरः ३०। ०
भ. २९। ३४ या. चतुर्थी व्र.
÷अश्वि. ३ केतुः ५/५१ रा. कार्तिकारंभः*
हस्ते बुधः १८। ८ ❀अन्नकूट गोवर्द्धनम्
भ. ४/३५ उ. वक्री कृत्तिका ३ गुरुः ४२। ४६
भ. १७। ५ या. वृश्चिके शुक्रः २१। १५
तुलायामार्कः ४३। ३८
तुलार्कः सौरः १२। ४३
भ. १/२८ उ. ४७। १३ या. अनुः शुक्रः २। १२
बुधास्तः पूर्वस्यां ०। ४७ रमा ११ व्र.
+ बुधः २६। ४६ प्रदोष व्र. धन १३
भ. २/३ उ. ५४। २१ या. चित्रा.+
रूप १४ प्रभातस्नानं महालक्ष्मीपूजनम्
स्वात्यांरविः २/४० (सौरः ५/३९) स्वा. १ राहुः÷

२७पं.का.कृ.४ मं.इ. १६। २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	१	६	३	६	५
२५	८	८	६	२६	२१	१०	२५
३५	५१	३०	५०	१५	३१	३६	५
६	४	५७	१७	२२	१६	५२	३७
५९	४१	८६	१/३	७२	४	३	५९
२१	४	४७	ब	५६	३८	११	३१

गोचरग्रहाः

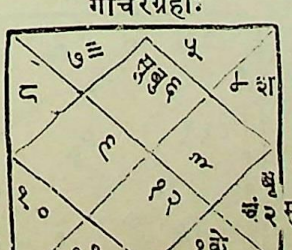

का. कृ. ८ शनौ तुलायामर्कः प्र. वा. ३न. ४ गता लकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु. प.

गोचरग्रहाः

२८पं.का.कृ११मंइ. १६। १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	१	७	३	६	६
२	१३	१९	६	४	२२	१०	२
३१	३७	४२	१५	४९	२	१४	३
३४	८	४	२५	५९	२८	३६	४
५९	४१	०/१३	५/७२	४	३	५९	
३४	२०		२५	४३	०	११	४६

❀ शु मं रा.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०३३ शाकः १८९८ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२९८सं १९७६

१	र	०	१३	स्वा	२३	२६	प्री	३७	४९	ब	०	१३	२७	६	५	२४	२	२९	बृ	४३।४३
२	र	५०	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	चं	४२	८	अ	५०	१	सौ	४२	२६	तै	१६	२३	५०	२६	३४	२५	३	१		वृश्चिके
४	मं	३४	३५	ज्ये	४४	२८	शो	३२	८	व	८	२२	४६	२७	३३	२६	४	२		ध.४४।२८
५	बु	२८	५४	मू	४०	३४	अ	२४	४८	ब	१	४४	४२	२८	३२	२७	५	३		धनुषि
६	गु	२४	५६	पू	३८	२६	सु	१८	७	तै	२४	५६	३६	२८	३२	२८	६	४		म.५३।२०
७	शु	२२	५५	उ	३८	४	धृ	१२	५७	व	२२	५६	३५	२९	३१	२९	७	५		मकरे
८	श	२२	५५	श्र	३९	५६	शू	९	१	ब	२२	५५	३१	३०	३०	३०	८	६		मकरे
९	र	२४	३१	ध	४३	१७	गं	६	५८	कौ	२४	३१	२७	३१	२९	३१	९	७		कु.११।३६
१०	चं	२७	४१	श	४८	४	वृ	५	५४	ग	२७	४१	२४	३१	३९	१	१०	८		कुम्भे
११	मं	३२	११	पू	५४	५	ध्रु	६	३२	वि	३२	११	२०	३२	२८	२	११	९		मी३७।३५
१२	बु	३७	३१	उ	५९	५२	व्या	७	१५	ब	४	५१	१६	३३	२७	३	१२	१०		मीने
१३	गु	४३	३०	रे	६०	०	ह	८	५७	कौ	१०	३१	१३	३३	२७	४	१३	११		मीने
१४	शु	४९	४४	रे	८	१	व	१०	५८	ग	१६	३७	९	३४	२६	५	१४	१२		मे.८।१
१५	श	५६	४	अ	१५	२८	सि	१३	१०	वि	२२	५३	६	३५	२५	६	१५	१३		मेषे

चन्द्रदर्शनम् भ्रातृद्वयम २

≡वैकुण्ठ १४

तुलायां बुधः २१।२४ जिल्काद ११

भ. ८।२२उ. ३४।३५या.

५११।१० विशाखा. बुधः २९।५

विशाखा भौमः ३/४ स्वात्यां बुधः ५६।६

भ.२२।५९उ. ५/३ या. ज्येष्ठायां शुक्रः १।४३

गोपाष्टमी

अक्षय ९ कुष्मांड ९

भ. ५९।५६उ. नवंबर ११ ता. ३०

म. ३२।११ या. प्रबोधिनी ११ ब्र. *

*तुलसीविवाहः

प्रदोषः

भ.४९।४४उ. विशाखा. रविः ४६।३≡

भ.२२।५३या. विशाखा. रविः सौरः×

२९पं.का.शु.४मं.इ. १६।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१	७	३	६	६
९	१८	१	५	१३	२२	९	९
२९	२६	३३	३२	२०	२८	५२	२
५९	१	२५	४६	६	१६	२१	२६
५९	४१	०	२९	७२	२	३	६०
४७	३०	२८	ब	२५	२६	११	२

गोचरग्रहाः

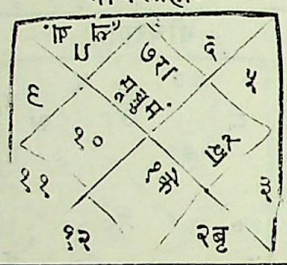

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं अग्निभय और धान्य जौ गेहूं आदि तेज रहे रोग पीड़ा हो ।

गोचरग्रहाः

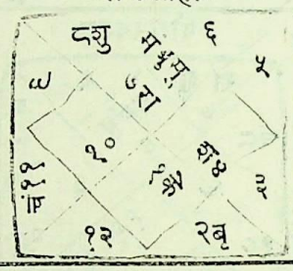

३०पं.का.शु.११मं.इ.१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१	७	३	६	६
१६	२३	१३	४	२१	२२	९	१६
९	२८	१६	४३	२१	४९	२०	३
२८	२५	४८	३७	१८	४९	५	३०
६०	४१	०	०	७२	२	३	६०
४	५०	३७	ब	२३	११	१८	

ति. मार्गशीष कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेकार्तिक कृ. महाराष्ट्रः

१	र	६०	०	म	२२	५१	व्य	१५	२९	बा	२९	१३	२७	६	५	२४	७	१६	१४	बृ	३९।४३
१	चं	२	२३	कृ	३०	१७	ब	१७	३६	कौ	२	२३	२५	३६	२६	२४	८	१७	१५		वृषे
२	मं	८	१६	रो	३७	३	प	१८	२०	ग	८	१६	५६	३७	२३	९	१८	१६			वृषे
३	बु	१३	१६	मृ	४३	८	शि	२०	४६	वि	१३	१६	५३	३७	२३						१०।५
४	गु	१७	४३	आ	४८	३५	सि	२१	३६	बा	१७	४३	४९								
५	शु	२०	५५	पु	५२	५४	सा	२१	३१	तै	२०	५५	४९								
६	श	२३	५	पु	५५	३३	शु	२०	३३	व	२३	५									
७	र	२३	४४	श्ले	५७	१४	शु	१८	३५	ब	२३	४४									
८	चं	२२	४२	म	५७	१	च	१५	१७	कौ	२२	४									
९	मं	२०	३	पू	५५	४	ऐं	१०	२७	ग	२०	१०									
१०	बु	१५	२३	उ	५१	३२	वै	४	५३	वि	१५	२									
११	गु	९	२६	ह	४६	५९	प्री	४८	१८	बा	९	२६									
१२	शु	१	५८	चि	४०	२	आ	३९	४३	तै	१	५८	२६	४३	१७	१९	२८	२६			
१३	श	५१	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			०
१४	श	४३	५८	स्वा	३२	४७	सो	२८	७	वि	१८	४४	२४	४३	१७	२०	२९	२७			तुलायां
२०	र	३४	१६	वि	२५	२	शो	१७	२३	च	९	७	२१	४४	१६	२१	३०	२८		बृ	११।५८

*भौमः २९।३० आश्लेषा. २ शनि. २१।३९

मूले धनुषि शुक्रः ५८।३३

भ. ४ ।४६उ.

भ. १३।१६या. चतुर्थी ब्र.

बृश्चिके भौमः ४८।११

बृश्चिके बुधः ३५ कृत्तिका. २गुरुः ५१/४४

भ. २३।५उ. २५या.

अनु. बुधः ५६।२६

बृश्चिकेऽर्कः ४२।५

भ.४७/३उ.बृश्चिकेऽर्कः सौरः ५।२७अनु.*

भ. १५।२३ या

उत्पत्ति ११ ब्र.

भ.५३।२९उ अनु. रविः०।२५(सौरः× × ३३/५५) पूषायाँ शुक्रः ५८।४ प्रदोषः

भ. १८।४४या.

३१पं.मा.कृ.२मं.इ.१५।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१	८	३	६	६
२३	२८	२४	३	०	२३	९	२३
३०	१२	४०	४९	२०	८	७	६
५८	५८	४५	५५	३१	२०	४९	७
६०	४२	०	४४	७१	१	३	६०
१७	७	२	ब	४२	५९	११	३०

गोचरग्रहाः

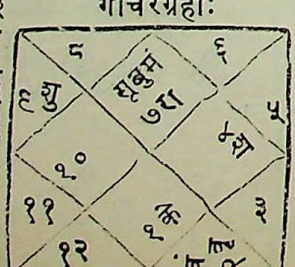

मा. कृ. ८ चन्द्रे बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम ।

गोचरग्रहाः

३२पं.मा.कृ.९मं.इ.१५।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१	८	३	६	७
०	३	५	२	८	२३	८	०
३३	१०	३१	५३	४८	१९	४५	१०
४७	८	१	१७	११	५२	३४	११
६०	४२	९९	५२	७१	१	३	६०
३०	१६	२६	ब	१८	१८	११	४०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | मार्गशीष शुक्लपक्षः स.२०३३शाकः१८९८|दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१३२७स.१९७६

१	चं	२४	५१	अ	१७	२७	अ	६	४६	ब	२४	५१	२६	४४	५	२२	१	२९	वृश्चिके	रा. मार्गशीर्षारंभः
२	मं	१६	२१	ज्ये	१०	३२	धृ	४६	१३	कौ	१६	२१	१६	४५	१५	२३	२	३०	ध.१०।३२	ज्येष्ठायां बुधः १२।११ चन्द्रदर्शनम्
३	बु	९	४	मू	४	४६	शू	३७	४२	ग	९	४	१३	४५	१५	२४	३	१	धनुषि	भ. ३६।२२ उ. जिल्हेज १२
४	गु	३	४०	पू	०	५७	गं	३०	३०	वि	३	४०	११	४६	१४	२५	४	२	म.१५।४	भ. ३।४० या.
५	शु	०	१२	ध	५८	२०	वृ	२५	८	वा	०	१२	८	४६	१४	२६	५	३	मकरे	चम्पा ६
६	शु	५८	३६	ध	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	६	०	०	
७	श	५९	३७	ध	६०	०	धृ	२१	१७	ग	२९	१३	६	४७	१३	२७	६	४	कु.२९।३४	भ. ५९।३७ उ.
८	र	६०	०	व	०	३८	व्या	१९	२९	वि	३१	२६	३	४७	१३	२८	७	५	कुम्भे	भ. ३१।२६ या. वक्री शनिः ५।५१
८	चं	२	१४	श	४	२९	ह	१९	५	ब	२	१४	१	४७	१३	२९	८	६	मी५३।३२	+शुक्रः१०।३ दिसम्बर१२ता.३१
९	मं	६	३८	पू	९	५२	ब	१९	१४	कौ	६	३८	२५/९	४८	१२	३०	९	७	मीने	बुधोदयः पश्चिमायां ४०।२०.
१०	बु	१२	३	उ	१६	२९	सि	२०	५६	ग	१२	३	५७	४९	११	१	१०	८	मीने	भ.४५/१६या.मूले धनुषि बुधः:५१/२उषायां+
११	गु	१८	२४	रे	२३	५५	ल्य	२३	७	वि	१८	३४	५५	४९	११	२	११	९	मे. २३।५५	भ. ५८/३४या.ज्येष्ठा.रविः१०/३५ (सौरः३०/१५)×
१२	शु	२४	१६	अ	३१	२६	ब	२५	२२	वा	२४	१६	५३	४९	११	३	१२	१०	मेषे	मकरे शुक्रः५२/३७
१३	श	३१	२३	भ	३९	५	प	२७	४३	तै	३१	२३	५१	५०	१०	४	१३	११	बृ.५५।५२	प्रदोषः ×मोक्षदा११ब्र. गीताजयंती
१४	र	३७	२९	कृ	४६	१३	शि	२९	४०	ग	४	२६	४९	५०	१०	५	१४	१२	वृषे	भ. ३७/२९ उ. ज्येष्ठायां भौमः ०।५०
१५	चं	४३	०	रो	५२	३७	सि	३७	१९	वि	१०	१४	४८	५०	१०	६	१५	१३	बृषे	भ. १०।१४ या. दत्तजयंती

३३पं.मा.शु.२म.इ.१५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१	८	३	६	७
७	८	१६	१	१७	२३	८	७
३७	९	४५	५७	१२	२६	२३	१५
३७	२२	०	०	४०	१७	१८	८४
६०	४२	९६	५७/२	७०	०	३	६०
४२	२६	५९	ब	४७	३६	११	५३

गोचरग्रहाः

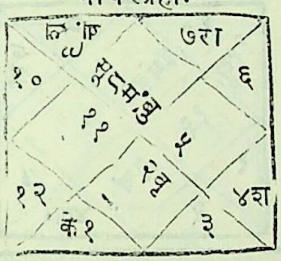

इस मास का फल श्रेष्ठ है, अनाज मंदा होगा। सुदी में मंगलवार को चद्रदर्शन होगा यह तेजी कारक है

गोचरग्रहाः

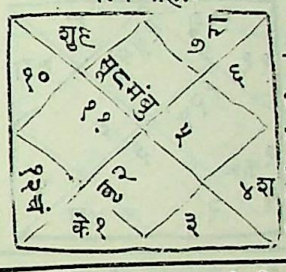

२४पं.मा.शु.९म.इ.१५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१	८	३	६	७
१४	१३	२७	१	२५	२३	८	१४
४२	११	२८	१	३५	२७	१	२२
२४	३१	५१	१	४२	०	३	२०
६०	४२	९४	३७/४	७०	१९/०	३	६१
५०	४६	३७	ब	११	ब	११	३

ति.| पौष कृष्णपक्षः सं. २०३३शाकः १८९८ दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	४७	२९	पू	५८	२९	सा	३२	२८	श्र	१५	१४	२५/९	५१	६	७	१६	१४	मि२५।४२	
२	बु	५१	२३	आ	६०	०	शु	३२	४२	तै	१९	२६	५५			८	१७	१५	मिथुने	वक्री कृ. मेषे गुरुः ३८।४८
३	गु	५३	५७	आ	३	२३	शु	३२	१८	च	२०	२७				९	१८	१६	क.५१।१६	भ.४०/२२उ.५३/५७या.वक्री आश्ले.२शनिः५७/६
४	शु	५५	२३	पु	७	१०		३१	१३							१०			कर्के	पूषायाँ बुधः ५०।११ चतुर्थी ब्र.
५	श	५६	१					२९								११			कर्के	
६	र	५५	३९					२६								१२			११।५३	भ. ५५।३७ श्रवणे शुक्रः २५।५९
७	चं	५३	३२	म	१२	३२	वि	२२	२०							१३			सिंहे	भ. २४।३४ या.
८	मं	५०	३७	पू	१२	१२	गी	१७	२८	बा	२९	३				१४			२६।४३	
९	बु	४६	२३	उ	१०	१६	आ	११	३३	तै	१८	२९				१५			कन्यायां	मूले धनुष्यर्कः १७।४७ (सौरः ३३/५९)
१०	शु	४०	४६	ह	७	१६	सौ	४/५	५२	च	१३	३४				१६			बु.३५।५	भ. १३।३४ उ. ४०।४६ या.
११	शु	३४	८	चि	५/६	५३/८	अ	४८	९	ब	७	२७				१७			तुलायां	सफला ११ ब्र.
१२	श	२६	३०	वि	५१	३२	सु	३८	३९	कौ	०	१९				१८			वृ.३८।३	प्रदोषः
१३	र	१८	१७	अ	४४	५३	धृ	२८	३४	व	१८	१७				१९			वृश्चिके	भ. १८।१७ उ. ४३।५८ या.
१४	चं	९	२९	ज्ये	३८	१७	शू	१८	२९	श	९	३९				२०			ध. २८।१७	
३०	मं	१	२४	मू	३२	८	गं	४०	५२	ना	१	२४				२१			धनुषि	उषायां बुधः ४१।६

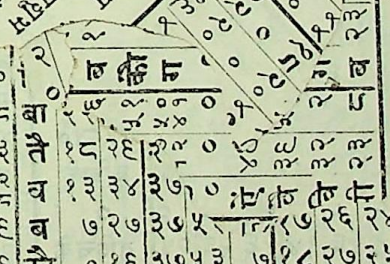

३५पं.पौ.कृ.१मं.इ.५/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	१	९	३	६	७
२१	१८	८	०	३	२३	७	२१
४८	१५	१७	९	५४	२२	३८	३०
५८	५८	१	३२	७	३४	४७	१६
६०	४२	८९	४९/६	६९	५७	३	६१
५६	५४	३९	ब	२७	ब	११	११

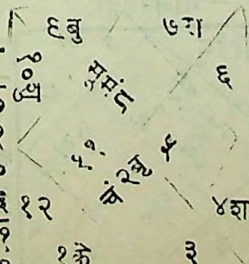

३६ पं.पौ.कृ.८मं.इ. १४/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	०	९	३	६	७
२८	२३	१७	२९	१२	२३	७	२८
५५	२२	५२	२५	६	१२	१६	३८
५२	५५	२३	५	११	५	३१/१	५९
६१	४३	७९	४९/८	६१	४४	३	६१
०	१३	५५	ब	४४	ब	११	१९

३७पं.पौ.कृ.३०मं.इ.१४/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	०	९	३	६	८
६	२८	२६	२८	२०	२२	६	५
३	३२	१४	४४	१७	५७	५४	४८
२९	६	१७	४२	२०	११	१६	२४
६१	४३	५७	५३/५	६७	१९/२	३	६१
४	३१	३२	ब	४७	ब	११	२२

(सं० २००१समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| पौष शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८ |दि.|उ.|अ|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः |हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणाः १३५७स १९७६

१	मं	५२	२२	०	०	०	०	०	८	०	०	०	८	८	०	०	०	०	०
२	बु	४७	३८	पू	२६	५८	धु	५१	३२	बा	२०	१३	२५/३६	६/५३	५७	२२	१	२९	म.४१.१६
३	गु	४३	४	उ	२३	३२	व्या	४४	४१	तै	१५	२१	३६	५३	७	२३	२	१	मकरे
४	शु	४०	३०	श्र	२१	४६	ह	३९	२१	व	११	४७	२७	५३	७	२४	३	२	कु.५.२.१
५	श	४०	२	ध	२२	१६	व	३५	४३	ब	१०	१६	३७	५३	७	२५	४	३	कुम्भे
६	र	४१	४०	श	२४	३५	सि	३४	५	कौ	१०	५१	३७	५३	७	२६	५	४	कुम्भे
७	चं	४५	२४	पू	२८	४७	व्य	३३	४५	ग	१३	३२	३८	५२	८	२७	६	५	मी १२.४४
८	मं	५०	२२	उ	३४	३५	व	३४	२२	वि	१७	५३	३८	५२	८	२८	७	६	मीने
९	बु	५६	३२	रे	५१	४०	प	३६	१३	बा	२३	२९	३९	५२	८	२९	८	७	मे.४१.४०
१०	गु	६०	०	अ	४९	८	शि	३८	१३	तै	२९	४५	४०	५२	८	३०	९	८	मेषे
११	शु	२	५८	भ	५७	२०	सि	४०	३७	ग	२	५८	४१	५२	८	३१	१०	९	मेषे
११	श	९	३५	कृ	६०	०	सा	४२	३७	वि	९	३५	४२	५२	८	१	११	१०	वृ.१४.१
१२	र	१५	३६	कृ	४	८	शु	४४	२५	बा	१५	३६	४३	५१	९	२	१२	११	बृषे
१३	चं	२०	५७	रो	१०	४६	शु	४५	२६	तै	२०	५७	४४	५१	९	३	१३	१२	मि४३.३१
१४	मं	२४	५३	मृ	१६	१७	न	४६	१३	व	२४	५३	४६	५१	९	४	१४	१३	मिथुने
१५	बु	२८	०	आ	२०	३२	ऐं	४४	२३	ब	२८	०	४७	५१	९	५	१५	१४	मिथुने

≡शुक्रः ३९.३३
चन्द्रदर्शनम रा. पौषारंभः
मूले धनुषि भौमः ३०/३३ धनिष्ठा.शुक्रः ५६/३३+
११.४७उ. ४०.३० या.
चित्रा.४राहुः अश्वि.२केतुः ४३.३६
+मोहोरम १ सन् १३९७हि.
भ. ४५.२४उ.
भ. १७ ५३या.पूषायां रविः २२.४३÷
कुंभे शुक्रः ४९.२३
÷(सौरः ३५.३७)वक्री बुधः १२.२१
भ. ३६.१६उ.पश्चिमास्तो बुधः४१.४
भ. ३५या जनवरी१ता. ३१सन१९७७×
वक्री पूषायां बुधः ५७.२४प्रदोषः
×पुत्रदा ११ ब्र.
भ. २४.५३ उ. ५६.२६ या. शते≡
माघ स्ना. प्रा.

२८पं.पौ.शु.८मं.इ.१४.२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	८	९	३	६	८
१३	३	२९	२८	२८	२२	६	१२
११	४३	४३	१४	१९	३६	३२	५८
३१	३४	३४	२८	४३	५८	०	१६
६१	४३	१४/०	४०/३	६६	३/१	३	६१
६	३५	ब	ब	४०	ब	११	२६

गोचरग्रहाः

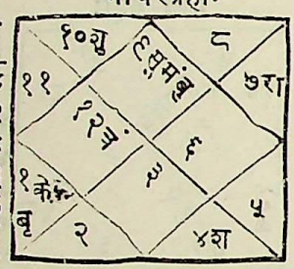

पौष कृ. ९. बुधे धनुष्यर्कः प्र. वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

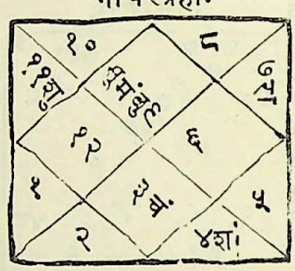

३९पं.पौ.शु१४मं.इ.१४.१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	०	१०	३	६	८
२०	८	२४	२७	६	२२	६	२०
१९	५७	४५	५३	१२	१३	९	८
२६	४	४७	३५	३२	८	४५	१३
६१	४३	८९/७	२/२०	६५	३	३	६१
६	५१	बु	बु	१६	४२	११	२६

ति.| माघ कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८ |दि.|उ.|अ|इं.|रा.|मु.| चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृ.महाराष्ट्राः

१	गु	२९	३६	पु	२३	३९	वै	४२	२७	कौ	२९	३६	२५/४७	६/५१	५/९	६	१६	१५	क ७.५२
२	शु	३०	१०	पु	२४	५३	वि	३९	४३	ग	३०	१०	४९	५०	१०	७	२/१८	१६	कर्के
३	श	२९	४३	श्ले	२६	४३	प्री	३६	७	वि	२९	४३	५१	५०	१	२३	[illegible]	६.४३	
४	र	२८	१	म	२६	४८	आ	३१	५८	बा	२८	१	५२	[illegible]				१०.	
५	चं	२५	४६	पू	२६	२	सो	२७	१	तै	२५	४६	५३						कुंभे
६	मं	२२	४०	उ	२४	३४	शो	२१	१७	व	२२	४०	[illegible]			०	३०	१८	बृश्चिके
७	बु	१९	२	ह	२४	१९	अ	१५	१६	ब	१९	२	[illegible]			२१	११	१९	बृश्चिके
८	गु	१४	३८	चि	२२	३७	सु	८	३२	कौ	१४	३८	[illegible]			२२	२	२०	ध.५.२१
९	शु	९	३८	स्वा	१६	११	धृ	२७/१	५३/१३	ग	५	३८	[illegible]			२३	३	२१	
१०	श	३	४९	वि	११	५६	गं	४५	२६	वि	३	४९	[illegible]			२४	४	२४	बृश्चिके
११	श	५४	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[illegible]			२५	५	०	०
१२	र	५०	४९	अ	७	१७	वृ	३६	४६	कौ	२४	३८	८	४६	१४	१६	२६	२५	वृश्चिके
१३	चं	४४	७	ज्ये	१४/२	५५/१३	ध्रु	२८	१५	ग	१७	२८	१०	४६	१४	१७	२७	२६	ध.२.१४
१४	मं	३७	३८	पू	५३	०	व्या	१९	५७	वि	१०	५२	१२	४६	१४	१८	२८	२७	धनुषि
३०	ब	३१	५३	उ	४९	३८	ह	१२	७	च	४	४४	१५	४५	१५	१९	२९	२८	म.७.१०

भ. ५९.५६ उ.
भ. २९.४३या. चतुर्थी ब्र.
=पूषायां भौमः २.१
[illegible]षायां रवि[illegible]२५ क्रीकृ (सौरः ३७.४)
भ. [illegible].२३.४०उ [illegible]या.
बुधोदयः पूर्वस्यां [illegible].३३
मकरेऽर्कः ४३.५१ (सौरः ५२.२९)
भ.३६.४३ उ.
भ. ३.४९ या. मार्गी गुरुः २९.१४£
£षट्तिला ११ब्र. स्मा.
पूभायां शुक्रः४९.२३षट्तिला११ब्र. वै.
भ.४४.७उ.मार्गी बुधः ५२.१३ प्रदोषः
भ. १०.५२या.

४०पं.मा.कृ.६म.इ.१४.१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	८/०	१०	३	६	८
२७	१४	१६	२७	१३	२१	५	२७
२७	१२	२०	४१	५६	४४	४७	१८
४०	५४	२०	५६	१७	३८	२९	५
६१	४३	६४/११	०/५१	६२	५९/३	३	६१
६	५६	ब	ब	४४	ब	११	२४

गोचरग्रहाः

मा. कृ. ८ गुरौ मकरेऽर्कः प्र. वा. २न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु १५ धान्यादि भावे समर्घता शु. प.

गोचरग्रहाः

४१पं.मा.कृ१४मं.इ.१४.१४

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	०	१०	३	६	९
४	१९	१३	२७	२१	२१	५	४
३५	३१	३२	४१	२७	१४	२५	२७
३१	५	२	१७	५५	१०	१३	३४
६१	४४	३३	३३	६१	४/१६	३	६१
३	१६	मा	मा	४९	ब	११	१९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त.| माघ शुक्लपक्ष सं. २०३३शाकः१८९८ |दि. उ. अ.|इं. रा. मु.| चंद्रः |शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१३८६स.१९७७

१	गु	२७	२१	अ	४७	११	व	५	५४	व	२७	२१	२६	४५	१५	२०	३०	२६	मकरे	अभि. प्र. रविः $\frac{१६}{३६}$ (सौरः२३।५१)
२	शु	२४	२२	ध	४६	२३	व्य	५४	५६	की	२४	२२	२०	४४	१६	२१	१	३	कु.१६।४७	चन्ददर्शनम् रा. माद्यारंभः
३	श	२३	२७	श	४७	३८	व	५१	४५	ग	२३	२७	२२	४४	१६	२२	२	१	कुम्भे	भ.५३।५०उ.सफर२ [*सौरः३९।४८
४	र	२४	१४	पू	५०	५३	प	५०	३१	वि	२४	१४	२५	४३	१७	२३	३	२	मी३५।४	भ. २४।१४या. श्रथणे रविः ३२।५९*
५	चं	२७	१	उ	५५	४१	शि	५०	११	ला	२७	१	२७	४३	१७	२४	४	३	मीने	अभि.नि.रविः $\frac{३५}{३६}$(सौरः३२।४)वसंतपं
६	मं	३१	२०	रे	६०	०	सि	५१	१७	तै	३१	२०	३०	४२	१८	२५	५	४	मीने	भौमोदयः ४०।४९
७	बु	३७	१	रे	२	५	सा	५२	२	ग	४	१३	३३	४१	१९	२६	६	५	मे.२।५	भ.३७।१उ.मीने शुक्रः ३५।१४ भानु७
८	गु	४३	२०	अ	८	२८	शु	५५	१७	वि	१०	१३	३८	४१	१९	२७	७	६	मेषे	भ.$\frac{१०}{१३}$या.उषायां भौमः$\frac{४३}{३}$ भीष्माष्टमी
८	शु	४९	५१	भ	१५	३७	शु	५७	२५	ला	१६	३५	३९	४०	३०	२८	८	७	वृ.३२।४२	पातस्पर्शः ५४।२४
९	श	५५	७	कृ	२०	४९	न	५९	२४	तै	२२	२९	४२	४०	२०	२९	९	८	बृषे	उभायां शुक्रः$\frac{४}{३६}$पात मोक्षः ४४।४२
१०	र	६०	०	रो	३०	५९	ऐं	६०	०	व	२८	१६	४६	३९	२१	३०	१०	९	बृषे	भ. २८।१६उ. जया०१ ब्र. स्मा.
११	चं	१	२५	मृ	३६	४०	ऐं	०	३४	वि	१	२५	४९	३८	२२	३१	११	१०	मि३।५०	भ.$\frac{२}{२५}$या.मकरेभौमः$\frac{५}{३६}$जया११ब्र. वै.
१२	मं	५	१८	आ	४०	५८	वै	४७	५४	ला	५	१८	५२	३८	२२	१	१२	११	मिथुने	फरवरी२ता. २८ प्रदोषः
१३	बु	७	५६	पु	४३	५२	श्री	५७	२५	तै	७	५६	५५	३७	२३	२	१३	१२	क.२८।८	वक्री आश्लेषा.१शनिः४०।५३
१४	गु	८	४३	पु	४५	११	आ	५४	८	व	८	४३	५९	३६	२४	३	१४	१३	कर्के	भ. ८।४३उ. ३८।२६या.
१५	शु	८	१०	श्ले	४५	८	सौ	४९	४३	व	८	१०	२७	३६	२४	४	१५	१४	सिं४५।८	उषायां बुधः $\frac{३२}{३९}$माघ स्नान समाप्तिः

४२पं.मा.शु.६मं.इ.१४।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	०	१०	३	६	९
११	२४	१७	२७	२८	२०	५	११
४२	५०	९	५०	४०	४०	२	३६
५८	२३	४७	२०	१	५५	५८	२५
६०	४४	४३	१	५९	$\frac{४}{३६}$	३	६१
५९	३५	१०	४६	१७	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

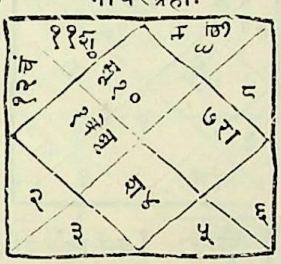

मकरे च स्थिते भौमे घृत तैल महर्घता। सुभिक्षं सर्व धान्यानां लोकानां दुःख पीडनम् ॥

गोचरग्रहाः

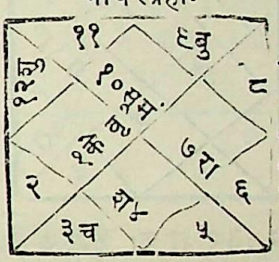

४३पं मा.शु१२मं.इ.$\frac{१४}{२५}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	०	११	३	६	९
१८	०	२३	२८	५	२०	४	१८
४९	११	५	९	३५	६	४०	४४
५६	२	४९	४७	२४	५८	४२	२७
६०	४४	६४	३	५६	$\frac{४}{४०}$	३	६१
५५	४१	५१	१५	०	ब	११	४

| ति.| फाल्गुन कृष्णपक्षः सं.२०३३ शाकः१८९८|दि,| उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः |शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृ.महाराष्ट्राः

१	श	६	१७	म	४४	४	शो	४४	२०	की	६	१७	२७	६	५	५	१६	१५	सिंहे	धनिष्ठा. रविः ४१।२० (सौरः४५।३९)
२	र	३	३४	पू	४२	१	अ	३८	२५	ग	३	३४	८	६	५	६	१७	१६	क.५६।२३	भ. ३१।३८उ.५६।४२या.मकरेबुधः$\frac{७}{३५}$
३	र	५६	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	चं	५४	५५	उ	५९	४१	शि	५९	२९	ला	५४	२९	३३	५	५	५	१८	१७	कन्यायां	चतुर्थी ब्र.
५	मं	५०	२३	ह	३	४५	सि	५९	१९	तै	५०	२३	३०	५	५	५	१९	१८	कन्यायां	
६	बु	४५	३२	ह	३	४५	सा	५९	१९	ग	४५	३२	३०	५	५	५	१९	१८	५।४	भ. ४५।३२उ.
७	गु	४०	३९	स्वे	३०	१२	वि	१	१३	ला	४०	३९	३५	४	५	५	२०	१९	तुलायां	भ. १३।५ या. पातस्पर्श १७।५२*
८	शु	३५	४७	वि	२६	५५	वृ	४	५३	बा	३५	४७	४०	४	५	५	२१	२०	६।२।४४	*मोक्षः ३७।१७
९	श	३०	३७	अ	२३	३७	व्या	४९	२४	तै	३०	३७	४५	४	५	५	२२	२१	वृश्चिके	भ.५८।२उ. कु मेऽर्कः१६।३५सौरः$\frac{१९}{३६}$
१०	र	२५	२७	ज्ये	२०	१३	ह	४२	३५	वि	२५	२७	३५	४	५	५	२३	२२	ध.२०।१३	भ.$\frac{२५}{३७}$ या. श्रवणे भौमः $\frac{५}{२५}$श्रवणे+
११	चं	२०	३१	मू	१७	१	व	३५	३९	बा	२०	३१	३८	२८	२	४	२४	२३	धनुषि	विजया ११ब्र.
१२	मं	१५	४८	पू	१४	१	सि	३०	८	तै	१५	४८	४२	२८	३	२	२५	२४	म.२८।३२	प्रदोषः
१३	बु	११	४३	उ	११	५०	ल्य	२३	१	व	११	४३	४६	२७	३	३	२६	२५	मकरे	भ. $\frac{११}{४३}$उ ३९।५८या. महाशिवरात्रीब्र.
१४	गु	८	१४	अ	१०	१४	ब	१७	४३	श	८	१४	५०	२६	३	४	२७	२६	कु.४०।२	+बुधश्च$\frac{३}{३५}$रेवत्यां शुक्रः ४१।३५
३०	शु	६	७	ध	९	५०	प	१२	२६	ना	६	७	५४	२५	३	२	२८	२८	कुम्भे	शते रविः ५२।५६ (सौरः ५४।५८

४४पं.फा.कृ.५मं.इ.१४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	०	११	३	६	९
२५	५	२	२८	१२	१९	४	२५
५५	३३	४७	३७	१	३२	१८	५१
१६	५०	५३	४८	१२	१७	२७	४१
६०	४४	७८	४	५१	४	३	६०
४७	४७	३७	२६	४४	४०	११	५५

गोचरग्रहाः

फा. कृ. ९ शनौ कुंभेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ प्रौढा वस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु.प.

गोचरग्रहाः

४५पं.फा.कृ.१२मं.इ.$\frac{१४}{४९}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	०	११	३	६	१०
३	१०	१२	२५	१७	१८	३	२
०	५७	३४	१४	५२	५८	५६	५७
४	१४	१२	४६	१२	५५	११	१७
६०	४४	८९	५	४६	$\frac{२४}{४९}$	३	६०
३७	५७	३७	३८	२८	ब	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त.फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०३३ शाकः१८९८ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १४१६स१९७७

१	श	५	१९	श	१०	५०	शि	१०	१६	ब	५	१९	२७	६	३ ५	१९	३०	२९	मी	५७।५
२	र	६	१	पू	१३	२९	सि	८	४१	कौ	६	१	२८	२४	३६	२०	१	१	मीने	
३	चं	८	२३	उ	१७	३७	सा	७	४५	ग	१८	२३	६	२३	३७	२१	२	२	मीने	
४	मं	१२	२८	रे	२३	१	शु	८	२	वि	१२	२८	१०	२२	३८	२२	३	३	मे.	२३।११
५	बु	१७	५०	अ	२९	४६	शु	९	३३	वा	१७	५	१४	२१	३९	२३	४	४	मेषे	
६	गु	२३	४३	भ	३७	१०	ज्ये	११	३९	तै	२३	४३	१८	२०	४०	२४	५	५	वृ.	५४।४
७	शु	३०	७	कृ	४४	४३	ऐं	१३	५६	व	३०	७	२२	२०	४०	२५	६	६	वृषे	
८	श	३६	३१	रा	५२	९	वै	१५	५९	वि	३	१९	२६	१९	४१	२६	७	७	वृषे	
९	र	४२	२	मृ	५८	३३	वि	१६	४६	वा	९	१६	३०	१८	४२	२७	८	८	मि	२५।२१
१०	चं	४६	२०	आ	६०	०	प्री	१८	२९	तै	१९	१६	३४	१७	४३	२८	९	९	मिथुने	
११	मं	४९	२२	आ	३	२४	आ	१८	९	व	१७	४८	३८	१६	४४	१	१०	१०	क.	५१।०
१२	बु	५०	१	पु	६	५२	सौ	१६	२८	वि	१९	३८	४२	१६	४४	२	११	११	कर्के	
१३	गु	४९	६	पु	८	२३	शो	१३	१०	कौ	१९	३४	४६	१५	४५	३	१२	१२	कर्के	
१४	शु	४६	१३	श्ले	८	१३	अ	८	३२	ग	१७	४०	५०	१४	४६	४	१३	१३	सिं	८।१३
१५	श	४१	५६	म	७	१८	सु	३ ९	५३ ५	वि	१४	४	५४	१३	४७	५	१४	१४	सिंहे	

चंद्रदर्शनम्
रा. फाल्गुनारंभः फुलरिया २ रविलावलः
भ. ४०।३० उ.
भ. १३ या. धनिष्ठा. बुधः १९ कृत्ति. २ वृषे×
×गुरुः ६ पातस्पर्शः २९ मोक्षः ४६
भ. ३०।७ उ०
भ. १९ या. कुम्भे बुधः ३५ चित्रा. ३÷
÷राहुःअश्वि.१केतुः ३५ होलाष्टक
पूर्वास्तं बुधः २७।३१
भ. १७ उ. ४६ या. मार्च ३ता. ३१ आम. ११
शते बुधः २२।१४
धनिष्ठा. भौमः १६।३४ प्रदोषः
भ. ४६ उ पूभायां रविः ९ सौरः ९।४५)
भ. १४।४या. होलिकादहनं सायंकाले

४६पं.फा. शु.४मं.इ. १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	१	११	३	६	१०
१०	१६	२३	०	२२	१८	३	१
३	२२	१२	०	५९	२७	३३	
३२	२६	१४	४०	२५	५८	५५	५
६०	४५	९८	६	३९	४	३	६
२५	२	१७	३८	२६	ब	११	३

गोचर ग्रहाः

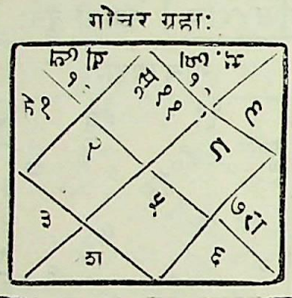

इस मास में ५ शनि. एवं शनिवारी होली श्रेष्ठ नहीं है धान्य जौ गेहूँ चावल मूंग मोठ बाजरा तिल तैलघृत तेज होगा

गोचर ग्रहाः

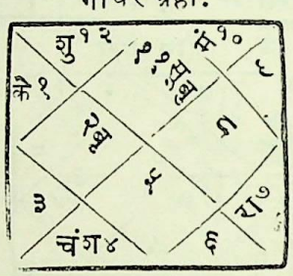

४७पं.फा.शु.११.मंइ १५

र	मं	शु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	१	११	३	६	१०
७	२१	४	७	२७	१७	३	१७
५	४८	४२	५२	३	५८	११	४
४६	४०	७	५२	५८	१९	४०	३०
३०	४५	०	७	३०	५३	३	६०
१२	१३	४७	४३	४	ब	११	२०

ति. चैत्र कृष्ण पक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा | मु. | चन्द्रः | वसंततु° रविरुत्तरे फा. कृ. महाराष्ट्रः

१	र	३६	३८	पू	२८	५५ ३८	शु	४८	०	बा	९	१६	२८ ५९	६ १२	४८	६	१५	१५	क.	१७।२०
२	चं	३०	२३	ह	५४	२७	गं	३९	४९	तै	३	३०	२९ २	१२	४८	७	१६	१६	कन्यायां	
३	मं	२३	५५	चि	४९	४	वृ	३१	३८	वि	२३	५५	६	११	४९	७	तृ.	२२।४		
४	बु	१७	१६	स्वा	४५	३	ध्रु	२३	१७	वा	१७	१६	१०	१						
५	गु	११	५	वि	४०	५३	व्या	१५	१८	तै	११	५	११							
६	शु	५	१६	अ	३७	१५	ह	७	४३	व	५	१६								
७	शु	५४	३७	०	०	०	०	०	०	०	०									
८	श	५५	०	ज्ये	३४	३	व	० ३४	५३ १६	बा	२७	२६ ९	१	२२	२	२०	ध.	५।२५	मकरेऽ	
९	र	५०	५६	मू	३१	३०	व्य	४७	४९	तै	२२	५५८	२	२३	३	२१	पू.	५८।०	भु.	३९
१०	चं	४७	२२	पू	२९	४७	व	४२	१७	व	१९	५७	३	२४	४४				बृश्चिके	न.४४।३१
११	मं	४४	४३	उ	२८	४३	प	३७	२२	व	१६	३६	४	२५	०			०२४	मकरे	
१२	बु	४२	५१	श्र	२८	२८	शि	३३	०	कौ	१३	४७	४०	४	३६	२५	व	२५	कु.	५८।४०
१३	गु	४१	५५	ध	२९	३	सि	२९	४६	ग	१२	२३	४४	३	५७	१७	२६	२६	कुम्भे	
१४	शु	४१	५६	श	३०	४९	सा	२७	१५	वि	११	५५	४९	२	५८	१८	२७	२७	कुम्भे	
२०	श	४३	३२	पू	३३	४४	शु	२५	५४	च	१२	१३	५३	१	५९	१९	२८	२८	मी	१८।०

छारेंडी वसंत १
भ. ५७ उ. पातस्पर्शः १९ मोक्षः ३२
भ. २३ या. अश्वि. मेषे शुक्रः २४ च.ब्र.
पूभायां बुधः ५।१४२
(सौ
भ. ४३ शीतलाष्ट
२३
मकरेऽ ५।५१ (कौ. ५२ २२ प्रदोषः
भ. १९ उ. ४७ या. मीनेऽर्कः ५९ सौरः) १५
मीने बुधः १०।४० पापमोचनी ११ब्र.
उभायां बुधः ५१ वक्री शुक्रः ३३।२
भ. ४५ उ. उभायां रविः ३१ (सौरः ३०)*
भ. ११।५५ या.
मन्वादिः

४८पं.चै.कृ. ३ मं.इ.१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	१	११	३	६	१०
२४	२७	१७	१	२९	१७	२	२४
६	१४	०	५३	५७	३१	४९	६
२९	५३	७	१७	१४	३७	२४	३०
५९	४०	२९ ३	८	१८	१९ ३	३	६०
५८	२८	२३	४३	४	ब	११	६

गोचर ग्रहाः

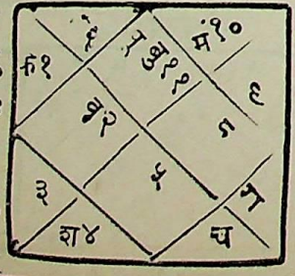

चै कृ. १०चंद्रे मीनेऽर्कः प्र वा.३ न.४प्रगल्भाव्रस्था बैटी) मु. ३० धान्यादि भावे स. शुक्रोदय. प.

गोचर ग्रहाः

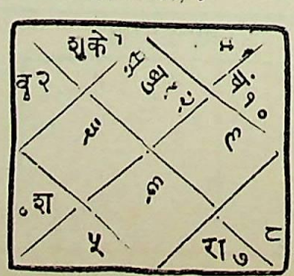

४९पं.चै.कृ.११मं.इ १५.१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	११	१	०	३	६	११
१	२	०	२	११	२	१	१
५	४१	१०	५९	७	१०	२७	५
२	४०	३४	३	५२	२६	९	४०
१९	४५	२८	९	२	३६	३	५९
४१	३९	३२	२३	५०	ब	११	४९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७८ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०७८ भोग्यकलिः ४२६९२२ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीरविक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३४ शाकः १८९९ वर्षेऽस्मिन्राजा रविः । मंत्री बुधः । सस्येशो शनिः । धान्येशो गुरुः । मेघेशो भौमः । रसेशोःरविः । नीरसेशः शुक्रः । फलेशो भौमः । धनेशः शुक्रः । दुर्गेशो-भौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ४ प्रमोद नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ६।२५।५५।११ भोग्यमासादिः ५।४।४।४९ विष्णु दैवतं युगम् । वर्षनाम कार्तिकः । मेघ नाम संवर्त :। रोहिणी निवास.समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा ५ । समयवाहनमश्वः स्तंभाऽभावः । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी ३ । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी ३ समय मुहूर्ताः ३६० । समयदिनानि ३८४ । तिथिक्षयः १९ । तिथि वृद्धिः १३ । उत्पत्ति विश्वा ९९ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा १७ । धान्यम् ११. तृणम् ७. शीतम् १७. तेजः ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ । ऐक्यम् १११ सत्यम् ॥ धर्म १॥ पाप १८ शनिदृष्टिर्दक्षिणे ग्रहणम् १ चान्द्रमसः ।

सं. २०३४ फाल्गुन शु. १५
शुक्रवासरे खंडग्रासचंद्रग्रहणं

		स्प.	सं. म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	२३	३६	३८	४० ४२
मध्यम.	पल	५५	३		८ ५९
रेल्वे	घ.	८			
टाइम	मि.				

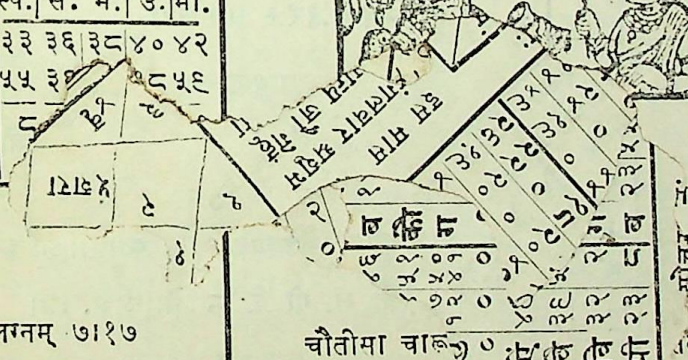

वर्षलग्नम् ७।१७

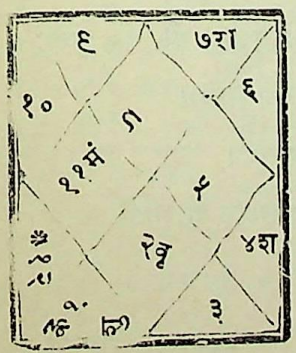

भैरव-भवानी सम्वाद

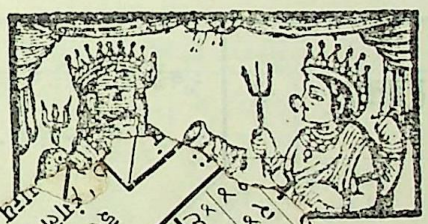

...रम्भार ।
... सार ॥

चौतीसा चाल्यो ... अब कोय ।
फलपति मंगल हो ... लाभ सवाया होय ॥
रोहिणी वासो सिंधु में संवत् मालाकार ।
धान्यपति गुरुदेव है होवे जय जयकार ॥
राजा रवि मेघेश कुज पापी क्रूर स्वभाव ।
यह सुख से नहीं रहन दें बिच २ खेले दाव ॥
श्रावण अरु आषाढ़ में वर्षा होय समान ।
भाद्रव कुज गुरु योग से होसी खैंचा तान ॥
पण भैरव भय मत करे रक्षक जगदाधार ।
धर्म कर्म करते रहो यही जगत में सार ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सि	क.
लाभ	२	११	१४	८	११	२
खर्च	१४	५	२	२	११	१४

राशि	तु	बृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेशलग्नम् ६।७

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३१।२५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा रविः फलम् ॥ सूर्ये नृपे स्वल्पफलाश्च मेघाः स्वल्पंपयो गोषु जनेषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्ची राग्निबाधानिधनं नृपाणाम् ॥ मंत्री बुधस्तत्फलम् ॥ शशिसुते शुभमंत्रिसमागते स्वपतिना रमते मदनक्रियाम् । बहुधनं बहुवारिसमन्वितं यवमसुरचणान्नमहर्घता ॥ सस्येशः शनिः फलम् ॥ रविसुते यदि धान्यपतौ जना नृपतिभिः परिपीड़ित-विग्रहाः । गदभयं तुषधान्यहरं सदा दुरितवादविवादयुता नराः ॥ धान्येशो गुरुः फलम् ॥ गुरौ धान्यपतौ याते यवगोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्राह्मणादयः ॥ मेघेशो भौमस्तत्फलम् ॥ अवनिजे जलदस्यपतौ भुवि श्रुतिविचारविहीनधरामराः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रशमं बहु तोयदम् ॥ रसेशो रविः फलम् ॥ रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरसभागरतात्पपयोधरा । वसन-तैलघृतप्रिय मानवाः सुखरसन्न भुनक्ति महीपतिः ॥ नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम् । कर्पूरागरुगन्धानां हेममौक्तिकवाससां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ॥ फलेशो भौमस्तत्फलम् ॥ फलपति-र्यदि भूतनयो भवेन्न बहुपुष्पफलान्वितपादपाः । गदभयान्वित देशजनास्तदा नृपतयो बहुविग्रह-कारकाः ॥ धनेशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकला ननुमानवाः । सम-सुखाः क्रयविक्रयजीविनोनृपतयो जनपालनतत्पराः ॥ दुर्गेशो भौमस्तत्फलम् ॥ अवनि जो गढ़नायकतां गतो विविधदुःखवियोगसमन्वितः जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ॥ प्रमोदनाम संवत्सरः फलम् ॥ प्रमोदाब्दे प्रमोदन्ते राजानो तिखिला जनाः । वीतरोगा वीतभया ईतिवैरि-विवर्जिताः ॥ वर्षनाम कार्तिक फलम् ॥ पापबुद्धिरता लोका भवति कार्तिके सदा । देवता नैव मन्यन्ते राज्यंञ्च तस्करैर्हृतम् ॥ मेघनाम संवर्तः फलम् ॥ संवर्ते जल पूरिता ॥ रोहिणीनिवासः समुद्रे फलम् ॥ समुद्रे तु महा वृष्टिः । समय निवासो मालाकारगृहे फलम् ॥ मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एव संचित्य दैवज्ञैः कथनीयम् शुभाशुभम्—

सं० २०३४ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

शुक्ले ३ गुरौ रोहि. ल. ८ रे. ६॥ऽगु।।।।।।।चं. गु.

,, ५ शनौ मृगे ल.अन्यगो सोग्रांगः रे.८।।।।।ऽऽ।

,, ६गुरौ मघा. ल. गो. ८ रे ८।।।।।ऽऽ। गणिते क्रांतिसाम्याभावःवृश्चिके गु. ७ पू.

,, ११शनौ उफा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ६।।।।।ऽ।।

ज्येष्ठ मासः ।

कृष्णे ३ शुक्रे मूले ल. गो. ८ रे.८।।।।नृऽऽ। वृश्चिके-गुरु ७ पूज्यः

,, ६ रवौ उषा. ल. अन्यगो ७रे. ६ ऽऽ।।ऽचौ. ।।।ऽ दग्धा-दोषः आवश्यके

,, ११ शुक्ले उभा. ल. ८रे.७ ।।।।।ऽअ.ऽऽ। गु.७ पू.

शुक्ले १ गुरौ रोहि. ल. अन्यगो. रे. ८।।ऽवृ।।ऽ नृ।।।।

,, १ गुरौ मृगे ल.१रे.६ ।।।।।।ऽ।।।

[illegible] आषाढ मास: [illegible]

[illegible] वृ.[illegible] वृषायें [illegible]

[illegible] ० ३० १८ बृश्चिके [illegible] चौ ।ऽ॥ वृषे-
[illegible] १ २१ ११ १६ बृश्चिके बुधोदयः पूर्वस्याम [illegible] व: रेखा ७
[illegible] १ २२ २ २० ध.५।२५ मकरे [illegible]
[illegible] २ २३ ३ २१ वृ.८।० [illegible] अन्यगो [illegible] ८।।।।।।ऽऽ दग्धा.
[illegible] ३ २४ १४ बृश्चिके स्वा. ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽ अ. ।ऽ।।
[illegible] ४ २५ ० [illegible]
[illegible] २५ ३ [illegible]

मार्गशीर्ष मासः ।

शुक्ले २ चंद्रे उषा. ल. रे.८ऽ।।।ऽअ.।।।। भौ. १० पूज्यः

,, ३ भौमे उषा.ल. अन्यगो. रे.६ऽ।।।।।।।।

फाल्गुन मासः ।

कृष्णे १ शुक्रे उफा. ल. ७ रे. ८।।।।ऽऽ अ.।।।।

,, ७ बुधे अनु. ल. अन्यगो. ७रे. ६ऽ।।।।ऽरो.ऽऽ।।

,, ११ रवौ उषा. ल. ७ रे. ६ ऽ।।ऽवृऽ।।ऽ।।पादवेधात्-गुरोवेधाऽभावः आवश्यके

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं.२०३४ शाकः १८९९ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः | वसंतर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः १४४५.स.१९७७

१	र	४६	१६	उ	३७	५०	शु	२४	१८	कं	१४	४९	२९	५७	६	५	२०	२९	२९	मीने
२	चं	१०	१४	रे	४३	१५	ब्र	२५	१३	वा	१८	१५	३०	१	६	०	२१	३०	३०	मे.४३।१५
३	मं	५५	३२	अ	४९	३८	ऐं	२६	४३	तै	२२	५३	०	६	५	५	२२	१	१	मेषे
४	बु	६०	०	भ	५६	४८	वै	२८	१८	व	२८	१४	१	१०	५	८	२३	२	२	मेषे
४	गु	०	५६	कृ	६०	०	वि	३०	३८	वि	०	५६	२	१४	५	७	२४	३	३	वृ.१३।४१
५	शु	७	३९	कृ	४	२३	प्री	३३	९	वा	७	३९	३	१८	५	६	२५	४	४	वृषे
६	श	१४	८	रा	११	५६	आ	३५	२६	तै	१४	८	४	२३	५	५	२६	५	५	मि४४।३१
७	र	२०	७	मृ	१८	१	सौ	३६	५६	व	२०	७	५	२७	५	५	२७	६	६	मिथुने
८	चं	२४	५२	आ	२५	४	शो	३७	३७	ब	२४	५२	६	२१	५	४	२८	७	७	मिथुने
९	मं	२८	१९	पु	३०	८	अ	३६	५५	कौ	२८	१९	७	३५	५	३	२९	८	८	क.१३।५२
१०	बु	२९	५५	पु	३२	२०	सु	३४	४२	ग	२९	५५	८	३९	५	२	३०	९	९	कर्के
११	गु	२९	३५	श्ले	३३	४	धृ	३०	५५	वि	२९	३५	९	४४	५	१	३१	१०	१०	सिं३३।४
१२	शु	२७	०	म	३१	४९	शू	२५	४०	वा	२७	०	१०	४८	५	०	१	११	११	सिंहे
१३	श	२२	३९	पू	२८	३५	गं	१७	४५	तै	२२	३९	१०	५२	५	०	२	१२	१२	क.४३।१४
१४	र	१६	२९	उ	२४	११	वृ	१०	४०	व	१६	२९	११	५६	४	९	३	१३	१३	कन्यायां
१५	चं	८	५९	ह	१८	१८	ध्रु	३७	५०	व	८	५९	१२	३१	४	८	४	१४	१४	तु.४५।५

शते भौमः संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
चन्द्र द. सिंजारा
रा चैत्रारंभः मत्स्यजयन्ती गणगौरी*
भ. उ.रेवत्यां बुधः वक्री रेवत्यां×
भ. ०।५६ या. [×मीने शुक्रः५४।२३
*रविलाखर४
=पश्चिमायां ६।०हनूमज्जयन्ती
भ, २०।७ उ. ५२।३० या.
÷(सौरः) अश्वि. मेषेबुधः १५।२=
बुधोदयः पश्चिमायां ६।३९ रामनवमी
भ.५९।४५ उ. रेवत्यां रविः ५८।४५÷
भ. २९।३५ या. कामदा ११ व्र.
अप्रैल ४ ना. ३० प्रदोषः
=वक्री पुष्य. ४शनिः ५।१
भ. १६।२९उ. ४२।४४ या.
कृति. ४ गुरुः २७।३८ शुक्रास्तः=

५०पं.चै.शु.३मं इ. १६।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	१	०	३	६	११
८	८	१४	४	०	१६	२	८
३	८	३	११	१९	५३	४	३
१८	५६	५०	३१	१६	३८	५३	४०
५९	४५	०	१०	१३	१	३	५९
२९	३५	२५	१७	ब्र	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

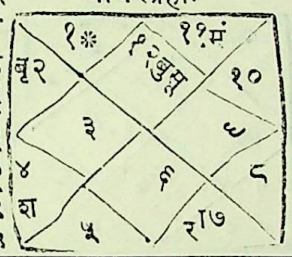

चैत पाछले पाख
नौ दिन बीज
लखोई राख ।
आढे नवमी निरत
कर जोय, जहां
चमके तहां दुर्भिक्ष
होय ॥

गोचरग्रहाः

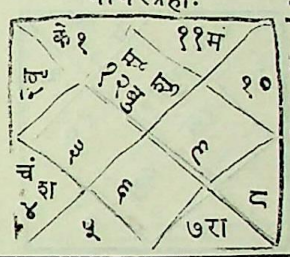

५१पं.चै.शु.९मं.इ.१६।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	१	०	३	६	११
१४	१३	२८	५	२७	१६	१	१४
५९	३६	८	२९	३७	४१	४२	५९
१३	१८	३१	५०	१२	६	३७	४६
५९	४१	०	१०	१३	२	३	५९
१६	४४	२५	५६	ब्र	ब	११	१८

ति. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | वसंतर्तौ रविरुत्तरे चैत्र कृ. महाराष्ट्राः

१	म	०	५८	चि	११	५३	ह	४२	१७	कौ	०	५८	३१	४	५	६	५	१५	१५	तुलायां
२	मं	५१	३१		०	०	०	०	०		०	०					०	०	०	०
३	बु	४४	२०	स्वा	२७			३२	४६	व	१८	२								वृ.४५।०
४	गु	३६	१७	अ	५			३३	३४	ब	१									वृश्चिके
५	शु	२९	१६	ज्ये																४९।७
६	श	२३	१७																	ऋषि
७	र	१७	३२																	३।१६
८	चं	१४	५६	उ		५९	शि		८	कौ	०									किरे
९	मं	१२	३६	श्र	४२	२६	सा		३७	ग	१२	३६								किरे
१०	बु	११	२८	ध	४४	१	शु	२३	७	वि	११	२८	३६	४९						।१३
११	गु	११	३५	श	४६	४०	शु	१९	३६	वा	११	३५	४०	४०						कुम्भे
१२	शु	१२	५४	पू	५०	३६	ब्र	४१	९	तै	१२	५४	४३	३९	२१	५५	२५	२५		मी३४।२९
१३	श	१५	१५	उ	५४	५	ऐं	४१	१६	व	१५	१५	४७	३९	२१	१६	२६	२६		मीने
१४	र	१८	४५	रे	६०	०	वै	४१	४७	श	१८	४५	५१	३८	२२	१७	२७	२७		मीने
३०	चं	२३	१२	रे	०	४३	वि	४३	१६	ना	२३	१२	५५	३७	२३	१८	२८	२८	मे	०।४३

भ.१८।२४ उ. ४ ।२० या. पूभायां=
भरण्याँ बुधः २६।१० चतुर्थी ब्र.
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् २७।०
भ. २३ १७उ. ५०।२५ या.
=भौमः ३२।१४
मार्गो शनिः १२।४९
भ. ४२।२ उ.
भ. ११।२८या. अश्वि. मेषेऽर्कः३२।४९=
वरूथिनी ११ व्र.
प्रदोषः =(सौरः ३२।४३)
भ. १५।१५उ.४७।०या वक्री उभायां*
*शुक्रः ५९।८
सोमवती ३०

५२पं.वै.कृ.१मं.इ.।१७३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	०	१	११	३	६	११
२१	१९	१०	६	२२	१६	१	२१
५३	२	३	४९	३१	५३	२०	५३
३१	५३	४७	३०	४८	५०	२२	५७
५९	४५	५१	११	३६	३०	३	५९
४	४१	१८	२२	ब्र	ब	११	४

गोचरग्रहाः

वै. कृ. १० बुधे
मेषेऽर्कः प्र.वा.३
न. ४ बालावस्था
(वैठी) मु. ३०
धान्यादि भावे
समता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

१पं.वै.कृ.१०बु.इ.३२।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	१	११	३	६	०
०	२५	१८	८	१८	१६	०	०
०	२७	५७	२२	३९	३०	५४	०
०	७	२५	४९	४०	५०	१४	७
५८	४५	३४	१२	५५	०	३	५५
४४	१	२५	१३	ब	मा	११	४८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाखशुक्लपक्षः सं० २०३४ शाकः १८९६ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः १४७५स. १९७७

१	मं	२८	३५	अ	७	१०	प्री	४५	५६	ब	२८	३५	३१/५८	५/३६	६/२४	१६	२६	२६	मेषे	मीनेभौमः २६/२६ वक्रीबुधः १९/४६ चं.द.सभवः
२	बु	३४	२७	भ	१४	१४	आ	४७	२०	बा	१	३१	३२/२	३६	२४	२०	३०	१	वृ. ३१।११	रोहिणी. १ गुरुः ४/५ जमादिलावल प्र
३	गु	४०	४५	कृ	२२	०	सौ	४६	४०	तै	७	३६	६	३५	२५	२१	१	२	वृषे	बुधास्तःपश्चिमायाँ ४/३ रा.वैशाखारंभः*
४	शु	४७	१०	रा	२६	३१	शो	५२	७	व	१३	५८	१०	३४	२६	२२	२	३	वृषे	भ. १३/५८ उ. ४७/१० या. *अक्षया ३परशु.जय.
५	श	५३	२२	मृ	३६	५८	अ	५४	२७	ब	२०	१६	१४	३३	२७	२३	३	४	मि ३।१४	उभायां भौमः ४८।३७
६	र	५८	२१	आ	४३	४४	सु	५५	४४	की	२५	५१	१७	३३	२७	२४	४	५	मिथुने	आश्लेषा. १ शनिः ७।५७
७	चं	६०	०	पु	४६	२१	धृ	५६	१४	ग	३०	२८	२१	३२	२८	२५	५	६	क. ३ २।५६	
७	मं	२	३६	पु	५३	३०	शू	५५	२६	व	२	५६	२५	३१	२९	२६	६	७	कर्के	भ. ५ २/६ उ. ३३/४९ या. पातस्पर्शः २६/२३ मो. ४७/३२
८	बु	५	१	श्ले	५५	४४	गं	५३	१४	ब	५	१	२९	३०	३०	२७	७	८	सिं ५५।४४	भरण्यां रविः १३/६ (सौरः १४/१) मा.शुक्रः ६/१
९	गु	५	४९	म	५६	७	बृ	५९	२२	की	५	४९	३२	३०	३०	२८	८	९	सिंहे	
१०	शु	४	३४	पू	५५	३५	धु	४३	५१	ग	४	३४	३६	२९	३१	२९	९	१०	सिंहे	भ. ३२।५३ उ. मोहिनी ११ व्र. स्मार्ता.
११	श	१	१२	उ	५०	५६	ष्या	३६	५०	वि	१	१२	४०	२८	३२	३०	१०	११	क. ९।१२	भ. १/२ या. चि.२ कन्या. राहुः रे. ४+
१२	श	५४	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+मीने केतुः ३६/१२ मोहिनी ११ व्र. वै.
१३	र	४८	३०	ह	४५	३५	ह	२८	१३	की	२२	७	४३	२७	३३	१	११	१२	कन्यायां	मई ५ ता. ३१ प्रदोषः
१४	चं	४०	१	चि	३८	५३	व	१८	१४	ग	१४	१६	४७	२७	३३	२	१२	१३	तु. १२।१४	भ. ४०।१ उ. नृसिंह जयन्ती
१५	मं	३०	२५	स्वा	३०	४४	सि	११/८	४६/२८	वि	५	१८	५	२६	३४	३	१३	१४	तुलायां	भ. ५।१८ या. यमाय जलान्नकुंभदानम्

२प.वै.शु. २ बु.इ.३३।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१	११	३	६	०
६	०	२१	९	१५	१६	०	६
५०	५१	१०	५८	४२	३६	३१	५०
४२	७	१२	२	५८	१८	५८	१८
५८	४५	१६	१९	१५/५८	१	३	५८
३१	४६	व	३१	व	२	११	२९

गोचरग्रहाः

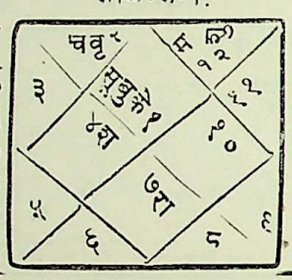

इस मासमें सोमवती अमा. धान्य में मदीकारक है सोना चांदी गुड़ अलसी सरसों तिल तैल सुदी में तेज हो।

गोचरग्रहाः

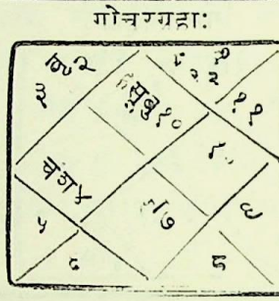

३पं.वैशु.८बु.इ.३३।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१	११	३	६	०
१३	६	१८	११	१४	१६	०	१३
३९	१७	३९	२९	५१	४५	९	३८
४३	१०	२५	२८	३२	२९	४२	४३
५८	४५	२८/५५	१२	५९	१	३	५८
१९	४१	व	५३	मा	४२	११	१२

ति. ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं २०३५ शाकः १८९९ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे बैशाख कृ.महाराष्ट्रा

१	बु	२०	५०	वि	२३	५४	व	४६	५१	की	२०	५०	३२/५४	२५	३५/६	४	१४	१५	वृ. १०।३७	
२	गु	११	१६	अ	१६	२७	प	३६	३७	ग	११	१६	५७	२५	३५	५	१५	१६	बृश्चिके	भ. ३६/४५ उ. रोहिणी. २ गुरुः ५०।११
३	शु	२	१४	ज्ये	६	४३	शि	२७	७	वि	२	१४	३३/१	२४	३	२३			९।४३	भ. २।१४ [illegible] चतुर्थी व्र.
४	शु	५१	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०					कुंभे			[illegible] ५।१
५	श	४७	३५	मू	४	११	सि	१८	४०	की	२०	५३						१८	वृ. ५२	८ वृषभे	[illegible] सं. ३९ पातस्पर्शः ३७/५३
६	र	४२	२९	पू	२२/५	५७/३१	सा	११	३१	ग	१५					०	३०	१८	बृश्चिके	२३।४० उ [illegible] धः २५ [illegible] ा. ४ पातमोक्षः १०/१७
७	चं	३९	२३	श्र	५७	८	शु	५	३३	वि	१०					२१	११	१९	बृश्चिके	बुधोदयः पूर्वस्यां [illegible] ३३ स्यां १४
८	मं	३७	४७	ध	५७	४७	शु	१९/६	५७	वा	८					१	२२	२	२०	ध.५।२५	मकरे [illegible] ३।५१ [illegible] ५।१
९	बु	३७	५८	श	६०	०	ऐं	५६	२८	ते	७					२	२३	३	२१	१।५८।०	भ. [illegible] कृत्ति [illegible] वि: सौरः ५/८ १ रेवत्यां भौमः १७
१०	गु	३९	४१	श	१	१०	वै	५६	२	व	८					३	२४	१४		बृश्चिके	मी ४८।३५
११	शु	४२	३८	पू	४	२३	वि	५६	४१	ब	११					४	२५	०		२४	मीने
१२	श	४६	५५	उ	९	१६	गी	५७	३८	की	१४	४६	२५	१९	४९	२६	२५		२४	२५	मीने
१३	र	५१	५८	रे	१५	४६	आ	५८	५२	ग	१९	२६	२८	१८	४२	१५	२५	२६	मे. १५।४६	
१४	चं	५७	२९	अ	२२	४१	सौ	६०	०	वि	२४	४९	३०	१८	४२	१६	२६	२७	मेषे	वृषेऽर्कः २६।१६ (सौरः २९।४६)
२०	मं	६०	०	भ	२९	४८	सौ	१	२५	च	३०	४१	३३	१७	४३	१७	२७	२८	वृ. ४६।४१	भ. ५१/५८ उ. मार्गीबुधः ४१।२३ प्रदोषः
३०	बु	३	४३	कृ	३७	२३	शो	३	४४	ना	३	४३	३६	१७	४३	१८	२८	२९	वृषे	भ. २४।४९ या.

वटपूजनम्

४पं.ज्ये.कृ.१ बु.इ.३३ ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१	११	३	५	०
२०	११	१४	१३	१५	१७	२९	२०
२७	४१	३८	३	४१	०	४७	२५
२२	१३	२८	४	४९	१८	२७	२४
५८	४५	३५/५१	१३	१६	२	३	५७
६	३७	ब	१६	३३	२१	११	५७

गोचरग्रहाः

५ पं.ज्ये कृ ९बु.इ.३३।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१	१	३	५	०
२७	१७	११	१४	१८	१७	२९	२७
१३	२	३५	३७	२९	१९	२५	१०
३४	२४	११	५९	३७	५९	११	३८
५७	४५	५७/१३	१३	२९	३	३	५७
५४	३२	ब	२१	१	१	११	४५

६पं.ज्ये.कृ.३९बु.इ.३३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	१	१	३	५	१
३	२२	११	१६	२२	१७	२९	३
५८	२२	४८	१४	७	४४	२	५४
२६	२३	२९	१०	२३	२४	५६	१७
५७	४५	५१/५९	१३	३८	३	३	५७
४४	१६	मा	३२	४०	४०	११	३४

* शु के मं

(सं ५००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

÷ शु मं के

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः

१	गु	९	५२	रो	४५	२४	अ	५	१६	च	९	५२	३३ ३८	५ १६	४४	१९	२९	३०	वृषे
२	शु	१५	५६	मृ	२२	१६	सु	८	३९	कौ	१५	५६	४१	१६	४४	२०	३०	१	मि १८।३५
३	श	२१	५०	आ	५८	३१	धृ	१०	४६	ग	२१	४०	४६	१५	४५	२१	३१	२	मिथुने
४	र	२६	५९	पु	६०	०	शू	१२	१७	वि	२६	२९	४६	१५	४५	२२	१	३	क.४८।३३
५	चं	३१	२०	पु	५	५	गं	१३	२५	वा	६१	७०	४८	१४	४६	२३	२	४	कर्के
६	मं	३४	१३	पु	१०	७	वृ	१३	३७	कौ	२	४६	५०	१४	४६	२४	३	५	कर्के
७	बु	३५	५३	श्ले	१३	१०	ध्रु	१२	३४	ग	५	३	५२		४६	२५	४	६	सिं १३।५०
८	गु	३५	५३	म	१५	५०	व्या	१०	११	वि	५	५३	५४	१३	४७	२६	५	७	सिंहे
९	शु	३३	५५	पू	१६	४	ह	६	३४	वा	४	५४	५६	१३	४७	२७	६	८	कं.३०।४१
१०	श	३०	४	उ	१४	३३	व	७ ३	५ ३	तै	१	५९	५८	१२	४८	२८	७	९	कन्यायां
११	र	२४	१९	ह	१०	५३	व्य	४६	२	वि	२४	१९	३४ ० ०	१२	४८	२९	८	१०	तु. ३८।२१
१२	चं	१७	१	चि	४९ ४८	५३ ३९	व	३६	४६	बा	१७	१	२	१२	४८	३०	९	११	तुलायां
१३	मं	८	१३	वि	५१	२०	प	२६	३०	तै	८	१३	४	११	४९	३१	१०	१२	वृ.३८।४२
१४	भं	५०	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	बु	४८	३३	अ	४३	४९	शि	१५	३८	वि	२३	३८	६	११	४९	१	११	१३	वृश्चिके

ग्रीष्मतूँ रविरुत्तरेऽहर्गणः १५०५ सं. १९७७

चंद्रदर्शनम्

रोहिणी.३गुरुः२९।४३ जमा.दिलाख२.६

भ.५.४।२४ उ. भरण्यां बुधः ३४।५०

भ.२६।५९यां रा. ज्येष्ठारम्भः

रोहिण्यां रविः४९।५१ (सौरः५५।५५)×

भ. ३५।५३ उ. अ.गु.

भ.५।५. [×ग्रस्तं गुरोः ४१।२४

*३५।५५ गंगा १०

भ. ५७।११ अश्वि[illegible]षे भौमः*

भ. २४।१९ [illegible]षे शुक्रः+

प्रदोषः +[illegible]ला ११व्र.

भ. ५८।४४ उ.

≡राणां की सावित्री व्र.

भ. २३।३८या. जन६[illegible]ां ३० गुर्ज-≡

७पं.ज्ये.शु.७बु.इ ३४।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	१	१	३	५	१
१०	२७	१६	१७	२६	१८	२८	१०
४२	४०	३	५०	५५	१२	४०	३६
२५	१९	३५	५६	५	४३	४०	२८
५७	४५	४०	१२	४६	४	३	५७
३५	८	५१	३४	४	१८	११	२३

गोचरग्रहाः

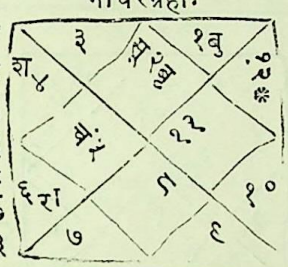

ज्ये. कृ.१२ शनौ वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ युवा वस्था (सूती मु. ३०धान्यादिभावे समता शु. पू.

गोचरग्रहाः

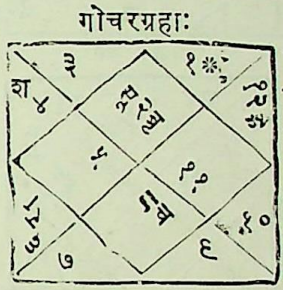

८पं.[illegible]१५बु इ.३४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	१	०	३	५	१
१७	२	२३	१९	२	१८	२८	१७
२५	५६	४	२८	२६	४५	१८	१७
८	२८	३०	४१	३८	२२	२९	३४
५७	४८	६९	१३	५१	४	३	५७
२७	५२	४	३८	२८	४६	११	१३

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९ | दि. | उ. | अ. | इ | रा | मु. | चंद्रः

१	गु	३८	२७	ज्ये	३५	५५	सि	४	४९	बा	१३	३०	३४ ३७	५ ११	४९	२	१२	१४	ध.३५।५५
२	शु	२९	१	मू	२८	४०	शु	४३	५५	तै	६	४४	९	१०	५०	३	१३	१५	धनुषि
३	श	२०	३५	पू	२२	२७	शु	३५	०	वि	२०	३५	[illegible]					१४	१६	स.३६।१९
४	र	१	[illegible]					२७	२३	वा	१	[illegible]						१७	मकरे
५	चं	६	[illegible]					[illegible]											कु.४४।५६
६	मं	५	[illegible]																कुम्भे
७	बु	४	[illegible]																कुम्भे
८	गु	६	[illegible]																३।१०
९	शु	८	४६	[illegible]		५९	अ	[illegible]											मीने
१०	श	१३	१३	[illegible]	३०	७	से	४	११	वि	१३	१३	९	०	०	०	०	०	०।७
११	र	१८	२६	अ	३७	८	शो	१४	१५	वा	१८	२६	२०	[illegible]					मेषे
१२	चं	२४	२६	भ	४४	२८	अ	१८	३५	तै	२४	३६	२१	[illegible]					मेषे
१३	मं	३०	४४	कृ	५२	२०	सु	२१	०	व	३०	४४	२१	८	५	२४	२४	२६	वृ.१।२६
१४	बु	३६	४७	रो	५९	४७	धृ	२३	२६	वि	३	४६	२२	८	५२	१५	२५	२७	बृषे
३०	गु	४२	४८	मृ	६०	०	शू	२५	४७	च	९	४७	२८	८	५२	१६	२६	२८	मि ३३।२०

ग्रीष्मतूँ रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

भ.५४।४८उ रोहिणी.४गुरुः ५१।५७

भ.२०।३५या.कृत्तिका बुधः ३९।५२*

वृषे बुधः ४०।४० *चतुर्थी व्र.

भ. ५।४९उ. २५।२३या मृगे रविः×

×४४।४७(सौरः५४।४४)

≡(सौरः ५५।३०)

भ.४०।५९उ.

भ.१३।१३या.

योगिनी ११ व्र. [×५१।[illegible] प्रदोषः

रोहिण्यां बुधः१४।४० भरण्यां शुक्रः×

भ. ३०।४४ उ. मिथुनेऽर्कः ४३।२५≡

भ. ३।४६या. भरण्यां भौमः ३४।९÷

÷आश्लेषा. २शनिः १४।५८

९पं.आ.कृ.७बु.इ ३४।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१	०	३	५	१
२४	८	२	२१	८	१९	२७	२३
७	१०	४२	५	३४	२२	५६	५७
१२	८	७	५३	१	१२	९	३०
५७	४४	९०	१३	५५	५	३	५७
२२	४६	३०	३८	५८	१३	११	५

गोचरग्रहाः

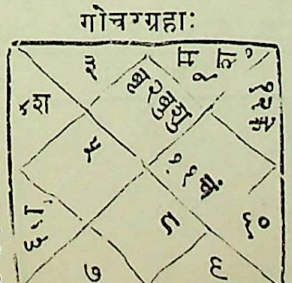

आ. कृ.३३ भौमे मिथुनेऽर्कः प्र. वा.४ न.४ वृद्धा वस्था (बैठी) मु ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

१०पं.आ.कृ.१४बु.इ.३४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१	०	३	५	२
०	१३	१४	२२	१५	२०	२७	०
४८	१९	२३	४३	२	१	३३	३६
२५	५९	४०	२३	२४	८	५३	३९
५७	४४	८०	१३	५९	५	३	५७
१७	१६	३४	३२	२२	३८	११	५६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

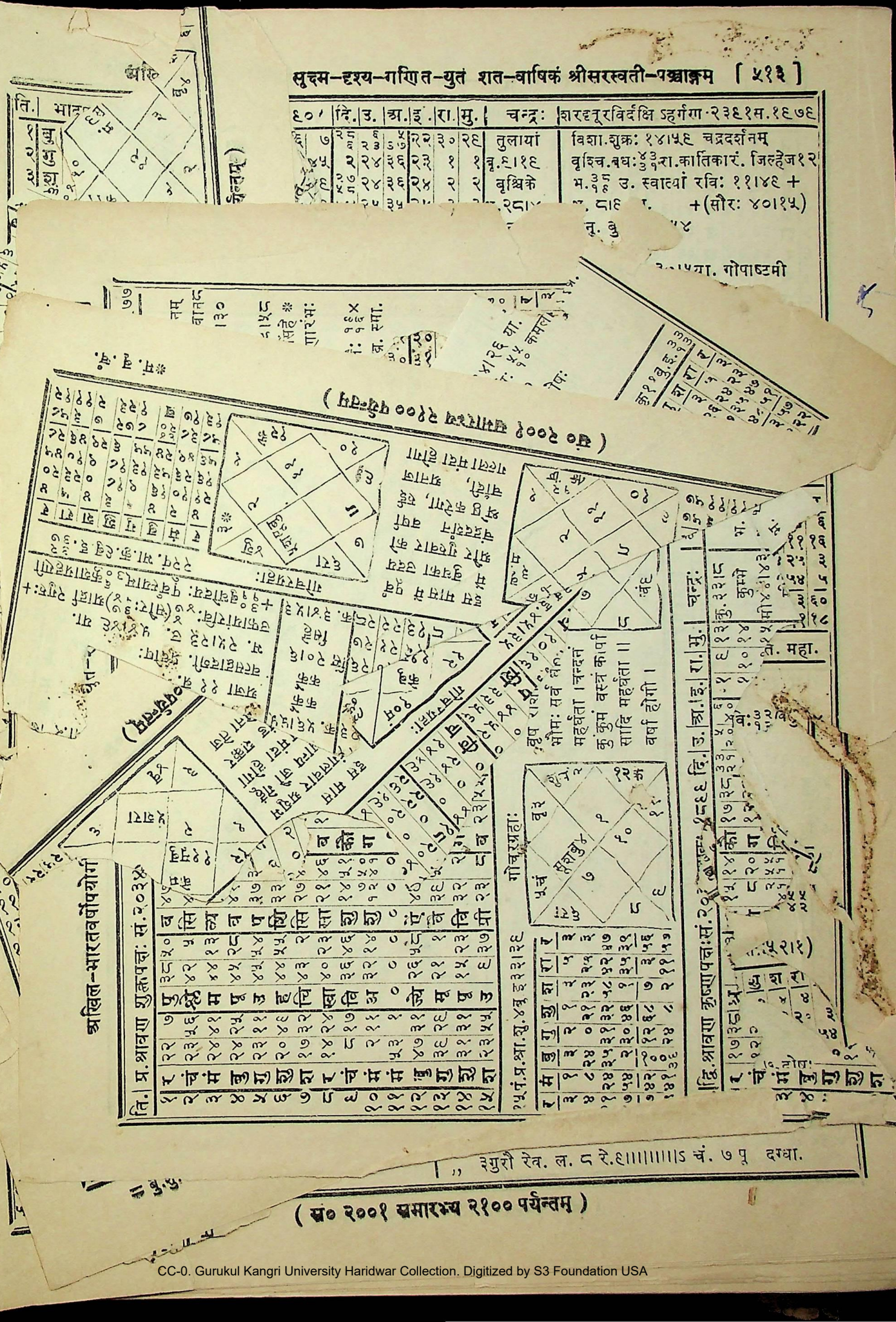

अखिल-भारतवर्षीयोग

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः १५३४स १९७७

१	शु	४८	७	मृ	६	५५	गं	२७	४६	कं	१५	२७	३४	५	६	१७	२७	२९	मिथुने	उदये गुरोः ५०।२४ (उ.गु.)
२	श	५२	४६	आ	१३	२५	बृ	२९	१४	बा	२०	२८	२३	७	५३	१८	२८	०	मिथुने	मृग.१गुरुः २६ चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	र	५६	३५	पु	१९	८	धु	३०	४	तै	२४	४०	२३	७	५३	१९	२९	१	क.२।४३	पूर्वास्तं बुधः १२।२४ रज्जव ७
४	चं	५९	१८	पु	२४	९	ज्या	२९	५६	व	२७	५६	२४	७	५३	२०	३०	२	कर्के	भ.५६ उ. ५६ या. मृगे बुधः ८.१४
५	मं	६०	०	श्ले	२७	५८	ह	२९	१६	ब	३०	१४	२४	७	५३	२१	३१	३	सिं २७।५८	आर्दायां रविः ४२।१७ (सौरः५७।४)
५	बु	०	५२	म	३०	४४	व	२७	४१	बा	०	५२	२४	७	५३	२२	१	४	सिंहे	रा. आषाढ़ारंभः
६	गु	१	११	पू	३२	८	सि	२४	५६	तै	१	११	२४	७	५३	२३	२	५	क.४७।७	मिथुने बुधः ४।१७
७	शु	०	१७	उ	३२	४	[illegible]	२१	१	व	०	१७	२४	७	५३	२४	३	६	कन्यायां	भ. ०।१७ उ. २९।१ या.
८	शु	५७	२०	[illegible]	०	०	[illegible]	०	०	०	०	०	[illegible]	०	०	[illegible]	०	८	०	
९	श	५३	४९	म	३०	[illegible]	व	१६	२	बा	२५	४३	२३	७	५३	२५	४	७	तु.५८।५८	
१०	र	४८	४	पू	[illegible]	३६	प	९	३७	तै	२१	१	२३	७	५३	२६	५	८	तुलायां	आर्द्रायां बुधः १८।२३
११	चं	४९	१२	उ	५०	५	शि	२३ १३	५१ २१	व	१४	५२	२३	७	५३	२७	६	९	तुलायां	भ.५२ उ. ४१ २९ या. कृत्तिका. शुक्रः २३ ३४ ×
१२	मं	३३	३२	[illegible]	०	७	३१	सा	४४	१४	ब	७	२४	२२	८	५२	२८	७	१०	वृ.३।५४	प्रदोषः ×देवशयनी ११ ब्र.
१३	बु	२४	[illegible]	ह	१०	४३	शु	३४	३९	तै	२४	२३	२२	८	४२	२९	८	११	वृश्चिके	
१४	गु	१४	५८	[illegible]	३०	५२	शु	२३	५१	व	१४	५५	२१	८	५२	३०	९	१२	ध.२।३५	भ.५४ उ. ४० या. बधेशुक्रः ३९ वायुपरीक्षा
१५	शु	५	२३	स्वा	२०	१३	न	१३	२१	ब	५	२३	२०	८	५२	१	१०	१३	धनुषि	जौलाई ७ ता. ३१ व्यास जा गुरु२५

११पं.आ.शु.५बु.इ ३४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१	०	३	५	२
७	१८	२८	२४	२१	२०	२७	७
२९	२७	२६	१९	५२	४४	११	१५
२४	४०	५३	३७	५	५३	३८	९
५७	४४	[illegible]	१३	६१	६	३	५६
१३	१०	२३	३१	५५	४	११	५४

गोचर ग्रहाः

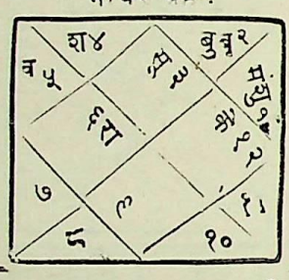

इस मासका फल श्रेष्ठ है सुदी में मैं वर्षा होगी। धान्य रुई सोना चांदी गुड़ मूंग-फलीसिरस्युं घटा बढ़ी रुख तेज़।

गोचर ग्रहाः

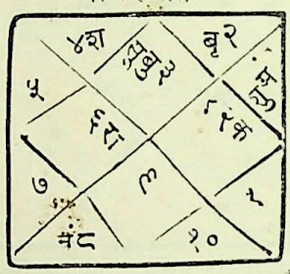

१२पं.आ.शु.१३बु.इ ३४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	१	०	३	५	२
१४	२३	१३	२५	२९	२१	२६	१३
९	६१	४०	५५	०	३०	४९	५३
५०	३०	८	२६	४	४	२२	११
५७	०६	[illegible]	१३	६३	६	३	५६
७	४८	[illegible]	२०	५६	२२	११	५०

ति. प्र.श्रावणकृष्णपक्षः सं.२०३४ शाकः १८९९ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चद्रः | वर्षर्तुः रविर्दक्षिणे आषाढ़ कृ.महारुद्राः

१	शु	५१	१	०	०	०	८	०	८	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०		×रेवत्यां ३ केतुः ३०।२४
२	श	४९	३२	उ	४३	२२	ऐं	३४	५१	तै	२२	२५	३४	५८	६	२९	१४	म.२।४५			पुन.बुधः ५ मृग.२गुरुः ५९ चित्रा.१राहु ×
३	र	४२	१३	अ	३८	५३	वि	४७	९	व	१५	२२	१८	८	३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		भ.१५ उ. ५१।१ या. मः ५०।१४
४	चं	३७	३५	ध	३६	१३	प्री	४१	१२	ब	९	५३	१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		चतुर्थी [illegible]
५	मं	३५	२९	श	३५	५१	आ	३६	३७	कौ	६	२८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible] पातस्थले
६	बु	३५	१५	पू	३७	२२	सो	३३	५९	ग	५	[illegible]	[illegible]	०	३०	१८	बृश्चिके	२३।४० उ	बुधः २५		[illegible] ४ पा. रः १।५
७	गु	३७	०	उ	४१	१	शो	३३	४	[illegible]	६	[illegible]	[illegible]	१	११	१९	बृश्चिके	बुधोदयः	पूर्वस्यां	३३	स्या ५
८	शु	४०	५	रे	४६	२६	अ	३३	३१	बा	९	[illegible]	[illegible]	२	२३	३	२१	५८।०	भ		[illegible] ४५।५६
९	श	४७	२६	अ	५३	१	सु	३४	४६	तै	१३	[illegible]	[illegible]	३	२४	[illegible]	बृश्चिके		मेषे		रो.ह [illegible] शुक्रः ५ ५८
१०	र	५	५९	भ	६०	०	धृ	३७	४६	व	१८	[illegible]	[illegible]	४	२५	०	[illegible]		मेषे		भ. १८।५८ उ. ५१।५९ या.
११	चं	[illegible]	११	भ	०	२८	शू	३९	३१	ब	२५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२६	२५	[illegible]		वृ.१७।२३		बुधोदयः पश्चिमे ३५ कामिका ११ ब्र.
१२	मं	६०	०	कृ	८	११	गं	४०	१२	कौ	३१	२०	५	११	४९	[illegible]	२१	२४	वृषे		
१२	बु	४	३०	रो	१५	३६	वृ	४४	३०	तै	४	३०	४	११	४९	१३	२२	२५	मि४९।८		प्रदोषः
१३	गु	१०	२०	मृ	२	४०	धु	४६	२२	व	१०	२०	२	१२	८	१४	२३	२६	मिथुने		भ. १०।२०उ. ४२।४८ या.
१४	शु	१५	१६	आ	२९	४	ज्या	४७	३१	श	१५	१६	०	१२	४८	१५	२४	२७	मिथुने		आश्लेषा.बुधः ४९ आश्लेषा.३शनिः २६ १३
३०	श	१९	११	पु	३४	२६	ह	४८	०	ना	१९	११	३३ ५८	१२	४८	१६	२५	२८	क.१८।५		कर्केऽर्कः १०।३७ (सौरः ३३।४९)

१३पं.प्र.श्रा.कृ.६बु.इ ३३।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	१	१	३	५	२
२०	२८	२८	२७	६	२२	२६	२०
५०	३८	४४	२९	२०	१७	२७	३१
१०	३८	५६	३०	१३	४९	६	५
५७	४३	[illegible]	१३	६५	६	३	५६
७	२९	[illegible]	१३	३५	३५	११	५०

गोचर ग्रहाः

प्र. श्रा. कृ. ३० शनौ कर्केऽर्क.प्र. वा.५सुप्तावस्था (सूती मु. ४५ धा. भावे सम. शुक्रउ. पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

१४पं.प्र.श्रा.कृ१० बु.इ ३३।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	१	१	३	५	२
२७	३	१२	२९	१३	२३	२६	२७
३०	३७	२१	१	५१	७	४	९
१२	१	५४	३७	५३	८	५१	१२
५७	४२	[illegible]	१२	६७	६	३	५६
११	५४	[illegible]	०	५२	११	५५	५०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

* बु शु मं

ति. | प्र.श्रावण शुक्लपक्षः सं.२०३४शाक:१८९९ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१५६४स.१९७७

| | | |

ति. द्वि श्रावण शुक्लपक्षः सं २०३४शाक:१८९९ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५९३स.१९७७

१	चं	२१	३९	म	६०	०	व	५	४२	कं	२१	५३	३३	२९	३१	१५	२४	२८	सिंहे	मघा सिंहेऽर्कः ३° चन्द्र द. सिभारा
२	मं	५०	०	म	०	२६	प	२२	५६	गा	२०	४९	२९	३०	३०	१६	२५	२९	सिंहे	म.सिंहेऽर्कः सौरः १।४४ तीज.रमजानद
३	बु	४७	२२	पू	०	५९	सि	५४	३१	ते	१८	४६	२६	३१	२९	१७	२६	१	क. १५।२३	भ. १५।५३ उ. ४४।१५ या. वरद ४
४	गु	४४	१५	ह	५८	११	सा	४९	१०	व	१५	५३	२२	३२	२८	१८	२७	२	कन्यायां	फा. बुधः ३३।५० नागपंचमी
५	शु	४०	२०	चि	५६	११	शु	४३	३०	ब	१२	१७	१९	३२	२८	१९	२८	३	तु. २	त २७।२९ बुधः ४०।२६
६	श	३६	४	स्वा	५३	४८	शु	३७	३५	कौ	८	११	१५	३३	२७	२०	२९	४	सिंहे	१।१९उ ५५ या.मिथुने भौमः ५३ ४७ *
७	र	३१	१९	वि	५०	५३	८	३१	८	ग	३	४१	११	३४	२७	२१	३०	५	४७।७	*आर्द्रा. १ गुरुः ३४।४०
८	चं	२६	२३	१	४५	३५	८	२४	२०	ब	२६	२२	८	२४	२७	२२	३१	६	कर्के	कर्के शुक्रः १०।५३ रा. भाद्रपदारम्भः
९	मं	२०	५७	२	३९	९	८	१७	८	कौ	२०	४५	२९	३५	२७	२३	३१	७	४२।५४	भ. ४१।४८ उ.
१०	बु	१४	५३	४९	म	३०	वि	९	५५	ग	१४	४७	३०	३५	२७	२४	३१	८	धनुषि	भ. ८।४९ या. वक्री पूफायां बुधः ४७ १४ +
११	गु	८	४८	१४	पू	२२	मी	१७	५२ २३	वि	८	४९	३	३५	२७	२५	३१	९	म.४९।५०	प्रदोषः
१२	शु	चं	४१	१२	उ	५७	सी	४७	१९	वा	२	४६	५२	३५	२७	२६	३१	१०	मकरे	पुष्ये शुक्रः ५८।३६ पवित्रा ११ ब्र.
१३	२१	मं	३३	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३५	२७	२७	३१	११	०	भ. ५१।५७उ. [बंधनं भद्रोत्तरम्
१४	श	बु	२४	०	रे	०	शो	४०	८	ग	२४	९	४८	३६	२२	२७	३१	११	कुं ५६।	भ. १९।३६ या. श्रावणी कर्म. रक्षा F
१५	र		१४	५९	चि	३०	अ	३३	४२	वि	१९	३६	५८	३६	२१	२८	३१	१२	कुम्भे	

१९पं द्वि.श्रा.शु.५।२३ स्व.२३

र	मं	बु	शु.५	ब.इ.	२	र
४	१	४	२	३	५	४
०	२७	२६	५	२३	२७	२४	०
५९	१६	८	५७	२७	३१	१३	३०
४९	१२	२०	११	२५	३७	३३	५
३९	४०	१५	१०	७१	७	३	५७
३	४९	२४	१३	२०	११	३४	

गोचरग्रहाः

द्वि श्रा.शु.१भौमे प्रतिहर्कः प्र. वा. ४न.५ गत्तालका वस्था (ऊभी)मु. ३०धान्यादिर्घा.वे समता शुक्रो.

गोचरग्रहाः

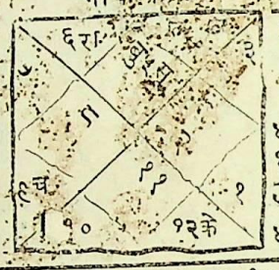

२०पं.द्वि श्रा.शु.१० बु.इ.३२ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	२	३	३	५	४
७	१	२७	७	१	२८	२३	७
४४	४५	४	८	३७	२४	५१	१३
१७	५४	१२	४६	५९	४३	१७	३७
५७	३९	३२	९	७१	७	३	५७
४८	५६	बु	४१	४१	१८	११	४५

१	चं	४४	२५	श	५२	२९	सु	२८	११	रा	१५	५८	३१	४०	२०	६	२९	८	कुम्भे	चन्द्रः	वर्षाः पञ्चमे	२७।३५	
२	मं	४३	२९	पू	२३	२३	भ	२३	५१	ते	१४	१	३६	४१	१९	३०	८	१४	मीने	भी८।२४	पूफाया	रवत्या	५	३६)	
३	बु	४३	४७	उ	२४	४४	शु	२०	३८	व	१३	३९	३०	४२	१९	३१	८	१४	मेषे		भ. १३ ३९	बुधः ५	मृग. २गुरुः ५	८।६	
४	गु	४६	२१	२	२७	५२	गं	१९	८												आर्द्रा. १५ उ. २२				ब्र.
५	शु	४९	५७	अ	३२	३४	कृ	१८	४५	कर	व								कुंभे		चतुर्थी				
६	श	५५	३४	म	३८	५०	रो	१९	३६	३७	कौ	६	२८							बृ.५					
७	र	६०	३०	कृ	४४	४६	व्या	२१	१६	५५	ग	५								बृश्चिके		०३०	१८		
८	चं	६	२६	रो	५२	१६	ह	२३	३९	४	वि	६								बृश्चिके	बुधोदयः पूर्वस्यां				
९	मं	शु	३०	मृ	६०	०	व	२५	५७	३८	१९	८													
१०	बु	श	३५	मृ	०	४६	सि	२८	८											मेषे	रो.ह	शुक्रः पू.५८			
११	गु	८	४३	आ	७	३७	व्य	२९	४७												भ. १८।५८उ. ५१।५				
१२	शु	२२	२५	पु	१३	२०	व	३०	१९											कर्के	अजा ११ ब्र. पश्चिमे ३५° क				
१३	श	२४	५०	पु	२०	२९	प	२९	५०	ते	२४	५०	५३	४९	१	१	९	२५		कर्के	वत्सद्वादशी. प्रदोषः				
१४	र	२५	२३	श्ले	२०	६	शि	२७	५६	व	२५	२३	४८	५०	१०	११	२०	२६	सिं	२०।६	भ. २५।२३ उ. ५४।४९ या.				
१५	चं	२४	१६	मृ	२०	५५	सि	२४	३५	श	२४	६	४५	५१	९	१२	२१	२७		सिंहे	उफायांरविः ४७ (सौरः ३७) आर्द्रा २गुरुः +				
३०	मं	२१	२४	पू	२०	२०	सा	२०	४	ना	२१	३४	४०	५२	८	१३	२२	२८	क.	३४।५३	३० ११ बुधोदयः पूर्वस्याम् ६° कुशाग्रहणी				

२१पं.भा.कृ.२बु.इ.३२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	२	३	३	५	४
१४	६	२३	८	९	२९	२३	१३
२९	९	२९	१३	५६	१७	२९	५८
५६	४	३०	५२	३८	३८	२	४८
५८	३९	५७	८	७२	७	३	५७
१	१०	ब	५५	२	११	११	५७

गोचरग्रहाः

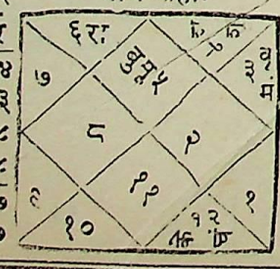

इस मास में पूर्व में बुधका उदय और गुरुवार को चंद्रदर्शन वर्षा श्रेष्ठ करेगा, रुई चाँदी, अनाज गल्ला मंदा होगा

गोचरग्रहाः

२२पं.भा.कृ.९बु.इ.३२ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	२	३	४	५	४
२१	१०	१६	९	१८	०	२३	२०
१६	२६	५३	१३	१८	९	१०	४५
५६	४९	२४	५५	६	२९	४६	२८
५८	३८	२०	८	७२	७	३	५८
१३	१७	ब	१२३	२	११	१२	

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*मं. बृ. चं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. पौद्रपदे शुक्ल पक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः शरदृतूरविर्दक्षि ऽहर्गण-२३६१म.१६७६

| | | |

ति. द्वि श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३४शाकः १८९९ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः | वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५९३स.१९७७ ८१स १९७९

१	चं	२१	३९	म	६०	०	व	५	४२	कं	२१	५३	३३	५	६	१५	२४	२८	सिंहे
२	मं	५०	०	म	०	२६	प	२	५६	सा	२०	४९	२९	३०	३०	१६	२५	२९	सिंहे
३	बु	४७	३२	पू	०	५९	सि	५४	३१	ते	१८	४६	२६	३१	२९	१७	२६	१	क. १५।२३
४	गु	४४	१५	ह	५८	११	सा	४९	१०	व	१५	५३	२२	३२	२८	१८	२७	२	कन्यायां
५	शु	४०	२०	चि	५६	११	शु	४९	३०	व	१२	१७	१९	३२	२८	१९	२८	३	तु. २१
६	श	३६	४	स्वा	५३	४८	शु	३७	३५	कौ	८	११	१५	३३	२७	२०	२९	४	सिं. २१
७	र	३१	१९	वि	५०	५३	ए	३१	८	ग	३	४१	११	३४	२७	२४	७	५३	२२
८	चं	२६	२३	वि	४७	३८	ए	२४	२०	व	२६	२२	८	३४	२७	२४	७	५३	२२
९	मं	२०	४	वि	३५	७	वे	१७	८	कौ	२०	४५	२९	३५	२७	२४	७	५३	२२
१०	बु	१४	४८	शु	५७	२१	वि	९	५५	ग	१४	४७	३	३५	२७	०	०	५३	२२
११	गु	८	३९	श	५३	४१	मी	१७	३३	वि	८	४९	३	३५	२७	०	०	५३	२२
१२	शु		१०	र	४८	३७	सो	४७	१९	वा	२	४६	५२	३५	२७	०	०	५३	२२
१३			११	चं	४१	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	१०
१४	श		१२	मं	३३	३०	शो	४०	८	ग	२५	६	४८	३६	२२	२७	५	११	कु. ५६।
१५	र	८	१३	बु	२४	५९	अ	३३	४२	वि	१९	३६	५४	३८	२१	२८	६	१२	कुम्भे
			१४	गु	१५	५३													
			१५	शु	५	५३													

मघा सिंहेऽर्कः ३०/५० चन्द्र द. सिंभारा
म.सिंहेऽर्कः सौरः १।४४ तीज.रमजान
भ. १५।५३ उ. ४४।१५ या. वरद ४
उफा. बुधः ३३।५० नागपंचमी
सं. बुधः ४०।२६
४१।१६उ ५५/५६या.मिथुने भौम
*आर्द्रा. १ गुरुः
कर्के शुक्रः १०।५३ रा. भा.
भ. ४१।४८उ.
भ. ८।४९या. वक्री पूफायां
प्रदोषः
पुष्ये शुक्रः २८।३६ पक्षि.
भ. ५१।४७उ.
भ. १९।३६ या. श्रावणी

सरस्वत्यावाहनं (सौरः ४५।५८)
मघा.४राहुःशत.
सरस्वती पूजा
मघा.३गुरुः २४ बुधोदयः*
प्रबो.१०ता.३१।विजया+
पापांकुशा ११ व्र.
२४ उफा.१शनिः ३३/५४ प्रदोषः
*पश्चिमायां १४।४
मंत्रभूमी सरस्वती-विसर्जनम्
बंधनं गिमा कोजागरी व्र.

१९पं द्वि.श.

र	मं	बु		१पं	आ		र
४	१	५	२	२	३	५	४
०	२७	२६	५	२३	२७	२४	०
५९	१६	८	५७	२७	३१	१३	३०
४९	१२	२०	११	२५	३७	३३	७
४०	१५	१०	७१	७	३	५७	९
३५	२४	१३	२०	११	३४		

गोचरग्रहाः

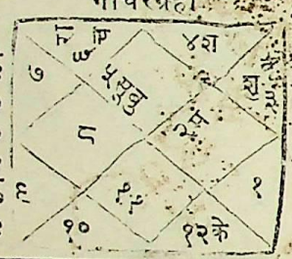

द्वि. आ.शु. रभीमे
सिंहेऽर्कः प्र. वा.
४न.५ गत्तालका
वस्था (ऊभी)मु.
३०धान्यादिभावे
समता शुक्रो.

गोचरग्रहाः

२५पं आ.शु.८श.इ.५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	४	५	४	४	५
११	८	२३	६	२१	२६	१३	११
४६	५४	५६	२३	५	७	१७	१५
५५	३६	३४	१०	४९	५५	१२	४३
५८	३७	०	१२	७४	७	३	५९
५	१	२२	२२	२६	११	११	०

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | शरर्हतुरविर्दक्षिणे ९ रविर्दक्षिणे आश्विन कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	४४	२५	श	२	२९	सु	२८	११	ज्ञा	१५	५८	३०	५	६	२९	७	कुम्भे
२	मं	४३	२९	पू	२३	२२	भृ	२३	५१	ते	१४	१	३६	४१	५९	३०	८	१४	मी ८।२४
३	बु	४३	४७	उ	२४	४४	शु	२०	३८	व	१३	३९	३०						
४	गु	४६	३	उ	२७	५२	गं	१९	८			५८	२५						
५	शु	४९	५	अ	३२	३४	बृ	१८	४३	की	४१	१२	३						
६	श	५५	२	भ	३८	५०	बु	१९	३६	आ	३६	३७	३						
७	र	६०	०	कृ	४४	४६	व्या	२१	१६	सो	३३	५४	४						
८	चं		२९	रो	५२	१६	ह	२३	३१	शो	३३	४	५	६					
९	मं		३०	मृ	६०	०	व	२३	५७		२९	५	३१	६					
१०	बु		३५	मृ	०	४६	सि	२८	८		४६	ते		६					
११	गु	४३		आ	७	३७	व्य	२९	४७		६			६					
१२	शु	२२	२५	पु	१३	२०	व	३०	१९		५	२२		६					
१३	श	२४	५०	पु	१९	२९	प	२९	३३		५	२४		६					
१४	र	२५	२३	श्ले	२०	६													
१५	चं	२४	१६	मू	२	५२													
३०	मं	२१	३४																

चन्द्रः पाप.
पूफाया
भ. १३
आर्द्रारंभे
भ. २२उ
चतुर्थी
पुन.बुधः
भ.
बृश्चिके २।४०उ
बृश्चि बुधोदयः पूर्वस्याम्
मकरे
भ.
मेषे
भ. १८।५८उ
अजा ११ व्र. बुधोदयः पश्चि
वत्सद्वादशी. प्रदोषः
भ. २५।२३ उ. ५४।४६ या.
उफायांरविः ४७(सौरः ३७/४)आर्द्रा २गुरुः+
३०बुधोदयः पूर्वस्याम् ३०कृशाग्रहणी

११।४७
स्याम् बुधः १५।१६
व्र.
४६
चन्द्रषष्ठी
११।४३
मा

गोचरग्रहाः

भा. कृ.१० शुक्रं
सिंहेऽर्कः प्र. वा.
५ न. ५ बृद्धा-
वस्था (बैठी) मु.
३०धान्यादिभावे
समता शु. उ. पू.

	मं	बु	गु	शु	श	रा	
	३	२	३	३	४	४	
	२४	८	९	२६	२०	२०	१५	२३
	१६	६	३५	०	१९	४	५३	४७
	२६	४७	९	०	४८	४१	१	३४
	५७	४१	५२	१३	७४	६	३	५७
	२३	१३	ब	२८	३२	५१	११	२२

भा.कृ.९बु इ.३७

	शु	श	रा	र		
	४	४	४	४		
	०	२३	२०			
	९	१०	४५			
	२९	४६	२८			
	३	५८				

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* म.क.पु.

* बु.वृ.१

श.रा.बु.

Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्ल पक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः शरद्दूरविर्दक्षि ऽहर्गणः २३९१स.१९७९

१	चं	६	७	स्वा	२२	५	प्री	३०	२४	व	६	७	६	२३	५७	२२	३०	२९	तुलायां
२	मं	७	४५	वि	२५	४	आ	२९	०	कौ	७	४५	२	२४	३६	२३	१	१	वृ.९।१९
३	बु	८	२९	अ	२७	१	सौ	२६	२९	ग	८	२९	२७	२४	३६	२४	२	२	वृश्चिके
४	शु	८	९	ज्ये	२८	४	शो	२८	१७	वि	८	९	५४	२५	३५	२५	३	३	ध.२८।४
५	शु	६	४१	मू	२८	१४	अ	१९	२९	चा	६	४१	५०	२६	३४	२६	४	४	धनुषि
६	श	४	२१	पू	२७	२०	सु	१४	५९	तै	४	२१	४६	२७	३३	२७	५	५	म.४१।५३
७	र	१	१०	उ	२५	२४	धृ	९	२६	व	१	१०	४२	२८	३२	२८	६	६	मकरे
८	र	५७	५१		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	चं	५२	०	श्र	२२	५३	शू	१५	५३	ब्रा	२४	३०	३९	२८	३२	२९	७	७	कु.५१।२
१०	मं	४६	२	ध	१९	१२	वृ	४८	२६	तै	१९	१	३५	२९	३१	३०	८	८	कुम्भे
११	बु	३९	३९	श	१४	४९	ध्रु	३९	२९	व	१२	५०	३१	३०	३०	३१	९	९	मी५५।५८
१२	शु	३२	६	पू	९	४०	व्या	३०	३९	ब	५	५२	२७	३१	२९	१	१०	१०	मीनें
१३	शु	२४	५७	उ	७	५४	ह	२२	३२	तै	२४	५७	२४	३२	२९	२	११	११	मे.५८।३३
१४	श	१७	९	अ	५३	७	च	१३	२९	व	८	९	२०	३२	२	३	१२	१२	मेषे
१५	र	१०	१४	भ	४८	३६	सि	४९	५२	ब	१९	१४	१९	३३	२	४	१३	१३	मेषे

विशा.शुक्रः १४।५९ चन्द्रदर्शनम्
वृश्चि.बुधः ४३/५१ रा.कार्तिकारं. जिल्हेज १२
भ. ३५/५९ उ. स्वात्यां रविः ११।४९ +
भ. ८।९ या. +(सौरः ४०।१५)
अनु. बुधः ५७।५४

भ. १।१०उ.३०।५या. गोपाष्टमी

अक्षय ९ कुष्मांड ९
वृश्चिके शुक्रे १६।२७
भ.१२।५०उ.३९या. प्रबोधिनी ११ व्र.
अनु.शुक्रः५४।५४ नवम्बर ११ता ३०
उषा.२कन्यायांशनिः १५/९१ प्रदोषः बैं कुठ१४
भ. १७।६ उ. ४५।४० या.
मन्वादिः का. स्ना. समाप्तिः

२९पं.का.शु.६श.इ. २।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	४	६	४	४	६
९	२५	३	११	२१	२९	११	९
२१	२७	२६	२५	५९	२१	४८	२
४९	५	३१	१४	३८	१४	९	१
५१	३४	६२	१०	७४	६	२६०	०
४७	३४	२१	५	१६	१७	११	२

गोचरग्रहाः

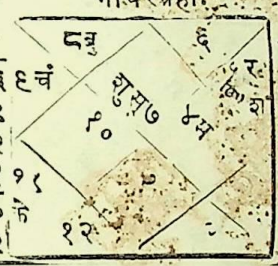

का. कृ. १२ बुधे तुलायामर्के प्र. वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

३०पं.का.शु.१४श.इ.२।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	४	७	५	४	६
१६	२८	९	१२	४	०	११	१६
९	१४	४१	२७	४२	४	२१	३
८	१३	५३	७	२६	२६	५४	५
१०	३३	४१	९	७३	५	३	६०
४	३१	२८	२०	४१	५३	११	१८

ति. मागशीष कृष्णपक्षः सं० २०९० दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः हस्ततू रावदक्षिणे का कृष्णेति. महा.

१	चं	४	१८	कु	४५	१२	च	४९	२९	कौ	४	१८	२७	६	३३	२७	५	१४	१४	वृ. २।४५
२	चं	५५	३६		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	मं	५७	२२	रो	४३	३	प	४३	३०	व	२८	३८	०	२	३६	२६	९	१५	१५	वृषे
४	बु	५	६	४३	मृ	३	शि	३९	४०	व	२	३	२०	३	४७	५	२	१६	१६	मि १३।४९
५																				चतुर्थी व्र.
६	मं	४७	०																	वक्री बुधः ५३।५७
७	बु	५३	३७	७	५		ह	५९	४९	च	२३	२५	२	३३	२	३६	६	२०	१९	कर्के
८	र	६	५	३३	१२	५६	च	४९			२६	१		४	२	२७		१		कर्के
७	चं	१२	४३					४६	९	२०	२७	३		७	२		८	१	२	सि २।७
८	मं	१९	२२					५१	४१	४६	ग	१९	१९			३८	९	१९	२	लिहे
१०	बु	२५	३२	भे	१०	४१														
११	गु	२१	३४	पू	१८	१६	वे	४४	९	वि	२५	३२	४३	२९					२३	क. २।३६
१२	शु	३६	३१	उ	२५	३७	वि	४६	२९	च	२१	२४	४०	२०	५	२४	२४			काश्यां
१३	शु	४०	०	ह	३१	५५	प्री	४६	५६	कौ	४		३	११	१९	१६	२५	२५		कन्यायां
१४	र	४२	१३	चि	३७	१	आ	४७	४	ग	८	१	५	४	१९	१७	२६	२६		तु. ४।२८
१५	चं	४२	१	स्वा	४		वि	४६	२०	वि	११		०			१८	१८	२७	२७	तुलायां
				वि						च	१२	३७	२९	४२	१८	१९	२८	२८		बृ. २६।४३

भ. ३२/३८ उ. ५७/२२ या. विशा. रविः ३२/५० चतु व्र.
चतुर्थी व्र.
वक्री बुधः ५३।५७
धूफा. १ गुरुः २०।४६
भ. १।३९ उ. २४।१६ या.
×५७।४४) मघा. सिंहे भौमः ५
ज्येष्ठायां शुक्रः ३८।५५
भ. ५२।२७ उ.
भ. २५/३२ या. बुधास्तः पश्चिमायाम् ५५/४२
उत्पत्तिः ११ व्र.
वृश्चिकेऽर्कः २८।१४ (सौरः५२।१)
भ. ४०।७ उ. प्रदोषः
भ. ११।६ या.
अनु. रविः ४६/३४ वक्रीविशा. ७४/४ सोमवती

३१पं.मा.कृ.७श.इ.१।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	४	७	५	४	७
०	४	७	१४	२१	१	१०	०
२३	५७	३४	१७	९	२१	४१	९
४७	३२	२९	३८	१८	२३	२३	४३
६०	३०	८७	७	७३	४	३	६०
३०	५३	ब	२५	५१	५८	११	४०

गोचरग्रहाः

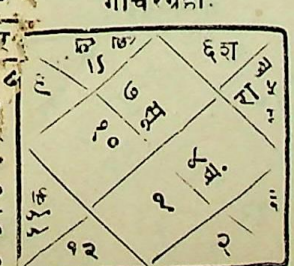

मा शी. कृ. १२ शुक्रे बृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३ न. २ युवावस्था [सूती] मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

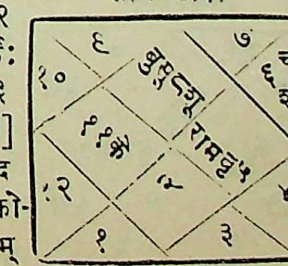

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*श.ब्र.रा.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष सं. २०३६ शाकः १९०१ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चंद्रः | हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २४२०स. १९७९

१	मं	४२	२७	अ	४४	१९	अ	४०	४८	कि	१२	४३	२६	४३	५	१७	२०	२९	२९	वृश्चिके	ध. ४४।२०
२	बु	४०	३७	ज्ये	४४	२०	सु	३६	४६	बा	११	३१	४	४३	१७	२१	३०	३०		धनुषि	
३	गु	३८	२	मू	४३	१७	धृ	३२	५४	तै	९	१९	२१	४४	१६	२२	१	१			
४	शु	३४	४३	पू	४१	३७	शु	२६	१५	व	६	२२	१९	४४	१६	२३	२	२		स. ५६।२	
५	श	३०	५०	उ	३९	१७	गं	२०	२८	ब	२	४६	१६	४५	१५	२४	३	३		मकरे	
६	र	२६	३४	श्र	३६	३९	बृ	१५	११	तै	२६	३४	१३	४५	१५	२५	४	४		मकरे	
७	चं	२१	५९	ध	३३	३८	ध्रु	८	८	व	२१	५९	११	४६	१४	२६	५	५		कु. ५।८	
८	मं	१७	१०	श	३०	१९	व्य	२३	५१	व	१७	१०	८	४६	१४	२७	६	६		कुम्भे	
९	बु	११	५६	पू	२६	५६	च	४५	४९	कौ	११	५६	६	४७	१३	२८	७	७		मी १२।४७	
१०	गु	६	२२	उ	२३		सि	३८	१७	ग	६	२२	३	४७	१३	२९	८	८		मीने	
११	शु	०	५१	रे	१९	१९	व्य	३०	४४	वि	०	५१	१	४८	१२	३०	९	९		मे. १९।१९	
१२	शु	५४	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	
१३	श	४९	५९	अ	१५	३५	व	२३	८	कौ	२२	३५	२५	४८	१२	१	१०	१०		मेषे	
१४	र	४५	१९	भ	१२	१७	प	१६	५	ग	१७	३९	५७	४९	११	२	११	११		वृ. भ. ४०	
१५	चं	४१	३८	कृ	९	४६	शि	९	२८	वि	१३	२८	५५	४९	११	३	१२	१२		वृष	

अनु. रविः सौरः ९।४९
चन्द्रदर्शनम्
वक्री तुलायां बुधः १९ रा. मार्गशीर्षा-×
भ. २९ उ. ३४ या. मूले धनुषि शुक्रः १९
×रभः मोहोरम सन् १४०० हि.
बुधोदयः पूर्वस्याम् २१।५१ चंपा ६
भ. २१।५९ उ. ४९।३४ या.

३३पं.मा.शु.५श.इ.१।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	४	८	५	४	७
७	८	२७	१५	०	१	१०	७
३७	३	३९	५	५२	५४	५९	१५
३७	१४	७	२	५	५३	७	१९
६०	२९	७४	६	७३	४	३	६०
४२	२९	ब	२५	५३	३१	११	५३

गोचर ग्रहाः

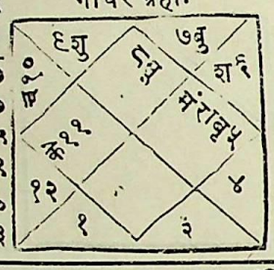

इस मास में ५ सोमवार उत्तम है धान्य गेहूं जौ चना मूंग मोठ बाजरा में घटा बढी होगी

गोचर ग्रहाः

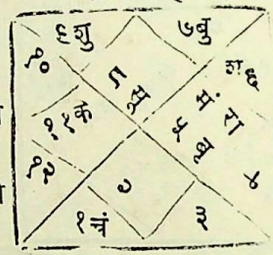

३४पं.मा.शु.१३श.इ.१।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	४	८	५	४	७
१४	१०	२६	१५	९	२	९	१४
४२	५५	१०	३९	३४	२३	५६	२२
५४	२८	१५	०	३७	१०	५१	५
६०	२७	७९	५	७३	३	३	६१
५०	२८	मा	१४	४४	५२	११	३

ति. पौष कृष्ण पक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणे मार्ग. कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	३९	२५	रो	८	५	सि	५३	५४	बा	१०	३७	२५	४९	५	४	१३	१३	मि ३८।५		
२	बु	३८	५७	मृ	८	१३	शु	५६	९	तै	९	१६	५३	४९	११	५	१४	१४	मिथुने		
३	गु	३७	०	२	आ	९	४४	शु	५४	३९	व	९	२९	५१	५०	१०					
४	शु	४६	५१	२७	पु	१२	५७	ब	५३	५१	ब	११	२४	४८							
५	शु	४९	५१	अ	३	२७	पु	१७	४०	ऐं	५४	२३	कौ	१५	७	४९					
६	श	५५	४९	भ	२	५८	श्ले	२४	५	वै	५५	५०	ग	२०	१२	४९					
७	र	६०	०	कृ	५९	३५	म	३०	५९	वि	५७	५३	वि	२६	१६	४९					
८	चं	१९	६०	०	पू	३८	३०	प्री	६०	०	बा	३२	४४								
९	मं	८	शु	५	५३	उ	४५	५५	प्री	०	११	कौ	५	५३							
१०	बु	९	गु	१२	२	ह	५३	१	आ	२	१६	ग	१	२							
११	गु	१०	शु	१७	२२	चि	५८	४३	मो	३	३९	वि	२	२२							
१२	श	११	श	२०	५८	स्वा	६०	०	शो	४	६	बा	३	५८							
१३	र	१२	र	२३	१४	स्वा	२	४४	अ	५	२८	तै	२३	१४							
१४	चं	१३	चं	२३	४४	वि	५	२०	सु	२५	५६	व	२३	४४							
१५	मं	१४	मं	२२	१८	शु	६	१	शु	५३	२३	श	२२	१८							
३०	बु	३०	बु	१९	ज्ये	५	८	गं	४७	२९	ना	१९	३१								

भ. २९ उ. ३९ या. वृश्चिके बुधः ५९
पू.फा. भौमः २ चतुथी ब्र.
बुधः २ ।४० उ
बुधोदयः पूर्वस्यां ।३३
मकरे
भ. ४४।४२ उ.
भ. १७।२२ या. उषा. शुक्रः ४५।५३
सफला ११ ब्र.
मूले धनुष्यर्कः ५३ (सौरः २०) प्रदोषः
भ. २३ उ. ५३ या. मकरे शुक्रः २८

३५पं.पौ.कृ. ५ श.इ.१।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	४	८	५	४	७
२१	१३	१	१६	१८	२	९	२१
५८	३०	५	७	१६	४८	३४	२९
५८	२५	२	२४	५९	०	३६	५१
६०	२५	६०	४	७३	३	३	६१
५६	२७	३	५	३२	११	११	११

गोचरग्रहाः

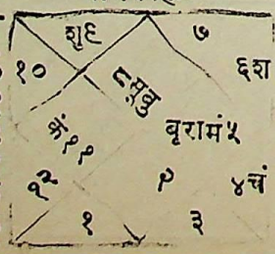

पौष कृ. १२ रवौ धनुष्यर्कः प्र.वा. ३ न. ४ युवा वस्था(सूती) मृ. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शु.उ.प.

गोचरग्रहाः

गु	शु	श	रा	र
	३	४	५	४	७
	१८	०	२३	२०	२८
	१८	९	१०	४५	२८
	६	२९	४४	३५	३४
	२२	७५	२	५३	२	३	६१
	३५	०	४५	२०	३०	११	१९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिथि पौष शुक्लपक्षः सं.२०३६ शाकः १९०१ | दि.उ.अ.इ.रा.मु. चंद्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२४५०स.१९७९

१	शु	१५	२०	मू	२	५९	वृ	४०	२९	व	१५	२०	३५ ३६	५ ६	५ ७	२०	२९	२९	धनुषि
२	शु	१०	२२	पू	० ३	५६ ५५	ध्रु	३३	२८	कौ	१०	२२	३६	५३	७	२१	३०	१	म.१४।६
३	श	४	५५	श्र	५२	११	व्या	२५	४४	ग	४	५५	३६	५३	७	२२	१	२	मकरे
४	श	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	र	५३	२१	ध	८	१६	ह	१८	५	व	२६	१३	३६	५३	७	२३	२	३	कु.२७।१३
६	चं	४७	५४	श	४४	२६	व	१०	३६	कौ	२०	३७	३६	५३	७	२४	३	४	कुम्भे
७	मं	४२	४१	पू	४०	४७	सि	५ ५	५ ३	ग	१५	१७	३७	५३	७	२५	४	५	मी२६ १०
८	बु	३७	४७	उ	३७	४०	व	८	२८	वि	१०	१४	३७	५३	७	२६	५	६	मीने
९	गु	३३	२२	रे	३४	४३	प	४१	५३	वा	५	३५	३७	५३	७	२७	६	७	मे.३४।४३
१०	शु	२९	१३	अ	३२	१७	शि	३५	२४	तै	१	१७	३८	५२	८	२८	७	८	मेषे
११	श	२५	४६	भ	३०	२०	सि	२९	३१	वि	२५	४६	३८	५२	८	२९	८	९	वृ.४५।३
१२	र	२७	४६	कृ	२९	१२	सा	२४	१६	वा	२२	४६	३९	५२	८	३०	९	१०	बृषे
१३	चं	२०	४३	रो	२८	३९	शु	१९	२९	तै	२०	४३	४०	५२	८	३१	१०	११	मि५८।५९
१४	मं	१९	५३	मृ	२९	१९	श	१५	४३	व	१९	५३	४०	५२	८	१	११	१२	मिथुने
१५	बु	१९	५५	आ	३१	१३	ज	१२	४१	व	१९	५५	४१	५२	८	२	१२	१३	मिथुने

ज्येष्ठायां बुधः ३।२१उफा.२ शनिः ४ १ ५ ८ *
सफर २ * चंद्रदर्शनम्
भ.३२।०उ.५९।६या.रा.पौषरंभः

भ. ४२।४१ उ. श्रवणे शुक्रः २९।१०
भ. १०।१४ या.

भ. ५७।२९ उ.वक्री गुरुः ४४।३५
भ २५ ४९ या.पूषा. रविः ५ ५ १ सौरः २३ २१) मूले×
प्रदोषः ×धनुषि बुधः ३ ६ ९ बुधास्तः +
+पूर्वस्याम् ३ ५ ४ २ पुत्रदा ११ व्र.
भ. १ ५ ६ ३ उ. ५ ४ ९ ४ या. जनवरी १ता १९८०
माघ स्ना. प्रा.

३७पं.पौ.शु.३श.इ.०।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	४	९	५	४	८
६	१७	१९	१६	५	३	८	५
३	४२	३१	३८	३८	२२	५०	४७
२९	४	८	२	१३	२३	५	५९
६५	१९	८७	१	१७३	१	२	६१
४	३०	३१	१६	१४	४९	११	२२

गोचरग्रहाः

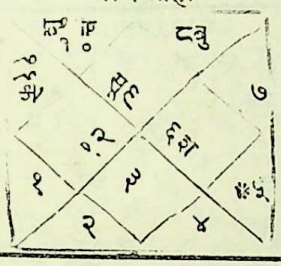

इस मासमें सोना चांदी अनाज रुई गल्ला किराना घृत गुड़ तिल तैल अलसी में मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

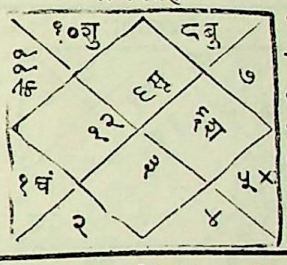

३८पं.पौ.शु.११श.इ.३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	४	९	५	४	८
१३	१९	२९	१६	१४	३	८	१२
११	११	५०	३९	१७	३१	२७	५७
३१	२४	३०	२२	१३	३०	५९	५१
६०	१५	९३	३	७२	१	३	६१
६	२८	५६	ब	५६	७	११	२६

तिथि माघ कृष्णपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१ | दि.उ.अ.इ.रा.मु. चन्द्रः | शिशिरतूरविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्राः

१	गु	२१	२८	पु	३४	२९	ऐं	११	९	कौ	२१	२८	२५ ४२	५ ५	८	३	१३	१४	क.१८।४०
२	शु	२४	३५	पु	३८	५८	[illegible]	२०	३	ग	२४	३५	४३	५१	९	४	१४	१५	कर्के
३	श	२८	५३	श्ले	४४	०	वि	१०	१९	वि	२८	५२	४४	५१	९	५	१५	१६	सिं४४।५६
४	र	३४	१८	म	५	२	पी	११	३०	ब	१	[illegible]	३	४७	५	६	१६	१७	सिंहे
५	चं	४०	३४	पु.	५९	३	आ	१३	१४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	सिंहे
६	मं	४७	४४	उ.	६०	[illegible]	[illegible]	१५	२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	४७	२५	३५	५	१९	१९	क.१६।५६
७	बु	५३	३७	७	५	ह	५९	४९	ब	२३	२५	पू	२	३ ६	२	३६	९	२०	२०	कन्यायां
८	गु	५९	१३	१२	५६	व	४९	९	[illegible]	२६	१	[illegible]	[illegible]	४	२	३७	[illegible]	[illegible]	२१	तु.४७।१७
९	शु	६०	०	[illegible]	२०	२५	४६	२०	५	२७	३	[illegible]	[illegible]	७	२	[illegible]	८	[illegible]	२२	तुलायां
१०	श	३	३०	स्वा	२५	२८	[illegible]	२०	५३	ग	१९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३८	९	१९	श. ३	तुलायां
११	र	६	१७	वि	२८	५५	[illegible]	१८	३८	वि	६	१७	५८	४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२४	बृ.१३।५
१२	चं	६	११	अ	३०	२७	गं	१७	०	वा	६	११	२ ६	४८	१२	१५	२४	२५	वृश्चिके
१३	मं	६	४	ज्ये	३०	६	बृ	१२	४२	तै	६	[illegible]	३	४७	१३	१५	२५	२६	ध.३०।६
१४	बु	३	०	मू	२७	४७	ध्रु	७	५ २	व	३	[illegible]	५	४७	१३	१६	२६	२७	धनुषि
१५	बु	५५	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	गु	५२	५	पू	२३	५६	ह	५१	२५	च	२५	९	८	४६	१४	१७	२७	२८	म.२७।४१

चन्द्रे बुधः ११।४४

३९पं.मा.कृ.३श.इ.०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	र
८	४	०	५	४	१०	८
२०	१०	७	०	४	२१	२०
१९	८	८	५५	० १	४५	७
२९	८	३८	३०	५६	१३	३८ ४८
६१	१०	[illegible]	[illegible]	४	३०	३ ६१
६	२३	४३	ब	४३	१७	११ २६

गोचरग्रहाः

मा. कृ. ११चंद्रे मकरेऽर्कः प्र. वा. २नं २गतालकावस्था(ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

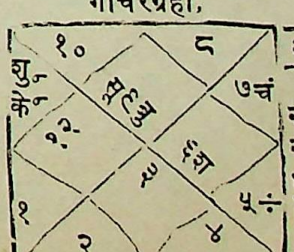

४०पं.मा.कृ.३श.इ.२५

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	५	१०	५	४	८
२७	२०	२१	१६	१	३	७	२७
२७	४३	४४	१३	२८	३४	४३	१७
४	१	२०	१२	२६	३०	१८	४०
६१	४	०	५३	७२	२०	३	१
६	४०	५६	ब	२०	ब	११	२४

* रा.वृ.मं. ≡ रा.बु.मं. (स ५००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्) × रा.बु.मं. ÷ रा.वृ.मं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

न. माघ शुक्लपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | शिशिरे रविरुत्तरेऽहर्गणः २४७९ सं. १९८०

१	शु	४४	५७	उ	१८	५५	व	४२	४३	कं	१८	२१	२६	१०	४६	१४	५	१८	२८	२९	मकरे
२	श	३७	२५	अ	१३	२५	सि	३३	३५	वा	११	१०	१२	४६	१४	१९	२९	३०	कु.४०।३३
३	र	२९	४७	ध	७	४१	व्य	२४	१७	तै	३	३६	१५	४५	१५	२०	३०	१	कुम्भे
४	चं	२२	२१	श	५८	५४	व	१५	५	वि	२२	३१	१७	४५	१५	२१	१	२	मी ४३।१०
५	मं	१६	२४	उ	५२	२८	प	५६	५१	वा	१६	२४	२०	४४	१६	२०	२	३	मीने
६	बु	१०	४	रे	४८	५३	सि	५१	२१	तै	१०	४	२२	४४	१६	२३	३	४	मे. ४८।५३
७	गु	५	४	अ	४६	१९	सा	४४	५३	व	५	४	२५	४३	१७	२४	४	५	मेषे
८	शु	१	१०	भ	४४	४६	शु	३९	१६	ब	१	१०	२७	४३	१७	२५	५	०	वृ. ५९।४१
९	शु	५७	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	६	०
१०	श	५६	१६	कृ	४४	२५	शु	३४	३२	तै	२७	१७	३०	४२	१८	२६	६	७	वृषे
११	र	५५	२७	रा	४४	५०	न	३०	४३	व	२५	५२	३३	४१	१९	२७	७	८	बृषे
१२	चं	५५	४९	भृ	४६	३६	ष	२७	४६	ब	२५	३८	२६	४१	१९	२८	८	९	मि १५।४३
१३	मं	५७	२	आ	४९	१२	वै	२५	३७	कौ	२६	२६	३९	४०	२०	२९	९	१०	मिथुने
१४	बु	५९	२०	पु	५३	३	वि	२४	२१	ग	२८	११	४२	४०	२०	३०	१०	११	क. ३७।५
१५	गु	६०	०	पु	५७	५३	प्री	२४	२	वि	२१	१५	४६	३९	२१	३१	११	१२	कर्के
१५	शु	३	१०	श्ले	६०	०	आ	२४	१४	ब	३	१०	४९	३८	२२	१	१२	१३	कर्के

चन्द्र दर्शनम्
भ. ५६।९ उ. रविलावल ३
भ. ३३/१ या. आभ प्र. रविः ४५/३ (सौरः÷
वसंतपचमी श्री५ ÷१०/२५ रा. माघारंभः
श्रवणे बुधः १२।९३
भ. ५/४ उ. ३/७ या. श्रवणे रविः १९/८ सौरः २६/२२ *
अभि. नि. रविः ११/३७ (सौरः १९/३८)
*वक्री उफा. २शनिः ३/४ भानु७भीष्माष्टमी

भ. ५५/२ उ. ५/२७ या. पूभा. शुक्रः १४/२१ जया×
जया ११ व्र. वै. × ११ व्र. स्मा
प्रदोषः
भ. ५९।२० उ. धनि. बुधः २१।३३
भ ३१।१५ या. माघस्नान पूर्तिः
मघा २ राहुधानिष्ठा ४ः केतु १३/४९ फर्वरी २९

४१ पं. मा. शु. २ श. इ. ०।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	४	१०	५	४	९
४	२०	३	१५	१०	३	७	४
३५	३८	९	४६	२	२८	२१	२७
३१	४२	२८	४४	२०	१६	२	९
६१	५९	०	८	७२	१५	३	६१
३	ब	३८	ब	०	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

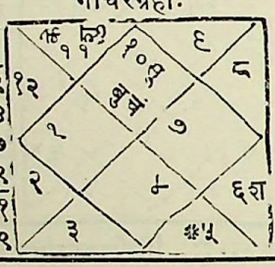

कुंभराशौ स्थिते शुक्रे सुभिक्षं प्रचुरं जलम्। भवत्यत्र न संदेहो लोकाः सर्वे निरामयाः फल उत्तम है मंदी हो।

गोचरग्रहाः

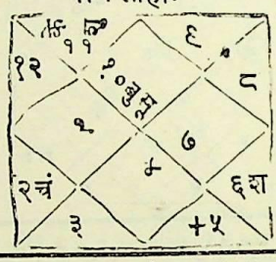

४२ पं. मा. शु. १० श. इ. ०।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	४	१०	५	४	९
११	१९	१४	१५	१८	३	६	११
४२	५९	५७	१२	३१	१६	५९	३६
५८	२८	४	३२	४०	१६	५७	०
६०	३७	५	२०	७१	५६	३	६१
५९	ब	२३	ब	४२	ब	११	१३

त. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़ कृ. महाराष्ट्राः

१	श	८	५५	श्ले	३	४९	सो	२५	३४	कौ	८	५५	२९	३८	९	२२	५	२	१३	१४	सि ३।४९
२	र	१३	२९	म	१०	२९	शो	२६	०	ग	१३	२९	५५	३७	२३			३	१४	१५	सिंहे
३	चं	१९	४०	पू	१७	४८	अ	२९	१४	वि	१९	४०	५९	२६	२४						।४१
४	मं	२५	४	उ	२५	२२	सु	३१	३८	वा	२६	४	२७	३६							
५	बु	३२	३४	ह	३३	२३	धृ	३३	५५	तै	३२	३४	६	३५							
६	गु	३८	३७	चि	४०	४	शू	३५	२२	ग	५	३५	९	३०							
७	शु	४३	४४	स्वा	४६	१	गं	३६	४३	वि	११	५	१३								
८	श	४७	१९	वि	५०	४७	वृ	३६	४०	वा	१५	३२									
९	र	४९	१३	अ	५३	५२	ध्रु	३६	१०	तै	१८	१६	२०								
१०	चं	४८	३	ज्ये	५४	५८	व्या	३२	१२	व	१८	३८	२४	३१							ब. ५४।४८
११	मं	४६	५३	मू	५३	५३	ह	२७	२७	ब	१७	२८	२७	३१	२९	१२	२३	२४	धनुषि
१२	बु	४२	३९	पू	५१	३०	व	२१	२५	कौ	१४	४६	३१	३०	३०	१३	२४	२५	धनुषि
१३	गु	३६	३९	उ	४६	३	सि	१३	५१	ग	९	३९	३५	२९	३१	१४	२५	२६	।५।८
१४	शु	२९	७	श्र	३९	५५	व्य	४९	५०	वि	२	५३	३८	२८	३२	१५	२६	२७	मकरे
३०	श	२०	४२	ध	३३	१०	प	४४	३३	ना	२०	४२	४२	२८	३२	१६	२७	२८	कु. ६।३२

भ. ४६।३४ कुंभे बुधः ३५।२३
भ. १९।४० मीने शुक्रः ३/३ चतुर्थी व्र

इस मास ३३
राभी वृ. स्मार्ता.
भ १८।३८ उ ४८।३ या.
वक्री मघा ४ गुरुः १७।५७ विजय ११ व्र.
कुंभेऽर्कः २।४४ (सौरः ६।१०)
भ. ३/९ उ. पूभा. बुधः ४/३७ प्रदोषः महाशिव+
भ. २।५३ या. महाशिवरात्रि व्र. वै.
सूयँ ग्रहणम्

४३ पं फा कृ. १ श. इ. ०।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	४	१०	५	४	९
१८	१८	२७	४	२६	२	६	१८
४९	४४	१०	३१	५९	१५	३७	४४
२१	२४	३३	१२	२७	३८	३१	२
६०	३८	०	२६	७१	३२	३	६१
५५	ब	१३	ब	१७	ब	११	४

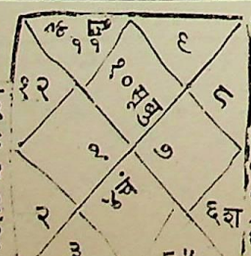

४४ पं. फा. कृ. ८ श. इ. ०।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१०	४	११	५	४	९
२५	१७	९	१३	५	२	६	२५
५५	६	३३	४३	२२	३८	१५	५०
१६	५०	६	४०	१	३१	१५	४९
६०	२६	०	१२	७०	१३	३	६०
४७	ब	५१	ब	४३	ब	११	५५

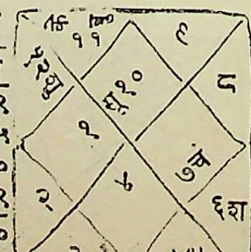

४५ पं. फा. कृ. ३० श. इ. ०।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१०	४	११	५	४	९
१०	३	०	२३	२०			२
०	८	९	१०	४५			१६
४	५	२९	४६	३	२३	५	५२
६०	३३	६१	३०	४६	३	३	६०
३७	ब	५०	ब	६	ब	११	४२

+ मं. बृ. रा. = मं. बृ. रा. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) + मं. बृ. रा. × मं. बृ. रा.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः स० २०३६ शाकः १९०१ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | शिशिरतूरविरुत्तरेऽहर्गणः २५०९सं १९८०

१	र	११	३१	श	२५	५४	शि	३३	५८	व	११	३१	२७ ४६	६ २७	५ ३३	१७	२८	२९	कुंभे
२	चं	२	२४	पू	१९	५	सि	२३	४०	की	२	२४	५०	२६	३४	१८	२९	१	मी ६।४७
३	चं	५१	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	मं	४५	५८	उ	१२	१८	सा	१३	४२	व	१९	५३	५४	२५	३५	१९	३०	२	मीने
५	बु	३८	१४	रे	६	४५	शु	५० ४	५३ २४	व	१२	६	५८	२४	३६	२०	१	३	मे. ६।४५
६	भु	३३	५९	अ	४ ३३	५७ ८	त्र	५०	४१	की	६	७	२ २	२४	३६	२१	२	४	मेषे
७	शु	३०	१४	कृ	५८	४४	एं	४५	९	ग	२	७	६	२३	३७	२२	३	५	वृ. १३।४८
८	श	२८	१	रा	५९	२	वै	४१	१०	ब	२८	१	१०	२२	३८	२३	४	६	वृषे
९	र	२७	२४	मृ	६०	०	वि	२८	८	की	२७	२४	१४	२१	३९	२४	५	७	मि २८।५९
१०	चं	२८	२०	मृ	०	५६	ी	३६	३४	ग	२८	२०	१८	२०	४०	२५	६	८	मिथुने
११	मं	०	२६	आ	४	१६	आ	३५	५३	वि	३०	२६	२२	२०	४०	२६	७	९	क. ५२।३६
१२	बु	३३	४४	पु	८	४३	सो	३६	११	ब	२	५	२६	१९	४१	२७	८	१०	कर्के
१३	भु	३८	८	पु	१४	२	शो	३६	५२	की	५	५६	३०	१८	४२	२८	९	११	कर्के
१४	शु	४३	२३	श्ले	२०	२४	अ	३८	११	ग	१०	४६	३४	१७	४३	२९	१०	१२	सिं २०।२४
१५	श	४८	४१	म	२७	८	सु	३९	५५	वि	१९	२	३८	१६	४४	१	११	१३	सिंहे

चन्द्रदर्शनम्
रेवत्यांशुक्रः ३३/३४ फुलरिया २ रविलाखर ४
भ. १९/५३ उ ४५/५८ या. शते रविः ३९/५ ❀
रा. फाल्गुनारंभः ❀(सौरः ४१।३२)
भ. ३०।१३उ. ५०।७ या.
वक्री मघायां भौमः ३८।८ होलाष्टक
भ. ५९।२३ उ.
भ. ३९/२९ या. वक्री बुधः ३९/१ आमलकी ११ ब्र. +ता. ३१ होलिकादहनं
बुधास्तः पश्चिमायाम् २।३४ प्रदोषः
भ. ४३।२३ उ,
भ. १९/३ या. आश्वि मेषे शुक्रः मार्च १+

४६पं.फा.शु.८श.इ.१।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	४	११	५	४	१०
३	१२	२७	११	२१	१	५	१०
३	५७	१२	५७	५१	४५	३०	१
२२	५०	३९	४	४६	२९	४१	२५
६०	३९/५	३४	५२/७	६९	४/६	३	६०
२५	ब	१९	ब	२०	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

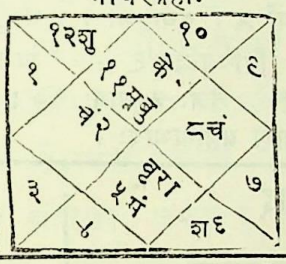

फा. कृ. १२ बुधे कुम्भेऽर्कः प्र. वा. २ न. ४ गतालका वस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

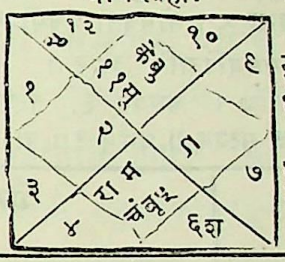

४७पं.फा.शु.१५श.इ.१।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	४	११	५	४	१०
१७	१०	२६	११	२९	१	५	१७
५	२६	४१	०	५७	१४	८	४
४६	५०	९	५४	२५	४६	२९	१५
६०	३५/५	२०	४३/५	५२/७	६८	२३/४	३	६०
१२	ब	ब	ब	२८	ब	११	२०

ति. चैत्र कृष्णा पक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१ | दि. उ. अ. इ. रा मु. | चंद्रः | वसततूरविरुत्तरे फाल्गुन कृ. महाराष्ट्रः

१	र	५५	२४	पू	३४	२३	धृ	४२	६	बा	२२	२	४२	१९/६	४४/५	२	१२	१४	क. ५१।१६
२	चं	६०	०	उ	४१	५६	शू	४४	४०	तै	२८	३२	४६	१५	४५	३	१३	१५	कन्यायां
२	मं	१	४१	ह	४९	२६	गं	४६	३८	ग	१	४१	५०	१४	४६	४	१४	१६	कन्यायां
३	बु	८	१	चि	५६	४०	वृ	४८	४९	वि	८	१	[illegible]			५	१५	१७	तु. २३।३
४	गु	१३	५९	स्वा	६०	०	ध्रु	५०	१४	बा	१३	५९	[illegible]			[illegible]		१८	तुलायां
५	शु	१९	२	स्वा	३	९	व्या	५१	०	तै	१९	२	[illegible]			५		१९	वृ. ५१।४०
६	श	२३	२८	वि	७	५	ह	५९	४९	व	२३	२५	२	३/६	२/३	३६	९	२०	वृश्चिके
७	र	२६	१०	अ	१२	५६	व	४९	६	च	२६	१	[illegible]			[illegible]		[illegible]	वृश्चिके
८	चं	२७	३	ज्ये	१५	३१	सि	४६	७	की	२७	३	[illegible]			[illegible]		२१	१५।३१
९	मं	२३	१३	मू	१६	२६	व्य	४१	३३	ग	२९	२३	१९	[illegible]		[illegible]		१९	धनुषि
१०	बु	२३	२२	पू	१५	२०	व	३५	३०	वि	२३	२२	२२	७	५२	१८		२४	म. २८।३३
११	गु	१८	४६	उ	१२	११	प	२७	५१	बा	१८	४६	२७	७	५३	१३	२३	२५	मकरे
१२	शु	१२	७	श्र	७	२८	शि	१८	५८	तै	१२	७	३२	६	५४	१४	२४	२६	कु. ३४।१९
१३	श	४	९	ध	१९/१	५२/४	सि	३/३	४९/५	व	४	९	३६	५	५५	१५	२५	२७	कुम्भे
१४	श	५०	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	र	४५	१६	पू	४५	५६	शु	४७	२७	च	२०	५	४०	४	५६	१६	२६	२८	मी ३२।५५

छारेंडी वसंत १
पूभा. रविः ५५।१०(सौरः ५६।१९)
भ. ३४।५१ उ.
भ. ८।१ या. चतुर्थी ब्र.
[illegible]
भ. २३/२८ उ. ५४/४९ या. वक्री शते बुधः २७/५९
वक्री मघा ३ गुरुः ११।३
शीतलपूजनम्
भ. ५४।[illegible]७ उ.
भ.२३।२२या. भरण्यां शुक्रः ५.२।३०
मीनेऽर्कः ५६/७ सौरः ५६/३९ बुधोदयः पूर्व.*
प्रदोषः *६।६ पापमोचनी ११ ब्र.
भ. ४।९ उ. २९।३२ या.
वक्री उफा.१सिंहे शनिः ५१/४० मन्वादिः

४८पं.चै.कृ.६ श.इ ५०/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	४	०	५	४	१०
२४	८	२०	१०	७	०	४	२४
६	२३	२८	८	५५	५१	४५	५
२९	२८	४८	३८	३०	५६	१३	३८
५९	४०/७	६६	२९/७	४७	५४/८	३	६०
५८	ब	ब	ब	२६	ब	११	६

गोचरग्रहाः

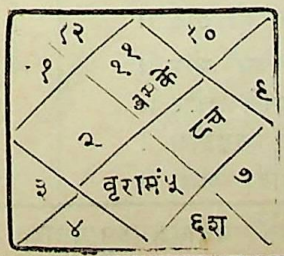

चैत्र कृ. १ गुरौ मीनेऽर्कः प्र. वा. २न.३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु. उ. प.

गोचरग्रहा

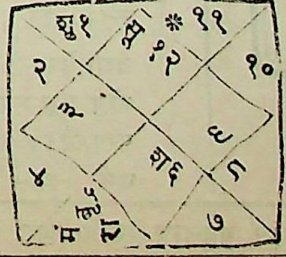

४९पं.चै.कृ १३श.इ.१०/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	१०	४	०	५	४	११
१	६	१५	९	१५	०	४	१
५	२१	२	१८	४३	८	२२	५
४२	२५	३४	२८	४	३१	५७	२०
५९	५३/८	५४/९	४७/९	६६	४०/८	३	५९
४१	ब	ब	ब	१२	ब	११	४९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०८१ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०८१ भोग्यकलिः ४२६९१९ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीरविक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३७ शाकः १९०२ । वर्षेऽस्मिन् राजा चन्द्रः । मंत्री रविः । सस्येशो भौमः । धान्येशो चन्द्रः । मेघेशोशनिः । रसेशोः गुरुः । नीरसेशो भौमः । फलेशः शनिः । धनेशः चन्द्रः । दुर्गेशः शनिः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ७ श्रीमुखनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये: गतमासादिः ७।८।३५।३० भोग्यमासादिः ४।२१।२४।३० बार्हस्पत्यदैवतं युगम् । वर्ष नाम माघः । मेघ नाम आवर्तः । रोहिणीनिवासः समुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा ८ । समयवाहनम् मृगः । स्तंभाः ३ अन्नतृणवामूनां । सोमवत्यमा × । सोमवती पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी × । बुधाष्टमी + । भानुसप्तमी १ । रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३८२ । तिथिक्षयः १७ । तिथिवृद्धिः ९ । उत्पत्तिविश्वा ९२ । खपति विश्वा ८४ । वर्षा विश्वा ७ । धान्यम् ९. तृणम् १३. शीतम् १७. तेजः ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यम् १०५ सत्यम् ॥ धर्मम् १॥ पापम् १८ शनिदृष्टिर्दक्षिणे ग्रहणाभावः ।

भैरव-भवानी सम्वाद

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्षलग्नम् ७।२४

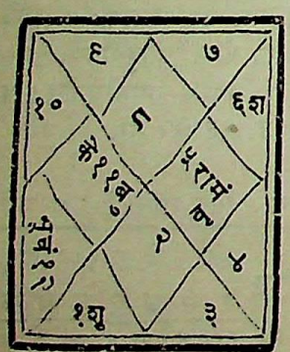

जय जय मात ५२ रम्भार ।
संवत्सर सै सार ॥

श्रीमुख सच[illegible]पजै नीक सुधान ।
वेद बखाने विप्रजन यज्ञ करैं यजमान ॥
क्षय रोगी राजा शशि रवि मंत्री बलवान ।
राजा रहसी हीनबल सचिव तथा धनवान ॥
आषाढ मास वर्षा हुवे श्रावण करसी तंग ।
मझ खेती के मांयने कहींक होसी भंग ॥
सागर में रोहिणी बसी संवत विश्वा आठ ।
स्तंभ तीन इस वर्ष में अन्न तृण का हो ठाठ ॥
दशाधिकारी योग में पापग्रहों का जोर ।
रोग युद्ध भय फैलसी जग में मांचे शोर ॥
पण भैरव भय मत करे रक्षक है जगदीश ।
धर्म कर्म करते उन्हें नवावो शीश ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेशलग्नम् ३।२४

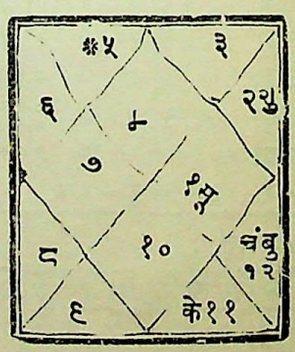

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१८।० केतकीमतेन वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशाः २३।३३।५६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रस्तत्फलम् ॥ चन्द्रे नृपे मंगलशोभमानि प्रभूति वृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ॥ मन्त्री रविः फलम् । नृप भयं गदतोपिहि तस्करात् प्रचुरधान्यधनादि महीतले । रसचयंहि समर्घतमं तदा रविरमात्यपदं हि समायतः ॥ सस्येशो भौमस्तत्फलम् ॥ प्रथमधान्यपतौ धरणीसुते गजतुरंगखरोष्ट्र-गवामपि प्रभवदो बहुरोगघनो जलं न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत् ॥ धान्येशश्चंद्रः फलम् ॥ चन्द्रे धान्याधिपे जाते प्रजा वृद्धिः प्रजायते । गोधूमा सर्वपाश्चैव गोषु क्षीरंतदा बहु ॥ मेघेशः शनिः फलम् ॥ रविसुते जलदस्य पतौ भवेद्विरलवृष्टिवतीव वसुन्धरा । मनसि तापकरो नृपतिः सदा विविधरोग-रता जनता मता ॥ रसेशः गुरुः फलम् । यदि गुरू रसपोजनसौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानि च । जनपदा द्विजपूजनतत्परा गजसुवाजिरथोष्ट्र युता नृपाः ॥ नीरसेशो भौमः फलम् । नीरसेशो यदा भौमः प्रवालरक्तवाससां । रक्तचन्दनताम्राणामर्घवृद्धिर्दिने दिने ॥ फलेशः शनिः फलम् ॥ यदि शनिः फलप फलहा भवेज्जनित पुष्प गणश्च द्रुमः सदा । हिमभयं वरतस्करजन्तुभिर्जजनपदो गदराशिमहाकुलः ॥ धनेशो भौमस्तत्फलम् । असममौल्यकरो धरणीसुतः शरदि ताथकरः तुषधान्य हृत । सहसि मासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जनशोकविधायकः ॥ दुर्गेशः शनिः फलम् ॥ रविसुते गढ़-पालिनि विग्रहैः सकलदेशगताश्चलिता जनाः । विविधवैरिविशोषितनागराः कृषिधनं शलभैर्मुषितं भुवि ॥ श्रीमुख नाम संवत्सरः फलम् । श्रीमुखाब्देऽखिला धात्री बहुसस्यार्घसंयुता । अध्वरे निरता विप्रा वीतरोगा विवैरिणः ॥ वर्षनाम माघः फलम् ॥ सुभिक्षंपूर्वयाम्यायां मध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरे रौरवं माघे वर्षे धान्यमहर्घता । मेघ नाम आवर्तफलम् । आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् । रोहिणी-निवासः समुद्रे फलम् ॥ समुद्रे तु महावृष्टिः । समयनिवासो मार्जाकारगृहे फलम् । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

सं० २०३६ मध्ये विवाहमुहूर्त्ताः

कार्तिक मासः ।

शु. १२ बुधे रेव. ल. गो. रे.६।।।।ऽ।।।।। भौ. ८ दोषः

,, १५ शनौ. रौहि. ल. ५ रे.८।।।।ऽ।ऽ।ऽ।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. १ रवौ मृगे ल. ५।७ रे.८।।।।।ऽरो.ऽ।। तुलायां शनिः १२ पूज्यः

,, ६ रवौ उफा. ल. ५।७ रे. ८।।।।।ऽनृ. ऽ।। सिंह लग्न-घटी ४२।५५ उप.

,, ६ चन्द्रे उफा. ल. अन्यगो. रे ८।।।।।।ऽ।ऽ भौ. ८ दोष दग्धादोषश्चावश्यके

,, ३ बुधे उषा. ल. ७ रे. १०।।।।।।।।।

पौष मासः ।

शु. १६ शुक्रे रोहि. ल. ८ (चं. ७ पूज्यः) रे.८।।।।।।।ऽऽ गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः दग्धा. आवश्यके

माघ मासः ।

कृ. ४ शनौ उफा. ल. ८।६ रे. ८।।।।ऽअ.।ऽ।।

,, ६ गुरौ अनु. ल. ६ रे. ७ऽ।।।।ऽऽ।।

शु. ५ चन्द्रे रेवत्यां ल. अन्यगो. रे. ६।ऽ।।ऽ।ऽऽ।।

भौमः ८ दोषः आवश्यके

,, ८ गुरौ रोहि. ल. ८ (चं. ७ पूज्यः) रे. ६।।।।।ऽ।।। संक्रांति-दिनम्

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५,३८स.१९८०

१	चं	३५	१८	उ	३८	१३	श	३६	२०	क	१०	१७	२९	६	५	१७	२७	२९	मीने
२	मं	२५	४६	रे	३०	५२	न	२५	४९	की	२५	४६	४९	२	५८	१८	२८	३०	मे.३०।५२
३	बु	१७	२०	अ	२४	३२	ऐं	१६	११	ग	१७	२०	५३	१	५९	१९	२९	१	मेषे
४	गु	१०	८	भ	१९	४८	वै	७	३२	वि	१०	८	५७	१	५९	२०	३०	२	वृ.३४।३
५	शु	४	३५	कृ	१६	५०	वि	३९	५४	वा	४	३५	३०	६	६	२१	१	३	वृषे
६	श	१	६	रा	१५	३४	आ	५१	२९	तै	१	६	१	५	०	२२	२	४	मि४५।५८
७	श	५८	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	र	५९	४१	मृ	४६	२१	सो	४८	०	वि	२८	३१	१०	५८	२	२३	३	५	मिथुने
९	चं	६०	०	आ	१९	४	शो	४७	२	वा	३०	४४	१४	५७	३	२४	४	६	मिथुने
१०	मं	१	४७	पु	२३	२०	अ	८८	३१	की	१	४७	१८	५६	४	२५	५	७	क ७।१६
११	बु	५	१४	पु	२९	१६	सु	४९	२३	ग	५	१४	२३	५५	५	२६	६	८	कर्के
१२	गु	१०	२	श्ले	३५	१३	धृ	५१	१५	वि	१०	२	२७	५५	५	२७	७	९	सिं३५।१३
१३	शु	१५	३७	म	४२	३५	शू	५३	१८	बा	१५	३७	३१	५४	६	२८	८	१०	सिंहे
१४	श	२१	४२	पू	४९	५६	गं	५६	३१	तै	२१	४२	३५	५३	७	२९	९	११	सिंहे
१५	र	२८	५	उ	५७	२१	वृ	५७	४६	व	२८	५	३९	५२	८	३०	१०	१२	क.६।४७
१६	चं	३४	१४	ह	६०	०	ध्रु	५९	५९	वि	१	१०	४४	५१	९	३१	११	१३	कन्यायां

उभा.रविः १७ [सौरः १७] नवरात्रारंभः×
चन्द्रदर्शनम् सिंझारा ×संवत्सरारम्भः
भ.४३ उ.मत्स्यज. गणगौरी जमादि.५
भ. १०।८ या.
मार्गी बुधः ६।२७ रा. चैत्रारम्भः
भ. ५९।२० उ.

भ. २९।३१ या.
रामनवमी
कृत्तिकायां शुक्रः ८।४६
भ. ३७।३८ उ.
भ. १०।२ या. कामदा ११ व्र.
वृषे शुक्रः २३।४७ प्रदोषः

भ. २५ उ. रेव. रविः ४४ [सौरः ४४]
भ. १।१० या हनुमज्जयन्ती

५०पं.चै.शु.६श.इ.२।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	१०	४	०	४	४	११
८	४	१४	८	२३	२९	४	८
३	४५	२०	३३	१९	३५	०	३
१८	०	४२	२८	१२	३१	४२	९५
५९	५३	५	६	६४	३७	३	५९
२९	ब	२०	ब	३८	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

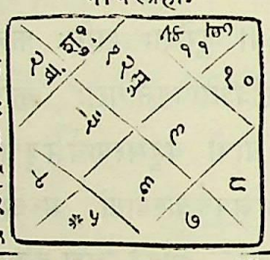

बृहस्पतिर्यदा सिंहे सुभिक्षं तत्र जायते। मेघाश्च प्रबलास्तत्र बहुसस्या च मेदिनी॥ भौमवार का चंद्र-दर्शन सब वस्तु तेज करेगा।

गोचरग्रहाः

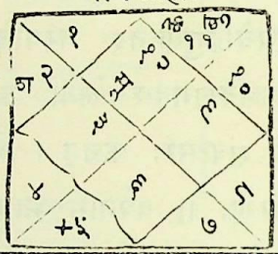

५१पं.चै.शु.१३श.इ.२।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	१०	४	१	४	४	११
१४	३	१७	७	०	२९	२	१४
५९	३७	४८	५४	४०	३	३८	५९
१३	३७	१८	४३	५२	१४	२६	२१
५९	२८	३६	५०	६२	१८	३	५९
१६	ब	३१	ब	४४	ब	११	१८

ति. वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०३७शाकः १९०७ | दि | उ | अ. | इं.रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे चैत्र कृ महाराष्ट्रा

१	मं	४०	१९	ह	४	३६	ब्या	६०	०	वा	७	१७	३०	५	६	१	१२	१४	तु.३८।१४
२	बु	४५	४८	चि	११	५०	ब्या	१	५२	तै	१३	४	५२	५०	१०	२	१३	१५	तुलायाँ
३	गु	५०	२३	स्वा	१८	४	ह	३	१५	व	१८	५	५६	४९	११	३	१४	१६	तुलायां
४	शु	५४	१४	वि	२३	४	व	४	१६	ब	२२	५०	३१	४८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	१७	वृ.७।१६
५	श	५७	२	अ	२८	१३	सि	४	६	की	२५	३८	०	४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	बृश्चिके
६	र	५८	३२	ज्ये	३१	४१	ज्य	३	१३	ग	२७	४७	८	४६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	.३१।४१
७	चं	५८	३९	मू	३३	४०	व	२३	५५	वि	२७	३५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	धनुषि
८	मं	५६	५८	पू	३४	१७	शि	५३	५२	वा	२७	४९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२१	म.४८।५८
९	बु	५३	५२	उ	३३	२	सि	४८	२९	तै	२७	४२	२०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२१	२२	मकरे
१०	गु	४८	५४	श्र	३०	१६	सा	४०	३	व	२१	३८	२४	४३	१७	१०	२२	२३	कु.५८।९
११	शु	४२	३८	ध	२६	२	शु	३२	४३	ब	१५	४६	२८	४२	१८	११	२०	२४	कुम्भे
१२	श	३४	४१	श	१९	१६	शु	२२	२०	की	८	४०	३२	४२	१८	१२	२३	२५	कुम्भे
१३	र	२६	१	पू	१३	४६	न	१२	१७	च	०	३८	३६	४१	१९	१३	२४	२६	मी.०।८
१४	चं	१६	२९	उ	२	५३	ऐं	४४	५०	श	१६	२९	४०	४०	२०	१४	२५	२७	मे.५८।४४
३०	मं	६	५२	अ	५१	३०	वि	४१	२६	ना	६	५२	४३	३९	२१	१५	२६	२८	मेषे

पूभा. बुधः ३० अप्रेल ४ ता. ३०

भ. १८।५ उ. ५०।२३ या.
चतुर्थी ब्र.
मार्गी भौमः ३१।३९
भ. ५३ उ.मघा १ राहुः धनि.३ केतुः १७
भ. ३८।३५ या. रोहि. शुक्रः १६।२

भ. २१ उ. ४५ या. मीने बुधः ५०
वरूथिनी ११ व्र.
उभा. बुधः ३०।१२
भ २६।१ उ. ५१।१५ या. आश्वि*
*मेषेऽकः १५ [सौरः १८] प्रदोषः

५२पं.वै.कृ.५श.इ.३।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	१०	४	१	४	४	११
२१	३	२३	७	७	२८	३	२१
५३	६	५७	२३	४६	३२	१६	५३
३१	२२	१०	३१	१२	४६	११	३२
५९	३०	१०	४३	६०	४	३	५९
४	ब	२९	ब	२६	ब	११	४

गोचरग्रहाः

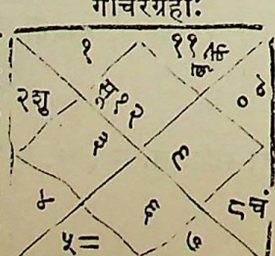

वै. कृ.१३ रवौ मेषेऽकः प्र वा.४ न. ५ बृद्धावस्था (बैठी) मू.४५ धा. भावे महर्घता शु. उ. पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

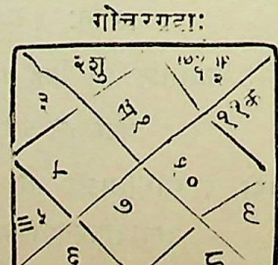

१पं.वै.कृ.१३र.इ.१८।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	४	१	४	४	११
०	३	४	६	१५	२८	२	२९
०	१५	२६	५६	३८	२	५०	५९
०	३६	१०	१०	४५	४२	२	४१
५८	७	८१	२	५६	३८	३	५८
४४	भा	२६	ब्र	२९	ब	११	४५

*मं.बृ.रा.श. =श.बृ.मं.रा. (सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्) +मं.चं.बृ.रा.श. ≡बृ.मं.रा.श.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त.| वैशा व शुक्लपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २५६८स. १९८०

१	मं	५०	३४	भ	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	बु	४९	२०	कृ	४५	११	मी	३१	५२	बा	२३	२६	३१ / ४७	३९ / ५	२६ / २	१६	२७	२९
३	गु	४२	१५	कृ	४०	१८	आ	२३	२२	तै	१५	४७	५१	३८	२२	१७	२८	१
४	शु	३६	५२	रो	३७	१०	सौ	१६	२	व	९	३३	५५	३७	२३	१८	२९	२
५	श	३३	३१	मृ	३५	५६	शो	१०	३३	ब	५	११	५८	३६	२४	१९	३०	३
६	र	३२	३१	आ	३७	१३	अ	६	५०	कौ	३	१	३३	३६	२४	२०	३१	४
७	चं	३४	२५	पु	४०	१२	सु	४	४२	ग	३	२८	६	३५	२५	२१	१	५
८	मं	३६	२३	पु	४४	५९	धृ	४	१७	वि	५	२४	१०	३४	२६	२२	२	६
९	बु	४०	५१	श्ले	५१	९	शू	४	४०	वा	८	३७	१४	३३	२७	२३	३	७
१०	गु	४६	२५	म	५८	३१	गं	६	११	तै	१३	३८	१७	३३	२७	२४	४	८
११	शु	५२	४४	पू	६०	०	वृ	८	३४	व	१९	३४	२१	३२	२८	२५	५	९
१२	श	५९	७	पू	५	५०	ध्रु	१०	५९	व	२५	५५	२५	३१	२९	२६	६	१०
१३	र	६०	०	उ	१३	३१	व्या	१३	३५	कौ	३२	१२	२९	३०	३०	२७	७	११
१३	चं	५	१७	ह	२०	०	ह	१५	४३	तै	५	१७	३२	३०	३०	२८	८	१२
१४	मं	१०	५०	चि	२७	२७	व	१७	२३	व	१०	५०	३६	२९	३१	२९	९	१३
१५	बु	१५	१९	स्वा	३३	३४	सि	१८	३८	ब	१५	१९	४०	२८	३२	३०	१०	१४

तुलायां
तुलाया

चंद्रदर्शनम्
अक्षया ३परशुराम ज. जमादिलाखर ६
भ. ९।३३ उ. ३६।५२या.

÷रा.वैशाखारम्भः
भ. ३४।२५ उ. रेवत्यां बुधः २५।८÷
भ. ५।२४ या. मृगे शुक्रः ३।२९
मार्गी गुरुः ४४।१५

भ.१९।३४उ.५२।४४या मोहिनी ११व्र.
भरण्यां रविः ५९।१५मधा. ३गुरुः ५२/४९
भरण्यां रात्रिः सौरः०।३६प्रदोषः
नृसिंह जयन्ती
भ.५०उ.४९या. अश्वि. मेषे बुधः५।२८
यमायसान्नजल कुंभदानम्

२पं.वै.शु.६र.इ.१९।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	४	१	५	४	०
६	३	१४	६	२१	२७	२	६
५०	५९	५३	४३	४९	३७	२७	४९
४२	६	२४	३७	५	५	४६	५३
५८	१२	९७	४०	५२	७	३	५८
३१	१	९	ब	२०	ह	११	२९

गोचरग्रहाः

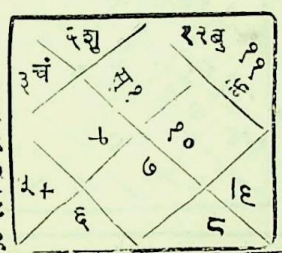

एक राशौ यदा योति चत्वारः पंच खेचराः । प्लावयंति महीं सर्वां रुधिरेण जलेन वा ॥

गोचरग्रहाः

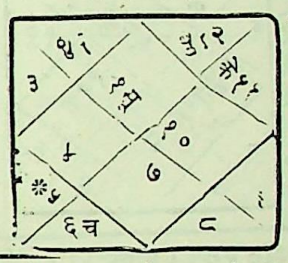

३पं.वै.शु. १३र.इ१९।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	४	१	५	४	०
१३	६	२६	६	२७	२७	२	१३
१९	२८	५५	४०	२०	१७	५	२८
३३	५२	२२	१९	३१	३५	३१	१७
८	१५	८०	४३	४६	२२	३	५८
१९	४५	१७	मा	२९	ब	११	१२

नि.| प्र ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२ | दि. | उ. | अ | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृ. महाराष्ट्राः

१	गु	१९	४३	वि	३७	३५	व्य	१९	१५	कौ	१९	४३	३३ / ४३	५ / २७	६ / ३३	१	११	१५
२	शु	२२	४०	अ	४२	३७	व	१८	४३	ग	२२	४०	४७	२७	३३	२	१२	१६
३	श	२४	३६	ज्ये	४५	४१	प	१७	२९	वि	२४	३६	५१	८ ६	३४	३	१३	१७
४	र	२५	२१	मू	४७	४३	शि	१५	३१	वा	२५	२१	५५	२५	३५	४	१४	१८
५	चं	२५	५	पू	४४	४०	सि	१३	४०	तै	२५	५	५७	२५	३५	५	१५	१९
६	मं	२३	५२	उ	४८	२८	सा	९	२	व	२३	५२	३ ५९	२१	३६	६	१६	२०
७	बु	२१	२७	अ	४७	८	शु	२७	५४ / २०	ब	२१	२७	४	२३	३७	७	१७	२१
८	गु	१७	४९	ध	४४	४७	न	५३	१६	कौ	१७	४९	७	२	२७	८	१८	२२
९	शु	१३	०	श	४१	७	ऐं	४४	५४	ग	१३	०	१०	२२	३८	९	१९	२३
१०	श	७	३	पू	३६	३३	वै	३६	३६	वि	७	३	१३	२१	३९	१०	२०	२४
११	र	०	१६	उ	३०	४३	वि	२७	३८	वा	०	१६	१६	२१	३९	११	२१	२५
१२	र	५१	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	चं	४३	२५	रे	२४	२९	मी	१८	१५	ग	१७	५०	१९	२०	४०	१२	२२	२६
१४	मं	३५	२९	अ	१८	८	आ	८०	५१	वि	९	२७	२२	२०	४०	१३	२३	२७
३०	बु	२७	१५	भ	१२	६	शो	५०	७	च	१	२२	२५	३९	४१	१४	२४	२८

मिथुने शुक्रः ७।५ बुधास्तः ५वस्याम्+
भ. ५३।३८उ.
भ. २४।३६या चतुर्थी व्र.
+५१।३५ मई ५ ता.३१
भरण्यां बुधः ५६।०
भ. २३।५२उ. ५२।३९ या.
=बुधः४७।३२
=वटसावित्री ३०
भ. ४०।२उ
भ.७।३या.कृत्ति. रवि ४५/१० (सौरः ४८/३३) *
अपरा ११ व्र. वै.
*पृफा.भौमः५।५अपरा ११व्र. स्मार्ता
भ.४३/५५उ. कृतिकायां बुधः १५/५ प्रदोषः
भ ९।२७ या. आर्द्रा. शुक्रः १।४वृषे=
वृषेऽर्कः १२।२५ (सौरः १६।२१ =

४पं.प्र.ज्ये.कृ.४र.इ.१९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	०	४	२	४	४	०
२०	६	१०	६	२	२७	१	२०
२७	५१	४	४५	९	२	४३	२४
२२	१८	३७	५०	१४	१०	१५	५८
५८	१९	२७	१	४०	४९	३	५७
९	४६	४७	५०	१५	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

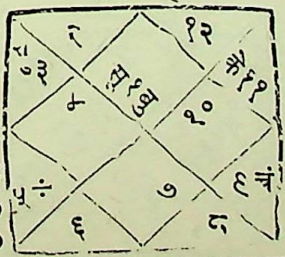

प्र ज्येष्ठ कृ. ३० बुधे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४ सुता-थिन्यवस्था(सुती मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

५पं.प्र.ज्ये.कृ.११र इ.५/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	४	२	४	४	०
२७	८	२४	७	५	२६	१	२७
१३	५४	४०	०	४८	५१	२१	१०
३४	०	४४	४७	४०	११	०	१२
१७	२२	२९	३	२९	७	३	५७
५४	११	४६	१६	२८	ब	११	४५

+मंबुराश ÷मंबुशरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *मंबुशरा =मबुशरा

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. प्र ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२ दि. उ. अ. इ रा मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २५९७स. १९८०

१	गु	१९	५५	कृ	८	१४	अ	४२	७	ब	१९	५५	३३/२८	५८	६/४२	१५	२५	२९	वृषे
२	शु	१३	४८	रा	२७	५७/२३	सु	३५	२५	की	१३	४८	३०	१८	४२	१६	२६	१	मि ३१।८
३	श	९	२७	आ	५९	१७	धृ	३०	३	ग	९	२७	३३	१७	४३	१७	२७	२	मिथुने
४	र	७	१९	पु	६०	०	शु	२९	३१	वि	७	१९	३६	१७	४३	१८	२८	३	क. ४५।१०
५	चं	४	५८	पु	०	३५	गं	२४	५३	वा	४	५८	३९	१६	४४	१९	२९	४	कर्के
६	मं	८	५६	प	४	८	वृ	२४	३५	तै	८	५६	४१	१६	४४	२०	३०	५	कर्के
७	बु	१२	३५	श्ले	९	०	ध्रु	२५	७	व	१२	३५	४३	१५	४५	२१	३१	६	सिं ९ २०
८	गु	१७	५०	म	१६	२	व्या	२७	१८	ब	१७	५०	४६	१५	४५	२२	१	७	सिंहे
९	शु	२३	३८	पू	२३	१४	ह	२९	१८	की	२३	३८	४८	१४	४६	२३	२	८	क. ४०।१०
१०	श	३०	२	उ	३०	५८	व	३१	३८	ग	३०	२	५०	१४	४६	२४	३	९	कन्यायां
११	र	३६	६	ह	३८	१५	सि	३४	२६	व	३	४	५२	१४	४६	२५	४	१०	कन्यायां
१२	चं	४१	३६	चि	४५	६	व्य	३६	२५	ब	८	५१	५४	१३	४७	२६	५	११	तु. ११।४०
१३	मं	४६	१२	स्वा	५१	०	व	३७	३२	की	१३	५४	५६	१३	४७	२७	६	१२	तुलायां
१४	बु	४९	२९	वि	५६	३६	प	३७	३३	ग	१७	५०	५८	१२	४८	२८	७	१३	वृ. ४०।१२
१५	गु	५१	३२	अ	५९	०	शि	३६	४९	वि	२०	३०	३४/००	१२	४८	२९	८	१४	वृश्चिके

चंद्रदर्शनम्
रजजव ७
भ. ३८।२३ उ. चतुर्थी ब्र.
भ ७।१९ या. रोहि. बुधः १७।११

भ. १२।३५ उ. ४५।१२ या.
मार्गी शनिः २२।५१ रा. ज्येष्ठारंभः
÷ बुधोदय पश्चिमायाम् २३।३७
रोहि.रविः ३६।० (सौरः ४२/३०) मृगेबुधः ३५/६ ÷
भ. ३।४ उ. ३६/६ या. वक्री शुक्रः २८/१० =
=कमला ११ ब्र.

भ. ४९।२९ उ. मिथुने बुधः ५।७
भ. २०।३० या.

६पं.प्र ज्ये.शु.४र.इ. २०/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	४	२	४	४	१
३	११	१०	७	८	२९	०	३
२८	१५	६	२३	१५	४६	५८	५३
२६	५४	११	३५	२९	५	४४	०१
५७	२५	७/३५	४	१६	२८/ब	३	५७
४४	१२		२६	४४		११	३४

गोचरग्रहाः

मुहरत पंद्रह की लगी वृषराशि संक्रांत। अलसी गल्ला तेल गुड़ तेजीमें दिन रात।। चार ग्रहोंका योग शुभ नहीं है।

गोचरग्रहाः

९पं.प्र ज्ये.शु.११र.इ. २०/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	४	२	४	४	१
१०	१३	२४	७	९	२९	०	१०
४२	१	३८	५४	३	४५	३६	२६
२५	१४	३८	२२	२५	१८	२८	२
५७	२७	७/१३	५	०	१९/मा	३	५७
३५	२१		३२	५१		११	२३

ति. द्वि.ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०३७ शाकः १९०२ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे का कृष्णेति. महा.

१	शु	५२	१०	ज्ये	६०	०	सि	३५	०	वा	२१	५५	३४/२	५/१२	६/४८	३०	९	१५	वृश्चिके
२	श	५१	६	ज्ये	१	१७	सा	३२	१७	तै	२१	२	४	११	४९	३१	१०	१६	ध. १।१७
३	र	५०	१७	मू	२	२५	शु	२८	४७	व	२१	२	६	११	४९	१	११	१७	धनुषि
४	चं	४८	२	पू	२	३४	शु	२४	५४	ब	१९	१०	७	११	४९	२	१२	१८	म. १७।२२
५	मं	४५	७	उ	१	५०	॥	१९	४१	की	१६	३४	९	१०	५०	३	१३	१९	मकरे
६	बु	४१	२२	श्र	२९	५७	ऐं	१४	१४	ग	१३	१६	१०	१०	५०	४	१४	२०	कु २९।२७
७	गु	३७	११	श	५५	४९	वैं	८	२२	वि	९	१९	१२	१०	५०	५	१५	२१	कुंभे
८	शु	३२	१०	पू	५२	३५	वि	५३	५५	वा	४	४१	१३	९	५१	६	१६	२२	मी २८।२४
९	श	२६	४७	उ	४८	४६	आ	४७	३२	ग	२६	४७	१४	९	५१	७	१७	२३	मीने
१०	र	२०	४७	रे	४४	३५	सो	३९	५	वि	२०	४७	१६	९	५१	८	१८	२४	मे. ४४।३५
११	चं	१४	१३	अ	३९	५९	शो	३१	४९	वा	१४	१३	१७	९	५१	९	१९	२५	मेषे
१२	मं	७	३७	भ	३५	७	अ	२३	५०	तै	७	३७	१८	८	२	१०	२०	२६	वृ. ४९।१
१३	बु	०	४३	कृ	३०	४३	सु	१५	५५	व	०	४३	१९	८	५२	११	२१	२७	वृषे
१४	बु	५३	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	गु	४८	५३	रो	२६	५७	धृ	८	४८	च	२१	३८	२०	८	५२	१२	२२	२८	मि ५७।११

भ. २१/२ उ. ५१/७ या. आर्द्रा. बुधः ५१/९ जून ता ३०

भ. ४१।२२ उ.
या. १९/६ या. वक्रीमृगे शुक्रः ४४/७ आश्ले ४*
*राहु कर्के च. धनिष्ठा २ मकरेकेतु ४५/३२
भ. ५३।४७ उ. मृगेरवि ३५/९ (सौरः ४१/१९)
भ. २०।४७ या.
कमला ११ ब्र.
पुनः बुधः १५।१२
भ. ०।४३ उ. २७।३४ या.

शुक्रास्तः पश्चिमायामः ९।३६ (शु.अ.प.)

८पं.द्वि.ज्ये कृ.३र.इ. २०/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	४	२	४	४	१
१७	१६	७	८	७	२९	०	१७
२५	८	१२	३३	५१	५०	१४	१७
८	३२	५१	२६	५४	२४	१३	८
१७	२०	०/३६	६	३६	१	३	५७
२७	१९	७	३७	ब	५	११	१३

गोचरग्रहाः

इस माममें शनि मंगल का योग अशुभ है प्रजा में पीड़ा उपद्रव एवं हरेक वस्तु तेज होगी कहा कहीं वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

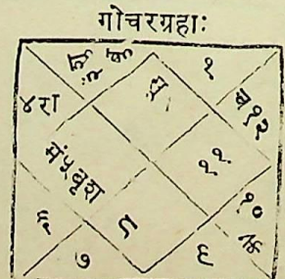

९पं.द्वि.ज्ये.कृ.१०र.इ. २०/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	४	२	४	३	१
२४	१९	१७	९	४	२९	२९	२३
७	५५	३२	१८	४८	५९	५१	७७
१२	४८	२०	११	२९	३८	५१	४
५५	३०	७७	७	०/१८	१	३	५७
२२	५१	६	२४	ब	४४	११	५

Harvard Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|द्वि ज्येष्ठ शुक्लपक्षः स. २०३७शाकः १९०२|दि.|उ |अ.|इं .|रा.|मु.| चन्द्रः |ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२६२६स.१९८०

१	शु	४४	२४	च	२७	२६	शू	५९	५४	कि	१६	४३	३४	५८	५२	१३	२३	२९	मिथने
२	श	४२	४	आ	२३	१०	बृ	५२	९	बा	१३	१९	२१	८	५२	१४	२४	३०	मिथुने
३	र	४१	५५	पु	२३	४४	धु	४९	२८	तै	११	५९	२२	८	५२	१५	२५	१	क ८।३५
४	चं	४२	१८	पु	२६	०	व्या	४७	५८	व	१२	६	२२	८	५२	१६	२६	२	कर्के
५	मं	४५	८	श्ले	३०	१७	ह	४७	५३	व	१३	४३	२३	७	५३	१७	२७	३	सिं३०।१७
६	बु	४९	३९	म	३४	५४	व	४९	१३	कौ	१७	२३	२३	७	५३	१८	२८	४	सिंहे
७	गु	५५	८	पू	४२	४७	सि	५१	८	ग	२१	२३	२३	७	५३	१९	२९	५	क.५९।१२
८	शु	६०	०	उ	५०	५	व्य	५३	२९	वि	२८	१२	२४	७	५३	२०	३०	६	कन्यायां
९	श	१	१७	ह	५७	३७	व	५५	४२	व	१	१७	२४	७	५३	२१	१	७	कन्यायां
१०	र	७	२९	चि	६०	०	प	५८	८	कौ	७	२९	२४	७	५३	२२	२	८	तु.३१।१०
११	चं	१३	४	चि	४	४३	शि	५९	३५	ग	१३	४	२४	७	५३	२३	३	९	तुलायां
१२	मं	१७	४०	स्वा	१०	५५	सि	५९	५८	वि	१७	४०	२४	७	५३	२४	४	१०	वृ.५९।२९
१३	बु	२०	५३	वि	१५	४०	सा	५९	२३	ग	२०	५३	२३	७	५३	२५	५	११	वृश्चिके
१४	गु	२२	२७	अ	१९	३५	शु	५६	५९	तै	२२	२७	२३	७	५३	२६	६	१२	वृश्चिके
१५	शु	२२	३५	ज्ये	२१	४०	शु	५३	५२	व	२२	३५	२३	७	५३	२७	७	१३	ध.२१।४०
१५	श	२०	५४	मू	२२	२	न	४९	३३	ब	२०	५४	२२	८	५२	२८	८	१४	धनुषि

मिथुनेऽर्कः ३९/३४ (सौरः ४३/९) मधा४ गुरुः *
सावान ८ *१।५४ चन्द्रदर्शनम्
भ. १३/९ उ. ४३/५८ या. वक्री वृषे शुक्रः ३५/२१

भ. ५५।८ उ.
भ. २८।१२ या.
आर्द्रा.रविः २९/२९ (सौरः ४३/९) शुक्रोदयः पू.×
उफा.भौमः १५/९ कर्के बुधः २६/४९ रा.आष ढ़ा.
भ. ४५।२२ उ. गङ्गादशमी
भ. १७।४०या. निर्जला ११ ब्र.
प्रदोषः ×२७।३६ (शु.उ.पू.)
वक्री बुधः ३४।२५
भ. २२।३५ उ. ५१।४४ या.
कन्यायां भौमः ४९/३ वटसावित्री ब्र गुर्ज.

१०पं.द्वि.ज्ये.शु. ३र.इ. २०१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	४	२	४	३	२
०	२३	२५	१०	०	२७	२९	०
४८	१२	२६	११	४१	१३	२९	२६
२५	५०	२६	१०	४६	५५	४२	१३
५७	३२	४९	८	३६	२	३	५६
१७	८	३०	३३	ब	२३	११	५७

गोचरग्रहाः

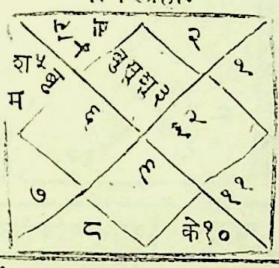

द्वि.ज्ये.कृ.४ शनौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा ४ न ६ गतालका-वस्था (ऊर्ध्वा)मु.४५ घा. भावे समर्घता शुक्रास्त पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

४पं.द्वि.ज्ये.शु ६ र.इ. २०१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	४	१	४	३	२
७	२३	२९	११	२६	२७	२९	७
२९	४०	५७	९	३४	३३	७	१४
२४	४१	५८	७	१९	४	२६	४०
५७	३३	१८	९	३०	३	२	५६
१३	८	३७	२२	बु	२	११	५०

|तिः| आषढ़ कृष्णपक्षः सं.२०३७ शाकः १९०२ दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चन्द्रः |वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽद्वि. ज्ये. कृ. महाराष्ट्राः

१	र	१८	५	पू	२१	३	ऐं	४४	१८	कौ	१८	५	३४/२२	५/८	५२	२९	८	१५	म.३५।३२
२	चं	१४	१४	उ	१९	०	वै	३८	१६	ग	१४	१४	२१	८	५२	३०	९	१६	मकरे
३	मं	९	४०	अ	१५	५५	वि	३१	४३	वि	९	४०	२०	८	५२	१	१०	१७	कु.४४।५
४	बु	४	२१	ध	१२	१६	पी	२५	०	बा	४	२१	१९	८	५२	२	११	१८	कुम्भे
५	बु	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	शु	५३	५१	श	९	२	आ	१८	१०	ग	२६	३२	१८	८	५२	३	१२	१९	मी५०।५७
७	शु	४८	२८	पू	४	५५	सो	११	१२	वि	२१	१०	१७	९	५१	४	१३	२०	मीने
८	श	४३	१६	उ	३३/१	५७/३४	शो	१९/४	५३/५	ग	१५	५२	१५	९	५१	५	१४	२१	मे.५८।७
९	र	३७	२९	अ	५४	४८	सु	४९	४१	तै	१०	२३	४	९	५१	६	१५	२२	मेषे
१०	चं	३२	४६	भ	५१	५८	धृ	४३	३५	व	५	८	१३	९	५१	७	१६	२३	मेषे
११	मं	२७	५१	कृ	४९	३२	शू	३६	१३	व	०	३१	११	१०	५०	८	१७	२४	वृ.६।२१
१२	बु	२३	६	रो	४७	३२	गं	३१	१	तै	२३	६	१०	१०	५०	९	१८	२५	वृषे
१३	गु	१९	१८	मृ	४६	१३	बृ	२५	२८	च	१९	८	८	१०	५०	१०	१९	२६	मि१६।५२
१४	शु	१६	१	आ	४५	५२	धु	२०	२९	श	१६	५	७	११	४९	११	२०	२७	मिथुने
३	श	१४	२	पु	४६	३३	ल्या	१५	३२	ना	१४	२	५	११	४९	१२	२१	२८	क ३१।४१

भ. ४१।५७ उ. वक्री रोहि.शुक्रः १/९
भ. ४०/९ या. जौलाई७ता.३१ चतुर्थी ब्र.
बुधास्तः पश्चिमायाम् ४८।२८

भ. ५३।५१ उ.
भ. २१/१० या.वक्री मिथुने बुधः ४२।१८
पुन. रविः २८।२२ [सौरः ४७।१०]
मार्गी शुक्रः ५१/५४ पूफा.१ गुरुः १८।२८
भ. ५।८ उ. ३२।४६ या.
योगिनी ११ ब्र.
प्रदोषः
भ. १९।१८ उ. ४४।४० या.

१२पं. आ कृ.१र.इ.२०।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	४	१	४	३	२
१४	०	११	२३	२७	२८	२८	१३
९	१७	१०	१२	३२	५६	५५	५२
५०	३८	१९	०	२८	५२	१०	४५
५७	३४	३२	१०	३६	२	३	५६
७	१२	ब	५	ब	४०	१९	५०

गोचरग्रहाः

आ. शु. ३ भौमे कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी)मु० ३०घा भावे समता शु. उ. पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

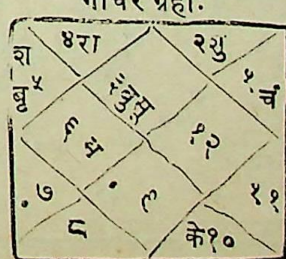

१३पं.आ.कृ ९र.इ.२०।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	४	१	४	३	२
२	४	२९	१३	२२	२८	२८	२०
५०	३	४	२०	२३	२४	२२	३०
१०	२९	५७	७	३१	७	५५	३९
५७	३५	३३	१०	४४	४	३	५६
७	९	ब	४७	मा	१९	११	५०

(स० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति	आषाढ़ शुक्ल पक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२	दि.	उ.	अ	इं.	रा.	मु.	चंद्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २६५६स. १९८०
१	र १३ ४६ पु ४७ ५८	ह	१३	३२	ब	१३	४६	३४ १५ ५ ४९ ६	१३ २२ २९ कर्के
२	चं १४ ४९ श्ले ५१ ०	व	१२	१०	की	१४	४९	०	१२ ४८ १४ २३ ३० सिं ५१।०
३	मं १७ ३७ म ५६ ३३	सि	११	३०	ग	१७	३७	०	१२ ४८ १५ २४ १ सिंहे
४	बु २१ ४९ पू ६० ०	व्य	१२	१	वि	२१	४९	३३ ५८	१२ ४८ १६ २५ २ सिंहे
५	गु २६ ५८ पू २ ४८	व	१३	३४	ग्रा	२६	५८	५६	१३ ४७ १७ २६ ३ कं.१९।३४
६	शु ३२ ५९ उ ९ ५२	पं	१५	४६	ते	३२	५९	५४	३ ४७ १८ २७ ४ कन्यायां
७	श ३९ ११ ह १७ ३२	शि	१८	११	ग	६	५	५२	१५ ४६ १९ २८ ५ तु. ५।१।११
८	र ४५ १४ चि २४ ५१	सि	२१	३४	वि	१२	१३	५०	१४ ४६ २० २९ ६ तुलायां
९	चं ५० १० स्वा ३१ ४३	सा	२२	५८	बा	१७	५१	४७	१५ ४५ २१ ३० ७ ,,
१०	मं ५३ ४२ वि ३७ १६	शु	२३	४०	ते	२१	५६	४५	१५ ४५ २२ ३१ ८ वृ. २०।४७
११	बु ५५ ४१ अ ४१ ३३	शु	२२	४३	व	२४	४१	४२	१६ ४४ २३ १ ९ बश्चिके
१२	गु ५५ ५१ ज्ये ४३ ५०	न	२२	५	ब	२५	४६	४०	१६ ४४ २४ २ १० ध. ४३।५०
१३	शु ५३ ५६ मू ४४ ५	ऐं	१९	१२	की	२४	५३	३७	१७ ४३ २५ ३ ११ धनुषि
१४	श ५० २० पू ४२ ४७	वै	१४	३८	ग	२२	८	३५	१७ ४३ २६ ४ १२ स. ५७।१६
१५	र ४५ ९ उ ३९ ५२	वि	८	५५	वि	१७	४४	३२	१८ ४२ २७ ५ १३ मकरे

१४पं.आ.शु. १र.इ.१९।५५

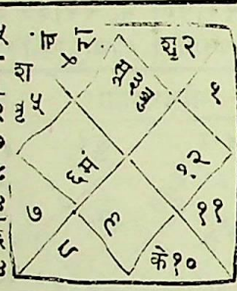

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	४	१	४	३	२
२७	७	२४	१४	२३	२८	२८	२७
३०	५५	५३	३२	८	५५	०	८
३२	३४	४२	१३	४९	५२	३९	४
५७	२६	३३ ३८	१०	१६	४	३	५६
११	१०	ब	२१	२३	४७	११	५४

१५पं.आ.शु.८र.इ.१९।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	४	१	४	३	३
४	११	२१	१५	२५	२९	२७	३
११	५४	०५	४९	०४	३०	२८	४७
१७	४०	०	८	४२	५८	२४	४३
५७	३६	२० ३२	११	२८	५	३	५६
१५	५०	ब	५८	५६	१३	११	५७

१६पं.आ.शु.१५र.इ १९ ३८

र	मं	शु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	४	१	५	३	३
१०	१६	२२	१७	२९	०	२७	१०
५२	०	२८	८	११	९	१६	२६
१९	११	२४	२४	४६	११	८	३०
५७	२७	२४	१२	२८	५	३	५७
२०	३३	मा.	१९	२६	३८	११	५

ति	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणे आषाढ़ कृ. महाराष्ट्राः
१	चं ३८ ५५ श्रं ३५ ५३	ग्री	३	५२ १०	बा	१२	२	३३ ५ २९ १६ ४२	२८ ६ १४ मकरे
२	मं ३२ ८ ध ३० ५२	सौ	४६	८	ते	५	३१	२६ १९ ४१	२९ ७ १५ कु. ३।२३
३	बु २५ ४ श २९ ५	शो	३७	४८	वि	२५	४	२४ १९ ४१	३० ८ १६ कुम्भे
४	गु १७ ५६ पू २० ५	अ	२९	२७	बा	१७	५६	२१ २० ४०	३१ ९ १७ मी ६।३५
५	शु ११ १६ उ १६ २३	सु	२१	१४	ते	११	१६	१८ २० ४०	१ १० १८ मीने
६	श ५ १६ रे १२ १७	धृ	१३	४६	व	५	१६	१५ २१ ३९	२ ११ १९ मे. १२।१७
७	श ५४ ३० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ० ०
८	र ५४ ४८ अ ८ ३९	शू	५८	५५ ५४	बा	२७	१७	१२ २२ ३८	३ १२ २० मेषे
९	चं ५० ४१ भ ५ ४३	वृ	५३	५६	ते	२२	४४	९ २२ ३८	४ १३ २१ वृ. २०।१४
१०	मं ४७ २२ कृ ३ ४४	ध्रु	४८	३८	व	१९	१	६ २३ ३७	५ १४ २२ वृषे
११	बु ४४ ५३ रो २ ३५	व्या	४४	५	ब	१६	७	३ २३ ३७	६ १५ २३ मि ३२।१९
१२	गु ४३ १९ मृ २ ५	ह	४०	६	की	१४	५	० २४ ३६	७ १६ २४ मिथुने
१३	शु ४२ ५९ आ २ २८	व	३७	१	ग	१३	९	३२ ५६ २५ ३५	८ १७ २५ क. ४८।४६
१४	श ४३ २६ पु ४ १४	सि	३४	४१	वि	१३	१३	५३ २५ ३५	९ १८ २६ कर्के
३०	र ४५ २३ पु ६ ५०	व्य	३३	३३	च	१४	२५	५० २६ ३४	१० १९ २७ ,,

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	४	२	५	३	३
१७	२०	२८	१८	३	०	२६	१७
३४	११	२२	३०	५५	५०	५३	६
१	४६	३४	५०	४४	४९	५२	१८
५७	३८	७२	१२	४६	६	३	५७
२५	१४	२४	४२	३	५	११	१२

१७पं.श्रा.कृ. ८र.इ.१९।२०

गोचरग्रहाः

इस मासके आरंभ में बुध शुक्र का योग श्रेष्ट वर्षाकारक है। धान्य गल्ला रस पदार्थ मंदा होकर तेज होगा।

गोचरग्रहाः

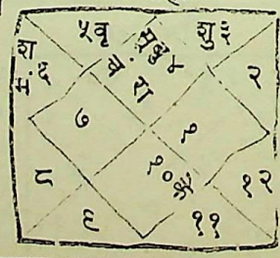

१८पं.श्रा.कृ.३०र.इ १९ २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	४	२	५	३	३
२४	२४	८	१९	९	१	२६	२३
१६	२०	२१	५५	१९	३४	३१	४७
२६	१६	२२	५२	५२	४१	३७	२५
५७	३८	९२	१३	५१	६	३	५७
३३	३८	१६	७	४१	२३	११	२२

Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं २०३७ शाकः १९०२ दि. उ.अ इ.रा मु. चन्द्रः | वर्षतूँरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७,५म.१९८०

१	चं	४८	२५	श्ले	१०	४२	व	३२	५८	क	१६	४२	३२/४७	५/२७	६/३३	११	२०	२८	सिं	१०।४२
२	मं	५२	४४	म	१५	३१	प	३३	२५	त्रा	२०	३४	४३	२७	३३	१२	२१	२९	सिंहे	
३	बु	५८	४	पू	२१	४९	शि	३४	४८	तै	२५	२३	४०	२८	३२	१३	२२	१	क.	३८।३२
४	शु	६०	०	उ	२८	४०	सि	३६	३८	व	३१	४	३६	२९	३१	१४	२३	२	कन्यायां	
४	शु	४	५	ह	३६	१४	सा	३८	५८	वि	४	५	३३	२९	३१	१५	२४	३	कन्यायां	
५	श	१०	१९	चि	४३	५५	शु	४१	४१	चा	१०	१९	२९	३०	३०	१६	२५	४	तु.	१०।४
६	र	१६	३१	स्वा	५१	२०	शु	४४	५	तै	१६	३१	२६	३१	२९	१७	२६	५	तुलायां	
७	चं	२२	४	वि	५७	४४	ज	४६	५२	व	२२	४	२२	३२	२८	१८	२७	६	वृ.	४१।८
८	मं	२६	२६	अ	६०	०	ऐं	४६	३७	ब	२६	२६	१९	३२	२८	१९	२८	७	वृश्चिके	
९	बु	२९	३४	अ	३	१	वै	४६	२०	को	२९	३४	१५	३३	२७	२०	२९	८	वृश्चिके	
१०	शु	३०	१८	ज्ये	६	३१	वि	४४	३१	ग	३०	१८	११	३४	२६	२१	३०	९	ध.	६।३१
११	शु	२९	१८	मू	८	२०	प्री	४०	४९	वि	२९	१८	८	३४	२६	२२	३१	१०	धनुषि	
१२	श	२४	५	पू	८	४५	आ	३६	५३	चा	२४	५	४	३५	२५	२३	१	११	म.	२२।५५
१३	र	२०	५८	उ	५	२३	सो	२९	१६	तै	२०	५८	०	३६	२४	२४	२	१२	मकरे	
१४	चं	१४	८	श्र	१/६	५४/२८	शो	२१	१७	व	१४	८	३१/५६	३७	२३	२५	३	१३	कु.	२८।३०
१५	मं	६	२५	श	४९	३२	अ	१२	११	व	६	२५	५२	३८	२२	२६	४	१४	कुम्भे	

१९पं.श्रा.शु.६र.इ.१९।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	४	२	५	३	४
०	२८	२१	२१	१५	२	२६	०
५९	५०	२६	२२	२१	२१	९	२९
४९	४२	३५	३४	२१	४	२१	३८
५७	३९	२/८	१३	५५	६	३	५७
४०	१०	२७	२०	५६	३५	११	३४

गोचरग्रहाः

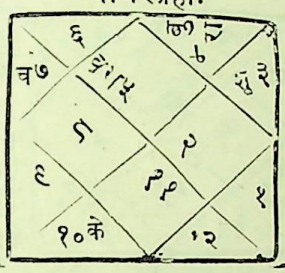

श्रा. शु. ५ शनौ सिंहेऽर्कः प्र. वा. ५न ४ गतालका वस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु. उ. पू.

गोचरग्रहाः

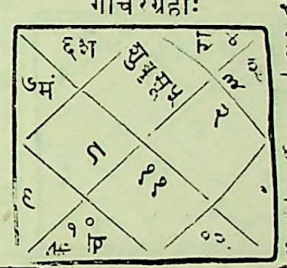

२०पं श्रा.शु.१३र.इ.१९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	४	२	५	३	४
७	३	३	२२	२१	३	२५	७
४४	१८	३१	५१	५२	८	४७	१३
७	२९	१६	०	५१	३८	६	१०
५७	३९	२/९	१३	५८	६	३	५७
४०	५२	०	२७	५६	५३	११	४५

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २०३७शाकः १९०२ दि. उ.अ. इं.रा. मु. चन्द्रः | शरदृतावर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.

१	मं	५१	२७		०	०	०		०	०	०		०	०	०		०	०	०	०
२	बु	४८	५५	पू	४२	४७	सु	४/३३	४९/५४	ते	२३	२३	३१/४८	५/३८	६/२२	२७	५	१५	मी	२९।२८
३	गु	३९	३४	उ	३६	४	शु	४२	५९	व	१४	१४	४४	३९	२१	२८	६	१६	मीने	
४	शु	३२	१६	रे	२९	३४	ग	३३	३६	ब	५	५५	४०	४०	२०	२९	७	१७	मे.	२९।३४
५	श	२५	१८	अ	२४	३१	वृ	२४	४३	ते	२५	१८	३६	४१	१९	३०	८	१८	मेषे	
६	र	१९	२४	भ	२०	१४	धु	१६	४४	व	१९	२४	३२	४२	१८	३१	९	१९	वृ.	३४।१८
७	चं	१४	४६	कृ	१६	३२	व्या	९	५५	ब	१४	४६	२८	४२	१८	१	१०	२०	वृषे	
८	मं	११	२३	रो	१४	५२	ह	४/२८	५५/२२	को	११	२३	२५	४३	१७	२	११	२१	मि.	४५।१८
९	बु	९	३०	मृ	१५	४३	सि	५५	४१	ग	९	३०	२१	४४	१६	३	१२	२२	मिथुने	
१०	गु	८	३२	आ	१५	५५	व्य	५३	७	वि	८	३२	१७	४५	१५	४	१३	२३	मिथुने	
११	शु	९	१७	पु	१८	२८	व	५१	२२	चा	९	१७	१३	४५	१५	५	१४	२४	क.	२।५०
१२	श	१०	५५	पु	२२	८	प	५०	४४	ते	१०	५५	९	४६	१४	६	१५	२५	कर्के	
१३	र	१३	५८	श्ले	२७	१२	शि	४९	५८	व	१३	५८	५	४७	१३	७	१६	२६	सिं	२७।१२
१४	चं	१७	४३	म	३२	१४	सि	५१	३८	श	१७	४३	१	४८	१२	८	१७	२७	सिंहे	
३०	मं	२२	३५	प	३८	३९	सा	५३	९	ना	२२	३५	३०/५७	४९	११	९	१८	२८	क.	५५।१९

२१पं.भा.कृ.६र.इ १८।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	४	२	५	३	४
१४	७	१९	२४	२८	३	२५	१३
२९	५०	५	२०	४४	५८	२४	५८
५६	१७	४६	५६	४९	५	५०	२२
५८	४०	२/८	१३	५६	७	३	५७
१	५	१९	३२	२१	२	११	५७

गोचरग्रहाः

इस मास में रुई सूत चांदी सोना गुड गेहूं तिलहन मदा होकर तेज होगा। वर्षा कहीं ज्यादा कहीं कम होगी।

गोचरग्रहाः

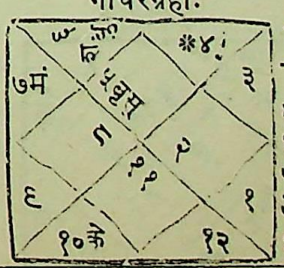

२२पं.भा.कृ.१३र.इ.१८।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	४	३	५	३	४
२१	१२	१	२५	५	४	२५	२०
१६	२५	४४	५१	५८	४९	२	४५
५५	५९	१०	४०	५६	५	२४	२
५८	४०	२/९	१३	६२	७	३	५८
१३	५७	४४	२८	५७	१४	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्) *रा.चं.शु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त| भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०३७ शाकः १९०२ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | शरदृतुरविर्दक्षि.ऽहर्गणः २७१५स१९८०

१	बु	२८	४	उ	४५	१९	शु	५४	५०	ब	२८	४	३०/५३	४५/१९	६/११	१०	१९	२९	कन्यायां
२	गु	३४	१९	ह	५२	४९	शु	५६	११	ब्रा	१	११	४८	५०	१०	१	२०	३०	कन्यायां
३	शु	४०	२९	चि	६०	०	न	५९	३४	ते	७	२९	४४	५१	९	१२	२१	१	तु.२६।४३
४	श	४६	५६	चि	०	३८	ऐं	६०	०	व	१३	४७	४०	५२	८	१३	२२	२	तुलायां
५	र	५२	४७	स्वा	८	९	ऐं	१	५६	ब	१९	५२	३६	५३	७	१४	२३	३	वृ.५८।२७
६	चं	५७	४८	वि	१५	१३	वै	४	१९	की	२५	१७	३२	५४	६	१५	२४	४	बृश्चिके
७	मं	६०	०	अ	२१	२६	वि	५	४५	ग	२९	३	२८	५४	६	१६	२५	५	वृश्चिके
८	बु	१	१	ज्ये	२६	२०	प्री	६	२२	व	१	१	२४	५५	५	१७	२६	६	ध.२६।२०
९	गु	३	२९	मू	२९	३४	आ	४	४६	ब	३	३९	२०	५६	४	१८	२७	७	धनुषि
१०	शु	३	७	पू	३	५२	सौ	३	४४	की	३	७	१६	५७	३	१९	२८	८	म.४५।४१
११	श	२	१२	उ	३०	१२	शो	७	५४	ग	२	१२	१२	५८	२	२०	२९	९	मकरे
१२	श	५६	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	र	५२	२८	श्र	२७	३३	सु	४७	५९	ब	२५	२२	८	५८	२	२१	३०	१०	कु.५५।१३
१४	चं	४५	२	ध	२२	५३	धृ	३९	३४	की	१८	४५	४	५९	१	२२	३१	११	कुम्भे
१५	मं	३६	२१	श	१६	५४	शू	२९	५२	ग	१०	४२	३०/००	००	६/००	११	१२	मी	५६।३४
१५	बु	२६	४३	पू	९	४८	गं	१९	३२	वि	१	३२	५५	५९	२९/१५	१२	१३	२४	मीने

उफा.१गुरुः ५१/२८ बुधोदय.पश्चिमायाम ५३/५५
चन्द्रदर्शनम्
उफा रवि ५५/९ हस्तेबधः १३/२१ हरितालिका ३
भ.१४/७ उ ४६/५९ या.उफा.रविः सौरः २३/४९ गणे.४
ऋषि पंचमी *जिल्काद ११

कन्यार्कः १६।१७ (सौरः४९।०)
भ. १।१ उ. ३२/२० या. अश्लिशुक्रः १४/१३
विशा खायां भौमः ३६।४८

भ.३०/१४ उ.५६/६९ या.चित्रायांबुधः ३७/४४ जलझूलनी
*११ व्र. स्मा.
जलझूलनी ११ व्र.वै. वामन जयन्ती
उफ ४ शनिः २०।४ प्रदोषः
भ. ३६/२५ उ. रा.आश्विनारभः अनंत १४
भ. ३/३१ या.तुलायांबुधः ४/३९ महालयारंभः

२३प.भा.शु.५र.इ. १८/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	४	३	५	३	४
२८	१७	१३	२७	१३	५	२४	२७
५	७	२९	२२	२७	४०	४०	३३
२४	१८	१३	१९	४७	२६	१९	२४
५८	४१	००/१३	१३	६५	७	३	५८
२६	२०	१३	३८	३७	२०	११	२९

गोचरग्रहाः

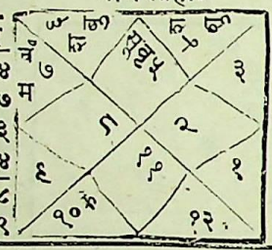

भा. शु. ७ भौमे कन्यायामर्कः प्र. वा. ४ न.४प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

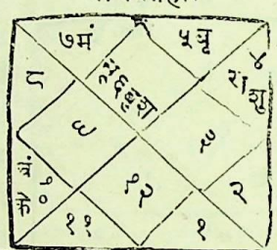

२४पं.भा.शु.१२र.इ. १८/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	४	६	५	३	५
४	२१	२४	२८	२१	६	२४	४
५५	५२	२२	५३	३	३२	१८	२३
१९	२३	२३	३८	०	२८	३	२९
५८	४०	९/१७	१३	६७	७	३	५८
२८	४३	५९	३४	२	२०	११	४५

त| आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शरदृतुरविर्दक्षिणे भाद्र.कृ.महाराष्ट्राः

१	गु	१६	५२	उ	७	१०	मृ	५३	५५	की	१६	५२	२९/५१	६	५८	२५	३	१४	मे.५४।१७
२	शु	७	२८	अ	४६	५२	ब्या	४७	२१	ग	७	२८	४७	३	५७	२६	४	१५	मेषे
३	शु	५०	२९	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०
४	श	५०	२८	भ	४०	४३	ह	३७	३४	ब	२४	१३	४३	३	५७	२७	५	१६	वृ.५४।२७
५	र	४४	११	कृ	३५	३९	च	२८	४८	की	१४	१९	३८	४	५६	२८	६	१७	वृषे
६	चं	३९	४१	रा	३२	१२	सि	२१	१३	ग	११	५५	३४	५	५५	२९	७	१८	वृषे
७	मं	३६	५०	मृ	३०	३४	व्य	१४	८	वि	८	१६	३०	६	५४	३०	८	१९	मि।१२३
८	बु	३५	५५	आ	३०	४७	व	१०	२९	ब्रा	६	२२	२६	७	५३	१	९	२०	मिथुने
९	गु	३६	४३	पु	३१	४६	प	७	१६	ते	६	१९	२२	८	५२	२	१०	२१	क.१६।३१
१०	शु	३८	५१	पु	३६	१०	शि	५	३०	व	७	४७	१८	८	५२	३	११	२२	कर्के
११	श	४२	३१	ले	४१	१२	सि	४	५०	व	१०	३१	१४	९	५१	४	१२	२३	सि४१।१२
१२	र	४७	१२	म	४६	५८	सा	५	२२	की	१४	५१	१०	१०	५०	५	१३	२४	सिंहे
१३	चं	५२	४१	पू	५३	४४	शु	६	१४	ग	१९	५६	६	११	४९	६	१४	२५	सिंहे
१४	मं	५८	५६	उ	६०	०	शु	७	५७	वि	२५	४९	२	१२	४८	७	१५	२६	क.१०।३२
१५	बु	६०	०	उ	०	५८	न	९	५८	च	३१	५८	२९/५८	१२	४८	८	१६	२७	कन्यायां
१०	गु	५	१	ह	८	३०	ऐं	१२	१९	ना	५	१	५४	१३	४७	९	१७	२८	तु.४२।१३

उदयं गुरोः ४५।३६
भ.४३/४२ उ.५७/५७ या.हस्तेरविः २९/३३ उफा.२
*कन्यायां गुरौः ३३/१९
हस्ते रविः १।३० सौरः चतुर्थीव्र.

भ.३६/१५ उ.मघायांसिंहेशुक्रः १७/१ स्वात्यां *
भ. ८।१६ या. *बुधः ५९५८
अक्टूबर १० ता.३१
मातृ ९
भ.४७ उ ३५/५१ या. वृश्चिकेभौ २४/२९
इंदिरा११ व्र.

भ. ५२।४१ उ. प्रदोषः
भ. २५।४९ या अनु. भौमः ४५।२४
सर्वपितृ श्राद्ध.
आश्ले २रा हुः श्रवणा ४केतुः ३३।२२

२५पं.आ.कृ.५र.इ. १८/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	३	५	३	५
१	२६	४	०	२८	७	२३	११
५६	४२	२१	२३	५३	२४	५५	१५
२५	४	३२	४२	२०	३२	४८	२४
२८	४२	८१	१३	६८	७	३	५९
१३	१३	४४	३२	९	२०	११	०

गोचरग्रहाः

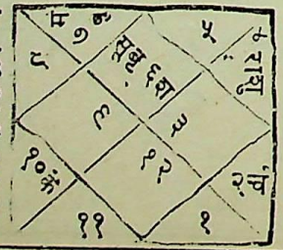

इस मास में गुरु का उदय चांदीमें मैं मंदी होकर तेजी होगी सुदी में धान्य रुई चांदी चावल साज़ी लसन लोह तैलतेज

गोचरग्रहाः

२६पं.आ.कृ.१२र.इ.१८।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	५	४	५	३	५
१८	११	१३	१	६	८	२३	१८
४०	३५	२१	५२	५२	१६	३३	९
८	१०	२३	५२	२६	३७	३२	२१
५९	४२	६९	१३	६९	७	३	५९
९	४३	५	२६	५	१४	११	१६

Digitized by S3 Foundation USA

ति.| आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०३७ शाकः १९०२ |दि.|उ.|अ|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः | शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७४५स १९८०

१	शु	१०	४२	चि	१५	५६	वै	१४	३५	ब	१०	४२	२८	५०	१४	४६	१०	१८	२९	तुलायां
२	श	१७	२३	स्वा	२३	२३	वि	१७	३४	की	१७	२३	४६	१५	४५	११	१९	१		तुलायां
३	र	२३	८	वि	३०	१७	प्री	१९	५	ग	२३	८	४२	१६	४४	१२	२०	२		वृ. १३।३४
४	चं	२८	१	अ	३६	५०	आ	२०	२४	वि	२८	१	३८	१६	४४	१३	२१	३		वृश्चिके
५	मं	३१	७	ज्ये	४२	१९	सौ	२१	२३	भा	३१	७	३४	१७	४३	१४	२२	४		ध. ४२।१९
६	बु	३४	५२	मू	४६	३२	शो	२१	३२	की	२	५९	३०	१८	४२	१५	२३	५		धनुषि
७	गु	३६	१६	पू	४९	१५	अ	२०	२२	ग	५	३४	२६	१९	४१	१६	२४	६		धनुषि
८	शु	३६	१	उ	५१	५६	सु	१७	५८	वि	६	८	२२	२०	४०	१७	२५	७		म. ४।४०
९	श	३३	४६	श्र	४९	४५	धृ	१४	२७	भा	४	५३	१८	२०	४०	१८	२६	८		मकरे
१०	र	२९	४३	ध	४९	११	शू	९	१५	तै	१	४४	१४	२१	३९	१९	२७	९		कु. १९।२८
११	चं	२५	५८	श	४३	१	गं	३१	५३	वि	२५	५८	१०	२२	३८	२०	२८	१०		कुम्भे
१२	मं	२०	३९	पू	३७	१३	ध्रु	४५	१९	भा	२०	३९	६	२३	३७	२१	२९	११		मी २३।४०
१३	बु	१२	२९	उ	३०	१३	व्या	३४	१२	तै	१२	२९	२	२४	३६	२२	३०	१२		मीने
१४	गु	३	८	रे	२२	३३	ह	२४	२१	ब	३	८	२७	२४	३६	२३	१	१३		मे. २२।३०
१५	गु	१०	१२		०	०		०	०		०	०		०	०		०	०		०

चि.रवि: २१/२४(सौरः ३२/६)पू.फा.शुक्रः ५३/४२*
विशा.बुधः २३।३७ जिल्हेज १२
भ. ५५/३४ उ. उफा. ३ गुरुः १२।५
भ. २८।१ या. ×कोजागरी व्र.
*उदयं शनेः ३७/२ माताम्हश्रा नवरात्राः+
सरस्वत्यावाहनम् +चन्द्रदर्शनम्
भ. ३६/१६ उ. तुलायामर्कः ४५/१० सरस्वती पू.
भ. ६/२ या. तुलायामर्कः सौरः १४/१९ बलिदानम्
सरस्वती विसर्जनम्
भ. ५७/० उ. हस्त १ शनिः ३३/६ विजया १०
भ. २५।५८ या. पापांकुशा ११ व्र.
वक्री बुधः १८।४६ प्रदोषः
उफा. शुक्रः १५।२८
भ. ३/- उ. २८/१४ या स्वात्यां रात्रिः ३७/१२(सौरः*
*५५/४७)रा. कार्तिकारंभः शरदृतुर्गणमा×

२७पं.आ.शु.३र.इ १७।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	५	४	५	३	५
२५	६	२०	३	१४	९	२३	२५
३५	३२	४६	२१	५८	७	११	५
६	२	८	१८	५	५९	१६	३
५९	४३	५०	१३	६९	७	३	५९
२१	२	५६	१६	५०	८	११	३१

गोचरग्रहाः

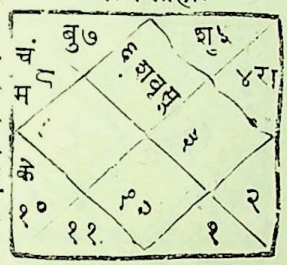

आश्वि.शु. ७ गुरौ तुलायामर्कः प्र. वा. २ न. ४वृद्धावस्था(बैठी)मु ३ धा. भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्या

गोचरग्रहाः

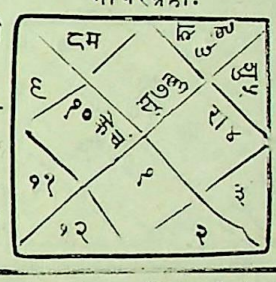

२८पं.आ.शु १०र.इ १७।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	५	४	५	३	६
२	११	२५	४	२३	९	२२	२
३१	३३	४०	४७	९	५८	४९	२
३४	३६	५२	१७	४३	८	१	३२
५९	४३	१३	१२	७०	७	३	५९
३४	३१	४९	५८	३७	१	११	४६

ति.| कार्तिक कृष्णपक्षः सं.२०३७ शाकः १९०२ |दि.|उ.|अ|इं.|रा.|मु.| चंद्रः | हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणे आश्वि-कृ.महाराष्ट्राः

१	शु	४३	२४	अ	१	३४	व	१३	१७	रो	१८	२२	२७	५४	२५	३५	२४	२	१४	मेषे
२	श	३०	५६	भ	६	५३	सि	१८	४९	तै	८	४	५०	२६	३४	२५	३	१५		वृ. २०।२३
३	र	२५	२३	कृ	५३	५५	च	४२	१५	वि	२५	२३	४६	२७	३३	२६	४	१६		वृषे
४	चं	१८	१७	मृ	५२	१	प	३४	३९	वा	१८	१७	४२	२८	३२	२७	५	१७		मि २४।२
५	मं	१३	२	आ	१८	५३	शि	२८	१९	तै	१३	२	३९	२८	३२	२८	६	१८		मिथुने
६	बु	९	४०	पु	४९	७	सि	२३	२२	च	९	४०	३५	२९	३१	२९	७	१९		क. ३४।४
७	गु	८	१४	पु	५१	२९	सा	२०	११	ब	८	१४	३१	३०	३०	३०	८	२०		कर्के
८	शु	९	५	ले	५०	४३	शु	१८	३८	की	९	५	२७	३१	२९	३१	९	२१		सिं ५५।४३
९	श	११	२२	म	६०	०	शु	१८	४३	ग	११	२२	२४	३१	२९	१	१०	२२		सिंहे
१०	र	१५	१९	म	१	३१	ब्र	१९	२०	वि	१५	१९	२०	३२	२८	२	११	२३		सिंहे
११	चं	२०	२२	पू	८	३५	ऐं	२१	८	भा	२०	२२	१६	३३	२७	३	१२	२४		क. २५।३२
१२	मं	२६	२६	उ	१६	२४	वै	२३	१९	तै	२६	२६	१२	३३	२७	४	१३	२५		कन्यायां
१३	बु	३२	२९	ह	२४	१०	वि	२५	४७	व	३२	२९	९	३४	२६	५	१४	२६		तु. ५८।७
१४	गु	३९	५३	चि	३२	४	मी	२८	७	वि	६	११	६	३५	२५	६	१५	२७		तुलायां
१५	शु	४५	८	स्वा	३९	३१	आ	३०	१९	च	१२	३०	२	३६	२४	७	१६	२८		तुलायां

कन्यायां शुक्रः ३१।५१
भ. ५९।३९ उ.
भ. २५।२३ या. ज्ये.भौमः २/३ चतुर्थी व्र.
उफा.४ गुरुः ३५/३ बुधास्तः पश्चिमायाम् २०/४४
भ. ९।४० उ. ३८।५७ या.
भ ४३/२० उ. वक्री स्वात्यां बधः ३४/५० नवम्बर*
भ. १५।१९ या. हस्ते शुक्रः २१।३९
रमा ११ व्र.
प्रदोषः
भ. ३२/९ उ. विशा. रविः ४७/३५ धन १३
भ. १६/१९ या. विशा. रविः सौरः १३/१६ रूप १४
महालक्ष्मीपूजनम् ❀११ ता. ३०

२९पं. का.कृ.३र.इ.१७।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	५	५	५	३	६
९	१६	२५	६	१	१०	२२	९
२९	३८	४२	११	२९	४७	२६	१
४९	६	३२	१०	५३	२	४५	५२
५९	४३	३८	१२	७१	६	३	६०
४७	४७	ब	३२	११	४३	११	२

गोचर ग्रहः

इस मासमें ५ शुक्र ५ शनिवार मध्यम है। शुक्रवार की दीपावली धान्या. मंदी कारक एवं शुभ है। शुदी में कुछ तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

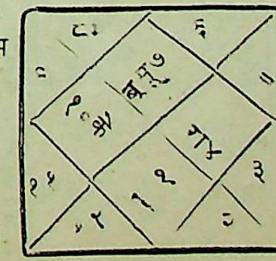

३०पं.का.कृ.१०र इ १७/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	५	५	५	३	६
१६	२१	१८	७	९	११	२२	१६
२९	४६	५२	३२	५४	३३	४	२
३८	८	२३	६	५८	२५	३०	५६
६०	४४	५३	१५	७१	६	३	६०
४	२	ब	१३	३८	२८	११	१८

(सं २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

*वृ.शु.श.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०३७ शाकः १९०२ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | हेमंततूँ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७७४ स. १९८०

१	श	५०	५९	वि	४६	२२	सो	३१	०	क	१८	३	२६/५९	६/३६	५/२४	८	१७	२९	वृ.२९।३८
२	र	५५	१६	अ	५२	४	शो	३३	११	बा	२३	७	५६	३७	२३	९	१८	३०	बृश्चिके
३	चं	६०	०	ज्ये	५७	५	अ	३३	५४	तै	२८	२	५३	३७	२३	१०	१९	१	ध.५७।५
३	मं	०	५०	मू	६०	०	सु	३३	२३	ग	०	५०	४९	२८	२२	११	२०	२	धनुषि
४	बु	४	२३	मू	०	४४	धृ	३२	१४	वि	४	२३	४६	३९	२१	१२	२१	३	धनुषि
५	गु	७	१९	पू	४	३	शू	३०	२२	बा	७	१९	४३	३९	२१	१३	२२	४	म. १९।३१
६	शु	८	१७	उ	५	५५	गं	२७	३९	तै	८	१७	४०	४०	२०	१४	२३	५	मकरे
७	श	६	७	श्र	७	२८	ब्र	२३	३८	व	६	७	३७	४१	१९	१५	२४	६	कु.३६।४४
८	र	३	४७	ध	६	१	धु	१	२६	ब	३	४७	३४	४१	१९	१६	२५	७	कुम्भे
९	र	५६	९	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	चं	५४	३२	श	३/२६	५६/२०	व्या	१२	११	तै	२७	१४	३१	४२	१८	१७	२६	८	मी४५।४१
११	मं	४८	४९	उ	५४	५०	ह	५/४६	५१/३२	व	२१	४०	२९	४२	१८	१८	२७	९	मीने
१२	बु	४०	२	रे	४९	४	सि	४७	१६	ब	१४	२५	२६	४३	१७	१९	२८	१०	मे.४९।४
१३	गु	३१	३६	अ	४२	१६	व्य	३७	८	कौ	५	४९	२४	४३	१७	२०	२९	११	मेषे
१४	शु	२२	२६	भ	३४	५६	व	२७	४३	व	२२	२६	२१	४४	१६	२१	३०	१२	वृ.४८।५
१५	श	१३	३४	कृ	२७	३५	प	१६	२६	ब	१३	३४	१९	४४	१६	२२	१	१३	वृषे

अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
बुधोदयः पूर्वस्याम् ५/२४ चन्द्रद भ्रातृ २
मोहोरम १ सन् १४०१ हि.
भ.२२।३६ उ.
भ. ४।२३ या. मार्गी बुधः ३३।१३
मूले धनुषि भौमः ३/४ चित्रा.शुक्रः १८।३०
×४३।३७ हस्त १ गुरुः ५/१७ गोपाष्टमी
भ.६।७ उ. ३४।५७ या. वृश्चिकेऽर्कः×
बृश्चिकेऽर्कः सौरः ७।३३ अक्षय ९
+५०।१८ प्रबोधिनी ११ ब्र.तुलसीविवाह
*२शनिः ४१।१७
भ.२१।४०उ.४८।४९ या.तुलायांशुक्रः+
अनु.रवि. १।५७(सौरः २५।२१)हस्त*
प्रदोषः वैकुंठ १४
भ.२२।२६ उ. ४८।०या.
मन्वादिः रा. मार्गशीर्षारम्भः

३१पं.का.शु.२र.इ.१७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	५	५	५	३	६
२३	२६	११	८	१८	१२	२१	२३
३०	५७	३२	५०	२३	१८	४२	५
५८	११	४२	१०	२	१४	१४	३३
६०	४४	३९/२९	११	७१	६	३	६०
१७	१७	ब्र	३८	५९	१४	११	३०

गोचरग्रहाः

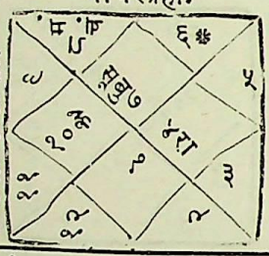

का. घ्. ७ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३न.४ बाला वस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु उ.पू.

गोचरग्रहाः

३२पं.का.शु.८र.इ.१७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	५	५	५	३	७
०	२	११	१०	२६	१३	२१	०
३३	१०	३२	४	५५	०	१९	९
४७	५५	२८	४४	२	२२	५८	३७
६०	४४	४९/२९	११	७२	५	३	६०
३०	३१	भा	२	२०	४६	११	४०

ति. | मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०३७ शाकः १९०२ | दि | उ | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | हेमंततूँ रविर्दक्षिणे कार्तिककृ महाराष्ट्राः

१	र	५१	१३	रो	२१	३७	शि	२८/६	५९/४२	कौ	५	१३	२६/१६	६/४५	५/१५	२३	२	१४	मि४९।७
२	र	५२	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	चं	५२	२६	मृ	१६	३८	सा	४९	२६	व	२५	१४	१३	४५	१५	२४	३	१५	मिथुने
४	मं	४८	४२	आ	१३	८	शु	४२	५१	ब	२०	३४	११	४६	१४	२५	४	१६	क ५७।२
५	बु	४७	२२	पु	११	४०	शु	३७	५६	कौ	१८	२	८	४६	१४	२६	५	१७	कर्के
६	गु	४७	२८	पु	१२	३३	न	३३	५५	ग	१७	२०	६	४७	१३	२७	६	१८	कर्के
७	शु	५०	४७	श्ले	१५	१९	ऐं	३३	२२	वि	१९	२	३	४७	१३	२८	७	१९	सिं १५।१४
८	श	५५	२	म	१९	५५	वै	३३	४७	बा	२२	५५	१	४८	१२	२९	८	२०	सिंहे
९	र	६०	०	पू	२६	८	वि	३४	१६	तै	२७	५२	२५/९	४८	१२	३०	९	२१	क.४२।५५
९	चं	०	४१	उ	३३	१०	ग्री	३८	२०	ग	०	४१	५७	४९	११	१	१०	२२	कन्यायां
१०	मं	६	३७	ह	४०	३७	आ	३८	४३	वि	६	३७	५५	४९	११	२	११	२३	कन्यायां
११	बु	१२	४०	चि	४८	२६	सो	४०	५०	बा	१३	४०	५३	४९	११	३	१२	२४	तु.१४।३४
१२	गु	२०	८	स्वा	५६	३९	शो	४३	२२	तै	२०	८	५१	५०	१०	४	१३	२५	तुलायाँ
१३	शु	२६	१	वि	६०	०	अ	४५	८	व	२६	१	४५	५०	१०	५	१४	२६	बृ.४६।४३
१४	श	३०	५६	वि	३	२५	सु	४६	२१	श	३०	५६	४८	५०	१०	६	१५	२७	बृश्चिके
३०	र	३४	५२	अ	८	९	धृ	४२	१५	च	२	५४	४६	५१	९	७	१६	२८	वृश्चिके

विशाखायां बुधः ४१।६
= दिसम्बर १२ ता. ३१
२५।१४उ.५२।२६या. स्वात्यांशुक्रः १२/३९
चतुर्थी ब्र.

भ. ४७।१८उ.
भ. १९।२ या.

पूषा.भौमः ५८। ९
भ. ३३।४८उ.बृश्चिके बुधः २२।२८=
भ. ६।५७ या. ज्येष्ठा. रविः १२।७≡
अनु. बुधः ३९।२१उत्पत्ति ११ ब्र.
विशाखायां शुक्रः ५८।२ प्रदोषः
भ. २६।१उ.५८।२८ या.
≡(सौरः ३२।२१)
हस्त २ गुरुः ३५/३३ बुधास्तः पूर्वस्याम २।२

३३पं.मा.कृ.१र.इ.१६ ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	५	६	५	३	७
७	७	१९	११	५	१३	२०	७
३७	२८	३०	१३	३२	३९	५७	१५
३७	३७	०	५५	१७	४२	४३	१०
६०	४४	७१	१०	७२	५	३	६०
४२	५७	४	२०	४५	१९	११	५३

३४पं.मा.कृ.९र.इ.१६।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	५	६	५	३	७
१४	१२	२८	१२	१४	१४	२०	१४
४२	४८	२३	१८	८	१५	३५	२१
५४	१८	४६	४०	६	१४	२७	२६
६०	४५	८७	५	७२	४	३	६१
५०	८	४०	३५	५८	५२	११	३

९मं
७शु
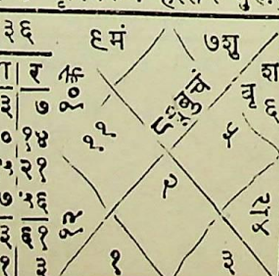

३५पं.मा.कृ.३०र.इ.१६/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	५	६	५	३	७
२१	१८	८	१३	२२	१४	२०	२१
४८	९	४१	१७	४८	४७	१३	२९
५८	२२	२०	१३	५३	१३	१२	४२
६०	४५	९२	८	७३	४	३	६१
५६	२१	४९	४३	१४	२३	११	११

*श.वृ.शु.

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

×बृ.श.शु.

Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं०२०३७ शाकः १९०२ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षि. ज्हगणः २८०४ सं १९८०

१	चं	३७	३४	ज्ये	१२	३४	शु	४५	१३	कं	६	१३	२५/४५	५/१	५/६	८	१७	२९	ध. १२।३४
२	मं	३९	११	मू	१५	७	गं	४३	४६	बा	८	२३	४४	५१	९	९	१८	३०	धनुषि
३	बु	३९	४७	पू	१७	४७	वृ	४१	१६	तै	९	२९	४२	५२	८	१०	१९	१	म. ३३।५
४	गु	३९	२५	उ	१९	०	ध्रु	३७	५०	व	९	३६	४१	५२	८	११	२०	२	मकरे
५	शु	३७	५८	श्र	२०	२८	व्या	३३	५६	व	८	४१	४०	५२	८	१२	२१	३	कु. ५०।१७
६	श	३५	२८	ध	२०	७	ह	२९	१६	कौ	६	४३	३९	५२	८	१३	२२	४	कुम्भे
७	र	३१	८	श	१८	४१	व	२३	३७	ग	३	१८	३८	५२	८	१४	२३	५	कुम्भे
८	चं	२८	१०	पू	१६	२८	सि	१६	२४	ब	२८	१०	३८	५२	८	१५	२४	६	मी २।२
९	मं	२३	७	उ	१३	११	व्य	१०	३४	कौ	२३	७	३७	५३	७	१६	२५	७	मीने
१०	बु	१७	२१	रे	९	२०	व	५०/२	५१/४८	ग	१७	२१	३७	५३	७	१७	२६	८	मे. ९।२०
११	गु	११	१६	अ	४	३४	शि	४५	४७	वि	११	१६	३७	५३	७	१८	२७	९	मेषे
१२	शु	६	३९	भ	१४/०	५३/२३	सि	३६	४३	चा	३	३९	३६	५३	७	१९	२८	१०	वृ. १३।३६
१३	शु	५२	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	श	४८	५९	रो	४८	१६	सा	२७	३३	ग	२१	४४	३६	५३	७	२०	२९	११	बृषे
१५	र	४२	२९	मृ	४३	२४	शु	१८	४४	वि	१५	४४	३६	५३	७	२१	३०	१२	मि १६।५०

भ. ४८।५९ उ.
भ. १५/४ या मूले धनुषि बुधः ३/२ दत्तजयंती

३६ पं.मा.शु. ७ र.इ. १६।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	५	७	५	३	७
२८	२३	१९	१४	१	१५	१९	२८
५५	३३	२५	१०	३०	१४	५०	३८
५२	३२	१६	४१	३६	५६	५६	२५
६१	४५	९६	७	७३	३	३	६१
०	३३	३८	४३	२५	४०	११	१९

गोचरग्रहाः

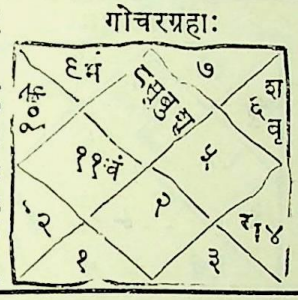

मा.शी.शु.८ चन्द्रे धनुष्यर्कः प्र. वा. ३ न. ४ बालाव. (बैठी) मु. ४५ धा. भावे समर्घता शु. उ. पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

३७ पं.मा.शु. १५ र.इ. १६।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	५	७	५	३	८
६	२९	०	१४	१०	१५	१९	५
३	०	२३	५६	१४	३८	२८	४७
२९	०	५६	१७	२०	२	४०	५०
६१	४५	९८	६	७३	३	३	६१
४	४८	४३	४०	४३	१	११	२२

ति. पौष कृष्ण पक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग. कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	३६	५०	आ	४०	३०	शु	१०	४७	बा	९	४०	२५/३६	६/५३	५/७	२२	१	१३	मिथुने
२	मं	३२	५१	पु	३७	४७	व	३/९	५४/१२	तै	४	५०	३६	५३	७	२३	२	१४	क. २३।२८
३	बु	३०	३२	पु	३६	२८	वै	५३	३८	व	१	४१	३७	५३	७	२४	३	१५	कर्के
४	गु	३०	२	श्ले	३७	५४	वि	४९	५३	ब	०	१७	३७	५३	७	२५	४	१६	सिं ३७।५४
५	शु	३२	१	म	४०	५४	वी	४८	५१	कौ	१	२	३७	५३	७	२६	५	१७	सिंहे
६	श	३५	३८	पू	४६	१४	आ	४९	५४	ग	३	४९	३८	५२	८	२७	६	१८	सिंहे
७	र	४०	४७	उ	५२	४९	सो	५१	९	वि	८	११	३८	५२	८	२८	७	१९	क. २।५३
८	चं	४६	४९	ह	५९	५४	शो	५३	७	बा	१३	४७	३९	५२	८	२९	८	२०	कन्यायां
९	मं	५२	५०	चि	६०	०	अ	५५/५	२५/५	तै	१९	५०	४०	५२	८	३०	९	२१	तु. ३३।४४
१०	बु	५९	५७	चि	७	३५	सु	५७	४१	व	२६	२३	४०	५२	८	३१	१०	२२	तुलायां
११	गु	६०	०	स्वा	१५	४	धृ	५९	२३	ब	३२	५०	४१	५२	८	१	११	२३	तुलायां
११	शु	५	४/५	वि	२१	५७	शू	६०	०	गा	५	४३	४२	५२	८	२	१२	२४	वृ. ५।१४
१२	श	१०	३७	अ	२७	३५	शु	०	३०	तै	१०	३७	४३	५१	९	३	१३	२५	वृश्चिके
१३	र	१४	४	ज्ये	३१	५७	गं	०/३३	५८/५३	व	१४	४	४४	५१	९	४	१४	२६	ध. ३१।५७
१४	चं	१६	५	मू	३४	३८	शु	५७	२०	श	१६	५	४६	५१	९	५	१५	२७	धनुषि
३०	मं	१६	४९	पू	३७	२९	व्या	५४	२	ना	१६	४९	४७	५१	९	६	१६	२८	म. ५१।४९

मकरे भौमः ३४।३९ रा. पौषारंभः
भ. १।४१ उ. ३०।३२ या. चतुर्थी व्र.
ज्येष्ठायां शुक्रः २१।४३
भ. ३५।३८ उ.
भ. ९/८ या. पूषा. रविः ३४/५५ (सौरः ३७/४३)
पूफा. बुधः २२।५४
भ. २६।२३ उ, ५९।५७ या.
जनवरी १ ता. ३१ सन् १९८१*
सफला ११ व्र. वै *सफला ११ व्र स्मा.
प्रदोषः
भ. १४।४ उ. ४५।४ या. श्रवणे भौमः १९/३८
÷बुधोदयः पश्चिमायाम् ३४।१
मूले धनुषि शुक्रः २४/६ उषा. बुधः ३५/१३÷

३८ पं.पौ.कृ. ७ र.इ. १५।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	५	७	५	३	८
१३	४	११	१५	१८	१५	१९	१२
११	२७	२८	३५	५९	५६	६	०७
३१	४७	३०	२०	१७	२४	२५	४२
६१	४५	९९	५	७३	२	३	६१
६	४८	५१	३२	५०	१९	११	२६

गोचरग्रहाः

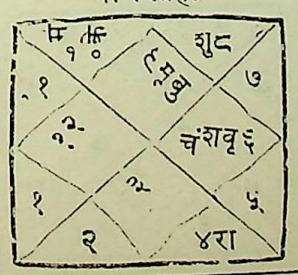

इस मास में मकर का मंगल घृत तैल तिल ग्रन्डी गुड़ खांड कर अनाज गल्लामें मंदी करके तेजी करेगा ।

गोचरग्रहाः

३९ पं.पौ.कृ. १३ र.इ. १५/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	५	७	५	३	८
२०	९	२२	१६	२७	१६	१८	२०
१९	५७	४३	५	५३	९	४४	७
२९	४	२६	५३	४४	३६	९	३९
६१	४६	०/९०	४	७३	१	३	६१
६	२	४९	१९	५६	२८	११	२६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. पौष शुक्लपक्षः सं.२०३७ शाकः १९०२ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | शिशिरतू रविरुत्तरेऽहर्गणः २८३४स.१९८१

१	बु	१५	५५	उ	३७	५१	ह	४६	४६	ब	१५	५५	२५/४६	५०/६	१०/५	७	१७	२६	मकरे	चंद्रदर्शनम्
२	गु	१४	८	अ	३६	०२	व	४४	५६	कौ	१४	८	५१	५०	१०	८	१८	१	मकरे	मकरे बुधः ४७।४१ रविलावल ३
३	शु	११	२२	ध	३५	५	सि	३६	१०	ग	११	२२	५२	५०	१०	९	१९	२	कु.५।४३	भ. ३६।३६ उ.
४	श	७	५०	श	३३	५७	अ	३३	१५	वि	७	५०	५४	४९	११	१०	२०	३	कुम्भे	भ.७।५० या.उषा.रविः २५/६ सौर ३६/१०
५	र	३	५१	पू	३०	२८	व	२७	१	बा	३	५१	५६	४९	११	११	२१	४	मी १६।२०	
६	र	५५	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	६	०	०	०	
७	चं	५४	५९	उ	२७	३२	प	२०	५	ग	२७	१७	५८	४८	१२	१२	२२	५	मीने	भ. ५४।५९ उ.
८	मं	५०	७	रे	२४	२२	शि	१३	१०	वि	२२	३२	२६/१	४८	१२	१३	२३	६	मे.२४।२२	भ. ३३/३२ या.मकरे ऽर्कः ४५/२३ (सौर ५५/३५)
९	बु	४५	२२	अ	२१	२	सि	६/१	५३/३५	वा	१७	४४	३	४७	१३	१४	२४	७	मेषे	श्रवणे बुधः ४२।२२
१०	गु	३९	३३	भ	१७	१६	शु	५०	५८	तै	१२	२८	५	४७	१३	१५	२५	८	वृ.३१।१०	अस्तो भौमः १४।३०
११	शु	३४	१०	कृ	१२	५२	शु	४२	४५	च	६	५१	८	४६	१४	१६	२६	९	बृषे	भ.५६/१ उ.३४/६० या.पुषा.शुक्रः ४/१४ पुत्रदा ११ व्र.
१२	श	२८	२८	रो	९	१७	व	३५	५४	ब	१	२६	१	४६	१४	१७	२७	१०	मि ३७।२७	हस्ते ३ गुरुः ५४/१९
१३	र	२३	४०	मृ	५	३७	ऐं	२८	४९	तै	२३	४०	१२	४६	१४	१८	२८	११	मिथुने	वक्री शनि ५५/४५ प्रदोषः
१४	चं	१९	११	आ	३	१३	वै	२२	२०	व	१९	११	१५	४५	१५	१९	२९	१२	क.४७।२	भ.१९।११ उ. ४७।३१ या.
१५	मं	१५	५१	पु	१	३९	वि	१६	५२	व	१५	५१	१७	४५	१५	२०	३०	१३	कर्के	अभि.प्र.रविः १८(सौर ३५/३७) माघस्न ा.प्रा.

४०पं.पौ.शु.५र.इ. १५/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	५	८	५	३	८
२७	१५	४	१६	६	१६	१८	२७
२७	२६	१६	२७	३०	२७	२१	१७
४०	५३	४८	३२	०	१०	५५	३१
६५	४६	९/२	३	७३	०	३	६१
६	१३	९/२	६	५६	५६	११	२४

गोचरग्रहाः

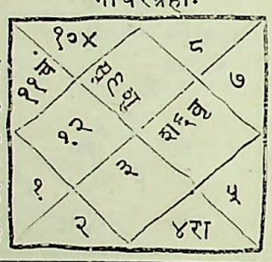

पौष शु. ८ भौमे मकरेऽर्कः प्र. वा. २ नं. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

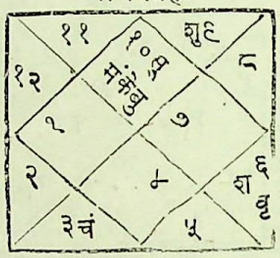

४१पं.पौ.शु.१३र.इ. १५/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	५	८	५	३	९
४	२०	१६	१६	१५	१६	१७	४
३५	५८	१	४०	१६	२०	५९	२७
३१	५	४४	३४	५०	४९	३८	०
६०	४६	९/२	१	७४	०	३	६१
३	१८	९/२	३५	२	४	११	१९

ति. माघ कृष्णपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | शिशिरतू रविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्राः

१	बु	१३	५१	पु	०	५१	प्री	१२	२६	कौ	१३	५१	२६/३०	६/४४	५६/१६	२१	१	१४	कर्के	धनिष्ठा. भौमः १९।४० रा. माधारंभः
२	गु	१४	५	श्ले	१	५१	आ	९	४	ग	१४	५	२२	४४	१६	२२	२	१५	सि १।५१	भ. ४४।२७ उ. धनिष्ठायां बुधः ३३।२०
३	शु	१४	५०	म	४	३३	सो	७	३४	वि	१४	५०	२५	४३	१७	२३	३	१६	सिंहे	भ.५०/१४ या. श्रवणे रविः ३४/३१ (सौरः ४५/४१*)
४	श	१७	५७	पू	८	५१	शो	६	४९	बा	१७	५७	२७	४३	१७	२४	४	१७	क.२५।३५	अभि.नि रविः २७।० (सौरः ३४।१०)
५	र	२२	२८	उ	१४	४६	अ	७	१९	तै	२२	२८	३०	४२	१८	२५	५	१८	कन्यायां	* चतुर्थी व्र.
६	चं	२८	८	ह	२१	३५	सु	८	४८	व	२८	८	३३	४१	१९	२६	६	१९	तु.५५।२०	भ.२८/६ उ. कुभे बुधः ४५/४१ वक्री गुरुः ३६/४६
७	मं	३४	५१	चि	२९	४	धृ	१०	५३	वि	१	२५	३६	४१	१९	२७	७	२०	तुलायां	भ.१।२५ या उषा.- शुक्रः २३।१२
८	बु	४१	७	स्वा	३६	४०	शू	१३	१३	वा	७	५३	२९	४०	२०	२८	८	२१	तुलायां	
९	गु	४७	८	वि	४३	४५	गं	१५	१७	तै	१४	७	२	४०	२०	२९	९	२२	बृ.२६।५८	कुंभे भौमः ३३।१८
१०	शु	५२	१०	अ	५०	५९	वृ	१६	४०	व	१९	३८	४६	३९	२१	३०	१०	२३	वृश्चिके	भः १९/३९ उ. ५२/१० या. मकरे शुक्रः १२° पातस्पर्शः *
११	श	५५	५२	ज्ये	५४	४२	ध्रु	१७	८	ब	२३	१	४९	३८	२२	३१	११	२४	ध.५४।४२	शतेबुधः ४/१७ वक्रीहस्ते २ गुरुः ३/१९ पातमोक्ष+
१२	र	५७	५६	मू	५७	३२	व्या	१६	३२	कौ	२६	५३	५२	३८	२२	१	१२	२५	धनुषि	फर्वरी २ता. २८ + ५/३४ षट्तला ११ व्र.
१३	चं	५८	१०	पू	५९	२०	ह	१४	३२	ग	२८	३	५५	३७	२३	२	१३	२६	धनुषि	भ.५८।१० उ. प्रदोषः *२८।२३
१४	मं	५६	२८	उ	५८	५४	व	११	४	वि	२७	१९	५९	३६	२४	३	१४	२७	म.१४।१४	भ.२७।१९ या.
३०	बु	५३	३०	अ	५८	१	सि	६	२३	च	२५	४१	२७/२	३६	२४	४	१५	२८	मकरे	

४२पं.मा.कृ.५र.इ. १५/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	५	८	५	३	९
११	२६	२७	१६	२४	१६	१७	११
४२	२९	३४	४३	२	१८	३७	३५
५८	५३	५२	४८	३५	४०	२२	५१
६०	४६	९४	०	७४	३/८	३	६१
५९	१८	१३	१६	८	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

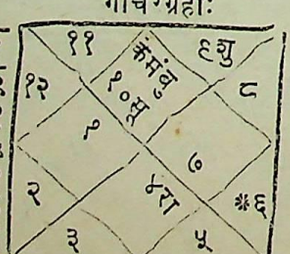

इस मास में ५ बुधवार हैं रस पदार्थ तेज होगा सदी में अनाज रुई सोना चांदी तेज हो।

गोचरग्रहाः

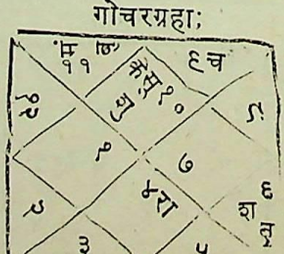

४३पं.मा.कृ.१२र.इ. १५/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	१०	५	९	५	३	९
१८	२	७	१६	२	१६	१७	१८
४९	२	१२	३९	४७	११	१५	४३
२६	२८	५७	१८	५६	६	७	५३
६०	४६	६८	७	७४	२/१	३	६१
५५	१८	४६	ब	१४	ब	११	४

× मं.बु.के. * श.चं.वृ. (सं २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्ल पक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २८६३स.१९८१

| | | |

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०३७ शाकः १९०२ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः २८९३सं. १९८१

१	श	१६	४६	पू	८	४३	शु	४८	०	ब	१६	४६	२९/२	६/१२	४९/५	७	१६	२९	मीने
२	र	९	२	उ	४२/४८	५४/६	शु	२८	२८	को	९	२	६	११	४९/४	८	१७	१	मे.५६।५४
३	चं	१	१६	अ	५२	१९	ब्र	२९	२४	ग	१	१६	१८	१०	५०	९	१८	२	मेषे
४	च	५२	३३	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	मं	४७	४	भ	५६	३५	ऐं	२०	४६	व	२०	२६	१४	९	५१	१०	१९	३	मेषे
६	बु	४०	५८	कृ	४८	३३	नै	१२	५९	को	१४	१	१९	८	५२	११	२०	४	वृ.०।३४
७	गु	३६	०	रा	३९	२८	वि	३०/४	५४/२३	ग	८	२९	२३	७	५३	१२	२१	५	बृषे
८	शु	३१	५४	मृ	३७	३२	आ	५३	४५	वि	३	५७	२७	७	५३	१३	२२	६	मि८।३०
९	श	२९	८	आ	३६	३७	सौ	४८	५२	बा	०	३१	३२	६	५४	१४	२३	७	मिथुने
१०	र	२७	१५	पु	३६	४४	शो	४५	२१	ग	२७	१५	३६	५	५५	१५	२४	८	क.२१।४३
११	चं	२६	३२	पु	३७	५८	अ	४२	२८	वि	२६	३२	४०	४	५६	१६	२५	९	कर्के
१२	मं	२६	५४	श्ले	४०	२३	सु	४०	२२	बा	२६	५४	४४	३	५७	१७	२६	१०	सिं४०।२३
१३	बु	२८	११	म	४३	४३	धृ	३९	१८	तै	२८	११	४९	२	५८	१८	२७	११	सिंहे
१४	गु	३०	२४	पू	४७	५८	शु	३९	१०	व	३०	२४	५३	१	५९	१९	२८	१२	सिंहे
१५	शु	३४	५५	उ	५३	२०	गं	३८	१७	वि	२	३६	५७	१	५९	२०	२९	१३	क.४।१८

भ.२।३६या.होलिकादहनम् गोधूल्यां

४८पं.फा.शु.२र.इ.१७।१२

गोचरग्रहाः

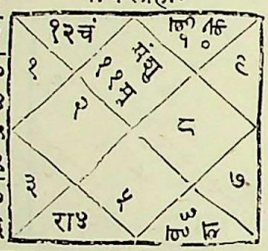

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	५	१०	५	३	१०
२४	२९	२८	१४	१६	१४	१५	२४
६	३६	१५	३	३२	२५	२३	५
२९	४	४०	५४	३५	२६	४९	२९
५९	४६	३०/३७	५८/६	७४	१०/४	३	६०
५८	५	भा	ब	३२	ब	११	६

फा शु. ६ शनौ मीनेऽर्कः प्र. वा. ३न.४ गतालका वस्था (ऊर्भा)मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शु.पू

गोचरग्रहाः

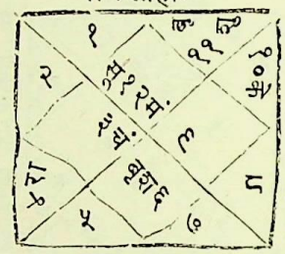

४६.पं.फा.शु.१०.र.इ.१७/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	५	१०	५	३	११
१	५	३	१३	२५	१३	१५	१
५	४	३१	१४	१५	५४	१	५
४२	१	१६	१०	४३	५०	३३	११
५९	४५	५१	४२/४७	७४	२४/२९	३	५९
४१	५७	२३	ब	३२	ब	११	४९

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृ.महाराष्ट्राः

१	श	३९	१३	ह	५९	५१	वृ	३९	४३	बा	६	४९	३०/१	६/०	६/०	२१	३०	१४	कन्यायां
२	र	४४	३९	चि	६०	०	ध्रु	४२	२३	तै	११	५६	६	५/५९	१	२२	१	१५	तु.३३।१७
३	चं	५०	४७	चि	६	४४	व्या	४४	२०	व	१७	४३	१०	५८	२	२३	२	१६	तुलायां
४	मं	५६	८	स्वा	१३	३४	ह	४६	५८	व	२३	२८	१४	५७	३	२४	३	१७	तुलायां
५	बु	६०	०	वि	२१	४९	व	४९	२२	को	२९	५२	१८	५६	४	२५	४	१८	वृ.४।४५
५	गु	३	३४	अ	२९	२३	सि	५१	२१	तै	३	३४	२३	५५	५	२६	५	१९	वृश्चिके
६	शु	९	२३	ज्ये	३५	५३	व्य	५२	२८	व	९	२३	२७	५५	६	२७	६	२०	ध.३५।५३
७	श	१४	११	मू	४१	२९	व	५१	४१	ब	१४	११	३१	५४	७	२८	७	२१	धनुषि
८	र	१७	३८	पू	४५	१०	प	५१	१२	को	१७	३८	३५	५३	८	२९	८	२२	धनुषि
९	चं	१९	२	उ	४७	५	शि	४८	२९	ग	१९	२०	३९	५२	८	३०	९	२३	म.०।३८
१०	मं	१८	४५	श्र	४९	५९	सि	४४	५	वि	१८	४५	४४	५१	९	३१	१०	२४	मकरे
११	बु	१९	२४	ध	४४	४८	सा	३८	५३	बा	१९	२४	४८	५०	१०	१	११	२५	कु.१५।५३
१२	गु	११	५४	श	४०	३३	श	३०	२१	तै	११	५४	५२	५०	१०	२	१२	२६	कुम्भे
१३	शु	५	३६	पू	३५	१०	शु	२१	३१	व	५	३६	५६	४९	११	३	१३	२७	मी२१।३१
१४	शु	५२	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	९	०
३०	श	४९	७	उ	२८	३८	ब्र	११	३९	च	२३	२५	३१/०	४८	१२	४	१४	२८	मीने

उभा. शुक्रः ४७/३७ वसन्त १ छारॅडो वक्री हस्त १शनिः ५/५ रा. चैत्रारम्भः भ. १७।४३उ. ५०।४७या. चतुर्थी ब्र.

भ.९।२३उ. ४७/४७ या. शीतलापूजनम्

पूभा. बुधः २।३३ भ.४९।२उ. रेवत्यां भौमः१८।९ भ.१८।४५ या. रेवत्यां रविः ०।१७* रेवत्यां शुक्रः३१।२१अप्रं ल४ ता.३०+ प्रदोषः +पाप मो. ११ ब्र. भ. ५।३६उ.३१।४० या. * (सौरः०।१५) मीने बुधः ३२।४५ मन्वादिः

५०पं.चै.कृ.२र.इ.१७।५३

गोचरग्रहाः

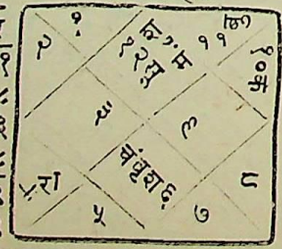

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	५	११	५	३	११
८	१०	११	१२	३	१३	१४	८
३	३०	११	२२	५७	२२	३९	३
१८	१८	२४	८	३६	४४	१८	१८
५९	४५	७०	५३/७	७४	४०/४	३	५९
२९	४७	५१	ब	३२	ब	११	२९

इस मासमें धान्य रुई चावल गेहूँ गुड खांड तिल मूंगफली तेल घृत उडद मूंग तेज होगा ।

गोचरग्रहाः

५१पं.चै.कृ.८र.इ.१८।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	५	११	५	३	११
१४	१५	२०	११	१२	१२	१४	१४
५९	५४	२२	२७	३९	४९	१७	५९
१३	२५	३५	१४	४७	२३	२	१२
५९	४५	८६	५२/७	७४	४०/४	३	५९
१६	४७	२३	ब	३८	ब	११	१८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

Gurukul Kangri University, Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०८२ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०८२ भोग्यकलिः ४२६९१८ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीरविक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३८ शाकः १९०३ । अथाऽस्मिन् राजा रविः । मंत्री चन्द्रः । सस्येशो गुरुः । धान्येशो भौमः । मेघेशोरविः । रसेशः शनिः । नीरसेशो गुरुः । फलेशः रविः । धनेशः बुधः । दुर्गेशः-रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ८ भावनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमयेः गतमासादिः ७।१२।४८।५७ भोग्यमासादिः ४।१७।११।३बार्हस्पत्यदैवतं युगम् । वर्षनामः फाल्गुनः। मेघ नाम संवर्तः । रोहिणो निवासस्तटे । समयनिवासो रजक गृहे । समय विश्वा १८ । समयवाहनमश्वः । स्तंभौः २ जलतृणयोः । सोमवत्यमा ३ । सोमवती पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी ० समयमुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १६ । तिथिवृद्धिः१० । उत्पत्तिविश्वा ९९ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा १३ । धान्यम् ९. तृणम् १३. शीतम् १७. तेजः ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यम् १११ सत्यम् ॥ धर्मम् १॥ पापम् १८ शनिदृष्टिर्दक्षिणे ग्रहण २ चन्द्र व सूर्ययोः ।

सं. २०३८ श्रावण कृ. ३० शुक्रे सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म	मो.		
उज्ज.	घ.	०	३	४		
मध्यम	पल	५९	१९	५८	—	—
रेल्वे	घं.	६	७	८		
टाइम	मि.	५१	४७	२६		

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२

वर्षलग्नम् ८।२८

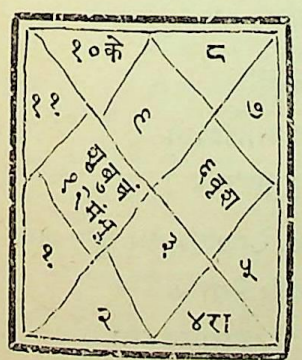

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

माता से कर जोड़ के पूछे भैरव लाल ।
शुभ संवत् अडतीस का शीघ्र कहो सब हाल ॥

भवानी उत्तर

सुणजे भैरव चेत कर मैं समझाऊं तोय ।
राजा मंत्री देखतां मध्य जमानूं होय ॥
आषाढां हल जोत हो श्रावण मध्यम जान ।
भाद्रव भृगु गुरु योग से जग में हो कल्याण ॥
अठारह विश्वा समय धान्यं विश्वा अंक ।
सबही को सुख होयसी क्या राजा क्या रंक ॥
जल तृण के दो स्तंभ है संवत् वाहन अश्व ।
ग्रीष्मधान्य तेजी रहे वर्षा विश्वा विश्व ॥
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहो का चार ।
आखिर सब जानै वही जो हैं जग करतार ॥

सं. २०३८ पौष शु. १५ शनौ खंडग्रासचंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	४३	४५	४७	४९	५१
मध्यम.	पल	१८	५८	३६	१४	५४
रेल्वे	घं.	११	१२	१	२	३
टाइम	मि.	४६	५०	२९	९	१३

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेशलग्नम् ६।१४

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१९।० केतकीमतेन वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशाः २३।३४।४६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा रविः फलम् ॥ सूर्य नृपे स्वल्प फलाश्च मेघा स्वल्पंपयो गोषुजनेषुपीड़ा। स्वल्पंसुधान्यं फलमल्प वृक्षाश्चौराग्नि बाधा । निधनं नृपाणाम् ॥ मंत्री चन्द्रस्तत्फलम्। शशिनि मंत्रिगते बहुसस्यवत्यपिधरा रमते सुखमंडिता। वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदा सुख राशि सुशोभिताः। सस्येशो गुरुः फलम् ॥ कणपतौ सुर राजपुरोहिते सकलसौख्यकरः श्रुति पूर्वकः जलधरा जलदा बहुसस्यदा रस पयांसि बहुनिवसूनि च ॥ धान्येशो भौमे स्तत्फलम् ॥ भूमिजे ग्रीष्म धान्येशो ग्रीष्म धान्यमहर्घकम्। शालीक्षुघृत तैलादि महर्घाणि भवंति च ॥ मेघेशो रविः फलम् जलदये यदि वासरपेतदा सरसिवैरमतेजनता रसम् । यवचणेक्षुनीवार सुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुविवर्तते ॥ रसेशः शनिः फलम् ॥ रविसुते रसपेरस संक्षयोनजलदागददाश्चपयोधराः। अजगवागज-वाजिखरोष्ट्रहा जनपदेषुनरा न रसैर्युताः नीरसेशोगुरुः फलम् ॥ हरिद्रापीत वस्तूनि पीतवस्त्रादिकंचयत्। नीरसेशो यदाजोत्रः सर्वेषांप्रीति रुत्तमा ॥ फलेशोरविः फलम् ॥ द्रुमवती फलपुष्पवतीधरा प्रमुदिता फलभोग विशेषता। बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदापि प्रामितं फलयोरविः ॥ धनेशो बुधस्तत्फलम् ॥ द्रविणयोहिमरामिंसुतोयदा विविधसंग्रह वस्तुफलार्थदा। द्विजवराजय यज्ञसुसंयुताः कृषिविशेषितमानसाः दुर्गेशोरविः फलम्। नयविशेष कर स्तरणीतदा गतभयानरराज पुरोगमाः। समधिकोन तदा नृपजोन्यजः स्वपथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ॥ भावनाम संवत्सरः फलम् ॥ भावाब्दे प्रचुरा रोगा मध्यसस्यार्घवृष्टयः राजानो युद्ध निरतास्तथापि सुखिनोजनाः ॥ वर्षनाम फाल्गुनः फलम्। सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टि रुत्तरेयाम्य पश्चिमे। पूर्वस्यां रौखं घोरं फाल्गुनेवत्सरे शुभम् ॥ मेघनाम संवर्तः फलम्। संवर्ते जल पूरिता। रोहिणी निवासस्तटे फलम् ॥ तटे वृद्धिः सुशोभनाः। समय निवासो रजकगृहे फलम्। रजके वृष्टिःरुत्तमाः। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

सं० २०३८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः।

शुक्ले १४ रवौ स्वा. ल. अन्यगो. रे.७।ऽ।।।अ. ऽ।।।

ज्येष्ठ मासः।

कृष्णे २ गुरौ मूले ल. गो. रे.६ऽ।।ऽऽ चौ ऽ।।

,, ६ गुरौ उभा. ल. अन्यगो.रे.६ऽ।।ऽऽ नृ.।ऽ।। भौ.७ दोषः आवश्यके

शुक्ले ६ गुरौ हस्ते ल.गो.(भौ. ७ दौषः) रे.७।ऽ।।ऽ रो.ऽ।।।

,, ११ शनौ स्वा. ल. १ रे.८।।।।।ऽ।।। चं. ७ पूज्यः

,, १३ चंद्रे अनु. ल. अन्यगो. रे.८ऽ।।।।ऽ।।।

आषाढ मासः।

कृष्णे ७ बुधे उभा. ल. १ रे.६ऽ।।।ऽ।।ऽ।ऽ दग्धा दोषः आवश्यके

शुक्ले ४ रवौ मघा. ल.१ रे.६।।।।।ऽअ.।।।। मेषेलग्नांश७यावत् पश्चान्नक्षत्रांत दोषः

,, ६ भौमे उफ. ल. अन्यगो. रे.६।।ऽवृ.।।।।।।

,, ६ शुक्ले स्वा. ल. गो. १ रे.८।।।।।ऽचौऽ।।।गो. धूल्यां-भौ. ७ दोषः मेषे चं. ७ पूज्यः

मार्गशीर्ष मासः।

कृष्णे ७ बुधे मघा. ल. अन्यगो. ७ रे. ७ ।।।।।ऽ अ.ऽऽ।।

,, १० शनौ उफा. ल. अन्यगो. रे.६।।।।।।ऽ।।

,, १० शनौ. हस्ते ल. ७ रे.७ऽ।।।।।ऽऽ।। शनि १२ पू.

,, ११ रवौ हस्ते ल. अन्यगो. रे.६ऽ।।।। चौ ऽऽ।।

माघ मासः।

कृष्णे ५ गुरौ उफा. ल. ७।८ रे.६।।।।।।।ऽ।।

शुक्ले ५ शनौ रेव. ल. अन्यगो. ८ रे६।।।।ऽ।।।।। वृश्चिक-लग्ने रोग पंचकः रेखा ८

,, १० बुधे रोहि. ल. गो. ८ रे. ७ ।।।।ऽअ.।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः वृश्चिके चं. ७ पूज्यः रेखा ८ अग्नि पंचकाऽ भावः

फाल्गुन मासः।

कृष्णे ३ गुरौ हस्ते ल. ७।८ रे.८।।।।।ऽअ।ऽ।।

,, ७ चंद्रे अनु. ल. १० रे.८ऽ।।।।।ऽ।।

,, ८ भौमे अनु. ल. अन्यगो. ७ रे.८ऽ।।।।।।ऽ।। तुला लग्ने नृपपंचकः रेखा ७

शुक्ले २ गुरौ. उभा, ल. ८।१० रे.७।ऽ।।।ऽनृ ऽ।।।

,, ३ शुक्ले रेव. ल. ८।१० रे.६।।।।।।।।ऽ दग्धा.

Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २९२२स.१९८१

| | | |

ति.| वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३ दि.| उ.| अ.| इं.| रा.| मु.| चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २९५२स.१९८१

१	चं	४९	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	मं	४९	३४	कृ	२६	१०	शो	४५	४८	बा	२४	२२	३३/५७	२/५	३/५	५	१५	२९
३	बु	४१	३	रो	१९	२२	अ	३६	१९	तै	१५	१९	३/१	२४	३६	६	१६	१
४	गु	३३	४४	मृ	१३	३७	सु	२७	३८	ब	७	२३	४	२३	३७	७	१७	२
५	शु	२८	१७	आ	९	१८	धृ	२०	४७	ब	१	१	७	२३	३७	८	१८	३
६	श	२४	३८	पु	७	४६	शू	१५	२६	तै	२४	३८	१०	२२	३८	९	१९	४
७	र	२२	५८	पु	७	३२	गं	११	२२	ब	२२	५८	१३	२१	३९	१०	२०	५
८	चं	२३	२०	श्ले	९	११	बृ	९	८	ब	२३	२०	१६	२१	३९	११	२१	६
९	मं	२५	२२	म	१३	३८	ध्रु	८	१६	कौ	२५	२२	१९	२०	४०	१२	२२	७
१०	बु	२९	४	पू	१७	४०	व्या	८	४३	ग	२९	४	२२	२०	४०	१३	२३	८
११	गु	३३	५१	उ	२३	५३	ह	९	४४	व	१	२७	२५	१९	४१	१४	२४	९
१२	शु	३९	२३	ह	३१	५	व	११	३८	ब	६	३७	२८	१८	४२	१५	२५	१०
१३	श	४५	१७	चि	३८	१७	सि	१३	४६	कौ	१२	२०	३०	१८	४२	१६	२६	११
१४	र	५१	३८	स्वा	४५	४८	व्य	१६	११	ग	१८	२८	३३	१७	४३	१७	२७	१२
१५	चं	५७	३८	वि	५३	४	व	१८	३६	वि	२४	३८	३६	१७	४३	१८	२८	१३

तुलायां

बृषे बुधः १२।२६ चंद्रदर्शनम्
बृषे शुक्रः ३/४ अक्षया ३ परशुरामज. रज्जव ७
भ. ७।२३ उ. ३३।४४या.
बुधोदयः पश्चिमायाम् ५०।२

भ.२२।५८ उ.५३।९या. रोहि. बुधः ७।०
कृत्तिकायां रविः ०।३३ (सौरः ४।४)
वक्री उफा. ४ शनिः ५६।२

भ. १।२७ उ. ३३।५१या. बृषेऽर्कः २७/४८ ×
×(सौरः ३१/५२) रोहि. शुक्रः ४१/४३ मोहिनी ११ ब्र.
प्रदोषः
भ. ५५/३८ उ. मृगे बुधः ४९/० नृसिंह १४
भ.२४।३८या. यमायसान्नजलकुंभदानं

५पं.वै.शु.८चं.इ. ३५।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	५	१	५	३	०
२७	१८	१२	७	६	१०	११	२७
१३	२१	४७	१२	८	३/५	५९	१०
३४	४४	२८	२५	४६	७	४०	३
५७	४४	२९/३८	३८/५	७४	१९/२	३	५७
५४	२२	४९/६	ब्र	२६	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

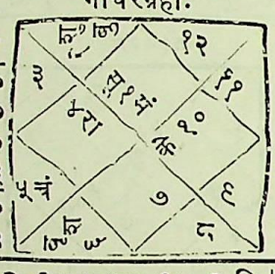

वै. शु. ११ गुरौ बृषेऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु० ३० धा. भावे समता शु. पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

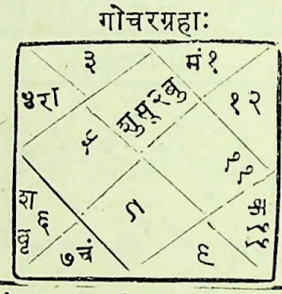

६पं.वै.शु.१५चं.इ.३५।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	५	१	५	३	१
३	२३	२४	६	१४	९	११	३
५८	२९	३१	५५	४६	४८	३७	५३
२६	३६	१९	३४	२३	२२	२४	४२
५७	४४	९२	१/८	७४	४/१	३	५७
४४	१	५	ब्र	२६	ब	११	३४

ति.| ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३ दि.| उ.| अ.| इ.| रा.| मु.| चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख. कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	३०	०	अ	६०	०	पू	२०	४८	बा	३०	३१	३३/३९	५/१६	४४	१९	२९	१४
१	बु	३	२३	अ	१	२०	शि	२२	४२	कौ	३	२३	४१	१६	४४	२०	३०	१५
२	गु	८	४०	ज्ये	७	५४	सि	२४	५	ग	८	४०	४३	१५	४५	२१	३१	१६
३	शु	१३	५	मू	१२	३१	सा	२५	१	वि	१३	५	४६	१५	४५	२२	१	१७
४	श	१६	४०	पू	१७	५०	शु	२५	७	बा	१६	४०	१८	१४	४६	२३	२	१८
५	र	१९	२	उ	२२	११	शु	२४	२६	तै	१९	२	५०	१४	४६	२४	३	१९
६	चं	२०	१८	श्र	२४	२८	ध्र	२२	३५	ब	२०	१८	५२	१४	४६	२५	४	२०
७	मं	२०	९	ध	२५	४३	ऐं	१९	३५	ब	२०	९	५४	१३	४७	२६	५	२१
८	बु	१८	१६	श	२५	२६	वै	१५	१९	कौ	१८	१६	५६	१३	४७	२७	६	२२
९	गु	१४	५९	पू	२३	२४	वि	९	५२	ग	१४	५९	५८	१२	४८	२८	७	२३
१०	शु	९	५२	उ	१९	५३	प्री	४७/३४	५५/०	वि	९	५२	३४/०	१२	४८	२९	८	२४
११	श	३	२३	रे	१४	५३	सौ	४५	३२	बा	३	२३	२/०	१२/०	४८/०	३०	९	२५
१२	श	५१	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५	०	०	०	०	०
१३	र	४६	२९	अ	८	३७	शो	३५	३८	ग	२०	५५	४	११	४९	३१	१०	२६
१४	चं	३६	५०	भ	२९/१	५३/३५	अ	२५	११	वि	११	३९	६	११	४९	१	११	२७
३०	म	२७	४	रो	४६	३४	सु	१४	२९	च	१	५६	७	११	४९	२	१२	२८

वृश्चिके
वृश्चि के
ध. ७।५४
धनुषि
म. ३३।४५
मकरे
कु. ५४।३५
कुम्भे
कुम्भे
मी० ।५५
मीने
मे. १४।५३
०
मेषे
वृ. १४।३४
बृषे

भ.४०।५२ उ. शनिः १४।३४
भ. १३।५या. कृत्ति. भौमः ४३/४ मिथुने बुध*
*१२/१३ पातस्पर्शः ४।२५ रा. ज्येष्ठारंभः च.ब्र.
रोहि. रविः ५१।२३ (सौरः ५५/१) मार्गी +
भ. २०।१८ उ. ५०।१३या. मृगे शुक्रः ३३/२६
+गुरुः ५६।० पातमोक्षः २३।४६
बृषे भौमः १६।२०
भ.४२।२५ उ. आर्द्रा. बुधः ३७।५६
भ. ६।५२या.
अपरा ११ व्रतम्

भ.४६।२६ उ. मिथुनेशुक्रः ०।५८ प्रदोषः
भ. ११।३९या. जून ६ ता. ३०
वटसावित्री व्र.

७पं. ज्ये.कृ.६चं.इ. ३५।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	५	१	५	३	१
१०	२८	३	६	२३	९	११	१०
४२	४६	३०	४९	२२	३८	१५	३५
२५	१	३६	३०	४१	१७	९	५३
५७	४३	६२	८	७४	३	३	५७
३५	५०	८	मा	२६	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

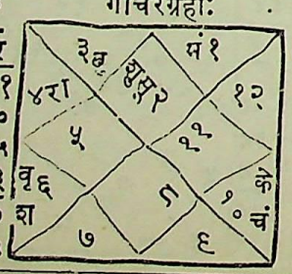

इस मास में व्यापारी वस्तुओं में घटाबढ़ी अधिक होगी। जो वस्तु मंदी हो उसको खरीदें तेज हो उसको बेचें।

गोचर ग्रहाः

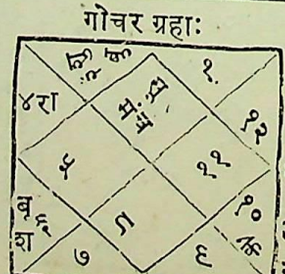

८पं.ज्ये.कृ.१४चं.इ. ३५/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	५	२	५	३	१
१७	३	९	६	१	९	१०	१७
२५	४८	१६	५१	५७	३३	५२	१७
८	२९	३७	२५	१८	३२	५३	०
५७	४३	२८	१	७४	२०/०	३	५७
२७	२५	१६	१४	२०	ब	११	१२

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं.२०३८ शाकः १९०३	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २९८१स१९८१
१	बु १७ ४०	मृ ३६ ४१	धृ ४ ५०	ब १७ ४०	३ ४	५ ६	३ १३ २९	मि १२।१७	चंद्रदर्शनम्
२	गु ९ ११	आ ३३ ४९	गं ४६ ४	कौ ९ ११	१० १०	५० ४	१४ १	मिथुने	सावान ८
३	शु २ १६	पु २९ ५४	वृ ३८ ४३	ग २ १६	१२ १०	५० ५	१५ २	क.१५।५३	भ.३९ उ.५७ या. आर्द्रा- शुक्रः ४३ ४९
४	शु ५४ ४४	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	० ०	० ०	०	
५	श ५३ ४७	पु २८ ८	धु ३२ १३	ब २५ २३	१३ ९	५१ ६	१६ ३	कर्के	
६	र ५२ ५१	श्ले २७ ५१	व्या २९ ३१	कौ २३ १९	१४ ९	५१ ७	१७ ४	सि २७।५१	मृगेरविः ४९ (सौरः ५९) वक्री बुधः ४९
७	चं ५३ ५२	म ३० ५५	ह २६ २३	ग २३ २२	१६ ९	५१ ८	१८ ५	सिंहे	भ. ५३।५२ उ.
८	मं ५६ ५३	पू ३३ ५४	व २७ १	वि २५ २३	१८ ८	५२ ९	१९ ६	क.५०।१९	भ. २५।२३ या.
९	बु ६० ०	उ २९ ३२	सि २७ २६	बा २९ ११	१९ ८	५२ १०	२० ७	कन्यायां	रोहि. भौमः १३।५९
१०	गु १ २८	ह ४६ १३	व्य २९ ३	कौ १ २८	२० ८	५२ ११	२१ ८	कन्यायां	
११	शु ७ २	चि ५३ ४१	व ३१ ३०	ग ७ २	२१ ८	५२ १२	२२ ९	तु.१९।५७	भ. ४०।५ उ. गंगादशमी
१२	श १३ ७	स्वा ६० ०	प ३२ ५५	वि १३ ७	२१ ८	५२ १३	२३ १०	तुलायां	भ.१३७ या. बुधास्तः पश्चिमायाम् १६ *
१३	र १९ २४	स्वा १ ३४	शि ३६ ३५	बा १९ २४	२१ ८	५२ १४	२४ ११	वृ.५१।५५	मिथुनेऽर्कः ४४ (सौरः ५७) प्रदोषः
१४	चं २५ ३३	वि ८ ५८	सि ३८ ४३	तै २५ ३३	२२ ८	५२ १५	२५ १२	बृश्चिके	उदयोभौमः २८।४ *निर्जला ११ व्र.
१५	मं ३१ २	अ १६ १	सा ४० ३१	ध ३१ २	२२ ८	५२ १६	२६ १३	वृश्चिके	भ. ३१।२ उ. पुन. शुक्रः १९।४५
१५	बु ३५ ४०	ज्ये २२ २०	शु ४१ ४६	वि ३ २१	२३ ७	५३ १७	२७ १४	ध.२२।२०	भ.२६ या. गुर्जराणां वट सावित्री व्र.

ह्पं.ज्ये.शु. ७चं.इ. ३५ ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	५	२	५	३	१
२४	८	११	७	१०	९	१०	२३
७	४९	२२	१	३२	३३	२०	५६
१२	८	८	३४	३८	१	३७	५५
५७	४३	४३	२	७४	२०	३	५७
२२	१५	व	३६	१४	मा	११	५

गोचरग्रहाः

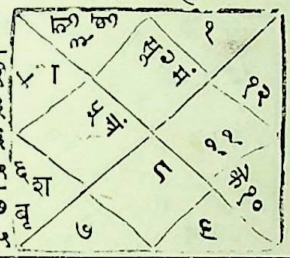

ज्ये. शु.१२ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४ न.४गतालेका-वस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

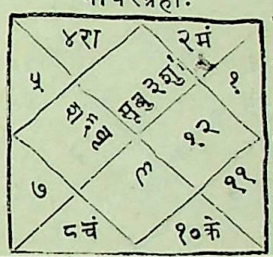

१०पं.ज्ये.शु.१३चं.इ. ३५ ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	५	२	५	३	२
०	१३	९	७	१९	९	१०	०
४८	४६	५८	२०	५	३८	८	३६
२५	३७	१६	४२	३५	१३	२२	४
५७	४२	२७	३	७४	१	३	५६
१७	२	व	४६	२	१०	११	५७

ति	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः
१	शु ३९ १०	मू २७ ५५	शु ४२ ५	बा ७ ३०	३४ ३३	५७ ५३	१८ २८ १५	धनुषि	पुष्य २ राहुः उषा ४ केतुः १३।२१
२	शु ४२ १३	पू ३१ ६	त्र ४१ ४९	तै १० ४६	२३	७ ५३	१९ २९ १६	म.४७।१२	
३	श ४३ ४५	उ ३५ ३१	ऐं ४० ४१	व १२ ५९	२४	७ ५३	२० ३० १७	मकरे	भ. १२।५९ उ ४३।४५ या.
४	र ४४ ४६	अ ३७ ५५	वै ३७ ४२	ब १४ १	२४	७ ५३	२१ ३१ १८	मकरे	आर्द्रा. रविः ४३ (सौरः ५९) चतुर्थी व्र.
५	चं ४३ ५१	ध ३९ २५	वि ३५ ३२	कौ १४ ४	२४	७ ५३	२२ १ १९	कु.८।४०	वक्री मृगे बुधः १९।८ रा. आषाढारंभः
६	मं ४२ १७	श ३९ ४१	प्री ३२ २१	ग १३ ४	२४	७ ५३	२३ २ २०	कुम्भे	भ. ४२।१७ उ.
७	बु ३९ ३८	पू ३८ ४०	आ २७ ४६	वि १० ५८	२४	७ ५३	२४ ३ २१	मी २३।५५	भ. १०।५८ या.
८	गु ३५ ५६	उ ३६ ५६	सौ २२ १४	बा ७ ४७	२३	७ ५३	२५ ४ २२	मीने	कर्के शुक्रः ३०।१४
९	शु ३१ ५	रे ३४ -	शो १५ ४९	तै ३ ३१	२३	७ ५३	२६ ५ २३	मे. ३४।०	भ. ५८।२ उ.
१०	श २४ ५९	अ २९ ५२	अ ८ ३४	वि २४ ५९	२३	७ ५३	२७ ६ २४	मेषे	भ.५९ या.पुष्ये शुक्रः १५ हस्त १शनिः १९
११	र १७ ५८	भ २४ ४३	सु ३१ ५१ ३० ३०	बा १७ ५८	३२	८ ५२	२८ ७ २५	वृ. ३८।४६	योगिनी ११ व्र.
१२	चं १० ५	कृ १८ ५६	शु ४२ १९	तै १० ५	२२	८ ५२	२९ ८ २६	वृषे	मृगे. भौमः १४।२४ प्रदोषः
१३	मं १ ४७	रो १२ ३५	गं ३२ ३९	व १ ४७	२१	८ ५३	३० ९ २७	मि २९।२६	भ. १।४७ उ. २७ ३० या.
१४	मं ५१ २६	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	० ०	० ० ०	०	
३०	बु ४५ ४	मृ ६ १७	बृ २३ १७	च १९ ८	२०	८ ५२	१ १० २८	मिथुने	बुधोदयः पूर्वस्याम् ३९ जौलाई ७ता.३१

११पं.आ.कृ.५चं इ. ३५ ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	५	२	५	३	२
७	१८	६	७	२७	९	९	७
२९	४२	३०	४८	३८	४७	४६	१४
२४	११	२२	७	३५	४६	६	३१
५७	४२	३५	४	७४	१	३	५६
१३	४९	ब	५९	१	४८	११	५४

गोचरग्रहाः

इस मासका फल श्रेष्ठ है, अनाज गल्ला रुई सोना चांदी चावल गेहूं मंदा सुदीमेंसोना चांदी तेज वर्षा होगी ।

गोचरग्रहाः

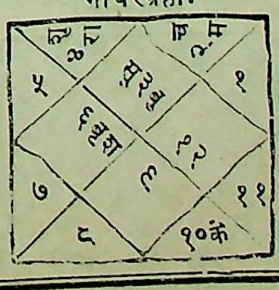

१२पं.आ.कृ.१२चं.इ. ३५ ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	५	३	५	३	२
१४	२३	३	८	६	१०	९	१३
९	३४	१४	२२	९	१	२३	५२
५०	१६	४२	५२	२९	२६	५१	३६
५७	४२	२२ ३६	६	७३	२	३	५६
७	२३	ब	६	५६	२६	११	५०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिथि: आषाढ़ शुक्लपक्षः स. २०३७ शाकः १९०३ | दि. | उ.अ. | इ.रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०५०स.१९८१

१	शु	३७	४८	आ	२६	५५/१३	ध्रु	१४	३०	कि	११	२६	३४/१९	५८	५२	२	११	२९	क.४१।५१	
२	शु	३१	५२	पु	५२	१३	व्या	३७	५३/१९	बा	४	५२	१८	८	५२	३	१२	३०	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	श	२७	४१	श्ले	५१	११	व	५४	३६	ग	२७	४१	१७	९	५१	४	१३	१	सिं५१।११	भ. ५६।३९ रमजान ९
४	र	२५	२८	म	५१	२३	सि	३०	५९	वि	२५	३८	१५	९	५१	५	१४	२	सिंहे	भ. २५।३८या. पुन.रविः ४३।४५
५	चं	२५	१९	पू	५३	४९	व्य	४९	१७	चा	२५	१९	१४	९	५१	६	१५	३	सिंहे	पुन. रविः सौरः ३।११
६	मं	२७	३५	उ	५८	१०	व	४९	४	तै	२७	३५	१३	९	५१	७	१६	४	क.९।५४	मार्गी बुधः ३०।३६
७	बु	३१	१८	ह	६०	०	प	४९	४६	व	३१	१८	११	१०	५०	८	१७	५	कन्यायां	भ.३१/१८उ.मिथुने भौमः५५/३४आश्ले.शुक्रः१३/१४
८	गु	३६	२५	ह	४	१	शि	५१	४४	वि	३	५१	१०	१०	५०	९	१८	६	तु.३७।३५	भ. ३।५१ या.
९	शु	४२	१७	चि	११	१०	सि	५३	५३	चा	९	२०	८	१०	५०	१०	१९	७	तुलायां	
१०	श	४८	३८	स्वा	१८	३४	सा	५६	३५	तै	१५	२८	७	११	४९	११	२०	८	तुलायां	
११	र	५४	४२	वि	२६	८	शु	५८	४९	व	२१	४०	५	११	४९	१२	२१	९	वृ.९।८	भ. २१/४० उ ५४/५२ या. देवशयनी ११ ब्र.
१२	चं	५९	५९	अ	३३	१७	शु	५०	०	ब	२७	२०	४	११	४९	१३	२२	१०	बृश्चिके	आर्द्रा. बुधः २४।१
१३	मं	६०	०	ज्ये	३९	५६	शु	०	४५	कौ	३२	१३	२	१२	४८	१४	२३	११	ध.३९।५६	हस्त १ गुरुः १३।५७ प्रदोषः
१३	बु	४	२८	मू	४४	५७	न	१	५४	तै	४	२८	०	१२	४८	१५	२४	१२	धनुषि	
१४	गु	७	३४	पू	४८	५६	ऐं	१	५७	व	७	३४	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१३	धनुषि.	भ.३७/४४उ. ३३/३०या. कर्केऽर्कः १२।९ *
१५	शु	९	२६	उ	५१	३४	वै	२	५८/३०	ब	९	२६	५६	१३	४७	१७	२६	१४	म.४।३५	व्यास१५.गुरु१५ *(सौरः३५/५५)वायुपरीक्षा

१३पं.श्रा.शु.५चं.इ.३५।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	५	३	५	३	२
२०	२८	२	९	१४	१०	९	२०
५०	२३	५७	५	३९	२१	१	३०
१८	४२	२९	१०	५८	३२	३५	३०
५७	४२	३३/७	७	७३	३	३	५६
७	२	ब	३	४६	५	११	५०

गोचरग्रहाः

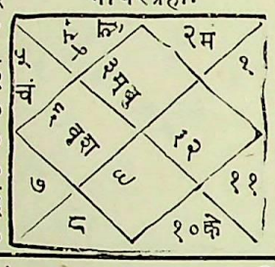

आ. शु. १४ गुरौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ५न ५ बुद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु. उ. प.

गोचरग्रहाः

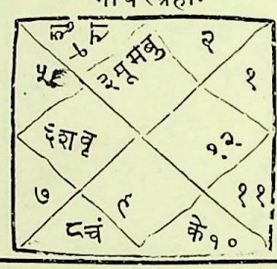

१४पं.श्रा.शु.१२चं.इ.३५/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	५	३	५	३	२
२७	३	६	९	२२	१०	८	२७
३०	१०	४९	५४	९	४५	३९	८
३२	३४	२३	२५	११	१८	१९	३७
५७	४१	५९/८	८	७३	३	३	५६
११	४६	मा	४०	३२	४४	११	५४

तिथि: श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०३८शाकः १९०३ | दि. | उ.अ. | इं.रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तुः रविर्दक्षिणे आषाढ़ कृष्णेति महा.

१	श	९	५९	श्र	५३	१२	प्री	५६	५२	को	९	५९	३३/५४	५/१३	४७	६	१८	२७	१५	मकरे
२	र	९	२०	ध	५४	७	आ	१३	१२	ग	९	२०	५२	१४	४६	१९	२८	१६	कु.२३।३९	भ.३३/५२उ. पुष्ये रविः४१/१६आर्द्रा.भौमः *
३	चं	७	४४	श	५३	१६	सौ	४९	२	वि	७	४४	५०	१४	४६	२०	२९	१७	कुम्भे	भ. ४४/७ या. पुष्ये रविः सौरः३६/६ च.ब्र.
४	मं	५	८	पू	५२	८	शो	४४	२	बा	५	८	४७	१५	४५	२१	३०	१८	मी३७।२५	*२२/४६ म. सिंहें शुक्रः १५/३
५	बु	१	५४	उ	५०	१०	अ	३८	३४	तै	१	५४	४५	१५	४५	२२	३१	१९	मीने	भ. ५८।३१उ. नाग ५ मरुस्थले
६	बु	५६	३७	०	०	०	०	०	०	०	५	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	गु	५३	४७	रे	४७	५४	सु	३२	३८	वि	२६	८	४२	१६	४४	२३	१	२०	मे.४७।५४	भ. २६।८ या. रा. श्रावणारंभः
८	शु	४८	५०	अ	४४	१०	धृ	२६	८	बा	२१	१९	४०	१६	४४	२४	२	२१	मेषे	पुन. बुधः २३।३९
९	श	४३	१३	भ	४१	३७	शू	१९	२२	तै	१६	१	३७	१७	४३	२५	३	२२	वृ.५५।३७	बुधास्तः पूर्वस्याम ४९।२६
१०	र	३७	१९	कृ	३७	३७	गं	१२	१	व	१०	१६	३५	१७	४३	२६	४	२३	वृषे	भ. १०।१६ उ. ३७।१९ या.
११	चं	३०	४६	रो	३३	८	वृ	३१/४	५१/४८	व	४	२	३२	१८	४२	२७	५	२४	वृषे	कामिका ११ ब्र.
१२	मं	२४	११	मृ	२८	२९	व्या	४८	२५	तै	२४	११	२९	१८	४२	२८	६	२५	मि०।४८	प्रदोषः
१३	बु	१७	३७	आ	२४	२९	ह	४०	३९	व	१७	३७	२६	१९	४१	२९	७	२६	मिथुने	भ. १७/३७ उ. ४४/३४ या. कर्केबुधः ३४/५४
१४	गु	११	३१	पु	२०	३८	व	३३	१६	श	११	३१	२४	१९	४१	३०	८	२७	क.६।३५	पूफा. शुक्रः १५।३
३०	शु	६	१४	पु	१७	५५	सि	२६	४४	ना	६	१४	२१	२०	४०	३१	९	२८	कर्के	पुष्ये दुधः४५/३हरियाली ३० सूर्यग्रहणम्

१५पं.श्रा.कृ.६चं.इ ३५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	५	४	५	३	३
४	७	१४	१०	१	११	८	३
११	५५	४७	४९	३७	१२	१७	४७
१७	२६	२०	८	५५	२६	४	४
५७	४१	८२	८	७३	४	३	५६
१५	३६	१	५७	२०	२३	११	५७

गोचरग्रहाः

शकुन विचारः-
श्रावण पहली पंचमी वर्षे करे निहाल।
पवन चले तो अति बुरी पड़े हलाहल काल ॥

गोचरग्रहाः

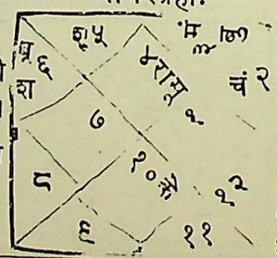

१६पं.श्रा.कृ.११चं.इ.३५।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	५	४	५	३	३
१०	१२	२६	११	१०	११	७	१०
५२	३७	१५	४९	४	४४	५४	२६
१९	५	१८	५	४८	१०	४८	२१
५७	४१	२९/८	९	७३	४	३	५७
२०	१९	२८	४३	११	५०	११	५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | श्रावण शुक्ल पक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः स २०४०स १९८१

१	श	२	५	श्ले	१५	३	व्य	२१	१०	ब	२	५	३३/१८	५/२०	६/४०	१	१०	२९	सिं १५।३
२	श	५७	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	र	५९	५	म	१४	४७	व	१६	५९	तै	२९	२४	१५	२१	३९	२	११	१	सिंहे
४	चं	६०	०	पू	१६	२३	प	१४	६	ब	२९	४६	१२	२२	३८	३	१२	२	क ३२।९
४	मं	०	२७	उ	१९	२८	शि	१२	५२	वि	०	२७	९	२२	३८	४	१३	३	कन्यायां
५	बु	३	३२	ह	२३	२३	सि	१२	३४	वा	३	३२	६	२३	३७	५	१४	४	तु.५९।२६
६	गु	८	७	चि	२९	२९	सा	१३	५३	तै	८	७	३	२३	३७	६	१५	५	तुलायां
७	शु	१३	३६	स्वा	३७	५६	शु	१५	४४	ब	१३	३६	०	२४	३६	७	१६	६	तुलायां
८	श	१९	५४	वि	४५	३५	शु	१८	०	ब	१९	५४	३२/५६	२५	३५	८	१७	७	वृ.२८।४१
९	र	२५	५९	अ	५३	५६	ज्ये	२०	३१	को	२५	५९	५३	२५	३५	९	१८	८	वृश्चिके
१०	चं	३१	३२	ज्ये	५९	४२	पें	२२	४१	ग	३१	३२	५०	२६	३४	१०	१९	९	ध.५९।४२
११	मं	३६	१०	मू	६०	०	वें	२४	१३	ब	३	५१	४७	२७	३३	११	२०	१०	धनुषि
१२	बु	३९	११	मू	५	२	वि	२४	२९	ब	७	४१	४३	२७	३३	१२	२१	११	धनुषि
१३	गु	४०	४६	पू	९	११	पी	२३	५५	को	९	५८	४०	२८	३२	१३	२२	१२	म.२४।४९
१४	शु	४०	३४	उ	११	४०	आ	२१	४०	ग	१०	४०	३६	२९	३१	१४	२३	१३	मकरे
१५	श	३८	४८	श्र	१२	३४	सो	१८	१९	वि	९	४१	३३	२९	३१	१५	२४	१४	कु.४२।२१

चन्द्रदर्शनम् अगस्त ८ ता.३१ सिंघारा

आश्ले. रवि. ३८।२७तीज.सव्वाल१०
भ.३/९उ.आश्ले.रविः सौरः२/३ वरद ४
भ. ०।३७ या.
हस्त २ गुरुः ५८।१० नागपंचमी
आश्लेषा. बुधः ४२।५३
भ. १/३९ उ. ४/४५ या. पुनः भौमः४७/४४

उफा. शुक्रः २३।३३
भ. ५/५१ उ.३/१० या. पवित्रा ११ व्र.
*रक्षा बंधनम्
कन्यायांशुक्रः९मघा सिंहे बुधः १/३प्रदोष
भ. ४०।३४ उ.
भ.४/९या.हस्त२ शनिः३/१श्रावणीकर्म.*

१७पं.श्रा.शु.४चं.इ. ३४।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	५	४	५	३	३
१७	१७	१०	१२	१८	१२	७	१७
३४	१६	१०	५५	२७	१९	३२	६
१	३४	१९	५	२९	१६	३३	९
१७	५१	२९	१०	७२	५	३	५७
२५	९	२३	२६	३०	१६	११	१२

गोचरग्रहाः

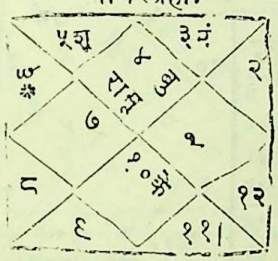

इस मासमें ५शनि वार और शनि वार को चन्द्र दर्शन अशुभ है धान्य धातु तिल हन तेज होगा

गोचरग्रहाः

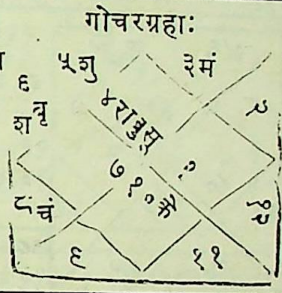

१८पं.श्रा.शु.१०चं.इ ३४/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	५	४	५	३	३
२४	२१	२	१४	२६	१२	७	२३
१६	५३	२९	४	१३	५७	१०	४७
२६	१७	४०	३४	३१	११	१७	१६
५७	४०	०/१	११	७२	५	३	५७
२३	४२	२९	५	२८	४१	११	२२

ति. | भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २०३८ शाकः १९०३ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रा कृष्णेति. महा.

१	र	३५	४७	ध	१२	९	शो	१४	११	वा	७	१७	३२/२९	५/३०	६/३०	१६	२५	१५	कुंभे
२	चं	३१	४८	श	१०	३२	अ	८	३८	तै	३	४७	२६	३१	२९	१७	२६	१६	मी ५४।२६
३	मं	२७	१	पू	९	४	सु	४/१	५३/१२	वि	२७	१	२२	३२	२८	१८	२७	१७	मीने
४	बु	२१	४९	उ	४	५५	शु	४९	४	वा	२१	४९	१९	३२	२८	१९	२८	१८	मीने
५	गु	१६	२९	रे	१/३७	५६/२९	गं	४१	३	तै	१६	२९	१५	३३	२७	२०	२९	१९	मे.१।३७
६	शु	११	९	भ	५४	४१	बृ	३५	१७	ब	११	९	११	३४	२६	२१	३०	२०	मेषे
७	श	५	४६	कृ	५१	२०	ध्रु	२७	५७	ब	५	४६	८	३४	२६	२२	३१	२१	वृ.८।५०
८	र	०	३६	रा	८	७	व्या	२१	१	को	०	३६	४	३५	२५	२३	१	२२	वृषे
९	र	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	चं	५०	१२	मृ	४४	५०	ह	१४	२८	ब	२२	४४	०	३६	२४	२४	२	२३	मि १६।२८
११	मं	४५	२५	आ	४२	५	व	७	२२	ब	१७	४८	३/५१	३७	२३	२५	३	२४	मिथुने
१२	बु	४१	९	पु	३९	२२	सि	५/५	५३/५१	को	१३	१७	५२	३८	२२	२६	४	२५	क.२५।१०
१३	गु	३७	२९	पु	३७	४७	व	४९	१७	ग	९	१९	४८	२८	२२	२७	५	२६	कर्के
१४	शु	३४	३४	श्ले	३६	२९	प	४४	१७	वि	६	१	४४	३९	२१	२८	६	२७	सिं ३६ २९
३०	श	३२	५६	म	३६	४१	शि	४०	२३	च	३	४५	४०	४०	२०	२९	७	२८	सिंहे

मघाया सिंहेऽर्कः ३२।२२
भ.५९।२४उ म सिंहेऽर्कः सौरः ३।५०
भ. २७।१ या. चतुर्थी व्र.
पूफा. बुधः ५८।४५
पुष्य१ राहुः उषा.३ केतुः४/५ चन्द्रषष्ठी
भ.११।९उ. ३/५या.हस्ते शुक्रः २३।३५
जन्माष्टमी व्र. स्मा.
कर्के भौमः ६।५१ रा. भाद्रपदारंभः=
=जन्माष्टमी व्र. वै. गोगा ९
भ.३/४उ.५/१२या.हस्त३ गुरुः५/४७बुधोदयः÷
अजा११ व्र. ÷पश्चिमायाम् ४।५७
वत्स द्वादशी *मन्वादिः
भ. ३७/२९ उ. उफा. बुधः ३७/३५ प्रदोषः
भ. ६।१या. पुण्ये भौमः २२।२६
कन्यायां बुधः ५०।३२ कुशाग्रहणी*

१९पं.भा कृ.२चं इ. ३४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	५	५	३	४
०	२६	८	१५	५	१३	६	०
५९	२७	४२	१९	१६	३८	४८	२९
४९	११	२	१९	२३	४६	१	२९
५७	४०	५/१	११	७२	६	३	५७
४०	२५	४३	४०	४	८	११	३४

गोचरग्रहाः

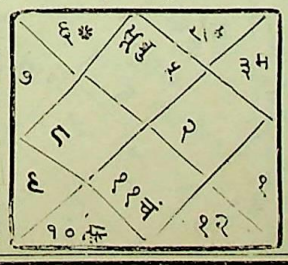

भाद्र.कृ. १ रवौ सिंहेऽर्कः प्र.वा ४ न ५ गतालका वस्था (ऊभी) मु. १५ धान्यादिभावे समता शुक्रोदय पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

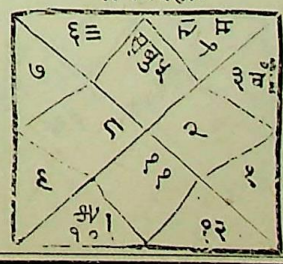

२०पं.भा.कृ.१० .इ.३४/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	५	५	३	४
७	०	२१	१६	१३	१४	६	७
४४	५८	९	२६	३६	२२	२५	१३
१७	४१	११	४०	९/८	१९	४६	१
५५	४०	५/०	१२	७२	६	३	५७
४९	८	२२	१३	४६	२४	११	४५

*श.वृ.चं. *शु.श.वृ. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम) ≡वृ श.शु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३ दि. उ. अ इं. रा. मु. चंद्रः शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०६९स.१९८१

१	र	३२	४६	पू	३७	५७	सि	३७	२२	कें	२	५०	३१/३६	५/४१	६/१९	३०	८	२९	क.५३।४३
२	चं	३४	२४	उ	४१	४	सा	३६	३	ब्रा	३	३४	३२	४२	१८	३१	९	३०	कन्यायां
३	मं	३७	३०	ह	४५	३५	शु	३४	१९	तै	५	५७	२८	४२	१८	१	१०	१	,,
४	बु	४१	३	चि	५१	२०	शु	३४	४०	व	९	१६	२५	४३	१७	२	११	२	तु. १८।२८
५	गु	४७	२९	स्वा	५७	५८	व्र	३६	१०	ब	१४	१५	२१	४४	१६	३	१२	३	तुलायां
६	शु	५३	५३	वि	६०	०	ऐं	३८	२३	कौ	२६	४१	१७	४५	१५	४	१३	४	वृ. ४८।३५
७	श	६०	०	वि	५	२७	वै	४२	४५	ग	२७	४	१३	४५	१५	५	१४	५	वृश्चिके
७	र	०	१५	अ	१२	५०	वि	४४	८	व	०	१५	९	४६	१४	६	१५	६	वृश्चिके
८	चं	६	११	ज्ये	२०	१६	प्री	४६	११	ब	६	११	५	४७	१३	७	१६	७	ध.२०।१६
९	मं	११	१७	मू	२६	३१	आ	४७	७	कौ	११	१७	१	४८	१२	८	१७	८	धनुषि
१०	बु	१४	४७	पू	३१	२१	सौ	४६	५९	ग	९४	४७	३०/३७	४९	११	९	१८	९	म.४७।९
११	गु	१६	४४	उ	३४	३३	शो	४५	३२	वि	२६	४४	५३	४९	११	१०	१९	१०	मकरे
१२	शु	१६	३५	अ	३५	४२	अ	४२	२९	ब्रा	१६	३५	४८	५०	१०	११	२०	११	मकरे
१३	श	१४	३५	ध	३५	६	सु	३७	५८	तै	१४	३५	४४	५१	९	१२	२१	१२	कु.५।२४
१४	र	१०	८	श	३३	२	धृ	३२	२	व्र	१०	८	४०	५२	८	१३	२२	१३	कुम्भे
१५	चं	४	५३	पू	२९	२९	शु	२४	३	ब	४	५३	२६	५३	७	१४	२३	१४	मी १५।२३

पूफा.रविः २१।५९ (सौरः ५४।४२)
चन्द्रदर्शनम्
चित्रा.शुक्रः ४६।२५ सितम्बर ९ ता. *
भ. ९।१६उ. ४१।२या. गणेश चतुर्थी
ऋषिपंचमी
*३० हरितालिका ३ जिल्काद ११
हस्ते बुधः ११।४०
भ. ०।१५उ. ३३।१३ या.
तुलायां शुक्रः २६।१८
+अनन्त १४ महालयारंभः
भ. ४५/४५उ. रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
भ. १६/४९या. हस्त ४गुरुः ३९/३०जलझूलनी ११व्र.
प्रदोषः वामन १२
=३९/२०)स्वा.शुक्रः २४/३७हस्त ३शनिः ४९/५८ +
भ. १०/८उ. ३७/३०या. उफा.रविः १९/१९ सौरः=
चित्रा. बुधः ४६/२५

२१पं.भा.शु.२चं.इ. ३४।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	५	५	५	३	४
१४	५	२	१७	२१	१५	६	१३
२९	२७	४९	५८	५४	८	३	५८
५६	२५	५	१६	१४	६	३०	१३
५८	३९	९७	१२	७१	६	३	५७
१५१	४७	३१	२०	३७	११	५७	

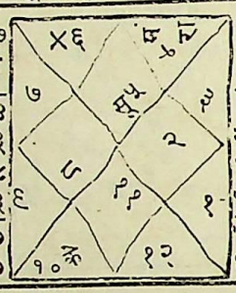

२२पं.भा.शु.८चं.इ. ३४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	५	६	५	३	४
२१	९	१३	१९	०	१५	५	२०
१६	५४	२८	२२	९	५५	४१	४४
५५	०	३४	१२	१४	३७	१५	५३
५८	३९	८७	१२	७०	६	३	५८
१३	३३	५०	५६	४७	५४	११	१२

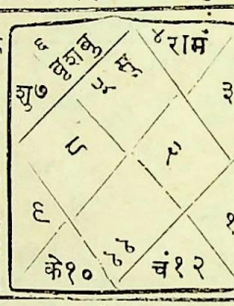

२३पं.भा.शु.१५चं.इ ३३/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	५	६	५	३	४
२८	१४	२३	२०	८	१६	५	२७
५	१६	३	४८	२१	४५	१८	३३
२४	४१	३५	४	१२	११	५९	१५
५८	३९	७९	१३	७०	७	३	५८
२६	१०	११	१५	८	४	११	२९

ति.आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०३८ शाकः १९०३ दि, उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्र. कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	५३	४८		०	०	०		०	०	०		०	०	८	०	५	०	
२	मं	५१	५७	उ	२४	५४	गं		१७	१३	तै	२५	१९	३०/३२	५/५४	६/६	१५	२४	१५	मीने
३	बु	४४	४३	रे	१९	५४	वृ		८	५२	व	१८	२०	२८	५४	६	१६	२५	१६	मे. १९।५४
४	गु	३७	३३	अ	१४	३६	धु		२३/२३	५१/३२	ब	११	२०	२४	५५	५	१७	२६	१७	मेषे
५	शु	३०	५९	भ	९	४९	ह		४३	४३	कौ	४	१९	२०	५६	४	१८	२७	१८	वृ. २३।२८
६	श	२४	५८	कृ	४	२६	व		३५	५२	व	२४	५८	१६	५७	३	१९	२८	१९	वृषे
७	र	१९	३१	रो	१/१८	५६/५६	सि		२८	२८	ब	१९	३१	१२	५८	२	२०	२९	२०	मि २९।४६
८	चं	१४	५३	आ	५५	५५	न्य		२१	५२	कौ	१४	५३	८	५८	२	२१	३०	२१	मिथुने
९	मं	१०	५३	पु	५४	११	व		१५	४७	ग	१०	५३	४	५९	१	२२	३१	२२	क. ३९।३७
१०	बु	७	५२	पु	५३	३२	प		१०	२३	वि	७	५२	३०/००	०/६	६/०	२३	१	२३	कर्के
११	गु	५	३८	श्ले	५३	३४	शि		५	४२	ब्रा	५	३८	२९/५५	६/५९	६/५	२४	२	२४	सिं ५३।३४
१२	शु	४	१३	म	५४	४६	सि		४/४८	५७/४	तै	४	१३	५१	२	५८	२५	३	२५	सिंहे
१३	श	४	१३	प	५६	५४	शु		५६	२५	व	४	१३	४७	३	५७	२६	४	२६	सिंहे
१४	र	४	५९	उ	६०	०	शु		५५	१२	श	४	५९	४३	३	५७	२७	५	२७	क. १२।४५
३०	चं	७	१९	उ	०	१७	व्र		५४	२८	ना	७	१९	३८	४	५६	२८	६	२८	कन्यायां

भ.१८।२०उ. ४४।४३या. कन्यार्कः ३/१०
कन्यार्कः सौरः ४।३१ चतुर्थी ब्र.
आश्ले.भौमः ४/३७अस्तंशनेः ४७।२०
भ. २४।५८ उ. ५२।१४ या.
तुलायां बुधः ८।१९
*१ गुरुः ४१।१४
भ. ३९।२२ उ.
भ. ७।५२ या. रा. आश्विनारंभः
विशाखायांशुक्रः ३४।६ इन्दिरा ११व्र.
प्रदोषः +१५।५० सर्वपितृ श्रा.
भ. १३/४उ. ३३/३६या.हस्ते रविः ४/४६ चित्रा. *
हस्ते रविः सौरः १७।१ स्वात्यां बुधः +
सोमवती ३० मातामह श्रा.

२४पं.आ.कृ.८चं.इ.३३।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	५	६	५	३	५
४	१८	१	२२	१६	१७	४	४
५५	३७	२३	१६	३१	३५	५६	२३
१९	३०	२३	१	३४	२८	४३	२२
५८	३८	१८	१२	६९	८	३	५८
३८	४६	३१	२१	२२	१४	११	४५

गोचरग्रहाः

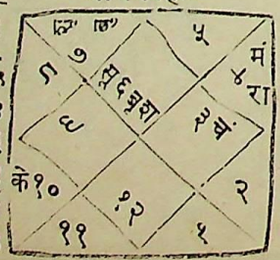

आ. कृ. ३ बुधे कन्यायामर्कः प्र. वा. ४ न.५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भा. समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

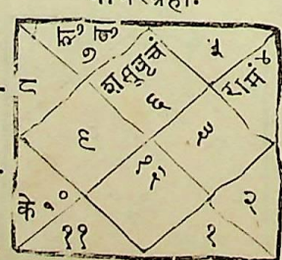

२५पं.आ.कृ.३०चं.इ.३३/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	५	६	५	३	५
११	२२	७	२३	२४	१८	४	११
४६	५४	२७	४५	३६	२६	३४	१५
५५	४	४	२२	५४	२८	२८	२५
५८	३८	३६	१३	६८	७	३	५९
५३	३४	१६	३२	३४	२०	११	०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०३८ शाकः १९०३ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०९९सं.१९८१

१	मं	१०	४२	हु	४	५३	ऐं	५५	०	ब	१०	४२	३९/३४	६/५	५/६	२९	७	२९	तु.३७।४१	चन्द्रदर्शनम् अस्तंगुरोः ५/१२ नवरात्रारम्भः
२	बु	१५	२१	चि	१०	३०	वै	५६	२०	को	१५	२१	३०	६	५४	३०	८	१	तुलायां	जिल्काद १२ [अ गु]
३	गु	२०	४४	स्वा	१७	७	वि	५८	११	ग	२०	४४	२६	७	५३	१	९	२	तुलायां	भ. ५३।५० उ. अक्टूबर १० ता. ३१
४	शु	२६	५७	वि	२४	१६	प्री	६०	०	वि	२६	५७	२२	८	५२	२	१०	३	वृ.७।२९	भ. २६।५७ या.
५	श	३३	२७	अ	३१	५९	प्री	०	२६	ब	०	१२	१८	८	५२	३	११	४	वृश्चिके	वृश्चिके शुक्रः १३।५२
६	र	३९	३७	ज्ये	३९	४४	आ	३	३	को	६	३२	१४	९	५१	४	१२	५	च.३९।४४	
७	चं	४५	१५	मू	४६	४३	सौ	४	२०	ग	१२	२६	१०	१०	५०	५	१३	६	धनुषि	भ. ४५/१५ उ.वक्रीबुधः ३०/४८ सरस्वत्यावाहनं
८	मं	४९	३८	पू	५२	२८	शो	७	५	वि	१७	२६	६	११	४९	६	१४	७	धनुषि	भ. १७/२९ या. अनु.शुक्रः १९/२१ सरस्वती पूजनम्
९	बु	५२	३१	उ	५६	५६	अ	७	५०	ग्रा	२१	५	२	१२	४८	७	१५	८	म.८।३५	वलिदानम्
१०	गु	५३	२५	अ	५९	३१	सु	७	२३	तै	२२	५८	२५/५८	१२	४८	८	१६	९	मकरे	विजया दशमी सरस्वतो-विसर्जनम्
११	शु	५२	२१	ध	६०	०	धृ	५	२६	व	२२	५२	५४	१३	४७	९	१७	१०	कु.२९।४६	भ. २२/५२ उ. ५२/२१ या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	श	४९	५	श	५८	४१	शू	५१/५१	५४/५७	व	२१	४३	५०	१४	४६	१०	१८	११	कुम्भे	चित्रा.रविः १६/४७ ((सौरः ४७/३०)मघा.सिंहे *
१३	र	४४	२	पू	५६	५६	वृ	४९	५९	को	१६	३४	४६	१५	४५	११	१९	१२	मी ४२।२३	हस्ते ४ शनिः १५/२१ प्रदोषः * भौमः २४/५०
१४	चं	३७	१३	उ	५०	२०	धु	४१	५६	ग	१०	३८	४२	१६	४४	१२	२०	१३	मीने	भ. ३७/१३ उ चित्रा. २ गुरुः ५/३५ बुधास्तः प. ४/१९
१५	मं	२९	३२	रे	४४	३१	व्या	३२	४९	वि	३	२३	३८	१६	४४	१३	२१	१४	मे. ४४।३१	भ. २/३३ गा. वक्रीचित्रायांबुधः ४/९ शरद् पू.

२६पं.ग्रा.शु.७च.इ.३३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	५	७	५	३	५
१८	२७	१०	२५	२	१९	४	१८
४०	८	२६	१४	३७	१८	१२	९
८	४२	६	५६	२३	४	१२	१२
५९	३७	१/१	१३	६७	७	३	५९
९	५६	बु	३४	३७	२०	११	१६

गोचरग्रहाः

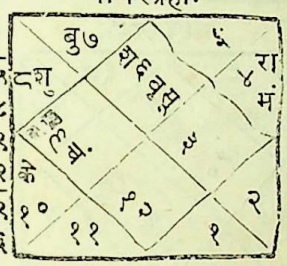

इस मास में ५ मंगलवार अशुभ है प्रजा में पीड़ा हो धान्य जौ गेहूँ चणा चावल मूंग गुड खांड मंदा सुदी में तेज हो।

गोचरग्रहाः

२७मं.ग्रा.शु.१४च.इ.३३/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	५	७	५	३	५
२५	१	७	२६	१०	२०	३	२५
३५	२०	५३	४६	३३	९	४९	४
६	२८	५६	५५	२२	३२	५७	५४
५९	२७	६०/५६	१३	६६	७	३	५९
२१	३४	बु	३८	२४	२०	११	३१

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं.२०३८ शाकः १९०३ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽआश्विन कृ.महाराष्ट्राः

१	बु	२०	४९	अ	३७	५३	ह	२३	११	को	२०	४९	२९/३४	६/७	५/४३	१४	२२	१५	मेषे	
२	गु	१२	७	भ	३०	५८	व	१३	१०	ग	१२	७	३०	१८	४२	१५	२३	१६	वृ.४४।२०	भ. ३७।५०उ.
३	शु	३	३३	कृ	२४	२८	सि	५३/५३	५०/३३	वि	३	३३	२६	१९	४१	१६	२४	१७	बृषे	भ. ३।३३ या. चतुर्थी व्र.
४	शु	५२	४	०	०	०	०	०	०	वि	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×महालक्ष्मी पूजनं
५	श	४८	४१	रो	१८	३७	व	४४	३२	को	२२	९	२२	२०	४०	१७	२५	१८	मि४६।१२	तुलायामर्कः ३०/३३ (सौरः ३०/२०)ज्येष्ठा.शुक्रः *
६	र	४२	५२	मृ	१३	४७	प	३६	२४	ग	१५	४७	१८	२०	४०	१८	२६	१९	मिथुने	भ. ४२/५२ उ. *५८।५६
७	चं	३८	२८	आ	११	२०	शि	२९	१९	वि	१०	४०	१४	२१	३९	१९	२७	२०	क.५३।४८	भ. १०/४० या. वक्री कन्यायां बुधः ३६/५८
८	मं	३५	२१	पु	७	५८	सि	२३	२६	ग्रा	६	५५	१०	२२	३८	२०	२८	२१	कर्के	+ रमा ११ व्र.
९	बु	३३	४१	पु	७	७	सा	१८	३१	तै	४	३१	६	२३	३७	२१	२९	२२	कर्के	पुनः ४ राहुः उषा. २ केतुः ५८।०
१०	गु	३३	११	श्ले	७	३२	शु	१४	४६	व	३	२६	२	२४	३६	२२	३०	२३	सिं ७।३२	भ. ३।२६ उ. ३३।११ या.
११	शु	३४	८	म	९	१३	शु	१२	२	व	३	४०	२७/५८	२४	३६	२३	१	२४	सिंहे	स्वात्यांरविः ४/३५ उदयंशनेः ३२/५१ रा.कार्तिक *
१२	श	३६	५	पू	१२	१७	न	१०	०	को	५	७	५४	२५	३५	२४	२	२५	क.२८।१९	स्वत्यां रविः सौरः ११/१८ * रभः +
१३	र	३९	२९	उ	१६	२३	ऐं	९	४४	ग	७	४७	५०	२६	३४	२५	३	२६	कन्यायां	भ. ३९/३९ उ.बुधोः पूर्वस्याम् ३५/३७ प्रदोषः धन १३
१४	चं	४३	३८	ह	२१	२३	वै	९	५२	वि	११	३४	४६	२७	३३	२६	४	२७	तु.५४।२५	भ. ११/३४ या. उदयंगुरोः ५/२४ रुप १४
१५	मं	४८	५५	चि	२७	२६	वि	१०	२३	च	१६	१७	४२	२८	३२	२७	५	२८	तुलायां	मार्गीबुधः ३०/९ चित्रा.उ.तुलायांगुरुः ३२/३० ×

२८पं.का.कृ.७चं.इ. ३३/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	५	७	५	३	६
२	५	०	२८	१८	२१	३	२
३१	२७	५	१७	२२	१	२७	२
३४	२२	३१	३१	२३	१	४१	२३
५९	३७	८/८	१३	६४	७	३	५९
३४	५	बु	३८	५८	१४	११	४६

गोचरग्रहाः

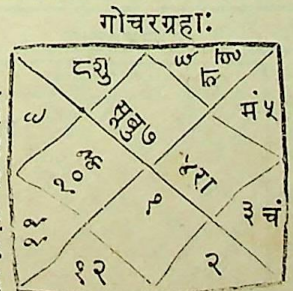

का कृ. ५ शनौ तुलायामर्कः प्र.वा. ४न.४ गतालका वस्था (ऊर्भी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शु.प

गोचरग्रहाः

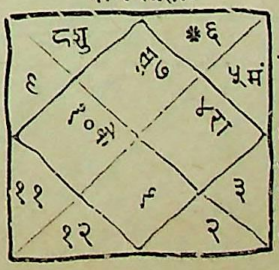

२९पं.का.कृ.१४चं.इ.३३।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	५	७	५	३	६
९	९	२४	२९	२६	२१	३	९
२९	३०	५३	४८	०	५१	५	१
४९	७	४९	५०	२९	३२	२५	४३
५२	३६	४०/७	१३	६३	७	३	६०
४७	३९	बु	३२	२३	६	११	२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०३८ शाकः १९०३ |दि.|उ.|अ|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः |हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३१२८स१९८१

१	बु	५४	२३	स्वा	३४	८	मी	११	५०	कं	२१	३३	२७/३९	६/२८	५/३२	२८	६	२९	तुलायां
२	गु	६०	०	वि	४१	१५	आ	१२	३२	बा	२७	३५	३५	२९	३१	२९	७	३०	वृ.२४।२८
२	शु	०	४७	अ	४८	४५	सौ	१४	४९	को	०	४७	३१	३०	३०	३०	८	१	बृश्चिके
३	श	७	१९	ज्ये	५५	३९	शो	१७	१३	ग	७	१९	२७	३१	२९	३१	९	२	ध.५५।३९
४	र	१३	३१	मू	६०	०	अ	१८	२६	वि	१३	३१	२४	३१	२९	१	१०	३	धनुषि
५	चं	१९	३५	मू	४	५	सु	२१	२८	बा	१९	३५	२०	३२	२८	२	११	४	धनुषि
६	मं	२४	३८	पू	११	१५	धृ	२४	०	तै	२४	३८	१६	३३	२७	३	१२	५	म.२७।२९
७	बु	२८	२६	उ	१६	१०	शू	२४	३२	च	२८	२६	१३	३३	२७	४	१३	६	मकरे
८	गु	३०	३४	अ	२०	१३	गं	२३	५०	ब	३०	३४	९	३४	२६	५	१४	७	कु.५१।१९
९	शु	३०	४४	ध	२२	२६	ब्र	२१	४३	बा	०	९	६	३५	२५	६	१५	८	कुम्भे
१०	श	२९	८	श	२३	१०	ध्रु	१८	१	ग	२९	८	२	३६	२४	७	१६	९	कुम्भे
११	र	२५	१३	पू	२१	४	व्या	१२	४४	वि	२५	१३	२६/५९	३६	२४	८	१७	१०	मी ६।३५
१२	चं	१९	२३	उ	१७	२२	ह	५५	३५	बा	१९	२३	५६	३७	२३	९	१८	११	मीने
१३	मं	१२	५	रे	११	१	सि	४७	५०	तै	१२	५	५३	३७	२३	१०	१९	१२	मे.११। १
१४	बु	३	२४	अ	२५/५५	३०/३३	व्य	३७	२७	च	३	२४	४९	३८	२२	११	२०	१३	मेषे
१५	बु	५०	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
मूले धनुषि शुक्रः ५३/९ चन्द्रद्र. भ्रातृ२
मोहरम १ सन्१४०२ हि.
भ. ४०।२५ उ.
भ. १३।३१या या. नवम्बर११ता.३०
पूफा. भौमः १८।१४
[*शुक्रः४८।४१ कुष्मांडे अक्षये
भ.२८।२६ उ. ५९।३० या. तुलाया÷
गोपाष्टमी [÷बुधः ४१।४८
विशा.रविः२।५८ (सौरः२८।४७)पूषा.*
भ. ५७।१०उ.
भ. २५/१३या.चित्रा १शनिः११/४८प्रबोधिनी≡
स्वात्यां बुधः ४२।१९ प्रदोषः
वैकुण्ठ१४ [≡११व्र. तुलसी वि.
भ.३।२४उ.२८।३७या.चित्रा.४गुरुः४७

३०पं.का.शु.५च.इ ३२।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	६	८	५	३	६
१९	१३	२७	१	३	२२	२	१६
२९	२८	४२	१९	२७	४०	४३	२
३८	४४	१४	३७	१४	५९	१०	४७
६०	३६	२९/२६	१३	६१	६	३	६०
४	४भा	२६	१९	५८	११	१८	

गोचरग्रहाः

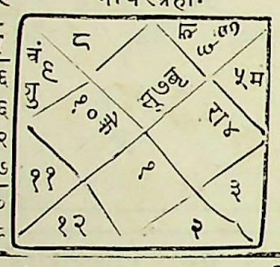

इस मासमें मंगल वारी दिवाली धान्य संग्रह करने वालों को लाभ दायक है।

गोचरग्रहाः

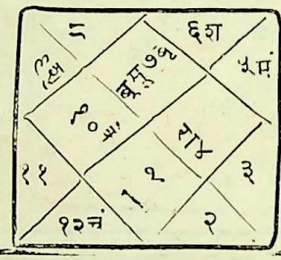

३१पं.का.शु.१२च.इ.३२/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	६	८	५	३	६
२३	१७	६	२	१०	२३	२	२३
३०	२३	२६	४७	३९	२८	२०	५
५८	३५	१३	५३	४०	५५	५४	२४
६०	३५	८५	१३	५८	६	३	६०
१७	२६	१३	२०	४१	३८	११	३०

त.| मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०३८ शाकः १९०३ |दि.|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चंद्रः |हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृ.महाराष्ट्राः

१	गु	४४	९	कृ	५०	१७	च	२६	३४	बा	१८	५९	२६/४९	३/९	२५	१२	२१	१४	वृ. ११।४६
२	शु	३४	४४	रो	४३	११	प	१५	३२	तै	९	२६	४३	३९	२१	१३	२२	१५	वृषे
३	श	२५	४७	मृ	३५	४१	शि	५४/५४	४९/३३	व	०	१५	४०	४०	२०	१४	२३	१६	मि.९।२६
४	र	१८	१३	आ	३०	२	सा	४५	५५	बा	१८	१३	३७	४१	१९	१५	२४	१७	मिथुने
५	चं	१२	२	पु	२५	४	शु	३८	१०	तै	१२	२	३४	४१	१९	१६	२५	१८	क.११।२१
६	मं	७	४४	पु	२३	२१	शु	३२	१९	व	७	४४	३१	४२	१८	१७	२६	१९	कर्के
७	बु	५	१२	श्ले	२२	४४	बृ	२७	८	ब	५	१२	२९	४२	१८	१८	२७	२०	सिं २२।४४
८	गु	४	२८	म	२४	५३	ऐं	२३	४७	को	४	२८	२६	४३	१७	१९	२८	२१	सिंहे
९	शु	५	३१	पू	२७	७	वै	२१	४४	ग	५	३१	२४	४३	१७	२०	९	२२	क.४३।४
१०	श	७	५५	उ	३०	५४	वि	२०	५३	वि	७	५५	२१	४४	१६	२१	२०	२३	कन्यायां
११	र	११	५३	ह	३५	५३	प्री	२१	२९	बा	११	५३	१९	४४	१६	२२	३१	२४	कन्यायां
१२	चं	१६	५१	चि	४३	४३	आ	२२	२४	तै	१६	५१	१६	४५	१५	२३	२	२५	तु.९।४८
१३	मं	२२	४३	स्वा	४९	५२	सौ	२४	७	व	२२	४३	१३	४५	१५	२४	३	२६	तुलायां
१४	बु	२८	३७	वि	५७	८	शो	२६	१	श	२८	३७	११	४६	१४	२५	४	२७	बृ. ४०।१९
३०	गु	३५	२०	अ	६०	०	अ	२८	११	च	१	५९	८	४६	१४	२६	५	२८	बृश्चिके

≡अनु. बुधः ३६।४६
भ. ०।१५उ २५।४७या.चतुर्थी व्र.
वृश्चिकेऽर्कः५९।०
बृश्चिकेऽर्कः सौरः २३।४
भ ४७/४४उ.३६/२८या.बुधास्तः पूर्वस्याम्३४/३३×
विशा. बुधः २७।५०
अनु.रविः १७।२० (सौरः ४०।५२)
भ.३६।४३उ.
भ. ७।५५या.
रा. मार्गशीर्षारम्भः उत्पत्ति ११व्र.
प्रदोषः
भ.२३/४३उ.५०/४०या.वृश्चिके बुधः४४।५९
×पातस्पर्शः १७/२५ पातमोक्षः ४२।३४
उफा.भौमः३५।४४उषा शक्रः३२।१८≡

३२पं. मा.कृ.५चं.इ.३२।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	६	८	५	३	७
०	२१	१६	४	१७	२४	१	०
३३	१२	५९	१४	३६	१४	५८	९
४७	१८	६	५३	२२	२४	३९	२८
६०	३४	९४	१३	५५	६	३	६०
३०	४६	२	५	२८	२५	११	४०

गोचर ग्रहाः

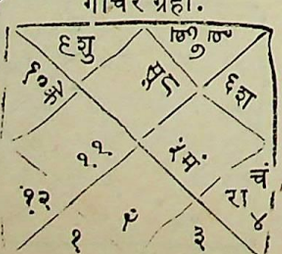

मार्ग.कृ. ४ रवौ बृश्चिकेऽर्कः प्र. वा.२ न. ४ युवावस्था(मूती)मु ४५ धा. भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

३३पं.मा.कृ.१२च.इ ३२/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	६	८	५	३	७
७	२४	२८	५	२४	२४	१	७
३७	५६	२	३९	७	५७	३६	१५
३७	२४	४६	४०	१६	५४	२३	१
६०	३३	९६	१२	५१	६	३	६०
४२	५२	३७	३९	९	८	११	५३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* बु-बृ-चं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मागशीर्ष शुक्ल पक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३१५८स. १९८१

१	शु	४	४१	अ	५	८	सु	३०	२६	कं	८	३१	२६	६	४७	१३	२७	६	२६
२	श	४७	४५	ज्ये	१२	१६	धृ	३२	४२	वा	१४	४३	३		४७	१३	२८	७	३०
३	र	५३	३३	मू	१९	३५	शू	३४	४१	तै	२०	३९	१		४८	१२	२९	८	१
४	चं	५८	४२	पू	२६	११	गं	३५	५०	व	२६	७	२५		४८	१२	३०	९	२
५	मं	६०	०	उ	३१	५९	वृ	३६	४४	व	३०	४३	५७		४९	११	१	१०	३
६	बु	२	४५	श्र	३६	५०	ध्रु	३६	५१	वा	२	४५	५५		४९	११	२	११	४
७	गु	५	३०	ध	४०	१९	व्या	३५	४१	तै	५	३०	५३		४९	११	३	१२	५
८	शु	६	४१	श	४२	१०	ह	३२	१९	व	६	४१	५१	५०		१०	४	१३	६
९	श	६	२३	पू	४२	२३	व	२९	४६	ब	६	२३	४९	५०		१०	५	१४	७
१०	र	४	१२	उ	४०	५५	सि	२४	२६	कौ	४	१२	४८	५०		१०	६	१५	८
११	चं	०	१४	रे	३७	३५	ल्य	१७	४७	ग	०	१४	५६	५१		९	७	१६	९
१२	मं	४७	१७	अ	३१	२४	व	९	४१	व	२०	५५	४५	५१		९	८	१७	१०
१३	बु	३९	१०	भ	२६	१	प	३८	४५	कौ	१३	१४	४४	५१		९	९	१८	११
१४	गु	२९	२१	कृ	१८	४६	सि	३९	२८	ग	४	१६	४२	५२		८	१०	१९	१२
१५	शु	१९	२८	रो	१०	४४	सा	२८	२६	व	१९	२८	४१	५२		८	११	२०	१३

वृश्चिके
ध. १२।१६
धनुषि
म. ४२।३८
मकरे
मकरे
कुं. ८।३४
कुंभे
मी २७।२९
मीने
मे. ३७।३५
०
मेषे
वृ ३९।१२
वृषे
मि ३६।५२

स्वाती १ गुरुः ४३।२८ चन्दद.
सफर २
भ. २६।७ उ. ५६ या. मकरे शुक्रः १८।३८
दिसम्बर १२ ता. ३१
ज्येष्ठा. रविः २७।३० (सौरः ४७।५२)
कन्यायां भौमः ७।५२ चम्पा ६
भ. ६।४१ उ. ३६।३२ या.
ज्येष्ठायां बुधः २४।३५

भ. २७।२३ उ. ५४।३३ या. मोक्षदा*
*११ ब्र. स्मा. गीता जयन्ती
मोक्षदा ११ ब्र. वै
प्रदोषः
भ. २९।२१ उ. ५४।२४ या.
दत्तजयन्ती

३४ पं. मा. शु. ४ चं. इ. ३१/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	६	९	५	३	७
१४	२८	९	७	०	२५	१	१४
४२	३४	७	२	१०	३९	१४	२१
५४	८	५५	१३	१६	१८	७	४७
६०	३३	९८	१२	४६	५	३	६१
५०	८	३५	१७	९	४०	११	३

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५ गुरु ५ शुक्रवार श्रेष्ठ है अनाज गल्ला किराणा सोना चांदी तिल तेल मूंगफलीमें मंदी होगी सूदीमें तेज

गोचरग्रहाः

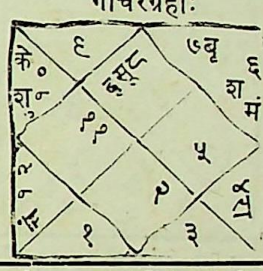

३५ पं. मा. शु १० चं. इ ३१।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	६	९	५	३	७
२१	२	२०	८	५	२६	०	२१
४८	४	११	२१	३२	१६	५१	२९
५८	८	२	४०	२०	५५	५२	३३
६०	३२	९९	११	३९	५	३	६१
५६	११	३३	४७	१५	१३	११	११

ति. पौष कृष्ण पक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३ | दि. उ. अ. इ. रा. मु | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृ. महाराष्ट्राः

१	श	९	५५	मृ	३१	५९	शु	१७	२२	कौ	९	५५	२५	५३		५८	१२	२१	१४
२	र	१	३	पु	४८	५०	शु	५९	५९	ग	१	३	३९	५२		८	१३	२२	१५
३	र	५२	१२		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०
४	चं	४७	९	पु	४५	१६	ऐं	४९	१८	ब	२०	१२	३८	५२		८	१४	२३	१६
५	मं	४३	२	श्ले	४२	३६	वै	४२	४५	कौ	१५	५	३७	५३		७	१५	२४	१७
६	बु	४०	५०	म	४१	५८	वि	३७	४७	ग	११	५६	३७	५३		७	१६	२५	१८
७	गु	४१	४	पू	४३	२०	प्री	२४	३२	वि	१०	५७	३७	५३		७	१७	२६	१९
८	शु	४३	१	उ	४६	४९	आ	३२	४३	वा	१२	२	३६	५३		७	१८	२७	२०
९	श	४६	५०	ह	५१	३७	सो	३२	४१	तै	१४	५५	३६	५३		७	१९	२८	२१
१०	र	५१	५२	चि	५८	१०	शो	३३	१७	व	१९	२१	३६	५३		७	२०	२९	२२
११	चं	५८	४	स्वा	६०	०	अ	३५	०	ब	२४	५८	३६	५३		७	२१	३०	२३
१२	मं	६०	०	स्वा	५	२०	सु	३७	७	कौ	३२	१३	३६	५३		७	२२	१	२४
१३	बु	४	२२	वि	१२	५०	धृ	३९	३१	तै	४	२२	३६	५३		७	२३	२	२५
१४	गु	११	८	अ	२०	३८	शू	४१	४४	व	११	८	३७	५३		७	२४	३	२६
१५	शु	१७	२८	ज्ये	२८	२	गं	४३	४३	श	१७	२८	३७	५३		७	२५	४	२७
३०	श	२३	२९	मू	३५	८	वृ	४५	२६	ना	२३	२९	२७	५३		७	२६	५	२८

मिथुने
क. ३५।३८
०
कर्के
सिं ४२।३६
सिंहे
क. ५९।१२
कन्यायां
कन्यायां
तु. २४।५३
तुलायां
वृ ५५।५८
वृश्चिके
वृश्चिके
ध. २८।२
धनुषि

चित्रा २ शनिः ७।२२
भ. २७।९ उ. ५३।१५ या. मूले धनुषि ÷
÷ बुधः ४६।४५
श्रवणे शुक्रः ३७।१५ चतुर्थी ब्र.
मूले धनुष्यर्कः ३४।४२ (सौरः ५१।३६)
भ. ४०।५० उ. स्वाती २ गुरुः ३९।५१
भ १०।५७ या.

*केतुः ४९।५८ प्रदोषः
भ. १९।२१ उ. ५१।५२ या.
सफला ११ ब्र.
पूषा. बुधः ५।५५ रा. पौषारम्भः
पुन. ३ मिथुने राहुः उषा. १ धनुषि*
भ. ११।८ उ. ४४।१८ या. हस्ते भौमः २५/२८

२६ पं. पौ. कृ. ४ चं. इ ३१।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	६	९	५	३	७
२८	५	१	९	९	२६	०	२८
५५	२३	१४	३६	५८	५१	२९	३८
५२	२०	३१	१८	८	२५	३६	१६
६१	३०	९९	११	३०	४	३	६१
०	५१	४३	८	२०	४५	११	१९

गोचरग्रहाः

पौष कृ. ५ भौमे धनुष्यर्कः प्र.वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शु. प.

गोचरग्रहाः

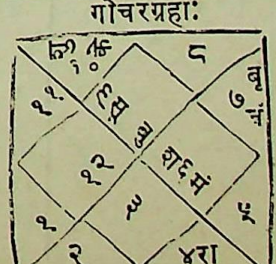

३७ पं. पौ. कृ. ११ चं. इ. ३१/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	६	९	५	३	८
६	८	१२	१०	१३	२७	०	५
३	३४	२१	४८	१५	२१	७	४७
२९	२३	११	०	११	५८	२१	४१
६१	२९	९९	१०	१८	३	३	६१
४	३१	२३	२८	५६	१३	११	२२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. पौष शुक्ल पक्षः सं० २०३८ शाकः १९०३ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३१८८सं १९८१

१	र	२८	४०	पू	४०	२२	धु	४६	२९	ब	२८	४०	२५/३८	५२/६	५/१०	२७	६	२९	म.५.६।५.१
२	चं	३३	७	उ	४५	५७	व्या	४७	४	बा	०	५३	२८	५२	८	२८	७	३०	मकरे
३	मं	३६	४७	श्र	५१	२२	ह	४६	५०	तै	४	५७	३९	५२	८	२९	८	१	मकरे
४	बु	३९	५	ध	५४	५७	व	४५	३६	व	७	५६	४०	५२	८	३०	९	२	कु.२३।९
५	गु	४०	१४	श	५७	२०	सि	४३	४३	ब	९	४६	४०	५२	८	३१	१०	३	कुम्भे
६	शु	४०	२१	पू	५८	३८	व्य	४०	५०	कौ	१०	२८	४१	५२	८	१	११	४	मी४३।१९
७	श	३९	१३	उ	५८	३१	व	३६	५६	ग	९	५३	४२	५२	८	२	१२	५	मीने
८	र	३६	४३	रे	५६	५०	प	३१	४४	वि	८	०	४३	५१	९	३	१३	६	मे.५.६।५.०
९	चं	३२	४२	अ	५४	५८	शि	२५	३४	वा	४	४३	४४	५१	९	४	१४	७	मेषे
१०	मं	२७	२३	भ	४९	४७	सि	१८	१३	तै	०	२	४६	५१	९	५	१५	८	मेषे
११	बु	२०	४३	कृ	४४	१९	सा	८	४०	वि	२०	४३	४७	५१	९	६	१६	९	वृ.३।२५
१२	गु	१२	५७	रा	३७	५९	शु	३२/३०	४९/४७	वा	१२	५७	४९	५०	१०	७	१७	१०	बृषे
१३	शु	४	३४	मृ	३१	१०	व्र	४०	२	तै	४	३४	५१	५०	१०	८	१८	११	मि४।३४
१४	शु	५१	१	०	०	०		०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०
१५	श	४६	४६	आ	२९	१	ऐं	२९	४०	वि	२१	११	५२	५०	१०	९	१९	१२	मिथुने

भ. २१।११या. खग्रास चन्द्रग्रहणम्

पूषा. रविः ३/३८ (सौरः ५/१४) चन्द्रदर्शनम्
रविलावल २
भ. ५/६७ उ. ३/५या. उषा. बुधः २५।३६
वक्री शुक्रः २।१५
मकरेबुधः ३/२ जनवरी १ता. ३१सन् १९८२
भ. ३/१३ उ. बुधोदयः पश्चिमायाम् २।१७
भ. ८।० या.
भ. ५४।२ उ.
भ. ४/३० या. स्वाती २ गुरुः ३/३१ पुत्रदा ११ब्र.
प्रदोषः
भ. ५५।३५उ. श्रवणे बुधः ९।४४

३८ पं. पौ. शु. २ चं. इ. ३१।१७

गोचरग्रहाः

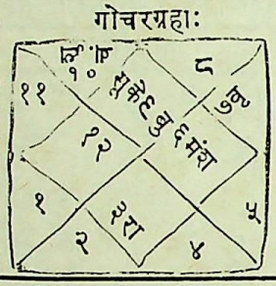

इस मासमें ५ शनिवार अशुभ है। शनिवाराः यदा पंच पाताले कंपते फणी। ईशानदेश भंगश्च वन्हिदाहो महर्धता ॥

गोचरग्रहाः

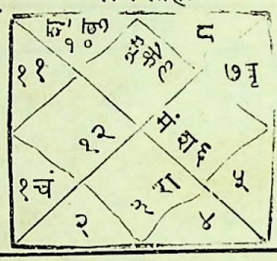

३९ पं. पौ. शु. ९ चं. इ. ३/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	६	९	५	२	८
२०	१४	४	१२	१४	२८	२९	२०
१९	२४	४३	५४	४९	९	२२	७
२६	१४	४४	४७	३०	५०	४१	३०
६१	२५	९५	८	१/६	२	३	६१
६	५८	४	५३	ब्र	५०	११	२६

ति. माघ कृष्ण पक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष.कृ. महाराष्ट्रः

१	र	३८	३४	पु	१७	२३	वै	१९	४९	बा	१२	४०	२५/२	५०/६	१०/५	१०	२०	१३	क.४।२
२	चं	३१	३४	पु	११	४३	वि	१०	२९	तै	५	१६	५५	४९	११	११	२१	१४	कर्के
३	मं	२६	१६	श्ले	७	३७	भी	३/८	२/२	वि	२६	१६	५८	४८	१२	१२	२२	१५	सिं७।३७
४	बु	२२	४४	म	४	२	सो	५१	१०	बा	२२	४४	२/१	४८	१२	१३	२३	१६	सिंहे
५	गु	२१	३३	पू	४	४९	शो	४७	५४	तै	२१	३	३	४७	१३	१४	२४	१७	क.२०।१५
६	शु	२२	२०	उ	६	३४	अ	४६	३४	व	२२	२०	५	४७	१३	१५	२५	१८	कन्यायां
७	श	२५	३०	ह	१०	२३	सु	४६	२७	ब	२५	३०	८	४६	१४	१६	२६	१९	तु.४३।१२
८	र	२९	४९	चि	१६	१	धृ	४७	१८	कौ	२९	४९	१०	४६	१४	१७	२७	२०	तुलायां
९	चं	३५	४९	स्वा	२२	३७	शू	४९	३०	तै	२	४९	१२	४६	१४	१८	२८	२१	तुलायां
१०	मं	४२	२	वि	३०	५३	गं	५१	४१	व	८	५५	१५	४५	१५	१९	२९	२२	वृ.१३।११
११	बु	४८	४६	अ	३७	५२	बृ	५३	५५	ब	१५	२३	१७	४५	१५	२०	३०	२३	वृश्चिके
१२	गु	५५	११	ज्ये	४५	१७	ध्रु	५६	१०	कौ	२१	५८	२०	४४	१६	२१	१	२४	ध.४५।१७
१३	शु	६०	०	मू	५१	५९	व्या	५७	४९	ग	२८	५	२२	४४	१६	२२	२	२५	धनुषि
१३	श	१	०	पू	५७	४	ह	५८	४२	व	१	०	२५	४३	१७	२३	३	२६	धनुषि
१४	र	५	४६	उ	६०	०	व	५८	४६	श	५	४६	२७	४३	१७	२४	४	२७	म. १३।३३
३०	चं	९	२४	उ	३	१	सि	५७	४०	ना	९	२४	३०	४२	१८	२५	५	२८	मकरे

उषा. रविः ४४।२२ (सौरः ५४।४१)
भ. ५८।५५ उ.
भ. २६।१६ या. चतुर्थी ब्र.
*३७।४८ (शुअ प.)
मकरेऽर्कः ०।४६ (सौरः १०।६)
भ. २२।२० उ. ५३।५५ या.
वक्री उभा. शुक्रः ५०।३८
÷धनुषि शुक्रः १/५३ शु.उ. पूर्वस्याम् ५/४८ ×
धनि. बुधः ३९।१७ ×(शुउ.पू.)
भ. ५/५५ उ. ४/३या. शुक्रास्तः पश्चिमायां*
अभि.प्र.रवि: ३/३१ [सौरः ४/२८] षट्तिला+
रा. माघारम्भः +११ ब्र.
वक्री बुधः ५३।० प्रदोषः
भ, १०उ. ३/२३या. श्रवणेरविः ४/५४ [सौर ५/२५]
अभि नि रविः ४/२३ [सौरः ४/१९] वक्री ÷
बुधास्तः पश्चिमायाम् १४।१२

४० पं. मा. कृ. २. चं इ ३१।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	६	९	५	२	८
२७	१६	१५	१३	१२	२८	२९	२७
२७	१६	१८	५०	४६	२६	०	१७
४०	१७	२९	१०	१२	५६	३४	२२
६१	२३	९४	७	२/२८	२	३	६१
६	४०	५२	५५	ब	९	११	२४

४१ पं. मा. कृ. ९ चं. इ. ३१।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	६	९	५	२	९
४	१९	२३	१४	९	२८	२८	४
३५	१२	१३	३७	१	३८	३८	२६
३१	३२	५९	३७	१६	३१	१८	५१
६१	२०	४४	६	३५/४	१	३	६१
३	४१	२०	५०	ब	२८	११	१९

४२ पं. मा. कृ. ३० चं. इ ३/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	६	९	५	२	९
११	२१	२४	१५	४	२८	२८	११
४२	८	१८	१८	४८	४५	१६	३५
५८	२८	७	४३	५४	३६	३	४२
६०	१७	२६/४७	५	३४/३४	०	३	६१
५९	३२	ब्र	४५	ब	४५	११	१३

Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं.२०३८ शाकः १९०३	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	शिशिरतूरविरुत्तरेऽहर्गणः३२१८स.१९८२
१	मं १२ ४	श्र ७ १३	ज्य ५६ १०	ब १२ ४	२६ ६ २९	कु.३८।४१	चन्द्र दर्शनम्
२	बु १३ २४	ध १० ८	व ५३ ४४	कौ १३ २४	३६ ४१ १९	२७ ७ १	कुम्भे	वक्री श्रवणे बुधः ४१।२३रविलाखर४
३	गु १३ ४६	श ११ ५८	प ५० १७	ग १३ ४६	३९ ४० २०	२८ ८ २	मी५७.३९	भ. ४३।२५ उ.
४	शु १३ ५	पू १२ ५०	शि ४६ १९	वि १३ ५	४२ ४० २०	२९ ९ ३	मीने	भ. १३।५ या.
५	श ११ ३१	उ १२ ५२	सि ४१ ५३	बा ११ ३१	४६ ३९ २१	३० १० ४	मीने	वसंत ५ श्री ५
६	र ९ २	रे १२ ५५	सा ३६ ५	तै ९ २	४९ ३८ २२	३१ ११ ५	मे.१२।५५	वक्री शनिः ३४।४७
७	चं ५ ३८	अ १० ७	शु २९ ५६	च ५ ३८	५२ ३८ २२	१ १२ ६	मेषे	भ.३५८उ.३३९या.भानु७फरवरी ता.२८
८	मं १ ३४	भ ७ ३३	शु २३ ४	व १ ३४	५५ ३७ २३	२ १३ ७	वृ.२१।४१	भीष्माष्टमी. पातस्पर्श ४९।४६
९	मं ५४ ५७	० ० ०	० ९ ८	० ० ०	० ० ०	३ १४ ८	बृषे	
१०	बु ५० ४६	कृ ४१ ५५ ४०	व १५ ४४	तै २३ ३८	५९ ३६ २४	४ १५ ९	मि२७।११	पातमोक्षः ७।४
११	गु ४४ १३	मृ ५४ ४१	ऐं ४४ ५७ ५०	व १७ २९	२७ ३६ २४	५ १६ १०	मिथुने	भ. १७ उ. ४४ या.जया ११ व्र.
१२	शु ३७ ३	आ ४९ १४	वि ४९ ४३	ब १० ३८	६ ३५ २५			धनि. रविः ५५ चित्रा. भौमः १३
१३	श २९ ४९	पु ४४ १४	मी ४० ४६	कौ ३ २६	९ ३४ २६	६ १७ ११	क.३०।२९	धनि. रविः सौरः ३।१६ प्रदोषः
१४	र २२ ३६	पु ३८ ३१	आ ३० २	व २२ ३६	१३ ३३ २७	७ १८ १२	कर्के	भ.३२उ.४९या.बुधोदयःपूर्वस्याम १९
१५	चं १६ ३	श्ले ३४ १६	सौ २४ ५	ब १६ ३	१६ ३३ २७	८ १९ १३	सिं ३४।१६	

४३पं.मा.शु.७चं.इ. ३१।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	६	९	५	२	९
१८	२२	१७	१५	१	२८	२७	१८
४९	४०	४८	५१	५०	४७	५३	४३
२६	४४	२१	२५	३४	१३	४७	४४
६०	१३	२४	४	२४ ५९	७	३	६१
५५	२६	ब	३५	व	ब	११	४

गोचरग्रहाः

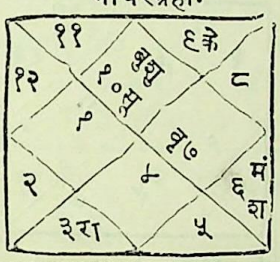

माघ कृ. ५ गुरौ मकरेऽर्कः प्र.वा. ३ नं. ३ युवाऽवस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.

गोचरग्रहाः

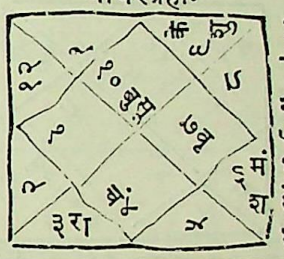

४४पं.मा.शु.१५चं.इ.३१।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	६	८	५	२	९
२५	२३	१०	१६	२९	२८	२७	२५
५५	४८	४३	१५	४९	४३	३१	५०
१६	५८	४०	३६	५४	३३	३१	३१
६०	८	४३ ५८	३	७ ३३	४८	३	६०
४७	४७	ब	२१	च	ब	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूरविरुत्तरे माघः कृ. महाराष्ट्राः
१	म १० ३७	म ३१ ५७	शो १६ ४७	कौ १० ३७	२७ २० ३२ २८	९	२० १४	सिंहे	वक्री उषा. बुधः ३१।४
२	बु ६ ४६	पू २९ २३	अ ११ ५	ग ६ ४६	२४ ३१ २९	१०	२१ १५	क.४४।३४	भ. ३५।४२ उ.
३	गु ४ ३८	उ ३० ८	सु ६ ४६	वि ४ ३८	२७ ३१ २९	११	२२ १६	कन्यायां	भ.३५या.मार्गी शुक्रः ४९ चतुर्थी व्र.
४	शु ४ २१	ह ३२ २९	धृ ४ ९	बा ४ २१	३१ ३० ३०	१२	२३ १७	कन्यायां	कुंभेऽर्कः ३३।३० (सौरः ३७।१३)
५	श ६ ३१	चि ३६ ४०	शू ३ ११	तै ६ ३१	३५ २९ ३१	१३	२४ १८	तु.४।३४	मार्गी.बुधः २२।१३
६	र १० ७	स्वा ४२ ३५	गं ३ ९	व १० ७	३८ २८ ३२	१४	२५ १९	तुलायां	भ.१०उ.४५या.मकरेशुक्रः ४१ पातस्पर्शे *
७	चं १५ २३	वि ४९ २३	वृ ४ २६	ब १५ २३	४२ २८ ३२	१५	२६ २०	बृ.३२।४१	पातमोक्षः १५ *५९।५
८	मं २१ २०	अ ५७ २६	ध्रु ६ १६	कौ २१ २०	४६ २७ ३३	१६	२७ २१	बृश्चिके	
९	बु २७ ५६	ज्ये ६० ०	व्या ८ ३८	ग २७ ५६	५० २६ ३४	१७	२८ २२	बृश्चिके	श्रवणे बुधः २२।५९
१०	गु ३४ २०	ज्ये ४ ३२	ह १० ४४	व १ ८	५४ २५ ३५	१८	२९ २३	ध.४।३२	भ. १८उ.३४ या.वक्री भौमः २९
११	शु ३९ ३२	मू ११ ४५	व १२ ४१	ब ६ ५६	५८ २४ ३६	१९	३० २४	धनुषि	शतेरविः १५ (सौरः १३५)विजया ११ व्र.
१२	श ४४ १९	पू १७ ५९	सि १३ ५५	कौ ११ ५५	२५ २४ ३६	२०	१ २५	म.३४।११	रा. फाल्गुनारम्भः
१३	र ४७ ४६	उ २२ ४८	व्य १३ ५२	ग १६ २	६ २३ ३७	२१	२ २६	मकरे	भ. ४७।४६ उ. प्रदोषः
१४	चं ५० १७	श्र २६ ३५	व १२ ४९	वि १९ १	१० २२ ३८	२२	३ २७	कु.५७।११	भ. १९।१ या. महाशिवरात्री व्र.
३०	मं ५० ६	ध २७ ४७	प १० ४२	च २० ४९	१४ २१ ३९	२३	४ २८	कुम्भे	

४५पं.फा.कृ.७चं.इ. ३१ ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	६	९	५	२	१०
३	२४	१०	१६	०	२८	२७	२
०	२५	४५	३२	७	३४	९	५६
४	५९	१४	१०	१२	४४	१६	३६
६०	२	३९	१	४८	३५	३	६०
३७	५४	मा	५२	भा	ब	११	४२

गोचरग्रहाः

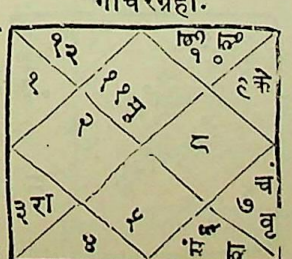

फा. कृ. ४ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्र. वा. २न.४ गतालका वस्था (ऊभी) मु ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

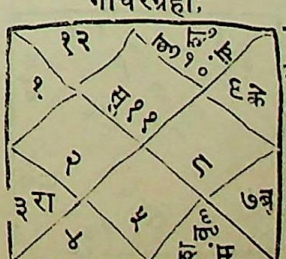

४६पं.फा.कृ.१४चं.इ.३१ ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	६	९	५	२	१०
१०	२४	१३	१६	२	२८	२६	१०
३	३३	३५	३८	१७	२१	४७	१
३२	४	३१	३५	५३	१८	०	७
६०	५९	४१	०	२२	१४	३	६०
२५	ब	५१	३२	२७	ब	११	३१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३ दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चद्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२४७ स. १९८२

१	बु	४९	४	श	२९	२०	शि	७	३५	कं	१९	३५	२९	६	५	२४	५	२९
२	गु	४७	७	पू	२९	११	सि	३	५४	ग्रा	१८	५	२२	२०	४०	२५	६	३०
३	शु	४४	१३	उ	२७	१०	शु	५२	४६	तै	१५	४०	२६	१९	४१	२६	७	१
४	श	४०	३२	रे	२६	१३	शु	४६	३१	व	१२	२२	३०	१८	४२	२७	८	२
५	र	३६	३१	अ	२३	४६	व्र	४०	१६	ब	८	४३	३४	१७	४३	२८	९	३
६	चं	३२	३३	भ	२०	५८	ऐं	३३	३४	की	४	३२	३८	१६	४४	१	१०	४
७	मं	२७	५२	कृ	१७	५७	चें	२६	४०	ग	०	१२	४२	१६	४४	२	११	५
८	बु	२२	५५	रा	१४	८	वि	१९	३१	ब	२२	५५	४६	१५	४५	३	१२	६
९	गु	१७	४४	मृ	११	८	प्री	१२	१३	की	१७	४४	५०	१४	४६	४	१३	७
१०	शु	१२	१०	आ	७	२५	आ	५	५३	ग	१२	१०	५४	१३	४७	५	१४	८
११	श	५	४९	पु	३	४२	शो	५०	९	वि	५	४९	५८	१२	४८	६	१५	९
१२	र	०	२९	पु	१०	५९	अ	४३	१४	व्रा	०	२९	२९	१२	४८	७	१६	१०
१३	र	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	चं	५१	७	म	४५	४५	सु	३६	५०	ग	२३	१४	६	११	४९	८	१७	११
१५	मं	४७	५०	पू	५३	२४	धृ	३१	३०	वि	१७	२८	१०	१०	५०	९	१८	१२

कुम्भे
मी १४।१४
मीने
मे. २६।१३
मेषे
वृ. ३५।१३
वृषे
मि ४२।३८
मिथुने
क ४९।३८
कर्के
सिं ५७।७
सिंहे
सिंहे

पुन. २ राहुः पूषा. ४ केतुः ४३।५४
वक्रीगुरुः २४।१६ चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
जमादिलावल ५
भ. १२।२२ उ. ४०।३२ या.
पातस्पर्शः ४।२६ मोक्ष. १६।२८
मार्च ३ ता. ३१
भ. २७।५२ उ. ५५।२३ या.
होलाष्टकः ÷होलिका दहनं गोधूल्यां
पूभा.रविः ३५/६ (सौरः २७/२२) धनि. बुधः १९/५७
भ. ३८।५६ उ.
भ. ५।४९ या. आमलकी ११ ब्र.
वक्री हस्ते भौमः ५२/२८ श्रवणे शुक्रः *
*५४।३० प्रदोषः
भ. ५१।७ उ.
भ. १७।२८ या. कुम्भे बुधः १६।५६ ÷

४७पं.फा.शु.६चं.इ. ३२।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	६	९	५	२	१०
१७	२४	२०	१६	५	२८	२६	१७
५	६	२४	२६	४७	२	२४	३
४६	५४	७	७	४९	४२	४५	५७
६०	५८	६२	४९	३३	५३	३	६०
५२	ब	५६	ब्र	३८	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

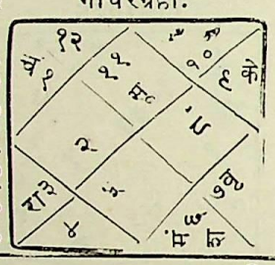

रवि मंगल शनि होली आवे, डंक कहे मोय फागुन भावे। उल्कापात करे भुव सारी, घर २ वार रोय नरनारी ।।

गोचरग्रहाः

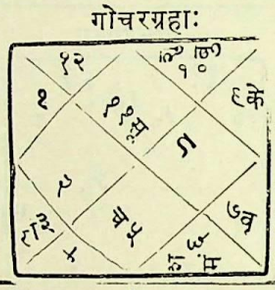

४८पं.फा.शु १४चं.इ. ३२/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	६	९	५	२	१०
२४	२३	२९	१६	१०	२७	२६	२४
६	७	१	२४	२६	४०	२	५
२९	१९	२६	२२	३५	३०	२९	२०
५९	५८	७९	१९	४१	३३	३	६०
५८	ब	१३	ब्र	५३	ब्र	११	६

ति. चैत्र कृष्ण पक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३ दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | वसतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन. कृ. महाराष्ट्राः

१	बु	४५	४७	उ	५३	४६	शु	२६	५७	ग्रा	१६	४९	२९	६	५१	१०	१९	१३
२	गु	४५	३७	ह	५५	३२	गं	२३	३७	तै	१५	४२	१९	८	५२	११	२०	१४
३	शु	४७	२९	चि	५८	२०	बृ	२२	९	व	१६	३१	२३	७	५३	१२	२१	१५
४	श	५०	५	स्वा	६०	०	ध्रु	२१	३१	ब	१८	४५	२७	७	५३	१३	२२	१६
५	र	५४	५४	स्वा	३	४६	व्या	२२	१	की	२२	२९	३२	६	५४	१४	२३	१७
६	चं	६०	०	वि	१०	२६	ह	२३	३५	ग	२७	४१	३६	५	५५	१५	२४	१८
६	मं	०	२९	अ	१७	२६	व	२५	४३	व	०	२९	४०	४	५६	१६	२५	१९
७	बु	६	५८	ज्ये	२४	५२	सि	२७	३३	ब	६	५८	४४	३	५७	१७	२६	२०
८	गु	१२	१९	मू	३२	१७	व्य	३०	२	की	१३	१९	४९	२	५८	१८	२७	२१
९	शु	१९	४	पू	३९	१०	व	३१	४८	ग	१९	४	५३	१	५९	१९	२८	२२
१०	श	२३	५९	उ	४४	४०	प	३२	२९	वि	२३	५९	५७	१	५९	२०	२९	२३
११	र	२७	२१	श्र	४८	४०	शि	३१	५३	व्रा	२७	२१	३०	१	०	०	२१	३०
१२	चं	२९	३	ध	५०	५६	सि	३०	५६	तै	२९	३	६	५	१	२२	१	२५
१३	मं	२८	५७	श	५१	३३	सा	२६	४३	व	२८	५७	१०	५	२	२३	२	२६
१४	बु	२७	२	पू	५०	२०	शु	२२	२	श	२७	२	१५	५	३	२४	३	२७
३०	गु	२३	३५	उ	४८	२	शु	१६	९	ना	२३	३५	१८	५	६	४	२५	४

मी ३५।३९
मीने

छारेंडी वसंतोत्सवः

भ. १६।३१ उ. ४७।२६ या. पातस्पर्शः *
चतुर्थी ब्र. *८।४१ मोक्षः २१।१३
मीनेऽर्कः ३५/६३ (सौरः २७/४२) शते बुधः २।२

भ. ०।२९ उ. ३३।४३ या.
उभा.रविः ४७।५७ सौरः ४८।१८)
शीतलापूजनम्
भ. ५१।३१ उ.
भ. २३।५९ या.
पापमोचनी ११ ब्र.
पूभा. बुधः ३१/४७ रा. चैत्रारंभः प्रदोषः
भ. २८।५७ उ. ५७।५९ या.
धनिष्ठायां शुक्रः ०।१० वक्री चित्रा.+
मन्वादिः +१ शनिः ०।१०

४९पं.चै.कृ.६चं.इ. ३२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	१०	६	९	५	२	११
१२१	८	१६	१६	२७	२५	१	
५	३६	५९	३	२	१४	४०	५
४२	५०	२४	१४	४६	५३	१३	२
५९	३५/३२	९२	३/३७	४८	५३	३	५९
४१	ब्र	२	ब	२३	ब	११	४९

गोचरग्रहाः

चै. कृ. ५ रवौ मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न. २ युवावस्था (सूती) मु.४५धा. भावे समघंतां शु. उ. पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

५०पं.चै.कृ.१२चं.इ. ३३/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	१०	६	९	५	२	११
८	१९	२०	१५	२२	२६	२५	८
३	४०	२	३४	२	४६	१७	२
१८	२३	३१	४४	३१	७	५८	५८
५९	३३/१६	९	४४	५३	१३/४	३	५९
२९	ब	२	ब	२३	ब	११	३५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०८३ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०८३ भोग्यकलिः ४२६९१७ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीरविक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३९ शाकः १९०४ । अथाऽस्मिन् राजा शुक्रः । मंत्री भौमः । सस्येशो शुक्र । धान्येशो बुधः । मेघेशो चन्द्रः । रसेशः रविः । नीरसेशो शुक्रः । फलेशश्चन्द्रः । धनेशोः गुरुः । दुर्गेशश्चन्द्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ९ युवानाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमयेः गतमासादिः ७।७।२।२३ भोग्यमासादिः ४।१२।५७।३७बार्हस्पत्यदैवतं युगम् । वर्षनामः चैत्रः । मेघ नाम पुष्करः । रोहिणो निवासस्तटे । समयनिवासो रजक गृहे । समय विश्वा १८ । समयवाहनंदुर्दुरः । स्तंभौः २ जलतृणयोः । सोमवत्यमा ३ । सोमवती पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी ३ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी ३ समयमुहूर्ताः ३९० । समयदिनानि ३८२ । तिथिक्षयः २० । तिथिवृद्धिः १२ । उत्पत्तिविश्वा ९९ । खपति विश्वा १२६ । वर्षा विश्वा ५ । धान्यम् १५. तृणम् १३. शीतम् १७. तेजः ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यम् १०९ सत्यम् ॥ धर्मम् १॥ पापम् १८ शनिदृष्टिर्दक्षिणे ग्रहण २ चन्द्र व सूर्ययोः ।

सं. २०३९ मार्गशीर्ष कृ. ३० बुधे सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म	मो.		
उज्ज.	घ.	२१	२४	२६		
मध्यम	पल	२४	२५	४७	—	—
रेल्वे	घं.	३	४	५		
टाइम	मि.	११	१३	१०		

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्षलग्नम् ४।६

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय जननी ज्वालामुखी तूं जग सर्जनहार ।
उनचालीसा आईया कहदो फल विस्तार ॥

भवानी उत्तर

माता कहे पुकार के संवत्सर का सार ।
अन्न तृण की कमती नहीं गायां दूध अपार ॥
पण मंत्री मंगल हुवा पापी क्रूर स्वभाव ।
यह सुख से नहीं रहन दे खेले अपना दाव ॥
श्रावण में वर्षा हुवे भाद्रव करसी तंग ।
गुरु मंगल के योग से होसी रंग में भग ॥
मार्ग मास में ग्रहण है सूर्य चंद्र के दोय ।
पोष मास क्षय हो रहा अधिक उपद्रव होय ॥
अन होनी होवे नहीं होणी हो सो होय ।
ईश भजन विन जगत में सुख नहीं पाया कोय ॥

सं. २०३९ मार्ग शु. १५ गुरौ खंडग्रासचंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं. म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	२२	२५	२६	२७ ३०
मध्यम.	पल	१४	६	२१	३६ २८
रेल्वे	घं.	३	४	४	५ ६
टाइम	मि.	२१	२९	५९	२९ ३८

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेशलग्नम् ९।९

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२०।० केतकीमतेन वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशाः २३।३५।३६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणांफलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम् ॥ शुक्रस्यराज्ये बहु सस्य संकुलासुती व्रवेगाः सरितोम्बुराशिभिः फलंतिवृक्षाः बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिवसौख्यसंयुताः ॥ मंत्री भौमस्तत्फलम् ॥ अवनिजोननुमंत्रिकतांगतो, भवतिदस्यु गदादिजवेदना । जनपदेषु जयं सुख संचयंनबहुगोपुपयोद्विज कर्मच ॥ सस्येशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ शुक्रोयदा धान्यपतिर्घरायां मेघाजलं वर्षति शोभनंप्रियम् ॥ गोधूमशालीक्षु धनं प्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुख प्रदानि ॥ धान्येशोबुधःफलम् ॥ बुधे धान्याधिपे मेघा जलं मुंचंतिवैभृशम् । सैंधचं लाटदेशेच माधवोल्पंचवर्षति ॥ मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम् । शशिनि तोयदपैयदिगोमहिष्यजखरादिषु दुग्धसंतदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवतीननुभामिनी रसेशो रविःफलम् ॥ रसपतौतरणौ धरणी तदा विरसभागरताल्पपयोधराः । वसनतैल घृतप्रियमानवाः सुखरसंनभुनक्ति महीपतिः ॥ नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम् कर्पूरागरुगन्धानां हेम मौक्तिकवाससां । अर्घबृद्धि प्रजायेत नीरसेशोभृगुर्यदिः ॥ फलेशश्चंद्रः फलम् ॥ यदि विधुः फलपोद्रुम राशयः फलयुतावलिभिः कुसुमैर्युताः द्विजमुखावरभोग समन्विता नृपल्यो नयनाटन तत्पराः धनेशोगुरुःफलम् सुमनसांचगुरुर्द्विणाधिपो वणिजवृत्तिपराः सुखभाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविधद्रव्ययुता भुविमानवाः । दुर्गेशश्चन्द्रस्तत्फलम् ॥ गढपतिः शशलांछनकोयदा नृप सुराज्यविलासितपौरजाः बहुधनेसुज गोरस भोगिनो नरवरा वरवर्णितविग्रहाः ॥ युवानाम संवत्सरः फलम् ॥ प्रभूतपयसोगाव सुखिनः सर्वजन्तवः सर्वकाम क्रियासक्तो युवाब्दे युवतीजनः ॥ वर्षनामचैत्रस्तत्फलम् ॥ सस्यानि घृत कार्यास तैलादिसुख संचयः । चैत्रवर्षे भवेद् वृद्धिर्नृप सौख्यफलप्रदा ॥ मेघ नाम पुष्करेरस्तत्फलम् । वृष्टिःस्यात् । रोहिणी निवासतटे फलम् ॥ तटे वृष्टिः सुशोभनाः । समय निवासो रजकगृहेफलम् । रजके वृष्टिः रुत्तमाः । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

सं० २०३९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृष्णे ८ शुक्रे उषा. ल. अन्यगो. ८ रे.६ऽ।।।ऽऽऽ॥

शुक्ले ३ चंद्रे रोहि. ल. ८ (चं. ७पू.) रे.१०।।।।।।।।।

,, ३ चंद्रे मृगे. ल. १० रे.८।।।।।ऽऽ।

,, ४ भौमे मृगे. ल. अन्यगो. रे.६।।।।।ऽनृ।।।।

,, ६ शनौ मघा. ल. गो. रे.७।।।।।ऽ रो ऽ।ऽ। गणितेन-क्रांतिसाम्याऽ भाव :

,, १४ गुरौ स्वा. ल. १० रे.६ऽ।ऽ वृ।।ऽ नृ ।ऽ।

ज्येष्ठ मासः ।

शुक्ले १ चंद्रे मृगे ल. अन्यगो. रे.६।।।।।।ऽ।।।

आषाढ मासः ।

शुक्ले. ७ रवौ उफा. ल. १० रे.७।ऽ।।।ऽऽ।

,, १० बुधे स्वा. ल. गो. सोग्रांगः१० रे.६ऽ।ऽ वृ।।ऽचौ.।ऽ।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृष्णे ६ चन्द्रे मघा. ल. ६ रे.६ऽऽ।।।ऽअ.ऽ।।।

,, ८ बुधे उफा. ल. अन्यगो. ५ रे.७।।।।।ऽनृऽऽ।

,, ६ गुरौ. हस्ते ल. अन्यगो. रे.७ऽ।।।।।ऽ।ऽ

माघ मासः ।

माघ शुक्ले प्र. फाल्गुन कृष्णे क्षयमास दोषः

(सं २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं.२०३६शाकः १६०४ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३२७७स१६८२

१	शु	१६	२	रे	४४	४१	व्र	६	२८	व	१६	२	३०/२३	५५	६५	२६	५	२६	मे.४४।४१
२	श	१३	३१	अ	४०	४६	ऐं	६३	५२/१०	कौ	१३	३१	२७	५५	५	२७	६	१	मेषे
३	र	७	२८	भ	३६	३१	वि	४६	३०	ग	७	३८	३१	५४	६	२८	७	२	वृ.५०।३१
४	चं	०	३३	कृ	३२	२२	प्री	३८	५५	वि	०	३३	३५	५३	७	२६	८	३	बृषे
५	चं	५४	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	मं	४६	५२	रो	२८	२४	आ	३१	१६	कौ	२२	४२	३६	५२	८	३०	६	४	मि५६।३५
७	बु	४४	३०	मृ	२४	४६	सौ	२४	४	ग	१७	११	४४	५१	६	२१	१०	५	मिथुने
८	गु	३६	२३	आ	२१	२६	शो	१६	५६	वि	१२	५६	४८	५०	१०	१	११	६	मिथुने
६	शु	३५	५६	पु	१८	३६	अ	१०	३२	बा	७	४०	५२	५०	१०	२	१२	७	क. ३।४६
१०	श	३०	५१	पु	१६	२१	सु	२५/१४	५४/१६	तै	३	२३	५६	४६	११	३	१३	८	कर्के
११	र	२७	२१	श्ले	१४	२	शू	५३	३४	वि	२७	२१	३१/१०	४८	१२	४	१४	६	सिं १४।२
१२	चं	२४	३६	म	१३	४०	गं	४६	६	बा	२४	३६	५	४७	१३	५	१५	१०	सिंहे
१३	मं	२२	४३	पू	१३	२०	बृ	४५	३८	तै	२२	४३	८	४६	१४	६	१६	११	क. २६।२०
१४	बु	२१	५५	उ	१४	२२	ध्रु	४२	५५	व	२१	५५	१२	४६	१४	७	१७	१२	कन्यायां
१५	गु	२२	८	ह	१६	२७	व्या	४१	२६	ब	२२	८	१६	४५	१५	८	१८	१३	तु. ४८।७

भ.३१/५५उ. ५२।१या. शतेशुक्रः ४६।३६
हनुमज्जयन्ती

५१पं.चै.शु.४चं.इ.३३।३७

गोचरग्रहाः

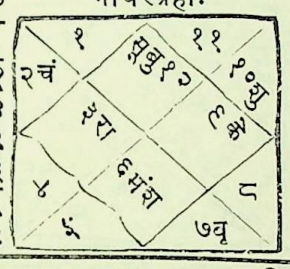

इस मासमें शनि मंगल का योग चालू है यह योग ४ मास तक है सो प्रजा में भय उपद्रव और तेजी कारक रहेगा।

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	२१	६	९	५	२	११
१४	१७	२	१४	२८	२६	२४	१४
५९	२३	९	५८	३५	१५	५५	५९
१३	१७	५८	४४	४२	५८	४२	३
५९/५३	५३	२८/२६	५५	५७	३७/३४	३	५९
१६	ब्र	०/२	ब	१०	ब्र	११	१८

५२पं.चै.शु.१२चं.इ.३३/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	६	१०	५	२	११
२१	१४	१५	१४	५	२५	२४	२१
५३	५५	२४	१५	२९	४३	३३	५३
३१	४८	५	४३	४३	३०	२७	१४
५९	४४/४६	२८/२६	४४	५८	४	३	५९
४	ब	०/४	ब	३	४०	११	४

ति. वैशाख कृष्ण पक्षः सं.२०३६ शाकः १६०४ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | वसंततूरविरुत्तरे चैत्र कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	२३	०	चि	१६	४८	ह	४०	३७	कौ	२३	०	३१/२०	५५/४४	६/१६	६	१६	१४	तुलायां
२	श	२७	१०	स्वा	२४	२३	व	४०	५५	ग	२७	१०	२४	४३	१७	१०	२०	१५	तुलाया
३	र	३१	४१	वि	३०	२५	सि	४२	११	वि	३१	४१	२८	४२	१८	११	२१	१६	बृ. १३।५४
४	चं	३६	४६	अ	३७	१३	व्य	४४	२	ब	४	१४	३२	४२	१८	१२	२२	१७	वृश्चिके
५	मं	४३	६	ज्ये	४४	५०	व	४६	२८	कौ	६	५६	३६	४१	१६	१३	२३	१८	ध.४४।५०
६	बु	४६	३२	मू	५२	२०	प	४८	५०	ग	१६	२०	४०	४०	२०	१४	२४	१६	धनुषि
७	गु	५५	४६	पू	५६	४८	शि	५०	५६	वि	२२	३८	४३	३६	२१	१५	२५	२०	धनुषि
८	शु	६०	०	उ	६०	०	सि	५२	२७	बा	२८	२१	४७	३६	२१	१६	२६	२१	ग. १६।१५
६	श	०	५६	उ	६	२५	सा	५३	३	कौ	०	५६	५१	३८	२२	१७	२७	२२	मकरे
१०	र	५	४	श्र	११	२२	शु	५१	५०	ग	५	४	५५	३७	२३	१८	२८	२३	कुं ४२।५५
११	चं	७	१३	ध	१४	२८	शु	४६	२२	वि	७	१३	५८	३६	२४	१६	२६	२४	कुम्भे
१२	मं	७	२३	श	३५	४५	व	४५	१६	बा	७	२४	३३	३६	२४	२०	३०	२५	कुम्भे
१३	बु	६	४५	पू	१५	११	ऐं	३६	४६	तै	६	४५	६	३५	२५	२१	१	२६	मी०।१६
१४	गु	२	३	उ	१२	३५	वै	३२	५४	व	२	३	१०	३४	२६	२२	२	२७	मीने
१५	गु	५४	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२०	शु	४६	०	रे	८	५०	वि	२४	४६	च	२२	५४	१४	३३	२७	२३	३	२८	मे.८।५०

भ. ५६।२५ उ.
भ ३१।४१या. चतुर्थी व्र.
अश्वि. मेषे बुधः४२।५५
अश्वि-मेषेऽर्कः४६।४३(सौरः५०।२१)*
भ. ४६।३२उ.
भ. २२।३८ या.
*वक्रीस्वाती २गुरुः४६।१६

भ.३६।८ उ. भरण्यां बुधः ५५।२५
भ.७।१३या. पूभा. शुक्रः२६।४७
वक्रीउफा.भौमः४७/३वरूथि. ११व्र.
रा. वैशाखारम्भः प्रदोषः
भ. २।३उ.२६।२६या.

बुधोदयः पश्चिमायाम् २५।०

१पं. वै.कृ.५मं.इ.४६/४३

गोचरग्रहाः

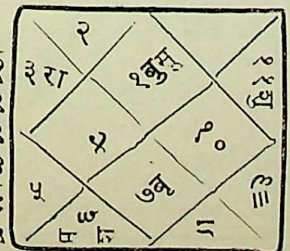

वै. कृ. ५ भौमे मेषेऽर्कः प्र. वा. ३ न.४प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धा. भावे समता शुक्रोदयः पूर्व.

गोचरग्रहाः

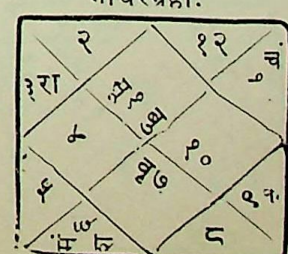

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	६	१०	५	२	०
६	९	१७	१२	२१	२४	२३	६
५०	५९	१०	२७	२५	३१	४५	४९
४२	३२	१९	१४	५५	५	३	३०
५८	३३/२९	२९/२०	५२	६४	२९/२८	३	५८
३१	ब	३५	ब	१५	ब	११	२९

२पं. वै.कृ.११मं.इ.५०/१

≡ चं. के.

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

[त.] वैशाख शुक्ल पक्षः सं. २०३६ शाकः १९०४ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३३०६ स. १९८२

१	श	४२	२२	अ	३/३८	५४/१७	मी	१५	५०	कि	१५	४१	३२/१७	५/३३	६/२७	२४	४	२९	मेषे
२	र	३४	१३	कृ	५१	४७	आ	६/३७	५०/४६	वा	८	१७	२१	३२	२८	२५	५	३०	बृ. ११।२३
३	चं	२६	५५	रो	४६	२	शो	४८	८	तै	०	३४	२५	३१	२९	२६	६	१	वृषे
४	मं	१९	१५	मृ	४०	३१	अ	३९	३१	वि	१९	१५	२९	३०	३०	२७	७	२	मि १३।१६
५	बु	११	५६	आ	३७	२	सु	३१	४९	वा	११	५६	३२	३०	३०	२८	८	३	मिथुने
६	गु	५	४०	पु	३२	२४	धृ	२४	२४	तै	५	४०	३६	२९	३१	२९	९	४	क १८।२४
७	शु	०	९	पु	२९	४९	शू	१८	६	व	०	९	४०	२८	३२	३०	१०	५	कर्के
८	शु	५६	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	श	५३	३८	श्ले	२८	२६	गं	१२	४१	वा	२५	८	४३	२७	३३	१	११	६	सिं २८।२६
१०	र	५१	५०	म	२८	१२	बृ	८	६	तै	२२	४४	४७	२७	३३	२	१२	७	सिंहे
११	चं	५१	१	पू	२८	५१	धु	४	२५	व	२१	२६	५१	२६	३४	३	१३	८	क. ४४।१९
१२	मं	५१	३७	उ	३०	४४	व्या	४४/१५	५५/५	ब	२१	१९	५४	२५	३५	४	१४	९	कन्यायां
१३	बु	५२	५२	ह	३३	२८	व	५८	४९	को	२२	१४	१७	२५	३५	५	१५	१०	कन्यायां
१४	गु	५५	२९	चि	३७	३८	सि	५८	४९	ग	२४	१९	३३/१	२४	३६	६	१६	११	तु. ५।३३
१५	शु	५९	१०	स्वा	४२	४०	व्य	५९	१३	वि	२७	१९	४	२३	३७	७	१७	१२	तुलायां

भ. ०।९ उ. २८।२४ या.

उभायां शुक्रः ४/६ मई ता. ३१ पातस्पर्शः × ×४३।५२ मोक्षः ५९।३२

भ. २१।२६ उ. ५१।१या. मोहिनी ११ ब्र.

रोहिण्यां बुधः ०।५३

प्रदोषः +वृषे बुधः ३४/४३

भ. ५५।२९ उ. नृसिंह १४

भ. २७/१९ यमायसान्नजलकुम्भदानं

३पं.वै.शु.४मं.इ.५०।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	६	१०	५	२	०
१३	८	०	११	२९	२४	२३	१३
२९	२३	२७	३३	२	३	२२	२८
४३	१३	४३	२५	४२	७	४७	०
५८	११/५७	८	५२	६६	१४/१	३	५८
१९	ब	४९	ब	११	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

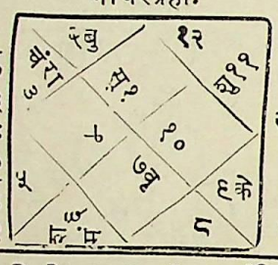

इस मास में शनि मंगल गुरु वक्री है यह सोना चांदी सण सूत रुईबिनोला मूंगफली एरंडा में तेजी करेंगे अनाज में घटाबढ़ी हो।

गोचरग्रहाः

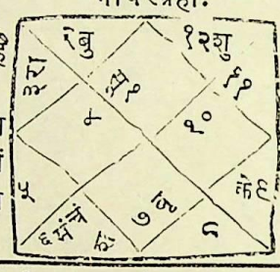

४पं.वै.शु.१२म.इ.५०।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	६	११	५	२	०
२०	७	११	१०	६	२३	२३	२०
२७	२१	५	४०	४६	२४	०	२४
२२	२५	४६	१६	३७	४८	२२	४१
५८	२४	७९	४७	६७	५३	३	५७
६	ब	२२	ब	२९	ब	११	५७

[त.] ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं २०३६ शाकः १९०४ | दि. | उ. | अ. | ई. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृ. महाराष्ट्राः

१	श	६०	०	वि	४८	४०	व	६०	०	वा	३१	३५	३३/३७	५/२३	६/३७	८	१८	१३	बृ. २२।१०
१	र	४	०	अ	५५	१५	ब	०	४४	को	४	०	१०	२२	३८	९	१९	१४	बृश्चिके
२	चं	९	१४	ज्ये	६०	०	प	२	२८	ग	९	१४	१३	२१	३९	१०	२०	१५	बृश्चिके
३	मं	१५	३२	ज्ये	२	३८	शि	४	४६	वि	१५	३२	१६	२१	३९	११	२१	१६	ध. २।३८
४	बु	२१	३१	मू	१०	११	सि	७	१७	वा	२१	३१	१९	२०	४०	१२	२२	१७	धनुषि
५	गु	२७	४८	पू	१७	४१	सा	९	४३	तै	२७	४८	२२	२०	४०	१३	२३	१८	म. ३४।३२
६	शु	३२	२५	उ	२४	४१	शु	११	४५	ग	०	६	२५	१९	४१	१४	२४	१९	मकरे
७	श	३८	५	श्र	३०	४९	श्र	१२	५३	वि	५	१५	२८	१८	४२	१५	२५	२०	मकरे
८	र	४१	१४	ध	३५	२९	ब्र	१३	१०	बा	९	१०	३०	१८	४२	१६	२६	२१	कु. ३।९
९	चं	४२	२८	श	३८	२५	ऐं	११	५९	तै	११	४८	३३	१७	४३	१७	२७	२२	कुम्भे
१०	मं	४१	४८	पू	३९	२०	वै	९	२२	व	१२	८	३६	१७	४३	१८	२८	२३	मी २४।७
११	बु	३८	५९	उ	३८	७	वि	१०/५	५४/१	ब	१०	२०	३९	१६	४४	१९	२९	२४	मीने
१२	गु	३४	७	रे	३५	०	आ	५१	४६	को	६	३२	४१	१६	४४	२०	३०	२५	मैं. ३५।०
१३	शु	२७	३३	अ	३०	७	सौ	४३	३	ग	०	५०	४३	१५	४५	२१	१	२६	मेषे
१४	श	२४	३१	भ	२३	१	शो	३३	२२	श	२४	३१	४६	१५	४५	२२	२	२७	वृ. २६।३२
३०	र	१०	३१	कृ	१७	६	अ	२३	९	ना	१०	३१	४८	१४	४६	२३	३	२८	वृषे

वक्री हस्त ४ शनिः ४५।५४

भ. ४२/२३ उ. मार्गी भौमः १५/१२ वक्री स्वाती*

भ. १३/१५ या. कृत्ति. रविः १५/१९ (सौरः १९/३९) च.ब्र.

*१ गुरुः २७।४

रेवत्यां शुक्रः ३७।२६

भ. ३२/२५ उ. बृषेऽर्कः ४३/५१ (सौरः ४७/२४)

भ. १५ या. पातस्पर्शः १०/२१ मोक्षः ३३/४४

भ. १२।८ उ. ४१।४८ या.

अपरा ११ ब्र.

वक्री बुधः ४०।१८

भ. २७।३३ उ. ५६।२ या. प्रदोषः

रा. ज्येष्ठारम्भः

बुधास्तः पश्चिमायाम् १५/४ वटसावित्रीव्र.

५पं.ज्ये.कृ.३मं.इ.५०।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	६	११	५	२	०
१०	६	१८	८	१४	२३	२२	२७
१४	५९	१३	४९	३७	९	३८	९
३४	३१	३४	५५	५९	०	१६	५५
५७	३२/१	३१	१७/१४	६८	३२/३३	३	५७
५४	मा	७	ब	२९	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

ज्ये. कृ. ६ शुक्रे वृषेऽर्कः प्र.वा. ४ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धा. भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहा

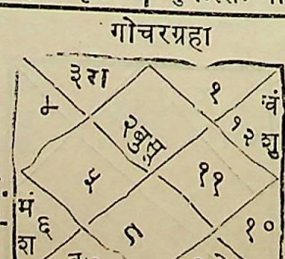

६पं.ज्ये.कृ.१०म.इ.५०।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	६	११	५	२	१
३	७	२१	९	२२	२२	२२	३
५८	१३	२३	२	३३	४५	१६	५३
२६	३५	२८	४२	५८	५४	०	३४
५७	७	४	३१/६	४९	५३	३	५७
४४	२१	१७	ब	१९	ब	११	३४

(स० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०३६ शाकः १९०४ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३३३६ सं १९८२

१	चं	१	३	रो	९	४४	सु	१३	९	ब	१	३	३३/५०	५/१४	६/६	२४	३	२९	मि ३६।४
२	चं	५०ऊ	३१		०	०		०	०		०	०	८	०	०	०	०	०	०
३	मं	४२	४१	मृ	२३	५३/२७	धृ	२३	५०/१४	तै	१७	१०	५२	१४	४६	२५	४	१	मिथुने
४	बु	३४	३१	पु	५०	१४	गं	४३	३०	व	८	४१	५४	१३	४७	२६	५	२	क. ३६।३८
५	गु	२७	४४	पु	४५	५८	वृ	३५	५३	व	१	७	५६	१३	४७	२७	६	३	कर्के
६	शु	२२	१९	श्ले	४३	८	धु	२८	१९	तै	२२	१९	५८	१२	४८	२८	७	४	सिं ४३।८
७	श	१८	४१	म	४१	५८	व्या	२३	५४	व	१८	४१	३/००	१२	४८	२९	८	५	सिंहे
८	र	१६	२५	पू	४२	१९	ह	१९	५६	ब	१६	२५	२	१२	४८	३०	९	६	क. ५७।५१
९	चं	१५	५२	उ	४४	२७	च	१७	९	कौ	१५	५२	४	११	४९	३१	१०	७	कन्यायां
१०	मं	१६	५०	ह	४७	५२	सि	१५	३९	ग	१६	५०	६	११	४९	१	११	८	कन्यायां
११	बु	१८	०	चि	५२	२०	व्य	१५	५	वि	१८	०	७	११	४९	२	१२	९	तु. २०।५
१२	गु	२२	४३	स्वा	५७	५१	व	१५	४२	वा	२२	४३	९	१०	५०	३	१३	१०	तुलायां
१३	शु	२६	४९	वि	६०	०	प	१६	३४	तै	२६	४९	१०	१०	५०	४	१४	११	वृ. ४७।३९
१४	श	३२	१३	वि	४	१४	शि	१८	१७	व	३२	१३	१२	१०	५०	५	१५	१२	बृश्चिके
१५	र	३७	३५	अ	११	८	सि	२०	१०	वि	४	५४	१३	९	५१	६	१६	१३	बृश्चिके

चन्द्र दर्शनम्
+अश्वि. मेषे शुक्रः २१।४७ सावनिद
रोहिण्यां रविः ६।४६ (सौरः १३।३३)+
भ. ८।४१ उ. ३/३९ या. पातस्पर्शः ५०।४६
पातमोक्षः २९।८

भ. १८।४१ उ. ४७।३३ या.

भ. ४/२५ उ. जून ६ ता. ३० गंगादशमी
भ. १८।० या. निर्जला ११ ब्र.
हस्ते भौमः ५१।१६ प्रदोषः

भ. ३२।१३ उ. भरण्यां शुक्रः ५७।१७
भ. ४।५४ या. गुर्जराणां वटसावित्रीव्र.

७पं.ज्ये.शु. ३मं.इ. ५०/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	६	०	५	२	१
१०	८	२०	८	०	२२	२१	१०
४२	३	३२	२१	३४	२९	५३	३५
२५	३६	२०	१८	८	१०	४५	४५
५७	१२	५१/५०	३७	७०	१३/१४	३	५७
२५	४७	ब	ब	८	ब	११	२३

गोचरग्रहाः

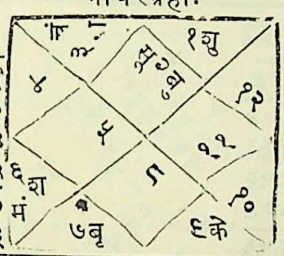

इस मास में ५ शनिवार तेजी कारक हैं तेजी का नफा शीघ्र लेलेना आगे मंदी होने वाली है।

गोचरग्रहाः

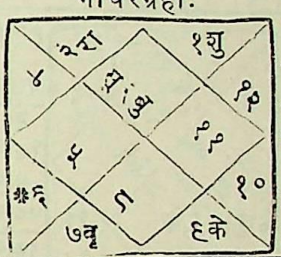

८पं.ज्ये.शु. १०मं.इ. ५१/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	६	०	५	२	१
१७	९	१७	७	८	२२	२१	१७
२५	२५	१४	४७	३९	१५	३१	१६
८	४८	६	३१	५४	०	२९	५१
५७	१७	३२/२९	२४	७०	१/३८	३	५७
२७	४	वृ	ब	४६	बृ	११	१३

ति. आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०४ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	४३	४७	ज्ये	१८	२९	सा	२२	३४	बा	१०	४१	३४/१४	५/९	६/५१	७	१७	१४	ध. १८।२९
२	मं	४९	५८	मू	२६	९	शु	२४	५९	तै	१६	५३	१६	९	५१	८	१८	१५	धनुषि
३	बु	५५	५३	पू	३३	२२	शु	२७	१९	व	२२	५६	१७	९	५१	९	१९	१६	म. ५०।१०
४	गु	६०	०	उ	४०	३१	ब्र	२९	३८	ब	२८	३८	१८	८	५२	१०	२०	१७	मकरे
४	शु	१	२४	श्र	४७	१	ऐं	३१	११	बा	१	२४	१९	८	५२	११	२१	१८	मकरे
५	श	५	५६	ध	५२	२२	वै	३२	५	तै	५	५६	२०	८	५२	१२	२२	१९	कु. १९।४१
६	र	९	५२	श	५६	३१	वि	३१	५९	व	९	५२	२१	८	५२	१३	२३	२०	कुम्भे
७	चं	१२	२	पू	५९	१०	प्री	३०	४३	व	१२	२	२१	८	५२	१४	२४	२१	मी ४३।३०
८	मं	१२	३०	उ	६०	०	आ	२८	१	कौ	१२	३०	२२	८	५२	१५	२५	२२	मीने
९	बु	११	७	रे	५८	५५	सौ	२३	५२	ग	११	७	२२	८	५२	१६	२६	२३	मे. ५८।५५
१०	गु	७	३९	अ	५५	४०	शो	१८	७	वि	७	३९	२३	७	५३	१७	२७	२४	मेषे
११	शु	२	३७	भ	५०	४५	अ	१०	४४	वा	२	३७	२३	७	५३	१८	२८	२५	मेषे
१२	शु	५२	५८		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	श	४७	२०	कृ	४४	२२	सु	१५/२	५०/१९	ग	२१	२५	२३	७	५३	१९	२९	२६	बृ. ४।७
१४	र	३७	५१	रो	३७	१२	शु	४१	५६	वि	१२	३५	२४	७	५३	२०	३०	२७	वृषे
२०	चं	२७	५६	मृ	२९	१७	गं	३१	८	च	२	५३	२४	७	५३	२१	३१	२८	मि ३।१४

मृगे रविः १।४३ (सौरः १२।२२)
भ. २२।५६ उ. ५५।५३ या. बुधोदयः*
चतुर्थी ब्र.
*पूर्वस्याम् ५९।४०

भ. ९।५२ उ. ४०।५७ या.
×मार्गी बुधः ४२।४६
मिथुनेऽर्कः ०।२० (सौरः १३।९)×
भ ३९।२३ उ.
भ. ७।३९ या. कृत्ति. शुक्रः १।५२
मार्गी शनिः २४।३१ योगिनी ११ ब्र.

भ. ४७।२० उ. प्रदोषः
भ. १२।३५ या. वृषे शुक्रः ९।५७
आर्द्रा. रविः ५९।१२ सोमवती ३०

९पं.आ.कृ.२मं.इ. ५१/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	६	०	५	२	१
२४	११	१४	७	१६	२२	२१	२५
७	१४	१	२०	४६	६	९	५६
१२	३८	४८	६	३४	५०	१४	४७
५७	२०	२४/५८	२३/२२	७१	५०/५८	३	५७
२२	३८	ब	ब	१९	ब	११	५

गोचरग्रहाः

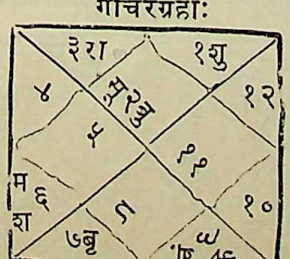

आ. कृ. ८ भौमे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ५ न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

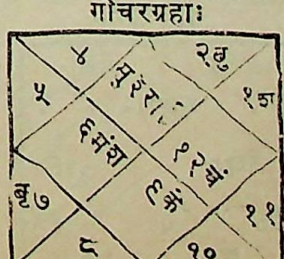

१०पं.आ.कृ.८मं.इ. ५१/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	६	०	५	२	२
०	१३	१३	७	२४	२२	२०	०
४८	२७	३	०	५९	१	४६	३५
२५	२९	३८	४३	३१	४४	५८	५६
५७	२३	२०/२९	३/२	७१	२०/२०	३	५६
१७	३२	मा	ब	४६	ब	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

* मं.चं.श.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३६६५स. १९८२

१	मं	१७	३८	आ	२१	२८	वृ	२०	१५	व	१७	३८	३४/२४	५/७	६/५३	२२	१	२९	मिथुने
२	बु	८	१	पु	१४	४	ध्रु	९	४६	कौ	८	१	२४	७	५३	२३	२	१	क.०।५०
३	बु	५१	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०
४	शु	५२	७	पु	७	५२	व्या	१६°/२९	५१/२४	व	२५	४९	२४	७	५३	२४	३	२	कर्के
५	शु	४६	४३	श्ले	२५/१	५६/५८	व	४४	४३	ब	१९	२५	२३	७	५३	२५	४	३	सिं२।५१
६	श	४३	४	पू	५८	३९	सि	३९	१९	कौ	१४	५३	२३	७	५३	२६	५	४	सिंहे
७	र	४१	३२	उ	५९	३०	व्य	३५	१६	ग	१२	१७	२३	७	५३	२७	६	५	क.१३।५२
८	चं	४०	५८	ह	६०	१	व	३२	५४	वि	११	१५	२२	८	५२	२८	७	६	कन्यायां
९	मं	४२	४	ह	२	२२	प	३१	५९	बा	११	३१	२२	८	५२	२९	८	७	तु.३४।३०
१०	बु	४७	४९	चि	६	३८	शि	३२	३१	तै	१४	५६	२१	८	५२	३०	९	८	तुलायां
११	गु	५२	४१	स्वा	१२	१३	सि	३३	३७	व	२०	१५	२०	८	५२	१	१०	९	तुलायां
१२	शु	५८	२४	वि	१८	४१	सा	३५	३८	ब	२५	३२	१९	८	५२	२	११	१०	वृ.२।४
१३	श	६०	०	अ	२६	११	शु	३७	४९	कौ	३१	२०	१८	८	५२	३	१२	११	बृश्चिके
१३	र	४	१७	ज्ये	३३	२२	शु	४०	१६	तै	४	१७	१७	९	५१	४	१३	१२	ध.३३।२२
१४	चं	१०	२८	मू	४०	५६	ज्ञ	४२	४०	व	१०	२८	१५	९	५१	५	१४	१३	धनुषि
१५	मं	१६	१९	पू	४८	१६	ऐं	४४	५१	ब	१६	१९	१४	९	५१	६	१५	१४	धनुषि

आर्द्रा. रविः १४/४२ सौरः चन्द्रदर्शनम् * रथयात्रा रमजान ९ *रा. आषाढ़ारंभः

भ. २५।४९ उ. ५२।७ या.

मार्गी गुरुः २०।५९

भ. ४१।३२ उ.

भ. ११।१५ या. रोहि.शुक्रः ३४।३३

मृगे बुधः ५/४१ आर्द्रा.४राहुःपूफा.२केतुः ३/६

भ. २०/१५ उ. ५/४१ या. जौलाई ७ ता. ३१= =देवशयनी ११ ब्र.

प्रदोषः =बुधः ३५/३३ वायुपरीक्षा

भ. १०/२८ उ. ४/३३ या.पुन.रविः ५/९ मिथुने= पुन. रविः सौरः १५/४२ व्यास गुरु १५

११पं.आ.शु.१मं.इ.५०।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	६	१	५	२	२
७	१६	१५	६	३	२२	२०	७
२९	१	७	५०	१३	२	२३	१४
२४	८	३४	२४	३३	२	४२	२३
५७	२६	३३	३०/३७	७२	३०/३१	३	५६
१३	५	२४	बु	७	मा	११	५४

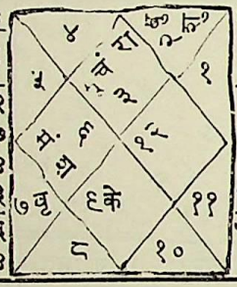

१२पं आ.शु.९मं. इ.५०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	६	१	५	२	२
१४	१८	२२	६	११	२२	२०	१३
९	५४	८	४८	३०	७	२	५२
५०	२२	३५	३६	५८	४१	२७	२८
५७	२८	७०	३०/३७	७१	१	३	५६
७	१४	२५	मा	२८	१६	११	५०

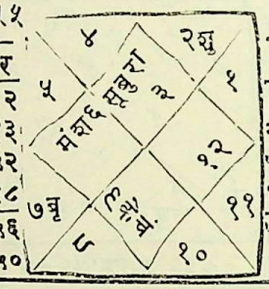

१३पं आ.शु.१५मं.इ.५०/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	६	१	५	२	२
२०	२२	१	६	१९	२२	१९	२०
५०	१	५९	५५	४९	१७	४०	२०
१०	५२	३८	३७	५२	५३	११	२२
५७	३०	९९	१	७२	१	३	५६
७	२२	१९	५२	५०	५३	११	५०

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०३९शाकः १९०४ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणे आषाढ़ कृष्णेति महा.

१	बु	२२	८	उ	५५	७	वै	४६	५१	कौ	२२	८	३४/१३	५/९	५१/६	७	१६	१५	म.४।५९
२	गु	२७	१२	श्र	६०	०	वि	४८	२१	ग	२७	१२	११	१०	५०	८	१७	१६	मकरे
३	शु	३१	२४	श्र	१	११	प्री	४९	१०	वि	३१	२४	१०	१०	५०	९	१८	१७	कु.३३।५२
४	श	३४	४९	ध	६	३३	आ	४९	१९	ब	३	६	८	१०	५०	१०	१९	१८	कुम्भे
५	र	३७	२	श	१०	५९	सौ	४८	३२	कौ	५	५५	७	११	४९	११	२०	१९	मी५८।७
६	चं	३८	१	पू	१४	२१	शो	४६	४५	ग	७	३२	५	११	४९	१२	२१	२०	मीने
७	मं	३७	३७	उ	१६	१४	अ	४३	५६	वि	७	४९	४	११	४९	१३	२२	२१	मीने
८	बु	३५	५४	रे	१६	४०	सु	३९	३८	बा	६	४३	२	१२	४८	१४	२३	२२	मे.१६।४०
९	गु	३२	११	अ	१५	४०	धृ	३४	९	तै	३	५९	०	१२	४८	१५	२४	२३	मेषे
१०	शु	२७	५	भ	१२	४६	शु	२७	२०	वि	२७	५	३५/८	१२	४८	१६	२५	२४	वृ.२६।४५
११	श	२०	२०	कृ	८	४३	गं	१९	२८	बा	२०	२०	५/६	१३	४७	१७	२६	२५	वृषे
१२	र	१२	२७	रो	३/५	५३/१७	वृ	१०	२३	तै	१२	२७	५४	१३	४७	१८	२७	२६	मि२९।४४
१३	चं	३	३१	आ	४९	५	ध्रु	२°/२६	४९/५१	व	३	३१	५२	१४	४६	१९	२८	२७	मिथुने
१४	चं	५०	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	मं	४४	१०	पु	४१	२९	ह	३९	२८	चे	१९	५	५०	१४	४६	२०	२९	२८	क.२८।२३

भ. ५९।१८ उ.

भ. ३१/२४ या.आर्द्रा.बुधः ४/५२ मृगे शुक्रः ४/५५ × ×चित्रा. भौमः २५।१२ चतुर्थी ब्र.

नाग ५ मरुस्थले

भ. ३/१ बुधास्तः पूर्वस्याम् ५/४३

भ. ७।४९ या.

भ. ५९।३८उ. मिथुने शुक्रः १९।४१

भ. २७/५ या कर्केऽर्कः २७/३२ (सौरः ५१/२७) पुन.* कामिका ११ ब्र. *बुधः १५।२६

प्रदोषः

भ. ३/१ उ. २५/४४ या. पुष्ये रविः ५६।४९

पुष्ये रविः २२/८ आर्द्रा.शुक्रः ५/५३ हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ.७मं.इ.५०।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	६	१	५	२	२
२७	२५	१५	७	२८	२२	१९	२७
३०	२४	२६	११	११	३२	१७	८
३२	१८	३८	४६	२४	४६	५६	२९
५७	३२	३०/३९	३	७३	२	३	५६
११	३	१९	१७	१३	३२	११	५४

गोचरग्रहाः

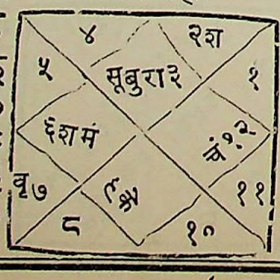

श्रा. कृ.१० शुक्रे कर्केऽर्कः प्र. वा. ४न.५बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु. उ. पू.

गोचरग्रहाः

१५पं.श्रा.कृ.३०मं.इ.५०/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	६	२	५	२	३
४	२८	२८	७	६	२२	१८	३
११	५८	५५	२५	३५	५२	५५	४६
१७	४१	१६	३५	५३	३४	४०	५६
५७	३३	३०/३२	४	७३	३	३	५६
१५	४०	२६	२०	१०	११	५७	

Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्ल पक्षः सं. २०३९ शाकः१९०४	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः स२३६४स.१९८२
१	बु ३४ ४७ पू ३४ ६ व २६ ५ कं ६ २८ ३३ ४७ ५ १५ ६ ४५	२१	३०	२६	कर्के				कर्के बुधः२१।८ [*चन्द्रद. सिंघारा
२	गु २६ ३२ श्ले २८ ५ सि १६ २६ वा ० ३६ ४५ १५ ४५	२२	३१	३०	सिं२८।५				पुष्येबुधः ५६ ४४ तुलायां भौमः ३६।५०*
३	शु १६ ३८ म २४ १५ व्य ११ १९ ४३ ३७ ग १६	३८	४२	१६	४४	२३	१	१	सिंहे	भ.४७ ६ उ.रा श्रावणारंभः तीजसव्वाल१०
४	श १४ ३५ पू २० ६ प ५७	५६	दि	१४	३५	४०	१६	४४	२४	२	२	क.३४।५२	भ. १४।३५या. वरद ४
५	र ११ २६ उ १६ १ शि ५४	१३	वा	११	२६	३७	१७	४३	२५	३	३	कन्यायां	नाग पंचमी ÷भद्रोत्तरं
६	चं १० ४५ ह २० १४ सि ५२	२	तै	१०	४५	३५	१७	४३	२६	४	४	तु.५१।४६	=स्वात्यां भौमः५१।१५
७	मं ११ ५० चि २३ १६ सा ५१	३३	व	११	५०	३२	१८	४२	२७	५	५	तुलायां	भ.११।५० उ. ४३।२६या.
८	बु १५ ३ स्वा २८ ५ शु ५२	५	व	१५	३	२६	१८	४२	२८	६	६	तुलायां	चित्रा १ शनिः ४२।२०
९	गु १६ ३५ वि ३४ १६ शु ५३	४०	कौ	१६	३५	२६	१९	४१	२९	७	७	वृ.१७।४३	आश्लेषा. बुधः १५।१
१०	शु २५ २५ अ ४१ २५ ज्ये ५६	१	ग	२५	२५	२४	१९	४१	३०	८	८	वृश्चिके	भ. ५८।२४उ.
११	श. ३१ २४ ज्ये ४९ ८ ऐं ५८	२६	वि	३१	२४	२१	२०	४०	३१	९	९	ध.४९।८	भ.३१ ४ या.पुन.शुक्रः ५ ३ ८ ३ पवित्रा११ब्र.
१२	र ३७ ४९ मू ५६ ४४ वै ६०	०	ब	४	३७	१८	२०	४०	१	१०	१०	धनुषि	अगस्त ८ ता. ३१
१३	चं ४३ ४५ मू ६० ० वै १	४	कौ	१०	४७	१५	२१	३९	२	११	११	धनुषि	आश्लेषा.रविः५३।५०प्रदोषः
१४	मं ४९ ५ पू ३ ५८ वि ३	२६	ग	१६	२५	१२	२२	३८	३	१२	१२	म.२०।३९	भ. ४९।५उ. आश्लेषा रविःसौरः ३३ ५५ =
१५	बु ५३ ४२ उ १० ४१ ग्री ५	४	वि	२०	५३	९	२२	३८	४	१३	१३	मकरे	भ.५ ३० ३ या. श्रावणी कर्म. रक्षाबंधनं÷

१६पं.श्रा.शु.७मं.इ.५०।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	६	२	५	२	३
१०	२	१३	८	१५	२३	१८	१०
३२	४३	४६	७	२	१६	३३	२६
१९	३०	१९	२६	१०	४१	२४	१३
५७	३४	५०	५७	३	३	३	५७
२०	५२	५०	३२	३२	५०	११	५

गोचरग्रहाः

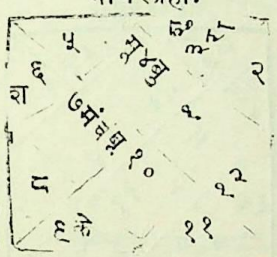

इस मासमें ५ बुध वार रस पदार्थ तेज करें "बुधे पंच रस क्षयः" अनाज गल्ला किराना सोना चांदीमें मंदीहोगो

गोचरग्रहाः

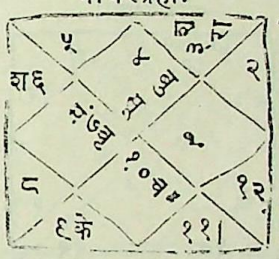

१७पं.श्रा.शु.१४मं.इ.५ ९ ०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	६	२	५	२	३
१७	६	२७	८	२३	२३	१८	१७
३४	३५	४१	४७	३१	४४	११	६
१	२५	६	३१	१	६	९	१
५७	३५	५८	६	७	३	४	३	५७
२५	५२	५९	३५	४४	२८	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं०२०३९ शाकः१९०४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रा. कृष्णेति. महा.
१	गु ५७ १८ श्र १६ १८ आ ६ ८	वा	२५	३०	३३ ६ २३ ५ ३७ ६	५	१४	१४	कु ४८।४६	मघायां सिंहे बुधः १।३५
२	शु ५९ ५६ ध २१ १३ सौ ६ ४१	तै	२८	३७	३	२३	३७	६	१५	१५	कुंभे	बुधोदयः पश्चिमायाम् ४४।५०
३	श ६० ८ श २५ १ शो ६ १७	व	३०	८८	०	२४	३६	७	१६	१६	कुंभे	भ. ३०।४८ उ.
४	र १४ १ पू २७ ५८ अ ५ ७	वि	१	४५	३२ ६	२५	३५	८	१७	१७	मी १२।१४	भ १।४१या.चतुर्थी ब्र.
५	चं १ ५० उ २९ ४५ सु ३ ७	वा	१	५०	५३	२५	३५	९	१८	१८	मीने	कर्के: शुक्रः११।५२
६	म १ ८ रे ३० ४० धृ १ ६ ५ ४	तै	१	८	५०	२६	३४	१०	१९	१९	मे.३०।४०	भ.५९।३२ उ. चन्द्रषष्ठी
७	मं ५८ २४ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	बु ५६ ५० अ ३० २३ गं ५१ ५४	वि	२८	११	५७	२७	३३	११	२०	२०	मेषे	भ. २८।११ या. पुष्ये शुक्रः ५४।१७
९	गु ५३ २ भ २८ ४९ बृ ४६ २६	वा	२४	५६	४३	२७	३३	१२	२१	२१	वृ.४३।१८	पूफा.बुधः ३०।४ जन्माष्टमी ब्र
१०	शु ५० २ कृ २६ २१ धु ४० ८	तै	२१	३५	४०	२८	३२	१३	२२	२२	वृषे	गोगा ९ *सौरः१९।२२
११	श ४२ ८ रा २२ ५५ व्या ३२ ५०	व	१६	७	३६	२९	३१	१४	२३	२३	मि५०।४०	भ.१६।७उ.४२।८या. स्वाती२गुरुः ४४ ४९
१२	र ३४ ८ मृ १८ २४ ह २४ ४७	ब	८	८	३३	२९	३१	१५	२४	२४	मिथुने	अजा ११ ब्र.
१३	चं २७ २६ आ १२ ५८ व १६ ४	कौ	०	४७	२९	३०	३०	१६	२५	२५	क.५३।२५	मघा.सिंहेऽर्कः ४७ ४५ वत्स १२ प्रदोषः
१४	मं १९ ० पु ६ ५५ सि ४ ६ ५ ० ७ १	व	१९	०	२६	३०	३०	१७	२६	२६	कर्के	भ.१९।०उ.४५ १ या. मघा. सिंहेऽर्कः*
१५	बु १० ४३ पु ४ ० ९ ५ ३ ९ ८	व	४७	४३	श	१०	४३	२२	३२	२९	१८	२७	२७	सिं५४।३८	
३०	गु २ ४८ म ४९ १७ प	३८	५५	ना	२	४८	१९	३२	२८	१९	२८	२८	सिंहे	कुशाग्रहणी पिठोरीं ३० मन्वादिः

१८पं.भा.कृ.५मं.इ.५०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	६	३	५	२	३
२४	१०	१०	९	२	२४	१७	२३
१६	४३	२१	३६	१	१५	४८	४७
२६	४८	३५	४	४	४७	५३	८
५७	३७	०	७	७३	४	३	५७
३३	४	५९	४४	५६	५३	११	२२

गोचरग्रहाः

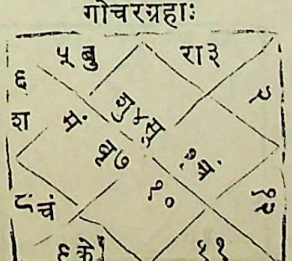

भाद्र.कृ. १३ भौमे सिंहेऽर्कः प्र.वा ५ न ६ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० क्षान्यादि भावे समता शुक्रोदय पूर्वस्थाम्।

गोचरग्रहाः

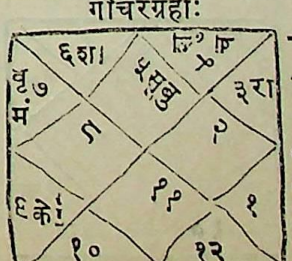

१९पं.भा.कृ.१३मं.इ.५ ४ ९ ८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	६	३	५	२	४
०	१४	२१	१०	१०	२४	१७	०
५९	५७	५३	२६	३३	५०	२६	२९
४९	२५	४६	२०	१४	३१	३८	२१
५७	३७	९५	८	७३	५	३	५७
४०	५५	१०	३२	१	१९	१४	३४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०३ ६शाकः१६०४ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४२४सं.१६८२

१	गु	५२	५७	०	०	०	०	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	शु	४६	५७	पू	४५	१५	शि	२१	१०	चा	२२	५१	३२/१५	५/३३	६/२७	२०	२६	२६	क.५६।३८
३	श	४६	२	उ	४२	४६	सिं	२४	१७	तै	१७	५६	११	३४	२६	२१	३०	१	कन्यायां
४	र	४४	१३	ह	४२	१७	सा	१६	५	व	१५	७	८	३४	२६	२२	३१	२	कन्यायां
५	चं	४४	२२	चि	४३	३४	शु	१५	१०	ब	१४	१७	४	३५	२५	२३	१	३	तु.१२।५५
६	मं	४६	२२	स्वा	४७	२६	शु	१३	३८	को	१५	२२	०	३६	२४	२४	२	४	तुलायां
७	बु	५०	२२	वि	५२	४६	ब	१३	६	ग	१८	२२	३१/५६	३७	२३	२५	३	५	वृ.३६।२६
८	गु	५५	४६	अ	५६	३१	ऐं	१३	४८	वि	२३	५	५२	३८	२२	२६	४	६	वृश्चिके
६	शु	६०	०	ज्ये	६०	०	चै	१५	४१	ना	२८	४६	४८	३८	२२	२७	५	७	वृश्चिके
६	श	१	४२	ज्ये	६	३५	वि	१७	५१	कौ	१	४२	४४	३६	२१	२८	६	८	ध.६।३५
१०	र	८	४	मू	१४	१६	प्री	२०	२८	ग	८	४	४०	४०	२०	२९	७	६	धनुषि
११	चं	१४	५	पू	२१	३१	आ	२२	३८	वि	१४	५	३६	४१	१६	३०	८	१०	म.२८।१५
१२	मं	१६	४०	उ	२८	२८	सौ	२४	४१	बा	१६	४०	३२	४२	१८	३१	६	११	मकरे
१३	बु	२३	५४	श्र	३४	११	शो	२५	४३	तै	२३	५४	२८	४२	१८	१	१०	१२	मकरे
१४	गु	२७	१०	ध	३८	४३	अ	२५	४१	व	२७	१०	२५	४३	१७	२	११	१३	कु.६।२६
१५	शु	२८	४३	श	४१	५०	सु	२४	४८	ब	२८	४३	२१	४४	१६	३	१२	१४	कुम्भे

उफा. बुधः ५०।२६ चन्द्रदर्शनम्
हरितालिका ३ जिल्काद ११
भ.१५/७ उ.४४/१३ या.आश्ले.शुक्रः४६/६ गणेश४
कन्यायां बुधः१६/१६ रा.भाद्रपदारंभः ऋषिपं.
भ. ५०।२२ उ.विशाखाः भौम. ५४।२५
भ. २३।५ या.

* जलझूलनी ११ व्र.
भ.४१/४ उ. रामदेवजी मेलानवल दुर्गे
भ.१४/५ या.पूफा रविः३७/३२ हस्तेबुधः५१/५८ *
पूफा.रवि.सौर.१२/१४ वामन १२ प्रदोषः
आर्द्रा.३ राहुःपूषा.१ केतुः२६/१५ सि.६ता.३०
भ.३७/१० उ.५७/५६ या.म.सिंहे शुक्रः४१/३३ अ.१४
महालय श्राद्धारंभः

२०पं.भा.शु.६ मं.इ.४६।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	६	३	५	२	४
७	१९	२	११	१९	२५	१७	७
४४	१८	१२	२५	८	२८	४	१३
१७	७	१४	३४	६	५२	२२	५३
५७	३८	८४	९	७४	५	३	५७
२९	५३	५०	२२	२	४६	११	४५

गोचरग्रहाः

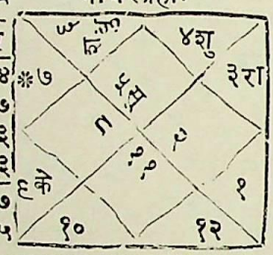

इस मासमें शुक्रवार को चंद्रदर्शन श्रेष्ठ वर्षा कारक है और तुलाराशि में गुरु मंगल का योग हो रहा है।

गोचरग्रहाः

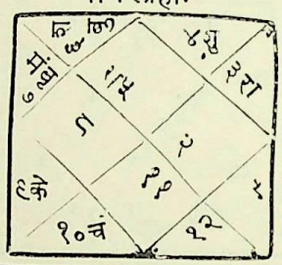

२१पं.भा.शु.१२मं.इ.४६/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	६	३	५	२	४
१४	२३	११	१२	२७	२६	१६	१३
२९	४५	४	२९	४३	१०	४२	५८
५६	२५	१	१३	४१	१	६	५
५८	३९	६६	१०	७४	६	३	५७
१	३४	३४	६	१०	१२	११	५७

ति. प्र.आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०३६शाकः१६०४ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽआश्विन कृ. महाराष्ट्राः

१	श	२६	७	पू	४३	५०	धृ	२३	३१	कौ	२६	७	३१/१७	४५	१५/६	४	१३	१५	मी२८।२६
२	र	२८	२६	उ	४४	३६	शू	२०	१०	ग	२८	२६	१३	४५	१५	५	१४	१६	मीने
३	चं	२६	३७	रे	४४	४०	गं	१५	५६	वि	२६	३७	६	४६	१४	६	१५	१७	मे.४४।४०
४	मं	२४	४०	अ	४३	४६	वृ	१२	११	बा	२४	४०	५	४७	१३	७	१६	१८	मेषे
५	बु	२०	३६	भ	४२	१३	धु	८	६	तै	२०	३६	१	४८	१२	८	१७	१६	वृ.५६।४०
६	गु	१६	४६	कृ	४०	१	व्या	३२/१	५५/३८	व	१६	४६	३०/५७	४६	११	६	१८	२०	बृषे
७	शु	१२	२६	रो	३७	१६	व	४६	४	ब	१२	२६	५३	४६	११	१०	१६	२१	बृषे
८	श	७	३७	मृ	३४	१७	सि	४२	१७	कौ	७	३७	४८	५०	१०	११	२०	२२	मि५।४६
६	र	२	१३	आ	३०	३०	व्य	३४	५६	ग	२	१३	४४	५१	६	१२	२१	२३	मिथुने
१०	र	५४	७	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०
११	चं	४६	५५	पु	२६	२८	व	२७	१४	ब	२३	८	४०	५२	८	१३	२२	२४	क.१२।२८
१२	मं	४३	३५	पु	२२	१	प	१६	६	कौ	१६	१५	३६	५३	७	१४	२३	२५	कर्के
१३	बु	३७	१७	श्ले	१७	३६	शि	११	१४	ग	१०	२६	३२	५४	६	१५	२४	२६	सिं १७।३६
१४	गु	३१	२७	म	१३	१७	सिं	२५/३	५३/४०	वि	४	२०	२८	५४	६	१६	२५	२७	सिंहे
३०	शु	२६	२१	पू	६	५६	शु	४६	२६	ना	२६	२१	२४	५५	५	१७	२६	२८	क.२४।१६

भ.५७।३१ उ. चित्रा २ शनिः ४२।२२
भ.२६/३७ या.स्वाती. ३गुरुः१५/५ चतुर्थी व्र.

भ. १६।४६ उ. ४४।३६ या.
वृश्चिके भौमः १८।५४
मातृ ६
भ.२६/६ उ.५६/२० या.बुधास्तः पश्चिमायाम्२५/२६
× सर्वपितृ श्रा.

उफा.रविः२१/४२ (सौरः५५/५२) पूफा.शुक्रः२८/८ *
इन्दिरा११व्र.वै. * इन्दिरा११व्र.स्मा.
भ.३७/१७ उ.चित्रा.बुधः५०/० अनु.भौमः३०/० *
भ.२०/४ या. कन्यायामर्कः४७/३ *प्रदोषः
कन्यायामर्कः सौरः२०/३ वक्रीबुधः४६/२८ ×

२२पं.प्र.आ.कृ.४मं.इ.४६/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	६	४	५	२	४
२१	२८	१८	१३	६	२१	१६	२०
१६	१९	१०	३८	२२	५३	१९	४४
५५	३०	५५	१७	३४	३८	५१	४५
५८	४०	४६	१०	७४	६	३	५८
१३	२२	२३	५०	२०	२६	११	१२

गोचरग्रहाः

प्र.आ कृ.१४गुरौ कन्यायामर्कः प्र.वा. ३न.४अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु.उ.पू.

गोचरग्रहाः

२३पं.प्र.आ.कृ.१२मं.इ.४६/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	६	४	५	२	४
२८	२	२३	१४	१५	२७	१५	२७
५	५८	०	५२	०	३९	५७	३३
२४	३४	२२	३०	४३	४	३५	७
५८	४०	१७	११	७४	६	३	५८
२६	५३	५७	२३	२३	४०	११	२९

≡ बृ. चं. मं.

Digitized by S3 Foundation USA

ति.प्र.आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०३९शाकः१९०४|दि.उ.|अ.इं.रा.मु.| चन्द्रः | शरद्दृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३४५३स१९८२

| | | |

ति.द्वि.आश्विनशुक्लपक्षः सं.२०३६शाकः१९०४ दि.उ.अ.इं.रा.मु. चंद्रः शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३४८२स.१९८२

१	र	५७	१९	चि	२९	१९	चे	२७	५७	कं	२७	१७	३५	६	४०	१७	२५	२९	तुलायां
२	चं	५९	०	स्वा	३१	३३	श्री	५५	५९	बा	२८	९	१८	२०	४०	१८	२६	३०	तुलायां
३	मं	६०	०	वि	३५	२२	आ	५५	११	तै	३०	९	१४	२१	३९	१९	२७	१	वृ.१९।२५
४	बु	१	१९	अ	४०	२९	सौ	५५	२८	ग	१	१९	१०	२२	३८	२०	२८	२	वृश्चिके
५	गु	६	२	ज्ये	४६	५३	शो	५६	५२	वि	६	२	६	२३	३७	२१	२९	३	ध.४६।५३
६	शु	११	२५	मू	५४	२	अ	५८	५५	बा	११	२५	२	२४	३६	२२	३०	४	धनुषि
७	श	१७	४४	पू	६०	०	सु	६०	०	तै	१७	४४	२७	२४	३६	२३	१	५	धनुषि
८	र	२४	३	पू	१	४९	सु	१	१७	व	२४	३	५४	२५	३५	२४	२	६	म. १७।२
९	चं	२९	५५	उ	९	४	धृ	३	३२	ब	२९	५५	५०	२६	३४	२५	३	७	मकरे
१०	मं	३५	२	अ	१५	५५	शू	५	२९	बा	२	२७	४६	२७	३३	२६	४	८	कु. ४८।३६
११	बु	३८	३४	ध	२१	१८	गं	६	२४	तै	६	४८	४२	२८	३२	२७	५	९	कुम्भे
१२	गु	४०	२८	श	२५	३०	उ	६	१६	व	९	३१	३९	२८	३२	२८	६	१०	कुम्भे
१३	शु	४१	४३	पू	२७	३८	ध्रु	४	४०	ब	११	८	३५	२९	३१	२९	७	११	मी १२।६
१४	श	३९	४५	उ	२७	५३	व्या	४४	५५	कौ	१०	४४	३१	३०	३०	३०	८	१२	मीने
१५	र	३५	५८	रे	२६	२३	व	५०	५९	ग	७	५१	२७	३१	२९	३१	९	१३	मे.२६। २३
१५	चं	३०	४६	अ	२३	२३	सिं	४३	५९	वि	३	२२	२४	३१	२९	१	१०	१४	मेषे

तुलायामर्कः १५/१६ (सौरः ४५/५२) नवरात्रारंभः
चद्रदर्शनम् *रा.कार्तिकारंभःसरस्वतीपू.
मोहोरम १ सन् १४०३ हिः
भ. ३३।४०उ. तुलायां शुक्रः ५४।५३
भ. ६।२ या.
सरस्वत्यावाहनम
स्वात्यां रविः ५/८ भूले धनुषि भौमः २७/३४*
भ. २४/३ उ. ५६/५९ या.स्वा.रविःसौरः २६/५० बाल
=२ गुरुः ४३।२५ सरस्वतीविसर्जनम्
चित्रा.बुधः २/४ स्वात्यां शुक्रः १३/२० विशा.=
विजयादशमी
भ. ३/१ उ. ४/२५ या. पापांकुशा ११ व्र.
बुधास्तः पूर्वस्याम ४७।५९
तुलायां बुधः ६।५६ प्रदोषः
भ. ३५।५८ उ. कोजागरी व्र.
भ. २/३ या.चित्रा.४शनिः ३/४६ नव.११ता.३०

२८पं.द्वि.आ.शु.३मं.इ.४५/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	६	५	६	२	६
२	२७	१४	२१	२८	१	१४	२
३१	३६	३१	५०	३७	४७	६	२
४४	१४	२७	४२	३७	२०	१७	१५
५९	४३	७५	१३	५४	७	३	५९
२४	२३	३९	२०	३२	२०	११	४६

गोचरग्रहाः

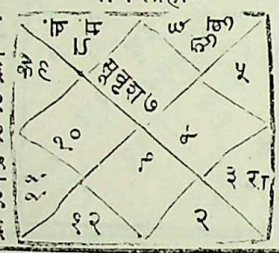

द्वि.आ.शु. १ रवौ तुलायामर्कः प्र.वा. ४न.४प्रव्राजिकाव. (ऊभी) मु. ३० धान्या.भावे समता शुक्रास्त.पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

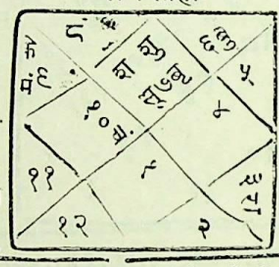

२९पं.द्वि.आ.शु.९म.इ.३/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	६	६	६	२	६
९	२	२४	२३	७	२	१३	९
२९	४५	२९	२१	२४	३८	४४	१
४९	११	२	७	११	२०	२	३५
५९	४३	९४	१३	७४	७	३	६०
४७	४८	२०	३०	३८	२८	११	२

त.कार्तिक कृष्ण पक्षः सं.२०३६ शाकः १९०४ दि.उ.अ.इं.रा.मु. चन्द्रः हेमंततूरविर्दक्षिणे द्वि.आ.कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	२४	२९	भ	१९	११	ज्य	३५	५७	कौ	२४	२९	२७	६	५	२	११	१५	वृ. ३२।५६
२	बु	१७	३७	कृ	१४	१४	व	२७	२४	ग	१७	३७	२/६	३३	२८	३	१२	१६	वृषे
३	गु	१०	३३	रा	९	४	प	१८	४१	वि	१०	३३	१३	३३	२७	४	१३	१७	मि३६।२९
४	शु	३	३३	मृ	५/६	५५/९	शि	१०	१	बा	३	३३	९	३४	२६	५	१४	१८	मिथुने
५	शु	५३	२३		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	श	५१	५	पु	५४	५३	सिं	२४/१	५३/२	ग	२४	१	६	३५	२५	६	१५	१९	क.४०।५६
७	र	४५	४३	पु	५१	१४	शु	४६	१५	वि	१८	२३	२	३६	२४	७	१६	२०	कर्के
८	चं	४१	२०	श्ले	४८	२९	शु	३७	३१	ना	१३	३१	२९/९	३६	२४	८	१७	२१	सिं४८।२९
९	मं	३७	३९	म	४६	२८	व्र	३३	१४	तै	८	५९	५६	३७	२३	९	१८	२२	सिंहे
१०	बु	३४	५२	पू	४५	२०	ऐं	२७	४७	व	६	१६	५३	३७	२३	१०	१९	२३	सिंहे
११	गु	३२	५९	उ	४५	८	चे	२३	१	ब	३	५६	४९	३८	२२	११	२०	२४	क.०।१७
१२	शु	३२	७	ह	४६	३	वि	१९	२	कौ	२	३३	४६	३९	२१	१२	२१	२५	कन्यायां
१३	श	३२	१४	चि	४८	१	श्री	१५	५१	ग	२	१०	४३	३९	२१	१३	२२	२६	तु.१७।२
१४	र	३३	१७	स्वा	५०	५०	आ	१३	४०	वि	२	४६	४७	४०	२०	१४	२३	२७	तुलायां
३०	चं	३५	५६	वि	५४	४७	सौ	१२	१८	च	४	४२	३७	४१	१९	१५	२४	२८	वृ.३८।४८

*आर्द्रा.२ राहुः मूल ४ केतुः २१।३०
भ. ४४।५५उ. स्वात्यां बुधः १२।२८*
भ. १०/३३ या. अस्तं गुरोः ४५/३६ च.व्र.
विशाखायाँ शुक्रः ५३/३७ उदयं शनेः ३३/२१

भ. ५१/५ उ. विशा.रविः १५/२१ (सौरः ४४/१९)
भ. १८।२३ या.

पूषा. भौमः ५८।१७
भ. १६/१ उ. ३४/५२ या. विशा. ३ गुरुः ५७/५२
विशाखा. बुधः १६।२५ रमा ११ व्र.

भ. ३२/१४ उ. वृश्चिके शुक्रः ४६/२३ प्रदोषः धन१३
भ. २।४६ या. रूप १४
सोमवती ३० महालक्ष्मीपूजनम्

३०पं.का.कृ.१मं.इ.४८।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	६	६	६	२	६
१६	७	६	२४	१६	३	१३	१६
२९	५८	०	५२	१०	२८	२१	२
३८	१६	१४	४६	३७	३७	४६	३९
६०	४४	९७	१२	७४	७	३	६०
४	८	४१	३२	३८	१४	११	१८

गोचरग्रहाः

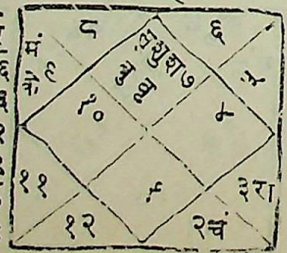

कार्तिक शु १ भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न ४बालावस्था (बैठी मु.३०धा. भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

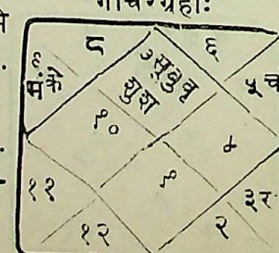

३१पं.का.कृ.९ मं.इ.४८।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	६	६	६	२	६
२३	१३	१७	२६	२४	४	१२	२३
३०	१२	३२	२४	४८	१८	१९	५
५८	२२	२८	७	१६	२९	३०	१६
६०	४४	९९	१३	७४	७	३	६०
१७	२२	५६	२८	३८	२	११	३०

Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३५१२ स. १९८२

१	मं	३९	३२	अ	५९	५७	शो	११	४३	कं	७	४४	३६/३४	६/५	१/१	१६	२५	२९	वृश्चिके	वृश्चिकेऽर्कः १४/२३, सौरः ३५/३६) अनु.शुक्रः २७/१०+
२	बु	४४	३१	ज्ये	८०	०	अ	११	५२	वा	१२	२	३१	४२	१८	१७	२६	३०	वृश्चिके	वृश्चिके बुधः २६/२३ चंद्र दर्शनम् भ्रातृ २
३	गु	५०	०	ज्ये	६	२१	सु	१३	११	तै	१७	१६	२९	४२	१८	१८	२७	१	ध. ६।२०	सफर २ · [+अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा
४	शु	५६	३४	मू	१३	१०	धृ	१५	१७	व	२३	१७	२६	४३	१७	१९	२८	२	धनुषि	भः २३/१७ उ. ५३/५४ या. अनूरविः ३३/४३ (सौरः ५६/२४) *
५	श	६०	०	पू	२०	४९	शू	१७	२८	व	२९	४६	२४	४३	१७	२०	२९	३	म. ३७।४४	÷भौमः २३/३३ प्रबोधि. ११ व्र. तुलसी वि.
५	र	२	५९	उ	२८	३१	भ	१९	२९	वा	२	५९	२१	४४	१६	२१	३०	४	मकरे	
६	चं	९	२५	श्र	३५	५६	वृ	२१	५१	तै	९	२५	१९	४४	१६	२२	१	५	मकरे	रा. मार्गशीर्षारंभः
७	मं	१५	१	ध	४२	२२	धु	२३	२८	व	१५	१	१६	४५	१५	२३	२	६	कु. ९।९	भ. १५।१ उ. ४७।१२ या.
८	बु	१९	२३	श	४७	२९	व्या	२४	१३	ब	१९	२३	१३	४५	१५	२४	३	७	कुम्भे	गोपाष्टमी *अनु. बुधः २५।३१
९	गु	२२	१९	पू	५०	५५	ह	२३	४९	की	२२	१९	११	४६	१४	२५	४	८	मी २५।१०	विशाखा. ४ गुरुः ५६।५८ अक्षय ९
१०	शु	२३	२१	उ	५२	३८	व	२१	५३	ग	२३	२१	८	४६	१४	२६	५	९	मीने	भ. ५२।४७ उ.
११	श	२२	१३	रे	५२	०	सि	१८	११	खि	२२	१३	६	४७	१३	२७	६	१०	मे. ५२।१९	भ. २३/१३ या. ज्येष्ठायां शुक्रः ६।१ उषा.÷
१२	र	१८	५२	अ	४९	४३	व्य	१३	२	वा	१८	५२	३	४७	१३	२८	७	११	मेषे	ज्येष्ठायां बुधः ८।२१ प्रदोषः
१३	चं	१३	४५	भ	४५	३६	व	१९/१४	५१/५९	तै	१३	४५	१	४८	१२	२९	८	१२	वृ. ५९।१०	वैकुण्ठ १४
१४	मं	७	५	कृ	३९	५४	शि	४८	५४	व	७	५	२५/२९	४८	१२	३०	९	१३	वृषे	भ. ७।५ उ. ३३।६ या. उदयं गुरौः १५।०
१५	मं	५२	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	गु. उ.

३२पं.का.शु.१ मं.इ.४७।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	६	७	६	२	७
०	१८	२८	२७	३	५	१२	०
३३	३०	५५	५७	४५	६	३७	९
४७	२९	१२	४०	३९	४३	१५	२०
६०	४४	०/०	१३	७४	६	३	६०
३०	५०	४४	३८	३८	५३	११	४०

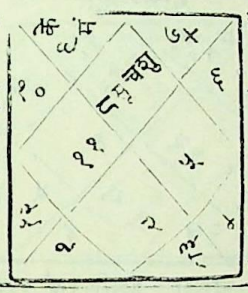

३३पं.का.शु.७ मं.इ ४७।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	६	७	६	२	७
७	२३	१०	२९	१२	५	१२	७
३७	५१	१९	३०	३३	५३	१४	१४
२७	११	२६	४३	२९	६	५९	५:
६०	४४	२९	८३	७४	६	३	६०
३२	५८	४१	२२	३२	३५	११	५३

३४पं का.शु १४मं.इ.४७/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	७	७	६	२	७
१४	२९	२१	१	२१	६	११	१४
४२	१४	०	२	२०	३८	५२	२१
५४	३५	५८	४६	५३	६	४४	३९
२०	४५	१८	१३	७४	६	३	६१
५०	१७	२५	३०	३२	२१	११	३

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०३९ शाकः १९०४ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः हेमंततूं रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.

१	बु	५०	४९	रो	३३	१९	सि	३९	८	बा	२४	५७	५५/५७	६/४९	१/१	१	१०	१४	मि ५९।५५	मकरेभौमः ४७/३४ स्वाती १शनिः ५।१९≡
२	गु	४१	५७	मृ	२६	३१	सा	२८	५३	तै	१६	२३	५५	४९	११	२	११	१५	मिथुने	ज्येष्ठा. रविः ४२।५३
३	शु	३३	२२	आ	१९	४८	शु	१८	४१	व	७	४०	५३	४९	११	३	१२	१६	मिथुने	भ. ४०/७ उ. ३३/३२ या. ज्येष्ठा.+ (शु.उ.प.)
४	श	२५	३८	पु	१३	२७	शु	८	५५	बा	२५	३८	५१	५०	१०	४	१३	१७	क. ०।२	चतुर्थी व्र.
५	र	१८	३६	पु	८	१२	ब्र	४०/४३	५०/४३	तै	१८	३६	४९	५०	१०	५	१४	१८	कर्के	+रविःसौरः २३/२४ शुक्रोदयःपश्चिमांयां ४३/३४
६	चं	१३	८	श्ले	३	५९	वे	४४	१७	व	१३	८	४८	५०	१०	६	१५	१९	सिं ३।५९	भ. १३/९ उ. ४०/५७ या. मूले धनुषि बुधः ३९/४
७	मं	८	४६	म	१५/२४	५८/५	वि	३८	१४	ब	८	४६	४६	५१	९	७	१६	२०	सिंहे	मूले धनुषि शुक्रः ३९/४
८	बु	६	५	उ	५९	१९	प्री	३३	१९	की	६	५	४५	५१	९	८	१७	२१	क. १४।२६	≡दिसम्बर १२ ता. ३१
९	गु	४	२५	ह	६०	०	आ	२९	२६	ग	४	२५	४४	५१	९	९	१८	२२	कन्यायां	भ. ३४।२५ उ.
१०	शु	४	२५	ह	०	२४	सौ	२६	३९	वि	४	२५	४२	५२	८	१०	१९	२३	तु. ३१।४१	भ. ४।२५ या.
११	श	५	२६	चि	२	५९	शो	२४	५१	वा	५	२६	४१	५२	८	११	२०	२४	तुलायां	अनु. १ गुरुः १९।५६ उत्पति ११ ब्र.
१२	र	७	५०	स्वा	६	२६	अ	२४	७	तै	७	५०	४०	५२	८	१२	२१	२५	वृ. ५५।१५	प्रदोषः
१३	चं	११	३३	वि	११	३१	सु	२४	११	व	११	३३	३९	५२	८	१३	२२	२६	बृश्चिके	भः ११/३३ उ. ४३/३८ या. बुधोदयःपश्चिमायां २/५२
१४	मं	१५	४४	अ	१७	२	धृ	२४	४६	श	१५	४४	३८	५२	८	१४	२३	२७	वृश्चिके	श्रवणे भौमः ३७/३४ *बुधः ६/३३
३०	बु	२१	२६	ज्ये	२२	४०	शु	२६	१०	ना	२१	२६	३८	५२	८	१५	२४	२८	ध. २२।४०	[मूलेधनुष्यर्कः ५०/५ सूर्य ग्रहण म पूषा.*

३५पं.मा.कृ.७म.इ ४७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	७	८	६	२	७
२१	४	१	२	०	७	११	२१
४८	३९	५५	३३	९	२०	३०	२९
५८	७	३०	४३	११	३१	२८	२५
६०	४५	९७	१३	७४	५	३	६१
५६	२३	२८	२०	२९	५६	११	११

गोचरग्रहाः

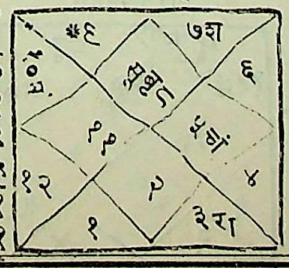

मकरका मंगल अनाज तिलहन में मंदी कारक है मकरे चस्थिते भौमे घृत तैल महर्घता ।

गोचरग्रहाः

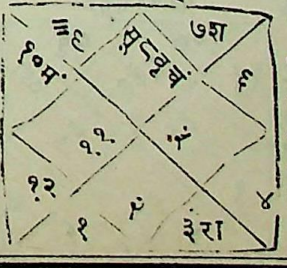

३६पं.मा.कृ.१४मं.इ.५६/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	७	८	६	२	७
२८	१०	१२	४	८	७	११	२८
५५	६	४९	३	५७	५९	८	३८
५२	७	२३	३६	१८	५६	१२	८
६१	४५	९३	१३	७४	५	३	६१
०	२८	४४	१२	२६	३२	११	१९

× बु श.वृ. * शु.के.बृ. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ≡ के.शु.बु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त.|मागशीर्ष शुक्ल पक्षः सं. २०३६शाकः१८०४|दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चंद्रः |हिमंतर्तू रविर्दक्षि.ऽहर्गणः ३५४२स.१८८२

१	गु	२६	५०	मू	३०	२८	गं	२७	४३	ब	२६	५०	३५/३७	६/५३	५	१६	२५	२९	धनुषि	मूले धनुष्यर्कः सौरः ७।८
२	शु	३३	३५	पू	३७	५९	वृ	२९	५३	ब्रा	०	१३	३७	५३	७	१७	२६	३०	म.५४।५४	चन्द्रदर्शनम्
३	श	४०	४	उ	४५	३९	धु	३२	२०	ते	६	४९	३७	५३	७	१८	२७	१	मकरे	पूषा. शुक्रः १८।४३ रविलावल ३
४	र	४६	४३	श्र	५३	१८	व्या	३४	२६	व	१३	२३	३६	५३	७	१९	२८	२	मकरे	भ. १३।२३ उ. ४६।४३ या.
५	चं	५२	३४	ध	६०	०	ह	३६	२६	ब	१९	३८	३६	५३	७	२०	२९	३	कुं।२६४८	
६	मं	५७	३७	श्र	०	१९	व	३७	५८	की	२५	५	३६	५३	७	२१	३०	४	कुंभे	चम्पा ६
७	बु	६०	०	श	६	२३	सि	३८	२६	ग	२९	२९	३६	५३	७	२२	१	५	मी५४।५५	रा. पौषारम्भः
७	गु	१	२२	पू	११	५	व्य	३७	४५	व	१	२२	३६	५३	७	२३	२	६	मीने	भ. २२/१उ. ३५/३३या. उषा.बुधः ५८।३७
८	शु	३	२५	उ	१४	२२	व	३५	४२	ब	३	२५	३७	५३	७	२४	३	७	मीने	
९	श	३	३७	रे	१६	३२	प	३२	१	की	३	३७	३७	५३	७	२५	४	८	मे.१६।३२	
१०	र	१	४५	अ	१४	५५	शि	२६	४०	ग	१	४५	३७	५३	७	२६	५	९	मेषे	भ. २९।५२ उ. ५७।५९ या. मकरे *
११	र	५६	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*बुधः ३/१०मोक्षदा ११ ब्र. गीताजयंती
१२	चं	४२	५	भ	१२	१६	सि	१९	५९	ब	२५	२	३८	५२	८	२७	६	१०	वृ.२६।७	अनु.२ गुरुः ३१.१ मोक्षदा११ ब्र.वै.
१३	मं	४४	४०	कृ	७	४०	सा	११	२९	की	१८	२२	३८	५२	८	२८	७	११	वृषे	पूषा.रविः ५५/१उषा. शुक्रः ५२/२८ प्रदोषः
१४	बु	३६	२	रो	३१	५४	शु	२०	४९	ग	१०	२१	३९	५२	८	२९	८	१२	म२७।५८	भ. ३६।२उ पूषा. रविः सौरः ८।४६
१५	गु	२६	४५	आ	४६	४३	व	४०	३८	वि	१	२३	४०	५२	८	३०	९	१३	मिथुने	भ. २३/१या. खग्रास ग्रस्तोदय चंद्रग्रहणम्

३७पं.मा. शु.६मं. इ.४६/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	७	८	६	२	८
६	१५	२३	५	१७	८	१०	५
३	३२	१६	३०	४५	३७	४५	४७
२९	५६	५	५८	७	३०	५७	३३
६१	४५	९२	१२	७४	५	३	६१
४	३५	५०	४५	२६	५	११	२२

गोचरग्रहाः

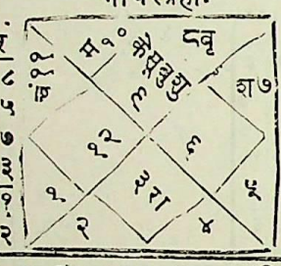

मा.शी. शु.१गुरौ० बृश्चिकेऽर्कं.प्र. वा.३ न. २ बालावस्था (बैठी) मु३०धा. भावे समता शुक्रोदय पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

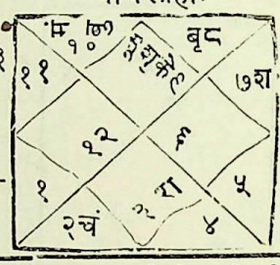

२८पं.मा.शु१२मं.इ४६।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	७	८	६	२	८
१३	२१	२	६	२६	९	१०	१२
११	१	३९	५५	३२	१०	२३	५७
३१	५२	४७	३३	४९	१	४१	२५
६१	४५	७०	१२	७४	४	३	६१
६	४१	१४	२०	२३	३४	११	२६

ति.| पौष कृष्ण पक्षः स. २०३६ शाकः १८०४ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चन्द्रः |शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग. कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	१६	५८	पु	३९	१८	ऐं	२९	२६	की	१६	५८	३५/४०	५/५३	५	२१	१०	१४	क.२६।१०	मकरे शुक्रः ३३।४८धनि. भौमः ४८।५
२	श	७	३१	पु	३२	३०	वै	१८	३८	ग	७	३१	४१	५२	८	१	११	१५	कर्के	भ. ३३/३उ.५५/५५या.जनवरी१ता. ३१.१९८३
३	श	५१	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	÷पश्चिमायाम् ०।१७
४	र	५१	५	श्ले	२५	१५	वि	२५/२५	५०/०	ब	२४	५०	४२	५२	८	२	१२	१६	सिं२५।१५	चतुर्थी ब्र.
५	चं	४५	१	म	२०	१३	आ	५१	३२	की	१८	२	४३	५१	९	३	१३	१७	सिंहे	×श्रवणे शुक्रः २८।०
६	मं	४०	५८	पू	१६	४६	सो	४५	२०	ग	१२	५६	४४	५१	९	४	१४	१८	क.३१।२२	भ. ४०।५८ उ.
७	बु	३८	३४	उ	१५	११	शो	४०	१०	वि	९	४६	४६	५१	९	५	१५	१९	कन्यायां	भ. ९।४६ या. श्रवणे बुधः ५०।३० *
८	गु	३८	२	ह	१५	२२	अ	३६	४६	वा	८	१८	४७	५१	९	६	१६	२०	तु.४६।२९	*आर्दा १ राहुः मूल३केतुः१३।३६
९	शु	३९	२२	चि	१७	३६	सु	२४	४६	ते	८	४२	४९	५०	१०	७	१७	२१	तुलायां	वक्री बुधः ६।३५
१०	श	४१	५६	स्वा	२१	५	धृ	३३	५३	व	१०	३९	५१	५०	१०	८	१८	२२	तुलायां	भ. ३/१९उ. ४५/१या.वक्री उषा. बुधः ४०×
११	र	४६	४	वि	२६	६	शू	३४	२९	ब	१४	०	५२	५०	१०	९	१९	२३	बृ ९।५१	कुम्भे भौमः ८।८ सफला ११ ब्र.
१२	चं	५१	८	अ	३२	९	गं	३५	१५	की	१८	३६	५४	४९	११	१०	२०	२४	वृश्चिके	उषा.रविः ५५/५स्वाती२शनिः ३६/५बुधास्तः÷
१३	मं	५७	२६	ज्ये	३९	२	बृ	३६	४८	ग	२४	१७	५६	४९	११	११	२१	२५	ध.३९।२	भ. ५७/३९उ. उषा.रविः सौरः १०/३ प्रदोषः
१४	बु	६०	०	मू	४६	१८	धु	३८	४८	वि	३०	१९	५८	४८	१२	१२	२२	२६	धनुषि	भ. ३०।१९ या.
१४	बृ	३	१३	पू	५३	५७	व्या	४१	२	श	३	१३	२६/१	४८	१२	१३	२३	२७	धनुषि	अनुराधा ३ गुरुः ५.३।३२
३०	शु	९	५४	उ	६०	०	ह	४३	१९	ना	९	५४	३	४७	१३	१४	२४	२८	म.१०।५०	मकरेऽर्कः १६।९ (सौरः २५।३८)

३९पं.पौ.कृ.६मं.इ ४६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	७	९	६	२	८
२०	२६	९	८	५	९	१०	२०
१९	३१	२७	१७	२०	३९	१	७
२६	३७	३६	२०	६	५४	२६	२२
६१	४५	३०	११	७४	४	३	६१
६	४६	२५	५६	२९	१	११	२६

गोचरग्रहाः

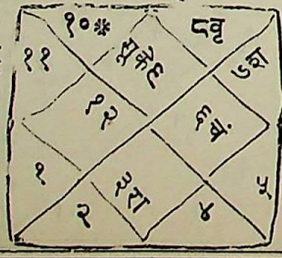

पौष कृ.३०शुक्रे मकरेऽर्कः प्र.वा. २न.३० प्रव्राजिकावस्था (ऊभी मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शु. प.

गोचरग्रहाः

४०पं.पौ.कृ.१३मं.इ.४६/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	७	९	६	२	८
२७	२	६	९	१४	१०	९	२७
२७	०	२१	३६	५	३	३९	१७
४०	३२	३२	७	३८	५४	१०	१४
६१	४५	६०	११	७४	३	३	६१
६	३९	ब्र	१७	१४	२०	११	२४

*मं.बु.शु.

Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्लपक्षः सं.२०३६ शाकः १६०४ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | शिशिरतूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५७२स.१६८३

१	श	१६	११	उ	१	३१	व	४४	३०	व	१६	११	२६/५	४७/६	५/१३	१५	२५	२६
२	र	२२	३१	श्र	८	५५	सि	४७	२३	कौ	२२	३१	८	४६	१४	१६	२६	१
३	चं	२८	१४	ध	१५	३६	ज्ञ	४८	३४	ग	२८	१४	१०	४६	१४	१७	२७	२
४	मं	३३	८	श	२२	०	व	४६	२१	व	०	४१	१२	४६	१४	१८	२८	३
५	बु	३७	१२	पू	२७	२२	प	४६	२८	ब	५	१०	१५	४५	१५	१६	२६	४
६	गु	३६	४३	उ	३१	३१	शि	४८	१७	कौ	८	२७	१७	४५	१५	२०	३०	५
७	शु	४०	५३	रे	३४	८	सि	४६	८	ग	१०	१८	२०	४४	१६	२१	१	६
८	श	४०	२४	अ	३५	११	सा	४२	२८	वि	१०	३८	२२	४४	१६	२२	२	७
९	र	३८	१३	भ	३४	२८	शु	३७	१७	बा	६	१६	२५	४३	१७	२३	३	८
१०	चं	३४	१७	कृ	३२	२	शु	३०	४७	तै	६	१५	२७	४३	१७	२४	४	९
११	मं	२८	१६	रो	२७	४३	न	२२	४४	ब्र	१	१६	३०	४२	१८	२५	५	१०
१२	बु	२०	५७	मृ	२२	११	ऐं	१३	४८	बा	२०	५७	३३	४१	१६	२६	६	११
१३	गु	१२	२८	आ	१५	१६	वै	३/५	४/५	तै	१२	२८	३६	४१	१६	२७	७	१२
१४	शु	३	०	पु	३०/७	५/२	प्री	४१	४८	व	३	०	३६	४०	२०	२८	८	१३
१५	श	५०	१५		०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

मकरे
कु.४२।१७
कुम्भे
कुम्भे
मी ११ २
मीने
मे.३४।८
मेषे
वृ.४८।५०
बृषे
मि५४।५६
मिथुने
क.५४।२८
कर्के
०

चन्द्रदर्शन संभवः
रविलाखर४ [*माधारम्भः भानु७
वक्रीकुंभे बुधः३७।१शते.भौमः ४०।६
भ.०।४१ उ. ३३।८ या.
वक्री पूषा.बुधःधनि.शुक्रः६।५६ वसन्त५
अभि.प्र.रविः४८।५४ (सौरः५७।०)
भ.५/३उ.बुधोदयः पूर्वस्याम्३१।५८रा.*
भ.१०।३८ या. भीष्माष्टमी
=अभि.नि.रविः५/६कुंभे शुक्रः३०।१२
श्रवणे रविः ५।१७ (सौरः१२।५७)=
भ.१।१६उ.२८।१६या.अभि.नि.रविः+
प्रदोषः
+सौरः५।१३जया११व्र.
भ.३।०उ.२८।८या.मार्गी बुधः४२।११

४१पं मा.शु.४मं.इ.४६।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	७	९	६	२	९
४	७	२८	१०	२२	१०	९	४
३५	३०	२०	५०	५१	२४	१६	२६
३१	२२	३५	२	४	७	५४	४३
६१	४५	५/५०	१०	७४	२	३	६१
३२	८	३९	७	३८	११	१९	

गोचरग्रहाः

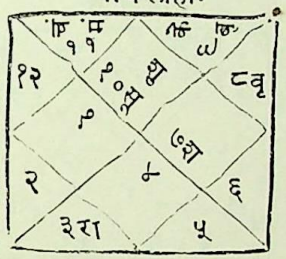

मार्गशीर्षे मास में सूर्य चद्र के दौनों ग्रहण और पौष मासका क्षय होनेसे संसार में अघटित घटना होगी ।

गोचरग्रहाः

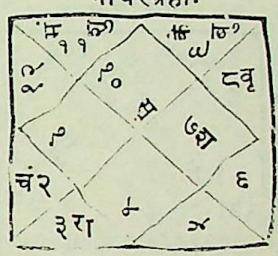

४२पं.मा.शु.११मं.इ.४६/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	७	१०	६	२	९
११	१२	२२	११	१	१०	८	११
४१	५९	५९	५९	३५	३९	५४	३५
५८	१३	०६	५६	५३	४३	३९	३४
६०	४५	२०/२१	९	७४	१	३	६१
५९	३४	ब	५२	२	५७	११	१३

ति. प्र. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं.२०३६शाकः १६०४ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | शिशिरतूं रविरुत्तरे माघः कृ. महाराष्ट्राः

१	श	४३	३२	श्ले	५२	६	आ	३०	२६	बा	१८	२३	२६/४२	४०/६	२०/५	२६	६	१४
२	र	३४	४१	म	४५	२१	सौ	२०	८	तै	६	७	४६	३६	२१	३०	१०	१५
३	चं	२७	१	पू	३६	५६	शो	१०	३६	च	०	५१	४६	३८	२२	३१	११	१६
४	मं	२१	६	उ	३६	१७	अ	२/२९	५/१०	बा	२१	६	५२	३८	२२	१	१२	१७
५	बु	१७	१	ह	२४	४३	धृ	५०	४४	तै	१७	१	५५	३७	२३	२	१३	१८
६	गु	१५	१३	चि	३५	१०	शू	४७	२३	व	१५	१३	५६	३६	२४	३	१४	१६
७	शु	१५	२०	स्वा	३७	४१	गं	४५	३५	ब	१५	२०	२७/२	३६	२४	४	१५	२०
८	श	१७	३१	वि	४१	५३	बृ	४५	४०	कौ	१७	३१	६	३५	२५	५	१६	२१
९	र	२१	२१	अ	४७	४३	ध्रु	४६	५	ग	२१	२१	६	३४	२६	६	१७	२२
१०	चं	२६	३२	ज्ये	५४	३७	ज्या	४७	५३	वि	२६	३२	१३	३३	२७	७	१८	२३
११	मं	३२	४६	मू	६०	०	ह	४६	५७	बा	३२	४६	१६	३३	२७	८	१६	२४
१२	बु	३६	१	मू	२	४	व	५२	१६	कौ	५	५५	२०	३२	२८	६	२०	२५
१३	गु	४५	५३	पू	६	४६	सि	५४	३१	ग	१२	२७	२४	३१	२६	१०	२१	२६
१४	शु	५१	५८	उ	१७	१४	व्य	५६	३६	वि	१८	५५	२७	३१	२६	११	२२	२७
३०	श	५७	४६	श्र	२४	३६	व	५८	२६	च	२४	५६	३१	३०	३०	१२	२३	२८

मकरे
कु.५२।१६
सिंहे
क.५४।१
कन्यायां
कन्यायां
तु.४।५६
तुलायां
बृ.२५।५०
वृश्चिके
ध.५४।३७
धनुषि
धनुषि
म.२६।२८
मकरे
कुं.५७।५६

शते शुक्रः ४६।६
*४८।२०अनु.४ गुरुः १२।३४
भ.०।५१ उ.२७।१ या. चतुर्थी व्र.
फरवरी २ ता. २८
भ.१५।१३उ.४५।१६या. पूभा.भौमः*
उषा. बुधः२६।४
पातस्पर्शः२६।५५ पातमोक्षः४६।३०
भ.५३।५६उ.धनि.रविः१३/८(सौरः१/८)
भ. २६।३२या.
मकरे बुधः ७ ४३ विजया ११व्र.
पूभा. शुक्रः ३५।८
भ.४५।५३उ. प्रदोषः
भ. १८।५५ या. महाशिवरात्री व्र.
कुम्भेऽर्कः ४८।५३ (सौरः ५२।४५)

४३पं.प्र.फा.कृ.४मं.इ.४६/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	७	१०	६	२	९
१८	१८	२४	१३	१०	१०	८	१८
४९	२७	३५	३	१८	४९	३२	४३
२६	४७	२	०	४१	३४	२३	३६
६०	४५	२८/२९	९	७३	१	३	६१
५५	२८	मा	५	५६	१७	११	४

गोचरग्रहाः

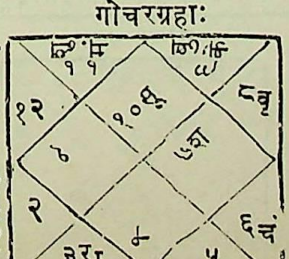

प्र.फा.कृ.३०शनौ कुंभेऽर्कः प्र. वा. २न.३ सुतार्थिन्य वस्था (सूती)मु ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो.प.

गोचरग्रहाः

४४पं.प्र.फा.कृ.११मं.इ.४६/५२

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	७	१०	६	२	९
२५	२३	०	१४	१९	१०	८	२५
५५	५५	३५	१	०	५४	१०	५०
१६	२३	४९	१९	३२	४३	८	२३
६०	४५	५४	८	७३	०	३	६०
४७	१२	५३	११	५५	२९	११	५५

(स० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|प्र.फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०३६शाकः १९०४|दि.|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चद्रः |शिशिरर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः३६०१स.१९८३

१	र	६०	०	ध	३१	१६	प	५६	३४	कि	३०	२३	३७	६	५	१३	२४	२६	कुम्भे	वक्रीशनिः ०।५१ अश्विकमासारंभ
१	चं	२	५८	श	३६	५३	शि	५६	५८	ब	२	५८	३८	२८	३२	१४	२५	३०	कुम्भे	चंद्र दर्शनम्
२	मं	७	२२	पू	४२	२	सि	५६	४१	की	७	२२	४२	२८	३२	१५	२६	१	मी	२५।४५	जमादिलावल ५
३	बु	१०	४०	उ	४५	५४	सा	५८	३३	ग	१०	४०	४६	२७	३३	१६	२७	२	मीने	भ.४१।४७ उ. मीने भौमः ३८।२८
४	गु	१२	५४	रे	४८	५६	शु	५६	३६	वि	१२	५४	५०	२६	३४	१७	२८	३	मे.	४८।५६	भ. १७ ३या. श्रवणेबुधः ५२ ६मीनेशुक्रः४० ५
५	शु	१३	५५	अ	५०	३८	शु	५३	५०	त्रा	१३	५५	५४	२५	३५	१८	२९	४	मेषे		
६	श	१३	४४	भ	५१	१६	त्र	४६	५५	तै	१३	४४	५८	२४	३६	१९	३०	५	मेषे		शते रविः २५।१४ (सौरः २८।७)
७	र	१२	२६	कृ	५०	१९	एं	४४	५५	त्र	१२	२६	२५ ३	२४	३६	२०	१	६	वृ.	६।१	भ.१२ ६उ.४० ५या. उभा. शुक्रः२० १३ उभा.*
८	चं	९	३१	रो	४८	७	वै	३९	४०	ब	९	३१	६	२३	३७	२१	२	७	वृषे		* भौम ५३ ६० रा फाल्गुनारंभः
९	मं	५	३१	मृ	४४	३२	वि	३१	३४	की	५	३१	१०	२२	३८	२२	३	८	मि	१६।१९	
१०	बु	०	९	आ	३९	३८	प्री	२३	१७	ग	०	९	१४	२१	३९	२३	४	९	मिथुने		भ. ३६ ६उ. ५३ २या. कमला११ ब्र. स्मा
११	बु	५३	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
१२	गु	४५	३२	पु	३३	४३	आ	१४	१२	ब	१९	२७	१८	२०	४०	२४	५	१०	क	२०।१२	कमला ११ ब्र. वै.
१३	शु	३७	८	पु	२७	११	सो	१९ ४	४९ ३	की	११	२०	२२	२०	४०	२५	६	११	कर्के		
१४	श	२८	१	श्ले	२०	५	अ	४३	४३	ग	२	३४	२६	१९	४१	२६	७	१२	सिं	२०।५	भ. २८।१उ.५३।३९या.
१५	र	१९	१८	म	१३	१८	सु	३३	४७	ब	१९	१८	३०	१८	४२	२७	८	१३	सिंहे		धनिष्ठा. बुधः ३।४७

४५पं.प्र.फा.शु.२मं.इ.४७।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	७	१०	६	२	१०
३	२९	८	१४	२७	१०	७	२
०	२१	४	५३	४१	५५	४७	५६
४	११	५५	१०	१०	१	५२	२६
६०	४५	७२	७	७३	१०	३	६०
३७	२०	३०	६	४४	ब	११	४२

गोचरग्रहाः

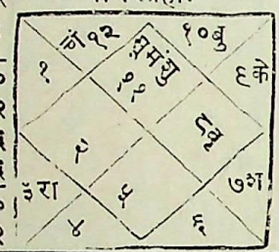

इस मासमें५शनि ५रविवार मध्यम है प्रजा भय उपद्रव हो धान्य रुई धातु गुड खांड तिल तेल अफीम तेज होगा ।

गोचरग्रहाः

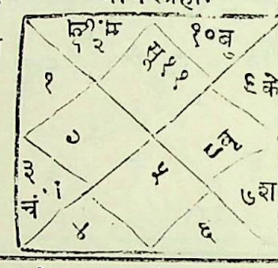

४६पं.प्र.फा.शु.९मं.इ.४७ २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	७	११	६	२	१०
१०	४	१७	१५	६	१०	७	१०
३	४५	२१	३७	२०	५०	२५	१
३२	४०	४६	३०	२०	३८	३६	०
६०	४५	८४	६	७३	१	३	६०
२५	१३	५८	५	३२	ब	११	३१

ति.|द्वि.फाल्गुन कृष्णपक्षः सं.२०३६शाकः १९०४ दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चन्द्रः |वसतर्तौ रविरुत्तरे प्र. फा. कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	१०	५०	पू	७	१०	धृ	२४	४६	की	१०	५०	२८ ३४	६ १७	५ ४३	२८	९	१४	क.	२०।५९	
२	मं	४	२०	उ	२ २९	५ २३	शू	१६	४७	गं	४	२०	३८	१६	४४	१	१०	१५	कन्यायां		भ.३१ ४० उ.५९।०या. मार्च३ ता. ३१
३	मं	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०		
४	बु	५४	३६	चि	५७	३४	गं	१०	११	ब	२६	४८	४२	१६	४४	२	११	१६	तु.	२८।१३	चतुर्थी ब्र.
५	गु	५४	२८	स्वा	५८	२२	बृ	५	३३	की	२४	३२	४६	१५	४५	३	१२	१७	तुलायां		कुम्भे बुधः ३५ रेवत्यां शुक्रः ११।१७
६	शु	५५	१७	वि	६०	०	धृ	२	८	ग	२५	४६	५०	१४	४६	४	१३	१८	वृ.	४५।२९	भ.५५ १७उ. पूभा. रविः ४१ १९ (सौरः ४३ ५४)
७	श	५८	२१	वि	१	११	व्या	०	४५	वि	२६	४९	५४	१३	४७	५	१४	१९	वृश्चिके		भ.२६।४९या.
८	र	६०	०	अ	५	५०	ह	०	४०	त्रा	३०	३९	५८	१२	४८	६	१५	२०	वृश्चिके		*५।३३ सोमवती ३०
९	चं	२	५७	ज्ये	११	५०	च	१	३३	की	२	५७	२९	१२	४८	७	१६	२१	ध.	११।५०	शते बुधः ३३ ५४ ज्येष्ठा. १गुरुः ५७।१८
९	मं	८	५३	मू	१९	१३	सि	३	४१	ग	८	५३	६	११	४९	८	१७	२२	धनुषि		भ. ४१।५८ उ.
१०	बु	१५	४	पू	२६	४३	व्य	५	५६	वि	१५	४	१०	१०	५०	९	१८	२३	म.	४३।३६	भ.१५।४या.मृग.४राहुः मूल२केतुः८।२३
११	गु	२१	५	उ	३४	१७	द	८	२१	त्रा	२१	५	१४	९	५१	१०	१९	२४	मकरे		रेवत्यां भौमः २१।३८ कमला ११ब्र.
१२	शु	२७	५६	श्र	४१	३३	प	१०	३२	तै	२७	५६	१९	८	५२	११	२०	२५	मकरे		बुधास्तः पूर्वस्याम ३०।५४
१३	श	३३	३५	ध	४८	१४	शि	१२	१६	ग	०	४५	२३	७	५३	१२	२१	२६	कु.	१४।५३	भ. ३३।३५उ. प्रदोषः
१४	र	३८	३	श	५३	३८	सि	१३	९	वि	५	४९	२७	७	५३	१३	२२	२७	कुम्भे		भ. ५।४९या.
३०	चं	४१	३४	पू	५८	१०	सा	१३	१९	च	९	४८	३२	६	५४	१४	२३	२८	मी	४२।२	मीनेऽर्कः ४२ १९ (सौरः ४३ १४) अश्वि.मेषेशुक्रः*

४७पं.द्वि.फा कृ.२मं.इ. ४७ ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	७	११	६	२	१०
१७	१०	२७	१६	१४	१०	७	१७
५	९	३६	१४	५७	३९	३	३
४६	२९	४	३५	४७	४७	२१	४९
६०	४४	९३	४	७३	४७	३	६०
१२	५७	४६	५५	२०	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

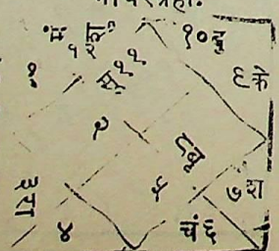

द्वि.फा.शु.३०चंद्रे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ प्रब्राजिका वस्था ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु.उ. प.

गोचर ग्रहाः

४८पं.द्वि.फा.कृ.१२मं.इ.५७ ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	७	११	६	२	१०
२४	१५	९	१६	२३	१०	३	२४
६	३१	६	४३	३३	२५	४१	५
२९	५	५७	१०	४	१	५	१२
५९	४४	८०	३	७३	२१	३	६०
५८	४७	५९	४५	१४	ब	११	६

Digitized by S3 Foundation USA

ति.	द्वि फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०३९शाकः१९०४	दि.	उ.	अ	इं.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६३१स१९८३
१	मं ४३ ४७ उ ६० ० शु १२ ३१ कि १२ ४०	३६ ६	५५	१५	२४	२९	मीने	पूभा. बुधः ६।१३
२	बु ४४ ५८ उ १ २८ शु १० ५४ बा १४ २३	४०	४	५६	१६	२५	३०	मीने	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
३	गु ४५ ० रे ३ ३८ त्र ८ २९ तै १४ ५९	४४	३	५७	१७	२६	१	मे.३।३८	वक्री स्वाती १शनिः४१।३जमादिलाखर६
४	शु ४४ १ अ ४ ४२ ऐं ५ ५ व १४ ३०	४९	२	५८	१८	२७	२	मेषे	म.१४।३०उ.४१।१या.उभा. रविः ३०÷
५	श ४२ १३ भ ४ ५८ वै १ ५५ ३२ ब ३३ ७	५३	१	५९	१९	२८	३	बृ.१९।५०	
६	र ४० २६ कृ ४ २४ मी ५० ५८ कौ ११ १९	५७	१	५९	२०	२९	४	वृषे	मीने बुधः३३।४०
७	चं ३५ ५४ रो २ ४८ आ ४४ ४९ ग ८ १०	३० १	६	०	२१	३०	५	मि ३१।४१	भ.३५।५४उ. ÷(सौरः३।५०)
८	मं ३१ २८ मृ ३४ ५६ सो ३८ ७ वि ३ ४०	६	५	१	२२	१	६	मिथुने	भ.३।४०या.उभायांबुधः१५।२८ रा.*
९	बु २६ २३ पु ५३ ३५ शो ३० ४७ कौ २६ २३	१०	५८	२	२३	२	७	क. ३९।३३	A १५।३ होलिकादहनम्
१०	गु २० २५ पु ४९ १ अ २२ ४७ ग २० २५	१४	५७	३	२४	३	८	कर्के	भ. ४७।७उ. *चैत्रारंभः होलाष्टकः
११	शु १३ ५० श्ले ४३ ५० सु १४ १० वि १३ ५०	१८	५६	४	२५	४	९	सिं ४३।५०	भ. १३।५०या.भरण्यांशुक्रः ५।२४ ≡
१२	श ६ ३७ म ३८ २१ धृ २५ ५१ ब ६ ३७	२३	५५	५	२६	५	१०	सिंहे	प्रदोषः ≡ आमलकी ११ व्र.
१३	श ५२ ४४ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	×५६। ७अस्तो भौमः २५।१६
१४	र ५१ ४६ पू ३३ १० गं ४८ ५ ग २५ ३४	२७	५५	५	२७	६	११	क. ४६।५९	भ. ५१।४६ उ. अश्वि. मेषे भौमः×
१५	चं ४५ ३५ उ २९ ३० बृ ४० २१ वि १८ ४०	३१	५४	६	२८	७	१२	कन्यायां	भ. १८ ४० या. रेवत्यां बुधः ५५ १७ वक्रीगुरुः A

४९पं.द्वि.फा.शु.१मं.इ.४५ १८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	७	०	६	२	११
१	२०	२१	१७	२	१०	६	१
५	५०	१२	४	४	५	१८	४
३२	३८	५४	१	५२	४२	५०	५४
१५	४४	० ०	२	७२	३ ३	३	५९
४१	४०	५५	२३	५५	ब	११	४९

गोचरग्रहाः

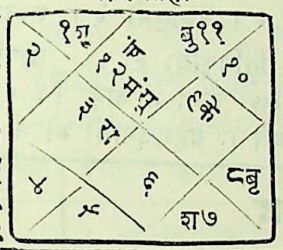

इस मासमें५सोम वार उत्तम है। अनाज गल्ला मंदी होगी गुड खांड घृत तैल रुई तेज हो।

गोचरग्रहाः

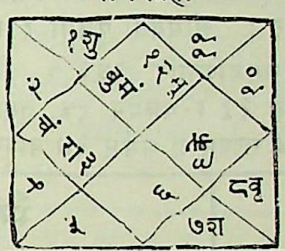

५०पं.द्वि.फा.शु.८मं.इ.४३ ६९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	७	०	६	२	११
८	२६	४	१७	१०	९	५	८
३	७	२५	१५	३४	४३	५६	२
१८	३४	४४	४	३४	५	३४	४९
५९	४४	२९ ०	०	७२	४ ३०	३	५९
२९	२१	५२	५९	३५	ब	११	३५

ति.	श्री चैत्र कृष्णा पक्षः सं.२०३९ शाकः १९०४	दि.	उ.	अ	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फा कृ. महाराष्ट्राः
१	मं ४० १६ ह २४ ४७ ध्रु ३३ १३ बा १२ ५५	३० ३५	५३	३ ७	२९	८	१३	तु. ५३।३६	वसन्त १ छारेंडी
२	बु ३६ २८ चि २२ २५ व्या २७ २६ तै ८ ४३	३९	५२	८	३०	९	१४	तुलायां	
३	गु ३४ ३० स्वा २२ ७ ह २३ २० व ५ २९	४४	५१	९	३१	१०	१५	तुलाया	भ. ५।२९उ. ३४।३०या.रेवत्यारविः*
४	शु ३३ १४ वि २३ ३४ व २० ३७ ब ३ ५२	४८	५०	१०	१	११	१६	बृ. ८।१२	अप्रैल ४ ता. ३०
५	श ३६ १७ अ २७ २७ सि १९ ३२ कौ ४ ४५	५२	५०	१०	२	१२	१७	वृश्चिके	*३१।३ (सौरः३१।१८) चतुर्थी व्र.
६	र ३९ ५८ ज्ये ३१ ५६ व्य १९ ४० ग ८ ७	५६	४९	११	३	१३	१८	ध.३१।५६	भ. ३९।५८उ.
७	चं ४५ १८ मू ३८ ३२ व २१ १ वि १२ ३८	३० ०	४८	१२	४	१४	१९	धनुषि	भ. १२।३८ या, अश्वि. मेषे बुधः≡
८	मं ५१ ७ पू ४५ ४१ प २२ ५६ बा १८ १३	४	४७	१३	५	१५	२०	धनुषि	कृत्ति. शुक्रः १२।२९
९	बु ५२ ३७ उ ५३ २५ शि २५ २२ तै २४ २२	८	४६	१४	६	१६	२१	ग. २।१३	≡१८।१६ शीतलापूजा
१०	गु ६० ० अ ६० ० सि २७ ४६ व ३० ३९	११	४६	१४	७	१७	२२	मकरे	भ. ३०।३९उ. वृषे शुक्रः ५३ ६ बुधोदयः+
१०	शु ३ ४१ अ ० ४३ सा २९ ४८ वि ३ ४१	१५	४५	१५	८	१८	२३	कुं ३४।७	भ. ३।४१या.
११	श ९ ११ ध ७ ३२ शु ३१ ० बा ९ ११	१९	४४	१६	९	१९	२४	कुम्भे	पापमोचनी ११ व्र.
१२	र १३ ५४ श १२ ५९ शु ३१ १० तै १३ ५४	२२	४४	१६	१०	२०	२५	कुम्भे	प्रदोषः
१३	चं १६ ४१ पू १० २० त्र ३० ५ व १६ ४१	२६	४३	१७	११	२१	२६	मी १।१५	भ. ४९ ६६ उ.४७।२४या.भरण्यां बुधः ३५ १९
१४	मं १८ ८ उ २० १ ऐं २८ ५ श १८ ८	२९	४२	१८	१२	२२	२७	मीने	+पश्चिमायाम् ५०।१०
१५	बु १८ ९ रे २१ २८ वै २४ ५२ ना १८ ९	३३	४१	१९	१३	२३	२८	मे २१।२८	मन्वादिः

५१पं. चै.कृ.१मं.इ.४९।० ५२पं.चै कृ.८मं.इ.४९ २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	७	०	६	२	११
१४	१	१८	१७	१९	९	५	१४
१९	२३	३५	१८	०	१७	३४	५८
१३	१७	४५	५८	३२	१४	१८	५५
१९	४४	२९ ०	१७	७२	४ ०	३	५९
१६	१६	४४	ब	९	ब	११	१८

गोचरग्रहाः

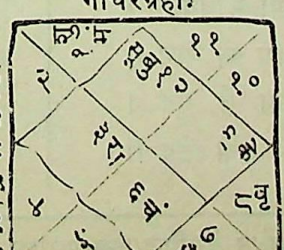

गोचरग्रहाः

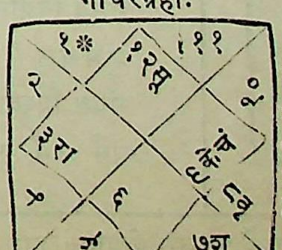

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	७	०	६	२	११
२१	६	२	१७	२७	८	५	२१
५३	३६	५४	९	२४	४८	१२	५३
३१	७	४०	५४	७	४	३	६
५९	४४	२९ ०	४ ३	७१	१५	३	५९
४	६	५५	ब	५०	ब	११	४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८५०८४ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०८४ भोग्यकलिः ४२६९१६ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीरविक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४० शाकः १९०५ । अथाऽस्मिन् राजा गुरुः । मंत्री गुरुः । सस्येशो शनिः । धान्येशो शुक्रः । मेघेशोबुधः । रसेशः चन्द्रः । नीरसेशः शनिः । फलेशो भौमः । धनेशः शनिः । दुर्गेशो बुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १० धातृनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमयेः गतमासादिः ७।२१।१५।५० भोग्यमासादिः ४।८।४४।१० बार्हस्पत्यदैवतं युगम् । वर्ष नामः ज्येष्ठः मेघ नाम द्रौणः । रोहिणी निवासःसंधौ । समयनिवासो वणिक गृहे । समय विश्वा ५ । समयवाहनंचातकः । स्तंभः १ अन्नस्यः । सोमवत्यमा १ । सोमवती पंचमी १ । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३५३ । तिथिक्षयः १६ । तिथिवृद्धिः ९ । उत्पत्तिविश्वा ८७ । खपति विश्वा ११४ । वर्षा विश्वा ११ । धान्यम् १५. तृणम् १३. शीतम् १७. तेजः ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यम् ११५ सत्यम् ॥ धर्मम् १॥ पापम् १८ शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहणऽभावो भारते ।

भारतेग्रहणाऽभावः

सं० २०४० मार्गशीर्ष कृ. ३० रविवार को सूर्यग्रहण पश्चिम प्रदेशों में होगा । जिसका स्पर्श रेल्वे १८।३९मोक्ष २०।२७ है

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

वर्षलग्नम् ३।१९

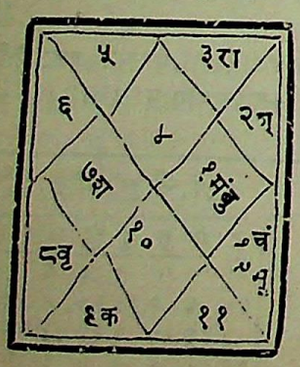

भैरव–भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जगदंबा से नमनकर पूछे भैरव बात ।
शुभ संवत् चालीस का हाल कहो सब मात ॥

भवानी उत्तर

चालीसो चंचल समय चहुँ दिश ऊढे चाल ।
संवत सखरो होयसी न जमानु न काल ॥
देव गुरु राजा हुये मंत्री पद को पाय ।
धान्याधिप भृगु तनय है यह सब जग हर्षाय ॥
समय निवासो वणिक घर रोहिणी संधिवास ।
शुभ फल में कर न्यूनता करे आश का नाश ॥
संवत विश्वा पांच है स्तंभ लगा है एक ।
धर्म कर्म करते रहो ईश्वर राखे टेक ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्षेशलग्नम् १।९

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२१।० केतकीमतेन वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशाः २३।३६।२८

अथाधिकारिणांफलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः फलम् ॥ गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुघाश्च धेनवः । यजन्ति विप्राः बहवोऽग्नि होत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषुवर्तते ॥ मंत्री गुरुः फलम् ॥ विविधधान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुरतोय घना मुदिता भवेत् । नृपतयो जनपालनतत्पराः, सुर गुरौ ननुमंत्रि समागते ॥ सस्येशः शनि फलम् ॥ रविसुते यदि धान्यपतौ जनो नृपतिभिः परिपीडित-विग्रहः । गदभयंतुष धान्यहरंसदा दुरितवाद विवाद युता नराः ॥ धान्येशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्याः समर्घतांयांति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ॥ मेघेशो बुधःफलम् । अमृतरश्मि सुतेयदिवारिपे बहुजलंतुष धान्यरसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसाविविध सौख्ययुता धरणीतदा॥ रसेशश्चन्द्रस्तत्फलम् ॥ यदि विधै रसपेभुविमानवोनवनवांयुवतीं बुभुजेप्रियाम् ।जलधरा बहुवारि विधायका रसवती धनधान्यवती धन मही॥ नीरसेशः शनिफलम् ॥ त्रपुपिंडादिलोहानां कृष्णवस्त्रादि वसुनां । अर्घवृद्धिः प्रजायेत मदे नीरस नायके ॥ फलेशोभौमस्तत्फलम् । फलपतिर्यदि भूतनयोभवेत् सु बहु पुष्प फलान्वितमेदिनी । गतभयानृतदेशजनास्तदा नृपतयोबहुविग्रहकारकाः ॥ धनेशः शनिः फलम् । द्रविणपे रविजे विरमंधनं गदरता धरणीपतयोसदा । अधनिका वणिजः कृषिजोविनो द्विजवराः परिपीडितमानसाः ॥ दुर्गेशो बुधस्तत्फलम् ॥ विषयसाम्य सुखंशशिजे प्रभै भवति राशिगतेतु विशेषतः शशिसुते यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्यवतांन भयंकचित् ॥ धातृनाम संवत्सरःफलम् । धातृ वर्षेऽखिलाः क्ष्मेशाः सदा युद्ध परायणाः । सम्पूर्णा धरणी भाति बहु सस्यार्घवृष्टिभिः ॥ वर्षनाम ज्येष्ठः फलम् । तस्करैः पापरोमेर्वा पीडयंते पीडयाजनाः भ्रमन्ते स्वेच्छया भूम्यां निर्द्रव्यैः ज्येष्ठ संज्ञके ॥ मेघनामः द्रोणःफलम् । द्रोणेवर्षति सर्वदा ॥ रोहिणी निवासः संधौफलम् । खंडवृष्टिश्चसधिषु ॥ समयनिवासरो वणिक्गृहे । वणिक्गृहे शुभंनास्ति ॥ एवंसंचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

सं० २०४० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र वैशाख ज्येष्ठाषाढ़ मासेषु गोधूल्यां भौम ७ दोषः

चैत मासः ।

शु. १० शुक्रे मघा. ल. गो. ११ रे.६।ऽ।।ऽरोऽऽ। गणितेन-क्रांति साम्याऽभावः कुम्भे चन्द्र ७ पूज्यः

,, ११ शनौ उफा.ल. ११ (चं७पू.) रे.६।।।।।।।ऽ। गणितेन-क्रांति साम्याऽभावः

,, १३ चंद्रे हस्ते ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे.७ऽ।।।।ऽअऽ।।।

वैशाख मासः ।

कृ. ११ रवौ उभा.ल.११ घ.५१।५८उ.)रे.७।ऽ।।ऽचौ।ऽ।।

,, १२ चन्द्रे रेव.ल ११(घ.५१।२३या.)रे.६।।।।।।ऽ।।।

शुक्ले ७ गुरौ मघा. ल. ११ रे ८।।।।ऽतृ।ऽ। चं ७ पु

,, १० शनौ उफा.ल. गो. १२ रे.७।ऽ।। चौ ।ऽ। मीनेचं७पू.

,, ११ रवौ हस्ते ल. १२(च.७पू.) रे ८ऽ।।।।ऽ।।।

,, १३ भौमे स्वा. ल. अन्यगो. ११ रे.८।ऽ।।।।ऽ।।।

,, १५ गुरौ अनु. ल. ११।१२ रे६।।ऽवृऽबुऽअ।ऽ।।

पाद वेधाब्दुधस्य वेधाऽभावः आवश्येके

ज्येष्ठ मासः ।

कृष्णे ६ रवौ उभा. ल. अन्यगो. रे.८।।।।।अ.।ऽ।

,, १० चन्द्रे रेव. ल. अन्यगो. रे.८।।।।।।ऽऽ।

शुक्ले ५ बुधे मघा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे.६।ऽ।।।।।।।

,, ८ शनौ हस्ते ल. अन्यगो. १२ रे.७ऽऽ।।।।ऽ।।। मीनेचं.७पू.

शुक्ले १० चंद्रे स्वा.ल. गो. सोग्रांगः रे ६।।।।।।ऽ।।

,, १२ बुधे अनु. ल. अन्यगो. १२ रे.६ऽऽऽतु।।ऽचौ३५या.।।।।

आषाढ मासः ।

कृष्णे ७ शनौ उभा. ल. अन्यगो. २ रे.६।।।।।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृष्णे २ भौमे मृगे ल. गो. ४।५ रे.७।।।।ऽऽचौऽ।।।

,, ६ चंद्रे उफा. ल. ४ रे.८ऽ।।।।।।ऽ।।

माघ मासः ।

कृष्णे २ शुक्रे मघा.ल गो.६(घ.४१।२ या. ,रे.६।।।।।ऽचौ।।।।

,, ५ रवौ उफा. ल. गो. ६ रे.७ऽ।।।।ऽ रो ।ऽ।।

,, ६ चंद्रे हस्ते ल. गो. रे.६।।।।।।ऽ।।।

,, १० शुक्रे अनु. ल. ६ (घ. ३८।१६उ.)रे ६ऽ।।।।ऽतृऽऽ।।

शुक्ले ४ चंद्रे उभा. ल. अन्यगो. ६ रे.८।।।।।।ऽऽ।। कन्यालग्ने चं. ७ पूज्यः रेखा १०

,, ४ चंद्रे रेव. ल ६ रे.७।ऽ।।।।ऽऽ।

,, ५ भौम रेव. ल. अन्यगो. ६ रे ६।ऽ।।ऽचौऽऽ।

,, १४ गुरौ मघा. ल. ६ रे.६।।।।ऽबुऽऽऽ।। पादतो वेधाभावः

फाल्गुन मासः ।

कृष्णे २ शनौ उफा. श. ६।६ रे.८।।।।।ऽ।।

,, ६ शनौ मूले ल. अन्यगो. रे.८।।।।।।ऽऽ।

,, ११ चंद्रे उषा. ल. ६ रे.७।ऽ।।।।ऽऽ।

शुक्ले २ रवौ उभा. ल. ६ रे.६ऽ।।।।ऽअ.।।।।

,, ३ चंद्रे रेव. ल. ६ रे.६।।।।।।ऽ।।।

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०४० शाकः १९०५ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | वसंतर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः ३६६१ स. १९८३

१	भु	१६	४२	अ	२१	४४	वि	१८	४६	ब	१६	४२	३१/३६	५	६/१९	१४	२४	२९	मेषे
२	शु	१४	१४	भ	२०	४९	श्री	१५	५२	कौ	१४	१४	४०	४०	२०	१५	२५	१	वृ.३५।२३
३	श	१०	५९	कृ	१९	७	आ	१०	८	ग	१०	५९	४३	२९	२१	१६	२६	२	बृषे
४	र	६	५५	रो	१६	४९	सो	४/०	५३/५०	वि	६	५५	४७	३९	२१	१७	२७	३	मि४५।३१
५	चं	२	३५	मृ	१४	१३	अ	५१	८	चा	२	३५	५१	२८	२२	१८	२८	४	मिथुने
६	चं	५५	८		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	मं	५२	५०	आ	११	१३	सु	४४	१६	ग	२५	१७	५५	३७	२३	१९	२९	५	क.५३।५०
८	बु	४७	४१	पु	८	२	धृ	३७	१९	वि	२०	१६	५८	३६	२४	२०	३०	६	कर्के
९	गु	४२	२४	पु	४	३३	शु	३०	७	चा	१५	२	३२/२	३६	२४	२१	१	७	कर्के
१०	शु	३६	५०	श्ले	०/१	५६/२२	गं	२२	५०	तै	९	३७	६	३५	२५	२२	२	८	सि१।०
११	श	३१	२२	पू	५३	४६	बृ	१५	३१	व	४	६	१०	३४	२६	२३	३	९	सिहे
१२	र	२५	५३	उ	५०	३७	ध्रु	८	२८	बा	२५	५३	१४	३३	२७	२४	४	१०	क.७।५८
१३	चं	२१	१	ह	४७	५८	व्या	४५/१	५३/५०	तै	२१	१	१७	३३	२७	२५	५	११	कन्यायां
१४	मं	१६	३८	चि	४६	४	व	५०	१६	व	१६	२८	२१	३२	२८	२६	६	१२	तु.१७।१
१५	बु	१३	२८	स्वा	४५	३४	सि	४५	५९	ब	१३	२८	२५	३१	२९	२७	७	१३	तुलायां

अश्वि.मेषेऽर्कः ५/६ (सौरः ५/२) भरण्यांऽ
सिधारा रज्जव ७
भ.३८।५७उ. रोहि.शुक्रः ३२/३० मत्स्य ज.*
भ.५५/६या .व. अनु. ४ गुरुः १७।५२
*भौमः ५/४६ चंद्रद.संवत्सरारंभः नवरात्रा.
* गणगौरी
भ. ५२।५० उ.
भ. २०।१६या. कृत्ति. बुधः ४५।४३
रा. वैशाखारम्भः रामनवमी
÷पातमोक्षः १४।३५ क्रामदा ११ व्र.
भ.४।६ उ.३१।२२या, पातस्पर्शः३।१८÷
वृषे बुधः ३।९ प्रदोषः
भ. १६।३८ उ. ४५ २ या.
भरण्यां रविः ४५/२५ (सौरः ४७/१०) हनुमज्जयंती

१ पं.चै.शु. १ गु.इ. ५।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	७	१	६	२	११
०	१२	१७	१६	७	८	४	२९
०	४३	३८	५०	१६	१२	४५	५९
०	५	१३	४९	३४	३९	५८	१६
५८	४३	९८	२२/३७	७१	३/३७	३	५८
४४	४६	४४	ब	२२	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

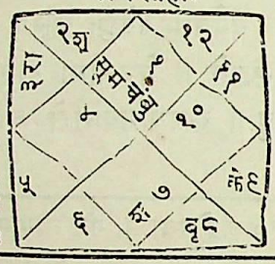

चै. शु. १ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. वा. ४ नं. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.

गोचरग्रहाः

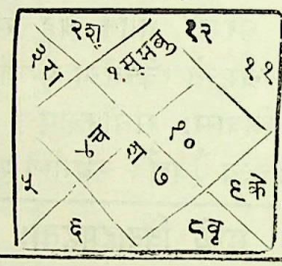

२पं.चै.शु. ९गु. इ.५।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	७	१	६	२	०
६	१७	२६	१६	१५	७	४	६
१०	५०	५९	२४	२४	४०	२३	४९
४२	५३	५६	८	२५	३७	४३	२७
५८	४३	६०	२/५४	७०	४/४०	३	५८
३१	३१	३५	ब	४८	ब	११	२९

ति. वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०४० शाकः १९०५ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरे चैत्र. कृ. महाराष्ट्रः

१	गु	१०	४६	वि	४६	३१	व्य	४२	५०	कौ	१०	४६	३२/२९	५/३०	६/०	२८	८	१४	वृ.३१।१७
२	शु	११	२१	अ	४९	१६	व	४१	२९	ग	११	२१	३२	३०	३०	२९	९	१५	वृश्चिके
३	श	१२	५६	ज्ये	५३	३४	प	४०	५३	वि	१२	५६	३६	२९	३१	३०	१०	१६	ध.५३।३४
४	र	१६	७	मू	५९	२६	शि	४१	३१	चा	१६	७	४०	२८	३२	१	११	१७	धनुषि
५	चं	२०	५३	पू	६०	०	सि	४२	५९	तै	२०	५३	४३	२७	३३	२	१२	१८	धनुषि
६	मं	२६	१५	पू	६	५	सा	४४	१७	व	२६	१५	४७	२७	३३	३	१३	१९	म. २२।५७
७	बु	३२	३३	उ	१३	३४	शु	४७	४५	ब	३२	३३	५१	२६	३४	४	१४	२०	मकरे
८	गु	३८	४४	श्र	२१	८	शु	४९	३८	बा	५	३८	५४	२५	३५	५	१५	२१	कु.५४।४१
९	शु	४४	२९	ध	२८	१४	त्र	५१	३५	तै	११	३७	५७	२५	३५	६	१६	२२	कुम्भे
१०	श	४९	५	श	३४	२३	ऐं	५२	२८	व	१६	४७	३/१	२४	३६	७	१७	२३	कुम्भे
११	र	५२	१०	पू	३९	६	वै	५१	५८	ब	२०	३८	४	२३	३७	८	१८	२४	मी २२।५५
१२	चं	५३	२३	उ	४२	९	वि	५०	११	कौ	२२	४	७	२३	३७	९	१९	२५	मीने
१३	मं	५३	११	रे	४३	३१	मी	४७	२	ग	२३	१७	१०	२२	३८	१०	२०	२६	मे.४३।३१
१४	बु	५०	५५	अ	४३	४	आ	४२	२१	वि	२२	२	१३	२१	३९	११	२१	२७	मेषे
२०	गु	४७	७	भ	४१	११	सौ	३६	३७	च	१९	१	१६	२१	३९	१२	२२	२८	वृ.५५।२६

मृगे शुक्रः १६।१८
भ. ४२।८ उ.
भ. १२।५६ या. चतुर्थी व्र.
वक्री बुधः २८।५० मई ५ ता. ३१

भ. २६/१५ उ. ५/२४ या. मिथुनेशुक्रः ४/१२ कृत्ति.*
वक्री चित्रा ४ शनिः २४।५०
*भौमः १६/४ बुधास्तःपश्चिमायां ५/२६

भ. १६।४७ उ. ४९।५या. वृषे भौमः ५/३७
वक्री मेषे बुधः ४/३६ वरूथिनी ११ व्र.
आर्द्रा शुक्रः ३९।५३
भ. ५३।११ उ. प्रदोषः
भ. २२।२या. कृत्ति. रविः ३१।१९+
+(सौरः ३/५७) मृगः ३ राहुः मूल. १ केतुः १/८

३पं.वै.कृ.१गु.इ ५।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	७	१	६	२	०
१३	२२	१	१५	२३	७	४	१३
२९	५५	३१	५१	३२	८	१	३७
५३	५९	१	२२	२४	२४	२७	५२
५८	४३	१९	३५/३४	६९	४/४०	३	५८
१९	२१	२०	ब	५८	ब	११	१२

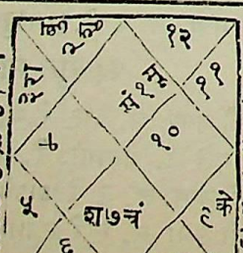

४पं.वै.कृ.८ गु.इ. ५।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	७	२	६	२	०
२०	२७	१	१५	१	६	३	२०
२७	५९	२८	१०	३३	३६	२९	२४
२२	२	४१	२६	११/२८	५८	१२	३३
५८	४३	२०/३८	३६	६९	२४	३	५७
६	११	ब	ब	१७	ब	११	५७

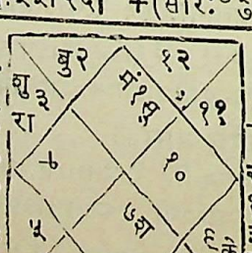

५पं.वै.कृ.३०गु.इ.६।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	७	२	६	२	०
२७	२	२८	१४	९	६	३	२७
१३	५९	२	२४	२६	७	१६	९
३४	४९	५३	२२	२८	३४	५६	४७
५७	४३	३३/३२	१६/१९	६८	४/४७	३	५७
५४	२	ब	ब	२३	ब	११	४५

ति. वैशाख शुक्ल पक्षः सं. २०४० शाक: १९०५ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६९०स.१९८३

१	शु	४२	७	कृ	३८	११	शो	२९	५८	किं	१४	३७	३३/१९	२०/५	४०/६	१३	२३	२९	वृषे	
२	श	३६	२२	रो	३४	२३	अ	२२	३८	वा	९	१४	२२	२०	४०	१४	२४	३०	वृषे	बुषेऽर्कः ५/३ वक्री भरण्यां बुधः ३/९ चंद्रदर्श.
३	र	३०	११	मृ	३०	१७	सु	१५	२	तै	३	१६	२५	१६	४१	१५	२५	१	मि२।२०	भ. ५/३ उ.बृषेऽर्कः सौरः ५/५ अक्षया ३×
४	चं	२३	५६	आ	२२	५५	धृ	७/२	५३/२४	वि	२३	५६	२८	१८	४२	१६	२६	२	मिथुने	भ. २३।५६या. ÷नृसिंह १४
५	मं	१७	४०	पु	२१	५१	गं	५१	५२	वा	१७	४०	३०	१८	४२	१७	२७	३	क ७।५२	×परशुरामजयंती सावान ८
६	बु	११	४४	पु	१७	५७	ब्र	४३	४१	तै	११	४४	३३	१७	४३	१८	२८	४	कर्के	पातस्पर्शः ३८।३० मोक्षः ५५।४७
७	गु	६	१८	श्ले	१४	२२	धु	३७	३९	व	६	१८	३६	१७	४३	१९	२९	५	सिं १८।२२	भ. ६।१८ उ. ३३।४३ या.
८	शु	१	८	म	११	१९	व्या	३१	१०	ब	१	८	३९	१६	४४	२०	३०	६	सिंहे	वक्री अनु. ३ गुरुः ५१।४५
९	शु	५५	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	श	५२	२७	पू	८	५३	ह	२५	८	तै	२४	२९	४१	१६	४४	२१	३१	७	क.२३।१६	पुन.शुक्रः ३/५ रोहि.भौमः ५/३ बुधोदयः *
११	र	४९	१९	उ	६	२४	व	१९	४१	व	२०	४७	४३	१५	४५	२२	१	८	कन्यायां	भ. ३/४ ७ उ. ४/१ या.रा.ज्येष्ठा.मोहिनी ११ब्र.
१२	चं	४६	११	ह	५	२९	सि	१४	४२	ब	१७	४५	४६	१५	४५	२३	२	९	तु.३५।११	*पूर्वस्यां २८।४८
१३	मं	४४	२०	चि	४	५२	व्य	१०	२६	की	१५	१६	४८	१४	४६	२४	३	१०	तुलायां	प्रदोषः
१४	बु	४३	४३	स्वा	५	२६	व	६	५६	ग	१४	२	५०	१४	४६	२५	४	११	बृ.५१।४७	भ. ४/४ ३/३ उ.रोहि. रविः २/९ (सौरः २/४)÷
१५	गु	४४	६	वि	७	१४	प	४	२२	वि	१३	५५	५२	१४	४६	२६	५	१२	बश्चिके	भ. १/५ ३/५ या. यमायसान्तजलकुम्भदानं

६पं.वै.शु.७गु.इ. ६।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	७	२	६	२	१
३	७	२४	१३	१७	५	२	३
५८	५८	२२	३३	१२	४०	५४	५३
२६	५	५५	३६	७	५	४०	२६
५७	४२	२८/१४	४७/४४	६७	४८/३३	३	५७
४४	३७	ब	ब	१७	ब	११	३४

गोचरग्रहाः

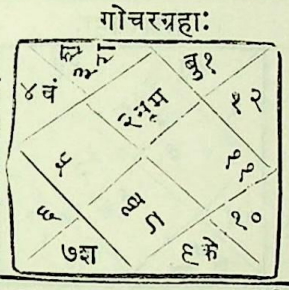

वै. शु. २ शनौ वृषेऽर्कः प्र.वा. ३ न. ५ युवावस्था (सूती) मु.३० धा. भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

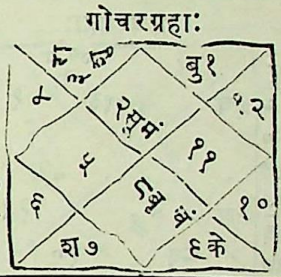

७पं.वै.शु.१५ गु.इ.६।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	७	२	६	२	१
१०	१२	२२	१२	२४	५	२	१०
४२	५३	४८	४०	४६	१५	२२	३५
२५	३१	५८	३४	५५	१४	२५	३७
५७	४२	२४/२७	५७/५२	६५	२३/३	३	५७
३५	२६	ब	ब	५०	ब	११	२३

ति. ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं.२०४० शाक: १९०५ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	४५	५८	अ	९	५०	शि	३	७	वा	१५	२	३३/५४	५/१३	४७/६	२७	६	१३	बृश्चिके	
२	श	४८	४३	ज्ये	१३	५९	सि	२	११	तै	१७	१८	५६	१३	४७	२८	७	१४	ध. १३।५९	
३	र	५३	४८	मू	१९	२०	सा	२	४९	व	२१	१६	५८	१२	४८	२९	८	१५	धनुषि	भ. २१/१६ उ. ५/४ ३/८ या.मार्गी बुधः ४६।२३
४	चं	५८	५७	पू	२६	१०	शु	४	१०	ब	२६	२२	३४/००	१२	४८	३०	९	१६	म. ४२।५३	चतुर्थी ब्र.
५	मं	६०	०	उ	३३	१	शु	५	४२	की	३२	१	२	१२	४८	३१	१०	१७	मकरे	कर्के शुक्रः ४।३७
५	बु	५	५	श्र	४०	३४	व	८	३१	तै	५	५	४	११	४९	१	११	१८	मकरे	जून ६ ता. ३०
६	गु	११	१४	ध	४८	४	ऐं	११	१	व	११	१४	६	११	४९	२	१२	१९	कु.१४।१९	भ. ११।१४ उ. ४४।१५ या.
७	शु	१७	१७	श	५५	१	वै	१३	१४	ब	१७	१७	७	११	४९	३	१३	२०	कुम्भे	पुष्ये शुक्रः ११।३७
८	श	२२	२०	पू	६०	०	वि	१४	४६	की	२२	२०	९	१०	५०	४	१४	२१	मी ४४।१०	
९	र	२६	२	पू	०	३७	पी	१५	१४	ग	२६	२	१०	१०	५०	५	१५	२२	मीने	भ. ५७।५ उ. कृत्ति. बुधः १६।२८
१०	चं	२८	८	उ	४	२९	आ	१४	२२	वि	२८	८	१२	१०	५०	६	१६	२३	मीने	भ. २८।८ या.
११	मं	२८	५	रे	७	४	सो	१२	८	बा	२८	५	१३	९	५१	७	१७	२४	मे.७।४	अपरा ११ ब्र.
१२	बु	२६	७	अ	७	१५	शो	८	११	तै	२६	७	१४	९	५१	८	१८	२५	मेषे	मृगे रविः १७/५ (सौरः २/३ ७/३) बुषे बुधः *
१३	गु	२२	१६	भ	५	४७	अ	४/१	५३/१३	व	२२	१६	१६	९	५१	९	१९	२६	वृ.२०।१	भ. २३/१६ उ. ४/५ ४/४ या. *४९।५१ प्रदोषः
१४	शु	१७	३२	कृ	४/३	५५/१६	धृ	४७	४६	श	१७	३२	१७	९	५१	१०	२०	२७	वृषे	मृगे भौमः ६।४४
३०	श	९	३४	मृ	५२	३	शू	३८	५७	ना	९	३४	१८	८	५२	११	२१	२८	मि २४।५६	वटसावित्रीव्रतम् ।

८पं.ज्ये.कृ.६गु.इ.६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	७	३	६	२	१
१७	१७	२४	११	२	४	२	१७
२५	४६	५०	४७	१०	५३	१०	१६
८	२३	२	१३	१६	२४	९	४३
५७	४२	२२/१४	५२/७	६४	४३/३	३	५७
२७	१६	मा	ब्र	१०	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

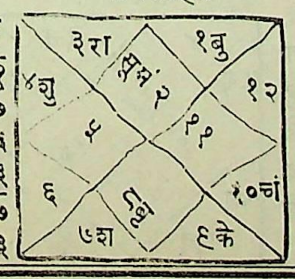

इस मास में जौ गेहूं चना आदि धान्य मंदा होगा। मास के आरम्भमें ही धान्य का संग्रह करना चाहिये।

गोचरग्रहा

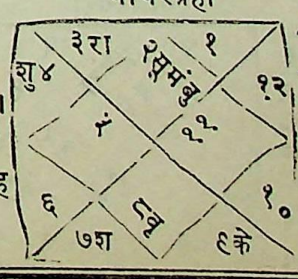

९पं.ज्ये.कृ.१३गु.इ.६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	७	३	६	२	१
२४	२२	०	१०	९	४	१	२३
७	३७	११	५४	१८	३६	४७	५६
१२	४४	३५	४३	५८	५८	५४	३९
५७	४२	५५	७/३३	६२	१०/२	३	५
२२	७	१३	ब	७	ब्र	११	

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः स० २०४० शाकः १९०५ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३७२०सं१९८३

१	र	१	४३	आ	४५	५७	गं	३९	४४	ब	१	४३	३४/१९	५/८	६/५२	१२	२२	२९	मिथुने
२	र	५१	५१	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	चं	४५	२९	पु	३९	५२	वृ	२०	२९	ते	१९	३१	२०	८	५२	१३	२३	१	क.२६।१७
४	मं	३७	४०	पु	३४	२१	धृ	११	१४	व	११	३४	२१	८	५२	१४	२४	२	कर्के
५	बु	३०	३८	श्ले	२९	२५	व्या	३८/२	५३/७	ब	४	९	२१	८	५२	१५	२५	३	सिं२९।२५
६	गु	२४	२३	म	२५	१२	व	४७	२५	ते	२४	१३	२२	८	५२	१६	२६	४	सिंहे
७	श	१९	१६	पू	२२	९	सि	४१	१	व	१९	१६	२२	८	५२	१७	२७	५	क.२८।३८
८	श	१५	११	उ	२०	६	व्य	३२	५७	ब	१५	११	२३	८	५२	१८	२८	६	कन्यायां
९	र	१२	२९	ह	१९	१६	व	३०	५	कौ	१२	२९	२३	७	५३	१९	२९	७	तु.४९।२१
१०	चं	१०	३१	चि	१९	२६	प	२७	३४	ग	१०	३२	२३	७	५३	२०	३०	८	तुलायां
११	मं	९	५३	स्वा	२०	५३	शि	२४	५६	वि	९	५३	२४	७	५३	२१	३१	९	तुलायां
१२	बु	१०	२५	वि	२३	२७	सि	२३	९	वा	१०	२५	२४	७	५३	२२	१	१०	वृ.७।४९
१३	गु	११	५३	अ	२६	५८	सा	२२	१७	ते	११	५३	२४	७	५३	२३	२	११	बृश्चिके
१४	शु	१४	३५	ज्ये	३१	३५	शु	२२	१४	व	१४	३५	२४	७	५३	२४	३	१२	ध.३१।३५
१५	श	१८	२२	मू	३६	५५	शु	२२	५०	ब	१८	२२	२४	७	५३	२५	४	१३	धनुर्षि

चन्द्र दर्शनम्

रमज़ान ९

भ. ११।३४उ. ३७।४०

मिथुनेऽर्कः १५।५९ (सौरः २८।४०)

आश्ले शुक्रः ३६/२५ वक्री अनु. २ गुरुः ५४/१३

भ. १९/१९ उ. ४७/१३ या. रोहि. बुधः ५५/१९

मिथुने भौमः ५४।०

भ. ४०।१२ उ. गंगाद मी

भ. ९।५३ या. निर्जला ११ व्र.

आर्द्रा. रविः १४/३५ (सौरः ३०/१३) रा. आषाढ*

*रंभ प्रदोषा

भ. १४।३५ उ ४६।४८ या.

मृगे बुधः ४४/४५ गुर्जरा. वट स.वित्री

१०पं.ज्ये.शु. ६गु.इ. २५/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	७	३	६	२	२
०	२७	८	१०	१६	४	१	०
४८	२६	३७	५	९	२४	२५	३५
२५	२८	१	३१	५८	०	२८	४८
५७	४१	८३	५५/६	५९	३५/१	३	५६
१७	१६	४६	ब	२८	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

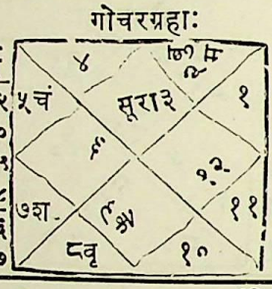

ज्ये. श. ५ बुधे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ५ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

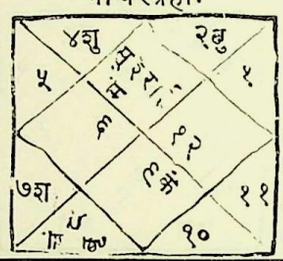

११पं.ज्ये.शु.१३गु.इ.२२/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	७	३	६	२	२
७	२	१८	९	२२	४	१	७
२९	१३	३५	२०	३९	१६	३	१४
२४	२६	५५	४९	५०	१	२२	१५
५७	४१	७/०	५९/६	५६	४०/०	३	५६
१३	३७	९/३७	ब	३४	बु	११	१४

ति. आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | वर्षर्तूरविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	र	२३	१६	पू	४३	३१	व्र	४	२३	कौ	२३	१६	३४/२३	५/७	६/५३	२६	५	१४	म.५९।४३
२	चं	२८	३३	उ	५०	२५	ऐं	२६	७	ग	२८	३३	२३	७	५३	२७	६	१५	मकरे
३	मं	३४	३५	श्र	५८	३	वै	२८	२८	व	१	३४	२३	७	५३	२८	७	१६	मकरे
४	बु	४०	४१	ध	६०	०	वि	३१	५	ब	७	३८	२२	८	५२	२९	८	१७	कु.३१।५०
५	गु	४६	५५	ध	५	३७	प्री	३३	३७	कौ	१३	४८	२२	८	५२	३०	९	१८	कुम्भे
६	शु	५२	१८	श	१३	८	आ	३५	३५	ग	१९	३७	२१	८	५२	१	१०	१९	कुम्भे
७	श	५६	४९	पू	१९	२९	सौ	३६	५२	वि	२४	३४	२०	८	५२	२	११	२०	मी२।५२
८	र	५९	४५	उ	२४	४६	शो	३७	१५	वा	२८	१७	१९	८	५२	३	१२	२१	मीने
९	चं	६०	०	रे	२८	३३	अ	३६	१७	ते	३०	२०	१८	८	५२	४	१३	२२	मे.२८।३३
९	मं	०	५५	अ	३०	२९	सु	३३	३८	ग	०	५५	१७	९	५१	५	१४	२३	मेषे
१०	म	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	बु	५६	५६	भ	३०	२५	धृ	२९	२९	ब	२८	२५	१५	९	५१	६	१५	२४	वृ.४४।५२
१२	गु	५२	२	कृ	२८	१४	शू	२३	४१	कौ	२४	२९	१४	९	५१	७	१६	२५	वृषे
१३	शु	४५	१७	रो	२४	८	गं	१६	१८	ग	१८	४०	१३	९	५१	८	१७	२६	मि५१।१८
१४	श	३६	५५	मृ	१८	२८	वृ	७/३४	५०/२६	वि	११	६	११	१०	५०	९	१८	२७	मिथुने
३०	र	२४	५२	आ	११	४४	व्या	४७	४६	च	२	२३	१०	१०	५०	१०	१९	२८	क.५१।२०

वर्षर्तूरविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

भ. ३४/१९ उ. ३४/३५ यः. मिथुनेबुध ४४/४१ बुधास्तः*

आर्द्रा. भौमः ४०/३९ *पूर्वस्यां १७/२ चतुर्थी व्र.

भ. ५२/१८ उ. मघा. सिंहेशुक्रः ३६/१० मार्गीशनिः+

भ. २४।३४ या. आर्द्रा. बुधः ०।५

+ ७/३३ जौलाई ७ ता. ३१

भ. ३०।२५ उ. ५९।५५ या.

पुन. रविः १४/३१ (सौरः ३४/१४) योगिनी ११×

योगिनी ११ब्र.वै. ×ब्र. स्मा.

भ. ४५।१७ उ. पुन. बुधः ९/१४ प्रदोषः

भ. ११।६ या.

१२पं.आ.कृ.५गु.इ.१८/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	७	३	६	२	२
१४	६	२	८	२८	४	०	१३
९	५७	५०	४२	४२	१२	४१	५२
५०	४०	४२	५४	४०	४३	७	२०
५७	४१	९/३०	२	५१	०/७	३	५६
७	२०	३०	४	२८	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ रविवार रोग पीड़ा कारक हैं "पंचार्क वासरे रोगाः' धान्यादि तेज वर्षा मध्यम होगी ।

गोचरग्रहाः

१३पं.आ.कृ.१२गु.इ.१२/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	७	४	६	२	२
२०	११	१७	८	४	४	०	२०
५०	४०	४६	११	८	१४	१८	३०
१०	५	१९	४९	४९	२	५१	१४
५७	४१	९/१९	५/३	४५	४०/मा	३	५६
७	१०	९/१९	ब	५२	मा	११	५०

(सं० २००१ सलारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति. आषाढ़ शुक्लपक्षः सं.२०४० शाकः १९०५ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७४९स.१९८३

१	चं	१८	१४	पु	३	५३	ह	३७	२२	ब	१८	१४	३४	५	५६	११	२०	२९
२	मं	८	४१	श्ले	५०	७	व	२६	५९	कौ	८	४१	७	११	४९	१२	२१	१
३	मं	५०	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	बु	५१	४३	म	४३	४०	सि	१७	१०	व	२५	४६	५	११	४९	१३	२२	२
५	गु	४४	५३	पू	३८	५१	व्य	७	५३	ब	१८	१८	४	११	४९	१४	२३	३
६	शु	३९	२९	उ	३५	२३	व	१४	५३	कौ	१२	११	२	१२	४८	१५	२४	४
७	श	३५	५३	ह	३३	३५	शि	४८	१६	ग	७	४७	०	१२	४८	१६	२५	५
८	र	३३	३८	चि	३३	११	सि	४४	१४	वि	४	४६	३३	१२	४८	१७	२६	६
९	चं	३३	२५	स्वा	३४	२३	सा	४१	२३	बा	३	५८	५६	१३	४७	१८	२७	७
१०	मं	३४	२९	वि	३७	२०	शु	३९	५८	तै	३	५४	५४	१३	४७	१९	२८	८
११	बु	३६	४६	अ	४१	१७	शु	३९	५८	व	५	३७	५०	१४	४६	२०	२९	९
१२	गु	४०	२२	ज्ये	४६	२८	ब्र	४०	७	ब	८	३४	५०	१४	४६	२१	३०	१०
१३	शु	४४	५०	मू	५२	२१	ऐं	४०	५२	कौ	१२	३६	४७	१५	४५	२२	३१	११
१४	श	५०	१६	पू	५९	६	वै	४२	३२	ग	१७	३३	४५	१५	४५	२३	१	१२
१५	र	५५	४७	उ	६०	०	वि	४४	३१	वि	२३	१	४२	१६	४४	२४	२	१३

१	चं	६०	०	उ	६	२६	प्री	४७	०	बा	२८	३५	३०	१५	४४	२५	३	१४
१	मं	१	५३	श्र	१३	४२	आ	४९	५२	कौ	१	५३	३७	१७	४३	२६	४	१५
२	बु	७	२४	ध	२१	१४	सौ	५१	४१	ग	७	२४	३५	१७	४३	२७	५	१६
३	गु	१३	५९	श	२८	३३	शो	५४	२	वि	१३	५९	३२	१८	४२	२८	६	१७
४	शु	१९	२०	पू	२५	१४	अ	५५	३७	बा	१९	२०	२९	१८	४२	२९	७	१८
५	श	२४	०	उ	४१	११	सु	५६	३५	तै	२४	०	२६	१९	४१	३०	८	१९
६	र	२७	३०	रे	४६	१	धृ	५६	२८	व	२७	३०	२४	१९	४१	३१	९	२०
७	चं	२९	३९	अ	४९	२०	शू	५५	१३	ब	२९	३९	२१	२०	४०	१	१०	२१
८	मं	२९	५३	भ	५०	५८	गं	५२	३७	कौ	२९	५३	१८	२०	४०	२	११	२२
९	बु	२८	२८	कृ	५०	४७	बृ	४८	२८	ग	२८	२८	१५	२१	३९	३	१२	२३
१०	गु	२५	८	रो	४८	३६	धु	४३	४७	वि	२५	८	१२	२२	३८	४	१३	२४
११	शु	१९	४६	मृ	४४	३१	व्या	३६	३०	बा	१९	४६	९	२२	३८	५	१४	२५
१२	श	१२	४६	आ	३८	५७	ह	२८	५	तै	१२	४६	६	२३	३७	६	१५	२६
१३	र	५	२०	पु	३२	२	ब	१७	२३	व	५	२०	३	२३	३७	७	१६	२७
१४	र	४९	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	च	४४	४६	पु	२४	२८	सि	५८	५५	च	१९	४३	०	२४	३६	८	२६	२८

१४पं.आ.शु.५गु.इ.६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	७	४	६	१	२
२७	१६	२	७	८	४	२९	२७
३०	२०	४९	४८	५०	२०	५६	८
३२	२	८	५०	५६	३१	३५	२१
५७	४१	२९	४९	३९	१	३	५६
११	०	३२	ब	३५	२२	११	५४

गोचरग्रहाः

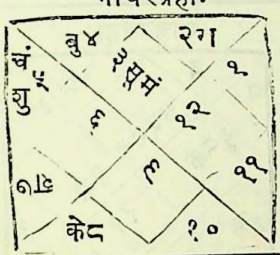

आ. शु.३० शनौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ४ न. ६ वृद्धावस्था (बैठी) मु ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.

गोचरग्रहाः

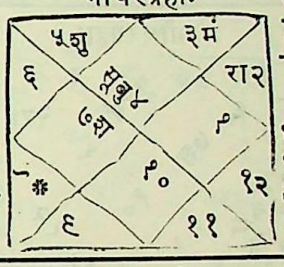

१५पं.आ.शु.१२गु.इ.५।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	७	४	६	१	३
४	२०	१६	७	१२	४	२९	३
११	५८	४५	३३	३२	३१	३४	४६
१७	२६	४०	२५	२८	१२	२०	४८
५७	४०	२०	२९	२८	२	३	५६
१५	४३	३०	ब	२१	१	११	५७

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं.२०४० शाकः १९०५ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणे आषाढ़ कृ. महाराष्ट्राः

भ. ४०।४१ उ.
भ. १५ ३९ या. मघा. सिंहे बुधः २९ मार्गी=
नाग ५ मरुस्थले =गुरुः ५१।४९च.व्र.
भ. २७।३० उ. ५८।३४ या.
अगस्त ता. ३१
उदयो भौमः ४०।५२
भ. ४५ ४६ उ. आश्ले. रविः १ ६३ (सौरः ३ ८ २ ६)*
भ. २५।८ या. वक्री शुक्रः ३।५१
पूफा. बुधः ५५।९ कामिका ११ व्र.
प्रदोषः *कर्के भौमः ५१।१४
भ. ५।२० उ. ३०।० या.
सोमवती हरियाली ३०

१	चं	६०	०	उ	६	२६	प्री	४७	०	बा	२८	३५	३०	१५	४४	२५	३	१४
१	मं	१	५३	श्र	१३	४२	आ	४९	५२	कौ	१	५३	३७	१७	४३	२६	४	१५
२	बु	७	२४	ध	२१	१४	सौ	५१	४१	ग	७	२४	३५	१७	४३	२७	५	१६
३	गु	१३	५९	श	२८	३३	शो	५४	२	वि	१३	५९	३२	१८	४२	२८	६	१७
४	शु	१९	२०	पू	२५	१४	अ	५५	३७	बा	१९	२०	२९	१८	४२	२९	७	१८
५	श	२४	०	उ	४१	११	सु	५६	३५	तै	२४	०	२६	१९	४१	३०	८	१९
६	र	२७	३०	रे	४६	१	धृ	५६	२८	व	२७	३०	२४	१९	४१	३१	९	२०
७	चं	२९	३९	अ	४९	२०	शू	५५	१३	ब	२९	३९	२१	२०	४०	१	१०	२१
८	मं	२९	५३	भ	५०	५८	गं	५२	३७	कौ	२९	५३	१८	२०	४०	२	११	२२
९	बु	२८	२८	कृ	५०	४७	बृ	४८	२८	ग	२८	२८	१५	२१	३९	३	१२	२३
१०	गु	२५	८	रो	४८	३६	धु	४३	४७	वि	२५	८	१२	२२	३८	४	१३	२४
११	शु	१९	४६	मृ	४४	३१	व्या	३६	३०	बा	१९	४६	९	२२	३८	५	१४	२५
१२	श	१२	४६	आ	३८	५७	ह	२८	५	तै	१२	४६	६	२३	३७	६	१५	२६
१३	र	५	२०	पु	३२	२	ब	१७	२३	व	५	२०	३	२३	३७	७	१६	२७
१४	र	४९	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	च	४४	४६	पु	२४	२८	सि	५८	५५	च	१९	४३	०	२४	३६	८	२६	२८

१६पं.श्रा.कृ.३गु.इ. ५।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	७	४	६	१	३
१०	२५	२९	७	१४	४	२९	१०
५२	३५	२१	२७	५७	४६	१२	२६
१९	२	१८	४३	४३	४८	४	५
५७	४०	९०	८	१५	२	३	५७
२०	३३	२९	ब	३३	४०	११	५

गोचरग्रहाः

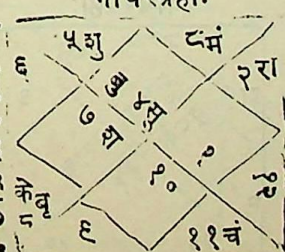

श्रावण में सोमोती आई। व्यतिपात ने सागे लाई ॥ हरियाली को हुयो है योग। पुण्य करै सो पावे भोग। वर्षा श्रेष्ट होगी।

गोचरग्रहाः

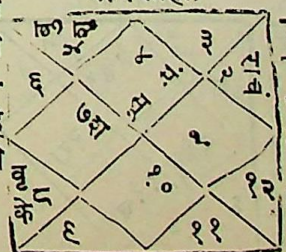

१७पं.श्रा.कृ.१०गु.इ.५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	७	४	६	१	३
१७	०	१०	७	१५	५	२८	१७
३४	९	३४	३०	५१	६	४९	५
१	४०	८	४३	४३	५०	४९	५३
५७	४०	९०	५	४०	३	३	५७
२५	११	५३	मा	ब	१९	११	१२

(स० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

*वृ.के.चं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्ल पक्षः सं. २०४० शाकः १९०५ दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः स २७७८स. १९८३

१	मं	३४	२८	श्ले	१६	२९	च	४५	१३	कि	९	४२	३२/५६	२५	६/३५	९	१८	२९	सि १६।२९
२	बु	२५	४	म	८	५४	प	३४	२९	की	२५	४	५३	२५	३५	१०	१९	३०	सिंहे
३	गु	१६	३४	पू	५९/१	५४/५७	शि	२४	५६	ग	१६	३४	५०	२६	३४	११	२०	१	क. १५।३१
४	शु	९	२९	ह	५२	२	सि	१६	१३	वि	९	२९	४७	२७	३३	१२	२१	२	कन्यायां
५	श	४	१४	चि	५०	२२	सा	८	४	बा	४	१४	४३	२७	३३	१३	२२	३	तु. २१।१२
६	र	०	४४	स्वा	५०	१	शु	४/३	५५/५४	तै	०	४४	४०	२८	३२	१४	२३	४	तुलायां
७	र	५८	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०
८	चं	६०	०	वि	५१	५५	न	५७	११	दि	२४	४३	३६	२९	३१	१५	२४	५	बृ. ३६।२६
८	मं	०	४	अ	५९	२७	ऐं	५६	१६	ब	०	४	३३	२९	३१	१६	२५	६	बृश्चिके
९	बु	२	१७	ज्ये	६०	०	वै	५६	३९	की	२	१७	२९	३०	३०	१७	२६	७	वृश्चिके
१०	गु	६	१०	ज्ये	०	४३	वि	५७	३९	ग	६	१०	२६	३१	२९	१८	२७	८	ध. ०।४३
११	शु	११	१२	मू	६	५९	प्री	५९	३५	वि	११	१२	२२	३२	२८	१९	२८	९	धनुषि
१२	श	१७	२	पू	१४	२	आ	६०	०	बा	१७	२	१९	३२	२८	२०	२९	१०	म. ३०।४९
१३	र	२२	५८	उ	२१	११	आ	१	४९	तै	२२	५८	१५	३३	२७	२१	३०	११	मकरे
१४	चं	२९	१५	श्र	२८	३७	सो	४	९	व	२९	१५	११	३४	२६	२२	३१	१२	मकरे
१५	म	३५	९	ध	३६	२	शो	६	३०	वि	२	१२	८	३४	२६	२३	१	१३	कु २।१९

पुष्ये भौमः १।४४
चंद्रद. सिंधारा
भ. ४३।१उ. तीज जिल्काद ११
भ. ९।२९या. बरद ४
नागपंचमी
भ. ५९।२२ उ.
÷कर्म रक्षा बंधनम्
भ. ३४/४३या. उफा. बुधः ४९/६९वक्री मघायां*
शु. अ प.
मघां. सिंहेऽर्कः ३।८ (सौरः ३४।५३)
भ. ३८।४१उ.
भ. ११।१२या. कन्यायां बुधः २४।०=
प्रदोषः =पवित्रा ११ ब्र.
*शुक्रः २७/३३शुक्रास्तः पश्चिमायां २६।०
भ २९।१५ उ.
भ. २।१२या. रा. भाद्रपदारंभः श्रावणी÷

१८पं.श्रा.शु. ३गु.इ.५।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	७	४	६	१	३
१४	४	२०	७	१४	५	२८	२३
१६	४२	२०	४२	५१	३१	२७	४७
२६	४३	४२	०	४३	५	२३	०
५७	४०	७४	२	५६	३	३	५७
३३	६	४९	२५	ब	५७	११	२२

गोचरग्रहाः

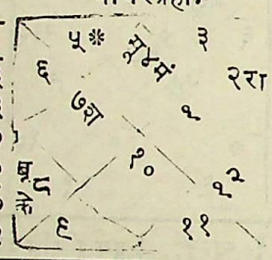

श्रा.शुक्ले ९ बुधे सिंहेऽर्क प्र.वा ५. न. ५ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रास्तः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

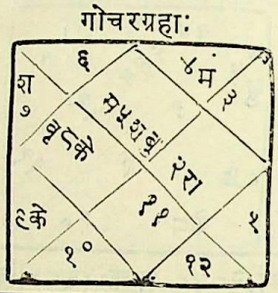

१९पं.श्रा.शु. १०गु.इ.५।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	७	४	६	१	४
०	९	२८	८	११	५	२८	०
५९	१३	४७	२	४९	५८	५	२९
४९	३७	१०	४६	५५	५९	१८	१३
५७	२९	५५	३	३०/२४	४	३	५७
४०	४९	३४	४६	ब	३३	११	३४

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं २०४० शाकः १९०५ दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणे श्रा कृष्णेति. महा.

१	बु	४०	५२	श	४३	१७	अ	८	४६	बा	८	०	३/४	५/३५	६/२५	२४	२	१४	कुं भे
२	गु	४५	५६	पू	४६	४४	सु	१०	४८	तै	१३	२५	०	३६	२४	२५	३	१५	मी ३३।८
३	शु	५०	४	उ	५५	३०	धृ	१२	८	व	१८	१	१/५६	३७	२३	२६	४	१६	मीने
४	श	५३	२३	रे	६०	०	शू	१२	४७	ब	२१	१४	५२	३८	२२	२७	५	१७	मीने
५	र	५५	३४	रे	०	२६	गं	१२	५६	की	२४	२६	५८	३८	२२	२८	६	१८	मे. ०।२६
६	चं	५६	२८	अ	४	७	वृ	१२	६	ग	२६	१	४४	३९	२१	२९	७	१९	मेषे
७	मं	५६	३	भ	६	३६	ध्रु	११	१७	वि	२६	१५	४०	४०	२०	३०	८	२०	वृ. २१।५३
८	बु	५४	११	कृ	७	४६	व्या	८	२०	बा	२५	७	३६	४१	१९	३१	९	२१	वृषे
९	गु	५०	३४	रो	७	२२	ह	३/१२	५४/२९	तै	२२	२२	३२	४२	१८	१	१०	२२	मि ३६।२४
१०	शु	४५	२०	मृ	५	२६	सि	५०	५६	व	१७	५६	२८	४२	१८	२	११	२३	मिथुने
११	श	३८	४५	आ	५९/१	५५/५१	व्य	४३	३	ब	१२	२	२५	४३	१७	३	१२	२४	क. ४३।२३
१२	र	३०	४९	पु	५०	५८	व	३४	२	की	४	४७	२१	४४	१६	४	१३	२५	कर्के
१३	चं	२१	५६	श्ले	४४	२	प	२४	१०	व	२१	५६	१७	४५	१५	५	१४	२६	सि ४४।२
१४	मं	१२	२९	म	३६	३५	शि	१३	५१	श	१२	२९	१३	४५	१५	६	१५	२७	सिंहे
३०	बु	२	५०	पू	२९	१०	सि	३/९२	४९/३४	ना	२	५०	९	४६	१४	७	१६	२८	कं. ४२।३०

भ. १८।१उ. ५०।४या. स्वाती १शनि. ५१/५६
चतुर्थी ब्र.
=दयः पूर्वस्यां २४ श्रीकृष्ण जयंती ब्र.
भ. ५६।२८उ. आश्ले. भौमः ४७।२०*
भ. २६।१५या. पूफा. रविः ५२।४५
पूफा. रविः सौरः २५/४५वक्री बुधः ४९/९शुको =
सितम्बर ९ ता. ३० गोगाष्ट
भ. १७।५६उ. ४५।२०या.
अजा ११ ब्र. *चन्द्रषष्ठी
वत्स द्वादशी प्रदोषः
२१।५६उ. ४७।१२ या.

२०पं.भा.कृ. २गु.इ.५।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	७	४	६	१	४
७	१३	४	८	७	६	२७	७
४४	४३	२०	३१	४७	३१	४३	१२
५७	८	३१	४८	३०	८	२	४५
५७	३९	३४	४	३/३६	४	३	५७
४९	३९	२१	५३	ब	५९	११	४५

गोचरग्रहाः

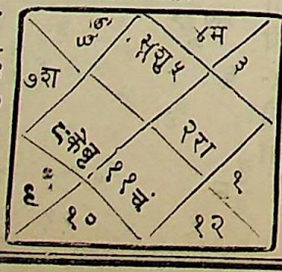

भाद्र.शु. ११शनौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४न ४प्रगल्भा वस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्धताशुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.कृ.९गु.इ.५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	४	६	१	४
१४	१८	६	९	३	७	२७	१३
२९	१०	९	९	३७	६	२०	५७
५६	४४	२२	१८	४८	३२	४६	५७
५८	३९	९	५	३०/३२	५	३	५७
१३२	ब	५९	ब	२५	११	५७	

* शु. चं. बु.

Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०४०शाकः१९०५ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८०८सं.१९८३

१	बु	५०	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	गु	४५	३१	उ	२२	२९	शु	४२	३	ना	१९	३४	३१/५५	४७	५३/६	८	१७	२९	कन्यायां
३	शु	३८	५५	ह	१६	५०	शु	३४	२९	ते	१२	१३	१	४८	१२	९	१८	१	तु.४४।५२
४	श	३४	४	चि	१२	५५	ज्ये	२६	२	व	६	२९	३५/७	४९	११	१०	१९	२	तुलायां
५	र	३१	१६	स्वा	१०	४२	ऐं	२१	११	ब	२	४१	५३	४९	११	११	२०	३	वृ.५६।०
६	चं	३०	५२	वि	१०	५२	वै	१७	२३	की	१	५	४८	५०	१०	१२	२१	४	वृश्चिके
७	मं	३२	८	अ	१३	२	वि	१५	३०	ग	१	३०	४४	५१	९	१३	२२	५	वृश्चिके
८	बु	३५	४२	ज्ये	१७	६	प्री	१४	२९	वि	२	५५	४०	५२	८	१४	२३	६	ध.१७।६
९	गु	४०	२७	मू	२२	४८	आ	१४	४८	ना	१३	२५	३६	५३	७	१५	२४	७	धनुषि
१०	शु	४६	२३	पू	२९	४०	सौ	१६	१८	ते	१८	४७	३२	५४	६	१६	२५	८	म.४६।३२
११	श	५२	३२	उ	३७	९	शो	१८	३२	व	१९	४५	२८	५४	६	१७	२६	९	मकरे
१२	र	५८	५५	अ	४४	४४	अ	२०	५६	व	२५	४३	२४	५५	५	१८	२७	१०	मकरे
१३	चं	६०	०	ध	५२	११	सु	२३	३२	की	३१	५६	२०	५६	४	१९	२८	११	कु.१८।२८
१३	मं	४	५७	श	५९	१६	धृ	२५	२६	ते	४	५७	१६	५७	३	२०	२९	१२	कुम्भे
१४	बु	१०	८	पू	६०	०	शू	२७	१८	व	१०	८	१२	५८	२	२१	३०	१३	मी४८।५३
१५	गु	१४	५५	पू	५	२५	गं	२८	१३	व	१४	५५	८	५८	२	२२	३१	१४	मीने

बुधास्तःपश्चिमायाम् ४८।२ चन्द्रदर्शनम्
अनु.:गुरुः४५/१हरितालिका जिल्हेज १२
भ.२६/९उ.३४/४या.वक्री कर्के अश्ले. शुक्रः=
ऋषिपंचमी *३६/४गणेश ४
=ज्येष्ठा ४ केतुः ५४।४
भ.३२/८उ. उफा. रविः३७/५मृगः१ राहुः=
भ.५५/३या.उफा रविःसौरः१/३वक्री सिंहे+
मार्गी शुक्रः २०।२४ +बुधः २९ ४१
रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
भ.१/२६उ.५/३२या.कन्यायामर्कः२/६(सौरः×
×३५/३४)वक्री पूफा बुधः१२/८जलझू. ११ व्र.
मघा. सिंहे भौमः ५४।८ प्रदोषः
मघा. सिंहे शुक्रः ३५/३८ अनन्त १४
भ.१०/८ उ. ४३/१या. महालयारंभः
कुमारीणां संध्यापूजनम्

२२पं.भा.शु.२ गु.इ.४।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	७	४	६	१	४
२१	२२	५	९	०	७	२६	२०
१६	३७	३२	५३	४०	४५	५८	४४
५५	१६	१०	२४	३४	५३	३१	३७
५८	३९	४४/७	६	३७/१०	५	३	५८
१३	१५	बु	५८	बु	५२	११	१२

२३पं. भा.शु.९ गु.इ.४।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	७	३	६	१	४
२८	२७	२९	१०	२९	८	२६	२७
५	१	१७	४४	३५	२६	३६	३२
२४	४८	१३	३१	३१	४२	१५	५९
५८	३९	७४/४	७	३०/८	६	३	५८
२६	४	बु	५९	बु	१९	११	२९

२४पं.भा.शु१५गु.इ.४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	७	४	६	१	५
४	१	२३	११	०	९	२६	४
५५	२४	३७	४२	२२	१०	१४	२३
१९	४३	१२	५८	१	२६	०	६
५८	३८	७/७	८	५/४	६	३	५८
३८	५८	बु	५५	मा	३०	११	४५

ति. आश्विन कृष्ण पक्षः सं.२०४०शाकः१९०५ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	१८	२८	उ	१०	३२	वृ	२८	४४	की	१८	२८	३०/४	५/६	६/१	२३	१	१५	मीने
२	श	२१	१	रे	१५	१	ध्रु	२८	१४	ग	२१	१	३०/०	५/६	६/०	२४	२	१६	मे.१५।१
३	र	२२	२७	अ	१८	१४	व्या	२६	४७	वि	२२	२७	२९/५	६/१	५/६	२५	३	१७	मेषे
४	चं	२२	४२	भ	२०	२५	ह	२४	४२	ना	२२	४२	५१	२	५८	२६	४	१८	वृ.३५।४४
५	मं	२२	७	कृ	२१	४०	व	२१	४७	ते	२२	७	४७	३	५७	२७	५	१९	बृषे
६	बु	२०	३१	रो	२१	५६	सि	१८	१	व	२०	३१	४३	३	५७	२८	६	२०	मि५१।५५
७	गु	१७	४६	मृ	२१	५५	व्य	१३	२४	ब	१७	४६	३८	४	५६	२९	७	२१	मिथुने
८	शु	१३	१८	आ	१९	२	व	७	५०	की	१३	१८	३४	५	५५	३०	८	२२	मिथुने
९	श	९	३६	पु	१६	३	प	२६/१	५३/४३	ग	९	३६	३०	६	५४	१	९	२३	क.१।४८
१०	र	३	३७	पु	११	५९	सि	४६	८	वि	३	३७	२६	७	५३	२	१०	२४	कर्के
११	र	५३	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	चं	८९	२१	श्ले	७	४	सा	३७	२१	की	२३	५	२२	८	५२	३	११	२५	सिं७।४
१३	मं	४०	४७	म	२१/१	५३/५०	शु	२८	३	ग	१५	४	१८	८	५२	४	१२	२६	सिंहे
१४	बु	३२	३३	उ	४९	११	शु	१८	४३	वि	६	४०	१४	९	५१	५	१३	२७	क.८।५३
३०	गु	२४	३४	ह	४३	२८	त्र	९	१३	ना	२४	३४	१०	१०	५०	६	१४	२८	कन्यायां

बुधोदयः पूर्वस्याम्,२५/४ रा.आश्विनारंभः
भ. ५१।४४ उ.
भ. ३२/३७ या. मार्गी बुधः५५/४ चतुर्थी व्र.

हस्ते रविः १५।३२ (सौरः ४८।४)
भ. २०।३१ उ. ४९।८ या.

स्वाती २ शनिः २४।५३
भ.३६।३६ उ. अक्टूबर १० ता.३१ .
भ.३७/३या.उफा.बुधः३/३अनु.४गुरुः३३/३५*
*इन्दिरा ११ व्र. स्मा.
इन्दिरा ११ व्र. वै.
भ. ४/४७उ. कन्यायां बुधः५/१२ प्रदोष.
भ.४/६०या.शस्त्रादि हतानां श्राद्ध
सर्वपितृ श्राद्ध

२५पं.आ.कृ.७गु.इ.४।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	७	४	६	१	५
११	५	२४	१२	२	९	२५	११
४६	४६	१८	४६	४५	५५	५१	१५
५५	२३	२५	१६	५०	४४	४४	१०
५८	३८	४७	९	२७	६	३	५९
५३	४०	२८	४१	६	४५	११	०

गोचरग्रहाः

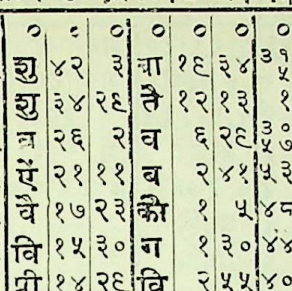

आसोजां के मेहसे
दोनों बात विनास।
वोरड़ियों के बोर
नहीं, बण के नहीं
कपास।

गोचरग्रहाः

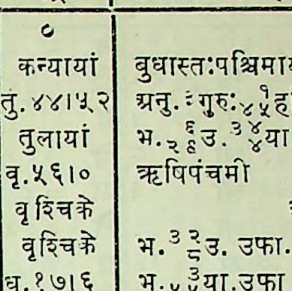

२६पं.आ.कृ.३०गु.इ.४।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	७	४	६	१	५
१८	१०	१	१३	६	१०	२५	१८
४०	६	५१	५५	२९	४३	२९	८
८	२९	७	४१	६	८	२८	५६
५९	३८	९३	१०	३५	७	३	५९
९	३३	४६	२५	५४	२	११	१६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ने	आश्विन शुक्लपक्ष. सं.२०४०शाकः१९०५	दि.	उ.	अ	इं.	रा.	मु.	चंद्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८३७स.१९८३
१	शु १८ ७ चि ३८५२ ऐं १७ ५३	ब	१८	७	२९	१६	४५	७ १५ २९	तु. ११।१० मातामह श्रा. चद्रदर्शन संभवःनवरात्रा.
२	श १२ ३२ स्वा ३५ ३७ वि ४५ २७	कौ	१२	३२	२	१२	४८	८ १६ १	तुलायां मोहोरमं १ सन् १४०४ हि.
३	८ ९ ३ वि ३४ १३ प्री ४० ४	ग	९	३	२५	१२	४८	९ १७ २	बृ.१९।३४ भ ३८।१६ उ.
४	चं ७ ३० अ ३४ ५२ आ ३६ ८	वि	७	३०	५४	१३	४७	१० १८ ३	बश्चिके भ. ७।३० यः. चित्रा. रविः ४७।३३
५	मं ७ ४९ ज्ये ३७ ३१ सौ ३४ १३	वा	७	४९	५०	१४	४६	११ १९ ४	ध. ३७।३१ चित्रा.रविःसौर:१५ह.बुधः१४पूफा.भौ.२३५५
६	बु १० १७ मू ४१ ५९ शो २३ ४९	तै	१०	१७	४६	१५	४५	१२ २० ५	धनुषि सरस्वत्यावाहनम बुधाऽस्त पूर्वस्यां१२५
७	गु १४ २९ पू ४८ ८ अ ३४ १९	व	१४	२९	४२	१६	४४	१३ २१ ६	धनुषि भ.१४ उ. ४७ यां सरस्वतीपूज.
८	शु २० १० उ ५५ १२ सु ३६ २	ब	२०	१०	३८	१६	४४	१४ २२ ७	म. ४।५४ अस्तं शनेः १९ बलिदानम्
९	श २६ १७ श्र ६० ० धृ ३८ ४	कौ	२६	२७	३४	१७	४३	१५ २३ ८	मकरे पूफा.शुक्रः४३ विजयादशमीपूजोत्सवः
१०	र ३२ ३९ श्र २ ४४ शू ४० ३८	तै	३२	३९	३०	१८	४२	१६ २४ ९	कु. ३६।३१ विजया १० पट्टाभिषेके * ११ ब्र.
११	चं ३८ ५२ ध १० १९ गं ४२ ४३	व	५	४६	२६	१९	४१	१७ २५ १०	कुम्भे भ.४६ उ.३५ या.तुलायामर्कः३१ पापांकु.*
१२	सं ४४ २६ श १७ २२ वृ ४४ ३५	ब	११	३९	२२	२०	४०	१८ २६ ११	कुम्भे तुलायामर्कः सौर २३ चित्रायांबुधः५३
१३	बु ४८ ३९ पू २३ ४३ धु ४५ ३४	कौ	१९	३२	१८	२०	४०	१९ २७ १२	मी ७।८ प्रदोषः
१४	गु ५१ ४४ उ २८ ४२ व्या ४५ २६	ग	२०	११	१४	२१	३९	२० २८ १३	मीने भ. ५१।४४ उ. *को जागरी ब्र.
१५	शु ५३ २२ रे ३२ ३१ ह ४४ ३१	वि	२२	३३	१०	२२	३८	२१ २९ १४	मे. ३२।३१ भ.३३ या.ज्येष्ठा.१गुरुः४७ सरद्पूर्णिमा*

२७पं.आ.शु.७गु.इ.४।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	७	४	६	१	५
२५	१४	१३	१५	११	११	२५	२५
३५	२४	७	९	२०	३१	७	४
६	७	८	०	३५	४४	१३	३८
५९	३८	९	११	४५	७	३	५९
२१	१२	२	६	७	१०	११	३१

गोचरग्रहाः

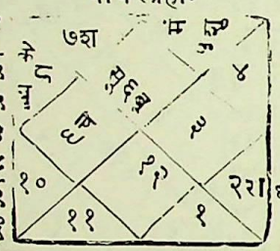

आ.शु. ११ चंद्रे तुलायामर्कः३१.वा. ३न. ४व्रद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्या.भावे समर्घता शुक्रास्त.पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

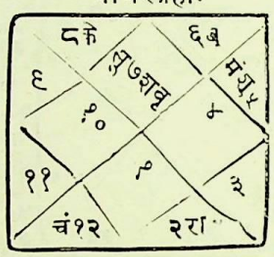

२८पं.आ.शु.१४गु.इ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	७	४	६	१	६
२	१८	२५	१६	१६	१२	२४	२
३१	३९	१२	२७	५६	२१	४४	२
४४	५८	०	२९	२८	३२	५७	७
५९	३७	९	१२	५०	७	३	५९
३४	५९	१८	४२	४७	१७	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्ण पक्षः सं.२०४० शाकः १९०५	दि	उ.	अ	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.आ.कृ. महाराष्ट्राः
१	श ५३ ४९ अ ३५ १ व ४४ ३१	ब्रा	२३	३५	२८	६	३५	२२ ३० १५	मेषे तुलाया बुधः ४९।३७
२	र ५२ ५८ भ ३६ २० सि ३९ ३४	तै	२३	२३	२	२४	३६	२३ १ १६	वृ.५१।२५ रा. कार्तिकारंभः
३	चं ५१ १३ कृ ३६ ४० व्य ३५ ४०	व	२२	५	२७	२४	३६	२४ २ १७	वृषे भ.२३ उ.५३ या स्वात्यांरविः१३१ (सौरः४२१
४	मं ४८ ३३ रो ३५ ५८ व ३१ १४	ब	१९	५३	०४	२५	३५	२५ ३ १८	चतुर्थी ब्र. वृषे
५	बु ४५ ११ मृ ३४ ३१ प ३५ ५८	कौ	१६	५२	५०	२६	३४	२६ ४ १९	मि५।१४ स्वात्यां बुधः ४८।२४
६	गु ४१ ४९ आ ३२ ४१ शि २० २२	ग	१३	२९	४६	२७	३३	२७ ५ २०	मिथुने भ. ४१।४९ उ.
७	शु ३७ १३ पु ३० १० सि १४ ११	वि	१८	३१	४२	२८	३२	२८ ६ २१	क.१५।४७ भ. १५ या. स्वाती ३ शनिः २४
८	श ३२ २३ पु २७ २० सा ७ ३८	ब्रा	४	४७	३९	२८	३२	२९ ७ २२	कर्के
९	र २७ ३ श्ले २३ ४७ शु ३८ ५३	ग	२७	३	३५	२९	३१	३० ८ २३	सिं२३।४७ भ.५४ उ. उफा.शुक्रः ४३।२२
१०	चं २१ २३ म १९ ५९ न्न ४५ ३८	वि	२१	२३	३१	३०	३०	३१ ९ २४	सिंहे भ. २१।२३या.
११	मं १५ १९ पू १५ ५१ ऐं ३७ ३२	वा	१५	१९	२७	३१	२९	१ १० २५	क.२९।४४ नवम्बर ११ ता. ३० रमा ११ ब्र.
१२	बु ९ १ उ ११ २५ चै २९ ४१	तै	९	१	२४	३१	२९	२ ११ २६	कन्यायां उफा. भौमः४९ प्रदोषः धन१३
१३	गु ३ २ ह ७ १७ वि २१ ५५	व	३	२	२०	३२	२८	३ १२ २७	तु. ३५।२१ भ.३ उ.३७ या. विशा.बुधः५१ कन्यायां×
१४	गु ५४ ३० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०×शुक्रः ×।४० रूप १४
३०	शु ५२ ४६ चि ३ २५ प्री १४ ३४	च	२५	९	१६	३३	२७	४ १३ २८	तुलायां महालक्ष्मीपूजनम्

२९पं.का.कृ.६गु.इ.३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	७	४	६	१	६
९	२२	७	१७	२३	१३	२४	९
२९	५४	६	४९	१२	१०	२२	१
४९	३६	३२	४१	१८	५	४२	२७
५९	३७	८	१२	५५	७	३	६०
४७	४६	३६	१४	१२	२०	११	२

गोचरग्रहाः

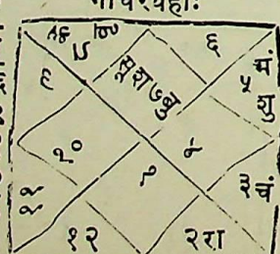

इस मास में अनाज गल्ला किराना तिलहन पाट वारदाना खांड गुड़ शक्कर सोना चांदी में तेजी होके मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

३०पं.का.कृ.१२गु.इ.३।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	७	४	६	१	६
१६	२७	१८	१९	२९	१४	२४	१६
२९	७	३८	१४	५८	०	०	२
३८	१६	४९	४६	५५	२९	२६	३१
३०	३७	९	१२	५९	७	३	६०
४	२१	४२	३५	३७	२०	११	१८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | कार्तिक शुक्लपक्षः सं०२०४० शाकः१९०५ | दि | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | हेमंततूं रविर्दक्षि.ऽहर्गणः३८६६स.१९८३

| | | |

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४० शा. क: १९०५ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८९६स.१९८३

१	चं	२८	१९	ज्ये	२२	४१	धृ	१२	५०	ब	२८	२९	५५/५१	६/४९	५/११	५	१४	२९	ध. २२।४१	
२	मं	३०	२२	मू	२५	०	शु	११	२३	कौ	३०	२२	४९	५०	१०	६	१५	३०	धनुषि	
३	बु	३३	२१	पू	३०	३३	ग	१०	१९	तै	२	७	४८	५०	१०	७	१६	१	म. ४३।५९	
४	गु	३९	१	उ	३६	१७	वृ	१०	४०	व	६	२६	४६	५१	९	८	१७	२	मकरे	
५	शु	४४	३५	श्र	४२	३४	ध्रु	११	५०	ब	११	४८	४५	५१	९	९	१८	३	मकरे	
६	श	५१	५	ध	५०	४१	व्या	१३	५०	कौ	१७	५०	४४	५१	९	१०	१९	४	कु. १६।३५	
७	र	५७	२९	श	५८	१४	ह	१६	१०	ग	२४	१७	४२	५२	८	११	२०	५	कुम्भे	
८	चं	६०	०	पू	६०	०	व	१९	२३	वि	३०	३४	४१	५२	८	१२	२१	६	मी. ४८।४०	
८	मं	३	३८	पू	५	२७	सि	२०	१४	ब	३	३८	४०	५२	८	१३	२२	७	मीने	
९	बु	८	५	उ	११	५५	व्य	२१	१	कौ	८	५	३९	५२	८	१४	२३	८	मीने	
१०	गु	१२	१९	रे	१६	४३	व	२०	४९	ग	१२	१९	३८	५२	८	१५	२४	९	मे. १९।४३	
११	शु	१४	११	अ	१९	४१	प	१९	१५	वि	१४	११	३८	५२	८	१६	२५	१०	मेषे	
१२	श	१३	५८	भ	२०	५६	शि	१६	११	चा	१३	५८	३७	५३	७	१७	२६	११	वृ. २५।४५	
१३	र	११	५२	कृ	२०	१०	सि	११	३६	तै	११	५२	३७	५३	७	१८	२७	१२	वृषे	
१४	चं	८	१	रा	१७	४५	सा	३/३	५२/४६	व	८	१	३७	५३	७	१९	२८	१३	मि ४५।५४	
१५	मं	२	५०	म	१४	३	शु	५०	७	ब	२	५०	३६	५३	७	२०	२९	१४	मिथुने	

ज्येष्ठा ४ गुरुः ५९।३३ चन्दद.
रविलावल ३
भ.६।२६ उ. ३९।१ या.
पूषा.बुध: ४/४६ स्वात्यां शुक्रः १३।२०
चंपा ६
भ. ५७।२९उ.
भ. ३०।३४या.

भ. ४३।१५उ.
भ. १/१४ या. मूलेधनुष्यर्कः २/५८ सौरः ३२/३९)*
प्रदोषः
विशाखा.शुक्रः ३/५४ चित्रा. भौमः ८।३६
भ. ८।१ उ. ३५।२५या. दत्तजयंती
*मोक्षदा ११ब्र गीता जयन्ती

२५पं.मा.शु.४गु.इ.२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	७	६	६	१	७
२१	१७	११	२६	८	१८	२२	२१
४८	२५	१३	५४	०	४	९	२९
५८	२	३४	२९	३६	५५	८	१७
६०	३५	६९	१३	६७	६	३	६१
५६	२७	४९	३८	४७	३१	११	११

गौचरग्रहाः

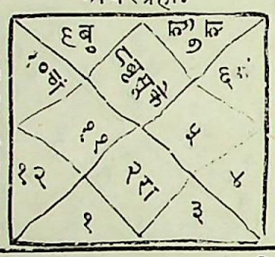

मार्ग.शु ११शुक्रे धनुष्यर्कः प्र.वा ३न.३ वृद्धावस्था (बैठी मु. ३० धान्यादि भावे समता शक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

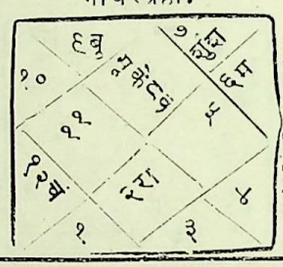

२६पं मा.शु १०गु.इ.२/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	७	६	६	१	७
२८	२१	१९	२८	१६	१८	२१	२८
५५	३१	३१	२९	८	४८	४६	३८
५२	५२	८	५६	५६	३२	५२	०
६१	३४	५५	१३	६८	६	३	६१
०	५०	५६	३८	४७	१७	११	१९

ति. पौष कृष्णपक्षः सं० २०४० शाकः १९०५ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | हेसंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.

१	मं	५३	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२	
२	बु	४९	२९	आ	९	२०	त्र	४१	३४	तै	२७	५६	२५/३६	५/५३	५	५	२१	३०	१५	क. ५०।४०
३	गु	४२	२७	पु	४/२	५४/४०	व	१५	५८	ब	३६	५३	७	२२	१	१६				कर्के
४	शु	३५	२३	श्ले	५४	९	वै	२३	५२	ब	८	५५	३६	५३	७	२३	२	१७		सिं ५४।९
५	श	२८	४९	म	४९	२	वि	१५	२४	कौ	२	५	३६	५३	७	२४	३	१८		सिंहे
६	र	२२	५६	पु	४५	४	शी	१/१६	५२/२८	व	२२	५६	३७	५३	७	२५	४	१९		क. ५९।१७
७	चं	१७	५३	उ	४१	५६	सौ	५०	३१	व	१७	५३	३७	५३	७	२६	५	२०		कन्यायां
८	मं	१३	२८	ह	३९	२९	शो	४६	३६	कौ	१३	२८	३७	५३	७	२७	६	२१		कन्यायां
९	बु	१०	१	चि	३८	२	अ	४०	५८	ग	१०	१	२८	५२	८	२८	७	२२		तु. ८।४६
१०	गु	७	२६	स्वा	३७	३५	सु	३६	२३	वि	७	२६	३८	५२	८	२९	८	२३		तुलायां
११	शु	५	४३	वि	३७	९	धृ	३२	१६	वा	५	४३	३९	५२	८	३०	९	२४		वृ. २२।४६
१२	श	४	५९	अ	३९	१९	शू	२९	२३	तै	४	५९	४०	५२	८	३१	१०	२५		वृश्चिके
१३	र	५	३२	ज्ये	४१	४१	गं	२६	४४	व	५	३२	४०	५२	८	१	११	२६		ध. ४१।४१
१४	चं	६	५१	मू	४५	२०	बृ	२५	४२	श	६	५१	४१	५२	८	२	१२	२७		धनुषि
३०	म	९	४२	पू	५०	५	ध्रु	२४	५९	ना	९	४२	४२	५२	८	३	१३	२८		धनुषि

+अनू. शुक्रः २९।४७
वक्री बुधः ५/३६ मूल १ धनुषि गुरुः ३/५२
भ.१५।८उ ४/२७ या.रा. पौषारम्भः
चतुर्थी व्र.

भ.५/६२उ ५०/२४ या.पश्चिमास्तोबुधः ५३।३
वृश्चिके शुक्रः ३९।५
विशाखा १शनिः ४१।४उदयंगुरोः ४६।१२
भ. ३८।४३उ. उ.गु.
भ.७।२६या.पूषा.रविः १०/२४ (सौरः २४/१७)+
तुलायां भौमः २३।५४ सफला ११ब्र.
प्रदोषः
भ.५।३२उ. ३६/१९ या.वक्रीमूले बुधः ३६/४२*
*जनवरी १ता.३१ सन १९८४

३७पं.पौ.कृ.३गु.इ.२।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	८	६	६	१	८
६	२५	२३	०	२४	१९	२१	५
३	२४	०	५	२५	२९	२४	४७
२९	२९	१८	३१	५	४२	३७	२५
६१	३४	२०	३१	६९	५	३	६१
४	७	ब	३७	३२	५२	११	२२

गौचरग्रहाः

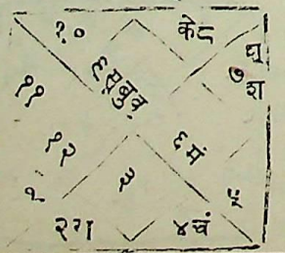

इस मासमें अनाज गुड़ गुवार सिरस्यूं पाटबारदाना रुई चांदी सोना सूत मूंगफली में तेजी होगी सुदी में मंदी हो।

गोचरग्रहाः

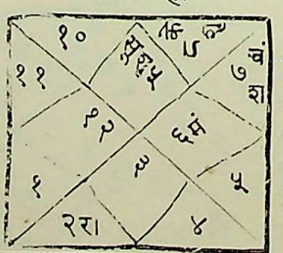

३८पं.पौ.कृ.१०गु.इ.२।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	८	७	६	१	८
१३	२९	१८	१	२	२०	२१	१२
११	१४	३०	४०	४७	८	२	५७
३१	२	५०	५९	३१	५६	२१	१७
६१	३३	८६	१३	७०	५	३	६१
६	४२	ब	३२	१८	२३	११	२६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. पौष शुक्ल पक्षः सं. २०४० शाकः १९०५ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३९२६स१९८४

१	बु	१३	३२	उ	५५	५८	व्या	२५	१८	ब	१३	३२	३५/४३	६/१५	५/९	४	१४ २९	म.६।३४
२	गु	१८	४३	श्र	६०	०	ह	२६	२८	कौ	१८	४३	४४	५१	९	५	१५ ३०	मकरे
३	शु	२४	२६	श्र	२	३१	व	२८	१०	ग	२४	२६	४६	५१	९	६	१६ १	कुं।३६।१०
४	श	३०	५४	ध	९	५०	सि	३०	७	वि	३०	५४	४७	५१	९	७	१७ २	कुंभे
५	र	३७	२६	श	१७	३४	ज्य	३२	४४	ब	४	१०	४९	५०	१०	८	१८ ३	कुम्भे
६	चं	४३	५५	पू	२५	१६	व	३४	५९	कौ	१०	४१	५१	५०	१०	९	१९ ४	मीन।२१
७	मं	४८	२८	उ	३२	७	प	३६	४०	ग	१६	११	५२	५०	१०	१०	२० ५	मीने
८	बु	५३	५७	रे	३७	४१	शि	३७	१५	वि	२१	१३	५४	४९	११	११	२१ ६	मे.२७।४१
९	गु	५६	३१	अ	४२	२६	सि	३६	४६	ग्रा	२५	८	५६	४९	११	१२	२२ ७	मेषे
१०	शु	५७	२९	भ	४५	६	सा	३४	५५	तै	२७	०	५८	४८	१२	१३	२३ ८	मेंषे
११	श	५६	१३	कृ	४५	३५	शु	३१	२२	व	२६	५१	२/९	४८	१२	१४	२४ ९	वृ ०।१३
१२	र	५२	४९	रो	४४	८	शु	२६	१७	ब	२४	३१	३	४७	१३	१५	२५ १०	वृषे
१३	चं	४७	३६	मृ	४०	४१	ब्र	१९	३४	कौ	२०	१३	५	४७	१३	१६	२६ ११	मि१२।२५
१४	मं	४०	४१	आ	३५	३९	ऐं	११	२६	ग	१४	८	८	४६	१४	१७	२७ १२	मिथुने
१५	बु	३२	४४	पु	२९	३०	वै	३/७	५०/८	वि	४	४३	१०	४६	१४	१८	२८ १३	क.१६।२

१	बृ	२४	१०	पु	२२	४५	श्री	४१	५८	कौ	२४	१०	२६/१२	४६	५/१४	१९	२९ १४	कर्के
२	शु	१५	१९	श्ले	१५	५५	आ	३१	४३	ग	१५	१९	१५	४५	१५	२०	३० १५	सिं१५।५५
३	श	६	४६	म	९	१०	सौ	२१	५२	वि	६	४६	१७	४५	१५	२१	१ १६	सिंहे
४	श	५२	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०
५	र	५२	९	पू	१९/३९	५५	शो	१२	३४	कौ	२५	३३	२०	४४	१६	२२	२ १७	क.९७।५
६	चं	४६	४०	ह	५४	४७	अ	१९/४२	५२/४९	ग	१९	२२	२२	४४	१६	२३	३ १८	कन्यायां
७	मं	४२	२५	चि	५२	५२	धृ	५०	४९	वि	१५	२	२५	४३	१७	२४	४ १९	तु.२३।५०
८	बु	३९	४७	स्वा	५१	४६	शू	४५	४६	ब्र	११	३६	२७	४३	१७	२५	५ २०	तुलायां
९	गु	३८	२१	वि	५२	१४	गं	४२	०	तै	९	४	३०	४२	१८	२६	६ २१	वृ ३७।७
१०	शु	३८	१९	अ	५४	८	बृ	३९	६	व	८	२०	३३	४१	१९	२७	७ २२	वृश्चिके
११	श	३९	२३	ज्ये	५७	१९	ध्रु	३७	२२	ब	८	५१	३६	४१	१९	२८	८ २३	ध.५७। ९
१२	र	४१	५०	मू	६०	०	व्या	३६	४२	कौ	१०	३७	३९	४०	२०	२९	९ २४	धनुषि
१३	चं	४६	२	मू	१	३५	ह	३६	५५	ग	१३	५६	४२	४०	२०	३०	१० २५	धनुषि
१४	मं	५१	२५	पू	६	५२	व	३७	२९	वि	१८	४३	४६	३९	२१	२१	११ २६	म.२३।२५
१५	बु	५५	५६	उ	१३	३	सि	३८	५६	च	२६	४१	४९	३८	२२	१	१२ २७	मकरे

३९पं.पौ.शु.२गु.इ.१।५८

गोचरग्रहाः

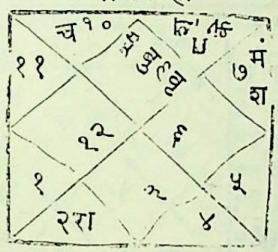

पौ. शु.११ शनौ मकरेऽर्कं.प्र. वा.२ न. २ बृद्धावस्था (बैठी) मु३०धा. भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

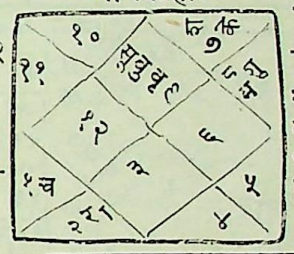

४०पं.पौ.शु९गु.इ.१।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	८	७	६	१	८
२७	६	६	४	१९	२१	२०	२०
२७	२५	४३	४७	४०	१४	१७	१७
४०	२८	१	२६	३७	३८	५०	६
६१	३१	५/९	१३	७१	४	३	६१
६	५३	मा	१४	२३	२९	११	२४

ति. माघ कृष्ण पक्षः सं. २०४० शाकः १९०५ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्राः

१	बृ	२४	१०	पु	२२	४५	श्री	४१	५८	कौ	२४	१०	२६/१२	४६	५/१४	१९	२९ १४	कर्के
२	शु	१५	१९	श्ले	१५	५५	आ	३१	४३	ग	१५	१९	१५	४५	१५	२०	३० १५	सिं१५।५५
३	श	६	४६	म	९	१०	सौ	२१	५२	वि	६	४६	१७	४५	१५	२१	१ १६	सिंहे
४	श	५२	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०
५	र	५२	९	पू	१९/३९	५५	शो	१२	३४	कौ	२५	३३	२०	४४	१६	२२	२ १७	क.९७।५
६	चं	४६	४०	ह	५४	४७	अ	१९/४२	५२/४९	ग	१९	२२	२२	४४	१६	२३	३ १८	कन्यायां
७	मं	४२	२५	चि	५२	५२	धृ	५०	४९	वि	१५	२	२५	४३	१७	२४	४ १९	तु.२३।५०
८	बु	३९	४७	स्वा	५१	४६	शू	४५	४६	ब्र	११	३६	२७	४३	१७	२५	५ २०	तुलायां
९	गु	३८	२१	वि	५२	१४	गं	४२	०	तै	९	४	३०	४२	१८	२६	६ २१	वृ ३७।७
१०	शु	३८	१९	अ	५४	८	बृ	३९	६	व	८	२०	३३	४१	१९	२७	७ २२	वृश्चिके
११	श	३९	२३	ज्ये	५७	१९	ध्रु	३७	२२	ब	८	५१	३६	४१	१९	२८	८ २३	ध.५७। ९
१२	र	४१	५०	मू	६०	०	व्या	३६	४२	कौ	१०	३७	३९	४०	२०	२९	९ २४	धनुषि
१३	चं	४६	२	मू	१	३५	ह	३६	५५	ग	१३	५६	४२	४०	२०	३०	१० २५	धनुषि
१४	मं	५१	२५	पू	६	५२	व	३७	२९	वि	१८	४३	४६	३९	२१	२१	११ २६	म.२३।२५
१५	बु	५५	५६	उ	१३	३	सि	३८	५६	च	२६	४१	४९	३८	२२	१	१२ २७	मकरे

४१पं.मा.कृ.१गु.इ.१।५४

गोचरग्रहाः

मा. शु.११ चंद्रे कुंभेऽर्कं: प्र. वा. ३न.३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु. पू. ।

गोचरग्रहाः

४२पं.मा.कृ.९गु.इ.१।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	८	८	६	१	९
११	१३	१७	७	६	२२	१९	११
४२	३०	४०	४७	४५	४	३३	३५
५८	२५	२६	५६	२९	५२	१९	२६
६०	२९	६६	१२	७२	३	३	६१
५९	३७	४१	२९	७	७	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| माघ शुक्लपक्षः स० २०४० शाकः १९०५ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चंद्रः |शिशिर रविरुत्तरेऽहर्गणः३९५५सं१९८४

१	गु	६०	०	श्र	१९	४८	व्य	४०	३०	कं	२८	५५	२६/५२	६/३८	५/२२	२	१३	२८	कु.५३।३१
१	शु	१	५४	ध	२७	१५	व	४२	४६	ब	१	५४	५५	३७	२३	३	१४	२९	कुम्भे
२	श	८	१९	श	२४	४७	प	४५	९	को	८	१९	५९	३६	२४	४	१५	१	कुम्भे
३	र	१४	५५	पू	४२	२८	शि	४७	१६	ग	१४	५५	२/२७	३६	२४	५	१६	२	मी२५।३२
४	चं	२१	२५	उ	४९	३८	सि	४८	१७	वि	२१	२५	६	३५	२५	६	१७	३	मीने
५	मं	२७	१२	रे	५६	९	सा	५०	४४	वा	२७	१२	९	३४	२६	७	१८	४	मे ५६।८
६	बु	३२	५	अ	६०	०	शु	५१	१३	तै	३२	५	१३	३३	२७	८	१९	५	मेषे
७	गु	३५	३१	अ	१	४१	शु	५०	३८	ग	३	४८	१६	३३	२७	९	२०	६	मेषे
८	शु	३७	२१	भ	५	४७	न	४८	३८	वि	६	३१	२०	३२	२८	१०	२१	७	वृ. २१।२०
९	श	३७	३१	कृ	७	५८	ऐं	४५	४	वा	७	३१	२४	३१	२९	११	२२	८	वृषे
१०	र	३५	३२	रा	८	१६	वै	३९	४४	तै	६	१८	२७	३१	२९	१२	२३	९	मि३७।१
११	चं	३१	३६	मृ	५	४७	वि	२३	२	व	३	३४	३१	३०	३०	१३	२४	१०	मिथुने
१२	मं	२५	३१	आ	२/५९	५४/३२	प्री	२४	५८	वा	२५	३१	३५	२९	३१	१४	२५	११	क.४३।५९
१३	बु	१८	७	पु	५०	५६	आ	१५	२२	तै	१८	७	३८	२८	३२	१५	२६	१२	कर्के
१४	गु	९	१६	श्ले	४३	२५	सौ	५५	४९/५८	व	९	१६	४२	२८	३२	१६	२७	१३	सि४३।२५
१५	शु	५०	२३		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०

उषा बुधः ७।५
चन्द्र दर्शनम्
मकरे बुधः ३७।५ जमादिलावल ५
भ. ४८।१० उ. मूल ४ गुरुः ५५।३४
भ. २/२५ या. धनि. रविः ३/१९ (सौरः ३/१९)
बसन्त ५
*पातस्पर्शः ४/३/१ पातमोक्षः ५/१७
भ. ३/३/५ उ. विशाखायां भौमः १/१७ भानु ७*
भ. ६/३/१ या. श्रवणे बुधः ५/७ भीष्माष्टमी
उषा. शुक्रः १५।३९

भ. ३/३४ उ. ३/३/१ या. कुंभेऽर्कः ४/१६+
प्रदोषः
+(सौरः ५/१६)मकरे शुक्रः ५/० जया ११ व्र.
भ. ९।१६उ. ३४।२७ या.

४३पं.मा.शु. १गु.इ. २।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	८	८	६	१	९
१८	१६	२६	९	१५	२२	१९	१८
४९	४६	३३	१३	२१	२३	११	४३
२६	२३	२६	१२	२९	२४	३	२८
६०	२८	७९	१२	७२	२	३	६१
५५	१८	४७	९	२६	२५	११	४

४४पं.मा.शु. ७गु.इ. २।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	९	८	८	६	१	९
२५	१९	६	१०	२३	२२	१८	२५
५५	५३	२२	३५	५८	३६	४८	५०
१६	२	३४	५३	५	११	४८	१५
६०	२६	८/५९	११	७२	१	३	६०
४७	१४	३३	३२	५०	४४	११	५५

४५पं.ज्ये.शु. १४गु.इ. २।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	८	९	६	१	१०
३	२२	१७	११	२	२२	१८	२
०	४६	०	५४	२५	४५	२६	५६
४	५२	५८	४	१३	०	३२	१८
६०	२४	९७	१०	७३	१	३	६०
३७	१९	२९	५८	२	३	११	४२

ति| फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५|दि.|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृ. महाराष्ट्राः

१	शु	४९	४९	म	३५	२६	अ	४२	५६	वा	२४	४४	२७/४६	७/२७	५/३३	१७	२८	१४	सिंहे
२	श	४०	१९	पू	२७	५४	सु	३२	८	तै	१५	४	५०	२६	३४	१८	२९	१५	क.४१।७
३	र	३१	४०	उ	२०	४७	धृ	२१	५९	व	५	५९	५४	२५	३५	१९	३०	१६	कन्यायां
४	चं	२४	०	ह	१५	६	शु	१२	५२	वा	२४	०	५८	२४	३६	२०	१	१७	तु.४२।५९
५	मं	१८	३	चि	१०	५३	गं	५४/५८	५३/३३	तै	१८	३	२/२८	२४	३६	२१	२	१८	तुलायां
६	बु	१३	५५	स्वा	८	२२	शु	५३	२९	व	१३	५५	६	२३	३७	२२	३	१९	वृ.५२।४७
७	गु	११	३५	वि	७	३५	व्या	५०	१२	ब	११	३५	१०	२२	३८	२३	४	२०	बृश्चिके
८	शु	११	६	अ	७	५२	ह	४८	६	को	११	६	१४	२१	३९	२४	५	२१	वृश्चिके
९	श	१२	२८	ज्ये	११	५०	व	४९	१६	ग	१२	२८	१८	२०	४०	२५	६	२२	ध.११।५०
१०	र	१५	१५	मू	१६	१२	सि	४७	५५	वि	१५	१५	२२	२०	४०	२६	७	२३	धनुषि
११	चं	१९	२९	पू	२१	५३	व्य	४८	४२	वा	१९	२९	२६	१९	४१	२७	८	२४	म.३८।२८
१२	मं	२४	३८	उ	२८	१६	व	५०	३१	तै	२४	३८	३०	१८	४२	२८	९	२५	मकरे
१३	बु	३०	४४	श्र	३५	३२	सि	५२	३१	व	३०	४४	३४	१७	४३	२९	१०	२६	मकरे
१४	गु	३६	४०	ध	४२	५०	शि	५४	३३	वि	३४	०	३८	१६	४४	१	११	२७	कु.९।११
३०	शु	४३	१३	श	५०	३१	प	५६	५९	च	९	५६	४२	१६	४४	२	१२	२८	कुम्भे

*४/३७ (सौरः ४/३८) चतुर्थी व्र.
भ. ५।५९ उ. ३१।४०या. शने रविः*
धनि. बुधः ८।२३ रा. फाल्गुनारम्भः
बुधास्तः पूर्वस्याम १३।३७
भ.१३।५५उ.४२।३५ श्रवणेशुक्रः३।१
कुंभे बुधः ५७।५८
पूषा. १ गुरुः १२।७
भ. ४३।५१ उ. वक्री शनिः ६।४९
भ. १५।१५ या.
विजया ११ व्र.
शते बुधः ११।३९
भ.३०।४४उ.प्रदोषः महाशिवरात्रि स्मा.
भ. ३।४२ या महाशिवरात्रि व्र. वै.×
×मार्च ३ ता. ३१

४६पं.फा कृ.७गु इ.२।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	८	६	६	१	१०
१०	२५	२८	१३	११	२२	१८	१०
३	२८	२३	८	१२	४८	४	०
३२	३७	४६	१०	५४	७	१६	५१
६०	२१	९/८	१०	७३	०	३	६०
२५	३६	३/३२	१४	१५	१३	११	३१

गोचरग्रहाः

माघ फाल्गुन में शनि मंगलका योग होरहा है यह अशुभ फलकारक "युद्ध दौ शनि माहेयौ" रुई धान्य धातु रसादि तेज।

गोचरग्रहाः

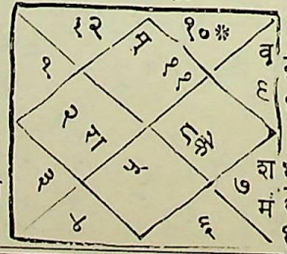

४७पं.फा.कृ.१४गु.इ.३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	८	९	६	१	१०
१७	२७	१०	१४	१९	२२	१७	१७
५	५५	६	१७	५१	४४	४२	३
४६	३०	११	२४	४	५९	१	४१
६०	१८	९/८	९	७३	३/७	३	६०
१२	५६	४/५	२९	२६	ब	११	२०

* शु.बु.चं.

Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०४०शाकः१९०५ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | वसंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३९८५स१९८४

१	श	४९	२६	पू	५७	५५	सा	५९	१७	कि	१६	१९	२८	५	३	१३	२९	मी ४१।४
२	र	५५	३३	उ	६०	०	शु	६०	०	वा	२२	२९	५०	१४	४	१४	३०	मीने
३	चं	६०	०	उ	५	७	शु	१	५२	तै	२८	२०	५४	१३	५	१५	१	मीने
३	मं	१	८	रे	११	३१	शु	२	७	ग	१	८	५८	१२	६	१६	२	मे.११।३१
४	बु	५	५३	अ	१७	२१	न्न	३	२२	वि	५	५३	२९	१२	७	१७	३	मेषे
५	गु	९	२८	भ	२१	५९	ऐं	४	२८	वा	९	२८	६	११	८	१८	४	वृ. ३७।५०
६	शु	११	५५	कृ	२५	२३	वै	२	२८	तै	११	५५	१०	१०	९	१९	५	वृषे
७	श	१२	४९	रो	२७	८	वि	५५	५५	व	१२	४९	१४	९	११	२०	६	मि५७।१४
८	र	१२	७	मृ	२७	२०	आ	५१	४६	ब	१२	७	१९	८	१२	२१	७	मिथुने
९	चं	९	३९	आ	२५	४९	सौ	४५	१५	कौ	९	३९	२३	७	५३	२२	८	मिथुने
१०	मं	५	१९	पु	२२	४१	शो	३७	२८	ग	५	१९	२७	७	५३	२३	९	क.८।२८
११	म	३	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	बु	५१	५६	पु	१७	३५	अ	२८	३१	ब	२५	४१	३२	६	५४	१४	२४	१०	कर्के
१३	गु	४३	१७	श्ले	११	१६	सु	१८	३८	कौ	१७	३७	३६	५	५५	१५	२५	११	सिं ११।५६
१४	शु	३३	४२	म	४	५३	धृ	५४	४९	ग	८	३०	४०	४	५६	१६	२६	१२	सिंहे
१५	श	२३	४६	उ	४८	२२	ग	४५	५६	ब	२३	४६	४४	३	५७	१७	२७	१३	क.९।१६

पूभा रविः$\frac{५६}{४३}$($\frac{५८}{३५}$)धनि.शुक्रः ५३।४५
फुलरिया २ चन्द्रदर्शनम्
जमादिलाखर ६ [+$\frac{४}{१३}$मोक्षः १६।४
भ.$\frac{३३}{३०}$उ. पूभा. बुधः $\frac{१५}{१}$ पातस्पर्शः+
भ. ५।५३या. बृश्चिके भौमः ५४।३३
=पूषा. २गुरुः ३७।३९ छारेंडी
कुंभे शुक्रः १७।३
भ.१२।४९उ.४२।२८ या. होलाष्टकः
मीने बुधः २४।३३
*दहनं भद्रापुच्छे
भ.$\frac{३४}{५१}$उ.$\frac{५६}{५५}$या.मीनेऽर्कः$\frac{५७}{३९}$(सौरः$\frac{५८}{४५}$)≡
≡उभा.बुधः$\frac{१३}{२८}$ आमलकी ११व्र. स्मा.
आमलकी ११ ब्र. वै.
शते शुक्रः २६।२ प्रदोषः
भ ३३।४२उ.५८।४४ या. होलिका*
उभा. रविः१८। ४३(सौरः१९।२१ =

४८पं.फा.शु.५गु.इ ३।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	८	९	६	१	१०
२४	०	२३	१५	२८	२२	१७	२४
६	२	३०	१९	२९	४०	१९	५
२९	१७	०	५५	३१	५५	४५	४
५९	१५	५८	८	७३	१$\frac{२}{३}$	३	६०
५८	३४	५$\frac{२}{३}$	३७	३८	ब	११	६

गोचरग्रहाः

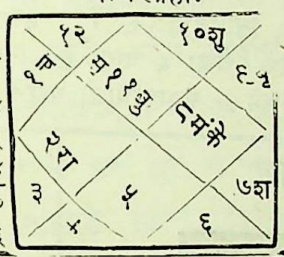

फा. शु. १०भौमे मीनेऽर्कं. प्र. वा. २न.४ वृद्धावस्था (बैठी)मु.३०धा. भावे समता शु. उ. पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

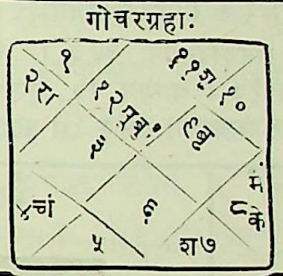

४९.प.फा.शु.१३गु.इ.३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	८	१०	६	१	११
१	१	७	१६	७	२२	१६	१
५	४९	१४	१८	७	२९	५७	४
४२	४८	४६	४७	३०	२८	३०	४६
५९	११	५$\frac{२}{३}$	७	७३	१	३	५९
४१	३१	४८	३७	५०	५८	११	४९

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः१९०५ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | वसंततूरविर्दक्षिणे फाल्गुन कृ.महाराष्ट्राः

१	र	१४	६	ह	४१	५	वृ	३५	३९	कौ	१४	६	२९	६	५	१८	२८	१४	कन्यायां
२	चं	५	१३	चि	३५	१	ध्रु	२६	३	ग	५	१३	५३	१	५९	१९	२९	१५	तु.८।३०
३	चं	५२	२०	८	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	म	५१	२८	स्वा	३०	३२	व्या	१७	५२	ब	२४	३१	५७	१	५९	२०	३०	१६	तुलायां
५	बु	४७	३३	वि	२७	५४	ह	१०	१०	कौ	१९	३१	३०$\frac{१}{२}$	६	०$\frac{६}{०}$	२१	१	१७	वृ.१३।३३
६	गु	४५	३८	अ	२६	७	च	६	९	ग	१६	३५	६	५$\frac{५}{९}$	१	२२	२	१८	बृश्चिके
७	शु	४५	५९	ज्ये	२८	४९	सि	२	४७	वि	१५	४९	१०	५८	२	२३	३	१९	ध.२८।४९
८	श	४८	७	मू	३२	१६	व्य	०	५६	त्रा	१७	०	१४	५७	३	२४	४	२०	धनुषि
९	र	५२	२	पू	३७	१७	च	१	७	तै	२०	४	१८$\frac{५}{६}$	५६	४	२५	५	२१	म.५३।५२
१०	चं	५७	८	उ	४३	३६	प	१	३७	च	२४	३५	२३	५५	५	२६	६	२२	मकरे
११	मं	६०	०	श्र	५०	५९	शि	३	२५	ब	३०	१३	२७	५५	५	२७	७	२३	मकरे
११	बु	२	१९	ध	५८	२३	सि	५	४१	त्रा	३	१९	३१	५४	६	२८	८	२४	कु.२४।४१
१२	गु	९	३२	श	६०	०	सा	८	१२	तै	९	३२	३५	५३	७	२९	९	२५	कुम्भे
१३	शु	१६	२	श	६	७	शु	१०	२९	च	१६	२	३९	५२	८	३०	१०	२६	मी५६।३२
१४	श	२२	५९	पू	१३	२९	शु	१२	३७	श	२२	५९	४४	५१	९	३१	११	२७	मीने
३०	र	२८	४०	उ	२०	२४	ब्र	१४	२१	ना	२८	४०	४८	५०	१०	१	१२	२८	मीने

वसन्त १ [÷बुधः४५।२६
भ. ३१।२३उ. ५७।३३या. रेवत्यां÷
+ ४ केतुः ३५।११
चतुर्थी व्र. रोहि. २ राहुः अनु.+
रा. चैत्रारम्भः
भ.$\frac{४५}{३८}$उ बुधोदयः पश्चिमायाम्३।३८
भ. १५।४९या. अनु. भोमः१७।५९*
* शीतलापूजनमू
पूभा. बुधः ३०।५०
भ.२४।३५उ. ५७।८ या.
अश्वि. मेषे. बुधः ८।४३पापमोचनी≡
पापमोचनी ११ व्र. वै.
प्रदोषः ≡११ ब्र. स्मा.
भ. १६।२उ.$\frac{४६}{३०}$ या. रेवत्यां रविः$\frac{४६}{२६}$×
×(सौरः४६।४९ वक्री भौमः ३२।२९
मन्वादिः अप्रैल४ ता. ३०

५०पं.चैत्रकृ.६गु.इ.४।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	११	८	१०	६	१	११
११	३	२१	१७	१५	२२	१६	८
३	११	३	८	४५	१२	३५	२
१८	३१	५०	५३	११	४०	१४	४१
५९	६	५$\frac{२}{३}$	६	७३	३	३	५९
२९	५३	१३	३७	५६	ब	११	३५

गोचर ग्रहाः

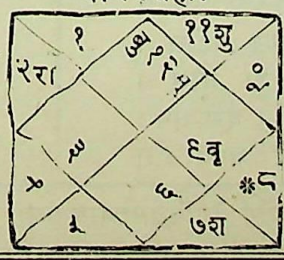

इस मास में प्रजा में रोग पीड़ा हो वालकों में चेचक रोग फैले । धान्य अफीम रुई गल्ला किराना गुड़ खांड़ तेज़ होकर मंदाहो

गोचरग्रहाः

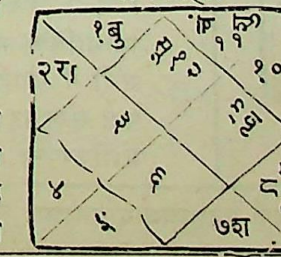

५१ पं.चै.कृ.१२गु.इ.४।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	०	८	१०	६	१	११
१४	४	२	१७	२४	२१	१६	१४
५९	७	५५	५२	२३	५३	१२	५८
१३	३०	३४	५२	२४	१७	५८	४७
५९	१	१९	५	७४	१$\frac{३}{३}$	३	५९
१६	१३	४	३१	०	ब	११	१८

* मं.चं.के.

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०८५ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०८५ भोग्यकलिः ४२६९१५ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीरविक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४१ शाकः१९०६ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा चन्द्रः । मंत्री शुक्रः । सस्येशो रविः । धान्येशो शनिः । मेघेशोगुरुः । रसेशो भौमः । नीरसेशः रविः । फलेशोगुरुः । धनेशः रविः । दुर्गेशो गुरुः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ११ ईश्वरनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ७।२५।२६।१६ भोग्यमासादिः ४।४।३०।४४ इन्द्रदैवतं युगम् । वर्षनामः आषाढ़ः मेघ नाम आवर्तः । रोहिणी निवासःसमुद्रे । समयनिवासो मालाकार गृहे । समय विश्वा १० । समयवाहनंमृगः । स्तंभः २ अन्नजलयोः । सोमवत्यमाः १ । सोमवती पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी नास्ति । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३३० । समयदिनानि ३५३ । तिथिक्षयः १६ । तिथिवृद्धिः ९ । उत्पत्तिविश्वा ९३ । खपति विश्वा ८४ । वर्षा विश्वा १७ । धान्यम् १५. तृणम् १३. शीतम् १७. तेजः ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यम् १२१ सत्यम् ॥ धर्मम् १॥ पापम् १८ शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहणऽभावो भारते ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्षलग्नम् ५।७

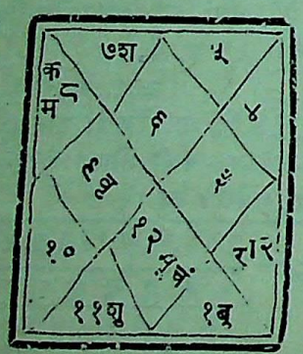

भैरव–भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

अम्बादेवी मात से भैरव पूछत जाय ।
इकतालीस का साल का हाल मुझे बतलाय ॥

भवानी उत्तर

इकतालीस संवत् लगा सुनो हाल चितलाय ।
राजा शशि मंत्री भृगु शुभयोगा मिलजाय ॥
चौमासा वर्षे सही जग में हो सुख चैन ।
मोर पपीहा मस्त हो बोले मीठे बैन ॥
शनि मंगल युति ज्येष्ठ से तीन मासतक होय ।
पशुओं को चारा नहीं रोग उपद्रव होय ॥
अनजल के दो स्तंभ है संवत् मालाकार ।
सिंधु में रोहिणी बसी ईश्वर करसी सार ॥
धान्याधिप धान्य में करसी गोल मटोल ।
मंदी में संग्रह करो होय सवाया मोल ॥
फल संवत्सर का कहा निज गुरुका धरध्यान ।
बंशीधर का कथन है भली करे भगवान ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेशलग्नम् ४।१

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२२।० केतकीमतेन वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशाः २३।३७।१७

Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणांफलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रस्तत्फलम् ॥ चन्द्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरंच धान्यम् सौख्यं जनानां मुदयोनृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ॥ मंत्री शुक्रस्तत्फलम् ॥ भृगुसुत ननुमंत्रिपदंगते शलभमूषक मूषक रौहिषः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु-जलं सरितोधिकम् ॥ सस्येशोरविः फलम् ॥ सस्याधिनाथे तरणौहिपूर्वं धान्यं समर्घं वहवोपि चौराः युद्ध नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं चसस्यं बहु भूरुहाश्च ॥ धान्येशः शनि फलम् ॥ निर्धनाः क्षितिभुजो रणादराः सस्यमल्पमतिरोगिणोजनाः । नैवर्षतिजलं सुरेश्वरः स्याद्यदाव्यंतकणयः शनैश्चरः ॥ मेघेशो गुरुः फलम् ॥ गुरुरामंप्रिय वृष्टिकरः सदाखिलविलासवती धरणीतदा । श्रुति विचारवरानरपालका रससमृद्धि युताखिलमानवाः रसेशोभौमस्तत्फलम् ॥ यदिधरातनयो रसयोभवेन्नरसराशियुताजनताशुभा । नरपतिर्विषमोजनतापदो नजलदो बहुवृष्ट करोभुवि ॥ नीरसेशोरविः फलम् । नीरसाधिपतौ सूर्येतास्र चंदनयो-रपि रत्नमाणिक्यमुक्तादेर्घबृद्धिः प्रजायते ॥ फलेशोगुरुः फलम् ॥ सुरगुरुः फलनायकतां गतोगतभयावनराशि महाद्रुमाः । यजन याजनकोत्सव मन्दिरा श्रुति विचार पराद्विजपूर्वकाः ॥ धनेशोरविःफलम् ॥ द्रविणये यदिवासरपेतदा वाणिजतो बहुद्रव्य समागमः । गज तुरंगम मेष खरोष्ट्र तो धन चत्रं लभते क्रयविक्रयात् ॥ दुर्गेशो गुरुः फलम् ॥ सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवरा नरयाः करपालिताः । गिरिषुवैनगरेषु सम सुखं सुख मति द्विज शस्त्रवतोनिशम् ॥ ईश्वर नाम संवत्सरः फलम् ॥ ईश्वराब्देखिलाञ्जन्तून् धात्रीधाभीव सर्वदा । पोषपत्यतुलं चान्नं फलं सूते च पुष्कलम् ॥ वर्षनाम आषाढः फलम् ॥ अर्थ महर्घतां भांति धनधान्यं समं भवेत् । आषाढे स्वल्प वृष्टिश्च तुष धान्यमहर्घता ॥ मेघनाम आवर्तः फलम् । आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् । रोहिणीनिवासः समुद्रे फलम् । समुद्रेनु महा वृष्टिः । समय निवासो मालाकारगृहे फलम् ॥ मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एवंसंचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

सं० २०४१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः ।

शुक्ले १२ शुक्रे उफा. ल. ६।१० रे.६ऽ।।।।।।।।

वैशाख मासः ।

कृष्णे १ चन्द्रे स्वात्यां ल. ६।१० रे.७।।।ऽऽऽऽ।।
,, ४ गुरौ मूले ल. १२ रे.६ऽ।।।ऽचौऽऽ।। आवश्यके
,, ५ शुक्रे मूले ल. गो. रे. ७।।।।।ऽऽऽऽ दग्धा दोषः
,, ६ शनौ उषा. ल. १२ रे.७।।।।ऽरो.ऽऽ।।
,, ७ रवौ उषा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः ६।१२ रे.८।।।।।ऽऽ।।
शुक्ले ८ भौमे मधा. ल. ११ (ध. ५०।६उप.रे.७।।।।ऽचौऽऽ।
चं ७ पूज्य. गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ६ बुधे मधा. ल. ६ रे.८।।।।।।ऽऽ। गणितेन क्राति-साम्याऽभावः

मार्गशीर्ष मासः ।

कृष्णे ८ शुक्रे मघ. ल. अन्यगो. रे.८।।।।।।ऽऽ।
शुक्ले २ शनौ मूले ल. ५।६ रे.८।।ऽबु।।ऽ।।।
,, ४ चंद्रे उषा. ल. ६ रे.६।ऽ।।ऽअऽऽ।।
,, १० रवौ उभा.ल. गो. ६ रे.६।।।।।।।।।ऽ कन्यालग्ने रेखा ८ रोगपंचकः चंद्र ७ पूज्यः
शुक्ले १५ शनौ मृगे ल. ६ रे.७।।।ऽशु।।ऽ।।
पादवेधाद् शुक्रवेधाऽभावः

फाल्गुन मासः ।

कृष्णे ३ शुक्रे उफा. ल. गो. रे.८।।।।ऽरो ऽ।।।
,, १० गुरौ मूले ल. १० रे.७।ऽ।।।ऽअ. ।ऽ।।
शुक्ले २ गुरौ उभा. ल. १० रे.७ऽऽ।।।।ऽ।।।

चैत्र मासः ।

कृष्णे २ शुक्रे हस्ते ल. गो. १० रे.६।ऽ।ऽबु ऽऽचौ।।।।
पादतो वेधाऽभावः आवश्यके

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त.| चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चंद्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४०१५स.१९८४

१	चं	३३	३५	रे	२६	३२	ऐं	१६	३८	कं	१	७	३२	५०	१०	२	१३	२९	मे.२६।३२	सवत्सरारम्भः नवरात्रारम्भः
२	मं	३७	४०	अ	३२	५१	वे	१६	११	ब्रा	५	३७	५६	४९	११	३	१४	३०	मेषे	सिंधारा चन्द्रदर्शनम्
३	बु	४०	२६	भ	३६	१४	वि	१६	१	तै	९	८	३०	४८	१२	४	१५	१	वृ.५२।३	मत्स्यजयंती गणगौरी रजव ७
४	गु	४२	३५	कृ	३९	३०	त्री	१४	५१	व	११	३६	४	४७	१३	५	१६	२	वृषे	भ.११३६उ. ४३५ या. उभा. शुक्रः २०।०
५	शु	४३	१०	रा	४१	५०	आ	१३	०	ब	१२	५२	८	४६	१४	६	१७	३	वृषे	
६	श	४२	४५	मृ	४२	५२	सौ	१०	२३	को	१२	५७	१२	४६	१४	७	१८	४	मि१२।२१	
७	र	४०	५२	आ	४२	४७	शो	६	३५	ग	११	४८	१६	४५	१५	८	१९	५	मिथुने	भ. ४०।५२उ. भरण्यां बुधः ८।४८
८	चं	३७	३८	पु	४१	२५	अ	३८	५३ ५५	वि	९	१५	२०	४४	१६	९	२०	६	क.२६।४४	भ. ९।१५ या.
९	मं	३३	१३	पु	३८	५४	धृ	४८	१९	बा	५	२६	२४	४३	१७	१०	२१	७	कर्के	रामनवमी
१०	बु	२७	२८	श्ले	३३	२१	शू	४०	२९	तै	०	२१	२८	४२	१८	११	२२	८	सिं ३६।२१	भ.५३।५५उ. वक्री बुधः ३०।२२
११	गु	२०	२१	म	२८	४२	गं	३१	२९	वि	२०	२१	३२	४२	१८	१२	२३	९	सिंहे	भ.२९या.वक्री आश्वि.बुधः३१९ कामदा*
१२	शु	१२	२८	पू	२२	३५	वृ	२१	४९	ब्रा	१२	२७	३६	४१	१९	१३	२४	१०	क.३६।०	आश्वि.मेषेऽर्कः२९८ सौर.२१४)बुधास्तः+
१३	श	४	२४	उ	१६	१४	ध्रु	११	४१	तै	४	२४	४०	४०	२०	१४	२५	११	कन्यायां	भ. ५५।२२ उ. *११ व्र.
१४	श	५०	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+पश्चिमायाम्२६९ प्रदो.पात. १०५ मोक्षः१९८
१५	र	४६	२६	ह	८	५१	व्या	२९	५०	वि	२०	५९	४३	३९	२१	१५	२६	१२	तु.३५।३७	भ. २०।५९ या. हनुमज्जयन्ती

५२पं.चै.शु.४गु.इ.४।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	०	८	११	६	१	११
२१	४	१०	१८	३	२१	१५	२१
५३	२९	४०	२८	१	२९	५०	५३
३१	१७	३४	८	८	१६	४३	५८
१९	३४	५१	४	७४	४३	३	५९
४	ब्र	५८	२४	२	ब	११	४

गोचरग्रहाः

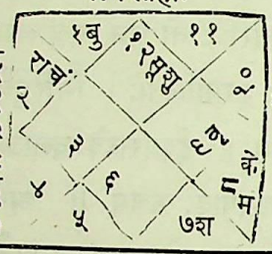

चै.शु.१२ शुक्रे मेषेऽर्कः प्र वा.३ न.४गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु.उ.पु.

गोचरग्रहाः

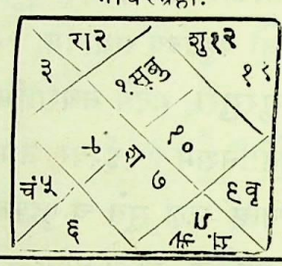

१पं.चै.शु.१२शु.इ.२०।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	८	११	६	१	११
०	४	१३	१८	१३	२०	१५	२९
०	११	७	५८	१०	५९	२४	५९
०	२८	५९	२४	३०	२८	३९	९
५८	११	५२	२	७४	४७	३	५८
४४	ब	ब	५६	१३	ब	११	४५

त.|वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र. कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	३८	११	चि	२३	५४ ५६	व	४२	४९	वा	१२	१९	३१ ४७	३ ५	२१ ६	१६	२७	१३	तुलायां	रेवत्यां शुक्रः ९।५१
२	मं	३१	२२	वि	५२	४३	सिं	३४	५३	तै	४	४२	५१	३८	२२	१७	२८	१४	वृ.३८।४४	भ. ५८।३६ उ.
३	बु	२५	५०	अ	५०	१९	व्य	२८	२२	वि	२५	५०	५५	३७	२३	१८	२९	१५	वृश्चिके	भ. २५।५० या. चतुर्थी व्रः
४	गु	२२	२२	ज्ये	४९	२	व	२३	३८	ब्रा	२२	२२	५८	३६	२४	१९	३०	१६	ध.४९।२	
५	शु	२१	९	मू	५१	४७	प	२०	२५	तै	२१	९	३२	३६	२४	२०	३१	१७	धनुषि	वक्री विशा. भौमः ११।१
६	श	२२	१	पू	५५	४०	शि	१९	३	व	२२	१	६	३५	२५	२१	१	१८	धनुषि	भ.२२।१३उ.५३।२४या रा.वैशाखारंभः
७	र	२४	५७	उ	६०	०	सि	२०	२८	ब	२४	५७	१०	३४	२६	२२	२	१९	म.१२।३	
८	चं	२९	२३	उ	१	१२	सा	२०	०	को	२९	२३	१४	३३	२७	२३	३	२०	मकरे	
९	मं	३५	११	श्र	८	२९	शु	२२	१०	तै	२	१७	१७	३३	२७	२४	४	२१	कु.४२।८	×मेषे शुक्रः५१४ वक्री स्वाती ४ शनिः ३५७
१०	बु	४१	१०	ध	१५	४६	शु	२४	२७	व	८	१३	२१	३२	२८	२५	५	२२	कुम्भे	भ. ८।१३ उ. ४१।१० या.
११	गु	४७	४३	श	२३	३२	न	२७	५	ब	१४	२६	२५	३१	२९	२६	६	२३	कुंभे	वरूथिनी ११ ब्र.
१२	शु	५३	४१	पू	३०	५७	ऐं	२९	२३	को	२०	४२	२९	३०	३०	२७	७	२४	मी१४।५	भरण्यांरविः०।४७(सौरः२।४२) आश्वि.×
१३	श	५९	१७	उ	३७	४९	वै	३१	१७	ग	२६	२९	३२	३०	३०	२८	८	२५	मीने	भ.५९।१७उ. वक्री गुरुः ४७ १२ प्रदोषः
१४	र	६०	०	रे	४३	४१	वि	३२	१४	वि	३१	२२	३६	२९	३१	२९	९	२६	मे.४३।४१	भ. ३१।२२ या.
१४	चं	३	२७	अ	४८	२६	प्री	३२	२५	श	३	२७	४०	२८	३२	३०	१०	२७	मेषे	बुधोदयः पूर्वस्यां ३५।२१
३०	मं	६	४९	भ	५२	४	आ	३१	४४	ना	६	४९	४३	२७	३३	१	११	२८	मेषे	मई ५ ता. ३१

२पं.वै.कृ१शु.इ.२०।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	८	११	६	१	०
६	३	९	१९	१	२०	१५	६
५०	१७	५६	१४	४८	३०	२	४९
४२	१७	४९	३८	११	४	२३	२०
५८	१६ ४१	३९ २६	१	७४	२६ ४	३	१८
३१	ब	ब	३१	२०	ब	११	२९

गोचरग्रहाः

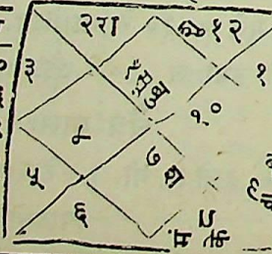

इस मासमें ५ सोम ५ मंगलवार मध्यम है अनाज जौ गेहूँ चना रुई चांदी अफीम किराना ति. मंदा होकर तेज हो।

गोचरग्रहाः

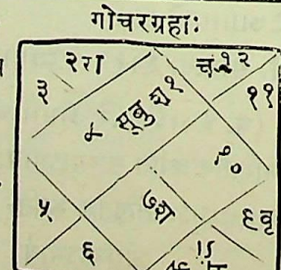

३पं.वै.कृ १२शु.इ.२१।३

र	मं	व	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	८	०	६	१	०
१३	१	५	१९	०	१९	१४	१३
३९	४३	३१	२२	२४	५९	४०	३७
४३	८	१	५	१८	२	७	४५
५८	१० ५१	३८ ३१	०	७४	४० ४८	३	५८
१९	ब	ब	१६	२२	ब	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

Digitized by S3 Foundation USA

ति.वैशाख शुक्ल पक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०४५स.१९८४

१	बु	८	५०	कृ	५४	२९	सौ	२९	५८	ब	८	५०	३३/४७	५/२७	६/३३	२	१२	२९	बृ.७।४०
२	गु	९	४१	रो	५५	५४	शो	२७	३७	की	९	४१	५१	२६	३४	३	१३	१	वृषे
३	शु	९	२५	मृ	५६	२५	अ	२४	१७	ग	९	२५	५४	२५	३५	४	१४	२	मि२६।९
४	श	८	१६	आ	५७	७	सु	२०	१७	वि	८	१६	५७	२५	३५	५	१५	३	मिथुने
५	र	६	२०	पु	५४	४४	धृ	१५	५३	वा	६	२०	३३/९	२४	३६	६	१६	४	क ४०।५
६	चं	३	२२	पु	५२	४९	शू	११	११	तै	३	२२	४	२३	३७	७	१७	५	कर्के
७	चं	५६	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	मं	५५	१०	श्ले	५०	६	गं	२१/४	५३/२८	वि	२७	२५	७	२३	३७	८	१८	६	सिं५०।६
९	बु	४९	४७	म	४६	३५	धु	५०	३३	वा	२२	२९	१०	२२	३८	९	१९	७	सिंहे
१०	गु	४३	४२	पू	४२	२२	व्या	४२	४१	तै	१६	४४	१३/९	२१	३९	१०	२०	८	क.५६।७
११	शु	३७	२	उ	३७	२०	ह	३४	२६	व	१०	२२	१६	२१	३९	११	२१	९	कन्यायां
१२	श	२९	४६	ह	३२	१६	व	२५	५०	व	३	२४	१९	२०	४०	१२	२२	१०	तु.५९।२
१३	र	२२	२७	चि	२६	५९	सि	१७	१४	तै	२२	२७	२२	२०	४०	१३	२३	११	तुलायां
१४	चं	१५	७	स्वा	२२	३२	व्य	८	४१	व	१५	७	२५	१९	४१	१४	२४	१२	तुलायां
१५	मं	८	४१	वि	१८	२५	व	५०/१	५३/१९	ब	८	४१	२८	१८	४२	१५	२५	१३	वृ.४।२७

चन्द्रदर्शनम्
बक्री तुलायां भौमः २७/२५ परशुरामजयंती+
भ ३८।५० उ. अक्षया ३ +सावान ८
भ. ८।१६ या.

भ. ५/४ ६/१ उ.भरण्यां शुक्रः ५/४ ३/५ मार्गी बुधः ३/३ ५/४

भ २७।२५ या. पातस्पर्शः ५९।२६
पातमोक्षः १२।२६
कृत्तिकायां रविः ४/४ ६/२ (सौरः ५०।३९
भ १०।२२उ.३७।२या. मोहिनी११ब्र.
प्रदोषः
शुक्रास्तःपूर्वस्यां ५/२ ४/४ नृसिंह १४ शु.अ.पू.
भ. १/७ उ ४/५ ५/४ या.बृषेऽर्कः १/५ ३/२७ (सौर. १/२ ५/२७)
यमायसान्नजलकुम्भदानं

४पं.वै.शु.७शु.इ. २१।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	०	८	०	६	१	०
२०	२९	२	१९	९	१९	१४	२०
२७	३८	५८	२०	१	२७	१७	२४
२२	२१	४४	५६	१६	४	५२	२७
५८	२३/५९	१५/९	१/२	७४	४८/४०	३	५७
६	बु	ब	ब	२६	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

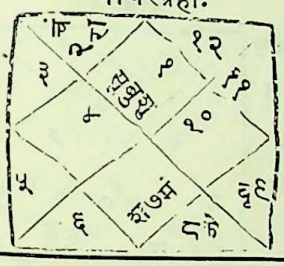

वै.शु. १४ चन्द्रे
वृषेऽर्कः प्र वा.४
न.५प्रगल्भावस्था
(बैठी) मु.१५ धा.
भावेमहर्धता शुक्रो-
दयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

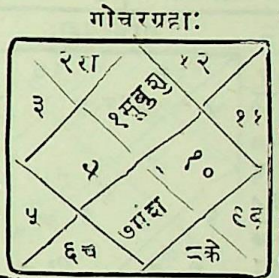

५पं.वै.शु.११शु.इ. २१।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	०	८	०	६	१	०
२७	२७	४	१९	१७	१८	१३	२७
१३	१५	२	१०	३७	५५	५५	९
२४	२९	३५	१२	४१	१६	३६	४१
५७	३३/२८	१/४९	२/५	७४	३/९	३	५७
५४	बृ	मा	ब	२६	ब	११	४५

ति.ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं.२०४१ शाकः १९०६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृ महाराष्ट्राः

१	बु	३	१४	अ	१५	२४	शि	४९	४५	की	३	१४	३३/३०	५/१८	६/४२	१६	२६	१४	बृश्चिके
२	बु	५६	१९	०	८	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	गु	५७	२०	ज्ये	१४	१०	सि	४४	२५	ग	२८	२६	३३	१७	४३	१७	२७	१५	ध. १४।१०
४	शु	५७	४	मू	१४	४६	सा	४९	५१	ब	२७	१२	३६	१७	४३	१८	२८	१६	धनुषि
५	श	५९	२	पू	१७	६	शु	४०	५०	की	२८	३	३९	१६	४४	१९	२९	१७	म. ३३।१३
६	र	६०	०	उ	२१	३७	शु	४०	५८	ग	३०	५३	४१	१६	४४	२०	३०	१८	मकरे
६	चं	२	४४	श्र	२७	२३	ब्र	४२	२२	व	२	४४	४३	१५	४५	२१	३१	१९	मकरे
७	मं	६	५९	ध	३४	१७	ऐं	४४	२५	व	६	५८	४६	१५	४५	२२	१	२०	कु.०।५०
८	बु	१३	३८	श	४१	५१	वै	४६	५०	की	१३	३८	४८	१४	४६	२३	२	२१	कुम्भे
९	शु	२०	०	पू	४९	२१	वि	४९	१७	ग	२०	०	५०	१४	४६	२४	३	२२	मी२।५९
१०	शु	२५	५८	उ	५६	२६	पी	५१	२२	वि	२५	५८	५२	१४	४६	२५	४	२३	मीने
११	श	३१	२५	रे	६०	०	आ	५२	४०	बा	३१	२५	५४	१३	४७	२६	५	२४	मीने
१२	र	३५	२६	रे	२	४१	सौ	५२	३७	की	३	२६	५६	१३	४७	२७	६	२५	मे.२।४१
१३	चं	३८	२२	अ	७	१९	शो	५२	२	ग	६	५४	५८	१२	४८	२८	७	२६	मेषे
१४	मं	३९	३७	भ	१०	४३	अ	५०	५७	वि	८	५३	३४/००	१२	४८	२९	८	२७	वृ.२६।१३
३०	बु	३९	२८	कृ	१२	४१	सु	४६	५०	च	९	३२	२	१२	४८	३०	९	२८	वृषे

भ. २८।२६ उ. ५७।२० या.
कृत्ति.शुक्रः ४२।२२ चतुर्थी ब्र.
रोहि.१राहुःअनु.३केतुः ३६।२३

भ. ४/४ २/४ उ. ३/५ ४/१ या.वृषे शुक्रः २७।४२
रा. ज्येष्ठारम्भः
भरण्यां बुधः १३।८
भ. ५/५ २/९ उ.रोहि. रविः ३७/३२ (सौरः ४४/३९)
भ. २५।५८ या.
अपरा ११ ब्र.

भ. २८।२२ उ. प्रदोषः
भ. ५/५ ३/३ या.रोहि.शुक्रः ३/२ ५/७ बुधास्तःपू. ४/३
वटसावित्रीव्रतम्

६पं.ज्ये कृ. ४शु.इ. २१।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	८	०	६	१	१
३	२४	८	१८	२६	१८	१३	३
१८	४६	२०	५०	१४	२४	३३	५३
२६	१	५०	४२	१३	५८	२०	२१
५७	२१/३७	४४	३/४२	७४	१/९	३	५७
४४	ब	४७	बृ	३२	ब्र	११	३४

गोचरग्रहाः

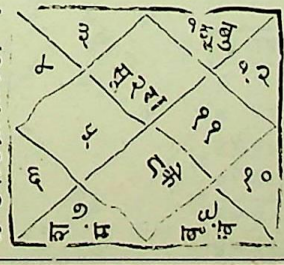

इस मास में रस पदार्थ गुड़ खांड़ घृत तैल तिल तेज हो। गरमी का जोर रहेगा। अनाज चांदी भी तेज हो।

गोचरग्रहा

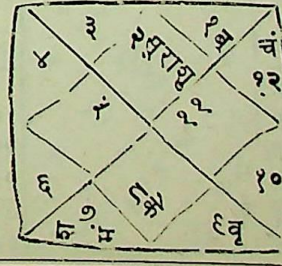

७पं.ज्ये.कृ.१०शु.इ. २१।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	८	१	६	१	१
१०	२२	१५	१८	४	१७	१३	१०
४२	२३	५३	२३	५०	५५	११	३७
२५	५६	४३	६	४२	५५	५	३२
५७	१/४३	७१	४/४७	७४	४/४९	३	५७
३५	बृ	४५	ब	३२	ब्र	११	२३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०७४स१९८४

१	गु	३७	४४	रे	१३	२०	धृ	४२	४४	किं	८	३६	३४	५	६	३१	१०	२९	मि४३।२
२	शु	३५	९	मृ	१२	४५	शू	३७	५२	बा	६	२७	६	११	४९	१	११	३०	मिथुने
३	श	३१	४१	आ	११	२६	गं	३२	१५	तै	३	२५	७	१०	४८	२	१२	१	क ५४।४१
४	र	२७	३२	पु	९	६	बृ	२६	१	वि	२७	३२	९	१०	५०	३	१३	२	कर्के
५	चं	२२	५८	पु	६	३१	धु	१९	४८	बा	२२	५८	१०	१०	५०	४	१४	३	कर्के
६	मं	१८	०	श्ले	३	२९	व्या	१३	१०	तै	१८	०	१२	१०	५०	५	१५	४	सिं३।२९
७	बु	१२	५५	म	०	४६	ह	८	५३	व	१२	५५	१३	९	५५	६	१६	५	सिंहे
८	गु	७	३८	पू	५३	४३	सि	५२	२७	ब	७	३८	१४	९	५१	७	१७	६	क.११।१९
९	शु	२	१८	ह	५०	५	व्य	४५	१३	वी	२	१८	१६	९	५१	८	१८	७	कन्यायां
१०	शु	५३	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	९	०	०	०
११	श	५१	७	चि	४६	३७	व	३८	१३	व	२३	४२	१७	९	५१	९	१९	८	तु.१८।२१
१२	र	४५	३०	स्वा	४३	१७	प	३१	२३	ब	१८	२१	१८	८	५२	१०	२०	९	तुलायां
१३	चं	४०	४३	वि	४०	१९	शि	२४	३७	की	१३	९	१९	८	५२	११	२१	१०	बृ २६।३
१४	मं	३६	२०	अ	३८	५	सि	१८	३६	ग	८	३१	२०	८	५२	१२	२२	११	वृश्चिके
१५	बु	३३	८	ज्ये	३७	१४	सा	१३	२५	वि	४	४४	२१	८	५२	१३	२३	१२	च ३७।४

कृत्ति.बुधः ५५/६ चन्द्रदर्शनम् जून६ता.३०
भ. ५९।३६ उ. रमजान ९
भ. ३७/३ या. वक्री स्वात्यां भौमः ३३/४७
बृषे बुधः ६।७

भ. १२।५५ उ. ४०।१६ या.
मृगे रविः ३२।२८ (सौरः ४३।२५)
गंगादशमी
*रोहि. बुधः ५१।६ निर्जला ११ब्र.स्मा.
भ. २३/४ उ. ५१/७ या. मृगे शुक्रः २३।३२*
निर्जला ११ ब्र. वै.
प्रदोषः
भ.३६।२०उ वक्री पूषा.१गुरुः१६।३२
भ. ४।४४या. गुर्जरा वटसावित्री पूज.

८पं.ज्ये.शु.२शु.इ.२१।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	८	१	६	१	१
१७	२०	२५	१७	१३	१७	१२	१७
२५	२७	४२	४७	२६	२९	४८	१६
८	४३	७	७	३८	५३	४९	३८
५७	३२/३६	२३	३५/३५	७४	४९/३७	३	५७
२७	ब	५८	ब	३२	इ	११	१३

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ अम वस दिवस वा रजनी बादल होय । चौमासा सूखा रहे भारी गड़बड़ होय ।

गोचरग्रहाः

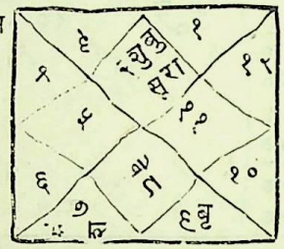

९पं.ज्ये.शु.९शु.इ.२१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	८	१	६	१	१
२४	१९	७	१७	२२	१७	१२	२३
७	५	११	५	३	५	२६	५६
१२	२०	४९	२	१४	२४	३४	३४
५७	२२/२६	२३	४२/४६	७४	१३/१७	३	५७
२२	ब	९	ब	३८	ब	११	५

ति.आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं. २०४१शाकः १९०६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	बृ	३१	२६	मृ	३७	४०	शु	९	२१	बा	२	१७	३४/२१	५	५२/६	१४	२४	१४	धनुषि
२	शु	३१	८	पू	३९	३९	शु	६	१५	तै	१	१७	२२	८	५२	१५	२५	१५	म.५५।३१
३	श	३२	४१	उ	४३	६	च	४	४४	व	१	५५	२२	८	५२	१६	२६	१६	मकरे
४	र	३५	४४	श्र	४८	८	ऐं	४	१२	ब	४	१३	२३	७	५३	१७	२७	१७	मकरे
५	चं	४०	३५	ध	५४	३१	वै	४	५८	की	८	१०	२३	७	५३	१८	२८	१८	कु२१।१९
६	मं	४५	५५	श	६०	०	वि	६	३६	ग	१३	१५	२३	७	५३	१९	२९	१९	कुंभे
७	बु	५२	७	श	१	३४	मी	८	५०	वि	१९	१	२४	७	५३	२०	३०	२०	मी५२।२०
८	गु	५८	१२	पू	९	१६	आ	११	१५	बा	२५	१०	२४	७	५३	२१	३१	२१	मीने
९	शु	६०	०	उ	१६	३८	सौ	१३	३५	तै	३१	०	२४	७	५३	२२	१	२२	मीने
१०	श	३	४८	रे	२३	२०	शो	१५	२५	ग	३	४८	२४	७	५३	२३	२	२३	मे २३।२०
११	र	८	१५	अ	२८	४१	अ	१६	१७	वि	८	१५	२४	७	५३	२४	३	२४	मेषे
१२	चं	११	११	भ	३२	२८	सु	१५	५४	बा	११	११	२३	७	५३	२५	४	२५	वृ ४७।५९
१३	मं	१२	३१	कृ	३४	३३	धृ	१४	११	तै	१२	३१	२३	७	५३	२६	५	२६	वृषे
१४	बु	११	५५	रो	३५	२	शू	१०	५८	व	११	५५	२३	७	५३	२७	६	२७	वृषे
१५	गु	९	२४	मृ	३३	५२	गं	६	२९	श	९	२०	२२	८	५२	२८	७	२८	मि४।२७
३०	शु	५	३५	आ	३१	११	बृ	४/५	५/५	ना	५	३५	२२	८	५२	२९	८	२९	मिथुने

मियुनेऽर्कः ३/९ (सौरः ४४/५२) मिथुनेशुक्रः ४९/४९

भ. ५५/१ उ ३२/४१ या मृगेबुधः १५/७ मार्गीभौमः*
वक्री स्वाती ३शनिः ३/१८ *५।४९ च. ब्र.

भ.४५।५५उ. मिथुने बुधः १६।२४
भ. १९।१या. आर्द्रा.शुक्रः १५।५९
आर्द्रा.रविः २९।५८(सौरः४५।४५)
आर्द्रा.बुधः २२।४८ रा आषाढ़ारम्भः
भ. ३६।१ उ.
भ. ८।१५ या.
योगिनी ११ ब्र.
प्रदोषः
भ. ११।५५ उ. ४०।३९ या.
पुन. बुधः ३०।४७

१०पं.आ.कृ.२शु.इ.२१।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	१	८	२	६	१	२
०	१८	२१	१६	०	१६	१२	०
४८	२१	२४	१७	३९	४५	४	३५
२५	११	२५	६	४०	५०	१८	४३
५७	३०/३४	२७/३१	२५	७४	३४/३८	३	५६
१३	ब	४५	ब	३८	ब	११	५७

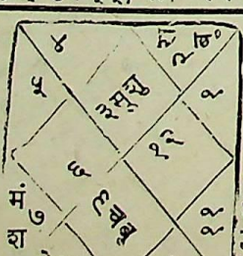

११पं.आ.कृ.९शु.इ.२१।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	८	२	६	१	२
७	१८	६	१५	९	१६	११	७
२९	१९	३७	२५	१६	२९	४२	१४
२४	५	४४	१६	२६	४६	३	१०
५७	१९/२३	२९/३३	५०	७४	२/६	३	५६
१३	मा	४५	ब	३८	ब	११	५४

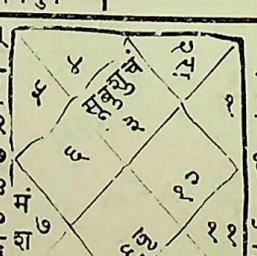

१२पं.आ.कृ. २०शु.इ.२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	८	२	६	१	२
१४	१८	२१	१४	१७	१६	११	१३
९	५६	४५	३२	५३	१७	१९	५२
५०	६	५४	१३	२	४९	४७	१५
५७	१०	२९/३३	५२	७४	२२	३	५६
७	३७	५०/५४	ब	३२	ब	११	५०

Digitized by S3 Foundation USA

तिथि आषाढ शुक्लपक्षः सं.२०४१ शाकः १९०६ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः वसंतर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ४१०४स१९८४

१	श	०	३०	पु	२७	४६	व्या	४६	३८	ब	०	३०	३४/२१	५/८	६/५३	३०	९	२९	क. १३।३७	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
२	श	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	र	४८	२०	पु	२३	२५	ह	३९	०	तै	२१	२७	२०	८	५२	१	१०	१	कर्के	पुन.शुक्रः ३।५४ जौलाई७ता. ३१ सव्वाल*
४	चं	४१	५३	श्ले	१८	५८	व	३१	२	व	१५	७	१९	८	५२	२	११	२	सिं १८।५८	भ. १५/७ उ. ४१/५३ या. * १०
५	मं	३५	३४	म	१४	३८	सि	२३	१३	व	८	४३	१८	८	५२	३	१२	३	सिंहे	कर्के बुधः २४।४६
६	बु	२९	२६	पू	१०	२७	व्य	१५	५०	कौ	२	३०	१७	९	५१	४	१३	४	क. २४।३२	बुधोदयः पश्चिमायां ३।३५
७	गु	२३	५५	उ	६	४७	व	८	४८	व	२३	५५	१५	९	५१	५	१४	५	कन्यांया	भ.२३/५५ उ.५१/३२ या पुन.रविः३५/५४ (सौरः४९/६)*
८	शु	१८	५०	ह	३	२७	प	३४/१४	५३/३३	ब	१८	५०	१४	९	५१	६	१५	६	तु. ३२।०	*पुष्ये बुधः२९/६ विशाखा. भौमः ४८/९
९	श	१४	१०	चि	३३/०	५४/४७	सि	४९	५	कौ	१४	१०	१३	९	५१	७	१६	७	तुलायां	
१०	र	१०	७	वि	५७	१	सा	४३	४७	ग	१०	७	११	१०	५०	८	१७	८	वृ. ४२।२२	म. ३५/२५ उ. वक्री मूल. ४ गुरुः ४५/३७
११	चं	६	४३	अ	५५	१९	शु	३८	५३	वि	६	४३	१०	१०	५०	९	१८	९	वृश्चिके	भ.४६/३ या.कर्केशुक्रः ५९/६ देवशयनी ११ व्र.
१२	मं	३	५२	ज्ये	५६	८	शु	३४	४२	वा	३	५२	८	१०	५०	१०	१९	१०	ध. ५६।८	प्रदोषः
१३	बु	२	५	मू	५६	२५	न	३१	२६	तै	२	५	७	११	४९	११	२०	११	धनुषि	पुष्ये शुक्रः ५६।१३
१४	गु	१	३५	पू	५९	३८	ऐं	२८	४९	व	१	३५	५	११	४९	१२	२१	१२	धनुषि	भ. ३५/५ उ. ३१/४५ या. आश्ले. बुधः ३५/२४ वायुपरीक्षा
१५	शु	१	५६	उ	६०	०	वै	२७	३४	व	१	५६	४	११	४९	१३	२२	१३	ग. १५।३४	मार्गी शनिः १०/४१ व्यासपूजा. गुरु १५

१३पं.आ.शु.८शु.इ.२१/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	८	२	६	१	२
२०	२०	५	१३	२६	१६	१०	२०
५०	८	३७	३८	३०	१०	५७	३०
१०	६	५२	५३	५०	५५	३१	९
५७	१४	२९/५	५७	७४	३८	३	५६
७	५०	३९	ब	३२	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

आ. कृ. १ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५गतालका-वस्था(ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु.उ.पू.

गोचरग्रहाः

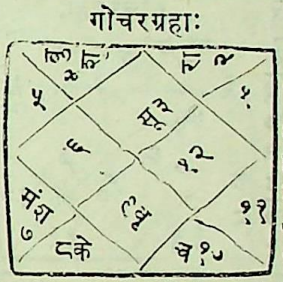

१४पं.आ.शु.१५शु.इ.२१/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	८	३	६	१	२
२७	२१	१७	१२	५	१६	१०	२७
३०	५३	५७	४५	५	८	३५	८
३२	१३	२५	३०	५३	३८	१६	१६
५७	१८	०/५	२८	७४	०/१	३	५६
११	३५	५३	ब	३२	मा	११	५४

तिथि श्रावण कृष्ण पक्षः सं.२०४१ शाकः १९०६ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः वसंतर्तुः रविरुत्तरे फा कृ. महाराष्ट्राः

१	श	३	५३	उ	३	२०	वि	२६	४६	कौ	३	५३	३४/२	५/१२	६/४८	१४	२३	१४	मकरे	
२	र	७	१०	श्र	८	१	प्री	२७	१५	ग	७	१०	०	१२	४८	१५	२४	१५	कुं ४१।५	भ. ३९।५९ उ. कर्केऽर्कः ५८।१८
३	चं	११	४९	ध	१४	१०	आ	२८	३९	वि	११	४९	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१६	कुम्भे	भ. ११/४९ या. कर्केऽर्कः सौरः २२/३० च. व्र.
४	मं	१६	५८	श	२१	४	सौ	३०	४१	वा	१६	५८	५६	१३	४७	१७	२६	१७	कुम्भे	
५	बु	२३	७	पू	२८	२९	शो	३३	३	तै	२३	७	५४	१३	४७	१८	२७	१८	भी १२।१४	नाग ५ मरुस्थले
६	गु	२९	२२	उ	३५	१६	अ	३५	३७	व	२९	२२	५२	१४	४६	१९	२८	१९	मीने	भ.२९/२२ उ पुष्ये रविः।२७/३५ (सौरः ५३/११)
७	शु	३५	२४	रे	४३	१७	सु	३७	५०	वि	२	२३	५०	१४	४६	२०	२९	२०	मे. ४३।१७	भ. २।२३ या. शुक्रोदयः पश्चिमायां ५९/२५
८	श	४०	२०	अ	४९	३२	धृ	३९	३४	बा	७	५२	४७	१५	४५	२१	३०	२१	मेषे	मघा. सिंहे बुधः १७/१२ कृति. ४ राहुः अनु.*
९	र	४४	१	भ	५४	३१	शू	४०	१	तै	१२	११	४५	१५	४५	२२	३१	२२	मेषे	आश्ले. शुक्रः ४४।२५ *२ केतुः २९/४८
१०	चं	४५	५८	कृ	५७	४२	गं	३९	८	व	१४	५९	४२	१६	४४	२३	१	२३	बृ. १०।१९	भ. ५९/९ उ ४५/८ या. रा. श्रावणारंभः
११	मं	४५	५७	रो	५९	५	मृ	३६	५६	ब	१५	५७	४०	१६	४४	२४	२	२४	बृषे	कामिका ११ व्र.
१२	बु	४३	४३	मृ	५८	२०	मृ	३२	५८	कौ	१४	५०	३७	१७	४३	२५	३	२५	मि २८।४२	
१३	गु	४०	५६	आ	५५	४८	व्या	२७	४२	ग	१२	२०	३५	१७	४३	२६	४	२६	मिथुने	भ. ४०।५६ उ. प्रदोषः
१४	शु	३४	८	पु	५१	३३	ह	२०	४७	वि	७	३२	३२	१८	४२	२७	५	२७	क. ३७।३७	भ. ७।३२ या.
३०	श	२७	८	पु	४६	१९	व	१२	४४	च	०	३८	२९	१८	४२	२८	६	२८	कर्के	हरियाली ३०

१५पं.श्रा.कृ.७गु.इ.२१/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	८	३	६	१	३
४	२४	२८	११	१३	१६	१०	३
५१	५	४२	५७	४२	११	१३	४६
१७	६	५८	५८	२९	१०	०	४३
५७	२१	८२	५/६	७४	०	३	५६
१५	५३	४२	ब	२६	५२	११	५७

गोचरग्रहाः

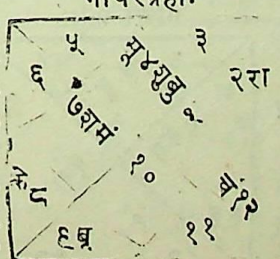

श्रा. कृ. २ रवौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ४ न. ५ बृद्धा-वस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु. पश्चि.

गोचरग्रहाः

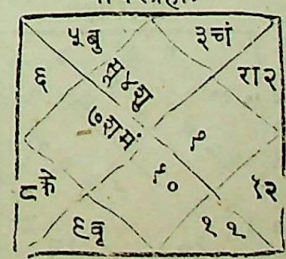

१६पं.श्रा कृ.१४शु.इ.२१/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	८	३	६	१	३
१०	२६	७	११	२२	१६	९	१०
५२	४२	४४	१४	१९	१८	५०	२६
१९	४७	२	३८	५	२२	४५	४
५७	२५	६५/६	५/६	७४	१	३	५७
२०	७	१९	ब	२६	३१	११	५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | श्रावण शुक्लपक्षः सं०२०४१ शाकः१९०६ | दि| उ.|अ.| इं.|रा.|मु.| चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षि.ऽहर्गणः४१३३स.१९८४

१	र	१८	१०	श्ले	४०	१९	सि	४९	५०	ब	१८	१०	३३/२६	५/१९	६/४१	२९	७	२९	सिं४०।१९
२	चं	१०	५५	म	३४	३	च	४४	१२	कौ	१०	५५	२४	१९	४१	३०	८	१	सिंहे
३	मं	२	४४	पू	२८	१	प	३५	५३	ग	२	४४	२१	२०	४०	३१	९	२	क.४१।४३
४	बु	४७	५२	उ	२२	३४	शि	२७	२	ब	२१	२१	१८	२०	४०	१	१०	३	कन्यायां
५	गु	४१	३८	ह	१७	५९	सि	१९	८	कौ	१४	४५	१५	२१	३९	२	११	४	तु.४६।७
६	शु	३६	३१	चि	१४	१४	सा	११	४२	ग	९	५	१२	२२	३८	३	१२	५	तुलायां
७	श	३२	३१	स्वा	११	३५	शु	२३/५	५४/३५	वि	४	३१	९	२२	३८	४	१३	६	वृ.५५।३६
८	र	२९	४१	वि	१०	१६	ब्र	५४	३७	बा	१	६	६	२३	३७	५	१४	७	वृश्चिके
१०	चं	२७	५१	अ	१०	८	ऐं	५१	५०	ग	२७	५१	३	२३	३७	६	१५	८	वृश्चिके
११	मं	२७	१९	ज्ये	१०	५६	वै	४९	१६	वि	२७	१९	०	२४	३६	७	१६	९	ध.१०।५६
१२	बु	२७	५८	मू	१३	२	वि	४७	३१	बा	२७	५८	३२/५६	२५	३५	८	१७	१०	धनुषि
१३	गु	२९	३३	पू	१६	७	प्री	४५	३८	तै	२९	३३	५३	२५	३५	९	१८	११	म.३२।११
१४	शु	३२	२८	उ	२०	२५	आ	४६	३४	ग	१	०	५०	२६	३४	१०	१९	१२	मकरे
१५	श	३६	१४	श्र	२५	२६	सौ	४७	११	वि	४	२१	४७	२७	३३	११	२०	१३	कु.५८।२

चंद्र दर्शनम्
सिंधारा जिल्काद ११
भ. २८।४७ उ. या. ५४।५० तीज

पूफा.बुधः २७/३८ नाग ५ अगस्त ८ ता. ३१
अश्ले.रविः २४/३९ (सौरः५३/५८) मघा सिंहे*
भ. ३६।३१उ. बृश्चिके भौमः ५९।४९
भ. ८।३१ या. *शुक्रः ३५।४८

भ. ५७।३५ उ.
भ. २७।१९ या. पवित्रा ११ ब्र.
स्वाती ४ शनिः ६।२० प्रदोषः
×श्रावणी कर्मः रक्षाबंधनम्
भ. ३२।२८ उ.
भ. ४।२१ या. अनु. भौमः ३।२६×

१७पं.श्रा.शु.७शु इ.२१।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	८	४	६	१	३
१७	२९	१४	१०	०	१६	९	१७
३४	४२	३८	३८	५६	३०	२८	५
१	११	५६	१३	२	५८	२९	४८
५७	२७	४१	५५/५४	७४	२	३	५७
२५	३४	४९	ल	२०	१०	११	१२

गोचरग्रहाः

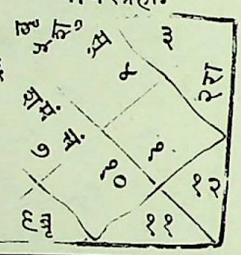

इस मासमें ५ शनि वार नेष्ट हैं धान्य रूई चांदी सोना तेज हो। सुदीमें वर्षा श्रेष्ठ होगी।

गोचरग्रहाः

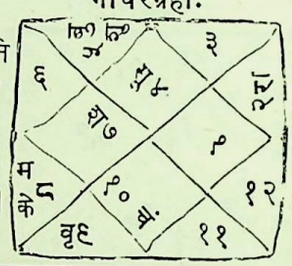

१८पं.श्रा.कृ. १४शु.इ. २०/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	४	८	४	६	१	३
२४	२	१८	१०	९	१६	९	२३
१६	५८	५०	८	३२	४६	६	४६
२६	४४	५६	४६	२८	१९	१३	५५
५७	२९	१४	४८/३	७२	२	३	५७
३३	५९	५९	ब	२०	४९	११	२२

ति. | भाद्रपद कृष्णपक्षः सं.२०४१ शाकः१९०६ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृ. महाराष्ट्राः

१	र	४१	१४	ध	३१	३९	शो	४८	३५	बा	८	४४	३२/४३	५/२७	६/३३	१२	२१	१४	कुम्भे
२	चं	४६	४०	श	३८	२९	अ	५०	१९	तै	१३	५७	४०	२८	३२	१३	२२	१५	कुम्भे
३	मं	५२	४७	पू	४५	५६	सु	५२	४३	व	१९	४३	३६	२९	३१	१४	२३	१६	मी२९।५
४	बु	५८	५८	उ	५३	२४	धृ	५५	१९	ब	२५	५३	३३	२९	३१	१५	२४	१७	मीने
५	गु	६०	०	रे	६०	०	शु	५७	४९	कौ	३२	५	२९	३०	३०	१६	२५	१८	मीने
५	शु	५	११	रे	१	२	गं	५९	५४	तै	५	११	२६	३१	२९	१७	२६	१९	मे. १।२
६	श	१०	३५	अ	७	५९	वृ	६०	०	व	१०	३५	२२	३२	२८	१८	२७	२०	मेषे
७	र	१५	४	भ	१४	१	वृ	१	५	ब	१५	४	१९	३२	२८	१९	२८	२१	वृ.३०।७
८	चं	१८	२	कृ	१८	२९	ध्रु	१	२६	कौ	१८	२	१५	३३	२७	२०	२९	२२	वृषे
९	मं	१९	१९	रो	२२	११	व्या	३४/०	५७/१८	ग	१९	१९	११	३४	२६	२१	३०	२३	मि५२।९
१०	बु	१८	१७	मृ	२२	५	व	५३	५०	वि	१८	१७	८	३४	२६	२२	३१	२४	मिथुने
११	गु	१५	२४	आ	२०	५६	सि	४०	५८	बा	१५	२४	४	३५	२५	२३	१	२५	मिथुने
१२	शु	१०	२५	पु	१७	५२	व्य	४७	४६	तै	१०	२५	०	३६	२४	२४	२	२६	क ३।३८
१३	श	३	३६	पु	१२	५४	व	३२	४	व	३	३६	३१/५९	३७	२३	२५	३	२७	कर्के
१४	श	५१	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	र	४६	२०	श्ले	६/१	५३/३७	प	२२	२२	च	२०	४९	५२	३८	२२	२६	४	२८	सिंहे६।१

वक्री मूल ३ गुरुः ३९।१८
वक्री बुधः ४।४२
भ. १९/४३ उ. ५३/४७ या. पूफा. शुक्रः २४/३३
चतुर्थी ब्र.
मघा सिंहेऽर्कः १८।३१ (सौरः५०।२५)
चंद्रषष्ठी
भ. १०।३५ उ. ४२।४९ या.
जन्माष्टमी ब्र. स्मा.
जन्माष्टमी ब्र. वै.
भ. ४८/४८ उ. बुधास्तः प. ४०/१६ गोगा ९
भ. १८।१७ या. रा. भाद्रपदारंभः
अजा ११ ब्र.
उफा.शुक्रः १६।४५ वत्सद्वादशी प्रदोषः
भ. ३।३६ उ. २९।२६ या.
+बुधः४५।२ कुशाग्रहणी.मन्मादिः
कन्यायां शुक्रः ५८।५१ वक्री मघायां+

१९पं.भा.कृ ५शु इ.२०।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	८	४	६	१	४
०	६	१९	९	१८	१७	८	०
५९	३२	१६	४८	८	६	४३	२९
४९	३८	१६	०	३१	५४	५८	८
५७	३१	२३/२६	२/३४	७४	३	३	५७
४०	४६	ब	ब	८	२८	११	३४

गोचरग्रहाः

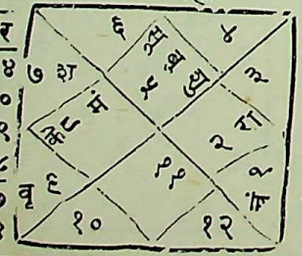

भा.कृ.५गुरौ सिंहे ऽर्कः प्र.वा.५ न. ५ गतालकावस्था (ऊभी) मृ. ३० धान्यादिभावे समता शु.पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

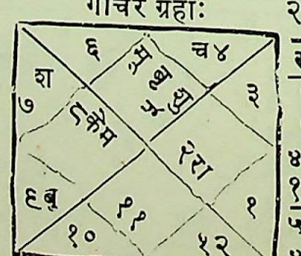

२०पं.भा.शु.१२शु.इ.२०।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	८	४	६	१	४
७	१०	१५	९	२६	१७	८	७
४४	२०	३७	३५	४४	३२	२१	१२
१७	१७	३४	३५	४२	२८	४२	३९
५७	३३	५७/८	१२/१	७४	४	३	५७
४९	२७	ब	ब	२	७	११	४५

Digitized by S3 Foundation USA

ति.|भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं. २०४१ शाकः१९०६ |दि.|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः |शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणःस४१६२स.१९८४

१	चं	३६	४४	पू	५२	१२	शि	१२	२६	कं	११	३२	३१/४८	५/३६	६/२२	२७	५	२६	सिंहे
२	मं	२७	१०	उ	४४	४६	सि	३४/१	३३/४	बा	१	५७	४४	३६	२१	२८	६	३०	क.५।२०
३	बु	१८	१६	ह	३८	१	शु	४१	१२	ग	१८	१६	४०	४०	२०	२९	७	१	कन्यायां
४	गु	१०	१६	चि	३२	१६	शु	३२	७	वि	१०	१६	३६	४१	१९	३०	८	२	तु.५।८
५	शु	३	३२	स्वा	२८	१	ज्ये	२३	५२	बा	३	३२	३२	४२	१८	३१	९	३	तुलायां
६	शु	५४	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	श	५४	४३	वि	२५	११	ऐं	१७	९	ग	२६	२८	२८	४२	१८	१	१०	४	वृ.१०।५४
८	र.	५२	४०	अ	२४	१३	वै	११	३५	दि	२३	४१	२५	४३	१७	२	११	५	वृश्चिके
९	चं	५२	१९	ज्ये	२४	३७	वि	७	२६	बा	२२	२९	२१	४४	१६	३	१२	६	ध.२४।३७
१०	म	५३	४३	मू	२६	४७	प्री	४	४१	तै	२३	१	१७	४५	१५	४	१३	७	धनुषि
११	बु	५५	५	पू	३०	१३	आ	३	५	व	२४	५४	१३	४५	१५	५	१४	८	म.४६।२५
१२	गु	५९	४९	उ	३४	५९	सो	२	३५	ब	२८	५७	९	४६	१४	६	१५	९	मकरे
१३	शु	६०	०	अ	४०	४०	शो	३	८	कौ	३२	४	५	४७	१३	७	१६	१०	मकरे
१३	श	४	१९	ध	४७	२१	अ	४	२	तै	४	१९	१	४८	१२	८	१७	११	कु.१४।१
१४	र	९	५५	श	५४	८	सु	५	४७	व	९	५५	३०/७	४९	११	९	१८	१२	कुंभे
१५	चं	१५	३२	पू	६०	०	धृ	७	३९	ब	१५	३२	५३	४९	११	१०	१९	१३	मी५४।४१

चन्द्रदर्शनम्
भ.४४/१९ उ. हरितालिका ३ गणेश४जि.१२
भ.१९/६ या.पूफा.रविः६(सौरः४/१७)मार्गी*
*गुरुः २५।३ ऋषि ५

भ.५४।४३ उ. सितम्वर ९ ता. ३०
भ. २३।४१ या.

हस्ते शुक्रः३/३ ज्येष्ठा.भौमः १३।१९
भ.५४उ. ५५ या.बुधोदयःपूर्वस्यां१७/६ ÷
मार्गी बुधः २०।७ वामनजयंती
प्रदोषः ÷जलझूलनी ११ ब्र.

भ ९।५५उ. ४२।४३ या. अनंत १४
महालया श्राद्धारंभः

२१पं.भा.शु. ५शु.इ.२०।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	८	५	६	१	४
१४	१४	९	९	५	१८	७	१३
२९	२०	२६	३३	२०	१	५९	५७
५६	४९	४२	१८	३८	१९	२७	५१
५८	३४	६/६	९/९	७३	४	३	५७
१	५६	ब	मा	५६	४०	११	५७

गोचरग्रहाः

भाद्रवड़े बुध ऊगसी
बहु भाद्र बड़ा
होय । बुध ऊगे
आसोज में कमल
काकरां होय ।।

गोचरग्रहाः

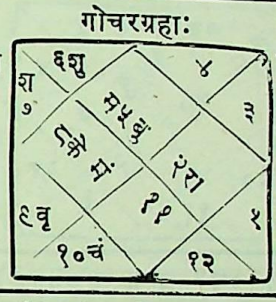

२२पं.भा.शु.१३शुइ २०।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	८	५	६	१	४
२१	१८	६	९	१३	१८	७	२०
१६	३२	३६	३९	५६	३३	३७	४४
५५	४२	२९	२५	२८	२५	११	३१
५८	३६	५/८	१	७३	५	३	५८
१३	९०	ब	२०	५६	५	११	१२

ति.|आश्विन कृष्णपक्षः सं०२०४१ शाकः१९०६|दि.| उ.|अ.| इ.|रा.| मु.| चंद्रः |शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र कृष्णेति महा.

१	मं	२१	४८	पू		१	३२	शु	९	५९	कौ	२१	४८	३०/४८	५/५०	६/१०	११	२०	१४	मीने
२	बु	२८	४	उ	८	५९		गं	१२	१४	ग	२८	४	४४	५१	९	१२	२१	१५	मीने
३	गु	३४	५	रे	१६	४०		वृ	१४	२९	व	१	४	४०	५२	८	१३	२२	१६	मे.१६।४०
४	शु	३९	३४	अ	२३	३७		धु	१६	३२	ब	६	४९	३६	५३	७	१४	२३	१७	मेषे
५	श	४४	१३	भ	२९	५२		व्या	१८	११	कौ	११	५३	३२	५४	६	१५	२४	१८	वृ.४६।१४
६	र	४७	५०	कृ	३५	२३		ह	१९	७	ग	१६	१	२८	५४	६	१६	२५	१९	वृषे
७	चं	५०	४	रो	३९	२३		व	१८	५६	वि	१८	५७	२४	५५	५	१७	२६	२०	वृषे
८	मं	५०	२७	मृ	४१	५२		सि	१७	४४	बा	२०	१५	२०	५६	४	१८	२७	२१	मि११।७
९	बु	४९	१०	आ	४२	३५		व्य	१५	१	तै	१९	४८	१६	५७	३	१९	२८	२२	मिथुने
१०	गु	४५	४४	पु	४१	२७		व	१०	५६	व	१७	२७	१२	५८	२	२०	२९	२३	क.२६।४४
११	शु	४०	२३	पु	३८	१७		प	१/५१	५२/३३	ब	१३	४	८	५८	२	२१	३०	२४	कर्के
१२	श	३३	३३	श्ले	३३	२५		सि	४९	३२	कौ	६	५८	४	५९	१	२२	३१	२५	सिंह३३।२५
१३	र	२५	१५	म	२७	२४		सा	३९	५४	व	२५	१५	३०/०	०/६	०/६	२३	१	२६	सिंहे
१४	चं	१५	४४	पू	१९	५२		शु	२९	२६	श	१५	४४	५५/५	६/१	५/९	२४	२	२७	कं.३२।५६
३०	मं	५	५०	उ	१२	१०		शु	१८	२२	ना	५	५०	५१	२/५८	२५	३	२८		कन्यायां

×आश्विनारंभः प्रदोषः
उफा. रविः ५२।२८
भ.१/४ उ.३/४ या. उफा. रविः सौरः ५५/५५
चित्रा.शुक्रः ५९।१३ चतुर्थी ब्र.
*मूल ४ गुरुः १३।३३
भ.४/५० उ.कन्यायामार्कः१७/४९ (सौरः५१/६)*
भ. १८।५७ या. पूफा. बुधः ७।०
≡धनुषि भौमः१४/३१ मातामहश्रा.नवरात्रा.
मातृनवमी =श्रा. सर्व पितृ ३०
भ.१७/२७ उ. ४५/४४ या. तुलायां शुक्रः २५/१४
इन्दिरा ११ ब्र.
कृत्ति.३ राहुः अनु. १ केतुः२१।५१
भ.२५/१५ उ ५०/२९ या.विशा.१शनि.४/६ रा.×
बुधास्तःपूर्वस्यां४/६ शस्त्रादि हतानां=
स्वात्यां शुक्रः ५०/६ उ.फा.बुधः२५/२६ मूले≡

२३पं.आ.कृ.४शु.इ.२०।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	८	५	६	१	४
२८	२२	१०	९	२२	१९	७	२७
५	५४	१२	५४	३१	५	१४	३२
२४	३६	५८	५०	५८	२५	५५	५२
५८	३७	६७	२	७३	५	३	५८
२६	२२	१५	४४	४४	३२	११	२९

गोचरग्रहाः

आ. कृ. ६ रवौ
कन्यायामर्कः प्र.
वा.४न ४प्रगल्भा
वस्था (बैठी) मु.
३० धान्यादिभावे
समता शुक्रोदयः
पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

२४पं.आ.कृ.११शु.इ.१९/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	८	६	६	१	५
४	२७	१९	१०	१	१९	६	४
५५	२४	३५	१९	७	४९	५२	२२
१९	३२	१७	३४	५	५	४०	५९
५८	३८	९८	४	७३	५	३	५८
३८	४०	४१	१	३२	५८	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०४१ शाकः १९०६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | शरद रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१९२ स.१९८४

१	मं	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०
२	बु	४६	२७	ह	१३	३४	ब्र	२२	२०	बा	२१	८	४७	३९	५७	२६	४	२९	तु.३०।३०
३	गु	३८	१	स्वा	५०	३८	वै	४७	४	तै	१२	१४	४३	३	५७	२७	५	१	तुलायां
४	शु	३१	४	वि	४५	३८	वि	३८	४	व	४	३२	३८	४	५६	२८	६	२	बृ.३२।९
५	श	२५	५८	अ	४२	३८	प्री	३०	४६	बा	२५	५८	३४	५	५५	२९	७	३	वृश्चिके
६	र	२२	४०	ज्ये	४१	२६	आ	२५	१४	तै	२२	४०	३०	६	५४	३०	८	४	ध.४१।२६
७	चं	२१	२८	मू	४२	२३	सो	२०	५८	व	२१	२८	२६	७	५३	१	९	५	धनुषि
८	मं	२२	२०	पू	४५	११	शो	१८	२६	ब	२२	२०	२२	८	५२	२	१०	६	धनुषि
९	बु	२४	४५	उ	४९	४०	अ	१७	१८	कौ	२४	४५	१८	८	५२	३	११	७	म.१।१९
१०	गु	२८	४९	श्र	५५	२०	सु	१७	४९	ग	२८	४९	१४	९	५१	४	१२	८	मकरे
११	शु	३३	५३	ध	६०	०	धृ	१८	४०	च	१	२२	१०	१०	५०	५	१३	९	कुं २८।४३
१२	श	३९	५३	ध	२	५	शू	२०	२२	ब	६	५३	६	११	४९	६	१४	१०	कुम्भे
१३	र	४५	५६	श	९	२५	गं	२२	२९	कौ	१२	५५	०	१२	४८	७	१५	११	कुम्भे
१४	चं	५२	१८	पू	१६	५३	बृ	२४	५२	ग	१९	७	५८	१२	४८	८	१६	१२	मी०।१
१५	मं	५८	२४	उ	२४	२१	धु	२७	१६	वि	२५	२१	५४	१३	४७	९	१७	१३	मीने

हस्ते रविः ३०।५५ चन्द्र दर्शनम्
हस्ते रविः सौरः ३।३६ कन्यायां बुधः*
भ. ४।३२ उ. ३१।४
*१७।५८ मोहरम १ स. १४०५ हि.
+सरस्वत्यावाहनम्
भा.$\frac{२१}{२८}$ उ.$\frac{५५}{५४}$ या. अबदूबर १०ता.३१+
हस्ते बुधः ५०।५० सरस्वती पूजनं
सरस्वती बलीदानम्
विजया १० सरस्वती विसर्जनम्
भा.$\frac{१}{२२}$ उ.$\frac{३३}{५३}$ या. पापांकुशा ११ व्र.
विशाखा शुक्रः ४५।१५
प्रदोषः
भ. ५२।१८ उ.
भ.$\frac{३५}{२९}$ या. शरद् पूर्णिमा को जागरी व्र.

२५पं.आ.शु.४शु.इ.१९।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	८	६	६	१	५
११	२	१	१०	९	२०	६	११
४६	९	५१	५२	४२	३०	३०	१५
५५	३०	२५	४८	०	२५	२४	१
५८	३९	०$\frac{९}{२}$	५	७३	६	३	५९
५३	२०		८	२०	२०	११	०

गोचरग्रहाः

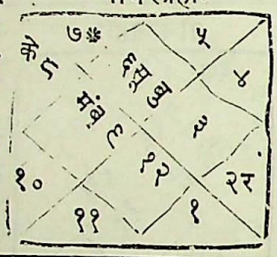

इस मास में ५ मंगलवार हैं प्रजा में पीड़ा, अग्नि भय, उपद्रव हो। हरेक वस्तु तेज रहे।

गोचरग्रहाः

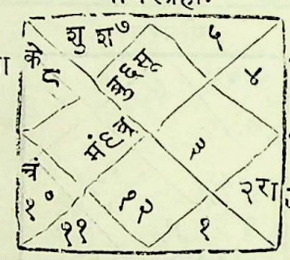

२६पं.आ.शु.११शु.इ.$\frac{१६}{५१}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	८	६	६	१	५
१८	६	१४	११	१८	२१	६	१८
४०	४६	२९	३३	१५	१४	८	८
८	४८	४२	४७	३६	६	९	४८
५९	४०	०$\frac{९}{३}$	६	७३	६	३	५९
९	१०		१९	१२	३३	११	१६

ति.कार्तिक कृष्णपक्षः सं.२०४१ शाकः १९०६ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | शरदर्तू रविर्दक्षिणे आश्विन कृ. महाराष्ट्रा

१	बु	६०	०	रे	३१	३७	व्या	२९	२०	बा	३१	१८	३५	६	५६	१०	१८	१४	मे.३१।३७
१	गु	४	१३	अ	३८	३०	ह	३१	८	कौ	४	१३	४६	१५	४५	११	१९	१५	मेषे
२	शु	९	२१	भ	४४	२१	व	३२	२३	ग	९	२१	४२	१६	४४	१२	२०	१६	मेषे
३	श	१३	३८	कृ	४९	५६	सि	३३	७	वि	१३	२८	३८	१६	४४	१३	२१	१७	वृ.०।४४
४	र	१६	५२	रो	५४	२	व्य	३३	५	बा	१६	५२	३४	१७	४३	१४	२२	१८	बृषे
५	चं	१९	१३	मृ	५७	१६	व	३१	५६	तै	१९	१३	३०	१८	४२	१५	२३	१९	मि२५।३९
६	मं	२०	१२	आ	५९	८	प	३०	८	व	२०	१२	२६	१९	४१	१६	२४	२०	मिथुने
७	बु	१९	५८	पु	५९	२८	शि	२७	८	ब	१९	५८	२२	२०	४०	१७	२५	२१	क.४४।२३
८	गु	१८	५	पु	५८	१६	सि	२२	५७	कौ	१८	५	१८	२०	४०	१८	२६	२२	कर्के
९	शु	१४	३२	श्ले	५६	३२	सा	१७	२५	ग	१४	३२	१४	२१	३९	१९	२७	२३	सिं५६।३२
१०	श	९	३४	म	५१	२५	शु	१०	४०	वि	९	३४	१०	२२	३८	२०	२८	२४	सिंहे
११	र	३	३	पू	४५	५५	शु	४$\frac{२}{९}$	५०$\frac{५}{६}$	बा	३	३	६	२३	३७	२१	२९	२५	क.५९।१७
१२	र	५२	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	चं	४६	३५	उ	३९	२२	ऐं	४३	५०	ग	२०	५९	२	२४	३६	२२	३०	२६	कन्यायां
१४	मं	३७	१७	ह	३२	११	वै	३३	३४	वि	११	५६	२७$\frac{२}{५८}$	२४	३६	२३	१	२७	तु.५८।२९
३०	बु	२७	५९	चि	२४	४७	वि	२२	५२	च	२	३४	५४	२५	३५	२४	२	२८	तुलायां

चित्रा रविः $\frac{२}{५९}$ (सौर $\frac{३४}{१२}$) चित्राबुधः $\frac{२४}{१३}$

भ. ४१।२९ उ.
भ. १३।३८ या. चतुर्थी व्र.
वृश्चिके शुक्रः $\frac{५६}{२९}$ तुलायां बुधः $\frac{१०}{४०}$+
+पूषा भौमः $\frac{४८}{२५}$
भ. $\frac{२०}{१२}$ उ. ५° या. तुलायमर्कः $\frac{४६}{४२}$
तुलार्कः सौरः $\frac{१६}{५५}$ अनु.शुक्रः $\frac{३७}{५४}$
स्वात्यां बुधः १७।८
भ. ४२।३ उ. पूषा १ गुरुः २७।१६
भ. ९।३४ या.
रमा ११ व्र.
*(सौरः $\frac{५७}{५३}$) रा. कार्तिकारम्भः
भ. ४६।३५ उ. प्रदोषः धनः १३
भ. $\frac{११}{५६}$ या. स्वात्यां रविः $\frac{२८}{४४}$*
विशाखा २ शनि ८।५५ महालक्ष्मी पू.

२७पं.का.कृ.२गु.इ. १९।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	८	६	६	१	५
२५	११	२६	१२	२६	२१	५	२५
३५	२९	४३	२३	४९	५९	४५	४
६	४	३८	१३	१६	३५	५३	३०
५९	४०	०$\frac{९}{५९}$	७	७२	६	३	५९
२१	४०		१४	५४	५०	११	३१

गोचरग्रहाः

का. कृ. ६ भौमे तुलायायर्कः प्र.वा. ३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो.प.

गोचरग्रहाः

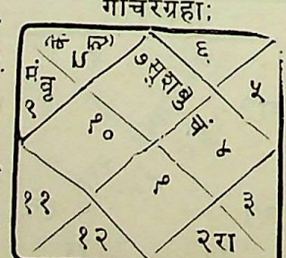

२८पं.का.कृ ९गु. इ.१९।२०

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	८	७	६	१	६
२	१६	८	१३	५	२२	५	२
३१	३५	२५	१८	२२	४७	२३	१
१४	४६	४८	५४	४१	१३	३७	५८
५९	४१	०$\frac{९}{४}$	८	७२	७	३	५९
३४	२४		१९	३४	२	११	४६

* शु.शचं.

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०४१शाकः१९०६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः हिमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४२२१सं.१९८४

१	गु	१८	५०	स्वा	१७	४२	प्री	१२	२५	ब	१८	५०	२७ ५०	६ २८	५ ३४	२५	३	२९	वृ.५८।२
२	शु	१०	५२	वि	११	२९	आ	३ ३६	२ ३७	को	१०	५२	४६	२७	३३	२६	४	३०	वृश्चिके
३	श	४	२८	अ	६	४४	शो	४६	१९	ग	४	२८	४२	२८	३२	२५	५	१	वृश्चिके
४	श	५५	१९	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	र	५७	१३	ज्ये	३	३४	अ	४०	१७	ब	२८	२९	३९	२८	३२	२८	६	२	ध.३।३४
६	चं	५६	५६	मू	२	४०	सु	३६	१४	को	२७	५	३५	२९	३१	२९	७	३	धनुषि
७	मं	५८	२८	पू	४	१	धृ	३३	४८	ग	२७	४३	३१	३०	३०	३०	८	४	म.१९।४८
८	बु	६०	०	उ	७	११	शू	३३	४	वि	३०	१७	२७	३१	२९	३१	९	५	मकरे
९	गु	२	७	श्र	१२	५	गं	३३	११	ब	२	७	२४	३१	२९	१	१०	६	कु.४५।११
१०	शु	७	१	ध	१८	१७	वृ	३४	४२	को	७	१	२०	३२	२८	२	११	७	कुम्भे
११	श	१३	१३	श	२५	४०	ध्रु	३६	४५	ग	१३	१३	१६	३३	२७	३	१२	८	कुम्भे
१२	र	१९	३३	पू	३३	८	व्या	३८	५९	वि	१९	३३	१३	३३	२७	४	१३	९	मी१६।१६
१३	चं	२५	५६	उ	४०	४९	ह	४१	३७	ब	२५	५६	९	३४	२६	५	१४	१०	मीने
१४	मं	३२	२	रे	४७	५८	व	४३	३४	तै	३२	२	६	३५	२५	६	१५	११	मे.४७।५८
१५	बु	३७	४१	अ	५४	३६	सि	४५	१७	ग	४	५२	२	३६	२४	७	१६	१२	मेषे
१६	गु	४२	१४	भ	६०	०	व्य	४६	१७	वि	९	५७	२६ २९	३६	२४	८	१७	१३	मेषे

अस्तं शनेः १७ ३४ अन्नकूट गोवर्द्धनपूजा
विशा. बुधः ३२ ३० चंद्र दर्शनम् भ्रातृ २
भ.३२।७ उ. ५९।४७ या. सफर २

ज्येष्ठा. शुक्रः ३७।२२

भ. ५८।२८ उ.
भ. ३० १७ या.बुधोदयःपश्चिमायां ४३ ३७ गोपद
नवम्बर ११ ता. ३०
वृश्चिके बुधः ३३ उषा.भौमः १४ ९ अक्षय९
भ. ४६।२३ उ.
भ. १९ ३९ या.अनु.बुधः ११ १५ प्रबोधिनी ११*
विशा.रविः४९।७ *ब्र.तुलसी विवाहः
विशा.रविः सौरः १५ २२ मकरेभौमः ४१ ११ प्रदोषः
भ. ३७।४१ उ. वैकुंठ १४
भ.५ ६७ या.चंद्रग्रहणम्मूलेधनुषिशुक्रः ३२ ९

२९पं.का.शु.२शु.इ.१९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	८	७	६	१	६
९	२१	१९	१४	१३	२३	५	९
२९	३७	३८	२०	५३	३५	१	१
४९	३७	६	५६	१०	४२	२२	१८
५९	४१	९८	९	७२	७	३	६०
४७	४९	२७	९	२०	१४	११	२

गोचरग्रहः:

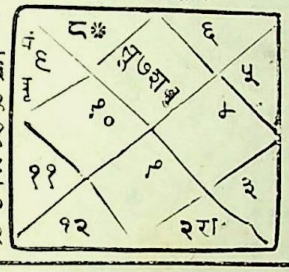

इस मास में जौ गेहूं चना चावल रुई रेशम मसूर सिरस्यु पितल तांबा तेज होकर मंदा होगा।

गोचरग्रहा

३०पं.का.शु.९शु.इ.१८।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	८	७	६	१	६
१६	२६	०	१५	२२	२४	४	१६
२९	४३	२४	२९	२३	२०	३९	२
३८	२३	११	१०	६	२३	६	२२
६०	४२	९४	९	७१	७	३	६०
४	१३	५	५५	५१	२०	११	१८

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०४१शाकः१९०६ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः शरदृतूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	४५	५५	भ	०	१७	च	४६	१२	चा	१४	५	२६ ५६	६ ३७	५ २३	९	१८	१४	वृ.१६।२८
२	श	४८	२७	कृ	५	५९	प	४५	४४	तै	१७	११	५३	३७	२३	१०	१९	१५	बृषे
३	र	४९	५७	रो	८	३५	शि	४४	१०	व	१९	१२	४९	३८	२२	११	२०	१६	मि३९।५६
४	चं	५०	२३	मृ	११	१७	सि	४१	५३	ब	२०	१०	४६	३९	२१	१२	२१	१७	मिथुने
५	मं	४९	५२	आ	१३	९	सा	३९	२३	को	२०	८	४३	३९	२१	१३	२२	१८	क.५७।३६
६	बु	४८	२०	पु	१३	४५	शु	३४	५८	ग	१९	६	४०	४०	२०	१४	२३	१९	कर्के
७	गु	४५	३४	पु	१३	२५	शु	३०	८	वि	१६	५७	३७	४१	१९	१५	२४	२०	कर्के
८	शु	४१	५९	श्ले	११	५६	व्र	२४	२९	चा	१३	४७	३४	४१	१९	१६	२५	२१	सि ११।५६
९	श	३७	१८	म	९	२४	ऐं	१८	१२	तै	९	३९	३१	४२	१८	१७	२६	२२	सिंहे
१०	र	३१	२२	पू	५	५७	वै	१०	५१	व	४	२०	२९	४२	१८	१८	२७	२३	क.१९।५१
११	चं	२४	४९	उ	३३	१५ ४४	वि	४९	२ ८	चा	२५	४९	२६	४३	१७	१९	२८	२४	कन्यायां
१२	मं	१७	२४	चि	५०	३१	आ	४४	४०	तै	१७	२४	२४	४३	१७	२०	२९	२५	तु.२३।२३
१३	बु	९	३१	स्वा	४४	२०	सौ	३५	१३	व	९	३१	२१	४४	१६	२१	३०	२६	तुलायां
१४	गु	१	२५	वि	३८	३३	शो	२५	४६	श	१	२५	१९	४४	१६	२२	१	२७	बृ.२५।०
३०	गु	५२	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

पूषा. २ गुरुः ४।१०

म. १९।१२ उ. ४९।५७ या.
चतुर्थी व्र.
ज्येष्ठा. बुधः २५।१९
भ. ४८।२० उ.
भ. १९।५७ या. वृश्चिकेऽर्कः ४५ ९
वृश्चिकेऽर्कः ३ ९ (सौरः)पातस्पर्शः ४ ३९ *
* मोक्षः १७।३५
भ. ४।२० उ. ३१।२२ या.
अनु.रवि २ ३९ (सौरः २७)पूषा.शुक्रः ४ ३९ +
श्रवणे भौमः ५ ५७ प्रदोषः +उत्पत्ति११व्र.
भ. ३ ६९ उ. ३५ २८ या.विशाखा३शनिः १३ ३०
रा, मार्गशीर्षः रंभः

३१पं.मा.कृ.१शु.इ.४ १८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	८	८	६	१	६
२३	१	१०	१६	०	२५	४	२३
३०	५१	४४	४२	५०	१४	१६	४
५८	४३	२८	३६	५३	३५	५०	५८
६०	४२	८८	१०	७१	७	३	६०
१७	३५	५	४१	३३	२०	११	३०

गोचरग्रहाः

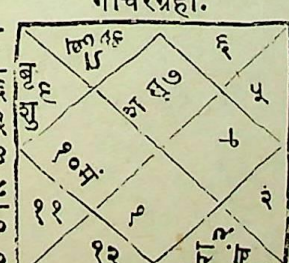

मार्ग. कृ. ७ गुरौ वृश्चिकेऽर्क प्र.वा. ३न.४बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शु. प.

गोचरग्रहाः

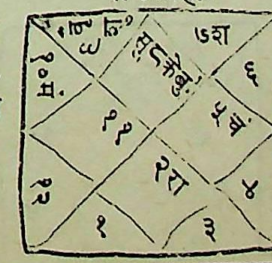

३२पं.मा.कृ.८शु.इ. १८ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	८	६	१	७
०	७	२०	१८	९	२६	३	०
३३	३	३१	१	१७	५	५४	९
४७	७	४८	१९	३१	५३	३५	२
६०	४२	८०	११	७१	७	३	६०
३०	५२	१७	१६	७	२०	११	४०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त.|मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४१शाकः १९०६|दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चन्द्रः |हेमंततूँ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४२५०स.१९८४

१	शु	४७	२६	अ	३३	२६	अ	१६	५६	कं	२०	४१	२६/५६	४५/६	५/५	२३	२	२८	वृश्चिके
२	श	४२	१०	ज्ये	२६	३४	सु	८	५५	चा	१४	४८	१३	४५	१५	२४	३	२६	ध. २६।३४
३	र	३८	४३	मू	२७	१५	धृ	५१/५५	५४/२२	तै	१०	२८	११	४६	१४	२५	४	१	धनुषि
४	चं	३७	३१	पू	२६	५८	ग	५२	१६	व	८	८	८	४६	१४	२६	५	२	म. ४२।२४
५	मं	३८	०	उ	२८	४१	वृ	५०	११	ब	७	४५	६	४७	१३	२७	६	३	मकरे
६	बु	४०	४६	श्र	३२	२६	ध्रु	४६	४६	की	६	२३	३	४७	१३	२८	७	४	मकरे
७	गु	४५	२	ध	३७	३७	व्या	५०	१	ग	१२	५४	१	४८	१२	२६	८	५	कु. ५।१
८	शु	५०	५०	श	४४	२७	ह	५१	३७	वि	१७	५६	२५/५०	४८	१२	३०	६	६	कुम्भे
९	श	५७	५	पू	५१	३४	व	५३	३५	त्रा	२३	५८	५७	४६	११	१	१०	७	मी ३४।४७
१०	र	६०	०	उ	५६	१७	सि	५६	६	तै	३०	२१	५५	४६	११	२	११	८	मीने
१०	चं	३	३७	रे	६०	०	व्य	५८	१०	ग	३	३७	५३	४६	११	३	१२	६	मीने
११	मं	६	५१	रे	६	३८	व	५६	५६	वि	६	५१	५१	५०	१०	४	१३	१०	मे. ६।३८
१२	बु	१५	२५	अ	१३	२२	प	६०	०	त्रा	१५	२५	४६	५०	१०	५	१४	११	मेषे
१३	गु	१६	४५	भ	१६	१	प	०	४८	तै	१६	२५	४८	५०	१०	६	१५	१२	वृ. ३५।७
१४	शु	२२	५२	कृ	२३	२५	शि	४०	५५/५५	व	२२	५२	४६	५१	६	७	१६	१३	वृषे
१५	श	२४	३०	रा	२६	२८	सा	५७	२८	व	२४	३०	४५	५१	६	८	१७	१४	मि ५७।२०

मूले धनुषि बुधः ५२।०
कृत्ति. २राहुःविशा. केतुः १३/६ चंद्रदर्शनम्
रविलावल ३
भ. ८/३ उ. ३७/१ या. पूषा. ३ गुरुः १८।४५

उदयं शनेः ५/६ पातस्पर्शः १३/२३ मोक्षः ३१/२७ *
भ. ४५।२ उ. *चम्पा ६
भ. १७।५६ या. उषा. शुक्रः ४६।५७
दिसम्बर १२ ता. ३१
ज्येष्ठा. रविः १३।३६ (सौरः३४।३७)
भ. ३६।४४ उ. मकरे शुक्रः ४१।२५
भ. ६।५१ या. वक्री बुधः १६।३६ मोक्षदा *
प्रदोषः *११ व्र. गीताजयन्ती

भ. २२/२२ उ. ५/१ या. धनि. भौमः ५/४ दत्तजयंती
बुधास्तः पश्चिमायां ५१।२८

३पं.मा.शु.१शु.इ.१६।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	८	६	१	७
७	१२	२९	१९	१७	२६	३	७
२७	१६	१६	२४	४१	५५	२२	१४
२७	३४	५२	७	२०	५	१९	३५
६०	४३	७६	११	७०	७	३	६०
४२	२	५९	५६	२४	१५	११	५३

२४पं. भा.शु.८ शु.इ.१८।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	८	८	६	१	७
१४	१७	५	२०	२६	२७	३	१४
४२	३२	४४	५०	२	४४	१०	२१
५४/५८	३८	३१	३१	५३	२४	४१	२१
६०	४३	२७	१२	६९	७	३	६१
५०	१३	३७	२०	५९	७	११	३

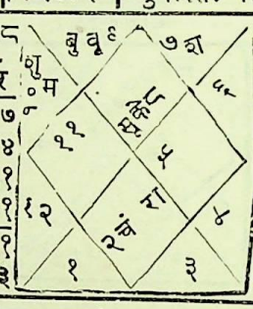

२५पं मा.शु १४.शुइ.५/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	८	९	६	१	७
२१	२२	७	२२	४	२८	२	२१
४८	५०	८	१९	१९	३२	४७	२९
५८	३१	३१	४१	३०	३१	४८	६
६०	४३	२८/३४	१२	६९	६	३	६१
५६	२१	ब	४४	११	५९	११	११

त.|पौष कृष्णपक्षः सं० २०४१ शाकः १९०६ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चन्द्रः |हेसंततूँ रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.

१	र	२४	४६	मृ	३८	१३	शु	५४	२२	को	२४	४६	२५/४४	५१/५	५/६	६	१८	१५	मिथुने
२	चं	२४	६	आ	२८	५३	शु	५०	२२	ग	२४	६	४२	५२	८	१०	१६	१६	मिथुने
३	मं	२२	२७	पु	२८	३५	व	४४	५४	वि	२२	२७	४१	५२	८	११	२०	१७	क. १३।४०
४	बु	१६	५३	पु	२७	२६	ऐं	४०	२६	बा	१६	५३	४८	५२	८	१२	२१	१८	कर्के
५	गु	१६	३३	श्ले	२५	५१	चै	३४	२६	तै	१६	३३	३६	५२	८	१३	२२	१६	सिं २५।५१
६	शु	१२	५२	म	२३	४१	वि	२८	२०	व	१२	५२	३८	५२	८	१४	२३	२०	सिंहे
७	श	८	४१	पू	२०	५२	प्री	२२	५	ब	८	४१	३८	५२	८	१५	२४	२१	क. ३५।४
८	र	३	५६	उ	१७	४४	आ	१४	५१	कौ	३	५६	३७	५३	८	१६	२५	२२	कन्यायां
९	र	५५	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	चं	५४	५	ह	१३	५६	सौ	२०	५१/७	व	२६	३८	३७	५३	७	१७	२६	२३	तु. ४२।२
११	मं	४७	१५	चि	१०	५	अ	५१	३७	ब	२०	४०	३७	५३	७	१८	२७	२४	तुलायां
१२	बु	४१	८	स्वा	५	४५	सु	४३	४५	को	१४	१२	३६	५३	७	१९	२८	२५	वृ. ४७।४
१३	गु	३५	१४	वि	१/३८	५६/८	धृ	३५	५५	ग	८	११	३६	५३	७	२०	२९	२६	बृश्चिके
१४	शु	२९	५५	ज्ये	५४	३१	शु	२८	३१	वि	२	३०	३६	५३	७	२१	३०	२७	ध. ५४।३१
३०	श	२५	२२	मू	५२	११	गं	२१	५४	ना	२५	२२	३६	५३	७	२२	१	२८	धनुषि

भ. ५३।१८ उ.
भ. ३३/२७ या. पूषा. ४ गुरुः ४/६ चतुर्थी ब्र.
श्रवणे शुक्रः ४।५२
वक्री ज्येष्ठा बृश्चिके बुधः ५६।४६
भ. १२।५२ उ. ४०।४६ या.
मूले धनुष्यर्कः २०।५१ (सौरः३८।११
कुंभे भौमः ४६।१६

भ. २६।३८ उ. ५४।५ या.
सफला ११ व्र.
*४५/६ बुधोदयः पूर्वस्यांप्रदोषः
भ. ३५।१४ उ विशा. ४ बृश्चिके शनिः *
भ. २।३४ या.
रा. पौषारंभः

२६पं.पौ.कृ.६श.इ.१७।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	९	६	१	७
२८	२८	२९	२३	१२	२९	२	२८
५५	१०	२५	५२	३२	१८	२५	३७
५२	१	४१	३०	२	४७	३३	४९
६१	४३	९/१३	१३	६८	६	३	६१
०	३५	ब	१०	२४	४०	११	१९

गौचरग्रहाः

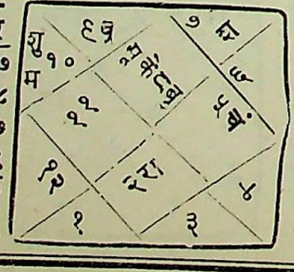

पौष कृ. ७ शनौ धनुष्यर्कः प्र. वा. ३ न. ३ कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

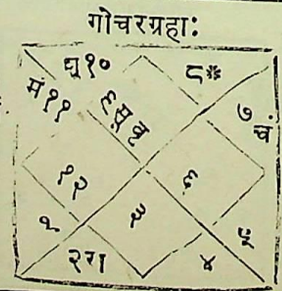

३७पं.पौ.कृ १४शु.इ १७/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	८	९	७	५/१	८
६	३	२१	२५	२०	०	२	५
३	२९	४५	२७	३०	३	३	४७
२९	६	३२	७	७	२९	१७	१४
६१	४३	३८/३८	१३	६७	६	३	६१
४	३१	ब	२०	२६	२६	११	२२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*बु.के.श.चं.

Digitized by S3 Foundation USA

[ति] पौष शुक्ल पक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६ | दि. | उ. | अ | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ४२८०स १९८४

१	र	२२	८	पू	५१	३०	वृ	१६	११	ब	२२	८	२५ ६	५	२३	२	२९	धनुषि
२	चं	२०	३४	उ	५२	१४	ध्रु	११	५२	को	२०	३४	३७ ५३	७	२४	३	३०	ग. ६।४१
३	मं	२०	४६	श्र	५५	२	व्या	८	४४	ग	२०	४६	३७ ५३	७	२५	४	१	मकरे
४	बु	२२	५९	ध	५९	२५	ह	७	५	वि	२२	५९	३७ ५३	७	२६	५	२	कुं २७।१३
५	गु	२६	३८	श	६०	०	व	६	३१	वा	२६	३८	३८ ५२	८	२७	६	३	कुम्भे
६	शु	३१	५५	श	६	२०	सि	७	३८	तै	३१	५५	३८ ५२	८	२८	७	४	भी ५५।३५
७	श	३७	५६	पू	१२	१	व्य	९	१०	ग	४	५५	३९ ५२	८	२९	८	५	मीने
८	र	४४	२६	उ	१९	३३	व	११	२०	वि	११	११	४० ५२	८	३०	९	६	मीने
९	चं	५०	५२	रे	२७	५	प	१३	१६	वा	१७	३९	४० ५२	८	३१	१०	७	मे. २७।५
१०	मं	५६	३४	अ	३४	१६	शि	१५	३५	तै	२३	४३	४१ ५२	८	१	११	८	मेषे
११	बु	६०	०	भ	४०	१७	सि	१६	५०	व	२८	४९	४२ ५२	८	२	१२	९	बृ. ५६।५५
११	गु	१	५	कृ	४४	५२	सा	१६	५७	वि	१	५	४३ ५१	९	३	१३	१०	बृषे
१२	शु	४	४	रो	४८	२	शु	१६	७	वा	४	४	४४ ५१	९	४	१४	११	बृषे
१३	श	५	२०	मृ	४९	२१	शु	१३	४९	तै	५	२०	४६ ५१	९	५	१५	१२	मि १८।४१
१४	र	५	५	आ	४९	८	न	१०	५	व	५	५	४७ ५१	९	६	१६	१३	मिथुने
१५	चं	३	२	पु	४७	५१	ऐं	२५ ५४	२२	ब	३	२	४९ ५०	१०	७	१७	१४	क. ३३।१०

माघस्नान प्रारंभः

३८पं.पौ.शु.६शु.इ.१७।२६ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	८	९	७	१	८
१३	८	२१	२७	२८	०	१	१२
११	४९	४१	३	२८	४५	४१	५७
३१	२६	२६	१८	२८	५८	१	६
६१	४३	४१	१३	६६	३	३	६१
६	३३	मा	३०	११	९	११	२६

इस मास में गुरु अस्त रुई चांदो सोना सूत सिरस्युं मूंगफली गेहूं गुड़ में मन्दी लाकर तेजी करेगा।

गोचरग्रहाः

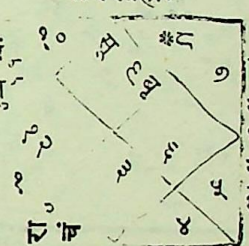

३९पं.पौ.शु.१२शु.इ १७ २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	८	१०	७	१	८
२०	१४	२७	२८	६	१	१	२०
१९	९	२९	४०	२८	२४	१८	७
२६	५०	१०	३०	२६	४०	४६	३
६१	४३	७६	१३	६४	५	३	६१
६	३५	३५	३२	४५	४१	११	२६

[ति] माघ कृष्ण पक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६ | दि. | उ. | अ | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तुः रविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	५६	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	मं	५५	५२	पु	४५	२९	वि	५३	१६	तै	२७	५५	२५ ५१	६ ५०	५ १०	८	१८	१५ कर्के
३	बु	५०	५०	श्ले	४२	१५	प्री	४६	११	व	२३	२१	५२	५०	१०	९	१९	१६ सिं ४२।१५
४	गु	४५	४४	म	३८	४०	आ	३९	२	व	१८	१७	५४	४९	११	१०	२०	१७ सिंहे
५	शु	४०	२९	पू	३५	९	सौ	३१	२३	कौ	१३	७	५६	४९	११	११	२१	१८ क. ४९।१६
६	श	३५	१४	उ	३१	३६	शो	२४	३	ग	७	५१	५८	४८	१२	१२	२२	१९ कन्यांया
७	र	३०	१०	ह	२८	४	अ	१६	३८	वि	२	४२	२ ६	४८	१२	१३	२३	२० तु. ५६।४७
८	चं	२५	९	चि	२४	४८	सु	९	१३	कौ	२५	९	३	४७	१३	१४	२४	२१ तुलायां
९	मं	१९	१४	स्वा	२१	४७	धृ	३३ ३५	६	ग	१९	१४	५	४७	१३	१५	२५	२२ तुलायां
१०	बु	१५	४९	वि	१८	५७	गं	४९	८	वि	१५	४९	८	४६	१४	१६	२६	२३ बृ. ४।४०
११	गु	११	३३	अ	१६	३२	वृ	४३	४	वा	११	३३	१०	४६	१४	१७	२७	२४ वृश्चिके
१२	शु	७	५३	ज्ये	१४	३५	ध्रु	३७	३१	तै	७	५३	१२	४६	१४	१८	२८	२५ ध. १४।३५
१३	श	४	५२	मू	१३	३३	व्या	३२	३५	व	४	५२	१५	४५	१५	१९	२९	२६ धनुषि
१४	र	२	५०	पू	१३	२९	ह	२८	३८	श	२	५०	१७	४५	१५	२०	३०	२७ म. २८।४७
३०	चं	२	५	उ	१४	४५	व	२५	३७	ना	२	५	२०	४४	१६	२१	१	२८ मकरे

प्रदोषः भ. ४।५२ उ. ३३।५१ या.
अभि. रविः १९।४० (सौरः २८।३)
रा. मघारंभः सोमवती ३०

४०पं.मा.कृ.५शु.इ.१७।१९ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	९	१०	७	१	८
२७	५९	५	०	१४	२	०	२७
२७	२९	४२	१९	८	२	२६	१६
४०	४९	१६	२३	२	३१	३०	५५
६१	४३	७५	१३	६३	५	३	६१
६	३२	२७	३८	७	१४	११	२४

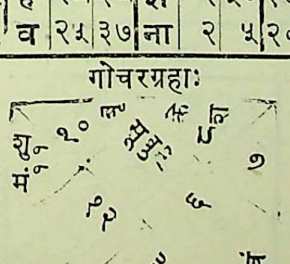

मा. कृ. ७ रवौ मकरेऽर्कः प्र. वा. २ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु. पश्चि.

गोचरग्रहाः

४१पं.मा कृ.१२शु इ.१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	९	१०	७	१	९
४	२४	१५	१	२१	२	०	४
३५	४७	२०	५७	३३	३६	३४	३६
३१	०२	२४	२९	४	१८	१०	२४
६१	४३	८६	१३	६०	४	३	६१
३	३५	११	३८	५६	४६	११	१९

*बुशके

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ते. माघ शुक्लपक्षः सं० २०४१ शाकः १९०६ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३१०सं१९८५

१	मं	२	४०	श्र	१७	८	सि	२४	१६	ब	२	४०	२६/२२	६/४४	५/१६	२२	२	२९	कु.४९।६
२	बु	४	५२	ध	२१	५	व्य	२३	१८	कौ	४	५२	२५	४३	१७	२३	३	१	कुम्भे
३	गु	८	२४	श	२६	३१	व	२३	३२	ग	८	२४	२७	४३	१७	२४	४	२	कुम्भे
४	शु	१३	३१	पू	३२	२६	प	२४	४०	वि	१३	१९	३	४२	१८	२५	५	३	मी१५।५७
५	श	१९	११	उ	४०	१४	शि	२६	४९	बा	१९	११	३३	४१	१९	२६	६	४	मीने
६	र	२५	४१	रे	४७	५२	सि	२८	५८	तै	२५	४१	३६	४१	१९	२७	७	५	मे ४७।५२
७	चं	३२	९	रे	५५	१९	सा	३१	१३	ब	३२	९	३९	४०	२०	२८	८	६	मेषे
८	मं	३८	१६	अ	६०	०	शु	३३	२०	वि	५	१३	४२	४०	२०	२९	९	७	मेषे
९	बु	४३	१९	भ	२	०	शु	३४	३	बा	१०	४७	४६	३९	२१	३०	१०	८	वृ.१८।२१
१०	गु	४६	४७	कृ	७	२४	च	३३	५६	तै	१५	३	४९	३८	२२	३१	११	९	वृषे
११	शु	४८	३४	रा	११	२३	ऐं	३२	२३	व	१७	४०	५२	३८	२२	१	१२	१०	मि४२।२७
१२	श	४८	१५	मृ	१३	३१	वै	२९	१९	ब	१८	२४	५५	३७	२३	२	१३	११	मिथुने
१३	र	४६	१०	आ	१३	३७	वि	२४	४४	कौ	१७	१३	५९	३६	२४	३	१४	१२	क.५७।२५
१४	चं	४२	८	पु	१२	१	प्री	१८	३७	ग	१४	९	२/२७	३६	२४	४	१५	१३	कर्के
१५	मं	३६	४८	पु	८	५२	आ	११	३१	वि	९	२८	६	३५	२५	५	१६	१४	कर्के

चन्द्र दर्शनम् *गुरुः ५/१८ जमादिलावल५
श्रवणे रविः ३/३ (सौरः ४/०) उषा. ३*
भ. ४/५०उ. अभि नि.रविः २/३२ (सौरः ३/१६)
भ. १/३१या. उषा.बुधः ५/३७ मीने भौमः ५/९
मीने शुक्रः ३/१९ कृत्ति१ मेषे राहुःविशा.+
मकरे बुधः ५९।४७
भ. ३२।९ उ. भानु ७ रथ ७
भ. १/३५या. उभा.भौमः २/३३ अनु.१शनिः=
उदयं गुरोः ५८।१२ =२/३७ भीष्माष्टमी
उभा. शुक्रः ५।५५ ÷जया११व्र.
भ. १/४०उ. ४/३५या. फर्वरी २ ता. २८÷
+३ तुलायां केतुः ३/९ बसन्त ५
श्रवणे बुधः २७।१७ प्रदोषः
भ. ४२।८ उ. ×माघ स्नानपूर्तिः
भ. २/९या. धनि. रविः ४/२४ (सौरः ४/५१)×

४२प.मा.शु. ४श्.इ.१७।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	९	१०	७	१	९
११	०	२५	३	२८	३	०	११
३२	६	४६	३६	४०	५	११	३५
१८	४	३०	१८	३०	५६	५९	१५
१०	४३	९३	१२	१८	४	३	६१
१९	३४	३८	३२	१३	१५	११	१३

गोचरग्रहाः

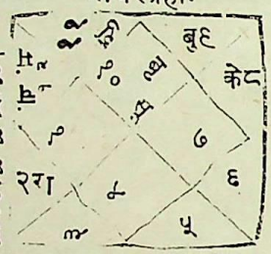

इस मास में ५ मंगलवार अशुभ है। धातु धान्य रस आदि पदार्थ तेज होंगे।

गोचरग्रहाः

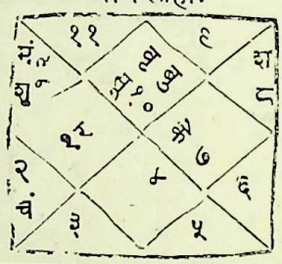

४३पं.मा.शु.११शु.इ.१७/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	९	११	७	०	९
१८	५	६	५	५	३	२९	१८
४९	२२	२५	१४	२५	३१	४९	४३
२६	४१	१२	१०	५	२३	४३	१८
६०	४३	९९	१२	५४	३	३	६१
५५	३२	१७	३०	३५	३४	११	४

त	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तुः रविरुत्तरे माघकृ. महाराष्ट्राः

१	बु	३०	१४	श्ले	४/२२	५४/४९	सौ	२४/३	५१/१४	बा	३	३१	२७/९	६/३४	५/२६	६	१७	१५	सिं४।२२
२	गु	२३	२०	पू	५३	४६	अ	४५	३५	ग	२३	२०	१३	३३	२७	७	१८	१६	सिंहे
३	शु	१६	११	उ	४८	२४	सु	३६	५०	वि	१६	११	१६	३३	२७	८	१९	१७	क.७।२६
४	श	९	१	ह	४३	३०	धृ	२८	१२	बा	९	१	२०	३२	२८	९	२०	१८	कन्यायां
५	र	२	२६	चि	३८	१२	शु	१९	५८	तै	२	२६	२४	३१	२९	१०	२१	१९	तु.१०।५१
६	र	५१	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	चं	५१	१३	स्वा	३५	३७	गं	१२	२२	वि	२३	५२	२७	३१	२९	११	२२	२०	तुलायां
८	मं	४६	५९	वि	३२	५०	वृ	२/००	५५/५४	बा	१९	६	३१	३०	३०	१२	२३	२१	वृ.१८ ३२
९	बु	४३	२९	अ	३१	५	व्या	५३	४९	तै	१५	१४	३५	२९	३१	१३	२४	२२	वृश्चिके
१०	गु	४०	५३	ज्ये	३०	७	ह	४९	१०	व	१२	११	३८	२८	३२	१४	२५	२३	ध.३०।७
११	शु	३९	११	मू	३०	१०	व	४५	१३	ब	१०	२	४२	२८	३२	१५	२६	२४	धनुषि
१२	श	३८	२७	पू	३१	४	सि	४२	७	कौ	८	४९	४६	२७	३३	१६	२७	२५	म.४६।३६
१३	र	३९	४	उ	३३	१४	व्य	३९	४७	ग	८	४५	५०	२६	३४	१७	२८	२६	मकरे
१४	चं	४०	२६	श्र	३६	२१	च	३८	४२	वि	९	४५	५४	२५	३५	१८	२९	२७	मकरे
१५	मं	४३	२२	ध	४०	२७	प	३८	१२	च	११	५५	५८	२४	३६	१९	३०	२८	कुं ८।२४

भ. ४९।४५ उ. उषा. ४ गुरुः २४।१०
भ. १६।११ या. चतुर्थी ब्र.

भ. ५४।१ उ.

भ. २३।५२ या. धनि. बुधः २३ २*
कुंभेऽर्कः १९।३९ (सौरः २३।४८)
*पातस्पर्शः १७।६ मोक्षः २८।१८
भ १२/११ उ. ४/५३या. रेवत्यां शुक्रः २३/३५
कुंभे बुधः २१।४० विजया ११ व्र.
रेवत्यां भौमः २४।३६
भ. ३९।४उ. प्रदोषः महाशिवरात्रि स्मा.
भ. ४/५या. शने रविः ५/९० (सौरः ५/१०)×
शते बुधः १०।७ ×महाशिवरात्रि व्र.वै.

४४पं.फा कृ.३शु.इ.१७।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	९	११	७	०	९
५	१०	१७	६	११	३	२९	२५
५	३७	६	५१	४१	५२	२७	५०
६	५९	५३	५३	३८	२३	२८	५
१०	४३	०/३४	१३	५०	२	३	६०
१७	१९		२०	८	५२	११	५५

गोचरग्रहाः

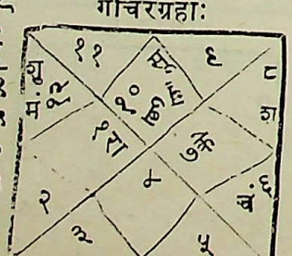

फाल्गुन कृ.८भौमे कुंभेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहः।

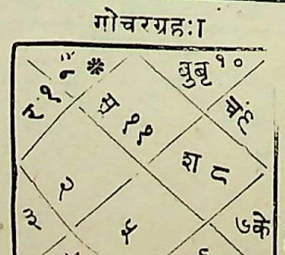

४५पं.फा.कृ.११शु.इ.१७/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	९	११	७	०	१०
३	१५	२९	८	१७	४	२९	२
०	५२	५३	२५	२०	८	५	५६
४	५	६	४८	६	४२	१२	८
६०	४३	०/९०	१३	४४	२	३	६०
३७	५		१०	१९	११	११	४२

Digitized By S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०४१शाकः १८०६ | दि. | उ. | अ | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | वसंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणाः४३२६स१८८५

| | | |

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०८६ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०८६ भोग्यकलिः ४२६९१४ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीरविक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४२ शाकः१९०७ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शुक्रः । मंत्री शनिः । सस्येशो भौमः । धान्येशो रविः । मेघेशोशुक्रः । रसेशो गुरुः । नीरसेशः भौमः । फलेशोःशुक्रः । धनेशश्चन्द्रः । दुर्गेशो शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १२बहुधान्य,ख्यनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ७।२९।४२।४२ भोग्यमासादिः ४।०।१७।१८ इन्द्रदैवतं युगम् । वर्षनामः श्रावणः मेघ नाम संवर्तः । रोहिणी निवासःतटे । समयनिवासो रजक गृहे । समय विश्वा ८ । समयवाहनंदुर्दुरः । स्तंभः १ तृणस्यः । सोमवत्यमाः २ । सोमवती पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३१५ । समयदिनानि ३८२ । तिथिक्षयः १८ । तिथिवृद्धिः १० । उत्पत्तिविश्वा ९९ । खपति विश्वा १२६ । वर्षा विश्वा ९ । धान्यम् ७. तृणम् ५. शीतम् ९. तेजः ११ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यम् ९५ सत्यम् ॥ धर्मम् १॥ पापम् १८ शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहण २ चन्द्रमसः ।

सं. २०४२ वैशाख शु. १५ शनौ खंडग्रासचंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	४४	४७	४८	५०	५२
मध्यम.	पल	४०	२८	४९	१०	५८
रेल्वे टाइम	घं.	१२	१	१	२	३
	मि.	१९	२६	५९	३१	३८

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्षलग्नम् ४।२१

भैरव–भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

सुनहु मात जगदीश्वरी कह भैरव शिरमाय ।
बैयालीस की साल को सांचो भेद सुणाय ॥

भवानी उत्तर

सुण भैरव तू ध्यान से फल समझावुं तोय ।
राजा मंत्री देखतां मध्यम संवत् होय ॥
भृगु राजा इस वर्ष में यह सब जग हर्षाय ।
मंत्रीपद शनि को मिले करै न्याय अन्याय ॥
सस्याधिप मंगल हुआ संवत् विश्वा आठ ।
पण भृगुसुत मेघेश है करसी वर्षा ठाठ ॥
धान्याधिप सूरज बने ईतोभय अधिकाय ।
टीडी मूषा कातरा सुवा फिर फिर खाय ॥
श्रावण वदि आषाढ में रवि आगे कुजराय ।
पवनचक्र जग में चले वर्षा स्वल्प दिखाय ॥
कहींक पश्चिम देश में बढे रोग अरु द्वेष ।
पर चिन्ता करना नहीं ईश्वर राखे टेक ॥

सं. २०४२ आश्विन शु. १५ चंद्रे खग्रासचंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	३७	४१	४२	४३	४७
मध्यम	पल	५४	१७	२७	३७	०
रेल्वे टाइम	घं.	९	१०	११	११	१
	मि.	३७	५८	२६	५४	१५

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेशलग्नम् ६।२२

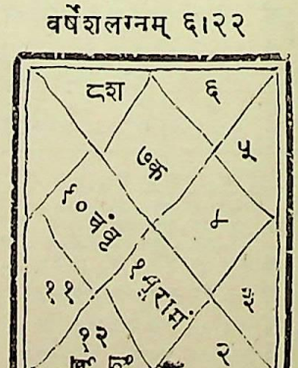

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२३।० केतकीमतेन वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशाः २३।३८।७

Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन्वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम् ॥ शुक्रस्य राज्ये बहु सस्य स ६ ६ । सुतीव्र वेगाः सरितोम्बुराशिभिः । फलंति वृक्षा बहु गो प्रसूती र्वसुन्धरा पार्थिव सौख्यसंयुता ॥ मंत्री शनिः फलम् । रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहु दुःखदाः । नजलदा जलदा जनता-पदा जनपदेषु सुखंन धनं क्वचित ॥ सस्येशो भौमस्त फलम् ॥ प्रथम धान्यपतो धरणी सुते गज तुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग घनोजलं न समसौख्यकरं तुष धान्य हृत् ॥ धान्येशोरविः फलम् । पश्चाद्धान्याधिपेसूर्ये पश्चाद्धान्यन्न पच्यते । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घ ज्वरपीडनम् ॥ मेघेशः शुक्रस्त-त्फलम् ॥ भृगुसुतो जलदस्य यतिर्यदा जलमुचो जलदा दिवि शोभनाः । धन निधान युताद्विज पालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ॥ रसेशोगुरुः फलम् ॥ यदि गुरू रसयोजन सौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानिच । जनपदा द्विजपूजनतत्परा गज सुवाजिरयोष्ट्रयुता नृपाः ॥ नीरसो भौमंस्तत्फलम् । नीरसेशोयदा भौमः प्रवाल रक्तवाससाम् । रक्त चंदन ताम्राणामर्घवृद्धिर्दिनेदिने ॥ फलेशः शुक्रस्तत्फलम् यदि फलस्य यतौ भृगुजे धरा मृदु कुमार महीरुहराशयः । बहुफला नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठ परायणाः ॥ धनेशश्चंद्रः फलम् ॥ धनपति र्मृगलांछनकोयदा रसचयाक्रय विक्रयतो धनम् । वसन शालि सुगंध रसंबहु द्रवण तैल घृतं नृप सौख्यदम् ॥ दुर्गेशः शुक्रफलम् ॥ नगरदेश विशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्य करो-मतः । विनय वाणिजगृहे समः सुखे नग वने निकेटेपिच दूरतः ॥ बहु धनाख्य नाम संवत्सरः फलम् ॥ अनीतिरतुला वृष्टिर्बहुधानाख्यवत्सरे विविधैः धान्य निचयैः सम्पूर्ण निषिलाधरा ॥ वर्षनाम श्रावणः फलम् मनोल्हादं प्रकुर्वतिजनाः सौख्य समायुताः । श्रावणे वृष्टिरत्युग्रा गोमहिष्यादिकं सुखम् ॥ मेघनाम संवर्तः फलम् । संवर्तजलपूरिता । रोहिणी निवासः तटे फलम् ॥ तटे वृष्टिः सुशोभना । समय निवासो रजकगृहे फलम् । रजके वृष्टिरुत्तमा । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीय शुभाशुभम् ॥

सं० २०४२ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख ज्येष्ठाषाढ मासेषु गोधूल्यां ७।८ दोषः

वैशाख मासः ।

शुक्ले ३ भौमे रोहि. ल. १० रे.।।।।।।।।।

,, ४ बुधे मृगे ल. ११।१२ रे.६ऽ।।।ऽअऽऽ।।

,, ११ बुधे उफा. अन्यगो. सोग्रांगः रे.७।।।ऽबुऽरोऽ।।।

पादवेधाबुधस्य वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः ।

कृष्णे ३ भौमे मूले ल. १०।११।१२ रे.६।।।।।।।ऽ।।

,, ५ गुरौ उषा. ल. गो. सोग्रांगः ११।१२ रे.७ऽऽ।।।।।।ऽ

कुंभ मीने रेखा ८ लातदोषाऽभावः

शुक्ले ६ भौमे उफा. ल. १२ रे.७।।।ऽशुनृऽ।।पादतो-

वेधाऽभावः चंद्र ७ पूज्यः

,, १० बुधे हस्ते ल. गो. सोग्रांगः १०।१२ रे.६।।।।।।।ऽ।।

मीने चन्द्र ७ पूज्यः

,, १२ शुक्रे स्वा.ल. अन्यगो. सोग्रांगः१० रे.८।।।ऽ।।।।

मकर घटी ४४।७ यावत्

आषाढ मासः ।

कृष्णे २ भौमे मूले ल. गो. १० रे.७।ऽ।।ऽऽअ।।।।मकरलग्न

घटी ४३।४ या.

,, ६ भौमे उभा.ल. अन्यगो. १०।११ रे.६ऽ।।।ऽरोऽऽ।।

मकरकुम्भे रेखा ७ रोगपंच काऽभावः

शुक्ले ४ शनौ मघा. ल. २ रे.७ऽ।।।।ऽऽ।।

,, ५ रवौ मघा. ल. अन्यगो. ११ रे.६ऽ।।।ऽरोऽऽ। कुम्भे

नक्षत्रांतदोषः आवश्यके

,, ६ गुरौ स्वात्यां ल. ११ रे.६।।।।।।।ऽ।।

कार्तिक मासः ।

शुक्ले ११ शनौ रेव. ल. गो. ४ रे ८।।।ऽ।।।।। कर्के गु. ७ पू.

,, १५ बुधे रोहि. ल. ४।५ रे.७।।।।ऽऽ।ऽ। कर्के गु. ७ पू.

मार्गशीर्ष मासः ।

कृष्णे १ गुरौ मृगे ल. ४।५ रे.६।।।।।।ऽ।।। कर्के गुरु ७ पू.

,, २ शुक्रे मृगे ल. गो. रे.८।।।ऽनृऽ।।

,, ६ शुक्रे उफा. ल अन्यगो. ५ रे.७।।।।।ऽअ.ऽऽ।।

,, १० शनौ हस्ते ल. ५ (घ.३६।३१उ.) रे.८ऽ।।।।।।ऽ।।

शुक्ले ३ शनौ उषा. ल.६रे.६।।।।।ऽअ.।।।।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | वसंतर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः ४३६९स. १९८५

१	शु	३२	४३	उ	१६	३	व्र	५७	५८	ब	३२	४३	३० ६	५९	६ १	२२	१	२९	मीन	रा.चैत्रारंभः संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	श	३९	२	रे	२३	३५	ऐं	६०	०	बा	५	५३	१०	८	२	२३	२	३०	मे. २३।३५	सिंधारा चन्द्रदर्शनम्
३	र	४५	२९	अ	३१	१३	ऐं	०	२३	तै	१२	१६	१४	५७	३	२४	३	१	मेषे	भरण्यां भौमः ५ १/२ वक्री बुधः ५ ३/० गणगौरी*
४	चं	५१	५६	भ	३८	४८	वै	२	३४	व	१८	४३	१८	५६	४	२५	४	२	वृ. ५५।३०	भ. १८।४३ उ. ५१।५६ या.
५	मं	५७	३१	कृ	४५	३७	वि	४	४५	ब	२४	४३	२३	५५	५	२६	५	३	वृषे	बुधास्तः पश्चिमायां ४८।५४
६	बु	६०	०	रा	५१	३७	प्री	६	१८	की	२९	५३	२७	५५	५	२७	६	४	वृषे	श्रवण ३ गुरुः ३३।३९
६	गु	२	१६	मृ	५६	१७	आ	६	५८	तै	२	१६	३१	५४	६	२८	७	५	मि २३।५७	=हनुमज्जयन्ती (शु.उ.पू.)
७	शु	५	३५	आ	५९	३०	सौ	६	३२	च	५	३५	३५	५३	७	२९	८	६	मिथुने	भ. ३ ५/५ उ. ३ ६/२८ या. *मत्स्यजयंती
८	श	७	२१	पु	६०	०	शो	४	३७	ब	७	२१	३९	५२	८	३०	९	७	क. ४५।२१	रामनवमी
९	र	७	१४	पु	०	४७	अ	१ १/२	५ ५/५	की	७	१४	४४	५१	९	३१	१०	८	कर्के	रेवत्यां रविः ४ १/९ (सौरः २ २/५) भरणी ४ ÷
१०	चं	५	९	पु	० २	५७ १/९	धृ	४९	३८	ग	५	९	४८	५०	१०	१	११	९	सिं ५७।२०	भ. ३ ३/३ उ. अप्रैल ३० शुक्रा. पश्चिमायां ५ १/० +
११	म	०	५७	म	५२	३६	शु	४१	३०	वि	०	५७	५२	५०	१०	२	१२	१०	सिंहे	भ. ०।५७ या. कामदा ११ व्र.
१२	मं	५३	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	÷राहुः विशा. २ के तुः २ २/९
१३	बु	४७	०	पू	४६	३६	ग	३२	१५	की	२०	५१	५६	४९	११	३	१३	११	क. ५९।४१	प्रदोषः +शु.अ.प.
१४	गु	३८	९	उ	३९	२२	वृ	२१	४९	ग	१२	३४	३१ ०	४८	१२	४	१४	१२	कन्यायां	भ. ३८।९ उ.
१५	शु	२८	२५	ह	३१	३३	ध्रु	११	०	वि	३	५७	४	४७	१३	५	१५	१३	तु. ५७।३८	भ. ३।१७ या. शुक्रोदयः पूर्वस्यां ५७।३६=

५०पं.चै.शु.१शु.इ १९।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	९	११	७	०	११
८	११	२४	१५	२७	४	२७	८
३	३२	४९	४२	९	१७	१३	२
१८	४२	१	२२	४७	४६	२४	३२
५९	४२	२१	१०	३५ ९	३१ १	३	५९
२९	२५	३८	४७	ब	ब	११	३५

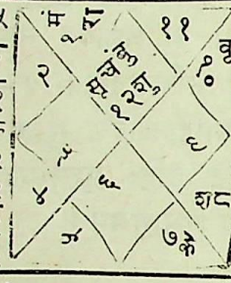

५१पं.चै.शु.७शु.इ १९।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	९	११	७	०	११
१४	१६	२३	१६	२३	४	२६	१४
५५	३५	५६	५७	५४	५	५१	१८
१३	१७	२०	५०	१४	४९	३९	३९
५९	४२	३७ २०	१०	३३ ३२	११ ११	३	५९
१६	५	ब	५	ब	ब	११	१८

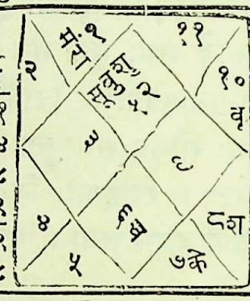

५२पं.चै.शु.१५शु.इ.२०।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	९	११	७	०	११
२१	२१	१९	१८	१९	३	२६	२१
५३	३५	१४	२	३८	४८	२९	५२
३१	६	२	५३	५६	४०	२३	५०
५९	४२	४९ ५३	९	३५ ४७	४५	३	५९
४	१	ब	१७	ब	ब	११	४

ति. | वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरे चैत्र. कृ. महाराष्ट्रः

१	श	१८	२९	चि	२३	४८	व्या	० ३	४९ ३०	की	१८	२९	३१ ८	५ ४६	६ १४	६	१६	१४	तुलायां	
२	र	८	५१	स्वा	१६	१३	च	३९	१३	ग	८	५१	१२	४६	१४	७	१७	१५	वृ. ५६।२९	भ. ३४।१९ उ. ५९।४८ या.
३	चं	५०	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	चं	५२	८	वि	९	५४	सि	३०	२	ब	२५	५४	१६	४५	१५	८	१८	१६	बृश्चिके	वक्री उभा.बुधः २७।५३ चतुर्थी व्र.
५	म	४६	२	अ	४	४४	व्य	२२	८	की	१९	५	२०	४४	१६	९	१९	१७	बृश्चिके	वक्री उभा. शुक्रः ४७।५१
६	बु	४१	५१	ज्ये	२७	५३	च	१५	३८	ग	१३	५६	२४	४३	१७	१०	२०	१८	ध. १।२७	भ. ४१।५१ उ.
७	गु	३९	२२	पू	६०	०	प	१०	४०	वि	१०	३७	२८	४२	१८	११	२१	१९	धनुषि	भ १०।३७या बुधोदयः पूर्वस्यां २२।५५
८	शु	३८	४९	पू	०	२	शि	७	२०	बा	९	५	३२	४२	१८	१२	२२	२०	म. १५।३५	कृत्ति. भौमः ३०।३१
९	श	४०	१४	उ	२	१७	सि	५	२४	तै	९	३१	३६	४१	१९	१३	२३	२१	मकरे	अश्वि.मेषेऽर्कः ३५।५३ (सौरः ३६।५५)
१०	र	४३	५	अ	५	५९	सा	४	३५	च	११	४०	४०	४०	२०	१४	२४	२२	कु. ३८, ३५	भ. ११।४० उ. ४३।५ या.
११	चं	४७	१४	ध	११	१२	शु	५	६	ब	१५	१०	४३	३९	२१	१५	२५	२३	कुम्भे	वक्री विशा.४शनिः १ १/२ वरूथिनी ११व्र.
१२	मं	५२	१७	श	१७	१५	शु	६	९	की	१९	४६	४७	३९	२१	१६	२६	२४	कुम्भे	श्रवण ४ गुरुः ४३।१८
१३	बु	५८	२५	पू	२४	१८	व्र	८	५	ग	२५	२१	५१	३८	२२	१७	२७	२५	मी ७।३२	भ.५८।२५ उ.वृषे भौमः १४।७ प्रदोषः
१४	गु	६०	०	उ	३१	२५	ऐं	९	१०	वि	३१	२१	५५	३७	२३	१८	२८	२६	मीने	भ. ३१।२१ या.
१४	शु	४	१७	रे	३९	५	वै	१२	३५	श	४	१७	५८	३६	२४	१९	२९	२७	मेंऽ९।५	मार्गी बुधः २।२४
३०	श	१०	३८	अ	४६	३४	वि	१४	५९	ना	१०	३८	३२	३६	२४	२०	३०	२८	मेषे	

१पं.बै.कृ.९श.इ.३५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	९	११	७	०	११
०	२७	१३	१९	१५	३	२६	२९
०	२५	५५	२२	१	२६	३	५९
०	३४	१६	५	१६	६	१५	१
४८	४१	२४ ३९	८	२५ ५९	३ ३	३	५८
४४	५१	ब	१३	ब	ब	११	४५

गोचर ग्रहाः

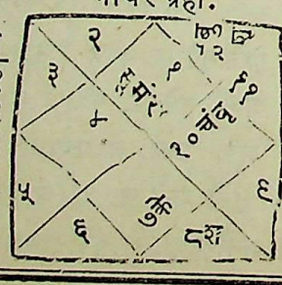

वै. कृ. ९ शनौ मेषेऽर्कः प्र. वा. ३न.४ प्रौढ़ावस्था. (बैठी) मु. ३० धा. भावे समता शु. उ. पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

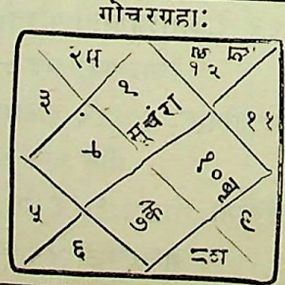

२पं.वै.कृ.३०श.इ.३६।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	९	११	७	०	०
६	२	१४	२०	१२	३	२५	६
५०	२०	२९	२०	५३	०	४१	४९
४२	३८	३८	५६	१०	२२	०	१२
५८	४१	७	७	१२ ५३	३	३	५८
३१	४६	मा	१६	ब	ब	११	२९

Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं.२०४२ शाकः १९०७ दि. उ. अ इं. रा. मु. चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३९९स.१९८५

१	र	१६	४२	भ	५३	५२	प्री	१७	१६	ब	१६	४२	३२/६	३५	२५/६	२१	१	२९
२	चं	२२	४०	कृ	६०	०	आ	१९	१४	की	२२	४०	१०	४४	२६	२२	२	१
३	मं	२७	५७	कृ	०	४३	सौ	२०	४२	ग	२७	५७	१४	३३	२७	२३	३	२
४	बु	३२	२२	रो	६	४०	शो	२१	२९	वि	०	१९	१७	३३	२७	२४	४	३
५	गु	३५	४२	मृ	११	९९	अ	२१	४४	च	४	२	२१	३२	२८	२५	५	४
६	शु	३७	४९	आ	१५	५३	सु	२०	४९	की	६	१५	२५	३१	२९	२६	६	५
७	श	३८	२८	पु	१८	३१	धृ	१८	५२	ग	८	८	२९	३०	३०	२७	७	६
८	र	३७	३३	पु	१९	२४	शू	१५	२४	वि	८	०	३२	३०	३०	२८	८	७
९	चं	३४	४९	श्ले	१८	४४	गं	१०	३९	वा	६	११	३६	२९	३१	२९	९	८
१०	मं	३०	८	म	१६	१०	वृ	२२/४	५२/२०	तै	२	२८	४०	२८	३२	३०	१०	९
११	बु	२४	४	पू	१२	१	व्या	४८	३	वि	२४	४	४३	२७	३३	१	११	१०
१२	गु	१६	२०	उ	२५/६	५३/१०	ह	३८	१८	वा	१६	२०	४६	२७	३३	२	१२	११
१३	शु	७	२८	चि	५१	५८	व	२७	३९	तै	७	२८	५१	२६	३४	३	१३	१२
१४	शु	५०	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	श	४७	४३	स्वा	४३	५	सिं	१६	५१	वि	२२	४४	५४	२५	३५	४	१४	१३

चन्द्र दर्शनम् रा. वैशाखारम्भः
परशुराम जजन्ती सावान ८
अक्षया ३
भ. ०।१९उ.३२।२२या मांगींशुक्रः ४/५
+ मई५ ता. ३१ मोहिनी११ व्र.
रेवत्यां बुधः ३२।५०
भ. ३८।२८उ. भरण्यां रविः १६।१०×
भ. ८।० या. ×(सौरः १८।१३)
पातस्पर्शः ५८।१०
भ. ५७।६ उ. पातमोक्षः ९।१८
भ.२४।४ या. रोहि भौमः ३५।२७+
प्रदोषः
भ. ५७।४६उ. नृसिंह जयन्ती
*यमाय जलान्नकुंभदा
भ.२२।४४ या. खग्रास चन्द्रग्रहणम्*

मेषे
वृ. १०।३५
वृषे
मि ३९।२०
मिथुने
मिथुने
क. २।५२
कर्के
सिं १८।४४
सिंहे
क. २५।३७
कन्यायां
तु. २५।४६
०
तुलायां

३पं.वै.शु.७श.इ. ३६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	९	११	७	०	०
१३	७	१७	२१	१२	२	२५	१३
३९	१४	१८	१०	३१	३२	१८	३७
४३	२	२५	४१	१	३१	४४	३७
५८	४१	३६	६	४२/६	१९/१०	३	५८
१९	३२	१५	१६	मा	बु	११	१२

गोचरग्रहाः

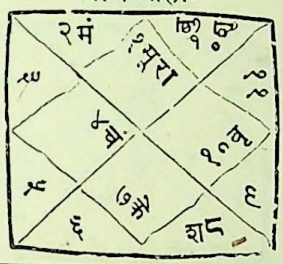

इस मास में ५ शनिवार तेजी कारक है प्रजामें अग्नि भय आदि उपद्रव होंगे।

गोचरग्रहाः

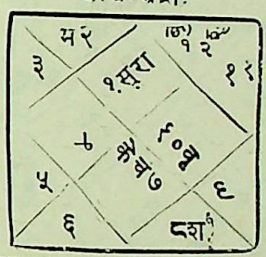

४पं.वै.शु.१५श.इ ३६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	९	११	७	०	०
२०	१२	२३	२१	१४	२	२४	२०
२७	४	४७	५४	८	३	५६	२४
२२	५५	२४	१४	३८	२९	२८	१९
५८	४१	६३	५	२१	३४/७	३	५७
६	२२	२१	१४	५	बु	११	५७

ति. ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं.२०४२ शाकः १९०७ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखा कृ. महाराष्ट्रः

१	र	३७	५८	वि	३६	३५	व्य	५५	४६/४५	बा	१२	५०	३२/५७	३५/२५	५	१५	१४	वृ. २३।१३
२	चं	२९	८	अ	२९	४८	प	४६	११	तै	३	३३	३३/१	२४	२६	६	१६	१५
३	मं	२१	२३	ज्ये	२४	२३	शि	३७	५७	वि	२१	२३	४	२३	३७	७	१७	१६
४	बु	१५	२४	मू	२०	४९	सि	३१	१४	वा	१५	२४	७	२३	३७	८	१८	१७
५	गु	११	२६	पू	१९	४	सा	२६	२२	तै	११	२६	१०	२२	३८	९	१९	१८
६	शु	९	२८	उ	१९	४०	शु	२३	१	व	९	२८	१३	२१	३९	१०	२०	१९
७	श	९	५२	भ	२२	६	शु	२१	१९	ब	९	५२	१६	२१	३९	११	२१	२०
८	र	१२	४	ध	२६	२६	व्र	२१	२८	की	१२	४	१९	२०	४०	१२	२२	२१
९	चं	१५	५५	श	३२	७	ऐं	२१	५८	ग	१५	५५	२२	२०	४०	१३	२३	२२
१०	मं	२१	३	पू	३९	२२	वै	२३	५६	वि	२१	३	२५	१९	४१	१४	२४	२३
११	बु	२७	११	उ	४६	४४	वि	२६	३	वा	२७	११	२८	१८	४२	१५	२५	२४
१२	गु	३३	२९	रे	५४	२१	प्री	२८	३६	की	०	४७	३०	१८	४२	१६	२६	२५
१३	शु	३९	५४	अ	६०	०	आ	३१	१३	ग	६	३९	३३	१७	४३	१७	२७	२६
१४	श	४५	३६	अ	१	५२	सौ	३३	२७	वि	१२	५५	३६	१७	४३	१८	२८	२७
१५	र	५१	८	भ	९	६	शो	३५	२४	च	१८	२२	३९	१६	४४	१९	२९	२८

बश्चिके
ध. २४।२३
धनुषि
म. ३४।१३
मकरे
कु. ५४।१६
कुम्भे
कुम्भे
मी २२।३३
मीने
मे. ५४।२५
मेषे
मेषे
वृ. २५।४१

भ.४५।१५उ.
भ.२१।२३या. चतुर्थी व्र.
अश्वि. मेषे बुधः ४३।१७
भ. ९।२८ उ. ३९।४० या. रेवत्यां*
कृत्ति.रवि २।५ (सौरः १/१०) पातस्पर्शः ५५/१०
पातमोक्षः ९।१६
भ. ४८।२९उ.
भ.२१।३या. बृषेऽर्कः ३/२० (सौरः ३३/२८)
अपरा ११ व्र.
*शुक्रः ४२।५९
भ. ३९।५४उ. प्रदीषः
भ. १२।४५या. भरण्यां बुधः ३४।४४
वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.७श.इ. ३६।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	९	११	७	०	०
२७	१९	२	२२	१७	१	२४	२७
१३	५३	३९	२९	९	३२	३४	९
३४	४९	५०	४६	२२	३१	१३	३३
५७	४१	८२	४	३२	४४/०	३	५७
५४	१७	५२	५	४३	बु	११	४५

गोचरग्रहाः

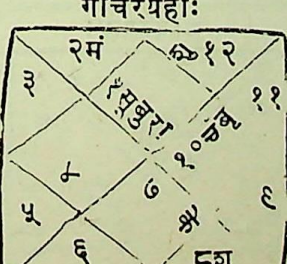

ज्ये.कृ. १० भौमे
बृषेऽर्कः प्र. वा.
४न. ४बालावस्था
(बैठी) मु. ३०
धान्या.भावे समता
शुक्रो.ध्रुवंस्याम्

गोचरग्रहाः

६पं.ज्ये. कृ १४श.इ.३६।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	९	११	७	०	१
३	२१	१३	२२	२१	१	२४	३
५८	४०	२३	५६	२१	०	११	५३
२६	४४	४९	४६	२२	४७	५७	१३
५७	४१	८०	२	४१	४०	३	५७
४४	७	५२/३२	५१	२३	बु	११	३४

(१ सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

+चं.रा.बु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४४२८स १९८५

१	चं	५५	२६	कृ	१५	२८	अ	३६	३२	कि	२३	२२	३३/४१	५/१६	६/४४	२०	३०	२९
२	मं	५९	१६	रो	२१	५	सु	३६	३७	ब्रा	२७	२६	४३	१५	४५	२१	३१	३०
३	बु	६०	०	मृ	२५	५८	धृ	३६	५५	तै	३०	४०	४६	१५	४५	२२	१	१
३	गु	२	५	आ	२९	४४	शू	३५	५४	ग	२	५	४८	१४	४६	२३	२	२
४	शु	३	३८	पु	३२	२३	गं	३४	४	वि	३	३८	५०	१४	४६	२४	३	३
५	श	४	१	पु	३४	१	बृ	३१	३०	वा	४	११	५२	१४	४६	२५	४	४
६	र	३	२६	श्ले	३४	२९	ध्रु	२७	५१	तै	३	२६	५४	१३	४७	२६	५	५
७	चं	१	३४	म	३३	२५	व्या	२२	५९	व	१	३४	५६	१३	४७	२७	६	६
८	चं	५६	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	मं	५३	४३	पू	३१	१०	ह	१७	१३	वा	२५	५७	५८	१२	४८	२८	७	७
१०	बु	४७	५९	उ	२७	३२	व	१०	१३	तै	२०	५१	३४/००	१२	४८	२९	८	८
११	गु	४१	४	ह	२२	५०	सि	२/१८	५/१९	व	१४	३२	२	१२	४८	३०	९	९
१२	शु	३३	०	चि	१७	१०	व	४४	७	ब	७	२	४	११	४९	३१	१०	१०
१३	श	२४	१४	स्वा	१०	४०	प	३४	६	तै	२४	१४	६	११	४९	१	११	११
१४	र	१५	६	वि	४४/३०	५३/२०	शि	२४	२	व	१५	६	७	११	४९	२	१२	१२
१५	चं	६	२२	ज्ये	५०	५६	सि	१४	२९	ब	६	२२	९	१०	५०	३	१३	१३

बृषे
÷अश्वि. मेषे शुक्रः २/५ निर्जला ११ व्र.
मृगे भौमः ५/१० अस्तो भौमः ४/३ चन्द्र द.
रा. ज्येष्ठारंभः रमजान ९
भ. ३२।५१ उ.
भ. ३।३८ या. रोहि रविः ५२।५५
रोहि.रविः सौरः०।७ पातस्पर्शः ५२।४
कृत्ति. बुधः ९।२७ पातमोक्षः ७।५२
भ. ३/४ उ ५/९ या. वृषेबुधः ५/२ बुधास्तः *
*पूर्वस्यां ४४।३८
कर्के
कर्के
सिंहे
०
धनिः १ गुरुः ४४।३५
गंगादशर्मी
कन्यायां
भ. १/३२ उ. ४/१ या मिथुने भौमः ५/४ ÷
प्रदोषः
तुलायां
रोहि.बुधः ३/४ वक्री विशा. ३तुला.शनिः +
भ. १/६ उ. ४/४ या. +४/४ जून ६ ता. ३०
वृश्चिके
वक्रीगुरुः ०/४ भरणी ३ राहुः विशा. १ केतुः ५/१६

७पं.ज्ये.शु.५ श.इ.३७।५

गोचरग्रहाः

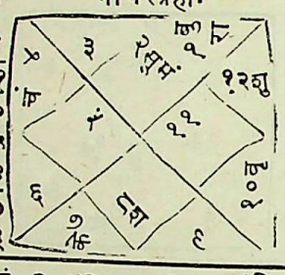

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	९	११	७	०	१
१०	२६	२५	२३	२६	०	२३	१०
४२	२५	३७	१५	३०	२९	४९	३५
२५	२३	५	२५	५०	३५	४२	२४
५७	४१	२०/३७	१	४८	३३	३	५७
३५	४		२८	७	ब	११	२३

इस मास में मंगल वार को चंद्रदर्शन और मंगलवारी संक्रांति है यह हरेक वस्तु तेज करे।

गोचरग्रहाः

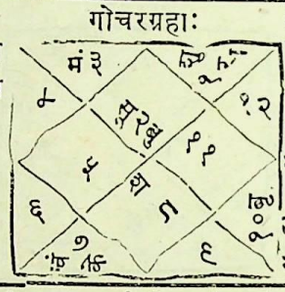

८पं.ज्ये.शु.१२श.इ.३७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	९	०	७	०	१
१७	१	१०	२३	२	०	२३	१७
२५	८	६	२४	१२	०	२७	२६
८	४९	३६	१८	१८	३२	२६	३०
५७	४०	२०/८	०	५३	१४/१८	३	५७
२७	५३		१५	२१	ब	११	१३

ति. आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	५१	५१		०	०		०	०		०	०	८	०	०	०	०	०
२	मं	५१	२५	मृ	४६	४	सा	५/२८	५३/१३	तै	२४	४९	३४/१०	५/१०	६/५०	४	१४	१४
३	बु	४६	५	पू	४२	४५	शु	५१	१०	व	१८	४५	१२	१०	५०	५	१५	१५
४	बृ	४२	५०	उ	४१	३४	ब्र	४६	२६	ब	१४	२८	१३	१०	५१	६	१६	१६
५	शु	४१	५१	श्र	४२	२४	ऐं	४३	१२	कौ	१२	२०	१४	९	५१	७	१७	१७
६	श	४२	४९	ध	४५	१७	वै	४१	५३	ग	१२	२०	१६	९	५१	८	१८	१८
७	र	४५	५६	श	४९	५९	वि	४१	५४	वि	१४	२२	१७	९	५१	९	१९	१९
८	चं	५०	२५	पू	५६	५	प्री	४२	४७	वा	१८	१०	१८	९	५१	१०	२०	२०
९	मं	५६	२६	उ	६०	०	आ	४५	७	तै	२३	२५	१९	८	५२	११	२१	२१
१०	बु	६०	०	उ	४	२३	सौ	४७	३१	व	२९	२५	२०	८	५२	१२	२२	२२
१०	गु	२	२३	रे	११	५०	शो	५०	७	वि	२	२३	२१	८	५२	१३	२३	२३
११	शु	८	४१	अ	१८	४०	अ	५२	२९	वा	८	४१	२१	८	५२	१४	२४	२४
१२	श	१४	३३	भ	२५	५१	सु	५४	२५	तै	१४	३३	२२	८	५२	१५	२५	२५
१३	र	१९	५०	कृ	३२	२१	धृ	५५	२६	व	१९	५०	२२	८	५२	१६	२६	२६
१४	चं	२३	४९	रो	३७	३१	शू	५५	४९	श	२३	४९	२३	७	५३	१७	२७	२७
३०	मं	२६	४१	मृ	४१	४३	गं	५५	१४	ना	२६	४१	२३	७	५३	१८	२८	२८

धनुषि
मं.५६।११
मकरे
मकरे
कुं.१३।५०
कुंभे
मी३९।३४
मीने
मीने
मे.११।५०
मेषे
वृ.४२।२८
वृषे
वृषे
मिथु.१।३७

भ. १८।४५ उ. ४६।५ या.
चतुर्थी व्र.
मृगे रविः ४/५१ (सौरः ५/६) मृगे बुधः ३/४ *
भ. ४२।४९ उ.
भ. १४।२२ या. आर्द्रा.भौमः ५०।४८
मिथुने बुधः ४४।६
*पातःस्पर्शः २/० पातमोक्षः २१/५२
भ. २/५ उ. वक्री श्रवण ४ गुरुः ५/० ÷
भ. २/३ या. आर्द्रा.बुधः ४/४ भरण्यांशुक्रः ४/३ ÷
मिथुनेऽर्कः ४/२ (सौरः ५/९) योगिनी ११ व्र.
प्रदोषः
भ. १९।५० उ. ५१।४९ या.
बुधोदयः पश्चिमायां २९।२५

९पं.आ.कृ.६श.इ.३७।११

गोचरग्रहाः

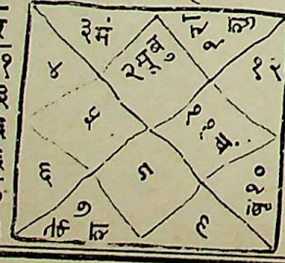

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	९	०	६	०	१
२४	५	२५	२३	८	२९	२३	२३
७	१०	२७	२४	२४	३१	५	५६
१२	६	३२	२५	३२	२३	१०	२६
५७	४०	२०/१९	१/५९	५७	५९/३	३	५७
२२	४०	४९	ब	९	ब	११	५

आ.कृ. ११ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५ युवावस्था (सूती) मु १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

१०पं.आ.कृ.१२श.इ.३७/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	९	०	६	०	२
०	१०	१०	२३	१५	२९	२२	०
४८	२९	३५	१४	२	६	४२	३५
२५	२८	२४	२	२	२९	५२	३५
५७	४०	२०/२३	२/३८	६०	३/३८	३	५८
१७	२९	५/३१	ब	१७	ब	११	५७

*राशुचं

Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं०२०४२ शाकः१९०७ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | ग्रीष्मतुर्ं रविरुत्तरेऽहर्गणः४४५८स.१९८५

| | | |

ति. | प्र.श्रावण शुक्लपक्षः सं.२०४२ शाकः१९०७ दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४४८७ स.१९८५

१	गु	५५	११	पु	४	३५	ह	११	३४	किं	२६	११	३३/५४	५/१३	६/४७	१८	२७	२९	कर्के
२	शु	५२	१९	पु	४	२६	व	७	१९	आ	२३	४५	५२	१४	४६	१९	२८	३०	कर्के
३	श	४८	३१	श्ले	३	१६	सि	२०	५४/२२	तै	२०	२५	५०	१४	४६	२०	२९	१	सिं३.१६
४	र	४४	३	म	१६	५७/२४	व	५०	१७	व	१६	१७	४७	१५	४५	२१	३०	२	सिंहे
५	चं	३९	२०	उ	५५	४९	प	४४	३	ब	११	४१	४५	१५	४५	२२	३१	३	क.१२.५८
६	मं	३४	५	ह	५२	४४	शि	३७	२६	कौ	६	४७	४२	१६	४४	२३	१	४	कन्यायां
७	बु	२९	१३	चि	४९	३७	सि	३०	४१	ग	२	४४	४०	१६	४४	२४	२	५	तु.२१.११
८	गु	२३	५३	स्वा	४६	११	सा	२३	४०	ब	२३	५३	३७	१७	४३	२५	३	६	तुलायां
९	शु	१८	२७	वि	४२	४४	शु	१६	४०	कौ	१८	२७	३५	१७	४३	२६	४	७	बृ.२८.३६
१०	श	१२	५५	अ	३९	७	शु	९	३२	ग	१२	५५	३२	१८	४२	२७	५	८	वृश्चिके
११	र	७	३४	ज्ये	३५	४३	ब्र	१३/२	५४/३	लि	७	३४	२९	१८	४२	२८	६	९	ध.३५.४३
१२	चं	२	१३	मू	३२	४२	वै	४९	१९	बा	२	१३	२६	१९	४१	२९	७	१०	धनुषि
१३	चं	५५	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	मं	५३	३१	पू	३०	२७	वि	४३	१७	ग	२५	४०	२४	१९	४१	३०	८	११	म.४५.२
१५	ब	५०	४१	उ	२८	४६	प्री	३८	१०	वि	२२	७	२१	२०	४०	३१	९	१२	मकरे

अधिक मास प्रारम्भः
पुष्ये रविः ४२।५८ चन्द्रदर्शनम्
पुष्ये रविः सौरः ८।४२ पुष्ये भौमः×
भ. १६।१७उ.४४।३या.मृगे शुक्रः५१।८
मघा.सिंहे बुध. ११।४२
वक्री श्रवण ३गुरुः४७/९ रा.श्रावणारंभः
भ. २९।१३उ. ५६।३३ या.
मार्गी शनिः १६।३२

भ. ४०।१४ उ. वक्री बुधः १८।३५+
भ. ७।३४या. कमला ११व्र.
प्रदोषः [×३५/७जिल्काद ११
+मिथुने शुक्रः ४८।१९
भ. ५३।३१उ.
भ.२२।७या.

१५पं प्र.श्रा.शु.३श.इ.३६/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	१	६	०	३
४	३	२९	२०	२१	२७	२०	३
११	२२	२०	२३	५५	५३	५१	४६
१७	१०	१	२८	१	२८	३६	३५
५७	४०	२३	२३/७	६८	२८/०	३	५६
१५	६	५९	ब	२९	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

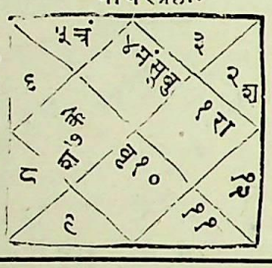

सोमां शुक्रां सुर गुरां जो चंदा ऊगंत । डंक कहे सुन भडली जल थज एक करंत।। सुदीमें वर्षा होगी

गोचरग्रहाः

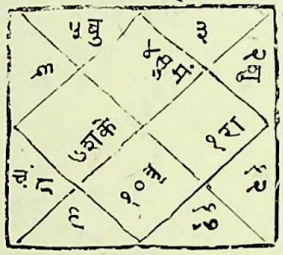

१६पं.प्र.श्रा.शु.१०श.इ.३६/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	९	१	६	७	३
१०	७	१	१९	२९	२७	२०	१०
५२	५७	२७	३०	४६	५२	२९	२५
१९	२९	२९	२६	२३	२५	२१	५२
५७	३९	३/७	४८	६९	१४/०	३	५७
२०	५६	ब	ब	२०	मा	११	५

ति. | द्वि श्रावण कृष्णपक्षः सं.२०४२ शाकः१९०७ दि. | उ. | अ. | इं. | रा | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे प्र.श्रावणकृ.महाराष्ट्राः

१	गु	४९	१०	श्र	२८	३७	आ	३४	२	बा	१९	५६	३३/१८	२०/४०	५/६	१	१०	१३	कुं ५९.१३
२	शु	४९	२२	ध	२९	४९	सौ	३०	०	तै	१९	१६	१५	२१	३९	२	११	१४	कुम्भे
३	श	५१	१०	श	३२	४४	शो	२९	२०	च	२०	१७	१२	२२	३८	३	१२	१५	कुम्भे
४	र	५४	२८	पू	३५	५८	अ	२८	५९	च	२२	४९	९	२२	३८	४	१३	१६	मी२० ९
५	चं	५९	२५	उ	४२	५४	खु	२९	३७	कौ	२६	५६	६	२३	३९	५	१४	१७	मीने
६	मं	६०	०	रे	४९	४१	धृ	३१	२०	ग	३२	११	३	२३	३७	६	१५	१८	मे.४९।४१
६	बु	४	५७	अ	५७	८	शु	३३	३५	व	४	५७	०	२४	३६	७	१६	१९	मेषे
७	गु	११	८	भ	६०	०	गं	३५	५९	ब	११	८	३२/५६	२५	३५	८	१७	२०	मेषे
८	शु	१७	१४	भ	४	२४	बृ	३८	१७	कौ	१७	१४	५३	२५	३५	९	१८	२१	बृ.२१.२३
९	श	२२	४९	कृ	११	४६	धु	४०	१	ग	२२	४९	५०	२६	३४	१०	१९	२२	बृषे
१०	र	२७	६	रो	१७	४९	व्या	४०	४९	वि	२७	६	४७	२७	३३	११	२०	२३	मि५०।८
११	चं	२९	४८	मृ	२२	२६	ह	४०	२९	बा	२९	४८	४३	२७	३३	१२	२१	२४	मिथुने
१२	मं	३०	५५	आ	२५	१८	व	३८	४४	तै	३०	५५	४०	२८	३२	१३	२२	२५	मिथुने
१३	बु	२९	५७	पु	२६	३९	सि	३५	४१	व	२९	५७	३६	२९	३१	१४	२३	२६	क.११.१९
१४	गु	२७	१७	पु	२६	२	व्य	३१	२०	श	२७	१७	३३	२९	३१	१५	२४	२७	कर्के
३०	शु	२३	१४	श्ले	२४	४	व	२५	१९	ना	२३	१४	२९	३०	३०	१६	२५	२८	सिं.२४।४

अगस्त ८ ता. ३१
आश्ले.रविः३५/९आर्द्रा. शुक्रः ४१।४५
भ.२०/१७उ.५५/१०या.आश्ले.रविःसौरः२९/९+
चतुर्थी व्र.
भरणी२राहुःस्वाती४ केतुः ५०।१३

भ. ४।५७ उ. ३८।२या.
+वक्रीआश्ले.कर्के बुधः३५ बुधास्तः×
×पश्चिमायाम्१३।२९
भ. ५४।५७उ.आश्ले.भौम ८।४९
भ.२७।६या.
कमला११व्र.
प्रदोषः
भ.२९।५७उ.५८।३७या. पुन.बुधः१५/७
* समाप्तिः
मघा. सिंहेऽर्कः ३३।५४ अधिकमास*

१७पं.द्वि.श्रा.कृ.३श.इ.३६/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	२	६	०	३
१७	१२	२९	१८	७	२७	२०	१७
३४	२८	५७	३७	४३	५६	७	५
१	१२	५०	३०	५५	३८	६	४०
५७	३९	३७/१९	५२	७०	१/०	३	५७
२५	४६	ब	ब	१०	२	११	१२

गोचरग्रहाः

द्वि.श्रा. कृ. ३० शुक्रे सिंहेऽर्कः प्र. वा. ४न.५ प्रव्रा जिकावस्था(ऊर्ध्वमु.३० धान्यादि भावे समता शु. पूर्वस्याम ।

गोचरग्रहाः

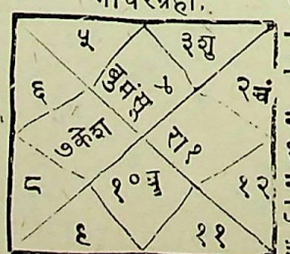

१८पं.द्वि.श्रा.कृ.९श.इ.३६/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	२	६	०	३
२४	१६	२५	१७	१५	२८	१९	२३
१६	५८	४६	४२	४८	४	४४	४६
२६	८	१२	५४	३२	१२	५०	४७
५७	३९	५६/४६	५२	७०	१	३	५७
३३	३९	ब	ब	४९	४१	११	२२

CC-0. Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.द्वि.श्रावणशुक्लपक्षः स० २०४२शाकः१८०७ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४५१७सं१९८५

१	श	१७	४७	म	२०	४२	प	१८	३२	ब	१७	४७	३२	५१	२९	१७	२६	२९	सिंहे	मघा.सिंहेऽर्कःसौरः ५।५६ चन्द्रदर्शनम्
२	र	११	४०	पू	१६	४४	शि	११	१	कौ	११	४०	२२	३२	२८	१८	२७	१	क.३०।३८	वक्री श्रवण२गुरुः५२सिधारा जिल्हेज१२
३	चं	५	१४	उ	१२	२३	सि	५४	५५	ग	५	१४	१९	३२	२८	१९	२८	२	कन्यायां	भ.३१उ.५४या.बुधोदयःपूर्वस्यां२५ तीज
४	चं	५३	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	मं	५२	२८	ह	७	४४	शु	४७	१४	ब	२५	३६	१५	३३	२७	२०	२९	३	तु.३५।३३	नागपंचमी
६	बु	४६	२९	चि	२३	५६	शु	३९	४४	कौ	१९	२९	११	३४	२६	२१	३०	४	तुलायां	मार्गी बुधः १६।५४
७	गु	४०	५३	वि	५५	५३	त्र	३२	२६	ग	१३	४१	८	३४	२६	२२	३१	५	बृ.४१।४६	भ.४०।५३उ. कर्के शुक्रः ४६।५३
८	शु	३५	४६	अ	५२	५१	ऐं	२५	२०	वि	८	१९	४	३५	२५	२३	१	६	वृश्चिके	भ.८।१९या. रा. भाद्रपदारम्भः
९	श	३१	२३	ज्ये	५०	२२	वै	१८	५२	वा	३	२९	०	३६	२४	२४	२	७	ध.५०।२२	
१०	र	२७	३२	मू	४८	३४	वि	१२	४५	ग	२७	३२	३१	३७	२३	२५	३	८	धनुषि	भ. ५५।५९ उ. पुष्ये शुक्रः ३३।५६
११	चं	२४	२६	पू	४७	३६	भी	७	२२	वि	२४	२६	५०	३८	२२	२६	४	९	धनुषि	भ. २४।२६ या. पवित्रा ११ व्र.
१२	मं	२१	५७	उ	४७	१६	आ	३५	४८	वा	२१	५७	४८	३८	२२	२७	५	१०	म.२।३१	प्रदोषः
१३	बु	२०	३७	श्र	४७	५२	शो	५५	१	तै	२०	३७	४४	३९	२१	२८	६	११	मकरे	*श्रावणी कर्म रक्षाबंधनम्
१४	गु	२०	१६	ध	४९	३७	अ	५२	३२	व	२०	१६	४०	४०	२०	२९	७	१२	कु.१८।४४	भ. २०।१६ उ. ५०।४५ या.
१५	शु	२१	१४	श	५२	४९	सु	५१	१६	ब	२१	१४	३६	४१	१९	३०	८	१३	कुम्भे	पूफा.रविः२३।३१ (सौरः ५६।४८)×

१९पं.द्वि.श्रा.शु.१श.इ.३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	९	२	६	०	४
०	२१	२०	१६	२३	२८	१९	०
५९	२६	१४	५०	५६	१६	२२	२९
४९	१३	२४	१७	५६	५२	३५	०
५७	३९	३२	३०	७१	२	३	५७
४०	२९	४३	४	२३	२०	११	१४

गोचरग्रहाः

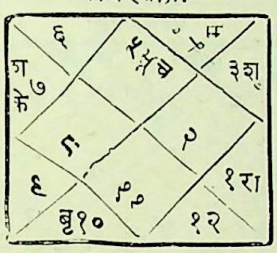

अधिक मास फल-
द्विश्रावणेति दुर्भिक्ष
स्वल्पवृष्टिर्महद्भयं।
पापबुद्धिरता लोका
राजानः क्रूरशासनः

गोचरग्रहाः

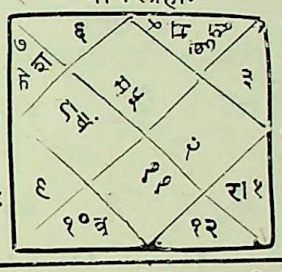

२०पंद्वि श्रा.शु.६श.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	९	२	६	०	४
७	२५	२०	१६	२	२८	१९	७
४४	५३	३४	०	१०	३५	०	१२
१७	२८	४८	५८	३४	३५	१९	३१
५७	३९	२९	४६	७१	२	३	५७
४९	२९	३१	मा	बु	५०	५९	११

ति| भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः१९०७ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणेद्वि.श्रा.कृ. महाराष्ट्रा

१	श	२३	३४	पू	५७	४१	धृ	५०	२८	कौ	२३	३४	३१	४५	६	३१	६	१४	मी४१।२८	मघा.सिंहे भौमः ३।४६
२	र	२७	५	उ	६०	०	शू	५१	१	ग	२७	५	२८	४२	१८	१	१०	१५	मीने	भ. ५६।३४ उ. सितम्बर ६ ता. ३०
३	चं	३२	३	उ	२	३७	गं	५२	१५	वि	३२	३	२५	४३	१७	२	११	१६	मीने	भ.३या.मघा.सिंहेबुधः४७।४८च.व्र.
४	मं	३७	२६	रे	६	७	वृ	५४	११	ब	४	४४	२१	४४	१६	३	१२	१७	मे.६।७	
५	बु	४३	३३	अ	१६	२३	ध्रु	५६	४२	कौ	१०	२६	१७	४५	१५	४	१३	१८	मेषे	
६	गु	४६	५७	भ	२४	१	व्या	५६	१	ग	१६	४५	१३	४५	१५	५	१४	१६	वृ.४०।५४	भ.४६उ. आश्ले.शुक्रः ४७।२ चन्द्रषष्ठी
७	शु	५५	५८	कृ	३१	३४	ह	६०	०	वि	२२	५७	६	४६	१४	६	१५	२०	वृषे	भ. २२।५७ या.
८	श	६०	०	रो	३८	२१	ह	०	१६	वा	२८	२३	५	४७	१३	७	१६	२१	वृषे	जन्माष्टमी व्रतम्
९	र	०	४६	मृ	४३	५८	व	२	५०	कौ	०	४६	१	४८	१२	८	१७	२२	मि ११।६	बुधास्तः पूर्वस्यां २०।५४ गोगा ६
१०	चं	४	१५	आ	४८	७	सिं	३	२०	ग	४	१५	३०	४६	११	६	१८	२३	मिथुने	भ. ३५।६ उ. उदयो भौमः १३।६
११	मं	६	४	पु	५०	२१	व्य	२	३१	वि	६	४	५३	४६	११	१०	१६	२४	क.३४।४७	भ. ६।४ या. पूफा. बुधः ४६।२०
१२	बु	५	५०	पु	५०	२८	व	२१	५१	वा	५	५०	४८	५०	१०	११	२०	२५	कर्के	अजा ११ व्र.
१३	गु	३	२६	श्ले	४८	४६	शि	५०	५८	तै	३	२६	४४	५१	६	१२	२१	२६	सिं४८।४६	भ.५६।२६उ. वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	गु	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	७	०	
१४	शु	५३	३०	म	४५	३०	सि	४४	४	वि	२६	२९	४०	५२	८	१३	२२	२७	सिंहे	भ.३६या. उफा. रविः५७ (सौरः४१/२६)
३०	श	४६	२०	पू	४०	२४	सा	३५	५६	च	१६	५५	३६	५३	७	१४	२३	२८	क.५४।८	कुशाग्रहणी मन्वादिः

२१पं.भा कृ.१श.इ.३५।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	९	३	६	०	४
१४	०	२६	१५	१०	२८	१८	१३
२९	२०	४५	१६	२८	५६	३८	५७
५६	५६	१८	५२	४४	३८	३	४३
५८	३९	८२	६	७२	३	३	५७
१	१२	१६	६	११	३८	११	६७

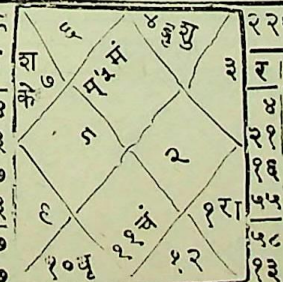

२२पं.भा.कृ.८श.इ.३५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	९	३	६	०	४
२१	४	७	१४	१८	२९	१८	२०
१६	४७	४०	३९	५१	२२	१५	४४
५५	४९	१२	२५	१८	२३	४७	२३
५८	३९	००	५४	७२	४	३	५८
१३	१२	५५	ब	३२	१८	११	१२

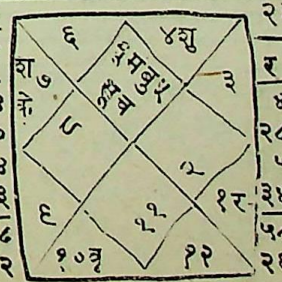

२३पं.भा.कृ.३० श.इ.३५/३०

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	९	३	६	०	४
२८	९	२०	१४	२७	२९	१७	२९
५	१३	४४	९	१७	५२	५३	३२
३४	८	२	५०	२	५	३२	४४
५८	३९	००	५३	७२	४	३	५८
२६	५	४९	ब	५३	४७	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं.२०४२ शाकः १९०७ दि.उ.अ.इं.रा.मु. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५४६स.१९८५

१	र	३८	१७	उ	३४	४३	शु	२६	५६	कि	१२	१६	३०/३२	५४	६	१५	२४	२६	कन्यायां
२	चं	३०	२	ह	२८	४२	शु	१७	३६	बा	४	१०	२८	५४	६	१६	२५	३०	तु.५५।२८
३	मं	२२	१	चि	२२	१६	व	५६/७	५०/३३	ग	२२	१	२४	५५	५	१७	२६	१	तुलायां
४	बु	१४	१३	स्वा	१६	२५	वै	४६	३८	वि	१४	१३	२०	५६	४	१८	२७	२	बृ.५७।३४
५	गु	७	१४	वि	११	१६	वि	४१	२७	ना	७	१४	१६	५७	३	१९	२८	३	वृश्चिके
६	शु	१	५	अ	७	८	पी	३४	२२	तै	१	५	१२	५८	२	२०	२९	४	वृश्चिके
७	शु	५५	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	श	५२	२५	ज्ये	४	०	आ	२७	२३	वि	२४	१७	८	५८	२	२१	३०	५	ध.४।०
९	र	४९	५६	मू	२	३	सौ	२१	५९	चा	२१	१०	४	५९	१	२२	३१	६	धनुषि
१०	चं	४८	३१	पू	१	१६	शो	१७	१६	तै	१९	१३	३०/३०	०/०	६/०	२३	१	७	म.१६।७
११	मं	४८	२२	उ	१	४०	अ	१३	३४	व	१८	२६	३९/५५	०/५९	६/५	२४	२	८	मकरे
१२	बु	४९	२२	श्र	३	१५	सु	१०	५८	ब	१८	५२	५१	२	५८	२५	३	९	कु.३४।४१
१३	गु	५१	२६	ध	६	८	धृ	९	११	की	२०	२४	५७	३	५७	२६	४	१०	कुम्भे
१४	शु	५४	४१	श	९	४९	शु	८	२३	ग	२३	४	१३	३	५७	२७	५	११	मी५८।२२
१५	श	५८	५०	पू	१४	३२	गं	८	१६	वि	२६	४६	३८	४	५६	२८	६	१२	मीने

+ ४/४० विशा.४वृश्चिके च शनि १/४८ चन्द्रद. कन्यायामर्कः ३३/१२ मघा. सिंहे शुक्रः + भ.४८/३७ उ.कन्यायामर्कः सौरः ६/७ उफा.× भ १४/३ या. केचिन्मतेन गणेश४ ऋषि५ कन्यायां बुधः ३१।२५ भ.५६।९उ. [*शुक्रः ४७/५१ अनंत१४ ×बुधः ४४/४९ गणेश४मोहो.१सन्१४०६हि भ.२४।१७या.पूफा. भौमः ६।३५

≡मेला नवलदुर्गे रा. अश्विनारम्भः रामदेवजी का≡ भ.१९/२६ उ ४५/२२ या. जलझूलनी११ ब्र. हस्ते बुधः२।४८वामन१२ हस्ते रविः४६।१८ प्रदोषः भ.५४।४१उ हस्ते रविः१९।७ पूफा.* भ. २६।४६ या.महालया श्राद्धारंभः

२४पं.भा.शु.८श.इ.२५।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	९	४	७	०	५
४	१३	३	१३	५	०	१७	४
५५	२८	५०	४९	४६	२५	३१	२२
१९	३५	१७	५	४३	३०	१६	५१
५८	३८	३०/३०	३/३७	७३	५	३	५८
३८	४७	३०	ब	१४	१३	११	४५

गोचरग्रहाः

भाद्र.शु. २चन्द्रे कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न.५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

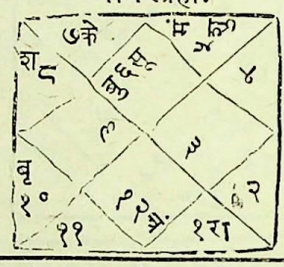

२५पं.भा.शु.१५श.इ.३५/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	९	४	७	०	५
११	१८	१६	१३	१४	१	१७	११
४६	३	२०	३७	१७	१	९	१४
५५	५८	४२	४१	५३	४४	१	५३
५८	३८/४७	०/०	१/६	७३	५	३	५९
५३	ब	७/३२	बु	२०	४०	११	०

ति.आश्विन कृष्ण पक्षः सं०२०४२शाकः१९०७ दि.उ.अ.ई.रा.मु. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र.कृ. महाराष्ट्राः

१	र	६०	०	उ	२०	२०	बृ	८	४१	चा	३१	३०	२९/३४	६/५५	५५	२९	७	१३	मीने
१	चं	४	१०	रे	२६	४७	धु	१०	१४	ग	४	१०	३०	६	५४	३०	८	१४	मैं.२६।४७
२	मं	९	५५	अ	३३	५६	ब्या	११	५३	वि	९	५५	२६	७	५३	१	९	१५	मेषे
३	बु	१६	२	भ	४९	३०	ह	१३	३६	चा	१६	२	२२	८	५२	२	१०	१६	वृ.५८।२५
४	गु	२२	२४	कृ	४९	१०	व	१६	३७	तै	२२	२४	१८	८	५२	३	११	१७	वृषे
५	शु	२८	४०	रो	५६	३१	सि	१८	५९	व	२८	४०	१४	९	५१	४	१२	१८	वृषे
६	श	३४	०	मृ	६०	०	व्य	२१	२	ग	१	२०	१०	१०	५०	५	१३	१९	मि२९।४०
७	र	३८	२२	मृ	२	५०	व	२३	१३	वि	६	१२	६	११	४९	६	१४	२०	मिथुने
८	चं	४१	१३	आ	८	२२	प	२२	२३	बा	९	४८	२	१२	४८	७	१५	२१	क५६।४
९	मं	४२	१३	पु	११	५७	शि	२१	२९	तै	११	४३/५८	२८	१२	४८	८	१६	२२	कर्के
१०	बु	४१	१०	पु	१३	४३	सि	१८	५०	व	११	४२	५४	१३	४७	९	१७	२३	कर्के
११	गु	३८	९	श्ले	१३	४०	सा	१४	४३	ब	९	४०	५०	१४	४६	१०	१८	२४	सिं१३।४०
१२	शु	३३	६	म	११	२९	शु	८	५७	की	५	३८	४६	१५	४५	११	१९	२५	सिंहे
१३	श	२६	११	पू	७	२०	शु	३५/३५	५१/१७	व	२६	११	४२	१६	४४	१२	२०	२६	क.२०।५५
१४	र	१७	५७	उ	४०	५३/२७	ऐं	४३	८	श	१७	५७	३८	१६	४४	१३	२१	२७	कन्यायां
३०	चं	८	५६	चि	४७	४३	वै	३२	४६	ना	८	५६	३४	१७	४३	१४	२२	२८	तु.२१।२५

२१।१७बुधोदयः पश्चिमायां५०।५७ भ. ४२।५८उ. अक्टूबर १० ता ३१ भ.१६।२या.चित्रा. बुधः ३५/१८ चतुर्थी ब्र. ≡मातामहश्रा + इंदिरा ११ ब्र. भ. ३४।० उ. मार्गी गुरुः ९।७ भ. ६।१२ या. तुला. बुधः ४२।४४ भरणी १राहुः स्वाती२केतुः ४५।२५ उफा. शुक्रः ४०।० मातृ ९ भ. ११।४२ उ. ४१।१० या. चित्रा.रविः१७।१९ (सौरः४९।४३)+ स्वात्यां बुधः ६।४६ कन्यायां शुक्रः भ.२६/१५ उ.५२/४ या.उफा.भौमः १५/३ प्रदोषः शस्त्रादि हस्तानाश्राद्धं पितृ कार्येऽमा सोमवती देवकार्येऽमा नवरात्रारंभः≡

२६पं.आ.कृ.६श.इ.३५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	९	४	७	०	५
१८	२२	२८	१३	२२	१	१६	१८
४०	२७	९	३६	५३	४१	४६	८
८	३६	१४	७	२०	२४	५५	४०
१९	३८	१८	०/७	३	७	३	५९
९	४७	११	ब	३२	७	११	१६

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ रविवार रोगपीड़ा कारक है और५ सोमवार सोमवती अमावस्या मन्दी कारकहै गुड़खांड रस तेज हो।

गोचरग्रहाः

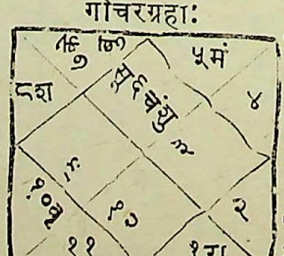

२७पं.आ.कृ.१३श.इ.३५/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	९	५	७	०	५
२५	२६	९	१३	१	२	१६	२५
३५	५२	२	४४	३०	२३	२४	४
६	२३	५३	९	२९	१३	३०	२२
५९	३८	९७	१	७३	६	३	५९
२१	२७	१९	२४	४१	२४	११	३१

CC-0. Gurukul Kangri Uni. Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७ दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | शरद्दतूरविर्दक्षिणेऽहर्गः सं४५७६स.१९८५

१	चं	५०	३५		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०
२	मं	५०	५	स्वा	४०	९	वि	२२	८	बा	२४	४८	३८	१८	४२	१५	२३	२९	तुलायां
३	बु	४१	१०	वि	३३	४	प्री	११	३१	तै	१५	३८	२६	१९	४१	१६	२४	१	बृ.१९।५०
४	गु	३३	२०	अ	२६	४०	आ	२	५०	व	७	१८	२२	२०	४०	१७	२५	२	वृश्चिके
५	शु	२६	४८	ज्ये	२१	४२	शो	४३	४२	बा	२६	४८	१८	२०	४०	१८	२६	३	ध.२१।४२
६	श	२१	४९	मू	१८	५	अ	३६	४७	तै	२१	४९	१४	२१	३९	१९	२७	४	धनुषि
७	र	१९	३५	पू	१६	११	सु	३१	८	व	१९	३५	१०	२२	३८	२०	२८	५	म.३१।५
८	चं	१७	२	उ	१५	५८	धृ	२६	४९	ब	१७	२	६	२३	३७	२१	२९	६	मकरे
९	मं	१७	८	श्र	१७	१७	शू	२३	५१	कौ	१७	८	२	२४	३६	२२	३०	७	कु.४८।४७
१०	बु	१८	४५	ध	२०	१७	गं	२२	१२	ग	१८	४५	३७	२४	३६	२३	१	८	कुंभे
११	गु	२१	३८	श	२४	२९	वृ	२१	३८	वि	२१	३८	५४	२५	३५	२४	२	९	कुंभे
१२	शु	२५	४६	पू	२९	४७	धु	२२	८	बा	२५	४६	५०	२६	३४	२५	३	१०	मी१३।२८
१३	श	३०	३४	उ	३५	५०	व्या	२२	५२	तै	३०	३४	४६	२७	३३	२६	४	११	मीने
१४	र	३६	३२	रे	४२	५२	ह	२४	२८	ग	३	३३	४२	२८	३२	२७	५	१२	मे.४२।५२
१५	चं	४२	३०	अ	५०	१	व	२६	२३	वि	९	३१	३९	२८	३२	२८	६	१३	मेषे

चन्द्रदर्शनम्
सफर २
भ.१८उ.३३या तुलामर्कः ३५(सौरः ३२)×
×कन्यायां भौमः ५९अनु.१शनिः ३७
विशा.बुधः ३७हस्तेशुक्रः २६सरस्वत्यावा.
भ.१९।३५उ.४८।१८ या. सरस्वती पू.
बलिदानं
विजया १० सरस्वती विसर्जनम्
भ.५१उ.स्वात्यां रविः ४४रा.आश्विना.
भ.२१।३८या.स्वात्यांरविः सौरः १३४+
+पापांकुशा ११ ब्र.
वृश्चिके बुधः ४०।३१ प्रदोषः
भ. ३६।३२उ. कोजागरी ब्र.
भ.९।३१या. खग्रास चन्द्रग्रहण.म्

२८प.आ.शु.६श.इ.३४।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	९	५	७	०	६
२	१	१९	१४	१०	३	१६	२
३१	१७	५५	१	९	७	२	१
३४	६	१६	४५	१४	८	१४	५०
५९	३८	९०	२	७३	६	३	५९
३४	२७	३१	४६	५६	३८	११	४६

गोचरग्रहाः

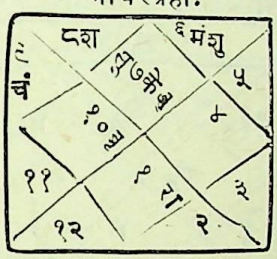

आ. कृ. ४ गुरौ तुलायामर्कः प्र. वा.४न ४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

२९पं.आ.शु.१३श.इ ३४।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	९	५	७	०	६
९	५	२९	१४	१८	३	१५	९
२९	३८	५१	२८	५१	५३	३९	१
४९	३५	४३	४४	१४	२८	५९	१०
५९	३८	८२	४	७३	६	३	६०
४७	९७	४८	४	५८	५७	११	५२

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०४२ शाकः १९०७ दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.

१	मं	४८	४१	भ	५७	२६	सि	२८	३२	बा	१५	४२	३७	२९	३५	२९	७	१४	मेषे
२	बु	५५	१०	कृ	६०	०	व्य	३०	४५	तै	२१	५६	३१	३०	३०	३०	८	१५	वृ.१४।१९
३	गु	६०	०	कृ	५	०	व	३३	२	व	२८	१२	२७	३१	२९	३१	९	१६	वृषे
३	शु	१	१३	रो	१२	२३	प	३५	०	वि	१	१३	२४	३१	२९	१	१०	१७	मि४५।४३
४	श	६	३७	मृ	१९	४	शि	३६	२५	बा	६	३७	२०	३२	२८	२	११	१८	मिथुने
५	र	११	१४	आ	२४	४९	सि	३७	१४	तै	११	१४	१६	३३	२७	३	१२	१९	मिथुने
६	चं	१४	४६	पु	२९	३४	सा	३७	०	व	१४	४६	१३	३३	२७	४	१३	२०	क.१३।२२
७	मं	१६	५०	पु	३२	४६	शु	३५	४४	ब	१६	५०	९	३४	२६	५	१४	२१	कर्के
८	बु	१७	२	श्ले	३४	२०	शु	३३	५	कौ	१७	२	६	३५	२५	६	१५	२२	सिं३४।२०
९	गु	१५	३६	म	३४	१४	न्न	२८	५०	ग	१५	३६	२	३६	२४	७	१६	२३	सिंहे
१०	शु	१२	१७	पू	३२	०	ऐं	२३	११	वि	१२	१७	२९	३६	२४	८	१७	२४	कं.४६।१
११	श	६	५२	उ	२८	२	वै	१५	५५	बा	६	५२	५६	३७	२३	९	१८	२५	कन्यायां
१२	र	०	३	ह	२२	२९	वि	२७	५०	तै	०	३	५३	३७	२३	१०	१९	२६	तु.४९।४
१३	र	५१	४०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	चं	४२	२३	चि	१५	४०	आ	४७	१६	वि	१७	३	४९	३८	२२	११	२०	२७	तुलायां
३०	मं	३२	४३	स्वा	८	१३	सौ	३६	११	च	७	३३	४६	३९	२१	१२	२१	२८	वृ.४७।२१

ज्येष्ठा. बुधः ३७।१५ स्वात्यां शुक्रः=
भ. ५१।४३ उ. प्रदोषः धन १३
=५०।२९ रमा ११ ब्र.
भ. १७।३ या. रूप १४
महालक्ष्मीपूजनम्

३०पं.का.कृ.४श.इ. ३४।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	९	५	७	०	६
१६	१०	८	१५	२७	४	१५	१६
२९	२	५७	४	३५	४०	१७	२
२८	२	७	१९	२०	३७	४३	१४
६०	३८	७२	६	७४	७	३	६०
४	२६	२	१४	२	५	११	१८

गोचरग्रहाः

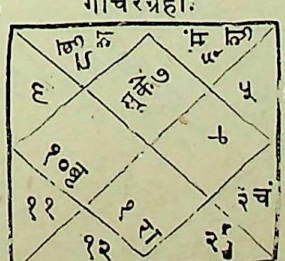

इस मासमें मंगलवारकी दीपमालिका श्रेष्ठ नहीं है। धा. रुई तिल तेल गुड़ चावल के संचय से लाभ होगा।

गोचरग्रहाः

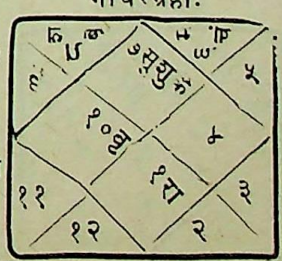

३१पं.का.कृ.११श.इ.३४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	९	६	७	०	६
२३	१४	१६	१५	६	५	१४	२३
३०	२४	३७	४८	१५	२९	५५	४
५८	५०	३४	१८	४८	२४	२७	५८
३०	३८	५३	६	७४	७	३	६०
१७	१५	२	११	८	१४	११	३०

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त. कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०४२शाकः१९०७ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६०५सं.१९८५

१	बु	२२	४३	वि	२३	५२	शो	२५	७	कं	२२	४३	२६	६	५	१३	२२	२९	वृश्चिके
२	गु	१३	३४	ज्ये	४५	४६	अ	१४	२१	वा	१३	३४	४०	४०	२०	१४	२३	३०	ध.४५।४६
३	शु	५	२६	मू	४०	५	सु	२३	५०	तै	५	२६	२७	४१	१९	१५	२४	१	धनुषि
४	शु	५३	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	श	५३	५६	पू	३६	८	शु	४७	४६	ब	२६	२४	३४	४१	१९	१६	२५	२	म.५०।३७
६	र	५०	५९	उ	३४	७	गं	४२	५	कौ	२२	२८	३१	४२	१८	१७	२६	३	मकरे
७	चं	५०	१९	श्र	३३	५५	वृ	३७	४२	ग	२०	३९	२९	४२	१८	१८	२७	४	मकरे
८	मं	५२	२५	ध	३५	५६	धु	३४	५६	वि	२१	२२	२६	४३	१७	१९	२८	५	कु.४।५६
९	बु	५४	१८	श	३९	३८	व्या	३३	४२	वा	२३	२२	२४	४३	१७	२०	२९	६	कुम्भे
१०	गु	५८	४२	पू	४४	५२	ह	३३	५५	तै	२६	३०	२१	४४	१६	२१	३०	७	मी२८।३३
११	शु	६०	०	उ	५१	५	व	३४	४४	व	३१	२३	१९	४४	१६	२२	१	८	मीने
११	श	४	४	रे	५८	२५	सि	३६	३१	वि	४	४	१६	४५	१५	२३	२	९	मे.५८।२५
१२	र	१०	२२	अ	६०	०	व्य	३८	३८	वा	१०	२२	१३	४५	१५	२४	३	१०	मेषे
१३	चं	१६	४३	अ	५	३७	व	४०	५३	तै	१६	४३	११	४६	१४	२५	४	११	मेषे
१४	म	२३	४	भ	१३	१८	प	४३	४	व	२३	४	८	४६	१४	२६	५	१२	वृ.३०।८
१५	बु	२९	१९	कृ	२०	३८	शि	४५	३	ब	२९	१९	६	४७	१३	२७	६	१३	वृषे

अन्नकूट गोवर्द्धनपूजा *गुरुः ३४/१२
भ्रातृ २ यम २ चन्द्रदर्शनम्
भ.३२।९उ.५८।५२या. रविलावल ३
+मार्गशीर्षारंभःप्रबोधिनी११ब्र.स्मा तु.वि.
वृश्चिकेऽर्कः ३२° (सौरः २५/१०) श्रवण ३*

भ. ५०।१९ उ. वक्री बुधः ११।२८
भ.२१/२२या. अनु. रविः १५/२ सौरः४२/५८)÷
विशा. शुक्रः २६।५५ अक्षय ९
÷अनु २ शनिः २५/३ गोपाष्टमी
भ.३१/२३ उ. बुधास्तः पश्चिमायां ४९/३७ रा.+
भ.४/४या.चित्रा.भौमः५३/९ प्रबोधिनी११ब्र.गै.
प्रदोषः
वक्री अनु. बुधः ५८।४२ वैकुंठ १४
भ. २३।४ उ. ५६।११
मन्वादिः का. स्ना. समाप्तिः

३३पंका.शु.५श.इ.३३।५५ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	९	६	७	०	७
०	१८	२०	१६	१५	६	१४	०
३३	४९	२२	३९	५	१८	३३	८
४७	५२	१९	५८	३८	४३	१२	५४
६०	३८	१५	७	७४	७	३	६०
३०	३	५६	२०	२०	२०	११	४०

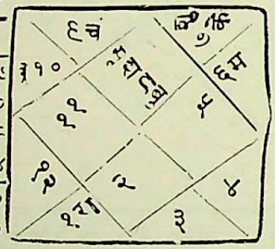

का.शु.५ शनौ बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.४बालावस्था बैठी)मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.

गोचरग्रहाः

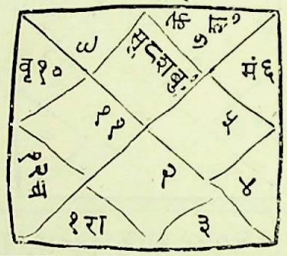

३४पं.का.शु.११श.इ.३३/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	९	६	७	०	७
७	२३	१९	१७	२३	७	१४	७
३७	७	८	३८	५२	८	१०	१४
३७	४१	२	५६	३९	४९	५६	२७
६०	३८	६१/१४	८	७४	७	३	६०
४२	५	बु	२३	२०	२०	११	५३

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०४२शाकः१९०७ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृ. महाराष्ट्राः

१	गु	३५	५	रो	२७	४३	सि	४६	५३	वा	२	१३	२९/३	६/४७	५/१३	२८	७	१४	वृषे
२	शु	४०	१४	मृ	३४	५	सा	४७	५८	तै	७	४०	१	४८	१२	२९	८	१५	मि०।५४
३	श	४४	२०	आ	३९	४३	शु	४८	३२	व	१२	१७	२५/५९	४८	१२	३०	९	१६	मिथुने
४	र	४७	२६	पु	४४	२३	शु	४८	२४	ब	१५	५३	५७	४९	११	१	१०	१७	क.२८।१३
५	चं	४९	४०	पु	४८	२	ब्र	४७	१६	कौ	१८	३३	५५	४९	११	२	११	१८	कर्के
६	मं	५०	२९	श्ले	५०	२५	ऐं	४५	१९	ग	२०	४	५३	४९	११	३	१२	१९	सिं५०।२५
७	बु	५०	४	म	५१	२९	वै	४२	१६	वि	२०	१६	५१	५०	१०	४	१३	२०	सिंहे
८	गु	४८	९	पू	५१	८	वि	३८	१	वा	१९	६	४९	५०	१०	५	१४	२१	सिंहे
९	शु	४४	२८	उ	४९	१३	प्री	३२	२९	तै	१६	१९	४८	५०	१०	६	१५	२२	क.५।३९
१०	श	३९	३१	ह	४५	२९	आ	२५	४६	व	११	५९	४६	५१	९	७	१६	२३	कन्यायां
११	र	३३	१	चि	४१	५	सौ	१७	४४	ब	६	१६	४५	५१	९	८	१७	२४	तु.१३।२६
१२	चं	२५	२५	स्वा	३५	२	शो	५०/८	५०/७	तै	२५	२५	४४	५१	९	९	१८	२५	तुलायां
१३	मं	१६	५४	वि	२८	९	सु	४८	३७	व	१६	५४	४२	५२	८	१०	१९	२६	वृ.१४।५८
१४	बु	७	४४	अ	२०	४४	धृ	३७	५५	श	७	४४	४१	५२	८	११	२०	२७	बृश्चिके
३०	बु	५१	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

वृश्चिके शुक्रः २३।५८

भ. १२।१७ उ. ४४।२० या.
अनु. शुक्रः ५।१२ दि.१२ता.३१ च.ब्र.
ज्येष्ठा. रविः २९।२(सौरः ५०।५८)
भ. ५०।२९ उ.
भ. २०।१६या. तुलायां भौमः३९।२३*
*बुधोदयः पूर्वस्यां २३।४

भ. ११/५९ उ. ३९/३१ या. श्रवण ४ गुरुः ५७/४५
मार्गी बुधः ४२।५ उत्पत्ति ११ ब्र.
आश्विनी ४ राहुः स्वाती २ केतुः ×
भ. १६।५४ उ. ४२।१९ या.
ज्येष्ठायां शुक्रः ३७।१७
×३४।१५ उदयं शनेः४८।५२ प्रदोषः

३४पं.मा.कृ.३श.इ.३३।३० गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	९	७	७	०	७
१४	२७	१०	१८	२	७	१३	१४
४२	२८	४९	४३	४०	५८	४८	२१
५४	४१	४४	५५	४१	४४	४०	१४
६०	३०	५३/६३	९	७४	७	३	६१
५०	४४	बु	१६	२६	२०	११	३

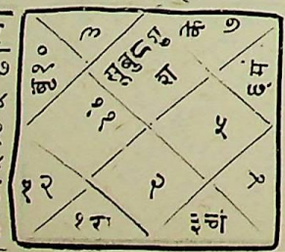

इस माससमें अमावस्या को ५ ग्रहों का योग होरहा है यहाँ पूर्व ही मंदी वस्तु का संग्रह करना लाभ होगा.

गोचरग्रहाः

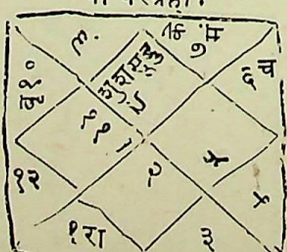

३५पं.मा.कृ.१०श.इ.३३/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	९	७	७	०	७
२१	१	५	१९	११	८	१३	२१
४८	४८	५	५५	२९	४८	२६	२८
५८	३६	४२	५५	३५	११	२५	५८
६०	३७	२९	१०	७४	८	३	६१
५६	२८	ब	१	२६	१४	११	११

Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४२शाकः १९०७ दि. उ.अ. इ.रा. मु. चन्द्रः हेमंततुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४६३४म.१९८५

१	गु	४९	४६	ज्ये	१३	३२	शू	२७	२४	कं	२४	६	२५/४०	६/५२	५/८	१२	२१	२८	ध.१३।३२
२	शु	४२	४	मू	७	३	ग	१७	२८	चा	१५	५५	३९	५२	८	१३	२२	२९	धनुषि
३	श	३६	१	पू	३६/१	५६/१०	वृ	८	३१	ते	९	२	३८	५२	८	१४	२३	१	म.१५।३८
४	र	३१	३४	श्र	५५	३९	ध्रु	५०/८	५७/५८	व	३	४७	३८	५२	८	१५	२४	२	मकरे
५	चं	२९	२९	ध	५५	५२	ह	५०	४०	ब	०	२९	३७	५३	७	१६	२५	३	कु.२५।४५
६	मं	२९	२६	श	५७	५७	व	४८	५	ते	२९	२६	३७	५३	७	१७	२६	४	कुम्भे
७	बु	३१	२३	पू	६०	०	सि	४७	१४	ग	०	४९	३७	५३	७	१८	२७	५	मी.४६।१३
८	शु	३५	२२	पू	२	१८	व्य	४७	१४	वि	३	२२	३६	५३	७	१९	२८	६	मीने
९	शु	४०	३२	उ	८	१	व	४८	३१	बा	७	५७	३६	५३	७	२०	२९	७	मीने
१०	श	४७	०	रे	१४	५३	प	५०	३९	ते	१३	४६	३६	५३	७	२१	३०	८	मे.१४।५३
११	र	५३	२५	अ	२२	१३	शि	५२	४९	व	२०	१३	३६	५३	७	२२	१	९	मेषे
१२	चं	६०	०	भ	२९	५९	सि	५५	१९	ब	२६	४३	३	५३	७	२३	२	१०	वृ.४६।५०
१२	मं	०	२	कृ	३७	२४	सा	५७	१८	बा	०	२	३७	५३	७	२४	३	११	वृषे
१३	बु	६	४	रो	४४	४४	शु	५८	५२	ते	६	४	३७	५३	७	२५	४	१२	वृषे
१४	गु	११	३५	मृ	५०	२८	शु	५९	३८	व	११	३५	३७	२३	७	२६	५	१३	मि.१७।२६
१५	शु	१६	४	आ	५५	३१	व्र	५९	४४	ब	१६	४	३८	५२	८	२७	६	१४	मिथुने

चंद्रदर्शनम्
रवि लाखर ४
भ.४३ उ.३१/३४ या.मूले धनुष्यर्कः ३/१ ६/४ सौ.: *
*५/४ ३/२ स्वात्यांभौमः २/२ पातस्पर्शः १/१ +
चंपा ६ + मोक्षः ३/५
भ. ३१।२३ उ. अनु. ३ शनिः ८।५९
भ. ३।२२ या.

भ.२/१३ उ.५/२ ३/५ या.ज्येष्ठा बुवः ५/४ ३/५ मूले धनु ×
×शुक्रः १/३ ५/३ मोक्षदा ११ व्र.गीताजयन्ती ≡
प्रदोषः ≡ रा. पौषारंभः
घनि.१गुरुः १/१ ११/९ शुक्रास्तः पूर्वस्यां ४/४ ३/५ शु.
भ.११/५ उ.४/५ ३/० या.दत्त जयंती अ.पू.

३६पं.मा.शु.३श.इ.३३।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	९	७	७	०	७
२८	६	७	२१	२०	९	१३	२८
५५	७	४२	१२	१८	३६	४	३७
५२	३७	७	३२	७	४३	९	४१
६१	३७	४७/०	१०	७४	७	३	६१
०	४५	मा	४७	२६	२	११	१९

गोचरग्रहाः

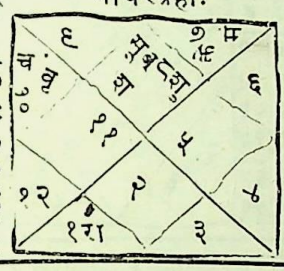

मा. शु. ४ रवौ धनुष्यर्कः प्र. वा. २ न. ३ बाला-वस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु. पूर्व.

गोचरग्रहाः

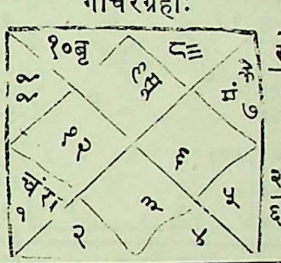

३७पं.मा.शु.१०श.इ.३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	९	७	७	०	८
६	१०	१५	२२	२९	१०	१२	५
३	२७	४	३४	७	२३	४१	४७
२९	४७	३०	३४	५	२४	५४	६
६१	३७	७०	११	७४	६	३	६१
४	२९	५५	२०	२२	५३	११	२२

ति. पौष कृष्णपक्षः सं० २०४२ शाकः १९०७ दि. उ.अ. इं.रा. मु. चन्द्रः शिशिरर्तुं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महा.

१	श	१९	२६	पु	५९	४२	ऐं	५९	४	कौ	१९	२६	२५/३८	६/५२	५/८	२८	७	१५	क.४३।४०
२	र	२१	५२	पु	६०	०	वै	५७	२६	ग	२१	५२	३९	५२	८	२९	८	१६	कर्के
३	चं	२३	५	पु	२	४०	वि	५५	९	वि	२३	५	४०	५२	८	३०	९	१७	कर्के
४	मं	२३	२०	श्ले	४	४१	प्री	५२	३	बा	२३	२०	४०	५२	८	३१	१०	१८	सिं४।४१
५	बु	२२	३७	म	५	५०	आ	४८	५	ते	२२	३७	४१	५२	८	१	११	१९	सिंहे
६	गु	२०	५८	पू	५	५७	सौ	४३	१३	व	२०	५८	४२	५२	८	२	१२	२०	क.२०।४२
७	शु	१८	७	उ	४	५६	शो	३७	४२	ब	१८	७	४३	५१	९	३	१३	२१	कन्यायां
८	श	१४	१७	ह	२	५९	अ	३१	१२	कौ	१४	१७	४४	५१	९	४	१४	२२	तु. ३१।३०
९	र	९	३७	चि	९/०	५९/७	सु	२४	१	ग	९	३७	४६	५१	९	५	१५	२३	तुलायां
१०	चं	३	५३	वि	५१	१३	धृ	१५	५५	वि	३	५३	४७	५१	९	६	१६	२४	वृ.३७।२६
११	चं	५३	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	मं	४९	५५	अ	४५	४४	शू	७/८	५९/५८	कौ	२३	३५	४९	५०	१०	७	१७	२५	बृश्चिके
१३	बु	४२	९	ज्ये	३९	५२	वृ	४८	२८	ग	१६	१	५१	५०	१०	८	१८	२६	ध.३९।५२
१४	गु	३४	२०	मू	२४	०	ध्रु	३९	१०	वि	८	१४	५२	५०	१०	९	१९	२७	धनुषि
२०	शु	२७	८	पू	२८	२७	व्या	३०	१४	च	०	४७	५४	४९	११	१०	२०	२८	म.४२।१८

पूषा.रविः ४१।१० (सौरः ५५।२०)
भ. ५२।२८ उ.
भ. २३।५ या. चतुर्थी व्र.

मूले धनुषि बुधः ३४/४३ पूषा. शुक्रः ४७/५० +
भ. २०।५८ उ. ४९।३२ या.
+ जनवरी १ सन् १९८६
÷ बुधास्तः पूर्वस्यां ३४।५५
भ. ३६।४५ उ.
भ.५३/३ या.विशा.भौमः ७/३८ सफला ११ व्र.-स्मा.
सफला ११ व्र. वै.
भ. ४२।९ उ. प्रदोषः
भ. ८।१४ या. घनि. २ गुरुः ४९।१५
उषा.रविः ५५/५४ (सौरः ५६/४७ पूषा.बुधः २९/२४ ÷

३८पं.पौ.कृ.१श.इ.३२।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	९	८	७	०	८
१३	१४	२४	२४	७	११	१२	१२
११	४४	२८	०	५६	९	१९	५६
३१	२८	५५	१८	११	१८	३८	५८
६१	२७	८३	१२	७४	६	३	६१
६	२०	७	२	३२	३७	११	२६

गोचरग्रहाः

पौष शु. ४ भौमे मकरेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ बृद्धा-वस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

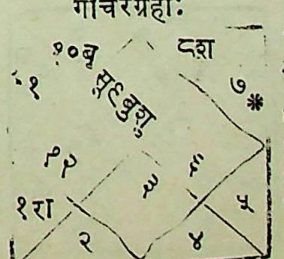

३९पं.पौ.कृ ८श.इ ३/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	९	८	७	०	८
२०	१९	४	२५	१६	११	११	२०
१९	१	२९	२९	४४	५२	५७	६
२६	१०	२	४२	४९	२६	२२	५५
६१	२७	५०	१२	७४	६	३	६१
६	१७	४१	२२	३२	२०	११	२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) * के.चं.मं. ≡ शु श.बु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति| पौष शुक्ल पक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः४६६४स१९८६

१	श	२०	५२	उ	२३	५६	ह	२२	४	ब	२०	५२	३५/५६	४९	१५/५	११	२१	२९	मकरे
२	र	१५	५४	श्र	२१	१	व	१५	११	की	१५	५४	५८	४८	१२	१२	२२	३०	कुं ५०।२६
३	चं	१२	५९	ध	१९	५०	सि	९	३८	ग	१२	५९	२६/५	४८	१२	१३	२३	१	कुम्भे
४	मं	११	५६	श	१९	४०	व्य	५	३१	वि	११	५६	३	४७	१३	१४	२४	२	कुम्भे
५	बु	१२	५०	पू	२२	२२	व	३	२२	बा	१२	५०	५	४७	१३	१५	२५	३	भी८।११
६	गु	१५	५०	उ	२६	५८	प	२	४५	तै	१५	५०	८	४६	१४	१६	२६	४	मीने
७	शु	२०	२२	रे	३४	३	शि	३	३	व	२०	२२	१०	४६	१४	१७	२७	५	मे.३४।३
८	श	२६	२५	अ	४१	८	सि	४	३५	ब	२६	२५	१२	४६	१४	१८	२८	६	मेषे
९	र	३२	४२	भ	४८	४३	सा	६	२८	की	३२	४२	१५	४५	१५	१९	२९	७	मेषे
१०	चं	३९	१२	कृ	५६	१७	शु	८	५३	तै	५	५७	१७	४५	१५	२०	३०	८	बृ.५।३५
११	मं	४५	२०	रो	६०	०	शु	१०	५८	व	१२	१६	२८	४४	१६	२१	१	९	बृषे
१२	बु	५०	४६	रो	३	१८	न	१२	४४	ब	१८	३	२२	४४	१६	२२	२	१०	मि३६।२३
१३	गु	५४	५६	मृ	९	२९	ऐं	१३	४७	की	२२	५१	२५	४३	१७	२३	३	११	मिथुने
१४	शु	५७	४०	आ	१४	२०	वै	१३	२८	ग	२६	१८	२७	४३	१७	२४	४	१२	मिथुने
१५	श	५९	७	पु	१८	३	वि	१२	२३	वि	२८	२३	३०	४२	१८	२५	५	१३	क.२।८

उषा. शुक्रः २६।१ चंद्रदर्शनम्
भ. ४२।२७ उ. जमादिलावल ५
भ. ५/९ या मकरेऽर्कः १/८ (सौरः १२/१२)
मकरे शुक्रः ३।१८
*पुत्रदा ११ व्र.
भ. २०।२२ उ. ५३।२३ या.
उषा. बुधः ५६।३४
अनु. ४ शनिः ५७।४०
अभि.प्र.रवि. ३/५ (सौरः ४/३४)मकरेबुधः ५/३०
भ.१२।१६उ.४५।२० या. रा.माधारंभः*
दृश्चिके भौमः ४५/४९ श्रवणे शुक्रः ५/५२
श्रवणे रविः ५/२९ (सौरः ५/३१) प्रदोषः
भ.५/४७उ अभि नि.रवि ४/५५ (सौरः ५/४७)+
भ. २८।२३ या. +धनि.३ गुरुः २/९

४०पं.पौ.शु.१श.इ.२३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	९	८	७	०	८
२७	२३	१५	२७	२५	१२	११	२७
२७	१६	१	२	३३	३३	२५	१६
४०	२६	१८	२	४०	१८	७	४७
६१	३६	९६	१२	७४	५	३	६१
६	५७	२	४७	३८	५९	११	२४

४१पं.पौ.शु.८श.इ.३२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	९	९	७	०	९
४	२७	२६	२८	४	१३	११	४
३५	२९	०	३८	२०	१२	१२	२६
३१	२०	६	६	२४	११	५१	१६
६१	३६	०/९०	१३	७४	५	३	६१
३	३८	११	११	३८	३१	११	१९

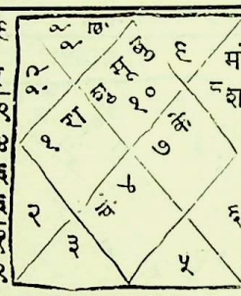

४२पं पौ.शु १५श.इ.३२।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	१०	९	७	०	९
११	१	७	०	१३	१३	१०	११
४२	४२	२३	१५	९	४७	५०	३५
५८	४	५६	१४	५८	४६	३६	७
६०	३६	०/८०	१३	७४	५	३	६१
५९	४०	३७	२०	३८	४	११	१३

ति| माघ कृष्ण पक्षः सं.२०४२ शाकः १९०७ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तुरविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्राः

१	र	५९	१२	पु	२०	२३	प्री	१०	१५	बा	२९	१०	३३/५३	४१/५१	१९/५९	२६	६	१४	कर्के
२	चं	५८	११	श्ले	२१	२३	आ	७	८	तै	२८	४२	२६	४१	१९	२७	७	१५	सिं २१।२३
३	मं	५६	९	म	२१	२४	सौ	३/५५	५५/१३	व	२७	१०	३९	४०	२०	२८	८	१६	सिंहे
४	बु	५३	२०	पू	२०	४७	अ	५४	२	व	२४	४५	४२	४०	२०	२९	९	१७	क. ३५।२१
५	गु	४९	४३	उ	१९	२	सु	४७	१	की	२१	३१	४६	३९	२१	३०	१०	१८	कन्यांया
६	शु	४५	५३	ह	१६	५९	धृ	४०	४९	ग	१७	४८	४९	३८	२२	३१	११	१९	तु. ४५।३८
७	श	४१	३४	चि	१४	१८	शू	३४	१२	वि	१३	४३	५२	३८	२२	१	१२	२०	तुलायां
८	र	३६	४७	स्वा	११	२२	गं	२७	१६	बा	९	११	५५	३७	२३	२	१३	२१	बृ. ५३।२३
९	चं	३१	४१	वि	८	३	वृ	१९	५०	तै	४	१४	५९	३६	२४	३	१४	२२	बृश्चिके
१०	मं	२५	५५	अ	४	१७	ध्रु	१२	१९	वि	२५	५५	२७/२	३६	२४	४	१५	२३	वृश्चिके
११	बु	२०	९	ज्ये	१४/०	५५/५०	व्या	२७/४	५१/५५	बा	२०	९	६	३५	२५	५	१६	२४	ध. ०।१४
१२	गु	१४	१३	पू	५२	२	व	४८	५३	तै	१४	१३	९	३४	२६	६	१७	२५	धनुषि
१३	शु	८	२१	उ	४८	३२	सि	४१	४२	व	८	२१	१३	३३	२७	७	१८	२६	म. ६।९
१४	श	३	२४	श्र	४५	५५	व्य	४८	५९	श	३	२४	१६	३३	२७	८	१९	२७	मकरे
३०	श	५५	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

श्रवणे बुधः ३।४
भ. १७/१० उ. ५९/९ या. अनु. भौमः १२/५७
चतुर्थी व्र.
भ. ४५।५३ उ,
भ. १३।४३ या. फर्वरी २ ता. २८
धनि. शुक्रः ३९।२१
भ. ५८।४८ उ.
भ. २५।५५ या. धनि. बुधः ४८।४७
धनि. रविः ५९।४७ षट्तिला ११ व्र.
धनि. रविः सौरः ५।२२ प्रदोषः
भ. ३/८ उ. ३५/५७ या. कुंभे बुधः ४२/३२*
अस्तं गुरोः ३४।४८
*कुंभे शुक्रः ५७/३९ धनि.४ गुरुः २९/४३

४३पं.मा.कृ.७श.इ.३२।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	१०	९	७	०	९
१८	५	१९	१	२१	१४	१०	१८
४९	५२	१५	५४	५७	१९	२८	४३
२६	२६	२२	३२	२२	१	२०	१०
६०	३६	०/८०	१२	७४	४	३	६१
५५	१.५८	२२	३२	३५	११	४	

गोचरग्रहाः

इस मास में गुरु अस्त और पश्चिम में शुक्र का उदय होगा। यह हरेक वस्तु में घटाबढ़ो अधिक करेंगे।

गोचरग्रहाः

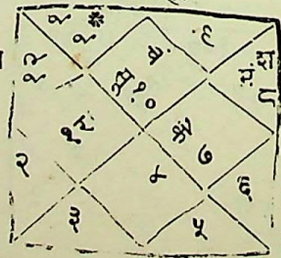

४४पं.मा कृ.१४श.इ.३३।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	१०	१०	७	०	९
२५	१०	१	३	०	१४	१०	२५
५५	०	३१	३४	४३	४६	६	४९
१६	२५	५५	१६	५५	२६	४	५७
६०	३५	०/९०	१३	७४	३	३	६०
४६	३१	१७	३२	३२	५९	११	५५

Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्ल पक्षः सं० २०४२ शाकः १९०७ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३९३ सं १९८६

| | | |

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०४२शाकः १९०७	दि.	उ.	अ	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४७२३स. १९८६
१	मं ३५ ० पू ८ २५ शु ३८ २८ कं ४ ४० २९ ६ ५ ११ २० २९							मीने	
२	बु ३७ ३१ उ ११ ४४ शु ३७ ४४ बा ६ १६ २३ ७ ५३ १२ २१ ३०							मीने	फुलरिया २ चन्द्रदर्शनम्
३	गु ४१ ८ रे १६ २५ त्र ३८ १९ तै ९ १९ २७ ७ ५३ १३ २२ १							मे.१६।२५	रज्जव७ [+२८।२५ (सौरः २९।४८)
४	शु ४६ २२ अ २२ ३४ ऐं ३९ २८ व १३ ४५ ३२ ६ ५४ १४ २३ २							मेषे	भ.१३।४५उ. ४६।२२ या. मीनेऽर्कं+
५	श ५२ १० भ २९ २६ वै ४१ ३२ ब १९ १६ ३६ ५ ५५ १५ २४ ३							वृ.४६।१९	मूलेधनुषिभौमः५८।१५वक्रीपूभा.बुधः ४५/९
६	र ५८ ३२ कृ ३६ ५५ वि ४३ ५३ कौ २५ २१ ४० ४ ५६ १६ २५ ४							बृषे	
७	चं ६० ० रो ४४ ३४ भी ४६ १६ ग ४१ ४३ ४४ ३ ५७ १७ २६ ५							वृषे	उभा. रविः४९।२९ (सौरः५०।२४)*
७	मं ४ ५४ मृ ५१ ४८ आ ४८ १३ व ४ ५४ ४९ २ ५८ १८ २७ ६							मि १८।११	भ.४।५४उ.३७।४८या. होलाष्टक
८	बु १० ४३ आ ५७ ४८ सो ४९ २० ब १० ४३ ५३ १ ५९ १९ २८ ७							मिथुने	वक्री कुम्भे बुधः ९।५७
९	गु १५ २४ पु ६० ० शो ४९ १३ की १५ २४ ५७ १ ५९ २० २९ ८							क.४६।२०	वक्री शनिः १४।४७
१०	शु १८ ३४ पु २ ३१ अ ४७ ४६ ग २८ ३४ ३० ० ० ६ ० २१ ३० ९							कर्के	भ.४९।११उ.शतभिषा.३गुरुः३२।३९
११	श १९ ४८ ए ५ २४ सु ४३ ५३ वि १९ ४८ ६ ५ ९ १ २२ १ १०							कर्के	भ १/९ या.२रा.चैत्रारंभः आमलकी११व्र.
१२	र १९ १३ श्ले ९ ३२ धृ ४० २२ बा १९ १३ १० ५८ २ २३ २ ११							सि ६।३२	प्रदोषः *रेवत्यां शुक्रः२३।२६
१३	चं १६ ३९ म ५ ४० शू ३४ २५ तै १६ ३९ १४ ५७ ३ २४ ३ १२							सिंहे	बुधोदयः पूर्वस्यां २२।५३
१४	मं १२ १३ पू ३ ५६/७ गं २७ १७ व १२ १३ १८ ५६ ४ २५ ४ १३							क.१७।७	भ.१२।१३उ.३९।२४या.होलिकादहनं≡
१५	बु ६ ३५ ह ५४ १२ बृ १९ ११ ब ६ ३५ २३ ५५ ५ २६ ५ १४							कन्यायां	छारेंडी ≡भद्रोत्तरं

४९पं.फा.शु.५श.इ.३४।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	१०	१०	७	०	११
१	२९	३	११	१४	१६	८	१
५	४७	३१	५६	२४	०	१४	४
४२	२०	१	१३	५४	७	४६	२९
५९	३२	५८/४८	१३	७४	०	३	५९
४१	८	ब	२०	२२	३६	११	४९

गोचरग्रहाः

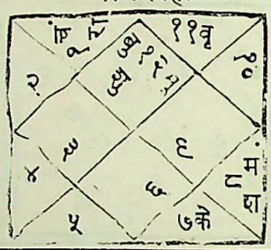

फा. शु. ४ शुक्रे मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ नं. ४ वृद्धावस्था(बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो.प.

गोचरग्रहाः

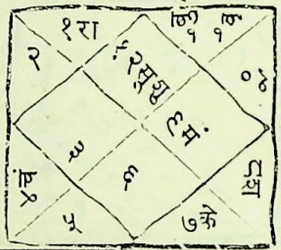

५०पं.फा.शु.११श.इ.३४/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१०	११	७	०	११
८	३	२८	१३	२३	१६	७	८
३	३०	१	३३	५	०	१२	२
१८	२५	५२	२५	१३	०	३१	२४
५९	३०	३९/२९	१३	७४	१८/०८	३	५९
२९	५५	ब	१०	२०	ब	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चंद्रः	बसंततूरविरुत्तरे फाल्गुन कृ.महाराष्ट्राः
१	बु ५३ ३ ० ० ० ० ० ० ८ ० ० ० ० ० ० ० ०								
२	गु ५२ २६ चि ४९ ४६ शु १० ३५ तै २६ २ ३० ५५ ६ ५ २७ ६ १५							तु.२१।५९	*मेषे शुक्रः ९।४९
३	शु ४४ ४९ स्वा ४३ ९ ब्या ३५/२९ ५१/७ व १८ ३७ ३१ ५४ ६ २८ ७ १६							तुलायां	भ. १८।३७ उ. ४४।४९या. अश्वि.*
४	श ३७ ३८ वि ३८ २ व ४४ १ ब ११ १४ ३५ ५३ ७ २९ ८ १७							वृ.२४।१९	चतुर्थी व्र.
५	र २० ५१ अ ३३ १३ सि ३५ ४९ कौ ४ १५ ३९ ५२ ८ ३० ९ १८							वृश्चिके	
६	चं २४ ५२ ज्ये २९ ८ व्य २८ १३ व २४ ५२ ४४ ५१ ९ ३१ १० १९							ध.२९।८	भ.२४।५२उ. ५२।१३या रेवत्यांरविः+
७	मं १९ ३५ मू २५ ५६ व २१ १९ ब १९ ३५ ४८ ५० १० १ ११ २०							धनुषि	मार्गी बुधः २।४६ अप्रैल ४ ता. ३०
८	बु १५ ११ पू २३ ३७ प १५ ८ कौ १५ ११ ५२ ५० १० २ १२ २१							म. ३८।१६	शीतलापूजनम्
९	गु ११ ४० उ २२ १३ शि ९ ४७ ग ११ ४० ५६ ४९ ११ ३ १३ २२							मकरे	भ. ४०।२५उ.
१०	शु ९ ११ श्र २१ ४७ सि ५ १७ वि ९ ११ ३१/०० ४८ १२ ४ १४ २३							कु.५२।१	भ. ९।११या.
११	श ८ १४ ध २२ १६ सा २८/२९ ५७/९ बा ८ १४ ४ ४७ १३ ५ १५ २४							कुम्भे	शतभिषा.४गुरुः २८।५९ पापमोचनी×
१२	र ७ १० श २३ ५२ शु ५६ ३४ तै ७ १० ८ ४६ १४ ६ १६ २५							कुम्भे	प्रदोषः ×११ व्रतम्
१३	चं ७ ४८ पू २६ २९ न ५५ १३ व ७ ४८ १२ ४६ १४ ७ १७ २६							मी १०।५०	७।४८ उ.३८।३२मा,भरण्यां शुक्रः ५८/३०
१४	मं ९ १७ उ ३० २५ ऐं ५५ ८ श ९ १७ १६ ४५ १५ ८ १८ २७							मीने	[+१७।१२ (सौरः १७।५२
१५	बु १२ १९ रे ३५ १९ वै ५५ २८ ना १२ १९ २० ४४ १६ ९ १९ २८							मे. ३५।१९	मन्वादिः

५१पं.चै.कृ.४श.इ ३५।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१०	०	७	०	११
१४	७	२४	१५	१	१५	७	१४
५९	६	३	९	४५	५५	३०	५८
१३	४३	४८	१४	३२	३७	१५	३१
५९	२९	३३/४३	१२	७४	०/१०	३	५९
१६	४६	ब	४७	१३	ब	११	१८

गोचरग्रहा

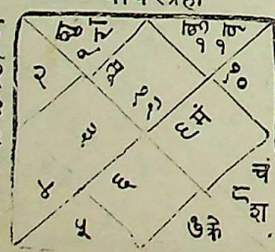

इस मासमें सोना चांदी लोहा तांबा घृत तेल चांवल में तेजी होगी ।

गोचरग्रहाः

५२पं.चै.कृ.११श.इ.३५/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१०	०	७	०	११
२१	१०	२६	२६	१०	१५	७	२१
५३	२४	९	४१	२३	४६	८	५२
३१	१२	५५	२०	२८	१६	०	४२
५९	२७	२९/३७	१२	७४	४४/१	३	५९
४	४३	मा	२१	२	ब	११	४

*चं.बृ.बु.

Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०८७ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०८७ भोग्यकलिः ४२६९१३ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीरविक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४३ शाकः१९०८ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा गुरुः । मंत्री रविः । सस्येशो बुधः । धान्येशो चन्द्रः । मेघेशोरविः । रसेशो शुक्रः । नीरसेशो बुधः । फलेशोःशनिः । धनेशो भौमः । दुर्गेशो शनिः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १३ प्रमाथ्यनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ८।३।५८।९ भोग्यमासादिः ३।२६।१।५१ इन्द्रदैवतं युगम् । वर्षनामः भाद्रपदः मेघ नाग पुष्करः । रोहिणी निवासःसमुद्रे । समयनिवासो मालाकार गृहे । समय विश्वा १२ । समयवाहनं चातक । स्तंभाः भयो वाप्यन्नतृणानाम्ः । सोमवत्यमाः २ । सोमवती पंचमी १ । अङ्गारकी चतुर्थी ३ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी १ । रवि-दशमी २ । समयमुहूर्ताः ३९० । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १५ । तिथिवृद्धिः १० । उत्पत्तिविश्वा ८७ । खपति विश्वा ११४ । वर्षा विश्वा १५ । धान्यम् ७. तृणम् ५. शीतम् ९. तेजः ११ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यम् १०१ सत्यम् ॥ धर्मम् १॥ पापम् १८ शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहण २ चन्द्रमसः ।

सं. २०४३ चैत्र शु. १५ गुरौ ग्रस्तोदित खंडग्रासचंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं. म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	२६	२९	३०	३१ ३४
मध्यम.	पल	१५	३	२५	४७ ३५
रेल्वे	घं.	४	६	६	७ ८
टाइम	मि.	५७	४	३७	१० १७

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

वर्षलग्नम् २।१६

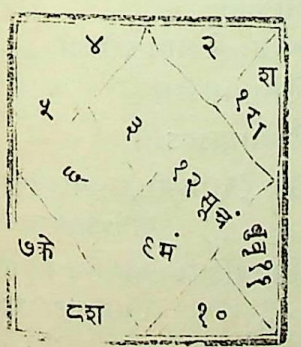

भैरव–भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

नत मस्तक हो मात से भैरव पूछे बात ।
साल तीन चालीस का हाल कहो मम मात ।।

भवानी उत्तर

तियालीस की साल का हाल सुनो दे कान ।
सुरगुरु राजा होण से संग्रह करलो धान ।।
मेघ पति रविदेव हैं वर्षा मध्यम जान ।
भये शनिश्चर फलपति करैं साख में हान ।।
रोहिणी वासो सिंधु में संवत् विश्वा अर्क ।
संवत्सर उत्तम हुवे कहीं कहीं रहसी फर्क ।।
स्तंभ तीन इस वर्ष में संवत् मालाकार ।
ईश्वर का भजन जगत में सार ।।

सं.२०४३आश्विनशु.१५शुक्रे खग्रासचंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	४१	४४	४५	४७	५०
मध्यम	पल	२६	३२	५७	२२	२८
रेल्वे	घं.	११	१२	१२	१	२
टाइम	मि.	१	१६	५०	२४	३८

सं० २०४३ चैत्र कृष्णा ३० रविवार को पश्चिम प्रदेशों में ग्रस्तास्त सूर्यग्रहण होगा। भारत में नहीं होगा।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	घ	म	कुं	मी.
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्षेशलग्नम् ९।२०

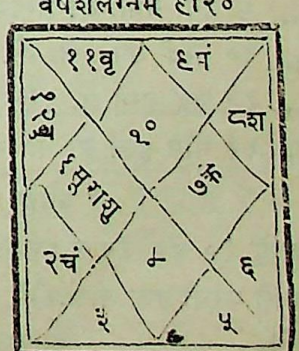

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२४।० केतकीमतेन वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशाः २३।३८।५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन्वर्षे राजागुरुः फलम् ॥ गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुधाश्च धेनवः । यजन्तिविप्राः वहवोऽग्नि होत्रिणोमहोत्सवंसर्वजनेषुवर्तते । मंत्री रविः फलम् ॥ नृप भयं गदतो पिहि तस्करा प्रचुर धान्य धनादिमहीतले । रसचयंहि समर्घतमं सदा रवि रमात्यपदंहि समागतः ॥ सस्येशो बुधस्तत्फलम् ॥ जलधरा जलराशि मुचोभृशं सुख समृद्धि युतं निरुपद्रवम् । द्विजगणः श्रुतिपाठकरः सदाप्रथमसस्यपतौ सति बोधने ॥ धान्येशश्चंद्रः फलम् ॥ चन्द्रे धान्याधिपे जातेप्रजा बृद्धिः प्रजायते । गोधूमाः सर्वपाश्चैव गोषुक्षीरतदा बहु ॥ मेघेशो रविः फलम् ॥ जलदपेयदिवासरये तदा सरसि वैश्मते जनता रसम् । यवचणेक्षु नीवारसु शालिभिः सुखचयं सुलभं भुविवर्तते ॥ रसेशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ यजन याजनकोत्स वकोत्सुका जनपदा जलतोषित मानसाः । सुख सुभिक्षसुमादेवती वरा धरणी पाहृत पापगण प्रियाः । नीरसेशो बुधस्तत्फलम् ॥ चित्र वस्त्रादिकञ्चैवशंख चंदन पूर्वकम् । अर्घबृद्धिः प्रजायेत नीरसेशोबुधोयदि ॥ फलेशः शनिः फलम् ॥ यदि शनि फलपः फलहा भवेज्जनितपुष्प गणस्य द्रुमः सदा । हिमभयंवर तस्कर जन्तुभीर्जनपदोगदराशि समाकुलः ॥ धनेशोभौमस्तत्फलम् ॥ असभमौत्य करो धरणीसुतः शरदितापकरस्तुष धान्यहृत । सहसि मासि भवेद्विगुणंतदा नरपतिर्जनशोकः विधायकः ॥ दुर्गेशः शनिः फलम् ॥ रविसुते गढ पालिनि विप्रहैः सकल देशगताश्चलिताजनाः ॥ विविध वैरि विशेषित नागराः कृषि धनंशलभैर्मुषितं भुवि ॥ प्रमाथिनाम संवत्सरः फलम् ॥ नमुंचन्ति पयोवाहाः कुत्रचित्कुत्रचिज्जलम् । मध्यमा बृष्टिरर्घश्चनूनमब्दे प्रमाथिनी । वर्षनाम भाद्रपदः फलम् । अर्घं महर्घतां यांति धनधान्यं समं भवेत् । मघवात्रर्षति स्वच्छं संपदो भाद्र वर्षके । मेघनामपुष्करः फलम् । पुष्करे मंद बृष्टिः स्यात् । रोहिणीनिवासः समुद्रे फलम् । समुद्रेतु महाबृष्टिः ॥ समय निवासो मालाकार गृहे फलम् । मालिनः प्रचुरा बृष्टिः । एवंसंचित्यदैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

सं० २०४३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः ।

शु. १० शनौ मघा. ल.गो. ११ रे ७।ऽ।।।।ऽऽ। कुंभे चं७पूज्यः गणितेन क्रांतिसाम्याऽ भावः

,, १२ चंद्रे उफा.ल.गो.१०रे.६ऽ।।।।।।।। मकरे रेखाऽयामित्र

वैशाख मासः ।

कृष्णे ३ रवौ मूले ल. १२ रे.८।।।।ऽनृ।ऽ। भौ. १० पू.

,, ५ चंद्रे मूले ल. गो. रे.६।।।।।।ऽ।

,, ७ बुधे उषा. ल. अन्यगो. रे. ८ऽऽ।।।।।।।

शुक्ले २ शनौ रोहि. ल.१०।११ रे.७।।।।ऽऽरोऽ।।।

,, २ रवौ मृगे ल.१०।११ रे.८।।ऽशू।।।ऽ।।शुक्रपूतिः

,, ८ शनौ मघा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे८।।।।।ऽअ.।ऽ।

,, १० चद्रे उफा. ल. गो. सोग्रांगः रे.६।ऽ।।ऽऽनृ।ऽ।

,, १० चंद्रे हस्ते ल. १२ रे.८।।।।।ऽनृऽ।। चं ७ पूज्य

,, ११ भौमे हस्ते ल. गो. सोग्रांगः रे.६।।।।।।ऽ।।।

ज्येष्ठ मासः ।

कृष्णे १० चंद्रे रेव.ल.अन्यगो. सोग्रांगः ११ रे.८।।।।।।ऽऽ।।

शुक्ले ८रवौ उफा.ल.अ.भौमे १दोषः रे.७।।।।ऽ।।ऽऽ।।ऽ।ऽ दग्धा

आषाढ मासः ।

कृष्णे ७ शनौ उभा. ल. अन्यगो. भौ. १दोषः रे.८।।।।।।।।ऽ।ऽ

कृष्णे ८ रवौ रेव. ल. अन्यगो. रे.७।।।।ऽनृऽऽ। लग्नस्थ-भौम दोषः

शु. ३ गुरौ मघा. ल.अन्यगो. रे.८।।ऽशु।।ऽचौ।।।।लग्नस्थ भौमः दोषः शुक्रयुतिश्च आवश्यके

,, ५ शनौ उफा. ल. अन्यगो रे.८।।।।ऽऽरो।।।। भौ.१ दोष

,, ६ रवौ हस्ते ल. अन्यगो. रे.८।।।।।।ऽऽ।। ,, ,,

मार्गशीर्ष मासः ।

कृष्णे २ भौमे मृगे ल. ३।७ रे.६।।।।ऽअ.।।।। तुला५६।३६उप

, ७ चंद्रे मघा ल.अन्यगो.३ ध. ३८।४४या. रे.७।।।।ऽऽरो।ऽ।।

, १० गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. ३।७ रे.७।।।।ऽअ.ऽऽ।

शुक्ले ३ गुरौ उषा. ल. ३ रे.१०।।।।।।।।। चं. ७ पू.

,, ६ भौमें उभा. ल. गो. रे. ६ऽ।।।।।।।।

माघ मासः ।

कृष्णे २ शनो मघा. ल. ७।६ रे.१०।।।।।।।।।

,, ३ रवौ मघा. ल.गो. रे ६।।।।ऽनृ।।।।

,, ७ गुरौ स्वा. ल. ६ घ. ५५।३७ उ. रे७।।।।ऽरोऽऽ।।

,, ८ शुक्रे स्वा. ल. अन्यगो. रे.८।।।।।ऽऽ।।

,, १० रवौ अनु. ल. अन्यगो. रे.७।।।।।ऽअऽऽ।

,, ११ चंद्रे मूले ल.७अंश १५ उप. रे६।।।ऽचं।।ऽऽ।ऽपादवेधाऽभाव. आवश्यके

शु. ६ शनौ रोहि. ल. गो. रे.७।।।।।ऽचौऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः ।

कृष्णेऽशनौअनु.ल.अन्यगो.६घ ५५या.रे.७।।।।।ऽरो४५या.ऽऽ।।

Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चंद्रः | वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७५३स.१९८६

१	शु	१६	१७	अ	४१	२७	वि	५६	४७	ब	१६	१७	३१/२२	५/४४	१/१६	१०	२०	२९	मेषे	संवत्सरारंभः चन्द्रदर्शनम् नवरात्रा.
२	शु	२१	२९	भ	४७	५७	प्री	५८	४१	कौ	२१	२९	२६	४३	१७	११	२१	१	मेषे	पूषा.भौमः ५/४ मीनेबुधः १/१० सिंधारासावानक
३	श	२७	१४	कृ	५५	२६	आ	६०	०	ग	२७	१४	२९	४२	१८	१२	२२	२	वृ.४।५०	मत्स्य जयंती गणगौरी
४	र	३३	३०	रो	६०	०	आ	०	५७	व	०	२२	३३	४१	१९	१३	२३	३	वृषे	भ.२२°उ ३३/३० या. आश्वि. मेषेऽर्कः ५१/१४*
५	चं	३९	५३	रो	३	१०	सौ	३	३४	ब	६	४१	३६	४१	१९	१४	२४	४	मि ३६।५६	उभा.बुधः ५६/३३ आश्वि.२ राहुः चित्रा४÷
६	मं	४७	०	मृ	१०	४७	शो	६	०	कौ	१३	२६	४०	४०	२०	१५	२५	५	मिथुने	÷केतुः २८/२४ *(सौरः ५३/२७)
७	बु	५१	११	आ	१७	४१	अ	७	५६	ग	१९	५	४३	३९	२१	१६	२६	६	मिथुने	भ. ५१।११ उ.
८	शु	५५	८	पु	२३	३१	सु	८	४६	वि	२३	१०	४७	३९	२१	१७	२७	७	क.७।४	भ. २३।१० या.
९	शु	५७	२०	पु	२७	४६	धृ	८	३४	व	२६	१४	५१	३८	२२	१८	२८	८	कर्के	कृत्ति. शुक्रः ५१।६ रामनवमी
१०	श	५७	४२	श्ले	३०	१७	शू	६	५६	तै	२७	३१	५५	३७	२३	१९	२९	९	सिं ३०।१७	≡चन्द्र ग्रहणम्
११	र	५४	५७	म	३०	४७	गं	३९/२९	५५/१९	व	२६	१९	५८	३६	२४	२०	३०	१०	सिंहे	भ.२९/१४ उ.५५/७ या. कामदा ११ व्र. स्मा.+
१२	चं	५१	४७	पू	२९	१०	ध्रु	५२	२३	ब	२३	२२	३२/२२	३६	२४	२१	१	११	क.४३।१७	पूभा. १ गुरुः ४४/११ वृषे शुक्रः ३३/२४ रा. ×
१३	मं	४६	१७	उ	२५	४१	व्या	४४	२८	कौ	१९	२	६	३५	२५	२२	२	१२	कन्यायां	प्रदोषः ×वैशाखारंभःकामदा११व्र.वै.
१४	बु	३८	४२	ह	२०	२९	ह	३५	१७	ग	१२	२९	१०	३४	२६	२३	३	१३	तु.४७।२२	भ.३८।४२उ. +पातस्य.३८/२पा.मो.४५/१७
१५	गु	३०	२२	चि	१४	१४	च	२५	३२	वि	४	३२	१४	३३	२७	२४	४	१४	तुलायां	भ.३/२ या. हनुमज्ज. ग्रस्तोदय खग्रास≡

१पं.चै.शु.४र.इ ५१।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१०	०	७	०	११
०	१४	२१	२०	१५	६	२९	
०	२३	२२	२३	३३	३१	४१	५८
०	२८	१६	६	३६	८	५५	५२
५८	२२	५३	११	७४	२५	३	५८
४४	५५	२	५५	५२	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

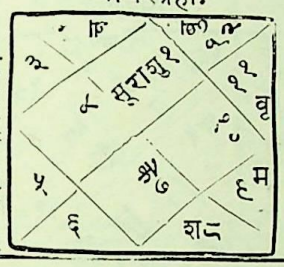

चै. शु. ४ रवौ मेषेऽर्कः प्र वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समर्घता शु.उ. पू.

गोचरग्रहाः

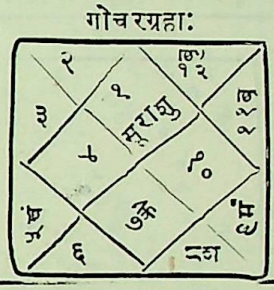

२पं.चै.शु.११र.इ.५१।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१०	०	७	०	०
६	१७	१०	१९	२९	१५	६	६
५०	२९	१७	५०	८	२२	१९	४९
४२	२	५६	६	२४	३४	३९	३
५८	२०	७३	११	७३	५/२	३	५८
३१	२७	३५	१७	५६	ब	११	२९

ति. वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे चैत्र. कृ. महाराष्ट्र

१	शु	२१	१६	स्वा	७	२२	सि	१५	१९	कौ	२१	१६	३२/१७	५/३३	६/२७	२५	५	१५	वृ.४७।०	रेवत्यां बुधः ४०।१६
२	श	१२	१४	वि	१३/८	५३/१९	व्य	५/९	४८/५८	ग	१२	१४	२१	३२	२८	२६	६	१६	बृश्चिके	भ. ३७।४५ उ.
३	र	३	१७	ज्ये	४७	१६	प	४५	५७	वि	३	१७	२५	२१	२९	२७	७	१७	ध.४७।१६	भ. ३।१७ या. भरण्यां रविः ३१।३२÷
४	र	५१	५७	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	÷(सौरः ३३।४५) चतुर्थी व्र.
५	चं	४८	१०	मू	४२	१४	शि	३७	२७	कौ	२१	४२	२९	३०	३०	२८	८	१८	धनुषि	
६	म	४२	३०	पू	३८	३१	सि	३०	१६	ग	१५	२०	३२	३०	३०	२९	९	१९	म.५२।५६	भ. ४२।३० उ. रोहि. शुक्रः ४४।२३
७	बु	३८	१६	उ	३६	१६	सा	२४	८	वि	१०	२३	३६	२९	३१	३०	१०	२०	मकरे	भ. १०।२३ या.
८	गु	३५	३४	श्र	३५	२९	शु	१९	१०	ब्रा	७	०	४०	२८	३२	१	११	२१	मकरे	मई ५ ता. ३१
९	शु	३४	११	ध	३६	७	शु	१५	२७	तै	४	५२	४३	२७	३३	२	१२	२२	कु.५।४८	पातस्पर्शः ३२।३५ पातमोक्षः ४४।२३
१०	श	३४	१८	श	३८	१४	ब्र	१२	४६	व	४	१९	४७	२७	३३	३	१३	२३	कुम्भे	भ. ४।१९ उ. ३४।१८ या.
११	र	३५	४२	पू	४१	२९	ऐं	११	२२	ब	५	०	५१	२६	३४	४	१४	२४	मी २५।३५	आश्वि.मेषे बुधः १।२२ वरूथिनी ११व्र.
१२	चं	३८	११	उ	४५	५४	वै	१०	४९	कौ	६	२६	५४	२५	३५	५	१५	२५	मीने	
१३	मं	४१	८	रे	५१	२९	वि	११	१५	ग	९	३९	५७	२५	३५	६	१६	२६	मे. ५१।२९	भ. ४१।८ उ. प्रदोषः
१४	बु	४६	३४	अ	५७	४३	प्री	१२	७	वि	१३	५१	३३/१	२४	३६	७	१७	२७	मेषे	भ. १३।५१ या.
३०	गु	५२	२६	भ	६०	०	आ	१३	४३	च	१९	३०	४	२३	३७	८	१८	२८	मेषे	पूभा. २ गुरुः ३४।४०

३पं.बै.कृ.३र.इ.५१।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१०	१	७	०	०
१३	२०	१९	२१	७	१४	५	१३
२९	१७	५८	१२	४१	५०	५७	३७
४३	१७	१९	०	३५	५	२३	२८
५८	१८	९०	१०	७३	४/३	३	५८
१९	३	२८	४४	४६	ब	११	१२

गोचर ग्रहाः

धन राशिकामंगल सोनाचांदीघृततिल तैलरुई पाट वारदाना सिरस्युं अलसी शेयर्स तेज करे।

गोचरग्रहाः

४पं.वै.कृ.११र.इ.५२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१०	१	७	०	०
२०	२२	१	२२	१६	१४	५	२०
२७	४७	३०	२९	१३	२४	३५	२४
२२	४२	७	४६	३०	२९	८	१०
५८	१५	९०/८३	१०	७३	४/१	३	५७
६	२०	२५	१	३२	ब	११	५७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri

ति. | वैशाख शुक्लपक्ष. सं.२०४३ शाकः १९०८ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७८२स.१९८६

१	शु	५७	५८	भ	४	२४	सौ	१५	३४	कि	२५	१२	३७	२३	३७	९	१९	२९	वृ.२१।२७
२	श	६०	०	कृ	११	५९	शो	१८	२	वा	३१	१	१०	२२	३८	१०	२०	३०	बृषे
३	र	४	५	रा	१९	३२	अ	२०	२७	कौ	२	५	१३	२१	३९	११	२१	१	मि५३।१६
३	चं	१०	१८	मृ	२७	०	सु	२२	५३	ग	४	५	१६	२१	३९	१२	२२	२	मिथुने
४	मं	१६	२६	आ	३४	१७	धृ	२४	५७	वि	१६	२६	१९	२०	४०	१३	२३	३	मिथुने
५	बु	२१	५०	पु	४०	४१	शू	२६	३८	बा	२१	५०	२२	२०	४०	१४	२४	४	क.२४।५
६	गु	२६	१६	पु	४२	१३	गं	२७	२५	तै	२६	१६	२५	१९	४१	१५	२५	५	कर्के
७	शु	२९	१४	श्ले	५०	४	बृ	२६	५९	व	२९	१४	२८	१८	४२	१६	२६	६	सिं५०।४
८	श	३०	३८	म	५२	१७	ध्रु	२५	१५	ब	३०	३८	३०	१८	४२	१७	२७	७	सिंहे
९	र	३०	९	पू	५२	४०	व्या	२२	६	बा	०	२३	३३	१७	४३	१८	२८	८	सिंहे
१०	चं	२७	३४	उ	५०	५७	ह	१७	१५	ग	२७	३४	३६	१७	४३	१९	२९	९	क.७।१४
११	मं	२३	८	ह	४६	५९	व	१०	४७	वि	२३	८	३९	१६	४४	२०	३०	१०	कन्यायां
१२	बु	१६	३१	चि	४१	३६	सि	४७	५३	बा	१६	३१	४१	१६	४४	२१	३१	११	तु.१४।१७
१३	गु	८	३४	स्वा	३४	५२	व	४३	२७	तै	८	३४	४३	१५	४५	२२	१	१२	तुलायां
१४	शु	५०	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	शु	४९	२६	वि	२७	१३	प	३२	४७	वि	२४	२९	४६	१५	४५	२३	२	१३	वृ.१४।८

मृगे शुक्रः ४४।३५ चन्द्रदर्शनम्
कृत्ति.रविः १७/२८(सौरः २१/४२) भरण्यां बुधः*
भ. ४३।२२ उ. अक्षया ३
भ. १६।२६ या.
बृषेऽर्कः ४४।४३ (सौरः ४९।३०)
*१७/२४बधास्तः पू. ३७/१७परशु.जयं.रमजानद
भ. १९/१४ उ. ५/६या. मिथुने शुक्रः १६/५५
कृत्ति. बुधः ५४।५२
उषा. भौमः २०।२१
भ. ५५।२१उ. बृषे बुधः २८।५४
भ. २३/६या. वक्री अनु. ३ शनिः १५/३३ +
आर्द्रा शुक्रः ४४।५२ प्रदोषः
भ.५९।३२उ. रा.ज्येष्ठारभः नृसिंह १४
+मोहिनी ११ ब्र.
भ. २४।२९ या. रोहि. बुधः ५३।४५

५पं.वै.शु.२र.इ.५२।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१०	१	७	०	०
२०	२४	१४	२३	२४	५३	५	२७
१३	५८	२८	४१	४२	५६	१२	९
३४	१	३४	१७	४०	२	५२	२४
५७	१९	२०	९	७३	१९/६१	३	५७
५४	५५	९२	१७	२०	ब	११	४५

गोचरग्रहः:

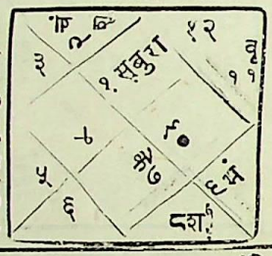

वै. शु. ५ बुधे बृषेऽर्कं. प्र. वा. ४न.५ गता.वस्था (ऊभी)मु.३० धा. भावे समता शु. उ. पश्चिमायम्।

गोचरग्रहा

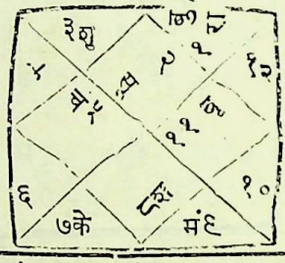

६पं.वै.शु६र. इ.५२।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	०	१०	२	७	०	१
३	२६	२८	२४	३	१३	४	३
५८	४४	४२	४८	९	२६	५०	५३
२६	४६	१८	३२	३६	३	३७	४
५७	८	२९	८	७३	३४/५१	३	५७
४४	५६	७/३७	२८	११	ब	११	३४

ति. | ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं.२०४३ शाकः १९०८ | दि | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखा कृ. महाराष्ट्राः

१	श	३९	२८	अ	१९	२५	शि	२१	४६	वा	१४	२७	३३/४८	१४	४६	२४	३	१४	वृश्चिके
२	र	२९	४०	ज्ये	११	४१	सि	११	९	तै	४	३४	५०	१४	४६	२५	४	१५	ध.११।४१
३	चं	२०	४०	मू	३५/४	५४/१२	सा	५५/०	५०/६	वि	२०	४०	५२	१४	४६	२६	५	१६	धनुषि
४	मं	१२	५२	उ	५४	२९	शु	४३	५५	बा	१२	५२	५४	१३	४७	२७	६	१७	म.१२।४२
५	बु	७	१५	श्र	५१	४९	ब्र	३७	२७	तै	७	१५	५६	१३	४७	२८	७	१८	मकरे
६	गु	२	४६	ध	५१	९	ऐं	३२	२८	व	२	४६	५८	१२	४८	२९	८	१९	कु.२१।२९
७	शु	०	२५	श	५२	३१	वै	२९	२	ब	०	२५	३४/०	१२	४८	३०	९	२०	कुम्भे
८	श	०	४	पू	५५	३५	वि	२७	१०	कौ	०	४	२	१२	४८	३१	१०	२१	मी३९।३१
९	र	१	२५	उ	६०	०	प्री	२६	२५	ग	१	२५	४	११	४९	१	११	२२	मीने
१०	चं	४	१३	उ	०	३	आ	२७	१५	वि	४	१३	६	११	४९	२	१२	२३	मीने
११	मं	८	२९	रे	६	४०	सौ	२८	१४	बा	८	२९	७	११	४९	३	१३	२४	मे.६।४०
१२	बु	१३	४२	अ	१२	११	शो	३०	१३	तै	१३	४२	९	१०	५०	४	१४	२५	मेषे
१३	गु	१९	२९	भ	१९	१७	अ	३३	१६	व	१९	२९	१०	१०	५०	५	१५	२६	बृ ३६।१७
१४	शु	२५	२५	कृ	२६	५४	सु	३४	१६	श	२५	२५	१२	१०	५०	६	१६	२७	बृषे
३०	श	३१	३५	रो	३४	२३	धृ	३७	२०	ना	३१	३५	१३	९	५१	७	१७	२८	बृषे

भ.५५।१०उ. रोहि.रविः १८/५८(सौरः १५/३९)
भ. २०।४०या. चतुर्थी ब्र.
भ.३३/४९उ.पू.भा.३ गुरुः २५पुन. शुक्रः ५६/२२*
भ.४।१३या. मिथुने बुधः २३।३५
बुधोदयः पश्चिमायां ३५/४अपरा ११ ब्र.
वक्री भौमः ३३।३९ प्रदोषः
भ.१९/२९उ. ५३/७या.आर्द्रा.बुधः ४८।१८
*जून ६ ता. ३०
वटसावित्री ब्र.

७पं.ज्ये.कृ.२र.इ.५२।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	१०	२	७	०	१
१०	२८	१४	२५	११	१२	४	१०
४२	७	१२	४९	२३	५६	२८	३५
२५	४८	४७	३४	५८	२४	२१	१५
५७	५	२९	७	७२	४०	३	५७
३५	११	४६	२८	५०	ब	११	२३

गोचरग्रहा:

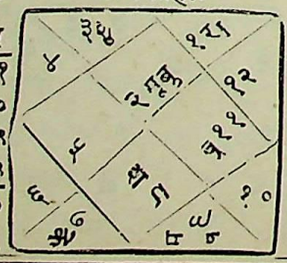

ज्ये. शु. ८ रवौ मिथुनेऽर्कं प्र. वा. ५न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु. उ. प.

गोचरग्रहा:

८पं.ज्य.कृ.९र.इ.५२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	१०	२	७	०	१
१७	२८	२९	२६	१९	१२	४	१७
२५	४८	२	४२	५५	२४	६	१६
८	३२	४६	४०	२३	०	५	२१
५७	१	२९	६	७२	३८/४	३	५७
२७	२४	२९/२८	३३	२८	ब	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Kanya Maha Vidyalaya Collection, Haridwar. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तूर्रविरुत्तरेऽहर्गणः ४८१२स१९८६

	र				मृ				शु				कि											
१	र	३७	४३		मृ	४१	५२		शु	२९	४५		कि	४	३९	३४	५	६	८	१८	२९	मि८।७	मृगे रविः ३।१४ (सौरः १४।२८)
२	चं	४३	२१		आ	४८	५८		गं	४१	४९		ब्रा	१०	३२	१६	९	५१	९	१९	३०	मिथुने	चन्द्र द.
३	मं	४८	२१		पु	५५	१७		बृ	४३	१७		तै	१५	५१	१७	९	५१	१०	२०	१	क ३८।४२	कर्के शुक्रः २०।८ सव्वाल १०
४	बु	५२	३४		पु	६०	०		धु	४५	७		व	२०	२७	१८	८	५२	११	२१	२	कर्के	भ. २०।२७ उ. ५२।३४ या.
५	गु	५५	५६		पु	०	४८		व्या	४४	२२		ब	२४	१०	१९	८	५२	१२	२२	३	कर्के	+आषारंभः गुर्जरा वटसावित्री पूज.
६	शु	५७	३८		श्ले	४	१७		ह	४३	४०		को	२६	४२	२०	८	५२	१३	२३	४	सिं ४।१७	पुन. बुधः ४५।२८ पुष्ये शुक्रः १३।२६
७	श	५८	५		म	८	३५		व	४१	४१		ग	२७	२२	२१	८	५२	१४	२४	५	सिंहे	भ. ५८।५ उ.
८	र	५६	४९		पू	१०	३४		सि	३८	२३		वि	२७	२७	२१	८	५२	१५	२५	६	क. २५।३४	भ. $\frac{२७}{२७}$ या. मिथुनेऽर्कः $\frac{१}{५२}$ (सौरः $\frac{१५}{१५}$)
९	चं	५४	१		उ	१०	३४		व्य	३३	४६		वा	२५	२५	२२	८	५२	१६	२६	७	कन्यायां	अश्वि. १ राहुः चित्रा ३ केतुः १२।३९
१०	मं	४९	९		ह	९	५८		व	२७	४०		तै	२१	३५	२२	८	५२	१७	२७	८	तु. ३७।४९	गंगादशमी *पातमोक्षः $\frac{२९}{१५}$
११	बु	४३	२		चि	५	४१		प	२०	१४		व	१६	५	२३	७	५३	१८	२८	९	तुलायां	भ. १६।५३ उ. ४३।२ या. निर्जला ११ व्र.
१२	गु	३५	३		स्वा	३०	५३		शि	११	३२		ब	९	२	२३	७	५३	१९	२९	१०	बृ ४१।०	
१३	शु	२९	८		अ	४७	१७		सि	५९	४३		को	०	३५	२३	७	५३	२०	३०	११	वृश्चिके	कर्के बुधः $\frac{२१}{२०}$ प्रदोषः पातस्पर्शः $\frac{१३}{९}$ *
१४	श	१९	२०		ज्ये	३९	२४		शु	४०	४९		व	१९	२०	२४	७	५३	२१	३१	१२	ध. ३९।२४	भ. १९।२० उ. ४१।१९ या.
१५	र	६	१७		मू	३१	४१		शु	२९	५१		ब	६	१७	२४	७	५३	२२	१	१३	धनुषि	आर्द्रा.रविः०।४४ (सौरः १६।४८) रा.+

९पं.ज्ये.शु. १२.इ.५२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१०	२	७	०	१
२४	२९	१२	२७	२८	११	३	२३
७	१	७	३०	१४	५३	४३	५६
१२	५२	४१	७	५६	२८	५०	१७
५७	१९	०	५	७२	२९	३	५७
२२	ब	४२	२८	५	ब	११	५

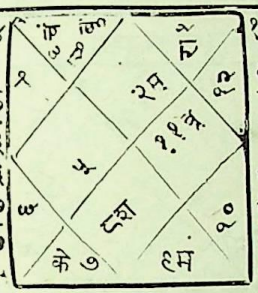

१०पं.ज्ये.शु.८र. इ.५३।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	३	७	०	२
०	२८	२३	२८	६	११	३	०
२८	४२	४	९	३०	२४	२१	३५
३५	२०	१५	४	१४	२२	३४	२६
१७	५३	८७	४	७१	१०	३	५६
१७	ब	१	२३	४४	ब	११	५७

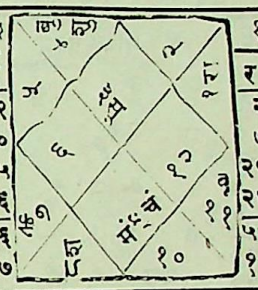

११पं.ज्ये.शु.१५र.इ.$\frac{५२}{३०}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	३	१०	३	७	०	२
७	२७	२	२८	१४	१०	२	७
२९	४८	२७	३९	४१	५७	५९	१३
२४	२२	५	३६	४६	७	१९	५३
५७	१९	४२	३	७१	५३	३	५६
१३	ब	२१	१८	२२	ब	११	५४

ति. आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | वर्षर्तूर्रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	र	५०	११		०	०	०		०	०	०		०	०	०		०	०	०		०			
२	चं	४७	३२		पू	२४	३०		ब्र	१९	४४		तै	२१	५९	३४	५	६	२३	२	१४	म. ३७।५९	मकरे	पुष्ये बुधः ३३।४८
३	मं	३८	४६		उ	१८	२५		ऐं	१०	१४		व	१३	३९	२४	७	५३	२४	३	१५	मकरे		भ. १३।३९ उ. ३९।४६या. आश्लेषा*
४	बु	३३	५८		श्र	१४	८		वै	९	५३		ब	६	५२	२४	७	५३	२५	४	१६	कु. ४२।३२		*शुक्रः ३१।५४ चतुर्थी व्र.
५	बृ	२९	५९		ध	११	८		प्री	५०	१७		को	१	५८	२३	७	५३	२६	५	१७	कुंभे		
६	शु	२८	२०		श	१०	३२		आ	४६	५५		व	२८	२०	२३	७	५३	२७	६	१८	मी ५६।४७		भ. २८।२० उ. ५८।५६ या.
७	श	२८	३२		पू	१२	१३		सो	४५	९		ब	२८	३२	२३	७	५३	२८	७	१९	मीने		वक्री पूषाः भौमः ३१।३५
८	र	३०	५४		उ	१५	४२		शो	४६	११		को	३०	५४	२२	८	५२	२९	८	२०	मीने		
९	चं	३४	५८		रे	२०	४६		अ	४५	५२		तै	२	५६	२२	८	५२	३०	९	२१	मे. २०।४६	मेषे	
१०	मं	४०	५		अ	२७	४		सु	४७	५०		व	७	३१	२१	८	५२	१	१०	२२	मेषे		भ. ७।३१ उ. ४०।५या. जौलाई ७ ता. ३१
११	बु	४६	८		भ	३४	२८		धृ	५०	१२		ब	१३	७	२०	८	५२	२	११	२३	वृ ५०।५०		योगिनी ११ व्र.
१२	गु	५२	१९		कृ	४१	५७		शू	५३	४६		को	१९	१३	१९	८	५२	३	१२	२४	वृषे		
१३	शु	५८	३२		रो	४९	४५		गं	५५	२१		ग	२५	२६	१८	८	५२	४	१३	२५	वृषे		भ. ५८।३२ उ. प्रदोषः
१४	श	६०	०		मृ	५६	५९		बृ	५७	३२		वि	३१	२६	१७	९	५१	५	१४	२६	मि २३।२२		भ. ३१।२६ या. पुन. रविः ५९।४०
१४	र	४	२०		आ	६०	०		धु	५९	२९		श	४	२०	१५	९	५१	६	१५	२७	मिथुने		पुन. रविः (सौरः $\frac{३०}{४९}$) मघा.सिंहे शुक्रः $\frac{७}{५}$
३०	चं	९	४३		आ	३	४६		व्य	६०	०		ना	९	४३	१४	९	५१	७	१६	२८	क. ५३।१७		वक्री बुधः ५७।२६ सोमवती ३०

१२पं.आ.कृ.८र इ ५२।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	३	१०	३	७	०	२
१४	२६	८	२९	२२	१०	२	१३
९	२९	५७	१	४९	३२	३७	५१
५०	२०	४०	५२	५५	२	३	५८
५७	५५	२१	१	७०	३३	३	५६
७	ब	२५	५२	३३	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५ सोम वार और सोमवती अमावस्या धान्यादि में मंदी एवं वर्षा कारक है। सुदी में रस तेज हो।

गोचरग्रहाः

१३पं.आ.कृ.१४र.इ.५२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	३	१०	४	७	०	२
२०	२४	१२	२५	०	१०	२	२०
५०	५५	७	१४	५२	१०	१४	२९
१०	१६	५५	३८	४४	५५	४७	५२
५७	८०	४	०	६९	४९	३	५६
७	ब	३	४०	५६	ब	११	५०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by ...

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं०२०४३ शाकः१९०८	दि	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४८४२स.१९८६
१	मं १३ ५८ पु ९ ४७ व्या ० ३९ ब १३ ५८	३४/१३	५/९	६/१	८	१७	२९	कर्के	चंद्रदर्शनम्
२	बु १७ ३३ पु १४ ४७ ह १ १४ कौ १७ ३३	११	१०	५०	९	१८	१	कर्के	रथयात्रा जिल्काद ११
३	गु २० ४ श्ले १९ ६ द १ १२ ग २० ४	१०	१०	५०	१०	१९	२	सिं१९।६	भ. ५०/४९ उ. वक्री गुरुः ३९/२२ वक्री अनु.*
४	शु २१ २८ म २२ १४ सि ५/५३ वि २१ २८	८	१०	५०	११	२०	३	सिंहे	भ. २१।२८ या. * २ शनिः ३५/३१
५	श २१ ५० पू २४ १९ व ५५ ३७ वा २१ ५०	७	११	४९	१२	२१	४	क.३९।२१	
६	र २१ ११ उ २५ १४ प ५२ ९ तै २१ ११	५	११	४९	१३	२२	५	कन्यायां	
७	चं १८ ५५ ह २४ ४५ शि ४७ ८ व १८ ५५	४	११	४९	१४	२३	६	तु.५३।३२	भ. १५/५८ उ. ४७/१२ या. बुधास्तः पश्चिमायां ४९/१५
८	मं १५ २८ चि २२ १९ सि ४१ २० ब १५ २८	२	१२	४८	१५	२४	७	तुलायां	
९	बु १० ५८ स्वा २० २८ सा ३४ ३२ कौ १० ५८	०	१२	४८	१६	२५	८	तुलायां	कर्केऽर्कः २९।४ (सौरः५३।३३)
१०	गु ५ ५९ वि १६ २३ शु २६ ४९ ग ५ ५९	३३/५८	१२	४८	१७	२६	९	वृ.२।२४	भ. ३३/२ उ. ५८/५५ या. पूफा. शुक्रः ५३/१९ देवशय ≡
११	गु ५२ ६ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	८	०	≡११ ब्र. स्मा.
१२	शु ४९ १५ अ ११ १३ शु १८ १० ब २३ ५९	५६	१३	४७	१८	२७	१०	वृश्चिके	देव शयनी ११ ब्र. वै.
१३	श ४१ १७ ज्ये ५७/२२ ३३/२१ न ५२/५८ ५९/४० कौ १५ ३५	५१	१३	४७	१९	२८	११	ध.५।७	पुष्ये रविः ५८।२१ प्रदोषः
१४	र ३२ १९ पू ५१ ३५ वै ४८ ५७ ग ६ ४४	५२	१४	४६	२०	२९	१२	धनुषि	३२।१३उ. ५५/७३ या. पुष्येरविः सौरः २४/१४ ×
१५	चं २३ ३२ उ ४५ १२ वि ३९ १६ ब २३ ३२	५०	१४	४६	२१	३०	१३	म.४।५९	व्यास पूजा × वायु परीक्षा

१४पं.आ.शु.६र.इ.५२।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	१	१०	४	७	०	२
२७	२३	११	२९	८	९	१	२७
३०	१७	४८	१७	५१	५२	५२	७
२२	२	४०	३५	२९	४१	३२	५९
५७	१७	२४/५९	०/३४	६९	१२	३	५६
११	ब	ब	ब्र	५	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

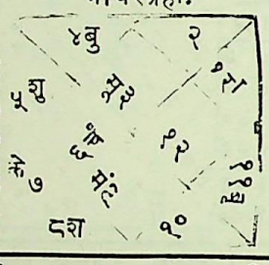

आ. शु. ९ बुधे कर्केऽर्कः प्र. वा. ४ न. ६ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शु. प.

गोचरग्रहाः

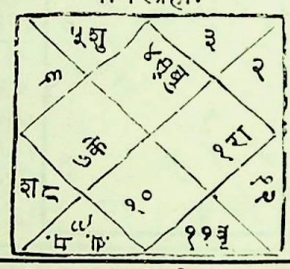

१५पं.आ.शु. १४र.इ. ५२/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	१०	४	७	०	३
४	२१	८	२९	१६	९	१	३
११	४२	१७	११	४३	२८	३०	४६
१७	३२	२	२८	१९	५३	१६	२६
५७	२५	४९/४०	५/८	६८	४/३	३	५६
१५	ब	ब्र	ब	८	ब्र	११	५७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं.२०४३ शाकः१९०८	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणे आष ढ़ कृ. महाराष्ट्राः
१	म १५ ३० श्र ३९ ४४ धी ३० २६ कौ १५ ३०	३३/४७	५/१२	६/४५	२२	३१	१४	मकरे	
२	बु ८ ५१ ध ३५ ४६ आ २३ ३४ ग ८ ५१	४५	१५	४५	२३	१	१५	कु.७।४५	भ. ३६।१८उ. रा. श्रावणारम्भः
३	गु ३ ४६ श ३३ २५ सौ १६ २ वि ३ ४६	४२	१६	४४	२४	२	१६	कुम्भे	भ. ३।४६ या. चतुर्थी ब्र.
४	शु ० ४० पू ३३ १७ शो ११ १४ वा ० ४०	४०	१६	४४	२५	३	१७	मी१८।१९	नाग ५ मरुस्थले
५	शु ५९ ४ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	≡मार्गी बुधः ५७।११ प्रदोषः
६	श ६० ० उ ३५ ९ अ ७ ५५ ग ३० १६	३७	१७	४३	२६	४	१८	मीने	*अगस्त ८ता. ३१कामिका११ब्र.
६	र ० ५५ रे ३९ १० सु ६ २९ व ० ५५	३५	१७	४३	२७	५	१९	मे. ३९।१०	भ. ०।५५ उ. ३२।३८या.
७	चं ४ २० अ ४४ ३२ धृ ६ २९ ब ४ २०	३२	१८	४२	२८	६	२०	मेषे	वक्री पुन. बुधः २१।४१
८	मं ८ ४७ भ ५१ २६ शु ७ ३२ कौ ८ ४७	२९	१८	४२	२९	७	२१	मेषे	उफा. शुक्रः ५०।१३
९	बु १४ ५१ कृ ५८ ४२ गं ९ ४४ ग १४ ५१	२६	१९	४१	३०	८	२२	वृ.८।१५	भ. ४७।४८उ.
१०	गु २० ४६ रो ६० ० बृ १२ ५ वि २० ४६	२४	१९	४१	३१	९	२३	वृषे	भ. २०।४६ या. मार्गी भौमः ५१।४७
११	शु २७ २ रो ६ २७ ध्रु १४ ४९ वा २७ २	२१	२०	४०	१	१०	२४	मि४०।७	कन्यायाँ शुक्रः ५७/२ बुधोदयः पूर्वस्यां १५/३९ *
१२	श ३२ ५२ मृ १३ ४६ व्या १७ ४ तै ३२ ५२	१८	२०	४०	२	११	२५	मिथुने	आश्ले. रविः ५५।२२
१३	र ३८ ४ आ २० ४६ ह १९ ० ग ५ २८	१५	२१	३९	३	१२	२६	मिथुने	भ. ३८।४उ. आश्ले. रविः सौरः २५।१≡
१४	चं ४१ ४९ पु २६ ३३ व २० १ वि ९ ५६	१२	२२	३८	४	१३	२७	क.१०।४	भ. ९।५६ या.
३	मं ४४ ३८ पु ३१ ७ सि २० १३ च १३ १३	९	२२	३८	५	१४	२८	कर्के	हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ ६र.इ.५१।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	१०	४	७	०	३
१०	२०	३	२८	२४	९	१	१०
५२	२५	३९	५५	२७	२९	८	२५
१९	१९	०	५८	४८	४६	१	४३
५७	५८/२	३८/२९	३/१८	६६	५७	३	५७
२०	ब्र	ब्र	ब	५८	ब	११	५

गोचरग्रहाः

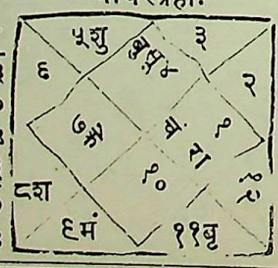

इस मासमें ५ मंगलवार नेष्ट है प्रजामें पीड़ा वर्षा में कमी हो सुदी में रुई चांदीधान्य सोना मन्दा हो

गोचर ग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ.१३श.इ.५९/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	१०	५	७	०	३
१७	१९	२	२८	२	९	०	१७
३४	३५	२	३०	५	२५	४५	५
१	३५	४२	४०	२०	३०	४५	३१
५७	२७/मा	४३/ब्र	१९/ब्र	६५/३२	०/ब्र	३/११	५७/१२
२५							

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्ल पक्षः सं.२०४३ शाकः१९०८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः वर्षतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४८७१ स.१९८६

१	बु	४६	५	श्ले	३४	३६	व्य	१९	३०	कं	१५	२२	३ ६	८ ३	५ ३७	६	१५	२९	सिं	२४	३६	मार्गी शनिः २१।७		
२	गु	४६	२४	म	३६	५९	व	१७	५२	मा	१६	१५	३	२	३ ३७	७	१६	३०	सिंहे			सिंधारा चन्द्रदर्शनम्		
३	शु	४५	५०	पू	३८	१७	प	१५	२३	तै	१६	७	०	२४	३६	८	१७	१	क.	५३	२०	पुष्ये बुधः ३०।१०तीज जिल्हेज १२		
४	श	४४	१	उ	३८	३०	शि	१२	१	व	१४	५६	३ ५	२ ५	२५	९	१८	२	कन्यायां			भ.१४।५६ उ. ४४।११या. वरद ४		
५	र	४१	३९	ह	३८	७	सि	७	५०	ब	१२	४९	५३	२५	३५	१०	१९	३	कन्यायां			नागपंचमी		
६	चं	३८	१६	चि	३६	५२	सा	१३	३ ५४	की	९	५७	५०	२६	३४	११	२०	४	तु.	७	२९	हस्ते शुक्रः २१।१०		
७	मं	३४	२२	स्वा	३४	४४	शु	५१	५०	ग	६	१९	४७	२७	३३	१२	२१	५	तुलायां			भ. ३४।२२ उ.		
८	बु	२९	५४	वि	३२	२	ब्र	४५	२५	वि	१	५९	४३	२७	३३	१३	२२	६	बृ.	१७	४३	भ. १।५९ या.		
९	गु	२४	१६	अ	२८	३८	ऐं	३८	१८	की	२४	१६	४०	२८	३२	१४	२३	७	वृश्चिके			÷केतुः १४।४४		
१०	शु	१८	१३	ज्ये	२४	३५	वै	३०	३८	ग	०८	१३	३६	२९	३१	१५	२४	८	ध.	२४	३५	भ. ४४।५२ उ.		
११	श	११	३१	मू	१९	५९	वि	२२	३३	वि	१२	३१	३३	२९	३१	१६	२५	९	धनुषि			भ. ११/१३ या मघा.सिंहेऽर्कः ४/५ पवित्रा ११व्र.		
१२	र	८	१९	पू	१४	५५	प्री	१४	३	वा	४	१९	२९	३०	३०	१७	२६	१०	म.	२८	३७	मघा.सिंहेऽर्कः सौरः २१।२८ प्रदोषः		
१३	र	५२	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	*कर्म रक्षाबन्धनम्		
१४	चं	५०	२१	उ	९	४६	आ	३ ५९	५१ ४३	ग	२३	४८	२६	३०	३०	१८	२७	११	मकरे			भ. ५/२१ उ. कुंभे राहुः चित्रा २ कन्या. ÷		
१५	पं	४४	१९	अ	४	५६	शो	४९	४६	वि	१७	२०	२२	३२	२९	१९	२८	१२	कुं	३३	१	भ. १७/२० या. आश्ले बुधः ३८/३४ श्रावणी*		

१८पं.श्रा.शु.५र.इ.५१।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	१०	५	७	०	३
२४	१९	५	२७	९	९	०	२३
१६	२२	२९	५८	२८	२५	२३	४६
२६	५५	३८	२३	३४	१९	२९	३८
५७	५	५४	२५	६३	२९	३	५७
३३	१	५९	ब	५२	मा	११	२२

गोचरग्रहाः

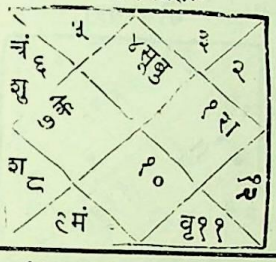

श्रा. शु. ११ शनौ सिंहेऽर्कः प्र. वा. ४न.५ कुमार्यावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शु. पश्चिमायाम।

गोचरग्रहाः

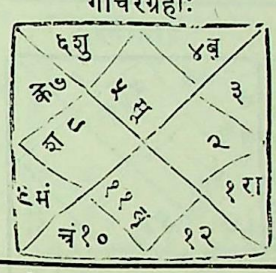

१९पं.श्रा.शु.१२र.इ.५/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	३	१०	५	७	०	४
०	१९	१३	२७	१६	९	०	०
५९	४७	४७	१८	४७	३०	१	२८
४०	४६	५६	१४	५६	११	१४	५१
५७	८	५६	२९	६१	१	३	५७
४०	२	२५	ब	५०	१३	११	३४

ति. भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं.२०४३ शाकः१९०८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः वर्षतुं रविर्दक्षिणे श्रावण कृ. महाराष्ट्राः

१	बु	३९	१६	ध	१७	५७	अ	४२	५९	वा	११	४८	३ १९	३ २	५ २८	६	२०	२९	१३	कुम्भे				
२	गु	३६	१	पू	५७	८	सु	३७	२०	तै	७	३८	१५	३३	२७	२१	३०	१४	मी	४२	२५			
३	शु	३४	२५	उ	५७	५०	धृ	३४	१०	च	५	१३	११	३४	२६	२२	३१	१५	मीने					
४	श	३४	४२	रे	६०	०	शू	३०	३२	ब	४	३४	८	३४	२६	२३	१	१६	मीने			भ. १३/५ उ. ३४/२५ या. वक्री भा. २ गुरुः ४/५५ च.व्र.		
५	र	३७	३	रे	०	२९	गं	२९	३४	की	५	५२	४	३५	२५	२४	२	१७	मे.	०	२९	बुधास्तः पूर्वस्यां ३/४ रा. भाद्रपदारंभः		
६	चं	४१	७	अ	४	५८	वृ	२९	३१	ग	९	५	०	३६	२४	२५	३	१८	मेषे			चित्रा. शुक्रः २३।२० चद्रषष्ठी		
७	मं	४६	३२	भ	१०	५८	ध्रु	३०	४७	वि	१३	४९	३१ ५६	३७	२३	२६	४	१९	वृ.	२७	४०	भ. ४१।७ उ.		
८	बु	५२	३१	कृ	१७	४९	ज्या	३२	४६	वा	१९	३१	५२	३८	२२	२७	५	२०	बृषे			भ. १३।४९ या. मघा. सिंहे बुधः ५८।११		
९	गु	४८	४३	रो	२५	२०	ह	३५	१४	तै	२५	३७	४८	३८	२२	२८	६	२१	मि.	५९	५	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी ब्र.		
१०	शु	६०	०	मृ	३२	५०	व	३७	४४	व	३१	४१	४४	३९	२१	२९	७	२२	मिथुने			गोगा ९		
१०	श	४	४१	आ	३९	५३	सि	३९	४१	वि	४	४१	४०	४०	२०	३०	८	२३	मिथुने			भ. ३१।४१ उ.		
११	र	९	५६	पु	४६	५७	व्य	४१	२	आ	९	५६	३६	४१	१९	३१	९	२४	क.	३०	११	भ. ४।४१ या. पूफा. रविः ३८।५४		
१२	चं	१३	४३	पु	५०	४२	व	४१	१६	तै	१३	४३	३२	४२	१८	१	१०	२५	कर्के			पूफा रवि.सौरः १२/२० तुलायां शुक्रः १९/५५ ×		
१३	मं	१६	१३	श्ले	५३	५७	प	४०	२२	व	१६	१३	२८	४२	१८	२	११	२६	सिं	५३	५७	सितम्बर ९ ता. ३० वत्स १२ प्रदोषः		
१४	बु	१७	५	म	५५	४०	शि	३८	२४	शु	१७	५	२५	४३	१७	३	१२	२७	सिंहे			भ. १६/१३ उ. ४६/३९ या. पूफा. बुधः ४१।५७*		
१५	गु	१६	१७	पू	५५	५८	सि	२५	०	ना	१६	१७	२१	४४	१६	४	१३	२८	सिंहे			*अनु. ३शनिः २९।३४		
																			कुशाग्रहरणी			×अजा ११व्र.		

२०पं.भा.कृ.५र.इ.५१।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	३	१०	५	७	११	४
७	२०	२५	२६	२३	९	२९	७
४४	३२	५८	३१	४७	३९	३८	१२
१७	२६	५९	५	२८	२९	५८	२२
५७	१२	५९	ब	५८	१	३	५७
४९	१	५९	ब	५४	५२	११	४५

गोचरग्रहाः

श्रावण कृष्ण चतुर्थी और पंचमी जोय। ग जे बरसे दमदमे यही जमाना होय।। रस तेज होगा।

गोचरग्रहाः

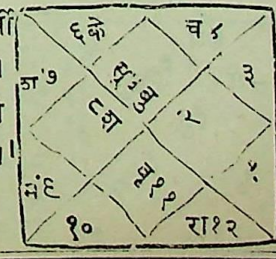

२१पं.भा.कृ ११ र.इ.५१।११

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	१०	६	७	११	४
१४	२१	९	२५	०	९	२९	१३
२९	५५	४३	३९	२९	५४	१६	५७
५६	२६	५५	२२	४६	१४	४३	३४
५८	१५	७	४०	५२	३	३	५७
१	११	७	ब	५५	३१	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by

ति.|भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं.२०४३शाकः १९०८|दि.|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः |शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९०१स.१९८६

१	शु	१४	१४	उ	५५	१३	सा	३०	४७	ब	१४	१४	३१/१७	४५	६/५	५	१४	२९	क.१०।४६	*हस्तेबुधः १६ अनंत १४ महलयारंभः
२	श	११	११	हु	५३	३३	शु	२५	४३	कौ	११	११	१३	४५	१५	६	१५	३०	कन्यायां	चन्द्र दर्शनम्
३	र	७	२३	चि	५०	५९	शु	१९	५२	ग	७	२३	९	४६	१४	७	१६	१	तु.२९।१६	भ.३५ उ.स्वात्यां शुक्रः ४२ हरितालिका+
४	चं	२	४७	स्वा	४८	१६	ब्र	१३	२२	वि	२	४७	५	४७	१३	८	१७	२	तुलायां	भ. २।४७या. ऋषि पन्चमी
५	चं	५५	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+३गणेश ४ मोहोरम१सन् १४०७हि.
६	मं	५३	१	वि	४५	१७	ऐं	७	२	कौ	२५	३२	१	४८	१२	९	१८	३	बृ.३१।२	उफा. बुधः ३८।२८
७	बु	४७	५७	अ	४२	४	वे	२९ ०	५३ २	ग	२०	२९	३५ ७	४९	११	१०	१९	४	बृश्चिके	भ.४७।५७ उ.
८	गु	४२	४९	ज्ये	३८	३७	पी	४६	२२	वि	१५	२३	५३	४९	११	११	२०	५	ध.३८।३७	भ.१५।२३या. कन्या. बुधः ३४।१८
९	शु	३७	३४	मू	३५	१३	आ	३९	२४	बा	१०	११	४८	५०	१०	१२	२१	६	धनुषि	
१०	श	३२	१६	पू	३१	५२	सौ	३२	१२	तै	४	४९	४४	५१	९	१३	२२	७	म.४६।२	भ. ५३ ९२ उ. उफा. रविः २३ १४ (सौरः ५६ ५८)
११	र	२६	४९	उ	२८	३१	शो	२५	१८	वि	२६	४९	४०	५२	८	१४	२३	८	मकरे	भ. २६।४९ या. जलझूलनी ११ ब्र.
१२	चं	२१	५१	श्र	२५	२८	अ	१८	२०	बा	२१	५१	३६	५३	७	१५	२४	९	कु.५४।८	वामन जयन्ती प्रदोषः
१३	मं	१७	२९	ध	२२	४९	सु	११	४५	तै	१७	२९	३२	५४	६	१६	२५	१०	कुम्भे	कन्यायामर्कः ४५ ५३ उषा. भौमः ११।५४
१४	बु	१३	३७	श	२०	५५	धृ	५	५३	व	१३	३७	२८	५४	६	१७	२६	११	कुम्भे	भ.१३ ७ उ.४२ ५ या.कन्यायाऽर्कः सौरः २२ ९*
१५	गु	११	१२	पू	२०	९	शु	४०	५६ ०	ब	११	१२	२४	५५	५	१८	२७	१२	मी५।२०	वक्री पूभा.१गुरुः ३१।९

२२पं.भा.शु.३र.इ.५२।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	१०	६	७	११	४
२१	२३	२३	२४	६	१०	२८	२०
१६	५०	१३	४४	४७	१२	५४	४४
५५	१०	५१	३५	३५	५४	२०	१४
५८	१८	८ ७	५३	५१	३	३	५८
१३	२४		ब्र	४६	११	११	१२

गोचरग्रहाः

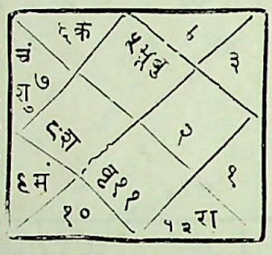

भाद्र. शु.१३भौमे कन्यायामर्कः प्र. वा. ४न.५प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

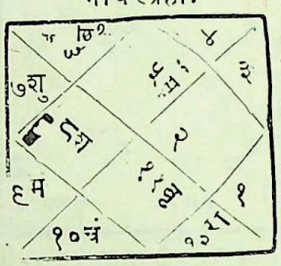

२३पं.भा.शु.११र.इ.५०/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	१०	६	७	११	४
२८	२६	५	२३	१२	१०	२८	२७
५	११	५४	४८	३५	३६	३२	२२
२४	१७	३६	५८	१७	७	११	३५
५८	२१	८ ०	५२	४६	३	३	५८
२६	१६	४७	ब्र	२०	५०	११	२९

ति.|आश्विन कृष्ण पक्षः सं.२०४३शाकः १९०८|दि.|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः |शरदृतूं रविर्दक्षिणे भाद्र.कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	९	५९	उ	२०	५०	बृ	५३	३३	कौ	९	५९	३० २०	५९	६ ४	१९	२८	१३	मीने	
२	श	१०	२०	रे	२१	५७	धु	५२	४	ग	१०	२०	१६	५७	३	२०	२९	१४	मे.२१।५७	भ. ४१।२८उ.
३	र	१२	३६	अ	२६	४१	व्या	५१	२२	वि	१२	३६	१२	५८	२	२१	३०	१५	मेषे	भ.१२।३६ या. बुधोदयः पश्चिमायां×
४	चं	१६	६	भ	३१	५२	ह	५२	०	ब्रा	१६	६	८	५८	२	२२	३१	१६	वृ.४८।२६	× ५९।१९ च. ब्र.
५	मं	२१	१३	कृ	३८	१०	व	५३	३०	तै	२१	१३	४	५९	१	२३	१	१७	वृषे	रा.आश्विनारम्भः
६	बु	२७	०	रो	४५	३०	सि	५५	४०	व	२७	०	३० ०	६०	० ०	२४	२	१८	वृषे	भ.२७।०उ.मकरे भौमः२३।१६विशा.÷
७	गु	३३	१४	मृ	५२	४६	ज्य	५८	०	वि	०	७	२९ ५५	६ ५९	५ ९	२५	३	१९	मि१९।१३	भ. ०।७या. चित्रा. बुधः ५।२१
८	शु	३९	३०	आ	६०	०	व	६०	०	बा	६	२२	५१	२	५८	२६	४	२०	मिथुने	÷ शुक्रः ५६।३९
९	श	४५	१	आ	०	२४	व	०	१७	तै	१२	१६	४७	३	५७	२७	५	२१	क५०।३४	हस्ते रविः १।४१(सौरः ३४ ९)मातृ ९
१०	र	४९	१७	पु	७	०	प	२	१	व	१७	९	४३	३	५७	२८	६	२२	कर्के	भ १७।९ उ.४९।१७या.
११	चं	५२	५	पु	१२	१८	शि	२	४४	ब	२०	४१	२८	४	५६	२९	७	२३	कर्के	तुलायां बुधः ३२।१८ इंदिरा ११ ब्र.
१२	मं	५२	५९	श्ले	१६	११	सि	२	२३	कौ	२२	३२	३४	५	५५	३०	८	२४	मि१६।११	
१३	बु	५२	५	म	१८	१३	सा	३८ ०	४८ ५९	ग	२२	३२	३०	६	५४	१	९	२५	सिंहे	भ.५२।५उ. अक्टूबर१०ता. ३१प्रदोषः
१४	शु	४९	२२	पू	१८	२३	शु	५२	४६	वि	२०	४३	२६	७	५३	२	०	२६	क.३३।१	भ.२०।४३या. शस्त्रादि हतानां श्रा.
३०	शु	४५	११	उ	१६	५८	च	४६	४४	च	१७	१६	२२	८	५२	३	११	२७	कन्यायां	सर्वपितृश्राद्धम्

२४पं.आ.कृ. ३र.इ.५०।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	१०	६	७	११	५
४	२८	१७	२२	१७	११	२८	४
५५	५९	४९	५४	४५	३	९	२२
१९	४२	५	४०	२५	०	५६	४२
५८	२३	८ ०	७	२९	४	३	५८
२८	४३	९	ब्र	१८	२९	११	४५

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ शुक्रवार शुभ हैं । बुध का उदय कहीं कहीं वर्षा करेगा । रुईचांदी सोना गेहूँ गुड़ मंदा होगा ।

गोचरग्रहाः

२५पं.आ.कृ.१०र.इ.५०/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	१०	६	७	११	५
११	२	२८	२२	२१	११	२७	११
४६	८	५४	३	२८	३३	४७	१४
५५	४६	७	४७	१	३२	४०	४३
५८	२६	९४	७	३०	४	३	५९
५३	३	४९	ब्र	१६	५६	११	०

Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गः स. ४९३० स. १९८६

१	श	४०	५१	ह	१४	१४	ऐं	३९	५८	क्वं	१३	१	२९	६	५२	४	१२	२८	तु.४।१४	स्वात्यां बुधः ७।५५ मातामहश्रा. नवरात्रा.
२	र	३३	३९	चि	१०	१४	वै	३२	२२	वा	७	१५	१८	९	५१	५	१३	२९	तुलायां	चन्द्र दर्शनम्
३	चं	२७	१६	स्वा	६	५८	वि	२४	२५	तै	०	२७	१०	१०	५०	६	१४	१	वृ.४८।१	भ. ५३।५७ उ. सफर २
४	मं	२०	३८	वि	२१	५५	मी	१६	१	वि	२०	३८	६	११	४९	७	१५	२	वृश्चिके	भ. २०।३८ या.
५	बु	१४	२७	ज्ये	५२	३१	आ	७	५६	वा	१४	२७	२	१२	४८	८	१६	३	ध.५२।३१	
६	गु	८	२९	मू	४८	४१	शो	१५	५३	तै	८	२९	२८	१२	४८	९	१७	४	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम्
७	शु	३	८	पू	४५	१९	अ	४५	३२	व	३	८	५४	१३	४७	१०	१८	५	म.५९।३९	भ. ३/८ उ. ३/४० या. चित्रा. रविः ३/४२ सरस्वतीपू.
८	शु	५५	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+खग्रासे चन्द्रग्रहणम्
९	श	५३	५५	उ	४२	४१	सु	३९	८	ब्रा	२६	४	५०	१४	४६	११	१९	६	मकरे	चित्रा. रविः सौरः ५।१५ बलिदानं
१०	र	५०	२२	श्र	४०	४१	धृ	३३	१	तै	२२	९	४६	१५	४५	१२	२०	७	मकरे	विजया १० सरस्वती विसर्जनम्
११	चं	४७	३४	ध	३९	३०	शु	२७	३३	व	१८	५८	४२	१६	४४	१३	२१	८	कु.१०।५	भ.१८।५८उ. ४७।३४या. विशा. बुधः×
१२	मं	४५	१७	श	३८	५७	गं	२२	३८	ब	१६	२५	३८	१६	४४	१४	२२	९	कुंभे	श्रवणे भौमः १९।११ वक्री.शुक्रः २५।२१
१३	बु	४३	२३	पू	३९	१३	वृ	१८	२२	को	१४	२०	३४	१७	४३	१५	२३	१०	मी २४।९	प्रदोषः ×५३।३१ पापांकुशा ११ ब्र.
१४	गु	४३	२४	उ	४०	४२	धु	१५	३	ग	१३	२३	३०	१८	४२	१६	२४	११	मीने	भ. ४३।२४ उ
१५	शु	४५	४२	रे	४३	१३	व्या	१२	२५	वि	१४	३३	२६	१९	४१	१७	२५	१२	मे.४३।१३	भ. १४/३ या. तुलायामर्कः १७/२८ (सौरः ४७/५८)+

२६पं.आ.शु.२र.इ.५०।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	६	१०	६	७	११	५
१८	५	९	२१	२५	१२	२७	१८
४०	२७	१३	१६	६	७	२५	८
८	१८	३७	२६	०	३७	२५	३१
५९	२८	८९	१६	१८	५	३	५९
९	११	४६	ब	३५	२२	११	१६

गोचरग्रहाः

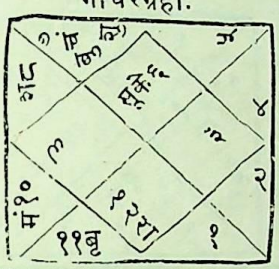

आ. शु. १५ शुक्रे तुलायामर्कः प्र. वा.४न ४ बाला वस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

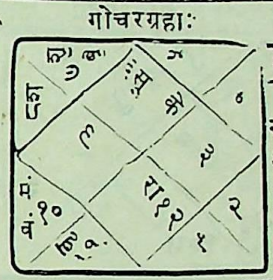

२७पं.आ.शु.१०र.इ.५०/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	६	१०	६	७	११	५
२५	९	१८	२०	२६	१२	२७	२५
४५	१६	३९	३८	४१	४४	३	४
१६	३०	५०	१०	४२	२२	९	१३
१९	२९	७६	१५/१४	४	७	३	५९
२१	२१	१	ब	८	४९	११	३१

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०४३ शाकः १९०८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः शरदृतुर्रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा

१	श	४८	१९	अ	४६	३९	ह	११	१०	वा	१७	१	२९	६	४०	१८	२६	१३	मेषे	अनु. ४ शनिः ४।१७
२	र	५२	१२	भ	५१	५१	व	१०	२०	तै	२०	१६	१८	२०	४०	१९	२७	१४	मेषे	
३	चं	५७	१७	कृ	५८	९	सि	१०	४४	व	२४	४४	१४	२१	३९	२०	२८	१५	वृ.८।२५	भ. २४/४४ उ. ५७/१७ या. रेव.३ राहुः चित्रा.१=
४	मं	६०	०	रो	६०	०	व्य	१२	१	ब	३०	७	१०	२२	३८	२१	२९	१६	वृषे	वक्री शत.४ गुरुः १६।३२ चतुर्थी ब्र.
४	बु	२	५८	रो	४	५६	व	१३	४७	वा	२	५८	६	२३	३७	२२	३०	१७	मि ३८।४४	वृश्चिके बुधः ५०।११
५	गु	९	१५	मृ	१२	३३	प	१६	३	तै	९	१५	२	२४	३६	२३	१	१८	मिथुने	स्वात्यां रविः ५९।३० रा कार्तिकारंभः
६	शु	१०	४७	आ	२०	९	शि	१८	२३	व	१५	४७	२७/५८	२४	३६	२४	२	१९	मिथुने	भ १५/४७ उ. ४८/४७ या. स्वात्यां रविः सौरः २८/५९
७	श	२१	४६	पु	२७	१९	सि	२०	३६	ब	२१	४६	५४	२५	३५	२५	३	२०	क.१०।३१	=केतुः ३/९
८	र	२६	४४	पु	३३	३५	सा	२२	७	को	२६	४४	५०	२६	३४	२६	४	२१	कर्के	अनु. बुधः ५६।५८
९	चं	३०	१६	श्ले	३८	३३	शु	२२	४०	ग	३०	१६	४६	२७	३३	२७	५	२२	सिं ३८।३३	*महालक्ष्मीपूजनम्
१०	म	३२	६	म	४१	३७	शु	२१	४४	व	१	११	४२	२८	३२	२८	६	२३	सिंहे	भ. १।११ उ. ३२।६ या.
११	बु	३१	४७	पू	४२	५३	च	१९	२४	ब	१	५६	३९	२८	३२	२९	७	२४	कं.५७।४०	शुक्रास्तः पश्चिमायां ३५/४८ रमा ११ ब्र.
१२	गु	२९	२६	उ	४२	०	ऐं	१५	२२	को	०	७	३५	२९	३१	३०	८	२५	कन्यायां	प्रदोषः धन १३
१३	शु	२५	१७	हू	३९	२७	वै	९	५५	च	२५	१७	३१	३०	३०	३१	९	२६	कन्यायां	भ. २५।१७ उ. ५२।१९ या. रूप १४
१४	श	१९	२०	चि	३५	१३	वि	५८	५१	श	१९	२०	२७	३१	२९	१	१०	२७	तु.७।२०	वक्री बुधः २७ नवम्बर ११ ता. ३०
३०	र	१२	५	स्वा	२९	४५	आ	४५	३९	ना	१८	५	२४	३१	२९	२	११	२८	तुलायां	अन्नकूट गोवर्द्धनपूजा

२८पं.का.कृ.२र.इ.५०।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	१०	६	७	११	६
२	१३	२६	२०	२६	१३	२६	२
३१	१२	५६	५	१४	२४	४०	१
३४	७	४२	५३	२८	४७	५३	४१
५९	३१	६१	५/५३	५२/२३	६	३	५९
३४	२४	४	ब	ब	१६	११	४६

२९पं.का.कृ.८र.इ.४९।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	१०	६	७	११	६
९	१७	३	१९	२४	१४	२६	९
२९	१८	१५	४२	२५	७	१८	१
४९	५८	३६	२६	५९/५३	४८/४४	६	१
५९	३२	३७	५३	ब	ब	३	६०
४०	३१	२२	ब		२९	११	२

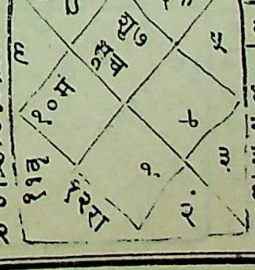

३०पं.का.कृ.३०र.इ.४९/४३

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	१०	६	७	११	६
१६	२१	५	१९	२८	१४	२५	१६
२९	२९	३७	३१	४२	५२	५६	२
३८	२	५२	१	१	५	२२	५
६०	३३	५८/५७	३५/३४	६	३	६०	
४	५२	ब	ब	ब	४४	११	१८

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०४३शाकः१९०८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९६०सं.१९८६

१	चं	४	१३	वि	२३	३५	सौ	३६	११	ब	४	१३	२७	६	५	३	१२	२९	वृ. १०।७
२	चं	५१	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	मं	४७	५४	अ	१७	१४	शो	२६	२३	ते	२१	५५	१६	३३	२७	४	१३	३०	बृश्चिके
४	बु	४०	१०	ज्ये	११	५	अ	१६	५०	व	१४	२	१३	३३	२७	५	१४	१	ध.११।५
५	गु	३३	२१	मू	५	२८	सु	७	५१	ब	६	४६	९	३४	२६	६	१५	२	धनुषि
६	शु	२७	२८	पू	४९	५६	श	५१	३४	कौ	०	२५	६	३५	२५	७	१६	३	म.१४।५०
७	श	२२	४३	श्र	५४	३४	ध	४४	५३	व	२२	४३	२	३६	२४	८	१७	४	मकरे
८	र	१९	११	ध	५३	११	वृ	३९	१६	ब	१९	११	२९	३६	२४	९	१८	५	कु.२३।५२
९	चं	१७	०	श	५३	८	ध्रु	३४	३४	कौ	१७	०	५६	२७	२३	१०	१९	६	कुम्भे
१०	मं	१५	५७	पू	५४	७	व्या	३०	५०	ग	१५	५७	५३	३७	२३	११	२०	७	मी३८।५३
११	बु	१६	५	उ	५६	२४	ह	२८	१	वि	१६	५	४९	३८	२२	१२	२१	८	मीने
१२	गु	१७	२२	रे	५९	५६	व	२६	११	वा	१७	२२	४६	३९	२१	१३	२२	९	मे.५९।५६
१३	शु	१९	४७	अ	६०	०	सि	२५	२०	ते	१९	४७	४३	३९	२१	१४	२३	१०	मेषे
१४	श	२३	१९	अ	४	२७	व्य	२५	१०	व	२३	१९	४०	४०	२०	१५	२४	११	मेषे
१५	र	२७	४३	भ	९	४०	व	२६	३४	द	२७	४३	३७	४१	१९	१६	२५	१२	वृ.२६।१६

वक्री स्वात्यां शुक्रः १।४५ भ्रातृ २

चन्द्रद. +गुरुः ३३।९ अक्षय ९
भ.१४।२ उ. ४० या. रविलावल ३
विशा.रविः १९३(सौरः४६२५)धनि.भौमः १९
बुधास्तः पश्चिमायां २९।३९
भ.४३ उ.५७ या.वक्री विशा. बुधः १७ २०
गोपाष्टमी
वक्री तुलायां बुधः २७।१ ९ मार्गी+
भ.४६।१उ. शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ३७ ४८
भ. १६।५या. प्रबोधिनी ११ ब्र.
प्रदोषः
वैकुण्ठ १४
भ.१९३ उ.५३१या.कुंभे भौमः ५९।४९
वृश्चिकेऽर्कः१५।१५ (सौरः ४०।४२)

३१पं.का शु.८र.इ.४९।३१

गोचरग्रहाः

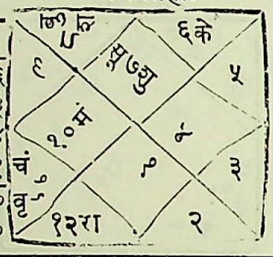

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	१०	६	७	११	६
२३	२५	०	१९	१६	१५	२५	२३
३०	५८	५३	२७	३०	३८	३४	४
५८	२३	१७	४३	३६	४२	७	४१
६०	३४	६४ ३५	७	३६ ३२	७	३	६०
१७	५२	ब	च	ब	२	११	३०

का.शु. १५ रवौ बृश्चिकेऽर्कः प्र. वा.३ न.४ बाला वस्था बैठी)मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

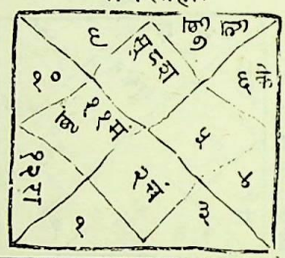

३२पं.का.शु.१५र.इ.४९ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	६	१०	६	७	११	७
०	०	२२	१९	१३	१६	२५	०
३३	२९	३०	३५	११	२६	११	८
४७	२८	४०	२	३५	३१	५१	४५
६०	३५	७१ २९	१०	२३ १९	७	३	६०
३०	४४	ब	मा	ब	१०	११	४०

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०४३शाकः१९०८ दि उ. अ. इ रा मु. चंद्रः हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	३३	२३	कृ	१६	७	प	२७	०	वा	०	३३	२६ ३४	४९	५ १९	१७	२६	१३	वृषे
२	म	३९	४	रो	२२	४८	शि	२८	२९	ते	६	१४	३१	४२	१८	१८	२७	१४	मि५६।३६
३	बु	४५	३७	मृ	३०	२३	सि	३०	४५	व	१२	२१	२९	४२	१८	१९	२८	१५	मिथुने
४	गु	५१	५९	आ	३७	५५	सा	३३	७	ब	१८	४८	२६	४३	१७	२०	२९	१६	मिथुने
५	शु	५८	१५	पु	४५	३१	शु	३५	२७	कौ	२५	७	२४	४३	१७	२१	३०	१७	क.२८।३७
६	श	६०	०	पु	५२	२४	शु	३७	१७	ग	३१	३	२१	४४	१६	२२	१	१८	कर्के
६	र	३	५४	श्ले	५८	२१	ब्र	३८	२८	व	३	५४	१९	४४	१६	२३	२	१९	सिं५८।२१
७	चं	८	१०	म	६०	०	ऐं	३८	४४	ब	८	१०	१६	४५	१५	२५	३	२०	सिंहे
८	मं	११	१	म	२	५२	वै	३७	४०	कौ	११	१	१३	४५	१५	२५	४	२१	सिंहे
९	बु	११	५९	पू	५	३८	वि	३५	७	ग	११	५९	११	४६	१४	२६	५	२२	क.२०।५१
१०	गु	१०	५६	उ	६	२९	प्री	३०	५६	वि	१०	५६	८	४६	१४	२७	६	२३	कन्यायां
११	शु	७	५३	ह	५	१९	आ	२५	८	वा	७	५३	६	४७	१३	२८	७	२४	तु.३३।४३
१२	श	२	४३	चि	२ ५५	५५ ९	सौ	१७	४७	ते	२	४३	३	४७	१३	२९	८	२५	तुलायां
१३	श	५३	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	र	४७	४६	वि	५०	५६	शो	५८	५० ५५	वि	२१	५२	१	४८	१२	३०	९	२६	बृ.३७।२८
३०	चं	३८	४०	अ	४३	३८	सु	४८	४२	च	१३	१३	३५ ९	४८	१२	१	१०	२७	बृश्चिके

अस्तं शनेः४८।३८
वक्री स्वात्यांबुधः ५५ ९ ज्येष्ठा.१शनिः४२ ११
भ.१२।२१उ.४५।३७ या.अनु. रविः÷ चतुर्थी ब्र.
÷१३४ ५५(सौरः५८ ३०) बुधोदयः पूर्वस्यां४।१६
मार्गी बुधः २३।५१ रा.मार्गशीर्षारंभः
भ. ३।५४उ. ३३।२ या. पातस्पर्शः*
* १३।१८ मोक्षः २८।१६
विशा. बुधः २६।०
भ. ४१।२७उ. शते भौमः २३।१४
भ. १०।५६या. पूभा. १ गुरुः१।४३≡
उत्पत्ति ११ ब्र.
भ. ५६।० उ. प्रदोषः
≡मार्गी शुक्रः १२।३२
भ. २१।५२ या.
दिसम्बर १२ता.३१ सोमवती३०

३३पं.मा.कृ.६र इ.४९।५

गोचरग्रहाः

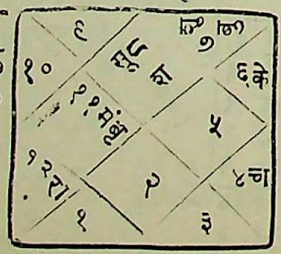

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	६	१०	६	७	११	७
७	५	१९	१९	११	१७	२४	७
३७	६	३०	५१	२९	१५	४४	१४
३७	१८	३६	३२	५६	२९	३५	१८
३०	३६	१९ २२	२४	६ ४९	७	३	६०
४२	२८	मा	३२	ब	१७	११	५३

इस मासमें सोमवती अमावस्या अनाज गल्ला रुई पाट वारदाना गुड़ खांड मंदा होकर सुदी में तेज होगा।

गोचरग्रहाः

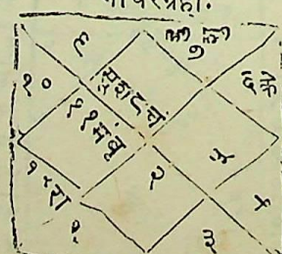

३४पं.मा.कृ.१४र.इ ५४ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	६	१०	६	७	११	७
१४	९	२४	२०	११	१८	२४	१४
४२	४६	२८	१७	४४	४	२७	२१
५४	२६	५९	५६	२	३७	२०	४
६०	३७	६२	४ १९	६	७	३	६१
५०	११	५७	४	मा	२०	११	३

Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४३शाकः १९०८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९८९स.१९८६

१	म	२९	१६	ज्ये	३६	१३	धृ	३७	५७	कं	३	५८	२५	४९	५	२	११	२८	ध.३६।१३	ज्येष्ठा. रविः ४४।२५
२	बु	१९	५५	मू	२८	४३	शू	२७	११	कौ	१९	५५	५५	४९	११	३	१२	२९	धनुषि	ज्येष्ठा.रविःसौरः ५।४० चन्द्रदर्शनम्
३	गु	११	१४	पू	२१	५९	गं	१६	५६	ग	११	१४	५३	४९	११	४	१३	१	म.३५।३२	भ.३७।२२ उ. रविलाखर ४
४	शु	३	३०	उ	१६	१०	वृ	७	५९	वि	३	३०	५१	५०	१०	५	१४	२	मकरे	भ.३०या.वृश्चिके बुधः२३।२पातस्पर्शः*
५	शु	५३	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*२७।१५मोक्षः५१।४०
६	श	५२	२०	श्र	११	४९	व्या	५१	४९	कौ	२४	४५	४९	५०	१०	६	१५	३	कु.४०।२७	चम्पा ६
७	र	४९	२३	ध	९	५	ह	४६	४	ग	२०	४५	४८	५०	१०	७	१६	४	कुम्भे	भ. ४९।२३ उ. अनु. बुधः ५१।३५
८	चं	४८	०	श	८	७	व	४१	४०	वि	१८	४५	४६	५१	९	८	१७	५	मी५३।२८	भ. १८।४५ या.
९	मं	४८	२५	पू	८	३५	सिं	३८	३५	वा	१८	१३	४५	५१	९	९	१८	६	मीने	
१०	बु	५०	१९	उ	१०	५०	व्य	३६	४६	तै	१९	२२	४४	५१	९	१०	१९	७	मीने	
११	गु	५३	४१	रे	१४	२३	व	३६	२	व	२२	३	४२	५२	८	११	२०	८	मे.१४।२३	भ. २३उ.५४या.मोक्षदा११ब्र.गीताजयंती
१२	शु	५७	५३	अ	१९	२२	प	३६	३०	ब	२५	४७	४१	५२	८	१२	२१	९	मेषे	
१३	श	६०	०	भ	२५	३०	शि	३७	७	कौ	३०	२८	४०	५२	८	१३	२२	१०	वृ.४२।१९	प्रदोषः
१३	र	३	३	कृ	३२	७	सि	३८	४६	तै	३	३	३९	५२	८	१४	२३	११	वृषे	÷भौमः ५२।२९ दत्तजदन्ती
१४	चं	९	१	रो	३९	११	सा	४०	३२	व	९	१	३८	५२	८	१५	२४	१२	वृषे	भ.९उ.४३या.मूलेधनुष्यर्कः५७ पूभा.÷
१५	मं	१५	७	मृ	४६	२६	शु	४२	५०	ब	१५	७	३८	५२	८	१६	२५	१३	मि १२।५५	मूले धनुष्यर्कःसौरः१९ज्ये.२शनिः५९

३५पं.मा.शु.७र.इ ४८।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	१०	६	७	११	७
२१	१४	३	२०	१३	१८	२४	२१
४८	३०	१५	५३	४७	५४	५	२८
५५	१४	५८	३५	४६	५०	४	४९
६०	३७	८०	५	२१	७	३	६१
५६	४९	५५	५	५६	२०	११	१९

गोचरग्रहाः

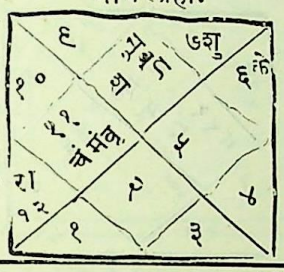

मा. शु.१४ चंद्रे धनुष्यर्कः प्र. वा. २ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु. पूर्व.

गोचरग्रहाः

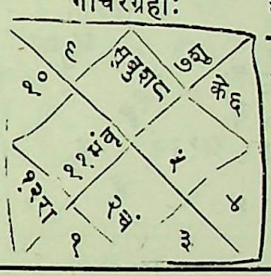

३६पं.मा.शु.१३र.इ४८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	१०	६	७	११	७
२८	१९	१३	२१	१७	१९	२३	२८
५५	१९	२०	३७	१९	४४	५२	३७
५२	२६	२०	४४	३७	१०	४९	३२
६१	३८	८९	६	३३	७	३	६१
०	२	९३	१५	१४	१९	११	१९

ति. पौष कृष्णपक्षः सं० २०४३ शाकः १९०८ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः हेमन्ततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महा.

१	बु	२१	३२	आ	५४	०	शु	४४	५५	कौ	२१	३२	३५	५३	६	५	१७	२६	१४	मिथुने	ज्ये. बुधः २।४६
२	गु	२७	५६	पु	६०	०	ब्र	४७	७	ग	२७	५६	३७	५३	७	१८	२७	१५	क.४४।३८	विशा. शुक्रः ४५।३५
३	शु	३३	५९	पु	१	३०	ऐं	४९	१३	व	०	५८	३७	५३	७	१९	२८	१६	कर्के	भ. ०।५८ उ. ३३।५९ या.
४	श	३९	२३	पु	८	३२	वै	५०	१९	ब	६	४१	३६	५३	७	२०	२९	१७	कर्के	बुधास्तः पूर्वस्यां २०।५५ चतुर्थी ब्र.
५	र	४०	५	श्ले	१४	४३	वि	५०	५९	को	११	४४	३६	५३	७	२१	३०	१८	सिं १४।४३	रेव.२राहुःहस्ते४केतुः५उदयंशनेः१४
६	चं	४७	२५	म	२०	७	वी	५०	४७	ग	१५	५०	३६	५३	७	२२	१	१९	सिंहे	भ. ४७।३५ उ. रा. पौषारम्भः
७	मं	४९	३३	पू	२३	५८	आ	४९	२७	त्रि	१८	३४	३६	५३	७	२३	२	२०	क.३९।३३	भ. १८।३४ या.
८	बु	४९	४४	उ	२६	२१	सौ	४६	४७	वा	१९	३८	३६	५३	७	२४	३	२१	कन्यायां	
९	गु	४८	१६	ह	२७	८	शो	४२	४३	तै	१९	०	३७	५३	७	२५	४	२२	तु.५६।३२	मूले धनुषि बुधः ५६।९
१०	शु	४४	५०	चि	२५	५६	अ	३७	४	व	१६	३३	३७	५३	७	२६	५	२३	तुलायां	भ. १६।३३ उ. ४४।५० या.
११	श	३९	२७	स्वा	२२	५५	सु	२९	४६	ब	१२	८	३७	५३	७	२७	६	२४	तुलायां	पूभा.२गुरुः३५।२१ सफला ११ ब्र.
१२	र	३२	३५	वि	१८	१	धृ	२१	२०	को	६	१	३८	५२	८	२८	७	२५	बृ.४।१४	पूषा. रविः ५६।३३
१३	चं	२४	१७	अ	११	५९	शू	११	४३	व	२४	१७	३८	५२	८	२९	८	२६	वृश्चिके	भ.१७उ. ४०या.पूषा.रविः१२ प्रदोषः
१४	मं	१५	२	ज्ये	४४	५३	गं	१६	४८	श	१५	२	३९	५२	८	३०	९	२७	ध.४।४४	मीने भौमः २४।४१
३०	बु	५	२१	पू	४८	५५	ध्रु	३९	१	ना	५	२१	४०	५२	८	३१	१०	२८	धनुषि	वृश्चिके शुक्रः ४२।१८

३७पं.पौ.कृ.५र.इ.४८।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	१०	६	७	११	८
६	२४	२३	२२	२२	२०	२३	५
३	७	५१	३०	६	३३	२०	४६
२९	८	४७	२५	१८	०	३३	५७
६१	३८	९८	७	४१	७	३	६१
४	१३	१३	१५	२८	११	११	२२

गोचरग्रहाः

धनु राशि गतो भानुः सुभिक्षं तत्र जायते । तिलं तैल महर्घ च कार्यादि तथैव च ॥ गुड़ बिनौला अलसी मंदी हो ।

गोचरग्रहाः

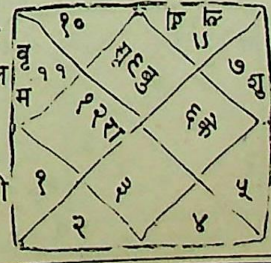

३८पं.पौ.कृ१२र.इ.४८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	१०	६	७	११	८
१३	२८	४	२३	२७	२१	२२	१२
११	५७	४०	३०	४०	२०	५८	५६
३१	४७	३७	७	४८	२५	१७	४९
६१	३८	९७	८	४७	७	३	६१
६	४१	५२	२०	५८	२	११	२६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त| पौष शुक्ल पक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८ |दि.|उ.|अ|इं.|रा.|मु.| चंद्रः |शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५०१९स१९८७

१	बु	५०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	४६	२९	उ	४१	४३	व्या	२७	५५	बा	२१	२	२५	५५	१	११	२९	म.२।७	
३	शु	३८	२६	श्र	३५	२६	ह	१८	२	तै	१२	२८	४१	५२	८	२	१	मकरे	
४	श	३१	५०	ध	३०	२६	व	८	५२	व	५	८	४२	५२	८	३	१३	२ कुं	२।५६
५	र	२७	१५	श	२७	२०	सि	१६	५४	बा	२७	१५	४३	५१	९	४	१४	३	कुम्भे
६	चं	२४	४०	पू	२६	११	व	५०	५१	तै	२४	४०	४४	५१	९	५	१५	४	मी११।२९
७	मं	२३	५८	उ	२७	१०	प	४८	७	व	२३	५८	४६	५१	९	६	१६	५	मीने
८	बु	२५	२१	रे	३०	८	शि	४६	४२	ब	२५	२१	४७	५१	९	७	१७	६	मे.३०।८
९	गु	२८	३१	अ	३४	४३	सि	४६	५९	कौ	२८	३१	४९	५०	१०	८	१८	७	मेषे
१०	शु	३२	५९	भ	४०	४४	सा	४७	४५	तै	०	४५	५०	५०	१०	९	१९	८	बृ.५७।१०
११	श	३८	३१	कृ	४६	३०	शु	४९	२६	व	५	४५	५२	५०	१०	१०	२०	९	बृषे
१२	र	४४	५३	रो	५४	४६	शु	५१	२८	व	११	४२	५४	४९	११	११	२१	१०	बृषे
१३	चं	५१	१७	मृ	६०	०	न	५३	३८	कौ	१८	५	५६	४९	११	१२	२२	११	मि२८।३६
१४	मं	५७	४७	मृ	२	२६	ऐं	५६	२२	ग	२४	३२	५८	४८	१२	१३	२३	१२	मिथुने
१५	बु	६०	०	आ	९	५८	वै	५७	५३	वि	३०	५२	२६	४८	१२	१४	२४	१३	मिथुने
१५	गु	३	५८	पु	१७	११	वि	५९	३५	ब	३	५८	३	४७	१३	१५	२५	४४	क.०।२३

जनवरी १ ता. ३१ चंद्रदर्शनम्
जमादिलावल ५
भ. ५८ उ. ३५० या. पुषा. बुधः २३३३
उभा. भौमः ३२८ अनु. शुक्रः १४२२

भ. २३।५८ उ. ५४।४० या.

भ. ४५५ उ. ३५१ या. पुत्रदा ११ व्र.
उषा. रविः १७ सौरः १२१९ उषा.बुधः ३५१६
प्रदोषः
भ. ५७।४७ उ. मकरे बुधः ३१।४१
भ. ३५२ या. मकरेऽर्कः १७४१ (सौरः २७४४)

३९पं.पौ.शु.५र.इ ४८।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	१०	७	७	११	८
२०	३	१५	२४	३	२२	२२	२०
१९	५०	४१	३६	४९	७	३६	६
२६	१०	२०	३६	५	५	२	४६
६१	३९	०८	९	५३	६	३	६१
६	१	५८	१२	१२	४५	११	२६

गोचरग्रहाः

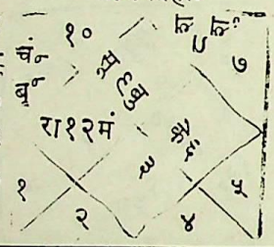

पौ. शु. १५ बुधे मकरेऽकं प्र वा.३ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शु.उ. पू

गोचरग्रहाः

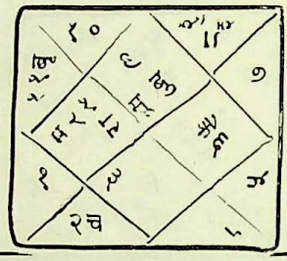

४०पं.पौ.शु.१२र.इ.४८।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	१०	७	७	११	८
२७	४	२७	२५	१०	२२	२२	२७
२७	४२	१	४८	३५	५१	१३	१६
४०	३६	५९	४३	३५	२९	४६	३८
६१	३९	०८	९	५८	६	३	६१
६	२१	५८	५०	२९	११	२४	

ति| माघ कृष्ण पक्षः सं.२०४३ शाकः १९०८ |दि.|उ.|अ|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	९	३८	पु	२३	५२	प्री	६०	०	कौ	९	३८	२९	५	४७	१	५३	१६	२९	१५	कर्के
२	श	१४	४१	श्ले	२९	४१	प्री	०	३८	ग	१४	४१	८	४९	४६	१४	१५	२७	१६	सिं	२९।४१
३	र	१८	४६	म	३४	५३	आ	१	४	वि	१८	४६	१०	४९	४६	१४	१८	२८	१७	सिंहे	
४	चं	२१	५५	पू	३९	०	सौ	५९	५४	बा	२१	५५	१२	४९	४६	१४	१९	२९	१८	क.	५४।४६
५	मं	२३	४३	उ	४२	२	अ	५७	५३	तै	२३	४३	१५	४५	४५	१५	२०	३०	१९	कन्यांया	
६	बु	२४	३३	ह	४३	४४	सु	५४	५६	व	२४	३३	१७	४५	४५	१५	२१	१	२०	कन्यायां	
७	गु	२३	५६	चि	४४	१९	धृ	५०	३७	ब	२३	५६	२०	४४	१६	२२	२	२१	तु.	१३।५८	
८	शु	२१	५३	स्वा	४२	५५	शू	४३	८	कौ	२१	५३	२२	४४	१६	२३	३	२२	तुलायां		
९	श	१८	१४	वि	४०	९	गं	३८	३३	ग	१८	१४	२५	४३	१७	२४	४	२३	बृ.	२५।५०	
१०	र	१३	१३	अ	३६	५	वृ	३०	३८	वि	१३	१३	२७	४३	१७	२५	५	२४	बृश्चिके		
११	चं	६	३९	ज्ये	३०	४४	ध्रु	२१	४३	बा	६	३९	३०	४२	१८	२६	६	२५	ध.	३०।४४	
१२	चं	५२	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
१३	मं	५०	३२	मू	२४	१८	व्या	११	५९	ग	२४	४७	३३	४१	१९	२७	७	२६	धनुषि		
१४	बु	४१	१६	पू	१७	१३	व	४१	२१	वि	१५	५४	३६	४१	१९	२८	८	२७	म.	३०।४३	
३०	गु	३२	११	उ	९	४९	सि	४०	३३	च	६	४४	३९	४०	२०	२९	९	२८	मकरे		

शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्राः
पूभा. ३ गुरुः २३३ ज्येष्ठा. ३शनिः २९।८
भ. ४६।४३उ. ज्येष्ठा. शुक्रः ४७।३४
भ. १८।४६ या. चतुर्थी व्र.
श्रवणे बुधः २४।११
अभि. प्र. रविः५०।२६ (सौरः५९।६)
भ. २४।३३उ.५४।१५या रा.माघारंभः

रेवत्यां भौमः२।१३पातस्पर्शः ४८।४४
भ ४५।४३उ.श्रवणे रविः६।४९(सौर-*
भ.१३३या अभि .नि.रविः सौरः ७।१९
षट्तिला ११ व्र.
*१५३)अभि.नि.रविः५९पातमोक्षः१।९
भ ५३२उ.धनि.बुधः२०।२९प्रदोषः
भ. १५।५४ या.

४१पं.मा.कृ.३र.इ.४८।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	१०	७	७	११	९
४	१३	८	२७	१७	२३	२१	४
३५	३५	३८	६	४०	३४	५१	२६
३१	२८	३१	२३	२६	३०	३१	७
६१	३९	०८	१०	५९	६	३	६१
३	३५	५७	४४	५८	१५	११	१९

गोचर ग्रहाः

इस मासमें ५शुक्रवार शुभ है धा. मंदा चांदी सोना सूत रुई तेज हो। गुड़ का वायदा मंदा रहे।

गोचरग्रहाः

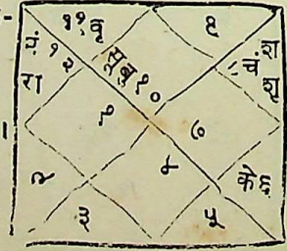

४२पं.मा.कृ.१०र.इ.४८।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	१०	७	७	११	९
११	१८	२०	२८	२५	२४	२१	११
४२	२९	३७	३०	४	१३	२९	३४
५८	२०	५९	४०	३०	५२	१५	५८
६०	३९	०८	११	६२	५	३	६१
५९	३३	५८	२०	१७	४८	११	१३

Digitized by S3 Foundation USA

ति.| माघ शुक्ल पक्षः सं० २०४३ शाकः१९०८ |दि.| उ.|अ.| इ.| रा.| मु.| चंद्रः |शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५०४८सं१९८७

१	शु	२३	३१	श्र	५८	५४	व्य	३०	४०	ब	२३	३१	२६	४०	५	३०	१०	२६	कु.३०।२५	मूले धनुषि शुक्रः १७।४५
२	श	१५	५६	श	५२	१०	व	२१	५२	कौ	१५	५६	४६	३६	२१	३१	११	३०	कुम्भे	कुंभे बुधः ११ बुधौ.पश्चि. २५ चंद्रदर्शनम्
३	र	१०	२	पू	४६	७	प	१४	१०	ग	१०	२	४६	३८	२२	१	१२	१	मी३४।५३	भ.३७ उ. फर्वरी ता.२८ जमादिलाखर६
४	चं	५	४५	उ	४८	२४	शि	७	५३	वि	५	४५	५२	३८	२२	२	१३	२	मीने	भ.५।४५या.पूभा. ४ मीनेगुरुः ५।५४
५	मं	३	४६	रे	४६	३८	सि	३	३७	वा	३	४६	५५	३७	२३	३	१४	३	मे. ४६।३८	वसंतपंचमी
६	बु	३	५०	अ	५२	५६	सा	१	४	तै	३	५०	५६	३६	२४	४	१५	४	मेषे	शते बुधः ६।१८ पातस्पर्शः ५२।२६
७	गु	६	६	भ	५७	५०	शु	०	६	व	६	६	२७	३६	२४	५	१६	५	मेषे	भ ६ उ. ३५ या. भानु ७ पातमोक्षः ४७
८	शु	१०	७	कृ	६०	०	शु	०	८	व	१०	७	६	३५	२५	६	१७	६	वृ. १४।२६	धनि. रविः१५।१०(सौरः ३५) भीष्माष्टमी
९	श	१५	२४	कृ	४	१२	न्न	१	३२	कौ	१५	२४	६	३४	२६	७	१८	७	वृषे	
१०	र	२१	४६	रो	११	३२	एं	३	३१	ग	२१	४६	१३	३३	२७	८	१९	८	मि४५।२१	भ. ५४।५८ उ.
११	चं	२८	११	मृ	१९	१०	वै	५	४७	वि	२८	११	१६	३३	२७	९	२०	९	मिथुने	भ. २८।११या. जया ११ व्र.
१२	मं	३४	४०	आ	२६	४५	वि	८	११	ब	१	२६	२०	३२	२८	१०	२१	१०	मिथुने	
१३	बु	४०	४६	पु	३३	५५	प्री	१०	११	कौ	७	४४	२४	३१	२९	११	२२	११	क १७।७	अश्वि.मेषेभौमः ३२५ पुषा शुक्रः ३२९ प्रदोषः
१४	गु	४६	५	पु	४०	३४	आ	११	४९	ग	१३	२७	२७	३१	२९	१२	२३	१२	कर्के	भ. ४६५ उ. कुंभेऽर्कः ५०२५ (सौरः ५४५१)
१५	शु	५०	९	श्ले	४६	२	मो	१२	३८	वि	१८	७	३१	३०	३०	१३	२४	१३	सि४६।२	भ. १८।७ या

४३पं.मा.शु. ३र.इ.४८।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	१०	८	७	११	९
१८	२३	२	२९	२	२४	२१	१८
४९	२१	४२	५६	४०	५१	६	४३
२६	३५	४०	२८	५५	२५	५९	१
६०	३९	०	११	६४	५	३	६१
२५	३५	५६	५९	१०	२०	११	४

गोचरग्रहाः

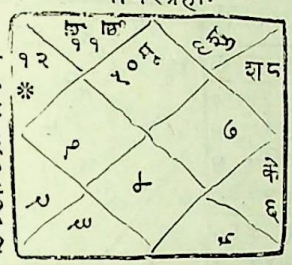

मा. शु. १४ गुरौ कृम्भेऽर्कः प्र. वा. २न.३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

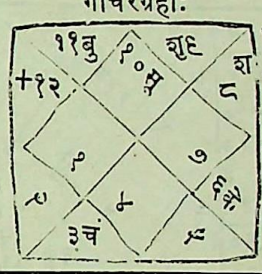

४४पं.मा.शु.१०र.इ.४८ २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	११	८	७	११	९
२५	२८	१३	१	१०	२५	२०	२५
५५	१२	३५	२७	२९	२५	४४	४९
१६	३२	३५	२५	२	१६	४४	४८
६०	३९	९३	१२	६५	४	३	६०
४७	५०	२६	२०	४३	५३	११	५५

ति| फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः१९०८ |दि.|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः |शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृ. महाराष्ट्राः

१	श	५३	२०	म	५०	३६	शो	१२	४६	ब्रा	२१	४५	२७	३६	५१	१४	२५	१४	सिहे	
२	र	५५	५७	पू	५४	०	अ	१२	७	तै	२४	३८	३८	२८	३२	१५	२६	१५	सिहे	पूभा. बुधः ३०।५४
३	चं	५६	४५	उ	५६	३२	सु	१०	२६	व	२६	२१	४२	२८	३२	१६	२७	१६	क.९।३८	भ. २६।२१ उ. ५६।४५ या.
४	मं	५६	४७	ह	५८	०	धृ	८	५	ब	२६	४६	४६	२७	३३	१७	२८	१७	कन्यायां	उभा. १ गुरुः २०।३९ च. व्र.
५	बु	५५	५२	चि	५८	२५	शू	४	५३	कौ	२६	१९	५०	२६	३४	१८	२९	१८	तु.२८।१२	वक्री बुधः ४५।२६
६	गु	५४	०	स्वा	५७	५८	गं	५९	५४ १२	ग	२४	५६	५४	२५	३५	१९	३०	१९	तुलायां	भ,५४।०उ.शतेरविः २६ (सौरः ३०)
७	शु	५०	५९	वि	५६	२२	ध्रु	५०	३७	वि	२९	२९	५८	२४	३६	२०	१	२०	वृ.४१।४६	भ.२२ या.बुधास्तःपश्चि.५५ रा.फाल्गुना.
८	श	४७	१३	अ	५४	५५	व्या	४४	१८	चा	१९	६	२९	२४	३६	२१	२	२१	बृश्चिके	वक्री शते बुधः ४९।३१
९	र	४२	१६	ज्ये	५०	२६	ह	३७	७	तै	१४	४४	६	२३	३७	२२	३	२२	ध.५०।२६	उषा.शुक्रः ५४७ रेवती १ राहुः हस्त ३ केतुः ५२७
१०	चं	३६	३१	मृ	४६	७	व	२९	१७	व	९	२३	१०	२२	३८	२३	४	२३	धनुषि	भ. ९।२३ उ. ३६।३१ या.
११	मं	२९	४६	पू	४०	५९	सि	२०	३६	ब	३	८	१४	२१	३९	२४	५	२४	म.५४।३१	विजया ११ व्र.
१२	बु	२२	२६	उ	३५	८	व्य	११	३९	तै	२२	२६	१८	२०	४०	२५	६	२५	मकरे	मकरे शुक्रः ५५।२५ प्रदोषः
१३	गु	१४	४३	५८	२९	१६	व	१७	५० ४८	च	१४	४३	२२	२०	४०	२६	७	२६	कुं५६।३५	भ.१४।४३उ.५० या. महाशिवरात्री व्र.
१४	शु	६	५८	ध	२३	५४	शि	४४	१२	श	६	५८	२६	१९	४१	२७	८	२७	कुम्भे	
३०	शु	५२	४९		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

५५पं.फा.कृ.२र.इ.४८।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	११	८	७	११	१०
३	३	२०	३	१८	२५	२०	२
०	३	९	०	२६	५५	२२	५१
४	२५	५४	२५	१७	१२	२८	५१
६०	३९	३३	१२	६७	४	३	६०
२७	३९	३२	४६	२३	२५	११	४२

गोचरग्रहाः

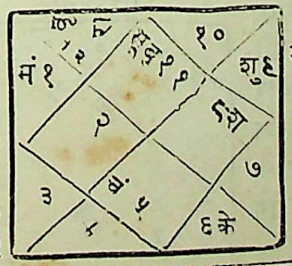

फा. शु.१४ शनौ मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी)मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.

गोचरग्रहाः

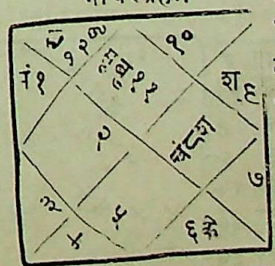

४६पं.फा.कृ.९ र.इ.४८।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	११	८	७	११	१०
१०	७	१९	४	२६	२६	२०	१०
३	५३	१४	३६	२९	२१	०	०
३२	२८	१३	३६	५३	३२	१३	२४
६०	३९	४६ ५७	१३	६८	३	३	६०
२५	४७	ब्र	१०	७	४४	११	३१

*राचंमं

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

+वृमंरा

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०४३शाकः १९०८ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः५.०७७स.१९८७

१	श	५३	३७	श	१८	५६	सिं	३६	१०	कं	२६	११	३०/३८	६/१८	५/४३	२८	९	२८	कुम्भे
२	र	४७	४७	पू	१५	१९	सा	२९	१७	वा	२०	४१	३४	१७	४३	१	१०	२९	मी १।७
३	चं	४५	४३	उ	१३	१	शु	२३	४६	तै	१६	४५	३८	१६	४४	२	११	१	मीने
४	मं	४४	४७	रे	१३	१४	शु	२०	४०	व	१५	१५	४२	१६	४४	३	१२	२	मे.१३।१४
५	बु	४५	५७	अ	१४	३७	व्र	१७	२८	ब	१५	२२	४६	१५	४५	४	१३	३	मेषे
६	गु	४८	५९	भ	१८	२२	ऐं	१७	०	कौ	१७	२८	५०	१४	४६	५	१४	४	वृ.३४।४१
७	शु	५३	२६	कृ	२३	४१	वै	१७	१५	ग	२१	१३	५४	१३	४७	६	१५	५	बृषे
८	श	५९	२८	रा	३०	२९	वि	१८	५९	वि	२६	२७	५८	१२	४८	७	१६	६	वृषे
९	र	६०	०	मृ	३७	४२	भी	२०	४८	बा	३२	३८	२९/३३	१२	४८	८	१७	७	मि४ ।५
१०	चं	५	४८	आ	४५	२३	आ	२३	१७	कौ	५	४८	६	११	४९	९	१८	८	मिथुने
११	मं	१२	१४	पु	५२	४७	सो	२५	२८	ग	१२	१४	१०	१०	१०	१०	१९	९	क.३५।५२
१२	बु	१८	१४	पु	५९	२५	शो	२७	१०	वि	१८	२४	१४	९	५१	११	२०	१०	कर्के
१३	गु	२३	२२	श्ले	६०	०	अ	२८	१८	बा	२३	२२	१९	८	५२	१२	२१	११	कर्के
१४	शु	२७	१५	श्ले	४	४५	सु	२८	१	तै	२७	१७	२३	७	५३	१३	२२	१२	सिं ४।४५
१५	श	२९	४८	म	९	०	धृ	२७	५	व	२९	४९	२७	७	५३	१४	२३	१३	सिंहे
१५	र	३१	२	पू	१२	४	शू	२५	२	वि	०	२५	३२	६	५४	१५	२४	१४	क.२७।३०

ज्येष्ठा. ४ शनिः ३१।४२
मार्च ३ ता.३१ चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
भरण्यां भौम. ४६।७ रज्जव ७
भ. १५/१५ उ. ४४/४७ या. उभा. २ गुरुः ४४/४४
पूभा. रविः ४२।५१ (सौरः ४५।०)

भ.५२/६३ उ. श्रवणे शुक्रः २३/३३ बुधो.पू.३४/४३
भ. २६।२७ या. होलाष्टकः

भ. ४५।१४ उ. वक्री धनि.बुधः३२।३४
भ. १८।१४ या. आमलकी ११ व्र.
प्रदोषः

*मार्गी बुधः २४/३७
भ. ३९/४९ उ. मीनेऽर्कः ४३/४८ (सौरः ४५/२०)*
भ. २५ या. शते बुधः १७/५५ होलिकादहनं

४७पं.फा.शु.२र.इ.४९।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	११	९	७	११	१०
१७	१२	१२	६	४	२६	१९	१७
५	४२	२४	१४	३८	४३	३७	३
४६	७	१	३८	४६	५५	५७	१५
६०	२९	६९/३७	१३	६९	३	३	६०
१२	५१	ब	२०	१	२	११	२०

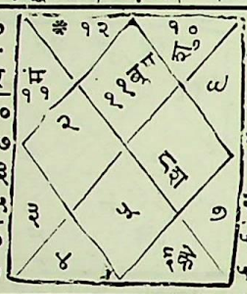

४८पं.फा.शु.९र.इ.४९।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	११	९	७	११	१०
२४	१७	७	७	१२	२७	१९	२४
६	३०	३६	५४	५०	१	१५	४
२९	५४	५४	२५	५३	२३	४१	३८
५९	३९	३३/७	१३	६९	२	३	६०
५८	५८	ब	३०	४७	२२	११	५

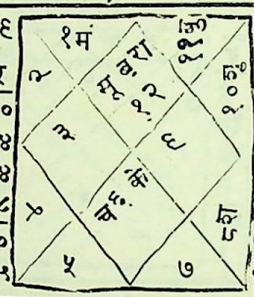

४९पं फा.शु१५र.इ.४९।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	११	९	७	११	११
१	२२	६	९	२१	२७	१८	१
५	१५	४७	३५	७	१४	५३	४
४२	११	२९	१७	३०	६	२६	२०
५९	४०	२८	१३	७०	१	३	५९
४१	७	मा	३२	२९	४१	११	४९

ति.| चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चंद्रः | बसंततूरविरुत्तरे फाल्गुन कृ.महाराष्ट्राः

१	चं	३०	४३	उ	१३	४४	गं	२१	४६	व्रा	०	२२	२९/३६	६/५५	५/५५	१६	२५	१५	कन्यायां
२	मं	२९	२६	ह	१३	५६	वृ	१७	४९	तै	०	४	४०	४	५६	१७	२६	१६	तु.४३।४०
३	बु	२७	६	चि	१३	२४	धु	१३	२	वि	२७	६	५४	३	५७	१८	२७	१७	तुलायां
४	गु	२३	५५	स्वा	१२	१०	व्या	७	४७	बा	२३	५५	४९	२	५८	१९	२८	१८	वृ.५५।३६
५	शु	२०	६	वि	१०	५	ह	५१/५१	५३/४९	तै	२०	६	५३	१	५९	२०	२९	१९	वृश्चिके
६	श	१६	९	अ	७	४५	सि	४९	१	व	१६	९	५७	१	५९	२१	३०	२०	वृश्चिके
७	र	११	३४	ज्ये	४	५५	व्य	४२	११	ब	११	३४	३०/१	९/०	०/०	२२	१	२१	ध.४।५५
८	चं	६	३६	मू	४७/१	२५/५९	व	३४	५७	कौ	६	३६	६	५/५९	१	२३	२	२२	धनुषि
९	मं	१	२७	उ	५४	१७	प	२७	२९	ग	१	२७	१०	५८	२	२४	३	२३	म. १२।१४
१०	मं	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८
११	बु	४९	५१	श्र	५०	१३	शि	१९	४७	ब	२१	४३	१४	५७	३	२५	४	२४	मकरे
१२	गु	४३	५६	ध	४६	७	सि	११	९	कौ	१६	५३	१८	५६	४	२६	५	२५	कु.१८।१०
१३	शु	३८	५	श	४२	३१	सा	३४/३४	५२/५९	ग	११	१	२३	५५	५	२७	६	२६	कुम्भे
१४	श	३३	०	पू	३९	२५	शु	५१	९	वि	५	३२	२७	५५	५	२८	७	२७	मी २४।५६
३०	र	२८	४४	उ	३७	२३	व्र	४५	२५	च	०	५२	३१	५४	६	२९	८	२८	मीने

वसंत १ छारेंडी
भ.५८/६३ उ. उभा.३ गुरुः ३९/४४ धनि.शुक्रः ४३/३७*
भ. २७/६९ या उभा.रविः ५४/५२ (सौरः ५५/५६) च व्र.

*अस्त गुरुः २४/३३
भ. १६।९ उ. ४३।५२ या
कृत्ति. भौमः १७।७ रा. चैत्रारंभः
कुम्भे शुक्रः १८।३९ शीतलापूजनम्
भ.२८।३१ उ. ५५।३५ या.

पापमोचनी ११ व्रतम् स्मा.
पापमोचनी ११ व्र. वै.
भ.३८।५उ. बृषे भौमः ११।११ प्रदोषः
भ. ५।३२ या. शते शुक्रः ५४।२
मन्वादिः

५०पं.चै.कृ.७र.इ ५०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	११	९	७	११	११
८	२७	१०	११	२९	२७	१८	८
३	१	४३	१७	२६	२१	३१	२
१८	५९	२६	६	१७	५८	१०	१५
५९	३९	३८	१३	७१	१	३	५९
२९	५४	५८	३८	१	१	११	३५

गोचरग्रहा

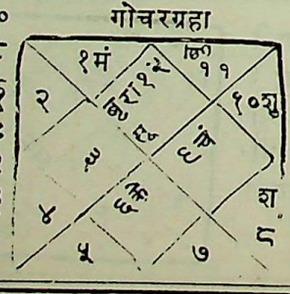

इस मासमें अमावस्या रविवार और होलीभी रविवार की होनेसे धान्यादि के बाजार में तेजी होगी। रोग पीड़ा हो।

गोचरग्रहाः

५१पं.चै.कृ.३०र.इ.५८।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	११	१०	७	११	११
१४	१	१७	१२	७	२७	१८	१४
५९	४६	२१	५८	४७	२५	८	५८
१३	८	४३	१२	२०	२७	५५	२२
५९	३९	६२	१३	७१	०	३	५९
१६	५८	१५	३८	३१	१४	११	१८

*राचबृ

Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०८८ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०८८ भोग्यकलिः ४२६९१२ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीरविक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४४ शाकः१९०९ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा चन्द्रः । मंत्री भौमः । सस्येशो गुरुः । धान्येशो बुधः । मेघेशो चन्द्रः । रसेशो शनिः । नीरसेशो गुरुः । फलेशोःरविः । धनेशो गुरुः । दुर्गेशो चन्द्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १४ विक्रमनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ८।८।११।३५ भोग्यमासादिः ३।२१।४८।२५ इन्द्रदैवतं युगम् । वर्षनामः भाद्रपदः मेघ नाग द्रोणः । रोहिणी निवासः पर्वते । समयनिवासो कुम्भकार गृहे । समय विश्वा १८ । समयवाहनं मृगः । स्तंभाः भयोन्न जलतृणानाम्ः । सोमवत्यमाः १ । सोमवती पंचमी ३ । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी २ । रवि-दशमी १ । समयमुहूर्ताः ३९० । समयदिनानि ३५३ । तिथिक्षयः १७ । तिथिवृद्धिः १० । उत्पत्तिविश्वा ९३ । खपति विश्वा ८४ । वर्षा विश्वा ७ । धान्यम् १३. तृणम् ५. शीतम् ९. तेजः ११ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यम् ९९ सत्यम् ॥ धर्मम् १॥ नाम् १८ शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहण २ सूर्यस्यः ।

सं.२०४४आश्विन कृ.३०बुध-खंडग्रास ग्रस्तोदयं सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.		
उज्ज.	घ.	५८	०	३		
मध्यम.	पल	३१	३४	१४		
रेल्वे टाइम	घं.	५	६	७		
	मि.	५१	४१	३७		

फा. शु १५ गुरुवार को रात्रि में रेल्वे ९॥ बजे अंगुल्याल्प चंद्रग्रहण होना संभव है और मानने योग्य नहीं है।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

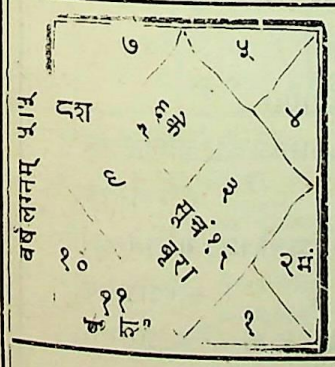

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

कर जोड़े भैरव खड़ा माता क दरबार ।
चौबालीस की साल का कहदो मुख से सार ॥

भवानी उत्तर

शशि राज़ा इस वर्ष में शुभफल कारक योग ।
मंत्रीपद कुज़ को मिला वढै द्वेष अरु रोग ॥
श्रावण में आगे चला रवि रथ से कुजराय ।
भाद्रव कृष्णा पाखलों वर्षा स्वल्प दिखाय ॥
सस्याधिप गुरु होण से सिद्ध होय सब क.ज़ ।
अन्नजल तृण के स्तंभ है धान्याधिप युवराज ॥
रोहिणी पर्वत में वसी ममय बसे घटकार ।
कहीं क पश्चिम देश में मांचे हाहाकार ॥
रजनी पति राजा भये ले दुर्ग मेघ अधिकार ।
राज प्रजा सुख से रहे होसी नैया पार ॥

सं.२०४४ चैत्र कृ.३०शुक्र. खंडग्रासंग्रस्तोदयंसूर्यग्रहणम्

		स्प.	म	मो.		
उज्ज.	घ.	५८	६०	१		
मध्यम	पल	९	२	४६		
रेल्वे टाइम	घं.	५	६	७		
	मि.	४३	२८	९		

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेशलग्नम् १।१७

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२५।० केतकीमतेन वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशाः २३।३९।४७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन्वर्षे राजाचन्द्रः फलम् ॥ चन्द्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूत बृष्टिः प्रचुरंचधान्यं सौख्यंजनानमुदयो नृपाणांप्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम् । मंत्री भौमस्तत्फलम् ॥ अवनिजोवनु मंत्रिपद गतो भवति दस्यु गदादिज वेदना । जनपदेषुजयं सुख संचयं न बहुगोषुपयो द्विजकर्म च ॥ सस्येशो गुरुः फलम् ॥ कणपतौ सुरराज पुरोहिते सफल सौख्यकरः श्रुति पूर्वकः ॥ जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि च ॥ धान्येशो बुधस्तत्फलम् ॥ बुधे धान्याधिपे मेघाजलं मुंचति वैभृशम् सैंधवे लाटदेशे च माधवोल्वं च वर्षानि ॥ मेघेशश्चन्द्रस्तत्फलम् ॥ शशिनितोपदये यदि गोमहिष्यजखरादिषुदुग्ध रसंतदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती नरुभामिनी ॥ रसेशः शनिः फलम् ॥ रविः सुते रसपे संचयो नजलदा गददाश्च पयोधराः । अजकवां गज वाजि खरोष्ट्र हा जनपदेषु नरानरसैर्युताः ॥ नीरसेशोगुरुः फलम् ॥ वस्तूनि गीत वस्त्रादिकञ्चयत् । नीरसेशो यदाजीवो सर्वेषां प्रीति स्तमाः फलेशोः रविः फलम् । द्रुमवती वर पुष्पवती धरा प्रमुदिताफल भोगविशोषिता । बहुजलं जलदोभुविमुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलयेरविः । धनेशोगुरुः फलम् ॥ सुमनसांचगुरुर्द्विणा धिपो वणिज बृत्तिपरा सुख भाजनाः । फलित् पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुविमानवाः दुर्गेश-इचन्द्रस्तत्फलम् ॥ गढ़पतिः शशलाञ्छनको यदा नृप सुराज्य विवासित पौरंजाः । बहु धनेसुज गोरस गोरस भोगिनो नरवरावर वर्णित विग्रहाः ॥ विक्रमनाम संवत्सररतत्फलम् ॥ विक्रमाब्दे धराधीशा विक्रमा क्रांतभूतयः । सर्वत्रसर्वदा मेघा मुचंति कामद जलम् ॥ वर्षनाम भाद्रपदस्तत्फलम् । अर्घं महर्घतां यांति धनधान्यं समं भवेत् । मघवावर्षति स्वच्छं संपदो भाद्रवर्षके । मेघनामः द्रोणः फलम् । द्रोणे वर्ष विसर्वदा । रोहिणीनिवासः पर्वते फलम् । पतेविंदुमात्रश्च ॥ समय निवासो कुंभकार गृहे फलम् । अनावृष्टिः प्रजापतौ । एवंसंचित्यदैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

सं० २०४४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख ज्येष्ठाषाढ मासेषु गोधूल्यां भौम ७।८ स्थित दोषः

वैशाख मासः ।

कृष्णे ५ शनौ मूले ल. १०।११ रे.६।।।।ऽनृऽऽ।ऽ दग्धा

,, ७ चंद्रे उषा.ल.अन्यगो.६।११रे.६ऽ।।।ऽचौ.ऽऽ।।

शुक्ले ६ गुरौ मघा.ल. गो. ६ रे.७।।।।ऽनृऽ।ऽ। गणितेन-क्रांति साम्याऽभावः

,, ११ शनौ उफा. ल. १० रे.८।।ऽ गु.शु.।।ऽ।।। पादवेधा द्वेधाऽभावः

,, १४ भौमे स्वा. ल. ११ रे. ७।ऽ।।ऽऽ।।

ज्येष्ठ मासः ।

कृष्णे १ गुरौ अनु. ल. गो. रे.६।।।।ऽऽशऽऽ।।

,, ११ शनौ रेव. ल. १०।११।१ रे ६।।ऽगु।ऽऽरो.ऽ।।

शुक्ले ६ बुधे मघा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः ११ रे.८।।।।।।ऽऽ।।

कुम्भे चं. ७ पूज्यः घटी ४७ या

,, ८ शुक्र उफा. ल. गो. १० रे.७।।।ऽगु।ऽअऽ।।।पादतो वेधाऽभावः

,, ११ चन्द्रे स्वा. ल. १ रे.९।।।।।।ऽ।।। चं. ७ पू.

,, १३ बुधे अनु. ल. १०।११ रे.८।।।।ऽ।।ऽ।।

आषाढ मासः ।

कृष्णे ९ शु. रेव. ल. १०।११।१ रे.६ऽ।।।ऽऽनृ।।।

शुक्ले ४ भौमे मघा. ल. ११।१ रे.८।।।।।।ऽऽ।।

,, ७ शुक्रे उफा. ल. अन्यगो रे.६।ऽ।।।ऽरोऽऽ।।

,, १० चंद्रे स्वा. ल. गो. रे.७।।।।ऽऽअऽ।।।

मार्गशीर्ष मासः ।

शु ५ बुधे उषा. ल. अन्यगो. रे.८।।।।।।ऽऽ।।

माघ मासः

,, १० गुरौ रोहि. ल. गो. रे.८।।।।।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांति-साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः ।

कृष्णे ४ रविौहस्ते ल.गो. रे.६।।।ऽशऽऽचौऽ।।.पादतोवेधाऽभावः

चैत्र मासः ।

कृष्णे २ शनौ हस्ते ल. गो रे.९।ऽ।।।।।।।

,, ४ चंद्रे स्वा.ल १०घ. ५४/५४उ. रे.७।।।।ऽ।।ऽऽ। गणितेनक्रांति साम्याभावः

,, ५ भौमे स्वा. ल. गो. रे.६।।।।ऽऽचौ.।ऽऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः

,, ६ बुधेः अनु. ल. १० घ. ५.६।२२ या. रे.८ऽऽ।।।।।।।

,, ७ गुरौ अनु. ल. अन्यगो. रे.७ऽऽ।।ऽरो।।।।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रीचैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९ दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५१०७स.१९८७

| | | |

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं.२०४४ शाकः १९०९ दि. उ. अ इं. रा. मु. चंद्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५१३७स.१९८७

१	बु	०	५८	भ	२	३	सौ	५६	५६	ब	०	५८	३२/३२	५/३०	६/३०	२९	९	३०	वृ.१८।५
२	गु	३	२५	कृ	६	१२	शो	५७	३८	को	३	२५	३६	२९	३१	३०	१०	१	बृषे
३	शु	७	१३	रो	११	४४	अ	५८	४५	ग	७	१३	४०	२८	२२	१	११	२	मि४४।५७
४	श	१२	१६	मृ	१८	१०	सु	६०	०	वि	१२	१६	४३	२७	३३	२	१२	३	मिथुने
५	र	१७	५९	आ	२५	३१	सु	०	५५	व	१७	५९	४७	२७	३३	३	१३	४	मिथुने
६	चं	२४	८	पु	३३	२	धृ	३	२३	तै	२४	८	५१	२६	३४	४	१४	५	क.१६।९
७	मं	३०	२५	पु	४०	३८	शू	५	५०	व	३०	२५	५४	२५	३५	५	१५	६	कर्के
८	बु	३५	५६	श्ले	४७	१४	गं	७	५१	वि	३	१०	५७	२५	३५	६	१६	७	सिं४७।१४
९	गु	४०	३२	म	५२	३४	बृ	९	६	बा	८	१४	३/१	२४	३६	७	१७	८	सिंहे
१०	शु	४१	२६	पू	५६	३३	ध्रु	९	२०	तै	११	५९	४	२३	३७	८	१८	९	सिंहे
११	श	४४	२४	उ	५८	२३	व्या	७	५८	व	१३	५५	७	२३	३७	९	१९	१०	क.१२।१
१२	र	४३	१९	ह	५८	२४	ह	५	११	व	१३	५२	१०	२२	३८	१०	२०	११	कन्यायां
१३	चं	४०	२५	चि	५६	४०	व	४/९	५४/१९	को	११	५२	१३	२१	३९	११	२१	१२	तु.२७।३२
१४	मं	३५	४९	स्वा	५३	१३	व्य	४७	५३	ग	८	३७	१६	२१	३९	१२	२२	१३	तुलायां
१५	बु	२९	४०	वि	४८	३३	व	३९	४८	वि	२	४४	१९	२०	४०	१३	२३	१४	वृ.३४।४३

चन्द दर्शनम्
परशुराम ज. रमजान ९
भ.३/४ ६/५ उ.रेवत्यांशुक्रः १/३ २/३ मृगे भौमः १/३ २/१+
भ. १२।१६ या.
भरण्यां बुधः ३।३५
+वक्री ज्येठा. २शनिः ५/३ अक्षया ३≡
भ. ३०।२५उ. ≡ मई५ ता.३१
भ. ३।१० या. पातस्पर्शः ४९।४३
पातमोक्षः २।१६
*बुधः ४/२ मिथुने भौमः २/७ प्रदोषः
भ. १/५ ३/५ उ. ४/२४ या. मोहिनी ११ ब्र.
कृत्ति. बुधः ६।५३
कृत्ति. रविः३२।५१(सौरः३७।१३)बृषे*
भ.३/४ ५/९ उ.अश्वि. मेषेशुक्रः १/३ ६/२ नृसिंह१४
भ २।४४ या. रेवती २ गुरुः २६।३३

४पं.वै.शु.७मं.इ.७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	११	११	७	११	०
२०	२५	१७	२१	२१	२६	१६	२०
२७	५४	४२	२९	२१	२९	१३	२४
३२	२२	०	४२	४०	३५	४८	२
५८	३९	२९	१२	७३	१/७७	३	५७
६	४३	५८	५०	१४	ब	११	५७

गोचरग्रहः

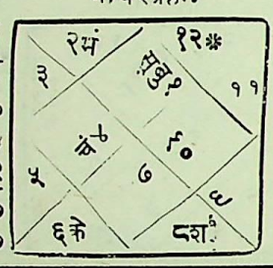

मुहुरत पंद्रह की लगी बृष राशि संक्रांति ।
सरसों गल्ला तेल तिल तेजी में दिन रात ।।

गोचरग्रहा

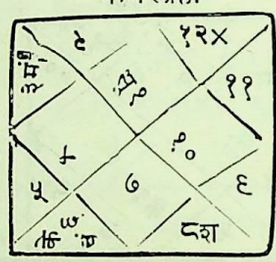

५पं.वै.शु१४म. इ.७।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	११	११	७	११	०
२७	०	२	२३	२९	२६	१५	२७
१३	३०	५९	३	४९	६	५१	९
३४	४३	४९	४०	५	२५	३२	१६
५७	३९	२९	१२	७३	४/९	३	५७
५४	३९	९/९	२६	२०	ब	११	४५

ति. ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं.२०४४ शाकः १९०९ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखा कृ. महाराष्ट्राः

१	गु	२२	३७	अ	४३	९	प	३०	७	को	२२	३७	३३/३३	५/२०	६/४०	१४	२४	१५	वृश्चिके
२	शु	१५	९	ज्ये	३७	३७	शि	२२	११	ग	१५	९	२५	१९	४१	१५	२५	१६	ध.३७।३७
३	श	७	१७	मू	३२	१	सि	१३	१९	वि	७	१७	२८	१८	४२	१६	२६	१७	धनुषि
४	श	५१	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	र	५२	५९	पू	२७	०	सा	३७/४	५९/५३	को	२५	५७	३०	१८	४२	१७	२७	१८	म.४०।५२
६	चं	४६	४७	उ	२२	३०	शु	४८	५९	ग	१९	५३	३३	१७	४३	१८	२८	१९	मकरे
७	मं	४१	२०	श्र	१८	४४	ब	४२	१	वि	१४	४	३६	१७	४३	१९	२९	२०	कु.४७।२२
८	बु	३५	५६	ध	१६	१	ऐं	३५	४०	बा	८	३८	३९	१६	४४	२०	३०	२१	कुम्भे
९	गु	३३	२५	श	१४	८	वै	२९	४१	तै	४	५९	४१	१६	४४	२१	३१	२२	मी५८।२६
१०	शु	३०	५७	पू	१३	१२	वि	२६	१७	व	२	११	४३	१५	४५	२२	१	२३	मीने
११	श	२९	२३	उ	१३	२५	प्री	२२	३३	ब	०	१०	४६	१५	४५	२३	२	२४	मीने
१२	र	२८	५६	रे	१४	३६	आ	१९	५१	तै	३८	५६	४८	१५	४६	२४	३	२५	मे.१४।३६
१३	चं	२९	४०	अ	१७	१	सौ	१८	५३	व	२९	४०	५०	११	४६	२५	४	२६	मेषे
१४	मं	३१	२३	भ	२०	१५	शो	१७	०	वि	०	३१	५२	११	४६	२६	५	२७	बृ ३६।२१
३०	बु	३४	२५	कृ	२४	४०	अ	१६	४७	च	२	५४	५४	१३	४७	२७	६	२८	वृषे

+ रोहि. बुधः ९।४१
भ.४१।१३उ वृषेऽर्कः०।६ (सौरः५।१)+
भ. ७।१७या. चतुर्थी ब्र.

भ.४/५ ६/७ उ. बुधोदयः पश्चिमायाँ १४।५७
भ. १४।४या.

मृगे बुधः ५३।५७आर्द्रा.भौमः ३२।१२
भ. २।११उ.३०।५७ या.रा.ज्येष्ठारंभः
भरण्यां शुक्रः २०।३१ अपरा ११ ब्र.
प्रदोषः ≡(सौरः ३१।१०)
भ. २९।४०उ. रोहि. रविः २३।४१≡
भ. ०।३१या मिथुने बुधः३।५६
वटसावित्री ब्र.

६पं.ज्ये.कृ.७म.इ.७।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	११	०	७	११	१
३	५	१७	२४	८	२५	१५	३
५८	४	५१	३३	१७	४०	२१	५२
२६	१९	७	३६	२०	४८	१६	१६
५७	३९	२९	१२	७३	५/९	३	५७
२४	४६	४४	८	३४	ब	११	३४

गोचरग्रहा:

ज्ये.कृ. २ शुक्रे वृषेऽर्कः प्र. वा. ४न.६प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. १५ घा.भावे महर्धता शुक्रो. पूर्वस्याम्

गोचरग्रहा:

७पं.ज्ये.कृ.१४मं.इ.७।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	११	०	७	११	१
१८	९	०	२६	१६	२५	१५	१०
४२	३८	६	१	४५	१२	७	३५
२५	६	३६	२६	४४	३६	१	७
५७	३९	०/९	११	७३	२/०	३	५७
३५	३५	१/४	२२	४६	ब	११	२३

*वृ.शु.रा. +रा.बृ. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×वृ शु.रा.

Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९ दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५१६६स१९८७

१	गु	३८	२४	रो	३०	४	सु	१७	२	कं	६	२४	३३ ५६	५ १३	४७	६
२	शु	४३	३४	मृ	३६	३५	धृ	१८	४४	वा	१०	५६	५८	१२	४८	२६
३	श	४६	१७	आ	४३	३५	शू	२०	३८	तै	१६	२५	३४	१२	४८	३०
४	र	५५	३५	पु	५१	१२	गं	२२	४६	व	२२	२६	२	१२	४८	३१
५	चं	६०	०	पु	५८	५३	वृ	२५	७	ब	२८	४०	४	११	४६	१
६	मं	१	४६	श्ले	६०	०	ध्रु	२८	६	वा	१	४६	६	११	४६	२
७	बु	७	८१	श्ले	६	१७	व्या	२६	५८	तै	७	४१	७	११	४६	३
८	गु	१२	३८	म	१२	३०	ह	३१	५	व	१२	३८	६	१०	५०	४
९	शु	१६	२३	पू	१७	३१	व	२०	५६	ब	१६	२३	१०	१०	५०	५
१०	श	१८	१६	उ	२०	५५	सि	२६	२६	कौ	१८	१६	१२	१०	५०	६
११	र	१८	१७	ह	२२	२२	व्य	२६	२६	ग	१८	१७	१२	६	५१	७
१२	चं	१६	१०	चि	२१	५२	ब	२१	३५	वि	१६	१०	१४	६	५१	८
१३	सं	१२	६	स्वा	१६	८	प	१५	१५	वा	१२	६	१६	६	५१	६
१४	बु	५	५८	वि	१४	४३	शि	७ १	५ १	तै	५	५८	१७	६	५१	१०
१५	बृ	५२	२०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०
१५	बृ	४६	४६	अ	८	५५	सा	४८	४८	वि	२४	२	१८	८	५२	११

१	७	५२	६	२४	३३ ५६	५ १३	४७	२८	७	२६	५	३०	मि	३।३२	रेवती. ४गुरुः २६।४५ चन्द्रदर्शनमू
२	८	५६	१०	५६	५८	१२	४८	२६	८	३०	६	१	नि	थुने	आर्द्रा. बुधः १८।२८ सव्वाल१०
३	९	५९	१४	३८	३४ ०	१२	४८	३०	९	१	७	२	क.	३४।१८	भ.२२।२६ उ. ५५।३५ या.
४	११	३	१८	२१	२	१२	४८	३१	१०	२	८	३	क	र्के	जून ६ ता. ३०
५	१२	७	२२	४०	४	११	४९	१	११	३	९	४	क	र्के	
६	१३	११	२६	५८	६	११	४९	२	१२	४	१०	५	सिं	६।१७	कृत्ति. शुक्रः १५।५३
७	१४	१५	३०	५	८	१०	५०	३	१३	५	११	६	सिं	हे	भ. १२।३८उ. ४४।३१या.
८	१५	१९	३४	१२	१०	१०	५०	४	१४	६	१२	७	क.	३३।२२	*(सौर:२९।५९) निर्जला ११व्र.
९	१७	२३	३८	१९	१२	१०	५०	५	१५	७	१३	८	क	न्यायां	वृषे शुक्रः ४।२६
१०	१८	२७	४२	२५	१४	९	५१	६	१६	८	१४	९	तु.	५।१७	भ. ४७।१३उ. गंगादशमी
११	२०	१	४६	३२	१६	९	५१	७	१७	९	१५	१०	तु	लायां	भ. १६।१० या. मृगे रविः १८।३७*
१२	२१	५	५०	३८	१८	९	५१	८	१८	१०	१६	११	तु	लाया	प्रदोषः
१३	२३	९	५४	४५	२०	९	५१	९	१९	११	१७	१२	वृ.	०।४९	भ. ५८।१८उ.
१४	२४	१३	५८	५१	२२	९	५१	१०	२०	१२	१८	१३		०	×भौमः८।१४गुर्जरा. वटसावित्रीपू.
१५	२६	१७	०	५८	२४	२	१८	८	५२	११	२१	१३	ब	श्चिके	भ. २४।२ या. पुन. बुधः ५५।५५पुन.

८पं.ज्ये.शु.५मं.इ.७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	११	०	७	११	१
१७	१४	१०	२७	२५	२४	१४	१७
२५	९	२४	२६	१६	४१	४४	१६
८	१८	५०	२०	१६	३५	४५	१३
५७	३९	७६	११	७३	३८	३	५७
२७	३२	१	१	५६	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

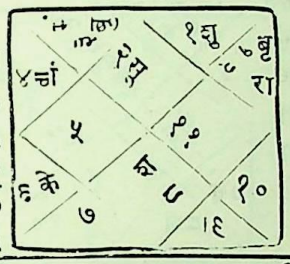

इस मासमें शुक्र वारको चंद्रदर्शन और सुदी १४का क्षय धान्य सोना चांदी लाल रंग कीं वस्तु तेज कहीं कहीं वर्षा हो।

गोचरग्रहाः

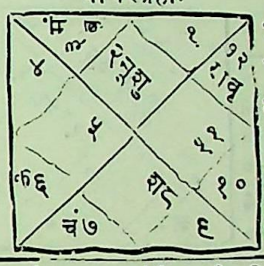

९पं.ज्ये.शु.१२मं.इ.७।५७

र	मं	शु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	११	१	७	११	१
२४	१८	१७	२८	३	२४	१४	२३
७	४०	५१	४४	४६	१०	२०	५६
१२	५९	२२	४२	२६	३७	३०	९
५७	३९	४५	१०	७४	४०	३	५७
२२	२५	५७	१५	२	ब	११	५

ति. आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९ | दि. उ. अ. इ. रा. मु | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	४०	३२	ज्ये	१०	२ ४७	शु	३८	३४	वा	१५	६	३४ १९	५ ८	५२	१२
२	श	३१	२०	पू	४७	५०	शु	२७	२९	तै	५	५६	२०	८	५२	१३
३	र	२२	२२	उ	४१	३२	व्र	१८	२६	वि	२२	२२	२१	८	५२	१४
४	चं	१३	४४	श्र	३१	४७	ऐं	९	१०	वा	१३	४४	२१	८	५२	१५
५	मं	७	१२	ध	३१	२७	वै	० ३६	५२ ३३	तै	७	१२	२२	८	५२	१६
६	बु	१	१९	श	२८	३१	प्री	४७	११	व	१	१९	२९	८	५२	१७
७	बु	५५	४०	०	०	०	०	०	८	०	०	८	०	०	०	०
८	गु	५४	२३	पू	२६	५३	आ	४१	२३	ब्रा	२५	४१	२३	७	५३	१८
९	शु	५३	२	उ	२६	५२	सौ	३८	३७	तै	२३	४३	२३	७	५३	१९
१०	श	५३	१७	रे	२८	१०	शो	३५	५८	व	२३	१०	२३	७	५३	२०
११	र	५४	४७	अ	३१	८	अ	३४	३४	ब	२४	२	२४	७	५३	२१
१२	चं	५७	२०	भ	३५	३	सु	३४	७	को	२६	४	२४	७	५३	२२
१३	मं	६०	०	कृ	४०	६	धृ	३४	३८	ग	२९	२१	२४	७	५३	२३
१३	बु	१	२२	रो	४५	५३	शू	३५	३५	व	१	२२	२४	७	५३	२४
१४	गु	५	५७	मृ	५२	३४	गं	३७	१६	श	५	५७	२४	७	५३	२५
२०	शु	१२	२३	आ	५९	७	वृ	३९	८	ना	१२	२३	२३	७	५३	२६

१	१२	२२	१४	ध.	२।१०											
२	१३	२३	१५	ध	नुषि	भ.५६।५१उ.										
३	१४	२४	१६	म.	१।१६	भ.२२।२२या रोहि.शुक्रः१६।० च.व्र.										
४	१५	२५	१७	म	करे	मिथुनेऽर्कः१७।१५ (सौरः ३०।४६)										
५	१६	२६	१८	कु.	३।३७	अश्वि. १ मेषे गुरुः १०।१७										
६	१७	२७	१९	कु	म्भे	भ. १।१९ उ. २९।९ या.										
७	०	०	०	०		*२शनिः ४०।२०										
८	१८	२८	२०	मी	१२।१७											
९	१९	२९	२१	मी	ने											
१०	२०	३०	२२	मे.	२८।१०	भ.२३।१०उ.५३।१७ या.वक्री ज्येष्ठा*										
११	२१	३१	२३	मे	षे	वक्री बुधः ८।२८ योगिती ११ व्र.										
१२	२२	१	२४	बृ.	५१।१९	आर्द्रा.रविः१६।७(सौरः३२।१९)रा.+										
१३	२३	२	२५	वृ	षे	प्रदोषः + आषाढ़ारम्भः										
१३	२४	३	२६	बृ	षे	भ. १।२२ उ. ३३।४०या.										
१४	२५	४	२७	मि	१९।१४	मृगे शुक्रः९।२८बुधास्तः पश्चिमायां १३ २										
२०	२६	५	२८	मि	थुने	कर्के भौमः ४९।५४										

१०पं.आ.कृ.५मं.इ.७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	११	१	७	१०	२
०	२३	२२	२९	१२	२३	१४	०
४८	११	१	५९	१८	३९	०	३५
२५	३५	२३	३८	७	४०	१४	१८
५७	३९	१३	९	७४	४०	३	५६
१७	२९	३८	२०	२	बृ	११	५७

गोचरग्रहाः

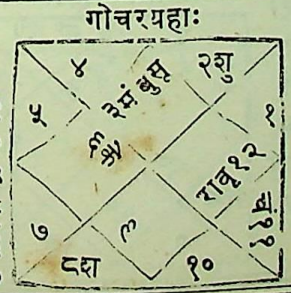

आ. कृ ४ चन्द्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५ गतालका वस्था (ऊभी) मु. ३० धान्या.भावे समताशुक्रो.पूर्व.

गोचरग्रहाः

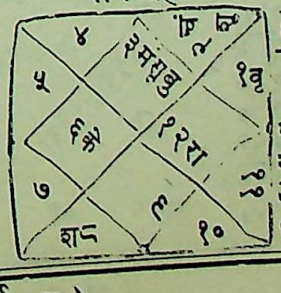

११पं.आ.कृ.१२मं.इ.५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	०	१	७	११	२
७	२७	२२	१	२०	२३	१३	७
१९	३९	३७	८	४९	९	३७	१३
२४	४७	२६	२०	४१	११	५८	४५
५७	३९	२५	८	७४	२४	३	५६
१३	२५	ब	५१	११	बृ	११	५४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं०२०४४ शाकः१९०९ | दि. उ. | अ. इं. | रा. मु. | चन्द्रः | वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५१९६स.१९८७

१	श	१७	१३	पु	६०	०	ध्रु	४१	३७	ब	१७	१३	३४ ३३	५७	६ ५३	२७	६	२९	क.५०।१४	चंद्रदर्शनम्
२	र	२३	२०	पु	७	१७	श्या	४३	९	कौ	२३	२०	२३	७	५३	२८	७	१	कर्के	उभा.३ राहुः हस्त१केतुः ४७ ५ रथयात्राः*
३	चं	२९	३८	पु	१४	५०	ह	४६	३१	ग	२९	३८	२२	८	५२	२९	८	२	कर्के	*जिलकाद ११
४	मं	३५	३७	श्ले	२१	१९	व	४८	३६	व	२	३७	२२	८	५२	३०	९	३	सिं२१।१९	भ.३७ उ.३५ या. वक्री आर्द्रा.बुधः १८ ० ×
५	बु	४०	४४	म	२९	१२	सि	५०	२६	ब	८	१०	२१	८	५२	१	१०	४	सिंहे	पुष्ये भौमः ५४।२१ जौलाई ७ ता.३१
६	शु	४५	०	पू	३५	२	व्य	५१	२५	कौ	१२	५२	२०	८	५२	२	११	५	क.५१।११	×मिथुने शुक्रः ३७ ५९
७	शु	४७	४३	उ	३९	३७	व	५१	३	ग	१६	२२	१९	८	५२	३	१२	६	कन्यायां	भ. ४७।४३ उ. अस्तो भौमः ३१।५०
८	श	४८	५७	ह	४२	४६	प	४९	२९	वि	१८	२०	१८	८	५२	४	१३	७	कन्यायां	भ. १८।२० या.
९	र	४८	१४	चि	४३	५३	शि	४६	१८	वा	१८	३५	०७	९	५१	५	१४	८	तु.१३।२०	
१०	चं	४५	३०	स्वा	४३	४	सि	४१	२८	तै	१६	५२	१५	९	५१	६	१५	९	तुलायां	पुन. रविः १५ ३ (सौरः ३६ २०) आर्द्रा.शुक्रः ३५
११	मं	४०	४८	वि	४०	२०	सा	३५	१३	व	१३	९	१४	९	५१	७	१६	१०	वृ.२६।१	भ. १३ उ. ४८ या. देवशयनी ११ ब्र.
१२	बु	३४	१	अ	३५	४३	शु	२७	२२	ब	७	२५	१३	९	५१	८	१७	११	बृश्चिकें	अश्वि. २ गुरुः २१।२ प्रदोषः
१३	गु	२६	४	ज्ये	२९	३४	शु	१८	१४	कौ	०	३	११	१०	५०	९	१८	१२	ध.२९।३४	
१४	शु	१६	४१	मू	२२	२१	न्न	१५	४९	ब	१६	४१	१०	१०	५०	१०	१९	१३	धनुषि	भ.१६।४१उ.४१।४४या. वायु परीक्षा
१५	श	६	४७	पू	१४	३२	वै	४६	३९	व	६	४७	८	११	५०	११	२०	१४	म.२७।३४	व्यास पूजा.

१२पं.आ.शु.४मं.इ.७।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	०	१	७	११	२
१४	२	२०	२	२९	२२	१३	१३
९	१०	५	१२	२२	४०	१५	५१
५०	१	४२	२२	३८	५९	४३	५०
५७	३९	३३ ३४	७	७४	४	३	५६
७	२५	ब	५८	२०	७	११	५०

गोचरग्रहाः

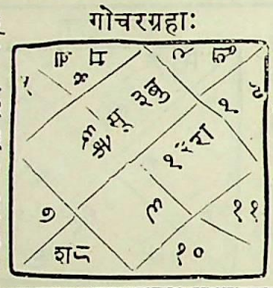

इस मास का फल साधारण है वायु का ज़ोर कहीं२वर्षा भी होगी। सोना चांदीगेहूं जौचना मटर मंदा। सुदी में तेज हो।

गोचरग्रहाः

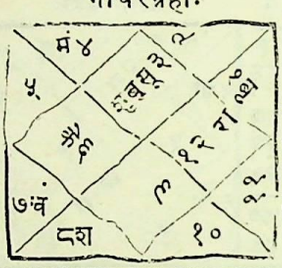

१३पं.आ.शु.११मं.इ.७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	०	२	७	११	२
२०	६	१६	३	७	२२	१२	२०
५०	३८	७	११	५७	१५	५३	२९
१०	१०	४४	२८	४	०	२७	४४
५७	३९	३५ ३२	६	७४	३	३	५६
७	२२	ब	५५	२५	४७	११	५०

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं.२०४४ शाकः१९०९ | दि. उ. | अ. इ. | रा. मु. | चन्द्रः | वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़ कृ. महाराष्ट्राः

१	श	४९	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	४७	५३	उ	३ ६	५२ ३७	वि	३५	५२	तै	२२	१७	३४ ३७	५ १९	४९ ४९	१२	२१	१५	मकरे	
३	चं	३८	४	ध	५२	२८	प्री	२५	३४	व	१२	५८	५	११	४९	१३	२२	१६	कु.२५।४९	भ.५२ ८ उ. ३५ ४ या बुधोदयः पूर्वस्यां २२ २९*
४	मं	३०	१३	श	४७	३५	आ	१६	२६	ब	४	८	४	११	४९	१४	२३	१७	कुम्भे	
५	बु	२४	१४	पू	४४	४	सौ	८	३२	तै	२४	१४	२	१२	४८	१५	२४	१८	मी २९।५७	नाग ५ मरुस्थले *चतुर्थी ब्र.
६	गु	२०	१२	उ	४२	३७	शो	५५ ०	५५ ९	व	२०	१२	८	१२	४८	१६	२५	१९	मीने	भ.१२ २ उ. ४९ ४ या.कर्केऽर्कः ४४ २७ मार्गीबुधः+
७	शु	१७	५६	रे	४२	५०	सु	५३	३१	ब	१७	५६	३३ ५८	१२	४८	१७	२६	२०	मे.४२।५०	कर्केऽर्कः सौरः ९।४
८	श	१७	४३	अ	४५	७	धृ	५१	३२	कौ	१७	४३	५६	१३	४७	१८	२७	२१	मेषे	+२६ १७ पुनः शुक्रः ५६ ८
९	र	१९	१६	भ	४८	५०	शू	५०	५८	ग	१९	१६	५४	१३	४७	१९	२८	२२	मेषे	भ. ५०।४२ उ.
१०	चं	२२	८	कृ	५४	१३	ग	५१	३४	वि	२२	८	५२	१४	४६	२०	२९	२३	वृ.५।१०	भ. २२ ८ या. पुष्ये रविः १३ ४४ (सौरः ३९ ४५)
११	मं	२६	३४	रो	६०	०	वृ	५२	३४	ब्रा	२६	३४	५०	१४	४६	२१	३०	२४	वृषे	कामिका ११ ब्र.
१२	बु	३१	४२	रो	०	१६	ध्रु	५४	३८	तै	३१	४२	४७	१५	४५	२२	३१	२५	मि३३।४९	अश्वि. भौमः ४८।४४
१३	गु	३७	३८	मृ	७	२२	व्या	५६	५३	ग	४	४०	४५	१५	४५	२३	१	२६	मिथुने	भ.३७।३८ उ. रा. श्रावणारभः प्रदोष
१४	शु	४३	४०	आ	१४	३१	ह	५९	१६	वि	१०	३९	४२	१६	४४	२४	२	२७	मिथुने	भ. १०।३९ या.
३०	श	४९	४९	पु	२२	१०	व	६०	०	च	१६	४४	४०	१६	४४	२५	३	२८	क.५।१६	कर्के शुक्रः ७।५२ हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ.४मं.इ.७।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	०	२	७	११	२
२७	११	१३	३	१६	२१	१२	२७
३०	६	२६	५९	३०	५१	३१	७
३२	२९	२६	४२	५४	४	१२	५१
५७	२९	१४ १९	५	७ ३९	३	३	५६
११	१२	ब	५०	ब	२०	११	५४

गौचरग्रहाः

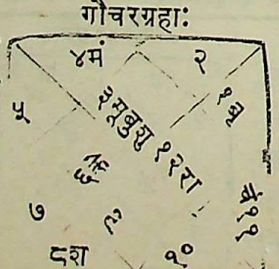

श्रा. कृ. ६ गुरौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ४ न. ६ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

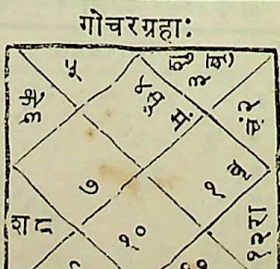

१५पं.श्रा.कृ ११मं.इ.७।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	०	२	७	११	३
४	१५	१३	४	२५	२१	१२	३
११	३३	३९	४२	६	३०	८	४६
१७	३६	३२	७	२९	४७	५६	१८
५७	३९	२९ ३३	४	७४	४१	३	५६
१५	२०	मा	५७	२६	ब	११	५७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्ल पक्षः सं.२०४४ शाकः१९०९ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः वर्षतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२२५ स.१९८७

१	र	५५	५३	पु	२९	३८	व	१	४४	कं	२२	५०	३३/३७	५/१७	६/४३	२६	४	२९	कर्के	
२	चं	६०	०	श्ले	३६	५९	सि	४	८	वा	२८	४१	३५	१७	४३	२७	५	३०	सिं ३६।५९	पुष्ये शुक्रः ४८।५२ चन्द्रदर्शनम्
२	मं	१	२९	म	४३	३८	व्य	६	११	कौ	१	२९	३२	१८	४२	२८	६	१	सिंहे	पुन. बुधः ५०।४७ मिधारा जिल्हेज १२
३	बु	६	२०	पू	४९	१९	व	७	४१	ग	६	२०	२९	१८	४२	२९	७	२	सिंहे	भ. ३८।२३ उ. तीज
४	गु	१०	२७	उ	५४	३१	प	८	३२	वि	१०	२७	२६	१९	४१	३०	८	३	क.५।३७	भ. १०।२७ या. वरद ४
५	शु	१३	२६	ह	५८	२२	शि	९	३८	वा	१३	२६	२४	१९	४१	३१	९	४	कन्यायां	शुक्रास्तः पूर्वस्यां ५१।० नाग पंचमी
६	श	१५	८	चि	६०	०	सि	८	६	तै	१५	८	२५	२०	४०	१	१०	५	तु.२९।३४	अगस्त ८ ता. ३१
७	र	१५	२३	चि	०	४६	सा	६	४	व	१५	२३	१८	२०	४०	२	११	६	तुलायां	भ. १५।२३ उ. ४४।४४ या.
८	चं	१४	४	स्वा	१	४४	शु	५१/५६	२३/२४	व	१४	४	१५	२१	२९	३	१२	७	बृ.४६।९	आश्ले. रविः१०५(सौरः४०३२)कर्के बुधः३१५३
९	मं	१०	५६	वि	५७	५७/३३	ब्र	५२	८	कौ	१०	५६	१२	२२	३८	४	१३	८	वृश्चिके	
१०	बु	६	११	ज्ये	५४	२०	ऐं	४३	५२	ग	६	११	९	२२	३८	५	१४	९	ध.५४।२०	भ. ३३उ ५६या. पुष्येबुधः१३४६ पवित्रा*
११	बु	५३	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*११ ब्र. स्मा.
१२	शु	५१	५८	मू	४८	५२	वै	३५	२२	इ	२५	५६	६	२३	३७	६	१५	१०	धनुषि	पवित्रा ११ ब्र. वै.
१३	शु	४३	८	पू	४२	४	वि	२६	५३	कौ	१७	३२	३	२३	३७	७	१६	११	म.५५।१२	आश्ले. शुक्रः ३५।४३ प्रदोषः
१४	श	३३	२०	उ	३४	३५	प्री	१६	२१	ग	८	१४	०	२४	३६	८	१७	१२	मकरे	भ.३३०उ. ५८१५या.बुधास्तः पूर्वस्यां ३५५०
१५	र	२३	१६	अ	२६	४९	आ	३५/३९	४९/१०	ब	२३	१६	३२/३९	२५	३५	९	१८	१३	कुं ५२।५८	श्रावणी कर्म रक्षाबंधनम्

१६पं श्रा.शु.२मं.इ.७।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	०	३	७	११	३
१०	२०	१९	५	३	२१	११	१०
५२	०	१४	१६	४२	१४	४६	२५
१९	३६	४२	१९	५४	१३	४	३५
५७	३९	६२	३	७४	३/८	३	५७
२०	२८	३१	४८	३२	ब	११	५

गोचरग्रहाः

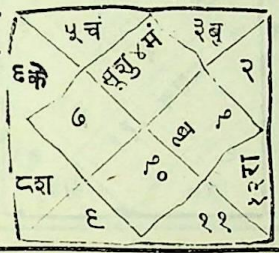

इस मासमें रविसे आगे भौम वर्षामें कमी करे और बुध शुक्र योग कहीं अच्छी वर्षाभी करे धान्यादि में घटा बढ़ी हो।

गोचरग्रहाः

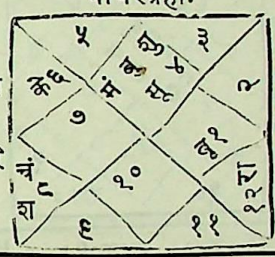

१७पं.श्रा.शु.९मं.इ.७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	०	३	७	११	३
१७	२४	१	५	१२	२१	११	१७
३४	२६	२१	४३	२०	२	२४	५
१	५३	४०	१	५६	५३	२५	२३
५७	३९	०/३७	२	७४	२९	३	५७
२५	२०		२३	३२	ब	११	१२

ति. भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं.२०४४ शाकः१९०९ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः वर्षतुं रविर्दक्षिणे श्रावण कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	१३	३७	ध	१९	७	शो	४४	२८	कौ	१३	३७	३३/५३	२५	३५/६	१०	१९	१४	कुम्भे	
२	मं	४	५०	श	१२	२९	अ	३४	४७	ग	४	५०	५०	२६	३४	११	२०	१५	मी५३ २२	भ. ३१।१ उ. ५७।१२ या.
३	मं	५२	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	बु	५१	३१	पू	७	०	सु	२६	४०	ब	२४	२१	४७	२७	३३	१२	२१	१६	मीने	आश्ले. बुधः १९२८ मघा. सिंहे भौमः४७३४*
५	गु	४७	४५	उ	३	३३	धृ	२०	५६	कौ	१९	३८	४३	२७	३३	१३	२२	१७	मीने	+शुक्रश्च २९४ वक्रीगुरुः १७३८मार्गीशनिः४७५३
६	शु	४६	१९	रे	२	५५	शू	१४	५०	ग	१७	२	४०	२८	३२	१४	२३	१८	मे.२।५५	भ. ४६।१९ उ. चंद्रषष्ठी *च ब्र.
७	श	४६	५०	अ	२	३३	गं	११	२२	वि	१६	३४	३६	२९	३१	१५	२४	१९	मेषे	भ. १६।३४ या.
८	र	४९	१३	भ	५	१	बृ	९	३८	वा	१८	२	३३	२९	३१	१६	२५	२०	वृ.२१।८	जन्माष्टमी ब्र.
९	चं	५३	३२	कृ	९	३१	धु	९	५	तै	२१	२२	२९	३०	३१	१७	२६	२१	बृषे	मघा.सिंहेऽर्कः४० (सौरः३६९) गोगा ९
१०	मं	५८	४१	रो	१५	२९	ज्या	१०	५	व	२६	३६	२६	२९	३०	१८	२७	२२	मि४८।५७	भ.३६ उ.५५१ या. मघा. सिंहे बुधः४३१३+
११	बु	६०	०	मृ	२२	२५	ह	१२	५९	ब	३१	४७	२२	३२	२८	१९	२८	२३	मिथुने	अजा ११ ब्र. स्मा.
११	गु	४	५४	आ	२९	३४	व	१४	१७	वा	४	५४	१९	३२	२८	२०	२९	२४	मिथुने	अजा ११ ब्र. वै.
१२	शु	११	९	पु	३७	२९	सि	१६	५२	तै	११	९	१५	३३	२७	२१	३०	२५	क.२०।३०	प्रदोषः वत्सद्वादशी
१३	श	१७	२६	पु	४४	५९	व्य	१९	१३	व	१७	२६	११	३४	२६	२२	३१	२६	कर्के	भ..१७।२६ उ. ५०।२३ या.
१४	र	२३	२०	श्ले	५२	७	व	२०	५०	श	२३	२०	८	३४	२६	२३	१	२७	सिं५२।७	रा. भाद्रपदारंभः
१५	चं	२८	३३	म	५८	२९	प	२२	२१	ना	२८	३३	४	३५	२५	२४	२	२८	सिंहे	सोमवती ३० कुशाग्रहणी

१८पं.भा.कृ.२मं.इ.७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	०	३	७	११	३
२४	२८	१४	५	२०	२०	११	२३
१६	५४	१६	५८	५७	५३	२	४६
२६	११	१	५५	५४	४९	९	३०
५७	३९	२९/००	१	७४	४०	३	५७
३३	१६	२४	१५	३२	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

भा कृ. ९ चंद्रे सिंहेऽर्क प्र. वा. ५न.४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तःपू.

गोचरग्रहाः

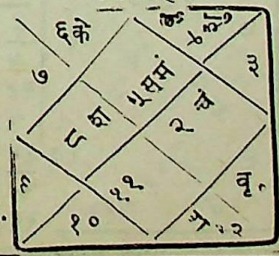

१९पं.भा.कृ.१०मं.इ.६।५२

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	०	३	७	११	४
०	३	२८	६	२९	२०	१०	०
५९	२१	४७	६	३६	५१	३९	२८
४९	१८	१०	५८	११	०	५४	४३
५७	३९	२९/००	०	७४	५९	३	५७
४०	१६	९४	२	२६	ब	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं.२०४४शाकः १९०९|दि.|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः |शरदृतौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२५५स.१९८७

१	मं	३२	४३	पू	६०	०	शि	२४	२८	किं	०	२७	३२ ०	५ ३६	६ २५	३	२९	सिंहे
२	बु	३६	१६	पू	४	५१	सि	२५	१	बा	४	२९	३ ५६	३७	२३	२६	४	३०	क.२०।४
३	गु	२८	५३	उ	८	३०	सा	२४	४५	तै	७	३४	५२	३८	२२	२७	५	१	कन्यायां
४	शु	३९	०४	ह	१२	७	शु	२३	३९	व	९	३४	४८	३८	२२	२८	६	२	तु.४३।२०
५	श	४०	७	चि	१४	३२	शु	२१	१८	ब	१०	१	४४	३९	२१	२९	७	३	तुलायां
६	र	३९	१९	स्वा	१६	५९	ज्ये	१९	९	को	९	४३	४०	४०	२०	३०	८	४	तुलायां
७	चं	३७	३	वि	१६	१०	ऐं	१५	२	ग	८	११	३६	४१	१९	३१	९	५	बृ.१।२४
८	मं	३३	४३	अ	१५	१०	वै	१०	२८	वि	५	२३	३२	४२	१८	१	१०	६	बृश्चिके
९	बु	२९	८	ज्ये	१२	४०	वि	५ ५२	४ ५३	बा	१	२५	२८	४०	१८	२	११	७	ध.१२।४
१०	गु	२३	१६	मू	९	३३	आ	५०	१४	ग	२३	१६	२५	४३	१७	३	१२	८	धनुषि
११	शु	१६	१८	पू	५ ४९	५४ २०	सौ	४१	४५	वि	१६	१८	२१	४४	१६	४	१३	९	म.१८।३१
१२	श	८	१९	श्र	५२	५४	शो	३२	२५	बा	८	१९	१७	४५	१५	५	१४	१०	मकरे
१३	श	५१	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	र	५१	५७	ध	४६	५	अ	२२	३४	ग	२५	५५	१३	४५	१५	६	१५	११	कु.१९।२९
१५	चं	४२	२३	श	३९	३७	सु	१२	३२	वि	१७	१०	९	४६	१४	७	१६	१२	कुम्भे

भा. ५१।५७ उ अनन्त १४

भ. १७।१० या. महालयश्राद्धारम्भः

२०पं.भा.शु.१मं.इ.६।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४२	०	४	७	११	४
७	७	१	६	८	२०	१०	५
४४	४८	३०	४	१६	५२	१७	१२
१७	१४	२४	५२	२४	५५	२८	१४
५७	३९	८	१९	७४	४४	३	५७
४९	१६	५५	बु	२८	मा	११	४१

गोचरग्रहाः

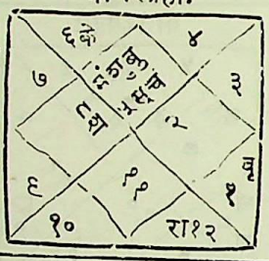

सोमश्य पंचवारा-
श्चन्यत्र मासे भवंति
हिं । धन धान्य
समृद्धिश्च सुखं
भवति सर्वदा ।।
मंदी होवे ।

गोचरग्रहाः

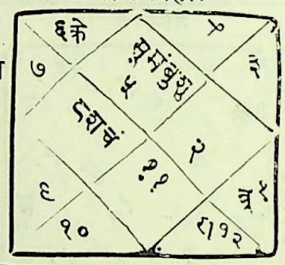

२१पं.भा.शु.८मं.इ.६।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	०	४	७	११	४
१४	१२	२५	५	१६	२०	९	१२
२९	१५	१९	५२	५७	५९	५५	५७
५६	४३	३०	५३	१४	२८	२२	२६
५८	३९	८	३७	७४	१	३	५७
१	१६	५५	बु	२६	२५	११	५७

ति.|आश्विन कृष्ण पक्षः सं.२०४ शाकः१९०९|दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चन्द्रः |शरदृतौ रविर्दक्षिणे भाद्र.कृ महाराष्ट्राः

१	मं	३४	३१	पू	२३	४०	धृ	५४	५१	बा	८	२६	३ ५१	५ ४७	६ ५३	८	१७	१३	मी २०।१०
२	बु	२८	१२	उ	२९	५	ग	४६	१०	तै	१	२१	१	४८	१२	९	१८	१९	मीने
३	गु	२३	२०	रे	२५	५५	वृ	३८	३०	वि	२३	२०	३० ५७	४९	११	१०	१९	१५	मे.२५।५५
४	शु	२०	३२	अ	२४	४०	ध्रु	३४	३८	बा	२०	३२	५३	४९	११	११	२०	१६	मेषे
५	श	२०	०	भ	२५	३८	व्या	३१	११	तै	२०	०	४८	५०	१०	१२	२१	१७	वृ.४१।२३
६	र	२१	२४	कृ	२८	३८	ह	२९	३८	व	२१	२४	४४	५१	९	१३	२२	१८	वृषे
७	चं	२४	५७	रो	३३	२५	व	२९	२९	ब	२४	५७	४०	५२	८	१४	२३	१९	वृषे
८	ग	२९	४४	मृ	३९	४३	सि	३०	२६	को	२९	४४	२६	५३	७	१५	२४	२०	मि६।३४
९	बु	३५	४२	आ	४६	५३	व्य	३२	२६	तै	२	४३	३२	५४	६	१६	२५	२१	मिथुने
१०	गु	४१	५९	पु	५४	३२	व	३५	३२	व	८	५०	२८	५४	६	१८	२६	२२	क ३७।३८
११	शु	४८	४६	पु	६०	०	प	३७	१४	ब	१५	२२	२४	५५	५	१७	२७	२३	कर्के
१२	श	५४	१७	पु	२	०	शि	३९	३५	को	२१	३१	२०	५६	४	१९	२८	२४	कर्के
१३	र	५९	२०	श्ले	९	५	सि	४१	२१	ग	२६	४९	१६	५७	३	२०	२९	२५	सिं६।१५
१४	चं	६०	०	म	१५	४०	सा	४२	१७	वि	३१	११	१२	५८	२	२१	३०	२६	सिंहे
१४	मं	३	३	पू	२०	४१	शु	४२	२८	श	३	३	८	५८	२	२२	३१	२७	क.३६।४३
३०	बु	६	४९	उ	२४	४६	श	४१	४१	ना	६	४९	४	५९	१	२३	१	२८	कन्यायां

उफा. शुक्रः ५५।२०

भ. ५५।४६उ. हस्ते बुधः ४३।५६

भ. २३।२०या. चतुर्थी व्र.

कन्यायां शुक्रः २९।१६

भ.२१ २४उ.५ ११या. उफा रविः ३८।३७

उफा. रविः सौरः १२।२९

*आश्वि.मातामहश्रा.ग्रस्ततोदयं सूर्यग्रहणम् मातृ ९

भ.५० ५८उ.४ ५९या.कन्यार्कः ५ ३ (सौरः ३ ४०)

चित्रा. बुधः २७।१८ इन्दिरा ११व्र.

हस्ते शुक्रः ४०।३

भ. ५९।२० उ. प्रदोषः

भ. ३१।११या.शस्त्रादिहतानां श्रा. सर्वापितृ श्राद्ध.

तुलायां बुधः २ ६ उफा. भौमः ३ २ रा.*

२२पं.आ.कृ. १मं.इ.६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	०	४	७	११	४
११	१६	७	५	२५	२१	९	२०
१६	४२	१५	३१	३९	१०	३३	४४
५५	५८	४०	१६	२५	१६	७	६
५८	३९	०	३०	७४	२	३	५८
१३	१६	७	ब	३२	५	११	१२

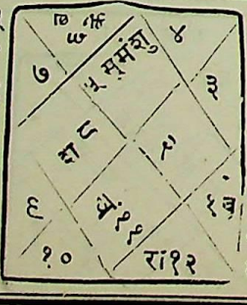

२३पं.आ.कृ.८मं.इ.६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	०	५	७	११	४
२८	२१	१८	५	४	२१	९	२७
५	११	१२	१	२९	२६	११	३२
२४	१७	२५	३७	३४	१६	५१	२७
५८	३९	९१	५ ९	७४	२	३	५८
२६	९	४८	ब	३२	४४	११	२९

२४पं.आ.कृ.१४मं.इ.६।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	०	५	७	११	५
४	२५	२८	४	१३	२१	८	४
५५	३९	३८	२२	१	४५	४९	२२
१९	०	३१	८	१९	३६	३६	३५
५८	३९	८०	५५	७४	३	३	५८
३८	९	५०	ब्र	३०	२४	११	४५

Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः शरदृतूरविर्दक्षि. ऽहर्गणः म.५२८५म१९८७

१	गु	७	५	ह	२७	२७	त्र	३९	५२	व	७	५	३०	६	०	२४	२	२९	तु.५८।२७	नवरात्रारंभः *सरस्वत्यावाहनं
२	शु	७	२७	चि	२९	१८	ऐं	३७	१३	को	७	२७	३१	६	५	२५	३	३०	तुलायां	चंद्रद =पूर्णिमा कोजागरी व्र.
३	श	६	४०	स्वा	२९	५६	वे	३३	४८	ग	६	४०	५१	२	५८	२६	४	१	तुलायां	भ.३५।४७उ. सफर २
४	र	४	५४	वि	२९	४४	वि	२९	२५	वि	४	५४	४५	३	५७	२७	५	२	वृ.१४।४७	भ. ४।५६या.हस्तेरविः१७।४(सौर:५/१०)
५	च	२	२६	अ	२८	४७	प्री	२४	४६	धा	२	२६	४३	३	५७	२८	६	३	बृश्चिके	स्वात्यां बुधः।४/५कन्यायांभौमः५३।२३
६	चं	५६	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×ता.३१ सरस्वतीपू बलिदानं
७	मं	५५	१३	ज्ये	२७	२	आ	१९	१९	ग	२७	७	३८	४	५६	२९	७	४	ध.२७।२	भ. ५५।१३उ.
८	बु	५०	३८	मू	२४	४१	सो	१३	१८	वि	२२	५५	३४	५	५५	३०	८	५	धनुषि	भ २२।५५या. चित्रा. शुक्र. २३।५२*
९	गु	४५	२५	पू	२१	४	शो	३६	५२/१७	वा	१८	१	३०	६	५४	१	९	६	म.३५।१५	वक्री अश्वि.१गुरुः३२।५२अक्टूबर१०×
१०	शु	३९	२८	उ	१७	४७	सु	५१	२६	तै	१२	२६	२६	७	५३	२	१०	७	मकरे	विजया १०सरस्वती विसर्जनं
११	श	३२	५९	अ	१३	२६	धृ	४३	४४	व	६	१३	२२	८	५२	३	११	८	कु ४१।१	भ ६।१३उ ३/५या पागं कुशा ११ब्र.
१२	र	२६	१	ध	८	३६	शू	३५	२०	ग	२६	१	१८	८	५२	४	१२	९	कुंभे	प्रदोषः
१३	चं	१९	८	श	३/८	५५/१३	गं	२६	५७	तै	१९	८	१४	९	५१	५	१३	१०	मी४५।२	तुलायां शुक्रः ४४।२३
१४	मं	१२	२४	उ	५४	३०	वृ	१९	३७	व	१२	२४	१०	१०	५०	६	१४	११	मीने	भ. १२।२४ उ. ३९।३२ या. शरद=
१५	बु	६	३९	रे	५१	२०	ध्रु	११	०	ब	६	३९	६	११	४९	७	१५	१२	मे ५१।२०	शुक्रोदयःपश्चिमायां४८।३६ शु उ पू

२५पं.आ.शु ७र म.इ. ५। ९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	०	५	७	११	५
९१	०	७	३	२१	२२	८	११
४६	८	३	३६	४३	९	२७	१४
५५	१३	७	२९	२३	५८	२०	२६
५८	३९	६७	४४	७१	९	३	५३
५३	९	२५	ब	२६	४	११	०

गोचरग्रहाः

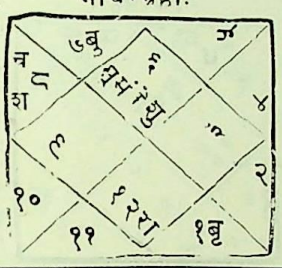

आ.कृ. १० गुरौ कन्यायामर्कः प्र. वा ४न.५प्रगल्भा वस्था (बैठी) मृ. ४५ धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

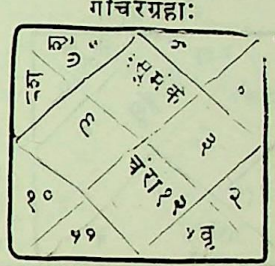

२६पं.आ.शु.१४मं.इ ४/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	०	६	७	११	५
१८	४	१४	२	०	२२	८	१८
४०	३५	२२	४१	२६	३८	५	८
८	३१	३०	४७	३५	६	४	२३
१९	३९	४७	७	७४	४	३	५९
९	१२	२९	३१	२६	२६	११	१६

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०४४ शाकः १९०९ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः शरदृतूरविर्दक्षिणे आश्विन कृ. महा.

१	गु	२	१	अ	४९	२८	व्या	४/४	५/६	को	२	१	२९/२	१२	४/५	८	१६	१३	मेषे	
२	गु	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	५७	४९	भ	४९	२५	व	५४	१३	च	२८	२५	३/५	१२	४८	९	१७	१४	मेषे	भ.२८।२५उ. उ. ५७।४९ या.
४	श	५८	२२	कृ	५१	५	सि	५१	२८	ब	२८	५	५४	१३	४७	१०	१८	१५	वृ.४।५०	चित्रा. रवि:४८।५ चतुर्थी ब्र.
५	र	६०	०	रो	५४	३७	व्य	५०	१९	को	२९	४१	५०	१४	४६	११	१९	१६	बृषे	चित्रा.रवि:सौर२/४ स्वात्यां शुक्रः४।२७
५	चं	१	२	मृ	६०	०	व	५०	९	ते	१	२	४६	१५	४५	१२	२०	१७	मि २७।२३	
६	मं	५	२२	मृ	०	११	प	५१	२५	व	५	२२	४२	१६	४४	१३	२१	१८	मिथुने	भ. ५।२२उ. ३८।१० या.
७	बु	१०	५७	आ	७	३९	शि	५३	१४	ब	१०	५७	३८	१६	४४	१४	२२	१९	क.५८।४	हस्ते भौमः३/४उदयो भौमः २५।५०
८	गु	१७	१५	पु	१३	३२	सि	५५	१८	को	१७	१५	३४	१७	४३	१५	२३	२०	कर्के	वक्री बुधः ३५।५३ज्येष्ठा.३शनिः ९।१०
९	शु	२३	३१	पु	२१	२८	सा	५७	५१	ग	२३	३१	३०	१८	४२	१६	२४	२१	कर्के	भ. ५६।३६उ.
१०	श	२९	४२	श्ले	२८	२०	शु	५९	५३	वि	२९	४२	२६	१९	४१	१७	२५	२२	सिं२८।२०	भ २९।४२या. तुलायामर्कः ३२।५१
११	र	३४	५०	म	३५	२८	शु	६०	०	ब	२	१६	२२	२०	४०	१८	२६	२३	सिंहे	तुलार्कः सौर:३।२९रमा ११ ब्र.
१२	चं	३८	३१	पू	४०	४१	शु	१	४	को	६	४०	१८	२०	४०	१९	२७	२४	क.५६।३८	
१३	म	४०	५९	उ	४४	३२	स	१	१४	ग	९	४५	१४	२१	३९	२०	२८	२५	कन्यायां	भ.४०।५९उ प्रदोषः धा १३
१४	बु	४१	३६	ह	४६	५७	ऐं	०	५७/४९	वि	११	१७	१०	२२	३८	२१	२९	२६	कन्यायां	भ.१७या.त्रिशा. शुक्रः५/७ रूप१४
३०	गु	४१	१	चि	४९	५८	वि	५८	४६	च	११	१८	६	२३	३७	२२	३०	२७	तु.१७।२७	बुधास्तःपश्चिमायां १२।८महालक्ष्मो ८.

२७पं.का.कृ.६मं.इ.५।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	०	६	७	११	५
२५	९	१९	१	९	२३	७	२५
३५	५	१९	५१	१०	९	४२	४
६	२	१२	५८	८	३२	४९	५
५९	३९	२०	५७	७४	५	३	५९
२१	१२	६	६	२०	४	११	३१

गोचरग्रहाः

का कृ.१० शनौ तुलायामर्कः प्र. वा.३न ४ बाला वस्था (बैठी) मृ. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

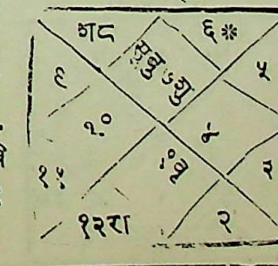

२८पं.का.कृ १३म.इ.२/८

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	०	६	७	११	६
२	१३	१८	०	१	२३	७	२
३१	३५	५३	५४	५३	४४	२०	१
३४	२४	१७	३६	१०	३१	३३	३३
५९	३५	३६	५३	७४	५	३	५९
३४	१५	ब्र	ब	२०	३२	११	४६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०४४शाकः१९०८ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३१४सं.१९८७

१	शु	३८	५३	स्वा	४७	३७	प्री	५०	११	कृं	६	५७	२६	३४	३६	५	२३	१	२८	तुलायां
२	श	३५	४६	वि	४६	१५	आ	४५	०	ब्रा	७	२०	२७	२४	३६	२५	२	२९	बृ.३१।३५
३	र	३१	४९	अ	४३	२७	सौ	३९	६	तै	३	४७	५४	२५	३५	२५	३	१	बृश्चिके
४	चं	२७	२३	ज्ये	४१	१३	शो	३२	३०	वि	२७	२३	५०	२६	३४	२६	४	२	ध.४१।१३
५	मं	२२	३८	मू	३८	११	अ	२५	५२	वा	२२	३८	४६	२७	३३	२७	५	३	धनुषि
६	बु	१७	४३	पू	३५	३	सु	१९	४	तै	१७	४३	४२	२८	३२	२८	६	४	म.४९।१४
७	गु	१२	४६	उ	३१	४६	धृ	१२	५	व	१२	४६	३९	२८	३२	२९	७	५	मकरे
८	शु	७	४१	श्र	२८	२४	शू	३६ ५	५३ १७	ब	७	४१	३५	२९	३१	३०	८	६	कु.५६।४२
९	श	२	३४	ध	२५	१	वृ	५०	३२	कौ	२	३४	३१	३०	३०	३१	९	७	कुम्भे
१०	श	५५	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०
११	र	५२	२१	श	२२	७	ध्रु	४३	३७	व	२४	५०	२७	३१	२९	१	१०	८	कुम्भे
१२	चं	४७	३२	पू	१८	३७	व्या	३६	३८	ब	९	५६	२४	३१	२९	२	११	९	मी४।२९
१३	म	४३	३१	उ	१५	५२	ह	३०	१५	कौ	१५	३१	२०	३२	२८	३	१२	१०	मीने
१४	बु	४०	७	रे	१३	१४	व	२४	१४	ग	११	४९	१६	३३	२७	४	१३	११	मे.१३।४१
१५	गु	३७	४९	अ	१२	२२	सि	१८	५५	वि	८	५८	१३	३३	२७	५	१४	१२	मेषे

रा. कार्तिकारंभः अन्नकूट गोवर्द्धनपूजा
स्वात्यांरविः १४/५ (सौरः ४४/२७) चंद्रदर्शनम्
भ. ५९।३६ उ. रविलावल ३
भ. २७/३ या. वक्की रेवती ४ मीने गुरु ५९/१३

भ. १२/४६ उ. ४०/१५ या. वृश्चिकेशुक्रः ५०/३९ गोपद
नव. ११ता. ३० प्रबो. ११ ब्र. स्मा. तु. वि.
वक्की चित्रा. बुधः ३५।२५ अक्षय ९
राहु उफा. ३ केतु. ३१।२९A
भ ३४/५० उ. ५२/२१ या. अनु शुक्रः ३०/३८ उभा. १
प्रबोधि. ११ ब्र. वै.
बुधो दयः पूर्वस्यां ५६ १९ प्रदोषः
भ. ४०/७ उ. चित्रा. भौमः १९/६ वैकुंठ१४
भ. ८।५८ या. मन्वादिः

२९पं.का शु.५मं.इ.५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	११	६	७	११	६
९	१८	१२	२९	२६	२४	६	९
२९	५	२६	५९	३६	२३	५७	८
४९	४९	३२	१३	४०	४९	१८	५३
५९	३९	५३/१९	४५/७	७४	५	३	६
४७	८	च	ब	१०	५७	११	२

गोचरग्रहाः

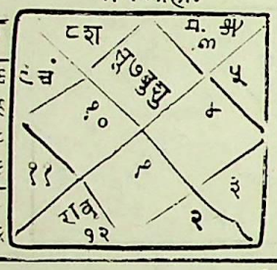

कन्याराशि का मंगल सोना चांदी रुई रेशम गुड़ अलसी सिरस्यु तिल तेज करे। तेजी में बेचें आगे मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

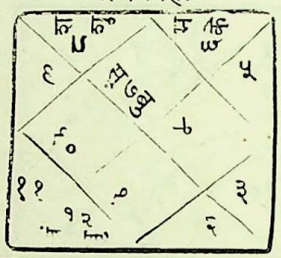

३०पं.का.शु.१३मं.इ.५।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	११	७	७	११	६
१६	२२	४	२९	५	२५	६	१६
२९	३८	५६	५	१८	४	३५	१
३८	१३	२१	४२	५८	२६	२	५७
६०	३९	४९/३३	१९/६	७४	६	३	६०
४	८	ब	ब	२०	११	१८	

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०४४शाकः१९०९ दि उ. अ. इ रा मु. चंद्रः हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	३७	७	भ	१२	२९	व्य	१४	४६	वा	७	२६	२७/१	३४/६	२५/६	६	१५	१३	बृ.२७।४९
२	श	३७	४९	कृ	१३	५१	च	११	३७	तै	७	२८	६	२५	२५	७	१६	१४	वृषे
३	र	४०	२०	रा	१६	५५	प	१०	११	व	९	३४	२	२६	२४	८	१७	१५	मि४९।१९
४	चं	४४	१३	मृ	२१	२३	शि	९	१५	ब	१२	१६	२/६	२६	२४	९	१८	१६	मिथुने
५	मं	४९	३४	आ	२७	२५	सि	९	४४	कौ	१६	५३	५६	३७	२३	१०	१९	१७	मिथुने
६	बु	५५	३५	पु	३४	१३	सा	११	१३	ग	२२	३४	५३	३७	२३	११	२०	१८	क.१७।३१
७	गु	६०	०	पु	१४	४९	शृ	१३	१३	वि	२८	४८	४९	३८	२२	१२	२१	१९	कर्के
७	शु	२	२	श्ले	४९	२६	शु	१५	२९	ब	२	२	४६	३९	२१	१३	२२	२०	सिं४९।२६
८	श	८	२७	म	५६	३७	त्र	१७	३६	कौ	८	२७	४३	३९	२१	१४	२३	२१	सिंहे
९	र	१३	५९	पू	६०	०	ऐं	१९	१८	ग	१३	५९	४०	४०	२०	५	२४	२२	सिंहे
१०	चं	१८	५	पु	२	३०	वै	१९	५६	दि	१८	५	३७	४१	१९	१६	२५	२३	क.१८।४०
११	म	२०	५१	उ	७	१०	वि	१९	३५	वा	२०	५१	३४	४१	१९	१७	२६	२४	कन्यायां
१२	बु	२१	४०	ह	९	४९	प्री	१७	४१	तै	२१	४०	३१	४२	१८	१८	२७	२५	तु.४०।२२
१३	गु	२०	४२	चि	०	५६	आ	१४	२३	व	२०	४२	२९	४२	१८	१९	२८	२६	तुलायां
१४	शु	१७	५५	स्वा	१०	१९	सौ	९	४४	श	१७	५५	२६	४३	१७	२०	२९	२७	वृ.५३।४३
३०	श	१३	४४	वि	८	११	शो	३/९	५२/५८	ना	१३	४४	२५	४३	१७	२१	३०	२८	वृश्चिके

विशा.रविः ३५।१६ मार्गो बुधः ३३।१६
विशा.रविः (सौरः १।५६)
भ. ९।३४ उ. ४०।२० या.
चतुर्थी ब्र.

भ. ५५।३५ उ.
भ. २८/४८ या. स्वात्यां बुधः ४९/१५ ज्येष्ठाः शुक्र १२

तुलायां भौमः २६।२२
भ. ४६।२ उ.
भ. १५ या. वृश्चिकेऽर्कः ३१/१८ (सौरः ५६/१३)
उत्पत्ति ११ ब्र.
ज्येष्ठा ४ निः ६।२६ प्रदोषः
भ ३०/४२ उ. ४९/१९ या अनु. रविः ४९।३८
अनु. रविः (सौरः १३।१)

३१पं.मा.कृ.५मं.इ.४।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	११	७	७	११	६
२३	२७	४	२८	१४	२५	६	२३
३०	९	५०	१६	२	४७	१२	४
५८	५०	३१	४८	५६	२४	४६	३३
६०	३९	४२/१७	३६/मा	७४	६	३	६०
१७	११		ब	२	३४	११	३०

गोचरग्रहाः

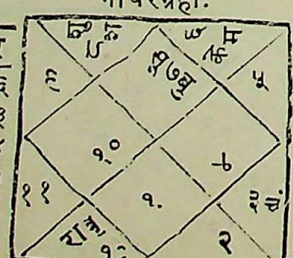

मा.कृ. १० चन्द्र बृश्चिकेऽर्कः प्र. वा.३ न.२ बाला वस्था बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो.पू.

गोचरग्रहाः

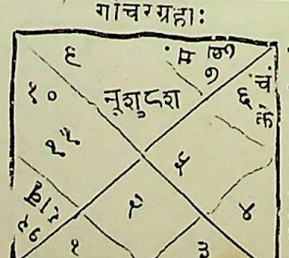

३२पं.मा.कृ.११मं.इ ४/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	११	७	७	११	७
०	१	११	२७	२२	२६	५	०
३३	४३	४९	३४	४५	३२	५०	८
४७	३४	५	३४	४०	४६	३१	३७
६०	३९	७७/३५	७३	६	३	६०	
३०	१५	११	ब	५६	५२	११	४०

(स० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

Collection Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४४शाकः १९०९ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः हेमंततुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३४४स.१९८७

१	र	८	२०	अ	४	३७	सु	४८	५१	ब	८	२०	२६ २१	४४	१६ ५	२२	१	२६	वृश्चिके
२	चं	२	१	ज्ये	२०	५५ २०	धृ	४०	४२	कौ	२	१	१६	४४	१६	२३	२	३०	ध.०।२०
३	चं	५३	४२		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	मं	४९	१६	पू	५०	५९	शू	३२	१९	ब	२२	२९	१६	४५	१५	२४	३	१	धनुषि
५	बु	४३	७	उ	४६	२२	गं	२४	१	व	१६	११	१३	४५	१५	२५	४	२	म.४।५१
६	गु	३७	१९	अ	४२	२१	वृ	१६	९	कौ	१०	१३	११	४६	१४	२६	५	३	मकरे
७	शु	३२	३	ध	३८	४७	धु	८	३१	ग	४	४१	८	४६	१४	२७	६	४	कु.१०।३४
८	श	२७	१६	श	३५	५५	व्या	१७ १५ ३		ब	२७	१६	६	४७	१३	२८	७	५	कुम्भे
९	र	२३	१६	पू	३३	३३	व	४८	२४	कौ	२३	१६	३	४७	१३	२९	८	६	मी१९।८
१०	चं	१९	५२	उ	३२	१	सिं	४२	५२	ग	१९	५२	१	४८	१२	३०	९	७	मीने
११	मं	१७	२०	रे	३१	८	व्य	३७	५९	वि	१७	२०	२५ ९	४८	१२	१	१०	८	मे.३१।८
१२	बु	१५	४४	अ	३१	५	व	३३	४३	वा	१५	४४	५७	४९	११	२	११	९	मेषे
१३	गु	१४	४८	भ	३१	५६	प	३०	२०	तै	१४	४८	५५	४९	११	३	१२	१०	वृ.४७।२५
१४	शु	१५	५	कृ	३३	५२	शि	२७	४२	व	१५	५	५३	४९	११	४	१३	११	वृषे
१५	श	१७	३७	रो	३७	१८	सिं	२६	२७	ब	१७	३७	५१	४९	११	५	१४	१२	वृषे

विशा. बुधः ५२।२ रा. मार्गशीर्षारंभः
मूले धनुषि शुक्रः ९।६ चन्द्रदर्शनम्

भ. २२/२९ उ. ४/१६ या. स्वात्यां भौमः ३/१९*
+ता.२१ मोक्षदा ११ ब्र. गीताजयंती
चम्पा ६ पातस्पर्शः१५।० मोक्षः२८।५
भ. ३२।३ उ. ५९।४० या.
÷अस्तं शनेः १/५९ बुधास्तः पूर्वस्यां १/५
वृश्चिके बुधः २/३ वक्री रेवती३ गुरुः ३/७÷
भ ४८।३६ उ. *रविलाखर ४
भ.१७/२०या. अनु. बुधः २७/२० दिसम्बर१२+
ज्येष्ठा. रविः ५९।४८ प्रदोषः
ज्येष्ठा.रविःसौरः२१।१ उषा.शुक्रः३८।५५
भ. १५।५ उ. ४६।२१ या. दत्तजदन्ती

३३पं.मा.शु.४मं.इ.४।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	११	८	७	११	७
७	६	२१	२७	१	२७	५	७
३७	१७	४७	०	२८	१९	२८	१४
३७	२४	३१	१४	८	३०	१५	१०
६०	३९	८९	२८/०	७३	७	३	६०
४२	१५	४	ब	५०	२	११	५३

गोचरग्रहाः

इस मासमें अनाज, गल्ला मूंग बाजरा चावल मंदा होगा गुड़ खांड़ तिलका संग्रह करें लाभ होगा।

गचोरग्रहाः

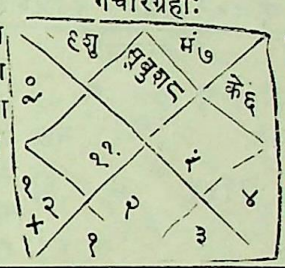

३४पं.मा.शु ११मं.इ४।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	८	७	११	७
१४	१०	२	२६	१०	२८	५	१४
४२	५२	४३	३५	१०	७	६	२०
५४	१	४८	१०	१२	४४	०	५६
६०	३९	९४	३	७३	७	३	६१
५०	१८	९८	१३	३८	१४	११	३

ति. पौष कृष्णपक्षः सं० २०४४ शाकः १९०९ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः हेमन्ततुं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महा.

१	र	१९	३८	मृ	४२	५८	सा	२५	२८	कौ	१९	३८	२५/४९	५०	१० ५	६	१५	१३	म १०।८
२	चं	२३	४७	आ	४७	३१	शु	२५	४६	ग	२३	४७	४८	५०	१०	७	१६	१४	मिथुने
३	मं	२९	६	पु	५४	८	शु	२७	४	वि	२९	६	४६	५१	९	८	३७	१५	क.३७।२९
४	बु	३४	५९	पु	६०	०	ब्र	२८	५१	ब	२	२	४५	५१	९	९	१८	१६	कर्के
५	गु	४१	२८	पु	१	२९	ऐं	३०	५८	कौ	८	१३	४४	५१	९	१०	१९	१७	कर्के
६	शु	४८	११	श्ले	९	८	वै	३३	१७	ग	१४	४९	४२	५२	८	११	२०	१८	सिंहे९।८
७	श	५४	१३	म	१६	४०	वि	३५	२२	वि	२१	११	४१	५२	८	१२	२१	१९	सिंहे
८	र	५९	२	पू	२३	२५	शी	३६	४१	वा	२६	३७	४०	५२	८	१३	२२	२०	क.३९।५१
९	चं	६०	०	उ	२९	१०	आ	३७	११	तै	३०	४९	३९	५२	८	१४	२३	२१	कन्यायां
९	मं	२	३७	ह	३३	१७	सौ	३६	१६	ग	२	३७	३८	५२	८	१५	२४	२२	कन्यायां
१०	बु	४	१७	चि	३५	२७	शो	३४	२	वि	४	१७	३८	५२	८	१६	२५	२३	तु.४।२२
११	गु	३	५६	स्वा	३५	३३	अ	३०	१	वा	३	५६	३७	५३	७	१७	२६	२४	तुलायां
१२	शु	१	३१	वि	३३	४८	सु	२४	३४	तै	१	३१	३७	५३	७	१८	२७	२५	बृ.१९।१४
१३	शु	५५	५२		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०		०
१४	श	५१	१३	अ	३०	१३	धृ	१७	३५	वि	२४	१८	३७	५३	७	१९	२८	२६	बृश्चिके
३०	र	४४	४	ज्ये	२५	१६	शू	९	२१	च	१७	३८	३६	५३	७	२०	२९	२७	ध.२५।१६

भ. ५६।२७ उ.
भ. २९।६ या.
चतुर्थी ब्र. पातस्पर्शः ३/१९ मोक्षः ४/७
ज्ये. बुधः ५।७
भ. ४८।११ उ
भ. २१।११ या.

उषा.शुक्रः२ ।५६ विशा.भौमः ५६।५३
भ. ३३।२७ उ.
भ.१७/४या. मूले धनुष्यर्कः७ सौरः३/४५)+
मकरे शक्रः ४।३५ सफला ११ ब्र.
भ.५/२३उ. मूले धनुषि बुधः ४/३५ प्रदोषः
+मार्गी गुरुः५/१६ मूल१ धनुषि शनिः ५/४१
भ. २४।१८ या

३५पं.पौ.कृ.३मं.इ.४।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	८	७	११	७
२१	१५	१३	२६	१८	२८	४	२१
४८	२८	२५	१८	५२	६	४३	२८
५८	३२	४१	२५	१९	३५	५४	४१
६०	३९	९६	४८/०	७३	७	३	६१
५६	११	१९	ब	२६	२०	११	११

गोचरग्रहाः

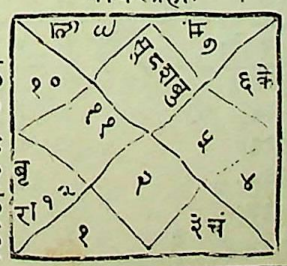

पौ. कृ. १० बुधे धनुष्यर्कः प्र. वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु. उ.प.

गोचरग्रहाः

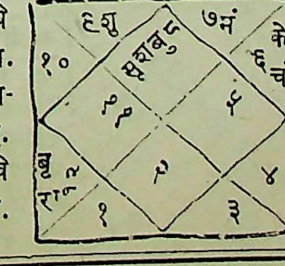

३६पं.पौ.कृ९मं.इ.३।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	८	७	११	७
२८	२०	२४	२६	२७	२९	४	२८
५५	४	२४	१२	३२	४५	२१	३७
५२	३४	३६	४०	२८	५८	२८	२४
६१	३९	९९	१९/०	७३	७	३	६१
०	१३	२	ब	२०	२०	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

+रा.बृ.चं.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तः पौष शुक्ल पक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः हेमन्तर्तू रविर्दक्षि. ऽहर्गणः ५३७३सन् १९८७

१	चं	३६	५	मू	१९	२१	गं	७	५०	कं	१०	४	२५ ३६	६ ५३	५ ७	२१	३०	२८	धनुषि		
२	मं	२७	४९	पू	११	५७	वृ	४०	२९	बा	१	५७	३६	५३	७	२२	१	२९	म. २५।३५		
३	बु	१९	४९	उ	६	३१	व्या	३०	५०	ग	१९	४९	३६	५३	७	२३	२	१	मकरे		
४	गु	१२	१३	अ	०	५४ ५३	ह	१९	२०	वि	१२	१३	३६	५३	७	२४	३	२	कुं २६।४७		
५	शु	५	२५	श	५०	५८	व	१२	४९	ब्रा	५	२२	३७	५३	७	२५	४	३	कुम्भे		
६	शु	५४	१४	पू	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
७	श	५५	०	उ	४७	५८	सिं	१५ ७३	५३ ४	ग	२७	१८	३७	५३	७	२६	५	४	मी ३३।४३		
८	र	५१	३८	रे	४६	९	व	५२	२३	वि	२३	१९	३७	५३	७	२७	६	५	मीने		
९	चं	४९	४१	अ	४५	२३	प	४७	५२	ब्रा	२०	४०	३८	५२	८	२८	७	६	मे. ४५।२३		
१०	मं	४८	४९	भ	४५	५०	शि	४४	२	तै	१९	१५	३८	५२	८	२९	८	७	मेषे		
११	बु	४९	७	कृ	४७	३२	सि	४१	२३	व	१८	५८	३९	५२	८	३०	९	८	मेषे		
१२	गु	५०	४६	रो	४९	३६	सा	३९	३२	ब	१९	५६	४०	५२	८	३१	१०	९	बृ. ३।३		
१३	शु	५३	२२	मृ	५४	४०	शु	३८	४०	कौ	२२	४	४०	५२	८	१	११	१०	वृषे		
१४	श	५७	७	मृ	५९	७	शु	३८	२३	ग	२५	१४	४१	५२	८	२	१२	११	मि २६।५३		
१५	र	६०	०	आ	६०	०	न	३८	४७	वि	२९	२७	४२	५२	८	३	१३	१२	मिथुने		
१५	चं	१	४७	आ	६	३७	ऐं	४०	१६	ब	१	४७	४३	५१	९	४	१४	१३	क. ५५।२९		

रा. पौषारम्भः चन्द्रदर्शनम्
भ ४६।१उ. जमादिलावल ५
भ. १२।३१ या.
श्रवणे शुक्र. १०।२६

भ. ५५।०
भ. २३।१९या. पूषा. बुधः ५।५१
+१ता. ३१ स. १९८८ प्रदोषः
पूषा:रविः ११।५६ (सौरः २६।२३)
भ. $\frac{१५}{८}$उ. $\frac{४९}{७}$या. बृश्चिकेभौमः ५।३७*
*पुत्रदा ११ व्र.
रेवती ४गुरुः $\frac{३४}{२५}$उदयं शनेः $\frac{३६}{३७}$जनवरी+
भ. ५७।७ उ.
भ. $\frac{२९}{२७}$या.पूभा. ४राहुः उफा २केतुः $\frac{२३}{३५}$
उषा.बुधः $\frac{१५}{४०}$धनि.शक्रः $\frac{५५}{२}$अनु.भौमः $\frac{१९}{१३}$

३७पं.पौ.शु.२मं.इ.३।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	११	९	८	११	८
६	२४	५	२६	६	०	३	५
३	४०	३१	१७	१२	३५	५९	४६
२९	२३	३४	३८	२२	४२	१३	४९
६१	३९	$\frac{०}{०}$	५$\frac{६}{६}$	७३	७	३	६१
४	११	२$\frac{३}{३}$	ब	९	२०	११	२२

गोचरग्रहाः

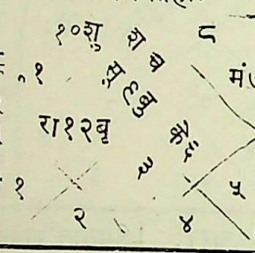

धनु राशि गतो भानुः सुभिक्षं तत्र जायते । तिलं तैल महर्घ च कार्यासादि तथैव च ।। रुई तिल तैल मंदा हो ।

गोचरग्रहाः

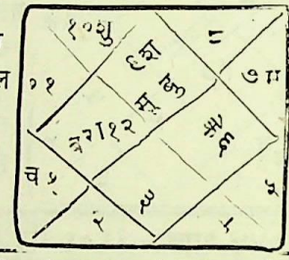

३८प.पौ.शु.१०मं.इ.३।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	११	९	८	११	८
१३	२९	१६	२६	१४	१	३	१२
११	१९	३८	३१	५०	२४	३६	५६
३१	३०	२	४८	२४	४३	५७	४१
६१	३९	$\frac{०}{०}$	२	७२	७	३	६१
६	१०	५$\frac{६}{६}$	२०	५१	१४	११	२६

तिः माघ कृष्ण पक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	७	२०	पु	११	४६	वै	४१	४७	कौ	७	२०	२५ ४४	६ ५१	५ ९	५	१५	१४	कर्के		
२	बु	१३	२९	पु	१९	२३	वि	४३	५३	ग	१३	२९	४६	५१	९	६	१६	१५	कर्के		
३	गु	१९	५०	श्ले	२६	५५	प्री	४६	२३	वि	१९	५०	४७	५१	९	७	१७	१६	सिं २६।५५		
४	शु	२६	२६	म	३४	४०	आ	४८	२३	ब्रा	२६	२६	४९	५०	१०	८	१८	१७	सिंहे		
५	श	३२	४६	पू	४१	५२	सौ	५०	२९	तै	३२	४६	५१	५०	१०	९	१९	१८	क. ५८।२८		
६	र	३८	५	उ	४८	१५	शो	५१	२८	ग	५	२३	५२	५०	१०	१०	२०	१९	कन्यायां		
७	चं	४२	२३	ह	५३	३९	अ	५१	३८	वि	१०	११	५४	४९	११	११	२१	२०	कन्यायां		
८	मं	४५	८	चि	५७	१६	सु	५०	३६	ब्रा	१३	४५	५६	४९	११	१२	२२	२१	तु. २५।२८		
९	बु	४६	३	स्वा	५९	४	धृ	४८	११	तै	१५	३५	५८	४८	१२	१३	२३	२२	तुलायां		
१०	गु	४४	५५	वि	५८	५८	शू	४४	१	व	१५	२९	२$\frac{९}{१}$	४८	१२	१४	२४	२३	बृ. ४३।५९		
११	शु	४१	५२	अ	५६	५३	गं	३८	१८	ब	१३	२३	३	४७	१३	१५	२५	२४	बृश्चिके		
१२	श	३६	२८	ज्ये	५२	४१	वृ	३२	९	कौ	९	१०	५	४७	१३	१६	२६	२५	ध. ५२।४१		
१३	र	२९	३७	मू	४७	४	ध्रु	२२	१६	ग	३	२	८	४६	१४	१७	२७	२६	धनुषि		
१४	चं	२१	२२	पू	४०	९	व्या	११	२९	श	२१	२२	१०	४६	१४	१८	२८	२७	म. ५३।१६		
२०	मं	१२	२१	उ	३२	३९	ह	५७	४$\frac{९}{९}$	ना	१२	२१	१२	४६	१४	१९	२९	२८	मकरे		

भ. ४६।४० उ. मकरे बुधः १४।३५
भ. १९।५०या. चतुर्थी व्र.

भ. ३८।१ उ कुंभे शुक्रः १४।३३
भ. $\frac{१०}{१}$या.उषा रविः $\frac{१६}{४०}$ (सौरः २७।५०)
श्रवणे बुधः २०।५
बुधोदयः पश्चिमायां २९।४४
भ. $\frac{१५}{२}$उ. $\frac{४४}{५५}$या.मकरेऽर्कः $\frac{३३}{४}$ (सौरः*
षट्तिला ११ व्र.
शते शुक्रः ५५।३
भ २९।३७ उ. ५५।३० या प्रदोषः

*४२।१५ मूल २शनिः ५६।५७

३९पं.मा.कृ.१मं.इ.३।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	११	९	८	११	८
२०	३	२८	२६	२३	२	३	२०
१९	५८	०	५६	२६	१३	१४	६
२६	५२	२५	२०	३५	१२	४२	३८
६१	३९	$\frac{०}{०}$	३	७२	७	३	६१
६	८	५$\frac{५}{५}$	४४	३३	५	११	२६

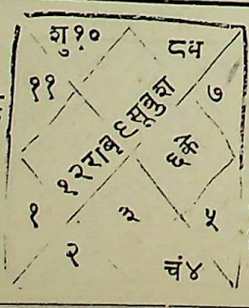

४०पं.मा.कृ.८मं.इ.३।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	११	१०	८	११	८
२७	८	९	२९	२	२	२	२७
२७	२७	३२	३०	१	५९	५२	१६
४०	५५	२४	१४	८	५६	२६	३०
६१	३९	९९	५	५२	६	३	६१
६	८	३२	५६	१५	५६	११	२४

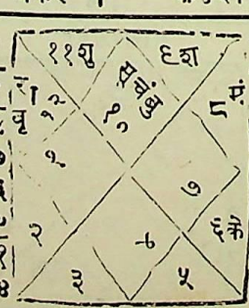

४१पं.मा.कृ.२०मं.इ.३।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	११	१०	८	११	९
४	१३	२०	२८	१०	३	२	४
३५	१८	५०	११	३३	४५	३०	२५
३१	२५	१३	५३	४३	४३	१०	५९
६१	३९	९२	६	७१	६	३	६१
३	३	२९	५	५१	२४	११	१९

Harvard Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.। माघ शुक्ल पक्षः सं० २०४४ शाकः १९०९ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चंद्रः |शिशिरर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४०३ सं १९८७

| | | |

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०४४शाकः १९०९ दि.उ.अ.इं.रा.मु. चन्द्रः शिशिरतौ रविरुत्तरेऽर्कगणः ५.४३२स.१९८८

१	गु	२८	३७	श	३८	२	शि	४१	४४	कं	३	२२	२७	६	५४	१८	२९	२९	कुम्भे
२	शु	१९	३०	पू	३१	१	सि	३१	४१	की	१९	३०	५४	२५	३५	१९	३०	३०	मी१७।४६
३	श	११	३४	उ	२५	२५	सा	२२	३५	ग	११	३४	५८	२४	३६	२०	१	१	मीने
४	र	५	१९	रे	२१	३०	शु	१४	४९	वि	५	१९	२५	२४	३६	२१	२	२	मे. २१।३०
५	चं	०	२९	अ	१९	२८	शु	८	५२	वा	०	२९	६	२३	२७	२२	३	३	मेषे
६	चं	५७	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	मं	५७	१७	भ	१९	१५	व्र	४	२४	ग	२७	२६	१०	२२	३८	२३	४	४	वृ.३४।४६
८	बु	५८	४८	कृ	२१	१९	ऐं	१	३२	वि	२८	२	१४	२१	३९	२४	५	५	वृषे
९	गु	६०	०	रो	२४	५९	चै	०	६	वा	३०	२०	१८	२०	४०	२५	६	६	मि५७।४१
१०	शु	१	५२	मृ	३०	२३	वि	०	२८	की	१	५२	२२	२०	४०	२६	७	७	मिथुने
११	श	६	३८	आ	३६	५०	प्री	१	१६	ग	६	३८	२६	१९	४१	२७	८	८	मिथुने
१२	र	१२	१०	पु	४४	२	आ	२	५९	वि	१२	१०	३०	१८	४२	२८	९	९	क.२७।१४
१३	चं	१८	२६	पु	५१	२६	सौ	५	११	वा	१८	२६	३४	१७	४३	२९	१०	१०	कर्के
१४	मं	२४	५२	श्ले	५८	५३	शो	७	२४	तै	२४	५२	३८	१६	४४	१	११	११	सिं५८।५३
१५	बु	३१	१०	म	६०	०	अ	९	३८	व	३१	१०	४२	१६	४४	२	१२	१२	सिंहे
१५	गु	३७	१६	म	६	१६	सु	११	३९	वि	४	१३	४६	१५	४५	३	१३	१३	सिंहे

रेवत्या शुक्रः ५९/६ मूल. ३ शनिः ५९/३
शतेरविः ४२/२९ (सौरः ४५/४४) चंद्रदर्शनम् फुल.२
भ. ३५/२९ उ. रज्जव ७ रा. फाल्गुनारंभः ;
भ.१९/५ या.अश्वि.२गुरुः ४५/५ पातस्पर्शः ९/८ *।
*पातमोक्षः १८।३७

भ. ५७।१७ उ.
भ. २८।२ या. होलाष्टक
मार्गी बुधः १२।१२

भ. ३९।२४ उ.
भ. १२।१० या. आमल की ११ व्र.
अश्वि. मेषे शुक्रः ४७।५ प्रदोषः
मार्च ३ ता. ३१
भ. ३१।१० उ. ×होलिकादहनम्
भ.१३/४ या.प्रभा.रविः ५९/५४ पुषा.भौमः ५२/१५ ×

४६पं.फा.शु.७म.इ.४।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	५	०	११	८	११	१०
१०	६	१६	३	२२	६	०	१०
३	४८	५५	३३	१६	५८	३८	०
२२	५८	३४	४	८	१९	५२	१६
६०	३८	१३/३	१०	६९	४	३	६०
२५	३७	व	३५	४४	१९	३१	

गोचरग्रहाः

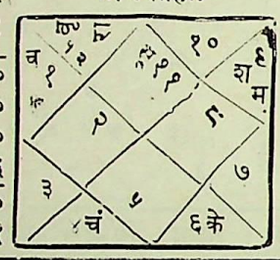

इस मासमें सोना चांदी शेयर्स घृत तिल तैल रुई पाट वारदाना सरसों अलसी में तेजीका रुख होगा

गोचरग्रहाः

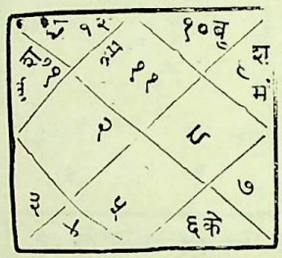

४७पं.फा.शु.१३मं.इ.४/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	०	०	८	११	१०
१७	११	२१	४	०	७	०	१७
५	३२	८	५३	१९	२६	१६	३
४६	६	४१	२४	५२	१७	३७	७
६०	३८	२७/५३	११	६८	४	३	६०
१२	२८	मा	१३	१५	८	११	२०

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९ दि.उ.अ.इं.रा.मु. चंद्रः बसंतर्तौ रविरुत्तरे फाल्गुन कृ.महाराष्ट्राः

१	शु	४२	४४	पू	१३	१६	धृ	१३	३४	वा	१०	०	२८/५०	६/१४	४/६	४	१४	१४	क.२९।४९
२	श	४७	२९	उ	१९	२५	शू	१४	४७	तै	१५	६	५४	१३	४७	५	१५	१५	कन्यायां
३	र	५१	२०	ह	२४	५८	गं	१५	८	व	१९	२५	५८	१२	४८	६	१६	१६	तु.५७।११
४	चं	५४	१४	चि	२९	२६	वृ	१५	१	ब	२२	४७	२९/३	१२	४८	७	१७	१७	तुलायां
५	मं	५५	५२	स्वा	३१	५७	ध्रु	१३	५२	की	२५	३	६	११	४९	८	१८	१८	तुलायां
६	बु	५६	२२	वि	३५	१३	व्या	११	०	ग	२६	७	१०	१०	५०	९	१९	१९	वृ.१९।३९
७	गु	५५	३२	अ	३६	२०	ह	८	५६	वि	२५	५७	१४	९	५१	१०	२०	२०	वृश्चिके
८	शु	५३	२३	ज्ये	३५	५३	व	४	४४	वा	२४	२७	१९	८	५२	११	२१	२१	ध.३५।५३
९	श	४९	२८	मू	३४	११	सि	२९/१	५१/२६	तै	२१	२५	२३	७	५३	१२	२२	२२	धनुषि
१०	र	४४	१२	पू	३०	३१	व	४५	१६	व	१६	५०	२७	७	५३	१३	२३	२३	म.४४।२२
११	चं	३७	३७	उ	२५	५५	प	३६	३६	ब	१०	५५	३२	६	५४	१४	२४	२४	मकरे
१२	मं	२९	४७	श्र	२०	९	शि	२६	५९	की	३	४२	३६	५	५५	१५	२५	२५	कु.४६।४४
१३	बु	२१	१४	ध	१३	१९	सि	१६	५२	व	२१	१४	४०	४	५६	१६	२६	२६	कुम्भे
१४	गु	१२	२	श	६/४	५३/४४	सा	९/१	४९/३८	श	१२	२	४४	३	५७	१७	२७	२७	मी४६।२२
३०	शु	२	४७	उ	५२	२२	शु	४६	१०	ना	२	४७	४९	२	५८	१८	२८	२८	मीने

पूभा. रविःसौरः ३/१ धनि.बुधः १२/९ वसंत १*
पातस्पर्श ५०।२३ * छारेडी
भ.१२/९ उ.५१/२० या.पूभा.३ राहु.उफा.१ केतुः*
चतुर्थी व्र. *१२/२२ पातमोक्षः ५०

भ.५६/२२ उ. अश्वि. ३ गुरुः४५।५३
भ. २५।५७ या.
कुंभे बुधः ४३।४७ शीतलाभूजनम्

भ. १६/५० उ. ४४/१२ या. मीनेऽर्कः ५९/१९
मीनेऽर्कः सौरः ५/१ पापमोचनी ११ व्र.
प्रदोषः
भ. २१/१४ उ. ४६/३८ या. शते बुधः ५९/४०
उभा.रविः २०/१५ (सौर २३/३७) भरण्यां शुक्रः ३५/५७
सूर्य गृहणम् मन्मादिः

४८पं.चै.कृ ५म.इ.४।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	०	०	८	१०	१०
२४	१९	२६	६	८	७	२९	२४
६	१६	४६	१८	१५	५१	५४	४
१४	१६	८	२२	५०	३२	२१	३०
५९	३८	५३	१२	६७	३	३	६०
५८	८	७	५१	२	२८	११	५

गोचरग्रहाः

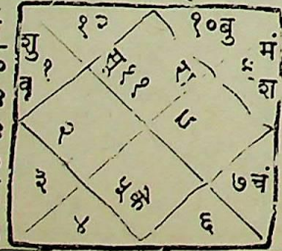

चैत्र कृ. १०रवौ मीनेऽर्कः प्र. वा. २ न. ४ बालावस्था बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शु.उ.प.

गोचरं ग्रहाः

४९पं.चै.कृ.१२.म.इ.१२/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	०	०	८	१०	११
१	२०	४	७	१६	८	२९	१
५	५९	४२	४७	०	११	३२	४
३१	३१	५८	१४	३२	६	६	१२
५९	३७	७१	१२	६५	३	३	५९
४१	५९	५०	१८	३८	४७	११	४९

Kanya Gurukul Campus Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

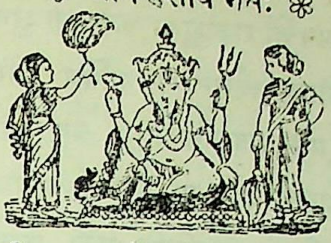

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०८९ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०८९ भोग्यकलिः ४२६९११ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीरविक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४५ शाकः१९१० । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शुक्रः । मंत्री बुधः । सस्येशो शुक्रः । धान्येशो गुरुः । मेघेशोभौमः । रसेशो रविः । नीरसेशो शुक्रः । फलेशोःभौमः । धनेशो शूक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १५ वृषनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ८।१२।२५।२ भोग्यमासादिः ३।१७।३४।५८ इन्द्रदैवतं युगम् । वर्षनामः आश्विन मेघनाम आवर्तः । रोहिणी निवासेः समुद्रे । समयनिवासो मालाकार गृहे । समय विश्वा १८ । समयवाहनं दुर्दुरः । स्तंभौः अन्नजलयोः । सोमवत्यमाः २ । सोमवती पंचमी १ । अङ्गारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २ । रवि-दशमी ३ । समयमुहूर्ताः ३१५ । समयदिनानि ३८२ । तिथिक्षयः १८ । तिथिवृद्धिः १२ । उत्पत्तिविश्वा ९३ । खपति विश्वा ९३। वर्षा विश्वा १३ । धान्यम् १३. तृणम् ५. शीतम् ९. तेजः ११ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यम् १०५ सत्यम् ॥ धर्मम् १॥ पापम् १८ शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहण २ चन्द्र सूर्ययोः ।

सं.२०४५ भाद्रपदकृ. ३०रवौ. खंडग्रास सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.		
उज्ज.	घ.	२	४	६		
मध्यम.	पल	२६	५३	१४		
रेल्वे	घं.	७	८	८		
टाइम	मि.	२५	२४	५७		

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्षलग्नम् ११।२७

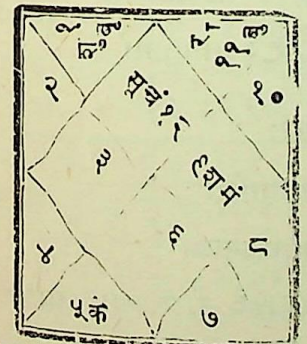

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

कर जोड़े तव द्वार पै पूछत भैरवलाल ।
पैंतालीस की साल का सत्य कहो सब हाल ॥

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे सम्वत्सर का सार ।
दशाधिकारी योग से सुख पावे संसार ॥
पैंतालीसो पाहुणों होसी मोठ जुवार ।
साधारण हो बाजरो ऊनालुअन्न अपार ॥
जलनिधि में रोहिणी वसी हर्षे चंद्र चकोर ।
कर्षकजन हर्षित रहे गाज बीज घनघोर ॥
मेघपति अरु फलपति गढपति मंगल जानि ।
यह सुख से नहीं रहनदें करें जगत में हानि ॥
राजा मंत्री देखतां संवत् उत्तम होय ।
व्यापारी रहें लाभ में संशय करो न कोय ॥

सं.२०४५ माघ कृ.३०चंद्रे खंडग्रासं सूर्यग्रहणम्

		स्प.	सं.	म	मो.	उ.
उज्ज.	घ.	३१	३४	३६	३८	४१
मध्यम	पल	५५	५८	३७	१६	१९
रेल्वे	घं.	७	८	९	९	१०
टाइम	मि.	१३	२६	६	४५	५९

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेशलग्नम् ४।९

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२६।० केतकीमतेन वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशाः २३।४०।३७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन्वर्षे राजाशुक्रः फलम् ॥ शुक्रस्य राज्ये बहुसस्यसंकुलासुतीव्रवेगाः सरितोम्बुराशिभिः । फलंति वृक्षा बहु गोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुताः ॥ मंत्री बुधस्तत्फलम् ॥ शशिसुते शुभ मंत्रि समागते स्वपतिता रमते मदनक्रियाम् । बहु धनं बहुवरिसमन्वितं यवमसूर चणान्न महर्घता ॥ सस्येशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ शुक्रोयदा धान्य पतिर्धरायां मेघोजलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालीक्षुधनंप्रियंगु वृक्षेषुपुष्पाणि सुखप्रदानि ॥ धान्येशो गुरुः फलम् ॥ गुरौ धान्यपतौ याते यवगोधूम शालयः । पच्यते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्राह्मणादयः ॥ मेघेशे भौमस्तत्फलम् ॥ अवनिजो जलदस्य पतौ भुवि श्रुति विचार विहीन धरा भवाः । क्वचिदपि प्रशधं बहुतापदम् ॥ रसेशो रविः फलम् । रस पतौ तरणी धरणीतदा विरस भाग रत्नल्प पयोधरा । वसन तेल घृत प्रिय मानवा । सुख रसंन भुनक्ति महीपतिः ॥ नीरसेशः शुक्रः फलम् ॥ कर्पूरागह गन्धानां हेयमैत्रिक वाससां । अर्घबृद्धिः प्रजायेते नीरसेशो भृगुर्यदि ॥ फलेशो भौमस्तत्फलम् ॥ फलपतिर्यदि भूतनयोभवेन्न बहुपुष्पफलान्वित पादपाः गदभयान्वित देश जनास्तदा नृपतयो बहु विग्रह कारकाः ॥ धनेशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ द्रविणयो भृगुजा द्रविणैर्युताः समधनाः सकला भुवि मानवाः । समसुखं क्रयविक्रय जीविनो नृपतयोजन पालन तत्पराः ॥ दुर्गेशो भौमस्तत्फलम् । अवनिजो गढ़नायकतां गतो विविध दुःख वियोग समन्वितः । जनपदेषुजनाः क्रयविक्रये भयविशेष तयानफलं क्वचित ॥ वृषनामसंवत्सरः फलम् ॥ वृषाब्दे निखिलाः क्ष्मेशा युध्यन्ति वृषभा इव । विद्या प्रसक्ता विप्रेंद्रा यजन्ये सततं सुरान । वर्षनाम आश्विनः फलम् ॥ सुभिक्षंपूर्वं सस्यंज्वरवररोगाकुलं जगत् । आश्विने शोभना वृष्टिः नृप सौख्य करीसदा । मेघनाम आवर्तः फलम् ॥ आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् । रोहिणीनिवासः समुद्रे फलम् । समुद्रे तुमहावृष्टिः ॥ समय निवासो मालाकार गृहे फलम् । मालिन प्रचुरा वृष्टिः । एवंसंचित्यदैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

सं० २०४५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

द्वि. ज्येष्ठ मासः ।

शु. ८ बुधे हस्ते ल. १०।२ रे.८।।।।।।।ऽ।ऽ
,, १० शुक्रे स्वा. ल. १ रे.६।।।।।।ऽ।। चं. ७ पूज्यः
,, ११ रवौ अनु. ल. २ रे.६ऽऽ।।ऽऽअ।।।। चं. ७ पू.
,, १२ चन्द्रे अनु. ल. अन्यगो. सोग्रांगः १० रे.७ऽऽ।।ऽ।।।।

आषाढ मासः ।

कृ. १ गुरौ उषा. ल. १२।१ रे.७।।।ऽबुऽचौ।।ऽ। गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः पादतो बुधवेधाऽभावश्च
,, ६ भौमे उभा.ल.अन्यगो. सोग्रांगः १०।१ रे.७ऽ।।।ऽअऽ।।।
, ८ बुधे रेव. ल.अन्यगो.सोग्रांगः १०रे८।।।।।।ऽ।ऽ
,, १२ रवौ रोहि.ल.१०।१रे.६।ऽऽशु।।ऽचौ.ऽ।। दृक्युतिः मेषे रेखा ७ चौर पंचकाऽभावः

कार्तिक मासः ।

शु. ११ रवौ. रेव ल. गो. ४ रे.६।।।।।ऽनृ।।।।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. १ गुरौ रोहि.ल४घ.३६।३८या.रे ७।।।।ऽऽरो।ऽ।।
,, २ शुक्रे मृगे ल. गो.४घ.३८।४या.रे.८ऽ।।।।ऽ।।।
,, ६ शुक्रे उफा. ल. अन्यगो. ४ रे.७ऽ।।।।ऽऽ।।
शु. ३ चंद्रे उषा. ल अन्यगो. रे.१०।।।।।।।।।

माघ मासः

कृ. ४ गुरौ उफा. ल. गो. रे.६।।।।।।।ऽ।।
,, ५ शुक्रे हस्ते ल. गो. रे.७।।।।।ऽनृऽऽ।।
शु. ६ भौमे मृगे ल. १० घ. ५६।५६ उ. रे.७।ऽ।।।ऽअ।ऽ।।
,, १० बुधे मृगे ल. गो. सोग्रांगः रे.८।ऽ।।।।।ऽ।।

Kanya Maha Vidyalaya Collection, Haridwar. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रीचैत्र शुक्ल पक्षः स. २०४५ शाकः १९१० दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चंद्रः | वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४६२स.१९८८

| | | |

ति. वैशाख शुक्लपक्ष. सं.२०४५ शाकः १९१० दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५४९१स.१९८८

१	र	२०	१९	अ	९	१०	प्री	४७	३१	ब	२०	१९	३१/५१	५/३८	६/२२	१७	२८	२९	मेषे
२	चं	१५	३६	भ	६	१३	आ	४२	२	की	१५	३६	५५	३७	२३	१८	२९	१	वृ.२१।५७
३	मं	१२	४९	कृ	५	१०	सौ	३८	२	ग	१२	४९	५८	२६	२४	१९	३०	२	बृषे
४	बु	११	४६	रो	५	५३	शो	३५	५१	वि	११	४६	३/३	२६	२४	२०	३१	३	मि३७।२०
५	गु	१२	१	मृ	८	४७	अ	३५	२०	वा	१३	१	६	३५	२५	२१	१	४	मिथुने
६	शु	१६	२	आ	१३	२५	सु	३५	५३	तै	१६	२	१०	३४	२६	२२	२	५	मिथुने
७	श	२०	४२	पु	१९	३२	धृ	३७	१८	व	२०	४२	१४	३३	२७	२३	३	६	क.३।०
८	र	२६	२२	पु	२६	३७	शू	३९	२९	ब	२६	३२	७	३३	२७	२४	४	७	कर्के
९	चं	३२	३८	श्ले	३४	१३	गं	४१	५५	की	३२	३८	२१	३२	२८	२५	५	८	सिं३४।१३
१०	मं	३८	४९	म	४१	४०	वृ	४४	२५	तै	५	४३	२५	३१	२९	२६	६	९	सिंहे
११	बु	४४	४६	पू	४८	४३	धु	४६	१०	व	११	४७	२९	३०	३०	२७	७	१०	सिंहे
१२	गु	४९	३८	उ	५४	४०	व्या	४७	१९	ब	१७	१२	३२	३०	३०	२८	८	११	क.५।१२
१३	शु	५३	४	ह	५९	१९	ह	४७	१३	की	२१	२०	३६	२९	३१	२९	९	१२	कन्यायां
१४	श	५५	२५	चि	६०	०	व	४५	१४	ग	२४	१४	४०	२८	३२	३०	१०	१३	तु.३१।६
१५	र	५६	१०	चि	२	५३	सिं	४४	१४	वि	२५	४७	४३	२७	३३	१	११	१४	तुलायां

आश्वि मेषे बुधः १६।५ चंद्रदर्शनम्
परशुराम जयंती रमजान ९
भ. ४२।१७ उ. अक्षया ३
भ. ११।४६ या.
रा. वैशाखारम्भः
मृगे शुक्रः ३३।५० भरणी २ गुरुः ५/४१
भ.४२/२०उ.५३/३२या.भरण्यांबुधः३५/५ अस्त*
*गुरोः ३।३६ (अ.गु.)

+५६।११ मई ५ ता. ३१
भ.११/४७उ.४४/६या भरण्यां रविः २।१९=
=(सौरः ४।४८)मोहनो ११ब्र.
कृत्ति. बुधः ४८।५९ प्रदोषः
भ. ५५।२५ उ. नृसिंह १४
भ २५/४७या.बृषे बुधः२१/३७बुधोदयःपश्चि.+

२पं.वै.शु.४बु.इ. २२।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	०	१	८	१०	०
६	१५	६	१६	२१	८	२०	६
५०	१८	३२	४	२९	४४	३६	४८
४२	४३	३१	२२	४२	५७	५५	४६
५८	३६	२९	१३	५०	५२	३	५८
२१	१२	२९	३२	१९	ब	११	२९

गोचरग्रहः:

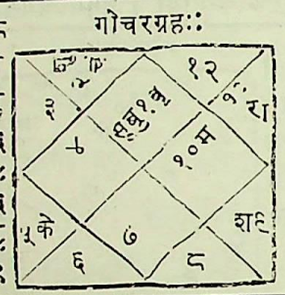

इस मासमें ५ रविवार रोग पीड़ा करें। अनाज गल्ला तिलहन गुड़ खांड़ घृत तिल तैल अलसी अंडी तेज होवे।

गोचरग्रहा

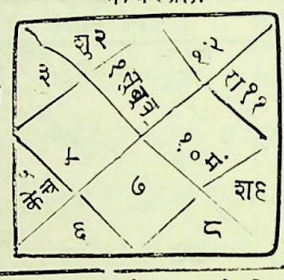

३पं.वै.शु११बु. इ.२२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	०	१	८	१०	०
१३	१९	२१	१७	२६	८	२७	१३
३९	२६	३४	४४	४८	३५	१४	३७
४३	१०	५५	६	५४	३५	३९	११
८	३६	५/५	१३	४४	३/१	३	५८
१५	९	५/१	२६	२९	ब	११	१२

ति.प्र.ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं.२०४५ शाकः १९१० दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखा कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	५६	३०	स्वा	४	५१	व्य	४१	१४	वा	२६	२०	३२/४७	२/७	३/३	२	१२	१५	वृ.५०।२९
२	मं	५४	४	वि	५	४१	व	३७	७	तै	२५	१७	५१	२६	३४	३	१३	१६	वृश्चिके
३	बु	५१	६	अ	५	२९	प	३२	२०	व	२२	३५	५४	२५	३५	४	१४	१७	बृश्चिके
४	गु	४७	४४	ज्ये	४	३०	शि	२७	१२	ब	१९	२५	५७	२५	३५	५	१५	१८	ध.४।३०
५	शु	४३	४८	मू	२	४७	सि	२१	१६	की	१५	४६	३/१	२४	३६	६	१६	१९	धनुषि
६	श	३९	२३	पू	२१/०	५/५७	सा	१५	८	ग	११	३५	४	२३	३७	७	१७	२०	म.२९।४३
७	र	३४	४९	अ	५४	२५	शु	८	३३	वि	७	५	७	२३	३७	८	१८	२१	मकरे
८	चं	२९	४०	ध	५१	१६	शु	५८/१	५२/४	वा	२	१४	१०	२२	३८	९	१९	२२	कु.२२।५५
९	मं	२४	१४	श	४७	३१	ऐं	४७	२३	ग	२४	१४	१३	२१	३९	१०	२०	२३	कुम्भे
१०	बु	१८	१७	पू	४३	३१	वै	३९	५०	वि	१८	१७	१६	२१	३९	११	२१	२४	मी२९।३१
११	गु	११	१९	उ	३९	३७	वि	३२	२३	वा	११	१९	१९	२०	४०	१२	२२	२५	मीने
१२	शु	६	२६	रे	३५	४७	प्री	२५	०	तै	६	२६	२२	२०	४०	१३	२३	२६	मे.३५।४७
१३	श	०	५१	अ	३२	३८	आ	१८	०	व	०	५१	२५	१९	४१	१४	२४	२७	मेषे
१४	श	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	र	५१	४२	भ	३०	६	सौ	११	४८	च	२३	१३	२८	१८	४२	१५	२५	२८	बृ ४४।५०

मिथुने शुक्रः १५।५९धनि.भौमः२१।२६

भ. २२।३५ उ. ५१।६या.
चतुर्थी व्र.
रोहि. बुधः ३८।५
भ.३९।२३उ भरणी ३ गुरुः २।५०
भ.७।५या.पूभा.२राहुःपूफा.४ केतुः१७/१
भ. ५१/५उ.कृत्ति रविः ४८/१४ (सौरः५४/३)
भ. १८।१७ या.
अपरा ११ ब्र.
कूंभे भौमः ०।५६ प्रदोषः
भ.०।५१उ.२८।१८या.बृषेऽर्कः१५।२९×
×(सौरः२०।३३)
मृगे बुधः ३१।४१ वटसावित्री ब्र.

४पं.प्र.ज्ये.कृ.३बु.इ. २२।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	०	२	८	१०	०
२०	२४	५	१९	१	८	२६	२०
२७	३१	४३	२३	१६	२२	५२	२३
३२	५२	३०	३८	३०	१२	२५	१३
५८	२५	०/५९	१३	३६	२/१९	३	५७
६	३२	४५	३८	१२	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

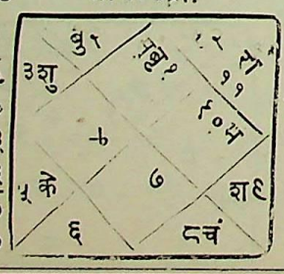

प्र.ज्ये.कृ.१ शनौ वृषेऽर्कः. प्र. वा. ४न.५कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ३० धा. भावे समता शुक्रो. पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

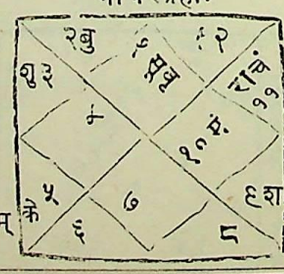

५पं.प्र.ज्ये.कृ१०बुइ.२२।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	०	२	८	१०	०
२७	२९	१७	२१	४	८	२६	२७
१३	३	२५	३	३९	५	३०	९
३४	१८	१२	५४	४	१०	८	७
५७	३४	९/१	१३	२५	२/५१	३	५७
५४	४४	२२	३८	३६	ब	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति|प्र.ज्येष्ठशुक्ल पक्षः सं.२०४५ शाकः १९१० | दि. | उ. | अ | इं | रा. | मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५५२०सन्१९८८

| | | |

ति. द्वि. ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं. २०४५ शाकः १९१० | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५५५०स१९८८

१	बु	२०	५३	आ	५५	४७	गं	२०	५९	ब	२०	५३	३४	५८	५२	१५	२५	२९	मिथुने
२	गु	२३	२४	पु	६०	०	वृ	२०	२३	को	२३	२४	२२	८	५२	१६	२६	१	क.४४।२३
३	शु	२७	१२	पु	०	३५	धु	२०	५६	ग	२७	१२	२३	७	५३	१७	२७	२	कर्के
४	श	३२	१६	पु	६	२८	व्या	२२	१२	वि	३२	१६	२३	७	५३	१८	२८	३	कर्के
५	र	३८	७	श्ले	१३	५८	ह	२४	१९	ब	५	११	२३	७	५३	१९	२९	४	सिं १३।५८
६	चं	४४	११	म	२१	६	व	२६	५८	को	११	९	२४	७	५३	२०	३०	५	सिंहे
७	मं	५०	२२	पू	२८	३७	सिं	२९	२९	ग	१७	१६	२४	७	५३	२१	३१	६	क.४५।२६
८	बु	५५	४५	उ	३५	५३	व्य	३१	३७	वि	२३	३	२४	७	५३	२२	१	७	कन्यायां
९	गु	५९	५८	ह	४१	५७	व	३१	५४	बा	२७	५१	२४	७	५३	२३	२	८	कन्यायां
१०	शु	६०	०	चि	४६	२४	प	३३	८	तै	३१	१९	२४	७	५३	२४	३	९	तु. १४।१५
१०	श	२	४१	स्वा	४९	१७	शि	३१	५०	ग	२	४१	२३	७	५३	२५	४	१०	तुलायां
११	र	३	२१	वि	५०	२०	सिं	२७	१०	वि	३	२१	२३	७	५३	२६	५	११	वृ.३५।४
१२	चं	२	७	अ	४९	१७	सा	२४	५२	गा	२	७	२३	७	५३	२७	६	१२	बृश्चिके
१३	चं	५६	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	सं	५३	५९	ज्ये	४६	३४	शु	१९	४	ग	२६	३२	२२	८	५२	२८	७	१३	ध.४६।३४
१५	बु	४७	४४	मू	४२	२२	शु	१२	२	वि	२०	५१	२२	८	५२	२९	८	१४	धनुषि

चंद्र दर्शनम्

भ. ५९।४४ उ. जिल्काद ११

भ. ३२।१६ या.

कृत्तिका. २ बृषे गुरुः १२ ७ शुक्रोदयः पूर्वस्या ३ ९

भ. ५२ ० उ. आर्द्रा. रविः ३ ० १ (सौरः ४ ५ १) वक्री *

भ. २३ ३ या. बुधोदयः पूर्वस्यां २ ९ ० रा. आषा. रं.

* रोहि. शुक्रः ४५।१८

गंगादशमी

भ. ३३।१ उ.

भ. ३ १ या. मार्गी बुधः १ ४ ३ ५ निर्जला ११ ब्र. ≡

प्रदोषः ≡ पातस्पर्शः ५५ ३७

× पातमोक्षः ३३।४

भ. ५३।५९ उ.

भ. २०।५१ या. गुर्जरा वटसवित्री ब्र.

१०पं. द्वि. ज्ये. शु. १ ब. इ. २३ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	१	१	८	१०	२
०	२०	२७	२९	२६	५	२४	०
४८	२८	१८	८	५७	५४	३८	३५
२५	३०	४०	१०	३६	०	५०	९
५७	३०	३२ ११	१२	३५ ८३	४०	३	५६
१७	१५	ब	३४	ब	ब	११	५७

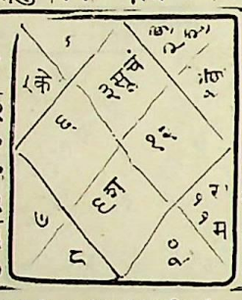

११पं. द्वि ज्ये. शु. ८ बु. इ. २३ १८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	१	१	८	१०	२
७	२४	२४	०	२३	५	२४	७
२९	२३	३६	३७	३	२२	१६	१३
२४	२८	३२	४४	२२	३०	३५	३६
१७	२८	१७	१२	२६ १७	४०	३	५६
१३	५८	ब	१५	ब	ब	११	५४

१२पं. द्वि. ज्ये. शु. १५ बु इ. २३ १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	१	१	८	१०	२
१४	२८	२१	२	२०	४	२३	१३
९	६	२	५	३९	५२	५४	५१
५०	४	२०	२८	३२	१६	१९	४१
५७	२७	१४ ११	११	१० २८	३४	३	५६
७	३२	मा	५१	ब्र	ब	११	५०

ति. आषाढ़ कृष्ण पक्षः स २०४५ शाकः १९१० | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	गु	४०	२४	पू	३७	१७	ब्र	५ ३९	५ १९	बा	१४	३	३४ २१	५८	५२	२०	९	१५	म. ५०।५०
२	शु	३२	४६	उ	३१	३०	वै	४६	३१	तै	६	३५	२०	८	५२	१	१०	१६	मकरे
३	श	२४	४९	श्र	२५	४८	वि	३७	२०	वि	२४	४९	१९	८	५२	२	११	१७	कु. ५३।४
४	र	१७	१७	ध	२०	२०	ग्री	२८	४७	बा	१७	१७	१८	८	५२	३	१२	१८	कुम्भे
५	चं	१०	१४	श	१५	२२	आ	२०	३२	तै	१०	१४	१७	९	५१	४	१३	१९	मी ५७।१८
६	मं	३	५३	पू	११	१६	सौ	१२	४९	व	३	५३	१५	९	५१	५	१४	२०	मीने
७	म	५४	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	बु	५४	७	उ	७	५७	शो	५ ५९	५ ३७	बा	२६	२३	१४	९	५१	६	१५	२१	मीने
९	गु	५०	४९	रे	५	३९	सु	५४	४०	तै	२२	२९	१३	९	५१	७	१६	२२	मे. ५।३९
१०	शु	४८	१८	अ	४	३३	धृ	५०	१६	व	१९	३४	११	१०	५०	८	१७	२३	मेषे
११	श	४६	५७	भ	३	१०	शू	४६	४३	व	१७	२७	१०	१०	५०	९	१८	२४	बृ. १८।३५
१२	र	४६	४०	कृ	४	५२	गं	४४	०	को	१६	४९	८	१०	५०	१०	१९	२५	वृषे
१३	चं	४७	३१	रो	६	४३	वृ	४२	२०	ग	१७	५	७	११	४९	११	२०	२६	मि ३८।८
१४	मं	४९	२५	मृ	९	३४	धु	४१	१६	वि	१८	२८	५	११	४९	१२	२१	२७	मिथुने
३०	बु	५२	३४	आ	१३	३२	व्या	४०	४८	च	२०	५९	४	११	४९	१३	२२	२८	मिथुने

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

भ. ५८।४७ उ. जौलाई ७ ता. ३१

भ. २४ ४९ या. मीने भौमः ४ ५ ८ च. व. मार्गी शुक्रः ४२।५४

भ. ५ ३ ३ उ. ३ १ १ ६ या. पु. रविः ३ ० २ ६ (सौरः ५ १ ५ २) ≡

≡ कृति. ३ गुरुः २९।५७

मिथुने बुधः ५३।३९

भ. १ ३ ९ ४ उ ४ ८ १ ८ या. पातस्पर्शः ५ ६ २ ७

उभा. भौमः ३ ८ ५ पोगीनी ११ ब्र. पतमोक्षः १ २ १ ९

पूभा. १ राहुः पूफा ३ केतुः १ १ ५ १

भ. ४७।३१ उ. प्रदोषः

भ. १८।२८ या. आर्द्रा. बुधः ३५।५५

१३पं. आ. कृ. ८ बु. इ. २३।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	१	१	८	१०	२
२०	१	२९	३	२०	४	२३	२०
५०	३३	३३	२९	१०	२२	३२	२९
१०	५८	०	५८	५२	१९	३	३५
१७	२५	५३	११	२६	१९	३	५६
७	५२	२	१५	मा	ब्र	११	५०

गोचरग्रहाः

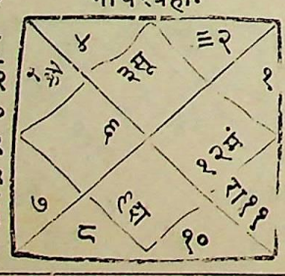

इस मासके आरंभ ही वर्षा अच्छी हो। रुई चांदी गुड़ विनौला अलसी सिरस्युं अनाज मंदा होगा

गोचरग्रहाः

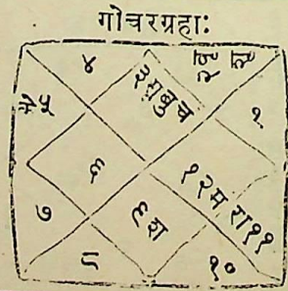

१४पं. आ. कृ. २० बु. इ. २२ ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	१	१	८	१०	२
२७	४	७	४	२१	३	२३	२७
३०	४८	४८	४९	२९	५४	९	७
३२	५०	०	३४	४२	१४	४८	४२
५७	२३	८ ६	१०	२०	४	३	५६
११	४६	४२	३८	५८	ब्र	११	५४

≡ बु. बृ. शु.

(स० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* बु. बृ. शु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| आषाढ शुक्लपक्षः सं०२०४५ शाकः१९१० | दि| उ.|अ. इं.|रा.|मु.| चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५५७९स.१९८८

१	शु	५६	४७	पु	१८	३७	ह	४१	२८	क	२४	४०	३४ २	५ १२	६ ४८	१४	२३	२९	क.२।२६	
२	शु	६०	०	पु	२४	५५	व	४३	१	वा	२९	२१	०	१२	४८	१५	२४	३०	कर्के	कर्केऽकः ५९।५० चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
२	श	१	५५	श्ले	३१	३८	सि	४५	७	की	१	५५	३३ ५५	१२	४८	१६	२५	१	सिं३१।३८	कर्केऽर्कः सौरः २४।३६ जिल्हेज १२
३	र	७	४९	भ	३९	५४	व्य	४७	२६	ग	७	४९	५६	१३	४७	१७	२६	२	सिंहे	भ. ४०।५३ उ.
४	चं	१३	५५	पू	४६	३९	व	४९	५९	वि	१३	५५	५४	१३	४७	१८	२७	३	सिंहे	भ. १३।५५ या. मृगे शुक्रः २९।३१
५	मं	२०	१६	उ	५४	२०	प	५२	४४	वा	२०	१६	५२	१४	४६	१९	२८	४	क.३।३४	पुष्ये रविः २९।७ सौरः ५५।१७
६	बु	२६	३	ह	६०	०	शि	५४	२५	तै	२६	३	५०	१४	४६	२०	२९	५	कन्यायां	पुन. बुधः ४६।२८
७	शु	३०	४६	ह	१	११	सि	५५	४०	व	३०	४६	४७	१५	४५	२१	३०	६	तु.३३।२९	भ. ३०।४६ उ.
८	शु	३४	२९	चि	६	४८	सा	५७	३९	वि	२	३७	४५	१५	४५	२२	३१	७	तुलायां	भ ३ या. वक्रीमूल१शनिः ३९ बुधस्तः*
९	श	३६	१७	स्वा	११	५	शु	५४	९	वा	५	२३	४२	१६	४४	२३	१	८	वृ.५७।५१	कृत्ति.४ गुरुः ५५।५१ रा. श्रावणारंभः
१०	र	३६	७	वि	१३	२६	शु	५१	८	तै	६	११	४०	१६	४४	२४	२	९	वृश्चिके	*पूर्वस्यां २७।२३
११	चं	३३	४६	अ	१३	५१	न	४६	२७	व	४	५९	३७	१७	४३	२५	३	१०	वृश्चिके	भ.४।५९ उ. ३३।४६ या. कर्के बुधः+
१२	मं	२९	२६	ज्ये	१२	१५	ऐं	४०	१५	व	१	३६	३५	१७	४३	२६	४	११	ध.१२।१५	प्रदोषः +५५।८ देवशयनी ११ ब्र.
१३	बु	२३	१६	मू	८	३१	वै	३२	३३	तै	२३	१६	३२	१८	४२	२७	५	१२	धनुषि	पुष्ये बुधः ३२।२८
१४	गु	१५	३२	पू	३ १९	५३ ३४	वि	२४	२३	व	१५	३२	२९	१८	४२	२८	६	१३	म.१६।४२	भ.१५।३२ उ.४१।८ या. वायु परीक्षा
१५	शु	६	४४	श्र	४९	५१	धी	१३	४७	व	६	४४	२६	१९	४१	२९	७	१४	मकरे	मिथुने शुक्रः ४१।३६ व्यास १५ गुरु१५

१५पं.आ.शु.६बु.इ. २२।५०

गोचरग्रहाः

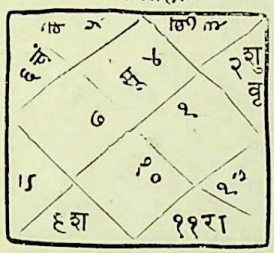

आ. श. २ शुक्रे कर्केऽर्कः प्र. वा. ४ न.५गतालका वस्था (ऊभी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

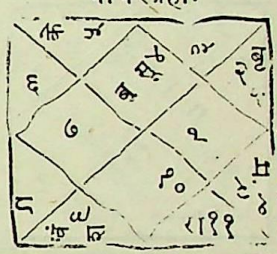

१६पं.आ.शु.१३बु.इ.२२/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	१	१	८	१०	३
१०	१०	२	७	२८	३	२२	१०
५२	१७	५९	१४	२४	६	२५	२५
१९	४६	५३	५६	११	२९	१७	२६
५७	१९	२७	९	४१	३	३	५७
२०	२७	१७	१९	२३	८	११	५

ति.| श्रावण कृष्णपक्षः सं.२०४५ शाकः१९१० | दि.| उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़ कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	५०	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	४८	६	ध	४३	२८	आ	३४	४६ ३८	तै	२२	४८	३३ २४	५ १९	६ ४१	३०	८	१५	कु.१६।३६	
३	र	३६	१३	श	३५	४६	शो	४३	१२	व	१३	४१	२१	२०	४०	३१	६	१६	कुम्भे	भ.१३।४१उ. ३६।१३ या. चतुर्थी ब्र.
४	चं	३०	५२	पू	२६	२६	अ	३३	५०	ब	५	२	१८	२०	४०	१	१०	१७	मी१६।१	अगस्तऽ ता. ३१
५	मं	२३	२१	उ	२४	१६	सु	२५	११	तै	२३	५१	१५	२१	३६	२	११	१८	मीने	आश्ले. रविः २६ (सौरः ५६) आश्ले *
६	बु	१८	१०	रे	२१	३६	धृ	१७	५३	व	१८	१०	१२	२२	३८	३	१२	१९	मे.२१।३६	भ. १८।१० उ. ४६।८ या.
७	गु	१४	५	अ	१९	७	शू	११	४१	ब	१४	५	९	२२	३८	४	१३	२०	मेषे	*बुधः ५१ नाग ५ मरुस्थले
८	शु	११	२८	भ	१७	३५	ग	६	४४	कौ	११	२८	६	२३	३७	५	१४	२१	वृ.३२।४४	
९	श	१०	२४	कृ	१८	११	वृ	२	५५	ग	१०	२४	३	२३	३७	६	१५	२२	वृषे	भ. ४०।३५ उ.
१०	र	१०	४६	रो	१९	२६	शु	१७	५८ ५७	वि	१०	४६	०	२४	३६	७	१६	२३	मि५१।४०	भ. १०।४६ या. आर्द्रा शुक्रः ४८।४
११	चं	१२	२५	मृ	२३	५४	ह	५८	१६	बा	१२	२५	३२ ५६	२५	३५	८	१७	२४	मिथुने	कामिका ११ ब्र.
१२	मं	२५	२९	आ	२८	३२	व	५८	४८	तै	१५	२९	५३	२५	३५	९	१८	२५	मिथुने	मघा सिंहे बुधः २५।१५ प्रदोषः
१३	बु	१९	२८	पु	३४	१३	सि	५९	२५	व	१९	२८	५०	२६	३४	१०	१९	२६	क.१७।४८	भ. १९।२८ उ. ५१।५३ या.
१४	गु	२४	१८	पु	४०	३७	व्य	६०	०	श	२४	१८	४७	२७	३३	११	२०	२७	कर्के	
३०	शु	२९	५०	श्ले	४७	२०	व्य	१	३२	ना	२९	५०	४३	२७	३३	१२	२१	२८	सिं४७।२०	हरियाली ३०

१७पं.श्रा.कृ.६बु.इ.२२।३३

गौचरग्रहाः

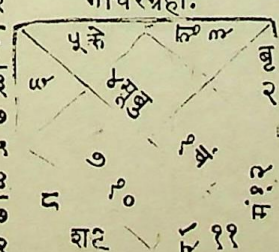

कर्कटस्थे यदा सूर्यस्तता वर्षतिमाधवः। तस्मिन् कालेतु धान्यानि क्वचिद्यांति महर्घताम्॥ धान्य तेज वर्षा मध्यम होवे ।

गोचरग्रहाः

१८पं.श्रा.कृ १३बु.इ २४/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	४	१	२	८	१०	३
२४	१४	१	०	८	२	२१	२३
१६	७	५३	१८	५६	३२	४०	४६
१६	५५	५३	२२	३५	१३	४५	२१
५७	१३	२७	७	५३	५०	३	५७
३३	५०	५५	२९	६	ब	११	२२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri

ति.	श्रावण शुक्ल पक्षः सं.२०४५ शाकः१९१०	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वर्षर्तुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६०९ स.१९८८
१	श ३५ ४४ म ५५ ३ व ३ २५ कं २ ४७ ३२/४० ५/२८ ६/३२	१३	२२	२९	सिंहे				
२	र ४१ ४८ पू ६० ० प ५ ४९ ब्रा ८ ४६	३६	२९	३१	१४	२३	३०	सिंहे	सिंधारा चन्द्रदर्शनम्
३	चं ४८ १५ पू २ ४१ शि ८ २० तै १५ १	३३	२९	३१	१५	२४	१	क.१९।३४	रोहिणी.१गुरुः४८।२०तीज.मोहोरम+
४	मं ५४ ५ उ १० १३ सि १० ४३ व २० १०	२९	३०	३०	१६	२५	२	कन्यायां	भ.२१/१०उ.५५/५५या. मघा. सिंहेऽर्कः २०।३*
५	बु ५९ ५ ह १७ १८ सा १३ ५३ ब २६ ३५	२६	३०	३०	१७	२६	३	तु.५०।२९	नाग पंचमी
६	गु ६० ० चि २३ ४१ शु १५ २२ कौ ३१ १६	२२	३२	२९	१८	२७	४	तुलायां	*(सौरः५३/१२)उफा बुधः ४७/१५बुधोदयः×
७	शु ३ २६ स्वा २८ ५९ शु १५ २० तै ३ २६	१९	३२	२८	१९	२८	५	तुलायां	×पश्चिमायां ५२।४२
८	श ६ ७ वि ३२ ४६ न १५ ८ ध ६ ७	१५	३३	२७	२०	२९	६	वृ.१६।४९	भ. ६।७उ. ३६।३९ या.
९	र ७ ११ अ ३४ ५२ ऐं १३ ३७ ब ७ ११	११	३४	२६	२१	३०	७	बृश्चिके	+१ सन १४०९ हि.
१०	चं ६ २९ ज्ये ३५ ४ वै १० ३४ कौ ६ २९	८	३४	२६	२२	३१	८	ध.३५।४	पुन. शुक्रः*२९।७
११	मं ३ ३३ मू ३३ २१ वि ४९/५६ ५/१९ ग ३ ३३	४	३५	२५	२३	१	९	धनुषि	भ ३१।१५उ. ५८।५८या. रा. भाद्र-=
१२	बु ५५ २५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	=पदारम्भः पवित्रा ११ ब्र. स्मा.
१३	बु ५२ १ पू २९ ३६ आ ५१ ४७ ब २५ २९	०	३६	२४	२४	२	१०	म.४३।१४	उफा. बुधः२६/१२ पवित्रा११ब्र वै.
१४	गु ४३ ५६ उ २४ ९ सौ ४२ ३८ कौ १७ ५९	३१/५६	३७	२३	२५	३	११	मकरे	प्रदोषः
१५	शु ३४ ३८ श १७ ४० शो ३२ २८ ग ९ १७	५२	३८	२२	२६	४	१२	कुं ४३।४४	भ.३४/३८उ.५३/३९या. कन्यायाबुधः २७।४४
१५	श २४ ४० ध ९ ४७ अ २१ ४९ ब २४ ४०	४८	३८	२२	२७	५	१३	कुम्भे	श्रावणी कर्म रक्षा बन्धनम्

१९प.श्रा.शु.५बु.इ.२२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	४	१	२	८	१०	४
०	१५	१४	१०	१५	२	२१	०
५९	१७	२४	१०	१४	२१	१८	२८
४९	२०	१८	१२	५३	४	२०	३४
५७	१०	८/०	६	५७	१९/१६	३	५७
४०	५०	२२	३१	१२	ब	११	३४

गोचरग्रहाः

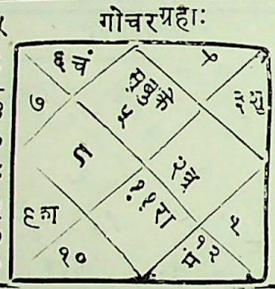

श्रा. शु. ४ भौमे सिंहेऽर्कः प्र. वा ५ न. ५ प्रगल्भा वस्था(बैठी) मु. २० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

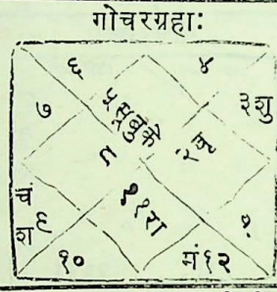

२०पं.श्रा.शु.१२ब.इ.२२/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	४	१	२	८	१०	४
७	१५	२६	१०	२१	२	२०	७
४४	५६	३२	५४	५३	१५	५६	१२
१७	६	१४	५०	२८	०	१४	५
५७	७	९८	५	६०	२९/२८	३	५७
४९	४६	४४	२७	१६	ब	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं.२०४५ शाकः१९१०	दि.	उ.	अ.	इ.	रा	मु.	चन्द्रः	शरदर्तुः रविर्दक्षिणे श्रावणकृ.महाराष्ट्राः
१	र १४ ३१ श ५६/१९ ५३/१९ सु १०/५५ ४९/४ कौ १४ ३१	३१/४४	५/३९	३/२१	२८	६	१४	मी४१।५	
२	चं ५ १३ उ ४६ ५८ शु ४९ ४१ ग ५ १३	४०	४०	२०	२९	७	१५	मीने	भ.२०।३८उ.५६।३या. मार्गीशनिः१९/९
३	चं ५० ५० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	÷सितम्बर९ ता. ३०चन्द्र६
४	मं ४८ ३० रे ४१ ७ गं ४० २८ ब २२ १६	३६	४१	१९	३०	८	१६	मे.४१।७	पूफा. रविः ९।४० (सौरः ४३/२३)च. ब्र.
५	बु ४२ ४६ अ ३७ ७२ बृ ३२ ४८ कौ १५ ३८	३२	४२	१८	३१	९	१७	मेषे	=श्रीकृष्ण जयन्ती ब्र.
६	गु ३८ ४९ भ ३४ १० ध्रु २५ ३५ ग १० ४७	२८	४२	१८	१	१०	१८	वृ.४९।१	भ.३८।४९उ. कर्के शुक्रः २५।२१÷
७	शु ३६ ५३ कृ ३३ ३५ व्या २० २५ वि ७ ५१	२५	४३	१७	२	११	१९	वृषे	भ. ७।५१ या. हस्ते बुधः १४।५६=
८	श ३६ ५२ रो ३५ ० ह १६ ५३ ना ६ ५३	२१	४४	१६	३	१२	२०	वृषे	जन्माष्टमी ब्र. वै.
९	र ३८ ३४ मृ ३८ ४ व १४ ५१ तै ७ ४३	१७	४५	१५	४	१३	२१	मि६।३२	पुष्ये शुक्रः ४३।३७ गोगा ९
१०	चं ४१ ४७ आ ४२ ३८ सि १३ ५९ व १० ११	१३	४५	१५	५	१४	२२	मिथुने	भ.१०।११ उ. ४१।४७ या.
११	मं ४६ १९ पु ४८ ३१ व्य १४ ३९ ब १४ ३	९	४६	१४	६	१५	२३	क ३२।३	अजा ११ ब्र.
१२	बु ५१ ४० पु ५५ १२ व १५ ४६ कौ १८ ५९	५	४७	१३	७	१६	२४	कर्के	वत्स द्वादशी
१३	गु ५७ ४९ श्ले ६० ० प १७ ४३ ग २४ ४४	१	४८	१२	८	१७	२५	कर्के	भ. ५७।४९ उ. प्रदोषः
१४	शु ६० ० श्ले २ ३२ शि १९ ५५ वि २० ५१	३०/५७	४९	११	९	१८	२६	सिं२।३२	भ. ३०।५१या.
१४	शु ३ ५८ म १० १ सि २२ २३ श ३ ५८	५४	४९	११	१०	१९	२७	सिंहे	*२केतुः ४८/२ सूर्यग्रहणम् कुशाग्रहणी
३०	श १० ८ पू १७ ३१ सा २४ १७ ना १० ८	४८	५०	१०	११	२०	२८	क ३४।१२	वक्रीभौम.३५/४७ शतभिषा.४राहुःपूफा.*

२१पं.भा.कृ.५बु.इ.२१।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	५	१	२	८	१०	४
१४	१५	७	११	२८	२	२०	१३
२९	५०	१५	३१	५३	१३	३३	५७
५६	२४	७	८	४६	५	५९	१७
५८	४	८७	४	६२	१२/०	३	५७
१	११	३४	१९	४१	म.	११	५७

गोचरग्रहाः

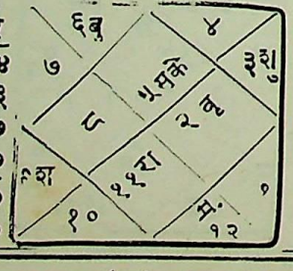

इस मास में ५ रविवार प्रजा में पीड़ा कारक है रविवार को सूर्य ग्रहण घृत तेल गुड खांड रुई सूत कपडा गेहूँ तेज

गोचरग्रहाः

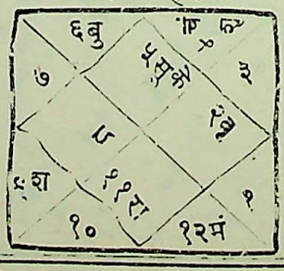

२२पं.भा.कृ.१२बु.इ.२१/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	५	१	३	८	१०	४
२१	१५	१६	११	६	२	२०	२०
१६	२४	४४	५८	१०	१६	११	४३
५५	४३	४९	५९	१९	३०	४३	५७
५८	२	७४	३	६४	०	३	५८
१३	३०	०	११	३६	५९	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

Digitized by S3 Foundation USA

ति.भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं.२०४५शाक: १९१० दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६३९स.१९८८

१	चं	१६	१८	उ	२४	४१	शु	२६	५५	ब	१६	१८	३० ४४	५५ ५१	६ ६	१२	२१	२९	कन्यायां	उफा.रविः५.४।०चित्रा.बुधः ४८।४१
२	मं	२१	५१	ह	३२	१	शु	२८	५०	को	२१	५१	४०	५२	८	१३	२२	३०	कन्यायां	उफा.रविः सौरः २८।१ चन्ददर्शनम्
३	बु	२६	४९	चि	३८	११	ब्र	३०	१६	ग	२६	४९	३६	५३	७	१४	२३	१	तु.५।७	भ. ५८ उ. हरितालिका ३ सफर २
४	गु	३०	४८	स्वा	४३	४०	ऐं	३१	८	वि	३०	४८	३२	५४	६	१५	२४	२	तुलायां	भ.३०।४८ या. गणेश चतुर्थी
५	शु	३३	४७	वि	४८	४	वै	३१	१३	च	२	१७	२८	५४	६	१६	२५	३	वृ.३१।५८	कन्यायामर्कः १९ (सौरः ५३) ऋषि ५
६	श	३५	२६	अ	५१	११	वि	३०	२३	को	४	३७	२४	५५	५	१८	२६	४	वृश्चिके	आश्ले. शुक्रः ४।३०
७	र	३५	४३	ज्ये	५२	५४	प्री	२८	२७	ग	५	३४	२०	५६	४	१७	२७	५	ध.५२।५४	भ. ३५।४३ उ.
८	चं	३४	१४	मू	५३	१	आ	२५	१३	वि	४	५८	१६	५७	३	१६	२८	६	धनुषि	भ. ४।५८ या.
९	मं	३१	१९	पू	५१	१५	सौ	२०	३९	बा	२	४७	१२	५८	२	२०	२९	७	धनुषि	
१०	बु	२६	२५	उ	४८	६	शो	१४	२९	ग	२६	२५	८	५८	२	२१	३०	८	म.५।२५	भ. ५३ उ.रामदेवजी का मेंला नवलदुर्गे
११	गु	२०	१०	श्र	४३	१३	अ	७	५१ ३९	वि	२०	१०	४	५९	१	२२	३१	९	मकरे	भ. ३० या.तुलायां बुधः ५०जलभू.११ब्र.
१२	शु	१२	१७	ध	३७	७	धृ	४९	१३	बा	१२	१७	३० ३०	० ०	० ०	२३	१	१०	कु १०।१०	वामन द्वादशी रा.आश्विनारंभःप्रदोषः
१३	श	३	३०		२९	५३	शू	३८	४५	तै	३	३०	२९ ५५	६ १	५ ४	२४	२	११	कुम्भे	भ. ५५ उ. वक्री गुरुः ३६ अनंत १४
१४	श	५०	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	र	४३	५९	पू	२२	२०	गं	२७	५९	वि	१८	५६	५१	२	५८	२५	३	१२	मी९।१४	भ. १८।५६ या. महालयश्राद्धारम्भः

२३पं.भा.शु.३ब्र.इ.२१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	५	१	३	८	१०	४
२८	१४	२४	१२	१३	२	१९	२९
५	२५	४७	१८	४०	२४	४९	३२
२४	५५	४२	०	३०	११	२७	१८
५८	३९	५६	१	६६	१	३	५८
२६	ब्र	३६	४६	८	३८	११	२९

गोचरग्रहाः

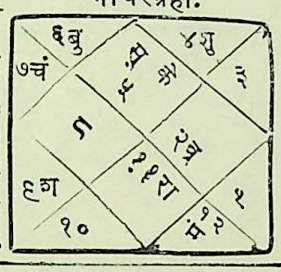

भा. शु. ५ शुक्रे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४, न. ४ कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शु.उ.पू.

गोचरग्रहाः

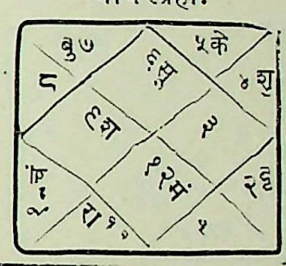

२४पं.भा.शु.१०बु.इ.२१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	११	६	१	३	८	१०	५
४	१३	०	१२	२१	२	१९	४
५५	२	४९	२७	२३	३६	२७	२२
१९	४२	१	४२	६	२५	१२	२५
१८	४३	३३	०	६७	२	३	५८
२८	ब्र	६	३७	२६	१८	११	४५

ति.आश्विन कृष्ण पक्षः सं०२०४५शाकः१९१० दि. उ. अ. ई. रा. मु. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र.कृ. महाराष्ट्राः

१	च	३४	३२	उ	१४	३१	वृ	१७	१२	बा	९	१६	२७ ४७	६ ३	५ ७	२६	४	१३	मीने	हस्ते रविः ३२।२७
२	मं	२५	५२	रे	७	२०	धु	४७	५० ५२	तै	०	१२	४३	३	५७	२७	५	१४	मे.७।२०	भ.५२।१३उ. हस्ते रविःसौरः५।४२*
३	बु	१८	३६	अ	४४	५५	ह	४८	३८	वि	१८	३६	३८	४	५६	२८	६	१५	मेषे	भ.१८।३६या.मघा.सिंहे शुक्रः५९।५४+
४	गु	१२	५	कृ	५४	१६	व	४१	४४	बा	१२	५	३४	५	५५	२९	७	१६	वृ.११।४४	+ च. व्र.
५	शु	९	४०	रो	५३	४८	सि	३६	१६	तै	९	४०	३०	६	५४	३०	८	१७	वृषे	*वक्री बुधः ३४।५५
६	श	९	२५	मृ	५५	२८	व्य	३२	४७	व	९	२५	२६	७	५३	१	९	१८	मि३४।३८	भ.९।२५उ. ३९ या.अक्टूबर १०ता ३१
७	र	९	१५	आ	५८	५९	व	३०	४७	बृ	९	१५	२२	८	५२	२	१०	१९	मिथुने	+शुक्रः ३६।२९ सोमवती सर्वपितृ श्रा.
८	चं	१२	५	पु	६०	०	प	३०	४७	को	१२	५	१८	८	५२	३	११	२०	क ४७।५३	
९	मं	१६	२८	पु	४	२	शि	३१	१४	ग	१६	२८	१४	९	५१	४	१२	२१	कर्के	भ. ४९ उ. बुधास्तः पश्चि. ४५ मातृ ९
१०	बु	२१	५६	पु	१०	२८	सि	३३	१	वि	२१	५६	१०	१०	५०	५	१३	२२	कर्के	भ. २१।५६या.वक्रीकन्यायांबुधः४९।६
११	गु	२८	१६	श्ले	१८	१	सा	३५	१०	बा	२८	१६	६	११	४९	६	१४	२३	सिं१८।१	मूल २शनिः४३।४६ इंदिरा ११ ब्र.
१२	शु	३४	४६	म	२५	२१	शु	३७	३५	को	१	३१	२	१२	४८	७	१५	२४	सिंहे	
१३	श	४१	२	पू	३३	७	शु	४०	५	ग	७	५४	३५ ५८	१२	४८	८	१६	२५	क.४९।५८	भ. ४१।२ उ. प्रदोषः
१४	र	४६	५४	उ	४०	२८	ब्र	४२	१४	वि	१३	५८	५४	१३	४७	९	१७	२६	कन्यायां	भ. १३।५८ या.
३०	चं	५२	९	ह	४७	०७	ऐं	४३	५९	च	१९	३१	५०	१४	४७	१०	१८	२७	कन्यायां	चित्रा.रविः ३८(सौरः३६।१८) पूफा.+

२५पं.आ.कृ.३बु.इ. २१।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	११	६	१	३	८	१०	५
११	११	३	१२	२९	२	१९	११
४६	२५	३३	२७	१५	५३	४	१४
५५	५	१४	७	५८	३८	५६	२७
५८	१५	४७	४०	६८	२	३	५९
५३	ब्र	ह्र	ब्र	३३	५९	११	०

गोचरग्रहाः

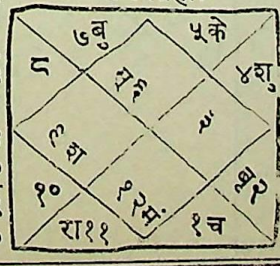

सोमवती अमावस्या कुछ मंदी कारक है सुदी में जौ गेहूँ मटर ममूर गुड़ मूंगफली रुई विनौला तिल तैल घृत चाँदी तेज हो।

गोचरग्रहाः

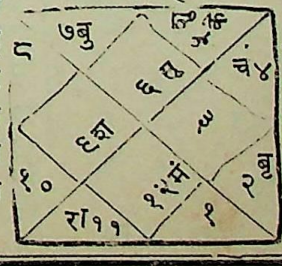

२६पं.आ.कृ.१०बु इ२१।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	११	६	१	४	८	१०	५
१८	९	०	१२	७	३	१८	१८
४०	४७	२८	१६	१५	१५	४२	८
८	४६	२६	५२	५८	०	४१	१४
५९	२५	६८	२	६९	३	३	५९
९	ब्र	ब्र	११	२०	३८	११	१६

CC-0. Gurukul Kangri Vishwavidyalaya

ति. आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०४५ शाकः १९१० दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः शरदृतूरविर्दक्षि. ऽहर्गणः स. ५६६८स १९८८

१	म	५६	२२	चि	५३	३	वै	४४	७	कृ	२४	१६	३८/४६	६/१५	४५/५५	११	१९	२८	तु. २०।१०
२	बु	५९	४९	स्वा	५८	१	वि	४५	२३	रो	२८	५	४२	१६	४४	१२	२०	२९	तुलायां
३	गु	६०	०	वि	६०	०	मृ	४४	४	ते	३०	५९	३८	१६	४४	१३	२१	१	बृ. ४६।१०
३	शु	२	१०	वि	२	१२	आ	४३	५०	ग	२	१०	३४	१७	४३	१४	२२	२	बृश्चिके
४	श	३	३१	अ	५	१३	मौ	४१	२९	वि	३	३१	३०	१८	४२	१५	२३	३	बृश्चिके
५	र	३	४७	ज्ये	७	१	शो	३८	५५	रो	३	४७	२६	१९	४१	१६	२४	४	ध. ७।१
६	चं	२	४०	मू	७	५०	अ	३५	७	ते	२	४०	२२	२०	४०	१७	२५	५	धनुषि
७	म	०	२८	पू	७	२२	सु	३१	२१	व	०	२८	१८	२०	४०	१८	२६	६	म. २१।५८
८	मं	५६	४८	०	०	०	०	७	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०
९	बु	५२	४६	उ	५	४९	धृ	२४	२६	रो	२५	१	१४	२१	३९	१९	२७	७	मकरे
१०	गु	४६	५७	श्र	५/५	४/०	शू	१७	२८	ते	१९	५२	१०	२२	३८	२०	२८	८	कु. ३०।५५
११	शु	४०	१३	श	५३	५०	गं	९	५३	व	१३	३५	६	२३	३७	२१	२९	९	कुंभे
१२	श	३२	२३	पू	४७	५६	वृ	२०/५	३९/५०	ब	६	१८	२	२४	३६	२२	३०	१०	मी ३४।२५
१३	र	२४	५	उ	४१	२७	ब्या	४२	१२	ते	२४	५	२७/५८	२४	३६	२३	१	११	मीने
१४	चं	१५	२४	रे	३४	४४	ह	३२	७	व	१५	२४	५४	२५	३५	२४	२	१२	मे. ३४।४४
१५	मं	७	६	अ	२८	३१	व	२३	११	ब	७	६	५०	२६	३४	२५	३	१३	मेषे

मातामह श्रा. नवरात्रारंभः
हस्ते बुधः १८।४९ चन्द्रदर्शनम्
रविलावल ३ ×पापाकुशा ११ व्र.
भ. ३२।५० उ.
भ. ३।३१ या.
तुलायामर्कः ४८।१४ सरस्वत्यावाहनम्
तुलार्कः सौरः १६ मार्गी भौमः ३०/३९ *
भ. २८ उ. ३५ या. बुधोदयः पू. ५० बलिदा.
÷रा. कार्तिकारंभः प्रदोषः
सरस्वती विसर्जनम् *सरस्वती पू.
मार्गी बुधः १४।१८ विजया १०
भ. १३/३५ उ. ४०/१३ या. उफा शुक्रः ५४/५५ ×

२७पं.आ.शु.२बु.इ.२१।१

र	मं	व	गु	शु	श	रा	र
५	११	५	१	४	८	१०	५
२५	८	२३	११	१५	३	१८	२५
३५	२२	१६	५६	२२	४०	२०	३
६	८	५२	५६	१६	३७	२५	५६
५९	३२	८५/४९	३२	७०	४	३	५९
२१	ब	बु	ब	११	१८	११	३१

गोचरग्रहाः

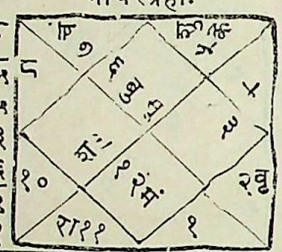

आ. शु. ५ रवौ तुलायामर्कः प्र. वा. ३ न. ४ युवा वस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

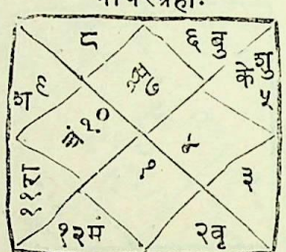

२८पं.आ.शु.९बु.इ.२०।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	५	१	४	८	१०	६
२	७	१८	११	२३	४	१७	२
३१	१८	८	२७	३८	९	५८	१
३४	२५	१६	५४	१०	५०	९	२४
५९	२१/२९	५८/५३	३४/३६	७०	४	३	५९
३४	ब	ब	ब	४९	५०	११	४६

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०४५ शाकः १९१० दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विन कृ. महा.

१	म	५२	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	बु	५३	३१	भ	२३	१९	सि	१३	३३	ते	२६	३४	२७/४६	६/२७	५/३३	२६	४	१४	वृ. ३७।१८
३	गु	८८	५८	कृ	१९	१४	व्य	२६/५५	३/१६	व	२१	१४	४२	२८	३२	२७	५	१५	वृषे
४	शु	४६	३१	रो	१७	९	व	५३	३८	ब	१७	४४	३९	२८	३२	२८	६	१६	मि ४७।१०
५	श	४६	८	मृ	१७	११	प	५०	४	कौ	१६	१९	३५	२९	३१	२९	७	१७	मिथुने
६	र	४८	२	आ	१९	१३	शि	४८	२३	ग	१७	५	३१	३०	३०	३०	८	१८	मिथुने
७	चं	५१	३७	पु	२३	१७	सि	४८	१३	वि	१९	४९	२७	३१	२९	३१	९	१९	क. ७।१६
८	मं	५६	४९	पु	२८	४२	सा	४८	४७	ब्रा	२४	१३	२४	३१	२९	१	१०	२०	कर्के
९	बु	६०	९	श्ले	३५	३८	शु	५०	५२	ते	२९	५६	२०	३२	२८	२	११	२१	सि ३५।३८
९	गु	३	३	म	४२	५६	शु	५२	५२	ग	३	३	१६	३३	२७	३	१२	२२	सिंहे
१०	शु	९	३२	पू	५०	४९	व्र	५५	२५	वि	९	३२	१३	३३	२७	४	१३	२३	सिंहे
११	श	१५	५०	उ	५८	५	ऐं	५७	३८	ब्रा	१५	५०	९	३४	२६	५	१४	२४	कं. ७।२३
१२	र	२१	४९	ह	६०	०	वि	५९	१९	ते	२१	४९	६	३५	२५	६	१५	२५	कन्यायां
१३	चं	२६	५६	ह	४	५६	प्री	६०	०	व	२६	५६	२	३६	२४	७	१६	२६	तु. ३७।४७
१४	म	३०	३५	चि	१०	३२	प्री	०	१९	श	३०	३५	२६/५९	३६	२४	८	१७	२७	तुलायां
३०	बु	३३	१९	स्वा	१५	१	आ	०/५	४/१	च	१	५६	५६	३७	२३	९	१८	२८	तुलायां

भ. २१।१४ उ. ४८।५८ या.
चित्रा. बुधः ३९।५८ चतुर्थी व्र.
भ. ४८।२ उ.
भ. १९।४९ या.
हस्ते शुक्रः ५८।२२ नवम्बर ११ ता. ३०
तुलायां बुधः ३१।१४
भ. ३६/१७ उ. वक्री कृत्तिका ४ गुरुः ३५
भ. ९।३२ या.
विशा. रविः ५०।३९ रमा ११ व्र.
विशा. रविः १७।२८ प्रदोषः
भ. २६।५६ उ. ५८।४६ या. स्वात्यां *
रूप १४ *बुधः ४।४७ धन १३
बुधास्तः पूर्वस्यां ११/१५ महालक्ष्मीपूजनम्

२९पं.का.कृ.२बु.इ.२०।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	५	१	५	८	१०	६
९	६	२०	१०	२	४	१७	९
२९	४९	५८	५०	०	४३	३५	२९
४९	५	२४	४६	१४	१६	५४	४९
५९	१९	६०/५५	४६	७१	५	३	५९
४७	मा	मा	ब्र	२२	१५	११	४७

३०पं.का.कृ.९बु.इ.२०।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	५	१	५	८	१०	६
१६	६	२९	१०	१०	५	१७	१६
२९	५१	४४	५	२६	१९	५३	१
३८	७	२४	१३	१७	२६	३८/४०	४८
६०	४	८७	३९/४०	७१	५	३	६०
४	०	५	ब्र	४८	४४	११	१८

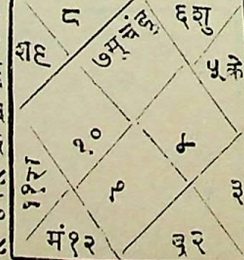

३१पं.का.कृ.३०बु.इ.२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	६	१	५	८	१०	६
२३	७	१०	५	१८	५	१६	२३
३०	३५	३६	१५	५३	५८	५१	४
५८	२८	२१	४	१०	३४	२३	२४
६०	९	९५	२३/२७	७२	६	३	६०
१७	५	४८	ब्र	८	७	११	३०

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०४५ शाकः१९१० | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६९८सं.१९८८

| | | |

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४५शाकः १९१० दि. उ.अ. इ.रा. मु. चन्द्रः हेमंततुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५७२८स.१९८८

१	श	९	५८	मू	३९	२१	शु	५५	५४	ब	९	५८	२५/४	६/२	५/५	१०	२९	२९	धनुषि
२	र	६	४७	पू	३७	१९	बृ	५३	५४	कौ	६	५७	४१	५२	८	११	२०	३०	म.५१।४०
३	चं	२	५०	उ	३४	४४	धु	४६	५८	ग	२	५०	४०	५२	८	१२	२१	१	मकरे
४	चं	५५	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	मं	५३	४२	श्र	३१	५५	व्या	४१	७	ब	२६	२	३९	५२	८	१३	२२	२	मकरे
६	बु	४८	४१	ध	२८	४९	ह	३३	२०	कौ	२१	११	३८	५२	८	१४	२३	३	कु.०।२२
७	गु	४३	५७	श	२५	२६	व	२६	५	ग	१६	१९	३८	५२	८	१५	२४	४	कुम्भे
८	शु	३८	४८	पू	२२	८	सिं	१८	५०	वि	११	२२	३७	५३	७	१६	२५	५	मी.७।५८
९	श	३३	४४	उ	१८	४४	व्य	११	४५	वृ	५	४६	३७	५३	७	१७	२६	६	मीने
१०	र	२८	५०	रे	१५	२६	व	३/१	४/४	तै	१	१७	३७	५३	७	१८	२७	७	मे.१५।२६
११	चं	२३	५७	अ	१२	२२	शि	५०	३४	वि	२३	५७	३६	५३	७	१९	२८	८	मेषे
१२	मं	१९	०५	भ	९	४८	सि	४४	९	वृ	१९	२५	३६	५३	७	२०	२९	९	वृ.२४।७
१३	बु	१५	३५	कृ	७	३	सा	३८	५	तै	१५	३५	३६	५३	७	२१	३०	१०	वृषे
१४	गु	१२	३१	रो	५	२३	शु	३२	५३	व	१२	३१	३६	५३	७	२२	१	११	मि३५।८
१५	शु	१०	३७	मृ	४	५२	शु	२८	४१	ब	१०	३७	३६	५३	७	२३	२	१२	मिथुने

मूले धनुषि बुधः १२।३५
रेवत्यां भौमः २१।११ चन्द्रदर्शनम्
भ. ३०/६ उ.५५/२२ या. वृश्चिके शुक्रः ३६/१८ *
*पातस्पर्शः ६/६ पातमोक्षः २५/७ जमादिलावलपु

चम्पा ६
भ.४५/७ उ.मूले धनुष्यर्कः २२/३ (सौरः४७)*
भ. ११।२२या. मूल ४ शनिः १३।४३
*अनु. शुक्रः १९।३८
भ. ५६।२३ उ. पूषा. बुधः:४९।२
भ. २३/७ या. मोक्षदा ११ब्र गीताजयंती प्रदोषः

भ.१२/१ उ.४१/४ या.रा पौषारंभःदत्तजदन्ती

३६पं.मा.शु.६बु.इ.१९/१५

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	१	७	८	१०	७
२८	१८	६	४	२	९	१५	२८
५५	१०	१६	४१	६	४६	०	५५
५२	१	८	३१/३	४	१२	५	५२
६१	२२	९६	३६/३	७३	७	३	६१
०	३१	४५	ब	२८	१४	११	०

गोचरग्रहाः

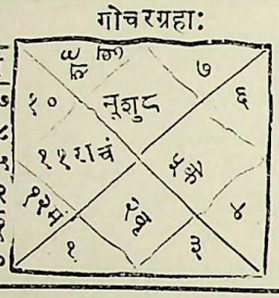

मा. शु. ७ गुरौ धनुष्यर्कः प्र. वा. ३ न. ३प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शु.उ.पू.

गचोरग्रहाः

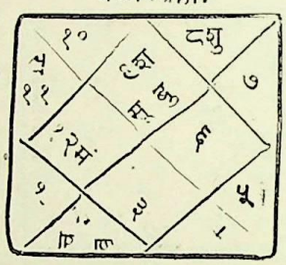

३७पं.मा.शु.१३बु.इ.१९/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	१	७	८	१०	८
६	२१	१७	३	१०	१०	१४	५
३	१९	१८	५७	५०	३५	३७	४६
२९	८	५८	११	०	१०	४९	४०
६१	२४	९६	५/३२	७३	७	३	६१
४	५६	५०	ब	४४	२०	११	२२

ति. पौष कृष्णपक्षः सं० २०४५ शाकः १९१० दि. उ.अ. इं.रा. मु. चन्द्रः शिशिरर्तुं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महा.

१	श	१०	२	आ	५	४५	च	२५	२२	कौ	१०	२	२५/३७	६/५३	५/७	२४	३	१३	क.५१।३६
२	र	११	१३	पु	७	७	ऐं	२४	६	ग	११	१३	३७	५३	७	२५	४	१४	कर्के
३	चं	१३	५४	पु	१२	४	वै	२३	१	वि	१३	५४	३७	५३	७	२६	५	१५	कर्के
४	मं	१८	०	श्ले	१७	२९	वि	२३	२४	वृ	१८	०	३८	५२	८	२७	६	१६	सिं १७।२९
५	बु	२३	२९	म	२३	५६	धी	२४	५०	तै	२३	२९	३८	५२	८	२८	७	१७	सिंहे
६	गु	२९	४८	पू	३१	११	आ	२७	५०	व	२९	४८	३९	५२	८	२९	८	१८	क.४८।५
७	शु	३६	७	उ	३८	४६	सौ	२९	६	वि	२	५७	४०	५२	८	३०	९	१९	कन्यायां
८	श	४२	३४	ह	४६	१	शो	३१	१६	वृ	९	२०	४०	५२	८	३१	१०	२०	कन्यायां
९	र	४८	६	चि	५९	४७	अ	३२	५२	तै	१५	२०	४१	५२	८	१	११	२१	तु.१९।२४
१०	चं	५२	६	स्वा	५७	५३	सु	३३	३३	च	२०	६	४२	५२	८	२	१२	२२	तुलायां
११	मं	५४	४९	वि	६०	०	धृ	३३	३	ब	२३	२७	४३	५१	९	३	१३	२३	वृ.४५।४५
१२	बु	५५	३४	वि	१	४३	शू	३१	१५	कौ	२५	११	४४	५१	९	४	१४	२४	बृश्चिके
१३	गु	५४	२८	अ	३	३१	गं	२७	५८	ग	२५	१	५६	५१	९	५	१५	२५	वृश्चिके
१४	शु	५१	२९	ज्ये	३	३५	बृ	२३	७	वि	२२	५८	४७	५१	९	६	१६	२६	ध.३।३५
३०	श	४७	५	मू	५८/१	५७/१७	धु	१७	५५	चि	१९	१७	४९	५०	१०	७	१७	२७	धनुषि

बुधोदयः पश्चिमायाँ ५३।२४
भ. ४२।३३ उ. ज्येष्ठा. शुक्रः५६।३९
भ. १३।५४ गा. चतुर्थी ब्र.
उषा. बुधः २७।१७
पूषा रविः २७/१९ (सौर ४१/५५) वक्रीकृत्तिर२गुरुः ३०/५४
भ. २९।४८ उ. मकरे बुधः ३६।४०
भ. २।५७ या.

जनवरी १ ता. ३१ सन् १९८९
भ. २०।६ उ. ५२।६ या.
सफला ११ ब्र.
+ २१/२१ प्रदोषः
भ.५४/२८ उ.मूलेधनुषिशुक्रः ३९/२५ श्रवणेबुधः+
भ. २२।५८ या.

३८पं.पौ.कृ.५बु.इ.१७/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	१	७	८	१०	८
१३	२४	२७	३	१९	११	१४	१२
११	४२	५९	२०	३५	२४	५५	५६
३१	२५	५३	५२	६	३२	३३	३२
६१	२६	९२	२६/४	७३	७	३	६१
६	५३	४४	ब	५०	२०	११	२६

गोचरग्रहाः

इस मासमें५शनिवार अशुभ हैं, गुड़ खांड़ पाट वारदाना सिरस्युं सोना चांदी उड़द मूंग चावल हल्दी जीरा किराना तेज

गोचरग्रहाः

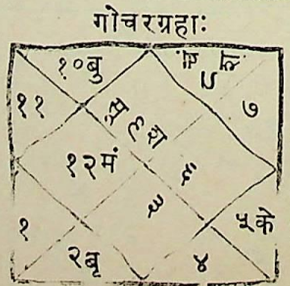

३९पं.पौ.कृ.१२बु.इ.१९/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	१	७	८	१०	८
२०	२८	८	२	२८	१२	१३	२०
१९	९	३५	५३	२०	१४	५३	६
२६	१४	६	१०	४९	३१	१८	२९
६१	२८	८१	३	७३	७	३	६१
६	२१	३२	१९	५३	२०	११	२६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | पौष शुक्ल पक्षः सं. २०४५ शाकः १९१० | दि. | उ | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ५७५७स. १९८९

१	र	४१	३७	उ	५५	७	व्या	१०	१	कं	१४	२१	२५/५१	५०	१०/५	८	१८	२८	म.१३।१३
२	चं	३५	१९	श्र	५०	२२	हृ	३/७	५५/४६	वा	८	२८	५२	५०	१०	९	१९	२९	मकरे
३	मं	२८	४९	ध	४५	३६	सि	४५	२२	तै	२	४	५४	४९	११	१०	२०	१	कुं १७।५९
४	बु	२२	२०	श	४०	५२	व्य	३६	५३	वि	२२	२०	५६	४९	११	११	२१	२	कुम्भे
५	गु	१६	६	पू	३६	३९	व	२८	५४	वा	१६	६	५८	४८	१२	१२	२२	३	मी २२।४३
६	शु	१०	१९	उ	३२	५३	प	२१	१७	तै	१०	१९	२/१	४८	१२	१३	२३	४	मीने
७	श	५	७	रे	२९	३०	शि	१३	५५	व	५	७	३	४७	१३	१४	२४	५	मे. २९।३०
८	र	०	३२	अ	२६	५३	सि	७	१३	व	०	३२	५	४७	१३	१५	२५	६	मेषे
९	र	५५	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	चं	५३	२३	भ	२४	५५	सा	१/२	५४/२४	तै	२४	५७	८	४६	१४	१६	२६	७	बृ. ३९।३८
११	मं	५०	५८	कृ	२३	४८	शु	५०	३३	व	२२	१०	१०	४६	१४	१७	२७	८	वृषे
१२	बु	४९	२३	रो	२३	१८	व	४६	२२	ब	२०	१०	१२	४६	१४	१८	२८	९	मि ५३।४१
१३	शु	४८	५३	मृ	२४	५	ऐं	४३	४	कौ	१९	८	१५	४५	१५	१९	२९	१०	मिथुने
१४	शु	४९	१९	आ	२५	४५	वै	४०	२९	ग	१९	५	१७	४५	१५	२०	३०	११	मिथुने
१५	श	५१	१३	पु	२८	२८	वि	३८	६३	वि	२०	१७	२०	४४	१६	२१	१	१२	क. १२।४७

अश्वि. मेषे भौमः १२।१०
चन्द्रदर्शनम्
भ. ५५/३४ उ. उषा. रविः ३३/३ (सौरः ४३/३२) *
भ. २२।२० या. उदयं शनेः ५७।५६
≡मार्गी गुरुः ६।३८
मकरेऽर्कः ४५/३८ (सौरः ५५/४७) पूषा. १ शनिः ४३/३२
भ. ५/७ उ. ३२/५० या. शतभिषा २ राहुः मघा. ४+
वक्री बुधः ५४।५० पातस्पर्शः ५५।३१
*जमा दिलाखर ६
पूषा. शुक्रः १६।३७ पातमोक्षः ९।१६
भ. २२।१० उ. ५०।५८ या. पुत्रदा ११ व्र.
बुधास्तः पश्चिमायां २४।६
प्रदोषः +केतुः ४६।४७
भ. ४९/९९ उ अभि. प्र. रवि २१/१२ (सौरः ३०/९) ≡
भ. २०।१७ या. रा. माघारम्भः

४०पं.पौ.शु.४ बु.इ १८।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	९	१	८	८	१०	८
२७	१	१६	२	७	१३	१३	२७
२७	५७	२२	३४	६	२	३१	१६
४०	१८	५५	४८	३२	४९	२	२१
६१	३९	४९	५५/९	७३	७	३	६१
६	५७	३२	ब	५९	१०	११	२४

गोचरग्रहाः

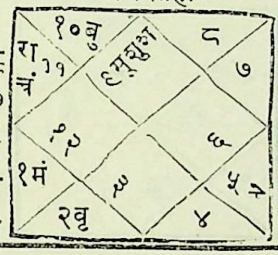

पौ. शु. ६ शुक्रे मकरेर्कः प्रविष्टः वा. २न ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

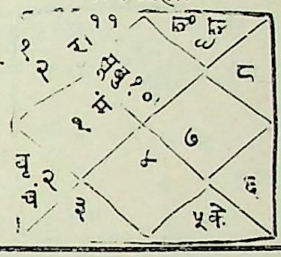

४१पं.पौ.शु.१२ बु.इ.१८/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	१	८	८	१०	९
४	५	१७	२	१५	१३	१३	४
३५	४८	२७	२७	५३	५०	८	२५
३१	०	१४	४७	२०	५३	४७	५०
६१	३१	३२/४३	१९	७४	७	३	६१
३	१४	ब	ब	५	२	११	१९

ति. | माघ कृष्ण पक्षः सं. २०४५ शाकः १९१० | दि. | उ. | अ. | इ. | रा | मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तौ रविरुत्तरे पौष. कृ. महाराष्ट्राः

१	र	५४	२२	पु	३२	२८	प्री	३८	२५	बा	२२	४७	२६/२२	४४	६/१६	५/६	२२	२	१३	कर्के
२	चं	५८	३६	श्ले	३७	१६	आ	३८	४४	तै	२६	२९	२५	४३	१७		२३	३	१४	सिं ३७।१६
३	मं	६०	०	म	४३	५४	सौ	३९	५२	व	३१	२०	२७	४३	१७		२४	४	१५	सिंहे
३	बु	४	४	पू	५०	५३	शो	४१	३३	वि	४	४	३०	४२	१८		२५	५	१६	सिंहे
४	शु	१०	३	उ	५८	३२	अ	४३	४४	वा	१०	३	३३	४१	१९		२६	६	१७	क. ७।४७
५	शु	१६	२९	ह	६०	०	सु	४६	२८	तै	१६	२९	३६	४१	१९		२७	७	१८	कन्यायां
६	श	२३	९	ह	६	४	धृ	४८	१०	व	२३	९	३९	४०	२०		२८	८	१९	तु. ३९।४६
७	र	२९	३	चि	१३	२६	शु	४९	३७	ब	२९	३	४२	४०	२०		२९	९	२०	तुलायां
८	चं	३३	४८	स्वा	१९	३१	गं	५०	६	बा	१	२५	४६	३९	२१		३०	१०	२१	तुलाया
९	मं	३७	१७	वि	२४	२५	वृ	४९	२२	तै	५	३२	४९	३८	२२		३१	११	२२	बृ. ८।११
१०	बु	३८	४१	अ	२७	२९	शु	४७	२	व	७	५९	५२	३८	२२		१	१२	२३	बृश्चिके
११	गु	३८	१५	ज्ये	२८	४३	व्या	४३	५	ब	८	२८	५५	३७	२३		२	१३	२४	ध. २८।४३
१२	शु	३५	४७	मू	२७	४७	ह	३७	३८	कौ	७	१	५९	३६	२४		३	१४	२५	धनुषि
१३	श	३१	१४	पू	२४	५६	व	३०	४५	ग	३	३०	२७/३	३६	२४		४	१५	२६	म. २८।५१
१४	र	२५	४	उ	२०	३५	सि	२२	३०	श	२५	४	६	३५	२५		५	१६	२७	मकरे
३०	चं	२७	४२	श्र	१४	५३	व्य	१३	१६	ना	१७	४२	९	३४	२६		६	१७	२८	कुं ४१।४७

श्रवणे रविः ३७।३५ (सौरः ४६।६)
भ. ३१/२० उ. अभि. नि. रविः ३०/४ (सौरः ३५/३२)
भ. ४।४या. वक्री उषा. बुधः ५१/३७ च. व्र.
उषा शुक्रः ५६।३५
भ २३।९ उ. ५६।६ या.
मकरे शुक्रः ३३।१८ पातस्पर्शः ३६।१६ *
*पातमोक्षः ४९।४१
भरण्यां भौमः ३४/२७ बुधोदयः पूर्वस्यां ५१/९
भ. ५/९ ७ उ ३५/४१ या. फर्वरी २ ता. २८
षट्तिला ११ व्र.
भ. ३१।१४ उ. ५८।९ या. प्रदोषः
धनि. रविः ४५।५६ (सौरः ५१।५७)
श्रवणे शुक्रः ३३/५३ मार्गी बुधः ५१/१७ सोमवती

पं४२.मा.कृ.३बु.इ१८।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	१	८	८	१०	९
११	९	१०	२	२४	१४	१२	११
४२	४२	४८	२९	३९	३७	४६	३४
५८	२९	२९	२	२२	२६	३१	४१
६०	३२	८८	५५/०	७४	६	३	६१
५९	११	४७	मा	११	४७	११	१३

गोचरग्रहाः

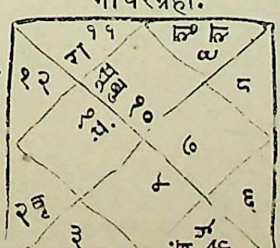

पांच रवि अरु सौम हैं माघ मासके मांय
सोमवती मावस हुई वस्तु मंदी होजांय।
सुदी में तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

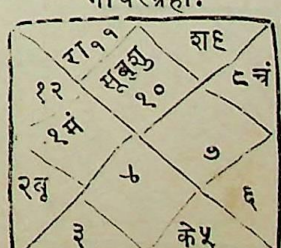

४३पं.मा.कृ.१०.बुइ.५/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	१	९	८	१०	९
१८	१३	३	२	३	१५	१२	१८
४९	४४	३३	४१	२५	२१	२४	४२
२६	३५	५०	३८	१६	५८	१५	४४
६०	३३	४४/५५	२	७४	६	३	६१
५५	७	ब्र	१६	२०	३२	११	४

(स० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri U...

ति.| माघ शुक्ल पक्षः सं० २०४५ शाकः १९१० |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चंद्रः |शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५७८७सं १९८९

१	मं	९	३२	ध	८	४१	व	३ ३४	५० ५२	ब	९	३२	२७ १३	६ ३३	५ २७	७	१८	२९	कुंभे
२	बु	१	१०	श	२ १९	५३ ४३	शि	४३	५५	कौ	१	१०	१६	३३	२७	८	१९	१	मी ४२।२८
३	बृ	५१	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	शु	४५	२०	उ	१०	८	सि	३४	२०	व	१९	१०	२०	३२	२८	९	२०	२	मीने
५	शु	३८	२९	रे	४५	१४	सा	२५	४४	ब	११	५५	२४	३१	२९	१०	२१	३	मे. ४५।१४
६	श	३२	४४	अ	४१	४१	शु	१८	१	कौ	५	३७	२७	३१	२९	११	२२	४	मेषे
७	र	२८	९	भ	३९	९	शु	११	१०	ग	०	२६	३१	३०	३०	१२	२३	५	वृ ५३।५२
८	चं	२४	५९	कृ	३८	१	त्र	५	२८	ब	२४	५९	३५	२९	३१	१३	२४	६	वृषे
९	मं	२२	५९	रो	३८	३	ऐं	४०	५६ ५६	कौ	२२	५९	३८	२८	३२	१४	२५	७	वृषे
१०	बु	२२	१६	मृ	३९	१५	वि	५४	१६	ग	२२	१६	४२	२८	३२	१५	२६	८	मि८।३९
११	गु	२३	४३	आ	४१	४४	प्री	५२	२९	वि	२३	४३	४६	२७	३३	१६	२७	९	मिथुने
१२	शु	२४	१७	पु	४५	२१	आ	५१	३३	वा	२४	१७	५०	२६	३४	१७	२८	१०	क. २९।२७
१३	श	२७	१९	पु	४९	५३	सौ	५१	३४	तै	२७	९	५४	२५	३५	१८	२९	११	कर्के
१४	र	३०	१	श्ले	५५	१९	शो	५१	५९	व	३०	१	५८	२४	३६	१९	३०	१२	सि ५५।१९
१५	चं	३५	४८	म	६०	०	अ	५३	२६	वि	२	५५	२ ५	२४	३६	२०	१	१३	सिंहे

चंद्रदर्शनम्
रज्जव ७

भ १९।१० उ. ४५।२० या.
वसन्त पंचमी
* कृतिका. ३ गुरुः १६।६ भानु ७
भ. २८ उ. ५६ ३४ या. कुं भेऽर्कः २१ १९ (सौरः ३५ ५४) *
भीष्माष्टमी
पूषा. २ शनिः २४।५२
भ. ५३।० उ.
भ. २३।४३ या. जया ११ व्र.
धनि. शुक्रः १५।३ प्रदोषः
शते रविः५७।३२ श्रवणे बुधः ४३।१५
भ. ३०।१ उ. शते रविः सौरः १।१६
भ. ५ ३ या खग्रासचंद्रग्रहणम्रा फ़ाल्गुनारंभः

४४पं.मा.शु.२बु.इ.१९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	१	९	८	१०	९
२५	१७	२	३	१२	१६	१२	२५
५५	४७	४०	३	११	४	२	४९
१६	३८	१९	४२	२०	४८	०	३१
६०	३३	५० ०	३	७४	६	३	६०
४७	५२	मा	४१	२३	१८	११	५५

गोचरग्रहाः

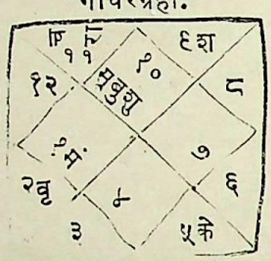

मा. शु. ७ रवौ
कुम्भेऽर्कः प्र वा. ३
न. ३ प्रगत्भावस्था
(बैठी) मु. १५
धान्यादिभावे स-
मर्घता शु. उ. पू.

गोचरग्रहाः

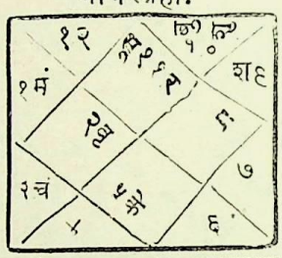

४५पं.मा.शु. १०बु.इ. १९ २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	१	९	८	१०	१०
३	२१	६	३	२०	१६	११	२
०	५६	५१	३४	५६	४५	३९	५५
४	६	३८	५२	४९	१८	४४	३४
६०	३४	४४	४	७४	५	३	६०
३७	३८	६	५२	२६	५०	११	४२

ति| फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१० |दि.|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः |वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	४१	२३	म	१	४९	सु	५४	५७	बा	८	३५	२८ ६	२३	५७	२१	२	१४	सिंहे
२	बु	४७	३४	पू	८	४१	धृ	५७	१९	तै	१४	२८	१०	२२	३८	२२	३	१५	क. २५।३३
३	बृ	५३	५०	उ	१६	७	शू	५९	२९	व	२०	४५	१४	२१	३९	२३	४	१६	कन्यायां
४	शु	६०	०	ह	२३	४४	गं	६०	०	ब	२७	४	१८	२०	४०	२४	५	१७	तु. ५७।३१
४	श	०	१८	चि	३१	१९	गं	१	५९	बा	०	१८	२२	२०	४०	२५	६	१८	तुलायां
५	र	६	२६	स्वा	२८	३	बृ	३	५९	तै	६	२६	२६	१९	४१	२६	७	१९	तुलायां
६	चं	११	३२	वि	४४	५	ध्रु	५	८	व	११	३२	३०	१८	४२	२७	८	२०	बृ. २७।३२
७	मं	१५	४९	अ	४८	१४	व्या	५	२५	ब	१५	४९	३४	१७	४३	२८	९	२१	बृश्चिके
८	बु	१८	१७	ज्ये	५१	१०	ह	५	३९	कौ	१८	१७	३८	१६	४४	१	१०	२२	ध. ५१।१०
९	गु	१८	५९	मू	५१	५५	व	२ ४	५५ ८	ग	१८	५९	४२	१६	४४	२	११	२३	धनुषि
१०	शु	१७	३७	पू	५०	४९	व्य	५२	३४	वि	१७	३७	४६	१५	४५	३	१२	२४	धनुषि
११	श	१४	६	उ	४७	३०	व	४५	२०	वा	१४	६	५०	१४	४६	४	१३	२५	म. ४।५९
१२	र	८	४१	श्र	४२	३२	प	३६	४५	तै	८	४१	५४	१३	४७	५	१४	२६	मकरे
१३	चं	१	३८	ध	३६	११	शि	२७	२	व	१	३८	५८	१२	४८	६	१५	२७	कु. ९।२२
१४	चं	५१	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	७	०	०	०
३०	मं	४३	५९	श	२८	५८	सि	१६	४०	च	१८	३५	२९ ५	१२	४८	७	१६	२८	कुम्भे

शुक्रास्तः पूर्वस्यां १०।४८ शु.अ.पू.
कुम्भे शुक्रः २४।९
भ. ४५ उ. ५३ ५० या. कृति. भौमः १७ ५
चतुर्थी व्र.

भ. ११ ३२ उ. ४३ ४१ या. शते शुक्रः ५४ १०
वृषे भौमः ५०।४५
धनि. बुधः ५१ ५० मार्च ३ ता. ३१
भ. ४८।१८ उ.
भ १७।३७ या.
पूभा.रविः १३ ७ (सौरः १६ ३ विजया ११ व्र.
प्रदोषः
भ. ३८ १ उ २७ २५ या. कुंमे बुधः ३७ १ महा+
+शिवरात्री व्र.

४६पं.फा.कृ.२बु.इ १९ ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	१	९	८	१०	१०
१०	२६	१३	४	२९	१७	११	१०
३	६	५३	१६	५२	२३	१७	०
३२	१४	२	१	०	१३	२९	७
६०	२५	६४	६	७४	५	३	६०
२५	१६	३७	४	२६	२६	११	३१

गोचरग्रहाः

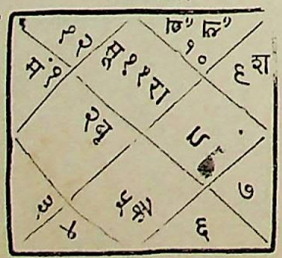

फा. शु. ८ भौमे
मीनेऽर्कः प्र. वा.
२ न. ४ वृद्धावस्था
(बैठी) मु. ३०
धान्यादि भावे
समता शु. उ. पू.

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.कृ.८बु.इ. १९ ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	१	१०	८	१०	१०
१७	०	२२	५	८	१७	१०	१७
५	१७	३७	३	२६	५७	५५	२
४६	२५	३७	०	२८	४०	१३	५८
६०	३५	८०	६	७४	४	३	६०
१२	४६	८	५६	२९	५६	११	२०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०४५शाकः १९१० दि.उ.अ.इं.रा.मु. | चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः५८१६स.१९८९

१	बु	३४	१९	पू	२१	२०	सा	४४	४६	कं	९	९	८	१७	२९	मी८।१५
२	शु	२४	५७	उ	१३	५१	शु	४४	३६	कौ	२४	५७	९	१०	०	° मीने
३	शु	१६	५	रे	६	५४	व्र	३४	३८	ग	१६	५	१४	९	५१	१० १९ १ मे.६।५४
४	श	८	२४	अ	१	५५	ऐं	२६	१४	वि	८	२४	१९	८	५२	११ २० २ मेषे
५	र	२	६	कृ	५३	५०	वै	१९	७	वा	२	६	२३	७	५३	१२ २१ ३ वृ.१०।५६
६	र	५५	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ०
७	चं	५४	३२	रो	५२	५९	वि	१३	११	ग	२५	५४	२७	७	५३	१३ २२ ४ वृषे
८	मं	५३	१९	मृ	५३	३६	मी	८	४१	वि	२३	५५	३२	६	५४	१४ २३ ५ मि२३।१७
९	बु	५३	५७	आ	५६	३	आ	५	३७	वा	२३	३८	३६	५	५५	१५ २४ ६ मिथुने
१०	शु	५५	५८	पु	५९	४१	सो	३	५८	तै	२४	५७	४०	४	५६	१६ २५ ७ क.४३।४७
११	शु	५९	२४	पु	६०	०	शो	३	१८	ब	२७	४१	४४	३	५७	१७ २६ ८ कर्के
१२	श	६०	०	पु	४	५३	अ	३	४९	ब	३१	३८	४९	२	५८	१८ २७ ९ कर्के
१३	र	३	५२	श्ले	१०	४९	सु	४	४३	बा	३	५२	५३	१	५९	१९ २८ १० सिं१०।४९
१४	चं	९	११	म	१६	४१	धृ	६	२०	तै	९	११	५७	१	५९	२० २९ ११ सिंहे
१५	मं	१५	२	पू	२४	३७	शू	८	७	ब	१५	२	०	१	०	२१ ३० १२ क.४१।२९
१५	बु	२१	२०	उ	३२	७	गं	१०	३६	ब	२१	२०	६	५	१	२२ १ १३ कन्यायां

फुल. २ चंद्रदर्शनम् ×होलाष्टक
भ.४३उ. पूभा शुक्रः ३७ शते बुधः ५८ *
भ.८।२४या. *सावान ८
+३६)रोहि.भौमः १६ आमलकी ११व्र.स्मा.
भ.५४।३२उ. कृत्तिका.४गुरुः १०।१४
भ.३३या. मीनेऽर्कः १४ (सौरः १६)×
÷मघा३केतुः४२।१६ आमलकी ११व्र.वै.
भ.३७उ.५६या. उभा. रविः३५(सौरः+
मीने शुक्रः ३९।६ शतभिषा. १ राहुः ÷
प्रदोषः पूभा. बुधः १५।४६
=बुधास्तः पू.३५ होलिकादहनम् भद्रोत्तरं
भ.१५ उ.४६ या. उभा. शुक्रः २०।०=
रा. चैत्रारंभः छारेंडी

४८पं.फा.शु.१बु.इ.२०।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	१	१०	८	१०	१०
२४	४	२	५	१७	१८	१०	२४
६	३४	३६	५८	९	२८	३२	४
२९	१२	५४	८	५०	४४	५७	२१
५९	३५	०१	८	७४	४	३	५०
५८	५५	५६	७	३२	३४	११	५

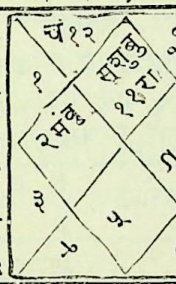

४९पं.फा.शु.९बु.इ.२०।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	१	१०	८	१०	११
१	८	१३	६	२५	१८	१०	१
५	४९	३५	५९	५३	५५	१०	४
४२	५२	५३	३१	२४	४४	४२	३
५९	३६	००	८	७४	३	३	५९
४१	१५	४६	५९	३२	५३	११	४९

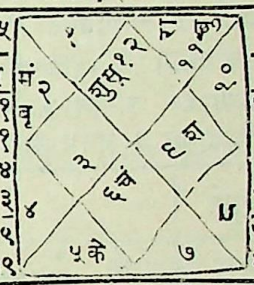

५०पं.फा.शु.१५बु.इ.२०५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	१	११	८	१०	११
८	१३	२५	८	४	१९	९	८
३	६	४२	७	३५	१९	४८	१
१८	२२	२२	३०	४२	५	२६	५८
५९	३१	००	९	७४	३	३	५९
२९	३७	८	४५	३२	१९	११	३३

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१० दि.उ.अ.इं.रा.मु. | चंद्रः | वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृ.महाराष्ट्राः

१	बृ	२७	२८	ह	३९	३५	बृ	१२	५०	कौ	२७	२८	३०	५८	३	२३ २ १४ कन्यायां
२	शु	३३	४३	चि	४६	५७	ध्रु	१५	४	तै	०	३५	१४	५७	३	२४ ३ १५ तु.१३।१६
३	श	३९	३१	स्वा	५३	४९	व्या	१७	०	ब	६	३७	१८	५६	४	२५ ४ १६ तुलायां
४	र	४४	२७	वि	५९	५४	ह	१८	३४	ब	११	५९	२३	५५	५	२६ ५ १७ वृ.४३।२३
५	चं	४८	४६	अ	६०	०	व	१९	२०	कौ	१६	३७	२७	५५	५	२७ ६ १८ वृश्चिके
६	मं	५१	५२	अ	५	४	सि	१९	१०	ग	२०	१९	३१	५४	६	२८ ७ १९ वृश्चिके
७	बु	५३	१४	ज्ये	९	३	व	१८	३	वि	२२	३३	३५	५३	७	२९ ८ २० ध.९।३
८	गु	५३	११	मू	११	११	प	१५	५३	आ	२३	१३	३९	५२	८	३० ९ २१ धनुषि
९	शु	५१	१४	पू	११	४७	शि	११	३५	तै	२२	१३	४४	५१	९	३१ १० २२ म.२६।३२
१०	श	४७	२२	उ	१०	४५	सि	२०	५८	व	१९	१८	४८	५०	१०	१ ११ २३ मकरे
११	र	४१	३९	श्र	७	३६	सा	५१	११	ब	१४	३१	५२	५०	१०	२ १२ २४ कु.३५।१३
१२	चं	३४	२८	ध	५	५३	शु	४१	४८	कौ	८	४	५६	४९	११	३ १३ २५ कुम्भे
१३	मं	२६	४	श	४९	३६	शु	३१	३०	ग	०	१६	३१	४८	१२	४ १४ २६ मी३६।२५
१४	बु	१६	२१	उ	४१	४६	व्र	२०	३५	श	१६	२१	४	४७	१३	५ १५ २७ मीने
३०	शु	६	३६	रे	३३	५६	ऐं	३	४९	ना	६	३६	८	४६	१४	६ १६ २८ मे.३३।५६

वसंत १
मीनेबुधः ४१।६
भ. ६।३७उ. ३९।३१ या.
उमा. बुधः ३८।२५ चतुर्थी व्र.
भ. ५१।५२ उ.
भ. २२।२३ या.
शीतलापूजनम्
भ.रेवत्यां रविः ३।२१ (सौरः ४।२७)
१८उ.४७या.रेवत्यां शुक्रः रोहिणी*
रेवत्यां बुधः ३२।११पापमोचनी११व्र.
*१गुरुः ५५।३७ अप्रैल ४ ता. २०
भ. २६।४ उ. ५१।१३ या. प्रदोषः

५१पं.चै.कृ.७बु.इ.२१।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	१	११	८	१०	११
१४	१७	८	९	१३	१९	९	१४
५९	२४	४०	२०	१७	३७	२६	५८
१२	३२	३७	३८	३५	५९	११	५
५९	३७	०१	१०	७४	२	३	५९
१६	३७	७	२९	३८	३२	११	१८

गोचरग्रहाः

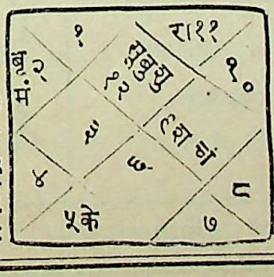

यत्र मासे पंच वारा जायते च बृहस्पतेः।
विग्रहः पश्चिमे देशे पीड़ायुद्धं च जायते।।
पांच शुक्रवार है सो सुख सुभिक्ष हो।

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.कृ.१४बु.इ.२१३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	१	१९	८	१०	११
२१	२१	२२	१०	२१	१९	९	२१
५३	४२	३०	२८	५८	५२	३	५२
३१	२९	४	१०	४१	२६	५५	१६
५९	३७	५९	११	७४	१	३	५९
४	१०	५६	७	३८	५२	११	१४

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri U

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः		सिद्धिः शुभम्

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९० तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०९० भोग्यकलिः ४२६९१० अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीरविक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४६ शाकः१९११ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा गुरुः । मंत्री गुरुः । सस्येशो रविः । धान्येशो शुक्रः । मेघेशोबुधः । रसेशो भौमः । नीरसेशो रविः । फलेशोः बुधः । धनेशो शनिः । दुर्गेशो बुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १६ वृषनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ८।१६।३८।२८ भोग्यमासादिः ३।१३।२१।२९ इन्द्रदैवतं युगम् । वर्ष नामः कार्तिक मेघनाम संवर्तः । रोहिणी निवासेः संधौ । समयनिवासो वणिक् गृहे । समय विश्वा १० । समयवाहनं चातकः । स्तंभौः १ अन्नस्यः । सोमवत्यमाः २ । सोमवती पंचमी १ । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २ । रवि-दशमी ३ । समयमुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३५३ । तिथिक्षयः १६ । तिथिवृद्धिः ९ । उत्पत्तिविश्वा ९९ । खपति विश्वा १२६ । वर्षा विश्वा ५ । धान्यम् ५. तृणम् ११. शीतम् ९. तेजः ११ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यम् ९५ सत्यम् ॥ धर्मम् १॥ पापम् १८ शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहण १ चन्द्रमस ।

सं.२०४६ माघ शु १५ शुक्रे खग्रास चन्द्र ग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	४१	४४	४५	४६	५०
मध्यम.	पल	२६	४५	४५	४५	४
रेल्वे टाइम	घं.	११	१२	१२	१	२
	मि.	१	२१	४५	९	२९

श्रावण शुक्ले १४ बुधवार को अर्द्धरात्रि पश्चात् प्रातः पश्चिमप्रदेशों में ग्रस्तास्त चंद्र-ग्रहण होगा । जहां रेल्वे६-५१ के बाद चन्द्रास्त होगा वहां दीखेगा, भारत में नहीं होगा ।

वर्षलग्नम् ८।२४

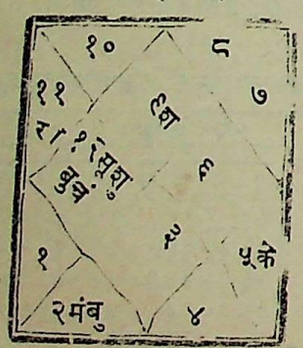

भैरव–भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

मांथ नाय कर जोड़ के भैरव करैं पुकार ।
साल छियालीस आइया कहदो फल विस्तार ।।

भवानी उत्तर

छीयालीसो छत्रपति करसी रास विलास ।
मन मांग्या मेह वर्षं सी मोक्ता होसी घास ।।
इन्द्र पुरोहित राष्ट्रपति ले मंत्री का भार ।
अन धन सुख संपति बढ़े इसका यह ही सार ।।
संवत् वासो वैश्य घर रोहिणी संधि वास ।
खंडित वर्षा भादवे पवन चालसी खास ।।
व्यापारी व्यापार में थैला भरें सम्हाल ।
बंशीधर का कथन है मध्यम रहसी साल ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कु	मी.
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्षेशलग्नम् ७।०

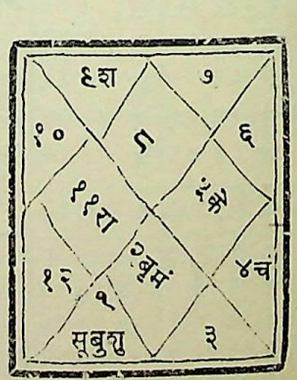

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२७।० केतकीमतेन वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशाः २३।४१।२८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन्वर्षे राजा गुरुस्तत्फलम् ॥ गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं मही-तले कामदुधाश्चा धेनवः । यजंति विप्रा बह्वोग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ॥ मंत्री गुरुः फलम् ॥ विविधधान्ययुताखलुमेदिनी प्रचुरतोयघनामुदिता भवेत् । नृपतयोजनपालन्तत्पराः सुरगुरौ ननुमंत्रि समागते ॥ सस्येशो रविः फलम् ॥ सस्याधिनाथे तरणोहि पूर्वं धान्यंसमर्घं बहवोमिचौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सास्यं बहु भूतहाश्च ॥ धान्येशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ भृगौपश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यत्र पच्यते । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पंक्षीरं गवामपि ॥ मेघेशो बुधस्तत्फलम् ॥ अमृतरश्मि-सुते यदिवारिपे बहुजलं तुष धान्यरसादिकं । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुताधरणीतदा । रसेशो भौमस्तत्फलम् ॥ यदिधरा तनयो रसयो भवेन्नरस राशियुता जनताशुभा । शुभा । नरपति र्विषमो जनतापदोनजसदोबहुवृष्टि करोभुवि ॥ नीरसेशो रविः फलम् ॥ नीरसाधिपतौसूर्यैतामचंदनयोरपि । रत्न माणिक्य मुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ॥ फलेशो बुधस्तत्फलम् ॥ यदि बुधेफलपे फलमुत्तमम् जल-धराजलराशि मुचस्तदा । बहुतृणंकुसुमैः कमलैर्युतं जनपदो जन सौख्यमुदान्वितः धनेशः शनिः फलम् ॥ द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अधनतां वणिजां कृषिजीविनोद्विजवराः परिपीडित मानसाः ॥ दुर्गेशो बुधस्तत्फलम् ॥ विषयसाम्यसुखं शशिजे पुत्रीभवति राष्ट्रजनेषुविशेषताम् । शशिषुते यदि कोटक पालके पथिषुद्रव्ययुतां न भयंकचित् ॥ चित्रभानुनाम संवत्सरफलम् ॥ चित्रार्धवृष्टिः सस्याद्यैः विचित्रा निखिलाधरा । निराखुलाखिला लोकाश्चित्रभानोश्चवत्सरे ॥ वर्षनाम कार्तिकस्तत्फलम् । पापबुद्धि स्तालोका भवंतिकार्तिकेयदा । देवता नैवमन्यन्ते राज्यंच तस्करैरुतम् । मेघनाम संवर्तः फलम् । संवर्ते जलपूरिता । रोहिणी निवासः संधौफलम् । खंडवृटिश्चसंधिषु । समय निवासो वणिक गृहे शुभं नास्ति ॥ एवंसंचित्यदैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

सं० २०४६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

शु. १ शनौ रोहि. ल. १०।१२½ रे.८।।।।ऽनृऽ।।
,, २ रवौ मृगे ल. १०।१२ रे.६ऽ।।।।।।।
,, ६ रवौ उफा. ल. १ घ. ५६।२३ उ. रे.८।ऽ।।।।ऽ।
,, ११ भौमे हस्ते ल. १०।१२ रे.८।।।।।ऽअऽ।। मीनेनं७पू.
,, १५ शनौ अनु. ल. १०।१२ रे.६।।।।ऽऽचौऽऽ।

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ४ बुधे उषा ल. १०घ. ४४।५३या.रे.६।।।।ऽ।ऽऽ।ऽल १२

आषाढ मासः ।

कृ. ८ चंद्रे उभा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे.७।।।।।ऽअ।ऽ।ऽ
भौम शुक्र ८ दोषः दग्धा. आवश्यके
,, ८ चंद्रे रेव. ल. १।२ रे.६ऽ।।।।ऽअऽऽ।
,, ६ भौमे रेव. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे.७ऽ।।।।।ऽऽ।
मं शु. ८ दोषः
शु. ५ शनौ उफा. ल. १।२ रे.६।।।।।ऽनृ।।।।
,, ६ बुधे स्वा. ल. गो. सोग्रांगः १ रे.८।।।।।ऽरोऽ।।।
गोधूल्यां मं. शु. दोषः मेषे चं ७ पूज्यः

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ७ रवौ मघा. ल. ६ घ. ४६।६ उ. रे.८।।।।ऽ।ऽ।ऽ।
,, ८ चन्द्रे मघा. ल. अन्यगो. रे.७।।।।ऽऽनृ।ऽ।
,, ११ गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. ५ रे.८।।।।।।ऽऽ।
शु. ४ शनौ उषा. ल. ६ रे ६।।ऽनु।।।।।।शुक्रयुतिः
,, ६ गुरौ उभा. ल. गो. रे.६।।।।।।।।
,, १५ फौर्मे मृगे ल. ६।७ रे. ७ ।ऽ।।ऽ।ऽ।ऽ। तुला लग्न-वटी ५।१।१६ उपरांत

माघ मासः

शु. ४ भौमे उभा. ल. ६ (चं. ७ पूज्यः) रे.८।।।।।ऽऽ।
,, ५ बुधे रेव. ल. अन्यगो. ६ रे.८ऽ।।।ऽरो।।।।
कन्यालग्ने चं. ७ पूज्यः
,, ६ रवौ रोहि. ल. गो. ६ रे.८।।।।।।।।ऽऽ गणितेन क्रांति-साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः ।

कृ. ४ भौमे हस्ते ल. गो. रे.८।।।।।।।ऽ।ऽ
,, ७ शनौ अनु. ल. ६½ घ. ३५।१७ उ. रे.ऽ८।।।।।ऽ।।
,, ८ रवौ अनु. ल. अन्यगो, ६ रे८ऽ।।।।।ऽ।
,, १० भौमे मूले ल. अन्यगो. ६½ रे.८।।।।।(रोग ३२ उ.) ऽऽ।।
शु. २ भौमे उभा ल. ६ (चं. ७ पू.) रे.७।ऽ।।ऽऽ।।।
,, ७ शनौ रोहि. ल. अन्यगो. रे.८।ऽ।।।।ऽ।

(स० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri U...

ति.|श्रीचैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०४६ शाकः १९११ |दि.|उ|अ.|इ.|रा.|मु.| चद्रः |वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५८४६स.१९८९

१	गु	५०	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	मेषे
२	शु	४७	१५	अ	२६	२९	वि	४८	५५	बा	२०	५८	३१/१२	४५/४६	६/१४	७	१७	२९	मेषे
३	श	३९	१६	भ	२०	१४	प्री	३९	५२	तै	१३	१५	१६	४५	१५	८	१८	१	वृ.३३।५८
४	र	३२	४७	कृ	१५	८	आ	३१	५९	व	६	१	२०	४४	१६	९	१९	२	बृषे
५	चं	२८	१४	रो	१२	१६	सौ	२६	७	ब	०	३१	२४	४३	१७	१०	२०	३	मि४१।४०
६	मं	२५	३८	मृ	११	५	शो	२१	३६	तै	२५	३८	२८	४२	१८	११	२१	४	मिथुने
७	बु	२५	४	आ	१२	१०	अ	१८	४९	व	२५	४	३२	४२	१८	१२	२२	५	क.५९।२६
८	गु	२६	३३	पु	१५	११	सु	१७	२३	ब	२६	३३	२६	४१	१९	१३	२३	६	कर्के
९	शु	२९	४९	पु	१९	५३	धृ	१७	४६	कौ	२९	४९	४०	४०	२०	१४	२४	७	कर्के
१०	श	३४	२५	श्ले	२५	४८	शू	१८	२५	तै	२	७	४३	३९	२१	१५	२५	८	सिं२५।४८
११	र	३९	५६	म	३२	४२	गं	२०	३१	व	७	१०	४७	३९	२१	१६	२६	९	सिंहे
१२	चं	४६	२	पू	४०	५	बृ	२२	४९	ब	१२	५९	५१	३८	२२	१७	२७	१०	क.५७।०
१३	मं	५२	३५	उ	४७	४४	धु	२५	७	कौ	१९	१८	५५	३७	२३	१८	२८	११	कन्यायां
१४	बु	५८	४१	ह	५५	२	व्या	२७	३२	ग	२५	३८	५८	३६	२४	१९	२९	१२	कन्यायां
१५	गु	६०	०	चि	६०	०	ह	२९	३७	वि	३१	३५	३२/३२	३६	२४	२०	३०	१३	तु.२८।३९
१५	शु	४	२९	चि	२	१६	व	३१	३१	ब	४	२९	६	३५	२५	२१	१	१४	तुलायां

मृगे भौमः ५९।३ सिंघारा चंद्र दर्श.
अश्वि. मेषे बुधः ५९।३७ मत्स्यज.*
भ.६।१उ.३२/४३या.पुषा. ३शनिः २४।५०
*गणगौरी रमजानद
अश्वि. मेषे शुक्रः ५०।४४
भ. २५।४उ. ५५।४९या.
अश्वि. मेषेऽर्कः ३७।२३(सौरः३९।१)
रामनवमी
भरण्यां बुधः १४।५१
भ. ७।१० उ.३९।५६या. बुधोदयः+
+पश्चिमायां २८।२२ कामदा११ब्र.
मिथुने भौमः ५२।१६ रोहि. २गुरुः=
भ.५८।४१उ. |=५४।९ प्रदोषः
भ.३१।३५या. हनुमज्जयन्ती
रा. वैशाखारम्भः

१पं चै.शु.८वृ.इ.३७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	१	०	८	१०	११
१	२६	१८	१२	२	२०	८	२९
०	५०	३	१५	१२	५	३७	५८
०	४६	२५	४	४०	२३	४७	२७
५८	३७	०/२९	११	७४	१	३	५८
४४	१६	४२	५१	३८	५	११	४५

गोचरग्रहाः

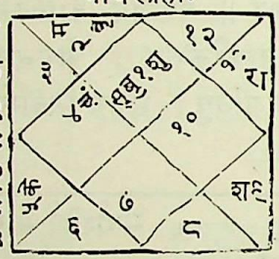

चैत्र शु. ८ गुरौ मेषेऽर्के प्र. वा.३ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

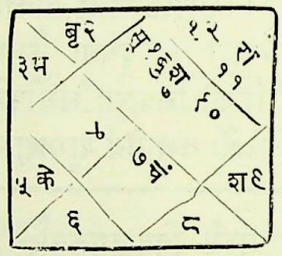

२पं.चै.शु.१५वृ.इ.३७।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१	०	८	१०	०
६	१	२३	१३	१०	२०	८	६
५०	६	२७	४१	५२	९	१५	४८
४२	०	२६	१०	१	२९	३१	२८
५८	३७	०/५	१२	७४	०	३	५८
३१	३४	५४	१६	३२	२०	११	२९

ति.|वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०४६ शाकः १९११ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चंद्रः |ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृ. महाराष्ट्राः

१	श	९	४७	स्वा	८	४८	सि	३२	३६	कौ	९	४७	३/१०	३४/५	२६/६	२२	२	१५	बृ.५८।४
२	र	१४	३१	वि	१४	२९	व्य	३३	१२	ग	१४	३१	१४	३३	२७	२३	३	१६	वृश्चिके
३	चं	१७	४६	अ	१९	१७	व	३३	१२	वि	१७	४६	१७	३३	२७	२४	४	१७	बृश्चिके
४	मं	२०	१४	ज्ये	२३	२७	प	३२	१४	बा	२०	१४	२१	३२	२८	२५	५	१८	ध.२३।२७
५	बु	२२	२१	मू	२६	१२	शि	३०	२०	तै	२२	२१	२५	३१	२९	२६	६	१९	धनुषि
६	गु	२१	५५	पू	२७	४३	सि	२७	२७	व	२१	५५	२९	३०	३०	२७	७	२०	म.४२।४७
७	शु	२०	४३	उ	२८	२	सा	२३	२८	ब	२०	४३	३२	३०	३०	२८	८	२१	मकरे
८	श	१८	१४	श्र	२६	४५	शु	१८	१९	कौ	१८	१४	३६	२९	३१	२९	९	२२	कुं५५।२६
९	र	१४	३	ध	२४	८	शु	११	५६	ग	१४	३	४०	२८	३२	३०	१०	२३	कुम्भे
१०	चं	८	४५	श	२०	२	ब्र	२६/४	५१/२५	वि	८	४५	४३	२७	३३	१	११	२४	कुम्भे
११	मं	१	४६	पू	१४	४३	वै	४६	२५	बा	१	४६	४७	२७	३३	२	१२	२५	मी१।२
१२	मं	५२	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०
१३	बु	४४	५८	उ	८	२८	वि	३६	२५	ग	१९	२६	५१	२६	३४	३	१३	२६	मीने
१४	गु	३५	४६	रे	२७/१	५३/४७	प्री	२६	७	वि	१०	२२	५४	२५	३५	४	१४	२७	मे.१।२७
३०	शु	२६	४०	भ	४७	२६	आ	१५	५५	च	१	१३	५७	२५	३५	५	१५	२८	मेषे

कृत्ति.बुधः२५।४० भरण्यां शुक्रः३६/९
भ.४६।८उ.
भ.१७।४६ या. बृषे बुधः ३७/३० वक्री*
*शनिः ७।४१ च. ब्र.
भ. २१।५५ उ.५१।१९ या.भरण्यां=
=रविः १७।४२ (सौरः२०।१९)
आर्द्रा. भौमः ३५।२
भ.४१।२४उ.शुक्रोदयः× (शु.उ.प.)
भ. ८।४५ या. मई ५ ता. ३१
वरूथिनी ११ ब्र.
×पश्चिमायां १५।३६
भ.४४।५८ उ. रोहि. बुधः १४।५८+
भ. १०।२२या.रोहि. ३ गुरुः २८।६
+कृत्ति. शुक्रः २६।१३ प्रदोषः

३पं.वै.कृ.६बृ.इ.३७।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	१	०	८	१०	०
१३	५	३	१५	१९	२०	७	१३
३९	२१	५४	९	३१	८	५३	३७
४३	२०	४७	५०	१९	२०	१६	३
५८	३७	७८	१२	७४	२०/०	३	५८
१९	४५	४	३५	३२	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

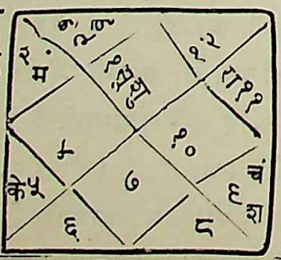

इस मासमें धान्य तृण रुई चांदी चावल जो गेहूँ मंदा होकर सुदी में तेज हो रस तेज कहीं वर्षाहो

गोचरग्रहाः

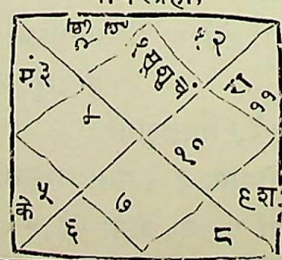

४पं.वै.कृ.१४वृ.इ.२८।१०

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	१	०	८	१०	०
२०	९	१०	१६	२८	२०	७	२०
२७	४६	५१	४२	९	२	३१	२३
२२	१९	५३	११	२२	३८	०	४५
५८	३७	३७	१३	७४	१२	३	५७
६	५८	२५	१	३२	ब	११	५७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं.२०४६ शाकः १९११ दि. उ. अ इं. रा. मु. चंद्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५८७५स.१९८९

१	श	१७	५८	कृ	४१	२३	सौ	१४	५५	व	१७	५८	३	२४	५	६	१६	२९	वृ.०।५५
२	र	१०	२५	रो	३६	४३	अ	५०	५	की	१०	२५	४	२३	३७	७	१७	१	वृषे
३	चं	४	३१	मृ	३३	४६	सु	४३	४६	ग	४	३१	७	२३	३७	८	१८	२	मि५।१६
४	म	०	२६	आ	३३	२	धृ	३९	२९	वि	०	२६	१०	२२	३८	९	१९	३	मिथुने
५	मं	५८	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	बु	५८	३९	पु	३४	२२	शू	३६	५७	की	२८	२२	१३	२१	३९	१०	२०	४	क.१९।२
७	गु	६०	०	पु	३७	३४	गं	३६	१०	ग	२९	१९	६	२१	३९	११	२१	५	कर्के
७	शु	०	५८	श्ले	४२	३२	वृ	३६	१४	व	०	५८	१९	२०	४०	१२	२२	६	सि४२।३२
८	श	५	१	म	४८	५४	ध्रु	३७	३७	ब	५	१	२२	२०	४०	१३	२३	७	सिंहे
९	र	१०	२०	पू	५६	२३	व्या	३९	४४	की	१०	२०	२५	१९	४१	१४	२४	८	सिंहे
१०	चं	१६	२०	उ	६०	०	ह	४२	१०	ग	१६	२०	२८	१८	४२	१५	२५	९	क.१३।१६
११	मं	२२	४९	उ	३	५६	व	४४	५२	वि	२२	४९	३०	१८	४२	१६	२६	१०	कन्यायां
१२	बु	२८	५०	ह	११	३७	सि	४७	१	वा	२८	५०	३३	१७	४३	१७	२७	११	तु.४५।१०
१३	गु	३४	३३	चि	१८	४२	च्य	४८	४७	की	१	४१	२६	१७	४३	१८	२८	१२	तुलायां
१४	शु	३९	२१	स्वा	२५	८	व	४९	४६	ग	६	५७	३९	१६	४४	१९	२९	१३	तुलायां
१५	श	४३	११	वि	३०	१९	प	४९	५७	वि	११	१६	४१	१६	४४	२०	३०	१४	वृ. १४।१

वृषे शुक्रः १७ वक्री पूषा.२ शनिः ४१/३० * परशुराम जयन्ती सव्वाल १० भ.३२।२८उ. अक्षया ३ *चंद्रदर्शनम् भ. ०।२६ या.

कृत्ति. रविः ३७ (सौरः १५/६) वक्री बुधः १६/२३ भ. ०।५८ उ. ३२।५९ या.

बृषेऽर्कः ३१/२ (सौरः ३६/४) रोहि.शुक्रः १३/४० × भ. ४९।३४ उ. भ. २२।४९ या. मोहिनी ११ ब्र. ×बुधास्तः पश्चिमायां ३४/५५

प्रदोषः भ. ३९/२१ उ. रोहि ४ गुरुः १९/१८ नृसिंह १४ भ १५/१६ या. धनि.४ राहुः मघा.२ केतुः ४०/२३

५पं.वै.शु.७गु इ. ३८।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	१	१	८	१०	०
२७	१४	१३	१८	६	१९	७	२७
१३	५	१०	१४	४७	१२	८	८
३४	३१	१	५३	२०	५९	४५	५९
५७	३८	४३	१३	७४	४९	३	५७
५४	२	ब	२०	२६	ब	११	४५

गोचरग्रहः

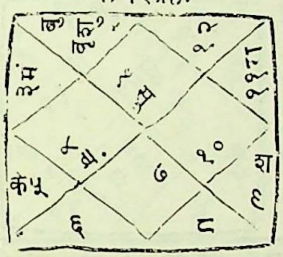

वैशाखशु.९ रवौ वृषेऽर्क. प्र. वा. ४न.४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धा. भावे समता शुक्रो. पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

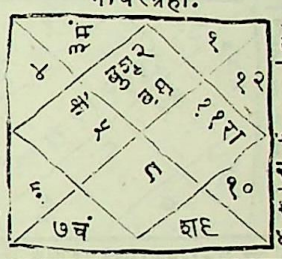

६पं.वै.शु१३गु. इ.३८।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१	१	८	१०	१
३	१८	११	१९	१५	१९	६	१३
५८	२५	३६	१०	२३	३७	४६	५२
२६	५५	३६	१०	४२	२३	२९	३९
४७	३८	२८	१३	७४	२५	३	५७
४४	१६	ब	२६	२६	ब	११	३४

ति. ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं.२०४६ शाकः १९११ दि उ.अ.इं.रा.मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखा कृ. महाराष्ट्राः

१	र	४५	३८	अ	३४	४४	शि	४९	२३	वा	१४	२४	३३/३	१५	४५	२१	३१	१५	वृश्चिके
२	चं	४७	१३	ज्ये	३७	५३	सि	४७	५६	तै	१६	२५	४६	१५	४५	२२	१	१६	ध.३७।५३
३	मं	४७	२९	मू	४०	३	सा	४५	३२	व	१७	२१	४८	१४	४६	२३	२	१७	धनुषि
४	बु	४६	५३	पू	४१	२३	शु	४२	३२	ब	१७	११	५०	१४	४६	२४	३	१८	म.५६।२६
५	गु	४५	२१	उ	४१	३६	शु	४०	७	की	१६	७	५२	१४	४६	२५	४	१९	मकरे
६	शु	४२	५४	अ	४०	५८	ध्रु	३४	१	ग	१४	७	५४	१३	४७	२६	५	२०	मकरे
७	श	३९	२८	ध	३९	१८	ऐं	२८	३९	वि	११	११	५६	१३	४७	२७	६	२१	कु.१०।८
८	र	३५	१३	श	३६	५०	वै	२२	४०	वा	७	२०	५८	१२	४८	२८	७	२२	कुम्भे
९	चं	३०	०	पू	३३	२५	वि	१५	४३	तै	२	३६	३/०	१२	४८	२९	८	२३	मी१९।१६
१०	मं	२४	०	उ	२९	२३	प्री	७	४५/१	वि	२४	०	२	१२	४८	३०	९	२४	मीने
११	बु	१६	५९	रे	२४	७	सौ	५१	११	वा	१६	५९	५	११	४९	३१	१०	२५	मे.२४।७
१२	गु	८	४९	अ	१८	२९	शो	४२	९	तै	८	४९	६	११	४९	१	११	२६	मेषे
१३	शु	१	४०	भ	१२	५१	अ	३३	१९	व	१	४०	७	११	४९	२	१२	२७	बृ २६।३०
१४	शु	५२	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	श	४७	४	कृ	७	२७	सु	२४	४५	च	२०	२९	९	१०	५०	३	१३	२८	वृषे

पुन. भौमः ५।५२ वक्री कृत्ति. बुधः ३।५० रा. ज्येष्ठारंभः भ. १७।२१ उ. ४७।२९ या. रोहि. रविः ५४।२७ चतुर्थी व्र. रोहि.रविःसौरः२।१३ मृगे शुक्रः६।४२* भ. ४२।५४ उ. भ. ११।११ या. *पातस्पर्शः४१।३५ मोक्षः५६।११ भ. ५७।० उ. अस्तं गुरोः ५६।२४ भ. २४।० या. मिथुने शुक्रः३४।३२ अपरा ११ व्र. जून ६ ता. ३० प्रदोषः भ. १।४० उ. २७।४८ या. मृग.१ गुरुः × ×५२।५१ बुधोदयः पूर्वस्यां ३।४६ वटसावित्री पू.

७पं.ज्ये.कृ.५गु.इ.३८।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१	१	८	१०	१
१०	२२	७	२१	२३	१९	६	१०
४२	४६	५८	२६	५९	१८	२४	३४
२५	२३	५२	६	३५	४०	१३	१८
५७	३८	४२/४९	१३	७४	३/४	३	५७
३५	१७	ब	३२	२५	ब	११	२३

गोचरग्रहाः

इस मासमें प्रजामें पीड़ा हैजेका प्रकोप हो, चांदी सोना रुई सूत सिरस्युं मूंग फली गुड़ गेहूं में मंदी होके तेजी होगी ।

गोचरग्रहाः

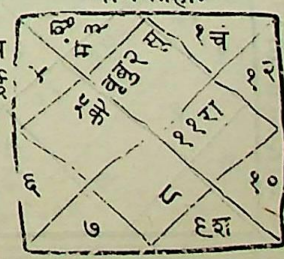

८पं.ज्ये.कृ१२गु.इ.३८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१	२	८	१०	१
१७	२७	५	२३	२	१८	६	१७
२५	६	०	३	३३	५६	१	१५
८	२५	४०	७	५०	३८	५८	५६
५७	३८	२७/३७	१३	७४	४/३	३	५७
२७	१५	ब	३८	२०	ब	११	१३

CC-0. Gurukul Kangri Uni...

ति. ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं. २०४६ शाकः १८११ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५९०४स१९८९

१	र	४०	४४	रो	४४	२५/१८	धृ	१७	१	क	१३	५४	३४/१०	५/१०	५०	४	१४	२९	मिं.३०।५२
२	चं	३६	८	आ	५७	५	शू	१०	२०	वा	८	२६	१२	१०	५०	५	१५	३०	मिथुने
३	मं	३३	१७	पु	५७	२	गं	४	५५	तै	४	४२	१३	९	५१	६	१६	१	क.४२।३
४	बु	३२	२५	पु	५८	५६	वृ	४५/२	५५/३	व	२	५१	१४	९	५१	७	१७	२	कर्के
५	गु	३३	४०	श्ले	६०	०	व्या	५८	१६	ब	३	२	१६	९	५१	८	१८	३	कर्के
६	शु	३६	४७	श्ले	२	४१	ह	५८	४०	कौ	५	१३	१७	९	५१	९	१९	४	सिं२।४१
७	श	४१	३२	म	८	१	व	६०	०	ग	९	९	१८	८	५२	१०	२०	५	सिंहे
८	र	४७	११	पू	१४	४४	व	०	२३	वि	१४	२१	१९	८	५२	११	२१	६	क.३१।३४
९	चं	५३	३८	उ	२२	४	सिं	२	२९	ला	२०	२४	२०	८	५२	१२	२२	७	कन्यायां
१०	मं	५९	३४	ह	२९	३८	व्य	५	३२	तै	२६	३६	२१	८	५२	१३	२३	८	कन्यायां
११	बु	६०	०	चि	३७	८	व	६	५८	व	३२	२३	२१	८	५२	१४	२४	९	तु.३।२३
११	गु	५	१३	स्वा	४३	४५	प	९	२३	वि	५	१३	२२	८	५२	१५	२५	१०	तुलायां
१२	शु	९	५१	वि	४८	५९	शि	१०	३७	ला	९	५१	२२	८	५२	१६	२६	११	वृ.३२।४१
१३	श	१३	२३	अ	५२	५९	सिं	१०	३४	तै	१३	२३	२३	७	५३	१७	२७	१२	बृश्चिके
१४	र	१५	७	ज्ये	५५	३१	सा	७	४०	व	१५	७	२३	७	५३	१८	२८	१३	ध.५५।३१
१५	चं	१५	३४	मू	५६	५२	शु	७	४०	ब	१५	३४	२३	७	५३	१९	२९	१४	धनुषि

आर्द्रा. शुक्रः ५७।२४
चन्द्रदर्शनम्
कर्के भौमः २२।४० जिल्काद ११
भ.५१/२ उ.३२/५ या.मृगे रविः ४२/६ मार्गी बुधः ३१/४८
मृगे रविः सौरः १।२

भ. ४१।३२ उ.
भ.१४।२१ या.पुष्ये भौमः ३५।२६

गङ्गादशमी
भ.३२/३ उ.मिथुनेऽर्कः ४५/८ निर्जला ११ व्र.स्मा
भ.१३/५ या.मिथुनेऽर्कः सौरः ४१/९ पुन. शुक्रः *
प्रदोषः *३८।४२ निर्जला ११ व्र.वै.
मृग. २ गुरुः १३।२
भ.१५/७ उ.४५/२१ या. रोहि. बुधः २९।२१
गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

९पं. ज्ये.शु. ५गु.इ.३५/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	१	२	८	१०	१
२४	१	४	२४	११	१८	५	२३
७	२७	४७	४०	८	३१	३९	५५
२२	०	३१/९४	२३	५३	१२	४२	५२
१७	३८	मा	१३	७४	३	३	५७
२२	२२	३८	८	५८	११	५	

गोचरग्रहाः

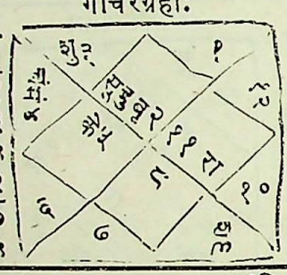

ज्ये. शु. १० बुधे मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ४न. ५ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो.पू.

गोचरग्रहाः

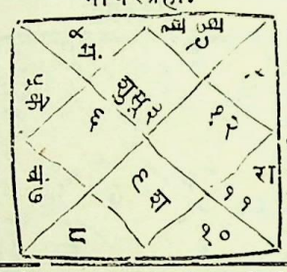

१०पं. ज्ये.शु. ११गु.इ.३५/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१	२	८	१०	२
०	५	८	२६	१९	१८	५	०
४८	४७	९	१८	४२	३	१७	३५
२५	२०	५०	४	४	४०	२७	१
५७	३८	३८	१३	७४	१९/४	३	५६
१७	३४	४४	३८	२	ब	११	५७

ते. आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं २०४६ शाकः १८११ | दि. उ. अ. इ. रा. मु | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	१४	४३	पू	५७	७	शु	४	३५	कौ	१४	४३	३४/२४	५/७	६/३	२०	३०	१५	धनुषि
२	बु	१२	४९	उ	५६	१३	ग	३५/०	५५/१४	ग	१२	८९	२४	७	५३	२१	३१	१६	स. ११।५३
३	गु	९	४६	अ	५४	४०	वै	५०	३७	वि	९	४६	२४	७	५३	२२	१	१७	मकरे
४	शु	६	४	ध	५२	३०	वि	४४	४३	ला	६	४	२४	७	५३	२३	२	१८	कु. २३।३५
५	श	१	५४	श	५०	२	ग्री	३८	३०	तै	१	५४	२४	७	५३	२४	३	१९	कुम्भे
६	श	५५	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०
७	र	५२	३५	पू	४६	५८	आ	२२	५	वि	२४	५९	२३	७	५३	२५	४	२०	मी ३२।४४
८	चं	४७	२२	उ	४३	४७	सौ	२५	२०	ला	१९	५८	२३	७	५३	२६	५	२१	मीने
९	मं	४१	५१	रे	४०	१३	शो	१८	१६	तै	१४	३६	२३	७	५३	२७	६	२२	मे.४०।१३
१०	बु	३६	२	अ	३६	२९	अ	११	४	व	८	५६	२२	८	५२	२८	७	२३	मेषे
११	गु	३०	२	भ	३२	३७	सु	३४/३	५९/३	ब	३	२	२२	८	५२	२९	८	२४	बृ.४६।४०
१२	शु	२४	१०	कृ	१८	४८	शु	४९	४	तै	२४	१०	२१	८	५२	३०	९	२५	वृषे
१३	श	१८	३९	रो	२५	१९	गं	४२	१६	व	१८	३९	२०	८	५२	१	१०	२६	मि५३।५५
१४	र	१३	३१	मृ	२२	३१	बृ	३६	२	श	१३	३१	१९	८	५२	२	११	२७	मिथुने
१५	चं	९	५५	आ	२०	३८	ध्रु	३०	४४	ना	९	५५	१८	८	५२	३	१२	२८	मिथुने

भ.४१।१७उ. आर्द्रा. रविः ४६।५३
भ.४९/६ या.आर्द्रा.रविः सोरः २३/२ उदयं *
*गुरोः ५४/२८ रा.आषाढारंभः च.व्र.(उ गु.)
भ. ५७।२४ उ. कर्के शुक्रः ४।३५

भ. २४।५९ या.
पुष्ये शुक्रः ५१।२७

भ.८।५६उ. ३६।२या.मृगेबुधः ३९।५८
योगिनी ११ व्र.
प्रदोषः +जौलाई ७ ता. ३१
भ.१/३ उ.४६/५ या.मृग. ३मिथुनेगुरुः५१।३२+
मिथुने बुधः ४०।५८
आश्ले. भौमः १।२३ सोमवती ३०

११पं.आ.कृ.३गु.इ.३८।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१	२	८	१०	२
७	१०	१४	२७	२८	१७	४	७
२९	८	३०	५४	१४	३४	५५	१३
२४	४६	३२	३२	६	१	११	२८
१७	३८	७१	१३	७३	३४/८	३	५६
१३	३६	४४	३२	५६	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

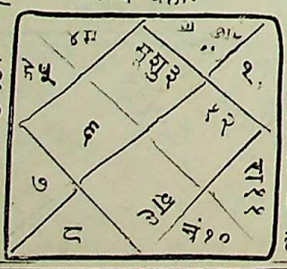

बुधो मिथुन राशिस्थो महर्घं च चतुष्पदाम्। तदा वायु विजानीयात् मेघश्च प्रचुरो भवेत्॥ हर एक वस्तुमें घटाबढ़ी होगी।

गोचरग्रहाः

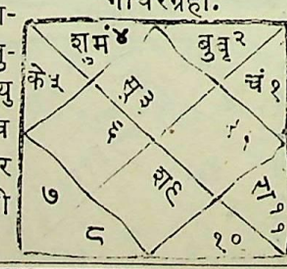

१२पं.आ.कृ.११गु.इ.३५/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१	३	८	१०	२
१४	१४	२४	२९	६	१७	४	१३
९	२९	५७	३०	४५	३	३२	५१
५०	४२	१८	१४	४०	५४	५५	३३
५७	३८	९९	१३	७३	४०/८	३	५६
७	३३	३५	२६	५०	ब	११	५०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं०२०४६ शाकः१९११ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५९३४म.१९८९

१	मं	७	८	पु	२०	१८	व्या	२६	३५	ब	७	८	३४/१७	५/६	५/६	४	१३	२९	क.५।२३
२	बु	६	२	पु	२१	३५	ह	२३	५	कौ	६	२	१५	९	५१	५	१४	१	कर्के
३	शु	६	५९	श्ले	२४	३०	व	२२	२७	ग	६	५९	१४	९	५१	६	१५	२	सिं२४।३०
४	शु	९	३७	म	२८	५१	सि	२१	५१	वि	९	३७	१३	९	५१	७	१६	३	सिंहे
५	श	१३	४४	पू	३५	५	व्य	२२	५९	वा	१३	४४	११	१०	५०	८	१७	४	क.५।१।४६
६	र	१८	५३	उ	४१	४७	व	२४	५६	तै	१८	५३	१०	१०	५०	९	१८	५	कन्यायां
७	चं	२४	५८	ह	४९	२८	प	२७	१६	व	२४	५८	८	१०	५०	१०	१९	६	कन्यायां
८	मं	३१	२	चि	५६	५०	शि	२९	३५	ब	३१	२	७	११	४९	११	२०	७	तु.२३।९
९	बु	३६	५१	स्वा	६०	०	सि	३०	५५	वा	३	५६	५	११	४९	१२	२१	८	तुलायां
१०	गु	४१	४९	स्वा	३	५४	सा	३३	३८	तै	९	२०	४	११	४९	१३	२२	९	वृ.५३।१६
११	शु	४५	३५	वि	९	४४	शु	३४	२	व	१३	४२	२	१२	४८	१४	२३	१०	वृश्चिके
१२	श	४७	१०	अ	१४	१३	शु	३३	२४	व	१६	२२	०	१२	४८	१५	२४	११	वृश्चिके
१३	र	४७	१७	ज्ये	१६	५८	त्र	३१	२६	कौ	१७	१३	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१२	ध.१६।५८
१४	चं	४५	३७	मू	१८	२	ऐं	२८	४	ग	१६	२७	५६	१३	४७	१७	२६	१३	धनुषि
१५	म	४२	३२	पू	१७	२५	वै	२३	२५	वि	१४	४	५४	१३	४७	१८	२७	१४	म.३१।५६

चंद्रदर्शनम् ×जिल्हेज १२
पुनः रवि: ४५/० वक्री पूषा. १ शनि: ३/८ रथयात्रा.
भ. ३/६ उ.पुन. रवि: सौर: २/३ आर्द्रा. बुध. १/५८
भ. ३/७ या. आश्लेषा. शुक्र: ४/४ बुधास्तः पूर्व.

भ. २४।५८ उ. ५८।०या.

पुनः बुधः ४५।४९

भ. ५३/४२ उ. ४५/३५ या. देवशयनी ११व्र.
+व्यास पूजा
कर्केऽक १/३ (सौर: ४/७) मृग. ४ गुरुः ५/२ प्रदोष
भ. ४५/३७ उ. कर्के बुधः १६।४२
भ. १/४ या. पुष्ये- बुधः ५/१ वायुपरीक्षा+

१३पं.आ.शु.३गु.इ.३८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	२	३	८	१०	२
२०	१८	७	१	१५	१६	४	२०
५०	५१	२५	४	१५	३२	१०	२९
१०	४	५	४४	४३	५६	४०	२७
५७	३८	१९	१३	७३	४/०	३	५६
७	३७	२३/३	२०	४४	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

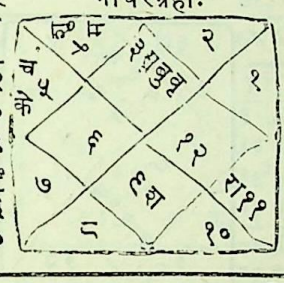

आ. शु. १३ रवौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ५ न.४ गतालका वस्था (ऊभी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

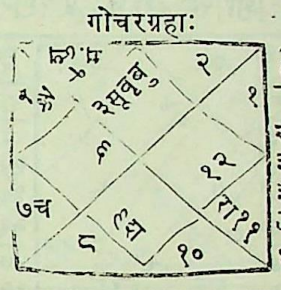

१४पं.आ.शु.१०गु.इ.३/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	२	३	८	१०	२
२७	२३	२१	२	२३	१६	३	२७
३०	१४	५०	२७	४४	२	४८	७
३२	१६	१३	३४	४९	३८	२४	३४
५७	३८	५/९	१३	७३	३/४	३	५६
११	४०	५/२	८	२७	ब	११	५४

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं.२०४६ शाकः१९११ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़ कृ. महाराष्ट्राः

१	बु	३८	३	उ	१५	३१	वि	१७	५१	वा	१०	१७	३३/५२	१४/४६	१९	२८	१५	मकरे
२	गु	३२	५५	श्र	१२	३८	ती	११	१४	तै	५	२९	५०	१४	४६	२०	२९	१६	कु.४०।४९
३	शु	२६	५३	ध	९	१	आ	४/४	५३/३६	वि	२६	५३	४७	१५	४५	२१	३०	१७	कुम्भे
४	श	२०	५०	श	४	५२	शो	४९	५	वा	२०	५०	४५	१५	४५	२२	३१	१८	मी४६।५३
५	र	१४	५०	पू	५३/०	५६/७	अ	४१	४१	तै	१४	५०	४२	१६	४४	२३	१	१९	मीने
६	चं	९	४	रे	५३	२०	सु	३४	२२	व	९	४	४०	१६	४४	२४	२	२०	मे.५३।२०
७	मं	३	३०	अ	५०	२	धृ	२७	१९	ब	३	३०	३७	१७	४३	२५	३	२१	मेषे
८	मं	५३	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	बु	५३	२६	भ	४७	४	शू	२०	२४	ती	२५	२३	३५	१७	४३	२६	४	२२	मेषे
१०	गु	४८	५२	कृ	४४	२६	ग	१४	१	व	२१	९	३२	१८	४२	२७	५	२३	वृ.१।२५
११	शु	४४	५८	रो	४२	२२	वृ	८	१	ब	१६	५५	२९	१८	४२	२८	६	२४	वृषे
१२	श	४१	४०	मृ	४०	५७	ध्रु	२५/२	५५/५१	कौ	१३	१९	२६	१९	४१	२९	७	२५	मि११।४०
१३	र	३९	१२	आ	४०	२१	ह	५२	५८	ग	१०	२६	२६	१९	४१	३०	८	२६	मिथुने
१४	चं	३७	४९	पु	४०	३९	व	४९	३४	वि	८	३०	२१	२०	४०	३१	९	२७	क.२५।३४
३०	मं	३७	३७	पु	४२	१३	सि	४६	४९	च	७	४३	१८	२०	४०	१	१०	२८	कर्के

पुष्ये रविः ४४/३० मघायां सिंहे शुक्रः ५०/१४
भ. ५९/४ उ. पुष्ये रविः सौरः १०।४८
भ. २६। ५३ या. चतुर्थी व्र.
धनि. ३ राहुः मघा. १ केतुः ३३।५९
रा. श्रवणारभः नाग ५ मरुस्थले
भ ९/४ उ ३/१७ या. मघायां सिंहेभौमः ३/१७
आश्ले. बुधः २३।२९

* अगस्त ८ ता.३१+
भ. २१।९ उ. ४८।५२ या.
कामिका ११ व्र.
पूफा. शुक्रः ५०।४८
भ. ३/६ उ. बुधोदयः पश्चिमायां २/५ प्रदोषः
भ ८।३० या. + हरियाली ३०
मघायां सिंहे बुधः २७/६ आर्द्रा.१ गुरुः ४४/५४ *

१५पं.श्रा.कृ.२ गु.इ.३८।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	२	४	८	१०	३
४	२७	६	४	२	१५	३	३
११	३६	५९	८	११	३३	२६	४६
१७	३६	६	५६	५३	२२	९	१
५७	३८	२९/१	१२	७३	१४/४	३	५६
१५	४७	४९/१	४६	१७	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

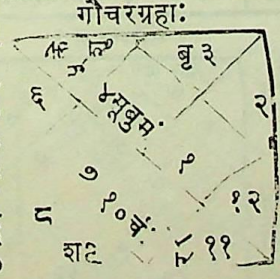

श्रा. शु. १४ बुधे सिंहेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ५ बृद्धा-वस्था (बैठी) मु. ३० धान्या.भावे समता शुक्रो. प.

गोचरग्रहाः

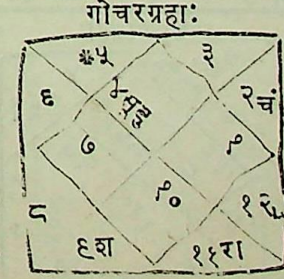

१६प.श्रा.कृ.१०गु.इ.३/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	२	४	८	१०	३
१०	२	२१	५	१०	१५	३	१०
५२	०	२	३७	३८	५	३	२५
१९	५०	४९	१२	२०	५६	५३	१८
५७	३८	२/९	१३	७३	५/४	३	५७
२०	४९	१०/०	२०	२	ब	११	५

CC-0. Gurukul K...

ति.	श्रावण शुक्ल पक्षः सं.२०४६ शाकः१९११	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५९६३ स.१९८९
१	बु ३८ ४९ श्ले ४५ ९	व्य ४१ ३४	कं ८ १३	३३ २५ ६	२ ११ २९	सिं४५।९	आश्ले. रविः ४१।३१
२	गु ४१ ३४ म ४९ २८	व प ४५ ४०	तै १३ ३१	९ २२ ३८	३ १२ ३०	सिंहे	आश्ले.रविःसौरः ११ ३५ चन्द्रदर्शनम् सिंधारः
३	शु ४५ २८ पू ५५ ५	प शि ४६ ५२	व १८ ३	६ २३ ३७	४ १३ १	सिंहे	तीज मोहोरम १ सन १४१० हि.
४	श ५० ३८ उ ६० ०	शि सि ४९ १	ब २३ ३५	३ २३ ३७	५ १४ २	क.११।४२	भ. १८।३ उ. ५०।३८ या.
५	र ५६ ३२ उ १ ३४	सि सा ५१ ५०	कौ २९ ३६	० २४ ३६	६ १५ ३	कन्यायां	नाग पंचमी
६	चं ६० ० ह ८ ५५	सा शु ५४ १	तै २ ४०	३३ २५ २५	८ १७ ५	तुलायां	
६	मं २ ४० चि १६ ३१	शु ब ५६ १५	ब ८ ४६	५३ २५ ३५	९ १८ ६	तुलायां	भ.८।४६उ.४१।३०या. पूफा बुधः १५ ६ *
७	बु ८ ४६ स्वा २४ ७	ब ग ५७ २२	ब १४ १३	५० २६ ३४	१० १९ ७	वृ. १४.२	*उफा शुक्रः ५७ ४५ अस्ते भौमः ४१.
८	गु १५ १३ वि ३० ४०	ग वि २० ५८	कौ १८ ४१	४७ २७ ३३	११ २० ८	बृश्चिके	
९	शु १८ ४१ अ ३५ ५४	वि वै ५६ ३०	ग २० ५८	४३ २७ ३३	१२ २१ ९	ध.३९।३९	भ. ५१।१७ उ. कन्याया शुक्रः४३।२८
१०	श २० ३८ ज्ये ३९ ३९	वै मू ४१ ३१	वि २१ ३६	९० २८ ३२	१३ २२ १०	धनुषि	भ. २१।३६ या. पवित्रा ११ ब्र.
११	र २१ ३६ मू ४१ ३३	वि भी ४९ ३२	वा २० १०	३६ २९ ३१	१४ २३ ११	म.५६।४	पूफा. भौमः ४३।६ प्रदोषः
१२	चं २० १० पू ४१ ३३	भी आ ४३ ४८	तै १७ ५८	३३ २९ ३१	१५ २४ १२	मकरे	
१३	मं १७ ५८ उ ३९ ३७	आ सौ ३५ ४३	व ११ ५१	२९ ३० ३०	१६ २५ १३	मकरे	भ. ११ ५१ उ. ३५ ५५ या. मघा. सिंहेऽर्कः ३५ २९
१४	बु ११ ५१ श्र ३६ ३	सौ शो २८ ४१	ब ५ १९	२६ ३१ २९	१७ २६ १४	कु ३।४१	मघा सिंहेऽर्कःसौरः ९ श्रावणी कर्मरक्षाबं.

१७पं.श्रा.शु. २गु.इ. ३७।५६							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	२	४	८	१०	३
२७	६	३	७	१५	१४	२	१७
३४	२३	५४	२	३	३९	४१	५
१	३८	४	४२	१८	४३	३७	६
५७	३८	०	१२	७२	३५	३	५७
२५	५५	४५	३	४६	ब	११	१२

१८पं.श्रा.शु.८गु.इ.३७।४७							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	२	४	८	१०	३
२४	१०	१५	८	२७	१४	२	२३
१६	४८	३०	२५	२८	१९	१९	४६
२६	०	२२	१	१९	३७	२२	१०
५७	३९	९५	११	७२	५६	३	५७
३३	२	३४	२४	२५	ब	११	२२

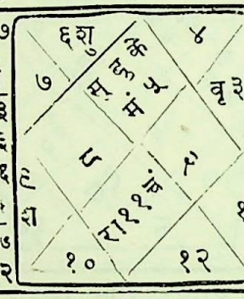

१९पं.श्रा.शु.१५गु.इ. ३७ ३८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	२	५	८	१०	४
०	१५	२५	९	५	१४	१	०
५९	१४	४८	४३	४७	२	५७	२८
४९	२	१८	१९	४२	१३	६	२६
५७	३९	८१	१०	७२	३ ५७	३	५७
४०	१२	५६	५६	२	ब	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं.२०४६ शाकः१९११	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृ. महाराष्ट्राः
१	गु ५२ ३४	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	८		०	
२	शु ५० ११	श २५ ३९	अ १९ ४६	तै २३ ५७	३२ ३२ ५ २८ ३	१८ २७ १५		कुम्भे	उफा. बुधः १५।३०
३	श ४१ १३	पू १९ ५४	सु १० १५	व १५ ४२	१९ ३२ २८	१९ २८ १६		मी६।२०	भ. १५ ४२ उ. ४१ १३ या. आर्द्रा. २ गुरुः ११ ९
४	र ३४ ३८	उ १४ ०	धृ ३५ १५ २०	ब ७ ५५	१५ ३३ २७	२० २९ १७		मीने	कन्यायां बुधः ४२।१ चतुर्थी ब्र.
५	चं २७ ४२	रे ८ ४४	गं ४४ ३१	कौ ११ १०	११ ३४ २६	२१ ३० १८		मे ८।४४	हस्ते शुक्रः ११।४७ चन्द्रषष्टी
६	मं २० १	अ ४ १२	बृ २६ ४४	व २० १	८ ३४ २६	२२ ३१ १९		मेषे	भ. २०।१ उ. ४८।६ या.
७	बु १६ ११	भ २७ ० ५७	ध्रु २९ ४१	ब १६ ११	४ ३५ २५	२३ १ २०		वृ. १४।४६	रा. भाद्रपदारम्भः जन्माष्टमी ब्र. स्मा.
८	गु ११ ५३	रो ५५ ५६	व्या २३ ३८	कौ ११ ५३	० ३६ २४	२४ २ २१		बृषे	जन्माष्टमी ब्र. वै.
९	शु ८ ४०	मृ ५५ १०	ह १८ १६	ग ८ ४०	३१ ३७ २३	२५ ३ २२		मि२५।३२	भ. ३७।२९ उ. गोगा ९
१०	श ६ १९	आ ५५ २९	व १३ ५२	वि ६ १९	५२ ३८ २२	२६ ४ २३		मिथुने	भ. ६।१९ या.
११	र ५ १५	पु ५६ ५३	सि १० १७	वा ५ १५	४८ ३८ २२	२७ ५ २४		क ४१।३२	हस्ते बुधः ४१।५९ अजा ११ ब्र.
१२	चं ५ १२	पु ५९ १६	व्य ७ ४१	तै ५ १२	४१ ३९ २१	२८ ६ २५		कर्के	वत्स द्वादशी प्रदोषः
१३	मं ६ १३	श्ले ६० ०	व ५ ३७	व ६ १३	४० ४० २०	२९ ७ २६		कर्के	भ. ६।१३ उ. ३७।२० या.
१४	बु ८ २६	श्ले २ ५२	प ४ ५०	श ८ २६	३६ ४१ १९	३० ८ २७		सिं २।५२	पूफा. रविः २५।३ (सौरः ५८।४४)
३०	गु १२ २	म ७ ३२	शि ४ ४६	ना १२ २	३२ ४२ १८	३१ ९ २८		सिंहे	कुशाग्रहणी

२०पं.भा.कृ.८गु.इ.३७।२८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	२	५	८	१०	४
१	१९	४	१०	१४	१३	१	७
४४	४०	३९	५७	६	४७	३४	११
१७	४१	२९	१४	४०	४९	५१	५७
५७	३९	४५	१०	७१	४४ ९	३	५७
४९	१९	१४	१३	३८	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

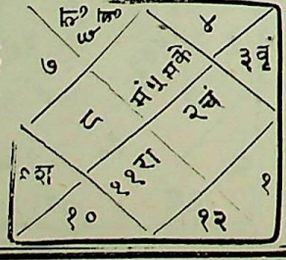

इस मास में ५ शुक्रवार और बुध शुक्र का योग सुभिक्ष कारक है। पूर्व से आगे मंगल वर्षा कहीं कमकहीं अधिक करेगा।

गोचरग्रहाः

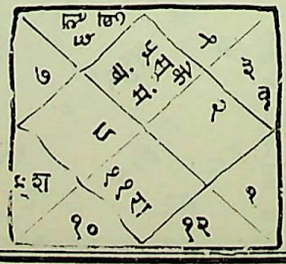

२१पं.भा.कृ.३०गु.इ. ३७ २०							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	२	५	८	१०	४
१४	२४	१२	१२	२२	१३	१	१३
२९	७	५	६	२३	२८	१२	५७
५६	५२	२	४०	४६	३७	३५	९
५८	३९	४२	९	७१	५९ ०	३	५७
१	१९	४७	३५	११	ब	११	५७

*मंचंशुबुके

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिः भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं.२०४६ शाकः १९११ दि. उ. अ इं. रा. मु. | चंद्रः | शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५९९३स.१९८९

१	शु	१६	१६	पू	१३	१३	सि	५	१०	ब	१६	१६	३५/२८	४२	५६/१८	१	१०	२९	क.२९।५०
२	श	२१	३२	उ	१९	४३	सा	६	४६	कौ	२१	३२	२५	४३	१७	२	११	३०	कन्यायां
३	र	२७	३४	ह	२६	५२	शु	८	३२	ग	२७	३४	२१	४४	१६	३	१२	१	कन्यायां
४	चं	३३	४६	चि	३४	२८	शु	९	५६	वि	०	४०	१७	४५	१५	४	१३	२	तु.०।४०
५	मं	४०	९	स्वा	४२	७	वृ	१३	२८	ब	६	५७	१३	४५	१५	५	१४	३	तुलायां
६	बु	४५	५९	वि	४९	३०	ऐं	१५	५३	कौ	१३	४	९	४६	१४	६	१५	४	वृ.३२।३९
७	गु	५०	४९	अ	५५	३८	वै	१७	५०	ग	१८	२४	५	४७	१३	७	१६	५	वृश्चिके
८	शु	५४	१९	ज्ये	६०	०	वि	१८	५८	वि	२२	३४	१	४८	१२	८	१७	६	वृश्चिके
९	श	५९	८	ज्ये	०	४९	प्री	१८	५७	वा	२५	१३	३०/७	४९	११	९	१८	७	ध.०।४९
१०	र	५५	५०	मू	४	७	आ	१७	२८	तै	२५	५९	५३	४९	११	१०	१९	८	धनुषि
११	चं	५३	२९	पू	५	२९	सो	१४	३०	व	२४	३९	४८	५०	१०	११	२०	९	म.२०।१८
१२	मं	४९	७	उ	४	४५	शो	९	५१	ब	२१	१८	४४	५१	९	१२	२१	१०	मकरे
१३	बु	४२	५३	श्र	२/१०	५५/३३	अ	३/३१	५२/१५	कौ	१६	०	४०	५२	८	१३	२२	११	कु.२९।५६
१४	शु	३५	६	श	५१	४६	धृ	४६	३९	ग	८	५९	३६	५३	७	१४	२३	१२	कुम्भे
१५	श	२६	२३	पू	४४	५८	शु	३६	५४	वि	०	४४	३२	५४	६	१५	२४	१३	मी३१।४०

चित्रा.शुक्रः २४।४४सितवंरहता.३०
चन्द्रदर्शनम्
भ.२७।३४उ. हरितालिका ३सफर२
भ ०।४० या. उफा. भौमः ४/३७गणेश४
ऋषि पंचमी * झूलनी ११ब्र. स्मा.
÷११ब्र वै. वामन १२
भ. ५०।४९उ.तुलाया शुक्रः ५।१८
भ २२।३४या.आर्द्रा. ३गुरुः ४२।५०
कन्याया भौमः ४४।२३
वक्री बुधः१२।४मार्गी शनिः१७।११
भ. २४।३९ उ. ५३।२९ या. जल *
स्वात्या शुक्रः ४२।५० जलझूलनी÷
उफा.रवि ९।२३(सौरः४३।३२)प्रदोषः१
भ. ३५।६उ.अनन्त १४
भ. ० ४४ या. महालयश्राद्धारंभः

२२पं.भा.शु.७गु.इ.३७।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	२	६	८	१०	४
२१	२८	१६	१३	०	१३	०	२०
१६	३६	६	१०	३७	३३	५०	४३
५३	१८	४०	३०	३०	५४	१९	४९
५८	३९	१५	८	७०	१९/०	३	५८
१३	२९	२२	४१	३४	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

आगे मंगल पिछे भान । वर्षा होवे ओस समान ।।
धान्यादि में तेजी होगी ।

गोचरग्रहाः

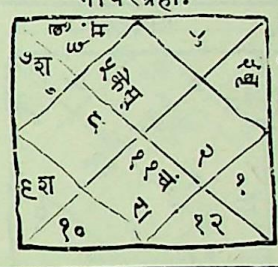

२३पं.भा.शु १४गु.इ.३७।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	२	६	८	१०	४
२८	३	१६	१४	८	१३	०	२७
५	६	३७	७	४८	३३	२८	३२
२४	२९	१२	५५	२५	४०	४	१०
५८	३९	२६/१९	७	६९	२९/०	३	५८
२६	३५	ब	४०	५५	ब	११	२९

तिः आश्विन कृष्ण पक्षः सं.२०४६ शाकः १९११ दि. उ. अ इं. रा. मु. | चन्द्रः | शरदृतूं रविर्दक्षिणे भाद्र कृ. महाराष्ट्राः

१	श	१७	१३	उ	३७	४२	गं	२६	३४	कौ	१७	१३	३०/२८	५४	६१/१८	१६	२५	१४	मीने
२	र	७	५२	रे	३०	२९	बृ	१६	८	ग	७	५२	२४	५५	५	१७	२६	१५	मे.३०।२९
३	रे	५१	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	चं	५०	४६	अ	२३	५०	धु	६/२	५०/३०	ब	२४	५०	२०	५६	४	१८	२७	१६	मेषे
५	मं	४३	५२	भ	१७	५९	ह	४७	३८	कौ	१७	१९	१६	५७	३	१९	२८	१७	वृ.३१।५२
६	बु	३८	२२	कृ	१३	२९	व	४०	३	ग	११	७	१२	५८	२	२०	२९	१८	वृषे
७	गु	३४	३२	रो	१०	३५	सि	३३	४४	वि	६	२७	८	५८	२	२१	३०	१९	मि३९।४९
८	शु	३२	१	मृ	९	२	व्य	२८	३७	बा	३	१६	४	५९	१	२२	३१	२०	मिथुने
९	श	३१	१३	आ	९	७	व	२४	४३	तै	१	४७	३०/२	०/०	६/०	२३	१	२१	क.५५।१६
१०	र	३१	५३	पु	१०	३८	प	२२	१	व	१	३३	२/५५	१/५९	५९/०	२४	२	२२	कर्के
११	चं	३३	४६	पु	१३	४४	शि	२०	३५	ब	२	४८	५५	२	५८	२५	३	२३	कर्के
१२	मं	३७	१	श्ले	१७	४०	सि	२०	६	कौ	५	२३	४७	३	५७	२६	४	२४	सि१७।४८
१३	बु	४१	२१	म	२३	०	सा	२०	३२	ग	९	११	४३	३	५७	२७	५	२५	सिंहे
१४	गु	४६	२४	पू	२९	२	शु	२१	२२	वि	१३	५२	३८	४	५६	२८	६	२६	क.४५।४५
३०	शु	५२	१३	उ	३५	५५	शु	२३	१८	च	१९	१८	३४	५	५५	२९	७	२७	कयायां

कन्याऽर्कः ३४।४४
भ.३३।२३उ. ५८।५४ या. कन्यार्कः ≡ (≡सौरः ८।४३)
बुधास्तः पश्चिमायां ४८,२९चतुर्थीव्र.
*आश्लेया४कर्केकेतुः २/६ रा.अश्निारंभः
भ. ३८।२२ उ.
भ. ६।२७या.

वक्री बुधः४।३९ धनि. २ मकरे राहुः
भ.१।३३उ.३/३या.विशा. शुक्रः १६।०
हस्ते भौमः २०।२१ इंदिरा ११ ब्र.
हस्ते रविः ४७।५०
भ.४१।२१उ.हस्ते.रविःसौरः २/१३प्रदोषः
भ.१३।५२ या. शस्त्रादि हताना श्रा.
सर्वपितृ ३०

२४पं.आ.कृ.७गु.इ ३६।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	२	६	८	१०	५
४	७	११	१४	१६	१३	०	४
५५	३७	४६	५८	५६	३८	५	२२
१९	५५	२३	५	४९	३१	४८	१७
५८	३९	४७/२	६	६९	१	३	५८
३८	४६	ब	३८	४	१२	११	४५

गोचरग्रहाः

आ. कृ. १ शनौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४न. ५ युवा वस्था(सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घताशुक्रास्तः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

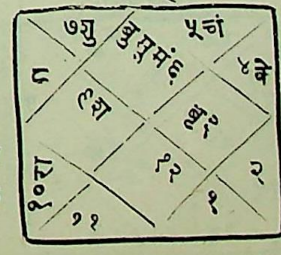

२५पं.आ.कृ.१४गु.इ.३६/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	२	६	८	९	५
११	१२	४	१५	२४	१३	२९	११
४६	१०	३७	४१	५९	२८	४३	१४
५५	१२	५	२०	४९	१८	३३	१९
५८	३९	६२/९०	५	६८	१	३	५९
५३	४६	ब	४०	१६	५२	११	०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति. आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०४६ शाकः १९११ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षि.ऽहर्गणः स. ६०२२ स १९८९

१	श	५८	१६	ह	४३	२	व	२४	५७	कं	२५	१४	२९/३०	६/६	५४/५४	३०	८	२८	कन्यायां	मातामह श्रा. नवरात्रारंभः
२	र	६०	०	चि	५०	३३	वा	३१	२४		२६	७	५३	१	९	२९			तु. १६।४७	बुधोदयः पू. ३/२ चंद्रद. अक्टूबर १० ता. ३१
३	चं	४	३२	स्वा	५८	११	वै	२९	३१	कौ	४	३२	२२	८	५२	२	१०	१	तुलायां	बृश्चिकेऽर्कः शुक्रः ५७।४१ रविलावल ३
३	मं	१०	५७	वि	६०	०	वि	३१	५९	ग	१०	५७	१८	८	५२	३	११	२	वृ. ४८।४१	भ. ४३।५६ उ. मार्गी बुधः ५४।१
४	बु	१६	५६	वि	५	३१	प्री	३४	२	वि	१६	५६	१४	९	५१	४	१२	३	बृश्चिके	भ. १६।५६ या.
५	गु	२२	५	अ	१२	१९	आ	३५	३८	वा	२२	५	१०	१०	५०	५	१३	४	बृश्चिके	अनु. शुक्रः ५६।१२
६	शु	२६	१०	ज्ये	१८	११	सौ	३५	२५	तै	२६	१०	६	११	४९	६	१४	५	ध. १८।११	+शरद १५ कोजागरी व्र.
७	श	२९	१	मू	२२	४५	शो	३६	३	व	२९	१	२	१२	४८	७	१५	६	धनुषि	भ. २९।१ उ. ५९।२९ या. सरस्वत्यावाहनम्
८	र	२९	५६	पू	२५	४९	अ	३४	२२	ब	२९	५६	३५/५८	१२	४८	८	१६	७	म. ४१।५	सरस्वती पूजनं
९	चं	२९	१०	उ	२६	५४	सु	३१	१८	कौ	२९	१०	५४	१३	४७	९	१७	८	मकरे	बलिदानं
१०	मं	२६	२१	श्र	२६	८	धृ	२६	३२	ग	२६	२१	५०	१४	४६	१०	१८	९	कु. ५४।४४	भ. ५/३ उ. चित्रा. रविः १/१ (सौरः ५/१)*
११	बु	२१	३६	ध	२३	२०	शु	२०	५३	वि	२१	३६	४६	१५	४५	११	१९	१०	कुम्भे	भ. २/३ या आर्द्रा. ४ गुरुः ३/५ ७/३ पापांकुशा ११ व्र.
१२	गु	१४	५०	श	१८	५०	गं	१२	३४	वा	१४	५०	४२	१६	४४	१२	२०	११	मी ५९।१४	प्रदोषः
१३	शु	७	५१	पू	१२	४२	वृ	३/५	४/१	तै	७	५१	३८	१६	४४	१३	२१	१२	मीने	भ. ५७।३६ उ.
१४	शु	४९	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	*विजया १० सरस्वती विसर्जनं
१५	श	४७	५०	उ	४०	५/१२	व्या	४२	३८	वि	२२	४३	३४	१७	४३	१४	२२	१३	मे. ५७ ५२	भ. २२।४३ या. हस्ते बुधः १५।३२+

२६पं.आ.शु.५बृ.इ.३६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	२	७	८	९	५
१८	१६	२	१६	२	१४	२९	१८
४०	४४	२४	१६	५८	२	२१	८
८	१३	३२	४४	१	१०	१७	६
५९	३९	२३	४	४७	२	३	५९
९	५६	मा	३१	१३	३२	११	१६

गोचरग्रहाः

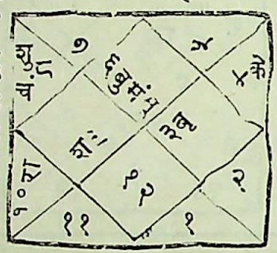

इसमासमें ५ शनिवार अशुभ हैं। प्रजामें रोगपीड़ा हो। धान्यगल्ला रुई रस किराना घृत तेज होगा।

गोचरग्रहाः

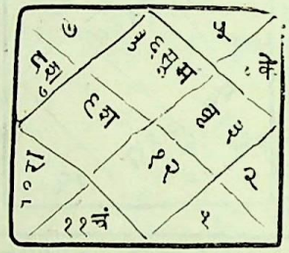

२७पं.आ.शु.१२बृ.इ.३/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	२	७	८	९	५
२५	२१	७	१६	१०	१४	२८	२५
३५	१९	५१	४३	५०	२०	५९	३
६	५९	४	१६	४९	२	१	४८
१९	३९	७८	३	६५	३	३	५९
२१	५६	२	२१	५३	१९	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०४६ शाकः १९११	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे आश्विन कृ. महा.

१	र	३७	४८	अ	४९	५४	ह	३१	३२	वा	१२	४९	३८/३०	६/१८	५/४३	१५	२३	१४	मेषे	चित्रा. भौमः ३६।४४
२	चं	२८	१८	भ	४२	२६	व	२०	३४	तै	३	३	२६	१९	४१	१६	२४	१५	वृ. ५५।४७	भ. ५३।५९ उ.
३	मं	१९	४१	कृ	३५	४९	सि	९	५०	वि	१९	४१	२२	२०	४०	१७	२५	१६	वृषे	भ. १/४ १/९ या. तुला-यामर्कः ३/३ ७/३ (सौरः ३/३ ४/२*
४	बु	१२	१६	रो	३०	३८	व्य	७/३०	५१/३४	वा	१२	१६	१८	२०	४०	१८	२६	१७	मि ५८।५४	*ज्येष्ठा. शुक्रः ४६।३३ चतुर्थी व्र.
५	गु	६	४	मृ	२७	११	प	४५	२४	तै	६	४	१४	२१	३९	१९	२७	१८	मिथुने	
६	शु	३	२४	आ	२५	४०	शि	४०	४	व	३	२४	१०	२२	३८	२०	२८	१९	मिथुने	भ. ३।२४ उ. ३२।२४ या.
७	श	१	२३	पु	२५	४८	सि	३६	१६	ब	१	२३	६	२३	३७	२१	२९	२०	क. १०।४६	
८	र	१	३७	पु	२८	१७	सा	३४	६	कौ	१	३७	२	२४	३६	२२	३०	२१	कर्के	चित्रा. बुधः ५/४ १/१ बुधास्तः पूर्वस्यां ११/९
९	चं	३	४१	श्ले	३२	१२	शु	३३	१५	ग	३	४१	३७/५८	२४	३६	२३	१	२२	सिं	३२।१२ भ. ३५/२४ उ. स्वात्यां रविः ४/३ ५/९ रा. काति.
१०	मं	७	७	म	३७	३४	शु	३३	४९	वि	७	७	५४	२५	३५	२४	२	२३	सिंहे	भ. ७।७ या. स्वात्यां रविः सौरः १/३०
११	बु	११	५८	पू	४३	४४	व्र	३४	४७	वा	११	५८	५०	२६	३४	२५	३	२४	सिंहे	तुलायां भौमः ४३।५ रमा ११ व्र.
१२	गु	१७	३६	उ	५०	५७	ऐं	३६	३४	तै	१७	३६	४६	२७	३३	२६	४	२५	क. ०।३२	तुलायां बुधः ४९।२२ प्रदोषः
१३	शु	२३	४७	ह	५८	१६	वै	३८	४१	व	२३	४७	४२	२८	३२	२७	५	२६	कन्यायां	भ. २३।४७ उ. ५७।१ या. धन १३
१४	श	३०	१५	चि	६०	०	वि	४१	३	श	३०	१५	३९	२८	३२	२८	६	२७	तु. ३२।८	रूप १४
३०	र	३६	३१	चि	६	१	प्री	४३	२३	च	३	२३	३५	२९	३१	२९	७	२८	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२८पं.का.कृ.५बृ.इ.३६।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	२	७	८	९	६
२	२५	१७	१७	१८	१४	२८	२
३१	५७	५७	०	३७	४३	३६	१
३४	१४	१४	८	३७	५५	४६	१६
५९	३९	९६	१	६४	३	३	५९
३४	५९	८	५२	२६	१३	११	४६

गोचरग्रहाः

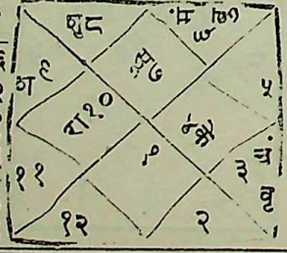

का. कृ. ३ भौमे तुलायामर्कः प्र.वा. ४ नं. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.

गोचरग्रहाः

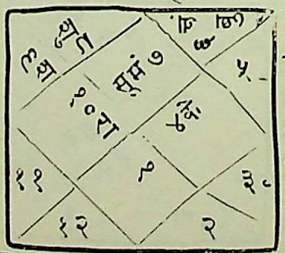

२९पं.का.कृ.१२बृ.इ.३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	२	७	८	९	६
९	०	२९	१७	२६	१५	२८	९
२९	३५	३७	९	११	१०	१४	०
४९	२८	३०	२९	२	५५	३०	२६
१९	३९	०/२९	०	६२	४	३	६०
४७	५९		४३	४०	३४	११	२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०४६ शाकः१९११ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०५२सं.१९८९

१	चं	४२	४१	स्वा	१३	२३	आ	४५	३२	कि	९	३६	३७	६	५	३०	८	२९	तुलायां	स्वात्यांबुधः ४ ६ वक्रीगुरुः १ ३ मूलेधनुषिशु.*
२	मं	४८	२२	वि	२०	४३	सौ	४७	२४	त्रा	१५	३१	२७	३१	२९	३१	९	३०	वृ. ३।५३	भ्रातृ २ चंद्र दर्शनम्
३	बु	५३	१४	अ	२७	१०	शो	४८	४४	तै	२०	४८	२४	३१	२९	१	१०	१	वृश्चिके	नवम्बर११ता ३० रविलाखर ४
४	गु	५७	२१	ज्ये	३३	५	अ	४९	१६	व	२५	१७	२०	३२	२८	२	११	२	ध.३३।५	भ. २५।१७ उ. ५७।२१ या.
५	शु	६०	०	मू	३७	५०	सु	४९	१६	ब	२८	५०	१६	३३	२७	३	१२	३	धनुषि	* ५।२ अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
६	श	०	१९	पू	४१	४०	धृ	४८	२६	त्रा	०	१९	१३	२३	२७	४	१३	४	म.५७।१६	स्वात्यां भौमः ४२।३२
७	र	१	५७	उ	४४	२	शू	४६	१६	तै	१	५७	९	३४	२६	५	१४	५	मकरे	
८	चं	२	९	श्र	४४	५३	गं	४३	१	व	२	९	६	३५	२५	६	१५	६	मकरे	भ. ९ ६ उ. ३ १ ८ या. विशा. रविः ६ ३ (सौर ३ २ ९ ४ +
९	मं	०	४७	ध	४४	६	वृ	३८	१९	व	०	४७	२	३६	२४	७	१६	७	कु.१४।२९	विशा. बुधः ५ ४ २ ८ अक्षयद + गोपाष्टमी
९	म	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	बु	५३	१	श	४१	३८	ध्रु	३२	१७	तै	२५	०	२ ६ ९	३६	२४	८	१७	८	कुम्भे	
११	गु	४६	५२	पू	३८	४०	व्या	२५	६	व	१९	५६	५६	३७	२३	९	१८	९	मी२४।२४	भ. १ ६ उ. ५ ६ या.प्रबोधिनी१ १व्र. तुल.वि.
१२	शु	३९	१०	उ	३२	१२	ह	१६	३२	ब	१३	१	५३	३७	२३	१०	१९	१०	मीने	
१३	श	३०	२९	चे	२५	३०	व	२८	५० ३	कौ	४	४९	४९	३८	२२	११	२०	११	मे.२५।३०	प्रदोषः वैकुंठ १४
१४	र	२०	५९	अ	१८	१३	व्य	४५	४५	ग	२०	५९	४६	३९	२१	१२	२१	१२	मेषे	भ. २ ० ५ ९ उ. ४ ६ १ ७ या.पूषा. शुक्रः २ २ ४ ५
१५	चं	११	३५	भ	१०	३७	च	३४	४५	ब	११	३५	४३	३९	२१	१३	२२	१३	वृ.२३।४४	मन्वादिः

३०पं.का.शु.४वृ.इ.३५।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	२	८	८	९	६
१६	५	११	१७	३	१५	२७	१६
२९	१४	२१	७	३२	४१	५२	१
३८	३१	१८	८	१७	३८	१५	४०
६०	४०	०	४०	६०	४	३	६०
४	१०	३२	ब	२५		११	१८

गोचरग्रहाः

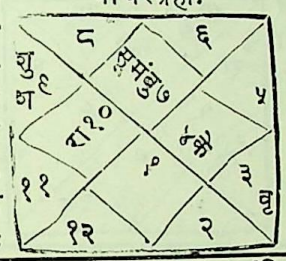

इस मासमें अनाज गल्ला तिलहन रुई वारदाना मजीठ मोट धातु में घटाबढ़ी होगी खरीदकरने वालों को लाभ होगा।

गोचरग्रहाः

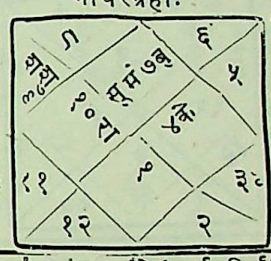

३१पं.का.शु.११बु.इ. ३५ ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	२	८	८	०	६
२३	९	२२	१६	१०	१६	२७	२३
३०	१६	५०	१६	३९	१६	२९	४
५८	३१	१६	६	२२	५	५९	१६
१०	४०	८	२	५७	५	३	६०
१७	२३	९	ब	४१	२६	११	३०

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०४६शाकः१९११ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	२	८	कृ	०	०	प	२४	१९	कौ	२	८	२६ ४०	४०	५ २०	१४	२३	१४	वृषे	
२	मं	५१	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	बु	४६	३८	मृ	५१	१२	शि	१४	३१	व	२०	१०	३७	४१	१९	१५	२४	१५	मि२३।५१	भ. २ ० उ. ४ ६ या.वक्री आर्द्रा.३गुरुः १ ०
४	शु	४१	१८	आ	४७	४१	सि	५ ५७	५ २२	ब	१३	५८	३४	४१	१९	१६	२५	१६	मिथुने	बृश्चिकेऽर्कः २ ४ (सौरः २ ७ १ ६) अनु बुधः १ २ चं.व
५	शु	३८	११	पु	४५	४	शु	५३	१६	कौ	९	४४	३१	४२	१८	१७	२६	१७	क.३१।२८	
६	श	३८	१७	पु	४७	४०	शु	४९	३७	ग	८	१४	२९	४२	१८	१८	२७	१८	कर्के	भ. ३ १ ७ उ. पातस्पर्शः ३ ५ २ मोक्षः ४ ३ १ ३
७	र	३८	२२	श्ले	४९	९	त्र	४७	२८	वि	८	१९	२६	४३	१७	१९	२८	१९	सिं४९।९	भ. १ ९ या.अनु.रविः २०।२४ (सौरः ४ ४)
८	चं	४१	२२	म	५३	४७	ऐं	४७	१३	वा	९	५२	२४	४३	१७	२०	२९	२०	सिंहे	उदयो-भौमः १।३३
९	म	४६	२	पू	५९	४४	वै	४७	२९	तै	१३	४२	२१	४४	१६	२१	३०	२१	सिंहे	
१०	बु	५१	४५	उ	६०	०	वि	४९	८	व	१८	५३	१९	४४	१६	२२	१	२२	क.१६।३२	भ. ५ ५ उ. ५ १ ४ या. रा मार्गशीर्षारंभः
११	गु	५८	१०	उ	६	५५	प्री	५१	२२	ब	२४	५७	१६	४५	१५	२३	२	२३	कन्यायां	उत्पत्ति ११व्र.
१२	शु	६०	०	ह	१४	१७	आ	५३	४०	को	३१	३५	१३	४५	१५	२४	३	२४	तु.४८।१०	विशा. भौमः २ ३ ज्येष्ठा. बुधः ३ ६ ३ २
१२	श	५	१	चि	२२	२	सौ	५६	२	ते	५	१	११	४६	१४	२५	४	२५	तुलायां	धनि १ राहु. आश्लेषा.३केतु. १ ९ ६ प्रदोषः
१३	र	११	१६	स्वा	२९	२६	शो	५८	७	व	११	१६	८	४६	१४	२६	५	२६	तुलायां	भ. ११।१६ उ. ४३।५३ या.
१४	चं	१६	३९	वि	३६	३२	अ	५९	४४	श	१६	३९	६	४७	१३	२७	६	२७	बृ.१९।४६	उषा. शुक्रः २।३८
३०	म	२२	४१	अ	४२	५३	सु	६०	०	ना	२२	४१	३	४७	१३	२८	७	२८	बृश्चिके	

३२पं.मा.कृ.४बृ.इ.३५।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	२	८	८	९	७
०	१४	४	१६	१७	१६	२७	०
३३	४०	१	३४	२७	५४	७	८
४७	५	४१	५९	५४	१४	४३	२०
६०	४०	९९	३३	५४	५	३	६०
३०	२३	४१	ब	१	४०	११	४०

गोचरग्रहाः

मार्ग. कृ. ४ गुरौ बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न. ४बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शु. प.

गोचरग्रहाः

३३पं.मा.कृ.११वृ.इ ३५ १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	२	८	८	९	७
७	१९	१४	१६	२३	१७	२६	७
३७	२५	५८	४	४८	३४	४५	१३
३७	५	३७	५५	५०	३०	२८	५३
६०	४०	९९	३८	४९	६	३	६०
४२	२६	१४	ब	३०	१७	११	५३

CC-0. Gurukul K

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०४६ शाकः १९११	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०८२स.१९८९
१	बु २६ ४९ ज्ये ४८ १३ सु ० ४६ ब २६ ४९	२६/१	४८	१२/५	२९	८	२९	ध.४८।१३	
२	गु ३० ६ मू ५२ २५ धृ ० ५९ कौ ३० ६	२५/९	४८	१२	३०	९	३०	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
३	शु ३२ ३१ पू ५६ २ शु ०/२५ ५८/३९ तै १ १८	५७	४९	११	१	१०	१	धनुषि	मकरेशुक्रः ४/४ दिसम्बर ३१ जमादिलावल५
४	श ३३ ४१ उ ५८ १९ वृ ५६ ५२ व ३ ६	५५	४९	११	२	११	२	म.११।३६	भ.३/६ उ.३/४/१ या.ज्येष्ठा.रविः ३/३/४ (सौरः ५/२/४)*
५	र ३३ ५२ श्र ५९ ३८ ध्रु ५४ ० ब ३ ४६	५३	४९	११	३	१२	३	मकरे	मूले धनुषि बुधः ११/१३ बुधोदयः प. ४/१७
६	चं ३२ ३२ ध ५९ ४५ व्या ५० १३ कौ ३ ११	५१	५०	१०	४	१३	४	कु.२९।४१	चम्पा ६
७	मं ३० ४२ श ५८ ३६ ह ४४ ११ ग १ ३७	४९	५०	१०	५	१४	५	कुम्भे	भ. ३०।४२ उ. ५९।२ या.
८	बु २७ २२ पू ५६ २८ व ३९ २३ ब २७ २२	४८	५०	१०	६	१५	६	मी४२।०	
९	गु २२ ५७ उ ५३ १० सिं ३२ ४१ कौ २२ ५७	४६	५१	९	७	१६	७	मीने	*पातस्पर्शः ३/५/२ पातमोक्षः ४/५/८
१०	शु १७ १६ रे ४८ ४० व्य २४ ४७ ग १७ १६	४५	५१	९	८	१७	८	मे.४८।४०	भ. ४३।५८ उ.
११	श १० ४० अ ४३ ४ व १६ १७ नि १० ४०	४४	५१	९	९	१८	९	मेषे	भ.१०।४० या. वृश्चिके भौमः २।३९+
१२	र २ ५५ भ ३६ ५५ प ५४/६ ५९/१५ बा २ ५५	४२	५२	८	१०	१९	१०	वृ.५०।१८	प्रदोषः +मोक्षदा ११ ब्र गीता जयंती
१३	र ५२ ५४ ० ० ० ० ८ ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	चं ४५ ४ कृ ३० २९ सि ४७ ११ ग २० ६	४१	५२	८	११	२०	११	वृषे	भ. ४५।२४ उ.
१५	मं ३८ १८ रो २४ १ सा ३७ २३ वि ११ ५१	४०	५२	८	१२	२१	१२	मि ५१।१६	भ.११।५१या. पूषा. बुधः ९।८ दत्तजदन्ती

३४पं.मा.शु.२वृ.इ.३५।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	२	८	८	९	७
१४	२४	२५	१५	२९	१८	२६	१४
४२	११	५०	२६	३८	१७	२३	२०
५४	३५	३५	२	१७	२४	१२	३९
६०	४०	९५	५०/५	४३	६	३	६१
५०	४८	४९	ब	५३	३२	११	३

गोचरग्रहाः

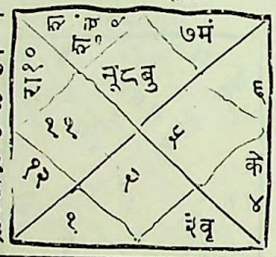

इस मासमें ५ मंगल वार हैं, वृश्चिककी संक्रांति १५ मुहर्ती है। धान्यादि तेज हो दीवाली से ही खरीदो करना।

गचोरग्रहाः

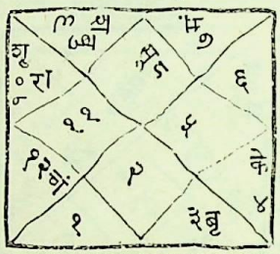

३५पं.मा.शु ९वृ.इ.३४।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	२	९	८	९	७
२१	२९	६	१४	४	१९	२६	२१
४८	०	२९	३९	४१	२	०	२८
५८	२९	५६	२५	२०	६	५७	२४
६०	४०	९२	४/५	३६	६	३	६१
५६	४०	२३	ब	१४	४६	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं० २०४६ शाकः १९११	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महा
१	बु ३१ १० मृ १८ ३१ शु २८ २२ बा ४ ४४	३५/३९	५२	५	१३	२२	१३	मिथुने	अनु. भौमः ४९।६
२	गु २५ १३ आ १३ ५१ शु २० १५ ग २५ १३	३८	५२	८	१४	२३	१४	क.५६।३२	भ. ५३।३ उ.
३	शु २० ५३ पु १० ४६ ब्र १३ २२ वि २० ५३	३८	५२	८	१५	२४	१५	कर्के	भ.२०।५३या. मूले धनुष्यर्कः ३७।४६*
४	श १८ ४८ पु ९ ४० पें ८ १७ बा १८ ४८	३७	५३	७	१६	२५	१६	कर्के	पूषा. ३ शनिः ११।३
५	र १८ ३८ श्लें १० ४६ वै ४ ३३ तै १८ ३८	३७	५३	७	१७	२६	१७	सिं १०।४६	श्रवणे शुक्रः १३।५७
६	चं २० ४६ म १३ ४८ वि २ ४२ व २० ४६	३७	५३	७	१८	२७	१८	सिंहे	भ.२/६ उ.५/४/७ या. वक्री आर्द्रा २ गुरुः ३/५/३
७	मं २४ ४८ पू १८ ५२ गी २ २० ब २४ ४८	३६	५३	७	१९	२८	१९	क.३५।२६	*(सौरः ५/५/८) च.ब्र.पातस्पर्शः १/मोक्षः १/८
८	बु ३० ५ उ २५ १२ आ २ ५३ कौ ३० ५	३६	५३	७	२०	२९	२०	कन्यायां	
९	गु ३६ १६ ह ३२ २२ सौ ४ ५२ तै ३ १०	३६	५३	७	२१	३०	२१	कन्यायां	अस्तं शनेः ५।२
१०	शु ४३ २५ चि ४० २ शो ६ ५० च ९ ५०	३६	५३	७	२२	१	२२	तु.६।१२	भ.५/९ उ.५/३/५ या.उषा.बुधः १/७ रा पौषारंभः
११	श ४९ १८ खा ४७ ३० अ ९ २८ ब १६ २१	३६	५३	७	२३	२	२३	तुलायां	सफला ११ ब्र.
१२	र ५५ १७ वि ५४ ३० सु ११ २६ कौ २२ १७	३७	५३	७	२४	३	२४	बृ.३७।४५	
१३	चं ६० ० अ ६० ० धृ १३ १० ग २७ ४९	३७	५३	७	२५	४	२५	बृश्चिके	मकरे बुधः ४।३० प्रदोषः
१३	मं ० २२ अ ० ४७ शू १३ ५६ व ० २२	३७	५३	७	२६	५	२६	वृश्चिके	भ.०।२२उ.३२।१४या. वक्री शुक्रः ३।०
१४	बु ४ ५ ज्ये ५ ५२ गं १३ ४९ श ४ ५	२८	५२	८	२७	६	२७	ध.५।५२	
३०	गु ६ ४७ मू ९ ४३ बृ १२ ५० ना ६ ४७	३८	५२	८	२८	७	२८	धनुषि	पूषा. रविः ४२।४२(सौरः ५७।२६)

३६पं.पौ.कृ.२वृ.इ.३४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	२	९	८	९	७
२८	३	१६	१३	८	१९	२५	२८
५५	५०	४६	४९	४७	४८	३८	३७
५२	३५	४१	४८	४२	४३	४१	७
६१	४०	८५	२७	२६	७	३	६१
०	४४	१४	ब	३६	२	११	१९

३७पं.पौ.कृ.९बृ.इ.३४।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	२	९	८	९	८
६	८	२५	१२	११	२०	२५	२५
३	४३	५८	५३	३२	३७	१६	४६
२९	१	५५	४३	३८	९	२५	३२
६१	४०	६८	९	१३	७	३	६१
४	५३	५१	५२	५८	८	११	२२

३८पं.पौ.कृ.२०वृ.इ.३४/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	२	९	८	९	८
१३	१३	१	११	१२	२१	२४	१२
११	३६	४४	५६	३९	२५	५४	५६
३१	४३	४९	५३	३२	५५	१०	२४
६१	४१	२६	५७	४८	७	३	६१
६	९	४६	ब	ब	२०	११	२६

* शु.रा बु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. पौष शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १६११ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः स६११२.१६८६

१	शु	७	५६	पू	१२	१७	ध्रु	११	१४	व	७	५६	३५/३६	५२	६/८	२६	८	२६	म.२७।४०
२	श	७	५८	उ	१३	४७	व्या	७	५६	कौ	७	५८	४०	५२	८	३०	६	१	मकरे
३	र	७	२	अ	१४	२०	ह	३२/३४	५५/५८	ग	७	२	४०	५२	८	३१	१०	२	कुं.४४।७
४	चं	५	१३	ध	१३	५४	सि	५४	४१	वि	५	१३	४१	५२	८	१	११	३	कुम्भे
५	मं	२	३३	श	१२	४६	व्य	४६	६	वा	२	३३	४२	५२	८	२	१२	४	मी५६।२५
६	म	५७	४४	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	बु	५५	२०	पू	१०	५८	प	४२	५५	ग	२७	१८	४३	५१	६	३	१३	५	मीने
८	गु	५०	४४	उ	८	२६	प	३६	८	वि	२३	२	४४	५१	६	४	१४	६	मीने
९	शु	४५	४२	रे	५	२१	शि	२६	५	वा	१८	११	४६	५१	६	५	१५	७	मे.५।२१
१०	श	३६	५८	अ	३/८	५५/५६	सि	२१	१८	तै	१२	५०	४७	५१	६	६	१६	८	मेषे
११	र	३३	४३	कृ	५२	४१	सा	१३	१७	व	६	५०	४६	५०	१०	७	१७	६	बृ.११।२०
१२	चं	२७	१४	ए	४८	८	शु	५१/५४	५१/४२	ब	०	२८	५१	५०	१०	८	१८	१०	वृषे
१३	मं	२०	३५	भ्रू	४३	२८	न	४८	२२	तै	२०	३५	५२	५०	१०	६	१६	११	मि१५।४७
१४	बु	१४	४०	आ	३६	२५	ऐं	४०	४६	व	१४	४०	५४	४६	११	१०	२०	१२	मिथुने
१५	गु	६	१७	पु	३६	२६	वै	३३	४५	ब	६	१७	५६	४६	११	११	२१	१३	क.२२।११

वक्री चन्द्रदर्शनम्
वक्री बुधः ३६।१२ जमादिलाखर ६
भ. ३६।७ उ.
भ ५।१३या. जनवरी१ता.३१सन्१६६०
ज्येष्ठा.भौमः २७ बुधास्तः पश्चिमायां ५१/५४
भ. ५५।२० उ.
भ. २३।२ या. वक्री धनुषि बुधः २१।१
वक्री पूषा. बुधः २८।५६
भ. ६।५० उ. ३३।४३ या. पुत्रदा ११ब्र.
*४७।२६ (सौरः५८।५३)
वक्री उषा शुक्रः ३७।४८ प्रदोषः
भ.१४।४०उ. ४१।५६या. उषा. रविः*
माघ. स्नान प्रा.

३६पं.पौ.शु.८वृ.इ ३४।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	२	६	८	६	८
२०	१८	२६	११	११	२२	२४	२०
१६	३२	४६	०	४७	१५	३१	६
२६	३५	८	४७	४६	१८	५४	२१
२१/६	४१/१३	६३/ब	४७/ब	१७/ब	७/ब	३/ब	६१/२

गोचरग्रहाः

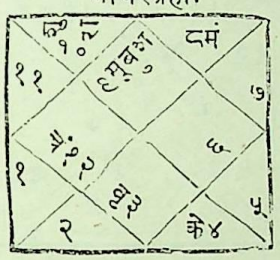

पौष कृ. ३ शुक्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.२न.३ बालावस्था(बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

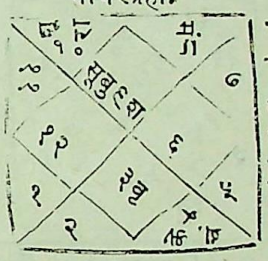

४०पं.पौ.शु १५वृ.इ.३४/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	२	६	८	६	८
२७	२३	२१	१०	६	२३	२४	२७
२७	२६	२६	६	०	४	६	१६
४०	५६	२८	४०	३२	४४	३६	१३
६१	४१	८७/१	१७/१५	३३/३६	७	३	६१
६	२३	ब	ब	ब	२०	११	२४

ति. माघ कृष्ण पक्षः सं.२०४६ शाकः १६११ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	५	१४	पु	३४	५०	वि	२७	५५	कौ	५	१४	२५/२८	४८	६/१२	१२	२२	१४	कर्के
२	श	२	५४	श्ले	३५	४	प्री	२३	२८	ग	२	५४	६/१	४८	१२	१३	२३	१५	सिं ३५।४
३	र	२	१२	म	३६	५८	आ	२०	४६	वि	२	१२	३	४७	१३	१४	२४	१६	सिंहे
४	चं	४	३२	पू	४०	३५	सौ	१६	२८	वा	४	३२	५	४७	१३	१५	२५	१७	क.५६।२५
५	मं	६	३१	उ	४५	५४	शो	१६	६	तै	६	३१	८	४६	१४	१६	२६	१८	कन्यायां
६	बु	११	२२	ह	५२	४१	अ	२०	६	व	११	२२	१०	४६	१४	१७	२७	१६	कन्यायां
७	गु	१७	५	चि	५६	४५	सु	२१	५२	ब	१७	५	१२	४६	१४	१८	२८	२०	तु. २६।१३
८	शु	२३	३४	स्वा	६०	०	धृ	२४	७	कौ	२३	३४	१५	४५	१५	१९	२९	२१	तुलायां
९	श	२९	५६	स्वा	७	३५	शू	२६	२०	ग	२९	५६	१७	४५	१५	२०	३०	२२	बृ. ५७।४८
१०	र	३६	२	वि	१४	४०	गं	२८	५	व	३	०	२०	४४	१६	२१	१	२३	बृश्चिके
११	चं	४१	८	अ	२१	२६	वृ	२९	२३	ब	८	३५	२२	४४	१६	२२	२	२४	बृश्चिके
१२	मं	४४	४४	ज्ये	२६	३३	ध्रु	२९	३७	कौ	१२	५६	२५	४३	१७	२३	३	२५	ध. २६।३३
१३	बु	४६	५४	मू	३०	२१	व्या	२८	२६	ग	१५	४९	२७	४३	१७	२४	४	२६	धनुषि
१४	गु	४७	२८	पू	३२	३१	ह	२६	६	वि	१७	११	३०	४२	१८	२५	५	२७	म. ४७।४४
१५	शु	४६	२२	उ	३३	२६	व	२२	३०	व	१६	५५	३३	४१	१९	२६	६	२८	मकरे

वक्री आर्द्रा. १ गुरुः २९।२३
भ. ३२।३३ उ. पूषा.४ शनिः ३९।८
भ. १२ या. मकरेऽर्कः ५०३ (सौरः १४/१८)*
*बुधोदयः पूर्वस्यां २५/४ च.ब्र.
भ. ११/२२ उ. ४४/१४ या. शुक्रास्तः पश्चिमायां १३/४८
अभि प्र.रविः ३६/३५ (सौरः ४५/४०) मूले धनुषि+
भ ३/० उ. ३६/३ या. मार्गबुधः १५/२१ रा.माधारंभः
षट्तिला ११ ब्र. शुक्रोदयः पू. ३९।०
श्रवणे रविः ५२।५८ उदयं शनेः २०।२३
भ.४६।५४उ. अभि.नि. रविः ४२।२७×
भ. १७।११ या. +भौमः ४५।५२
× सौरः ५३/५३) श्रवणेरविःसौरः ३७/१ प्रदोषः

४१पं.मा.कृ.३वृ.इ.३४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	२	९	८	९	९
४	२८	१६	९	४	२३	२३	४
३५	२९	२	१६	५५	५३	४७	२५
३१	६	५३	३०	५५	५६	२३	४२
३१/३	४१/२५	१९/ब	२४/ब	३६/ब	८/१४	३/११	६१/१९

गोचरग्रहाः

माघ कृ. ३ रवौ मकरेर्कः प्रविष्टः वा.३न ३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

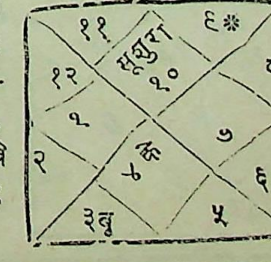

४२पं.मा.कृ.१४वृ.इ.३४/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	२	९	८	९	९
११	३	१७	८	०	२४	२३	११
४२	२९	५०	३३	५१	४२	२५	३४
५८	४६	१०	३२	२२	५०	७	३३
६०	४१	३०/५६	२६/५	१६/३०	७	३	६१
५९	२७	मा	ब्र	ब	८	११	१३

* मं.बु श.चं.

CC-0. Gurukul K...

ति. माघ शुक्ल पक्षः सं० २०४६शाकः१९११ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६१४१सं१९९०

१	श	४३	३	श्र	३२	४४	सि	१७	५८	कि	१४	४२	२३/३६	४१/१९	२७	७	२९	मकरे
२	र	४०	३२	ध	३१	५	व्य	१२	३३	वा	११	४७	३९	४०	२०	२८	८	३०
३	चं	३६	३०	श	२८	४४	व	२०/६	५३/१४	तै	८	३१	४३	४०	२०	२९	९	१
४	मं	३१	५०	पू	२५	४०	शि	५२	४१	व	४	१०	४६	३९	२१	३०	१०	२
५	बु	२७	२	उ	२२	३४	सि	४५	४६	वा	२७	२	४९	३८	२२	३१	११	३
६	गु	२१	५५	रे	१९	१४	सा	३८	३७	तै	२१	५५	५२	३८	२२	१	१२	४
७	शु	१६	५८	अ	१५	५६	शु	३१	२३	व	१६	५८	५५	३७	२३	२	१३	५
८	श	१२	२	भ	१२	३९	शु	२४	२१	ब	१२	२	५९	३६	२४	३	१४	६
९	र	७	०	कृ	९	१७	त्र	१६	१४	कौ	७	०	२७/३२	३६	२४	४	१५	७
१०	चं	२	११	रो	६	५	ऐं	१०	१	ग	२	११	६	३५	२५	५	१६	८
११	चं	५५	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	७	९	०
१२	मं	५२	५८	मृ	३	१०	वै	२१/३७	५३/३५	ब	२५	१०	९	३४	२६	६	१७	९
१३	बु	४९	१६	आ	०/३७	५८/९	प्री	५१	५	कौ	२१	७	१३	३३	२७	७	१८	१०
१४	गु	४६	१९	पु	५७	४७	आ	४६	२	ग	१७	४६	१९	३३	२७	८	१९	११
१५	शु	४५	३६	श्ले	५८	१	सौ	४१	४३	वि	१५	५६	२०	३२	२८	९	२०	१२

वक्री धनुषिशुक्रः १३/४ श्रवणे ४ राहु आश्ले. २*
चंद्रदर्शनम् * केतुः १०।४०
रज्जव ७
भ. ४।१० उ.३१।५० या.
वसन्त पंचमी
पातस्पर्शः ४/२७ फ़रवरी २ ता. २८
भ. १५/२८ उ.४४/३० या. भानु ७ पात्तमोक्षः १/८
भीष्माष्टमी
उषा. बुधः ४१।२०
भ. २९/४७ उ. ५७/२३ या. जया११ब्र. स्मा.

४३पं.मा.शु.६वृ.इ.३४/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	२	८	८	९	९
१८	८	२३	७	२८	२५	२३	१८
४९	३०	४१	५७	०	३०	२	४२
२६	५८	०/४	५८	५८	३२	५२	३६
६०	४१	५७	१३/४	१८/१३	६	३	६१
५५	५२	१९	ब	ब	५६	११	४

गोचरग्रहाः

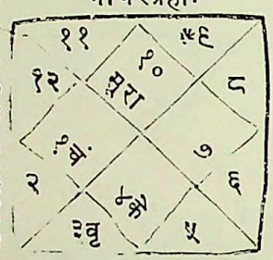

धन राशि में शनि मंगल का योग सोना चांदी शेयर्स तिलतैल रुई पाट वारदाना सिरस्यु अलसी घृत तेज करे।

गोचरग्रहाः

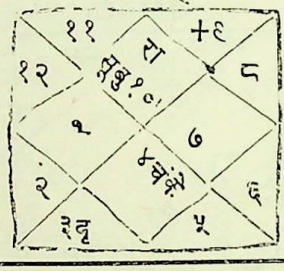

४४पं.मा.शु. १४बृ.इ.३४/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	२	८	८	९	९
२५	१३	१	७	२७	२६	२२	२५
२५	३५	४७	३१	५	१६	४०	४९
१६	१३	४९	३०	५३	२६	३६	२३
६०	४१	७४	६/२९	२९/६	६	३	६०
४७	५६	९	ब	ब	२८	११	५५

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः१९११ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृ. महाराष्ट्राः

१	श	४४	१७	म	५९	४३	शो	३८	४२	वा	१४	५६	२७/२४	६/३१	२५/२९	१०	२१	१३	सिंहे
२	र	४५	३०	पू	६०	०	अ	३७	२	तै	१४	५३	२७	३१	२९	११	२२	१४	सिंहे
३	चं	४८	१५	पू	२	५९	सु	३६	१४	व	१०	५२	३१	३०	३०	१२	२३	१५	क. १९।१०
४	मं	५२	३८	उ	७	४४	धृ	३६	४७	ब	२०	२६	३५	२९	३१	१३	२४	१६	कन्यायां
५	बु	५८	५	ह	१३	४८	शु	३८	७	कौ	२५	२१	३८	२८	३२	१४	२५	१७	तु. ४७।१४
६	गु	६०	०	चि	२०	४०	गं	४०	२	ग	३१	१२	४२	२८	३२	१५	२६	१८	तुलायां
७	शु	४	२०	स्वा	२८	११	बृ	४२	३१	व	४	२०	४६	२७	३३	१६	२७	१९	तुलायां
८	श	९	४३	वि	३५	१७	धु	४४	३२	ब	१०	४३	५०	२६	३४	१७	२८	२०	बृ १८।३१
९	र	१७	२	अ	४२	४४	व्या	४६	१०	कौ	१७	२	५४	२५	३५	१८	२९	२१	वृश्चिके
१०	चं	२२	२८	ज्ये	४८	३९	ह	४६	५६	ग	२२	२८	५८	२४	३६	१९	३०	२२	ध. ४८।३९
११	मं	२६	२०	मू	५३	११	व	४६	३५	वि	२६	२०	२/५	२४	३६	२०	१	२३	धनुषि
१२	बु	२८	४४	पू	५५	५०	सि	४४	४६	वा	२८	४४	६	२३	३७	२१	२	२४	धनुषि
१३	गु	३०	१९	उ	५६	४७	व्य	४१	३३	तै	३०	१९	१०	२२	३८	२२	३	२५	म. ११।५
१४	शु	२७	५३	श्र	५५	५३	व	३६	५२	व	२७	५३	१४	२१	३९	२३	४	२६	मकरे
१५	श	२४	४१	ध	५३	२६	प	३०	५०	श	२४	४१	१८	२०	४०	२४	५	२७	कु. २४।३९
३०	र	२०	५	श	४९	४९	शि	२३	४०	ना	२०	५	२२	२०	४०	२५	६	२८	कुंभे

चन्द्रदर्शनम्
उषा. १ शनिः २०।२८
भ. १५/२२ उ. ४८/१५ या. कुं भेऽर्कः ३६/३४ सौरः ४१/२५)
चतुर्थी व्र.
श्रवणेबुधः ४/३६ पातस्पर्शः ३३/३२ मोक्षः ४५/४७
भ. ४।२० उ.३७।३२ या.
बृ १८।३१
भ. ५४/२४ उ. शतेरविः १५/२५ (सौरः १६/४७)
म. २६/२० या. मकरे शुक्रः ४१/७ रा. फाल्गुनारंभ
विजया११ब्र.
भ. २७/५३ उ. ५६/१७ या. धनि. बु. ३७/३२ मार्गीगुरुः १६/२६ ×
महाशिवरात्री वै.
×प्रदोषः महाशिवरात्री ब्र. स्मा.

४५पं.फा.कृ.६ब्र.इ.३४/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	२	८	८	९	१०
३	१८	११	७	२८	२७	२२	२
०	४१	६	१३	६	०	१८	५५
४	६	७	४४	४०	५०	२१	२६
६०	४१	५/५७	१	१३	६	३	६०
३७	५७	ब	३९	५०	२६	११	४२

गोचरग्रहाः

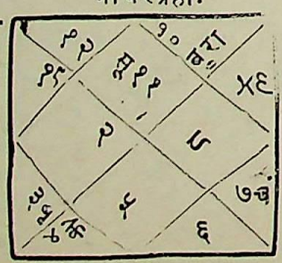

फा. कृ. २ चन्द्रे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समर्घता शु.उ. पू.

गोचरग्रहाः

४६पं.फा.कृ.१२बु.इ.३५/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	२	९	८	९	१०
१०	२३	२१	७	०	२७	२१	९
३	४७	४०	५	४९	४२	५६	५९
३२	२०	२६	५३	८	२६	५	५९
६०	४२	९५	७/०	२५	६	३	६०
२५	७	५	ब्र	५३	८	११	३१

* मं.बु.शु.श. × श.शु.मं. (सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्) + शु.श.मं. ≡बु.शु.चं.श.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०४६शाकः१९११ दि.उ.अ इं.रा.मु. चन्द्रः वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः६१७१स.१९९०

१	चं	१४	१६	पू	४५	१२	सि	१५	५८	ब	१४	१६	२८/२६	६/१९	४५/१	२६	७	२९	मी३१।२१
२	मं	७	४७	उ	४०	३०	सा	७/३२	५१/२४	कौ	७	४७	३०	१८	४२	२७	८	१	मीने
३	बु	१	५	रे	३५	३१	शु	५०	३१	ग	१	५	३४	१७	४३	२८	०	२	मे.३५।३१
४	गु	५३	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३	०
५	शु	४८	८	अ	३०	५९	घ्र	४२	२६	व	२१	१७	३८	१६	४४	१	१०	३	मेषे
६	श	४२	१७	भ	२६	४३	ऐं	३४	५१	कौ	१५	१२	४२	१६	४४	२	११	४	वृ.४०।४९
७	श	३६	५६	कृ	२३	७	वै	२७	३५	ग	९	३६	४६	१५	४५	३	१२	५	वृषे
८	र	३२	१७	रो	२०	७	वि	२०	५५	वि	४	३६	५०	१४	४६	४	१३	६	मि४८।५८
९	चं	२८	१९	मृ	१७	४९	प्री	१४	४५	वा	०	१८	५४	१३	४७	५	१४	७	मिथुने
१०	मं	२५	१४	आ	१६	२३	आ	९	२१	ग	२५	१४	५८	१२	४८	६	१५	८	मिथुने
११	बु	२२	४८	पु	१५	४४	सौ	४	३७	वि	२२	४८	२९/३	१२	४८	७	१६	९	क. ०।५३
१२	गु	२१	१३	पु	१५	५२	शो	३/४५	५६/५५	चा	२१	१३	६	११	४९	८	१७	१०	कर्के
१३	शु	२०	५५	श्ले	१७	७	सु	५४	४८	तै	२०	५५	१०	१०	५०	९	१८	११	सिं१७।७
१४	श	२१	२६	म	१९	१४	धृ	५३	३१	व	२१	२६	१४	९	५१	१०	१९	१२	सिंहे
३०	र	२३	२२	पू	२२	५५	श्र	५२	४८	ब	२३	२२	१९	८	५२	११	२०	१३	क.३९।१६

उषा. भोमः २३।१४ चन्द्रद.
कुंभे बुधः ५/५८फुलरिया२ पातस्पर्शः ३/५५*
भ.२७।४६ उ. ५४।२६ या.
*पातमोक्षः ४७।४७ सावान८
मार्च ३ ता. ३१
÷बुधः५०।१४ बुधास्तः पूर्वस्यां२४।५
भ.३६।५६उ. मकरे भौमः ८।९शते÷
भ. ४।३६या. पूभा.रव्रिः२९।० (सौरः+
+३१।३४) होलाष्टक
भ. ५४।१ उ.
भ. २२।४८ या आमलकी११व्र.
श्रवणे शुक्रः ५२।५८ प्रदोषः

भ.२१/२६उ.५३/३४या.होलिकादहनम् भद्रोत्तरं
पूभा. वुधः १८।४१ छारेंडी

४७पं.फा.शु.५बृ.इ.३५।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	२	९	८	९	१०
१७	२८	२	७	४	२८	२१	१७
५	५४	४७	७	४७	२२	३३	२
४६	५०	२०	५९	३१	१	४९	५०
६०	४२	०/०	४	३६	५	३	६०
१२	७	२९	मा	४३	४४	११	२०

गोचरग्रहाः

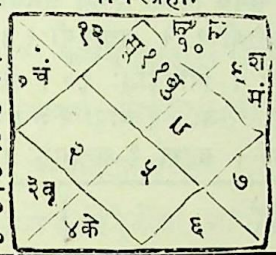

फाल्गुन में शनि पांच है और पाच रविवार। घटा-बढी होवे घनी तेजी का संचार

गोचरग्रहाः

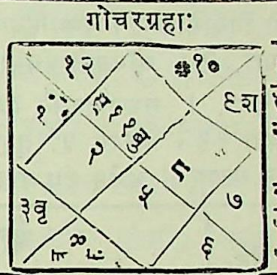

४८पं.फा.शु.१२बृ.इ.३५/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	२	९	८	९	१०
२४	४	१५	७	९	२८	२१	२४
६	३	१	१८	४७	५८	११	४
२९	४७	२३	५८	१०	३४	३४	१३
५९	४२	०/०	३	४४	५	३	६०
५८	२२	५९/३	२७	२५	१६	११	५

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११ दि.उ.अ.इं.रा.मु. चन्द्रः बसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृ.महाराष्ट्राः

१	चं	२६	३४	उ	२७	३९	गं	५३	८	कौ	२६	३४	२९/२३	६/७	५/५३	१२	२१	१४	कन्यायां
२	मं	३१	१	ह	३३	२९	वृ	५४	२५	ग	३१	१	२७	७	५३	१३	२२	१५	कन्यायां
३	बु	३६	१९	चि	४०	७	धु	५६	१४	व	३	४०	३२	३	५४	१४	२३	१६	तु.६।५१
४	गु	४२	२०	स्वा	४७	३५	व्या	५८	३५	ब	९	१९	३६	५	५५	१५	२४	१७	तुलायां
५	शु	४८	४३	वि	५५	७	ह	६०	०	कौ	१५	३१	४०	४	५६	१६	२५	१८	वृ.२८।१५
६	श	५५	१०	अ	६०	०	ह	०	५६	ग	२१	५६	४४	३	५७	१७	२६	१९	वृश्चिके
७	र	६०	०	अ	२	४३	व	३	३१	वि	२८	२	४९	२	५८	१८	२७	२०	वृश्चिके
८	चं	०	५५	ज्ये	९	३४	सि	४	३१	ब	०	५५	५३	१	५९	१९	२८	२१	ध.९।३४
९	मं	५	३२	मू	१५	२	व्य	५	१८	कौ	५	३२	५७	१	५९	२०	२९	२२	धनुषि
१०	बु	८	४३	पू	१८	५५	व	४	३३	ग	८	४३	३०/१	६/०	६/०	२१	३०	२३	म.३४।२६
११	गु	९	५२	उ	२१	१	प	३१/३	५९/१२	वि	९	५२	६	५/९	९/०	२२	१	२४	मकरे
१२	शु	९	५	श्र	२१	७	सि	५३	२९	वा	९	५	१०/५	८	२/३	२३	२	२५	कु.५०।७
१३	श	५	१५	ध	१९	८	सा	४६	३२	तै	५	१५	१४	५	७	२४	३	२६	कुम्भे
१४	र	१	२९	श	१५	३२	शु	३८	२६	व	१	२९	१८	५	६	४/२५	४	२७	मी५५।५६
१५	चं	४७	३४	पू	९	२३	शु	२९	१७	च	२१	१८	२३	५	५	५	२६	५	२८	० मीने

वसंत १पातस्पर्शः ६।५७ मोक्षः १७/३८
≡२९।५७ (सौरः३१।५४)
भ. ३।४०उ. ३६।१९ या. मीनेऽर्कः
चतुर्थी व्र.
श्रवणे भौमः ४।५० मीने बुधः ४४/५७
भ.५५/१०उ.उभा. रविः५१/१(सौरः५.२।२०)
भ.२८।२या. उभा. वुधः२७।३२
शीतलापूजनम्

भ. ३९।१७उ.
भ.९।५२या.उषा. २मकरे शनिः १२/५५+
पापमोचनी ११ व्र.
धनि शुक्रः १७।८ प्रदोषः
भ.१।२९उ.२८।१६या. रेवत्यांबुधः४७
÷रा. चैत्रारम्भः
सोमवती ३०मन्वादिः

४९पं.चै.कृ ४बृ.इ.३५।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	२	९	८	९	११
१	९	२७	७	१५	२९	२०	१
५	१३	४५	३९	३१	३१	४९	३
४२	२३	३२	५४	२६	४८	१८	५५
५९	४२	५९/३	३	५०	४	३	५९
४१	२८	५८/३	५०	४	५०	११	४९

गोचरग्रहाः

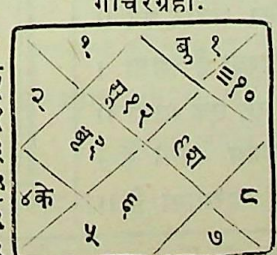

चैत्र कृ. ३ बुधे मीनेऽर्कः प्र. वा. ३न.३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

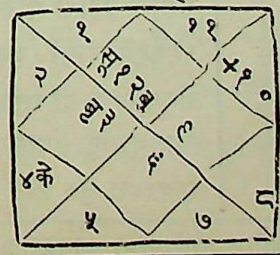

५०पं.चै.कृ.१०वृ.इ.३/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	२	९	९	९	११
८	१४	११	८	२१	०	२०	८
३	२५	३४	९	४८	१	२७	१
११	१	४१	४०	३६	४१	३	५०
५९	४२	०/०	५	५४	४	३	५९
२९	३०	५७/०	०	४४	१९	११	३५

≡ शु.रा.मं.

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *मं.शु.रा. + शु.श.चं.रा.मं.

CC-0. Gurukul K...

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

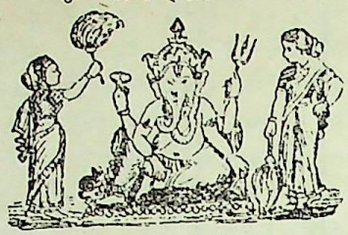

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९१ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०९१ भोग्यकलिः ४२६९०९ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीरविक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४७ शाकः१९१२ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा भौमः । मंत्री शुक्रः । सस्येशो भौमः । धान्येशः शनिः । मेघेशः शुक्रः । रसेशो बुधः । नीरसेशश्चन्द्रः । फलेशोः बुधः । धनेशो रविः । दुर्गेशो गुरुः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १७ सुभानुनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ८।२०।५१।५४ भोग्यमासादिः ३।९।८।६ अग्निदैवतं युगम् । वर्ष नामः मार्गशीष मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासेःसमुद्रे। समयनिवासो मालाकार गृहे । समय विश्वा २० । समयवाहनं वृषभः । स्तंभौ २ अन्नतृणयोः । सोमवत्यमाः २ । सोमवती पंचमी ३ । अङ्गारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी नैव । रवि-दशमी १ । समयमुहूर्ताः २८५ । समयदिनानि ३५२ । तिथिक्षयः १८ । तिथिवृद्धिः १० । उत्पत्तिविश्वा ९६ । खपति विश्वा १०८ । वर्षा विश्वा ११ । धान्यम् ५. तृणम् ११. शीतम् ९. तेजः ११ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यम् १०१ सत्यम् ॥ धर्मम् १॥ पापम् १८ शनिदृष्टिउत्तरे । ग्रहणं १ चन्द्रमसः ।

सं.२०४७ श्रावण शु. १५चंद्र-वासरे ग्रस्तोदित खंडग्रासं चन्द्र ग्रहणम्

		स्प.	म.	मो		
उज्ज.	घ.	२९	३३	३६		
मध्यम.	पल	२६	७	४८		
रेल्वे	घं.	६	७	९		
टाइम	मि.	१३	४२	१०		

आसाम में यह ग्रहण चन्द्रोदय होने के बाद स्पर्श होगा, में ग्रस्तोदय नहीं होगा ।

वर्षलग्नम् ८।१३

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ विनती करके माता से अर्जि सुनाता है ।
सैंतालीसा का हाल कहो सुनने को जी ललचाता है ॥

भवानी उत्तर

प्रेम सहित माता कहती संवत्सर हाल सुनाती हूं ।
सब देख नभश्चर चार जगत में साधारण फल पाती हूं॥
इस वर्ष का राजाभूमितनय यह कूर स्वभाव दिखावेगा ।
कहीं चोर रोग अग्नी भय हो कहीं द्वंद युद्ध करवावेगा ॥
परा मंत्री भृगुदेव भये जो सुख संपत्ति संचार करे ।
सस्येश सहारा पाकर के जल अरु तृण का भंडार भरे ॥
रोहिणी वासो जलनिधि मे संवत्सर विश्वा है खासा ।
अन्नतृण के दो स्तंभ बने इस में नहीं झूठ एक मासा ॥
नाम सुभानु संवत्सर जिसका फल मध्यम पाया है ।
ईश्वरदत्त गुरु ज्ञान दिया वह बंशीधर दरसाया है ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	८	२	५	१४	२	५
खर्च	१४	८	५	२	१४	५

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	२	८	११	१४	१४	११
खर्च	८	१४	५	१४	१४	५

वर्षेशलग्नम् १०।३

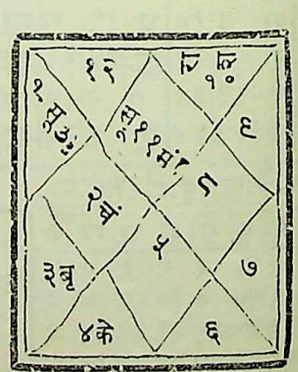

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२८।० केतकीमतेन वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशाः २३।४२।१८

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन्वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् ॥ भौमे नृपे वह्नि भयंजनक्षयं चौराकुलं पार्थिवविग्रहञ्च । दुःखं प्रजाव्याधिवियोगपीड़ा स्वल्पं पयो मुञ्चति वारिवाहः । मंत्री शुक्रस्तत्फलम् ॥ भृगुसुतेननु मंत्रि समागते शलभमूषक रावत मापिषैः । भवति खान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ॥ सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम् ॥ सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघः पयो मुंचति गोपगोधुक् । देव द्विजा राधन तत्परा नरा धराभवेद्धान्य धनौघपूर्णा ॥ धान्येशः शनिः फलम् ॥ दुर्भिक्षं जायते तत्र कलहं देशविग्रहं । सौराष्ट्रे देश नष्टश्च यत्र धान्याधिपो शनिः ॥ मेघेशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ भृगुसुते जलदस्यपतिर्यदा जलयुता जलदादिविशोभनाः । धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ॥ रसेशो बुधस्तत्फलम् । रसपतौ द्विजराजसुतेमही सुलभधान्य घृतादियुताजनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहुजलाखिलदेशसुरक्षिता ॥ नीरसेशश्चन्द्रस्तत्फलम् ॥ शुक्ल वर्णादिवस्तूनां मुक्तारजत वाससां । अर्घबृद्धिः प्रजायते शशांके नीरसाधिपे ॥ फलेशो गुरुः फलम् ॥ सुरगुरुः फलनायकतांगतो गणतभया वनराशि महाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सव मंदिराः श्रुतिविचारपरा द्विजपूर्वकाः ॥ धनेशोरविः फलम् ॥ द्रविणपे यदिवासरपेतदा वणिजतो बहुद्रव्यसमागमः गज तुरंगममेष खरोस्ट्रतो धनचयंलभते क्रय-विक्रयात् ॥ दुर्गेशोगुरुः फलम् सुरगुरौ गढपेनय शोभिता नरवरा नरपाः करपालिताः । गिरिषुवैनगरेषुसमं सुखं सुखमति द्विजशास्त्रवतां विशाम् । सुभानुनाम संवत्सरः फलम् ॥ सुभानुवत्सरे भूमौ भूमिपानां च विग्रहः । भातिभूर्भूरिसस्याढ्या भयंकर भुजंगमा ॥ वर्षनाम मार्गशीर्षः फलम् ॥ कार्यासादि महर्घं स्याद्धौ घूमातिलादिकम् । मेघोवर्षतिदेवोवा मार्गशीर्षे विशेषतः ॥ मेघनाम पुष्करः फलम् । पुष्करे मंद बृष्टि स्यात् । रोहिणी मिवासः समुद्रे फलम् । समुद्रे तु महा बृष्टिः । समयानंवासो मालाकारगृहे फलम् । मालिनः प्रचुरा बृष्टिः । एवंसंचित्यदैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

सं० २०४७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृ. ५ रवौ मूले ल. १२ रे.६।।।।।ऽअ.ऽऽऽ दग्धा आवश्यके
शुक्ले ३ शुक्रे रोहि. ल. १२ रे ८।।।।।ऽनृऽ।।।
,, ११ शनौ उफा. ल. अन्यगै. ६।१२ रे.६।।।।।।ऽ।।धनल
ग्रेगु. ७ पूज्यः मीने चं. ७ पूज्यः

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. १० रवौ उभा. ल. अन्यगो. ६ रे.८।।।।।।ऽऽ।। धन लग्ने
गुरु ७ पूज्यः
,, ११ चंद्रे रेव. ल. अन्यगो. ६ रे.६ऽऽ शु ।।ऽ चौ।ऽ।।
धनलग्ने गुरु ७ पूज्यः शुक्रपुतिः
शु. ११ चंद्रे स्वा ल. ६ रे.७ऽ।।ऽऽअ।।।। गु. ७ पू.
,, १३ बुधे अनु. ल. ११ रे.६।।।तुऽऽऽ।।पादतोवेधाऽभावः

आषाढ मासः ।

शु. ७ शुक्रे हस्ते ल. २ रे.८।।।।।।ऽऽ

पौष मासः ।

कृ. ८ रवौ उफा. ल. अन्यगो. ५ रे.८।।।।।।ऽऽ।।अन्यगोधूल्यां
भौम १ दोषः
,, ६ चंद्रे हस्ते ल. अन्वगो. ५ रे.८।।।।।ऽचौ।ऽ।। अन्यगो.
धूल्यां भौ. १ दोषः सिंहे रेखा ७ दग्धादोषः
,, ११ बुधे स्वा. ल. ५।६ रे.७ऽशु।।।ऽरो।ऽ।।

माघ मास :

शु. ५ चंद्रे उभा.ल. अन्यगो.६रे.६।।।।।।ऽ।।कन्या. चं.७पू.
,, ६ भौमे रेव. ल, अन्भगो. ६ रे.८।।।।।ऽगो।ऽ।। क. चं७पू.

फाल्गुन मासः ।

कृ. ५ रवौ हस्ते ल. गो. रे.६ऽ।।।ऽअ.ऽऽ।।
,, ८ गुरौ अनु. ल. अन्यगो. रे.८।।।।।ऽचो।ऽ।।

चैत मासः ।

कृ. ५ भौमे स्वा. ल. गो रे.८।।।।।।ऽऽागणितेन क्रांति-
सम्याऽभावः
,, ७ गुरु अनु. ल. अन्यगो. रे. ८ाऽ।।ऽनृ।।।।

CC-0. Gurukul Kangri Univers

ति. श्रीचैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२ | दि. उ | अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६२००स.१९९०

१	भं	३९	८	उ	१४	५३	व्र	१९	३७	कं	१३	२१	३०	५५	६	२७	६	२९
२	बु	३०	२६	अ	५१	१३	ऐं	४९	५०	बा	४	४७	३१	५४	६	२८	७	३०
३	गु	२२	७	भ	४५	२	वि	५०	१७	ग	२२	७	३५	५३	७	२९	८	१
४	शु	१४	१५	कृ	३९	४०	प्री	४१	४२	वि	१४	१५	३९	५२	८	३०	९	२
५	श	७	२५	रो	३५	२४	आ	३४	३	बा	७	२५	४१	५१	९	३१	१०	३
६	र	१	३२	मृ	३२	२	सौ	२७	१३	तै	१	३२	४८	५०	१०	१	११	४
७	र	५५	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	चं	५३	३६	आ	३०	१०	शो	२१	२८	वि	२५	१५	५२	५०	१०	२	१२	५
९	मं	५१	३४	पु	२९	३७	अ	१६	४७	बा	२२	३५	५६	४९	११	३	१३	६
१०	बु	५०	५०	पु	३०	१६	सु	१३	२	तै	२१	१२	३१ ०	४८	१२	४	१४	७
११	गु	५१	३२	श्ले	३२	१३	धृ	१०	३०	व	२१	११	४	४७	१३	५	१५	८
१२	शु	५३	५	म	३५	२५	शू	८	५१	ब	२२	१८	८	४६	१४	६	१६	९
१३	श	५५	५५	पू	३९	२९	गं	८	१६	कौ	२४	३०	११	४६	१४	७	१७	१०
१४	र	५९	४४	उ	४४	४१	बृ	८	२३	ग	२७	४९	१५	४५	१५	८	१८	११
१५	चं	६०	०	ह	५०	४७	ध्रु	८	५५	वि	३२	८	१०	४४	१६	९	१९	१२
१५	म	४	३२	चि	५०	२९	व्या	१०	२८	ब	४	३२	२२	४४	१६	१०	२०	१३

मे. ५७।४९ | मेषे | वृ. ५८।४१ | वृषे | बृषे | मि ३।४३ | ० | मिथुने | क. १४।४५ | कर्के | सिं ३२।१३ | सिंहे | कं. ५५।४७ | कन्यायां | कन्यायां | तु. २४।८

संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
चन्द्र दर्शनम् सिधारा
भ. ४९ उ. गणगौरौ मत्स्यजयंरमजान ९
भ. १४।१५ या.
रेवत्यांरविः १५ ४९ (सौरः १५ ९) अ. मेषेबुधः *
भ. ५५ ६४ उ. अप्रैल ४ता ३० * ४९ ५२ कुमेशुक्रः ५७
श्रव. ३ राहु. आश्ले. १ केतुः ४ ३१ बुधोदयः *
भ. २५ १५ या * पश्चिमायां ४९ २९
धनि. भौमः ३०।५५ रामनवमी

भ. २१ १९ उ. ५१।३२ या. कामदा ११ व्र.
शते शुक्रः ३०।४६
प्रदोषः
भ. ५९ ४४ उ. भरण्यां बुधः १८।४
भ. ३३ ३ या. आर्द्रा १ गुरु २६ २० हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.३बृ.इ.३६ ४०

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	२	९	९	९	११
१४	१९	२५	८	२८	०	२०	१४
५९	३७	४९	४७	३१	२७	४	५७
१३	५०	३०	४६	५	२९	४७	५७
५९	४२	∞	६	५८	३	३	५९
१६	२७	५२	११	२०	३८	११	१८

गोचरग्रहाः

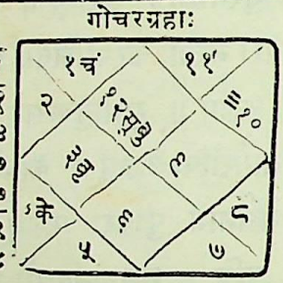

इस मास में रोग पीड़ा हो जौ गेहूँ चांवल आदि अनाज़ पहिले कुछ संदे होकर सुदी ८ से तेजी हो। चांदी में घटाबढ़ी

गोचरग्रहाः

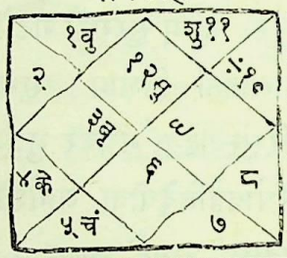

५२पं.चै.शु.११बृ.इ.३७ ०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	०	२	१०	९	९	११
२१	२४	८	९	५	०	१९	२१
५३	४९	४५	३३	४५	४८	४२	५२
३१	२७	२२	०	१८	२५	३१	८
५९	४२	∞	७	६१	३	३	५९
४	२४	५३	२	३	०	११	४

ति. वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२ | दि. उ. | अ. इ. | रा. मु. | चंद्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृ. महाराष्ट्राः

१	बु	९	५७	स्वा	६०	०	ह	१२	७	कौ	९	५७	३५ ३६	४३ ५	१७ ६	११	२१	१४
२	गु	१६	१०	स्वा	४	४२	व	१४	२८	ग	१६	१०	२९	४२	१८	१२	२२	१५
३	शु	२२	१८	वि	१२	१७	सि	१७	४	वि	२२	१८	३३	४१	१९	१३	२३	१६
४	श	२८	३५	अ	२०	७	व्य	१९	१३	बा	२८	३५	३६	४१	१९	१४	२४	१७
५	र	३४	३५	ज्ये	२७	१६	व	२१	१६	कौ	१	३५	४०	४०	२०	१५	२५	१८
६	चं	३९	३५	मू	३३	३२	प	२२	३२	ग	७	५	४३	३९	२१	१६	२६	१९
७	मं	४३	२२	पू	३९	१४	शि	२३	७	वि	११	२८	४७	३९	२१	१७	२७	२०
८	बु	४५	४१	उ	४२	२१	सि	२२	२०	बा	१४	३१	५१	३८	२२	१८	२८	२१
९	गु	४५	५८	अ	४४	६	सा	२०	५	तै	१५	४९	५५	३७	२३	१९	२९	२२
१०	शु	४३	२१	ध	४४	८	शु	१६	२१	व	१४	३९	५८	३६	२४	२०	३०	२३
११	श	४०	३०	श	४१	५५	शु	१०	३५	ब	११	५५	३३	३६	२४	२१	१	२४
१२	र	३४	५२	पू	३७	३९	व्र	४९ ३६	५९ २९	कौ	७	४१	६	३५	२५	२२	२	२५
१३	चं	२७	३३	उ	३१	५७	वै	४६	९	ग	१	२३	१०	३४	२६	२३	३	२६
१४	म	१८	५८	रे	२५	१	वि	३५	२४	श	१८	५८	१४	३३	२७	२४	४	२७
३०	बु	९	२०	अ	१७	१६	प्री	२४	३५	ना	९	२०	१७	३३	२७	२५	५	२८

मी २३।४३ | मीने | मे. २५।१ | मेषे

भ. ४९।१४ उ. कुंभे भौमः ३१।३०
भ. २२।१८ या. अश्वि. मेषेऽर्कः ५३ ४९ ×
×(सौरः ५४।५३) चतुर्थी व्र.

भ. ३९।३५ उ.
भ. ११।२८ या.
पूभा. शुक्रः १९।२९

भ. १४।३९ उ. ४३।२१ या.
शते भौमः ३६।४८ रा. वैशाखारम्भा ÷
÷वरूथिनी ११ व्र.
भ. २७।३३ उ. ५३।१६ या. वक्री बुधः *
बुधास्तः पश्चिमायाम् ५९।२८
*२०।२५ प्रद्रोषः

१पं.वै.कृ.३बृ.इ. ५२ ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	२	१०	९	९	११
०	०	१९	१०	१४	१	१९	२९
०	५७	३२	३८	९	११	१६	५८
०	४३	३५	१३	२५	३८	२३	१८
५८	४२	६०	८	६३	२	३	५८
४४	३७	२	२५	३५	११	११	४५

गोचरग्रहाः

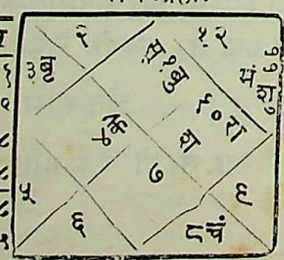

वै. कृ. ३ रवौ मेषेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

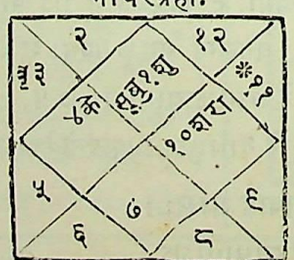

२पं.वै.कृ.१०बृ.इ. ५३ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	२	१०	९	९	०
६	६	२३	११	२१	१	१८	६
५०	९	४२	३८	४०	२२	५४	४८
४२	०	५४	१०	१६	५९	८	२९
५८	४२	१०	९	६५	१	३	५८
३१	३५	८	११	१३	३१	११	२९

≡ मं.शु.श.रा. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ÷ मं.श.रा. * मं.चं.शु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

त. वैशाख शुक्ल पक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२ दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६२३०स१९९०

१	बु	५०	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	गु	५०	२	भ	६	४८	आ	१३	५६	बा	२४	४६	३३/२५	५/३२	६/२८	२६	६	२६
३	शु	४१	८	कृ	२०/२	५३/३६	सौ	४४/४	५०/२४	तै	१५	३५	२५	३१	२६	२७	७	१
४	श	३३	२२	मृ	५०	३६	अ	४५	१६	ब	७	१५	२६	३०	३०	२८	८	२
५	र	२६	५५	आ	४६	५६	सु	३८	१४	बु	०	८	३२	३०	३०	२६	६	३
६	चं	२२	१६	पु	४५	३	पु	३२	१७	तै	२२	१६	३६	२६	३१	३०	१०	४
७	मं	१६	२१	पु	४४	४६	श्ले	२७	५४	ब	१६	२१	४०	२८	३२	१	११	५
८	बु	१८	६	श्ले	४६	२६	मं	२४	४६	ब	१८	६	४३	२७	३३	२	१२	६
९	गु	१८	४३	म	४६	३५	पू	२३	१०	कौ	१८	४३	४७	२७	३३	३	१३	७
१०	शु	२०	४४	पू	५४	१०	उ	२२	३५	ग	२०	४४	५१	२६	३४	४	१४	८
११	श	२४	८	उ	६०	०	ह	२३	१६	वि	२४	८	५४	२५	३५	५	१५	९
१२	र	२८	४२	उ	०	२	ह	२४	२१	बा	२८	४२	५७	२५	३५	६	१६	१०
१३	चं	३४	१	ह	६	४	ब	२६	१०	कौ	१	२१	३/१	२४	३६	७	१७	११
१४	मं	३९	११	चि	१२	१०	सि	२७	५७	ग	६	३६	४	२३	३७	८	१८	१२
१५	बु	४५	५५	स्वा	२०	२९	व्य	३०	२८	वि	१२	३३	७	२३	३७	९	१९	१३

तुलायां

चन्द्र दर्शनम्
भरण्यांरविः ३/५ (सौरः ३/५) अक्षया ३ *
भ. १/५ उ. ३/३ या. मीने शुक्रः २/१
*परशुरामज. सव्वाल १०

भ. २/१ उ. ४/४ या. उभा. शुक्रः ३/२ आ. ३ गुरुः *
*३/१ मई ५ ता. ३१

भ. ५/२ उ. वक्री शनिः ४५।२८
भ. २४।८ या. मोहिनी ११ ब्र.

प्रदोषः ÷ सान्नजल केभदनं
भ. ३९।११ उ. नृसिंह १४
भ- १/३ या. पूभा. भौमः २/१ यमायं ÷

३पं. वै. शु. ३शु. इ. ५३।२०

गोचरग्रहाः

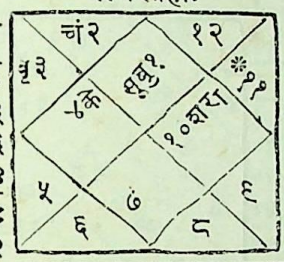

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	२	१०	९	९	०
१३	११	२२	१२	२९	१	१८	१३
३९	२२	५६	४३	१५	२९	३१	३६
४३	३९	२४	५९	४८	५३	५२	५४
५८	२२	४/५	९	६६	०	३	५८
१९	२९	बु	५३	४०	५२	११	१२

इस मास में बुध वक्री रुई पाटवार दाना सोना चांदी खांड़ गुड़ चावल सिरस्युं अलसी तेज करेगा।

गोचरग्रहाः

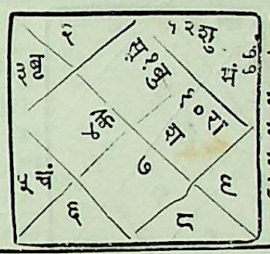

४पं. वै. शु. १०शु. इ. ५/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	२	११	९	९	०
२०	१६	१९	१३	७	१	१८	२०
२७	३४	३	५४	७	२/२	९	२५
२२	४८	३६	५८	२३	१३	३६	३६
५८	४२	३/४	१०	६७	०/१	३	५७
६	२२	ब्र	३७	२०	ब्र	११	५७

ति. ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं० २०४७ शाकः १९१२ दि. उ. अ. ई. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृ. महाराष्ट्राः

१	शु	५१	५५	वि	२७	५५	च	३२	५०	बा	१८	५५	३३/१०	५/२२	६/३८	१०	२०	१४
२	शु	८	२	अ	३५	२२	ध	३५	४	तै	२४	५५	१३	२१	३९	११	२१	१५
३	श	६०	०	ज्ये	४९	२९	शि	३७	१	ब	३०	४५	१६	२१	३९	१२	२२	१६
३	र	३	२९	मू	४८	४७	सि	३८	४६	वि	३	२९	१९	२०	४०	१३	२३	१७
४	चं	८	२१	पू	५४	३०	सा	३९	३३	बा	८	२१	२२	२०	४०	१४	२४	१८
५	मं	१२	२३	उ	५८	५९	शु	३९	३२	तै	१२	२३	२५	१८	४१	१५	२५	१९
६	बु	१५	९	श्र	६०	०	शु	३०	२८	ब	१५	९	२८	१८	४२	१६	२६	२०
७	गु	१६	२०	श्र	२	५	ध	३६	१३	ब	१६	२०	३०	१८	४२	१७	२७	२१
८	शु	१५	५९	ध	३	३७	ऐं	३२	२३	कौ	१५	५९	३३	१७	४३	१८	२८	२२
९	श	१३	४०	श	३	२२	वे	२७	१४	ग	१३	४०	३६	१७	४३	१९	२९	२३
१०	र	९	३५	पू	१/४	५/६	वि	२१	२५	वि	९	३५	३९	१६	४४	२०	३०	२४
११	चं	३	३७	रे	५१	४९	प्री	१२	२३	बा	३	३७	४१	१६	४४	२१	३१	२५
१२	चं	५२	४३	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	मं	४७	३४	अ	४५	१२	आ	१/३	४/५	ग	२१	५७	५३	१५	४५	२२	१	२६
१४	बु	३७	५४	भ	३७	३९	शो	०२	२६	वि	१२	४४	४६	१५	४५	२३	२	२७
३०	गु	२७	५३	कृ	२९	४०	अ	३१	१०	च	२	५३	४८	१४	४६	२४	३	२८

कृति. रविः १९।० (सौरः २/४८)
भ. ३/४५ उ- बुधोदयः पूर्वस्याम ५/१७
भ. २/९ या. रेवत्यां शुक्रः २/५ च. ब्र.
बृषेऽर्कः; ४६।१५ (सौरः ५१।३६

भ. १५।९ उ. ४५।४५ या.

मार्गी बुधः ५८।५४
भ. ४१।३७ उ. आर्द्रा. ४ गुरुः ४७।१९
भ. ९।३५ या.
अपरा ११ ब्र.

❀ प्रदोषः
भ. ४७/३४ उ. मीने भौमः ५/५ रा. ज्येष्ठारम्भः ❀
भ. १२।४४ या.
वट सावित्री ब्र.

५पं. ज्ये. कृ. २शु. इ. ५३।४५

गोचरग्रहाः

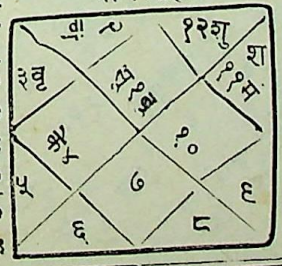

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	२	११	९	९	०
२७	२१	१५	१५	१५	१	१७	२७
१३	४४	३५	१०	०	३०	४७	८
३४	४९	२४	१९	४३	१४	२१	५०
५७	४२	५/९	११	६८	३/३	३	५७
५४	२०	ब्र	१३	५२	ब	११	४५

ज्ये. कृ. ४ चन्द्रे बृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु. उ. पू.

गोचरग्रहाः

६पं. ज्ये. कृ. ८शु. इ. ५/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	०	२	११	९	९	१
३	२६	१४	१६	२२	१	१७	३
५८	५४	२७	२९	५८	२३	२५	५२
२६	३२	५८	२८	४४	१६	५	३०
५७	४२	२/९	११	६९	१	३	५७
४४	१६	ब्र	५०	३७	२५	११	३४

*मं. शु.

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kan...

ति. ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६२५९स १९९०

१	शु	१७	५४	रो	२१	४९	सु	२०	४६	ब	१७	५४	३३/५०	५/१४	६/४६	२५	४	२९	मि. ४८।२८
२	श	८	२६	मृ	१५	१	धृ	१०	५३	कौ	८	३६	५२	१४	४६	२६	५	१	मिथुने
३	र	०	३२	आ	९	२५	शू	५०/५२		ग	०	३२	५४	१३	४७	२७	६	२	क. ५१।२५
४	र	५३	३०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	चं	४९	२६	पु	५	२५	वृ	४७	५७	ब	२१	४४	५६	१३	४७	२८	७	३	कर्के
६	सं	४६	५०	पु	३	१६	ध्रु	४३	३१	कौ	१८	८	५८	१२	४८	२९	८	४	कर्के
७	बु	४६	२८	श्ले	३	१७	व्या	४०	४९	ग	१६	२९	३४/०	१२	४८	३०	९	५	सिं ३।१७
८	गु	४७	५६	म	५	२२	ह	३९	२८	वि	१७	१२	२	१२	४८	३१	१०	६	सिंहे
९	शु	५१	२९	पू	९	७	व	३९	५१	ला	१९	४२	४	११	४९	१	११	७	क. २५।२७
१०	श	५५	४४	उ	१४	२८	सिं	४०	४६	ते	२३	३६	६	११	४९	२	१२	८	कन्यायां
११	र	६०	०	ह	२०	५२	व्य	४२	४२	व	२८	३५	७	११	४९	३	१३	९	तु. ५४।३०
११	चं	१	२५	चि	२८	८	व	४५	५	वि	१	२५	९	१०	५०	४	१४	१०	तुलायां
१२	मं	७	१७	स्वा	३५	३४	प	४७	३०	ला	७	१७	१०	१०	५०	५	१५	११	तुलायां
१३	बु	१३	३७	वि	४३	१५	शि	४९	५४	ते	१३	३७	१२	१०	५०	६	१६	१२	वृ. २६।२०
१४	गु	१९	३१	अ	५०	२५	सिं	५२	७	व	१९	३१	१३	९	५१	७	१७	१३	ब्रश्चिके
१५	शु	२५	१९	ज्ये	५६	२८	सा	५४	४	ब	२५	१९	१४	९	५१	८	१८	१४	ध. ५६।३८

चन्द्रदर्शनम् रोहि. रविः ५/९० (सौरः १७/४५) *
जिल्काद ११ *आश्वि. मेषे शुक्रः ३१/१७
भ. २७/१७ उ. ५४/२ या. उभा. भौमः ४४/५१

=गुर्जराणां वटसावित्री पू.
भ. ४६।२८ उ.
भ. १७।१२ या.
जून ६ ता. २०
श्रवण. २ राहु. पुष्य. ४ केतुः ४।४५ गङ्गा १०
भ. २८।३५ उ. निर्जला ११ व्र. स्मा.
भ. १।२५ या. निर्जला ११ व्र. वै.
कृत्ति. बुधः ४७/३ भरण्यां शुक्रः ३४/२३ पुन. १ ×
×गुरुः १५/१० प्रदोषः
भ. १९।३१ उ. ५२।२५ या. बृषे बुधः ४९/४२
मृगे रविः ४।४६ (सौरः १६।३४)=

७पं. ज्ये. शु. १शु. इ. ५४।० | ८पं. ज्ये. शु. ९शु. इ. ५४।५ | ९पं. ज्ये. शु. १५ शु. इ. ५४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	२	०	९	९	१
१०	२	१६	१७	१	१	१७	१०
४२	२	५९	५२	१	११	२	३४
२५	२८	४६	८	३४	२०	५०	४१
५७	४१	२९/५	१२	७०	२	३	५७
३५	५८	मा	१६	२३	४	११	२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	२	०	९	९	१
१७	७	२२	१९	९	०	१६	१७
२५	८	५१	१७	७	५५	४०	१५
८	१७	४	५३	५२	२३	३४	४७
५७	४१	५८	१२	७०	३/२	३	५७
२७	५०	५८	३४	५८	ब	११	१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	२	०	९	९	१
२४	१२	१	२०	१७	०	१६	२३
७	१२	३०	४६	१७	३५	१८	५५
१२	२९	४०	५	५६	३१	१८	४३
५७	४१	८४	१२	७१	१/१३	३	५७
२२	४३	२८	५८	२९	ब	११	५

ति. आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	श	३०	१५	मू	६०	०	शु	५५	१६	कौ	३०	१५	३४/१६	५/५१	६/५१	९	१९	१५	धनुषि
२	र	३४	४१	मू	३	२०	शु	५५	५६	ते	२	२८	१७	९	५१	१०	२०	१६	धनुषि
३	चं	३७	५१	पू	८	४०	व्र	५५	५०	व	६	१६	१८	८	५२	११	२१	१७	म. २४।४२
४	मं	४०	१०	उ	१२	५९	ऐं	५४	४९	ब	९	०	१९	८	५२	१२	२२	१८	मकरे
५	बु	४१	१८	श्र	१६	१०	वै	५३	७	कौ	१०	४४	२०	८	५२	१३	२३	१९	कु. ४७।१४
६	गु	४०	१९	ध	१८	२०	वि	५०	१६	ग	१०	४८	२१	८	५२	१४	२४	२०	कुम्भे
७	शु	३९	५९	श	१९	२५	प्री	४६	२०	वि	१०	९	२१	८	५२	१५	२५	२१	कुम्भे
८	श	३७	१९	पू	१८	४६	आ	४१	१७	बा	८	३९	२२	८	५२	१६	२६	२२	मी ३।५६
९	र	३२	५९	उ	१६	४५	सौ	३४	२	ते	५	९	२२	८	५२	१७	२७	२३	मीने
१०	चं	२७	३२	रे	१३	२५	शो	२७	४६	व	०	१५	२३	७	५३	१८	२८	२४	मे. १३।२५
११	मं	२०	२८	अ	८	४६	अ	१९	१७	बा	२०	२८	२३	७	५३	१९	२९	२५	मेषे
१२	बु	१२	३२	भ	५४/३	५३/६	सु	१०	७	ते	१२	३२	२३	७	५३	२०	३०	२६	बृ. १६।१६
१३	गु	३	४१	रो	४९	१३	धृ	१६/०	४५/४९	व	३	४१	२४	७	५३	२१	३१	२७	वृषे
१४	गु	५०	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	८	०	०	०
३०	शु	४५	७	मृ	४२	९	गं	३९	५४	च	१९	४३	२४	७	५३	२२	१	२८	मि १५।४१

÷८।५३ योगिनी ११ व्र.
भ. ६।१६ उ ३७।५१ या. च. व्र. ९ पात *
*स्पर्शः ११।२० मोक्षः ३३।४०

भ. ४०।१९ उ. रोहि. बुधः २४।३३
भ. १०।९ या. मिथुनेऽर्कः ३।२४+
कृत्ति. शुक्रः ५२।५७
+(सौरः १७।२१) रेव. भौमः ४।१२
भ. ०।१५ उ. २७।३२ या.
बृषे शुक्रः ४६/५५ वक्रीउषा. १ धनुषिचशनिः÷
पुन. २ गुरुः ४९।३२ प्रदोषः
भ. ३।४१ उ. २९।० या. मृगेबुधः ४७।२४=
=बुधास्तः पूर्वस्याम् ५२।५०
आर्द्रा. रविः १६/२ (सौरः १५/५४) रा. आषाढारंभः

१०पं. आ. कृ. ७शु. इ. ५४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	२	०	९	९	२
०	१७	१२	२२	२५	०	१५	०
४८	१४	३९	१५	२९	१२	५६	३४
२५	२०	५०	५४	३१	१७	३	५२
५७	४१	०/८	१३	७१	४७/३	३	५६
१७	१८	७	१७	५०	ब	११	५७

गोचरयहाः

आ. कृ. ७ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ५. न. ५ बृद्धावस्था बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

११पं. आ. कृ. ३०शु. इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	२	१	८	९	२
७	२२	२५	२३	३	२९	१५	७
२९	१२	३६	४७	४५	४६	३३	१३
२४	११	४०	५३	२५	२३	४७	१९
५७	४०	०/९	१३	७२	४/४	३	५६
१३	५२	९	२६	१६	ब	११	५४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं०२०४७ शाकः१९१२ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६२८८स.१९९०

१	श	३६	३१	आ	३५	४४	वृ	३०	११	कं	१०	४९	३४ २४	५	६ ५३	२३	२	२९	मिथुने	
२	र	२८	५२	पु	३०	२६	ध्रु	२१	२७	रो	२	४१	२४	७	५३	२४	३	३०	क.१६।४६	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	चं	२३	१०	पु	२६	३८	व्या	१४	१	ग	२३	१०	२४	७	५३	२५	४	१	कर्के	भ.५१।६उ मिथुने बुधः २३ जिल्हेज १२
४	मं	१९	३	श्ले	२४	३८	ह	७	४७	वि	१९	३	२३	७	५३	२६	५	२	सिं२४।३८	भ. १९।३ या.
५	बु	१७	३१	म	२४	५६	व	३	२८	रा	१७	३१	२३	७	५३	२७	६	३	सिंहे	आर्द्रा. बुध. ५९।१२
६	गु	१७	३५	पू	२७	१७	सि	१	१	तै	१७	३५	२३	७	५३	२८	७	४	क.४३।२२	रोहिण्यां शुक्रः ११।१५
७	शु	१९	५३	उ	३१	३६	व्य	०	३	व	१९	५३	२२	८	५२	२९	८	५	कन्यायां	भ. १९।५३ उ. ५१।५७ या.
८	श	२४	०	ह	३७	२२	व	०	११	व	२४	०	२२	८	५२	३०	९	६	कन्यायां	
९	र	२९	२१	चि	४४	२३	प	१	३४	कौ	२९	२१	२१	८	५२	१	१०	७	तु.१०।५३	जौलाई ७ ता. ३१
१०	चं	३५	२१	स्वा	५१	३९	शि	३	५३	तै	२	२१	२०	८	५२	२	११	८	तुलायां	*देवशयनी ११ ब्र.
११	मं	४१	४४	वि	५९	२७	सि	६	२१	व	८	३२	१९	८	५२	३	१२	९	वृ.४२।३०	भ. ३ उ. ४ या. अश्वि. मेषे भौमः ५ ३ *
१२	बु	४७	४३	अ	६०	०	सा	८	५५	ब	१४	४३	१८	८	५२	४	१३	१०	वृश्चिके	पुन. बुधः ३।५८ अस्तं गुरोः ६।३६
१३	शु	५३	१४	अ	६	४९	शु	११	१६	कौ	२०	२८	१७	९	५१	५	१४	११	वृश्चिके	पुन. २ गुरुः ५०।८ प्रदोषः
१४	शु	५७	१४	ज्ये	१३	३८	शु	१२	५९	ग	२५	१४	१५	९	५१	६	१५	१२	ध.१३।२८	भ. ५ ४ उ. पुन. रविः १ २ (सौरः ५ ५)
१५	श	६०	०	मू	१९	२१	ब्र	१३	५६	वि	२९	१६	१४	९	५१	७	१६	१३	धनुषि	भ. २९।१६ या. व्यासपूजा वायुपरीक्षा
१५	र	१	१९	पू	२४	५	ऐं	१४	१७	व	१	१९	१३	९	५१	८	१७	१४	म.३९।५९	कर्के बधः ५०।२०

१२पं.आ.शु.७शु.इ.५३।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	२	१	८	९	२
१४	२७	१०	२५	१२	२९	१५	१३
९	६	४३	२०	४	१७	११	५१
५०	४७	४१	४६	१६	४९	३२	२४
५७	४०	५९	१३	७२	२४	३	५६
७	२६	२९	३२	३७	ब्र	११	५०

गोचरग्रहाः

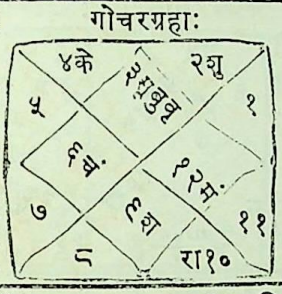

इस मासमें मिथुन का बुध तेजीकारक है। वायु का जोर कहीं२ अच्छी वर्षा हो चौपाया पशु तेज रहे।

गोचरग्रहाः

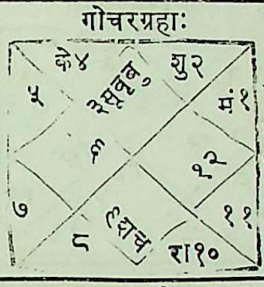

१३पं.आ.शु.१४शु.इ.५ ३ ५ २

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	२	१	८	९	२
२०	१	२५	२६	२०	२८	१४	२०
५०	५६	५५	५४	२३	४८	४९	२९
१०	५४	५५	२९	१३	२२	१६	१८
५७	३९	५९	१३	७३	४ ३७	३	५६
७	५४	४३	३८	५६	ब्र	११	५०

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं.२०४७ शाकः१९१२	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणे आषाढ़ कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	३	४६	उ	२७	४०	वै	१३	२९	कौ	३	४६	३४ ११	१०	५ ५०	९	१८	१५	मकरे	मृगे शुक्रः १९।१८
२	मं	५	८	श्र	३०	०	वि	१२	४	ग	५	८	१०	१०	५०	१०	१९	१६	मकरे	भ. ३५।१० उ. पुष्ये बुधः २८।१७
३	बु	५	१३	ध	३१	४९	प्री	९	३९	वि	५	१३	८	१०	५०	११	२०	१७	कु.०।५४	भ. ५।१३ या. चतुर्थी ब्र.
४	गु	४	२८	श	३२	३२	आ	६	३८	रा	४	२८	७	११	४९	१२	२१	१८	कुम्भे	
५	शु	२	४०	पू	३२	१०	शो	५ २	५५ १५	तै	२	४०	५	११	४९	१३	२२	१९	मी१७।१६	नाग ५ मरुस्थले
६	श	०	११	उ	३०	५१	अ	५२	४०	व	०	११	४	११	४९	१४	२३	२०	मीने	भ. ०।११ उ. २८।५२ या. मिथुने *
७	श	५७	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*शुक्रः५४।६६ बुधोदयः प २०।२४
८	र	५२	११	रे	२८	५५	सु	४६	४२	वा	२४	५२	२	१२	४८	१५	२४	२१	मे.२८।५५	
९	चं	४६	४९	अ	२६	४	धृ	३९	५८	तै	१९	३०	०	१२	४८	१६	२५	२२	मेषे	कर्केऽर्कः ३०।३६ (सौरः ५५।३९)
१०	मं	४०	४७	भ	२२	१२	शू	३२	३१	व	१३	४८	३३ ५५	१२	४८	१७	२६	२३	वृ.२६।४	भ. १३ उ. ४० या. आश्ले. बुधः २४
११	बु	३३	५२	कृ	१७	३९	ग	२४	२७	व	७	२०	५६	१३	४७	१८	२७	२४	वृषे	कामिका ११ ब्र.
१२	गु	२६	२९	रो	१२	२९	वृ	१५	४७	कौ	०	१०	५४	१३	४७	१९	२८	२५	मि३९।३८	पुष्ये रविः ५९।५३ प्रदोषः
१३	शु	१८	५४	मृ	६	४८	ध्रु	५२ ६	५२ ३	व	१८	४५	५२	१४	४६	२०	२९	२६	मिथुने	भ. १ ५ उ. ४ ५ या. पुष्ये रविः सौरः २ ६ +
१४	श	११	६	आ	४९ ७	५४ २५	ह	४९	३७	श	११	६	५०	१४	४६	२१	३०	२७	क.४२।३७	+आर्द्रा शुक्रः २ ५ ४ पुनः४ कर्के गुरुः ४ २ ४ ५
३०	र	४	८	पु	५१	८	व	४१	५२	ना	४	८	४७	१५	४५	२२	३१	२८	कर्के	हरियालीं ३०

१४पं.श्रा.कृ.५शु.इ.५३।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	२	१	८	९	२
२७	६	१०	२८	२८	२८	१४	२७
३०	३८	३	२८	४५	१७	२७	७
३२	३५	३६	५२	१८	२४	०	२५
५७	३९	४८	१३	७३	४ ४०	३	५६
११	७	४७	३८	१४	ब्र	११	५४

गोचरग्रहाः

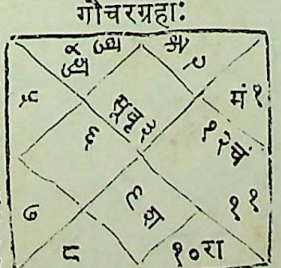

श्रा. कृ. ९ चंद्रे कर्केऽर्के। प्र. वा. ४ न. ६ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

१५प.श्रा.कृ.१३ ५.इ. ५ ३ ३ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	३	२	८	९	३
४	११	२२	०	७	२७	१४	३
११	१४	४६	२	१०	४६	४	४५
१७	१३	१६	२८	१२	१२	४४	५२
५७	३८	०	१३	७३	४०	३	५६
१५	३०	५७	३८	२२	ब्र	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kan...

ति. श्रावण शुक्ल पक्षः सं.२०४७ शाकः१९१२ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६३१८स.१९९०

१	र	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	५३	३९	श्ले	४९	१९	सि	३५	५	बा	२५	५४	३३/४५	१५/५	४५/६	२३	१	२९ सिं४९।१९
३	मं	५१	९	म	४८	२७	व्य	२९	४०	तै	२२	२४	४२	१६	४४	२४	२	१ सिंहे
४	बु	५०	३२	पू	४९	१४	व	२५	४६	व	२०	५०	४०	१६	४४	२५	३	२ सिंहे
५	गु	५१	५३	उ	५२	९	प	२३	२९	ब	२१	१२	३७	१७	४३	२६	४	३ क.४।५८
६	शु	५५	५	ह	५६	५३	शि	२२	५९	कौ	२३	२९	३५	१७	४३	२७	५	४ कन्यायां
७	श	५९	५१	चि	६०	०	सि	२३	१९	ग	२७	२८	३२	१८	४२	२८	६	५ तु. २९।५९
८	र	६०	०	चि	३	४३	सा	२५	१०	वि	३२	४२	२९	१८	४२	२९	७	६ तुलायां
८	चं	५	३४	स्वा	१०	५	शु	२७	६	ब	५	३४	२६	१९	४१	३०	८	७ तुलायां
९	मं	११	५२	वि	१७	४३	शु	२९	४३	कौ	११	५२	२४	१९	४१	३१	९	८ वृ. ०।४८
१०	बु	१७	५३	अ	२५	११	ज्ये	३२	१०	ग	१७	५३	२१	२०	४०	१	१०	९ बृश्चिके
११	गु	२३	३०	ज्ये	३२	१६	ऐं	३४	४	वि	२३	३०	१८	२०	४०	२	११	१० ध. ३२।१६
१२	शु	२८	२	मू	३७	५६	वै	३५	१२	बा	२८	२	१५	२१	३९	३	१२	११ धनुषि
१३	श	३१	१५	पू	४२	३४	वि	३५	२२	तै	३१	१५	१२	२२	३८	४	१३	१२ म.५८।२२
१४	र	३२	५५	उ	४५	४९	प्री	३४	१६	ग	२	५	९	२२	३८	५	१४	१३ मकरे
१५	चं	३३	१६	ह	४७	४१	आ	३२	१४	वि	३	५	६	२३	३७	६	१५	१४ मकरे

चन्द्रदर्शनम् रा.श्रावणारंभः सिंधारा
भरण्यां भौमः २९ तीज मोहोरम १ *
भ.३०उ.५०३२या. मघासिंहेबुधः२६/३३वरद४
नाग पंचमी उपाकर्म:
उदयं गुरोः ४५।३६ (उ गु.)
भ. ५९।५१ उ. *सन १४११ हि.
भ. ३२।४२ या.
+श्रवणे१राहुः पुष्य२केतुः५७/४३ प्रदोषः
पुन. शुक्रः ३३।४
भ. ५०।४१ उ. अगस्त ८ ता. ३१
भ.३३०या.आश्ले.रविः५५/५४ पवित्रा ११ब्र
आश्ले.रविः सौरः२७/७ पूफा बुधः२७/३७+
पुष्ये. १ गुरुः ३९।१५
भ. ३२/५५ उ. वक्री पूषा. ४ शनिः ४७/४५
भ. ३/५ या. रक्षाबं. ग्रस्तोदयं चन्द्र ग्र.

१६पं.श्रा.शु.६शु.इ.५३।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	३	२	८	५	३
१०	१५	४	१	१५	१७	१३	१०
५२	४८	२	३६	३७	१६	४२	२५
१९	४	२६	४७	८	१	२९	९
५७	३७	१०	१३	७३	२४	३	५७
२०	२३	५१	३२	३७	ब	११	५

गोचरग्रहाः

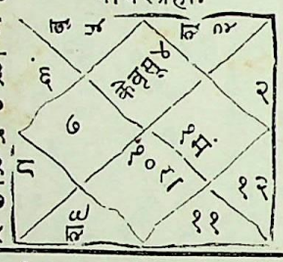

मिथुने च यदाशुक्रो महर्घं तत्र जायते। यवगोधूम चणकाः शालिश्चैव विशेषतः ।। घटा बढ़ी के साथ तेजी हो।

गोचरग्रहाः

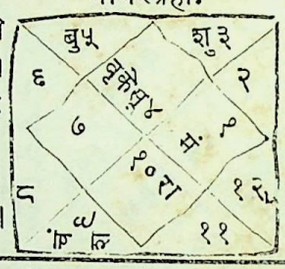

१७पं.श्रा.शु.१२शु.इ.५३/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	३	२	८	९	३
१७	२०	१३	३	२४	२६	१३	१७
३४	१०	५१	९	६	४७	२०	४
१	२६	२९	४३	२२	५३	१४	५७
५७	३६	७३	१३	७३	४/८	३	५७
२५	५९	३१	२६	५०	ब	११	१२

ति. भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं.२०४७ शाकः१९१२ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृ. महाराष्ट्रा

१	मं	३२	९	ध	४८	१६	सौ	२९	१०	बा	२	४२	३३/३५	२३/३७	५/३६	७	१६	१५ कुं १७।५९
२	बु	३०	१०	श	४७	४६	शो	२५	५	तै	१	१०	०	२४	३६	८	१७	१६ कुम्भे
३	गु	२६	५५	पू	४६	२८	अ	२०	१९	वि	२६	५५	३२/५६	२५	३५	९	१८	१७ मी ३१।४७
४	शु	२३	१२	उ	४४	२६	सु	१४	५६	बा	२३	१२	५३	२५	३५	१०	१९	१८ मीने
५	श	१८	५६	रे	४२	१	धृ	८	५०	तै	१८	५६	५०	२६	३४	११	२०	१९ मे ४२।१
६	र	१४	२६	अ	३९	१०	शू	३७/३	५३/२८	व	१४	२६	४७	२७	३३	१२	२१	२० मेषे
७	चं	९	३१	भ	३६	५	वृ	४९	२०	ब	९	३१	४३	२७	३३	१३	२२	२१ वृ. ५०।१६
८	मं	४	२२	कृ	३२	४६	ध्रु	४२	२४	कौ	४	२२	४८	२८	३२	१४	२३	२२ बृषे
९	मं	५५	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	९	०	० ०
१०	बु	५३	१६	रो	२९	१७	व्या	३५	९	व	२६	३७	३६	२९	३१	१५	२४	२३ मि५७।१८
११	गु	४७	२०	मृ	२५	२०	ह	२७	५०	ब	२०	१८	३२	२९	३१	१६	२५	२४ मिथुने
१२	शु	४१	३४	आ	२१	४३	व	२०	२८	कौ	१४	२७	२९	३०	३०	१७	२६	२५ मिथुने
१३	श	३६	१४	पु	१८	७	सि	१३	१२	ग	८	५४	२६	३१	२९	१८	२७	२६ क ४।१
१४	र	३१	२९	पु	१५	५	व्य	६	२५	वि	३	५१	२२	३२	२८	१९	२८	२७ कर्के
३०	चं	२७	४९	श्ले	१२	३८	व	०/१९	५४/४३	ना	२७	४९	१९	३२	२८	२०	२९	२८ सिं १२।३८

भ. ५८।३२ उ. कर्के शुक्रः ४५।२७
भ. २६।५५ या. चतुर्थी ब्र.

पुष्ये शुक्रः ३३।२६ चन्द्रषष्टी
भ. १४।२६ उ. ४१।५९ या.
जन्माष्टमी ब्र. स्मा.
कृत्ति.भौमः४५/४० जन्माष्टमी ब्र.वै. गोगाद
*कुशाग्रहणी सोमवती
भ. २६।३७ उ. ५३।१६ या.
मघा.सिंहेऽर्कः५४/९०उफ.बुधः१९/९९ अजा११ब्र.
मघा सिंहेऽर्कःसौरः२३।३४ वत्स द्वादशी
भ. ३६।१४ उ. प्रदोषः
भ. ३।५१ या
बृषे भौमः ३८।३६ पुष्ये.२गुरुः ३।२२*

१८पं.भा कृ.४शु.इ.५३।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	३	३	८	९	३
२४	२४	२०	४	२	२६	१२	२३
१६	२४	५८	४१	३७	२०	५७	४६
२६	२२	४८	२४	२३	६	५८	४
५७	३५	५३	१३	७३	४९/३	३	५७
३३	२२	५७	२०	५६	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

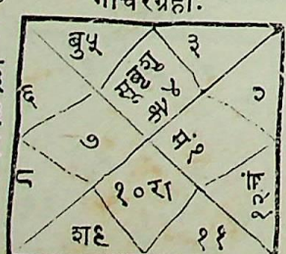

भा. कृ. ११ गुरौ सिंहेऽर्कः प्र. वा. ४न.५ गतालका वस्था(ऊभी) मु. ५५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वयाम्।

गोचरग्रहाः

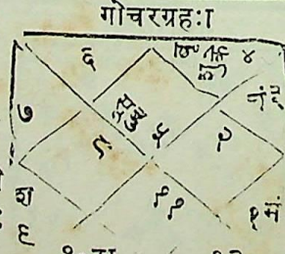

१९पं.भा.कृ.१२शु.इ.५३।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	३	३	८	९	४
०	२८	२७	६	११	२५	१२	०
५९	२६	२२	११	१०	५६	३५	२८
४९	१०	५९	२८	१	३८	४२	१७
५७	३४	२७	१३	७४	२३/३	३	५७
४०	०	३७	८	२	ब	११	३४

तिः भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं.२०४७ शाकः १९१२ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६३४७स.१९९०

१	मं	२५	३३	म	११	४०	शि	५०	५६	ब	२५	३३	३३	५	६	२१	३०	२९	सिंहे				
२	बु	२४	५०	पू	१२	२२	सि	४७	५६	कौ	२४	५०	११	३४	२६	२२	३१	३०	क.२७।५३	आश्ले.शुक्रः २३।१० चन्द्रदर्शनम्			
३	गु	२५	४८	उ	१४	२९	सा	४६	४१	ग	२५	४८	८	२४	२६	२३	१	१	कन्यायां	भ. ५६।४ उ. वक्रीबुधः५१।३५ रा.÷			
४	शु	२६	२०	ह	१८	१३	शु	४६	४	वि	२६	२०	४	३५	२५	२४	२	२	तु.५०।५३	भ. २६।२०या. गणेश ४			
५	श	३२	५२	चि	२३	३३	शु	४७	३	बा	३२	५२	०	३६	२४	२५	३	३	तुलायां	ऋषि पंचमी			
६	र	३८	११	स्वा	२९	३८	ब	४८	५४	कौ	५	३१	३५	३७	२३	२६	४	४	तुलायां	÷भाद्रपदारंभः हरितालिका३ सफर२			
७	चं	४४	२५	वि	३७	१७	ऐं	५१	११	ग	११	१८	५२	३८	२२	२७	५	५	वृ.२०।२२	भ. ४४।२५ उ.			
८	मं	५०	३६	अ	४५	८	वै	५३	३५	वि	१७	३०	४८	३८	२२	२८	६	६	वृश्चिके	भ. १७।३०या.			
९	बु	५६	२४	ज्ये	५२	१७	वि	५५	५१	बा	२३	३०	४४	३९	२१	२९	७	७	व.५२।१७	*पश्चिमायां३४।३२			
१०	गु	६०	०	मू	५८	४९	श्री	५७	३१	तै	२८	३६	४०	४०	२०	३०	८	८	धनुषि	पूफा. रविः ४०/२९ रामदेवजी का मेला			
१०	शु	१	९	पू	६०	०	आ	५८	१	ग	१	९	३६	४१	१९	३१	९	९	धनुषि	भ.५३/७उ.पूफा.रविःसौरः१४/२९ बुधास्तः*			
११	श	४	४५	पू	३	४४	सो	५७	१८	वि	४	४५	३२	४२	१८	१	१०	१०	म. १९।४१	भ.४५/५या वक्रीपूफा.बुधः१९/२९सितबंरर्ष९×			
१२	र	६	२५	उ	७	२६	शो	५५	१६	बा	६	२५	२८	४२	१८	२	११	११	मकरे	मघा सिंहे शुक्रः१२।४४ प्रदोषः			
१३	चं	७	३१	श्र	९	२६	अ	५१	५१	तै	७	३१	२५	४३	१७	३	१२	१२	कु.३९।१९	×ता.३० जलझूलनी ११ ब्र.			
१४	मं	४	४२	ध	९	२२	सु	४७	९	ध	४	४२	२१	४४	१६	४	१३	१३	कुम्भे	भ.४५/५उ.३३/५या. अनन्त१४महालयश्रा.			
१५	बु	१	२८	श	८	१	धृ	४१	१३	ब	१	२८	१७	४५	१५	५	१४	१४	मी५१।११	पुष्ये. ३ गुरुः ३२ ३२			

२०पं.भा.शु.४शु.इ.५२।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	३	३	८	९	४
७	२	२९	७	१९	२५	१२	७
४४	१५	५०	३९	४४	३६	१३	११
१७	४३	२४	५८	४६	७	२७	४८
५७	३२	४३/४४	१२	७४	४७	३	५७
४९	५८	ब	४७	४	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

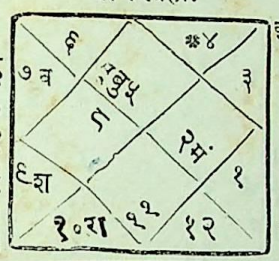

इस मासमें कहींवर्षा अधिक कहीं कम होगी। कर्केगुरौ अनावृष्टि देशभंगो महर्घता। फर्कका गुरु नेष्ट फल करे।

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.शु.१०शु.इ.५२/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	३	३	८	९	४
१४	५	२६	९	२८	२५	११	१३
२९	५२	५८	५	२१	१९	५१	५७
५६	५	२६	२४	०	१२	११	०
५८	३१	४५/५३	१२	७४	१०/२	३	५७
१	२४	ब	२०	१४	ब	११	५७

तिः आश्विन कृष्ण पक्षः सं.२०४७ शाकः १९१२ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्र. कृ. महाराष्ट्राः

१	बु	५५	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०				
२	गु	५१	३८	पू	५	३४	शू	३४	४३	तै	२४	१६	३१/३३	४५	१५	६	१५	१५	मीने				
३	शु	४५	३७	उ	५०/१	५६/७	गं	२७	२६	व	१८	३७	९	४६	१४	७	१६	१६	मे.५८।२	भ. १८।३७ उ. ४५।३७ या.			
४	श	३९	३२	अ	५३	५४	बृ	१९	५१	ब	१२	३४	५	४७	१३	८	१७	१७	मेषे	चतुर्थी व्र.			
५	र	३३	२५	भ	४९	२८	धु	१२	१२	कौ	६	२८	१	४८	१२	९	१८	१८	मेषे	रोहि. भौमः ३२।५			
६	चं	२७	४६	कृ	४५	५७	व्या	४२/४३	५२/३२	ग	०	३५	३०/५७	४९	११	१०	१९	१९	वृ.३।३५	भ. २७।४६ उ. ५५।७ या.			
७	मं	२२	२७	रो	४२	३१	व	४९	५७	ब	२२	२७	५३	४९	११	११	२०	२०	वृषे				
८	बु	१७	१५	मृ	३९	१३	सि	४३	८	कौ	१७	१५	४८	५०	१०	१२	२१	२१	मि१०।५२				
९	गु	१२	३४	आ	३६	४३	व्य	३६	४३	ग	१२	३४	४४	५१	९	१३	२२	२२	मिथुने	भ.४२/२उ. उफा. रविः ३४/४९ (सौरः५९/४)*			
१०	शु	८	११	पु	३४	३५	व	३०	३७	वि	८	११	४०	५२	८	१४	२३	२३	क.२०।७	भ. ८।११ या. *पूफा. शुक्रः ४८			
११	श	४	३०	पु	३२	५	प	२४	५५	बा	४	३०	३६	५३	७	१५	२४	२४	कर्के	बुधोदयः पूर्वस्याम् ३४/५९ इंदिरा ११ ब्र.			
१२	रे	१	२९	श्ले	३१	५३	शि	१९	५२	तै	१	२९	३२	५४	६	१६	२५	२५	सि३१।५३	भ.५९।१८उ.कन्यायामर्कः५०।७ प्रदोषः			
१३	र	५७	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×२४।१५ मार्गी बुधः ३२।५४			
१४	चं	५८	१६	म	३१	४९	सि	१५	३१	वि	२८	४७	२८	५४	६	१७	२६	२६	सिंहे	भ. २८।४७ या कन्यायामर्कः सौरः×			
१५	मं	५८	२२	पू	३३	४	सा	१२	२	च	२८	१९	२४	५५	५	१८	२७	२७	क.४८।४०	सर्वपितृश्राद्धम्			

२२पं.आ.कृ.३शु.इ ५२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	३	४	८	९	४
२१	९	२१	१०	६	२५	११	२०
१६	१३	५३	२८	५९	६	२८	४३
५५	३५	२	५	२८	५४	५६	४०
५८	२७	९/३०	१२	७४	३/९	३	५८
१३	५९	ब	२	२०	ब्र	११	१२

गोचरग्रहाः

आ. कृ. १२रवौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न. ५ प्रग. ल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

२३पं.आ.कृ.१०शु.इ.५२/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	३	४	८	९	४
२८	१२	१६	११	१५	२५	११	२७
५	१७	१४	४७	३८	५९	६	३२
२४	४२	२०	२८	२८	२४	४०	१
५८	२६	५८/५९	११	७४	४०	३	५८
२६	१९	ब्र	२५	२६	ब	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*.वृ.शु.के.

CC-0. Gurukul Kangri University

ति. आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षि. ऽहर्गणः स. ६३७६ स १९९०

१	बु	५९	४७	उ	३५	२८	शु	९	२५	कं	२९	४	३०	५६	६४	१९	२८	२८	कन्यायां
२	गु	६०	०	ह	३९	२२	शु	८	६	वा	३१	४५	१६	५७	३	२०	२९	२९	कन्यायां
३	शु	३	४३	चि	४३	५६	व	७	१७	कौ	३	४३	१२	५८	२	२१	३०	१	तु. ११।३९
४	श	७	३	स्वा	५०	२०	ऐं	७	५८	ग	७	३	८	५८	२	२२	३१	२	तुलायां
५	र	१२	२०	वि	५७	११	वै	९	७	वि	१२	२०	४	५९	१	२३	१	३	वृ. ४०।२८
६	चं	१८	३१	अ	६०	०	वि	११	५	वा	१८	३१	३००	६०	६०	२४	२	४	बृश्चिके
७	मं	२४	५२	अ	४	५०	ग्री	१३	४१	तै	२४	५२	२९९	६१	५९	२५	३	५	बृश्चिके
८	बु	३१	०	ज्ये	१२	२०	आ	१५	५५	व	३१	०	५१	२	५८	२६	४	६	ध. १२।२०
८	गु	३६	२८	मू	१९	३२	सौ	१८	११	वि	३	४४	४७	३	५७	२७	५	७	धनुषि
९	शु	४०	३२	पू	२५	२९	शो	१९	११	वा	८	३०	४३	३	५७	२८	६	८	म. ४१।३८
१०	श	४३	४	उ	३०	६	अ	१९	३०	तै	११	४८	३८	४	५६	२९	७	९	मकरे
११	र	४३	४२	श्र	३२	५४	सु	१८	२३	व	१३	२३	३४	५	५५	३०	८	१०	मकरे
१२	चं	४२	११	ध	३३	४७	धृ	१५	३७	ब	१२	५६	३०	६	५४	१	९	११	कु. ३।२०
१३	म	३८	५१	श	३२	३५	शु	११	१९	कौ	१०	३१	२६	७	५३	२	१०	१२	कुम्भे
१४	बु	३३	३८	पू	२९	४६	गं	२५७	५२०	ग	६	१५	२२	८	५२	३	११	१३	मी १५।२८
१५	गु	२७	१३	उ	२५	२३	ध्रु	५०	७	वि	०	२५	१८	८	५२	४	१२	१४	मीने

मातामह श्रा. नवरात्रारंभः
चंद्रदर्शनम् *रा. आश्विनारंभः
रविलावल ३
भ. ३९।४१ उ. मार्गी शनिः ५१।४०
भ. १२०या. उफा. शुक्रः ४४३० पुष्य. ४ गुरुः २३५४ *

+बुधास्तः पू. ५७।७ शरद १५ वै.
भ. ३१०उ. कन्यायां शुक्रः २५० सरस्वत्यावाहनं
भ. ३।४४या. हस्ते रविः १३३ (सौरः ३६४५)
सरस्वती पूजनं बलिदानं
उफा. बुधः ५७३४ विजया १० सरस्वती वि.
भ १३।२३उ. ४३।४२या. पापांकुशा ११ व्र.
अक्टूबर १० ता. ३१
कन्यायां बुधः ११।१९ प्रदोषः
भ. ३३।३८उ. कोजागरीव्र. शरद १५ स्मा.
भ. ० २५ या. हस्ते शुक्रः २७।० +

२४ पं. आ. शु. २ शु. इ. ५२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	४	३	४	८	९	५
४	१४	१७	१३	२४	२४	१०	४
५५	५५	२८	३	१९	५६	४४	२२
१९	५९	२६	२२	३७	१०	२४	८
५८	२३	४६ ४७	१०	७४	० ९	३	५८
३८	३५	मा	५३	२६	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

वृषराशिका मंगल मंदीको रोकेगा। वृषराशौयदाभौम सर्वधान्यमहर्घता। चंदनंकुंकुमं वस्त्रं कार्पासादिमहर्घता॥

गोचरग्रहाः

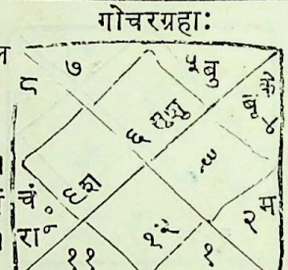

२५ पं. आ. शु. ९ शु. इ. ५२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	४	३	५	८	९	५
११	१७	२५	१४	३	२४	१०	११
४६	८	२	१३	२	५८	२२	१४
५५	४२	१०	५९	३१	५	९	१०
५८	१९	८९	१०	७४	४०	३	५९
५३	४७	४३	१०	२६	मा	११	०

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०४७ शाकः १९१२ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	१९	४३	रे	२०	३	व्या	४१	१५	कौ	१९	४३	२९ १४	९	५१	५	१३	१५	मे. २०।३
२	श	१२	४	अ	१४	११	ह	३१	५९	ग	१२	४	१०	१०	५०	६	१४	१६	मेषे
३	र	४	२	भ	८	१४	व	२२	३७	वि	४	२	६	११	४९	७	१५	१७	वृ. २१।५१
४	र	५२	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	चं	४९	४३	कु	४०	५४ ५९	सि	१३	४५	कौ	२३	७	२	१२	४८	८	१६	१८	वृषे
६	मं	४३	४०	मृ	५३	२३	व्य	५७	५३ ७	ग	१६	४१	२५ ८	१२	४८	९	१७	१९	मि २५।३१
७	बु	३८	३५	आ	५०	४	प	५०	१	वि	११	७	५४	१३	४७	१०	१८	२०	मिथुने
८	गु	३४	२५	पु	४७	५५	शि	४३	५६	वा	६	३०	५०	१४	४६	११	१९	२१	क. ३३।२७
९	शु	३१	२९	पु	४६	४६	सि	३८	२९	तै	२	५७	४६	१५	४५	१२	२०	२२	कर्के
१०	श	२९	३०	श्ले	४६	४३	सा	३४	६	व	०	२९	४२	१६	४४	१३	२१	२३	सिं ४६।४३
११	र	२८	४१	म	४७	३६	शु	३०	१९	वा	२८	४१	३८	१६	४४	१४	२२	२४	सिंहे
१२	चं	२९	२	पू	४९	४८	शु	२७	३१	तै	२९	२	३४	१७	४३	१५	२३	२५	सिंहे
१३	मं	३०	२०	उ	५२	५६	व्र	२५	३५	व	३०	२०	३०	१८	४२	१६	२४	२६	क. ५।३५
१४	बु	३२	५३	ह	५७	९	ऐं	२४	४२	वि	१	३६	२६	१९	४१	१७	२५	२७	कन्यायां
३०	गु	३६	३१	चि	६०	०	वै	२४	३१	च	४	४२	२२	२०	४०	१८	२६	२८	तु. २९।४३

चित्रा. बुधः २५४८ चित्रा. शुक्रः ४७६ आश्ले. *
भ. ३०।२० उ. प्रदोषः धन १३
भ. ३ १९ या. तुलायामर्कः १९० सौरः ५९० रूप १४
महालक्ष्मी पूजनम्

२६ पं. का. कृ. १ शु. इ. ५१।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	३	५	८	९	५
१८	१८	६	१५	११	२५	९	१८
४०	५२	२०	१९	४५	४	५९	७
८	३७	२५	२३	३२	३०	५३	५७
५९	१६	०	९	७४	१	३	५९
९	१३	२४	२६	३२	२६	११	१६

गोचरग्रहाः

का. कृ. १४ बुधे तुलायामर्कः प्र. वा. ४ नं. ४ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रा. पू.

गोचरग्रहाः

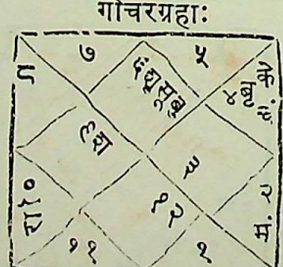

२७ पं. का. कृ. ९ शु. इ. ५१।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	३	५	८	९	५
२५	२०	१८	१६	२०	२५	९	२५
२५	२	२७	१९	३१	१५	३७	३
३६	२	५६	२५	५५	२२	३८	३९
५९	१०	०	८	७४	२	३	५९
२१	२६	५९	२५	३२	६	११	३१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०४७ शाकः१९१२ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६४०६सं.१९९०

१	शु	४१	७	चि	२	१७	वि	२४	४९	किं	८	४९	२६	६	५	१९	२७	२९	तुलायां	तुलायां बुधः २०।७ अन्नकूट गोव. पूजा
२	श	४६	३८	स्वा	८	४१	मी	२६	२२	बा	१३	५२	१४	२१	३९	२०	२८	३०	वृ.५८।४०	तुलायः शुक्रः २७।२७ चंद्र द. भ्रातृ २
३	र	५२	५५	वि	१५	२०	आ	२८	९	तै	१९	४६	१०	२२	३८	२१	२९	१	वृश्चिके	रविलाखर ४
४	चं	५९	२६	अ	२२	५८	सौ	३०	१९	व	२६	५	६	२३	३७	२२	३०	२	वृश्चिके	भ. २६।५ उ. ५९।२६ या.
५	मं	६०	०	ज्ये	३०	३४	शो	३२	५०	ब	३३	६	२	२४	३६	२३	१	३	ध.३०।३४	स्वात्यां बुधः ८।३७ रा.कार्तिकारंभः
५	बु	५	४७	मू	३८	४३	अ	३५	२२	बा	५	४७	२७	२४	३६	२४	२	४	धनुषि	स्वात्यां रविः १।२ (सौरः ३१।२)
६	गु	११	४३	पू	४४	५९	सु	३७	११	तै	११	४३	५४	२५	३५	२५	३	५	धनुषि	स्वात्यां शुक्रः ४५।४३
७	शु	१६	२२	उ	५०	४०	धृ	३८	२	व	१६	२२	५०	२६	३४	२६	४	६	म.१।२४	भ. १६।२२ उ. ४८।१२ या.
८	श	२०	२	अ	५४	४७	शू	३८	९	ब	२०	३	४६	२७	३३	२७	५	७	मकरे	वक्री भौमः ४०।४२ गोपाष्टमी
९	र	२१	५१	ध	५७	१३	गं	३६	३७	कौ	२१	५१	४२	२८	३२	२८	६	८	कु.२६।०	अक्षय ९
१०	चं	२१	३४	श	५७	२६	वृ	३३	३७	ग	२१	३४	३९	२८	३२	२९	७	९	कुम्भे	भ. ५०।२३ उ.
११	मं	१९	१३	पू	५५	४६	ध्रु	२८	५१	वि	१९	१३	३५	२९	३१	३०	८	१०	मी४१।११	भ.१९।१३या. प्रबोधिनी११व्र.तुलसीवि.
१२	बु	१४	४७	उ	५२	१४	व्या	२२	३५	बा	१४	४७	३१	३०	३०	३१	९	११	मीने	विशा. बुधः ३१।३४ प्रदोषः
१३	शु	८	३४	रे	४६	५५	ह	१४	४४	तै	८	३४	२७	३१	२९	१	१०	१२	मे.४६।५५	नवम्बर ११ ता ३० वैकुंठ १४
१४	शु	०	४७	अ	४०	२९	व	३७	५०	व	०	४७	२४	३१	२९	२	११	१३	मेषे	भ. ०।४७ उ. २६।२९ या.
१५	शु	५१	२३		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०		

२८पं.का शु.१शु.इ.५१।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	३	५	८	९	६
२	२०	०	१७	२९	२५	९	२
३१	३५	५५	१४	१५	३१	१५	१
३४	१०	८	६	२९	८	२२	७
५९	७	०९	७	७४	२	३	५९
३४	१४	०२	३४	३२	४७	११	४९

२९पं.का.शु.७शु.इ.५१।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	६	३	६	८	९	६
९	२०	१२	१८	८	२५	८	९
२९	२२	३५	०	१	५१	५३	०
४९	८	४२	४	४४	११	६	२७
५९	०	०९	६	७४	३	३	६०
४७	४०	५३	३७	३५	२७	११	२

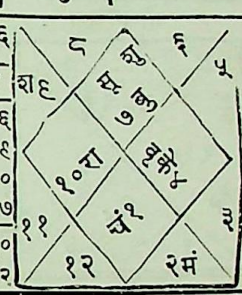

३०पं.का.शु.१४शु.इ. ५१/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	३	६	८	९	६
१६	१९	२३	१८	१६	२६	८	१६
२९	२६	५१	३९	४८	१६	३०	१
३८	२	११	३६	७	३०	५१	३१
६०	५९	९९	५	७४	४	३	६०
४	४	१८	२४	३७	८	११	१८

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०४७ शाकः१९१२ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृ. महाराष्ट्राः

१	श	४२	५९	भ	३३	२१	व्य	४५	१६	वा	१७	३५	२७	६	५	३	१२	१४	बृ.४६।३१	
२	र	३३	४४	कृ	२६	०	ब	३४	४१	तै	८	२१	१६	३३	२७	४	१३	१५	वृषे	भ. ५९।२० उ.
३	चं	२४	५७	रो	१८	५४	प	२४	१३	वि	२४	५७	१३	३३	२७	५	१४	१६	मि४५।४४	भ. २४ या. विशा. शुक्रः २५ चं. ब्र.
४	मं	१६	५६	मृ	१२	३४	शि	१४	३५	बा	१६	५६	९	३४	२६	६	१५	१७	मिथुने	विशा.रविः २१ सौरः ४८ वृश्चिके बुधः ५२
५	बु	१०	२६	आ	७	२१	सि	३४	५३	तै	१०	२६	६	३५	२५	७	१६	१८	क.४९।३१	
६	शु	५	२	पु	३	३३	शु	५१	१७	व	५	२	२	३६	२४	८	१७	१९	कर्के	भ. ५।२ उ. ३३।११ या. अनु. बुधः *
७	शु	१	२०	पु	१	२३	शु	४६	४	ब	१	२०	२९	३६	२४	९	१८	२०	कर्के	*५७।२५ उषा. १ शनिः४३।९
८	शु	५७	५४	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	श	५८	३८	श्ले	०	४७	व्र	४२	६	तै	२८	५६	५६	३७	२३	१०	१९	२१	सिं०।४७	
१०	र	५९	४०	म	१	२९	ऐं	३९	११	व	२९	९	५३	३७	२३	११	२०	२२	सिंहे	भ. २९।९ उ. ५९।४० या.
११	चं	६०	०	पू	३	४८	वै	३७	३८	ब	३०	४८	४९	३८	२२	१२	२१	२३	क.१९।४५	बुधोदयः प.४७।३५ उत्पत्ति ११ व्र.स्मा.
११	मं	१	५६	उ	७	३७	वि	३७	४	बा	१	५६	४६	३९	२१	१३	२२	२४	कन्यायां	बृश्चिके शुक्रः २३।१८ उत्पत्ति ११ व्र.वै.
१२	बु	५	२२	ह	१२	२७	प्री	३७	२६	तै	५	२२	४३	३९	२१	१४	२३	२५	तु.४५।२२	प्रदोषः
१३	गु	९	५३	चि	१८	१८	आ	३८	१७	व	९	५३	४०	४०	२०	१५	२४	२६	तुलायां	भ.९।५३उ.४२।३२या.अनु.शुक्रः५८।५९
१४	शु	१५	११	स्वा	२४	५६	सौ	३९	५१	श	१५	११	३७	४१	१९	१६	२५	२७	तुलायां	बृश्चिकेऽर्कः १७।२७ (सौरः ४२।४८)
१५	श	२१	३	वि	३१	५२	शो	४१	३४	ना	२१	३	३१	४१	१९	१७	२६	२८	बृ.१५।८	ज्येष्ठा. बुधः ४२।५८

३१पं.मा.कृ.७शु इ.५१।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	७	३	६	८	९	६
२३	१७	४	१९	२५	२६	८	२३
३०	४८	४५	१०	३६	४५	८	४
५८	११	५०	५२	११	१८	३५	७
६०	२५	९६	४	७४	४	३	६०
१७	ब	१	१३	३८	४१	११	३०

गोचरग्रहाः

मार्ग कृ.१४शुक्रे बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.३ अतिबन्ध्यावस्था(सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शु. पू.

गोचरग्रहाः

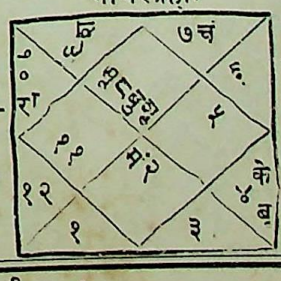

३२पं.मा.कृ.१४शु.इ ५०/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	३	७	८	९	७
०	१५	१५	१९	४	२७	७	०
३३	३८	२०	३२	२३	१६	४६	८
४७	१३	६	४२	४२	१	२०	११
६०	५५	९१	३	७४	५	३	६०
३०	ब	५८	१	३२	८	११	४०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०४७ शाकः १९१२ | दि. उ.अ. इ.रा. मु. चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६४३६स.१९९०

१	र	२७	२८	अ	३९	२२	अ	४३	४६	ब	२७	२८	३६/३१	६/४३	५/१८	१८	२७	२९	वृश्चिके	
२	चं	३३	५५	ज्ये	४६	५९	सु	४६	१३	बा	०	४१	२९	४२	१८	१९	२८	३०	ध.४६।५९	अनु. रविः ३५/४७ (सौरः ५६/३६) चन्द्रदर्शनम्
३	मं	४०	२२	मू	५४	३६	धृ	४८	३२	तै	७	८	२६	४३	१७	२०	२९	१	धनुषि	जमादिलावल ५
४	बु	४६	२२	पू	६०	०	शू	५०	२०	व	१३	२२	२४	४३	१७	२१	३०	२	धनुषि	भ. १३।२२ उ. ४६।२२ या.
५	गु	५१	३२	पू	१	३३	गं	५१	५३	ब	१८	५७	२१	४४	१६	२२	१	३	म.१८।८	रा. मार्गशीर्षारंभः
६	शु	५५	३७	उ	७	५३	वृ	५२	३५	कौ	२३	३४	१९	४४	१६	२३	२	४	मकरे	चम्पा ६
७	श	५८	३१	श्र	१३	८	धु	५२	१६	ग	२७	४	१६	४५	१५	२४	३	५	कु.४५।१	भ. ५८।३१ उ.
८	र	५९	२९	ध	१६	५३	व्या	५०	३१	वि	२९	०	१३	४५	१५	२५	४	६	कुम्भे	भ. २९।० या.
९	चं	५८	४३	श	१८	५८	ह	४७	२३	बा	२९	६	११	४६	१४	२६	५	७	कुम्भे	मूले धनुषि बुधः ५९/२ ज्येष्ठा. शुक्रः ३८/४४
१०	मं	५५	५०	पू	१९	१०	व	४२	४०	तै	२७	११	८	४६	१४	२७	६	८	मी४।७	×वक्री गुरुः ३२/६ दत्तजदन्ती
११	बु	५१	३	उ	१७	२६	सिं	३६	२९	व	२३	२६	६	४७	१३	२८	७	९	मीने	भ.२३/६ उ.५१/३ या. मोक्षदा ११ ब्र. स्मा.*
१२	गु	४४	५०	रे	१३	३७	व्य	२८	३७	ब	१७	४१	३	४७	१३	२९	८	१०	मे.१३।३७	मोक्षदा ११ ब्र. वै. *गीता जयंती
१३	शु	३६	३१	अ	८	२२	व	१८	३३	कौ	१०	२५	१	४८	१२	३०	९	११	मेषे	प्रदोषः +दिसम्बर १२ ता. ३१
१४	श	२७	१६	भ	४०/१५	५२/३१	प	१९/४९	४९/११	ग	१	५३	२५/५९	४८	१२	१	१०	१२	वृ.१४।४८	भ. २७/१९ उ. ५२/२४ या. शुक्रोदयः प. ४९/१२+
१५	र	१७	३२	रो	४६	११	शि	४७	२०	ब	१७	३२	५७	४९	११	२	११	१३	वृषे	ज्येष्ठा. रविः ४५/५७ वक्री कृति भौमः ५/६×

३३पं.मा.शु.६शु.इ.५०।३७ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	३	७	८	९	७
७	१३	२५	१९	१३	२७	७	७
३७	५	३०	४५	११	५३	२४	१३
३७	३५	५४	५८	१०	६	४	४४
६०	१९/१९	८५	१	७४	५	३	६०
४२	व	४२	३१	३२	३६	११	५३

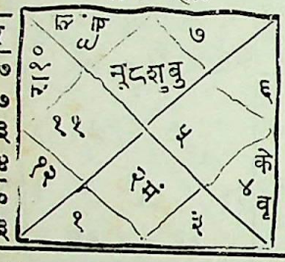

इस मास में भौम वक्री रुईसणसूत सोना चांदी मूंग फलीएरंडाबिनौला धान्य गल्ला आदि में तेज करेगा।

गचोरग्रहाः

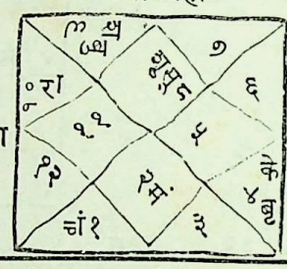

३४पं.मा.शु.१३शु.इ.५०।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	८	३	७	८	९	७
१४	१०	५	१९	२१	२८	७	१४
४२	२५	०	४९	५९	३२	१	२०
५४	४८	७	३०	२८	३५	४८	३०
६०	२०/४३	७५	०	७४	६	३	६१
५०	ब	४०	२३	३२	४	११	३

ति. पौष कृष्णपक्षः सं० २०४७ शाकः १९१२ | दि. उ.अ. इं.रा. मु. चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महा

१	चं	७	४२	मृ	३८	१६	सा	३६	१६	कौ	७	४२	२५/५५	६/४९	५/११	३	१२	१४	मि १२।१३	ज्येष्ठा. रविः सौरः ७।३६
२	चं	५०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	७	०	०	०	०	
३	मं	४९	४७	आ	३१	१०	शु	२५	३८	व	२३	५१	५३	४९	११	४	१३	१५	मिथुने	भ. २३।५१ उ. ४९।४७ या.
४	बु	४२	३५	पु	२५	१८	शु	१५	५८	ब	१६	११	५१	५०	१०	५	१४	१६	क.११।४६	चतुर्थी ब्र.
५	गु	३७	२१	पु	२०	५८	व्र	७	३१	कौ	९	५८	४९	५०	१०	६	१५	१७	कर्के	
६	शु	३३	५२	श्ले	१७	२४	ऐं	३४/०	५४/३१	ग	५	३६	४८	५०	१०	७	१६	१८	सिं १७।२४	भ.३३/५२ उ. मूले धनुषि शुक्रः १२/२१ उषा.३*
७	श	३२	३०	म	१७	४४	वि	५१	१७	वि	३	११	४६	५१	९	८	१७	१९	सिंहे	भ. ३।११ या. पूषा. बुधः १४।४९
८	र	३३	२	पू	१९	८	त्री	४८	५०	बा	२	४६	४५	५१	९	९	१८	२०	क.३४।५८	*राहुः पुष्ये. १ केतुः ४१/४४
९	चं	३५	१७	उ	२२	२६	आ	४७	४९	तै	४	१०	४४	५१	९	१०	१९	२१	कन्यायां	
१०	मं	३९	४	ह	२७	२	सौ	४८	१८	व	७	१०	४२	५२	८	११	२०	२२	कन्यायां	भ. ७।१० उ. ३९।४ या.
११	बु	४४	५	चि	३३	८	शो	४९	१०	ब	११	३४	४१	५२	८	१२	२१	२३	तु. ०।५	सफला ११ ब्र.
१२	गु	४९	५५	स्वा	४०	११	अ	५०	५०	कौ	१७	०	४०	५२	८	१३	२२	२४	तुलायां	+मकरे शनिः १२।५०
१३	शु	५६	१३	वि	४७	२६	सु	५३	३३	ग	२३	४	३९	५२	८	१४	२३	२५	वृ.३०।३८	भ.५६।१३उ. वक्री बुधः ४८।९ प्रदोषः
१४	श	६०	०	अ	५५	१	धृ	५५	१५	वि	२९	३०	३८	५२	८	१५	२४	२६	वृश्चिके	भ. २९/३० या. मूले धनुष्यर्कः ५३/५९ उषा.२+
१४	र	२	४७	ज्ये	६०	०	शू	५७	२८	श	२	४७	३८	५२	८	१६	२५	२७	वृश्चिके	मूले धनुष्यर्कः सौरः ११।२०
३०	चं	९	९	ज्ये	२	३२	गं	५९	३५	ना	९	८	३७	५३	७	१७	२६	२८	ध.२।३२	पूषा. शुक्रः ५१।१९ सोमवती ३०

३५पं.पौ.कृ.६शु.इ.५०।१३ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	८	३	८	८	९	७
२१	८	१२	१९	०	२९	६	२१
४८	३	५७	४४	४६	१३	३९	२८
५८	२५	५०	१७	५९	२७	३३	१५
६०	२९/२५	५४	१/१२	७४	६	३	६१
५६	ब	४	ब	२६	२३	११	११

पौ.कृ. १४ शनौ धनुष्यर्कः प्र. वा. १ न. ३ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.

गोचरग्रहाः

३६पं.पौ.कृ.१३शु.इ.५०।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	८	३	८	८	९	७
२८	६	१६	१९	९	२९	६	२८
५५	१०	१७	२८	३५	५७	१७	३६
५२	३०	२	२३	६	२९	१७	५८
६१	१५/३३	१५/३७	२/३७	७४	६	३	६१
०	ब	ब	ब	२६	३७	११	१९

Digitized by S3 Foundation USA

ति. पौष शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः हिमंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणाः स ६४६६ स. १९९०

१	मं	१५	२३	मू	९	५०	वृ	६०	०	च	१५	२३	२५	५	५	१८	२७	२९
२	बु	२१	२	पू	१६	४४	वृ	१	२२	को	२१	२	३७	५३	७	१९	२८	३०
३	गु	२६	१	उ	२२	५४	धु	२	३५	ग	२६	१	३६	५३	७	२०	२९	१
४	शु	२९	५६	अ	२८	१८	व्या	३	५	वि	२९	५६	३६	५३	७	२१	३०	२
५	श	३२	५५	ध	३२	३२	ह	३	१	व	१	२५	३६	५३	७	२२	१	३
६	र	३४	२८	श	३५	२५	च	२	५	को	३	४१	३६	५३	७	२३	२	४
७	चं	३४	४२	पू	३७	४	सि	४	५६ ३८	ग	४	३५	३६	५३	७	२४	३	५
८	मं	३३	१०	उ	३७	१२	ल	५२	५	वि	३	५६	३७	५३	७	२५	४	६
९	बु	३०	११	रे	३५	३३	प	४५	५४	वा	१	४०	३७	५३	७	२६	५	७
१०	गु	२५	२०	अ	३२	२२	शि	३८	४१	ग	२५	२०	३७	५३	७	२७	६	८
११	शु	१९	१०	भ	२७	४०	सि	३०	३७	वि	१९	१०	३८	५२	८	२८	७	९
१२	श	११	३४	कृ	२१	३०	सा	२०	४६	वा	११	३४	३८	५२	८	२९	८	१०
१३	र	२	५९	ए	१४	२६	शु	१० २६	४९ १२	तै	२	५९	३९	५२	८	३०	९	११
१४	र	५०	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	चं	४४	३	मृ	६	५९	त्र	४८	३८	वि	१८	५०	४०	५२	८	३१	१०	१२

धनुषि म. ३३।१७ / मकरे भ. ५७/८ उ. वक्री मूलेबुधः ३३/३९ जमादिलाखर ६ / मकरे भ. २९।५६ या. / रा पौषारंभः / कुं०।२५ / कुम्भे / मी २१।३९ भ. ३४।४२ उ. / मीने भ. ३।५६ या. *पुत्रदा ११ ब्र. / मि. ३५।३३ / मेषे भ. ५२।१५ उ. / वृ. ४१।७ भ. १९/१० या. पूषा. रविः ५५ उषा. शुक्रः २५/२९* / वृषे पूषा. रविः सौरः १२।५८ प्रदोषः / मि ४०।४३ भ. ५३।३७ उ. बुधोदयः पूर्वस्यां २।४६ / ० +मकरे शुक्रः ६।५५ / मिथुने भ. १५०/१६ या. वक्री ज्येष्ठा. वृश्चिके बुधः १५०+

३७पं.पौ.शु.४शु.इ ४९।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	३	८	९	९	८
६	४	११	१९	१८	०	५	५
३	५०	२६	३	२२	४३	५५	४६
२९	३१	१७	३६	५९	३७	२	२३
६१	३२	२८	५५	७४	६	३	६१
४	बु	बु	बु	२६	५६	११	२२

गोचरग्रहाः

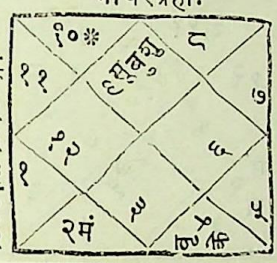

इस मासमें ५ सोम वारश्रेष्ट है। सोमस्यर्प चवाराः स्युः यत्रमासेभवन्तिहि। धनधान्यसमृद्धिश्च सुखंभवतिसर्वदा॥

गोचरग्रहाः

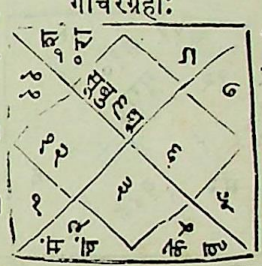

३८पं.पौ.शु.११शु.इ.४९/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	३	८	९	९	८
१३	४	२	१८	२७	१	५	१३
११	१३	४९	३०	१०	३१	३२	५६
३१	३०	५९	४	१	१	४६	१५
६१	४९/४	५९	२०	५	७४	७	३	६१
६	बु	ब	८	२०	५	११	२६

ति. माघ कृष्ण पक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	३४	५५	आ	९/१	५३/९१	ऐं	३८	११	बा	९	२९	३५/४०	५६/५२	५८	१	११	१३
२	बु	२६	४१	पु	४६	१५	वै	२८	१६	तै	०	४८	४१	५२	८	२	१२	१४
३	गु	२०	३७	श्लै	४१	५०	वि	१९	३७	वि	२०	३७	४२	५२	८	३	१३	१५
४	शु	१४	४५	म	३९	४	पी	१२	२८	बा	१४	४५	४३	५१	९	४	१४	१६
५	श	११	४९	पू	३८	५०	आ	६	४८	तै	११	४९	४४	५१	९	५	१५	१७
६	र	११	११	उ	४०	३४	सौ	२	५४	व	११	११	४६	५१	९	६	१६	१८
७	चं	१२	२३	ह	४४	१५	शो	०	४५	व	१२	२३	४७	५१	९	७	१७	१९
८	मं	१५	४०	चि	४९	२९	अ	०	२२	को	१५	४०	४९	५०	१०	८	१८	२०
९	बु	२०	२३	स्वा	५५	५९	सु	०	३६	ग	२०	२३	५१	५०	१०	९	१९	२१
१०	गु	२६	१५	वि	६०	०	धृ	२	१३	वि	२६	१५	५२	५०	१०	१०	२०	२२
११	शु	३२	४४	वि	२	२९	शू	४	२२	वा	३२	४४	५४	४९	११	११	२१	२३
१२	श	३९	२८	अ	१०	५९	गं	६	२९	को	६	६	५६	४९	११	१२	२२	२४
१३	र	४६	१	ज्ये	१९	३	वृ	८	५५	ग	१२	४४	५८	४८	१२	१३	२३	२५
१४	चं	५१	५१	मू	२६	८	ध्रु	११	०	वि	१८	५६	२६/१	४८	१२	१४	२४	२६
१०	म	५७	२	पू	३२	५२	व्या	१२	३३	च	२४	२६	३	४७	१३	१५	२५	२७

ध. १९।३ / बृश्चिके भ. ४६/१ उ उषा. ३ शनिः १७/४१ प्रदोषः / धनुषि भ १५६ या. मकरेऽर्कः १९/६३ (सौरः २९/५०)* / म. ४९।१७ *वक्री पुष्ये. ४ गुरुः ५२।५९

३९पं.मा.कृ.४शु.इ.४९।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	७	३	९	९	९	८
२०	४	२९	१७	५	२	५	२०
१९	१३	५६	४९	५६	१९	१०	६
२६	५५	४२	१६	४६	४८	१०	१२
६१	३०	२७	१९	७४	७	३	६१
६	मा	मा	बु	२०	१४	११	२६

गोचरग्रहाः

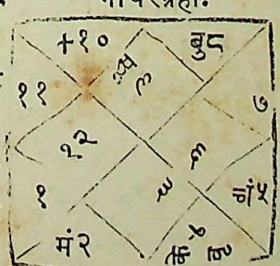

माघ कृ.१४ चंद्रे मकरेर्कः प्रविष्टः वा.३न ३ बन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

४०पं.मा.कृ.११शु.इ.४९/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	३	९	९	९	९
२७	४	३	१७	१४	३	४	२७
२७	५०	४९	१	४२	९	४८	१६
४०	४९	५९	२३	४०	१४	१५	४
६१	५	४७	७/३	७४	७	३	६१
६	५६	५२	बु	९	२०	११	२४

*श.चं.रा. +शु.श.रा. (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *शु.श.रा.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Coll...

ति./ माघ शुक्ल पक्षः सं० २०४७शाकः१९१२ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः६४९५स१९९१

१	दु	६०	०	उ	३८	३२	ह	१३	३२	कि	२९	९	२६/५	४७/६	१३/५	१६	२६	२८	मकरे
१	गु	१	१६	श्र	४३	१२	व	१३	४२	ब	१	१६	८	४६	१४	१७	२७	२९	मकरे
२	शु	४	३५	ध	४७	५	सि	१३	५	को	४	३५	१०	४६	१४	१८	२८	१	कु.१५।८
३	श	६	३९	श	४९	४५	व्य	११	४८	ग	६	३९	१२	४६	१४	१९	२९	२	कुम्भे
४	र	७	४४	पू	५१	३८	व	९	२४	वि	७	४४	१५	४५	१५	२०	३०	३	मी३६।१०
५	चं	७	४१	उ	५२	१५	प	६	२८	वा	७	४१	१७	४५	१५	२१	१	४	मीने
६	मं	६	३४	रे	५१	५०	शि	४०/२	५५/१३	तै	६	३४	२०	४४	१६	२२	२	५	मे.५१।५०
७	बु	४	२१	अ	५०	५	सा	५२	२	व	४	२१	२२	४४	१६	२३	३	६	मेषे
८	गु	०	५९	भ	४७	२०	शु	४५	२२	ब	०	५९	२५	४३	१७	२४	४	७	मेषे
९	गु	५५	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	शु	५०	४९	कृ	४३	२१	शु	३७	२९	तै	२३	४०	२७	४३	१७	२५	५	८	वृ १।२०
११	श	४४	५	रो	३८	२५	त्र	२८	५९	ध	१७	२७	३०	४२	१८	२६	६	९	वृषे
१२	र	३६	२९	मृ	३२	४४	ऐं	१९	५०	ब	१०	१७	३३	४१	१९	२७	७	१०	मि५।३४
१३	चं	२८	२०	आ	२६	१९	वै	१०	८	को	२	२४	३६	४१	१९	२८	८	११	मिथुने
१४	मं	२०	४	पु	१९	५२	वि	०	५०/३१	व	२०	४	३९	४०	२०	२९	९	१२	क.६।२९
१५	बु	१२	६	पु	१३	५३	आ	४१	३५	ब	१२	६	४२	४०	२०	३०	१०	१३	कर्के

शिशिरर्तुरविरुत्तरे माघ कृ. महाराष्ट्राः

चंद्रदर्शनम्
धनि. शुक्रः ४३।३३ रज्जव ७
भ. ३७।११ उ
भ.४४/७या. अभि.प्र.रवि:५१/५८ पूषाबुधः३७/१
अभि.प्र.रवि:सौरः१२/१ रा.माधारंभः व.५
भ २१/४उ ३२/४०या. भानु ७ पातस्पर्शः५१/१३
श्रवणेरविः२१/५ सौरः१७/९)कुंभेशुक्रः२२/२०*
अभि. नि. रवि: ०।५० (सौरः ९।२५)
भ. १७।२७ उ.४४।५ या. जया ११ ब्र
प्रदोषः *पातमोक्षः ५।४५
भ २०।४उ.४६।५या. शते शुक्रः२२।४२
उषा. बुधः २८।३२

४१पं.मा.शु.२शु.इ.४९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	३	९	९	९	९
४	६	११	१६	२३	३	४	४
३५	१	१८	९	२७	५९	२५	२५
३१	३०	३२	७	२५	२४	५९	३३
६१	१०	६७	४०/७	७४	७	३	६१
३	४४	५६	ब	२	२०	११	१९

गोचरग्रहाः

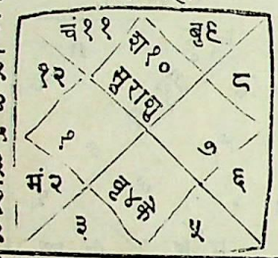

इस मासमें जौगेहूं गुड़मूंगमोठ मसूर चना चंदन केसर कपड़ा चांदी रुई तेज होकर मंदे होवेंगे।

गोचरग्रहाः

४२पं.मा.शु.१०शु.इ.४९/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	३	१०	९	९	९
११	७	२०	१५	२	४	४	११
४२	३९	१७	१३	१२	४८	३	३४
५८	५४	१७	१९	२२	४३	४४	२४
६०	१३	८१	५२/७	७४	७	३	६१
५९	४८	२	ब	२	२०	११	१३

ति फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः१९१२ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तुरविरुत्तरे माघ कृ. महाराष्ट्राः

१	गु	४	५८	श्ले	८	५२	सौ	३३	२९	को	४	५८	२६/४६	३९/६	२१/५	३१	११	१४	सिं८।५२
२	गु	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	शु	५५	१	म	४	५९	शो	२६	२९	व	२७	६	४९	३८	२२	१	१२	१५	सिंहे
४	श	५३	१३	पू	२	५२	अ	२१	२२	ब	२४	७	५२	३८	२२	२	१३	१६	क.१७।५६
५	र	५३	१५	उ	३	१०	सु	१७	४०	को	२३	१४	५५	३७	२३	३	१४	१७	कन्यायां
६	चं	५५	५९	ह	५	१०	धृ	१५	४९	ग	२४	३७	५९	३६	२४	४	१५	१८	तु. ३७।९
७	मं	५९	३४	चि	९	८	शू	१५	२३	वि	२७	४६	२७/२	३६	२४	५	१६	१९	तुलायां
८	बु	६०	०	स्वा	१४	४७	गं	१५	५८	वा	३२	१८	६	३५	२५	६	१७	२०	तुलायां
९	गु	५	२	वि	२१	४९	बृ	१७	५२	को	५	२	९	३४	२६	७	१८	२१	धनु ५।४
९	शु	११	७	अ	२९	६	ध्रु	१९	५६	ग	११	७	१३	३३	२७	८	१९	२२	वृश्चिके
१०	श	१७	४८	ज्ये	२६	५२	व्या	२२	२०	वि	१७	४८	१६	३३	२७	९	२०	२३	ध.३६।५२
११	र	२४	१४	मू	४४	८	ह	२४	२६	वा	२४	१४	२०	३२	२८	१०	२१	२४	धनुषि
१२	चं	२९	५८	पू	५०	४८	व	२६	६	तै	२९	५८	२४/२	३१	२९	११	२२	२५	धनुषि
१३	मं	३४	५६	उ	५६	२९	सि	२६	५८	ग	२	२७	२७	३१	२९	१२	२३	२६	म.७।१३
१४	बु	३८	२५	श्र	६०	०	ल्य	२६	५६	वि	६	४०	३१	३०	३०	१३	२४	२७	मकरे
३०	गु	४०	४४	श्र	१	४७	व	२५	५७	च	९	३४	३५	२९	३१	१४	२५	२८	कु.२२।५५

*रा.हुःपुन.४केतुः३४/४० फ़रवरी२ ता.२८
भ.२७/६उ.५५/१या. मकरेबुधः४१/३४ उषा.२*
रो.हि. भौमः ४७।४ चतुर्थी व्र.
उदयं शनेः ५२।११
भ. ५५।५९ उ. पातस्पर्शः ५७।३९
भ. २७।४६ या. पातमोक्षः ११।२२
धनि. रविः १६।४२ (सौरः २३।०)

भ. ४४।२७ उ. श्रवणे बुधः १८।४७
भ.१३/४या.पूभा.शुक्रः४/८वक्रीपुष्य ३गुरुः११/५५
उषा. ४ शनिः ४४।११ विजया ११ ब्र.
+बुधास्तःपू.१३/७ प्रदोषः महाशिव व्र.स्मा
भ. ३४/५६ उ. कुंभेऽर्कः ५१/७ (सौरः ५६/४७)+
भ. ६।४० या. महाशिवरात्री वै.

४३पं.फा.कृ.३शु.इ.४९।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	३	१०	९	९	९
१८	९	०	१४	१०	५	३	१८
४९	४३	१२	१८	५५	३७	४१	४२
२६	१२	१८	४	८	४१	२८	२७
६०	१७	९०	५२/७	७३	७	३	६१
५५	३५	१२	ब	५६	१४	११	४

गोचरग्रहाः

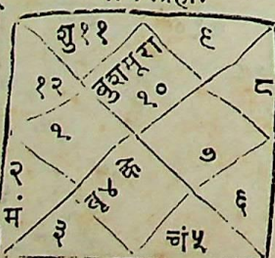

फा. कृ. १४ बुधे कुम्भेऽर्कः प्र वा.३ न.४ अतिवन्ध्या-वस्था(सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु.उ. प.

गोचरग्रहाः

४४पं.फा.कृ.९शु.इ.४९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	३	१०	८	९	९
२५	१२	१०	१३	१९	६	३	२५
५५	१	१०	२२	३६	२६	१९	४९
१६	५	४२	४८	५४	२	१२	१४
६०	२१	९७/७	३८	७३	७	३	६०
४७	२८	४३	ब	५०	२०	११	५५

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०४७शाकः१९१२ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिरतौ रविरुत्तरेऽहर्गणः६५२५स.१९६१

१	शु	४१	४३	ध	४	२	प	२३	५६	कुं	११	१३	२७ ३८	६ २८	५ ३२	१५	२६	२९	कुंभे	
२	श	४१	३४	श	६	६	शि	२१	०	वा	११	३८	४२	२८	३२	१६	२७	३०	मी५१।३६	घनि. बुधः ३१।२० चन्द्रद. फुलरिया २
३	र	४०	२८	पू	६	४७	सि	१७	१७	तै	११	१	४६	२७	३३	१७	२८	१	मीने	मीने शुक्रः १४।१६ सावान ८
४	चं	३८	२०	उ	६	४१	सा	१२	३७	व	९	२४	५०	२६	३४	१८	२९	२	मीने	भ.२४ उ.३० या. पातस्पर्शः ३४ मोक्षः ४४
५	मं	३५	३५	रे	५	४५	शु	७	३४	ब	६	५७	५४	२५	३५	१९	३०	३	मे.५।४५	शते रविः २५ (सौरः ३२) उषा.शुक्रः ५
६	बु	३२	५	अ	४	१७	शु	३	५३ ५०	कौ	३	५०	५८	२४	३६	२०	१	४	मेषे	कुंभे बुधः ३५।२० रा. फाल्गुनारंभ
७	गु	२८	७	भ	५	५७	ऐं	४९	१६	ग	०	६	२	२४	३६	२१	२	५	वृ.१६।१३	भ. २८।७ उ. ५६।१५ या.
८	शु	२४	२३	रो	५५	४४	वै	४१	१५	ब	२४	२३	६	२३	३७	२२	३	६	वृषे	होलाष्टक
९	श	१८	१०	मृ	५१	५०	वि	३४	३४	कौ	१८	१०	१०	२२	३८	२३	४	७	मि२३।४७	
१०	र	१२	२५	आ	४७	२६	प्री	२६	४१	ग	१२	२५	१४	२१	३९	२४	५	८	मिथुने	भ. ३९।१७ उ. शते बुधः १३।३७
११	चं	६	१०	पु	४२	५०	आ	१८	२३	वि	६	१०	१८	२०	४०	२५	६	९	क.२८।५९	भ. ६।१० या आमलकी ११ व्र.
१२	चं	५३	२८		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	मं	५३	१२	पु	३८	८	सौ	१०	१७	कौ	२६	२५	२२	२०	४०	२६	७	१०	कर्के	प्रदोषः
१४	बु	४७	१५	श्ले	३४	२	शो	१	५२ ५६	ग	२०	१३	२६	१९	४१	२७	८	११	सि३४।२	भ. ४७।१५ उ.
१५	गु	४१	४९	म	३०	४०	सु	४७	५३	वि	१४	३२	३०	१८	४२	२८	९	१२	सिंहे	भ. १४।३२ या. होलिकादहनम्

४५पं.फा.शु.१शु.इ.५०।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	३	१०	९	९	१०
३	१४	२२	१२	२८	७	२	२
०	३५	८	३०	१६	१३	५६	५७
४	४९	४६	५८	४१	१	१७	१७
१०	१३	०	५६	७३	६	३	६०
३७	५०	४७	ब	३९	३५	११	४२

गोचरग्रहाः

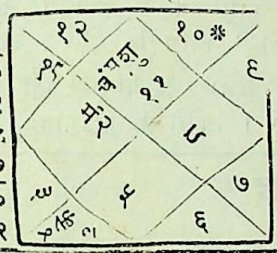

चैत्र कृ. १३गुरौ मीनेऽर्कः प्र. वा. २न.३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

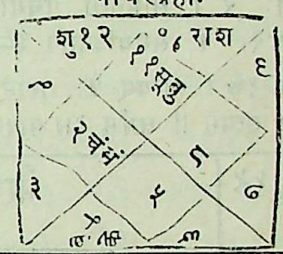

४६पं.फा.शु.८शु.इ.५०।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	३	११	९	९	१०
१०	१७	४	११	६	७	२	९
३	२६	७	४३	५५	५८	३४	५५
३२	१७	१९	३०	४४	४८	४१	४०
६०	२६	०	६	७३	६	३	६०
२५	२८	५३	८	२६	३५	११	३१

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | बसंततौ रविरुत्तरे फाल्गुन कृ.महाराष्ट्राः

१	शु	३८	४	पू	२८	१५	धृ	४२	६	भा	९	५६	२८ ३३	१७ ३८	४ ३	१	१०	१३	क.४३।४	मार्च ३ ता. ३१ वसंत १ छारेंडी
२	श	३५	५०	उ	२७	३०	शू	३७	४६	तै	६	५७	३८	१६	४४	२	११	१४	कन्यायां	रेवत्यां शुक्रः ४५ पातस्पर्शः ४७ मोक्षः ५६
३	र	३५	११	ह	२८	२६	गं	३४	५०	व	५	३०	४२	१६	४४	३	१२	१५	तु.५९।५९	भ.५।३०उ.३५।११या. पूभा.बुधः २०।३
४	चं	३६	२९	चि	३१	३३	वृ	३३	४०	ब	५	५०	४६	१५	४५	४	१३	१६	तुलायां	पूभ. रविः४४।२३ (सौरः४७।६) च. व्र.
५	मं	३९	४३	स्वा	३६	५	धु	३३	२५	कौ	८	६	५०	१४	४६	५	१४	१७	तुलायाँ	
६	बु	४४	३२	वि	४२	१३	व्या	३४	२९	ग	१२	७	५४	१३	४७	६	१५	१८	वृ.२५।४१	भ. ४४।३२ उ.
७	शु	५०	१४	अ	४८	२	ह	३६	१०	वि	१७	२३	५८	१२	४८	७	१६	१९	वृश्चिके	भ. १७।२३ या. मृगे भौमः ४८।४४
८	शु	५६	३९	ज्ये	५६	४०	ब	३८	२६	बा	२३	२६	२९ ३२	१२	४८	८	१७	२०	ध५३।४०	मीने बुधः ४०।० शीतलापूजनम्
९	श	६०	०	मू	६०	०	सि	४०	५३	तै	२९	५१	६	११	४९	९	१८	२१	धनुषि	
९	र	३	३	मू	४	८	व्य	४२	४०	ग	३	३	१०	१०	५०	१०	१९	२२	धनुषि	भ. ३५।५५ उ. उभा. वुधः २२।५४
१०	चं	८	४७	पू	११	५	व	४३	३५	वि	८	४७	१४	९	५१	११	२०	२३	म.२७।३३	भ. ८।४७ या.
११	मं	१३	४३	उ	१६	५६	प	४३	४४	वा	१३	४३	१९	८	५२	१२	२१	२४	मकरे	पापमोचनी ११ व्र.
१२	बु	१७	८	श्र	२१	२७	शि	४३	३	तै	१७	८	२३	७	५३	१३	२२	२५	कु.५२।५५	अश्वि.मेषे शुक्रः ४०।१ प्रदोषः
१३	गु	१८	५५	ध	२४	२४	सि	४०	५३	व	१८	५५	२७	७	५३	१४	२३	२६	कुम्भे	भ.५५ उ.४९ या. मीनेऽर्कः ४५ (सौरः ४७)
१४	शु	१९	११	श	२५	५०	सा	३७	२४	श	१९	११	३२	६	५४	१५	२४	२७	कुम्भे	श्रवणे १ शनिः २५।२९
३०	श	१७	४४	पू	२५	४६	शु	३२	५०	ना	१७	४४	३६	५	५५	१६	२५	२८	मी१०।४७	बुधोदयः पश्चिमायां मन्वादिः

४७पं.चै.कृ १शु.इ.५०।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	३	११	९	९	१०
१७	२०	१७	११	१५	८	२	१७
५	३३	९	४	३२	४२	१२	२
४६	५०	३६	१	२०	१९	२६	४१
६०	२७	२०	५९	७२	६	३	६०
१२	३५	२९	ब	१९	४०	११	२०

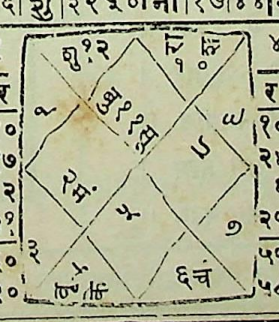

४८पं.चै.कृ.८शु.इ.५१।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	३	११	९	९	१०
२४	२३	०	१०	२४	९	१	२४
६	५०	२१	३१	६	२३	५०	४
२९	२८	२५	३०	२५	९७	१०	४
५९	२९	२९	४	७३	५	३	६०
५८	२०	ब	ब	५	५९	११	५

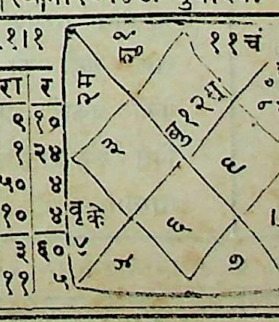

४९पं.चै.कृ.१४शु.इ.५१।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	३	०	९	९	१०
१	२७	१३	१०	५	१०	१	१
५	१४	५२	७	३९	२	२७	३
४२	२	५२	४४	२५	४९	५४	४६
५९	३०	२९	३	७२	६	३	५९
४१	२९	७	ब	५०	१२	११	४९

CC-0. Gurukul K

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९२ तत्र कृतयुगप्रमाणम्-१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०९२ भोग्यकलिः ४२६९०८ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीरविक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४८ शाकः १९१३ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा रविः । मंत्री रविः । सस्येशो भौमः । धान्येशश्चन्द्रः । मेघेशः शनिः । रसेशोगुरुः । नीरसेशो भौमः । फलेशः शनिः । धनेशो भौमः । दुर्गेशः शनिः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १८ तारणनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ८।२५।५।२१ भोग्यमासादिः ३।४।५४।३९ अग्निदैवतं युगम् । वर्ष नामः पौषः मेघनाम ४ द्रोणः । रोहिणी निवासःपर्वते । समयनिवासः कुंभकार गृहे । समय विश्वा ८ । समयवाहनं अश्वः । स्तंभौ २ वाटवन्नयोः । सोमवत्यमाः २ । सोमवती पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी २ । रवि-दशमी २ । समयमुहूर्ताः ४२० । समयदिनानि ३८३ । तिथिक्षयः १७ । तिथिवृद्धिः १० । उत्पत्तिविश्वा ९९ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा १७ । धान्यम् ५. तृणम् ११. शीतम् ९. तेजः ११. वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यम् १०७ सत्यम् ॥ धर्मम् १॥ पापम् १८ शनिदृष्टिरुत्तरे । भारते ग्रहणाऽभावः ।

सं. २०४८ मार्गशीर्ष शु. १५ शनिवार के ग्रस्तोदयं खंडग्रासं चन्द्रग्रहणम्

पूर्वी भारत (कलकत्ता से पूर्व) आसाम में होगा । स्पर्श दिन में रेल्वे ३।२३ मोक्ष ४।४२ पर होगा । जहां सूर्यास्त रेल्वे ४।४२ से हहिले होगा वहां यह ग्रहण ग्रस्तोदय दीखेगा । राजस्थान, पंजाब, बिहार, यू०पी०, मध्यभारत, सौराष्ट्र, गुजरात में नहीं होगा । जहां नहीं दीखे वहां इसके मानने की आवश्यकता नहीं है ।

वर्षलग्नम् ३।०

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जननी जगदम्बा सुणो भैरव प्रश्न विनित ।
अड़तालिस की साल का हाल कहो नवनीत ॥

भवानी उत्तर

अड़तालीसो अधकलो ईश्वर राखे टेक ।
कइयां के अन्न नीपजे कईक रहसी देख ॥
पापग्रहों के कबज में मिले बहुत अधिकार ।
शुभफल में हो न्यूनता इसका यह ही सार ॥
राजा मंत्री सूर्य है फलपति शनि को जान ।
भूमिपुत्र सस्येश है करैं जगत में हान ॥
चाल ग्रहों की देखदा बहुत बढे व्यापार ।
पकी पकाई साख में मंगल करे बिगाड़ ॥
नित उठ प्रातःकाल में याद करो प्रभु नाम ।
धान्याधिपं शशि होण से सिद्ध होय सब काम ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेशलग्नम् १।२६

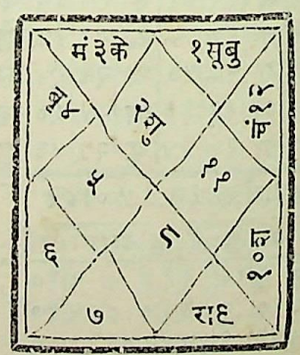

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२९।० केतकीमतेन वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशाः २३।४३।८

(स० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन्वर्षे राजा रविः फलम् ॥ सूर्ये नृपे स्वल्प फलाश्च मेघा स्वल्पं पयो गोषु जनेषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाः चौराग्नि बाधा निधनंनृपाणाम् ॥ मंत्री रविः फलम् ॥ नृपभयं गदतोपिहितस्करात् प्रचुर। धान्यधनादिमहीतले । रसचयंहि समर्घतमं तदा रविरमात्यपदं हि समागतेः ॥ सस्येशो भौमस्तत्फलम् ॥ प्रथम धान्यपतौ धरणीसुते गजतुरंगखरोष्ट्रगवामपि । प्रभवदा बहुरोगघनोजलं न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत् ॥ धान्येशश्चंद्रस्तत्फलम् ॥ चन्द्रे धान्याधिपे जाते प्रजा बृद्धिः प्रजायते । गोधूमासर्षपाश्चैव गोषु क्षीरं तथा बहु ॥ मेघेशः शनिः फलम् ॥ रविसुतेजलदस्यपतौ भवेद्विरत बृष्टिवती वसुधातदा । मनसितापकरो नृपतिः सदा विविधरोगरता जनतापदा ॥ रसेशो गुरुः फलम् ॥ यदि गुरौ रसपे जनसौख्यदो कमलवन्ति सरांसितृणानिच । जनपदाद्विजपूजनतत्परा गजसुवाजिरथोष्ट्रयुतानराः । नीरसेशोभौमस्तंत्फलम् ॥ नीरसेशोयदा भौभ प्रवालरक्त वाससां । रक्तचंदन ताम्राणामर्घ वृद्धिर्दिनेदिने ॥ फलेशः शनिः फलम् ॥ यदि शनि फलपः फलहा भवेज्जनितपुष्पगणस्य द्रुमःसदा । हिम भयं वरतस्करजन्तु भीर्जनपदोगदराशि महाकुलः ॥ धनेशो भौमस्तत्फलम् ॥ असम मौल्य करो धरणीसुतः शरदितापकरस्तुष धान्यहृत् । सहसिमासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जनशोक विधायकः ॥ दुर्गेशः शनिः फलम् ॥ रवि सुते गढ़-पालिनि विग्रहैः सकलदेशगतश्चलिता जनाः । विविधवैरि विशेषित नागराः कृषिधनं शलभैर्मुषितं भुवि ॥ तारणनाम संवत्सरः फलम् ॥ कथंचिन्निखिला लोकाः तरंति प्रतिपन्नताम् । नृपाहव क्षताद्रोगाद्भेषज्येतारणाब्दके ॥ वर्षनाम पौषः फलम् ॥ ज्वर रोग क्षुधार्ताश्च जनाजनपदाः सदा । महर्घं तु त्रयोमासाः पौषे स्वास्थ्यंततः परम् ॥ रोहिणी निवासः पर्वते फलम् ॥ पर्वते विन्दुमात्रश्च । मेघनाम द्रोणः फलम् । द्रोणे वर्षति सर्वदा ॥ समयनिवासे कुंभकारगृहे फलम् । अनावृष्टि प्रजापतौ । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

सं० २०४८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

द्वितीय वैशाख मासः ।

शु. १ बुधे रोहि. ल. अन्यगो. रे. १०।।।।।।।।।

,, ६ बुधे उफा ल.अन्यगो.१२।१रे ८।ऽ।।।।ऽ।। मीने चं.७पू.

,, १० गुरौ हस्ते. ल. गो. रे. ७ऽ।।।ऽरो.ऽ।।।

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ८ गुरौ उभा. ल. अन्यगो. ११।१ रे. ६।।।।।।ऽ।। कुंभे शनि १२ पूज्यः

शु. ८ बुधे हस्ते ल. १२।२ रे.७।ऽ।।ऽनृऽ।। मीन लग्न घटी ४८ उपरांत

शु. ६ गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. सोग्रांगः (भौ.गु.शु.८ दोषः) रे. ८।ऽ।।।ऽ।। आवश्यके

,, १० शुक्रे स्वा ल. १ रे. ८।।।।।चौऽ।।।

,, १३ चंद्रे अनु. ल.१२।२ रे. ८ऽऽ।।।।।।। वृषे चं. ७ पूज्यः

आषाढ मासः ।

कृ. १ शुक्रे उषा. ल. १२।१।२ रे. ६।।।।ऽ।।।।

,, ७ गुरौ उभ. ल. अन्यगो. सोग्रांगः १ रे. ६।।।।।।।ऽ।। मेषे रेखा ८ दग्धा दोषः

,, ११ चंद्रे रोहि.ल.१२।१(घ.४५।३१उ.) रे. ७।ऽ।।ऽनृ।ऽ।।

कार्तिकादि मासेषु सिंहस्थ गुरु दोषः ।

ति.	श्रीचैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३	दि.	उ	अ.	इ	रा.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ६५५५स. १९९१
१	र १५ १३ उ २४ ३२ शु २७ २८ ब १५ १३	२९	६	५६	१७	२६	२९	म ने	रेवत्यां बुधः २१/३६ चन्द्रद. नवरात्रारंभः*
२	चं ११ २८ रे २२ २० ब्र २१ १८ कौ ११ २८	४४	३	५७	१८	२७	१	मे. २२।२०	उभा. रविः ६/२४ (सौरः ५/२) वक्रीपुष्ये २ गुरुः +
३	भं ७ २ अ १९ २६ ऐं १४ २६ ग ७ २	४९	२	५८	१९	२८	२	मेषे	भ. ३४।३५ उ. मत्स्यजयंती. गणगौरी
४	बु २ ९ भ १६ १४ वै ७ ३२ वि २ ९	५३	१	५९	२०	२९	३	वृ. ३०।२५	भ. २।९ या. +५४/१ सिधारा रमजान ९
५	बु ५४ ५७ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
६	गु ५१ ५३ कृ १२ ५७ वि ४० ५३/५१ कौ २४ २९	५७	१	५९	२१	३०	४	वृषे	मिथुने भौमः २९।१९ *संवत्सरारंभः
७	शु ४६ १८ रो ९ ३७ आ ४६ २७ ग १९ ५	३०/१	०	०	२२	१	५	मि ३८।५०	भ. ४६।१८ उ. रा. चैत्रारंभः
८	श ४१ ४७ मृ ६ ५ सौ ३९ २२ वि १४ २	६	५/९	१	२३	२	६	मिथुने	भ. १४।२ या.
९	र ३६ ३४ आ ५२/५२ ४१/१ शो ३२ १६ बा ९ १०	१०	५८	२	२४	३	७	क. ४५।२३	भरण्यां शुक्रः ४१।२८ रामनवमी
१०	चं ३१ ४१ पु ५६ ३७ अ २५ २८ तै ४ ७	१४	५७	३	२५	४	८	कर्के	भ. ५९।४८ उ. अश्वि. मेषे बुधः ३३।३९
११	मं २७ ५६ श्ले ५३ ५५ सु १९ ४७ वि २७ ५६	१८	५६	४	२६	५	९	सिं ५३।५५	भ. २७।५६ या. कामदा ११ व्र.
१२	बु २२ ३४ म ५१ ४४ धृ १२ ३४ बा २२ ३४	२३	५५	५	२७	६	१०	सिंहे	प्रदोषः
१३	गु १८ ५० पू ५० २१ शु ६ ५३ तै १८ ५०	२७	५५	५	२८	७	११	सिंहे	मार्गी गुरुः ८।११
१४	शु १५ ५३ उ ५० ४ गं ४२/१ ५६/३ व १५ ५३	३१	५४	६	२९	८	१२	कं. ५।१७	भ. १५।५३ उ. ४५।६ या.
१५	श १४ १८ ह ५१ ४ ध्रु ५४ ५१ ब १४ १८	३५	५३	७	३०	९	१३	कन्यायां	हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.७शु.इ.५१।४२

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	३	०	९	९	११
८	०	२५	९	११	१०	१	८
३	४३	४४	५२	६	३८	५	१
१८	३०	४९	२३	५८	२०	३९	४१
५९	३१	९०	१०/१	७२	५	३	५९
२९	४१	३८	ब	४३	५	११	३५

गोचरग्रहाः

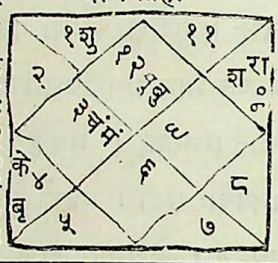

चैत्र सुदी में पूर्व तथा उत्तरकी वायु चले तो बहुत श्रेष्ठ होती है। वर्षा हो तो अशुभ है। पूर्णिमा शनिवारी नेष्ट है।

गोचरग्रहाः

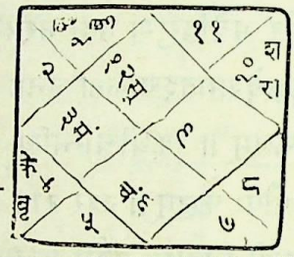

५१पं.चै.शु.१४शु.इ.५३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	०	३	०	९	९	११
१४	४	३	९	१९	११	०	१४
५९	१८	२१	४७	३३	१०	४३	५७
१३	१४	१८	३१	०	१६	२३	४८
५९	३२	४६	२३/०	७२	४	३	५९
१६	२९	६	मा	५	३८	११	१८

ति.	प्र. वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरे चैत्र कृ. महाराष्ट्राः
१	र १४ ५ चि ५३ ४१ व्या ५३ २२ कौ १४ ५	३०/३९	५/५२	६/८	३१	१०	१४	तु. २२।२२	रेवत्यां रविः ३४।७ (सौरः ३५।३०)
२	चं १६ २४ स्वा ५७ ४४ ह ५२ ३४ ग १६ २४	४४	५१	९	१	११	१५	तुलायां	भ. ४७।२० उ. अप्रैल ४ ता. ३०
३	म १८ १६ वि ६० ० व ५३ १४ वि १८ १६	४८	५०	१०	२	१२	१६	वृ. ४६।४९	भ. १८।१६ या. चतुर्थी व्र.
४	बु २२ ३० वि ४ १० सि ५४ ३५ बा २२ ३०	५२	५०	१०	३	१३	१७	वृश्चिके	आर्द्रा. भौमः ३४।३७
५	गु २७ ५० अ ९ ३८ व्य ५६ ४० तै २७ ५०	५६	४९	११	४	१४	१८	वृश्चिके	वक्री बुधः २४।५२ कृत्ति. शुक्रः १७।४९
६	शु ३४ १० ज्ये १७ २० व ५९ १ ग १ ०	३५/००	४८	१२	५	१५	१९	ध. १७।२०	भ. ३४।१० उ.
७	श ४० ३४ मू २४ ३६ प ६० ० वि ७ २२	४	४७	१३	६	१६	२०	धनुषि	भ. ७।२२या. बुधास्तः पश्चिमायां ४९।५६
८	र ४६ ३२ पू २२ ४ प १ १९ बा १३ ३३	८	४६	१४	७	१७	२१	म. ४८।४०	बृषे शुक्रः ३७।१३
९	चं ५१ ३८ उ ३७ २८ शि ३ १० तै १९ ५	१२	४६	१४	८	१८	२२	मकरे	
१०	मं ५५ २० श्र ४३ ३२ सि ४ ४ च २३ २९	१६	४५	१५	९	१९	२३	मकरे	भ. २३।२९ उ. ५२।२० या.
११	बु ५७ २८ ध ४७ १५ सा ३ ४६ च २६ २४	२०	४४	१६	१०	२०	२४	कु १५।२३	वरूथिनी ११ व्र.
१२	गु ५७ ४० श ४९ ५८ शु ३/४ ५६/५८ कौ २७ ३४	२४	४३	१७	११	२१	२५	कुंभे	पुष्ये. ३ गुरुः १०।५९
१३	शु ५५ २७ पू ४८ ५० व्र ५४ २२ ग २६ ४८	२८	४२	१८	१२	२२	२६	मी ३३।५२	भ. ५५/३७ उ. उषा. १ धनुषि राहुः पुन. ३*
१४	श ५२ २० उ ४७ ३ ऐं ४८ २८ वि २४ ८	३२	४२	१८	१३	२३	२७	मीने	भ. २४।८या. *मिथुने केतुः ३३/३५ प्रद्रोषः
३०	र ४७ २२ रे ४३ ५८ वै ४१ २६ च १९ ५१	३६	४१	१९	१४	२४	२८	मे. ४३।५८	अश्वि. मेषेऽर्कः ८।८ (सौरः १०।५)

५२पं.प्र वै.कृ.६शु.इ.५२/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	५	३	०	९	९	११
२१	७	०	९	२७	११	०	२१
५३	५७	२३	५१	५४	३९	२१	५१
३१	११	४२	७	४०	०	८	५९
५९	३३	१२/८	१	७१	४	३	५९
४	३७	ब	२९	४४	५	११	४

गोचरग्रहाः

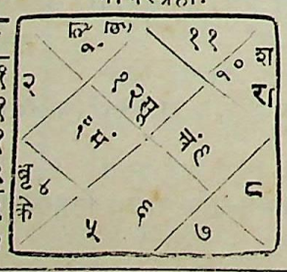

प्र.वै.कृ.३० रवौ मेषेऽर्कः प्र. वा. ४न.४अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो.प.

गोचरग्रहाः

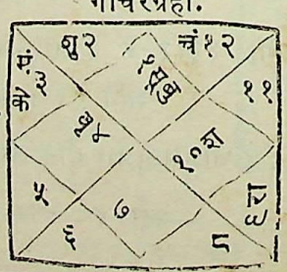

१पं.प्रवै.कृ.३०र.इ.८।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	१	९	८	११
०	१२	१	१०	७	१२	२९	२९
०	२२	१८	९	४०	९	५४	५८
०	३८	२९	१८	४४	५३	५९	९
५८	३४	४४/२	३	७१	३	३	५८
४४	२	ब	१९	१२	१७	११	४५

Digitized by S3 Foundation USA

ति	प्र.वैशाख शुक्ल पक्षः सं० २०४८ शकः १९१३	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६५८४स.१९९१
१	चं ४१ १६ अ ३९ ७ वि ३३ ३४ क ४४ १९	३१/४०	४८/२८	१५	२५	२९	मेषे		वक्रीमीनेरेवत्यांबुध.५५/४अश्विकमासारंभः
२	मं ३४ २८ भ ३४ ३६ प्री २५ १६ वा ७ ५२	४३	३९	२१	१६	२६	३०	वृ.४८।२६	रोहि. शुक्रः ५।३० चंद्रदर्शनम्
३	बु २७ ३७ कृ २९ ५५ आ १६ ४९ तै १ २	४७	३९	२१	१७	२७	१	बृषे	भ. ५४।११ उ सव्वाल १०
४	गु १० ४६ रो २५ २० सो ८ १३ वि २० ४६	५१	३८	२२	१८	२८	२	मि५३।११	भ. २०।४६ या.
५	शु १४ ५ मृ २१ २ शो ०/५९ वा १४ ५	५५	३७	२३	१९	२९	३	मिथुने	
६	श ८ ८ आ १७ १४ सु ४५ २३ तै ८ ८	५८	३६	२४	२०	३०	४	क.५९।४६	
७	र २ ३८ पु १३ ५६ धृ ३८ ४२ व २ ३८	३/३	३६	२४	२१	१	५	कर्के	भ.२।३८उ. ३०।२०या. रा.वैशाखारंभः
८	र ५५ २४ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
९	चं ५३ ५४ पु ११ २३ शू ३२ ४१ ब २५ ५८	६	३५	२५	२२	२	६	कर्के	बुधोदयः पूर्वस्यां ५।४।७
१०	मं ५० ५४ श्ले ९ ३२ गं २७ २६ तै २२ २८	१०	३४	२६	२३	३	७	सिं ९।३२	
११	बु ४८ २४ म ८ १ वृ २२ ४९ व १९ ३९	१४	३३	२७	२४	४	८	सिंहे	भ.१९।३९उ.४८।२४या. कमला ११ ब्र.
१२	गु ४६ ५३ पू ७ १८ धु १८ ४८ व १७ ३८	१७	३३	२७	२५	५	९	क.२२।२६	*मृगे शुक्रः ३/५/१८ पुन. भौमः ४/४/१
१३	शु ४६ ४३ उ ७ ४९ व्या १५ ४० की १६ ४८	२१	३२	२८	२६	६	१०	कन्यायां	प्रदोषः
१४	श ४७ १९ ह ९ ३० ह १३ ३२ ग १७ १	२५	३१	२९	२७	७	११	तु.४०।५२	भ.४/५/७उ. भरण्यां रविः ४/२/८(सौरः ५/३/२)*
१५	र ४९ २३ चि १२ १३ व १२ २२ वि १८ २१	२९	३०	३०	२८	८	१२	तुलायां	भ. १८।२१ या.

२पं.प्र.वै.शु.७र.इ.८।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	३	१	९	८	०
६	१६	२६	१०	१५	१२	२९	६
५७	१८	३४	३२	५२	२९	३२	४८
४२	११	५२	५६	५५	२८	४४	२०
५८	३४	३/४/९	४	७०	२	३	५८
२१	४७	ब	२२	४२	४०	११	२९

गोचरग्रहाः

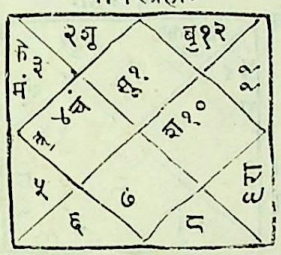

इस मासमें ५ रविवार तथा बुधवक्री है। रुई पाट सोना चांदी गुड़ खांड सिरस्युं अलसी चावल तेज होगा।

गोचरग्रहाः

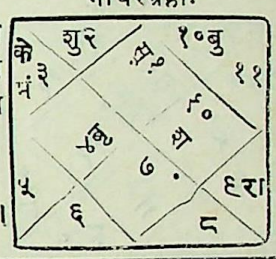

३पं.प्र.वै.शु.१५र.इ.८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	३	१	९	८	०
१३	२०	२४	११	२३	१२	२९	१३
३९	११	२५	४	५८	४४	१०	३६
४३	६	२	२३	५५	२८	४८	४५
५८	३५	२/९/०	५	६९	१	३	५८
१९	२	ब	२८	५३	५८	११	१२

ति	द्वि.वैशाख कृ० पक्षः सं० २०४८ शकः १९१३	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे प्र. वै. कृ. महाराष्ट्राः
१	चं ५२ ३४ स्वा १६ ३१ सि ११ ५०	३/३	३/०	३/०	२९	९	१३	तुलायां	
२	मं ५६ ५९ वि २१ ५९ व्य १२ १७	तै	२४	४६	३६	२९	३१	३०	१०	१४	बृ.५।३७	मार्गी बुधः १७।२६
३	बु ६० ० अ २८ ४९ व १३ ४१	व	२९	३२	४०	२८	३२	१	११	१५	वृश्चिके	भ. २९।३२ उ. मई ५ ता. ३१
३	गु २ ६ ज्ये ३५ ५३ प १५ ३६	वि	२	६	४३	२७	३३	२	१२	१६	ध.२५।५३	भ. २।६ या. चतुर्थी ब्र.
४	शु ८ ९ मू ४३ ५२ शि १७ ५३	वा	८	९	४७	२७	३३	३	१३	१७	धनुषि	मिथुने शुक्रः २७।१३
५	श १४ २६ पू ५२ १ सि २० २२	तै	१४	२६	५१	२६	३४	४	१४	१८	धनुषि	
६	र २० ३७ उ ५९ १६ सा २२ ३८	व	२०	३७	५४	२५	३५	५	१५	१९	म.८।५०	भ. २०।३७ उ. ५३।२४ या.
७	चं २६ ११ श्र ६० ० शु २४ २५	ब	२६	११	५७	२५	३५	६	१६	२०	मकरे	
८	मं ३० ४४ श्र ५ २२ शु २५ ४	३/३/की	३०	४४	९/२४	२६	७	१७	२१	कुं ३७।४३	
९	बु ३३ २८ ध १० ४ ब्र २४ ४०	तै	२	१	४	२३	३७	८	१८	२२	कुम्भे	
१०	गु ३४ १८ श १२ ४७ ऐं २२ ३८	व	३	५३	७	२३	३७	९	१९	२३	मी५८।१६	भ. ५/३ उ. ३/४/८ या. आर्द्रा. शुक्रः २/४/१३
११	शु ३३ ११ पू १३ २६ वै १८ ५६	ब	३	४४	१०	२२	३८	१०	२०	२४	मीने	अ. मेषे बुधः ५७।४४ कमला ११ ब्र.
१२	श ३० ५ उ १२ ५ वि १३ ५९	की	१	३८	१३	२१	३९	११	२१	२५	मीने	कृत्ति. रविः ३/४/२३ (सौरः ३/९/१९) प्रदोषः
१३	र २५ १ रे ८ ५६ प्री ७/५८	व	२५	१	१६	२१	३९	१२	२२	२६	मे.८।५६	भ. २५।१ उ. ५१।२६ या.
१४	चं १८ ११ अ ४/७ ५४/१६ सौ ४९ ५७	श	१८	११	१९	२०	४०	१३	२३	२७	मेषे	
३०	मं १० २७ कृ ५१ ५९ शो ४० ११	ना	१०	२७	२२	२०	४०	१४	२४	२८	बृ.११।४७	अधिकमास समाप्तिः

४पं.द्वि.वै.कृ.६र.इ.८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१५	३	२	९	८	०
२०	२४	२९	११	१	१२	२८	२०
२७	८	९	४४	५७	१४	४८	२३
२२	३५	०	१०	१४	४३	१३	२७
५८	३५	२/७	६	६९	१	३	५७
६	३०	मा	३४	२	१९	११	५७

गोचरग्रहाः

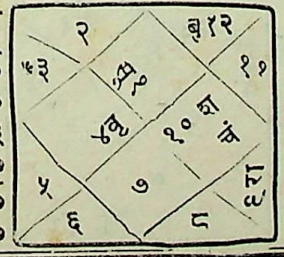

अधिक मास फल-स्वल्पवृष्टिर्भवेन्मेघो धनधान्य समाकुलं। घृतंतैलंच कार्पास सुभिक्षं माधव द्वये ॥

गोचरग्रहाः

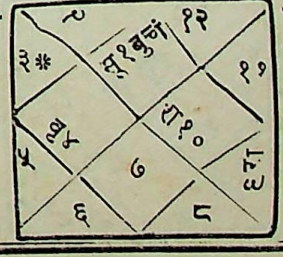

५पं.द्वि.वै.कृ.१३र.इ.९।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	२	९	८	०
२७	२८	०	१२	९	१३	२८	२७
१३	७	५३	३०	४८	०	५५	८
३४	२६	३१	५४	११	१४	५७	४१
५७	३५	४४	७	६८	०	३	५७
५४	५५	५९	३२	४	३७	११	४

ति| द्वि.वैशाख शुक्ल पक्षः सं० २०४८शकः १९१३|दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चन्द्रः | ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरेऽहगणः ६६१४स१९९१

१	बु	१	५०	रो	४५	४६	अ	३०	२६	ब	१	५०	३३/२५	५/१६	६/४१	१५	२५	२६	वृषे ०	वृषेऽर्कः ¹⁹/₃८ (सौरः७) कर्के भौमः ¹७/₁० *
२	बु	५१	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०		
३	गु	४४	२४	मृ	३६	२८	सु	२०	४८	तै	१८	४०	२८	१८	४२	१६	२६	१	मि १२।३८	परशुराम जयन्ती अक्षया ३ जिल्काद ११
४	शु	३६	२८	आ	३४	२	धृ	११	१०	व	१०	२६	३०	१८	४२	१७	२७	२	मिथुने	भ.१०।२६उ.३६।२८या. वक्री शनिः ³६/₂५
५	श	२६	२३	पु	२६	१६	शू	२/२	५/२	ब	२	५५	३३	१७	४३	१८	२८	३	क.१५।३०	पुष्ये. ४ गुरुः ४५।५०
६	र	२३	३१	पु	२५	४६	वृ	४७	१८	तै	२३	३१	३६	१७	४३	१६	२६	४	कर्के	* चंद्रदर्शनम्
७	चं	१८	४०	श्ले	२३	१७	ध्रु	४२	१२	व	१८	४०	३६	१६	४४	२०	३०	५	सि २३।१७	भ. १८।४० उ. ४७।३ या.
८	मं	१५	२६	म	२२	०	व्या	३७	३६	ब	१५	२६	४१	१६	४४	२१	३१	६	सिंहे	पुन. शुक्रः २३।१६ पुष्ये. भौमः ६।३१
९	बु	१३	२६	पू	२२	५	ह	३४	५	कौ	१३	२६	४३	१५	४५	२२	१	७	क.३७।२	भरण्यां बुधः ५२।२७ रा. ज्येष्ठारंभः
१०	गु	१२	४४	उ	२२	५३	व	३१	३८	ग	१२	४४	४६	१५	४५	२३	२	८	कन्यायां	भ. ४३।३ उ.
११	शु	१३	२३	ह	२५	१४	सि	२६	५६	वि	१३	२३	४८	१४	४६	२४	३	९	तु.५६।५७	भ. १३।२३ या. मोहिनी ११ ब्र.
१२	श	१५	२	चि	२८	४०	व्य	२६	२५	वा	१५	२	५०	१४	४६	२५	४	१०	तुलायां	रोहि. रविः ²५/₁३ (सौरः ³३/₁६) प्रदोषः
१३	र	१८	५	स्वा	२३	७	व	२६	४४	तै	१८	५	५२	१४	४६	२६	५	११	तुलायां	नृसिंह जयंती
१४	चं	२१	५४	वि	३८	३५	प	३०	२६	व	२१	५४	५४	१३	४७	२७	६	१२	वृ. २२।१३	भ. २१।५४ उ. ५४।१६ या.
१५	मं	२६	३७	अ	४४	५१	शि	३२	१०	व	२६	३७	५६	१३	४७	२८	७	१३	वृश्चिके	यमाय सान्नजल कुंभदानम्

६पं.द्वि.वै.शु.६र.इ.९।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	३	२	९	८	१
३	२	८	१३	१७	१३	२८	३
५८	९	४६	२३	३०	१/१	३	५२
२६	३५	८	२०	४७	२६	४१	२१
१७	३६	७३	८	६६	१२/०	३	५७
४४	२	३८	३२	४९	ब	११	३४

गोचरग्रहः

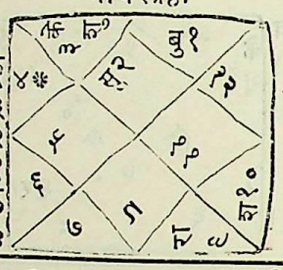

द्वि.वैशाखशु.१ बुधे वृषेऽर्कः प्र. वा. ४न.५ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धा. भावे समर्घता शुक्रो. पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

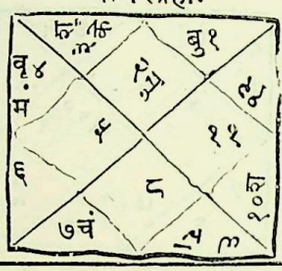

७पं.द्वि.वै.शु१३र.इ.९।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	३	२	९	८	१
१०	६	१८	१४	२५	१२	२७	१०
४२	११	४३	२२	२	१७	४१	३४
२५	४६	५९	१९	१७	५०	२६	३२
५७	३६	९४	९	६५	५०/१	३	५७
३५	२९	४३	२१	१७	ब	११	२३

ति| ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं० २०४८ शकः १९१३ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चन्द्रः | ग्रीष्मर्तुः रविरुत्तरे द्वि.वै. कृ. महाराष्ट्राः

१	बु	३१	३८	ज्ये	५२	१४	सि	३४	४३	कौ	३१	५८	३३/५८	५/१२	६/४८	२९	८	१४	ध.५२।१४	
२	गु	३८	१०	मू	५९	५२	सा	३६	१४	तै	५	४	३४/०	१२	४८	३०	९	१५	धनुषि	कर्के शुक्रः ५७।९
३	शु	४४	१७	पू	६०	०	शु	३८	५७	व	११	१३	२	१२	४८	३१	१०	१६	धनुषि	भ.११।२३उ.४४।१७या. कृत्ति. बुधः ²०/₂
४	श	५०	२१	पू	८	१	शु	४१	१४	ब	१७	१९	५	११	४९	१	११	१७	म.२४।५०	बृषे बुधः४८।५२ जून६ ता.३० च.ब्र.
५	र	५५	५५	उ	१५	१७	ब्र	४३	२२	कौ	२३	८	६	११	४९	२	१२	१८	मकरे	
६	चं	६०	०	अ	२२	५३	ऐं	४४	४०	ग	२८	२७	७	११	४९	३	१३	१९	कु.५५।५१	पुष्ये. शुक्रः ५।४३
७	मं	०	५९	ध	२८	४९	वै	४५	१७	व	०	५९	९	१०	५०	४	१४	२०	कुम्भे	भ. ०।५९ उ. ३२।४६ या.
८	बु	४	३२	श	३३	४८	वि	४४	३७	ब	४	३२	१०	१०	५०	५	१५	२१	कुम्भे	
९	गु	६	२५	पू	३५	४१	प्री	४२	३१	कौ	६	२५	१२	१०	५०	६	१६	२२	मी २०।१३	बुधास्तः पूर्वस्यां १६।५
१०	शु	६	३२	उ	३६	११	आ	३८	५०	ग	६	३२	१३	९	५१	७	१७	२३	मीने	भ. ३५।३६ उ. रोहि. बुधः ३।२८
११	श	४	४१	रे	३४	४४	सौ	३४	३८	वि	४	४१	१४	९	५१	८	१८	२४	मे. ३४।४४	भ. ⁴⁴/₅ या. मृगे रविः ²०/₉ (सौरः ³²/₂५)
१२	र	०	३९	अ	३०	५६	शो	२६	४३	वा	०	३९	१६	९	५१	९	१९	२५	मेषे	आश्ले. १ गुरुः ३३।२४ अपरा ११ ब्र.
१३	चं	४७	१२	भ	२५	३९	अ	१८	१९	ग	२०	५६	१७	९	५१	१०	२०	२६	बृ ३९।०	भ. ४७।१२ उ. प्रदोषः
१४	मं	३८	२३	कृ	१९	४	सु	५७	४९/४७	वि	१२	४७	१८	८	५२	११	२१	२७	वृषे	भ. १२।४७ या.
३०	बु	२८	४१	रो	११	३६	शु	४८	७	च	३	३२	१९	८	५२	१२	२२	२८	मि ३७।४९	वटसावित्री पू.

८पं ज्ये.कृ.५र.इ.९।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	३	३	९	८	१
१७	१०	०	१५	२	१२	२७	१७
२५	१७	३८	२६	२०	४९	१९	१५
८	३८	३८	३१	२४	२५	१०	३८
५७	३६	२९/०	१८	६३	३/९	३	५७
२७	५५	३८	४	३३	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

शकुन विचार— ज्येष्ठ अमावस दिवस वा रजनी बादल होय। चौमासा सूखा रहे भारी गड़बड़ होय॥

गोचरग्रहाः

९पं.ज्ये कृ.११र.इ.९।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	३	३	९	८	१
२४	१४	१४	१६	९	१२	२६	२३
७	२६	२३	३५	२४	३६	१६	५५
१२	४६	५०	४२	४०	४७	५५	३४
५७	३८	२९/०	१०	६१	१३/१	३	५७
२२	८	५९/११	४७	१७	ब	११	५

*वृमंचं ×शुमंबृ

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६६४३स१९९१

१	शु	१८	४३	मू	३	४	ग	३७	३६	व	१८	४३	३४	५	६	१३	२३	२९	मिथुने	मूगे बुधः १२ आश्ले. भौमः ४ चंद्र द.
२	शु	९	१०	पु	५०	११	कृ	२७	२	कौ	९	१०	२०	८	५२	१४	२४	१	क.३६।४८	पूषा.४राहुः पुन.२ केतुः ३ जिल्हेंज १२
३	श	०	४	पु	४४	३३	ध्रु	१७	९	ग	०	४	२१	८	५२	१५	२५	२	कर्के	भ.१६ उ.५३ या. मिथुनेऽर्कः १५ (सौरः *
४	श	५२	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	* ३ २)
५	र	४५	४७	श्ले	४	२५	व्या	८	३८	व	१९	०	२२	८	५२	१६	२६	३	सिं४०।२५	मिथुने बुधः १८।२५ आश्ले.शुक्रः ४१।५४
६	चं	४१	१४	म	३७	४७	ह	२५	१ ५४ २५	कौ	१३	३०	२२	८	५२	१७	२७	४	सिंहे	
७	मं	३८	१३	पू	३६	५०	सि	५१	४६	ग	९	४३	२३	७	५३	१८	२८	५	क.५१।५८	भ. ३८।१३ उ.
८	बु	३७	११	उ	३७	२२	व्य	४७	५८	वि	७	४२	२३	७	५३	१९	२९	६	कन्यायां	भ. ७।४२ या. आर्द्रा. बुधः २५।५६
९	शु	३७	२६	ह	३९	४०	व	४६	२३	ग	७	१८	२३	७	५३	२०	३०	७	कन्यायां	X ३ ४ ५)रा.आषाढारभः निर्जला ११ ब्र.
१०	शु	३९	५६	चि	४३	१६	प	४५	५८	तै	८	४१	२४	७	५३	२१	३१	८	तु.११।२८	गंगादशमी
११	श	४३	२९	स्वा	४८	९	शि	४६	३५	व	११	४२	२४	७	५३	२२	१	९	तुलायां	भ.११ ४२ उ.४ २९ या. आर्द्रा.रविः १७ ३९ (सौरः X
१२	र	४८	२	वि	५३	४९	सि	४७	३९	व	१५	४५	२४	७	५३	२३	२	१०	वृ.३७।२४	पातस्पर्शः ३०।३७ मोक्षः ५८।४९
१३	चं	५३	२०	अ	६०	०	सा	४९	३७	कौ	२०	४१	२४	७	५३	२४	३	११	बृश्चिके	प्रदोषः
१४	मं	५८	५६	अ	०	३४	शु	५१	३८	ग	२६	८	२४	७	५३	२५	४	१२	वृश्चिके	भ. ५८।५६ उ. पुन. बुधः ३०।२३
१५	बु	६०	०	ज्ये	७	२२	शु	५४	५	वि	३२	३	२३	७	५३	२६	५	१३	ध.७।२२	भ. ३२।३ या. गुर्जरराणां वट सा. ब्र.
१५	शु	५	१०	मू	१४	५५	ब्र	५६	२९	व	५	१०	२३	७	५३	२७	६	१४	धनुषि	आश्ले. २ गुरुः ५३।६

१०पं.ज्ये.शु.५२.इ.९।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	३	३	९	८	२
०	१८	२९	१७	१६	१२	२६	०
४८	३५	३९	४९	८	१९	३४	३४
२५	४९	४३	४८	३५	४८	३९	४३
५७	३७	२९	११	५८	४९	३	५६
१७	२५	४०	२०	२५	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

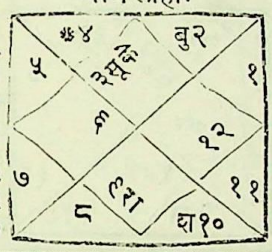

ज्ये. शु. ३ शनौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४ न. ५ प्रगल्भावस्था बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.

गोचरग्रहाः

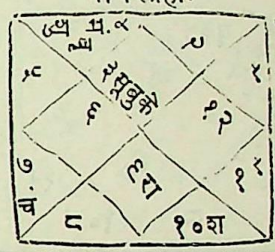

११पं.ज्ये.शु.१२र.इ.९।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	३	९	८	२
७	२२	१५	१९	२२	११	२६	७
२९	४६	६	७	२९	१८	१२	१३
२४	४४	३६	२६	२४	३४	२२	१०
५७	३७	३९	११	५४	२३	३	५६
१३	३७	५३	५७	२१	ब	११	५४

ति. आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं.२०४८शाकः १९१३ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	११	१६	पू	२२	२२	ऐं	५८	५०	कौ	११	१६	३४ ३३	५	६ ५३	२८	७	१५	म. ३६।१६	
२	श	१७	८	उ	३०	६	वै	६०	०	ग	१७	८	२२	८	५२	२९	८	१६	मकरे	भ. ४९ उ. बुधोदयः पश्चिमायां ४० ३६
३	र	२२	३२	अ	३७	११	वै	०	५०	वि	२२	३२	२२	८	५२	३०	९	१७	मकरे	भ. २२।३२ या. चतुर्थी ब्र.
४	चं	२७	१२	ध	४३	३३	वि	१	२६	बा	२७	१२	२१	८	५२	१	१०	१८	कु. १०।२२	कर्के बुधः ८।३८ जौलाई ७ ता. ३१
५	मं	३०	५२	श	४८	४६	प्री	३	२०	तै	३०	५२	२०	८	५२	२	११	१९	कुम्भे	पुष्ये बुधः ५९ मघा सिंहे शुक्रः १०
६	बु	३३	२५	पू	५२	४३	आ	३	२९	ग	२	८	१९	८	५२	३	१२	२०	मी ३६।४४	भ. ३३।२५ उ.
७	शु	३४	३२	उ	५४	५९	सौ	२	२७	वि	३	५८	१८	८	५२	४	१३	२१	मीने	भ. ३।५८ या.
८	शु	३३	५६	रे	५५	२९	शो	०	५७ २७	बा	४	१४	१७	९	५१	५	१४	२२	मे.५५।२९	मघायां सिंहे भौमः ४३।४०
९	श	३१	२१	अ	५३	५९	सु	५१	३०	तै	२	३८	१५	९	५१	६	१५	२३	मेषे	भ. ५९ उ. पुन. रविः १९ ३५ (सौरः ३५ २९)
१०	र	२७	९	भ	५०	३०	धृ	४४	५१	वि	२७	९	१४	९	५१	७	१६	२४	मेषे	भ. २७।९ या. पातस्पर्शः ४३।५६
११	चं	२१	१०	कृ	४५	३१	शू	३६	५२	बा	२१	१०	१३	९	५१	८	१७	२५	वृ.४।१९	पातमोक्षः ५।० योगिनी ११ ब्र.
१२	मं	१३	४१	रो	३९	१०	गं	२७	४९	तै	१३	४१	११	१०	५०	९	१८	२६	वृषे	प्रदोषः
१३	बु	४	५०	मृ	३१	४६	बृ	१७	५२	व	४	५०	१०	१०	५०	१०	१९	२७	मि५।२८	भ. ५४ उ. २९ ५७ या. आश्ले. बुधः २१ २९
१४	शु	५०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	शु	४५	६०	आ	२३	५२	धु	७	४९ ३४	च	२०	१७	८	१०	५०	११	२०	२८	मिथुने	

१२पं.आ.कृ.३र.इ.९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	३	९	८	२
१४	२६	२८	२०	२८	१०	२५	१३
९	५९	५	२७	२०	३३	५०	५१
५०	४६	२२	५८	२८	५४	८	१५
५७	३७	२९	१२	४९	५० ३	३	५६
७	५०	५९	१९	२६	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

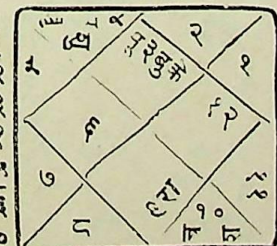

इस मास में सिंह राशिमें मंगलशुक्र का योग कहीं वर्षा अधिक कहीं कम करेगा । सोना चाँदी गेहूँ अलसी मिर्चतांबातेजहो ।

गोचरग्रहाः

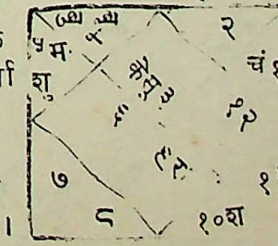

१३पं.आ.कृ.१०र.इ.९।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	३	४	९	८	२
२०	१	११	२१	३	११	२५	२०
५०	१४	१५	५१	३२	७	२७	५९
१०	१३	४०	१८	५३	२५	५२	९
५७	३८	०	११	४३	४	३	५६
७	१	१५	२४	३२	ब	११	५०

CC-0. Gurukul Kangri Vi...

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं०२०४८ शाकः१९१३	दि	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६६७२ स. १९९१
१	शु ३६ ६ पु ६ ७	ह	४५	३०	कि	१०	३८	३४/७	१५/१५	४६/६	१२	२१	२९	क.३।४	
२	श २५ ५६ पु ९ २	व	३५	३१	बा	१	१	५	११	४९	१३	२२	३०	कर्के	चन्द्र दर्शनम् रथयात्रा
३	र १७ ४७ श्ले ४८/२ ५५/३७	सि	२६	२६	ग	१७	४७	४	११	४९	१४	२३	१	सिं२।४८	भ ५४/४० उ.आश्ले.३ गुरुः २१/० मोहरम १*
४	चं ११ ३३ पू ५५ ५०	व्य	१८	३३	वि	११	३३	२	१२	४८	१५	२४	२	सिंहे	भ. ११।३३ या. *सन् १४१२ हि०
५	मं ७ २ उ ५४ ५८	व	१२	३४	बा	७	२	०	१२	४८	१६	२५	३	क.१०।३७	कर्केऽर्कः ४५।५९
६	बु ४ २८ ह ५६ ७	प	८	११	तै	४	२८	३३/८	१२	४८	१७	२६	४	कन्यायां	कर्केऽर्कः सौरः ११।१०
७	गु ४ १३ चि ५८ ५६	शि	५	२२	व	४	१३	५६	१३	४७	१८	२७	५	तु.२७।३२	भ. ४।१३ उ. ३५।१ या.
८	शु ५ ४८ स्वा ६० ०	सि	३	५५	व	५	४८	५४	१३	४७	१९	२८	६	तुलायां	
९	श ९ १४ स्वा ३ २८	सा	४	१४	कौ	९	१४	५२	१४	४६	२०	२९	७	वृ.५२।५०	पुष्ये.रविः १५/१९ (सौरः ४५/१९) मघासिंहेबुधः १७/१३
१०	र १३ ५८ वि ९ १७	शु	५	१५	ग	१३	५८	५०	१४	४६	२१	३०	८	वृश्चिके	भ. ४६।४८ उ,
११	चं १९ ३८ अ १५ ५३	शु	७	७	वि	१९	३८	४७	१५	४५	२२	३१	९	धृश्चिके	भ. १९/३९ या. वक्री उषा. ४ शनिः ३५/३२*
१२	मं २५ ३४ ज्ये २२ ४७	व्र	९	२५	बा	२५	३४	४५	१५	४५	२३	१	१०	ध.२२।४७	रा. श्रावणारंभः प्रदोषः
१३	बु ३१ ५६ मू ३० ८	ऐं	११	५३	तै	३१	५६	४८	१६	४४	२४	२	११	धनुषि	
१४	गु ३७ ५९ पू ३७ २२	वै	१४	४८	ग	४	५७	४०	१६	४४	२५	३	१२	म.५४।८	भ. ३७।५९ उ. *देवशयनी ११ व्र.
१५	शु ४३ ३१ उ ४४ २९	वि	१६	३२	वि	१०	४५	३७	१७	४३	२६	४	१३	मकरे	भ. १०।४५ या. वायुपरीक्षा व्यास१५

१४पं.आ.शु.३र.इ.९।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	३	४	९	८	२
२७	५	२१	२३	७	१०	२५	२७
३०	३०	५१	१७	५७	३७	५	७
३२	११	३०	२४	३६	३४	३७	१६
५७	३७	८३	१३	३५	२८/४	३	५६
११	२२	३५	७	१४	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

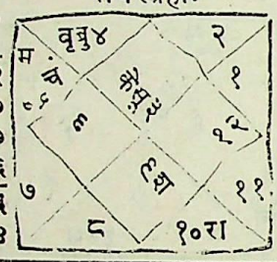

आ. शु. ५ भौमे कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

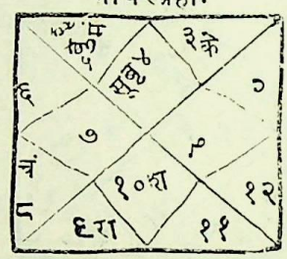

१५पं.आ.शु.१०र.इ.८।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	३	४	९	८	३
४	९	०	२४	११	१०	२४	३
११	४/७	५४	४५	८	६	४३	४५
१७	३८	५०	१८	६	५८	२१	४३
५७	३८	६३	१३	२४	४/०	३	५६
१५	२९	३४	२०	४	ब	११	५७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं.२०४८ शाकः१९१३	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़ कृ. महाराष्ट्राः
१	श ४८ २४ श्र ५१ १	प्री	१८	२८	बा	१५	५७	३३/३५	१७/१५	४३/६	२७	५	१४	मकरे	पूफा. भौमः ३।२९
२	र ५२ ३५ ध ५६ ५०	आ	१९	३२	तै	२०	२९	३२	१८	४२	२८	६	१५	कु.२३।५८	
३	चं ५५ ४२ श ६० ०	सौ	२०	११	व	२४	८	२९	१८	४२	२९	७	१६	कुम्भे	भ. २४।८ उ. ५५।४२ या.
४	मं ५७ ४३ पू १ ५८	शो	२०	१२	ब	२६	४२	२६	१९	४१	३०	८	१७	मी५०।३	आश्ले. ४ गुरुः १।० चतुर्थी व्र.
५	बु ५८ ३८ पू ६ ५	अ	१९	११	कौ	२८	१०	२४	१९	४१	३१	९	१८	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	गु ५८ ३७ उ ९ १६	सु	१७	२२	ग	२८	३७	२१	२०	४०	१	१०	१९	मीने	भ.५/३७ उ.वक्री शुक्रः ३/४९ अगस्तद ता.३१
७	शु ५७ ३ रे १० ४३	धृ	१४	३५	वि	२७	५०	१८	२०	४०	२	११	२०	मे.१०।४३	भ. २७।५० या
८	श ५५ १३ अ १० ५८	शु	१०	४२	बा	२६	८	१५	२१	३९	३	१२	२१	मेषे	आश्ले. रविः १२।१७ (सौरः ४२।३८)
९	र ५० ० भ ९ ३४	ग	४०/५	५/१५	तै	२२	३६	१२	२२	३८	४	१३	२२	वृ.२३।५०	
१०	चं ४४ २० कृ ६ २८	शु	५२	१८	व	१७	१०	९	२२	३८	५	१४	२३	वृषे	भ.१७/१० उ.४४/२० या. अस्तं गुरोः ३३/३६
११	मं ३७ १९ रो २२ ५३/२६	व्या	४३	५८	ब	१०	४९	६	२३	३७	६	१५	२४	मि२९।३४	वक्री बुधः ०।५९ कामिका ११ व्र.
१२	बु २९ १४ आ ५० १३	ह	३४	५१	कौ	३	२१	३	२३	३७	७	१६	२५	मिथुने	प्रदोषः
१३	गु २ ४१ पु ४३ ४०	व	२५	४	व	२०	४१	८	२४	३६	८	१७	२६	क.३०।१८	भ. २०।४१ उ. ४५।५९ या.
१४	शु ११ १७ पु ३५ ५६	सि	१४	५१	श	११	१७	५३/५६	२५	३५	९	१८	२७	कर्के	
३०	श २ १८ श्ले २९ १७	व्य	४७/४	५०/११	ना	२	१८	५३	२५	३५	१०	१९	२८	सिं२९।१७	हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.२र.इ.८।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	३	४	९	८	३
१०	१४	७	२६	१२	९	२४	१०
५२	८	३५	१४	१८	३६	२१	२५
१९	२४	२४	५३	५०	७	५	०
५७	३८	४४	१३	१०	४/०	३	५७
२०	४७	२७	२६	२५	ब	११	५

गौचरग्रहाः

श्रा. शु. ८ शनौ सिंहेऽर्कः प्र. वा. ५ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

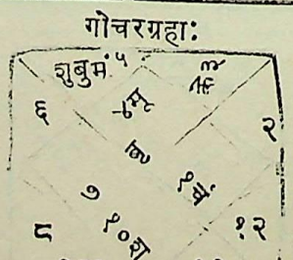

१७पं.श्रा.कृ.९र.इ.८।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	३	४	९	८	३
१७	१८	११	२७	१३	९	२३	१७
३४	३०	२४	४५	११	५	५८	४
१	७	५४	४०	२२	२४	५०	४८
५७	३८	८	१३	४७/५	३/६	३	५७
२५	५४	३१	३२	ब	ब	११	१२

Digitized by S3 Foundation USA

ति. | श्रावण शुक्ल पक्षः सं.२०४८ शाकः१९१२ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७०२ स.१९९१

१	श	५०	३०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	८	
२	र	४६	२	म	२३	३१	प	४६	१९	आ	१९	२५	३३/५०	५/२६	६/३४	११	२०	२९	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंभारः
३	चं	४०	४९	पू	१९	१३	शि	३८	४९	ति	१३	२६	४७	२७	३३	१२	२१	१	क.३३।३४	तीज सफर २
४	मं	३६	५९	उ	१६	४०	सि	३२	२३	व	८	५४	४३	२७	३३	१३	२२	२	कन्यायां	भ. ५/४ उ. ३/५६ या. शुक्रास्तः प. ३०/३१
५	बु	३५	३१	ह	१६	२६	सा	२७	५७	ब	६	१५	४०	२८	३२	१४	२३	३	तु. ४७।१७	मघा१ सिंहे गुरुः १५/५३ बुधास्तः प ४७/१२*
६	शु	३५	५५	चि	१८	८	शु	२५	२७	कौ	५	४३	३६	२९	३१	१५	२४	४	तुलायां	*नाग पंचमी
७	शु	३८	३५	स्वा	२१	३७	शु	२४	२६	ग	७	१५	३३	२९	३१	१६	२५	५	तुलायां	भ.३/५५ उ. पूषा.३ राहुः पुन. १केतुः २१/१६
८	श	४२	४२	वि	२६	४५	ना	२४	३२	वि	१०	३८	२९	३०	३०	१७	२६	६	वृ.१०।२८	भ.१०/३३ या.लघा सिंहेऽर्कः १५/१२(सौरः ३९/५५)÷
९	र	४८	१३	अ	३३	८	ऐं	२५	५०	ना	१५	२७	२६	३१	२९	१८	२७	७	वृश्चिके	÷उफा. भौमः १२/१२
१०	चं	५४	११	ज्ये	४०	११	वै	२८	०	ति	२१	१२	२२	३२	२८	१९	२८	८	ध.४०।११	
११	मं	६०	०	मू	४७	२०	वि	३०	२८	व	२७	१३	१९	३२	२८	२०	२९	९	धनुषि	भ २७।२३ उ. पवित्रा ११ ब्र.
१२	बु	०	३५	पू	५४	३१	भी	३३	२	वि	०	६	१५	३३	२७	२१	३०	१०	धनुषि	भ. ०।६ या.
१३	शु	६	४७	उ	६०	०	आ	३५	१२	ना	६	४७	११	३४	२६	२२	३१	११	म.११।२८	कन्यायां भौमः २८।३६ प्रदोषः
१४	शु	१२	१७	उ	२	१९	सो	३७	१	ति	१२	१७	८	३४	२६	२३	१	१२	मकरे	रा भाद्रपदारंभः
१५	श	१६	४४	अ	७	१७	शो	३७	५३	व	१६	४४	४	३५	२५	२४	२	१३	कुं.३९।४९	भ. १६।४४ उ. ४८।२५ या.
१५	र	२०	५	ध	१२	२२	अ	३८	३	व	२०	५	०	३६	२४	२५	३	१४	कुम्भे	श्रावणी कर्म रक्षा बन्धनम्

१८पं.श्रा.शु.२र.इ.८।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	३	४	५	८	३
२४	२२	११	२५	११	८	२२	२३
१६	५२	३९	१६	३५	३५	३६	४५
२६	१६	२२	४८	२८	२	३४	५१
५७	३९	२३/२०	१३	२५/५३	१४	३	५७
२३	४	बु	३७	ब्र	ब	११	२२

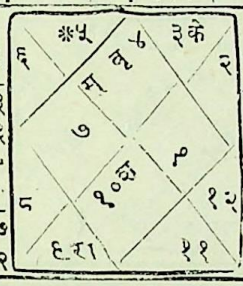

१९पं.श्रा.शु.९र.इ.८।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	४	४	९	८	४
०	२७	७	०	८	८	२३	०
५९	१८	४४	४८	१३	६	१४	२८
४२	०	२०	३२	४४	२९	१९	८
५७	३९	२३/५८	१३	३३/५३	४	३	५७
४०	११	बु	३८	ब	ब	११	३४

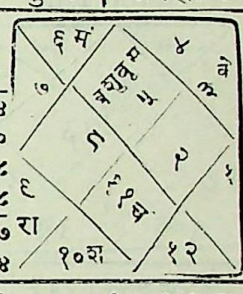

२०पं.श्रा.शु.१५र.इ.८।१३

र	मं	शु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	४	९	८	४
७	१	१	२	३	७	२२	७
३४	४५	५४	२०	५८	४०	५२	११
१७	४	३२	२८	३४	५९	३	३९
५७	३९	५३/५७	१३	३३/४४	४३	३	५७
४९	२९	बु	३८	ब	ब	११	४५

ति. | भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं.२०४८ शाकः१९१३ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृ.महाराष्ट्र

१	चं	२२	२७	श	१६	४३	सु	३७	२२	कौ	२२	२७	३१/५६	५/३७	३/२३	२६	४	१५	कुम्भे	
२	मं	२३	३६	पू	२०	१	धृ	३५	४७	ग	२३	३६	५२	३८	२२	२७	५	१६	मी४।११	भ. ५३/३७ उ. वक्री कर्के आश्ले. बुधः १८
३	बु	२३	३९	उ	२२	८	शु	३३	२१	वि	२३	३९	४८	३८	२२	२८	६	१७	मीने	भ.२३/३९या. शुक्रोदयः पू. ५०/२४ चतुर्थी ब्र.
४	गु	२२	४०	रे	२३	३७	गं	३०	१७	ना	२२	४०	४४	३९	२१	२९	७	१८	मे २३।३७	मघा. २ गुरुः ४७/१० बुधोदयः पू. ५५
५	शु	२०	४६	अ	२४	१	वृ	२६	११	ति	२०	४६	४८	४०	२०	३०	८	१९	मेषे	पूफा. रविः५५/५९ उदयं गुरोः १५/० चन्द्रषष्टी
६	श	१८	१०	भ	२३	१७	ध्रु	२२	१	व	१८	१०	३६	४१	१९	३१	९	२०	वृ.३७।५५	भ.१५/१०उ. ४६/२३या. पूफा. रविः सौरः २९/५७ *
७	र	१४	३५	कृ	२१	४८	व्या	१६	६	ब	१४	३५	३२	४२	१८	१	१०	२१	वृषे	वक्री आश्ले.कर्के शुक्रः २३/२४ सितम्बर ९÷
८	चं	१०	२०	रो	१९	१०	ह	१०	११	कौ	१०	२०	२८	४२	१८	२	११	२२	मि४७।२३	जन्माष्टमी ब्र. वै. *मार्गी बुधः ५०/७
९	मं	५	१	मृ	१५	३६	व	१०/१०	५३/३५	ग	५	१	२५	४३	१७	३	१२	२३	मिथुने	भ. ५।१ उ. ३१।५८ या. गोगा ९
१०	मं	५३	५३	०	०	८	०	०	०	०	०	८	०	०	८	०	०	८	०	
११	बु	५२	१३	आ	११	१०	व्य	४७	४३	व	२५	३३	२१	४४	१६	४	१३	२४	क ५२।१४	अजा११ब्र.स्मा. ÷ता.३०जन्माष्टमीब्र.
१२	शु	४४	५०	पु	५	५५	व	३९	९	कौ	१८	३१	१७	४५	१५	५	१४	२५	कर्के	मघा.सिंहेबुधः १०/३३ अजा११ब्र वै.वत्स१२
१३	शु	३७	२९	पु	१५/१५	५४/११	प	३०	२०	ग	११	९	१३	४५	१५	६	१५	२६	सि५४।२६	भ. ३७।२९ उ. प्रदोषः
१४	श	२९	५५	म	४९	१०	शि	२१	३२	वि	३	४२	९	४६	१४	७	१६	२७	सिंहे	भ. ३।४२ या. हस्ते भौमः ०।४६
३०	र	२३	१२	पू	४४	३९	सि	१३	२	ना	२३	१२	५	४७	१३	८	१७	२८	कं.५८।४९	कुशाग्रहणी पिठोरी ३० मन्वादिः

२१पं.भा.कृ.र इ.८।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	४	४	९	८	४
१४	६	२९	३	०	७	२२	१३
२९	१३	२९	५१	६	१७	२९	५६
५६	२३	३१	४७	३६	५७	४७	५१
५८	३९	२३	१३	३९/४३	१९	३	५७
१	२९	मा	३२	ब	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

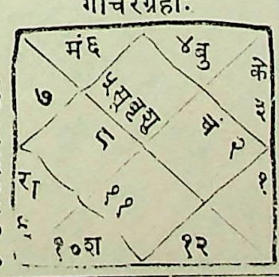

इस मास में ५ सोमवार तथा बुध गुरु शुक्र का उदय वर्षा श्रेष्ठ करे। धान्य गुड़गेहूँसोना सिरस्युं मूंगफली तेज होकर मंदीहो।

गोचरग्रहाः

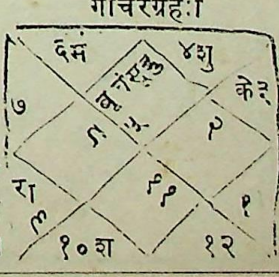

२२पं.भा.कृ.३०र.इ.७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	३	९	८	४
२१	१०	३	५	२७	६	२२	२०
१६	४४	१८	२२	४७	५८	७	४३
५५	३१	५४	२९	५२	१६	३२	३१
५८	३९	६७	१३	२२/३२	३३	३	५८
१३	४६	१३	२५	ब	ब	११	२

*शु.मं.बु.चं.

CC-0. Gurukul K...

तिः भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं.२०४८ शाकः १९१३ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | शरदृतुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७३१स.१९९१

१	च	१७	२९	उ	४१	२१	सा	१५	५३/१९	ब	१७	२९	३१/१	५/४८	६/१२	९	१८	२९	कन्यायां
२	मं	१३	२०	ह	३९	५४	शु	५३	६	कौ	१३	२०	३०/५७	४९	११	१०	१९	३०	कन्यायां
३	बु	११	२	चि	४०	२२	व्र	४९	४	ग	११	२	५३	४९	११	११	२०	१	तु.१०।८
४	गु	१०	४०	स्वा	४२	३४	ऐं	४६	४१	वि	१०	४०	४८	५०	१०	१२	२१	२	तुलायां
५	शु	१२	२६	वि	४६	५६	वै	४६	४	बा	१२	२६	४४	५१	९	१३	२२	३	वृ.३०।५०
६	श	१५	५२	अ	५२	३१	वि	४६	२०	तै	१५	५२	४०	५२	८	१४	२३	४	वृश्चिके
७	र	२०	५०	ज्ये	५९	२३	प्री	४७	५५	व	२०	५०	३६	५३	७	१५	२४	५	ध.५९।२३
८	चं	२६	३९	मू	६०	०	आ	४९	५८	ब	२६	३९	३२	५४	६	१६	२५	६	धनुषि
९	मं	३३	७	मू	६	३७	सो	५२	२८	कौ	३३	७	२८	५४	६	१७	२६	७	धनुषि
१०	बु	३९	१९	पू	१३	५५	शो	५४	४३	तै	६	१३	२४	५५	५	१८	२७	८	म.३०।३९
११	गु	४४	५०	उ	२०	५१	अ	५६	४१	व	१२	४	२०	५६	४	१९	२८	९	मकरे
१२	शु	४९	२०	श्र	२६	५८	सु	५७	३९	ब	१७	५	१६	५७	३	२०	२९	१०	कु.५९।२४
१३	श	५२	३०	ध	३१	५०	धृ	५७	३७	कौ	२०	५५	१२	५८	२	२१	३०	११	कुम्भे
१४	र	५४	९	श	३५	२६	शु	५६	३७	ग	२३	१९	८	५८	२	२२	३१	१२	कुम्भे
१५	चं	५४	२०	पू	३७	५३	गं	५४	३०	वि	२४	१४	४	५९	१	२३	१	१३	मी २२।१६

चन्द्रदर्शनम्
भ.५९/१९ उ. हरितालिका ३ गणेश ४ *
भ.१०।४० या. मार्गी शुक्रः ५८।४७
उफा. रविः ४०।९ ऋषिपंचमी
उफा.रविः सौरः १४/३५ मघा.३गुरुः १६।३४
भ.२०/५० उ ५३/४५ या.पूफा.बुधः ३३/५९ अस्तो+
वक्री उषा ३शनिः २३/२९ *रविलावल ३
कन्यायामर्कः ५।३० (सौरः ३९।४६)
बुधास्तः पूर्वस्याम् ४७/११ +भौमः ४९/५९
भ.१२/४ उ. ४४/५० या. जलझूलनी ११ व्र.
वामनजयन्ती
प्रदोषः
भ.५४/९ उ. उफा. बुधः ५७/१३ अनन्त १४
भ. २४/१४ या. रा.आश्विनारंभः महालयारं.

२३पं.भा.शु.७र.इ.७।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	३	९	८	४
२८	१५	१२	६	२७	४	२१	२७
५	१७	३६	५१	१७	४२	४५	३१
२४	३१	४९	२२	२	२५	१६	५२
४८	३९	९९	१३	५/५	५७/१	३	५८
२६	५२	४	१९	मा	ब्र	११	२९

गोचरग्रहाः

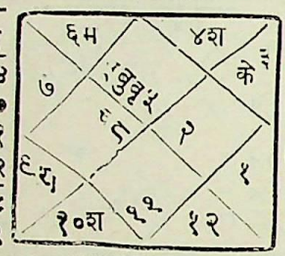

भा. शु. ९ भौमे कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न.४ गता लकावस्था(बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

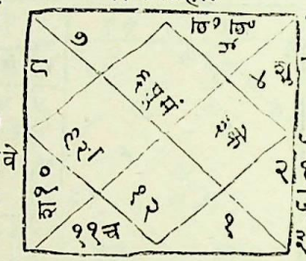

२४पं भा.शु १४र.इ.७।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	४	३	९	८	५
४	१९	२५	८	२८	६	२१	४
५५	५२	९	१८	४०	३१	२३	२१
१९	४८	११	५०	१	८	१	५९
५८	४०	८/०	१३	१९	१/१९	३	५८
२८	१३	५/०	३	४४	ब्र	११	४५

तिः आश्विन कृष्ण पक्षः सं.२०४८ शाकः १९१३ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | शरदृतुरविर्दक्षिणे भाद्र. कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	५३	१०	उ	३९	०	वृ	५१	१५	बा	२३	४५	३०/०	०/०	६/०	२४	२	१४	मीने
२	बु	५१	०	रे	३८	४७	धु	४६	५८	तै	२२	५	२९/६१	५५/१	५/९	२५	३	१५	मि.३८।४७
३	गु	४७	४६	अ	३८	२४	व्या	४१	५९	व	१९	२३	५१	२	५८	२६	४	१६	मेषे
४	शु	४३	५६	भ	३६	५६	ह	३६	३५	ब	१५	५१	४७	३	५७	२७	५	१७	वृ.५१।२५
५	श	३९	३४	कृ	३४	५२	व	३०	२६	कौ	११	४५	४३	३	५७	२८	६	१८	वृषे
६	र	३५	८	रो	३२	३१	सि	२४	२७	ग	७	२१	३८	४	५६	२९	७	१९	वृषे
७	चं	३०	२०	मृ	२९	४१	व्य	१७	२३	वि	२	४४	३४	५	५५	३०	८	२०	मि १।५
८	मं	२५	१३	आ	२६	२६	व	१०	४०	कौ	२५	१३	३०	६	५४	१	९	२१	मिथुने
९	बु	२०	२	पु	२२	४३	प	२८/३	४३/५३	ग	२०	२	२६	७	५३	२	१०	२२	क.८।३९
१०	गु	१४	२५	पु	१८	४९	सि	४८	४८	वि	१४	२५	२२	८	५२	३	११	२३	कर्के
११	शु	८	४९	श्ले	१४	४५	सा	४१	३२	बा	८	४९	१८	८	५२	४	१२	२४	सि १४।४५
१२	शु	३	२१	म	१०	४७	श्र	३४	२६	तै	३	२१	१४	९	५१	५	१३	२५	सिंहे
१३	श	५४	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	रे	५३	२५	पू	७	५५	शु	२७	३२	वि	२६	४	१०	१०	५०	६	१४	२६	क.२२।६
१५	चं	५०	२८	उ	४	३८	ब्र	२१	२०	च	२२	९	६	११	४९	७	१५	२७	कन्यायां

कन्यायां बुधः ४६।२९

भ.२९/२३ उ. ४७/४९ या.मघा.सिंहेशुक्रः १।४३
हस्ते रविः १५/३६ (सौरः ५२/१६) चित्रा.भौमः*
*२६।२९ चतुर्थी व्र.
भ. ३५।८ उ.
भ.४३/४ या. हस्ते बुधः ५१/४ मघा. गुरुः २१/१६
अक्टूबर १० ता. ३१
भ. ४७।१३ उ. मातृ ९
भ. १४।२५ या.
मार्गी शनिः २९।४० इन्दिरा ११ व्र.
भ. ५८।१८ उ. प्रदोषः
×सर्वपितृश्रा. सोमवती३०
भ. २६।४ या. शस्त्रादिहतानां श्राद्धं
चित्रा. बुधः ४२।२०तुलायांभौमः २३/३७×

२७पं.आ.कृ.६र.इ ७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	४	४	९	८	५
११	२४	८	९	१	६	२१	११
४६	२८	२०	४४	३७	२५	०	१४
५५	१६	२०	२८	१	१६	४५	१
५८	४०	८/०	१२	३१	३/३३	३	५९
५२	२३	१३	३८	२०	ब्र	११	०

गोचरग्रहाः

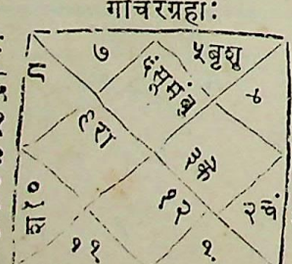

सिंह का गुरु सुभिक्ष एवं मंदी करे । बृहस्पतिर्यदा सिंहे सुभिक्षं तत्र जायते । मेघाश्च प्रबलास्तत्र बहुसस्या च मेदिनी ।

गोचरग्रहाः

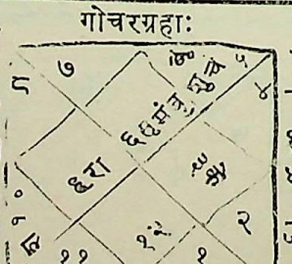

२६पं.आ.कृ.१४.रइ.७।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	४	४	९	८	५
१८	२९	२०	११	५	६	२०	१८
४०	८	३०	६	५०	२३	३८	७
८	३८	४	४०	६	२७	२९	४८
५९	४०	८/०	१२	४०	१०/०	३	५९
९	३९	१/६	१७	२१	मा	११	१६

Gurukul Kangri University, Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः शरदृतूरविर्दक्षिऽहर्गणः स. ६७६०स १९९१

१	मं	४८	२८	ह	३	१९	ऐं	१६	५	कं	१९	२८	२९/१२	६/५	८	१६	२८	तु.३३।३१
२	बु	४७	५८	चि	३	४४	वै	११	४६	ना	१८	१३	२५/८	१२	४८	९	१७	२९	तुलायां
३	गु	४९	३१	स्वा	४	४९	वि	८	५३	तै	१८	४४	५४	१३	४७	१०	१८	१	वृ.५२।२३
४	शु	५२	३४	वि	८	१४	प्री	७	३२	घ	२१	२	५०	१४	४६	११	१९	२	वृश्चिके
५	श	५७	१०	अ	१३	२९	आ	६	४८	ब	२४	५२	४६	१५	४५	१२	२०	३	वृश्चिके
६	र	६०	०	ज्ये	१९	५२	सौ	७	४१	की	२९	५४	४२	१६	४४	१३	२१	४	ध.१९।५२
६	चं	२	३८	मू	२६	५३	शो	९	१०	तै	२	३८	३८	१६	४४	१४	२२	५	धनुषि
७	मं	९	७	पू	३४	३२	अ	११	३७	व	९	७	३४	१७	४३	१५	२३	६	म.५१।१४
८	बु	१५	२६	उ	४१	२३	सु	१३	५४	व	१५	२६	३०	१८	४२	१६	२४	७	मकरे
९	गु	२१	१४	श्र	४८	३४	धृ	१६	०	की	२१	१४	२६	१९	४१	१७	२५	८	मकरे
१०	शु	२६	१३	ध	५३	५८	शू	१७	३४	ग	२६	१३	२२	२०	४०	१८	२६	९	कु.२१।१६
११	श	२९	३७	श	५७	५८	गं	१८	१	वि	२९	३७	१८	२०	४०	१९	२७	१०	कुम्भे
१२	र	३१	१९	पू	६०	०	वृ	१७	१९	ब	०	२८	१४	२१	३९	२०	२८	११	मी४६।११
१३	चं	३१	१६	पू	०	१५	शु	१५	१४	की	१	१७	१०	२२	३८	२१	२९	१२	मीने
१४	म	२९	१९	उ	०	५०	व्या	११	३७	ग	०	१७	६	२३	३७	२२	३०	१३	मीने
१५	बु	२६	१	रे	२	५०		६	४९	व	२६	१	२	२४	३६	२३	१	१४	मे. ०।२

नवरात्रारभः मातामह श्रा.
चंद्रदर्शनम् -१० पट्टाभि.
चित्रा. रविः ५०।३७ रविलाखर ४
भ. २१/२ उ. ५३/३४ या. चित्रा. रविः (सौरः ३३/५२) *
*तुलायां बुधः ४५।८
÷सरस्वती पूजनम्
सरस्वत्यावाहनम्
भ. ६/७ उ. ४३/१७ या. स्वात्यां बुधः ३८।४५÷
पूफा. शुक्रः १६।२८ बलिदानम्
तुलायामर्कः ३४/२३ स्वात्यां भौमः २०।३९+
भ. ५५/५७ उ. तुलार्कः सौरः ३५/३ पूफा. १ गुरुः≡
भ. २६/३७ या पापांकुशा ११ व्र.
≡ १८/५ पूषा. २ राहुः आर्द्रा ४ केतुः १३/१६ विजया-
प्रदोषः +विजया १० सरस्वती विसर्जनम्
भ. २९/१९ उ. ५४/७ या. कोजागरी व्र.
पूषा. ४ शनिः १४/१९ बुधोदयः प. रा. कार्तिका.

२७पं.आ.शु.६र.इ.७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	४	४	९	८	५
२५	३	२	१२	१०	६	२०	२५
३५	४९	२०	२६	११	२६	१६	३
६	४८	२६	२४	४	१०	१४	३०
५९	४०	०	११	४७	०	३	५९
२१	३०	४४	४८	१२	५९	११	३१

गोचरग्रहाः

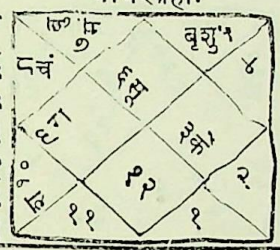

आ. शु. ६ गुरौ तुलायामर्कः प्र.वा. ३ नं. ४ युवावस्था (तो) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.

गोचरग्रहाः

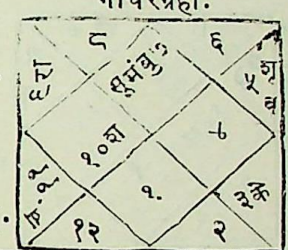

२८पं.आ.शु.१२र.इ.६।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	४	९	८	६
२	८	१३	१३	१६	६	१९	२
३१	३३	३७	४२	३७	३४	५३	०
२४	४३	०४	६	२६	४८	५८	५८
५९	४१	९२	११	५२	१	३	५९
३४	१	३८	१०	३५	४०	११	४६

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०४८ शाकः १९१३ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणेऽाश्विन कृ. महाराष्ट्रा

१	गु	२१	२६	भ	५४	५९	व	१/२	५३/५५	की	२१	२६	२७/५८	६/२४	५/३६	२४	२	१५	मेषे
२	शु	१६	८	कु	५१	२४	व्य	४६	४१	ग	१६	८	५४	२५	३५	२५	३	१६	वृ.९।५
३	श	१०	८	रो	४७	३८	ब	३८	५५	वि	१०	८	५०	२६	३४	२६	४	१७	वृषे
४	र	४	५	मृ	४३	४२	प	३१	८	वा	४	५	४६	२७	३३	२७	५	१८	मि२५।३१
५	र	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	चं	५२	१६	आ	४०	४	शि	२३	२८	ग	२५	८	४२	२८	३२	२८	६	१९	मिथुने
७	मं	४७	११	पु	३६	२८	सि	१५	५५	वि	१९	४३	३९	२८	३२	२९	७	२०	क.२२।२२
८	बु	४२	८	पु	३३	१	सा	८	३५	वा	१४	४०	३५	२९	३१	३०	८	२१	कर्के
९	गु	३७	४४	श्ले	३०	०	शु	५/३०	५३/२२	तै	९	५६	३१	३०	३०	३१	९	२२	सिं३०।०
१०	शु	३३	३७	म	२७	२३	व	४८	४६	व	५	४०	२७	३१	२९	१	१०	२३	सिंहे
११	श	३०	१२	पू	२५	११	ऐं	४३	८	ब	१	५४	२४	३१	२९	२	११	२४	क.३९।४९
१२	र	२७	२२	उ	२३	४३	वै	३८	६	तै	२७	३२	२०	२२	२८	३	१२	२५	कन्यायां
१३	चं	२५	४३	ह	२२	५४	वि	३३	१४	व	२५	४३	१६	३३	२७	४	१३	२६	तु.५३।९
१४	मं	२४	५६	चि	२३	२४	प्री	३०	२	श	२४	५६	१३	३३	२७	५	१४	२७	तुलायां
३०	बु	१५	२०	स्वा	२५	५	आ	२७	१८	ना	२५	२०	९	३४	२६	६	१५	२८	तुलायां

स्व त्यौं रविः १६/२५ (सौरः ४६/३३) विशा. *
भ. ४३।८ उ.
१०।८ या. करकचतुर्थी व्र.
*बुधः १७।५०

भ. ५२।१६ उ.
भ. १९।४३ या.
बृश्चिके बुधः ५२/५६ उफा. शुक्रः ५३/३२

भ. ४०/३० उ ३३/३७ या. नवम्बर ११ ता. ३०
अनु. बुधः ११।२६ रमा ११ व्र.
कन्यायां शुक्रः ४।५ प्रदोषः धन १३
भ. २५।४३ उ. ५५।२० या. रूप १४
विशा भौमः ४८।४८ मह. लक्ष्मीपूजनम्
विशा. रविः ३६।४८ अन्नकूटगोवर्द्धनपूजा.

२९पं.का.कृ.४र.इ.६।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	४	९	८	६
९	१३	२४	१४	२३	६	१९	९
२९	१९	२४	५३	६	४७	३१	०
४९	२६	०	२४	५४	२८	४२	१८
५९	४१	९३	१०	५६	२	३	६०
४७	१६	४५	३१	३१	२०	११	२

गोचरग्रहाः

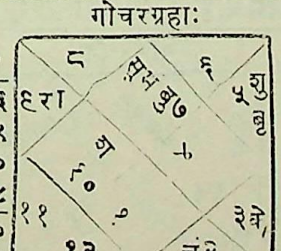

इस मासमें ५ गुरुवार श्रेष्ठ हैं। मंगलवारी दीपमालिका अनाज, बाजरा मूंग मक्का आदि का संग्रहसे लाभकारक रहे।

गोचरग्रहाः

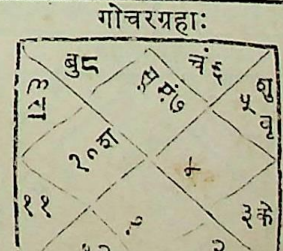

३०पं.का.कृ.१२र.इ.६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	४	५	९	८	६
१६	१८	४	१५	०	७	१९	१६
२९	७	३९	५९	४	५	९	१
३८	५९	४०	५६	१२	१३	२७	२२
६०	४१	८६	९	५९	३	३	६०
४	२६	३८	४६	४५	१	११	१८

CC-0. Gurukul K...

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०४८ शाकः१९१३ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७९०सं.१९९१

१	गु	२७	१५	वि	२८	२६	सौ	२६	४	ब	२७	१५	२७/६	३/५	२५	७	१६	२९	वृ.१२।२६
२	शु	३०	३२	अ	३३	११	शो	२४	५८	कौ	३०	३२	२	३६	२४	८	१७	३०	वृश्चिके
३	श	३५	११	ज्ये	३९	१६	अ	२५	३८	तै	२	५१	२६/५९	३६	२४	९	१८	१	ध.३९।१६
४	र	४०	३५	मू	४५	३६	सु	२६	५०	व	७	५३	५६	३७	२३	१०	१९	२	धनुषि
५	चं	४६	५८	पू	५३	५९	धृ	२८	५२	ब	१३	४६	५३	३७	२३	११	२०	३	धनुषि
६	मं	५३	२९	उ	६०	०	शू	३१	१०	कौ	२०	१३	४९	३८	२२	१२	२१	४	म.१०।५८
७	बु	५९	४८	उ	१	५५	गं	३३	२६	ग	२६	३८	४६	३९	२१	१३	२२	५	मकरे
८	गु	६०	०	श्र	९	३४	वृ	३५	२८	वि	३२	३२	४३	३९	२१	१४	२३	६	कु.४२।५१
८	शु	५	१७	ध	१६	८	ध्रु	३६	४३	ब	५	१७	४०	४०	२०	१५	२४	७	कुम्भे
९	श	९	२०	श	२१	१३	व्या	३६	४१	कौ	९	२०	३७	४१	१९	१६	२५	८	कुम्भे
१०	र	११	५५	पू	२४	३४	ह	३५	२८	ग	११	५५	३४	४१	१९	१७	२६	९	मीन८।४३
११	चं	१२	२३	उ	२५	५८	व	३२	४६	वि	१२	२३	३१	४२	१८	१८	२७	१०	मीने
१२	मं	१०	४९	रे	२५	२१	सि	२८	२६	वा	१०	४९	२९	४२	१८	१९	२८	११	मे.२५।२१
१३	बु	७	२५	अ	२३	५	व्य	२२	३५	तै	७	२५	२६	४३	१७	२०	२९	१२	मेषे
१४	गु	२	२०	भ	१९	१७	व	१५	१६	व	२	२०	२४	४३	१७	२१	३०	१३	वृ.३३।२
१५	गु	५३	२२	०	०	०	०	८	८		०	०	०	०	०	०	०	०	०

विशा. रविः सौ: ५/२ पूफा २ गुरुः ४३/२५
चंद्र द. भ्रातृ २
जमादिला वल ५
भ. ७।५३ उ. ४०।३५

ज्येष्ठा. बुधः ३।२७ हस्ते शुक्रः ४८।२७
भ. ५९।४८ उ.
भ. ३२।३२ या. गोपाष्टमी

वृश्चिकेऽर्कः ३२/५० (सौरः ५५/१९) अक्षय ९
भ. ४२।९ उ.
भ.१२३/२३या. प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी वि.
अनु. रविः ५१।१० प्रदोषः
अनु.रविः सौरः१५/७ वृश्चिके भौमः१९/१२*
भ. २।२० उ. २९।१या. *वैकुंठ १४

३१पं.का.शु.४र.इ.६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	४	५	९	८	६
२३	२२	१४	१७	७	७	१८	२३
३०	५९	१६	१	१२	२७	४७	३
५८	५९	२३	३४	४	२२	११	५८
६०	४१	७३	८	६२	३	३	६०
१७	३७	३८	५९	११	४२	११	३०

गोचरग्रहाः

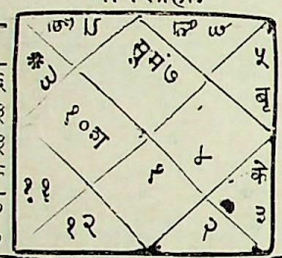

का. शु. ९ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. २ न. २ युवावस्था (सूर्ता) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

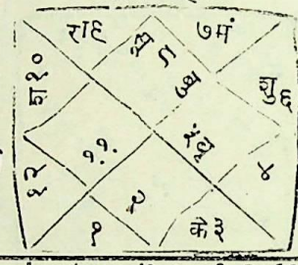

२२पं.का.शु.१०र.इ.६।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	४	५	९	८	७
०	२७	२२	१७	१४	७	१	०
३३	५२	४८	५७	४१	५३	२४	८
४७	३७	४७	७	२८	४६	५६	२
६०	४१	६४	८	६४	४	३	६०
३०	४६	४०	३	७	२३	११	४०

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०४८ शाकः१९१३ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	४८	१८	कृ	१४	१६	प	५२/६	५१/७	वा	२२	१	२६/११	४४/६	१६/५	२२	१	१४	वृषे
२	श	४०	३१	रो	८	४६	सि	४८	२९	तै	१४	२४	१९	४४	१६	२३	२	१५	मि२५।५३
३	र	३२	२८	मृ	३/१	५४/२९	सा	३८	५८	व	६	२९	१६	४५	१५	२४	३	१६	मिथुने
४	चं	२५	११	पु	५२	१६	शु	३०	१	वा	२५	११	१३	४५	१५	२५	४	१७	क.३८।३५
५	मं	१८	२३	पु	४८	१०	शु	२१	१४	तै	१८	२३	११	४६	१४	२६	५	१८	कर्के
६	बु	१२	३६	श्ले	४४	२८	व्र	१३	८	व	१२	३६	८	४६	१४	२७	६	१९	सिं४४।२८
७	गु	७	३८	म	४१	४७	ऐं	५/९	५२/२८	ब	७	३८	६	४७	१३	२८	७	२०	सिंहे
८	शु	३	४६	पू	३९	५९	वि	५३	५३	कौ	३	४६	३	४७	१३	२९	८	२१	क.५४।४६
९	श	१	५	उ	३९	५	प्री	४९	१९	ग	१	५	१	४८	१२	३०	९	२२	कन्यायां
१०	श	५८	१५	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	र	५८	४४	ह	३९	५	आ	४५	३७	ब	२९	२	२५/९	४८	१२	१	१०	२३	कन्यायां
१२	चं	५९	२६	चि	४०	२८	सौ	४२	४६	कौ	२९	५	५७	४९	११	२	११	२४	तु.९।४६
१३	मं	६०	०	स्वा	४२	५०	शो	४०	५९	ग	३०	१४	५५	४९	११	३	१२	२५	तुलायां
१३	बु	१	२	वि	४६	२३	अ	३९	५२	व	१	२	५३	४९	११	४	१३	२६	बृ.३०।३०
१४	गु	३	५३	अ	५१	२०	सु	३९	३५	श	३	५३	५१	५०	१०	५	१४	२७	वृषे
३०	शु	७	४६	ज्ये	५७	२८	धृ	३९	५१	ना	७	४६	४९	५०	१०	६	१५	२८	ध.५७।२८

रा. मार्गशीर्षारंभः

भ.२९/६ उ.३२/२८या. चित्रा. शुक्रः५६/२१ अनु.*
चतुर्थी व्र. *भौमः ५१।१४

भ.१२।३६ उ. ४०।७ या वक्री बुधः ५३/५५

भ. ३०/१२ उ. ५९/२० या. तुलायां शुक्रः ४८/३३

दिसम्बर१२ ता.३१ उत्पत्ति ११ व्र.स्मा.
बृधास्तः प. ३१ २ उत्पत्ति ११ व्र. वै.
ज्येष्ठा. रविः १।२० (सौरः २३/७)प्रदोषः
भ. १।२ उ. ३२।२८ या.
+३ केतुः ५।१४
स्वात्यां शुक्रः ३५/९ पूषा. १ राहुः आर्द्रा+

३३पं.मा.कृ.३र इ.५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	५	९	८	७
७	२	२९	१८	२२	८	१८	७
३७	४८	५	४५	२४	२४	२	१३
३७	२२	३१	२२	५०	०	४०	३५
६०	४१	३५	६	६५	४	३	६०
४२	५६	२२	५८	२३	५२	११	५३

गोचरग्रहाः

मार्गशीर्ष में पांच शनि शुक्रवार भी पांच । घटा बढ़ी होवे घनी दोतरफा यह चाल ।। हरेक वस्तुमें मंदी होकर तेजी होगी ।

गोचरग्रहाः

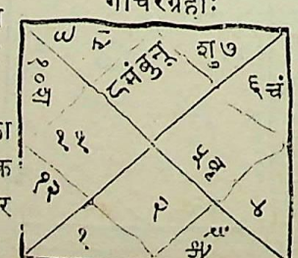

३४पं.मा.कृ.११र.इ ५।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	६	९	८	७
१४	७	२९	१९	०	८	१७	१४
४२	४६	५१	२५	१९	५७	४०	२०
५४	४४	४०	१९	१६	५०	२५	२१
६०	४१	२०/५९	५	६७	५	३	६१
५०	१७	३५	५६	४	१९	११	३

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६८२० म. १९९१
१	श १२।५२	मू ६० ०	शु ४१।२२	ब १२।५२	२५ ६ ५	६	१६	२९	धनुषि	पूफा. ३ गुरुः ५९।२९
२	र १८।२१	मू ४।१६	सं ४३ ७	कौ १८।२१	४६ ५१ ९	८	१७	३०	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
३	चं २४।५३	पू ११।५४	वृ ४५।२२	ग २४।५३	४५ ५१ ९	९	१८	१	म.२८।५३	भ. ५८।१० उ. जमादिलाखर ६
४	मं ३१।२८	उ १९।५०	धु ४७।३१	वि ३१।२८	४४ ५१ ९	१०	१९	२	मकरे	भ. ३१।२८ या.
५	बु ३८ ७	अ २७।४९	व्या ४९।५६	ब ४।४७	४२ ५२ ८	११	२०	३	मकरे	
६	गु ४३।५५	ध ३५।१५	ह ५१।४६	कौ ११ १	४१ ५२ ८	१२	२१	४	कु.१।३२	श्रवण १ शनिः ३७।२८ चम्पा ६
७	शु ४८।५२	श ४१।३७	च ५२।४७	ग १६।२३	४० ५२ ८	१३	२२	५	कुम्भे	भ. ४५ ५२ उ. वक्री अनु. बुधः २७ ज्येष्ठा.*
८	श ५२।२३	पू ४६।४०	सिं ५२।३७	वि २०।३७	३९ ५२ ८	१४	२३	६	मी३०।२५	भ. २०।३७ या. बुधोदयः पू. ३६।६
९	र ५४ २	उ ४९।४६	व्य ५१।११	वा २३।१२	३८ ५२ ८	१५	२४	७	मीने	
१०	चं ५४।३०	रे ५०।४५	च ४८ ९	तै २४।१६	३८ ५२ ८	१६	२५	८	मे.५०।४५	मूले धनुष्यर्कः ८।३२ (सौरः २६।५१)
११	मं ५१।१	अ ४९।४१	च ४३।२६	व २२।५१	३७ ५३ ७	१७	२६	९	मेषे	भ ३२ उ. ५१ या. मोक्षदा ११ व्र गीताजं.
१२	बु ४६।४१	भ ४६।४	शि ३७ ८	व १८।५६	३७ ५३ ७	१८	२७	१०	मेषे	विशा. शुक्रः ६।२७ *भौमः २५
१३	गु ४०।२७	कृ ४१।४३	सि २९।१९	कौ १३।३४	३७ ५३ ७	१९	२८	११	वृ.०।२५	मार्गी बुधः २६।४६ प्रदोषः
१४	शु ३२।४०	रो ३५।३८	सा १९।५७	ग ६।३३	३६ ५३ ७	२०	२९	१२	वृषे	भ. ३२।४० उ. ५८।२० या.
१५	श २३।५९	मृ २८।४१	शु १२ ४९ २३	ब २३।५९	३६ ५३ ७	२१	३०	१३	मि २।१०	दत्त जदन्ती पूर्वी प्रदेशे चंद्रग्रहणम्

३५पं.मा.शु.२र.इ.५।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	६	९	८	७
२१	१२	२२	२०	८	९	१७	२१
४८	४६	४०	०	२२	३५	१८	२८
५८	४८	८	२९	४४	४२	९	६
६०	४२	२९	४	६८	५	३	६१
५६	२०	ब	४५	९	५६	११	११

गोचरग्रहाः

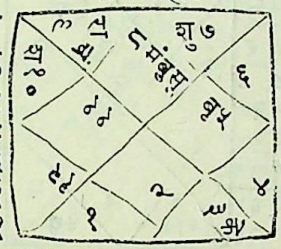

मा.शु. १० चंद्रे धनुष्यर्कः प्र.वा. ३न.३ युवास्वथा (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.

गोचरग्रहाः

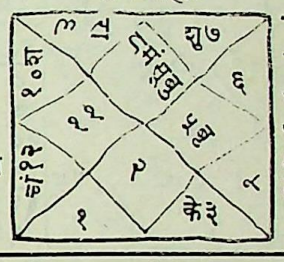

३६पं.मा.शु.९र.इ.५।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	६	९	८	७
२८	१७	१५	२०	१६	१०	१६	२८
५५	४९	२	२५	३१	१५	५५	३६
५२	१२	५५	४८	३४	२२	५३	४९
६१	४२	४९	३	६९	६	३	६१
०	४१	ब	३४	४	१४	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं० २०४८ शाकः १९१३	दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततुं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति मह
१	र १४।४६	आ २१।२६	व्र ४८।५६	कौ १४।४६	२५ ६ ५३	५	२२	१	१४	मिथुने	रा. पौषारंभः
२	चं ५।४१	पु १४।२५	ऐं ३८।२६	ग ५।४१	३६ ५३	७	२३	२	१५	क.१।१०	भ. ३१।३८ उ. ५६।५६ या.
३	चं ५१।१५	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	०	०	०	०	०	
४	मं ४८।५९	पु ८ ३	वै २८।३४	ब २२।५७	३६ ५३	७	२४	३	१६	कर्के	चतुर्थी ब्र.
५	बु ४३।२२	श्ले २५ ५५ ५३	वि १९।२५	कौ १६।१०	३७ ५३	७	२५	४	१७	सिं २।२५	ज्येष्ठा. बुधः २१।४०
६	गु ३८।२०	पू ५५।२७	ग्री ११।२७	ग १०।५१	३७ ५३	७	२६	५	१८	सिंहे	भ. ३८।२० उ. वृश्चिके शुक्रः २०।५६
७	शु ३३।५३	उ ५४ ६	आ ५० ५४ ३८ ५४	वि ६ ६	३७ ५३	७	२७	६	१९	क.१०।७	भ. ६।६ गा.
८	श ३१।५५	ह ५४ ६	शो ५५ २२	ना २ ५४	३८ ५२	८	२८	७	२०	कन्यायां	
९	र ३१।३८	चि ५५ २९	अ ५२।३२	तै १ ४६	३८ ५२	८	२९	८	२१	तु. २४।४७	पूषा.रविः १३ २८ (सौरः ३२ २९) अनु.शुक्रः १९ ४
१०	चं ३२।५०	स्वा ५८ २३	सु ५१ ०	च २।१४	३९ ५२	८	३०	९	२२	तुलायां	भ. २।१४ उ. ३२।५० या.
११	मं ३५।१७	वि ६० ०	धृ ५०।२२	ब ४ ३	४० ५२	८	३१	१०	२३	वृ.४६।२०	मूले धनुषि भौमः ५२।७ सफला ११ व्र.
१२	बु ३९।२८	वि २ १९	शू ५० ४१	कौ ७ २२	४० ५२	८	१	११	२४	वृश्चिके	वक्री गुरुः ५६।३२ जनवरी सन् १९९२
१३	गु ४३।४६	अ ७ ३४	गं ५१।३२	ग ११ ३७	४१ ५२	८	२	१२	२५	वृश्चिके	भ. ४३।४६ उ. प्रदोषः
१४	शु ४९ २१	ज्ये १३ २२	वृ ५३ २	वि १६ ३३	४२ ५२	८	३	१३	२६	ध.१३।२२	भ. १६।३३ या.
३०	श ५५।१७	मू २० २३	ध्रु ५४।४८	च २२ १९	४३ ५२	९	४	१४	२७	धनुषि	उदयी भौमः ३२।५७

३७पं.पौ.कृ.१र.इ.५।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	४	६	९	८	८
६	२२	१५	२०	२४	१०	१६	५
३	५४	१	४२	५१	५८	३३	४६
२९	११	१	१४	५०	५२	३८	१४
६०	४२	३० ३४	२	६९	६	३	६१
५६	२६	ब	६	५०	२८	११	२२

गोचरग्रहाः

पौष शु. ९ भौमे मकरेऽर्कः प्र.वा. २ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

३८पं.पौ.कृ.९र.इ.५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	४	७	९	८	८
१३	२८	२०	२०	३	११	१६	१२
११	०	५९	४८	१२	४३	११	५६
वृ ३१	३२	२४	४०	५८	२३	२२	६
५ ६१	४२	६२	०	७०	६	३	६१
६	५५	४	४३	३२	४४	११	२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul K

ति.| पौष शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३ |दि.उ.अ.इं.रा.मु.| चंद्रः |शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः स६८४९स.१९९२

१	र	६०	०	पू	२७	३१	व्या	५६	३३	क	२८	३१	२५/४४	५१/६	५/९	५	१५	२८	म.४४।२९	मूले धनुषि बुधः २८।५
१	चं	१	४६	उ	३५	२४	ह	५९	८	व	१	४६	४६	५१	९	६	१६	२९	मकरे	चंद्रदर्शनम्
२	मं	८	१३	श्र	४३	११	व	६०	०	की	८	१३	४७	५१	९	७	१७	१	मकरे	रज्जव ७
३	बु	१४	४५	ध	५१	५	व	१	३०	ग	१४	४५	४९	५०	१०	८	१८	२	कुं १७।८	भ. ४७।४३ उ.
४	गु	२०	४२	श	५८	०	सि	३	१७	वि	२०	४२	५१	५०	१०	९	१९	३	कुम्भे	भ. २०।४२ या. ज्येष्ठा शुक्रः ७।५५
५	शु	२५	४९	पू	६०	०	व्य	४	४६	त्रा	२५	४९	५२	५०	१०	१०	२०	४	मी ४७।३१	
६	श	२९	५३	पू	४	२	ल	६	२९	तै	२९	५३	५४	४९	११	११	२१	५	मीने	उषा. रविः १८।१२ (सौरः २९।५६)
७	र	३२	३१	उ	८	३७	प	५	६	ग	१	१२	५६	४९	११	१०	२२	६	मीने	भ. ३२।३१ उ. श्रवण २शनिः १८।१३
८	चं	३३	२१	रे	११	२७	शि	३	२७	वि	२	५६	५८	४८	१२	१३	२३	७	मे.११।२७	भ. २।५६ या. अस्तं शनेः १।२६
९	मं	३२	२५	अ	१२	४०	सि	२३/०	५५/८	वा	२	५३	२९/१	४८	१२	१४	२४	८	मेषे	मकरेऽर्कः ३४/३९ (सौरः ४५/२५ पूषा. बुधः ५७/१०
१०	बु	२९	३३	भ	११	३५	शु	४९	३१	तै	०	५९	३	४७	१३	१५	२५	९	बृ.२५।४९	भ. ५७।८ उ०
११	गु	२४	४३	कृ	८	३१	शु	४१	४९	वि	२४	४३	५	४७	१३	१६	२६	१०	वृषे	भ. २४।४३ या. पुत्रदा ११ व्र.
१२	शु	१८	३	रो	५०/३	५५/४	ल	३२	४७	त्रा	१८	३	८	४६	१४	१७	२७	११	मि ३०।४३	प्रदोषः
१३	श	१०	१	आ	४९	५२	ऐं	२२	४१	तै	१०	१	१०	४६	१४	१८	२८	१२	मिथुने	पूषा. भौमः ४५।५७
१४	र	०	४७	पु	४१	५९	वै	११	५०	व	०	४७	१२	४६	१४	१९	२९	१३	क.२८।५७	भ. ०।४७ उ. २५।५४ या.
१५	र	५०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३९पं.पौ.शु.१ र.इ.५।० | ४०पं.पौ.शु.७शु.इ.४।५८ | ४१पं.पौ.शु.१४र.इ.५/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	४	७	९	८	८
२०	३	२९	२०	११	१२	१५	२०
१९	९	३०	४६	३८	३०	४९	६
२६	४७	२२	८	५५	७	७	३
६१	४३	७७	३५/०	७१	७	३	६१
६	३	१	ब	५	२	११	२६

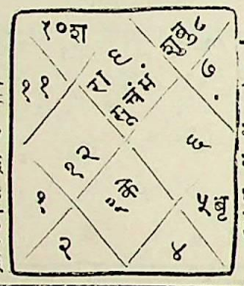

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	४	७	९	८	८
२७	८	९	२०	२०	१३	१५	२७
२७	१९	१०	३४	११	१८	२६	१५
४०	५६	४४	१६	६	२५	५१	५५
६१	४३	८६	३/७	७१	७	३	६१
६	२०	४६	ब्र	३२	१०	११	२४

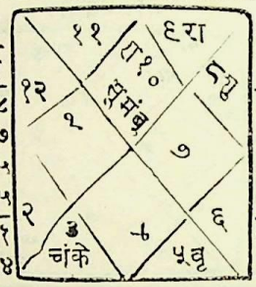

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	४	७	९	८	९
४	१३	१९	२०	२८	१४	१५	४
३५	३३	३०	१२	४३	७	४	२५
३१	४७	४	५०	३०	४४	३५	२४
६१	४३	९३	३३/०	७१	७	३	६१
३	३४	५७	ब	५१	१८	११	१९

ति.| माघ कृष्ण पक्षः सं.२०४८ शाकः १९१३ |दि.उ.अ.इं.रा.मु.| चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्राः

१	चं	४१	१२	पु	३४	१४	वि	०/३९	४८/५८	बा	१६	७	२६/१५	६/४५	५/१५	२०	३०	१४	कर्के	भूले धनुषि शुक्रः ८।४९
२	मं	३१	५०	श्ले	२६	४९	आ	३८	५०	तै	६	३१	१७	४५	१५	२१	१	१५	सिं २६।४९	भ. ५७/३८ उ. अभि.प्र.रविः २७/९ (सौरः १६/४३)*
३	बु	२३	२६	म	२०	२९	सौ	२९	४	वि	२३	२६	२०	४४	१६	२२	२	१६	सिंहे	भ. २३/२६ या. वक्रीपूर्फा. २गुरुः ४३/५४ च. व्र.
४	गु	१६	३३	पू	१५	४६	शो	२०	३२	बा	१६	३३	२२	४४	१६	२३	३	१७	क. ३०।०	उषा बुधः ४९/३५ बुधास्तः पूर्वस्याम् २३/५
५	शु	११	५	उ	१२	४२	अ	१३	२६	तै	११	५	२५	४३	१७	२४	४	१८	कन्यायां	श्रवणे रविः २३।४४ (सौरः ३२।४०)
६	श	७	५३	ह	११	१४	सु	७	५०	व	७	५३	२७	४३	१७	२५	५	१९	तु. ४१।३५	भ. ७।५३ उ. ३७।१४ या. अभि.नि.रविः +
७	र	६	३४	चि	११	५५	धृ	३	५०	व	६	३४	३०	४२	१८	२६	६	२०	तुलायां	+१६।१३ (सौरः २४/५६) मकरे बुधः ५३/३१
८	चं	७	२१	स्वा	१४	२०	शु	१	२३	की	७	२१	३३	४१	१९	२७	७	२१	तुलायां	
९	मं	९	४२	वि	१८	६	गं	०	२३	ग	९	४२	३६	४१	१९	२८	८	२२	बृ. २।१०	भ ४१।४२ उ.
१०	बु	१३	४३	अ	२२	९	वृ	०	५३	वि	१३	४३	३९	४०	२०	२९	९	२३	बृश्चिके	भ. १३।४३ या. ९रा. माधारंभः
११	गु	१८	४४	ज्ये	२९	९	धृ	१	५३	बा	१८	४४	४२	४०	२०	३०	१०	२४	ध. २९।९	पूषा. शुक्रः ५७।४४ षट्तिला ११ व्र.
१२	शु	२४	५०	मू	३६	९	व्या	३	२९	तै	२४	५०	४६	३९	२१	३१	११	२५	धनुषि	
१३	श	३१	५	पू	४३	१९	ह	५	३९	व	३१	५	४९	३८	२२	१	१२	२६	धनुषि	भ. ३१/५ उ. श्रवणे बुधः १७ फर्वरी २ ÷
१४	र	३७	४२	उ	५०	५३	व	८	१	वि	४	२३	५२	३८	२२	२	१३	२७	म. ०।१३	भ. ४।२३ या. ÷ता. २९ प्रदोषः
३०	चं	४४	४	श्र	५८	१८	सि	१०	१३	च	१०	५३	५५	३७	२३	३	१४	२८	मकरे	सोमवती ३०

४२पं.मा.कृ.७र.इ.४।५९ | गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	४	८	९	८	९
११	१८	०	१९	७	१४	१४	११
४२	४८	१८	४२	१८	५७	४२	३४
५८	११	४७	५८	१८	४०	२०	१५
६०	४३	९६	३९/४	७२	७	३	६१
५९	४५	५४	ब	१६	२०	११	१३

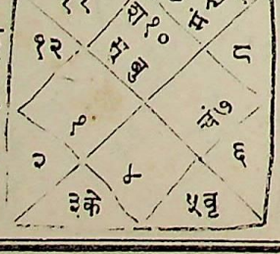

मासफल--उड़दमूंग और बाजरा मक्का मंदी जान। मंगल धन के जब रहे मंदीमें लो मान ॥

गोचरग्रहाः

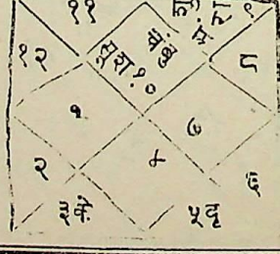

४३पं.मा.कृ.१४ र.इ.५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	४	८	९	८	९
१८	२४	११	१९	१५	१५	१४	१८
४९	५	३९	५	५४	४८	२०	४२
२६	२०	१८	४२	४	११	४	१८
६०	४४	९/०	५/५	७२	७	३	६१
५५	१	५/९	ब्र	३४	२०	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

Digitized by S3 Foundation USA

ति.। माघ शुक्ल पक्षः सं० २०४८शाक:१९१३ | दि. | उ.अ. | इ.रा. | मु. | चंद्रः | शिशिरर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः६८७९स१९९२

१	मं	५०	१३	ध	६०	०	व्य	१२	२३	किं	१७	८	२६	६	५	४	१५	२६	कु.३१।५६	
२	बु	५५	४१	ध	५	४१	व	१४	८	वा	२२	५७	२७	३६	२४	५	१६	३०	कुम्भे	उषा. भौमः ३५।५६ चन्द्रदर्शनम्
३	गु	६०	०	श	१२	२१	प	१५	१०	तै	२८	३	६	३५	२५	६	१७	१	कुम्भे	धनि.रविः३२।५(सौरः ३५/५१) सावान ८
४	शु	०	२६	पू	१८	२१	शि	१५	५७	ग	०	२६	६	३४	२६	७	१८	२	मी२।३६	भ. ३२।२१ उ.
५	श	४	१६	उ	२१	३५	सि	१५	३४	वि	४	१६	१३	३३	२७	८	१९	३	मीने	भ.४।१६या. धनि. बुधः ५८।५६
६	र	६	५८	रे	२७	२२	सा	१४	४८	वा	६	५८	१६	३३	२७	९	२०	४	मे.२७।२२	मकरे भौमः ५४/५९ श्रवण ३शनिः ३१/७ वसंत५
७	चं	८	२१	अ	२९	४७	शु	१२	४४	तै	८	२१	२०	३२	२८	१०	२१	५	मेषे	उषा. शुक्रः ५.१।४८
८	मं	८	१५	भ	४०	३७	शु	९	२७	ब	८	१५	२४	३१	२९	११	२२	६	वृ ४५।२३	भ. ८।१५उ. ३७।३१ या. भानु ७
९	बु	६	४६	कृ	२९	५९	व	४७	१४	ब	६	४६	२७	३१	२९	१२	२३	७	वृषे	कुंभे बुधः ५.१।१ भीष्माष्टमी
१०	गु	३	३७	रो	२७	७	वै	५१	५०	को	३	३७	३१	३०	३०	१३	२४	८	मि५५।७	कुंभेऽर्कः २०/७ (सौरः १२/२८) मकरे शुक्रः ३०/१४
११	शु	५५	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	श	५२	२६	मृ	२३	८	वि	४३	३५	च	२५	३५	३५	२९	३१	१४	२५	९	मिथुने	भ. २५/३५ उ. ५२/२९ या. जया. ११ व्र. स्मा.
१३	र	३५	५९	पु	१०	१२	आ	२३	५०	कौ	१०	१९	४२	२८	३२	१५	२६	१०	क.५६।५४	उदयं शनेः १७।३८ जया ११ व्र. वै.
१४	चं	२९	३९	पु	४४	५२/१३	सो	१३	१३	ग	१	१९	४६	२७	३३	१७	२८	१२	कर्के	शते बुधः २७।५८ प्रदोषः
१५	मं	१७	५	म	४७	३६	शो	१२/१९	४९/१९	ब	१७	५	४०	२९	३४	१८	२९	१३	सिंहे	भ. २९।३९ उ. ५१।५२ या.

४४पं.मा.शु.५र.इ.५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	४	८	९	८	९
२५	२९	३३	१८	२४	१६	१३	२५
५५	२३	३१	२१	३१	२८	५७	४९
१९	३८	२५	११	१२	२	४९	५
६०	४४	०/२९	४९/२९	०/२	७	३	६०
४७	९	५९	ब	५३	१८	११	५५

गोचरग्रहाः

मा. शु. ९ गुरौ कुम्भेऽर्कः प्र वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शु.उ. पू.

गोचरग्रहाः

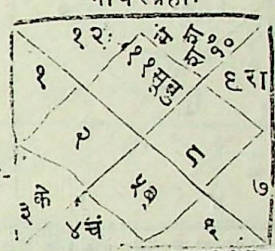

४५पं.मा.शु. १३र.इ.५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	४	९	९	८	१०
३	४	६	१७	३	१७	१३	२
०	४२	१	३१	९	२७	३५	५५
४	५८	५	२३	२९	२५	३३	८
६०	४४	०/१८	२८/२९	७/३	७	३	६०
३७	१६	२३/२९	ब	११	११	११	४२

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः१९१३ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | शिशिरर्तुरविरुत्तरे माघ कृ. महाराष्ट्राः

१	बु	७	५८	पू	४१	१७	सु	४१	५३	कौ	७	५८	२७/२४	६/२५	५/३५	१६	३०	१४	क.५४।५८	शते रविः ४३।४१(सौरः ४७।५०)
२	गु	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	५३	५	उ	३६	२९	धृ	३३	१६	य	२९	३०	५८	२४	३६	२०	१	१५	कन्यायां	भ.२६/३० ख.५३/५५ या.मूल४राहुःआर्द्रा२केतुः *
४	शु	४८	३	ह	३३	२३	शू	२९	५	ब	२०	३४	२९/२२	२४	३६	२१	२	१६	कन्यायां	श्रवणे शुक्रः ३७।३९ चतुर्थी व्र.
५	श	४५	३	चि	३२	६	गं	२०	२२	कौ	१६	३३	६	२३	३७	२२	३	१७	तु. २।४४	बक्री पूफा. १ गुरुः ४८।२९
६	र	४४	३६	स्वा	३३	१	बृ	१६	३२	ग	१४	४९	१०	२२	३८	२३	४	१८	तुलायां	भ.४/३६ उ.पूभा. बुधः ३४/४८ श्रवणेभौमः १२°
७	चं	४५	५९	वि	३५	४४	शु	१४	१५	वि	१५	१७	१४	२१	३९	२४	५	१९	बृ २०।४	भ.१५।१७ या.
८	मं	४९	२३	अ	४०	२५	ज्ये	१३	४८	वा	१७	४१	१८	२०	४०	२५	६	२०	बृश्चिके	*५९।१० रा. फाल्गुनारंभः
९	बु	५४	१०	ज्ये	४६	११	ह	१४	१०	तै	२१	५१	२२	२०	४०	२६	७	२१	ध.४६।११	†महाशिवरात्रि व्र. स्मा.
१०	शु	६०	०	मू	५३	८	ब	१५	४५	ब	२७	९	२६	१९	४१	२७	८	२२	धनुषि	भ. २७।९ उ.
१०	शु	०	८	पू	६०	०	सि	१७	५३	वि	०	८	३०	१८	४२	२८	९	२३	धनुषि	भ.०।८या.बुधोदयःपश्चिमायाम् ७।४३
११	श	९	२६	पू	०	११	ल्य	२०	२१	वा	६	२६	३४	१७	४३	२९	१०	२४	म.१७।१	मीने बुधः १३।५ विजया ११ व्र.
१२	र	१३	११	उ	७	३२	व	२२	४३	तै	१३	११	३८	१६	४४	१	११	२५	मकरे	मार्च ३ ता ३१ प्रबोधः
१३	चं	१९	३१	श्र	१४	३५	प	२४	१	व	१९	३१	४२	१६	४४	२	१२	२६	कु.४८।४	भ.१९/१९ उ.५२/२४ या. उभा. बुधः ८।४८ +
१४	मं	२५	१७	ध	२१	३३	शि	२६	३०	श	२५	१७	४६	१५	४५	३	१३	२७	कुम्भे	पूभा.रविः ५४/५९ धनि.शुक्रः ३७/४४ महाशिवरा.वै.
१५	बु	३०	७	श	१७	५१	सि	२७	२६	ना	३०	७	५०	१४	४६	४	१४	२८	कुम्भे	पूभा. रविः सौरः ३७/२

४६पं.फा.शु.६र.इ.५।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	४	९	९	८	१०
१०	१०	१९	१६	११	१८	१३	९
३	४	२	३७	४७	१५	१३	५९
३२	८	१३	४४	४२	४०	१७	४१
६०	४४	०/१८	५२/५७	७/३	७	३	६०
२५	३१	५९/१८	ब	२०	२०	११	३१

गोचरग्रहाः

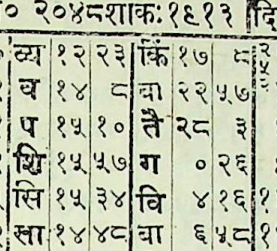

इस मास में घृत तिल तैल गुड़ खांड एरंडा सोना चांदी तांबा गेहूं तेज रहेगा।

गोचरग्रहाः

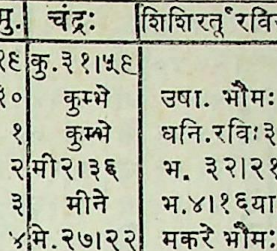

४७पं.फा.कृ.१२र.इ.६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	४	९	९	८	१०
१७	१५	१	१५	२०	१९	१२	१७
५	२६	३१	४३	२६	२	५१	२
४६	२८	३४	२६	२८	४६	२	३२
६०	४४	०/२९	५७	७३	६	३	६०
१२	३७	४९/२९	ब	३०	४६	११	२०

CC-0. Gurukul Kangri Uni...

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०४८शाकः१९१३ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः६९०९स.१९९२

१	गु	३४	४	पू	३२	४९	सा	२७	४०	कि	२	५	२८	६	५	५	१५	२९	मी	१६	३९
२	शु	३७	५	उ	३७	१५	शु	२७	४	बा	५	३४	५८	१२	४८	६	१६	३०	मीने		
३	श	३८	५६	रे	४०	५२	शु	२५	४६	तै	८	०	२९	१२	४८	७	१७	१	मे.	४०	५२
४	र	३९	४४	अ	४३	२२	त्र	२३	२३	व	९	२०	६	११	४९	८	१८	२	मेषे		
५	चं	३९	२८	भ	४४	४४	ऐं	२०	३५	ब	९	३६	१०	१०	५०	९	१९	३	वृ.	५९	४७
६	मं	३८	४	कृ	४४	५६	वै	१६	४६	कौ	८	४६	१४	९	५१	१०	२०	४	वृषे		
७	बु	३५	३३	रो	४३	५७	वि	११	५५	ग	६	४८	१९	८	५२	११	२१	५	वृषे		
८	गु	३२	३	मृ	४१	३९	प्री	८	५३	वि	३	४८	२३	७	५३	१२	२२	६	मि.	१२	४८
९	शु	२७	२३	आ	३९	२५	सो	५२	५	कौ	२७	२३	२७	७	५३	१३	२३	७	मिथुने		
१०	श	२१	३२	पु	३३	३४	शो	४३	४६	ग	२१	३२	३२	६	५४	१४	२४	८	क.	१९	४६
११	र	१४	४७	पु	२७	४३	अ	३४	४६	वि	१४	४७	२६	५	५५	१५	२५	९	कर्के		
१२	चं	७	१०	श्ले	२१	२०	सु	२५	११	ना	७	१०	४०	४	५६	१६	२६	१०	सि.	२१	२०
१३	चं	५१	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
१४	मं	५०	४१	म	१४	४९	धृ	१५	२३	ग	२१	४९	४४	३	५७	१७	२७	११	सिंहे		
१५	बु	४२	४०	पू	८	२४	शू	५२	५१	वि	१६	४०	४९	२	५८	१८	२८	१२	क.	२	११

चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
रमजान ९
भ. २९ उ. ३४ या. कुम्भे शुक्रः ५१
श्रवण ४ शनिः ५५।१७

भ. ३५।३३ उ. धनि. भौमः २८।४०
भ. ४८ या. रेवत्यां बुधः ४२ होलाष्टक

भ. ४९ उ. मीनेऽर्कः ४३ (सौरः ३५)*
भ. १४।४७ या. आमलकी ११ व्र.
वक्री बुधः ५०।५३ प्रदोषः

*शते शुक्रः १५
भ. ५४ उ. उभा. रविः २१ (सौरः २३)
४७ ३३
भ. १६।४० या. होलिकादहनम्

४८पं.फा.शु.४र.इ.६।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	४	९	९	८	१०
२४	२०	१२	१४	२९	१९	१२	२४
६	४८	१७	४८	५	४८	२८	३
२९	५८	१३	४३	२	१४	४६	५५
५९	४४	७५	४७	७३	६	३	६०
५८	४८	३१	ब	४३	२९	११	४२

गोचरग्रहाः

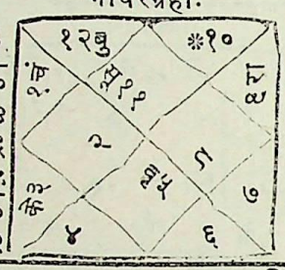

फा. शु. १०शनौ मीनेऽर्कः प्र. वा. ३न.४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

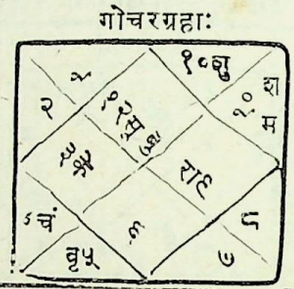

४९पं.फा.शु.११र.इ.६।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	४	१०	९	८	११
१	२६	१७	१३	७	२०	१२	१
५	१३	२१	५६	४३	३१	६	३
४२	३७	४३	३५	१२	३७	३१	३७
५९	४४	१७	७५	७३	६	३	५९
४१	५३	२४	ब	५०	१२	११	४९

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१३ | दि. | उ. | अ. | इं. | रा. | मु. | चंद्रः | वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृ.महाराष्ट्राः

१	गु	३६	४१	उ	५३	५५	बृ	४८	५७	ना	९	४०	२९	९	५८	१९	२९	१३	कन्यायां		
२	शु	३०	४	चि	५६	३	धृ	४२	८	तै	३	२२	५७	१	५९	२०	३०	१४	तु.	२७	२४
३	श	२५	५३	स्वा	५५	२९	व्या	३६	५९	वि	२५	५३	३०	१०	०	२१	१	१५	तुलायां		
४	र	२४	५	वि	५६	५८	ह	३३	२०	धा	२४	५	६	५९	१	२२	२	१६	वृ.	४१	३५
५	चं	२३	५९	अ	६०	०	व	३१	२३	तै	२३	५९	१०	५८	२	२३	३	१७	वृश्चिके		
६	मं	२६	३०	अ	०	२२	सि	३१	२	व	२६	३०	१४	५७	३	२४	४	१८	वृश्चिके		
७	बु	३०	३०	ज्ये	५	२२	व्य	३१	३७	व	३०	३०	१८	५६	४	२५	५	१९	ध.	५	२२
८	गु	३६	०	मू	११	४९	व	३३	३५	बा	३	०	२३	५५	५	२६	६	२०	धनुषि		
९	शु	४१	५८	पू	१८	५५	प	३५	४६	तै	८	५९	२७	५३	५	२७	७	२१	म.	३५	४५
१०	श	४८	३२	उ	२६	१४	शि	३८	१४	व	१५	१५	३१	५४	६	२८	८	२२	मकरे		
११	र	५४	४३	श्र	३३	२५	सि	४०	२३	ब	२१	३७	३५	५३	७	२९	९	२३	मकरे		
१२	चं	६०	०	ध	४०	३	सा	४२	१६	कौ	२७	३७	३९	५२	८	१०	१०	२४	कु.	६	४४
१३	मं	०	३१	श	४५	५०	शु	४३	११	तै	०	३१	४४	५१	९	३१	११	२५	कुम्भे		
१४	बु	५	५	पू	५०	२५	शु	४३	११	व	५	५	४८	५०	१०	१	१२	२६	मी.	३४	१७
१५	गु	८	१४	उ	५४	७	ब्र	४२	१७	श	८	१४	५२	५०	१०	२	१३	२७	मीने		
३०	शु	१४	१४	रे	५६	३०	ऐं	४०	१२	ना	१०	१५	५६	४९	११	३	१४	२८	मे.	५६	३०

कुम्भेभौमः ५७ पश्चिमास्तोबुधः २६ छारेडी
४३ २१
भ. ५८ उ. वक्री मघा. ४ गुरुः १८
भ. ५३ या. वक्री उभा. बुधः २४ रा.*
१३

*चैत्रारंभः चतुर्वी व्र.

भ. २६।३० उ. ५८।३० या.
पूभा. शुक्रः ४।८
शीतलापूजनम्

भ. १५ उ. ४८ या. शते भौगः ३९
१५ ३२ ४६
पापमोचनी ११ व्र.
रेवत्यां रविः ४९।३० (सौरः ५१।१)
प्रदोषः
भ.५।५उ.३६।४०या. अप्रैल४ ता.२०
मीने शुक्रः १२।२६
बुधोदयः पूर्वस्यां ७।८ मन्वादिः

५०पं.चै.कृ.४र.इ.७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	४	१०	९	८	११
८	१	१६	१३	१६	२१	११	८
३	३७	२	८	२१	१२	४४	१
१८	५	१३	१०	४७	११	१५	३२
५९	४५	५२	६	७३	५	३	५९
२९	२	ब्र	ब्र	५६	५०	११	३५

गोचरग्रहाः

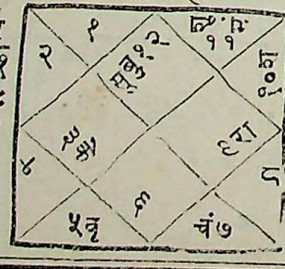

भूसुतः कुम्भःराशिस्थःसर्वधान्य महर्घता। एवं प्रजायतेह्यर्घं लोकमध्येतु निर्भयम्॥ कुम्भका मंगल धान्य धातु रस तेज करे।

गोचरग्रहाः

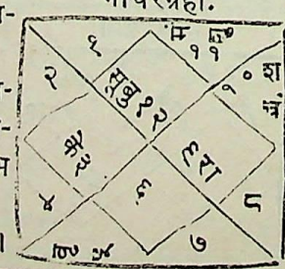

५१पं.चै.कृ.११र.इ.७।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	४	१०	९	८	११
१४	७	१०	१२	२४	२९	११	१४
५९	०	२२	२५	५९	४९	२१	५७
१३	४३	१६	५९	३८	४४	५९	३९
५९	४४	५३	२९	७४	५	३	५९
१६	५८	ब्र	ब्र	२	२३	११	१८

*शु.मं.श. (स० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९३ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०९३ भोग्य कलिः ४२६९०७ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीरविक्रमादित्यराज्यातीतगताब्दाःसम्वत् २०४९ शाकः १९१४ । अथाऽस्मिन्वर्षे राजा शनिः । मंत्री चंद्रः । सस्येशो गुरुः । धान्येशो भौमः । मेघेशो रविः । रसेशःशुक्रः । नीरसेशो बुधः । फलेशो रविः । धनेशो बुधः । दुर्गेशो रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १९ पार्थिवनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ८।२९।१८।४७ भोग्यमासादिः ३।०।४१।१३ अग्निदैवतं युगम् । वर्ष नामः माघः मेघनाम आवर्तः । रोहिणीनिवासः समुद्रे । समयनिवासः मालाकारगृहे । समय विश्वा १८ । समयवाहनं महिषः । स्तंभाः ३ अन्न वायुतृणानाम् । सोमवत्यमाः १ । सोमवती पंचमी १ । अङ्गारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी २ । रवि-दशमी ३ । समयमुहूर्ताः ३०० । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १७ । तिथिवृद्धिः ११ । उत्पत्तिविश्वा ९३ । खपति-विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा ९ । धान्यम् ११. तृणम् ११. शीतम् ९. तेजः ११. वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यम् १०५ सत्यम् ॥ धर्म १॥ पापम् १८ शनिदृष्टिरुत्तरे । ग्रहण १ चंद्रमसः ।

सं. २०४९ मार्गशीर्ष शु. १४ बुधे खग्रास चन्द्रग्रहणम्

		स्प. सं.		म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	५	२	५५	५६	५८ १
मध्यम.	पल	२७	९	४९	२९	११
रेल्वे	घं.	३	४	५	५	६
टाइम	मि.	२६	३१	११	३१	५५

यह ग्रहण बंगाल, बिहार, आसाम में ग्रस्ताऽस्त होगा। जहां चंद्रास्त रेल्वे ६।५५ के बाद होगा वहां ग्रस्तास्त नहीं होगा। राजस्थान में ग्रस्तास्त नहीं होगा।

वर्षलग्नम् २।१

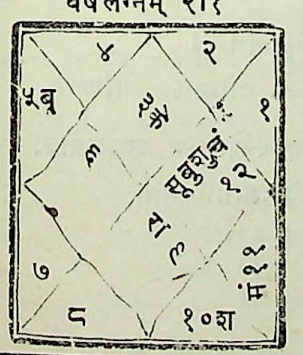

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे भाव से जगजननी पे आय ।
उनंचास की साल का हाल कहो समझाय ॥

भवानी उत्तर

सुन भैरव भोपाल जी संवत का फल खास ।
अन धन जन सम होयसी मुकता होसी घास ॥
राजा शनि मंत्री शशि करैं परस्पर द्वेष ।
रोग युद्ध फैले घणा करे अनेकों भेष ॥
मेघमाल वर्षा करे शुक्ल पक्ष आषाढ़ ।
भाद्रव खैंच दिखावसी पवन लगावे आड़ ॥
संवत होसी सांतरो दरखत बेलां लूम ।
कोई दिशा के मांयने टीडी करसी धूम ॥
धान्याधिप कुज धान्य में करसी गोल मटोल ।
करण हार ईश्वर धणी उन्हें भजो दिल खोल ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेशलग्नम् ४।१७

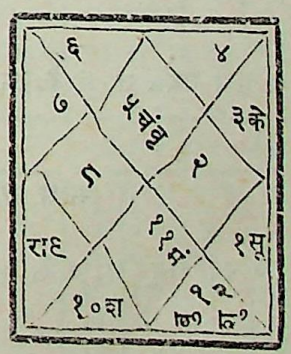

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३०।० केतकीमतेन वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशाः २३।४३।५८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul K

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः फलम् ॥ शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः । युद्धे नृपाणां गदतस्कराद्यैः भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ॥ मंत्री चंद्रस्तत्फलम् ॥ शशिनि मंत्रिगते बहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुखमंडिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखराशिसुशोभिताः ॥ सस्येशो गुरुः फलम् ॥ कणपतौ सुरराजपुरोहिते सकलसौख्यकरः श्रुतिपूर्वकः । जलधरा जलदा बहु सस्यदा रसपय्यांसि बहूनि वसूनि वै । धान्येशो भौमस्तत्फलम् ॥ भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्यमहर्घकम् । शालीन् घृततैलानि महार्घाणि भवन्ति हि । मेघेशो रविः फलम् ॥ जलदपे यदि वासरपे तदा सरसिवै रमते जनता रसम् । यवचणेक्षुनीवारसुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ॥ रसेशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषितमानसाः । सुखंसुभिक्षसुमोदवती धरा धरणीपाहतपापगणप्रियाः ॥ नीरसेशो बुधस्तत्फलम् ॥ चित्रवस्त्रादिकञ्चैव शंखचंदनपूर्वकम् । अर्घवृद्धि-प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ॥ फलेशो रविः फलम् ॥ द्रुमवती वरपुष्पवती धरा प्रमुदिता फलभोगविशेषिता । बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ॥ धनेशो बुधः फलम् ॥ द्रविणपो हिमरश्मिसुलोदया विविधसंग्रहवस्तुफलार्थदा । द्विज वरा जपयज्ञसुसंयुताः कृषिविशेषविशेषितमानसाः ॥ दुर्गेशो रविः फलम् ॥ नयविशेषकरस्तरणिस्तदा गतभया नरराजपुरोगमा । समधिको न तदा नृपजोऽन्यजः स्वपथजं व्रजतां न भयं क्वांचित् ॥ पार्थिवनाम सवत्सरः फलम् ॥ पार्थिवाब्दे तु राजानः सुखिनः सुप्रजाभृशम् । बहुभिः फलपुष्पाद्यैः विविधैश्च पयोधरैः ॥ वर्षनाम माघस्तत्फलम् ॥ सुभिक्षं पूर्वयाम्यायां मध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरेरौरवं माघे वर्षे धान्यमहर्घता ॥ मेघनाम आवर्तः फलम् ॥ आवर्ते छिन्नवृष्टिः स्यात् ॥ रोहिणीनिवासः समुद्रे । समुद्रे तु महावृष्टिः । समयनिवासो मालिगृहे फलम् ॥ मालिमः प्रचुरा वृष्टिः ॥ एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीय शुभाशुभम् ॥

सं० २०४६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. १० गुरौ उफा. ल. ५।७ रे. ६।।।।।ऽऽ। तुला लग्ने-रेखा ८ नृपपंचकः भौ. १० पूज्यः

,, ११ शुक्र. हस्ते ल. अन्यगो. सोग्रांगः ५ रे.६।।ऽ।।वृ।।ऽनृ. (घ. ४५ या.)ऽऽ।

शु. २ गुरौ मूले ल. ५।६ रे. ७।।।।ऽऽअऽ।। सिंहलग्न घटी ४१।२३ उपरांत

,, ६ गुरौ उभा. ल. ६ रे. ८ऽ।।ऽवृ।।।।। चंद्रे. ७ पूज्यः पाद्वेधाद्गुरोर्वेधाऽभावः

माघ मासः ।

कृ. १० रवौ अनु. ल. ७ रे. ६।ऽ।।नृऽऽ। आवश्यके

,, ११ चंद्रे अनु. ल. अन्यगो. रे. ६।ऽ।।ऽनृऽऽ।

शु. ५ गुरौ रेव. ल. अन्यगो. रे. ६।।।।ऽ।।।।

,, ६ शुक्रे रेव. ल. अन्यगो. रे, ८।।।ऽऽचौ।।।।

फाल्गुन मासः ।

कृ. १ रवौ मघा. ल. गो. रे. ७।।।।ऽ।ऽऽ।

,, ८ रवौ अनु. ल. अन्यगो. रे. ८।।।।ऽअ।ऽ।

चैत्रमासः

कृ. १ भौमे हस्ते ल. गो. १० रे.८।ऽऽवृ।।।।।

,, ४ गुरौ स्वात्यां ल. गो. १० रे. ७।।।।।ऽऽऽ गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः । मकरे रेखा ८ वेधाऽभावः

,, ६शनौ अनु. ल. अन्यगो.रे.७ऽऽ।।ऽअ।।।मासांतः

Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रीचैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०४६ शाकः १८१४ दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | वसंततुर्रविरुत्तरेऽहर्गणः६६३६स.१८६२

१	रा	१०	५४	अ	५७	५८	वे	३७	२३	च	१०	५४	३१ ५५	४ ५३	६ ३	४	१५	२६	मेषे	उभा. शुक्रः ५ ३/७ चंद्रदर्शनम्सवत्सरारंभः*
२	र	१०	२१	भ	५८	३२	वि	३३	४६	को	१०	२१	४	४७	१३	५	१६	१	मेषे	सिंभारा सव्वाल १०
३	चं	८	५३	कृ	५८	२०	धी	२६	८	ग	८	५३	८	४६	१४	६	१७	२	वृ.१३।३२	भ. ३७।४३ उ. गणगौरी
४	मं	६	३४	रो	५७	१८	आ	२४	१०	वि	६	३४	१२	४६	१४	७	१८	३	वृषे	भ. ६।३४ या.
५	बु	३	१६	मृ	५५	२६	सो	१८	४३	मा	३	१६	१६	४५	१५	८	१६	४	मि२६।२३	*नबरात्रारंभोऽभिजिति
६	बु	५६	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	शु	५५	२०	आ	५३	८	शो	१२	३३	ग	२७	२५	२०	४४	१६	६	२०	५	मिथुने	भ. ५५।२० उ.
८	शु	५०	३४	पु	४६	५२	अ	६ १	५३ ०	वि	२२	५७	२४	४३	१७	१०	२१	६	क.३५।४१	भ. २२।५७ या.
९	श	४५	१०	पु	४५	५७	धृ	५१	३५	मा	१७	५२	२८	४२	१८	११	२२	७	कर्के	मार्गी बुधः ३६।१४ रामनवमी
१०	र	३६	१४	श्ले	४१	३५	शू	४३	५८	ते	१२	१२	३२	४२	१८	१२	२३	८	सिं४१।३४	
११	चं	३३	०	म	३६	५१	गं	३५	४६	च	६	७	३६	४१	१६	१३	२४	९	सिंहे	भ. ६ उ. ३ ६ या.अश्वि.मेषेऽर्कः२३।३१+
१२	मं	२६	२८	पू	३२	३७	वृ	२७	४६	मा	२६	२८	४०	४०	२०	१४	२५	१०	कं.४६।२६	प्रदोषः +(सौरः२५।३६) कामदा११व्र.
१३	बु	२०	६	उ	२८	८	शु	१६	४६	ते	२०	६	४३	३६	२१	१५	२६	११	कन्यायां	पूमा. भौमः १।४२ रेवत्यां शुक्रः ४३/५४
१४	गु	१४	४	हु	२४	२०	ध्मा	१२	२५	च	१४	४	४७	३६	२१	१६	२७	१२	तु.५२।५५	भ. १४।४ उ. ४१।२६ या.
१५	शु	८	४८	चि	२१	२६	ह	५	५३	ब	८	४८	५१	३८	२२	१७	२८	१३	तुलायां	धनि. १ शनिः ४३।१ हनुमज्जयंती

५.२पं.चै.शु.२र.इ.७।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	४	११	९	८	११
२१	१२	५	११	३	५२	१०	२१
५३	२७	१८	५०	२६	३०	५९	५१
३१	०	२६	३८	२५	४०	४४	५०
५९	४५	२६	६	७४	४	३	५९
४	१४	ब	बृ	४	५७	११	४

गोचरग्रहाः

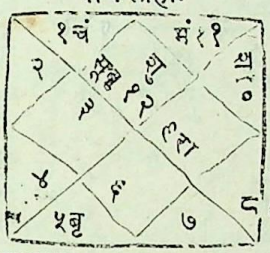

चै. शु ११ चंद्रे मेषेऽर्कः प्र. वा. ३न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्.

गोचरग्रहाः

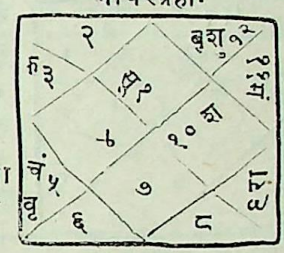

१पं.चै.शु.११चं.इ.२३।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	४	११	९	८	११
९	१८	६	११	१३	२३	१०	२९
०	४५	१७	२१	४७	३	३३	५८
०	१४	१०	८	२८	३८	५४	१
५८	४५	३७ ९	५८ २	७४	४	३	५९
४४	१७	मा	बृ	१६	२५	११	४५

ति. वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०४६ शाकः १८१४ दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः | वसंततुर्रविरुत्तरे चैत्र कृ. महाराष्ट्राः

१	श	४	५५	श्वा	२०	७	व	१० ५५	५५ ६	को	४	५५	३१ ५५	५ ३७	६ २३	१८	२६	१४	तुलायां	
२	र	३	४६	वि	१६	४८	व्य	५३	१३	ग	२	४६	५८	२६	२४	१६	३०	१५	वृ.४।५३	भ. ३२।३१ उ.
३	चं	२	१३	अ	२०	१४	ब	५२	२	वि	२	१३	३ ३	३६	२४	२०	३१	१६	बृश्चिके	भ. २।१३ या. चतुर्थी व्र
४	म	३	४३	ज्ये	२५	२८	प	५१	४३	वा	३	४३	६	३५	२५	२१	१	१७	ध.२५।२८	रा. वैशाखारंभः
५	बु	६	४८	मू	३१	२६	शि	५२	५५	ते	६	४८	१०	३४	२६	२२	२	१८	धनुषि	
६	गु	११	४६	पू	३८	१६	सि	५४	४१	च	११	४६	१४	३३	२७	२३	३	१९	म.५५।४	भ. ११।४६ उ. ४४।३१ या.
७	शु	१७	१६	उ	४५	३१	सा	५७	११	च	१७	१६	१७	३३	२७	२४	४	२०	मकरे	मूल. ३ राहुः आर्द्रा. १ केतुः ३।१४
८	श	२३	३४	श्र	५३	३	श्रु	५६	२८	को	२३	३४	२१	३२	२८	२५	५	२१	मकरे	
९	र	२६	४८	ध	६०	०	शु	६०	०	ग	२६	४८	२५	३१	२६	२६	६	२२	कु.२६।३७	अश्वि. मेषे. शुक्रः ३४।३६
१०	चं	३५	३०	श	०	११	श्रु	१	४१	च	२	३६	२६	३०	३०	२७	७	२३	कुंभे	भ. ३ ६ उ. ५ ३/० या भरण्यां रविः५ ३/१(सौरः*
११	म	४०	२	श	६	४४	व्र	३	१	ब	७	४६	३२	३०	३०	२८	८	२४	मी५५।२८	वरूथिनी ११ व्र. ×मार्गी गुरुः ५४।५८
१२	बु	४३	३	पू	११	४२	ऐं	३	१६	को	११	३२	३६	२६	३१	२६	९	२५	मीने	*५ ६/५ ४ मीने भौमः ५ ५/५ ४ रेवत्यां बुधः२२।१३×
१३	गु	४४	५२	उ	१५	२५	ह्रीं	२	२१	ग	१३	५२	४०	२८	३२	३०	१०	२६	मीने	भ. ४४।४२ उ. प्रदोषः
१४	शु	४४	२८	रे	१८	४	वि	१७ ०	५६ ३१	वि	१४	३५	४३	२७	३३	१	११	२७	मे.१८।४	भ. १४।३५ या. मई ५ ता. ३१
३०	श	४२	४४	अ	१७	५५	आ	५२	२१	च	१३	३६	१७	२७	३३	२	१२	२८	मेषे	उषा. भौमः १२।३३

२पं.बै.कृ.३चं.इ.२३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	४	११	९	८	०
६	२४	९	११	२२	२३	१०	६
५०	१४	५०	२	२५	३०	११	४८
४२	३५	४९	३८	१	३	३८	१२
५८	३५	४०	३४	७४	३	३	५८
३१	१२	५६	ब	२०	४५	११	२९

गोचरग्रहाः

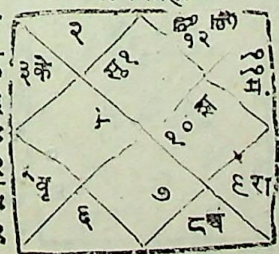

इस मासमें ५ शनिवार अशुभ है। शनिषारा यदा पंच पाताले कंपतेफणीः। ईशानदेश भंगश्च वह्निदाहो महर्घता।।

गोचरग्रहाः

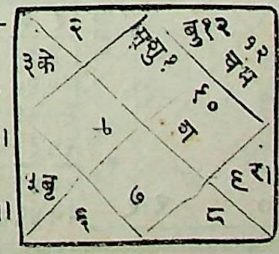

३पं.वै.कृ.१०चं.इ.२४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	४	०	९	८	०
१३	२९	१६	१०	१	२३	९	१३
२९	३७	४२	५४	१	५२	४९	३६
४३	१८	०	१८	१९	५१	२३	३७
५८	४५	६४	५ ०	७४	३	३	५८
१९	१७	१७	ब	२६	११	११	१२

ति. वैशाख शुक्ल पक्षः सं.२०४६ शाकः १६१४ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २८ सन् १६६२

१	र	३६	४०	भ	१७	२	सौ	४६	५३	कं	११	१२	३३/५१	५/२६	६/३४	३	१३	२६	बृ.३१।३३
२	चं	३५	४१	कृ	१५	८	शो	४०	४६	बा	७	४०	५४	२५	३५	४	१४	३०	बृषे
३	मं	३०	५४	रो	१२	३१	अ	३४	१	तै	३	१७	५७	२५	३५	५	१५	१	मि४०।५३
४	बु	२५	५०	मृ	६	१४	सु	२७	५	वि	२५	५०	३/१	२४	२६	६	१६	२	मिथुने
५	गु	२०	२६	आ	५	५५	धु	२०	१३	बा	२०	२६	४	२३	३७	७	१७	३	क ४८।२२
६	शु	१५	१०	पु	३/५	५६/३२	शु	१३	७	तै	१५	१०	७	२३	३७	८	१८	४	कर्के
७	श	६	४६	श्ले	५५	४७	र्ग	६/३	५३/५	ष	६	४६	१०	२२	३८	६	१६	५	सिं५५।४७
८	र	४	३४	म	५२	२२	शु	५२	५	बु	४	३४	१३	२१	३६	१०	२०	६	सिंहे
६	र	५४	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	चं	५४	२२	पू	४६	२०	व्या	४५	२८	तै	२६	५१	१६	२१	३६	११	२१	७	सिंहे
११	मं	४६	४३	उ	४६	३५	ह	३८	५६	व	२२	२	१६	२०	४०	१२	२२	८	क.३।३८
१२	बु	४५	१६	ह	४४	१६	व	३२	५२	ब	१७	२६	२२	२०	४०	१३	२३	६	कन्यायां
१३	गु	४१	४१	चि	४२	४०	सि	२७	२५	कौ	१३	२८	२५	१६	४१	१४	२४	१०	तु.१३।२
१४	शु	२८	५३	स्वा	४१	५५	व्य	२२	३४	ग	१०	१७	२८	१८	४२	१५	२५	११	तुलायां
१५	श	३७	२८	वि	४२	२०	व	१८	३३	वि	८	१०	३०	१=	४२	१६	२६	१२	बृ.२७।२१

वृषेऽर्कः १७।१ (सौरः २२।३६) प्रदोषः
भ.३५/३५ उ. भरण्यां बुधः २५/३५ नृसिंह १४
भ.८।१०या. यमाय सान्नजलं कुंभदानं

४ वै.शु.२चं.इ.२४।१८ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	४	०	९	८	०
२०	४	२५	१०	९	२४	९	२०
२७	५२	४१	५४	३८	११	२७	२३
२२	१३	९	१३	२०	४२	७	१९
५८	४१	८४	१/३	७४	२	३	५७
६	११	५	मा	२६	२६	११	५७

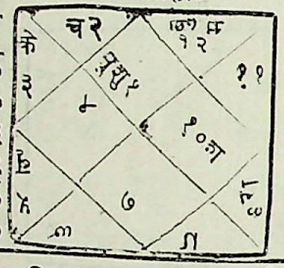

वै. शु. १३ गुरौ बृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु.अ.पू.

गोचरग्रहाः ५पं.वै.शु.१०चं.इ.२४।२०

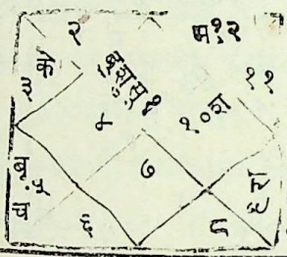

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	४	०	९	८	०
२७	१०	६	११	१८	२४	९	२७
१३	२१	३१	२	१५	२५	४	८
३४	३२	५५	३१	२९	१५	५२	३३
५७	४५	०/०	२	७४	१	३	५७
५४	२	५०	२३	२६	४३	११	४५

ति. ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं० २०४६ शाकः १६१४ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृ.महाराष्ट्राः

१	र	३७	१०	अ	४४	१६	पू	१५	४३	बा	७	१६	३३/३३	५/१७	६/४३	१७	२७	१३	बृश्चिके
२	चं	३८	४१	ज्ये	४६	५८	शि	१४	२६	तै	७	५५	३६	१७	४३	१८	२८	१४	ध.४६।५८
३	मं	४१	२५	मू	५२	२०	सि	१३	४३	व	१०	३	३६	१६	४४	१६	२६	१५	धनुषि
४	बु	४५	५०	पू	५८	१४	सा	१४	२२	ब	१३	३७	४१	१६	४४	२०	३०	१६	धनुषि
५	गु	५१	४	उ	६०	०	शु	१५	५२	कौ	१८	२७	४३	१५	४५	२१	३१	१७	म. १४।५१
६	शु	५७	१७	उ	४	४३	शु	१७	५६	ग	२४	१०	४६	१५	४५	२२	१	१८	मकरे
७	श	६०	०	श्र	१२	५८	ब्र	२०	२८	वि	३०	२२	४८	१४	४६	२३	२	१६	कु ४६।४५
७	र	३	२७	ध	२०	३२	ऐं	२२	५२	ब	३	२७	५०	१४	४६	२४	३	२०	कुम्भे
८	चं	६	२०	श	२७	३२	वै	२४	४७	कौ	६	२०	५२	१४	४६	२५	४	२१	कुम्भे
६	मं	१४	१७	पू	३३	२२	वि	२५	४/-	ग	१४	१७	५४	१३	४७	२६	५	२२	मी १६।५५
१०	बु	१७	४०	उ	३७	४६	पी	२५	३६	बि	१७	४०	५६	१३	४७	२७	६	२३	मीने
११	गु	१६	२६	रे	४०	१४	आ	२४	८	बा	१६	२६	५८	१२	४८	२८	७	२४	मे. ४०।१८
१२	शु	१६	१७	अ	४१	७	सौ	२१	२	तै	१६	१७	३४/०	१२	४८	२६	८	२५	मेषे
१३	श	१७	२०	भ	३६	५७	शो	१६	३४	व	१७	२०	२	१२	४८	३०	६	२६	बृ.५४।२०
१४	र	१३	२३	कृ	३७	३२	अ	१०	३८	श	१३	२३	४	११	४६	३१	१०	२७	बृषे
३०	चं	८	११	रो	३३	२६	सु	३/३१	५२/१८	ना	८	११	६	११	४६	१	११	२८	बृषे

कृत्ति. शुक्रः १५।७
भ. १/३ उ. ४१/२५ या. रेवत्यां भौमः ४६/२२
बृषे. शुक्रः ५६/८ बुधास्तः पू. २५/३१ च. ब्र.

भ. ५१/१७ उ. कृत्ति.बुधः २०/६ रा.ज्येष्ठारम्भः
भ. ३०।२२ या. बृषे बुधः ५५।२८"
रोहि. रविः ४०।३६ (सौरः ४८।४८)

भ. ४५।५८ उ.
भ. १७।४० या.
रोहि. बुधः ४०।३७ अपरा ११ ब्र.
रोहि. शुक्रः ६ वक्री शनिः २१/४५ प्रदोषः
भ. १७।२० उ. ४५।२२ या
❀सावित्री ब्र.
जून ६ ता. ३० सोमवती ३० वट❀

६पं.ज्ये कृ.१चं.इ.२४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	४	०	९	८	१
३	१५	१५	११	२६	२४	८	३
१८	४०	०	१९	५१	३४	४२	५२
२६	१९	४७	५९	५०	८	३१	१३
५७	४४	०/०	३	७४	१	३	५७
४४	५९	०/०	४४	३२	७	११	३४

७पं.ज्ये.कृ.८चं.इ.२४।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	४	१	९	८	१
१०	२०	३	११	५	२४	८	१०
४२	५६	५	४६	२८	३९	२०	३४
२५	३१	३५	२६	२६	०	२०	२४
५७	४४	०/०	४	७४	०	३	५७
३५	४९	५७	५२	३२	२२	११	३३

८पं.ज्ये.कृ.३०चं.इ.२४।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	४	१	९	८	१
१७	२६	१८	१२	१४	२४	७	१७
२५	१२	१५	२०	४	३८	५८	१५
८	१८	३२	३१	१९	२७	५	३०
५७	४४	०/०	६	७४	१/७	३	५७
२७	३८	५५	१	३२	७	११	१३

ति| ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं० २०४६ शाकः १६१४ दि.उ |अ|इ.|रा.|मु.| चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहगणः५८सन्१६६२

| | | |

ति. आषाढ़ शुक्ल पक्षः सं० २०४६ शाकः १६१४ दि.उ.अ.इ.रा.मु. चन्द्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८७स.१६६२

१	बु	१६	३१	पु	४०	४१	धु	३५	५० १५	ब	१६	३१	३४ २०	५ ५२	६ ५२	१	१०	२६	क.२७।२३
२	गु	१०	३२	पु	३३	५१	ह	४५	१	की	१०	३२	१६	८	५२	२	११	३०	कर्के
३	शु	१	५८	श्ले	२७	३०	व	३५	२१	ग	१	५८	१८	८	५२	३	१२	१	सिं २७।३०
४	शु	५२	७	म	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	श	४६	४०	०	३१	५६	सि	२६	३७	ब	२०	२२	१७	६	५१	४	१३	२	सिंहे
६	र	४०	४५	पू	१७	३१	व्य	१८	४६	की	१३	४२	१५	६	५१	५	१४	३	क.३१।४३
७	चं	३६	४	उ	१४	१६	व	११	५६	ग	८	२४	१४	६	५१	६	१५	४	कन्यायां
८	मं	३२	५३	ह	१२	२३	प	६	१३	वि	४	२८	१३	६	५१	७	१६	५	तु.४२।१६
६	बु	३०	५६	चि	१२	८	शि	४१	५६ २६	ता	१	५४	११	१०	५०	८	१७	६	तुलायां
१०	गु	३०	२५	स्वा	१२	४६	सा	५५	४३	तै	०	४०	१०	१०	५०	६	१८	७	बृ.५६।२३
११	शु	३१	१३	वि	१४	५५	शु	५४	८	व	०	४६	८	१०	५०	१०	१६	८	वृश्चिके
१२	श	३२	५८	अ	१७	५	शु	५३	१७	ब	२	५	७	११	४६	११	२०	६	वृश्चिके
१३	र	३६	१२	ज्ये	२२	२०	ब्र	५४	३	की	४	३४	५	११	४६	१२	२१	१०	ध.२२।२०
१४	चं	४०	३	मू	२७	५१	ऐं	५४	३६	ग	८	७	४	११	४६	१३	२२	११	धनुषि
१५	मं	४५	१०	पू	३४	६	वै	५६	१७	वि	१२	३६	२	१२	४८	१४	२३	१२	म.५०।४६

प्रदोषः भ. ४०।३ उ. कृत्ति. भौमः ११।२१
भ. १२।३६ या. व्यास१५ वायुपरीक्षा
पुष्ये शुक्रः २८।४३
कर्के शुक्रः ४३।४१
भ.०।४६उ.३१।१३ देवशयनी ११ ब्र.
भ. ३६।४ उ. आश्ले. बुधः ६।५०
भ.०।६या,वक्री श्रवण ४शनिः ५३।३२
शुक्रोदयः पश्चिमायाम् २२।४८ शु.उ.प.
पुन. रविः ३।५८(सौरः ५।५८)पूफा.२गुरुः २४।३३
शुक्र कर्के ४ बुध सिंहे ६ मंगल कन्यायां ६ शनि तुलायां ५ राहु मिथुने ६ केतु धनुषि ६
भ. ४।१६ उ. ३६।५० या.
भ. ४०।३ उ. कृत्ति. भौमः ११।२१
आश्ले. शुक्रः १७।२७
रा. श्रावणारंभः
भ. ५३।६ उ. पूफा. ३गुरुः ५२।३६
भ.२३।५ या. बुधास्तःपश्चिमायां ५१।४१
कामिका ११ ब्र.
प्रदोषः
भ.४।१६ उ. ३६।५० या.
हरियाली ३०

१३पं.आ.शु.७चं.इ.२४।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	२	९	८	२
२०	२१	१६	१६	२७	२३	६	२०
१७	१२	५४	४९	७	२८	६	२९
१०	१	३६	३०	१५	५९	४७	१
२७	४३	४९	१०	७४	३७ ३७	३	५६
७	७	७	२१	३२	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

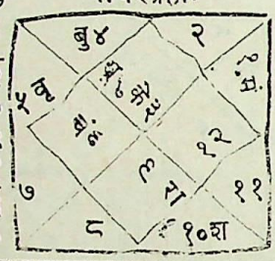

इस मास में बुध शुक्रका योग और गुरुवार को चंद्र-दर्शन वर्षा श्रेष्ठ कारक है। सोना चांदी मंदा अनाज में घटा बढ़ी हो।

गोचरग्रहाः

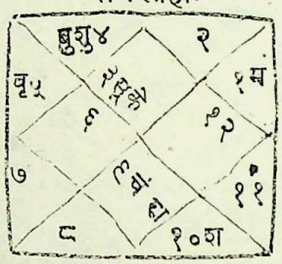

१४पं.आ.शु.१४च.इ.२४।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	३	९	८	२
२७	२६	२१	१७	५	२३	५	२७
३०	४९	५१	५८	४३	४	३४	७
३२	३३	७	५५	४८	५	२१	०
५७	४२	२०	१०	७४	५३	३	५६
११	५१	७	५८	३२	ब	११	५४

१	बु	५०	२२	उ	४०	४७	वि	५८	११	ता	१७	४६	३४ ०	५ १२	६ ४८	१५	२४	१३	मकरे
२	गु	५६	३४	श्र	५८	२३	प्री	६०	०	तै	२३	२८	३ ५५	१२	४८	१६	२५	१४	मकरे
३	शु	६०	०	ध	५५	५८	प्री	०	४३	व	२६	३५	५६	१३	४७	१७	२६	१५	कुं २२।१०
३	श	२	३६	श	६०	०	आ	३	५	वि	२	३६	५४	१३	४७	१८	२७	१६	कुम्भे
४	र	८	४६	श	३	२७	सो	५	४०	ता	८	४६	५२	१४	४६	१६	२८	१७	मी४३।४५
५	चं	१४	१६	पू	१०	३१	शो	७	४७	तै	१४	१६	५०	१४	४६	२०	२६	१८	मीने
६	मं	१६	४	उ	१६	३६	अ	६	११	व	१६	४	४७	१५	४५	२१	३०	१६	मीने
७	बु	२२	२६	रे	२१	४८	सु	६	४३	ब	२२	२६	४५	१५	४५	२२	३१	२०	मे.२१।४८
८	गु	२४	१६	अ	२५	१६	धृ	६	१४	की	२४	१६	४२	१६	४४	२३	१	२१	मेषे
६	शु	२४	१३	भ	२७	१	शू	७	११	ग	२४	१३	४०	१६	४४	२४	२	२२	वृ.४१।५६
१०	श	२२	५	कृ	२६	४३	गं	३ ३१	५४ ४६	वि	२२	५	३७	१७	४३	२५	३	२३	वृषे
११	र	१८	१	रो	२४	३३	ध्रु	५१	३१	ता	१८	१	३५	१७	४३	२६	४	२४	मि५२।२४
१२	चं	११	५३	मृ	२०	१६	व्या	४३	१७	तै	११	५३	३२	१८	४२	२७	५	२५	मिथुने
१३	मं	४	१६	आ	१४	२६	ह	३३	५०	व	४	१६	२९	१८	४२	२८	६	२६	क.५४।१६
१४	मं	५१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	बु	४५	४४	पु	७	३५	व	२३	४६	च	२०	३२	२६	१६	४१	२६	७	२७	कर्के

१५पं..श्रा.कृ.५चं.इ.२४।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	४	३	९	८	३
४	१	२३	१९	१४	२२	५	३
११	४२	२८	१३	१९	३६	२२	४५
१७	५०	४४	३०	४१	११	१६	३५
५७	४२	१५	११	७४	१२ ४	३	५६
१५	१०	ब	३५	२६	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

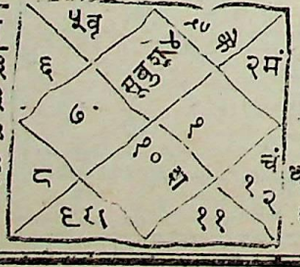

श्रा. कृ. २ गुरौ कर्केऽर्कः प्र.वा.५ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

१६पं.श्रा.कृ.१२चं.इ.२४।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	४	३	९	८	३
१०	६	२१	२०	२२	२३	५	१०
५२	३२	२३	३०	५६	६	०	२४
१९	६	३८	४६	५६	४७	०	५२
५७	४१	३९	१२	७४	३ ४	३	५७
२०	३९	ब	११	२६	ब	११	५

Digitized by S3 Foundation USA

त. श्रावण शुक्ल पक्षः सं.२०४६ शाकः१६१४ दि.उ.अ.इ.रा.मु. चंद्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः११६म.१६६२

१	शु	३५	४३	पु	०	सि	१३	४	क्कि	१०	४३	३३/२४	५/१६	६/४५	३०	८	२८	सि५२।१३
२	शु	२६	२	म	४५	व्य	१६/२	४६/३३	वा	०	५२	२१	२०	४०	३१	६	२६	सिंहे
३	श	१६	५६	पू	३८	प	४१	५५	ग	१६	५६	१८	२०	४०	१	१०	१	क.५१।५५
४	र	६	१५	उ	३३	शि	३३	१५	वि	६	१५	१५	२१	३६	२	११	२	कन्यायां
५	चं	२	५८	ह	२६	सि	२६	६	वा	२	५८	१२	२२	२८	३	१२	३	तु. ५७।५६
६	चं	५५	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	मं	५५	३२	चि	२६	सा	२०	२	ग	२६	५६	६	२२	३८	४	१३	४	तुलायां
८	बु	५४	३७	स्वा	२७	शु	१४	५२	वि	२५	४	६	२३	३७	५	१४	५	तुलायां
९	गु	५५	३४	वि	२८	शु	१२	४७	वा	२५	५	३	२३	३७	६	१५	६	वृ.१३।१८
१०	शु	५७	४६	अ	३२	ज्ये	१०	४६	तै	२६	४०	०	२४	३६	७	१६	७	वृश्चिके
११	श	६०	०	ज्ये	३६	ऐं	१०	१४	व	२६	३६	३/५६	२५	३५	८	१७	८	ध ३६।४३
१२	र	१	२७	मू	४२	वै	१०	५७	वि	१	२७	५३	२५	३५	९	१८	९	धनुषि
१३	चं	६	४	पू	४९	०	वि	११	५८	वा	६	४	५०	२६	३४	१०	१९	१०
१४	मं	११	४९	उ	५६	४	प्री	१३	५४	तै	११	४९	४७	२७	३३	११	२०	११
१५	बु	१७	२३	अ	६०	०	आ	१५	५०	व	१७	२३	४३	२७	३३	१२	२१	१२
१६	गु	२३	३९	श्र	३	२०	सौ	१८	१३	ब	२३	३९	४०	२८	३२	१३	२२	१३

म.५५।३२उ. +मघायां सिंहेशुक्रः ३/८
भ. २५।४ या.

१४पं.श्रा.शु. ५चं.इ.२४।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	४	४	९	८	३
१७	११	१६	२१	१	२१	४	१७
२४	१३	२४	५०	३३	३५	३७	४
१	५९	३७	४५	३६	२५	४४	४०
५७	४१	५४/४	१२	७४	४०	३	५७
२५	१०	ब	२५	२०	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

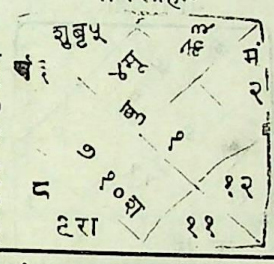

इस मास का फल श्रेष्ठ है। श्रावण पहली पंचमी वर्षे करे निहाल। पवन चले तो अति बुरी पड़े हलाहल काल॥

गोचरग्रहाः

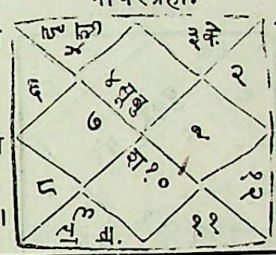

१८पं.श्रा.शु.१२चं.इ.२५/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	४	४	९	८	३
२४	१५	१२	२३	१०	२१	४	२३
१६	५२	२५	१४	१०	३	१५	४५
२६	२६	२	६	३३	५७	२९	४७
५७	४१	५३/३३	१२	७४	४०	३	५७
३३	३३	ब	५०	१४	ब	११	२२

ति. भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं.२०४६ शाकः१६१४ दि.उ.अ.इ.रा.मु. चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृ.महाराष्ट्र

१	शु	२६	४०	ध	१०	५६	शो	२०	४०	कौ	२६	४०	३३/३६	५/२६	३/१९	१४	२३	१४	कुम्भे
२	श	३५	४४	श	१७	५६	अ	२२	५६	तै	२	४२	३३	२६	३१	१५	२४	१५	कुम्भे
३	र	४०	५६	पू	२५	२२	सु	२५	१	व	८	२०	२६	३०	३०	१६	२५	१६	मी८।३१
४	चं	४५	३१	उ	३१	३४	धृ	२६	३५	ब	१३	१३	२६	३१	२६	१७	२६	१७	मीने
५	मं	४६	१३	रे	३७	११	शू	२७	२५	कौ	१७	२२	२२	३२	२८	१८	२७	१८	मे ३७।११
६	चु	५१	४०	अ	४१	३६	गं	२७	२०	ग	२०	२६	१६	३२	२८	१६	२८	१६	मेषे
७	गु	५२	३४	भ	४४	२६	वृ	२६	२७	वि	२२	७	१५	३३	२७	२०	२६	२०	वृ.५६।५०
८	शु	५१	५४	कृ	४५	५२	धु	२४	१३	वा	२२	१४	११	३४	२६	२१	३०	२१	वृषे
९	श	४८	२६	रो	४५	३६	व्या	२०	३१	तै	२०	१०	८	३४	२६	२२	३१	२२	वृषे
१०	र	४५	१	मृ	४३	२८	ह	१५	२६	व	१६	४३	४	३५	२५	२३	१	२३	मि१४।३३
११	चं	३६	०	आ	३६	३८	व	८	४४	ब	१२	०	०	३६	२४	२४	२	२४	मिथुने
१२	मं	३१	२६	पु	३४	७	सि	१/५८	१/१०	कौ	५	१५	३/६	३७	२३	२५	३	२५	क २०।३०
१३	बु	२३	४७	पु	२७	३२	व	४२	४	व	२३	४७	५२	३८	२२	२६	४	२६	कर्के
१४	गु	१३	७	श्ले	२०	२	प	३१	२५	श	१३	७	४८	३८	२२	२७	५	२७	सिं२०।२
२०	शु	४	६	म	१२	१६	शि	२०	३७	ना	४	६	४४	३६	२१	२८	६	२८	सिंहे

भ. २८/२० उ. ४५/६० या. मघा.सिंहेऽर्कः २१/३५ *
चतुर्थी व्र. *(सौर:५४।३७)

भ. ५१।४० उ. चंद्रषष्ठी
भ. २२।७ या.
जन्माष्टमी व्र.
मृगे भौमः २४/२६ आश्लेषा बुधः ५/६ गोगा ६
भ ४३/४६ उ. ४५/५१ या. उफा. शुक्रः ५१/५९ रा.÷
अजा ११ व्र. ÷भाद्रपदारंभः
वक्री श्रवणे३शनिः४।१७ वत्स१२प्रदोष.
भ.२३।४७उ.४८।२७या. उफा १ गुरुः×
×४५।१६ कन्यायां शुक्रः ३२।१६
कुशग्रहणी मन्वादिः

१६पं.भा.कृ.४चं.इ.२३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	३	४	४	९	८	४
०	२०	१३	२४	१८	२०	३	०
५९	२४	२५	३९	४५	३३	५३	२८
४९	४०	३३	५४	५४	०	१३	०
५७	३९	३/५६	१३	७४	४	३	५७
४०	४९	मा	१४	८	२४	११	३४

गोचरग्रहाः

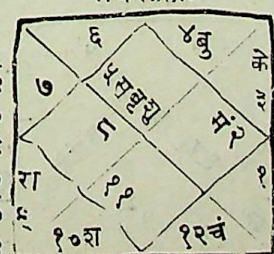

भाद्र.कृ. ३ रवौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.

गोचरग्रहाः

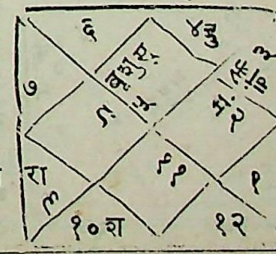

२०पं.भा.कृ.११चं.इ.२३/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	३	४	४	९	८	४
७	२४	१९	२६	२७	२०	३	७
४४	५०	५०	८	२१	२	३०	११
१७	४२	९	३१	१४	५५	५८	३१
५७	३९	८४	१३	७४	१९/४४	३	५८
४९	७	११	२०	२	ब	११	४५

CC-0. Gurukul K

ति.भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं.२०४६ शाकः १६१४ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः | शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १४६स.१६६२

१	शु	४६	८	०	०	०	८	८	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०
२	श	४४	२	पू	२७	५३	सि	४०	५०	बा	१८	३६	३१	४०	२०	२६	७	२६	कं १७।५०
३	र	३६	२३	ह	५१	५६	शु	५०	३८	तै	१०	१३	३६	४१	१६	३०	८	१	कन्यायां
४	चं	३०	७	चि	४७	५२	शु	४२	२६	व	३	१५	३२	४२	१८	३१	६	२	तु.१६।५४
५	मं	२५	४६	स्वा	४५	५८	ब्र	३६	२०	व	२५	४६	२८	४२	१८	१	१०	३	तुलायां
६	बु	२३	४१	वि	४५	५३	ऐं	३१	४५	तै	२३	४१	२५	४३	१७	२	११	४	वृ.३०।५४
७	गु	२३	३०	अ	४८	१	वै	२८	५५	व	२३	३०	२१	४४	१६	३	१२	५	वृश्चिके
८	शु	२५	१६	ज्ये	५१	५३	वि	२७	२०	व	२५	१६	१७	४५	१५	४	१३	६	ध.५१।५३
६	श	२८	५७	मू	५७	२०	प्री	२७	३१	क्रो	२८	५७	१३	४५	१५	५	१४	७	धनुषि
१०	र	३३	४४	पू	६०	०	आ	२८	२२	तै	१	२१	६	४६	१४	६	१५	८	धनुषि
११	चं	३६	४०	पू	३	४६	सो	३०	१४	व	६	४२	५	४७	१३	७	१६	६	म.२०।३८
१२	मं	४५	४०	उ	११	१३	शो	३२	३४	ब	१२	४०	६	४८	१२	८	१७	१०	मकरे
१३	बु	५२	१०	श्र	१८	३८	अ	३५	१	क्रो	१८	५५	३० ५७	४६	११	६	१८	११	कु.५२।२६
१४	गु	५८	७	ध	२६	१५	सु	३७	२५	ग	२५	८	५३	४६	११	१०	१६	१२	कुम्भे
१५	शु	६०	०	श	३३	२५	धृ	३६	२८	वि	३१	१	४८	५०	१०	११	२०	१३	कुम्भे
१५	श	३	५६	पू	४०	१४	शु	४१	२२	ब	३	१६	४४	५१	६	१२	२१	१४	मी २३।३२

चन्द्रदर्शनम्
पूफा. रविः ११/१२ (सौरः ४५/२६) मघा.सिंहे*
भ. ३।१५ उ. ३०।७ या. गणेश ४
मिथुने भौम.४२।१२ बुधास्तः पूर्वस्याम्+
*बुधः ५६/६ हरितालिका ३ रविलाबल ३
भ.२३।३०उ.५४।२५या. हस्ते शुक्रः ४०/४६
अस्तं गुरोः २८।४८
+सितंबर ६ ता. ३० ऋषि पंचमी
रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
भ.६।४२ उ.३६।४०या. पूफा.बुधः ३१/१०×
वामन १२ ×जलझूलनी ११ व्र.
प्रदोषः ÷अनन्त १४
भ ५५/७ उ. मूल.१राहुः मृग.३ केतुः ५०/१५÷
भ. ३१/१ या. उफा.२ कन्यायां गुरुः ४२/४३=
उफा. रविः ५५/३२ =महालय श्राद्धारंभ

२१पं.भा.शु.४चं.इ.२३।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	४	५	९	८	४
१४	२९	०	२७	५	१९	३	१३
२९	९	४४	३६	५६	३४	८	५६
५६	५८	४	३	५३	४४	४२	४३
५८	३८	०/८	१३	७३	५८/३	३	५७
१	८	२६	३२	५५	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

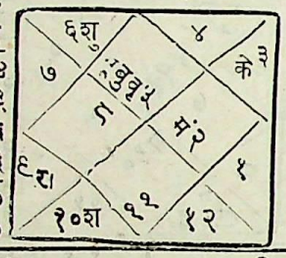

इस मासका फल मध्यम है। रक्त वस्तु रसादिपदार्थ गुड़ खाँड चीनीघृत तैल तेज हो। पूर्णिमा को बादल हो तो श्रेष्ठ रहे।

गोचरग्रहाः

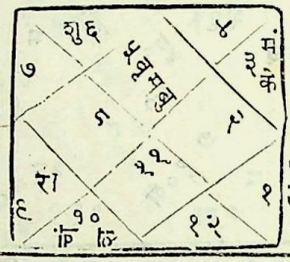

२२पं भा.शु ११चं.इ.२३/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	४	५	९	८	४
२१	३	१३	२२	१४	१९	२	२०
१६	२९	१	५	३२	९	४६	४३
५५	५०	८	३८	३५	५४	२६	२३
५८	३७	८/८	१३	७३	४०/३	३	५८
१३	१४	६/२	३२	५०	ब	११	१२

ति.आश्विन कृष्ण पक्षः सं.२०४६ शाकः १६१४ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः | शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्र. कृ. महाराष्ट्राः

१	र	८	४४	उ	४६	६	गं	४२	२४	क्रो	८	४४	३० ४०	५ ५३	६ ८	१३	२२	१५	मीने
२	चं	१२	५०	रे	५१	२०	वृ	४२	५५	ग	१२	५०	३६	५३	७	१४	२३	१६	मे.५१।२०
३	मं	१५	५६	अ	५५	३२	धु	४२	४२	वि	१५	५६	३२	५४	६	१५	२४	१७	मेषे
४	बु	१७	५६	भ	५८	४१	व्या	४१	३६	बा	१७	५६	२८	५४	६	१६	२५	१८	मेषे
५	गु	१८	५३	कृ	६०	०	ह	३६	४१	तै	१८	५२	२४	५५	५	१७	२६	१६	वृ.१४।१०
६	शु	१८	३८	कृ	०	३५	व	३६	५०	व	१८	३८	२०	५६	४	१८	२७	२०	वृषे
७	श	१७	१०	रो	१	१८	सि	३३	२	ब	१७	१०	१६	५७	३	१६	२८	२१	मि ३१।२
८	र	१४	१६	मृ	४६	५८/३	व्य	२७	५१	क्रो	१४	१६	१२	५८	२	२०	२६	२२	मिथुने
६	चं	१०	१	पु	५६	२६	व	२१	३८	ग	१०	१	८	५८	२	२१	३०	२३	क.४२।२
१०	मं	४	२६	पु	५१	४	प	१४	२६	वि	४	२६	४	५६	१	२२	३१	२४	कर्के
११	मं	५३	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	बु	४६	४५	श्ले	४५	२३	सि	१२	५० ५५	क्रो	२३	३८	३० ०	६ ०	६ ०	२३	१	२५	सि ४५।२३
१३	गु	४१	११	म	३८	५४	सा	४७	१६	ग	१५	२८	२६ ५५	६ १	५ ५६	२४	२	२६	सिंहे
१४	शु	३१	५५	पू	३१	५५	श	३७	२	वि	६	३३	५१	२	५८	२५	३	२७	क.४५।१२
२०	श	२३	७	उ	२५	२	शु	२६	५८	ना	२३	७	४७	३	५७	२६	४	२८	कन्यायां

उफा. रविः सौरः ३०/७ आर्द्रा. भौमः ४६/६
भ. ४४/२३ उ. उफा. बुध २०/३ चित्रा.शुक्रः ३३/४४
भ. १५/६ या. कन्यायां बुधः ४६/६ चतुर्थी व्र.
कन्यायामर्कः २०।५३ (सौरः ५५।१८)
भ. १८।३८ उ. ४७।५४ या.
तुलायां शुक्रः ५६।३१
भ. ३७।१५ उ. हस्ते बुधः १६।५२
भ. ४।२६ या. इन्दिरा ११ व्र. स्मा.
रा. आश्विनारंभः इन्दिरा ११ व्र. वै.
भ. ४१।११ उ. प्रदोषः
भ. ६।३३ या. स्वात्यां शुक्रः २५।०
हस्ते रविः ३३।५६ सर्वपितृ श्राद्धम्

२३पं.आ.कृ.२चं इ २३।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	५	९	८	४
२८	७	२७	०	२३	१८	२	२७
५	२४	२३	२६	७	४७	२४	३१
२४	०	२	३२	१	३१	११	४४
५८	३६	०/८	१३	७३	३/०	३	५८
२६	३	५९	२८	४४	ब	११	२९

गोचरग्रहाः

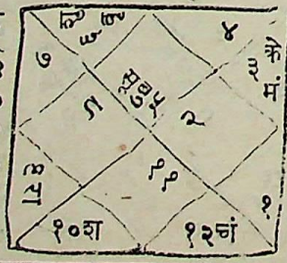

आ. कृ. ४ बुधे कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न.५ गता लकावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

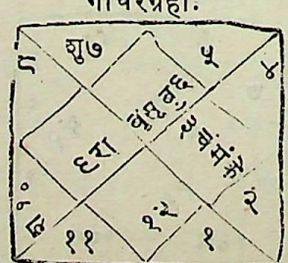

२४पं.आ.कृ.९चं.इ.२३।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	५	६	९	८	५
४	११	१०	२	१	१८	२	४
५५	१६	५	६	४२	२८	१	२२
१९	४४	३५	१४	११	५५	५५	५१
५८	३४	०/८	१३	७३	२०/२	३	५८
३८	५८	५०/८	३८	२६	ब	११	४५

Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०४६ शाकः १६१४ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षि.ऽहर्गणः स. १७५ स १६६२

| | | |

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं.२०४९ शाकः१९१४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०४सं.१९९२
१	चं ४२ ४८ स्वा ३५ ४० मी २४ ४० कं १५ ३१	२७ ६	२७ ३३	२६ ४	२८	तुलायां	अन्नकूट गोवर्द्धनपूजा
२	मं ३८ ५९ वि ३२ ५८ आ १७ ४५ बा १० ५३	४२ २८	३२ २७	५ २९	वृ.१८।३८	अनु. बुधः १।३ चंद्रदर्शनम् भ्रातृ २
३	बु ३७ ४ अ ३२ १३ सौ १२ १६ तै ८ १	३९ २८	३२ २८	६ १	वृश्चिके	हस्त१गुरुः ४ ४ ज्येष्ठा शुक्रः १ ५ जमादि. ५
४	गु ३६ ५५ ज्ये ३३ ६ शो ८ ६ व ६ ५९	३५ २९	३१ २९	१ २	ध.३३।६	भ.५ ६ उ.३ ५ या.ज्येष्ठा.४वृश्चिके राहुः *
५	शु ३९ १ मू ३६ ३० अ ५ ३४ ब ७ ५८	३१ ३०	३० ३०	८ ३	धनुषि	*मृगः २ वृषे केतुः४२।१७
६	श ४२ ३७ पू ४१ १९ सु ४ ४७ कौ १० ४९	२७ ३१	२९ ३१	९ ४	म.५७।५३	
७	र ४७ ५९ उ ४७ ३७ धृ ४ ५९ ग १५ १८	२४ ३१	२९ १	१० ५	मकरे	भ.४७।५९ उ. नवम्बर ११ ता. ३०
८	चं ५३ ५३ अ ५४ ३४ शु ६ २४ वि २० ५६	२० ३२	२८ २	११ ६	मकरे	भ. २०।५६ या. गोपाष्टमी
९	मं ६० ० ध ६० ० गं ८ ३६ वा २७ ११	१६ ३३	२७ ३	१२ ७	कु.२८।२३	कर्के भौमः ४३।३८ अक्षय ९
९	बु ० ३० ध २ १२ वृ १० ४६ कौ ० ३०	१३ ३३	२७ ४	१३ ८	कुम्भे	+११ व्र. तुलसीविवाहः
१०	गु ६ ४४ श ९ ३७ ध्रु १२ ५५ ग ६ ४०	९ ३४	२६ ५	१४ ९	मीऽ९।४६	भ. ३९।३५ उ. विशा. रविः५२।११
११	शु १२ २६ पू १६ २९ व्या १४ ४७ वि १२ २६	६ ३५	२५ ६	१५ १०	मीने	भ.१ २ या.विशा.रविःसौर: १ ९ प्रबोधिनी+
१२	श १६ ५१ उ २२ २१ ह १५ ४७ बा १६ ५१	२ ३६	२४ ७	१६ ११	मीने	मूले धनुषि शुक्रः १३।१७ प्रदोषः
१३	र २० ४ रे २६ ४६ व १५ ३७ तै २० ४	२९ ३६	२४ ८	१७ १२	मे.२६।४६	वैकुण्ठ १४
१४	चं २१ ५८ अ २९ ५१ सि १४ २७ व २१ ५८	५६ ३७	२३ ९	१८ १३	मेषे	भ. २१।५८ उ. ५५।५४ या.
१५	मं २१ ५० भ ३१ २८ व्य १२ १२ ब २१ ५०	५३ ३७	२३ १०	१९ १४	वृ.४६।३२	वक्री बुधः ३९।९ मन्वादिः

२९पं.का.शु.१चं.इ.२२।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	७	५	७	९	८	६
९	२७	२	९	१४	१८	०	९
२९	१६	३४	२९	२५	४	१०	०
४९	५९	४४	३४	३४	३०	३७	१०
२९	२५	६९	१२	७२	१	३	६०
४७	८	५३	४९	७	१९	११	२

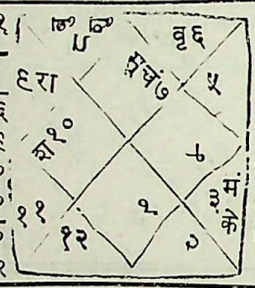

३०पं.का.शु.८चं.इ.२२।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	७	५	७	९	७	६
१६	२९	१०	१०	२२	१८	२९	१६
२९	२९	७	५१	५३	५४	४८	१
३८	५३	२६	४३	५६	१३	२२	१४
६०	२२	५०	१२	७१	१	३	६०
४	११	५५	२०	४८	५३	११	१८

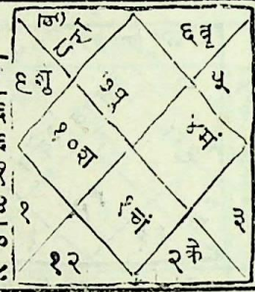

३१पं.का.शु.१४चं.इ.२१।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	५	८	६	७	६
२३	१	१४	१२	१	१८	२९	२३
३०	२५	२९	१२	२१	२९	२६	३
५८	५५	२०	७	३३	२	६	५०
६०	१८	१३	८	७१	२	३	६०
१७	४३	३५	३	२४	१६	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०४९ शाकः१९१४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृ. महाराष्ट्राः
१	बु २० ४० कृ ३१ ४५ व ८ ५६ कौ २० ४०	२६ ४९	३८ ६	२२ ५	११	२०	१५	वृषे	
२	गु १८ २५ रो ३१ ११ प १५ ४ ग १८ २५	४६ २९	२१ १२	२१ १६	वृषे	भ. ४६।४९ उ
३	शु १५ १४ मृ २९ ४४ सि ५३ ३८ वि १५ १४	४३ २९	२१ १३	२२ १७	मि०।२८	भ. १५।१४ या. चतुर्थी व्र.
४	श ११ २० आ २७ २२ सा ४७ २० बा ११ २०	४० ४०	२० १४	२३ १८	मिथुने	
५	र ७ ५ पु २४ ५६ शु ४० ४९ तै ७ ५	३७ ४१	१९ १५	२४ १९	क.१०।३२	बृश्चिकेर्कः ४ १ ५ ३ बुधास्तः पश्चिमायाँ ५ १ ३
६	चं २ ३४ पु २२ ८ शु ३४ २ व २ ३४	३४ ४१	१९ १६	२५ २०	कर्के	भ. २।३४ उ.३०।१७या. वृश्चिकेऽर्कः *
७	चं ५५ २५ ० ० ८ ० ० ० ० ०	० ०	० ०	० ०	०	*सौरः१३।५१ हस्त.२ गुरुः३५।४५
८	मं ५२ ५३ श्ले १८ ५९ त्र २७ ६ बा २५ २६	३१ ४२	१८ १७	२६ २१	सिं१८।५९	
९	बु ४७ ५० म १५ ३७ ऐं १९ ५८ तै २० २१	२९ ४२	१८ १८	२७ २२	सिंहे	
१०	गु ४२ २१ पू १२ १० वै १२ ४२ व १५ ५	२६ ४३	१७ १९	२८ २३	क.२६।१५	भ. १ ५ उ. ४ २ या. अनु. ३ ६ (सौरः ३० ३९)+
११	शु ३७ २ उ ८ ३१ वि १४ ५३ ब ९ ४१	२४ ४३	१७ २०	२९ २४	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र. +पूषा.शुक्रः२०।३४
१२	श ३१ ४३ ह ४ ५३ आ ५० ४० को ४ २२	२१ ४४	१६ २१	३० २५	तु.३३।१६	पुष्ये भौमः ४८।३४
१३	र २७ १ चि ३८ १ ५७ सौ ४३ ५१ व २७ १	१९ ४४	१६ २२	१ २६	तुलायां	भ. २ ७ उ. ५ ५ या. रा.मार्गशीर्षारंभःप्रदोषः
१	चं २२ ५० वि ५६ ४४ शो ३७ ४३ श २२ ५०	१६ ४५	१५ २३	२ २७	बृ.२४।१५	
३०	मं १९ ५३ अ ५६ १ अ ३२ २९ ना १९ ५३	१३ ४५	१५ २४	३ २८	बृश्चिके	वक्री विशा. बुधः २।८

२२पं.मा.कृ.६चं इ.२१।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	८	९	७	७
०	२	१२	१३	९	१८	२९	०
३३	४६	३०	२८	४६	४८	३	७
४७	२६	४३	४१	४८	३९	५०	५४
६०	१२	६०	११	७०	१	३	६०
३०	५७	ब	२२	५८	२१	११	४०

गोचरग्रहाः

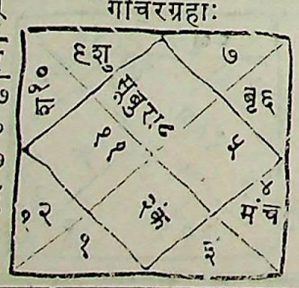

मा.शी.कृ.५ रवौ वृश्चिकेर्कः प्र.वा. २ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चि

गोचरग्रहाः

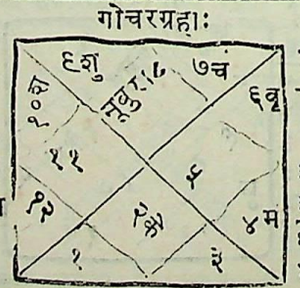

३३पं.मा.कृ.१४चं.इ २१ २२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	८	९	७	७
७	३	४	१४	१८	१९	२८	७
३७	३३	२३	३९	९	१२	४१	१३
३७	३२	२७	४३	३६	५०	३५	२७
६०	८	३३ ३३	१०	७०	३	३	६०
४२	४५	ब	३७	२१	५६	११	५३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | हेमंतर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३४स. १९९२

१	बु	१८	९	ज्ये	५६	५०	सु	२८	५	ब	१८	९	२९/११	४९/६	१४/५	२५	४	२९	ध. ५६।५०	
२	गु	१८	४	मू	५९	१२	धृ	२४	५९	कौ	१८	४	८	४६	१४	२६	५	३०	धनुषि	
३	शु	१९	५०	पू	६०	०	शू	२३	३५	ग	१९	५०	६	४७	१३	२७	६	१	धनुषि	
४	श	२३	१०	पू	३	१८	गं	२२	४६	वि	२३	१०	३	४७	१३	२८	७	२	म. १९।४०	
५	र	२८	११	उ	८	४४	वृ	२३	७	वा	२८	११	१	४८	१२	२९	८	३	मकरे	
६	चं	३३	४६	अ	१५	१७	ध्रु	२४	४६	कौ	०	५८	२५/९	४८	१२	३०	९	४	कु. ४८।४३	
७	मं	४०	१४	ध	२२	८	व्या	२७	११	ग	७	०	५७	४९	११	१	१०	५	कुम्भे	
८	बु	४६	४०	श	३०	११	ह	२९	२८	वि	१३	२७	५५	४९	११	२	११	६	कुम्भे	
९	गु	५२	४०	पू	३७	२७	व	३१	३७	वा	१९	४०	५३	४९	११	३	१२	७	मी २०।३८	
१०	शु	५७	३३	उ	४३	५०	सि	३३	४	तै	२५	६	५१	५०	१०	४	१३	८	मीने	
११	श	६०	०	रे	४८	५२	व्य	३३	२४	व	२९	१४	४९	५०	१०	५	१४	९	मे. ४८।५२	
११	र	०	५६	अ	५२	२०	व	३२	४१	वि	०	५६	४८	५०	१०	६	१५	१०	मेषे	
१२	चं	२	४१	भ	५४	७	प	३०	३०	वा	२	४१	४६	५१	९	७	१६	११	मेषे	
१३	मं	२	२८	कृ	५४	२	शि	२६	५९	तै	२	२८	४५	५१	९	८	१७	१२	वृ. ९।५	
१४	बु	०	५२	रो	५२	१९	सि	२१	५८	व	०	५२	४४	५१	९	९	१८	१३	वृषे	
१५	गु	५६	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		

वक्री तुलायां बुधः १०।२० चन्द्रदर्शनम्
भ. ५१।३० उ. बुधोदयः पू. ३६।१०*
भ. २३।१० या.
*जमादिलाखर ६ पातस्पर्शः २/८ मोक्ष ३/१२
उषा. शुक्रः ३०।१८ चम्पा ६
भ. ४/१४ उ. मार्गी बुधः ४१/५८ दि. १२ ता. ३१
भ. १३/२७ या. ज्येष्ठा. रविः १६/४३ (सौरः ३८/३९)
वक्री भौमः ४।५७ मकरे शुक्रः २२।३४
वक्री पुन. भौमः ११/४७ श्रवण ४शनिः ५२/२८
भ. १९/१४ उ. मोक्षदा ११ ब्र स्मा.गीताज.
भ. ५/६ या. वृश्चिके बुधः ३/१३ हस्ते.३×
प्रदोषः ×गुरुः १०/१३ मोक्षदा ११ ब्र. वै.
भ ५/२ उ. ५/३ या. दत्तजयन्ती चंद्रग्रहणम्

३४पं.मा.शु.६चां.इ.२१।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	६	५	८	९	७	७
१४	३	२८	१५	२६	१९	२८	१४
४२	३६	२८	४८	२९	४०	१९	२०
५४	१४	१२	३२	२४	३३	१९	१३
६०	२	५९	९	६९	५	३	६१
५०	४३	ब	५९	३९	२८	११	३

गोचरग्रहाः

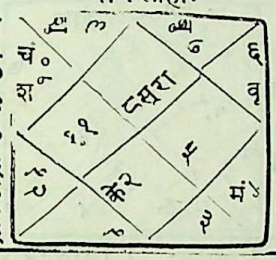

इस मासका फल साधारण है। रुई अनाज गल्ला रस पदार्थ गुड़ खांड आदि में घटाबढ़ी सोनाचांदी मंदाहो.

गोचरग्रहाः

३५पं.मा.शु १२कां.इ.२०/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	९	९	७	७
२१	३	१	१६	४	२०	२७	२१
४८	६	४	५०	४४	१२	५७	२७
५८	३६	१९	५३	३१	२५	४	५८
६०	१/५४	४९/३८	०	६८	५	३	६०
५६	ब	मा	१६	५३	१	११	११

ति. पौष कृष्णपक्षः सं० २०४९ शाकः १९१४ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | हेमंतर्तुरविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महाः

१	गु	५२	३२	मृ	४९	१०	सा	१६	५	वा	२४	४७	४/२५	५/२	८	१९	१४	मि २१।७			
२	शु	४७	५	आ	४५	५२	शु	९	१३	तै	१९	४८	४१	५२	८	११	२०	१५	मिथुने		
३	श	४१	६	पु	४१	४७	शु	२/९	५/२	व	१४	५	४०	५२	८	१२	२१	१६	क. २७।४९		
४	र	३५	५	पु	३७	४१	ऐं	४५	३०	ब	८	६	३९	५२	८	१३	२२	१७	कर्के		
५	चं	२९	७	श्ले	३३	२२	वै	३७	४०	कौ	२	६	३८	५२	८	१४	२३	१८	सिं ३३।२२		
६	म	२३	३४	म	२९	२९	वि	२९	५५	च	२२	३४	३८	५२	८	१५	२४	१९	सिंहे		
७	बु	१८	३२	पू	२५	५७	ग्री	२२	३२	ब	१८	३२	३७	५३	७	१६	२५	२०	क. ३९।५२		
८	गु	१३	२२	उ	२१	३५	आ	१५	३२	कौ	१३	२२	३७	५३	७	१७	२६	२१	कन्यायां		
९	शु	९	११	ह	१९	१४	सौ	८	४७	ग	९	११	३७	५३	७	१८	२७	२२	तु. ४८।१४		
१०	श	५	२४	चि	१७	१४	शो	३/५	५/९	वि	५	२४	३६	५३	७	१९	२८	२३	तुलायां		
११	र	२	५	स्वा	१५	४७	सु	५१	४८	वा	२	५	३६	५३	७	२०	२९	२४	तुलायां		
१२	र	५७	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	७	०	०	०	०		
१३	चं	५८	११	वि	१५	१०	धृ	४७	२३	ग	२८	५३	३६	५३	७	२१	३०	२५	वृ. ०।१९		
१४	मं	५७	३५	अ	१५	३५	शू	४३	४९	वि	२७	५४	३६	५३	७	२२	१	२६	वृश्चिके		
३०	बु	५८	२३	ज्ये	१६	४७	गं	४१	१२	च	२७	५९	३६	५३	७	२३	२	२७	ध. १६।४७		

वक्री तुलायां बुधः १०।२० चन्द्रदर्शनम्
श्रवणे शुक्रः ४६।६
भ. १४।५ उ. ४१।६ या.
चतुर्थी ब्र.
भ. २३/३४ उ. ५/३ या. मूले धनुष्यर्कः २३/५५*
*(सौरः ४२।२३)
भ. ३७।१७ उ.
भ. ५।२४ या. सफला ११ ब्र. स्मा.
ज्येष्ठा. बुधः १७।११ सफला ११ ब्र. वै.
भ. ५/१५ उ. वक्री मिथुने भौमः ३/७ प्रदोषः
भ. २७।५४ या. रा. पौषारंभः

३६पं.पौ.कृ.५चां.इ.२०।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	९	९	७	७
२८	१	८	१७	१२	२०	२७	२८
५५	५६	५१	४७	५५	४७	३४	३६
५२	१३	३२	२४	२२	५६	४८	४१
६०	५५	७४	८	६८	५	३	४१
०	ब	२७	२६	२	३०	११	१९

गोचरग्रहाः

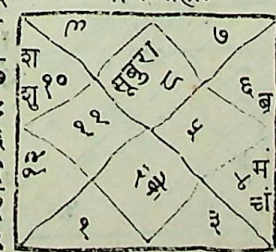

पौष कृ. ६ भौमे धनुष्यर्कः प्र.वा. ३ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.

गोचरग्रहाः

३७पं.पौ.कृ.१३चां.इ.२०/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	५	९	९	७	८
९	०	१८	१८	२०	२१	२७	५
३	३	८	३७	५८	२७	१२	४६
२९	४३	९	२९	१५	२५	३२	९
६१	१/२५	८२	७	६६	५	३	६१
४	ब	२३	१४	५९	५३	११	२२

ति. पौष शुक्ल पक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २६३स. १९९३

१	गु	६०	०	मू	१९	२२	वृ	३९	५५	कि	२९	२७	२५/३७	६/५३	५	२४	३	२८	धनुषि
१	शु	०	३१	पू	२३	१३	ध्रु	३८	५९	ब	०	३१	३७	५३	७	२५	४	२९	म. ३९।२४
२	श	३	५६	उ	२७	५८	व्या	३९	२७	की	३	५६	३७	५३	७	२६	५	१	मकरे
३	र	८	५४	श्र	३४	४५	ह	४०	३०	ग	८	५४	३८	५२	८	२७	६	२	मकरे
४	चं	१४	२९	ध	४१	४७	व	४२	१६	वि	१४	२९	३८	५२	८	२८	७	३	कुं. ८।१६
५	मं	२१	०	श	४९	२४	सि	४४	३८	त्रा	२१	०	३९	५२	८	२९	८	४	कुम्भे
६	बु	२७	२७	पू	५७	१३	ज्ये	४६	५८	तै	२७	२७	४०	५२	८	३०	९	५	मी ४०।१६
७	गु	३३	५२	उ	६०	०	ज	४९	२	ग	०	३९	४०	५२	८	३१	१०	६	मीने
८	शु	३९	१५	उ	४	५	प	५०	९	वि	६	३३	४१	५२	८	१	११	७	मीने
९	श	४३	१९	रे	१०	३	शि	५०	१८	त्रा	११	१७	४२	५२	८	२	१२	८	मे. १०।३
१०	र	४५	४७	अ	१५	३७	सि	४९	४	तै	१४	३३	४३	५१	९	३	१३	९	मेषे
११	चं	४६	१०	भ	१८	२०	सा	४६	१९	ब	१५	५८	४४	५१	९	४	१४	१०	बृ. ३३।३१
१२	मं	४४	३५	कृ	१९	१	शु	४१	५५	ब	१५	२२	४६	५१	९	५	१५	११	वृषे
१३	बु	४०	५९	ऐ	१७	४७	शु	३६	१	की	१२	४७	४७	५१	९	६	१६	१२	मि ४६।१६
१४	गु	३६	८	मृ	१४	४५	व	२८	४५	ग	८	३३	४९	५०	१०	७	१७	१३	मिथुने
१५	शु	२९	२	आ	१०	१६	ऐं	२०	२२	वि	२	३५	५१	५०	१०	८	१८	१४	क. ५१।११

धनि. शुक्रः २७।३५
चंद्रदर्शनम्
रज्जव ७
भ. ४१।४१ उ.
भ. १४/२९ या. पूषा. रविः २५/५१ (सौरः ४४/१)
कुंभे शुक्रः १८।४५
भूले धनुषि बुधः २०।१२
भ. ३३/५२ उ. ज्येष्ठा ३ राहुः मृग. १ केतुः ३४/१७
भ ६।३३ या. जनवरी १ ता. ३१ १९९३
*बुधास्तः पूर्वस्याम् ३९।५५
भ. १५/८ उ. ४६/१० या शते. शुक्रः १५/२५ पुत्रदा+ +११ व्र.
हस्ते. ४ गुरुः १३।५
प्रदोषः
भ. ३६।८ उ. पूषा. बुधः २।४२
भ. २।३५ या. धनि. १ शनिः ३६।१०

३८पं.पौ.शु.४चं.इ २०।२८ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	७	५	९	९	७	८
१३	२७	२८	१९	२८	२२	२६	१२
११	४०	२८	२०	५६	८	५०	५५
३१	१६	१५	२४	१३	४५	१७	५८
६१	२६/६	९२	६	६५	६	३	६१
६	ब	१०	१६	४०	२०	११	२६

इस मासमें भौम वक्री है अतः धान्य रुई सूतसणबिनोला सोना चांदी मूंग-फली अलसी अंडी तेज रहे।

गोचरग्रहाः ३९पं.पौ.शु.११चं.इ.२०/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	५	१०	९	७	८
२०	२५	८	१९	६	२२	२६	२०
१९	११	५९	५५	४२	५२	२८	५
२६	३५	२४	३३	४३	३०	१	५५
६१	३०/९	९६	५	६४	६	३	६१
६	ब	२०	४	१०	३२	११	२६

ति. माघ कृष्ण पक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्राः

१	श	२१	३३	पु	४९	५४	वै	११	४८	की	२१	३३	५२/५३	६/५०	५/१०	९	१९	१५	कर्के
२	र	१३	४८	श्ले	५२	४७	वि	४९	५०/२६	ग	१३	४८	५४	४९	११	१०	२०	१६	सिं ५२।४७
३	चं	५	५०	म	४६	५५	आ	४२	५५	वि	५	५०	५६	४९	११	११	२१	१७	सिंहे
४	चं	५२	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	मं	५१	४३	पू	४१	५९	सौ	३४	१	की	२५	४	५८	४८	१२	१२	२२	१८	क. ५५।५२
६	बु	४५	३९	उ	३७	३१	शो	२५	५३	ग	१८	४१	२६/१	४८	१२	१३	२३	१९	कन्यायां
७	गु	४१	५	ह	३४	२५	अ	१८	२८	वि	१३	२२	३	४७	१३	१४	२४	२०	तु. ३।१९
८	शु	३७	१४	चि	३२	१४	सु	१२	२	ना	९	१०	५	४७	१३	१५	२५	२१	तुलायां
९	श	३४	४०	स्वा	३१	१४	धृ	६	३१	ते	५	५७	८	४६	१४	१६	२६	२२	तुलायां
१०	र	३३	६	वि	३०	५९	शू	५४/१	५६/१६	व	३	५३	१०	४६	१४	१७	२७	२३	बृ. १६।२
११	चं	३२	४३	अ	३२	१६	वृ	५५	२०	ब	२	५४	१२	४६	१४	१८	२८	२४	बृश्चिके
१२	मं	३३	३४	ज्ये	३४	४२	ध्रु	५३	२५	की	३	८	१५	४५	१५	१९	२९	२५	ध. ३४।४२
१३	बु	३५	२२	मू	३७	५९	व्या	५२	३६	ग	४	२८	१७	४५	१५	२०	३०	२६	धनुषि
१४	गु	३८	२२	पू	४२	२४	ह	५२	२७	वि	६	५२	२०	४४	१६	२१	१	२७	म. ५८।४४
३०	शु	४२	२८	उ	४७	४४	त्र	५२	४६	च	१०	२५	२२	४४	१६	२२	२	२८	मकरे

भ. ३९/४९ उ. उषा. रविः ३३/५५ (सौरः ४५/२८)
भ. ५।५० चतुर्थी व्र.
भ. ४५।३९ उ. मकरेऽर्कः ४९।५९
भ. १३।२२ या. मकरेऽर्कः सौरः ०।५३
उषा. बुधः ३९।५५
पूभा. शुक्रः ४७।४८ पातस्पर्शः ५५।४०
भ. ५३/३ उ. ३३/९ या. मकरे बुधः ३६/२० *
षट्तिला ११ व्र. *पातमोक्षः २२/५९
वक्री आर्द्रा भौमः २।४६
भ. ३५/२५ उ. अभि.प्र. रविः २२/४४ (सौरः ३२/१५) ×
भ ६।५२ या. रा. माधारंभः ×प्रदोषः

४०पं.मा.कृ.३चं.इ.२०।२१ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	५	१०	९	७	८
२७	२२	१९	२०	१४	२३	२६	२७
२७	३८	५६	२२	१६	३८	५	१५
४०	४२	५३	३३	५१	४२	४६	४७
६१	२९/५६	९७	३	६२	६	३	६१
६	ब	२०	५२	२०	५०	११	२४

माघ कृ. ६ बुधे मकरेऽर्कः प्र.वा. २न.४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः ४१पं.मा.कृ.११चं.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	५	१०	९	७	९
४	२०	१	२०	२१	२४	२५	४
३५	२०	१५	४१	३७	२६	४३	२५
३१	२	१८	२०	१५	२४	३०	१६
६१	२८/८	९	२	६३	७	३	६१
३	ब	५९	२७	४	२	११	१९

Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्ल पक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४	दि.	उ.	अ. इं.	रा.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २९३स१९९३
१	श ४७ ३८ अ ५४ ११ सि ५४ १४ क १५ ३	२६	४३	१७	२३	३	२९	मकरे
२	र ५३ २० ध ६० ० व्य ५५ ४८ ना २० २९	२७	४३	१७	२४	४	३०	कु. २७।४०
३	चं ५९ ४४ ध १ १० व ५७ ५८ तै २६ ३२	३०	४२	१८	२५	५	१	कुम्भे
४	मं ६० ० श ८ ४५ प ६० ० व ३३ २	३३	४१	१९	२६	६	२	मी ५९।२८
५	बु ६ २० पू १६ २२ प ० १२ वि ६ २०	३६	४१	१९	२७	७	३	मीने
६	गु १२ ५५ उ २४ २० शि २ ३७ खा १२ ५५	३९	४०	२०	२८	८	४	मीने
७	शु १८ ४१ रे ३० ४० सि ४ ३२ तै १८ ४१	४२	४०	२०	२९	९	५	मे. ३०।४०
८	श २३ २८ अ ३६ २३ सा ५ ३३ व २३ २८	४६	३९	२१	३०	१०	६	मेषे
९	र २५ ५२ भ ४० २८ शु ५ २५ ब २५ ५२	४९	३८	२२	३१	११	७	वृ. ५६।३
१०	चं २८ २० कृ ४२ ५ शु ४ ५ कौ २८ २०	५२	३८	२२	१	१२	८	वृषे
११	मं २७ ५५ रो ४३ १३ ब्र ७ २५ ग २७ ५५	५५	३७	२३	२	१३	९	वृषे
१२	बु २५ १८ मृ ४१ २० वि ५० १७ वि २५ १८	५९	३६	२४	३	१४	१०	मि १२।१७
१३	गु २० ४१ आ ३७ ४३ वि ४२ ११ वा २० ४१	२७	३६	२४	४	१५	११	मिथुने
१४	शु १४ १६ पु ३२ २१ प्री ३४ २९ तै १४ ५६	६	३५	२५	५	१६	१२	क. १८।४१
१५	श ६ ३५ पु २९ ६ आ २३ २९ व ६ ३५	९	३४	२६	६	१७	१३	कर्के
१५	श ५० ५३ ० ० ० ० ० ० ०	८	०	०	०	०	०	०

४२पं.मा.शु.३चं.इ.२०।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	५	१०	९	७	९
११	१८	१२	२०	२८	२५	२१	११
४२	२७	५४	५०	३२	१५	२१	३४
५८	३२	२५	२०	५२	७	१४	७
६०	२९ १७	० ०	१	५६	७	३	६१
५९	ब	३१	२	५८	१४	११	१३

गोचरग्रहाः

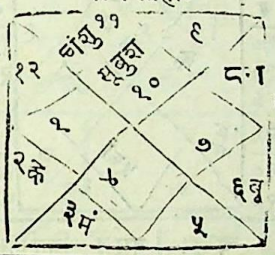

माघ मास जो पड़े न शीत, तो भी समय जानियो मीत। माघ पांच जो हो शनिवार तो भी जोशी काल विचार॥

गोचरग्रहाः

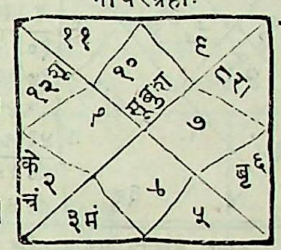

४३पं.मा.शु.९ चं.इ.२०।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	५	११	९	७	९
१८	१६	२४	२०	५	२६	२४	१८
४९	५५	५०	४९	१४	५	५८	४२
२६	३०	१६	३०	६	१३	५९	१०
६०	१५ ५३	० ०	१	११ ०	५३	७	३	६१
५५	ब	३२	ब	२	२०	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्ण पक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४	दि.	उ.	अ. इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृ. महाराष्ट्राः
१	र ४८ १३ श्ले १८ ३२ सौ १२ ५५ बा २२ ५१	२७	३३	२७	७	१८	१४	सिं १८।३२
२	चं ३९ २ म ६१ ७ शो १६ ४८ तै १३ ३७	१६	३३	२७	८	१९	१५	सिंहे
३	मं ३० १४ पू ५८ ५३ सु ४१ ४३ व ४ ३८	२०	३२	२८	९	२०	१६	क. १७।२१
४	बु २२ १६ ह ५२ ११ धृ ३२ २५ बा २२ १६	२४	३१	२९	१०	२१	१७	कन्यायां
५	गु १५ ४१ चि ४८ २९ शू २४ ३१ तै १५ ४१	२७	३१	२९	११	२२	१८	तु. २०।२०
६	शु १० ३७ स्वा ४६ १४ गं १७ ५२ व १० ३७	३१	३०	३०	१२	२३	१९	तुलायां
७	श ७ २५ वि ४५ ४० बृ ११ २८ ब ७ २५	२५	२९	३१	१३	२४	२०	वृ. ३०।४९
८	र ५ २६ अ ४६ २८ ध्रु ८ १९ कौ ५ २६	३८	२८	३२	१४	२५	२१	वृश्चिके
९	चं ५ ११ ज्ये ४९ ५ व्या ५ २८ ग ५ ११	४२	२८	३२	१५	२६	२२	ध. ४९।५
१०	मं ६ ३१ मू ५२ ५२ ह ३ ५१ वि ६ ३१	४६	२७	३३	१६	२७	२३	धनुषि
११	बु ९ ० पू ५७ ४९ व ३ २२ बा ९ ०	५०	२६	३४	१७	२८	२४	धनुषि
१२	गु १२ ५५ उ ६० ० सि ३ ३९ तै १२ ५५	५४	२५	३५	१८	२९	२५	म. १४।१९
१३	शु १७ ४३ उ ३ ४९ व्य ४ ३९ व १७ ४३	५८	२४	३६	१९	३०	२६	मकरे
१४	श २३ २५ श्र १० ४७ व ६ १७ श २३ २५	२	२४	३६	२०	१	२७	कुं ४४।९
३०	र २९ १४ ध १७ ३२ प ८ ५ ना २९ १४	६	२३	३७	२१	२	२८	कुम्भे

शते बुधः ४९।५

भ. ४।३८उ. ३०।१४या च.व्र.
बुधोदयः पश्चिमायाँ ६।५१
पातस्पर्शः २३।५८ पातमोक्षः २७।१९
भ. १७उ. ९या.कु भेऽर्कः ४३(सौरः २०)

*महाशिवरात्रि व्र. स्मा.
भ. ५१उ.पूभा.बुधः ५७रेवत्यांशुक्रः ४४
भ. ६।२१या. मार्गी भौमः १३।३३
विजया ११ व्र.
शते रविः ५९।४ प्रदोषः
भ. ४३ उ. ५४ या. शते रविःसौरः २*
रा. फाल्गुनारंभः महाशिवरात्रि व्र. वै.

४४पं.फा.कृ.२चं.इ. २०।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	१०	५	११	९	७	९
२५	२६	७	२०	११	२६	२४	२५
५५	२	३५	४०	१७	५५	३९	४८
१६	२०	३१	५५	२०	४४	४३	५७
६०	४८ ०	०	४९	४८	७	३	६०
४७	ब	५५	ब	११	२८	११	५५

गोचरग्रहाः

फा. कृ. ६ शुक्रे कुम्भेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शु .उ.प.

गोचरग्रहाः

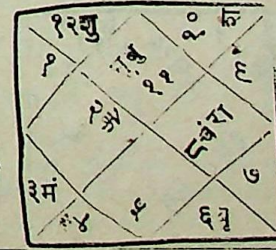

४५पं.फा.कृ.९चं.इ२०।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	११	९	७	१०
३	१५	१९	२०	१६	२७	२४	२
०	४३	२८	२२	३९	४६	१४	५५
४	२६	३३	१	२८	३७	२८	०
६०	४४ ०	९४	१३	२८	७	३	६०
३७	बृ	५	ब्र	१३	२०	११	४२

ति.फाल्गुन शुक्ल पक्षः सं.२०४९ शाकः १९१४ दि.| उ.| अ.| इ.| रा.| मु.| चन्द्रः | वसंतर्तूः रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२३स.१९९३

१	चं	३५	३६	श	२४	५८	शि	१०	८	क	२	२५	२६/१०	६/२२	५/३८	२२	३	२९	कुम्भे
२	मं	४२	५	पू	३२	३१	सि	१२	३५	बा	८	५१	१४	२१	३९	२३	४	३०	मी.१५।३८
३	बु	४८	२९	उ	३९	४	सा	१४	५४	तै	१५	१७	१८	२०	४०	२४	५	१	मीने
४	शु	५४	१७	रे	४६	४२	शु	१६	४३	व	२१	२३	२२	२०	४०	२५	६	२	मे.४६।४२
५	शु	५९	१४	अ	५३	२०	शु	१८	११	ब	२६	४५	२६	१९	४१	२६	७	३	मेषे
६	श	६०	०	भ	५८	१६	त्र	१९	२	कौ	३१	११	३०	१८	४२	२७	८	४	मेषे
६	र	३	७	कृ	६०	०	ऐं	१८	३७	तै	३	७	३४	१७	४३	२८	९	५	वृ.१४।१३
७	चं	५	३४	कृ	२	७	रे	१७	९	व	५	३४	३८	१६	४४	१	१०	६	वृषे
८	मं	६	१५	रो	४	९	वि	१४	११	ब	६	१५	४२	१६	४४	२	११	७	मि३४।१४
९	बु	५	५	मृ	४	२०	प्री	९	३७	कौ	५	५	४६	१५	४५	३	१२	८	मिथुने
१०	गु	१	५८	आ	३/३९	५/१४	आ	४०/३	५/१७	ग	१	५८	५०	१४	४६	४	१३	९	क.४४।४७
११	शु	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	शु	४९	५९	पु	५३	३९	शो	४७	१३	ब	२३	२५	५४	१३	४७	५	१४	१०	कर्के
१३	श	४२	५५	श्ले	४७	१	अ	३७	९	कौ	१६	२७	५८	१२	४८	६	१५	११	सि४७।१७
१४	र	३२	५१	म	३९	२१	सु	२६	२३	ग	७	५३	२९/२	१२	४८	७	१६	१२	सिंहे
१५	चं	२२	४०	पू	३१	२९	धृ	१५	१६	न	२२	४०	६	११	४९	८	१७	१३	क.४४।२६

४६पं.फा.शु.१चं.इ.२१।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	११	९	७	१०
१०	१५	२८	१९	२१	२८	२३	९
३	५९	७	५५	८	३६	५२	५९
३२	४६	१	५	९	३२	१२	३३
६०	७/५	५६	१९/१८	३३	१७/१४	३	६०
२५	मा	४९	ब	१४	ब	११	३१

४७पं.फा.शु.७कां.इ.२१।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	११	५	११	९	७	१०
१७	१६	०	१९	२४	२९	२३	१७
५	४५	१८	२०	२१	२६	२९	२
४६	५८	४३	४९	१४	९	५६	२४
६०	१०	२८/१६	३५	२२	७	३	६०
१२	४०	ब	ब	१३	८	११	२०

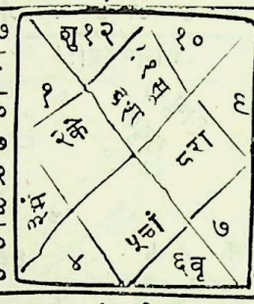

४८पं.फा.शु.१५चं.इ.२१/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	११	१०	७	१०
२४	१८	२५	१८	२६	०	२३	२४
६	२	४२	३९	१०	१३	७	३
२९	४९	२५	३	४१	५१	४१	४७
५९	१४	६/५३	२/२६	७	६	३	६०
५८	५२	ब	ब	४५	५६	११	५

ति.| चैत्र कृष्ण पक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४ दि.| उ.| अ.| इ.| रा.| मु.| चन्द्रः | वर्षर्तूः रविर्दक्षिणे आषाढ़ कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	१२	४८	उ	२३	३५	शु	१६/१	४९/२२	कौ	१२	४८	२९/१०	६/१०	५/५०	९	१८	१४	कन्यायां
२	बु	३	२०	ह	१६	९	बृ	४३	४६	ग	३	२०	१४	९	५१	१०	१९	१५	तु.४३।१६
३	बु	५१	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	गु	४७	५१	चि	१०	२३	शु	३५	१४	व	२१	२२	१९	८	५२	११	२०	१६	तुलायां
५	शु	४२	३२	स्वा	६	०	व्या	२८	०	कौ	१५	११	२३	७	५३	१२	२१	१७	वृ.४९।१०
६	श	३९	२२	वि	३	३३	ह	२२	२९	ग	१०	५७	२७	७	५३	१३	२२	१८	वृश्चिके
७	र	३८	१०	अ	३	८	व	१८	३०	वि	८	४६	३२	६	५४	१४	२३	१९	वृश्चिके
८	चं	२८	५२	ज्ये	४	३२	सि	१६	७	ता	८	३१	३६	५	५५	१५	२४	२०	ध.४।३२
९	म	४१	१६	मू	७	४४	व्य	१५	७	तै	१०	४	४०	४	५६	१६	२५	२१	धनुषि
१०	बु	४५	१५	पू	१२	३४	व	१५	३८	व	१३	१५	४४	३	५७	१७	२६	२२	म.२९।५
११	गु	५०	१५	उ	१८	३८	प	१६	३७	ब	१७	४५	४९	२	५८	१८	२७	२३	मकरे
१२	शु	५६	२४	श्र	२५	३७	शि	१८	२९	कौ	२३	१९	५३	१	५९	१९	२८	२४	कु.५९।१७
१३	श	६	०	ध	३२	५८	सि	२०	४०	ग	२९	२८	५७	१	५९	२०	२९	२५	कुम्भे
१३	र	२	३२	श	४०	३५	सा	२३	५	व	२	३२	३/१	६/०	६/०	२१	३०	२६	कुम्भे
१४	चं	८	५८	पू	४८	७	शु	२५	२५	श	८	५८	६/५९	१	२२	१	२७	मी.३१।२६	
३०	मं	१५	९	उ	५५	२०	शु	२७	३४	ना	१५	९	१०	५८	२/२३	२	२८	मीने	

वसंत १ पातस्पर्शः ३।५७मोक्षः १३।४६
भ. २९।६ उ. ५४।५३ या.

वक्री शुक्रः ३६।५२ चतुर्थीं ब्र.

भ. २९।२२ उ.
भ ४/६९या. नीनेऽर्कः १/६ (सौरः १/२९)*
शीतलापूजनम् *वक्री शते बुधः ४/४७
पुन.भौमः १४।३३ बुधोदयः पूर्वस्यां १/३४
भ. १/१५उ. ४/५५या.उभा.रविः ३/१०(सौरः ३/९५)
पापमोचनी ११ ब्र.

प्रदोषः
भ. २।३२ उ. ३५।४५ या.
रा. चैत्रारंभः
मन्वादिः

४९पं.चै.कृ.८चं.इ.२२।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	११	१०	७	११
१	१९	१९	१७	२५	१	२२	१
५	४३	३३	५२	५६	१	४५	३
४२	४८	५८	८	५६	३०	२५	२९
४९	१८	४८/२१	७/१६	५/९	६	३	५९
४१	३२	ब	ब	ब	५३	११	४९

गोचरग्रहाः

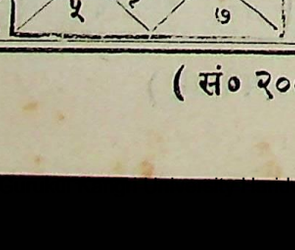

चै. कृ. ७ रवौ मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

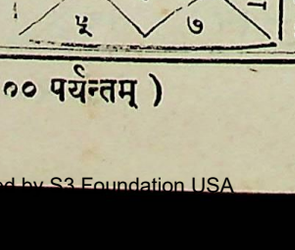

५०प.चै.कृ.१४चं.इ.२२/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	११	१०	७	११
८	२१	१६	१७	२३	१	२२	८
३	४६	४५	०	५१	४६	२३	१
१८	१६	०	३९	२८	३७	१०	२४
५९	२१	२०/५०	७/२४	६/५६	६	३	५९
२९	३७	ब	ब	ब	२६	११	३५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

Harvard Library Collection. Digitized by S3 Foundation USA

❀ श्रीगणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९४ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०९४ भोग्य कलिः ४२६९०६ अथास्मिन्समवत्सरे श्रीमन्नृपति-वीरविक्रमादित्यराज्यातीतगताब्दाःसम्वत् २०५० शाकः १९१५ । अथाऽस्मिन्वर्षे राजा बुधः । मंत्री भौमः । सस्येशोः शुक्रः । धान्येशो बुधः । मेघेशश्चंद्रः । रसेशोरवि । नीरसेशः शुक्रः । फलेशश चंद्रः । धनेशो गुरुः । दुर्गेशश्चंद्रः: । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां २० व्ययनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ९।३।२२।१४ भोग्यमासादिः २।२६।२७।४६ अग्निदैवतं युगम् । वर्ष नाम फाल्गुनः मेघनाम संवर्तः । रोहिणीनिवासः पर्वते । समयनिवासः कुम्भकार गृहे । समय विश्वा १८ । समयवाहनं सिंचाणः । स्तंभः १ जलस्य । सोमवत्यमाः २ । सोमवती पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी १ । रवि-दशमी १ । समयमुहूर्ताः ४०५ । समयदिनानि ३०१ । तिथिक्षयः १८ । तिथिवृद्धिः ९ । उत्पत्तिविश्वा १०५ । खपति-विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा १५ । धान्यम् ११ तृणम् ११ शीतम् ९. तेजः ११. वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यम् १११ सत्यम् ॥ धर्मम् १॥ पापम् १८ शनिदृष्टिरुत्तरे । ग्रहणं १ चंद्रमसः ।

सं. २०५० ज्येष्ठ शुक्ले १५ शुक्रवासरे खग्रास ग्रस्तोदय चन्द्रग्रहणम्

		स्प.सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	२५	२८	३०	३२	३४
मध्यम.	पल	४१	१५	१४	१३	४७
रेल्वे	घं.	४	५	६	७	८
टाइम	मि.	४३	४५	३३	२०	२२

यह ग्रहण भारत में सर्वत्र ग्रस्तोदय दीखेगा ।

वर्षलग्नम् २।२०

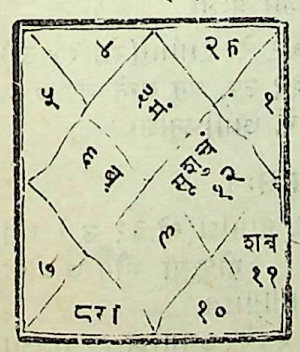

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

हे जगदंबे कालिका मत राखे तू पोल ।
संवत्सर पचास का कहो हाल सब खोल ॥

भवानी उत्तर

सांवलिया भैरव सुणो कहूं हाल सब खोल ।
संवत्सर पचास में बजे जुझाऊ ढ़ोल ॥
राजा बुधजी बापड़ा चलै न इनका जोर ।
मंत्री मंगल क्रूर है करै और की और ॥
संवत्सर व्यय नाम का खर्चा अधिक कराय ।
रोहिणी पर्वत में बसी वर्षा अल्प दिखाय ॥
मेघपति अरु फलपति गढ़पति शशि को जान ।
उत्तम फल दरसायके सबकी राखें स्यान ॥
अर्द्ध शताब्दी वर्ष में स्तंभ लगा है एक ।
बंशीधर का कथन है ईश्वर राखे टेक ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेशलग्नम् ७।८

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३१।० केतकीमतेन वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशाः २३।४४।४९

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ॥ बुधस्यराज्ये सजलं मही तलं गृहे गृहे तूर्य विवाहमंगलम् । प्रकुर्वतेदानदयां जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् । मंत्री भौमस्तत्फलम् ॥ अवनिजाननु मंत्रिकतांगतो भवति दस्युगदादिज वेदना । जनपदेषु जयं सुख संचयं न बहु गोषु पयो द्विज कर्म च ॥ सस्येशः शक्रस्तत्फलम् ॥ शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालीक्षु धनं प्रियंगु बृक्षेषु पुष्पाणि सुख प्रदानि ॥ धान्येशो बुधस्तत्फलम् ॥ बुधे धान्याधिपे मेघा जलंमु चन्ति वैभृशम् । सैंधवे लाट देशे च माधवोऽल्पं च वर्षति ॥ मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम् ॥ शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्य जखरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धन धान्यवती धरा विविध भोगवती ननु भामिनी ॥ रसेशो विः फलम् ॥ रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरस भागरताल्प पयोधराः । वसन तैल घृत प्रिय मानवाः सुखरसन्नभुनक्ति महीपतिः ॥ नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम् ॥ कर्पूरागा गन्धानां हेस मौक्तिक वाससां । अर्घवृद्धि प्रजायते नीरसेशो भृगुर्यदि ॥ फलेशश्चंद्रस्तत्फलम् ॥ यदि विधुः फलयोद्रुम राशयः फलयुता वलिभिः कुसुमैर्युताः । द्विवमुखावर भोग समन्विता नृपतयो नग्नाटन तत्पराः ॥ धनेशो गुरुः फलम् ॥ सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिज वृत्तिपरा सुख भाजनाः । फलितपुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुवि मानवाः ॥ दुर्गेशश्चंद्र फलम् ॥ गढ़पति शशलाञ्छनको यदा नृपसुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेषु जगोरस भोगिनो नरवरा वर वर्णित विग्रहाः ॥ व्ययनाम संवत्सरः फलम् ॥ व्ययाब्दे निखिला लोका बहुव्यय परा भृशम् । वीरमत्तेभ तुरगै रथैर्भूपति सर्वदा ॥ वर्षनाम फाल्गुनः फलम् ॥ सुभिक्षं प्रचुरा बृष्टिरुत्तरेयाम्य पश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरम् फाल्गुने वत्सरे शुभम् ॥ मेघनाम सवर्तः फलम् ॥ संवर्ते जलपूरिता । रोहिणी निवासः पर्वते फलम् । पर्वते विंदुमात्रश्च ॥ समय निवासः कुंभकारगृहे फलम् । अनावृष्टिः प्रजापतौ । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

सं० २०५० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृ. ७ भौमे उषा. ल. १२ रे. ७।।।।ऽ।ऽऽ।। गु. ७ पूज्य.
,, ८ बुधे उषा. ल. अन्यगो. रे.७।।।।ऽ।ऽऽ।।
शु. ४ चंद्रे मृगे ल. अन्यगो. रे. ७।।।।ऽ।ऽऽ।।
,, ६ शुक्रे मघा. ल. गो रे. ६ऽ।।।ऽ'ऽ।ऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः आवश्यके
,, ११ रवौ उफा. ल. १२ रे. ६।।।।।।ऽ।। गु. चं. ७ पूज्यौ

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ३ शनौ मूले ल. १२(घ.५५।४०उ.,रे.८।।।।।ऽचौ।ऽ।। आ
,, ४ रवौ मूले. ल. गो. रे. ६।।।।।।।ऽ।।
,, ५ चंद्रे उषा ल. १२ रे.७।ऽ।।।ऽरो।।।ऽ दग्धा.गु.७पूज्यः
,, ६ भौमे उषा. ल. अन्यगो. रे.७।।।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा. आवश्यके
,, १० रवौ उभा. ल.१२रे.६।।।ऽबृ।ऽअऽऽ।। पादतोवेधाऽभावः
,, ११ चंद्रे. रेव. ल. अन्यगो.सोग्रांगः१२रे.६ ।।ऽशु।ऽऽअ ।ऽ।। शुक्रयुतिः मेषे रेखा७ अग्निपंचकाऽभावः
शु. ६ गुरौ मघा. ल. १ रे. ७।।।।ऽ।ऽऽ।।
,, ९ रवौ हस्ते ल.१२रे.७।।ऽवृ।।ऽचौ।ऽ।। गुरु चंद्रौ७ पूज्यौ
,, १२ भौमे स्वा. ल. अन्यगो.सोग्रांगः रे.७ऽ।।ऽऽरो।।।।

आषाढ़ मासः ।

कृ. १ शनौ मूले ल.गो.सोग्रांगः१२।१२रे.९।ऽ।।।।।।।मीनेगु.७पू.
,, ३ चंद्रे उषा. ल. गो. सोग्रांगः १२ रे. ७।।।।।।।ऽऽऽमीन लग्न.घ. ५०।५५ या.गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः
कृ. ९ रवौ रेव. ल. १ रे. ७।।।।ऽऽअ ।ऽ।।
शु. ९ चंद्रे स्वा. ल. १ रे. ८।।।।।ऽनृ।ऽ।। चं. ७ पूज्यः

कार्तिक मासः ।

शु. १५ चंद्रे रोहि. ल. ४।६ रे. ७।।।।ऽऽनृ।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. १ भौमे मृगे ल. ४।६।७ रे.८।।।।ऽ।ऽ।।। तुलायां रेखा ७ चोरपंचकः
,, ८ भौमे उफा. ल. ४।७ रे. ८।।।।।।ऽऽ।। तुला लग्ने रेखा ७ नृपपंचकः
,, १२ शुक्रे स्वात्यां ल. ४ रे. ७।ऽवृ।।ऽचो।ऽ।।

माघ मासः ।

शु. ४ चंद्रे रेव. ल. ९ रे. ६।ऽ।।।ऽअऽऽ।।
,, ९ रवौ मृगे ल. अन्यगो. ७।९ रे ९।।।।।।(रो. ३४ उ.) ऽ।।। तुलालग्न घ. ३८।३२ उप. धनु लग्ने चं. ७ पू.
,, १४ शुक्रे मघा. ल. ७।९ रे. ७।।।ऽऽनृ।ऽ।।

फाल्गुन मासः ।

कृ २ रवौ उफा. ल. गो. ७ रे. ९।।।।ऽ।(चो.३१ उ.) ।।।। गोधूल्यां भौम ७ दोषः
,, ८ शनौ मूले ल. १० रे ९ ।।।।।।।ऽ।।
,, १० चंद्रे उषा. ल. अन्यगो. ९ रे. ७ऽ।।।ऽनृ.३१या.।ऽ।। अन्य. गोधूल्यां भौ. ७ दोषः
शु. १ रवौ रेव ल. ९।१ (घ.५०।२०उ) रे.८।।।।ऽअऽ।।

CC-0. Kanya Maha Vidyalaya Collection, Haridwar. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|श्रीचैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०५० शाकः १९१५|दि.|उ|अ.|इ.|रा.|मु.| चन्द्रः | वसंतर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५३स.१९९३

१	बु	२१	७	रे	६०	०	त्र	२९	२०	ब	२१	७	३०/१४	५७	६/३	२४	३	२९	मीने	चंद्रदर्शनम् मार्गी बुधः संवत्सरारंभः नवरा.
२	गु	२६	२३	रे	२	७	ऐं	३०	३७	कौ	२६	२३	१८	५६	४	२५	४	१	मे.२।७	वक्री हस्त.२गुरुः ३०/७ सिंघारा सव्वाल १०
३	शु	३०	५६	अ	८	०	वे	३१	१६	ग	३०	५६	२३	५५	५	२६	५	२	मेषे	मत्स्यजयंती गणगौरी
४	श	३४	३४	भ	१३	११	वि	३१	११	च	२	४५	२७	५५	५	२७	६	३	वृ.२९।८	भ. २।४५ उ. ३४।३४ या.
५	र	३६	५८	कृ	१६	५	प्री	३०	२३	ब	५	४६	३१	५४	६	२८	७	४	वृषे	
६	चं	२८	५	रो	२०	११	आ	२८	२९	की	७	३१	३५	५३	७	२९	८	५	मि५०।५६	+|शु.अ.प.|
७	भं	३७	४५	मृ	२१	४१	सो	२५	१०	ग	७	५५	३९	५२	८	३०	९	६	मिथुने	भ. ३७/४५ उ. शुक्रास्तः पश्चिमायां ४३/४८+
८	बु	३६	३	आ	२१	४१	शो	२०	४८	वि	६	५४	४४	५१	९	३१	१०	७	मिथुने	भ. ५६/५३ या. रेवत्यां रविः ५४/३३ (सौरः ३६/३३)
९	गु	३२	३६	पु	१९	५९	अ	१५	८	खा	४	१९	४८	५०	१०	१	११	८	क.५।२५	पूभा.बुधः ५३/८ रामनवमी अप्रैल ४ता.३०
१०	शु	२७	२८	पु	१६	५०	सु	८	५५/५५	ते	०	२	५२	५०	१०	२	१२	९	कर्के	भ. ५।४।१५ उ.
११	श	२१	२	श्ले	१२	१०	शु	५१	४४	वि	२१	२	५६	४९	११	३	१३	१०	सिं१२।१०	भ. २१/२ या. वक्री उभा शुक्रः ५१/१४ शुक्रोदयः *
१२	र	१३	१०	म	५९/१९	५३/१८	गं	४०	३५	खा	१३	१०	३०/०	४८	१२	४	१४	११	सिंहे	प्रदोषः
१३	चं	४	२१	उ	५२	४०	बृ	३०	७	ते	४	२९	४	४७	१३	५	१५	१२	कं.१२।४७	भ. ५५।१५ उ.
१४	चं	५०	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*पूर्वस्यां ४३/० कामदा ११ व्र. |शु उ.पू.|
१५	मं	४५	११	ह	४४	१२	धु	१९	१९	वि	२०	१३	८	४६	१४	६	१६	१३	कन्यायां	भ. २०/१३ या. धनि. ४शनिः २६/३७ हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.६च इ.२२।४८

गोचरग्रहाः

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	११	१०	७	११
१४	२४	१८	१९	२०	२	२२	१४
५९	८	४६	७	०	२८	०	५७
५३	२	३३	८	५४	४१	५४	३१
५९	२४	२४	५२	३५/५८	९	३	५९
१६	१४	मा	बु	ब	६	११	१८

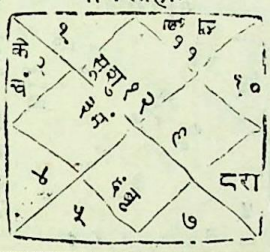

इस मासमें ५मंगलवार अशुभ है। यत्र मासे महीसुनौ जायंते पंचवासराः। रक्तेन पूरितापृथ्वी छत्रभंगस्तदा भवेत्।।

गोचरग्रहाः

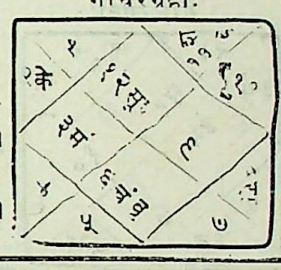

५२पं.चै.शु. १३च.इ.२३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	११	१०	७	११
२१	२६	२४	१५	१५	३	२१	२१
५३	४४	७	१३	४६	८	३८	५१
३१	२४	१९	२६	४८	५६	३८	४२
५९	२९	५१	५२	३४/४३	५	३	५९
४	३१	१३	ब	ब	४४	११	४

ति.| वैशाख कृष्ण पक्षः सं.२०५० शाकः १९१५|दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चंद्रः | वसंतर्तौ रविरुत्तरे चैत्र कृ. महाराष्ट्राः

१	बु	३५	५६	चि	३७	१५	व्या	९/४	५९/१३	ता	१०	३३	३१/१२	४६	५/१४	७	१७	१४	तु.१०।४३	
२	गु	२७	५०	खा	३१	३३	घ	५०	३४	ते	१	५३	१९	४५	१५	८	१८	१५	तुलायां	भ. ५४।२७ उ.
३	शु	२१	४	वि	२६	५३	शि	४३	२५	वि	२१	४	२०	४४	१६	९	१९	१६	वृ.१३।३	भ. २१।४ या. चतुर्थी व्र.
४	श	१६	७	अ	२४	२१	व्य	३७	४४	ता	१६	७	२४	४३	१७	१०	२०	१७	वृश्चिके	मीने बुधः ५१।०
५	र	१३	९	ज्ये	२३	५७	द	३३	५१	ते	१३	९	२८	४२	१८	११	२१	१८	ध.२३।५७	
६	चं	१२	४७	मू	२६	२१	प	३१	३४	व	१२	४७	३२	४२	१८	१२	२२	१९	धनुषि	भ. १२।४७ उ. ४३।२७ या.
७	म	१४	७	पू	२९	३२	शि	३१	१६	व	१४	७	३६	४१	१९	१३	२३	२०	म.४५।५२	अश्वि.मेषेऽर्क.३८।५४ (सौरः ४१।७) *
८	बु	१७	२६	उ	३४	५३	सि	३१	३९	की	१७	२६	४०	४०	२०	१४	२४	२१	मकरे	*कर्के भौमः २३।५४ उभा.बुधः ३२.२६
९	गु	२२	११	श्र	४१	२५	सा	३३	१३	ग	२२	११	४३	३९	२१	१५	२५	२२	मकरे	भ. ५५।९ उ.
१०	शु	२८	८	ध	४८	५२	शु	३५	२९	वि	२८	८	४७	३९	२१	१६	२६	२३	कु १५।१३	भ. २८।८ या.
११	श	३४	१८	श	५६	३२	शु	३७	०	ब	१	१३	५१	३८	२२	१७	२७	२४	कुंभे	वरूथिनी ११ व्र.
१२	र	४०	५०	पू	६०	०	व्र	४०	३२	की	७	३४	५५	३७	२३	१८	२८	२५	मी४७।७	
१३	चं	४६	५८	पू	३	५९	ऐं	४२	४७	ग	१३	५४	५८	३६	२४	१९	२९	२६	मीने	भ. ४६।५८ उ. प्रदोषः
१४	म	५२	२८	उ	११	१४	वै	४४	२७	वि	१९	४३	३/२	३६	२४	२०	३०	२७	मीने	भ. १९।४३या पुष्येभौमः ५६।१
१५	बु	५७	८	रे	१७	५५	वि	४५	३२	च	२४	४८	६	३५	२५	२१	१	२८	मे.१७।५५	वक्री हस्त.१गुरुः ४६/२१ रा. वैशाखारंभः

१पं.वै.कृ.७मं.इ.३८।५४

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	५	११	१०	७	११
९	०	३	१४	११	३	२१	२९
०	७	२८	१३	३३	५४	१२	५७
०	३	१	१	४	१८	३४	५३
५८	२८	७४	२२/४३	२०/४३	५	३	५८
४४	११	२०	ब	ब	९	११	४५

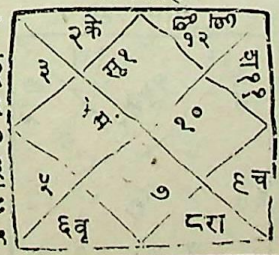

वै. कृ. ७ भौमे मेषेऽर्कः प्र. वा. ३न.४कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ४५ घान्यादिभावे समघंता शुक्रोदयः पूर्व.

गोचरग्रहाः

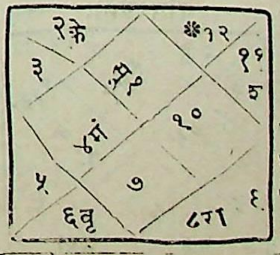

२पं.वै.कृ.१४मं.इ. ३९।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१९	५	११	१०	७	०
६	३	१३	१३	१०	४	२०	६
१०	११	२१	२५	०	२७	१०	४८
४२	४२	२९	१२	२२	३२	१८	४
५८	२५	९१	६/३७	४/३	४	३	५८
३१	३०	५९	ब	ब	४७	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) चं.ब्र.शु.

ति. वैशाख शुक्ल पक्षः सं.२०५० शाकः१९१५ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३८२ सन्१९९३

१	गु	६०	०	अ	२३	१७	मी	४५	४४	कं	२८	५६	३२/१०	५/३४	२६	२२	२	२९	मेषे
१	शु	०	४४	भ	२८	२	आ	४५	१९	व	०	४४	१४	३३	२७	२३	३	३०	वृ.४३।५६
२	श	३	२९	कृ	३१	३६	सौ	४४	४	की	३	२९	१७	३३	२७	२४	४	१	वृषे
३	र	५	१	रो	३४	५	शो	४१	४४	ग	५	१	२१	३२	२८	२५	५	२	वृषे
४	चं	५	३१	मृ	३५	५८	अ	३८	५६	वि	५	३१	२५	३१	२९	२६	६	३	मि५।२
५	मं	४	५८	आ	३६	४	सु	३५	१८	बा	४	५८	२९	३०	३०	२७	७	४	मिथुने
६	बु	३	१६	पु	३५	२५	धृ	३०	३२	तै	३	१६	३२	३०	३०	२८	८	५	क २०।३५
७	गु	०	३६	पु	३३	४४	शू	२४	५३	व	०	३६	२६	२९	३१	२९	९	६	कर्के
८	शु	५७	७	८	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	शु	५१	५०	श्ले	३०	५५	गं	१८	२६	बा	२४	२८	४०	२८	३२	३०	१०	७	सिं३०।५७
१०	श	४५	५४	म	२७	१०	मृ	११	५	तै	१८	५२	४३	२७	३३	१	११	८	सिंहे
११	र	३८	५६	पू	२२	१७	धु	५६/२	५१/१५	व	१२	२५	४७	२७	३३	२	१२	९	क.३५।५०
१२	चं	३१	१४	उ	१६	३२	ह	४४	४६	ब	५	५	५१	२६	३४	३	१३	१०	कन्यायां
१३	मं	२३	४९	ह	१०	१६	व	३५	१०	तै	२३	४९	५४	२५	३५	४	१४	११	तु.३७ २५
१४	बु	१४	४६	चि	१/१	५४/६	सि	२५	४०	व	१४	४६	५७	२५	३५	५	१५	१२	तुलायां
१५	गु	६	३७	वि	५३	२२	त्य	१७	०	ब	६	३७	३३/१	२४	३६	६	१६	१३	बृ.३९।३६

ज्येष्ठा १ राहुः रोहि. ३ केतु २८।२४

३पं.वै.शु.५म.इ.३९।२८

गोचरग्रहाः

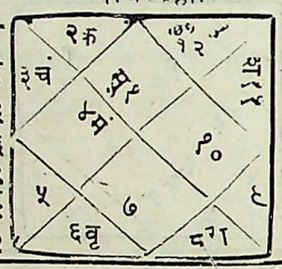

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	५	११	१०	७	०
१३	६	२४	१२	१०	४	२०	१३
३९	२४	४८	४१	२६	९	२८	३६
४३	१४	१८	२४	२४	४	३	२९
५८	३०	९/०	४९/८	१२/०	४	३	५८
१९	५०	९/०	ब	मा	१३	११	१२

इस मास में मेष की सक्रांति ४५ मुहूर्ती और मीन का शुक्र हर प्रकार के धान्य में मन्दी कारक है।

गोचरग्रहाः

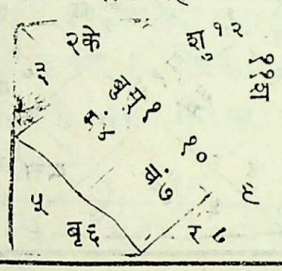

४पं.वै.शु.१३मं.इ.३९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	५	११	१०	७	०
२०	९	७	१२	१२	५	२०	२०
२७	४४	४०	५	३५	२३	५	२३
२२	१३	१६	२८	५६	२०	४७	११
५८	३१	९/८	४९/८	२५	३	३	५७
९	५३	५०	ब	३२	२४	११	५७

ति. ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं० २०५० शाकः१९१५ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृ महाराष्ट्राः

१	गु	५३	७	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	शु	५०	९	अ	४९	४२	व	९	५	तै	२६	५१	३३/४	५/२३	६/३७	७	१७	१४	वृश्चिके
३	श	४९	११	ज्ये	४७	४०	प	२०/५	५४/५५	व	२१	५९	७	२३	३७	८	१८	१५	ध.४७।४०
४	र	४८	११	मू	४७	५८	सि	५३	३८	ब	१९	५	१०	२२	३८	९	१९	१६	धनुषि
५	चं	४८	११	पू	४९	५८	सा	५१	५०	की	१८	१२	१३	२१	३९	१०	२०	१७	धनुषि
६	मं	५०	३५	उ	५१	११	शु	५१	३१	ग	१९	२४	१६	२१	३९	११	२१	१८	म.६।१
७	बु	५४	४५	श्र	५९	४३	शु	५२	१४	वि	२२	४०	१९	२०	४०	१२	२२	१९	मकरे
८	गु	६०	०	ध	६०	०	त्र	५४	११	बा	२७	२९	२२	२०	४०	१३	२३	२०	कु ३२।५८
८	शु	०	१३	ध	६	१४	ऐं	५६	१७	की	०	१३	२५	१९	४१	१४	२४	२१	कुम्भे
९	श	६	२	श	१४	१५	वै	५९	५३	ग	६	२	२८	१८	४२	१५	२५	२२	कुम्भे
१०	र	१२	२७	पू	२१	५६	वि	६०	०	वि	१२	२७	३०	१८	४२	१६	२६	२३	मी५।१
११	चं	१८	२९	उ	२९	४	वि	१	११	बा	१८	२९	३३	१७	४३	१७	२७	२४	मीने
१२	मं	२३	५७	रे	३५	४३	प्री	३	११	तै	२३	५७	३६	१७	४३	१८	२८	२५	मे.३५।४३
१३	बु	२८	१०	अ	४०	५९	आ	४	१०	व	२८	१०	३९	१६	४४	१९	२९	२६	मेषे
१४	गु	३१	११	भ	४५	१२	सौ	४	१४	श	३१	११	४१	१६	४४	२०	३०	२७	मेषे
३०	शु	३२	५१	कृ	४८	५	शो	३	१६	च	२	१	४३	१५	४५	२१	३१	२८	बृ. ०।५५

भरण्यां बुधः ३१।८
भ. २१।५९ उ. ४९।५९ या.
चतुर्थी ब्र.
पातस्पर्शः ५७।४९
भ.५०/३५ उ.कृत्ति.रविः५/९ (सौरः१०।२२)*
भ. २२/४० या. रेवत्यां शुक्रः ३६।२६
*पातमोक्षः १८।४७
वृषेऽर्कः३२/३४ (सौरः३५/१० कृत्ति. बुधः८।७
भ. ३९।१५ उ. बृषे बुधः २१।८
भ. १२।२७ या.
अपरा ११ ब्र.
आश्ले. भौमः २४।३४ प्रदोषः
भ. २८।१० उ. ५९।४१ या.
रोहि बुधः २।३२
वट सावित्री ब्र. (वटार्चनं)

५पं.ज्ये.कृ.६म.इ.३९।५३

गोचरग्रहाः

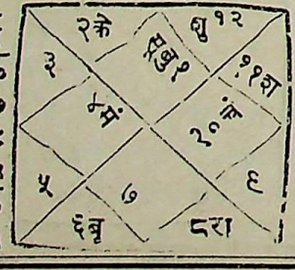

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	५	११	१०	७	०
२७	१३	२१	११	१६	५	१९	२७
१३	१२	२३	३६	६	४५	४३	८
३४	४०	५६	११	११	०	३१	२५
५७	३२	९/३३	३५	२	३	५७
५४	४७	९/३३	ब	५३	५५	११	४५

ज्ये. कृ. ८ शुक्रे बृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ युवावस्था (प्रौढी) मृ. १५ धान्यादिभावे महर्घता शु. अ.पु.

गोचरग्रहाः

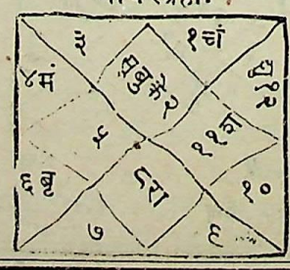

६पं.ज्ये.कृ.१२मं.इ.४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	५	११	१०	७	१
३	१६	७	११	२०	६	१९	१३
५८	४८	४	१५	३९	२	२१	५२
२६	३४	५	७	०	३८	१६	५
५७	३६	९/३३	३	४२	२	३	५७
४४	३१	५९/८	ब	५७	१६	११	३५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०५० शाकः १६१५ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४१२ सन् १६६३

१	श	३३	४६	रो	४६	५२	अ	१८	१५७	कि	३	२०	३३ ४६	५ १५	६ ४५	२२	१	२६	वृषे
२	र	३२	२३	मृ	५०	१६	धृ	५४	५०	वा	३	६	१८	१४	४६	२३	२	३०	मि २०।८
३	चं	३०	३१	आ	५०	८	शू	५०	१७	तै	१	२	५०	१४	४६	२४	३	१	मिथुने
४	मं	२७	५३	पु	४८	५३	गं	४५	२२	वि	२७	५३	५२	१४	४६	२५	४	२	क. ३४।१२
५	बु	२४	२६	पु	४७	३६	वृ	३६	५६	वा	२४	२६	५४	१३	४७	२६	५	३	कर्के
६	गु	२०	३१	श्ले	४४	४७	शु	३३	५६	तै	२०	३१	५६	१३	४७	२७	६	४	सिं ४।४७
७	शु	१६	८	म	४१	१३	व्या	२७	२६	व	१६	८	५८	१२	४८	२८	७	५	सिंहे
८	श	११	५	पू	२८	३८	ह	२०	३४	ब	११	५	३४ ०००	१२	४८	२६	८	६	क. ५२।४०
६	र	५	३६	उ	३४	४४	व	१३	१५	को	५	३६	२	१२	४८	३०	६	७	कन्यायां
१०	र	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	चं	५३	१६	ह	३०	३२	सि	३६	५३	व	२६	२५	४	११	४६	३१	१०	८	तु. ५८।१७
१२	मं	४६	३७	चि	२६	२	व	४६	५१	ब	१६	५६	६	११	४६	१	११	६	तुलायां
१३	बु	४०	१८	स्वा	२१	४०	प	४२	६	को	१३	२७	७	११	४६	२	१२	१०	तुलायां
१४	गु	३४	४४	वि	१७	३३	शि	३४	५३	ग	७	३१	६	१०	५०	३	१३	११	वृ. ३।३५
१५	शु	२६	१३	अ	१३	५५	सि	२८	१८	वि	१	५८	१०	१०	५०	४	१४	१२	वृश्चिके

रा. ज्येष्ठारंभः
चन्द्रदर्शनम्
भ. ५६ उ. रोहि. रविः ५५ जिल्हेज १२*
भ. २७।५३या. रोहि. रविः सौरः ४।१६
मृगे बुधः १७।२०
बुधोदयः पश्चिमायां २०।२५
भ. १६।८ उ. ४३।३७ या
मिथुने बुधः ३६।४२ मार्गी गुरुः ५१।४१
अ. मेषे शुक्रः ३३।१३ गंगादशमी
*पातस्पर्शः १६ मोक्षः ४४ ३७
भ ३६ उ ५३ या. निर्जला ११ ब्र. स्मा
जून ६ ता ३० निर्जला ११ ब्र. वै.
आर्द्रा बुधः १८।४५ प्रदोषः
भ. ३४।४४ उ
भ. ५८ या गुर्ज. वटसावित्रीव्र. ग्रस्तो. चं. ग्र.

७पं.ज्ये.शु.४मं.इ.४०।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	५	११	१०	७	१
१०	२०	२२	११	२५	६	१८	१०
४२	२९	१०	२	५९	१५	५९	३४
२५	२६	१	२४	२४	२२	०	१६
५७	३४	५८	४०	४९	१	३	५७
३५	१८	५२	ब	४९	३७	११	२३

गोचरग्रहः

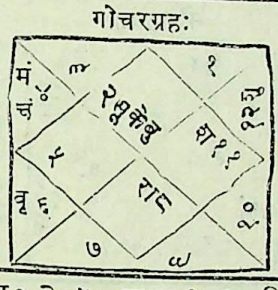

वृषराशौ यदासूर्यं कनकान्न महर्घता। वातश्च वहते दीर्घं कार्यासाति विनश्यति ॥ धान्य रुई सोना तेज वायु का जोर।

गोचरग्रहाः

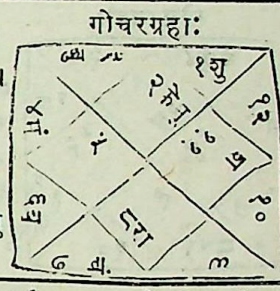

८पं.ज्ये.शु.१२मं.इ.४०।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	५	०	१०	७	१
१७	२४	५	१०	१	६	१८	१७
२५	१६	३०	५९	५५	२३	३६	१५
८	१	३२	१३	५	२४	४५	२२
५७	३४	०	३४	५४	०	३	५७
२७	५८	मा	३४	५८	११	१३	

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं० २०५० शाकः १६१५ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः

१	श	२५	२६	ज्ये	१२	३	सा	२२	५३	की	२५	२६	३४ १३	५ १०	६ ५०	५	१५	१३	च. १२।३
२	र	२३	२५	मू	११	३५	शु	१८	४४	ग	२३	२५	१३	६	५१	६	१६	१४	धनुषि
३	चं	२२	५३	पू	१२	४३	शु	१५	५८	वि	२२	५३	१४	६	५१	७	१७	१५	म. २८।३१
४	मं	२४	२२	उ	१५	५५	व्र	१४	५५	वा	२४	२२	१६	६	५१	८	१८	१६	मकरे
५	बु	२५	३४	अ	२०	१०	ऐं	१४	४६	तै	२७	३४	१७	६	५१	९	१६	१७	कु. ५३।२६
६	गु	३२	४१	ध	२६	४३	वै	१५	५४	ग	०	७	१८	८	५२	१०	२०	१८	कुम्भे
७	शु	३८	१४	श	३३	२६	वि	१७	५२	वि	५	२७	१६	८	५२	११	२१	१६	कुम्भे
८	श	४४	२१	पू	४१	४	प्री	२०	१५	वा	११	१७	२०	८	५२	१२	२२	२०	मी २४।६
६	र	५०	१५	उ	४६	२	आ	२२	३८	तै	१७	१८	२१	८	५२	१३	२३	२१	मीने
१०	चं	५५	५६	रे	५५	३२	सो	२४	४७	व	२३	५	२१	८	५२	१४	२४	२२	मे. ५५।३२
११	म	६०	०	अ	६०	०	शो	२६	१६	ब	२८	४	२२	८	५२	१५	२५	२३	मेषे
११	बु	०	१३	अ	१	१८	अ	२६	३५	मा	०	१३	२२	८	५२	१६	२६	२४	मेषे
१२	गु	३	३	भ	५	३६	सु	२५	४६	तै	३	३	२३	७	५३	१७	२७	२५	वृ २१।१७
१३	शु	४	२३	कृ	८	२०	धृ	२३	३८	व	४	२३	२३	७	५३	१८	२८	२६	वृषे
१४	श	३	५६	रो	६	२६	शू	२०	२०	श	३	५६	२३	७	५३	१६	२६	२७	मि ३६।१६
३०	र	१	५२	मृ	६	१३	गं	१५	४५	ना	१	५२	२४	७	५३	२०	३०	२८	मिथुने

चं. ग्रहणम्

६पं.आ.कृ.४मं.इ.४०।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	५	०	१०	७	१
२४	२८	१६	११	८	६	१८	२३
७	६	३९	४	१९	२७	१४	५५
१२	१४	५८	१२	१५	११	२९	१८
५७	३५	८६	१	१८	०	३	५७
२२	४३	११	४२	१६	११	११	५

गोचरग्रहाः

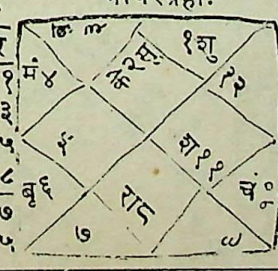

आ.कृ. १० चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धा. भावे समता ७ शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

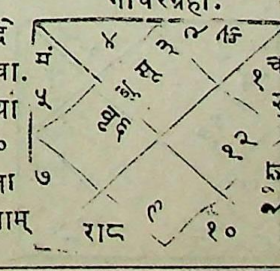

१०पं.आ.कृ.११म.इ.४०।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	०	१०	७	२
०	२	२५	११	१५	६	१७	०
४८	०	२५	१८	४	२४	५२	३४
२५	३६	८	४	४४	२३	१३	२७
५७	३६	६०	३	६१	२०	३	५६
१७	१	२३	८	४	ब	११	५७

ति| आषाढ़ शुक्ल पक्षः सं० २०५० शाकः १९१५ |दि.|उ.|अ.|इ.|रा.|मु.| चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविऽरुत्तरेऽर्गणः४४२स.१९९३

१	र	५६	४१	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	८	०		
२	चं	५४	२१	आ	७	३७	बृ	१०	२२	ब्रा	२६	२७	३४ ३४	५ ५	६ ३	२१	३१	२९	क.५०।५२
३	मं	४९	२१	पु	५	१७	ध्रु	१५ ४	५४ १६	ते	२१	५१	२४	७	५३	२२	१	१	कर्के
४	बु	४४	२	पु	३ ३	५६ ३५	ह	५०	२९	व	१६	४१	२४	७	५३	२३	२	२	सिं५८।४३
५	गु	३८	३४	म	५५	१४	व	४३	३८	ब	११	१८	२४	७	५३	२४	३	३	सिंहे
६	शु	३३	१	पू	५१	३७	सि	३६	४०	की	५	४७	२३	७	५३	२५	४	४	सिंहे
७	श	२७	२९	उ	४८	१३	व्य	२९	२९	ग	०	१५	२३	७	५३	२६	५	५	क.५।४६
८	र	२२	१६	ह	४४	५६	व	२२	३८	ब	२२	१६	२३	७	५३	२७	६	६	कन्यायां
९	चं	१७	२	चि	४१	४७	प	१५	४०	की	१७	२	२२	८	५२	२८	७	७	तु.१३।२२
१०	मं	१२	१	स्वा	३८	५२	शि	८	१०	ग	१२	१	२२	८	५२	२९	८	८	तुलायां
११	बु	७	२५	वि	२६	२८	सि	४ २	५४ ४७	वि	७	२५	२१	८	५२	३०	९	९	बृ.२२।४
१२	गु	३	१३	अ	३४	२५	शु	५१	२८	ब्रा	३	१३	२०	८	५२	१	१०	१०	वृश्चिके
१३	गु	५६	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०
१४	शु	५७	१७	ज्ये	३३	८	शु	४६	३५	ग	२८	२८	१९	८	५२	२	११	११	ध.३३।८
१५	श	५५	४०	मू	३३	१६	ब्र	४२	४७	वि	२६	२९	१८	८	५२	३	१२	१२	धनुषि

आर्द्रा. रविः ४८ २५ चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
आर्द्रा. रवि २८ रा. आषाढारंभः*
भ. १६।४१ उ. ४४।२ या.
*मोहोरम १ सन् १४१४हि.

भ. २७ २९ उ. ५५ ५४ या. पुष्ये बुधः ३१।०
कृत्ति. शुक्रः ८।६

भ. ५७।१७ उ.
भ. २६।२९ या. व्याम १५ वायपरीक्षा

११पं आ.शु.३म.इ.४०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	०	१०	७	२
७	५	१	११	२२	६	१७	७
२९	१९	२४	४०	७	१९	२९	१२
२४	२४	७	१२	१२	२३	५८	५४
५७	३६	३०	४	६३	१७	३	५६
१३	२६	७	१६	२०	ब	११	५३

गोचरग्रहाः

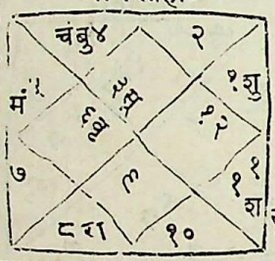

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं वर्षा की कमी वायु अधिक चले धान्यादि में तेजी सुदी में कहीं २वर्षा

गोचरग्रहाः

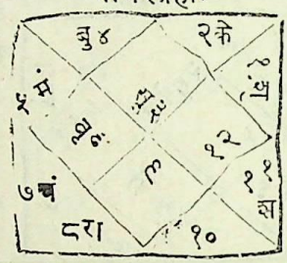

१२पं.आ.शु.१०म.इ.१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	०	१०	७	२
१४	१०	४	१२	२९	६	१७	१३
९	१	६	१०	२४	८	७	५८
५०	१६	४७	२३	४७	२	४२	५९
५७	३६	०	५	६५	५९	३	५६
७	१९	ब्र	२३	२	ब्र	११	५८

१	र	५५	४२	पू	३४	५३	ऐं	४०	४	ब्रा	२५	४१	३५ ५७	५ ६	६ ५१	४	१३	१३	म.५०।२५
२	चं	५७	६	उ	३७	०	वै	३८	४१	ते	२६	२५	१५	६	५१	५	१४	१४	मकरे
३	मं	६०	०	श्र	४१	२५	वि	३८	७	व	२८	३६	१४	६	५१	६	१५	१५	मकरे
४	बु	०	४	ध	४६	५५	प्री	३८	४६	वि	०	४	१३	६	५१	७	१६	१६	कुं १४।१०
५	गु	४	४३	श	५३	२६	आ	४०	१६	ब्रा	४	४३	११	१०	५१	८	१७	१७	कुम्भे
६	शु	६	४५	पू	६०	०	सौ	४२	३२	ते	६	४५	१०	१०	५०	९	१८	१८	मी४४।०
७	श	१६	३	पू	०	५१	शो	४५	२४	व	१६	३	८	१०	५०	१०	१९	१९	मीने
८	र	२२	१९	उ	८	२६	अ	४७	२२	व	२२	१९	७	११	४९	११	२०	२०	मीने
९	चं	२७	५७	रे	१५	१८	सु	४९	२३	की	२७	५७	५	११	४९	१२	२१	२१	मे.१५।१८
१०	मं	३२	४६	अ	२१	५३	धृ	५०	२५	ते	०	२१	४	११	४९	१३	२२	२२	मेषे
११	बु	३५	५८	भ	२७	१६	शु	५०	१७	व	४	२२	२	१२	४८	१४	२३	२३	बृ.४३।१२
१२	गु	३७	४३	कृ	३०	५९	गं	४८	४३	द	६	५१	०	१२	४८	१५	२४	२४	बृषे
१३	शु	३७	१७	रो	३२	३२	बृ	४५	५१	की	७	३०	३३ ५८	१२	४८	१६	२५	२५	बृषे
१४	श	३५	५	मृ	३२	१८	ध्रु	४१	२२	ग	६	११	५६	१३	४७	१७	२६	२६	मि२।२५
१५	र	३०	५६	आ	३०	२२	व्या	३५	३४	वि	३	०	५४	१३	४७	१८	२७	२७	मिथुने
३०	चं	२५	१५	पु	२६	५८	ह	२८	३४	ना	२५	१५	५२	१४	४६	१९	२८	२८	क.१२।४९

ति	श्रावण कृ० पक्षः सं० २०५० शाकः १९१५	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूं रविर्दक्षिणे आ. कृ. महागष्टाः

पुन. रविः ४७ २१ पूफा भौमः २३।४६
भ. २८।३६ उ. पुन.रविः सौरः २९*
भ. ०।४ या. चतुर्थी व्र.
वक्री पुन.बुधः ३२ ४० अनु.४राहुः रोहि.÷
रोहि. शुक्रः ३५ २७ नाग ५ मरुस्थले
भ. १६।३ उ. ४९।११ या.
*बुधास्तः पश्चिमायाम् १९।०
÷२ केतुः २२।४३
वक्री मिथुने बुधः ११।४५
भ. ४।२२ उ. ३५।५८ या.
हस्त. २गुरुः २१।६ कामिका ११ व्र.
कर्केऽर्कः १६।४५ (सौरः ४२।१३)
भ. २५।५ उ. प्रदोषः
भ. ३।० या.
पूष्ये रविः ४६।२ सोमवती हरियाली

१३पं.श्रा.कृ.३मं.इ.४०।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	१	१०	७	२
२०	१४	२	१२	६	५	१६	२०
५०	७	२०	४८	५३	५२	०५	२८
१०	२६	४६	२२	६	३४	२७	५३
५७	३७	२६ ५३	६	६६	२९	३	५६
७	२०	ब्र	२९	३४	ब्र	११	५०

गोचरग्रहाः

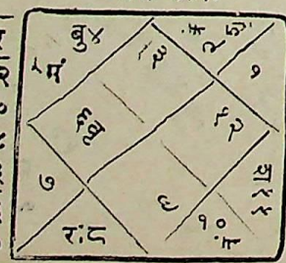

श्रा कृ.१२ शुक्रे कर्कऽर्कः प्र.वा.५ न. ५ युव वस्था (मूती) मु.४५धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

१४पं.श्रा.कृ.९म.इ.५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	१	१०	७	२
२७	१८	२९	१३	१४	५	१६	२७
३०	१६	४१	३३	३०	३३	२३	७
३२	५९	२४	४	२२	११	११	०
५७	३७	४९ ४९	७	६७	७	३	५६
११	४९	ब्र	२७	४७	ब्र	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

Harvard College Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्ल पक्षः स.२०५०शाकः १९१५ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४७१स.१९९३

१	मं	१८	५०	पु	२२	४०	व	२०	३७	ब	१८	५८	३३/५०	५/१४	६/४६	२०	२९	२९	कर्के
२	बु	१२	७	श्ले	१७	१०	सि	१२	१४	को	१२	७	४७	१५	४५	२१	३०	३०	सिं १७।१०
३	गु	४	३५	म	१२	८	व्य	४३/५३	५१/११	ग	४	३५	४५	१५	४५	२२	३१	१	सिंहे
४	शु	५२	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	शु	५०	२४	पू	६	५८	प	४६	४८	ब	२३	५२	४२	१६	४४	२३	१	२	क. २०।४७
६	श	४४	२३	उ	२/१७	५६/२६	शि	३९	१५	को	१७	२८	००	१६	४४	२४	२	३	कन्यायां
७	र	३८	४७	चि	५४	५८	सि	३१	५५	ग	११	३५	३७	१७	४३	२५	३	४	तु. २६।५०
८	चं	३४	८	स्वा	५२	२८	सा	२५	१८	वि	६	२७	३४	१७	४३	२६	४	५	तुलायां
९	मं	३०	१६	वि	५०	३२	शु	१९	२२	बा	२	१२	३२	१८	४२	२७	५	६	वृ. २६।१
१०	बु	२७	१९	अ	४८	५१	शु	१४	२०	ग	२७	१९	२९	१८	४२	२८	६	७	वृश्चिके
११	गु	२५	११	ज्ये	४९	३९	न	९	४४	वि	२५	११	२६	१९	४१	२९	७	८	ध. ४९।३९
१२	शु	२३	५५	मू	५०	४२	ऐं	५	५९	बा	२३	५५	२४	१९	४१	३०	८	९	धनुषि
१३	श	२३	५४	पू	५२	५२	चै	३	२	तै	२३	५४	२१	२०	४०	३१	९	१०	धनुषि
१४	र	२४	४३	उ	५६	२	चि	०	५८	व	२४	४३	१८	२०	४०	१	१०	११	म. ८।३९
१५	चं	२७	८	श्र	६०	०	मी	०/१	५९/३३	ब	२७	८	१५	२१	३९	२	११	१२	मकरे

वर्षतूं रविः सौरः १२।५४
चंद्रदर्शनम् मृगे शुक्रः ३३।५३ सिंघारा
भ.३/५ उ. ५७/११ या.तीज. वरद४ सफर २
रा. श्रावणारंभः नागपंचमी
बुधोदयः पूर्वस्यां ४१।२१
भ. ३८।४७ उ.
भ. ६।२७ या.
उफा.भौमः३१।४५मिथुने शुक्रः२९।१४
भ. ५६।१५ उ. मार्गी बुधः ५६।५४
भ. २५।११ या. पवित्रा ११ व्र.
प्रदोषः
×शुक्रः ३१/३२ श्रावणी कर्म रक्षाबंधनं
भ.२४।४३उ.५५।५६या अगस्तदृता.३१
आश्ले.रविः ४/३ कन्यायांभौमः १/५ आर्द्रा.×

१५ पं.श्रा.शु.१मं.इ. ३९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	५	१	१०	७	३
४	१२	२५	१४	२२	५	१६	२
११	२०	२१	२४	१७	१०	०	४५
१७	२८	२	१८	५३	४४	५५	२७
५७	३८	३३/३२	८	६८	४/३	३	१६
१५	६	ब	३१	५०	ब	११	५७

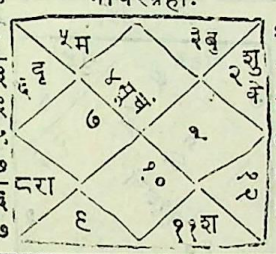

गोचरग्रहाः

श्रा. में कर्क संक्रांति ४५ मूहूर्ती धान्यादि में मदी और श्रेष्ठ वर्षा कारक है। श्रावणे कर्क संक्रांतौ चं जाते मेघ महोदयः। रा

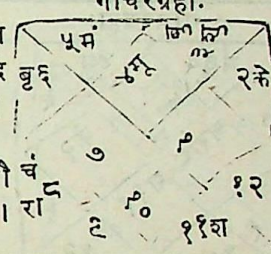

गोचरग्रहाः

१६ पं.श्रा.शु.६ म.इ.२६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	५	२	१०	७	३
१०	२६	२४	१५	०	४	१५	१०
५२	४५	२३	२०	१२	४४	३८	२४
१९	०	२५	५३	०	२८	४०	४४
५७	३८	१२/५६	९	६९	४/१	३	५७
२०	२७	ब	१९	३८	ब	११	५

वि.प्र. भाद्रपद कृष्णपक्षः स.२०५०शाकः १९१५ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	३०	३२	श्र	०	३१	सो	६०	०	को	३०	३२	३३/१२	२/२२	६/३८	२	१२	१३	कु. २३।२४
२	बु	३५	२१	ध	६	१८	सो	०	१०	तै	२	५६	६	२२	३८	४	१३	१४	कुम्भे
३	गु	४१	२६	श	१२	१७	शो	१	३७	व	८	२३	६	२३	३७	५	१४	१५	कुम्भे
४	शु	४६	३४	पू	१९	२४	अ	३	२२	ब	१४	०	३	२३	३७	६	१५	१६	मी २।३७
५	श	५२	४४	उ	२६	५८	सु	५	५५	को	१९	३९	०	२४	३६	७	१६	१७	मीने
६	र	५८	५४	रे	३४	४१	धृ	८	२५	ग	२५	५४	३२/६	२५	३५	८	१७	१८	मे. ३४।४१
७	चं	६०	०	अ	४१	४३	शु	१०	४६	वि	३१	३३	५३	२५	३५	९	१८	१९	मेषे
७	मं	४	१३	भ	४७	४६	गं	१२	३८	ब	४	१३	५०	२६	३४	१०	१९	२०	मेषे
८	बु	८	२६	कृ	५२	३८	वृ	१३	२१	को	८	२६	४७	२७	३३	११	२०	२१	वृ. ३।५९
९	गु	१०	५५	रो	५५	२५	ध्रु	१३	३	ग	१०	५५	४३	२७	३३	१२	२१	२२	वृषे
१०	शु	११	२६	मृ	५६	२८	व्या	१२	१२	वि	११	२६	४०	२८	३२	१३	२२	२३	मि २५।५६
११	श	९	५६	आ	५५	३२	ह	७	३७	बा	९	५६	३६	२९	३१	१४	२३	२४	मिथुने
१२	र	६	२३	पु	५२	३६	व	३७/२	५५/३	तै	६	२३	३३	२९	३१	१५	२४	२५	क. ३८।२०
१३	चं	१	४	पु	४७	५५	व्य	४८	४	व	१	४	२९	३०	३०	१६	२५	२६	कर्के
१४	चं	५२	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	म	४५	४९	श्ले	४२	६	च	३८	५६	च	१९	५७	२६	३१	२९	१७	२६	२७	सिं ४२।६

वर्षर्तू रविः सौरः १३।४१
भ.२/३ उ.४/२ या.कर्के बुधः २/३ हस्त.३गुरुः*
चतुर्थी व्र. *१६।२९
÷कुशाग्रहणी मन्वादिः
भ.५/५ उ. पुष्ये बुधः २/३ चंद्रषष्ठी
भ. ३१।३३ या.
जन्माष्टमी व्र. स्मा.
जन्माष्टमी व्र. वै.
भ ४१।१० उ. गोगा ९
भ.११।२६ या. पुनः शुक्रः ४७।१५
अजा ११ व्र. –पूर्वस्यां ३/५
प्रदोषः वत्स १२
भ.१/४ उ.२७/३० या.मघा.सिंहेऽर्कः ३/५ आश्ले.+
+वृधः १/३ वक्रीधनि.३शनिः २/३ बुधास्तः–
मघा सिंहेऽर्कः सौरः १०/८ हस्ते भौमः ५/३ ÷

१७ पं.प्र.भा.कृ १मं इ. ३/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	५	२	१०	७	३
१७	१	२८	१६	८	४	१५	१७
२४	३	१९	२३	११	१५	१६	४
१	२६	३७	१६	२८	१४	३४	३२
५७	३८	५७/१९	९	७०	१/४	३	५७
२५	४८	मा	१६	२६	ब	११	१२

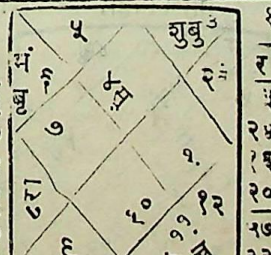

१८ पं.प्र.भा.कृ.७मं.इ. ३/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	२	१०	७	३
२४	५	६	१७	१६	३	१४	२३
१६	२५	५१	३१	१७	४५	५५	४५
२०	१६	२९	२३	२०	३२	९	३९
५७	३९	९६	१०	७१	३४/४	३	५७
३३	१२	११	४१	५	ब	११	२२

१९ प.प्र.भा.कृ.४० म.इ. ३/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	५	२	१०	७	४
०	९	१९	१८	२४	३	१४	०
५९	४९	०	४३	२	१४	३१	२८
४९	५२	११	२३	१८	३१	५३	५२
५७	३९	२५/५५	११	७१	४०/४	३	५७
४०	२९	५५	१७	३२	ब	११	३४

तिं.प्र.भाद्र.शुक्ल पक्षः सं० २०५०शाकः१९१५ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | वर्षर्तुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५००स१९९३

१	द्वि	३६	५६	म	३५	२४	प	२६	१७	कि	११	२४	३३ ३२	५ ३	६ २८	१८	२७	२८	सिंहे	अधिकमास प्रारंभः
२	गु	२७	५४	पू	२८	३२	शि	१६	१५	चा	२	२६	१६	३२	२८	१६	२८	२६	क.४१।५०	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	१६	२०	उ	२१	४६	सि	२३	५० ४३	ग	१६	२०	१५	३३	२७	२०	२६	१	कन्यायां	भ. ४५।२३ उ. रविलाबल ३
४	श	११	२६	ह	१५	४७	शु	५०	४१	वि	११	२६	११	३४	२६	२१	३०	२	तु.४३।४३	भ. ११।२६ या.
५	र	४	१६	चि	११	३८	शु	४२	५२	चा	४	१६	८	३४	२६	२२	३१	३	तुलायां	कर्के शुक्रः २३।४८
६	र	५४	१०	०	०	८	०	८	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+१२।१०रा.भाद्रपदारंभ
७	चं	५३	५०	खा	७	११	न	३५	५०	ग	२६	८	४	३५	२५	२३	१	४	वृ ४९।५९	भ. ५३।५० उ. मघा. सिंहे बुधः+
८	मं	५०	५२	वि	४	१४	ऐं	३०	५	वि	२२	२१	०	३६	२४	२४	२	५	वृश्चिके	भ. २२।२१या. हस्त. ४गुरुः ४३।८
९	बु	४९	१०	अ	३	७	वै	२५	२१	चा	२०	१	३१ ३६	३७	२३	२५	३	६	वृश्चिके	पुण्ये शुक्रः १०।२२
१०	गु	४८	४४	ज्ये	३	१९	वि	२१	४६	तै	१८	५७	५२	३८	२२	२६	४	७	ध.३।१९	
११	शु	४९	४७	मू	४	५१	प्री	१९	२०	व	१९	१५	४८	३८	२२	२७	५	८	धनुषि	भ.१९।१५उ.४९।४७या.कमला११व्र.
१२	श	५१	४४	पू	७	५०	आ	१७	४९	ब	२०	४६	४४	३९	२१	२८	६	९	म.२३।४७	
१३	र	५५	८	उ	११	३८	सौ	१७	३	कौ	२३	२६	४०	४०	२०	२९	७	१०	मकरे	पूफा. बुधः ५२।१४ प्रदोषः
१४	चं	५९	१९	श्र	१६	२९	शो	१७	३३	ग	२७	१३	३६	४१	१९	३०	८	११	कु ४९।२८	भ. ५९।१९ उ. पूफा. रविः २६।३५
१५	मं	६०	०	ध	२२	२७	अ	१८	१०	वि	३१	५७	३२	४२	१८	३१	९	१२	कुम्भे	भ. ३१।५७या. पूफा. रविः सौरः१।०
१५	बु	४	३५	श	२९	१	सु	१९	५३	ब	४	३५	२८	४२	१८	१	१०	१३	कुम्भे	सितम्बर ८ ता. ३१

२०पं.प्र.भा.शु.८मं.इ.३५/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	४	५	३	१०	७	४
७	१४	२	१९	२	२	१४	७
४४	१७	५१	१९	४२	४२	९	११
१७	४२	४३	१०	११	२२	३७	२३
५७	३९	५९	११	७१	४	३	५७
४९	३८	४०	१४	५९	४०	११	४५

गोचरग्रहाः

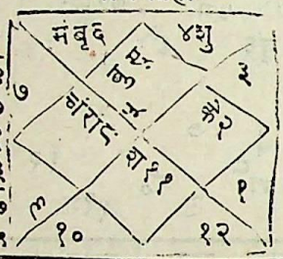

प्र.भा.कृ.१३चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र वा.४ न. ५ वंध्यावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु.उ. पू.

गोचरग्रहाः

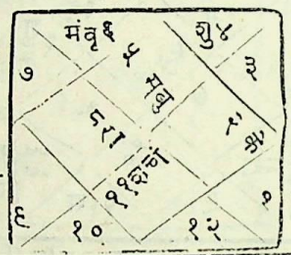

२१पं.प्र.भा.शु१५.मं.इ ३५/९१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	५	३	१०	७	४
१४	१८	१६	२१	११	२	१३	१७
२९	४७	४६	१८	१	११	४७	५६
५६	५३	५	१८	२३	२०	२२	३५
५८	३९	५५	१२	७२	२८	३	५७
१	५९	५८	१९	२०	ब	११	५७

तिं.द्वि.भाद्र.कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः१९१५ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चन्द्रः | शरदृतुः रविर्दक्षिणे प्र.भाद्र कृ.महाराष्ट्राः

१	शु	९	५९	पू	३६	५	धृ	२१	४०	कौ	९	५९	३१ २५	४ ३	६ ७	२	११	१४	मी १९।१९	
२	शु	१६	११	उ	४३	३१	ग	१६	११	२१	४४	१६	३	१२	१५		मीने			भ. ४९।१५ उ.
३	श	२२	२०	रे	५१	१०	गं	२६	२३	वि	२२	२०	१७	४५	१५	४	१३	१६	मे.५१।१०	भ २२।२० या. चतुर्थी व्र.
५	र	२८	३१	अ	५८	३४	वृ	२९	२	वा	२८	३१	१३	४५	१५	५	१४	१७	मेषे	उफा. बुधः ५७/४ आश्ले. शुक्रः २३।२५
५	चं	३४	७	भ	६०	०	धु	३१	३	कौ	१	१९	९	४६	१४	६	१५	१८	मेषे	*कन्यायां बुधः ४९।१८
६	गं	३८	५०	भ	५	१५	ज्या	३२	२८	ग	६	२८	५	४७	१३	७	१६	१९	वृ २१।४१	भ. ३८।५०उ. चित्रा.भौमः ३६।१३*
७	बु	४२	९	कृ	११	०	ह	३३	१	वि	१०	२९	१	४८	१२	८	१७	२०	वृषे	भ. १०।२९ या.
८	गु	४३	५२	रो	१५	१४	व	३२	२९	वा	१३	०	३० ५७	४९	११	९	१८	२१	मि ४६।३९	अनु. ३ राहुः रोहि. १ केतुः १४।४९
९	शु	४३	३७	मृ	१८	४	सि	३०	२०	तै	१३	४४	५३	४९	११	१०	१९	२२	मिथुने	चित्र. १ गुरुः ४५।३०
१०	श	४१	४१	आ	१८	३५	ल्य	२६	४३	व	१२	३९	४८	५०	१०	११	२०	२३	मिथुने	भ. १२।३९ उ. ४१।४१ या.
११	र	३७	३८	पु	१७	१३	व	२१	३८	ब	९	३९	४४	५१	९	१२	२१	२४	क.२।३४	कमला ११ व्र.
१२	चं	३१	३०	पु	१३	५७	प	१४	४९	कौ	४	३४	४०	५२	८	१३	२२	२५	कर्के	उफा.रविः १०/५५ (सौरः ४५/३९) हस्ते बुधः+
१३	मं	२३	५६	श्ले	९	०	शि	३५ ३६	५० ३८	व	२३	५६	३६	५३	७	१४	२३	२६	सिंहे ।०	भ. २३।५६ उ. ४९।२८ या. प्रदोषः
१४	बु	१४	५९	म	४३ ४२	५३ ४१	सा	४६	५४	श	१४	५९	३२	५४	६	१५	२४	२७	सिंहे	+४०।४९बुधोदयः पश्चिमायां ५३।१४
३०	गु	५	२०	उ	४७	४०	शु	३६	१५	ना	५	२०	२८	५४	६	१६	२५	२८	क.८।२८	कन्यायामर्कः ३६/१६ मघायां सिंहे शुक्रः २५/५

२२पं.द्वि.भा.कृ.६मं.इ. ३५/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	५	३	१०	७	४
२१	२३	२९	२२	१९	१	१३	२०
१६	२१	४०	४०	२३	४१	२५	४३
५५	४०	३०	३७	५३	५३	६	१५
५८	४०	०	१२	७२	४ १०	३	५८
१३	२१	१४	३९	४१	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

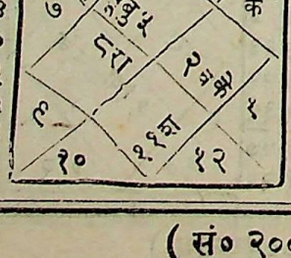

द्वि.भा.कृ.३०गुरौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४न.५ बालावस्था (बैठी)मु४५ धान्यादिभावेसमर्घता शु. पू.

गोचरग्रहाः

२३पं.द्वि.भा.कृ१३मं.इ ३५/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	५	३	१०	७	४
२८	२७	११	२४	२७	१	१३	२७
५	५७	३८	५	५०	१४	२	३१
२४	४७	५३	३१	६	२५	५१	३६
५८	४०	०	१३	७२	५३	३	५८
२६	३८	४९	५	५६	ब	११	२९

Digitized by S3 Foundation USA

तिं.द्वि.भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं.२०५०शाकः १९१५ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चंद्रः | शरदृतुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३०स.१९९३

१	गु	५०	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	४५	५०	ह	३९	५२	शु	२५	१३	बा	२०	५५	३०/२४	५/५	६/५	१७	२६	२९	कन्यायां	कन्यामकैं:सौरः १०/१ चंद्रद.तुलायांभौमः ४/५
३	श	३६	५६	चि	३२	५८	ब्र	१४	४६	तै	११	२३	२०	५६	४	१८	२७	१	तु.६।२५	हरितालिका ३ रविलाखर ४
४	र	२९	१९	स्वा	२६	४४	ऐं	४/३	५/२	व	३	७	१६	५७	३	१९	२८	२	तुलायां	भ. ३।७उ.२९।१९ या. गणेशचतुर्थी
५	चं	२३	७	वि	२२	२२	वि	४८	१९	बा	२३	७	१२	५८	२	२०	२९	३	वृ.८।२८	ऋषिपंचमी *नजभूलनी ११ ब्र.
६	मं	१८	५०	अ	१९	३४	मी	४२	१६	तै	१८	५०	८	५८	२	२१	३०	४	वृश्चिके	चित्रायां. बुधः ५९।३०
७	बु	१६	११	ज्ये	१८	२७	आ	३७	३४	ध	१६	११	४	५९	१	२२	३१	५	ध.१८।२७	भ. १६।११ उ. ४५।५/२ या.
८	गु	१५	३४	मू	१९	१४	सो	३४	१७	ब	१५	३४	३०/००	६/०	८/०	२३	१	६	धनुषि	रा.ष्ट्रीय आश्विनारंभः
९	शु	१६	४७	पू	२१	५५	शो	३२	३४	कौ	१६	४७	५/५	६/६	५/९	२४	२	७	म.३७।५३	चित्रा.२गुरुः २/९ पुफा.शुक्रः २/१ वामनज.
१०	श	१९	११	उ	२५	४९	अ	३१	५५	ग	१९	११	५१	२	५८	२५	३	८	मकरे	भ. ५१।१३उ. भेला रामदेवजीनवलदुर्गे
११	र	२३	१५	श्र	३१	७	सु	३२	४४	वि	२३	१५	४७	३	५७	२६	४	९	मकरे	भ.२/१ या.हस्तेरविः ४/२ तुलायां बुधः ३/५*
१२	चं	२८	७	ध	३७	१६	धृ	३३	३७	बा	२८	७	४३	३	५७	२७	५	१०	कु.४।११	हस्ते रविःसौरः ३/१ स्वात्यां भौमः ४/०
१३	मं	३४	२	श	४४	२०	शू	३५	२७	कौ	१	४	३८	४	५६	२८	६	११	कुम्भे	प्रदोषः
१४	बु	३९	४४	पू	५१	२८	गं	३७	२५	ग	६	५३	३४	५	५५	२९	७	१२	मी.३४।४१	भ. ३९।४४ उ. अनंत १४
१५	गु	४६	९	उ	५९	३	बृ	३९	५२	वि	१२	५६	३०	६	५४	३०	८	१३	मीने	भ. १२।५६ या. महालयश्राद्धारंभः

२४पं.द्वि-भा.शु.६मं.इ.३/२३ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	५	४	१०	७	५
४	२	२२	२५	६	०	१२	४
५५	३६	४६	३२	१९	४९	४०	२१
१९	५४	३४	१७	३१	८	३५	४३
५८	४०	९४	१३	७३	२/३	३	५८
२८	४८	५८	२०	१४	ब	११	४५

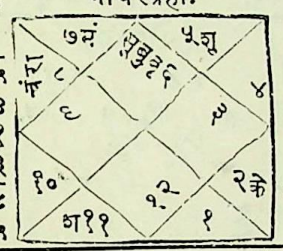

अधिक मास फल-

द्विभाद्रे क्षेममारोग्यं
सस्यनिष्पत्तिरुत्तमा
बहुक्षीरघृतागावो
बृष्टिः कार्तिक संमिता

गोचरग्रहाः

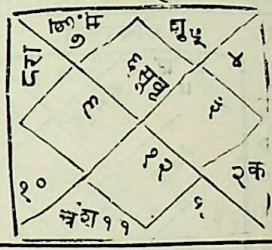

२५पं द्वि.भा.शु.१३मं.इ.३/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	४	१०	७	५
११	७	३	२७	१४	०	१२	११
४६	१८	३	०	५२	२८	१८	१३
५५	०	५४	४७	५	५	१९	४५
५८	४१	८६	१३	७३	४/२	३	५९
५२	१५	५	२६	२६	ब	११	०

तिं.आश्विन कृष्ण पक्षः सं.२०५० शाकः १९१५ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | शरदृतुरविर्दक्षिणे द्वि.भाद्र. कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	५२	१६	रे	६०	०	ध्रु	४२	२	वा	१९	१२	३९/२६	६/७	५/३	१	९	१४	मीने	स्वात्यां बुधः ८।५४ अक्टूबर १०ता.२१
२	श	५८	२१	रे	६	२३	व्या	४४	१७	तै	२५	१९	२२	८	५२	२	१०	१५	मि.६।२३	
३	र	६०	०	अ	१३	४४	ह	४६	१०	व	३१	१	१८	८	५२	३	११	१६	मेषे	भ. ३१।१ उ.
३	चं	३	४१	भ	२०	१४	व	४७	३९	वि	३	४१	१४	९	५१	४	१२	१७	वृ.३६।४४	भ.४/३ या.अस्तं गुरोः २४/३९ चतुर्थी ब्र.
४	मं	८	१६	कृ	२६	१४	सि	४८	२३	वा	८	१६	१०	१०	५०	५	१३	१८	वृषे	*कन्यायां शुक्रः ५६।२१
५	बु	११	५५	रो	३१	१	व्य	४८	२१	तै	११	५५	६	११	४९	६	१४	१९	वृषे	
६	गु	१४	२०	मृ	३४	११	व	४७	१०	व	१४	२०	२	१२	४८	७	१५	२०	मि२।५४	भ. १४।२० उ. ४४।४६ या.
७	शु	१५	१२	आ	३६	५०	प	४४	४९	ब	१५	१२	२८/२८	१२	४८	८	१६	२१	मिथुने	उफा. शुक्रः १४।३७
८	श	१४	३४	पु	३७	२६	शि	४१	१७	कौ	१४	३४	५४	१३	४७	९	१७	२२	क.२२।१७	
९	र	१२	८	पु	३६	१६	सि	३६	८	ग	१२	८	५०	१४	४६	१०	१८	२३	कर्के	भ.३/५ उ.चित्रा.रविः २१/२३ (सौरः ५/५)*
१०	चं	७	४३	श्ले	३३	१७	सा	३०	३७	वि	७	४३	४६	१५	४५	११	१९	२४	सि३३।१७	भ ४/७ या.वक्री धनि.२मकरे शनिः २१/३०
११	मं	१	४५	म	२८	४०	श	२१	४८	वा	१	४५	४२	१५	४५	१२	२०	२५	सिंहे	विशा.बुधः ५/८ चित्रा.३गुरुःइन्दिरा११ब्र.
१२	मं	५२	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	बु	४५	४३	पू	२२	३०	शु	१२	४७	ग	२०	१	३८	१६	४४	१३	२१	२६	क.३५।५४	भ. ४५।४३ उ. प्रदोषः
१४	गु	३६	१०	उ	१६	६	ब्र	५/६	४/२२	वि	१०	१६	३४	१७	४३	१४	२२	२७	कन्यायां	भ.१०।५६या. शस्त्रादिहतानां श्रा.
३०	शु	२६	२०	ह	८	२९	वै	४१	१०	च	१	१५	३०	१८	४२	१५	२३	२८	तु.३४।१९	सर्वपितृश्राद्धं

२६पं.आ.कृ.४मं इ ३८।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	४	१०	७	५
१८	१२	१२	२८	२३	०	११	१८
४०	४	२६	३०	२७	१०	५६	७
७८	३४	३८	५४	४३	३४	४	३२
५९	४१	७४	१३	७३	१०/३	३	५९
९	२२	४७	३२	४१	ब	११	१६

गोचरग्रहाः

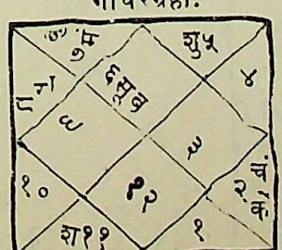

इस मासका फल मध्यम है। सुदी में चार ग्रहों का योग वर्षा करे तथा कहीं युद्धादि उहद्रव हो। बाजार में घटाबढ़ीअधिक हो

गोचरग्रहाः

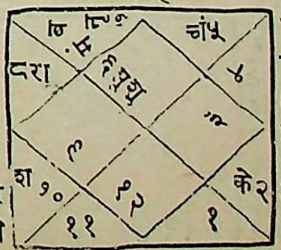

२६पं.आ.कृ.११मं.इ.३/५५

र	मं	शु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	६	५	९	७	५
२५	१६	२०	०	२	२९	११	२५
३५	५३	३५	१	४	५६	३३	३
६	१०	२८	५७	४९	२४	४८	१४
५९	४१	५८	१३	७३	३/५	३	५९
२१	४२	५९	३८	५०	ब	११	२१

न.	आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०४६ शाकः १९१४	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श १६ ४६ चि १० ५३	वि ३०	४	ब १६	४६	२६ १६	४५	१६ २४ २९ तुलायां
२	र ७ ४६ वि ४६ २७	प्री २०	०	कौ ७	४६	२२ २०	४०	१७ २५ ३० वृ. ३३।३
३	चं ० ८ अ ४१ ५२	आ १०	५२	ग ०	८	१८ २०	४०	१८ २६ १ वृश्चिके
४	चं ५४ २ ० ० ०	०	०	० ०	०	० ०	०	० ० ० ०
५	मं ५० ११ ज्ये ३८ ३५	सौ ३७	५३ ३५	व २२	१०	१४ २१	३९	१९ २७ २ ध. ३८।३५
६	बु ४८ १० मू ३८ १९	अ ५१	२८	कौ १९	१०	१० २२	३८	२० २८ ३ धनुषि
७	गु ४८ ३२ पू ३८ ३९	सु ४८	१९	ग १८	२१	६ २३	३७	२१ २९ ४ म. ५४।२३
८	शु ५० ३२ उ ४१ ३४	धृ ४६	४०	वि १९	३२	२ २४	३६	२२ ३० ५ मकरे
९	श ५४ २५ श्र ४६ २५	शु ४६	५१	बा २२	२८	२७ २४	३६	२३ १ ६ मकरे
१०	र ५९ ३२ ध ५२ ३१	गं ४७	२९	तै २६	५८	५४ २५	३५	२४ २ ७ कु. १९।२८
११	चं ६० ० श ५९ ४३	बृ ४९	२१	व २२	३८	५० २६	३४	२५ ३ ८ कुम्भे
१२	मं ५ ४५ पू ६० ०	ध्रु ५१	३१	वि ५	४५	४६ २७	३३	२६ ४ ९ मी ५०।१५
१३	बु ११ ५१ पू ७ ५	व्या ५३	५०	बा ११	५१	४२ २८	३२	२७ ५ १० मीने
१४	गु १८ २७ उ १४ ४३	ह ५६	१	तै १८	२७	३९ २८	३२	२८ ६ ११ मीने
१५	शु २४ २८ रे २२ १३	व ५८	७	व २४	२८	३५ २९	३१	२९ ७ १२ मे. २२।१३
१५	श २९ ४६ अ २९ ९	सि ५९	५७	ब २९	४६	३१ ३०	३०	३० ८ १३ मेषे

शरद्तूरविर्दक्षि. ऽहर्गणाः स. ५५९ स १९९३

मातामहश्रा. नवरात्रारंभः
तुलायामर्कः ५/९ (सौरः ३६/३८) चन्द्रः वि भौ. २९/३०
भ. २७/१ उ. ५४/१० या. जमादिलाचल ५
=सरस्वती विसर्जनम्
हस्ते शुक्रः ०।५७ ÷विजया १०
सरस्वत्यावाहनम् ×भौमः ०।५० प्रदोषः
भ. ४८।३२ उ. सरस्वतीपूजनम्
भ. १९।३२ या. बलिदानम्
स्वात्यां रविः ४७/११ रा. कार्तिकारंभः=
स्वात्यांरविः सौरः १७/३६ वक्री बुधः ५१।७÷
भ. ३२/३८ उ. पापांकुशा ११ व्र. स्मा.
भ. ५।४५ या. पापांकुशा ११ व्र. वै.
चित्रा. ४ गुरुः ४६/५ मार्गी अनिः ४०/५८ अस्तो×
शरद् १५ स्मा. कोजागरी व्र.
भ. २४/२८ उ. ५७/७ या. चित्रा शुक्रः १५।२८÷
उदयं गुरोः ३४।४८ शरद् १५ वै. |उ.गु.|

२८ सं. आ. शु. ५ मं. इ. ३७।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	६	५	९	७	६
२	२१	२६	१	१०	२९	११	२
२१	४३	४०	३३	४५	४८	११	०
३४	४८	३७	४	१८	४३	३३	४२
५९	४१	३४	१३	७३	४९	३	५९
३४	५८	३१	३८	५२	ब	११	४६

गोचरग्रहाः

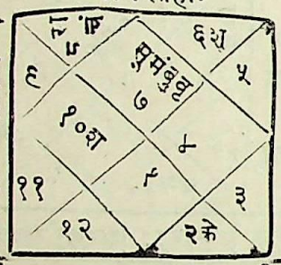

आ. शु. २ रवौ तुलायामर्कः प्र. वा. ४ नं. ५ गतलकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शु. उ. पू. ।

गोचरग्रहाः

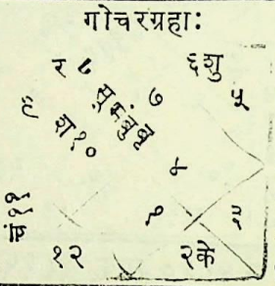

२९ पं. आ. शु. ११ मं. इ. ३७/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	६	५	९	७	६
९	२६	२८	३	१५	२९	१०	९
२९	३७	५०	४	२८	४५	४९	०
४९	४८	२८	२६	१२	१८	१७	२
४७	४२	५१/४३	१३	७४	८	३	६०
४७	१३	ब	३८	१	ब	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०५० शाकः १९१५	दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	र ३५ ७ भ ३५ २९	व्य ६०	०	बा २	२६	२७ ३	६ ५	२९ ३१ ९ १४ वृ. ५१।५२
२	चं ३९ १६ कु ४० ५३	व्य ०	४६	तै ७	११	२४ ३१	२९	१ १० १५ वृषे
३	मं ४२ २३ रो ४५ २७	व १	१३	व १०	४९	२० ३२	२८	२ ११ १६ वृषे
४	बु ४४ २३ मृ ४९ ०	प ०	५२ ५५	ब १३	२३	१६ ३३	२७	३ १२ १७ मि १७।१६
५	गु ४५ १४ आ ५१ ७	सि ५७	३८	कौ १४	४८	१३ ३३	२७	४ १३ १८ मिथुने
६	शु ४५ ० पु ५२ ५३	सा ५४	४०	ग १५	७	९ ३४	२६	५ १४ १९ क. २७।२६
७	श ४३ ३४ पु १२ ४५	शु ५०	४२	वि १४	१७	६ ३५	२५	६ १५ २० कर्के
८	र ४० ४१ श्ले ५१ ३०	शु ४५	३२	बा १२	७	२ ३६	२४	७ १६ २१ सिं ५१।३०
९	चं ३६ ३२ म ४९ २	व्र ३९	२६	तै ८	३६	२९ ३६	२४	८ १७ २२ सिंहे
१०	मं ३१ २ पू ४५ १०	ऐं ३२	४७	व ३	४७	२६ ३७	२३	९ १८ २३ क. ५८।५३
११	बु २४ २१ उ ४० ५	वै २३	५६	बा २४	२१	५३ ३७	२३	१० १९ २४ कन्यायां
१२	गु १६ २९ ह ३३ ५९	वि १४	४१	तै १६	२९	४९ ३८	२२	११ २० २५ कन्यायां
१३	शु ८ १६ चि २७ २८	प्री ५५	४४ ४७	व ८	१६	४६ ३९	२१	१२ २१ २६ तु. ०।४६
१४	शु ५१ २ ० ० ०	० ०	०	० ०	०	० ०	०	० ० ० ०
३०	श ५० ४१ स्वा २० ४४	सौ ४४	३०	च २४	५९	४३ ३९	२१	१३ २२ २७ तुलायां

हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणेऽाश्विन कृ. महाराष्ट्र
वृश्चिके भौमः २३/२८ बुधास्तः पश्चिमायां १४/१२
नवम्बर ११ ता. ३०
भ. १०।४९ उ. ४२।२३ या.
चतुर्थी व्र.
तुलायां शुक्रः ४।१९
भ. ४५।० उ. अनु. भौमः ५।४७
भ. १४/१७ या. विशा. रविः ३/५ (सौरः ३५/५) *
*वक्री स्वात्यां बुधः २०।३
भ. ४३/७ उ. ३१/२ या. स्वात्यां शुक्रः २२/४६
रमा ११ व्र.
अनु. २ राहुः कृत्ति. ४ केतुः ७/१ प्रदोषः धन १३
भ. १/६ उ. ३३/४७ या. स्वाती १ गुरुः १५।४४+
+बुधोदयः पूर्वस्यां ३।८ रूप १४
महालक्ष्मीपूजनम्

३० सं. का. कृ. ३ मं. इ. ३७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	६	५	९	७	८
१६	१	२५	४	२८	२९	१०	१६
२९	३४	१३	३५	१२	४६	२७	१
३८	४१	५	१७	३६	५२	१	६
६०	४२	६३/६८	१३	७४	४५	३	६०
६४	३५	ब	२२	८	म।	११	१८

गोचरग्रहाः

दीपमालिका शनिवारीं होनेसे धान्य संग्रह से लाभ हो। शनि मगल आवे दीवाली। मरे रंक जीवे भंडशालीं ।।

गोचरग्रहाः

३१ पं. का. कृ १० मं इ. ३७/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	६	६	५	७	६
२३	६	१५	६	६	२९	१०	२३
३०	३४	५७	४	५७	५३	४	३
५८	२३	१८	४१	५०	४६	४६	४२
६०	४२	७३/५३	१३	७४	१	३	६०
१७	४५	ब	२३	१४	२६	११	३०

Digitized by S3 Foundation USA

ति.| कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५ | दि. | उ. | अ. | इ. | रा. | मु. | चंद्रः | हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५८८सन् १९९३।

१	र	४२	३६	वि	१४	२	शो	३४	५०	कं	१६	३८	२६/४०	६/४०	५/२०	१४	२३	२८	बृ.०।४३
२	चं	३५	५२	अ	८	१४	अ	२६	०	बा	६	१४	३७	४१	१६	१५	२४	२९	वृश्चिके
३	मं	३०	४५	ज्ये	३	४४	सु	१८	३	तै	३	१८	३४	४१	१६	१६	२५	१	ध.३।४४
४	बु	२७	३१	मू	१	११	धृ	११	३१	वि	२७	३१	३१	४२	१८	१७	२६	२	धनुषि
५	गु	२६	४०	पू	०	२५	शू	६	३८	बा	२६	४०	२९	४२	१८	१८	२७	३	म. १५।४७
६	शु	२७	४१	उ	१	५५	गं	३	५०	तै	२७	४१	२६	४३	१७	१९	२८	४	मकरे
७	श	३०	४७	अ	५	२०	वृ	२	३२	व	३०	४७	२४	४३	१७	२०	२९	५	कु.३७।५४
८	र	३५	२६	ध	१०	२८	ध्रु	२	२२	वि	३	६	२१	४४	१६	२१	३०	६	कुम्भे
९	चं	४१	२९	श	१७	१०	व्या	३	१९	बा	८	२७	१९	४४	१६	२२	१	७	कुम्भे
१०	मं	४७	५२	पू	२४	२३	ह	५	२०	तै	१४	४०	१६	४५	१५	२३	२	८	मी.७।३५
११	बु	५४	२९	उ	३२	४	व	७	४२	व	२१	११	१३	४५	१५	२४	३	९	मीने
१२	गु	६०	०	रे	३९	२८	सि	१०	७	व	२७	३२	११	४६	१४	२५	४	१०	मे.३९।२८
१२	शु	०	३५	अ	४६	३१	श्र	१२	६	बा	०	३५	८	४६	१४	२६	५	११	मेषे
१३	श	६	१९	भ	५२	४२	व	१३	४४	तै	६	१९	६	४७	१३	२७	६	१२	मेषे
१४	र	१०	४०	कृ	५७	४०	प	१४	२५	व	१०	४०	३	४७	१३	२८	७	१३	वृ.८।५४
१५	चं	१४	७	रा	६०	०	शि	१४	२०	व	१४	७	१	४८	१२	२९	८	१४	दधे

धानष्ठा. २ कुम्भेशनिः १३/२४ अन्नकूट गोव. पूज
चंद्रदर्शनम् मार्गी बुधः १३/४६ भ्रातृ २
भ. ५६/६ उ. वृश्चिकेऽर्कः ३३/३६ (सौरः ३६/२३) *
भ. २७।३१ या. *जमादिलाखर ६

अनु. रविः २१।५६ (सौरः ४६।१०)
भ. ३०।४७ उ. विशा. शुक्रः २।५६
भ. ३।६ या. गोपाष्टमी
रा. मार्गशीर्षारंभः अक्षय ९
ज्येष्ठा. भौमः ३२।१३
भ. २१।११ उ. ५४।२९ या. प्रबोधिनी+
विशा. बुधः २७।२५
प्रदोषः +११ व्र. तुलसी विवाहः
वृश्चिके शुक्रः ५५।१२ वैकुण्ठ १४
भ. १०/४० उ. ४३/२४ या. स्वाती. २ गुरुः ४१/१८
मन्वादिः

३२पं.का शु. ३मं.इ.३६।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	६	६	१०	७	७
०	११	१२	७	१५	०	९	०
३३	३७	५३	३३	४४	५	४२	७
४७	८	१०	७	४९	६	३०	४६
६०	४३	२३	१३	७४	२	३	६०
३०	१	मा	१४	२०	७	११	४०

गोचरग्रहाः

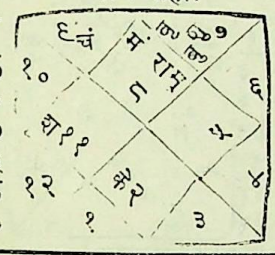

का. शु. ३ भौमे वृश्चिकेर्कः प्र.वा. ३ न.३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धा भावे महर्घता शुक्रोदयः पू

गोचरग्रहाः

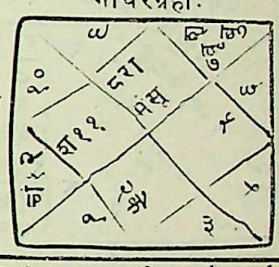

३३पं.का.शु.१०मं.इ.३/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	६	६	१०	७	७
७	१६	१७	८	२४	०	९	७
३७	४३	५२	५९	३१	२१	२०	१३
३७	१६	५२	३१	५५	५०	१५	१९
६०	४३	६५	१२	७४	२	३	६०
४२	११	१९	५३	२६	४७	११	५३

ति.| मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०५० शाकः १९१५ | दि | उ. | अ. | इ | रा | मु. | चंद्रः | हेमंतर्तौ रावर्दक्षिणे कार्तिक कृ. महाराष्ट्राः

१	मं	१६	१९	रो	१	३१	सि	१३	२७	कौ	१८	१९	२५/५९	९/४८	५/१२	३०	९	१५	मि ३३।१
२	बु	१७	२५	मृ	४	३२	सा	११	३७	ग	१७	२५	५७	४९	११	१	१०	१६	मिथुने
३	गु	१७	१३	आ	६	१	श	८	५१	वि	१७	१३	५५	४९	११	२	११	१७	क.५१।४४
४	शु	१६	१३	पु	६	५८	शु	५	२५	बा	१६	१३	५३	४९	११	३	१२	१८	कर्के
५	श	१४	२०	पु	७	५	व्र	७	५४/११	तै	१४	२०	५१	५०	१०	४	१३	१९	कर्के
६	र	११	४०	श्ले	५	५१	वै	५०	३८	व	११	४०	४९	५०	१०	५	१४	२०	सिं५।५१
७	चं	८	१४	म	४	१७	वि	४४	२२	ब	८	१४	४८	५०	१०	६	१५	२१	सिंहे
८	मं	३	५७	पू	४४/१	४०/५६	मी	३७	५३	कौ	३	५७	४६	५१	९	७	१६	२२	क.१५।५३
९	मं	५४	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	बु	५३	२	ह	५४	१७	आ	३०	९	ब	२५	५६	४५	५१	९	८	१७	२३	कन्यायां
११	गु	४६	४०	चि	४९	३४	सौ	२२	३	ब	१९	५१	४४	५१	९	९	१८	२४	तु. २१।५६
१२	शु	३९	४४	स्वा	४४	५५	शो	१३	२३	कौ	१३	१२	४२	५२	८	१०	१९	२५	तुलायां
१३	श	३२	४५	वि	३९	१०	अ	३४/५	५१/६	ग	६	१४	४१	५२	८	११	२०	२६	बृ.२५।३७
१४	र	२५	४६	अ	३४	११	धृ	४७	२३	श	२५	४६	४०	५२	८	१२	२१	२७	बृश्चिके
३०	चं	१९	३८	ज्ये	३०	४	शू	३९	२८	ना	१९	३८	३९	५२	८	१३	२२	२८	ध ३०।४

भ. २५।५६ उ. ५३।२ या.
उत्पत्ति ११ व्र.
ज्येष्ठा. शुक्रः ९।४४ बुधास्तः पू ५६।१
भ. ३/४५ उ. ५/६९ या. मूलेधनुषिभौमः ३/५५ प्रदोषः

ज्येष्ठा. बुधः ५४।४२ सोमवती ३०

३४पं.मा.कृ. १मं.इ.३६।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	६	७	१०	७	७
१४	२१	२६	१०	३	०	८	१४
४२	५०	५४	२३	२०	४२	५७	२०
५४	५३	७	५३	१०	५८	५९	५
६०	४३	८३	१२	७४	३	३	६१
५०	४१	१९	२५	२६	३२	११	३

गोचरग्रहाः

मा.शो.शु. २बुधे धनुष्यर्कः प्र.वा. २ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

३५पं.मा.कृ.८मं.इ ३६ २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	६	७	१०	७	७
२१	२७	७	११	१२	१	८	२१
४८	१	९	४४	८	८	३५	२७
५८	१६	५८	४९	६	४९	४३	५०
६०	४३	६०	१२	७४	४	३	६१
५६	५६	४१	१०	२६	१०	११	११

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०५० शाकः १९१५ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. | चन्द्रः हेमंततुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६१८स.१९९३

१	मं	१४	२८	मू	२६	४४	गे	३२	३७	ब	१४	२८	२५/३८	६/५२	५/८	१४	२३	२९	धनुषि
२	बु	११	१९	पू	२५	१२	वृ	२६	५२	को	११	१९	३८	५२	८	१५	२४	१	म.
३	गु	९	२३	उ	२५	३२	ध्रु	२२	४१	ग	९	२३	३७	५३	७	१६	२५	२	मकरे
४	शु	९	२९	श्र	२७	३७	व्या	२०	१	वि	९	२९	३७	५३	७	१७	२६	३	कु.
५	श	१२	२५	ध	३१	३१	ह	१९	७	बा	१२	२५	३७	५३	७	१८	२७	४	कुम्भे
६	र	१५	४९	श	३६	४१	व	२०	१४	तै	१५	४९	३६	५३	७	१९	२८	५	कुम्भे
७	चं	२१	१७	पू	४४	२	सिं	२०	३८	व	२१	१७	३६	५३	७	२०	२९	६	मी
८	मं	२७	२२	उ	५१	६	व्य	२२	२०	ब	२७	२२	३६	५३	७	२१	३०	७	मीने
९	बु	३४	४	रे	५९	७	व	२४	४४	वा	०	४३	३६	५३	७	२२	१	८	मे.
१०	गु	४०	१७	अ	६०	०	प	२६	५६	तै	७	१०	३६	५३	७	२३	२	९	मेषे
११	शु	४६	२	अ	६	१२	शि	२८	४१	व	१३	१०	३७	५३	७	२४	३	१०	मेषे
१२	श	५०	२२	भ	१२	४१	सिं	२९	४०	ब	१८	१२	३७	५३	७	२५	४	११	वृ.
१३	र	५३	२८	कृ	१७	४३	सा	२९	२५	को	२१	५५	३७	५३	७	२६	५	१२	वृषे
१४	चं	५४	५६	रो	२१	२३	शु	२८	१४	ग	२४	१२	३८	५२	८	२७	६	१३	मि
१५	मं	५५	५	मृ	२३	४०	शु	२५	५६	वि	२५	०	३८	५२	८	२८	७	१४	मिथुने

धनुषि
चन्द्रदर्शनम्
मूले धनुष्यर्कः ३/९ (सौर: ५/५४) रज्जव ७
भ. ३९।२६ उ. स्वाती. ३ गुरुः ८।३०
भ. ९।२९ या.

चम्पा ६
भ. २१।१७ उ. ५४।२० या.
मूले धनुषि शुक्रः ४८।४
मूले धनुषि बुधः २६/५३ शुक्रास्तः पू. २५/१२*
*रा. पौषारंभः
भ. १३/१० उ. ४६/२ या. मोक्षदा ११ ब्र. गीता ज.

प्रदोषः शु. अ. पू.
भ. ५४।५६ उ.
भ. २५/० या. पूषा रविः ४४/५४ (सौर ५६/३२) दत्तज.

३६पं.मा.शु.१मं.इ.३६।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	६	७	१०	७	७
२८	२	१७	१३	२०	१	८	२८
५५	१३	४४	२	५६	३८	१३	३६
५२	८	५३	१७	२५	१३	२८	३३
६१	४४	९५	११	७४	९	३	६१
०	७	२२	३१	३२	४५	११	१९

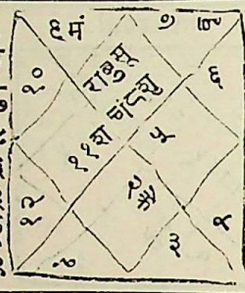

३७पं.मा.शु.८मं.इ.३६।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	६	७	१०	७	८
६	७	२८	१४	२९	२	७	५
३	३०	३७	१७	४५	११	५१	४५
२९	४०	१	१०	४	३८	१२	५८
६१	४४	९७	०	७४	५	३	६१
४	२६	५१	५६	३२	९	११	२२

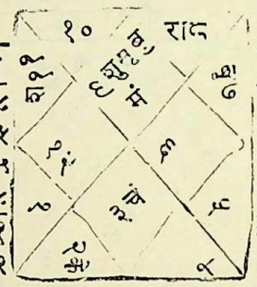

३८पं.मा.शु.१५मं.इ.३५/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	६	८	१०	७	८
१३	१२	९	१५	८	२	७	१२
११	४८	३७	२६	३३	४८	२८	५५
३१	११	५	४६	५८	४७	५७	५०
६१	४४	९९	०	७४	५	३	६१
६	३७	४८	११	३२	३८	११	२६

ति. पौष कृष्णपक्षः सं० २०५० शाकः १९१५ | दि. उ. अ. इं. रा. मु. | चन्द्रः शिशिरर्तुं रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महाः

१	बु	५३	४१	आ	२४	३८	व्र	२२	२६	बा	२४	२१	२५/३९	६/५२	५/८	२९	८	१५	मिथुने
२	गु	५१	१९	पु	२४	१७	ऐं	१८	१	तै	२२	३०	४०	५२	८	३०	९	१६	क.
३	शु	४८	५	पु	२२	२५	वै	१२	४९	व	१९	४२	४०	५२	८	३१	१०	१७	कर्के
४	श	४४	६	श्ले	२०	५०	वि	६	५९	ब	१६	५	४१	५२	८	१	११	१८	सिं
५	र	३९	४९	म	१८	२५	गी	२४/०	५३/२८	को	११	५७	४२	५२	८	२	१२	१९	सिंहे
६	चं	३५	१२	पू	१६	५	सौ	४७	८	ग	७	३०	४३	५१	९	३	१३	२०	क.
७	मं	३०	२८	उ	१२	२	शो	४०	१०	वि	२	५०	४४	५१	९	४	१४	२१	कन्यायां
८	बु	२५	३१	ह	९	१९	अ	३२	५६	को	२५	३१	४६	५१	९	५	१५	२२	तु.
९	गु	२०	२९	चि	५	५५	सु	२५	३४	ग	२०	२९	४७	५१	९	६	१६	२३	तुलायां
१०	शु	१५	१४	स्वा	२१/९	२६/३९	घृ	१८	७	वि	१५	१४	४९	५०	१०	७	१७	२४	वृ.
११	श	९	५७	अ	५५	२५	शू	१०	५१	बा	९	५७	५१	५०	१०	८	१८	२५	वृश्चिके
१२	र	४	५४	ज्ये	५२	३९	गं	४७/३	५३/१७	तै	४	५४	५२	५०	१०	९	१९	२६	ध.
१३	चं	०	२३	मू	५०	८	ध्रु	५०	५०	व	०	२३	५४	४९	११	१०	२०	२७	धनुषि
१४	चं	५६	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	६	०	०	०	०
३०	मं	५३	४०	पू	४८	५२	व्या	४५	२८	च	२५	२	५६	४९	११	११	२१	२८	धनुषि

शिशिरर्तुं रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महाः
पूषा भौमः १८।३८
पूषा बुधः ५०।५२
भ. १९।४२ उ. ४८।५ या.
पूषा. शुक्रः ३१/१ जनवरी १ ता. ३१ च.ब्र.

भ. ३५।१२ उ. धनि. ४ शनिः ४।३६
भ. २।५० या.
स्वाती. ४ गुरुः ३४।१४
भ. ४७।५१ उ.
भ. १५।१४ या.
उषा. बुधः २।३५ सफला ११ ब्र.
प्रदोषः
भ. २/३ उ. ३८/२४ या. उषा. रविः ४८/५८*
*मकरे बुधः १३।१
उषा. रविः सौरः ५/९ उषा. शुक्रः ५९/५१

३९पं.पौ.कृ.७मं.इ.३५।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	६	८	१०	७	८
२०	१८	२०	१६	१७	३	७	२०
१९	७	४९	३०	२१	२९	६	५
२६	८	१६	२९	२५	१०	४१	४७
६०	४४	०/५९	९	७४	६	३	६१
६	५७	४५	२६	३८	२	११	२६

गोचरग्रहाः

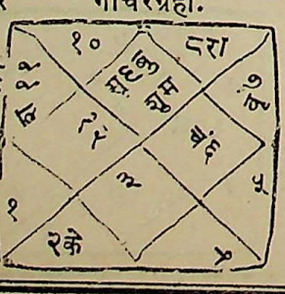

धन राशिका मंगल
सोना चांदी शेयर
तिल तैल घृत रुई
पाट वारदाना
अलसी सिरस्यु
में तेजी करेगा।

गोचरग्रहाः

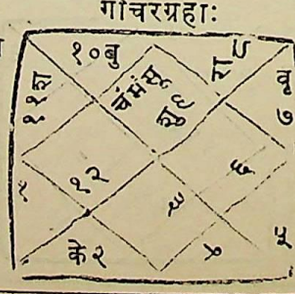

४०पं.पौ.कृ.३०मं.इ.३५/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	५	६	८	१०	७	८
२७	२३	२	१७	२६	४	६	२७
२७	२९	२१	२९	१०	११	४४	१५
४०	३१	५४	३१	४८	५६	२५	२९
६१	४५	०/५६	८	७४	६	३	६१
६	७	५६	३४	३८	२५	११	२४

Digitized by S3 Foundation USA

ति.| पौष शुक्ल पक्षः सं. २०५० शाकः १९१५ |दि.|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चंद्रः |शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६४७स.१९९४

१	बु	५१	२४	उ	४९	९	ह	४१	१०	कं	२२	३२	५५/६	४८/१	५/२	१२	२२	२९	म.३।५६
२	शु	५२	२९	अ	५१	१७	व	३८	१०	ना	२१	५६	२/१	४८	१२	१३	२३	३०	मकरे
३	शु	५४	२३	ध	५४	३२	सि	३६	४१	तै	२३	२६	३	४७	१३	१४	२४	१	कुं २२।५५
४	श	५७	५९	श	५९	१	व्य	३५	५४	व	२६	११	५	४७	१३	१५	२५	२	कुम्भे
५	र	६०	०	पू	६०	०	व	३६	२९	ब	३०	३४	८	४६	१४	१६	२६	३	मी ४८।३६
५	चं	३	१०	पू	५	७	प	३८	८	ना	३	१०	१०	४६	१४	१७	२७	४	मीने
६	मं	८	५२	उ	१२	८	शि	४०	१०	तै	८	५२	१२	४६	१४	१८	२८	५	मीने
७	बु	१५	२०	रे	१९	४३	सि	४२	२३	व	१५	२०	१५	४५	१५	१९	२९	६	मे.१९।४३
८	गु	२१	४७	अ	२७	१६	सा	४४	३१	ब	२१	४७	१७	४५	१५	२०	३०	७	मेषे
९	शु	२७	४५	भ	३४	८	शु	४५	५९	कौ	२७	४५	२०	४४	१६	२१	१	८	बृ.५०।३४
१०	श	३२	२९	कृ	३९	५०	शु	४६	३१	तै	०	७	२२	४४	१६	२२	२	९	वृषे
११	र	३५	४९	रो	४४	२	ब्र	४५	४३	व	४	९	२५	४३	१७	२३	३	१०	वृषे
१२	चं	३७	९	मृ	४६	३२	ऐं	४३	३६	ब	६	२९	२७	४३	१७	२४	४	११	मि १५।१७
१३	मं	३७	४	आ	४६	२०	वै	३९	५५	कौ	७	६	३०	४२	१८	२५	५	१२	मिथुने
१४	बु	३४	४५	पु	४६	२४	वि	३४	४२	ग	५	५४	३३	४१	१९	२६	६	१३	क.२१।२३
१५	गु	३१	१४	पु	४४	०	भी	२८	५४	वि	२	५९	३६	४१	१९	२७	७	१४	कर्के

अनु. १ राहुः कृत्ति. ३ केतुः ५८।५९
चंद्रदर्शनम्
मकरेऽर्कः २२/५ सौरः २४/१६) मकरे शुक्रः ३/५८ *
भ. २६/११ उ. ५७/९ या. उषा भौमः २६/२६
श्रवणे बुधः १९।३६ *सावान ८
+पश्चिमायां ५४/४२ पुत्रदा ११ व्र.

भ. १५।२० उ. ४८।३४ या.
अभि.प्र.रविः ३८/७ (सौरः ४७/४९ मकरेभौमः १०/३४
रा. माधारंभः
श्रवणे शुक्रः ३२।७
भ. ४/९ उ. ३५/४९ या. श्रवणेरविः ५४/३० बुधोदयः+
अभि.नि. रविः ४६/९ (सौरः ५५/९) श्रवणे×
प्रदोषः ×रविःसौरः ३/४ धनि.बुधः १५/३५
भ. ३४।४५ उ.
भ. २।५९ या. माघ स्नान प्रा

४१पं.पौ.शु.६मं.इ ३५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	६	९	१०	७	९
४	२८	१४	१८	४	४	६	४
३५	५३	१०	२२	५८	५७	२२	२५
३१	१७	१६	५	४४	०	१०	८
६१	४२	२०	७	७४	६	३	६१
३	१२	५९	२९	३८	३८	११	१९

गोचरग्रहाः

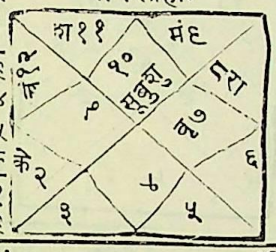

पौष शु.३ शुक्रे मकरेऽर्कः प्र.वा. ३न.३ युयावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां.

गोचरग्रहाः

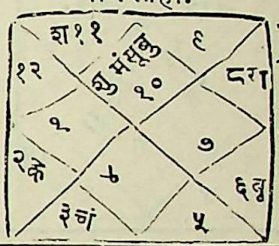

४२पं.पौ.शु.१३मं.इ.३५/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	६	९	१०	७	९
११	४	२५	१९	१३	५	५	११
४२	१८	५४	७	४६	४४	५९	३३
५८	२५	७	८	४१	१७	५४	५९
६०	४५	९८	६	७४	६	३	६१
५९	२२	१२	२७	३८	५६	११	१३

ति.| माघ कृष्ण पक्षः सं.२०५० शाकः १९१५ |दि|उ.|अ.|इं.|रा.|मु.| चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्राः

१	शु	२६	२३	श्ले	४०	२९	आ	२१	५५	कौ	२६	२३	३६/३	४०/८	६/२०	२८	८	१५	सिं ४०।३९
२	श	२०	४७	म	३६	१८	सौ	१४	१४	ग	२०	४७	४२	४०	२०	२९	९	१६	सिंहे
३	र	१४	४०	पू	३२	३४	शो	१९/६	५१/९	दि	१४	४०	४६	३९	२१	३०	१०	१७	क. ४६।२२
४	चं	८	३५	उ	२७	४४	सु	५०	१७	वा	८	३५	४९	२८	२२	३१	११	१८	कन्यायां
५	मं	२	२९	ह	२३	३४	धृ	४२	२६	तै	२	२९	५२	३८	२२	१	१२	१९	तु. ५१।५६
६	मं	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	बु	५१	३६	चि	२०	१९	शु	३५	४	वि	२४	१०	५५	३७	२३	२	१३	२०	तुलायां
८	शु	४५	४९	स्वा	१६	३२	गं	२७	१७	बा	१८	४२	५९	३६	२४	३	१४	२१	बृ. ५९।१७
९	शु	४२	३१	वि	१३	३२	वृ	२१	२३	तै	१४	१०	२७/२	३६	२४	४	१५	२२	वृश्चिके
१०	श	३८	४४	अ	११	१८	ध्रु	१५	१०	व	१०	३७	६	३५	२५	५	१६	२३	वृश्चिके
११	र	३५	४२	ज्ये	९	३५	व्या	९	३१	ब	७	१३	९	३४	२६	६	१७	२४	ध.९।३५
१२	चं	३३	१८	मू	८	४३	ह	४	४१	कौ	४	३०	१३	३३	२७	७	१८	२५	धनुषि
१३	मं	३१	५३	पू	८	२२	व	१९/६	५९/९	ग	२	३५	१६	३३	२७	८	१९	२६	म. २३।४६
१४	बु	३१	४०	उ	९	२७	व्य	५४	५	वि	५	४६	२०	३२	२८	९	२०	२७	मकरे
३०	गु	३२	३७	श्र	११	३३	व	५२	४७	च	२	८	२४	३१	२९	१०	२१	२८	कु. ४३।१७

कुम्भे बुधः ५।५९
भ. ४७।४३ उ.
भ. १४।४० या. चतुर्थी व्र.
*फर्वरी २ ता, २८
भ. ५/४३ उ. श्रवणे भौमः ५६/८ शते बुधः ३५/१३ *
भ. २४/१० या. धनि.शुक्रः १२/३४ शत.१शनिः ३४/१२
विशा. १ गुरुः २४।२५
भ. १०/३७ उ. ३८/४४ या. अस्तं शनेः ४०/१७
धनि.रविः ५२/१ (सौरः ३९/४) षट्तिला ११व्र
कुम्भे शुक्रः ३०।४८
भ. ३१।५३ उ. प्रदोषः
भ. १।४६ या.
शुक्रोदयः पश्चिमायां २४।०

४३पं.मा.कृ.५मं.इ.३५।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	१०	६	९	१०	७	९
१८	९	६	१९	२२	६	५	१८
४९	४४	४०	४५	३४	३३	३७	४२
२६	३८	५५	१८	२६	४	३९	२
६०	४५	८१	५	७४	७	३	६१
५५	३२	५८	१४	३२	८	११	४

गोचरग्रहाः

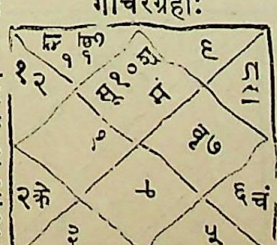

माघ मासका फल—रुई धान्य कपास में मंदी माघ में होय। घृत गुड़का संग्रह करो लाभ सवाया होय॥

गोचरग्रहाः

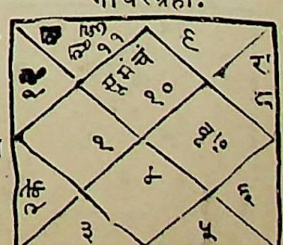

४४पं.मा.कृ.१३मं.इ.३६।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	१०	६	१०	१०	७	९
२५	१५	१३	२०	१	७	५	२५
५५	१२	११	१४	२१	२२	१५	४८
१६	२२	४४	४९	४	५९	२३	४९
६०	४५	३३	४	७४	७	३	६०
४७	४२	३१	२	३२	१४	११	५५

ति. माघ शुक्ल पक्षः सं. २०५० शाकः १९१५ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चंद्रः | शिशिरर्तुः रविरुत्तरेऽहर्गणः ६७७स१९९४

१	शु	३४	५०	ध	१४	५९	प	५१	३१	कं	३	४३	२७	६	५	११	२२	२९	कुम्भे
२	श	३८	२७	श	१९	४५	शि	५२	३४	ग	६	३८	३१	३०	३०	१२	२३	३०	कुम्भे
३	र	४३	२९	पू	२५	४	सि	५३	४३	तै	१०	५८	३५	२९	३१	१३	२४	१	मी ८।४४
४	चं	४९	७	उ	३२	९	सा	५५	४७	व	१६	१८	३८	२८	३२	१४	२५	२	मीने
५	मं	५५	३७	रे	३९	४८	शु	५७	५४	ब	२२	२२	४२	२८	३२	१५	२६	३	मे. ३९।४८
६	बु	६०	०	अ	४७	२८	शु	६०	०	कौ	२८	४८	४६	२७	३३	१६	२७	४	मेषे
७	गु	२	०	भ	५४	५४	शु	०	१३	तै	२	०	५०	२६	३४	१७	२८	५	मेषे
८	शु	८	१९	कृ	६०	०	व	१	४९	व	८	१९	५४	२५	३५	१८	२९	६	वृ. ११।३२
९	श	१३	३५	कृ	१	२७	ऐं	३	३६	ब	१३	३५	५८	२४	३६	१९	३०	७	वृषे
१०	र	१७	३१	रो	६	४६	वै	३	४९	कौ	१७	३१	०२	२४	३६	२०	१	८	मि ३८।३२
११	चं	१९	४२	मृ	१०	१९	वि	३६	५७	ग	१९	४२	६	२३	३७	२१	२	९	मिथुने
१२	मं	१९	५८	आ	११	५७	आ	५५	३७	वि	१९	५८	१०	२२	३८	२२	३	१०	क. ५६।४७
१३	बु	१७	५७	पु	११	४४	सौ	४९	४९	या	१७	५७	१४	२१	३९	२३	४	११	कर्के
१४	गु	१४	१६	पु	९	२९	शो	४२	३६	तै	१४	१६	१८	२०	४०	२४	५	१२	कर्के
१५	शु	८	४५	श्ले	४	४३	अ	३४	१३	व	८	४५	२२	२०	४०	२५	६	१३	सिं. ४।४३
१६	श	१	४७	म	२९	५४	सु	२५	१३	ब	१	४७	२६	१९	४१	२६	७	१४	सिंहे

वक्री बुधः २२।५१
कुं भेऽर्कः ३ ६ (सौरः ४ ३ ६ ९) चन्द्रदर्शनम्*
बुधास्तः पश्चिमायां ३१।३९ रमजान ९
भ. १६।१८ उ. ४९।७ या.
पातस्पर्शः ४ ५ २ ३ वसतपंचमी
पातमोक्षः सूर्योदयकाले
*शते शुक्रः ४९।५
भ. १ ९ ८ उ. ४ ५ ७ या. धनि. भौमः ५ १ ७ ० भानु ७
शते रविः १ २ ४ ७ (सौरः १ २ ५ ३) भीष्माष्टमी
राष्ट्रीय फाल्गुनारंभः
भ. ५ ६ ९ उ. वक्री. धनि. बुधः १७।३७
भ. १९।५८ या. जया ११ व्र.
पूभा. शुक्रः ३०।४७ प्रदोषः

भ. ८।४५ उ. ३५।१६ या.
बुधोदयः पर्वस्यां ३ ५ ७ माघ.स्ना.समाप्तिः

४५ पं.मा.शु.५मं.इ ३६।१७

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	६	१०	१०	७	१०
३	२०	१२	२०	१०	८	४	२
०	४१	८	२५	७	१३	५३	५४
४	२	४६	५३	५२	३७	७	५२
६०	४५	५० ५७	२	७४	७	३	६०
३७	५८	ब	४६	३२	२०	११	४२

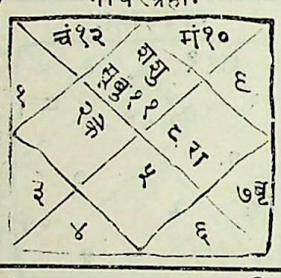

मा. शु. २ शनौ कुम्भेऽर्कः प्र. वा. २ न. ३ गतालकावस्था (ऊर्ध्वमी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु. उ. प. ।

गोचरग्रहाः

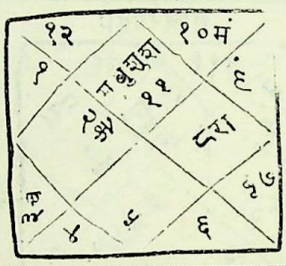

४६ पं.मा.शु. ११मं.इ. ३ ३ ३ २

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	६	१०	१०	७	१०
१०	२६	५	२०	१८	९	४	९
३	१०	३	४७	५२	४	३०	५९
३२	१९	४७	२०	४१	४८	५२	२५
६०	४५	७ ३	१	७४	७	३	६०
२१	५८	ब	१९	२७	२०	११	३१

ति. फाल्गुन कृष्ण पक्षः सं २०५० शाकः १९१५ | दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | वसन्तर्तुः रविरुत्तरे माघ कृ. महाराष्ट्राः

१	श	५२	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	र	४६	११	उ	४८	२२	धृ	१५	४२	तै	२०	११	३०	१८	४२	२७	८	१५	क. ८।२
३	चं	३८	७	ह	४२	३४	शू	५९	५० ४९	व	१२	९	३४	१७	४३	२८	९	१६	कन्यायां
४	मं	३०	३०	चि	३६	४५	वृ	४७	४७	ब	४	१८	३८	१६	४४	१	१०	१७	तु. ९।३९
५	बु	२३	४०	स्वा	३९	५८	ध्रु	३९	३३	तै	२३	४०	४२	१६	४४	२	११	१८	तुलायां
६	गु	१७	४२	वि	२८	१	व्या	३२	१४	व	१७	४२	४६	१५	४५	३	१२	१९	वृ. १४।०
७	शु	१२	४८	अ	२५	१६	ह	२५	४४	ब	१२	४८	५०	१४	४६	४	१३	२०	वृश्चिके
८	श	९	१	ज्ये	२३	३३	व	२०	२०	कौ	९	१	५४	१३	४७	५	१४	२१	ध. २३।३३
९	र	७	३३	मू	२३	११	सि	१५	४२	ग	७	३३	५८	१२	४८	६	१५	२२	धनुषि
१०	चं	४	५९	पू	२३	४१	व्य	१२	१२	वि	४	५९	२ ९	१२	४८	७	१६	२३	म. ३९।९
११	मं	४	५५	उ	२५	३२	व	९	२५	बा	४	५५	६	११	४९	८	१७	२४	मकरे
१२	बु	५	४०	श्र	२८	२८	प	७	४६	तै	५	४०	१०	१०	५०	९	१८	२५	मकरे
१३	गु	७	३४	ध	३२	२६	शि	६	४६	व	७	३४	१४	९	५१	१०	१९	२६	कुं. ०।१६
१४	शु	१०	४१	श	३७	२६	सि	६	३७	श	१०	४१	१९	८	५२	११	२०	२७	कुम्भे
३०	श	१४	४४	पू	४३	४२	सा	७	२	ना	१४	४४	२२	७	५३	१२	२१	२८	मी २७।११

कुं भे भौमः २६।२२
भ. १ २ ९ उ. ३ ५ ७ या. वक्री मकरे बुधः ४ ६ ७*
चतुर्थी व्र. *पातस्प. १ ४ ३ पातमोक्षः २ ६ ४ ४
वक्री गुरुः ३ ३ ४ ३ शतभिषा. २ शनि. ७।१९
भ. ४ २ ९ उ. ४ ५ १ ५ या. मीनेशुक्रः ३२।४४
पूभा. रविः ३०।३२ (सौरः ३३।४०)

भ. ३ ६ ९ ६ उ. मार्गी बुधः ४ ३ २ ५ उभा. शुक्रः ११ ४ ३
भ. ४।५९ या. शते भौमः ५७।३०
उदयी भौमः ५४।११ विजया ११ व्र.
प्रदोषः
भ. ३ ७ ४ उ. ३ ६ ९ या. कुं भेबुधः ४ ६ ९ ६ उदयंशनैः +
+३०।० महाशिवरात्री व्र.
पातस्पर्शः ४२।३१ पातमोक्षः ५६।२१

४७ पं.फा.कृ.४मं.इ. ३६।५०

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	६	१०	१०	७	१०
१७	१	२९	२०	२७	९	४	१७
५	४०	३५	५०	३६	५५	८	२
४६	१९	२०	३५	४७	३०	३६	१६
६०	४६	३३ ३९	०	७४	७	३	६०
१२	८	ब	१३	२६	२०	११	२०

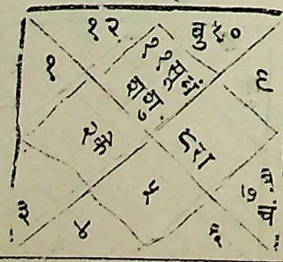

इस मास में शनि मंगल सूर्य का योग भयप्रद है। व्यापारी लोग पहले मंदीमें संग्रह करें यहाँ अच्छी तेजी बाजारमें आवेगी।

गोचरग्रहाः

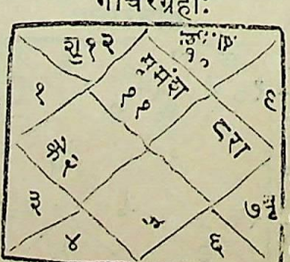

४८ पं.फा.कृ.११मं.इ ३७।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	६	११	१०	७	१०
२४	७	२९	२०	६	१०	३	२४
६	१०	३४	४५	२०	४५	४६	३
२९	२६	३४	४	२६	४०	२१	३९
५९	४६	३३ ३८	२३	७४	७	३	६०
५८	३	मा	ब्र	२६	१४	११	५

Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्न शुक्ल पक्षः सं०२०५० शाकः १९१५ दि. उ. अ. इं. रा. मु. चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ७०७स.१९९४

१	र	२०	४	उ	५०	२०	शु	८	३४	ब	२०	४	३९	७	५६	१३	२२	२९	मीने
२	चं	२६	३३	रे	५७	४८	शु	१०	२७	कौ	२६	३३	३२	६	५४	१४	२३	१	मे.५७।४८
३	मं	३२	३	अ	६०	०	ब्र	१२	४०	ग	३२	३	३६	५	५५	१५	२४	२	मेषे
४	बु	३९	८	अ	५	२२	ऐं	१४	५७	व	५	३५	४०	४	५६	१६	२५	३	मेषे
५	गु	४५	४	भ	१३	५	ऐं	१७	३१	ब	१२	६	४५	३	५७	१७	२६	४	वृ.२९।५२
६	शु	५०	३३	कृ	२०	१६	वि	१९	२४	कौ	१७	४८	४९	२	५८	१८	२७	५	वृषे
७	श	५५	७	रो	२७	३	भी	२०	३४	ग	२२	५०	५३	१	५८	१९	२८	६	मि५९।२३
८	र	५८	१२	मृ	३१	४४	आ	२०	३८	वि	२६	३९	५७	१	५९	२०	२९	७	मिथुने
९	चं	५८	३१	आ	३४	४७	सो	१९	१२	वा	२८	२१	३०	०	५९	२१	३०	८	मिथुने
१०	मं	५७	४०	पु	३५	५३	शो	१६	२६	तै	२८	५	६	५९	६	२२	१	९	क.२१।२
११	बु	५५	५३	पु	३५	५	अ	१२	५	व	२६	४६	१०	५८	१	२३	२	०	कर्के
१२	गु	५०	५९	श्ले	३२	२५	सु	६	५२	ब	२३	२६	१४	५७	२	२४	३	१०	सि३२।२२
१३	शु	४४	१४	म	२७	५०	शु	४९	२५	कौ	१७	३६	१८	५६	३	२५	४	११	सिंहे
१४	श	३६	८	पू	२१	३९	मं	३९	२६	ग	१०	११	२३	५५	४	२६	५	१२	क.३४।५५
१५	र	२७	५	उ	१४	४३	बृ	२९	३	वि	१	३६	२७	५५	५	२७	६	१३	कन्यायाँ

चन्द्रदर्शनम्
भीनेऽर्कः ३१/२९ (सौरः ३४/०) फुलरिया २*
*सव्वाल १०
भ. ३५/५ उ. ३९/६ या. रेवत्यां शुक्रः ५५/३८×
उभा. रविः ५३/३३ (सौरः ५४।३६)
×विशा ४ राहुः कृत्ति. २ केतुः ५४/३७
भ. ५५।७ उ. शते बुधः १३।३१
भ. २६।३९ या होलाष्टक

रा. चैत्रारंभः सं० १९१६
भ. २४/९६ उ. ५५/३३ या. आमलकी ११ व्र.स्मा.
वक्री स्वाती. ४ गुरुः २०/७ आमल. ११ व्र वै.
पूभा. भौमः १।११ प्रदोषः
भ. ३६/८ उ. होलिकादहनं भद्रापुच्छे
भ. ३१/६ या. अश्वि. मेषेशुक्रः ४२/४४ छारेंडी

४९पं.फा.शु.३म.इ.३७।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	११	१०	७	११
१	१२	३	२०	१५	११	३	१
५	४०	४५	२९	३	३५	२४	३
४२	२६	११	४२	११	१०	५	२१
५९	४६	४१	४/२	७४	७	३	५५
४९	१३	५२	बु	२०	२	११	४९

गोचरग्रहाः

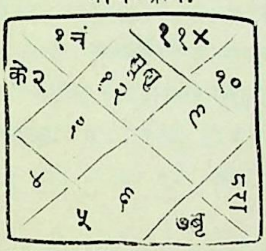

फा. शु. २ चंद्रे मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

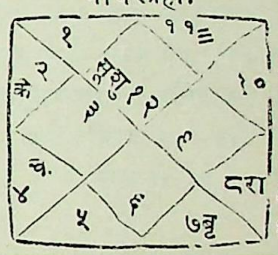

५०पं.फा.शु. १०मं.इ.३७/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	११	१०	७	११
८	१८	१०	२०	२३	१२	३	८
३	९	३६	६	४४	२३	१	१
१८	४७	१४	४	६	२८	४९	१६
५९	४६	६८	४/२	७४	६	३	५९
२९	८	५३	ब्र	१७	५०	११	३५

ति. चैत्र कृष्ण पक्षः सं. २०५० शाकः १९१५ दि. उ. अ. इ. रा. मु. चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृ. महाराष्ट्रा

१	चं	१७	३४	ह	७	७	ब्रु	१८	२२	कौ	१७	३४	३०/५	५४/६	६/२	२८	७	१५	तु.३३।३४
२	मं	८	१	चि	०/२	५२/४७	ब्या	५५/७	४९/५२	ग	८	१	३५	५३	७	२९	८	१६	तुलायां
३	गं	५१	११	०	८	८	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०
४	बु	५१	१९	वि	४६	५२	व	४८	३७	ब	२५	१५	३९	५२	८	३०	९	१७	वृ.३३।२१
५	गु	४४	३७	अ	४१	११	सि	४०	४४	कौ	१७	५८	४४	५१	९	३१	१०	१८	वृश्चिके
६	शु	३९	२८	ज्ये	३९	२६	व्य	३३	५२	ग	१२	२	४८	५०	१०	१	११	१९	ध.३९।३६
७	श	३६	३	मू	३७	४०	व	८	३६	वि	७	४५	५२	५०	१०	२	१२	२०	धनुषि
८	र	३४	११	पू	३७	४९	प	२४	२६	वा	५	७	५६	४९	११	३	१३	२१	म.५३।१७
९	चं	३३	५७	उ	३९	४१	शि	२१	३७	तै	४	४	३१/०	४८	१२	४	१४	२२	मकरे
१०	मं	३५	२१	श्र	४२	५३	सि	२०	८	व	४	३९	४	४७	१३	५	१५	२३	मकरे
११	बु	२७	५३	ध	४७	२१	सा	१९	४४	ब	६	३७	८	४६	१४	६	१६	२४	कु.१५।१३
१२	गु	४१	४८	श	५२	५३	शु	२०	२५	कौ	९	५०	१२	४६	१४	७	१७	२५	कुम्भे
१३	शु	४६	२८	पू	५९	२२	शु	२१	२३	ग	१४	८	१६	४५	१५	८	१८	२६	मी.४२।४४
१४	श	५२	९	उ	६०	०	ब्र	२३	५	व	१९	१८	२०	४४	१६	९	१९	२७	मीने
३०	र	५७	५४	उ	६	७	ऐं	२४	५५	च	२५	१	२४	४३	१७	१०	२०	२८	मीने

वसंत १
भ. ३३।३६ उ. ५९।१२ या.

पूभा. बुधः ६।४९ चतुर्थी ब्र.
रेवत्यांरविः २६/९ (सौरः २२/४) शत. ३शनिः ६/१
भ. ३९/२८ उ. अप्रैल ४ता.३० शीतला पू
भ. ७।४५ या.

भ. ४/३९ उ. ३५/२१ या. मीने बुधः ५२/४२
मीने भौमः ४७।४४ पापमोचनी ११ ब्र.
भरण्यां शुक्रः ३१।१८ उभा. बुधः ५९।२१
भ. ४६।२८ उ. प्रदोषः
भ. १९।१८ या.
मन्वादिः

५१पं.चै.कृ.२मं.इ ३८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	०	१०	७	११
१४	२३	१९	१९	२	१३	२	१४
५९	३८	२१	३३	२२	१०	३५	५७
१३	५३	२९	४७	३८	१६	३४	२३
५९	४६	८०	५/४	७४	६	३	५९
१६	८	५५	ब	८	३३	११	१८

गोचरग्रहाः

इस मासमें रुईपाट वारदाना शेयर सोना चांदी अलसी अरहर सिरसों गुड़ खांड मटरमें घटाबढ़ी के साथ मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

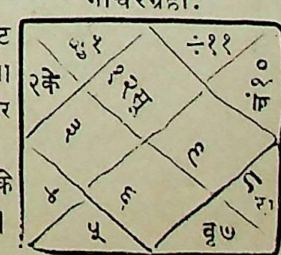

५२पं.चै.कृ.१०मं.इ.३३/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	०	१०	७	११
२१	२९	२९	१८	११	१३	२	२१
५३	६	३७	५५	०	५४	१७	५१
२१	४७	३७	८	५०	५८	१८	३४
५९	४६	९४	१/६	७४	६	३	५९
४	८	४३	ब	२	२०	११	४

*मं.बु.श. ×मं.शबु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) =मंबुश ÷मं.श.बु.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन्वर्षे सृष्टितोगताब्दाः १९५५८८५०९५ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०९५ भोग्यकलिः ४२६९०५ अथास्मिन्शुभसंवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्य राज्यतोगताब्दाः संम्वत् २०५१ शाकः १९१६ वर्षेऽस्मिन् राजाचंद्रः । मंत्री– बुधः । अस्येशः शनिः । धान्येशोगुरुः । मेघेशोबुधः । रसेशश्चंद्रः । नीरसेशः शनिः । फलेशोभौमः । धनेशः शुक्रः दुर्गेशोभौमः । एतेदशाधिकारिणः । तत्रबार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिपष्टयब्दानांमध्ये विष्णुविंशतिकायां सर्वजिन्नाम संवत्सरः प्रवर्त्तते तस्य मेषार्कसमयेगतमासादिः ९।७।४५।४०।। भोग्यमासादिः २।२२।१४।२०।। त्वष्टृ–दैवतंयुगम् । वर्षनाम चैत्रः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समयनिवासोमालाकारगृहे । समयविश्वा ५ समय वाहनं मृगः । स्तम्भा ३ जलान्नवायूनाम् । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी२ । अंगारकी चतुर्थी २। बुधाष्टमी १। भानुसप्तमी १ । रविदशमी २। समय मुहूर्ता ३६० । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १५। तिथिवृद्धिः १०। उत्पत्ति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ८४ वर्षाविश्वा ७ धान्यं १७ तृणम् ११. शीतं ९. तेज११, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५ निग्रहः ११ ऐक्यं १०९ सत्यं ।। धर्म १।। पाप १८ शनिदृष्टिरुत्तरे ग्रहणाऽभावः ।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय जयदंबे मातचंडिके भैरव पूछे बात यही ।
इक्कावन संवत्सरका सब हाल सुनादो सही सही

भवानी उत्तर

माता कहती है ध्यान लगा सुण भैरव फल संवत्सरके
हैं राष्ट्रपती श्रीनिशानाथ शुभ फल सूचक हैं घरघरके ।
मंत्री का पद युवराज लिया अरुवसी रोहिणी सागरमें
धान्येश जहां हों देव पूज्य रहता आनंद चराचर में
फलपति अरु दुर्गेश भौम नहिं वे चूकेंगे लाखोंमें
कहिं युद्ध रचावें धरणीपर अरु विघ्न मचावें साखोंमें
अनजल वायू के स्तंभतीन ये रक्षक हैं संवत्सरके
सवविघ्नविपत्ती दूर होंय जव ध्यानघरें विश्वंभरका ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्षलग्नम् ११।१०

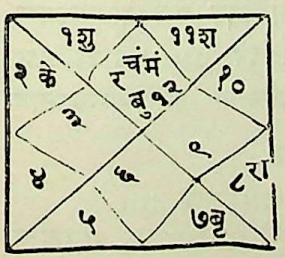

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	बृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् १०।१२

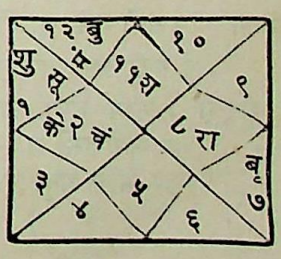

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३२।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४५।४०

अथाधिकारिणां फलम् ।।अथास्मिन्बर्षेराजा चन्द्रस्तत्फलम्-चन्द्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचुरंच धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् । मंत्रीवुधस्तत्फलम्–शशिसुतें ननु मंत्रिपदं गते स्व-पतिनारमते मदनक्रियाम् । बहुधनं बहुवाजिसमन्वितं यवमसूरचणान्न–महर्घता ।। सश्येशः शनिस्तत्फलम्– रविसुतेयदि धान्यपतौजना नृपतिभिः परिपीड़ित विग्रहाः । गदभयं तुषधान्यहरंसदादुरितकादविवादयुतानराः धान्योशोगुरुस्तत्फलम्-गुरौ धान्याधिपेयाते यवगोधूमशालयः । पच्यंते सर्व देशेषु यज्वानो ब्रह्मवादिनः ।। मेघेशोबुधस्तत्फलम्–अमृतरस्मिसुतेयदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम् द्विजवरायजनोत्सुकचेतसो विविध सौख्ययुता धरणी तदा ।। रसेशश्चन्द्रस्तत्फलं-यदि वि धौरसपेभुविमानवा नवनवां बुभुजे युवतीं प्रियाम् । जलधराबहुवारिविधायका रसवती धनधान्यवती मही ।। फलेशोः भौम-स्तत्फलम्-फलपतिर्यदि भूतनयोभवेन्नबहुपुष्पफलान्वित पादपाः । गद्भयान्वित-देशजनास्तदानृपतयोबहुविग्रहकारकाः ।। नीर-सेशः शनिस्तत्फलं-अयः पिंडादिलोहानां कृष्णवस्त्रादिवस्तुनां । अर्धवृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसनायके ।। धनेशः शुक्रस्तत्फलम्-यदिफलस्यपतौ भृगुजेधरा मुदुकुमारमहीरुहराशयः । बहुफला नरनाथसुभोगदा द्विजवराश्श्रुति–पाठ–परायणाः । दुर्गेशोभौम स्तत्फलं-अवनिजे गढनायकतांगते विविध, दुःख वियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भयविशेषतयान फलं क्वचित् ।। सर्वजिन्नामसंवत्सरस्तत्फलम्-सर्वजिद्वत्सरे सर्वे जनास्त्रिदश सन्निभाः ।। राजानो विलयं यांतिभीमसंग्राम–भूमिषु ।। वर्षनाम चैत्रस्तत्फलम्-सस्यानिघृकार्पास तैलादिसुख संचयः । चैत्रवर्षे भवेद्वृद्धिः नृपसौख्यफलप्रदाः । मेघनाम पुष्करस्तत्फलम्-पुष्करे मंद वृष्टिश्च । रोहिणी निवासः समुद्रेत्तत्फलम्-समुद्रेतु महावृष्टिः ।। समयनिवासो मालाकारगृहे फलम्-मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एवं संचिन्त्य दैवज्ञै : कथनीयं शुभाशुभय् ।।

सं. २०५१ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चैत्रमासः

शुक्ला ३ गुरौ रो.ल. १० (घ.४६।३४या) रे६ ऽ।।।।।।।।।
" ५ शनौ मृगे ल. ऽन्यगो ६ रे. ६ ।।।।ऽऽऽऽ धन लग्ने चंद्रः ७ मः पूज्य
" १० गुरौ मघा. ल. गो. रे ७।ऽ।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः ।
" १२ शनौ उफा. ल. ऽन्यगो. १० रे. ६ ऽ।।।।।।।।।

वैशाखमासः

कृष्णा २ बुधे अनु. ल. गो. रे. ६ ।ऽ।।ऽऽ नृ ऽ।।।
" ४ शुक्रे मूले ल. गो. १० रे. ८।।।।।ऽ चौ ।ऽ।।
" ११ शुक्रे उमा. ल. १० रे. ७ ।ऽ।।। ऽ नृ.।ऽ।।
शुक्ला ७बुधे. मघा. ल.ऽन्यगो रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।
१० शुक्रे उफा. ल. गो. रे ८।ऽ।।।।।ऽ।।

ज्येष्ठमासः

कृष्णा २ गुरौ मूले. ल. गो. रे. ८।ऽ।।ऽ।।।।।
" ६ गुरौ उभा. ल. ऽन्यगो. रे ६ ।।।।।।।ऽ।।
शुक्ला ५.भौमे मघा. ल. ऽ न्यगो. रे ८।ऽ।।।ऽअ।।।।
८ शुक्रे हस्ते ल. २ रे ७ ।ऽ।।।ऽ अ ऽ।।।
" १३ भौमे अनु. ल. ऽन्य. गो. २ रे ७।।।।ऽऽ चौ ऽ ।।। बृषे (चंद्रः ७ मे पूज्यः)

आषाढमासः

कृष्णा १ शुक्रे उषा ल. २ (घ. ५७।०उ.) रे १०।।।।।।।।।।
कृष्णा७ गुरौ उभा. ल. ऽन्यगो. रे. ८।।।।।।।ऽ।ऽ दग्धादोषः
" ८ शुक्रे रेव. ल. ऽन्यगोरे. ७।।।।। ऽ चौ ऽऽ।।

मार्गशीर्षमासः

शुक्ला ४ भौमे उषा. ल. ऽ.न्य गो. रे. ६।।।।।ऽ अ।।।।
" ८ शनौ उमा. ल. ४-६ रे ६।।।।।ऽ चौ ।।।।कर्कल. घ ३६।२७उ
कन्याल. चं. ७ पूज्यः
" १० चन्द्रे रेव. ल. ४-६ रे. ६ ।ऽ।।ऽरोऽऽ।। कन्यालग्नं घटी ४५।३६ यावत् चं. ७ पूज्य.

माघमालः

कृष्णा५ शनौ उफा. ल. गो. ८-६ रे ८ऽ।।।।।।ऽ।।
" ६ रवौं हस्ते. ल. गो. रे. ७ ऽ।।।।ऽ रो ऽ।।।
शुक्ला४ शुक्रे उभा. ल. ८।६ रे. ७।।।। ऽ अ ऽऽ।।
" ५ शनौ रेव. ल. ऽन्य गो. ८।६ रे १० ।।।।।।।।।।
" ८ बुधे रोहि ल. ८ (घ. ४८।२० उ) रे ८।।।।।।
ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः
" ६ गुरौ. रोहि. ल. गो. ६रे. ७।।।।। ऽ रो ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

फाल्गुनमासः

कृष्णा२ शुक्रे उफा. ल. ८ रे ८।।।।। ऽनृप ऽ।।।
" ३ शनौ हस्ते ल. गो. ८ रे ८।।।।।।।ऽ।ऽ दग्धादोषः
शुक्ला१ गुरौ उभा. ल. ८ रे ७ ।ऽ।।।ऽ रो ऽ।।।
" २ शुक्रे. उभा. ल. ६ रे.८।ऽ।।।ऽ।।। चं. ७ मः पूज्यः
" ७ बुधे रोहि. ल. ऽ न्य गो. ६ रे ८।।।।।।ऽऽ।।

ति.	श्री चैत्र शुक्ल पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ७३६ सन् १९९४
१	चं	६०	०	रे	१३	२६	वै	२७	१४	किं	३१	६	३५	५	६	२१	२९	११	मे.१३।२६	उमा. भौमः ०।५८ संवत्सरारंभः
१	मं	४	१८	अ	२१	९	वि	२९	४१	व	४	१८	२७	४३	१७	२२	३०	१२	मेषे	चंद्रदर्शनम् नवरात्रारंभः
२	बु	१०	२९	भ	२५	११	प्री	३२	१०	कौ	१०	२९	३४	४१	१९	२३	१	१३	बृ४५।५९	अश्वि. मेषेऽर्क ५४।१७ (सौर ५६।३४)=
३	गु	१६	४६	कृ	३६	२२	आ	३३	५८	ग	१६	४६	३८	४०	२०	२४	२	१४	वृषे	भ. ४९।३४ उ. गणगोरी मत्स्यज.
४	शु	२२	२२	रो	४२	३०	सौ	३५	३३	वि	२२	२२	४२	४०	२०	२५	३	१५	वृषे	भ. २२।२२ या. रेवत्यां बुधः ४१।३२.
५	श	२७	८	मृ	४८	२९	शो	३६	२९	बा	२७	८	४६	३९	२१	२६	४	१६	मि१५।३४	[=सिंघारा जिल्काद ११
६	र	३०	३२	आ	५२	४७	अ	३६	२०	तै	३०	३२	५०	३८	२२	२७	५	१७	मिथुने	[8 बुधास्तः पूर्वस्यां १८।३८.
७	चं	३२	४७	पु	५५	३२	सु	३४	५३	ग	१	३९	५३	३७	२३	२८	६	१८	क३९।५३	भ. ३२।४७ उ. कृत्ति शुक्रः २४।५१8
८	मं	३३	७	पु	५६	४२	धृ	३२	३	वि	२	५७	५७	३७	२३	२९	७	१९	कर्के	भ. २।५७ या. [A भा. वैशाखारंभः
९	बु	३१	४९	श्ले	५५	५५	शू	२७	४३	बा	२	२८	३२	३६	२४	३०	८	२०	सिं५५।५५	रामनवमी पातस्पर्शः ८।४५ मोक्षः ३३.
१०	गु	२७	२१	म	५३	९	गं	२१	४९	ग	२७	२१	५	३५	२५	१	९	२१	सिंहे	भ. ५५।११ उ. वृषे शुक्रः ७।२७ A
११	शु	२३	२	पू	४८	३५	वृ	१४	२२	वि	२३	२	९	३४	२६	२	१०	२२	सिंहे	भ. २३।२ या. अश्वि.मेषे बुधः ४०।३६B
१२	श	१६	१	उ	४२	३१	ध्रु	४३	५५	बा	१६	१	१२	३४	२६	३	११	२३	कं.२।४	प्रदोषः [B कामदा ११ व्र.
१३	र	७	४१	ह	३५	२३	ह	४५	१६	तै	७	४१	१६	३३	२७	४	१२	२४	कन्यायां	भ. ५८।२ उ.
१४	र	५०	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	[÷ ३०।२४ हनुमज्जयंती.
१५	चं	४७	५९	चि	२७	२८	व	३४	१९	वि	२३	०	२०	३२	२८	५	१३	२५	तु.१।२५	भ. २३।० या वक्री स्वाती ३ गुरुः ÷

१ पं. चै.शु.२बु.इ. ५४।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	६	०	१०	७	११
०	५	१३	१८	२१	१४	१	२९
०	३३	२४	१	९	४७	५१	५७
०	४	५८	४४	४३	२४	१४	४६
५८	४६	०८	१९	७३	५	३	५८
४४	४	०८	व.	५६	५४	११	४५

गोचर ग्रहाः

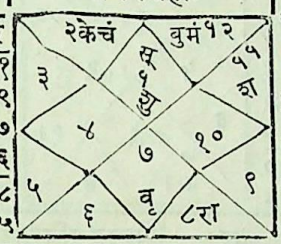

चैत्र शुक्ला २ बुधे मेषे ऽर्कः प्रविष्टः वाः. न. प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिर्भाव समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

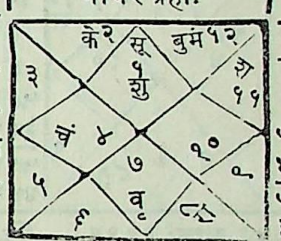

२ पं. चै.शु.९बु.इ.५४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	६	०	१०	७	०
६	१०	२६	१७	२९	१५	१	६
५०	५८	२८	११	४४	२६	२८	४७
४२	२३	५९	६	१०	५३	५८	५७
५८	४५	०८	७	७३	५	३	५८
३१	५३	०८	४३	५०	३२	११	२९

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्रा
१	मं	३७	५२	स्वा	१९	३४	सि	२३	२१	बा	१२	५५	३३	५	६	१४	२६	वृ५८।४६	[÷(सौरः ३७।५९).
२	बु	२८	२८	वि	११	५०	व्य	१२	४५	तै	३	१०	२७	३१	२९	७	१५	२७	वृश्चिके	भ. ५४।१० उ. भरण्यां रवि. ३४।३०÷
३	गु	१९	५३	अ	५	१४	व	५८	५१	वि	१९	५३	३१	३०	३०	८	१६	२८	वृश्चिके	भ. १९।५३ या. रेवत्यां भौमः 8
४	शु	१२	४५	ज्ये	०	४६	शि	४७	१६	बा	१२	४५	३४	२९	३१	९	१७	२९	ध.०।१	भरण्यां बुधः ८।१९ रोहि. शुक्रः १८।५३
५	श	७	३५	पू	५५	१	सि	४१	४४	तै	७	३५	३८	२८	३२	१०	१८	३०	धनुषि	[8१८।४८ च. व्र.
६	र	४	१६	उ	५५	२२	सा	३७	४७	व	४	१६	४१	२८	३२	११	१९	१	म.१०।७	भ. ४।१६ उ. ३३।४०या मई ५ ता. ३१+
७	चं	३	४	श्र	५७	५२	शु	३५	२५	व	३	४	४५	२७	३३	१२	२०	२	मकरे	[+पातस्पर्शः ३४।४३ पातमोक्षः५३।१७
८	मं	३	५०	ध	६०	०	शु	३४	२१	कौ	३	५०	४८	२६	३४	१३	२१	३	कुं.२९।५३	[Aशर्ताभिषा ४ शनिः ४१।२८.
९	बु	६	११	ध	१	५५	ब्र	३५	६	ग	६	११	५२	२६	३४	१४	२२	४	कुंभे	भ. ३८।११उ.
१०	गु	१०	११	श	७	२५	ऐं	३६	८	वि	१०	११	५५	२५	३५	१५	२३	५	मी५७।१७	भ. १०।११ या कृति बुधः १७।५७ A
११	शु	१५	१९	पू	१३	५५	वै	३८	७	बा	१५	१९	५८	२४	३६	१६	२४	६	मीने	वृषे बुधः ५३।६ वरूथिनी ११ व्र.
१२	श	२१	२२	उ	२०	५९	वि	४०	२७	तै	२१	२२	३३	२४	३६	१७	२५	७	मीने	प्रदोषः
१३	र	२७	२०	रे	२८	४३	प्री	४२	५०	व	२७	२०	५	२३	३७	१८	२६	८	मे.२८।४३	भ. २७।२० उ.
१४	चं	३३	४०	अ	३६	१९	आ	४५	१८	वि	०	३०	८	२२	३८	१९	२७	९	मेषे	भ. ०।३० या.
३०	मं	३९	४६	भ	४३	४०	सौ	४७	३६	च	६	४३	११	२२	३८	२०	२८	१०	मेषे	मृगे शुक्रः २०।२१.

३ पं.वै.कृ.२बु.इ. ५४।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	६	१	१०	७	०
१३	१६	१०	१६	८	१६	१	१३
३९	२१	४५	१९	१६	३	६	३६
४७	४३	२९	५	४४	३२	४२	२२
५८	४५	०८	५२	७३	५	३	५९
१९	४९	०८	व.	४४	२	११	१२

गोचर ग्रहाः

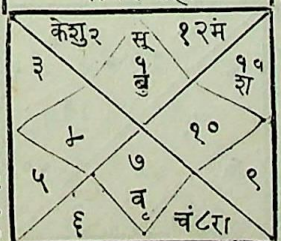

वैशाख शुक्ल ४ शनौ वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ बृद्धा वस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

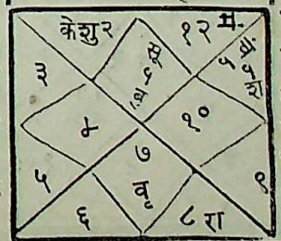

४ पं.वै.कृ.९बु.इ. ५५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	६	१	१०	७	०
२०	२१	२५	१५	१६	१६	०	२०
२७	४४	५१	२५	४७	३६	४४	२३
५५	३५	५८	४४	४९	२५	२७	०५
५८	४५	०८	५२	७३	४	३	५७
६	३९	०८	व.	२८	३८	११	५७

वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९१६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुतरेऽहर्ग. ७६६ सन् १९९४

१	बु	४५	२९	कृ	५०	४६	शो	४९	२८	किं	१२	३७	३३ ५४	५ २५	६ ३९	२१	२९	११	बृ. ०।२५	कृति रवि २०।२६ (सौर; २५।५१) रोहि-
२	गु	५०	२९	रो	५७	२	अ	५०	५१	बा	१७	५९	१७	२१	३९	२२	३०	१२	वृषे	चंद्र दर्शनम् [–बुधः ४०।४७ बुधोदयः:
३	शु	५४	४८	मृ	६०	०	सु	५१	३४	तै	२२	३८	२०	२०	४०	२३	१	१३	मि. २९ ४७	परशुराम जयंती अक्षया ३ जिल्हेज १२
४	श	५७	५९	मृ	२	३२	धृ	५१	२०	व	२६	२३	२३	१९	४१	२४	२	१४	मिथुने	भ.२६।२३उ.५७।५९या. वृषेऽर्क ४७।४१8
५	र	६०	०	आ	७	१	शू	५०	३७	ब	२९	४	२६	१९	४१	२५	३	१५	क ५४।४४	अश्वि. मेषे भौमः ४५।३ मिथुने शुक्रः ५१
५	चं	०	९	पु	१०	३९	गं	४८	४९	बा	०	९	२८	१८	४२	२६	४	१६	कर्के	[::पश्चिमायां ४०।२९ [8सौरः ५३।३६
६	मं	०	५६	पु	१२	४४	वृ	४५	४७	तै	०	५६	३१	१८	४२	२७	५	१७	कर्के	भ.०।२९ उ.२८।४५ या.विशा.३ तुलायां A
७	बु	२९	५७	श्ले	१३	३४	धु	४१	२७	व	०	२९	३४	१७	४३	२८	६	१५	सिं १३।३४	[Aराहुः कृत्ति १ मेषे केतुः ५४।१०
९	गु	५४	४४	म	१२	४०	ब्या	३५	५७	बा	२५	५२	३७	१७	४३	२९	७	१९	सिंहे	मृगे बुधः ०।५५
१०	शु	४९	२६	पू	१०	१३	ह	२९	५	तै	२२	५	३९	१६	४४	३०	८	२०	कं २४।१२	[B-२१।२८ मोहिनी ११व्र
११	श	४२	५०	उ	६	११	ब	२१	१०	व	१६	८	४२	१६	४४	३१	९	२१	कन्ययां	भ. १६।८ उ.४२।५० या. आर्द्रा शुक्रः B
१२	र	३४	४९	ह	५९	५३	सि	१२	११	ब	८	४९	४४	१५	४५	१	१०	२२	तु २७।५१	वक्री स्वाती २ गुरुः २२।२८ भा.ज्येष्ठारंभ
१३	चं	२५	४७	स्वा	४७	१४	व्य	१३	४९	कौ	०	१८	४७	१५	४५	२	११	२३	तुलायां	मिथुने बुधः १८।३९ प्रदोषः नृसिंह १४
१४	मं	१६	८	वि	३९	४४	प	४१	१०	व	१६	८	४९	१४	४६	३	१२	२४	वृ २६।३७	भ. १६।८ उ. ४१।१८ या.
१५	बु	६	२८	म्र	३२	२६	शि	३०	५६	ब	६	२८	५२	१४	४६	४	१३	२५	वृश्चिके	रोहि. रविः ११।१५ (सौरः १९।४६)

५पं.वै.शु. १बु. इ. ५५।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	६	१	१०	७	०
२७	२७	१०	१४	२५	१७	०	२७
१३	५	३१	३३	१५	६	२२	८
३७	२४	१२	२२	५४	४	११	१९
५७	४५	९	३८	७३	४	३	५७
५४	२४	१४	व. १६		४	११	४५

६ पं.वै.शु. ७बु.इ.५५।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	६	२	१०	६	१
३	२	२३	१३	३	१७	२९	३
५८	२३	१०	४३	४२	३१	५९	५२
३७	५६	४४	५९	१४	१६	५६	०
५७	४५	०	५७	७३	३	३	५७
४४	२२	५४	व	२	३१	११	३४

७पं.वै.शु.१५बु.इ.५५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	६	२	१०	६	१
१०	७	३	१२	१२	१७	२९	१०
४२	३८	१३	५९	६	५२	३७	३४
२९	४६	२३	१३	२५	२३	४०	११
५७	४५	७३	९	७२	२	३	५७
३५	८	५८	व	४७	४६	११	२३

ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुतरेवैशाखकृष्णति महाराष्ट्रा

१	बु	५०	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			
२	गु	४९	७	ज्ये	२५	५७	सि	२१	१५	तै	२३	६	३३ ५४	५ ५३	६ ४७	५	१४	२६	घ २५।५७	
३	शु	४२	१९	मू	२०	४७	सा	१२	३५	व	१५	४३	५६	१३	४७	६	१५	२७	धनुषि	भ. १५।४३ उ. ४२।१९ या.
४	श	३७	२५	पू	१७	१३	शु	२६	५४	ब	९	५२	५८	१२	४८	७	१६	२८	म ३१।४९	आर्द्रा बुधः ४३।७ चतुर्थी व्रत
५	र	३४	३८	उ	१५	३७	ब्र	५५	५४	कौ	६	१	३४	१२	४८	८	१७	२९	मकरे	
६	चं	३४	६	श्र	१६	२७	ऐं	५३	४०	ग	४	२२	२	१२	४८	९	१८	३०	कुं ४७।४७	भ. ३४।६ उ.
७	मं	३५	३१	ध	१९	८	वै	५३	२२	वि	४	४८	३	११	४९	१०	१९	३१	कुंभे	भ. ४।४८ या.
८	बु	३८	५६	श	२३	५२	वि	५३	४६	बा	७	१३	५	११	४९	११	२०	१	कुंभे	पुन. शुक्र ३२।२० जून ६ ता. ३०
९	गु	४३	४२	पू	२९	४६	प्री	५५	३०	तै	११	१९	७	११	४९	१२	२१	२	मी १३।१७	भरण्यां भौमः ३२:२४
१०	शु	४९	३८	उ	३७	४	प्री	५७	४७	व	१६	४०	९	१०	५०	१३	२२	३	मीने	भ. १६।४० उ. ४९।३८ या.
११	श	५५	४५	रे	४४	२४	सौ	६०	०	ब	२२	४१	१०	१०	५०	१४	२३	४	मे ४४।२४	अपरा ११ व्रतम्
१२	र	६०	०	अ	५२	९	सौ	०	२२	कौ	२८	५५	१२	१०	५०	१५	२४	५	मेषे	
१२	चं	२	५	भ	५९	२९	शा	२	५६	तै	२	५	१३	९	५१	१६	२५	६	मेषे	प्रदोषः
१३	मं	८	४	कृ	६०	०	अ	५	१२	व	८	४	१५	९	५१	१७	२६	७	वृ १६।१२	भ. ८।४ उ. ४०।४५ या.
१४	बु	१३	२५	कृ	६	२३	सु	७	२	श	१३	२५	१६	९	५१	१८	२७	८	वृषे	मृगे रविः ६।८ (सौरः १८।३६)
३०	गु	१७	४८	रो	१२	१६	धृ	८	८	ना	१७	४८	१७	९	५१	१९	२८	९	मि ४४।४९	कर्के शुक्रः ५७।११ वटार्चनम्

८पं. ज्ये.कृ. ८बु.इ.५५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	६	२	१०	६	१
१७	१२	१०	१२	१०	१८	२९	१७
२५	५२	१७	२०	२८	९	१५	१५
१९	३०	२८	१०	५	२५	२४	१७
५७	४४	४०	५	७२	२	३	५७
२७	५५	५६	११	२५	७	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मास में अनाज गल्ला जौ गेहूं चना रुई बिनोला मटर अरहर सोना चांदी तेज हो किराना लाख-चपड़ा मंदा हो

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्ये.कृ.१४बु.इ५५।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	६	२	१०	६	१
२४	१८	१३	११	२८	१८	२८	२३
७	३	५६	४७	४६	२०	५३	५५
१९	११	३१	४२	५	५६	९	१३
५७	४४	७	३	७२	१	३	५७
२२	४३	५५	व	२	२८	११	५

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	शु २१ १७ मृ १७ २१ शू ८ २५	व	२१	१७	३४	५	६	मिथुने
२	श २३ २९ आ २१ १६ गं ७ ४९	कौ	२३	२९	१९	८	५२	मिथुने
३	र २४ ५३ पु २४ १४ वृ ६ ३९	ग	२४	५३	१९	८	५२	कर्के
४	चं २५ ७ पु २६ २ धृ ४ २५	वि	२५	७	२०	८	५२	सिं. २९
५	मं २४ २२ श्ले २६ ५८ व्या ३ ५६	वा	२४	२२	२१	८	५२	५८ सिंहे
६	बु २२ २७ म २७ १ व ५३ २६	तै	२२	२७	२१	८	५२	२५ ४ १५
७	गु १९ २५ पू २५ ४८ सि ४६ ४९	व	१९	२५	२२	८	५२	२६ ५ १६
८	शु १५ ३१ उ २३ ३४ व्य ४१ ३५	व	१५	३१	२२	८	५२	२७ ६ १७
९	श १० ३४ ह २० १६ व ३४ १४	कौ	१०	३४	२३	७	५३	२८ ७ १८
१०	र ४ २६ चि १५ ५० प २६ १६	ग	४	२६	२३	७	५३	२९ ८ १९
११	र ५३ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० ०
१२	चं ४९ ३५ स्वा १० ३४ शि १७ ३४	व	२३	३०	२३	७	५३	३० ९ २०
१३	मं ४१ २० वि ४४ ५३ सि २० ३३	कौ	१५	२७	२४	७	५३	३१ १० २१
१४	बु ३२ ५६ ज्ये ५२ २९ शु ४९ ३८	ग	७	८	२४	७	५३	१ ११ २२
५	गु २५ ५ मू ४७ ७ शु ४१ २	व	२५	५	२४	७	५३	२ १२ २३

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ऽहर्ग. ७९६ सन् १९९४

वक्री बुधः ५७।४४
चंद्र दर्शनम्
भ.५५।०उ.पुष्ये शुक्रः ५०।२४ मोहोरमA
भ. २५।७ या. [A१ सन् १४१५ हि.

मिथुनेऽर्कः ४।४२ (सौरः १९।२४)
भ. १९।२५ उ. ४७।२८ या. बुधास्तः×
[×पश्चिमायां ५।२६
[=११व्र. स्मा.
भ. ३०।५६ उ. ५७।२६ या. निर्जला =
[÷ ३।३७ (सौरः २०।५७) वक्री शनिः+
कृत्ति. भौमः ४२।४८ निर्जला ११ व्र. वै.
प्रदोष व्रत [+४७।९ भा.आषाढारभंः
भ. ३२।५६ उ. ५९।१ या. आर्द्रा.रविः÷
गुर्जराणां वट सावित्री व्र.

१०पं.ज्ये.शु.६बु.इ.५५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	६	३	१०	६	२
०	२३	१४	११	७	१८	२८	०
४८	११	१	२३	०	२८	३०	३४
३६	२४	१	३८	५४	८	५३	२२
५७	४४	५९	४९	७१	०	३	५६
१७	२७	व.	व.	३४	४९	११	५७

गोचर ग्रहाः

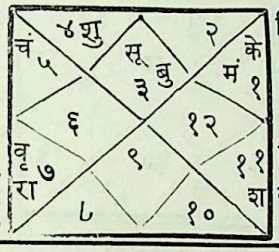

ज्येष्ठ शुक्ले ६ बुधे

मिथुनेऽर्कः प्रविष्टःवा. ५ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्या दिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

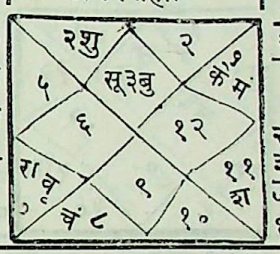

११पंज्ये.शु१४बु.इ५५।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	६	३	१०	६	२
७	२८	११	११	१५	१८	२८	७
२९	१७	१२	७	११	३०	८	१२
३१	४६	१४	४४	५६	४३	३८	४९
५७	४४	३३	१	७१	०	३	५६
१३	११	व.	व.	७	व.	११	५४

ति.	आषाढ कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः
१	शु १८ ८ पू ४२ ५२ ध्र ३३ ९	कौ	१८	८	३४	७	५३	मऽ७।०
२	श १२ ३९ उ ३९ ५६ ऐं २६ २५	ग	१२	३९	२४	७	५३	४ १४ २५
३	र ८ ४४ अ ३८ १० वै २१ १८	वि	८	४४	२३	७	५३	५ १५ २६
४	चं ७ ९ ध ४० १७ वि १७ ४३	बा	७	९	२३	७	५३	६ १६ २७
५	मं ७ २० श ४३ ३४ प्री १५ ४७	तै	७	२०	२२	८	५२	७ १७ २८
६	बु ९ ४४ पू ४५ ३१ आ १५ ३३	व	९	४४	२२	८	५२	८ १८ २९
७	गु १३ ४७ उ ५५ ० सौ १६ १२	ब	१३	४७	२१	८	५२	९ १९ ३०
८	शु १९ १८ रे ६० ० शो १८ १८	कौ	१९	१८	२०	८	५२	१० २० १
९	श २५ ५ र २ ३ अ २० २०	ग	२५	५	१९	८	५२	११ २१ २
१०	र ३१ ३४ अ ९ ४६ सु २३ ४	वि	३१	३४	१८	८	५२	१२ २२ ३
११	चं ३७ २९ भ १७ १२ धृ २५ २९	ब	४	३१	१७	९	५१	१३ २३ ४
१२	मं ४२ ४६ कृ २३ ७ शू २७ २३	कौ	१०	७	१६	९	५१	१४ २४ ५
१३	बु ४६ ४९ रो २९ ५८ गं २८ २४	ग	१४	४७	१५	९	५१	१५ २५ ६
१४	गु ४९ ३४ मृ ३४ ४४ वृ २८ ३०	वि	१८	११	१४	९	५१	१६ २६ ७
२०	शु ५१ २६ आ ३८ १० ध्रु २७ ३८	च	२०	३०	१३	९	५१	१७ २७ ८

चन्द्र : वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेति महाराष्ट्राः

आश्ले शुक्रः ९।५१
भ. ४०।४१ उ. वृषे भौमः १४।९
भ. ८।४४ या. चतुर्थी व्रत

[×५५।२९
भ. ९।४४ उ. ४१।४६ या. मार्गी गुरु×

वक्री मृगे बुधः २६।७ जौलाई ७ ता. ३१
भ. ५८।२० उ.
भ. ३१।३४ या.
बुधोदयः पूर्वस्याम् ४५।३७ योगिनी ११व्र.
मघायां सिंहे शुक्रः ४६।४१
भ. ४६।४९ उ. पुन. रविः २।२७ (सौर=
भ. १८।११ या. [=२४।५९) प्रदोषः
मार्गी बुधः १५।१५

१२ पं.आ.कृ.६ बु.५५।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	६	३	१०	६	२
१४	३	७	११	२३	१८	२७	१३
९	१९	२५	०	१८	२८	४६	५०
५८	१	५२	४०	१८	२३	२२	५४
५९	४३	३३	०	७०	३४	३	५६
७	५३	व.	॥.	२६	व.	११	५०

गोचर ग्रहाः

वृष राशि का भौम सब धान्य चंदन केसर वस्त्र कपास रुई तेज करे। हवा के साथ वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

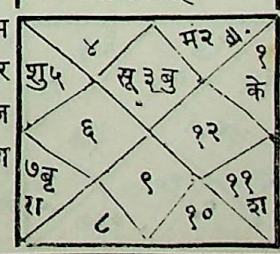

१३ पं.आ.कृ.१३बु. इ. ५५।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	६	४	१०	६	२
२०	८	५	११	१	१८	२७	२०
५०	१८	२९	२	१९	२१	२४	२८
२४	२९	५६	२०	४४	११	६	४८
५७	४३	५०	५	६९	२५	३	५६
७	१३	व.	मा	३८	व.	११	५०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्ल पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श ५१ ८ पु ४० १३	व्या २५ ४३	किं २१ १७	३४	५	४६	१८ २८	९ क.२४।४३
२	र ४९ ५६ पु ४१ १२	ह २२ ५२	बा २० ३२	१०	१०	५०	१९ २९	१० कर्के
३	चं ४८ ४ श्ले ४१ १४	व १९ ८	तै १९ ०	८	१०	५०	२० १	११ सिं. ४५ ५४
४	मं ४५ १३ म ४० २३	सि १४ ३४	व १६ ३८	७	११	४९	२१ २	१२ सिंहे
५	बु ४१ ३५ पू ३८ ४२	व्य ९ २६	ब १३ २४	५	११	४९	२२ ३	१३ कं ५३।१०
६	गु ३७ ३५ उ ३६ २५	व ४ ० ५३	कौ ९ ३५	३	११	४९	२३ ४	१४ कन्यायां
७	शु ३३ १ ह ३४ ८	शि ५१ ३३	ग ५ १८	१	१२	४८	२४ ५	१५ कन्यायां
८	श २७ ५९ चि ३० ५८	सि ४४ ४८	वि ० ३०	३३	१३	४८	२५ ६	१६ तुं २।२३
९	र २२ २६ स्वा २७ २४	सा ३७ ३६	कौ २२ २६	५७	१३	४७	२६ ७	१७ तुलायां
१०	चं १६ २६ वि २३ ३१	शु ३० ७	ग १६ २६	५५	१३	४७	२७ ८	१८ वृ.९।२९
११	मं १० ८ अ १९ १३	शु २२ ८	वि १० ८	५२	१४	४६	२८ ९	१९ वृश्चिके
१२	बु ३ ३९ ज्ये १४ ५४	ब्र १४ २७	बा ३ ३९	५०	१४	४६	२९ १०	२० ध.१४।५४
१३	गु ५३ ४३ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	० ०	० ०
१४	शु ५१ ३७ मू १० ४४	ऐं ६ ४३ ५२	ग २४ २९	४६	१४	४६	३० ११	२१ धनुषि
१५	श ४६ ४१ पू ६ ५६	वि ५३ ११	वि १९ ९	४५	१५	४५	३१ १२	२२ म.२१।१६

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८२५ सन्. १९९४

रोहि. भौमः १६।१९
चंद्र दर्शनम् रथयात्रा
सफर २
भ. १६।३८ उ. ४५।१३ या. आर्द्रा ×
[× बुधः १०।५१
भ. ३३।१ उ.
भ. ०।३० या. कर्केऽर्कः ३१।५३ =
पूफा शुक्रः ३५।४५
भ. ४३।१७ उ. [=(सौर : ५७।४३)
भ. १०।८ या. देवशयनी ११ व्र.
पुष्ये रविः १।११ (सॉरः २८।२४) +
[+विशा.२ राहुः भरणी ४ केतुः ÷
भ. ५१।३७ उ. [÷ ४७।१६ प्रदोषः
भ. १९।९ या. गुरु १५ वायु परीक्षा

१४ पं.आ.शु.५. बु.इ. ५५ १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	६	४	१०	६	२
२७	१३	७	११	९	१८	२७	२७
३०	१४	३७	१२	१५	९	१	६
४३	२	४१	१४	३२	१४	५१	५५
५७	४२	३३	२	६८	३	३	५६
११	५६	मा	२४	४९	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

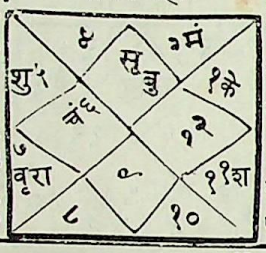

आषाढ शुक्ले ८ शनौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ६ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

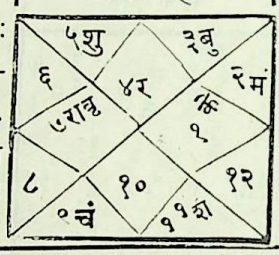

१५ पं.आ.शु.१२ बु.इ.५५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	६	४	१०	६	३
४	१८	१४	११	१७	१७	२६	३
११	५	९	३१	५	५२	३०	४५
२८	५६	४३	२३	१०	५५	३५	२२
५७	४२	७३	३	६७	३९	३	५६
१५	३८	४४	४४	४६	व.	११	५८

ति.	श्रावण कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६	दि.	अ.	उ.	भा	मु	इं	चन्द्रः
१	श ४३ २ उ ४ १७	प्री ४७ ३६	बा १४ ५१	३३	१५	४६	१ १३	२३ मकरे
२	र ४१ १८ श्र ३ ७	ग्र ४३ ३१	तै १२ १०	४०	१६	४४	५ १४	२४ कुं.३३।२०
३	चं ४० ५७ ध ३ ३२	सौ ४० ४४	ब ११ ७	३८	१६	४४	३ १५	२५ कुंभे
४	मं ४२ ४२ श ५ ४२	शो ३९ ४०	व ११ ४९	३५	१७	४३	४ १६	२६ मी. ५३
५	बु ४६ २ पू ९ ४३	अ ३९ २२	कौ १४ २२	३३	१७	४३	५ १७	२७ मीने
६	गु ५० ५९ उ १५ १४	सु ४० ३३	ग १८ ३०	३०	१८	४२	६ २८	२८ मीने
७	शु ५६ ४३ रे २१ ४०	धृ ४२ २५	वि २३ ५१	२७	१९	४१	७ १९	२९ मे २१।५७
८	श ६० ० अ २९ ४	शू ४४ ४८	बा २९ ३४	२४	१९	४१	८ २०	३० मेषे
८	र २ २६ भ ३६ ३७	गं ४७ २३	कौ २ २६	२२	२०	४०	९ २१	३१ बृ ५३
९	चं ८ ५५ कृ ४३ ५५	वृ ४९ २९	ग ८ ५५	१९	२०	४०	१० २२	१ वृषे
१०	मं १४ १६ रो ५० १६	धु ५१ २	वि १४ १६	१६	२१	३९	११ २३	२ वृषे
११	बु १८ २३ मृ ५५ ११	व्या ५१ १९	बा १८ २३	१३	२१	३९	१२ २४	३ मि २२।४३
१२	गु २१ १६ आ ५८ ४०	ह ५० ३६	तै २१ १६	१०	२२	३८	१३ २५	४ मिथुने
१३	शु २२ १३ पु ६० ०	व ४८ २६	व २२ १३	७	२३	३७	१४ २६	५ कं ४५।२
१४	श २१ ३५ पु ० २९	सि ४५ ४	श २१ ३५	४	२३	३७	१५ २७	६ कर्के
३०	र १९ २३ पु ४३ ५९	व्य ४० ३०	ना १९ २३	०	२४	३६	१६ २८	७ सिं. ५९ ४३

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषा. कृष्णेति महाराष्ट्राः

भा. श्रावणारंभः
भ. ११।७ उ. ४०।५७ या. पुन. बुधः+
चतुर्थी व्र. [+२६।४०
नाग ५ मरुस्थले
भ. ५०।५९ उ. मृगे भौमः ३२।७
भ. २३।५१ या. उफा. शुक्रः ३७।८
[÷शुक्रः ४५।१२ बुधास्तः पूर्वस्यां ८।१४=
कर्के बुधः ६।१७. [=अगस्त ८ता. ३१
भ. ४१।३५ उ. पुष्ये बुधः ५३ कन्यायां÷
भ. १४।१६ या आश्ले. रविः ५८।१२
आश्ले. रविःसौरः २९।११ कामिका×
प्रदोषः [×११ व्र.
भ. २२।१३ उ. ५१।५४ या.
मिथुने भौमः ३१।४५ हरियाली ३०.

१६ पं.श्रा.कृ.५ बु.इ.५४।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	६	४	१०	६	३
१०	२२	२४	११	२४	१७	२६	१०
५२	५४	२१	५८	४६	३२	१७	२४
३०	४८	५०	४८	४४	३८	२०	३९
५७	४२	००	४	६६	१५	३	५७
२०	१९	३	५२	३१	व.	११	५

ग्रोचर ग्रहाः

इस मास का फल मध्यम है जौ बोहूं चावल मूंग धूल तैल तेज वर्षा में कमी, कहीं २ वर्षा अधिक होगी।

गोचर ग्रहाः

१७ पं.श्रा.कृ.११.बु.इ.५४ ५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	६	५	१०	६	३
१७	२७	७	१२	२	१७	२५	१७
३४	३९	२८	३३	२०	८	५५	४
१२	२२	४४	५८	२४	५३	४	२७
५७	४१	०	५	६४	४८	३	५७
२५	४७	०३	५९	५९	व.	११	१२

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्ल पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६								दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः ८५५ स. १९९४
१	चं	१५	५८	म	५७	४१	व	३५	२	व	१५	५८	३२	५	३६	सिंहे	आश्ले. बुधः १८।१०
२	मं	११	३१	पू	५४	३८	प	२८	५१	कौ	११	३१	५४	२५	३५	सिंहे	चंद्र दर्शनम् सिधारा
३	बु	६	२२	उ	५१	८	शि	२१	५३	ग	६	२२	५०	२६	३४	कं.८।४५	भ. ३३।४१ उ. तीज. रविलावल ३
४	गु	१	०	ह	४७	३५	सि	१४	४२	वि	१	०	४७	२७	३३	कन्यायां	भ. १।० या. स्वाती ३ गुरुः २४।१० A
५	गु	५४	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	[A हस्ते शुक्रः ११।१ वक्रीशते ३ B
६	शु	५०	१	चि	४३	५६	सा	७	४२	कौ	२२	४६	४४	२७	३३	तु.१५।४६	[B शनिः २५।५५ नागपंचमी
७	श	४४	३१	स्वा	४०	२६	शु	४०	५२	ग	१७	१६	४०	२८	३२	तुलायां	भ. ४४।३१ उ.
८	र	३९	४०	वि	३७	१७	ब्र	४६	३८	वि	१२	५	३७	२९	३१	वृ.२३।५	भ. १२।५ या. मघा. सिंहै बुधः ४८।४८
९	चं	३४	१४	अ	३४	४	एं	३९	४९	बा	६	५७	३३	२९	३१	वृश्चिके	[× २५।३६ आर्दा भौमः २९।५३ =
१०	मं	२९	११	ज्ये	३१	९	वै	३२	१०	तै	१	४२	३०	३०	३०	घ.३१।०९	भ. ५६।५८ उ. मघा सिंहेऽर्कः ५२।१४
११	बु	२४	४६	मू	२८	३९	वि	२६	५०	वि	२४	४६	२६	३१	२९	धनुषि	भ. २४।४६ या. मघा सिंहेऽर्कः सौरः ×
१२	गु	२०	४१	पू	२६	२५	प्री	२०	५५	बा	२०	४१	२२	३२	२८	म. ४१।५	प्रदोषः [= पवित्रा ११ व्र.
१३	शु	१७	२४	उ	२४	५९	आ	१५	३१	तै	१७	२४	१९	३२	२८	मकरे	[C रक्षा-बंधनम्.
१४	श	१५	२	श्र	२४	२८	सौ	१०	४८	व	१५	२	१५	३३	२७	कुं ५४।५२	भ. १५।२ उ. ४४।३२ या.
१५	र	१३	५९	ध	२५	१७	शो	७	१	ब	१३	५९	१२	३४	२६	कुंभे	पूफा बुध. ४५।४० श्रावणीकर्म. C

१८पं.श्रा.शु.३बु.इ.५४।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	६	६	५	१०	६	३
२४	२२	१	१३	९	१६	२५	२३
१६	१९	५७	१६	४२	४२	३२	४५
३७	४८	४३	१९	४७	७	४८	३४
५७	४१	५९	६	६३	४	३	५७
३३	२०	४८	४९	१६	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

श्रावण शुक्ले १० भौमे सिंहऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम।

गोचर ग्रहाः

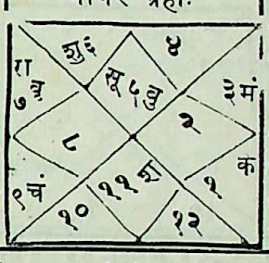

१९पं. श्री.शु. ११बु.इ.५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	६	५	१०	६	४
०	६	६	१४	१६	१६	२५	०
५९	५६	३	५	५२	१२	१०	२७
५३	४६	५८	१२	४८	५८	३३	४७
५७	४०	५९	७	६०	२३	३	५७
४०	४६	३५	५८	५९	व.	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शकः १९१६								दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	चं	१४	१२	श	२७	२१	अ	४	१४	कौ	१४	१२	३९	८	३४	२६	कुंभे	
२	मं	१६	१	पू	३०	५०	सु	२	२३	ग	१६	१	४	३५	२५	१	मी१४।५८	भ. ४७।३४ उ. भा. भाद्रपदारंभः
३	बु	१९	८	उ	३५	४१	धृ	२	१३	वि	१९	८	१	३६	२४	२	मीने	भ. १९।८ या. चित्रा. शुक्रः २६।४९ च. व्र.
४	गु	२३	५२	रे	४२	३	शू	२	५५	बा	२३	५२	३५	३७	२३	३	मे ४२।३	[× बुधः १६।१० तुलायां शुक्रः ३२।१६.
५	शु	२९	१८	अ	४८	५८	गं	४	१२	तै	२९	१८	५३	३७	२३	४	मेषे	बुर्धादयः पश्चिमायां ४३।५४ चंद्रषष्ठी
६	श	३५	२८	भ	५६	३५	वृ	६	२८	ग	२	२३	४९	३८	२२	५	मेषे	भ. ३५।२८ उ.
७	र	४१	३७	कृ	६०	०	धु	८	५३	वि	८	३२	४६	३९	२१	६	बृ.१३।२७	भ. ८।३२ या.
८	चं	४७	२९	कृ	४	३	व्या	११	२२	बा	१४	३३	४२	४०	२०	७	वृषे	उफा. बुधः १७।५४ श्रीकृष्णजयंती व्र.
९	मं	५२	१३	रो	११	२	ह	१३	११	तै	२९	५१	३८	४०	२०	८	मि४३।५३	पूफा. रविः ४१।५० गोगा ९
१०	बु	५५	३२	मृ	१६	४३	व	१४	१६	व	२३	५२	३४	४१	१९	९	मिथुने	भ.२३।५२ उ. ५५।३२ या. पूफा.रविः=
११	गु	५६	५९	आ	२१	३	सि	१४	८	ब	२६	१५	३०	४२	१८	१०	मिथुने	सितम्बर ९ ता. ३० अजा ११ प्र.
१२	शु	५६	३५	पु	२३	३०	व्य	१२	३६	कौ	२६	४७	२६	४३	१७	११	क७।५३	वत्सद्वादशी [= सौरः १६।२८ कन्यायां×
१३	श	५४	९	पु	२४	१०	व	९	३८	ग	२५	२२	२२	४४	१६	१२	कर्के	भ. ५४।९ उ. प्रदोषः
१४	र	४९	५३	श्ले	२२	५३	प	१०	५४	वि	२२	१	१८	४४	१६	१३	सिं२२।५३	भ. २२।१ या.
२०	चं	४४	२६	म	२०	११	सि	५२	१९	च	१७	१०	१५	४५	१५	१४	सिंहे	स्वाती ४ गुरुः ९।१९ कुशाग्रहणी मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.३बु.इ.५४।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	५	१०	६	४
७	११	१९	१५	२३	१५	२४	७
४४	२९	७	०	४६	४१	४८	११
२०	१७	४४	२२	४४	५६	१७	२७
५७	४०	००	८	५८	३९	३	५७
४८	५	३४	४९	१४	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

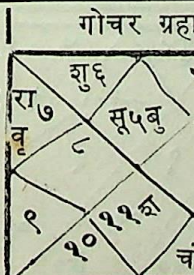

इस मास में सोमवती अमावास्या, अनाज गल्ला तिलहन धातु में तेजी बंद करके मंदी करे। वर्षा अच्छी हो रसकस धातु तेज हो।

गोचर ग्रहाः

२१पं.भा.कृ.१०बु.इ.५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	६	१०	६	४
१४	१५	१	१६	०	१५	२४	१३
३०	५७	४	१	२०	१०	२६	५६
०	२२	२३	२६	५३	५	२	२९
५८	३९	००	९	५४	४०	३	५७
१	३६	२८	३८	३४	व.	११	५७

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः
१	मं ३७ ४६ पू १६ ४ सा ४४ १० किं १२ ६	३५	५	६	१५	२८	६	कं.२९।४८
२	बु ३० ३० उ ११ ५ शु ३५ ४६ बा ४ ८	७	४७	१३	१६	२९	७	कन्यायां
३	गु २३ १७ ह ५ ४५ शु २७ ६ ग २३ १७	३	४७	१३	१७	१	८	तु.३३।१८
४	शु १६ ४ चि ३३ ५५ ब्र १८ ९ वि १६ ४	३९	४८	१२	१८	२	९	तुलायां
५	श ९ २३ वि ५१ ७ ऐं ९ ४९ बा ९ २३	५५	४९	११	१९	३	१०	वृ३७।१३
६	र ३ ११ अ ४७ २८ वै २ ५२ तै ३ ११	५१	५०	१०	२०	४	११	वृश्चिके
७	र ५४ ४० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० ०
८	चं ५३ १८ ज्ये ४४ २० प्री ४७ ५९ वि २५ ३४	४७	५१	९	२१	५	१२	ध४०।२०
९	मं ४९ ३५ मू ४२ २० आ ४१ ५७ बा २१ २६	४३	५१	९	२२	६	१३	धनुषि
१०	बु ४६ ५० पू ४१ १० सौ ३६ ४० तै १८ १२	३९	५२	८	२३	७	१४	म५६।१६
११	गु ४४ ५९ उ ४० ५५ शो ३२ ११ व १५ ५४	३५	५३	७	२४	८	१५	मकरे
१२	शु ४४ २० श्र ४१ २६ अ २८ २२ व १४ ३४	३१	५४	६	२५	९	१६	मकरे
१३	श ४४ २३ ध ४३ १२ सु २५ ३१ कौ १४ २१	२७	५५	५	२६	१०	१७	कुं१२।१९
१४	र ४५ ३४ श ४६ १ धृ २३ २३ ग १४ ५८	२२	५६	४	२७	११	१८	कुंभे
१५	चं ४८ १० पू ४९ ५७ शू २२ २७ वि १६ ५२	१८	५६	४	२८	१२	१९	मी३३।५८

हस्ते बुधः ३४।३९
पुन. भौमः २४।७ चंद्र दर्शनम्
भ. ४९।४० उ. स्वात्यांशुक्रः २६।३३A
भ. १६।४ या. गणेशचतुर्थी
ऋषिपंचमी. [A हरितालिका ३ रवि-
भ. ५७।५१ उ. [लाखर ४.
[B बुधः ५५।५ जलझूलनी ११व्र.
भ. २५।३४ या. [÷मेला नवलदुर्गे.
उफा. रविः २६।१५ [×वासर १।५ उ.
उफा रविः १।७ सौरः रामदेवजी का÷
भ. १५।५४ उ. ४४।५९ या. चित्रा.B
कन्यायामर्कः ५१।३६ वामन१२ हरि-×
कन्यायामर्कः सौरः २६।१८ प्रदोषः
भ. ४५।३४ उ. अनंत १४
भ. १६।५२ या. महालयश्राद्धारंभः

शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८८४सन् १९९४

२२ पं.भा.शु.२बु.इ.५४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	६	१०	६	४
२१	२०	१२	१७	६	१४	२४	२०
१७	१९	१	८	२९	२८	३	४३
२	३४	३४	२८	३८	६	४६	९
५८	३९	९१	१०	४९	४०	३	५८
१३	११	५०	२२	५३	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

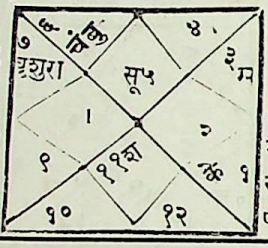

भाद्रपद शुक्ल १२
शुक्रे कन्यायांमर्कः
प्रविष्टः वा. ४ न. ५
प्रगलभावस्था (बैठी)
मु. ३० धान्यादि भावे
समता शुक्रोदयः
पश्चिमायाम ।

गोचर ग्रहाः

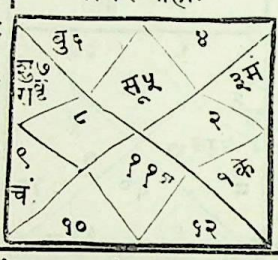

२३ पं.भा.शु.१०बु.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	६	१०	६	४
२८	२४	२१	१८	१२	१४	२३	२७
५	३७	५७	१९	४	६	४१	३१
२४	२६	४३	१२	२६	४०	३०	२९
५८	३८	८०	१०	४४	२५	३	५८
२६	३७	४४	५९	१३	व.	११	२९

ति.	आश्विन कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकाः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र
१	मं ५१ ४७ उ ५४ ५० गं २१ ५२ बा १९ ५८	३०	५७	६	२९	१३	२०	मीने
२	बु ५६ ४७ रे ६० ० वृ २२ १९ तै २४ ४७	९	५८	२	३०	१४	२१	मीने
३	गु ६० ० रे ० ५७ धु २३ ४८ व २९ २१	५	५९	१	३१	१५	२२	मे.०।५७
३	शु १ ५६ अ ७ ४१ व्या २५ ३५ वि १ ५६	३०	०	९	१	१६	२३	मेषे
४	श ८ २५ भ १५ १० ह २७ ५७ बा ८ २५	२९	०	९	२	१७	२४	बृ.३२।४
५	र १४ ४६ कृ २२ ४६ व ३० २३ तै १४ ४६	२९	५९	८	३	१८	२५	वृषे
६	चं २० ५५ रो ३० १७ सि ३२ ३७ व २० ५५	५२	२	५८	३	१९	२६	वृषे
७	मं २६ १६ मृ ३६ ५२ व्य ३४ २६ व २६ १६	४८	२	५८	४	१९	२६	वृषे
८	बु ३० २४ आ ४२ २२ व ३५ १३ कौ ३० २४	४४	३	५७	५	२०	२७	मि.३।३४
९	गु ३२ ५३ पु ४६ ११ प ३४ ५० तै १ ३८	४०	४	५६	६	२१	२८	मिथुने
१०	शु ३३ २३ पु ४८ ८ शि ३२ २१ व ३ ८	३६	५	५५	७	२२	२९	क.३०।१४
११	श ३१ ५५ श्ले ४८ १ सि २९ २८ व २ ३९	३२	६	५४	८	२३	३०	कर्के
१२	र २८ २१ म ४५ ४७ सा २४ २२ तै २८ २१	२८	६	५४	९	२४	१	सिं.४८।१
१३	चं २२ ५४ पू ४२ २२ शु १७ ४५ व २२ ५४	२३	७	५३	१०	२५	२	सिंहे
१४	मं १५ ४३ उ ३६ ४२ शु ९ ४१ श १५ ४३	१९	८	५२	११	२६	३	कं.५५।५६
१५	बु ७ ३९ ह ३० २६ ब्र ३८ २९ ना ७ ३९	१५	९	५१	१२	२७	४	कन्यायां
३०	बु ७ ३९ ह ३० २६ ब्र ३८ २९ ना ७ ३९	११	१०	५०	१३	२८	५	तु.५६।५७

शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

[= भा आश्विनारंभः च.व्र.
तुलायां बुधः १४।३९ विशा. १ राहुः+
भ.२९।२१ उ.[+भरणी.३ केतुः ३९।३८
भ. १।५६ या. कर्के भौम. ४४।३६ =
विशा. १ गुरुः २।५९
[÷शर्ताभिषा. २ शनि. २३।१३
भ. २०।५५ उ. ५३।३६. या. वक्री÷
हस्ते रविः ४।४५ सौरः ३३।४८×
[×स्वात्यां बुधः २३।४३विशा.शुक्रः४।३७
पुष्ये भौम. ३४।५ मातृ ९
भ. ३।८ उ. ३३।२३ या.
अक्टूबर १० ता. ३१ इंदिरा ११ व्र.
प्रदोष व्र.
भ. २२।५४ उ. ४९।१९ या.
सर्वपितृ श्राद्धम्
मातामह श्रा. नवरात्रा.

२४पं.आ.कृ.२बु.इ.५३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	सू
५	२	६	६	६	१०	६	५
४	२८	०	१९	१६	१३	२३	४
५५	४९	४२	३४	५६	३७	१९	२१
१६	४४	४३	५९	१७	१२	१५	३६
५८	३७	६५	११	३६	४	३	५८
३८	५६	३२	३७	२२	व	११	४५

२५पं.आ.कृ.८बु.इ.५३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	६	६	१०	६	५
११	२	७	२०	२०	१३	२२	११
४६	५५	४९	५४	४८	१०	५६	१३
५२	१	५९	२९	११	१९	५९	३७
५८	३७	४६	१२	२६	५३	३	५९
५३	४	४८	१४	३१	व	११	०

२६पं.आ.कृ३०बु.इ५३।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	६	६	१०	६	५
१८	६	१२	२२	२३	१२	२२	१८
४०	५४	१६	१६	२३	४५	३४	७
८	५०	४४	५५	२०	४०	४४	२४
५९	३६	१५	१२	१३	१९	३	५९
९	१९	१२	२९	३८	व.	११	१६

×वृ बु७रा (विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×वृ बु ७रा

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणेऽर्गणः ६१३ स. १९९४

१	बु	५१	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२९	६	५	०	०	०	० ०	[=सौरः) विशा. २ गुरुः ८।२७×
२	गु	५०	२	चि	२३	२६	वै	४०	४०	बा	२४	२६	३	११	४९	१४	२६	६	तुलायां	चंद्र दर्शनम् [×श्रीसरस्वतीपूजनम्
३	शु	४१	२३	स्वा	१६	३६	वि	३०	३१	तै	१५	४२	३	११	४६	१५	१	७	बृ.५६।४४	वक्रो बुधः ५६।१५ जमादिलावल ५
४	श	३३	३१	वि	१०	५	प्री	२०	३७	व	७	२७	३	१२	४८	१६	२	८	वृश्चिके	भ. ७।२७ उ. ३३।३१ या.
५	र	२६	२८	अ	२४	३३	आ	११	२८	बा	२६	२८	५	१३	४७	१७	३	९	घ.५९।५६	
६	चं	२०	४८	मू	५६	४३	सौ	२९	५३	तै	२०	४८	५	१४	४६	१८	४	१०	धनुषि	चित्रा. रविः ३६४७ सरस्वत्यावाहनम्
७	मं	१६	३०	पू	५४	५७	अ	५०	२६	व	१६	३०	४	१५	४५	१९	५	११	धनुषि	भ. १६ उ.४५।७या. चित्रा रविः९।२२=
८	बु	१३	४३	उ	५४	२८	सु	४५	३५	व	१३	४३	४	१५	४५	२०	६	१२	म.९।५०	वक्री शुक्रः १४।३७ बलिदानं.
९	गु	१२	१५	श्र	५५	३२	धृ	४१	५३	कौ	१२	१५	३	१६	४४	२१	७	१३	मकरे	विजया १० सरस्वतीविसजनम्
१०	शु	१२	१३	ध	५७	५२	शू	३६	१६	ग	१२	१३	३	१७	४३	२२	५	१४	कुं.२६।४२	भ. ५५ उ. बुधास्तः पश्चिमायां ५९ ५४
११	श	१३	३७	श	६०	०	गं	३७	३८	वि	१३	३७	३	१८	४२	२३	६	१५	कुम्भे	भ. १३।३७ या. पाँपांकुशा ११ व्र.
१२	र	१५	५३	श	१	१४	वृ	३७	८	बा	१५	५३	२	१९	४१	२४	१०	१६	मी४९।४४	प्रदोष व्र.
१३	चं	१८	३६	पू	५	५४	ध्रु	३७	२७	तै	१८	३६	२	१९	४१	२५	११	१७	मीने	तुलायामर्कः २०।३६ (सौरः ५२।६)
१४	मं	२३	५६	उ	११	२७	व्या	३८	८	व	२३	५६	२	२०	४०	२६	१२	१८	मीने	भ. २३।५६ उ. ५६।४० या. कोजागरी व्र.
१५	बु	२६	२३	रे	१७	५०	ह	३६	३२	व	२६	२३	१	२१	३६	२७	१३	१९	मे.१७।५०	वक्री चित्रायां बुधः ०।८ शरद्पूर्णिमा

२७पं.आ.शु.८बु.इ.५३।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	६	६	१०	६	५
२५	१०	११	२३	२४	१२	२२	२५
३५	४६	५७	४२	२०	२४	१२	३
२	५५	५४	३६	४६	५४	२८	६
५९	३५	३६ ४८	१२	१ २३	३ ९	३ २	५९
२१	२६	व.	५६	व.	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

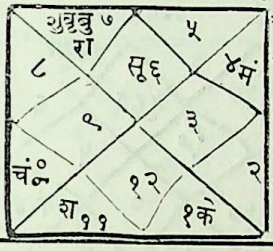

आश्विन शुक्ला १३
चंद्रे तुलायामर्कः
प्रविष्टः वा ४ न ४
प्रौढावस्था (बैठी)
मु. ४५घान्यादि भावे
समर्घता शुक्रोदयः
पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

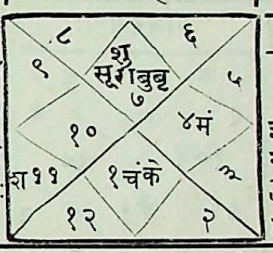

२८पं.आ.शु.१५बुघेइ५३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	६	६	१०	६	६
२	१४	५	२५	२३	१२	२१	२
३१	२९	२०	१०	२३	८	५०	०
२६	५६	२०	१९	२८	१७	१२	३३
५९	३४	९०	१३	१५ ५०	३ ४	३	५९
३४	२८	व.	१४	व.	व.	११	४६

ति. कार्तिक कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा.

१	गु	३५	१२	अ	२४	३८	व	४१	१७	बा	२	१७	२९	२२	३८	२८	१४	२०	मेषे	
२	शु	४१	२७	भ	३१	५६	सि	४३	३७	तै	८	१६	८	२२	३८	२९	१५	२१	बृ.४८।५२	
३	श	४७	५०	कृ	३६	३३	व्य	४५	५१	व	१४	३८	४	२३	३७	३०	१६	२२	वृषे	भ. १४।३८ उ. ४७।५० या.
४	र	५४	२	रो	४७	१	व	४८	१८	ब	२०	५६	०	२४	३६	१	१७	२३	वृषे	भा. कार्तिकारंभ, चतुर्थी व्र.
५	चं	५६	३८	मृ	५४	१०	प	५०	२०	कौ	२६	५०	२७ ५६	२५	३५	२	१८	२४	मि२०।३५	स्वात्यां रविः २।३८ (सौरः ३३।६) ×
६	मं	६०	०	आ	६०	०	शि	५१	२६	ग	३२	२	५३	२५	३५	३	१९	२५	मिथुने	[×आश्ले भौमः २५ वक्री कन्या. बुधः ३५ २३
६	बु	४	२६	आ	०	१६	सि	५२	१	व	४	२६	४९	२६	३४	४	२०	२६	क.४९।२	भ. ४।२६ उ. ३६।५ या. विशा. ३गुरुः =
७	गु	७	४३	पु	५	१७	सा	५१	२२	ब	७	४३	४५	२७	३३	५	२१	२७	कर्के	वक्री स्वात्यां शुक्रः ५६।२० बुधोदयः ÷
८	शु	६	३१	पु	८	५४	शु	४६	२५	कौ	६	३१	४१	२८	३२	६	२२	२८	कर्के	[=४८।२६ शुक्रास्तः पश्चिमायां ४६।१२
९	श	६	२६	श्ले	१०	३०	शु	४५	४५	ग	६	२६	३७	२६	३१	७	२३	२६	सिं१०।३०	भ. ३८।२१ उ.
१०	र	७	१७	म	१०	७	ब्र	४०	३३	वि	७	१७	२४	२६	३१	८	२४	३०	सिंहे	भ. ७।१७ या. मार्गी बुधः २५।३३
११	चं	३	६	पू	७	५६	ऐं	३३	४७	बा	३	६	३०	३०	३०	९	२५	३१	कं.२१।५६	रमा ११ व्र. [÷पूर्वस्यां ५६।३८
१२	चं	५३	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०००	[Aप्रदोषः धन (१३)
१३	मं	४६	२८	उ	४६ ३	५३ ४०	वै	२५	२८	ग	२३	१७	२७	३१	२६	१०	२६	१	कन्यायां	भ. ४६।२८ उ. नवम्बर ११ ता. ३० A
१४	बु	४०	४३	चि	५१	१	वि	१५	५६	वि	१५	५	२३	३१	२६	११	२७	२	तु.२४।१३	भ. १५।५ या. रूप १४
३०	गु	३१	१४	स्वा	४३	३१	प्री	५ ३७	४९ १३	च	५	५८	१९	३२	२८	१२	२८	३	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२९पं.का.कृ.६बु.इ५२।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	६	६	१०	६	६
९	१८	२८	२६	२०	११	२१	८
२९	३	१९	४०	३४	५६	२७	५९
४२	४३	३७	१	१९	१०	५७	५३
५९	३३	४३ ४७	१३	३१ १	१ २४	३	६०
४७	१७	व.	२५	व.	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

इस मास का फल उत्तम है। सोना चांदी गल्ला तिलहन पाट वारदाना खांड में घटाबढी होकर मंदी होगी।

गोचर ग्रहाः

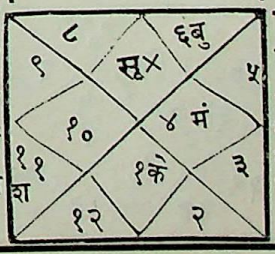

३०पं.का.कृ१४बु.इ.५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	६	६	१०	६	६
१६	२१	२८	२८	१६	११	२१	१६
२९	२६	९	१०	३२	४९	५	०
२८	३१	३६	५९	२०	३४	४१	५७
६०	३१	४२ १४	१३	३६ ३३	३० १	३	६०
४	५६	मा	३२	व.	व.	११	१८

×रा७वृशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×चं७रावृशु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्ल पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	शु २१ २७ वि ३५ ४२ सौ ४३ ४६ ब २१ २७	२७	३६	२७	१३	२९	४	वृ.२२।३९
२	श ११ ५६ अ २८ ११ शो ३३ ४ कौ ११ ५६	१२	३४	२६	१४	३०	५	बृश्चिके
३	र ३ १० ज्ये २१ ३४ अ २२ ५७ ग ३ १०	९	३४	२६	१५	१	६	घ.२१।३४
४	र ५२ ३१ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०
५	चं ४९ ४९ मू १६ ९ सु १३ ५० ब २२ ४५	५	३५	२५	१६	२	७	धनुषि
६	मं ४५ ४१ पू १२ २९ धृ ९ ५३ कौ १७ ४५	२	३६	२४	१७	३	८	म.२७।०
७	बु ४३ २६ उ १० ३३ गं ५५ २ ग १४ ३३	२६	३६	२४	१८	४	९	मकरे
८	गु ४३ २ श्र १० २६ वृ ५१ ४१ वि १३ १४	५५	३७	२३	१९	५	१०	कुं.४१।२५
९	शु ४४ ३४ ध १२ ११ धु ४९ ४६ बा १३ ४८	५२	३८	२२	२०	६	११	कुम्भे
१०	श ४७ २५ श १५ ३४ व्या ४९ २ तै १५ ५९	४९	३८	२२	२१	७	१२	कुम्भे
११	र ५१ ४१ पू २० ३४ ह ४९ ४३ व १९ ३३	४५	३९	२१	२२	८	१३	मी.४।१९
१२	चं ५६ ४३ उ २६ २७ व ५० ३२ ब २४ १२	४२	४०	२०	२३	९	१४	मीने
१३	मं ६० ० रे ३३ १३ सि ५२ १७ कौ २९ ४६	३९	४०	२०	२४	१०	१५	मे.३३।१३
१३	बु २ ५० अ ४० २४ व्य ५४ १४ तै २ ५०	३६	४१	१९	२५	११	१६	मेषे
१४	गु ८ ५० भ ४७ ४४ व ५६ २० व ८ ५०	३३	४१	१९	२६	१२	१७	मेषे
१५	शु १५ १४ कृ ५५ २३ प ५८ ३७ ब १५ १४	३०	४२	१८	२७	१३	१८	वृ.४।३८

अस्तंगुरोः ४०।४८ अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
तुलायां बुधः २९।३६ चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२
भ. २९।५५ उ. ५५।४१ या. विशा. =
[=रविः २३।४ (सौर ५०।:३३) ÷
[÷ जमादिलाखर ६
[A शुक्रोदयः पूर्वस्याम् १६।१२
भ. ४३।२६ उ. मार्गी शनिः ४।३४A
भ. १३।१४ या. स्वात्यां बुधः ५७।२०B
विशा. ४ बृश्चिके गुरुः ४।४० अक्षय ९
[B गोप ८
भ. १९।३३ उ. ५१।४१ या. प्रबोधिनी C
[C११ व्र. तुलसी विवाहः
प्रदोष व्र.
बृश्चिकेऽर्कः १९।९ (सौरः ४४।५०) +
भ. ८।५० उ. ४२।२ या. [+ वैकुंठ १४
कार्ति. स्ना. पूर्तिः पुष्कर यात्रा

३१ पं.का.शु.७बु.५२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	६	६	१०	६	६
२३	२४	५	२९	१२	११	२०	२३
३०	२८	१५	४३	२८	४७	४३	३
५०	२८	२५	३७	४१	६	२६	३२
६०	३०	७८	१३	३१	०	३	६०
१७	७	२२	३८	व.मा	११	३०	

ग्रोचर ग्रहाः

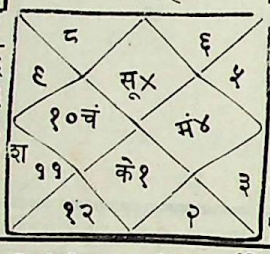

कार्तिकशु शुक्ले
१३ बुधे बृश्चिकेऽर्कः
प्रविष्टः वा. ३ न.३
प्रौढावस्था- (बैठी)
मु. ३० धान्यादि
भावे समता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम् ।

ग्रोचर ग्रहाः

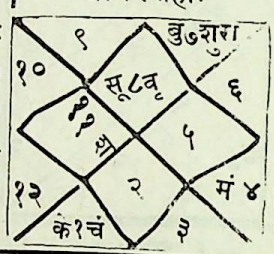

३२ पं.का.शु.१३बु.इ.५२।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	६	७	६	१०	६	७
०	२७	१५	१	९	११	२०	०
३३	३६	२६	१७	४०	५०	२१	७
२९	२९	३१	२	१	२०	१०	३६
६०	२८	९०	१३	१९	०	३	६०
३०	११	५४	३८	व.५६	११	४०	

ति.	मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श २१ ३७ रो ६० ० शि ६० ० कौ २१ ३७	२७	४३	१७	२८	१४	१९	वृषे
२	र २७ ३९ रो २ ३८ सि ० ५२ ग २७ ३९	२५	४३	१७	२९	१५	२०	मि.३६।६
३	चं ३३ २ मृ ९ ३५ सि २ ३४ व ० २०	२२	४४	१६	३०	१६	२१	मिथुने
४	मं ३७ ३७ आ १५ ४१ सा ३ ५० ब ५ १९	१९	४४	१६	१	१७	२२	मिथुने
५	बु ४१ ११ पु २१ ८ शु ४ ४३ कौ ९ २४	१७	४५	१५	२	१८	२३	क.४।४६
६	गु ४३ ४० पु २५ २२ शु ४ १९ ग १२ २५	१४	४५	१५	३	१९	२४	कर्के
७	शु ४४ ३५ श्ले २८ १२ व्र ३ १९ वि १४ ७	१२	४६	१४	४	२०	२५	सिं. २९
८	श ४३ ५१ म २९ ३७ ऐं ५९ ३४ बा १४ १३	९	४६	१४	५	२१	२६	सिंहे
९	र ४१ २३ पू २९ २१ वि ५२ १० तै १२ ३७	७	४७	१३	६	२२	२७	कं.४३।४८
१०	चं ३७ ८ उ २७ ९ प्री ४५ ४९ व ९ १५	५	४७	१३	७	२३	२८	कन्यायां
११	मं ३१ १९ ह २३ २७ आ ३७ ४६ व ४ १३	२	४८	१२	८	२४	२९	तु.५०।४६
१२	बु ३४ २ चि १८ ५ सौ २८ ४४ तै २४ २	०	४८	१२	९	५५	३०	तुलायां
१३	गु १५ ३० स्वा ११ ३२ शो १८ ४६ व १५ ३०	२५	४८	१२	१०	२६	१	वृ.५०।५८
१४	शु ५ ५९ वि ९ २१ अ ७ ४९ श ५ ५९	५६	४९	११	११	२७	२	वृश्चिके
३०	शु ५० १९ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०

अनु. रविः ३७।२९ विशा. बुधः ३३।४
अनु.रविः सौरः १।३८ बुधास्तः पूर्वस्यां ५४
भ. ०।२० उ. ३३।२ या. ५८
भा. मार्गशीर्षारंभः च. व्र.
मघा.सिंहे भौमः १४।१२ स्वाती ४राहुः A
भ. ४३।५० उ. मार्गी शुक्रः ३७।२२
भ. १४।७ या. [A भरणी २ केतुः ३१
बृश्चिके बुधः ८।५२ अनु १ गुरुः २।२४ २४
भ. ९।१५ उ. ३७।८ या. अनुः बुधः २२
उदयं गुरोः ३८।२४ उत्पत्ति ११ व्र. ५४
प्रदोष व्र.
भ. १५।३० उ. ४०।४५ या. दिसम्बर B
ज्येष्ठा रविः ४७।३६ [B१२ ता. ३१

३३ पं.मा.कृ.५बु.इ.५२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	७	६	१०	६	७
७	०	२६	२	८	११	१९	७
३७	१६	२१	५०	४५	५८	५८	१३
२६	३७	२५	२४	०	२३	५४	९
६०	२६	९५	१३	३८	१	३	६०
४२	१७	५५	३८	व.३७	११	५३	

ग्रोचर ग्रहाः

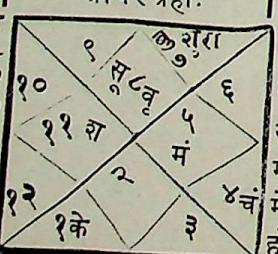

इस मास में ५
शनि ५ रविवार
मध्यम है रुई सूत
सोना जांदी सिरस्युं
मूंगफली गुड़ धान्य
में तेजी होकर मंदी
होवेगी ।

ग्रोचर ग्रहाः

३४पं.मा.कृ .१२बु.इ.५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	७	६	१०	६	७
१४	२	७	४	९	१२	१९	१४
४२	३९	२२	२३	४३	११	३६	१९
४०	२५	४४	१०	४१	२०	३९	५५
६०	२३	९७	१३	१३	२	३	६१
५०	३४	४६	३२	२५	१९	११	३

×बु७बृशुरा

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६ | दि. उ. अ.भा.मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रवि देक्षिणेऽहर्गणः ९७२स १९९४

१	श	४	६	४	२	ज्ये	४	८	३	५	धृ	४	५	५	६	किं	२	१	३	०	३५	४	९	११	१२	२	८	३	ध.४८।३५
२	र	३	८	४		मू	४	१	५	२	शू	३	५	४	५	वा	१	२	२	३	५३	४	९	११	१३	२	९	४	धनुषि
३	चं	३	०	३	५	पू	३	६	१	४	गं	२	६	२	०	तै	४	१	९		५१	५	०	१०	१४	१		५	म.५०।१६
४	मं	२	४	५	५	उ	३	२	१	९	वृ	१	७	५	७	वि	२	४	५	५	४९	५	०	१०	१५	२		६	मकरे
५	बु	२	१	६		श्र	३	०	१	४	ध्रु	११		२	३	वा	२	१		६	४८	५	०	१०	१६	३		७	मकरे
६	गु	१	९	२	५	ध	३	०	२	०	व्या	६		२	७	तै	१	९	२	५	४६	५	१	९	१७	४		८	कु.०।१७
७	शु	२	०	०		श	३	२	३	२	ह	३		१	४	व	२	०	०		४५	५	१	९	१८	५		९	कुम्भे
८	श	२	२	२	४	पू	३	६	२	७	व	१		२	९	व	२	२	२	४	४४	५	१	९	१९	६	१	०	मी. ३०
९	र	२	६	३	१	उ	४	१	५	५	सि	१		३	३	कौ	२	६	३	१	४३	५	१	९	२०	७	१	१	मीने
१०	चं	३	१	४	७	रे	४	८	३	६	व्य	२		५		ग	३	१	४	७	४२	५	२	८	२१	८	१	२	मे.४८।३६
११	मं	३	८	१	१	अ	५	६	१	७	व	३		४	७	व		४	५	९	४१	५	२	८	२२	९	१	३	मेषे
१२	बु	४	४	२	९	भ	६	०			प	५		५	०	व	१	१	२	०	४०	५	२	८	२३	१०	१	४	मेषे
१३	गु	५	१	४		भ	३	४	४		शि	८		८		कौ	१	७	४	६	३९	५	२	८	२४	११	१	५	बृ.२०।८
१४	शु	५	७	१	४	कृ	१	१	२	२	सि	१	०	२	६	ग	२	४	९		३९	५	२	८	२५	१२	१	६	बृषे
१५	श	६	०	०		रो	१	८	३	५	सा	१	२	१	६	वि	३	०	४		३८	५	२	८	२६	१३	१	७	मि. ५१
१५	र	२	५	५		मृ	२	५	१	३	शु	१	४	०		व	२	५	५		३८	५	२	८	२७	१४	१	८	मिथुने

३५पं.मा.शु.५बु.इ.५१।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	७	६	१०	६	७
२१	४	१८	५	१२	१२	१९	२१
४८	४०	२२	५४	२४	२९	१४	२७
४३	५	३७	५०	४३	२४	२३	३९
६०	२०	९९	१३	२६	३	३	६१
५६	२०	६	२६	२१	३	११	११

गोचर ग्रहः

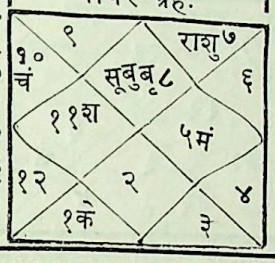

मार्गशीर्ष शुक्ले १३ गुरौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहः

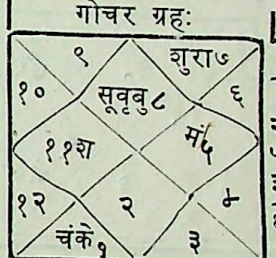

३६ पं.मा.शु.१२बु.इ.५१/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	७	६	१०	६	७
२८	६	२९	७	१६	१२	१८	२८
५५	१७	२३	२५	२४	५२	५२	३६
३७	१०	२	३७	४	८	८	२२
६१	१६	९९	१३	३६	३	३	६१
०	५२	४७	१९	१३	४१	११	१९

ति. पौष कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६ | दि. उ. अ.भा.मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेत्ति महा.

१	चं	७	५	०		आ	३	०	४	९	शु	१	४	५	५	कौ	७	५	०		३५	५	३	५	२८	१५	१	९	मिथुने
२	मं	११	५	५		पु	३	५	५	४	ब्र	१५		८		ग	११	५	५		३७	५	३	७	२९	१६	२	०	क.१९।३८
३	बु	१४	५	०		पु	३	९	५	८	ऐं	१४	४	३		वि	१४	५	०		३६	५	३	७	३०	१७	२	१	कर्के
४	गु	१६	४	७		श्ले	४	२	५	३	वै	१३		३	१	वा	१६	४	७		३६	५	३	७	१	१८	२	२	सिं. ४३
५	शु	१७	४	०		म	४	४	४	६	वि	११		१	७	तै	१७	४	०		३६	५	३	७	२	१७	२	३	सिंहे
६	श	१७	२	०		पू	४	५	१	९	प्री	८		१	४	व	१७	२	०		३६	५	३	७	३	२०	२	४	सिंहे
७	र	१५	४	७		उ	४	४	३	९	आ	१४	५	५	३	व	१५	४	७		३७	५	३	७	४	२१	२	५	कं. ०।९
८	चं	१२	५	२		ह	४	२	४	९	शो	५	२	५	५	कौ	१२	५	२		३७	५	३	७	५	२२	२	६	कन्यायां
९	मं	८	४	५		चि	३	९	३	५	अ	४	५	३	५	ग	८	४	५		३७	५	३	७	६	२३	२	७	तु.११।१२
१०	बु	३	२	०		स्वा	३	५	७		सु	३	७	३	०	वि	३	२	०		३८	५	२	८	७	२४	२	८	तुलायां
११	बु	५	३	२	६		०		०			०		०			०		०		०		०		०		०			०		
१२	गु	४	९	६		वि	२	९	३	५	धृ	२	८	२	०	कौ	२२	५	६		३८	५	२	८	८	२५	२	९	वृ.१५।५८
१३	शु	४	०	४	३	अ	२	३	२	३	शू	१	८	४	४	ग	१४	५	४		३९	५	२	८	९	२६	३	०	वृश्चिके
१४	श	३	१	५	३	ज्ये	१	६	२	६	गं	२	९	४	९	वि	६	४	८		४०	५	२	८	१०	२७	३	१	ध.१६।२६
३०	र	२	३	३	४	मू	९	४	०		ध्रु	४	८	२	७	ना	२	३	३	४	४१	५	२	८	११	२८	३	२	धनुषि

[B१३।४६ प्रदोषः
भ. ४।५९ उ. ३८।११ या. मोक्षदा ११A
[Aव्र. गीताजयंती
मूले धनुष्यर्कः ५४।५१ मूले धनुषि बुधB
भ. ५७ उ. मूले धनुष्यर्कः सौ.रः १३
भ. ३०।४ या. श्रीदत्तजयंती

[A ३१ सन् १९९५
भ. ३६।२ उ. अनु. ३ गुरुः ७।५०
भ. ३।२० या. पूषा. रविः ५९ सफला =
[=११ व्र. स्मा.
पूषा. रविः सौरः १५।० सफला ११ व्र. वै.
भ. ४०।४३ उ. प्रदोषः
भ. ६।४८ या. उषा. बुधः ४८।१८
वृश्चिके शुक्रः ८।४३ जनवरी १ता.A

३७ पं.पौ.कृ.३ बु.इ.५१/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	७	६	१०	६	८
६	७	१०	८	२१	१३	१८	५
३	२४	२९	५५	२७	१९	२९	४५
१४	७	४६	१	१४	५	५२	४७
६१	१२	०	१२	४४	४	३	६१
४	७	८	५७	१	२३	११	२२

गोचर ग्रहः

इसमास में ५ सोमवार श्रेष्ठ है अनाज गला रुई घृत तिल तैल बिनोला गुड़खांड मंदा सुदी में चांदी तेज हो।

गोचर ग्रहः

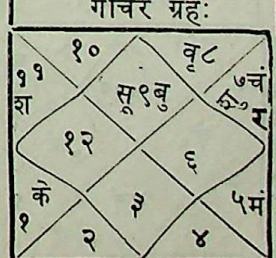

३८ पं. पौ.कृ.१०बु.इ.५१/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	७	६	१०	६	८
१३	७	२१	१०	२७	१३	१८	१२
११	५७	४५	२१	१६	५०	७	५५
१३	१८	१४	३६	१२	२८	३६	३९
६१	६	९९	१२	४९	४	३	६१
६	१०	५३	३२	४६	५२	११	२६

(सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्ल पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तेऽहर्ग. १००२ स. १९९५
१	चं १५ ३८ पू ४० ५१	व्या	३९	३१	ब	१५	३८	२५ ३२ ५३ ६	१२ २९ २ म. २३
२	मं ९ ७ श्र ५५ ३	ह	३१	३७	को	९	७	४३ ५१ ९	१३ १ ३ मकरे
३	बु ४ ११ ध ५३ १०	ब	२५	४	ग	४	११	४४ ५१ ९	१४ २ ४ कुं. २४.६
४	गु ११ ६ श ५३ ४७	सि	२०	९	वि	११	६	४५ ५१ ९	१५ ३ ५ कुम्भे
५	शु ० ३४ पू ५६ १९	व्य	१७	८	बा	०	३४	४७ ५१ ९	१६ ४ ६ मी. ४० ४१
६	श १ ४६ उ ६० ०	व	१५	५४	तै	१	४६	४८ ५० १०	१७ ५ ७ मीने
७	र ५ ८ उ ० ४२	प	१५	३४	व	५	८	५० ५० १०	१८ ६ ८ मीने
८	चं ९ ५४ रे ६ ३३	शि	१६	३६	ब	९	५४	५२ ५० १०	१९ ७ ९ मे.६.३३
९	मं १६ ३ अ १३ ४०	सि	१८	३७	को	१६	३	५३ ४९ ११	२० ८ १० मेषे
१०	बु २२ २९ भ २१ १०	सा	२०	३९	ग	२२	२९	५५ ४९ ११	२१ ९ ११ बृ.३८.४
११	गु २९ १० कृ २८ ४४	शु	२३	१	वि	२९	१०	५७ ४९ ११	२२ १० १२ वृषे
१२	शु ३५ १६ रो ३६ १२	शु	२५	१	ब	२	१३	५९ ४८ १२	२३ ११ १३ वृषे
१३	श ४० ५६ मृ ४२ ५७	व्र	२६	४३	को	८	६	२६ ४८ १२	२४ १२ १४ मि.९.३४
१४	र ४५ १० आ ४८ २३	ऐं	२७	१९	ग	१३	३	४ ४७ १३	२५ १३ १५ मिथुने
१५	चं ४८ २८ पु ५२ ४५	वै	२७	१३	वि	१६	४९	६ ४७ १३	२६ १४ १६ क. ३६ ४०

मकरे बुधः ५७।२८ चंद्र दर्शनम्
सावान ८ [Aअनु.शुक्रः २९।२०
भ. ३२।४३ उ. वक्री भौमः ४३।२५A
भ. १।१६ या. बुधोदयः पश्चिमायां १४।४
भ. ५।८ उ. ३७।३१ या.
श्रवणे बुधः ५।५२
भ. ५५ उ. उषा .रविः ४।३६ (सौरः ३६)
भ. २९।१० या. पुत्रदा ११ व्र.
अनु. ४ गुरुः १।५५
मकरेऽर्कः २१।० (सौरः ३१।५४) प्रदोषः
भ. ४५।१० उ.
भ. १६।४९ या. माघ. स्ना. प्रा.

३९ पं.पौ.शु.३बु.इ.५१।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	७	७	१०	६	८
२०	७	३	११	३	१४	१७	२०
९९	५७	५	४५	३९	२५	४५	५
२६	४३	२४	२२	२९	५९	२१	३६
६१	९	९७	१२	५४	५	३	६१
६	व.	५१	१४	२२	२२	११	२६

गोचर ग्रहाः

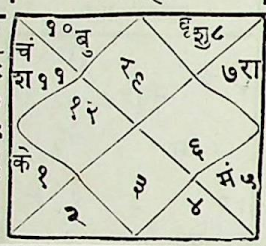

पौष शुक्ले शनौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

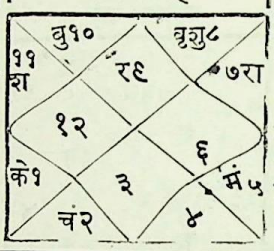

४०पं.पौ शु १०बु.इ.५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	७	७	१०	६	८
२७	७	१४	१३	१०	१५	१७	२७
२७	१८	७	६	३१	४	५३	१५
२२	३६	१६	१४	१२	२३	५	२८
६१	५५	८९	११	५८	५	३	६१
६	व.	४७	४०	४	५०	११	२४

ति.	माघ कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं ५० ३२ पु ५५ ५६	वि	२६	१६	बा	१९	३०	२६ ४९ ९ १४	२७ १५ १७ कर्क
२	बु ५१ २५ श्ले ५८ २६	प्री	२४	१४	तै	२०	५८	११ ४६ १४	२८ १६ १८ सिं. ५९
३	गु ५१ १० म ५९ १६	आ	२१	२५	व	११	१७	१३ ४५ १५	२९ १७ १९ सिंहे
४	शु ४९ ५५ पू ५९ ३७	सौ	१८	०	व	२०	३२	१६ ४५ १५	३० १८ २० सिंहे
५	श ४८ ० उ ५८ ५९	शो	१३	४३	को	१८	५७	१९ ४४ १६	१ १९ २१ कं. १४
६	र ४५ ११ ह ५७ ३१	अ	८	५०	ग	१६	३५	२१ ४४ १६	२ २० २२ कन्यायां
७	चं ४२ ४ चि ५५ २०	सु	९	५३	वि	१३	३७	२४ ४३ १७	३ २१ २३ तु. २५
८	मं ३७ २५ स्वा ५२ २२	शू	५०	१३	बा	९	४४	२७ ४३ १७	४ २२ २४ तुलायां
९	बु ३२ २१ वि ४८ ४४	गं	४२	३८	तै	४	५३	२९ ४२ १८	५ २३ २५ वृ. ३८
१०	गु २६ ३४ अ ४४ १९	वृ	३४	३८	वि	२६	३४	३२ ४२ १८	६ २४ २६ वृश्चिके
११	शु २० ७ ज्ये ३९ ३७	ध्रु	२६	७	बा	२०	७	२५ ४१ १९	७ २५ २७ ध. ३९
१२	श १३ १० मू ३४ २१	व्या	१७	२६	तै	१३	१०	३८ ४० २०	८ २६ २८ धनुषि
१३	र ६ २१ पू २९ १४	ह	८	४४	व	६	२१	४१ ४० २०	९ २७ २९ म. ४३.६
१४	र ५३ २ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ० ०
३०	चं ५३ ३२ उ २४ ४२	व	१४	३३	च	२६	२७	४५ ३९ २१	१० २८ ३० मकरे

ज्येष्ठा. शुक्रः ४७।४५
धनि. बुधः ४७।३९
भ. २१।१७ उ. ५१।१० या.
अभि. प्र. रविः ५३।३० चतुर्थी व्र.
अभि. प्र. रविः सौरः ३।१५भा. माधारंभः
भ. ४५।११ उ. [÷(सौरः ३१) स्वाती.S
भ. १३।३७ या. [S३ राहुः भर १केतुः २४
श्रवण रविः १०।७ सौरः १९।११)
भ. ५९।२७ उ. अभि, नि. रविः २२÷
भ. २६।३४ या. वक्री बुधः १३।४२
शतभिषा. ४ शनिः २१।३६बुधास्तः A
प्रदोषः [B तिला ११ प्र.
भ. ६।२१ उ. ३२।५२ या. मूले धनुषि (शुक्रः ९।७
सोमवती ३० [Aपश्चिमायां २१।९ षट्-B

४१ पं.मा.कृ.२बु.इ. ५१।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	७	७	१०	६	९
४	६	२३	१४	१७	१५	१७	४
३५	९	२३	२३	४४	४५	०	२४
१३	२२	४९	४२	१०	४७	५०	५७
६१	१६	६६	११	६०	६	३	६१
३	व.	४७	१	४७	१४	११	१९

गोचर ग्रहाः

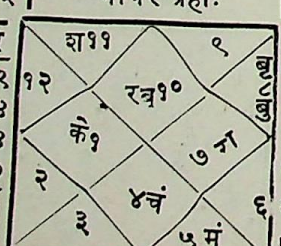

माघ शुक्ले १२ रवौ कुंभेऽर्कः प्रविष्ट वा. २ न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहा

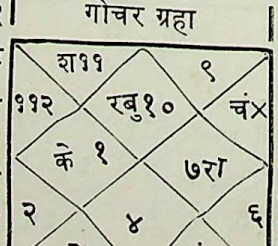

४२पं.मा.कृ ९बु.इ ५१।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	७	७	१०	६	९
११	४	२७	१५	२५	१६	१६	११
४२	२७	२४	३४	१३	२०	३८	३३
४०	७	३२	४१	१२	१८	३४	४८
६०	२४	४	१०	६३	६	३	६१
५९	व.	२५	२१	४	२६	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

×वृ८शु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिथि | माघ शुक्ल पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्ग. १०३१ सन् १९९५

१	मं	४८	३१	अ	२१	८	व्य	४५	३५	कि	२१	१	२६	३८	२२	११	२९	३१	कुं. ४९
२	बु	४५	१०	ध	१८	४१	व	३९	५९	बा	१६	५०	५१	३८	२२	१२	३०	१	कुम्मे
३	गु	४३	४९	श	१८	६	प	३५	५०	तै	१४	२९	५४	३७	२३	१३	१	२	कुम्मे
४	शु	४४	१३	पू	१९	१४	शि	३३	१०	व	१३	१	५८	३६	२४	१४	२	३	मी. ३।५८
५	श	४६	४२	उ	२२	२८	सि	३२	१५	ब	१५	२७	२७	३६	२४	१५	३	४	मीने
६	र	५०	४०	रे	२७	२५	सा	३२	२५	कौ	१८	४१	५	३५	२५	१६	४	५	मे. २५
७	चं	५६	१५	अ	३३	४३	शु	३३	४०	ग	२३	२७	८	३४	२६	१७	५	६	मेषे
८	मं	६०	०	म	४०	४१	शु	३५	३०	वि	२९	२१	१२	३४	२६	१८	६	७	बृ. ५७
८	बु	२	२८	कृ	४८	२०	ब्र	३७	४५	ब	२	२८	१५	३३	२७	१९	७	८	वृषे
९	शु	८	५९	रो	५५	४८	ऐं	३९	५५	कौ	८	५९	१९	३२	२८	२०	८	९	वृषे
१०	शु	१५	१०	मृ	६०	०	वै	४१	४६	ग	१५	१०	२३	३१	२९	२१	९	१०	मि. १९
११	श	२०	४५	मृ	२	४३	वि	४२	४१	वि	२०	४५	२७	३१	२९	२२	१०	११	मिथुने
१२	र	२४	२२	आ	८	२५	प्री	४२	३५	वा	२४	२२	३०	३०	३०	२३	११	१२	क. ५९
१३	चं	२७	१३	पु	१२	५३	आ	४२	२८	तै	२७	१३	३४	२९	३१	२४	१२	१३	कुंभेऽर्कः ५३ (सौरः ५८।५९) प्रदोषः
१४	मं	२९	२	पु	१५	४	सौ	३९	२	व	२९	२	३८	२८	३२	२५	१३	१४	कर्के
१५	बु	२८	५१	श्ले	१७	९	शो	३५	३९	ब	२८	५१	४१	२८	३२	२६	१४	१५	कर्के

भ. २९।२ उ. ५८।५७ या.

सिं. १७।९ माघस्नानपूर्तिः

वक्री श्रवणे बुधः ४८।२५ ज्येष्ठा १ गुरुः + रमजान ९ [+ ३७/१ चंद्रदर्शनम् फर्वरी २८

भ. १३।१ उ. ४४।१३ या.

वसंत ५ [×(सौरः २५।०१) भानु ७B [Bपातस्पर्शः ५४।१३

भ. ५६।१५ उ. धनि. रविः १८।२५×

भ. २९।२१ या. भीष्माष्टमी पातमोक्षः S [S१७।२६

बुधोदयः पूर्वस्यां ५५ वक्री कर्के आश्ले. A

भ. ४७।५७ उ. [Aभौमः ७।२

भ. २०।४५ या. पूषा. शुक्रः १/४० जया ११ व्र.

कुंभेऽर्कः ५३/१ (सौरः ५८।५९) प्रदोषः

४३पं.मा.शु.२बु.इ.५१।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	७	८	१०	६	९
१८	२	२३	१६	२	१७	१६	१८
४९	२१	१३	४३	५५	१६	१६	४०
१६	५८	१	४९	५	२३	१८	५२
६०	३१/३३	८७	९	६४	६	३	६१
५५	व.	व.	३६	४७	४३	११	४

४४पं.मा.शु.८बु.इ. ५१/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	७	८	१०	६	६
२५	०	१५	१७	१०	१८	१५	२५
५५	९	९	४४	४६	४	५४	४८
१	४	२५	५६	४४	३७	३	३९
६०	३४/५५	६५	८	६६	७	३	६०
४६	व.	व.	४६	१६	०	११	५५

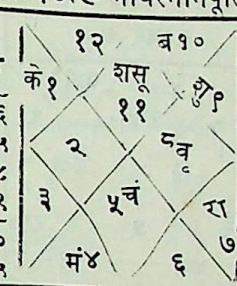

४५पं.मा.शु.१५बु.इ. ५१/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	८	१०	६	१०
२	२७	११	१८	१८	१८	१५	२
५९	५१	४८	४२	४६	५४	३१	५४
४९	७	८	२२	४१	१४	४७	४२
६०	३५/३७	८	७	६७	७	३	६०
३७	व.	व.	४४	२९	८	११	४२

तिथि | फाल्गुन कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.

१	गु	२७	२०	म	१७	१६	अ	३१	११	कौ	२७	२०	४५	२७	३३	२७	१५	१६	सिंहे
२	शु	२४	४०	पू	१६	२६	सु	२५	४९	ग	२४	४०	४९	२६	३४	२८	१६	१७	कं. ३०
३	श	२१	७	उ	१४	३२	धृ	१९	५९	वि	२१	७	५३	२५	३५	२९	१७	१८	कन्यायां
४	र	१६	५८	ह	१२	७	शू	१३	३५	वा	१६	५८	५६	२५	३५	३०	१८	१९	तु. ४०
५	चं	१२	३५	चि	९	१८	गं	७	१	तै	१२	३५	२८	२४	३६	१	१९	२०	तुलायां
६	मं	७	५३	स्वा	६	१९	वृ	४०/५२		व	७	५३	४	२३	३७	२	२०	२१	वृ. ४८
७	बु	३	८	वि	३/५६		व्या	४५	५७	ब	३	८	८	२२	३८	३	२१	२२	वृश्चिके
८	बु	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
९	गु	५२	५४	ज्ये	५६	२५	ह	३८	५०	तै	२५	३१	१२	२२	३८	४	२२	२३	ध. ४६
१०	शु	४७	३६	मू	५३	५	व	३१	२२	व	२०	१५	१६	२१	३९	५	२३	२४	धनुषि
११	श	४२	२६	पू	४९	२५	सि	२४	४०	ब	१५	१	२०	२०	४०	६	२४	२५	धनुषि
१२	र	३७	२८	उ	४६	१६	व्य	१७	२०	कौ	९	५७	२४	१९	४१	७	२५	२६	म. ३।२८
१३	चं	३३	२	श्र	४३	५३	व	१०	३९	ग	५	१५	२८	१८	४२	८	२६	२७	मकरे
१४	मं	२९	९	ध	४२	२	प	३५/५४		वि	१	५	३२	१८	४२	९	२७	२८	कुं. ५२
१५	बु	२६	५०	श	४१	३५	सि	५५	१०	ना	२६	५०	३६	१७	४३	१०	२८	१	कुम्भे

भ. ५३ उ. मार्गी बुधः २३/१७ अस्तं शनेः ४६/२१

भ. २१।७ या. चतुर्थी व्र.

शते रविः २५।५७ (सौरः ३४।२१)

भा. फाल्गुनारंभः

भ. ७।५३ उ. ३५।३१ या.

उषा. शुक्रः ४०।४९

भ. २/५ उ. ४७/६ या. पूभा १ शनिः ५६।२०

मकरे शुक्रः ३५।५५ विजया ११ व्र.

[×श्रीमहा शिवरात्री (प्र. स्मा

भ. ३३ उ. ज्येष्ठा २ गुरुः ३२/० प्रदोषः ×

भ. १।५ या. महाशिवरात्री ब्र. वै.

मार्च ३ ता. ३१

४६पं.फा.कृ.७बु.इ.५१।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	८	१०	६	१०
१०	२५	१४	१९	२६	१९	१५	९
३	४०	१२	३०	५२	४५	९	५९
२२	९	२२	५४	४१	०	३२	१५
६०	३५/३७	३७	६	६८	७	३	६०
२५	व.	म.	३८	३२	१४	११	३१

गोचर ग्रहाः

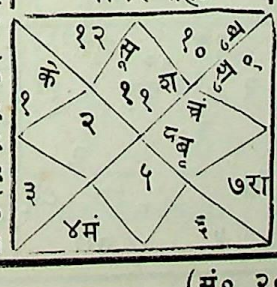

माघ मास से ही धान्य में मंदी के ग्रह योग चालू है तेची का व्यापार बंद करदें पाट कुष्टा रुई सण सूत वारदामां तेज कहीं २ वर्ष होगी।

गोचर ग्रहाः

४७पं.फा.कृ.३०बु.इ. ५२/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	९	१०	६	१०
१७	२३	२०	२०	५	२०	१४	१७
५	३९	४	१३	३	३६	४७	२
३५	१४	३४	८	४०	१८	१६	७
६०	२४/४८	५५	५	६९	७	३	६०
१२	व.	३३	३८	१६	२०	११	२०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri,University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्ल पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेहर्गणः १०६१ सन् १९९५
१	गु २५ १८ पू ४२ २९ सा ५२ १३ ब २५ १८	२८	६	५५	११	२९	२	मी. २७	चंद्र दर्शनम्
२	शु २५ ३४ उ ४५ ८ शु ५० ४९ कौ २५ ३४	४०	१६	४४	११	२९	२	१६ मीने	फुलरिया २ सव्वाल १० पातस्पर्वः ४६।७
३	श २७ ४२ रे ४९ १४ शु ४९ ५९ ग २७ ४२	४८	१४	४६	१३	२	४	मे. ४९	भ. ५९।२६ पूभा. रविः ४६।३ ×
४	र ३१ ११ अ ५४ ५० ब्र ५० ४७ वि ३१ ११	५२	१४	४६	१४	३	५	१४ मेषे	भ. ३१।११ या. धनिः बुधः २३।१९
५	चं ३६ ३४ भ ६० ० ऐं ५२ २७ ब ३५ २	५६	१३	४७	१५	४	६	मेषे	श्रवणे शुक्रः ३।२३
६	मं ४२ ४१ भ १ २८ वै ५४ ३४ कौ ९ ३७	२९	१२	४८	१६	५	७	बृ १९	[×(सौरः ४९।८) पातमोक्षः १।५
७	बु ४८ २६ कृ ८ ५३ वि ५६ ५० ग १५ ३३	५	११	४९	१७	६	८	वृषे	भ. ४८।२६ उ.
८	गु ५४ ५२ रो १६ २२ मृ ५९ ३ वि २१ ३९	९	१०	५०	१८	७	९	मि ५०	भ. २१।३९ या. होलाष्टकः
९	शु ६० ० मृ २३ ४१ आ ६० ० बा २७ ४५	१३	९	५१	१९	८	१०	मिथुने	कुंभे बुधः २७।३२
९	श ० ३९ आ २९ ५६ आ ० ३२ कौ ० ३९	१७	९	५१	२०	९	११	मिथुने	[+प्रदोषः
१०	र ५ ११ पु ३४ ५८ सौ १ २ ग ५ ११	२१	८	५२	२१	१०	१२	क. १४	भ. ३६।४२ उ. [=(भद्रोत्तरं
११	चं ८ १४ पु ३८ २१ शो २२ ५९ वि ८ १४	२६	७	५३	२२	११	१३	कर्के	भ. ८।१४ या. आमलकी ११ व्र.
१२	मं ९ २१ श्ले ३९ ४९ सु ५४ ५२ बा ९ २१	३०	६	५४	२३	१२	१४	सि. ३९	मीनेऽर्कः ४६।५६ (सौरः ४९।२९)+
१३	बु ८ ४७ म ३९ ४४ धृ ४९ ५६ तै ८ ४७	३४	५	५५	२४	१३	१५	सिंहे	शते बुधः १६।२९
१४	गु ६ ३ पू ३७ ५५ शू ४३ ५९ व ६ ३	३८	४	५६	२५	१४	१६	कं. ५२	भ. ६।३ उ.३४।१३ या. होलिकादहनं=
१५	शु २ २३ उ ३४ ५८ गं ३७ १ ब २ २३	४३	३	५७	२६	१५	१७	कन्यायां	धनि. शुक्रः २१।४३ छारेंडी

४८पं.फा.शु.७बु.इ.५२।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	९	१०	६	१०
२४	२२	२८	२०	१३	२१	१४	२४
६	२	३	४७	१७	४८	२५	३
२२	१०	४७	२४	३५	१६	०	२०
५९	१६	७३	४	७०	७	३	६०
५८	व.	२६	२६	५	२०	११	६

गोचर ग्रहाः

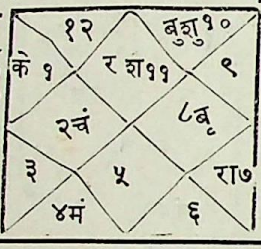

फाल्गुन शुक्ले १६ भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु ३०, धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

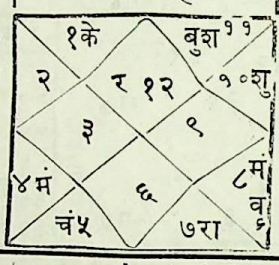

४९ पं.फा.शु.१३बु.इ.५५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	७	९	१०	६	११
१	२१	७	२१	२१	२२	१४	१
५	१३	३३	१३	३५	१९	२	३
३५	१	४	१	१७	४१	४६	१२
५९	१६	८७	३	७०	७	३	५९
४१	व.	३१	१६	४३	१६	११	४९

ति.	चैत्र कृष्ण पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरे फाल्गुन कृ ष्णेति महा.
१	शु ५४ ५७ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श ५१ २५ ह ३१ ३ वृ २९ १९ तै २४ ३८	२९	६	५७	२७	१६	१८	तु १९	उभा. रविः ८।० (सौरः १०।५)
३	र ४५ ५ चि २६ ३६ ध्रु २१ १६ व १८ १५	५१	२	५८	२८	१७	१९	तुलायां	भ. १८।१५ उ. ४५।५ या.
४	चं ३८ ४४ स्वा २२ ६ व्या १२ ५७ ब ११ ५४	५५	१	५९	२९	१८	२०	तुलायां	चतुर्थी व्र. [=१४।६ भा. चैत्ररंभः
५	मं ३२ ३१ वि १७ ४१ ह २२ ५२ कौ ५ ३७	०	०	०	३०	१९	२१	वृ ४७	[×(५७।१२ पूमा. २ शनीः=
६	बु २६ ४६ अ १४ ३७ सि ५० ११ व २६ ४६	४	५९	०	१	२०	२२	वृश्चिके	भ. २६।४६ उ. ५४।४ या. कुंभे शुक्रः×
७	गु २१ २२ ज्ये १० ० व्य ४३ ४ ब २१ २२	८	५८	२	२	२१	२३	ध. १०	मार्गी भौमः ३२।२६ पूभा. बुधः B
८	शु १६ २३ मू ६ ४९ व ३६ ३२ कौ १६ २३	१२	५८	२	३	२२	२४	धनुषि	शीतलापूजनम्
९	श १२ ५ पू ४ १७ प ३० २९ ग १२ ५	१६	५७	३	४	२३	२५	म १८	भ. ४०।१३ उ. [A(४१।१८
१०	र ८ २२ उ २ १६ शि २५ १ वि ८ २२	२१	५६	४	५	२४	२६	मकरे	भ. ८।२२ या. [Cबुधः(५१।५
११	चं ५ १९ श्र १ ५ सि २० ८ बा ५ १९	२५	५५	५	६	२५	२७	कुं. ३०	पापमोचनी ११ व्र.
१२	मं २ ५५ ध ० ३५ सा १६ १ तै २ ५५	२९	५४	६	७	२६	२८	कुंमें	शते शुक्रः २१।५४ प्रदोषः
१३	बु १ ३९ श १ ११ शु १२ ३७ व १ ३९	३३	५३	७	८	२७	२९	मी ४७	भ. १।३९ उ. ३१।३२ या. मीनेC
१४	गु १ २५ पू २ ५० शु १० ६ श १ २५	३७	५३	७	९	२८	३०	मीने	[B५७।१८ उदयं शनेः १।२०
३०	शु २ २९ उ ५ ३६ ब्र ८ ५९ ना २ २९	४१	५२	८	१०	२९	३१	मीने	रेवत्यां रविः ३५।३९ (सौरः ३७।३२A

५० पं. चै. कृ. ६ बु. इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	७	९	१०	६	११
८	२०	१८	२१	२९	२३	१३	८
३	२०	१४	३०	५५	१०	४०	१
१८	३८	४९	११	१६	२३	३९	७
५९	३०	१	९८	१	७१	७	४	५९
२९	व.	२९	४६	१४	८	११	३५

गोचर ग्रहाः

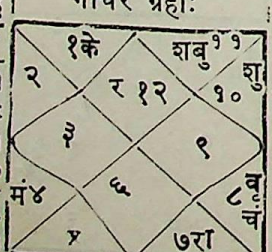

इस मास में प्रजा में पीड़ा बालकों के चेचक रोग हो। पिछला स्टाक बेच कर अनाज का संग्रह फिर कर लेना लाभ होगा।

गोचर ग्रहाः

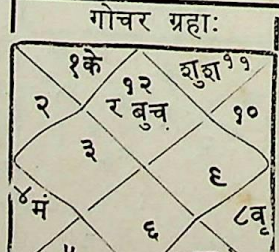

५१ पं. चै.कृ. १३ बु. इ. ५३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	७	१०	१०	६	११
१४	२०	०	२१	८	२४	१३	१४
५९	२२	४	३८	१७	०	१८	५७
१०	२६	३०	२	१०	२२	१४	१५
५९	५४	८०	०	७१	७	३	५९
१६	मा	५३	३६	४०	२	११	१८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनोदेवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणि–रिवतमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८ ५०९६ तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापर युग प्रमाणम् ८६४००० कलियुग प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०९६ भोग्य कलिः ४२६९०४ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीर विक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५२ शाकः १९१७ वर्षेऽस्मिन् राजा शनिः । मंत्री शुक्रः । सस्येशो रविः ।धान्येशः शनिः मेघेशोगुरुः । रसेशोभौमः । नीरसेशो रविः । फलेशो गुरुः । धनेशो रविः। दुर्गेशोगुरुः एते दशाधिकारिणः । तत्रबार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां सर्वधारीनाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्क समये गतमासादिः ९।११।५९।६ भोग्यमासादिः २।१८।०।५४ त्वष्टृ दैवतं युगम् । वर्षनामज्येष्ठः । मेघनामद्रोणः । रोहिणीनिवासः संघौ । समपनिवासो वणिग् गृहे समयविश्वा १० समयवाहनम् महिषः स्तंभौ २ जलतृणयोः । सोमवत्यमाः १ सोमवती पञ्चमी १ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी १ भानुससमी ३ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३४५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा १३ धान्यम् १७ तृणम् ११ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् ११५ सत्यम् ।। धर्मं १।। पापं १८ शनिदृष्टिरुत्तरे । ग्रहणे २ चंद्रमसः १ सूर्यस्य १ ।

सं. २०५२ चैत्र शुक्ला १५ शनिवासरे पूर्व भारते ग्रस्तोदयं चन्द्रग्रहणम्

	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
उज्जयनी घं.	२६	२८	२९	३
मध्यम का. प.	३८	१६	५४	१८
रेलवे घं.	५	५	६	१
टाइम मिं.	६	४५	२५	१९

नोट – यहग्रहण जिन प्रांतों में रेलवे ६।२५ बजे से पूर्व चन्द्रोदय होगा वहीं दीखेगा। राजस्थान में नहीं दीखेगा।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	बृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् ०।७

÷बुर१२ ×श११

भैरव भवानी सम्वाद

भै. प्र.– मात भवानी अंबिका बन्दौ बारम्बार ।
हाथ जोड़ पूछूं तने बावन का सब सार ।।

भ. उ.– सुणजे भैरव चेतकर मैं समझावुं तोय ।
राजा मंत्री देखतां मध्यम संवत् होय ।।
श्रावण वर्षा वर्षकर भादव करसी तंग ।
राजनीति के कारणों जनता होय विरंग ।।
पापग्रहों नें बर्ष में लिया अधिक अधिकार ।
भाग सुभाग्यो निपजसी ना सारे इकसार ।।
मेघपती अरु फलपती गढपति गुरु को जान ।
मंत्री भृगुसुत बर्ष में राखे जगका मान ।।
संवत्सर के आदि में संग्रह कर लो धान ।
दूणा डेडा दामड़ा भादुं में लो मान ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जाने वही जो हैं जग करतार ।।

संवत् २०५२ कार्तिक कृष्णे ३० भौम वासरे सूर्यग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.
उज्ज घ.	२	५	८
मध्य प.	१९	८	२१
रेलवे घ.	७	८	९
टा. प.	२३	३०	४७

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	घ.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	८	१४	८	२	२	८

वर्षश लग्नम् २।१०

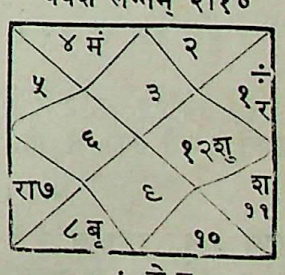

÷ के बु

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीययनांशाः २४।३३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४६।३०

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम्-अथास्मिन्वर्षे राजा शनिस्तत्फलभ्-शनैश्चरे भूमिपतौसकृज्जलं प्रमूतरोगैः परि पीड्यते जनः युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैः भ्रमंति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् मंत्री शुक्रस्तत्फलम्–भृगुसुते ननु मंत्रिपदं गतेशलभमूषकरावथमाहिषैः ।। भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोऽधिकम् ।। सस्येशोरविस्तफलम्-सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्वं धान्यं समर्घे वहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पंच सस्यं बहु भूरुहाश्च।। धान्येशः शनिस्तत्फलम्-निर्धनाः क्षितिभुजो रणादराः । सस्य मल्पमति रोगिणो नराः । नैव वर्षतिजलं सुरेश्वरः स्याद्यदान्त्यकणपः शनैश्वरः । मेघेशो गुरुस्तत्फलम् गुरुरपि प्रिय वृष्टिकरः सदाऽखिल विलासवती धरणी तदा । श्रुतिविचारपरा नरपालका रस समृद्धि युताऽखिल मानवाः । रसेशो भौमस्तत्फलम्––यदि धरातनयो रसपो भवेन्नरसराशियुता जनता शुभाः । नरपतिर्विषमोजनतापदो नजलदोबहुवृष्टि करो भवेत् ।। नीरसेशो रविस्तत्फलम्–नीरसाधिपतौ सूर्ये त्रपुचंदनयोरपि रत्नमाणिश्य मुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते । फलेशो गुरुस्तत्फलम्–सुरगुरुः फल नायकत्तांगतो गतभया वनराशि महाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सव मंदिरा श्रुतिविचारपराद्विजपूर्वकाः ।। धनेशो रविस्तत्त्फलम् द्रविणपे यदि वासरपे त्तदा वणिजतो बहुद्रव्यसमागमः । गजतुरंगम मेषखरोष्ट्रतो धन-वयं लभतेक्रय विक्रयात् ।। दुर्गेशोगुरुस्तत्फलम्–सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवराः नरपा नरपालिताः । गिरीषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शास्त्रवतां विशाम् ।। सर्वधारी नासंवत्सरस्तत्फलम् सर्वधार्यब्दपे भूपाः प्रजापालन तत्पराः । प्रशान्त वैरा सर्वत्रं बहु सस्यार्घवृष्टयः ।। वर्ष नाम ज्येष्ठस्तत्फलम्–तस्करैः पाप रोगैर्वा पीड्यंते पीडयाजना भ्रमंत्ति स्वेच्छया भूम्यां निर्द्रव्यै ज्यैष्ठ संज्ञके । मेघ नाम द्रोणः फलम्–द्रोणे वर्षति सर्वदा । रोहिणी निवासः संधौ फलम्–खंड वृष्टिश्च संघिषु । समय निवासो वणिग्गृहे फलम्–वणिग्गृहे शुभं नास्ति । एवं संचिन्त्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ।।

संमत् २०५२ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चैत्रमासः ।

शुक्ले १४ शुक्रे हस्ते ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे ६।।।।।।ऽ।।।

वैशाखमासः ।

कृष्णे ५ बुधे मूले ल. ८।१२ रे. ८।।।।।।ऽऽ।। मीने दग्धादोषः

" ७ शुक्रे उषा ल. गो ८।१२ रे. ८।।।।।।ऽऽ।।

शुक्ले २ चंद्रे रोहि ल. १२ रे. ८।।।।।ऽ रो ऽ।।।

" ३ भौमे मृगे ल.१२ रे. ८ऽ।।।ऽ।।।।। शनि १२ पूज्यः

" ८ चंद्रे मघा, ल.गो.सोग्रांगः रे. ८।।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभायः

" १० बुधे उफा. ल. गो. सोग्रांगः ६ रे. ६ऽ।।।ऽ।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

" ११ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो. सोग्रांगः रे. ६ ऽऽ।।।ऽरो ।।।घनलग्नेरेखा६लातपातैकार्गलदोषानामभावः

ज्येष्ठमासः ।

कृष्णे १ चंद्रे अनु. ल.६ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

" ३ बुधे मूले ल. गो. रे. ७।।।।।ऽअ.ऽ।।ऽ

" ४ गुरौ उषा. ल. १२ रे. ७।।।।।।ऽऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

"१० बुधे रेव. ल. ६ रे. ६।।।।।।।ऽ।।

शुक्ले ६ बुधे उफा. ल. गो. रे. ६ ऽ।।।ऽऽनृऽ।।।

आषाढमासः ।

कृष्णे ७ चंद्रे उभा. ल. २ रे. ६।।।।।ऽन्टऽऽ।ऽ गु. ७ पूज्यः

" ८ भौमे उभा. ल. अन्यगो. रे. ८।।।।।।ऽऽ।।

" ८ भौमे रेव. ल. २ रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।। गुरु ७ पूज्यः

" ६ बुधे रेव. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽ।।।।ऽ चो ।ऽ।।

शुक्ले ४ रवौ मघा. ल. अन्यगो. २ रे. ८।।।।।।ऽऽ।। वृषे गु. ७ पू.

" ६ भौमे उफा. ल. अन्यगो. रे. ६ ।ऽ।।ऽ।ऽऽ।।

मार्गशीर्षमासः ।

(मार्गशीर्षादिमासेषु गोधूल्यां भौम ७।८ म दोषः)

कृष्णे ११ रवौ हस्ते ल. अ. अन्यगो. रे. ८।।।।।ऽअ.।ऽ।।

शुक्ले ४ रवौ उषा. ल. अन्यगो. रे. ६ऽऽ।।।।ऽऽ।। आवश्यके

" १० शुक्रे उभा. ल. गो. रे. ६।।।।।ऽचौ ऽऽ।ऽ दग्धा. आवश्यके

" १० शुक्रे, रेव. ल. ६ (घ. ४८।३८ उ.) रे. ६ ।।।।।ऽ चौ ।।।। चं. ७ पू.

माघमासः ।

कृष्णे १० भौमे अनु. ल. ७।६ रे. ६ ।ऽ।।। ऽ अ ऽऽ।।

फाल्गुन मासः ।

कृष्णे ४ गुरौ हस्ते ल. ८।६ रे. ७ ।।।ऽशुऽ।।ऽ।। पादवेधात् शुक्रस्यवेधाऽभावः

" ५ शुक्रे हस्ते ल. गो. रे. ६ ।।। ऽ शु ऽऽरो।ऽ।। पादतो वेधाऽभावः

" ६ शनौ स्वा. ल. ८ रे. ८ ऽऽ।।।।।।।।

" ८ चंद्रे अनु. ल. ६ रे. ८।।।।। ऽ अ.।ऽ।।

" ६ भौमे अनु. ल. अन्यगो. रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।

शुक्ले २ भौमे उभा. ल. ६।१० रे. ७ ऽऽ।।।ऽ।।।

चैत्रमासः।

कृष्णे १ बुधे हस्ते ल. ६।१० (घ. ४६४१ उ.) रे. ८।ऽ।।।ऽनृ ।।।।

" ४ शनौ स्वा. ल. गो. रे. ६ ।।।ऽ बुऽ।।ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याभावः पादतो वेधाभावश्च

" ५ रवौ अनु. ल. ६।१० (घ. ५०।१६ उ.) रे ८ऽ।।।। ऽरो ।।।।

(सं० २००१ समारम्भ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्र : | वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः १०९१ सन् १९९५

१	श	४	५२	रे	९	३७	ऐं	८	१०	ब	४	५२	३०	५५	५१	९	११	३०	१
२	र	८	२२	अ	१५	१	वै	८	४४	कौ	८	२२	४९	५०	१०	१२	१	२	
३	चं	१३	३२	भ	२१	२३	वि	१०	६	ग	१३	३२	५३	४९	११	१३	२	३	
४	मं	१९	३	कृ	२८	२८	प्री	११	५०	वि	१९	३	५७	४९	११	१४	३	४	
५	बु	२५	२२	रो	३६	१०	आ	१४	२०	बा	२५	२२	३१	४८	१२	१५	४	५	
६	गु	३१	४६	मृ	४३	४०	सौ	१६	५२	तै	३१	४६	५	४७	१३	१६	५	६	
७	शु	३७	५३	आ	५०	५२	शो	१९	५	ग	४	४९	१०	४६	१४	१७	६	७	
८	श	४२	५१	पु	५६	३७	अ	२०	३१	वि	१०	२२	१४	४५	१५	१८	७	८	
९	र	४६	२९	पु	६०	०	सु	२०	५३	बा	१४	४०	१८	४४	१६	१९	८	९	
१०	चं	४८	२०	पु	१	८	धृ	१९	४८	तै	१७	२४	२२	४४	१६	२०	९	१०	
११	मं	४८	१६	श्ले	३	४८	शू	१७	१२	व	१८	१८	२६	४३	१७	२१	१०	११	
१२	बु	४६	१	म	४	२२	गं	१३	७	ब	१७	८	३०	४२	१८	२२	११	१२	
१३	गु	४१	५३	पू	५९	५७	वृ	७	२२	कौ	१३	५७	३४	४१	१९	२३	१२	१३	
१४	शु	३६	३	ह	५५	८	धु	१७	५१	ग	८	५८	३८	४०	२०	२४	१३	१४	
१५	श	२८	५०	चि	४९	४९	ह	४३	२	वि	२	२६	४२	४०	२०	२५	१४	१५	

मे. ९।३७	वक्री गुरुः ५७।५७ पूर्वास्तो बुधः १२/१४ +
मेषे	सिंघारा मस्स्यज. जिल्काद ११
बृ. २८।९	भ. ४६।१७ उ. गणगौरी
वृषे	भ. १९।३ या.
वृषे	[+चंद्र दर्शनम् अप्रेल ४ता. ३०E
मि. ९।५५	[E संवत्सरारंभः नवरात्रा.
मिथुने	भ. ३७।५३ उ. रेवत्यां बुधः ४५।५४
क. ४०/११	भ. १०।२२ या. पूभा. शुक्रः ४०।२५
कर्के	रामनवमी [B (सौरः १२।५) अश्वि. P
कर्के	[Pमेषे बुधः २०।३१
सिं. ३।४८	भ. १८ उ. ४८/१९ या. कामदा ११ व्र.
सिंहे	स्वाती २ राहुः आश्वि ४ केतुः २०।१६
कं. १७/१४	प्रदोषः [Aग्रस्तोदयं चंद्रग्रहणम्
कन्यायां	भ. ३६।३ उ. अश्वि मेषेऽर्कः ९।४०B
तु. ३२	भ. २।२६ या. हनुमन्जयंती. पूर्व भारतेA

५२ पं.चै.शु.५बु.इ.५३।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	७	१०	१०	६	११
२१	२०	१२	२१	१६	२४	१२	२१
५३	५८	५५	३७	४०	४८	५५	५१
३१	३०	४२	५	५	५४	५८	२६
५९	१०	५९	४९	७२	६	३	५९
४	१६	९/१	ब.	२	४६	११	४

गोचर ग्रहः

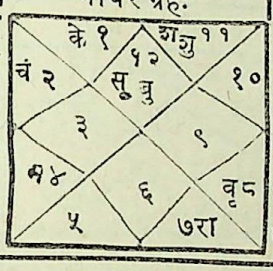

चैत्र शुक्ले १४

शुक्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहः

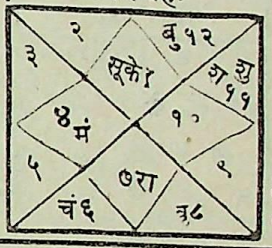

१ पं.चै.शु.१४ बु.इ. ९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	७	१०	१०	६	११
०	२२	२९	२१	२६	२६	१२	२९
०	१७	३७	२२	३४	४६	२९	५७
०	२	२३	३०	४८	८	५४	३८
५८	१५	५९/१	२८	७२	६	३	५५
४४	४६	९/३	व.	२८	२९	११	४८

ति. वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७ | वि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	र	२०	५६	स्वा	४३	३५	व	३३	२९	कौ	२०	५६	३१/४९	३९	२१	२६	१५	१६	
२	चं	१२	४०	वि	३७	१६	सि	२४	२०	ग	१२	४०	५०	३८	२२	२७	१६	१७	
३	मं	४	३१	अ	३१	११	व्य	१४	३९	वि	४	३१	५३	३७	२३	२८	१७	१८	
४	मं	५२	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु	४९	४३	ज्ये	२५	५७	व	४३/५१	४९	कौ	२३	११	५७	३७	२३	२९	१८	१९	
६	गु	४३	३१	मू	२१	२९	शि	५०	१३	ग	१६	३७	३२/१	३६	२४	३०	१९	२०	
७	शु	३८	४०	पू	१८	१३	सि	४३	४५	वि	११	५	५	३५	२५	१	२०	२१	
८	श	३४	५०	उ	१६	६	सा	२८	१४	बा	६	४५	९	३४	२६	२	२१	२२	
९	र	३२	१८	श्र	१५	५	शु	३३	५३	तै	३	३४	१२	३४	२६	३	२२	२३	
१०	चं	३०	४४	ध	१५	१३	शु	३०	२४	व	१/३	३१	१६	३३	२७	४	२३	२४	
११	मं	३०	२५	श	१६	३१	ब्र	२७	४६	ब	०	३४	२०	३२	२८	५	२४	२५	
१२	बु	३१	३२	पू	१९	५	ऐं	२६	१	कौ	०	५८	२३	३१	२९	६	२५	२६	
१३	गु	३३	२९	उ	२२	३४	वै	२५	२८	ग	२	३०	२७	३१	२९	७	२६	२७	
१४	शु	३६	४१	रे	२७	४	वि	२५	२६	वि	५	५	३१	३०	३०	८	२७	२८	
१५	श	४०	४५	अ	३२	३४	प्री	२६	३	च	८	४३	३४	२९	३१	९	२८	२९	

तुलायां	मौनें शुक्रः ५९।३४
बृ. २३/५०	भ. ३८।३५ उ.
वृश्चिके	भ. ४।३१ या. चतुर्थी व्र
०	
धे. २५/७	उभायां. शुक्रः ४६।५५
धनुषि	भ. ४३।३१ उ. भरण्यां बुधः ३७।९
म. ३२/४१	भ. ११।५ या. भा. वैशाखारंभः
मकरे	पूभा. ३ शनिः ४१।१
कुं. ४५।९	
कुम्भे	भ. १।३१ उ. ३०।४४ या.
कुम्भे	वरूधिनी ११ व्र.
मी. ३।२७	बुधोदयः पश्चिमायाम् १५।२१
मीने	भ. ३३/३९ उ. भरण्यां रविः ४९/५३ (सौरः ५३/३०) ×
मे. २७।४	भ. ५।५ या. वृषे बुधः ५४।२३
मेषे	[× कृत्ति : बुधः ९।२ प्रदोष व्र.

२ पं. वै. कृ' ७ शु.इ. ९।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	७	११	१०	६	०
६	२३	१४	२१	५	२६	१२	६
५०	५४	२७	१	०	३०	७	४७
४२	०	३६	३०	४०	३२	३८	४९
५८	१९	२९/३	४९/५	७२	६	३	५८
३१	१२	५०	व.	४७	१४	११	२९

गोचर ग्रहः

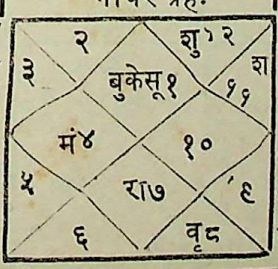

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथिक्षय और शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि दरेक वस्तु में मंदी करे धान्य मंदा होगा धृत चांदी रुई तेज।

गोचर ग्रहः

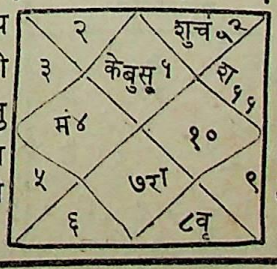

३ पं.वै.कृ.१४ शु.इ.१०।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	७	११	१०	६	०
१३	२५	२८	२०	१३	२७	११	१३
३९	५३	३६	३२	२७	१२	४५	३६
४७	१७	११	३१	३६	४३	२२	१४
५८	२२	२९/३	५३/५	७३	५	३	५८
१९	२३	५३	व.	१	५०	११	१२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेहर्गणः ११२० स. १९९५
१	र	४५	५६	भ	३९	११	आ	२०	३५	किं	१३	३४	३२	५	६	१०	२९	३०	बृ. ५५	रेवत्यां शुक्रः ४८।२०
२	चं	५१	३७	कृ	४६	७	सौ	२९	३१	बा	१८	५६	४१	२८	३२	११	३०	१	बृषे	चंद्र दर्शनम् मई ५ ता. ३१
३	मं	५७	४७	रो	५३	४६	शो	३१	५३	तै	२४	४२	४५	२७	३३	१२	१	२	बृषे	परशुरामजयंती अक्षया ३ जिल्हेज १२
४	बु	६०	०	मृ	६०	०	अ	३४	१७	व	३०	४९	४८	२६	३४	१३	२	३	मि. २७	भ. ३०।५९ उ. रोहि. बुधः ५८।५१
४	गु	४	११	मृ	१	२०	सु	३६	५३	वि	४	११	५२	२६	३४	१४	३	४	मिथुने	भ. ४।११ या. वक्री ज्येष्ठा. १ गुरुः ३१।०
५	शु	१०	११	आ	८	५०	धृ	३८	५७	बा	१०	११	५५	२५	३५	१५	४	५	क. ५८	पालस्पर्शः ४६।५२
६	श	१५	४१	पु	१५	३५	शू	४०	११	तै	१५	४१	५८	२४	३६	१६	५	६	कर्के	पालमोक्षः १५।७
७	र	२०	४	पु	२१	११	गं	४०	२३	व	२०	४	३३	२४	३६	१७	६	७	कर्के	भ. २०।४ उ. ५१।२८ या.
८	चं	२२	५२	श्ले	२५	१३	वृ	३९	१५	ब	२२	५२	५	२३	३७	१८	७	८	सिं. २५	[=(सौरः ४१।२२) अश्वि. मेषे शुक्रः×
९	मं	२३	४९	म	२७	२६	धु	३६	३२	कौ	२३	४९	८	२२	३८	१९	८	९	सिंहे	[× ५१।१४ : मोहिनी ११ व्र.
१०	बु	२२	४४	पू	२७	४३	व्या	३२	२४	ग	२२	४४	११	२२	३८	२०	९	१०	कं. ४२	भ. ५१।१० उ. मघा. सिंहे भौमः २४।४१
११	गु	१९	३७	उ	२५	५५	ह	२६	२४	वि	१९	३७	१४	२१	३९	२१	१०	११	कन्यायां	भ. १९।३७ या.कृत्ति. रविः ३५।४९=
१२	शु	१४	२६	ह	२२	७	व	१८	५८	बा	१४	२६	१७	२१	३९	२२	११	१२	तु. ४९	प्रदोषः
१३	श	७	२३	चि	१६	३७	सि	१०	४	तै	७	२३	२०	२०	४०	२३	१२	१३	तुलायां	भ. ५९।३ उ. नृसिंह १४
१४	श	५१	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	र	४९	४६	स्वा	१०	१	व्य	०९	४५	वि	२४	२४	२३	१९	४१	२४	१३	१४	बृ. ४९	भ. २४।२४ या. यमाय सान्नजलकुंभदानं

४ पं. वै. शु. ५ शु. इ. १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	७	११	१०	६	०
२०	२८	१०	१९	२१	२७	११	२०
२७	११	१७	५६	५५	५२	२३	२२
२५	५६	२१	२	३४	२३	७	५७
५८	२४	९०	३	७३	५	३	५७
६	४९	२८	व.	१४	२६	११	५७

गोचर ग्रहाः

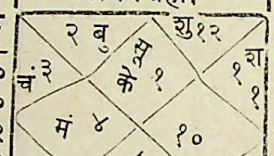

इस मास में घटा बढी अधिक होगी सुदी १५ के आसपास चांदी घृत चावल तेज हो मंदी में अनाज संग्रह करनाश्रेष्ठ है।

गोचर ग्रहाः

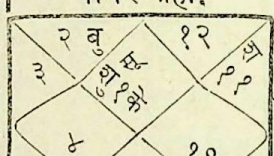

५ पं. वै.शु. १२ शु.इ. १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	७	०	१०	६	०
२७	०	१८	१९	०	२८	११	२७
१३	४७	४५	१३	२३	२८	०	०८
३७	१३	४०	१२	४६	३४	५१	११
५७	२६	५६	४६	७३	४	३	५७
५४	४४	४१	व.	२६	५७	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महा.;
१	चं	४०	१५	वि	४४	३२	प	३९	१८	बा	१५	०	३३	१९	४१	२५	१४	१५	वृश्चिके	वृषेऽर्कः ३।४ (सौरः ९।९)
२	मं	३०	४४	ज्ये	४७	५०	शि	२८	४४	तै	५	२९	२८	१८	४२	२६	१५	१६	ध. ४७	भ. ५६।९ उ.
३	बु	२१	३४	मू	४१	२६	सि	१८	४३	वि	२१	३४	३१	१८	४३	२७	१६	१७	धनुषि	भ. २१।३४ या. चतुर्थी व्र.
४	गु	१३	२०	पू	३६	२	सा	९	३५	बा	१३	२०	३४	१७	४३	२८	१७	१८	म.५०।२	मृगे बुधः ३७।११
५	शु	६	४४	उ	३२	३	शु	४०	२९	तै	६	४४	३७	१७	४३	२९	१८	१९	मकरे	
६	श	२७	५६	श्र	२९	४४	ब्र	४९	२८	व	१	२७	२९	१६	४४	३०	१९	२०	कुं. ५९	भ. १।२७ उ. २९।४३ या.
८	र	५६	११	ध	२९	१०	एं	४५	२५	बा	२७	१०	४२	१६	४४	३१	२०	२१	कुंभे	
९	चं	५६	४	श	३०	५	वै	४२	४६	तै	२६	७	४४	१५	४५	१	२१	२२	कुंभे	भरण्यां शुक्रः ५३।५३ भा. ज्येष्ठारंभः
१०	मं	५७	२५	पू	३२	४७	वि	४१	२०	व	२६	४४	४७	१५	४५	२	२२	२३	मी. १७	भ. २६।४४ उ. ५७।२५ या. वक्री×
११	बु	६०	०	उ	३६	४१	प्री	४१	१	ब	२८	४५	४९	१४	४६	३	२३	२४	मीने	अपरा ११ व्र. स्मा. [× बुधः--६।४७
११	गु	०	५	र	४१	४७	आ	४१	४३	बा	०	५	५२	१४	४६	४	२४	२५	मे. ४१	रोहि. रवि.: २६।३८ (सौरः ३५।१७)+
१२	शु	३	५६	अ	४७	४७	सौ	४२	४६	तै	३	५६	५४	१३	४७	५	२५	२६	मेषे	बुधास्तः पश्चिमायां ३९।१३ प्रदोषः
१३	श	८	४०	भ	५४	४४	शो	४४	३९	व	८	४०	५६	१३	४७	६	२६	२७	मेषे	भ. ८।४० उ. ४१।३१ या.
१४	र	१४	२१	कृ	६०	०	अ	४६	४०	श	१४	२१	५८	१२	४८	७	२७	२८	बृ. १९	[+अपरा ११ व्र. वै.
२०	चं	२०	१०	कृ	१	४८	सु	४८	५९	ना	२०	१०	३४	१२	४८	८	२८	२९	बृषे	सोमवती ३० वटपूजनम्

६ पं. ज्ये. कृ. ५ शु. इ. १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	७	०	१०	६	१
३	३२	२३	१८	८	२९	१०	२३
५८	३६	३०	२५	५२	१	३८	५१
३७	५०	१८	१२	५५	१६	३६	५२
५७	२८	१८	२९	७३	४	३	५७
४४	४४	२३	व.	४३	२६	११	३४

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ कृष्णे १ चं द्रे बृषेऽर्कः प्रविष्टःवा. ४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समग्रा शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

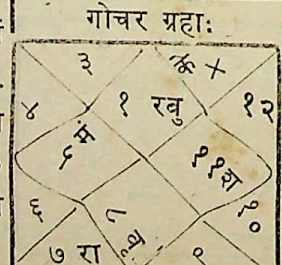

७ पं.ज्ये.कृ. १२ शु.इ. १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	७	०	१०	६	१
१०	६	२४	१७	१७	२९	१०	१०
४२	३९	१६	३३	२२	३०	१६	३४
२९	५८	२६	२९	२६	२९	२०	०३
५७	३०	१४	५६	७३	३	३	५७
३५	२०	व.	व.	५०	५७	११	२३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

×१शु चं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं २०५२ शाकः १९१७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे हर्गणः ११५० स, १९९५
१	मं	२६	१७	रो	९	१८	धृ	५१	३१	ब	२६	१७	३४	५	६	९	२९	३०	मि. ४३।३	वक्री रोहि. बुधः ६।४१
२	बु	३२	३०	मृ	१६	४९	शू	५३	५२	बा	३२	३०	३	१२	४८	१०	३०	३१	मिथुने	स्वाती १ राहु आश्वि. ३ केतुः १९।४७+
३	गु	३८	३२	आ	२४	१८	गं	५६	२	तै	५	३१	५	११	४९	११	१	१	मिथुने	जून ६ ता. ३० मोहोरम १ सन् १४१६ हि.
४	शु	४३	५०	पु	३१	६	वृ	५७	३१	व	११	११	७	११	४९	१२	२	२	क. १४	भ. ११।११ उ. ४३।५० या. कृति. शुक्र×
५	श	४८	२०	पु	३७	१४	ध्रु	५८	३०	ब	१६	५	९	१०	५०	१३	३	३	कर्क	पूभा. ४ मीने शनिः ३७।४५
६	र	५१	३७	श्ले	४२	१६	व्या	५८	२६	कौ	१९	५८	१०	१०	५०	१४	४	४	सिं. ४९	[+चंद्र दर्शनम्
७	चं	५३	२९	म	४५	४१	ह	५७	१३	ग	२२	२३	१२	१०	५०	१५	५	५	सिंहे	भ. ५३।२९ उ. वृषे शुक्रः ३१।३२
८	मं	५३	३७	पू	४७	४०	व	५४	२३	वि	२३	५५	१३	९	५१	१६	६	६	सिंहे	भ. २३।५५ या.
९	बु	५१	५३	उ	४७	५०	सि	५०	१७	बा	२२	१५	१५	९	५१	१७	७	७	कं २।४२	[×४९।९ वक्री अनु. ४ गुरुः ९।२७
१०	गु	४८	१५	ह	४६	५	व्य	४४	३५	तै	२०	४	१६	९	५१	१८	८	८	कन्यायां	मृगे रविः ३१ (सौरः ३४।७) गंगादशमी
११	शु	४२	४६	चि	४२	१९	व	३८	१७	व	१५	३०	१७	९	५१	१९	९	९	तु. १४	भ. १५।३० उ. ४२।४६ या. पूफा. A
१२	श	३५	३५	स्वा	२७	२	प	२८	४९	ब	९	१०	१८	८	५२	२०	०	१०	तुलायां	प्रदोष व्र.
१३	र	२७	२	वि	३०	२९	शि	१९	५	कौ	११	८	१९	८	४२	२१	११	११	वृ. १७।८	[Aभौमः १८।५१ निर्जला ? ११ व्र.
१४	चं	१७	१८	अ	२२	५२	सि	३९	४९	व	१७	१८	१९	८	४२	२२	१२	१२	वृश्चिके	भ. १७।१८ उ. ४२।२० या.
१५	मं	७	२२	ज्ये	१४	४८	शु	४६	४७	ब	७	२२	२०	८	५२	२३	१३	१३	ध. १४	रोहि शुक्रः ४९।९ गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

८ पं.ज्ये.शु.४ शु. इ.१०।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१	७	०	१०	६	१
१७	९	२१	१६	२५	२९	९	१७
२५	५३	५२	४०	५२	५५	५४	१५
१९	२	४१	१२	५९	५	४	९
५७	३१	३९	५३	७३	३	३	५७
२७	२८	व.	व.	५४	२४	११	१३

गोचर ग्रहाः

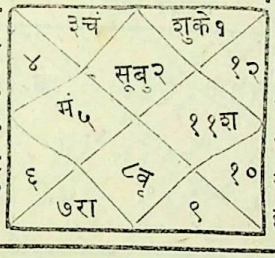

इस मास में गर्मी अधिक रोग पीड़ा हो। जौ गेहूं चना चावल मसूर मूंग उड़द घृत तिल तैल गुड़ खांड में मंदी होकर तेजी होगी.

गोचर ग्रहाः

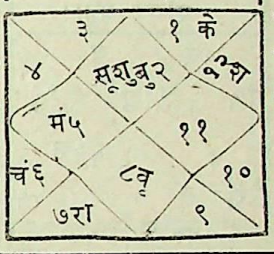

९ पं.ज्ये.शु.११शु.इ. ११।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	७	१	११	६	१
२४	१३	१८	१५	४	०	९	२३
७	१५	१९	४६	२३	१५	३१	५५
१९	४३	३४	५९	५३	४३	४९	०५
५७	३२	३९	५३	७४	२	३	५७
२२	४६	व.	व.	२३	९	११	५

ति.	आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं २०५२ शाकः १९१७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेतिः महाः
१	मं	४९	४९		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	४७	३४	मृ	५८	५९	शु	३६	१०	तै	२२	२५	३४	५	६	२४	१४	१४	धनुषि	बुधोदयः पूर्वस्याम् ४३।५८
३	गु	३९	२	उ	५३	५१	ब्र	२६	३१	व	१३	१८	२१	८	५२	२५	१५	१५	म. १३	भ. १३।१८ उ. ३९।२ या. मिथुनेऽर्कः B
४	शु	३१	५२	श्र	४९	२९	ए	१७	५४	ब	५	२७	२२	८	५२	२६	१६	१६	मकरे	[B २०।५ (सौरः ३४।५५)-च. व्र.
५	श	२६	४३	ध	४६	५८	वै	१०	४०	तै	२६	४३	२२	८	५२	२७	१७	१७	कुं. १७	
६	र	२३	२५	श	४६	१८	वि	५	४	व	२३	२५	२३	७	५३	२८	१८	१८	कुंभे	भ. २३।२५ उ. ५२।५२ या. मार्गी बुधः
७	चं	२२	१९	पू	४७	४७	प्री	१	३७	ब	२२	१९	२३	७	५३	२९	१९	१९	मी. ३३	
८	मं	२३	९	उ	५१	१	सौ	५७	४६	कौ	२३	९	२३	७	५३	३०	२०	२०	मीने	[C (सौरः ३६।२८) भा. आषाढारंभः
९	बु	२५	४२	रे	५५	५८	शो	५९	२८	ग	२५	४२	२४	७	५३	३१	२१	२१	मे. ५५	भ. ५७।४४ उ.
१०	गु	२९	४६	अ	६०	०	अ	५९	३२	वि	२९	४६	२४	७	५३	१	२२	२२	मेषे	भ. २९।४६ या. आर्द्रा. रवि. १९।० C
११	शु	३४	४४	अ	२	१६	सु	६०	०	ब	२	१५	२४	७	५३	२	२३	२३	मेषे	योनिनी ११ व्र.
१२	श	४०	४६	भ	९	१३	सु	१	३५	कौ	७	४५	२४	७	५३	३	२४	२४	बृ. २६।३	मृगे शुक्रः ४२।१
१३	र	४६	५२	कृ	१६	३४	धृ	३	५७	ग	१३	४९	२४	७	५३	४	२५	२५	वृषे	भ. ४६।५२ उ. प्रदोष व्र.
१४	चं	५२	५८	रो	२४	११	शू	६	२८	वि	१९	५५	२३	७	५३	५	२६	२६	मि. ५७	भ. १९।५५ या.
३०	मं	५९	४	मृ	३१	३७	गं	८	५९	च	२६	१	२३	७	५३	६	२७	२७	मिथुने	

१० पं. आ. कृ. ४ शु.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	७	१	११	६	२
०	१६	१६	१४	१२	०	९	०
४८	४६	७	५५	५५	३१	९	३४
३६	५५	३४	२६	१६	४४	३३	१४
५७	३३	१३	७	७४	२	३	५६
१७	३३	व.	२२	८	११	११	५७

गोचर ग्रहाः

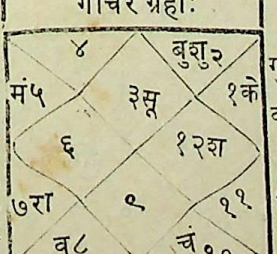

आषाढ कृष्णे ३ गुरौ मिथुने ऽर्क प्रविष्ट वा. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्धता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

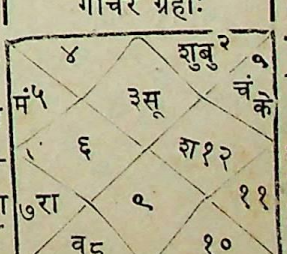

११ पं.आ.कृ. ११ शु.इ. १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	७	१	११	६	२
७	२०	१७	१४	२१	०	८	७
२९	२६	११	८	२७	४२	१२	१२
३१	२	२४	१०	१८	४७	१८	४१
५७	३४	१९	६	७४	१	३	५६
१३	३८	मा	४०	१४	२२	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७						दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	बु	६०	०	आ	३८	५२	वृ	११	१६	किं	३१	४९	३३ ४ ३५ ७ २८ २८ मिथुने
१	गु	४	३४	पु	४५	२९	ध्रु	२३	६	ब	४	३४	२२ ८ ५२ ८ २९ २९ क. ३८
२	शु	९	२५	पु	५१	१६	व्या	१४	३१	कौ	९	२५	२१ ८ ५२ ९ १ ३० कर्के
३	श	१३	३०	श्ले	५६	१६	ह	१५	१९	ग	१३	३०	२० ८ ५२ १० २ १ सिं. ५९
४	र	१६	२६	म	६०	०	व	१५	८	वि	१६	२६	१९ ८ ५२ ११ ३ २ सिंहे
५	चं	१८	२५	म	०	११	शि	१४	२९	बा	१८	२५	१८ ८ ५२ १२ ४ ३ सिंहे
६	मं	१९	२	पू	२	४९	व्य	१२	४५	तै	१९	२	१७ ९ ५१ १३ ५ ४ कं. १९
७	बु	१८	१८	उ	४	१९	व	९	४५	व	१८	१८	१६ ९ ५१ १४ ६ ५ कंन्यायां
८	गु	१६	२	ह	४	१६	प	५	३१	ब	१६	२	१५ ९ ५१ १५ ७ ६ तु. ३३
९	शु	१२	५	चि	३५	४४	सि	०	५३	कौ	१२	५	१४ ९ ५१ १६ ८ ७ तुलायां
१०	श	६	५०	वि	५४	४३	सा	४५	३२	ग	६	५०	१३ ९ ५१ १७ ९ ८ वृ. ४२
११	र	०	४	अ	४८	५५	शु	३६	४१	वि	०	४	० १० ५० १८ १० ९ वृश्चिके
१२	र	५१	४७	०	०	०	०	०	०	०	११	०	० ० ० ० ० ० ०
१३	चं	४३	२	ज्ये	४१	५९	शु	२६	४४	कौ	१७	३१	१० १० ५० १९ ११ १० ध. ४१
१४	मं	३३	२९	मू	३४	४२	ब्र	१६	३१	ग	८	१५	८ १० ५० २० १२ ११ धनुषि.
१५	बु	२३	३६	पू	२७	१७	ऐं	५९	४९	ब	२३	३६	७ ११ ४९ २१ १३ १२ म. ४२

चंद्र दर्शनम्
मिथुने शुक्रः १०।४६ रथयात्रा सफर २
भ. ४४।५८ उ. मृगे बुधः२४।५६ वक्री×
भ. १६।२६ या.
[×:अनु. ३ गुरुः ५।२ जौलाई३१
उका. भौमः ४७।५० [B३९।१३
भ.१८।१८ उ.४७।१० या. आर्द्रा शुक्रः B
पुन. रवि. १७।५० (सौरः ४०।३०)=
[= मिथुने बुधः ४१।१० वक्री शनिः ५४
भ. ३३।२७ उ. देवशयनी ११ व्र. स्मा.
भ. ०।४ या. देवशयनी ११ व्र. वै.
[Aबुधः१३।५८ वायुपरीक्षा
कन्यायां भौमः २०।४२ प्रदोषः
भ. ३३।२९ उ. ५८।३३ या. आर्द्रां. A
व्यासपूजा. गुरु १५

१२ पं. आ. शु. २ शु. इ. १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	७	२	११	६	२
१४	२४	२२	१३	०	०	८	१३
९	१३	१०	२४	०	४९	२५	५०
५८	४१	४१	१६	७	३७	२	४६
५७	३५	५६	५०	७४	०	३	५६
७	१९	९	व.	२०	४३	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में घट ावटी बजार में अधिक रहेगी तेजीमें बेचो मंदी में खरीदो फायदा होगा । सुदी में मंदी होवे और वर्षा होगी ।

गोचर ग्रहाः

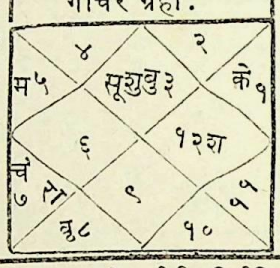

१३ पं.आ. शु. ९ शु. इ. १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	७	२	११	६	२
२०	२८	०	१२	८	०	८	२०
५०	५	४४	४९	३३	५१	२	२८
२४	५३	१०	८	३६	२५	४६	४०
५७	३६	८९	४४	७४	८	३	५६
७	३	३२	व.	२६	व.	११	५०

ति.	श्रावणकृष्ण पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७						दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	गु	१४	४२	उ	२०	२१	वि	४६	१	कौ	१४	४२	३५ ५ ४९ ३३ १४ १३ मकरे
२	शु	३४	५३	श्र	१४	१८	प्री	३७	२४	ग	६	३४	३ ११ ४९ २३ १५ १४ कुं ४२
४	श	५४	२०	ध	१०	४	आ	३०	१०	ब	२७	६	१ १२ ४८ २४ १६ १५ कुम्भे
५	र	५२	२९	श	७	३८	सौ	२४	३१	कौ	२३	२४	५३ १२ ४८ २५ १७ १६ मी. ३३
६	चं	५२	७	पू	७	१६	शो	२०	४०	ग	२२	१८	५७ १३ ४७ २६ १८ १७ मीने
७	मं	५३	४१	उ	९	८	अ	१८	२०	वि	२२	५४	५५ १३ ४७ २७ १९ १८ मीने
८	बु	५७	११	रे	१२	५०	सु	१७	५४	बा	२५	२६	५३ ४४ ४६ २८ २० १९ मे. ५०
९	गु	६०	०	अ	१८	१९	धृ	१९	१६	तै	२९	३५	५० १४ ४६ २९ २१ २० मेषे
९	शु	१	५९	भ	२४	४९	शू	१९	५९	ग	१	५९	४८ १४ ४६ ३० २२ २१ बृ. ४१
१०	श	८	४	कृ	३२	१३	गं	२२	२०	वि	८	४	४५ १५ ४५ ३१ २३ २२ वृषे
११	र	१४	१०	रो	३९	५३	वृ	२४	५०	बा	१४	१०	४३ १५ ४५ १ २४ २३ वृषे
१२	चं	२०	२६	मृ	४७	२८	धु	२७	२२	तै	२०	२६	४० १६ ४४ २ २५ २४ मि. १३
१३	मं	२६	२४	आ	५४	९	व्या	२९	४४	व	२६	२४	३८ १६ ४४ ३ २६ २५ मिथुने
१४	बु	३१	३८	पु	६०	०	ह	३१	३४	श	३१	३८	३५ १७ ४३ ४ २७ २६ क. ४८
२०	गु	३५	५८	पु	०	५९	व	३२	३९	च	३	४८	३३ १७ ४३ ५ २८ २७ कर्के

पुन. शुक्रः ३९ बुधास्तः+
भ. ५२।७ उ. कर्केऽर्कः सौरः १४।१४
भ.२२।५४ या.पुन. बुधः १२।४२
[×कामिका ११ व्र.
पुष्ये रविः १६।३४ (सौरः ४३।५५
भ. ३५।१ उ.
भ. ८।४ या.
कर्के बुधः ५।१८ [भा. श्रावणारंभः
पुष्ये बुधः ४० कर्के शुक्रः ३७ प्रदोषः
भ. २६।२४ उ. ५९।१ या.
पुष्ये शुक्रः ३२ हस्ते भौमः ४२ हरियाली ३०

१४ पं. श्रा.कृ. २ शु. इ. ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	७	२	११	६	२
२७	२	१२	१२	१७	०	७	२७
३०	४	१४	२०	७	४८	४०	६
४३	५	२	५६	५५	२५	३१	४७
५७	३६	३९	३७	७४	४६	३	५६
११	३५	२७	व.	२६	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

श्रावण कृष्णे ५ रवौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा ४ न.५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

१५पं. श्रा. कृ.९ शु.इ. १०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	७	२	११	६	३
४	६	२६	१२	२५	०	७	३
११	८	६	०	४३	४०	१८	४५
२८	३८	३६	४३	२३	२३	१५	१४
५७	३७	२९	२	७४	३१	३	५६
१५	२५	४४	व.	२९	व.	११	५८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७						दि. उ. अ.			भा मु. इं.			चंद्रः
१	शु	३९	५	पु	६	१९	सि	३३	५०	किं	७	३२	३३ ५ ६	६ २९ २८	कर्क
२	श	४१	१३	श्ले	१०	४७	व्य	२३	२३	बा	१०	९	३० १८ ४०	७ ३० २९	सिं १०।४७
३	र	४२	२०	म	१४	०	व	३१	१४	तै	११	४६	२७ १९ ४१	८ १ ३०	सिंहे
४	चं	४२	२८	पू	१६	२१	ध	२८	५१	व	१२	२४	२४ १९ ४१	९ २ ३१	कं ३१।४१
५	मं	४१	२८	उ	१७	४१	शि	२५	५६	ब	११	५८	२२ २० ४०	१० ३ १	कन्ययां
६	बु	३९	२७	ह	१८	१२	सि	२२	२८	कौ	१०	२७	१९ २० ४०	११ ४ २	तु ४७।४५
७	गु	३६	१८	चि	१७	१९	सा	१६	४०	ग	७	५२	१६ २१ ३९	१२ ५ ३	तुलायां
८	शु	३२	१९	स्वा	१५	३३	शु	१२	११	वि	४	१८	१३ २१ ३९	१३ ६ ४	भ. ३६।१८ उ. आश्ले रवि. १३।३५ ×
९	श	२७	२०	वि	१२	४३	शु	५	५२	कौ	२७	२०	१० २२ ३८	१३ ६ ४	वृ ५७।२६ भ. ४।१८ या. [×(सौरः ४४।४२)
१०	र	२१	१२	अ	८	४९	ए	५०	४९	ग	२१	१२	७ २३ ३७	१४ ७ ५	वृश्चिके [= २ केतुः १२।६
११	चं	१४	१३	ज्ये	४	५४	वै	४२	८	वि	१४	१३	४ २३ ३७	१५ ८ ६	वृश्चिके भ. ४७।४२ उ. मघा. सिंहे बुधः ३२।११
१२	मं	६	२८	मू	५२	३२	वि	३३	२	बा	६	२८	० २४ ३६	१६ ९ ७	ध. ४।८ भ. १४।१३ या. आश्ले. शुक्रः ९।३९ ÷
१३	मं	५१	५८	०	०	०	०	००	०	०	००	०	३३ २५ ३५	१७ १० ८	धनुषि प्रदोषः [÷वक्री पूभा ३ कुंभे शनिः ५९ ४० A
१४	बु	५०	३	उ	४६	४२	प्री	२३	४२	ग	२४	१४	५४ २५ ३५	१८ ११ ९	[A पवित्रा ११ व्र. म, ६।५
१५	गु	४२	२१	श्र	४०	५६	आ	१४	२६	वि	१६	१२	५० २६ ३४	१९ १२ १०	मकरे भ. ५०।३ उ. बुधोदय. पश्चिमायां ३५ भ. १६।१२ या. श्रावणी कर्म रक्षाबंधनं C

१६पं. श्रा.शु.१शु. इ. १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	७	३	११	६	३
१०	१०	१०	११	४	०	६	१०
५२	१७	५९	४९	१९	२७	५६	२४
३०	३५	५३	१	३७	४३	०	३१
५७	३७	२९	५८	७४	१०	३	५७
२०	५२	५८	व.	३२	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

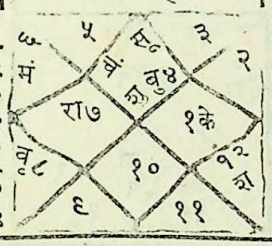

इस मास का फल श्रेष्ठ है वर्षा उत्तम होगी अनाज गला में मंदी, सुदी में चांदी सोनां तेंज होगा। सुदी में कहीं २ वर्षा कम होगी।

गोचर ग्रहाः

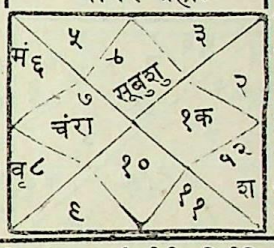

१७पं. श्रा. शु. ८शु. इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	७	३	११	६	३
१७	१४	२५	११	१२	०	६	१७
३४	३१	१७	४७	५७	१०	३३	०४
१२	५२	३५	६	७	२३	४४	१९
५७	३८	०९	२५	३३	२	३	५७
२५	२५	३३	मा	व.	४३	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चंद्रः
१	शु	३५	४३	ध	३६	६	सौ	४६	५५	बा	९	२	३२ ५ ३५	२० १३ ११	कुं ८।३१
२	श	३०	२२	श	३२	२९	अ	५१	१२	तै	३	२	४४ २७ ३३	२१ १४ १२	कुंभे भ. ५८।३५ उ.
३	र	२६	४७	पू	३०	४२	सु	४६	१	वि	२६	४७	४० २८ ३२	२२ १५ १३	मी १६।९ भ. २६।४७ या. पूफा. बुधः ५२।१ च.व्र.
४	चं	२५	१९	उ	३१	१५	धृ	४२	१९	बा	२५	१९	३७ २९ ३१	२३ १६ १४	मीने [×(सौरः ४१।७)मघा सिंहे शुक्रः ५६=
५	मं	२५	४९	रे	३३	२८	शू	४०	२३	तै	२५	४९	३३ २९ ३१	२४ १७ १५	मे ३३।२८ चंद्रष्ठमी [= जन्माष्टमी व्र. स्मा.
६	बु	२८	२३	अ	३७	२९	गं	४०	२	व	२८	२३	३० ३० २०	२५ १८ १६	मेषे भ. २८।२३ उ.
७	गु	३२	३४	भ	४३	१६	ब	४०	३८	वि	०	२८	२६ ३१ २९	२६ १९ १७	मेषे भ. ०।२८ या. मघा सिंहेऽर्क ७।३७×
८	शु	३८	१९	कृ	५०	१३	धृ	४२	३१	बा	५	२६	३३ ३२ २८	२७ २० १८	वृ ०।१ चित्रा भौमः १९।४९ जन्माष्टमी व्र. वै
९	श	४४	१९	रो	५७	४०	व्या	४४	३८	तै	११	१९	१९ ३२ २८	२५ २१ ३१	वृषे गोगा ९
१०	र	५०	३४	मृ	६०	०	ह	४७	१८	व	१७	२६	१५ ३३ २७	२९ २२ २०	मि ३१।२८ भ. १७।२६ उ. ५०।३४ या.
११	चं	५५	३०	मृ	५	१६	व	४९	४३	ब	२३	२	१२ ३४ २६	३० २३ २१	मिथुने अजा. ११ व्र.
१२	मं	६०	०	आ	१२	२६	सि	५१	३१	कौ	२८	३९	८ ३४ २६	३१ २४ २२	मिथुने उफा बुध. १४।० वत्सद्वादशी
१३	बु	१	४९	पु	१८	५५	व्य	५२	३२	तै	१	४९	४ ३५ २५	१ २५ २३	क २।१८ रा. भाद्रपदारंभः प्रदोषः
१३	गु	५	४६	पु	२४	११	व	५२	४०	व	५	४६	१ ३६ २४	२ २६ २४	कर्के भ. ५।४६ उ. ३७।३ या. कन्यायां B
१४	शु	८	१९	श्ले	२८	१०	प	५१	४३	श	८	१९	३९ ३७ २३	३ २७ २५	सिं २८।१० [B बुधः ३१।१३
२०	श	९	३७	म	३०	५२	शि	४९	३९	ना	९	३७	५३ ३७ २३	४ २८ २६	सिंहे कुशाग्रहणी मन्वादिः

१८पं.भा.कृ.१शु.इ.१०।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	७	३	१०	६	३
२४	१८	८	११	२१	२९	६	२३
१६	५०	२२	५३	३४	४९	११	४५
३७	२	३०	६	४१	१९	२८	२६
५७	२८	०९	१	७४	२३	३	५७
३३	५३	३३	३१	३८	व.	११	२२

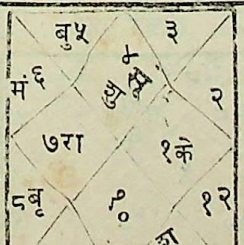

१९पं.भा.कृ.८शु.इ. ९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	७	४	१०	६	४
०	२३	२०	१२	०	२९	५	०
५९	१३	१४	८	१३	२४	४९	२७
५३	३०	४६	४२	४१	२५	१३	३९
५७	३९	९८	२	७४	३	३	५७
४०	२३	५९	५७	३८	५२	११	३४

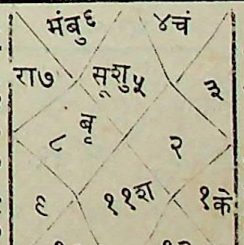

२०पं. भा.कृ.१४शु.इ.५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	७	४	१०	६	४
७	२७	०	१२	८	२८	५	७
४४	४१	५६	३२	५३	५६	२६	११
२०	४९	१०	३१	५६	५६	५७	९
५७	३९	८७	४	७४	९९	३	५७
४९	५९	२७	५	३८	व.	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२३९स,१९९५
१	र	९	३५	पु	३२	२४	सि	४६	४५	ब	९	३५	३१ ४९	५ ३८	२३ ६	५	२९ २७	कं.४७।२६	[+भौमः ५११५ चंद्रदर्शनम्
२	चं	८	३४	उ	३२	३२	सा	४२	५६	कौ	८	३४	४६	३९	२१	६	३० २८	कन्यायां	पूफा. शुक्रः ४४।३० तुलायां +
३	मं	६	१८	ह	३२	२	शु	३८	१८	ग	६	१८	४०	४०	२०	७	१ २९	कन्यायां	भ. ३४।५० उ. हरितालिका ३ गणेश-×
४	बु	३	२२	चि	३०	४०	शु	३३	२	वि	३	२२	३८	४०	२०	८	२ ३०	तु.१।२१	भ. ३।२२ या.पूफा. रविः५७।१३ऋषि५
५	गु	५	६ ११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	[×चतुर्थी रविलाखर ४
६	शु	५	५ ३६	स्वा	२८	४३	ब्र	२७	१८	कौ	२७	३४	३४	४१	१९	९	३ ३१	तुलायां	पूफा. रविः सौरः ३१।५९ हस्ते बुधः ५५ ५०
७	शु	५	० ५९	वि	२६	१९	ऐं	२१	२९	ग	२३	१७	३०	४२	१८	१०	४ १	वृ.११।१५	भ. ५०।५९ उ. सितम्बर ३०
८	श	४	५ ५९	अ	२३	२५	वै	१५	४२	वि	१८	२९	२६	४३	१७	११	५ २	वृश्चिके	भ. १८।२९ या.
९	र	४	० ३५	ज्ये	२०	७	वि	८	७	बा	१३	१७	२२	४४	१६	१२	६ ३	ध.२०।७	[÷महालयश्राद्धारंभः
१०	चं	३	४ ३८	मू	१६	२०	प्री	५२	५२ ३१	तै	७	३६	१८	४४	१६	१३	७ ४	धनुषि	अनु. ४ गुरुः ७।१९ रामदेवजीकामेला
११	मं	२	८ ३२	पू	१२	१३	सौ	४	५ ३१	व	१	३५	१५	४५	१५	१४	८ ५	म२६।८	भ. ३५ उ. ३२ या. जलझूलनी ११ व्र.
१२	बु	२	२ १८	उ	७	५४	शो	३	७ ५२	बा	२	२ १८	११	४६	१४	१५	९ ६	मकरे	वामन १२ प्रदोषः
१३	गु	१	६ ११	श्र	३	५०	अ	३	० १३	तै	१	६ ११	७	४७	१३	१६	१० ७	कुं ३१।२६	स्वात्यां भौमः ५५।१९
१४	शु	१	० ४१	ध	३	५६	सु	२	३ १	व	१	० ४१	३	४७	१३	१७	११ ८	कुंभे	भ. १०।४१ उ. ३८।२० या. उफा.8
१५	श	५	५ ८	पू	५	५ २	धृ	१	६ ३१	व	५	५ ८	५ ९	४८	१२	१८	१२ ९	मी४०।३१	[8शुक्रः ३० अनंत १४ व्र.÷

२१पं.भा.शु.७शु. इ.९।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	४	१०	६	४
१४	२	१०	१३	१७	२८	५	१३
२०	१३	२२	४	३५	२७	४	५६
००	३४	३०	३०	२	४	४२	२१
५८	४०	७३	५	७४	४	३	५७
१२	४	१०	१४	३६	२५	११	५७

गोचर ग्रहाः

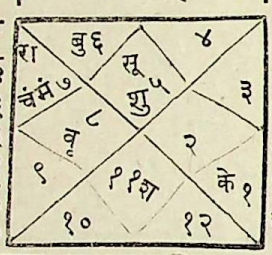

भाद्रपद कृष्णे ७ गुरौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

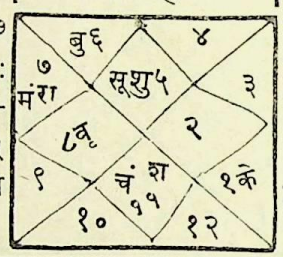

२२पं.भा.शु.१४शु. इ९।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	४	१०	६	४
२१	६	१८	१३	२६	२७	४	२०
१७	४९	१८	४४	१६	५५	४२	४३
२	३७	२५	४२	८	१९	२६	१
५८	४०	५४	६	७४	४०	३	५८
१३	४६	५८	२३	३२	व.	११	१३

ति.	आश्विन कृष्ण पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्र.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	र	२	४६	उ	५४	५१	शू	११	५	कौ	२	४६	३५ ५९	५ ४९	१९ ६	१९	१३ १०	मीने	
२	चं	१	८	रे	५६	८	गं	६	५९	ग	१	८	५१	५०	१०	२०	१४ ११	मे. ५६।८	भ. ३१।१० उ. कन्यायां शुक्र. ९।४१
३	मं	१	१३	अ	५९	११	वृ	४	७	वि	१	१३	४७	५१	९	२१	१५ १२	मेषे	भ. १।१३ या. चतुर्थी व्र.
४	बु	३	१४	भ	६०	०	ध्रु	२	५२	बा	३	१४	४३	५१	९	२२	१६ १३	मेषे	उफा.रविः४१।३८ चित्रा. बुध ३६।५३
५	गु	६	४७	भ	४	३	व्या	२	२७	तै	६	४७	३९	५२	८	२३	१७ १४	बृ२०।३७	उफा. रविः सौरः १६।३८
६	शु	१२	२	कृ	१०	२०	ह	३	३९	व	१२	२	३५	५३	७	२४	१८ १५	वृषे	भ. १२।२ उ. ४४।५७ या.
७	श	१७	५२	रो	१७	२३	व	५	१९	व	१७	५२	३१	५४	६	२५	१९ १६	मि५१।११	[×बुधः ५२।५२ हस्ते शुक्रः११५८
८	र	२४	८	मृ	२४	५९	सि	७	३९	कौ	२४	८	२७	५५	५	२६	२० १७	मिथुने	कन्यायामर्कः ६।५९ (सौरः ४१।४९)
९	चं	३०	१७	आ	३२	१९	व्य	१०	८	ग	३०	१७	२२	५६	४	२७	२१ १८	मिथुने	सौभाग्यवतीनांश्रा.
१०	मं	३५	४१	पु	३९	१३	व	१२	११	व	२	५९	१८	५६	४	२८	२२ १९	क२२।२९	भ. २।५९ उ. ३५।४१ या. वक्री ×
११	बु	३९	४९	पु	४४	५०	प	१३	३७	व	७	४५	१४	५७	३	२९	२३ २०	कर्के	इंदिरा ११ व्र.
१२	गु	४२	२५	श्ले	४९	५	शि	१३	५२	कौ	११	७	९	५८	२	३०	२४ २१	सिं. ४९।५	[÷शस्त्रादि हतानांश्राद्धम्
१३	शु	४३	२७	म	५१	३७	सि	१३	१	ग	१२	५६	५	५९	१	३१	२५ २२	सिंहे	भ. ४३।२७ उ. प्रदोषः
१४	श	४२	३६	पु	५२	३६	सा	१०	५१	वि	१३	१	३०	६	०	२२९	२६ २३	सिंहे	भ. १३।१ या. रा. आश्विनारंभः ÷
३०	र	४०	२१	उ	५१	५८	शु	७	२०	च	११	२८	५९	५९	२	२७	२४	कं७।२६	वक्री पूभा. २ शनिः २६।५१ सर्वपितृश्रा.

२३ पं. आ.कृ.६ शु.९।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	५	१०	६	४
२८	११	२४	१४	४	२७	४	२७
५	२९	७	३१	५८	२२	२०	३१
२४	१७	४४	४१	१६	५५	१०	२१
५८	४१	३०	७	७४	४	३	५८
२६	६	५९	२०	३२	४०	११	२९

गोचर ग्रहाः

आश्विन कृष्णे ८ रवौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ गतालका वस्था(ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

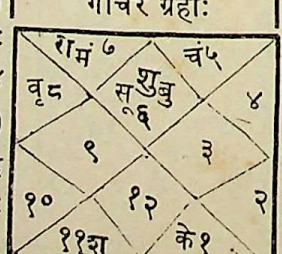

२४पं.आ.कृ.१३शु. इ.९।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	७	५	१०	६	५
४	१६	२५	१५	१३	२६	३	४
५५	१२	२९	२५	३९	५०	५७	२१
१६	५०	५३	४१	४७	३८	५५	२८
५८	४१	१५३	८	७४	३४	३	५८
३	३६	व.	२८	२६	व.	११	४५

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२६८ स. १९९५
१	चं	३६	५२	ह	५०	१४	शु	४०	३५	किं	८	३६	५३	६	५८	३	२८	५२	कन्यायां	मातामह श्रा. नवरात्रा.
२	मं	३२	१९	चि	४७	४०	ऐं	५०	४६	बा	४	३५	४८	२	५८	४	२९	२६	तु. १८।५७	चंद्र दर्शनम् [A जमादिलावल ५
३	बु	२७	८	स्वा	४४	१७	वै	४३	५०	ग	२७	८	४४	३	५७	५	१	२७	तुलायां	भ. ३५ उ. हस्ते रविः २०।८ (सौरः=
४	गु	२१	४३	वि	४०	३८	वि	३६	२८	वि	२१	४३	४०	४	५६	६	२	२८	वृ २६।३२	भ. २१।४३ या. बुधास्तः पश्चिमायां ३७
५	शु	१६	११	अ	३६	५७	प्री	२९	१६	बा	१६	११	३६	५	५५	७	३	२९	वृश्चिके	वक्री हस्ते बुधः ३४।४३ चित्रा शुक्र ५५
६	श	१०	४६	ज्ये	३३	२९	आ	२२	७	तै	१०	४६	३२	६	५४	८	४	३०	ध, ३३।२९	ज्येष्ठा. १ गुरुः ४२।४
७	र	५	३१	मू	२९	५६	सौ	१४	४३	व	५	३१	२८	६	५४	९	५	१	धनुषि	भ. ५।३१ उ. ३२।५६ या. अक्टूबर ३१B
८	चं	०	२०	पू	२६	४९	शो	७	४४	ब	०	२०	२३	७	५३	१०	६	२	म, ४१।०	सरस्वतिपू, बलिदा. [×पर्पाकुशा ११ व्र.
९	चं	५५	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	[=५०।१९) विशा. भौम. ४२।३२ A
१०	मं	५०	४९	उ	२३	३५	अ	४९	५३	तै	२३	७	१९	८	५२	११	७	३	मकरे	विजयादशमी. [B सरस्वत्याव्राहनम्
११	बु	४६	२९	श्र	२१	०	धृ	४७	५६	व	१८	३९	१५	९	५१	१२	८	४	कुं, ४९।५०	भ. १८।३९ उ. ४६।२९ या. चित्रा. ३÷
१२	गु	४१	४३	ध	१८	४१	शू	४१	५९	ब	१४	६	११	१०	५०	१३	९	५	कुंभे	तुलायां शुक्रः १६ शुक्रोदयः पश्चिमायां ४६
१३	शु	३८	४६	श	१७	४	गं	३६	३१	कौ	१०	१४	७	११	४९	१४	१०	६	कुम्भे	प्रदोष व्र. [÷राहुः अश्वि. १ केतुः २८×
१४	श	३७	४३	पू	१६	७	वृ	३१	४७	ग	८	१४	३	११	४९	१५	११	७	मी. १।२१	भ. ३७।४३ उ. कोजागरी व्र.
१५	र	३६	५४	उ	१६	२५	ध्रु	२७	५२	वि	७	१८	२९	१२	४९	१६	१२	८	मीने	भ. ७।१८ या. शरद् पूर्णिमा.

२५ पं.आ.शु.५ शु.इ.९।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	७	५	१०	६	५
११	२१	२३	१६	२२	२६	३	११
४६	०	४५	२५	२२	१९	३५	१३
५२	२९	२२	४१	४१	१६	३९	२९
५८	४१	५३ १६	९	७४	२४	३	५९
५३	५७	व.	१४	२६	व.	११	०

गोचर ग्रहाः

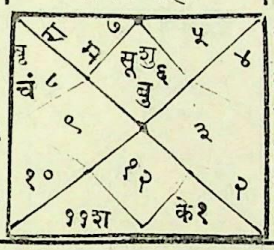

इस मास में ५ रवि वार रोगपीड़ाकारक है "पंचार्कवासरे रोगाः" रसपदार्थ गुड़ खांड घृत तेल अनाज गल्ला धातु आदि तेज हो।

गोचर ग्रहाः

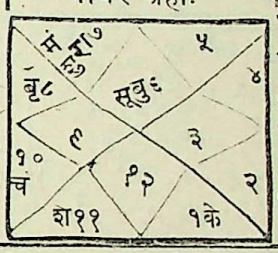

२६ पं.आ.शु.१३ शु.इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	७	६	१०	६	५
१८	२५	१६	१७	१	२५	३	१८
४०	५१	१७	३१	५	४९	१३	७
८	५०	४२	३४	२८	३०	२४	१६
५९	४२	६१ ५८	९	७४	४	३	५९
९	२५	व.	५५	२६	व.	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्ण पक्षः सं. २०५२ शाकाः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्वि. कृष्णेति महा.
१	चं	३७	२६	रे	१७	४९	व्या	२५	७	बा	७	१०	२८	१३ ६	५ ४७	१७	१३	९	मे. १७।४९	[C सूर्यग्रहणम् अन्नकूट=
२	मं	३९	४२	अ	२०	४९	ह	२३	४९	तै	८	३४	५१	१४	४६	१८	१४	१०	मेषे	चित्रा. रविः ५२।१० स्वात्यां शुक्रः ३७।२
३	बु	४३	०	भ	२५	१०	व	२३	३	व	११	२१	४७	१५	४५	१९	१५	११	बृ. ४१।३७	भ. ३५ उ. ४३।० या. चित्रा. रविः सौरः ३४
४	गु	४८	९	कृ	३०	५९	सि	२३	३३	व	१५	३५	४३	१५	४५	२०	१६	१२	वृषे	बृश्चि के भौमः ५।३६ बुधोदयः ÷
५	शु	५३	४३	रो	३७	२८	व्य	२४	५६	कौ	२०	५६	३९	१६	४४	२१	१७	१३	वृषे	[÷पूर्वस्याम् १३।५० च.व्र.
६	श	६०	०	मृ	४५	०	व	२६	५६	ग	२६	४३	३५	१७	४३	२२	१८	१४	मि ११।१४	मार्गी बुधः ९।३
६	र	०	४	आ	५२	३६	प	२९	१७	ब	०	४	३१	१८	४२	२३	१९	१५	मिथुने	भ. ०।४ उ. ३३।१५ या.
७	चं	६	२५	पु	५९	५२	शि	३१	३३	ब	६	२५	२७	१९	४१	२४	२०	१६	क. ४३।३	अनु. भौमः ४७।३४
८	मं	१२	१८	पु	६०	०	सि	३३	२६	कौ	१२	१८	३३	१९	४१	२५	२१	१७	कर्के	तुलायामर्कः ३५।५९
९	बु	१७	६	बु	६	२२	सा	३४	२३	ग	१७	६	२०	२०	४०	२६	२२	१८	कर्के	भ. ४८।४० उ. (तुलायामर्क ७।३७ सौरः)
१०	गु	२०	१४	श्ले	११	१९	शु	३४	१७	वि	२०	१४	१६	२१	३९	२७	२३	१९	सिं ११।१९	भ. २०।१४ या. [= गोवर्द्धनपूजा
११	शु	२१	३७	म	१४	४७	शु	३२	४६	बा	२१	३७	१२	२२	३८	२८	२४	२०	सिंहे	ज्येष्ठा. २ गु १६।८ रमा ११ व्र.
१२	श	२१	१२	पू	१६	१४	ब्र	२९	३९	तै	२१	१२	८	२२	३८	२९	२५	२१	कं. ३१।१०	विशा. शु: २०।५२ प्रदोषः धन १३
१३	र	१८	४५	उ	१५	५६	ऐं	२५	८	व	१८	४५	४	२३	३७	३०	२६	२२	कन्यायां	भ. १८।४५ उ. ४६।४० यां. रूप १४
१४	चं	१४	३५	ह	१३	४४	वै	१९	३	श	१४	३५	०	२४	३६	१	२७	२३	तु. ४२।०	रा. कार्तिकारंभः महालक्ष्मीपूजनम्
२०	मं	८	५६	चि	१०	१७	वि	११	५५	ना	८	५६	२७	२५	३५	२	२८	२४	तुलायां	स्वात्यां रविः १८।१ (सौरः ४८।४०) C

२७ पं. का. कृ.५ शु.इ.८।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	७	६	१०	६	५
२५	०	११	१८	९	२५	२	२५
३५	४६	३१	४२	४७	२२	५१	२
२	३०	२३	५४	५६	१९	८	५८
५९	४२	१० १७	१०	७४	४ ६	३	५९
२१	५२	व.	४१	२०	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

कार्तिक कृष्णे ८ भौमे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

२८ पं.का.कृ ११ शु.इ.८।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	७	६	१०	६	६
२	५	१४	१९	१८	२४	२	२
३१	४४	१४	५८	३०	५९	२८	०
२६	२८	६	३४	२९	२	५२	२५
५९	४३	६ १६	११	७४	३ १०	३	५९
३४	८	मा	१८	१४	व.	११	४६

CC-0. Gurukul Kangri Vishwavidyalaya Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७										दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः १२९८स. १९९५
१	बु	२ १३	स्वा	५ २६	प्री	४७ ३५	व	२ १३	२७ ५३	६ २५	५ ३५	३ २९ २५	वृ ४६।३४	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ २
२	बु	५ २ १७	०	० ०	०	० ०	०	० ०	०	० ०	०	० ० ०	० ०	[÷नवम्बर ३० अक्षय ९
३	गु	४७ ४९	वि	१९ ५४	सौ	४६ १४	तै	२१ ९	४९	२६ ३४	४	१ २६	वृश्चिके	जमादिलाखर ६
४	शु	४० ४४	ज्ये	४९ ३९	शो	३७ १८	व	१४ १६	४५	२७ ३३	५	२ २७	ध. ४९।३९	भ. १४ उ. ४४ या. चित्रा. बुधः १७।४३
५	श	३४ ६	मू	४४ ४७	अ	२८ ४२	व	७ २५	४१	२८ ३२	६	३ २८	धनुषि	[=ज्येष्ठा. ३ गुरुः ११।११
६	र	२८ ६	पू	४० ३९	सु	२० ५२	कौ	१ ६	३७	२९ ३१	७	४ २९	म. ५४।४७	बृश्चिके शुक्रः २३।४०
७	चं	२२ ५१	उ	३७ १३	धृ	१३ ११	व	२२ ५१	३४	२९ ३१	८	५ ३०	मकरे	भ. २२।५१ उ. ५०।४४ या.
८	मं	१८ ३६	श्र	३४ ४९	शू	६ २३	व	१८ ३९	३०	३० ३०	९	६ ३१	मकरे	तुलायां बुध ३३।३० गोप ८
९	बु	१५ १	ध	३३ ९	गं	१७ ५४	कौ	१५ १	२७	३१ २९	१०	७ १	कुं. ३।५९	अनु.शुक्रः २।२ बुधास्तः पूर्वस्याम् ५६÷
१०	गु	१२ ३३	श	३२ ३३	ध्रु	५० २४	ग	१२ ३३	२२	३१ २९	११	८ २	कुंभे	भ. ४१।४८ उ.
११	शु	११ ३	पू	३२ ४२	व्या	४६ ३२	वि	११ ३	१९	३२ २८	१२	९ ३	मी. १७ ४०	भ. ११ या. प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसीविवाहः
१२	श	१० ३०	उ	३३ ५९	ह	४३ २७	बा	१० ३०	१६	३३ २७	१३	१० ४	मीने	स्वात्यांबुधः ३६ ज्येष्ठा.भौमः १९ प्रदोषः
१३	र	११ ५	रे	३६ १९	व	४१ २१	तै	११ ५	१२	३४ २६	१४	११ ५	मे. ३६।१९	वैकुंठ १४
१४	चं	१२ ३२	अ	३९ ४७	सि	४० १९	व	१२ ३२	९	३४ २६	१५	१२ ६	मेषे	भ. १३ उ. ४४।३ या. विशा. रविः ३८=
१५	मं	१५ ३३	भ	४४ १९	व्य	३९ ४४	ब	१५ ३३	५	३५ २५	१६	१३ ७	मेषे	विशा. रविः सौरः ६।४ मन्वादिः

२९ पं.का.शु.४ शु. इ.८।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	७	६	१०	६	६
९	१०	२३	२१	२७	२४	२	८
२९	४६	६	१८	१२	३९	६	५९
४२	४८	४	४३	४७	०	३७	४५
५९	४३	८	९	११	७४	२२	३	६०
४७	१९	११	५६	५	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

इस मास का फल मध्यम है तेजी मंदी अधिक होगी। सूर्य-ग्रहण से पूर्व मंदी बस्तु हो खरीदना तेजी होगी। चांस है लाभ होगा।

गोचर ग्रहाः

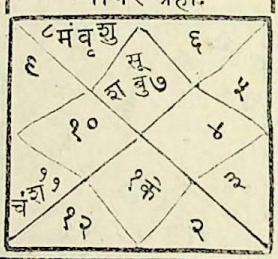

३० पं.का. शु.११ इ.८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	७	१०	६	६	
१६	१५	४	२२	५	२४	१	१६
२९	५१	१४	४२	५५	२३	४४	० ०
२८	४३	४२	२२	३७	२०	२१	४९
६०	४३	९८	१२	७४	४९	३	६०
४	३४	११	२०	२	व.	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७										दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्ति. कृष्णेत्ति महा.
१	बु	१९ २८	कृ	५० ६	व	४० १७	कौ	१९ २८	२७ ३६	५ २४	१७ १४	८	बृ. ०।४६	[=मार्गी शनिः ४७।३१ प्रदोषः
२	गु	२४ ४८	रो	५६ ३०	प	४१ २७	ग	२४ ४८	२६ ३६	२४	१८ १५	९	वृषे	भ. ५७।३७ उ.
३	शु	३० २६	मृ	६० ०	शि	४३ १५	वि	३० ३६	५५ ३७	२३	१९ १६	१०	मि ३०।८	भ. ३०।२६ या.
४	श	३६ ४६	मृ	३ ४७	सि	४५ ३९	व	३ ३६	५२ ३८	२२	२० १७	११	मिथुने	ज्येष्ठा. शुक्रः ४६।३५ चतुर्थी व्र.
५	र	४३ १६	आ	११ १८	सा	४७ ४३	कौ	१० १	४९ ३८	२२	२१ १८	१२	मिथुने	विशा. बुधः ४२।२८
६	चं	४९ ३५	पु	१९ ८	शु	४९ ५६	ग	१६ २५	४५ ३९	२१	२२ १९	१३	क. २।१०	भ. ४९।३५ उ. [×उपत्ति ११ व्र. स्माः
७	मं	५५ ४	पु	२६ २३	शु	५१ ४०	वि	२२ १९	४२ ४०	२०	२३ २०	१४	कर्के	भ. २२।१९ या.
८	बु	५९ ५	श्ले	३२ १०	ब्र	५२ २९	बा	२७ ४	३९ ४०	२०	२४ २१	१५	सिं ३२।१०	[÷ज्येष्ठा. ४ गुरुः ४९।१३
९	गु	६० ०	म	३७ १	ऐं	५२ ३	तै	३० १९	३६ ४१	१९	२५ २२	१६	सिंहे	बृश्चिकेऽर्कः ३४।३२
९	शु	१ ३३	पू	३९ ३७	वै	५० ०	ग	१ ३३	३३ ४१	१९	२६ २३	१७	कं. ५४।५३	भ. ३१।४६ उ. वृश्चिऽर्कः सौरः ०।२१
१०	श	१ ५९	उ	४० ४४	वि	४६ ३१	वि	१ ५९	३० ४२	१८	२७ २४	१८	कन्यायां	भ. १।५९ या. बृश्चिके बुधः ५३।२९×
११	र	० २६	ह	३९ ४३	प्री	४१ ७	बा	० २६	२७ ४३	१७	२८ २५	१९	कन्यायां	अनु. रविः ५२।५२ उत्पत्ति ११ व्र. वै.
१२	र	५६ २५	०	० ०	०	० ०	०	० ०	० ०	०	० ०	०	० ० ०	[+भौमः ३९।८ भा. मार्गशीर्षारंभः
१३	चं	५१ २८	चि	३६ ४९	आ	३४ ४६	ग	२४ ९	२५ ४३	१७	२९ २६	२०	तु. ८।१६	भ. ५१।२८ उ. अनु. रविः १७।९=
१४	मं	४४ १४	स्वा	३१ ५६	सौ	२६ ३५	वि	१७ ५१	२२ ४४	१६	३० २७	२१	तुलायां	भ. १७।५१ या. अनु. बुधः १२।४२ ÷
३०	बु	३६ ९	वि	२५ ५८	शो	१७ २३	च	१० ११	१९ ४४	१६	१ २८	२२	बृ. १२।२८	मूले धनुषि शुक्रः २७।४० मूले धनुषि+

३१ पं.मा.कृ.३ शु.इ.७।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	७	७	१०	६	६
२३	२०	१५	२४	१४	२४	१	२३
३०	५९	४३	९	३८	१२	२२	३
५०	५६	४१	७	२८	७	६	२४
६०	४३	९९	१२	७३	६	३	६०
१७	४४	३२	४४	५६	व.	११	३०

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष कृष्णे ९ गुरौ बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा ३ न ३ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

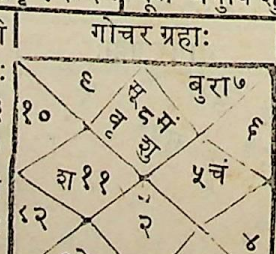

३२ पं.मा.कृ.९ शु.इ.७।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	७	७	१०	६	७
०	२६	२७	२५	२३	२८	०	०
३३	१०	३	३८	२०	६	५९	७
२९	५२	२२	५६	४६	२९	५०	२८
६०	४४	०	१३	७२	२२	३	६०
३०	२१	३३	८	५०	व.	११	४०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १३२७ स. १९९५

| | | |

ति.	पौष शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः १३५६ स. १९९५
१	शु	५०	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	४३	५५	पू	२४	३१	ध्रु	४८	२५	बा	१८	४०	३५ ५३ ५	२ २९ २३	म. ३७ ३२	चन्द्र दर्शनम्
३	र	३५	२२	उ	१७	१७	व्या	३७	९	तै	९	३८	३६ ५३ ७	३ १ २४	मकरे	श्रवणे शुक्र: ४५।४५ सावान ८
४	चं	२८	५	श्र	११	१३	ह	२७	५१	व	१	४३	३७ ५३ ७	४ २ २५	कुं. २८।५९	भ.१।४३ उ.२८।५ या.उषा. बुध.१७।६
५	मं	२२	२०	ध	६	४६	व	१९	५८	बा	२२	२०	३७ ५३ ७	५ ३ २६	कुम्भे	
६	बु	१८	२६	श	४	१	सि	१३	४१	तै	१८	२६	३७ ५३ ७	६ ४ २७	मी. ४८ १९	मकरे बुध: ३८।४७ उषा. भौम: ४।३१
७	गु	१६	१८	पू	२	५५	व्य	८	३८	व	१६	१८	३८ ५२ ८	७ ५ २८	मीने	भ. १६।१८ उ. ४६।१८ या.
८	शु	१६	१७	उ	३	४४	व	५	११	ब	१६	१७	३८ ५२ ८	८ ६ २९	मीने	पूषा. रविः १५।१४ (सौर: ३०।३१)
९	श	१७	५०	रे	६	२८	प	३	१३	कौ	१७	५०	३९ ५२ ८	९ ७ ३०	मे. ६।२८	B मूल: ३ गुरु: ०।१९
१०	र	२०	५३	अ	१०	३७	शि	२	२३	ग	२०	५३	४० ५२ ८	१० ८ ३१	मेषे	भ. ५३।१० उ. मकरे भौम: २६।४३
११	चं	२५	२८	भ	१५	५९	सि	३	१	वि	२५	२८	४१ ५२ ८	११ ९ १	बृ. ३३	भ. २५।२८ या. उदयं गुरोः ×
१२	मं	३०	३५	कृ	२२	२७	सा	३	४२	वा	३०	३५	४२ ५२ ८	१२ १० २	वृषे	× ४०।१२ जनवरी ३१ सन् +
१३	बु	३६	५३	रो	२९	३०	शु	५	३०	कौ	३	४४	४३ ५१ ९	१३ ११ ३	वृषे	प्रदोष व्र. +१९९६ पुत्रदा ११ व्र.
१४	गु	४३	१	मृ	३६	४७	शु	७	२७	ग	९	५७	४४ ५१ ९	१४ १२ ४	मि. ३।३८	भ. ४३।१ उ. धनि शुक्र: ३२।२६
१५	शु	४९	२६	आ	४४	१७	ब्र	९	३६	वि	१६	१३	४५ ५१ ९	१५ १३ ५	मिथुने	भ. १६।१३ या. श्रवणे बुध: ४०।४१ B

उ. गु.

२८ पं.पौ.शु.८शु. ६।३७

ग्रोचर ग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	८	९	१०	५	८
१३	२८	१	५	१५	२५	२८	१३
११	१३	५६	६	२४	१८	४६	५५
१३	८	१७	२९	३६	५४	१६	३१
६१	४५	७९	१३	७२	३	३	६१
६	४६	२६	३२	४८	५२	११	२६

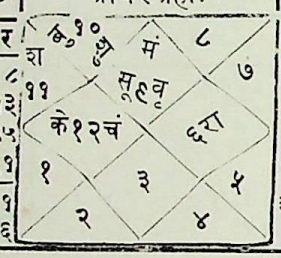

पौष कृष्णे ९ शनौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवाऽवस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

ग्रोचर ग्रहाः

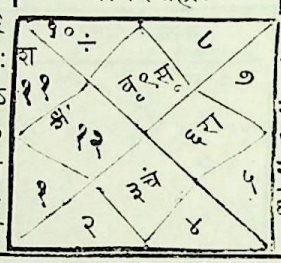

३९ पं.पौ.शु.१५शु.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	८	९	१०	५	२
२०	३	९	६	२४	२५	२८	२०
१९	४१	३२	४१	१	४७	५४	५
२६	१०	१७	२४	१२	२८	१	२८
६१	४५	४८	१३	७२	४	३	६१
६	५८	२८	३१	३०	३४	११	२६

ति.	माघ कृष्ण पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेपौषकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	५५	५३	पु	५१	३९	ऐं	११	४८	बा	२२	४०	२७ ५१ ९	१६ १४ ६	क. ३४ ४२	
२	र	६०	०	पु	५८	५०	वै	१४	१	तै	२८	२४	४८ ५० १०	१७ १५ ७	कर्के	
२	चं	०	५५	श्ले	६०	०	वि	१५	३८	ग	०	५५	५० ५० १०	१८ १६ ८	कर्के	भ. ३४।२ उ.
३	मं	७	१०	श्ले	५	२८	प्री	१६	४९	वि	७	१०	५२ ५० १०	१९ १७ ९	सिं. ५।२८	भ. ७।१० या. वक्री बुधः ३३।३ कुभे ×
४	बु	११	३७	म	१०	११	आ	१७	३२	बा	११	३७	५३ ४९ ११	२० १८ १०	सिंहे	[× शुक्रः ५।व२९ च. व्र.
५	गु	१५	८	पू	१५	५३	सौ	१७	२१	तै	१५	८	५५ ४९ ११	२१ १९ ११	कं. ३१ ४७	उषा रविः १९।५९ (सौरः ३१।५८)
६	शु	१७	३०	उ	१९	३१	शो	१६	४	व	१७	३०	५७ ४९ ११	२२ २० १२	कन्यायां	भ. १७।३० उ. ४७।५३ या. बुधास्तः ÷
७	श	१८	१६	ह	२१	३४	अ	१३	४६	व	१८	१६	५९ ४८ १२	२३ २१ १३	तु. ५०।३२	वक्री उषा.बुधः३६।४श्रवणे भौम११।३९
८	र	१७	३५	चि	२२	१०	सु	१०	५	कौ	१७	३५	२९ ४८ १२	२४ २२ १४	तुलायां	मकरेऽर्कः ३६।२३ (सौरः ४७।२५)
९	चं	१५	६	स्वा	२१	६	धृ	५	३३	ग	१५	६	४ ४७ १३	२५ २३ १५	तुलायां	भ. ४२।५० उ. शते शुक्रः ३०।२२
१०	मं	१०	३५	वि	१८	४	गं	५०	५६	वि	१०	३५	६ ४७ १३	२६ २४ १६	वृ. ३।४९	भ. १०।३५ या. पूभा. ३ शनिः २४७
११	बु	४	४४	अ	१३	२९	व्र	४	१५	बा	४	४४	८ ४६ १४	२७ २५ १७	वृश्चिके	षट् तिला ११ व्र.
१२	बु	५२	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०	[÷पश्चिमायां १६।४
१३	गु	४८	४९	ज्ये	७	३२	ध्रु	३	२	१	ग	२३	८	११ ४६ १४	२८ २६ १८	ध. ७।३२ भ. ४८।४९ उ. प्रदोषः
१४	शु	३९	२३	मू	३४	५२	व्या	२१	२०	वि	१४	६	१३ ४५ १५	२९ २७ १९	धनुषि	भ. १४।६ या. मूल. ४ गुरुः ५९।३७
२०	श	२९	४५	उ	४५	२०	ह	१९	५९	च	४	३४	१६ ४५ १५	३० २८ २०	म. ६।२	

४० पं.मा.कृ.६शु.इ. ६।३०

ग्रोचर ग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	८	१०	१०	५	८
२७	९	१०	८	२२	२६	२८	२७
२७	१०	४१	१५	३५	२०	१	१५
२२	१	३५	४०	२	१३	४५	२०
६१	४६	५४	१३	७२	४	३	६१
६	२	व.	२०	६	५७	११	२४

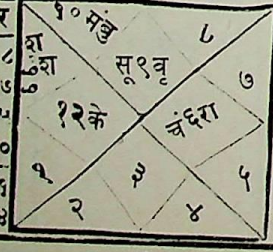

माघकृष्णेऽरवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २न. ३ युवा वस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भाव महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

ग्रोचर ग्रहाः

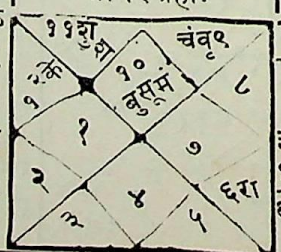

४१ पं.मा.कृ.१४शु.इ. २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	८	१०	१०	५	९
४	१४	३	९	११	२६	२७	४
३५	४०	५६	४८	६	५६	३९	२४
१३	३७	२	२२	१४	३८	३	४९
६१	४६	९३	१३	७१	५	३	६१
३	१२	व.	८	४७	२६	११	१९

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

÷ मं. बु. शु.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः १३८६सन् १९९६
१	र	२०	१९	अ	३७	५७	सि	४८	५६	व	२०	१९	२९	६	५	१	२९	२१	मकरे	अभि. प्र. रविः८।५३ (सौरः १८।४६) ×
२	चं	११	४२	ध	३१	४६	व्य	३९	३३	कौ	११	४२	२१	४४	१९	२	१	२२	कुं. ४।५०	रमजान ९ [B पातमोक्षः३९।४५
३	मं		४	२९	श	२६	४९	व	३१	३	ग		४	२९	२४	४३	१७	३	२	२३	कुंभे	भ.३१।४३ उ. ५८।५७ या.
४	मं	५	४	२८		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A भा. माधारंभ[=वक्री पूषा.बुधः४८।५९
५	बु	५	५	१६	पू	२३	५५	प	२४	२८	व	२७	३	२७	४	३	१७	४	३	२४	श्रवणे रविः २५।३०(सौरः ३४।४२) ÷
६	गु	५	३	४८	उ	२२	५१	शि	१९	२३	कौ	२४	३२	२९	४	२	१८	५	४	२५	अभि.नि.रविः १७।४५ (सौरः २६।५९)=
७	शु	५	४	२९	रे	२४	१०	सि	१६	८	ग	२४	८	३२	४	२	१८	६	५	२६	भ.५४।२९ उ.पूभा. शुक्रः २८।३भानु ७
८	श	५	६	५६	अ	२७	९	सा	१४	१७	वि	२५	४२	३५	४	१	१९	७	६	२७	भ. २५।४२ या. भीष्माष्टमी
९	र	६	०	०	भ	३२	४	शु	१४	१७	वा	२९	६	३८	४	०	२०	८	७	२८	[×वक्री धनुषि बुधः४०।२२चंद्रदर्शनम् A
९	चं		१	१७	कृ	३८	११	शु	१४	४७	कौ		१	१७	४१	४	०	२०	९	८	२९	पातस्पर्शः २७।५८
१०	मं	६	३	५१	रो	४५	२९	ब्र	१६	३१	ग	६	३५	४५	३९	२१	१०	९	३०	वृषे	भ.३९।४८ उ. धनि.भौमः १।३० B
११	बु	१	३	२	मृ	५२	५२	ए	१८	३५	वि	१३	२	४८	३८	२२	११	१०	३१	मि. १९	भ. १३।२ या. मार्गी बुधः २२।४४+
१२	गु	१९	२१	आ	६०	०	वै	२०	५७	वा	१९	२१	५१	३८	२२	१२	११	१	मिथुने	फरवरी ता. २९ प्रदोषव्र० [+जया ११व्र.
१३	शु	२५	५५	आ	०	२३	वि	२३	१६	तै	२५	५५	५४	३७	२३	१३	१२	२	क.५०।५९	[÷ बुधोदयः पूर्वस्याम् ४८।५४ वसंत५
१४	श	३२	१	पु	७	५१	प्री	२५	८	व	३२	१	५८	३६	२४	१४	१३	३	कर्के	भ.३२।१ उ. मीने शुक्रः ४८।३५
१५	र	३७	४३	पु	१४	५१	आ	२६	५२	वि	४	५२	२७	३६	२४	१५	१४	४	कर्के	भ. ४।५२ या. पूषा. १ गुरुः ४७।२

४२पं.मा.शु.७बु.शु.इ६।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	८	१०	१०	५	९
११	२०	२६	११	१९	२७	२७	११
४२	११	२७	१९	३४	३६	१७	३३
४०	४२	१४	८	२३	५४	१४	४०
६०	४६	४३	१२	७१	५	३	६१
५९	१२	व	४६	२२	५०	११	३३

गोचर ग्रहाः

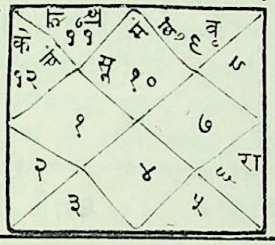

इस मास में मकर का मंगल घृत तैल सोना चांदी तांबा रुई अलसी गुड़ खांड गेहूं एरंडा में तेजी करता है।

गोचर ग्रहाः

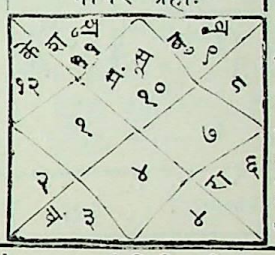

४३ पं. मा.शु.१३शु.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	८	१०	१०	५	९
१८	२५	२५	१२	२७	२८	२६	१८
४९	४३	४३	४७	५९	१९	५४	४१
१६	५	५	२	३१	३४	५८	४४
६०	४६	३३	१२	७०	६	३	६१
५५	२२	मा	२०	५५	१९	११	४

ति	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	चं	४२	२२	श्रे	२०	५६	सो	२७	४६	वा	१०	२	२९	५	३	२५	१६	१५	५	सिं ३९	[A १।३८ श्री महाशिवरात्रि व्र.
२	मं	४	१४	म	२६	१०	शो	२७	५४	तै	१४	१८		८	३४	२६	१७	१६	६	सिंहे	धनि. रविः ३३।४८ (सौरः ४०।३२) =
३	बु	४	९	१	पू	३०	४१	अ	२७	२५	व	१७	३७	१२	३४	२६	१८	१७	७	कं. ३९	भ. १७।३७ उ.४९।१या. कुंभेभौमः३०।८
४	गु	५	०	४५	उ	३३	५५	सु	२६	१४	ब	१९	५३	१५	३३	२७	१९	१८	८	कन्यायां	मकरे बुधः ५०।३१ च. व्र.
५	शु	५	१	२६	ह	३६	१९	धृ	२४	१	कौ	२१	५	१९	३२	२८	२०	१९	९	कन्यायां	[=उषा.बुधः ४।५ उभा.शुक्रः ३४:२६ ×
६	श	५	०	५३	चि	३७	३४	शू	२०	५९	ग	२१	९	२३	३१	२९	२१	२०	१०	तु ५९	भ. ५०।५३उ.
७	र	४	९	२२	स्वा	३७	३१	गं	१६	५८	वि	२०	७	२७	३१	२९	२२	२१	११	तुलायां	भ. २०।७ या. पातस्पर्शः ३१।४१÷
८	चं	४	६	१४	वि	३६	१३	वृ	११	५२	वा	१७	४८	३०	३०	३०	२३	२२	१२	वृ. ३१	[×चित्रा. १ राहुः रेवती. ३ केतुः४९।४६
९	मं	४	१	५८	अ	३३	४६	धृ	५०	५२	तै	१४	६	३४	२९	३१	२४	२३	१३	वृश्चिके	कुंभेऽर्कः ९।४ (सौरः१४।३०)
१०	बु	३	६	२४	ज्ये	२९	५९	ह	५०	३९	व	९	११	३८	२८	३२	२५	२४	१४	ध. ५९	भ. ९।११उ. ३६।२४ या.
११	गु	२	९	५०	मू	२४	५८	व	४१	४०	ब	३	७	४१	२८	३२	२६	२५	१५	धनुषि	शते भौमः ५८।७ विजया ११ व्र.
१२	शु	२२		४	पू	१९	५	सि	३२	८	तै	२२	४	४५	२७	३३	२७	२६	१६	म ३३	प्रदोषव्रतम् [÷ मोक्षः ५२।६
१३	श	१	३	५०	उ	१२	४१	व्या	२१	५९	व	१३	५०	४९	२६	३४	२८	२७	१७	मकरे	भ. १३।५०उ. ३९।२४ या. रेवत्यां B
१४	र		४	५७	श्र	५०	२५	व	११	४९	श	४	५७	५३	२५	३५	२९	२८	१८	कुं. ३३	श्रवणे बुधः २६।४०
३०	र	५	१	१७		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		[B शुक्रः ५६।५० पूभा. ४मीने शनिः A

४४ पं. फा. कृ.५ शु. इ. ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	८	११	१०	५	९
२५	१	०	१४	६	२९	२६	२५
५५	१४	१२	१२	१८	४	३२	४८
१	४९	४०	०	२९	५२	४३	३१
६०	४६	४६	११	७०	६	३	६०
४७	२६	२८	५७	१७	३२	११	५५

गोचर ग्रहाः

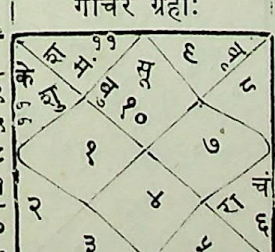

फाल्गुन कृष्णे ९ भौमे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

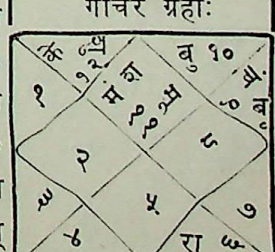

४५ पं.फा.कृ.१२शु.इ. ७।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	११	१०	५	१०
२	६	७	१५	१४	२९	२६	२
५९	४६	२४	३३	३२	५२	१०	५४
४९	५५	४७	२५	४९	८	२७	३४
६०	४६	६६	११	६९	६	३	६०
३७	२७	४४	१८	३३	४७	११	४२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्ल पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७						दि. उ.			भा. मु.	इं.	चन्द्रः
१	चं	४८	५५	श	५३	४०	प	२	५२	कि	२२	३४
२	मं	४२	२७	पू	४९	२६	सि	४५	२२	बा	१५	४१
३	बु	३७	४०	उ	४६	४१	सा	३८	५२	तै	१०	३
४	गु	३४	५३	रे	४६	४	शु	३३	४३	व	६	१६
५	शु	३४	१०	अ	४७	३९	शु	३०	४४	ब	४	३१
६	श	३५	३१	भ	५१	११	ब्र	२९	३१	को	४	५०
७	र	३८	५७	कृ	५६	२८	एं	२९	१६	ग	७	१४
८	चं	४३	४३	रो	६०	०	वै	३०	१४	वि	११	२०
९	मं	४९	५४	रो	३	६	वि	३२	१८	वा	१६	४८
१०	बु	५६	१७	मृ	१०	२६	प्री	३४	२७	तै	२३	५
११	गु	६०	०	आ	१८	३	आ	३६	५५	व	२९	३३
११	शु	२	४९	पु	२५	३१	सो	३९	१	वि	२	४९
१२	श	८	५०	पु	३३	२९	शो	४०	३४	बा	८	५०
१३	र	१४	१६	श्ले	३८	३५	अ	४१	२२	तै	१४	१६
१४	चं	१८	१९	म	४३	२०	सु	४१	१८	व	१८	१९
१५	मं	२१	१६	पू	४७	७	धृ	४०	२४	व	२१	१६

दि. उ.			भा. मु.	इं.	चन्द्रः
२७	६	५	३०	२९	१९	कुम्भे
२८	२४	३६	१	३०	२०	मी. ३५
८	२३	३७	२	१	२१	मीने
८	२२	३८	३	२	२२	मे.४६।४
१२	२२	३८	४	३	२३	मेषे
१६	२१	३९	५	४	२४	मेषे
२०	२०	४०	६	५	२५	बृ.७।३०
२४	१९	४१	७	६	२६	बृषे
२८	१८	४२	८	७	२७	मि. ३६
३२	१८	४२	९	८	२८	मिथुने
३६	१७	४३	१०	९	२९	मिथुने
४०	१६	४४	११	१०	१	क.८।३९
४४	१५	४५	१२	११	२	कर्क
४८	१४	४६	१३	१२	३	सिं. ३६
५२	१४	४६	१४	१३	४	सिंहे
५६	१३	४७	१५	१४	५	सिंहे

शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः १४१५सन् १९९६

शते रविः ४५।२० (सौरः ४९।५२)
चंद्रदर्शनम् भा. फाल्गुनारंभः फुलरिया २
सव्वाल १०
भ. ६।१६ उ. ३४।५३ या. पूषा. २ 8
8 गुरुः ६।५
[C १।२६ (सौरः ४।३९) होली का दहनं=
भ. ३८।५७ उ. = भद्रोत्तरम्
भ. ११।२० या. होलाष्टकः
[÷अस्तं शनेः २९।५६ आमल की ११ A
धनि बुधः १३।३५ A व्र.स्मा.
भ. २९।३३ उ. अश्वि. मेषे शुक्रः ३०।१६÷
भ. २।४९ या. आमलकी ११ व्र.वै. मार्च ३१
प्रदोष व्र.
कुंभे बुधः ३४।५५ पूभा. भौमः ५६।३३
भ. १८।१९ उ. ४९।४८ या पूभा. रवि C
छारंडी

४६ पं.फा.शु.५ शु.इ.७।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	११	११	५	१०
१०	१२	१६	१६	२२	०	२५	९
३	१८	१५	५०	४१	४१	४८	५९
२२	४३	१४	५३	२४	३१	१२	७
६०	४६	८०	१०	६८	७	३	६०
२५	२७	४१	४०	४८	२१	३१	

गोचर ग्रहः ÷केशशु

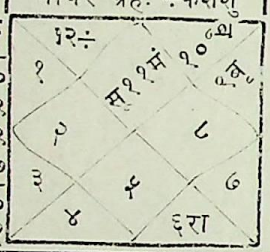

इस मास का फल साधारण है। भुमुतः कुंभराशिस्थः सर्वधान्य महर्घता। एवं प्रजायते हृयर्घं लोकमध्ये तु निर्भयम्॥ धान्यादि तज हो।

गोचर ग्रहः

४७ पं.फा.शु.११ शु.इ.३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	०	११	५	१०
१७	१७	२६	१८	०	१	२५	१७
५	४९	१४	३	४२	३२	२५	१
३५	१२	३१	५०	११	१७	५६	५९
६०	४६	९१	९	६७	७	३	६०
१२	२७	५०	५४	४७	९	११	२०

ति.	चैत्र कृष्ण पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७						दि. उ.			भा. मु.	इं.	चन्द्रः
१	बु	२२	५९	उ	४९	४१	शू	३८	२२	कौ	२२	५९
२	गु	२३	४०	ह	५१	१०	गं	३५	४०	ग	२३	४०
३	शु	२३	१०	चि	५१	४१	वृ	३२	८	वि	२३	१०
४	श	२१	४३	स्वा	५१	२१	धु	२७	४३	वा	२१	४३
५	र	१९	३३	वि	५०	१६	व्या	२२	५३	तै	१९	३३
६	चं	१६	२१	अ	४८	२८	ह	१७	१६	व	१६	२१
७	मं	१२	४२	ज्ये	४६	५	व	११	११	ब	१२	४२
८	बु	८	१४	मू	४२	३९	सि	५	५२	कौ	८	१४
९	बु	३	८	पू	३८	४६	व	४९	१५	ग	३	८
१०	गु	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	शु	५०	४४	उ	३४	१५	प	४०	५६	ब	२३	५८
१२	श	४३	४९	श्र	२९	१३	शि	३२	१९	को	१७	१६
१३	र	३५	५७	ध	२४	११	सि	२३	५१	ग	९	५३
१४	चं	३०	६	श	१९	१३	सा	१५	३८	वि	३	१५१
३०	मं	२४	१६	पू	१५	१७	शु	७	५८	ना	२४	१६

दि. उ.			भा. मु.	इं.	चन्द्रः
२९	६	५	१६	१५	६	कं.२।४५
५	१२	४८				
५	११	४९	१७	१६	७	कन्यायां
९	१०	५०	१८	१७	८	तु. ३९
१३	९	५१	१९	१८	९	तुलायां
१७	९	५१	२०	१७	१०	वृ. ३५
२१	८	५२	२१	२०	११	वृश्चिके
२६	७	५३	२२	२१	१२	ध. ४६।५
३०	६	५४	२३	२२	१३	धनुषि
३४	५	५५	२४	२३	१४	म. ५२
०	०	०	०	०	०	
३८	४	५६	२५	२४	१५	मकरे
४३	३	५७	२६	२५	१६	कुं. ५६
४७	३	५७	२७	२६	१७	कुंभे
५१	२	५८	२८	२७	१८	कुंभे
५५	१	५९	२९	२८	१९	मी. १।१६

वसंतर्तू रविरुत्तरेफाल्गुनकृष्णेतिमाहाराष्ट्र

वसंत = २।१९ (सौर ५।०)
भ. ५३।२५ उ. शते बुधः ४८।१८ +
भ. २३।१० या. चतुर्थी व्र.
[+ पातस्पर्शः १९।३ मोक्षः ३३।५०
भ. १६।२१ उ. ४४।३१ या.
[× ५१।४१ शीतला पूजा
भरण्यां शुक्रः २६।४१
पूषा. ३ गुरुः ३६।५७ बुधास्तः पूर्वस्याम् ×
भ. ३०।१० उ. ५७।१२ या. मीनेऽर्कः =
[A ४५।४५ पाप मोचनी ११ व्र. स्मा.
पूभा. बुधः ३६।३ उभा. १ शनिः A
मीने भौमः ४१।२१ पापमोचनी ११ व्र.बै.
भ. ३५।५७ उ. उभा. रविः २३।२३ B
भ. ३।१ या. [B (सौरः २५।३६) प्रदोषः
मन्वादिः

४८ पं.चै.कृ.३ शु.इ.५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	८	०	११	५	१०
२४	२३	७	१९	८	२	२५	२४
६	१९	१२	११	३४	२३	३	३
२२	३४	५८	२०	३७	३५	४०	२२
५९	४६	०	९	६६	७	३	६०
५८	१७	९	११	३५	२०	११	६

गोचर ग्रहः

चैत्र कृष्णे ९ गुरौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ प्रौढाऽवस्था (वैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहः

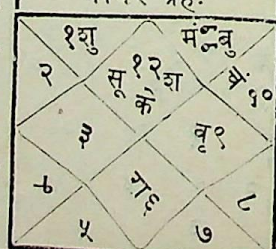

४९ पं.चै. कृ. ११ शु.इ. १८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	८	०	११	५	११
१	२८	१९	२०	१६	३	२४	१
५	४८	९	१२	१५	१५	४१	३
३५	११	१४	४७	१८	२५	२५	४
५९	४६	०	८	६५	७	३	५९
४१	१७	३४	२४	५	२०	११	४९

÷श.के.शु.

(सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८५०९७ तत्र कृत युग प्रमाणम् १७२८००० त्रतायुगप्रमाणम् १२९३००० द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४००० कलियुग–प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गत–कलिः ५०९७ भौग्यकलिः ४२६९०३ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीर विक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५३ शाकः १९१८ अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः । मंत्री शनिः । सस्येशो भौमः । धान्येशो रविः । मेघेशः शुक्रः । रसेशोबुधः निरसेशश्चंद्रः । फलेशः शुक्रः । धनेशः चंद्रः । दुर्गेशः शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ३ विरोधी नाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमयेः गत मासादिः ९।१६।१२।३३ भोग्यमासादिः २।१३।४७।२७ त्वष्टृ दैवतं युगम् । वर्षनाम आषाढः । मेघनाम आवर्तः रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकार गृहे । समय विश्वा ८ समय वाहनम् सिंचाणुः स्तंभाऽभावः सोमवत्यमा: ३ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी ३ बुधाष्टमी २ भानु सप्तमी २ रविदशमी ३ समय मुहर्ताः ४०।५ समयदिनानि ५८२ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा ५ धान्यम् ९ तृणम् १७ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् १०५ सत्यम् ।। धर्म १।। पापं १८ शनिः दृष्टि रुत्तरे ग्रहणाति ३ चन्द्रमसः २ सूर्यस्य १

सं. २०५३ चैत्र शुक्ला १५ बुधे ग्रस्तास्तं खग्रासं चन्द्रग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
उज्ज घं.	५२	५५	५६	५८	१
मध्यमप.	२५	१२	५७	४२	२९
रे. घं.	३	४	५	५	७
टा. मिं.	२५	३२	१४	५६	३

भाद्रपद शुक्ला १५ शुक्रवार को प्रातः पश्चिम प्रदेशों में ग्रस्तास्त चंद्रग्रहण होगा । यह ग्रहण जहां दीखे वहां ही स्नान दानादि की आवश्यकता है अन्यत्र नहीं ।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	५	१४	२	११	१४	२
ख.	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ४।६

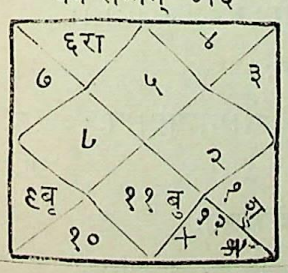

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

श्री जगदंबे ईश्वरी के वचन कहो अनमोल ।
संवत्सर त्रेपन्न का हाल कहो सब खोल ।।

भवानी उत्तर

सुण भैरव तू ध्यान से हाल कहूं सब खोल।
नाम विरोधी वर्ष है मचै जगत में रोल ।।
राजा बुध कमजोर है चले न इसका जोर ।
मंत्री शनि महाराज हैं करैं और की और ।।
साखां होसी सरसरी भाद्रव तेजी जान ।
फलपति भृगु के कारणे आखिर रहसी मान ।।
रोहिणी बासो सिंधु में वर्षा विश्वा पांच ।
संवत मध्यम होयसी यह ही समझो सांच ।।

संवत् २०५३ फाल्गुन कृष्णे ३० रविवासरे ग्रस्तोदय सर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
उज्ज घ.	५६	५८	०
मध्य प.	४७	३०	३६
रेलवे घ.	५	५	६
टा. प.	१०	५१	४१

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	१४	५	८	११	११	८
ख.	११	५	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ४।२५

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २०।३४।० केतकी मतेन वेधासिद्ध सूक्ष्यायनांशाः २३।४७।२०

× र श चं मं । (विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ÷ मं.क

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तुर्यं विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ।। मंत्री शनिः फलम् ।। रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहुदुःखदा : न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम् ।। प्रथमधान्यपतौ धरणी सुते गज-तुरंग-खरौष्ट्र-गवामपि । प्रभवदो बहु-रोग-धनो जलं न सम सौख्यकरं तुषधान्य हृन् ।। धान्येशो रविः फलम् ।। पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीडनम् ।। मेघेशः शुक्रः फलम् ।। भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलमुचोजलदा दिवि शोभनाः । धन-निधान-युता-द्विज-पालका नृपतयो जनता-सुख दायकाः ।। रसेशो बुधस्त-फलम् ।। रसपतौ द्विजराजसुते महीं सुलभधान्यघृतादि युता जनाः । प्रमुदिता वर नायकपालिताः बहु जलाखिल देश सुरक्षिता ।। नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससां । अर्धवृद्धिः पुजायेत शशां के नीरसाधिपे ।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। यदि फलस्य पतौ भृगुजे धरा मृदु-कुमार-मही-रुह-राशयः । बहुफला नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ।। धनेशश्चंद्र स्तन्फलम् ।। धनपति मृगलांछनको यदा रसचयं क्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालिसुगन्धरसं बहु द्रविणतैलघृतंनृपसौख्यदं ।। दुर्गेशः शुक्रः फलम् । नगरदेशविशेषपतिर्यदा भृगु सुतो बहु सौख्य करोमतः । विनय वाणिज गेहं समः सुखो नगवने निकटेपि चदूरतः ।। विरोधी नाम संवत्सरः फलम् ।। विरोधी वत्सरे भूपाः परस्पर विरोधिनः । भूरि भूति युता भूमी भूरिवारि-समायुता ।। वर्षनाम अपाढः फलम् ।। अर्घं महर्घतां यांति धनं धान्यं समं भवेत् । अपाढे स्वल्पबृष्टिश्च तुषधान्यमहर्घता ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आर्वेत छिन्न बृष्टिः स्यांत् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रे तुमहाबृष्टिः ।। समयनिवासो माली गृहे । मालिनः प्रचुरा बृष्टिः ।। एवं मंचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभा शुभम् ।।

संमत् २०५३ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

बैंशाख मासः ।

शु. ३ शनौ रोहि. ल. १०।११रे. ६।।ऽशु।।।।।।शुक्रयुति दोषः

" ५ चंद्रे मृगे ल. अन्यगो. ११ रे. ६।।।।।ऽरो.ऽऽऽ दग्धा आवश्यके कुंभे रोगपंचकाऽभावः रेखा ७

" ६ शनौ मघा.ल.गो.११ रे. ७।।।।।ऽ नृ ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः कुंभे चं. ७ पूज्यः नृपपंच काऽभावः

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ३ चंद्रे मूले ल.गौ. ११रे. ७।।।।ऽऽनृ।ऽ।। गोधूल्यां भौ.७दोषः

शु. २ रवौ मृगे ल. अन्यगो.११ रे. ८।।ऽशु।।।ऽ।।।शुक्र युतिः

प्र. आषढ मासः ।

कृ. १ रवौ मूले ल. ११ रे. ८।ऽ।।ऽ।।।।।

कार्तिक मासः ।

शु. ११गुरौ रेवत्यां ल.गो.४रे.६।।।।ऽ।।।।।

" १५चंद्रे रोहि.ल.४रे.८।।।।ऽ।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. १ भौमे मृगे ल.७रे.।।।।ऽऽऽअऽ।।।

" ६ बुधे उफा.ल.अन्यगो. ४रे. ८।।।।।।ऽऽ।।कर्क लग्न घटी३६।२०यावत्

" १२ शनौ स्वा, ल. ४ रे. ६।।।।।।।ऽ।।

शु. २ गुरौ उषा. ल. ७ रे.८ऽ।ऽगु।।।।।।। घ.४६।४७उ.

" ३ शुक्रे उषा. ल. अन्यगो. रे.८ऽ।ऽगु.।।।।।।।

माघ मासः ।

शु. ८ शुक्रे रोहि. ल.१० रे.८।।।।।ऽअऽ।।।घ.५७।१८ उप.

अग्रे शुक्राऽस्तः

अत्रक्वचित्स्मृतिद्रष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधिभिः

(विक्रम सं २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८									दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेहर्गण १४४५ स. १९९६
१	बु	१९	१८	उ	१२	११	शु	५९	२८	ब	१९	१८	० ० ०	३० २९ २०	मीने उभा. भौमः ५४।३७ चंद्र दर्शनम् ÷
२	गु	१६	७	रे	१०	४५	ए	५१	२६	कौ	१६	७	४ ० ०	१ १ १ २१	मे. १०।४५ मीने बुधः ५।११ भा. चैत्रारंभ. A
३	शु	१४	४४	अ	११	१८	वै	४८	५०	ग	१४	४४	८ ५ ८	२ २ २ २२	मेषे भ. ४४।५७ उ. उमा. बुधः ४८।१२ B
४	श	१५	११	भ	१३	२५	वि	४७	४९	वि	१५	११	१२ ५ ८	२ ३ ३ २३	बृ. २९।२६ भ. १५।११ या. [B गणगौरी
५	र	१७	३०	कृ	१७	२९	प्री	४८	१	बा	१७	३८	१६ ५ ७	३ ४ ४ २४	वृषे कृत्ति.शुक्रः ५६।३ [÷ संवत्सरारंभनवरात्रा
६	चं	२१	३९	रो	२३	१३	आ	४९	२९	तै	२१	३९	२१ ५ ६	४ ५ ५ २५	मि. ३६ मिथुने [A जिलकाद ११ सिंधारा मत्स्यज.
७	मं	२७	१७	मृ	२९	५८	सौ	५१	२०	व	२७	१७	२५ ५ ५	५ ६ ६ २६	मिथुने भ. २७।१७ उ. [D कामदा ११ व्र.
८	बु	३३	२१	आ	३७	२६	शो	५३	४२	वि	०	२०	२९ ५ ४	६ ७ ७ २७	भ. ०।२० या.
९	गु	३९	३९	पु	४४	५३	अ	५६	०	बा	६	३०	३३ ५ ३	७ ८ ८ २८	क. २८।२ बृषे शुक्रः १५।१५ रामनवमी
१०	शु	४५	४४	पु	५२	५	सु	५७	४९	तै	१२	४१	३७ ५ ३	७ ९ ९ २९	कर्के रेवत्यां बुधः ३१।१२
११	श	५१	१२	श्ले	५८	२९	धृ	५८	५६	व	१८	२८	४१ ५ २	८ १० १० ३०	सिं. ३६ भ. १८।२८ उ. ५१।१२ या रेवत्यां C
१२	र	५५	३	म	६०	०	शू	५८	५६	व	२३	७	४५ ५ १	९ ११ ११ ३१	सिंहे [C रविः ५१।२ (सौरः ५३।३०) D
१३	चं	५७	३९	म	३	१९	गं	५७	५३	कौ	२६	२१	४९ ५० १०	१२ १२ १	सिंहे प्रदोषः अप्रेल ४ ता. ३० [× खग्रास चंद्र E
१४	मं	५८	३०	पू	६	५६	धृ	५५	३१	ग	२८	४	५३ ४९ ११	१३ १३ २	कं. २७ भ. ५८।३० उ. [E ग्रहणम् हनुमज्जयंती
१५	बु	५७	५७	उ	९	१	धु	५२	१३	वि	२८	१३	५७ ४९ ११	१४ १४ ३	कन्यायां भ. २८।१३ या. उदयं शनेः ५६।४३ ×

५० पं.चै.शु.३शु.इ. ८।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	८	०	११	५	११
८	४	२	२१	२३	४	२४	८
३	१६	३	८	४३	७	१९	०
१८	५२	७	१७	१	३०	९	५९
५९	४६	७	६३	७	३	५९	
२९	७	१३	२५	२०	११	३५	

गोचर ग्रहाः

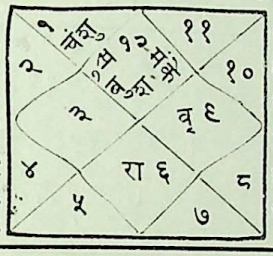

इस मास में ५ बुधवार सब पदार्थों में तेजी कारक है रुई चांदी सोना सण तिल गुड बिनोला अलसी सिरस्यु में घटा बढी हो ।

गोचर ग्रहाः

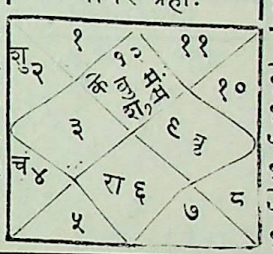

५१ पं.चै शु १०शु इ. ५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	८	१	११	५	११
१४	९	१५	२१	०	४	२३	१४
५९	४३	५४	५७	५४	५९	५६	५७
१०	५२	४३	११	४३	२४	५४	७
५९	४६	७	६	६१	७	३	५९
१६	७	१५	८	१४	११	१८	

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८									दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वसंततुरविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	गु	५६	४	ह	९	३३	व्या	४७	४२	बा	२७	०	३१ ५ ३	१५ १५ ४	तु. ३५ अश्वि. मेषे बुधः ५८।४५
२	शु	५३	१३	चि	८	५७	ह	४२	२०	तै	२४	३८	५ ४ ७	१३ १६ १६ ५	तुलायां
३	श	४९	२६	स्वा	७	२६	व	३६	३७	व	२१	१९	१० ४ ६	१४ १७ १७ ६	वृ. ५० भ. २१।१९ उ. ४९।२६ या.
४	र	४४	४९	वि	५	१०	सि	३०	१६	व	१७	७	१४ ४ ५	१५ १८ १८ ७	वृश्चिके चतुर्थी व्र.
५	चं	४०	८	अ	२९	५७	व्य	२३	३५	कौ	१२	२८	१८ ४ ४	१६ १९ १९ ८	ध. ५९ रेवत्यां भौमः ९।४ रोहि. शुक्रः २६।१३
६	मं	३५	१७	मू	५६	१७	व	१६	५२	ग	७	४२	२२ ४ ४	१६ २० २० ९	धनुषि भ. ३५।१७ उ. हस्ते. ४ राहुः रेव २ A
७	बु	३०	१८	पू	५३	०	प	९	५८	वि	२	४७	२६ ४ ३	१७ २१ २१ १०	धनुषि भ. २।४७ या.
८	गु	२५	११	उ	४९	३८	शि	३	५२	कौ	२५	११	३० ४ २	१८ २२ २२ ११	म. ७।१० भरण्यां बुधः ४४।३ उभा.२शनिः५८।४७
९	शु	१९	४९	श्र	४६	६	सा	४८	३०	ग	१९	४९	३४ ४१	१९ २३ २३ १२	मकरे भ. ४७।७ उ.
१०	श	१४	२५	ध	४२	५५	शु	४१	३८	वि	१४	२५	३८ ४०	२० २४ २४ १३	कुं. ३० भ. १४।२५ या. अश्वि. मेषेऽर्कः २५।२ +
११	र	८	४९	श	३९	४१	शु	३४	३८	बा	८	४९	४२ ४०	२० २५ २५ १४	कुम्भे वरूधिनी ११ व्र. [+ (सौरः २७।३७)
१२	चं	४	१६	पू	३७	५९	ब्र	२८	१०	०	४	१६	४६ ३९	२१ २६ २६ १५	मी. ३५ भ. ५९।५०उ.पूषा. ४ गुरुः ७।३६ प्रदोषः
१३	चं	५५	३४	०	०	०	०	०	०	तै	०	०	० ० ०	० ० ० ०	० [Aकेतुः४८।१७ बुधोदयःपश्चिमायां४।१४
१४	मं	५६	१	उ	३५	१	ऐं	२२	१८	वि	२७	५५	५० ३८ २२	२७ २७ १६	मीने भ. २७।५५ या.
२०	बु	५३	३८	र	३४	०	वै	१७	२१	च	२४	४९	५३ ३७ २३	२८ २८ १७	मे. ३४।० देवपितृ कार्याऽमा.

५२ पं.वै.कृ.२ शु.इ ९।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	८	१	११	५	११
२१	१५	०	२२	७	५	२३	२१
५३	८	२१	३८	४६	५०	३४	५१
३१	४९	१४	६	५९	४२	३८	१८
५९	४५	७	५	५८	७	३	५९
४	४२	७	१७	८	११	४	

गोचर ग्रहाः

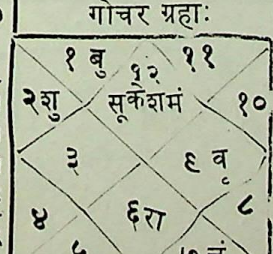

वैशाख कृष्णे १० शनौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समंता शुक्रोदयः पश्चिमायांम्

गोचर ग्रहा

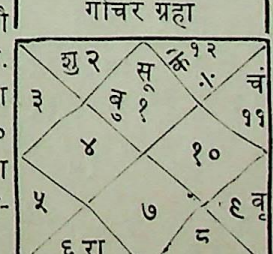

१पं.वै.कृ १०श.इ २५।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	१	११	५	११
०	२१	१६	२३	१५	६	२३	२९
०	३०	१९	१४	१९	४९	८	५७
०	११	२६	१३	३०	५८	३०	२९
५८	४५	७	३	५३	६	३	५८
४४	४२	७	२३	३८	५६	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ÷ श मं १२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्ल पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १४७४ सन् १९९६
१	गु	५२	१६	अ	३४	२०	वि	१३	१९	किं	२२	५७	३१ ५ ६	२९ २९ १८	मेषे	
२	शु	५२	४०	भ	३६	७	प्री	१०	२५	बा	२२	२८	३२ ३६ २४	३० ३० १९	वृ. ५१।५८	चंद्रदर्शनम्
३	श	५४	५२	कृ	३९	३२	आ	९	४	तै	२३	४६	५ ३५ २५	३१ १ २०	वृषे	कृत्ति. बुधः २४।४ जिल्हेज १२ परशु- A
४	र	५८	२५	रो	४४	२४	सौ	८	२०	व	२६	२६	९ ३४ २६	१ २ २१	वृषे	भ. २६।२६ उ. ५८।५५ या. भा. B
५	चं	६०	०	मृ	५०	४३	शो	९	४	व	३०	५६	१२ ३४ २६	२ ३ २२	मि. १७ ३४	बृषे बुधः ३८।४९ [B वैशाखारंभ
५	मं	३	२८	आ	५७	४३	अ	१०	५०	बा	३	२८	१६ ३३ २७	३ ४ २३	मिथुने	मृगे शुक्रः १३।१७ [D कुंभदा.
६	बु	९	११	पु	६०	०	सु	१३	४	तै	९	११	२० ३२ २८	४ ५ २४	क. ४९	अश्वि. मेषे भौमः ३३।२१
७	गु	१५	२२	पु	५	१२	धृ	१५	३४	व	१५	२२	२३ ३१ २९	५ ६ २५	कर्के	भ. १५।२२ उ. ४८।३१ या पातस्पर्शः C
८	शु	२१	४०	पु	१२	४१	शू	१७	४६	व	२१	४०	२७ ३१ २९	६ ७ २६	कर्के	पातमोक्षः ११।२४ [C ४८।२५
९	श	२७	१०	श्ले	१९	३०	गं	१९	२६	कौ	२७	१०	३१ ३० ३०	७ ८ २७	सिं. १९	भरण्यां रविः ५।१६ (सौरः ९।२)
१०	र	३१	२९	म	२५	६	बृ	२०	४	ग	३१	२९	३४ २९ ३१	८ ९ २८	सिंहे	[A राम जयंती अक्षया ३
११	चं	३४	११	पू	२९	१३	ध्रु	१९	३७	व	२५	०	३८ २८ ३१	९ १० २९	कं. ४४	भ. २।५० उ. ३४।११ या. मोहिनी ११व्र.
१२	मं	३४	५८	उ	३१	४०	व्या	१७	४०	व	४	२२	४१ २८ ३२	१० ११ ३०	कंन्यायां	
१३	बु	३४	४	ह	३२	८	ह	१४	१७	कौ	४	१९	४५ २७ ३३	११ १२ १	कंन्यायां	प्रदोषःमई५ता.३१ [÷५५।२९नृसिंह १४
१४	गु	३१	१७	चि	३०	५८	व	९	२९	ग	२	२८	४८ २६ ३४	१२ १३ २	तु. १।३३	भ. ३१।१७ उ. ५९।१० या.वक्री बुधः÷
१५	शु	२७	३	स्वा	२८	२५	सि	३६	५३ ०	व	२७	३	५२ २६ ३४	१३ १४ ३	तुलायां	मिथने शुक्रः ५८।३० यमाय सान्नजल D

२ पं. वै. शु. ३ श. इ. २५ १६							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	१	११	५	०
६	२६	२६	२३	२१	७	२२	६
५०	५०	४१	३७	३	३८	४६	४७
४२	५६	३८	२३	५४	२०	१४	४०
५८	४५	८१	२	४८	६	३	५८
३१	३२	३८	२६	३६	३८	११	२९

गोचर ग्रहाः

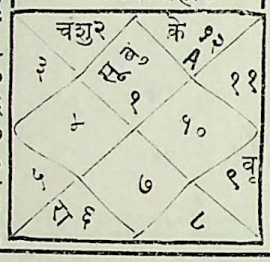

इस मास में गेहूं जो चना चावल अरहर आदि धान्य मंदा होगा रुई चांदी सोना तेज होगा प्रजा में सुखशांती रहेगी

गोचर ग्रहाः

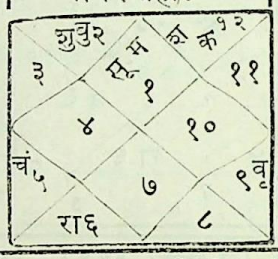

३ पं. वै. शु. ९ श. इ. २५ १६							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	८	१	११	५	०
१३	२	३	२३	२६	८	२२	१३
३९	१०	१७	५०	८	२५	२३	३६
४७	१६	१७	५६	३५	१	५९	०५
५८	४५	३२	१	४१	६	३	५८
१९	२२	३२	०५	५०	२६	११	१२

ति.	ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	गृष्मर्तू रविरुत्तरे वैशा. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	२१	३३	वि	२४	४६	व	४८	५१	कौ	२१	३३	३८ २५ ३५	१४ १५ ४	वृ. ४१	वक्री गुरुः १९।२७
२	र	१५	२	अ	२०	३६	प	४०	५४	ग	१५	२	५८ २४ ३६	१५ १६ ५	वृश्चिके	भ.४१।५३उ.बुधास्तःपश्चिमायांम् ४०।०
३	चं	८	४४	ज्ये	१४	४७	शि	३२	५७	वि	८	४४	३३ २४ ३६	१६ १७ ६	ध. १५ ४७	भ. ८।४४ या. चतुर्थी व्र.
४	मं	२	१३	मू	१०	१३	सि	२४	५४	वा	२	१३	५ २३ ३७	१७ १८ ७	धनुषि.	पातस्पर्शः ३६।७
५	मं	५	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०	
६	बु	४९	४९	पू	७	१	सा	१७	८	ग	२२	४९	९ २२ ३८	१८ १९ ८	म. २१।२	भ. ४९।४९ उ. पातमोक्षः १५।३८
७	गु	४४	१६	उ	७	३६	शु	९	५७	वि	१७	२	११ २२ ३८	१९ २० ९	मकरे	भ. १७।२ या.
८	शु	३९	११	ध	५६	४३	शु	४८	३५	वा	११	४३	१४ २१ ३९	२० २१ १०	कुं २६	कृत्ति. रविः ५१।१२ (सौराः ५६।५४)
९	श	३४	५२	श	५४	२	ऐं	५०	२७	तै	७	१	१७ २१ ३९	२१ २२ ११	कुम्भे	[÷ १७।३९ उमा. ३ शनिः ४७।२७
१०	र	३१	११	पू	५३	८	वै	४५	७	व	३	१	२० २० ४०	२२ २३ १२	मी. ३९	भ. ३।१ उ. ३१।११ या. भरण्यां भौमः ÷
११	चं	२८	४	उ	५२	१९	वि	४०	२३	वा	२८	४	२३ १९ ४१	२३ २४ १३	मीने	अपरा ११ व्रतम्
१२	मं	२५	५६	रे	५२	२८	प्री	३६	२२	तै	२५	५६	२६ १९ ४१	२४ २५ १४	मे. ५२	बृषेऽर्कः १८।२७ (सौरः २४।४१) प्रदोषः
१३	बु	२४	४२	अ	५३	४४	आ	३३	६	व	२४	४२	२८ १८ ४२	२५ २६ १५	मेषे	भ. २४।४२ उ. ५४।३५ या.
१४	गु	२४	२९	भ	५६	२	सौ	३०	४७	श	२४	२९	३१ १८ ४२	२६ २७ १७	मेषे	वक्री मेषे बुधः २७।१२
२०	शु	२५	३८	कृ	५९	३७	शो	२९	४९	ना	२५	३८	३४ १७ ४३	२७ २८ १६	बृ. ११ ४९	वटपूजनम्

४ पं. ज्ये. कृ. १ श. इ. २५ १९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	८	२	११	५	०
२०	७	४	२३	०	९	२२	२०
२७	२७	५०	५६	१५	९	१	२२
२५	४	१७	२	३६	५०	४३	४८
५८	४५	५६	१	३४	६	३	५७
६	७	व.	व.	१६	१३	११	५७

गोचर ग्रहाः

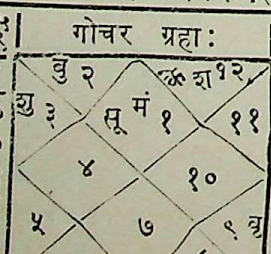

ज्येष्ठ कृष्णे १२ भौमे बृषेऽर्कः प्रविष्टःवा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भोव समता शुक्रोदय : पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

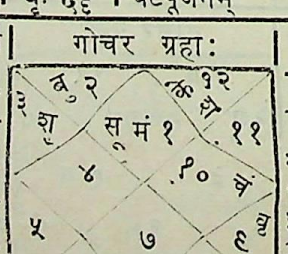

५ पं. ज्ये. कृ. ९ श. इ. २५ २०							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	८	२	११	५	०
२७	१२	२	२३	३	९	२१	२७
१३	४१	३७	५२	८	५२	३९	८
३७	२८	४१	५	२	५	२७	२
५७	४४	५०	२९	२१	५	३	५७
५४	४७	व.	व.	५	५०	११	४५

A श. मं (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	जेष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १५०४सन् १९९६
१	श	२८	२	रो	६०	०	अ	२९	८	च	२८	२	३३	५	४३	२८	२९	१८	वृषे	
२	र	३१	२७	रो	४	१४	सु	२९	४६	कौ	३१	२७	३९	१६	४४	२९	३०	१९	मि ३७।१४	चन्द्रदर्शनम् [B बक्री पूषा ३ गुरु :४५।१२
३	चं	३६	४१	मृ	१०	१६	धृ	३१	८	तै	४	४	४२	१६	४४	३०	१	२०	मिथुने	मोहर्रम १ सन् १४१७ हि.
४	मं	४२	१४	आ	१६	५०	शू	३३	६	च	९	२७	४४	१५	४५	३१	२	२१	मिथुने	भ. ९।२७ उ. ४२।१४ या.
५	बु	४८	२६	पु	२४	३४	गं	३५	३७	ब्र	१५	२०	४७	१५	४५	१	३	२२	क ७।३८	वक्री भरण्यां बुधः ४०।३८ उदयो *
६	गु	५४	३७	पु	३२	५	वृ	३८	१५	कौ	२१	२२	४९	१४	४६	२	४	२३	कर्के	बुधोदयः पूर्वस्याम् २९।४१
७	शु	६०	०	श्ले	३९	३९	धु	४०	३२	ग	२७	२१	५२	१४	४६	३	५	२४	सिं ३९।३९	रोहि. रविः ४२।१ (सौरः ५०।४९) B
७	श	०	३०	म	४६	४	व्या	४२	१	व	०	३०	५४	१३	४७	४	६	२५	सिंहे	भ. ०।३० उ. ३२।५५ या.
८	र	५	२०	पू	५०	४९	ह	४२	३१	व	५	२०	५६	१३	४७	५	७	२६	सिंहे	[* भौमः २५।४५ भा. ज्येष्ठारंभः
९	चं	८	४४	उ	५४	४६	व	४१	४१	कौ	८	४४	५८	१२	४८	६	८	२७	कं ६।४८	वक्री शुक्रः ३७।५७
१०	मं	१०	१६	ह	५६	२०	सि	३९	२१	ग	१०	१६	३४	१२	४८	७	९	२८	कन्यायां	भ. ४०।५ उ. गंगादशमी
११	बु	९	५५	चि	५५	४३	व्य	३५	१३	वि	९	५५	२	१२	४८	८	१०	२९	तु. २६।१	भ. ९।५५ या. मार्गी बुधः ५६।२४ C
१२	गु	७	२६	स्वा	५३	३०	व	२९	३८	बा	७	२६	३	११	४९	९	११	३०	तुलायां	कृत्ति. भौमः २६।१ प्रदोषः
१३	शु	२	५९	वि	४९	३२	प	२२	४१	तै	२	५९	५	११	४९	१०	१२	३१	वृ. ३५।३१	भ. ५६।५७ उ. [C निर्जला ११ व्र.
१४	शु	५३	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[D गुर्जराणां वटसावित्री व्र.
१५	श	४९	२९	अ	४४	११	शि	१४	२९	वि	२३	१३	७	११	४९	११	१३	१	वृश्चिके	भ. २३।१३ या. जून ६ ता. ३० D

६ पं.ज्ये.शु.१श.इ.२६।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	२	११	५	१
३	१७	२८	२३	४	१०	२१	३
५८	५३	५६	३८	२६	३१	१७	५१
३७	६	१७	४६	१३	१२	१२	४३
५७	४४	३२	२२	६	५	३	५७
४४	२६	४०	४०	१६	२५	११	२४

७ पं.ज्ये.शु.७श.इ.२६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	२	११	५	१
१०	२३	२५	२३	३	११	२०	१०
४२	२	१८	१७	४५	७	५४	३३
२९	१०	७	१३	४३	२३	५६	५४
५७	४४	१६	४८	९०	४	३	५७
३५	११	व	व	व	५६	११	२३

८ पं.ज्येः शु.१५ श.इ.

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	२	११	५	१
१७	२८	२६	२२	१	११	२०	१७
२५	८	२१	४५	३०	३९	३२	१५
१९	१७	४०	४३	३६	१४	४१	००
५७	४४	९	५	२६	४	३	५७
२७	१	मा	व	व	३१	११	१३

ति.	प्र. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ-कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	र	४१	१९	ज्ये	३८	९	सि	०	५	बा	१५	२३	३४	९	५०	१२	१४	२	ध. ३८।९	[A (सौरः ५०।२७)
२	चं	३२	५२	मू	३१	४७	शु	४६	१९	तै	७	५	१०	१०	५०	१३	१५	३	धनुषि	भ. ५८।३८ उ. वृषे भौमः ५८।३७ *
३	मं	२४	२५	पू	२५	२२	शु	३६	५९	वि	२४	२५	१२	१०	५०	१४	१६	४	म. ३९	भ. २४।२५ या. वक्री बृषे शुक्रः E
४	बु	१६	३९	उ	१९	३८	ब्र	२८	५	बा	१६	३९	१३	९	५१	१५	१७	५	मकरे	[E ५०।४ चंद्र व्र.
५	गु	९	१३	श्र	१४	४१	ऐं	१९	५४	तै	९	१३	१५	९	५१	१६	१८	६	कुं. ४४	[* कृति. बुधः २४।५१
६	शु	३	५	ध	१०	४८	वै	१२	३३	व	३	५	१६	९	५१	१७	१९	७	कुंभे	भ. ३।५ उ. ३०।३६ या मृगे रविः =
७	शु	५५	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=३६।५४ (सौरः ४९।३९) शुक्रास्तः C
८	श	५४	१६	श	७	५४	वि	६	२	बा	२६	१२	१७	९	५१	१८	२०	८	मी. ५५	बृषेबुधः ३०।२ [C पश्चिमायां B
९	र	५१	४७	पू	६	३३	मी	३०	५५	तै	२३	२	१८	८	५२	१९	२१	९	मीने	[÷ योगिनी ११ व्र. स्मा वै.
१०	चं	५०	२३	उ	६	७	सौ	५२	५०	व	२१	५	१९	८	५२	२०	२२	१०	मीने	भ. २१।५ उ. ५०।२३ यां
११	मं	५०	१४	रे	७	६	शो	५०	२८	व	२०	१९	२०	८	५२	२१	२३	११	मे. ७।६	हस्ते. ३ राहुः रेव. १ केतुः ४२।४२ ÷
१२	बु	५१	१६	अ	१०	२४	अ	४८	५३	कौ	२०	४५	२१	८	५२	२२	२४	१२	मेषे	योगिनी ११ व्र. निं. [B ५७।३६
१३	गु	५३	१९	भ	१२	५८	सु	४८	२३	ग	२२	१७	२१	८	५२	२३	२५	१३	वृ. ३८	भ. ५३।१९ उ. प्रदोषः
१४	शु	५६	३६	कृ	१५	३२	धृ	४८	२७	वि	२४	५८	२२	८	५२	२४	२६	१४	वृषे	भ. २४।५८ या. मिथुनेऽर्कः ३५।२८ A
२०	श	६०	०	रो	२१	२८	शू	४९	९	च	२८	४२	२२	८	५२	२५	२७	१५	मि. ३४	वक्री रोहि. शुक्रः २६।५१
२०	र	०	४७	मृ	२७	३४	गं	५०	४४	ना	०	४७	२३	८	५२	२६	२८	१६	मिथुने	शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ५३।२४

९पं. प्र.आ.कृ.८.श.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	८	१	११	५	१
२४	३	२९	२२	२७	१२	२०	२३
७	१४	५७	७	३७	९	१०	५४
१९	५९	२९	३४	३७	२९	२५	५६
५७	४३	४१	११	४८	३	३	५७
२२	४५	२२	व.	व.	५२	११	५

गोचर ग्रहाः

आषाढ़ कृष्णे १४ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा ४ न. ५ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्धता शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

१०पं.प्र.आ.कृ.३०श.इ.

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	८	१	११	५	२
०	८	७	२१	२३	१२	१९	०
४८	१२	२	२३	२०	३३	४८	३४
३६	२५	२०	३१	१७	४०	९	०५
५७	४३	७२	५९	३३	३	३	५६
१७	३५	४९	वे.	व.	१९	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *मंशु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	प्र. आषाढ़ शुक्ल पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः १५३४स. १९९६
१	चं	६	१	आ	३४	१८	बृ	५२	४५	ब	६	१	३४	५	५३ ६	२७	२९	१७	मिथुने	रोहिण्यां भौमः ५४।२७ रोहिण्यां ×
२	मं	११	३१	पु	४१	३७	ध्रु	५५	११	कौ	११	३१	२३	७	५३	२८	१	१८	क.२४।४७	सफर २
३	बु	१७	४६	पु	४९	१६	व्या	५७	३६	ग	१७	४६	२३	७	५३	२९	२	१९	कर्के	भ. ५०।५२ उ.
४	गु	२३	५९	श्ले	५६	५१	ह	६०	०	वि	२३	५९	२४	७	५३	३०	३	२०	सिं ५६।५१	भ. २३।५९ या.
५	शु	२९	५६	म	६०	०	ह	०	५	बा	२९	५६	२४	७	५३	३१	४	२१	सिंहे	आर्द्रा. रविः ३४।२३ (सौरः ५२।०)
६	श	३५	१२	म	४	२	व	२	२०	कौ	४	३४	२४	७	५३	१	५	२२	सिंहे	भा. आषाढ़ारंभः
७	र	३९	२२	पू	१०	७	सि	३	३८	ग	७	१७	२४	७	५३	२	६	२३	कं.२६।२२	भ. ३९।२२ उ.
८	चं	४१	५६	उ	१५	७	व्य	४	१	वि	१०	३९	२४	७	५३	३	७	२४	कन्यायां	भ. १०।३९ या.
९	मं	४२	४६	ह	१८	१०	व	२	५८	बा	१२	२१	२३	७	५३	४	८	२५	तु.४८।४३	मृगे बुधः ४०।१३
१०	बु	४१	२९	चि	१९	१७	प	२२	५५ ५९	तै	१२	७	२३	७	५३	५	९	२६	तुलायां	[× बुधः ५२।४४ चंद्र दर्शन संभवः
११	गु	३८	१०	स्वा	१८	३६	सि	५०	२८	व	९	४९	२२	८	५२	६	१०	२७	तुलायां	भ. ९।४९ उ. ३८।१० या. वक्री पूषा =
१२	शु	३२	४४	वि	१५	४४	सा	४३	५	य	५	२४	२२	८	५२	७	११	२८	बृ.१।२७	[= २ गुरुः ११।४४ कमला ११ व्र.
१३	श	२५	८	अ	११	३	शु	३४	१७	तै	२५	८	२१	८	५२	८	१२	२९	वृश्चिके	मिथुने बुधः १३।२८[÷ पूर्वस्यां ९।४४
१४	र	१६	७	ज्ये	५	५२	शु	२४	३२	व	१६	७	२०	८	५२	९	१३	३०	ध.५।१	भ. १६।७ उ. ४१।५४ या. बुधास्तः ÷
१५	चं	७	४१	पू	५०	११	ब्र	१४	११	ब	७	४१	१९	८	५२	१०	१४	१	धनुषि	मार्गी शुक्रः २७।५६ जौलाई ७ता. ३१

११पं.प्र.आ. शु.६श. इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	८	१	११	५	२
७	१३	१७	२०	१९	१२	१९	७
२९	११	५६	३४	५३	५४	२५	१२
३१	३१	२४	३०	१३	२२	५४	३२
५७	४२	० ०	३७	३१ २६	२	३	५६
१३	८	९	व.	व.	३४	११	५४

गोचर ग्रहाः

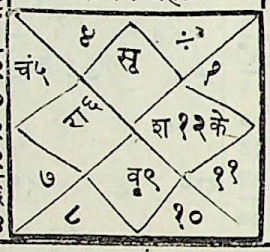

÷मंबुशु

इस मास में धान्य गेहूं जो चने मूंग मोठ गुड़ खांड चन्दन केशर और रुई कपड़ा कपास तेज होकर मंदा । कहीं कहीं वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

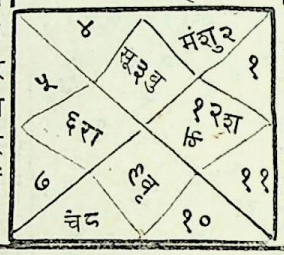

१२पं.प्र.आ.शु १३श.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	८	१	११	५	२
१४	१८	०	१९	१८	१३	१९	१३
९	६	२५	४२	५	९	३	५०
५८	५०	१६	२२	२४	५०	३८	३७
५७	४२	८७ ८४	५२	४६	१	३	५६
७	४८	९	व.	व.	५६	११	५०

ति.	द्वि.आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे प्र. आषा. कृष्णेत्ति महा.
१	चं	४९	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४८	१६	उ	४२	३५	ऐं	३ ४०	३९	तै	२२	३५	३४ १८	८	५२	११	१५	२	म.३।१७	आर्द्रा. बुधः ३५।४०
३	बु	३९	७	अ	३५	३४	वि	४३	२५	व	१३	४१	१७	९	५१	१२	१६	३	मकरे	भ. १३।४१ उ. ३९।७ या. चतुर्थी व्र.
४	गु	३०	५२	ध	२९	३४	प्री	३३	५०	ब	४	५३	१६	९	५१	१३	१७	४	कुं.२।३४	
५	शु	२४	७	श	२४	५६	आ	२५	४८	तै	२४	७	१५	९	५१	१४	१८	५	कुंभे	पुन. रविः ३३।१३ (सौरः ५६।२) A
६	श	१८	५९	पू	२१	३५	सौ	१८	५६	व	१८	५९	१४	९	५१	१५	१९	६	मी.७।२५	भ. १८।५९ उ. ४७।२० या. ÷
७	र	१५	४०	उ	२०	९	शो	१३	३४	ब	१५	४०	१३	९	५१	१६	२०	७	मीने	[÷ मृगे भौमः ५४।५२
८	चं	१३	५२	रे	२०	२०	अ	९	३२	कौ	१३	५२	११	१०	५०	१७	२१	८	मे.२०।२०	पुन. बुधः ५७।२३
९	मं	१३	५३	अ	२२	१४	सु	६	४९	ग	१३	५३	१०	१०	५०	१८	२२	९	मेषे	भ. ४४।३६ उ. [+ मास समाप्तिः
१०	बु	१५	२०	भ	२५	४०	धृ	५	२८	वि	१५	२०	८	१०	५०	१९	२३	१०	बृ.४१।४९	भ. १५।२० या.
११	गु	१७	५४	कृ	३०	१६	शू	५	५	बा	१७	५४	७	११	४९	२०	२४	११	वृषे	कमला ११ व्रतम्
१२	शु	२२	१६	रो	३५	५८	गं	५	५२	तै	२२	१६	५	११	४९	२१	२५	१२	वृषे	[A उ.भा. ४ शनिः ४४।५०
१३	श	२७	२	मृ	४२	२७	वृ	७	१	व	२७	२	३	११	४९	२२	२६	१३	मि.९।१२	भ. २७।२ उ. ५९।५० या. ×
१४	र	३२	३८	आ	४९	४	धु	८	४४	श	३२	३८	१	१२	४८	२३	२७	१४	मिथुने	[× कर्के बुधः २५।३
१५	चं	३८	३३	पु	५७	५	व्या	१०	५१	च	५	३५	३३	१२	४८	२४	२८	१५	क.४०।५	पुष्ये बुधः ०।४८ सोमवती. अधिक- +

१३पं.द्वि.आ.कृ.६ श.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	८	१	११	५	२
२०	२२	१४	१८	१८	१३	१८	२०
५०	५९	४२	४८	१५	२०	४१	२८
२४	३८	४	०	३२	५३	२३	३१
५७	४२	८४	७	११	१	३	५६
७	३२	९	५२	४९	१७	११	५०

गोचर ग्रहाः

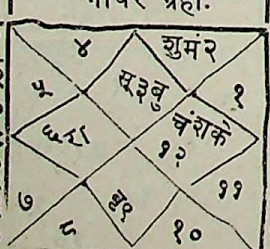

इस मास में रस पदार्थ घृत तेल गुड़ सरसों अन्डी अलसी में तेजी कपास रुई सन में मंदी होकर तेजी होगी वर्षा अच्छी हो

गोचर ग्रहाः

१४पं.द्वि.आ.कृ.१३श.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	८	१	११	५	२
२७	२७	०	१७	२०	१३	१८	२७
३०	४८	०	५४	७	२६	१९	६
४३	४३	५८	४३	८	४९	७	३८
५७	४२	९	७	२५	०	३	५६
११	११	५८	४७	८	३८	११	५४

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. द्वि. आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५६३ स. १९९६

१	मं	४४	३४	पु	६०	०	ह	१३	१८	किं	११	३३	३३	५	६	२५	२९	१६	कर्क	कर्कार्कः २।३९ (सौरः २८।४६) A
२	बु	५०	४६	पु	४	४१	व	१५	४६	बा	१७	४०	५५	१३	४७	२६	३०	१७	कर्के	चंद्रदर्शनम्रथयात्रा (Aमिथुनेभौमः ३२ ४४
३	गु	५६	४१	श्ले	१२	७	सि	१८	१०	तै	२३	४३	५३	१४	४६	२७	१	१८	सि. १२।७	वक्री शनिः ३८।४८ रविलावल ३
४	शु	६०	०	म	१९	१६	व्य	२०	१९	व	२९	१६	५०	१४	४६	२८	२	१९	सिंहें	भ. २९।१६ उ. पुण्ये रविः ३१।५७ +
४	श	१	५२	पू	२५	३९	व	२१	५०	वि	१	५२	४८	१४	४६	२९	३	२०	कं. ४२।३	भ. १।५२ या मृगे शुक्रः ११।११
५	र	६	१८	उ	३१	१६	प	२२	५३	बा	६	१८	४५	१५	४५	३०	४	२१	कन्यायां	आश्लेषां. बुधः ३४।९ (+ सौरः५९।३७
६	चं	९	२४	ह	३५	२८	शि	२२	५१	तै	९	२४	४३	१५	४५	३१	५	२२	कन्यायां	(=७।२३ भा. श्रावणा रंभः
७	मं	११	१०	चि	३८	११	सि	२१	३५	व	११	१०	४०	१६	४४	१	६	२३	तु.६।४९	भ. ११।१० उ. ४१।९ या. वक्री पूषा B
८	बु	११	७	स्वा	३९	१४	सा	१८	५६	व	११	७	३८	१६	४४	२	७	२४	तुलायां	(B१ गुरुः३९।४४ बुधोदयःपश्चिमायां =
९	गु	९	२९	वि	३८	३८	शु	१४	५३	कौ	९	२९	३५	१७	४३	३	८	२५	वृ. २३ ४७	(D वायु परीक्षा
१०	शु	५	४०	अ	३५	४७	शु	९	१०	ग	५	४०	३३	१७	४३	४	९	२६	बृश्चिके	भ. ३२।५० उ. आर्द्रा. भौमः २८।५१ C
११	श	०	१	ज्ये	३१	११	ब्र	५९	५१	वि	०	१	३०	१८	४२	५	१०	२७	ध. ३१ १	भ. ०।१ या. देवशयनी ११ व्र. वै.
१२	श	५२	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	C देवशयनी ११ व्र.स्मा.
१३	र	४३	२	मू	२५	८	वै	४३	५७	कौ	१७	५२	२७	१९	४१	६	११	२८	धनुषि	सिंहे मघायां बुधः ५५।७ प्रदोषः
१४	चं	३४	२२	पू	१७	५९	वि	३३	३९	ग	८	४२	२४	१९	४१	७	१२	२९	म.३१।१	भ. ३४।२२ उ. ५९।१९ या.
१५	मं	२४	१५	उ	१०	५	प्री	२२	३७	व	२४	१५	२२	२०	४०	८	१३	३०	मकरे	मिथुने शुक्रः २९।२३ व्यास पूजा गुरु१५D

१५पं.द्वि:आ.शु.४ श.इ.३५ ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	८	१	११	५	३
४	२	१४	१७	२३	१३	१७	३
११	३४	२४	३	२८	२८	५६	४५
२८	५५	४	३२	४४	१२	५१	०५
५७	४२	२१	१७	३५	१३	३	५६
१५	५५	०७	व.	४२	व	११	५८

गोचर ग्रहः

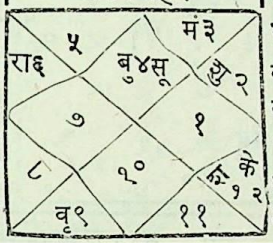

द्वि. आषाढ शुक्ले १ भौमे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न.५ प्रव्राजिका वस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहः

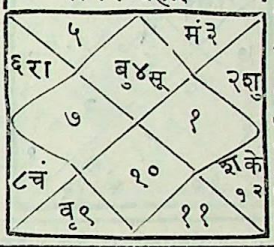

१६पं.द्वि.आ.शु.११शइ.४५ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	८	१	११	५	३
१०	७	२७	१६	२७	१३	१७	१०
५२	१९	२५	१६	४५	२४	३४	२४
३०	३४	४४	१६	४०	४०	३६	२२
५७	४१	००	२८	४३	५१	३	५७
२०	४३	०७	व.	५३	व.	११	५

ति.	श्रावण कृष्ण पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे द्वि, आषा.कृष्णेति महा.;
१	बु १४ ८ श्र १० ५२ आ ११ ४७ कौ १४ ८	३३ ३३	२०	४०	९	१४	३१	कुं. २९	वक्री उभा. ३ शनिः ४७।२७
२	गु ५४ ३६ श ४७ ५२ सौ ८ ५० ग ४ ३६	१६	२१	३९	१०	१५	१	कुंभे	भ. ३०।१९ उ. ५६।३या अगस्तोदता.३१
३	शु ४९ ७ पू ४२ ३५ अ ४२ ४० व २२ ३५	१३	२१	३९	११	१६	२	मी. ३५	आश्ले. रविः २८।५८ चतुर्थी व्र.
४	श ४४ ० उ ३९ ७ सु ३५ २० कौ १६ ३४	१०	२२	३८	१२	१७	३	मीने	आश्ले रविः सौरः ०।१४ नाग ५मरुस्थले
५	र ४० ५८ रे ३७ ३१ धृ २९ ३७ ग १४ २९	७	२३	३७	१३	१८	४	मे. ३७	भ. ४०।५८ उ.
६	चं ४० ० अ ३८ ३ शू २५ ३८ वि १० २९	४	२३	३७	१४	१९	५	मेषे	भ. १०।२९ या.
७	मं ४० ५४ भ ४० ४० गं २९ ११ बा १० २७	०	२४	३६	१५	२०	६	बृ. ५९	पूफा बुधः ७।२४
८	बु ४३ ४० कृ ४४ ४८ बृ २२ १३ तै १२ १७	३३ ३३	२५	३५	१६	२१	७	बृषे	
९	गु ४७ ४९ रो ५० २० ध्रु २२ ४९ व १५ ४४	५४	२५	३५	१७	२२	८	बृषे	भ. १५।४४ उ. ४७।४९ या. आर्द्रा =
१०	शु ५३ ५ मृ ५६ ५७ व्या २३ ५० व २० २७	५०	२६	३४	१८	२३	९	मि. ३३	कामिका ११ व्र.स्मा. वैं. (=शुक्रः ७।५४
११	श ५९ ११ आ ६० ० ह २५ ५० कौ २५ ३८	४७	२७	३३	१९	२४	१०	मिथुने	कामिका ११ व्र. नि.
१२	र ६० ० आ ४ २० व २९ १६ ग ३२ १५	४४	२७	३३	२०	२५	११	क. ५५	प्रदोषः
१३	चं ५ २० पु ११ ४३ सि ३० ४२ व ५ २०	४०	२८	३२	२१	२६	१२	कर्के	भ. ५।२० उ. ३८।२३ या.
१४	मं ११ २६ पु १९ २८ व्य ३३ ७ श ११ २६	३७	२९	३१	२२	२७	१३	कर्के	हस्त २ राहुः उभा. ४ केतुः ३५।२९ C
२०	बु १७ २८ श्ले २६ ४४ व ३५ २३ ना १७ २८	३३	२९	३१	२३	२८	१४	सिं. २६ ४४	C हरियाली ३०

१७पं.श्रा.कृ.५ श.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	८	२	११	५	३
१७	१२	९	१५	२	१३	१७	१७
३४	०	२	३५	५९	१५	१२	०४
१२	४	१०	१८	२	४७	२०	१०
५७	४१	९५	५५	४९	३६	३	५७
२५	१६	३६	व.	४९	व.	११	१२

गोचर ग्रहः

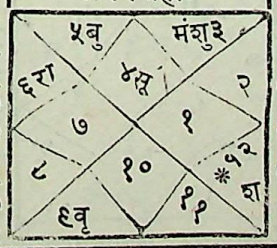

इस मास में सोना चांदी आदि धातु रुई पाट वारदाना में तेजी हो अनाज चावल गेहूं बाजरा आदि में मंदी होकर तेजी हो

गोचर ग्रहः

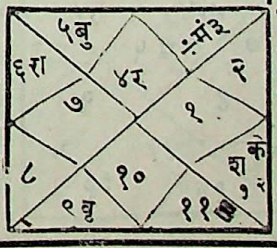

१८पं.श्रा.कृ. १२ श.इ. ३५ ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	८	२	११	५	३
२४	१६	१९	१५	८	१३	१६	२३
१६	३८	२२	०	४५	२	५०	४५
३७	४९	४४	४३	१४	१३	५	१७
५७	४०	८१	३४	५४	१०	३	५७
३३	५८	१७	व.	३८	व.	११	२२

*चं के (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ÷शु चं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्ल पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८		दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५९३स, १९९६
१	गु २२ ५८	म ३३ ४७	प ३७ १९	ब २२ ५८	३२	५	६	२४	२९ १५	सिंहे
२	शु २७ ४०	पू ३९ ५२	शि ३८ ४२	कौ २७ ४०	२६	३१	२९	२५	३० १६	कं.५६।१३
३	श ३१ ४२	उ ४५ १७	सि ३९ ३०	ग ३१ ४२	२२	३२	२८	२६	१ १७	कन्यायां
४	र ३४ ३७	ह ४९ ३७	सा ३९ ८	व ३ ९	१९	३२	२८	२७	२ १८	कन्यायां
५	चं ३६ २६	चि ५२ ५९	शु ३९ २०	ब ५ ३१	१५	३३	२७	२८	३ १९	तु.२१।१८
६	मं ३६ ५८	स्वा ५४ ५४	शु ३६ ४०	कौ ६ ४२	१२	३४	२६	२९	४ २०	तुलायां
७	बु ३६ १०	वि ५५ ३१	ब्र ३३ ३४	ग ६ ३४	८	३४	२६	३०	५ २१	वृ.४०।२२
८	गु ३३ ५४	अ ५४ ५४	ऐं २९ २२	वि ५ २	४	३५	२५	३१	६ २२	वृश्चिके
९	शु २९ ५८	ज्ये ५२ १२	वै २३ ५२	बा १ ५५	१	३६	२४	१	७ २३	ध.५२।१२
१०	श २४ ४०	मू ४८ २७	वि १७ २२	ग २४ ४०	३१	३७	२३	२	८ २४	धनुषि
११	र १७ ५२	पू ४३ १४	प्री ९ ३५	वि १७ ५२	५३	३७	२३	३	९ २५	म५६।३९
१२	चं ९ ५०	उ ३६ ५४	आ ३०	बा ९ ५०	४९	३८	२२	४	१० २६	मकरे
१३	मं ० ५३	श्र २९ ४७	शो ४० ३८	तै ० ५३	४६	३९	२१	५	११ २७	कुं ५६।२
१४	मं ५० ३१	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	०	० ०	०
१५	बु ४१ ५३	ध २२ १७	अ ३० ४	वि १६ ३८	४२	४०	२०	६	१२ २८	कुंभे

प्रदोषः
भ. ५१।२४ उ.
[B बंधनं भद्रोत्तरं
भ. १६।३८ या. श्रावणीकर्म. रक्षा B

१९पं.श्रा.शु.३श.इ.२५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	८	२	११	५	४
०	२१	२८	१४	१५	१२	१६	०
५९	१३	७	३३	११	४४	२७	२७
१३	५५	३०	३६	१७	१०	४९	३०
५७	४०	६३	२९	५८	२	३	५७
४०	४१	३४	व	२२	व	११	३४

गोचर ग्रहाः

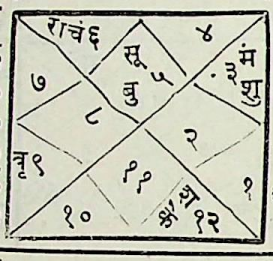

श्रावण शुक्ले २ शुक्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.५.गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

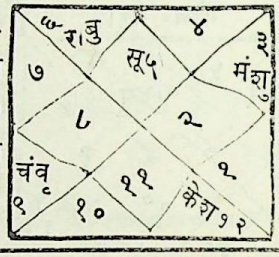

२०पं.श्रा.शु.१०श.इ२५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	८	२	११	५	४
७	२५	४	१४	२१	१२	१६	७
४४	४६	५७	१५	५८	२३	५	११
२०	१२	५०	३६	८	२	३३	०
५७	४०	४१	१०	६१	२३	३	५७
४९	२१	३५	व	९	व.	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८		दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे श्रा.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	गु ३२ ५०	श १५ ५	सु १९ ५०	वा ७ २१	३१	५	६	७	१३ २९	मी. ५५ १३
२	शु २५ ४	पू ८ ३५	धृ १० २१	ग २५ ४	३४	४१	१९	८	१४ ३०	मीने
३	श १८ ३९	उ ३ ३५	शू २३ ५२	वि १८ ३९	३०	४२	१८	९	१५ ३१	मीने
४	र १३ ५८	रे १० २८	वृ ४८ १६	बा १३ ५८	२६	४३	१७	१०	१६ १	मे.०।१०
५	चं ११ ३६	भ ५९ ३२	ध्रु ४४ १९	तै ११ ३६	२२	४४	१६	११	१७ २	मेषे
६	मं ११ २२	कृ ६० ०	व्या ४१ ५४	व ११ २२	१८	४४	१६	१२	१८ ३	बृ१५।१४
७	बु १३ १६	कृ २ २०	ह ४१ २८	ब १३ १६	१५	४५	१५	१३	१९ ४	वृषे
८	गु १७ ४	रो ७ ५	व ४१ ४२	कौ १७ ४	११	४६	१४	१४	२० ५	मि४०।४
९	शु २२ ७	मृ १३ २	सि ४३ १३	ग २२ ७	७	४७	१३	१५	२१ ६	मिथुने
१०	श २८ ८	आ २० ८	व्य ४५ ३१	वि २८ ८	३	४७	१३	१६	२२ ७	मिथुने
११	र ३४ २०	पु २७ ४५	व ४८ १	ब १ १४	५९	४८	१२	१७	२३ ८	क १०।५१
१२	चं ४० ४४	पु ३५ २५	प ५० ३७	कौ ७ ३२	५५	४९	११	१८	२४ ९	कर्के
१३	मं ४६ ४०	श्ले ४२ ४६	शि ५३ ११	ग १३ ४२	५१	५०	१०	१९	२५ १०	सिं. ४९
१४	बु ५१ ५५	म ४९ ३३	सि ५४ ३०	वि १९ १८	४७	५१	९	२०	२६ ११	सिंहे
३०	गु ५६ ०	पू ५५ १६	सा ५५ २८	च २३ ५८	४३	५१	९	२१	२७ १२	सिंहे

शरदृतू रविर्दक्षिणे श्रा.कृष्णेति महाराष्ट्राः
भ. ५१।५१ उ. पूफा. रविः १२।३८ ÷
भ. १८।३९ या. कर्के भौमः १।५५ च.व्र.
कर्के शुक्रः १८।४ सितम्बर ९ता० ३०
वक्री बुधः ३२।१ चंदन षष्ठी
भ. ११।२२ उ. ४२।१९ या.
मार्गी गुरुः १५।५० पुष्ये शुक्रः ३३।५६C
पुष्ये भौमः २३।१३ जन्माष्टमी व्र. वै.
भ. ५५।७ उ. गोगानवमी
भ. २८।८ या. [÷(सौरः ४७।३१)
अजा ११ व्रतम् [C श्रीकृष्णजयंतीव्र.स्मा.
वत्स द्वादशी [B लोहार्गलस्नानं
भ. ४६।४० उ. प्रदोषः
भ. १९।१८ या. बुधास्तःपश्चिमायाम् ३७
उफा. रविः ५७।१ कुशाग्रहणी.मन्वादिB:

२१ पं. भा.कृ.३ श.इ. २४ ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	८	२	११	५	४
१४	०	९	१४	२९	११	१५	१३
३०	१५	७	६	३	५७	४३	५६
०	२२	५२	२५	५४	२२	१८	१२
५८	३९	१२	४४	६३	५३	३	५७
१	५७	३८	व	२५	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

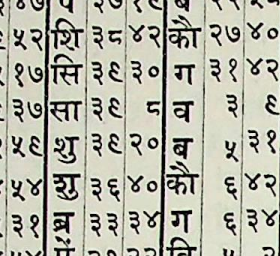

इस मास में गेहूं जौ चना शक्कर गुड रूई चांदी सोना लोहा तांबा आदि धातुओं में तेजी हो कहीं २ थोड़ी वर्षा होगी ।

गोचर ग्रहाः

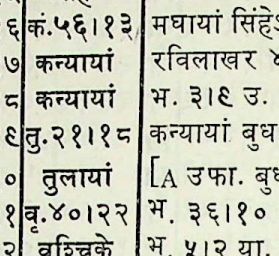

२२पं.भा.कृ.१०श. इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	८	३	११	५	४
२१	४	९	१४	६	११	१५	२०
१७	४०	१८	७	२५	२९	२१	४२
२	१२	४०	५	२३	६	२	५२
५८	३९	२९	८	६५	४	३	५८
१३	३४	व.	मा	५	व.	११	१२

*केशवं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६२२स.१९९६
१	शु	५९	१७	उ	६०	०	शु	५५	३२	कि	२७	३८	३१	५	६	२२	२८	१३	कं. ११ उफा. रविः सौरः ३२।१० ÷ नवल दुर्गे
२	श	६०	०	उ	०	१४	शु	५५	०	बा	३०	१९	३५	५३	७	२३	२९	१४	कन्यायां चंद्रदर्शनम् [8 रामदेवजी का मेला ÷
३	र	१	२२	ह	३	५९	ब्र	५३	३५	कौ	१	२२	३१	५४	६	२४	१	१५	तु. ३५ जमादिलावल ५ [D हरीवासराऽभावः E
४	चं	२	२५	चि	६	४१	ऐं	५१	१२	ग	२	२५	२७	५५	५	२५	२	१६	तुलायां भ. ३२।२८ उ. कन्यायामर्कः २२।२२ *
५	मं	२	३१	स्वा	८	२९	वै	४८	१३	वि	२	३१	२३	५६	४	२६	३	१७	वृ.५४।१ भ. २।३१ या. ऋषि पंचमी [B चतुर्थी
६	बु	५ ५८	२ २५	बि	९	११	वि	४४	३१	बा	१	२५	१८	५६	४	२७	४	१८	वृश्चिके वक्री सिंहे बुध ५७।२२ [E प्रदोषः
७	गु	५६	२०	अ	८	५६	प्री	३९	४९	ग	२७	५३	१४	५७	३	२८	५	१९	वृश्चिके भ.५६।२० उ. [A ४९।३५श्रीगणेश B
८	शु	५२	४१	ज्ये	७	३४	आ	३४	१३	वि	२४	३१	९	५८	२	२९	६	२०	ध. ७।३४ भ.२४।३१ या.[+ मार्गी बुधः ३७।३१ F
९	श	४७	२०	मू	५	२१	सौ	२७	५७	बा	२०	१	५	५९	१	३०	७	२१	धनुषि [C नारंभः जलझूलनी ११ व्र.
१०	र	४१	१९	पू	३ ५५	५५	शो	२०	४६	तै	१४	१९	३०	६	६	३१	८	२२	म. १६।४ वकी पूषा. बुधः २०।५९ रामदेवजी 8
११	चं	३४	२६	श्र	५२	५४	अ	१२	५२	व	७	५२	५	६	५	१	९	२३	मकरे भ. ७।५२ उ. ३४।२६ या भा. आश्वि- C
१२	मं	२६	५५	ध	४७	६	सु	१२ ५९	५०	व	०	४०	५३	२	५८	२	१०	२४	कुं. २०।० बुधोदयः पूर्वस्यां १८।१८ वामन १२ D
१३	बु	१८	५२	श	४१	७	शू	४५	४३	तै	१८	५२	४८	२	५८	३	११	२५	कुम्भे [× रविः ३५।३१ आश्ले. भौमः ५३।८+
१४	गु	१०	५२	पू	३५	१७	गं	३६	३१	व	१०	५२	४४	३	५७	४	१२	२६	मी. २१ ५४ भ. १०।५२ उ. ३७।७ या. हस्ते ×
१५	शु	३	२५	उ	३०	३५	बृ	२७	४९	व	२	४३	४०	४	५६	५	१३	२७	मीने हस्तेरविः सौरः९।५१ महालयश्राद्धारंभः

२३पं.भा.शु.२श.इ.२४।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	८	३	११	५	४
२८	९	४	१४	१३	१०	१४	२७
५	२	२१	१६	५९	५८	५८	३१
२४	३६	७	५२	१७	२६	२७	१२
५८	३८	६ ४८	१	६६	२ ४	३	५८
२६	५९	व.	४५	३७	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

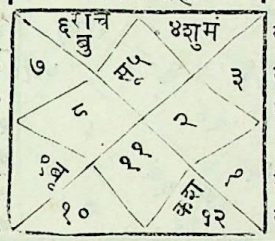

भाद्रपद शुक्ले ३ चंद्रे कन्यायाम र्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः स्यांपूर्व

गोचर ग्रहाः

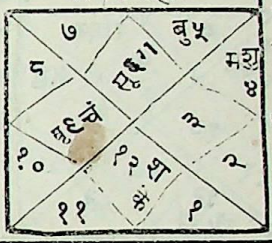

२४पं.भा.शु.९श.इ.२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	८	३	११	५	५
४	१३	२७	१४	२१	१०	१४	४
५५	२२	३५	२६	४७	२५	२६	२१
१६	३७	२८	१४	५३	५९	३१	१९
५८	३८	५६	३	६७	४ ४०	३	५८
३८	४०	व.	१२	५८	व.	११	४५

ति.	आश्विन कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरहर्तू रविर्दक्षिणे भाद्र कृष्णेति महा.
१	शु	५३	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	५२	२	रे	२५	५८	ध्रु	१९	५२	तै	२४	३३	३९	५	५५	६	१४	२८	मे. २५ सिंहे मघायां शुक्रः ४१।५१
३	र	४८	४९	अ	२३	१७	व्या	१३	४	व	२०	२५	३२	६	५४	७	१५	२९	मेषे भ. २०।२५ उ. ४८।४९ या.
४	चं	४७	३१	भ	२२	४०	ह	७	५०	ब्र	१८	१०	२८	६	५४	८	१६	३०	बृ. ५३ चतुर्थी व्रतम्
५	मं	४८	२५	कृ	२३	४६	व	४	३	कौ	१७	५८	२३	७	५३	९	१७	१	वृषे उफा. बुधः ३१।५४अक्टूबर १० तां.३१
६	बु	५१	२०	रो	२७	१९	सि	१	५८	ग	१९	५२	१९	८	५२	१०	१८	२	मि. ५९ भ. ५१।२० उ.
७	गु	५५	४९	मृ	३२	१९	व्य	१	२३	वि	२३	३४	१५	९	५१	११	१९	३	मिथुने भ. २३।३४ या
८	शु	६०	०	आ	३८	५०	व	२	२	बा	२८	४३	११	१०	५०	१२	२०	४	मिथुने कन्यायां बुधः ४०।४१ मातृ ९
८	श	१	३८	पु	४५	५५	प	३	४९	कौ	१	३८	७	११	४९	१३	२१	५	क.२९।९ [× (सौरः ४०।२५) पूफा.शुक्रः १४।१÷
९	र	७	५०	पु	५	३४	शि	५	५२	ग	७	५०	३	११	४९	१४	२२	६	कर्के भ. ४०।५९ उ. ÷ प्रदोष व्रतम्
१०	चं	१४	८	श्ले	६०	०	सि	८	१७	वि	१४	८	५९ ५९	१२	४८	१५	२३	७	कर्के भ. १४।८ या.
११	मं	२०	९	श्ले	१	३	सा	१०	३२	बा	२०	९	५५	१३	४७	१६	२४	८	सिं. १।३ इंदिरा ११ व्रतम्
१२	बु	२५	१९	म	७	५५	शु	१२	१९	तै	२५	१९	५१	१४	४६	१७	२५	९	सिंहे
१३	गु	२९	१६	पू	१३	४०	शु	१३	२४	व	२९	१६	४७	१५	४५	१८	२६	१०	कं. ५० भ. २९।१६ उ. चित्रा रविः ७।३३ ×
१४	शु	३१	५३	उ	१८	२२	ब्र	१३	१३	वि	०	३४	४३	१५	४५	१९	२७	११	कन्यायां भ. ०।३४ या. हस्ते बुधः ३६।२५ A
३०	श	३३	८	ह	२१	२९	ऐं	१२	११	च	२	३०	३९	१६	४४	२०	२८	१२	तु. ५२ सर्वपितृ ३० A शस्त्रादिहतानां श्राद्धं

२५पं.आ.कृ.२श.इ.२४।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	८	३	११	५	५
११	१७	२५	१५	२९	९	१४	११
४६	३७	३७	३	३९	५३	१४	१३
५२	५५	८	५८	५८	२	१५	२०
५८	३८	२०	४	६८	४ ४०	३	५९
५३	५	मा	२१	५१	व.	११	००

२६पं.आ.कृ.८श.इ.

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	४	११	५	५
१८	२१	०	१५	७	९	१३	१८
४०	४९	५६	३९	४२	२०	५२	७
८	१२	२४	५४	५०	४२	०	७
५९	३७	७७	५	६९	३ ४	३	५९
९	३६	४३	३१	३८	व.	११	१६

२७पं.आ.कृ.३०श.इ.

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	४	११	५	५
२५	२५	११	१६	१५	८	१३	२५
३५	५५	१८	२३	५२	४९	२९	२
२	४१	०	२४	३७	५	४४	४९
५९	३७	९८	६	७०	१ ४	३	५९
२९	१२	१५	३४	२५	व.	११	३१

[* (सौरः ५७।२१) आश्ले.शुक्रः A (**विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्**) F वक्री उभा. २ शनिः ५४।५० अनंत १४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८									दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चन्द्रः
१	र	३३	१	चि	२३	२६	वै	१०	६	किं	३	४	२८ ३५	१६	४३	२१ २९ १३	तुलायां
२	चं	३१	४७	स्वा	२४	१७	वि	७	१	बा	२	२४	३१	१८	४२	२२ ३० १४	तुलायां
३	मं	२९	४१	वि	२४	२	प्री	६	५५	तै	०	४४	२७	१९	४१	२३ १ १५	वृ. ९।३
४	बु	२६	४६	अ	२२	५६	सौ	५२	४९	वि	२६	४६	२३	१९	४१	२४ २ १६	वृश्चिके
५	गु	२२	१	ज्ये	२१	१४	शो	४७	६	बा	२२	१	२०	२०	४०	२५ ३ १७	ध. २१ १४
६	शु	१९	२	मू	१८	५६	अ	४०	५९	तै	१९	२	१६	१९	४१	२६ ४ १८	धनुषि
७	श	१४	२९	पू	१६	२२	सु	३४	१९	व	१४	२९	१२	२२	३८	२७ ५ १९	म. ३०
८	र	९	३१	उ	१३	१४	धृ	२७	३१	ब	९	३१	८	२२	३८	२८ ६ २०	मकरे
९	चं	४	१६	श्र	९	४४	शू	२०	१०	कौ	४	१६	४	२३	३७	२९ ७ २१	कुं. ३७
१०	चं	५४	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ०
११	मं	५२	३८	ध	५	४९	गं	१२	३८	व	२५	३७	०	२४	३६	२० ८ २२	कुंभे
१२	बु	४६	३७	श	० ३८	५५	बृ	४९ ४८	५२ ५१	ब	१९	३७	२७	२५	३५	१ ९ २३	मी. ४२
१३	गु	४०	४८	उ	५३	३८	व्या	४९	२५	कौ	१३	४२	५३	२५	३५	२ १० २४	मीने
१४	शु	३५	४०	रे	५०	१३	ह	४२	११	बा	८	१४	४९	२६	३४	३ ११ २५	मे. ५०
१५	श	३१	१६	अ	४७	४६	व	३५	४४	वि	३	२८	४५	२७	३३	४ १२ २६	मेषे

तिथिः रविदृक्षिणेऽहर्गणः १६५२सन् १९९६

मातामह श्राद्धं नवरात्रारंभः
पूषा. २गुरुः ५५ ४४ बुधास्तः पूर्वस्यां ५२ चंद्र- A
भ. ५८।१३ उ. हस्त. १ राहुः उभा. B
भ. २६।४६ या. तुलायामर्कः ५१।२२
तुलायामर्कः सौरः २३।९ A दर्शनम्
सरस्वत्यावाहनम्
भ. १४ २९ उ. ४२ ० या. मघा. सिंहे भौमः ३७ सर- C
चित्रा. बुधः १।२८ C स्वती पू. बलिदानं
उफा. शुक्रः ३१ ४ सरस्वती विसर्जनं विजया १०
B ३ केतुः २७।३० जमादिलाखर ६
भ. ३५ ७ उ. ५२ ८ या. पापांकुशा ११ व्र. स्मा
स्वात्यांरविः ३३ ४ तुलायांबुधः २९ १ रा. *
स्वात्यांरविः सौरः ४ १२ कन्यांशुक्रः १७ प्रदोषः
भ. ३५।४० उ. कोजागरी व्र.
भ. ३।२८ या. शरदपूर्णिमा का. स्ना. प्रा.

२८ पं.आ.शु.७. श.इ. २३ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	८	४	११	५	६
२	२९	२२	१७	२४	८	१३	२
३१	५७	१५	१४	८	१९	७	००
२६	५४	११	४२	२८	३७	२९	१६
५९	२६	० ०८	७	७१	५३	३	५९
३४	३९	३५	४	व.	११	४६	

गोचर ग्रहाः

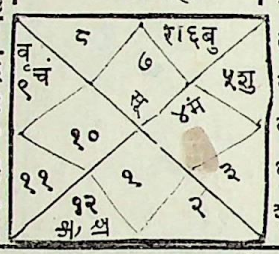

आश्विन शुक्ले ५गुरौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.५ गतालका वस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

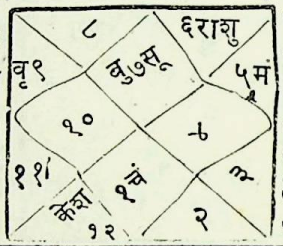

२९ पं.आ.शु.१५ श.इ. २३ ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	५	११	५	३
९	३	४	१८	२	७	१२	८
२९	५६	११	१३	३०	५२	४५	५९
४२	२८	५६	५५	४०	४४	१३	३६
५९	३६	० ०m	८	७१	४३	३	६०
४७	२	७ ०४	३८	३१	व.	११	२

ति.	कार्तिक कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८									दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः
१	र	२८	२५	भ	४६	५१	सि	३०	१५	कौ	२८	२५	२७ ४५	२८	३३	५ १३ २७	मेषे
२	चं	२७	८	कृ	४७	२२	व्य	२५	५९	ग	२७	८	३७	२९	३१	६ १४ २८	बृ.१।५९
३	मं	२७	३१	रो	४९	४१	व	२२	५९	वि	२७	३१	३४	२९	३१	७ १५ २९	वृषे
४	बु	२९	५४	मृ	५३	५६	प	२१	४४	बा	२९	५४	३०	३०	३०	८ १६ ३०	मि. २१ ४९
५	गु	३३	४०	आ	५९	३२	शि	२१	१४	कौ	१	४७	२७	३१	२९	९ १७ ३१	मिथुने
६	शु	३९	०	पु	६०	०	सि	२२	१७	ग	६	२०	२३	३१	२९	१० १८ १	क. ४९।३४
७	श	४५	११	पु	६	१५	सा	२३	५३	वि	१२	६	१९	३२	२८	११ १९ २	कर्के
८	र	५१	३८	पु	१३	४३	शु	२६	९	बा	१८	२५	१६	३३	२७	१२ २० ३	कर्के
९	चं	५७	५१	श्ले	२१	११	शु	२८	२५	तै	२४	१४	१२	३४	२६	१३ २१ ४	सिं. २१ १५
१०	मं	६०	०	म	२८	२६	ब्र	३०	२०	व	३०	३१	९	३४	२६	१४ २२ ५	सिंहे
१०	बु	३	११	पू	३४	३७	ऐं	३१	४४	वि	३	११	५	३५	२५	१५ २३ ६	कं. ५० ४९
११	गु	७	२१	उ	३९	२६	वै	३१	५८	बा	७	२१	२	३६	२४	१६ २४ ७	कन्यायां
१२	शु	१०	२	ह	४२	४९	वि	३१	४	तै	१०	२	२५ ८	३६	२४	१७ २५ ८	कन्यायां
१३	श	११	०	चि	४३	४७	प्री	२८	४३	व	११	०	५५	३७	२३	१८ २६ ९	तुं. १३ १८
१४	र	१०	१०	स्वा	४४	३४	आ	२५	१०	श	१०	१०	५२	३८	२२	१९ २७ १०	तुलायां
२०	चं	७	५०	वि	४३	२१	सौ	२०	२१	ना	७	५०	४९	३८	२२	२० २८ ११	वृ. ३९

तिथिः रविर्दक्षिणे आश्विन. कृष्णेति महा०

स्वात्यां बुधः ४८।३२
भ. ५७।१९ उ.
भ. २७।३१ या. करक चतुर्थी व्रतम्

[+ सोमवती
विशा. बुधः १२।०
भ. ३०।३१ उ. विशा. रविः ५३।५०
भ. ३।११ या. विशा. रविः सौरः A
रमा ११ व्र. [A २१।३६ पूषा. ३ गुरु २९ ३५
प्रदोषः धन १३
भ. ११।० उ. ४०।३५ या. बृश्चिके *
महालक्ष्मीपूजनम् [* बुधः ५४।५६ रूप १४
अनु. बुधः ५५।७ अन्नकूटं गोवर्धनपूजा +

३० पं.का.कृ.७ श.इ.२३।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	५	११	५	६
१६	७	१६	१९	१०	७	१२	१६
२९	४७	५५	१९	५६	२९	२२	००
२८	३१	३०	८	५३	१०	५७	४०
६०	३५	० ०९	९	७१	३	३	६०
४	१२	० ०३	२८	५६	व.	११	१८

ग्रोचर ग्रहाः

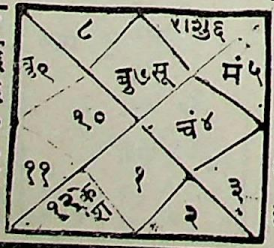

इस मास में रुई चावल घृत में मंदी रहेगी सोना चांदी वारदाना तांबा लोहा आदि धातुओ मेंतेजी होवे।

ग्रोचर ग्रहाः

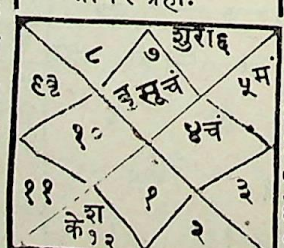

३१ पं.का.कृ.१३.श.इ. २३ ९९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	५	११	५	६
२३	११	२९	२०	१९	७	१२	२३
३०	३४	७	२९	२७	१०	०	०३
५०	५५	१९	३५	०	५	४२	१५
६०	३४	९९	१०	७२	२३	३	६०
१७	४०	५१	१३	१७	व.	११	३०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* कार्तिकारंभः पापा कुशा ११ व्र. वै.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः १६८२स.१९९६
१	मं	४	१५	अ	४१	७	शो	१४	३४	ब	४	१५	२६/४५	६/३९	५/२१	२१	२९	१२	वृश्चिके	पूफा. भौमः २५।१२ चित्रा. शुक्रः A
२	मं	५५	३३		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	F ३४।५१ बुधोदयः पश्चिमायां ४०।५४
३	बु	५४	३५	ज्ये	३८	२	अ	८	१	तै	२७	१२	४२	४०	२०	२२	१	१३	ध. ३८।२	रज्जव ७ A ३६।३ चंद्र दर्शनम्
४	गु	४९	१४	मू	३४	२२	सु	५९	५/३०	व	२१	५५	३९	४०	२०	२३	२	१४	धनुषि	भ. २१।५५ उ. ४९।१४ या. C अक्षय ९
५	शु	४३	४१	पू	३०	३८	शू	४६	२	व	१६	२८	३६	४१	१९	२४	३	१५	म. ४/४३	बृश्चिकेऽर्कः ४९।५०
६	श	३८	८	उ	२६	५३	गं	३८	४३	कौ	१०	५५	३२	४१	१९	२५	४	१६	मकरे	बृश्चिकेऽर्कः सौरः १५।५३ E प्रदोष.
७	र	३३	३	श्र	२३	२०	बृ	३१	१७	ग	५	३६	३०	४२	१८	२६	५	१७	कुं. ५१।३८	भ. ३३.३उ. D प्रबोधिनी ११व्र.तुलसी =
८	चं	२८	३	ध	१९	५७	धु	२४	१४	वि	०	३३	२७	४३	१७	२७	६	१८	कुंभे	भ. ०।३३ या तुलायां शुक्रः १।२२ B
९	मं	२३	२३	श	१६	५५	व्या	१७	१२	कौ	२३	२३	२५	४३	१७	२८	७	१९	मी. ५/५३	अनु. रविः ८।१५ (सौरः ३२।४१) C
१०	बु	१९	२२	पू	१४	११	ह	१०	२८	ग	१९	२२	२२	४४	१६	२९	८	२०	मीने	भ. ४७।५ उ. B गोपाष्टमी
११	गु	१४	४९	उ	११	४३	व	४	५/५४	वि	१४	४९	१९	४४	१६	३०	९	२१	मीने	भ. १४।४९ या.ज्येष्ठा. बुधः ३२।५० D
१२	शु	११	२५	रे	९	५५	व्य	५२	४२	बा	११	२५	१७	४५	१५	१	१०	२२	मे. ९।५५	भा. मार्गशीर्षारंभः हरिवासरः ९।५५ या. D
१३	श	८	४३	अ	८	३४	व	४८	३	तै	८	४३	१४	४५	१५	२	११	२३	मेषे	स्वात्यां शुक्रः २४।३ वैकुण्ठ १४= विवाहः
१४	र	७	४	भ	८	२८	प	४४	८	व	७	४	१२	४६	१४	३	१२	२४	वृ. २३/४३	भ. ७।४ उ. ३६।४८ या. पूषा. ४ गुरुः F
१५	चं	६	३१	कृ	९	३२	शि	४१	१९	व	६	३१	९	४६	१४	४	१३	२५	वृषे	मन्वादि. का स्ना. पूर्ति. पुष्करस्नानं

३२पं.का.शु.६श. इ.२३।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	८	५	११	५	७
०	१५	८	२१	२८	६	११	०
३३	१३	५५	४५	०	५५	३८	७
२९	८	१६	१८	५४	१	२६	१९
६०	३३	९७	१०	७२	४/९	३	६०
३०	२५	४१	५६	४३	व.	११	४०

गोचर ग्रहाः

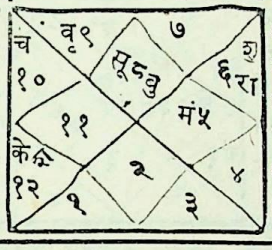

कार्तिक शुक्ले ५ शुक्रे बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा २ न. ३ गतालका वस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदय : पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

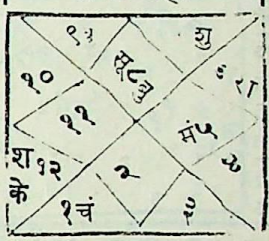

३३गं. का.शु. १३श.इ.२२/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	८	६	११	५	७
७	१८	१९	२३	६	६	११	७
३७	४४	४५	६	२८	४५	१६	१२
२६	५६	७	४	३५	०	११	५२
६०	३२	०	११	७२	३/३	३	६०
४२	४५	९/६	३७	५६	व.	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेश्रावणकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	७	२८	रो	११	५१	सि	३९	४८	कौ	७	२८	२६/७	६/४७	५/१७	५	१४	२६	मि ४३।४१	A ३३।५६ दिसम्बर १२ ता. ३१
२	बु	९	५९	मृ	१५	३२	सा	३९	०	ग	९	५९	५	४७	१३	६	१५	२७	मिथुने	भ.४२।२उ.
३	गु	१४	६	आ	२०	३७	शु	३९	२२	नि	१४	६	२	४८	१२	७	१६	२८	मिथुने	भ. १४।६ या. चतुर्थी व्र.
४	शु	१८	५५	पु	२७	३	शु	४०	४१	बा	१८	५५	०	४८	१२	८	१७	२९	क. २/९	
५	श	२४	५४	पु	३३	५६	ब्र	४२	३७	तै	२४	५४	२५/८	४८	१२	९	१८	३०	कर्के	मूले धनुषि बुधः १२।३
६	र	३१	१५	श्ले	४१	२४	ऐं	४४	४८	व	३१	१५	५६	४९	११	१०	१९	१	सिं. ३/१५	भ. ३१।१५ उ. वक्री उभा. १ शनिः A
७	चं	३७	४४	म	४९	८	वै	४७	२	वि	४	३०	५४	४९	११	११	२०	२	सिंहे	भ. ४।३० या. ज्येष्ठा. रविः १८।२२ B
८	मं	४३	३४	पू	५६	५	वि	४८	५६	बा	१०	३३	५३	४९	११	१२	२१	३	सिंहे	B (सौरः ४०।३५) मार्गीशनिः ४५।४०
९	बु	४८	१८	उ	६०	०	प्री	४९	४७	तै	१५	५४	५१	५०	१०	१३	२२	४	कं १२।२९	विशा.शुक्रः ६।१६
१०	गु	५१	३४	उ	१	४३	आ	४९	३५	व	१९	५४	४९	५०	१०	१४	२३	५	कन्यायां	भ. १९।५४ उ. ५१।३४ या.
११	शु	५२	५४	ह	५	५९	सौ	४८	४	ब	२२	१२	४८	५०	१०	१५	२४	६	तु. ३/१३	उभा.२शनिः १०।५२ उत्पत्ति ११व्र.स्मा.वै.
१२	श	५२	२०	चि	८	२८	शो	४५	०	कौ	२२	३१	४६	५१	९	१६	२५	७	तुलायां	उत्पत्ति् ११ व्र. निं.
१३	र	४९	५९	खा	९	१	अ	४०	२१	ग	२१	९	४५	५१	९	१७	२६	८	वृ. ५३।१	भ. ४९।५९ उ. प्रदोषः
१४	चं	४५	३३	वि	७	४१	सु	३४	२०	वि	१७	४६	४४	५१	९	१८	२७	९	वृश्चिके	भ. १७।४६ या. पूषा. बुधः ३०।३२
३०	मं	४०	५८	अ	४	२४	धृ	२६	५९	च	१३	१५	४३	५१	९	१९	२८	१०	बृश्चिके	उफा. भौमः ६।३ उषा. १ गुरुः ४५।२१

३४पं.मा.कृ.५श.इ.२२।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	८	६	११	५	७
१४	२२	०	२४	१५	६	१०	१४
४२	५	१६	३०	१८	४०	५३	१९
४०	५३	५	३२	११	१९	५५	३८
६०	३१	९०	१२	७३	१/६	३	६१
५०	२९	४१	१०	१४	व.	११	३

गोचर ग्रहाः

इस मास में सोना चांदी ताम्बा आदि धातुये तेजी हो सभी प्रकार के धान्यो में मंदी हो प्रजा में शान्ति रहे

गोचर ग्रहाः

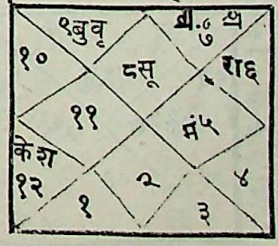

३५पं.मा.कृ.१२श. इ. २२/

र	मं	ब्र	गु	गु	श	रा	र
७	४	८	८	६	११	५	७
२१	२५	१०	२५	२३	६	१०	२१
४८	१७	२२	५८	५९	४०	३१	२७
४३	३५	२३	१	४९	३७	३९	२२
६०	३०	८३	१२	७३	३/९	३	६१
५६	१४	१३	२५	२०	मा.	११	१९

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः १७११ स. १९९६
१	बु	३३	१३	ज्ये	२५	५४	शू	१८	४६	किं	७	५	२५	६	५	२०	२९	११	ध. ०।२५	
२	गु	२६	११	पू	४९	४७	गं	१०	०	कौ	२६	११	४१	५२	८	२१	३०	१२	धनुषि	बृश्चिके शुक्रः ४।३६ चद्र दर्शनम्
३	शु	१८	४९	उ	४४	२९	वृ	५४	५७	ग	१८	४९	४०	५२	८	२२	१	१३	म. ३।२८	भ. ४५।१९ उ. सावान ८
४	श	११	४९	श्र	३९	१९	व्या	४२	५९	वि	११	४९	३९	५२	८	२३	२	१४	मकरे	भ. ११।४९ या. अनु. शुक्रः ५३।१४
५	र	५	११	ध	३४	५०	ह	३५	१	बा	५	११	३९	५२	८	२४	३	१५	कुं. ७।४	मूले धनुष्यर्कः २५।३७ (सौरः ४४।२५ ×
६	र	५३	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	× चंपा ६
७	चं	५४	१०	श	३०	५५	व	२७	१९	ग	२६	४२	३८	५२	८	२५	४	१६	कुंभे	भ. ५४।१० उ.
८	मं	४९	५८	पू	२७	५७	सि	२०	२२	वि	२२	४	३८	५२	८	२६	५	१७	मी. १३ ४१	भ. २२।४ या. उफा. ४ राहुः उभा. २ =
९	बु	४६	४४	उ	२६	२	व्य	१४	८	बा	१८	१८	३७	५३	७	२७	६	१८	मीने	[= केतुः १९।२७
१०	गु	४४	२९	रे	२४	५९	व	८	४६	तै	१५	३१	३७	५३	७	२८	७	१९	मे. २४।५९	कन्यायां भौमः ८।०
११	शु	४३	१३	अ	२४	५५	प	४	२	व	१३	५१	३६	५३	७	२९	८	२०	मेषे	भ. १३।५१ उ. ४३।१३ या. मोक्षदा ÷
१२	श	४२	५६	भ	२५	४३	शि	८	५७	ब्र	१३	४	३६	५३	७	३०	९	२१	बृ. ४१.१२	[÷ ११ व्र. गीताजयंती
१३	र	४३	५४	कृ	२७	४१	सा	५५	५	कौ	१३	१६	३६	५३	७	१	१०	२२	वृषे	भा. पौषारम्भः प्रदोषः
१४	चं	४५	७	रो	३०	४१	शु	५४	२	ग	१४	२२	३६	५३	७	२	११	२३	वृ. षे	भ. ४५।७ उ. वक्री बुधः २६।३३
१५	मं	४८	३८	मृ	३४	४२	शु	५३	२५	वि	१६	५२	३७	५३	७	३	१२	२४	मि. २।४१	भ. १६।५२ या. दत्तजयंती

३६पं.मा.शु.४श.इ.२२।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	८	७	११	५	७
२८	२८	१९	२७	२	६	१०	२८
५५	२०	२५	२९	४२	४६	९	३६
३७	१३	४१	५३	४	२२	२४	५
६१	२८	६५	१२	७३	१	३	६१
०	२९	५०	५२	३२	१६	११	१९

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष शुक्ले ५ रवौ धनुष्यर्कःप्रविष्टः वा. ३ न. ३ गताल-कावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्व-स्याम्

गोचर ग्रहाः

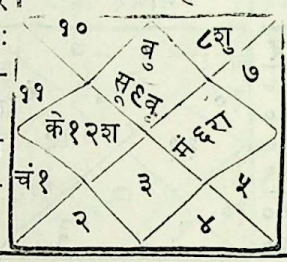

३७मा.शु.१२श.इ.२२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	८	७	११	५	८
६	१	२४	२९	११	६	९	५
३	१०	५८	३	२६	५७	४०	४५
१४	५९	२३	७	३५	७	८	३०
६१	२६	२५	१३	७३	१	३	६१
४	४७	४९	१४	४४	५७	११	२२

ति.	पौष कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	बु	५२	३८	आ	३९	५७	ब्र	५३	४८	बा	२०	३८	३५	५३	५	४	१३	२५	मिथुने	उषा. २ मकरे गुरुः २८।४७ ज्येष्ठा. =
२	गु	५८	२५	पु	४६	१६	ऐ	५४	५९	तै	२५	३१	३७	५३	७	५	१४	२६	क. २९।४१	बुधास्तः पश्चिमायां ५२।१०
३	शु	६०	०	पु	५३	३५	वै	५६	३३	व	३१	२०	३८	५२	८	६	१५	२७	कर्के	भ. ३१।२० उ. [= शुक्रः २९।१६
३	श	४	१६	श्ले	६०	०	वि	५९	७	वि	४	१६	३८	५२	८	७	१६	२८	कर्के	भ. ४।१६ यां पूषा. रविः ३०।३७ ×
४	र	१०	४२	श्ले	०	३०	प्री	६०	०	वा	१०	४२	३९	५२	८	८	१७	२९	सिं. ०।३०	[×(सौरः ४६।३) च. व्र.
५	चं	१७	११	म	८	५	प्री	१	१८	तै	१७	११	४०	५२	८	९	१८	३०	सिंघे	
६	मं	२३	२९	पू	१५	४५	आ	३	२९	व	२३	२९	४१	५२	८	१०	१९	३१	कं. ३२ २३	भ. २३।२९ उ. ५६।३९ या.
७	बु	२९	४९	उ	२२	१९	सौ	५	११	ब	२९	४९	४२	५२	८	११	२०	१	कन्यायां	जनवरी १ ता. ३१ सन् १९९७ ई.
८	गु	३३	०	ह	२७	४६	शो	५	४७	वा	१	२५	४३	५१	९	१२	२१	२	तुं. ५९।३८	[A पूर्वस्यां १९।४२ प्रदोषः
९	शु	३५	१९	चि	३१	२९	अ	५	२५	तै	४	९	४४	५१	९	१३	२२	३	तुलायां	
१०	श	३५	३७	स्वा	३३	२२	सु	३	३५	व	५	२८	४५	५१	९	१४	२३	४	तुलायां	भ. ५।२८ उ. ३५।३७ या.
११	र	३४	५	वि	३३	१८	धृ	०	५५ ४९	व	४	५०	४७	५१	९	१५	२४	५	वृ. १८।१९	वक्री मूले बुधः २०।२१ मूले धनुषि ÷
१२	चं	३०	२४	अ	३१	६	गं	४८	२४	का	२	१४	४८	५०	१०	१६	२५	६	वृश्चिके	[÷ शुक्रः १२।१५ सफला ११ व्र.
१३	मं	२५	४७	ज्ये	२७	७	वृ	४०	११	व	२५	४७	५०	५०	१०	१७	२६	७	ध. २७।७	भ. २५।४७ उ. ५१।४४ या. बुधोदयः A
१४	बु	१७	४०	मू	२१	४७	धु	३०	५३	श	१७	४०	५२	५०	१०	१८	२७	८	धनुषि	उषा. ३ गुरुः ५२।४५
३०	गु	९	३४	पू	१५	११	व्या	२०	५६	ना	९	३४	५३	४९	११	१९	२८	९	म. २८।२७	अस्तं गुरोः ६।०

३८पं.पौ.कृ.३श.इ२१।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	९	७	११	५	८
१३	३	२३	०	२०	७	९	१२
११	४०	७	३८	१२	१३	२४	५५
१३	२६	२६	३५	३२	३४	५३	२२
६१	२४	६१ ३०	१३	७३	२	३	६१
६	२८	व.	२२	५०	४७	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य जौ गेहूं चना मूं मोठ अलसी में मन्दी होवे सोना चांदी में घटा बढी हो रेशम रंग गुड में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

३९ पं.पौ.कृ.१०श.इ. २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	९	७	११	५	८
२०	५	१४	२	२८	७	९	२०
१९	५५	४७	१५	५७	३४	२	५
२६	४८	५३	२९	५७	१२	३७	१९
६१	२१	९० ४	१३	७३	३	३	६१
६	२५	व.	३२	५६	२६	११	२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्ल पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १७४१ सन् १९९७
१	शु	०	३७	उ	८	१४	ह	९	३४	ब	०	३७	२५	४९	५१	२०	२९	१०	मकरे ०
२	शु	५१	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	श	४३	१९	श्र	१५	५३	ब	१९	५९	तै	१७	३५	५७	४९	११	२१	१	१	कुं २७ ५५
४	र	३५	३१	श	४८	५७	व्य	४०	३५	ब	९	२५	५९	४८	१२	२२	२	१२	कुम्भे
५	चं	२८	५०	पू	४४	२७	व	३२	१२	ब	२	५२	२६	४८	१२	२३	३	१३	मी. ३५
६	मं	२३	२१	उ	४१	११	प	२४	५४	त	२३	२१	४	४७	१३	२४	४	१४	मीने
७	बु	१९	२७	रे	३९	१८	शि	१८	४३	व	१९	२७	६	४७	१३	२५	५	१५	मे. ३९
८	गु	१७	६	अ	३९	९	सि	१३	४०	ब	१७	६	८	४६	१४	२६	६	१६	मेषे
९	शु	१६	०	भ	४०	६	सा	९	५०	कौ	१६	०	११	४६	१४	२७	७	१७	बृ. ५५ ४४
१०	श	१६	३२	कृ	४२	४०	शु	७	७	ग	१६	३२	१३	४५	१५	२८	८	१८	वृषे
११	र	१८	५	रो	४६	१७	शु	५	३१	वि	१८	५	१६	४५	१५	२९	९	१९	वृषे
१२	चं	२१	७	मृ	५१	१०	ब्र	४	५७	बा	२१	७	१९	४४	१६	३०	१०	२०	मि. १५
१३	मं	२५	१०	आ	५६	५०	ऐं	५	११	तै	२५	१०	२१	४४	१६	१	११	२१	मिथुने
१४	बु	३०	०	पु	६०	०	वै	५	४९	व	३०	०	२४	४३	१७	२	१२	२२	क. ४९
१५	गु	३५	४३	पु	३	२१	वि	७	२०	वि	२	५२	२७	४३	१७	३	१३	२३	कर्के

उषा. रविः ३५।२२ (सौरः ४७।३०)×
[× चंद्र दर्शनम्
मार्गी बुधः ६।४६ रमजान ९
भ. ९।२५ उ. ३५।३१ या.
मकरेऽर्कः ५१।४६
मकरेऽर्कः सौरः २।५७ [B माघस्ना.प्रा.
भ. १९।२७ उ. ४८।१७ या. पूषा. +
[+ शुक्रः ४८।३
[* (सौरः५०।१४) उषा४ गुरुः ०।१५B
भ. ४७।१८ उ. [= प्रदोषः
भ. १८।५ या. पुत्रदा ११ व्र.
अभि.प्र.रविः२४।१६ (सौरः ३४।१८ =
हस्ते भौमः ५।२४ पूषा. बुधः ४३।३ ÷
भ. ३०।० उ. [÷ भा. माधारंभः
भ. २।५२ या. श्रवणे रविः ४०।५३ *

४०पं.पौ.शु. ३ श. इ. २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	९	८	११	५	८
२७	७	८	३	७	८	८	२७
२७	५०	९	५३	४३	०	४०	१५
२२	४२	३६	५३	४४	०	२१	११
६१	१८	२३	१३	७४	४	३	६१
६	२२	मा.	३८	२	७	११	२४

गोचर ग्रहाः

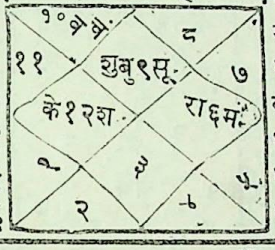

पौष शुक्ले ५ चंद्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा २ न. ४ गतालकावस्था (उभौ) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

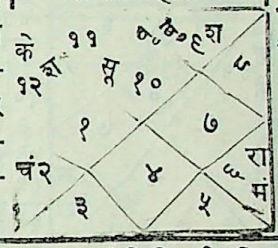

४१ पं.पौ.शु. १० श.इ. २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	९	८	११	५	९
४	९	१०	५	१६	८	८	४
३५	२१	५७	३२	३०	३०	१८	२४
१३	४	२२	५६	०	३२	६	४०
६१	१४	४२	१३	७४	४	३	६१
३	१८		२	३८	८	३८	११ १९

ति.	माघ कृष्ण पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४१	५१	पु	१०	१४	प्री	८	५८	बा	८	४७	२९	४९	१८	४	१४	२४	कर्के
२	श	४८	१३	श्ले	१७	४०	आ	११	६	तै	१५	२	३२	४२	१८	५	१५	२५	सिं. १७ ०
३	र	५४	४०	म	२५	१६	सौ	१३	१३	व	२१	२६	३५	४१	१९	६	१६	२६	सिंहे
४	चं	६०	०	पू	३२	४४	शो	१५	४०	ब	२७	४४	३८	४०	२०	७	१७	२७	कं. ४९ ३८
४	मं	०	४९	उ	३९	४३	अ	१८	३०	बा	०	४९	४१	४०	२०	८	१८	२८	कन्यायां
५	बु	६	२२	ह	४५	५२	सु	१७	४६	तै	६	२२	४५	३९	२१	९	१९	२९	कन्यायां
६	गु	१०	५६	चि	५०	४५	धृ	१९	१७	व	१०	५६	४८	३८	२२	१०	२०	३०	तु. १८
७	शु	१४	१३	स्वा	५४	११	शू	१८	३४	ब	१४	१३	५१	३८	२२	११	२१	३१	तुलायां
८	श	१५	४६	वि	५५	४६	गं	१६	३७	कौ	१५	४६	५४	३७	२३	१२	२२	१	वृ. ४९
९	र	१५	३३	अ	५५	३४	बृ	१३	६	ग	१५	३३	५८	३६	२४	१३	२३	२	वृश्चिके
१०	चं	१३	११	ज्ये	५३	१४	धु	८	३	वि	१३	११	२७	३६	२४	१४	२४	३	ध. ५३ १४
११	मं	८	५६	मू	४९	३	व्या	३	५१	बा	८	५६	५	३५	२५	१५	२५	४	धनुषि.
१२	बु	३	३१	पू	४३	१९	व	४२	४७	तै	३	३१	८	३४	२६	१६	२६	५	म. ५६
१३	बु	५१	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	गु	४६	३	उ	३६	२४	सि	३३	२७	वि	२०	३३	१२	३४	२६	१७	२७	६	मकरे
२०	शु	३६	३३	श्र	२८	४७	व्य	२२	३५	च	११	१८	१५	३३	२७	१८	२८	७	कुं. ५४ ५०

अभिनि. रविः ३३।८ (सौरः ४२।३१)
भ.२१।२६उ.५४।४०या.उषा.शुक्रः३०।३
चतुर्थी व्र.
मकरे शुक्रः ६।४५
भ. १०।५६ उ. ४२।३५ या.
[× उभा.३ शनिः२९।५८षट्तिला ११व्र.
फरवरी २ ता. २८
भ. ४४।२२ उ. उषा. बुधः १५।२७
भ. १३।११ या.
वक्रीभौमः ५२।३१मकरेबुधः५४।२५ ×
भ. ५५।४उ. धनि.रविः४९।११ (सौरः +
[+ ५६।४) उदयं गुरोः१९।१२ प्रदोषः
भ. २०।३३ या. श्रवणे शुक्रः ७।३
श्रवणा. १ गुरुः १५।११

४२पं. मा. कृ. २ श. इ. २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	९	८	११	५	९
११	१०	१७	७	२५	९	७	११
४२	२४	१२	१२	१५	४	५५	३३
४०	२५	५७	११	४०	३७	५०	३१
६०	९	५९	१३	७४	५	३	६१
५९	२०	३७	३८	१४	२	११	१३

गोचर ग्रहाः

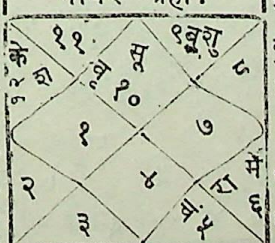

माघ शुक्ले ६ बुधे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ युवाऽवस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

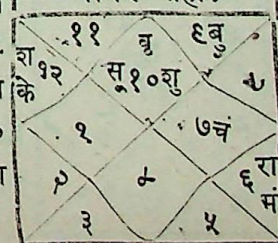

४३पं. मा.कृ.८ श.इ.२२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	९	९	११	५	९
१८	१०	२५	८	४	९	७	१८
४९	५४	३२	५१	१	४२	३३	४१
१६	३९	४६	२२	५५	४०	३५	३५
६०	३	७५	१३	७४	५	३	६१
५५	२४	२९	३२	२०	३२	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः १७७०सन् १९९७

| | | |

ति.	फाल्गुन शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८						दि.		उ.		अ.		भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १८०० स. १९९७
१	र	५०	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०००	
२	चं	४३	११	उ	२७	७	शु	४४	२९	बा	१७	२०	२९	६	५१	मीने	पूभा. शुक्रः १०।१९ चंद्र दर्शनम् +
३	मं	३५	५३	रे	२१	३४	ब्र	४५	५३	तै	९	२०	२१	८	५२	मे.२१।३४	जिलकाद ११ [+ फुलरिया २
४	बु	३०	२८	अ	१७	४६	ऐं	३९	५	व	३	१०	२६	७	५३	मेषे	भ.३।१०उ.३०।२८या.मीनेबुधः ५८।३९
५	गु	२६	५३	भ	१५	३५	वै	३४	७	बा	२६	५३	३०	६	५४	वृ.३०।४०	अस्तं शनेः २७।३७
६	शु	२५	२६	कृ	१५	५२	वि	३०	४९	तै	२५	२६	२४	५	५५	वृषे	मीनेऽर्कः १७।४२(सौरः २०।३२) =
७	श	२६	४	रो	१८	६	प्री	२८	५९	व	२६	४	२८	४	५६	मि५०।५	भ. २६।४ उ. ५७।१७ या.
८	र	२८	३०	मृ	२२	५	आ	२९	०	ब	२८	३०	४३	३	५७	मिथुने	होलाष्टकारंभः
९	चं	३२	५५	आ	२७	४०	सो	२९	३८	बा	०	४३	४७	३	५७	मिथुने	उभा. रविः ३८।४६ (सौरः ४१।८)
१०	मं	३८	१८	पु	३४	२९	शो	३१	२४	तै	५	२४	५१	२	५८	क.१७।४७	मीने शुक्रः ११।४८ [=उभा.बुधः ३९।४८
११	बु	४४	४६	पु	४१	५०	अ	३३	३२	व	११	२०	५५	१	५९	कर्के	भ.११।२०उ.४४।४६या.आमलकी ११व्र.
१२	गु	५०	५८	श्ले	४९	३४	सु	३५	५५	ब	१७	५२	३००	६	००	सिं४९।३४	उभा. शुक्रः ५२।३४ [* ५७।३ छारेंडी
१३	शु	५७	१८	म	५६	५९	धृ	३८	२३	कौ	२४	८	४	५९	१	सिंहे	रेवत्यां बुधः २३।४७ प्रदोषः
१४	श	६०	०	पू	६०	०	शू	४०	२०	ग	३०	४	८	५८	२	सिंहे	भा. चैत्रारंभः [× दहनं भद्रोत्तरम्
१५	र	२	५०	पू	४	३	गं	४२	५	व	२	५०	१२	५८	२	३	कं.२०।४३ भ. २।५० उ. ३५।४४ या. होलिका ×
१५	चं	८	३८	उ	१०	४१	बृ	४२	५९	ब	८	३८	१६	५७	३	३	१४ २४ कन्यायां श्रवण.४गुरुः५२।३८बुधोदयःपश्चिमायां*

४९पं.फा.शु.७श.इ.३३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	९	१०	११	५	११
१	३	४	१८	२६	१४	५	१
५	४१	४६	९	३१	२४	२०	२
३५	४२	३७	१४	५	११	१	५५
५९	३४	५९	११	७४	७	३	५९
४१	व.	३८	४७	३२	१४	११	४९

गोचर ग्रहाः

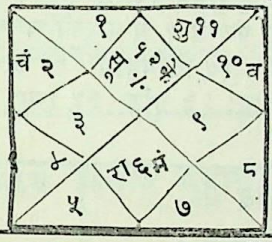

फाल्गुन शुक्ले ६ शुक्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्धता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

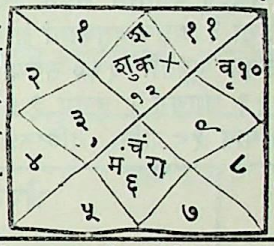

५०पं.फा.शु.१४श.इ. २३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	९	११	११	५	११
८	१	१८	१९	५	१५	४	८
३	१३	३७	३२	१३	१५	५७	०
१८	२२	१२	२४	४१	५०	४६	५०
५९	३३	५९	११	७४	७	३	५९
२९	व.	५०	९	३८	२२	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८						दि.		उ.		अ.		भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गु कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	१३	३	ह	१६	६	धृ	४३	१७	कौ	१३	३	२१	५६	४	४	१५ २५ तु.४८।३७ बसंत १
२	बु	१६	४७	चि	२१	५	व्या	४२	५४	ग	१६	४७	२५	५५	५	५	१६ २६ तुलायां भ. ४८।१ उ. [+७।० चतुर्थी व्र.
३	गु	१९	१५	स्वा	२४	४७	ह	४१	४४	वि	१९	१५	२९	५४	६	६	१७ २७ तुलायां भ. १९।१५ यां. वक्री सिंहे भौमः +
४	शु	२०	३८	वि	२७	२८	व	३९	१५	बा	२०	३८	३३	५३	७	७	१८ २८ बृ.११।४७ अश्वि. मेषे बुधः २७।१४
५	श	२१	२	अ	२९	१२	सि	३६	३५	तै	२१	२	३७	५३	७	८	१९ २९ वृश्चिके [÷रेवत्यां शुक्रः ३५।५९ शीतलापूजा
६	र	२०	२०	ज्ये	२९	४७	व्य	३२	३८	व	२०	२०	४१	५२	८	९	२० ३० ध.२९।४७ भ. २०।२० उ. ४९।२० या.
७	चं	१८	२०	मू	२८	५६	व	२७	३९	ब	१८	२०	४५	५१	९	१०	२१ ३१ धनुषि रेवत्यां रविः ६।२५ (सौरः ८।३५) ÷
८	मं	१५	५	पू	२७	२	प	२०	४७	कौ	१५	५	४९	५०	१०	११	२२ १ म.४१।१३ अप्रेल ४ ता. ३०
९	बु	१०	४२	उ	२३	४७	शि	१४	४४	ग	१०	४२	५३	४९	११	१२	२३ २ मकरे भ. ३७।४९ उ. रेवती १ शनिः ८।३४
१०	गु	४	५६	श्र	१९	२९	सि	५०	५५ १२	वि	४	५६	५७	४९	११	१३	२४ ३ कुं.४६।४४ भ. ४।५६ या. पापमोचनी ११ व्र. स्मा.
११	गु	५३	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	शु	५०	२०	ध	१३	५९	शु	४८	४३	कौ	२४	१५	३१	४८	१२	१४	२५ ४ कुम्भे पापमोचनी ११ व्र. त्रै.
१३	श	४१	५२	श	७	५२	शु	३८	४३	ग	१६	६	५	४७	१३	१५	२६ ५ मी४७।५० भ. ४१।५२उ. बक्रीपूफा.भौमः *
१४	र	३३	७	पू	९	५३	ब्र	२८	५२	वि	७	२९	१०	४६	१४	१६	२७ ६ मीने भ. ७।२९ या. [* ५०।९ प्रदोषः
२०	चं	२४	४५	रे	४८	३३	ऐं	१९	१९	बा	२४	४५	१४	४५	१५	१७	२८ ७ मे.४८।३३ भरण्यां बुधः २८।२६ मन्वादि

५१पं.चै.कृ.५श.इ.२४।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	०	९	११	११	५	११
१४	२८	१	२०	१३	१६	४	१४
५९	५५	३६	५१	५६	८	३५	५६
१०	१६	२२	४	१३	४६	३०	५८
५९	२८	९०	११	७४	७	३	५९
१६	व.	५५	३१	३८	२०	११	१८

गोचर ग्रहाः

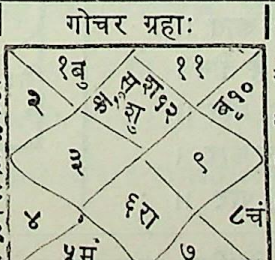

इस मास में चांवल गेहूं जौ चना रुई कपास वारदाना गुड़ शक्कर धृत तेल सोना चांदी ताम्बा आदि धातुओ में तेजी हो

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.कृ.१३श.इ.३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	०	९	११	११	५	११
२१	२६	११	२२	२२	१७	४	२१
५३	४८	३	३	३७	३	१३	५१
३१	३२	५०	२६	३४	५८	१४	९
५९	२०	४६	९	७४	७	३	५९
४	व.	००	४७	३८	२०	११	४

÷बु श (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×बु सू

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९८ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४००० कलियुग-प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गत-कलिः ५०९८ भोग्यकलिः ४२६९०२ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीर विक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५४ शाकः १९१९ अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः । मंत्री रविः । सस्येशो बुधः । धान्येशश्चंद्रः । मेघेशः शनिः । रसेशः शुक्रः । नीरसेशो बुधः । फलेशः शनिः । धनेशोभौमः । दुर्गेशः शनिः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ४ विकृति नाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत मासादिः ९।२०।२५।५९ भोग्यमासादिः २।९।४।१ त्वष्टृ दैवतं युगम् । वर्षनाम श्रावणः । मेघनाम संवर्तः रोहिणी निवासः संधौ । समयनिवासो वाणिक गृहे । समय विश्वा १२ समय वाहनम् बृषभः । स्तंभा ३ अन्नवायुतृणानां सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानु सप्तमी १ रविदशमी १ समय मुहूर्ताः ३६० समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १५ तिथिवृद्धिः ८ उत्पत्ति विश्वा ९६ खपति विश्वा १०८ वर्षाविश्वा ११ धान्यम् ९ तृणम् १७ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् १११ सत्यम् ।। धर्म १।। पापं १८ शनिः दृष्टिरुत्तरे ग्रहण १ चन्द्रमसः

संवत् २०५४ भाद्रपद शुक्ले १५ भौमवासरे

खग्रास चंद्र ग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
उज्ज घं.	४०	४३	४४	४५	४८
मध्य प.	३६	३४	४४	५४	५२
रे. घं.	१०	११	१२	१२	२
टा. मिं.	४१	५३	२१	४९	०

वर्ष लग्नम् ४।२०

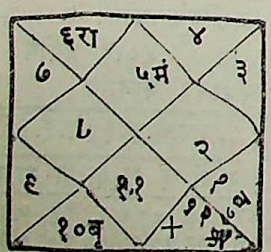

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

श्री जगदंबे कालिका पूछे भैरवलाल ।
संवत् चोवन आइया शीघ्र कहो सब हाल ।।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव चेतकर हाल कहुं समझाय ।
राजा कुज मंत्री रवि यह सब जग डरपाय ।।
मेघपति अरु फलपति गढ पति शनि महाराज ।
यह सुखसे नहीं रहन दें बिगड़े सारे काज ।।
समय निवासो वैश्य घर रोहिणी संधि निवास ।
खंड वृष्टि का योग है कहीं कहीं वर्षा खास ।।
सौम्यदेव सस्येश है स्तम्भ लगे है तीन ।
बिगड़े काज सुधार दें इसमें मेषन मीन ।।
आषाढां हल जोत हो श्रावण जय जय कार ।
परमेश्वर के भजन से होसी बेड़ा पार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	बृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	८	२	५	१४	२	५
ख.	१४	८	५	२	१४	५
रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	२	८	११	१४	१४	११
ख.	८	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ७।१६

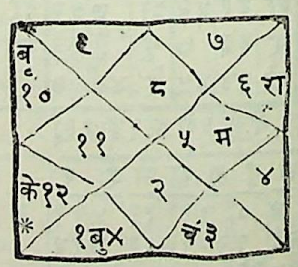

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३५।० केतकी मतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४८।२०

× चं. शु. श. सू. ।

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*श ×सू शु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणांफलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः फलम् ।। भौमे नृपे वन्हिभयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहं च । दुःखं प्रजाव्याधिवियोगपीड़ा स्वल्पं पयो मुञ्चति वारिवाहः ।। मंत्री रविः फलम् ।। नृपभयंगदतोपिहि तस्करात्प्रचुरधान्यधनादि महीतले । रसचयं हि समर्घतमं सदा रविरमात्यपदं हि समागते ।। सस्येशोबुधस्तत्फलम् ।। जलधरा जलराशिमुचो भृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगण श्रुतिपाठकरः सदा प्रथमसस्यपतौ सति बोधने ।। धान्यशश्चंद्रः फलम् ।। चंद्रे धान्याधिपे जाते प्रजावृद्धिः प्रजापतेः । गोधूमा-सर्षपाश्चैव गोषुक्षीरंतदा बहु ।। मेघेशः शनिः फलम् ।। रविसुते जलदस्यपतौ भवेद्विरल वृष्टिवतीवसुधातदा । मनसितापकरो नृपति सदा विविधरोगरता जनता मता ।। रसेशःशुक्रस्तत्फलम् ।। यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषितमानसाः । सुखसुभिक्षसुमोदवतीधराधरणि-पाहतपापगणप्रियाः । नीरसेशोबुधस्तत्फलम् ।। चित्रवस्त्रादिकञ्चैव शंखचंदनपूर्वकम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेतनीरसेशोबुधोयदि ।। फलेशःशनिःफलम् ।। यदि शनिःफलयःफलहाभवेज्जनित पुण्यगणस्य द्रुमःसदा । हिमभयंवरतस्करजन्तुभी जनपदो गदराशि समाकुलः।। धनेशोभौमःफलम् ।। असममौल्यकरोधरणीसुतः शरदि तापकरस्तुषधान्यहृन् । सहसि मासि भवेद्वि-गुणं तदा नरपतिर्जनशोकविधायकः ।। दुर्गेशःशनिःफलम् ।। रविसुते गढ़पालिनिविग्रहैः सकलदेशगताश्चलिताजनाः । विविधवैरिविशेषितनागराः, कृषिधनंशलभैर्मुषितंभुवि ।। विकृतिनाम संवत्सरःफलम् । प्रकृतिर्विकृतिं याति विकृतिःप्रकृतिंतथा । तथापिसुखिनोलोका भृशं विकृतिवत्सरे ।। वर्षनामश्रावणःफलम् ।। मनोल्हादं प्रकुर्वन्तिंजनाः सौख्यसमायुताः । श्रावणे वृष्टिरत्युग्रागोमहिष्यादिकं सुखं ।। मेघनामसंवर्तःफलम् ।। संवर्तेजलपूरिता ।। रोहिणी निवासः संघौफलम् ।। खंड-वृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासोवणिक्गृहेफलम् ।। वणिक्गृहेशुभंनास्ति । एवं संचित्यदैवज्ञैः कथनीयंशुभाशुभम् ।।

संवत् २०५४ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशांख मासः ।

शु. ३ शुक्रे मृगे ल. अन्यगो. रे. १० । । । । । । । । । । ।

,, ८ बुधे मघा, ल. १ रे. ८ । । । ।ऽ। । ऽ । । व्यये शनिः

,, ११ रव्रौ हस्ते ल. गो. रे. ९ । । । । । । ।ऽ । । ।

,, १३ भौमे स्वा. ल. अन्यगो १ रे. ७ । ऽ ।। ऽ ।ऽ ।।।
मेषे चं.७ पूज्यश्चौर पंचकश्च

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. २ शनौ मूले ल. गो. रे. ९ ।।।। ।। ऽ ।।।

,, ४ चंद्रे उषा.ल.गो. रे.६ ।।। ऽ शु । ऽ अ ।ऽऽ । गणितेन क्रांति साम्याऽभावः शुक्रस्य पादतो वेधाऽभावः आवश्यके

,, ९ शुक्रे उभा. ल. १ रे. ७ ।।।। ऽऽ चो ।ऽ।।

शु. ६ बुधे मधा. ल. अन्य गो. रे. ७ ।ऽ।ऽऽ रो ।।।।

,, १३ बुधे अनु. ल. अन्यगो. २ रे. ९ ।।।।।ऽ।।। वृषे च· ७ पूज्यः

आषाढ मासः ।

कृ. २ रवौ उषा. ल. गो. २ रे. ८ ।।।ऽबुऽ।।।। बुधस्य पादवेधा द्वेधाऽभावः

,, ६ गुरौ उभा. ल. २ रे. ७ ।।।।ऽऽअ ।ऽ।।

,, ७ शुक्रे उभा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽ।।ऽ।ऽदग्ध.

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ७ शुक्रे मघा.ल.७ रे. ८।।।ऽ।। पादवेधाद्गुरोर्बेवाभावः

,, १० चंद्रे हस्ते ल. ७ ।।।।।ऽरोऽऽ।।

,, ११ भौमे हस्ते ल. अन्यगो. (मं. शु. ८ दोषः) रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।। तुला लग्न ध. ५४।१७ या.

शु. ९ चंद्रे उभा. ल. गो. रे.९।।।।।ऽनृ ।।।। मं. बु.८दोषः

माघ मासः ।

कृ. १० शुक्रे अनु. ल. ७।९ रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।

शु. ४ शनौ उभा. ल. ८।९ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

,, ९ शुक्रे रोहि. ल. ८ रे. ।।।।।।।ऽऽ।चं. ७पू. गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः
अग्रे गुर्वस्तो मीनाऽर्कश्च

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेहर्गण १८२९ स. १९९७
१	मं	१६	४६	अ	४२	४१	वै	१०	२९	ब्र	१६	४६	३१	५	६	१८	२९	८	मेषे	चंद्र दर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	बु	१०	२९	भ	४०	७	वि	३७	५३	कौ	१०	२९	२२	४४	१६	१९	१	९	बृ.५४।४३	जिल्हेज १२ सिंधारा. मत्स्यजयंती
३	गु	५	४६	कृ	३८	३०	आ	५१	१०	ग	५	४६	२६	४३	१७	२०	२	१०	वृषे	भ. ३४।२१ उ. उ. गणगौरी
४	शु	२	५६	रो	३९	१०	सौ	४७	९	वि	२	५६	३०	४२	१८	२१	३	११	वृषे	भ. २।५६ या. अश्वि.मेषे शुक्रः २२।४१
५	श	२	१९	मृ	४१	४०	शे	४६	५९	बा	२	१९	३४	४१	१९	२२	४	१२	मि. १०५	
६	र	३	४६	आ	४६	२२	अ	४६	४६	तै	३	४६	३८	४०	२०	२३	५	१३	मिथुने	अश्वि. मेषेऽर्कः ४०।२५ (सौरः ४३।८ B
७	चं	७	१४	पु	५२	७	सु	४७	४३	व	७	१४	४२	४०	२०	२४	६	१४	क. ३५	भ. ७।१४उ.३९।३९या घक्री बुध २५।५५
८	मं	१२	३	पु	५९	२२	धृ	४९	४८	ब	१२	३	४६	३९	२१	२५	७	१५	कर्के	[C १५।५९भरण्यांशुक्रः८।२५ उफा.२ D
९	बु	१८	०	श्ले	६०	०	शू	५२	१३	कौ	१८	०	५०	३८	२२	२६	८	१६	कर्के	बुधास्तः पश्चिमायां ४९।२ रामनवमी
१०	गु	२४	१४	श्ले	६	४५	गं	५४	४५	ग	२४	१४	५३	३७	२३	२७	९	१७	सिं.६।४५	भ. ५७।२३ उ. उदयं शनेः १५।९
११	शु	३०	३२	म	१४	२३	बृ	५६	५०	वि	३०	३२	५७	३७	२३	२८	१०	१८	सिंहे	भ. ३०।३२ या कामदा ११ व्र.
१२	श	३६	२७	पू	२१	३४	धु	५८	४१	ब	३	२९	३२	३६	२४	२९	११	१९	कं. ३८	[D राहुःपूभा.४केतुः११।४५हनुमज्जयंती
१३	र	४१	३४	उ	२८	११	व्या	५९	२८	कौ	९	०	५	३५	२५	३०	१२	२०	कन्यायां	प्रदोष व्रतम् [B धनि. १ गुरुः ०।१७
१४	चं	४५	२०	ह	३३	२८	ह	५९	२६	ग	१३	२७	९	३४	२६	१	१३	२१	कन्यायां	भ. ४५।२० उ. भा. वैशाखारंभः
१५	मं	४८	८	चि	३७	४१	व	५८	३०	वि	१६	४४	१२	३४	२६	३	१४	२२	तु. ५।३५	भ. १६।४४ या.वक्री अश्विन्यां बुधः C

१ पं.चै.शु.६र.इ. ४०।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	९	०	११	५	११
०	२४	१५	२३	२	१८	३	२९
०	४५	५१	२५	५१	३	४७	५७
०	३२	५४	१	४०	२६	६	२१
५८	३३	४	८	७४	७	३	५८
४४	व.	३	५०	३८	१४	११	४५

गोचर ग्रहाः

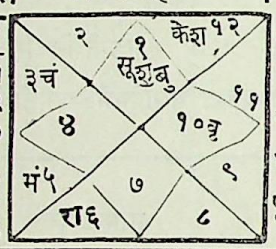

चैत्र शुक्ले ६ रवौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न. ३ प्रगल्भावस्था(बैठी) मु. १५ धान्यादि भावेमहर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

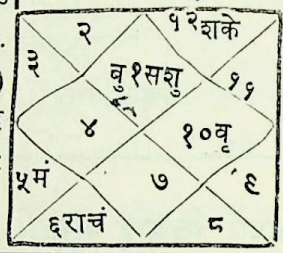

२पं.चै.शु १३र इ.४०।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	९	०	११	५	०
६	२३	१४	२४	११	१८	३	६
५०	४७	१२	२६	३०	५४	२४	४७
४२	१०	५८	१७	५८	४३	५०	३२
५८	३५	३३	२०	७	७४	७	३	५८
३१	व.	व.	५९	३२	८	११	२९

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४९	२९	स्वा	४०	४५	सि	५६	४२	बा	१८	४८	१६	३३	२७	३	१५	२३	तुलायां	[B शुक्रोदयः पश्चिमायां ४५।३६
२	गु	४९	४९	वि	४२	४०	व्य	५३	५४	तै	१९	४७	२०	३२	२८	४	१६	२४	वृ. २७	
३	शु	४९	२	अ	४३	३१	व	५०	२८	व	१९	२५	२३	३१	२९	५	१७	२५	वृश्चिके	भ. १९।२५ उ. ४९।२ या.
४	श	४७	१०	ज्ये	४३	३३	प	४६	९	ब	१८	५	२७	३१	२९	६	१८	२६	ध. ३३	मार्गी. भौमः २१।१४ चतुर्थी व्रतम्
५	र	४४	३७	मू	४२	३७	शि	४१	२४	कौ	१५	५१	३१	३०	३०	७	१९	२७	धनुषि	भरण्यां रविः २०।३९ (सौरः २४।३३ B
६	चं	४१	१७	पू	४१	४	सि	३५	५२	ग	१२	५७	३४	२९	३१	८	२०	२८	म.५५।२९	भ. ४१।१७ उ.
७	मं	३७	२३	उ	३८	४४	सा	२९	५०	वि	९	२०	२८	२८	३२	९	२१	२९	मकरे	भ. ९।२० या. रेवती २ शनिः ८।२३
८	बु	३२	४२	श्र	३५	४९	शु	२३	१३	बा	५	३	४१	२८	३२	१०	२२	३०	मकरे	
९	गु	२७	२८	ध	३२	१६	शु	१६	२	तै	०	५	४५	२७	३३	११	२३	१	कुं. ४।२	भ. ५४।२५ उ. मई ५ ता. ३१
१०	शु	२१	२३	श	२८	२	ब्र	८	२१	वि	२१	२३	४८	२६	३४	१२	२४	२	कुम्भे	भ. २१।२३ यां कृत्ति शुक्रः ५७।२०
११	श	१४	४३	पू	२३	१६	ऐं	१६	५१	बा	१४	४३	५२	२६	३४	१३	२५	३	मी. ९।२८	बुधोदयः पूर्वस्यां ४७।२९ वरूथिनी ११व्र.
१२	र	७	४६	उ	१८	१४	वि	४३	२४	तै	७	४६	५५	२५	३५	१४	२६	४	मीने	प्रदोषः
१३	चं	०	५३	रे	१३	२४	प्री	३५	१७	व	०	५३	५८	२४	३६	१५	२७	५	मे.१३।२४	भ. ०।५३उ. २६।२९ या. बृषे शुक्रः३९।४
१४	चं	५३	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२०	मं	४८	१६	अ	९	६	आ	२७	५५	च	२१	१०	३३	२४	३६	१६	२८	६	मेषे	

३पं.वै.कृ.५ र.इ. ४०।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	९	०	११	५	०
१३	२३	१०	२५	२०	१९	३	१३
३९	२२	०	२२	१०	४५	२	३५
४७	१२	७	४८	८	१४	३५	५७
५८	१९	३९	५८	६	७४	६	३	५८
१९	मा.	व.	५१	३२	५६	११	१२

गोचर ग्रहाः

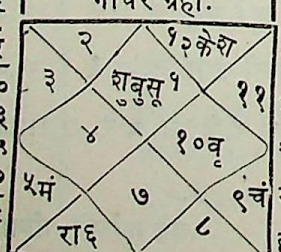

इस मास में सोना चांदी आदि धातुओं में मंदी गल्ला जो चनामटर मूंग चावल मंदा हो कर तेजी हो

गोचर ग्रहाः

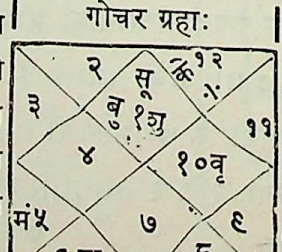

४पं.वै.कृ १२र.इ. ४१।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	९	०	११	५	०
२०	२३	६	२६	२८	२०	२	२०
२७	३४	१५	११	४८	३४	४०	२२
२५	३०	३२	३५	७	१९	१९	४०
५८	७	२३	६	७४	६	३	५७
६	८	व.	१	३२	३८	११	५७

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) ÷ श चं १२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्ल पक्षः सं० २०५४ शाकः १९१९								दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेहर्गणः १८५८सन् १९९७
१	बु	४३	२३	भ	५	३४	सौ	२१	८	किं	१५	४९	३३	२३	३७	१७ २९ ७	बृ.१९।५६	[A १४१८ हि. अक्षया ३ परशुराम ज.
२	गु	४०	१२	कृ	३	६	शो	१५	४५	रो	११	४७	८	२२	३८	१८ ३० ८	वृषे	चंद्र दर्शनम्
३	शु	३८	५५	रो	२	०५	अ	११	४४	तै	९	३४	११	२२	३८	१९ १ ९	मि. ३३	धनि. २ गुरुः ६।१५ मोहोरम १ सन् A
४	श	३९	२९	मृ	४	२०	सु	९	७	व	९	१३	१४	२१	३९	२० २ १०	मिथुने	भ. ९।१३ उ. ३९।२९ या. मार्गी C
५	र	४१	५९	आ	७	३१	धृ	८	१५	ब	१०	४४	१७	२१	३९	२१ ३ ११	क.५६।७	कृत्ति. रविः ६।३५ (सौर १२।२५)
६	चं	४६	५	पु	१२	१८	शू	८	३३	कौ	१४	२	२०	२०	४०	२२ ४ १२	कर्के	[C बुधः ४१।३८
७	मं	५१	३२	पु	१८	४१	गं	९	५३	ग	१८	४९	२३	१९	४१	२३ ५ १३	कर्के	भ. ५१।३२ उ. रोहि. शुक्रः ४६।४४
८	बु	५७	३४	श्ले	२५	४२	बृ	११	४९	वि	२४	३३	२६	१९	४१	२४ ६ १४	सिं.२५	भ. २४।३३या बृषेऽर्कः ३३।५० ÷
९	गु	६०	०	म	३२	१९	धु	१४	२३	बा	३०	३७	२८	१९	४१	२५ ७ १५	सिंहे	[÷ (सौरः ४०।१२)
९	शु	३	४६	पू	४०	५५	व्या	१६	३८	कौ	३	४६	३१	१८	४२	२६ ८ १६	कं.५७।३८	
१०	श	९	४४	उ	४७	४७	ह	१८	४३	ग	९	४४	३४	१७	४३	२७ ९ १७	कन्यायां	भ. ४२।३ उ.
११	र	१४	४२	ह	५३	१९	व	१९	४७	वि	१४	४२	३७	१७	४३	२८ १० १८	कन्यायां	भ. १४।४२ या. मोहिनी ११ व्रतम्
१२	चं	१८	२५	चि	५७	२९	सि	१९	५८	बा	१८	२५	३९	१६	४४	२९ ११ १९	तु २५।२४	प्रदोष :
१३	मं	२०	४३	स्वा	६०	०	व्य	१८	५२	तै	२०	४३	४२	१६	४४	३० १२ २०	तुलायां	नृसिंह १४
१४	बु	२१	१२	स्वा	०	८	व	१६	३७	व	२१	१२	४४	१५	४५	३१ १३ २१	वृ.४६।२	भ. २१।१२ उ. ५०।४८ या.
१५	गु	२०	२३	वि	१	२०	प	१३	१९	ब	२०	२३	४७	१५	४५	१ १४ २२	वृश्चिके	भा. ज्येष्ठारंभः यमायसान्न जलकुंभदानं

५पं.वै.शु.५र.इ.४१।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	९	१	११	५	०
२७	२४	६	२६	७	२१	२	२७
१३	२०	१३	५२	२४	२१	१८	७
३७	४२	५५	४१	११	०	४	५४
५७	१२	४१	४	७४	६	३	५७
५४	१२	मा	५३	२६	२६	११	४५

गोचर ग्रहाः

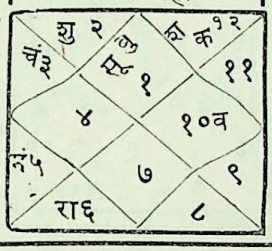

वैशाख शुक्लें ८ बुधे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा ४ न.५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावें समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

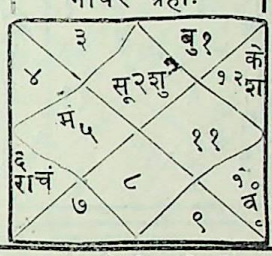

६पं.वै.शु.११र.इ. ४१।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	९	१	११	५	१
३	२५	९	२७	१६	२२	१	३
५८	३७	३०	२६	०	५	५५	५१
३७	१६	५०	६	३६	४६	४८	३५
५७	१६	३३	४	७४	६	३	५७
४४	५९	३४	४५	२६	८	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०५४ शाकः १९१९								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	शु	१८	१०	अ	१३	५८	शि	८	५९	कौ	१८	१०	३९	१४	४९	३ १५ २३	ध.५९।५८	भरण्यां बुधः २८।१२उफा.भौमः४०।५७
२	श	१४	५३	मू	५७	५३	सि	४१	१५	ग	१४	५३	५२	१४	४६	३ १६ २४	धनुषि	भ. ४२।४७ उ. रोहि. रविः ५७।२४ ×
३	र	१०	४१	पू	५५	१६	शु	५१	३४	वि	१०	४१	५४	१३	४७	४ १७ २५	धनुषि	भ.१०।४१या.रोहि.रविःसौरः६।२० ÷
४	चं	५	५५	उ	५२	२०	शु	४४	५२	बा	५	५५	५६	१३	४७	५ १८ २६	म. ९।३२	[÷ च. व्र. [× मृगे शुक्रः ४०।९
५	मं	१	७	श्र	४९	८	ब्र	३८	७	तै	१	७	५८	१२	४८	६ १९ २७	मकरे	भ. ५५।५७ उ.
६	मं	५४	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०	
७	बु	५०	५१	ध	४५	४६	ऐं	३१	१८	वि	२३	२४	३४	१२	४८	७ २० २८	कुं.१७।२७	भ. २३।२४ या. [÷ चंद्र व्र.
८	गु	४५	३९	श	४२	२९	वै	२४	१७	बा	१८	१५	२	१२	४८	८ २१ २९	कुंभे	[B बुधः १३।३१ कन्यायां भौमः ५।१७
९	शु	४०	११	पू	३८	५७	वि	१७	१७	तै	१२	५५	२	११	४९	९ २२ ३०	मी. २४	मिथुने शुक्रः ७।४०
१०	श	३४	४४	उ	३५	४०	प्री	१०	८	व	७	२८	५	११	४९	१० २३ ३१	मीने	भ. ७।२८उ. ३४।४४ या. रेवती. ३ A
११	र	२९	२९	रे	३२	२२	आ	२२	१४	ब	२	६	७	११	४९	११ २४ १	मे.३२।२२	जून ६ ता. ३० अपरा ११ व्र.
१२	चं	२४	३२	अ	२९	२९	शो	५०	२६	तै	२४	३२	९	१०	५०	१२ २५ २	मेषे	प्रदोषः [A शनिः १०।४८
१३	मं	२०	१४	भ	२७	१९	अ	४४	३६	व	२०	१४	१०	१०	५०	१३ २६ ३	वृ.४१।५३	भ. २०।१४ उ. ४८।२० या. कृति. B
१४	बु	१६	२५	कृ	२५	३८	सु	३९	४२	श	१६	२५	१२	१०	५०	१४ २७ ४	वृषे	आर्द्रा. शुक्रः ३०।५८
२०	गु	१४	२	रो	२५	२८	धृ	३५	५२	ना	१४	२	१३	९	५१	१५ २८ ५	मी. ५५	बृषे बुधः ३३।२ वट सावित्री व्रतम्

७ पं. ज्ये.कृ. ३र.इ.४१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	९	१	११	५	१
१०	२७	१५	२७	२४	२२	१	१०
४२	२०	३७	५१	३६	४८	३३	३३
२९	३८	१	२९	११	१४	३२	४६
५७	२०	६१	२	७४	५	३	५७
३५	१२	३६	२६	२०	४७	११	२३

गोचर ग्रहाः

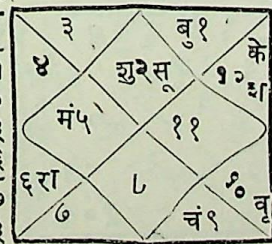

इस मास में सोना चांदी आदि धातुये रूई पाट वारदाना में तेजी होगी अनाज चावल गेहूं बाजरा आदि में मन्दी होकर शुक्ल पक्ष में तेजी

गोचर ग्रहाः

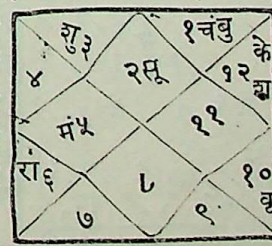

८पं.ज्ये.कृ.११र.इ. ४१।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	९	२	११	५	१
१७	२९	२४	२८	३	२३	१	१७
२५	२७	२८	६	१०	२८	११	१४
२९	५०	२५	४०	३७	५	१७	५२
५७	२३	८६	१	७४	५	३	५७
२७	६	१	७	१४	२०	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्र : | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १८८८ सन् १९९७

१	शु	१२	५६	मृ	२६	३१	शू	३३	२	ब	१२	५६	३४	५	५६	१६	२९	६	मिथुने
२	श	१३	२३	आ	२९	१६	गं	३१	४८	कौ	१३	२३	१६	९	५१	१७	१	७	मिथुने
३	र	१५	४३	पु	३३	३४	बृ	३१	७	ग	१५	४३	१७	९	५१	१८	२	८	क१७।२९
४	चं	१९	२०	पु	३९	२१	धु	३२	२	वि	१९	२०	१८	८	५२	१९	३	९	कर्के
५	मं	२४	२७	श्ले	४५	५८	व्या	३३	४६	बा	२४	२७	१९	८	५२	२०	४	१०	सिं. ५८
६	बु	३०	३	म	५३	३०	ह	३६	८	तै	३०	३	१९	८	५२	२१	५	११	सिंहे
७	गु	३६	१८	पू	६०	०	व	३८	३४	ग	३	१०	२०	८	५२	२२	६	१२	सिंहे
८	शु	४२	३०	पू	०	५१	सि	४१	१	वि	९	२४	२१	८	५२	२३	७	१३	कं. १५
९	श	४७	४३	उ	८	३	व्य	४२	४५	बा	१५	७	२१	८	५२	२४	८	१४	कन्यायां
१०	र	५१	४०	ह	१४	२८	व	४३	४७	तै	१९	४७	२२	८	५२	२५	९	१५	तु. ५०
११	चं	५४	१६	चि	१९	१४	प	४२	५९	व	२२	५८	२२	८	५२	२६	१०	१६	तुलायां
१२	मं	५४	४९	स्वा	२२	३२	शि	४१	८	ब	२४	३२	२३	७	५३	२७	११	१७	तुलायां
१३	बु	५३	३२	बि	२३	५२	सि	३७	४७	कौ	२४	१०	२३	७	५३	२८	१२	१८	बृ. ८।३२
१४	गु	५०	३१	अ	२३	२३	सा	३३	६	ग	२२	२	२३	७	५३	२९	१३	१९	वृश्चिके
१५	शु	४५	५९	ज्ये	२१	२७	शु	२७	६	वि	१८	१५	२४	७	५३	३०	१४	२०	ध. २७

चंद्र दर्शनम्
मृगे रविः ५२।१७ सफर २
भ. ४७।३१ उ. मृगे रविः सौरः ५।१० ×
भ. १९।२० या. [× वक्री गुरुः १८।५
[D गुर्जराणां वटसावित्री व्र.
रोहि. बुधः ७।४७
भ. ३६।१८ उ.
भ. ९।२४ या.
मिथुनेऽर्कः ५०।५१ बुधास्तः पूर्वस्यां ५४
मिथुनेऽर्कः सौरः ५।५८ पुन. शुक्रः ÷
भ. २२।५८ उ. ५४।१६ या. निर्जला +
मृगे बुधः ५३।१७ निर्जला ११ व्र. नि.
प्रदोषः [÷ २७।३२ गंगा १०
भ. ५०।३१ उ. [+ ११ व्र. स्मा. वै.
भ. १८।१५ या. मिथुने बुधः ५९।३१ D

९ पं.ज्ये.शु.३र.इ.४१।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	९	२	११	५	१
२४	१	५	२८	११	२४	०	२३
७	५८	३८	१३	४४	३	४९	५४
१९	१२	३८	३७	४९	५४	१	४८
५७	२५	९	४	७४	५	३	५७
२२	४४	२३	व.	८	५४	११	५

गोचर ग्रहाः

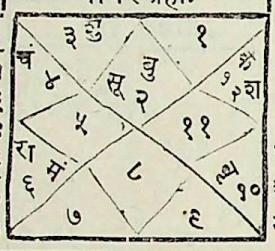

ज्येष्ठ शुक्ले ९ शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

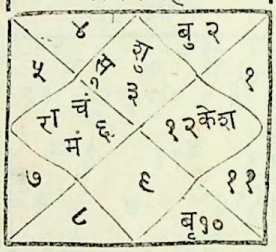

१० पं.ज्ये.शु.१०र.इ. ४१/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	९	२	११	५	२
०	४	१८	२८	२०	२४	०	०
४८	४१	४२	१०	१७	३७	२६	३३
३६	४२	५०	४८	३१	५	४६	५७
५७	२७	९	१	७४	४	३	५६
१७	५५	२५	व.	२	२७	११	५७

ति. आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	श	४०	२१	मृ	१८	९	शु	२०	१५	बा	१३	९	३४	५	५३	२१	१५	२१	धनुषि
२	र	३३	४८	पू	१३	५८	ब्र	१२	३१	तै	७	४	२४	७	५३	११	१६	२२	म. २७
३	चं	२७	७	उ	९	२१	ऐं	२९	५२	व	०	२८	२४	७	५३	२	१७	२३	मकरे
४	मं	२०	१२	श्र	४	४०	वि	४८	३१	बा	२०	१२	२४	७	५३	३	१८	२४	कुं. ३३
५	बु	१३	४८	ध	२	५५	प्री	४०	३९	तै	१३	४८	२३	७	५३	४	१९	२५	कुम्भे
६	गु	७	४३	पू	५२	१०	आ	३३	२३	व	७	४३	२३	७	५३	५	२०	२६	मी. ३८।४
७	शु	२	७	उ	४९	४	सौ	२६	१८	ब	२	७	२२	८	५२	६	२१	२७	मीने
८	शु	५४	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	श	५२	३१	रे	४६	३२	शो	१९	५९	तै	२४	५०	२२	८	५२	७	२२	२८	मे. ३९
१०	र	४८	५७	अ	४४	४८	अ	१४	२	व	२०	४८	२१	८	५२	८	२३	२९	मेषे
११	चं	४५	५९	भ	४३	३८	सु	८	४७	ब	१७	२८	२०	८	५२	९	२४	३०	बृ. ५८
१२	मं	४३	५५	कृ	४३	१३	धृ	४	५	कौ	१४	५७	१९	८	५२	१०	२५	१	वृषे
१३	बु	४२	४८	रो	४४	०	शू	१९	५६	ग	१३	२१	१८	८	५२	११	२६	२	वृषे
१४	गु	४२	४६	मृ	४५	५८	वृ	५४	५२	वि	१२	४७	१७	९	५१	१२	२७	३	मि. ५९
२०	शु	४३	५८	आ	४८	५४	ध्रु	५३	५८	च	१३	२२	१६	९	५१	१३	२८	४	मिथुने

आर्द्रा. रविः ४९।४६ [E ३८।३८ च. व्र.
आर्द्रा.रविःसौरः७।३१ भा. आषाढ़ारंभः
भ. २८ उ. २७।७ या. कर्के शुक्रः E
आर्द्रा. बुधः ७।१५ उफा. १ सिंहे राहुः÷
[÷ पूभा. ३ कुंभे केतूः ६।३०
भ. ७।४३ उ. ३४।५५ या. पुष्ये शुक्रः ३५
हस्ते भौमः ४८।१०
भ. २०।४८ उ. ४८।५७ या.
पुन.बुधः ११।१७ योगिनी ११ व्र.स्मा.वै.
जौलाई ७ ता.३१ योगिनी ११ व्र. नि.
भ, ४२।४८ उ. प्रदोषः
भ. १२।४७ या.
देवपितृ कार्याऽमा.

११पं.आ.कृ.२र.इ.४१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	९	२	११	५	२
७	७	३	२७	२८	२५	०	७
२९	४२	३७	५८	४९	५	४	१२
३१	१८	४१	३०	५१	४६	३०	२४
५७	२९	९	४४	७३	३	३	५६
१३	४६	५०	व.	५५	४९	११	५४

गोचर ग्रहाः

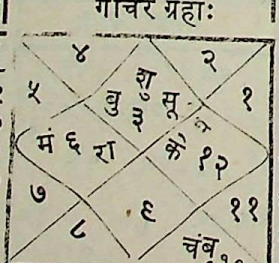

आषाढ शुक्ले ११ बुधे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

१२पं.आ.कृ.१० र.इ. ४१/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	९	३	११	४	२
१४	१०	१८	२७	७	२५	२९	१३
९	५९	५७	३७	२१	३०	४२	५०
५८	४९	२९	५९	११	४०	१४	२९
५७	३१	९	५७	७३	३	३	५६
७	२८	२५	व.	५०	१६	११	५०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ़ शुक्ल पक्षः सं० २०५४ शाकः १९१६						दि. उ. अ.		भा. मु. इं.		चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेहर्गणः १९१७ स.१९९७
१	श ४६ ३२	पु ५३ १९	व्या ५३ १७	किं १५ १५	३४ ५ ६ / १५ ९ ५१	१४ २९ ५	क.३७ / १३	पुन. रविः ४८।३६ कर्के बुधः ०।२१
२	र ५० २०	पु ५८ ४७	ह ५४ ९	बा १८ २६	१४ ९ ५१	१५ ३० ६	कर्के	पुन. रविः सौरः ११।३३ पुष्ये बुधः A
३	चं ५५ २५	श्ले ६० ०	व ५५ ३७	तै २२ ५३	१३ ९ ५१	१६ १ ७	कर्के	आश्ले.शुक्रः२१।२ बुधोदयःपश्चिमायां D
४	मं ६० ०	श्ले ५ ८	सि ५७ २४	व २८ ११	११ १० ५०	१७ २ ८	सिं.५।८	भ. २८।११उ. [D १०।५९ रविलावल
५	बु ० ५८	म १२ १७	व्य ६० ०	वि ० ५८	१० १० ५०	१८ ३ ९	सिंहे	भ. ०।५५ या
६	गु ७ ३	पू १९ ५८	व्य ० ३	बा ७ ३	८ १० ५०	१९ ४ १०	कं.३६।५२	[A ४१।२६ चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
७	शु १३ २२	उ २७ ३४	व २ ४३	तै १३ २२	७ ११ ४९	२० ५ ११	कन्यायां	[× ४४।१७) देवशयनी ११ व्र.
८	श १९ ११	ह ३४ ३२	प ५ २	व १९ ११	५ ११ ४९	२१ ६ १२	कन्यायां	भ. १९।११उ. ५१।३१ या. वक्री धनि *
९	र २३ ५१	चि ४० १९	शि ६ ३२	ब २३ ५१	३ ११ ४९	२२ ७ १३	तु.७।२५	आश्ले. बुधः ५८।१ [* १ गुरु. ३।५७
१०	चं २७ ८	स्वा ४४ ४२	सि ६ ५८	कौ २७ ८	१ १२ ४८	२३ ८ १४	तुलायां	[+ ४७।२० वायु परीक्षा
११	मं २८ २९	वि ४७ २०	सा ६ १३	ग २८ २९	३३ ० / ० १२ ४८	२४ ९ १५	वृ.३१।४१	भ. ५८।१० उ.
१२	बु २७ ५३	अ ४७ ४९	शु ५ ४ ३५	वि २७ ५३	५७ १३ ४७	२५ १० १६	वृश्चिके	भ. २७।५३ या. कर्केऽर्कः १८।२(सौर×
१३	गु २५ ६	ज्ये ४६ २९	ब्र ५ ४ ३१	बा २५ ६	५५ १३ ४७	२६ ११ १७	ध.४६।२६	हरिवासराऽभावः प्रदोषः
१३	शु २० ३६	मू ४३ १७	ऐं ४७ ३४	तै २० ३६	५३ १४ ४६	२७ १२ १८	धनुषि	मघा. सिंहे शुक्रः २३।४८
१४	श १४ १६	पू ३८ २८	वै ३९ १५	व १४ १६	५० १४ ४६	२८ १३ १९	म.५१।५८	भ. १४।१६ उ. ४०।२६ या. पुष्ये रविः+
१५	र ६ ३६	उ ३२ ३५	वि ३० १६	ब ६ ३६	४८ १४ ४६	२९ १४ २०	मकरे	पुष्ये रविः सौरः ३८ व्यासपूजा गुरु १५

१३ पं.आ.शु.२र.इ.४१।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	९	३	११	४	२
२०	१४	३	२७	१५	२५	२९	२०
५०	२३	२०	७	५१	५१	१९	२८
२४	४२	१०	१४	२९	१४	५९	२४
५७	३३	८	४	७३	२	३	५६
७	००	४३	व.४०	३१	११	५०	

१४पं.आ. शु.८र.इ. ४१।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	९	३	११	४	२
२७	१८	१६	२६	२४	२६	२८	२७
३०	१	१०	३०	२०	६	५७	६
४३	८	४०	४	४६	३६	४३	३०
५७	३४	०	६	७३	१	३	५६
११	७	५२	व.२४	५३	११	५४	

१५ पं.आ.शु.१५र.इ. ४१।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	९	४	११	४	३
४	२१	२७	२५	२२	२६	२८	३
१९	४८	३१	४६	४७	१७	३५	४४
२८	२२	४८	१	४६	३१	२८	५७
५७	३५	९०	४	७३	१	३	५६
१५	१३	३१	व. १४	१४	११	५८	

ति.	श्रावण कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९						दि. उ. अ.		भा. मु. इं.		चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेआषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ५१ ४९	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०		५५।३७वक्रीशनिः२६।५५अगस्त८ता.३१
२	चं ४९ ४४	अ २६ ३	प्री २० ४९	ते २४ ५	३३ ५ ६ / ४५ १५ ४५	३० १५ २१	कुं.५२।४६	
३	मं ४१ २०	ध १९ २९	आ ११ ६	व १५ ३२	४३ १५ ४५	३१ १६ २२	कुम्भे	भ. १५।३२ उ. ४१।२० या. मघा. ×
४	बु ३३ १७	श १३ २२	सौ ५२ ५५	ब ७ १९	४० १६ ४४	१ १७ २३	मी.५५।७	चित्रा. भौमः १७ भा.श्रावणारंभः चं. व्र.
५	गु २६ १०	पू ९ २	अ ४४ २२	तै २६ १०	३८ १६ ४४	२ १८ २४	मीने	नाग ५ मरुस्थले [× सिंहे बुधः १९।२९
६	शु १९ ५७	उ ३ २८	सु ३६ ५०	व १९ ५७	३५ १७ ४३	३ १९ २५	मीने	भ. १९।५७ उ. ४७।३२ या.
७	श १५ ८	रे ८ ५७	धृ ३० २३	ब १५ ८	३३ १७ ४३	४ २० २६	मे.०।८	
८	र ११ २०	भ ५६ ५९	शू २४ ५८	कौ ११ २०	३० १८ ४२	५ २१ २७	मेषे	
९	चं ८ ५८	कृ ५७ ८	गं २० ३४	ग ८ ५८	२७ १९ ४१	६ २२ २८	बृ.१२।१	भ. ३८।१९ उ.
१०	मं ७ ४०	रो ५८ ४७	बृ १७ ११	वि ७ ४०	२४ १९ ४१	७ २३ २९	वृषे	भ. ७।४० या. पूफा. शुक्रः २५।२५
११	बु ७ ३५	मृ ६० ०	धु १४ ४७	बा ७ ३५	२२ २० ४०	८ २४ ३०	मि. ३९	कामिका ११ व्र.
१२	गु ८ ५०	मृ २ २५	ज्या १३ १४	तै ८ ५०	१९ २० ४०	९ २५ ३१	मिथुने	प्रदोषः
१३	शु ११ ५	आ ५ १६	ह १७ ४६	व ११ ५	१६ २१ ३९	१० २६ १	क. ५३	भ. ११।५ उ. ४२।५० या. पूफा. बुधः÷
१४	श १४ ३५	पु १० ०	व १२ ५८	श १४ ३५	१३ २१ ३९	११ २७ २	कर्के	आश्ले. रविः ४४।२१
३०	र १८ ५४	पु १५ ४६	सि १३ ३४	ना १८ ५४	१० २२ ३८	१२ २८ ३	कर्के	आश्ले. रविः सौरः १५।४५ हरियाली ३०

१६ पं.श्रा.कृ.८र.इ. ४१।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	९	४	११	४	३
१०	२५	७	२४	११	२६	२८	१०
५२	४४	८	५६	१३	२३	१३	२४
३०	३१	१०	३५	१२	२८	१२	१४
५७	३६	७२	३ ७	७२	०	३	५७
२०	९	३६	व.५६	३२	११	५	

गोचर ग्रहाः

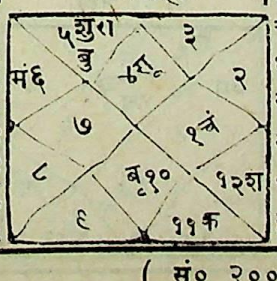

सोमवाराः यदा पंच चांद्र मासे भवन्तिहि धनधान्यं समृद्धिः स्यात् सुख सर्वत्र सुन्दरम् इस मास में धातु तेज वर्षा श्रेष्ठ हो।

गोचर ग्रहाः

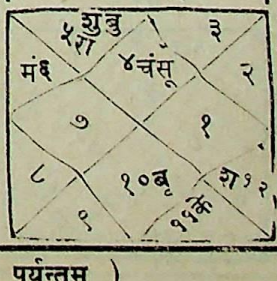

१७ पं.श्रा.कृ.३०र.इ.४१।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	९	४	११	४	३
१७	२९	१४	२४	१९	२६	२७	१७
३४	४८	५५	३	३७	२४	५०	४
१२	४	८	४३	२६	७	५६	२
५७	३६	५१	५ ७	७२	१५	३	५७
२५	५९	४१	व. ३७	व.	११	१२	

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्ल पक्षः सं २०५४ शाकः १९१९						दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः १९४७ स, १९९७
१	चं २४ ५	श्ले २२ १७	व्य १५ १७	ब २४ ५	३३ ५ ६	१३ २९ ४	सिं २२ १७	तुलायां भौमः १०।३
२	मं २९ ४७	म २९ १९	व १७ १३	कौ २९ ४७	४ २३ ३७	१४ ३० ५	सिंहे	चन्द्र दर्शनम् सिंधारा
३	बु ३५ ५९	पू ३६ ४९	प १९ ३८	तै २ ५३	० २४ ३६	१५ १ ६	कं ५४।१	रविलाखर ४ तीज
४	गु ४२ २३	उ ४५ ३५	शि २१ ६	व ९ ११	३२ २५ ३५	१६ २ ७	कन्यायां	भ. ९।११उ.४२।२३ या. वरद चतुर्थी
५	शु ४८ २९	ह ५१ ५९	सि २४ ४०	ब १५ २६	५४ २५ ३५	१७ ३ ८	कन्यायां	नागपंचमीं
६	श ५३ २८	चि ५८ ३०	सा २६ ५४	कौ २० ५८	५० २६ ३४	१८ ४ ९	तु. २५ १४	उफा. शुक्रः ३५।६ वक्री श्रवण ४ गुरु. १६
७	र ५७ ४२	स्वा ६० ०	शु २८ ९	ग २५ ३२	४७ २७ ३३	१९ ५ १०	तुलायां	भ. ५७।४२ उ. [× ११ व्रतम् स्मा
८	चं ६० ०	स्वा ४ १०	शु २८ २३	वि २८ ४८	४४ २७ ३३	२० ६ ११	वृ. ५२।७	भ. २८।४८ या.
८	मं ० २	वि ८ ६	ब्र २७ १९	ब ० २	४० २८ ३२	२१ ७ १२	वृश्चिके	कन्यायां शुक्रः २१।२३
९	बु ५८ ३३	अ १० १७	एं २५ ५२	कौ ० ४२	३७ २९ ३१	२२ ८ १३	वृश्चिके	[÷ सिंहेऽर्कः सौरः १२।१०
११	गु ५५ ५८	ज्ये १० ३२	वै २० ५१	व २७ ३९	३३ २९ ३१	२३ ९ १४	ध. १० ३२	भ. २७।३९ उ. ५५।५८ या. पवित्रा ×
१२	शु ५० २१	मू ८ ४८	वि १५ ७	ब २३ १०	३० ३० ३०	२४ १० १५	धनुषि	स्वात्यां भौमः ११।१९ पवित्रता ११..व्र.
१३	श ४३ ६	पू ५९ ३५	प्री ५० १८	कौ १६ ४३	२६ ३१ २९	२५ ११ १६	म. १९ ४	मघा. सिंहेऽर्कः ३८।२३ प्रदोषः
१४	र ३४ ३५	श्र ५२ ५५	सो ४९ २२	ग ८ ५०	२३ ३२ २८	२६ १२ १७	मकरे	भ. ३४।३५ उ. ५९।५२ या. मघा. ÷
१५	चं २५ ८	ध ४५ २४	शो ३८ ५४	व २५ ८	१९ ३२ २८	२७ १३ १८	कुं. १९।९	श्रावणी कर्म. रक्षा वन्धनम्

१८पं.श्रा.शु. ७र.इ.४०।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	९	४	११	४	३
२४	३२	२३	२७	२६	२७	२३	
१६	५७	१८	९	५९	२०	२८	४५
३७	५४	१८	०	२	५६	४१	९
५७	३७	३७	५३	७२	५४	३	५७
३३	५५	३६	व. १०	व. ११	२२		

गोचर ग्रहाः

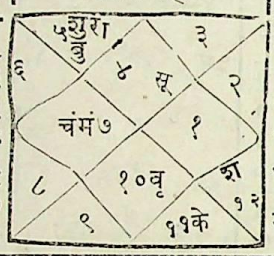

श्रावण शुक्ले १३ शनौ सिंहेऽर्कःप्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायांम्

गोचर ग्रहाः

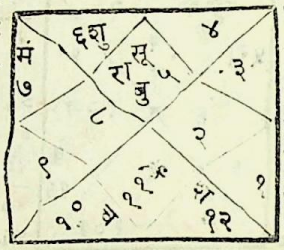

१९ पं.श्रा.शु.१४ र.इ. ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	९	५	११	४	४
०	८	२२	२२	६	२६	२७	०
५९	१६	२७	१५	१९	११	६	२७
५३	३७	४३	०	१६	१०	२५	२२
५७	३८	१७	५३	७१	३१	३	५७
४०	४९	२९	व. ५५	व. ११	३४		

ति.	भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं २०५४ शाकः १९१९						दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेतिः महाः
१	मं १५ २५	श ३७ ४४	अ २८ १९	कौ १५ २५	३२ ५ ३३ २७	२८ १४ १९	कुंभे	[÷ १९।१२ जन्माष्टमी व्र. स्मा.
२	बु ६ १३	पू ३० १३	सु १७ ३८	ग ६ १३	१२ ३४ २६	२९ १५ २०	मी. १७।५	भ. ३१।२६ उ. ५६।४० या. हस्तेशुक्रः ×
३	बु ५० २७	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	[B ३।३९ सितम्बर ९ ता. ३० कुशा- A
४	गु ४८ ३६	उ २३ ३२	धृ २९ ३३	व २२ ३८	८ ३४ २६	३० १६ २१	मीने	वक्री बुधः०।४५ चतुर्थी व्र.[× ४४।४९
५	शु ४२ ०	रे १८ ४	गं ४९ ५५	कौ १५ १८	४ ३५ २५	३१ १७ २२	मे. १८।४	चंद्र षष्ठी [A ग्रहणी सोमवती ३०
६	श ३६ ५०	अ १४ १३	वृ ४२ ५८	ग ९ २६	१ ३६ २४	१ १८ २३	मेषे	भ.३६।५०उ.भा. भाद्रपदारंभ :हलषष्टी
७	र ३३ ४३	भ १२ १	ध्रु ३७ ३४	वि ५ १६	३५ ३७ २३	२ १९ २४	बृ.२६।५०	भ. ५।१६ या. बुधास्तः पश्चिमायां ÷
८	चं ३२ ८	कृ ११ १९	व्या ३३ १७	बा २ ५५	५३ ३७ २३	३ २० २५	वृषे	पूफा. ४ राहुः पूभा. २ केतुः ५९।२ =
९	मं ३२ १९	रो १२ २१	ह ३० ३२	तै २ १३	४९ ३८ २२	४ २१ २६	मि. ४३ ४७	गोगा ९ [= जन्माष्टमी व्र. वै.
१०	बु ३४ ०	मृ १५ १४	व २८ ८	ब ३ ९	४६ ३९ २१	५ २२ २७	मिथुने	भ. ३।९।उ.३४।०या.
११	गु ३६ ५८	आ १९ २०	सि २८ ४१	व ५ २९	४२ ४० २०	६ २३ २८	मिथुने	अजा ११ व्रतम्
१२	शु ४१ १५	पु २४ २८	व्य २९ १९	कौ ९ ६	३८ ४० २०	७ २४ २९	क.८।११	वत्स द्वादशी
१३	श ४६ २५	पु ३० ३५	व ३० ३२	ग १३ ५०	३४ ४१ १९	८ २५ ३०	कर्के	भ. ४६।२५ उ. पूफा. रविः ५७ प्रदोषः
१४	र ५२ ६	श्ले ३७ ३९	प ३२ २०	वि १९ १५	३० ४२ १८	९ २६ ३१	सिं. ३७ ३८	भ. १९।१५या. पूफा.रवि.सौरः ३।२
२०	चं ५८ २	म ४४ ४७	शि ३४ २१	च २५ ४	२६ ४३ १७	१० २७ १	सिंहे	वक्री मघायां बुधः ३१।३४ चित्रा.शुक्रः B

२० पं. भा. कृ. ७ र.इ. ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	९	५	११	४	७
७	१२	२०	२१	१४	२५	२६	४
४४	४०	१७	२३	३७	५७	४४	१०
२०	४८	२	१०	३४	२२	१०	५२
५७	२९	१९	२१	७	१३	३	५७
४९	२४	व. व.	२९	व. ११	४५		

गोचर ग्रहाः

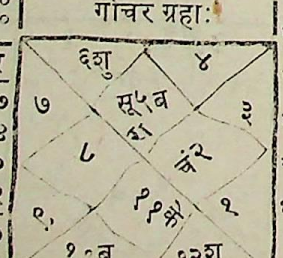

इस मास में गेहूं जौ चना मटर रुई कपास मंदी होके तेजी हो। चांदी सोना आदि धातुओं में मन्दी होवे

गोचर ग्रहाः

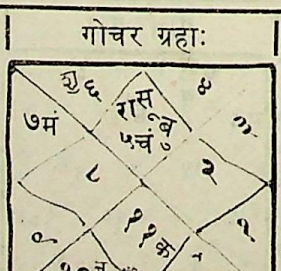

२१ पं.भा.कृ. ११ र.इ. ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	९	५	११	४	४
१४	१७	१४	२०	२२	२५	२६	१३
३०	११	१४	३५	५२	३९	२१	५६
०	१७	२४	४२	२६	१८	२४	४
५८	४०	६ ३	६ ३७	७१	५ ३	३	५७
१	१८	४५ व	व. २	व. ११	५७		

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०५४ शाकः १९१९										दि. उ. अ.		भा. मु. इं.		चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९७६स. १९९७
१	मं	६०	०	पू	५२	२०	सि	३६	४८	कि	३१	१०	३३	५५	११	२८	२	सिंहे	[= (सौरः ४७।४१) जलझूलनी ११ व्र.
१	बु	४	१७	उ	५९	४९	सा	३९	१०	बृ	४	१७	१८	४४	१६	१३	२९	३	कं. ९।१३	चंद्रदर्शनम्
२	गु	१०	२७	ह	६०	०	शु	४१	३१	कौ	१०	२७	१५	४५	१५	१३	१	४	कन्यायां	जमादिलावल ५
३	शु	१६	२३	ह	७	१८	शु	४३	४१	ग	१६	२३	११	४६	१४	१४	२	५	तुं. ३९	भ. ५९ उ.विशा.भौः २।३८ हरितालिका ३
४	श	२१	३६	चि	१३	५२	ब्र	४५	२	वि	२१	३६	७	४७	१३	१५	३	६	तुलायां	भ. २१।३६ या तुलायां शुक्रः ४४।५५ +
५	र	२५	५९	स्वा	२०	०	एं	४५	५६	बा	२५	५९	३	४७	१३	१६	४	७	तुलायां	रिषी ५ [+ वक्री श्रवण. ३ गुरुः ३७B
६	चं	२८	५६	वि	२४	५०	वै	४५	५५	तै	२८	५६	३९	४८	१२	१७	५	८	वृ. ३८	बुधोदयः पूर्वस्याम् ३६ [B गणेशचतुर्थी
७	मं	३०	३६	अ	२८	२६	वि	४४	४०	व	३०	३६	५५	४९	११	१८	६	९	वृश्चिके	भ. ३०।३६ उ.
८	बु	३०	३९	ज्ये	३०	१८	प्री	४२	०	वि	०	३७	५१	५०	१०	१९	७	१०	ध. ३०	भ. ०।३७ या. [A राम देवजी का मेला
९	गु	२८	४४	मू	३०	२४	आ	३८	१	कौ	२८	४४	४७	५१	९	२०	८	११	धनुषि	मार्गी बुध : १३।५९
१०	शु	२५	७	पू	२८	३५	सौ	३१	२६	ग	२५	७	४३	५१	९	२१	९	१२	म. ३९	भ. ५२।१५ उ. स्वात्यां शुक्रः २७।२१ A
११	श	१९	२३	उ	२४	५३	शो	२५	१३	वि	१९	२३	२९	५२	८	२३	१०	१३	मकरे	भ. १९।२३ या. उफा. रविः १२।२४ =
१२	र	१२	१०	श्र	१९	४७	अ	१६	५०	बा	१२	१०	२५	५३	७	२३	११	१४	कुं. ३९	[÷ चंद्रग्रहणम् महालयश्राद्धारंभः
१३	चं	३	३४	ध	१३	९	सु	५४	३५	तै	३	३४	३१	५४	६	२४	१२	१५	कुंभे	वामनद्वादशी. प्रदोषःहरिवासरः १।२९या
१४	चं	५०	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	भ. ५४।० उ. अनंत १४
१५	मं	४४	०	श	५२	५१	शू	४५	४४	वि	१८	५९	२७	५५	५	२५	१३	१६	मी. ४५	भ. १८।५९ या. कन्यायामर्क ३५ खग्रास÷

२२ पं. भा.शु.५ र.इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	९	६	११	४	४
२१	२१	९	१९	१	२५	२५	२०
१७	४६	२३	५३	४	१७	५९	४२
२	५९	२४	३८	५२	१०	३८	४४
३८	४०	३७	४६	७०	३०	३	५८
१३	४४	व.	व.	२३	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

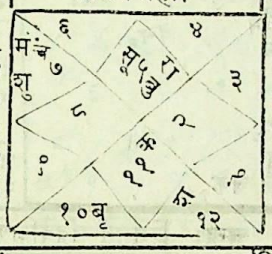

भाद्रपद शुक्ले १५
भौमे कन्यायामर्कः
प्रवृष्टःवा. ४ न. ५
बालावस्था (बंटी)
मुः ३० धान्यादि भावे
समता शुक्रोदयः
पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

२३ पं.भा.शु.१२ र.इ.४०।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	९	६	११	४	४
२८	२६	१०	१९	९	२४	२५	२७
५	२७	३६	१८	१३	५१	३७	३१
२४	५४	२९	३२	५९	०	२३	४
५८	४१	४७	३८	६९	५३	३	५८
२६	७	मा	व.	३७	व.	११	२९

ति.	आश्विन कृष्ण पक्षः सं० २०५४ शाकः १९१९										दि. उ. अ.		भा. मु. इं.		चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.;
१	बु	३३	५३	उ	४९	४९	गं	३४	४८	बा	८	५६	३३	५९	२६	१४	१७	मीने	कन्यायामर्कः सौर. १२।५२
२	गु	२४	३४	रे	४२	३३	बृ	२४	२	ग	२४	३४	१८	५६	२७	१५	१८	मे. ३३	भ. ५०।२७ उ. पूफा. बुधः ८।१८
३	शु	१६	१९	अ	३६	३४	ध्रु	१४	६	वि	१६	१९	१४	५७	२८	१६	१९	मेषे	भ. १९ या. वृश्चिके भौमः ५९ चतुर्थी व्र.
४	श	९	२५	भ	३२	१५	व्या	१९	३२	बा	९	२५	९	५८	२९	१७	२०	बृ.६।३७	
५	र	४	३८	कृ	२९	४१	व	५२	३	तै	४	३८	५	५९	३०	१८	२१	वृषे	[+ २।४३बुधास्तःपूर्वस्यां ४३ इंदिरा ११व्र.
६	चं	१	४५	रो	२९	८	सि	४७	५०	व	१	४५	३०	६०	३१	१९	२२	मि. ५९	भ. १।४५ उ. ३१।२४ या.
७	मं	१	२	मृ	३०	४३	व्य	४५	१५	व	१	२	२९	६१	१	२०	२३	मिथुने	विशा. शुक्रः २९।८ भौ. आश्विनारंभः
८	बु	२	२०	आ	३३	५९	व	४४	१	कौ	२	२०	५३	२	२	२१	२४	मिथुने	अनु. भौमः ३९।२३ मातृ ९
९	गु	५	१३	पु	३९	५	प	४४	३५	ग	५	१३	४८	२	३	२२	२५	क. २२।४९	भ. ३७।२७ उ.
१०	शु	९	४२	पु	४५	१८	शि	४५	३७	वि	९	४२	४४	३	४	२३	२६	कर्के	भ. ९।४२ या. हस्ते रविः ५०।५४
११	श	१५	५	श्ले	५२	२९	सि	४७	२६	बा	१५	५	४०	४	५	२४	२७	सिं. ३२	हस्ते रविः सौरः २५।२२ उफा बुधः +
१२	र	२१	२२	म	५९	४७	सा	४९	४९	तै	२१	२२	३६	५	५	२५	२८	सिंहे	कन्यायां बुधः ५६।१० प्रदोषः
१३	चं	२७	४१	पू	६०	०	शु	५२	११	व	२७	४१	३२	६	५४	७	२६	२९	सिंहे	भ. २७।४१ उ.
१४	मं	३३	५७	पू	७	३१	शु	५४	३८	वि	०	४९	२८	६	५४	८	२७	३०	कं. २४।२३	भ. ०।४९ यां शस्त्रादिहतानांश्रा.
२०	बु	४०	४	उ	१५	१	ब्र	५६	४८	च	६	५८	२३	७	५३	९	२८	१	कन्यायां	अक्टूबर १० ता० ३१ सर्वपितृश्रा.

२४ पं.आ.कृ.५ र.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	९	६	११	४	५
४	१	१८	१८	१७	२४	२५	४
५५	१४	९	५१	२०	२१	१५	२१
१६	३१	५८	३२	१०	४७	७	११
५८	४१	९०	२३	६८	१०	३	५८
३८	५७	५६	व.	५२	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

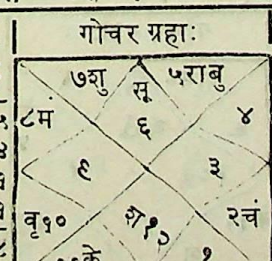

इस मास में धान्य में मंदी होवे सोना चांदी आदि धातुओं में तेजी हो प्रजा में लड़ाई उपद्रव की सम्भावना होवे

गोचर ग्रहाः

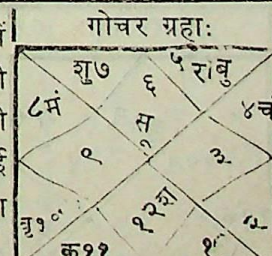

२५ पं.आ.कृ. १२ र.इ. ३९ ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	९	६	११	४	५
११	६	२९	१८	२५	२३	२४	११
४६	६	३०	३३	२१	५०	५२	१३
५२	२५	२५	२९	३२	४६	५२	१२
५८	४२	०	१५	६७	२४	३	५९
५३	२३	४७	व.	५७	व.	११	००

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९						दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६५२सन् १९९६
१	गु	४५	३७	ह	२२	१	ऐं	५८	२६	किं	१२	५०	२९	६	५३	१०	२९	२	तु. ५५।१९	वृश्चिकेशुक्रः ४३।४२ मातामहश्रा.नवरात्रा
२	शु	५०	४०	चि	२८	३७	वै	५९	४२	बा	१८	८	१५	९	५१	११	३०	३	तुलायाम्	चन्द्रदर्शनम्
३	श	५४	२०	स्वा	३४	२३	वि	६०	०	तै	२२	२९	११	१०	५०	१२	१	४	तुलायां	हस्ते बुधः १९।३६ जमादिलाखर
४	र	५७	१७	वि	३९	९	वि	०	२८	व	२५	४८	७	११	४९	१३	२	५	वृ. २२	भ. २५ उ. ५७ या. अनु. शुक्रः ४२ बक्री रेव ×
५	चं	५८	५५	अ	४२	५२	प्री	०	५९	ब	२८	६	३	११	४९	१४	३	६	वृश्चिके	[× २ शनिः १४।४२
६	मं	५९	२७	ज्ये	४५	२८	सौ	५७	१५	कौ	२९	११	२९	१२	४८	१५	४	७	ध. ३८	
७	बु	५८	४०	मू	४६	४६	शो	५४	१३	ग	२९	३	५५	१३	४७	१६	५	८	धनुषि	भ. ५८।४० उ. सरस्वत्यावाहनम्
८	गु	५६	२०	पू	४६	४६	अ	५०	०	वि	२७	२९	५१	१४	४६	१७	६	९	धनुषि	भ. २७ या. मार्गी गुरुः ४३।८ सरस्वनीपू.
९	शु	५२	२६	उ	४४	५८	सु	४४	३२	बा	२४	२३	४७	१५	४५	१८	७	१०	म. १।१९	चित्रा. रविः ३३ (सौरः ५५) बलिदानम्
१०	श	४७	१४	श्र	४१	५०	धृ	३७	५१	तै	१९	५०	४३	१५	४५	१९	८	११	मकरे	चित्रा.बुध. ५३ विजया १० सरस्वतीविसर्ज.
११	र	४०	३१	ध	३७	२५	शू	३०	८	व	१३	५३	३९	१६	४४	२०	९	१२	कुं. ९।३७	भ. ३३ उ. ४९ या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	चं	३२	३८	श	३१	४८	गं	२१	२०	व	६	३५	३५	१७	४३	२१	१०	१३	कुंभे	ज्येष्ठा. भौमः ३३।२७
१३	मं	२३	५३	पू	२५	५	बृ	११	३४	तै	२३	५३	३१	१८	४२	२२	११	१४	मी. १९	प्रदोषः
१४	बु	१४	३८	उ	१७	५३	धु	१९	१५	व	१४	३८	२७	१९	४१	२३	१२	१५	मीने	भ. १४।३८ उ. ३९।५८ या. तुलायां +
१५	गु	५	१७	रे	१०	३४	ह	४०	१९	ब	५	१७	२३	१९	४१	२४	१३	१६	मे. ३५	[+ बुधः ३५ शरद् १५ कोजागरी व्र.

२६ पं.आ.शु. ४ र.इ. ३९

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	९	७	११	४	५
१८	११	१२	१८	३	२३	२४	१८
४०	२	२३	२४	१६	१८	३०	७
८	१३	३५	४७	३५	४	३६	०
५९	४२	३	४०	६६	४०	३	५९
९	४४	४५	व. ४७	व. ११	१६		

गोचर ग्रहाः

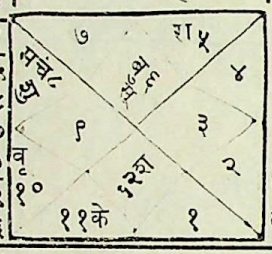

यदा वृश्चिक राशि स्थो जायते च मही सुतः। महर्घं सर्व द्रव्याणां नृपाणां कोप मादिशेत् ।।
वृश्चिक का मंगल तेजी कारक है

गोचर ग्रहाः

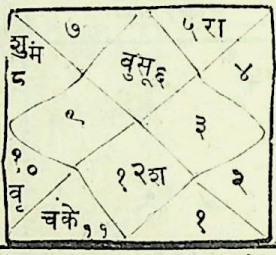

२७ पं.आ.शु. ११ र.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	९	७	११	४	५
२५	१६	२४	१८	११	२२	२४	२५
३५	१	४३	२६	६	४४	८	०२
२	८	१३	२०	७	३५	२०	४१
५९	४३	३	३४	६५	४०	३	५९
२१	१०	३८	मा २४	व. ११	३१		

ति.	कार्तिक कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९						दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विन. कृष्णेति महा०
१	गु	५१	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[= गोवर्द्धन पूजा
२	शु	४८	५३	अ	४	५५	व	३०	३१	तै	२२	४३	२८	२०	६	२५	१४	१७	मेषे	तुलायामर्कः ६।४५ (सौरः ३८।४०) ÷
३	श	४२	४३	कृ	५३	३९	सि	२१	४४	व	१५	४८	१६	२१	३९	२६	१५	१८	बृ. ११।४९	भ. १५।४८ उ. ४३ या. [÷ज्येष्ठाशुक्र ४०
४	र	३८	२३	रो	५१	१०	व्य	१४	७	ब	१०	३३	१२	२२	३८	२७	१६	१९	बृषे	स्वात्यां बुधः ४३।५८ करक चतुर्थी व्र.
५	चं	३६	१८	मृ	५०	५५	व	८	१२	कौ	७	२०	८	२२	३८	२८	१७	२०	मि. २१।२	[× ५१ केतुः १।१ रमा ११ व्र. नि.
६	मं	३६	२९	आ	५२	४४	प	४	५	ग	६	२३	४	२३	३७	२९	१८	२१	मिथुने	भ. ३६।२९ उ.
७	बु	३८	३३	पु	५६	३२	शि	१	२७	वि	७	३१	०	२४	३६	३०	१९	२२	क. ३०	भ. ७।३१ या.
८	गु	४२	३८	पु	६०	०	सि	०	४९	वा	१०	३५	२७	२५	३५	१	२०	२३	कर्के	स्वात्यां रविः ४८।४७ भा. कार्तिकारंभः
९	शु	४७	५२	पु	२	३	सा	०	५९	तै	१५	१४	५३	२५	३५	२	२१	२४	कर्के	स्वात्यां रविः सौरः १९।४३
१०	श	५४	७	श्ले	८	५०	शु	२	२६	व	२०	५९	४९	२६	३४	३	२२	२५	सिं. ८।५०	भ. २०।५९ उ. ५४।७ या.
११	र	६०	०	म	१६	८	शु	४	३५	व	२७	४	४५	२७	३३	४	२३	२६	सिंहे	रमा ११ व्र. स्मा. वै.
११	चं	०	१	पू	२३	५५	ब्र	७	४	बा	०	१	४१	२८	३२	५	२४	२७	कं. ४०।४७	विशा. बुधः ५७।५१ पूफा. ३ राहुः पूभा. ×
१२	मं	७	३	उ	३१	२५	ऐं	९	२९	तै	७	३	३७	२९	३१	६	२५	२८	कन्यायां	प्रदोषः धन १३
१३	बु	१३	९	ह	३८	३४	वै	११	३४	व	१३	९	३४	२९	३१	७	२६	२९	कन्यायां	भ. १३।९ उ. ४५।४५ या. रूप १४
१४	गु	१८	२०	चि	४४	४३	वि	१३	१३	श	१८	२०	३०	३०	३०	८	२७	३०	तु. ११।३८	मूले धनुषि शुक्रः १५।५ महालक्ष्मी पू.
३०	शु	२२	३१	स्वा	४९	५९	प्री	१४	६	ना	२२	३१	२७	३१	२९	९	२८	३१	तुलायां	मूले धनुषि भौमः ४५।८ अन्नकूटं =

२८ पं.का.कृ.४ र.इ. ३९।१६

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	९	७	११	४	६
२	२१	६	१८	१८	२२	२३	२
३१	५	३१	३७	४६	११	४६	००
२६	२	५५	१६	२४	४६	५०	८
५९	४३	०	१	६३	३४	३	५९
३४	५६	५७	४४	५०	व. ११	४६	

ग्रोचर ग्रहाः

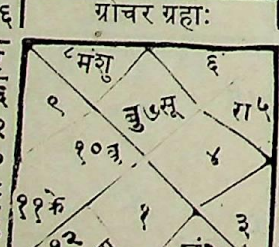

कार्तिक कृष्णे २ शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता. शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

ग्रोचर ग्रहाः

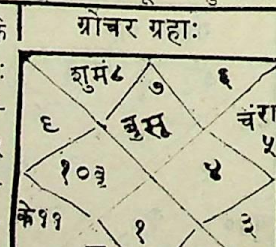

२९ पं.का.कृ.११.र.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	९	७	११	४	६
९	२६	७	१८	२६	२१	२३	८
२९	१२	४९	५७	१७	४०	२३	५९
४२	२२	३०	४७	२	५	४९	२८
५९	४३	९९	३	६१	१६	३	६०
४७	५६	२५	१२	५६	व. ११	२	

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०५४ शाकः १९१९										दि. उ. अ.			भा	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०३६सन्१९९७
१	श	२५	३७	वि	५४	१९	आ	१४	८	ब	२५	३७	२३	३	६	२९	१०	२९	१	वृ.३८।१४	नवम्बर ११ ता. ३०
२	र	२७	४३	अ	५७	२५	सौ	१३	२६	कौ	२७	४३	१९	३२	२८		११	३०	२	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ २ यम २
३	चं	२८	४२	ज्ये	५९	३२	शो	११	५६	ग	२८	४२	१६	३३	२७		१२	१	३	ध.५९।३२	भ.५८।४२उ.वृश्चिके बुधः२६।५३बु×
४	मं	२८	४३	मू	०७	०	अ	९	२०	वि	२८	४३	१२	३४	२६		१३	२	४	धनुषि	भ.२८।४३या.
५	बु	२८	४१	मू	०	३८	सु	६	४	बा	२८	४१	९	३४	२६		१४	३	५	धनुषि	अनु बुधः३२।४
६	गु	२५	३४	पू	०	५६	धृ	२	५९	तै	२५	३४	५	३५	२५		१५	४	६	म.१५।२	विशा. रविः ९।१३ (सौरः ३७।७)
७	शु	२२	३१	उ	३	५९	गं	५१	५३	व	२२	३१	२	३६	२४		१६	५	७	मकरे	भ. २२।३१उ.५०।३६ या.
८	श	१८	४१	ध	५५	२७	वृ	४५	२८	ब	१८	४१	२६	३६	२४		१७	६	८	कुं,२६।४७	श्रवणे ४ गुरुः४२।२८ गोपाष्टमी
९	र	१३	४९	श	५१	३७	धु	३८	१४	कौ	१३	४९	५५	३७	२३		१८	७	९	कुंभे	अक्षय ९
१०	चं	८	४	पू	४७	८	व्या	३०	२५	ग	८	४	५२	३८	२२		१९	८	१०	मी.३३।१६	भ.३५।२७उ.
११	मं	२	५०	उ	४१	४४	ह	२१	४०	वि	२	५०	४९	३८	२२		२०	९	११	मीने	भ. २।५०या.प्रबोधिनी११ब्र.तुलसी विवाहः
१२	मं	५१	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	×बुधोदयःपश्चिमायां५५।५१रज्जव ७
१३	बु	४६	८	रे	३५	५५	व	१२	४१	कौ	२०	०	४५	३९	२१		२१	१०	१२	मे.३५।५५	पूषा. शुक्रः३३।९प्रदोषः
१४	गु	३८	२८	अ	३०	२२	सि	५०	५०	ग	१२	१७	४२	४०	२०		२२	११	१३	मेषे	भ.३८।२८उ.वैकुंठ १४
१५	शु	३१	८	भ	२४	४७	व	४५	१५	वि	४	४८	३९	४०	२०		२३	१२	१४	वृ.३८।३७	भ.४।४८ या. ज्येष्ठा.बुधः४६।३०मन्वादि

३०पं.का.शु.२र.इ.३८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	९	८	११	४	६
१६	१	२८	१९	३	२१	२३	१६
२९	२३	४३	२७	३५	१०	१	००
२८	५३	२३	७	३५	१९	३४	३२
६०	४४	९५	४	५९	५८	३	६०
४	१४	५१	२३	३१	व:	११	१८

गोचर ग्रहाः

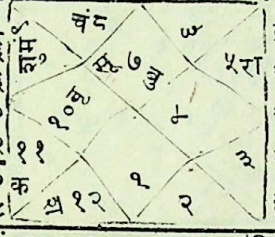

धनराशि गते भौमे मूल द्रव्य तृणानि च काष्ठं च धृतकार्पासं महर्घं च चतुष्पदाम्।अनाजगल्ले में तेजी होकर मन्दी होवे।

गोचर ग्रहाः

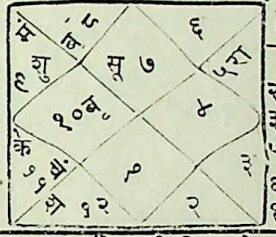

३१पं.का.शु.९र.इ.३८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	९	८	११	४	६
२३	६	९	२०	१०	२०	२२	२३
३०	३७	१३	५	२६	४३	३९	०३
५०	४१	८	१३	७	१२	१८	७
६०	४४	९१	५	५६	३७	३	६०
१७	४०	१०	३४	२२	व:	११	३०

ति.	मार्ग शीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९										दि. उ. अ.			भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तूरविरुत्तरे कार्ति. कृष्णति महाराष्ट्राः
१	श	२५	५	कृ	२०	७	प	३७	१३	कौ	२५	५	२६	४१	५९	२४	१३	१५	वृषे	[×बुधः४६।२७वक्री रेव.१रविः१५।९
२	र	२०	२१	रो	१६	४४	शि	३०	१५	ग	२०	२१	२३	४१	१९	२५	१४	१६	मि४५।५९	भ.४८ ५३उ. वृश्चिकेऽर्कः५।१८*
३	चं	१७	२५	मृ	१५	१५	सि	२४	५४	वि	१७	२५	३०	४२	१८	२६	१५	१७	मिथुने	भ.१७।२५या. चर्तुथीव्र.[*(सौरः३१।२४)
४	मं	१६	२७	आ	१५	३३	सा	२०	५७	बा	१६	२७	२७	४३	१७	२७	१६	१८	मिथुने	पूषा. भौमः ३०।५८
५	बु	१७	४८	पु	१८	५	शु	१८	४८	तै	१७	४८	२५	४३	१७	२८	१७	१९	कं २।१२	अनु. रविः २३।३८ (सौरः४८।१२)
६	गु	२०	५४	पु	२२	१८	शु	१८	८	व	२०	५४	२२	४४	१६	२९	१८	२०	कर्के	भ. २०।५४ उ. ५३।१५या.
७	शु	२५	३५	श्ले	२८	४	ब्र	१८	३१	ब	२५	३५	१९	४४	१६	३०	१९	२१	सिं.२८।४	
८	श	३१	२९	म	३५	७	एं	२०	११	कौ	३१	२९	१७	४५	१५	१	२०	२२	सिंहे	भा. मार्गशीर्षारंभः
९	र	३७	५४	पू	४२	२६	वै	२२	७	तै	४	४१	१४	४५	१५	२	२१	२३	कं.५९।२१	
१०	चं	४४	२६	उ	५०	४	वि	२४	३४	व	११	१०	१२	४६	१४	३	२२	२४	कन्यायां	भ. ११।१०उ४४।२६या. मूले धनुषि×
११	मं	५०	३१	ह	५७	१७	प्री	२६	५०	ब	१७	२८	९	४६	१४	४	२३	२५	कन्याया	उत्पत्ति ११ ब्र.
१२	बु	५५	५०	चि	६०	०	आ	२८	२७	कौ	२३	१०	७	४७	१३	५	२४	२६	तु.३०।३१	
१३	गु	५९	३९	चि	३	४४	सौ	२९	२६	ग	२७	४४	५	४७	१३	६	२५	२७	तुलायां	भ. ५९।३९ उ.उषा.शुक्रः१७।५७ प्रदोषः
१४	शु	६०	०	स्वा	८	४६	शो	२९	१४	वि	३०	५५	२	४८	१२	७	२६	२८	वृ.५६।४५	भ. ३०।५५या.
१५	श	२	१२	वि	१२	४४	अ	२८	७	श	२	१२	०	४८	१२	८	२७	२९	वृश्चिके	
२०	र	३	१७	अ	१५	३०	सु	२५	५२	ना	३	१७	२५	४८	१२	९	२८	३०	वृश्चिके	

३२पं.मा.कृ.२र.इ.३८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	९	८	११	४	७
०	११	१९	२०	१७	२०	२२	०
३३	५५	१७	५२	१४	२०	१७	७
२९	४८	१७	१२	१७	४६	२	११
६०	४४	८४	६	५२	५५	३	६०
३०	५५	१६	३५	२३	व.	११	४०

गोचर ग्रहाः

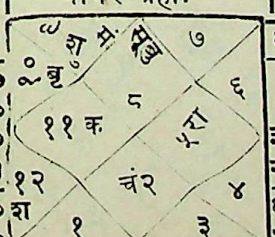

३३पं.मा.कृ.९र.इ.३८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	९	८	११	४	७
७	१७	२८	२१	२३	२०	२१	७
३७	१५	३६	४६	२३	१	५४	१२
२६	१४	७	१६	२८	२३	४७	४४
६०	४५	७३	७	४७	३५	३	६०
४२	१४	४९	३८	३२	व.	११	५३

गोचर ग्रहाः

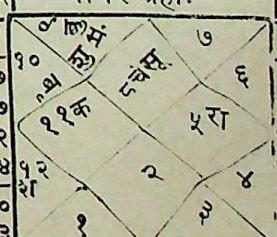

३४पं.मा.कृ.३०र.इ.३८।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	९	८	११	४	७
१४	२२	६	२२	२८	१९	२१	१४
४२	३८	१४	४७	५७	४७	३२	१९
४०	३८	६	४६	२५	२०	३१	३०
६०	४५	५२	८	४१	४०	३	६१
५०	२०	१०	४१	१२	व.	११	३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं० २०५४ शाकः १९१९								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २०६६स,१९९७
१	चं	३	१३	ज्ये	१६	१९	धृ	२२	२९	व	३	१३	२५	६	५	१० २९ १	ध.१६।१९	चंद्रदर्शनम् दिसम्बर १२ता.३१
२	मं	१	५२	मू	१६	२६	शू	१८	२९	कौ	१	५२	५४	४९	११	११ १ २	धनुषि	ज्येष्ठा. रविः ३३।४५ (सौद।५६।६) =
३	मं	५७	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०	=मकरे शुक्रः९।५ सावान८
४	बु	५६	३८	पू	१५	३३	गं	१३	३०	व	२८	९	५३	४९	११	१२ २ ३	म.३०।१०	भ. २८।९उ. ५६।३८या.
५	गु	५२	५९	उ	१३	५९	बृ	०७	५४	व	२४	४९	५१	५०	१०	१३ ३ ४	मकरे	धनिष्ठा.१गुरुः २०।४७
६	शु	४८	५९	श्र	११	५६	धु	२	५७	कौ	२०	५९	४९	५०	१०	१४ ४ ५	कुं.४०।४३	उषा. भौमः ४८।३०चंपा६
७	श	४४	३३	ध	९	३१	ह	४९	१०	ग	१६	४६	४८	५०	१०	१५ ५ ६	कुंभे	भ.४४।३३उ.
८	र	३९	४६	श	६	४०	व	४२	८	वि	१२	१०	४६	५१	९	१६ ६ ७	मी.४९। ९	भ.१२।१०यावक्रीबुधः ३०।६
९	चं	३४	३२	पू	१९	३४	सि	३४	५०	बा	७	९	४५	५१	९	१७ ७ ८	मीने	÷११प्र. गीताजयंती
१०	मं	२८	५५	रे	५५	३८	व्य	२७	१८	तै	१	४४	४४	५१	९	१८ ८ ९	मे.५५।३८	भ.५६।४उ.
११	बु	२३	१३	अ	५१	३१	व	१९	२७	वि	२३	१३	४३	५१	९	१९ ९ १०	मेषे	भ.२३।१३या.।मकर भौमः ५° मोक्षदा÷
१२	गु	१७	२	भ	४७	३८	प	११	४९	बा	१७	२	४२	५२	८	२० १० ११	मेषे	बुधास्तः पश्चिमायां ४६।२८प्रदोषः
१३	शु	११	५२	कृ	४४	१३	शि	४	५३	तै	११	५२	४१	५२	८	२१ ११ १२	बृ. १।४७	
१४	श	७	४	रो	४१	३२	सा	५०	२६	व	७	४	४०	५२	८	२२ १२ १३	वृषे	भ.७।४उ.३५।१या.दत्तजयंती
१५	र	२	५७	मृ	३९	५५	शु	४४	४८	व	२	५७	३९	५२	८	२३ १३ १४	मि १०।४४	

३५पं.मा.शु.८र. इ.३७।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	९	९	११	४	७
२१	२८	९	२३	३	१९	२१	२१
४८	६	३१	५५	४१	३७	१०	२७
४३	४	८	४८	१७	५५	१६	४४
६०	४५	५९	९	३२	५३	३	६१
५६	३४	व:	३२	५८	व:	११	११

गोचर ग्रहाः

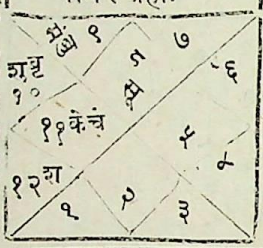

मार्गशीर्ष कृष्णे २ रवौ

वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ प्रौढाऽवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावे समर्धता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

३६पं.मा.शु.१५र.इ.३७।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	९	९	११	४	७
२८	३	४	२५	७	१९	२०	२८
५७	२९	५४	९	२०	३४	४८	३५
३७	३५	१४	२५	२८	१६	०	५७
६१	४५	४९	१०	२२	५९	३	६१
०	४९	व:	१७	११	व:	११	१९

ति.	पौष कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मा.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	चं	०	२२	आ	३९	५८	शु	४०	३४	कौ	०	२२	३५	५३	८	२४ १४ १५	मिथुने	मूले धनुष्यर्कः ४१।० (सौरः५९।५६)
२	चं	५९	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०	
३	मं	६०	०	पु	४१	२६	ब्र	३७	२७	व	३०	१६	३८	५२	८	२५ १५ १६	क.२६। ४	भ.३०।१६उ. मार्गी शनिः १४।५०
३	बु	०	३	पु	४४	३२	ऐं	३६	९	वि	०	३	३८	५२	८	२६ १६ १७	कर्के	भ.०।३या. चतुर्थी व्र.
४	गु	२	४५	श्ले	४९	२४	वै	३५	३२	बा	२	४१	३७	५३	७	२७ १७ १८	सिं४९।२४	वक्रीज्येष्ठा. वृश्चिके बुधः १।२०
५	शु	६	४२	म	५५	५८	वि	३६	३५	तै	६	४२	३७	५३	७	२८ १८ १९	सिंहे	[÷केतुः ४३।१सोमवती
६	श	१२	२०	पू	६०	०	प्री	३७	५७	व	१२	२०	३६	५३	७	२९ १९ २०	सिंहे	भ.१२।२०उ.४५।२८या.
७	र	१८	३५	पू	२	५२	आ	४०	१०	ब	१८	३५	३६	५३	७	३० २० २१	कं.१९।४७	
८	चं	२५	७	उ	१०	३३	सौ	४२	२२	कौ	२५	७	३६	५३	७	१ २१ २२	कन्यायां	धनिष्ठा.२गुरुः ४३।१७.भा.पौषारंभः
९	मं	३१	२५	ह	१७	४७	शो	४४	२५	ग	३१	२५	३६	५३	७	२ २२ २३	तु.५१।१४	श्रवणे भौमः २।४०बुधोदयः पूर्वल्यां ३।५१
१०	बु	३६	५२	चि	२४	४१	अ	४५	३९	व	४	९	३७	५३	७	३ २३ २४	तुलायां	भ.४।९उ.३६।५२या.श्रवणे शुक्रः ४१।५८
११	गु	४०	४७	स्वा	३०	१७	सु	४५	५५	ब	८	५०	३७	५३	७	४ २४ २५	तुलायां	वक्री शुक्रः ३१।५० सफसा ११व्र.
१२	शु	४३	२६	वि	३४	२२	धृ	४४	५२	कौ	१२	७	३७	५३	७	५ २५ २६	वृ.१८।२१	[×शुक्रः ४२।३५
१३	श	४४	१६	अ	३६	५७	शू	४२	३५	ग	१३	५१	३८	५२	८	६ २६ २७	वृश्चिके	भ४४।१६उ.मार्गी बुधः ५०।१९ प्रदोषः
१४	र	४३	१७	ज्ये	३७	३७	गं	३८	५९	वि	१३	४७	३८	५२	८	७ २७ २८	ध.३७।३७	भ.१३या.पूषा.रविः ४६।०वक्री उषा.×
३०	चं	४०	५३	मू	३६	५७	बृ	३४	१०	च	१२	५	३९	५२	८	८ २८ २९	धनुषि	पूषा.रवि.सौरः १।३४पूफा.२राहुःशतें.४÷

३७पं.पौ.कृ७.र.इ.३७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	९	९	११	४	८
१६	८	२६	२६	९	१९	२०	५
३५	५६	१३	२८	३३	३५	२५	४५
१४	५३	४४	१	०	४६	४४	२२
६१	४५	७१	१०	८	४२	३	६१
४	५३	व.	५६	४७	मा	११	२२

गोचर ग्रहाः

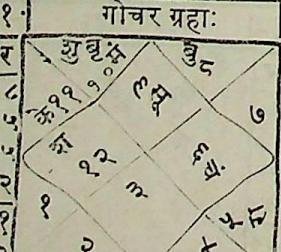

पौष कृष्णे १ चंद्रे

धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.२न.४प्रौढावल्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भाव समर्धता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

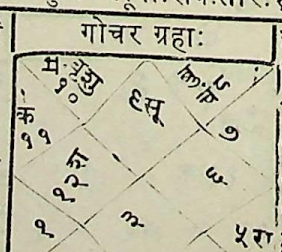

३८पं.पौ.कृ,१४र.इ३७।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	९	९	११	४	८
१३	१४	२३	२७	१०	१९	२०	१२
११	२६	१०	५१	०	४२	३	५५
१३	४६	४८	५४	३६	४७	२९	१४
६१	४५	००	११	५७	१	३	६१
६	५४	मा	३५	व:	२३	११	२६

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि. उ. अ.		भा. मु इं.		चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽर्गणः २०९५स.१९९७
१	मं	३७	१३	पू	३४	५१	ध्रु	२८	७	किं	९	३	२५	५६	९	२९	३०	म.४९।७
२	बु	३२	३२	उ	३१	५६	व्या	२१	३४	बा	४	५२	४१	५२	१०	३०	३१	मकरे
३	गु	२७	१७	श्र	२८	३०	ह	१४	२२	ग	२७	१७	४२	५२	११	१	१	कुं. ५६
४	शु	२१	५१	ध	२४	४३	व	३६	५३	वि	२१	५१	४३	५१	१२	२	२	कुंभे
५	श	१६	१७	श	२०	५२	व्य	५१	४८	बा	१६	१७	४४	५१	१३	३	३	कुंभे
६	र	१०	५७	पू	१७	१३	व	४४	१७	तै	१०	५७	४५	५१	१४	४	४	मी. ३।८
७	चं	५	४४	उ	१३	३६	प	३७	२	व	५	४४	४७	५१	१५	५	५	मीने
८	मं	०	५०	रे	१०	२७	शि	२९	५५	ब	०	५०	४८	५०	१०	१६	६	६	मे.१०।२७
९	मं	५५	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	बु	५१	५२	अ	७	२६	सि	२३	१६	तै	२४	१	५०	५०	१०	१७	७	७	मेषे
११	गु	४८	२	भ	४	५८	सा	१७	१	व	१९	५६	५२	५०	१०	१८	८	८	बृ.१९।२८
१२	शु	४४	४४	कृ	२	५९	शु	११	१३	ब	१६	२३	५३	४९	११	१९	९	९	वृषे
१३	श	४२	२०	रो	१	३८	शु	५	४८	कौ	१३	३२	५५	४९	११	२०	१०	१०	मि. ३५
१४	र	४०	५२	मृ	०	५६	ब्र	५८	५६	ग	११	३६	५७	४९	११	२१	११	११	मिथुने
१५	चं	४०	४०	आ	१	२९	वै	५४	१७	वि	१०	४६	५९	४८	१२	२२	१२	१२	क.४७।४९

भ. ५।४४ उ. ३३।१७ या.
[= ५०।३२ पुत्रदा ११ व्र. स्मा. वै.
[÷ गुरुः५६।१५ रेवती २ शनिः १०।५३
मूले धनुषि बुधः ४६।८ धनिः ३ कुंभे ÷
भ. १९।५६ उ. ४८।२ या.धनि. भौमः =
पुत्रदा ११ व्र. नि.
उषा. रविः ५०।४५ प्रदोषः
भ. ४०।५२ उ. उषा रवि. सौरः ३।१
भ. १०।३६ या. माघ स्ना. प्रा.

३९पं.पौ.शु.६ र.इ.२७।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	९	९	११	४	८
२०	१९	२७	२९	८	१९	१९	२०
१९	५६	२१	१९	२९	५४	४१	०५
२६	५३	५०	२६	३५	४०	१३	११
६१	४५	५०	१२	३४	२	३	६१
६	५९	१५	१४	व.	५	११	२६

गोचर ग्रहाः

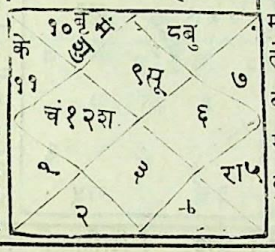

इस मास में मकर का मंगल घृत तेल गुड़ की तेजी तथा चावल बाजरा मूंग मोठ की मंदी करेगा प्रजा में दुःखफैलेगा

गोचर ग्रहाः

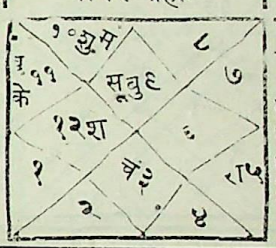

४०पं. पौ.शु. १४ र.इ.३७/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१०	९	११	४	८
२७	२५	४	०	५	२०	१९	२७
२७	२७	५८	५०	८	१२	१८	१५
२२	४७	८	१०	३८	२२	५८	०३
६१	४५	७०	१२	३३	२	३	६१
६	५९	२०	२९	व.	४६	११	२४

ति.	माघ कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि. उ. अ.		भा. मु इं.		चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	४१	४९	पु	३	१६	वि	५२	४६	बा	११	१४	२६	५८	२३	१३	१३	कर्के
२	बु	४४	३७	पु	६	३०	प्री	५१	५७	तै	१३	१३	४	४७	२४	१४	१४	कर्के
३	गु	४८	२९	श्ले	११	१	आ	५२	२९	व	१६	३२	६	४७	२५	१५	१५	सिं११।१
४	शु	५३	४९	म	१६	५८	सौ	५३	३५	व	२१	८	८	४६	२६	१६	१६	सिंहे
५	श	५९	४५	पू	२३	३४	शो	५४	४६	कौ	२६	४७	११	४६	२७	१७	१७	कं.४०।२६
६	र	६०	०	उ	३१	२	अ	५७	४६	ग	३३	१	१३	४५	२८	१८	१८	कन्यायां
६	चं	६	१७	ह	३८	३८	सु	५९	५४	व	६	१७	१६	४५	२९	१९	१९	कन्यायां
७	मं	१२	४९	चि	४६	२	धृ	६०	०	ब	१२	४९	१९	४४	३०	२०	२०	तु.१२।२०
८	बु	१८	४०	स्वा	५२	१७	धृ	१	४९	कौ	१८	४०	२१	४४	१	२१	२१	तुलायां
९	गु	२३	१३	वि	५७	१८	शू	२	४६	ग	२३	१३	२४	४३	२	२२	२२	बृ.४१।७
१०	शु	२६	२२	अ	६०	०	गं	२	३८	वि	२६	२२	२७	४३	३	२३	२३	वृश्चिके
११	श	२७	३०	अ	०	३५	कृ	१	५७	बा	२७	३०	२९	४२	४	२४	२४	वृश्चिके
१२	र	२६	४७	ज्ये	१	५४	व्या	५३	२४	तै	२६	४७	३२	४२	५	२५	२५	ध.१।५४
१३	चं	२४	५	मू	२	५७	ह	४७	२१	व	२४	५	३५	४१	६	२६	२६	धनुषि
१४	मं	१९	३७	उ	५	३४	व	४०	४	श	१९	३७	३८	४०	७	२७	२७	म.१३।२१
२०	बु	१३	५१	श्र	५०	३८	सि	३१	५३	ना	१३	५१	४१	४०	८	२८	२८	मकरे

[÷ वक्री धनुषिशुक्रः१०।५७ शुक्रोदयः÷
मकरेऽर्कः७।९ (सौरः१८।२८) शुक्रास्तः ×
भ.१६उ. ३९ या. [× पश्चिमायां ४८।०
चतुर्थी व्र.
कुंभे भौमः २३।५१
पूषा. बुधः ६।३५ [+ पूर्वस्यां २४।३६
भ. ६।१७ उ. ३९।३३ या.
अभि. प्र. रवि. ३९।३९ (सौरः४९।४९÷
भा. माघारंभः
भ. ५४।४७ उ. धनि ४ गुरुः ३०।१०
भ. २६।२२ या. श्रवणे रविः ५६।१६
अभि. नि.रवि. ४८।३१ (सौरः५८।२) =
शते भौमः ५२।१३
भ.२४।५ उ. ५१।५१ या. वक्री पूषा. A
उषा. बुधः २२ [A शुक्रः ४५।३२ प्रदोषः
[= श्रवणे रविःसौरः५।४ षट्तिला ११ व्र.

४१पं.मा.कृ.६र.इ.३७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	१०	९	११	४	९
४	०	१४	२	०	२०	१८	४
२५	५६	२	२४	५५	३४	५६	२४
१३	१६	१६	२२	५९	३४	४२	२२
६१	४६	८२	१२	३५	३	३	६१
३	१	४६	५६	व.	३२	११	१९

गोचर ग्रहाः

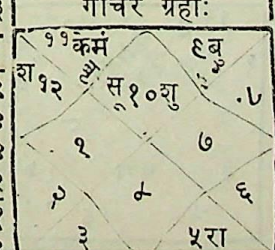

माघकृष्णे २ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

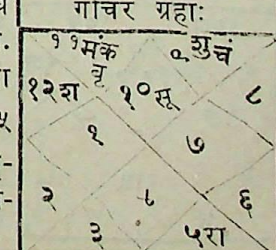

४२पं.मा.कृ.१२र.इ. ३७/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	१०	८	११	४	९
११	६	२४	४	२७	२१	१८	११
४२	२८	१	१	११	१	३४	३३
४०	३४	२०	१६	६	३७	२६	२३
६०	४५	९०	१२	३०	४	३	६१
५९	५४	३९	१४	व.	८	११	१३

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्ल पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९										दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः २१२५स. १९९८
१	गु	६	५७	ध	४५	८	व्य	२२	५८	व	६	५७	२६	३६	२५	९	२९	२९	कुं. १७।५३
२	गु	५	२	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	शु	५	२	१८	श	३९	३५	व	१३	४४	तै	२५	५९	४८	३८	२२	१०	१	३०
३	श	४	५	१२	पू	३४	८	प	४०	५१	व	१८	४५	५१	३८	२२	११	२	३१
४	र	३	८	३७	उ	२९	८	सि	४७	४०	ब	११	५४	५४	३७	२३	१२	३	१
५	चं	३	२	३७	रे	२५	४	सा	३९	५५	कौ	५	३७	५८	३६	२४	१३	४	२
७	मं	२	७	३२	अ	२१	३५	शु	३२	५३	ग	०	५	२७	३६	२४	१४	५	३
८	बु	२	३	२५	भ	१९	५	शु	२६	३८	ब	२३	२५	५	३५	२५	१५	६	४
९	गु	२	०	१८	कृ	१७	२९	ब्र	२१	१७	कौ	२०	१८	८	३४	२६	१६	७	५
१०	शु	१	८	४	रो	१७	०	ऐं	१६	५०	ग	१८	४	१२	३४	२६	१७	८	६
११	श	१	६	५६	मृ	१७	२५	वै	१२	५४	वि	१६	५६	१५	३३	२७	१८	९	७
१२	र	१	६	४४	आ	१९	२	वि	१०	०	बा	१६	४४	१९	३२	२८	१९	१०	८
१३	चं	१	७	४६	पु	२१	३२	प्री	७	५६	तै	१७	४६	२३	३१	२९	२०	११	९
१४	मं	१	९	५६	पु	२५	११	आ	६	५४	व	१९	५६	२७	३१	२९	२१	१२	१०
१५	बु	२	३	१२	श्ले	३०	१	सौ	६	१६	ब	२३	१२	३०	३०	३०	२२	१३	११

मकरे बुधः ४५।३० चन्द्रदर्शनम्

सव्वाल १० [+ मोक्षः ३५।५३

भ. १८।४५ उ. ४५।१२ या.

फ·रवरी २ ता. २८ वसंत पंचमी

[× पूर्वस्यां ३४।११ भानु ७

भ. २७।३२ उ. ५५।२९ या. बुधास्तः ×

श्रवणे बुधः ५५।४४ भीष्माष्टमी

शत. १गुरुः४८।१७ पातस्पर्शः७।४१ +

भ.४७।३० उ.धनि. रविः ४।३४ (सौरः A

भ. १६।५६ या. जया ११ व्र.

प्रदोषः [A ११।३५) मार्गी शुक्रः५४।३८

भ. १९।५६ उ. ५१।३३ या.

पूभा. भौमः ५३।५० माघ स्नान पूर्तिः

कुं.	१७।५३
कुम्भे	०
मी.	३०
मीने	
मे.	२५।४
मेषे	
बृ.	३३
वृषे	४५
मि.	४७
मिथुने	३२
मिथुने	
क.	५।५५
कर्के	
सि.	३०।१

४३पं.मा.शु.५र.इ. ३७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१०	८	११	४	९
१८	११	४	५	२५	२१	१८	१८
४९	५९	३८	३८	९	३३	१२	४०
१६	३५	३५	५३	१९	१८	११	२७
६०	४५	९७	१३	१२	४	३	६१
५५	५७	१४	२६	५०	४४	११	४

गोचर ग्रहाः

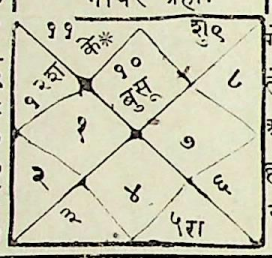

इस मास में धान्य जो गेहूं चना मटर सरसों तेज होवे सोना चांदी आदि धातुओं में मंदी हो प्रजा में सुख शांति रहे

गोचर ग्रहाः

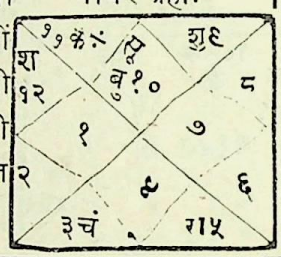

४४पं. मा.शु.१२.रइ. ३७ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१०	८	११	४	९
२५	१७	१५	७	२४	२२	१७	२५
५५	२९	५२	१८	४२	७	४९	४८
१	३८	२०	११	११	४८	५५	१४
६०	४५	०	१३	४	५	३	६०
४७	५८	१०	३२	१०	७	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९										दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा.
१	गु	२	२८	म	३५	५९	शो	६	४८	कौ	२	२८	२७	३४	२९	३१	२३	१४	१२	सिंहे
२	शु	३	२	५५	पू	४	२	३२	अ	८	७	तै	०	११	३८	२८	३२	२४	१५	१३	कं.	२९
३	श	३	८	४६	उ	४	९	५१	सु	९	५२	व	५	५०	४१	२८	३२	२५	१६	१४	कन्यायां
४	र	४	५	११	ह	५	७	२९	धृ	१२	८	ब	११	५९	४५	२७	३३	२६	१७	१५	कन्यायां
५	चं	५	२	१०	चि	६	०	शू	१४	२१	कौ	१८	४१	४९	२६	३४	२७	१८	१६	तु.	३१
६	मं	५	७	५६	चि	५	१४	गं	१६	३९	ग	२५	३	५२	२५	३५	२८	१९	१७	तुलायां
७	बु	६	०	०	स्वा	१	२	१४	वृ	१८	१८	वि	३	०	५६	२५	३५	२९	२०	१८	तुलायां
७	गु	३	४		वि	१८	११	धु	१९	१	ब	३	४	२८	२४	३६	३०	२१	१९	वृ.	१।४१
८	शु	७	५		अ	२२	४७	व्या	१८	५४	कौ	७	५	४	२३	३७	१	२२	२०	वृश्चिके
९	श	९	११		ज्ये	२५	४१	ह	१७	३	ग	९	११	८	२२	३८	२	२३	२१	ध.	२५
१०	र	९	२६		मू	२६	३१	व	१३	३९	वि	९	२६	१२	२२	३८	३	२४	२२	धनुषि.	४१
११	चं	७	२३		पू	२५	१८	सि	८	३२	बा	७	२३	१६	२१	३९	४	२५	२३	म.	३९
१२	मं	३	३४		उ	२२	१२	व्य	३	५१	तै	३	३४	२०	२०	४०	५	२६	२४	मकरे	
१३	मं	५	४	१४		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	बु	५	०	२२	अ	१	७	२०	प	४	४	७	वि	२	४	५	२४	१९	४१	६	२	७	२५	कुं.	४६
२०	गु	४	२	५	ध	११	१	४	शि	३	४	५	४	च	१	६	१३	२८	१८	४२	७	२	८	२६	कुंभे	५३

कुंभेऽर्कः ३९।५० (सौरः ४५।३३)

धनि. बुधः८।५७ अस्तं गुरोः ४६४८

भ. ५।५० उ. ३८।४६ या.

चतुर्थी व्र.

कुंभे बुधः ५२।४८ उषा. शुक्रः ३६।०

भ. ५७।५६ उ. [× २ गुरुः ४१।३९

भ. ३०।३० या.

शते रविः१६।६ (सौरः२०।५५) शत. ×

शते बुधः ४०।११ भा. फालगुनारंभः

भ. ३९।१८ उ. रेवती ३ शनिः ८।४३

भ. ९।२६ या,

मकरे शुक्रः ३०।२१ विजया ११ व्र.

भ.५७।४८ उ. मीने भौमः४१।१८ प्रदोषः

भ. २४।५ या. महाशिवरात्रि व्र.

४५ पं.फा.कृ.४ र.इ. ३७ ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	१०	८	११	४	१०
२	२२	२७	८	२६	२२	१७	२
५९	५८	४५	५८	२१	४६	२७	५४
४९	४४	५४	४१	४३	४४	४०	१७
६०	४५	०	१३	१८	५	३	६०
३७	३८	१३	३८	५१	३६	११	४२

ग्रोचर ग्रहाः

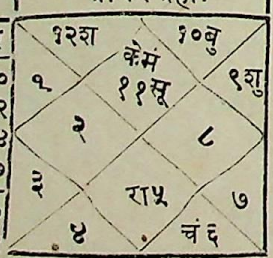

फाल्गुन कृष्णे १ गुरौ कुंभऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

ग्रोचर ग्रहाः

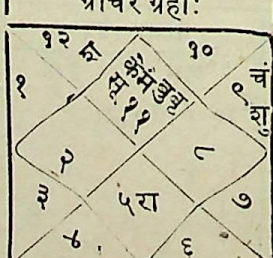

४६पं.फा.कृ.१०र.इ. ३६ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१०	८	११	४	१०
१०	२८	१०	१०	२९	२३	१७	९
३	२६	२१	४०	३३	२८	५	५८
२२	२८	२५	५	२२	५९	२४	५०
६०	४५	०	१३	३०	६	३	६०
२५	३२	४३	३८	३३	२	११	३१

* बृ मं (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ÷ बृ मं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्ल पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९						दि. उ. अ.			भा. मु. अं.			चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरेऽर्कगणः २१५४ स.१९९८
१	शु	३३	७	श	३०	४९	सि	२४	३६	कं	७	४२	३३	६	५	८	२९	२७	मी.४४।७	पूमा.बुधः४५।४६[×चंद्र दर्शनम् फुलरिपा२
२	श	२४	१०	उ	५०	२२	सा	१४	१४	कौ	२४	१०	३६	१७	४३	९	३०	२८	मीने	उभा.भौमः५३।३६ अस्तं भौमः ५२।१६×
३	र	१५	२९	रे	४४	३	शु	५०	२२	ग	१५	२९	४०	१६	४४	१०	१	१	मे.४४।३	भ.४१।३७उ.बुधोदय; पश्चिमायां ५०।७*
४	चं	७	४६	अ	३८	४६	ब्र	४६	०	वि	७	४६	४४	१५	४५	११	२	२	मेषे	भ.७।४६या.पूफा.१राहुःशते.३केतुः२७।२५
५	मं	०	५३	भ	३४	५२	ऐं	३८	४६	वा	०	५३	४८	१४	४६	१२	३	३	बृ.४९।१४	[मार्च ३ ता.३१ जिल्काद ११.
६	मं	५४	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷(सौरः३५।४२)मीने बुधः५९।३२
७	बु	५१	२२	कृ	३२	२३	वै	३२	२८	ग	२३	२२	५२	१४	४६	१३	४	४	वृषे	भ.५१।२२उ.पूभा.रविः३२।१२÷
८	गु	४९	४	रो	३१	१४	वि	२७	३१	बि	२०	१४	५६	१३	४७	१४	५	५	वृषे	भ.२०।१४पाःशत.३गुरुः५५।५३होलाष्टक
९	शु	४८	८	मृ	३१	३५	प्री	२३	४५	वा	१८	४८	२९	१२	४८	१५	६	६	मि. १।२५	उभा बुधः ४०।२१.
१०	श	४८	३२	आ	३३	२८	आ	२१	८	तै	१८	२०	५	११	४९	१६	७	७	मिथुने	
११	र	५०	२८	पु	३६	४१	सौ	१९	३८	व	१९	३०	९	१०	५०	१७	८	८	क.२०।५३	भ.१९ ३०उ.५०।२८पा.[1]
१२	चं	५३	२३	पु	४०	५९	शो	१९	६	व	२१	५५	१३	९	५१	१८	९	९	कर्के	श्रवणे शुक्रः४६ २६आमलकी११व्र. नि.
१३	मं	५७	३१	श्ले	४६	१५	अ	१९	१८	कौ	२५	२९	१७	९	५१	१९	१०	१०	सिं४६।१५	प्रदोषः [1]आमलकी ११व्र.स्मा.नि.
१४	बु	६०	०	म	५२	३४	सु	२०	१	ग	२९	५६	२१	८	५२	२०	२१	११	सिंहे	
१५	गु	२	२४	पू	५८	४४	धृ	२१	३६	व	२	२४	२६	७	५३	२१	१२	१२	सिंहे	भ.२।२४उ.३५।१३या.होलिका दहनं°
१५	शु	८	२	उ	६०	०	शू	२३	१५	ब	८	२	३०	६	५४	२२	१३	१३	कं. १५।४२	छारडी. [°भद्रोत्तरम्

४७पं.फा.शु.३ र.इ.३८।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	१०	९	११	४	१०
१७	३	२३	१२	३	२४	१६	१७
५	५४	३५	२१	५७	१३	४३	१
३५	०	१७	२९	१४	२३	८	४२
६०	४५	१४	१३	३९	६	३	६०
२१	३५	४४	३८	४७	२२	११	२०

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर में मन्दी होगी तथा सुदी में चन्द्र दर्शन द्वाराधातु रुई रंग तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

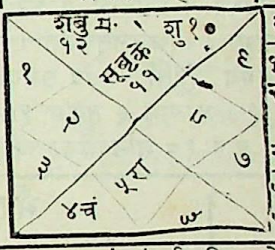

४८पं.फा.शु.११र.इ३८।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	१०	९	११	४	१०
२४	९	६	१४	९	२५	१६	२४
६	१९	५६	२	७	०	२०	३
२२	५९	३५	२	१६	३६	५३	५
५९	४५	०°	१३	४६	६	३	६०
५८	२७	५०	३२	४०	३८	११	६

ति.	चैत्र कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरे फाल्गु.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	१४	१	उ	६	३६	गं	२५	३७	कौ	१४	१	३९	६	५५	२३	१४	१४	कन्यायां	मीनेऽर्कः३३।५(सौरः३६३)रेवत्यां=
२	र	२०	२२	ह	१४	१३	बृ	२७	५५	ग	२०	२२	३८	४	५६	२४	१५	१५	तु.४८।६	भ.५३।३४उ. उदयं गुरोः२६।२४ [उ.गु
३	चं	२६	४६	चि	२१	५९	धु	३०	१३	वि	२६	४६	४३	३	५७	२५	१६	१६	तुलायां	भ. २६।४६या.चतुर्थी व्र.
४	मं	३२	५८	खा	२९	११	व्या	३२	१७	व	३२	५८	४७	३	५७	२६	१७	१७	तुलायां	उभा.रविः५४।९ (सौरः५६।३९)
५	बु	३८	५	वि	३५	३१	ह	३३	३२	कौ	५	३१	५१	२	५८	२७	१८	१८	वृ.१८।५६	रेवत्यां भौमः१४।४८
६	गु	४२	३२	अ	४१	९	व	३४	१५	ग	१०	१८	५५	१	५९	२८	१९	१९	वृश्चिके	भ.४२।३२उ.शत.४गुरुः३७।१५
७	शु	४५	२७	ज्ये	४५	१८	सि	३३	४१	वि	१३	५९	३०	०	०	२९	२०	२०	ध.४५।१८	भ.१३।५९या.शीतलापूजनम्
८	श	४६	५०	मू	४७	४७	व्य	३१	४८	बा	१६	८	४	५९	१	३०	२१	२१	धनुषि	=बुधः६।१९ वसंत १
९	र	४६	१०	पू	४८	२९	व	२८	२२	तै	१६	३०	८	५८	२	१	२२	२२	धनुषि	रेवती.४शनिः३३।३४रा.चैत्रारंभ
१०	चं	४३	३८	उ	४७	१०	प	२३	२९	व	१४	५४	१२	५८	२	२	२३	२३	म. ३।९	भ.१४।५४ड.४३।३८या.
११	मं	३९	६	श्र	४३	४६	शि	१७	२	व	११	२२	१६	५७	३	३	२४	२४	मकरे	धनिःशुक्र.२७।३पापभोचनी११व्र,
१२	बु	३२	३६	ध	३८	४९	सि	५६	५९	कौ	५	५१	२	५६	४	४	२५	२५	कुं.११।१७	
१३	गु	२४	५१	श	३२	२६	शु	४९	३०	व	२४	५१	२५	५५	५	५	२६	२६	कुंभे	भ.२४।५१उ.५०।१७या वक्रीबुधः४४।४२°
१४	शु	१५	४३	पू	२५	५	शु	३८	४८	श	१५	४३	२९	५४	६	६	२७	२७	मी.५१	अस्तंशनिः१३।३६
१५	श	६	१	उ	१७	७	ब्र	२७	४१	ना	६	१	३३	५३	७	७	२८	२८	मीने	मन्वादिः °प्रदोषाः

४९ पं.फा.कृ.२र.इ, ३९।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१०	९	११	४	११
१	१४	१८	१५	१५	२५	१५	१
५	४२	४०	४१	११	४९	५८	२
३५	२५	१	४९	१३	५५	३७	४७
५९	४५	८९	१३	११	६	३	५९
४१	१७	५६	२६	५५	५	११	४९

गोचर ग्रहाः

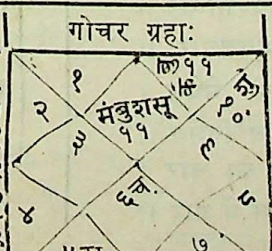

चैत्र कृष्णे १शनौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न.३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

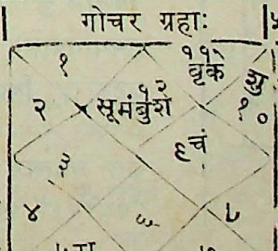

५०पं.चै.कृ.९र.इ.३९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१०	९	११	४	११
८	२०	२६	१७	२१	२६	१५	८
[illegible]	३	५२	३९	४०	३६	०	
१८	५०	२०	२८	१४	४१	२२	४२
५९	४५	४४	१३	५६	७	३	५९
२९	१०	४२	०	८	५	११	३५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९९ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४००० कलियुग-प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गत-कलिः ५०९९ भौग्यकलिः ४२६९०१ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीर विक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५५ शाकः १९२० अथास्मिन् वर्षे राजा रविः । मंत्री चंद्रः । सस्येशो गुरुः । धान्येशोभौमः । मेघेशश्चंद्रः । रसेशः शनिः । नीरसेशो गुरुः । फलेशो रविः । धनेशोबुधः । दुर्गेशो रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठचब्दानां मध्ये- विष्णुविंशतिकायां ५ खर नाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत मासादिः ९।२४।३९।२६ भोग्यमासादिः २।५।२०।३४ त्वष्टृ दैवतं युगम् । वर्षनाम भाद्रपदः । मेघनाम पुष्करः रोहिणी निवासः संधौ । समयनिवासो रजक गृहे । समय विश्वा १८ समय वाहनम् अश्वः । स्तंभा ३ अन्नजलतृणानां । सोमवत्यमाः १ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी १ भानु सप्तमी १ रविदशमी १ समय मुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा १७ धान्यम् ९ तृणम् १७ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् ११७ सत्यम् ।। धर्म १।। पापं १८ शनिदृष्टिरुत्तरे ग्रहण १ सूर्यस्य पूर्वप्रदेशे ।

सूर्यग्रहण ।

भाद्रपद कृष्णा ३० शनिवासरे पूर्वभारते स्वल्पग्रासं सूर्यग्रहणम् । तद्वार्षिक पंचांगे दृष्टव्यम् ।

वर्ष लग्नम् १।०

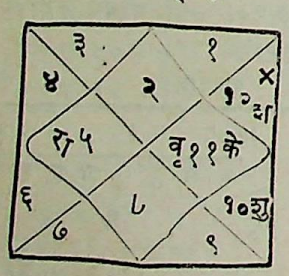

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
संवत पचपन देखकर कहो शुभाऽशुभ हाल ।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला मैं समझाऊं तोय ।
ग्रह चारों को देखतां संवत् अच्छा होय ।।
राजा रवि मंत्री शशी संस्थाधिप गुरु राज ।
मैत्रीयोग के कारणे सारें जग का काज ।।
वर्षनाम है भाद्रपद रोहिणी तट निर्धार ।
समयनिवासो रजकघर वर्षे मूसलधार ।।
अट्ठारह विश्वा समय चंद्र भये मेघेश ।
अनजल तृण के स्तंभ है संवत होय विशेष ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
"बंशीधर" भगवान का भजन जगत में सार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	बृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	१४	५	२	२	११	२
रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् १०।२५

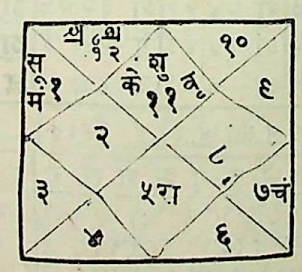

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३६।० केतकी मतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४९।१०

× चं. मं. बु. सू. ।

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा रविः फलम् ।। सूर्ये नृपे स्वल्पफलाश्चमेघाः स्वल्पं पयो गोषुजनेषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्चौराग्निबाधा निधनं नृपाणाम् ।। मंत्री चंद्रस्तत्फलम् ।। शनि मंत्रिगतेबहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुखमंडिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखराशिसुशोभिताः ।। सस्येशोगुरुः फलम् ।। कणपतौ सुर राजपुरोहिते सकलसौख्यकरः श्रुतिपूर्वकः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै।। धान्येशो भौम स्तत्फलम्।। भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्यमहर्घकम् । शालीक्षुघृततैलानि महर्घाणि भवंति च ।। मेघेशश्चंद्रः फलम् ।। शशिनितो-यदपे यदि गोमहिष्यजवरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविधभोगवती ननु भामिनी ।। रसेशः शनिः फलम् ।। रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गजवाजि-खरोष्ट्रहा जनपदेषुनरान्नरसै-र्युता ।। नीरसेशोगुरुः फलम् ।। हरिद्रा पीतवस्तूनि पीतवस्त्रादिकञ्चयत् । नीरसेशो यदाजीवो सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ।। फलेशो रविः फलम् ।। द्रुमवती फलपुष्पवती धरा प्रमुदिता फलभोगविरोधतः । बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः।। धनेशो बुधस्तत्फलम्।। द्रविणपो हिमरश्मिसुतो यदा विविध संग्रहवस्तुफला तदा । द्विजवरा जप यज्ञसुसंयुताः । कृषिविशेषविशेषित मानवाः ।। दुर्गेशोरविः फलम् ।। नयविशेषकरस्तरणिस्तदा गतभया नरराज पुरो-गमा । समधिकेन तदा नृपतोन्यतः पथिषु संव्रजतां न भयं क्वचित् ।। खरनाम संवत्सरफलम् ।। खराब्देनिखिलालोकाः अन्योऽन्यं समरोत्सुकाः । मध्यमा वृष्टिरत्युग्रैः रोगैर्यांतिलयं नृपाः ।। वर्षनाम भाद्रपदः फलम् ।। अर्घं महर्घतां यांति धनधान्यं समं भवेत् । मघवा वर्षति स्वच्छं संपदौ भाद्रवर्षके ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मंद वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणीनिवासस्तटे फलम् ।। तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे । रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्

संमत् २०५५ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाखज्येष्ठयोर्विवाहेषु गोधूल्यां भौम ७ दोषः ।

वैशाख मासः ।

कृ. ५ शुक्र मूले ल. गो. १० रे. ६ ऽ।।।।ऽऽऽ दग्धा. आव-श्यके

,, ७ रवौ उषा. ल. अन्यगो. ६।१२ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

शु.२ भौमे रोहि ल. १०।१२ रे. ८ ऽ।।।।ऽ।।।

,, ३ बुधे मृगे ल.१२ रे. ९ ।।।।।ऽचो ।।।। घ. ५५।३२उ.

,, ६ चंद्रे मघा. ल. गो. रे. ७ ।।।।।ऽअऽऽ। गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः आवश्यके

,,११ गुरौ उफा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।ऽबुऽ।।। पादतो-बेधाऽभावः

,, ,, हस्ते ल. ६।१० रे. ६ऽऽ।ऽऽशु।।।।।पादतो वेधा भावःआवश्यके

,, १२ शुक्रे हस्ते ल. ऽन्यगो. रे ६ ऽऽ।ऽशु।।।।। पादतो बेधाऽभावः आव.

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. १ भौमे अनु. ल. ६ रे. ७ ।।।।ऽऽऽ।

,, ५ शनौ उषा. ल. १२ (घ.५३।३८उ.)रे. ६ ।।।।।ऽ अऽऽऽ। गणितनक्रांति साम्याऽभावः आवश्यक

,, १० गुरौ उभा. ल. अन्यगो. ६।१० रे.७।।।।।ऽचोऽऽ।।

,, ११ शुक्रे रेवत्यां ल. अन्यगो. ६।१०रे. ८।।ऽशु।।।।ऽ। शुक्रयुतिः

शु. ८ भौमे उफा. ल. १२ रे. ८।।।।ऽ।ऽ।।। चं. पूज्यः

,, ६ बुधे उफा. ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽ।ऽ।।।

,, १३ चंद्रे अनु. ल. ६।१० रे. ८ ।।।ऽशु।।ऽ।।। शुक्रस्य-पादवेधाऽभावः

,, १५ बुधे मुलें ल. १०।१२ रे. ७।।।।ऽ।ऽऽ।।

आषाढ मासः ।

कृ. ६ गुरौ रेवत्यां ल. अन्यगो. १०रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

शु. ६ भौमे उफा. ल. १०।१२।२ रे. ७।ऽ।।।।ऽऽ।। मीने चन्द्र ७ पू.

पौषमासः ।

कृ.१ शुक्रे मृगेल. ४रे. ७।ऽ।।ऽ।।ऽ।। गुरु ८दोषः आवश्यके

,, ८ शुक्रे उफा, ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

माघ मासः ।

शु. ५शुक्रेउभा.ल.अन्यगो.सोग्रांगः८।९ रे.८।।।।।ऽरोऽ।।।

.. ६ शनौ रेव . ल.अन्यगो सोग्रांगः८।६ रे. ६।।।।।।।ऽ।।

,, ६ भौमे रोहि. ल. ८(घ.५०।७ उ.) रे. ७।।।ऽबु।।।ऽऽ।

फाल्गुन मासः ।

कृ. ३ बुधे उफा ल. ८।६ रे. ८ ।।।।ऽअ।ऽ।।

,, ४ गुरौ उफा. ल. गो. रे. ६ ।।।।।।।ऽ।। हस्ते ल.८।६ रे.६।।।ऽगु. ऽ।ऽऽ।। पादवेधाद्गुरोर्वेधाऽभावः

,. ८ भौमे अनु. ल. अन्यगो. ९ रे.७ ऽ।।।ऽरो।ऽ।।

शु. २ गुरौ उभा. ल. ८।६ रे. ७ ।।ऽगु ।।।ऽऽ।।

चैत्र मासः

कृ. १ बुधे उफा ल. गो. ८ (घ. ४५।१८ या.) रे. ६ ।।।ऽशु ।।।।।। शुक्रस्यपांदवेधाद्वेधाऽभावः

,, ६ चंद्रे अनु. ल. अन्यगो. रे. ८ ऽऽ।।।।।।।

,, ७ भौमे अनु. ल. अन्यगो रे. ७ ऽऽ।।ऽचो ।।।।

,, ११ शनौउषा.ल.६घ.४८।६उ.रे. ८।।।।।ऽअ.।ऽ।।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०				दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेहर्गणः २१८४ स.१९९८
१	श ५० ४	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	संवत्सरारंभः शनिवासरे
२	र ४६ २९	रे ९ २५	ऐं १६ ५८	बा २१ १७	३० ५३ ६	८ २९ २९	मे.९।२५	बुधास्तः पश्चिमायां २२।३४ चंद्रदर्शनम्×
३	चं ३७ ४३	भ ५५ ०४	वे ३३ ३०	तै १२ ११	४१ ५२ ८	९ १ ३०	मेषे	मत्स्यज.गणगौरी.जिल्हेज १२ [× सिधारा
४	मं ३० २९	कृ ५१ २३	प्री ४९ १५	व ४ ११	४५ ५१ ९	१० २ ३१	बृ.९।५५	भ. ४।११ उ. ३०।२९ या. रेवत्यां रवि÷
५	बु २४ ४६	रो ४८ ३७	आ ४२ ५५	बा २४ ४६	४९ ५० १०	११ ३ १	वृषे	अप्रेल ४ ता. ३०
६	गु २० ५९	मृ ४७ ३४	सा ३७ ५१	तै २० ५९	५३ ४९ ११	१२ ४ २	मि.१८।५	[÷२१।४८(सौरः २६।६) कुंभेशुक्र १०।५७
७	शु १८ ५५	आ ४८ ३७	शो ३४ २०	व १८ ५५	५७ ४९ ११	१३ ५ ३	मिथुने	भ. १८।५५ उ. ५८ या. पूभा. १गुरुः७।२३
८	श १८ ५९	पु ५१ १९	अ ३२ २६	ब १८ ५९	३१ ४८ १२	१४ ६ ४	क. ३२	अश्वि. मेषे भौमः ४५।५६
९	र २० ४२	पु ५५ ३५	सु ३१ ४३	कौ २० ४२	५ ४७ १३	१५ ७ ५	कर्के	रामनवमी
१०	चं २३ ५५	श्ले ६० ०	धृ ३२ ३३	ग २३ ५५	८ ४६ १४	१६ ८ ६	कर्के	भ. ५६।१२ उ. शते शुक्रः ३९।२६
११	मं २८ २९	श्ले १ ७	शू ३३ २९	वि २८ २९	१२ ४६ १४	१७ ९ ७	सिं.१।७	भ. २८।२९ या. कामदा ११ व्र.
१२	बु ३३ ४०	म ७ २९	गं ३५ २२	बा १ ४	१६ ४५ १५	१८ १० ८	सिंहे	
१३	गु ३९ ४८	पू १४ ३३	वृ ३७ ३१	कौ ६ ४४	१९ ४४ १६	१९ ११ ९	कं.३५	प्रदोषः
१४	शु ४५ ५४	उ २२ २	ध्रु ३९ ४१	ग १२ ५१	२३ ४३ १७	२० १२ १०	कन्यायां	भ. ४५।५४ उ.
१५	श ५२ ६	ह २९ २८	व्या ४१ ५८	वि १९ ०	२६ ४३ १७	२१ १३ ११	कन्यायां	भ.१९।०या.हनुमज्जयंतीवैशाखस्नानारंभ

५१ पं.चै.शु २२.इ.३९।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१०	९	११	४	११
१४	२५	२७	१८	२८	२७	१५	१४
५९	२३	३३	५७	२९	३२	१४	५६
१०	२४	१८	२२	३८	२८	६	५०
५९	४४	३५	१३	५९	७	३	५९
१६	५२	व.	२	२५	१४	११	१८

गोचर ग्रहाः

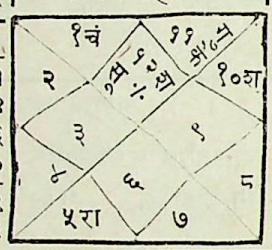

इस मास में गेहूं जो चना मूग मोठ आदि मोटे अनाजो में मंदी होवे। सोना चांदी धातु पाट वारदाना रुई में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

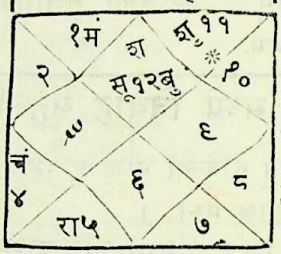

५२ पं.चै.शु ९ र.इ.४०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	१०	१०	११	४	११
२१	०	२३	२०	५	२८	१४	२१
५३	४०	३९	३२	३८	२५	५१	५१
३१	८	१४	६	४२	३०	५०	०१
५९	४४	३३	१२	६१	७	३	५९
४	३१	व.	३७	५५	२०	११	४

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०				दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र ५८ १५	चि ३६ ५३	ह ४४ १४	बा २६ १०	३० ४२ १८	२२ १४ १२	तु. ३।११	
२	चं ६० ०	स्वा ४३ ५८	व ४६ ११	तै ३१ ५	३४ ४१ १९	२३ १५ १३	तुलायां	अश्वि. मेषेऽर्कः ५५।४८(सौरः ५८।४०)
३	मं ३ ५५	वि ५० २८	सि ४७ २८	ग ३ ५५	३८ ४० २०	२४ १६ १४	वृ. ३३	भ. ३६।१९ उ.
३	बु ८ ४३	अ ५६ ६	व्य ४८ १३	वि ८ ४३	४२ ४० २०	२५ १७ १५	वृश्चिके	भ. ८।४३ या. चतुर्थी व्र.
४	गु १२ ४९	ज्ये ६० ०	व ४८ ३	बा १२ ४९	४६ ३९ २१	२६ १८ १६	वृश्चिके	वक्री उभा. बुधः १४।४४
५	शु १५ ४३	ज्ये ० ४४	प ४७ ५	तै १५ ४३	५० ३८ २२	२७ १९ १७	ध. ०।४४	
६	श १७ ३४	मू ४ ९	शि ४४ ५७	व १७ ३४	५३ ३७ २३	२८ २० १८	धनुषि	भ. १७।३४ उ. ४७।४०या. पूभा. २गुरुः×
७	र १७ ४६	पू ६ ७	सि ४१ ३२	व १७ ४६	५७ ३७ २३	२९ २१ १९	म. २५	पूभा. शुक्रः ११।१२
८	चं १६ ४०	उ ६ ३८	सा ३६ ५६	कौ १६ ४०	३३ ३६ २४	३० २२ २०	मकरे	[× ३३।३९ अश्वि. १ मेषे शनिः ६।७
९	मं १३ ४०	श्र ५ २०	शु ३० ३५	ग १३ ४०	५ ३५ २५	१ २३ २१	कुं. ३३	भ. ४१।१३ उ. भा. वैशाखारंभः पातस्पर्शः ÷
१०	बु ८ ४७	ध २३ ५५	शु २३ १३	वि ८ ४७	९ ३४ २६	२ २४ २२	कुम्भे	भ. ८।४७ या. मार्गी बुधः १२।६ भरण्यां+
११	गु २ ३५	पू ५१ ५९	ब्र १४ ३०	बा २ ३५	१२ ३४ २६	३ २५ २३	मी. ३८	वरूधिनी ११ व्र. [+ भौमः ३८।५१
१२	गु ५२ १४	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	[÷ २९।४३ पातमोक्षः ४६।३५
१३	शु ४६ २	उ ४५ ११	ऐं ५९ ४९	ग २० २६	१६ ३३ २७	४ २६ २४	मीने	भ. ४६।२ उ. रेवत्यां बुधः ५७।३९ प्रदोषः
१४	श ३६ २२	रे ३७ ३४	वे ४३ ५३	वि ११ १२	२० ३२ २८	५ २७ २५	मे.३७।३४	भ. ११।१२ या.
१५	र २६ ३७	अ २९ ५९	प्री ३२ ५८	च १२ ९	२३ ३१ २९	६ २८ २६	मेषे	

१पं.वै.कृ. २चं.इ ५५।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१०	१०	११	४	११
०	६	१७	२२	१४	२९	१४	२९
०	५२	५८	१९	२०	२७	२५	५७
०	१९	३०	१२	४६	५०	४२	१२
५८	४४	३३	१२	६३	७	३	५८
४४	२२	व.	१४	५९	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

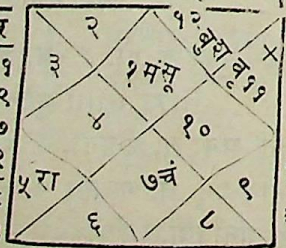

वैशाख कृष्णे २ चन्द्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न.४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

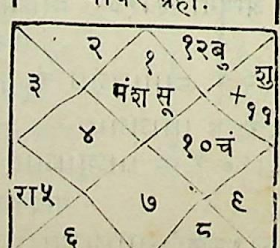

२ पं.वै.कृ ८चं.इ. ५६।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१०	१०	०	४	०
६	१२	१६	२३	२१	०	१४	६
५०	४	१८	४७	५४	२०	३	४७
४२	५	०	५३	५०	४६	२७	२३
५८	४४	२५	११	६५	७	३	५८
३१	१७	व.	४५	४४	२०	११	२९

÷ म बु × के शु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) * के गु + के गु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | वैशाख शुक्ल पक्षः सं० २०५५ शाकः १९२० | दि. उ. अ. | भा. मु. इं | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽर्गणः २२१३ सन् १९९८

१	चं	१७	५	भ	२२	३३	आ	२२	५२	ब	१७	५	३७	३१	२९	७	२९	२७	बृ. ३५	भरण्यां रविः ३६।२ (सौरः ४०।५) चं. द.
२	मं	८	२५	कृ	१६	१७	सौ	१३	३१	कौ	८	२५	३१	३०	३०	८	१	२८	बृषे	मीने शुक्रः १५।५७ बुधोदयः पूर्वस्यां ×
३	बु	१	४	रो	११	३२	शो	१०	५३	ग	१	४	३४	२९	३१	९	२	२९	मि. ४०।४	भ. २८।१८ उ. ५५।३३ या. अक्षया ३
४	बु	५४	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[× ३३।४२ परशुराम ज. मोहरम १ ÷
५	गु	५१	५८	मृ	८	३७	सु	५३	२८	ब	२३	४५	३८	२८	३२	१०	३	३०	मिथुने	उदयं शने : ४५।२७ [÷ सन् १४१९ हि.
६	शु	५०	३५	आ	७	३५	धृ	४९	१३	कौ	२१	१७	४१	२८	३२	११	४	१	क. ५३।३४	उभा. शुक्रः १४।४४ मई ५ ता० ३१
७	श	५१	१७	पु	८	५३	शू	४८	२३	ग	२०	५६	४५	२७	३३	१२	५	२	कर्के	भ. ५१।१७ उ. पातस्पर्शः ५२।३२
८	र	५३	५०	पु	१२	१०	गं	४८	२९	वि	२२	३४	४८	२६	३४	१३	६	३	कर्के	भ. २२।३४ या. पातमोक्षः १८।४०
९	चं	५८	४	श्ले	१६	५३	बृ	४९	११	बा	२५	५७	५२	२६	३४	१४	७	४	सिं. ५३	मघा ४ राहुः शते. २ केतुः ३६।१०
१०	मं	६०	०	म	२२	५९	धु	५०	५८	तै	३०	४४	५५	२५	३५	१५	८	५	सिंहे	पूभा. ३ गुरुः ३२।४३
१०	बु	३	२५	पू	३०	१८	ब्या	५३	१८	ग	३	२५	५८	२४	३६	१६	९	६	कं. ४७।९	भ. ३६।३२ उ. [B भौमः ५३।५६
११	गु	९	४०	उ	३७	३७	ह	५५	४७	वि	९	४०	३३	२४	३६	१७	१०	७	कन्यायां	भ. ९।४० या. मोहिनी ११ ब्र.
१२	शु	१५	५३	ह	४५	२८	व	५८	१३	बा	१५	५३	५	२३	३७	१८	११	८	कन्यायां	ब्रदोषः [A मेषे बुधः ३०।३७ कृति. B
१३	श	२२	४	चि	५२	४१	सि	६०	०	तै	२२	४	८	२२	३८	१९	१२	९	तु. १९।४	नृसिंहजयंती [+ वै. स्ना. पूर्तिः
१४	र	२७	५३	स्वा	५९	३५	सि	०	१७	व	२७	५३	११	२२	३८	२०	१३	१०	तुलायां	भ. २७।५३ उ. ५९।५७ या. अश्वि. A
१५	चं	३२	१	वि	६०	०	व्य	२	२	ब	३२	१	१४	२१	३९	२१	१४	११	वृ. ४९।१	कृत्ति. रविः २१।५८ (सौरः २७।५७) +

३पं.वै.शु.१चं.इ.५६।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१०	१०	०	४	०
१३	१७	१८	२५	२९	१	१३	१३
३९	१३	२६	१२	३८	१३	४१	३५
४७	३०	२४	५०	६	४४	११	४८
५८	४४	३४	११	६७	७	३	५८
१९	७	मा	८	६	१४	११	१२

४ पं.वै.शु.९ चं.इ.५६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१०	११	०	४	०
२०	२२	२३	२६	७	२	१३	२०
२७	२१	४६	३३	२७	५	१८	२२
२५	४	३०	४०	११	३१	५५	३१
५८	४३	५४	१०	६८	७	३	५७
६	३७	१९	३१	११	७	११	५७

५पं.वै.शु.१५चं.इ. ५६।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	१०	११	०	४	०
२७	२७	१	२७	१५	२	१२	२७
१३	२१	४३	४९	२३	५६	५६	७
३७	३०	१६	५५	१७	३१	४०	४५
५७	४३	७५	९	६९	६	३	५७
५४	२६	२३	४८	२	५६	११	४५

ति. | ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०५५ शाकः १९२० | दि. उ. अ. | भा. मु. इं | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	मं	३७	७	वि	५	३०	व	३	८	बा	४	३४	१७	२१	३९	२२	१५	१२	वृश्चिके	[× ४९।१३ (यौरः ५५।४४)
२	बु	४०	२८	अ	१०	३२	प	३	२८	तै	८	४८	२०	२०	४०	२३	१६	१३	वृश्चिके	रेवत्यां शुक्रः ३।२८
३	गु	४२	४१	ज्ये	१४	४३	शि	३	१	व	११	३५	२३	१९	४१	२४	१७	१४	ध. ५४	भ. ११।३५ उ. ४२।४१ या. बृषेऽर्क ×
४	शु	४३	५०	मू	१७	५६	सि	५९	५६	ब	१३	१६	२६	१९	४१	२५	१८	१५	धनुषि	बृषे भौमः ३२।१३ अश्वि. २ शनिः ३७ ५४ च. त्र.
५	श	४३	५४	पू	२०	९	शु	५६	५४	कौ	१३	५२	२८	१८	४२	२६	१९	१६	म. ३५	[+ पूभा. ४ मीने गुरुः १२।२ सोमवर्ती ३० *
६	र	४२	५४	उ	२१	८	शु	५३	९	ग	१३	२४	३१	१८	४२	२७	२०	१७	मकरे	भ. ४२।५४ उ.
७	चं	४०	४६	श्र	२१	५	ब्र	४८	१८	वि	११	५०	३४	१७	४३	२८	२१	१८	कुं. ५०	भ. ११।५० या [* वट्पूजनम्
८	मं	३७	१२	ध	१९	४४	ऐं	४२	३४	बा	८	५९	२७	१७	४३	२९	२२	१९	कुंभे	भरण्यां बुधः ५४।१६
९	बु	३२	४१	श	१७	४	वै	३५	३८	तै	४	५६	२९	१६	४४	३०	२३	२०	मी. ५९	भ. ५९।३७ उ.
१०	गु	२६	३४	पू	१३	१९	वि	२७	५३	वि	२६	३४	४२	१६	४४	३१	२४	२१	मीने	भ. २६।३४ या.
११	शु	१९	४१	उ	८	२३	प्री	१९	१९	बा	१९	४१	४४	१५	४५	१	२५	२२	मीने	भा. ज्येष्ठारंभः अपरा ११ ब्र.
१२	श	११	८	रे	२	५३	आ	१०	८	तै	११	८	४७	१५	४५	२	२६	२३	मे. २।३१	प्रदोषः
१३	र	३	१४	भ	४९	३४	सौ	२२	५१	व	३	१४	४९	१४	४६	३	२७	२४	मेषे	भ. ३।१४ उ. २८।४१ या. अश्वि. ÷
१४	र	५	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ मेषे शुक्रः ४२।२१
२०	चं	४५	५९	कृ	४३	१४	अ	४१	५	च	२०	१३	५२	१४	४६	४	२८	२५	वृ. २।५९	रोहि. रविः १२।४७ (सौरः २१।५२) +

६ पं. ज्ये.कृ.७चं.इ.५६।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	१०	११	०	४	१
३	२	११	२९	२३	३	१२	३
५८	२७	४८	०	२३	४६	३४	५१
३७	२९	५४	५८	३८	१९	२४	२६
५७	४३	३५	९	६९	६	३	५७
४४	१६	२२	५	५३	३८	११	३४

गोचर ग्रहाः

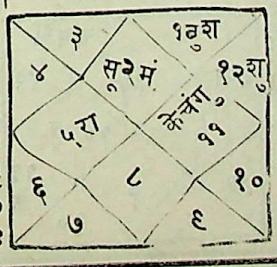

ज्यष्ठकृष्णे ३ गुरौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्य दिभावे समता शुक्रुययः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

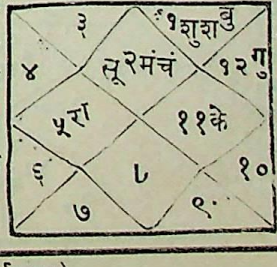

७पं.ज्ये.कृ.३०चं.इ.५७।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	११	०	०	४	१
१०	७	२३	०	१	४	१२	१०
४२	२७	४५	६	२७	३३	१२	३३
२९	१४	३२	७	०	२९	९	३९
५७	४३	३५	९	७०	६	३	५७
३५	६	१९	३४	२६	११	२३	

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* शु गु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०						दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २२४२स. १९९८
१	मं ३८	१६	रो ३७	४४	सु ३२	२२	कि १२ ८	३३ १५ ४७	५ २९ २६	वृषे
२	बु ३१	५३	मृ ३३	४०	धृ २४	४५	बा ५ ५	५६ १३ ४७	६ ३० २७	मि.५।४२ कृत्ति. बुधः ३०।८ चन्द्र दर्शनन्
३	गु २७	७	आ ३१	५	शू १८	२१	ग २७ ७	५८ १२ ४८	७ १ २८	मिथुने भ. ५५।४९ उ. सफर २
४	शु २४	३२	पु ३०	२७	गं १३	१८	वि २४ ३२	३४ १२ ४८	८ २ २९	क.१५।३७ भ. २४।३२या. बृषे बुधः१६।४७रोहि.×
५	श २३	५८	पु ३१	५६	वृ १०	१४	बा २३ ५८	२ १२ ४८	९ ३ ३०	कर्के बुधस्तःपूर्वस्यां१७।३४ [× भौमः२०।१५
६	र २५	२७	श्ले ३५	३५	धु ८	१०	त २५ २७	३ ११ ४९	१० ४ ३१	सिं. ३५
७	चं २८	५३	म ४०	५५	ब्या ७	५६	व २८ ५३	५ ११ ४९	११ ५ १	सिंहे भ. २८।५३ उ. जून ६ ता. ३०
८	मं ३३	४१	पू ४७	४०	ह ९	२	वि ११	७ ११ ४९	१२ ६ २	सिंहे भ. १।१७ या.
९	बु ३९	४१	उ ५४	५३	व ११	७	बा ६	४१ ९ १० ५०	१३ ७ ३	कं ४।२८ रोहि. बुधः ११।५२
१०	गु ४५	४४	ह ६०	०	सि १३	२५	तै १२	४३ १० १० ५०	१४ ८ ४	कन्यायां गंगादशमी
११	शु ५२	५५	ह २	२९	व्य १६	२	व १८	५० १२ १० ५०	१५ ९ ५	तु. ३६।८ भ. १८।५० उ. ५१।५५ या. भरण्यां ÷
१२	श ५७	३८	चि ९	४७	व १८	२५	ब २४	४७ १३ ९ ५१	१६ १० ६	तुलायां [÷ शुक्रः ६।१४ निर्जला ११ व्र.
१३	र ६०	०	स्वा १६	४६	प २०	९	कौ ३०	५ १५ ९ ५१	१७ ११ ७	तुलायां प्रदोषः
१३	चं २	३२	वि २२	३७	शि २१	०	तै २	३२ १६ ९ ५१	१८ १२ ८	वृ. ६।८ मृगे रविः ७।४०(सौरः २०।४२)
१४	मं ६	०	अ २७	१६	सि २१	०	व ६	० १७ ९ ५१	१९ १३ ९	वृश्चिके भ. ६।० उ. ३७।१६ या. मृगे बुधः २१ ४९
१५	बु ८	३१	ज्ये ३०	५८	सा २०	१६	ब ८	३१ १८ ८ ५२	२० १४ १०	ध.३०।५८ गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

८पं.ज्ये. शु.७चं.इ. ५७।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	११	०	०	४	१
१७	१२	७	१	९	५	११	१७
२५	२४	२४	५	३५	१८	४९	१४
१९	३२	३२	२	३८	४०	५३	४३
५७	४२	९९	७	७१	६	३	५७
२७	४६	९९	१२	११	७	११	१३

गोचर ग्रहाः

बृष राशौ यदा भौमः सर्व धान्य महर्घता। चन्दनं कुकुमं वस्त्रं कार्पासादि महर्घता॥ इस सास में चांदी सोना तिल पाट मन्दे व घृत तेज हो।

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्ये.शु१३ चं.इ. ५७।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	११	०	०	४	१
२४	१७	२२	१	१७	६	११	२३
७	१८	२७	५७	४७	१	२७	५४
१९	५८	१४	२२	२	२३	३७	३९
५७	४२	९९	६	७१	५	३	५७
२२	२०	९	१७	३८	४६	११	०५

ति.	आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०						दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेत्ति महा.
१	गु ९	३६	मू ३३	१०	शु १८	२५	कौ ९	३६ १९ ८ ५२	२१ १५ ११	धनुषि
२	शु ९	४०	पू ३४	२०	शु १५	३९	ग ९	४० १९ ८ ५२	२२ १६ १२	म. ४९ भ. ३९।२ उ. मिथुने बुधः २८।२९
३	श ८	२४	उ ३४	४४	व्र १२	१५	वि ८	२४ २० ८ ५२	२३ १७ १३	मकरे भ. ८।२४ या. चतुर्थी व्र.
४	र ६	२७	श्र २४	१९	ऐं ८	१	बा ६	२७ २१ ८ ५२	२४ १८ १४	मकरे (× बुधः ३।३५ अश्वि. ३शनिः४२।३८
५	चं ३	४७	ध ३३	१	चै १२	४५ २६	तै ३	४७ २१ ८ ५२	२५ १९ १५	कुं.३।१७ मिथुनेऽर्कः६।१४ सौरः२१।३०) आर्द्रा.×
६	मं ०	१६	श ३१	३	मी ५२	४७	व ०	१६ २२ ८ ५२	२६ २० १६	कुंभे भ.०।१६उ.२८।१०या.कृत्ति.शुक्र२९।२३
७	मं ५५	४७	० ०	०	० ०	०	० ०	० ० ० ०	०	०
८	बु ५१	२०	पू २८	३१	आ ४६	९	बा २३	४२ २२ ८ ५२	२७ २१ १७	मी. १४।९ मृगे भौमः ३४।५९
९	गु ४५	५०	उ २४	९	सौ ३९	७	तै १८	३५ २३ ७ ५३	२८ २२ १८	मीने
१०	शु ३९	४९	रे २१	८	शो ३१	३१	व १२	५० २३ ७ ५३	२९ २३ १९	मे.२।८ भ. १२।५०उ. ३९।४९या.बृषे शुक्रः ५५ ५८
११	श ३३	१०	अ १६	४८	अ २३	३३	व ६	२९ २३ ७ ५३	३० २४ २०	मेषे योगिनी ११ व्र.
१२	र २६	१७	भ ११	५६	सु १५	१४	तै २६	१७ २४ ७ ५३	३१ २५ २१	वृ. ५५ पुनः बुधः५३।५४बुधोदयःपश्चिमायां २२ ५४
१३	चं १९	१६	कृ ७	५६	धृ ७	५२	व १९	१६ २४ ७ ५३	१ २६ २२	वृषे भ. १९।१६ उ.४५।५४या.आर्द्रा रविः ÷
१४	मं १२	३२	रो २	५६	गं ५१	४७	श १२	३२ २४ ७ ५३	२ २७ २३	मि. ३० [÷ ५।९ (सौरः२३।५) उभा. १ गुरुः +
१५	बु ६	५०	आ ५४	६	वृ ४५	७	ना ६	५० २४ ७ ५३	३ २८ २४	मिथुने [+ ७।५३ भा. आषाढारंभः प्रदोषः

१०पं.आ.कृ.५ चं.इ. ५७।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	११	०	०	४	२
०	२२	७	२	२६	६	११	०
४८	११	५३	४२	१	४१	५	३३
३६	१३	६	१४	१६	१७	२२	४८
५७	४२	९९	५	७२	५	३	५६
१७	१०	९	१०	२१	९	११	५७

गोचर ग्रहाः

आषाढ कृष्णे ५ चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५म.५प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

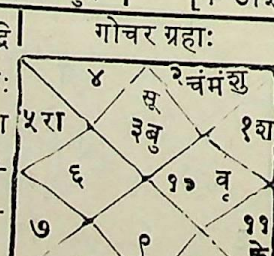

११पं.आ.कृ.१२चं.इ.५७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	११	१	०	४	२
७	२७	२२	३	४	७	१०	७
२९	१	२	१९	१७	१७	४३	१२
३१	१२	४९	१६	४२	५६	६	१५
५७	४२	९९	४	७२	४	३	५६
१३	००	९	४	२५	५३	११	५४

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्ल पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०										दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेहर्गणः २२७२ सन् १९९८
१	गु	७	पु	५४	२५	धु	३९	४३	ब	२	७	३४ ५ ६	४ २९ २५	कं. ३९
२	शु	५७	पु	५४	५५	ब्या	३५	४४	तै	२८	२८	२३ ७ ५३	५ १ २६	कर्क
३	श	५८	५७	श्ले	५७	१६	ह	३३	७	व	२८	२०	२३ ७ ५३	६ २ २७
४	र	६०	०	म	६०	०	व	३२	१८	ब	२९	५८	२२ ८ ५२	७ ३ २८
५	चं	११	०	म	१	३२	सि	३२	३५	बा	११	०	२२ ८ ५२	८ ४ २९
६	मं	५	२०	पू	७	१७	व्य	३४	४४	तै	५	२०	२१ ८ ५२	९ ५ ३०
७	बु	१०	४३	उ	१४	८	व	३६	४६	व	१०	४३	२० ८ ५२	१० ६ १
८	गु	१७	४९	ह	२१	१५	प	३८	३२	व	१७	४९	१९ ८ ५२	११ ७ २
९	शु	२२	५५	चि	२९	१	शि	४०	५५	कौ	२२	५५	१८ ८ ५२	१२ ८ ३
१०	श	२८	५२	स्वा	३६	८	सि	४३	०	ग	२८	५२	१७ ९ ५१	१३ ९ ४
११	र	३३	३८	वि	४२	२०	सा	४४	११	व	११	५	१६ ९ ५१	१४ १० ५
१२	चं	३७	१	अ	४७	७	शु	४४	२३	ब्र	५	१९	१५ ९ ५१	१५ ११ ६
१३	मं	३९	११	ज्ये	५०	२६	शु	४३	२३	कौ	८	६	१४ ९ ५१	१६ १२ ७
१४	बु	३९	२६	मू	५२	१३	ब्र	४०	३	ग	९	१९	१३ ९ ५१	१७ १३ ८
२०	गु	३८	२३	पू	५२	३१	ऐं	३७	५०	वि	८	५५	११ १० ५०	१८ १४ ९

धनुषि
भ. ३९।२६ उ.
भ. ८।५५ या. मृगे शुक्रः ४४।१३ B

१२ पं.आ.शु.५ चं.इ. ५७।० | गोचर ग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	११	१	०	४	२
१४	१	४	३	१२	७	१०	१३
९	४८	३३	४७	३६	५१	२०	५०
५८	५०	६	३८	४७	२२	५१	२०
५७	४१	८ ०	२	७२	४	३	५६
७	४६	३५	५८	४६	२६	११	५०

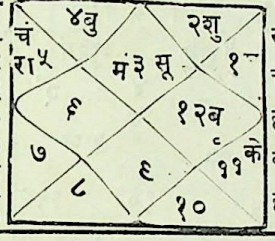

इस मास में गुड सक्कर जो चना गेहूं चावल घृत में मन्दी होकर तेजी होगी कही २ अच्छी वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

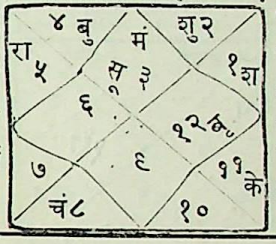

१३ पं.आ.शु.१२ चं.इ. ५९।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	११	१	०	४	२
२०	६	१५	४	२०	८	९	२०
५०	३४	१५	७	५७	२०	५८	२८
२४	१६	४०	४१	१४	२	३५	१४
५७	४१	८	३	१७	३	३	५६
७	३४	१४	३	३	१	४६	११	५०

ति.	श्रावण कृष्ण पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०										दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३५	४९	उ	५१	५७	वै	३३	२०	बा	७	७	३४ १० ५३	१९ १५ १०	म. ७।२१
२	श	३२	२३	श्र	५०	३	वि	२८	४	तै	४	६	८ १० ५०	२० १६ ११	मकरे
३	र	२८	४	ध	५७	२८	प्री	२२	१३	व	०	१३	७ ११ ४९	२१ १७ १२	कुं. ४९
४	चं	२३	१०	श	४४	२६	आ	१५	४८	बा	२३	१०	५ ११ ४९	२२ १८ १३	कुम्भे
५	मं	१८	८	पू	४१	२०	सौ	९	४	तै	१८	८	३ ११ ४९	२३ १९ १४	मी. २७।७
६	बु	१२	५४	उ	३८	८	शो	१९	५३	व	१२	५४	१ १२ ४८	२४ २० १५	मीने
७	गु	७	४०	रे	३४	४९	सु	४८	३१	व	७	४०	३५९ १२ ४८	२५ २१ १६	मे. ३४।४९
८	शु	२	२०	अ	३१	३५	धृ	४१	३७	कौ	२	२०	५७ १३ ४७	२६ २२ १७	मेषे
९	शु	५४	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०
१०	श	५१	४०	भ	२८	१०	शू	३४	३२	व	२४	२१	५५ १३ ४७	२७ २३ १८	बृ. ४२
११	र	४६	२७	कृ	२४	५८	गं	२७	४४	ब	१९	३	५२ १४ ४६	२८ २४ १९	वृषे
१२	चं	४१	३६	रो	२१	५६	वृ	२१	५	कौ	१४	१	५० १४ ४६	२९ २५ २०	मि. ५७
१३	मं	३७	२६	मृ	१९	१७	धु	१५	०	ग	९	३१	४८ १४ ४६	३० २६ २१	मिथुने
१४	बु	३३	५१	आ	१७	२९	व्या	९	१६	वि	५	३८	४५ १५ ४५	३१ २७ २२	मिथुने
२०	गु	३१	३५	पु	१६	४४	ह	४	२५	च	२	४३	४३ १५ ४५	१ २८ २३	क. १।५५

भा. श्रावणारंभः हरियाली ३०
भ. २३।२१ उ. ५१।४० या.
कामिका ११ व्र.
भ. ३७।२६ उ. प्रदोषः
भ. ५।३८ या.

१४ पं. श्रा.कृ.४ चं.इ. ५६।४६ | गोचर ग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	११	१	०	४	२
२७	११	२४	४	२९	८	९	२७
३०	१७	०	१७	२१	४५	३६	०६
४३	२०	७	५३	११	७	१९	२१
५७	४१	६१	०	७३	३	३	५६
११	२३	१३	२६	१९	१५	११	५४

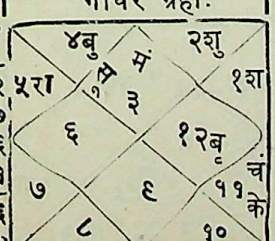

श्रवण कृष्णे ७ गुरौ कर्केऽर्के: प्रविष्ट :वा. ४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

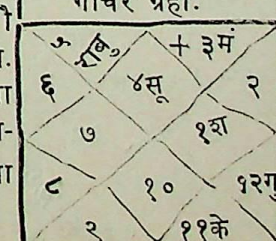

१५ पं.श्रा.कृ. १२ चं.इ. ५६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	११	२	०	४	३
४	१५	०	४	७	९	९	३
११	५८	२५	१९	४६	५	१४	४४
२८	११	१६	१	१	४९	४	४८
५७	४०	३५	५ ०	७३	२	३	५६
१५	५७	३४	व.	२६	३१	११	५८

(सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) + शु चं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्ल पक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३०१ सन् १९९८
१	शु	३०	४९	पु	१७	२५	व	२८	५९	किं	१	१२	३३ ४०	५ १६	४४	२ २९ २४	कर्के
२	श	३१	२८	श्ले	१९	२०	व्य	५६	३०	बा	१	८	३८	१६	४४	३ ३० २५	सिं. १९/३० चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	र	३३	५५	म	२२	५७	व	५५	५८	तै	२	४१	३५	१७	४३	४ १ २६	सिंहे तीज रविलाख र ४
४	चं	३८	३८	पू	२७	४९	प	५६	३८	व	६	१६	३३	१७	४३	५ २ २७	कं. ४४।२७ भ. ६।१६ उ. ३८।३८ या. पुनः भौमः ×
५	मं	४२	४८	उ	३४	२०	शि	५८	२२	व	१०	४३	३०	१८	४२	६ ३ २८	कन्यायां नागपंचमी [× ३।१४ वरद ४
६	बु	४८	३५	ह	४१	१४	सि	६०	०	कौ	१५	४२	२७	१९	४१	७ ४ २९	कन्यायां वक्री. बुधः १२।४४
७	गु	५४	४३	चि	४८	५४	सि	०	५०	ग	२१	३९	२४	१९	४१	८ ५ ३०	तु १५।४ भ. ५४।४३ उ.
८	शु	६०	०	स्वा	५६	२०	सा	३	२३	वि	२७	४७	२२	२०	४०	९ ६ ३१	तुलायां भ. २७।३७ या. पुन. शुक्रः १।३७
८	श	०	५१	वि	६०	०	शु	५	३९	ब	०	५१	१९	२०	४०	१० ७ १	वृ. ४६।२९ अगस्त ८ ता. ३१
९	र	६	४	वि	३	१२	शु	७	२९	कौ	६	४	१६	२१	३९	११ ८ २	वृश्चिके आश्ले. रविः ५९।४४
१०	चं	९	४९	अ	८	२९	ब्र	८	१४	ग	९	४९	१३	२१	३९	१२ ९ ३	वृश्चिके भ. ४१।४ उ. आश्ले. रविः सौरः ३१।१७
११	मं	१२	१९	ज्ये	१२	३८	ऐं	७	५०	वि	१२	१९	१०	२२	३८	१३ १० ४	ध. १२।३८ भ. १२।१९ या. पवित्रा ११ व्र.
१२	बु	१२	३७	मू	१४	५१	वै	६	१	बा	१२	३७	७	२३	३७	१४ ११ ५	धनुषि प्रदोषः [÷ रक्षाबंधनम्
१३	गु	११	१३	पू	१५	१६	वि	३९	२५ ५४	तै	११	१३	४	२३	३७	१५ १२ ६	म २९।५५ बुधास्तः पश्चिमायां १३।३२
१४	शु	७	५८	उ	१३	५३	आ	५१	५८	व	७	५८	०	२४	३६	१६ १३ ७	मकरे भ. ७।५८ उ. ३५।३७ या.
१५	श	३	१६	श्र	११	६	सौ	४५	०	व	३	१६	३२ ३७	२५	३५	१७ १४ ८	कुं. ३९/११ कर्के शुक्रः १९।३४ श्रावणी कर्म. ÷

१६ पं. श्रा. शु. ४ चं. इ. ५९/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	११	२	०	४	३
१०	२०	३	४	१६	९	८	१०
५२	३६	५५	१०	१२	२१	५१	२४
३०	११	४८	२३	२९	५८	४८	०५
५७	४०	५	१७	७३	१	३	५७
२०	४६	५०	व.	४४	५२	११	०५

गोचर ग्रहाः

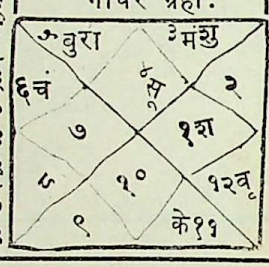

इस मास में मिथुन का शुक्र सोना चांदी आदि धातु रुई पाट बारदाने में तेजी करेगा चावल गेहूं मूंग मोठमें मंदी होकर तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

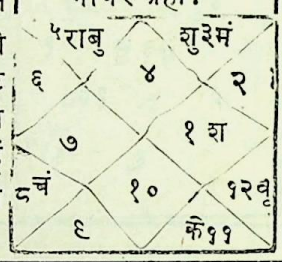

१७ पं. श्रा. शु. १० चं. इ. ५९/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	११	२	०	४	३
१७	२५	३	३	२४	९	८	१७
३४	१३	४५	५२	४२	३३	२९	०३
१२	३४	३६	५५	११	२०	३३	५३
५७	४०	१८	३४	७३	१	३	५७
२५	३०	व.	व.	५०	१३	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	५४	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ पुण्ये भौमः २५।२९ गोगा ९
२	र	५०	५४	ध	७	१७	शो	३७	१२	तै	२४	१६	३२ ५४	२५ ३५	३९	१८ १५ ९	कुम्भे वक्री पूभा. ४ गुरुः ३०।२०
३	चं	४४	६	श	३८	५५	अ	२९	४	व	१७	३०	५०	२६	३४	१९ १६ १०	मी. ४४।५ भ. १७।३० उ. ४४।६ या. वक्री ×
४	मं	३७	१२	उ	५३	४	सु	२०	५०	ब	१०	३९	४७	२७	३३	२० १७ ११	मीने पुण्ये शुक्रः १।४७ कर्के भौमः ५९/१९ चन्द्र व्र.
५	बु	३०	३८	रे	४८	३५	धृ	१२	४५	कौ	३	४३	४४	२७	३३	२१ १८ १२	मे. ४८।३५ चन्द्रषष्टी [× अश्लि. कर्के बुधः ३४।४१
६	गु	२४	३२	अ	४४	३८	शू	५२	५५ ५३	व	२४	३२	४०	२८	३२	२२ १९ १३	मेषे भ. २४।३२ उ. ५१।४९ या.
७	शु	१९	६	भ	४१	१८	वृ	५०	२३	व	१९	६	३७	२९	३१	२३ २० १४	बृ. ५५।३५ जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	श	१४	१२	कृ	३८	२८	धु	४३	५८	कौ	१४	१२	३३	२९	३१	२४ २१ १५	वृषे वक्री शनिः ३३।४ जन्माष्टमी वै.
९	र	९	५०	रो	३६	२८	व्या	३८	३	ग	९	५०	३०	३०	३०	२५ २२ १६	वृषे भ. ३८।५ उ. मघा सिंहेऽर्कः ५३।४६ ÷
१०	चं	६	२०	मृ	३५	६	ह	३२	५२	वि	६	२०	२६	३१	२९	२६ २३ १७	मि. ५।४७ भ. ६।२० या. मघा सिंहेऽर्कसौरः २७।४२
११	मं	३	३४	आ	३४	३१	व	२८	८	बा	३	३४	२२	३२	२८	२७ २४ १८	मिथुने अजा ११ व्र.
१२	बु	१	४०	पु	३४	४४	सि	२४	१५	तै	१	४०	१९	३२	२८	२८ २५ १९	कं. १९।४१ वत्स द्वादशी. प्रदोषः
१३	गु	०	५०	पु	३६	१३	व्य	२१	१३	व	०	५०	१५	३३	२७	२९ २६ २०	कर्के भ. ०।५० उ. ३०।५७ या.
१४	शु	१	४	श्ले	३८	४६	व	१७	५८	श	१	४	१२	३४	२६	३० २७ २१	सिं. ३९/३८ आश्ले. शुक्रः ५७।७
३०	श	२	३३	म	४२	३१	प	१८	१	ना	२	३३	८	३४	२६	३१ २८ २२	सिंहे बुधोदयः पूर्वस्यां २।२९ कुशाग्रहणी

१८ पं. भा. कृ. ३ चं. इ. ५९/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	११	३	०	४	३
२४	२९	२९	३	३	९	८	२३
१६	४७	४१	२६	१३	३८	७	४५
३७	२४	१७	३५	१०	३५	१७	००
५७	४०	५३ ११	३९ ३४	७३	०	३	५७
३२	१४	व.	व.	५६	३१	११	२२

गोचर ग्रहाः

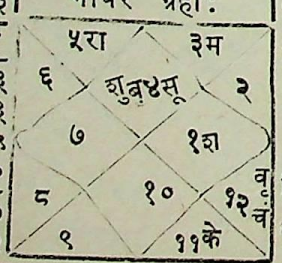

भाद्रपद कृष्णे ९ रवौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा ४न. ६ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

१९ पं. भा. कृ. १० चं. इ. ५९/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	११	३	०	४	४
०	४	२४	२	११	९	७	०
५९	२०	८	५१	४५	३९	४५	२७
५३	२८	६	१८	३६	७	११	१३
५७	४०	४७ ३३	५ ४३	७४	१६	३	५७
४०	३	व.	व.	२	व	११	२४

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२० दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः २३३१ स. १९९८

१	र	५	२३	पू	४७	२५	शि	१७	२०	व	५	२३	३३ ४ ३५	२६	१	२९	२३	सिंहे
२	चं	९	१६	उ	५३	३४	सि	१८	५	की	९	१६	१	३६	२४	२	१	२४	कं ३।५७
३	मं	१४	२९	ह	६०	०	सा	१९	३८	ग	१४	२९	३५ ५ ३७		२३	३	२	२५	कन्यायां
४	बु	२०	१३	ह	०	२४	शु	२१	२३	वि	२०	१३	५३	३७	२३	४	३	२६	तु. ३४।६
५	गु	२६	२९	चि	७	४९	शु	२३	५३	वा	२६	२९	४९	३८	२२	५	४	२७	तुलायां
६	शु	३२	४७	स्वा	१५	३२	ब्र	२६	३३	तै	३२	४७	४६	३९	२१	६	५	२८	तुलायां
७	श	३८	३२	वि	२२	४१	एं	२८	५०	ग	५	४०	४२	४०	२०	७	६	२९	वृ ५।५४
८	र	४३	३	अ	२९	१७	वै	३०	२१	वि	१०	४८	३८	४०	२०	८	७	३०	वृश्चिके
९	चं	४६	२८	ज्ये	३४	२९	वि	३०	५६	बा	१४	४६	३४	४१	१९	९	८	३१	धृ ३४।२९
१०	मं	४७	४३	मू	३७	४९	प्री	३०	५	तै	१७	५	३०	४२	१८	१०	९	१	धनुषि
११	बु	४७	३	पू	३९	४४	आ	२८	५०	व	१७	२३	२६	४३	१७	११	१०	२	म. ५४।३२
१२	गु	४४	१०	उ	३८	५७	सौ	२३	५३	ब्र	१५	३७	२२	४४	१६	१२	११	३	मकरे
१३	शु	३९	२९	श्र	३६	२५	शो	१८	२२	कौ	११	४९	१८	४४	१६	१३	१२	४	मकरे
१४	श	३३	१०	ध	३२	२५	अ	११	२४	ग	६	१९	१५	४५	१५	१४	१३	५	कुं. ४।२५
१५	र	२५	३२	श	२६	५३	सु	५१ ५	५९	व	२५	३२	११	४६	१४	१५	१४	६	कुंभे

चंद्रदर्शनं संभवः भा. भाद्रपदारंभः
मार्गी बुधः ७।४१ जमादिलावल ५
भ. ४७।५१ उ. हरितालिका ३
भ. २१।१३ या. गणेशचतुर्थी
ऋषिपंचमी
भ. ३८।३२ उ.
भ. १०।४८ या. पूफा. रविः ४३।२२
पूफा. रविः सौर १८।३३
मघा. सिंहे शुक्रः ४६।३० सितम्बर ९ ता. ३०
भ. १७।२३ उ. ४७।३ या. जलझूलनी ११ व्र
वामन जयंती. हरिवासराऽभावः
मघायां सिंहे बुधः २८।५ प्रदोषः
भ. ३३।१० उ. ५९।२१ या. अनंत १४
आश्ले. भौमः १५।५६ महालयश्राद्धारंभः

२०पं.भा.शु.२चं.इ.५५।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	११	३	०	४	४
७	८	२२	२	२०	९	७	७
४४	४९	१५	८	२०	३५	२३	१०
२०	४८	१८	२०	५३	३८	४६	४३
५७	३९	६ ३३	६ ३३	७४	५ ६०	३	५७
४९	४६	मा	व.	८	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

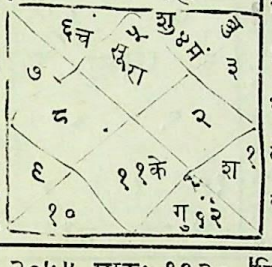

इसमास में ५शनिवार ५रविवार अशुभ हैं धान्य धातुरुई पाट रस तेजहो। वर्षा कहीं कम कहीं अधिक होगी।

गोचर ग्रहाः

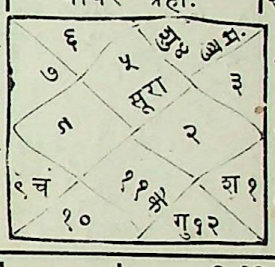

२१पं.भा.शु.९चं.इ.५५।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	११	३	०	४	४
१४	१३	२५	१	२८	९	७	१३
३०	१७	२२	१९	५७	२५	०	५५
०	३८	५९	५५	११	२३	३०	५५
५८	३९	६७	१९	७४	४१	३	५७
१४	६	२७	व.	१६	व.	११	५७

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०५५ शाकः १९२० दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेभाद्र. कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	चं	१७	८	पू	२०	४३	शू	४५	९	कौ	१७	८	३५ ५ ४७ ५३		१६	१५	७	मी. ७।१६
२	मं	८	३२	उ	१३	५९	गं	३५	७	ग	८	३२	३	४७	१३	१७	१६	८	मीने
३	मं	५१	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
४	बु	५२	१	रे	७	४१	वृ	२५	२०	व	२५	५९	५९	४८	१२	१८	१७	९	मे. ७।४१
५	गु	४४	५६	अ	४४	५५ ५४	धु	१५	५०	कौ	१८	२९	५५	४९	११	१९	१८	१०	मेषे
६	शु	३९	३	कृ	५२	३३	व्या	५७	५२ ३७	ग	११	५९	५१	५०	१०	२०	१९	११	बृ. १०।४०
७	श	३४	१४	रो	४९	४३	व	५३	१०	वि	६	३९	४७	५१	१०	२१	२०	१२	वृषे
८	र	३०	४४	मृ	४८	२४	सि	४७	३३	बा	२	२९	४३	५१	९	२२	२१	१३	मि १९।४
९	चं	२८	३५	आ	४८	१२	व्य	४३	१०	ग	२८	३५	२९	५२	८	२३	२२	१४	मिथुने
१०	मं	२७	३२	पु	४९	२	व	३९	३५	वि	२७	३२	२५	५३	७	२४	२३	१५	क. ३३।४९
११	बु	२७	४३	पु	५१	१७	प	३७	१४	बा	२७	४३	३१	५४	६	२५	२४	१६	कर्के
१२	गु	२९	१४	श्ले	५४	३४	शि	३५	३६	तै	२९	१४	२७	५५	५	२६	२५	१७	सिं ५४।३४
१३	शु	३१	५८	म	५९	६	सि	३५	७	ग	०	३६	२२	५६	४	२७	२६	१८	सिंहे
१४	श	३५	२८	पू	६०	०	सा	३५	१४	वि	३	४३	१८	५६	४	२८	२७	१९	सिंहे
३०	र	४०	८	पू	४	२३	शु	३५	४८	च	७	४८	१४	५७	३	२९	२८	२०	कं. २०।५९

कन्यायामर्कः ५३।८ इंदिरा ११ व्र.
कन्यायामर्कः सौरः २८।२४
भ. ३१।५८ उ. प्रदोषः
भ. ३।४३ या. उफा. बुधः २८।२५
सर्वपितृश्राद्धम्

२२पं.आ.कृ.१चं.इ.५५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	११	४	०	४	४
२१	१७	५	०	७	९	६	२०
१७	४५	४९	२७	३५	११	३८	४२
२	१८	१२	१८	२४	१३	१५	३५
५८	३९	० ५०	७४	१४	३	५८	
१३	१८	५८	व.	२०	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

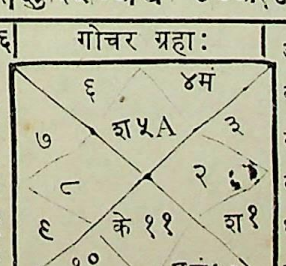

आश्विन कृष्णे ११ बुधे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ गतालका वस्था (ऊभी) मु. १५ धान्यादिभाव महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

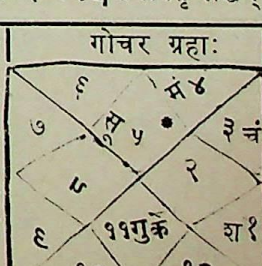

२३पं.आ.कृ.९चं.इ.५५।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	१०	४	०	४	४
२८	२२	१८	२९	१६	८	६	२७
५	८	२५	३२	१५	५२	१५	३०
२४	३८	५	२४	२९	१९	५९	५५
५८	३९	० ५०	७४	५ १४	३	५८	
२६	११	५८	व.	२६	व.	११	२९

फा. ९८ Asuराबु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *राबुशु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०												दि. उ. अ.	भा मु. इं.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३६०सन् १९९८
१	चं	४५	३१	उ	१०	४७	शु	३७	२८	किं	१२	४९	३९ ५८ ६३	२० २९ २१	कन्यायां	कन्यायां बुधः ३१ नवरात्रा. मातामह श्राः
२	मं	५१	३०	ह	१७	३१	ब्र	३९	२८	बा	१८	३१	५५९ १	३१ ३० २२	तु. ५१।१५	चन्द्र दर्शनम्
३	बु	५७	४८	चि	२४	५९	ऐं	४१	४५	तै	२४	३९	३०० ० ० ६	१ १ २३	तुलायां	उफा. शुक्रः १८।७भा. आश्विनारंभः+
४	गु	६०	०	स्वा	३२	३५	वै	४४	७	व	३०	३	५६ ५९ ५९	२ २ २४	तुलायां	भ. ३०।३उ. [+जमादिलाखर ६
४	शु	३	१८	वि	४०	११	वि	४६	२८	वि	३१	८	५२ २ ५८	३ ३ २५	वृ. २३।१७	भ. ३।१८या. कन्यायां शुक्रः ५७।१२
५	श	१०	१८	अ	४७	१६	प्री	४८	३८	बा	१०	१८	४८ २ ५८	४ ४ २६	वृश्चिके	हस्ते बुधः ३२।३३ [×भौमः ३६।४६
६	र	१५	१७	ज्ये	५३	२६	आ	४९	५३	तै	१५	१७	४४ ३ ५७	५ ५ २७	ध. ५३।२६	हस्ते रविः ६।१७ (सौरः ५०/५४) मघा. सिंहे×
७	चं	१९	३०	मू	५८	७	सो	५०	१४	व	१९	३०	४० ४ ५६	६ ६ २८	धनुषि	भ. १९।३०उ. ५५/५९या. सरस्वत्यावाहनम्
८	मं	२१	५९	पू	६०	०	शो	४९	१०	ब्र	२१	५९	३६ ५ ५५	७ ७ २९	धनुषि	सरस्वतीपूजनम्
९	बु	२२	३७	पू	११	६	अ	४६	४०	कौ	२२	३७	३२ ६ ५४	८ ८ ३०	म. १६।३४	[÷नम् अक्टूबर १० ता. ३१
१०	गु	२१	१३	उ	२	२७	सु	४२	३७	ग	२१	१३	२८ ६ ५४	९ ९ १	मकरे	भ. ५९/६३ उ. विजया १० सरस्वती विसर्ज-÷
११	शु	१७	४०	श्र	४३/४९	५७/१०	धृ	३६	४४	वि	१७	४०	२३ ७ ५३	१० १० २	कुं, ३०।१७	भ. १७/४०या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	श	१२	१०	श	५४	२	शू	२९	२९	बा	१२	१०	१९ ८ ५२	११ ११ ३	कुंभे	हस्ते शुक्रः ५८।५० प्रदोषः
१३	र	४	५९	पू	४७	५४	गं	२१	४१	तै	४	५९	१५ ९ ५१	१२ १२ ४	मी ३४।२६	भ. ५६।२८उ. चित्रा. बुधः १२।५८
१४	र	५१	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०	
१५	चं	४७	७	उ	४०	४५	बृ	१०	५८	वि	२१	४७	११ १० ५०	१३ १३ ५	मीने	भ. २१।४७या. शरद् १५ कोजागरी व्र.

२४पं.आ.शु.१चं.इ.५५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	१०	४	०	४	५
४	२६	१	२८	२४	८	५	४
५५	३०	२५	३६	५७	२९	५३	२१
१६	५०	२६	४३	१४	२०	४३	०२
५८	३८	५५/५९	५२/५६	७४	३३	३	५८
३८	५४	३६	व. २६	व.	११	४५	

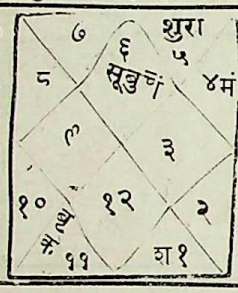

२५पं.आ.शु.७चं.इ.५५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	१०	५	०	४	५
११	०	१४	२७	३	८	५	११
४६	५०	१७	४३	४०	३	३१	१३
५२	५७	५३	१९	८	३२	२८	०३
५८	३८	०/००	३/३७	७४	३/५५	३	५९
५३	४४	३४	व. ३२	व.	११	००	

२६पं.आ.शु.१५चं.इ.५५।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	१०	५	०	४	५
१८	५	२६	२६	१२	७	५	१८
४०	८	१६	५२	२४	३३	९	०६
८	३१	१२	३०	१८	७	१२	५०
५९	३८	०/००	४६/४९	७४	१/१०	३	५९
९	२१	३७	व. ३२	व.	११	१६	

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽश्वि. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३७	२१	रे	३३	१२	ध्रु	३१/३९	१०/१४	बा	१२	१४	२९ ६ ५९	१४ १४ ६	मे. ३३।१२	[×पूर्वस्याम् ५३।२४करक चतुर्थी व्र.
२	बु	२७	५०	अ	२५	३१	ह	३८	४८	तै	२	३५	३ ११ ४९	१५ १५ ७	मेषे	भ. ५३।१९उ. वक्रीपूभा. २गुरुः ४५।१
३	गु	१८	४९	भ	१८	२६	व	२८	२६	वि	१८	४९	२९ १२ ४८	१६ १६ ८	वृ. ३१।५२	भ. १२/१९या. तुलायां बुधः ४।३६ शुक्रास्तः×
४	शु	१०	५६	कृ	१२	११	सि	१९	४	बा	१०	५६	५५ १३ ४७	१७ १७ ९	वृषे	[+अश्वि. २शनिः २६।७ प्रदोषः धन १३
५	श	५५	४७/५१	रो	७	२९	व्य	११	३९	तै	४	२७	५१ १४ ४६	१८ १८ १०	मि. ३५/३९	भ. ५९।४१उ. चित्रा. रविः ३८।१९
७	र	५६	४३	मृ	४	१८	व	३५/३९	५१/५८	वि	२८	१२	४७ १५ ४५	१९ १९ ११	मिथुने	भ. २८।१२या. चित्रा. रविः सौरः ११।२८
८	चं	५५	२८	आ	२	५८	शि	५३	३५	बा	२६	५	४३ १५ ४५	२० २० १२	क. ४८/१०	स्वात्यां बुधः २१।३७
९	मं	५५	५०	पु	३	१३	सि	५०	३८	तै	२५	९	३९ १६ ४४	२१ २१ १३	कर्के	[÷३९।४७बुधोदयः पश्चिमायां १९।४०
१०	बु	५७	५३	पु	५	१९	सा	४९	७	व	२६	५२	३५ १७ ४३	२२ २२ १४	कर्के	भ. २६।५२उ. ५७।५३या. चित्रायांशुक्रः÷
११	गु	६०	०	श्ले	८	४५	शु	४८	३५	ब	२९	३४	३१ १८ ४२	२३ २३ १५	सि. ८।४५	रमा ११ व्र. स्मा.
११	शु	११	५	म	१३	३९	शु	४९	१०	बा	११	५	२७ १९ ४१	२४ २४ १६	सिंहे	रमा ११ व्र. वै.
१२	श	५	४६	पू	१९	२९	ब्र	५०	१८	तै	५	४६	२३ १९ ४१	२५ २५ १७	कं ३६।८	तुलायामर्कः २२।८ (सौरः ५५/५९) वक्री +
१३	र	११	४	उ	२६	८	ऐं	५२	१	व	११	४	२० २० ४०	२६ २६ १८	कन्यायां	भ. ११।४उ. ४३।५९ या. रूप १४
१४	चं	१६	५३	ह	३३	१०	वै	५२	५६	श	१६	५३	१६ २१ ३९	२७ २७ १९	कंन्यायां	तुलायांशुक्रः ५८/पूफाभौमः ३९/महालक्ष्मीपू.
३०	मं	२३	१४	चि	४०	३९	वि	५६	१९	ना	२३	१४	१२ २२ ३८	२८ २८ २०	तु. ६।५४	विशा. बुधः ५४/अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा

२७पं.का.कृ.८चं.इ.५४।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	१०	५	०	४	५
२५	९	७	२६	२१	७	४	२५
३५	२४	३५	८	९	१	४६	०२
२	२९	१०	६/६	३६	२३	५७	३२
५९	३८	९९	५/५	७४	३/३	३	५९
२१	८	४३	व. ३२	व	११	३१	

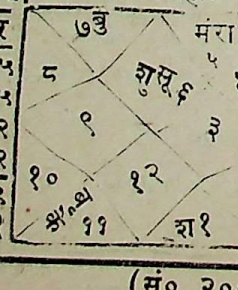

कार्तिक कृष्णे १२ शनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मृ. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

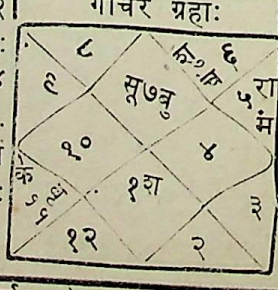

२८ पं.का.कृ. १४चं.इ.५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	१०	५	०	४	६
२	३	१८	२५	२९	६	४	१
३१	३७	२६	३०	५४	२८	२४	५९
२६	३७	४६	२२	४३	२६	४१	५९
५९	३७	९३	४/५६	७४	४/४०	३	५९
३४	४४	११	व. ३८	व:	११	४६	

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्ल पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०						दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्र :	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२३९०सन्१९९८
१	बु २९ २६	स्वा ४८ ३१	प्री ५८ ३९	ब २९ २६	२८ २३ ३८	२९ २९ २१	तुलायां	[× रविः ४।१० (सौरः ३५।१५)
२	गु ३५ ४२	वि ५५ ४४	आ ६० ०	बा २ ३४	४ २३ ३७	३० ३० २२	वृ. ३३	चंद्रदर्शनम् यम २ भातृ २
३	शु ४१ ४७	अ ६० ०	आ ० ५०	तै ८ ४४	० २४ ३६	१ १ २३	वृश्चिके	भा. कार्तिकारंभः रज्जव ७
४	श ४६ ५६	अ २ ४४	सौ २ ५२	व १४ २२	३५ २५ ३५	२ २ २४	बृश्चिके	भ. १४।२२ उ. ४६।५६ या. स्वात्यां ×
५	र ५१ २४	ज्ये ८ ५९	शो ४ ९	ब १९ १०	५३ २५ ३५	३ ३ २५	ध. ८।५९	स्वात्यां शुक्रः १६।४९
६	चं ५४ २५	मू १४ ३४	अ ४ ५९	कौ २२ ५५	४९ २६ ३४	४ ४ २६	धनुषि	[÷ ११ व्र.तुलसी विवाहः
७	मं ५६ २	पू १८ ४३	सु ३ ५९	ग २५ १४	४५ २७ ३३	५ ५ २७	म. ३४	भ. ५६।२ उ. बृश्चिके बुधः ५५।५०
८	बु ५६ ८	उ २१ २५	धृ ३ ३५	वि २६ ५	४१ २८ ३२	६ ६ २८	मकरे	भ. २६।५ यां गोपाष्टमी
९	गु ५४ १०	श्र २२ २६	शू ५४ ५५	बा २५ ९	३७ २९ ३१	७ ७ २९	कुं. ५२।४	अक्षय ९
१०	शु ५० २८	ध २१ ४१	बृ ५१ १२	तै २२ १९	३४ २९ ३१	८ ८ ३०	कुम्भे	अनु. बुधः १५।०
११	श ४४ ५७	श १८ ५३	धु ४४ १	व १७ ४३	३० ३० ३०	९ ९ ३१	कुंभे	भ. १७।४३ उ.४४।५७ या.प्रबोधिनी ÷
१२	र ३७ ४५	पू १४ ३१	व्या ३५ ३६	व ११ २१	२७ ३१ २९	१० १० १	मी.०।३७	हरिवासराऽभाव : **नवम्बर ११ ता. ३०**
१३	चं २९ ११	उ ८ ३१	ह २६ ३	कौ ३ २८	२३ ३१ २९	११ ११ २	मीने	प्रदोषः वैकुंठ चतुर्दशी
१४	मं १९ ४३	रे ३२ १५	व १५ ३२	व १९ ४३	१९ ३२ २८	१२ १२ ३	मे. १।३२	भ. १९।४३ उ. ४४।४८ या.
१५	बु ९ ५२	भ ४५ ४४	सि ३० ४९	व ९ ५२	१६ ३३ २७	१३ १३ ४	बृ. ५८	विशा. शुक्रः ५६।२८ मन्वादिः

२९ पं.का.शु.६ चं.इ. ५४ २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	१०	६	०	४	६
९	१७	२८	२५	८	५	४	८
२९	४८	३१	१	४१	५४	२	५९
४२	२५	४८	३०	२८	५४	२५	१९
५९	३७	८६	४६ ३	७४	४० ४	३	६०
४७	१४	१४	व.	३८	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

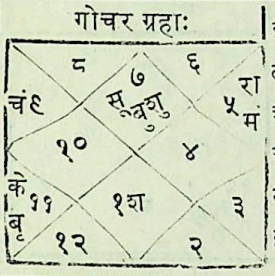

इस मासमें गुड घृत
तैल सक्कर चीनी
अनाज गल्ला सोना
चांदी मूंग मोठ
बाजरा तिल तेज
होकर मंदा होवेगा ।

गोचर ग्रहाः

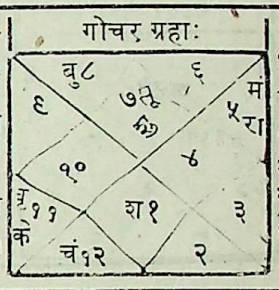

३० पं.का.शु.१३चं.इ. ५४ १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	१०	६	०	४	६
१६	२१	८	२४	१७	५	३	१६
२९	५७	१	४१	२८	२१	४०	०
२८	२२	३०	४२	१	४७	१०	२३
६०	३६	७६	३० ३	७४	३४ ४	३	६०
४	५३	५५	व.	३८	व.	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०						दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	गु ५० ४४	कृ ३८ ६	व ४२ २९	कौ ० ३	२७ ३४ २९	१४ १४ ५	वृषे	
२	शु ४२ ३८	रा ३१ २८	प ३२ २९	व १६ ४३	९ ३४ २६	१५ १५ ६	मि. ५५	भ. १६।४३ उ. ४२।३८ या. विशा. ×
३	श ३६ १२	मृ २६ ७	शि २३ २६	व ९ २५	५ ३५ २५	१६ १६ ७	मिथुने	चतुर्थी व्र.
४	र ३१ ३६	आ २२ ४०	सि १५ ४८	कौ ३ ५४	२ ३६ २४	१७ १७ ८	मिथुने	[× रविः २४।३६ (सौरः ५२।३९)
५	चं २९ ८	पु २१ ८	सा ९ ४७	ग ० २२	२६ ३६ २४	१८ १८ ९	क ६।३१	भ. २९।८ उ. ५८।५४ या. मघा १ ÷
६	मं २८ ४०	पु २१ ४५	शु ५ २६	ब २८ ४०	५५ ३७ २३	१९ १९ १०	कर्के	ज्येष्ठा. बुधः ८।१५उफा. भौमः५६।१३
७	बु ३० ११	श्ले २४ १९	शु २ ३९	कौ ३० ११	५२ ३८ २२	२० २० ११	सिं. २४ ५९	[÷ राहुः धनि. ३ केतुः १४।३०
८	गु ३३ २९	म २८ ३७	ब्र १ २०	तै १ ५०	४९ ३८ २२	२१ २१ १२	सिंहे	बृश्चिके शुक्रः ५४।५५
९	शु ३८ १८	पू ३४ २५	एं १ ४४	व ५ ५३	४५ ३९ २१	२२ २२ १३	कं. ५१	भ. ५।५३ उ. ३८।१८ या.
१०	श ४३ ४७	उ ४१ १५	वै २ ३७	ब ११ ३	४२ ४० २०	२३ २३ १४	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र.
११	र ५० १०	ह ४८ ३२	वि ४ २६	कौ १६ ५८	३९ ४० २०	२४ २४ १५	कन्यायां	अनु. शुक्रः ३२।४ मार्गी गुरुः ३।६
१२	चं ५६ ४६	चि ५६ १४	प्री ६ ३८	ग २३ २८	३६ ४१ १९	२५ २५ १६	तु. २३	भ. ५६।४६ उ. बृश्चिकेऽर्कः२०।४१ +
१३	मं ६० ०	स्वा ६० ०	आ ९ १	वि २९ ५३	३३ ४१ १९	२६ २६ १७	तुलायां	भ. २९।५३ या. [+ (सौरः४६।५६) =
१४	बु ३ १	स्वा ३ ४४	सौ ११ १७	श ३ १	३० ४२ १८	२७ २७ १८	वृ.५४।१३	[= कन्यायां भौमः ४९।४१ प्रदोषः
२०	गु ९ १२	वि ११ २	शो १३ २९	ना ९ १२	२७ ४३ १७	२८ २८ १९	वृश्चिके	अनु. रविः ३९।१

३१ पं.मा.कृ.६चं.इ. ५४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	१०	६	०	४	६
२३	२६	१६	२४	२६	४	३	२३
३०	२	२५	३०	१५	४९	१७	२
५०	१०	११	४३	४	५५	५४	५८
६०	३६	६२	१	७४	१५	३	६०
१७	३२	२	ब.	३८	व	११	३०

गोचर ग्रहाः

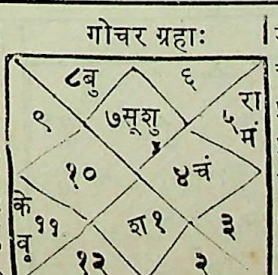

मार्गशीर्ष कृष्णे १३
चन्द्रे बृश्चिकेऽर्कः
प्रविष्टः वा. ३ न. ३
प्रौढ़ावस्था (बैठी)
मु. ३० धान्यादिभावे
समता शुक्रास्तः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

३२पं.मा.कृ. १३ चं.इ. ५५ २२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१०	७	०	४	७
०	०	२२	२४	५	४	२	०
३३	२	२६	३१	१	२०	५५	७
२९	३१	२४	५	३७	१०	३९	२
६०	२६	३३	२ ४	७४	५५ ३	३	६०
३०	४	११	म	३२	व.	११	४०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं २०५५ शाकः १९२०						दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २४२० स, १९९८
१	शु १४ ४९	अ १७ ५६	अ १४ ५८	ब १४ ४९	२५ ४३ १७	२९ २९ २०	वृश्चिके	अनु. रविः सौरः ३।४४ वक्री बुधः ×		
२	श १९ ३०	ज्ये २३ ५६	सु १६ ८	को १९ ३०	२२ ४४ १६	३० १ २१	ध. ५६	सावान ८ [×३२।२४ चंद्रदर्शनम्		
३	र २३ २६	मू २९ ११	धृ १६ ४३	ग २३ २६	१९ ४४ १६	१ २ २२	धनुषि	भ. ५४।५३ उ. भा. मार्गशीर्षारंभः		
४	चं २६ २१	पू ३३ २२	शू १६ १०	वि २६ २१	१७ ४५ १५	२ ३ २३	म. ४९।८	भ. २६।२१ या.		
५	मं २८ ९	उ ३६ ३०	गं १५ ४	बा २८ ९	१४ ४५ १५	३ ४ २४	मकरे			
६	बु २८ ३७	श्र ३८ २७	वृ १३ २२	तै २८ ३७	१२ ४६ १४	४ ५ २५	मकरे	बुधास्तः पश्चिमायां ३४।५ चंपा ६		
७	गु २७ ४६	ध ३८ ५७	भु १० ५	व २७ ४६	९ ४६ १४	५ ६ २६	कुं. ८।४२	भ. २७ उ. ५९ या ज्येष्ठा. शुक्रः ११।९		
८	शु २५ ३१	श ३८ ४	व्या ५ ५२	ब २५ ३१	७ ४७ १३	६ ७ २७	कुंभे			
९	श २१ ४४	पू ३५ ४९	ह्र १९ ५३	का २१ ४४	५ ४३ १३	७ ८ २८	मी. २१	[+ ११।३८ दत्तजयन्ती		
१०	र १६ ३१	उ ३१ ५९	सि ४५ ५७	ग १६ ३१	२ ४८ १२	८ ९ २९	मीने	भ. ४३ उ. शुक्रोदयः पश्चिमायां ४२।३६		
११	चं ९ ५५	रे २६ ५६	व्य ३७ ८	वि ९ ५५	० ४८ १२	९ १० ३०	मे. ५६	भ. ९।५५ या. वक्री अनु. बुधः ÷		
१२	मं २ ७	अ २० ४५	व २७ २२	बा २ ७	२५ ४८ १२	१० ११ १	मेषे	प्रदोषः दिसम्बर १२ ता. ३१		
१३	मं ५१ २२	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	[÷ ३६।२६ मोक्षदा ११ व्र.		
१४	बु ४४ २०	भ १३ ५३	प १७ ७	ग १८ ५५	५६ ४९ ११	११ १२ २	बृ. २७।१	भ. ४४।२० उ. ज्येष्ठा. रविः ४९।८		
१५	गु ३५ १४	कृ २४ ५२	शि २४ ३८	वि ९ ४७	५४ ४९ ११	१२ १३ ३	वृषे	भ. ९।४७ या. ज्येष्ठा. रविः सौरः +		

३३ पं.मा.शु.४ चं.इ. ५३ ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१०	७	०	४	७
७	४	२३	२४	१३	३	२	७
३७	०	९	४०	४९	५३	३३	१२
२६	२९	५४	३७	१२	४२	२३	३५
६०	३५	३९	१	७४	३३	३	६०
४२	२८	व.	३२	३२	व.	११	५३

गोचर ग्रहाः

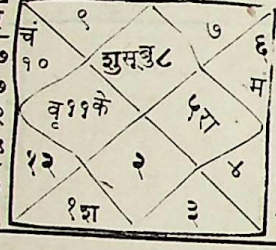

इस मास में गेहूं जो बाजरा मूंग चावल मोठ आदि धान्यो में मंदी रहे सुदी में धान्य धातु तेज होवे प्रजा में सुखशांति रहे।

गोचर ग्रहाः

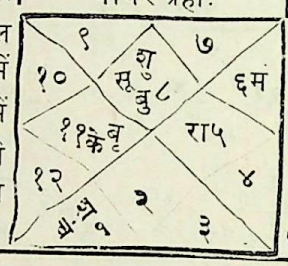

३४ पं. मा. कृ. ११ चं.इ. ५३ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१०	७	०	४	७
१४	७	१६	२५	२२	३	२	१४
४२	५३	१६	०	३६	३०	११	१९
४०	५३	३४	३२	२५	५८	७	२१
६०	३४	१९	३	७४	५०	३	६१
५०	५९	व.	२	३२	व.	११	३

ति.	पौष कृष्ण पक्षः सं २०५५ शाकः १९२०						दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महाः
१	शु २६ ४१	मृ ५३ २	सा ४६ ५	बा ० ५८	२५ ४९ ११	१३ १४ ४	मि. २९	हस्ते भौमः ४८।३ वक्री आश्वि. १ शनि. ३३		
२	श १९ २४	आ ४८ ५	शु ३७ १३	ग १९ २४	५१ ५० १०	१४ १५ ५	मिथुने	भ. ४६।२३ उ.		
३	र १३ २३	पु ४४ ४४	शु २९ ४०	वि १३ २३	४९ ५० १०	१५ १६ ६	क. ३०	भ. १३ या. मूले धनुषि शुक्रः ४५ चं. व्र.		
४	चं ९ २५	पु ४३ २५	ब्र २३ ३४	बा ९ २५	४८ ५० १०	१६ १७ ७	कर्के	बुधोदयः पूर्वस्यां ४३।५८		
५	मं ७ ४१	श्ले ४४ २१	ऐं १९ ६	तै ७ ४१	४६ ५१ ९	१७ १८ ८	सिं. ४४			
६	बु ८ १	म ४७ १२	वै १६ ३१	व ८ १	४५ ५१ ९	१८ १९ ९	सिंहे			
७	गु १० ३२	पू ५१ ४७	वि १५ ४३	व १० ३२	४४ ५१ ९	१९ २० १०	सिंहे	भ. ८।१ उ. ३९।१७ या.		
८	शु १४ ४४	उ ५७ ५५	प्री १५ ४६	को १४ ४४	४३ ५१ ९	२० २१ ११	कं ८।१९			
९	श २० ११	ह ६० ०	आ १७ ५	ग २० ११	४२ ५२ ८	२१ २२ १२	कन्यायां	मार्गी बुधः ४४।२		
१०	र २६ ३६	ह ५ ८	सौ १९ १३	वि २६ ३६	४१ ५२ ८	२२ २३ १३	तु. ३९।०	भ. ५३।२३ उ.		
११	चं ३३ १२	चि १२ ५३	शो २१ १२	बा ३३ १२	४० ५२ ८	२३ २४ १४	तुलायां	भ. २६।३६ या.		
१२	मं ३९ ३८	स्वा २० ३७	अ २३ ४९	को ६ २५	३९ ५२ ८	२४ २५ १५	तुलायां	सफला ११ व्र.		
१३	बु ४५ ४९	वि २७ ५७	सु २५ ५१	ग १२ ४३	३९ ५२ ८	२५ २६ १६	वृ. ११।७	मूलें धनुष्यर्कः ५६।२३		
१४	गु ५० ५४	अ ३४ ४३	धृ २७ २६	वि १८ २१	३८ ५२ ८	२६ २७ १७	वृश्चिके	भ. ४५।४९ उ. मूलेधनुष्यर्क. सौरः ×		
३०	शु ५४ ५९	ज्ये ४० १६	शू २८ २०	च २२ ५६	३८ ५२ ८	२७ २८ १८	ध. ४०	भ. १८।२१ या. पूषा. शुक्रः २४।५६		
							१६	[× १५।२८ प्रदोषः		

३५ पं.पौ.कृ.४ चं.इ.५३।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१०	८	०	४	७
२१	११	८	२५	१	३	१	२१
४८	४५	३२	२९	२४	१२	४८	२७
४३	४०	५३	३५	०	४७	५२	५
६०	३४	४१	४	७४	१०	३	६१
५६	१४	व.	१३	२६	व.	११	११

गोचर ग्रहाः

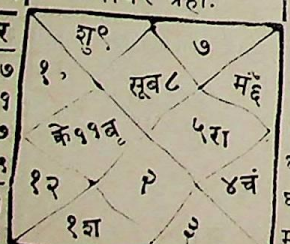

पौषकृष्णे १२ भौमे धनुष्यर्कः प्रविष्टःवा २ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

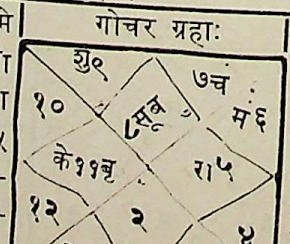

३६ पं.पौ.कृ.११ चं.इ.५३।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१०	८	०	४	७
२८	१५	८	२६	१०	२	१	२८
५५	३१	२०	७	११	५८	२६	३५
३७	२३	३५	३७	३५	५२	३६	४८
६१	३३	३२	२५	७४	१९	३	६१
०	३६	मा	व.	२६	व.	११	१९

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०									दि. उ. अ.			भा. मु इं.			चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २४४९स.१९९८
१	श	५८	१७	मू	४४	५५	गं	२८	१९	किं	२६	३८	३५	५३	५	२८	२९	१९	धनुषि	पूभा. ३ गुरुः ४०।३०
२	र	६०	०	पू	४८	३३	वृ	२७	२१	बा	२९	१४	३७	५३	७	२९	३०	२०	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
२	चं	०	११	उ	५१	१०	धु	२५	४१	कौ	०	११	३६	५३	७	३०	१	२१	म.४।१२	रमजान ९
३	मं	१	४	श्र	५२	३५	व्या	२३	४	ग	१	४	३६	५३	७	१	२	२२	मकरे	भ.३१।४ उ.भा.पौषारंभः
४	बु	१	४५	ध	५३	९	ह	१९	४६	वि	१	५	३६	५३	७	२	३	२३	कुं.	भ.१।५या.ज्येष्ठा. बुधः ५३।४१
६	गु	५७	४७	श	५२	४७	व	१५	५६	कौ	२८	४९	३६	५३	७	३	४	२४	कुंभे	[÷४०।२८ पुत्रदा ११ व्र.
७	शु	५४	४५	पू	५१	२५	सि	११	५	ग	२६	१६	३७	५३	७	४	५	२५	मी.	भ.५४।४५ उ.
८	श	५०	५३	उ	४९	११	व्य	२९	२९	वि	२२	४९	३७	५३	७	५	६	२६	मीने	भ.२२।४९ या.
९	र	४५	५९	रे	४५	५५	प	५१	४४	बा	१८	२६	३७	५३	७	६	७	२७	मे.४५।५५	उषा.शुक्रः ५९।३३
१०	चं	४०	९	अ	४१	४९	शि	४३	५२	तै	१३	४	३८	५२	८	७	८	२८	मेषे	भ.६।५१उ.३३या.पूषा.रविः२१ (सौरः×
११	मं	३३	३२	भ	३६	५१	सि	३५	१५	व	६	५१	३८	५२	८	८	९	२९	बृ.५०।२९	[×१७)चित्रा.भौमः५९मार्गी शनिः ÷
१२	बु	२६	१९	कृ	३१	२३	सा	२६	१३	बा	२६	१९	३९	५२	८	९	१०	३०	वृषे	मकरे शुक्रः४१।० प्रदोषः
१३	गु	१८	४२	रो	२५	२८	शु	१६	५५	तै	१८	४२	४०	५२	८	१०	११	३१	मि.	
१४	शु	११	८	मृ	१९	५८	शु	७	५१	व	११	८	४१	५२	८	११	१२	१	मिथुने	भ.११ उ.३७या.जनवरी१ ता.३१सन्१९
१५	श	४	१२	आ	१४	५६	ऐं	५०	५५	ब	४	१२	४२	५२	८	१२	१३	२	क.५६।५९	मूले धनुषि बुधः४५।४७ मा.स्ना.प्रा.

३७पं.पौ.शु.२चं.इ.५२।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	१०	८	०	४	८
६	१९	१४	२६	१८	२	१	५
३	११	३०	५४	५८	५०	४	४५
१४	४२	१८	२५	५२	३१	२१	१३
६१	३२	६४	६	७४	४९	३	६१
४	४९	२६	३२	२६	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

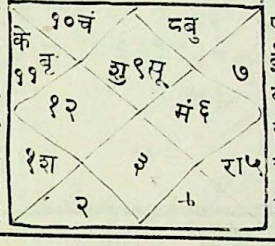

शनेश्च पंचकं दृष्ट्वा
पाताले कम्पते फणी ।
ईशानदेश भंगश्च
वह्निनदाहो महर्घता।।
इस मास में धान्य
चांदी सोना तेज प्रजा
में अशान्ति होवें ।

गोचर ग्रहाः

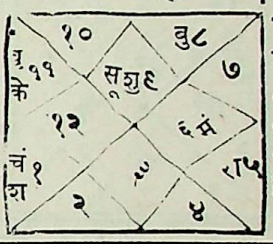

३८गं. पौ.शु. १०चं.इ.५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	१०	८	०	४	८
१३	२२	२३	२७	२७	२	०	१२
११	४४	१५	४८	४५	४७	४२	५५
१३	५६	४७	५४	५४	३१	५	०५
६१	३१	७९	७	७४	९	३	६१
६	५०	३	३५	२०	ब.	११	२६

ति.	माघ कृष्ण पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०									दि. उ. अ.			भा. मु इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	५४	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×पूषा.बुधः५१।५पूभा.४मीने.गुरुः+
२	र	५३	२९	पु	११	०	वै	४४	०	तै	२५	५३	२५	५६	९	१३	१४	३	कर्के	[+५५आश्ले.४राहुः घ नि:२केतुः६।४६
३	चं	५१	१३	पु	८	३५	वि	३८	३२	व	२२	४५	४४	५१	९	१४	१५	४	कर्के	भ.२२।४५उ.५१।१३ या.
४	मं	५०	२५	श्ले	७	३८	प्री	३४	३४	व	२१	१३	४५	५१	९	१५	१६	५	सिं७।३८	चतुर्थी व्र.
५	बु	५१	४४	म	९	२३	आ	३२	१४	कौ	२१	४	४७	५१	९	१६	१७	६	सिंहे	
६	गु	५५	१६	पू	१२	५२	सौ	३१	२४	ग	२३	१८	४८	५०	१०	१७	१८	७	कं.२९।१०	भ.५५।१६उ.श्रवणे शुक्रः४०।१०
७	शु	६०	०	उ	१७	५९	शो	३१	४२	वि	२७	४५	५०	५०	१०	१८	१९	८	कन्यायां	भ.२७।४५या.
७	श	०	१४	ह	२४	३८	अ	३३	२८	व	०	१४	५२	५०	१०	१९	२०	९	तु.५८।८	
८	र	६	१३	चि	३१	३९	सु	३५	२५	कौ	६	१३	५३	४९	११	२०	२१	१०	तुलायां	[÷५०।३षट्तिला ११ व्र.
९	चं	१२	४७	स्वा	३९	२३	धृ	३७	३८	ग	१२	४७	५५	४९	११	२१	२२	११	तुलायां	भ.५५उ.उषा.रविः६।८ (सौरः१९)×
१०	मं	१९	८	वि	४६	४७	शू	३९	४६	वि	१९	८	५७	४९	११	२२	२३	१२	बृ.२९।५६	भ.१९।८या.
११	बु	२५	१६	अ	५३	४८	गं	४१	२८	बा	२५	१६	५९	४८	१२	२३	२४	१३	वृश्चिके	तुलायां भौमः४।५५ बुधास्तः पूर्वस्यां÷
१२	गु	३०	२६	ज्ये	५९	३५	बृ	४२	२३	तै	३०	२६	२६	४८	१२	२४	२५	१४	ध.५९।३५	मकरेऽर्कः २२।३२ (सौरः३४।०)
१३	शु	३४	६	मू	६०	०	धु	४२	११	ग	२	१७	४	४७	१३	२५	२६	१५	धनुषि	भ.३४।६उ.प्रदोषः
१४	श	३६	४१	मू	३	५८	व्या	४१	०	वि	५	२४	६	४७	१३	२६	२७	१६	धनुषि	भ.५।२४या.
२०	र	३७	४३	पू	६	५६	ह	३८	४०	च	७	१२	८	४६	१४	२७	२८	१७	म.२२।२१	

३९पं.मा.कृ.३चं.इ.५२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	१०	९	०	४	८
२०	२६	३	२८	६	२	०	२०
१९	७	१	५०	३	२	४९	१९
२६	५२	४८	३५	४६	५५	४९	२
६१	३०	८	५	८	७४	४०	३
६	३८	५७	३७	१४	मा	११	२६

गोचर ग्रहाः

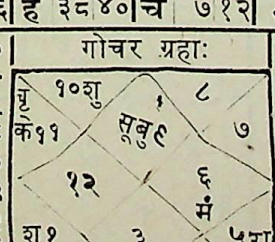

माघ कृष्णे १२ गुरौ
मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा.
३न. ३ युवावस्था
(सूती) मु. १५धान्या-
दि भावे महर्घता
शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

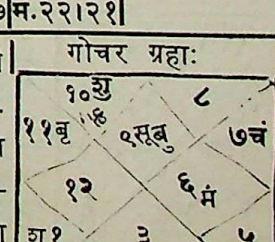

४०पं.मा.कृ.९चं.इ.५२

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	१०	९	०	३	८
२७	२९	१३	२९	१५	२	२९	२७
२७	२४	२२	५९	१९	५८	५७	१४
२२	१८	२६	१७	८	१	३४	५४
६१	२९	९४	९	७४	१	३	६१
६	३८	१७	२८	८	२९	११	२४

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्ल पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः २४७६स. १६६६
१	चं	३७	१७	उ	८	३६	व	३५	२२	किं	७	३०	२६ ११	४६	५४ १४	२८ २६ १८	मकरे	धनि शुक्रः १६।४३
२	मं	३५	४६	श्र	१०	१०	सि	३१	१२	बा	६	३०	१२	४५	१५	२९ ३० १६	कुं. ३६।२८	चंद्र दर्शनम्
३	बु	३३	२२	ध	८	४६	व्य	२६	१५	तै	४	३५	१६	४५	१५	३० १ २०	कुंभे	अभि.प्र.रविः ५५/२ उषा.बुधः ३५/४ सव्वाल १०
४	गु	३०	१६	श	७	२०	व	२०	३४	व	१	४६	१९	४४	१६	१ २ २१	मी. ५/७	भ.१।४६उ. ३०।१६या.अभि.प्र.रवि.×
५	शु	२६	३०	पू	५	२६	प	१४	३७	बा	२६	३०	२१	४४	१६	२ ३ २२	मीने	मकरे.बुधः४१।५४ अश्वि.२शनिः=
६	श	२२	२३	उ	३	६	शि	८	२३	तै	२२	२३	२४	४३	१७	३ ४ २३	मीने	कुंभे.शुक्रः३५।३५ [=३३।४६ वसंत५
७	र	१७	५५	रे	२५	५६	सि	३०	१३	व	१७	५५	२७	४३	१७	४ ५ २४	मे. ०।२५	भ.१७।५५ उ.४५।२८या.श्रवणे.रविः+
८	चं	१३	२	भ	५३	४६	शु	४७	१६	ब	१३	२	२९	४२	१८	५ ६ २५	मेषे	अभिनि.रविः ५/३ (सौरः १/३) भीष्माष्टमी
९	मं	७	४६	कृ	५०	७	शु	३६	५६	कौ	७	४६	३२	४२	१८	६ ७ २६	बृ.७।५२	[×सौरः५।२१ भा.माधारंभः
१०	बु	३	२२	रो	४६	३	ब्र	३२	०	ग	३	२२	३५	४१	१६	७ ८ २७	वृषे	भ. ३/२ उ. ५/६ या.जया ११ व्र.स्मा.पात-*
११	बु	५	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०	[+ १/३६ (सौरः २१/१७ भानु७ [*स्पर्शः ३/१२
१२	गु	५०	५६	मृ	४२	११	ऐं	२४	२८	ब	२३	४६	२८	४०	२०	८ ९ २८	मि. १४।७	श्रवणे बुधः३३।४स्वात्यां भौमः ३/४ A
१३	शु	४५	३२	आ	३८	२३	वै	१६	५३	कौ	१८	१४	४१	४०	२०	९ १० २९	मिथुने	शते शुक्रः०।१२उभा.१गुरुः ३/८ प्रदोषः
१४	श	४०	४८	पु	३५	२३	वि	६	४६	ग	१३	१०	४५	३६	२१	१० ११ ३०	क. २१।८	भ.४/८ उ. [A जया ११ व्र.वै.पातमोक्षः २/१६
१५	र	३७	५	पु	३३	१०	प्री	३/४	२८	वि	८	५६	४८	३८	२२	११ १२ ३१	कर्के	भ.८।५६या.माघस्नानपूर्तिः

४१ पं.मा.शु.१ चं.इ.५२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	११	९	०	३	९
४	२	२४	१	२४	३	२९	४
२५	३२	८	१३	४	१०	२५	२४
१८	५३	५३	१९	१६	५५	१८	२३
६१	२८	९८	१०	७४	२	३	६१
३	१	४३	१२	२	१०	११	१९

गोचर ग्रहाः

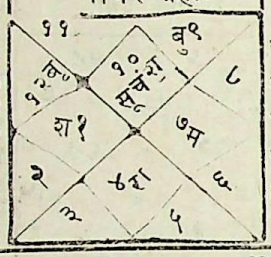

इस मास में अनाज चावल गेहूं जो चना मटर रस गुड सक्कर घृत तैल धातु सोना चांदी ताम्बा पीतल तेज हो।

गोचर ग्रहाः

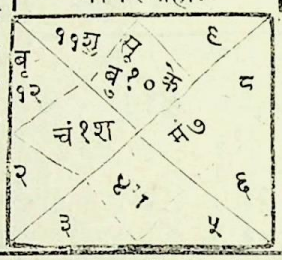

४२ पं. मा.शु.८ चं.इ. ५२/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	११	१०	०	३	९
११	५	५	२	२	३	२९	११
४२	२९	२५	३२	४८	२९	१३	३३
४०	५६	५५	३८	५४	२०	३	१४
६०	२५	०/०	१०	७३	२	३	६१
५९	५९	३/१	५६	५६	५२	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा.
१	चं	३४	३८	श्ले	३२	३२	सा	५३	३६	बा	५	५२	५/६	५	३/६	१२ १३ १	सिं ३/२	फरवरी २ ता. २८
२	मं	३३	४८	म	३३	१४	शो	५०	२४	तै	४	१३	५४	३७	२३	१३ १४ २	सिंहे	[×गुरुः ३५।४२ महाशिवरात्रिव्र. स्मा.
३	बु	३४	५०	पू	३५	५०	अ	४६	१३	व	४	२०	५८	३६	२४	१४ १५ ३	कं. ५/३	भ. ४।२० उ. ३४।५० या.
४	गु	३७	३१	उ	४०	१	सु	४८	३६	ब	६	१०	२७/१	३६	२४	१५ १६ ४	कन्यायां	चतुर्थी व्र.
५	शु	४१	४८	ह	४५	४०	धृ	४६	३५	कौ	६	३६	५	३५	२५	१६ १७ ५	कंन्यायां	धनि. बुधः १६।४५
६	श	४७	२२	चि	५२	२२	शू	५१	३	ग	१४	३५	८	३४	२६	१७ १८ ६	तु. १९।१	भ. ३/२ उ. घनि.रविः ५/७ (सौरः २७।७)
७	र	५३	४१	स्वा	५६	४८	गं	५३	१६	वि	२०	२	१२	३४	२६	१८ १६ ७	तुलायां	भ. २०।२ या.
८	चं	६०	०	वि	६०	०	बृ	५५	२६	बा	२६	५२	१५	३३	२७	१९ २० ८	बृ. ५/०	पूभा. शुक्रः ४१।५२
८	मं	०	२	वि	७	२७	धु	५७	२२	कौ	०	२	१९	३२	२८	२० २१ ९	वृश्चिके	कुंभे. बुधः ८।३
९	बु	६	११	अ	१४	४२	व्या	५८	४३	ग	६	११	२३	३१	२९	२१ २२ १०	वृश्चिके	भ. ३८।५३ उ.
१०	गु	११	३६	ज्ये	२०	४१	ह	५९	२	वि	११	३६	२७	३१	२९	२२ २३ ११	ध. २०/१	भ. ११।३६ या.
११	शु	१५	२४	मू	२५	३३	व	५८	८	बा	१५	२४	३०	३०	३०	२३ २४ १२	धनुषि.	कुंभेऽर्कः ५/१३ शते बुधः ४/९ विजया ११ व्र.
१२	श	१७	५०	पू	२८	५९	सि	५५	५३	तै	१७	५०	२४	२९	३१	२४ २५ १३	म. ३/४	कुंभेऽर्कः सौरः १।५ प्रदोषः
१३	र	१८	२१	उ	३०	२८	व्य	५२	१३	व	१८	२१	२८	२८	३२	२५ २६ १४	मकरे	भ. १८।२१ उ. ४७।४७ या. उभा.२ ×
१४	चं	१७	१३	श्र	३०	१८	व	४७	२३	श	१७	१३	४१	२८	३२	२६ २७ १५	कुं. ५/९	महाशिवरात्रि व्र. वै.
३०	मं	१४	३६	ध	२८	४९	प	४१	२५	ना	१४	३६	४५	२७	३३	२७ २८ १६	कुम्भे	मीने शुक्र ४७।६

४४ पं.फा.कृ.१ चं.इ.५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	११	१०	०	३	९
१८	८	१७	३	११	३	२८	१८
४९	१२	१२	५७	३१	५२	५०	४१
१६	११	१८	१८	५९	३०	४७	१८
६०	२३	०/०	११	७३	३	३	६१
५५	५५	३/६	३१	५०	३२	११	०४

४४ पं.फा. कृ.८ चं.इ. ५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	११	१०	०	३	९
२५	१०	२९	५	२०	४	२८	२५
५५	४१	३१	२५	१३	२०	२८	४८
१	५३	३७	८	३७	३८	३१	५
६०	२१	०/०	१२	७३	४	३	६०
४७	४६	३/४	१०	४४	१४	११	५५

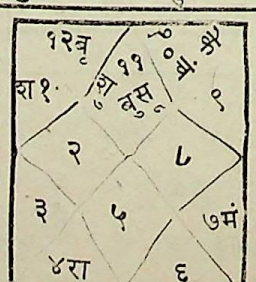

४५ पं.फा.कृ.१४ चं.इ.५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	११	१०	०	३	१०
२	१२	१२	६	२८	४	२८	२
५९	५३	१८	५६	५३	५२	६	५४
४९	२५	३६	२	५३	३०	१६	८
६०	१७	०/०	१२	७३	४	३	६०
३७	५९	४/३	२५	३४	४९	११	४२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २५०९स, १९९९
१	बु	१०	२९	श	२६	१६	शि	३४	५०	व	१०	२९	२७	३	३४	२८ २९ १७	कुंभे	चन्द्र दर्शनम्
२	गु	५	४४	पू	२२	४८	सि	२७	२८	का	५	४४	५३	२५	३५	२९ ११ ८	मी. ८।४०	फुलरिया २ जिल्काद ११
३	शु	०	१६	उ	१८	५९	सा	१९	४६	ग	०	१६	५६	२५	३५	३० ० ०	मीने	भ.२७।२९उ.५४।४३या.शतेरविः ३१×
४	शु	५४	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० २ १९	०	[×(सौरः ३६।२७) उभा.शुक्रः २७।३४
५	श	४९	१	रे	१५	८	शु	१२	१६	व	२१	५२	२८	२४	३६	१ ३ २०	मे. १५।८	पूभा.बुधः २।११ बुधोदयः पश्चिमायां÷
६	र	४३	३४	अ	११	१९	शु	५३	५२	कौ	१६	१८	४	२३	३७	२ ४ २१	मेषे	[÷१७।१९ भा.फाल्गुनारंभः
७	चं	३८	१२	भ	७	३५	ऐं	५०	८	ग	१०	५३	८	२२	३८	३ ५ २२	बृ. २१।४३	भ.३८।१२उ.
८	मं	३३	१३	कृ	४	७	वै	४३	१४	वि	५	४३	१२	२२	३८	४ ६ २३	वृषे	भ.५।४३या. होलाष्टकः
९	बु	२८	३८	रो	१	५७ २०	वि	३६	३५	वा	०	२६	१६	२१	३९	५ ७ २४	मि २९।४९	[+२०।४७ मार्च ३ ता.३१ होलिकादहनं=
१०	गु	२४	१७	आ	५६	१३	प्री	३०	१६	ग	२४	१७	२०	२०	४०	६ ८ २५	मिथुने	भ.५२।२७उ.मीनें बुधः ५२।४७
११	शु	२०	३७	पु	५४	३५	आ	२४	२४	वि	२०	३७	२४	१९	४१	७ ९ २६	क.४०।०	भ.२०।३७या.आमलकी ११ व्र.
१२	श	१७	२४	पु	५३	३७	सौ	१९	१४	ब्रा	१७	२४	२८	१८	४२	८ १० २७	कर्के	प्रदोषः
१३	र	१५	४	श्ले	५३	४४	शो	१३	३७	वै	१५	४	३२	१८	४२	९ ११ २८	सिं ५३।४४	उभा.बुधः २२।२० [=भद्रोत्तरम्
१४	चं	१३	४४	म	५४	५९	अ	१०	५४	व	१३	४४	३६	१७	४३	१० १२ १	सिंहे	भ.१३।४४उ.४३।३९ या.उभा.३गुरुः+
१५	मं	१३	३४	पू	५७	२८	सु	८	८	व	१३	३४	४०	१६	४४	११ १३ २	सिंहे	रेवत्यायांशुक्रः १९।४९छारेंडी

४६ पं.फा.शु.७ चं.इ.५३।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	११	११	०	३	१०
१०	१४	२४	८	७	५	२७	१९
३	४३	५३	३०	३१	२८	४४	५८
२२	१	१३	१८	५९	३४	०	४१
६०	१४	०	१२	७३	५	३	६०
२५	२२	३८	५१	२३	११	११	३१

गोचर ग्रहाः

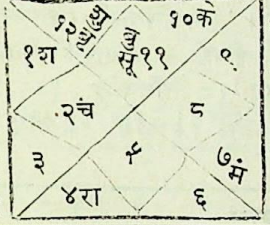

फाल्गुन कृष्णे ११ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ नः ३ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

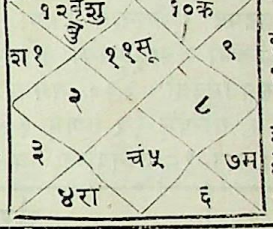

४७ पं.फा.शु.१४ चं.इ. ५३ ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	११	११	११	०	३	१०
१७	१६	५	१०	१६	६	२७	१७
५	११	१२	७	८	८	२१	१
३५	२८	३२	१६	१०	१०	४५	३३
६०	९	७४	१३	७३	५	३	६०
१२	५९	३२	१४	१४	४०	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०								दि. उ. अ.			भा. मु. इं			चन्द्रः	बसन्तर्तू रविरुत्तरे फा.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	बु	१५	०	उ	६०	०	भृ	६	५०	कौ	१५	०	२८ ४४	१५	४५	१२ १४ ३	कं.१३।२६	वसंत १
२	गु	१७	४६	उ	१	२०	शू	६	५	ग	१७	४६	४८	१४	४६	१३ १५ ४	कन्यायां	भ.४९।४४उ.पूभा.रविः ३५ (सौरः ५१ १४)
३	शु	२१	४२	ह	६	४१	गं	६	३०	वि	२१	४२	५३	१४	४६	१४ १६ ५	तु.३९।५०	भ.२१।४२या. चतुर्थी व्र.
४	श	२७	०	चि	१३	०	बृ	७	५१	बा	२७	०	५६	१३	४७	१५ १७ ६	तुलायां	
५	र	३३	५	स्वा	२०	१	ध्रु	९	४२	कौ	०	२	२९	१२	४८	१६ १८ ७	तुलायां	अश्वि.३शनिः ३।४८
६	चं	३९	२३	वि	२७	४०	व्या	१२	५	ग	६	१४	५	११	४९	१७ १९ ८	वृ.१०।४६	भ.३९।२३उ.
७	मं	४५	४५	अ	३५	११	ह	१४	१९	वि	१२	३४	९	१०	५०	१८ २० ९	वृश्चिके	भ.१२।३४या.
८	बु	५१	३२	ज्ये	४२	३	व	१६	१९	बा	१८	३८	१३	९	५१	१९ २१ १०	ध.४२।३	वक्रीबुधः २२।११ शीतलांपूजनम्
९	गु	५५	४९	मू	४७	४२	सि	१७	२२	तै	२३	४०	१७	९	५१	२० २२ ११	धनुषि	[×भौमः २१।५२ पापमोचनी ११ व्र.वै.
१०	शु	५८	४४	पू	५२	३	व्य	१७	१०	व	२७	१७	२१	८	५२	२१ २३ १२	धनुषि	भ.१७ उ.५८ या.बुधास्तः पश्चिमायां ३५
११	श	५९	३७	उ	५४	२०	व	१५	४५	ब्र	२९	११	२६	७	५३	२२ २४ १३	म.७।३७	अश्वि.मेषेशुक्रः १ पापमोचनी ११ व्र.स्मा.
१२	र	५८	३५	श्र	५४	४०	प	१२	४७	कौ	२९	६	३०	६	५४	२३ २५ १४	मकरे	मीनेऽर्कः ४८।२८ (सौरः ५१।३५) वक्री×
१३	चं	५५	३४	ध	५३	२४	शि	८	१७	ग	२७	४	३४	५	५५	२४ २६ १५	कुं.२४।२	भ. ५५ उ.उभा४गुरुः २९ आश्ले.३राहुः+
१४	मं	५०	५३	श	५०	२२	सि	३	५२	वि	२३	१३	३८	४	५६	२५ २७ १६	कुंभे	भ.२३।१३या.
२०	बु	४४	५५	पू	४५	४६	शु	४६	५९	च	१७	५४	४३	३	५७	२६ २८ १७	मी. ३५	मन्वादिः [+धनि १ केतुः ५० प्रदोषः

४८ पं.चै.कृ.६.चं.इ.५४।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	११	११	११	०	३	३
२४	१७	१०	११	२४	६	२६	२४
६	१२	५	४५	४१	५१	५९	२
२२	४३	१०	४७	४२	७	२९	५६
५९	४	१२	१३	७२	६	३	६०
५८	२९	५९	२०	५६	३	११	६

गोचर ग्रहाः

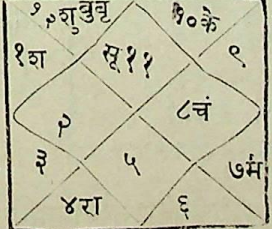

चैत्र कृष्णे १२ रवौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.३ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

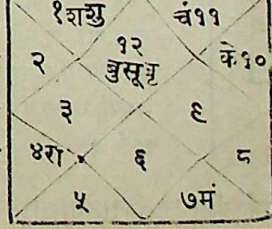

४९ पं.चै.कृ.१३ चं.इ.५४।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	११	०	०	३	११
१	१७	८	१३	३	७	२६	१
५	४४	१०	२५	११	३६	३७	२
३५	१३	५२	४१	५३	१४	३३	३८
५९	१६	५८	१३	७२	६	३	५९
४१	व.	वः	३२	४३	२५	११	४९

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०० तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४००० कलियुग-प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गत-कलिः ५१०० भोग्यकलिः ४२६९०० अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५६ शाकः १९२१ अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः । मंत्री बुधः । सस्येशो शुक्रः । धान्येशो गुरुः । मेघेशोभौमः । रसेशो रविः । नीरसेशो शुक्रः । फलेशो भौमः । धनेशो शुक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ६ नंदननाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्ककसमये गतमासादिः ९।२८।५२।५२ भोग्यमासादिः २।१।७।८ अहिबुध्न्य दैवतं युगम् । वर्षनाम भाद्रपदः । मेघनाम द्रोणः रोहिणी निवासः तटे । समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा १८ समयवाहनम् चातकः । स्तंभौ २ वायुतृणयोः । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी १ भानु सप्तमी ३ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ८७ खपति विश्वा ११४ वर्षाविश्वा ९ धान्यम् १५ तृणम् १७ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् ११५ सत्यम् ॥ धर्म १॥ पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहणाभावः ।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

कर जोड़े भैरव खड़ा माता थारे द्वार ।
छप्पन संवत् का कहो श्रीमुख से शुभसार ॥

भवानी उत्तर

भैरव छप्पन साल का भेद सुनाऊं तोय ।
नभचर चार विचार से श्रेष्ट जमाना होय ॥
अधिक लिया इस साल में सौम्य ग्रहां अधिकार ।
घर २ बजे बधावणां घर २ मंगलाचार ॥
गुरु राजा इस वर्ष में यह सब जग हर्षाय ।
मंत्री पद बुध को मिला करैं न्याय की न्याय ॥
फलपति पद को पायकर भौम भये मेघेश ।
राज प्रजा में अशुभफल करता रहे विषेश ॥
रोहिणी वासो सिंधुतट वर्षा विश्वा अंक ।
सब ही को सुख होयसी क्या राजा क्या रंक ॥
समय निवासो रजक घर स्तंभ लगे है दोय ।
अन जल की कमती रहे तेजी सब कुछ होय ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	बृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	११	५	८	२	५	८
ख.	५	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ७।२२

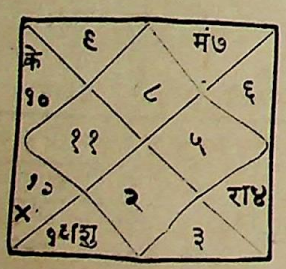

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	५	११	१४	२	२	१४
ख.	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् २।१३

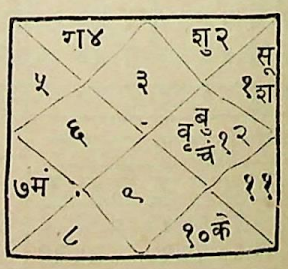

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५०।०

× चं. बृ. बु. सू. ।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुःफलम् ।। गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुघाश्च धनवः । यजन्ति विप्राः बहवोग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते । मंत्री बुधःफलम् ।। शशिसुते शुभमंत्रिसमागते स्वपतिना रमते मदनक्रियां ।। बहुधरिबहुवारिसमन्वितं यवमसूरचणान्न महर्घता ।। सस्येशः शुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलम् वर्षति शोभनप्रियम् ।। गोधूमशालीक्षुधनप्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुखप्रदानि ।। धान्येशोगुरुः फलम्।। गुरौ धान्यपतौ याति यवगोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्रह्मवादिनः ।। मेघेशो भौमः फलम् ।। अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि श्रुतिविचारविहीनमहीधराः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रचुरं बहुतापदम् ।। रसेशो रविः फलम् ।। रसपतौतरणौ धरणीतदा विरसभोगरताल्पपयोधराः । क्वसनतैलघृतप्रियमानवाः सुखरसं च भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। कर्पूरागुरुगन्धानां हेम मौक्तिकवाससां । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशो भौमस्तत्फम् ।। फलपति यदि भूतनयो भवेत्सुबहुपुष्पफलान्वितमेदिनी । गतभयानृतदेशजनास्तदा नृपतयो बहुविग्रहकारकाः । धनेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकला भुवि मानवाः । समसुखाः क्रय-विक्रयजीविनो नृपतयो जनपालनतत्पराः । दुर्गेशोभौमस्तत्फलम् ।। अवनिजो गढ़नायकतांगतो विविध दुःखवियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ।। नन्दननाम संवत्सरःफलम् ।। नंदनाब्दे सदा पृथ्वी बहुसस्यार्कवृष्टिभिः।।आनंददाखिलानां तु जन्तूनां समहीभुजाम् ।। वर्षनाम भाद्रपदः फलम् ।। अर्घं महर्घतां याति धनधान्यं समं भवेत् । मघवा वर्षति स्वच्छं सर्वदा भाद्रवर्षके ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा । रोहिणी निवासः तटे फलम् ।। तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे । रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयम् शुभाशुभम् ।।

संवत् २०५६ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

शु.११ चंद्रे उफा. ल. गो. सोग्रांगः रे. ७ऽ।।ऽगु।।।।।ऽलग्न-स्थ भौमदोषः पादवेधाद्गुरोर्वेधाऽभावो गणितेन-क्रांतिसाम्याभावश्च आवश्यके

,, १३ बुधे हस्ते ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ८ऽऽ।।।।।।।। भौ.१ दोषः

प्र. ज्वेष्ठ मासः ।

कृ. ४ भौमे मूले ल. ११ रे. ७ ।।।ऽऽअ.ऽ।।

,, १० भौमे उभा. ल. ११ रे. ७।।।।।ऽरो.ऽऽ।।

,, ११ बुधे रेवत्यां ल. ११ रे. ८।।ऽगु।।।।ऽ।।

द्वि. ज्येष्ठ मासः ।

शु. ८ चंद्रे हस्ते ल. अन्यगो. रे.८ ।ऽ।।।।ऽ।।।

,, १० बुधेस्वा.ल.गो.२रे.७।।।।ऽऽरो।ऽ।। वृषे श.१२पूज्यः

आषाढ मासः ।

कृ. ८ भौमे रेव. ल. अन्यगो. २ रे.७ ।।।।ऽअ।ऽ।ऽदग्धा

कार्तिक मासः ।

शु.१२ शनौ रेवत्यां ल. गो. रे. ९ ।।।।ऽ।।।।

,, १५ भौमे रोहि. ल.५रे.८ ।।।।ऽ।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ९ बुधे उफा.ल.अन्यगो.५ रे.७।।।।।ऽचो।ऽ।ऽदग्धा २६।११ उ.

,, १० गुरौ हस्ते ल.५रे.८।।।।।।ऽऽ।।

शु. ३ शनौ उषा. ल. अन्यगो.रे.१०।।।।।।।।।।

माघ मासः ।

कृ. १ शनौ मघा.ल.८।९रे.७।।।ऽबु।ऽरो ऽ।।।बुधस्यपाद-वेधाद्वेधाऽभावः

,, ५ भौमे उफा.ल.गो.(भौ. ८ दोषः) रे.७।।।।ऽऽअ-।ऽ।।हस्ते ल.८।९रे.७।।।।।ऽअऽऽ।।

,, ६ बुध हस्ते ल.गो.(भौ.८ दोषः)रे.८।।।।।।ऽऽ।।

,, ११ भौमे मूले ल.८रे,६ ।।।।ऽ।ऽऽ।ऽदग्धा.आवश्यके

शु. ४ बुधे रेवत्यां ल.८।९ रे.६ ।ऽ।।।ऽरोऽऽ।।

,, ५ गुरौ रेव.ल.अन्यगो.रे.७।ऽ।।।।ऽऽ।।

,, १० भौमे मृगे ल.अन्यगो.सोग्रांगःरे. ७।ऽ।।।ऽअ.।ऽ।।

,, १५ शनौ मघा.ल.८।९रे.८।।।।।।ऽचो।ऽ।।ध.४६।५२उ.

फाल्गुन मासः ।

कृ. २ चन्द्रे उफा.ल.गो.(भौ.८दो.)८।९ रे.८।।।।ऽऽ।।।। ध.५२।९ या.

,, ९ चन्द्रे मूले ल.८रे.७।।।।।ऽचोऽऽ।।

शु. १ भौमे उभा. ल. ८।९ रे. १० ।।।।।।।।।।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१								दि. उ. अ.		भा. मु. इं.		चन्द्रः	बसंततू रविरुत्तरेऽहर्गणः २५३८स. १९९९
१	गु	३७	४२	उ	४०	३९	शु	३८	८	किं	११	१८	मीने	उभा. रविः ९।३२ (सौरः १२।२१÷
२	शु	३०	११	रे	३४	४४	ब्र	२९	१	बा	३	५६	मे. ३४।४४	चंद्रदर्शनम् सिधारा
३	श	२२	३४	अ	२९	४	ऐं	१९	४७	ग	२२	३४	मेषे	भ ४८।५३उ.मत्स्यज. गणगौरी जिल्हेज १२
४	र	१५	१३	भ	२३	४२	वै	१०	४७	वि	१५	१३	बृ. ३७।३३	भ.१५।१३या.वक्री पूभा.बुधः३२।३८
५	चं	८	३३	कृ	१९	५	वि	४१	५२	बा	८	३३	वृषे	अस्तं गुरोः४८।०भा.चैत्रारंभः अ. गु.
६	मं	२	३०	रो	१५	५	आ	४८	२	तै	२	३०	मि. ४३	भ.५७।१८उ.भरण्यांशुक्रः१७।५७
७	मं	५४	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷संवत्सरारंभःनवरात्रा.
८	बु	५३	७	मृ	१२	९	सौ	४१	५१	वि	२५	१२	मिथुने	भ.२५।१२या.
९	गु	५०	२	आ	१०	१३	शो	३६	३५	बा	२१	३४	क. ५४।२७	वक्री कुंभे बुधः ७।४बुधोदयः पूर्वस्यां-×
१०	शु	४७	४५	पु	९	११	अ	३२	४	तै	१८	५४	कर्के	[×५६।१९रामनवमी
११	श	४६	४३	पु	९	१९	सु	२८	२२	व	१७	१४	कर्के	भ.१७।१४उ.४६।३२या.कामदा ११व्र.
१२	र	४६	३२	श्ले	१०	१७	धृ	२५	३८	ब	१६	३७	सिं. ५७	[*(सौरः३९।३८) हनुमज्जयंती
१३	चं	४७	३०	म	१२	३६	शू	२३	४६	कौ	१७	१	सिंहे	रेवती. १गुरुः१३।१७ प्रदोषः
१४	मं	४९	४९	पू	१५	४७	गं	२२	४६	ग	१८	४०	३७	५३ ७ ९ ११ ३० कं. ३१।५२ भ. ४९।४९उ.
१५	बु	५३	८	उ	२०	६	बृ	२२	१९	वि	२१	२८	४१	५२ ८ १० १२ ३१ कन्यायां भ.२१।२८ या. रेवत्यां रविः३७।११

५०पं.चै.शु.५चं.इ.५४।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	११	०	०	३	११
८	१७	२	१५	११	८	२६	८
३	४३	२	६	३९	२४	१४	०
१८	४८	३१	१८	३६	७	५८	३३
५९	१४	५६	३३	१३	७२	६	३	५९
२९	व:	व:	३५	२३	३८	११	३५

गोचर ग्रहाः

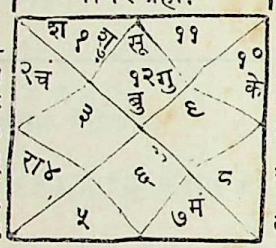

इस मास में गुड सक्कर चीनीं धान्य सोना चांदी रुई तेज होवे तथा पशु बीमारी ग्रसित होवे गल्ला तेज होवे

गोचर ग्रहाः

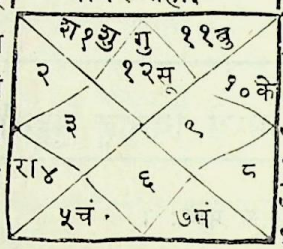

५१पं.चै.शु.१३चं.इ.५५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	११	०	०	३	११
१४	१७	२७	१६	२०	९	२५	१४
५९	८	४६	४९	३	१४	५२	५६
१०	१७	२४	३०	५८	२४	४२	४१
५९	१४	३५	१३	७२	६	३	५९
१६	व	व:	३८	२	५४	११	१८

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१								दि. उ. अ.		भा. मु. इं.		चन्द्रः	बसंततू रवि रुत्तरेचैत्र कृष्णतिमहा.;
१	गु	५७	२९	ह	२५	२०	ध्रु	२२	५५	बा	२५	१८	३० ५५ ९	११ १३ १ तुं. ५८।३३ अप्रैल ४ ता. ३०
२	शु	६०	०	चि	३१	४६	व्या	२४	१८	तै	३०	११	४९ ५० १०	१२ १४ २ तुलायां
३	श	२	५३	स्वा	३८	४१	ह	२६	५	ग	२	५३	५३ ४९ ११	१३ १५ ३ तुलायां भ. ३५।४८ उ.
४	र	८	४४	वि	४६	४	व	२८	३०	वि	८	४४	५७ ४९ ११	१४ १६ ४ वृ. २९।१३ भ.८।४४या. मार्गी बुधः६।१२ चतुर्थी व्र.
५	चं	१४	५७	अ	५३	४४	सि	३०	५४	बा	१४	५७	३१ ४८ १२	१५ १७ ५ वृश्चिके कृत्ति. शुक्रः१७।५३ अश्वि. ४शनिः९।१
५	मं	२१	२१	ज्ये	६०	०	व्य	३३	१५	तै	२१	२१	५ ४७ १३	१६ १८ ६ वृश्चिके
६	बु	२७	२२	ज्ये	१	१२	व	३४	५६	व	२७	२२	१० ४६ १४	१७ १९ ७ ध. १।१२ भ. २७।२२ उ. ५९।४५ या.
७	गु	३२	८	मू	७	४७	प	३५	५२	व	३२	८	१४ ४५ १५	१८ २० ८ धनुषि वृषे शुक्रः ५।३१
८	शु	३५	५३	पू	१३	७	शि	३५	४७	बा	३	३३	१८ ४४ १६	१९ २१ ९ म. २९।२ अस्तं शनेः३७।१४
९	श	३७	४८	उ	१६	४७	सि	३४	१३	तै	६	५०	२२ ४४ १६	२० २२ १० मकरे मीने बुधः२८।५०
१०	र	३७	४३	श्र	१८	४४	सा	३०	५८	व	७	४६	२६ ४३ १७	२१ २३ ११ कुं ४८।३४ भ. ७।४६।उ. ३७।४३या.
११	चं	३५	२९	ध	१८	२४	शु	२६	४	व	६	३६	३० ४२ १८	२२ २४ १२ कुंभे रेवती. २गुरुः४।३२ वरूथिनी ११व्र.
१२	मं	३१	१४	श	१६	१६	शु	२०	७	कौ	३	२१	३४ ४१ १९	२३ २५ १३ मी. ५८ प्रदोषः
१३	बु	२५	१२	पू	१२	११	व	११	४६	व	२५	१२	३८ ४० २०	२४ २६ १४ मीने भ. २५।१२उ. ५१।२३या. अश्वि-मेषेऽर्कः÷
१४	गु	१७	३३	उ	६	४३	ऐं	४३	५०	श	१७	३३	४२ ४० २०	२५ २७ १५ मीने उभा.बुधः७।३५ रोहि शुक्रः४४।१४
३०	शु	९	१	रे	५०	५९	वि	४२	३१	ना	९	१	४६ ३९ २१	२६ २८ १६ मे. ०।१० [÷११।११ (सौरः१४।११)

५२पं.वै.कृ.४चं..इ.५५।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	११	०	०	३	११
२१	१५	२७	१८	२७	१०	२५	२१
५३	५	६	५०	२९	२४	५	३०	५०
३१	१३	१८	३०	४७	३१	२७	५२
५९	१७	२०	५८	१३	७१	७	३	५९
४	व:	मा:	३८	३५	८	११	४

गोचर ग्रहाः

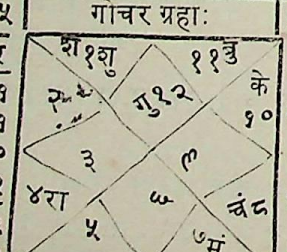

वैशाखकृष्णे १३ बुधे मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न.४ प्रगल्भा-वस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

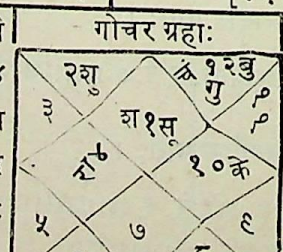

१ पं.वै.कृ.१३बु इ.११।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	११	१	०	३	११
०	१३	२	२०	८	११	२५	२९
०	४८	३९	२८	९	६	४	५७
०	२२	३२	३४	४७	४०	१९	४
५८	२६	४५	४३	१३	७१	७	३	५८
४४	व:	३	३२	४	१४	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्ल पक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २५६८सन् १९९९
१	शु	५०	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	५०	३५	भ	४५	५०	प्री	३२	१५	बा	२५	१०	३१ ३८ ३६	२७ २९ १७	बृ. ५९।११	चन्द्र दर्शनम्
३	र	४१	४८	कृ	३९	१२	आ	२१	४९	तै	१६	१२	५३ ३७ २३	२८ ११८	वृषे	परशुरामजयंती अक्षया ३मोहर्रम १सन् ×
४	चं	३३	५०	रो	३३	१८	सौ	१२	३१	व	८	४९	५७ ३७ २३	२९ २१९	वृषे	भ.८।४९उ.३३।५०या. [×१४२० हि.
५	मं	२६	५८	मृ	२८	३७	शो	३	५३	व	०	२४	३२ ३६ २४	३० ३२०	मि. ०।५८	उदयं गुरोः ५१।०
६	बु	२१	२२	आ	२५	२२	सु	५०	३२	तै	२१	२२	५ ३५ २५	१ ४२१	मिथुने	भा.वैशाखारंभः
७	गु	१७	२६	पु	२३	३२	धृ	४५	३७	व	१७	२६	९ ३४ २६	२ ५२२	कं.९।०	भ. १७।२६उ.४६।१३या.
८	शु	१४	५९	पु	२३	१४	शू	४२	०	ब	१४	५९	१२ ३४ २६	३ ६२३	कर्के	[+३गुरुः७।२४मोहिनी ११ व्र.
९	श	१४	४	श्ले	२४	१७	गं	३९	१३	कौ	१४	४	१६ ३३ २७	४ ७२४	सिं. २४ १६	पातस्पर्शः ३५।०पातमोक्षः ५२।५५
१०	र	१४	३०	म	२७	२	वृ	३७	५०	ग	१४	३०	२० ३२ २८	५ ८२५	सिंहे	भ.४५।२६उ. [=१७।३५ प्रदोषः
११	चं	१६	२२	पू	३०	४७	ध्रु	३७	२८	वि	१६	२२	२३ ३१ २९	६ ९२६	कं.४७।१	भ.१६।२२या.रेवत्यांबुधः ४६।३०रेवती +
१२	मं	१९	२६	उ	३५	४२	व्या	३८	२	बा	१९	२६	२७ ३१ २९	७ १०२७	कन्यायां	भरण्यांरविः ५१ (सौरः ५५) मृगे शुक्रः =
१३	बु	२३	३४	ह	४१	२६	ह	३८	४४	तै	२३	३४	३१ ३० ३०	८ ११२८	कन्यायां	नृसिंहजयंती
१४	गु	२८	२५	चि	४८	१०	व	४०	३५	व	२८	२५	३४ २९ ३१	९ १२२९	तु १४।४७	भ.२८।५५उ.
१५	शु	३४	०	स्वा	५५	७	सि	४२	२१	वि	१	१३	३८ २८ ३२	१० १३३०	तुलायां	भ.१।१३या.यमाय सान्नजलकुंभदानं

२पं. वै. शु. ६ बु. इ. ११/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	११	१	०	३	०
६	११	९	२२	१६	१२	२४	६
५०	३१	४२	८	१९	०	४२	४७
४२	१२	११	४२	१९	७	३	१५
५८	३६	६६	१३	७०	७	३	५८
३१	व.	१४	२६	२३	२०	११	२९

गोचर ग्रहाः

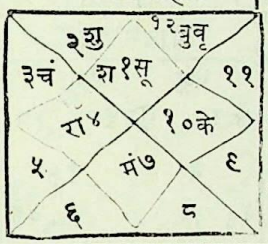

इस मास में गेहूं जो चना बाजरा मूंग मोठ मंदा हो गुड सक्कर में तेजी रहे धातु सोना चांदी में काफी तेजी बने।

गोचर ग्रहाः

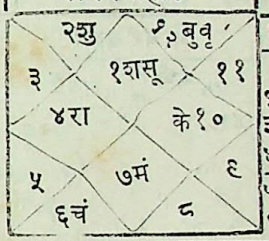

३ पं.वै.शु.१३ बु.इ. ११/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	११	१	०	३	०
१३	९	१८	२३	२४	१२	२४	१३
३९	०	४०	४७	२३	५४	१९	३५
५७	११	२४	३८	३५	११	४८	४०
५८	३५	८४	१३	६९	७	३	५८
१३	व	४४	२०	३५	२०	११	१२

ति.	प्र.ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४०	१	वि	६०	०	व्य	४४	४७	बा	७	०	३२ २८ ३३	११ १४ १	वृ. ४५।४१	भ.१शनिः ४२।५९ मई ५ ता. ३१
२	र	४६	७	वि	२	३३	व	४७	७	तै	१३	४	४५ २७ ३३	१२ १५ २	वृश्चिके	
३	चं	५२	१९	अ	९	५९	प	४९	३२	व	१९	१३	४८ २६ ३४	१३ १६ ३	वृश्चिके	भ.१९।१३उ.५२।१९या.मिथुने शुक्रः ९/५८
४	मं	५८	८	ज्ये	१७	३२	शि	५१	३८	ब्र	२५	१३	५२ २६ ३४	१४ १७ ४	ध.१७।३२	वक्री चित्रायां भौमः ४३।२१ व्र.
५	बु	६०	०	मू	२४	२२	सि	५२	५५	कौ	३०	३७	५५ २५ ३५	१५ १८ ५	धनुषि	अश्विनी मेषे बुधः २१।४७
५	गु	३	७	पू	३०	२४	सा	५३	३९	तै	३	७	५८ २४ ३६	१६ १९ ६	म ४६।३६	
६	शु	७	१९	उ	३५	१३	शु	५३	१४	व	७	१९	३ २४ ३६	१७ २० ७	मकरे	भ.७।१९उ.३८।४२ या.
७	श	१०	४	श्र	३८	३८	शु	५१	४०	ब	१०	४	५ २३ ३७	१८ २१ ८	मकरे	
८	र	११	२	ध	४०	१८	ब्र	४८	२५	कौ	११	२	८ २२ ३८	१९ २२ ९	कुं. ९।२८	आर्द्रा.शुक्रः ६।२०
९	चं	१०	१५	श	३९	४९	ऐं	४३	४१	ग	१०	१५	११ २२ ३८	२० २३ १०	कुम्भे	भ.३८।४७उ.रेवती.४गुरुः ३६।५०
१०	मं	७	१९	पू	३७	३५	वै	३७	२०	वि	७	१९	१४ २१ ३९	२१ २४ ११	मी.२३।९	भ.७।१९या.कृत्ति.रविः ३७।२१ (सौरः ×
११	बु	२	३२	उ	३३	१३	धि	२९	३०	बा	२	३२	१७ २१ ३९	२२ २५ १२	मीने	भरण्यांबुधः ४७ अपारा ११ व्र. [×४३।२८)
१२	बु	५	३	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷६।१५ वटपूजनम्
१३	गु	४७	४६	रे	२७	३५	प्री	२०	२७	ग	२१	४७	२० २० ४०	२३ २६ १३	मे.२७।३५	भ.४७।४६उ.प्रदोषः
१४	शु	३८	२८	अ	२०	३७	आ	१९ ४९	२०	वि	१३	७	२३ १९ ४१	२४ २७ १४	मेषे	भ.१३।७या.बुधास्तः पूर्वस्यां १९।१३
३०	श	२८	४१	भ	१२	५६	शो	४८	४०	च	३	३४	२६ १९ ४१	२५ २८ १५	वृ. २५।५८	वृषेऽर्कः ४।३६ (सौरः ११/५) उदयं शनेः÷

४पं.प्र.ज्ये. कृ.५ बु.इ. ११/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	११	२	०	३	०
२०	६	२९	२५	२	१३	२३	२०
२७	२८	४३	२४	२०	४७	५७	२२
२५	३७	२३	३२	३८	२०	३२	२३
५८	२३	०	१३	६८	७	३	५७
६	वे.	३०	८	४७	२०	११	५७

गोचर ग्रहाः

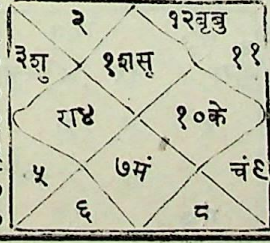

प्र. ज्येष्ठ कृष्णे ३० शनौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न. ५ सुतार्थिन्य-वस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

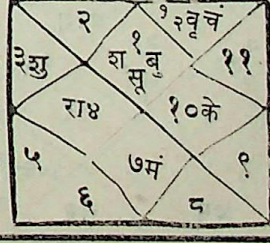

५ पं.प्र.ज्ये.कृ.११ बु.इ. १२/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	०	११	२	०	३	०
२७	४	१२	२७	१०	१४	२३	२७
१३	११	११	०	९	४०	३५	०७
३७	२	३१	१४	२९	३७	१६	३७
५७	१९	९	१२	६७	७	३	५७
५४	व.	३५	२४	३८	१४	११	४५

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. प्र.ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१ | दि उ. अ. | भा मु. इं | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २५९७ सन् १९९९

१	र	१८	३४	कृ	५५	२५	अ	३७	५३	ब	१८	३४	३३	१८	४३	२६	२९	१६	वृषे	चंद्रदर्शनम् अधिकमासारंभः
२	चं	८	५९	मृ	५०	४४	सु	२७	३७	कौ	८	५९	३१	१८	४२	२७	१	१७	मि. २४।७	आश्ळे. २ राहुः श्रव. ४ केतु. ०।४२ सफर २
३	मं	०	१५	आ	४५	१९	धृ	१७	१७	ग	०	१५	३४	१७	४३	२८	२	१८	मिथुने	भ. २६।३२ उ. ५२।४९ या.
४	मं	५२	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु	४७	२	पु	४१	३४	शु	१०	२६	ब	१९	५५	३७	१७	४३	२९	३	१९	क. २७।३०	कृति. बुधः २७।३६
६	गु	४३	४	पु	३९	३४	गं	५८	५१	कौ	१५	३	३९	१६	४४	३०	४	२०	कर्के	
७	शु	४१	१४	श्ले	३९	३०	धु	५५	२८	ग	१२	९	४२	१६	४४	३१	५	२१	सिं. ३९	भ. ४१।१४ उ. वृष बुधः २।४३
८	श	४१	१३	म	४१	२३	व्या	५३	३८	वि	११	१३	४४	१५	४५	१	६	२२	सिंहे	भ. ११।१३ या. पुन. शुक्रः १२ भा. ज्येष्ठारंभ
९	र	४२	५९	पू	४४	४९	ह	५२	४८	बा	१२	६	४७	१५	४५	२	७	२३	सिंहे	
१०	चं	४६	१०	उ	५०	१	व	५३	४२	तै	१४	३४	४९	१४	४६	३	८	२४	कं. १।७	[×२८/१० (सौरः ३७) रोहि. बुधः ३६ कमला ÷
११	मं	५०	४६	ह	५६	८	सि	५४	४६	व	१८	२२	५२	१४	४६	४	९	२५	कन्यायां	भ. १८।२२ उ. ५०।४६ या. रोहि. रविः ×
१२	बु	५६	२	चि	६०	०	व्य	५६	५२	ब	२३	२५	५४	१३	४७	५	१०	२६	तु. २९।३६	अश्वि. १ मेषे गुरुः ०।४६ [÷११ व्रतम्
१३	गु	६०	०	चि	३	५	व	५९	५	कौ	२९	१	५६	१३	४७	६	११	२७	तुलायां	प्रदोषः
१३	शु	१	५९	स्वा	१०	१९	प	६०	०	तै	१	५९	५८	१२	४८	७	१२	२८	तुलायां	भरणी २ शनिः २७।४२
१४	श	८	५	वि	१७	४७	प	१	२२	व	८	५	३४	१२	४८	८	१३	२९	वृ. ०।५५	भ. ८।५ उ. ४१।६ या.
१५	र	१४	६	अ	२५	९	शि	३	४०	ब	१४	६	२	१२	४८	९	१४	३०	वृश्चिके	कर्के शुक्रः ४७।५४

६ षं.प्र.ज्ये.शु.५ बु.इ. १२/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	११	२	०	३	१
३	२	२६	२८	१७	१५	२३	३
५८	२२	८	३२	४९	३२	१३	५१
३७	१९	१७	२८	१२	५६	१	१८
५७	३३	५९	१२	६६	७	३	५७
४४	व.	५६	२०	२२	६	११	३४

गोचर ग्रहाः

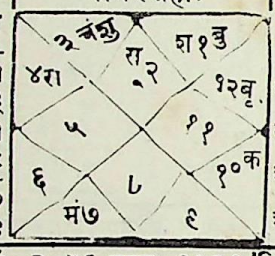

इस माससमें सोना चांदी रुई पाट बारदान अनाज चावल गेहूं बाजरा गुड सक्कर आदि में तेजी हो, धूप अधिक वायुका जोरहो

गोचर ग्रहाः

७ पं.प्र.ज्ये.शु.१२ बु.इ. १२/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	०	२	०	३	१
१०	१	११	०	२५	१६	२२	१०
४२	१०	१६	२	१७	२४	५०	३३
२९	४१	५२	२०	२	२२	४५	२९
५७	३५	५९	१२	६४	६	३	५७
२५	व.	५३	१	४६	५६	११	२३

ति. द्वि.ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१	दि. उ अ.	भा. मु. इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे प्र.ज्येष्ठ कृष्णेति महा.

१	चं	२०	४	ज्ये	३२	२०	सि	६	१	कौ	२०	४	३४	११	४९	१०	१५	३१	ध. ३२	मृगे बुधः ४०।४५
२	मं	२५	३२	मृ	३८	५५	सा	७	५७	ग	२५	३२	५	११	४९	११	१६	१	धनुषि	भ. ५७/१८ उ. मार्गी भौमः ३३/४८ जून ६ ता. ३०
३	बु	२९	०५	पू	४४	५६	शु	९	१४	वि	२९	५	७	११	४९	१२	१७	२	धनुषि	भ. २९।५ या. पुष्येशुक्रः ५८/३ च. व्र.
४	गु	३३	५२	उ	५०	४	शु	१०	१०	ब	२२	८	९	१०	५०	१३	१८	३	म. १।१३	मिथुने बुधः ५१।३४
५	शु	३६	३८	श्र	५४	७	ब्र	१०	६	कौ	५	१५	१०	१०	५०	१४	१९	४	मकरे	
६	श	३८	८	ध	५६	४१	ऐं	९	११	ग	७	२४	१२	१०	५०	१५	२०	५	कुं. ३५/४	भ. ३८।८ उ. बुधोदयः पश्चिमायां ३९।९
७	र	३८	१६	श	५७	४५	वै	७	१०	वि	८	१२	१३	९	५१	१६	२१	६	कुंभे	भ. ८।१२ या.
८	चं	३६	३७	पू	५७	२३	वि	५३	२६/५५	बा	७	२६	१५	९	५१	१७	२२	७	मी. ४२/२९	आर्द्रा. बुधः ११।३९
९	मं	३३	३०	उ	५५	१६	आ	५३	११	तै	५	४	१६	९	५१	१८	२३	८	मीने	मृगे रविः २३।३ (सौरः ३६।१३)
१०	बु	२८	३०	रे	५१	३५	सो	४६	६	व	१	०	१७	९	५१	१९	२४	९	मे. ५५	भ. १।० उ. २८।३० या.
११	गु	२२	२	अ	४६	३०	शो	३७	२७	बा	२२	२	१८	८	५२	२०	२५	१०	मेषे	कमला ११ व्र.
१२	शु	१४	१२	भ	४०	२	अ	२८	८	तै	१४	१२	१९	८	५२	२१	२६	११	बृ. ५३	अश्वि. २ गुरुः ४७।२९ प्रदोषः
१३	श	५	२१	कृ	३२	३८	सु	१८	४९	व	५	२१	१९	८	५२	२२	२७	१२	बृषे	भ. ५।२१ उ. ३०.३० या.
१४	श	५०	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	र	४५	५२	रो	२५	१	धृ	१३	७/५९	च	२०	४४	२०	८	५२	२३	२८	१३	मि. ५१/१९	अधिकमास समाप्तिः

८ पं.द्वि.ज्ये.कृ.३ बु.इ. १२/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	०	३	०	३	१
१७	०	२६	१	२	१७	२२	१७
२५	३९	३२	२८	३१	१४	२८	१४
१९	५४	२०	३०	२६	४६	३०	३५
५७	४	५९	११	६२	६	३	५७
२७	मा	४६	२४	५०	३८	११	१३

गोचर ग्रहाः

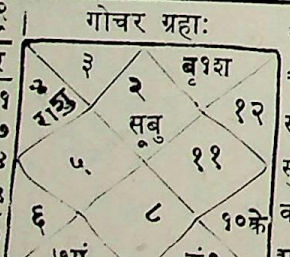

इस मास में गेहूं जो चना मटर अरहर गुड सक्कर में मंदी होकर सुदी में तेजी की संभावना है प्रजा में शांति और वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

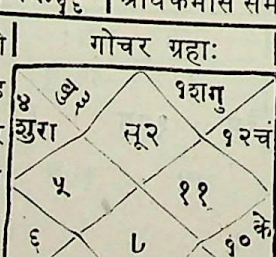

९ पं.द्वि.ज्ये.कृ.१० बु.इ. ३३/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	२	०	३	०	३	१
२४	०	१०	२	९	१८	२२	२३
७	४८	२८	५१	२८	२	६	५४
१९	२५	१९	४०	५	३८	१४	३१
५७	६	५९	१०	६०	६	३	५७
२२	१०	२०	५४	२२	२६	११	०५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	द्वि. ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१						दि. उ. अ.		भा. मु. इं.		चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २६२९स.१९९९
१	चं	३६	१८	मृ	१७	३१	गं	४६	२०	किं	११	५	३३/६०	८/५३	२४	२९	१४	मिथुने	पुन.बुधः ३१।०
२	मं	२७	३४	आ	१०	५०	बृ	३७	०	बा	१	५६	२१	८	५२	२५	३०	१५	क.५१।४०	मिथुनेऽर्कः ३७ (सौरः ३७।१) चंद्रदर्शनम्
३	बु	२०	१७	पु	५	१७	ध्रु	२८	४३	ग	२०	१७	२२	८	५२	२६	११	१६	कर्के	भ.३३/५ उ.आश्ले.शुक्रः ४८।३९ रविलावल ३
४	गु	१४	४८	पु	१३	५८	व्या	२१	५४	वि	१४	४८	२३	८	५२	२७	२	१७	सिं. ५९	भ.१४।४८ या.
५	शु	११	२५	म	५९	२०	ह	१६	५०	बा	११	२५	२३	७	५३	२८	३	१८	सिंहे	
६	श	९	५९	पू	६०	०	च	१३	३६	तै	९	५९	२३	७	५३	२९	४	१९	सिंहे	
७	र	९	३४	पू	१	४३	सि	११	५०	च	९	३४	२३	७	५३	३०	५	२०	कं.१७।४४	भ.९।३४ उ.४०।१८ या.
८	चं	११	२	उ	५	४७	व्य	११	५३	ब	११	२	२४	७	५३	३१	६	२१	कन्यायां	कर्के बुधः २१।५७ [×आषाढारंभः
९	मं	१७	४३	ह	११	२६	च	१२	३७	कौ	१७	४३	२४	७	५३	१	७	२२	तु.४४।४९	आर्द्रा रविः ३३ (सौरः ३३/४) भा.×
१०	बु	२३	१	चि	१८	१३	प	१४	२५	ग	२३	१	२४	७	५३	२	८	२३	तुलायां	भ.५६।७ उ.गंगादशमी
११	गु	२९	१४	स्वा	२५	४०	शि	१६	४९	वि	२९	१४	२४	७	५३	३	९	२४	तुलायां	भ.३९/४ या.पुष्ये बुधः ७।१९ निर्जला ११ व्र.
१२	शु	३५	२८	वि	३३	१६	सि	२०	२५	च	२	२१	२४	७	५३	४	१०	२५	वृ.१६।२२	
१३	श	४१	३३	अ	४०	४४	सा	२१	५३	कौ	८	२७	२३	७	५३	५	११	२६	वृश्चिके	प्रदोषः
१४	र	४७	१०	ज्ये	४७	४७	शु	२४	३	ग	१४	२१	२३	७	५३	६	१२	२७	ध.४७।४७	भ.४७।१० उ.भरणी ३ शनिः ५८।४२
१५	चं	५२	७	मृ	५४	१०	शु	२५	५८	वि	१९	३८	२२	८	५२	७	१३	२८	धनुषि	भ.१९।३८ या.गुर्जरागां वटसावित्री व्र.

१०पं.द्वि.ज्ये. शु. ३ बु.इ. १२/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	०	३	०	३	२
०	१	२२	४	१६	१८	२१	०
४८	३३	२४	१०	५	४८	४३	३३
३६	३२	२५	८	३१	१४	५८	४०
५७	११	९४	१०	३७	६	३	५६
१७	३४	४२	११	१४	७	११	५७

गोचर ग्रहाः

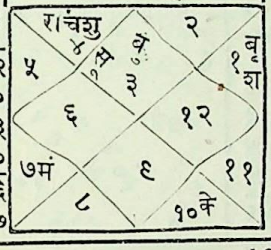

द्वि.ज्येष्ठ शुक्ले २ भौमे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा ४ न. ६ गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्या दिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिम मायाम्

गोचर ग्रहाः

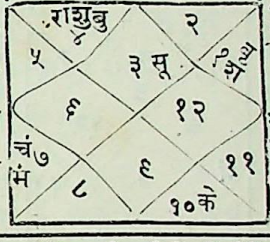

११पं.द्वि.ज्ये.शु १० बु.इ. १२/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	३	०	३	२
७	२	२	५	२२	१९	२१	७
२९	५२	१३	२२	१६	३१	२१	१२
३१	२३	३७	५९	४८	३४	४३	०७
५७	१६	७२	९	५३	५	३	५६
१३	१७	३६	२९	१	४६	११	५४

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१						दि. उ. अ.		भा. मु. इं		चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठकृष्णेत्ति महा.
१	मं	५६	१	पू	५९	३०	ब्र	२६	५६	बा	२४	४	३३/६०	८	५२	८	१४	२९	धनुषि	
२	बु	५९	८	उ	६०	०	ऐं	२७	१२	तै	२७	३४	२१	८	५२	९	१५	३०	म. १५/१०	
३	गु	६०	०	उ	४	८	वै	२६	४९	व	३०	४	२०	८	५२	१०	१६	१	मकरे	भ.३०/५ उ. अश्वि.३ गुरुः १३/६ जुलाई ७ ता. ३१
३	शु	१	०	अ	७	४४	वि	२५	४३	वि	१	०	१९	८	५२	११	१७	२	कुं.३८।५८	भ.१।० या.मघा. सिंहेशुक्रः ४७।३९ च .व्र.
४	श	१	५९	ध	१०	११	प्री	२३	४०	बा	१	५९	१८	८	५२	१२	१८	३	कुंभे	
५	र	१	५१	श	११	४१	आ	२०	४६	तै	१	५१	१७	९	५१	१३	१९	४	मी. ५७।५	
६	चं	०	३७	पू	१२	१४	सौ	१७	०	व	०	३७	१६	९	५१	१४	२०	५	मीने	भ.०।३७ उ.२९।२६ या.
७	चं	५७	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	मं	५४	३५	उ	११	२०	शो	१२	७	बा	२६	२४	१५	९	५१	१५	२१	६	मीने	पुन.रविः १९/२ (सौरः ४३/६६) स्वात्वां ×
९	बु	४९	५१	रे	९	१७	अ	७	३७	तै	२२	१३	१४	९	५१	१६	२२	७	मे.९।१७	[×भौमः २९।६
१०	गु	४४	५०	अ	६	५	ध्रु	५२	२६	व	१७	२०	१३	९	५१	१७	२३	८	मेषे	भ.१७।२० उ.४४।५० या.
११	शु	३६	५४	भ	४	५३	शू	४२	४३	ब	१०	२२	११	१०	५०	१८	२४	९	वृ. १५/२४	योगिनी ११ व्र.
१२	श	२८	५७	रो	५०	२८	गं	३४	३१	कौ	२	२५	१०	१०	५०	१९	२५	१०	वृषे	प्रदोषः
१३	र	२०	३२	मृ	४३	५३	बृ	२४	५८	व	२०	३२	८	१०	५०	२०	२६	११	मि. १७/१०	भ.३३/० उ.४६।६ या.वक्री बुध :३।४९÷
१४	चं	११	४०	आ	३७	३३	ध्रु	१५	१५	श	११	४०	७	११	४९	२१	२७	१२	मिथुने	[÷आश्ले.१ राहुः अव.३ केतुः ५१।६
१५	मं	३	१९	पु	३१	३२	व्या	५०	१२	ना	३	१९	५	११	४९	२२	२८	१३	कं.१८।२	

१२ पं.आ.कृ. २ बु.इ. १३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	३	०	३	२
१४	४	९	६	२७	२०	२०	१३
९	४०	३९	३१	५६	११	५९	५०
५८	५२	७	८	१३	५३	२७	१२
५७	१९	४५	८	४७	५	३	५६
७	५८	२२	४१	५०	२०	११	५०

गोचर ग्रहाः

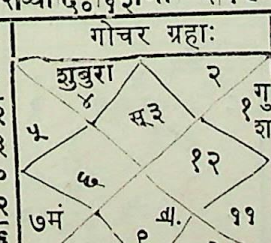

आषाढ शुक्ले ४ शुक्रे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिम मायाम्

गोचर ग्रहाः

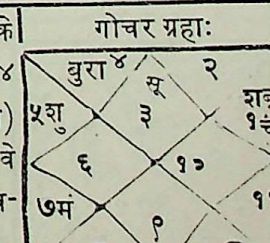

१३पं.आ.कृ.९ बु.इ.१२।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	४	०	३	२
२०	६	१४	७	२	२०	२०	२०
५०	५६	१२	३३	५४	४९	३७	२८
२४	४२	३२	७	७	१२	१२	०६
५७	२३	१६	७	४१	४	३	५६
७	७	१३	४३	०	५३	११	५०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१			दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेहर्गणः २६५६ म.१९९०
१	मं ५२ २८	० ० ०	० ० ०	० ० ०			० ० ०			०	
२	बु ४९ २८	पु २६ ४७	व ४९ २१	ना २२ ३७	३४ ५ ६	३ १५ ४९	२३ २९ १४			कर्के	चंद्र दर्शनम् रथयात्रा
३	गु ४४ ५६	श्ले २३ २८	सि ४२ ५८	तै १७ १२	१ १२ ४८		२४ १ १५			सिं. ३३ ८	रविलारवर ४
४	शु ४२ ३२	म २२ १	व्य ३७ ५	व १३ ४४	३५ १२ ४८		२५ २ १६			सिंहे	भ.१३ उ. ४२।३२या.कर्केऽर्क:४८।४८
५	श ४२ ०	पू २२ ३८	व ३५ १	ब १२ १६	५७ १३ ४७		२६ ३ १७			कं.३८।१९	कर्कऽर्क:सौर:१५।२०
६	र ४३ ४०	उ २५ १९	ष ३३ ४६	कौ १२ ५०	५५ १३ ४७		२७ ४ १८			कन्यायां	बुधास्त:पश्चिमायां ३४।१४
७	चं ४७ ११	ह २९ ४७	शि ३३ २५	ग १५ २६	५२ १४ ४६		२८ ५ १९			कन्यायां	भ.४७।११उ.
८	मं ५२ ६	चि ३५ ४५	सि ३४ ३७	वि १९ ३९	५० १४ ४६		२९ ६ २०			तु.२।४६	भ.१९ या.पुष्ये रविः१८।६ (सौर:४६।१
९	बु ५८ ५	स्वा ४२ ४४	सा ३६ ४१	वा २५ ५	४८ १४ ४६		३० ७ २१			तुलायां	
१०	गु ६० ०	वि ५० १३	शु ३९ ७	तै ३१ १३	४५ १५ ४५		३१ ८ २२			वृ.३३।२०	
१०	शु ४ २२	अ ५७ ५६	शु ४१ ३८	ग ४ २२	४३ १५ ४५		१ ९ २३			वृश्चिके	भ.३७।२७उ.भा.श्रावणारंभ :
११	श १० ३३	ज्ये ६० ०	ब्र ४३ ५७	वि १० ३३	४० १६ ४४		२ १० २४			वृश्चिके	भ.१०।३३या. देवशयनी ११ व्र.
१२	र १५ ५८	ज्ये ५ २	ऐं ४५ ४६	बा १५ ५८	३८ १६ ४४		३ ११ २५			ध.५।२	हरिवासराऽभावः प्रदोषः
१३	चं २० ४३	मू ११ २९	वै ४६ ४२	तै २० ४३	३५ १७ ४३		४ १२ २६			धनुषि	
१४	मं २४ ८	पू १६ ४३	वि ४६ ४२	व २४ ८	३३ १७ ४३		५ १३ २७			म.३२।४४	भ.२४।८उ.५५ या.वायुपरीक्षा
१५	बु २६ २०	उ २० ४५	प्री ४५ ४३	व २६ २०	३० १८ ४२		६ १४ २८			मकरे	अश्वि.४गुरुः ४७ गुरु १५व्यास पूजा

१४ पं.आ.शु.२बु इ.१२।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	४	०	३	२
२७	९	१५	८	६	२१	२०	२७
३०	३४	२३	२८	५८	२३	१४	६
४३	४४	२८	१	३४	१३	५६	१३
५७	२५	१३ १९	६	३१	४	३	५६
११	४६	व	४१	५६	२७	११	५४

१५ पं.आ.शु.९ बु .इ.१२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	०	४	०	३	३
४	१२	१२	९	९	२१	१९	३
११	३३	५९	१६	५१	५२	५२	४४
२८	४०	५३	२६	२५	२३	४०	४०
५७	२८	३९	५	२०	३	३	५६
१५	१८	व	४९	१०	४८	११	५८

१६ पं.आ.शु.१५बु.इ.१९

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	०	४	०	३	३
१०	१५	८	९	११	२२	१९	१०
५२	४९	१५	५७	१३	१७	३०	२३
३०	२३	३६	१४	५९	४९	२५	५७
५७	३०	४४ ४४	४	५	३	३	५७
२०	१७	व	४२	२७	१६	११	०५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१			दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेआषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु २७ १७	श्र २३ २८	आ ४३ ४२	कौ २७ १७	३७ १९ ४९		७ १५ २९			कुं.५४।१७	
२	शु २७ २	ध २५ ५	सो ४१ ५	ग २७ २	२४ १९ ४१		८ १६ ३०			कुम्भे	भ.५६।५६उ.वक्री शुक्रः२७।५१
३	श २५ ५०	श २५ ४४	शो ३७ २७	वि २५ ५०	२२ २० ४०		९ १७ ३१			कुंभे	भ.२५।५० या. चतुर्थी व्र.
४	र २३ ३४	पू २५ ३५	अ ३३ २२	बा २३ ३४	१९ २० ४०		१० १८ १			मी. ३७	अगस्त ८ ता. ३१
५	चं २० ३९	उ २४ ३१	सु २८ २९	तै २० ३९	१६ २१ ३९		११ १९ २			मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	मं १७ २	रे २२ ४६	धृ २२ ५८	व १७ २	१३ २१ ३९		१२ २० ३			मे.२२ ४६	भ.१७ उ.४९ या.आश्ले.रविः १५ (सौर:४६
७	बु १२ ५६	अ २० २९	शू १६ ५६	ब १२ ५६	१० २२ ३८		१३ २१ ४			मेषे	बुधोदयःपूर्वस्यां २२।४३
८	गु ७ ५८	भ १७ २९	गं १० २२	कौ ७ ५८	७ २३ ३७		१४ २२ ५			बृ. ३१ ४	विशा.भौमः२८।३१
९	शु २ ३३	कृ १३ ५२	वृ २५ ५५	ग २ ३३	४ २३ ३७		१५ २३ ६			वृषे	भ.२९ उ.५६ या.मार्गी बधः४३।५५
१०	शु ५३ ५५	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०		० ० ०			०	
११	श ५० ०	रो ९ ४५	व्या ४८ २	ब २३ १४	० २४ ३६		१६ २४ ७			मि. ३७ २८	कामिका ११व्र.स्मा.
१२	र ४३ १०	मृ ५ १०	ह ३९ ४४	कौ १६ ३५	३७ २५ ३५		१७ २५ ८			मिथुने	कामिका ११व्र.वै.
१३	चं ३६ २०	आ २९ १७	व ३१ ३८	ग ९ ४५	५४ २५ ३५		१८ २६ ९			क. ४५ ७	भ.३६।२०उ. प्रदोषः
१४	मं २९ ५३	पु ५१ ३६	सि २३ ४५	वि ३ ७	५० २६ ३४		१९ २७ १०			कर्के	भ.३।७ या.
३०	बु २४ १६	श्ले ४८ २२	व्य १६ २०	ना २४ १६	४७ २७ ३३		२० २८ ११			सिं. ४६ ३९	शुक्रास्तः पश्चिमायां ३०।०हरियाली ३०

१७ पं.श्रा.कृ.७बु.इ. ११ ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	३	०	४	०	३	३
१९	१९	४	१०	१०	२२	१९	१७
१८	१८	४८	२९	४९	३८	८	३
४०	४०	२२	२०	३७	४९	९	४५
३२	३२	१९	३	३३	२	३	५७
१८	१८	व	३४	व.	३१	११	१२

ग्रोचर ग्रहाः

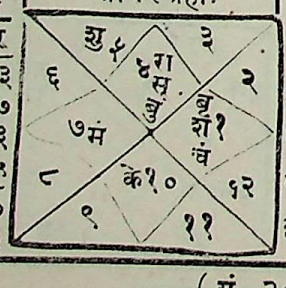

इस मास में बाजरा मूंग मोठगेहूं जो आदि धान्य मंदा होवे चांदी सोना ताम्बा आदि धातु व रस तेज हो वर्षा होवे ।

ग्रोचर ग्रहाः

१८ पं.श्रा.कृ. ३०बु.इ. ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	०	४	०	३	३
२४	२३	६	१०	८	२२	१८	२३
१६	२	११	५३	२८	५४	४५	४४
३७	४२	२४	२०	१	४०	५४	५२
५७	३४	३५ ३०	२	२९ १९	१	३	५७
३३	३	मा	१९	व.	५२	११	२२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१						दि. उ. अ.		भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षर्तुः रविर्दक्षिणेहर्गणः २६८५सन् १९९९
१	गु	१९	५४	म	४६	१४	व	९	४६	ब	१९	५४	३२ ४४	२७ ३३	२१ २९ १२	सिंहे	
२	शु	१७	२	पू	४६	०	प	४	२२	कौ	१७	२	४० २८	३२	२२ ३० १३	सिंहे	चंद्र दर्शनम् सिधारा
३	श	१६	५	उ	४७	४०	शि	२९	५५	ग	१६	५	३७ २९	३१	२३ १ १४	कं. १।२५	भ. ३३ उ.तीज.जमादिलावल ५
४	र	१७	२	ह	५१	०	सा	५६	५६	वि	१७	२	३३ २९	३१	२४ २ १५	कन्यायां	भ.१७।२या.वरद ४
५	चं	१९	४९	चि	५५	५९	शु	५७	४	बा	१९	४९	३० ३०	३०	२५ ३ १६	तु.२३।२९	नागपंचमी
६	मं	२४	९	स्वा	६०	०	शु	५७	५२	तै	२४	९	२६ ३१	२९	२६ ४ १७	तुलायां	मघा.सिंहेर्कः९।९. (सौर:४३।१३)
७	बु	२९	४१	स्वा	२	२६	ब्र	५८	१८	व	२९	४१	२३ ३२	२८	२७ ५ १८	वृ.२५।४४	भ.२९।४१उ.
८	गु	३५	५३	वि	९	३०	एं	६०	०	वि	२	४७	१९ ३२	२८	२८ ६ १९	वृश्चिके	भ.२।४७या.
९	शु	४२	२	अ	१७	७	ऐं	२	४४	बा	८	५७	१५ ३३	२७	२९ ७ २०	वृश्चिके	आश्ले.बुध:५३।५१
१०	श	४७	४७	ज्ये	२४	२२	वै	५	११	तै	१४	५५	१२ ३४	२६	३० ८ २१	ध.२४।२२	[×पूर्वस्यां श्रावणी कर्म.रक्षाबंधनंभद्रोत्तरं
११	र	५२	४२	मू	३१	११	वि	७	१९	व	२०	१४	८ ३४	२६	३१ ९ २२	धनुषि	भ.२०।१४उ. ३३या. पवित्रा ११ब.
१२	चं	५६	१	पू	३६	३१	प्री	८	२२	व	२४	२२	४ ३५	२५	१ १० २३	म.५२।३३	बृश्चिके भौम:२१।५९भा.भाद्रपदारंभ :
१३	मं	५७	५०	उ	४०	४०	आ	८	३४	कौ	२६	५६	१ ३६	२४	२ ११ २४	मकरे	वक्री गुरु:९।३०प्रदोष :
१४	बु	५८	४	अ	४३	७	सौ	७	३४	ग	२७	५७	३३ ३७	२३	३ १२ २५	मकरें	भ.५८।४उ.वक्री कर्के आश्ले.शुक्र:४०।०
१५	गु	५६	४७	ध	४४	८	शो	५	२२	वि	२७	२६	५३ ३७	२३	४ १३ २६	कुं.१३।३८	भ. ३७या.बुधास्त:पूर्वस्यां ३३ शुक्रोदय:×

१९ पं.श्रा.शु.७बु.इ.११।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	०	४	०	३	४
०	२६	१२	११	४	२३	१८	०
५९	५९	५०	७	३६	५	२३	२७
५३	४२	१३	३७	४	५६	३८	५
५७	३५	८४	०	४६	१	३	५७
४०	२५	५३	५८	व.	१३	११	३४

गोचर ग्रहाः

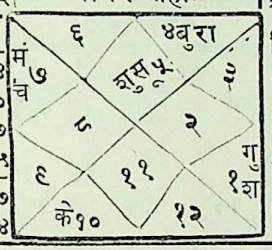

श्रावण शुक्ले ६ भौमे सिंहेर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. १५ घान्या दिभावे महर्धता शुक्रास्त :पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

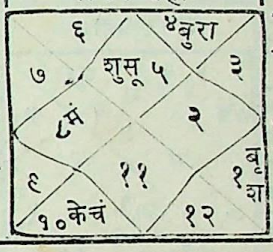

२० पं.श्रा.शु.१४बु..इ. ११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	०	४	०	३	४
७	१	२३	११	०	२३	१८	७
४४	६	४८	१३	१६	१२	१	१०
२०	२६	३२	१२	१६	७	२२	३५
५७	३६	८०	१०	३३	०	३	५७
४९	३४	८०	व.	व.	३१	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१						दि. उ. अ.		भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेश्रावण कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५४	१२	श	४३	४४	अ	४९	५५	बा	२५	२९	३१ ४९	५ ३८	५ १४ २७	कुंभे	
२	श	५०	३१	पू	४२	२०	ध	५१	५३	तै	२२	२१	४६ ३९	२१	६ १५ २८	मी. ३५	मघा.सिंहे बुध: ३५ अनु.भौम:५७।२०
३	र	४६	८	उ	३९	५९	शू	४५	५८	व	१८	१९	४२ ४०	२०	७ १६ २९	मीने	भ. १९ उ.४६।८या.वक्री शनि:४८।९
४	चं	४१	५	रे	३६	५९	गं	३९	२३	व	१३	३७	२८ ४०	२०	८ १७ ३०	मे. ३९	पूफा.रवि:५८।४५ चतुर्थी व्र.
५	मं	३६	८	अ	३३	५३	वृ	३२	३४	कौ	८	३७	३४ ४१	१९	९ १८ ३१	मेषे	पूफा.रवि:सौर:३४।५चंद्रषष्ठी
६	बु	३०	५३	भ	३०	३५	धु	२५	४६	ग	३	३१	३० ४२	१८	१० १९ १	बृ. ४४	भ. ३९ उ. ५८या.सितम्बर ९ ता. ३०
७	गु	२५	४२	कृ	२७	२०	व्या	१८	४२	ब	२५	४२	२६ ४३	१७	११ २० २	वृषे	जन्माष्टमी व्र.स्मार्ता.जयंती
८	शु	२०	२९	रो	२४	२	ह	११	३८	कौ	२०	२९	३२ ४४	१६	१२ २१ ३	मि. ५२	जन्माष्टमी व्र.वै.
९	श	१५	१२	मृ	२०	३५	व	४१	५३	ग	१५	१२	१८ ४४	१६	१३ २२ ४	मिथुने	भ. ३२ उ.पूफा.बुध:१९।१० गोगा ९
१०	र	१०	२	आ	१७	१७	व्य	५०	५६	वि	१०	२	१५ ४५	१५	१४ २३ ५	मिथुने	भ.१०।२ या.
११	च	४	५९	पु	१४	१९	व	४४	१७	बा	४	५९	११ ४६	१४	१५ २४ ६	क.०।४	अजा ११ व्र.
१२	मं	०	२६	पु	११	३६	प	३८	१०	तै	०	२६	७ ४७	१३	१६ २५ ७	कर्के	भ ३६ उ. वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	मं	५५	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	० ० ०	०	
१४	बु	५३	१०	श्ले	९	३५	शि	३२	२८	वि	२४	४७	३ ४७	१३	१७ २६ ८	सि. ३५	भ.२४।४७या.
३०	गु	५१	१५	म	८	२०	सि	२७	४२	च	२२	१२	३९ ४८	१२	१८ २७ ९	सिंहे	मांगी शुक्र:३६।२१कुशाग्रहणी.मन्वादि :

२१ पं. भा.कृ.६ बु.इ. ११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	०	३	०	३	४
१४	५	७	११	२६	२३	१७	१३
३०	२१	१३	८	४५	१२	३९	५५
०	२४	४४	१३	४०	५८	७	४७
५८	३७	८०	१	२१	१६	३	५७
१	२५	५३	व	व.	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

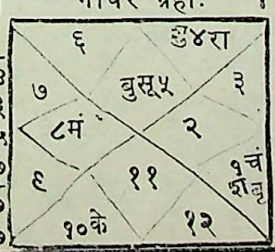

इस मास में धान्य रुई सोना चांदी लोहा रंग सूत तेज होगे प्रजा में अशांति रहे कहीं २ थोडी वर्षा भी होवे।

गोचर ग्रहाः

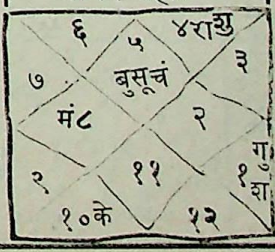

२२ पं.भा.कृ. १४बु.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	०	३	०	३	४
२१	९	२०	१०	२४	२३	१७	२०
१७	४३	५४	५३	५७	८	१६	४२
२	५१	२५	२८	४०	४९	५१	२७
५८	३८	८०	५३	३४	५८	३	५८
१३	२०	१३	व	व.	व.	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१						दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७१४ स. १९९८
१	शु ५० ३७	पू ८ २२	सा २३ ४७	कि २० ५६	३० ४५ १६	१९ २८ १०	कं. ३३			
२	श ५१ ३८	उ ९ ३७	शु २० ५६	बा २१ ८	५१ ५० १०	२० २९ ११	कन्यायां			उफा. बुधः १०।५७ चंद्र दर्शनम्
३	र ५४ २२	ह १२ ३२	शु १९ ५३	तै २३ ०	४७ ५१ ९	२१ १ १२	तु. ४४।४७			हरितालिका ३
४	चं ५८ २२	चि १७ २	ब्र १९ २	व २६ २२	४३ ५१ ९	२२ २ १३	तुलायां			भ.२६।२२उ.५८।२२या.उफा.रविः ४३/१०×
५	मं ६० ०	स्वा २२ ५८	ऐं १९ ३५	ब ३१ ३	३९ ५२ ८	२३ ३ १४	तुलायां			उफा. रवि.सौरः १८।४४ ऋषि ५
५	बु ३ ४४	वि ३० ३३	वै २१ २१	बा ३ ४४	३५ ५३ ७	२४ ४ १५	वृ. १३			[×कन्यायांबुधः ३१/६ गणेश ४जमादिलाखर६
६	गु ९ ५८	अ ३७ ३	वि २३ ३७	तै ९ ५८	३१ ५४ ६	२५ ५ १६	वृश्चिके			[÷सौरः ४३।५५
७	शु १५ ५८	ज्ये ४४ ३७	प्री २६ २	व १५ ५८	२७ ५५ ५	२६ ६ १७	ध. ४/७			भ.१५।५८उ.४९।१या.कन्यायामर्कः ६/११÷
८	श २२ ४	मू ५१ ४९	आ २८ १८	ब २२ ४	२३ ५६ ४	२७ ७ १८	धनुषि			हस्ते बुधः ३/९ ज्येष्ठा.भौमः ४२।२४
९	र २७ २३	पू ५७ ५९	सौ ३० १०	कौ २७ २३	१८ ५६ ४	२८ ८ १९	धनुषि			पुष्य.४ राहुः श्रवणा २ केतुः ४६।१०
१०	चं ३१ ३२	उ ६० ०	शो ३० ५९	ग ३१ ३२	१४ ५७ ३	२९ ९ २०	म. १/२			रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
११	मं ३३ २८	उ २ ५१	अ ३० २५	व २३०	९ ५८ २	३० १० २१	मकरे			भ.२।३०उ.३/३ या.वक्री अश्वि.३ गुरुः+
१२	बु ३३ ४६	श्र ५ ५२	सु २८ ३२	ब ३ ३७	५ ५९ १	३१ ११ २२	कुं. ३/९			वामन जयंती[+३२।२६जलझूलनी ११ब्र.
१३	गु ३२ १३	ध ७ ८	धृ २५ १२	कौ २५ ९	३० ६ ०	१ १२ २३	कुम्भे			भा.आश्विनारंभः प्रदोषः
१४	शु २८ ५५	श ६ ३५	शू २० २५	ग ० ३४	० ० ०	२ १३ २४	मी. ४/७			भ.३/८उ.३/३ या.बुधास्तःपश्चिमायां ४/६=
१५	श २४ १०	पू ४ २४	गं १४ २३	ब २४ १०	५३ २ ५८	३ १४ २५	मीने			महालयश्राद्धारंभः [=अनंत १४

२३ पं.भा.शु ५ बु.इ. ५/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	०	३	०	३	४
२८	१४	३	१०	२५	२२	१६	२७
५	२०	५०	३०	८	५९	५४	३०
२४	३१	६	४	१०	१७	३६	४७
५८	३९	०/८	६/३१	४/१	३	५८	
२६	३२	७	व.मा	व.११		२९	

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद शुक्ले ७ शुके। कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.४ प्रगल्भावस्था (बठी) मु. १५ धान्यादि भावे - महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

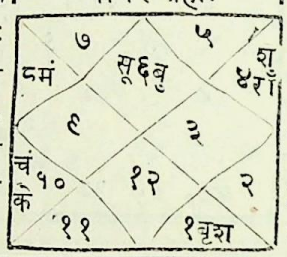

२४ पं.भा.शु १२ बु इ. १०/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	०	३	०	३	५
४	१९	१५	९	२७	२२	१६	४
५५	१	५५	५६	५	४५	३२	२०
१६	२३	१	३८	२८	०	२०	५४
५८	४०	८/०	१५	२४	१/४	३	५८
३८	२०	१०	व.११	व	११	४५	

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१						दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेतिमहा.
१	र १८ १६	उ ५९ ५५/३१	वृ ७ ५३	कौ १८ १६	२९ ६ ५८	४ १५ २६	मे. ५६।३०			चित्रा.बुधः ४७।४२
२	चं ११ ३९	अ ५१ ४२	व्या ५१ ४	ग ११ ३९	४४ ३ ५७	५ १६ २७	मेषे			भ.३८।१५उ.हस्ते रविः २१/४० (सौरः ५/६)
३	मं ४ ५२	भ ४६ ४७	ह ४२ ४१	वि ४ ५२	४० ४ ५६	६ १७ २८	मेषे			भ.५/२ या.मघा. सिंहे शुक्रः २१।८ च.ब्र.
४	मं ५३ ८	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०			
५	बु ५१ ३४	कृ ४२ ७	व ३४ २३	कौ २४ ४७	३६ ५ ५५	७ १८ २९	बृ. ०।३७			
६	गु ४५ ३४	रो ३७ ४६	सि २६ १५	ग १८ ३४	३२ ६ ५४	८ १९ ३०	वृषे			भ.३/५उ. तुलायाम् बुधः ५३।३३
७	शु ४० १०	मृ ३४ २	व्य १८ ४४	वि १२ ५२	२८ ६ ५४	९ २० १	मि. ५।५५			भ.१२।५२या. अक्टूबर १० ता.३१
८	श ३५ ३२	आ ३० ५५	व ११ २७	बा ७ ५१	२३ ७ ५३	१० २१ २	मिथुने			
९	र ३१ २१	पु २८ १८	प ५/८ ५/४	तै ३ २६	१९ ८ ५२	११ २२ ३	क. १३।५७			भ.५/४उ.सौभाग्यवतीनां श्राद्धम्
१०	चं २८ ७	पु २६ ४२	सि ५३ ४८	वि २८ ७	१५ ९ ५१	१२ २३ ४	कर्के			भ.२८।७या.
११	मं २५ ३२	श्ले २६ ३	सा ४९ ५	बा २५ ३२	११ १० ५०	१३ २४ ५	सिं. २६।३			स्वात्यां बुधः २५।५२ इंदिरा ११ ब्र.
१२	बु २३ ५९	म २५ ५०	शु ४५ ९	तै २३ ५९	७ ११ ४९	१४ २५ ६	सिंहे			प्रदोषः
१३	गु २३ २९	पू २६ ५७	शु ४२ ४	व २३ २९	३ ११ ४९	१५ २६ ७	क. ४२।२६			भ.२३।२९उ.५३।४३ या.
१४	शु २३ ५६	उ २८ ५६	ब्र ३९ ४६	श २३ ५६	२/९ १२ ४८	१६ २७ ८	कन्यायां			मूले धनुषि भौमः ५।६ शस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	श २५ ५१	ह ३२ १८	ऐं ३८ ५४	ना २५ ५१	५५ १३ ४७	१७ २८ ९	कन्यायां			सर्वपितृ श्राद्धं

२५ पं.आ.कृ. ५ बु.इ ३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	०	४	०	३	५
११	२३	२७	९	०	२२	१६	११
४६	४८	१२	१६	२८	२५	१०	१२
५२	०	२५	१	४४	५५	४	५५
५८	४०	९७	१/६	३४	५/४	३	५९
५३	५९	३७	व	५३	व	११	००

गोचर ग्रहाः

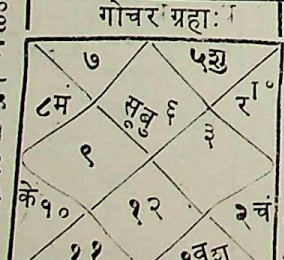

यत्र मासे रवर्वाराः जायते पंच सन्ततम्। दुर्भिक्षं छत्रभंगश्च तथास्ते च महद्भयम् धान्य स्वर्ण आदि तेज रहेगे प्रजा में रोगपीड़ा हो।

गोचर ग्रहाः

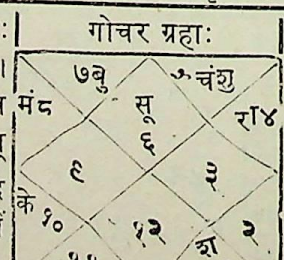

२६ पं.आ.कृ १२ बु इ. १०/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	०	४	०	३	५
१८	२८	७	८	५	२२	१५	१८
४०	४०	४६	२८	१	२	४७	०६
८	२३	४४	५२	४१	४२	४९	४२
५९	४१	८९	७/४	४३	३/४	३	५९
९	३७	५५	व.	३	व.	११	१६

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१									दि. उ.	अ.	भा मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७४४सन् १९९९
१	र	२८	५६	चि	३६	३९	वै	३८	६	व	२८	५६	२९ १४ ४९	१८ २९ १०	तु.४।२८ चित्रा.रविः५३।४२मातामहश्रा.नवरात्रा
२	चं	३३	७	स्वा	४२	२५	वि	३८	५०	बा	१	१	४७ १५ ४५	१९ ३० ११	तुलायां चित्रा. रविः सौरः २६।५९ चंद्र दर्शनम्
३	मं	३८	३१	वि	४८	५२	प्री	४०	८	तै	५	४९	४३ १५ ४५	२० १ १२	वृ.३२।१५ रज्जव ७ [*कार्तिकारंभः
४	बु	४४	३८	अ	५६	९	आ	४१	५०	व	११	३५	३९ १६ ४४	२१ २ १३	वृश्चिके भ. ११।३५ उ. ४४।३८ या.
५	गु	५०	५८	ज्ये	६०	०	सौ	४४	१५	व	१७	४८	३५ १७ ४३	२२ ३ १४	वृश्चिके विशा. बुधः५९।२
६	शु	५७	२२	ज्ये	३	५८	शो	४६	५४	कौ	२४	१०	३१ १८ ४२	२३ ४ १५	ध.३।५८ सरस्वत्यावाहनम्
७	श	६०	०	मू	११	३२	अ	४८	५८	ग	३०	१७	२७ १९ ४१	२४ ५ १६	धनुषि पूफा. शुक्रः ४२।५२सरस्वतीपूज.
७	र	३	१३	पू	१८	२९	सु	५०	२२	व	३	१३	२३ १९ ४१	२५ ६ १७	म.३४।५६ भ. ३।१३ उ. ३५।३२या. तुलायामर्कः÷
८	चं	७	५०	उ	२४	१५	धृ	५०	५७	ब	७	५०	२० २० ४०	२६ ७ १८	मकरे तुलायामर्कः सौरः९।४३
९	मं	११	५	श्र	२८	३८	शू	५०	१०	कौ	११	५	१६ २१ ३९	२७ ८ १९	कुं.५९।५३ विजयादशमी सरस्वती विसर्जनम्
१०	बु	१२	१५	ध	३१	८	गं	४७	४१	ग	१२	१५	१२ २२ ३८	२८ ९ २०	कुंभे भ.४१।५५उ. वक्री अश्वि. २गुरुः१७।२
११	गु	११	३६	श	३१	३७	वृ	४३	४६	वि	११	३६	८ २२ ३८	२९ १० २१	कुंभे भ. ११३६ या. पापां कुशा११ व्र.
१२	शु	८	४४	पू	३०	२	ध्रु	३८	१९	बा	८	४४	४ २३ ३७	३० ११ २२	मी१५।२६ प्रदोषः [÷३७।३१ बलिदानं
१३	श	४	३	उ	२६	४४	व्या	३१	१०	तै	४	३	० २४ ३६	१ १२ २३	मीने भ.५७।३४उ.बृश्चिके बुधः२०।२१भा.*
१४	श	५	३	३१	०	०	८	०	०	०	०	८	०	० ० ०	० ० भ. २३।४६ या. स्वात्यां रविः१९।३३×
१५	र	४९	५८	रे	२१	४३	ह	२२	४७	वि	२३	४६	२७ २५ ३५	२ १३ २४	मे.२१।४३ [×(सौरः५०।४६)शरद् १५कोजागरी व्र

२७आ.शु.४बु.इ.१०।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	०	४	०	३	५
२५	३	१७	७	१०	२१	१५	२५
३५	३७	३४	३६	२५	३६	२५	२
२	१२	१२	४०	३०	७	३३	२४
५९	४२	८०	४०	४९	५९	३	५९
२१	११	२६	व.	१४	व	११	३१

गोचर ग्रहा

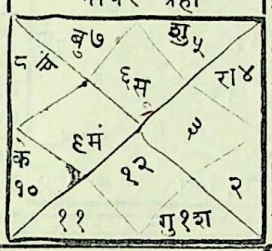

आश्विनशुक्ले ७र वौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न. ४बालावस्था-(बैठी) मु.४५धान्या-दिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

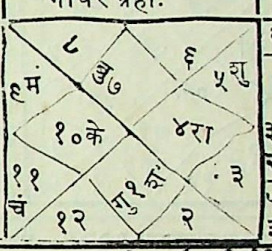

२८पंआ.शु.१०बु.इ१०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	०	४	०	३	६
२	८	२६	६	१६	२१	१५	१
३१	३९	२३	४०	२९	५	३	५९
२६	३६	६	५५	१७	५३	१८	५१
५९	४२	६८	७	५३	४	३	५९
३४	२९	२६	५२	५६	१२	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१									दि. उ.	अ.	भा. मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	चं	४१	४१	अ	१५	४९	व	१३	४०	बा	१५	५०	३७ २५ ३५	३ १४ २५	मेषे
२	मं	३३	९	भ	९	१८	सि	५३	५९	तै	७	२५	४९ २६ ३४	४ १५ २६	बृ.२२।३७ भ. ५८।५७उ. अनु. बुधः४७।१६पूषा.=
३	बु	२४	४६	कृ	३५	३३	व	४४	१३	वि	२४	४६	४५ २७ ३३	५ १६ २७	वृषे भ.२४।४६या. करक चतुर्थी व्र.
४	गु	१६	५२	मृ	५०	४२	प	३४	४९	बा	१६	५२	४१ २८ ३२	६ १७ २८	मि.२३ [=.भौमः३४।५०
५	शु	९	५८	आ	४६	३	शि	२६	६	तै	९	५८	३७ २९ ३१	७ १८ २९	मिथुने [*१०।३० रमा११व्र.
६	श	४	८	पु	४२	४३	सि	१८	१७	व	४	८	३४ २९ ३१	८ १९ ३०	क.२८।३३ भ.४।८उ.३१।५२या.उफा. शुक्रः४९।३८
७	श	५५	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	
८	र	५६	१९	पु	४०	३५	सा	११	३५	बा	२७	५७	३० ३० ३०	९ २० ३१	कर्के
९	चं	५४	१६	श्ले	३९	४४	शु	५	५८	तै	२५	१८	२७ ३१ २९	१० २१ १	सिं३९।४४ नवम्बर११ ता.३० [×घन १३
१०	मं	५३	३८	म	४०	२	शु	१९	५६	व	२३	५७	२३ ३१ २९	११ २२ २	सिंहे भ. २३।५७उ.५३।३८या.
११	बु	५४	१७	पू	४१	५२	ए	५५	१६	ब	२३	५८	१९ ३२ २८	१२ २३ ३	कं.५७।३४ कन्यायां शुक्रः७।४२ वक्री भ.२ शनिः*
१२	गु	५६	१	उ	४४	४१	वै	५३	२८	कौ	२५	९	१६ ३३ २७	१३ २४ ४	कन्यायां वक्री बुधः १६।३५ [Bरूप१४
१३	शु	५८	५६	ह	४८	४५	वि	५२	५६	ग	२७	२८	१३ ३४ २६	१४ २५ ५	कन्यायां भ.५८।५६उ.विशा.रविः३९।५९प्रदोषः×
१४	श	६०	०	चि	५३	४५	प्री	५३	२	वि	३०	५५	९ ३४ २६	१५ २६ ६	तु.२१।१५ भ.३०।५५या. विशा.रविःसौरः८।१०B
१४	र	२	५३	स्वा	५९	३७	आ	५३	३५	श	२	५३	५ ३५ २५	१६ २७ ७	तुलायां महालक्ष्मीपूजनम्
३०	चं	७	४४	वि	६०	०	सौ	५५	१३	ना	७	४४	२ ३६ २४	१७ २८ ८	वृ ४९।३७ सोमवती३०अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा

२९ पं.का.कृ.३बु.इ, ९।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	०	४	०	३	६
९	१३	३	५	२३	२०	१४	८
२९	४५	३८	४४	४	३३	४१	५९
४२	४	१०	२८	२६	४०	२	११
५९	४२	४८	५२	५७	३४	३	६०
४७	५७	१६	व.	४७	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

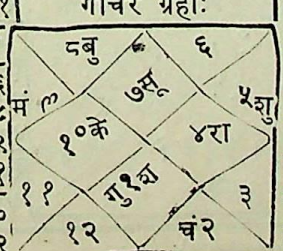

इस मास में चावल गेहूं जो जना मक्का वाजरा रुई कपास बारदाना गुड़ तेल घृत सोना चांदी लोहा तेज चोपामेंयों भी तेजी होगी।

गोचर ग्रहाः

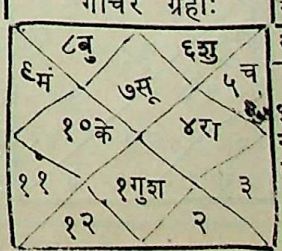

३०पं.का.कृ.११बु.इ.९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	०	५	०	३	६
१६	१८	७	४	०	२०	१४	१६
२९	५५	४७	४८	१	०	१८	००
२८	३७	३१	४३	५९	४	४६	१५
६०	४३	११	४०	६०	४०	३	६०
४	२८	१०	व.	३५	व.	११	१८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	अं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेहर्गणः२७७४ स.१९९९
१	मं १३ १८	नि	६ १७	शो	५६ ५६	ब	१३ १८	२६ ६ ५	१८ २९ ९ वृश्चिके
२	बु १९ ३३	अ	१३ २८	अ	५९ ७	कौ	१९ ३३	५५ ३७ २३	१९ १ १० वृश्चिके
३	गु २६ २	ज्ये	२१ ५	सु	६० ०	ग	२६ २	५२ ३८ २२	२० २ ११ ध. २१।५
४	शु ३२ ३३	मू	२८ ४४	सु	१ ३७	वि	३२ ३३	४९ ३८ २२	२१ ३ १२ धनुषि
५	श ३८ ४८	पू	३६ १६	धृ	३ ४७	ब	५ ४०	४५ ३९ २१	२२ ४ १३ म.५२
६	र ४३ ५३	उ	४२ ५०	शू	५ ५१	कौ	११ २०	४२ ४० २०	२३ ५ १४ मकरे
७	चं ४७ ५९	श्र	४८ २३	गं	७ ७	ग	१५ ५६	३९ ४० २०	२४ ६ १५ मकरे
८	मं ५० २९	ध	५२ २३	वृ	७ १७	वि	१९ १४	३६ ४१ १९	२५ ७ १६ कुं.२०
९	बु ५० ५९	श	५४ २८	ध्रु	६ ११	वा	२० ४४	३३ ४१ १९	२६ ८ १७ कुंभे
१०	गु ४९ ३५	पू	५४ ३८	व्या	३ ५५	तै	२० १७	३० ४२ १८	२७ ९ १८ मी.३५
११	शु ४६ १	उ	५२ ४३	व	५३ ४९	व	१७ ४८	२७ ४३ १७	२८ १० १९ मीने
१२	श ४० ३५	रे	४९ ३	सि	४६ २९	ब	१३ १८	२५ ४३ १७	२९ ११ २० मे.४९।३
१३	र ३३ २५	अ	४३ ३४	व्य	३७ ३९	कौ	७ ०	२२ ४४ १६	३० १२ २१ मेषे
१४	चं २४ ५६	भ	३६ ४९	व	२७ ५०	व	२४ ५६	१९ ४४ १६	१ १३ २२ बृ.५९
१५	मं १५ ३७	कृ	२९ २०	प	१७ ११	व	१५ ३७	१७ ४५ १५	२ १४ २३ बृषे

बुधास्तः पश्चिमायां ४७।१५ चंद्र दर्शनम्
भ्रातृ२यम२ सावान८
भ- ५९।१७ उ. [=हस्ते शुक्रः ४१।३८
भ.३२।३३या. वक्री विशा. बुधः३८।५१=
उषा.भौमः३६।२४ [*५५।२५ अक्षय ९
[÷वक्री अश्वि. १गुरुः३४।३०
भ.४७।५९उ.वक्री तुलायां बुधः३९।२३÷
भ.१९।१४या. वृश्चिकेऽर्कः ३६गोपाष्टमी
वृश्चिकेऽर्कः सौरः २।२७ मकरे भौमः*
[×५४प्रबोधिनीं११व्र. तुलसीविवाहः
भ. १७।४८उ. ४६।१या. अनु.रवि.×
अनु.रविःसौरः१९ [Cबुधोदयःपूर्वस्यांA
पुष्य. ३राहुः श्रवण. १केतुः ३८।१५C
भ. २४।५६उ. ५७या. भा. मार्गशीर्षारंभः
पुष्करयात्रा. मन्यादिः [A५१।२७प्रदोषः

३१पं.का.शु.२बु.इ.९।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	०	५	०	३	६
२६	२४	५	३	७	१९	१३	२३
३०	९	४६	५६	२०	२६	५६	०२
५०	०	४१	४२	२४	१७	३१	५०
६०	४३	५५	५	६२	४०	३	६०
१७	४७	व.	व.	५६	व.	११	३०

ग्रोचर ग्रहाः

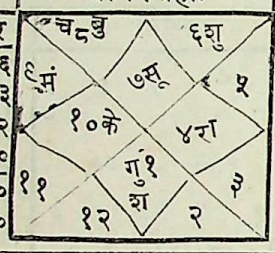

कार्तिक शुक्ले ८ भौमे
बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः
वा.३न. ३बालावस्था
(बैठी)मु.३०धान्यादि
भावे समता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

ग्रोचर ग्रहाः

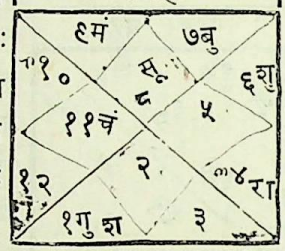

३२पं.का.शु.९.बु.इ.९।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	०	५	०	३	७
०	२९	२७	३	१४	१८	१३	०
३३	२६	३९	१०	५४	५२	३४	०६
२९	१०	११	८	०	४८	१५	५४
६०	४३	५४	६	६४	३१	३	६०
३०	५९	व.	१५	४३	व.	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१	दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे का. कृष्णेति महा०
१	बु ५ ५८	रे	२१ ३२	शि	२० ४९	कौ	५ ५८	२६ १४ ४५ १५	३ १५ २४ मि.४९
२	बु ५० ३४	०	० ०	०	० ०	०	० ०	० ० ०	० ० ० ०
३	गु ४७ ४३	मृ	१४ ७	सा	४४ ५९	व	२२ १३	१२ ४६ १४	४ १६ २५ मिथुने
४	शु ४० ४	आ	७ २०	शु	३५ १७	व	१३ ५३	९ ४६ १४	५ १७ २६ क. ४८
५	श ३३ ४७	पु	५२ ५५	शु	२६ ४६	कौ	६ ५८	७ ४७ १३	६ १८ २७ कर्के
६	र २९ १३	श्ले	५५ ३६	ब्र	१९ २३	ग	१ ३०	५ ४७ १३	७ १९ २८ सिं. ५६
७	चं २६ २७	म	५५ ४	ऐं	१३ ३३	ब	२६ २७	२ ४८ १२	८ २० २९ सिंहे
८	मं २५ २८	पू	५६ १४	वै	९ ४	कौ	२५ २८	० ४८ १२	९ २१ ३० सिंहे
९	बु २६ ११	उ	५९ ९	वि	६ ३	ग	२६ ११	२५ ४८ १२	१० २२ १ कं.११।५८
१०	गु २८ २५	ह	६० ०	प्री	४ २५	वि	२८ २५	५६ ४९ ११	११ २३ २ कन्यायां
११	शु ३१ ५९	ह	३ २०	आ	३ ५०	ब	० १२	५४ ४९ ११	१२ २४ ३ तु.३६।१
१२	श ३६ ४९	चि	८ ४३	सौ	४ २१	कौ	४ २४	५३ ४९ ११	१३ २५ ४ तुलायां
१३	र ४२ २०	स्वा	१४ ५८	शो	५ २५	ग	९ ३४	५१ ५० १०	१४ २६ ५ तुलायां
१४	चं ४८ १९	वि	२२ ५	अ	७ ५	वि	१५ २०	४९ ५० १०	१५ २७ ६ वृ.५।१९
३०	मं ५४ ५३	अ	२९ २७	सु	८ ५६	च	२१ ३६	४८ ५० १०	१६ २८ ७ वृश्चिके

चित्रा. शुक्रः४३।५६
[+ता.३१
भ.२२।१३उ. ४७।४३या. मार्गी बुधः२३
चतुर्थीव्र.
[=उत्पत्ति११व्र.
भ. २९।१३ उ. ५७।५० या.
[–स्वात्यां शुक्रः१९।७
तुलायां शुक्रः३४।९
भ. ५७ उ.श्रवणेभौमः१६ दिसम्बर१२+
भ.२८।२५या.
ज्येष्ठा. रविः ४।३४(सौरः २७।०९)=
भ.४२।२०उ.प्रदोषः
भ. १५।२० या. बृश्चिके बुधः२०।५२–

३३पं.मा.कृ. १बु.इ.९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	०	५	०	३	७
७	४	२१	२	२२	१८	१३	७
३७	४४	५३	३०	४१	२०	१२	१२
२६	३८	६	४	२८	४६	०	२७
६०	४४	१०	५८	१५	६६	१०	३६०
४२	७	व.	व.	१४	व.	११	५३

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षशुक्ले ८गुरौ
धनुष्यर्कः प्रविष्टः
वा. ३न. ३बालावस्था
(बैठी)मु.३० धान्यादि
भावे समता शुक्रोदय.
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

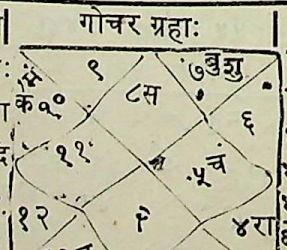

३४पं.मा.कृ.९ बु.इ.८।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	०	६	०	३	७
१४	१०	२४	१	०	१७	१२	१४
४२	५	२५	५७	३९	५०	४९	१९
४०	३५	१९	७	०	४९	४४	१३
६०	४४	५०	४४	६७	५३	३	६१
५०	१९	मा.	व.	२९	व.	११	०३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं २०५६ शाकः १९२१								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः २८०३ स,१९९९
१	बु	६०	०	ज्ये	३७	२	धृ	११	१४	कि	२८	३	२५	५१	९	१७ २९ ८	ध. ३७।२	अनु.बुधः५९।५३
१	गु	११	३	मू	४४	३३	शू	१३	३०	ब	११	३	४५	५१	९	१८ ३० ९	धनुषि	चन्द्र दर्शनम्
२	शु	७	३७	पू	५१	५५	गं	१५	४६	कौ	७	३७	४४	५१	९	१९ ११०	धनुषि	रमजान ९
३	श	१३	३७	उ	५८	२७	बृ	१६	५४	ग	१३	३७	४३	५१	९	२० २११	म. ८।३३	भ.४६।१५उ.
४	र	१८	५३	श्र	६०	०	ध्रु	१८	४५	वि	१८	५३	४२	५२	८	२१ ३१२	मकरे	भ.१८।५३या.
५	चं	२३	११	श्र	४	२२	व्या	१९	२६	बा	२३	११	४१	५२	८	२२ ४१३	कुं. ३९	
६	मं	२६	१९	ध	९	१५	ह	१९	२१	तै	२६	१९	४०	५२	८	२३ ५१४	कुम्भे	चंपाषष्ठी
७	बु	२७	५१	श	१२	५०	व	१७	४८	व	२७	५१	३९	५२	८	२४ ६१५	मी. ५९	भ.२७।५१उ.५७।५२या.
८	गु	२७	५३	पू	१४	३५	सि	१५	१२	ब	२७	५३	३९	५२	८	२५ ७१६	मीने	मूले धनुष्यर्कः११।४६ (सौरः३०।५९)
९	शु	२५	५४	उ	१४	४१	व्य	११	३	कौ	२५	५४	३८	५२	८	२६ ८१७	मीने	विशा.शुक्रः४५।३८
१०	श	२२	११	रे	१२	२	व	३४	५२	ग	२२	११	३८	५२	८	२७ ९१८	मे.२२।२	भ.३९उ.ज्येष्ठा.बुधः ३५ धनि.भौमः३८
११	र	१६	३४	अ	९	२२	शि	५०	३	वि	१६	३४	३७	५३	७	२८ १०१९	मेषे	भ.३९या.मोक्षदा ११व्र.गीताजयंती
१२	चं	९	२३	भ	४	५३	सि	४०	२३	बा	९	२३	३७	५३	७	२९ ११२०	बृ.१७।३१	प्रदोषः
१३	मं	१	४	रो	५०	१३	सा	२९	५५	तै	१	४	३६	५३	७	३० १२२१	वृषे	भ.५१।३५उ.मार्गी गुरुः७।२
१४	मं	५०	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	७	० ० ०	० ०	
१५	बु	४१	५३	मृ	४२	१९	शु	१८	४४	वि	१६	४४	३६	५३	७	१ १३२२	मि. १९	भ.१६।४४या. भा.पौषारंभः दत्तजयंती

३५ पं.मा.शु.१ बु.इ. ९८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	६	०	३	७
२१	१५	२	१	८	१७	१२	२१
४८	२८	१५	२४	४५	२४	२७	३६
९३	३०	३२	२६	७	११	२८	५७
६०	४४	७५	४६	६८	२८	३	६१
५६	३१	२८	व.	३३	व.	११	११

३६ पं.मा.शु.७ बु.इ. ९९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	६	०	३	७
२८	२०	११	१	१६	१७	१२	२८
५५	५१	५६	२१	५८	१	५	३५
३७	४०	४९	७	२६	५२	१३	४०
६१	४४	८६	१३	६९	४७	३	६१
०	२७	१८	च.	१८	व:	११	१९

३७ पं. मा. शु.१५ बु.इ. १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	०	६	०	३	८
६	२६	२२	१	२५	१६	११	५
३	१५	१६	१८	१८	४३	४२	४५
१४	५४	४४	२९	४३	१९	५७	५
६१	४४	९२	१६	७०	१०	३	६१
४	४०	३७	मा	८	व.	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं २०५६ शाकः १९२१								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महाः
१	गु	३२	७	आ	३५	३१	शु	४५	४	बा	७	०	२५	५१	९	२ १४२३	मिथुने	बुधास्तःपूर्वस्याम् ३६।४३
२	शु	२३	७	पु	२७	१५	ऐं	४६	३८	ग	२३	७	२६	५३	७	३ १५२४	क. १४	भ.४९।६उ.
३	श	१५	५	पु	२१	१७	वै	३७	१४	वि	१५	५	२७	५३	७	४ १६२५	कर्के	भ.१५।५या.बृश्चिके शुक्रः५८चतुर्थी व्र.
४	र	८	४७	श्ले	१७	०	वि	२९	४६	बा	८	४७	२७	५३	७	५ १७२६	सिं.१७।०	कुंभे भौमः५१।५५
५	चं	४	२१	म	१४	२५	प्री	२३	३२	तै	४	२१	३७	५३	७	६ १८२७	सिंहे	मूले धनुषिबुधः १९।१९
६	मं	२	२	पू	१३	५६	आ	१९	४	व	२	२	२८	५२	८	७ १९२८	कं. २०	भ.२।२उ.३१या:अनु.शुक्रः४८।२२
७	बु	१	५६	उ	१५	३३	सौ	१६	१४	ब	१	५६	२८	५२	८	८ २०२९	कन्यायां	पूषा.रविः१६।४६ (सौरः३२।३७)
८	गु	३	३८	ह	१८	५८	शो	१४	५२	कौ	३	३८	२९	५२	८	९ २१३०	तु.५१।३६	
९	शु	७	३	चि	२४	१४	अ	१५	८	ग	७	३	४०	५२	८	१० २२३१	तुलायां	भ.३९।३२उ.
१०	श	१२	२	स्वा	३०	२४	सु	१५	५८	वि	१२	२	४१	५२	८	११ २३ १	तुलायां	भ.१२।२या. जनवरी१ता.३१×
११	र	१७	५१	वि	३७	२५	धृ	१७	४२	बा	१७	५१	४२	५२	८	१२ २४ २	वृ. २०	सफला ११ व्र. [×सन् २०००ई.
१२	चं	२४	१५	अ	४५	९	शू	१९	४७	तै	२४	१५	४३	५१	९	१३ २५ ३	वृश्चिके	
१३	मं	३०	५४	ज्ये	५२	५१	गं	२२	१५	व	३०	५४	४४	५१	९	१४ २६ ४	ध.५२।५१	भ.३९उ.पूषा.बुधः४९।४७शतेभौमः÷
१४	बु	३७	११	मू	६०	०	बृ	२४	२९	वि	४	२	४५	५१	९	१५ २७ ५	धनुषि	भ.४।२या. [÷ ३३।३ प्रदोषः
२०	गु	४३	३१	मू	०	१६	ध्रु	२६	२७	च	१०	२१	४७	५१	९	१६ २८ ६	धनुषि	

३८ पं.पौ.कृ.७ बु.इ. ९।८

र.	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	०	७	०	३	८
१२	१	२	१	३	१६	११	१२
११	४१	५५	२५	४३	२९	२०	५४
१३	२०	५	५९	१९	४९	४२	५७
६१	४४	९६	१	७०	३१	३	६१
६	३८	३२	२०	४६	व.	११	२६

गोचर ग्रहाः

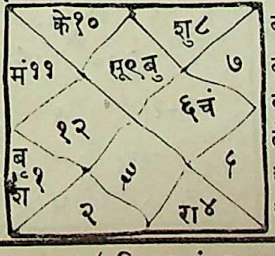

गेहूं मूग जो मोठ बाजरा के भाव बढ़ेंगे चांदी स्वर्ण लीहा आदि धातुऐं तेजी होंगी प्रजा में शान्ति रहेगी, सुदी में शीत अधिक पड़ेगा।

गोचर ग्रहाः

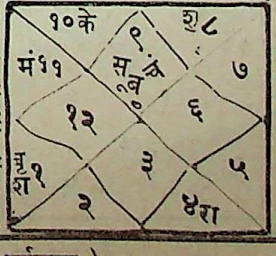

३९ पं.पौ.कृ.१४ बु.इ.८।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	०	७	०	३	८
२०	७	१३	१	१२	१६	१०	२०
१९	६	५०	४३	१२	२१	५८	०४
२६	०	१३	५	४४	२०	२६	५४
६१	४४	९९	२	७१	४९	३	६१
६	३४	१८	४६	१७	व.	११	२६

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१									दि. उ. अ.			भा. मु इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २८३३स. २०००
१	शु	४८	५८	पू	७	२०	ज्या	२७	५९	किं	१६	१४	४८	५०	१०	१७	२९	७	म. ४१
२	श	५३	३६	उ	१३	४४	ह	२८	७	बा	२१	१७	५०	५०	१०	१८	३०	८	मकरे
३	र	५७	२८	श्र	१९	१८	व	२९	३५	तै	२५	३२	५२	५०	१०	१९	१	९	कुं. ५१
४	चं	६०	०	ध	२३	५५	सि	२९	५	व	२८	५१	५३	४९	११	२०	२	१०	कुंभे
४	मं	०	१४	श	२७	३०	व्य	२७	५९	वि	०	१४	५५	४९	११	२१	३	११	कुंभे
५	बु	१	५०	पू	३०	८	व	२६	१	बा	१	५०	५७	४९	११	२२	४	१२	मी. १४
६	गु	२	१६	उ	३२	११	प	२२	५२	तै	२	१६	५९	४८	१२	२३	५	१३	मीने
७	शु	१	१६	रे	३१	७	शि	१८	३५	व	१	१६	२६	४८	१२	२४	६	१४	मे. ३१.७
८	शु	५७	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	श	५५	४	अ	२९	३४	सि	१३	१३	बा	२७	२	४	४७	१३	२५	७	१५	मेषे
१०	र	४९	५६	भ	२६	२८	सा	३६	३३	तै	२२	३०	६	४७	१३	२६	८	१६	वृ. ४०.२३
११	चं	४३	२१	कृ	२२	९	शु	५०	२	व	१६	३९	८	४६	१४	२७	९	१७	वृषे
१२	मं	३५	३४	रो	१६	२४	ब्र	४०	२३	ब	९	२७	११	४६	१४	२८	१०	१८	मि. ४३.८
१३	बु	२७	२	मृ	९	५३	ऐं	३०	१५	कौ	११	८	१३	४५	१५	२९	११	१९	मिथुने
१४	गु	१७	५५	आ	४५	५३	वै	१९	३१	व	१७	५५	१६	४५	१५	३०	१२	२०	कं ४२.२४
१५	शु	८	५९	पु	४८	५३	वि	१५	५९	ब	८	५९	१९	४४	१६	१	१३	२१	कर्के

अभि.प्र.रविः १०.१५ (सौर:२०.५२) ×

४०पं.पौ.शु.५बु.इ. ८.१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	०	७	०	३	८
२७	१२	२५	२	२०	१६	१०	२७
२८	३१	४	९	४३	१९	३६	१४
२२	८	१	४०	८	८	१०	४६
६१	४४	०	४	७१	२	३	६१
६	३१	१५	२	४२	व.	११	२४

गोचर ग्रहाः

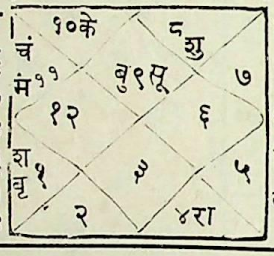

पौष शुक्ले ७ शुक्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वाः २ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्या दिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

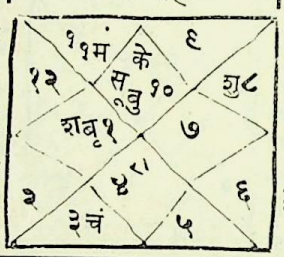

४१गं. पौ.शु. १३बु.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	०	७	०	३	९
४	१७	६	२	२९	१६	१०	४
२५	५५	२९	४५	१६	२२	१३	२४
१३	८	४३	२५	१९	१२	५५	१५
६१	४४	०	५	७२	५	३	६१
३	४०	१५	१४	२	मा	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१									दि. उ. अ.			भा. मु इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	श	५२	३१	श्ले	४३	११	आ	५०	२८	कौ	०	३१	२६	४४	१६	२	१४	२२	सिं. ४१
२	र	४७	३२	म	३९	८	सौ	४२	५०	तै	२०	२४	२४	४३	१७	३	१५	२३	सिंहे
३	चं	४३	३५	पू	३७	३७	शो	३६	३६	व	१५	३४	२७	४३	१७	४	१६	२४	क. ५०
४	मं	४२	८	उ	३६	३०	अ	३२	११	ब	१२	५२	२९	४२	१८	५	१७	२५	कन्यायां
५	बु	४२	३४	ह	३८	२५	सु	२९	२५	कौ	१२	२१	३२	४२	१८	६	१८	२६	कन्यायां
६	गु	४५	१३	चि	४२	१४	धृ	२८	३४	ग	१३	५३	३५	४१	१९	७	१९	२७	तु. १९
७	शु	४९	१५	स्वा	४७	५५	शू	२८	३२	वि	१७	१४	३८	४०	२०	८	२०	२८	तुलायां
८	श	५५	८	वि	५४	३९	गं	२९	५३	बा	२२	११	४१	४०	२०	९	२१	२९	वृ. ३७.५८
९	र	६०	०	अ	६०	०	बृ	३१	२९	तै	२८	१९	४५	३९	२१	१०	२२	३०	वृश्चिके
१०	चं	१	३०	अ	१	५८	ध्रु	३४	१७	वि	१	३०	४८	३८	२२	११	२३	३१	वृश्चिके
११	मं	८	१०	ज्ये	९	४३	व्या	३६	३५	बा	८	१०	५१	३८	२२	१२	२४	१	ध. ९.४३
१२	बु	१४	३६	मू	१७	१७	ह	३८	४१	तै	१४	३६	५४	३७	२३	१३	२५	२	धनुषि
१३	गु	२०	३६	पृ	२४	२३	व	४०	१३	व	२०	३६	५८	३६	२४	१४	२६	३	म. ४०.५४
१४	शु	२५	४४	उ	३०	२६	सि	४१	६	श	२५	४४	२७	३६	२४	१५	२७	४	मकरे
३०	श	२९	४०	श्र	३५	३१	व्य	४१	५	ना	२९	४०	५	३५	२५	१६	२८	५	मकरे

[÷३२.३१ च. व्र.

भ. ३०उ. ४७या. पुष्य. २ राहुः उषा. ४×

श्रवणेरविः २७ (सौर: ३६८) अश्वि. २ गुरुः÷

अभि.नि.रविः १९.१७ (सौर: २९.५)

भ.

[×केतुः ३०.३९

ध.बुधः ४७.८

[+षट्तिला ११ व्र.

पूषा.शुक्रः ३२.४६

भ.१.३० या.भरणी.२ शनिः १.५४

कुंभे बुधः ३७ फरवरी ९ ता० २९+

मीने भौमः ५४.३६ प्रदोषः

बुधोदयः पश्चिमायां २५.८

शते बुधः २७.५३

४२पं.मा.कृ.६बु.इ.८.२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	०	८	०	३	९
११	२३	१८	३	७	१६	९	११
४२	१९	३९	३०	५२	३०	५१	३३
४०	१६	३२	१४	५५	३९	०६	
६०	४४	०	६	७२	१	३	६१
५९	३४	४६	२५	२६	३२	११	१३

गोचर ग्रहाः

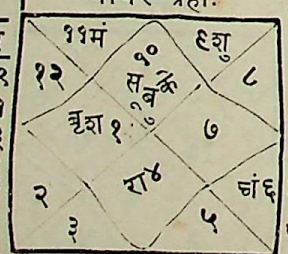

इस मास में ४ शनिवार अशुभ फल के सूचक है धान्य धातु रुई पाट में तेजी होवे प्रजा में रोग शोक फैले।

गोचर ग्रहाः

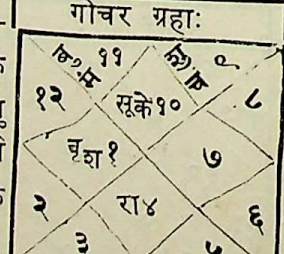

४३पं.मा.कृ.१२बु.इ.८.१०

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
९	१०	१०	०	८	०	३	९
१८	२८	०	४	१६	१६	९	१८
४९	४१	५३	२२	२८	४४	२९	४१
१६	२	४६	४१	२२	४२	२४	१०
६०	४४	०	७	७२	२	३	६१
५५	३१	१५	२५	४४	१४	११	०४

(विक्रम सं. २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१										दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः२८६३स.२०००
१	र	३२	३४	ध	३८	३६	व	४०	१३	कि	१	७	२७ ६ ५१	१७ २९ ६	कुं.७।४०	धनि.रविः३५।२० (सौरः४२।३८)
२	चं	३४	२२	श	४२	३१	प	३८	३४	बा	३	२८	१२ ३४ २६	१८ ३० ७	कुंभे	चंद्र दर्शनम्
३	मं	३५	०	पू	४४	१९	शि	३५	५२	तै	४	४१	१५ ३३ २७	१९ १ ८	मी. ३७	उभा.भौमः१०।२७ जिल्काद ११
४	बु	३४	४५	उ	४५	२५	सि	३२	२२	व	४	५२	१९ ३२ २८	२० २ ९	मीने	भ.४।५२उ.३४।४५या.
५	गु	३३	२६	रे	४५	२६	सा	२८	३१	ब	४	५	२३ ३१ २९	२१ ३ १०	मे.४५।२६	उषा.शुक्रः२६।४वसंत ५
६	शु	३१	८	अ	४४	२३	शु	२३	४४	कौ	२	१६	२७ ३१ २९	२२ ४ ११	मेषे	
७	श	२७	५८	भ	४२	३३	शु	१७	५६	व	२७	५८	३० ३० ३०	२३ ५ १२	वृ.५६।५४	भ.२७उ.५५या.भानु७ पातस्पर्शः४५।१
८	र	२३	१६	कृ	३९	५७	ब्र	११	४२	व	२३	१६	३४ २९ ३१	२४ ६ १३	वृषे	कुंभेऽर्कः १९ (सौरः १९) मकरे शुक्रः २५÷
९	चं	१८	५८	रो	३६	१५	एं	४०	५१	कौ	१८	५८	३८ २८ ३२	२५ ७ १४	वृषे	पूभा.बुधः५८।३५
१०	मं	१३	१४	मृ	३१	३५	वि	४८	२०	ग	१३	१४	४१ २८ ३२	२६ ८ १५	मि. ३।५५	भ.३९।५४उ.
११	बु	६	३५	आ	२६	३४	प्री	३९	२९	वि	६	३५	४५ २७ ३३	२७ ९ १६	मिथुने	भ.६।३५ या. जया ११ व्र.
१२	बु	५२	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०	[÷भीष्माष्टमी पातमोक्षः ०।४२
१३	गु	५१	४४	पु	२१	१	आ	३०	११	कौ	२५	३१	४९ २६ ३४	२८ १० १७	क.७।२५	अश्वि.३गुरुः १९।५३ प्रदोषः
१४	शु	४४	१९	पु	१५	२६	सौ	२१	५	ग	१८	२	५३ २५ ३५	२९ ११ १८	कर्के	भ.४४।१९उ.
१५	श	३७	३२	श्ले	१०	१	शो	१२	२५	वि	१०	५८	५६ २५ ३५	३० १२ १९	सिं१०।१	भ.१०।५८या. शते रविः४९ (सौरः५१)

४४पं.मा.शु.४बु.इ.८।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	०	८	०	३	९
२५	४	१२	५	२५	१७	९	२५
५५	२	३१	२२	५	३	७	४७
१	४२	३०	३७	३१	४३	८	५७
६०	४४	९२	८	७२	२	३	६०
४७	१६	३०	३२	५६	५५	११	५५

गोचर ग्रहाः

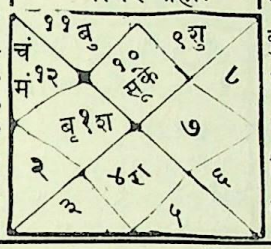

माघ शुक्ले ८ रवौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्या दि भात्रे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

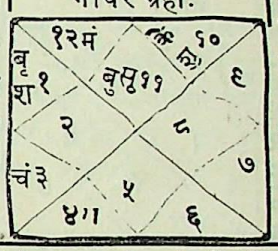

४५पं. मा.शु.११बु.इ. ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	९	०	३	१०
२	९	२१	६	३	१७	८	२
५९	२२	५	२८	४३	२७	४४	५४
४९	८	५३	५२	३०	२२	५२	००
६०	४४	५६	९	७३	३	३	६०
३७	११	२९	२२	१४	३६	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१										दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	र	३१	३७	म	५	३८	अ	३५	५९	बा	४	३४	२८ ० २४ ३६	१ १३ २०	सिंहे	भा.फाल्गुनारंभः
२	चं	२७	१९	पू	२	२५	धृ	५२	९	ग	२७	१९	४ २३ ३७	२ १४ २१	कं.१७।४	भ.५६उ.वक्री बुधः३६ श्रवणे शुक्रः१२
३	मं	२४	४६	उ	१	२	शू	४८	११	वि	२४	४६	८ २२ ३८	३ १५ २२	कन्यायां	भ.२४।४६या.चतुर्थी व्र.
४	बु	२४	८	ह	१	३४	गं	४५	५९	बा	२४	८	१२ २२ ३८	४ १६ २३	तु.३२।४४	बुधास्तःपश्चिमायां९।५
५	शु	२५	४४	चि	३	५५	बृ	४५	१३	तै	२५	४४	१६ २१ ३९	५ १७ २४	तुलायां	
६	शु	२९	११	स्वा	८	१४	ध्रु	४५	३०	व	२९	११	२० २० ४०	६ १८ २५	बृ.५७।४३	भ.२९।११उ.रेवत्यां भौमः५२।२४
७	श	३४	११	वि	१४	१२	व्या	४७	१२	वि	१	४१	२४ १९ ४१	७ १९ २६	वृश्चिके	भ.१।४१या.
८	र	४०	६	अ	२१	१९	ह	४९	४	बा	७	८	२८ १८ ४२	८ २० २७	वृश्चिके	
९	चं	४६	३९	ज्ये	२८	४६	व	५१	३१	तै	१३	२२	३२ १८ ४२	९ २१ २८	ध.२८।४६	वक्री शते बुधः२३।२२
१०	मं	५२	५४	मू	३६	२०	सि	५३	४३	घ	१९	४६	३६ १७ ४३	१० २२ २९	धनुषि	भ.१९।४६उ.५२।५४या.
११	बु	५८	५४	पू	४३	२७	व्य	५५	२८	व	२५	५४	४० १६ ४४	११ २३ १	धनुषि	मार्च ३ ता. ३१ विजया ११ व्र.
१२	गु	६०	०	उ	४९	४३	व	५६	२८	कौ	३१	२३	४४ १५ ४५	१२ २४ २	म.०।१	
१३	शु	३	५३	श्र	५४	५०	प	५६	१३	तै	३	५३	४८ १४ ४६	१३ २५ ३	मकरे	धनि.शुक्रः२।४४ प्रदोषः
१३	श	७	२०	ध	५८	२३	शि	५५	१०	व	७	२०	५२ १४ ४६	१४ २६ ४	कुं. ३६	भ.२०उ.३८या.पूभा.रविः५२ (सौरः×
१४	र	९	२९	श	६०	०	सि	५२	४७	श	९	२९	५६ १३ ४७	१५ २७ ५	कुंभे	[×६।४५) महाशिवरात्रि व्र.
२०	चं	१०	१६	श	०	३८	सा	४९	३४	ना	१०	१६	२९ १२ ४८	१६ २८ ६	मी.४६	अश्वि.४ गुरुः२२।५२सोमवती ३०

४६ पं.फा.कृ. ४बु.इ.८।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	९	०	३	१०
१०	१४	२३	७	१२	१७	८	९
३	४०	३	४०	२१	५५	२२	५८
२२	१६	४३	३७	५४	५९	२७	३३
६०	४३	१९	१०	७३	४	३	६०
२५	५५	व.	५	२१	१७	११	३१

गोचर ग्रहाः

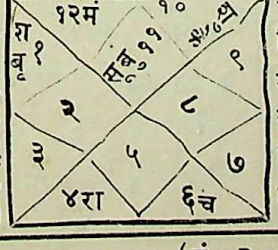

इस मास में गेहूं जो चना आदि धान्य किराना धातुवाना में मंदी होकर तेजी रहेगी। या घटाबढी अधिकहो, रस पदार्थ तेज होंगे।

गोचर ग्रहाः

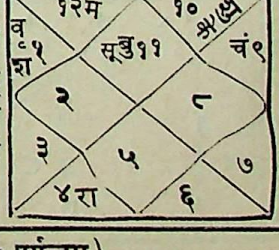

४७ पं.फा.कृ.११बु.इ.९।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	९	०	३	१०
१७	१९	१७	८	२१	१८	८	१७
५	५५	५७	५८	०	२८	०	१
३५	५९	११	१६	४३	४१	२१	२५
६०	४३	६९	१०	७३	४	३	६०
२०	५०	व.	५१	३३	५०	११	२०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः २८९३ स,२०००
१	मं	९	३५	पू	१	३८	शु	४	५	२३	व	९	३५	२९	५१	५९	१७ २९ ७	मीने	चंद्र दर्शनम्
२	बु	७	४७	उ	१	२३	शु	४	०	२८	कौ	७	४७	९	१०	५०	१८ १ ८	मीने	कुंभे शुक्रः २६ बुधोदयः पूर्वस्याम् ५४×
३	गु	५	५	रे	२९	५८	ब्र	३	४	४५	ग	५	५	१३	९	५१	१९ २ ९	मे. ०।२९	भ.३३।२५उ. पातमोक्षः६।०
४	शु	१	४६	भ	५६	१८	एं	२९	४१	वि	१	४६	१७	९	५१	२० ३ १०		मेषे	भ.१।४६या.
५	शु	५	५	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०		०	(×फुलरिया २जिल्हेज १२पातस्पर्शः ५ ३३ ४६
६	श	५	३	२६	कृ	५	३	४३	वै	२	२	२९	कौ	२५	३४	२१ ८	५ २	२१ ४ ११	वृ.१०।३९
७	र	४८	४४	रो	५०	४५	वि	१५	५०	ग	२१	५	२६	७	५	३ २२ ५ १२		वृषे	भ.४८।४४उ.
८	चं	४	३	४७	मृ	४६	२१	प्री	९	०	वि	१६	१६	३०	६	५४	२३ ६ १३	मि. १६	भ.१६या शते शुक्रः ५९ होलाष्टकः
९	मं	३८	३५	आ	४४	७	आ	४६	१९	५२	ब्रा	११	११	३४	५	५५	२४ ७ १४	सिथुने	मीनेऽर्कः ५३ (सौरः ७) अश्वि.मेषेभौमः ३८
१०	बु	३२	५६	पु	४०	२	शो	४६	४०	तै	५	४६	२८	४	५६	२५ ८ १५		क.२६।३	[÷आमलकी ११ व्र.
११	गु	२७	२०	पु	३६	३४	अ	३९	२०	व	०	८	४३	३	५७	२६ ९ १६		कर्के	भ.०।८उ २७।२०या.मार्गी बुधः २३ ÷
१२	शु	२१	३८	श्ले	३२	३२	सु	३१	५५	ब्रा	२१	३८	४७	३	५७	२७ १० १७		सिं ३३	उभा.रविः ५४ (सौरः २७।४२) भ.३+
१३	श	१६	१७	म	२९	११	धृ	२४	५६	तै	१६	१७	५१	२	५८	२८ ११ १८		सिंहे	शनिः ३७।२९द्वदोषः
१४	र	११	३१	पू	२६	४१	शू	१८	३५	व	११	३१	५५	१	५९	२९ १२ १९		कं. ४१ २०	भ.११ उ.३९या. होलिकादहनं भद्रोत्तरम्
१५	चं	७	५१	उ	२५	२०	गं	१३	१०	व	७	५१	३०	६	५९	३० १३ २०		कन्यायां	छारेंडी

४८ पं.फा.शु.२ बु.इ.९।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	९	०	३	१०
२४	२५	११	१०	२९	१९	७	२४
६	१०	१६	२०	३९	५	३८	२
२२	३४	१२	१३	१८	३५	६	४८
५९	४३	४८	११	७३	५	३	६०
३८	३९	व:	२३	४४	१४	११	०६

गोचर ग्रहाः

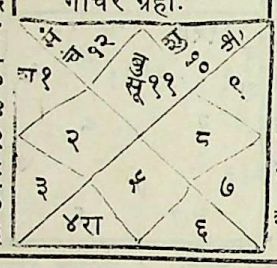

फाल्गुन शुक्ले ९ भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा ३न. ४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४९ पं.फा.शु.१० बु.इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	१०	०	३	११
१	०	९	११	८	१९	७	१
५	२२	४	४४	१८	४५	१५	२
३५	३०	५९	५	४	५८	५०	३०
५९	४३	०००	१२	७३	५	३	५९
४१	३४	व.	२	५०	४२	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः २०५६ शाकः १९२१									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसन्ततूंरविरुत्तरे फा.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	५	३१	ह	२५	२६	वृ	९	५	कौ	५	३१	३०	४	५९	५ ६	१ १४ २१	तु.५६	भा. चैत्रारंभः वसंत १
२	बु	४	५०	चि	२७	५	ध्रु	६	८	ग	४	५०	८	५	८	२	३ १५ २२	तुलायां	भ.३५।१८उ.भरणी १गुरुः३७।३१
३	गु	५	४७	स्वा	३०	३२	व्या	४	५१	वि	५	४७	१२	५	८	२	३ १६ २३	तुलायां	भ.५।४७या. चतुर्थी व्र.
४	शु	८	३१	वि	३५	२७	ह	४	१४	बा	८	३१	१६	५	७	३	४ १७ २४	वृ. १९ १३	पूभा.शुक्रः४०।०
५	श	१२	५६	अ	४१	५८	व	५	१२	तै	१२	५६	२१	५	६	४	५ १८ २५	वृश्चिके	
६	र	१८	२०	ज्ये	४८	५८	सि	६	३४	व	१८	२०	२५	५	५	५	६ १९ २६	ध. ४८	भ.१८उ.५१या.पुष्य. १राहुःउषा.३×
७	चं	२४	३९	मू	५६	३२	व्य	९	९	ब	२४	३९	२९	५	४	६	७ २० २७	धनुषि.	शीतलापूजनम्
८	मं	३०	५१	पू	६०	०	व	११	२७	कौ	३०	५१	३३	५	३	७	८ २१ २८	धनुषि	[×केतु. २६।४६
९	बु	३६	५१	पू	३	५८	प	१३	३३	तै	३	५१	३७	५	३	७	९ २२ २९	म. ३०	[+भरण्यां भौमः ५३।५५अप्रेल ४ता. ३०
१०	गु	४१	५६	उ	१०	३७	शि	१४	५६	व	९	२४	४१	५	२	८	१० २३ ३०	मकरे	भ.९ उ.४५या.रेवत्यां रविः ५३ (सौर.÷
११	शु	४५	३३	श्र	१६	८	सि	१५	२०	ब	१३	१४	४५	५	१	९	११ २४ ३१	कुं. ४६	पापमोचनी ११ व्र. [÷५५।९)
१२	श	४७	३९	ध	२०	१	सा	१४	२५	कौ	१६	३६	४९	५	०	१०	१२ २५ १	कुम्भे	पूभा.बुधः १७।३९मीने शुक्रः४५।१८+
१३	र	४७	५८	श	२२	१९	शु	१२	१८	ग	१७	४९	५३	४	९	११	१३ २६ २	कुंभे	भ.४७।५८उ. प्रदोषः
१४	चं	४६	१९	पू	२२	५७	शु	८	४६	वि	१७	८	५७	४	९	११	१४ २७ ३	मी.७।४७	भ.१७।८या.
३०	मं	४३	२५	उ	२१	५६	व्र	५७	५४	च	१४	५२	३१	४	८	१२	१५ २८ ४	मीने	मन्वादिः

५० पं.चै.कृ२.बु.इ. १०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	१०	०	३	११
८	५	११	१३	१६	२०	६	८
३	३२	३१	१४	५६	२९	५३	०
१८	१७	१९	२२	१६	२४	३४	२५
५९	४३	२९	१२	७३	६	३	५९
२९	३	मं	२०	५६	५	११	३५

गोचर ग्रहाः

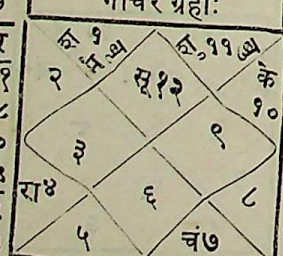

ज़स मास में गेहूं जो चना रस तेज रहेगे धातु सोना चांदी में मंदी रहेगी प्रजा में अशान्ति रहे बालकों में रोग हो ।

गोचर ग्रहाः

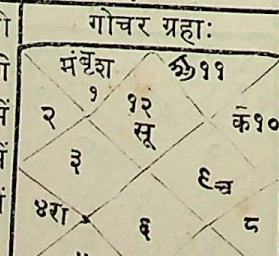

५१ पं.चै.कृ.९बु.इ१०।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	१०	०	३	११
१४	१०	१७	१४	२५	२१	६	१४
५९	३९	११	४७	३४	१५	३१	५६
१०	५८	३१	२४	५२	७	१९	३३
५९	४२	५३	१२	७४	६	३	५९
१६	५८	५४	४६	२	२६	११	१८

(विक्रम सं. २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०१ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४००० कलियुग–प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गत–कलिः ५१०१ भोग्यकलिः ४२६८९९ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५७ शाकः १९२२ अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः । मंत्री गुरु : । सस्येशो रविः । धान्येशो शुक्रः । मेघेशो बुधः । रसेशश्चंद्र : । नीरसेशः शनिः । फलेशो बुधः । धनेशः शनिः । दुर्गेशो बुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ७ विजयनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः १०।३।६।१८ भोग्यमासादिः १।२६।५३।४२ग्रहिबुध्न्यदैवतं युगम् । वर्षनाम आश्विनः । मेघनाम आवर्तः । रोहिणीनिवासस्तटे । समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा १० समयवाहनम् सिंचायुः । स्तंभौ २ वायुजलयोः । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानु सप्तमी २ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा १५ धान्यम् १५ तृणम् १७ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् १२१ सत्यम् ।। धर्म १।। पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहण २ चंद्रमसः ।

संवत् २०५७ आषाढ शुक्ले
१५ रवौ
ग्रस्तोदय खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज घ.	२७	३०	३२	३४	३७
मध्य प.	३४	१८	२८	३८	२२
रेलवे घ.	५	६	७	८	९
टा. मि.	२९	३४	२६	१८	२४

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ७।२६

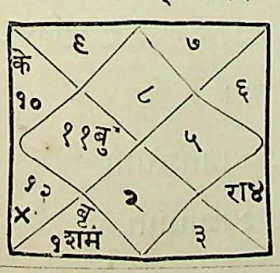

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

पूछे भैरव भाव से जग जननी पे आय ।
सतावन की साल का कहो हाल समझाय ।।

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे प्रेम भाव दरशाय ।
माता बालक पोषसी बछड़ा पोषे गाय ।।
राजा बुध मंत्री गुरु यह सब जग हर्षाय ।
विजय नाम वत्सर बना होवें न्याय की न्याय ।।
संवत् होसी सांतरो दरखत बेलां लूम ।
कोई दिशा के मांय ने टीडी करसी धूम ।।
वर्षा विश्वा पंचदश रोहिणी तट निर्धार ।
वर्षा उत्तम होयसी इसका यह ही सार ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
परमेश्वर के भजन से होसी बेड़ा पार ।

संवत् २०५७ पौष शुक्ले
१५ भौमवासरे
खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
उज्ज घं.	४४	४६	४८	४९	५२
मध्य प.	८	५८	१५	३२	२२
रे. घं.	१२	१	१	२	३
टा. मिं.	६	१४	४५	१६	२४

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ५।३

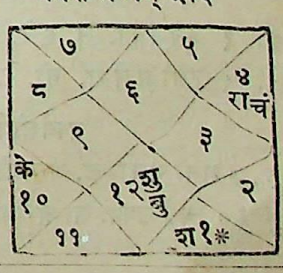

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५०।५०

× चं. शु. सू. । (विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) * मं. बृ. सू.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्यविवाह मंगलम् ।। प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वास्थं सुभिक्षं धनधान्यसंकुलम् ।। मंत्री गुरुः फलम् ।। विविधधान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुरतोयधना मुदिता भवेत् । नृपतयोजनपालन तत्पराःसुरगुरौ ननु मंत्रि समागते । सस्येशो रविःफलम्।। सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहुभूरुहाश्च ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम् ।। भृगौ पश्चिम धान्येशो पश्चाद्धान्यं न पच्येत । सस्याः समर्घतां यान्ति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधस्तत्फलम् ।। अमृतरश्मिसुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुकचेतसो विविधसौख्ययुता धरणी तदा ।। रसेशश्चंद्रः फलम् ।। यदि विधौ रसपे भुवि मानवां नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् । जलधरा बहुवारि विधायका रसवती धनधान्यवती मही ।। नीरसेशः शनिः फलम् ।। त्रपुपिंडादि लोहानां कृष्णवस्त्रादि वस्तूनां । अर्घवृद्धिः प्रजायेत मंदे नीरसनायके । फलेशो बुधस्तत्फलम् ।। यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशिमुचस्तदा । बहुतृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदा जनसौख्यसमन्विताः ।। धनेशः शनिः फलम् ।। द्रविणजे रविजे विरलं धनम् गदरता धरणी पतयः सदा । अधनिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीड़ितमानसाः ।। दुर्गेशोबुधस्तत्फलम् ।। विषयसाम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राशिगते तु विशेषतः । शशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्यवतान्न भयं क्वचित् ।। विजयनाम संवत्सरः फलम् ।। विजयाब्दे तु राजानः जयसंघोषतत्पराः । सुनंदंति प्रजाः सर्वा बहुसस्यार्घवृष्टिभिः । वर्षनाम आश्विनः फलम् ।। सुभिक्षं पूर्वसस्यं स्याज्ज्वररोगाकुलं जगत् । आश्विने शोभना वृष्टिः नृपसौख्यकरी तदा ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्नवृष्टि स्यात् ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम् । तटे वृष्टिः सुशोभना । समय निवासो रजकगृहे फलम् ।। रजके वष्टिरुत्तमा । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०५७ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चैत्र मासः ।

शु.१० गुरौ मघा.ल. ११ रे.७।ऽ।।।।ऽऽ।गणितेनक्रांतिसाम्याऽभावःचंद्रोऽत्र सप्तपे पूज्यः

,, १२ शनौ उफा.ल ९।११रे. ६ ऽ।।ऽशु।ऽअ।।ऽ।धनुलग्न ४५।९,उप.गणितेनक्रांतिसाम्याऽभावःशुक्रस्य पादतो वेधाभावश्च

,, १३ रवौ हस्ते ल.९।१२ रे.७।।।ऽबुऽ।ऽ।।।पादवेधाद्बुधस्य वेधाभावः मीने चं.७ पूज्यः

,, १४ चंद्रे हस्ते ल. अन्यगो. (भौ.७ दोषः) रे. ६।।।ऽ बुऽऽऽ।।।पादतो बुधस्य वेधाऽभावःआवश्यके

,, १५ भौमे स्वा. ल. ११ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

वैशाख मासः ।

कृ. १ बुधे स्वा. ल. ९ रे. ६ ।।।।ऽऽचोऽऽ।।

,, ५ रवौ मले ल. गो. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।भौम ७ दोषः

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ.७ शनौ मघा. ल. अन्यगो. रे. ६ ऽ।।।।ऽअऽऽ।।

,, १० चंद्रे उफा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।।ऽनृ।ऽ।ध.२७ ।६या. आव.

माघ मासः ।

कृ. ५ रवौ उफा. ल. गो. रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

,, ९ बुधे स्वा. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।

,,१० शुक्रे अनु. ल. अन्यगो. रे. ६।ऽ।।ऽ।ऽऽ।।

शु. ५ चंद्रे उभा. ल. अन्यगो. रे. ७।।।।।ऽचो ऽऽ।।

,, ६ भौमे रेवत्यां ल. अन्यगो. रे. १०।।।।।।।।।।

,,१० शनौ रोहि. ल. गो. रे. ७ ।।।।।ऽअ।ऽऽ। गणितेनक्रान्तिसाम्याऽभावः

फाल्गुन मासः ।

कृ.१० शनौ मूले ल. १० रे. ७ ऽऽ।।।।।ऽ।।

शु. २ रवौ उभा. ल. १० रे. ७ ।ऽ।।।ऽनृऽ।।।

,, ३ चंद्रे रेवत्यां ल. १० रे. ८ ।।ऽशु।।।।।।ऽदग्धाशुक्रयुतिश्च

चैत्र मासः ।

कृ. १ शनौ हस्ते ल. १० रे. ८ ।ऽ।।।ऽरो।।।।

,, २ रवौ हस्ते ल. गो. रे. ९ ।ऽ।।।।।।।।

विक्रम सं० (२००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्र : | वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २९२२सन् २०००

१	बु	३९	१	रे	१९	४४	वै	५१	२८	किं	११	१३	३१	५	४७	१६	१६	२९	५	मे. १९	संवत्सरारंभः नवरात्रा.
२	गु	३३	४९	अ	१६	३१	वि	४४	१४	बा	६	२८	१०	४६	१४	१७	३०	६	मेषे		भरणी. २गुरुः ३१।१७चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	शु	२८	१३	भ	१२	४६	प्री	३६	३७	तै	१	४	१४	४५	१५	१८	३१	७	बृ. २६		भ. ५५।१५उ. गणगौरी. मत्स्यज. +
४	श	२२	१८	कृ	८	४३	आ	२९	१	वि	२२	१८	१८	४४	१६	१९	२	८	वृषे		भ. २२।१८या.
५	र	१६	२३	रो	४	४७	सौ	२१	३७	बा	१६	२३	२२	४४	१६	२०	३	९	मि. ३३		मीने बुधः १२।४
६	चं	१०	४४	मृ	५९	२७	शा	१४	८	तै	१०	४४	२६	४३	१७	२१	४	१०	मिथुने		[+मोहोरम १सन् १४२१हि.
७	मं	५	२०	पु	५४	८	अ	७	४	व	५	२०	३०	४२	१८	२२	५	११	कर्के		भ. ५।२९उ. ३२।४५या. उभा. बुधः १२।५३
८	बु	०	१०	पु	५१	१८	सु	२	३३	ब	०	१०	३४	४१	१९	२३	६	१२	कर्के		रामनवमी.
९	बु	५५	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		[÷ ३९ पातस्पर्शः ३, पातमोक्षः १५।३२
१०	गु	५१	१२	श्ले	४९	३	शू	४७	३२	तै	२३	२२	३८	४०	२०	२४	७	१३	सिं. ४९।३		अश्वि. मेषेऽर्कः २६।३४ (सौरः २९।४३)
११	शु	४७	५	म	४७	१७	ग	४१	४६	व	१९	८	४२	४०	२०	२५	८	१४	सिंहे		भ. १९।८उ. ४७।५या. कामदा ११व्र.
१२	श	४४	१४	पू	४५	९	बृ	३६	४७	ब	१५	४०	४६	३९	२१	२६	९	१५	सिंहे		रेवत्यां शुक्रः १५।१५भरणी. ४शनिः÷
१३	र	४१	५९	उ	४५	३७	ध्रु	३२	१८	कौ	१३	६	५०	३८	२२	२७	१०	१६	कं. ०।१६		प्रदोषः
१४	चं	४०	४२	ह	४६	३०	व्या	२८	४६	ग	११	२०	५३	३७	२३	२८	११	१७	कन्यायां		भ. ४०।४२उ.
१५	मं	४०	३२	चि	४८	२५	ह	२६	८	वि	१०	३७	५७	३७	२३	२९	१२	१८	तु. १७ २८		भ. १०।३७या. हनुमज्जयंती

५२ पं.चै.शु.१ बु.इ. १०४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	११	०	३	११
२१	१५	२५	१६	४	२२	६	२१
५३	४५	५	२२	१३	३	९	५०
३१	५०	४६	२३	३७	२२	३	४४
५९	४२	७३	१३	७४	६	३	५९
४	५०	९	८	८	४०	११	४

गोचर ग्रहाः

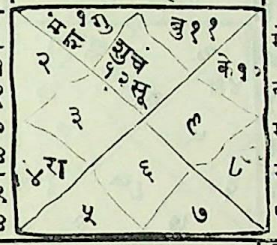

चैत्र शुक्ले १० गुरौ
मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३
न. ४प्रौढावस्था(बैठी)
मु. १५धान्यादि भावे
महर्षता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

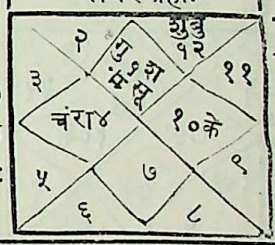

१पं.चै..शु.१०बृ.इ.२६।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	०	११	०	३	११
०	२१	६	१८	१४	२३	५	२९
०	४३	४५	१७	२५	२	४२	५६
०	८	७	२७	२३	२०	५९	५५
५८	४२	९२	१३	७४	६	३	५८
४४	४३	८	२०	१९	५६	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महा.

१	बु	४१	२९	स्वा	५१	५०	व	२४	४३	बा	११	१६	३२	१	३६	९	२४	३०	१३	१९	तुलायां	रेवत्यां बुधः ३८।१६
२	गु	४४	५३	वि	५६	१४	सि	२४	५९	तै	१३	२६		५	३५	२५		३१	१४	२०	वृ. ४०।८	कृति. भौमः २१।५६भरणी. ३गुरुः ३७।९
३	शु	४८	५६	अ	६०	०	व्य	२४	४७	व	१६	४९		९	३४	२६		१	१५	२१	वृश्चिके	भ. १६।४९उ. ४८।५६या. भा. वैशाखारंभः
४	श	५४	५	अ	२	१९	व	२६	१७	ब	२१	३१	१२	३	४	२६	२	१	६	२२	वृश्चिके	अस्तं शनेः ५१।३३ चतुर्थीव्र.
५	र	६०	०	ज्ये	९	३	प	२७	५१	कौ	२७	७	१६	३	३	२७	३	१	७	२३	ध. ९।३	
५	चं	०	९	म	१६	३८	शि	३०	७	तै	०	९	२०	३	२२	२८	४	१८	२४		धनुषि	[+अश्वि. मेषे बुधः ३, बुधास्तः पूर्वस्यां २५ ११
६	मं	६	१५	पू	२४	७	सि	३२	३७	व	६	१५	२३	३	१	२९	५	१९	२५		म. ५०	भ. ६।१५उ. ३९।२६या. वृषे भौमः ३।१०
७	बु	१२	३७	उ	३१	२२	सा	३४	२६	ब	१२	३७	२७	३	१	२९	६	२०	२६		मकरे	अश्वि. मेषे शुक्रः ४।४१
८	गु	१८	१६	श्र	३७	३२	शु	३५	५९	कौ	१८	१६	२१	३	०	३०	७	२१	२७		मकरे	भरण्यां रविः ६।४८(सौरः ११।८)+
९	शु	२२	५	ध	४२	२७	शु	३५	४७	ग	२२	५	२४	२	९	३१	८	२२	२८		कुं. ८।५९	भ. ५३।२४उ. अस्तं गुरोः ३१।४८ अ.गु.
१०	श	२४	४४	श	४५	४७	ब्र	३४	५९	वि	२४	४४	२८	२	८	३२	९	२३	२९		कुम्भे	भ. २४।४४या.
११	र	२४	२९	पू	४७	४	ऐं	३२	१६	बा	२४	२९	४१	२	८	३२	१०	२४	३०		मी. ३१ ४४	वरूथिनी ११व्र.
१२	चं	२३	६	उ	४६	२५	वै	२७	५५	तै	२३	६	४५	२	७	३३	११	२५	१		मीने	अस्तो भौमः १४।५६मई ५तां. ३१प्रदोषः
१३	मं	१९	५८	रे	४३	५६	वि	२२	८	व	१९	५८	४८	२	६	३४	१२	२६	२		मे. ४३	भ. १९।५८उ. ४७।२५या.
१४	बु	१४	५२	अ	४०	२	प्री	१५	७	श	१४	५२	५२	२	६	३४	१३	२७	३		मेषे	भ. रण्यांबुधः ४१।१२
२०	गु	९	४०	भ	३५	०	आ	५८	६ ५१	ना	९	४०	५५	२	५	३५	१४	२८	४		वृ. ४५ ३४	भरणी. ४गुरुः ५२।४८

२ पं.वै.कृ.२गु.इ.२६।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	०	११	०	३	०
६	२६	१८	१९	२३	२३	५	६
५०	४३	५	५७	२	५४	२०	४७
४२	३०	२४	४०	१७	४०	४३	०६
५८	४२	०	१३	७४	७	३	५८
३१	२९	५	३२	२०	८	११	२९

गोचर ग्रहाः

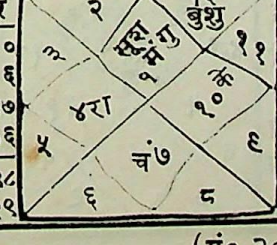

३ पं. वै. कृ. ८बृ.इ.२७।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	०	०	०	३	०
१३	१	०	२१	१	२४	४	१३
३९	४	५१	३४	३९	४७	५८	३५
४७	६	४३	१६	५०	१७	२७	३१
५८	४२	०	१३	७४	७	३	५८
१९	८	३८	३२	२६	१४	११	१२

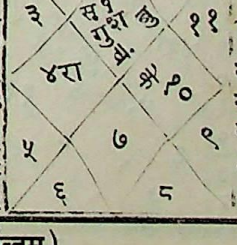

४पं. वै. कृ. ३०गु.इ २७।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	०	०	०	३	०
२०	६	१४	२३	१०	२५	४	२०
२७	३६	५६	१४	१७	४१	३६	२२
२५	०	४९	१३	१७	१३	१२	१४
५८	४२	०	१३	७४	७	३	५७
६	४	५७	३८	२६	२०	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २९५२सन् २०००
१	शु १ १५ कृ २९ १६ शो ४९ १२ ब १ १५	३२	५	६	१५	२९	५	वृषे	चंद्रदर्शनम् [Bअक्षया ३ सफर२
२	शु ५२ ४१ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
३	श ४६ ७ रो २३ २६ अ ४० २ तै २० १	३३	२४	३६	१६	१	६	मि ५२।३७	भरण्यांशुक्रः ५३ परशुरामजयंती.B
४	र ३८ ४० मृ १७ ४९ सु ३१ ५ व १२ २३	५	२३	३७	१७	२	७	मिथुने	भ.१२।२३उ.३८।४०या.
५	चं ३१ ४३ आ १२ ४९ धृ २२ ४९ ब ५ ११	८	२२	३८	१८	३	८	क ५४।३०	शुक्रास्तःपूर्वस्याम् २५।४८
६	मं २५ ३१ पु ८ २४ शू १५ २० तै २५ ३१	११	२२	३८	१९	४	९	कर्के	रोहि. भौमः १७।१३कृत्ति.बुधः४४।५८
७	बु २० १० पु ४ ५५ गं ८ १६ व २० १०	१४	२१	३९	२०	५	१०	कर्के	भ.१०उ.४९या.कृति.रविः५२ (सौरः५९)
८	गु १६ ५ श्ले १ ४२ बृ २ ५४ ब १६ ५	१७	२१	३९	२१	६	११	सिं. १।४२	वृषे बुधः२५।५१
९	शु १२ ५५ म ० ५९ व्या ५२ २३ कौ १२ ५५	२०	२०	४०	२२	७	१२	सिंहे	कृति.१शनिः४।३८
१०	श १० ४१ पू ० ३५ ह ४८ ४८ ग १० ४१	२३	१९	४१	२३	८	१३	कं.१५।१६	भ.४०।९उ.[×(सौरः २६) मोहिनी ११व्र.
११	र ९ ३८ उ १ २ व ४६ २ वि ९ ३८	२६	१९	४१	२४	९	१४	कन्यायां	भ.९।३८या.वृषेऽर्कः १९।५९×
१२	चं ९ ४४ ह ३ ४ सि ४४ ८ बा ९ ४४	२८	१८	४२	२५	१०	१५	तु ३४।२३	रोहि. बुधः५९।११प्रदोषः
१३	मं १० ४१ चि ५ ४३ व्य ४३ १ तै १० ४१	३१	१८	४२	२६	११	१६	तुलायां	नृसिंह१४
१४	बु १२ ५७ स्वा ९ ४१ व ४२ १ व १२ ५७	३४	१७	४३	२७	१२	१७	वृ. ५७।५९	भ.१२।५७उ.४४।४०या.कृति.शुक्रः४७।४
१५	गु १६ २३ वि १४ ४ प ४१ ३४ ब १६ ३३	३७	१७	४३	२८	१३	१८	वृश्चिके	कृति.१गुरुः५१।१९वै.स्ना.पूर्तिः

५ पं.प्र.वै.शु.८बृ.इ. २७।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	०	०	०	३	०
२७	११	०	२४	१८	२६	४	२७
१३	३०	३	५३	५३	२५	१३	७
३७	५४	३२	४६	४२	२८	५६	२८
५७	४१	२९	१३	७४	७	३	५७
५४	५४	१९	३८	३२	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

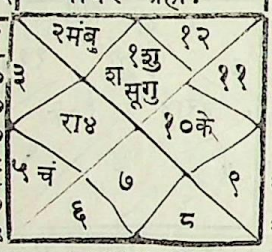

वैशाख शुक्ले ११रवौ

बृषेऽर्कं:प्रविष्टः वा.४
न.५बालावस्था(बैठी)
मु. ३० धान्यादि भावे
समता शुक्रास्तः पूर्व
स्याम्

गोचर ग्रहाः

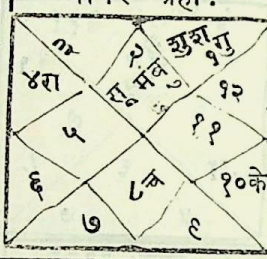

६ पं.वै.शु.१५बृ.इ. २७।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	०	०	०	३	१
३	१६	१५	२६	२७	२७	३	३
५८	२१	६	३३	३०	२९	५१	५१
३७	११	७	४०	२९	१०	४१	०९
५७	४१	२९	१३	७४	७	३	५७
४४	४७	३३	३३	३२	२०	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेवैशाख कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु २० ४३ अ २० ११ शि ४१ २४ कौ २० ४३	३३	५	६	२९	१४	१९	वृश्चिके	[×३२।२७रोहि.शुक्रः३५।३पुन.४राहुः
२	श २५ ५८ ज्ये २७ ८ सि ४३ ११ ग २५ ५८	४२	१६	४४	३०	१५	२०	ध.२७।८	भ. ५९।११उ. बृषेशुक्रः२८।४बुधोदयः÷
३	र ३२ २४ मू ३४ ३२ सा ४५ १९ वि ३२ २४	४४	१५	४५	३१	१६	२१	धनुषि	भ.३२।२४या. चतुर्थी व्र.
४	चं ३८ १ पू ४१ ५ शु ४७ ५६ ब ५ १३	४७	१५	४५	१	१७	२२	म ५८।११	मृगे बुधः३०।४०भा. ज्येष्ठारंभः
५	मं ४४ १७ उ ४९ ३१ शु ५० ३० कौ ११ ९	४९	१४	४६	२	१८	२३	मकरे	[Aउषा.२केतुः२५।१७उदयंशनेः३७।५२
६	बु ४९ ५७ श्र ५६ ४८ ब्र ५३ ८ ग १७ ७	५२	१४	४६	३	१९	२४	मकरे	भ. ४९।५७उ. रोहि. रविः४३।३३=
७	गु ५४ ४१ ध ६० ० ए ५४ ४२ वि २२ १९	५४	१३	४७	४	२०	२५	कुं.३९।४१	भ. २२।१९ या.[÷पश्चिमायां १०।१५
८	शु ५८ ८ ध २ ३५ वै ५५ ३० बा २६ २५	५६	१३	४७	५	२१	२६	कुम्भे	मिथुने बुधः २८।२२
९	श ५९ ४३ श ७ ११ वि ५५ ३८ तै २८ ५५	५८	१२	४८	६	२२	२७	मी ५३।३४	[=(सौरः ५२।५५) उदयंगुरोः ३५।२४
१०	र ५८ १४ पू ९ २ प्री ५३ ३५ व २८ ५८	३४	१२	४८	७	२३	२८	मीने	भ. २८।५८उ. ५८।१४या. मृगे भौमः×
११	चं ५६ ४९ उ १० ४३ आ ४६ ४४ ब २७ ३१	२	१२	४८	८	२४	२९	मीने	अपरा११व्र.स्मा.
१२	मं ५२ २० रे ९ २५ सौ ४३ १६ कौ २४ ३४	२	११	४९	९	२५	३०	मे.९।२५	आर्द्रा.बुधः२३।३९अपरा११व्र.वै.
१३	बु ४६ १ अ ६ ८ शो ३६ १७ ग १९ १०	५	११	४९	१०	२६	३१	मेषे	भ.४६।१उ. प्रदोषः
१४	गु ३८ ८ भ १ ५३ अ २६ ५१ वि १२ ४	७	११	४९	११	२७	१	वृ. १४।३७	भ.१२।४या. जून६ता.३०
३०	शु २९ २२ रो ४८ २ सु १६ ४६ च ३ ४५	९	१०	५०	१२	२८	२	वृषे	कृत्ति.२वृषेगुरुः१३।४७ वटपूजनम्

७ पं.ज्ये.कृ.७बृ.इ. २७।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	०	१	०	३	१
१०	२१	२८	२८	६	२८	३	१०
४२	११	३१	१३	७	२२	२९	३३
२९	४६	५	३८	२३	५९	२५	२०
५७	४१	०	१३	७४	७	३	५७
३५	४०	२९	३२	३२	१४	११	२२

गोचर ग्रहाः

इसमास में गेहूं जो चना बाजरा आदि धान्य में मंदी होवे सोना चांदी तिल कपास में तेजी कही २वर्षा और धूप अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

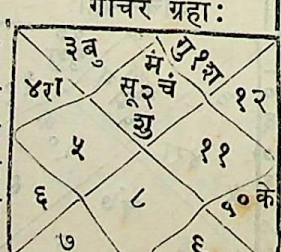

८ पं.ज्ये.कृ.१४बृ.इ. २७।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	०	१	०	३	१
१७	२५	९	२९	१४	२९	३	१७
२५	५८	३७	४९	४२	१५	७	१४
१९	४८	८	४८	५४	३६	९	२६
५७	४१	८५	१३	७४	७	३	५७
२७	२०	३३	२०	३८	३	११	१३

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः २९८१स २०००

१	श	१९	५८	मृ	४१	३	धृ	४२	५८	व	१९	५८	३४	१०	५०	६	१३	२९	३	मि	१४।३२	चंद्र दर्शनम्
२	र	१०	४०	आ	३३	१९	गं	४८	१६	कौ	१०	४०	१२	१०	५०	१४	१	४		मिथुने		रविलाभवल३
३	चं	२	१०	पु	२७	४१	बृ	३९	७	ग	२	१०	१३	९	५१	१५	२	५		कं.	१४।६	भ. २८।१३उ. ५४।१६या.
४	चं	५२	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०		[=गुर्जराणां वटसावित्री व्र.
५	मं	४६	३७	पु	२१	५८	धु	३०	२०	ब	२०	२६	१५	९	५१	१६	३	६		कर्के		[÷भौमः ३/४ कृत्ति. २वृषे शनिः २१।२४
६	बु	४१	८	श्ले	१७	५९	व्या	२२	२०	कौ	१३	५२	१६	९	५१	१७	४	७		सिं	१७।५९	मृगे रविः ३८।२६ (सौरः ५१।४५) मिथुने÷
७	शु	३६	२९	म	१५	२	ह	१५	४४	ग	८	५९	१७	९	५१	१८	५	८		सिंहे		भ. ३६।२९ उ. मृगेशुक्रः २८।४७
८	शु	३४	१६	पू	१४	१९	व	१०	५	वि	५	३३	१८	८	५२	१९	६	९		कं.	२९।२३	भ. ५।३३या.
९	श	३३	४६	उ	१४	३८	सि	५	३५	बा	४	०	१९	८	५२	२०	७	१०		कन्यायां		पुन. बुधः २३।३८
१०	र	३४	२९	ह	१६	३७	व्य	२	५७	तै	४	७	१९	८	५२	२१	८	११		तु.	४८।१७	गंगादशमी
११	चं	३६	१०	चि	१९	५८	प	५८	४०	व	५	१९	२०	८	५२	२२	९	१२		तुलायां		भ. ५।४३उ. ३७।१०या. निर्जला ११व्र.
१२	मं	३९	२६	स्वा	२४	२८	शि	६०	०	ब	८	१८	२१	८	५२	२३	१०	१३		तुलायां		मिथुने शुक्रः ५५।२२
१३	बु	४३	३५	वि	३०	७	शि	०	५४	कौ	११	३१	२१	८	५२	२४	११	१४		वृ.	१३।४२	मिथुनेऽर्कः ३७।० (सौरः ५२।३३) प्रदोषः
१४	शु	४८	३५	अ	३६	३२	सि	१	५०	ग	१६	३५	२२	८	५२	२५	१२	१५		वृश्चिके		भ. ४८।३५उ.
१५	शु	५४	५	ज्ये	४३	२०	सा	३	३५	वि	२१	१०	२२	८	५२	२६	१३	१६		ध.	४३।२०	भ. २१।२०या कृत्ति. ३गुरुः ५८।०=

९पं.ज्ये. शु.७बृ.इ.२७।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	१	१	१	३	१
२४	०	१८	१	२३	०	२	२३
७	४३	८	२६	१८	७	४४	५४
१९	३०	४६	२१	५४	४१	५२	२२
५७	४१	५७	१३	७४	६	३	५७
२२	१०	४०	१४	३८	५६	११	०५

गोचर ग्रहाः

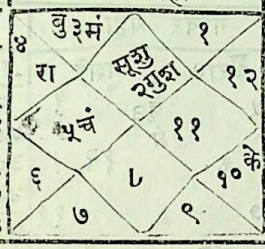

ज्येष्ठशुक्ले १३ बुधे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४न. ५युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

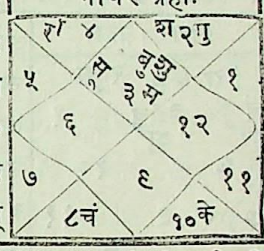

१०पं.ज्ये.शु १४बृ.इ.२७।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	२	१	३	२
०	५	२३	३	१	०	२	०
४८	२६	४१	०	५५	५८	२२	३३
३६	१७	३८	३६	५	१६	३८	३१
५७	४१	२६	१२	७४	६	३	५६
१७	६	१	५५	३८	३८	११	५७

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेत्ति महाः

१	श	६०	०	मृ	५०	३६	शु	५	३२	बा	२७	०४	३४	५	५६	२७	१४	१७		धनुषि		आर्द्रा.भौमः १५।३०
१	र	००	३	पू	५८	०	शु	७	५४	तै	००	०३	२३	७	५३	२८	१५	१८		धनुषि		[×बुधः २४।५५
२	चं	६	१७	उ	६०	०	ब्र	१०	२०	ग	५	१७	२३	७	५३	२९	१६	१९		म.	१४।४२	भ. ३८।४१उ. आर्द्रा.शुक्रः २१।५२
३	मं	१२	५	उ	५	२६	ऐं	१२	४६	वि	१२	५	२४	७	५३	३०	१७	२०		मकरे		भ. १२।५या. चतुर्थी व्र.
४	बु	१८	३६	श्र	१२	४२	वै	१४	५९	बा	१८	३६	२४	७	५३	३१	१८	२१		कुं.	४५।५२	आर्द्रा. रविः ३५।५५ (सौरः ५४।६ वक्री×
५	शु	२३	५७	ध	१९	२	वि	१६	२३	तै	२३	५७	२४	७	५३	१	१९	२२		कुंभे		राष्ट्रीय आषाढारंभः
६	शु	२८	११	श	२४	१७	प्री	१७	८	व	२८	११	२४	७	५३	२	२०	२३		कुंभे		भ. २८।११उ. ५९।३४या.
७	श	३०	५६	पू	२८	३७	आ	१६	५७	व	३०	५६	२४	७	५३	३	२१	२४		मी	१२।३२	
८	र	३१	२८	उ	३१	०	सौ	१५	१५	बा	१	१२	२३	७	५३	४	२२	२५		मीने		
९	चं	२९	५७	रे	३१	३७	शो	११	११	तै	०	४३	२३	७	५३	५	२३	२६		मे	३१।३७	भ५८।१उ.
१०	मं	२६	५	अ	३०	२६	अ	७	२९	वि	२६	५	२२	८	५२	६	२४	२७		मेषे		भ. २६।५या. बुधास्तःपश्चिमायां ३७।५०
११	बु	१९	५६	भ	२७	०	सु	२२	५२	बा	१९	५६	२२	८	५२	७	२५	२८		बृ.	४०।४४	योगिनी ११व्र.
१२	गु	१३	२४	कृ	२१	५६	शू	४४	३२	तै	१३	२४	२१	८	५२	८	२६	२९		वृषे		प्रदोषः
१३	शु	४	१	रो	१५	४४	गं	३४	३७	व	४	१	२०	८	५२	९	२७	३०		मि	४१।५५	भ. ४।१उ. २९।१०या. पुन. शुक्रः १०।११
१४	शु	५०	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०		
३०	श	४४	३५	मृ	८	७	बृ	२४	७	च	१९	५७	१९	८	५२	१०	२८	१		मिथुने		जौलाई७ता.३१

११पं.आ.कृ. ५बु.इ. २७।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	२	१	३	२
७	१०	२१	४	१०	१	२	७
२९	८	५१	३२	३१	४६	०	११
३१	३८	१४	४९	१६	२६	२३	५८
५७	४०	३५	१२	७४	६	३	५६
१३	५६	व.	३१	३७	२६	११	५४

गोचर ग्रहाः

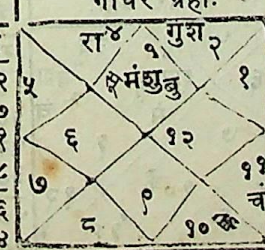

इस मास में रसपदार्थ घृत तेल गुड़ सरसो अन्डी अलसी में तेजी कपास रुई सन में मंदी होकर तेजी होगी सुदीमें वर्षा अच्छी हो

गोचर ग्रहाः

१२पं.आ.कृ.१२बृ.इ.२७।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	२	१	३	२
१४	१४	२४	६	१९	२	१	१३
९	४८	३४	१	७	३२	३८	५०
५८	०	५	४८	१९	३१	७	०३
५७	४०	२७	१२	७४	६	३	५६
७	४६	व.	१४	३२	९	११	५०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२						दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०१० सन् २०००
१	र	३४	४६	आ	१५	४५	धु	१३	१४	किं	९	४१	३४	५	६	११	२९	२	क.३९।२२	कृत्ति.४गुरुः ३५।७
२	चं	२५	५०	पु	४५	९	व्या	३१	३४	बा	०	१८	१७	९	५१	१२	३०	३	कर्के	चंद्र दर्शनम् रथयात्रा
३	मं	१७	४६	श्ले	३९	५	व	४२	४७	ग	१७	४६	१६	९	५१	१३	१	४	सिं३९।५	भ.४४।९उ.रविलाख र ४
४	बु	१०	३२	म	३४	२३	सि	३४	३९	वि	१०	३२	१५	९	५१	१४	२	५	सिंहे	भ.१३या.पुन.रविः३४।४५ (सौरः५८।८
५	गु	५	२०	पू	३१	३४	व्य	२८	११	बा	५	२०	१४	९	५१	१५	३	६	कं.४६।८	
६	शु	१	३६	उ	२९	५१	व	२३	८	तै	१	३६	१३	९	५१	१६	४	७	कन्यायां	भ.५९उ.पुन.भौमः५३वक्री आर्द्रा.बुधः४९
७	शु	५	७	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	श	५	९	८	ह	३१	१७	प	१९	३९	वि	२९	४	११	१०	५०	५७	५	८	कंन्यायां	भ.२९।४या.कर्के शुक्रः१६।५९
९	र	६	०	०	चि	३४	५	शि	१७	४८	बा	३०	६	१०	१०	५०	१८	६	९	तु.२।४१	कृत्ति.३ शनिः ४४।०
९	चं	१	५	५	स्वा	३८	२३	सि	१७	७	कौ	१	५	८	१०	५०	१९	७	१०	तुलायां	[÷३०।५२) गुरु १५
१०	मं	४	२५	५	वि	४४	१५	सा	१७	५६	ग	४	२५	७	११	४९	२०	८	११	वृ.२७।४७	भ.३६।४०उ.पुष्ये शुक्रः२।३६
११	बु	८	५६	६	अ	५०	४३	शु	१८	५९	वि	८	५६	५	११	४९	२१	९	१२	वृश्चिके	भ.८।५६या.देवशयनी ११ व्र.
१२	गु	१४	२९	९	ज्ये	५७	५८	शु	२१	२७	बा	१४	२९	३	११	४९	२२	१०	१३	ध.५७।५८	हरिवासराऽभावः प्रदोषः
१३	शु	२०	१४	४	मू	६०	०	ब्र	२३	१६	तै	२०	१४	१	१२	४८	२३	११	१४	धनुषि	[×दयःपश्चिमायां ४९।१२ वायु परिक्षा
१४	श	२६	५०	३	मू	५	२६	ए	२५	३८	व	२६	५०	५९	१२	४८	२४	१२	१५	धनुषि	भ.५०उ.५९या.बुधोदयःपूर्वस्यां २१शुक्रो×
१५	र	३२	२४	३	पू	१२	५३	वै	२७	५९	ब	३२	२४	५७	१३	४७	२५	१३	१६	म.२९।४४	खग्रास चंद्रग्रहणम् कर्के र्कः ४१ (सौरः÷

१३पं.आ.शु.५बृ.इ.२७।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	२	१	३	२
२०	१९	२०	७	२७	३	१	२०
५०	२६	५०	२६	४४	०	१५	२७
२४	२	२८	५६	१३	५८	५१	५७
५७	४०	३८	११	७४	५	३	५६
७	२६	व.	४२	३२	४९	११	५०

गोचर ग्रहाः

४रा	सू	२गुश	
५चं	३मंबु शु		१
६		१२	
७	९		११
८		के१०	

आषाढ शुक्ले १५ रवौ कर्केऽर्कः प्रविष्टःवा. ५त.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

शुरा४	सू	गुश२	
५	बु३ मं		१
६		१२	
७	८		११
चं८		१०के	

१४ पं.आ.शु.१२बृ.इ. २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	३	१	३	२
२७	२४	१७	८	६	३	०	२७
३०	२	९	५०	१९	५७	५३	९
४३	४६	१८	४९	४८	४	३६	४
५७	४०	३६	११	७४	५	३	५६
११	२६	व.	६	२६	२२	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२						दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेआषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्रां
१	चं	३८	२२	उ	२०	१५	वि	३०	२०	बा	५	२३	३३	५	६	२६	१४	१७	मकरे	
२	मं	४३	३९	श्र	२६	५५	ग्री	३२	२२	तै	११	१	५२	१४	४६	२७	१५	१८	मकरे	मार्गी.बुधः२३।३१
३	बु	४८	४	ध	३३	२९	आ	३३	४०	व	१५	५१	५०	१४	४६	२८	१६	१९	कुं.०।११	भ.१५।५१उ.४८।४मा.पुष्ये रविः३३
४	गु	५१	४३	श	३९	१	सौ	३४	२९	व	१९	२३	४८	१४	४६	२९	१७	२०	कुंभे	पुष्ये रविःसौरः१३रोहिणी.१गुरुः६१च.व्र.
५	शु	५४	२१	पू	४३	४८	शो	३४	२६	कौ	२३	२	४५	१५	४५	३०	१८	२१	मी. ३७	आश्ले.शुक्रः५६नाग५मरुस्थले
६	श	५५	१९	उ	४६	४०	अ	३३	३५	ग	२४	५०	४३	१५	४५	३१	१९	२२	मीने	भ.५५उ.कर्के भौमः३०।५
७	र	५५	३६	रे	४८	३७	सु	२९	२९	वि	२५	२८	४०	१६	४४	१	२०	२३	मे.४८।३७	भ.२५।२८या.भा. श्रावणारंभः
८	चं	५३	५६	अ	४८	५८	धृ	२७	१३	बा	२४	४२	३८	१६	४४	२	२१	२४	मेषे	
९	मं	५०	३५	भ	४७	३५	शू	२३	४४	तै	२२	१६	३५	१७	४३	३	२२	२५	मेषे	
१०	बु	४५	४२	कृ	४४	२७	गं	१७	२६	व	१८	८	३३	१७	४३	४	२३	२६	वृ.१।५३	भ.१८।८उ.४३या.पुनःबुधः१६।४२
११	गु	३९	३	रो	४०	२४	बृ	१०	४१	ब	१२	२२	३०	१८	४२	५	२४	२७	वृषे	पुष्ये भौमः४०।५७कामिका ११ व्र.
१२	शु	३१	५	मृ	३४	२७	धु	१५	४४	कौ	५	४	२७	१९	४१	६	२५	२८	मि. ७।२५	प्रदोषः
१३	श	२२	१५	आ	२७	३२	ह	४२	४६	व	२२	१५	२४	१९	४१	७	२६	२९	मिथुने	भ.२२।१५उ.४७।२२या.
१४	र	१२	२९	पु	२०	६	व	३२	२३	श	१२	२९	२२	२०	४०	८	२७	३०	क. ६।५८	पुनःवृषे राहुः उषा. १ केतुः१८।२७
३०	चं	२	४७	पु	१२	०	सि	२१	२२	ना	२	४७	१९	२०	४०	९	२८	३१	कर्के	हरियांली. सोमवती ३०

१५पं.श्रा.कृ.४बृ.इ.२७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	१	३	१	३	३
४	२८	१६	१०	१४	४	०	३
११	३७	४४	३	५६	३४	३१	४४
२८	४१	५३	१८	५३	३४	२०	३१
५७	४०	१५	१०	७४	४	३	५६
१५	१६	मं	२९	२६	५६	११	५८

गोचर ग्रहाः

५	४	३बुमं	वृ२श
६	गासूशु		
७		१	
८	१०के		१२
९		११चं	

इस मास में ५ सोमवार तथा ५ मंगलवार साधारण हैं बदी में अनाज गल्ला रस पदार्थ धातु मन्दा होगा, सुदी में तेज हो।

गोचर ग्रहाः

५	४	३बु	
६	शुरासू मं		बृश२चं
७		१	
८	१०के		१२
९		११	

१६पं.श्रा.कृ.११बृ.इ. २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	१	३	१	३	३
१०	३	२१	११	२३	५	०	१०
५२	१०	९	२३	३३	९	९	२३
३०	५२	१८	१३	२९	११	५	४८
५७	३९	५८	९	७४	४	३	५७
२०	५९	५६	४७	२६	२९	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेहर्गणः ३०४० सन् २०००
१	चं	५०	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४४	४२	श्ले	१९	५५	व्य	११	१७	बा	१९	०	१०	२९	१	सि. ५।११	मघा.सिंहे शुक्रः ४/१० चंद्र दर्शनम् अगस्त ८×
३	बु	३७	३७	पू	५४	२०	व	५९	५१	तै	११	१०	११	२१	३९	११	१	२	सिंहे	आश्ले.रविः ३/१० तीज जमादिलावल ५
४	गु	३२	२२	उ	५१	२५	शि	४७	५	व	४	५९	१०	२२	३८	१२	२	३	कं ८।३७	भ.४।५९उ.३/२३या.आश्ले. रविःसौरः २/३० ÷
५	शु	२८	४९	ह	५०	२७	सि	४१	३३	ब	०	३९	७	२३	३७	१३	३	४	कन्यायां	नागपंचमी [×ता.३१ सिंधारा
६	श	२७	४९	चि	५१	५०	सा	३८	१७	तै	२७	४९	४	२३	३७	१४	४	५	तु. २१।८	पुष्ये बुधः ३६।२४ [÷कर्के बुधः ३१।४७
७	र	२८	३५	स्वा	५५	३	शु	३६	२५	व	२८	३५	०	२४	३६	१५	५	६	तुलायां	भ.२८।३५उ.
८	चं	३१	३२	वि	५९	५८	शु	३६	२५	वि	०	४	३/७	२५	३५	१६	६	७	वृ.४३।४४	भ.०।४या.
९	मं	३५	५२	अ	६०	०	ब्र	३७	९	बा	३	४१	५४	२५	३५	१७	७	८	वृश्चिके	रोहिणी २ गुरुः ४१।४१
१०	बु	४१	२३	अ	६	१०	ए	३८	५३	तै	८	३७	५०	२६	३४	१८	८	९	वृश्चिके	बुधास्तः पूर्वस्याम् ३८।५८
११	गु	४७	३७	ज्ये	१३	२९	वै	४१	१९	व	१४	२९	४७	२७	३३	१९	९	१०	ध.१३।२९	भ.१४।२९उ.३/७या.पवित्रा ११ व्र.
१२	शु	५३	५५	मू	२०	४९	वि	४३	४२	ब	२०	४६	४४	२७	३३	२०	१०	११	धनुषि	
१३	श	६०	०	पू	२८	२०	प्री	४६	९	कौ	२६	५८	४०	२८	३२	२१	११	१२	म.४५।१०	आश्ले.बुधः ५१/५४ पूफा.शुक्रः ३०।३९प्रदोषः
१३	र	०	१	उ	३५	४०	आ	४८	२०	तै	०	१	३७	२९	३१	२२	१२	१३	मकरे	
१४	चं	५	३९	श्र	४२	२९	सौ	५०	८	व	५	३९	३३	२९	३१	२३	१३	१४	मकरे	भ.५।३९उ.३८।६या.
१५	मं	१०	३३	ध	४८	२९	शो	५१	७	ब	१०	३३	३०	३०	३०	२४	१४	१५	कुं, १५।२९	श्रावणीकर्म. रक्षाबंधनम्

१७ पं.श्रा.शु.४ बृ.इ. २७।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	१	४	१	२	३
१७	७	२९	१२	२	५	२९	१७
३४	४२	५२	३१	१०	३८	४६	०३
१२	२९	३०	५५	१	५६	४९	३६
५७	३९	९६	९	७४	३	३	५७
२५	५९	१८	५	२०	५०	११	१२

गोचर ग्रहाः

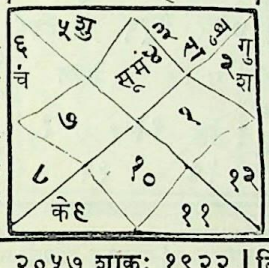

इस मास में मंगलवार का चंद्रदर्शन धान्य धातु रस सभी पदार्थों को तेज करेगा वर्षा कहीं कम कहीं अधिक होगी।

गोचर ग्रहाः

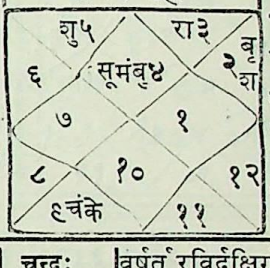

१८ पं.श्रा.शु.११ बृ.इ. ३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	४	१	२	३
२४	१२	१२	१३	१०	६	२९	२३
१६	१३	२	३४	४६	४	२४	४४
३७	३७	३८	३४	५९	५५	३३	४३
५७	३९	३/५	८	७४	३	३	५७
१३	४९	३/१	१८	१४	१८	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेश्रावण कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१४	२६	श	५३	२४	अ	५१	३२	कौ	१४	२६	३/३	३/१	२९	२५	१५	१६	कुंभे	मघा.सिंहेऽर्कः ३/३ (सौरः ५८।४५
२	गु	१७	१८	पू	५७	२५	सु	५१	४	ग	१७	१८	२२	३२	२८	२६	१६	१७	मी ४१।२५	भ.४८।१४उ.आश्ले भौमः २२।१५
३	शु	१९	१०	उ	६०	०	धृ	४९	२१	वि	१९	१०	१९	३२	२८	२७	१७	१८	मीने	भ.१९।१०या.चतुर्थी व्र.
४	श	१९	३१	उ	०	१७	शू	४७	३५	बा	१९	३१	१५	३३	२७	२८	१८	१९	मीने	मघा.सिंहे बुधः १८।२०
५	र	१९	४०	रे	२	१४	गं	४४	४०	तै	१९	४०	१२	३४	२६	२९	१९	२०	मे.२।१४	चंद्रषष्ठी
६	चं	१८	२३	अ	३	२	वृ	४०	५५	व	१८	२३	८	३४	२६	३०	२०	२१	मेषे	भ.१८।२३उ.४७।१०या
७	मं	१५	५६	भ	३	१०	ध्रु	३५	५५	व	१५	५६	४	३५	२५	३१	२१	२२	बृ.१७।४८	कृत्ति.४ शनिः ५/१७ जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	बु	१२	४९	कृ	४/१	५/२	व्या	३०	१८	कौ	१२	४९	१	३६	२४	१	२२	२३	वृषे	उफा.शुक्रः २/३ भा.भाद्रपदारंभः जन्मा-×
९	गु	७	२९	मृ	५५	५	ह	२३	४३	ग	७	२९	३/७	३७	२३	२	२३	२४	मि. २/६	भ.३/४उ.गोगा ९ [×ष्टमी वै.
१०	शु	१	२	आ	५०	२६	व	१६	४६	वि	१	२	५३	३७	२३	३	२४	२५	मिथुने	भ.१।२या.उदयो.भौमः ५/६ अजा.+
११	शु	५३	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+११व्र.स्मा.
१२	श	४६	४४	पु	४४	४२	सि	३९	५८	कौ	२०	४०	४९	३८	२२	४	२५	२६	क.३१।८	पूफा.बुधः २।४१ कन्यायां शुक्रः ३/७ अजा=
१३	र	३८	२६	पु	३८	२४	व	४८	५८	ग	१२	३५	४६	३९	२१	५	२६	२७	कर्के	भ.३/६उ.प्रदोषः [=११व्र.वै.वत्स द्वादशी
१४	चं	२९	४९	श्ले	३१	५२	प	३९	२३	वि	४	८	४२	४०	२०	६	२७	२८	सिं ३१।५२	भ.४।८या.
२०	मं	२१	३४	म	२५	४७	शि	२९	५९	ना	२१	३४	३८	४०	२०	७	२८	२९	सिंहे	कुशाग्रहणी

१९ पं.भा.कृ.२ बृ.इ. २/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	१	४	१	२	४
०	१६	२६	१४	१९	६	२९	०
५९	४३	८	३१	२२	२६	२	२६
५३	१	२०	१६	५२	२५	१८	५६
५७	३९	३/९	७	७४	२	३	५७
४०	४२	३/०	११	४	३३	११	३४

गोचर ग्रहाः

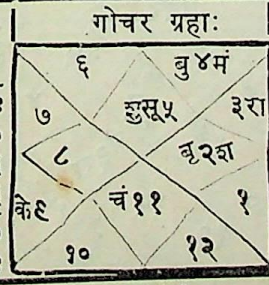

भाद्रपद कृष्णे १ बुधे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्या दिभावें महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

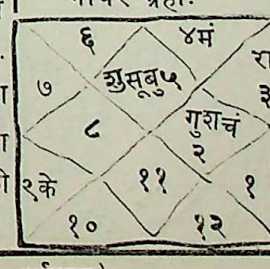

२० पं.भा.कृ.९ बृ.इ. ३/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	१	४	१	२	४
७	२१	१०	१५	२७	६	२८	७
४४	११	११	२०	५९	४२	४०	१०
२०	२८	४६	४९	१७	५०	२	२६
५७	३९	३/८	६	७३	१	३	५७
४९	३२	३/६	१६	५६	५४	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३०६९ स.२०००
१	बु	१४	१८	पु	२०	१९	सि	२१	१०	ब	१४	१८	३३/३४	४१/५	१९/१९	८	२९	३०	क.३४।२१	पूफा.रविः १४/८(सौरः ४९/३६) चंद्रदर्शनम्
२	गु	८	१४	उ	१६	२७	सा	१३	४१	कौ	८	१४	३०	४२	१८	९	१	३१	कन्यायां	जमादिलाखर ६
३	शु	३	५३	ह	१३	५७	शु	७	२	ग	३	५३	२६	४३	१७	१०	२	१	तु.४३।४९	भ.४२/४२उ.सितम्बर९ ता. ३०गणेश ४
४	श	१	४५	चि	१३	४१	शु	५९/५७	४१	वि	१	४५	२२	४४	१६	११	३	२	तुलायां	भ.१।४५या.उफा.बुधः १/१४ऋषि ५
५	र	१	३०	स्वा	१५	१७	ऐं	५७	२३	बा	१	३०	१८	४४	१६	१२	४	३	तुलायां	हस्ते शुक्रः१३।५५
६	चं	३	२०	वि	१९	१०	वै	५७	८	तै	३	२०	१५	४५	१५	१३	५	४	वृ. ३।११	कन्यायां बुधः१७।१०
७	मं	७	८	अ	२४	२६	वि	५८	२	व	७	८	११	४६	१४	१४	६	५	बृश्चिके	भ७।८उ.३९/४३या.बुधोदयः पश्चिमायां५४/३८
८	बु	१२	१७	ज्ये	३१	१०	प्री	६०	०	व	१२	१७	७	४७	१३	१५	७	६	ध. ३१०	
९	गु	१८	१५	मू	३८	१९	प्री	०	२	कौ	१८	१५	३	४७	१३	१६	८	७	धनुषि	मघा.सिंहे भौमः१/६८रोहि.३गुरुः५९।१४
१०	शु	२४	३०	पू	४५	५८	आ	२	२४	ग	२४	३०	३९/०	४८	१२	१७	९	८	धनुषि	भ.५७/२९उ.रामदेवजीका मेला नवलदुर्गे
११	श	३०	२९	उ	५३	१३	सो	४	५८	वि	३०	२९	५५	४९	११	१८	१०	९	म. २।४७	भ.३०।२९या.जलझूलनी ११व्र.
१२	र	३६	११	श्र	६०	०	शो	६	२४	ब	३	२०	५१	५०	१०	१९	११	१०	मकरे	हस्ते बुधः ५।१३ वामनजयंती
१३	चं	४१	७	श्र	०	६	अ	७	५४	कौ	८	३९	४७	५१	९	२०	१२	११	कुं. ३२	प्रदोषः [×अनंत १४
१४	मं	४४	१४	ध	५	५०	सु	९	४५	ग	१२	४०	४३	५१	९	२१	१३	१२	कुंभे	भ.४४/१४उ.उफा.रविः५६/३वक्री शनिः११/४×
१५	बु	४६	२९	श	१०	२३	धृ	९	३८	वि	१५	२२	३९	५२	८	२२	१४	१३	मी. ५७	भ.१५/३या.उफा.रविःसौरः३४/१९महालयारंभः

२१ पं.भा.शु. २ बृ.इ. ३६/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	१	५	१	२	४
१४	२५	२३	१६	६	६	२८	१३
३०	३८	१८	३	३४	५४	१७	५५
०	४२	५४	३६	१	२२	४७	३८
५८	३९	५९	५	७३	१	३	५७
१	१५	३३	८	५०	१५	११	५७

गोचर ग्रहाः

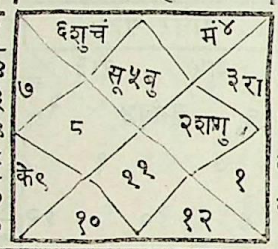

कन्या राशि गते शुक्रे सर्वसस्यं विनश्यति तत्र धान्य महर्धाणि शालिश्चैव विशेषतः तेजी कारक योग है वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

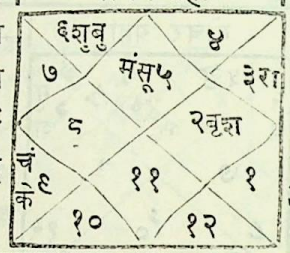

२२ पं.भा.शु ९ बृ इ. २६/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	१	५	१	२	४
२१	०	५	१६	१५	७	२७	२०
१७	५	२६	३७	९	०	५२	४२
२	२	१०	४८	११	४३	३१	१८
५८	३९	५९/०	४	७३	०	३	५८
१३	८	२९	१	४४	३४	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेतिमहा.
१	गु	४७	८	पू	१३	४	शू	८	३४	बा	१६	४८	३०/३०	५/५३	७/७	२३	१५	१४	मीने	चित्रा. शुक्रः ६।५४
२	शु	४७	८	उ	१५	५३	गं	६	३९	तै	१७	८	३१	५४	६	२४	१६	१५	मीने	
३	श	४५	४५	रे	१६	५३	बृ	३	४०	व	१६	२६	२७	५५	५	२५	१७	१६	मे. ५६	भ.३६/३उ.४५/३या.कन्यायामर्कः२३/४(सौरः५९/३७
४	र	४४	१९	अ	१६	५९	धु	८/३४		व	१५	२	२२	५६	४	२६	१८	१७	मेषे	चतुर्थी व्र.
५	चं	४०	३१	भ	१६	८	ह	५०	४२	कौ	१२	२५	१८	५६	४	२७	१९	१८	बृ. ३०/४८	चित्रा.बुधः ५२।५०
६	मं	३६	५४	कृ	१४	४९	व	४५	३३	ग	९	१२	१४	५७	३	२८	२०	१९	वृषे	भ.५६/५४उ.तुलायांशुक्रः३३।४५
७	बु	३२	५५	रो	१२	४९	सि	३८	५९	वि	५	२५	९	५८	२	२९	२१	२०	मि.४१/२०	भ.५।२५या.
८	गु	२७	४९	मृ	९	५२	व्य	३२	२४	बा	०	२२	५	५९	१	३०	२२	२१	मिथुने	
९	शु	२२	३५	आ	६	५८	व	२५	२४	ग	२२	३५	३०/२९	०/५९	०/६	३१	२३	२२	क.४९।२	मांतृ ९
१०	श	१६	४५	पु	३	५५/४३	प	१७	४६	वि	१६	४५	५६	१	५९	१	२४	२३	कर्के	भ.१६/४५या.४९/४०या.तुलायां बुधः३५/१५×
११	र	१०	२६	श्ले	५४	८	शि	९	५५	बा	१०	२६	५२	२	५८	२	२५	२४	सि.५४।८	इंदिरा ११ व्र. [×भा. आश्विनारंभः
१२	चं	३	४३	म	४९	९	सि	३७/३	५१/५८	तै	३	४३	४८	२	५८	३	२६	२५	सिंहे	भ.५७/३उ.स्वात्यां शुक्रः३७/०प्रदोषः
१३	चं	५३	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷हतानां श्रा.
१४	मं	५०	५०	पू	४४	५७	शु	४५	४७	वि	२३	५६	४४	३	५७	४	२७	२६	कं. ५९।५	भ.५३/३या.हस्ते रविः३७/३शस्त्रादि÷
२०	बु	४५	३५	उ	४१	२८	शु	३८	२२	च	१८	१६	४०	४	५६	५	२८	२७	कन्यायां	हस्ते रविःसौरः११/७सर्वपितृ ३०

२३ पं.आ.कृ. १ बृ.इ २६/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	१	५	१	२	४
२८	४	१६	१७	२३	७	२७	२७
५	३०	३९	३	४३	१	३३	३०
२४	४०	७	७	४१	३४	१५	३८
५८	३८	९४	२	७३	१९	३	५८
२६	५८	५९	५०	३५	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

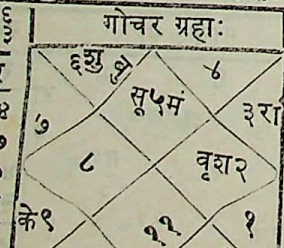

आश्विन कृष्णे ३ शनौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वाः ४ न.५वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

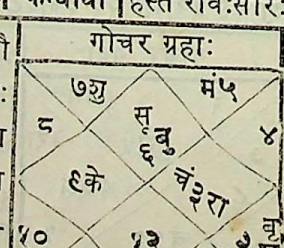

२४ पं.आ.कृ ८ बृ.इ. २६/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	१	६	१	२	५
४	८	२६	१७	२	६	२७	४
५५	५५	५६	१९	१७	५७	११	२०
१६	५	५३	१२	१७	४७	०	४५
५८	३८	८४	१	७३	५/०	३	५८
३८	५०	५६	२६	२१	व.	११	४५

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणेऽर्गणः ३०९८ स.२०००

| | | |

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२												दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गणः ३१२८स.२०००
१	श	१६	३१	स्वा	०	५९	आ	३९	५६	ब	१६	३१	३७	२९	३५	६	२९	२८	वृ.४७।४०	चंद्र दर्शनम्
२	र	१७	५१	वि	३	१४	सौ	३८	३६	कौ	१७	५१	३४	२९	३१	७	१	२९	वृश्चिके	भ्रातृ २ यम २ सावान ८
३	चं	२०	५०	अ	६	५८	शो	३७	५९	ग	२०	५०	३०	३०	३०	८	२	३०	वृश्चिके	भ.५३।२ उ.
४	मं	२५	१४	ज्ये	१२	८	अ	३८	२०	वि	२५	१४	२७	३१	२९	९	३	३१	ध.१२।८	भ.२५।१४ या.
५	बु	३०	४१	मू	१८	३१	सु	३९	५९	बा	३०	४१	२३	३१	२९	१०	४	१	धनुषि	नवम्बर ११ ता. ३०
६	गु	३७	४	पू	२५	३८	धृ	४२	११	कौ	३	५२	१९	३२	२८	११	५	२	म.४२।३२	[÷विवाहः
७	शु	४३	२६	उ	३३	१४	शू	४४	२६	ग	१०	१५	१६	३३	२७	१२	६	३	मकरे	भ.४३।२६उ.
८	श	४९	११	श्र	४०	३८	गं	४६	४१	वि	१६	१९	१२	३४	२६	१३	७	४	मकरें	भ.$\frac{१}{१६}$या.वक्री चित्रा.बुधः$\frac{१}{३३}$बुधोदयः×
९	र	५४	५२	ध	४७	३०	बृ	४८	१४	बा	२२	१	९	३४	२६	१४	८	५	कुं.१४।४	विशा.रविः५५।२२ अक्षय ९
१०	चं	५८	४६	श	५२	५५	ध्रु	४८	५५	तै	२६	४९	५	३५	२५	१५	९	६	कुंभे	विशा.रविः सौरः २३।४२
११	मं	६०	०	पू	५६	५०	व्या	४८	४९	व	२९	५२	२	३६	२४	१६	१०	७	मी.$\frac{५}{५२}$	भ.$\frac{३९}{५६}$उ.प्रबोधिनी ११ व्र.स्मा. तुलसी÷
११	बु	०	५८	उ	५९	२	ह	४६	३५	वि	०	५८	$\frac{२६}{५८}$	३६	२४	१७	११	८	मीने	भ.$\frac{५}{५८}$या.मार्गी बुधः$\frac{५}{३७}$मूले धनुषि शुक्रः=
१२	गु	१	१७	रे	५९	१७	व	४३	६	बा	१	१७	५५	३७	२३	१८	१२	९	मे.५९।१७	प्रदोषः [=$\frac{६}{९}$प्रबोधिनी ११ व्र. वै.
१३	शु	५८	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×पूर्वस्यां४९।५१ गोपाष्टमी
१४	शु	५६	२५	अ	५८	९	सि	३८	१३	ग	२८	४	५२	३८	२२	१९	१३	१०	मेषे	भ.$\frac{५६}{५८}$उ.हस्ते भौमः$\frac{२५}{२९}$स्वात्यां बुधः*
१५	श	५१	४१	भ	५४	५७	व्य	३२	५१	वि	२४	३	४९	३८	२२	२०	१४	११	मेषे	भ.$\frac{२४}{३}$या. मन्वादिः *$\frac{५५}{१८}$वैकुंठ १४

३०पं.का.शु.६ बृ.इ.२५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	१	७	१	२	६
१६	५	८	१५	२३	४	२४	१६
२९	४	५५	३३	२३	५३	७	०
२८	४१	५२	४३	३८	४९	२६	६
६०	३८	५५	६	७१	१३	३	६०
४	१	वः	वं.	४०	वः	११	१८

गोचर ग्रहाः

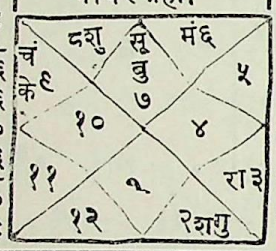

इस मास में वदि में गेहूं जौ चना बाजरा मक्का मूंग मोठ तिलहन आदि मंदा होकर सुदि में तेज होवे ५ शनिवार अशुभहैं ।

गोचर ग्रहाः

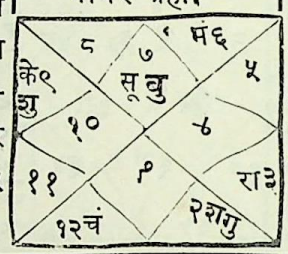

३१ पं.का.शु. १२ बृ.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	१	८	१	२	६
२३	९	६	१४	१	४	२४	२३
३०	२२	१३	४७	५०	२१	३५	२
५०	८	३७	२४	४६	११	११	४१
६०	३७	१७	५०	७१	३४	३	६०
१७	४७	मा	वः	१६	वः	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२												दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.;
१	र	४५	३८	कृ	५०	५५	व	२४	४९	बा	१८	३९	४६	३९	२५	२१	१५	१२	वृ. ८।५६	
२	चं	३९	४	रो	४६	११	प	१६	४६	तै	१२	२१	४२	४०	२०	२२	१६	१३	वृषे	
३	मं	३२	१३	मृ	४१	४३	शि	१४	५१ ३०	व	५	३९	३९	४०	२०	२३	१७	१४	मि. $\frac{५}{३३}$	
४	बु	२५	२२	आ	३६	१६	सा	५१	१९	बा	२५	२२	३६	४१	१९	२४	१८	१५	मिथुने	भ.$\frac{३}{५९}$उ.$\frac{३}{१३}$या.चतुर्थी व्र.
५	गु	१८	५६	पु	३१	३४	शु	४२	५९	तै	१८	५६	३३	४१	१९	२५	१९	१६	क.१७।४५	वृश्चिकेऽर्कः ५१।२७
६	शु	१३	१३	पु	२८	१३	शु	३५	१७	व	१३	१३	३०	४२	१८	२६	२०	१७	कर्के	वृश्चिकेऽर्कः सौरः १७।५९
७	श	७	५५	श्ले	२४	४	व्र	२८	२	व	७	५५	२७	४३	१७	२७	२१	१८	सिं.२४।४	भ.$\frac{१}{३३}$उ.$\frac{४}{३९}$या.पातस्पर्शः$\frac{२७}{१}$×
८	र	३	२१	म	२१	३२	ऐं	२१	२६	कौ	३	२१	२५	४३	१७	२८	२२	१९	सिंहे	[×पातमोक्षः४८।२८
९	र	५५	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	अनु.रविः९।४७ (सौरः$\frac{३४}{४७}$) पूषा.शुक्रः$\frac{१}{७}$
१०	चं	५५	४४	पू	१९	२८	वै	१५	११	व	२७	६	२२	४४	१६	२९	२३	२०	कं.३४।१०	
११	मं	५४	१२	उ	१८	१६	वि	९	४९	व	२४	५८	१९	४४	१६	३०	२४	२१	कन्यायां	भ.$\frac{२७}{९}$उ.$\frac{५५}{४४}$या.वक्री रोहिणी.१गुरुः$\frac{४४}{४७}$
१२	बु	५२	५५	ह	१७	५१	प्री	५	११	कौ	२३	३४	१७	४५	१५	१	२५	२२	तु.२८।८	वक्री कृतिका.२शनिः$\frac{५७}{५१}$ उत्पत्ति११ व्र.
१३	गु	५२	५६	चि	१८	२६	आ	१७	५२	ग	२२	५६	१४	४५	१५	२	२६	२३	तुलायां	भा.मार्गशीर्षारंभः
१४	शु	५३	३७	स्वा	२०	१३	शो	५५	५१	वि	२३	१७	१२	४६	१४	३	२७	२४	तुलायां	भ.$\frac{५३}{५६}$उ.विशा.बुधः४।५७ प्रदोषः
१५	श	५५	४६	वि	२२	५८	अ	५४	३५	च	२४	४१	९	४६	१४	४	२८	२५	वृ. ७।१७	भ.२३।१७ या.

३२पं.मा.कृ.५ बृ.इ.२४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	१	८	१	२	७
०	१३	११	१३	१०	३	२४	०
३३	३८	१४	५४	१५	४७	१२	०६
२९	४६	१७	५०	२९	२४	५५	४५
६०	३६	६७	३५	७०	४०	३	६०
३०	२३	४	वः	४५	वः	११	४०

गोचर ग्रहाः

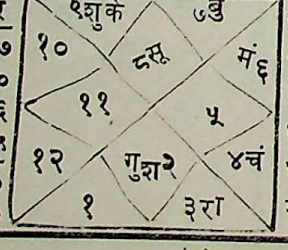

मार्गशीर्ष कृष्णे४ बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न.४ गतालका वस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

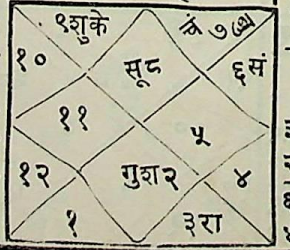

३३ पं.मा.कृ.१३ बृ.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	१	८	१	२	७
७	१७	२०	१२	१८	३	२३	७
३७	५४	२७	५८	३७	१३	५०	१२
२६	४०	४०	५९	१२	१६	३९	१८
६०	३७	८५	५७	७०	४०	३	६०
४२	१८	१७	वं.	९	वः	११	५३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३१५७सन् २०००

१	र	५९	११	अ	२६	५१	सु	५४	२२	कि	२७	२८	२६	४७	१३	५	२९	२६	वृश्चिके
२	चं	६०	०	ज्ये	३१	५९	धृ	५४	५०	बा	३१	३४	५	४७	१३	६	३०	२७	ध ३१।५०
३	मं	३	५६	मू	३८	१८	शू	५५	५८	कौ	३	५६	२	४८	१२	७	१	२८	धनुषि
४	बु	९	२२	पू	४५	१०	गं	५७	३३	ग	९	२२	०	४८	१२	८	२	२९	धनुषि
५	गु	१५	२७	उ	५२	४६	बृ	५९	५४	वि	१५	२७	२५	४८	१२	९	३	३०	म. २।४
६	शु	२२	१०	श्र	६०	०	ध्रु	६०	०	बा	२२	१०	५६	४९	११	१०	४	१	मकरे
७	श	२८	४४	श्र	०	२६	ध्रु	२	२३	तै	२८	४४	५४	४९	११	११	५	२	कुं. ३४।८
८	र	३४	२५	ध	७	५०	व्या	४	३५	ग	१	३४	५३	४९	११	१२	६	३	कुंभे
९	चं	३८	५७	श	१४	१०	ह	५	५५	वि	६	५२	५१	५०	१०	१३	७	४	कुंभे
१०	मं	४२	१६	पू	१९	२२	व	६	१९	बा	१०	३६	४९	५०	१०	१४	८	५	मी. ३।४
११	बु	४३	२७	उ	२२	१०	सि	५	२८	त	१२	५१	४८	५०	१०	१५	९	६	मीने
१२	गु	४२	४४	रे	२४	१५	व्य	१०	५५	व	१३	४	४६	५१	९	१६	१०	७	मे २४।१५
१३	शु	३९	५०	अ	२३	३९	प	५३	४४	ब	११	१७	४५	५१	९	१७	११	८	मेषे
१४	श	३५	८	भ	२०	२९	शि	४६	३४	कौ	७	२९	४४	५१	९	१८	१२	९	वृ. ३४।३५
१५	र	२८	३४	कृ	१६	५४	सि	३८	४	ग	१	५१	४३	५१	९	१९	१३	१०	वृषे
१५	चं	२०	५९	रो	११	१५	सा	२८	३४	ब	२०	५९	४२	५२	८	२०	१४	११	मि. ३८।५

[B पूषा. ३ केतुः २।३२
चंद्रदर्शनम्
रमजान ९
भ. ४२।२४ उ. वृश्चिके बुधः ४७।४२
भ. १५।३७ याः उषा. शुक्रः १०।४२
अनु.बुधः५७।२बुधास्त :पूर्वस्यां५०।५६A
ज्येष्ठा. रविः १९।५४ (सौरः४२।४१) *
भ.३४।२५उ.मकरेशुक्रः३।३६पुन.१राहुB
भ. ६।५२ या.
[A दिसम्बर १२ ता.३१
[* चित्रा. भौमः १७।५५
भ. १३।४उ.४२।४४ या.मौक्षदा११व्र.C
[C गीता जयंती
प्रदोषः
भ.२८।३४उ.५४।४७या. ज्येष्ठा.बुधः D
श्रवसोशुक्रः२८।३० [D२९।१दत्तजयंती

३४पं.मा.शु.४बृ.इ.२४।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१	८	१	२	७
१४	२२	०	१२	२९	२	२३	१४
४२	९	५६	१	५५	३९	२८	१९
४०	३२	२८	४४	३७	२५	२४	०४
६०	३७	९२	५३	६९	२९	३	६१
५०	१९	४७	व. २१	व. ११	०	३	

गोचर ग्रहाः

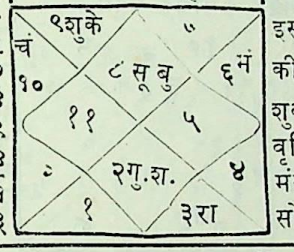

इस मासमें कृष्णपक्ष की तिथि क्षय और शुक्लपक्ष की तिथि वृद्धि अनाज गल्ले में मंदी कारक है चांन्दी सोना रुई तेज होवे

गोचर ग्रहाः

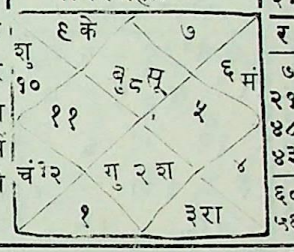

३५पं.मा.शु.११बृ.इ.२४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१	९	१	२	७
२१	२६	११	११	५	२	२३	२१
४८	२३	४३	६	९	७	६	२६
४३	४६	१६	४	११	१९	८	४८
६०	३६	९६	४५	६८	१०	३	६१
५६	५१	१४	व. २८	व. ११	१	१	

ति. पौष कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२ दि. उ. अ. भा. मु इं. चन्द्रः हिमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	मं	१२	४२	मृ	५९	४५	शु	१८	५८	कौ	१२	४२	२५	४१	५३	८	२१	१५	१२	मिथुने
२	बु	४	४	पु	५१	५४	शु	४४	५०	ग	४	४	४०	५२	८	२२	१६	१३	क. ३८।३६
३	बु	५१	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	शु	४८	६	पु	४५	३५	ऐं	४९	१७	ब	२१	५६	३९	५२	८	२३	१७	१४	कर्के
५	शु	४१	१३	श्ले	४०	३३	वै	४०	२९	कौ	१४	३९	३९	५२	८	२४	१८	१५	सिं ४०।३३
६	श	३५	३५	म	३६	३०	वि	३२	३३	ग	८	२४	३८	५२	८	२५	१९	१६	सिंहे
७	र	३१	५	पू	३३	४०	प्री	२५	१०	वि	३	२०	३८	५२	८	२६	२०	१७	कं. ४८।२२
८	चं	२८	२५	उ	३२	२८	आ	१९	४९	कौ	२८	२५	३७	५३	७	२७	२१	१८	कन्यायां
९	मं	२६	२३	ह	३२	१०	सौ	१५	८	गं	२६	२३	३७	५३	७	२८	२२	१९	कन्यायां
१०	बु	२५	४९	चि	३३	१०	शो	११	२४	वि	२५	४९	३६	५३	७	२९	२३	२०	तु. २।४०
११	गु	२५	४९	स्वा	३५	४१	अ	८	५२	बा	२५	४९	३६	५३	७	३०	२४	२१	तुलायां
१२	शु	२८	४३	वि	३९	५	सु	७	१३	तै	२८	४३	३६	५३	७	१	२५	२२	वृ. २३।१४
१३	श	३२	४	अ	४३	५४	धृ	६	४०	ग	०	२३	३६	५३	७	२	२६	२३	वृश्चिके
१४	र	३६	३	ज्ये	४९	१९	शू	६	४५	वि	४	३	३७	५३	७	३	२७	२४	ध ४९।१९
३०	चं	४१	९	मू	५५	५९	गं	७	१३	च	८	३६	३७	५३	७	४	२८	२५	धनुषि

भ. २७।५४ उ. ५५।४७ या. तुलायां÷
[÷भौमः २७।५
चतुर्थी व्र.
मूलेधनुष्यर्कः २७।९ (सौरः४६।३१)
भ.३५।३५उ.वक्री कृत्ति.४गुरुः३।३२
भ.३।२०या.
भ.५६।६उ.मुलेधनुषिबुधः१३।४२
भ. २५।४९ या.
सफला ११ व्र.
भा. पौषारंभः
भ. ३२।४ उ. प्रदोषः
भ.४।३याःस्वात्यां भौमः ३७।७ धनि.[×
सोमवती ३० [× शुक्रः १२।९

३६पं.पौ.कृ.४बृ.इ.२३।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	१	३	१	२	७
२८	०	२२	१०	१३	१	२२	२८
५५	३४	३३	११	१७	३७	४३	३५
३७	२६	१८	५३	४९	२६	५३	३१
६१	३६	९८	९	६७	५३	३	३१
०	२५	५	व. ३८	व. ११	१९		

गोचर ग्रहाः

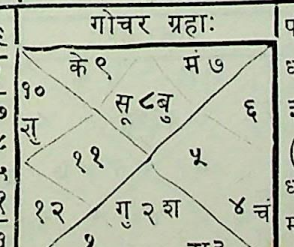

पौष कृष्णे ५ शुक्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

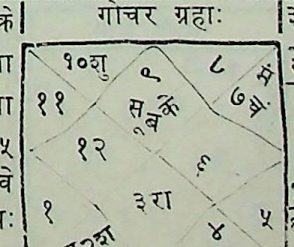

३७पं.पौ.कृ. ११बृ. इ. २३।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	१	९	१	२	८
६	४	३	९	२१	१	२२	५
३	४३	३५	२३	१९	१०	२१	४४
१४	३०	५३	२४	४४	४४	३७	५६
६१	२३	९५	१८	६६	२३	३	६१
४	८	४०	व. ३१	व. ११	२२		

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२	दि. उ. अ.	भा मु. इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३१८७सन् २०००
१	मं ४६ ५६ पू ६० ० बृ ८ ४४ किं १४ २ ३५ ५३ ५	५ २९ २६	धनुषि	
२	बु ५३ १८ पू २ ४२ ध्रु १० २७ बा २० ७ ३८ ५२ ८	६ ३० २७	म. ३५	पूषा.बुधः ३३।१२ चंद्रदर्शनम्
३	गु ५९ ४२ उ १० १७ व्या १२ ४३ तै २६ ३० ३८ ५२ ८	७ १ २८	मकरे	पूषा.रविः ३२।९ (सौ.रः ४९) सव्वाल १०
४	शु ६० ० श्र १७ ५३ ह १५ ५ व ३३ ९ ३९ ५२ ८	८ २ २९	कुं ५१।४३	भ.३३।९ उ.कुंभे शुक्रः ६।३३
४	श ६ ३६ ध २५ ३२ व १७ १० वि ६ ३६ ४० ५२ ८	९ ३ ३०	कुंभे	भ.६।३६ या.
५	र १२ २९ श ३२ २८ सि १९ १० बा १२ २९ ४१ ५२ ८	१० ४ ३१	कुंभे	
६	चं १७ ४३ पू ३८ ३४ व्य २० २४ तै १७ ४३ ४२ ५२ ८	११ ५ १	मी. २२।२	जनवरी १ ता. ३१ सन् २००१ ई.
७	मं २१ ३४ उ ४३ २२ व २० ४२ व २१ ३४ ४३ ५१ ९	१२ ६ २	मीने	भ.२१।३४ उ.५२।४८ या.
८	बु २४ १ रे ४६ २१ प १९ ३८ व २४ १ ४४ ५१ ९	१३ ७ ३	मे.४६।२१	
९	गु २४ २९ अ ४७ २६ शि १७ ७ कौ २४ २९ ४५ ५१ ९	१४ ८ ४	मेषे	उषा.बुधः ४२।२६ शते शुक्रः ८।२७
१०	शु २३ ७ भ ४६ ३८ सि १३ ७ ग २३ ७ ४७ ५१ ९	१५ ९ ५	मेषे	भ.५१।१६ उ.
११	श १९ २६ कृ ४३ ४४ सा १७ ५३ वि १९ २६ ४८ ५० १०	१६ १० ६	वृ.०।५५	भ.१९ या.मकरे बुधः ४९ पुत्रदा ११ व्र.
१२	र १३ ४८ रो ३९ ३ शु ५१ ७ बा १३ ४८ ५० ५० १०	१७ ११ ७	वृषे	प्रदोषः
१३	चं ५ ४४ मृ ३२ ५९ ब्र ४१ १९ तै ५ ४४ ५२ ५० १०	१८ १२ ८	मि. ६।१	भ.५७।१६ उ.
१४	चं ५१ ३२ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०		
१५	मं ४८ ४९ आ २५ ४७ ऐं ३० ४४ वि २३ २ ५३ ४९ ११	१९ १३ ९	मिथुने	भ.२३।२ या.खग्रास चंद्रग्रहणम्

३८ पं. पौ.शु.३ बृ.इ. ३३/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	१	९	१	२	८
१३	८	१४	८	२९	०	२१	१२
११	५०	४४	४२	१३	४८	५९	५४
१३	४६	३१	०	१९	२९	२१	४८
६१	३५	०	२०	६५	४४	३	६१
६	४७	४७	व:	६	व.	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में चंद्रदर्शन बुधवार का है अतः चांदी सोना तिलहन सण पाट मन्दे होंगें धान्य में तेजी हो, सुदी में शीत अधिक पड़े।

गोचर ग्रहाः

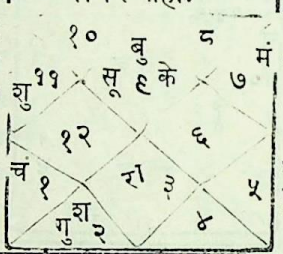

३९ पं.पौ.शु.९ बृ.इ. ३३/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	१	१०	१	२	८
२०	१२	२६	८	६	०	२१	२०
१९	५६	७	८	५५	३०	३७	०४
२६	३५	४८	१०	५२	१४	६	४५
६१	३५	०	४	६३	३	३	६१
६	२५	४३	व	३३	व.	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२	दि. उ. अ.	भा. मु. इं	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	बु ३९ १९ पु १८ ४ वै १९ ५२ बा १४ ४ ३५ ४९ ५	२० १४ १०	क.४।५९	उषा.रविः ३६।५४ (सौरः ४९।३६)
२	गु ३० २९ पु १० ४६ वि १४ ४९ तै ४ ५३ ५७ ४९ ११	२१ १५ ११	कर्के	भ.५५।४० उ.
३	शु २० ५० श्ले २९ २५ आ ४८ २७ वि २० ५० ५९ ४८ १२	२२ १६ १२	सिं. ३।२९	भ.३० या. श्रवणे बुधः ४४।९ च. व्र.
४	श १३ ३३ पू ५२ ९ सौ ३९ ४९ बा १३ ३३ २६ ४८ १२	२३ १७ १३	सिंहे	मकरेऽर्कः ५३।१८
५	र ७ १२ उ ४९ २ शो ३२ २६ तै ७ १२ ४ ४७ १३	२४ १८ १४	कं. ६।२२	मकरेऽर्कः सौरः ५।३
६	चं ५९ ५३ ह ४७ ४६ अ २६ २६ व २ ५३ ६ ४७ १३	२५ १९ १५	कन्यायां	भ.३३ उ.३७ या. बुधोदयः पश्चिमायां ३७
८	मं ५९ २६ चि ४७ ५९ सु २१ ५० बा २९ १३ ८ ४६ १४	२६ २० १६	तु.१७।५२	विशा.भौमः ३४ पूभा.शुक्रः ४२।२५
९	बु ६० ० स्वा ५० १४ धृ १८ ३९ तै २९ ५३ ११ ४६ १४	२७ २१ १७	तुलायां	[×५३ पातस्पर्शः ३० पातमोक्षः ३५ षट्- =
९	गु ० २० वि ५३ १२ शू १७ २ ग ० २० १३ ४५ १५	२८ २२ १८	वृ.३७।२८	भ.३२।१ उ. [=तिला ११ व्र.
१०	शु ३ ४२ अ ५८ ४५ गं १६ २८ वि ३ ४२ १६ ४५ १५	२९ २३ १९	वृश्चिके	भ.३।४२ या.
११	श ६ १५ ज्ये ६० ० बृ १६ ५९ बा ६ १५ १९ ४४ १६	३० २४ २०	वृश्चिके	अभि.प्र.रविः २५ (सौरः ३६) धनि.बुधः×
१२	र ११ २२ ज्ये ४ ४४ ध्रु १८ ३ तै ११ २२ २१ ४४ १६	१ २५ २१	ध.४।४४	भा.माधारंभः प्रदोषः
१३	चं १७ ४ मू ११ ३१ व्या १९ ४८ व १७ ४ २४ ४३ १७	२ २६ २२	धनुषि	भ.१७।४ उ.५०।१८ या. (÷गुरुः ३५।१८
१४	मं २३ ३२ पू १८ ३८ ह २१ ३८ श २३ ३२ २७ ४३ १७	३ २७ २३	म.३५।३१	श्रवणे रविः ४२।२५ (सौरः ५२।२०)
३०	बु २९ ४४ उ २६ १० व २३ ५० ना २९ ४४ २९ ४२ १८	४ २८ २४	मकरे	अभि. मि.रविः ३४० (सौरः ४४) मार्गी÷

४० पं.माघकृ.२ बृ.इ. २३/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	१	१०	१	२	८
२७	१६	७	७	१४	०	२१	२७
२७	५८	४३	४४	२५	१६	१४	१४
२२	५२	२६	२	५	५५	५०	३७
६१	३४	०	५५	६१	३८	३	६१
६	४३	२८	व.	३२	व.	११	२४

गोचर ग्रहाः

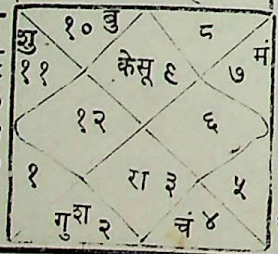

माघ कृष्णे ४ शनौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्या दि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

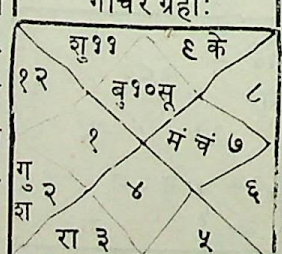

४१ पं.माघ.कृ.९ बृ.इ. २३/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	१	१०	१	२	९
४	२०	१९	७	२१	०	२०	४
३५	५९	१९	२८	३८	९	५२	२४
१३	४२	२६	५५	५६	४	३५	०६
६१	३४	९६	१	५८	३५	३	६१
३	१७	३७	व:	४८	व.	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२१७स.२००१
१	गु	३६	६	अ	३३	४१	सि	२६	१	कि	२	५६	३६	४३	१८	५	२६	२५	मकरे	कुंभे बुधः २३।१७ मार्गी शनिः ११।४५
२	शु	४२	२८	ध	४६	१४	व्य	२८	१०	वा	६	१८	२५	४१	१६	६	३०	२६	कुं. ७।२८	मीने शुक्रः ५८।० चंद्र दर्शनम्
३	श	४८	१६	श	४८	१६	व	३०	८	तै	१५	२२	३८	४०	२०	७	१	२७	कुम्भे	जिलकाद ११
४	र	५३	२३	पू	५४	२२	प	३१	१६	व	२०	४६	४१	४०	२०	८	२	२८	मी. ३७	भ. २०।४९ उ. ५२।२३ या.
५	चं	५७	३७	उ	५६	५१	शि	३१	५८	ब	२५	०	४५	३६	२१	९	३	२६	मीने	वसंत पंचमी
६	मं	६०	०	रे	६०	०	सि	३१	३५	कौ	२६	५	४८	३८	२२	१०	४	३०	मीने	उभा. शुक्रः २७।२६
६	बु	०	३४	रे	४	०	सा	३०	३५	तै	०	३४	५१	३८	२२	११	५	३१	मे. ४०	[÷केतुः ५५।१७
७	गु	१	५३	अ	६	३७	शु	२७	५८	व	१	५३	५४	३७	२३	१२	६	१	मेषे	भ.१।५३उ.३२।२३या. फरवरी मा. २ ×
८	शु	२	५२	भ	७	३४	शु	२३	५६	ब	२	५२	५८	३६	२४	१३	७	२	बृ. २३	पातस्पर्शः ४२ पातमोक्षः ५९।३८भीष्म ८
९	शु	५६	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	श	५५	५१	कृ	६	४५	ब्र	१८	२६	तै	२७	१६	२७	३६	२४	१४	८	३	वृषे	वृश्चिके भौमः ३३ आर्द्रां.४राहुःपूषा. २ ÷
११	र	५१	२	रो	४	५५	ऐं	१०	२४	व	२३	२६	५	३५	२५	१५	९	४	मि. ३१	भ.२३।२६उ.५१।२या.वक्री बुधः३।४६ *
१२	चं	४३	५	आ	५३	१	वै	१८	५१	ब	१७	४	८	३४	२६	१६	१०	५	मिथुने	धनि.रविः५०।४३ (सौर. ५८।१०)
१३	मं	३४	९	पु	४६	३७	प्री	४३	१३	कौ	८	३७	१३	३४	२६	१७	११	६	कं. १३	बुधास्तः पश्चिमायां २१।११ व्र दोषः
१४	बु	२५	१	पु	३८	४६	आ	३२	१०	व	२५	१	१५	३३	२७	१८	१२	७	कर्के	भ. २५।१ उ. ५०।२० या. [*जया ११व्र.
१५	गु	१५	३८	श्ले	३०	५६	सौ	२१	७	ब	१५	३८	१९	३२	२८	१९	१३	८	सिं. ३९	मा. स्ना. पूर्तिः [× ता. २८ भानु ७

४२पं.मा.शु.१बृ इ.२३।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	१०	१	१०	१	२	९
११	२४	०	७	२८	०	२०	११
४२	५७	०	२४	३२	७	३०	३२
४०	०	११	११	१०	५	१९	५७
६०	३३	८१	१९	५५	१९	३	६१
५९	२९	३३	मा	४३	मा	११	१३

४३ पं.मा.शु.७बृ.इ.२३।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	१०	१	११	१	२	९
१८	२८	६	७	४	०	२०	१८
४९	४८	१३	२९	५९	१०	८	५१
१६	५४	५९	१७	२८	३४	३	१
६०	३२	३३	१	५१	०	३	६१
५५	४९	१४	१७	२४	५३	११	०४

४४ पं.मा.शु.१५बृ.इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	१	११	१	२	९
२५	२	५	७	१०	०	१९	२५
५५	३६	०	४४	५०	१९	४५	४७
१	२५	५०	२	५३	२३	४८	४८
६०	३१	५३	२	४६	१	३	६०
४७	४०	व	४२	७	३५	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेमाघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५१	३	म	२३	२२	शो	१०	४९	कौ	५	३२	२७	३५	२९	२०	१४	९	सिंहे	अनु. भौमः ४६।१८
२	श	४९	०	पू	१६	४८	सु	५०	४३	व	२२	४७	२७	३१	२९	२१	१५	१०	कं. ३०।३८	भ.२२।४७ उ. ४९।० या.
३	र	४२	२६	उ	११	२९	धृ	४२	५६	ब	१५	४३	३०	३०	३०	२२	१६	११	कन्यायां	चतुर्थी व्र.
४	चं	३८	२	ह	८	४७	शू	३६	४६	कौ	१०	१४	३४	३१	२९	२३	१७	१२	तुं. ३७।४३	कुंभेऽर्कः २५।५९ (सौर. ३२।८)
५	मं	३५	५६	चि	६	४०	गं	३२	१३	ग	६	५९	३८	२८	३२	२४	१८	१३	तुलायां	भ.३५।५६ उ. वक्री मकरे बुधः ३९।३
६	बु	३५	५०	स्वा	७	१७	बृ	२९	२०	वि	५	५३	४१	२८	३२	२५	१९	१४	बृ. ५४।१५	भ.५।५३ या.
७	गु	३७	३५	वि	९	४९	धु	२७	५०	बा	६	४३	४५	२७	३३	२६	२०	१५	वृश्चिके	
८	शु	४०	५१	अ	१४	१७	ज्या	२८	१२	तै	९	४३	४९	२६	३४	२७	२१	१६	वृश्चिके	रेवत्यां शुक्रः २९।२९
९	श	४६	५	ज्ये	२०	५	ह	२८	५८	व	१३	२८	५३	२५	३५	२८	२२	१७	ध. २०।५	भ.१३।२८ उ. ४६।५ या.
१०	र	५१	४४	मू	२७	१०	व	३०	४७	ब	१८	४९	५६	२५	३५	२९	२३	१८	धनुषि	विजया ११ व्र.
११	चं	५८	२४	पू	३४	२०	सि	३३	६	कौ	२५	४	२८	२४	३६	३०	२४	१९	म. ५१।१४	शते रविः २।१५ (सौरः ७।३०) बुधोदयः +
१३	मं	६०	०	उ	४१	५८	व्य	३५	२७	ग	३१	४५	४	२३	३७	१	२५	२०	मकरे	भा. फाल्गुनारंभः प्रदोषः
१३	बु	५	७	श्र	४९	३७	व	३८	१९	व	५	७	८	२२	३८	२	२६	२१	मकरे	भ.५।७ उ.३८।१७या. महाशिवरात्रि व्र.
१४	गु	११	२६	ध	५६	५३	प	३९	४२	श	११	२६	१२	२२	३८	३	२७	२२	कुं. २३।१५	ज्येष्ठा. भौमः ८।१ [+ पूर्वस्यां १३।४३
३०	शु	१७	३१	श	६०	०	शि	४१	२७	ना	१७	३१	१६	२१	३९	४	२८	२३	कुंभे	

४५ पं.फा.कृ.८बृ.इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	१	११	१	२	१०
२	६	२७	८	१५	०	१९	२
५९	१९	४६	८	५७	३३	२३	५३
४९	५	३७	२०	२५	३२	३२	५१
६०	३०	७६	४	३८	२	३	६०
२७	५८	व	१	५९	१६	११	४२

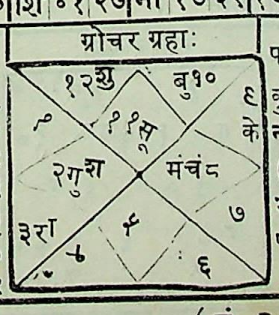

फाल्गुन कृष्णे ५ चंद्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

४६ पं.फा.कृ.१४बृ.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	१	११	१	२	१०
१०	९	२२	८	२०	०	१९	९
३५	५५	१५	४१	२	५२	१	५८
२२	१६	२२	४२	१०	५२	१६	२४
६०	२९	३०	५	२९	२	३	६०
२५	५१	व	१०	३२	५६	११	३१

(सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२४७ स,२००१
१	श २२ ३७ श ३ २५ सि ४२ २५ व २२ ३७	३८	२०	४०	५	२९	२४	मी, ५२ ४६	चंद्रदर्शनम्
२	र २७ १ पू ९ १३ सा ४३ ४ कौ २७ १	२४	१९	४१	६	१	२५	मीने	जिल्हेज १२ फुलरिया २
३	चं ३० ५० उ १४ ३६ शु ४२ ३५ ग ३० ५०	२८	१८	४२	७	२	२६	मीने	
४	मं ३३ २० रे १८ ३३ शु ४१ २२ व २ ५	३२	१८	४२	८	३	२७	मे. ३६	भ.३५ उ.३३ या.मार्गी बुध: ३५ पातस्पर्शः ×
५	बु ३४ ३९ अ २१ २६ व्र ३९ ३० ब ३ ५९	३६	१७	४३	९	४	२८	मेषे	पातमोक्षः ८।५३ [×५५।५६
६	गु ३४ ५० भ २३ २० ऐं ३६ २४ कौ ४ ४४	४०	१६	४४	१०	५	१	वृ. ३६	मार्च ३ ता. ३१
७	शु ३३ ३४ कृ २३ ४९ वै ३२ ११ ग ४ ११	४४	१५	४५	११	६	२	वृषे	भ.३३।३४उ.
८	श ३१ ६ रो २३ ३५ वि २६ ५२ वि २ २०	४८	१४	४६	१२	७	३	मि. ५२ ३	भ.२।२०या. होलाष्टकः
९	र २७ २ मृ २० ३१ प्री २० २३ कौ २७ २	५२	१४	४६	१३	८	४	मिथुने	पूभा. रविः १८।२१ (सौरः २२।१७)
१०	चं २१ ४१ आ १६ ३७ आ १४ ५८ ग २१ ४१	५६	१३	४७	१४	९	५	क. ५७ ५२	भ.४८।२०उ.
११	मं १४ ५९ पु ११ ३७ सौ १९ ३४ वि १४ ५९	२९	१२	४८	१५	१०	६	कर्के	भ.१४।५९या. रोहिणी.१गुरुः ३९ ÷
१२	बु ७ १६ पु ३९ ५३ अ ४४ ४१ व्रा ७ १६	५	११	४९	१६	११	७	सिं. ५६ ४३	प्रदोषः [÷आमल की ११ व्र.
१३	बु ५१ २३ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०						०	
१४	गु ४९ ३२ म ५१ २९ सु ३४ १२ ग २४ ५	९	१०	५०	१७	१२	८	सिंहे	भ.४९।३२उ.
१५	शु ४० ३८ पू ४४ ३४ धृ २४ १ वि १५ ५	१३	९	५१	१८	१३	९	कं..५८।२	भ.१५ या.वक्री शुक्रः ३१ होलिकादहनम्

४७ पं.फा.शु.६ बृ. इ. ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	५	११	१	२	१०
१७	१३	२२	९	२२	१	१८	१७
५	२६	२३	२३	५२	१६	३९	१
३५	१३	२४	२८	५१	४८	१	१६
६०	२८	१४ ४९	६	१७	३	३	६०
१२	५	मा: ३२	३०	३७	११	२०	

गोचर ग्रहाः

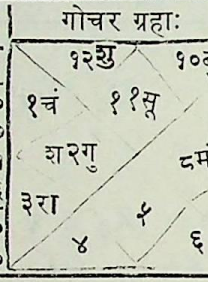

इस मास में मीन का शुक्र चना गेहूं जौ मटर मूग चावल आदि गल्ले में मंदी करेगा चांदी सोना लोहा में तेजी होगी, फल उत्तम है।

गोचर ग्रहाः

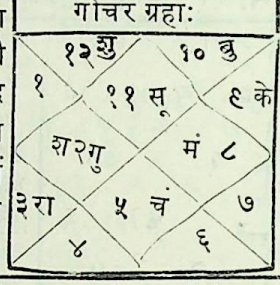

४८ पं.फा.शु.१४ बृ.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	५	११	१	२	१०
२४	१६	२६	१०	२४	१	१८	२४
६	४७	५२	१२	०	४५	१६	२
२२	२४	४४	५४	५८	०	४५	३९
५९	२६	४५	७	२	४	३	६०
५८	२६	००	२०	१९	१७	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः २०५७ शाकः १९२२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसन्तर्तूरविरुत्तरे फा.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श ३२ ३८ उ ३८ २५ शू १४ ५ व्रा ६ ३८	२९	९	५१	१९	१४	१०	कन्यायां	वसंत १ छारेंडी
२	र २४ ५२ ह ३३ ३२ गं १० ३३ ग २४ ५२	२१	८	५२	२०	१५	११	कन्यायां	भ.५२ उ.पातस्पर्शः ५३ पातमोक्षः ५३
३	चं १९ ११ चि ३० १७ धु ५१ २८ वि १९ ११	२६	७	५३	२१	१६	१२	तु.१।५५	भ.१९।११या.कुंभे बुधः ३४ चतुर्थी व्र.
४	मं १५ २३ स्वा २८ ५९ व्या ४७ ५ बा १५ २३	३०	६	५४	२२	१७	१३	तुलायां	
५	बु १३ ५८ वि ३० ४ ह ४४ १६ तै १३ ५८	३४	५	५५	२३	१८	१४	वृ.१४।४८	मीनेऽर्कः १९ (सौरः २२।३८
६	गु १४ २० अ ३२ ४९ व ४३ ४९ व १४ २०	३८	४	५६	-	१९	१५	वृश्चिके	भ.१४।२०उ.४५।३१या.
७	शु १६ ४२ ज्ये ३७ २६ सि ४३ २६ व १६ ४२	४३	३	५७	२५	२०	१६	ध. ३७	शीतलापूजनम्
८	श २१ ३४ मू ४३ २९ व्य ४४ ५० कौ २१ ३४	४७	३	५७	२६	२१	१७	धनुषि	उभा.रविः ४२ (सौरः ४३) शत बुधः ५५
९	र २७ १ पू ५० ५१ व ४६ ५३ ग २७ १	५१	२	५८	२७	२२	१८	धनुषि	
१०	चं ३३ १३ उ ५८ १९ प ४९ २३ व ० ७	५५	१	५९	२८	२३	१९	म. ७।४३	भ०।७उ. ३३।१३ या.
११	मं ३९ ४७ श्र ६० ० शि ५१ ४१ ब ६ ३०	३० ०	०	६	२९	२४	२०	मकरे	पापमोचनी ११ व्र.
१२	बु ४६ १६ श्र ५ ५९ सि ५३ ५८ कौ १३ २	३० ४५	५९	६	३०	२५	२१	कुं. ३७	
१३	गु ५२ १ ध १३ १४ सा ५५ ३५ ग १९ ८	८	५८	२	१	२६	२२	कुंभे	भ.५२।१उ.भा.चैत्रारंभः प्रदोषः
१४	शु ५६ ४९ श १९ ५२ शु ५६ २८ वि २४ २५	१२	५८	२	२	२७	२३	कुभे	भ.२४।२५या.
३०	श ६० ० पू २५ २८ शु ५६ २९ च २८ ४६	१६	५७	३	३	२८	२४	मी.९।४	मन्वादिः
३०	र ०।४३ उ २९ ५८ ब्र ५५ ३४ ना ०।४३	२१	५६	४	४	२९	२५	मीने	

४९ पं.चै.कृ.६.बृ.इ. २५।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	१	११	१	२	११
१	२०	३	११	२३	२	१७	१
५	०	५६	९	७	१८	५४	२
३५	३६	५६	५८	४१	३२	३०	२१
५९	२४	६५	८	५३	४	३	५९
४१	२८	८	२८	व.	५०	११	४९

गोचर ग्रहाः

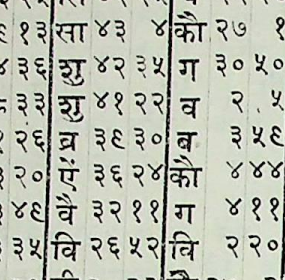

चैत्र कृष्णे ५ बुधे मीनेऽर्कःप्रविष्टः वा. ३ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमाया

गोचर ग्रहाः

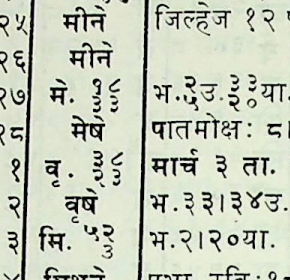

५० पं.चै.कृ.१३ बृ.इ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	१	११	१	२	११
८	२३	१२	१२	२०	२	१७	८
३	१	४८	१२	१७	५५	३२	०
१८	३४	२२	३६	४६	१६	१४	१६
५९	२२	८१	९	२९	५	३	५९
२९	३३	४१	१६	व.	१४	११	३५

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०२ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०२ भोग्यकलिः ४२६८९८ अथास्मिन् वर्षे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०५८ शाकः १९२३ अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः। मंत्री भृगुः । सस्येशश्चंद्रः। धान्येशः शनिः। मेघेशो गुरुः। रसेशोबुधः। नीरसेशश्चंद्रः । फलेशो गुरुः। धनेशो रविः। दुर्गेशो गुरुः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ८ जयनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १०।७।१९।४५ भोग्यमासादिः१।२२।४०।१५अहिर्बुध्न्यदैवतं युगम् । वर्षनाम कार्तिकः। मेघनाम संवर्तः। रोहिणीनिवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे। समय विश्वा २० समयवाहनम् मृगः। स्तंभौ २ जलतृणयोः। सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानु सप्तमी १ रविदशमी ३ समयमुहूर्ताः ४०५ समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ८४ वर्षाविश्वा ७ धान्यम् ७ तृणम् ९ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् १०३ सत्यम् ।। धर्म १।। पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहणम् १ चंद्रमसः ।

संवत् २०५८ आषाढ शुक्ले

१५ गुरौ

ग्रस्तोदयचंद्रग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
उज्ज. घ.	३१	३४	३८
मध्य प.	४०	५६	१२
रेलवे घ.	७	८	९
टा. मि.	७	२५	४४

वर्ष लग्नम् ११।१६

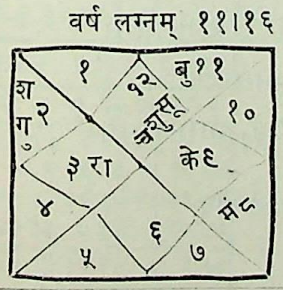

भैरव भवानी सम्वाद

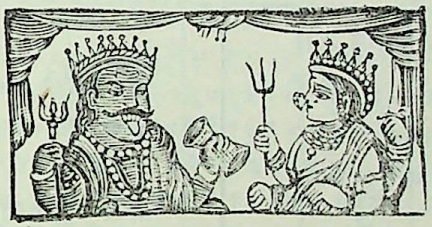

भरव प्रश्न

सुख कर दुख हर अंबिका सुणो अर्ज चित लाय।
अठ्ठावन की साल को सांचो भेद बताय ।।

भवानी उत्तर

सुण भैरव तू ध्यान से कर चिंता को दूर ।
अठ्ठावन की साल में बधे प्रजा को नूर ।।
शशिराजा मंत्री भृगु यह है सौम्य सुयोग ।
राज प्रजा आनंद से भोगे उत्तम भोग ।
सौम्य ग्रहों के कबज में मिले आठ अधिकार।
घर २ गऊ व्यावसी घर २ मंगलाचार ।।
धान्याधिप शनिदेव है श्रावण में शनि पांच।
सब वस्तु तेजी करे यह ही समझो सांच ।।
समय निवासो रजक घर संवत् विश्वा बीस ।
भैरव चिंता दूर कर रक्षक है जगदीश ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सि	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ७।२४

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५१।४०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रस्तत्फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचुरश्च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणाम् प्रशाभ्यति व्याधिजरानराणाम् ।। मंत्री शुक्रस्तत्फलम् ।। भृगुसुते ननु मंत्रिपदं गते शलभमूषकरावथमाहिषैः । भवति धान्यसमर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। सस्याधिपे-शीतकरे प्रजासुखं मेघाः पयो मुंचति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यधनौघपूर्णा ।। धान्येशः शनिः फलम् ।। दुर्भिक्षं जायते तत्र कलहं देशविग्रहं । सौराष्ट्रदेशनष्टश्च यत्र धान्याधिपः शनिः । मेघेशो गुरुःफलम् ।। गुरुरपिप्रियवृष्टिकरः सदाखिलविलासवती धरणी तदा । श्रुतिविचारपरा नरपालका रससमृद्धियुताखिलमानवाः ।। रसेशो बुधस्तत्फलम् ।। रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्यघृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायकपालिता बहु-जलाखिलदेशसुरक्षिताः । नीरसेशश्चंद्रःफलम् ।। शुक्लवर्णादिवस्तूनां मुक्तारजतवाससाम् । अर्धवृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे । फलेशोगुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभया वनराशिमहाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सवमंदिराः श्रुतिविचारपरा द्विजपूर्वकाः ।। धनेशोरविःफलम् ।। द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतोबहुद्रव्यसमागमः । गजतुरंगममेष-खरोष्ट्रतो धनचयं लभते क्रयविक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवराः नरपाः करपालिताः । गिरिषु वै नगरेषु समंसुखं सुखमति द्विजशस्त्रवतांविशाम् । जयनाम संवत्सरः फलम्।। जयमंगलघोषोघैः संकुला धरणी तदा । जयाब्दे धरणिनाथाः संग्रामे जयकांक्षिणः ।। वर्षनाम कार्तिकः फलम् ।। पापबुद्धिः रतालोका भवंति कार्तिके सदा । देवता नैव मन्यंते राज्यं च तस्करैर्हृतम् ।। मेघनाम संवर्तःफलम् । संवर्ते जलपूरिता । रोहिणी निवासस्तटे फलम् ।। तंटे वृष्टिःसुशोभना । समयनिवासो रजकगृहे फलम् । रजके वृष्टिरुत्तमा । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०५८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृ. ७ रवौ उषा. ल. ११।१२ रे. ६ऽ।।।।ऽअ.ऽऽ।।

शु. २ बुधे रोहि. ल. ११।१२ रे. ९।।ऽवृ।।।।।।।घ.५२। ५१ उ.

,, ३ गुरौ रोहि. ल. १० रे. ९।।ऽवृ।।।।।।।घ. ४८।२३ या मृगे ल.११ रे. ७।।।।।ऽनृऽऽ।। घ.५३।१७या.

,, ४ शुक्रे मृगे ल. अन्य गो. रे. ९।।।।।ऽनृ।।।।

,, ८ भौमे मघा. ल. ११ (चं७पू.) रे. ६ऽ।।।।ऽरोऽाऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः आवश्यके

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ६ रवौ उषा. ल. अन्यगो. रे. ६।।।।।ऽअऽऽाऽ दग्धा. आवश्यके

,, १० शुक्रे उभा. ल. अन्यगो. १०।११ रे. ८।।।।।।ऽऽ।। मकरकुंभलग्ने नृपपंचकः रेखा ७

,, ११ शनौ रेव. ल अन्यगो. १०।११ रे. ७।।ऽशु।।ऽनृ।ऽ।। शुक्रयुतिः

शु. १ गुरौ मृगे ल. अन्यगो. ११।१ रे. ८।।ऽ।।।ऽ।।।

शु. ६ चंद्रे मघा. ल. १ रे. ६ऽ।।।।ऽनृऽऽ।।

,, ८ बुधे उफा. ल. १ रे. ८।।।।।ऽचोऽ।।।

,, ९ गुरौ उफा. ल. गो. रे. ९।।।।।।ऽ।।। हस्ते ल. १०। १२ रे. ९।।।।।।।ऽ।। मीने चं. ७ पूज्यः

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ६ गुरौ मघा. ल. ७ रे. ६ऽऽ।।ऽाऽाऽ।। घ. ५२।१ उप.

,, ८ शनौ उफा. ल. अन्यगो. ७ रे. ६ऽ।।।।ऽनृऽऽ।। तुला लग्ने नृपपंचकाभावः रेखा ७

,, ९ रवौ हस्ते ल. अन्यगो. रे. ७ऽ।।।।।।ऽाऽ दग्धादोषः

माघ मासः ।

शु. ३ शुक्रे उभा. ल. १० रे. ९।।।।।।।।ऽ दग्धा.

फाल्गुन मासः ।

कृ. १ गुरौ उफा. ल. गो. रे. ८।।।।ऽऽचो।।।।

,, ७ भौमे अनु. ल. अन्यगो. रे. ९ऽ।।।।।।।।

,, ८ बुधे मूले ल. १० रे. ७।।।।ऽऽनृाऽ।।

,, ९ गुरौ मूले ल. अन्यगो. रे. ७।।।।ऽऽनृाऽ।।

अग्रे मीनाऽर्क दोषः

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वसंतर्तौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२७७ स. २००१

१	चं	३	१०	रे	३३	२२	ऐं	५३	००	ब	३	१०	३५	५५	६	५	३०	२६	मे. ३३।२२
२	मं	४	३७	अ	३५	५०	वै	५१	२४	कौ	४	३७	३९	५४	६	६	१	२७	मेषे
३	बु	५	६	भ	३७	१०	वि	४८	१	ग	५	६	३३	५३	७	७	२	२८	वृ. ५२।१८
४	गु	४	२२	कृ	३७	४१	प्री	४४	११	वि	४	२२	३७	५३	७	८	३	२९	वृषे
५	शु	२	४६	रो	३७	८	आ	३९	२३	वा	२	४६	४१	५२	८	९	४	३०	वृषे
६	श	०	१६	मृ	३५	४७	सौ	३३	४३	तै	०	१६	४५	५१	९	१०	५	३१	मि. ६७
७	श	५	६	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
८	र	५	२	३९	आ	३३	२९	शो	२७	३५	वि	२	४	४५	४९	५०	१०	११	६ १	मिथुने
९	चं	४	७	२८	पु	३०	३८	अ	२०	३७	वा	२०	३	५२	४९	११	१२	७	२	क. १६।८
१०	मं	४	१	२९	पु	२६	१७	सु	१२	५५	तै	१४	२८	५७	४९	११	१३	८	३	कर्के
११	बु	३	५	११	श्ले	२१	३३	ध्र	४	५३	व	८	२०	३१	४८	१२	१४	९	४	सिं. ३१
१२	गु	२	७	२८	म	१६	११	गं	४	७	ब	१	१९	५	४७	१३	१५	१०	५	सिंहे
१३	शु	१	९	५८	पू	१०	२९	धृ	३	८	तै	१	९	५८	१०	४६	१४	१६	११	६ कं. २४।७
१४	श	१	२	२२	उ	५	०	धु	२९	३७	व	१	२	२२	१४	४५	१५	१७	१२	७ कन्यायां
१५	र	५	२	९	ह	८	५३	व्या	२१	४४	ब	५	२९	१८	४४	१६	१८	१३	८	तु. २८।१०

भ. ३५ उ. वक्री उभा. शुक्र: ३३ शुक्रास्तः +
भ. ४।२२ या. रोहिणी २ गुरुः १४।४७
[+पश्चिमायां १९ गणगौरी
भ. ५६ उ. रेवत्यां रविः ७७ (सौरः १९)
[×रंभः नवरात्रा. [÷सिधारा, मत्स्यज.
भ. २४ या. शुक्रोदयः पूर्वस्याम् १५ अप्रेल =
मीने बुधः ५१ रामनवमी [=४ ता. ३०
भ. ६० उ. ३५ या. उभा. बुधः ४३ कामदा*
प्रदोषः [*११ व्र.
भ. १३ उ. ३६ या. आर्द्रा. ३ राहुः पूषा. १ A
हनुमज्जयंती [A केतुः ५१।३८

५१ पं.चै.शु.४ बृ.इ.२५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	११	१११	१	२	११
१४	२५	२३	१३	१६	३	१७	१४
५९	४९	५	२१	७	३६	०९	५६
१०	१२	४६	५०	२४	३६	५९	२४
५९	९	९४	९	२३	५	३	५९
१६	५७	१५	५६	व. ४२	११	१८	

ग्रोचर ग्रहाः

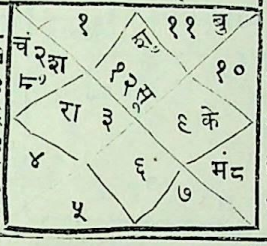

इस मास में ५ शनिवार ५ रविवार अशुभ हैं प्रजामें पीड़ा धान्य गल्ला रस धातु तेज होगें, कहीं २ अग्नि भय हो।

ग्रोचर ग्रहाः

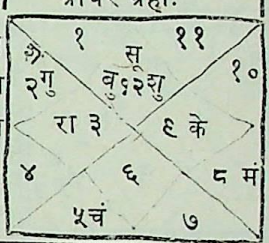

५२ पं.चै.शु.१२ .बृ.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	१	११	१	२	११
२१	२८	४	१४	११	४	१६	२१
५३	२३	३६	३६	५२	२०	४७	५०
३१	२	११	४	१	२०	४३	३५
५९	१६	०	१०	३१	६	३	५९
११	५४	१८	४२	व. ४	११	४	

ति. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३ दि. उ.अ. भा मु इं चन्द्रः वसंतर्तौ रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महा०

१	र	५	४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	चं	५	५	३२	स्वा	५	३	४६	ह	१५	१	तै	२७	३५	३३	४	५	१९	१४	९	तुलायां
३	मं	५	३	४	वि	५	३	२०	व	९	३	३	व	२४	१८	२६	४	३	१७	२०	१	५	१०	वृ. ३९
४	बु	५	२	२	३	अ	५	४	४	३	सि	५	४	१	ब्र	२२	४	४	३०	४	२	१८	२१	१६	११	वृश्चिके
५	शु	५	४	३	ज्ये	५	८	१	३	व्य	३	२	३	कौ	२३	१	३	३४	४	१	१९	२२	१७	१२	ध. ५८।१३
६	शु	५	७	३	२	मू	६	०	०	व	२	४	७	ग	२५	४	७	२८	४	०	२०	२३	१८	१३	धनुषि
७	श	६	०	०	मू	३	४	३	प	३	२	वि	३०	१	४२	४	०	२०	२४	१९	१४	धनुषि
७	र	२	२	९	पू	१	०	२२	शि	४	४	९	ब	२	२९	४६	३	९	२१	२५	२०	१५	म. २७।९
८	चं	८	२	०	उ	१	७	३१	सि	६	४	८	कौ	८	२०	५०	३	८	२२	२६	२१	१६	मकरे
९	मं	१	४	४	७	श्र	२	५	१	४	सा	९	३	५	ग	१	४	४	७	५३	३	७	२३	२७	२२	१७	कुं. ५८
१०	बु	२	०	५	८	ध	३	२	३	२	शु	११	३	८	वि	२	०	५	८	५७	३	७	२३	२८	२३	१८	कुम्भे
११	गु	२	५	५	८	श	३	९	२	२	शु	१	३	३	वा	२	५	५	८	५	३	६	२४	२९	२४	१९	कुंभे
१२	शु	३	१	१	४	पू	४	४	४	७	ब्र	१	४	३	७	तै	३	१	४	५	३	५	२५	३०	२५	२०	मी. ३९
१३	श	३	४	३	०	उ	४	९	८	ऐं	१	४	३	८	ग	२	४	९	९	३	४	२६	१	२६	२१	मीने
१४	र	३	६	२	०	रे	५	१	५	५	वै	१	३	२	६	वि	५	२	५	१२	३	४	२६	२	२७	२२	मे. ५१।५५
३०	चं	३	६	४	३	अ	५	३	२	७	वि	११	१	४	च	६	३	२	१६	३	३	२७	३	२८	२३	मेषे

भ. २४ उ. ५३ या. बुधास्तः पूर्वस्यां ३३
चतुर्थी व्र.
रेवत्यां बुधः ८।४२
भ. ५३ उ. अश्वि. मेषेऽर्कः ५१ (सौरः ५५)
भ. ३०।१ या.
रोहिणी. ३ गुरुः १४।२४
भ. ४७।५२ उ.
भ. २०।५८ या. अश्वि. मेषे बुधः ५२।२६
मार्गी शुक्रः ५६।२८ वरूथिनी ११ व्र.
भ. ३४।३० उ. भा. वैशाखारंभः प्रदोषः
भ. ५।२५ या.
सोमवती ३०

१५ पं.वै.कृ. ६ शु.इ. ४१।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१	१११	१	२	११
०	०	१९	१६	८	५	१६	२९
०	५५	४३	११	२४	१३	२१	५६
०	४४	३७	२	३२	१	३५	४७
५८	११	३०	११	१५	६	३	५८
४४	१५	१०	२४	२२	२६	११	४५

गोचर ग्रहाः

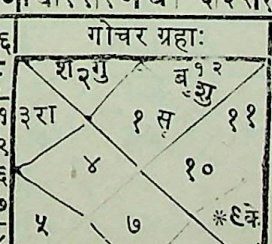

वैशाख कृष्णे ६ शुक्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा ३ न. ४ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

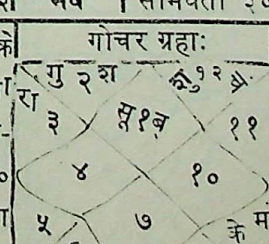

२ पं.वै.कृ.१२ शु.इ. ४२।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१	१११	१	२	०
६	२	३	१७	७	६	१५	६
५०	४४	४९	३४	३४	२	५९	४६
४२	२४	१६	३४	३७	२८	१९	५८
५८	८	२१	१२	२३	६	३	५८
३१	३४	३५	२	मा.	३८	११	२९

* चंमं

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३३०६ स. २००१

१	मं	३५	३९	भ	५३	४२	प्री	७	५८	कि	६	११	३२	३२	२९	४	२९	२४	मेषे
२	बु	३३	३५	कृ	५२	५१	आ	४९	५५	बा	४	३७	२३	३१	२९	५	३०	२५	वृ. ८।२८
३	गु	३०	३३	रो	५१	२३	शो	५३	१७	तै	२	४	२७	३१	२९	६	१	२६	वृषे
४	शु	२६	५०	मृ	४९	२	अ	४७	२१	वि	२६	५०	३१	३०	३०	७	२	२७	मि २०।१३
५	श	२२	३७	आ	४६	३५	सु	४१	८	बा	२२	३७	३४	२९	३१	८	३	२८	मिथुने
६	र	१८	७	पु	४३	४०	धृ	३४	२९	तै	१८	७	३८	२८	३२	९	४	२९	कं २९।२३
७	चं	१३	२३	पु	४०	३८	शू	२७	२०	व	१३	२३	४१	२८	३२	१०	५	३०	कर्के
८	मं	८	५	श्ले	३७	७	गं	२१	२८	ब	८	५	४५	२७	३३	११	६	१	सिं. ३७।७
९	बु	२	४६	म	३४	२६	धृ	१३	२१	कौ	२	४६	४८	२६	३४	१२	७	२	सिंहे
१०	बु	५	४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	गु	५	१	१६	पू	२९	३८	ध्रु	५७	४३	व	२४	५	५२	२६	३४	१३	८	३ कुं. ४३।३७
१२	शु	४	५	२९	उ	२५	३४	ह	५१	२९	ब	१८	२२	५५	२५	३५	१४	९	४ कन्यायां
१३	श	४०	१५	ह	२२	३०	व	४४	३२	कौ	१२	५२	५८	२४	३६	१५	१०	५	तु. ५१।५
१४	र	३५	३४	चि	१९	४१	सि	३८	२८	ग	७	५५	३३	२४	३६	१६	११	६	तुलायां
१५	चं	३१	५८	स्वा	१७	४२	व्य	३३	१६	वि	३	४६	५	२३	३७	१७	१२	७	तुलायां

[×चंद्र दर्शनम् परशुराम जयंती
भरण्यां बुधः ७।२८ कृत्ति. ४ शनिः ५०।१९×
भ. ५८।४१ उ. सफर २ अक्षया ३
भ. ३६/५० या. भरण्यां रविः ३३/११ (सौरः ३६/३९)
[G४५।३१ मोहिनी ११ व्र. वै.

भ. १३।२३ उ. ३९।४४ या.
कृत्ति. बुधः ३५/३३ मई ५ ता. ३१ पातस्पर्शः ५४/४५
वृषे बुधः ५९/५० रोहि. ४ गुरुः ४२/४७ पातमोक्षः ९।८

भ. २४।५ उ. ५१।१६ या. मोहिनी ११ स्मा.
वक्री भौमः ४६।८ बुधोदयः पश्चिमायां G
प्रदोषः
भ. ३५।३४ उ. नृसिंह १४
भ. ३६/३९ या. अस्तं शनेः ३५/३२ यमाय कुंभदानं

३पं.वै.शु. ४शु. इ. ४२।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१	११	१	२	०
१३	४	१८	१९	८	६	१५	१३
२९	४	४५	०	२८	५२	२७	२५
४७	२६	११	५४	१७	५९	४	२३
५८	४	५९	१२	१७	६	३	५८
१९	४०	५९	२०	५५	६	११	१२

गोचर ग्रहाः

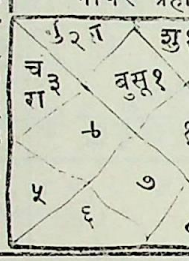

सोमवाराः यदा पञ्च चांद्रमासे भवन्तिहि। धन धान्यं समृद्धिः स्यात् सुखं सर्वत्र सुन्दरम्। इसयोग से यह मास मन्दी कारक है।

गोचर ग्रहाः

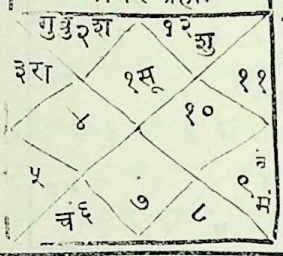

४०पं.वै.शु. १२शु. इ. ४२।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	१	१	११	१	२	०
२०	४	३	२०	११	७	१५	२०
२७	५३	२४	२९	१८	४५	१४	२२
२५	२०	३२	३१	२२	४३	४८	०६
५८	०	५९	१४	२९	७	३	५७
६	२	५९	४६	१८	८	११	५७

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वै. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	मं	२९	४३	वि	१७	८	व	२९	२३	वा	०	५०	३३/३८	२२/२५	३८/३६	१८	१३	८	वृ. २।१७
२	बु	२८	५८	अ	१८	१	प	२६	२६	ग	२८	५८	११	२२	३८	१९	१४	९	वृश्चिके
३	गु	३०	५	ज्ये	२०	४३	शि	२५	१४	वि	३०	५	१४	२१	३९	२०	१५	१०	ध २०।४३
४	शु	३२	५५	मू	२५	२	सि	२४	४६	ब	१	३०	१७	२१	३९	२१	१६	११	धनुषि
५	श	३७	१४	पू	३०	५०	सा	२४	५८	कौ	५	५२	२०	२०	४०	२२	१७	१२	म. ४७।२३
६	र	४२	३८	उ	३७	२७	शु	२७	२७	ग	९	५६	२३	१९	४१	२३	१८	१३	मकरे
७	चं	४८	५६	श्र	४५	०२	शु	२९	४८	वि	१५	४७	२६	१९	४१	२४	१९	१४	मकरे
८	मं	५५	४	ध	५२	३६	ब्र	३२	१२	बा	२१	५९	२८	१८	४२	२५	२०	१५	कुं. १८।४९
९	बु	६०	०	श	५९	४३	ए	३४	१४	तै	२७	५६	३१	१८	४२	२६	२१	१६	कुंभे
९	गु	०	४८	पू	६०	०	वै	३५	४	ग	०	४८	३४	१७	४३	२७	२२	१७	मी ४९।२०
१०	शु	५	३८	पू	५	५३	वि	३६	२९	वि	५	३८	३७	१७	४३	२८	२३	१८	मीने
११	श	८	५८	उ	१०	३२	प्री	३५	४४	बा	८	५८	३९	१६	४४	२९	२४	१९	मीने
१२	र	१०	४१	रे	१३	३१	आ	३३	३२	तै	१०	४१	४२	१६	४४	३०	२५	२०	मे. १३।३१
१३	चं	१०	३०	अ	१४	५४	सौ	३०	१०	व	१०	३०	४४	१५	४५	३१	२६	२१	मेषे
१४	मं	८	४१	भ	१४	३१	शो	२५	२८	श	८	४१	४७	१५	४५	१	२७	२२	वृ. २९।५
२०	बु	५	२७	कृ	१२	५१	अ	१९	३७	ना	५	२७	४९	१४	४६	२	२८	२३	वृषे

रोहि. बुधः ८।३६
भ. ५९।३१ उ.
भ. ३०।५ या. चतुर्थी व्र.
कृत्ति. रविः ८।७ (सौरः १४।३१)
[×पातस्पर्शः ३७।२० पातमोक्षः. ५८। ५७
भ. ४२।३८ उ. रेवत्यां शुक्रः ५८।४४
भ. १५/४७ या. वृषेऽर्कः ३५/३२ (सौरः ४२।१८)×
[W२१।३१ भा. ज्येष्ठारंभः
मृगे बुधः २९।५४
भ. ३३।१३ उ. मृग १ गुरुः ३८।३९
भ. ५।३८ या.
अपरा ११ व्रतम्
प्रदोषः
भ. १०।३० उ. ३९।३६ या.
मिथुने बुधः २।२४ रोहिणी. १ शनिः W
वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ. ४शु. इ. ४२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	१	१	११	१	२	०
२७	५	१६	२२	१५	८	१४	२७
१३	१४	०	१	१३	२८	५२	७
३७	१३	१८	४४	१९	५३	३३	२०
५७	४/४	०/०	१३	३८	७	३	५७
५४	व. ५३		८	५२	१४	११	४५

गोचर ग्रहाः

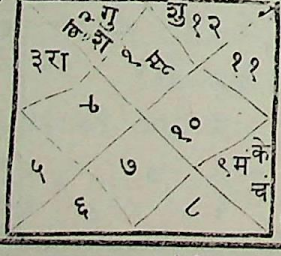

ज्येष्ठ कृष्णे ७ चंद्रे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

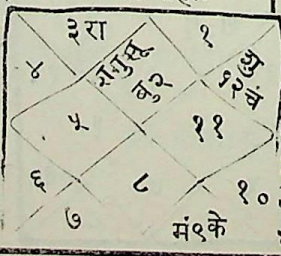

६पं.ज्ये.कृ. १०शु. इ. ४३।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	१	११	१	२	१
३	४	२६	२३	२०	९	१४	३
५८	४६	०	३४	४	३३	२०	५१
३७	१६	१४	१९	१६	१८	१७	१
५७	८	७२	१३	४६	७	३	५७
४४	२८	१०	२०	७	२०	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३३३६ स. २००१

१	गु	०४३	रो	१०	३	सु	१३४	ब	०४३	३३	५	१४	४६	३	२९	२४	मि	३८।१०	रोहि. रविः ५९।५६ चंद्रदर्शनम्
२	गु	५४	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷६ ता. ३० गंगा १०
३	शु	४९	२२	मृ	६	१६	धृ	४३	५५	तै	२२	२०	५४	१३	४७	४	१	२५	मिथुने	रोहि. रविः सौरः ८।२६ रविलावल ३
४	श	४३	२०	आ	१३	५५	गं	५०	२८	व	१६	२१	५६	१३	४७	५	२	२६	क.	४४।१३	भ. १६।२१ उ. ४५।२० या.
५	र	३७	३४	पु	५४	१३	बृ	४३	२५	व	१०	२७	५८	१२	४८	६	३	२७	कर्के		पातस्पर्शः १८।११ पातमोक्षः ४८।१९
६	चं	३१	१६	श्ले	५०	२०	ध्रु	३५	४३	कौ	४	२५	३४	१२	४८	७	४	२८	सिं	५०।२०	
७	मं	२५	५४	म	४६	५१	व्या	२८	४३	व	२५	२४	२	१२	४८	८	५	२९	सिंहे		भ. २५।५४ उ. ५३।१४ या.
८	बु	२०	३३	पू	४३	५३	ह	२०	४१	बृ	२०	३३	३	११	४९	९	६	३०	कं.	५८।१४	अश्वि. मेषे शुक्रः ५०।३५
९	गु	१५	५१	उ	४१	१६	व	१५	१५	कौ	१५	५१	५	११	४९	१०	७	३१	कन्यायां		
१०	शु	११	२६	ह	३९	१२	सि	९	२३	ग	११	२६	७	११	४९	११	८	१	कन्यायां		भ. ३९।३७ उ. मृग. २ गुरुः २०।३४ जून÷
११	श	७	४७	चि	३७	४१	व्य	४९	५५	वि	७	४७	९	१०	५०	१२	९	२	तु.	८।२६	भ. ७।४७ उ. वक्री बुधः २८।४६ ×
१२	र	४	५०	स्वा	३६	५३	प	५४	३६	बा	४	५०	१०	१०	५०	१३	१०	३	तुलायां		प्रदोषः [× निर्जला ११ व्र.
१३	चं	२	२५	वि	३७	१३	शि	५१	१३	तै	२	२५	१२	१०	५०	१४	११	४	वृ.	२२।८	अस्तं गुरोः १२।०
१४	मं	१	२०	अ	३८	४३	सि	४८	३९	व	१	२०	१३	९	५१	१५	१२	५	वृश्चिके		भ. १।२०उ. ३१।१७ या.
१५	बु	१	१३	ज्ये	४१	२५	सा	४६	३२	व	१	१३	१५	९	५१	१६	१३	६	ध.	४१।२५	गुर्जराणां वटसावित्री व्रतम्

७ पं. ज्ये. शु. ३ शु. इ. ४७ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१	१११	१	२	१
१०	३	२	२५	२५	१०	१४	१०
४२	५४	३८	९	३८	२७	८	३३
२९	५४	४२	११	५६	११	१	१२
५७	१३	३५	१३	५१	७	३	५७
३५	व.	१	२६	३२	२०	११	२३

गोचर ग्रहाः

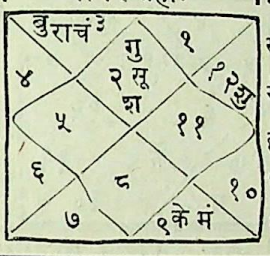

इस मास में चांदी स्वर्ण मंदे धान्य चावल गेहूं जौ घृत रुईमें मंदी होकर तेजी होगी। यही धन के भौम का फल है वायु का जोर रहे।

गोचर ग्रहाः

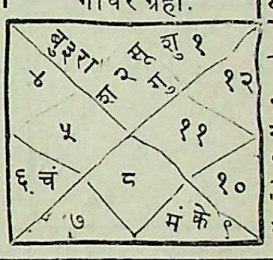

८ पं. ज्ये. शु. १० शु. इ. ४३ १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१	०	१	२	१
१७	२	५	२६	१	११	१३	१७
२५	१८	४३	४५	४५	२१	४५	१४
१९	३२	३७	७	०	५८	४६	१८
५७	१४	२	१३	५५	७	३	५७
२७	व.	४४	३२	५५	२०	११	१३

ति. आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.

१	गु	२४	७	मृ	४५	३४	शु	४६	५७	कौ	२	४७	३५	९	५९	१७	१४	७	धनुषि	मृगेरविः ५३।४९ बुधास्तः पश्चिमायां*
२	शु	५	४७	पू	५०	५८	शु	४७	३७	ग	५	४७	१७	९	५१	१८	१५	८	धनुषि	भ. ३७।४९ उ. मृगेरविः सौरः ७।१६
३	श	९	५०	उ	५७	२२	ब्र	४९	७	वि	९	५०	१८	८	५२	१९	१६	९	म.	७।३४	भ. ९।५०या. आर्द्रा. २राहुः मूल. ४केतुः×
४	र	१४	३१	अ	६०	०	ऐं	५१	७	बा	१४	३१	१९	८	५२	२०	१७	१०	मकरे		वक्री ज्येष्ठा. वृश्चिके भौमः ४।१७
५	चं	२०	५९	अ	४	३७	वै	५३	३८	तै	२०	५९	१९	८	५२	२१	१८	११	कुं	३८।१६	[* २८।१२
६	मं	२७	१९	ध	११	५६	वि	५६	४	व	२७	१९	२०	८	५२	२२	१९	१२	कुं भें		भ. २७।१९ उ. उदयं शनेः ३२।४८
७	बु	३३	१३	श	१९	३५	प्री	५८	१६	वि	०	३७	२१	८	५२	२३	२०	१३	कुं भे		भ. ०।३७ या. भरण्यां शुक्रः ५६।२२
८	गु	३८	३३	पू	२६	२९	आ	५९	३७	बा	५	५३	२१	८	५२	२४	२१	१४	मी.	९।४६	मिथुनेऽर्कः ५२।२३
९	शु	४२	२६	उ	३१	५८	सौ	५९	३८	तै	१०	२५	२२	८	५२	२५	२२	१५	मीने		मिथुनेऽर्कः सौरः ८।४ मृग. ३ गुरुः ४९।५१
१०	श	४४	३३	रे	३६	०	शो	५८	२८	व	१३	२५	२२	८	५२	२६	२३	१६	मे.	३६।०	भ. १३।२५ उ. ४४।३३ या.
११	र	४४	५९	अ	३८	३०	अ	५५	४५	व	१४	४६	२३	७	५३	२७	२४	१७	मेषे		रोहिणी. २शनिः १२।१६ योगिनी ११ व्र.
१२	चं	४३	२६	भ	३८	३५	सु	५०	२९	कौ	१४	१३	२३	७	५३	२८	२५	१८	वृ.	५३।११	[× ४९।१४ च व्र..
१३	मं	३९	५५	कृ	३६	५८	धृ	४४	१७	ग	११	४०	२३	७	५३	२९	२६	१९	वृषे		भ. ३९।५५ उ. वक्री वृषे बुधः २८।३३ प्रदोषः
१४	बु	३४	२९	रो	३३	५०	शू	३८	४०	वि	७	११	२४	७	५३	३०	२७	२०	वृषे		भ. ७।११ या.
३०	गु	२७	५७	मृ	२९	२९	गं	३०	२७	च	१	१३	२४	७	५३	३१	२८	२१	मि.	१।३९	आर्द्रा. रवि: ५१।१८

९ पं. आ. कृ. २ शु. इ. ४३।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१	०	१	२	१
२४	०	५	२८	८	१२	१३	२३
७	२०	२७	२१	१७	१६	२३	५४
१९	३१	२५	२९	४२	३४	३०	१४
५७	१४	२२	१३	५८	७	३	५७
२२	व.	व.	३८	५६	१४	११	५

गोचर ग्रहाः

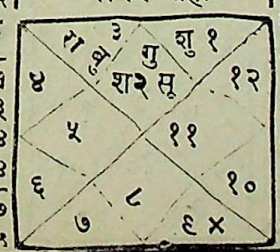

आषाढ कृष्णे ८ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

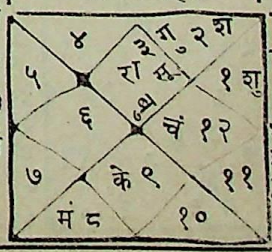

१० पं. आ. कृ. ९ शु. इ. ४३ १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	२	१	०	१	२	२
०	२८	२	२९	१५	१३	१३	०
४८	१७	२	५८	९	९	१	३३
३६	२५	४६	३०	४७	२५	१५	२३
५७	४१	३३	१३	६१	७	३	५६
१७	व.	व.	३८	५५	८	११	५७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०५८ शकः १९२३						दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३३६५ स.२००१
१	शु	२०	१६	आ	२३	३१	बृ	२१	४१	ब	२०	१६	३४ ५ ५६	१ २९ २२	मिथुने	आर्द्रा.रविः सौरः ९।३७ चंद्रदर्शनम् भा. ९
२	श	१२	२०	पु	१७	३८	धु	१२	३४	कौ	१२	२०	२४	७ ५३	२ १ २३	क.४।६	रा. रविलाखर४रथयात्रा[*आषाढारंभः
३	र	४	४४	पु	११	४४	व्या	२५ ५३		ग	४	४४	२४	७ ५३	३ २ २४	कर्के	भ. ३०।४० उ. ५६।१९ या.
४	र	५१	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	० ०	[Aगुरुः२१।१६
५	चं	४९	४१	श्ले	६	७	व	४६	६	ब	२२	०९	२३	७ ५३	४ ३ २५	सिं.६।७	बुधोदयः पूर्वस्यां ४०।५
६	मं	४३	४९	म	२४	१५ ५६	सि	३८	२९	कौ	१६	४५	२३	७ ५३	५ ४ २६	सिंहे	कृति. शुक्रः ५९।१६
७	बु	३८	११	उ	५४	३१	व्य	३१	३१	ग	११	०	२३	८ ५२	६ ५ २७	कं. ११ ३८	भ. ३८।११ उ.
८	गु	३३	५०	ह	५२	३३	व	२५	२२	वि	६	०	२३	८ ५२	७ ६ २८	कन्यायां	भ.६।० या. उदयं गुरोः ०।३६
९	शु	२९	४८	चि	५१	४७	प	२०	२३	बा	१	४९	२१	८ ५२	८ ७ २९	तु.२२।१०	मार्गीबुधः५५।५८
१०	श	२८	५२	स्वा	५१	४७	शि	१५	५६	ग	२८	५२	२०	८ ५२	९ ८ ३०	तुलायां	भ. ५८।२० उ.वृषे शुक्रः २।१७ मृग ४A
११	र	२७	४८	वि	५३	२	सि	१२	२७	वि	२७	४८	१९	८ ५२	१० ९ १	वृ. ३७ ४३	भ. २७।४८ या. जुलाई ७ता. ३१ देवB
१२	चं	२७	५३	अ	५५	२९	सा	१०	३३	बा	२७	५३	१८	८ ५२	११ १० २	वृश्चिके	प्रदोषः हरिवासरः १३।५१ या.
१३	मं	२८	५८	ज्ये	५८	५३	शु	८	११	तै	२८	५८	१७	९ ५१	१२ ११ ३	ध.५८।५३	[B शयनी ११ व्र. [C व्यासपूजा
१४	बु	३१	२२	मू	६०	०	शु	७	३३	ग	०	१०	१६	९ ५१	१३ १२ ४	धनुषि	भ.३१।२२उ.वायुपरीक्षा
१५	गु	३५	४६	मू	३	२०	ब्र	७	१६	वि	३	३४	१५	९ ५१	१४ १३ ५	धनुषि	भ.३।३४या.चंद्रगृहणम्पुन.रविः५०।८C

११ पं.आ.शु.१ शु.इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	१	२	०	१	२	२
७	२६	२८	१२	२२	१४	१२	७
२९	१३	२५	२५	१६	२	२८	११
३१	५	१३	२४	५२	२	५९	५०
५७	११	२९ ८	१३	६३	७	३	५६
१२	५५	व.	३८	५६	८	११	५४

गोचर ग्रहाः

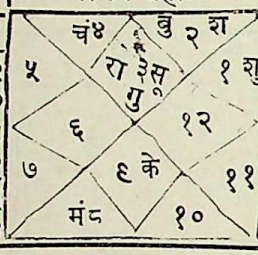

यदा दैत्यगुरुर्मेषे
सर्वधान्य महर्घता ।
महिषी पशुपीडा च
मेघवर्षा भविष्यति॥
इस योग से घृत तैल-
गल्ला तिलहन तेज हो।

गोचर ग्रहाः

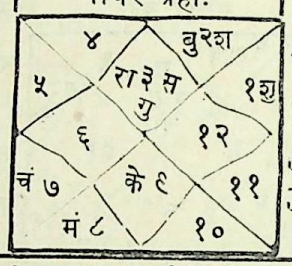

१२पं.आ.शु९ शु.इ.४३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	१	२	०	१	२	२
१४	२४	२७	३	२९	१४	१२	१३
९	२६	१७	११	३९	५२	१६	४९
५८	२८	५६	२४	७	४१	४३	५५
५७	५८ ७	११ १	१३	६५	६	३	५६
७	व.	व.	३२	३५	२८	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं २०५८ शाकः १९२३						दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महाः
१	शु	३९	३२	पू	८	५३	ऐं	८	६	बा	७	३९	३४ ५ ५६	१५ १४ ६	म. ३२	पुन. रविः १३।३९मिथुने बुधः ३१।३
२	श	४४	११	उ	१४	४७	वै	९	३०	तै	११	५२	१३	९ ५१	१६ १५ ७	मकरे	
३	र	५०	३४	श्र	२२	८	वि	११	२८	व	१७	२२	११	१० ५०	१७ १६ ८	कुं. ५५ ४	भ. १७।२२ उ. ५०।३४ या.
४	चं	५६	४४	ध	२९	४१	प्री	१३	५८	व	२३	३९	१०	१० ५०	१८ १७ ९	कुम्भे	रोहि. शुक्रः १३।४७ चतुर्थी व्रतम्
५	मं	६०	०	श	३७	२०	आ	१६	३४	कौ	२९	३५	८	१० ५०	१९ १८ १०	कुंभे	नाग ५ मरुस्थले
५	बु	२	२५	पू	४४	५३	सौ	१८	५९	तै	२	२५	७	११ ४९	२० १९ ११	मी.२८।०	
६	गु	८	२९	उ	५१	११	शो	२०	५५	व	८	२९	५	११ ४९	२१ २० १२	मीने	भ. ८।२९ उ. ४१।३ या.
७	शु	१३	३७	रे	५६	२९	अ	२१	५६	ब	१३	३७	३	११ ४९	२२ २१ १३	मे५६।२९	आर्द्रा बुधः २६।३० मार्गी भौमः२२।५९
८	श	१६	२९	अ	६०	०	सु	२१	५८	कौ	१६	२९	१	१२ ४८	२३ २२ १४	मेषे	[÷रोहिणी.३शनिः३६।९
९	र	१७	३९	अ	०	५	धृ	२०	३३	ग	१७	३९	३३	१२ ४८	२४ २३ १५	मेषे	भ. ४७।२४ उ. आर्द्रा. १गुरुः ११।१२÷
१०	चं	१७	९	भ	२	१	शू	१७	३३	वि	१७	९	५७	१३ ४७	२५ २४ १६	वृ. ५९ ६	भ. १७।९ या. कर्केऽर्कः १९।३४ ×
११	मं	१४	२९	कृ	५९	५७ ३४	गं	१३	४	बा	१४	२९	५५	१३ ४७	२६ २५ १७	वृषे	कामिका११व्रतम् [×सौरः ४६।२३
१२	बु	९	४	मृ	५५	१९	बृ	५२	५२ ६ ५७	तै	९	४	५२	१४ ४६	२७ २६ १८	मि. २७ ३३	प्रदोषः
१३	गु	३	२०	आ	४९	३८	व्या	५०	१०	व	३	२०	५०	१४ ४६	२८ २७ १९	मिथुने	भ. ३।२० उ.२९।२२ पुष्येरविः४८।५२
१४	गु	५२	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ००	
२०	शु	४६	३४	पु	४३	५	ह	४०	२४	च	२०	५८	४८	१४ ४६	२९ २८ २०	क. २९ ४४	पुष्ये रविः सौरः १७।४ हरियाली ३०

१३ पं.श्रा.कृ.१.शु.इ. ४३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	२	२	१	१	२	२
२०	२३	०	४	७	१५	११	२०
५०	४	७	४६	११	४१	५४	२७
२४	२८	३०	३७	३८	३५	२८	४९
५७	० ४	३५	१३	६७	६	३	५६
७	व.	मा.	२६	१२६	११	५०	

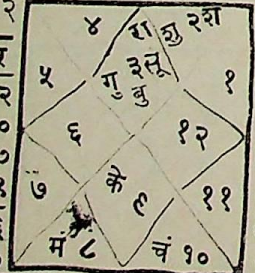

१४पं.श्रा.कृ.७शु.इ. ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	२	२	१	१	२	२
२७	२२	७	६	१४	१६	११	२७
३०	१६	०	२०	५२	२८	३२	०५
४३	५५	५८	२४	५५	१६	१२	५६
५७	१ २	७६	१३	६८	६	३	५६
११	मा.	४१	१९	९	१३	११	५४

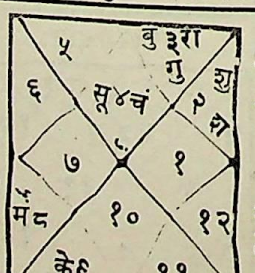

१५पं.श्रा.कृ.३०शु.इ. ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	२	२	१	१	२	३
४	२२	१७	७	२२	१७	११	३
११	१२	२१	५२	४१	१२	९	४४
२८	२२	७	३४	४२	५०	५७	२३
५७	५	० ८	१२	६९	५	३	५६
१५	१७	२८	५९	२	५०	११	५८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३३९४सन् २००१
१	श ३६ ५९ पु ३५ ४० व ३० ० किं ११ ४६	३३	५५	४५	३०	२९	२१	कर्के	मृगे शुक्रः १५।५८
२	र २७ ३२ श्ले २८ २५ सि १९ ४४ बा २ १६	४३	१५	४५	३१	३०	२२	सिं. ३८	पुन. बुधः १२।१८ चंद्र दर्शनम् सिंधारा
३	चं १८ ४१ म २१ ३५ व्य ३४ ५० ग १८ ४१	४०	१६	४४	१	१	२३	सिंहे	भ. ४० उ.भा. श्रावणारंभः जमादिलावल+
४	मं १० ५९ पू १५ ३० प ५१ १७ वि १० ५९	३८	१६	४४	२	२	२४	कं. ३९	भ. १०।५९ या. वरद ४ [+ ५ तीज
५	बु ३ ३९ उ १० ४१ श ४३ ४७ बा ३ ३९	३५	१७	४३	३	३	२५	कन्यायां	बुधास्तः पूर्वस्यां १३।१७ नाग ५
६	बु ५४ २८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
७	गु ५४ १३ ह ७ ५० सि ३७ २८ ग २६ १०	३३	१७	४३	४	४	२६	तु. ३६।४६	भ. ५४।१३ उ.
८	शु ५१ ५२ चि ५ ४३ सा ३२ ३१ वि २३ २	३०	१८	४२	५	५	२७	तुलायां	भ. २३ या. कर्के बुधः ३७ मिथुने शुक्रः ११
९	श ५१ ८ स्वा ५ २८ शु २८ ५३ बा २१ २९	२७	१९	४१	६	६	२८	वृ. ५१	
१०	र ५१ ५६ वि ६ ३५ शु २६ ४६ तै २१ ३१	२४	१९	४१	७	७	२९	वृश्चिके	पुष्ये बुधः ७।९
११	चं ५३ ५५ अ ९ ३१ ब्र २५ १ व २२ ५५	२२	२०	४०	८	८	३०	वृश्चिके	भ. ३२ उ. ५३ या. आर्द्रा. २ गुरुः ४१ पवित्रा ×
१२	मं ५७ १३ ज्ये १३ ३१ ऐं २४ ३७ ब २५ ३४	१९	२०	४०	९	९	३१	ध. ११	[× ११ व्र.
१३	बु ६० ० मू १८ २९ वै २५ १८ कौ २९ २०	१६	२१	३९	१०	१०	१	धनुषि	अगस्त ८ ता. ३१ प्रदोषः
१३	गु १ २८ पू २४ २२ वि २५ ५१ तै १ २८	१३	२१	३९	११	११	२	म. ४०	आश्ले. रविः ४५।५३ आर्द्रा. शुक्रः १।२४
१४	शु ६ ३८ उ ३० १३ प्री २८ ३ व ६ ३८	१०	२२	३८	१२	१२	३	मकरे	भ. ६८ उ. ३९ या. आश्ले. रविः सौरः १७
१५	श १२ ५ श्र ३८ १० आ ३० १ ब १२ ५	७	२३	३७	१३	१३	४	मकरे	आश्ले. बुधः ३९ याजुषामुपाकर्म. रक्षा बंध.

१६ पं.श्रा.शु. ८ शु.इ. ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	२	२	१	२	३
१०	२२	०	९	०	१७	१०	१०
५२	४३	३०	२२	३७	५४	४७	२३
३०	१	४	२३	५५	२९	४१	४०
५७	९	५९	१२	६९	५	३	५७
२०	४८	३८	३५	५६	२६	११	५

गोचर ग्रहाः

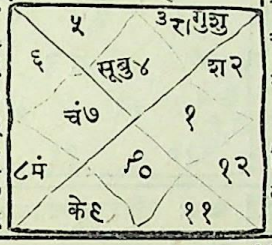

श्रावण कृष्णे १० चन्द्रे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.५ न.५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

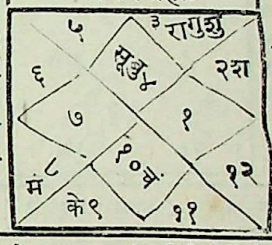

१७ पं.श्रा.शु. १४ शु.इ. ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	२	२	१	२	३
१७	२३	१५	१०	८	१८	१०	१७
३४	४७	५	४९	३९	३२	२५	३
१२	२४	३१	३७	०	६	२५	२८
५७	१३	५९	१२	७०	४	३	५७
२५	३२	२५	१७	३८	५६	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	र १८ १४ ध ४५ ४० सौ ३१ ४७ कौ १८ १४	३३	२३	३७	१४	१४	५	कुं. ५५	
२	चं २४ २० श ५२ ५९ शो ३४ ४६ ग २४ २०	०	२४	३६	१५	१५	६	कुंभे	भ.५७।७ उ.
३	मं ३० २० पू ६० ० अ ३७ २० वि ३० २०	५७	२५	३५	१६	१६	७	मी. ४३	भ. ३०।२० या. चतुर्थी व्रतम्
४	बु ३६ १ पू ० २५ सु ३९ २९ ब ३ १०	५४	२५	३५	१७	१७	८	मीने	
५	गु ४० ४३ उ ७ १७ धृ ४० २९ कौ ७ ५२	५०	२६	३४	१८	१८	९	मीने	चंद्रषष्ठी
६	शु ४४ ३६ रे १३ १६ शू ४१ २८ ग १२ ०	४७	२७	३३	१९	१९	१०	मे. १३।१६	भ.४४।३६ उ.
७	श ४६ ५९ अ १८ २ गं ४१ १६ वि १५ ३६	४४	२७	३३	२०	२०	११	मेषे	भ. १५ या. मघा. सिंहे बुधः १।३ आर्द्रा. ÷
८	र ४७ ४० भ २१ १४ वृ ३९ ३८ बा १७ १७	४०	२८	३२	२१	२१	१२	वृ. ३७	जन्माष्टमी व्रतम् [÷१ राहुः मूल ३ केतुः ४२
९	चं ४६ ३१ कृ २२ ४३ धु ३६ ३९ तै १७ ५	३७	२९	३१	२२	२२	१३	वृषे	पुन. शुक्रः २५।२५ गोगा ९
१०	मं ४३ ३२ रो २२ १८ व्या ३१ ५९ व १५ २	३३	२९	३१	२३	२३	१४	मि. ५३	भ. १५।२ उ. ४३।३२ या.
११	बु ३८ १७ मृ १९ ८ ह २५ ४९ ब १० ५५	३०	३०	३०	२४	२४	१५	मिथुने	अजा ११ व्रतम्
१२	गु ३१ २८ आ १५ ० व १८ १६ कौ ४ ५३	२६	३१	२९	२५	२५	१६	क. २९	मघा. सिंहेऽर्कः ३९ आर्द्रा. ३ गुरुः २३ वत्स *
१३	शु २३ १४ पु १० १९ सि २४ ४९ व २३ १४	२२	३२	२८	२६	२६	१७	कर्के	भ. २३ उ. ४८ या. मघा. सिंहेऽर्कः सौरः १४
१४	श १३ ४६ पु २३ ५२ व ४८ ४० श १३ ४६	१९	३२	२८	२७	२७	१८	सिं. ५५	पूफा. बुधः ३।१० [* १२ प्रदोषः
३०	र ३ ४७ म ४७ ४४ प ३७ ४७ ना ३ ४७	१५	३३	२७	२८	२८	१९	सिंहे	बुधोदयः पश्चिमायां ४२ कुशाग्रहणी मन्वा.

१८ पं.भा.कृ. ६ शु.इ. ४२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	२	२	१	२	३
२४	२५	२९	१२	१६	१९	१०	२३
१६	२७	२३	१३	४६	७	३	४४
३७	११	२०	५५	२३	१	१०	३५
५७	१७	८८	११	७१	४	३	५७
१३	१३	९५	२	१४	३२	११	२२

गोचर ग्रहाः

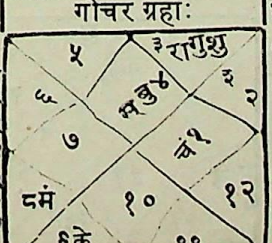

भाद्रपद कृष्णे १२ गुरौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा ४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

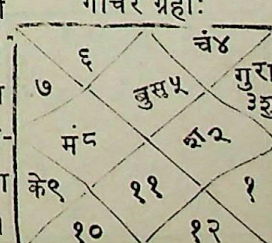

१९ पं.भा.कृ. १ शु.इ. ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	२	२	१	२	४
०	२७	१२	१३	२४	१९	९	०
५९	२५	४०	३४	५८	३७	४०	२६
५३	४६	५५	४१	१	४१	५४	४८
५७	२१	८८	११	७१	३	३	५७
४०	१३	४९	१६	४१	५४	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३						दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेहर्गणः ३४२४ सन् २००१
१	र ४६ ५८	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	
२	चं ४४ ५	पू ३६ ५८	शि २७ १	बा १८ ५५	३३ ५ ३६	२९ २६ २०	कं.५३।१७	चंद्रदर्शनम्		
३	मं ३५ २६	उ ३३ १३	सि १६ २४	तै ६ ४७	८ ३४ २६	३० १ २१	कन्यायां	जमादिलाखर ६ हरितालिका ३		
४	बु २८ १३	ह २७ ४०	सा १० ४७ ७ ५१	व १ ५१	४ ३५ २५	३१ २ २२	तु ५५।४७	भ.१।५१उ.२६ ३या.कर्के शुक्रः ०/४७ गणेश ४		
५	गु २२ ३६	चि २३ ५६	शु ५३ २४	बा २२ ३६	१ ३६ २४	१ ३ २३	तुलायां	रोहिणी४शनिः ३३ भा. भाद्रपदारंभः×		
६	शु १६ ०	स्वा २२ ८	ब्र ४७ १६	तै १६ ०	३३ ३७ २३	२ ४ २४	तुलायां	पुष्ये शुक्रः४७।२३मूले धनुषि भौमः १०		
७	श १७ २१	वि २१ ५६	ऐं ४३ ३७	व १७ २१	५३ ३७ २३	३ ५ २५	वृ.७।२	भ.१७।२१उ. ४७।३२या. उफा.बुधः ४ ३५		
८	र १७ ४२	अ २४ १	वै ४१ ३७	ब १७ ४२	४९ ३८ २२	४ ६ २६	वृश्चिके	[×ऋषिपंचमी		
९	चं १६ ४३	ज्ये २७ ३२	वि ४० ५६	कौ १६ ४३	४६ ३६ २१	५ ७ २७	ध.२७।३२	कन्यायां बुधः ४६।२०		
१०	मं २३ २०	मू ३२ ४७	प्री ४१ ३७	ग २३ ११	४२ ४० २०	६ ८ २८	धनुषि	श्र.५५।४८उ.रामदेवजीका मेला नवलदुर्गे		
११	बु २८ १७	पू ३८ ५२	आ ४२ २८	वि २८ १७	३८ ४० २०	७ ९ २९	म.५५।४०	भ.२८।१७या.जलझूलनी ११ व्र.		
१२	गु ३३ ४८	उ ४६ ३	सौ ४४ ४४	ब ० ५८	३४ ४१ १९	८ १० ३०	मकरे	पूफा.रविः२९।५१ वामन जयंती		
१३	शु ३९ ४६	श्र ५३ १५	शो ४६ ४९	कौ ६ ४५	३० ४२ १८	९ ११ ३१	मकरे	पूफा.रविःसौरः५।८ प्रदोषः		
१४	श ४६ ७	ध ६० ०	अ ४९ ११	ग १२ ५५	२६ ४३ १७	१० १२ १	कुं.२६।५९	भ.४६।७उ.सितम्बर ९ ता.३० अनंत १४		
१५	र ५२ ७	ध ० ४४	सु ५१ २९	वि १९ ७	२२ ४४ १६	११ १३ २	कुंभे	भ.१९।७या.महालयारंभःकु.सं.पूजनारंभः		

२० पं.भा.शु.६शु.इ. २४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	२	३	१	२	४
७	०	२४	१४	३	२०	९	७
४४	१२	४६	५०	१३	३	१८	१०
२०	३२	५५	५६	३४	५०	३९	१८
५७	२३	०	१०	७२	३	३	५७
४९	३१	५६	४०	२	२१	११	४५

गोचर ग्रहाः

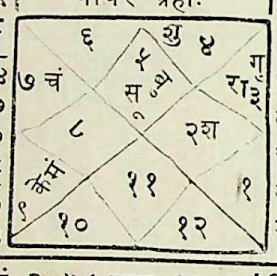

इस मास में सोना चांदी आदि धातुओं रुई पाट वारदाना में तेजी हो, धान्य चावल गेहूं बाजरा आदि में तेजी होकर मंदी हो, वर्षा भीहोवे

गोचर ग्रहाः

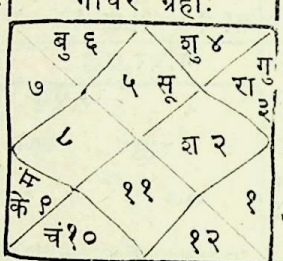

२१ पं.भा.शु.१३शु.इ. ४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	२	३	१	२	४
१४	३	५	१६	११	२०	८	१३
३०	११	४८	३	३२	२६	५६	५५
०	१३	१	५८	५६	२	२३	३०
५८	२६	९१	९	७२	२	३	५७
१	१२	५४	५६	२९	३७	११	५७

ति.	प्र. आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३						दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं ५७ ५६	श ८ ५	धृ ५३ ५०	बा २५ २	३१ ५ १६	१२ १४ ३	मी.५७	हस्ते बुधः २६।२४		
२	मं ६० ०	पू १४ २३	शू ५५ ४३	तै ३१ ३५	१५ ४५ १५	१३ १५ ४	मीने	आर्द्रा. ४ गुरुः २२।२४		
२	बु ३१४	उ २१ ४४	गं ५६ ५५	ग ३ १४	११ ४६ १४	१४ १६ ५	मीने	भ.३५।२८उ.आश्ले. शुक्रः १।३४		
३	गु ७ ४२	रे २७ ३८	वृ ५७ ३७	वि ७ ४२	७ ४७ १३	१५ १७ ६	मे.२७।३८	भ.७।४२या.चतुर्थी व्रतम्		
४	शु ११ १७	अ ३२ ३४	ध्रु ५७ ३६	बा ११ १७	३ ४७ १३	१ १८ ७	मेषे	[÷मघायां शुक्रः ०।१५		
५	श १३ ४५	भ ३६ २३	व्या ५६ ३४	तै १३ ४५	३९ ४८ १२	१७ १९ ८	वृ.५२।१			
६	र १५ १	कृ ३८ ५५	ह ५४ ३४	व १५ १	१५ ४९ ११	१८ २० ९	वृषे	भ.१५।१उ.४४।५८ या.		
७	चं १४ ५४	रो ४० ८	व ५१ २४	ब १४ ५४	५१ ५० १०	१९ २१ १०	वृषे			
८	मं १३ १४	मृ ३९ ३६	सि ४६ ४६	कौ १३ १४	४७ ५१ ९	२० २२ ११	मि. ९।५२	मातृ ९ सौभाग्यवतीनां श्राद्धम्		
९	बु ९ ५१	आ ३७ २५	व्य ४० १६	ग ९ ५१	४३ ५१ ९	२१ २३ १२	मिथुने	भ.३७।२२ उ.		
१०	गु ४ ५४	पु ३३ ४५	व ३३ ४१	वि ४ ५४	२९ ५२ ८	२२ २४ १३	क.१९।४०	भ.४।५४या.उफा.रविः १३ (सौरः ४९/४७) ×		
११	गु ५३ ३४	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	[×चित्राबुधः४२।२८इंदिरा११व्र.स्मार्ता.		
१२	शु ५० ३३	पु २८ ५७	प ५५ १९	कौ २४ ३०	३५ ५३ ७	२३ २५ १४	कर्के	इंदिरा ११ व्र. वै.		
१३	श ४१ ४५	श्ले २२ ३८	शि १४ ७	ग १६ ९	३१ ५४ ६	२४ २६ १५	सिं ३२	भ.४१।४५उ. प्रदोषः		
१४	र ३२ १७	म १५ २५	सि ४५ ४९ ३७	वि ७ १	२७ ५५ ५	२५ २७ १६	सिंहे	भ.७।१या.कन्यायामर्कः ३९।१७सिंहे÷		
३०	चं २२ ३२	पू ७ ४९	शु ४४ ३२	ना २२ ३२	२२ ५६ ४	२६ २८ १७	कं. २१	कन्यायामर्कःसौरः १८ सर्वपितृ ३० सोमवती		

२२ पं.प्र.आ.कृ.४शु.इ. ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	२	३	१	२	४
२१	६	१५	१७	१९	२०	८	२०
१७	३०	४३	१०	५८	४२	३४	४२
२	३६	३४	५२	१९	५४	७	१०
५८	२८	७९	९	७२	१	३	५८
१३	३७	३१	१७	५०	५६	११	१२

गोचर ग्रहाः

प्र. आश्विन कृष्णे १४ रवौकन्यायामर्कःप्रविष्टःवा. ४ न. ५ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

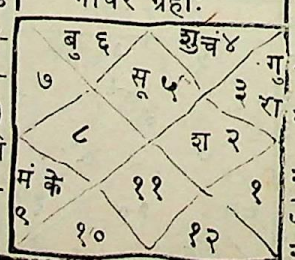

२३ पं.प्र.आ.कृ.१२शु.इ. ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	२	३	१	२	४
२८	१०	२४	१८	२८	२०	८	२७
५	८	२२	११	२४	५४	११	३०
२४	६	५६	४९	११	१४	५२	३०
५८	३०	६३	८	७३	१	३	५८
२६	२३	५२	२९	५	१७	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.प्र.आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४५३सन् २००१

१	मं	१३	१६	उ	२३	१७	शु	३४	१६	ब	१३	१६	३०	५५	६	२७	२६	१८
२	बु	५४	५३	चि	४८	६	ब्र	२४	५१	कौ	४	५३	१४	५७	३	२८	११	१६
३	गु	५२	५४	स्वा	४४	१९	ऐं	१६	२३	व	२५	२८	९	५८	२	२९	२२	०
४	शु	४९	४९	वि	४२	२२	वै	९	१३	ब	२१	२४	५	५९	१	३०	३	२१
५	श	४८	५४	अ	४२	३५	वि	३	५७	कौ	१९	२४	०	०	०	३१	४	२२
६	र	५०	९	ज्ये	४४	४८	प्री	३८	५७	ग	१९	३१	०	०	०	१	५	२३
७	चं	५३	१३	मू	४९	३	सो	५८	२६	वि	२१	४१	५३	२५	८	२	६	२४
८	मं	५७	४९	पू	५४	३८	शो	५८	५२	बा	२५	३४	४८	२५	८	३	७	२५
९	बु	६०	०	उ	६०	०	अ	६०	०	तै	३०	४६	४४	३	५७	४	८	२६
१०	गु	३	३८	उ	१	३४	अ	०	४५	ग	३	३८	४०	४	५६	५	९	२७
११	शु	९	३८	श्र	८	५९	सु	२	१७	वि	९	३८	३६	५	५५	६	१०	२८
१२	श	१६	२२	ध	१६	४६	धृ	५	२०	बा	१६	२२	३२	६	५४	७	११	२९
१३	र	२२	३७	श	२४	१३	शू	७	४७	तै	२२	३७	२८	६	५४	८	१२	३०
१४	चं	२८	१३	पू	३१	१३	गं	९	५०	व	२८	१३	३३	७	५३	९	१३	१
१५	मं	३३	४	उ	३७	२८	वृ	११	२९	वि	०	३८	१९	८	५२	१०	१४	२

चन्द्रः कन्यायां तु.२३ तुलायां वृ.२७।५१ वृश्चिके ध.४४।४८ धनुषि धनुषि म. ११२३ मकरे कुं.४२।५२ कुम्भे कुम्भे मी.३५ मीने

तुलायां बुधः २२।१७ चंद्रदर्शनम् × रज्जव ७ [× अधिकमासारंभः भ.३५ उ.५२ या. पूषा. भौमः ३२।३६

भ. ५०।९ उ. भा. आश्विनारंभः

भ. २१।४१ या.

हस्ते रविः ३३ पूफा. शुक्रः ५२ वक्री शनिः ४६

भ. ३६ उ. हस्ते रविः सौरः २७।२८

भ. ९।३८ या. कमला ११ व्रतम्

पुन. १ गुरुः १।२५ प्रदोषः

वक्री बुधः २०।५

भ. २८।१३ उ. अक्टूबर १० ता. ३१

भ. ०।३८ या.

२४पं.प्र.आ.शु.५शु.इ.४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	२	४	१	२	५
४	१३	२	१९	६	२१	७	४
५५	५७	२६	७	५४	१	४९	२०
१६	४	५३	२६	२९	१९	३६	३७
५८	३२	४४	७	७३	०	३	५८
३८	१९	१६	२४	२०	३८	११	४५

गोचर ग्रहा:

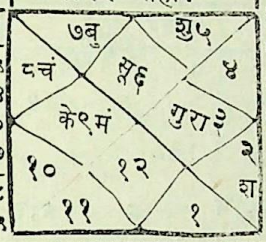

इस मास में मंगलवार का चंद्र दर्शन गेहूं जौ चना मटर गुड़ सक्कर चीनी सोना ताम्बा चांदी लोहा में तेजी करेगा।

गोचर ग्रहा:

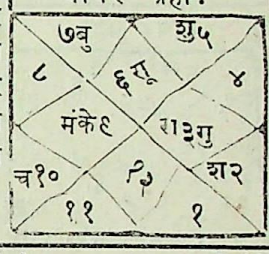

२५पं.प्र.आ.शु.११शु.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	२	४	१	२	५
११	१८	५	१९	१५	२१	७	११
४६	१	२९	५५	२७	२	२७	१२
५२	५	१३	२३	२९	३८	२१	३८
५८	३३	१३	६	७३	१४	३	५९
५३	३७	४६	२६	२९	व.	११	००

ति.द्वि.आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेप्र, आश्विनकृष्णेतिमहा.

१	बु	३६	५०	रे	४२	३९	धु	१२	२६	वा	४	५६	२९	५६	५५	११	१५	३
२	गु	३९	५३	अ	४७	३	व्या	१२	४२	तै	८	२२	११	१०	५०	१२	१६	४
३	शु	४१	३७	भ	५०	२९	ह	१२	६	व	१०	४५	७	११	४९	१३	१७	५
४	श	४२	२२	कृ	५२	५२	व	१०	४४	ब	११	५९	३	११	४९	१४	१८	६
५	र	४२	४	रो	५४	८	सि	८	२६	कौ	१२	९	२६	१२	४८	१५	१९	७
६	चं	४१	४९	मृ	५४	३०	व्य	५	१६	ग	११	५३	५५	१३	४७	१६	२०	८
७	मं	३८	१०	आ	५३	३२	व	२०	१५	वि	९	२५	५१	१४	४६	१७	२१	९
८	बु	३४	३७	पु	५१	३२	शि	५०	५१	बा	६	२३	४७	१५	४५	१८	२२	१०
९	गु	३०	१३	पु	४८	३१	सि	४४	५	तै	२	२५	४३	१५	४५	१९	२३	११
१०	शु	२३	५७	श्ले	४४	११	सा	३६	२९	वि	२३	५७	३९	१६	४४	२०	२४	१२
११	श	१७	२०	म	३८	५२	शु	२८	१०	बा	१७	२०	३५	१७	४३	२१	२५	१३
१२	र	९	३४	पू	३३	१३	शु	१९	८	तै	९	३४	३१	१८	४२	२२	२६	१४
१३	चं	१	२८	उ	२६	५६	व्र	३८	५९	व	१	२८	२७	१९	४१	२३	२७	१५
१४	चं	५१	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	मं	४५	०	ह	२०	४२	वै	४९	२९	च	१९	३	२३	१९	४१	२४	२८	१६

चन्द्रः मे.४३ मेषें मेषे वृ. ६।५ वृषे मि २४।१९ मिथुनें क.३७।२ कर्के सिं. ६१ सिंहे कं.४६।३८ कन्यायां तु.४७।४९

भ. १०।४५ उ. ४१।३७ या.

चतुर्थी व्रतम्

उषा. शुक्रः ४७ बुधास्तः पश्चिमायां ०।३

भ. ४१।४९ उ.

भ. ९।२५ या.

चित्रा. रविः ३४ (सौरः ५३) कन्यायां ×

भ. ५७ उ. वक्री कन्यायां बुधः ३९।२८

भ. २३।५७ या. उषा. भौमः ३९।०

मृगशिरा ४ राहुः मूल २ केतुः ३४ कमला ११ व्र.

प्रदोषः [× शुक्रः २९।२४

भ. १।२८ उ. २७।१७ या.

अधिकमास समाप्तिः

२६ पं.द्वि.आ.कृ.३शु इ.१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	२	४	१	२	५
१८	२२	३	२०	२४	२०	७	१८
४०	१६	५६	३६	३	५९	५	६
८	४८	३८	११	४०	२	५	२५
५९	३४	४४	५	७३	५३	३	५९
९	५०	व.	१७	४४	व.	११	१६

गोचर ग्रहा:

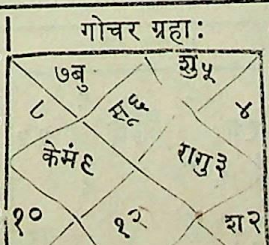

इस मास में धनराशि का मंगल, तृण घास रुई कपास वारदाना सोना चांदी आदि धातु तेज और चौपाया पशुओं को पीडा हो।

गोचर ग्रहा:

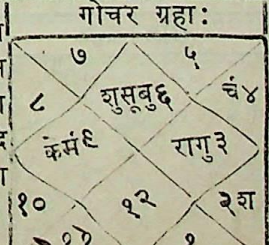

२७पं.द्वि.आ.कृ.१०शु.इ.५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	२	५	१	२	५
२५	२६	२८	२१	२२	२०	६	२५
३५	४१	३०	८	४१	४९	४२	०२
२	१०	२५	१७	५३	३०	४९	७
५९	३५	६२	४	७३	३९	३	५९
२१	५८	व.	७	५०	व.	११	३१

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. द्वि. आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३									दि. उ. अ.		भा. मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः ३४८२स.२००१
१	बु	३८	७	चि	१४	५६	वि.	४१	३३	किं	११	३३	२८ ३० ६ ४०	२५ २९ १७	तुलायां	तुलायांमर्कः८।१७ सौर:४०।४६) वक्री×
२	गु	३२	१८	खा	१०	१४	प्री	३३	४४	बा	५	१२	१६ २१ ३९	२६ ३० १८	वृ.५२।४९	हस्ते शुक्रः३३।४१चंद्रदर्शनम्
३	शु	२८	१९	वि	७	१	आ	२५	४९	ग	२८	१९	१२ २२ ३८	२७ १ १९	वृश्चिके	भ.५६।५४उ.सावान ८
४	श	२६	२८	अ	५	४५	सौ	२१	५४	वि	२६	२८	८ २२ ३८	२८ २ २०	वृश्चिके	भ.२६।२८या.बुधोदयः पूर्वस्यां२७।१२
५	र	२६	३२	ज्ये	६	२९	शो	१८	३४	बा	२६	३२	४ २३ ३७	२९ ३ २१	ध.६।२९	[×हस्ते बुधः ३९ मकरेभौमः ४१ A
६	चं	२८	४९	मू	९	१३	अ	१७	८	तै	२८	४९	० २४ ३६	३० ४ २२	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम्[Aनवरात्रारंभःघटस्था
७	मं	३२	२६	पू	१३	४५	सु	१६	४४	ग	०	३८	५६ २५ ३५	१ ५ २३	म३०।१४	भ. ३२ उ.स्वात्यांरविः ५९ मार्गी बुधः ४३ ÷
८	बु	३८	१०	उ	१९	४१	धृ	१७	३०	वि	५	१८	५३ २५ ३५	२ ६ २४	मकरे	भ.५।१८या.स्वात्यां रविःसौर:२१।४९B
९	गु	४४	१६	श्र	२६	५३	शू	१९	२३	बा	११	१३	४९ २६ ३४	३ ७ २५	मकरे	सरस्वती विसर्जनम् [Bबलिदानम्
१०	शु	५०	५१	ध	३४	२४	गं	२१	३३	तै	१७	३३	४५ २७ ३३	४ ८ २६	कुं.०।३८	विजयादशमी [Cका.स्ना.प्रा.
११	श	५७	२	श	४२	२	बृ	२४	०	व	२३	५६	४१ २८ ३२	५ ९ २७	कुंभे	भ.२३।५६उ.५७।२या.पापांकुशा११.व्र.
१२	र	६०	०	पू	४९	७	ध्रु	२६	९	व	२९	४९	३७ २९ ३१	६ १० २८	मी. ३२	[÷भा.कार्तिकारंभः सरस्वतीपूजनम्
१२	चं	२	४८	उ	५५	३३	व्या	२७	५२	बा	२	४८	३४ २९ ३१	७ ११ २९	मीने	चित्रा बुधः १३ चित्रायांशुक्रः १८ प्रदोषः
१३	मं	७	३१	रे	६०	०	ह	२८	३८	त	७	३१	३० ३० ३०	८ १२ ३०	मीने	[+३७।२०शरद् १५कोजागरी व्र.
१४	बु	१०	२५	रे	०	१७	व	२८	२५	व	१०	२५	२७ ३१ २९	९ १३ ३१	मे.०।१७	भ. १५ उ. ४१ या.वक्री रोहिणी.३शनिः+
१५	गु	१२	४३	अ	३	५२	सि	२७	१८	व	१२	४३	२३ ३१ २९	१० १४ १	मेषे	श्रवणे भौमः४०।८नवम्बर ११ता.३०C

२८पं.द्वि.आ.शु.३ शु.इ.४०।७							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	५	२	५	१	२	६
२	१	२१	२१	११	२०	६	१
२१	१३	३	३१	२२	३५	२०	५९
२६	३७	१४	४८	४१	१७	३४	३४
५९	३६	५६	२	७	१	३	५९
३४	५९	व.	५७	५६	ञ:	११	४६

गोचर ग्रहाः

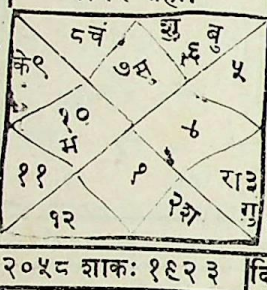

द्वि. आश्वि. शुक्ले १ बुधे तुलायामर्कः प्रविष्टःवा.४न.४ प्रव्राजिकावस्था(ऊभी)मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

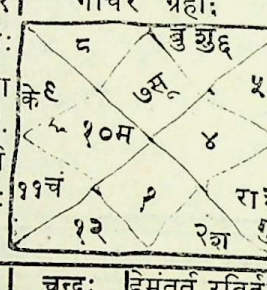

२९पं.द्वि.आ.शु.१०शु.इ.४०।९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	५	२	५	१	२	६
९	५	२१	२१	२०	२०	५	८
२९	५३	२७	४४	५	१६	५८	५८
४२	३५	५८	४६	२४	१२	१८	५४
५९	३७	४९	१	७	५३	३	६०
४७	५२	मा.	२९	२	व.	११	२

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३									दि. उ. अ.		भा. मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे द्वि. आ. कृष्णेति महा.:
१	शु	१३	३८	भ	६	५६	व्य	२५	१६	कौ	१३	३८	२७ १९ ३२ २८	११ १५ २	वृ.२२।१९	
२	श	१३	१८	कृ	८	३१	व	२२	८	ग	१३	१८	१६ ३३ २७	१२ १६ ३	वृषे	भ. ४२ उ.तुलायां बुधः४३।३०तुलायां×
३	र	११	५८	रो	८	५६	प	१८	१६	वि	११	५८	१२ ३४ २६	१३ १७ ४	मि३८।४१	भ.११।५८या.वक्री गुरुः १९ करक४व्र.
४	चं	९	३७	मृ	८	२६	शि	१३	४३	बा	९	३७	९ ३४ २६	१४ १८ ५	मिथुने	[×शुक्रः३६।४९
५	मं	६	३२	आ	७	१३	सि	८	३४	तै	६	३२	५ ३५ २५	१५ १९ ६	क.५०।५४	विशा.रवि.१०।४८(सौर:३९।१३)
६	बु	३	४६	पु	५	२६	सा	२९ ३५	१३	व	३	४६	२ ३६ २४	१६ २० ७	कर्के	भ.३।४६उ. ३१।३३या.
७	बु	५५	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०	[Aयमदीपदानम्
८	गु	५४	१६	पु	३	३२	शु	४९	५६	ब्रा	२६	४८	२८ ३६ २४	१७ २१ ८	कर्के	स्वात्यांबुधः१०।६स्वात्यांशुक्रः५५।२६
९	शु	४९	०	श्ले	२८	५५	ब्र	४२	५२	तै	२१	३८	५५ ३७ २३	१८ २२ ९	सिं.०।२८	[B निमित्तदीपदानम्
१०	श	४३	१८	पू	५२	२३	ऐं	३५	१५	व	१६	९	५२ ३८ २२	१९ २३ १०	सिंहे	भ.१६।९उ.४३।१८या.
११	र	३६	५७	उ	४८	०१	वै	२७	२४	ब	१०	८	४९ ३८ २२	२० २४ ११	कं.६।३२	रमा११व्रतम्
१२	चं	३०	४५	ह	४३	३५	वि	१९	८	कौ	३	५२	४५ ३९ २१	२१ २५ १२	कन्यायां	बुधास्तः पूर्वस्यां २६।२० धन १३A
१३	मं	२४	४७	चि	३९	२१	प्री	११	३	व	२४	४७	४२ ४० २०	२२ २६ १३	तु.११।२८	भ.२४।४७उ.५१।५०या.प्रदोषःरूप१४ B
१४	बु	१८	५२	खा	३५	२३	आ	३ ५८	२२	श	१८	५२	३९ ४० २०	२३ २७ १४	तुलायां	रूप १४ निमित्तप्रभातस्नानं महाC
३०	गु	१२	३६	वि	३२	१७	शो	४९	१	ना	१२	३६	३६ ४१ १९	२४ २८ १५	वृ. १८।४	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा [Cलक्ष्मीपूजा

३०पं.का.कृ.१शु.इ.४०।२५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	५	२	५	१	२	६
१६	१०	२८	२१	२८	१९	५	१५
२९	३८	३५	५०	५०	५२	३६	५९
२८	३८	२४	३१	२०	४१	३	५८
६०	३८	८०	०	७४	३४	३	६०
४	२७	२८	२२	८	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

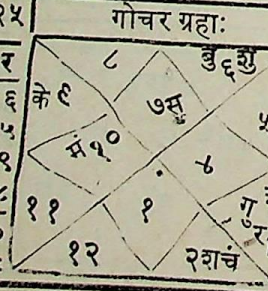

कार्तिक शुक्ले १ शुक्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा:३न३.बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

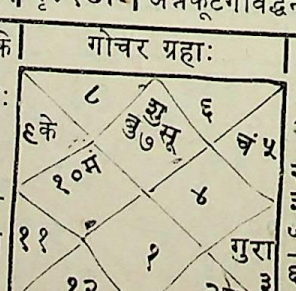

३१पं.का.कृ.९शु.इ. ४०।१३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	२	६	१	२	६
२३	१५	८	२१	७	१९	५	२०
३०	२८	५९	४५	३५	२५	१३	०२
५०	३७	५३	४३	२४	५२	४७	३३
६०	३८	९३	१	७४	५	३	६०
१७	५५	८	व.	१४	व.	११	३०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३						दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	शु	९	४६	अ	३०	३१	अ	४३	२३	ब	९	४६	२६ ३ ४१ ५ १९	२५	२९	१६	वृश्चिके
२	श	७	४१	ज्ये	३०	३५	सु	३९	१६	कौ	७	४१	३०	४२	१८	२६	१	१७	ध.
३	र	७	२०	मू	३२	५७	धृ	३६	३४	ग	७	२०	२७	४३	१७	२७	२	१८	धनुषि
४	चं	९	१	पू	३५	३८	शू	३५	९	वि	९	१	२५	४३	१७	२८	३	१९	म.
५	मं	११	५६	उ	४०	४४	गं	३५	८	बा	११	५६	२२	४४	१६	२९	४	२०	मकरे
६	बु	१७	१४	श्र	४७	१२	बृ	३६	२५	तै	१७	१४	१९	४४	१६	३०	५	२१	मकरे
७	गु	२२	५६	ध	५४	२५	ध्रु	३८	५	व	२२	५६	१७	४५	१५	१	६	२२	कुं.
८	शु	२९	१	श	६०	०	व्या	४०	२२	ब	२९	१	१४	४५	१५	२	७	२३	कुंभे
९	श	३५	५८	श	१	५७	ह	४२	४६	बा	२	२९	१२	४६	१४	३	८	२४	मी.
१०	र	४१	५४	पू	९	१९	व	४४	३५	तै	८	५६	९	४६	१४	४	९	२५	मीने
११	चं	४६	३३	उ	१५	५७	सि	४५	३८	व	१४	१३	७	४७	१३	५	१०	२६	मीने
१२	मं	४९	५६	रे	२१	२८	व्य	४५	३८	व	१८	१४	५	४७	१३	६	११	२७	मे.
१३	बु	५१	४३	अ	२४	५३	व	४३	५०	कौ	२०	४९	२	४८	१२	७	१२	२८	मेषे
१४	शु	५१	४९	भ	२७	४३	प	४१	५४	ग	२१	४६	०	४८	१२	८	१३	२९	वृ.
१५	शु	५०	१९	कृ	२८	२५	शि	३८	१४	वि	२१	४ ३५ ८	४८	१२	९	१४	३०	वृषे

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३५१२स. २००१

वृश्चिकेऽर्कः ६/५० (सौरः ३/३०) विशा. बुधः×
रमजान ९ भ्रातृ २ यम २
भ ३/४८ उ. [×३/४ चंद्रदर्शनसंभवः
भ. ९।१या. अनु. रविः २५/१० (सौरः ५०/१८) ÷
धनि. भौमः ३/९ [÷विशा. शुक्रः ३५।५४
[Aतुलसी विवाहः
भ. २२ उ. ५५/९ या. वृश्चिके बुधः ५४/११ +
गोपाष्टमी [+भा. मार्गशीर्षारंभः
अनु. बुधः ५०।२ अक्षय ९
[Bका. स्ना. पूर्तिः
भ. १४ उ. ३६/३ या. प्रबोधिनी ११ व्र. A
वृश्चिके शुक्रः २८/हरिवासरः ३१/या.
प्रदोषः
भ. ५१।४९ उ. वैकुंठ १४
भ. २१/४ या. अनु. शुक्रः ९/१७ कुंभे भौमः ४।७B

३२पं.का.शु.१शु.इ.४०।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	२	६	१	२	७
०	२०	२०	२१	१६	१८	४	०
३३	२३	८	३१	२२	५४	५१	६
२९	२४	३१	८	५	५८	३१	३७
६०	३९	९७	३/७	७४	१/४	३	६०
३०	३५	४१	व.	२०	व.	११	४०

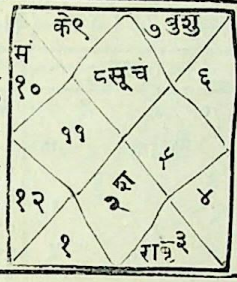

३३पं.का.शु.८शु.इ.३९।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	२	६	१	२	७
७	२५	१	२१	२५	१८	४	७
३७	२१	१८	६	९	२२	२९	१२
२६	४७	४३	३८	२२	८	१६	१०
६०	३९	०/९	५/३	७४	३/४	३	६०
४२	५४	३५	व.	२६	व.	११	५३

३४ पं.का.शु.१५शु. इ. ३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	२	७	१	२	७
१४	०	१२	२०	३	१७	४	१४
४२	२३	२४	३३	५७	४८	७	२०
४०	४२	५०	११	३६	४	०	५६
६०	४०	९९	५	७४	४/०	३	६१
५०	१६	११	व.	२६	व.	११	३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३						दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः
१	श	४७	३५	रो	२७	५४	सि	३३	३१	बा	१८	५७	२५ ६ ४९ ५ १९	१०	१५	१	मि.
२	र	४३	५५	मृ	२५	५२	सा	२६	४६	तै	१७	४५	५४	४९	११	११	१६	२	मिथुने
३	चं	३९	२०	आ	२३	४०	शु	२१	२८	व	११	३७	५३	४९	११	१२	१७	३	मिथुने
४	मं	३४	२२	पु	२०	३१	शु	१४	३५	ब	६	५०	५१	५०	१०	१३	१८	४	क.
५	बु	२९	५०	पु	१७	११	ब्र	७	३३	कौ	२	६	४९	५०	१०	१४	१९	५	कर्के
६	गु	२४	१७	श्ले	१३	५३	ऐं	०/१	५४/५७	व	२४	१७	४७	५१	९	१५	२०	६	सिं.
७	शु	१९	९	म	१०	२५	वि	४५	४६	ब	१९	९	४६	५१	९	१६	२१	७	सिंहे
८	श	१४	२४	पू	७	६	प्री	३८	४१	कौ	१४	२४	४५	५१	९	१७	२२	८	कं.
९	र	९	१७	उ	३	५२	आ	३१	३३	ग	९	१७	४४	५१	९	१८	२३	९	कन्यायां
१०	चं	४	३४	ह	३/०	५६/१३	सौ	२५	४३	वि	४	३४	४३	५१	९	१९	२४	१०	तु.
११	मं	०	५	स्वा	५५	२०	शो	१८	६	बा	०	५	४२	५२	८	२०	२५	११	तुलायां
१२	मं	५५	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	बु	५२	४२	वि	५३	४५	अ	११	३०	ग	२४	१२	४१	५२	८	२१	२६	१२	वृ.
१४	गु	४९	५६	अ	५२	४३	सु	५	२०	वि	२१	१९	४०	५२	८	२२	२७	१३	वृश्चिके
३०	शु	४८	४७	ज्ये	५३	११	धृ	१/७	५६/५	च	१९	२२	३९	५२	८	२३	२८	१४	ध.

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेकार्तिककृष्णेतिमहाराः

दिसम्बर १२ ता. ३१
ज्येष्ठा. रविः ३५।१७ (सौरः ५८।१२)
भ. १/३७ उ. ३/९ या. ज्येष्ठायां बुधः १३।५७
चतुर्थी व्र.
भ. २४।१७ उ. ५१/३ या. वक्री आर्द्रा. ४ गुरुः १/४
भ. ३६।५५ उ. शते भौमः २७।१२
भ. ३/४ या. मूले धनुषि बुधः ३६/५ ज्येष्ठा×
उत्पत्ति ११ व्र.
×शुक्रः ३१।४३
भ. ५२।४२ उ. प्रदोषः
भ. २१।१९ या.
वक्री रोहिणी २ शनिः ३०:२७

३५ पं.मा.कृ.७शु.इ. ३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	२	७	१	२	७
२१	५	२३	१९	१२	१७	३	२१
४८	२६	२३	५	४६	१३	४४	२६
४३	२६	२४	२	१२	२३	४५	४०
६०	४०	९९	५	७४	४/०	३	६१
५६	४७	३२	व.	२६	व.	११	११

गोचर ग्रहाः

इस मास के आरंभ में धान्य गल्ला सोना चांदी आदि धातु रस में मंदी होकर तेजी हो सुदि में रुई में घटाबढी होवे .

गोचर ग्रहाः

३६पं.मा.कृ.३०शु.इ. ३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	२	७	१	२	७
२८	१०	४	१९	२१	१६	३	२८
५५	३१	२८	४	३४	३९	२२	३५
३७	१	४४	२३	५	२१	२९	२३
६१	४१	९९	५/६	७४	२/८	३	६१
०	१	४	व.	३२	व.	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३						दि. उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविदक्षिणेऽहर्गणः ३५४१स.२००१
१	श	४८	४३	मू	५४	३८	गं	५४	२५	किं	१८	४३	३९ ५३ ६ ५ ८	२४ २९ १५	धनुषि	मूलेधनुष्यर्कः ४३ मृगशिरा. ३राहुःमूल.×
२	र	५०	२८	पू	५७	५०	बृ	५३	२	बृ	१९	३५	२८ ५२ ८	२५ ३० १६	धनुषि	मूले धनुष्यर्कः सौरः२।२चंद्र दर्शनम्
३	चं	५३	४१	उ	६०	०	ध्रु	५२	१६	तै	२०	४	२८ ५२ ८	२६ १ १७	म १३।५९	सव्वाल १०
४	मं	५८	२३	उ	२	२४	व्या	५२	४४	व	२९	२	२७ ५३ ७	२७ २ १८	मकरे	भ.२६।२ उ.५८।२३या.
५	बु	६०	०	श्र	८	२३	ह	५४	६	ब	३१	१०	२७ ५३ ७	२८ ३ १९	कुं.४१।४५	पूषा.बुधः १७।३९
५	गु	३	५६	ध	१५	७	व	५६	१३	बा	३	५६	२६ ५३ ७	२९ ४ २०	कुम्भे	
६	शु	१०	२२	श	२२	३५	सि	५८	३५	तै	१०	२२	२६ ५३ ७	३० ५ २१	कुम्भे	मूले धनुषि शुक्रः ३२ शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ३९ ३४
७	श	१७	०	पू	३०	११	व्य	६०	०	व	१७	०	२६ ५३ ७	१ ६ २२	मी १३।१७	भ.१७।०उ.५०।२या.भा पौषारंभः
८	र	२३	३	उ	३७	२६	व्य	०४	४	ब	२३	२	२६ ५३ ७	२ ७ २३	मीन	
९	चं	२८	२५	रे	४३	२९	व	२	२३	कौ	२८	२५	२७ ५३ ७	३ ८ २४	मे.४३।२९	[×१केतुः २५।५९
१०	मं	३२	९	अ	४८	१२	प	३	३७	तै	०	१७	२७ ५३ ७	४ ९ २५	मेषे	
११	बु	३३	१९	भ	५१	२०	शि	३	३२	व	२	४४	२७ ५३ ७	५ १० २६	मेषे	भ.२४ उ.३१ या.मोक्षदा ११व्र. गीताजयंती
१२	गु	३४	३४	कृ	५२	२८	सि	२९ ३५	५६	व	३	५६	२८ ५२ ८	६ ११ २७	वृ ७।१	पूभा.भौमः ३८ बुधोदयःपश्चिमायां४८।०
१३	शु	३२	५१	रो	५१	५२	शु	५१	५	कौ	३	४२	२८ ५२ ८	७ १२ २८	वृषे	पूषा.रविः४७।३२उषाबुधः ३९ प्रदोषः
१४	श	२९	२३	मृ	४९	२२	शु	४५	५७	ग	१	७	२९ ५२ ८	८ १३ २९	मि. ३०	भ.३९ उ.५५ या.पूषा.रविः सौरः३।४०
१५	र	२५	२६	आ	४५	४२	ब्र	३८	३८	ब	२५	२६	४० ५२ ८	९ १४ ३०	मिथुने	मकरे बुधः ४३।१० दत्तजयंती

३७पं.मा.शु.६शु.इ.३९।२							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	२	८	१	२	८
६	१५	१५	१८	०	१६	३	५
३	२५	३३	११	२२	७	०	४४
१४	४९	३२	२०	५९	१	१३	४८
६१	४०	९८	४०	७४	१०	३	६१
४	५१	२६	व.	३२	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

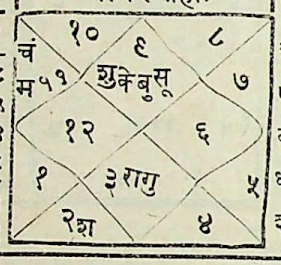

मार्गशीर्ष शुक्ले १ शनौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. २ न.३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

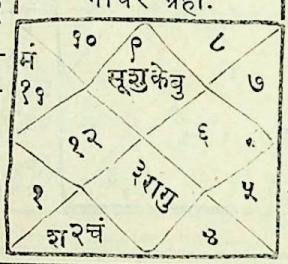

३८पं.मा.शु.१३शु.इ.५३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	२	८	१	२	८
१३	२०	२६	१७	९	१५	२	१२
११	४१	४०	१५	११	२७	३	५४
१३	४२	५५	४३	२०	८	५८	४०
६१	४१	९६	५३	७४	३	३	६१
६	१०	७	व.	३२	व.	११	२६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३						दि. उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेत्ति महाः
१	चं	१९	२९	पु	४१	५२	ऐं	३०	२९	कौ	१९	२९	४५ ५३ ६ ५ ८	१० १५ ३१	क.२७।४९	पूषा.शुक्रः५९।४
२	मं	१२	९	पु	३६	५०	वै	२१	२५	ग	१२	९	४३ ५२ ८	११ १६ १	कर्के	भ.३९ उ.जनवरी१ ता.३१सन्२००२ई.
३	बु	५	२९	श्ले	३०	५९	वि	१३	५	वि	५	२९	४३ ५१ ९	१२ १७ २	सिं. ५९	भ.५।२९या.वक्री आर्द्रा.३गुरुः ९० च.व्र.
४	बु	५१	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	
५	गु	५०	३८	म	२६	७	प्री	३८ ४५	५१	कौ	२४	१४	४४ ५१ ९	१३ १८ ३	सिंहे	
६	शु	४५	५२	पू	२१	३८	सौ	४८	२५	ग	१८	१४	४५ ५१ ९	१४ १९ ४	कं.३५।४०	भ.४५।५२उ.
७	श	४०	४०	उ	१७	४५	शो	४०	५६	वि	१३	१५	४७ ५१ ९	१५ २० ५	कन्यायां	भ.१३।१५या.
८	र	३६	१३	ह	१४	५९	अ	३४	१५	बा	८	२६	४८ ५० १०	१६ २१ ६	तु.४३।८	श्रवणे बुधः२३।८
९	चं	३२	२८	चि	१२	१६	सु	२८	१०	तै	४	२०	५० ५० १०	१७ २२ ७	तुलायां	
१०	मं	२९	४१	स्वा	१०	५३	धृ	२२	५३	व	१	४	५३ ५० १०	१८ २३ ८	वृ.५५।२४	भ.१।४ उ.२९।४१या.
११	बु	२७	४१	वि	१०	१४	शू	१८	१२	बा	२७	४१	५३ ४९ ११	१९ २४ ९	वृश्चिके	सफला ११ व्रतम्
१२	गु	२६	३६	अ	१०	१८	गं	१४	१२	तै	२६	३६	५५ ४९ ११	२० २५ १०	वृश्चिके	उषा.रविः५२।१७मीने भौमः २०।११
१३	शु	२६	४३	ज्ये	११	३५	बृ	११	४	व	२६	४३	५७ ४९ ११	२१ २६ ११	ध.११।३५	भ.२६।४३उ.५७।२२या.उषा.रविः×
१४	श	२८	१	मू	१३	५३	धु	८	४४	श	२८	१	५९ ४८ १२	२२ २७ १२	धनुषि	[×सौरः५।७उषा.शुक्रः३२।२ प्रदोषः
३०	र	३०	११	पू	१७	३७	व्या	७	४६	ना	३०	११	२९ ४८ १२	२३ २८ १३	म.३३।४७	

३९पं.पौ.कृ. ६शु.इ.३८।४८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	२	८	१	२	८
२०	२५	७	१६	१७	१५	२	२०
१९	४६	२७	१९	५८	१०	१५	४
२६	४८	२९	१६	५२	१९	४२	३७
६१	४१	८७	५२	७४	२४	३	६१
६	१७	४३	व.	४४	व.	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में जौ चावल बाजरा मूंग मोठ तिलहन मटर मंदे होवें प्रजा में सुख शान्ति रहे सुदि १५के आसपास तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

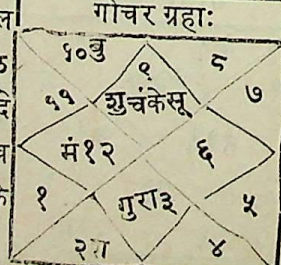

४०पं.पौ.कृ.१३शु.इ.४९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	२	८	१	२	८
२७	०	१६	१५	२६	१४	१	२७
२७	५४	३२	२३	४८	४७	५३	१४
२२	४	४६	१०	२२	५६	२७	२९
६१	४१	७	४०	७४	४३	३	६१
६	१७	४०	व.	३८	व.	११	२४

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३५७१स.२००२
१	चं	३	४	३	उ	२	२	१	ह	७	५	किं	१	५५	२६	४ ४७ ६ १३ ५	२४	२	९	१४	मकरे	मकरेऽर्कः ८।४१ (सौरः ३९४) मकरेशुक्रः ५१२०
२	मं	३	८	२	१	श्र	२	८	१	व	७	३	५	बा	६	७	६	४	७	१३	२	५	३	०	१	५	मकरे	उभा.भौमः ९।४० चंद्रदर्शनम्
३	बु	४	४	८	ध	३	४	४	३	स	८	५	५	तै	११	२	०	८	४	६	१४	२	६	१	१	६	कुं. १।५६	जिल्काद ११
४	गु	५	०	३	०	श	४	२	७	व्य	१	०	३	५	व	१७	१	९	११	४	६	१४	२	७	२	१	७	कुंभे	भ.१७।१९ उ.५०।३० या.
५	शु	५	७	१	२	पू	४	९	४	२	व	१	२	२	९	ब	२	३	२	१	१३	४	५	१	५	२	८	३	१	८	मी. ३५८	[÷४०।५८ भा.माघारंभः
६	श	६	०	०	उ	५	७	२	१	प	१	५	१	२	कौ	३	०	२	२	१६	४	५	१	५	२	९	४	१	९	मीने	वक्री बुधः २।१३
६	र	३	३	२	र	६	०	०	शि	१	७	१	६	तै	३	३	२	१	९	४	४	१	६	३	०	५	२	०	मीने	अभि.प्र.रविः ४१।२१ (सौरः ५१।५५)
७	चं	९	२	२	रे	४	१	३	सि	१	८	५	४	व	९	२	२	१	४	४	१	६	१	६	२	१	मे. ४।१३	भ ९।२२ उ. ४९ या. बुधास्तः पश्चिमायां÷
८	मं	१	३	५	२	अ	५	५	८	सा	१	९	१	७	ब	१	३	५	२	२	४	३	१	७	२	२	मेषे	श्रवणे शुक्रः १०।३५
९	बु	१	६	५	६	भ	१	४	२	५	शु	१	८	९	कौ	१	६	५	६	२	७	४	३	१	७	३	२	३	वृ. २९ ४५	श्रवणे रविः ५७।४८
१०	गु	१	८	८	कृ	१	६	४	७	शु	१	६	१	९	ग	१	८	८	२	९	४	२	१	८	४	९	१	४	वृषे	भ.४७ उ.श्रवणे रविः सौरः ७।५१ अभि.×
११	शु	१	७	५	रो	१	७	१	०	व्र	१	२	१	३	वि	१	७	५	३	२	४	२	१	८	५	१	०	२	मि. ४६	भ. १७।५ या. अभि. नि. रविः सौरः A
१२	श	१	४	०	मृ	१	५	३	८	ऐं	४	१	५	२	बा	१	४	०	३	५	४	१	१	६	११	२	६	मिथुने	प्रदोषः [A०।८ पुत्रदा ११ व्र.
१३	र	९	७	आ	१	२	५	वि	५	१	१	४	तै	९	७	३	८	४	०	२	०	७	१	२	२	७	क ५२।४९	[×नि. रविः ५०।३
१४	चं	२	२	८	पु	७	२	प्री	४	१	५	३	व	२	२	८	४	१	२	०	८	१	३	२	८	कर्के	भ.२।२८ उ. २८।३७ या.
१५	चं	५	२	१	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

४१ पं. पौ. शु. ५ शु. इ ३९४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	२	९	१	२	९
४	५	२०	१४	५	१४	१	४
३५	५९	३६	३०	३६	३०	३१	२३
१३	१७	४	३६	२९	०	११	५८
६१	४१	४	५९	७४	३८	३	६१
३	२६	४८	व.	३८	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

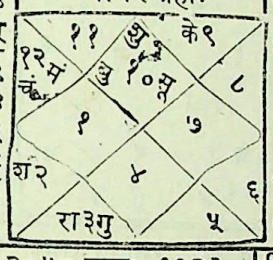

पौषशुक्ले १ चंद्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४२ पं.पौ.शु ११ शु.इ ३९८७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	३	२	९	१	२	९
११	११	१६	१२	१४	१४	१	११
४२	३	१४	४३	२४	१६	८	३२
४०	२९	३१	५	५४	३४	५५	४९
६०	४१	८१ ४	९ १०	७४	१ २६	३	६१
५९	१४	व.	व:	३८	व:	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेतिमहा.
१	मं	४	६	५	६	पु	०	५	५ ३९	आ	३	१	५	९	बा	२	०	५१	२६ ४५ ३६ २१ ५	९	१४	२९	सिं ५४।२१	वक्रीआर्द्रा. २ गुरुः ११।११
२	बु	३	७	३	९	म	४	७	२	८	सौ	२	१	४	७	तै	१	२	१७	४८	३	८	२२	१	०	१५	३०	सिंहे	वक्री उषा.बुधः ४९।९
३	गु	२	९	२	०	पू	४	१	१	शो	११	५	१	व	३	२	९	५१	३	८	२२	११	१	६	३	१	कं. ५४ ३५	भ.३।२९ उ.३९।२०या. चतुर्थीव्र.
४	शु	२	१	२	८	उ	३	५	१	६	अ	१८	५	५१	बा	२	१	२	८	५४	३	७	२३	१	२	१	१	कन्यायां	धनि.शुक्रः ४५।४७ फरवरी २ ता.२८
५	श	१	४	३	८	ह	३	०	४	८	धृ	४	५	१	८	तै	१	४	३	८	५	८	३	६	२	४	१	३	१	८	२	तु.५९।५	रेवत्यांभौमः २४।३९ बुधोदयः पूर्वस्यां×
६	र	९	०	चि	२	७	२	३	शू	३	८	१	९	व	९	०	२७ १	३	६	२	४	१	४	१	९	३	तुलायां	भ.९।०उ.३६।४९या. [×३९।३३
७	चं	४	३	८	स्वा	२	५	१	गं	३	२	२	९	ब	४	३	८	५	३	५	२	५	१	५	२	०	४	तुलायां	[Bशतेशुक्रः २२।५
८	मं	२	८	वि	२	४	१	४	वृ	२	७	४	७	कौ	२	८	८	३	४	२	६	१	६	२	१	५	वृ. ९।२६	[A५८।१२ षट्तिला ११ व्र.स्मा.
९	बु	०	३	अ	२	४	४	४	धु	२	४	८	ग	०	३	१	२	४	२	६	१	७	२	२	६	वृश्चिके	भ.२९।५२ उ.५९।४०या. धनि.रविः ÷
१०	बु	५	९	३	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷६।६ (सौरः १३।४१)
११	गु	६	०	०	ज्ये	२	६	४	०	व्या	२	१	४	१	ब	३	०	१	३	१५	३	३	२	७	१	८	२	३	६	ध. २९ ४०	कुंभेशुक्रः ३।३६ शुक्रोदयः पश्चिमायां A
११	शु	०	४	७	मू	२	९	५	०	ह	१	९	५	६	बा	०	४	७	१	९	३	२	२	८	१	९	२	४	८	धनुषि	मार्गीशनिः २७।५ षट्तिला ११ व्र.वै.
१२	श	३	२	८	पू	३	४	२	व	१	९	२	३	तै	३	२	८	२	३	३	१	२	९	२	०	२	५	०	१	०	म. ५०।२०	मार्गीबुधः ३९।४९ प्रदोषः
१३	र	६	१	५	उ	३	९	१	४	सि	१	९	३	१	व	६	१	५	२	७	३	१	२	९	२	१	२	६	१	०	मकरे	भ.६।१५ उ.३८।२१ या.
१४	चं	१	०	२	७	श्र	४	५	२	७	व्य	२	०	९	श	१	०	२	७	३	०	३	०	३	२२	२	७	११	मकरे	
२०	मं	१	५	५	१	ध	५	२	१	६	व	२	१	४	६	ना	१	५	५	१	२४	२	९	३	१	२३	२	८	१	२	कुं. ५९	कुंभेऽर्कः ४१।२२ (सौरः ४७।३९) B

४३ पं.मा.कृ. ४ शु.इ. ३९८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	२	९	१	२	९
१८	१६	७	१३	२३	१४	०	१८
४९	८	५८	२	११	८	४६	४०
१६	३१	८	२४	२८	४२	४०	५३
६०	४१	६६ ३०	५	७४	३०	३	६१
५५	१९	व.	व.	३२	व:	११	४

गोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे ३० भौमे कुंभेऽर्क प्रविष्टः वा. २ न. ३ प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४४ पं.मा कृ.११ शु.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	२	१०	१	२	९
२५	२१	४	१२	१	१२४	०	२५
२५	१२	४१	२९	५८	७	२४	४७
१	२५	२०	३५	३७	३४	२४	४०
६०	४१	५ ४०	५३	७४	१ ०	३	६०
४७	१३	व:	व:	३२	मा.	११	५५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३									दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३६०१स.२००२
१	बु	२१	२२	श	५९	२९	प	२२	४८	ब	२१	२२	३७	२८	३२	२४	२९	१३	कुंभे
२	गु	२७	४९	पू	६०	०	शि	२५	४६	कौ	२७	४९	४१	२८	३२	२५	३०	१४	मी.५०	चंद्रदर्शनम्
३	शु	३४	२६	पू	७	३	सि	२८	८	तै	१	८	४५	२७	३३	२६	११	१५	मीने	जिल्हेज १२
४	श	४०	४९	उ	१४	४२	सा	३०	१८	व	७	३७	४९	२६	३४	२७	२	१६	मीने	भ.७।३७उ.४०।४९या.मृग.२वृषे राहुः×
५	र	४६	४६	रे	२२	६	शु	३२	१७	ब	१३	४७	५३	२५	३५	२८	३	१७	मे.२२।६	वसंतपंचमी
६	चं	५१	५१	अ	२८	२८	शु	३३	२६	कौ	१९	१८	५६	२५	३५	२९	४	१८	मेषे	[×ज्येष्ठा.४वृश्चिके केतुः१९।५०
७	मं	५५	४५	भ	३४	३	ब्र	३३	४९	ग	२३	४८	२८	२४	३६	३०	५	१९	बृ.५०।२	भ.५५उ.शतेरविः१७ (सौरः२३।१)÷
८	बु	५७	५३	कृ	३७	५९	ऐं	३२	५२	वि	२६	४९	४	२३	३७	१	६	२०	वृषे	भ.२६।४९या.अश्वि.मेषेभौमः५३।१३+
९	गु	५८	८	रो	३९	५८	वै	३०	३०	बा	२८	१	८	२२	३८	२	७	२१	वृषे	[+भा.फालुनारंभःभीष्म८
१०	शु	५६	२२	मृ	४०	५	वि	२६	३४	तै	२७	१५	१२	२२	३८	३	८	२२	मि.१०।२	[÷श्रवणेबुधः४।४६भानु७
११	श	५२	४६	आ	३८	२०	प्री	२०	५८	व	२४	३४	१६	२१	३९	४	९	२३	मिथुने	भ.२४।३४उ.५२।४६ या.पूभा. शुक्रः A
१२	र	४६	४७	पु	३४	३७	आ	१३	५२	ब	१९	४७	२०	२०	४०	५	१०	२४	क.२०।३३	जया११व्र.वैष्णवानाम्
१३	चं	३९	२८	पु	२८	५२	सौ	४५	४७	कौ	१३	८	२४	१९	४१	६	११	२५	कर्के	प्रदोषः [A३।५९जया११व्र.स्मा.
१४	मं	३१	३२	श्ले	२२	४७	अ	५४	४९	ग	५	३०	२८	१८	४२	७	१२	२६	सिं२२।४७	भ.३१।३२उ.५६।२२या.
१५	बु	२१	११	म	१४	३४	सु	३३	५४	व	२१	११	३२	१८	४२	८	१३	२७	सिंहे	माघस्नानमूर्तिः

४५पं.मा.शु.३शु.इ.३९।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	२	१०	१	२	१०
२	२६	७	१२	१०	१४	०	२
५९	१६	२१	५	४५	११	२	५३
४९	३४	४७	४२	०	१०	९	४३
६०	४१	३३	३५	७४	०	३	६०
३७	१३	मा.	व.	३२	१९	११	४२

गोचर ग्रहाः

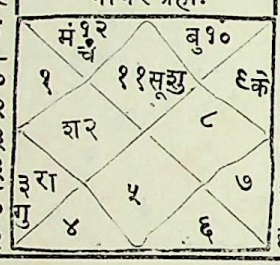

इस माससमें चांदी स्वर्ण मंदे हो रस पदार्थों में तेजी हो गल्ले में मन्दी हो शीतका अधिक प्रभाव होगा ।

गोचर ग्रहाः

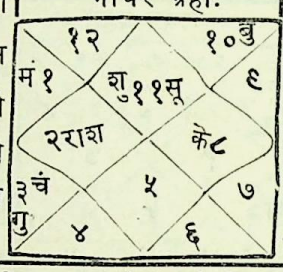

४६पं.मा.शु.१० शु.इ.३९/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	२	१०	१	१	१०
१०	१	१३	११	१९	१४	२९	९
३	१३	२८	५०	२९	२०	३९	५८
२२	१६	५५	३८	४२	३८	५३	१६
६०	४१	५७	१९	७४	१	३	६०
२५	२०	४९	व.	२६	३१	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	११	३१	पू	४६	५२	धृ	२३	१	कौ	११	३१	३९	१७	४३	९	१४	२८	कं.१९।५६	मार्गीगुरुः०।३१
२	शु	२	५	ह	५२	२३	शू	१२	२५	ग	२	५	४०	१६	४४	१०	१५	१	कन्यायां	भ.२७।४०उ.५३।१६या.मार्च ३ता.३१
३	शु	५१	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	श	४५	३४	चि	४६	५३	गं	२९	५१	ब	१९	२५	४४	१५	४५	११	१६	२	तु१९।३८	पातस्पर्शः३३।८पातमोक्षः ४३।२३ B
५	र	३९	२२	स्वा	४२	४८	ध्रु	४६	२३	कौ	१२	२८	४८	१४	४६	१२	१७	३	तुलायां	धनि.बुधः८।२७मीनेशुक्रः४।४२
६	चं	३४	५९	वि	४०	३२	व्या	४०	२५	ग	७	१०	५२	१४	४६	१३	१८	४	वृ.२६।७	भ.३४।५९उ.पूभा.रविः३३।४४(सौरः C
७	मं	३२	२४	अ	३९	५९	ह	३५	५०	वि	३	४१	५६	१३	४७	१४	१९	५	वृश्चिके	भ.३।४१या.उभा.शुक्रः४४।१८
८	बु	३०	१६	ज्ये	४१	१४	व	३२	४२	बा	१	२०	२९	१२	४८	१५	२०	६	ध.४१।१४	
९	गु	३२	३८	मू	४४	१७	सि	३१	०	तै	१	२६	५	११	४९	१६	२१	७	धनुषि.	कुंभबुधः५२।४१ [Bचतुर्थी व्र.
१०	शु	३५	०	पू	४८	२९	व्य	३०	४०	व	३	४९	९	१०	५०	१७	२२	८	धनुषि	भ.३।४९उ.३५।०या. [C३७।४८
११	श	३८	५६	उ	५४	६	व	३१	११	व	६	५८	१२	९	५१	१८	२३	९	म. ४।५३	विजया११व्रतम्
१२	र	४३	४२	श्र	६०	०	प	३२	१२	कौ	११	१९	१७	९	५१	१९	२४	१०	मकरे	
१३	चं	४९	३५	श्र	०	२९	शि	३४	८	ग	१६	३८	२१	८	५२	२०	२५	११	कुं,३४।८	भ.४९।३५उ.भरण्यांभौमः५२।६प्रदोषः
१४	मं	५५	२९	ध	७	४६	सि	३६	०	वि	२२	३८	२६	७	५३	२१	२६	१२	कुंभे	भ.२२।३८या.शतेबुधः३०।५५
३०	बु	६०	०	श	१४	१४	सा	३८	२३	च	२८	४५	३०	६	५४	२२	२७	१३	कुंभे	श्रीमहाशिवरात्रिव्रतम्
३०	गु	२	१	पू	२१	४६	शु	४०	३७	ना	२	१	३४	५	५५	२३	२८	१४	मी४।५२	मीनेऽर्कः३४।३७ (सौरः३८।९)

४७ पं. फा. कृ.२शु.इ.३९/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	२	१०	१	१	१०
१७	६	२१	११	२८	१४	२९	१७
५	११	३७	४६	१४	३४	१७	१
३५	१७	१२	२३	४६	२१	३७	०८
६०	४१	७४	२२	७४	२	३	६०
१२	२२	४१	मा.	२१	१६	११	२०

गोचर ग्रहाः

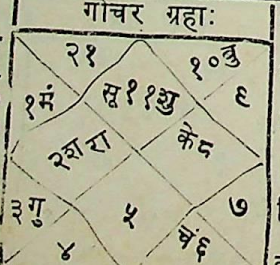

फाल्गुनकृष्णे३०गुरौ मीनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ३न.४प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु.४५घान्या दि भावे समर्धताशुक्रो दयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

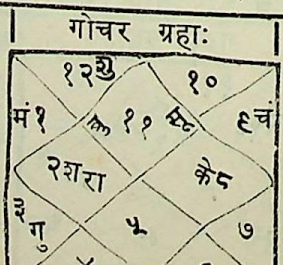

४८पं.फा.कृ.१०शु.इ.४०/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	२	११	१	१	१०
२४	११	१	१११	६	१४	२८	२४
६	८	९	५०	५८	५३	५५	२
२२	१०	१८	४६	१२	३८	२२	३१
५९	४१	८७	१	७४	२	३	६०
५८	१३	३२	२९	२६	५६	११	६

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६३१ स. २००२

| | | |

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०३ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०३ भोग्यकलिः ४२६८९७ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०५९ शाकः १९२४ अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः । मंत्री शनिः । सस्येशोभौमः । धान्यशो रविः । मेघेशः शनिः । रसेशोगुरुः । नीरसेशो भौमः । फलेशः शुक्रः । धनेशश्चंद्रः । दुर्गेशः शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ९ मन्मथनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १०।११।३३।११ भोग्यमासादिः १।१८।२६।४९ अर्हिबुध्न्यदैवतं युगम् । वर्षनाम मार्गशीर्षः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणीनिवासःसंधौः । समयनिवासो वणिक्गृहे । समय विश्वा ८ समयवाहनम् महिषः । स्तंभौ २ अन्नवाग्वोः । सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी नैव अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी १ भानु सप्तमी १ रविदशमी नैव समयमुहूर्ताः ३१५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा १३ धान्यम् ७ तृणम् ९ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ सत्यम् ।। धर्मं १।। पापं १८ ऐक्यम् १०९ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहणाभावः ।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

अंबा देवी मात से पूछत भैरव जाय ।
गुणसठ संवत् का कहो हालचाल समझाय ।।

भवानी उत्तर

गुणसट्यो गुण आगलो संचय करो सब कोय ।
तेजी कारक वर्ष है दूणा दमड़ा होय ।।
रवि सुत राजा वर्ष का मंत्री पद को पाय ।
रोग युद्ध दुर्भिक्ष भय मचे जगत के मांय ।।
शनि देव मेघेश है इनकी बाण कुबाण ।
रोहिणी वासो संधि में हो वर्षा की हाण ।।
श्रावण में आगे चले रविरथ से कुजराय ।
कहींक वर्षा खैंच हो कहीं २ प्रलय दिखाय ।।
समय निवासो वैश्य घर इसका फल शुभनांय ।
ईश कृपा से फल कहा संवत् गुणसठ मांय ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् ८।१२

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ११।८

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४०।० केतकी मतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५२।३०

+ रा मं

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* बु चं शु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शनिःफलम् ।। शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैः भ्रमंति लोकाः क्षुधिताश्चदेशान् । मंत्री शनिः फलम् ।। रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनयसंरहिता बहु दुःखदाः । न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ।। सस्येशोभौमस्तत्फलम् ।। प्रथम धान्यपतौ धरणीपतौ गज तुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदा बहुरोग घनो जलं न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत्।। धान्येशः रविः फलम् ।। पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीडनम् ।। मेघेशः शनिः फलम् । रविसुते जलदस्य पतौ भवेद्विरलवृष्टिवती वसुधा तदा । मनसि तापकरो नृपति सदा विविधरोगरता जनता यदा ।। रसेशो गुरुःफलम् ।। यदि गुरौ रसपे जनसौख्यदे कमलवंति सरांसि तृणानि च । जनपदा द्विजपूजन तत्पराः गजसवाजिरथोष्ट्रयुता नृपाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम् ।। नीरसेशो यदा भौमः प्रवालरक्तवाससां । रक्त चंदनताम्राणामर्घवृद्धिर्दिनेदिने ।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। यदि फलस्य पतौ भृगुजे धरा मृदुकुमारमहीरुहराशयः । बहुपथा नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ।। धनेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। धनपतिर्मृगलांछनको यदा रसचयात् क्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालियुगं धनजं बहु द्रविणतैलघृतं नृपसौख्यदम् ।। दुर्गेशः शुक्रः फलम् ।। नरवरेषु विशेष पतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्यकरो मनः । विनयवाणिजगेहसमः सुखो गतवने निकटेपि च दूरतः ।। मन्मथ नाम संवत्सरः फलम् ।। मन्मथाब्देखिला लोकाः तस्करा इव लोलुपाः । शालीक्षुयवगोधूमैर्नयनाभिनवाधरा ।। वर्षनाम मार्गशीर्षः फलम् ।। कार्पादि महर्घं स्याद्गोधूमासतिलादिकम् । मेघो वर्षति देवो वा मार्गशीर्षे विशेषतः ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मंदवृष्टिःस्यात् ।। रोहिणीनिवासः संघौ फलम् ।। खंडवृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे । वणिक् गृहे शुभंनास्ति ।। एवं संचित्य दैवैज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०५९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

(चैत्र वैशाख ज्येष्ठाषाढमासेषु गोधूल्यां भौमदोषः)

चैत्र मासः ।

शु. १० चंद्रे मघा. ल. गो.११रे.६।ऽ।।ऽरो।ऽऽ।गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः कुंभे चं. ७ पूज्यः

,, १३ गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. रे. ७ऽ।।।।ऽअ.ऽ।।।

,, १४ शुक्रे स्वा. ल. १०।११ रे.७।।।।ऽ।ऽऽ।।

वैशाख मासः ।

कृ. ४ भौमे मूले ल. गो.१०।११।१२रे.८।।।।ऽ।।ऽ।।

,, ११ बुधे उभा. ल. १०।११रे.७।ऽ।।।ऽचो।ऽ।।

शु. ७ रवौ मघा. ल.१रे.८।।।।।ऽनृ।ऽ।।

,, ९ भौमे उफा. ल.गो. सोग्रांगः१२रे.६ऽऽ।।।ऽचो।ऽ।।

मीने चं. ७पू.

,, १३ शुक्रे स्वा. ल.अन्यगो.सोग्रांगः११रे.८।ऽ।।।।ऽ।।।

,, १५ रवौ अनु. ल.११रे.८।।।।।ऽअ.।ऽ।।

ज्वेष्ठ मासः ।

कृ. १ चंद्रे मूले ल.१रे.७।ऽ।ऽगु।ऽ।।।।गुरोःपादवेधाऽभावः

,, ९ भौमे उभा.ल.११।१रे.८।।।।।ऽअ.।ऽ।।

,, १० बुधे रेवत्यां ल. ११।१रे.८।।।।।।ऽऽ।।

शु. ५ शनौ मघा.ल.१रेः९।ऽ।।।।।।।।

,, ८ भौमे हस्ते ल. १२ (चं.७पूज्यः)रे.८।ऽ।।।।ऽ।।।

,, १० गुरौ स्वा.ल.१रे.९।।।।।।ऽ।।।चं.७ पू.

,, १२ शनौ अनु.ल.अन्यगो.१२रे.८ऽऽ।।।।।।।।

आषाढ मासः ।

कृ. ६ चंद्रे उभा.ल.१रे.७ऽ।।।।ऽचो।ऽ।।

,, ७ भौमे उभा.ल.अन्यगो.रे.७ऽ।।।।।।ऽ।ऽदग्धा दोषः

,, ७ भौमे रेव.ल.१रे.७।।।।।।ऽऽ।ऽदग्धा.

,, ८ बुध रेवत्यां ल.अन्गो.रे.७।।।।।ऽरोऽऽ।।

कार्तिक मासः ।

शु. १२ शनौ रेव.ल.४रे.८ऽ।।।।।ऽ।।।ध.३८।१३ उप.

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ८ गुरौ उफा.ल.६रे.८ऽ।।।।।।ऽ।।

,, ११ शनौ हस्ते ल. अन्यगो.सोग्रांगःरे.८।।।।।।ऽऽ।।

शु. ८ गुरौ उभा.ल.गो.४रे.९।।।।।ऽरो।।।।ध ३४उ.या.

,, ९ शुक्रे रेव.ल.४।६रे.६।ऽ।।।।ऽऽ।ऽघ. ३५।२९ उप.

माघ मास ।

कृ. २ चन्द्रे मघा. ल.गो.६ रे.९।।।।।ऽचो।।।।

,, ४ बुधे उफा.ल.गो.७रे.७ऽ।।।।ऽरो।ऽ।।

,, ५ गुरौ हस्ते ल. गो.७रे.९।।।।।।ऽ।।।

शु, ४ बुधे उभा. ल. ६ (चं.७ पू.)रे.७।।।।।ऽनृऽऽ।।

,, ५ गुरौ रेव.ल.अन्यगो. ६रे.७।ऽ।।।।ऽऽ।।

,, १४ रवौ मघा. ल. ७(घ.४०।४०उ.) रे.६।।।ऽबुऽऽ।।पादतोवेधाभावः

फाल्गुन मासः ।

कृ. २ भौमे उफा. ल.६।७रे.८ऽ।।।।।ऽ।।।

शु. १ भौमे उभा. ल.१०रे.९।।।।।ऽअ.।।।।गु.७पूज्यः

,, ६ रवौ रोहि.ल.१०(ध.५३।४५उ.)रे.७।।।।ऽ।ऽऽ।।गुरु ७ पू.

,, ७ चंद्रे रोहि. ल. अन्यगो.रे.७।।।।ऽ।ऽऽ।।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६६० स.२००२
१	श	५०	४८	अ	५८	४०	वि	५९	४६	किं	१९	२१	३१ ५ ६	२३	२९	१३	मेषे	अश्वि.मेषेऽर्कः ५७।१९संवत्सरारंभ.नव-×
२	र	५५	५	भ	६०	०	प्री	६०	०	बा	२२	५६	३८ ४० २०	२४	३०	१४	मेषे	अश्वि.मेषेऽर्कः सौरः ०।९ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	५८	५०	भ	४	३२	प्री	१५ ५९	४१	तै	२६	५८	४२ ४० २०	२५	१	१५	ब.२०।३४	सफर२ मत्स्यजयंती,गणगौरी
४	मं	६०	०	कृ	८	४०	सौ	५८	४१	व	२९	४३	४६ ३९ २१	२६	२	१६	वृषे	भ.२९ उ.भरण्यांबुधः ४७ [×रात्रा,घटस्था
४	बु	०	३६	रो	१२	१०	शा	५६	५९	वि	०	३६	५० ३८ २२	२७	३	१७	मि. ३ २०	भ ०।३६या.कृति.शुक:५९।१७
५	गु	१	४४	मृ	१४	३१	अ	५३	५८	बा	१	४४	५३ ३७ २३	२८	४	१८	मिथुने	
६	शु	१	२८	आ	१४	४१	सु	४९	५३	तै	१	२८	५७ ३७ २३	२९	५	१९	मिथुने	रोहि.भौमः ३ ३ बुधोदयःपश्चिमायाम् १९ ४२
७	श	५०	१५ ७	पु	१५	१६	धृ	४४	४७	व	०	७	३ २ ३६ २४	३०	६	२०	क.०।८	भ.०।७उ.३ ८ या.मृग.१राहुःज्येष्ठा.३÷
९	र	५३	७	पु	१३	३५	शू	३७	२८	बा	२५	१४	५ ३५ २५	१	७	२१	कर्के	वृषे शुक्रः १ ६ भा.वैशाखारंभःरामनवमी
१०	चं	४७	३३	श्ले	१०	३७	गं	३०	१०	तै	२०	२०	९ ३४ २६	२	८	२२	सिं. ३ ७	[÷केतुः१९।३२
११	मं	४०	३६	म	६	११	बृ	२२	३४	व	१४	४	१२ ३४ २६	३	९	२३	सिंहे	भ.१ ४ उ.३ ९ या.कृत्ति.बुधः ४ १३ पातस्पर्शः+
१२	बु	३२	४३	पू	४ ४	५३ ३४	धृ	१४	२०	ब	६	३९	१६ ३३ २७	४	१०	२४	कं.१४।७	[+१३ १२ पातमोक्षः २३ ४ कामदा ११व्र.
१३	गु	२३	५७	ह	४७	१६	व्या	२ ३	४९ ५	तै	२३	५७	२० ३२ २८	५	११	२५	कन्यायां	वृषे.बुधः५२।११प्रदोषः
१४	शु	१४	४३	चि	४०	६	व	४२	५६	व	१४	४३	२३ ३१ २९	६	१२	२६	तु.१३।४१	भ.१४।४३उ.४०।२५या.
१५	श	६	७	स्वा	३३	३१	सि	३३	१९	ब	६	७	२७ ३१ २९	७	१३	२७	तुलायां	भरण्यां रविः ३ ७ (सौरः ४२ ९) नुमज्जयंती

१ पं. चै.शु.१श.इ. ५७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	२	०	१	१	११
०	६	७	१४	२१	१७	२७	२९
०	१७	२२	३९	४५	४५	०	५६
०	४२	१६	७	४७	१८	१५	३८
५८	४०	२ ९	७	७३	५	३	५८
४४	४१	५ ४	३६	५२	५०	११	४५

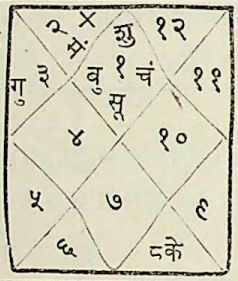

२ पं.चै.शु. ७ श.इ. ५७।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	२	१	१	१	०
६	११	२१	१५	०	१८	२६	६
५०	४	२२	३५	१९	२७	३७	४६
४२	८	४१	२	१९	११	५९	४९
५८	४०	२ ९	८	७३	६	३	५८
३१	३८	५ ५	३८	४९	१०	११	२९

३ पं. चै.शु. १५ श.इ. ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	२	१	१	१	०
१३	१५	३	१६	८	१९	२६	१३
३९	४८	८	३७	५२	१३	१५	३५
४७	३२	२४	१२	१६	४८	४४	१४
५८	४०	८९	९	७३	६	३	५८
१९	३१	५६	२७	४०	२६	११	१२

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	५१	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	५०	४	वि	२७	५८	व्य	२४	३४	तै	२३	४०	३२ ३१ ५ ३० ६	८	१४	२८	वृ.१४।२१	रोहि.शुक्रः ५ ३ आर्द्रा४गुरुः १५।३९
३	चं	४४	२०	अ	२३	५०	व	१६	४६	ब	१७	१२	३४ २९ ३१	९	१५	२९	वृश्चिके	भ.१७।१२उ.४४।२०या.
४	मं	४०	४१	ज्ये	२१	२६	प	१०	४९	व	१२	३१	२८ २८ ३२	१०	१६	३०	ध.२१।२६	चतुर्थी व्र.
५	बु	३९	१७	मू	२१	२५	शि	६	२४	कौ	९	५९	४१ २८ ३२	११	१७	१	धनुषि	मई ५ ता. ३१
६	गु	३९	५२	पू	२३	१७	सि	३	४७	ग	९	३४	४५ २७ ३३	१२	१८	२	म. ३ १९	भ।३९।५२ उ.
७	शु	४२	४४	उ	२७	२२	सा	२	४८	वि	११	९	४८ २६ ३४	१३	१९	३	मकरे	भ.११।९या. रोहिण्याम् बुधः२३।२१
८	शु	४६	४३	श्र	३२	५१	शु	२	४९	अ	१४	४४	५२ २६ ३४	१४	२०	४	मकरे	रोहिणी.४शनिः३४।४४
९	श	५२	२६	ध	३९	४७	शु	४	२८	त	१९	३५	५५ २५ ३५	१५	२१	५	कुं. ६।१९	
१०	र	५८	३०	श	४७	५	ब्र	६	३५	व	२५	२८	५८ २४ ३६	१६	२२	६	कुंभे	भ.२५।२८उ.५८।३०या.
११	चं	६०	०	पू	५४	४९	ऐं	९	४	ब	३१	४३	३ २४ ३६	१७	२३	७	मी३७।५३	वरूथिनी ११ व्र.स्मार्ता.
११	मं	४	५६	उ	६०	०	वै	११	२१	कौ	४	५६	५ २३ ३७	१८	२४	८	मीने	वरूथिनी ११ व्र. वैः
१२	बु	११	८	उ	२	१७	वि	१३	५२	तै	११	८	८ २२ ३८	१९	२५	९	मीने	मृगे. शुक्रः ५ ४ मृगे भौमः७।५प्रदोषः
१३	गु	१६	३७	रे	९	१८	प्री	१५	३९	व	१६	३७	११ २२ ३८	२०	२६	१०	मे.९।१८	भ.१६।३७उ.४८।५१ या.
१४	शु	२१	५	अ	१५	१९	आ	१६	२१	श	२१	५	१४ २१ ३९	२१	२७	११	मेषे	कृत्ति.रविः२३।३० (सौरः३०।३(
३०	र	२४	३२	भ	१९	५९	सौ	१७	३७	ना	२४	३२	१७ २१ ३९	२२	२८	१२	वृ.३५।५६	

४ पं.वै.कृ. ८ श.इ.५८।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	२	१	१	१	०
२०	२०	११	१७	१७	२०	२५	२०
२७	३०	२४	४४	२२	२	५३	२१
३५	५०	४३	२०	३०	३५	२८	५७
५८	४०	५३	१०	७३	६	३	५७
९	२८	३९	११	२४	३८	११	५७

ग्रोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले १ शनौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. न.बालावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

ग्रोचर ग्रहाः

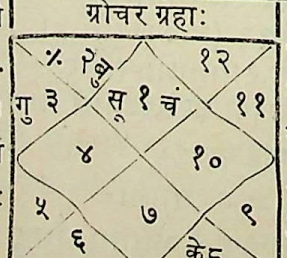

५ पं.वै.कृ.१४श.इ.५८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	२	१	१	१	०
२७	२५	१५	१८	२५	२०	२५	२७
१३	१५	३२	५६	५०	५३	३१	७
३७	७	३८	१३	४१	२८	१२	११
५७	४०	१२	१०	७३	६	३	५७
५४	१७	४०	५४	१४	५६	११	४५

×रा श * श मं शु बु (सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ÷श रा मं शु +श मं शु बु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. बैशाख शुक्लपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२४ | दि. उ. अ. भा मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३६६.० सन् २००२

१	चं	२६	४६	कृ	२३	४८	शो	१५	५७	ब	२६	४६	३३/५	२०/४०	६	२३	२६	१३	वृषे	चंद्र दर्शनम्
२	मं	२७	५४	रो	२६	३१	अ	१४	१६	कौ	२७	५४	२३	१६	४१	२४	१	१४	मि. ५/७	वृषेऽर्कः ५/९ (सौरः ५/७) वक्री.बुध: ४४।१×
३	बु	२८	१	मृ	२८	१४	सु	११	४४	ग	२८	१	२६	१६	४१	२५	२	१५	मिथुने	भ.५७।३१उ.मिथुने शुक्रः ३/३ अक्षया ३
४	गु	२७	१	आ	२८	५८	धृ	७	५०	वि	२७	१	२८	१८	४२	२६	३	१६	मिथुने	भ.२७।१या.
५	शु	२५	१४	पु	२८	५५	शू	२६/४	२६/५५	बा	२५	१४	३१	१८	४२	२७	४	१७	क.१३।५६	पुनः १गुरु: ५/१२ बुधास्तःपश्चिमायां ५१।५३
६	श	२२	३२	पु	२७	४५	वृ	५४	१७	तै	२२	३२	३४	१७	४३	२८	५	१८	कर्के	[×रविलाबल ३परशुरामजयंती
७	र	१८	५०	श्ले	२५	५०	ध्रु	४८	१४	व	१८	५०	३७	१७	४३	२९	६	१९	सिं. २/५०	भ.१८।५०उ.४६।३६या.मिथुने भौमः १/१५
८	चं	१४	२२	म	२७	४	व्या	४१	२९	ब	१४	२२	३९	१६	४४	३०	७	२०	सिंहे	आर्द्रा.शुक्रः ५६।४५
९	मं	९	०	पू	१९	२४	ह	३३	५५	कौ	९	०	४२	१६	४४	३१	८	२१	कं.३३।१९	[+नृसिंह १४
१०	बु	२	५८	उ	१५	२	व	२५	४६	ग	२	५८	४४	१५	४५	१	९	२२	कन्यायां	भ.२३/३६ उ.५६/या.अस्तं शनेः १७/१० भा.ज्येष्ठा*
११	बु	५३	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[*रंभःमोहिनी ११ व्र.स्मार्ता
१२	गु	४८	३९	ह	९	५८	सि	१७	२७	ब	२२	२३	४७	१५	४५	२	१०	२३	तु.३७।१४	मोहिनी ११व्र. वै.
१३	शु	४१	१०	चि	३३/४	२९/५४	व्य	२९/६	२१/६	कौ	१४	५५	४९	१४	४६	३	११	२४	तुलायां	प्रदोषः
१४	श	३३	२९	वि	५३	५७	व	५१	१९	ग	७	१९	५३	१४	४६	४	१२	२५	वृ.४०।१३	भ.३३।२९उ.रोहि.रविः १५/१९ (सौरः २३/६+
१५	र	२६	५३	अ	४९	४३	शि	४३	३८	वि	०	११	५४	१३	४७	५	१३	२६	वृश्चिके	भ.०।११या.यमाय घटदानम्

६ पं. वै.शु. ६ श. इ. ५८/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	२	२	१	१	१
३	२९	१५	२०	४	२१	२५	३
५८	५१	३३	१२	१६	४६	८	५०
३७	३२	४	४७	१२	१२	५७	५२
५७	४१	५३/६	११	७२	७	३	५७
४४	१३	व.	२५	५६	८	११	३४

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले २भौमे
वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.
४ न. ५ युवावस्था
(सूती) मु.१०धान्यादि
भावे समता शुक्रोदयः
पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

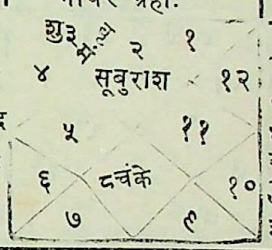

७ पं.वै.शु. १४ श.इ. ५८/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	२	२	१	१	१
१०	४	१२	२१	१२	२२	२४	१०
४२	२९	४३	३२	३९	३९	४६	३३
२९	३५	४४	३५	३२	२२	४१	३
५७	३९	३१/५१	१२	७२	७	३	५७
३५	५९	व.	२	३७	१४	११	२३

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२४ | दि. उ. अ. भा. मु इं | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	चं	२१	९	ज्ये	४७	३२	सि	३६	१३	कौ	२१	९	३३/५६	१३/४७	६	१४	२७	ध.४७।३२		
२	मं	१७	२	मू	४५	१९	सा	३१	३७	ग	१७	२	५८	१२	४८	७	१५	२८	धनुषि	भ.४६।६ उ.
३	बु	१५	११	पू	४५	५२	शु	२७	४४	वि	१५	११	३४/०	१२	४८	८	१६	२९	धनुषि	भ.१५।११या.आर्द्रा.भौमः १४/६ च. व्र.
४	गु	१४	७	उ	४८	२८	शु	२५	३२	बा	१४	७	२	१२	४८	९	१७	३०	म.१।३१	पुनः शुक्रः ३२।३०
५	शु	१५	५०	श्र	५२	५६	ब्र	२४	५३	तै	१५	५०	३	११	४९	१०	१८	३१	मकरे	वक्री.कृत्ति.बुधः १७ मृगे.१शनिः २७÷
६	श	१९	१६	ध	५८	५३	ऐं	२५	१९	व	१९	१६	५	११	४९	११	१९	१	कुं	२५।५५ भ.१९।१६उ.५/६ या.जून ६ ता.३०
७	र	२४	१६	श	६०	०	वै	२७	७	ब	२४	१६	७	११	४९	१२	२०	२	कुंभे	[÷पातस्पर्शः ३।४७ पातमोक्षः २८।५४
८	चं	२९	५७	श	६	१४	वि	२९	७	कौ	२९	५७	९	१०	५०	१३	२१	३	मी. ५/३४	पुनः २गुरुः ५५।२८
९	मं	३६	१९	पू	१३	२०	प्री	३२	४४	तै	३	८	१०	१०	५०	१४	२२	४	मीने	
१०	बु	४२	२४	उ	२०	४३	आ	३४	१	व	९	२१	१२	१०	५०	१५	२३	५	मीने	भ.९।२१उ.४/३या. बुधोदयः पूर्वस्याम् २२/४१
११	गु	४७	५०	रे	२७	५१	सौ	३६	७	ब	१५	७	१३	९	५१	१६	२४	६	मे.	२७।५१ अपराः ११ व्र.
१२	शु	५१	४७	अ	३३	५७	शो	३७	११	कौ	१९	४९	१५	९	५१	१७	२५	७	मेषे	[*प्रदोषः
१३	श	५५	१९	भ	३८	४६	अ	३७	१३	ग	२३	३३	१६	९	५१	१८	२६	८	वृ.	५४।४० भ.५५।१९उ.मृगे रविः ९/१२ सौरः २३/६)*
१४	र	५६	४४	कृ	४२	२३	सु	३६	८	वि	२६	१	१७	९	५१	१९	२७	९	वृषें	भ.२६।१या.कर्के.शुक्रः ३४।३४
३०	चं	५६	४८	रो	४४	२२	धृ	३४	३	च	२६	४६	१८	८	५२	२०	२८	१०	वृषे	मार्गी बुधः २७/५५ वटसावित्री व्र.सोमवती ३०

८ पं.ज्ये.कृ. ६ श.इ. ५८/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	२	२	१	१	१
१७	१	१९	२२	२१	२३	२४	१७
२५	६	१४	५५	०	३४	२४	१४
१९	१९	२०	५९	२२	१२	२६	९
५७	३९	३३/५७	१२	७२	७	३	५७
२७	५९	व.	२०	१५	२०	११	१३

गोचर ग्रहाः

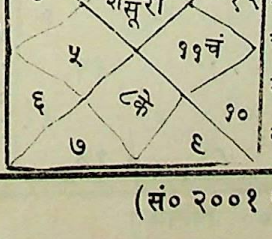

इस मासमें रस पदार्थ
घृत तैल गुड़ सरसों
अन्डी अलसी सोना
चांदी धान्य रुई में
मन्दीहोकर तेजीहोगी
कही २ वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

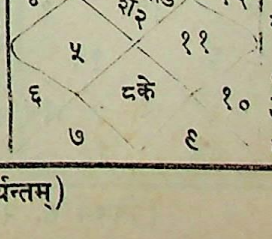

९ पं.ज्ये.कृ.१३ श.इ. ५९/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	२	२	१	१	१
२४	१३	७	२४	२९	२४	२४	२३
७	४१	३५	२१	१६	२८	२	५४
१९	१०	१३/४३	४३	५९	१९	१०	५
५७	१२	४०/६	३९	७१	७	३	५७
२२	४५	व.	५६	५३	२०	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्गणः ३७१९स,२००२

१	मं	५५	३२	मृ	४५	७	शू	३०	४६	किं	२६	१०	३४/५९	८	५६	२१	२९	११	मि १४।४४
२	बु	५३	२	आ	४४	३४	गं	२६	३४	बा	२४	१७	१९	८	५२	२२	३०	१२	मिथुने
३	गु	४९	५२	पु	४३	२४	वृ	२१	४६	ते	२१	२७	२०	८	५२	२३	१	१३	कं. २८।४१
४	शु	४५	५६	पु	४१	१८	धु	१६	५	व	१७	५४	२१	८	५२	२४	२	१४	कर्के
५	श	४१	२९	श्ले	३९	१	व्या	१०	५	ब	१३	४३	२१	८	५२	२५	३	१५	सिं. ३९।१
६	र	३६	४१	म	३६	९	ह	५९/३३	५३	कौ	९	५	२२	८	५२	२६	४	१६	सिंहे
७	चं	३१	४४	पू	३३	७	सि	५०	५७	ग	४	१३	२२	८	५२	२७	५	१७	कं. ४७।१६
८	मं	२६	२८	उ	२९	४३	व्य	४३	३७	ब	२६	२८	२३	७	५३	२८	६	१८	कन्यायां
९	बु	२१	४	ह	२६	१६	ब	३६	१७	का	२१	४	२३	७	५३	२९	७	१९	तु. ५४।२३
१०	गु	१५	१९	चि	२२	२९	प	२८	३८	ग	१५	१९	२३	७	५३	३०	८	२०	तुलायां
११	शु	९	२०	स्वा	१८	५०	शि	२१	५४	वि	९	२०	२४	७	५३	३१	९	२१	तुलायां
१२	श	६३	५८	वि	१५	१६	सि	१४	५३	बा	३	५८	२४	७	५३	१	१०	२२	वृ. १।१०
१३	श	५४	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	र	५४	११	अ	१२	१५	सा	९	१३	ग	२६	२५	२४	७	५३	२	११	२३	वृश्चिके
१५	चं	५०	३७	ज्ये	९	५६	शु	१/५५	५४	वि	२२	२४	२४	७	५३	३	१२	२४	ध. ९।५७

आर्द्रा.रविः ६/१ (सौरः २५/९) रोहि.४राहुः×
[×ज्येष्ठा २केतुः १/४ भा.आषाढारंभः प्रदोष
भ. ५/१४ उ.आश्ले शुक्रः ६/८ पातस्पर्शः ३/६
भ. ३/४ या.पातमोक्षः २/६ गुर्जराणांवटसा.व्र.

१० पं.ज्ये.शु.५ श. इ. ५/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	२	३	१	१	२
०	१८	९	२५	७	२५	२३	०
४८	१५	२०	५०	२९	२२	३९	३३
३६	३२	४६	३१	५६	५२	५४	१४
५७	३९	५/६	१३	७१	७	३	५६
१७	५०	मा	८	२५	२०	११	५७

गोचर ग्रहाः

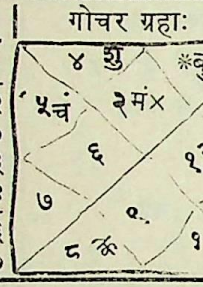

ज्येष्ठ शुक्ले ५ शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न, ५ बालावस्था (बैठी) मु.१५ धान्या दिभावें महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

११ पं.ज्ये.शु.१२ श.इ. ५/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	२	३	१	१	२
७	२२	१४	२७	१५	२६	२३	७
२९	४८	५२	२०	४०	१७	१७	११
३१	२९	५	३८	३०	१७	३९	४१
५७	३९	५९	१२	७०	७	३	५६
१३	५२	१०	२७	५२	१४	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः	२०५९ शाकः १९२४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं ४८ ३१	मू ८ ४१	ब्रु ५३ ८	बा १९ ३४	३४/५९	५	५	६	४ १३ २५	धनुषि
२	बु ४८ ०	पू ९ ३	ऐं ५० १६	तै १८ १६	२३	७	५३		५ १४ २६	उ.२४।३१
३	गु ४९ ८	उ १० ५६	वै ४९ ६	व १८ ३४	२३	७	५३		६ १५ २७	मकरे
४	शु ५२ १	श्र १४ २७	वि ४८ ४४	ब २० ३४	२२	८	५२		७ १६ २८	कुं. ४६।५८
५	श ५६ ३५	ध १९ २९	प्री ४९ ४१	कौ २४ १७	२२	८	५२		८ १७ २९	कुंभे
६	र ६० ०	श २६ १	आ ५१ ७	ग २९ १४	२१	८	५२		९ १८ ३०	कुंभे
६	चं १ ५५	पू ३३ ५	सौ ५३ ५५	व १ ५५	२०	८	५२		१० १९ १	मी. ५/१९
७	मं ८ ७	उ ३९ ४९	शो ५६ १९	ब ८ ७	१९	८	५२		११ २० २	मीने
८	बु १४ १०	र ४७ ५२	अ ५८ ३७	कौ १४ १०	१८	८	५२		१२ २१ ३	मे. ५/२
९	गु २० १९	अ ५४ ३७	सु ६० ०	ग २० १९	१७	९	५१		१३ २२ ४	मेषे
१०	शु २४ ३१	भ ५९ ५७	सु ० ६	वि २४ ३१	१६	९	५१		१४ २३ ५	मेषे
११	श २७ ४०	कृ ६० ०	धृ ० ४६	बा २७ ४०	१५	९	५१		१५ २४ ६	वृ. ५/५
१२	र २९ १७	कृ ३ ४९	शू ० ५७/५६	तै २९ १७	१४	९	५१		१६ २५ ७	वृषे
१३	चं २८ ५०	रो ५ ५२	वृ ५३ ४५	व २८ ५०	१३	९	५१		१७ २६ ८	मि. ३/५
१४	मं २६ ४६	मृ ६ २०	धु ४९ ५६	श २६ ४६	११	१०	५०		१८ २७ ९	मिथुने
३०	बु २२ ५३	आ ५ ४	व्या ४४ १	ना २२ ५३	१०	१०	५०		१९ २८ १०	कं. ४८।१२

मृग.२शनिः७।१
भ. १/१८ उ. ४/९ या.उदयं शनेः ३५।२०
चतुर्थी व्रतम्
मृगे बुधः ४९।५६

भ. १/५ उ. ३/५ या.जुलाई ७ ता. ३१
[÷अस्तं गुरोः १०।४८
[×१०।१०पुन.४कर्के गुरुः ३४।४६
भ.५२।२५उ.मिथुने बुधः १/१२ कर्के भौमः×
भ. ३/४ या.मधा.सिंहे शुक्रः २८।८
पुनः रवि. ५/३ (सौरः २९/१) योगिनी ११ व्र.
आर्द्रा.बुधः ४३।५६प्रदोषः
भ.२८।५०उ.५७।४८या.
पुष्ये भौमः १/४ बुधास्तः पूर्वस्याम् ४५।३५÷

१२ पं.आ.कृ.५.श.इ. ५/३८

र	मं	बु	गु	शु	शु	रा	र
२	२	१	२	३	१	१	२
१४	२७	२३	२८	२३	२७	२२	१३
९	१९	३२	५२	४५	१०	५५	४९
५८	४१	५६	८	०	४१	२३	४६
५७	३९	९०	१२	७०	७	३	५६
७	४३	२३	२६	११	८	११	५०

गोचर ग्रहाः

मिथुने च यदा भौमः मेघश्च प्रबलो भवेत्। आरक्तं सर्व द्रव्याणि महर्घाणि भवन्तिहि॥ इस मास में सभी धान्य रस तेज होंगे धातु मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

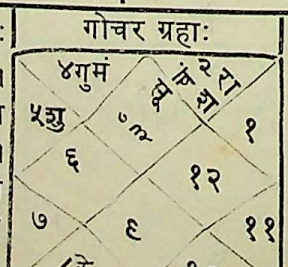

१३ पं.आ.कृ.११ श.इ. ५/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	४	१	१	२
२०	१	५	०	१	२८	२२	२०
५०	५१	१४	५४	४४	३	३३	२७
२४	११	६	५४	२०	१४	८	४०
५७	३९	९/८	१३	६९	७	३	५६
७	३९	१/३	३२	२०	८	११	५०

×गुसू *राश

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७४९ स. २००२

१	गु	१८	१५	पु	३५	३६	ह	३७	२३	व	१८	१५	३४	५	३६	२० २९ ११	कर्के	चंद्रदर्शनम्
२	शु	१२	३२	श्ले	५४	५६	व	३०	४	कौ	१२	३२		७	११	४९	२१ १ १२	सिं. ३५	जमादिलावल ५ रथयात्रा
३	श	६	२५	म	५०	५५	सि	२२	२१	ग	६	२५		५	११	४९	२२ २ १३	सिंहे	भ. ३३।२१ उ.
४	र	०	१७	पू	४६	४६	व्य	१४	३५	वि	०	१७		३	११	४९	२३ ३ १४	सिंहे	भ. ०।१७ या. पुन. बुधः २४।४७
५	र	५३	४६	०	०	०	०	०	०	८	०	०		०	०	०	० ० ०	०	[×शुक्रः १२।१६
६	चं	४७	१३	उ	४२	५६	व	१०	३५	कौ	२०	३८		१	१२	४८	२४ ४ १५	कं. ०।४८	[=पुष्ये बुधः ३६ पुष्य.१ गुरुः ३।३५÷
७	मं	४२	४०	ह	३९	३०	शि	५२	४८	ग	१४	५६		५३	१२	४८	२५ ५ १६	कन्यायां	भ. ४२।४० उ. कर्कोऽर्कः ३४।५७
८	बु	३७	२७	चि	३५	५९	सि	४५	५२	वि	१०	४		५७	१३	४७	२६ ६ १७	तु ७।४४	भ. १०।४या. कर्कोऽर्कः सौरः १।५५ पूफा.×
९	गु	३२	४३	स्वा	३३	१४	सा	४०	३२	बा	५	५		५५	१३	४७	२७ ७ १८	तुलायां	[÷देवशयनी ११व्र
१०	शु	२८	३०	वि	३१	१२	शु	३३	३५	तै	०	३६		५२	१४	४६	२८ ८ १९	वृ. १६।४३	भ ५६।४० उ. कर्के बुधः १।१३
११	श	२४	५०	अ	२९	२४	शु	२८	१२	वि	२४	५०		५०	१४	४६	२९ ९ २०	वृश्चिके	भ. ३५ या.पुष्ये रविः ४।१५ (सौरः ३६)=
१२	र	२१	५७	ज्ये	२८	२५	ब्र	२३	१७	बा	२१	५७		४८	१४	४६	३० १० २१	ध. २८।२५	प्रदोषः
१३	चं	१९	५३	मू	२८	१३	ऐं	१८	५९	तै	१९	५३		४५	१५	४५	३१ ११ २२	धनुषि	[+३२।३९भा.श्रावणारंभः वायुपरीक्षा
१४	मं	१८	५९	पू	२९	१९	वै	१४	३५	व	१८	५९		४३	१५	४५	१ १२ २३	म. ४४।५०	भ. १६ उ. ४९।३या. मृग. ३मिथुने शनिः+
१५	बु	१९	७	उ	३१	२६	वि	१३	९	ब	१९	७		४०	१६	४४	२ १३ २४	मकरे	व्यास पूजा गुरु १५

१४पं.आ.शु.३श.इ.५८।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	४	१	१	२
२७	६	१९	१	९	२८	२२	२९
३०	२०	५	५८	३८	५४	१०	५
४३	५३	१०	३४	३५	१९	५२	४७
५७	३९	५९	१३	६८	६	३	५६
११	३९	५९	३८	३१	४०	११	५४

ग्रोचर ग्रहाः

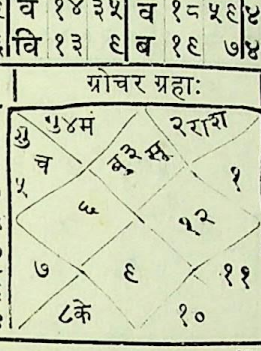

आषाढ शुक्ले ७भौमे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३०वान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

ग्रोचर ग्रहाः

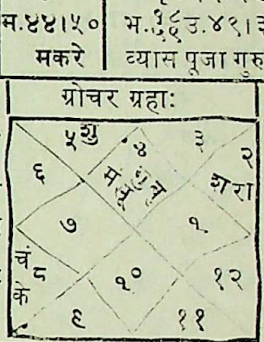

१५पं.आ.शु.११.श.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	३	४	१	१	३
४	१०	४	३	१७	२९	२१	३
११	४९	५	३२	२५	४३	४८	४४
२८	५५	२४	२४	१२	२६	३६	१४
५७	३९	५९	१३	६७	६	३	५६
१५	२९	५९	३८	२५	२६	११	५८

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४ | दि. उ. अ. | भा मु इं | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेआषाढ कृष्णेति महा०

१	गु	२०	५०	श्र	३४	५५	प्री	१२	५	कौ	२०	५०	३३	१६	४४	३ १४ २५	मकरे	
२	शु	२३	५३	ध	३९	३४	आ	११	२९	ग	२३	५३		३५	१७	४३	४ १५ २६	कुं. ७।१४	भ. ५६।० उ. आश्ले. बुधः ३४।३८
३	श	२८	७	श	४५	४३	सो	१२	७	वि	२८	७		३३	१७	४३	५ १६ २७	कुंभे	भ. २८।७या. चतुर्थी व्रतम्
४	र	३२	३५	पू	५२	३६	शो	१३	३८	व	०	२०		३०	१८	४२	६ १७ २८	मी. ३५	[×नाग ५ मरुस्थले
५	चं	३९	२४	उ	५९	५९	अ	१६	३०	कौ	५	५९		२७	१९	४१	७ १८ २९	मीने	उफा.शुक्रः २५।२४आश्ले.भौमः ५९।४२×
६	मं	४५	४०	रे	६०	०	सु	१८	४	ग	१२	३२		२४	१९	४१	८ १९ ३०	मीने	भ. ४५।४० उ.
७	बु	५१	४०	रे	७	३४	भृ	२०	३७	वि	१८	४०		२२	२०	४०	९ २० ३१	मे. ७।३४	भ. १८।४०या. [=अगस्त ८ ता. ३१
८	गु	५६	४२	अ	१४	५४	शू	२२	५४	बा	२४	११		१९	२०	४०	१० २१ १	मेषे	मघा. सिंहे बुधः ५७।११ कन्यायां÷
९	शु	६०	०	भ	२१	४	गं	२४	१२	तै	२८	३७		१६	२१	३९	११ २२ २	वृ. ३७।१७	बुधोदयः पश्चिमायाम् ३०।३१
९	श	०	३१	कृ	२५	५९	वृ	२४	२३	ग	०	३१		१३	२१	३९	१२ २३ ३	वृषे	भ. ३६ उ.आश्ले.रविः १।१६ (सौरः ३३)
१०	र	२	४७	रो	२९	४	धृ	२३	१९	वि	२	४७		१०	२२	३८	१३ २४ ४	मि. ३५	भ. २।४७या. पुष्य. २गुरुः ०।२७
११	चं	२	५८	मृ	३०	११	व्या	२०	३५	बा	२	५८		७	२३	३८	१४ २५ ५	मिथुने	कामिका ११ व्रतम्
१२	मं	१	९	आ	२९	२६	ह	१६	२३	तै	१	९		४	२३	३८	१५ २६ ६	मिथुने	भ. ५७।२१ उ. प्रदोषः
१३	मं	५६	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	० ० ०	० ०	[÷शुक्रः ३५।७उदयं गुरोः ३७।१२=
१४	बु	५१	५४	पु	२६	४६	व	१०	३५	वि	२४	३७		०	२४	३६	१६ २७ ७	क. १२।२६	भ. २४।३७ या.
३०	गु	४५	७	पु	२२	४७	सि	२५	५१	च	१८	३१	३६	२५	३५		१७ २८ ८	कर्के	हरियाली ३०

१६पं. श्रा. कृ. ३श. इ. ५८।

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	३	४	२	१	३
१०	१५	१८	५	२५	०	२१	१०
५२	१९	४२	६	३३	०	२६	२३
२०	४१	७	१४	५०	२९	२१	३१
५७	३९	५९	१३	६६	६	३	५७
२०	३६	४०	३८	१	१४	११	५

गोचर ग्रहाः

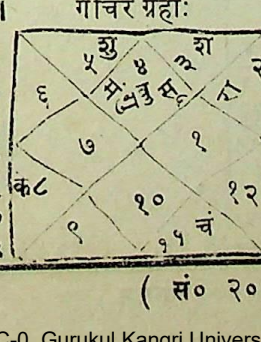

इस मास में धान्य गेहूं जौ चना बाजरा मूँग मोठ व धातु सोना चांदी तेज हो रुई रंग सूत में अच्छी तेजी हो कहीं २वर्षा हो

गोचर ग्रहाः

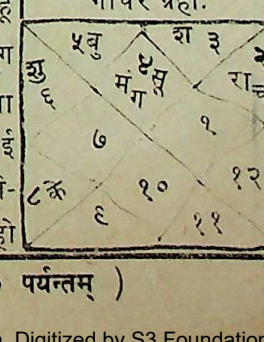

१७पं.श्रा.कृ.९श.इ.५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	३	५	२	१	३
१७	१९	१	६	२	१२	१	१७
३४	४८	५२	३९	३३	१५	४	३
१२	१४	२३	२५	१८	४	५	१९
५७	३९	५९	१३	६४	५	३	५७
१५	२६	५९	३२	२६	५०	११	१२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४									दि. उ. अ.			भा. मु.		इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७७८सन् २००२
१	शु	३७	२०	श्ले	१८	३६	व	४६	२५	कि	११	१४	३२ ५४	२५	३५ ६	१८	२९	९	मि. १६
२	श	२९	१७	म	११	४२	प	३७	७	बा	३	१९	५०	२६	३४	१९	३०	१०	सिंहे
३	र	२१	१७	पू	४०	५५ १३	शि	२७	५०	ग	२१	१७	४७	२७	३३	२०	१	११	क. १९।१३
४	चं	१३	४२	ह	५४	३४	सि	१८	४३	वि	१३	४२	४४	२७	३३	२१	२	१२	कन्यायां
५	मं	६	४१	चि	५०	४	सा	१०	२५	बा	६	४१	४०	२८	३२	२२	३	१३	तु. २२।१९
६	बु	०	२४	स्वा	४६	४०	शु	४ ३	५ २ १५	तै	०	२४	३७	२९	३१	२३	४	१४	तुलायां
७	बु	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	गु	५१	१३	वि	४४	१३	ब्र	४९	२७	वि	२३	१५	३३	२९	३१	२४	५	१५	वृ. २९।५०
९	शु	४८	१०	अ	४२	५१	एं	४२	२८	वा	१९	४१	३०	३०	३०	२५	६	१६	वृश्चिके
१०	श	४६	१९	ज्ये	४२	४३	वै	३९	४९	तै	१७	१४	२६	३१	२९	२६	७	१७	ध ४२।४३
११	र	४५	३३	मू	४३	२७	वि	३६	१९	व	१५	५६	२२	३२	२८	२७	८	१८	धनुषि
१२	चं	४५	५८	पू	४५	२५	प्री	३३	५३	ब	१५	४५	१९	३२	२८	२८	९	१९	धनुषि
१३	मं	४७	२१	उ	४८	१८	आ	३२	१३	कौ	१६	३९	१५	३३	२७	२९	१०	२०	म. १।८
१४	बु	४९	५६	श्र	५२	२९	सौ	३१	३०	ग	१८	३८	१२	३४	२६	३०	११	२१	मकरे
१५	गु	५३	३५	ध	५७	३२	शो	३१	८	वि	२१	४६	८	३४	२६	३१	१२	२२	कुं. २५।१

प्रदोषः [=५३।१४पुष्य.३गुरुः१९।२५

भ.१५।१५६उ.४५।३३या.पवित्रा११व्र.

उफा.बुधः२३।२२मघा.सिंहे भौमः=

भ.२३।१५या.

मघा.सिंहेऽर्कः५५।१८

मघा.सिंहेऽर्कःसौरः२९।४८

भ.४२।४३

भ.४९।५६उ.कन्यायां बुधः ३४।३८

भ.२१।४६या.श्रावणी कर्म रक्षा बंधनं×

भ.४७।२९उ.हस्ते शुक्रः५।५२जमादि×

भ.१३।४२या.वरद चतुर्थी

नागपंचमी [×लाखर६तीज

भ.५५।१७उ.

[×भद्रोत्तरम्

भा.भाद्रपदारंभः

चित्रा.शुक्रः३२।४५रोहिणी.३राहुःज्ये.×

भ.३६।३५उ. [×ष्ठा.केतुः६।३१

भ.९।३८या.मृग४शनिः४३।४५चतुर्थी व्र.

चंद्रषष्ठी

भ.२७।४१उ.५९।५९या.हस्तेबुधः ५४३

पूफा.रविः४४।५४जन्माष्टमी व्र.स्मार्ता.

पूफा.रविःसौरः२०।३९तुलायांशुक्रःA

सितम्बर९ता.३०गोगा९

भ.६।३४उ.३६।११या.

अजा११व्रतम् [A४७।३८जन्माष्टमी वै.

पुष्य.४गुरुः१३।५४वत्सद्वादशी प्रदोषः

भ.२२।७उ.४८।९या.

कुशाग्रहणी मन्वादिः

१८पं.श्रा.शु.२श.इ.५७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	३	५	२	१	३
२४	२४	१३	८	९	१२	२०	२३
१६	१६	४९	११	५१	५८	४१	४४
३७	१६	१२०	२५	१५०	२६		
५७	३९	९९	१३	६२	५	३	५७
३३	२६	५२	२६	३३	२६	११	२२

गोचर ग्रहाः

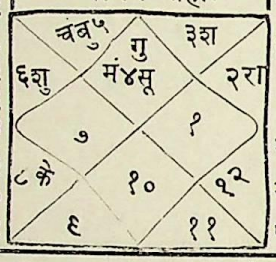

श्रावणशुक्ले९ शुक्रेसिं हेऽर्कः प्रविष्टःवा ४न. ६युवावस्था. (सूती) मु. १५धान्यादि भाव महर्घता शक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

१९ पं.श्रा.शु.१०श.इ.५७/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	३	५	२	१	४
०	२८	२४	९	१६	२	२०	०
५९	४३	३ ५	४२	५५	३६	१९	२६
५३	५९	३८	२५	४८	२२	३४	३९
५७	३९	८६	१३	६०	४	३	५७
४०	२६	५८	१९	१०	५६	११	३४

२०पं. भा. कृ. २श. इ.५७/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	५	२	१	४
७	३	४	११	२३	३	१९	७
४४	११	१	१११	४३	११	५७	१०
२०	१७	४८	४९	२६	४९	१८	१९
५७	३९	७१	१२	५७	४	३	५७
४९	१६	३३	५९	५	३७	११	४५

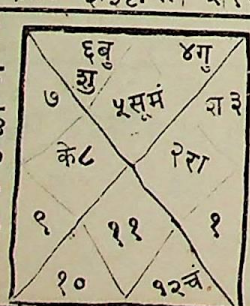

२१पं. भा. कृ. श. इ.५७/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	६	२	१	४
१४	७	११	१२	०	३	१९	१३
३०	३९	४६	३८	८	४३	३५	५५
०	११	१६	४९	३१	१	३	२१
५८	३९	५३	१२	५३	३	३	५७
१	९	४७	३४	२	५८	११	५७

२२पं.भा.कृ.३०श.इ.५७।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	६	२	१	४
२१	१२	१७	१४	६	४	१९	२०
१७	५	२३	३	५	९	१२	४२
२	५६	१३	०	४२	४७	४०	१
५८	३९	२८	१२	४८	३	३	५८
१३	९	२६	१५	८	२४	११	१२

(विक्रम सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८०८सन् २००२

१	श	५०	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	र	४६	१७	उ	२३	२५	शु	४३	१३	बा	२१	१	३१	५७	१६	१७	२९	८	कन्यायां	स्वात्यां शुक्रः ३९।५२ चंद्रदर्शनम्			
३	चं	३७	२८	ह	१६	१६	शु	३२	५८	तै	११	५२	५०	४८	१२	१८	१	९	तु. ४३। ०	पूफा. भौमः ५०। ३८ रज्जव ७ हरितालिका ३			
४	मं	२९	२२	चि	९	४४	ब्र	२३	७	व	३	२५	५५	४९	११	१९	२	१०	तुलायां	भ. ३। २५ उ. २९। २२ या. गणेशचतुर्थी			
५	बु	२२	४९	स्वा	१०	५५	ऐं	१४	१९	बा	२२	४९	५१	५०	१०	२०	३	११	वृ. ४५। ५९	ऋषिपंचमी			
६	गु	१७	२१	अ	५७	१८	वै	६	४२	तै	१७	२१	४७	५१	९	२१	४	१२	वृश्चिके	[–बुधास्तः पश्चिमायाम् १४। ३६A			
७	शु	१३	५६	ज्ये	५६	३१	वि	२०	५५	व	१३	५६	४३	५१	९	२२	५	१३	ध ५६। ३१	भ. १३। ५६ उ. ४२। ४६ या. उफा. रविः ×			
८	श	११	३५	मू	५७	२	आ	५०	२२	व	११	३५	३९	५२	८	२३	६	१४	धनुषि	उफा. रविः सौरः ५। १९			
९	र	११	६	पू	५९	६	सो	४८	४१	कौ	११	६	३५	५३	७	२४	७	१५	धनुषि	[×२९। १९ वक्री बुधः १२। ३			
१०	चं	१२	१३	उ	६०	०	शो	४७	२०	ग	१२	१३	३१	५४	६	२५	८	१६	म. १३। २९	भ. ४३। १९ उ. कन्यायामर्कः ५४। ४० ÷			
११	मं	१४	२६	उ	२	३८	अ	४७	१	वि	१४	२६	२७	५५	५	२६	९	१७	मकरे	भ. १४। २६ या. कन्यायामर्कः सौरः ३०+			
१२	बु	१७	५९	श्र	७	१९	सु	४७	४३	बा	१७	५९	२२	५६	४	२७	१०	१८	कुं. ४०। ५	वामनजयंती प्रदोषः [÷रामदेवजीकामेला			
१३	शु	२२	२४	ध	१२	५३	धृ	४८	३०	तै	२२	२४	१८	५६	४	२८	११	१९	कुंभे	[Aमहालय श्राद्धारंभः कु.सं.पूजनारंभः			
१४	शु	२७	५३	श	१९	२६	शू	५०	९	व	२७	५३	१४	५७	३	२९	१२	२०	कुम्भे	भ. ३७ उ. अनंत १४ [+जलझूलनी ११ व्र.			
१५	श	३३	२५	पू	२६	१९	गं	५२	३	वि	०	३९	९	५८	२	३०	१३	२१	मी, ९। ३६	भ. ०। ३९ या. आश्लेषाः १ गुरुः ५०। ३३ –			

२३पं. भा.शु. ८ श.इ. ५९८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	६	२	१	४
२८	१६	१९	१५	११	४	१८	२७
५	३२	३२	२४	२५	३२	५०	३०
२४	६	१३	११	४४	२४	३२	२१
५८	३९	२९	११	४१	२	३	५८
२६	९	व. ५०	४५	३९	११	२९	

गोचर ग्रहाः

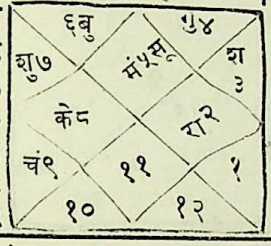

भाद्रपद शुक्ले १० चंद्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ वृद्धा. वस्था (बैठी) मु. ४५ धान्या दि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

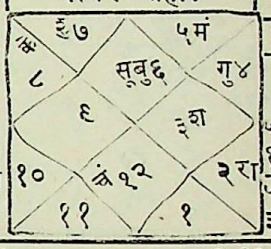

२४पं. भा.शु. १५ श.इ. ५९८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	३	६	२	१	५
४	२०	१६	१६	१५	४	१८	४
५५	५८	३३	४१	५८	४९	२८	२०
१६	४१	०	१०	१२	४४	१६	२८
५८	३९	२९	११	३३	१	३	५८
३८	२	व. १२	१९	५९	११	४५	

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणे, भा. कृष्णेतिमहा.

१	र	३९	४३	उ	३३	४३	बृ	५४	२८	बा	६	३४	३०	५५	९	३१	१४	२२	मीने	[+सर्वपितृ श्रा.			
२	चं	४५	५८	रे	४१	१६	धु	५६	४३	तै	१२	५०	३०	५६	९	१	१५	२३	मे. ४१। १६	भा. आश्विनारंभः			
३	मं	५१	५५	अ	४८	४६	व्या	५९	४	व	१८	५६	२९	५७	९	२१	१६	२४	मेषें	भ. १८। ५६ उ. ५१। ५५ या.			
४	बु	५७	३८	भ	५५	४६	ह	६०	०	ब	२४	४७	५२	२५	८	३१	१७	२५	मेषे	चतुर्थी व्रतम्			
५	गु	६०	०	कृ	६०	०	ह	१	१६	कौ	३०	१	४८	२५	८	४	१८	२६	वृ. १२। २०	[÷शस्त्रादिहतानांश्रा.			
५	शु	२	२५	कृ	२	५	व	३	२८	तै	२	२५	४४	३	५७	५	१९	२७	वृषे	हस्ते रविः ७। ४९ (सौरः ४३। ०)			
६	श	६	२०	रो	७	३२	सि	३	१३	व	६	२०	४०	४	५६	६	२०	२८	मि ३९। ३१	भ. ६। २० उ. ३७। ३१ या. वक्री उफा. बुधः =			
७	र	८	४२	मृ	११	२९	व्य	२	५७	ब	८	४२	३६	५	५५	७	२१	२९	मिथुने	[=२२। ४३ वक्रीशनिः २५। ४५			
८	चं	९	१८	आ	१३	५४	व	१	५८	कौ	९	१८	२२	६	५४	८	२२	३०	क. ५९। १०	विशा. शुक्रः ३४। ९ उफा. भौमः ५१। १२ ×			
९	मं	८	५	पु	१४	२८	शि	५३	२०	ग	८	५	२८	६	५४	९	२३	१	कर्के	भ. ३६। ३२ उ. अक्टूबर १० ता. ३१			
१०	बु	५	०	पु	१३	११	सि	४७	२७	वि	५	०	२३	७	५३	१०	२४	२	कर्के	भ. ५। ० या. इंदिरा ११ व्रतंम् स्मार्ता.			
११	बु	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×उदयो भौमः ५३। २८ मातृ ९			
१२	गु	५३	४	श्ले	९	४९	सा	३९	४६	कौ	२६	२८	१९	८	५२	११	२५	३	सिं ९। ४९	इंदिरा ११ व्र. वै.			
१३	शु	४४	५९	म	५३	४१	शु	३०	२०	ग	१९	१	१५	९	५१	१२	२६	४	सिंहें	भ. ४४। ५९ उ. प्रदोषः			
१४	श	३५	३९	उ	५१	१०	शु	२०	५८	वि	१०	१९	११	१०	५०	१३	२७	५	क. ११। ४२	भ. १०। १९ या. बुधोदयः पूर्वस्याम् ६। ४२ ÷			
२०	र	२५	४७	ह	४३	१२	ब्र	२२	५०	च	०	४३	७	११	४९	१४	२८	६	कंन्यायां	मार्गी बुधः ४३। ७ कन्यायां भौमः ७। २२ +			

२५ पं. आ.कृ. ६ श.इ. ५९९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	३	६	२	१	५
११	२५	९	१७	१९	५	१८	११
४६	२५	१७	५५	२३	२	६	१२
५२	३०	२	५२	५३	६	१	२९
५८	३९	९	१०	२२	१	३	५९
५३	२	व.	२४	१४	२०	११	००

गोचर ग्रहाः

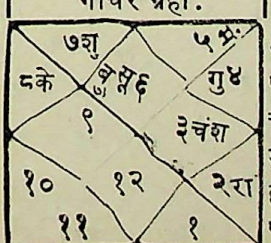

इस मास में चावल गेहूं जौ चना कपास पाट वारदाना सोना चांदी ताम्बा लोहा मंदा होकर तेज होगा। प्रजा में रोग पीडा रहे।

गोचर ग्रहाः

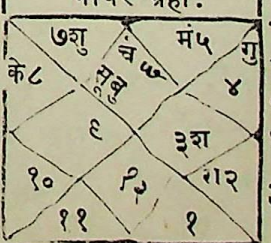

२६पं. आ.कृ. १४ श.इ. ५९९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	३	६	२	१	५
१८	२९	४	१९	२१	५	१७	१८
४०	५२	४४	३	२५	९	४३	६
८	५५	२६	४३	४८	०	४५	१६
५९	३८	५०	९	८	०	३	५२
९	५५	व. ५०	३२	४०	११	१६	

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८३७स.२००२
१	चं	१५	४८	चि	३५	२१	वै	४८	१३	ब	१५	४८	२९ ३ ६ ११ ५ ४९	१५ २९ ७	तु.९।१६	नवरात्रारंभः मातामहश्राद्धम्
२	मं	१५	५३	स्वा	२८	८	वि	३७	४३	कौ	६	१५	२९ १२ ४८	१६ ३० ८	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
३	बु	५०	४९	वि	२१	५९	प्री	२८	१९	व	२४	३४	५५ १३ ४७	१७ १ ९	वृ.८।३१	भ.२४उ.५९या. वक्री शुक्रः ३८सावान८
४	गु	४५	३१	अ	१७	११	आ	१९	३८	ब	१८	१०	५१ १४ ४६	१८ २ १०	वृश्चिके	चित्रा रविः ३९।५१
५	शु	४२	१	ज्ये	१४	२४	सौ	१२	५५	कौ	१३	४६	४७ १५ ४५	१९ ३ ११	ध.१४।२४	चित्रा.रविःसौरः १३।३४ [×वाहनम्
६	श	४०	५७	मू	१३	१९	शो	७	४४	ग	११	२६	४३ १५ ४५	२० ४ १२	धनुषि	भ.५७उ.आश्लेषा.२गुरुः ३४सरस्वत्या×
७	र	४१	२३	पू	१४	२८	अ	३	५९	वि	११	१०	३९ १६ ४४	२१ ५ १३	म३०।१३	भ.१०या.सरस्वती पू.बलिदानं च
८	चं	४४	७	उ	१७	३०	सु	१	१५	बा	१२	४५	३५ १७ ४३	२२ ६ १४	मकरे	
९	मं	४७	३८	श्र	२१	५८	धृ	०	५९	तै	१५	५२	३१ १८ ४२	२३ ७ १५	कुं.५४।४९	हस्ते बुधः ३० सरस्वतीविसर्जनं विजया१०
१०	बु	५२	३८	ध	२७	४०	शू	१	२९	व	२०	८	२७ १९ ४१	२४ ८ १६	कुंभे	भ.२८उ.५२या.पाषांकुशा ११व्र.
११	गु	५८	३६	श	३४	२०	गं	२	३१	ब	२५	३७	२३ १९ ४१	२५ ९ १७	कुंभे	तुलायामर्कः २३० (सौरः ५६१८)
१२	शु	६०	०	पू	४१	१३	वृ	४	३४	कौ	३१	३७	२० २० ४०	२६ १० १८	मी.२४३०	प्रदोषः
१३	श	४	३८	उ	४९	१०	ध्रु	६	३४	तै	४	३८	१६ २१ ३९	२७ ११ १९	मीने	
१४	र	११	५	रे	५६	३२	व्या	८	४६	व	११	५	१२ २२ ३८	२८ १२ २०	मे.५६।३२	भ.१५उ.४४या.वक्री स्वात्यां शुक्रः ९३४÷
१५	चं	१७	११	अ	६०	०	ह	११	३	ब	१७	११	८ २२ ३८	२९ १३ २१	मेषे	हस्ते भौमः ४६।४० [÷शरद् १५

२७ पं.आ.शु.७ श.इ. ५९/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	३	६	२	१	५
२५	४	७	२०	२१	५	१७	२५
२५	१९	२९	७	४४	१०	२१	१
२	४८	४६	५९	३१	३७	२९	५८
५९	३८	६२/४०	९	३७/१५	३	५९	
३१	५०	मा	६	व्र.	ः	११	३१

गोचर ग्रहाः

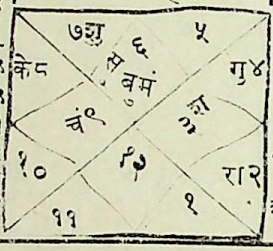

आश्विन शुक्ले १२ गुरौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ः न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

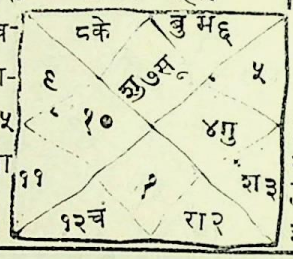

२८ पं. आ.शु.१३ श.इ. ५९/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	३	६	२	१	६
२	८	१६	२१	२०	५	१६	१
३१	४८	२५	५	५	७	५९	५९
२६	१४	८	२	६	१६	१४	२५
५९	३८	८१	८	२३/७	५२	३	६९
३४	५८	९	११	व.	व.	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	मं	२३	११	अ	३	५४	व	१३	१६	कौ	२३	११	२८ २३/३० ३७	३० १४ २२	मेषे	[×३७/३१) चित्रा बुधः १३बुधास्तःपूर्वस्याम्÷
२	बु	२८	२८	भ	१०	४७	सि	१४	५८	ग	२८	२८	० २४ ३६	१ १५ २३	वृ.२७।१७	भा.कार्तिकारंभः
३	गु	३२	५०	कृ	१६	४५	व्य	१५	८	व	०	३९	२५ ३५	२ १६ २४	वृषे	भ.९उ.३२या.स्वात्यां रविः ५२ (सौरः×
४	शु	३६	३४	रो	२२	१०	व	१६	४३	ब	४	४२	५३ २५ ३८	१७ २५	मि५४।१६	रोहिणी२ राहुः अनु.४ केतुः ५९करक ४ व्र.
५	श	३९	४	मृ	२६	२३	प	१६	२७	कौ	७	४९	४९ २६ ३४	४ १८ २६	मिथुने	[÷३६शुक्रास्तःपश्चिमायां १३।४८
६	र	४०	१५	आ	२९	३८	शि	१५	२५	ग	९	३९	४५ २७ ३३	५ १९ २७	मिथुने	भ.४०।१५उ.
७	चं	४०	६	पु	३१	३१	सि	१३	१४	वि	१०	१०	४१ २८ ३२	६ २० २८	क.१६।२	भ.१०।१०या. तुलायां बुधः १४।३४
८	मं	३८	२८	पु	३१	५०	सा	१०	२	बा	९	१७	३७ २९ ३१	७ २१ २९	कर्के	
९	बु	३५	६	श्ले	३०	२८	शु	२०/५	५४/८	तै	६	४७	३४ २९ ३१	८ २२ ३०	सिं. ३२८	
१०	गु	३०	८	म	२७	४०	ब्र	५	२१	व	२	३७	३० ३० ३०	९ २३ ३१	सिंहे	भ.२।३७उ.३०।८या
११	शु	२३	२३	पू	२३	२८	ऐं	४	३५	बा	२३	२३	२७ ३१ २९	१० २४ १	कं.३७।१	स्वात्यां बुधः १५०नवम्बर ११ ता.३०+
१२	श	१६	५	उ	१७	४०	वै	३४	३९	तै	१६	५	२३ ३१ २९	११ २५ २	कंन्यायां	प्रदोषः धन १३ [+रमा ११ व्रत.
१३	र	७	२५	ह	१०	५७	वि	२४	२०	व	७	२५	१९ ३२ २८	१२ २६ ३	तु.३७।१४	भ.७।२५उ.३२।४७या. रूप १४
१४	र	५०	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०	
३०	चं	४८	४४	चि	३३/३	५२/२९	प्री	१४	५	च	२३	२६	१६ ३३ २७	१३ २७ ४	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम् सोमवती ३०

२९ पं.का.कृ.५ श.इ.५५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	३	६	२	१	६
९	१३	२७	२१	१६	४	१६	८
२९	१५	४९	५६	४३	५७	३६	५८
४२	४७	२०	१०	३०	१४	५८	४५
५९	३८	९९	७	३४/१५	३/८	३	६०
४७	५०	४६	७	व.	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

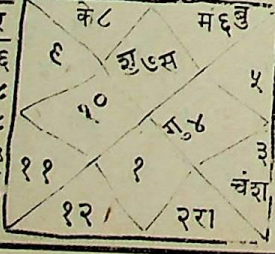

इस मास से बाजरा मूंग मोठ मक्का चना आदि धान्य चांदी सोना रुई तिलहन मंदे होवे घृत गुड़ सक्कर तेज होगी।

गोचर ग्रहाः

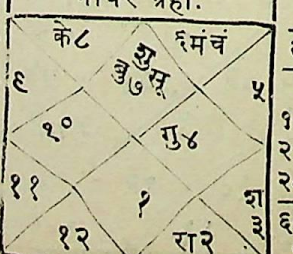

३० पं.का.कृ.१२ श.इ. ५५/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	३	६	२	१	६
१६	१७	९	२२	१२	४	१६	१५
२९	४४	३०	३९	३३	४३	१४	५९
२८	१३	१४	४०	१८	१८	४२	४९
६०	३८	०/०	६	३५/४३	१/३	३	६०
४	४४	३०/०	११	व.	व.	११	१८

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाक: १९२४									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८६६स.२००२
१	मं	३६	२६	चि	४८	५१	आ	३	४९	किं	१४	५	२७	६	५	१४	२८	५	वृ.३५।३८	अन्नकूट गोवर्द्धनपूजा
२	बु	३१	२३	अ	४२	५०	शो	४२	४७	बा	५	२४	१२	३४	२६	१५	२९	६	वृश्चिके	विशा.रविः२६(सौरः५५)चंद्रदर्शनम्+
३	गु	२४	५४	ज्ये	३८	१०	अ	३४	३३	ग	२४	५४	९	३४	२६	१५	१	७	ध.३८।१०	भ.५३उ.रमजानः [+शुक्रोदयःपूर्वस्यां×
४	शु	१६	५६	मू	३५	१०	सु	२७	१८	वि	१६	५६	५	३५	२५	१६	२	८	धनुषि	भ.११।५९या. [×५५यम२भ्रातृ२
५	श	१७	१३	पू	३४	२१	धृ	२१	५०	बा	१७	१३	२	३६	२४	१७	३	९	म.४६।४१	विशा.बुधः२०।३०
६	र	१६	४३	उ	३५	४४	शू	१८	१०	तै	१६	४३	२	३७	२३	१९	४	१०	मकरे	आश्लेषा.३गुरुः३८।७
७	चं	१८	२३	श्र	३६	४	गं	१६	१	च	१८	२३	५	३८	२२	२०	५	११	मकरे	भ.१८।२३उ.५०।२या.चित्रा.भौमः४९
८	मं	२१	४१	ध	४४	३	वृ	१५	४८	ब	२१	४१	४	३८	२२	२१	६	१२	कुं.११।३४	गोपाष्टमी
९	बु	२६	३१	श	५०	२६	धु	१६	४	कौ	२६	३१	४	३९	२१	२२	७	१३	कुंभे	अक्षय नवमी कूष्मांड ९
१०	गु	३२	२९	पू	५७	४७	व्या	१७	४९	ग	३२	२९	४	४०	२०	२३	८	१४	मी.५७	[÷धिनी११व्र.तुलसीविवाहः
११	शु	३८	५५	उ	६०	०	ह	१९	५३	व	५	४२	३	४०	२०	२४	९	१५	मीने	भ.५२उ.३६या.वृश्चिके बुधः३७प्रबो-÷
१२	श	४५	२६	उ	५	२२	व	२२	३१	ब	१२	१०	३	४१	१९	२५	१०	१६	मीने	वृश्चिकेऽर्कः२२(सौरः४९)वक्रीचित्रा.*
१३	र	५१	४१	रे	१२	५८	सि	२४	३४	कौ	१८	३३	३	४१	१९	२६	११	१७	मे.१२।५८	अनु बुधः३६।३६ प्रदोषः[*शुक्रः२६।३१
१४	चं	५७	१७	अ	२०	८	व्य	२६	२९	ग	२४	२९	३	४२	१८	२७	१२	१८	मेषे	भ.५७।१७उ.वैकुंठ १४
१५	मं	६०	०	भ	२७	०	व	२८	३२	वि	२९	४४	२	४३	१७	२८	१३	१९	वृ.४३।२५	भ.२९।४४या.अनु रविः ४०।३३
१५	बु	२	११	कृ	३२	४१	प	२८	५३	ब	२	११	२	५	१७	२९	१४	२०	वृषे	अनु.रविःसौरः५।५०

३१पं.का.शु.५श.इ.५५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	३	६	२	१	७
२३	२२	२०	२३	८	४	१५	२३
३०	१२	५९	१६	४४	२३	५२	०२
५०	१४	१०	२६	१३	३८	२७	२४
६०	३८	०९	५	३७	५	३	६०
१७	५५	९	२	व.व.	११	३०	

गोचर ग्रहाः

कार्तिक शुक्ले १२ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावें समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

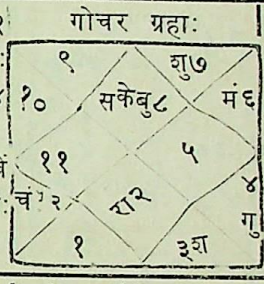

३२ पं.का.शु.१२ श. इ. ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	३	६	२	१	७
०	२६	२	२३	६	४	१५	०
३३	४१	११	४४	३४	०	३०	६
२९	६	२४	३८	५	४	११	२८
६०	३८	९९	३	१३	३४	३	६०
३०	४७	५२	५०	वं.	व.	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाक: १९२४									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेकार्तिककृष्णेतिमहाराः
१	गु	६	२	रो	३७	२५	शि	२८	५५	कौ	६	२	२६	४९	१६	३०	१५	२१	वृषे	
२	शु	८	५९	मृ	४१	६	सि	२८	११	ग	८	५९	१९	४४	१६	१	१६	२२	मि.१५	भ.३९उ.मार्गी शुक्रः५३तुलायां भौमः×
३	श	१०	३३	आ	४३	५९	सा	२६	४४	वि	१०	३३	१७	४५	१५	२	१७	२३	मिथुने	भ.१०।३३या.चतुर्थी व्रतम्
४	र	११	२०	पु	४५	४२	शु	२४	२५	चा	११	२०	१४	४५	१५	३	१८	२४	क.३०।१६	
५	चं	११	१	पु	४६	२४	शु	२१	१४	तै	११	१	१२	४६	१४	४	१९	२५	कर्के	[×४।४५भा.मार्गशीर्षारंभः
६	मं	९	३८	श्ले	४६	३	ब्र	१७	१६	च	९	३८	९	४६	१४	५	२०	२६	सिं.१६	भ.९।३८उ.३६या.ज्येष्ठा.बुधः०।४९
७	बु	७	१२	म	४५	३५	ऐं	१२	१७	ब	७	१२	७	४७	१३	६	२१	२७	सिंहे	वक्री मृग.३ शनिः२२।३७
८	गु	३	४१	पू	४२	७	वै	२९	५३	कौ	३	४१	५	४७	१३	७	२२	२८	कं.५६।११	स्वात्यां शुक्रः२६।११
९	गु	५५	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷भौमः२६।११ प्रदोषः
१०	शु	५३	२०	उ	३८	२५	प्री	५२	४	व	२६	१०	२	४८	१२	८	२३	२९	कन्यायां	भ.२६।१०उ.५३।२०या.
११	श	४६	३५	ह	३३	४९	आ	४३	४७	ब	१९	५७	०	४८	१२	९	२४	३०	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्रतम्
१२	र	३९	११	चि	२८	१२	सौ	३४	४४	कौ	१२	५३	२५	४८	१२	१०	२५	१	तु.३०	दिसम्बर १२ ता. ३१
१३	चं	३१	६	स्वा	२२	१५	शो	२५	४१	ग	५	८	५९	४९	११	११	२६	२	तुलायां	भ.३१उ.५७या.ज्येष्ठा.रविः५० स्वात्यां÷
१४	मं	२३	१	वि	१६	१	अ	१५	२३	श	२३	१	५४	४९	११	१२	२७	३	वृ.२।३४	ज्येष्ठा.रविःसौरः१३।४४
१५	बु	१५	१९	अ	१०	४	सु	५६	५१	ना	१५	१९	५३	४९	११	१३	२८	४	वृश्चिके	मूले धनुषि बुधः४९।५९

३३ पं.मा.कृ.३श.इ. ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	३	६	२	१	७
७	१	१३	२४	६	३	१५	७
३७	११	१३	३	२२	३३	७	१२
२६	२८	२३	४	५	३६	५६	१
६०	३८	९८	३	३८	५६	३	६०
४२	५०	४०	२६	मा.	व.	११	५३

गोचर ग्रहाः

इस मास म धान्य बाजरा मूंग मोठ मक्का आदि मंदे हो कर तेज होजावे धातु व रस घटबढ लेकर तेज होवें

गोचर ग्रहाः

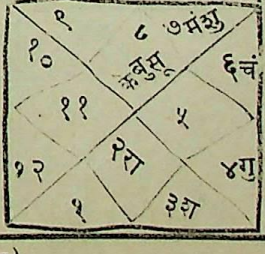

३४पं.मा.कृ.११श.इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	३	६	२	१	७
१४	५२	४२	४	७	३	१४	१४
४२	४१	७	१२	५९	२	४५	१८
४०	१०	१६	४	१०	३५	४०	४७
६०	३८	९५	१	१८	१३	३	६१
५०	४२	५९	२	२६	व.	११	३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः ३८९६स. २००२
१	गु	८ ३४	ज्ये	४ ५१	शू	४९ १३	व	८ ३४	२५	६	५	१४	२९	५	ध. ४।५१	
२	शु	३ १	मू	१ ५६	गं	४२ ३५	कौ	३ १	४९	५०	१०	१५	३०	६	धनुषि	वक्री गुरुः ५१।२९ चंद्रदर्शनम्
३	श	१ २४	उ	५८ ३३	बृ	३७ १८	ग	१ २४	४८	५०	१०	१६	१	७	म. १२।५९	भ. ३९ उ. ५७ या. बुधोदयः पश्चिमायाम् ×
४	श	५६ २६	०	० ०	०	० ०	०	० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[× १७ सव्वाल १०
५	र	५८ १०	श्र	६० ०	ध्रु	३३ ४०	ब	२८ ०	४६	५१	९	१७	२	८	मकरे	
६	चं	६० ०	श्र	० १०	व्या	३२ ३	कौ	२९ २४	४५	५१	९	१८	३	९	कु. ३२।५	चंपाषष्ठी
६	मं	० ३८	ध	४ ०	ह	३१ १७	तै	० ३८	४४	५१	९	१९	४	१०	कु. मी.	
७	बु	५ १०	श	९ २०	व	३२ १४	व	५ १०	४३	५१	९	२०	५	११	मी. २७	भ. ५।१० उ. ३७।४८ या.
८	गु	१० २६	पू	१६ ९	सि	३४ २७	ब	१० २६	४२	५२	८	२१	६	१२	मीने	पूषा. बुधः २८।१८
९	शु	१६ ४९	उ	२३ २८	व्य	३५ २९	कौ	१६ ४९	४१	५२	८	२२	७	१३	मीने	
१०	श	२३ १९	रे	३१ २०	व	३८ २९	ग	२३ १९	४०	५२	८	२३	८	१४	मे. ३१।२०	भ. ५६।३४ उ.
११	र	२९ ५०	अ	३८ ३७	प	४० ३०	वि	२९ ५०	३९	५२	८	२४	९	१५	मेषे	भ. ३० या. मूले धनुष्यर्कः ५५ मोक्षदा F
१२	चं	३५ ३०	भ	४५ ३१	शि	४२ १४	ब	२४०	३९	५२	८	२५	१०	१६	मेषे	मूले. धनुष्यर्कः सौरः १७।३४
१३	मं	४० ४	कृ	५१ १	सि	४२ ५०	कौ	७ ४७	३८	५२	८	२६	११	१७	वृ. १।५३	प्रदोषः [F ११ व्र. गीताजयंती
१४	बु	४३ २३	रो	५५ २६	सा	४२ ३७	ग	११ ४४	३८	५२	८	२७	१२	१८	वृषे	भ. ४३।२३ उ.
१५	गु	४५ २५	मृ	५८ ३४	शु	४० ३८	वि	१४ २४	३७	५३	७	२८	१३	१९	मि. २९	भ. १४।२४ या. दत्तजयंती

३५ पं. मा. शु. ३ श. इ. ५४ ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	३	६	२	१	७
२१	१०	४	२४	११	२१	४	२१
४८	१०	५१	१२	१०	२९	२३	२६
४३	३४	१४	१८	३७	४२	२४	३१
६०	३८	९४	११	३०	४	३	६१
१६	४०	३४	व	२३	४	११	११

गोचर ग्रहाः

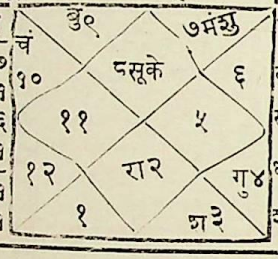

मार्गशीर्ष शुक्ले ११ रवौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

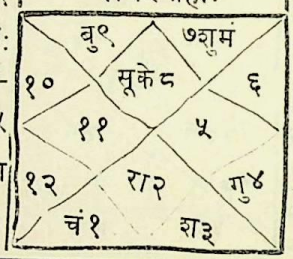

३६ पं. मा. शु. १० श. इ. ५४ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	३	६	२	१	७
२८	१४	१५	२४	१५	११	१४	२८
५५	४०	२८	२३	२५	५५	१३	५
३७	२०	५	३५	०	३४	९	१४
६१	३८	८९	४५	३९	४०	३	६१
०	२६	५	व. २२		व. ११		१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग कृष्णेति महा.
१	शु	४६ ६	आ	६० ०	शु	३८ ५८	बा	१५ ४६	३७	५३	७	२९	१४	२०	मिथुने	विशा. शुक्रः ४४।२९
२	श	४५ ४०	आ	० ३१	ब्र	३५ ५५	तै	१५ ५३	३६	५३	७	३०	१५	२१	क. ४६।७	
३	र	४४ १	पु	११ ९	ऐं	३२ २६	व	१४ ५०	३६	५३	७	१	१६	२२	कर्के	भ. १४ उ. ४४ या. भा. पौषारंभः
४	चं	४१ ४३	पु	१ ९	वै	२७ २५	ब	१२ ५२	३६	५३	७	२	१७	२३	कर्के	उषा. बुधः २४ विशा. भौमः १२ चतुर्थी व्र.
५	मं	३८ ३९	श्ले	१० २०	वि	२२ २	कौ	१० ११	३६	५३	७	३	१८	२४	सिं. ०।१०	
६	बु	३५ ३	पू	५६ २८	प्री	१६ १३	ग	६ ५१	३७	५३	७	४	१९	२५	सिंहे	भ. ३५।३ उ. मकरे बुधः २६।६
७	गु	३१ ०	उ	५३ ४६	आ	१० ५	वि	३ १	३७	५३	७	५	२०	२६	कं. १०।४७	भ. २।३१ या.
८	शु	२६ ३१	ह	५० ३१	सौ	१३ ५३	कौ	२५ ३१	३७	५३	७	६	२१	२७	कन्यायां	वक्री आश्लेषा. २ गुरुः ३८ रोहि. १ राहुः ×
९	श	२१ १०	चि	४६ ४१	अ	४८ ३४	ग	२१ १०	३८	५२	८	७	२२	२८	तुं. १८।३६	भ. ४८।२२ उ. [× अनु. ३ केतुः ५०।३६
१०	र	१५ ३४	स्वा	४२ ३७	सु	४० ४५	वि	१५ ३४	३८	५२	८	८	२३	२९	तुलायां	भ. १५ या. पूषा. रविः ३५ (सौरः १९)
११	चं	९ २६	वि	३७ ११	धृ	३२ ५०	बा	९ २६	३९	५२	८	९	२४	३०	बृ. २३।३२	सफला ११ व्रतम्
१२	मं	३ १६	अ	३३ ४०	शू	२४ ४९	तै	३ १६	४०	५२	८	१०	२५	३१	वृश्चिके	भ. ५७।१३ उ. प्रदोषः
१३	मं	५३ ५७	०	० ०	०	० ०	०	० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	बु	५१ ३७	ज्ये	२९ ३९	गं	१६ ३३	वि	२४ २५	४१	५२	८	११	२६	१	ध. २९।३९	भ. ३४ या. वृश्चिके शुक्रः २७ जनवरी १ A
२०	गु	४६ ४६	मू	२६ २०	बृ	९ ८	च	१९ ११	४२	५२	८	१२	२७	२	धनुषि	[A ता. ३१ सन् २००३ ई.

३७ पं. पौ. कृ. २ श. इ. ५४ २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	३	६	२	१	८
६	१९	२५	२३	२०	१	१३	५
३	१०	१९	४२	५३	२०	३८	४४
१४	१२	२२	११	५६	४२	५३	३९
६१	३८	७०	१३	४६	४०	३	६१
४	२३	४१	व. १३		व. ११		२२

गोचर ग्रहाः

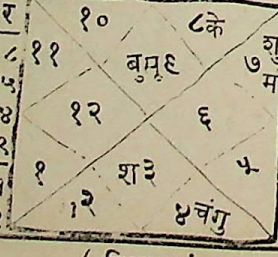

पौष शुक्ले ११ भौमे मकरऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

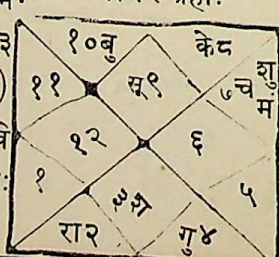

३८ पं. पौ. कृ. ९ श. इ. ५४ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	९	३	६	२	१	८
१३	२३	२	२३	२६	०	१३	१२
११	४२	४४	१३	५६	४६	१६	५४
१३	१४	२४	५९	५३	३४	३८	३१
६१	३८	४७	१९	५१	२८	३	६१
६	२२	२३	व. २८		व. ११		२६

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिथि पौष शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाक: १९२४ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽर्हर्गणः ३९२५सन् २००३

१	शु	४३	११	पू	२३	५२	ध्रु	३४	५१	कि	१४	५८	२५	६	५	१३	२८	३
२	श	४१	२३	उ	२३	४	ह	५२	४७	बा	१२	१७	४४	५१	६	१४	२६	४
३	र	४१	७	श्र	२३	४७	व	४६	४६	तै	११	१५	४५	५१	६	१५	१	५
४	चं	४३	७	ध	२६	२६	सि	४८	२३	व	१२	७	४७	५१	६	१६	२	६
५	मं	४६	३५	श	३१	४	व्य	४८	२६	व	१४	५१	४८	५०	१०	१७	३	७
६	बु	५१	२५	पू	३७	०	व	४६	४०	कौ	१६	०	५०	५०	१०	१८	४	८
७	गु	५७	५०	उ	४३	५०	प	५१	२१	ग	२४	३८	५२	५०	१०	१९	५	९
८	शु	६०	०	रे	५१	२४	शि	५३	३५	वि	३०	५४	५३	४६	११	२०	६	१०
८	श	३	५८	अ	५८	४७	सि	५६	४८	ब	३	५८	५५	४६	११	२१	७	११
९	र	१०	४१	भ	६०	०	सा	५७	३५	कौ	१०	४१	५७	४६	११	२२	८	१२
१०	चं	१६	३४	भ	५	५३	शु	५८	४१	ग	१६	३४	५९	४८	१२	२३	९	१३
११	मं	२१	१७	कृ	११	५८	शु	५८	४०	वि	२१	१७	२६	४८	१२	२४	१०	१४
१२	बु	२४	२८	रो	१६	३७	ब्र	५७	२९	बा	२४	२८	४	४७	१३	२५	११	१५
१३	गु	२६	५	मृ	१९	५०	एं	५५	२	तै	२६	५	६	४७	१३	२६	१२	१६
१४	शु	२६	२	आ	२१	१३	वै	५१	१०	व	२६	२	८	४६	१४	२७	१३	१७
१५	श	२४	२३	पु	२१	१०	वि	४७	२२	ब	२४	२३	११	४६	१४	२८	१४	१८

मि. ४८ | मिथुने | मिथुने | क. ६।११

मे. ५१।२४ | मेषे | मेषे | वृ. २२।२४ | वृषे

मी. ३०/१ | मीने

मकरे | कुं. ५५।७ | कुंभे | कुम्भे

म. ३८।४० | वक्री बुधः २३।४३

अनु. शुक्रः ४२।२८ चंद्रदर्शनम्

बुधास्तः पश्चिमायां २५।१९ जिल्काद ११

भ. १२।७ उ. ४३।७ या.

वृश्चिके भौमः ४०।४७

वक्री मृग. २वृषे शनिः १३।१८

भ. ५७।५० उ.

भ. ३०।५४ या. वक्री धनुषि बुधः ३।२१

उषा. रविः ७।४० (सौरः २०।३९)

वक्री पूषा. बुधः ११।९ अनु. भौमः ४९।७

भ. ४८।५५ उ.

भ. २१/३ या. मकरेऽर्कः २४ (सौरः ३३)×

प्रदोषः [×पुत्रदा ११ व्र.

भ. २६।२ उ. ५३/१ या. ज्येष्ठा. शुक्रः ४५/४७÷

माघस्नान प्रारंभः [÷बुधोदयः पूर्वस्यां ४०/३०

३९ पं. पौ. शु. २ श. इ. ५४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	३	७	२	१	८
२०	२८	४	२२	६	०	१२	२०
१९	१३	४	३८	३०	१३	५४	४
२६	४१	५२	१७	५६	४८	२२	२८
६१	३८	२६/२७	३/३	५५	१/०	३	६१
६	१९	व.	व.	४८	व.	११	२६

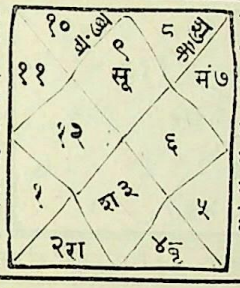

४० पं. पौ. शु. ८ श. इ. ५४।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	३	७	१	१	८
२७	२	२७	२१	१०	२९	१२	२७
२७	४५	६	५४	३०	४४	३२	१४
२२	७	२६/२७	४७	४७	३५	६	२०
६१	२८	५३/५४	६/२७	५८	५३	३	६१
६	५	व.	व.	५१	व.	११	२४

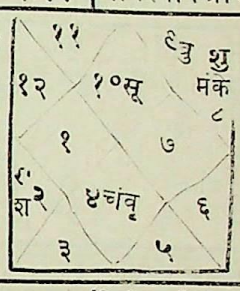

४१ पं. पौ. शु. १५ श. इ. ५४/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	३	७	१	१	९
४	७	१९	२१	१७	२९	१२	४
३५	१६	२७	५५	५०	१७	९	२३
१३	१	४	२०	१७	५६	५१	४९
६१	३७	४३/४४	१९/२०	६१	२३/२४	३	६१
३	४६	वं	व.	४३	व.	११	१९

तिथि माघ कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाक: १९२४ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

१	र	२१	२४	पु	१९	५४	प्री	४०	३७	कौ	२१	२४	२३	५	५	२९	१५	१९
२	चं	१७	३५	श्ले	१७	४३	आ	३४	१३	ग	१७	३५	१६	४५	१५	३०	१६	२०
३	मं	१२	५०	म	१४	३८	सौ	२७	१४	वि	१२	५०	१९	४४	१६	१	१७	२१
४	बु	७	५०	पू	११	२३	शो	२०	३	बा	७	५०	२१	४४	१६	२	१८	२२
५	गु	२	४७	उ	७	५	अ	१३	४९	तै	२	४७	२४	४३	१७	३	१९	२३
६	गु	५५	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	शु	५२	३१	ह	४	२७	सु	३२/३३	५२/५३	वि	२५	३९	२७	४३	१७	४	२०	२४
८	श	४७	४०	चि	५५/५६	४९/५०	शू	५१	४	बा	२०	५	२९	४२	१८	५	२१	२५
९	र	४२	३६	वि	५४	३६	गं	४४	१	तै	१५	८	३२	४२	१८	६	२२	२६
१०	चं	३७	५८	अ	५१	३७	बृ	३६	३८	व	१०	१७	२५	४१	१९	७	२३	२७
११	मं	३३	३१	ज्ये	४९	१	ध्रु	३०	३७	ब	५	४७	२८	४०	२०	८	२४	२८
१२	बु	२९	४१	मू	४७	१	व्या	२४	२९	कौ	१	३९	४१	४०	२०	९	२५	२९
१३	गु	२६	२९	पू	४५	३८	ह	१८	५९	व	२६	२९	४५	३९	२१	१०	२६	३०
१४	शु	२४	५	उ	४५	२८	व	१४	८	श	२४	५	४८	३८	२२	११	२७	३१
३०	श	२३	५	श्र	४६	३४	सि	१०	१६	ना	२३	५	५१	३८	२२	१२	२८	१

मकरे | कर्क | सिं ९७/४३ | सिंहे | कं. ३५/३१ | कन्यायां | तु ३२।४१ | वृ. ४०।२३ | वृश्चिके | धनुषि | धनुषि | म. ०।३५ | मकरे

भ. ५३/१२ उ. अभि. प्र. रविः ५६।३४

भ. ५२/५० या. अभि. प्र. रविः सौरः ७।२७×

[×माघारंभः चतुर्थी व्र.

भ. ५७।४८ उ. मार्गीबुधः ५२।२१

भ. २५।३९ या. श्रवणेरविः १३/१४ (सौरः २३/२४)

अभि. नि. रविः ३९ (सौरः १५।४०)

भ. १०/१७ उ. ३७/३८ या. वक्री आश्लेषा. १गुरुः ३५/४०

षट्तिला ११ व्रतम्

मूले धनुषि शुक्रः ५९।४९

भ. २६।२९ उ. ५३/५४ या. प्रदोषः

फरवरी २ ता० २८

४२ पं. मा. कृ. ८ श. इ. ५४/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	२	७	१	१	९
११	११	१८	२०	२५	२८	११	११
४२	४६	५२	१२	२४	५५	४७	३२
४०	३०	३०	०	२२	३७	३५	४०
६०	२७	३८/३९	५७	६३	४७/४८	३	६१
५९	३२	मा	व	४३	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

यत्र मासे रवेर्वाराः

जायते पंच सन्ततम्।
दुर्भिक्षं छत्रभंगश्च
तथास्ते च महद्भयम
इस मास में धान्य
रस धातु तेज हो प्रजा
में रोग शोक हो।

गोचर ग्रहाः

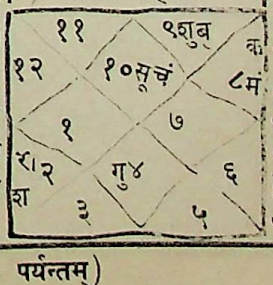

४३ पं. मा. कृ. ३० श. इ. ५४/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	२	८	१	१	९
१८	१६	२३	१९	३२	२८	११	१८
४९	१७	३५	१६	९	३७	२५	४०
१६	१०	४९	१९	५४	४४	२०	४४
६०	३७	४८	५०/५१	४५	३/४	३	६१
५५	३९	३८	व.	१८	व.	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४									दि. उ. अ.	भा. मु. इं.		चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्गणः ३९५५स.२००३
१	र	२३	१३	ध	४८	५९	व्य	७	१४	ब	२३	१३	२६ ६ ५	१३ २९ २	कुं. १७	ज्येष्ठा. भौमः ३०।४०
२	चं	२५	२५	श	५२	५३	व	५	५८	कौ	२५	२५	५८ ३६ २४	१४ ३० ३	कुम्भे	चंद्रदर्शनम्
३	मं	२८	२५	पू	५८	२१	प	५	१७	ग	२८	२५	२७ ३६ २४	१५ १ ४	मी. ५१	जिल्हेज १२
४	बु	३३	२२	उ	६०	०	शि	५	४०	व	०	५३	५ ३५ २५	१६ २ ५	मीने	भ.७३ उ.३३ या. उषा. बुधः ६।३
५	गु	३९	१५	उ	४	४३	सि	७	७	ब्र	६	१८	८ ३४ २६	१७ ३ ६	मीने	धनि. रविः३१ (सौरः२९ १३) वेसंत ५
६	शु	४५	२२	रे	१२	०	सा	९	१६	कौ	१२	१८	१२ ३४ २६	१८ ४ ७	मे १२।०	
७	श	५२	२	अ	१९	३१	शु	११	३१	ग	१८	४२	१५ ३३ २७	१९ ५ ८	मेषे	भ.५३ उ. मकरे बुधः १।१६ भानु ७
८	र	५७	५५	भ	२७	४	शु	१३	४९	वि	२४	५८	१९ ३२ २८	२० ६ ९	वृ. ४३	भ.२४।५८ या. भीष्माष्टमी
९	चं	६०	०	कृ	३३	४३	ब्र	१५	१९	बा	३०	३०	२३ ३१ २९	२१ ७ १०	वृषे	पूषा. शुक्रः ५५।११
९	मं	३	६	रो	३९	४	ऐं	१५	५८	कौ	३	६	२७ ३१ २९	२२ ८ ११	वृषे	
१०	बु	६	४४	मृ	४३	५	वै	१५	३८	ग	६	४४	३० ३० ३०	२३ ९ १२	मि. १४	भ.३७।४२ उ. कुंभेऽर्कः ५६।४५
११	गु	८	४१	आ	४५	५	वि	१३	४३	वि	८	४१	३४ २९ ३१	२४ १० १३	मिथुने	भ.९१ या. कुंभेऽर्कः सौरः३१ जया ११ व्र.
१२	शु	८	३८	पु	४५	१२	प्री	१०	२३	बा	८	३८	३८ २८ ३२	२५ ११ १४	क. ३०	प्रदोषः
१३	श	६	४९	पु	४३	३९	आ	३२	५३	तै	६	४९	४१ २८ ३२	२६ १२ १५	कर्कं	श्रवणे बुधः ५६।४१
१४	र	३	५४	श्ले	४०	४०	शो	५१	५५	व	३	२	४५ २७ ३३	२७ १३ १६	सिं. ४०	भ.३ उ. ३९ या. मा. स्ना. पूर्तिः

४४ पं. मा.शु.७ श.इ. ५४ ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	३	८	१	१	९
२५	२०	१	१८	११	२८	११	२५
५५	४८	०	२०	५	२४	३	४७
१	२२	४३	२४	४६	३६	८	२१
६०	३७	६८	५९	६६	३६	३	६०
४७	२३	२९	व. ४३	व.	११	५५	

गोचर ग्रहाः

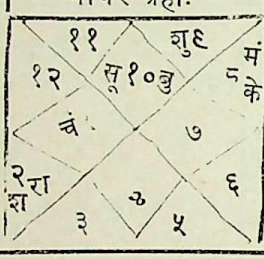

माघ शुक्लें १० बुधे
कुंभर्कः प्रवृष्टःवा. २ न.३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

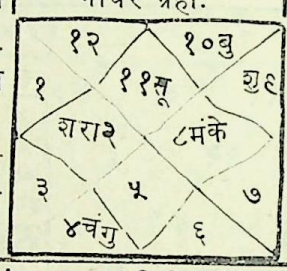

४५ पं.मा.शु १३ श.इ. ५४ ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	३	८	१	१	१०
२	२५	९	१७	१९	२८	१०	२
५९	१८	५७	२६	७	१६	४०	५३
४९	१४	१८	३१	५२	५२	४८	३४
६०	३७	८१	२३	६७	३४	३	६०
३७	१	३४	व. ५२	व.	११	४२	

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं २०५९ शाकः १९२४									दि. उ. अ.	भा. मु. इं.		चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाः
१	चं	५१	३७	म	३६	१०	अ	४३	५९	बा	२४	४५	२७ २९ २६ ३४	२८ १४ १७	सिंहे	
२	मं	४४	४४	पू	३१	१०	सु	३४	४७	तै	१८	१०	५३ २५ ३५	२९ १५ १८	कं. ५४	भ.११ उ.३७ या.शते रविः३३ (सौरः३९)
३	बु	३७	४४	उ	२५	५५	धृ	२६	२६	व	११	१४	५६ २५ ३५	३० १६ १९	कन्यायां	भा.फाल्गुनारंभः चतुर्थीव्र.
४	गु	३०	५०	ह	२१	३२	शू	१७	५०	व	४	१७	२८ २४ ३६	१ १७ २०	तु.४८।४८	
५	शु	२४	१८	चि	१६	४	गं	९	२०	तै	२४	१८	४ २३ ३७	२ १८ २१	तुलायां	भ.१९ उ.४५ या.उषा.शुक्रः २३।२४वक्री×
६	श	१८	२६	स्वा	११	५०	बृ	३१	५३	व	१८	२६	८ २२ ३८	३ १९ २२	वृ. ५४ ११	मूले.धनुषि भौमः १५।४ [+शनिः४२।५७
७	र	१३	४	वि	८	१८	व्या	४७	३०	ब	१३	४	१२ २२ ३८	४ २० २३	वृश्चिके	[×पुष्य.४गुरुः३४।२४ मार्गी +
८	चं	८	४१	अ	५	३७	ह	४१	१७	कौ	८	४१	१६ २१ ३९	५ २१ २४	वृश्चिके	भ.३३ उ.ध नि.बुधः७ १८मकरें शुक्रः९।१
९	मं	५	१	ज्ये	३	४५	व	३५	५८	ग	५	१	२० २० ४०	६ २२ २५	ध.३।४५	भ.२।१४या.
१०	बु	२	१४	मृ	२	४०	सि	३१	२६	वि	२	१४	२४ १९ ४१	७ २३ २६	धनुषि	विजया. ११ व्रतस्
११	गु	०	२०	पू	२	३८	व्य	२७	३४	बा	०	२०	२८ १८ ४२	८ २४ २७	म. ५७	भ.५९ उ.कृत्तिका.४राहुःअपु२केतुः४५ १२=
१२	शु	०	२४	उ	३	२५	व	२४	३५	तै	०	२४	३२ १८ ४२	९ २५ २८	मकरे	[=प्रदोषः
१३	शु	५९	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०	भ.३९ या.कुंभे बुधः२२ मार्च ३ ता ३१
१४	श	६०	०	श्र	५	२९	प	२२	२५	वि	३०	९	३६ १७ ४३	१० २६ १	कुं. ३६	महाशिवरात्रि व्र.
१४	र	०	३७	ध	८	२६	शि	२१	३०	श	०	३७	४० १६ ४४	११ २७ २	कुंभे	
३०	चं	३	१६	श	१२	३७	सि	२०	५२	ना	३	१६	४४ १५ ४५	१२ २८ ३	कुंभे	सोमवती ३०

४६ पं.फा.कृ. ६ श. इ. ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	३	८	१	१	१०
१०	२९	१९	१६	२७	२८	१०	९
३	४७	५८	३७	१६	१४	१८	५८
२२	४२	८	४४	१२	२८	३३	७
६०	३६	९१	३९	६८	९	३	६०
२५	४१	३१	व. ५०	मा	११	३१	

गोचर ग्रहाः

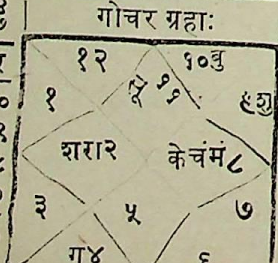

इस मास में चावल गेहूं जौ चना मक्का बाजरा रुई कपास वारदाना गुड़ तेल घृत सोना चांदी लोहा पाट में घटाबढ़ी हो, रुखतेजी का रहे।

गोचर ग्रहाः

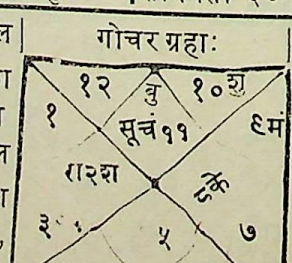

४७ पं.फा.कृ.१४ श.इ. ५५ १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	३	९	१	१	१०
१७	४	०	१५	५	२८	९	१७
५	१६	५४	५२	२९	१८	५७	०
३५	५५	२२	२६	१०	४३	१७	५९
६०	३६	०	४३	६९	०	३	६०
१२	१०	३०	व.	३४	५४	११	२०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाक: १९२४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्र : | वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३९८५सन् २००३

१	मं	६	५१	पू	१७	४८	सा	२१	२८	ब	६	५१	२८	६	५६	१३	२९	४	मी. १।३१	पूभा. रवि: ४९।७ (सौर: ५३) चंद्रदर्शनम्
२	बु	११	४४	उ	२४	१३	शु	२१	५३	कौ	११	४४	५२	१४	४६	१४	३०	५	मीने	शते बुध: २१।३६ श्रवणे शुक्र: ४३।४८=
३	गु	१७	१४	रे	३१	५	शु	२४	४२	ग	१७	१४	५६	१३	४७	१५	१	६	मे. ३१।५	भ. ५०।२९ उ. बुधा स्त: पूर्वस्यां ५६।१७
४	शु	२३	४५	अ	३८	४०	ब्र	२६	५३	वि	२३	४५	२९	१२	४८	१६	२	७	मेषे	भ. २३ या. [Aमीने बुध: २४।८ छारेंडी
५	श	३०	७	भ	४६	२७	ऐं	२९	२७	कौ	३०	७	५	११	४९	१७	३	८	मेषे	[×पातमोक्ष: ३०।४७ फुलरिया २
६	र	३६	३२	कृ	५३	४५	वै	३१	४६	बा	३	१९	९	१०	५०	१८	४	९	वृ. ३।१६	[=मोहोरम १ सन् १४२४ पातस्पर्श: १९।०×
७	चं	४२	१७	रो	६०	०	वि	३३	८	ग	९	२५	१३	९	५१	१९	५	१०	वृषे	भ. ४२।१७ उ.
८	मं	४६	२६	रो	०	२	प्री	३३	२२	वि	१४	२२	१७	९	५१	२०	६	११	मि. ३७	भ. १४।२२ या. होलाष्टक:
९	बु	४९	१६	मृ	५	११	आ	३३	६	बा	१७	५०	२१	८	५२	२१	७	१२	मिथुने	[+५०।० (सौर: ५३।४१) आमलकी ११ व्र.
१०	गु	५१	५	आ	८	३४	सौ	३०	५०	तै	२०	१०	२६	७	५३	२२	८	१३	क. ५४।४०	पूभा. बुध: १०।३६
११	शु	४९	५२	पु	१०	२	शे	२७	१	व	२०	२९	३०	६	५४	२३	९	१४	कर्के	भ. २०।२९ उ. ४४९।५२ या. मीनेऽर्क: +
१२	श	४५	३२	पु	९	१४	अ	२१	५३	ब	१७	४२	२४	५	५५	२४	१०	१५	कर्के	[B०।३८ होलिकादहनं भद्रापुच्छे
१३	र	३९	१९	श्ले	६	४७	सु	१४	४३	कौ	१२	२५	२८	४	५६	२५	११	१६	सिं. ६।४७	पूषा. भौम: ९।४ प्रदोष:
१४	चं	३३	३२	म	२	५४	धृ	२९	५०	ग	६	२५	४३	३	५७	२६	१२	१७	सिंहे	भ. ३३।३२ उ. ५९।३१ या. धनि. शुक्र: B
१५	मं	२५	३०	उ	५०	९	गं	४७	१४	ब	२५	३०	४७	३	५७	२७	१३	१८	कं. १०।१६	उभा. रवि: ११।४ (सौर: १४।१७) A

४८पं.फा.शु.५श.इ.५५।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	३	९	१	१	१०
२४	८	१२	१५	१३	२८	९	२४
	६४	५४	२	१५	४४	२७	३४
२२	५४	४३	४३	३८	४३	२	२२
५९	३५	५५	३३	७०	१	३	६०
५८	५३	३६	व.	१७	३५	११	६

गोचर ग्रहा:

फाल्गुन शुक्ले ११ शुक्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्या दि भावे समता शुक्रोदय: पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहा:

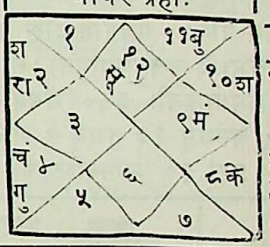

४९पं.फा.शु.१२श.इ.५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	३	९	१	१	११
	१	१३	२५	१४	२२	२८	९
	५	१२	१६	४६	३	४२	११
३५	११	२०	५२	२९	७	४६	०४
५९	३५	५५	२३	७०	२	३	५९
४१	३७	४९	व.	५५	१५	११	४९

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाक: १९२४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे फा. कृष्णेति महा.

१	बु	१६	५५	ह	४३	१६	वृ	३७	४	कौ	१६	५५	२९	६	५८	२८	१४	१९	कन्यायां	वसंत १
२	गु	८	३७	चि	३६	३२	ध्रु	२६	५९	ग	८	३७	५५	०	५९	२९	१५	२०	तु. ९।५४	भ. ३४।० उ. ५९।२४ या. उभा. बुध: ३।५१
३	गु	५	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
४	शु	५	१	३५	स्वा	३०	१६	व्या	१७	७	ब	२५	२९	३०	०	०	३०	१६	२१	तुलायां	चतुर्थीव्रतम्
५	श	४	४	३४	वि	२४	५८	ह	८	२७	कौ	१८	५	४	५९	१	१	१७	२२	वृ. १५	कुंभेशुक्र: ३५।२९ भा. चैत्रारंभः
६	र	३	८	५२	अ	२०	५१	व	२७	५३	ग	११	४३	८	५८	२	२	१८	२३	वृश्चिके	भ. ३८।५२ उ.
७	चं	३	४	२१	ज्ये	१८	५	व्य	४७	४२	वि	६	३४	१२	५८	२	३	१९	२४	ध. १८।५	भ. ६।३४ या. शीतलापूजनम्
८	मं	३१	३४	मू	१६	४४	व	४३	७	बा	२	५८	१६	५७	३	४	२०	२५	धनुषि	
९	बु	२९	५२	पू	१६	३९	प	३९	२६	ग	२९	५२	२१	५६	४	५	२१	२६	म. ५५	भ. ५९।५२ उ. रेवत्यां बुध: ४४।९
१०	गु	२९	५२	उ	१७	४७	शि	३७	७	वि	२९	५२	२५	५५	५	६	२२	२७	मकरे	भ. २९।५२ या.
११	शु	३०	३५	श्र	२०	३१	सि	३५	३२	ब	०	५	२९	५४	६	७	२३	२८	कुं. २२	शते शुक्र: १०।५ पापमोचनी ११ व्र.
१२	श	३२	४०	ध	२४	११	सा	३५	७	कौ	१	३७	३३	५३	७	८	२४	२९	कुम्भे	[÷ (सौर: ४१।४४)
१३	र	३६	११	श	२९	३	शु	३५	२२	ग	४	२५	३७	५३	७	९	२५	३०	कुम्भे	भ. ३६।११ उ. प्रदोष:
१४	चं	४०	२५	पू	३४	३८	शु	३६	१४	वि	८	१८	४१	५२	८	१०	२६	३१	मी. १५	भ. ८।१८ या. रेवत्यां रवि: ३८।४३ ÷
२०	मं	४५	३२	उ	४१	१३	ब्र	३७	४४	च	१२	५८	४५	५१	९	११	२७	१	मीने	मार्गीगुरु: ४९।५१ अप्रेल ४ ता. ३० मन्वादि:

५०पं.चै.कृ.५श.इ.५६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	३	१०	१	१	११
	८	१७	९	१४	०	२९	८
	३	३७	४	२५	२४	०	४९
१८	१६	३०	४१	४३	५०	३०	५९
५९	३४	५५	३	७१	२	३	५९
२९	५७	५४	व.	१३	५५	११	३५

गोचर ग्रहा:

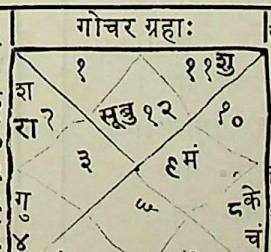

इस मास में कुंभ का शुक्र धान्य सोना चांदी रुई पाट में मंदी हो प्रजा में सुख शान्ति रहे कही २ वर्षा भी हो।

गोचर ग्रहा:

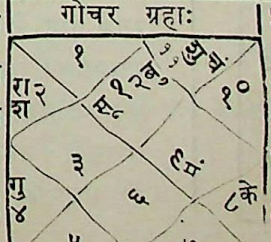

५१पं.चै.कृ.१२श.इ.५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	३	१०	१	१	११
१४	२१	२३	१४	८	२९	८	१४
५९	५९	१८	१३	४७	२६	२७	५६
१०	३८	२२	२६	२८	२	१५	७
५९	२४	५०	३३	७१	३	३	५९
१६	३४	९	व.	४८	३५	११	१८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०४ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०४ भोग्यकलिः ४२६८९६ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६० शाकः १९२५ अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः। मंत्री चंद्रः। सस्येशोबुधः। धान्येशो भौमः। मेघेशो रविः। रसेशःशुक्रः। नीरसेशो बुधः। फलेशो रविः। धनेशोबुधः। दुर्गेशो रविः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १० दुर्मुखनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १०।१५।४४।३८ भोग्यमासादिः१।१४।१३।२२ ग्रहिबुध्न्यदैवतं युगम्। वर्षनाम पौषः। मेघनाम द्रोणः। रोहिणीनिवासः समुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे। समयविश्वा १२ समयवाहनम् सिंचाणुः। स्तंभाः३ जलतृणवायूनां। सोमवत्यमाः नैव सोमवती पंचमी ३ अँगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी नैव भानु सप्तमी २ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३६० समयदिनानि ३५२ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः ९ उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा ५ धान्यम् १३ तृणम् ९ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् १०७ सत्यम् ।। धर्मं १।। पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहणे २ चंद्रसूर्ययोः।

संवत् २०६० ज्येष्ठ कृष्णे ३० शनौ खण्डग्रास सूर्यग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
उज्ज. घ.	२	४	५
मध्य प.	४४	५६	१०
रेल्वे घ.	७	८	८
टा. मि.	३३	२५	३१

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ८।५

भैरव-भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्नं

जननी जगदंबा सुणो भैरव प्रश्न विनीत ।
साल साठ अब आइया हाल कहो कर प्रीत ।।

भवानी उत्तर

बुध राजा मंत्री शशी पिता पुत्र को योग ।
नदियां बहे उतावली जनता भोगे भोग ।।
द्रोण नाम है मेघ का रोहिणी सागर बास ।
स्तंभ तीन है वर्ष में पूरण हो सब ग्रास ।।
धान्याधिप कुज धान्य में घटाबढी की चाल ।
कइ एक माल कमायसी कइ एक हो पैमाल ।।
सरांसरी संवत् हुवे वर्षा विश्वा पांच ।
ईश भजन से सुख मिले भैरव समझो सांच ।।

संवत् २०६० कार्तिक शुक्ले १५ शनौ अर्द्धरात्रि पश्चाद् ग्रस्तास्त खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
उज्ज घं.	५६	५९	०	१	५
मध्य प.	२३	५८	५२	४६	२१
रे. घं.	५	६	६	७	८
टा. मिं.	०	२६	४८	९	३५

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् २।२१

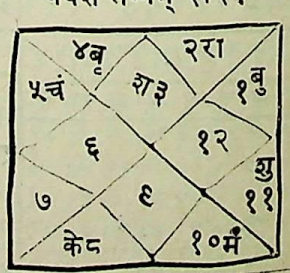

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४१।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५३।२०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् । बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्यविवाहमंगलम् । प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धनधान्यसंकुलम् ।। मंत्री चंद्रःफलम् ।। शशिनि मंत्रि गते बहु सस्यवत्यपि धरा रमते सुखमंडिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाःसुखराशि सुशोभिताः।। सस्येशो बुधस्तत्फलम् ।। जलधरा जलराशिमुचो भृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणःस्तुतिपाठकरः सदा प्रथम सस्यपतौ सति बोधने ।। धान्येशो भौमः फलम् ।। भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्यमहर्घकम् ।। शालीक्षुघृततैलादिमहर्घाणि भवंति च। मेघेशो रविः फलम्।। जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनता रसम् । यवचनेक्षुनिवारसुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषितमानसाः। सुखसुभिक्षसमोदवती धरा धरणिपा हत पापगणाः प्रियाः । नीरसेशो बुधः फलम् ।। चित्रवस्त्रादिकञ्चैव शंखचंदनपूर्वकम् । अर्धवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ।। फलेशो रविः फलम्।। द्रुमवती फलपुष्पवती धरा प्रमुदिता फलभोगविरोधतः । बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः।। धनेशो बुधः फलम्।। द्रविणपो हिमरश्मिसुतो यदा विविधसंग्रहवस्तु फला तदा ।। द्विजवरा जपयज्ञसुसंयुताः कृषिविशेषविशेषितमानसाः ॥ दुर्गेशो रविःफलम् ।। नयविशेष करस्तरणिस्तदा गतभया नरराजपुरोगमाः । समधिकेन तदा नृपतोऽन्यतः पथिषु संव्रजतां न भयं क्वचित् ॥ दुर्मुखनाम संवत्सरः फलम् ॥ दुर्मुखाब्दे मध्यवृष्टि रीतिचौराकुला धरा । महावैरा महीनाथा वीरवारणवाजिभिः॥ वर्षनाम पौषः फलम् ॥ ज्वररोगक्षुधार्ताश्च नाना जनपदाः सदा । महर्घं तु त्रयोमासाः पौषे स्वास्थ्यं ततः परं॥ मेघनाम द्रोणः फलम् ॥ द्रोणे वर्षति सर्वदा । रोहि. वासः समुद्रे फलम् । समुद्रे तु महावृष्टिः । समयनिवासो माली गृहे फलम् । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०६० मध्ये विवाहमूहूर्ताः

चैत्र मासः ।

शु. १२ चंद्रे उफा. ल. १२ रे. ८ऽ।।ऽ।।।।

वैशाख मासः ।

कृ. १ गुरौ स्वा. ल. ११ रे. ७।।।।ऽ।ऽऽ।।

,, ४ रवौ मूले ल. ११।१२ रे. ६।।।।ऽऽचोऽऽ।।

शु.११ चंद्रे हस्ते ल. १२ रे.८ऽ।।।।।ऽ।।।चंद्रोऽत्रसप्तमेपूज्यः

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ३ रवौ मूले ल.१२ रे. ७।।।।ऽ।ऽ।।ऽदग्धा.

,, ११ चंद्रे रेवत्यां ल.अन्यगो. सोग्रांगः११।१ रे. ७।।।।। ऽअऽऽ।।मेषे भौम १० पूज्यः

शु. ६ शुक्रे मघा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः १ रे.७।।।।ऽ।ऽऽ।।

,, ८ रवौ उफा. ल. गो. सोग्रांगः १२ रे. ९।।।।।।।ऽ।। मीने चं. ७ पू.

,, ११ बुधे स्वा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः १ रे. ८।।।।।ऽरो ऽ।।।मेषे चंद्र ७ पूज्यः

,, १५ शनौ मूले ल. १२।१ रे. ६ ।।।।ऽऽ अ. ऽऽ।।

आषाढ मासः ।

कृ. ७ शनौ उभा. ल. अन्यगो. रे. ६ ऽ।।।।।ऽऽ।ऽदग्धादोषः आवश्यके

,, ८ रवौ रेवत्यां ल. अन्यगो. १ रे. ६ऽ।।।।ऽचो. ऽऽ।।मषे चौरपंचका ऽ भावः रेखा७

शु. ४ गुरौ मघा. ल. १ रे. ७।।।।।ऽरो. ऽऽ।। अग्रे मार्गशीर्षादिमासेषु सिंहस्थ गुरुदोषः। सिंहस्थगुरौ वर्ज्यकर्माणि-

उद्यानचूडा व्रतबंधदीक्षा विवाहयात्रादि वधूप्रवेशम्। तडागकूपत्रिदशप्रतिष्ठा बृहस्पतौ सिंहगते न कुर्यात्।।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५												दि. उ. अ.			भा. मु. इं.		चंद्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०१४स.२००३
१	बु	५०	४०	रे	४८	१०	ऐं	४०	२१	किं	१८	५	३०	५५	६	१२	२८	२	मे.४८।१०	अश्वि.मेषेबुधः ३७।३७संवत्सरारंभः×
२	गु	५७	३८	अ	५५	१४	वै	४२	१	बा	२४	०९	५३	४९	११	१३	२९	३	मेषे	चंद्रदर्शनम् सिधारा [×नवरात्रा.
३	शु	६०	०	भ	६०	०	वि	४४	२६	तै	३०	५१	५७	४९	११	१४	१	४	मेषे	बुधोदयः पश्चिमायाम् ५।२सफर२=
३	श	४	२	भ	३	१७	प्री	४६	३८	ग	४	२	३१	४८	१२	१५	२	५	वृ.२०।१२	भ.३७।१४उ. [=गणगौरी मत्स्यजयंती
४	र	१०	२६	कृ	१०	५५	आ	४८	३६	वि	१०	२६	५	४७	१३	१६	३	६	वृषे	भ.१०।२६या.उषा.भौमः ३०।२०
५	चं	१६	८	रो	१७	४३	सौ	५०	२०	बा	१६	८	१०	४६	१४	१७	४	७	मि. ५० ४५	मृग.३मिथुने शनिः १७।२०
६	मं	२०	५८	मृ	२३	३९	शो	५०	३२	तै	२०	५८	१४	४५	१५	१८	५	८	मिथुने	पूभा.शुक्रः १७।१२
७	बु	२४	३७	आ	२८	२०	आ	४९	५०	व	२४	३७	१८	४४	१६	१९	६	९	मिथुने	भ.२४।३७उ.५५।२८या.भरण्यां÷
८	गु	२६	१८	पु	३१	२४	सु	४७	३३	ब	२६	१८	२२	४४	१६	२०	७	१०	क.३८	[+पातस्पर्शः ७।५२पातमोक्षः १७।४७-
९	शु	२६	२०	पु	३२	३२	धृ	४३	४६	कौ	२६	२०	२६	४३	१७	२१	८	११	कर्के	मकरे भौमः ३७।५१रामनवमी
१०	श	२४	२०	श्ले	३१	३५	शू	३८	२०	ग	२४	२०	३०	४२	१८	२२	९	१२	सिं. ३५	भ.५२।१९उ. [÷बुधः २९।५४
११	र	२०	१९	म	२८	४७	गं	३१	१७	वि	२०	१९	३४	४१	१९	२३	१०	१३	सिंहे	भ.२०।१९या.कामदा११व्रतम्
१२	चं	१४	११	पू	२३	५६	वृ	२२	४९	ना	१४	११	३८	४०	२०	२४	११	१४	कं. ३९	अश्वि.मेषेऽर्कः १२।४४(सौरः १६।१७)+
१३	मं	६	३६	उ	१७	५५	ध्रु	१३	११	तै	६	३६	४२	४०	२०	२५	१२	१५	कन्यायां	भ.५७।४४उ. [–प्रदोषः
१४	मं	५१	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aहनुमज्जयंती
१५	बु	४७	५८	ह	१०	४१	व्या	४१	४९ १४	वि	२२	५२	४६	३९	२१	२६	१३	१६	तु.३६।५०	भ.२२।५२या.मीने शुक्रः ३५।३३A

५२पं.चै.शु.३श.इ.५६।५६

	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	०	३	१०	१	१	११
२१	२६	६	१४	१७	२९	८	२१
५३	२१	५७	१०	११	५४	४	५०
३१	११	५८	५	२४	१८	५९	१८
५९	३३	५९	४७	७२	४	३	५९
४	४८	५९	मा.	७	१५	११	४

गोचरग्रहाः

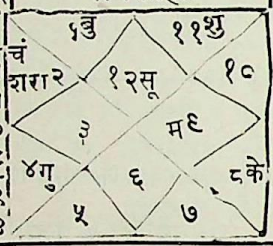

चैत्र शुक्ले १२ चंद्रे मेषेऽर्क प्रविष्ट. वा.४ न४कुमार्यवस्था बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

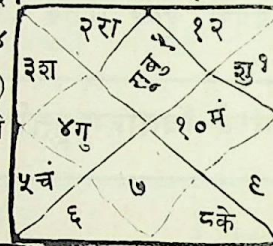

१पं.चै.शु.१२चं.इ.१२।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	१०	२	१	११
०	१	१९	१४	२७	०	७	२९
०	२५	२८	२१	७	३१	३८	५६
०	५	१६	४	१९	५	५५	३०
५८	३२	७५	२	७२	४	३	५८
४४	५८	२८	१४	३२	५०	११	४५

ति वैशाखकृष्णपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५												दि. उ. अ.			भा. मु. इं		चंद्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेत्ति महाः
१	गु	३८	५	चि	३	५२	व	४१	४२	बा	१३	२	३१	३८	२३	२७	१४	१७	तुलायां	[÷बुधास्तः पश्चिमा याम् ५९।४३=
२	शु	२८	२३	वि	४७	५०	मि	३०	२९	तै	३	१४	५३	३७	२३	२८	१५	१८	वृ.३४।३९	भ.५३।५३उ.
३	श	१९	२४	अ	४१	३२	व्य	२०	३५	वि	१९	२४	५७	३७	२३	२९	१६	१९	वृश्चिके	भ.१९।२४या.उभा.शुक्रः २२।१९×
४	र	११	४२	ज्ये	३६	४०	व	११	५९	बा	११	४२	३२	३६	२४	३०	१७	२०	ध ३६।४०	
५	चं	५	२५	मू	३३	२८	प	२९	५५	तै	५	२५	५	३५	२५	१	१८	२१	धनुषि	भा.वैशाखारंभः [×चतुर्थी व्र.
६	मं	१	९	पू	३२	०	सि	५३	५८	व	१	९	९	३४	२६	२	१९	२२	म.४७।५	भ.१।९उ.२९।५५या.
७	मं	५७	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
८	बु	५७	४८	उ	३२	२३	सा	५०	५७	बा	२८	८	१२	३४	२६	३	२०	२३	मकरे	कृत्ति.बुधः ४६।२९
९	गु	५८	४७	श्र	३४	३६	शु	४९	१९	तै	२८	११	१६	३३	२७	४	२१	२४	मकरे	
१०	शु	६०	०	ध	३८	१०	शु	४८	५३	व	२९	५८	२०	३२	२८	५	२२	२५	कुं. ६।२३	भ.२९।५८उ.वक्रीबुधः ४६।५१
१०	श	१	८	श	४३	२६	ब्र	४९	३८	वि	१	८	२३	३१	२९	६	२३	२६	कुंभे	भ.१।८या.
११	र	५	५	पू	४९	२४	ऐं	५०	४९	बा	५	५	२७	३१	२९	७	२४	२७	मी.३८	भरण्यां रविः ५२।५७(सौरः ५७।४२)÷
१२	चं	९	५४	उ	५६	२८	वै	५२	४७	तै	९	५४	३१	३०	३०	८	२५	२८	मीने	वक्री भरण्यां बुधः ४०।९श्रवणेभौमः+
१३	मं	१५	५३	रे	६०	०	वि	५४	५९	व	१५	५३	३४	३१	२९	९	२६	२९	मीन	भ.१५।५३उ.४८।४१या.
१४	बु	२१	२९	रे	३	२६	प्री	५७	१३	श	२१	२९	३८	२८	३२	१०	२७	३०	मे.३।२६	रेवत्यां शुक्रः २३।१०[=वरूथिनी११ व्र.
३०	गु	२७	५६	अ	११	७	आ	५९	३८	ना	२७	५६	४१	२८	३२	११	२८	१	मेषे	मई५ता.३१ [+३६।५१प्रदोषः

२पं.वै.कृ.५चं.इ.२।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	११	२	१	०
६	५	२५	१४	५	१	७	६
५०	२९	२७	२९	३४	८	१६	४६
४२	७	१४	७	१६	४९	३९	४१
५८	३२	२८	३	७२	५	३	५८
३१	१६	२६	३८	५०	१७	११	२९

गोचर ग्रहाः

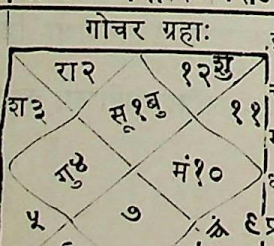

इस मास में जौ गेहूं चना बाजरा कपास मंदा चांदी स्वर्ण घृत तैल रुई रंग तेज प्रजा में कही २ रोग पीडा हो।

गोचर ग्रहाः

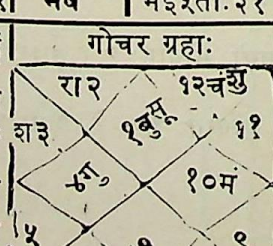

३पं.वै.कृ.१२चं.इ.१३।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	११	२	१	०
१३	९	२६	१५	१४	१	६	१३
३९	४७	३३	५	१	१४	५४	३५
४७	४६	११	१०	२३	५२	२३	६
५८	३१	१५	४	७३	५	३	५८
१९	८	व.	४७	१०	४५	११	१२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५ |दि. उ. अ. |भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४०४४सन् २००३

१	शु	३३	५८	भ	८	३७	सौ	६०	०	किं	०	५६	३३	२७	३३	१२	२९	२	वृ. ३५।२७	कृतिका. २ राहुः अनु. १ केतुः ४५।१३
२	श	४०	०	कृ	२५	५९	सौ	२	१	बा	६	५८	४८	२६	३४	१३	३०	३	वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	र	४५	२२	रो	३२	४९	शा	३	५८	तै	१२	४१	५२	२६	३४	१४	१	४	वृषे	रविलावल ३ परशुरामजयंती अक्षया ३
४	चं	४९	५०	मृ	३८	५५	अ	५	१७	व	१७	३६	५५	२५	३५	१५	२	५	मि. ५२	भ १७।३६ उ. ४९।५०या.
५	मं	५३	५६	आ	४४	१०	सु	६	५	व	२१	५३	५८	२४	३६	१६	३	६	मिथुनें	
६	बु	५६	८	पु	४८	८	धृ	६	१८	कौ	२५	२	३३	२४	३६	१७	४	७	कं. ३२।९	
७	गु	५६	५८	पु	५०	३८	शू	५	८	ग	२६	३३	५	२३	३७	१८	५	८	कर्के	भ. ५६।५८उ.
८	शु	५६	१४	श्ले	५१	२९	गं	३८	२९	वि	२६	३६	८	२२	३८	१९	६	९	सिं. ५१	भ. ३६या. पातस्पर्शः ५८।५३
९	श	५३	४३	म	५०	४७	धु	५३	५०	बा	२४	५८	११	२२	३८	२०	७	१०	सिंहे	पातमोक्षः १२।१०
१०	र	४९	२२	पू	४८	४	व्या	४७	८	तै	२१	३२	१४	२१	३९	२१	८	११	सिंहें	कृत्ति. रविः ३६ (सौरः ३४) अश्वि. मेषे×
११	चं	४३	१४	उ	४३	३७	ह	३९	११	व	१६	१८	१७	२१	३९	२२	९	१२	कं. १।१३	भ. १६ उ. ४३या. मृग. ४शनिः ५३ मोहिनी+
१२	मं	३५	४०	ह	३७	४७	व	३०	५	ब	९	२७	२०	२०	४०	२३	१०	१३	कन्यायां	[×शुक्रः २५।५१ [+११ व्रतम्
१३	बु	२७	१६	चि	३०	५०	सि	२०	३	कौ	१	२८	२३	१९	४१	२४	११	१४	तु. ४।१८	आश्ले. १ गुरुः ५० प्रदोषः नृसिंह १४
१४	गु	१७	१०	स्वा	२३	४	व्य	११	४९	व	१७	१०	२६	१९	४१	२५	१२	१५	तुलायां	भ. १७ उ. ४२।९या. वृषेऽर्कः ६ (सौरः ३१)
१५	शु	७	७	वि	१५	१७	प	४७	३४	ब	७	७	२८	१८	४२	२६	१३	१६	वृ. २।१४	बुधोदयः पूर्वस्यां १७ यमाय कुंभ दानम्

४ पं. वै.शु. ४ चं. इ. १३९ | गोचर ग्रहाः | वैशाख शुक्ले १४ गुरौ | गोचर ग्रहाः | ५ पं.वै.शु. ११ चं.इ. १३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	११	२	१	०
२०	१३	२३	१५	२२	२	९	२०
२७	५१	३९	३९	२९	३३	३२	२१
२५	१८	१८	४०	३१	४३	८	४९
५८	२९	४०	५	७३	६	३	५७
६	५०	व.	५६	२०	६	११	५७

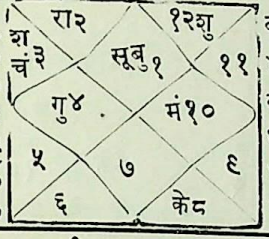

वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

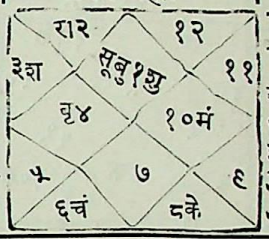

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	०	२	१	०
२७	१७	१९	१६	०	३	६	२७
१३	४६	४२	२१	५८	१९	९	७
३७	४७	५८	३६	३७	५९	५२	३
५७	२८	३१	६	७३	६	३	५७
५४	२९	व.	४६	३१	२६	११	४५

ति.| ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५ |दि. उ. अ. |भा. मु इं | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	शु	५०	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	४८	७	अ	७	४६	शि	३७	२६	तै	२२	४०	३३	१८	४९	२७	१४	१७	वृश्चिके	
३	र	४०	१०	ज्ये	५९	५३	सि	२८	२१	व	१४	८	२४	१७	४३	२८	१५	१८	ध. ०।५९	भ. १४।८उ. ४०।१०या.
४	चं	३३	५५	पू	५२	१६	सा	२०	३५	व	७	२	३७	१७	४३	२९	१६	१९	धनुषि	चतुर्थी व्र.
५	मं	२९	३१	उ	५०	४३	शु	१४	१६	कौ	१	४३	२९	१६	४४	३०	१७	२०	म. ६।५३	
६	बु	२७	२६	श्र	५१	२६	शु	९	४४	व	२७	२६	४२	१६	४४	३१	१८	२१	मकरे	भ. २७।२६उ. ५७या.
७	गु	२७	३४	ध	५४	१	ब्र	६	५४	व	२७	३४	४४	१५	४५	१	१९	२२	कु. २२।४३	मार्गी बुधः १ भरण्यां शुक्रः ३३ धनिः ÷
८	शु	२९	११	श	५८	२५	ऐं	५	३३	कौ	२९	११	४७	१५	४५	२	२०	२३	कुम्भे	[÷भौमः ५९ भा. ज्येष्ठारंभः
९	श	३२	४७	पू	६०	०	वै	६	६	तै	०	५९	४९	१४	४६	३	२१	२४	मी. ५७	
१०	र	३७	४१	पू	४	२२	वि	६	५५	व	५	१४	५२	१४	४६	४	२२	२५	मीने	भ. १४ उ. ३७या. रोहि. रविः ३२ (सौरः ३९)
११	चं	४३	४३	उ	११	२०	प्री	८	५३	ब	१०	४२	५४	१३	४७	५	२३	२६	मीने	अपरा ११ व्रतम्
१२	मं	४९	४१	रे	१८	४४	आ	११	२१	कौ	१६	४२	५६	१३	४७	६	२४	२७	मेंं. १८।४४	
१३	बु	५६	७	अ	२६	२५	सौ	१३	५९	ग	२२	५३	५८	१२	४८	७	२५	२८	मेषे	भ. ५६।७उ. प्रदोषः
१४	गु	६०	०	भ	३३	४६	शो	१६	१७	वि	२९	४	३०	१२	४८	८	२६	२९	वृ. ५०।३३	भ. २९।४या.
१४	शु	२	१	कृ	४०	५५	अ	१८	३०	श	२	१	२	१२	४८	९	२७	३०	वृषे	
३०	श	७	४६	रो	४७	२९	सु	२०	२४	ना	७	४६	३	११	४९	१०	२८	३१	वृषे	सूर्यग्रहणम् वटसावित्री व्र.

६ पं.ज्ये.कृ. ४ चं.इ. १३० | गोचर ग्रहाः | गोचर ग्रहाः | ७ पं.ज्ये.कृ. ११ चं.इ. १३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	३	०	२	१	१
३	२१	१७	१७	९	४	५	३
५८	३७	३३	९	२८	८	४७	५०
३७	२३	४०	४३	१९	४६	३७	४४
५७	२७	१३	७	७३	६	३	५७
४४	२२	व.	५५	४४	३८	११	३४

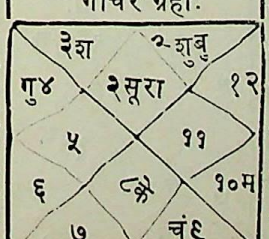

इस मास में मकर का मंगल धान्यों में मंदी करेगा सोना चांदी घृत तेल रुई में तेजी प्रजा में रोग बढे धूप अधिक पड़े।

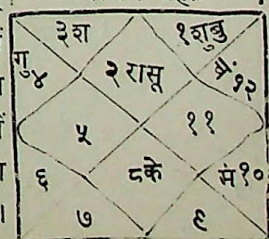

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	३	०	२	१	१
१०	२५	१८	१८	१७	४	५	१०
४२	१६	३५	४	५८	५९	२५	३२
२९	३७	५३	३७	१६	५३	२१	५५
५७	२५	३९	८	७३	६	३	५७
३५	३९	व.	४८	५०	५६	११	२३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५									दि. उ. अ.	भा मु. इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०७४स.२००३
१	र	१२	२७	मृ	५३	१०	धृ	२१	३४	ब	१२	२७	३५ ५५ ४९	११ २९ १	मि २०।१९	चंद्रदर्शनम् जून ६ ता. ३०
२	चं	१६	२८	आ	५८	८	शू	२२	७	कौ	१६	२८	७ ११ ४९	१२ १ २	मिथुने	कृत्ति.शुक्रः २२।५७ रविलाखर ४
३	मं	१९	३२	पु	६०	०	गं	२१	५२	ग	१९	३२	९ १० ५०	१३ २ ३	क. ४५।५८	भ.५०।३१ उ.
४	बु	२१	३०	पु	१	५५	वृ	२०	४१	वि	२१	३०	१० १० ५०	१४ ३ ४	कर्के	भ.२१।३० या.
५	गु	२२	१४	पु	४	४०	धु	१८	५३	बा	२२	१४	१२ १० ५०	१५ ४ ५	कर्के	वृषे शुक्रः ५७।१६ कुंभे भौमः १६।५७
६	शु	२१	४५	श्ले	६	१६	व्या	१६	७	तै	२१	४५	१३ ९ ५१	१६ ५ ६	सिं. ६।१६	कृत्ति.बुधः २।५५ अस्तं शनेः २४।२६
७	श	२०	४	म	६	४८	ह	१२	११	व	२०	४	१५ ९ ५१	१७ ६ ७	सिंहे	भ.२०।४ उ.४९।५या
८	र	१८	५	पू	५	४१	व	७	५	व	१८	५	१६ ९ ५१	१८ ७ ८	कं. २०।६	मृगे रविः ३५ (सौरः ३९) वृषे बुधः ४१ ३० ×
९	चं	१२	४०	उ	२९	१८	सि	५३	५२	कौ	१२	४०	१७ ९ ५१	१९ ८ ९	कन्यायां	[×आश्ले २ गुरुः ४५ आर्द्रा.१ शनिः २७।३५
१०	मं	७	१	चि	५४	४०	व	४५	२२	ग	७	१	१८ ८ ५२	२० ९ १०	तु. २७।१०	भ.३३।३१ उ.गंगा १० निर्जला ११ व्र.स्मा.
११	बु	०	१	स्वा	४८	४७	प	३६	२१	वि	०	१	१९ ८ ५२	२१ १० ११	तुलायां	भ.०१या. निर्जला ११ व्र. वै.
१२	बु	५१	५३		०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	
१३	गु	४३	१३	वि	४१	५७	शि	२६	३४	कौ	१७	३२	१९ ८ ५२	२२ ११ १२	वृ. ३८	प्रदोषः
१४	शु	३३	५३	अ	३४	५०	सि	१६	२६	ग	८	३२	२० ८ ५२	२३ १२ १३	वृश्चिके	भ.३३।५३ उ.५९।१५या.रोहि. शुक्रः १२ १९
१५	श	२४	५६	ज्ये	२८	६	सा	२५	२५	व	२४	५६	२१ ८ ५२	२४ १३ १४	ध. २८।६	गुर्जराणां वटसावित्री व्र

८ पं.ज्ये.शु.२ चं.इ.१४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	३	०	२	१	१
१७	२८	२३	१९	२६	५	५	१७
२५	४६	५	५	२८	५२	३	१४
१९	१९	२४	४६	५९	२३	५	०१
५७	२४	४७	९	७३	७	३	५७
२७	१०	५०	३७	५६	५	११	१३

गोचर ग्रहाः

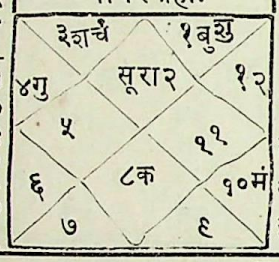

इस मास में गेहूं जौ चना मटर सरसों अलसी आदि और धान्य गल्ले में मंदी होकर तेजी हो जावे। कहीं२ अच्छी वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

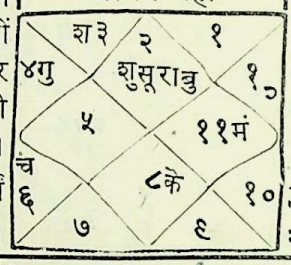

९ पं. ज्ये.शु. ९ चं.इ. १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	३	१	२	१	१
२४	१	०	२०	५	६	४	२३
७	५९	४१	११	०	४५	४०	५३
१९	२	१७	५६	४	३६	५०	५७
५७	२२	७५	१०	७४	७	३	५७
२२	८	४५	२०	२	१४	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५									दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहा.
१	र	१६	२८	मू	२२	११	शु	४७	५७	कौ	१६	२८	३४ ५ ६	२५ १४ १५	धनुषि	मिथुनेऽर्कः २३ (सौरः ३९) रोहिण्यां बुधः ÷
२	चं	९	२६	पू	१७	१४	व्र	४०	२५	ग	९	२६	२२ ८ ५२	२६ १५ १६	म. ३१।२७	भ.३६।३७ उ. [÷३०।४५
३	मं	३	४९	उ	१४	६	ऐं	३४	२४	वि	३	४९	२२ ८ ५२	२७ १६ १७	मकरे	भ.३।४९या. चतुर्थी व्र.
४	बु	०	८	श्र	१२	५५	वै	३०	२	बा	०	८	२२ ७ ५३	२८ १७ १८	कु. ४३।२३	
५	बु	५८	४०		०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०	
६	गु	५९	२४	ध	१३	५०	वि	२७	१७	ग	२९	६	२३ ७ ५३	२९ १८ १९	कुम्भे	भ.५९।२४ उ.शते भौमः ५९।४१
७	शु	६०	०	श	१६	५२	प्री	२६	२६	वि	३०	३९	२३ ७ ५३	३० १९ २०	कुम्भे	भ.३०।१९या.
७	श	१	५४	पू	२१	४०	आ	२६	३०	ब	१	५४	२४ ७ ५३	३१ २० २१	मी. ५।२८	
८	र	६	२९	उ	२७	५३	सौ	२७	५५	कौ	६	२९	२४ ७ ५३	१ २१ २२	मीने	आर्द्रा.रविः २२ (सौरः ४०) भा.आषाढारंभः
९	चं	१२	१३	रे	३५	११	शो	३०	४०	ग	१२	१३	२४ ७ ५३	२ २२ २३	मे. ३५ ११	भ.४५।११ उ.मृगे बुधः ११।२२
१०	मं	१८	१०	अ	४२	४३	अ	३२	४६	वि	१८	१०	२४ ७ ५३	३ २३ २४	मेषे	भ.१८।१०या.मृगे शुक्रः १५ बुधास्तः ×
११	बु	२४	३१	भ	५०	१८	सु	३५	१७	बा	२४	३१	२४ ७ ५३	४ २४ २५	मेषे	योगिनी ११ व्र. [×पूर्वस्यां १७।१४
१२	गु	३०	३२	कृ	५७	३२	धृ	३७	४०	तै	३०	३२	२३ ७ ५३	५ २५ २६	वृ. ७।७	मिथुने.बुधः ३४।१६
१३	शु	३५	५६	रो	६०	०	शू	३९	१९	ग	३१	४	२३ ७ ५३	६ २६ २७	वृषे	भ.५६ उ.आश्ले.२गुरुः १७।१५ प्रदोषः
१४	श	४०	१०	रो	३	५६	गं	४०	२३	वि	८	३	२२ ८ ५२	७ २७ २८	मि. ३९	भ.८।३या.
३०	र	४३	२६	मृ	९	१४	बु	४०	३१	च	११	४७	२२ ८ ५२	८ २८ २९	मिथुने	आर्द्रा.बुधः ५१ मिथुने शुक्रः ४३।५९

१० पं.आ. कृ. २ चं.इ. १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	३	१	२	१	२
०	४	१०	२१	१३	७	४	०
४८	४९	५५	२२	३२	३९	१८	३३
३६	२६	३७	८	६	४०	३४	०६
५७	१९	०	१०	७४	७	३	५६
१७	५३	१९	५६	८	२०	११	५७

गोचर ग्रहाः

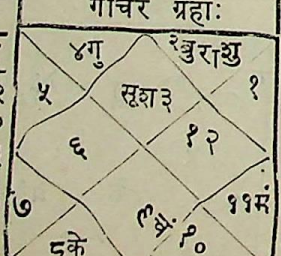

आषाढ़ कृष्णे १ रवौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ६ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावें समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

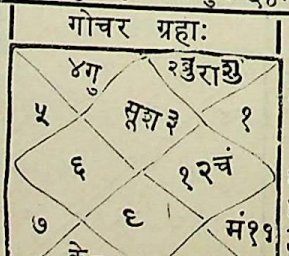

११ पं.आ. कृ.९ चं.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	३	१	२	१	२
७	७	२३	२२	२२	८	३	७
२९	३६	२५	३७	४	३३	५६	११
३१	४०	८	१९	१६	५८	१९	३३
५७	१७	०	११	७४	७	३	५६
१३	३०	१७	३३	१८	२०	११	५४

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१०३ स. २००३

१	चं	४५	२५	आ	१३	२९	ध्रु	३९	४२	किं	१४	२५	३४	५	६	९	२९	३०	मिथुने	
२	मं	४६	२३	पु	१७	४१	व्या	३८	३	बा	१५	५४	२०	८	५२	१०	३०	१	क.१।३८	चंद्रदर्शनम् जुलाई ७ ता. ३१रथयात्रा
३	बु	४६	८	पु	१८	४६	ह	३५	३४	तै	१६	१६	१९	८	५२	११	१	२	कर्के	जमादिलावल ५
४	गु	४५	१	श्ले	१९	४५	व	३२	१३	व	१५	४	१८	८	५२	१२	२	३	सिं१९।४५	भ.१५।४उ.४५।१या.
५	शु	४२	५८	म	१९	५४	सि	२८	१९	ब	१३	५९	१७	९	५१	१३	३	४	सिंहे	आर्द्रा.२शनिः ४/० कृति २ राहुःविशा.४ ×
६	श	३९	५४	पू	१९	९	व्य	२३	४४	कौ	११	२६	१६	९	५१	१४	४	५	कं.३३।४६	पुनःबुधः४७।१आर्द्रा.शुक्रः१२।१४
७	र	३६	७	उ	१७	३५	व	१८	१२	ग	८	०	१५	९	५१	१५	५	६	कन्यायां	भ.३६ उ.पुन.रविः२०।५४ (सौरः ४३/)
८	चं	३१	३५	ह	१५	१६	प	१२	१०	वि	४	२०	१४	९	५१	१६	६	७	तु.४३।३८	भ.४।२०या.
९	मं	२६	१०	चि	११	५९	शि	२२	५२	कौ	२६	१०	१३	९	५१	१७	७	८	तुलायां	[× केतुः ३६
१०	बु	२०	४	स्वा	७	५८	सा	५०	७	ग	२०	४	११	१०	५०	१८	८	९	वृ.४९।३२	भ.४६।४०उ.
११	गु	१३	१६	वि	२४	५४	शु	४१	३८	वि	१३	१६	१०	१०	५०	१९	९	१०	वृ.श्चिके	भ.१३/या.कर्के बुधः ३०देवशयनी ११ व्र.
१२	शु	५	५०	ज्ये	५२	४१	शु	३२	५१	बा	५	५०	८	१०	५०	२०	१०	११	ध.५२।४१	उदयं शनेः४५।२० प्रदोषः
१३	शु	५२	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	श	५१	५८	मू	४७	३३	ब्र	२४	९	ग	२५	१०	७	११	४९	२१	११	१२	धनुषि	भ.५१।५८उ.पुष्ये बुधः ४।४९
१५	र	४४	२९	पू	४२	५८	ऐं	१५	५६	वि	१८	१३	५	११	४९	२२	१२	१३	म.५७।४	भ.१८।१३या.व्यासपूजा वायुपरीक्षा

१२पं.आ. शु. १च. इ.१३/५४

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	३	२	२	१	२
१४	९	७	२३	०	५	३	१३
९	५४	४७	५५	३७	२८	३४	४९
५८	५८	३५	३७	५	३०	३	३८
१७	१५	२९	१२	७४	७	३	५६
७	९	३३	१०	२२	२०	११	५०

गोचर ग्रहाः

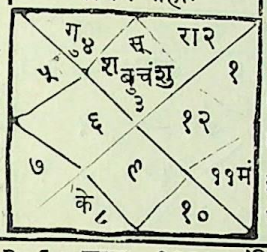

इस मास में ५ रविवार गेहूं जौ चना मटर बांजरा आदि धान्य रस धातु में तेजी करें वर्षा अच्छी हो प्रजा में अशान्ति रहे।

गोचर ग्रहाः

१३पं.आ.शु.८चं.इ.१३।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	३	२	२	१	२
२०	११	२३	२५	९	१०	३	२०
१०	४४	४	१६	१०	२३	११	२७
२४	४६	१	३४	४८	१७	४७	३२
५७	१२	२९	१२	७४	७	३	५६
७	२९	१३	२३	२६	१४	११	५०

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	चं	३८	५०	उ	३९	२०	वै	८	१९	बा	११	३९	३४	१	५१	४९	२३	१३	१४	मकरे	आ.श्ले.४ गुरुः ९।४
२	मं	३४	५०	श्र	३७	१४	वि	४१	५४	तै	६	५०	१	१२	४८	२४	१४	१५	मकरे	
३	बु	३२	३८	ध	३७	६	आ	५२	२९	व	३	४४	३३	१२	४८	२५	१५	१६	कुं.७।१०	भ.३४ उ.३२या.कर्केऽर्कः ५०पुनःशुक्रः २ ×
४	गु	३२	१७	श	३८	४८	सौ	५०	२४	ब	२	२८	५७	१३	४७	२६	१६	१७	कुंभे	कर्केऽर्कःसौरः१७।२६
५	शु	३४	७	पू	४२	११	शो	४९	३६	कौ	३	११	५५	१३	४७	२७	१७	१८	मी.३६	आश्ले बुधः५६।१६नाग५मरुस्थले
६	श	३७	४१	उ	४७	२७	अ	४९	५५	ग	५	५४	५२	१४	४६	२८	१८	१९	मीने	भ.३७।४१उ.
७	र	४२	५०	रे	५३	५८	सु	५१	४४	वि	१०	१६	५०	१४	४६	२९	१९	२०	मे.५३।५८	भ.३६/या.पुष्ये.रविः१९।३८(सौरः ४८)
८	चं	४८	३०	अ	६०	०	धृ	५३	४७	बा	१५	४०	४८	१४	४६	३०	२०	२१	मेषे	[×बुधोदयः पश्चिमायां ५६ चतुर्थी व्र.
९	मं	५४	४८	अ	१	११	शू	५६	२३	तै	२१	३९	४५	१५	४५	३१	२१	२२	मेषे	
१०	बु	६०	०	भ	८	५२	गं	५८	४३	व	२७	४६	४३	१५	४५	१	२२	२३	बृ.२५।४०	भ.२७।४६उ.भा.श्रावणारंभः
१०	गु	०	४४	कृ	१६	७	बृ	६०	०	वि	०	४४	४०	१६	४४	२	२३	२४	वृषे	भ.०।४४या.कर्के शुक्रः१०।४
११	शु	६	११	रो	२२	५३	वृ	०	४४	बा	६	११	३८	१६	४४	३	२४	२५	मि.५५	कामिका ११ व्रतम्
१२	श	१०	२६	मृ	२८	१७	धु	१	४९	तै	१०	२६	३५	१७	४३	४	२५	२६	मिथुने	मघा सिंहे बुधः ३७पुष्येशुक्रः ५५प्रदोषः
१३	र	१३	२२	आ	३२	२६	व्या	१	४९	व	१३	२२	३३	१७	४३	५	२६	२७	मिथुने	भ.३३ उ.४०या.शुक्रास्तः पूर्वस्यां१२।०
१४	चं	१४	३८	पु	३४	५९	ह	५०	५७	श	१४	३८	३०	१८	४२	६	२७	२८	क.१९।२१	
२०	मं	१४	३५	पु	३६	१२	सि	५५	२५	ना	१४	३५	२७	१९	४१	७	२८	२९	कर्के	हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ.१चं.इ.१३।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	३	३	२	२	१	२
२७	१३	७	२६	१७	११	२	२७
३०	११	३८	४०	४५	१७	४९	५
४३	३५	५६	५९	३२	२	३२	३९
५७	१०	२९	१२	७४	७	३	५६
११	३३	३४	५०	२६	८	११	५४

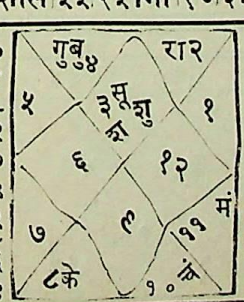

१५पं.श्रा.कृ.८चं.इ. १३/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	३	३	२	२	१	३
४	१४	२०	२८	२६	१२	२	३
११	७	५०	७	२०	९	२७	४४
२८	३४	१३	३४	४२	४३	१६	६
५७	७	००	१३	७४	७	३	५६
१५	१९	२२	१३	३२	००	११	५८

१६पं.श्रा.कृ.१४चं.इ.१३/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	४	३	३	२	१	३
१०	१४	२	२९	४	१३	२	१०
५२	३१	३४	३५	५७	१	५	२३
३०	१९	२३	४२	१४	५	१	२३
५७	५	९६	१३	७४	६	३	५७
२०	१	२३	२०	३२	४४	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५								दि. उ. अ.	भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१३३स.२००३
१	बु	१२	५२	श्ले	३६	१३	व्य	५१	१४	ब	१२	५२	३३ १९ ५ ४१	८ २९ ३०	सिं ३६	मघा १सिंहे गुरुः२।१७ चंद्रदर्शनम्
२	गु	१०	२४	म	३५	१३	व	४६	१९	कौ	१०	२४	२२ २० ४०	९ ३० ३१	सिंहे	आर्द्रा.३शनिः १५७ जमादिलाख र६सिंधारा
३	शु	६	५८	पू	३३	२५	प	४०	३१	ग	६	५८	१९ २० ४०	१० १ १	कं.४७।५०	भ.३४ उ.अगस्त ८ ता.३१ तीज
४	श	२	४९	उ	३१	५	शि	३४	२३	वि	२	४९	१६ २१ ३९	११ २ २	कन्यायां	भ.२।४९या.नागपंचमी
५	श	५५	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०	
६	र	५३	२७	ह	२८	१९	सि	२८	११	कौ	२५	५३	१३ २१ ३९	१२ ३ ३	तु.५६।५०	आश्ले.रविः१६।३९ (सौरः४८।५४)
७	चं	४८	२३	चि	२५	२२	सा	२१	३५	ग	२०	५२	१० २२ ३८	१३ ४ ४	तुलायां	भ.४८।२३उ.पूफा.बुधः३४।४०
८	मं	४३	११	स्वा	२२	०	शु	१४	५३	वि	१५	४७	७ २३ ३७	१४ ५ ५	तुलायां	भ.१५।४७या.
९	बु	३७	४३	वि	१८	३८	शु	७	५०	बा	१०	२७	४ २३ ३७	१५ ६ ६	वृ.४।२९	आश्ले.शुक्रः४२।२०
१०	गु	३२	२	अ	१५	४	ब्र	४४	५३	तै	४	५२	० २४ ३६	१६ ७ ७	वृश्चिक	भ.५९।१६ उ.
११	शु	२६	३०	ज्ये	११	२६	वै	४६	१७	वि	२६	३०	३३ २५ ३५	१७ ८ ८	ध. ११ ९	भ.२६।३०या. पवित्रा ११ व्र.
१२	श	२१	२	मू	७	५५	वि	३९	२८	बा	२१	२	५४ २५ ३५	१८ ९ ९	धनुषि	प्रदोषः
१३	र	१६	१	पू	४	३५	प्री	३२	४१	तै	१६	१	५० २६ ३४	१९ १० १०	म.१८।५७	अस्तं गुरोः७।१२
१४	चं	११	३६	उ	२	१	आ	२६	४२	व	११	३६	४७ २७ ३३	२० ११ ११	मकरे	भ.११।३६उ.४०।०या.
१५	मं	८	२४	श्र	०	१५	सौ	२१	४०	ब	८	२४	४४ २७ ३३	२१ १२ १२	कुं.३०।११	श्रावणी कर्म. रक्षाबंधनम्

१७ पं. श्रा.शु. ७चं. इ १३/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	४	४	३	२	१	३
१७	१४	१२	११	१३	१३	१	१७
३४	२७	५१	५	३४	५०	४२	३
१२	२९	२२	३१	४८	३१	४५	११
५७	२८	०	१३	७४	६	३	५७
२५	२२	१४	३२	३२	३१	११	१२

गोचर ग्रहाः

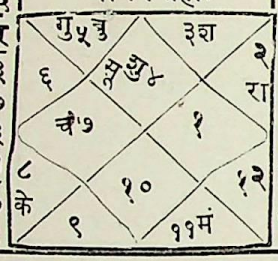

श्रावण कृष्णे ३ बुधे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्या दि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

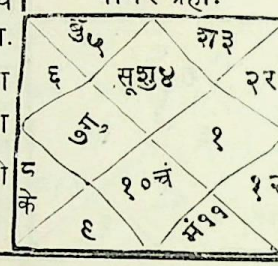

१८पं.श्रा.शु १३चं.इ १३/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	४	४	३	२	१	३
२४	१३	२१	२	२२	१४	१	२३
१६	५४	३०	३६	१२	३७	२०	४४
३७	१८	२५	१४	३६	४८	२९	१८
५७	०	६१	१३	७४	६	३	५७
३३	४६	५५	३२	३८	१४	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५								दि. उ. अ.	भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	बु	६	३५	ध	०	७	शो	१७	४३	कौ	६	३५	३२ २८ ३३	२२ १३ १३	कुम्भे	
२	गु	६	१४	श	१	१०	अ	१४	४९	ग	६	१४	३७ २९ ३१	२३ १४ १४	मी४८।२६	भ. ३६ उ.वक्री भौमः ३६ मघा.२गुरुः २७
३	शु	७	४३	पू	४	१२	सु	१३	३८	वि	७	४३	३२ २९ ३१	२४ १५ १५	मीने.	भ.७।४३या.चतुर्थीव्रतम्
४	श	१०	४६	उ	८	३३	धृ	१३	१६	बा	१०	४६	३० ३० ३०	२५ १६ १६	मीने	उफा बुधः १६।३४
५	र	१५	२८	रे	१४	३०	शू	१४	११	तै	१५	२८	२६ ३१ २९	२६ १७ १७	मे. १४ ३०	मघासिंहेऽर्कः १९ (सौरः ४५ १९, मघासिंहे÷
६	चं	२०	५३	अ	२१	१५	गं	१५	५६	व	२०	५३	२२ ३२ २८	२७ १८ १८	मेषे	भ.२३ उ.५३या. [÷शुक्रः ३१ २ चंद्रषष्ठी
७	मं	२७	१	भ	२८	४२	बृ	१८	१२	ब	२७	१	१९ ३२ २८	२८ १९ १९	वृ. ४५ ५	जन्माष्टमी व्र. स्मार्ता.
८	बु	३३	१३	कृ	३६	१३	भृ	२०	३६	बा	०	७	१५ ३३ २७	२९ २० २०	वृषे	जन्माष्टमी व्र. वैष्णवानाम्
९	गु	३८	५५	रो	४३	१५	व्या	२२	५४	तै	६	४	१२ ३४ २६	३० २१ २१	वृषे	कन्यायां बुधः ३४ गोगानवमी
१०	शु	४३	२८	मृ	५०	११	ह	२४	२८	व	११	११	८ ३४ २६	३१ २२ २२	मि१६।४३	भ.११।११उ.४३।२८या.
११	श	४६	२७	आ	५३	५३	व	२४	५६	ब	१४	५८	४ ३५ २५	१ २३ २३	मिथुने	भा.भाद्रपदारंभः अजा ११ व्र.
१२	र	४७	५५	पु	५६	४४	सि	२४	१८	कौ	१७	११	१ ३६ २४	२ २४ २४	क.४१।२	वत्सद्वादशी
१३	चं	४७	३०	पु	५७	५७	व्य	२२	१८	ग	१७	४२	३३ ३७ २३	३ २५ २५	कर्के	भ.४७।३०उ. प्रदोषः
१४	मं	४५	७	श्ले	५७	२६	व	१८	५२	चि	१६	१८	५३ ३७ २३	४ २६ २६	सिं.५७ ३६	भ.१६।१८या.वक्री बुधः५२।१०
३०	बु	४१	२८	म	५५	२३	प	१४	१	च	१३	१७	४९ ३८ २२	५ २७ २७	सिंहे	कुशाग्रहणी. पिठोरी ३० मन्वादिः

१९ पं.भा.कृ ६चं.इ. १२/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	४	४	४	२	१	४
०	१२	२७	४	०	१५	०	०
५९	५५	५५	७	५१	२३	५८	२६
५३	४८	३०	५३	४३	२	१४	३१
५७	५३	३८	१३	७४	६	३	५७
४०	व:	५९	३८	३८	५०	११	३४

गोचर ग्रहाः

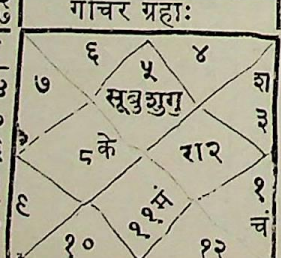

भाद्रपद कृष्णे ५ रवौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ४ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्या दि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

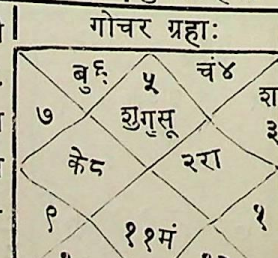

२० पं.भा. कृ.१३चं.इः १२/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	४	४	२	१	४
७	११	२	५	९	१६	०	७
४४	४६	०	३९	३२	५३	५०	१०
२०	४१	२२	१४	१३	४२	५८	१
५७	३१	९	१३	७४	५	३	५७
४९	व:	१८	३८	३८	२८	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५|दि. उ. अ.|भा. मु. इं.|चन्द्रः|शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१६२स.२००३

| | | |

ति.|आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५ |दि. उ. अ.|भा. मु. इं.| चन्द्रः |शरदृतू रविर्दक्षिणेऽर्गणः४१९२स.२००३

१	शु	५२	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A४६।४८सरस्वती पू. बलिदानम्
२	श	५०	११	ह	६	११	ब्र	३५	३७	बा	२४	१०	४४	३६	५७	५	२९	२७	तु.३३।११	हस्ते रबिः २३।१२ (सौर:५८।३१) ×
३	र	४२	५	चि	०	५३	वै	४९	५०	तै	१६	८	४०	४	५६	६	१	२८	तुलायां	सावान८ [×चंद्रदर्शनम्
४	चं	३४	३२	वि	४८	२४	वि	४०	२३	व	८	१९	३९	५	५५	७	२	२९	वृ.३४।४९	भ.८।१९उ.३४।३२या.चित्रा.शुक्रः२८।८
५	मं	२७	३९	अ	४	३१	प्री	३१	५५	ब	१	५	३२	६	५४	८	३	३०	वृश्चिके	पूफा.१गुरुः१६३० [–वाहनम्
६	बु	२१	३४	ज्ये	३९	२७	आ	२३	५६	तै	२१	३४	२८	६	५४	९	४	१	ध.३९।२७	उफा.बुधः८।४८अक्ट्रवर१०ता.३१
७	गु	१६	३२	मू	३६	३१	सौ	१६	४३	व	१६	३२	२३	७	५३	१०	५	२	धनुषि	भ. १६।३२उ.४४।३५ या. सरस्वत्या–
८	शु	१२	३८	पू	३४	३५	शो	१०	२७	ब	१२	३८	१९	८	५२	११	६	३	म. ४९ २४	कन्यायां बुधः २६ १ शुक्रोदयःपश्चिमायांA
९	श	१०	५	उ	३३	५०	अ	५	१३	कौ	१०	५	१५	९	५१	१२	७	४	मकरे	तुलायां शुक्रः४९।८
१०	र	८	२२	श्र	३४	९	सु	४७	२८	ग	८	२२	११	१०	५०	१३	८	५	मकरे	भ.३८।७उ.सरस्वती विसर्जनं विजया१०
११	चं	७	५२	ध	३५	४१	शू	५४	३२	वि	७	५२	७	११	४९	१४	९	६	कुं.४।५५	भ.७।५२या.पापांकुशा११व्र.
१२	मं	८	४५	श	३८	२५	गं	५२	५५	बा	८	४५	३	११	४९	१५	१०	७	कुंभे	प्रदोषः [=शरद्१५कोजागर्ति व्र.
१३	बु	१०	१६	पू	४१	५९	वृ	५२	१५	तै	१०	१६	५९	१२	४८	१६	११	८	मी२६।५	बुधास्तः पूर्वस्यां२१।६ [*का. स्ना. प्रा.
१४	गु	१३	१४	उ	४६	४१	धु	५१	५९	व	१३	१४	५५	१३	४७	१७	१२	९	मीने	भ.१३।१४उ.४५।९या.हस्तेबुधः२८।०=
१५	शु	१७	४	रे	५२	२२	व्या	५२	३७	ब	१७	४	५१	१४	४६	१८	१३	१०	मे. ५२।२२	चित्रा.रविः५५।१४स्वात्यां शुक्रः११।५*

२५पं.आ.शु.४ चं.इ.१२।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	४	४	५	२	०	५
११	७	२४	१३	२६	१८	२८	११
४६	३५	७	६	०	४१	४४	१२
१२	१७	१९	११	४	१३	४०	२१
१८	४	७८	१२	७४	३	३	५९
१३	५०	२९	५२	२६	४२	११	००

गोचर ग्रहाः

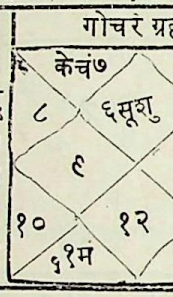

कृष्ण पक्ष में तिथी बढे, शुक्ल पक्ष घट जाय। 'एक चीज की क्या कहें सभी चीज घट जाय ।। इस मास में धान्य रस धातु संभी तेज हो।

गोचर ग्रहाः

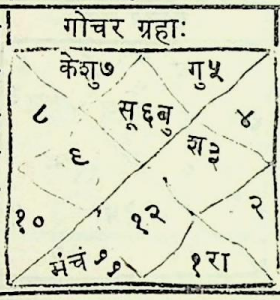

२६ पं.आ.शु. ११चं. इ.५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	६	२	०	५
१८	८	४	१४	१	१८	२८	१८
४०	१	३४	३०	४२	५९	२२	६
८	३४	४८	२५	३२	२०	२५	८
५९	८	९९	१२	७४	२	३	५९
९	८	३०	२६	२६	२	११	१६

ति.| कार्तिक कृष्णपक्षः २०६० शाकः १९२५ |दि. उ. अ.|भा. मु. इं.| चन्द्रः |शरदृतू रविर्दक्षिणे आ.कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	श	२२	११	अ	५८	५०	ह	५३	५९	कौ	२२	११	२८	१५	४५	१९	१४	११	मेषे	चित्रा.रविःसौर:२९।५
२	र	२७	३७	भ	६०	०	व	५५	५०	ग	२७	३७	४३	१५	४५	२०	१५	१२	मेषे	
३	चं	३	३४	भ	५	५२	सि	५८	१०	व	०	४३	३९	१६	४४	२१	१६	१३	वृ. २२ ४७	भ.०।४३उ.३३।४९या.
४	मं	४०	८	कृ	१३	३२	व्य	६०	०	ब	६	५८	३५	१७	४३	२२	१७	१४	वृषे	चतुर्थी व्र.
५	बु	४६	३५	रो	२१	१४	व्य	०	३५	कौ	१३	२१	३१	१८	४२	२३	१८	१५	मि.२५ ४	[–महालक्ष्मीपू.
६	गु	५२	११	मृ	२७	३८	व	२	३६	ग	१९	२३	२७	१९	४१	२४	१९	१६	मिथुने	भ.५२।११उ.चित्रा.बुधः५८।५५
७	शु	५६	५०	आ	३४	५९	प	४	३९	वि	२४	३०	२३	१९	४१	२५	२०	१७	मिथुने	भ.२४।३०या.तुलायामर्कः३९।३पूफा.२×
८	श	६०	०	पु	४०	१७	शि	५	४३	बा	२८	२६	२०	२०	४०	२६	२१	१८	क.२३।५८	तुलायामर्कःसौर:११।४९ [×गुरुः५०।५५
८	र	०	३	पु	४३	५१	सि	५	३८	कौ	०	३	१६	२१	३९	२७	२२	१९	कर्के	
९	चं	१	२०	श्ले	४५	३२	सा	४	१७	ग	१	२०	१२	२२	३८	२८	२३	२०	सिं.४५ ३२	भ.३०।५८उ.तुलायां बुधः४७।१९विशा=
१०	मं	०	३७	म	४५	१७	शु	१३	२६	वि	०	३७	८	२२	३८	२९	२४	२१	सिंहे	भ.०।३७या.रमा११व्र स्मार्ता.
११	मं	५७	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+(सौर:५२।५२)रूप१४ [Aधन१३
१२	बु	५३	१३	पू	४२	५७	ब्र	५०	२९	कौ	२५	३२	४	२३	३७	३०	२५	२२	कं.५६।५४	रमा११व्र.वै. [=शुक्रः५३।४६
१३	गु	४६	३९	उ	३८	४५	ऐं	४२	४०	ग	१९	५६	०	२४	३६	१	२६	२३	कन्यायां	भ.४६।३९उ. भा. कार्तिकारंभः प्रदोषःA
१४	शु	३८	३८	ह	३३	७	वै	३३	३७	वि	१२	३८	५९	२५	३५	२	२७	२४	तु.५८।४४	भ.१२।३८या.स्वात्यां रविः२१।५+
३०	श	२९	४४	चि	२६	२३	वि	२३	५०	च	४	११	५३	२५	३५	३	२८	२५	तुलायां	स्वात्यां बुधः१३।४४वक्री शनिः५०।३६–

२७ पं.का.कृ.३ चं. इ. ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	६	२	०	५
२५	८	१७	१५	१०	१९	२८	२५
१५	५७	३१	५१	२५	११	०	०१
२	४३	३४	१८	१	३१	९	५०
१९	१०	०	१२	७४	२	३	५९
१२	२९	५५	११	२०	२२	११	३१

गोचर ग्रहाः

कार्तिक कृष्णे ७ शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न.४ बालावस्था (बैठी) मु.४५धान्या दि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

२८ पं. का.कृ.९चं.इ. ११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	५	४	६	२	०	६
२	१०	२८	१७	१९	१९	२७	१
३१	२८	५७	९	७	१९	३७	५९
२६	२३	२२	२५	४६	५	५३	१७
५९	१३	०	१२	७४	०	३	५९
३४	५६	८	३३	१४	४२	११	४६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०६० शाक: १९२५									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	र	२०	१३	स्वा	१८	५८	प्री	१३	२०	व	२०	१३	२७	६	५	४	२६	२६	वृ.५८।२३
२	चं	१०	५८	वि	११	३२	आ	२	४५	कौ	१०	५८	४५	२७	३३	५	३०	२७	वृश्चिके
३	मं	२	२०	अ	३४	५३	शो	४२	१६	ग	२	२०	४१	२८	३२	६	१	२८	ध.५८।२३
४	मं	५२	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	बु	४६	४६	मू	५३	३२	अ	३३	८	ब	२०	३७	३७	२६	३१	७	२	२६	धनुषि
६	गु	४२	४०	पू	५०	१७	सु	२५	२३	कौ	१४	४४	३४	२६	३१	८	३	३०	धनुषि
७	शु	३६	२०	उ	४८	२८	धृ	१८	५३	ग	१०	५६	३०	३०	३०	९	४	३१	म.४।५०
८	श	३७	२६	श्र	४८	२३	शू	१३	३६	वि	८	२३	२७	३१	२६	१०	५	१	मकरे
९	र	३७	१४	ध	४६	४३	गं	६	३५	बा	७	२०	२३	३१	२६	११	६	२	कुं.१६।३
१०	चं	३८	४०	श	५२	४५	बृ	६	५५	तै	७	५७	१९	३२	२८	१२	७	३	कुंभे
११	मं	४१	१४	पू	५६	५१	धु	५	२२	व	६	५७	१६	३३	२७	१३	८	४	मी. ५०
१२	बु	४५	४	उ	६०	०	ज्या	४	५३	ब	१३	६	१२	३४	२६	१४	९	५	मीने
१३	गु	४६	३६	उ	२	११	ह	५	२६	कौ	१७	२२	९	३४	२६	१५	१०	६	मीने
१४	शु	५५	३२	रे	८	६	व	६	२०	ग	२२	३५	५	३५	२५	६	११	७	मे. ८।६
१५	श	६०	०	अ	१५	५	सि	८	२	वि	२८	२४	२	३६	२४	१७	१२	८	मेषे
१५	र	११	६	भ	२२	६	ज्ञ	६	४७	ब	१	१६	५६	३६	२४	१८	१३	६	वृ.३९

अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा
चंद्रदर्शनम् यम २भ्रातृ२
भ.२८।२२उ.५४।२५या.वृश्चिके शुक्रः A
[A५६।४८रमजान६
[D४राहुः विशा.२केतुः२३।७वैकुंठ१४
[Vस्ना.पूर्ति. अर्द्धरात्रिपश्चाद् ग्रस्ताऽस्तH
भ.३६।२० उ. अनु. शुक्रः ३५।२४
भ.८।२३या.विशा बुधः५८।१८ नवम्बर×
अक्षय६कूष्मांड६ [×११ता.३०गोपाष्टमी
[Hचंद्रग्रहणम्
भ.९।५७उ. ४१।१४या. प्रबोधिनी ११÷
पूफा.३गुरुः३६।५० [÷व्र. तुलसीविवहः
विशा.रविः४१।३१प्रदोषः
भ.५३उ. विशा. रविःसौरः१६ भरणीD
भ२८।२४ या. वृश्चिके बुधः १५ का.V

२९पं.का.शु.२चं.इ.११।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	४	६	२	०	६
९	१२	१०	१८	२७	१९	२७	८
२९	२६	४२	२४	४९	२०	१५	५८
४२	४९	१६	७	४४	५३	२८	३७
५९	१६	५०	१०	७४	१०	३	६०
४७	४९	२२	५६	८	व.११	२	८

गोचर ग्रहाः

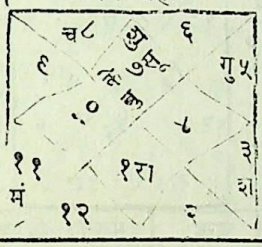

इस मास में ५शनिवार ५रविवार अशुभ है धान्यों में मंदी होकर तेजो हो धातु सोना चांदी रुई रुपास तेज हो।

गोचर ग्रहाः

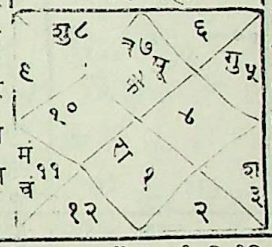

३०पं.	का.शु.	१०चं.इ.	११
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	४	७	२	०	६
१६	१४	२२	१९	६	१९	२६	१५
२९	५०	१	३३	३२	१७	५३	५९
२८	५३	५९	२२	१३	३१	२२	४१
६०	१९	५०	१०	७४	५०	३	६०
४	२९	३५	१६	२	व.११	१८	

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०६० शाक: १९२५									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः
१	चं	७	४१	कृ	२६	३६	व	११	५६	कौ	७	४१	२६	३६	२३	१२	१४	१०	वृषे
२	मं	१४	४	रो	३७	११	प	१४	१४	ग	१४	४	५२	३८	२२	२०	१५	११	वृषे
३	बु	२०	१६	मृ	४४	२६	शि	१६	३२	वि	२०	१६	४९	३८	२२	२१	१६	१२	मि.१०
४	गु	२५	५३	आ	५१	१४	सि	१८	२६	बा	२५	५३	४५	३६	२१	२२	१७	१३	मिथुने
५	शु	३०	५०	पु	५७	१८	सा	१६	३२	तै	३०	५०	४२	४०	२०	२३	१८	१४	क४०।४७
६	श	३४	३५	पु	६०	०	शु	२०	१६	ग	२	४३	३९	४०	२०	२४	१९	१५	कर्के
७	र	३७	१	पु	१	५७	शु	१९	४८	वि	५	४८	३६	४१	१९	२५	२०	१६	कर्के
८	चं	३७	३२	श्ले	५	७	ब्र	१८	११	बा	७	१६	३३	४१	१९	२६	२१	१७	सि.५।७
९	मं	३६	२२	म	६	३३	ऐं	१५	१०	तै	६	५७	३०	४२	१८	२७	२२	१८	सिहे
१०	बु	३३	१५	पू	६	१४	वै	१०	२८	व	४	४९	२७	४३	१७	२८	२३	१९	कं.२०।४०
११	गु	२८	१७	उ	५८	५५	षि	२८	५१	ब	०	४६	२५	४३	१७	२९	२४	२०	कन्यायां
१२	शु	२१	३१	चि	५४	११	आ	४७	४८	तै	२१	३१	२२	४४	१६	३०	२५	२१	तु.२७।२
१३	श	१३	२६	स्वा	४७	३	सौ	३७	४०	व	१३	२६	१९	४४	१६	१	२६	२२	तुलायां
१४	र	४	१	वि	३९	३४	शो	२७	१	श	४	१	१७	४५	१५	२	२७	२३	वृ.२६।२६
३०	र	५०	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अनु.बुधः२२।२४
भ.४७।१०उ.ज्येष्ठा.शुक्रः२।२४
भ.२०।१६या.चतुर्थी व्रतम्
[=बुधोदयः पश्चिमायां५५।०
[V१।४८भा.मार्गशीर्षारंभः
भ.३४।३५उ.पूभा.भौमः२०।३२
भ. ५।४८या. वृश्चिकेऽर्कः३७।४६=
वृश्चिकेऽर्कः सौरः४।३३
[A५५।५६ज्येष्ठा.बुधः४।३०
भ. ४।४९उ. ३३।१५ या. अनु. रविःA
अनु. रविःसौरः२१।२१उत्पत्ति ११व्र.
प्रदोषः
भ. १३।२६ उ.३६या. मूले धनुषिशुक्रःV

३१ पं.	मा.कृ.	१चं.इ.	९
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	७	४	७	२	०	६
२३	१७	३	२०	१५	१९	२६	२३
३०	३८	१	३८	१४	८	३१	२
५०	४९	२६	२	२८	१३	७	१६
६०	२२	९७	९	७३	३९	३	६०
१७	१	३४	३१	५६	व.११	२०	

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष कृष्णे७ रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न.३ कुमार्यव स्था (बैठी) मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

३२पं.	मा.कृ.	८चं.इ.	१०।४६
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	४	७	२	०	७
०	२०	१३	२१	२३	१८	२६	०
३२	४४	४२	३७	५६	५३	८	६
२९	४६	१४	२३	४६	४२	५१	२०
६०	२४	९३	८	७३	१३	३	६०
३०	२२	४७	४०	५०	व.११	१९	४०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५	दि. उ. अ.	भा. मु. इ.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४२५०स.२००३
१	चं ४४ ३४ अ ३१ ३४ अ १५ ५३	कि १९ २७	२६ ५५ ५५	३ २८ २४	वृश्चिके
२	मं ३५ १४ ज्ये २४ २ सु ५६ ४९	बा ९ ५४	१२ ४६ १४	४ २९ २५	ध. २४
३	बु २६ ५८ मू १७ १४ शू ४४ ३२	तै १ ६	९ ४६ १४	५ १ २६	धनुषि
४	गु २० १० पू ११ ३७ गं ३५ ५०	वि २० १०	७ ४७ १३	६ २ २७	म.२५
५	शु १५ ८ उ ८ १ बृ २८ ५४	बा १५ ८	५ ४७ १३	७ ३ २८	मकरे
६	श ११ ५९ श्र ६५ ५ ध्रु २३ ३०	तै ११ ५९	२ ४८ १२	८ ४ २९	कुं.३६।३
७	र १० ४८ ध ६८ १ व्या १९ ३६	व १० ४८	० ४८ १२	९ ५ ३०	कुंभे
८	चं ११ ४७ श ८ ७ ह १७ ११	ब ११ ४७	२५ ४८ १२	१० ६ १	मी.५५
९	मं १४ २१ पू ११ ४७ व १६ १६	कौ १४ २१	५६ ४९ ११	११ ७ २	मीने
१०	बु १८ २९ उ १७ ७ सि १६ ४८	ग १८ २९	५४ ४९ ११	१२ ८ ३	मीने
११	गु २३ ४६ रे २३ २० व्य १८ ४२	वि २३ ४६	५३ ४९ ११	१३ ९ ४	मे.२३।२०
१२	शु २९ ५८ अ ३० ३२ व १९ ३१	बा २९ ५८	५१ ५० १०	१४ १० ५	मेषे
१३	श ३६ ७ भ ३७ ५५ प २१ ३५	कौ ३ २	४९ ५० १०	१५ ११ ६	वृ.५४।५०
१४	र ४२ ४२ कृ ४५ ३५ शि २३ ५३	ग ९ २४	४८ ५० १०	१६ १२ ७	वृषे
१५	चं ४८ ५३ रो ५२ ४९ सि २६ २	वि १५ ४७	४६ ५१ ९	१७ १३ ८	वृषे

मीने भौमः१०।२३ [×(सौरः२९।१५)
प्रदोषः
भ.४२।४२उ.
भ.१५।४७या.पूषा.बुधः४३।३२दत्तजयंती

३३पं.मा.शु.१चं.इ.१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	४	८	२	०	७
७	२४	२५	२२	२	१८	२५	७
२७	६	६	२९	३८	३४	४६	११
२६	५०	२५	२४	१३	४४	३५	५३
६०	२६	८८	७	३२	५३	३	६०
४२	२८	४९	३७	४४	व.	११	५३

३४ पं.मा.शु.८चं.इ.१०।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	४	८	२	०	७
१४	२७	४	२३	११	१८	२५	१४
४२	४२	०	१५	२०	११	२४	१८
४०	११	२५	२९	१३	६	२०	३९
६०	२७	८१	६	७३	३४	३	६१
५०	५९	५	३३	३२	व.	११	३

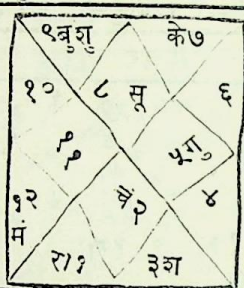

३५पं. मा.शु.१५च.इ.९

र	सं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	४	८	२	०	७
२१	१	१२	२३	२०	१७	२५	२१
४८	२८	४४	५३	०	४४	२	२६
४३	२६	१०	३५	२५	२	४	२३
६०	२९	६४	५	७३	५३	३	६१
५६	३१	२५	२८	२०	व.	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५	दि. उ. अ.	हि. मु. इ.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाः
१	मं ५४ ५७ मृ ५९ ५९ सा २८ ०	वा २१ ५५	२५ ५५ ५९	१८ १४ ९	मि.२९
२	बु ६० ० आ ६० ० शु २९ ४३	तै २७ ३५	४४ ५१ ९	१९ १५ १०	मिथुने
२	गु ० १४ आ ६ २५ श्र ३० ४९	ग ० १४	४३ ५१ ९	२० १६ ११	क.५४।५५
३	शु ४ ४१ पु ११ ४ ब्र ३१ १५	वि ४ ४१	४२ ५२ ८	२१ १७ १२	कर्के
४	श ८ १६ पु १६ ५२ ऐं ३० ५७	वा ८ १६	४१ ५२ ८	२२ १८ १३	कर्के
५	र १० ४४ श्ले २० ३६ वै २९ ३९	तै १० ४४	४० ५२ ८	२३ १९ १४	सिं. २०
६	चं ११ ५२ म २२ १५ वि २७ ३२	व ११ ५२	३९ ५२ ८	२४ २० १५	सिंहे
७	मं ११ ४५ पू २४ १३ ग्री २४ १४	ब ११ ४५	३९ ५२ ८	२५ २१ १६	कं.३९।५
८	बु १० १ उ २३ ४५ आ १९ ३५	कौ १० १	३८ ५२ ८	२६ २२ १७	कन्यायां
९	गु ६ ४४ ह २१ ३६ सौ १३ ४१	ग ६ ४४	३८ ५२ ८	२७ २३ १८	तु.४९
१०	शु १ ४४ चि १७ ५५ शो ३७ ५१	वि १ ४४	३७ ५३ ७	२८ २४ १९	तुलायां
११	शु ५३ ५८ ० ० ० ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०
१२	श ४७ ५२ स्वा १३ १० सु ४८ ५८	कौ २१ ४७	३७ ५३ ७	२९ २५ २०	वृ.५३
१३	र ३९ ७ वि ५५ ५६ धृ ३८ ४८	ग १३ २९	३६ ५३ ७	३० २६ २१	वृश्चिके
१४	चं ३० ० ज्ये ५२ २७ शू २८ ११	वि ४ ३४	३६ ५३ ७	१ २७ २२	ध.५२।२७
३०	मं २० ३९ मृ ४५ २ गं १७ २०	ना २० ३९	३६ ५३ ७	२ २८ २३	धनुषि

भ.३२।२७उ.उभा.भौमः५६।५६
भ.४।४१या.३०।९चतुर्थी व्रतम्
उषा.शुक्रः
भ.११।५२उ.४१।४९या.
मूले धनुष्यर्कः१३।१८ (सौरः३३।५)×
वक्री बुधः१२।३१
भ.३४।१४उ.
भ.१।४४या.सफला११व्र.स्मार्तानां
[×मकरे शुक्रः१४।०
बुधास्तः पश्चिमायां५२।२५ सफला÷
भ ३९।७उ.प्रदोषः [÷११व्र.वै.
भ.४।३४या.वक्री आर्द्रा.३शनिः२९भा.*
[*पौषारंभः

३६पं.पौ.कृ.६चं.इ.९।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	४	८	२	०	७
२८	५	१८	२३	२८	१७	२४	२८
५५	२२	१३	२३	४१	१२	२९	२५
३७	४८	४८	४६	४९	५८	४१	०६
६१	३०	२४	४७	३	१४	३	६१
०	४२	३८	१४	१४	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

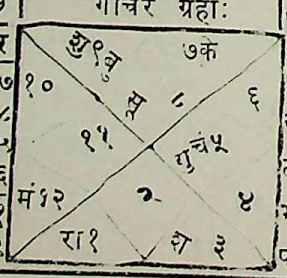

पौष कृष्णे७भौमे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.३न. ३कुमार्थवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

३७पं.पौ.कृ.१४चं.इ.९।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	४	९	२	०	८
६	९	१६	२४	७	१६	२४	६
३	२६	२७	४५	२१	३९	१७	४४
१४	४६	३२	७	७	५४	३३	३१
६१	३२	५९	३	७२	४	३	६१
४	००	४७	१	५६	३४	११	२२

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५						दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेहर्गणः ४२८० सन् २००३
१	बु ११ ४१	पू ३८ २३	वृ ५४ २५	ब ११ ४१	३६ ५३ ७	३ २९ २४	म.५२।१			श्रवणे शुक्रः २०।३०
२	गु ३ ४९	उ ३२ ५६	व्या ४८ ३४	कौ ३ ४९	३७ ५३ ७	४ ३० २५	मकरे			वक्री मूले बधः १८।१ चंद्रदर्शनम्
३	गु ५३ ४०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०			
४	शु ५२ ५४	श्र २९ १७	ह ४१ १०	व २५ ११	३७ ५३ ७	५ १ २६	कुं५८।१७			
५	श ५० १७	ध २७ १७	व ३५ ३७	व २१ ३५	३७ ५३ ७	६ २ २७	कुंभे			भ.२५।११ उ.५२।५४ या. जिल्काद ११
६	र ५० ६	श २७ ४०	सि ३१ ५७	कौ २० ११	३८ ५२ ८	७ ३ २८	कुंभे			
७	चं ५१ ३९	पू २९ ५१	व्य २९ ३५	ग २० ५२	३८ ५२ ८	८ ४ २९	मी. १ ४८			भ. ३ ५ उ.पूषा.रविः १ ८ (सौरः ३ ५)
८	मं ५५ १९	उ ३४ १०	व २९ १८	वि २३ २९	३९ ५२ ८	९ ५ ३०	मीने			भ.२३।२९ या.
९	बु ६० ०	रे ४० १	प २९ ३७	बा २७ ५२	४० ५२ ८	१० ६ ३१	मे.४०।१			
९	गु ० २५	अ ४७ १	शि ३१ ७	कौ ० २५	४१ ५२ ८	११ ७ १	मेषे			जनवरी १ ता. ३१ सन् २००४ ई.
१०	शु ६ ३७	भ ५४ २८	सि ३३ १५	ग ६ ३७	४२ ५२ ८	१२ ८ २	मेषे			भ. ३ ९ उ.बुधोदयः पूर्वस्यां ४।६
११	श १३ १	कृ ६० ०	सा ३५ २९	वि १३ १	४३ ५१ ९	१३ ९ ३	वृ.१०।११			भ. १ ३ या.रेवत्यां भौमः ३ ९ पुत्रदा ११ व्र.
१२	र १९ ३७	कृ २ ११	शु ३८ ८	बा १९ ३७	४४ ५१ ९	१४ १० ४	वृषे			धनिः शुक्रः ९।४७ प्रदोषः
१३	चं २५ ५२	रो ९ ३०	शु ३९ ४८	तै २५ ५२	४५ ५१ ९	१५ ११ ५	मि.४३।२			
१४	मं ३१ ३४	मृ १६ ३५	ब्र ४१ ११	व ३१ ३४	४७ ५१ ९	१६ १२ ६	मिथुने			भ.३१।३४ उ.वक्री गुरुः ४५।४९
१५	बु ३६ १५	आ २२ ३४	ऐं ४१ ५५	वि ३ ५४	४८ ५० १०	१७ १३ ७	मिथुने			भ.३।५४ या.मार्गी बुधः १ ६ मा. स्ना.प्रा.

३८पं.पौ.शु. ७चं.इ.९।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	४	९	२	०	८
१२	१३	८	२४	१५	१६	२३	१२
१९	३६	१४	५६	५८	५	५५	१४
१३	५८	१३	५६	२६	४ ५	१७	२६
६१	३२	९ ३	१७	२	४ ०	३	६१
६	५१	व. ३१	३९	व. ११	२६		

गोचर ग्रहाः

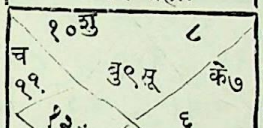

इसमास में बुदी में धान्य बाजरा मूंग मोठ मक्का चावल गेहूं में तेजी हो गुरु का चंद्रदर्शन सुदि में धातु सोना चांदी तांबा रुई मंदी करे।

गोचर ग्रहाः

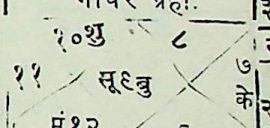

३९पं.पौ.शु. १३चं.इ.९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	४	९	२	०	८
२०	१७	३	२४	२४	१५	२३	२०
१९	४९	५१	५९	३२	३०	३३	०४
२६	४१	४०	३१	६	४७	२	२०
६१	३३	९ ५	४९	०	७२	४ ४	३	६१
६	५५	व	२२	२२	व. ११	२६		

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५						दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	गु ४० ४	पु २७ ४६	वै ४२ १	बा ८ १०	२५ ५० ९ १०	१८ १४ ८	क.११।२८			
२	शु ४२ ५१	पु ३२ ६	त्रि ४१ १२	तै ११ २८	५२ ५० १०	१९ १५ ९	कर्के			कुंभेशुक्रः ३ ३ भ.३ राहुः विशा.१ केतुः १ ३
३	श ४४ २४	श्ले ३५ १३	प्री ३९ ४३	व १३ ३७	५३ ४९ ११	२० १६ १०	सिं. ३ ३			भ.१३।३७ उ.४४।२४ या.
४	र ४४ ५६	म ३७ २०	आ ३७ १७	ब १४ ४०	५५ ४९ ११	२१ १७ ११	सिंहे			उषा. रविः २ ३ (सौरः ३ ६ ०) चतुर्थी व्र.
५	चं ४४ ३३	पू ३८ ३४	सौ ३३ ५५	कौ १४ ४४	५७ ४९ ११	२२ १८ १२	कं.५३।३५			
६	मं ४३ ७	उ ३८ ३८	शो २९ ५१	ग १३ ५०	५९ ४८ १२	२३ १९ १३	कन्यायां			भ.४३।७ उ.
७	बु ४० ३४	ह ३७ ४२	अ २४ ५५	वि ११ ५०	२ ९ ४८ १२	२४ २० १४	कन्यायां			भ. ५ १ या.मकरेऽर्कः ३ ९ ७ (सौरः ५१।३७)
८	गु ३६ ५९	चि ३५ ४९	सु १९ ९	बा ८ ४६	४ ४७ १३	२५ २१ १५	तु.६।४५			शते शुक्रः ६।५६
९	शु ३२ २१	स्वा ३२ ४६	धृ १२ ३१	तै ४ ४०	६ ४७ १३	२६ २२ १६	तुलायां			भ.५९।२८ उ.
१०	श २६ ३५	वि २८ ४०	शू ५ ३ ५ ३	वि २६ ३५	८ ४६ १४	२७ २३ १७	वृ.१४।४२			भ.२६।३५ या.
११	र १९ ५२	अ २३ ३२	बृ ४७ ३८	बा १९ ५२	११ ४६ १४	२८ २४ १८	वृश्चिके			षट्तिला ११ व्रतम्
१२	चं १२ ३५	ज्ये १७ ४९	ध्रु ३८ १०	तै १२ ३५	१३ ४५ १५	२९ २५ १९	ध.१७।४९			प्रदोषः
१३	मं ४ ४०	मू ११ ५०	व्या २८ २९	व ४ ४०	१६ ४५ १५	३० २६ २०	धनुषि			भ.४।४० उ.३०।३९ या
१४	मं ५१ ५८	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०			[×पूषा.बुधः ५ ८ भा. माघारंभः
२०	बु ४९ २	पू ५ ४९	ह १९ २	च २२ ५०	१९ ४४ १६	१ २७ २१	म.१९।२५			अभिः प्र.रविः ११।५७ (सौरः २२।२८) ×

४०पं.मा.कृ.५चं.इ.९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	४	१०	२	०	८
२७	२२	४	२४	३	१४	२३	२७
२७	८	२०	५२	७	५६	१०	१४
२२	१०	२०	२८	१	४२	४६	२२
६१	३४	३६	१ ४	७२	२ ८	३	६१
६	३२	२९	व. २	व. ११	२४		

गोचर ग्रहाः

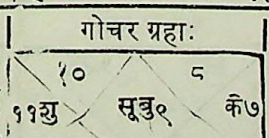

माघ कृष्णे ७ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्या दिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

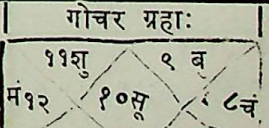

४१पं.मा.कृ. १२चं.इ.९ ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	४	१०	२	०	९
४	२६	१०	२४	११	१४	२२	४
३५	२९	४२	३७	३७	२४	४८	२३
१३	१०	२२	१९	१९	२२	३१	४१
६१	३७	६१	३ २	७१	१ ४	३	६१
३	२५	३७	व. ३८	व. ११	१९		

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५										दि. उ. अ.	भा. मु. इं.		चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्गणः ४३०९स. २००४
१	गु	४२	२७	उ	१४	२५	व	१०	३१	किं	१५	४४	२६ ४४ १६	२ २८ २२	मकरे	
२	शु	३७	१५	ध	५२	३०	सि	२०	२३	बा	९	२१	२४ ४३ १७	३ २९ २३	कुं. २४।४	चंद्रदर्शनम्
३	श	३३	४०	श	५१	१७	व	५०	१९	तै	५	२८	२७ ४३ १७	४ १ २४	कुंभे	श्रवणे रविः ३९ (सौरः ३५) अश्वि.मेषे.×
४	र	३२	२५	पू	५२	१६	प	४६	३७	व	३	२	२९ ४२ १८	५ २ २५	मी ३७।४२	भ. ३ उ. ३२ या.अभि.मि.रविः २० (सौरः+
५	चं	३२	५२	उ	५५	९	शि	४५	२	ब	२	३८	३२ ४२ १८	६ ३ २६	मीने	पूभा.शुक्रः १९ वसंत ५ [+३१।११)
६	मं	३५	३१	रे	५९	४६	सि	४४	३३	कौ	४	११	३५ ४१ १९	७ ४ २७	मे. ५९।४६	[×भौमः १९।४१ जिल्हेज १२
७	बु	४०	४८	अ	६०	०	सा	४५	१	ग	८	९	३८ ४० २०	८ ५ २८	मेषे	भ. ४०।४८ उ. भानुसप्तमी
८	गु	४५	३९	अ	५	५४	शु	४६	५८	वि	१३	१३	४१ ४० २०	९ ६ २९	मेषे	भ. १३।१३ या. भीष्माष्टमी
९	शु	५१	५२	भ	१३	३	शु	४९	१	बा	१८	४६	४५ ३९ २१	१० ७ ३०	वृ. २९।५६	[=१३।३८ मा.स्ना पूतिः
१०	श	५८	३१	कृ	२०	२४	ब्र	५१	२३	तै	२५	११	४८ ३८ २२	११ ८ ३१	वृषे	उषा.बुधः ४३।३६
११	र	६०	०	रो	२७	७	ऐं	५३	२६	व	३१	३८	५१ ३८ २२	१२ ९ १	वृषे	भ. ३१ उ. फरवरी २ ता. २९ जया ११ व्र.स्मा
११	चं	४	४६	मृ	३५	१०	वै	५५	६	वि	४	४६	५४ ३७ २३	१३ १० २	मि. १।८	भ. ४।४६ या. जया ११ व्र. वै.
१२	मं	१०	२३	आ	४१	२०	वि	५५	४४	बा	१०	२३	५८ ३६ २४	१४ ११ ३	मिथुने	मकरे बुधः ९ मीने शुक्रः ३७ प्रदोषः
१३	बु	१४	४७	पु	४६	१३	प्री	५५	३५	तै	१४	४७	२७ ३६ २४	१५ १२ ४	कं २९।५९	वक्री आर्द्रा. २शनिः २५।३९
१४	गु	१७	५५	पु	५०	१	आ	५४	१७	व	१७	५५	५ ३५ २५	१६ १३ ५	कर्के	भ. ९७ उ. ५० या. वक्री पूफा. ३गुरुः ५०।५८
१५	शु	१९	४४	श्ले	५२	२२	सौ	५२	१	ब	१९	४४	८ ३४ २६	१७ १४ ६	सिं. ५३	धनि.रविः ३६ (सौरः ४४) उभा.शुक्रः=

४२ पं.मा.शु.५ चं.इ. ३३ ९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	४	१०	२	०	९
११	०	१९	२४	२०	१३	२२	११
४२	५३	१२	१२	४	५४	२६	३२
४०	२४	२२	२५	२६	२२	१५	३२
६०	३५	७	६	५८	७	१५३	३	६१
५९	३९	५३	व. १४	व. ११	१३		

गोचर ग्रहाः

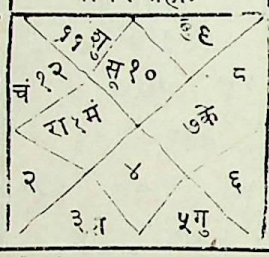

माघ कृष्णे ७ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

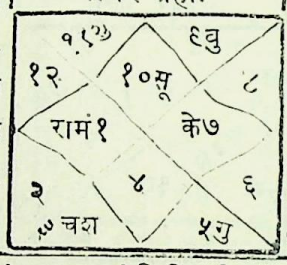

४३ पं.मा.शु११ चं.इ. ४१ ९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	४	१०	२	०	९
१८	५२	८	२३	२८	१३	२२	१८
४९	१२	४५	३९	२८	२७	३	४०
१६	४७	१४	७	८	४०	५९	३६
६०	३२	८७	१५	७०	२३	३	६१
५५	१२	१७	व. ४३	व. ११	४		

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं २०६० शाकः १९२५										दि. उ. अ.	भा. मु. इं.		चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाः
१	श	२०	१२	म	५३	२८	शो	४८	४९	कौ	२०	१२	२७ १२ ३४ २६	१८ १५ ७	सिंहे	
२	र	१९	२६	पू	५३	४१	अ	४४	४६	ग	१९	२६	१५ ३३ २७	१९ १६ ८	सिंहे	भ. ४८।३६ उ.
३	चं	१७	४७	उ	५३	१४	सु	४०	५	वि	१७	४७	१९ ३२ २८	२० १७ ९	कं. ८।३४	भ. ४७ या. श्रवणे बुधः ४३ चतुर्थी व्र.
४	मं	१५	१२	ह	५१	४२	धृ	३४	४९	बा	१५	१२	२३ ३१ २९	२१ १८ १०	कन्यायां	
५	बु	११	५६	चि	४९	४४	शू	२८	५३	तै	११	५६	२७ ३१ २९	२२ १९ ११	तु २०।४३	[÷महाशिवरात्रि वै.
६	गु	८	१९	स्वा	४७	१८	गं	२२	४०	व	८	१९	३० ३० ३०	२३ २० १२	तुलायां	भ. ८।१९ उ. ३६।१३ या.
७	शु	४	६	वि	४४	२६	वृ	१५	५६	ब	४	६	३४ २९ ३१	२४ २१ १३	वृ. ३०।९	कुंभेऽर्कः १२।८ (सौरः १८।४२)
८	श	५५	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०	[×महाशिवरात्रि व्र.स्पा.
९	श	५५	६	अ	४०	५३	ध्रु	८	५७	तै	२७	१२	२८ २८ ३२	२५ २२ १४	वृश्चिके	भरण्यांभौमः ४१।१९
१०	र	४८	२९	ज्ये	३७	३	व्या	२९	५२ ११	व	२१	४७	४१ २८ ३२	२६ २३ १५	ध. ३७।३	भ. २७ उ. २९ या. बुधास्तः पूर्वस्यां ५१।५
११	चं	४२	२६	मू	३२	४४	व	४५	३४	ब	१५	२७	४५ २७ ३३	२७ २४ १६	धनुषि.	विजया ११ व्र.
१२	मं	३६	१५	पू	२८	२९	सि	३७	४०	कौ	९	२०	४९ २६ ३४	२८ २५ १७	म. ४२।२६	रेवत्यां शुक्रः ३८।२२
१३	बु	३०	१३	उ	२४	१६	व्य	२९	५२	ग	३	१४	५३ २५ ३५	२९ २६ १८	मकरे	भ. ३३ उ. ५३ या. धनि.बुधः ९ प्रदोषः×
१४	गु	२४	५०	थ	२०	३५	व	२२	३६	श	२४	५०	५६ २५ ३५	३० २७ १९	कुं. ४९।७	शते रविः ४९ (सौरः ५४) ÷
३०	शु	२०	४	ध	१७	४१	प	१५	५९	ना	२०	४	२८ २४ ३६	१ २८ २०	कुंभे	भा.फाल्गुनारंभः

४४ पं.फा.कृ. ३ चं. इ. ५१ ९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	४	११	२	०	९
२५	९	९	२२	६	१३	२१	२५
५५	४५	७	५९	४५	५	४१	४७
१	१८	१९	१३	५०	१०	४४	२३
६०	२६	९४	१४	७०	४३	३	६०
४७	४०	५४	व. ५	व. ११	५५		

गोचर ग्रहाः

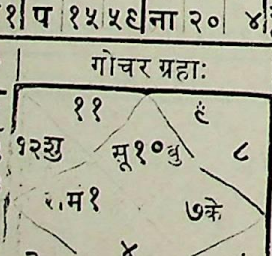

फाल्गुन कृष्णे ७ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ४५ धान्या दि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

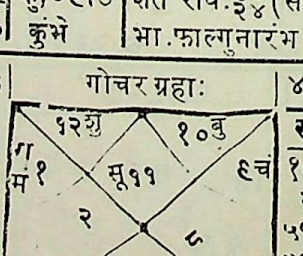

४५ पं.फा.कृ.११ चं.इ. १० ५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	४	११	२	०	१०
२	१४	२०	२२	१४	१२	२१	२
५९	१४	१२	१२	५८	४६	१९	५३
४९	४९	५०	५०	८	३४	२८	२६
६०	३७	८	५	६९	३	३	६०
३७	३	४४	व: १४	व.	११	४२	

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिथि: फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंततौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३३९ स. २००४

१	श	१६	४१	श	१६	१४	शि	१०	२६	ब	१६	४१	२४	२३	३५	२	२९	२१
२	र	१५	४	पू	१६	२३	सि	६	१९	कौ	१५	४	८	२२	३८	३	१	२२
३	चं	१५	२	उ	१८	१०	सा	३	३७	ग	१५	२	१२	२२	३८	४	२	२३
४	मं	१७	२	रे	२१	४०	शु	२	१४	वि	१७	२	१६	२१	३९	५	३	२४
५	बु	२०	४१	अ	२६	५२	शु	२	११	वा	२०	४१	२०	२०	४०	६	४	२५
६	गु	२५	५३	भ	३३	३२	ब्र	३	१४	तै	२५	५३	२४	१९	४१	७	५	२६
७	शु	३१	४०	कृ	४०	४१	ऐं	५	४	व	३१	४०	२८	१८	४२	८	६	२७
८	श	३८	११	रो	४८	१८	चे	७	१९	वि	४	५६	३२	१८	४२	९	७	२८
९	र	४४	३०	मृ	५५	३४	वि	९	३१	बा	११	२०	३६	१७	४३	१०	८	२९
१०	चं	५०	१५	आ	६०	०	प्री	११	३२	तै	१७	२२	४०	१६	४४	१	९	१
११	मं	५४	४४	आ	२	१६	आ	१२	२८	व	२२	२९	४४	१५	४५	१२	१०	२
१२	बु	५७	४०	पु	७	२३	सौ	१२	४४	ब	२६	१२	४८	१४	४६	१३	११	३
१३	शु	५८	५८	पु	११	१६	शो	११	३९	कौ	२८	१९	५२	१४	४६	१४	१२	४
१४	शु	५८	३७	श्ले	१३	२२	अ	९	१३	ग	२८	४७	५६	१३	४७	१५	१३	५
१५	श	५६	४०	म	१४	३	सु	५	२९	वि	२७	३८	२९	१२	४८	१६	१४	६

४६पं.फा.शु.३चं.इ.१०।२० | ग्रोचर ग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	४	११	२	०	१०
१०	१८	२२	२३	१२	२०	९	
३	४४	२२	१	४	३३	५७	५७
२२	२	२	४३	५५	५८	१३	५९
६०	३७	५९	४०	६८	२९	३	६०
२५	१०	५६	व.	३०	व.	११	३१

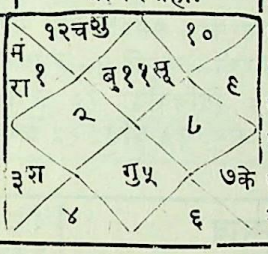

शनिवाराः यदा पंच पाताले कम्पते फणी, ईशानदेशभंगश्च वाह्निदाहो महर्घता इस मास में ५ शनिवार के अशुभ हैं धान्य धातु में मंदी होकर तेजी हो।

ग्रोचर ग्रहाः

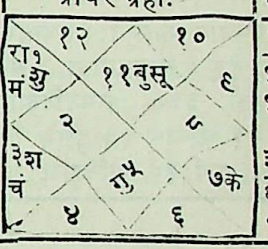

४७पं.फा.शु.१०.चं.इ. १।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	४	०	२	०	१०
१७	२३	१४	२०	१	१२	२०	१७
५	१३	३७	२७	३	२६	३४	०
३५	४१	२३	०	०	१३	५७	५१
६०	३७	५९	५३	६७	३४	३	६०
१२	२६	१५	व.	२६	व.	११	२०

तिथि: चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५ | दि. उ. अ. | भा मु इं | चन्द्रः | वसंततौ रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा०

१	र	५३	३०	पू	१३	११	धृ	४१	५३	ग	२५	५	२९	६	५१	१७	१५	७
२	चं	४९	२४	उ	११	११	गं	४८	२८	तै	२१	२७	९	१०	५०	१८	१६	८
३	मं	४४	२६	ह	८	२१	बृ	४१	२६	व	१६	५५	१३	९	५१	१९	१७	९
४	बु	३९	७	चि	५	४	ध्रु	३४	१३	ब	११	४६	१७	९	५१	२०	१८	१०
५	गु	३३	५१	स्वा	३७	५९	व्या	२७	०	कौ	६	२९	२१	८	५२	२१	१९	११
६	शु	२८	३५	अ	५४	३४	ह	१९	४२	ग	११	३	२६	७	५३	२२	२०	१२
७	श	२३	१२	ज्ये	५१	१५	व	१२	३१	ब	२३	१२	३०	६	५४	२३	२१	१३
८	र	१७	१७	मू	४८	७	सि	२८	५९	कौ	१७	१७	३४	५	५५	२४	२२	१४
९	चं	१३	१९	पू	४४	५९	व	५१	४६	ग	१३	१९	३८	४	५६	२५	२३	१५
१०	मं	८	३४	उ	४२	२८	प	४५	२२	वि	८	३४	४३	३	५७	२६	२४	१६
११	बु	४	१६	श्र	३९	१३	शि	३९	२१	बा	४	१६	४७	३	५७	२७	२५	१७
१२	गु	०	२५	ध	३८	४१	सि	३३	५६	तै	०	२५	५१	२	५८	२८	२६	१८
१३	गु	५६	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	शु	५४	५६	श	३७	५६	सा	२९	१५	वि	२६	५	५५	१	५९	२९	२७	१९
३०	श	५४	१	पू	३८	३२	शु	२५	२२	च	२४	२९	३०	६	६	३०	२८	२०

४८पं. चै. कृ. २ चं. इ. १०।५७ | गोचर ग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	४	०	२	०	१०
२४	२७	२७	१९	८	१२	२०	२४
६	४३	१८	३३	५२	२४	१२	२
२२	३४	५२	७	४८	२५	४१	१४
५९	३७	५९	५३	६६	०	३	६०
५८	४८	५९	व.	७	मा	११	६

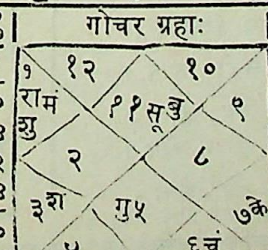

चैत्र कृष्णे ८ रवौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ त. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

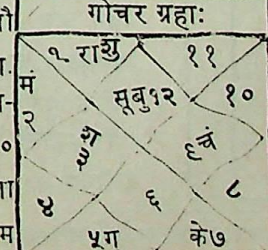

४९पं.चै.कृ.९च.इ. ११।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	४	०	२	०	११
१	२	११	१८	१६	१२	१९	१
५	१३	४३	३९	२९	२७	५०	१
३५	५	५२	११	२८	५०	२६	५६
५९	३७	५९	३८	६४	०	३	५९
४१	५२	४४	व:	३४	५३	११	४९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०५ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०५ भोग्यकलिः ४२६८९५ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६१ शाकः १९२६ अथास्मिन् वर्षे राजा रविः। मंत्री भौमः। सस्येशःशुक्रः। धान्येशः बुधः। मेघेशश्चंद्रः। रसेशःशनिः। नीरसेशो गुरुः। फलेशश्चंद्रः। धनेशोगुरुः। दुर्गेशश्चंद्रः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ११ हेमलम्बनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १०।१९।५८।५ भोग्यमासादिः १।१०।१।५५ पितृदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम फाल्गुनः। मेघनाम आवर्तः। रोहिणीनिवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे। समयविश्वा १८ समयवाहनमश्वः। स्तंभाः नैव। सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी ३ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा ११ धान्यम् १३ तृणम् ९ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् ११३ सत्यम् ।। धर्मं १।। पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहण २ चंद्रस्य ।

संवत् २०६१ वैशाख शुक्ले १५ भौमे खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	४४	४७	४८	५०	५२
मध्य	प.	३१	१०	५५	२०	५९
रेल्वे	घ.	१२	१	१	२	३
टा.	मि.	१५	१९	५७	३५	३९

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	१४	५	२	२	११	२

वर्ष लग्नम् ९।२०

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय जय माता अंबिका वन्दौ बारम्बर ।
हाथ जोड़ कर पूछता इकसठ का सब सार ।।

भवानी उत्तर

सुनजे भैरव ध्यान से माता कहे विचार ।
राजा मंत्री देखतां हो उत्पात अपार ।।
पर भृगुजी सस्येश है वर्षापति द्विजराज ।
सुख संपत्ति संचार हो जग में मंगल काज ।।
अधिक मास श्रावण बना रवि आगे कुजराय ।
पवन चक्र जग में चले वर्षा स्वल्प दिखाय ।।
व्यापारां घटबढ घणी रसकस तेजी जाण ।
कहींक पूर्व देश में करसी कुछेक हान ।।
दशाधिकारी योग से फल सब उत्तम होय ।
बंशीधर का कथन है भजन करो सब कोय ।।

नोट—यह ग्रहण जहां रेल्वे ६ बजकर ४७ के पीछे चंद्रास्त होगा वहीं दिखाई देगा ।

आश्वि. शुक्ले १४ बुधे अर्द्धरात्रि पश्चाद् पश्चिमप्रदेशे ग्रस्ताऽस्त चंद्रग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
उज्ज घं.	०	३	५	६	९
मध्य प.	४९	४७	२२	५७	५५
रे. घं.	६	७	८	९	१०
टा. मिं.	४७	५८	३६	१४	२५

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ५।१२

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४२।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५४।१०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा रविःफलम् ।। सूर्ये नृपे स्वल्पफलाश्च मेघा स्वल्पं पयो गोषु जनेषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्चौराग्निबाधा निधनं नृपाणाम् ।। मंत्री भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजोननु मंत्रिकतांगतोभवतिदस्युगदादिज वेदना । जनपदेषु जयं सुखसंचयं न बहु गोषु पयो द्विजकर्म च । सस्येशः शुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूमशालीक्षुधनं प्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुखप्रदानि ।। धान्येशोबुधस्तत्फलम् ।। बुधे धान्याधिपे मेघा जलं मुंचंति वै भृशम् । सैंधवे लाटदेशे च माधवोल्पं च वर्षति।। मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। शशिनि तोयदपे यदिगोमहिष्यजखरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धनधान्यवती मही विविधभोगवती ननुभामिनी ।। रसेशः शनिःफलम् ।। रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गजवाजिखरोष्ट्रहा जनपदेषु नरा न रसैर्युताः।। नीरसेशोगुरुः फलम् ।। हरिद्रा पीतवस्तूनि पीतवस्त्रादिकञ्चयत् । नीरसेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ।। फलेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। यदि विधु फलपो द्रुमराशयः फलयुतावलीभिः कुसुमैर्युता । द्विजमुखावरभोगसमन्विता नृपतयो नयनाटनतत्पराः । धनेशोगुरुः फलम् ।। सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिजवृत्तिपरा सुखभाजनाः। फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविधद्रव्ययुता भुवि मानवाः । दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। गढ़पति शशलाञ्छनको यदा नृपसुराज्य विलासितपौरजाः । बहुधनेक्षुजगोरसभोगिनो नरवरा वरवर्णित विग्रहाः ।। हेमलम्बनाम संवत्सरः फलम् ।। आकुला हेमलम्बे तु मध्यसस्यार्धवृष्टिभिः ।। भातिभूर्भवतिक्षोभ बहुविद्युल्लतादिभिः । वर्षनाम फाल्गुनःफलम् । सुभिक्षं प्रचुरावृष्टिरुत्तरेयाम्यपश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरम् फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्नवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम् ।। तटे वृष्टिः सुशोभना । समयनिवासो रजकगृहे फलम् ।। रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०६१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

शु. ३ गुरौ रोहि. ल. ११ रे. ८ ।।ऽशु।।ऽरो।।।।शुक्रयुतिः गु. ७ पू.

,, ९ गुरौ मघा. ल. गो. सोग्रांगः रे.६ऽरा।।।।ऽचोऽाऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः आवश्यके

,, ११ शनौ उफा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे.८।।।।।ऽरोऽ।।।

,, १२ रवौ हस्ते ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे.८ऽऽ।।।।।।।।

ज्वेष्ठ मासः ।

कृ. ३ शुक्रे मूले ल. गो. सोग्रांगः ११ रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। कुंभे गु. ७ पू.

,, ५ रवौ उषा. ल. ११ रे. ७ ।ऽ।ऽशु ।।।।।ऽ शुक्रस्य पादवेधाऽभावः सप्तमस्थो गुरुपूज्यः

कार्तिक मासः ।

शु. ११ चंद्रे रेवत्यां ल.६ रे.८।।।।ऽऽचो।।।।चं.७ पूज्यः

,, १५ शुक्रे रोहि.ल.६ रे.७।।।।ऽऽअ.।ऽ।।च.४६।५१उ.

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. १ शनौ रोहि. ल. ५ घ. ४५।१६ या.रे. ७।।।।ऽऽ अ ।ऽ।।मृगे ल. ६ घ.४८।१६ उ.रे.९ ।।।।।।ऽ।।।

,, २ रवौ मृगे ल. गो. ५।६ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।घ.४४ उ. नृपपंचक रेखा ८

,, ९ चंद्रे उफा. ल. अन्यगो रे.६ ऽ।।।।ऽअऽऽ।।हस्ते ल. ५ रे. ६ ।।ऽवृ।।ऽअ।ऽ।ऽदग्धा. आवश्यके

,, ११ बुधे स्वा. ल.५।६ रे. ७ ।।।।ऽऽनृ।ऽ।।

शु. ३ भौमे उषा. ल. ६ रे. ८ ।।।।ऽऽअ।।।।

पौष मासः ।

शु. ७ रवौ रेव.ल. अन्यगो.६ रे.८।।।।।ऽअ।ऽ।।कन्यायां चं. ७ पू.

,, १२ शुक्रे मृगे ल. गो.६ रे. ६ ऽसू।।।ऽ।।।ऽऽआवश्यके

माघ मास।

कृ. ४ शनौ उफा. ल. गो. ८ रे.८।।।।।ऽचो।ऽ।।वृश्चिके चोरपंचकाऽभाबः रेखा ९

,, ५ रवौ हस्ते ल. गो. ८ रे ८ ।।।।।।ऽऽ।। वृश्चिके रोगपंचकः

,, ९ गुरौ अनु. ल. अन्यगो. ६रे.६ऽ।।।ऽअ३४या.ऽऽ।।

शु. ३ शुक्रेउभा.ल.६।८रे.९।।।।।ऽअ।।।।कन्यायांचं.७पू.

,, ४ शनौ रेवत्यां ल. ८ रे. ७ ।ऽ।।।ऽऽ।।

अग्रे शुक्राऽस्तः

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३६८सन् २००४
१	र	५४	१३	उ	४०	१७	शु	२२	३८	किं	२४	७	३०	५९	६	१ २९ २१	मीने	भा.चैत्रारंभः संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	चं	५६	१०	रे	४३	३७	ब्र	२१	२३	बा	२५	११	८	५८	२	२ ३० २२	मे.४३।३७	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	मं	५९	३२	अ	४८	१३	ऐं	२०	४७	तै	२७	५०	१२	५८	२	३ १ २३	मेषे	सफर २ मत्स्यजयंती गणगौरी
४	बु	६०	०	भ	५४	१६	वै	२१	१३	व	३२	२	१६	५७	३	४ २ २४	मेषे	भ.३२।२उ.कृत्ति. शुक्रः ५२।८
४	गु	४	३३	कृ	६०	०	वि	२२	४३	वि	४	३३	२१	५६	४	५ ३ २५	वृ.१०।५८	भ.४।३३या.अश्वि.मेषे बुधः ४०।५६
५	शु	१०	१	कृ	१	४	प्री	२५	३	बा	१०	१	२५	५५	५	६ ४ २६	वृषे	
६	श	१६	२१	रो	८	३७	आ	२७	२५	तै	१६	२१	२९	५४	६	७ ५ २७	मि. ४३	रोहिण्यां भौमः २०।२
७	र	२२	३४	मृ	१६	७	सौ	२९	४३	व	२२	३४	३३	५३	७	८ ६ २८	मिथुने	भ.२२।३४उ.५५।३३या. वृषे शुक्रः १४
८	चं	२८	३१	आ	२३	१६	शो	३१	२८	ब	२८	३१	३७	५३	७	९ ७ २९	मिथुने	
९	मं	३३	२६	पु	२९	२३	अ	३२	१२	बा	०	५९	४१	५२	८	१० ८ ३०	क.१२।५१	रेवत्यां रविः ५४।६ (सौरः ५७/५५) रामनवमी
१०	बु	३६	५६	पु	३४	४	सु	३१	५८	तै	५	११	४५	५१	९	११ ९ ३१	कर्के	
११	गु	३८	३७	श्ले	३६	५३	धृ	३०	११	व	७	४६	४९	५०	१०	१२ १० १	सिं.५६	भ.७/४६ उ.३६या.वक्री पूफा.१गुरुः ५९×
१२	शु	३८	१७	म	३७	५५	शू	२९	५७	व	८	२७	५३	४९	११	१३ ११ २	सिंहे	[×अप्रेल ४ ता.३० कामदा ११व्र.
१३	श	३५	५९	पू	३६	५८	गं	२२	१४	कौ	७	८	५७	४९	११	१४ १२ ३	कं. ५१/२५	प्रदोषः
१४	र	३१	५८	उ	३४	३०	ब्र	१६	०	ग	३	५९	३१/१	४८	१२	१५ १३ ४	कन्यायां	भ.३१।५८उ.५९।१६या.
१५	चं	२६	३४	ह	३०	३४	ध्रु	८	५२	व	२६	३४	५	४७	१३	१६ १४ ५	तु ५८।१०	हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.२चं.इ.११।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	४	०	२	०	११
८	६	२४	१७	२३	१२	१९	७
३	४२	२९	४८	५२	२६	२८	५९
१८	२५	४९	३२	१९	५०	१०	५१
५९	३८	०/८	५६/६२	१	३	५९	
२९	३	७	व.	४१	३३	११	३५

५१ पं.चै.शु.८चं.इ.११।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	०	४	१	२	०	११
१४	११	३	१७	०	१२	१९	१४
५९	११	४९	२	५८	५०	५	५५
१०	२०	५२	४९	१२	५६	५५	५९
५९	३८	६५	६/१०	६०	२	३	५९
१६	१४	२१	व.	१६	१३	११	१६

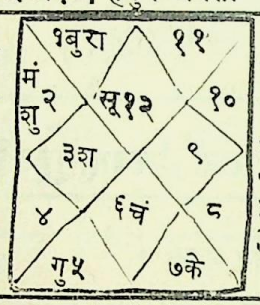

५२पं.चै.शु. १५चं.इ.१२/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	०	४	१	२	०	११
२१	१५	७	१६	७	१३	१८	२१
५३	४०	५९	२२	४३	९	४३	५०
३१	१२	३८	५२	१	५८	३९	१०
५९	३८	८	५/५	५७	२	३	५९
४	२०	३९	व.	७	५३	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	मं	१९	५८	चि	२५	४७	ध्या	३७	२८	कौ	१९	५८	३१/१०	५/४९	६/१४	१७ १५ ६	तुलायां	वक्री.बुधः २८।५८
२	बु	१२	५२	स्वा	२०	२७	व	४३	२२	ग	१२	५२	१४	४५	१५	१८ १६ ७	तुलायां	भ.३९।१२उ.रोहि.शुक्रः ३६।१५
३	गु	५	३२	वि	१५	११	सि	३४	५३	वि	५	३२	१८	४४	१६	१९ १७ ८	वृ.१।३०	भ.५।३२या. चतुर्थी व्रतम्
४	गु	५२	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०	
५	शु	५१	३४	अ	१०	७	व्य	२६	२९	कौ	२४	५७	२२	४४	१६	२० १८ ९	वृश्चिके	बुधास्तः पश्चिमायां ४।२७
६	श	४५	३५	ज्ये	५	३३	व	१८	३२	ग	१८	३४	२६	४३	१७	२१ १९ १०	ध.५।३३	भ.४५।३५उ.
७	र	४०	१६	मू	४०/१	५७/२८	प	११	२	वि	१२	५५	३०	४२	१८	२२ २० ११	धनुषि	भ.१२।५५या.
८	चं	३५	३६	उ	५६	९	शि	२९/४	५३/५९	बा	७	५५	३४	४१	१९	२३ २१ १२	म.१२।५२	
९	मं	३१	५८	श्र	५४	५६	सा	५३	१९	तै	३	४७	३८	४०	२०	२४ २२ १३	मकरे	अश्वि.मेषेऽर्कः २५ (सौरः ३१/९) आर्द्रा.३÷
१०	बु	२९	१०	ध	५४	३३	शु	४८	४३	व	०	३४	४२	४०	२०	२५ २३ १४	कुं.२४।४३	भ.०।३४उ.२९।१०या. [÷शनिः ४९।३०
११	गु	२७	१६	श	५४	५७	शु	४५	१	बा	२७	१६	४६	४१	१९	२६ २४ १५	कुंभे	वरूथिनी ११ व्र.
१२	शु	२६	१९	पू	५६	१८	ब्र	४२	१३	तै	२६	१९	५०	३८	२२	२७ २५ १६	मी. ४०	प्रदोषः
१३	श	२६	३५	उ	५९	४६	ऐं	४०	८	व	२६	३५	५३	३७	२३	२८ २६ १७	मीने	भ.३६उ.५७।११या.मृगे भौमः १३।५९
१४	र	२७	४६	रे	६०	०	वै	३९	२१	श	२७	४६	५७	३७	२३	२९ २७ १८	मीने	
३०	चं	३०	२५	रे	२	३५	वि	३८	५६	ना	३०	२५	३२/१	३६	२४	३० २८ १९	मे.२।३५	

१ पं.वै.कृ.९मं.इ.२८।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	४	१	२	०	११
०	२०	५	१५	१५	१३	१८	२९
०	५७	५१	४३	३	३७	१७	५६
०	२९	४०	१६	२५	१	३१	२३
५८	३८	३/४५	३/४१	५१	३	३	५८
४४	१९	व.	व.	५८	४०	११	४५

गोचर ग्रहाः

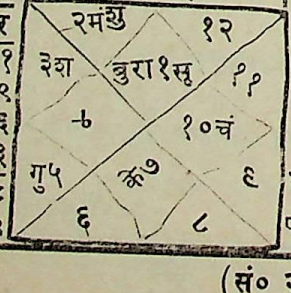

वैशाख कृष्णे ९ भौमे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादि भावें समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

२पं. वै. शु. १मं.इ. २६/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	४	१	२	०	०
६	२५	१	१५	२०	१४	१७	६
५०	२५	६	२०	३६	६	५५	४६
४२	१	१८	२४	३६	७	१५	३४
५८	३८	४/२६	२/२९	४६	४	३	५८
३१	३६	व.	व.	२८	२०	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४३९८सन्२००४

१	मं	३४	३	अ	७	२८	प्री	३९	३५	किं	२	१७	३५	३५	२६	३१	२९	२०	मेषे
२	बु	३८	५९	भ	१३	२५	आ	४१	२	बा	६	३१	९	३४	२६	१	३०	२१	वृ.३०।३
३	गु	४४	२४	कृ	१९	५९	सौ	४२	५६	तै	११	४१	१२	३४	२६	२	१	२२	वृषे
४	शु	५०	४८	रो	२७	२०	शो	४५	११	व	१७	३६	१६	३३	२७	३	२	२३	वृषे
५	श	५७	८	मृ	३५	९	अ	४७	५३	ब	२३	५८	२०	३२	२८	४	३	२४	मि. १४
६	र	६०	०	आ	४२	३७	सु	५०	१७	कौ	३०	१०	२३	३१	२९	५	४	२५	मिथुनें
६	चं	३	१३	पु	४९	३२	धृ	५१	५९	तै	३	१३	२७	३१	२९	६	५	२६	कं.३२।४९
७	मं	८	३४	पु	५४	५३	शू	५२	३८	व	८	३४	३१	३०	३०	७	६	२७	कर्के
८	बु	१२	४६	श्ले	५९	२६	गं	५२	९	ब	१२	४६	३४	२९	३१	८	७	२८	सिं. ५९
९	गु	१५	१३	म	६०	०	वृ	५०	११	कौ	१५	१३	३८	२८	३२	९	८	२९	सिंहे
१०	शु	१५	४४	म	१	४६	धु	४६	२३	ग	१५	४४	४१	२८	३२	१०	९	३०	सिंहें
११	श	१४	१३	पू	२	१	व्या	४१	१२	वि	१४	१३	४५	२७	३३	११	१०	१	कं.१६।३५
१२	र	१०	३५	उ	१७	५६	ह	३४	२३	बा	१०	३५	४८	२६	३४	१२	११	२	कन्यायां
१३	चं	५	३	चि	५१	३५	व	२६	७	तै	५	३	५२	२६	३४	१३	१२	३	तु.२४।१४
१४	चं	५२	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	मं	४९	३६	स्वा	४५	१९	सि	१६	५४	वि	२३	४१	५५	२५	३५	१४	१३	४	तूलायां

मार्गी बुधः२६।१मार्गी गुरुः२६ प्रदोषः भ.५७।४७उ.,नृसिंहजयंती [=यमाय कुंभदानम् भ.२३।४१या. खग्रासचंद्रग्रहणम्=

३ पं. वै.शु. ७ मं. इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	४	१	२	०	०
१३	२९	२७	१५	२५	१४	१७	१३
२९	५२	५३	६	२३	३९	३३	३४
४७	२३	२०	५८	३८	४०	०	५९
५८	३८	२९	१	३९	४	३	५८
१९	३५	व.	व	२५०	११	१२	

गोचर ग्रहाः

श ३	२शुमं	१२बु	
	सूरा१		११
चं४		१०	
७५	के७		९
	६		८

वृषराशौ यदा भौमः सर्वधान्य महर्घता । चन्दनं कुंकुमं वस्त्रं कार्पासादि महर्घता ।। इस मास में धान्य व रस मंदा होकर तेज हो, धातु मंदा रहे ।

गोचर ग्रहाः

श	७२	१२बु	
मं३	रासू१		११
	४	१०	
५बृ	के७चं		९
	६		८

४ पं. वै.शु. १५ मं. इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	४	१	२	०	०
२०	४२	८	१५	२९	१५	१७	२०
२७	१९	४	१	७	१७	१०	२१
२५	३०	१२	१९	२३	६	४४	४३
५८	३८	४३	२९	२९	५	३	५७
६	३७	मा	मा	८	१४	११	५७

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६ दि. उ अ. भा. मु इं चन्द्रः ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	बु	४०	४४	वि	३८	३४	व्य	१५	४३	बा	१५	१०	३२	२५	३६	१५	१४	५	वृ. २५
२	गु	३१	४६	अ	३१	३४	प	४७	२	तै	६	१४	३३	२४	३६	१६	१५	६	वृश्चिके
३	शु	२२	५३	ज्ये	२४	५८	शि	३७	२६	वि	२२	५३	५	२३	३७	१७	१६	७	ध.२४।५८
४	श	१४	५०	मू	१९	१०	सि	२८	२५	बा	१४	५०	८	२२	३८	१८	१७	८	धनुषि
५	र	७	४३	पू	१४	१९	सा	२०	२८	तै	७	४३	११	२२	३८	१९	१८	९	म. २७
६	चं	५७	२९	उ	१०	५१	शु	१३	२६	व	१	५७	१४	२१	३९	२०	१९	१०	मकरे
८	मं	५४	२९	श्र	८	४८	शु	७	४५	बा	२५	२८	१७	२१	३९	२१	२०	११	कुं.३५
९	बु	५२	५५	ध	७	५३	ब्र	१९	५५	तै	२३	४१	२०	२०	४०	२२	२१	१२	कुंभे
१०	गु	५२	३७	श	८	२९	वै	५७	२५	व	२२	४६	२३	१९	४१	२३	२२	१३	मी. ५०
११	शु	५३	४७	पू	१०	३१	वि	५५	५५	ब	२३	११	२६	१९	४१	२४	२३	१४	मीने
१२	श	५५	५६	उ	१३	५३	प्री	५५	२८	कौ	२४	५२	२८	१८	४२	२५	२४	१५	मीने
१३	र	५९	३१	रे	१८	१०	आ	५४	५६	ग	२७	४४	३१	१८	४२	२६	२५	१६	मे १८।१०
१४	चं	६०	०	अ	२३	३७	सौ	५६	४७	वि	३१	३७	२४	१७	४३	२७	२६	१७	मेषे
१४	मं	३	४२	भ	२९	५५	शो	५८	३५	श	३	४२	३७	१७	४३	२८	२७	१८	वृ. ३५
२०	बु	९	२	कृ	३६	३७	अ	६०	०	ना	९	२	३९	१६	४४	२९	२८	१९	वृषे

वृषेऽर्कः ३१ (सौरः ३५)भ.१राहुः स्वा.३× [×केतुः८।३९अपरा ११ व्र. भ.५९।३१उ. प्रदोषः भ.३१।४७या. वक्री शुक्रः ४५ आर्द्रा. ४शनिः १२।५८ वटपूजनम्

५ पं. ज्ये.कृ. ८ मं. इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	४	२	२	०	०
२७	८	१	१५	१	१५	१६	२७
१३	४५	४२	४	२९	५७	४८	६
३७	१४	४	४४	१०	५०	२८	५७
५७	३८	३७	१	१६	५	३	५७
५४	५१	१	३२	२६	४१	११	४५

गोचर ग्रहाः

मं श	२ शु ३	१ सूराबु	१२ ११
	४	१०चं	
रा५	के७		९
	६	८	

ज्येष्ठ कृष्णे ११ शुक्रे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु.४५ धान्या दि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

३मंशु श		७रा चं १	
४	२ सू		११
गु५		११	
६	८		१०
	७के		९

६ पं. ज्ये.कृ. १४ मं. इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	४	२	२	०	१
३	१३	८	१५	२	१६	१६	३
५८	११	१९	१७	१४	४१	२६	५०
३७	४९	३०	४२	३८	३८	१३	३९
५७	३८	६४	२	०	६	३	५७
४४	४७	७	५८	५२	२	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४४२८स.२००४

१	गु	१४	२६	रो	४३	५६	अ	०	२५	ब	१४	२६	३३/४२	५/१६	६/४४	३०	२६	२०	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
२	शु	२०	४०	मृ	५१	३१	सु	२	५३	कौ	२०	४०	४४	१५	४५	३१	१	२१	मि. ३/७	रविलाख र ४
३	श	२७	१	आ	५८	५०	धृ	५	२६	ग	२७	२	४७	१५	४५	१	२	२२	मिथुने	भ.५९/१३उ.भरण्यां बुधः ३९/१३भा.ज्येष्ठारंभः
४	र	३२	५८	पु	६०	०	शू	७	५०	वि	३२	५८	४९	१४	४६	२	३	२३	क.४६।२६	भ.३२।५८या.
५	चं	३८	४०	पु	६	२३	गं	६	५७	ब	५	४६	५२	१४	४६	३	४	२४	कर्के	रोहि.रविः४५।५(सौरः५५।१)
६	मं	४३	१७	पु	१२	४४	बृ	१२	३७	कौ	१०	५८	५४	१३	४७	४	५	२५	कर्के	
७	बु	४६	२८	श्ले	१८	१०	धु	१२	६	ग	१४	५२	५६	१३	४७	५	६	२६	सि.१/१८	भ.५६।२८उ.
८	गु	४८	८	म	२१	५६	व्या	११	२८	वि	१७	१८	५८	१२	४८	६	७	२७	सिंहे	भ.१७।१८या.
९	शु	४७	४६	पू	२३	५१	ह	६	१९	बा	१७	५६	३४/००'	१२	४८	७	८	२८	कं.३८।५३	वक्री बृषे शुक्रः४२।६
१०	श	४५	३७	उ	२४	१	व	५	३६	तै	१६	४३	२	१२	४८	८	९	२९	कन्यायां	पुनःभौमः२०।७गंगादशमी
११	र	४१	२२	ह	२२	१३	सि	१९/५३	६	व	१३	२६	३	११	४९	९	१०	३०	तु५०।७	भ.१३।२६उ.४१।२२या.निर्जला११व्र.
१२	चं	३४	५८	चि	१८	२	व	४५	१०	व	८	१०	५	११	४९	१०	११	३१	तुलायां	कृत्ति.बुध.२१।३
१३	मं	२७	१३	स्वा	१२	४६	प	३५	४१	कौ	१	५	७	११	४९	११	१२	१	वृ.५२।४१	जून ६ ता. ३० प्रदोषः
१४	बु	१८	५	वि	६/०	५२/३५	शि	२५	१६	व	१८	५	९	१०	५०	१२	१३	२	वृश्चिके	भ.१८।५उ.४३।११या.वृषे बुधः१३।२
१५	गु	८	१७	ज्ये	५०	२६	सि	१४	३७	ब	८	१७	१०	१०	५०	१३	१४	३	ध.५०।२६	गुर्जराणाम् वटसावित्रीव्रतम्

७ पं.ज्ये.शु.६मं.इ.२९।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	४	२	२	०	१
१०	१७	१७	१५	१	१७	१६	१०
४२	३७	२७	३८	४	२७	३	३२
२९	१६	७	२८	५	४०	५७	५०
५७	३८	८७	४	३६/१६	६	३	५७
३५	४६	९	७	व.२३	११	२३	

गोचर ग्रहाः

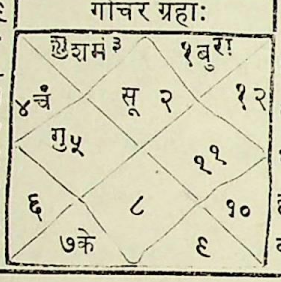

इस मास में मिथुन का मंगल धान्य को तेज करें सुदि में धान्य धातु सोना चांदी मंदा हो कही २ अच्छी वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

८ पं. ज्ये.शु.१३मं.इ.२९।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	४	१	२	०	१
१७	२२	२८	१६	२८	१८	१५	१७
२५	२	४२	७	३	१६	४१	१३
१९	४९	४	४८	३२	५	४२	५६
५७	३८	८/०	५	४/३०	६	३	५७
२७	५६	९	१५	व.३८	११	१३	

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहा.

१	गु	४९	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+पूफा.२गुरुः ३३/१९ बुधास्तः पूर्वस्यां५०।२
२	शु	४८	२८	मू	४२	४४	सा	४४/३६	४९	तै	२३	१९	३४/१२	५/१०	६/५०	१४	१५	४	धनुषि	
३	श	३९	२०	पू	३५	४७	शु	४३	११	व	१३	५४	१३	९	५१	१५	१६	५	म.४९।२५	भ.५३/५४उ.३९/३०या.शुक्रास्तः पश्चिमायां४९/१३×
४	र	३१	२७	उ	३०	१६	ब्र	३४	३५	ब	५	१७	१५	९	५१	१६	१७	६	मकरे	[×चतुर्थी व्र.
५	चं	२५	१७	श्र	२६	५	ऐं	२७	५	कौ	२५	१७	१६	९	५१	१७	१८	७	कु.५४।५४	मृगे रवि:३९/८(सौरः५३/१)रोहि.बुधः३५/३३+
६	मं	२०	५०	ध	२३	४३	वै	२१	८	व	२०	५०	१७	९	५१	१८	१९	८	कुम्भे	भ.२०।५०उ,४०।३४या.
७	बु	१८	१८	श	२३	११	वि	१६	३५	ब	१८	१८	१८	८	५२	१९	२०	९	कुम्भे	वक्री रोहि.शुक्रः२४।३६
८	गु	१७	३१	पू	२४	३५	प्री	१३	३१	कौ	१७	३१	१९	८	५२	२०	२१	१०	मी.९।१४	
९	शु	१८	२३	उ	२७	४०	आ	१२	३	ग	१८	२३	१९	८	५२	२१	२२	११	मीने	भ.४९।५८उ.
१०	श	२१	१३	रे	३२	२	सौ	११	३८	वि	२१	१३	२०	८	५२	२२	२३	१२	मे. ३३	भ.२१।१३या.
११	र	२५	१३	अ	३७	४४	शो	१२	३५	बा	२५	१३	२१	८	५२	२३	२४	१३	मेषे	मृगे बुध:५८।१३योगिनी ११ व्र.
१२	चं	३०	३	भ	४४	२४	अ	१३	४२	तै	३०	३	२१	८	५२	२४	२५	१४	मेषे	मिथुनेऽर्कः३९(सौरः३४)कर्के भौमः४२÷
१३	मं	३५	५२	कृ	५१	४१	सु	१५	४५	ग	२	५८	२२	८	५२	२५	२६	१५	वृ. १।१७	भ.५३/५३उ.पुन.१शनिः४१।२९ प्रदोषः
१४	बु	४१	३४	रो	५८	५६	धृ	१७	५५	वि	८	४३	२२	८	५२	२६	२७	१६	वृषे	भ.६३या. [÷शुक्रोदयःपूर्वस्यां४०।४८
२०	गु	४७	५५	मृ	६०	०	शू	२०	२४	च	१४	४४	२३	७	५३	२७	२८	१७	मि.३३	मिथुने बुधः ५।५८

९ पं.आ. कृ. ६मं.इ. २९/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	४	१	२	०	१
२४	२६	११	१६	२३	१९	१५	२३
७	२७	५०	४४	५३	६	१९	५३
१९	२५	२/५३	३५	३२	२६	५२	
५७	३८	९/३६	६	३/३१	६	३	५७
२२	४७	९/१	२३	व.५२	११	५	

गोचर ग्रहाः

आषाढ कृष्णे १२ चन्द्रे मिथुनेऽर्कः प्रवृष्टः वा. ४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

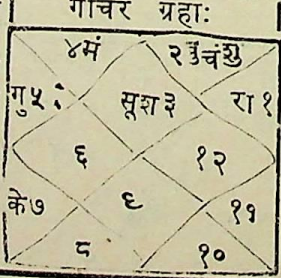

१० पं.आ. कृ.१३मं.इ.२९/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	४	१	२	०	२
०	०	२६	१७	१९	१९	१४	०
४८	५२	३४	२८	४५	५८	५७	३३
३६	१९	१६	३७	१८	३५	१०	१
५७	३८	९/३८	७	३/१९	७	३	५६
१७	५४	९/०	१९	व.	२	११	५७

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४४५७ स. २००४

१	शु	५३	४६	मृ	६	३५	गं	२२	५२	कि	२०	५२	३४	५५	२८ २९ १८	मिथुने	
२	श	५९	४४	आ	१३	५८	बृ	२५	१४	बा	२६	४६	२३	७	५३ २९ ३० १९	मिथुने	आर्द्रा.बुधः ५९ पुष्येभौमः २६ चन्द्रदर्शनम् ×
३	र	६०	०	पु	२१	८	ध्रु	२७	१६	तै	३२	२४	२४	७	५३ ३० १ २०	क. २४	अस्तं शनेः ३२ जमादिलावल ५ [×रथयात्रा
३	चं	५	४	पु	२७	२६	व्या	२८	३५	ग	५	४	२४	७	५३ ३१ २ २१	कर्के	भ. ३७ उ. आर्द्रा. रविः ३७ (सौर: ५६।१२)
४	मं	९	३१	श्ले	३३	६	ह	२९	२२	वि	९	३१	२४	७	५३ १ ३ २२	सिं. ३३	भ. ९।३१ या. भा. आषाढारम्भः
५	बु	१२	५१	म	३७	४०	व	२९	३५	बा	१२	५१	२४	७	५३ २ ४ २३	सिंहे	
६	गु	१५	५	पू	४०	५८	सि	२८	३५	तै	१५	५	२४	७	५३ ३ ५ २४	कं. ५६।२२	
७	शु	१५	४०	उ	४२	३५	व्य	२६	१३	ब	१५	४०	२३	७	५३ ४ ६ २५	कन्यायां	भ. १५।४० उ. ४५।१५ या.
८	श	१४	५०	ह	४२	२८	व	२२	४३	ब	१४	५०	२३	७	५३ ५ ७ २६	कन्यायां	पुनः बुध : १३।५७
९	र	१२	४	चि	४०	४०	प	१७	३७	कौ	१२	४	२२	८	५२ ६ ८ २७	तु. ११।३४	
१०	चं	७	५३	स्वा	३७	१८	शि	११	८	ग	७	५३	२२	८	५२ ७ ९ २८	तुलायां	भ. ३४।३६ उ.
११	मं	११	९	वि	३२	११	सि	१३	५५	वि	११	९	२१	८	५२ ८ १० २९	वृ. १८।१०	भ. १९ या. मार्गीशुक्रः १५ देवशयनी ११ व्र.
१२	मं	५२	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ०	० ०	
१३	बु	४४	४१	अ	२५	४४	शु	४४	११	कौ	१९	८	२०	८	५२ ९ ११ ३०	वृश्चिके	बुधोदयः पश्चिमायां ६।१५ प्रदोषः
१४	गु	३४	५२	ज्ये	१८	१९	शु	३३	३८	ग	९	४६	१९	८	५२ १० १२ १	ध. १८।१९	भ. ३५ उ. ५९ या. कर्के बुधः १३ जुलाई ७ ÷
१५	शु	२४	४०	मू	१०	२५	ब्र	३२	५०	ब	२४	४०	१८	८	५२ ११ १३ २	धनुषि	व्यासपूजा गुरु १५ [÷ता. ३१

११पं.आ. शु. ४मं. इ. २९

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	४	१	२	०	२
७	५	११	१८	१६	२०	१४	७
२९	१६	५८	१८	४९	५२	३४	११
३१	३७	२६	५०	३७	१	५५	२८
५७	३८	२९	८	१६	७	३	५६
१३	४८	३९	२६	व: १४	११	५४	

गोचर ग्रहाः

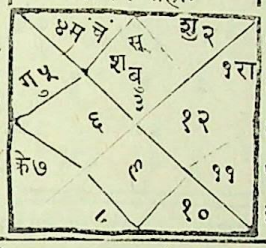

इस मासमें धान्य गेहूं जौ चना मटर मूंग अलसी तेज हो वर्षा अच्छी हो पशु रोग फैले धातु अच्छी तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

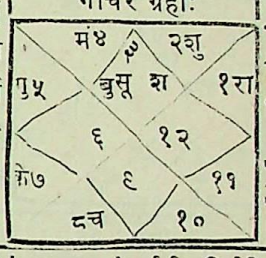

१२पं.आ.शु.११मं.इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	४	१	२	०	२
१४	९	२६	१९	१५	२१	१४	१३
९	४१	३१	१५	४२	४५	१२	४९
५८	३५	८	१४	७	५०	३९	३३
५७	३८	२९	९	१	७	३	५६
७	५०	८	१०	मा	२०	११	५०

ति. प्र.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६	दि. उ. अ. भा. मु. इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१ श १४ ५३ पू ३ ५३ ऐं १२ १ कौ १४ ५३ ३४ ५ ५६ १२ १४ ३	म. १५।४५		पुष्ये बुधः ०।१५
२ र ५० ५२ श्र ४९ ३४ वै ५८ ५९ ग ५ ५० १६ ९ ५१ १३ १५ ४	मकरे		भ. ३० उ. ५७ या. पूफा. ३ गुरुः ४४।३५
३ चं ५१ ४० ध ४५ १० प्री ४५ ४ व २४ ४४ १५ ९ ५१ १४ १६ ५	कुं. १७।२२		पुनः रविः ३६ चतुर्थी व्रतम्
४ मं ४७ २६ श ४२ ३४ आ ३८ ४१ कौ १९ ३२ १४ ९ ५१ १५ १७ ६	कुंभे		पुनः रविः सौरः ०।१४ नाग ५ मरुस्थले
५ बु ४५ २४ पू ४२ ६ सौ ३४ ५ ग १६ २५ १३ ९ ५१ १६ १८ ७	मी. २७		भ. ४५।२४ उ.
६ गु ४५ ३२ उ ४३ ५६ शो ३१ १७ वि १५ २८ ११ १० ५० १७ १९ ८	मीने		भ. १५।२८ या.
७ शु ४७ २५ रे ४७ २८ अ २९ ५३ बा १६ २८ १० १० ५० १८ २० ९	मे. ४७।२८		
८ श ५१ १२ अ ५२ ३१ सु ३० २० तै १९ ४८ ८ १० ५० १९ २१ १०	मेषे		आश्ले. बुधः ४५।४६ आश्ले. भौमः ३८
९ र ५६ ७ भ ५८ ५६ धृ ३१ १३ व २३ ४० ७ ११ ४९ २० २२ ११	मेषे		भ. २३ उ. ५६।७ या. पुन. २ शनिः २८।५५
१० चं ६० ० कृ ६० ० शू ३३ १७ ब २९ ९ ५ ११ ४९ २१ २३ १२	वृ. १५।४७		कामिका ११ व्र. स्मा.
११ मं २ ११ कृ ६ २१ गं ३५ ३८ बा २ ११ ३ ११ ४९ २२ २४ १३	वृषे		कामिका ११ व्र. वै.
१२ बु ८ १० रो १३ ५४ बृ ३८ १३ तै ८ १० १ १२ ४८ २३ २५ १४	मि. ४७		प्रदोषः
१३ गु १४ ३० मृ २१ ३७ ध्रु ४० ४४ व १४ ३० ३५ १२ ४८ २४ २६ १५	मिथुने		भ. १४।३० उ. ४७।२७ या.
१४ शु २० २३ आ २८ ५८ व्या ४२ ५८ श २० २३ ५७ १३ ४७ २५ २७ १६	मिथुने		कर्के र्कः ५३ (सौरः ३८) अश्वि ४ राहुः ×
२० श २५ ५८ पु ३५ ५८ ह ४४ ४७ ना २५ ५८ ५५ १३ ४७ २६ २८ १७	क. १९।१३		हरियाली [×स्वाती २ केतुः ३५

१३पं.प्र.श्रा.कृ.५मं.इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	४	१	२	०	२
२०	१४	९	२०	१६	२२	१३	२०
३०	५	२९	१७	२७	४०	५०	२७
२४	४२	३१	१०	३२	५	२४	२७
५७	३८	०	९	१६	७	३	५६
७	५८	३	५२	२६	२०	११	५०

गोचर ग्रहाः

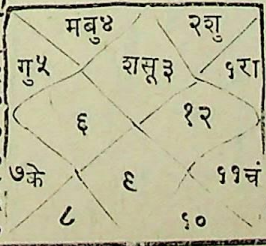

प्र. श्रावण कृष्णे १४ शुक्रे कर्के र्कः प्रविष्टः वा. ५न ५वन्ध्यावस्था ऊभी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

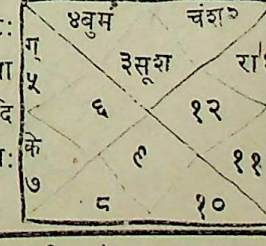

१४पं.प्र.श्रा.कृ.११मं.इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	४	१	२	०	२
२७	१८	२०	२१	१८	२३	१३	२७
३०	३०	४६	२३	४८	३४	२८	५
४३	१४	४१	५६	५४	४१	८	३४
५७	३८	९०	१०	२८	७	३	५६
११	५०	२९	३५	५६	२०	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	प्र.श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६						दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४४८७स.२००४
१	र ३० २९	पु ४१ ५६	व ४५ ५५	व ३० २९	३३ ५ १४ ४६	२७ २९ १८	कर्के			चन्द्रदर्शनम्
२	चं ३४ २५	श्ले ४७ ११	सि ४६ ३२	बा २ २७	५० १४ ४६	२८ १ १९	सिं.४७			पुष्ये रविः३५।१जमादिलाखर ६
३	मं ३७ १५	म ५१ २८	व्य ४५ १३	तै ५ ५०	४८ १४ ४६	२९ २ २०	सिंहे			पुष्ये रविःसौरः३।३९मघा.सिंहे बुधः३७
४	बु ३९ ५	पू ५४ ३२	व ४४ ५९	व ८ १०	४५ १५ ४५	३० ३ २१	सिंहे			भ.८।१०उ.३९।५या.मृगे शुक्रः४६।४१
५	गु ३९ ३७	उ ५६ ४४	प ४३ ११	ब ९ १५	४३ १५ ४५	३१ ४ २२	कं.१०।५			
६	शु ३९ ८	ह ५७ ३८	शि ४० २८	कौ ९ २३	४० १६ ४४	१ ५ २३	कन्यायां			भा. श्रावणारंभः
७	श ३७ १८	चि ५७ १५	सि ३६ २७	ग ८ १३	३८ १६ ४४	२ ६ २४	तु.२७।२६			भ.३६।१८उ.पूफा.४गुरुः५७।४८
८	र ३४ ३	स्वा ५५ ३४	सा ३१ २६	वि ५ १०	३५ १७ ४३	३ ७ २५	तुलायां			भ.५।१०या.अस्तो भौमः ४४।२२
९	चं २९ ४०	वि ५२ ३५	शु २५ २२	बा १ ५१	३३ १७ ४३	४ ८ २६	वृ.३८।२०			उदयं शनेः५३।११
१०	मं २३ ५०	अ ४८ १७	शु १८ १२	ग २३ ५०	३० १८ ४२	५ ९ २७	वृश्चिके			भ.५०।२३उ.
११	बु १६ ५७	ज्ये ४२ ५०	ब्र १० ५	वि १६ ५७	२७ १९ ४१	६ १० २८	ध. ४२ ५०			भ १६।५७या.कमला ११ ब्र.
१२	गु ८ ४२	मू ३६ ३६	ऐं २ २७	बा ८ ४२	२४ १९ ४१	७ ११ २९	धनुषि			]+सिंहे भौमः४७।३१
१३	शु ० १	पू २९ ४४	वि ४१ १९	तै ० १	२२ २० ४०	८ १२ ३०	म.४२।५९			भ.५०।५१उ.
१४	शु ५० ५०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०			
१५	श ४१ ५६	उ २२ ४६	प्री ३१ १९	वि १६ २६	१९ २० ४०	९ १३ ३१	मकरे			भ.१६।२६या.मिथुने शुक्रः२५।०मघा.+

१५पं प्र.श्रा.शु. ३मं.इ ३५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	४	१	२	०	३
४	२२	०	२२	२२	२४	१३	३
११	५४	२४	३४	२९	२९	५	४४
२८	४९	४	५२	५३	२	५२	१
५७	३८	७१	११	३८	७	३	५६
१५	५५	५	१२	४०	१४	११	५८

गोचर ग्रहाः

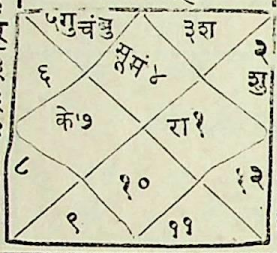

इस मासमें ५ शनिवार अशुभ है धान्य गेहू जौ चना धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा तेज हो प्रजा में दुःख व्याप्त हो।

गोचर ग्रहाः

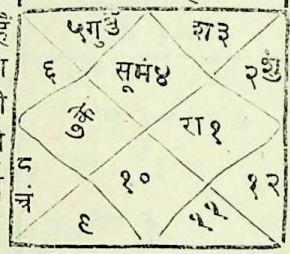

१६पं प्र.श्रा.शु १०मं इ ३८ ४९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	४	१	२	०	३
१०	२७	८	२३	२७	२५	१२	१०
५२	१८	०	४९	१०	२२	४३	२३
३०	३६	१	४४	५५	४४	३७	१८
५७	३९	४८	११	४६	७	३	५७
२०	२	३५	४९	४	८	११	५

ति.	द्वि.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६						दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे प्र.श्रावण कृष्णेतिमहा.
१	र ३३ ३८	श्र १६ २९	आ २१ ४६	वा ७ ४७	३३ २१ ३९	१० १४ १	कुं. ४३ ५१			अगस्त ८ ता.३१
२	चं २६ ४२	ध १० ५३	सौ १३ ६	तै ० १०	१३ २१ ३९	११ १५ २	कुम्भे			भ.५३।५९उ.आश्ले.रविः ३२।२
३	मं २१ १७	श ६ ५९	शो २८ ५२	वि २१ १७	१० २२ ३८	१२ १६ ३	मी५०।११			भ २१७या.आश्ले.रविःसौरः ३६ चतुर्थी व्र.
४	बु १७ ४६	पू ४ ३४	सु ५४ ४५	बा १७ ४६	७ २३ ३७	१३ १७ ४	मीने.			पूफा.बुधः१४।५९
५	गु १६ ३६	उ ४ ३१	धृ ५२ ५	तै १६ ३६	४ २३ ३७	१४ १८ ५	मीने			
६	शु १७ २९	रे ६ ३५	शू ५१ ५	व १७ २९	० २४ ३६	१५ १९ ६	मे.६।३५			भ.२९उ.४९या.पुनः३शनिः५९।२१
७	श २० ३१	अ १० २६	गं ५१ ९	व २० ३१	३३ २५ ३५	१६ २० ७	मेषे			
८	र २४ ५२	भ १६ ६	वृ ५२ ३४	कौ २४ ५२	५४ २५ ३५	१७ २१ ८	वृ. ३५			वक्री बुधः ५।५४आर्द्रा. शुक्रः १९।४७
९	चं ३० ४०	कृ २३ ४	ध्रु ५४ ४२	ग ३० ४०	५० २६ ३४	१८ २२ ९	वृषे			
१०	मं ३६ ४४	रो ३० २०	व्या ५७ ६	व ३ ४१	४७ २७ ३३	१९ २३ १०	वृषे			भ.३।४१उ.३६।४४ या.
११	बु ४३ ११	मृ ३८ ७	ह ५९ ४८	ब ९ ५८	४४ २७ ३३	२० २४ ११	मि.४।१४			उफा.१गुरुः१५।१कमला ११ ब्र.
१२	गु ४९ ५	आ ४५ २७	व ६० ०	कौ १६ ८	४० २८ ३२	२१ २५ १२	मिथुने			
१३	शु ५४ ३१	पु ५२ ३०	व १ ५८	ग २१ ४७	३७ २९ ३१	२२ २६ १३	क.३५।४४			भ.५४।३१उ.
१४	श ५८ ३७	पु ५८ १८	सि ३ ४३	वि २६ ३४	३३ २९ ३१	२३ २७ १४	कर्के			भ.२६।३४या.
२०	र ६० ०	श्ले ६० ०	व्य ४ ४७	च ३० ११	३० ३० ३०	२४ २८ १५	कर्के			[×बुधास्तः पश्चिमायां ३३।४८
३०	चं १ ४६	श्ले २ ६	व ४ ४९	ना १ ४६	२६ ३१ २९	२५ २९ १६	सिं २।६			मघा.सिंहेऽर्कः २६ वक्री मघायां बुधः ३७×

१७पं.द्वि.श्रा.कृ ३मं.इ. ३८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	४	२	२	०	३
१७	१	१३	२५	२	२६	१२	१७
२४	४४	३	८	३७	१५	२१	३
१२	४९	२५	३८	२६	१८	२१	६
५७	३९	२१	१२	५१	७	३	५७
२५	२	२८	१४	३२	२	११	१२

गोचर ग्रहाः

द्वि. श्रावण कृष्णे ३० चन्द्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न ५ प्रव्राजिका-वस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

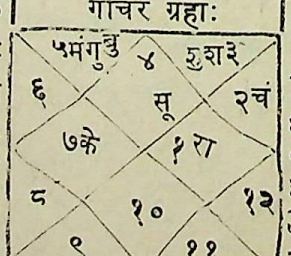

१८पं.द्वि.श्रा कृ १०मं इ.३९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	४	२	२	०	३
२४	६	१४	२६	८	२७	११	२३
१६	१०	५१	३०	४०	६	५९	४४
३७	२६	१४	१४	५	४३	६	१३
५७	३९	११	१२	५५	६	३	५७
३३	९	व:	३३	५९	४४	११	२२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. द्वि. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५१७सन् २००४

१	मं	३	३२	म	६	३७	प	३	५४	ब	३	३२	३३	५	६	२६	३०	१७	सिंहे	मघा.सिंहेऽर्कः०।५१ चंद्रदर्शनम्
२	बु	४	१७	पू	९	७	शि	२	५७	कौ	४	१७	१९	३२	२८	२७	११	८	क.२४।२९	रज्जव ७ सिंधारा
३	गु	३	५७	उ	१०	३५	सा	५५	७	ग	३	५७	१५	३३	२७	२८	२	१९	कन्यायां	भ.३३।२०उ.तीज
४	शु	२	४३	ह	११	१	शु	५२	४	वि	२	४३	१२	३४	२६	२९	३	२०	तु.४०।४७	भ.२।४३या. वरद ४
५	श	०	३६	चि	१०	३५	शु	४७	२५	वा	०	३६	८	३४	२६	३०	४	२१	तुलायां	पूफा.भौमः५४।३६ नाग पंचमी
६	श	५६	५०	स्वा	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
७	र	५३	४३	०	९	२२	ब्र	४१	५७	ग	२५	३४	४	३५	२५	३१	५	२२	वृ.५२।५४	भ.५३।४३उ.पुनःशुक्रः२८।३७
८	चं	४९	९	वि	७	२५	एं	३५	४८	वि	२१	२६	१	३६	२४	१	६	२३	वृश्चिके	भ.२१।२६ या. भा.भाद्रपदारंभः
९	मं	४३	४२	अ	४	४०	वै	२९	५	वा	१६	२५	३१	३७	२३	२	७	२४	वृश्चिके	
१०	बु	३७	३८	ज्ये	३	५५	वि	२१	४३	तै	१०	२१	५३	३७	२३	३	८	२५	ध. १।२	
११	गु	३०	५४	पू	५१	५९	प्री	१३	४९	ब	४	१६	४९	३८	२२	४	९	२६	धनुषि	भ.४।१६उ.३०।५४या.पवित्रा११व्र.
१२	शु	२३	४०	उ	४७	५	आ	२७	५१	वा	२३	४०	४६	३९	२१	५	१०	२७	म.५।४६	उफा.२कन्यायां गुरुः२७।३४प्रदोषः
१३	श	१६	१७	श्र	४१	२०	शो	४८	१०	तै	१६	१७	४२	४०	२०	६	११	२८	मकरे	
१४	र	९	८	ध	३६	२०	अ	३९	५९	व	९	८	३८	४०	२०	७	१२	२९	कुं. ८।५०	भ.९।८उ.३५।५७या. [×रक्षाबन्धनम्
१५	चं	२	४६	श	३२	२६	सु	३२	२१	ब	२	४६	३४	४१	१९	८	१३	३०	कुंभे	पूफा.रविः १५/१० (सौरः ५१/३) श्रावणी कर्म.×

१९पं.द्वि.श्रा.शु.१मं.इ. ३/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	४	२	२	०	४
०	१०	१२	२७	१५	२७	११	०
५९	३५	२५	५४	१०	५६	३६	२६
५३	३१	१६	११	१९	२८	५०	२६
५७	३९	४६/२५	१२	५९	६	३	५७
४०	९	व.	५८	२५	३२	११	३४

गोचर ग्रहाः

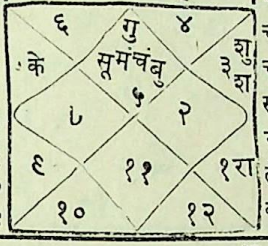

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन गेहूं जौ चना बाजरा मूंगमोठ सोना चांदी लोहातांबा रस गुड सक्कर में तेजी करेंगा वर्षा कही कम कही अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

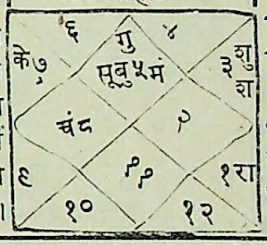

२०पं.द्वि.श्रा.शु.९मं.इ. १/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	४	२	२	०	४
७	१५	६	२९	२२	२८	११	७
४४	१	३३	२०	३	४४	१४	९
२०	५२	१८	३५	३२	२८	३४	५५
५७	३९	५६/२५	१३	६२	६	३	५७
४९	९	व.	१७	०	१४	११	४५

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणे द्वि. श्रा. कृष्णेति महा.

१	चं	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
२	मं	५३	४६	पू	२९	३४	ध्रु	२५	३६	तै	२५	४२	३३/३०	४३	१८/१६	९	१४	३१	मी. १५	बुधोदयः पूर्वस्यां ५७।४३
३	बु	५२	५२	उ	२८	२३	शू	२०	१७	व	२३	१९	२६	४३	१७	१०	१५	१	मीने	भ.२३/१९उ.५३या.कर्के शुक्रः १२सितंबर९×
४	गु	५१	४८	रे	२९	८	गं	१६	१९	ब	२२	२०	२२	४४	१६	११	१६	२	मे २९।८	मार्गीबुधः ४५/४७चतुर्थी व्रतम् [×ता.३०
५	शु	५३	५६	अ	३१	५२	बृ	१४	५	कौ	२२	५२	१८	४४	१६	१२	१७	३	मेषे	
६	श	५७	४१	भ	३६	१९	धु	१३	१७	ग	२५	४९	१५	४५	१५	१३	१८	४	वृ.५२।५०	भ.५७/४१उ.पुष्ये शुक्रः ३४/३६चंद्रषष्ठी
७	र	६०	०	कृ	४२	२६	ज्या	१३	३४	वि	३०	२१	११	४६	१४	१४	१९	५	वृषे	भ.३६/३९या.पुन.४कर्के शनिः२०।१८
७	चं	३	१	रो	४९	२०	ह	१५	१६	व	३	१	७	४७	१३	१५	२०	६	वृषे	जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	मं	८	५३	मृ	५६	५३	व	१७	८	कौ	८	५३	३	४७	१३	१६	२१	७	मि. २७/२८	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	बु	१५	११	आ	६०	०	सि	१९	३८	ग	१५	११	३०/२९	४८	१२	१७	२२	८	मिथुने	भ.४८।१३उ.अस्तं गुरोः ३८/४८गोगा ९
१०	गु	२१	१६	आ	४	२५	व्य	२२	१	वि	२१	१६	५५	४९	११	१८	२३	९	क.५४।४३	भ.२१।१६या.
११	शु	२६	३८	पु	११	२९	व	२४	४	बा	२६	३८	५१	५०	१०	१९	२४	१०	कर्के	अजा ११ व्र.
१२	श	३०	४६	पु	१७	२८	प	२५	५	तै	३०	४६	४७	५१	९	२०	२५	११	कर्के	उफा.भौमः३०।१७वत्सद्वादशी
१३	र	३३	४१	श्ले	२२	०	शि	२५	३	ग	२१	३३	४३	५१	९	२१	२६	१२	सिं २२।०	भ.३३/१९उ.उफा.३गुरुः २४/३३ प्रदोषः
१४	चं	३४	४५	म	२५	२३	सि	२३	५१	वि	४	१३	२९	५२	८	२२	२७	१३	सिंहे	भ.४।१३या.उफा.रविः ९(सौरः ३३/३)
३०	मं	३४	३४	पू	२७	२२	सा	२१	३८	च	४	४०	३५	५३	७	२३	२८	१४	कं. ४२।२९	कुशाग्रहणी पिठोरी ३०मन्वादिः

२१पं. भा. कृ. २मं. इ. २/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	२	२	०	४
१४	१९	२	०	२९	२९	१०	१३
३०	२९	९	४८	१४	२९	५२	५५
०	३८	४०	३२	५३	२८	१९	७
५८	३९	३३/३२	१३	६४	५	३	५७
१	१६	व:	२६	१	५३	११	५७

२२पं. भा. कृ. ८ मं. इ. ५/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	३	३	०	४
२१	२३	३	२	६	०	१०	२०
१७	५७	४१	१७	४०	११	३०	४१
२	४७	५६	३५	३०	४६	३	४७
५८	३९	३७	१३	६५	५	३	५८
१३	२६	मा	३२	३८	३२	११	१२

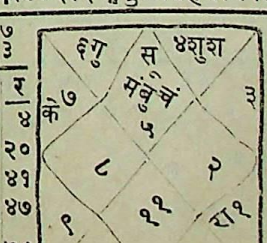

२३पं.भा.कृ.३० मं. इ. २/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	३	३	०	४
२८	२८	११	३	१४	०	१०	२७
५	२६	१८	४८	१८	५१	७	३०
२४	४६	१४	११	४०	१८	४८	६
५८	३९	९१	१३	६७	५	३	५८
२६	२६	४६	३८	४	२	११	२९

(विक्रम सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५४६सन् २००४
१	बु	३२	५६	उ	२७	४९	शु	१८	१६	किं	३	४५	३१ ५४ ६	१४ २९ १५	कन्यायां	पूफा.बुधः ४७ २१ [Aदेवजीका मेला नवलदुर्ग
२	गु	३०	२१	ह	२७	१०	शु	१३	५६	बा	१	३८	२७ ५५ ५	२५ ३० १६	तुं.५६।२६	कन्यायामर्कः २५।२६ आश्ले. शुक्रः×
३	शु	२६	४९	चि	२५	४२	ब्र	८	५०	ग	२६	४९	२२ ५६ ४	२६ १ १७	तुलायां	भ. ५४।४३ उ. सावान ८ हरितालिका
४	श	२२	३८	स्वा	२३	२६	ऐं	२	५३ ४५	वि	२२	३८	१८ ५६ ४	२७ २ १८	तुलायां	भ.२२।३८या. गणेशचतुर्थी [-अनंत१४
५	र	१८	७	वि	२०	४७	वि	५०	२१	बा	१८	७	१४ ५७ ३	२८ ३ १९	वृ. ६।२७	ऋषिपंचमी [Dउफा.४गुरुः४६।३१-
६	चं	१३	१३	अ	१७	५६	प्री	४३	४०	तै	१३	१३	९ ५८ २	२९ ४ २०	वृश्चिके	बुधास्तः पूर्वस्यां८।५२ [Lमहालयारंभः
७	मं	८	१८	ज्ये	१४	४३	आ	३६	५०	व	८	१८	५ ५९ १	३० ५ २१	धं १४।४३	भ.८।१८उ.३५।४२या. [*चंद्रदर्शनम्
८	बु	३	५	मू	११	२६	सौ	२९	४६	ब	३	५	० ० ० ० ० ०	३१ ६ २२	धनुषि	[×३४।१० कन्यायां भौमः ४९।३५÷
९	बु	५४	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०	[÷अश्विनी ३ राहु स्वाती १ केतु : ५४ ४९*
१०	गु	५२	२०	पू	७	५६	शो	२२	३५	तै	२५	२	२९ ६ ५५	१ ७ २३	म.२२।२	उफा. बुधः ३१ २ भा. आश्विनारंभःराम-A
११	शु	४६	५४	उ	४	२०	अ	१५	७	व	१९	३७	५२ २ ५८	२ ८ २४	मकरे	भ.१९।३७ उ. ४६।५४ या. जलझूलनी=
१२	श	४१	३७	श्र	४९	५५ ४३	सु	८	९	ब	१४	१५	४८ २ ५८	३ ९ २५	कुं २९।१२	कन्यायां बुधः ४६।५०वामनजयंती
१३	र	३६	५६	श	५४	४७	धृ	१५	५५ ३३	कौ	९	१६	४४ ३ ५७	४ १० २६	कुंभें	हस्ते रविः३८।३५प्रदोषः [=११व्र.
१४	चं	३२	५१	पू	५२	३७	गं	४८	४१	ग	५	५३	४० ४ ५६	५ ११ २७	मी. ३७ ३०	भ.३२।५१ उ. हस्ते रविः सौरः१४।३D
१५	मं	२९	५७	उ	५१	४४	बृ	४३	२२	वि	१	२४	३६ ५ ५५	६ १२ २८	मीने	भ.१।२४ या. मघायांसिंहे शुक्रः २४।४L

२४पं.भा.शु.७मं.इ. २७ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	५	३	३	०	५
४	२	२२	५	२२	१	९	४
२५	५७	५९	१८	६	२६	४५	२०
१६	१४	४९	५४	२५	४६	३२	१३
५८	३९	०	१३	६८	४	३	५८
२८	२६	४४	२८	१२	२८	११	४५

गोचर ग्रहाः

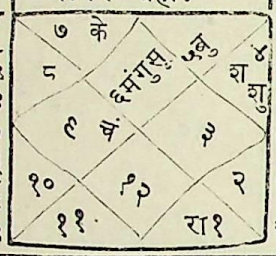

भाद्रपद शुक्ले २ गुरौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

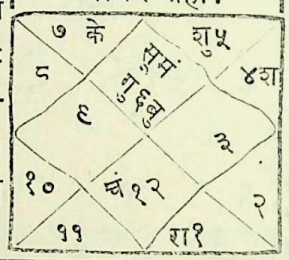

२५पं. भा.शु.१५ म.इ. २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	५	५	३	०	५
११	७	४	६	०	१	९	११
४६	२८	५३	४९	३	५८	२३	१२
५२	१	१३	१८	५४	२६	१६	१३
५८	३९	०	१३	६९	४	३	५९
५३	२६	३१	२८	४	४	११	००

ति.	आश्विन कृष्ण पक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा·
१	बु	२८	३०	रे	५२	२०	श्रु	३९	२६	कौ	२८	३०	३३ ६ ५४	७ १३ २९	मे.५२।२०	
२	गु	२८	३२	अ	५४	२७	ज्या	३६	३४	ग	२८	३२	२८ ६ ५४	८ १४ ३०	मेषे	भ.५९।२७उ.
३	शु	३०	२२	भ	५८	६	ह	३५	१७	वि	३०	२२	२३ ७ ५३	९ १५ १	मेषे	भ. ३०।२२ या. हस्तेबुधः १५।१२×
४	श	३३	३६	कृ	६०	०	व	३४	४६	ब	१	५९	१९ ८ ५२	१० १६ २	वृ.१४।२५	हस्ते भौमः २३।५५
५	र	३८	४०	कृ	३	२०	सि	३५	३८	कौ	६	८	१५ ९ ५१	११ १७ ३	वृषे	[×अक्टूबर१०ता.३१चतुर्थी व्रतम्
६	चं	४४	२०	रो	१०	१०	व्य	३७	१९	ग	११	३०	११ १० ५०	१२ १८ ४	मि४३।३४	भ.४४।२०उ.उदयं गुरोः३६।१२
७	मं	५०	३२	मृ	१६	५८	व	३९	३४	वि	१७	२६	७ ११ ४९	१३ १९ ५	मिथुने	भ.१७।२६या.
८	बु	५६	५१	आ	२४	३५	प	४१	४१	बा	२३	११	३ ११ ४९	१४ २० ६	मिथुने	[+१२। ४शस्त्रादिहतानां श्राद्धम्
९	गु	६०	०	पु	३१	५२	शि	४३	५६	तै	२९	४३	२९ १२ ४८	१५ २१ ७	क.१५।२	मातृ ९ (सौभाग्यवतीनां श्रा.)
९	शु	२	३५	पु	३८	३४	सि	४५	२६	ग	२	३५	५५ १३ ४७	१६ २२ ८	कर्के	भ.३४।५१उ.चित्रा.बुधः३।४९
१०	श	७	८	श्ले	४३	४७	सा	४५	५७	वि	७	८	५१ १४ ४६	१७ २३ ९	सिं४३।४७	भ.७।८या.पूफा.शुक्रः५३।४३
११	र	१०	८	म	४७	३८	शु	४५	११	बा	१०	८	४७ १५ ४५	१८ २४ १०	सिंहें	चित्रा. रविः १०।३७ (सौरः४४।३७)÷
१२	चं	११	२५	पू	४९	३७	शु	४३	७	तै	११	२५	४३ १५ ४५	१९ २५ ११	सिंहे	प्रदोषः [÷इंदिरा११व्र.
१३	मं	१०	५५	उ	४९	४६	ब्र	३९	३३	व	१०	५५	३९ १६ ४४	२० २६ १२	कं.४।३९	भ.१०।५५उ.३९।४५ या.तुलायां बुधः+
१४	बु	८	३४	ह	४८	२६	ऐं	३४	४२	श	८	३४	३५ १७ ४३	२१ २७ १३	कन्यायां	हस्त.१गुरुः१३।३१सर्वपितृ३०
२०	गु	४	४९	चि	४५	५३	वै	२८	३९	ना	४	४९	३१ १८ ४२	२२ २८ १४	तु.१७।१०	नवरात्रारंभःमातामहश्राद्धम्

२६पं.आ.कृ.७ मं. इ. २७ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	५	४	३	०	५
१८	१२	१८	८	८	२	९	१८
४०	०	२७	२०	९	२५	१	६
८	४०	५८	१३	१४	३०	१	०
५९	३९	०	१३	६९	३	३	५९
५९	२९	९	३२	५६	३०	११	१६

गोचर ग्रहाः

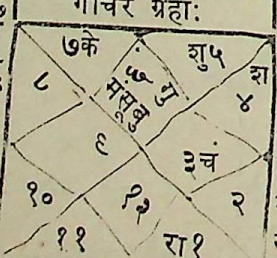

कृष्ण पक्ष में तिथी वढे, शुक्ल पक्ष घट जाय। एक चीज की क्या कहें सभी चीज घट जाय।। इस मास में धान्य धातु सभी तेज होगें।

गोचर ग्रहाः

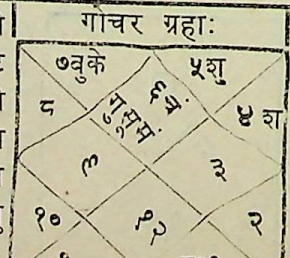

२७पं.आ.कृ.१३मं.इ.२७।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	५	४	३	०	५
२५	१६	०	९	१६	२	८	२५
३५	३३	२६	४९	२०	४८	३८	०१
२	७	६	३७	२१	१४	४५	४२
५९	३९	०	१३	७०	२	३	५९
२१	३९	९	२६	३७	४४	११	३१

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्).

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६ दि. उ. अ. भा. मु. इ. चंद्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५७६ स. २००४

| | | |

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गणः४६०५स.२००४
१	श	२५	३५	वि	५	५४	शो	२६	४	ब	२५	३५	२६ ४२	६ ४०	५ २०	२२	२९	१३	वृश्चिके
२	र	१७	२७	ज्ये	४९	६	अ	१६	४४	कौ	१७	२७	२९ ४०		२०	२३	३०	१४	ध.४९।६
३	चं	९	४१	मू	४३	७	सु	७	५० १२	ग	९	४१	२६ ४१		१९	२४	१	१५	धनुषि
४	मं	२	२	पू	३७	४५	शू	४८	४०	वि	२	२	३३ ४१		१९	२५	२	१६	म ५१।४०
५	मं	५३	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०		०	०	०	०	० ०
६	बु	४९	१५	उ	३३	२६	गं	४०	२४	कौ	२२	१६	३० ४२		१८	२६	३	१७	मकरे
७	गु	४४	३४	श्र	२९	४०	बृ	३३	१८	ग	१६	५५	२७ ४३		१७	२७	४	१८	कुं.५८।२९
८	शु	४०	५६	ध	२७	१८	धु	२६	५२	वि	१२	४५	२५ ४३		१७	२८	५	१९	कुंभे
९	श	३८	२६	श	२६	४	व्या	२१	२७	बा	९	४१	२२ ४४		१६	२९	६	२०	कुंभे
१०	र	३७	०	पू	२५	५५	ह	१६	५४	तै	७	४३	१९ ४४		१६	३०	७	२१	मि. १९८
११	चं	३६	४९	उ	२६	५१	व	१३	१९	व	६	५४	१७ ४५		१५	१	८	२२	मीने
१२	मं	३७	५२	रे	२९	११	सि	१०	३७	ब	७	२०	१४ ४५		१५	२	९	२३	मे.२९।११
१३	बु	३९	५७	अ	३२	१८	व्य	८	५८	कौ	८	५८	१२ ४६		१४		१०	२४	मेषे
१४	गु	४३	९	भ	३६	४३	व	८	१४	ग	११	३०	९ ४६		१४	४	११	२५	बृ. ५३।०
१५	शु	४७	२०	कृ	४१	५२	प	७	४७	वि	१५	४४	७ ४७		१३	५	१२	२६	वृषे

प्रदोषः [A११व्र.तुलसीविवाह.
भ.४३।९उ.वैकुंठ१४ [×गोपाष्टमी
भ.१५।४४या.मन्वादिःका.स्ना.पू.

३२पं.का.शु.४मं.इ. २६।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	५	५	३	०	७
०	९	२२	१६	२८	३	६	०
३३	३६	१३	४९	३४	२४	४७	६
२९	०	२३	१	५२	३६	२७	१०
६०	२९	७१	११	७२	५०	३	६०
३०	५२	२६	४५	४७	व.	११	४०

गोचर ग्रहाः

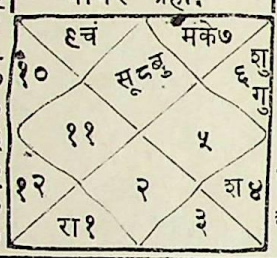

कार्तिक शुक्ले३ चंद्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

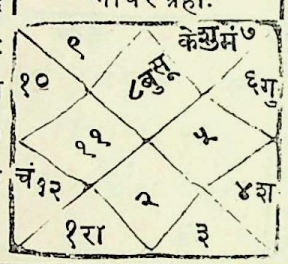

३३पं.का.शु. १२मं.इ.२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	५	६	३	०	७
७	१४	२९	१८	७	३	६	७
३७	१७	३७	३	१२	१५	२५	११
२६	१७	२९	५८	५०	२९	१२	४३
६०	३९	४८	११	७३	३७	३	६०
४२	५९	४७	५	००व.	११	५३	

ति	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६									दि. उ. अ.			भा. मु. इं			चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेत्ति महाः
१	श	५२	३८	रो	४८	१६	शि	८	२२	बा	१९	५९	२६ ४७	१३		६	१३	२७	वृषे
२	र	५८	३०	मृ	५४	५६	सि	९	५१	तै	२५	३४	२ ४८	१२		७	१४	२८	मि२१।३६
३	चं	६०	०	आ	६०	०	सा	११	३१	व	३१	२४	० ४८	१२		८	१५	२९	मिथुने
३	मं	४	४६	आ	२	२८	शु	१३	४७	वि	४	४६	५ ४८	१२		९	१६	३०	क.५३।६
४	बु	११	१२	पु	९	५९	शु	१६	६	बो	११	१२	५६ ४९	११		१०	१७	१	कर्के
५	गु	१७	४१	पु	१७	३८	ब्र	१८	२०	तै	१७	४१	५४ ४९	११		११	१८	२	कर्के
६	शु	२३	२०	श्ले	२४	२७	ऐं	१९	५८	व	२३	२०	५३ ४९	११		१२	१९	३	सिं. २४
७	श	२७	५३	म	३०	२२	वै	२१	२	ब	२७	५३	५१ ५०	१०		१३	२०	४	सिंहे
८	र	३१	३	पू	३४	४५	वि	२१	१	कौ	३१	३	४९ ५०	१०		१४	२१	५	कं.५०।२६
९	चं	३२	२३	उ	३७	३०	प्री	१९	३३	तै	१	४३	४८ ५०	१०		१५	२२	६	कन्यायां
१०	मं	३१	३८	ह	३८	१२	आ	१६	२८	व	२	१	४६ ५१	९		१६	२३	७	कन्यायां
११	बु	२८	५०	चि	३६	५५	सौ	११	५४	व	०	१४	४५ ५१	९		१७	२४	८	तु.७।३४
१२	गु	२४	६	स्वा	३३	३१	शो	४०	५३ १४	तै	२४	६	४४ ५१	९		१८	२५	९	तुलायां
१३	शु	१७	२९	वि	२८	२९	सु	४८	४७	व	१७	२९	४३ ५१	९		१९	२६	१०	वृ.१४।४४
१४	श	९	३४	अ	२२	१४	धृ	३८	५३	श	९	३४	४२ ५२	८		२०	२७	११	वृश्चिके
३०	र	०	३७	ज्ये	१५	५४	शू	२८	२२	ना	०	३७	४१ ५२	८		२१	२८	१२	ध.१५।५४

प्रदोषः
भ.३१।२४उ. [÷व्रतम्
भ.४।४६या. वक्री बुधः१०।३९चतुर्थी÷
विशा.भौमः५७।९दिसम्बर१२ता.३१
ज्येष्ठा.रवि.२१।२६ (सौरः४४।४७)×
भ.२३।२०उ.५५।३७या.विशा. शुक्रः४७ ४९
[×पातस्पर्शः१७।११पातमोक्षः ३४।३८
हस्त.४गुरुः३३बुधास्तःपश्चिमायां५०
भ.२।१उ.३१।३८या. वक्री वृश्चिके+
उत्पत्ति११व्र. [+ज्येष्ठा. बुधः५०।५०
प्रदोषः
भ.१७।२९उ.४३।३२या.
वृश्चिके शुक्रः४३।३३

३४ पं.मा.कृ.३मं.इ. २५ ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	५	६	३	०	७
१४	१८	३	१९	१५	३	६	१४
४२	५८	३०	१३	५३	१	२	१८
४०	५९	५०	५९	२०	५	५६	२९
६०	४०	४९	१०	७३	१३	३	६१
५०	३	व.	२६	१४	व:	११	३

गोचरग्रहाः

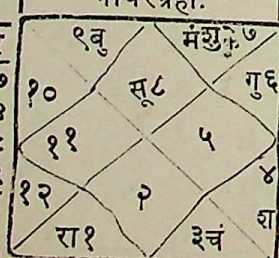

यह मास सोना चांदी रूई सूत गेहूं जौ चना बाजरा मूंग मोठ में तेजी करेगा कहीं२ विग्रह पैदा होने की सम्भावना है।

गोचर ग्रहाः

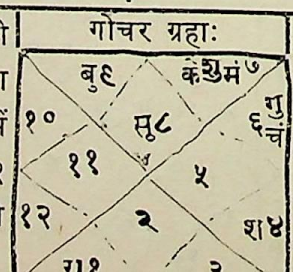

३५ पं. मा. कृ.१०मं. इ.३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	५	६	३	०	७
२१	२३	०	२०	२४	२	५	२१
४८	४३	३६	१३	३५	४२	४०	२६
४३	१२	२५	५२	२	०	४०	१२
६०	३९	६६	९	७३	५३	३	६१
५६	५६	व.	४१	२६	व.	११	११

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गणः ४६३५स२००४

| | | |

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६									दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४६६४ स. २००५
१	मं	१७	५०	उ	२०	२२	ह	१९	१३	व	१७	५०	५५ ४९ १५	२१ २९ ११	मकरे	
२	बु	८	२७	श्र	१३	४	व	३९	११	कौ	८	२७	५९ ४८ १२	२२ ३० १२	कुं. ४०।४	चन्द्रदर्शनम्
३	गु	०	२७	ध	७	५	व्य	४९	१	ग	०	२७	६ ४८ १२	२३ १ १३	कुंभे	भ. २७ उ. ५३ या. मकरेऽर्कः ५४ जिल्हेज १२
४	गु	५३	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०	
५	शु	४८	५३	श	१९	२५ ५७	व	४१	५७	ब	२१	२०	४ ४७ १३	२४ २ १४	मी. ४५ ५१	मकरेऽर्कः सौरः ५ वक्री पुनः ३ मिथुनेशनिः ×
६	श	४५	५६	उ	५८	२९	प	३६	३०	कौ	१७	२५	६ ४७ १३	२५ ३ १५	मीने	पूषा. बुधः ३५ पूषाशुक्रः २१ [×११।३८
७	र	४५	०	रे	५९	२९	शि	३२	२३	ग	१५	२८	८ ४६ १४	२६ ४ १६	से. ५९।२९	भ ४५।० उ.
८	चं	४६	७	अ	६०	०	सि	३०	३	वि	१५	३४	११ ४६ १४	२७ ५ १७	मेषे	भ. १५।३४ या.
९	मं	४८	५३	अ	२	३१	सा	२८	५३	बा	१७	३०	१३ ४५ १५	२८ ६ १८	मेषे	[÷३८) अश्वि. १ राहुः चित्रा. ३ केतुः ३९ +
१०	बु	५३	१४	भ	७	११	शु	२९	२२	तै	२१	४	१६ ४५ १५	२९ ७ १९	वृ. २३।४०	[*४६) उषा. बुधः १९ [+पुत्रदा ११ व्र.
११	गु	५८	२९	कृ	१३	७	शु	३०	२०	व	२५	५१	१९ ४४ १६	३० ८ २०	वृषे	भ. ३५ उ. ३६ या. अभि. प्र. रविः ३० सौरः ÷
१२	शु	६०	०	रो	१९	५५	ब्र	३२	१३	ब	३१	७	२१ ४४ १६	१ ९ २१	मि. ३५	भा. माघारंभः
१३	श	३	४६	मृ	२७	१६	ऐं	३४	१९	बा	३	४६	२४ ४३ १७	२ १० २२	मिथुने	प्रदोषः
१३	र	११	७	आ	३४	४४	वै	३६	३१	तै	११	७	२७ ४३ १७	३ ११ २३	मिथुने	श्रवणे रविः ५३ (सौरः ३४)
१४	चं	१७	२९	पु	४२	११	वि	३८	४०	व	१७	२९	२९ ४२ १८	४ १२ २४	क. २५।२०	भ. ३९ उ. ३२ या. अभि. नि. रविः ३६ (सौरः *
१५	मं	२३	४९	पु	४९	२८	प्री	४०	४०	ब	२३	४९	३२ ४२ १८	५ १३ २५	कर्के	बुधास्तः पूर्वस्याम् ४२।४६ मा. स्ना. प्रा.

४०पं.पौ.शु.१ मं.इ.३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	५	८	३	०	८
२७	१७	७	२४	८	०	३	२७
२७	४२	५२	१२	२०	१२	४९	१४
२२	४०	३४	२९	५३	५८	२२	१
६१	४०	८३	४	७४	४	३	६१
६	३४	३१	३१	२४	०	११	२४

४१ पं.पौ.शु.९ मं.इ २४।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	५	८	२	०	९
४	२२	१७	२४	१७	२९	३	४
३५	३५	५३	३५	७	३८	२७	२३
१३	२४	१०	४२	५	१०	७	३०
६१	४०	९१	३	७४	४०	३	६१
३	४२	२२	१८	८	व.	११	१९

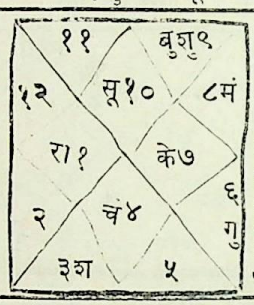

४२पं. पौ.शु.१५ म.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	५	८	२	०	९
११	२७	२८	२४	२५	२९	३	११
४२	२९	३१	५०	५२	४	४	३२
४०	२४	५२	२८	३४	८	५१	२१
६०	४०	९७	१	७४	२८	३	६१
५९	४३	१९	४७	१७	व.	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६									दि. उ. अ.	हि. मु. इ.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महाः
१	बु	२९	३८	श्ले	५६	१२	आ	४२	२०	कौ	२९	३८	३५ ४९ १९	६ १४ २६	सिं. ५३	मकरे बुधः १५।१६ उषा. शुक्रः ३।१४
२	गु	३४	५९	म	६०	०	सो	४३	११	तै	२	१९	३८ ४० २०	७ १५ २७	सिंहे	
३	शु	३९	१६	म	२	५	शो	४३	४७	व	७	७	४१ ४० २०	८ १६ २८	सिंहे	भ. ७ उ. ३९ या. मकरे शुक्रः ४४ मूलेधनुषि ×
४	श	४२	३२	पू	७	२४	अ	४३	२७	ब	१०	५४	४५ ३९ २१	९ १७ २९	कं. २३।२६	चतुर्थी व्रतम् [×भौमः ५३।८
५	र	४४	४७	उ	११	३२	सु	४१	५६	कौ	१३	४०	४८ ३८ २२	१० १८ ३०	कन्यायां	
६	चं	४५	५५	ह	१४	२८	धृ	३९	२६	ग	१५	२१	५१ ३८ २२	११ १९ ३१	तु. ४९	भ. ४५।५५ उ.
७	मं	४५	३७	चि	१६	११	शू	३६	५५	वि	१५	४६	५४ ३७ २३	१२ २० १	तुलायां	भ. १५ या. श्रवणे बुधः ३५ फरवरी २ ता. २८
८	बु	४३	४१	स्वा	१६	४१	गं	३२	१६	वा	१४	३९	५८ ३६ २४	१३ २१ २	तुलायां	पातस्पर्शः २।५० पात मोक्षः १४।५२
९	गु	४०	९	वि	१५	२२	वृ	२६	२२	तै	११	५५	२५ ३६ २४	१४ २२ ३	वृ. ४०	
१०	शु	३५	२०	अ	१२	२४	ध्रु	१९	२३	व	७	४४	५ ३५ २५	१५ २३ ४	वृश्चिके	भ. ४७ उ. ३० या. वक्री गुरुः १३।४
११	श	२८	५९	ज्ये	८	१४	व्या	११	१८	ब्र	२	१०	८ ३४ २६	१६ २४ ५	ध. ८।१४	धनि. रविः ५२ (सौरः १९) श्रवणे शुक्रः ÷
१२	र	२१	२०	मू	२९	२५ ३३	ह	३	४९ ५६	तै	२१	२०	१२ ३४ २६	१७ २५ ६	धनुषि	प्रदोषः [÷४१ षट्तिला ११ व्र.
१३	चं	१२	११	उ	४८	४१	सि	४१	३१	व	१२	११	१५ ३३ २७	१८ २६ ७	म. ९।६	भ. १२।११ उ. ३७।४९ या.
१४	मं	३	२६	श्र	४२	१०	व्य	३०	३८	श	३	२६	१९ ३२ २८	१९ २७ ८	मकरे	
३०	मं	५०	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	

४३ पं.मा.कृ.७ मं.इ.२५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	५	९	२	०	९
१८	२	९	२४	४	२८	२	१८
४९	२३	४१	५५	३८	३१	४२	४०
१६	५३	३१	३४	४६	५२	३६	२६
६०	४०	९	०	७४	१०	३	६१
५५	४४	२८	३४	२०	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

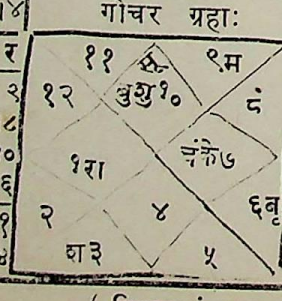

इस मास में धन का मंगल धातु लोहा सोना चांदी रुई तृण काष्ट धृत तेज करें सुदि में धातु मन्दी पशु तेज हो।

गोचर ग्रहाः

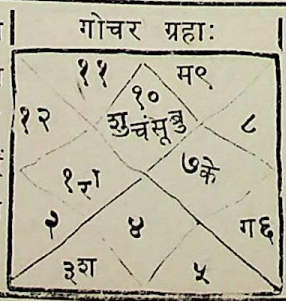

४४पं.मा.कृ.१४ मं.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	५	९	२	०	९
२५	७	२१	२४	१३	२८	२	२५
५५	२०	२७	५१	२४	१	२०	४७
१	१३	०	१८	३६	४४	२०	१३
६०	४०	९	५१	७४	५३	३	६०
४७	४०	५८	व	२६	व.	११	५५

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४६९३स.२००५

१	बु	४५	११	ध	३४	१९	व	२०	१५	किं	१९	४२	३७	३६	५१	२०	२८	९	कुं.८।१४	धनि. बुधः२८।३७
२	गु	३७	२६	श	२८	१४	प	१०	३१	बा	११	१९	२७	३१	२९	२१	२९	१०	कुंभे	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	३१	१०	पू	२३	३४	शि	५५	५२	तै	४	१८	३०	३०	३०	२२	१	११	मी९।४४	भ.५६उ.मोहोरम१सन्१४२६ हि.
४	श	२६	३७	उ	२०	५३	सा	४८	५९	वि	२६	३७	३४	२९	३१	२३	२	१२	मीने	भ.३७या.कुभेर्कः३१(सौरः३४।१४)
५	र	२४	१८	रे	२०	८	शु	४५	१४	बा	२४	१८	३८	२८	३२	२४	३	१३	मे.२०।८	कुम्भे बुधः२१।९ वसंत ५
६	चं	२४	८	अ	२१	३४	शु	४२	५३	तै	२४	८	४१	२८	३२	२५	४	१४	मेषे	
७	मं	२५	५६	भ	२४	५४	ब्र	४२	२८	व	२९	५६	४५	२७	३३	२६	५	१५	वृ.४१।१०	भ.२५उ.५७या.भानु ७ रथ ७
८	बु	२९	४१	कृ	३०	०	ऐं	४२	४४	व	२९	४१	४९	२६	३४	२७	६	१६	वृषे	शते बुधः५९धनि.शुक्रः३१पूषा.भौमः×
९	गु	३४	४१	रो	३६	२१	वै	४४	१७	बा	२	११	५३	२५	३५	२८	७	१७	वृषे	शुक्रास्तः पूर्वस्याम्१८।०
१०	शु	४९	२	मृ	४३	४०	वि	४६	२३	तै	७	५२	५६	२५	३५	२९	८	१८	मि.१०।०	[×५६।२५ भीष्माष्टमी
११	श	४७	२८	आ	५१	२०	प्री	४८	४७	व	१४	१५	२८	२४	३६	३०	९	१९	मिथुने	भ.१५उ.४७या.शते रविः३७(सौरः९९÷
१२	र	५३	५२	पु	५८	५९	आ	५१	८	ब	२०	४०	४	२३	३७	१	१०	२०	कं.४१।५	भा. फाल्गुनारंभः [÷जया११व्र.
१३	चं	५९	५८	पु	६०	०	सौ	५३	७	कौ	२६	५५	८	२२	३८	२	११	२१	कर्के	कुम्भे शुक्रः ४०।४७ प्रदोषः
१४	मं	६०	०	पु	५	३	शो	५४	३८	ग	३२	४४	१२	२२	३८	३	१२	२२	कर्के	
१५	बु	५	३१	श्ले	१२	४१	अ	५५	२८	व	५	३१	१६	२१	३९	४	१३	२३	सिं. ४२	भ.५।३१उ.३७।४८ या.
१५	गु	१०	४	म	१८	५	सु	५५	२९	ब	१०	४	२०	२०	४०	५	१४	२४	सिंहे	पूभा. बुधः ७।१ मा. स्ना. पूर्तिः

४५ पं.मा.शु. ७मं.इ. ३५/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	५	९	२	०	१०
२	१२	३	२४	२२	२७	१	२
५९	१८	५०	३८	१०	३५	५८	५३
४९	०	३५	४३	१६	१७	४	१६
६०	४०	५९	२३	७४	२३	३	६०
२७	१४	१५	व.२६	व.११	४२		

गोचर ग्रहाः

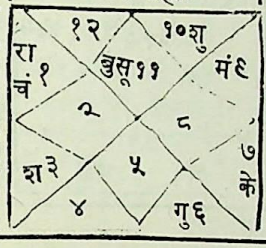

माघ शुक्ले ४ शनौ कुम्भेऽर्कः प्रविष्टःवा. २ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावें समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४६ पं.मा.शु१४ मं.इ. ३५/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	५	१०	२	०	१०
१०	१७	१६	२४	०	२७	१	९
३	१६	४९	१६	५५	१२	३५	५७
२२	१६	२४	३४	४१	५०	४९	४९
६०	४०	५९	४०	७४	४३	३	६०
२५	४६	४८	व.२६	व.११	३१		

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं २०६१ शाकः १९२६ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाः

१	शु	१३	३७	पू	२२	४७	धृ	५४	४१	कौ	१३	३७	२४	१९	४१	६	१५	२५	कं.३८।३९	
२	श	१६	३	उ	२६	१६	शू	५३	६	ग	१६	३	२८	१८	४२	७	१६	२६	कन्यायां	भ.४६।४३ उ.
३	र	१७	२३	ह	२८	५६	गं	५०	४२	वि	१७	२३	३२	१८	४२	८	१७	२७	तु५९।४२	भ.१७।२३या.शते शुक्रः०।४० चतुर्थी व्र.
४	चं	१७	४६	चि	३०	२८	वृ	४७	३१	बा	१७	४६	३६	१७	४३	९	१८	२८	तुलायां	
५	मं	१७	२	स्वा	३१	५	ध्रु	४३	२८	तै	१७	२	४०	१६	४४	१०	१९	१	तुलायां	मीने बुधः२६बुधोदयःपश्चिमायां३६×
६	बु	१५	२५	वि	३०	३४	व्या	३८	३१	व	१५	२५	४४	१५	४५	११	२०	२	वृ.१५।४०	ग.१५।२५उ.५९या. [×मार्च ३ ता. ३१
७	गु	१२	३४	अ	२८	५५	ह	३२	४६	ब	१२	३४	४८	१४	४६	१२	२१	३	वृश्चिके	उभा.बुधः१७।४८
८	शु	८	५६	ज्ये	२६	२८	ब	२६	१६	कौ	८	५६	५२	१४	४६	१३	२२	४	ध.२६।२८	पूभा. रविः१९।५३(सौरः२४।२३)
९	श	४	११	मू	२२	५६	सि	१८	५०	ग	४	११	५६	१३	४७	१४	२३	५	धनुषि.	भ३१।१४उ.५८।१८या.
१०	श	५४	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
११	र	५१	३५	पू	१८	२६	व्य	१०	४०	ब	२४	५८	२९	१२	४८	१५	२४	६	म.३२।५	वक्री हस्तः४गुरुः३९विजया ११ व्र.स्मा.
१२	चं	४४	७	उ	१३	०	व	४७	५०	कौ	१७	५१	५	११	४९	१६	२५	७	मकरे	उषा.भौमः३१।३ विजया११व्र.वै.
१३	मं	३६	४	श्र	६	५८	शि	४३	२	ग	१०	५	९	१०	५०	१७	२६	८	कुं.३३।५७	भ.३६उ.प्रदोषःमहाशिवरात्रि व्र. स्मा.
१४	बु	२८	८	ध	५९	५३	सि	३३	४२	वि	२	६	१३	९	५१	१८	२७	९	कुंभे	भ.९या.पूभा.शुक्रः४३वक्री पुन.२शनिः÷
२०	गु	२१	३७	पू	५०	१६	सा	२४	५६	ना	२१	३७	७	९	५१	१९	२८	१०	मी.३६	[÷४५।२५ महाशिवरात्रि व्र.व्रैं.

४७ पं.फा.कृ. ५ मं. इ. २६/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१७	८	१०	५	१०	२	०	१०
१७	२२	२९	२३	९	२६	१	१७
५	१६	१७	४६	४०	५४	१३	०
३५	१२	०	४८	२३	५८	३३	४२
६०	४०	०	५३	७४	३	३	६०
१२	३८	५७	व.३२	व.११	२०		

गोचर ग्रहाः

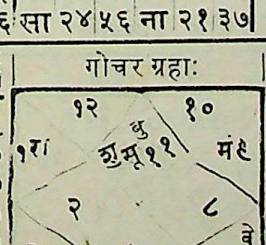

शुक्रस्य पंचवाराः स्युः यत्र मासे निरन्तरम् । प्रजावृद्धिः सुभिक्षं च सुखं तत्रप्रवर्तते ॥ इस मास का फल अच्छा है धातु में तेजी रहे।

गोचर ग्रहाः

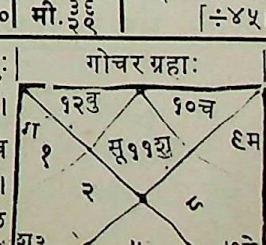

४८ पं.फा.कृ.१ ३मं.इ. ३६/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	११	५	१०	२	०	१०
२४	२७	११	२३	१८	२६	०	२४
६	१७	३४	९	२४	४१	५१	२
२२	१३	१७	४	४३	५३	१८	५
५९	४१	८८	५४	७४	२७	३	६०
५८	१५१	व:३२	व.११	६			

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७२३ स. २००५
१	शु १४ ५	उ ४६ ३२	शु १७ ४	ब १४ ५	३९	६	५२	२० २९ ११	मीने चंद्रदर्शनम्
२	श ८ ५३	रे ४४ १९	शु १० २४	कौ ८ ५३	२३	७	५३	२१ १ १२	मे.४४।१९ रेवत्यां बुधः ३९ मकरे भौमः ३९ सफर २×
३	र ५ २९	अ ४४ १३	ब्र ५ १८	ग ५ २९	३०	६	५४	२२ २ १३	मेषे भ.३४।५४उ. [×फुलरिया २
४	चं ४ २०	भ ४६ ३६	ऐं ३१ ५७	वि ४ २०	३४	५	५५	२३ ३ १४	मेषे भ.२० या.मीनेऽर्कः २९ (सौरः २४)
५	मं ४ ५५	कृ ५० ९	वि ५९ २६	बा ४ ५५	३८	४	५६	२४ ४ १५	वृ.२९ २
६	बु ७ ४०	रो ५५ ३४	प्री ६० ०	तै ७ ४०	४३	३	५७	२५ ५ १६	वृषे [=कन्यायां केतुः ३४।३३
७	गु ११ ५८	मृ ६० ०	प्री ० ४	व ११ ५८	४७	३	५७	२६ ६ १७	मि २८।५७ भ.११ उ.५३ या.उभा.रविः ५१ सौरः ÷
८	शु १७ ४५	मृ २ २०	आ १ ५७	व १७ ४५	५१	२	५८	२७ ७ १८	मिथुने होलाष्टकम् [÷५५ ०) मीनेशुक्रः ४४।४८
९	श २३ ५३	आ ९ ३९	सौ ४ ११	कौ २३ ५३	५५	१	५९	२८ ८ १९	मिथुने वक्री बुधः ५।४७
१०	र ३० १९	पु १७ १५	शो ६ ३७	ग ३० १९	३० ०	०	०	२९ ९ २०	क.०।२१ उभा.शुक्रः २५।५
११	च ३६ २५	पु २४ ३३	अ ८ ४०	व ३ २२	४	५९	१	३० १० २१	कर्के भ.२३ उ.३६ या.बुधास्तः पश्चिमायां ३६+
१२	मं ४१ ४६	श्ले ३१ १८	सु १० २६	व ९ ५	८	५८	२	१ ११ २२	सिं ३१।१८ मार्गी शनिः ३६ भा.चैत्रारंभः
१३	बु ४५ ५८	म ३६ ४४	धृ ११ ९	कौ १३ २२	१२	५८	२	२ १२ २३	सिंहे प्रदोषः [+आमलकी ११ व्र.
१४	गु ४८ ४८	पू ४० ५५	शू ११ १	ग १७ २३	१६	५७	३	३ १३ २४	कं.५६।३९ भ.४९ उ.रेवती.४मीने राहुः चित्रा.२=
१५	शु ५० १०	उ ४३ ५०	गं ९ ४८	वि १९ २९	२१	५६	४	४ १४ २५	कन्यायां भ.१९ या.श्रवणे भौमः ५४ होलिकादहनम्

४९पं.फा.शु.५ मं.इ.२६।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	५	१०	२	०	११
१	२	१८	२२	२७	२६	०	१
५	१९	५०	२४	८	२४	२९	१
२५	८	२६	५४	२४	१	२	४७
५९	४०	४१	४९	७४	३९	३	५९
४१	५५	५८	व.	३२	व.	११	४९

ग्रोचर ग्रहाः

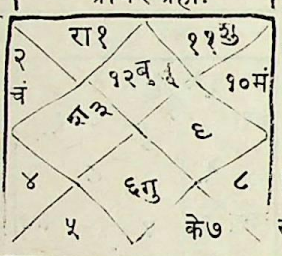

फाल्गुन शुक्ले ४ चंद्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु.१५ धान्या दिभावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

ग्रोचर ग्रहाः

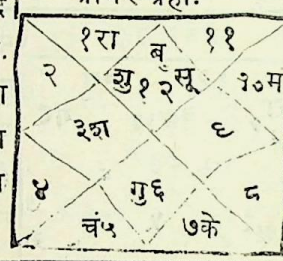

५०पं.फा.शु.१२.मं.इ.२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	५	११	२	०	११
८	७	१९	२१	५	२६	०	७
३	२१	५१	३५	५१	३२	६	५९
१८	२९	५०	५६	४०	१०	४६	४२
५९	४०	३४	३३	२४	१	३	५९
२९	५६	व.	व.	३८	व.	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६	दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा०
१	श ५० २२	ह ४५ २८	वृ ७ ३८	बा २० १६	३५	५५	५	५ १५ २६	कन्यायां वसंत १ छारेंडौ
२	र ४९ २४	चि ४६ ०	ध्रु ४ २५	तै १९ ५३	२९	५४	६	६ १६ २७	तु.१५।४४ वक्री उभा.बुधः ५५।४१
३	चं ४७ १६	स्वा ४५ ३४	व्या २८ ५५	व १८ २०	३३	५३	७	७ १७ २८	तुलायां भ.१८।२० उ.४७।१६ या.
४	मं ४४ ३०	वि ४४ ३४	व ५० २६	ब १५ ५३	३७	५३	७	८ १८ २९	वृ.२९।४९ चतुर्थीव्रतम्
५	बु ३९ ५२	अ ४२ ३८	सि ४४ ३२	कौ १२ ११	४१	५२	८	९ १९ ३०	वृश्चिके
६	गु ३७ ६	ज्ये ४० २७	व्य ३८ २३	ग ८ २९	४५	५१	९	१० २० ३१	ध.४०।२७ भ.३७ उ.रेवत्यां रविः २९ (सौरः १२) ÷
७	शु ३२ ४३	मू ३७ ३५	व ३१ ५०	वि ४ ५४	४९	५०	१०	११ २१ १	धनुषि भ.५४ या.अप्रेल ४ ता.३० शीतलापूजनम्
८	श २७ ५२	पू ३४ २८	प २४ ४९	बा ० १९	५३	४९	११	१२ २२ २	म.४८।३२ पुन.३शनिः ४०।५३ [÷रेवत्यांशुक्रः ५०
९	र २२ ३१	उ ३० ४४	शि १७ २९	ग २२ ३१	५७	४९	११	१३ २३ ३	मकरे भ.४९।३६उ.
१०	चं १६ ४२	श्र २६ ३५	सि ९ ५२	वि १६ ४२	३९	४८	१२	१४ २४ ४	कुं.५४।२८ भ.१६।४२या.वक्रीहस्तः ३गुरुः ९।५४
११	मं १० ३५	ध २२ २०	सा ५९ ५२	बा १० ३५	५	४७	१३	१५ २५ ५	कुंभे पापमोचिनी ११ व्र.
१२	बु ४ २६	श १८ ३५	शु ४६ ४१	तै ४ २६	१०	४६	१४	१६ २६ ६	कुंभे भ.३९ उ.बुधोदयः पूर्वस्याम् ३२ प्रदोषः
१३	बु ५४ ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	० ० ०	०
१४	गु ५१ ५४	पू १४ १७	व्र ३९ ४१	वि २५ १०	१४	४५	१५	१७ २७ ७	मी.०।१५ भ.२५।१०या.
३०	शु ४८ १९	उ ११ ७	ऐं ३३ ६	च २० ६	१८	४४	१६	१८ २८ ८	मीने मन्वादिः

५१पं. चै. कृ.४ म. इ. २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	५	११	२	११	११
१४	१२	१५	२०	१४	२६	२९	१४
५९	२४	१८	४३	३३	३५	४४	५५
१०	२९	१०	२०	४७	३१	३१	५१
५९	४०	५३	७	७४	५२	३	५९
१६	४७	व.	व.	३८	मा	११	१८

गोचर ग्रहाः

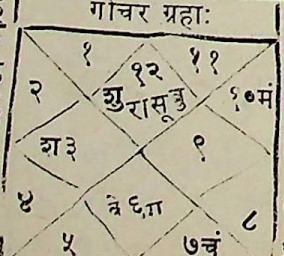

इस मास में ५ रविवार ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य धातु रस गुड़ शक्कर चीनी तेल घृत में तेजी रहे प्रजा में रोग पीड़ा हो

गोचर ग्रहाः

५२ पं.चै.कृ.११ मं.इ.४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	५	११	२	११	११
२१	१७	१०	१९	२३	२६	२९	२१
५३	२७	१	४९	१५	४४	२२	५०
३१	५८	४४	४८	२२	१३	१५	२
५९	४०	३८	५२	७४	१	३	५९
४	५०	व.	व.	३८	३१	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०६ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०६ भोग्यकलिः ४२६८९४ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६२ शाकः १९२७ अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः। मंत्री बुधः। सस्येशःशनिः। धान्येशोः गुरुः। मेघेशो। भौमः। रसेशश्चंद्रः। नीरसेशःशनिः। फलेशो-भौमः। धनेशःशुक्रः। दुर्गेशोभौमः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंश-तिकायां १२ बिलंम्बीनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १०।२४।११।३१ भोग्यमासादिः १।५।४८।२९ पितृदैवतं युगम्। वर्षनाम फाल्गुनः। मेघनाम संवर्तः। रोहिणीनिवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे । समयविश्वा ५समयवाहनम् महिषः स्तंभाः ३ अन्नजलवायूनां । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी ३ बुधाष्टमी २ भानुसप्तमी १ रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १७तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा १७ धान्यम् १३ तृणम् ९ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम्११९ सत्यम् ।। धर्मं १।। पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहण ३ (चंद्रस्य १ सूर्यस्य २)

सं.२०६२आ.कृ.३०चं. सूर्यग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
उज्ज. घ.	२४	२६	२७
मध्य प.	५३	२९	३
रेल्वे घ.	४	५	५
टा. मि.	२४	३	१६

आश्विन शु.१५चंद्रे पूर्वप्रदेशे ग्रस्तोदयचंद्रग्रहणम्।

	स्पर्श	मध्य	मो.
उज्ज घं.	२५	२५	२६
मध्य प.	३	५७	५१
रे. घं.	४	४	५
टा. मिं.	२८	५०	११

नोट–यह ग्रहण जहां रेलवे ५।११ से पूर्व चंद्रोदय होगा वहीं दृश्य होगा नवलगढ में नहीं दीखेगा।

वर्ष लग्नम् ८।२७

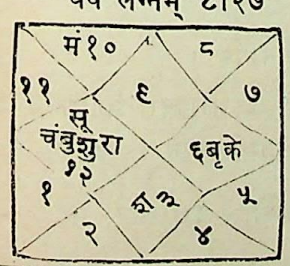

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय अंबे जगदीश्वरी तू है रक्षक माय।
विक्रम बासठ सालका सच्चा भेद बताय।

भवानी उत्तर

भैरव सुन तू ध्यान से फल कहुं सब समझाय।
राजा मंत्री देखतां मध्यम फल दरशाय।।
पापग्रहोंके कबज में मिले अधिक अधिकार।
शुभ फलकी हो न्यूनता इसका यह ही सार।।
वर्षा विश्वा सप्तदश भौम भये मेघेश।
कहींक वर्षा अल्प हो कहींक होय विशेष।।
आषाढां वर्षा लगे श्रावण मध्यम जान।
भाद्रव खैंचाताण हो यही मेघ परमाण।।
समय निवासो रजकघर रोहिणी तट निर्धार।
स्तंभ तीन हैं वर्ष के यह है उत्तम सार।।

सवत् २०६२ चैत्र कृ.३० बुधे सूर्यग्रहणम्

उ. घ.	२५	२७	२८
म. प.	२	२०	५७
रेलवे घं.	४	५	६
टा. मि.	२८	२३	२

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	१४	८	५	५	१४	५
रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ८।२

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४३।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५५।०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणांफलम्।। अथास्मिन् वर्षे राजा शनिःफलम्।। शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः। युद्धंनृपाणां गदतस्कराद्यैः भ्रमंति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री बुधस्तत्फलम् ।। शशिसुते शुभमंत्रिसमागते स्वपतिना रमते मदनक्रियां । बहुधनंबहुवह्निसमन्वितं यवमसूरचणान्नमहर्घता ।। सस्येशः शनिःफलम् ।। रविसुते यदि धान्य पतौ जना नृपतिभिः परिपीडितविग्रहाः । गदभयंतुषधान्यहरं सदा दुरितवादविवादयुता नराः । धान्येशोगुरुःफलम् ।। गुरौ धान्यपतौ याते यवंगोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानोब्राह्मणादयः ।। मेघेशो भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजे जलदस्यपतौ भुवि श्रुतिविचारविहीनधरामराः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रशमं बहुतापदम् ।। रसेशश्चंद्रः फलम् ।। यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियां । जलधरा बहुवारिविधायका रसवती धनधान्यवती मही।। नीरसेशः शनिःफलम् ।। अयःपिण्डादिलोहानां कृष्णवस्त्रादिवस्तूनाम् । अर्घवृद्धिःप्रजायेत मन्दे नीरसनायके ।। फलेशो भौमस्तत्फलम् ।। असममौल्यकरो धरणीसुतः शरदितापकरस्तुषधान्यहृत् । सहसि मासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जनशोक विधायकः।। धनेशःशुक्रस्तत्फलम्॥ द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युतः समधनाः सकला ननु मानवाः। समसुखाः क्रयविक्रयजीविनो नृपतयो जनपालनतत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजोगढ़नायकतां गतो विविधदुःखवियोगसमन्वितः। जनपदेषु जना क्रयविक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ।। विलंम्बीनाम संवत्सरःफलम् ।। विलंबीवत्सरे भूपाः परस्परविरोधिनः। प्रजापीडा त्वनर्थत्वं तथापि सुखिनो जनाः ।। वर्षनाम फाल्गुनःफलम् ।। सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्यपश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। मेघनाम संवर्तःफलम् ।। संवर्ते जलपूरिता ।। रोहिणीनिवासस्तटेफलम् ।। तटे वृष्टिः सुशोभना । समयनिवासो रजकगृहे फलम् ।। रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०६२ मध्ये विवाहमूहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृ. ७ शनौ उषा. ल. अन्यगो. रे. ७ऽऽ।।ऽ।।।।।

शु. ३ बुधे मृगे ल. अन्यगो. रे. ९ ।।।।।ऽ।।

,, १२ शनौ स्वा. ल. १ (चं.७पू.) रे.८।ऽ।।।ऽ।।।

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ४ शुक्रे उषा. ल.१ (घ.५६।६या.) रे.६ ।।।ऽशु।।ऽऽ। गणितेनक्रांतिसाम्याऽभावःशुक्रस्यपादवेधाभावश्च

,, ६ भौमे उभा. ल.१रे.८।।।ऽवृ।।।ऽ।।गुरोःपादवेधाभावः

शु. ५ रवौ मघा. ल. अन्यगो. रे. ९।ऽ।।।।।।।

,, ११शनौ स्वा. ल. गो. रे. ६ ।।।।।ऽ।।।

,, १२ रवौ अनु. ल. २ रे.८।।।।।ऽनृऽ।।।

,, १३ चंद्रे अनु. ल. अन्यगो. रे.९ ।।।।।।ऽ।।।

आषाढ मासः ।

कृ. २ गुरौ उषा. ल. १।२ रे.८ ।।।।ऽऽरो ।।।।

,, ७भौमे उभा. ल. १।२ रे. ६ ।।।ऽवृ ।ऽनृ।ऽ।ऽदग्धा. पादवेदाद्गुरोर्वेधाऽभावः आवश्यके

शु. ३ शनौ मघा. ल. १।२ रे.१० ।।।।।।।।।

,, ६ बुधे हस्ते ल. अन्यगो. रे. ७ ।।ऽवृ।।।ऽऽ।।

,, ८ शुक्रे स्वा. ल. गो. १ रे. ७ऽ।।।।ऽअऽ।।।मेषे चं७ पू. मासांतः

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ३ शुक्रे मृगे ल. गो. रे. ६।।।।।ऽअ.।।।।

,, ७ बुधे मघा. ल. अन्यगो. रे. ६।।।।।।।ऽ।।

माघ मासः ।

कृ. ७ रवौ स्वा. ल. अन्यगो. ९ रे. ६ऽ।।।।ऽरोऽऽ।।

शु. ५ गुरौ रेवत्यां ल. ६ रे.८।।।।ऽऽअ ।।।।

,, ६ शुक्रे रेवत्यां ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे.८।।।।ऽऽअ।।।।

,, १० भौमे रोहि. ल. गो.सोग्रांगः रे. ७ ।।।।।ऽचोऽ।ऽ।- गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

फाल्गुनमासः ।

कृ. ५ शनौ स्वा. ल. ९ रे. ६ऽऽ।।।ऽचो।।ऽ।गणितेनक्रांति- साम्याऽभावः आवश्यके

,, ८ भौमे अनु. ल. अन्यगो. रे.६।।।।ऽऽरोऽऽ।।

शु. ३ गुरौ रेवत्यां ल. ६ रे. ८ ।।।।ऽ।।।।ऽ दग्धादोषः

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७																दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४७५२स.२००५
१	श	४५	०	रे	८	५३	चै	२७	४१	किं	१८	६	३१	५	६	१९	२६	६	मे. ८।५३	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	र	४३	२५	अ	८	२४	वि	२३	४१	बा	१४	१२	२६	४३	१७	२०	३०	१०	मेषे	अश्वि.मेषे शुक्रः५४।४८ चंद्रदर्शनम्÷
३	चं	४३	३४	भ	६	१६	प्री	२१	०	तै	१३	२६	३०	४२	१८	२१	१	११	वृ.२४।५८	रविलावल ३गणगौरी मत्स्यजयंती
४	मं	४५	२६	कृ	१२	१२	आ	२०	४०	व	१४	३३	३४	४१	१६	२२	२	१२	वृषे	भ.१४।३३उ.४५।२६ या. [÷सिंधारा
५	बु	४६	७	रो	१६	३८	सौ	१६	४६	व	१७	१८	३८	४०	२०	२३	३	१३	वृषे	अश्वि.मेषेऽर्कः४३।३० (सौरः४७।२०)×
६	गु	५४	१६	मृ	२२	५०	शो	२१	१	कौ	२१	४१	४२	४०	२०	२४	४	१४	मि. ४९	मार्गी बुधः१२।५३
७	शु	६०	०	आ	२६	३५	अ	२२	४३	ग	२७	११	४६	३६	२१	२५	५	१५	मिथुने	[×घनि.भौमः३५।४४
७	श	०	८	पु	३७	१०	सु	२५	३६	व	०	८	५०	३८	२२	२६	६	१६	मिथुने	भ.०।८उ.३३।१५या.
८	र	६	२२	पु	४४	४०	धृ	२७	३३	ब	६	२२	५३	३७	२३	२७	७	१७	कं. २०	रामनवमी स्मा.
९	चं	१२	३७	श्ले	५१	३७	शू	२६	२०	कौ	१२	३७	५७	३७	२३	२८	८	१८	कर्के	रामनवमी वै.
१०	मं	१७	५६	म	५७	३५	गं	३०	४४	ग	१७	५६	३३	३६	२४	२९	९	१९	सिं. ५५	भ.५०।५उ.
११	बु	२२	१४	पू	६०	०	वृ	३०	५७	वि	२२	१४	५	३५	२५	३०	१०	२०	सिंहे	भ.२२।१४या.कामदा११व्र.
१२	गु	२४	५५	पू	२	८	ध्रु	२९	५७	वा	२४	५५	९	३४	२६	१	११	२१	सिंहे	भरण्यां शुक्रः४१।१२भा. वैशाखारंभः=
१३	शु	२५	५२	उ	४	५९	व्या	२७	३२	तै	२५	५२	१२	३४	२६	२	१२	२२	कन्यायां	कुंभे भौमः५८।२५ [=प्रदोषः
१४	श	२५	६	ह	६	१६	ह	२३	५७	व	२५	६	१६	३३	२७	३	१३	२३	तु.३६।७	भ२५।६उ.५३।५९
१५	र	२२	५२	चि	५	५८	व	१९	१३	ब	२२	५२	२०	३२	२८	४	१४	२४	तुलायां	हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु. ५ बु. इ. ४३।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	५	०	२	११	११
०	२३	८	१८	३	२६	२८	२९
०	२५	१२	४५	२९	५७	५६	५६
०	१६	७	१८	३१	३६	११	१५
५८	४०	४३	४०	७४	२	३	५८
४४	५२	व.	व.	३२	१९	११	४५

गोचर ग्रहाः

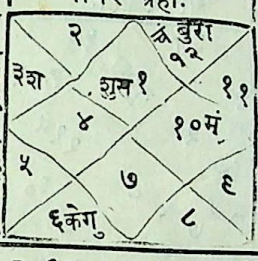

चैत्र शुक्ले ५बुधे मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा.३ न ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

२पं. चै.शु. ११बु.इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	५	०	२	११	०
६	२८	१०	१७	१२	२७	२८	६
५०	२८	५०	५४	८	१७	३३	४६
४२	३७	६	५०	३५	२४	५५	२६
५८	४०	४३	७	७४	३	३	५८
३१	४२	मा	व.	३२	००	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७																दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराट्राः
१	चं	१९	१६	स्वा	४	२६	सि	१३	२०	कौ	१९	१६	३३	५	६	५	१५	२५	वृ.४७।३४	शुक्रोदयः पश्चिमायां२४।०
२	मं	१४	४९	वि	५	५६	व्य	८	५७	ग	१४	४९	२७	३१	२९	६	१६	२६	वृश्चिके	भ.४२।१०उ.
३	बु	९	३२	ज्ये	५५	२	व	१०	५८	वि	९	३२	३१	३०	३०	७	१७	२७	ध५५।२	भ.९।३२या. भरण्यां रविः२३।४३÷
४	गु	४	५	मू	५१	२८	शि	४५	४०	बा	४	५	२४	२९	३१	८	१८	२८	धनषि	[÷सौरः२८।४५)रेवत्यां बुधः४९।४७×
५	गु	५४	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	शु	५३	१	पू	४७	५२	सि	३८	२६	ग	२५	४०	२८	२८	३२	९	१९	२९	धनुषि	भ.५३।१उ. [×चतुर्थी व्र.
७	श	४७	५०	उ	४४	१५	सा	३१	१८	त्रि	२०	२५	४१	२८	३२	१०	२०	३०	म.१।५८	भ.२०।२५या.
८	र	४२	२९	श्र	४१	१	शु	२४	१९	बा	१५	१०	४५	२७	३३	११	२१	१	मकरे	मई ५ता.३१
९	चं	३७	२४	ध	३७	५९	शु	१७	२६	तै	९	५६	४८	२६	३४	१२	२२	२	कुं.९।२९	कृत्ति.शुक्रः३१।१९शते भौमः४०।२३+
१०	मं	३२	४०	श	३५	६	ब्र	१०	४५	व	५	२	५३	२६	३४	१३	२३	३	कुम्भे	भ.५।२उ.३२।४०या.
११	बु	२८	१०	पू	३२	४२	ऐं	३४	५४	ब	०	२५	५८	२५	३५	१४	२४	४	मी१८।१८	वरूथिनी११व्र. [+वक्री हस्त.२गुरुः३६
१२	गु	२४	१९	उ	३०	५५	वै	५३	२८	तै	२४	१९	५८	२४	३६	१५	२५	५	मीने	वृषे शुक्रः१२।३३प्रदोषः
१३	शु	२१	१६	रे	२९	५३	प्री	४९	२	व	२१	१६	३३	२४	३६	१६	२६	६	मे.२९।५३	भ.२१।१६उ.५०।९या.
१४	श	१९	२	अ	२९	५१	आ	४५	२०	श	१९	२	५	२३	३७	१७	२७	७	मेषे	
१५	र	१८	१५	भ	३१	९	सौ	४२	४६	ना	१८	१५	८	२२	३८	१८	२८	८	वृ.४६।४७	अश्वि. मेषे बुधः३९।०

३ पं.वै.कृ.३बु.इ.४४।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	५	०	२	११	०
१३	३	१६	१७	२०	२७	२८	१३
३९	३१	३४	८	४८	४१	११	३४
३७	५	४४	३५	०	३१	३९	५१
५८	४०	५५	१९	७४	३	३	५८
१९	३४	२	व.	३२	३७	११	१२

गोचर ग्रहाः

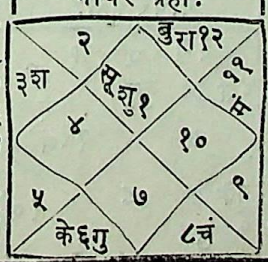

इस मास में बदि में धान्य व धातु में मंदी होगी सुदि में चन्द्र दर्शन सोमवार का सोना चांदी व धान्य में तेजी करेगा।

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.कृ.११बु.इ.४४।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	५	०	२	११	०
२०	८	२४	१६	२९	२८	२७	२०
२७	३	४४	२८	२४	१०	४९	२१
२५	११	१०	३४	५४	२३	२४	३५
५८	४०	८६	२५	७४	४	३	५७
६	२१	१०	व.	२६	१७	११	५७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७८२स.२००५
१	चं	१८	३५	कृ	३३	४३	शो	४१	४३	ब	१८	३५	३३	५	६	१९	२९	९	वृषे	चंद्रदर्शनम्
२	मं	२०	४६	रो	३७	५२	अ	४१	१	कौ	२०	४६	१४	२१	३९	२०	१	१०	वृषे	रविलाखर४परशुरामजयंती
३	बु	२३	३२	मृ	४३	१९	सु	४१	४२	ग	२३	३२	१७	२१	३९	२१	२	११	मि. १५	भ. ५६उ. कृत्ति.रविः९।३९(सौरः १६ ३७)=
४	गु	२८	५३	आ	४९	४३	धृ	४३	१८	वि	२८	५३	२०	२०	४०	२२	३	१२	मिथुने	भ.२८।५३या. [=अक्षया.३
५	शु	३४	२३	पु	५७	५	शू	४५	२९	ब	१	३८	२३	१९	४१	२३	४	१३	क ४०।१४	रोहि.शुक्रः१९।३३
६	श	४०	३२	पु	६०	०	गं	४८	२२	कौ	७	२८	२६	१९	४१	२४	५	१४	कर्के	वृषेऽर्कः३६।५४(सौरः४४।२४)
७	र	४६	४४	पु	४	३९	बृ	५०	२२	ग	१३	३८	२८	१८	४२	२५	६	१५	कर्के	भ.४६।४४उ.
८	चं	५२	३२	श्ले	१२	७	धु	५१	२३	वि	१९	३८	३१	१८	४२	२६	७	१६	सिं. १२।७	भ.१९।३८या..भरण्यां बुधः५०।४३
९	मं	५७	१६	म	१८	४६	व्या	५३	६	बा	२४	५४	३४	१७	४३	२७	८	१७	सिंहे	
१०	बु	६०	०	पू	२४	४	ह	५३	२०	तै	२८	४९	३७	१७	४३	२८	९	१८	कं. ४०।२	[Bमोहिनी ११व्र.
१०	गु		०	२२	उ	२७	५८	व	५१	२२	ग	०	२२	३९	१६	४४	२९	१०	१९	कन्यायां	भ.३१।३उ.
११	शु	१	४४	ह	२९	४४	सि	४८	११	वि	१	४४	४२	१६	४४	३०	११	२०	तु. ५९।४०	भ.१।४४या. पूभा. भौमः ५२।१९B
१२	श	०	५६	चि	२९	३६	व्य	४३	३१	बा	०	५६	४४	१५	४५	३१	१२	२१	तुलायां	प्रदोषः
१३	श	५७	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×कुंभदानम्
१४	र	५४	२	स्वा	२८	३	व	३७	२९	ग	२६	१३	४७	१५	४५	१	१३	२२	तुलायां	भ.५४।२उ.भा.ज्येष्ठारंभः नृसिंहजयंती
१५	चं	४८	१६	वि	२४	३४	प	३०	२२	वि	२१	९	४९	१४	४६	२	१४	२३	वृ. १०।२६	भ.२१।९या. कृत्ति. बुधः५५।३८ यमाय×

५पं.वै.शु. ३ बु.इ.४४।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	५	१	२	११	०
२७	१३	४	१५	८	२८	२७	२७
१३	३४	५५	५५	२	४३	२७	०६
३७	५२	३७	१२	२	८	८	४९
५७	४०	९५	४	७४	४	३	५७
५४	१०	३८	व. २६	५०	११	४५	

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले ६ शनौ
वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४
न.४ युवावस्था(सूती)
मु.३०धान्यादि भावे
समता शुक्रोदयः
पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

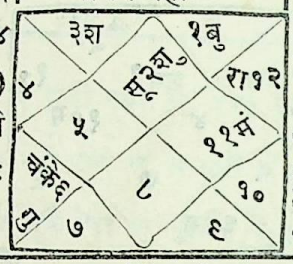

६ पं.वै.शु.१०बु.इ.४४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	०	५	१	२	११	१
३	१८	१६	१५	१६	२९	२७	३
५८	३५	५२	२८	३८	१९	४	५०
३७	६	२६	५९	६	५९	५३	३१
५७	३९	५५	०३	७४	५	३	५७
४४	५३	५५	व. २६	११	११	३४	

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः स. २०६२ शाकः १९२७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैं. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	४१	२१	अ	२०	१	शि	२२	१	बा	१४	४९	३३	५	४९	३	१५	२४	वृश्चिके	मृगे शुक्रः १३।३४ बुधास्तः पूर्वस्यां १७ ४०
२	बु	३४	७	ज्ये	१५	४८	सि	१३	३७	तै	७	४४	५४	१३	४७	४	१६	२५	ध. १५ ४८	रोहि.रविः०।२८ (सौरः१०।३२) वृषे×
३	गु	२६	३७	मू	९	२४	सा	५४	३१	व	०	२२	५६	१३	४७	५	१७	२६	धनुषि	भ. ०।२२उ.२६।३७या. रेवती. ३राहुः÷
४	शु	१९	९	पू	५८	५५	शु	४७	४६	बा	१९	९	५८	१२	४८	६	१८	२७	म. १७।४४	[×बुधः३२।९पुन.४कर्के शनिः४४।४२
५	श	१२	२०	श्र	५४	४२	ध्र	४०	५५	तै	१२	२०	३४	१२	४८	७	१९	२८	मकरे	पातस्पर्शः३०।५३पातमोक्षः४४।३४
६	र	६	७	ध	५१	७	ऐं	३२	३८	व	६	७	२	१२	४८	८	२०	२९	कुं. २२।४९	भ.६।७उ.३३।२३या.मिथुनेशुक्रः४०।१९
७	चं	०	३९	श	४८	३४	वै	२५	५९	ब	०	३९	३	११	४९	९	२१	३०	कुंभे	रोहिण्यां बुधः१४।१७
८	चं	५५	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷चित्रा.१केतुः३४।१चतुर्थी व्र.
९	मं	५२	२२	पू	४६	३८	वि	१९	४५	तै	२४	१५	५	११	४९	१०	२२	३१	मि. ३२।७	
१०	बु	४९	३२	उ	४५	४५	प्री	१४	५२	व	२०	५७	७	११	४९	११	२३	१	मीने	भ.२०।५७उ.४९।३२या.जूनद्वता.३०
११	गु	४७	४४	रे	४५	४३	आ	१०	३७	ब	१८	३८	९	१०	५०	१२	२४	२	मे. ४५।४३	मार्गी गुरुः५३।४४अपरा११व्र.
१२	शु	४६	५२	अ	४६	४९	सौ	६	५९	कौ	१०	१८	१०	१०	५०	१३	२५	३	मेषे	[+भौमः६।३३प्रदोषः
१३	श	४७	१७	भ	४८	५७	शो	४	२२	ग	१७	४	१२	१०	५०	१४	२६	४	मेषे	भ. ४७।१७उ. आर्द्रा. शुक्रः३।७ मीने+
१४	र	४८	२९	कृ	५२	८	अ	२	२८	वि	१७	५३	१३	९	५१	१५	२७	५	वृ. ४।४४	भ. १७।५३या.मृगे बुधः१३।५२
२०	चं	५१	१४	रो	५६	२५	सु	१	४७	च	१९	५१	१५	९	५१	१६	२८	६	वृषे	वटपूजनम्

७ पं. ज्ये.कृ. २ बु. इ. ४४ ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	५	१	३	११	१
१०	२३	०	१५	२५	०	२६	१०
४२	३३	२६	१०	१२	०	४२	३२
२९	१४	२	५९	५८	०	३७	४२
५७	३९	९ ५९	३८	७४	५	३	५७
३५	५०	५९	व. २०	३७	११	२३	

गोचर ग्रहाः

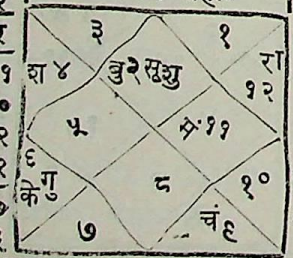

ज्येष्ठ शुक्ले७भौमे
मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः
वा.४न.५ वृद्धावस्था
(बैठी) मु. ४५ धा-
न्यादि भावे समर्घता
शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

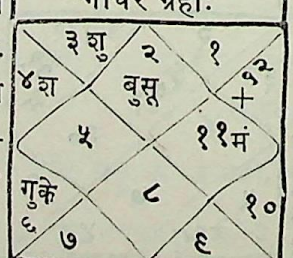

८ पं,.ज्ये.कृ.१० बु.इ. ४४ ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	५	२	३	११	१
१७	२८	१५	१५	३	०	२६	१७
२५	२६	२२	२	४८	४३	२०	१३
१८	३१	४४	२०	१४	२६	२१	४८
५७	३९	९ ५९	११	७४	६	३	५७
२७	३४	५०	व. १४		२	११	१३

(विक्रम सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×चं रा

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४८११स.२००५

१	मं	५४	५३	मृ	६०	०	धृ	१	२४	किं	२३	३	३४	५	५६	१७	२९	७	मि. २९
२	बु	५९	५०	मृ	१	५०	शू	२	११	बा	२७	२१	५७	९	५१	१८	३०	८	मिथुने
३	गु	६०	०	आ	८	२२	गं	४	४५	तै	३२	३६	१८	८	५२	१९	१	९	क.५८।३५
४	शु	५	२२	पु	१५	२०	वृ	५	४३	ग	५	२२	१९	८	५२	२०	२	१०	कर्के
५	श	११	२८	पु	२२	५५	ध्रु	८	०	वि	११	२८	१९	८	५२	२१	३	११	कर्के
६	र	१७	४६	श्ले	३०	३४	व्या	१०	४३	बा	१७	४६	२०	८	५२	२२	४	१२	सि. ३०
७	चं	२३	४९	म	३७	५५	ह	१३	२०	तै	२३	४९	२१	८	५२	२३	५	१३	सिंहे
८	मं	२९	२	पू	४४	१०	व	१४	५२	व	२९	२	२१	८	५२	२४	६	१४	सिंहे
९	बु	३२	५५	उ	४९	१६	सि	१५	४५	वि	०	५८	२२	८	५२	२५	७	१५	कं. ०।२६
१०	गु	३५	११	ह	५२	३३	व्य	१५	२४	बा	४	२	२३	८	५२	२६	८	१६	कन्यायां
११	शु	३५	२३	चि	५४	५	व	१३	३२	तै	५	१७	२३	७	५३	२७	९	१७	तु २३।१९
१२	श	३३	४१	स्वा	५३	५	प	९	५८	व	४	३२	२३	७	५३	२८	१०	१८	तुलायां
१३	र	२९	४३	वि	५०	२२	शि	५०	२०	व	१	४२	२३	७	५३	२९	११	१९	वृ. ३५।३३
१३	चं	२३	५९	अ	४५	५३	सा	५०	४	तै	२३	५९	२४	७	५३	३०	१२	२०	वृश्चिके
१४	मं	१६	३३	ज्ये	३९	५९	शु	४०	५०	व	१६	३३	२४	७	५३	३१	१३	२१	ध. ३९।५९
१५	बु	८	८	मू	३३	२७	शु	२०	३	व	८	८	२४	७	५३	१	१४	२२	धनुषि

भ. १६.३३उ.४२।२१या.आर्द्रा.रविः + आर्द्रा.रविःसौरः ११।४३भा.आषाढा=

मृगे रविः ५५।२१
मृगे रविःसौरः ९ ३२ मिथुने बुधः २३ १५ उभा.×
जमादिलावल ५ [×भौमः ३३ ३३ चंद्रदर्शनम्
भ.३८।२५उ.
भ.११।२८ या.आर्द्रा.बुध :३०।८
[×भौमः ४३।३३ चंद्रदर्शनम्
[A पश्चिमायां २३।४७
भ. २९ २ उ. मिथुनेऽर्कः ५३ ३३ बुधास्तः A
भ. ७ ८ या. मिथुनेऽर्कः सौरः १० १० पुनः शुक्रः ३
[=रंभः गुर्जराणां वटसावित्री व्र.
गंगा दशमी
भ. ४ ३ २ उ. ३३ ११ या. पुन. बुधः १३।२२ निर्जला÷
प्रदोषः [÷११ व्र.
[+५२।५०
भ.१६.३३उ.४२।२१या.आर्द्रा.रविः +
आर्द्रा.रविःसौरः ११।४३भा.आषाढा=

९ पं.ज्ये.शु.२बु.इ.४४।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	५	२	३	११	१
२४	३	०	१५	१२	१	२५	२३
७	२०	४७	२	२१	२९	५८	५३
१९	४९	५३	२०	१८	१०	६	४४
५७	३८	५९	५६	७४	६	३	५७
२२	५९	२४	मा	५	२०	११	५

१०पं.ज्ये.शु.८बु.इ.४४।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	५	२	३	११	२
०	८	१५	१५	२०	२	२५	०
४८	९	९	१०	५४	२७	३५	३२
३६	२२	२९	५५	१८	२०	५०	५२
५७	३८	७	२	७३	६	३	५६
१७	३७	२७	१७	५६	३४	११	५७

११पं.ज्ये.शु.१५बु.इ.४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	५	२	३	११	२
७	१२	२७	१५	२९	३	२५	७
३९	५२	४३	२८	२५	७	१३	१०
३१	५२	५९	३०	५५	१६	३५	२०
५७	३७	७	३	७३	६	३	५६
१३	५०	४७	४३	५०	५०	११	५४

ति. आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहा.

१	बु	५०	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	गु	४९	५९	पू	२६	२६	ब्रु	२०	५२	तै	२४	३१	३४	५	५६	२	१५	२३	म. ३९।४२
३	शु	४१	५	उ	१९	२९	ए	१०	५७	व	१५	३२	२४	७	५३	३	१६	२४	मकरे
४	श	३२	५२	श्र	१३	२	वै	५	५५	ब्र	६	५८	२३	७	५३	४	१७	२५	कु. ४०।१६
५	र	२५	३८	ध	७	२९	प्री	४	१२	तै	२५	३८	२३	७	५३	५	१८	२६	कुम्भे
६	चं	१९	५८	श	३	२१	आ	३	५९	व	१९	५८	२२	८	५२	६	१९	२७	मी. ४६
७	मं	१५	२८	पू	३०	५८	सौ	३१	२३	व	१५	२८	२२	८	५२	७	२०	२८	मीने
८	बु	१२	३२	रे	५९	८	शो	२६	४७	कौ	१२	३२	२१	८	५२	८	२१	२९	मे. ५९
९	गु	१०	५५	अ	६०	०	अ	२३	१८	ग	१०	५५	२०	८	५२	९	२२	३०	मेषे
१०	शु	१०	४६	अ	०	२८	सु	२०	५९	वि	१०	४६	१९	८	५२	१०	२३	१	मेषे
११	श	१२	२	भ	३	१९	धृ	१९	४३	बा	१२	२	१८	८	५२	११	२४	२	वृ. १९
१२	र	१४	२२	कृ	७	६	शू	१९	२६	तै	१४	२२	१७	९	५१	१२	२५	३	वृषे
१३	चं	१८	१	रो	१२	९	गं	२०	१	व	१८	१	१६	९	५१	१३	२६	४	मि. ४५
१४	मं	२२	११	मृ	१७	५४	वृ	२१	४२	श	२२	११	१५	९	५१	१४	२७	५	मिथुने
१५	बु	२७	४१	आ	२४	३९	ध्रु	२३	४३	ना	२७	४१	१४	९	५१	१५	२८	६	मिथुने

[×शनिः ३३ पातस्पर्शः ९ ६ पातमोक्षः २४ २९
भ.४०।५०उ.
भ.१०।४६या. जुलाई ७ ता. ३१
योगीनी ११ व्र.
प्रदोषः [÷शुक्रः ५५।२८
भ.१८।१उ. ५०।६ या.
पुनःरविः५१।४०अस्तं शनेः३४।५०
पुन.रविःसौरः १५ आश्ले.बुधः ५४ आश्ले.÷

१२ पं.आ. कृ. ८बु.इ.४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	५	३	३	११	२
१४	१७	८	१५	७	३	२४	१३
९	३२	२३	५३	५६	५९	५१	४९
५८	४२	३८	१३	४६	१३	१९	२५
५७	३७	८२	४	७३	७	३	५६
७	२१	४	४५	४४	२	११	५०

गोचर ग्रहः

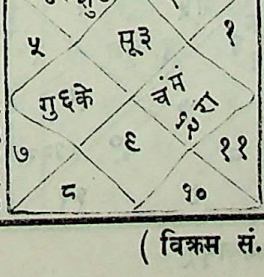

इस मास में धान्य जौ गेहूं चना सरसों मटर बाजरा धातु सोना चांदी लोहा मंदा हो, घृत तैल गुड शक्कर तेज हो वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहः

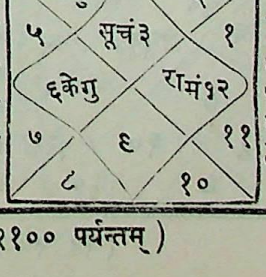

१३ पं.आ. कृ.३०बु.इ.४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	५	३	३	११	२
२०	२२	१६	१६	१६	४	२४	२०
५०	७	५९	२७	२६	५२	२९	२७
२४	८	१३	४	३८	८	३	१९
५७	३६	५८	५	७३	७	३	५६
७	३२	५१	५३	३२	११	११	५०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७														दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४८४१ स.२००५
१	गु	३३	१३	पु	३१	३२	व्या	२३	५२	किं	०	२७	३४	५	९	५६	१६	२९	७	क.१४।४९	चन्द्रदर्शनसंभवः
२	शु	३९	१५	पु	३९	८	ह	२७	५	बा	६	१४	११	१०	५०		१७	१	८	कर्के	हस्त.३गुरुः ५६ २८जमादिलाखर ६रथयात्रा
३	श	४५	३६	श्ले	४६	४१	व	२९	४९	तै	१२	२५	१०	१०	५०		१८	२	९	सिं४६।४१	
४	र	५१	४३	म	५४	१६	सि	३१	४२	व	१८	३९	८	१०	५०		१९	३	१०	सिंहे	भ.१८।३९ उ.५१।४३
५	चं	५७	५	पू	६०	०	व्य	३३	३४	व	२४	२३	७	११	४९		२०	४	११	सिंहे	
६	मं	६०	०	पू	१	३	व	३५	५०	कौ	२९	१८	५	११	४९		२१	५	१२	कं.१७।३१	
६	बु	१	३२	उ	६	५६	प	३६	१९	तै	१	३२	३	११	४९		२२	६	१३	कन्यायां	
७	गु	४	३९	ह	११	२६	शि	३५	५८	व	४	३९	१	१२	४८		२३	७	१४	तु.४२।५६	भ.४।३९ उ.३५।२२ या.
८	शु	६	४	चि	१४	२६	सि	३३	४२	ब	६	४	३३ ५९	१२	४८		२४	८	१५	तुलायां	
९	श	५	४०	स्वा	१५	३६	सा	२९	७	कौ	५	४०	५७	१३	४७		२५	९	१६	वृ.५९।५२	कर्केऽर्कः२१।६(सौर:४८।२९)
१०	र	३	११	वि	१४	३७	शु	२४	५९	ग	३	११	५५	१३	४७		२६	१०	१७	वृ.श्चिके	भ.५८ उ.५९ या.मघा.सिंहे शुक्रः५९ ×[×देवशयनी ११ व्र.स्मा.
११	र	५५	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०		
१२	चं	५२	१४	अ	११	४९	शु	१८	२०	ब	२५	३०	५२	१४	४६		२७	११	१८	वृश्चिके	देवशयनी ११ व्र. वै. [+शनिः४९
१३	मं	४४	२०	ज्ये	७	२	ब्र	१०	२	कौ	१८	१७	५०	१४	४६		२८	१२	१९	ध. ७।२	पुष्ये रविः ३८ अश्वि. मेषेभौमः १७ प्रदोषः
१४	बु	३५	१२	मू	५२ ३८	ऐं	४३ ४९	ग	९	४६	४८	१४	४६	२९	१३	२०	धनुषि	भ.३५ उ.पुष्येरविः सौरः १९ पुष्य.२+			
१५	गु	२५	१९	उ	४५	३७	वि	३९	३५	वि	०	१५	४५	१५	४५		३०	१४	२१	म.६।२६	भ. १९ या.वक्री बुधः २३ व्यासपूजागुरु१५

१४पं.आ. शु. ६बु. इ. ४४ २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	५	३	३	११	२
२७	२६	२३	१७	२४	५	२४	२७
३०	३१	६	८	५४	४५	६	५
४३	३०	२९	२	४७	३२	४८	२६
१७	३५	३१	६	७२	७	३	५६
११	३४	४७	४३	२०	१९	११	५४

गोचर ग्रहाः

आषाढ़ शुक्ले ९ शनौ। कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ४५धान्या दि भाथे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

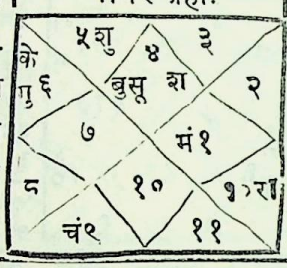

१५पं.आ.शु.१४बु.इ. ४४ १८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	५	४	३	११	३
४	०	२६	१७	३	६	२३	३
११	५०	९	५४	२१	३९	४४	४३
२८	२	४	५४	३६	२५	३२	५३
५७	३४	२	७	७३	७	३	५६
१५	३०	१५	५०	११	२०	११	५८

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७														दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	शु	१५	१५	श्र	३७	४५	प्री	२८	३८	कौ	१५	१५	३३	५५	४५	६	३१	१५	२२	मकरे	भ.३१।५उ.५६।४६या. भा.श्रावणारंभः
२	श	२५	२५	ध	३०	२५	आ	१८	५	ग	५	२५	४०	१६	४४		१	१६	२३	कुं.४।५	
४	र	४८	४०	श	२४	०	सौ	६	५९	ब	२२	४३	३८	१६	४४		२	१७	२४	कुंभे	चतुर्थी व्रतम्
५	चं	४२	२४	पू	१९	९	अ	५१	४३	कौ	१५	३२	३५	१७	४३		३	१८	२५	मी. ५।२२	नाग ५ मरुस्थले
६	मं	३८	१०	उ	१५	५२	सु	४५	४३	ग	१०	१७	३३	१७	४३		४	१९	२६	मीने	भ.३८।१०उ.
७	बु	३५	४१	रे	१४	३५	धृ	४१	१	चि	६	५५	३०	१८	४२		५	२०	२७	मे.१४।३५	भ.६।५५या.
८	गु	३५	१३	अ	१४	४८	शू	३८	१	बा	५	२६	२७	१९	४१		६	२१	२८	मेषे	रेवती.२राहुः हस्त४केतुः२७।११
९	शु	३६	२३	भ	१७	८	गं	३७	१	तै	५	४८	२४	१९	४१		७	२२	२९	वृ.३३।४	पूफा.शुक्रः ३ बुधास्तः पश्चिमायां०।२०
१०	श	३९	४	कृ	२०	४९	बृ	३५	५२	व	७	४३	२२	२०	४०		८	२३	३०	बृषें	भ.७।४३उ.३९।४या.
११	र	४३	११	रो	२६	१२	धु	३५	५४	ब	११	७	१९	२०	४०		९	२४	३१	मि.५९	कामिका ११ व्र.
१२	चं	४८	२	मृ	३३	४१	व्या	३८	७	कौ	१५	३१	१६	२१	३९	१०	२५	१		मिथुने	अगस्त ८ ता. ३१
१३	मं	५४	३	आ	४१	७	ह	४०	१२	ग	२१	२	१३	२१	३९	११	२६	२		मिथुने	भ.५४।३ उ.आश्ले.रविः ४५ प्रदोषः
१४	बु	५९	५४	पु	४८	२८	व	४२	२१	वि	२६	५८	१०	२२	३८	१२	२७	३		क.३१।३८	भ २६।५८या.आश्ले. रविः ५९ सौरः
३०	गु	६०	०	पु	५६	०	सि	४४	४८	च	३२	५९	७	२३	३७	१३	२८	४		कर्के	हस्त.४गुरुः५६।२८
३०	शु	६	४	श्ले	६०	०	व्य	४७	२२	ना	६	४	४	२३	३७	१४	२९	५		कर्के	हरियाली

१६पं.श्रा.कृ.७बु.इ. ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	५	४	३	११	३
१०	४	२५	१८	११	७	२३	१०
१२	५८	३५	४८	४६	३४	२२	२३
३०	८	१३	४७	४१	३०	१७	१०
५७	३३	३३ ४१	८	७२	७	३	५७
२०	२३	व:	४५	५०	२०	११	५

गोचर ग्रहाः

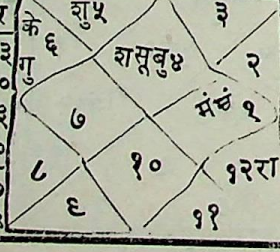

इस मास में बदि में धान्य गेहूं चावल जौ चना मटर बाजरा आदि धान्य सोना चांदी ताम्बा में मंदी सुदि में तेजी और वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ.१४बु.इ.४४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	५	४	३	११	३
१७	८	२१	१९	२०	८	२३	१७
३४	५४	२४	४८	१०	२८	०	२
१२	३६	४३	२२	१६	३४	१	५८
५७	३१	४९	९	७२	७	३	५७
२५	४८	व.	३४	३२	१४	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४८७१सन् २००५
१	श	१२	६	श्ले	३	२१	व	४६	३८	व	१२	६	३३	०	५		
२	र	१७	५४	म	१०	३१	प	५१	३४	कौ	१७	५४	३३	२४	३६	१५	३० ६ सिं ३।२१ चंद्रदर्शनम्
३	चं	२३	८	पू	१७	१	शि	५३	०	ग	२३	८	५७	२५	३५	१६	१ ७ सिंहे रज्जव ७ सिंधारा
४	मं	२७	२५	उ	२२	४१	सि	५३	४४	वि	२७	२५	५४	२५	३५	१७	२ ८ कं. ३६ भ.५५।१६उ.तीज
५	बु	३०	४४	ह	२८	१७	सा	५३	५५	बा	३०	४४	५०	२६	३४	१८	३ ९ कन्यायां भ.३५या.उफा.शुक्रः११।१५वरद४
६	गु	३२	४७	चि	३१	३	शु	५२	५४	कौ	१	४५	४७	२७	३३	१९	४ १० तु.५९।४० वक्री पुष्ये बुधः १३ उदयं शनेः ५३ नाग ५
७	शु	३३	२०	स्वा	३२	५९	शु	५०	२६	ग	३	४	४०	२८	३२	२०	५ ११ तुलायां कन्यायां शुक्रः५७।३९
८	श	३२	२१	वि	३३	१०	व्र	४६	५७	वि	२	५०	३७	२९	३१	२१	६ १२ तुलायां भ.३३।२०उ.भरण्यां भौमः ८।११
९	र	२९	३१	अ	३१	५५	ऐं	४१	५८	बा	०	५६	३३	२९	३१	२३	८ १४ वृश्चिके भ.२।५०या.बुधोदयःपूर्वस्याम् ४८।०
१०	चं	२४	५४	ज्ये	३०	२३	वै	३५	३२	ग	२४	५४	३०	३०	३०	२४	९ १५ ध. ३०।२३ [+२९।३पवित्रा ११ व्र.
११	मं	१८	४३	मू	२६	७	वि	२७	४७	वि	१८	४३	२६	२९	३१	२५	१० १६ धनुषि भ.५१।४८उ.पुष्य.३शनिः३५।११
१२	बु	१०	५३	पू	२०	२५	प्री	१८	५३	बा	१०	५३	२२	३२	२८	२६	११ १७ म. ३६ भ.१५या.मघा.सिंहेऽर्कः ३७ मार्गी बुध :+
१३	गु	२	१	उ	१३	२९	आ	५९	४९	तै	२	१	१९	३२	२८	२७	१२ १८ मकरे मघा.सिंहेऽर्कःसौरः १६।२२ प्रदोषः
१४	गु	५०	१९	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० भ.५२।२०उ.
१५	शु	४२	१५	श्र	४७	५२	शो	४७	२५	वि	१७	१७	१५	३३	२७	२८	१३ १९ कुं. ३१ [×भद्रोत्तरम् भ. १७या.श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्×

१८ पं.श्रा.शु. ५ बु. इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	५	५	३	११	३
२४	१२	१६	२०	२८	९	२२	२३
१६	३७	१९	५३	३१	२१	३७	४४
३७	३४	८	१०	१९	५४	४५	५
५७	३०	४१	१०	७२	७	३	५७
३३	१९	व.	१७	७	८	११	२२

गोचर ग्रहः

श्रावण शुक्ले ११ भौमे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्या दि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहः

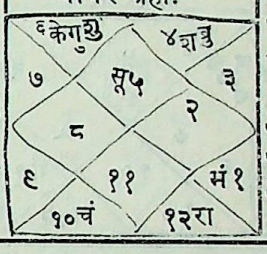

१९ पं.श्रा.शु. १२ बु. इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	३	५	५	३	११	४
०	१६	१४	२२	६	१०	२२	०
५९	१२	५९	२	५०	१५	१५	२६
५३	०	४२	६	२	४	३०	१८
५७	२८	५३	१०	७१	७	३	५७
४०	११	मा	५६	४६	२	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	श	३२	२९	श	५०	१८	अ	३६	४१	बा	७	२२	३३	३४	३६	२९	१४ २० कुं भे हस्ते शुक्रः २२।३२
२	र	२३	३७	पू	४४	४०	सु	२६	२९	ग	२३	३७	८	३४	२६	३०	१५ २१ मी. ३१ भ.४९।४४उ.
३	चं	१५	५१	उ	३८	२०	धृ	१७	८	वि	१५	५१	४	३५	२५	३१	१६ २२ मीने भ.१५।५१या.आश्ले. बुधः ३७ चतुर्थी व्र.
४	मं	९	४७	रे	३५	३	शू	९	२३	बा	९	४७	१	३६	२४	१	१७ २३ मे ५३।३ भा.भाद्रपदारंभः
५	बु	५	४३	अ	३३	२८	गं	५९	५५	तै	५	४३	५९	३७	२३	२	१८ २४ मेषे चंद्रषष्ठी
६	गु	३	५१	भ	३४	११	धु	५५	५	व	३	५१	५३	३७	२३	३	१९ २५ वृ. ४९ भ.३५उ.३४या.चित्रा.१गुरुः३।१९
७	शु	४	१४	कृ	३६	५०	व्या	५३	४२	ब	४	१४	४९	३८	२२	४	२० २६ वृषे जन्मांष्टमी व्र.स्मा.
८	श	६	२६	रो	४१	२१	ह	५३	५९	कौ	६	२६	४६	३९	२१	५	२१ २७ वृषे जन्माष्टमी व्र. वै.
९	र	१०	१९	मृ	४६	५८	व	५४	५४	ग	१०	१९	४२	४०	२०	६	२२ २८ मि १४।९ भ.४२।५२ उ. गोगा ९
१०	चं	१५	२५	आ	५४	१७	सि	५६	५०	वि	१५	२५	३८	४०	२०	७	२३ २९ सिंथुने भ.१५।२५या. [÷द्वादशी
११	मं	२१	३४	पु	६०	०	व्य	५९	१६	बा	२१	३४	३४	४१	१९	८	२४ ३० क. ४४ पूफा.रविःसौरः३१।३अजा ११ व्र.
१२	बु	२७	५०	पु	१	३८	व	६०	०	तै	२७	५०	३०	४२	१८	९	२५ ३१ कर्के पूफा.रविःसौरः ७ चित्रा.शुक्रः ४२ वत्स÷
१३	गु	३४	८	पु	९	४०	व	१	५१	ग	०	५९	२६	४३	१७	१०	२६ १ कर्के भ. ३४ उ.मघा.सिंहे बुधः २९ सितम्बर९×
१४	शु	४०	२	श्ले	१६	५४	प	४	१५	वि	७	५	२२	४४	१६	११	२७ २ सिं. ५६ भ.७।५या. [×ता.३० प्रदोषः
३०	श	४५	३८	म	२४	१	शि	६	१९	च	१२	५०	१८	४४	१६	१२	२८ ३ सिंहे बुधास्तःपूर्वस्याम् ४८ कुशाग्रहणी मन्वादिः

२० पं.भा.कृ. ५ बु.इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	३	५	५	३	११	४
७	१९	१९	२३	१५	११	२१	७
४४	१५	२६	१६	६	५	५३	९
२०	५८	१०	१२	३२	४९	१४	४७
५७	२६	६८	११	७१	६	३	५७
४९	१३	१९	३२	२०	४७	११	४५

गोचर ग्रहः

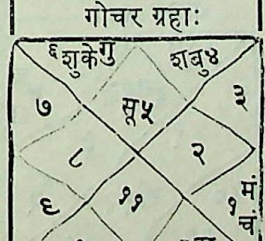

इस मास का फल अशुभ है धान्य चावल गेहूं चना बाजरा सोना चांदी रुई गुड शक्कर तेज हो रोग शोक फैले वर्षा कही कम कही अधिक हो।

गोचर ग्रहः

२१ पं.भा.कृ.१२ बु.इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	३	५	५	३	११	४
१४	२२	२८	२४	२३	११	२१	१३
३०	४	५४	३३	२०	५५	३०	५४
०	८	०	३६	५३	२३	५९	५९
५८	२३	०	१२	७०	६	३	५७
१	५	३०	९	४७	३२	११	५७

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरद्दतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९००स.२००५
१	र	५०	८	पू	३०	५२	सि	७५६	किं	१७	५३	३१	५५	९	१३	२९	४	कं.४७।२२	
२	चं	५३	५३	उ	३६	५३	सा	९१४	बा	२२	०	११	४६	१४	१४	३०	५	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	मं	५६	४४	ह	४०	४४	शु	९४३	तै	२५	१८	७	४७	१३	१५	१	६	कन्यायां	तुलायां शुक्रः२४सावान८ हरितालिका ३
४	बु	५८	१३	चि	४४	१५	शु	९२४	व	२७	२८	३	४७	१३	१६	२	७	तु.१२।२९	भ.३७उ.५९या.गणेशचतुर्थी
५	गु	५८	५३	स्वा	४६	५४	ब्र	८	४	ब	२८	३३	३९	४८	१२	१७	३	८	तुलायां	पूफा. बुधः३७।२९ऋषिपंचमी
६	शु	५८	१०	वि	४८	२५	ऐं	६	९	कौ	२८	३२	५५	४९	११	१८	४	९	वृ.३३।२	
७	श	५६	२२	अ	४८	४३	वं	२०	५५	ग	२७	१६	५१	५०	१०	१९	५	१०	वृश्चिके	भ.५६।२२उ.
८	र	५३	८	ज्ये	४७	३८	श्री	५४	१३	वि	२४	४५	४७	५१	९	२०	६	११	ध.४७।३८	भ.२४।४५ या.चित्रा२गुरुः४८।१६
९	चं	४८	४७	मू	४४	७	आ	४८	११	बा	२०	५७	४३	५१	९	२१	७	१२	धनुषि	स्वात्यां शुक्रः८।३
१०	मं	४३	२	पू	४१	३८	सौ	४१	१	तै	१५	५४	३९	५२	८	२२	८	१३	म.५५।२७	उफा.रविः१५८(सौरः५१,पुष्य.४शनिः२४
११	बु	३६	११	उ	३६	५४	शो	३२	५९	व	९	३७	३५	५३	७	२३	९	१४	मकरे	भ.९७उ.३९या.जलझूलनी ११ ब्र.
१२	गु	२८	१४	श्र	३१	५	अ	२३	५८	ब	२	१३	३१	५४	६	२४	१०	१५	कुं.५७।४७	उफा.बुधः३३कृत्ति.भौमः३९वामन×
१३	शु	१९	३६	ध	२४	३२	सु	१४	१९	तै	१९	३६	२७	५५	५	२५	११	१६	कुम्भे	कन्यायामर्कः ४०।४९ [×जयंती प्रदोषः
१४	श	१०	३४	श	१७	३९	धृ	९३	४९	व	१०	३४	२२	५६	४	२६	१२	१७	मी.४०	भ.१०उ.३६या.कन्यायामर्कःसौरः१७÷
१५	र	१	५४	पू	१०	५९	गं	४४	३७	ब	१	५४	१८	५६	४	२७	१३	१८	मीने	[÷कन्यायां बुधः१६अनंत१४महालयारंभः

२२पं.भा.शु.४बु.इ.४३।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	५	६	३	११	४
२१	२४	११	२५	१	१२	२१	२०
१७	२९	३७	५३	२१	४३	८	४१
०२	२	२६	४६	५२	१	४३	३९
५८	२०	३५	१२	७०	६	३	५८
१३	२२	३१	२३	१०	२०	११	१२

ग्रोचर ग्रहाः

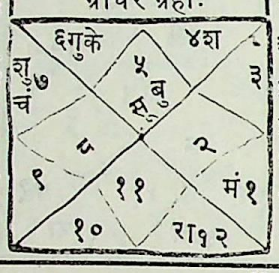

भाद्रपद शुक्ले १३
शुक्ले कन्यायामर्कः
प्रविष्टःवा. ४ न. ५
प्रौढावस्था (बैठी)
मु.१५ धान्यादि भावे
महर्घता शुक्रोदयः
पश्चिमायां

ग्रोचर ग्रहाः

२३ पं.भा.शु.११बु.इ.४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	५	६	३	११	४
२८	२६	२५	२७	९	१३	२०	२७
५	२४	५	१७	३९	२८	४६	२९
२४	०	१०	२४	११	१२	२७	५८
५८	१७	३५	१२	६९	५	३	५८
२६	८	४७	५०	२०	५६	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरद्दतू रविर्दक्षिणे भा. कृष्णेतिमहाराष्ट्रा.
१	र	५१	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४७	११	उ	५	४	वृ	३५	४९	तै	२०	३१	३०	५५	६	२८	१४	१९	मीने	
३	मं	४२	१	रे	२१	५६	धु	२८	६	व	१४	३६	९	५८	२	२९	१५	२०	मे.२१	भ.१४।३६उ.४२।१या.
४	बु	३८	४९	भ	५६	८	व्या	२१	४६	ब	१०	२५	५	५९	१	३०	१६	२१	मेषे	चतुर्थी व्र.
५	गु	३७	५२	कृ	५७	८	ह	१७	१५	कौ	८	२०	३०	०	६	३१	१७	२२	वृ.११।३३	हस्ते बुधः४८।५४
६	शु	३९	१	रो	६०	०	व	१४	१९	ग	८	२६	२९	०	६	३२	१८	२३	वृषे	भ.३९उ.वि.शुक्रः३२भा. आश्विनारंभः
७	श	४२	१४	रो	०	१८	सि	१२	२	वि	१०	३८	५३	५९	५	१	१८	२३	सि.३२	भ.१७।३८या.
८	र	४६	५१	मृ	५	१	व्य	१२	९	बा	१४	३२	४८	२	५	८	२०	२५	मिथुने	
९	चं	५२	५५	आ	११	२८	व	१३	२६	तै	१९	५३	४४	३	५	७	२१	२६	मिथुने	हस्तेरविः५३मातृ९ (सौभाग्यवतीनांश्रा.
१०	मं	५९	५	पु	१८	४३	प	१५	३५	व	२६	०	४०	४	५	६	२२	२७	क.१।५५	भ.२६उ.५९या.हस्तेरविःसौरः३४चित्रा.*
११	बु	६०	०	पु	२६	२२	शि	१७	५२	ब	३२	१९	३६	५	५	६	२३	२८	कर्के	इंदिरा११व्र.स्मा. [*३तुलायांगुरुः५५
११	गु	५	३२	श्ले	३३	५३	सि	२०	२७	बा	५	३२	३२	६	५	४	७	२४	२९	सिं.३३	रेवती.१ राहुःहस्त.३केतुः१९इंदिरा+
१२	शु	१२	४	म	४१	४	सा	२२	३५	तै	१२	४	२८	६	५	४	८	२५	३०	सिंहे	चित्रा बुधः३३प्रदोषः [+११व्र.बै.
१३	श	१७	१	पू	४७	३२	शु	२५	१७	व	१७	१	२३	७	५	३	९	२६	१	सिंहे	भ.१७उ.४५या.अक्टूबर१० ता.३१
१४	र	२१	८	उ	५२	३२	शु	२६	१०	श	२१	८	१९	८	५	२	१०	२७	२	क.३।४७	वृश्चिके शुक्रः२७शस्त्रादिहतानां श्राद्धम्
३०	चं	२४	१२	ह	५६	४३	ब्र	२५	५९	ना	२४	१२	१५	९	५	१	११	२८	३	कन्यायां	सूर्यग्रहणम् सर्वं पितृ ३०

२४पं.आ.कृ.४बु.इ.४२।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	५	५	६	३	११	५
४	२७	७	२८	१७	१४	२०	४
५५	४६	५९	४३	४३	१०	२४	२०
१६	८	१०	२३	२३	१६	१२	५
५८	१३	०८	१३	६८	५	३	५८
३८	१८	५६	१४	३५	३२	११	४५

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ सोमवार श्रेष्ट हैं गेहूं जौ चना वाजरा मटर सरसो सोना चांदी लोहा कपासवस्त्र-तेज होकर मंदे हों कहीं २ वर्षा होवे।

गोचर ग्रहाः

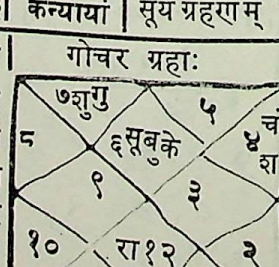

२५पं. आ.कृ.११बु.इ.४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	५	६	६	३	११	५
११	२८	२०	०	२५	१४	२०	११
४६	२१	६	११	४२	४९	१	१२
५२	५२	३६	२	३२	३०	५६	०५
५८	९	०८	१३	६७	५	३	५९
५३	७	५९	२०	३२	२	११	००

(सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्र : | शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९३०सन् २००५

१	मं	२५	५९	चि	५९	४१	ऐं	२५	८	व	२५	५९	२९	६	५	१२	२९	४
२	बु	२६	३९	स्वा	६०	०	वै	२३	२२	कौ	२६	३९	१	१०	५०	१३	०	५
३	गु	२६	१८	स्वा	१	२५	वि	२०	३५	ग	२६	१८	७	११	४९	१३	३०	५
४	शु	२४	५६	वि	२	१८	प्री	१६	५५	वि	२४	५६	३	११	४९	१४	१	६
५	श	२२	४७	अ	२	१३	आ	१२	४८	वा	२२	४७	३९	१२	४८	१५	२	७
६	र	१९	३६	ज्ये	१	२२	सौ	८	२	तै	१९	३६	५५	१३	४७	१६	३	८
७	चं	१५	५३	मू	३०	३९	शो	२३	४३	व	१५	५३	५१	१४	४६	१७	४	९
८	मं	११	२५	उ	५४	५	सु	४९	३३	ब	११	२५	४७	१५	४५	१८	५	१०
९	बु	६	१०	श्र	५०	११	धृ	४२	७	कौ	६	१०	४३	१५	४५	१९	६	११
१०	गु	०	१६	ध	४५	४४	शू	३४	११	ग	०	१६	३५	१७	४३	२१	८	१३
११	गु	५३	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	शु	४६	३६	श	४०	५३	गं	२५	४५	व	२०	८	३१	१८	४२	२२	९	१४
१३	श	३९	३९	पू	३५	३५	वृ	१७	९	कौ	१३	७	२७	१९	४१	२३	१०	१५
१४	र	३२	३८	उ	३०	३९	ध्रु	८	३२	ग	६	८	२३	१९	४१	२४	११	१६
१५	चं	२६	३८	रे	२६	९	व्या	०	३३	ब	२६	३८	२०	२०	४०	२५	१२	१७

मेषे									
वृ. ३५।५४									
वृष									
मि. २५									
मिथुने									
मिथुने									
क. २१।३५									
कर्के									
सिं. ५३									
सिंहे									
सिंहे									
कं. २३									
कन्यायां									
तु. ४७।३०									
तुलायां									
तुलायां									

तुलायां बुधः ५९ नवरात्रारंभः मातामह×
अनु. शुक्रः ३९ बुधोदयः पश्चिमायां ५९ ÷
भ. ५५।३७ उ. रमजान ९ [×श्राद्ध म
भ. २४।५६ या. [÷चंद्रदर्शनम्
स्वात्यां बुधः ५९ अस्तं गुरोः ५४।३६
[Bपूर्णिमा वै.का.स्ना.प्रा.
भ. ५३ उ. ५३ या. चित्रा. रविः २६।०
चित्रा. रविः सौरः ०।८
वक्री भौमः ३१।५७ [+११व्र.स्मा.
भ. ५६ उ. ५० या. चित्रा ४ गुरुः ३३ पापांकुशा+
[Aविशा बुधः ३३ ज्येष्ठा. शुक्रः ३० शरद् B
पापांकुशा ११ व्र. वैं.
प्रदोषः [=पूर्णिमा स्मा.
भ. ३२ उ. ५९ या. कोजागरीव्र. शरद्=
तुलायामर्कः ९० (सौरः ५३) चंद्रग्रहणम् A

२६पं.आ.शु.२बु.इ.४२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	६	७	३	११	५
१८	२८	१	१	३	१५	१९	१८
४०	३७	३२	४०	३५	२५	३९	५
८	३७	६	२६	३५	१२	४१	५२
५९	४	९९	१३	६६	४	३	५९
९	३२	१४	३२	२०	३९	११	१६

गोचर ग्रहाः

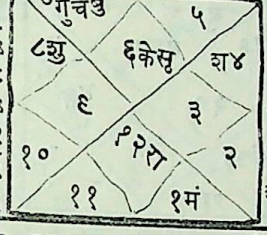

आश्विन शुक्ले १५ चंद्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ४न.४ बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

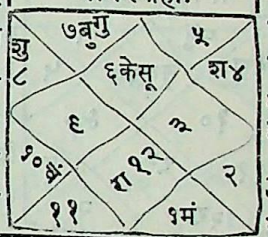

२७पं.आ.शु. ९ बु. इ. ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	६	७	३	११	५
२५	२८	१२	३	११	१५	१९	२५
३५	११	१८	१०	२२	५७	१७	१
२	१५	३२	४४	२३	०	२५	३४
५९	९	९३	१३	६९	४	३	५९
२१	व.	७	३२	५३	५	११	३१

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.

१	मं	२१	३५	अ	२२	४७	व	४५	४५	कौ	२१	३५	२८	६	३९	२६	१३	१८
२	बु	१८	१४	भ	२०	५५	सि	४०	७	ग	१८	१४	१२	२२	३८	२७	१४	१९
३	शु	१६	३९	ऋ	२०	५३	व्य	३६	१७	वि	१६	३९	८	२२	३८	२८	१५	२०
४	शु	१६	५८	रो	२२	३७	व	३४	२	वा	१६	५८	४	२३	३७	२९	१६	२१
५	श	१९	१८	मृ	२६	१७	प	३२	५६	तै	१९	१८	०	२४	३६	३०	१७	२२
६	र	२३	२०	आ	३१	२८	शि	३३	३	व	२३	२०	२७	२५	३५	१	१८	२३
७	चं	२८	५८	पु	३८	१८	सि	३४	३६	ब	२८	५८	५३	२५	३५	२	१९	२४
८	मं	३५	२	पु	४५	२३	सा	३६	२५	वा	२	०	४९	२६	३४	३	२०	२५
९	बु	४१	२४	श्ले	५३	१	शु	३८	५९	तै	८	१३	४५	२७	३३	४	२१	२६
१०	गु	४७	३७	म	६०	०	शु	४१	५	व	१४	३०	४१	२८	३२	५	२२	२७
११	शु	५३	५	म	०	२०	ब्र	४३	५८	ब	२०	२१	३७	२९	३१	६	२३	२८
१२	श	५७	१०	पू	६	५८	ऐं	४४	०	कौ	२५	८	३४	२९	३१	७	२४	२९
१३	र	५९	५५	उ	१२	१६	वै	४३	५२	ग	२८	३२	३०	३०	३०	८	२५	३०
१४	चं	६०	०	ह	१६	१६	वि	४२	४०	वि	३०	३०	२७	३१	२९	९	२६	३१
१५	मं	१	५	चि	१८	४४	प्री	४०	१३	श	१	५	२३	३१	२९	१०	२७	१
३०	बु	०	४५	स्वा	१९	३८	आ	३६	४४	ना	०	४५	१९	३२	२८	११	२८	२

तुलायां									
तुलायां									
वृश्चिके									
वृश्चिके									
ध. १।२२									
धनुषि									
म. ११।२६									
मकरे									
कुं. १७।५८									
कुंभे									
मी. ५१									
मीने									
मे. २६।९									

वक्री भरण्यां भौमः ५४।४२
भ. ४७।२६ उ.
भ. १६।३९ या. करक चतुर्थी व्र.
भ. २३ उ. ५६ या. स्वात्यां रविः ५१ ×
स्वात्यां रविः सौरः ३३ आश्लेषा. १ शनिः ÷
वृश्चिके बुधः १४।३३ [÷१६।१९
[×भा.कार्तिकारंभ
भ. १४।३० उ. ४७।३७ या. अनु. बुधः ५१
स्वाती. १ गुरुः ४१।६ रमा. ११ व्र.
भ. ५९ उ. मूले धनुषि शुक्रः १५ प्रदोषः +
भ. ३०।३० या. रूप १४ [+धन १३
नवम्बर ११ ता. ३० महालक्ष्मीपूजनम्
अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा

२८ पं.का.कृ.२बु.इ. ४२ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	६	६	७	३	११	६
२	२६	२२	४	१८	१६	१८	१
२१	४४	२६	४२	५८	२४	५५	५९
२६	१०	४२	११	३०	११	९	०
५९	१५	८५	१३	६३	३	३	५९
२४	व.	३१	३८	१४	३१	११	४६

गोचर ग्रहाः

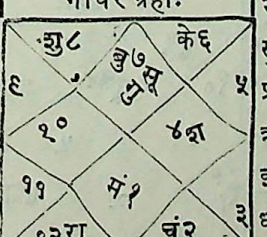

भूमिपुत्रो यदा मेषे सुभिक्षं सर्वधान्यकम्। प्रवलानि महर्घाणि क्रोधावांस्तु भवेन्नृपः॥ इस मास में धान्य धातु मन्दे होंगे।

गोचर ग्रहाः

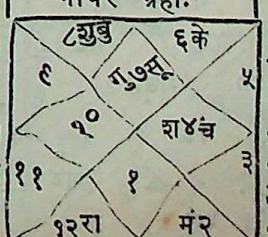

३९पं.का.कृ. ९बु.इ. ४२ ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	७	६	७	३	११	६
९	२४	१	६	२६	१६	१८	८
२९	५३	४८	१२	२३	४६	३२	५८
४२	१३	५८	५८	१७	४१	५४	२०
५९	१३	७४	१३	६१	२	३	६०
४७	व.	२९	३८	४	४५	११	२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः४९६०सन्२००५
१	बु	५८	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५६	२६	वि	१९	३७	सौ	३२	१७	बा	२७	४५	२७	३३	२७	१२	२९	३	वृ. ४।३७	चंद्रदर्शनम् भातृ २ यम २
३	शु	५२	५६	अ	१८	१९	शो	२७	०	तै	२४	४१	१२	३४	२६	१३	१	४	वृश्चिके	उदयं गुरोः३२।२४ सव्वाल १०
४	श	४८	३९	ज्ये	१६	१९	अ	२०	५६	व	२०	४७	९	३४	२६	१४	२	५	ध १६।१९	भ.२०।४७ उ.४८।३९ या.
५	र	४४	९	मू	१३	४८	सु	१४	२९	ब	१६	२४	५	३५	२५	१५	३	६	धनुषि	विशा. रविः१२।१७ (सौरः४१।१९)
६	चं	३९	२१	पू	१०	५२	धृ	८	२	कौ	११	४५	२	३६	२४	१६	४	७	म.२५।५	
७	मं	३४	३४	उ	७	४४	शू	१९	४९	ग	६	५८	२६	३६	२४	१७	५	८	मकरे	भ ३४।३४उ.
८	बु	२९	३८	श्र	४	३७	बृ	४७	२	वि	२	६	५५	३७	२३	१८	६	९	कुं ३२।५१	भ.२।६ या. गोपाष्टमी
९	गु	२४	१९	ध	५	५६	ध्रु	४०	२	कौ	२४	१९	५२	३८	२२	१९	७	१०	कुंभें	कुष्मांड ९ अक्षय ९
१०	शु	१९	५	पू	५४	१४	व्या	३२	३१	ग	१९	५	४९	३८	२२	२०	८	११	मी.	भ.४६।३३उ.ज्येष्ठा.बुधः४१।३१
११	श	१४	१	उ	५०	५६	ह	२५	२२	वि	१४	१	४५	३९	२१	२१	९	१२	मीने	भ. या.पूषा.शुक्रः स्वाती. २गुरुः ×
१२	र	८	५९	रे	४८	८	व	१८	२८	बा	८	५९	४२	४०	२०	२२	१०	१३	मे.४८।८	वक्री बुधः१५।२५ प्रदोषः
१३	चं	४	३७	अ	४५	५०	सि	११	५५	तै	४	३७	३९	४०	२०	२३	११	१४	मेषे	वैकुंठ १४
१४	मं	०	५०	भ	४४	१९	व्य	५	४४	व	०	५०	३६	४१	१९	२४	१२	१५	वृ.५९।१९	भ.०।५०उ. या.मन्वादिःका.स्ना.पू.
१५	मं	५७	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		[×प्रबोधिनी ११व्र. तुलसीविवाहः

३०पं.का.शु.१बु.इ. ४१ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	७	६	८	३	११	६
१६	२२	९	७	३	१७	१८	१५
२९	३०	५९	४४	३६	४	१०	५९
२८	१६	४६	४९	४७	५९	३८	२४
६०	३३	५९	१३	५८	२	३	६०
४	व.	३९	३२	५८	४	११	१८

गोचर ग्रहाः

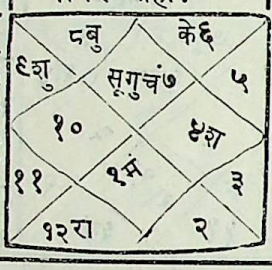

मार्गशीर्ष कृष्णे १बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा ३ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्या दि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

३१ पं.का.शु. ८ बु.इ. ४१ ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	७	६	८	३	११	६
२३	२०	१५	९	१०	१७	१७	२३
३०	१०	४८	१५	२८	१७	४८	१
५०	५२	४३	४३	१	१०	२३	५८
६०	३३	३०	१३	५५	१	३	६०
१७	व.	४२	२८	४	२४	११	२०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	बु	५७	१	कृ	४४	१९	व	२९	५५	बा	२७	३८	२६	४१	२५	१३	१६	वृषे	वृश्चिकेऽर्कः २ (सौरः ३५) वक्री अनु.×
२	गु	५७	२८	रो	४५	३७	शि	५३	३१	तै	२७	१४	३०	४२	१८	२६	१४	१७	वृषे	[×बुधः ३५।१५
३	शु	५९	३७	मृ	४८	४५	सि	५२	१०	व	२८	३२	२७	४३	१७	२७	१५	१८	मि.	भ. उ. या.बुधास्तःपश्चिमायां
४	श	६०	०	आ	५३	१२	सा	५१	३०	ब	३१	३६	२५	४३	१७	२८	१६	१९	मिथुनें	अनु.रविः (सौरः) चतुर्थी व्र.
४	र	३	३५	पु	५९	१९	शु	५२	१७	बा	३	३५	२२	४४	१६	२९	१७	२०	कं.४२।४७	
५	चं	८	२५	पु	६०	०	शु	५३	१७	तै	८	२५	१९	४४	१६	३०	१८	२१	कर्के	
६	मं	१४	१२	पु	६	१	ब्र	५५	५९	व	१४	१२	१७	४५	१५	१	१९	२२	कर्के	भ. उ.वक्री शनिः ÷
७	बु	२०	३७	श्ले	१३	४०	ऐं	५८	९	व	२०	३७	१४	४५	१५	२	२०	२३	सिं.	भा.मार्गशीर्षारंभः
८	गु	२७	७	म	२१	५	वै	६०	०	कौ	२७	७	१२	४६	१४	३	२१	२४	सिंहे	
९	शु	३२	५४	पू	२८	१०	वै	०	२०	तै	०	१	९	४६	१४	४	२२	२५	कं.४४।४०	[+पूर्वस्यां ०।३६ दिसबर १२ ता. ३१
१०	श	३७	२७	उ	३४	१०	वि	१	४७	व	५	१०	७	४७	१३	५	२३	२६	कन्यायां	भ.५।१०उ.३६।२७या.
११	र	४०	२७	ह	३८	४१	प्री	२	१०	व	८	५४	५	४७	१३	६	२४	२७	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	चं	४१	४४	चि	४१	२८	आ	२	५७	कौ	११	५	२	४८	१२	७	२५	२८	तु.१०।४	उषा.शुक्रः१८।३१
१३	मं	४१	६	स्वा	४२	३७	शो	५५	३८	ग	११	२५	०	४८	१२	८	२६	२९	तुलायां	भ. उ.वक्री विशा.बुधः स्वाती. ३÷
१४	बु	३८	४३	वि	४१	५५	अ	५०	३९	वि	९	५५	२५	४८	१२	९	२७	३०	वृ.२७।५	भ.९।५५या. [÷गुरुः १।४० प्रदोषः
२०	गु	३४	५६	अ	३९	३८	सु	४४	२५	च	६	५०	५६	४९	११	१०	२८	१	वृश्चिके	उभा.४राहुः हस्तः २केतुः बुधोदयः+

३२पं.मा.कृ. १ बु. इ. ४१ ५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	८	३	११	७
०	१८	१६	१०	१६	१७	१७	०
३३	०	२६	४४	५७	२४	२६	६
२९	३६	५४	५६	१४	३२	७	२
६०	१३	२९	१३	५०	०	३	६०
३०	व.	ब.	२०	४१	४३	११	४०

गोचर ग्रहाः

३३पं.मा.कृ.१बु.इ. ४१ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	८	३	११	७
७	१६	९	१२	२२	१७	१७	७
३७	१०	४०	१२	५४	२६	३	११
२६	१	४४	५०	३६	१७	५१	३५
६०	११	२८	१३	४५	१०	३	६०
४२	व.	व.	८	२९	व.	११	५३

गोचर ग्रहाः

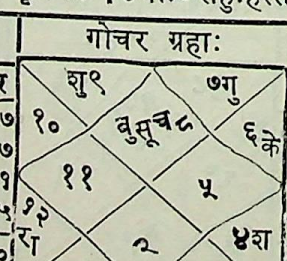

३४ पं.मा.कृ.१४बु.इ. ४१ ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	८	३	११	७
१४	१४	२	१३	२८	१७	१६	१४
४२	५५	१६	३८	११	२२	४१	१८
४०	२६	३७	५६	१०	४४	३६	२१
६०	५३	४३	१२	३८	५१	३६	१
५०	व.	व.	४२	२१	व.	११	३

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः ४९८९स. २००५

| | | |

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५०१९स.२००५
१	श ५२१६	०	०	०	०	०	०	०	[Dपुत्रदा११व्र.
२	र ५०११	उ ४४४२	व्या ३० १३	बा २४ १३	२५ ६	११ २९	१	म.४।१७	चंद्रदर्शनम् जनवरी १ता.३१सन् २००६
३	चं ४२१९	श्र ३८२६	ह २० ३२	तै १६ १५	४३ ५१	१२ १	२	मकरे	जिल्हेज १२
४	मं ३४४६	ध ३२४०	व १० ४९	व ८ ३२	४४ ५१	१३ २	३	कुं. ५।३२	भ.८।३२उ.३४।४६या.
५	बु २७५८	श २७ ३२	सि ३ ५१	ब १ २२	४५ ५१	१४ ३	४	कुंभे	विशा.१गुरुः५०।५७बुधास्तःपूर्वस्यां ३
६	गु २२ ५	पू २३ २६	व ४७ २२	तै २२ ५	४७ ५१	१५ ४	५	मि. ९।२८	
७	शु १७२५	उ २० २७	प ३९ ४९	व १७ २५	४८ ५०	१६ ५	६	मीने	भ.१७।२५उ.४५।४१या.
८	श १३५६	रे १८ ४१	शि ३४ १७	ब १३ ५६	५० ५०	१७ ६	७	मे.१८।४१	[+शुक्रः२९।२७
९	र ११४३	अ १८ ३	सि २९ ४६	कौ ११ ४३	५२ ५०	१८ ७	८	मेषे	पूषा.बुधः४६।२
१०	चं १० २६	भ १८ ३५	सा २५ ५९	ग १० २६	५३ ४९	१९ ८	९	वृ.३४।०	भ.४०।३०उ.
११	मं १० ३४	कृ २० १६	शु २३ २६	वि १० ३४	५५ ४९	२० ९	१०	वृषे	भ. १०।३४ या. उषा. रविः ५३।४९D
१२	बु ११ ४९	रो २३ ८	शु २१ ४०	बा ११ ४९	५७ ४९	२१ १०	११	मि.५५।०	उषा.रविःसौरः७।१३ प्रदोषः
१३	गु १४ १	मृ २६ ५२	ब्र १९ ५८	तै १४ १	५९ ४८	२२ ११	१२	मिथुने	शुक्रास्तःपश्चिमायां२५।१२
१४	शु १७ २२	आ ३२ ७	ऐं २० ३४	व १७ २२	२६ ४८	२३ १२	१३	मिथुने	भ.१७।२२उ.४९।३६या. वक्री धनुषि+
१५	श २१ ५०	पु ३७ ५९	वै २१ १३	ब २१ ५०	४ ४७	२४ १३	१४	क.२१।३१	मकरेऽर्कः१०।१३(सौरः ३२)मा.स्ना.प्रा.

३९पं.पौ.शु.५ बु.इ. ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	६	९	३	११	८
२०	१८	७	१९	४	१५	१४	२०
१९	८	१९	५८	५१	४८	५०	४
२६	५६	१९	१६	११	१८	१८	९
६१	१४	९४	९	२७	५८	३	६१
६	३२	२९	४८	व.	वं.	११	२६

गोचर ग्रहाः

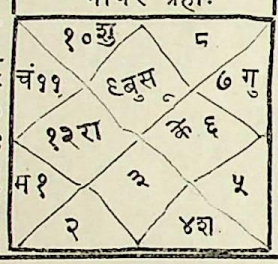

पौष शुक्ले १५ शनौ
मकरेऽर्कः प्रविष्टः
वा.३न.३ बालावस्था
(बैठी) मु.४५
धान्यादि भावे
समर्घता शुक्रास्तः
पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

४०पं.पौ.शु १२ बु.इ. ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	६	९	३	११	८
२७	२०	१८	२१	१	१५	१४	२७
२७	१४	६	०	५	१७	२८	१३
२२	३८	२९	२९	१३	२८	२	५३
६१	१८	९८	९	३५	१६	३	६१
६	८	३८	२	व.	व.	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	र २७ १८	पु ४४ ३६	वि २२ ४१	कौ २७ १८	२६ ४७	१३ २५	१४	१५	कर्के
२	चं ३३ १५	श्ले ५१ ४२	प्री २४ १७	तै ० १६	८ ४६	१४ २६	१५	१६	सिं. ५१
३	मं ३९ ३५	म ५९ १६	आ २६ २९	व ६ २५	११ ४६	१४ २७	१६	१७	सिंहे
४	बु ४६ ५	पू ६० ०	सौ २८ ५१	व १२ ४९	१३ ४५	१५ २८	१७	१८	सिंहे
५	गु ५२ ३०	पू ७ ५१	शो ३१ ३	कौ १९ १७	१६ ४५	१५ २९	१८	१९	कं.२३।४१
६	शु ५८ १	उ १४ १४	अ ३२ ४९	ग २५ १६	१९ ४४	१६ ३०	१९	२०	कन्यायां
७	श ६० ०	ह २० ३२	सु ३३ ५३	वि ३० १६	२१ ४४	१६ १	२०	२१	तु.५३।९
७	र २ ३३	चि २५ ४६	धृ ३३ ४७	व २ ३३	२४ ४३	१७ २	२१	२२	तुलायां
८	चं ५ ३४	स्वा २९ २२	शू ३२ २३	कौ ५ ३४	२७ ४३	१७ ३	२२	२३	तुलायां
९	मं ६ ४८	वि ३० ५९	गं ३० २८	ग ६ ४८	२९ ४२	१८ ४	२३	२४	वृ.१५।३५
१०	बु ५ ५१	अ ३० ४०	बृ २४ ५७	वि ५ ५१	३२ ४२	१८ ५	२४	२५	वृश्चिके
११	गु ४ ३	ज्ये २८ २७	ध्रु १८ ४२	बा ४ ३	३५ ४१	१९ ६	२५	२६	ध.२८।२७
१२	गु ५४ २	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०
१३	शु ५१ २३	मू २४ ६	व्या ११ ४	ग २४ ४४	३८ ४०	२० ७	२६	२७	धनुषि
१४	श ४३ १४	पू १८ २२	ह २ ४९	वि १७ १९	४१ ४०	२० ८	२७	२८	म.३१।३९
३०	र ३४ २३	उ ११ ३१	सि ४१ ३०	च ८ ४८	४५ ३९	२१ ९	२८	२९	मकरे

भ.६।२५उ.३९।३५या.उषा.बुधः७।३६
शुक्रोदयःपूर्वस्याम् १३।४८चतुर्थी व्र.
मकरे बुधः५।१४वक्री पूषा.शुक्रः२।१५
भ.५८।१ उ. अभि प्र. रविः ४२।४३-
भ.३०।१६या.भा.माघारंभः
[=अभि.नि.रविः५१।३५
श्रवणे रविः ५९।२० [-(सौरः५४।१
भ.३६।१९ उ. श्रवणे रविःसौरः९।५७=
म.५।५१या. अभि.नि.रविःसौरः२।१४×
षट् तिला ११व्र.
[×श्रवणे बुधः७।३४
भ.५१।२३उ.प्रदोषः
भ.१७।१९या.कृत्ति.भौमः३१।२५

४१पं.मा.कृ.४ बु. इ. ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	६	८	३	११	९
४	२२	२९	२१	२६	१४	१४	४
३५	४६	१७	५६	५२	४४	५	२३
१३	८	३५	३५	३४	३१	४७	२२
६१	२१	०	८	३४	३४	३	६१
३	१२	५९	८	व.	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

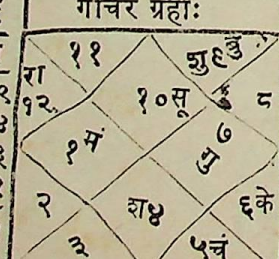

इस मास में मेष का
मंगल गेहूं जौ चना
मूगं मोठ गवार मंदा
चांदी सोना कपडा
तेज करेगा युद्ध की
सम्भावना रहेगी

गोचर ग्रहाः

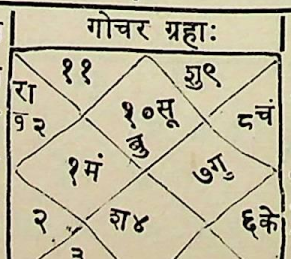

४२पं.मा कृ.१० बु.इ. ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	६	८	३	११	९
११	२५	१०	२२	२३	१४	१३	११
४२	३२	५७	४६	३७	१०	४३	३२
४०	४२	२०	१	५	३७	३१	१३
६०	२३	०	६	२७	४०	३	६१
५९	३६	९	५५	व.	व.	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिथि: माघ शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५०४९स.२००६

१	चं	२५	२	श्र	६	२७	व्य	३०	३६	ब्र	२५	२	२६	४८	३८	२३	१०	२६	३०	कुं.	३०	१६	विशा.२गुरुः१८।५४चंद्रदर्शनम्
२	मं	१५	४५	श	४६	३४	व	२०	३	कौ	१५	४५	५१	३८	२२	११	३०	३१		कुंभे			भ.३३।५ उ.५६।१३ या. धनि. बुधः×
३	बु	६	५८	पू	४३	१३	प	६	५५	ग	६	५८	५४	३७	२३	१२	१	१	मी.	२६	४६	[×४८।२३ फर्वरी२ ता.२८मोहोरम१=
४	बु	५	२	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०			उभा.३ राहुःहस्तः१केतुः४।१वसंत५
५	गु	५	२	५२	उ	३८	२६	शि	२८	५३	ब	२६	२	५८	३६	२४	१३	२	२	मीने			भ.४४।५३ उ. मार्गी शुक्रः २६।५० +
६	शु	४	७	५८	रे	३४	५८	सा	४५	४५	कौ	१६	५५	२७	३६	२४	१४	३	३	मे.	३४	५८	[+वक्रीपुष्य.३ शनिः५४।२६ पातस्पर्शः A
७	श	४	४	५३	अ	३३	१५	शु	४०	१६	ग	१५	५५	५	३५	२५	१५	४	४	मेषे			[A२५।१७पातमोक्षः३६भानु ७रथ७
८	र	४	३	२३	भ	३३	५	शु	३६	१०	वि	१४	८	८	३४	२६	१६	५	५	वृ.	४८	२८	भ.१४।८ या. कुंभे बुधः३३।१८ वृषेV
९	चं	४	३	३५	कृ	३४	३८	ब्र	३३	२६	बा	१३	२६	१२	३४	२६	१७	६	६	वृषे			धनि. रविः७।३८(सौरः१५।४७)
१०	मं	४	५	१६	रो	३७	४६	ए	३१	५०	तै	१४	२७	१५	३३	२७	१८	७	७	वृषे			[Vभौम.३।४८भीष्माष्टमी
११	बु	४	८	१७	मृ	४२	११	वै	३१	२०	व	१६	४८	१९	३२	२८	१९	८	८	मि.	९	५८	भ.१६।४८उ.४८।१७या.जया११व्र.
१२	गु	५	२	२८	आ	४७	३५	वि	३१	५५	ब	२०	२३	२३	३१	२९	२०	९	९	मिथुने			शते बुधः१६।५७ [=सन् १४२७हि.
१३	शु	५	७	२७	पु	५३	४२	प्री	३२	३९	कौ	२४	५८	२७	३१	२९	२१	१०	१०	कं.	३७	१०	प्रदोषः
१४	श	६	०	०	पु	६०	०	आ	३४	२०	ग	२९	१७	३०	३०	३०	२२	११	११	कर्के			भ.३।८ उ.३५।१७या.कुंभेऽर्कः४२।५४*
१४	र	३	८		पु	०	२२	सौ	३६	११	व	३	८	२४	२९	३१	२३	१२	१२	कर्के			[*(सौरः४५)बुधोदयःपश्चिमायां५०।८
१५	चं	९	२६		श्ले	७	५९	शो	३८	३१	ब	९	२६		२८	२८	३२	२४	१३	१३	सिं.	५	७	मा. स्ना. पूर्तिः

४३ पं. मा. शु. ३ बु. इ. ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	६	८	३	११	९
१८	२८	२३	२३	२२	१३	१३	१८
४९	३२	५	२८	४	३५	२१	४०
१६	२०	४२	८	४१	६	१५	१८
६०	२५	०	५	२६	४०	३	६१
५५	५२	५	५९	व.	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

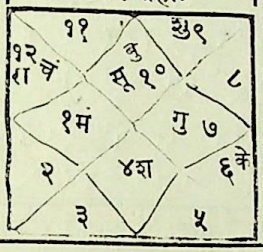

माघ शुक्ले १४ रवौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३ बालावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

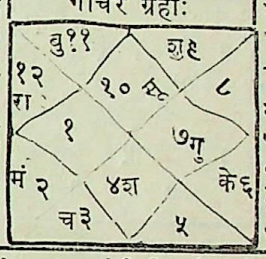

४४ पं.मा.शु ११ बु.इ. ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	०	६	८	३	११	९
२५	१	५	२४	२२	१३	१२	२५
५५	४३	३५	२	३२	२	५९	४७
०१	४८	२	४६	४६	६	०	५
६०	२७	०	४	३७	२८	३	६०
४७	४४	१९	४७	मा	व.	११	५५

तिथि: फाल्गुन कृष्णपक्षः सं २०६२ शाकः १९२७ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाः

१	मं	१५	४५	म	१५	४९	अ	४०	३३	कौ	१५	४५	२७	६	३३	२५	१४	१४	सिंहे				
२	बु	२२	१६	पू	२२	५६	सु	४२	५०	ग	२२	१६	४५	२७	३३	२६	१५	१५	कं.	३९	१६	भ.५५।१६उ.	
३	गु	२८	२२	उ	३०	१८	धृ	४४	४२	वि	२८	२२	४९	२६	३४	२७	१६	१६	कन्यायां			भ.२८।२२या.पूभा.बुध५४चतुर्थी व्र.	
४	शु	३३	४६	ह	३६	५६	शू	४५	५२	ब	१	५	५३	२५	३५	२८	१७	१७	कंन्यायां				
५	श	३८	२७	चि	४२	४३	गं	४६	४२	कौ	६	८	५६	२५	३५	२९	१८	१८	तु.	९	५०	पातस्पर्शः१४।१४पातमोक्षः२५।३१	
६	र	४२	४	स्वा	४७	१६	वृ	४६	२	ग	१०	१५	२८	२४	३६	३०	१६	१६	तुलायां			भ. ४२।४ उ. शतेरविः १६।१०×	
७	चं	४४	७	वि	५०	२७	ध्रु	४४	४१	वि	१३	५	४	२३	३७	१	२०	२०	वृ.	३४	४०	भ.१३।५या.भा.फाल्गुनारंभ·	
८	मं	४४	२५	अ	५१	४६	व्या	४१	३८	बा	१४	१६	८	२२	३८	२	२१	२१	वृश्चिके			[×(सौरः२५।७)उषा.शुक्रः३३।२५	
९	बु	४३	०	ज्ये	५१	२८	ह	३७	१६	तै	१३	४३	१२	२२	३८	३	२२	२२	ध.	५१	२८		
१०	गु	३९	४१	मू	४६	४	व	३१	१४	व	११	२०	१६	२१	३६	४	२३	२३	धनुषि.			भ.११।२०उ.३९।४१या.	
११	शु	३४	१६	पू	४४	५५	सि	२२	५७	ब	६	५८	२०	२०	४०	५	२४	२४	म.	५८	३१	मीने बुधः११।३४विजया११व्र.	
१२	श	२७	२४	उ	३६	१६	व्य	१५	८	कौ	०	५०	२४	१६	४१	६	२५	२५	मकरे			मकरे शुक्रः२४।१२रोहि.भौमः३७प्रदोषः	
१३	र	१६	७	श्र	३२	२५	व	१४	५५	व	१६	७	२८	१८	४२	७	२६	२६	कुं.	५८	४१	भ.१६।७ उ.४४।२७या.महाशिवरात्रि+	
१४	चं	६	४६	ध	२४	५८	शि	४३	५	श	६	४६	३२	१८	४२	८	२७	२७	कुंभे			महाशिवरात्रि व्र. वै. [+व्र.स्मा.	
३०	मं	०	३	श	१६	५६	सि	३२	२३	ना	०	३	३६	१७	४३	९	२८	२८	मी.	५६	१३		

४५ पं.फा. कृ. २ बु. इ. ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	६	८	३	११	१०
२	५	१७	२४	२४	१२	१२	२
५९	५	५५	२९	४७	३०	३६	५३
४९	३८	४१	१७	४६	०	४४	८
६०	२८	०	३	२३	१०	३	६०
२७	५८	१६	३४	१९	व.	११	४२

गोचर ग्रहाः

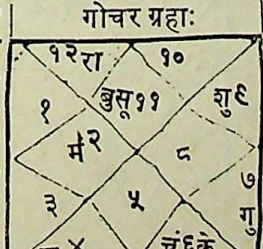

वृष राशौ यदा भौमः सर्वधान्य महर्घता। चन्दनं कुंकुमं वस्त्रं कार्पासादि महर्घता।। इस मास में धान्य व रस तेज हो धातु मंदी होवे।

गोचर ग्रहाः

४६ पं.फा.कृ. ९ बु.इ. ४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	६	८	३	११	१०
१०	८	२८	२४	२८	१२	१२	९
३	३५	८	४६	२७	०	१४	५७
२२	५६	२८	५२	११	२५	२९	४१
६०	२०	७	३	२	३४	५३	३	६०
२५	१७	५९	८	१६	व.	११	३१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५०७८ स.२००६
१	मं ५० ६ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	चंद्रदर्शनम् मार्च ३ ता.३१ फुलरिया २
२	बु ४० ५४ पू ९ १७	सा	२१	४३	बा	१५	३१	१	भ. ५९।२६ उ.सफर२पातस्पर्शः१९।९×
३	गु ३२ ४६ उ २ ५४	शु	११	५९	तै	६	५०	२	भ.२६।७या.वक्री बुधः१।२२
४	शु २६ ७ अ ५३ १०	शु	९	५३	वि	२६	७	३	पूभा.रविः३५।१६ (सौरः३९।५४)
५	श २१ ११ भ ५१ १७	ऐं	५०	३३	बा	२१	११	४	बुधास्तः पाश्चिमायां१५।०
६	र १८ १५ कृ ५१ १४	वै	४६	३१	तै	१८	१५	५	भ.१७।२९उ.४८।१या वक्रीगुरुः१२।५१
७	चं १७ २९ रो ५३ २५	वि	४४	८	व	१७	२९	६	होलाष्टकम् [×पातमोक्षः२८।३
८	मं १८ ३३ मृ ५७ १४	प्री	४३	३	ब	१८	३३	७	मि२५।१९
९	बु २१ २२ आ ६० ०	आ	४३	३९	कौ	२१	२२	८	मिथुने भ.५८।२४उ.वक्रीकुंभे बुधः१५।४६
१०	गु २५ ४६ आ २ २७	सौ	४४	३४	ग	२५	४६	९	क.५२।१९ भ. ३१।२ या. श्रवणे शुक्रः१२।३२÷
११	शु ३१ २ पु ८ ५३	शो	४६	२०	वि	३१	२	१०	कर्के (=सौरः४०।१५) होलिकादहनम्
१२	श ३७ १५ पु १६ १३	अ	४८	३८	ब	४	८	११	कर्के
१३	र ४३ ३७ श्ले २३ ३४	सु	५१	५०	कौ	१०	२६	१२	सिं२३।३४ प्रदोषः [÷आमलकी११व्र.
१४	चं ५० ४८ म ३१ १३	धृ	५३	३	ग	१७	१२	१३	सिंहे भ.५०।४८उ.
१५	मं ५६ १ पू ३८ २८	शू	५५	८	वि	२३	२४	१४	कं.५४।४७ भ. २३।२४ या. मीनेऽर्कः ३६।९=

४७पं.फा.शु.२बु.इ.४१।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	६	९	३	११	१०
१७	१२	२	२४	३	११	११	१७
५	१३	५४	५५	११	३३	५२	०
३५	२३	१८	४१	४२	४७	१३	३४
६०	३१	१२	०	४२	३	३	६०
१२	२१	५२	५१	२८	२२	११	२०

ग्रोचर ग्रहाः

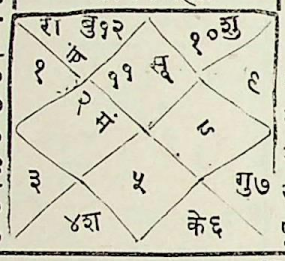

फाल्गुन शुक्ले १५भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

ग्रोचर ग्रहाः

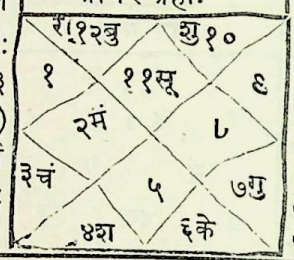

४८ पं.फा.शु.९ .बु.इ.४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	६	९	३	११	१०
२४	१५	०	२४	८	११	११	२४
६	५५	३१	५५	४५	११	२९	१
२२	२३	२३	८	७	२०	५७	५७
५९	३२	५४	२८	४९	३	३	६०
५८	३०	व.	व:	१२	व.	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७	दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा०
१	बु ६० ० उ ४५ ४६	गं	५६	५०	बा	२८	५०	कन्यायां	वसंत १ छारेंडी
१	गु १ ४१ ह ५१ ५१	वृ	५७	५७	कौ	१	४१	कन्यायां	
२	शु ६ ४४ चि ५७ ३५	धु	५८	२८	ग	६	४४	तु.२४।४३	भ.३८।४६उ.उभा.रविः५७।१३
३	श १० ४९ स्वा ६० ०	व्या	५८	११	वि	१०	४९	तुलायां	भ.१०।४९या. उभा. रविः सौरः०।५१×
४	र १३ ४९ स्वा २ २	ह	५७	७	बा	१३	४९	वृ.४९।२६	[×बुधोदयःपूर्वस्यां४०।२९चतुर्थी व्र.
५	चं १५ ५० वि ५ १४	व	५५	२	तै	१५	५०	वृश्चिके	
६	मं १७ ३९ अ ७ ५२	सि	५१	४८	व	१७	३९	वृश्चिके	भ.१७।३९उ.४६।५२या.
७	बु १६ ५ ज्ये ८ ४७	व्य	४७	२१	ब	१६	५	ध.८।४७	वक्री शते बुधः९।२९मृगे भौमः१९।२२=
८	गु १४ २ मू ८ २०	व	४१	४४	कौ	१४	२	धनुषि	शीतलापूजनम् [=भा.चैत्रारंभः
९	शु १० १६ पू ६ १३	प	३४	५७	ग	१०	१६	म.२०।१९	भ.३७।४२उ.धनि.शुक्रः३३।४१
१०	श ५ ८ उ ३ ५५	शि	२६	४९	वि	५	८	मकरे	भ.५।८या.पोपमोचनी११व्र.स्मा.
११	श ५३ २५ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	र ५० ४४ ध ५१ ४४	सि	१७	७	कौ	२४	३९	कुं.२४।४३	पापमोचनी११व्र.वै.
१३	चं ४१ ५५ श ४४ ४४	सा	५२	३९	ग	१६	१९	कुंभे	भ.४१।५५उ.मार्गी बुधः १८।५९ प्रदोषः
१४	मं ३२ ४४ पू ३७ १८	शु	४६	५५	वि	७	१९	मी. २४ १०	भ.७।१९या.पूभा.बुधः३०।२८
३८	बु २३ १९ उ ३० ९	व्र	३६	४३	बा	२३	१९	मीने	सूर्य ग्रहणम् मन्वादिः

४९सं. चै. कृ. १ बु. इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	६	९	३	११	११
१	१९	२३	२४	१४	१०	११	१
५	४१	५७	४५	५५	५३	७	१
३५	४६	२६	५६	४८	१३	४२	३९
५९	३३	५६	३	५३	३	३	५९
४१	१४	व.	व.	३२	व.	११	४९

५० पं.चै.कृ. ७ बु.इ. ४२

र	मं	बु	व	शु	श	रा	र
११	१	१०	६	९	३	११	११
८	२३	१९	२४	२१	१०	१०	७
३	३३	४७	२६	३३	४०	४५	५९
१८	०	२	४२	२२	५	२६	३४
५९	३३	३८	२५	५७	२७	३	५९
२९	५२	व.	वं.	२६	व.	११	३५

५१पं.चै.कृ.३०बु.इ. ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	६	९	३	११	११
१४	२७	२०	२३	२८	१०	२०	१४
५९	२८	१४	५९	२८	३२	२३	५३
१०	२६	४९	५३	५९	१०	११	४३
५९	३५	१२	३५	६०	३७	३	५९
१६	२	मा.	व.	२१	व.	११	१८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०७ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०७ भोग्यकलिः ४२६८९३ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६३ शाकः १९२८ अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः। मंत्री गुरुः । सस्येशोरविः। धान्येशः शुक्रः । मेघेशो गुरुः । रसेशोभौमः । नीरसेशोरविः । फलेशो-बुधः । धनेशःशनिः । दुर्गेशोबुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णुविंश-तिकायां १३ विकारिनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १०।२७।२४।५८ भोग्यमासादिः १।२।३५। २ पितृदैवतं युगम्। वर्षनाम वैशाखः। मेघनाम पुष्करः। रोहिणीनिवासः पर्वते। समयनिवासः कुंभकारगृहे । समयविश्वा १०समयवाहनम् चातकः, स्तंभौः २ जलतृणयोः । सोमवत्यमा: २ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी २ रविदशमी ३ समयमुहूर्ताः ३९० समयदिनानि ३५१ तिथिक्षयः १४तिथिवृद्धिः ५ उत्पत्ति विश्वा ८७ खपति विश्वा ११४ वर्षाविश्वा ९ धान्यम् ५ तृणम् १५ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम्१०९ सत्यम् ।। धर्मं १।। पापं १८ शनिदृष्टिः दक्षिणे ग्रहणानि ३ (चंद्रस्य २ सूर्यस्य १)

सं.२०६३भा.शु.१५ गुरौ खण्डग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	४३	४५	४८
प.	५३	५७	१
घ.	१२	१२	१
मि.	०	५०	३९

फाल्गुन शु. १५ शुक्रे खग्रास चंद्रग्रहणम् ।

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
घं.	५१	५४	५५	५७	०
प.	१९	२४	५७	३०	३५
घं.	२	४	४	५	६
मिं.	५९	१३	५०	२७	४१

वर्ष लग्नम् ४।७

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

माता से कर जोडके पूछे भैरव लाल।
तिरसठ संवत् का मुझे शीघ्र कहो सब हाल।।

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे हाल सुनो धर ध्यान।
राजा मंत्री गुरु हुये बढे मान संमान।।
धान्याधिप भृगुजी भये मेघपति गुरुराज।
प्रचुर धान्य अरु मेघ से सारें जग का काज।।
रोहिणी पर्वत में वसी समय बसे घट कार।
खंडवृष्टि का योग है ना सारे इक सार।।
जौ गेहूँ संचय करो लाभ सवाया होय।
रस कसमें तेजी रहे संशय करो न कोय।।
नो विश्वा वर्षाबनी स्तंभ लगे है दोय।
होणी हो सो होयसी फल यह मालुम होय।।

संवत् २०६३ चैत्र कृ.३० चंद्रे सूर्यग्रहणम्

	स्प.	भ.	मो.
घ.	५९	१	३
प.	१६	१७	२२
घं.	६	६	७
मि.	९	५८	४८

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	११	५	८	२	५	८
ख.	०५	१४	११	११	५	११
रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	५	११	१४	२	२	१४
ख.	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् ११।२०

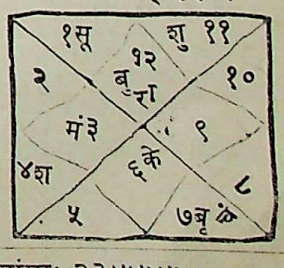

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४४।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५५।५०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः फलम् ।। गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुघाश्चधेनवः । यजन्ति विप्राः बहवोग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ।। मंत्री गुरुः फलम् ।। विविधधान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुर तोय धनामुदिताभवेत् । नृपतयो जनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रिसमागते । सस्येशोरविःफलम् ।। सस्थाधिनाथेत्तरणौहिपूर्वं धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पंचसस्यं बहुभूतहाश्च ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम् ।। भृगौ पश्चिमधान्येशे पश्चाद्धान्यंन पच्यते । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशोगुरुः फलम् ।। गुरुरपि प्रियवृष्टिकरः सदाखिलविलासवती धरणी तदा । श्रुतिविचारपराः नरपालकाः रससमृद्धियुताखिलमानवाः ।। रसेशो भौमः फलम् ।। यदि धरातनयो रसपो भवेन्नरसराशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विषमो जनतानदो जलदो बहुवृष्टिकरो भुवि ।। नीरसेशोरविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्ये नाम्न चंदनयोरपि । रत्नमाणिक्यमुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो बुधस्तत्फलम् ।। यदि बुधे फलपेफलमुत्तमं जलधरा जलराशिमुचस्तदा । बहुतृणं कुसुमैः कमलैर्युतं जनपदोजनसौख्यमुदान्वितः ।। धनेशः शनिःफलम् । द्रविणपे रविजेविरलं धनम् गदरता धरणीपतयः सदा । अधनता वणिजां कृषिजीविनो द्विजवरा परिपीडितमानसाः ।। दुर्गेशोबुधस्तत्फलम् ।। विषमसाम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राष्ट्रजनेषु विशेषताम् । शशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुतां न भयं क्वचित् ।। विकारिनाम संवत्सरःफलम् ।। विकार्यब्देखिला लोकाःसरोगा वृष्टिपीडिताः । पूर्वंसस्यफलं स्वल्पं बहुलं चापरंफलम् ।। वर्षनाम वैशाखःफलम् ।। अर्धं विविध भावेन जायते द्रविणप्रदम् । नीरुजाःनिर्भया लोका वैशाखे जनपूजिताः ।। मेघनामपुष्करः फलम् । पुष्करे मंद वृष्टिश्च रोहिणीनिवासः पर्वते फलम् ॥ पर्वते विन्दुमात्रश्च ।। समयनिवासः कुंभकारगृहे फलम् । अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०६३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृ. ७ गुरौ उषा. ल. गो. रे ६ ऽ।।।ऽचोऽऽ।।

शु. ४ चंद्रे मृगे. ल. अन्यगो. रे. ९।।।।।ऽरो।।।।

,, ९ शनौ मधा. ल. गो. रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

ज्वेष्ठ मासः ।

शु. १ रवौ मृगे ल. १ रे. ८।।ऽबु।।ऽनृ।।।।गुरु७पूज्यः

,, ६ शुक्रे मघा.ल. अन्यगो. १ रे.६ ।।।।ऽरोऽऽ।।मेषे गु. ७ पू. रोगपंचकाऽभावश्च

,, ११ बुधे स्वा. ल १ (चंद्रगुरु७पूज्यौ) रे.८ऽ।ऽवृ।।।।।।

,, १२ गुरौ स्वा.ल. अन्यगो. रे.७ऽ।ऽवृ।।।ऽ।।।

आषाढ मासः।

कृ.१चंद्रे मूले ल. गो. रे. ६ ।।।ऽबुऽ।ऽऽ।।पादवेधाद्वुस्य देधाऽभावः आवश्यके

शु. ४ गुरौ मघा ल. १।२ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।मेषे गु. ७ पू.

,, ५ शुक्रे मघा. ल. अन्यगो. रे.८।।।।।।ऽऽ।। भौम८दोषः

पौष मासः ।

कृ. ८ बुधे हस्ते ल. ७ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

माघ मासः ।

शु. ५ भौमे उभा. ल. अन्यगो.सोग्रांगः८ रे.९ ।।।।।।ऽ।।।

,, १० रवौ रोहि. ल. गो. सौगांगः रे. ८ ।।।।।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, ११ चंद्रे मृगे ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ६ ।।।।ऽऽचो ऽ।।ऽदग्धा·

फाल्गुन मासः।

कृ. ३ चंद्रे उफा. ल. गो. सोग्रांगः ७।८ रे. ७ ।।।।ऽऽनृ।ऽ।।

,, ४ भौमे हस्ते ल. गो. सोग्रांगः ७।८ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

,, ७ शुक्रे स्वा. ल.अन्यगो. सोग्रांगः रे. ६ ऽऽ।ऽबु ।ऽरो।।।। पादतो बुधवेधाऽभावः आवश्यके

,, ११ भौम मूले ल. ७।८ रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।।

शु. २ चंद्रे उभा. ल. ८।९ रे. ६।ऽऽशु।।ऽऽ।।। शुक्रयुतिदोषः

चैत्र मासः

कृ. २ भौमे हस्ते ल. गो. सोग्रांगः रे ९।ऽ।।।।।।।।

,, ४ गुरौ स्वा. ल. गो. सोग्रांगः ८ (घ. ४५।१३या.) रे. ८ ।।।।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, ६ शनौ अनु. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ८ ऽऽ।।।।।।।।।

,, ८ चंद्रे मूले ल. अन्यगो. ८ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८								दि. उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५१०७स२००६
१	गु	१४	२५	रे	२३	३१	ऐं	२७	१	व	१४	२५	३०	५३	६	९	२९	३०	मे.२३।३१	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	शु	६	४२	अ	१८	१३	वै	१८	२४	कौ	६	४२	४५	५१	६	१०	१	३१	मेषे	रेवत्यां रविः२४।५२ सौरः२८।१८)×
३	श	०	२६	भ	१४	२७	वि	११	४	ग	०	२६	४९	५०	१०	११	२	१	वृ.२८।५९	भ.२९उ.५५या.अप्रेल४ता.३०गणगौरी
४	श	५५	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×कुंभे शुक्रः १३।१५ रविलावल-
५	र	५३	३७	कृ	१२	३२	प्री	५	२२	व	२४	४५	५३	४९	११	१२	३	२	वृषे	[-३सिंधारा मत्स्यजयंती
६	चं	५३	२५	रो	१२	५६	आ	३५	४७	कौ	२३	३१	५७	४९	११	१३	४	३	मि.४४	मिथुने भौमः१३।८
७	मं	५५	१३	मृ	१५	१६	शो	५९	३	ग	२४	१९	३१	४८	१२	१४	५	४	मिथुने	भ.५५।१३उ.शते शुक्रः४२।५५
८	बु	५८	५७	आ	२०	३६	अ	५९	१९	वि	२७	५	५	४७	१३	१५	६	५	मिथुने	भ. २७।५या. मार्गी शनिः ५०।१२
९	गु	६०	०	पु	२५	२६	सु	६०	०	बा	३१	२९	८	४६	१४	१६	७	६	क.९।१४	वक्री. विशा. १गुरुः ३६।५४ उभा.=
९	शु	४	०	पु	३२	३२	सु	१	३	कौ	४	०	१२	४६	१४	१७	८	७	कर्के	[=२राहुः उफा. ४केतुः०।२२रामनवमी
१०	श	१०	१०	श्ले	३९	४९	धृ	३	२२	ग	१०	१०	१६	४५	१५	१८	९	८	सिं३९।४९	भ. ४३।१७ उ.
११	र	१६	२५	म	४७	३५	शू	५	३८	वि	१६	२५	१९	४४	१६	१९	१०	९	सिंहे	भ. १६।२५या. कामदा ११ व्र.
१२	चं	२२	४७	पू	५४	५६	गं	८	६	बा	२२	४७	२३	४३	१७	२०	११	१०	सिंहे	
१३	मं	२८	४४	उ	६०	०	वृ	१०	१२	तै	२८	४४	२६	४३	१७	२१	१२	११	कं.११।३८	मीने बुधः३१।२९ प्रद्रोषः
१४	बु	३४	२	उ	१	४६	ध्रु	११	४४	ग	१	२३	३०	४२	१८	२२	१३	१२	कन्यायां	भ.३४।२उ.
१५	गु	३८	१३	ह	७	४३	व्या	१२	३७	वि	६	७	२४	४१	१९	२३	१४	१३	तु.४०।१३	भ.६।७या.अश्वि.मेषेऽर्कः५९हनुमज्जयंती

५२पं.चै.शु.८ बृ.इ. ४३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	६	१०	३	११	११
२१	१	२४	२३	५	१०	१०	२१
५३	२७	२६	२५	३६	३०	०	४९
३१	१८	४६	५	५०	०	५५	५४
५९	३४	४२	४०	६२	१	३	५९
४	५६	२१	व.४०	व:११	४		

गोचर ग्रहाः

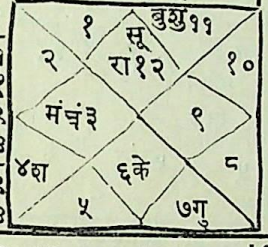

चैत्र शुक्ले १५ गुरौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ कुमार्यं वस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

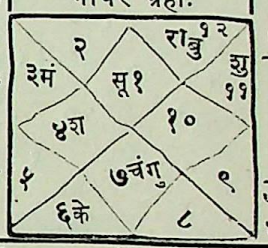

१पं.चै.शु. १५बृ.इ. ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	६	१०	३	११	११
०	६	२२	१४	१०	९	२९	
०	१०	४७	३४	३३	३२	३५	५६
०	५५	४९	१९	७	१०	५१	७
५८	३५	६८	४३	६४	५८	३	५८
४४	२९	२०	व.४७	मा ११	४५		

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८								दि. उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र. कृष्णेति महा.:
१	शु	४१	२२	चि	१२	४८	ह	१२	४४	बा	९	४८	३१	५	६	२४	१५	१४	तुलायां	अश्वि. मेषेऽर्कः सौरः २।५२उभा. बुधः÷
२	श	४३	४०	स्वा	१६	५८	व	१२	१८	तै	१२	३१	३८	४०	२०	२५	१६	१५	तुलायां	[÷२७।५आर्द्रा. भौमः४८।१
३	र	४४	४०	वि	१९	५२	सि	१०	२८	व	१४	१०	४२	३९	२१	२६	१७	१६	वृ.४।१०	भ.१४।१०उ.४४।४०या.
४	चं	४४	४१	अ	२१	४८	व्य	८	४	व	१४	४०	५०	३८	२२	२७	१८	१७	वृश्चिके	चतुर्थी व्रतम्
५	मं	४३	४२	ज्ये	२२	४४	व	४	५५	कौ	१४	१२	५३	३७	२३	२८	१९	१८	ध.२२।४४	
६	बु	४१	५०	मू	२२	४९	प	३	५५	ग	१२	४६	५७	३७	२३	२९	२०	१९	धनुषि	भ.४१।५०उ.पूभा. शुक्रः०।१२
७	गु	३८	४७	पू	२१	४९	सि	५०	३४	वि	१०	१९	३	३६	२४	३०	२१	२०	म.३३	भ.१०।१९या.
८	शु	३४	४५	उ	२०	४०	सा	४४	१२	बा	७	४६	५	३५	२५	१	२२	२१	मकरे	भा. वैशाखारंभः
९	श	२९	५२	श्र	१६	३५	शु	३६	४८	तै	२	३१	९	३४	२६	२	२३	२२	कुं.३५	भ.५६।५०उ.
१०	र	२३	४९	ध	१२	३४	शु	२८	५४	वि	२३	४९	१२	३४	२६	३	२४	२३	कुम्भे	भ. २३।४९या.
११	चं	१७	३	श	७	३८	ब्र	२०	११	बा	१७	३	१६	३३	२७	४	२५	२४	मी.४८	रेवत्यां बुधः१३।३४ वरूथिनी ११व्र.
१२	मं	९	२४	पू	३	५५	ऐं	११	५	तै	९	२४	२०	३२	२८	५	२६	२५	मीने	प्रदोषः
१३	बु	१	२०	रे	५०	१३	वै	५१	५०	व	१	२०	२३	३१	२९	६	२७	२६	मे.५०।१३	भ. १।२०उ.२७।२२या.
१४	बु	५२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	गु	४५	५४	अ	४४	४२	प्री	४४	७	च	१९	३८	२७	३१	२९	७	२८	२७	मेषे	भरण्यां रविः३९।६ (सौरः४४।१७)

२पं. वै. कृ. ७बृ.इ. ५९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	६	१०	३	११	०
६	१०	१२	२१	२२	१०	९	६
५०	१४	३	४६	११	४१	१३	४६
४२	५६	३२	४१	१७	१७	३१	१७
५८	३६	८५	२६	६६	१	३	५८
२१	१	१७	व.१६	३२	११	२९	

गोचर ग्रहाः

इस मास में मिथुन का मंगल धान्य बाजरा जौ गेहूं मूगं मोठ में कुछ मंदी करे धातु सोना चांदी लोहा कपास वार दाना तेज हो।

गोचर ग्रहाः

३ पं. वै. कृ. ३०बृ. इ. ५९ २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	६	१०	३	११	०
१३	१४	२२	२०	२९	१०	८	१३
३९	२०	५७	५४	५७	५५	५१	३४
४७	२८	४३	१८	२२	३७	२०	४२
५८	३६	८	५३	६७	२	३	५८
१९	८	२६	व.३१	१७	११	१२	

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५११३६स.२००६
१	शु	३९	२३	भ	४०	३४	आ	३६	२२	किं	१३	३८	३३	५	६	८	२९	२८	तृ.५४।४६	मीने शुक्रः १।४४
२	श	३४	११	कृ	३७	२२	सौ	२९	४७	बा	६	४७	३४	२९	३१	९	३०	२९	वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	र	३१	१	रो	३६	२४	शो	२४	४०	तै	२	३५	३८	२८	३२	१०	१	३०	वृषे	उभा. शुक्रः ५९।२९ रविलाखर४×
४	चं	२९	४४	मृ	३७	११	अ	२०	५६	व	०	२२	४१	२८	३२	११	२	१	मि६।४७	भ.०।२२उ.२९।४४या. मई ५ता.३१
५	मं	३०	२२	आ	४०	७	सु	१९	२५	ब	०	३	४५	२७	३३	१२	३	२	मिथुने	अश्वि. मेषे बुधः५।३
६	बु	३३	४	पु	४४	४९	धृ	१९	४	को	१	४३	४८	२६	३४	१३	४	३	क. ३९	[×परशुराम जयंती अक्षया३
७	गु	३७	२२	पु	५१	५	शू	१९	४१	ग	५	१३	५२	२६	३४	१४	५	४	कर्के	भ.३७।२२उ.
८	शु	४३	४	श्ले	५८	१०	गं	२१	३५	वि	१०	१३	५५	२५	३५	१५	६	५	सिं. ५८ १०	भ. १०।१३या. वक्री स्वाती. ४गुरुः÷
९	श	४९	१४	म	६०	०	वृ	२३	५४	बा	१६	९	५८	२४	३६	१६	७	६	सिंहे	बुधास्तः पूर्वस्यां५९।४२पातमोक्षः९ ११
१०	र	५५	२७	म	५	४७	ध्रु	२६	२५	तै	२२	२१	३३	२४	३६	१७	८	७	सिंहे	पुन.भौमः३४।२१ [÷५५ पातस्पर्शः५५ १६
११	चं	६०	०	पू	१३	१९	व्या	२८	४३	व	२८	२५	५	२३	३७	१८	९	८	कं.३०।३	भ.२८।२५उ.मोहिनी ११ व्र.
११	मं	१	२२	उ	२०	१६	ह	३०	३१	वि	१	२२	८	२२	३८	१९	१०	९	कन्यायां	भ.१।२२या. भरण्यां बुधः११।११
१२	बु	६	२८	ह	२६	२३	व	३१	२०	बा	६	२८	११	२२	३८	२०	११	१०	तु.५८।४४	प्रदोषः
१३	गु	१०	१९	चि	३१	५	सि	३१	२०	तै	१०	१९	१४	२१	३९	२१	१२	११	तुलायां	कृत्ति.रविः२५।२ सौरः ३२ ९ नृसिंहजयंती
१४	शु	१२	४७	स्वा	३४	२९	व्य	३०	१०	व	१२	४७	१७	२१	३९	२२	१३	१२	तुलायां	भ. १२।४७ उ. ४३।२२ या. रेवत्यां=
१५	श	१३	५७	वि	३६	४२	व	२८	०	ब	१३	५७	२०	२०	४०	२३	१४	१३	वृ.२१।८	यमाय कुंभदानम् [=शुक्रः५२।५३

४पं.वै. शु. ७बृ.इ.५९।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	६	११	३	११	०
२०	१८	५	२०	७	११	८	२०
२७	२६	३३	१	४९	१४	२९	२१
२५	१३	५८	५२	४८	४९	४	२६
५८	३६	५९	५३	६८	२	३	५७
६	२२	४८	व.	३४	५६	११	५७

गोचर ग्रहाः

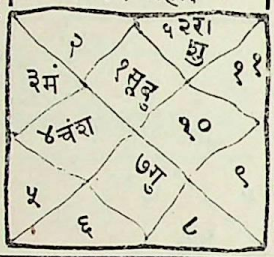

इस मास की कृष्ण पक्ष की तिथी क्षय व शुक्ल पक्ष की तिथी वृद्धी धान्य व रस में मंदी लाती हैं और शुभ सूचक है ।

गोचर ग्रहाः

५पं.वै.शु.१३बृ.इ.५९।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	६	११	३	११	०
२७	२२	१९	१०	१५	११	८	२७
१३	३३	११	८	४७	३८	६	०६
३७	२५	१०	४९	३१	२०	४८	४०
५७	३६	५९	५३	६९	३	३	५७
५४	४१	५९	व.	२०	३४	११	४५

ति	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८									दि. उ. अ.			भा. मु. इं			चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वै. कृष्णोक्ति महाः
१	र	१३	४७	अ	३७	३७	प	२४	४८	को	१३	४७	३३	१९	४१	२४	१५	१४	वृश्चिके	बृषेऽर्कः५२।१७(सौरः५९।५६)
२	चं	१२	३१	ज्ये	३७	३५	शि	२०	५३	ग	१२	३१	२६	१९	४१	२५	१६	१५	ध.३७।३५	भ.४१।२१उ.कृत्ति बुधः३५।२२
३	मं	१०	११	मू	३६	५१	सि	१६	११	वि	१०	११	२८	१८	४२	२६	१७	१६	धनुषि	भ.१०।११चतुर्थी व्र.
४	बु	७	७	पू	३५	८	सा	१०	५१	बा	७	७	३१	१८	४२	२७	१८	१७	म ४९।३६	वृषे बुधः२।४५
५	गु	३	१०	उ	३३	१	शु	७	४९	तै	३	१०	३४	१७	४३	२८	१९	१८	मकरे	भ.५९।६उ.
६	गु	५५	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×वट पूजनम्
७	शु	५४	२८	श्र	३०	२४	ब्र	५२	२८	वि	२६	४७	३७	१७	४३	२९	२०	१९	कुं.५८।५०	भ. २६।४७ या. पातस्पर्शः १६।१०-
८	श	४९	३४	ध	२७	१५	ऐं	४५	३१	बा	२२	१	३९	१६	४४	३०	२१	२०	कुंभे	[-पातमोक्षः२८।४१
९	र	४३	५८	श	२२	४९	वै	३८	२३	तै	१६	४६	४२	१६	४४	३१	२२	२१	कुंभे	रोहिण्यां बुधः४१।१३
१०	चं	३८	४	पू	१९	५९	वि	३०	५४	व	११	१	४४	१५	४५	१	२३	२२	मी. ५९	भ.११।१उ.३८।४या.भा. ज्येष्ठारंभः
११	मं	३०	५२	उ	१५	५८	प्री	२३	१५	ब	४	२८	४७	१५	४५	२	२४	२३	मीने	अपरा ११व्र.
१२	बु	२५	३८	रे	११	४६	आ	१५	४०	तै	२५	३८	४९	१४	४६	३	२५	२४	मे.११।४६	अश्वि. मेषे शुक्रः२२।२३प्रदोषः
१३	गु	१९	४२	अ	७	५२	सौ	८	१६	व	१९	४२	५२	१४	४६	४	२६	२५	मेषे	भ. १९।४२ उ.४७।१या. रोहि. रविः=
१४	शु	१४	१९	भ	४	१७	शो	१	५३	श	१४	१९	५४	१३	४७	५	२७	२६	वृ.१८।३८	[=१५।५१(सौरः२६।४)
३०	श	९	४३	कृ	१	४१	सु	४९	३८	ना	९	४३	५६	१३	४७	६	२८	२७	वृषे	मृगे बुधः ४९।४८ कर्के भौमः २७।५१×

६ पं.ज्ये.कृ.५बृ.इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	६	११	३	११	१
२	२६	४	१८	२३	१२	७	३
५८	४२	१२	१७	४९	६	४३	५०
३७	५४	७	२	३४	४३	३२	२२
५७	३७	५९	२३	७०	४	३	५७
४४	७	५९	व.	१०	१४	११	३४

गोचरग्रहाः

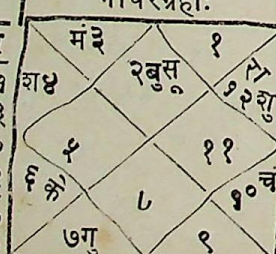

ज्येष्ठ कृष्णे १ रवौ
वृषेऽर्कः प्रविष्टः
वा.४ न.४ प्रौढावस्था
(बैठी) मु. १५
धान्यादि भावे
महर्घता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

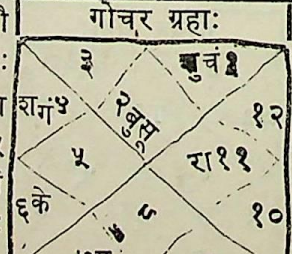

पं. ७ज्ये.कृ.१४शु. इ:०।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	६	०	३	११	१
१०	०	१९	१७	१	१२	७	१०
४२	५४	२९	२९	५१	३९	२१	३२
२९	३६	२४	२४	१६	१४	१७	३३
५७	३७	५९	४०	७०	४	३	५७
३५	१९	५९	व.	२८	४७	११	२३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चंद्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५१६६ स.२००६

| | | |

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८						दि. उ. अ.			भा. मु. इ.			चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५१९५स.२००६
१	चं	३७	२८	आ	२३	५४	बृ	६	३१	किं	७	१६	३४ ५५	मिथुने
२	मं	३९	४५	पु	२७	१५	ध्रु	५	३१	बा	८	३७	२३ ७	५३ ६ ३० २७	क.११.२५	रोहि. शुक्रः४१।२७चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	बु	४३	४	पु	३२	४	व्या	४	५६	तै	११	२५	२२ ८	५२ ७ १ २८	कर्के	जमादिलाखर ६
४	गु	४८	४	श्ले	३८	१३	ह	५	३९	व	१५	३४	२२ ८	५२ ८ २ २९	सिं. ३६	भ.१५।३४उ.४८।४या.
५	शु	५३	४३	म	४५	१०	व	७	८	ब	२०	५३	२१ ८	५२ ९ ३ ३०	सिंहे	
६	श	५९	४८	पू	५२	३९	सि	९	३१	कौ	२६	४६	२० ८	५२ १० ४ १	सिंहे	जुलाई ७ ता. ३१
७	र	६०	०	उ	६०	०	व्य	१२	८	ग	३२	५२	१९ ८	५२ ११ ५ २	कं.९।३१	वक्री बुधः५६।४२
७	चं	५	५६	उ	०	६	व	१४	३७	व	५	३६	१८ ८	५२ १२ ६ ३	कन्यायां	भ.५।३६उ.३८।४६या.
८	मं	११	३५	ह	७	१९	प	१६	३१	ब	११	३५	१७ ९	५१ १३ ७ ४	तु. ४९	मार्गी गुरुः ४६।४६आश्ले. १शनिः५।२१
९	बु	१६	१	चि	१३	१३	शि	१७	३२	कौ	१६	१	१६ ९	५१ १४ ८ ५	तुलायां	
१०	गु	१८	५६	स्वा	१७	४७	सि	१७	२६	ग	१८	५६	१५ ९	५१ १५ ९ ६	तुलायां	भ.४९।२८उ.पुन.रविः७।३ (सौरः ३१७)
११	शु	२०	१	वि	२०	३५	सा	१५	५२	वि	२०	१	१४ ९	५१ १६ १० ७	वृ.५३	भ.२०।१या. देवशयनी ११ व्र.
१२	श	१९	८	अ	२१	२८	शु	१२	४१	बा	१९	८	१३ ९	५१ १७ ११ ८	वृश्चिके	मृगे शुक्रः२८।५१प्रदोषः
१३	र	१६	२६	ज्ये	२०	२६	शु	८	४	तै	१६	२६	११ १०	५० १८ १२ ९	ध. २०	बुधास्तः पश्चिमायां ३४।३०
१४	चं	११	४६	मू	१७	३४	ब्र	१५	५३	व	११	४६	१० १०	५० १९ १३ १०	धनुषि	भ.११।४६उ.३८।४८या. वायुपरीक्षा
१५	मं	५	५०	पू	१३	३४	वै	४	४९	ब	५	५०	८ १०	५० २० १४ ११	म. २८	व्यासपूजा गुरु १५

१२पं.आ.शु.५ शु.इ.०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	६	१	३	११	२
१४	२२	६	१५	१३	१६	५	१३
९	४	२१	७	९	१०	२९	४९
५८	५५	४३	३७	५४	३७	५९	१६
५७	३८	१२	५९	७२	६	३	५६
७	१२	२२	व.	५०	३२	११	५०

गोचर ग्रहाः

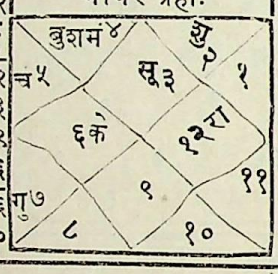

इस मास में गेहूं जौ चना बाजरा गुड शक्कर चीनी सोना चांदी सभी वस्तुएँ तेज हो चौपाये पशु पीडित हो कहीं २ अच्छी वर्षा हो

गोचर ग्रहाः

१३ पं.आ.शु.१०शु.इं ५९

र	सं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	६	१	३	११	२
२०	२६	७	१५	२१	१६	५	२०
५०	२२	१	४	३१	५९	७	२७
२४	५२	२६	१२	३४	५३	४४	१०
५७	३८	१९	३	२९	७३	६	३५६
७	१९	व.	मा	१०	५०	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८						दि. उ. अ.			हि. मु. इ.			चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महाः
१	मं	५२	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	५१	२२	उ	८	३१	वि	३८	१०	तै	२५	३	३४ ५ ५ ६	२१ १५ १२	मकरे	मघा.सिंहे. भौमः ५४।३६
३	गु	४३	३८	श्र	३	५४	प्री	२९	१९	व	१७	२९	५ ११ ४९	२२ १६ १३	कुं.३०।१४	भ.१७।२९उ.४३।३८या.
४	शु	३६	१३	श	५२	१६	आ	२०	३८	व	९	५५	३ ११ ४९	२३ १७ १४	कुंभे	मिथुने शुक्रः३।४९चतुर्थी व्र.
५	श	२९	१४	पू	४७	३९	सौ	१२	४	कौ	२	४४	१ १२ ४८	२४ १८ १५	मी. ३३	वक्री. पुन.बुधः३६।१९नाग५मरुस्थले
६	र	२३	२	उ	४३	३९	शो	१४	३६	व	२३	२	३३ १२ ४८	२५ १९ १६	मीने	भ.२३।२उ.५०।२०या.कर्केऽर्कः३६।२९
७	चं	१७	३७	रे	४०	३१	सु	५०	१७	ब	१७	३७	५७ १३ ४७	२६ २० १७	मे.४०।३१	कर्केऽर्कः सौरः४।१
८	मं	१३	२	अ	३८	२०	धृ	४४	२२	कौ	१३	२	५५ १३ ४७	२७ २१ १८	मेषे	
९	बु	९	२४	भ	३७	१४	शू	३९	१०	ग	९	२४	५२ १४ ४६	२८ २२ १९	वृ.५२।५	भ.३८।९उ.आर्द्रा.शुक्रः३७।४
१०	गु	६	५४	कृ	३६	३८	गं	३४	५४	वि	६	५४	५० १४ ४६	२९ २३ २०	वृषे	भ. ६।५४ या. पुष्ये रविः ५।४७=
११	शु	५	३	रो	३७	११	वृ	३१	२१	बा	५	३	४८ १४ ४६	३० २४ २१	वृषे	कामिका ११ व्र.
१२	श	४	२२	मृ	३८	५६	ध्रु	२८	४४	तै	४	२२	४५ १५ ४५	३१ २५ २२	मि. ८।३	प्रदोषः [÷४४।१९अस्तं शनेः२६।२८
१३	र	४	५५	आ	४१	३७	व्या	२६	५१	व	४	५५	४३ १५ ४५	१ २६ २३	मिथुने	भ.४।५५उ.३५।३८या. भा. श्रावणारंभः
१४	चं	६	२०	पु	४५	४०	ह	२६	१०	श	६	२०	४० १६ ४४	२ २७ २४	क २९।३९	हरियाली३०
३०	मं	९	१२	पु	५०	३३	व	२५	५१	ना	९	१२	३८ १६ ४४	३ २८ २५	कर्के	[=(सौरः३४।४२) वक्री मिथुने बुधः÷

१४ पं.श्रा.कृ. ३वृ.इ. ५९ ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	६	१	३	११	२
२७	०	४	१५	२९	१७	९	२७
३०	४१	१९	९	५५	५१	४५	५
४३	४६	१२	११	५	१४	२८	१७
५७	३८	३६	१	७३	७	३	५६
११	२६	व.	३३	२०	२	११	५४

गोचर ग्रहाः

श्रावण कृष्णे ६ रवौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ वृद्धावस्था बैठी, मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

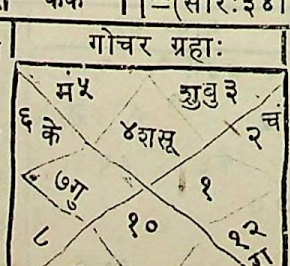

१५पं.श्रा.कृ.१० वृ.इ. ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	६	२	३	११	३
४	५	२९	१५	८	१८	४	३
११	१	४९	२३	२१	४३	२३	४३
२८	८	१	२४	१४	४४	१२	४४
५७	३८	४२	२	७३	७	३	५६
१५	३३	व.	५९	३२	८	११	५८

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः५२२५सन्२००६
१	बु १३ १ श्ले ५६ ५२ सि २६ ४२ ब १३ १	३३	५	६	४	२९	२६	सिं. ५६	चंद्रदर्शनम्
२	गु १८ २ म ६० ० व्य २८ १७ कौ १८ २	३३	१७	४३	५	१	२७	सिंहे	बुधोदयःपूर्वस्यां १५।७रज्जव७सिधांरा
३	शु २३ ४३ म ३ ३० व ३० १९ ग २३ ४३	३०	१८	४२	६	२	२८	सिंहे	भ.५६।४६उ.तीज
४	श २९ ५० पू १० ४६ प ३२ ३९ वि २९ ५०	२७	१९	४१	७	३	२९	कं. २७ ४३	भ.२९।५०या. वरद४
५	र ३६ ७ उ १८ ३५ शि ३५ १६ व २ ५८	२४	१९	४१	८	४	३०	कन्यायां	मार्गी बुधः ४२।५७ पुन. शुक्रः ३५।२÷
६	चं ४२ ३ ह २६ २ सि ३७ ५५ कौ ९ ५	२२	२०	४०	९	५	३१	तु.५९।२६	आश्ले. २शनिः१४।३०
७	मं ४७ ८ चि ३२ ५० सा ३९ ३४ ग १४ ३५	१९	२०	४०	१०	६	१	तुलायां	भ.४७।८उ.अगस्तदता.३१
८	बु ५० ५५ स्वा ३८ २८ शु ४० २५ वि १९ १	१६	२१	३९	११	७	२	तुलायां	भ.१९।१या. [÷नागपंचमी
९	गु ५२ ५८ वि ४२ ३७ शु ४० २ बा २१ ५६	१३	२१	३९	१२	८	३	वृ.२६।३५	आश्लेरविः४८ (सौरः३५९) पूफा.भौमः३५
१०	शु ५३ १२ अ ४४ ५५ ब्र ३८ १४ तै २३ ५	१०	२२	३८	१३	९	४	वृश्चिके	[केतुः ५२।१ श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्
११	श ५१ १८ ज्ये ४५ १३ ऐं ३४ ४६ व २२ १५	७	२३	३८	१४	१०	५	ध.४५।१३	भ.२२।१५ उ.५१।१८या. कर्के बुधः३२×
१२	र ४७ १२ मू ४३ २३ वै २९ ३७ व १९ १५	४	२३	३८	१५	११	६	धनुषि	
१३	चं ४१ २३ पू ३९ ३४ वि २३ १ कौ १४ १६	०	२४	३६	१६	१२	७	म.५३।१९	कर्के शुक्रः५३।११प्रदोषः [×पवित्रा११व्र.
१४	मं ३३ ४९ उ ३४ २३ प्री १४ ५४ ग ७ ३४	३३	२५	३५	७	१३	८	मकरे	भ.३३।४९उ.५९या:स्वाती.४गुरुः४५ ३४
१५	बु २५ २३ श्र २८ १ आ ४२ ५९ व २५ २३	५४	२५	३५	१८	१४	९	कुं५४।३२	पुष्ये बुधः११।२३ पूभा. ४राहुः उफा.२=

१६ पं.श्रा.शु. २ बृ. इ. ५९ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	६	२	३	११	३
१०	९	२७	१५	१६	१९	४	१०
५२	२२	०	४५	४८	३६	०	२३
३०	३०	४	३२	२९	३२	५७	०१
५७	३८	५९ ३३	४	७३	७	३	५७
२०	४४	व.	६	४४	१४	११	५

गोचर ग्रहाः

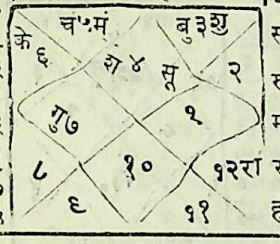

इस मास का फल साधारण है चांदी रुई स्वर्ण तिल वस्त्र मन्दे होवें हवा तेज रहे जल वृष्टि अच्छी हो रस में तेजी रहे।

गोचर ग्रहाः

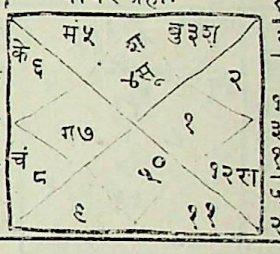

१७पं.श्रा.शु. ९ बृ.इ. ५९ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	६	२	३	११	३
१७	१३	२८	१६	२५	२०	३	१७
३४	४५	५५	१५	१८	३०	३८	२
१२	७	५५	४७	७	४	४१	४९
५७	३८	४१ ३२	५	७३	७	३	५७
२५	५०	सा.	१४	५०	२०	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	गु १६ १२ ध २१ ५ शो ४५ ४३ कौ १६ १२	३२	५	६	१९	१५	१०	कुंभे	पुष्ये शुक्रः३५।२९
२	शु ७ ५ श १३ ५७ अ ३५ ३१ ग ७ ५	४७	२७	३३	२०	१६	११	मी.५५	भ.३२।३५उ.५८।५या.
३	शु ५१ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	००	[+आश्ले. बुधः५३।४ गोगा९
४	श ४९ ५८ पू ७ १४ सु २५ ४३ ब २४ १	४४	२७	३३	२१	१७	१२	मीने	चतुर्थी व्रतम्
५	र ४२ ५१ उ १९ ५५ ३ धृ १६ ४० कौ १६ २५	४०	२८	३२	२२	१८	१३	मे.५६।१४	चंद्र षष्ठी
६	चं ३७ १० अ ५२ ४६ शू ८ २६ ग १० ०	३७	२९	३१	२३	१९	१४	मेषे	भ.३७।१०उ.
७	मं ३२ ५८ भ ५० ३७ गं २९ १० ५५ ४ वि ५ ४	३३	२९	३१	२४	२०	१५	मेषे	भ.५।४या.जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	बु ३० ५ कृ ५० १ ध्रु ५० ५५ बा १ ३१	३०	३०	३०	२५	२१	१६	वृ.५।२८	मघा. सिंहेऽर्कः५६।५०जन्माष्टमी व्र. वै.
९	गु २८ ४३ रो ५० ४७ व्या ४७ १७ ग २८ ४३	२६	३१	२९	२६	२२	१७	वृषे	भ.५८।४६ उ. मघा. सिंहेऽर्कः सौरः३१ ५४+
१०	शु २८ ५० मृ ५२ ५१ ह ४४ ५८ वि २८ ५०	२२	३२	२८	२७	२३	१८	मि. २१ ४९	भ.२८।५०या.
११	श ३० १३ आ ५६ १४ व ४३ ३८ बा ३० १३	१९	३२	२८	२८	२४	१९	मिथुने	बुधास्तः पूर्वस्यां१९।३७अजा११ व्र.
१२	र ३२ ४२ पु ६० ० सि ४३ २२ कौ १ २८	१५	३३	२७	२९	२५	२०	क४४।४०	वत्सद्वादशी
१३	चं ३६ ३६ पु ० ४९ व्य ४३ ५२ ग ४ ३९	१२	३४	२६	३०	२६	२१	कर्के	भ.३६।३६उ.आश्ले. शुक्रः२७।५०प्रदोषः
१४	मं ४१ ४ पु ६ २५ व ४४ ४३ वि ८ ५०	८	३४	२६	३१	२७	२२	कर्के	भ.८।५०या. [×३०मन्वादिः
२०	बु ४६ २९ श्ले १२ ४९ प ४६ ३६ च १३ ४६	४	३५	२५	१	२८	२३	सिं. १२ ४९	भा. भाद्रपदारंभः कुशाग्रहणी पिठोरी×

१८ पं.भा.कृ. १ बृ.इ. ५९ ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	६	३	३	११	३
२४	१८	५	१६	३	२१	३	२३
१६	८	५१	५४	४९	२४	१६	४३
३७	३१	२५	११	१६	५०	२६	५६
५७	३९	८४	६	७३	७	३	५७
३३	८	१४	२२	५६	२०	११	२२

गोचर ग्रहाः

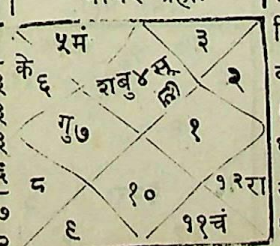

भाद्रपद कृष्णे ८रवौ सिंहे ऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.६ युवावस्था. (सूती) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

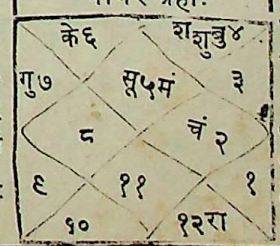

१९ पं.भा.कृ.९ बृ.इ. ५९ ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	६	३	३	११	४
०	२२	१६	१७	१२	२२	२	०
५९	३३	५०	३९	२२	१८	५४	२६
५३	५०	५३	२९	२६	२५	१०	०९
५७	३९	८ ९	७	७४	७	३	५७
४०	८	२९	१९	२	१६	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

| ति. | भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८ | | |

ति.आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्र : | शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२८४सन्२००६

| | | |

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरद्दतू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः५३१४सन्२००६

१	चं	१५	१४	खा	२५	२२	प्री	२८	३२	व	१५	१४	२८	६	५	१	२९	२३	तुलायां	वृश्चिके बुधः ४२।११भा. कार्तिकारंभः
२	मं	१९	१	वि	३०	२९	आ	२८	५३	कौ	१९	१	२७	२५	३५	२	३०	२४	वृ.१४।१२	स्वात्यांरविः ७।१४ (सौरः ३९।१७)×
३	बु	२१	४६	अ	३४	३२	सौ	२८	२६	ग	२१	४६	५३	२५	३५	३	१	२५	वृश्चिके	भ.५२।३५उ. सव्वाल१०
४	गु	२३	२५	ज्ये	३७	२९	शो	२७	२	वि	२३	२५	४९	२६	३४	४	२	२६	ध. ३७	भ.२३।२५या.
५	शु	२३	५९	मू	३९	२९	अ	२४	५८	बा	२३	५९	४५	२७	३३	५	३	२७	धनुषि	वक्री बुधः ५३ विशा.४वृश्चिके गुरुः२६।९
६	श	२३	१७	पू	४०	२२	सु	२२	५	तै	२३	१७	४१	२८	३२	६	४	२८	म ५५।१५	[×स्वात्यां शुक्रः ३६।१ स्वात्यां भौमः÷
७	र	२१	३२	उ	३९	५६	धृ	१७	५९	व	२१	३२	३७	२९	३१	७	५	२९	मकरे	भ.२१।३२उ.४९।४६या.
८	चं	१८	०	श्र	३८	१३	शू	१२	५५	व	१८	०	२४	२९	३१	८	६	३०	मकरें	मघा.१सिंहेशनिः३७।४२गोपाष्टमी
९	मं	१४	२	ध	३५	१६	गं	४९	५३	कौ	१४	२	३०	३०	३०	९	७	३१	कुं. ६।४४	कृष्णांऽष्टमी अक्षय९ [=नवम्बर११ता.३०
१०	बु	८	२१	श	३१	८	ध्रु	५१	२५	ग	८	२१	२७	३१	२९	१०	८	१	कुंभे	भ.३४।५८उ. वक्री तुलायांबुधः५९।१७=
११	गु	१	३५	पू	२५	५०	व्या	४२	२५	वि	१	३५	२३	३१	२९	११	९	२	मी. १२	भ.१।३५या बुधास्तःपश्चिमायां४४।१५A
१२	गु	५२	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१२	०	०	०	[÷३१।५० चंद्रदर्शनम् भ्रातृ २यम२
१३	शु	४५	१९	उ	१९	४७	ह	३२	५४	कौ	१९	३१	१९	३२	२८	१३	१०	३	मीने	प्रदोषः [Aप्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
१४	श	३६	३५	रे	१३	३	व	२२	४७	ग	१०	५७	१६	३३	२७	१४	११	४	मे. १३	ग.३६।३५उ.विशा.शुक्रः२८वैकुंठ१४
१५	र	२८	६	अ	१४	५३	सि	१२	४०	वि	२	२०	१२	३४	२६	१५	१२	५	मेषे	भ.२।२०या. मन्वादिः का. स्ना. पू.

२९पं.का.शु.४ बृ.इ. ५७/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	६	६	३	१०	६
९	८	१	२९	९	२९	२९	८
२९	१८	५	५३	१९	४४	११	५८
४२	५८	२	३८	१९	५३	३४	११
५९	४०	९	१३	७४	४	३	६०
४७	४६	००	२०	३८	५	११	२

गोचर ग्रहाः

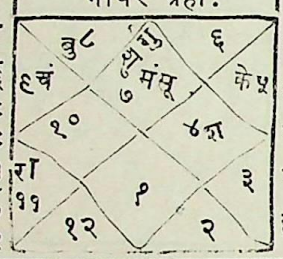

इस मास में प्रजा में दारुण दुःख फैले धातु सोना चांदी ताम्बा रस धान्य में तेजी रहे रुई में मन्दी होवे।

गोचर ग्रहाः

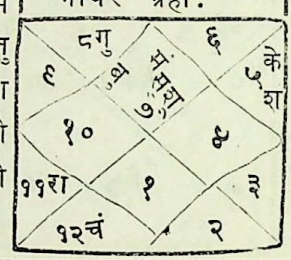

३० पं.का.शु.११ बृ.इ. ५७/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	७	६	४	१०	६
१६	१३	२९	१	१८	०	२८	१५
२९	३	३	२४	६	११	४९	५९
२८	५८	४३	३२	०	४२	१८	१५
६०	४०	५९	१३	७४	३	३	६०
४	५६	व.	२६	३८	३१	११	१८

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा

१	चं	२०	१९	कृ	५४	३६	व्य	३०	५१	कौ	२०	१९	२७	६	५	१५	१३	६	वृ.१३।३७	विशा. रविः२७।४० (सौरः५६।५१)
२	मं	१३	५६	रो	५०	४१	प	४६	२६	ग	१३	५६	५	३५	२५	१६	१४	७	वृषे	भ.४१।४उ.
३	बु	९	७	मृ	४८	३७	शि	३९	५२	वि	९	७	२	३६	२४	१७	१५	८	मि. १९	भ.९।७या.चतुर्थी व्र.
४	गु	६	१९	आ	४८	४७	सि	३५	५	बा	६	१९	२६	३६	२४	१८	१६	९	मिथुने	
५	शु	५	३७	पु	५०	४७	सा	३२	४	तै	५	३७	५५	३७	२३	१९	१७	१०	क. ५५	वक्री स्वात्यां बुधः ३३ अस्तं गुरोः १९।१२
६	श	७	८	पु	५५	१०	शु	३०	५	व	७	८	५२	३८	२२	२०	१८	११	कर्के	भ.७।८उ.३८।५६या.अनु.१गुरुः४०।२५
७	र	१०	४३	श्ले	६०	०	शु	३०	३७	व	१०	४३	४९	३८	२२	२१	१९	१२	कर्के	वृश्चिके शुक्रः२७।३७
८	चं	१६	३६	श्ले	०	३४	ब्र	३१	४०	कौ	१६	३६	४५	३९	२१	२२	२०	१३	सिं. ३०	विशा. भौमः४।७
९	मं	२१	४३	म	७	४६	ऐं	३२	४६	ग	२१	४३	४२	४०	२०	२३	२१	१४	सिंहे	भ.५४।५४उ.
१०	बु	२८	५	पू	१५	१	वै	३५	५८	वि	२८	५	३९	४०	२०	२४	२२	१५	कं. ३१।५८	भ.२८।५या. अनु. शुक्रः ४।२२बुघोदयः÷
११	गु	३४	३५	उ	२२	४७	वि	३८	२४	व	१	२०	२६	४१	१९	२५	२३	१६	कन्यायां	वृश्चिकेऽर्कः २३ (सौरः ५१) उत्पत्ति११व्र.
१२	शु	४०	४३	ह	३०	५९	प्री	४०	२६	कौ	७	३९	३३	४१	१९	२६	२४	१७	कन्यायां	[÷पूर्वस्यां४।५७
१३	श	४६	८	चि	३६	५३	आ	४२	१	ग	१३	२५	३०	४२	१८	२७	२५	१८	तु. ३।५६	भ.४६।८उ.मार्गी बुधः१५।९प्रदोषः
१४	र	५०	८	स्वा	४२	४३	सौ	४२	५६	वि	१८	८	२७	४३	१७	२८	२६	१९	तुलायां	भ.१८।८या.अनु.रविः४२।५
१५	च	५३	१९	वि	४७	१८	शो	४२	४०	च	२१	४४	२५	४३	१७	२९	२७	२०	वृ. ३१	अनु.रविः सौरः७।५६

३१पं.मा.कृ.४ बृ.इ. ५७/

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	७	६	४	१०	६
२३	१७	२१	२	२६	०	२८	२३
३०	५१	१	५६	५३	३४	२७	०१
५०	५४	५९	४६	२	५	३	५०
६०	४१	४३	१३	७४	२	३	६०
१७	६	व.	३२	३२	४४	११	३०

गोचर ग्रहाः

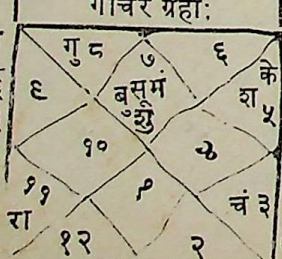

मार्ग शीर्ष कृष्णे ११ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

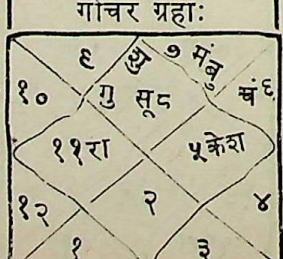

३२ पं.मा.कृ.११ बृ.इ. ५६/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	७	७	४	१०	७
०	२२	१५	४	५	०	२८	०
३३	४०	१७	२९	३९	५१	४	५
२९	५२	५६	४६	४७	५८	४८	५३
६०	४१	१२	१३	७४	२	३	६०
३०	१०	व.	३८	३२	३	११	४०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गणः ५३४३ स. २००६
१	मं ५५ २ अ ५० ३७ अ ४१ ३७ किं २४ १०	२६	४४	१६	३०	२८	२१	वृश्चिके	[×६।४६ उदयं गुरोः ४३।१२ दत्तजयंती
२	बु ५५ ३७ ज्ये ५२ ५३ सु ३९ ३६ बा २५ १९	१९	४४	१६	१	२९	२२	ध.५२।५३	चंद्रदर्शनम् भा. मार्गशीर्षारंभः
३	गु ५५ १६ मू ५४ ८ धृ ३६ ४५ तै २४ ३२	१७	४५	१५	२	१	२३	धनुषि	जिल्काद ११
४	शु ५३ ५० पू ५४ २२ शू ३२ ५८ व २२ ४५	१४	४५	१५	३	२	२४	धनुषि	भ.२२।४५उ.५३।५०या.
५	श ५१ ४१ उ ५३ ५० गं २८ ४४ ब २० ६	१२	४६	१४	४	३	२५	म.९।१४	ज्येष्ठा. शुक्रः ४३।३४
६	र ४८ ३२ श्र ५२ २९ बृ २३ ५० कौ १६ १४	९	४६	१४	५	४	२६	मकरे	विशा.बुधः२४।२अनु.२गुरु३९।१४चंपा६
७	चं ४४ ५६ ध ५० २६ धु १८ ८ ग १२ ३५	७	४७	१३	६	५	२७	कुं २१।२७	भ.४४।५६उ.वृश्चिके भौमः२६।४२
८	मं ४० २५ श ४७ ४३ व्या ११ ५३ वि ७ ५२	५	४७	१३	७	६	२८	कुम्भे	भ.७।५२या.शुक्रोदयः पश्चिमायाम् १९/२
९	बु ३५ २० पू ४४ १३ ह २५ ५३ बा २ २६	२	४८	१२	८	७	२९	मी.३०।६	
१०	गु २९ ३४ उ ४० १ सि ४९ ४३ ग २९ ३४	०	४८	१२	९	८	३०	मीने	भ.५६।२०उ. [+११व्र. गीता जयंती
११	शु २३ ७ रे ३५ १९ व्य ४१ १३ वि २३ ७	२५	४८	१२	१०	९	१	मे.३५।१९	भ.२३।७या.दिसम्बर १२ता. ३१मोक्षदा+
१२	श १६ १८ अ ३० १६ व ३२ ४० बा १६ १८	५६	४९	११	११	१०	२	मेषे	ज्येष्ठा.रविः५२।१२अनु. भौमः १/२ प्रदोषः
१३	र ९ २८ भ २५ ६ प २४ ४ तै ९ २८	५४	४९	११	१२	११	३	बृ.३८।५७	ज्येष्ठा.रविः सौरः १५।५०
१४	चं २ ४७ कृ २० ३२ शि १५ ४३ व २ ४७	५३	४९	११	१३	१२	४	वृषे	भ.२।४७उ. ३०।२९या. वृश्चिके बुधः×
१५	चं ५४ २४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							०	

३३पं.मा.शु.३बृ.इ.५६।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	७	७	४	१०	७
७	२७	१७	६	१४	१	२७	७
३७	३१	४९	३	२७	३	४२	११
२६	३४	४१	४	१३	५४	३२	२६
६०	४१	५३	१३	७४	१	३	६०
४२	२०	मा.	३८	३२	२२	११	५३

गोचर ग्रहाः

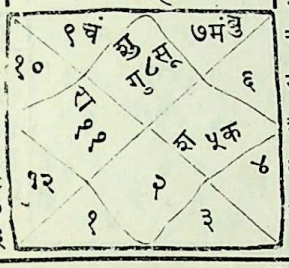

इस मास में बुध का चन्द्र दर्शन चांदी रुई स्वर्ण सण तिल आदि पदार्थों में मंदी करे धान्य व रस में मंदी होकर तेजी रहे

गोचर ग्रहाः

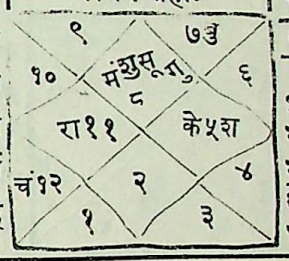

३४पं.मा.शु.१० बृ.इ.५६/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	७	७	४	१०	७
१४	२	२५	७	२३	१	२७	१४
४२	२५	५४	३६	१४	१०	२०	१८
४०	४१	०	५४	२०	५९	१६	१२
६०	४१	७७	१२	७४	०	३	६१
५०	४०	३४	३६	३२	४१	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	मं ५२ १६ रो १६ ४७ सि ७ ५९ बा २४ ४३	२५	५०	१०	१४	१३	५	मि४५।३४	
२	बु ४९ १९ मृ १४ १४ सा १/१४ ५४ तै २० ५३	४९	५०	१०	१५	१४	६	मिथुने	अनु. बुधः२०।६मूले धनुषिशुक्रः१८।२१+
३	शु ४७ ५९ आ १३ ११ शु ५१ २८ व १८ ३९	४८	५०	१०	१६	१५	७	क.५८।४९	भ.१८।३९उ.४७।५९या.
४	शु ४८ ४० पु १४ १ ब्र ४९ ८ ब १८ २०	४६	५१	९	१७	१६	८	कर्के	चतुर्थी व्र. [+वक्री शनिः२१।११
५	श ५१ १६ पु १६ ५४ ऐं ४८ १ कौ १९ ५६	४५	५१	९	१८	१७	९	कर्के	
६	र ५५ ४० श्ले २१ ३७ वै ४८ ४ ग २३ २८	४४	५१	९	१९	१८	१०	सिं२१।३७	भ.५५।४०उ.
७	चं ६० ० म २७ ४० वि ४९ ३२ वि २८ २९	४३	५१	९	२०	१९	११	सिंहें	भ.२८।२९या.अनु.३गुरुः४८।५८
७	मं ११९ पू ३४ ३२ प्री ५१ १४ ब ११९	४२	५२	८	२१	२०	१२	क.५१।२९	[×ज्येष्ठा. बुधः१४।५४
८	बु ७ ३८ उ ४२ १५ आ ५३ ३० कौ ७ ३८	४१	५२	८	२२	२१	१३	कन्यायां	पूभा. २ राहुः पूफा.४केतुः३५।५९
९	गु १४ ६ ह ४९ ४९ सौ ५५ ३७ ग १४ ६	४०	५२	८	२३	२२	१४	कन्यायां	भ.४७।१३उ.बुधास्तः पूर्वस्यां २८।१४
१०	शु २० २१ चि ५६ ५१ शो ५७ २८ वि २० २१	३९	५२	८	२४	२३	१५	तु.२३।२०	भ. २०।२१ या. मूले धनुष्यर्कः ५९।२७×
११	श २५ ४४ स्वा ६० ० अ ५८ २७ बा २५ ४४	३९	५२	८	२५	२४	१६	तुलायां	मूले धनुष्यर्कः सौरः १९।४० पूषा. शुक्रः÷
१२	र २९ ४९ स्वा २ ४९ सु ५८ १५ तै २९ ४९	३८	५२	८	२६	२५	१७	वृ.५१।११	[÷५७।४४ उदयो भौमः ४८/९ सफला ११व्र.
१३	चं ३२ ३४ वि ७ १८ धृ ५७ २ ग १ ११	३८	५२	८	२७	२६	१८	वृश्चिके	भ.३२।३४उ. प्रदोषः
१४	मं ३३ ३२ अ १० ३२ शू ५४ ४१ वि ३ २	३७	५३	७	२८	२७	१९	वृश्चिके	भ.३।२ या.
३०	बु ३३ २० ज्ये १२ १३ गं ५० ५४ च ३ २६	३७	५३	७	२९	२८	२०	ध.१२।१३	

३५पं.पौ.कृ.३बृ.इ.५६।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	८	४	१०	७
२१	७	५	९	२	१	२६	२१
४८	२१	४१	९	१	१२	५८	२५
४३	२५	१७	३२	३०	२५	०	५५
६०	४१	८८	१३	७४	१/२	३	६१
५६	४४	८	३२	२६	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

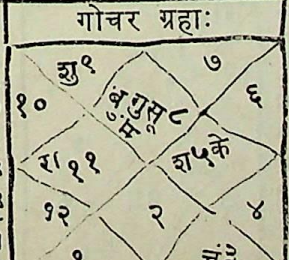

पौष कृष्णे १०शुक्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.२न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

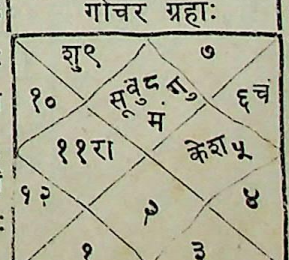

३६पं.पौ.कृ.९बृ.इ.५६।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	८	४	१०	७
२८	१२	१६	१०	१०	१	२६	२८
५५	१९	१०	४१	४९	८	३५	३४
३७	५	४१	३५	१	३८	४५	३७
६१	४१	९३	१३	७४	५/३	३	६१
०	५४	२८	२०	२८	व.	११	१९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५३७३स.२००६
१	गु ३१ २५ मू १२ ३१ बृ ४६ १३ किं २ २२	२५	५६	७	३०	२६	२१	धनुषि	ज्येष्ठा. भौमः०।१३
२	शु २८ ३३ पू ११ ३२ ध्रु ४० ५३ कौ २८ ३३	३६	५३	७	१	३०	२२	म.२६।७	चंद्रदर्शनम् भा. पौषारंभः
३	श २५ २ उ ९ ५० व्या ३४ ४७ ग २५ २	३६	५३	७	२	१	२३	मकरे	भ.५२।५२ उ.मूले धनुषि बुधः५१।३३=
४	र २० ४३ श्र ७ १४ ह २८ ९ वि २० ४३	३६	५३	७	३	२	२४	कुं.३५।५५	भ.२०।४३या. [=जिल्हेज १२
५	चं १६ १६ ध ४ ३६ व २१ ३२ बा १६ १६	३७	५३	७	४	३	२५	कुंभे	
६	मं ११ २६ श ३० ५६ सि १४ ३९ तै ११ २६	३७	५३	७	५	४	२६	मी. ४४ ५३	
७	बु ६ ३८ उ ५५ ५ व्य ७ ३६ ब ६ ३८	३७	५३	७	६	५	२७	मीने	भ. ६।३८ उ.३४।९ या. उषा. शुक्रः×
८	गु १ ४० र ५१ ३६ व २५ ५३ ब १ ४०	३८	५२	८	७	६	२८	मे.५१।३६	[×३२।३४अनु.४गुरुः१९।५६
९	गु ५४ ५७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	शु ५१ ३० अ ४८ १० शि ४७ ४४ तै २४ ४	३८	५२	८	८	७	२९	मेषे	पूषा. रविः४।२७ (सौरः२१।१८)
११	श ४६ २४ भ ४४ ५० सि ३८ ४४ व १८ ५७	३९	५२	८	९	८	३०	वृ.५९।४	भ. १८।५७ उ.४६।२४या. मकरे शुक्रः÷
१२	र ४१ ६० कृ ४१ ४४ सा ३१ ५१ ब १४ २	४०	५२	८	१०	९	३१	वृषे	[÷१४।०पुत्रदा११व्र.
१३	चं ३७ २४ रो ३९ १७ शु २५ १० कौ ९ ३२	४१	५२	८	११	१०	१	वृषे	पूषा. बुधः १५।१७ जनवरी १ ता.३१+
१४	मं ३४ ४ मृ ३७ २३ शु १९ १० ग ५ ४४	४२	५२	८	१२	११	२	मि.८।२०	भ ३२।५४उ. [+सन्२००७प्रदोषः
१५	बु ३१ ४५ आ ३६ ४६ व्र १४ १ वि २ ५५	४३	५१	९	१३	१२	३	मिथुने	भ.२।५५या.मा. स्ना. प्रा.

३७पं.पौ.शु १ बृ इ.५५ ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	७	८	४	१०	८
६	१७	२६	१२	१९	०	२६	५
३	१८	५३	१२	३५	५८	१३	४४
१४	५८	४६	०	५३	४८	२९	०३
६१	४१	९६	१३	७४	४०	३	६१
४	५८	२९	१४	२६	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

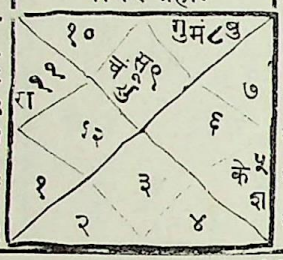

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ मक्का जुवार चावल गेहूं सोना चांदी रुई घृत तेज होवे शीत का प्रकोप रहे।

गोचर ग्रहाः

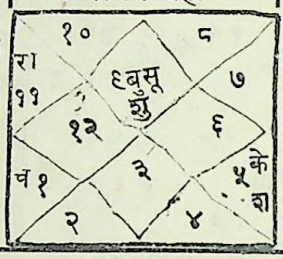

३८पं.पौ.शु.८ बृ.इ ५५ ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	७	८	४	१०	८
१३	२२	७	१३	२८	०	२५	१२
११	२०	४९	४०	२३	४४	५१	५३
१३	५३	१६	३०	६	१०	१४	५५
६१	४२	९९	१२	७४	१६	३	६१
६	२	२५	५०	२०	व.	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	गु ३० ४६ पु ३७ ३५ ऐं १० ४ बा १ १६	२५	५६	९	१४	१३	४	कं.२२।२३	
२	शु ३१ २८ पु ३९ ४० वै ७ १ तै १ ६	४४	५१	९	१५	१४	५	कर्के	[÷कर्के आश्ले.४शनिः५६।१३
३	श ३३ ५३ श्ले ४३ ४१ वि ५ ३१ व २ ४१	४७	५१	९	१६	१५	६	मि. ४३ ४१	भ.२।४१उ.३३।५३या.
४	र ३७ ३७ म ४८ ३२ प्री ४ ४९ ब ५ ४८	४८	५०	१०	१७	१६	७	सिंहे	श्रवणे शुक्रः १३।२चतुर्थी व्र.
५	चं ४२ ५८ पू ५५ ४२ आ ५ ३४ कौ १० १८	५०	५०	१०	१८	१७	८	सिंहे	मूले धनुषिभौमः २३।४९
६	मं ४८ ५५ उ ६० ० सौ ७ ३ ग १५ २७	५२	५०	१०	१९	१८	९	क.१२।३२	भः४८।५५उ.उषा.बुधः४२।३१
७	बु ५५ २४ उ ३ २ शो ९ ६ वि २२ ११	५३	४९	११	२०	१९	१०	कन्यायां	भ.२२।११या.
८	गु ६० ० ह १० ३१ अ ११ २५ बा २८ ४०	५५	४९	११	२१	२०	११	तु.४४।१३	उषा. रविः९।१२ (सौरः२२।४५) वक्री÷
८	शु १ ५६ चि १७ ३१ सु १३ १८ कौ १ ५६	५७	४९	११	२२	२१	१२	तुलायां	मकरे बुधः४०।३ज्येष्ठा.१गुरुः४७।४८
९	श ७ ३७ स्वा २४ २३ धृ १४ ४७ ग ७ ३७	५९	४८	१२	२३	२२	१३	तुलायां	भ.३९।४९उ.
१०	र १२ १ वि ३० ३८ शू १५ १४ वि १२ १	२६	४८	१२	२४	२३	१४	वृ. १३ ४७	भ.१२।१या.मकरेऽर्कः (सौरः३८।१२)
११	चं १५ ४ अ ३३ २९ गं १४ ३१ बा १५ ४	४	४७	१३	२५	२४	१५	वृश्चिके	षट् तिला११व्र.
१२	मं १९ २ ज्ये ३५ १४ बृ १२ १७ तै १६ २	६	४७	१३	२६	२५	१६	ध.३५।१४	प्रदोषः
१३	बु १५ २३ मू ३५ २० ध्रु ८ ४४ व १५ २३	८	४६	१४	२७	२६	१७	धनुषि	भ.१५।२३ उ.४४।८ या. श्रवण बुधः+
१४	गु १२ ५२ पू ३३ ४७ व्या ४९ ५३ श १२ ५२	११	४६	१४	२८	२७	१८	म.४८।५	[+३८।३धनि. शुक्रः५०।०
२०	शु ८ ४९ उ ३० ५९ व ५० १९ ना ८ ४९	१३	४५	१५	२९	२८	१९	मकरे	

३९पं.मा कृ.१ बृ.इः ५५ ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	७	९	४	१०	८
२०	२७	१८	१५	७	०	२५	२०
१९	२४	५८	६	१०	२४	२८	३
२६	४७	५९	५०	५	१४	५८	५२
६१	४२	०	१२	७४	५३	३	६१
६	२३	३४	२०	१४	व.	११	२६

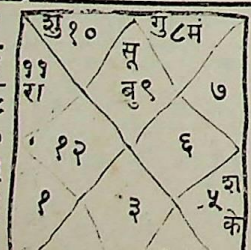

४०पं.मा.कृ.८ बृ.इ.५५।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	७	९	४	१०	८
२७	२	०	१६	१५	०	२५	२७
२७	३०	२६	२९	५५	०	६	१३
२२	३२	३४	२८	४८	२	४२	४४
६१	४२	०	१२	७४	३८	३	६१
६	३८	९	३	८	व.	११	२४

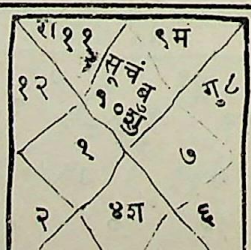

४१पं. मा.कृ. १४ बृ. इ. ५५ ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	७	९	३	१०	९
४	७	१२	१७	२४	२९	२४	४
३५	३९	१४	४९	४०	३२	४४	२३
१३	४	३८	१६	५९	५३	२७	१३
६१	४२	०	११	७४	५८	३	६१
३	४६	९	२४	२	व.	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श	३	३८	अ	२७	७	सि	४२	२४	ब	३	८	२६	६	५५	कुं.५४।५२
२	श	५३	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	र	५१	२१	ध	२२	३८	व्य	३४	३०	ते	२४	२९	१९	४४	१६	१
४	चं	४४	५४	श	१७	५८	व	२५	५६	व	१८	८	२१	४४	१६	२
५	मं	३८	५६	षू	१३	२३	प	१७	५५	ब	११	५५	२४	४३	१७	३
६	बु	३३	६	उ	९	१६	शि	१०	६	कौ	६	१	२७	४३	१७	४
७	गु	२७	५६	रे	५	३१	सि	३४	५२	ग	०	३१	२९	४२	१८	५
८	शु	२३	८	अ	१५	२४	शु	४८	४६	ब	२३	८	२३	४२	१८	६
९	श	१९	३	कृ	५७	४६	शु	४१	४१	कौ	१९	३	२५	४१	१९	७
१०	र	१५	३६	रो	५६	२६	ब्र	३७	१४	ग	१५	३६	२८	४०	२०	८
११	चं	१२	५९	मृ	५५	५२	ऐं	३२	२६	वि	१२	५९	२१	४०	२०	९
१२	मं	१०	५९	आ	५६	१६	वै	२८	१७	ना	१०	५९	४५	३९	२१	१०
१३	बु	१०	२	पु	५७	५८	वि	२४	५६	तै	१०	२	४८	३८	२२	११
१४	गु	१०	११	पु	६०	०	प्री	२२	२५	व	१०	११	५१	३८	२२	१२
१५	शु	११	३७	पु	०	३५	आ	२१	२१	ब	११	३७	५४	३७	२३	१३

चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४०३स. २००७
कुं.५४।५२	अभि प्र.रविः ५८।६चंद्रदर्शनम्
०	[Bमोहोरम १सन् १४२८हि.
कुंभे	अभि. प्र.रविः सौरः९।३३भा.माघारंभः B
मी.५९।३२	भ.१८।८उ.४४।५४या.
मीने	कुंभे शुक्रः९।४वसंत५ [÷२१भीष्माष्टमी
मीने	श्रवणे रविः१४।४३(सौरः२५।२९)
मे. ५।३१	भ.२७।५६उ.५५।३२या.अभि.नि.रविः×
मेषे	पूषा.भौमः३९।२७बुधोदयः पश्चिमायां+
वृ.१४।१०	[+३९।२७ पातस्पर्शः ९।७ पातमोक्षः÷
वृषे	भ.४४।१७उ.शते शुक्रः३३।४१
मि.२६।९	भ.१२।५९या. कुंभे बुधः१९जया११व्र.
मिथुने	प्रदोषः [×५८(सौरः४६)घनि.बुधः A
कं.४२।३२	ज्येष्ठा.२गुरुः२०।३५ [A२४भानु७रथ७
कर्के	भ.१०।११उ.४०।५४या.फर्वरी२ता.२८
कर्के	शते बुधः३७।४६मा. स्ना. पूर्ति;

४२ पं.मा. शु ७ बृ. इ. ५५/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	७	१०	३	१०	९
११	१२	२४	१९	३	२९	२४	११
४२	४८	१२	४	२५	२	२२	३२
४०	३६	४०	४८	१९	१०	११	४
६०	४३	९०	१०	७३	१९/४८	३	६१
५९	३	८	५०	५६	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे १० रवौ
मकरेऽर्कः प्रविष्टः
वा.३न.२ बालावस्था
(बैठी) मु. ४५
धान्यादि भावे
समर्घता शुक्रोदयः
पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

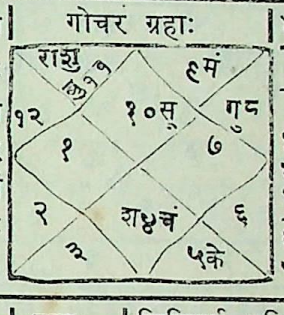

४३ पं.मा.शु. १४बृ.इ. ५५/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	७	१०	३	१०	९
१८	१८	५	२०	१२	२८	२३	१८
४९	०	३६	१५	८	२९	५९	४०
१६	१	१४	५४	१३	२०	५६	९
६०	४३	९०	१०	७३	३४	३	६१
५५	८	५८	१५०	व.	११	१	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं २०६३ शाकः १९२८									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श	१४	२५	श्ले	४	३१	सौ	२०	३६	कौ	१४	२५	२६	३६	२४	१४	१४	३
२	र	१८	२२	म	९	३५	शो	२१	४	ग	१८	२२	२७	३६	२४	१५	१५	४
३	चं	२३	३५	षू	१५	५२	अ	२२	१८	वि	२३	३५	५	३५	२५	१६	१६	५
४	मं	२९	१९	उ	२२	५०	सु	२४	१०	बा	२९	१९	८	३४	२६	१७	१७	६
५	बु	३५	४१	ह	३०	२३	धृ	२६	२५	कौ	२	३०	१२	३४	२६	१८	१८	७
६	गु	४२	२१	चि	३७	५६	शू	२८	३७	ग	९	१	१५	३३	२७	१९	१९	८
७	शु	४८	२५	स्वा	४५	१८	गं	३०	४६	वि	१५	२३	१९	३२	२८	२०	२०	९
८	श	५३	२५	वि	५१	२६	बृ	३१	५५	बा	२०	५५	२३	३१	२९	२१	२१	१०
९	र	५७	८	अ	५६	१३	ध्रु	३२	८	तै	२५	१७	२७	३१	२९	२२	२२	११
१०	चं	५८	५५	ज्ये	५९	७	व्या	३०	५९	व	२८	२	३०	३०	३०	२३	२३	१२
११	मं	५८	४१	मू	६०	०	ह	२८	१७	ब	२८	४८	३६	२९	३१	२४	२४	१३
१२	बु	५६	२६	मू	१७	५६	व	२४	१२	कौ	२७	३४	३८	२८	३२	२५	२५	१४
१३	गु	५२	२२	उ	५६	३२	सि	१८	१७	ग	२४	२४	४१	२८	३२	२६	२६	१५
१४	शु	४६	२७	श्र	५२	८	व्य	११	४	वि	१९	२४	४५	२७	३३	२७	२७	१६
२०	श	३९	१४	ध	४६	४४	व	३९/२५०	४७	च	१२	५१	४९	२६	३४	२८	२८	१७

चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाः
सिं. ४।३१	
सिंहे	भ.५०।५८उ.
कं.३२।३६	भ.२३।३५या.चतुर्थी व्र.
कन्यायां	धनि.रविः२३।१(सौरः३१।१९)
कन्यायां	[+पातस्पर्शः३१।५६पातमोक्षः४४।१९
तु ४।९	भ. ४२।२१ उ. पूभा. शुक्रः १५।४५+
तुलायां	भ.१५।२३या.
वृ.३४।२४	[=२९।३१विजया११व्र.वै
वृश्चिके	[×विजया११व्र.स्मा.
ध.५९।७	भ.२८।२उ.५८।५५या.कुंभेऽर्कः५८।१७
धनुषि.	कुंभेऽर्कः सौरः५।१७उषा.भौमः२७।४१×
धनुषि	वक्री बुधः३।१७पूभा.१राहुःपूफा.३केतुः=
म.१३।३४	भ.५२।२२उ. प्रदोषः
मकरे	भ.१९।२४या. मीने शुक्रः १७बुधास्तः A
कुं.१९।२६	[Aपश्चिमायां १५/३४ महाशिवरात्रि व्र.

४४ पं.फा.कृ. ९ बृ.इ. ५५/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	७	१०	३	१०	९
२५	२३	१४	२१	२०	२७	२३	२५
५५	१३	६	२१	४९	५५	३७	४६
१	५२	१८	११	२६	४४	४०	५६
६०	४३	५५	९	७३	४०	३	६०
४७	१९	४७	१९	४४	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

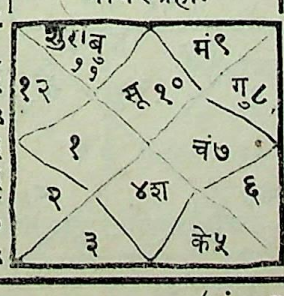

फाल्गुन कृष्णे १०चंद्रे
कुंभेऽर्कः वा. २ न. ३
वृद्धावस्था (बैठी)
मु.१५ धान्यादि भावे
समर्घता शुक्रोदयः
पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

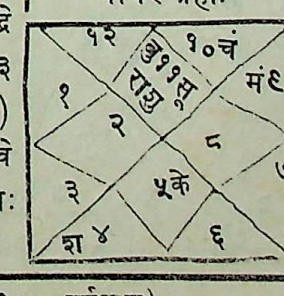

४५ पं.फा. कृ.१३बृ. इ. ५६/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	७	१०	३	१०	१०
२	२८	१५	२२	२९	२७	२३	२
५९	२८	५५	२१	२९	२०	१५	५२
४९	५	५९	२२	१०	४९	२४	५९
६०	४३	३०	८	७३	४०	३	६०
३७	४४	व.	२८	३२	व.	११	४२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्गणः ५४ स.२००७
१	र	३१	२१	श	४०	२३	शि	४३	४५	किं	५	१८	२७ ५३	६ २	३५ ५	२९	२९	१८	कुंभे	उभा.शुक्रः४८।४२मकरे भौमः५।४
२	चं	२३	९	पू	३४	४	सि	३३	५३	कौ	२३	९	५६	२५	३५	३०	३०	१९	मी. ३९	शते रविः ३४ (सौरः ४९) चंद्रदर्शनम्+
३	मं	१५	९	उ	२७	५५	सा	२४	१९	ग	१५	९	२८	२४	३६	१	१	२०	मीने	भ.४१।२२उ. भा. फाल्गुनारंभः सफर २
४	बु	७	३५	रे	२२	२८	शु	१९	१७	वि	७	३५	४	२३	३७	२	२	२१	मे.२२।२८	भ. ७ या.पातस्पर्शः६।५५पातमोक्षः १९ १०
५	गु	०	४०	अ	१७	४९	शु	५९	५२ ३४	बा	०	४०	८	२२	३८	३	३	२२	मेषे	[=श्रवणे भौमः१६।४१ होलिकादहनं
६	शु	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	शु	५०	४	भ	१४	८	ऐं	५३	५	ग	२२	२८	१२	२२	३८	४	४	२३	वृ. ३६	भ.५०।४उ.ज्येष्ठा. ३ गुरुः ३७।३४
८	श	४६	३२	कृ	११	३९	वै	४७	३०	वि	१८	१८	१६	२१	३९	५	५	२४	वृषे	भ. १८।१८ या. वक्री आश्ले. ३ शनिः×
९	र	४४	२०	रो	१०	३७	वि	४२	५९	बा	१५	२६	२०	२०	४०	६	६	२५	मि. ४७	[×४२।२२होलाष्टकम्
१०	चं	४३	१८	मृ	१०	३७	प्री	३९	३१	तै	१३	४९	२४	१९	४१	७	७	२६	मिथुने	वक्री धनि.बुधः०।३८ [+फुलरिया२
११	मं	४३	२५	आ	११	४४	आ	३६	५२	व	१३	२२	२८	१८	४२	८	८	२७	क ५८।३५	भ.१३।२२उ.४३।२५या. आमलकी११व्र.
१२	बु	४४	४३	पु	१४	१२	सौ	३५	१९	ब	१४	५	३२	१८	४२	९	९	२८	कर्के	[÷३९।२३ मार्च ३ ता.३१प्रदोषः
१३	गु	४७	८	पु	१७	४७	शो	३४	४४	कौ	१५	५५	३६	१७	४३	१०	१०	१	कर्के	रेवत्यां शुक्रः ५४।४७ बुधोदयः पूर्वस्यां÷
१४	शु	५०	४०	श्ले	२१	८	अ	३४	२३	ग	१८	५४	४०	१६	४४	११	११	२	सिं. २१।८	भ.५०।४०उ.
१५	श	५५	५	म	२७	२८	सु	३५	४	वि	२२	५३	४४	१५	४५	१२	१२	३	सिंहे	भ. २२।५३ या. खग्रास चंद्रग्रहणम्=

४६पं.फा.शु.५बृ.इ.५६।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	७	११	३	१०	१०
१०	३	१०	२३	८	२६	२२	९
३	४४	२७	१५	७	४७	५३	५७
२२	२८	१४	०	८	५३	९	३२
६०	४३	७४	७	७३	२४	३	६०
२५	५०	व:	१८	२०	व.	११	३१

ग्रोचर ग्रहाः

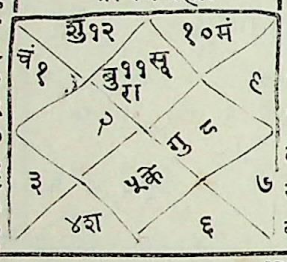

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धातु लोहा सोना चांदी रुई रंग धान्य तेज होवे खेती में नुकसान हो प्रजा में क्लेश रहे।

ग्रोचर ग्रहाः

४७पं.फा.शु.१३.बृ.इ. ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	७	११	३	१०	१०
१७	९	३	२४	१६	२६	२२	१७
५	१	३४	१	४२	१५	३०	०
३५	३०	८	४८	२५	५४	५३	२५
६०	४३	४९	६	७३	१०	३	६०
१२	५५	व.	२०	१३	व.	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८									दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा०
१	र	६०	०	पू	३४	५१	धृ	३६	३०	बा	२७	४६	२८	१४ ६	४९ ५	१३	१३	४	कं.५१।२६	पूभा.रविः ५९ (सौरः ५५ २६) वसंत१ छारेंडी
१	चं	०	२७	उ	४१	११	शू	३८	२२	कौ	०	२७	५२	१४	४६	१४	१४	५	कन्यायां	[+५१।३२ (सौरः५५।४७)
२	मं	६	२५	ह	४८	१४	गं	४०	३९	ग	६	२५	५६	१३	४७	१५	१५	६	कन्यायां	भ.३९।३३उ.पातस्पर्शः ५ ६ पातमोक्षः ५७
३	बु	१२	४१	चि	५५	३७	बृ	४३	०	वि	१२	४१	२९ ६	१२	४८	१६	१६	७	तु.२१।५५	भ.१२।४१या.चतुर्थी व्र.
४	गु	१९	२५	स्वा	६०	०	ध्रु	४५	१३	बा	१९	२५	५	११	४९	१७	१७	८	तुलायां	[÷नवरात्रारंभः
५	शु	२५	१७	स्वा	३	२२	व्या	४७	६	तै	२५	१७	९	१०	५०	१८	१८	९	वृ.५३।२८	मार्गी बुधः३०।२६
६	श	३०	४४	वि	१०	१०	ह	४८	११	व	३०	४४	१३	९	५१	१९	१९	१०	वृश्चिके	भ.३०।४४उ.
७	र	३५	८	अ	१६	२	व	४८	११	वि	२	५६	१७	९	५१	२०	२०	११	वृश्चिके	भ.२।५६या.
८	चं	३७	४७	ज्ये	२०	२४	सि	४६	५९	बा	६	२८	२१	८	५२	२१	२१	१२	ध.२०।२४	अश्वि.मेषे शुक्रः५१।४५ शीतलापूजनम्
९	मं	३८	४९	मृ	२३	४	व्य	४४	४	तै	८	१८	२६	७	५३	२२	२२	१३	धनुषि	
१०	बु	३७	३८	पू	२३	४०	व	३९	४९	व	८	१५	३०	६	५४	२३	२३	१४	म.३८।२०	भ. ८।१५ उ. ३७।३८या. मीनेऽर्कः+
११	गु	३४	३४	उ	२२	२०	प	३३	४०	ब	६	६	३४	५	५५	२४	२४	१५	मकरे	पापमोचनी११ व्र.
१२	शु	२९	१७	श्र	१९	५०	शि	२६	४	कौ	१	५५	३८	४	५६	२५	२५	१६	कुं.४६।५५	प्रदोषः
१३	श	२२	२६	ध	१४	१	सि	१७	१०	व	२२	२६	४३	३	५७	२६	२६	१७	कुंभे	भ.२२।२६उ.४८।२०या.
१४	र	१४	१३	श	७	४२	सा	२८	७ ४९ २७	श	१४	१३	४७	३	५७	२७	२७	१८	मी. ४७ ५०	उभा. रविः१२।३६ (सौरः१६।२३)
३०	चं	५	१	पू	१९	५३	शु	४६	७	ना	५	१	५१	२	५८	२८	२८	१९	मीने	सूर्यग्रहणम् मन्वादिः संवत्सरारंभः

४८पं.चै.कृ.४बृ. इ.५७।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	७	११	३	१०	१०
२४	१४	१	२४	२५	२५	२२	२४
६	२०	३५	४०	१५	४६	८	१
२२	४२	४३	४४	१८	४१	३८	४८
५९	४४	४४	५	७२	५३	३	६०
५८	१	व.	८	५३	व.	११	६

गोचर ग्रहाः

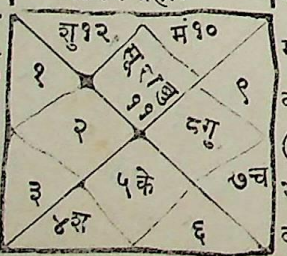

चैत्र कृष्णे १० बुधे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४९पं.चै.कृ.११बृ.इ. ५७ २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	७	०	३	१०	११
१	१९	४	२५	३	२५	२१	१
५	४०	२३	११	४४	२०	४६	१
३५	१२	३१	५६	४२	३१	२२	३०
५९	४४	३१	३	७२	२१	३	५९
४१	१	४१	५९	३४	व.	११	४९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०८ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०८ भोग्यकलिः ४२६८९२ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६४ शाकः १९२९ अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रः । मंत्री शनिः । सस्येशश्चन्द्रः । धान्येशो रविः । मेघेशः शुक्रः । रसेशोबुधः । नीरसेशश्चन्द्रः । फलेशः शुक्रः । धनेशश्चंद्रः । दुर्गेशःशुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णु-विंशतिकायां १४ शार्वरीनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमय गतमासादिः ११।२।३८।२४ भोग्यमासादिः ०।२७।२१।३६ पितृदैवतं युगम् । वर्षनाम ज्येष्ठः । मेघनाम द्रोणः । रोहिणीनिवासः समुद्रे । समयनिवासो मालाकार गृहे । समय विश्वा २०समयवाहनम् बृषभः स्तंभः १ जलस्य । सोमवत्यमाः नैव सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी १ भानुसप्तमी २ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १९ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९६ खपति विश्वा १०८ वर्षाविश्वा १५ धान्यम् ५ तृणम् १५ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम्१०५ सत्यम् ।। धर्मं १।। पापं १८ शनिदृष्टिः दक्षिणे ग्रहणं१ चंद्रमसः

सं. २०६४ माघशुक्ला १४ बुधवारको अर्द्धरात्रि पश्चात् पश्चिम प्रदेशोंमें ग्रस्ताऽस्त एवं खग्रास चंद्रग्रहण होगा। जहां चंद्रास्त रेल्वे ७।१४ पीछे होगा वहां यह ग्रहण दृश्य होगा। जयपुर राजस्थान में नही होगा। जहां नही दीखे वहां स्नान दानादि की आवश्यकता नही है। स्पर्श रेल्वे ७।१४ मोक्ष १०।४२

वर्षलग्नम् ०।१४

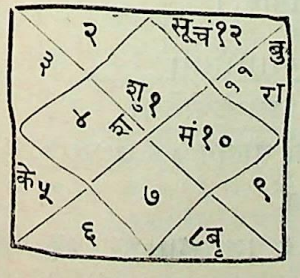

भैरव भवानी सम्वाद

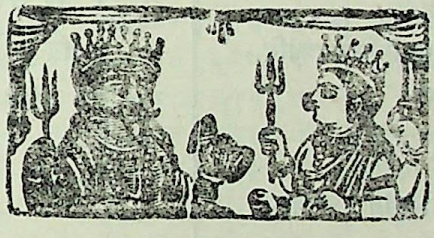

भैरव प्रश्न

सुणो मात जगदीश्वरी कह भैरव शिर नाय ।
चोसठ संवत् का मुझे सांचा भेद बताय ।।

भवानी उत्तर

सुनले भैरव ध्यानसे फल कहुं तोय समझाय ।
जल तृण की हो अधिकता संवत् चोंसठ मांय ।।
राजा शशि मंत्री शनि इनकी खोटी बान ।
आपसमें कर द्वेषता करें जगत् में हान ।।
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये सात अधिकार ।
रोहिणीवास समुद्रमें उत्तर इनका सार ।।
स्तंभ एक जलका हुआ समय जो विश्वा बीस ।
धर्म कर्म करते रहो रक्षक है जगदीश ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	२१	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् २।२९

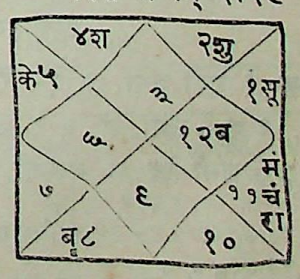

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५६।४०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणांफसम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रस्तत्फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानृपाणाम् ॥ मंत्रीशनिःफलम् ।। रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहुदुःखदाः। न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित्।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम्।। सस्याधिपेशीतकरे प्रजासुखं मेघःपयोमुञ्चति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यघनौघपूर्णा ।। धान्येशोरविःफलम् ।। पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घंज्वरपीडनम् । मेघेशःशुक्रस्तत्फलम् ।। भृगुसुतो जलदस्यपतिर्यदा जलमुचो जलदा दिविशोभनाः । धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनतासुखदायकाः ।। रसेशोबुधस्तत्फलम् ।। रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्यघृतादियुताजनाः । प्रमुदिता वरंनायकपालिता बहुजलाखिल देशसुरक्षिताः।। नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम्।। शुक्लवर्णादिवस्तूनां मुक्तारजतवाससाम् । अर्घवृद्धिःप्रजायेत शशांकेनीरसाधिपे । फलेशःशुक्रस्तत्फलम् ।। यदिफलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदुकुमारमहीरुहराशयः । बहुफला नरनाथसुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ।। धनेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। धनपतिर्मृगलांछनको यदा रसचयात्क्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालिसुगंध रसंबहुद्रविणतैलघृतं नृपसौख्यदम् ।। दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। नगरदेशविशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहुसौख्यकरो मतः । विनयवाणिजगेहसमःसुखो नगवने निकटेऽपिचदूरतः ।। शार्वरी नाम संवत्सरःफलम् ।। शार्वरीवत्सरे पूर्णा धरा सस्यार्घ वृष्टिभिः । जनाश्चसुखिनःसर्वे राजानःस्युर्विवैरिणः । वर्षनामज्येष्ठः फलम् ।। ज्येष्ठाः धर्ममार्गस्थाःपीडयन्तेसत्क्रियापराः । नचवर्षति वै देवो भवेत्सस्यविनाशनम् ॥ मेघनामद्रोणःफलम् ॥ द्रोणे वर्षति सर्वदा । रोहिणीनिवासः समुद्रे फलम् । समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समयनिवासो मालीगृहेफलम् ।। मालिनःप्रचुरा वृष्टिः ॥ एवं संचित्य दैवज्ञैःकथनीयंशुभाशुभम् ।।

संवत् २०६४ मध्ये विवाहमूहूर्ताः

वैशाखमासः ।

शु. २ गुरो रोहि. ल. १२ रे. ६।।ऽशु।।।।।।।शुक्रयुतिः
,, ५ शनौ मृगे ल. अन्यगो. रे. ६ऽ।।ऽ।ऽऽ।।
,, १० गुरौ मघा. ल. गो. रे. ७।ऽ।।।।ऽऽ।गणितेनक्रांति साम्याऽभावः

प्र. ज्यष्ठमासः ।

कृ. ४ रवौ मूले ल. गो.१२ रे.८।।।।ऽ।।ऽ।।मीने नृपपंचकः
,, ६ भौमे उषा. ल. अन्यगो. रे. ८।ऽ।।।।।।ऽदग्धा.

द्वि. ज्येष्ठमासः ।

शु. ८ शुक्रे हस्ते ल. १२ रे. ८ ।।।।।।।ऽ।ऽदग्धा.चं.७पू.
,, ८ शनौ हस्ते ल. अन्यगो. १२ रे. ६।।।।।।।ऽ।। मीनलग्न घ. ४७।३१या. चं.७पू.
,, १२ बुधे अनु. ल. अन्यगो. १२ रे. ७ऽऽ।।।ऽअ।।।।

आषाढमासः ।

कृ. १ रवौ उषा. ल. १२ रे. ६ ।।।।।ऽचो।।।।
,, ६ शुक्रे उभा. ल. २ रे. ७ऽ।।।।ऽअऽ।।।गु.७पूज्यः
,, ७ शनौ रेव. ल. अन्यगो. २ रे. ८।।।।।।।ऽ।ऽदग्धा.

कार्तिकमासः ।

शु. ११ बुधे रेव. ल. गो. ४ रे. ८ ।।।।ऽऽनृ३७या.।।।।
,, १५ शनौ रोहि. ल. ६ रे. ७ ।।।।ऽऽरो।ऽ।।

मार्गशीर्षमासः ।

कृ. १ रवौ मृगे ल. ४।६ रे. ७ऽ।।।।।ऽऽ।।
,, ८ रवौ उफा. ल. अन्यगो. ४।७ रे. ८।।।।।।ऽचो २८या.।ऽ।।
,, ६ चंद्रे उफा. ल. अन्यगो. रे. ७।।।।।ऽऽ।ऽदग्धा.
,, ६ चंद्रे हस्ते ल. ४रे.७।।।।।रोऽ।ऽ।ऽघ.३८।२७या.
,, १० भौमे हस्ते ल. अन्यगो. ४रे. ८।।।।।ऽरो २७ या. ।ऽ।। कर्कलग्न.घटी ३६ यावत्

माघमासः ।

कृ.२गुरौ मघा. ल. गो. रे.९।।।।ऽ।।।।।
,, ४ शनौ उफा. ल. गो.७रे.८।।।।।ऽअ.२८या.।ऽ।।
,, ५ रवौ हस्ते ल. गो. ७रे.८।।।।।।ऽऽ।।तुलायां नृपपंचकः
,, ६ गुरौ अनु. ल. ७रे.६ऽ।।।।ऽरोऽऽ।।

फाल्गुनमासः ।

कृ. १ शुक्रे उफा. ल.७रे.१०।।।।।।।।।।
,, ७ गुरौ अनु. ल. ७ रे. ६ऽ।।।।ऽचो.ऽऽ।।
,, ६ शनौ मूले ल. अन्यगो. सोग्रांगः७ रे.७।।।।।ऽरोऽऽ।। तुला लग्न घटी ३६।२१या.
शु. २रवौ रेव. ल. ६रे.६ ।।।।।।ऽ।।।चं. ७पू. शुक्र षष्ठस्थदोषः
,, ६ गुरौ रोंहि. ल. अन्यगो. सोग्रांगः र.६ऽ।।।।ऽअऽऽ।।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाक: १९२९ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः५४६२स.२००७

१	चं	५०	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	७	०	०			
२	मं	४६	२	रे	४५	२५	ब्र	३५	३३	वा	२०	४३	२९	६	५९	२९	२९	२०	मे. ४५।२५
३	बु	३७	१३	अ	३८	३८	ऐं	२५	२१	तै	११	३४	३०	०	०	३०	१	२१	मेषे
४	गु	२९	२१	भ	३२	५९	वै	१५	५३	व	३	१७	४	५९	१	१	२	२२	वृ. ४६।१५
५	शु	२२	५७	कृ	२८	४३	वि	७	५५	ब	२२	५७	८	५८	२	२	३	२३	वृषे
६	श	१७	५५	रो	२६	१०	मृ	१	५४	वै	१७	५५	१२	५८	२	३	४	२४	मि. ५५
७	र	१४	५३	मृ	२५	१७	सौ	५१	३१	व	१४	५३	१६	५७	३	४	५	२५	मिथुने
८	चं	१३	२२	आ	२५	५९	शो	४८	४७	ब	१३	३२	२१	५६	४	५	६	२६	मिथुने
९	मं	१३	३८	पु	२८	१९	अ	४७	२३	कौ	१३	३८	२५	५५	५	६	७	२७	कं. १२
१०	बु	१५	१९	पु	३२	८	सु	४७	३	ग	१५	१९	२९	५४	६	७	८	२८	कर्क
११	गु	१८	२१	श्ले	३७	७	धृ	४७	३७	वि	१८	२१	३३	५३	७	८	९	२९	सिं. ३७।७
१२	शु	२२	३४	म	४३	५	शू	४८	३४	बा	२२	३४	३७	५३	७	९	१०	३०	सिंहे
१३	श	२७	४३	पू	४९	५१	गं	५०	२१	तै	२७	४३	४१	५३	८	१०	११	३१	सिंहे
१४	र	३३	२६	उ	५६	४४	बृ	५२	१०	ग	०	३४	४५	५१	९	११	१२	१	क. ६।३४
१५	चं	३९	२१	ह	६०	०	ध्रु	५४	३१	वि	६	२३	४९	५०	१०	१२	१३	२	कन्यायां

[×चंद्र दर्शनम् सिंघारा
शते बुधः १५।५३घनि. भौमः ४१।४६×
रविलावल ३ मत्स्यजयंती गणगौरी
भ.३।१७उ.२९।२१या.भा.चैत्रारंभः
भरण्यां शुक्रः५४।१५
भ.१४।५३उ.४४।८या.
रामनवमी स्मा.
रामनवमी वै.
भ.४६।५०उ.
भ. १८।२१ या. कुंभे भौमः २९।१७÷
प्रदोषः [÷कामदा११व्र.
रवत्यां रविः४०।१५ (सौरः४३।५०)+
भ.३३।२६उ.अप्रेल४ता.३०
भ.२६या.हनुमज्जयंती [+पूभा.बुधः१४

५०पं.चै.शु.४बृ.इ. ५७।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	७	०	३	१०	११
८	२५	१०	२५	१२	२४	२१	७
३	०	२०	३४	१२	५८	२४	५९
१८	२	१३	४८	०	१९	६	२५
५९	४४	५५	२	७२	४१	३	५९
२९	७	४१	३९	१४	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

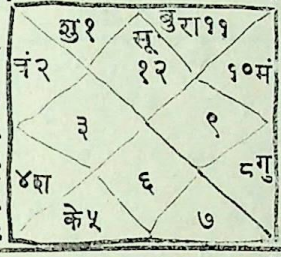

इस मास में मकर
का मंगल धान्य जौ
बाजरा गेहूं चना
मटर को मंदा करे
रस कस गुड शक्कर
घृत चांदी सोना में
तेजी हो

गोचर ग्रहाः

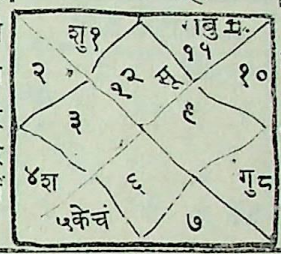

५१पं.चै..शु११बृ.इ.५८।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	०	३	१०	११
१४	०	१८	२५	२०	२४	२१	१४
५९	२१	२५	४८	२५	४०	१	५५
१०	१४	३७	२५	२४	२३	५१	३४
५९	४४	७४	१	७१	३	३	५९
१६	११	३१	१६	५३	व.	११	१८

ति. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाक: १९२९ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | वसंततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महाराट्राः

१	मं	४५	३९	ह	४	१४	व्या	५६	४९	बा	१२	३०	३३	५	४९	११	१३	१४	३	तु. ३७।५८
२	बु	५१	५६	चि	११	४२	ह	५९	१०	तै	१८	४७	५७	४९	११	१४	१५	४	तुलायां
३	गु	५७	४६	स्वा	१९	४	व	६०	०	व	२४	५१	३१	४८	१२	१५	१६	५	तुलायां
४	शु	६०	०	वि	२५	५५	व	१	३	ब	३०	२२	५	४७	१३	१६	१७	६	वृ. ९।१३
४	श	२	५९	अ	३२	८	सि	२	२२	बा	२	५९	१०	४६	१४	१७	१८	७	वृश्चिके
५	र	७	३१	ज्ये	३७	१७	व्य	३	१२	तै	७	३१	१४	४५	१५	१८	१९	८	ध ३७।१७
६	चं	१०	३८	मू	४१	८	व	२	५६	व	१०	३८	१८	४४	१६	१९	२०	९	धनुषि
७	मं	१२	३०	पू	४२	२२	प	२९	५७	ब	१२	३०	२२	४४	१६	२०	२१	१०	म. ५७।४३
८	बु	१२	३३	उ	४३	४९	सि	५४	२३	कौ	१२	३३	२६	४३	१७	२१	२२	११	मकरे
९	गु	१०	५५	श्र	४२	३६	सा	४८	३८	ग	१०	५५	३०	४२	१८	२२	२३	१२	मकरे
१०	शु	७	१५	ध	३९	३८	शु	४१	१४	वि	७	१५	३४	४१	१९	२३	२४	१३	कुं. ७।७
११	श	१	३२	श	३४	२२	शु	३२	४५	बा	१	३२	३८	४०	२०	२४	२५	१४	कुंभे
१२	श	५३	००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	र	४६	२	पू	२८	१४	ब्र	२३	४	ग	२०	१७	४२	४०	२०	२५	२६	१५	मी १४।४६
१४	चं	३६	३४	उ	२१	२	ऐं	१२	३४	वि	११	१८	४६	३९	२१	२६	२७	१६	मीने
२०	मं	२६	४०	रे	१३	८	वै	३७	५८	च	१	३७	५०	३८	२२	२७	२८	१७	मे. १३।८

अश्वि. मेषेऽर्कः १४।१३ (सौरः १८।२३ =
[=वरूथिनी११व्र.
भ.४६।२उ.रोहि.शुक्रः२३।२६प्रदोषः
भ.११।१८या.
रेवत्यां बुधः१२।४६

५२पं.वै.कृ.३बृ.इ. ५८।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	०	३	१०	११
२१	५	२८	२५	२८	२४	२०	२१
५३	४२	९	५२	५४	२७	३९	४९
३१	२२	२२	५९	४३	४०	३५	४५
५९	४४	८९	०	७१	२९	३	५९
४	१४	३५	१२	२६	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

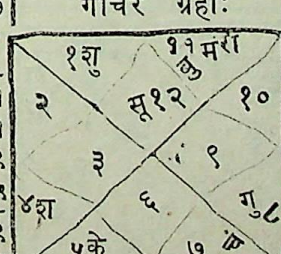

वैशाख कृष्णे ११शनौ
मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा ४
न. ४ गतालकावस्था
(ऊभी) मु. १५
धान्यादि भावे
महर्घता शुक्रोदयः
पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

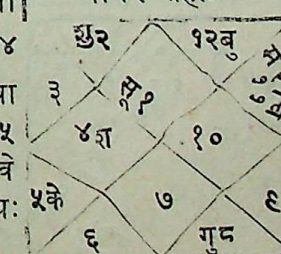

१पं.वै.कृ.११श.इ. १४।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	७	१	३	१०	११
०	१२	११	२५	८	२४	२०	२९
०	०	२६	४४	२८	१८	१३	५५
०	५४	३५	३१	१७	३२	२७	५८
५८	४४	०	३७	७०	२८	३	५८
४४	२७	५९	व.	४९	व.	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९	दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वसन्ततूरविरुत्तरेऽहर्गणः५४९१स.२००७
१	बु १६ ३८ अ १४ ५३	प्री	३२	५७	ब	१६	३८	३१ ३५ २३	२८ २९ १८ मेषे
२	गु ७ १९ कृ ५१ ४५	आ	३०	१७	कौ	७	१९	५७ ३७ २३	२९ १ १९ वृ.४१
३	गु ५१ ४९ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ० ०
४	शु ५२ १७ रो ४६ ५९	सो	२१	२७	ब	२५	४३	३२ ३६ २४	३० २ २० वृषे
५	श ४७ ३० मृ ४४ ९	शो	१४	१४	ब	१९	५४	५ ३५ २५	१ ३ २१ मि.१५
६	र ४४ ३१ आ ४३ ९	अ	८	४७	कौ	१६	१	९ ३४ २६	२ ४ २२ मिथुने
७	चं ४३ ४८ पु ४४ १४	सु	४	४६	ग	१४	१०	१२ ३४ २६	३ ५ २३ क.२८।५८
८	मं ४४ ५० पु ४७ १२	धृ	२	२३	वि	१४	२०	१६ ३३ २७	४ ६ २४ कर्के
९	बु ४७ ४४ श्ले ५१ ५७	शू	१	२६	बा	१६	१७	२० ३२ २८	५ ७ २५ सिं.५१
१०	गु ५२ ५ म ५७ ५६	गं	२	१	तै	१९	२०	२३ ३१ २९	६ ८ २६ सिंहे
११	शु ५७ २३ पू ६० ०	वृ	३	१०	ब	२४	४४	२७ ३१ २९	७ ९ २७ सिंहे
१२	श ६० ० पू ४ ५१	ध्रु	५	५	ब	३०	२६	३१ ३० ३०	८ १० २८ कं. ३१
१३	र ३ २९ उ १२ २	व्या	७	२३	बा	-३	२९	३४ २९ ३१	९ ११ २९ कन्यायां
१३	चं ९ ३७ ह १९ ५९	ह	९	४५	तै	९	३७	४८ २८ ३२	१० १२ ३० लु.५३।२३
१४	मं १५ ५१ चि २७ ४	व	१२	४	व	१५	५१	४१ २८ ३२	११ १३ १ तुलायां
१५	बु २१ ४९ स्वा ३४ १७	सि	१४	१६	ब	२१	४९	४५ २७ ३३	१२ १४ २ तुलायां

शत.४राहुः पूफा.२केतुः ३६ चंद्रदर्शनम्
मार्गी शनिः २३।५५ रविलाखर ४=
=परशुराम जयंती अक्षया३
भ.२५।४३उ.५२।१७या.
बुधास्तःपूर्वस्यां५७।३५भा.वैशाखारंभः
[+पूभा. भौमः४७।५८
भ.४३।४८उ.
भ.१४।२०या.अश्वि. मेषे बुधः३०।२४+
[×पात मोक्षः२०।३८
मृगे शुक्रः ५७।३४ पातस्पर्शः ८।५०×
भ.२४।४४उ.५७।२३या. भरण्यां रविः÷
[÷५४।२९(सौरः५९।४८) मोहिनी११व्र.
प्रदोषः
भरण्यां बुधः४८।२८नृसिंह जयंती
भ.१५।५१उ.४८।५०या.मई५ता.३१
मिथुने शुक्रः५१।२६ यमाय कुंभदानम्

२पं.वै.शु.५श.इ.१४।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	७	१	३	१०	०
६	१७	२४	२५	१६	२४	१९	६
५०	२१	४	२८	४६	१५	५१	४६
४२	२९	४८	५५	२९	०	१२	९
५८	४४	८	३	७०	१०	३	५८
३१	२९	४०	व.	१०	मा	११	२९

गोचर ग्रहाः

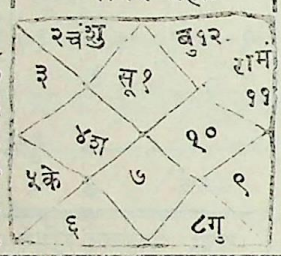

इस मास में गेहूं बाजरा मूगं मोठ में तेजी हो रुई घृत तिलहन चांदी लोहा आदि धातुओं में मंदी होवे।

गोचर ग्रहाः

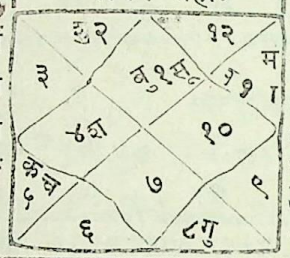

३पं.वै.शु.१२श.इ.१४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	७	१	३	१०	०
१३	२२	८	२५	२४	२४	१९	१३
३९	४१	१	५	४९	१९	२८	३४
४७	१३	१	३५	८	१६	५६	३४
५८	४४	८	८	६९	०	३	५८
१९	१९	३२	व.	१६	५८	११	१२

ति.	प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः स. २०६४ शाकः १९२९	दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वै. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	गु २७ १२ वि ४० ५२	व्य	१६	८	कौ	२७	१२	३२ ४८ २९ ३४	१३ १५ ३ वृ.२४।१३
२	शु ३१ ५५ अ ४६ ३८	ब	१७	१३	ग	३१	५५	५२ २६ ३४	१४ १६ ४ वृश्चिके
३	श ३५ ४३ ज्ये ५१ ४४	ध	१७	५०	ब	३	४९	५५ २५ ३५	१५ १७ ५ ध.५१।४४
४	र ३८ २८ मू ५५ ४४	शि	१७	३५	ब	७	५५	५८ २४ ३६	१६ १८ ६ धनुषि
५	चं ४० १३ पू ५८ ३३	सि	१६	३१	का	९	२०	३३ २४ ३६	१७ १९ ७ धनुषि
६	मं ४० ४३ उ ६० ०	सा	१४	२९	ग	१०	२८	५ २३ ३७	१८ २० ८ म.१३।५८
७	बु ३९ ५३ उ ० १३	शु	११	२३	वि	१०	१८	८ २२ ३८	१९ २१ ९ मकरे
८	गु ३७ २९ श्र २३ ५८	शु	९	११	बा	८	४१	११ २२ ३८	२० २२ १० कुं.२९।४४
९	शु ३३ ३१ श ५६ ९	बृ	३७	५३	तै	५	३०	१४ २१ ३९	२१ २३ ११ कुंभे
१०	श २८ १५ पू ५१ ५१	ए	४७	८	ब	०	५३	१७ २१ ३९	२२ २४ १२ मी. ३५
११	र २० ५९ उ ४६ २३	वि	३८	२०	बा	२०	५९	२० २० ४०	२३ २५ १३ मीने
१२	चं १३ ३६ रे ३९ ५३	प्री	२८	३१	तै	१३	३६	२३ १९ ४१	२४ २६ १४ मे.३९।५३
१३	मं ४ ४८ अ ३२ ४३	आ	१८	२०	ब	४	४८	२६ १९ ४१	२५ २७ १५ मेषे
१४	मं ५१ २८ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ० ०
३०	बु ४५ ५६ म २५ ३१	सौ	५९	५७	च	२०	३६	२८ १८ ४२	२६ २८ १६ वृ.३८।४९

भ.३।४९उ.३५।४३या.चतुर्थी व्र.
कृत्ति. बुधः५८।५१
मीने भौमः५३।२३
भ.४०।४३उ. बृषे बुधः३२।५१ आर्द्रा.A
भ.१०।१८या. [Aशुक्रः२४।७
पात स्पर्शः०।७पात मोक्षः११।५३
कृति.रविः४०।२५ (सौरः४७।४०)
भ.०।५३उ.२८।१५या. उभा. भौमः१२ ५७
रोहि. बुधः१३।१९अपरा११व्र.
बुधोदयः पश्चिमायां१६।४६प्रदोषः
भ. ४।४८ उ. ३०।३२ या. बृषेऽर्कः D
[D७।४० (सौरः१५।२७
वट पूजनम्

४पं. प्र.ज्ये.कृ. ३श.इ.१५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	७	२	३	१०	०
२०	२८	२२	२४	२	२४	१९	२०
२७	१	५९	३२	४३	२८	६	२१
२५	५२	२	४६	५९	१२	४०	१८
५८	४६	९	२३	३८	१	३	५७
६	२५	४०	व.	३२	३२	११	५७

गोचर ग्रहाः

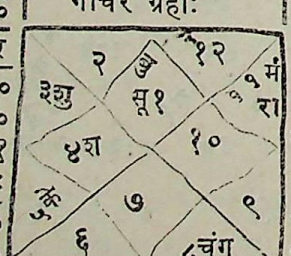

प्र. ज्येष्ठ कृष्णे १३ भौमे बृषेऽर्कः
प्रविष्टः वा.४ न.५
बृद्धावस्था (बैठी)
मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

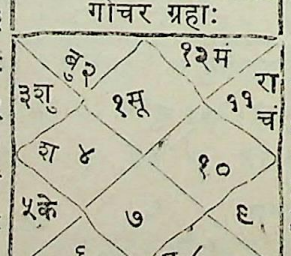

५पं.प्र.ज्ये.कृ.१०श.इ.१५१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	७	२	३	१०	०
२७	३	८	२३	१०	२४	१८	२७
१३	२१	०	५३	२९	४३	४४	६
३७	४७	४	४२	३५	१	२५	३२
५७	४४	९	१७	६७	२	३	५७
५४	२५	४९	व.	१७	१६	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. प्र. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५५२०स.२००७

| | | |

ति.द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५५५०स.२००७

| | | |

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५५७९ स.२००७

१	र	२४	२३	पु	५१	४९	ह	१४	१६	ब	२४	२३	३४	५	६	२४	२९	१५	कर्क	मघा.१ सिंहेशनिः२५।४५ चंद्रदर्शनम्
२	चं	२२	५७	श्ले	५२	५४	ब	१०	१९	कौ	२२	२७	३९	१२	४८	२५	१	१६	सिं. ५२	कर्केऽर्कः५१।५२वक्री अनु.४गुरुः५४।५+
३	मं	२३	२३	म	५५	५६	सि	७	४९	ग	२३	२३	५७	१३	४७	२६	२	१७	सिंहे	भ.५४।३० उ. कर्केऽर्कः सौरः१९।३२
३	बु	२५	३८	पू	६०	०	व्य	६	३४	वि	२५	३८	५५	१३	४७	२७	३	१८	सिंहे	भ.२५।३८ या.
४	गु	२९	२५	पू	०	२९	व	६	३५	बा	२९	२५	५२	१४	४६	२८	४	१९	कं. २।१	[+रज्जव ७ रथयात्रा
५	शु	३४	३३	उ	६	३८	प	७	५९	कौ	१	५७	५०	१४	४६	२९	५	२०	कन्यायां	पुष्ये रविः२१।१०(सौरः५०।१३)
६	श	४०	२८	ह	१३	२६	शि	९	४५	ग	७	३१	४८	१४	४६	३०	६	२१	तु.४७।१०	भ.४०।२८ उ.
७	र	४६	३५	चि	२०	५४	सि	१२	१०	वि	१३	३१	४५	१५	४५	३१	७	२२	तुलायां	भ.१३।३१ या.
८	चं	५२	४०	स्वा	२८	२२	सा	१४	३८	बा	१९	३७	४३	१५	४५	१	८	२३	तुलायां	रा.श्राणारंभः
९	मं	५७	१७	वि	३५	२३	शु	१६	४१	तै	२४	५८	४०	१६	४४	२	९	२४	वृ.१८।३८	कृत्ति. भौमः ३२।२८
१०	बु	६०	०	अ	४१	१३	शु	१८	८	व	२९	२४	३८	१६	४४	३	१०	२५	वृश्चिके	भ.२९।२४ उ. देवशयनी११व्र. स्मा.
११	शु	१	३२	ज्ये	४५	३५	ब्र	१८	२५	वि	१	३२	३५	१७	४३	४	११	२६	ध.४५।३५	भ.$\frac{१}{२}$ या. पुन.बुधः$\frac{३}{१६}$देवशयनी११व्र.वै
१२	शु	३	४१	मू	४८	१८	ए	१७	३१	बा	३	४१	३३	१७	४३	५	१२	२७	धनुषि	प्रदोषः
१३	श	४	२३	पू	४९	२२	वै	१५	२०	तै	४	२३	३०	१८	४२	६	१३	२८	धनुषि	वक्री शुक्रः१८।१७
१४	र	३	०	उ	४८	४४	वि	११	३७	व	३	०	२७	१९	४१	७	१४	२९	म.४।१२	भ.३।० उ.$\frac{३}{५}$या.वृषे भौमः$\frac{३}{१८}$वायुपरीक्षा
१५	चं	०	१०	श्र	४७	१	श्री	६	५३	ब	०	१०	२४	१९	४१	८	१५	३०	मकरे	व्यासपूजा गुरु १५

१५पं.श्रा. शु.७श.इ. १५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	२	७	४	४	१०	३
४	२४	१३	१६	८	०	१५	३
११	२४	५५	२५	१३	४१	१	१४
२८	७	५९	५५	८	१७	४९	३६
५७	४१	६१	१४	१५	६	३	५६
१५	१८	२१	व.	२८	४९	११	५८

गोचर ग्रहाः

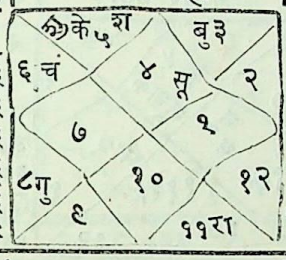

आषाढ शुक्ले २ चंद्रे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा४ न.५युवावस्था (सूती) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

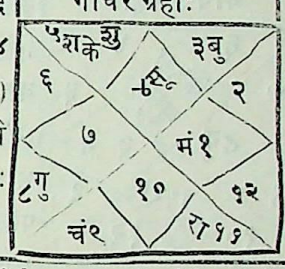

१६पं.श्रा.शु.१३श.इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	२	७	४	४	१०	३
१०	२९	२२	१६	९	१	१४	१०
५२	९	५२	८	०	३२	३९	२२
३०	४३	१२	२४	२५	१३	३३	५३
५७	४०	९७	५५	०	७	३	५७
२०	५५	७	व.	९	२	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	चं ५६ ७ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	००	
२	मं ५१ १५ ध ४४ १७	आ १४ ५३	तै २३ ४६	३३ २० ४०	९ १६ ३१	कुं १५।३९	[÷२५।१० अगस्त ८ ता.३१
३	बु ४५ ३७ श ४० ४९	शो ४७ ३९	व १८ २६	१९ २० ४०	१० १७ १	कुंभे	भ. १८।२६ उ.४५।३७ या. कर्के बुधः÷
४	गु ३९ ४८ पू ३६ ५८	अ ४० २२	ब १२ ४२	१६ २१ ३९	११ १८ २	मी.२३	चतुर्थी व्र.
५	शु ३३ ५५ उ ३३ १२	सु ३२ ५८	कौ ६ ५५	१३ २१ ३९	१२ १९ ३	मीने	आश्ले. रविः १८।११(सौरः ५१।०) =
६	श २८ २३ रे २९ ३१	धृ २५ ४२	ग १ ९	१० २२ ३८	१३ २० ४	मे.२९।३१	भ. २८।२३ उ.५५।३८या. अस्तंशनेः$\frac{३}{६}$
७	र २२ ५२ अ २५ ४५	शू १८ २९	ब २२ ५२	७ २३ ३७	१४ २१ ५	मेषे	[=पुष्येबुधः$\frac{१९}{२९}$बुधास्तःपूर्वस्यां$\frac{४}{३१}$नाग५
८	चं १७ ३३ भ २२ ३५	गं ११ ३४	कौ १७ ३३	४ २३ ३७	१५ २२ ६	वृ.३६।४७	मार्गी गुरुः३०।५९
९	मं १२ ३४ कृ १९ २६	ब्र ४४ ५५	ग १२ ३४	० २४ ३६	१६ २३ ७	वृषे	भ.४०।१५ उ.
१०	बु ७ ५६ रो १६ ४७	व्या ५१ ८	वि ७ ५६	३३ २५ ३५	१७ २४ ८	मि. ४५	भ. ७।५६ या.
११	गु ३ ४० मृ १४ ३४	ह ४६ ३०	बा ३ ४०	५४ २५ ३५	१८ २५ ९	मिथुने	शुक्रास्त।पश्चिमायां$\frac{२९}{३४}$ कामिका ११व्र.
१२	शु ० ५ आ १३ ४	व ४१ २२	तै ० ५	५० २६ ३४	१९ २६ १०	क५७।२८	भ.५७।१६ उ. आश्ले.बुधः५।३८ प्रदोषः
१३	शु ५७ ११ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	
१४	श ५५ ३० पु १२ १६	सि ३७ १	वि २६ २३	४७ २७ ३३	२० २७ ११	कर्के	भ.२६।२३ या. मघा. २ शनिः३९।३८
२०	र ५४ ५६ पु १२ २६	व्य ३३ ३१	च २५ १३	४४ २७ ३३	२१ २८ १२	कर्के	हरियाली

१७पं.श्रा.कृ. १ श. इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	७	४	४	१०	३
१७	३	५	१६	७	२	१४	१७
२४	५०	६	०	५३	२४	१७	२
१२	४९	२२	११	२	०	१८	४१
५७	४०	५५	२०	१७	७	३	५७
२५	१७	२७	व.	व.	८	११	१२

गोचर ग्रहाः

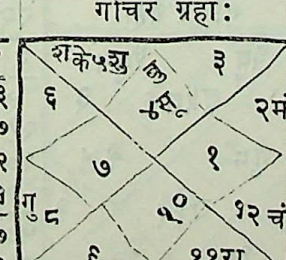

वृष राशौ यदा भौमः सर्वधान्य महर्घता। चन्दनं कुंकुमं वस्त्र कार्पासादि महर्घता॥ इसमास में धान्य व रस तेज हो वर्षा श्रेष्ट होवे।

गोचर ग्रहाः

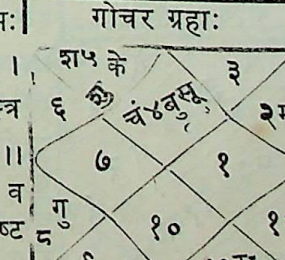

१८ पं. श्रा.कृ.१४ श.इ.$\frac{१९}{३९}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	७	४	४	१०	३
२४	८	१९	१६	४	३	१३	२३
१६	२४	०	०	५७	१६	५५	४३
३७	४३	१	२५	४	५९	२	४८
५७	३९	५५	५०	५३	७	३	५७
३३	३२	४७	मा	व.	१४	११	२२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९								दि. उ.				भा. मु.			इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५६०८ स.२००७
१	चं	५५	४३	श्ले	१३	५३	व	३१	१	किं	२५	१९	३२	५	६	२२	२९	१३	सिं १३।५३	रोहि. भौमः ३९।१४
२	मं	५८	९	म	१६	४३	प	२९	५२	बा	२६	५६	३७	२९	३१	२३	३०	१४	सिंहे	चंद्र दर्शनम् सिंधारा
३	बु	६०	०	पू	२१	११	शि	२९	२३	तै	३०	१	३३	२९	३१	२४	१	१५	कं. ३७।३५	सावानष्तीज
३	गु	१	५२	उ	२६	४७	सि	३०	११	ग	१	५२	३०	३०	३०	२५	२	१६	कन्यायां	भ. ३४।२१उ.मघा.सिंहे बुधः १५।२३
४	शु	६	५०	ह	३३	१८	सा	३१	३२	वि	६	५०	२६	३१	२९	२६	३	१७	कन्यायां	भ. ६।५० या. मघा. सिंहेऽर्कः १२।१३×
५	श	१२	३३	चि	४०	१३	शु	३३	५२	बा	१२	३३	२२	३२	२८	२७	४	१८	तु. ६।४५	नाग पंचमी
६	र	१८	४३	स्वा	४८	१४	शु	३६	२१	तै	१८	४३	१९	३२	२८	२८	५	१९	तुलायां	वक्री कर्के आश्ले. शुक्रः २६।३
७	चं	२५	०	वि	५५	४३	ब्र	३८	५२	व	२५	०	१५	३३	२७	२९	६	२०	वृ. ३८।५१	भ. २५।०उ. ५७।४८या.
८	मं	३०	३६	अ	६०	०	ऐं	४०	४९	व	३०	३६	१२	३४	२६	३०	७	२१	वृ. श्चिके	[×(सौरः ४७।२५) वरद ४
९	बु	३५	०	अ	२	८	वै	४१	४५	बा	२	४८	८	३४	२६	३१	८	२२	वृश्चिके	शत राहुः मघा. ४ केतुः १५।३३
१०	गु	३७	५२	ज्ये	७	२७	वि	४१	४१	तै	६	२६	४	३५	२५	१	९	२३	ध. ७।२७	पूफा. बुधः २०।१७रा. भाद्रपदारंभः
११	शु	३८	४३	मू	११	११	प्री	४०	७	व	८	१७	१	३६	२४	२	१०	२४	धनुषि	भ. ८।१७ उ. ३८।४३ या. शुक्रोदयः=
१२	श	३७	३९	पू	१२	५३	आ	३७	५	ब	८	१०	५१	३७	२३	३	११	२५	स. २७।५१	[=पूर्वस्यां २८।१२पवित्रा ११व्र.
१३	र	३४	४५	उ	१२	४४	सौ	३२	२५	कौ	६	१२	५३	३७	२३	४	१२	२६	मकरे	प्रदोषः [=बन्धनम्
१४	चं	३०	८	श्र	१०	५०	शो	२६	२१	ग	२	२६	४९	३८	२२	५	१३	२७	कुं. ३९।३	भ. ३०।८उ ५७।४या.
१५	मं	२३	५९	ध	७	१६	श्र	१९	६	व	२३	५९	४६	३९	२१	६	१४	२८	कुम्भे	ज्येष्ठा. १गुरुः १६।२१श्रावणी कर्म रक्षा=

१९पं. श्रा.शु. ५श.इ. १४/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	७	४	४	१०	४
०	१२	३	१६	०	४	१३	०
५९	५१	५७	१०	४३	९	३२	२६
५३	१८	७	४१	२४	४७	४६	१
५७	३८/४६	८	२	३६/३९	७	३	५७
४०	मा	२८	००	व. २०	११	३४	

गोचर ग्रहाः

श्रावण शुक्ले सिंहेऽर्कः प्रविष्टाः वा. ५न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

२०पं.श्रा.शु. १२श.इ. १५/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	७	३	४	१०	४
७	१७	१६	१६	२६	५	१३	७
४४	९	५४	२९	३४	३	१०	९
२०	५४	०	३८	४१	५८	३८	३०
५७	३७	८/५८	३	३०/३९	७	३	५७
४९	३७	३७	२५	व. २०	११	४५	

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९								दि. उ.				भा. मु.			इं.	चन्द्रः	शरदतू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.:
१	बु	१६	४६	श	३४/३९	५४	सु	१०	५८	कौ	१६	४६	३१/३२	५	६	७	१५	२९	मी. ४/३७	
२	गु	९	२४	उ	५१	२४	धृ	१५/१९	५१/५२	ग	९	२४	३८	४०	२०	८	१६	३०	मीने	भ. ३५।२८उ. उफा. बुधः ४७।२१
३	शु	१	३३	रे	४५	५३	गं	४४	२७	वि	१	३३	२४	४१	१९	९	१७	३१	मे. ४५।५३	भ. १।३३या. पूफा. रविः १।४९(सौरः ३६)=
४	शु	५२	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=बुधोदयः पश्चिमायां ३।२६चतुर्थाव्र.
५	श	४७	२३	अ	४०	४३	वृ	३५	४०	कौ	२०	१	३०	४२	१८	१०	१८	१	मेषे	कन्यायां बुधः ४२।५सितम्बर ९ता. ३०
६	र	४१	१०	भ	३६	२३	धु	२७	४४	ग	१४	१६	२६	४३	१७	११	१९	२	वृ. ५०।३०	भ. ४१।१०उ. चंद्रषष्ठी
७	चं	३६	८	कृ	३२	४९	व्या	२०	८	वि	८	३८	२२	४४	१६	१२	२०	३	वृषे	भ. ८।३८या. जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	मं	३१	२५	रो	३०	१०	ह	१३	२८	बा	३	४६	१८	४४	१६	१३	२१	४	मि. ४९/५४	मृगे भौमः ५१।३९जन्माष्मी व्र.वै.
९	बु	२७	५७	मृ	२८	१८	व	७	३१	ग	२७	५७	१५	४५	१५	१४	२२	५	मिथुने	भ. ५६।४४गोगाष्ट
१०	गु	२५	३२	आ	२७	२६	सि	१९/२३	४९/५५	वि	२५	३२	११	४६	१४	१५	२३	६	मिथुने	भ. २५।३२या. मघा. ३शनिः ५३।३३
११	शु	२४	३	पु	२७	४९	व	५४	२१	बा	२४	३	७	४७	१३	१६	२४	७	क. १२।४६	हस्ते बुधः ५६।१२अजा ११व्र.
१२	श	२३	३८	पु	२९	४	प	५१	४९	तै	२३	३८	३	४७	१३	१७	२५	८	कर्के	मार्गी शुक्रः १।२० उदयं शनेः ५२।२१+
१३	र	२४	२३	श्ले	३१	३५	शि	४९	५०	च	२४	२३	३९/४०	४८	१२	१८	२६	९	सिं ३१।३५	भ. २४।२३उ. ५५।१७या.
१४	चं	२६	११	म	३४	५८	सि	४९	१९	श	२६	११	५५	४९	११	१९	२७	१०	सिंहे	[+वत्सद्वादशी प्रदोषः
१५	मं	२९	१९	म	३९	३०	सा	४८	५४	ना	२९	१९	५१	५०	१०	२०	२८	११	कं. ५५।५३	कुशा ग्रहणी पिठोरी ३०मन्वादिः

२१पं.भा. कृ.५ श.इ. १४/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	७	३	४	१०	४
१४	२१	२९	१६	२३	५	१२	१३
३०	१८	११	५६	३६	५७	४८	५४
०	४०	२०	१७	५८	७	१५	४२
५८	३६	८/०	४	१६/१९	७	३	५७
१२	१	३५	३४	व. १७	११	५७	

गोचर ग्रहाः

इस मास में गेहूं चना चावल जौ वाजरा आदि धान्य तथा चांदी स्वर्ण आदि धातु मंदी होवे चोपाये पशु ओ में रोग हो।

गोचर ग्रहाः

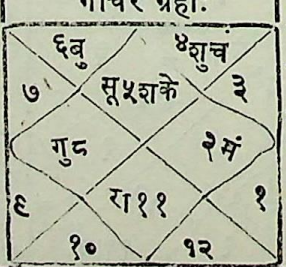

२२पं.भा.कृ. १२श.इ. १५/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	७	३	४	१०	४
२१	२५	१०	१७	२२	१६	१२	२०
१७	१८	२८	३२	२८	४९	२५	४१
२	४३	१६	२	३०	३४	००	२२
५८	३५	९५	५	३०/३१	७	३	५८
१३	१२	११	४२	मा	८	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६३८स.२००७
१	बु	३३	२६	उ	४५	१	शु	४६	४१	कि	१	१२	३०	५५	६	२१	२६	१२	कन्यायां	[×हरितालिका ३
२	गु	३८	३८	ह	५१	३१	शु	५१	६	बा	६	२	४३	५१	६	२२	३०	१३	कन्यायां	उफा.रविः४६।१४ चंद्रदर्शनम्
३	शु	४४	२३	चि	५८	४६	ब्र	५३	३	तै	११	३१	३९	५२	८	२३	१	१४	तु.२५।१०	उफा. रविः सौरः २२।५६ रमजान ९ ×
४	श	५०	४५	स्वा	६०	०	ऐं	५५	२४	व	१७	४०	३५	५३	७	२४	२	१५	तुलायां	भ.१७।४० उ.५०।४५ या. गणेश चतुर्थी
५	र	५७	८	स्वा	६	२३	वै	५७	५३	ब	२३	५६	३१	५४	६	२५	३	१६	वृ.५७।१०	मिथुने भौमः ४६।२१ ऋषि पंचमी
६	चं	६०	०	वि	१४	५	वि	६०	०	कौ	३०	८	२७	५५	५	२६	४	१७	वृश्चिके	कन्यायामर्कः ३१५ (सौरः ४८) चित्रा.बुधः २४७
६	मं	३	६	अ	२१	२७	वि	०	३०	तै	३	६	२३	५६	४	२७	५	१८	वृश्चिके	[÷जलझूलनी ११व्र. वामन जयंती
७	बु	८	१०	ज्ये	२७	३५	प्री	२	१०	व	८	१०	१८	५६	४	२८	६	१९	ध. ३५	भ.८।१० उ.४०।५ या.
८	गु	११	५९	मू	३२	३७	आ	२	५९	व	११	५९	१४	५७	३	२९	७	२०	धनुषि	
९	शु	१४	१	पू	३५	४८	सौ	२	३५	कौ	१४	१	९	५८	२	३०	८	२१	म.५१। ७	
१०	श	१४	५	उ	३७	२	शो	४२	३०	ग	१४	५	५	५९	१	३१	९	२२	मकरे	भ.४३।५ उ. तुलायां बुधः१३।३३
११	र	१२	५	श्र	३६	१३	सु	५२	१०	वि	१२	५	३०	६	०	१	१०	२३	मकरे	भ. १२।५ या. रा. आश्विनारंभः ÷
१२	चं	८	२	ध	३३	३१	गु	४५	३३	बा	८	२	२९	१	५९	२	११	२४	कुं. ५२	प्रदोषः
१३	मं	२	६	श	२८	४९	धृ	३७	२२	तै	२	६	५३	२	२८	३	१२	२५	कुम्भे	भ.५४।३९ उ. अनंत १४
१४	मं	५२	३३		०	०	०	शु	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	बु	४६	६	पू	२२	५९	गं	२८	१	चि	२०	२०	४८	२	५८	४	१३	२६	मी. ९।२६	भ.३० या.महालयारंभः कु.संध्या.पूजनारंभ.

२३पं.भा.शु.४श.इ.१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	७	३	४	१०	४
२८	२९	२०	१८	२३	७	१२	२७
५	६	४६	१५	१८	४१	३	२९
२४	१४	५	१४	२५	३५	४४	४१
५८	३३	८४	६	१५	७	३	५८
२६	४७	४०	२८	३७	२	११	२९

गोचर ग्रहाः

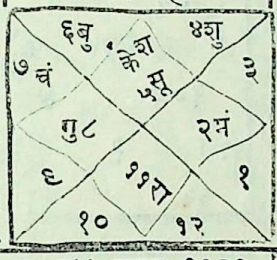

भाद्रपद शुक्ले ६ चंद्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ गतालका वस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

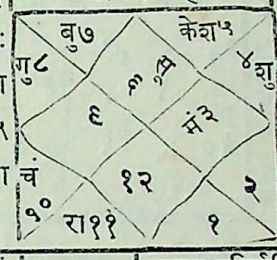

२४ पं.भा.शु.१०श.इ.१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	७	३	४	१०	५
४	२	०	१९	२५	८	११	४
५५	४२	०	५	४७	३२	४१	१९
१६	४०	११	६	६	३०	२८	४८
५८	३२	७२	७	२८	६	३	५८
३८	१६	१३	४८	१२	४९	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे भा. कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	शु	३७	०	उ	१६	२०	वृ	१८	२१	बा	११	३३	२९	३	५	५	१४	२७	सौने	हस्ते रविः २४ (सौरः ३७) स्वात्यां बुधः ५९ १५
२	शु	२७	५६	रे	९	१	ध्रु	५१	४३	तै	२	२८	२०	४	५	६	१५	२८	मे.९।१	भ.५३।३२ उ. ज्येष्टा. २गुरुः ५९।३४
३	श	१९	८	अ	५३	३८	ह	४७	३४	वि	१९	८	३६	५	५	७	१६	२९	मेषे	भ.१९।८या. मघा.सिंहे शुक्रः ५३ चतुर्थी व्र.
४	र	१०	५९	कृ	४९	५७	व	३८	१९	बा	१०	५९	३२	६	५	८	१७	३०	वृ.९।८	आर्द्रा. भौमः २६।१७
५	चं	४	५	रो	४५	४३	सि	२९	५१	तै	४	५	२८	६	५	९	१८	१	बृषे	भ.५८।२२ उ. अक्टूबर १० ता. ३१
६	चं	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
७	मं	५४	२४	मृ	४२	४९	व्य	२२	३८	वि	२६	२३	२३	७	५	१०	१९	२	मि.१५	
८	बु	५१	५७	आ	४१	२८	व	१६	४०	बा	२३	१०	१९	८	५	११	२०	३	मिथुने	भ.२६।२३ या.
९	गु	५०	४७	पु	४१	३७	प	११	५७	तै	२१	२२	१५	९	५	१२	२१	४	क.२६।३४	
१०	शु	५१	११	पु	४३	६	शि	८	२२	व	२०	५९	११	१०	५	१३	२२	५	कर्के	मघा. ४ शनिः ५४।२८ मातृ ९+
११	श	५२	५४	श्ले	४६	११	सि	५	५४	ब	२२	३	७	११	४	१४	२३	६	सिं. ४९	भ.२०।५९ उ.५१।११ या.
१२	र	५५	४०	म	५०	४	सा	४	२७	कौ	२४	१७	३	११	४	१५	२४	७	सिंहे	इंदिरा ११ व्र.
१३	चं	५९	४८	पु	५५	१३	शु	४	४	ग	२७	४४	५९	१२	४	१६	२५	८	सिंहे	भ.५९।४८ उ. प्रदोषः
१४	मं	६०	०	उ	६०	०	शु	४	३३	वि	३२	११	५५	१३	४	१७	२६	९	कं.११।४३	भ.३२।११ या. शस्त्रादि हतानांश्रा.
१४	बु	४	३४	उ	१	१३	ब्र	५	२४	श	४	३४	५१	१४	४	१८	२७	१०	कन्यायां	चित्रा.रविः ५६ वक्री-बुधः ५१ सर्व पितृ३०
२०	गु	१०	१०	ह	८	५	ऐं	७	१०	ना	१०	१०	४७	१५	४	१९	२८	११	तु.४१।३६	चित्रा. रविः सौरः३१।११

२५पं. आ.कृ.३श.इ.१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	७	३	४	१०	५
११	६	७	२०	२९	९	११	११
४६	३	४८	२	२५	२१	१९	११
५२	४	५०	२	२	१४	१३	४८
८	३०	५५	८	३७	६	३	५९
५३	२९	३४	४२	५३	२४	११	००

गोचर ग्रहाः

इस मास में शनिवार का चंद्रदर्शन चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सूत तथा धान्य तेज होवे कहीं २ वर्षा की होवे

गोचर ग्रहाः

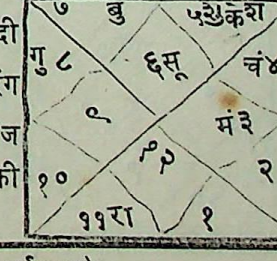

२६पं.आ.कृ.११श. इ. १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	७	४	४	१०	५
१८	९	१३	२१	४	१०	१०	१८
४०	७	२८	५	२८	८	५६	५
८	१२	८	६	१२	२०	५७	३५
५९	२७	२८	९	४५	६	३	५९
९	४	४६	३२	२९	२०	११	१६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः ५६८ सन् २००७
१	शु	१६	११	चि	१५	७	वै	६	५	ब	१६	११	४३	१५	४५	तुलायां	नवरात्रारंभः मातामहश्राद्धम्
२	श	२२	३०	स्वा	२२	३६	वि	११	२३	क्रौ	२२	३०	३९	१६	४४	तुलायां	चंद्रदर्शनम् [÷स्मा. कोजागरी व्र.
३	र	२६	१	वि	३०	२०	ग्री	१३	४६	ग	२६	१	३५	१७	४३	वृ.१३।२५	सव्वाल १०
४	चं	३५	१३	अ	३७	५६	आ	१६	२	ब	२	७	३१	१८	४२	वृश्चिके	भ.२।७ उ.३५।१३ या.
५	मं	४०	३३	ज्ये	४४	३४	सौ	१८	०	ब	७	५३	२७	१९	४१	ध ४४।३४	पूफा. शुक्रः ५९।३
६	बु	४४	५६	मू	५०	२८	शो	१९	२२	क्रौ	१२	४४	२३	१९	४१	धनुषि	तुलायामर्कः ४०।३२
७	गु	४७	५५	पू	५४	५८	अ	१९	५९	ग	१६	२५	२०	२०	४०	धनुषि	भ. ४७।५५ उ. तुलायामर्कः =
८	शु	४९	१८	उ	५७	५२	सु	१९	१८	वि	१८	३६	१६	२१	३९	म.१०।४१	भ.१८।३६ या. ज्येष्ठा. ३ गुरुः ३८।४०
९	श	४८	४९	श्र	५८	५३	धृ	१७	१७	बा	१९	६	१२	२२	३८	मकरे	[=सौरः१३।५५ बुधास्तःपश्चिमायां१७
१०	र	४६	२२	ध	५८	३	शू	१३	४१	तै	१७	३५	८	२२	३८	कुं. ३९	[Aशत.१राहुःमघा. ३केतुः ७।३३प्रदोषः
११	चं	४१	४९	श	५५	३	गं	८	३४	व	१४	५	४	२३	३७	कुंभे	भ.१४।५ उ.४१।४९या. पापां कुशा११व्र.
१२	मं	३५	१७	पू	५०	१९	वृ	५	५३	ब	८	३२	०	२४	३६	मी. ३०	वक्री चित्रा.बुधः१४।५१ रा. कार्तिकारंभः
१३	बु	२७	३०	उ	४४	२	व्या	४४	८	क्रौ	१	२३	२७	२५	३५	मीने	स्वात्यां रविः२२।३७ (सौरः५४।५८) A
१४	गु	१८	२४	रे	३६	५०	ह	३३	४२	व	१८	२४	५३	२५	३५	मे.३६।५०	भ.१८।२४ उ.४३।३४या. शरद्पूर्णिमा÷
१५	शु	८	४३	अ	२८	५९	व	२२	५७	ब	८	४३	४९	२६	३४	मेषे	शरद् पूर्णिमा वै. का. स्ना. प्रा.

२७ पं.आ.शु. २ श.इ. १३।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	७	४	४	१०	५
२५	११	१५	२२	१०	१०	१०	२५
३५	५१	१८	१३	४	५२	३४	०१
२	२९	३२	३४	४१	४४	४२	१७
५९	२५	४१/४	१०	५०	५	३	५९
२१	२०	व. १६	५५	५६	११	३१	

गोचर ग्रहाः

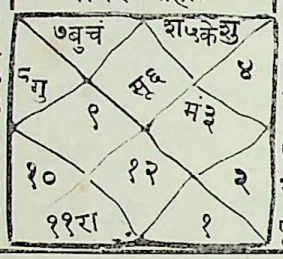

आश्विनशुक्ले ६ बुधे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ युवावस्था (सूती)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

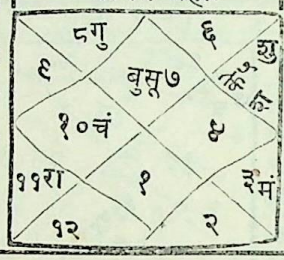

२८ पं.आ.शु.९ श.इ.१३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	७	४	४	१०	६
२	१४	१०	२३	१६	११	१७	१
३१	९	३८	२६	१९	३४	१२	५८
२६	४७	५३	१७	२३	१२	२६	४३
५९	२२	५६/३	१०	५५	५	३	५९
३४	२२	व. ५६	२७	३२	११	४६	

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	शु	५०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	४९	१७	म	२१	३	सि	११	४९	तै	२४	४	२७/४५	२७	३३	वृ.३४।१२	
३	र	४०	३५	कृ	१३	३९	व्य	१	४९/४१	व	१४	५६	४१	२८	३२	वृषे	भ.१४।५६उ.४०।३५या.
४	चं	३३	३	रो	७	१०	प	४१	४०	ब	६	५०	२७	२९	३१	मि. ३४	वक्री कन्यायां बुधः १२ बुधोदयःपूर्वस्यां=
५	मं	२७	१८	मृ	१४	२५/५६	शि	३३	४०	क्रौ	०	१०	२४	२९	३१	मिथुने	उफा.शुक्रः ५०।५
६	बु	२३	३५	पु	५७	४०	सि	२७	१४	व	२३	३५	३०	३०	३०	क. ४३।२	भ.२३।३५उ.५२।३१या.
७	गु	२१	२६	पु	५८	०	सा	२२	२५	ब	२१	२६	२७	३१	२९	कर्के	मार्गी बुधः५१।३७ नवम्बर ११ता.३०
८	शु	२१	३४	श्ले	६०	०	शु	१८	५५	क्रौ	२१	३४	२३	३१	२९	कर्के	[=५२।५७ करक चतुर्थी व्र.
९	श	२३	१९	श्ले	०	३४	शु	१७	१३	ग	२३	१९	१९	३२	२८	सिं. ३४	भ.५४।५५उ. कन्यायां शुक्रः ५।१२
१०	र	२६	३२	म	४	२८	ब्र	१६	२९	वि	२६	३२	१६	३३	२७	सिंहे	भ.२६।३२या. तुलायां बुधः३६।४३
११	चं	३१	८	पू	९	५४	ऐं	१७	११	बा	३१	८	१२	३४	२६	१४	ज्येष्ठा.४गुरुः५४।० रमा११ व्र.
१२	मं	३६	३१	उ	१६	५	वै	१८	१५	क्रौ	३	४९	९	३४	२६	कन्यायां	विशा. रविः४३।३
१३	बु	४२	३४	ह	२३	१८	वि	२०	८	ग	९	३७	५	३५	२५	तु.५६।५५	भ. ४२ उ. विशा.रविः सौरः १२ प्रदोषः ÷
१४	गु	४९	०	चि	३०	३१	ग्री	२२	१६	वि	१५	५२	२	३६	२४	तुलायां	भ.१५।५२या. रुप१४ [÷धन१३
३०	शु	५५	२६	स्वा	३८	१०	आ	२४	३३	च	१२	१३	५८/२६	३६	२४	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२९ पं.का. कृ.२ श. इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	७	४	४	१०	६
९	१५	२२	४३	२३	१२	९	८
२९	५९	२८	४५	२	१२	५०	५८
४२	२०	२६	३६	५३	४३	१०	३
५९	१८	७/४१	११	५८	५	३	६०
४७	२५	व. ३८	४४	२	११	२	

गोचर ग्रहाः

कार्तिक शुक्ले ६ शुक्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ प्रौढावस्था बैठी) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

३० पं.का.कृ.९ श.इ. १२/४३

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	५	७	५	४	१०	६
१६	१७	२९	२६	०	१२	९	१५
२९	२९	३४	७	७	४७	२७	५९
२८	१३	५९	२३	४१	२४	५५	७
६०	१४	१७/५२	१२	६१	४	३	६०
४	७	मा	८	३०	३८	११	१८

(सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः५६९७ स.२००७
१	श	६०	०	वि	४५	३६	सौ	२६	५१	कि	२८	३७	३५ ३७	२४	१९ २८ १०	वृ.२८।४५	पूफा.१शनिः३५।४ अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
२	र	१	४७	अ	५२	४९	शो	२९	५१	ब	१	४७	५३	३८	२२ २० २९ ११	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्
३	चं	७	४१	ज्ये	५९	२९	अ	३०	५०	कौ	७	४१	४९	३८	२२ २१ १ १२	ध. ५९	स्वात्यां बुधः १।५६ हस्तेशुक्रः ३३।१३×
४	मं	१२	४८	मू	६०	०	सु	३१	५४	ग	१२	४८	४५	३९	२१ २२ २ १३	धनुषि	भ.४४।५९उ.
५	बु	१७	११	मू	५	२०	धृ	३२	२२	वि	१७	११	४३	४०	२० २३ ३ १४	धनुषि	भ.१७।११या. [+तुलसीविवाह
६	शु	२०	२२	पू	१०	३०	शू	३२	२३	बा	२०	२२	३९	४०	२० २४ ४ १५	म. ३५	[÷१धनुषिगुरुः ५४ प्रबोधिनी११ व्र.+
७	शु	२२	२४	उ	१४	१२	गं	३१	१६	वै	२२	२४	३६	४१	१९ २५ ५ १६	मकरे	वृश्चिकेऽर्कः३९।८
८	श	२२	५३	श्र	१६	४०	वृ	२८	४९	व	२२	५३	३३	३१	१९ २६ ६ १७	कुं.४७।१	भ.२२।५३उ ५३या.वृश्चिकेऽर्कःसौरः ६०
९	र	२१	५२	ध	१७	२३	धु	५५	८	ब्र	२१	५२	३०	४२	१८ २७ ७ १८	कुंभे	गोपाष्टमी [×जिल्काद११ भातृ २ यम२
१०	चं	१९	८	श	१६	२८	श्ले	२०	१५	कौ	१९	८	२७	४३	१७ २८ ८ १९	मि. ५९ ३१	अनु.रविः५७।२८कुष्मांड ९ अक्षय९
११	मं	१४	३२	पू	१३	५२	ह	१३	४४	ग	१४	३२	२५	४३	१७ २९ ९ २०	मीने	भ.५१ ५३उ.अनु.रविःसौरः २३ ३७वक्रीभौमः ४९
१२	बु	८	३३	उ	९	४४	चि	५१	४	वि	८	३२	२२	४४	१६ ३० १० २१	मीने	भ.८।३२या. विशा. बुधः १४।५८ मूल.÷
१३	शु	०	५२	रे	४	५३	व्य	४७	३	बा	०	५३	१९	४४	१६ १ ११ २२	मे.४।४	रा. मार्गशिर्षारंभः प्रदोषः
१४	शु	५१	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ०	०	[Nपूर्वस्यां १०।५३ मन्वादिः का. स्नाःपू
१५	श	४२	४९	भ	४९	४०	व	३६	२८	ग	१७	३३	१७	४५	१५ २ १२ २३	मेषे	भ.४२।४९उ. वैकुंठ १४
१५	श	३३	८	कृ	४१	५२	प	२५	३६	वि	७	५४	१४	४५	१५ ३ १३ २४	वृ. २।४३	भ.७।५४या. चित्रा. शुक्रः ३९ ११ बुधास्तःN

३१ पं.का.शु.१ श. इ. १२ ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	७	५	४	१०	६
२३	१८	४	२७	७	१३	९	२३
३०	१७	२४	३२	२०	१८	५	०१
५०	१३	१२	१७	५०	२९	३९	४१
६०	९	६८	१२	६३	४	३	६०
१७	१०	५८	२६	३६	२	११	३०

३२ पं.का.शु.७ श. इ. १२ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	७	५	४	१०	७
०	१८	१३	२९	२५	१३	८	०
३३	२६	५९	०	९	४४	४३	७
२९	६	२८	०	२२	३१	२४	४५
६०	३	८७	१२	६५	३	३	६०
३०	२७	१०	५३	१३	२८	११	४०

३३ पं.का.शु.१५ श. इ. १२ ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	८	५	४	१०	७
७	१७	२४	०	२३	१४	८	७
३७	५१	३८	३१	०	६	२१	११
३७	४	१७	४८	४७	१८	८	१८
६०	३ ६	९४	१३	६६	२	३	६०
४२	व.	१७	५०	४१	४१	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	र	२३	४२	रो	३४	५१	शि	१४	३९	कौ	२३	४२	१९ २२	४६ ५५	४ १४ २५	वृषे	
२	चं	१५	१५	मृ	२७	४३	सि	१९	५०	गं	१५	१५	९	४६ १४	५ १५ २६	मी.१।२	भ.४१।३२उ.
३	मं	७	४९	आ	२२	३८	शु	४६	३१	वि	७	४९	७	४७ १३	६ १६ २७	मिथुने	भ.७।४९या.वृश्चिके बुधः ३६ ४८चतुर्थी व्र.
४	बु	२	२०	पु	१९	२३	शु	३९	४३	बा	२	२०	५	४७ १३	७ १७ २८	क.५।१२	
५	बु	५	६	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ० ०	० ०	
६	गु	५	७	४०	पु	१७	५२	ब्र	३४	४४	ग	२८	१६	२ ४८ १२	८ १८ २९	कर्के	भ.५७।४०उ. अनु. बुधः४६।३०
७	शु	५	८	२९	श्ले	१८	३६	ऐं	३१	२०	वि	२८	५१	० ४८ १२	९ १९ ३०	सिं. १९	भ.२८।५१या.तुलायां शुक्रः१९।११
८	श	६	०	०	म	२१	१३	वै	२९	३०	बा	२९	५१	२५ ४८ १२	१० २० १	सिंहे	दिसम्बर१२ता.३१
८	र	१	१३		पू	२५	१३	वि	२९	३३	कौ	१	१३	५६ ४९ ११	११ २१ २	क. ४२	[÷(सौरः३१।२१)
९	चं	५	४५		उ	३१	४९	मी	३०	१७	ग	५	४५	५४ ४९ ११	१२ २२ ३	कन्यायां	भ. ३८।२७ उ. ज्येष्ठा. रविः ७।३५÷
१०	मं	११	९		ह	३९	०	आ	३१	५९	वि	११	९	५३ ४९ ११	१३ २३ ४	कन्यायां	भ.११।९या.
११	बु	१७	३९		चि	४६	२९	सौ	३४	१२	बा	१७	३९	५१ ५० १०	१४ २४ ५	तु.१२।४४	उत्पत्ति११व्र.
१२	गु	२४	८		स्वा	५४	१६	शो	३६	३८	वै	२४	८	४९ ५० १०	१५ २५ ६	तुलायां	स्वात्यां शुक्रः१।२४मूल.२गुरुः४८।५७
१३	शु	३०	४५		वि	६०	०	अ	३९	०	व	३०	४५	४८ ५० १०	१६ २६ ७	वृ. ४४ ०	भ.३०।४५उ. प्रदोषः
१४	श	३६	५३		वि	१	४२	सु	४१	१	वि	३	४९	४६ ५१ ९	१७ २७ ८	वृश्चिके	भ.३।४९या.ज्येष्ठा. बुधः१३।५७
२०	र	४२	२९		ध	८	४६	धु	४२	३१	च	९	४१	४५ ५१ ९	१८ २८ ९	वृश्चिके	

३४ पं.मा.कृ.८ श. इ. ११ ५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	८	६	४	१०	७
१४	१९	५	२	०	१४	७	१४
४२	३४	३८	४	५९	२३	५८	१८
४०	४८	६	४४	३५	१०	५	४
६०	१७	९७	१३	६७	१	३	६१
५०	व.	४	२३	५२	११	११	३

गोचर ग्रहाः

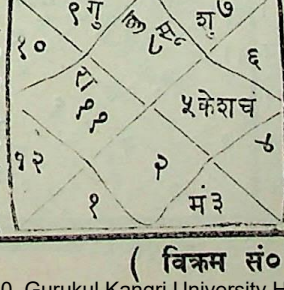

इस मास में मंगल वार का चद्र दर्शन मदीमें बाजरा मूंग मोठ मक्का आदि धान्य सोना चांदी लोहा गुड सक्कर में तेजी करेगा

गोचर ग्रहाः

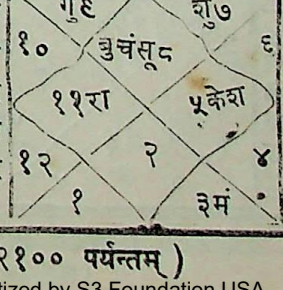

३५ पं.मा.कृ.१४ श. इ. ११ ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	८	६	४	१०	७
२१	१४	१६	३	९	१४	७	२१
४८	४१	३६	२८	९	३४	३६	२५
४३	२	१४	५३	२९	२३	३७	२७
६०	१७	९८	१३	६८	१	३	६१
५६	व.	४३	३२	५१	१९	११	११

(विक्रम सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५७२७स. २००७
१	चं	४६	५३	ज्ये	१५	०	शु	४३	२०	किं	१४	४१	३५	५६	९	१९	२९	१०	ध.१५।०
२	मं	५०	४०	मू	२०	२७	गं	४३	३२	बा	१८	४६	४३	५१	९	२०	३०	११	धनुषि चंद्रदर्शनम् अस्तंगुरोः ५६।२४
३	बु	५३	२२	पू	२४	५६	बृ	४३	२	त	२२	१	४२	५२	८	२१	१	१२	म. ४९ जिल्हेज १२
४	गु	५४	५७	उ	२८	२९	धु	४१	२५	व	२४	९	४१	५२	८	२२	२	१३	मकरे भ.२४।९उ.५४।५७या.
५	शु	५४	२६	श्र	३०	५३	व्या	३९	१३	ब	२५	१२	४०	५२	८	२३	३	१४	मकरे
६	श	५४	४८	ध	३२	२८	ह	३६	९	कौ	२५	८	३९	५२	८	२४	४	१५	कुं १।४१ चंपा ६
७	र	५२	५२	श	३२	३३	व	३२	७	ग	२४	५०	३९	५२	८	२५	५	१६	कुम्भे भ. ५२।५२ उ. मूलेधनुष्यर्कः १४।५०+
८	चं	४९	४३	पु	३१	२५	सि	२७	०	वि	२१	१७	३८	५२	८	२६	६	१७	मी. ९६ भ.२१।१७या. विशा.शुक्रः २४।५१
९	मं	४५	२५	उ	२९	६	व्य	२०	४९	बा	१६	३४	३८	५२	८	२७	७	१८	मीने [+(सौरः ३५।११ मूलेधनुषिबुधः ३७।४७
१०	बु	३९	४९	रे	२५	४०	व	१३	४१	तै	१२	३७	३७	५३	७	२८	८	१९	मे. २५।२४ ⌈Dमोक्षदा ११व्र. गीताजयंती
११	गु	३३	१७	अ	२०	५८	प	३५	५०	व	६	३२	३७	५३	७	२९	९	२०	मेषे भ.६।३२उ.३३।१७या. वक्री शनिः ४ D
१२	शु	२५	२८	भ	१५	१७	सि	४७	७	बा	२५	२८	३६	५३	७	३०	१०	२१	बृ.२८।४१ मूल. ३ गुरुः २२।३६ प्रदोषः
१३	श	१७	१५	कृ	८	५३	सा	३६	५७	तै	१७	१५	३६	५३	७	१	११	२२	वृषे रा. मौषारंभः
१४	र	८	३८	रो	२	५३	शु	३६	५८	व	८	३८	३६	५३	७	२	१२	२३	मि २८।५६ भ.८।३८उ. ३४।२९ या. दत्तजयंती
१५	चं	०	२०	अ	४९	५२	शु	१७	१४	ब	०	२५	३६	५३	७	३	१३	२४	मिथुने पूषा. बुधः ५८।५५

३६ पं.मा.शु. ६ श.इ. ११/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	८	६	४	१०	७
२८	१२	२७	५	१७	१४	७	२८
५५	१६	३६	१४	२५	४०	१४	२४
३७	३७	२९	४२	१६	३४	२१	३०
६१	३३	९९	१३	६९	०	३	६१
०	व.	४५	३८	३६	३७	११	१९

गोचर ग्रहाः

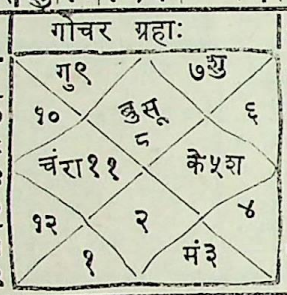

मार्गशीर्ष शुक्ले ७रवौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.३ न.३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादि भावेमहर्धता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

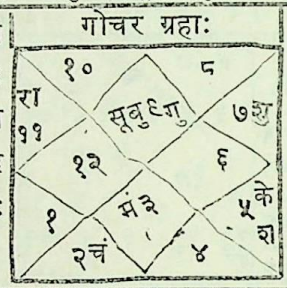

३७ पं.मा.शु. १३ श.इ. ११/९९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	८	६	४	१०	८
६	९	८	६	२५	१४	६	५
३	३७	४१	५१	४६	४१	५२	५३
१४	१	३९	४	३४	२	६	५५
६१	२७	९९	१३	७०	१६	३	६१
४	व.	२०	३८	२२	व.	११	२९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	चं	५२	२५		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४६	४०	पु	४५	१३	ब	८	१७	तै	१९	४२	३५	५६	७	४	१४	२५	क. ३१।४१ वृश्चिके शुक्रः ४७।१५ धनिष्ठा:४राहुः×
३	बु	४२	१	पु	४२	१६	ऐं	२५	२५	व	१४	२०	३७	५३	७	५	१५	२६	कर्के भ.१४।२० उ. ४२।९ या.
४	गु	३९	२८	श्ले	४१	२२	वि	४९	१	ब	१०	४४	३७	५३	७	६	१६	२७	सिं ४१।२२ चतुर्थी व्र.
५	शु	३९	७	म	४२	२९	प्री	४५	५२	कौ	९	१७	३८	५२	८	७	१७	२८	सिंहें अनु.शुक्रः २६।३५
६	श	४०	५२	पू	४५	३५	आ	४४	३४	ग	९	५९	३८	५२	८	८	१८	२९	सिंहे भ.५३ उ. पूषा.रविः १९ (सौरः ३६)+
७	र	४४	३२	उ	५०	३३	सौ	४४	१३	वि	१२	४२	३९	५२	८	९	१९	३०	क. १।४९ भ.१२।४२ या.
८	चं	४९	३७	ह	५६	५७	शो	४५	१७	बा	१७	४०	४०	५२	८	१०	२०	३१	कन्यायां [×मघा २केतुः ५९।२३
९	मं	५५	४८	चि	६०	०	अ	४७	९	तै	२२	४२	४१	५२	८	११	२१	१	तु.३०।३७ जनवरी १०।३१
१०	बु	६०	०	चि	४	१६	सु	४९	२२	व	२९	३४	४२	५२	८	१२	२२	२	तुलायां भ.२९।३उ. उषा. बुध.२२।४०
१०	गु	२	१९	स्वा	११	५६	धृ	५१	५०	वि	२	१९	४३	५१	९	१३	२३	३	तुलायां भ.२।१९ या.
११	शु	८	५१	वि	१९	२९	शू	५३	४८	बा	८	५१	४४	५१	९	१४	२४	४	वृ. २।३६ मूल. ४ गुरुः ५५।३ सफला ११ व्र.
१२	श	१५	०	अ	२६	३५	गं	५५	३१	तै	१५	०	४५	५१	९	१५	२५	५	बृश्चिके मकरे बुधः ५९।१० प्रदोषः
१३	र	२०	२२	ज्ये	३२	४६	बृ	५६	४	व	२०	२२	४७	५१	९	१६	२६	६	ध.२२।४६ भ.२०।२२ उ.५२।२१ या.उदयं गुरो।३७/४८
१४	चं	२४	१९	मू	३७	४५	धु	५५	५४	श	२४	१९	४८	५०	१०	१७	२७	७	धनुषि +वक्री मृगेभौमः
३०	मं	२७	१५	पू	४१	४९	व्या	५४	४९	ना	२७	१५	५०	५०	१०	१८	२८	८	म. २९ ज्येष्ठा.शुक्रः ३५ बुधोदयःपश्चिमायां ५६

३८ पं.पौ.कृ.३ श. इ. ११/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	८	७	४	१०	८
१३	७	१९	८	४	१४	६	१२
११	१	५६	२७	१२	३६	२९	५३
१३	१६	१३	४०	३६	३२	५०	४७
६१	३७	०	१३	७१	५७	३	६१
६	व.	२०	३८	०	व:	११	२६

गोचर ग्रहाः

मिथुने च यदा भौमः मेघश्च प्रबलो भवेत्। आरक्तं सर्वं द्रव्याणि महर्घाणि भवन्तिहि।। धान्य रस तेज धातु मंदी होवे वर्षाभीहो।

गोचर ग्रहाः

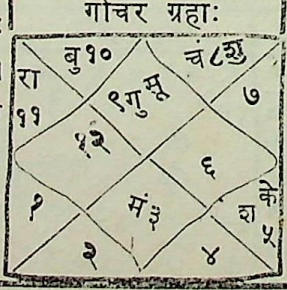

३९ पं.पौ.कृ. १२ श.इ. ११।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	९	८	७	४	१०	८
२०	४	११	१०	१२	१४	६	२०
१९	४२	२०	३	४२	२६	७	३
२६	७	२८	३६	१८	१	३४	४४
६१	२४	५९	१३	७१	४४	३	६१
६	व:	४३	१२	२६	व.	११	२६

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५७५७ स. २००८
१	बु	२८	५०	उ	४४	३३	ह	५२	४४	व	२८	५०	२५	५०	१०	१९	२९	९	मकरे
२	गु	२९	२०	श्र	४६	३	व	४९	४३	कौ	२९	२०	५३	४९	११	२०	३०	१०	मकरे
३	शु	२८	४६	ध	४६	४५	सि	४५	५८	ग	२८	४६	५५	४९	११	२१	१	११	कुं. १६।२४
४	श	२७	१६	श	४६	३७	व्य	४१	५७	वि	२७	१६	५७	४९	११	२२	२	१२	कुंभे
५	र	२४	५८	पू	४५	३२	व	३६	३१	बा	२४	५८	५९	४८	१२	२३	३	१३	मी ३०।४८
६	चं	२१	४८	उ	४३	४७	प	३०	४८	तै	२१	४८	२६	४८	१२	२४	४	१४	मीने
७	मं	१८	८	रे	४१	२२	शि	२४	३०	व	१८	८	४	४७	१३	२५	५	१५	मे. ४१।२२
८	बु	१३	३९	अ	३८	१२	सि	१७	४०	ब	१३	३९	६	४७	१३	२६	६	१६	मेषे
९	गु	८	३९	भ	३४	२५	सा	१०	२२	कौ	८	३९	८	४६	१४	२७	७	१७	वृ. ४८।२०
१०	शु	२	५६	कृ	३०	७	शु	२३	५१	ग	२	५६	११	४६	१४	२८	८	१८	बृश्चिके
११	शु	५३	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	श	४९	४८	रो	२५	१०	ब्र	४५	३३	ब	२३	११	१३	४५	१५	२९	९	१९	मि. ५२
१३	र	४३	५	मृ	२०	२२	ऐं	३६	५६	कौ	१६	२६	१६	४५	१५	३०	१०	२०	मिथुने
१४	चं	३६	३१	आ	१५	३०	वै	२८	४४	ग	९	४८	१९	४४	१६	१	११	२१	क. ५७।२०
१५	मं	३०	५६	पु	११	१६	वि	२१	३	वि	०	३	४४	२१	४४	१६	२	१२	२२	कर्के

[=(सौर:२५।४) रा.मावारंभः
श्रवणे बुधः ३५।१४ चंद्रदर्शनम्
भ.५८।१ उ. उषा.रवि.$\frac{३५}{५६}$(सौर:$\frac{३५}{५६}$)×
भ.२७।१६ या.

[×मोहोरम १ सन् १४२९ हि
मकरेऽर्कः ४०।५९ (सौर:५३।४३)
भ.१८।८ उ.४५।५४ या.

[*पूषा.१गुरुः४२।९ पुत्रदा११व्र.
पातस्पर्शः ०।४३ पातकमोक्षः १४।१४
भ.२८।४५ उ.५४।३४ या. पुत्रदा ११ व्र.

धनि.बुधः २८।४१ मुले धनुषिशुक्रः $\frac{३}{३०}$ *
प्रदोषः
भ. ३६।३१ उ. अभि. प्र. रविः १३।२९=
भ.३।४४ या. मा. स्ना. प्रा.

४० पं.पौ.शु. ४श. इ. $\frac{११}{१}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	९	८	७	४	१०	८
२७	२	१२	११	२१	१४	५	२७
२७	४८	३८	३८	१४	१०	४५	१३
२२	२२	५३	५३	३५	२०	१९	३६
६१	$\frac{१९}{३५}$	९९	१३	७१	$\frac{२}{२०}$	३	६१
६	व.	२९	२६	५१	व.	११	२४

गोचर ग्रहाः

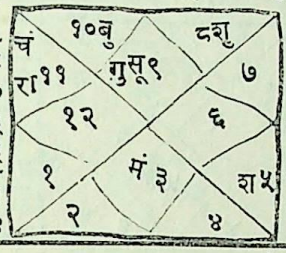

पौष शुक्ले ६ चंद्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा २ न. ३ प्रौढावस्था(बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

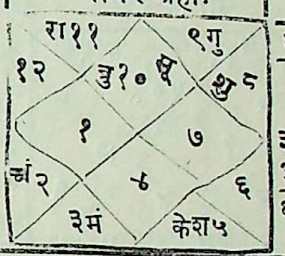

४१ पं. पौ. शु १ श. इ. $\frac{९}{१}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	८	७	४	१०	९
४	१	२२	१३	२९	१३	५	४
३५	३०	५७	१३	४८	५०	२३	२३
१३	०	७	०५	३६	४६	३	५
६१	$\frac{१३}{४}$	७८	१३	७२	$\frac{३}{१}$	३	६१
३	व.	३१	१९	१०	व.	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	बु	२६	३१	पु	८	९	मी	१४	१७	कौ	२६	३१	२६	४३	१७	३	१३	२३	कर्के
२	गु	२३	३९	श्ले	६	२६	आ	८	५१	ग	२३	३९	२७	४३	१७	४	१४	२४	सिं. ६।२६
३	शु	२२	४०	म	६	३६	सौ	४	३४	वि	२२	४०	२९	४२	१८	५	१५	२५	सिंहे
४	श	२३	२०	पू	८	३०	शो	१	५९	बा	२३	२०	३१	४२	१८	६	१६	२६	क. २४।२६
५	र	२६	११	उ	१२	१६	अ	१	०	तै	२६	११	३५	४१	१९	७	१७	२७	कन्यायां
६	चं	३०	३५	ह	१७	३४	सु	०	५८	व	३०	३५	३८	५०	२०	८	१८	२८	तु. ५०।५७
७	मं	३६	२२	चि	२४	२१	धृ	२	१९	वि	३	२९	४१	४०	२०	९	१९	२९	तुलायां
८	बु	४२	४५	स्वा	३१	३८	शु	४	३	बा	९	३२	४५	३९	२१	१०	२०	३०	तुलायां
९	गु	४९	४२	वि	३९	१७	गं	६	३५	तै	१६	१३	४८	३८	२२	११	२१	३१	वृ. २२।२२
१०	शु	५५	२५	अ	४६	२८	वृ	८	३५	व	२३	३४	५१	३८	२२	१२	२२	१	वृश्चिके
११	श	६०	०	ज्ये	५३	६	ध्रु	१०	२९	ब	२८	५	५४	३७	२३	१३	२३	२	ध. ५३।६
११	र	०	४४	मू	५८	१९	व्या	११	२५	बा	०	४४	५८	३६	२४	१४	२४	३	धनुषि
१२	चं	४	३५	पू	६०	०	ह	११	१३	तै	४	३५	२७	३६	२४	१५	२५	४	धनुषि
१३	मं	७	८	पू	२	२	व	९	५८	व	७	८	५	३५	२५	१६	२६	५	म. १७।३७
१४	बु	७	५३	उ	४	१९	सि	७	३१	श	७	५३	८	३४	२६	१७	२७	६	मकरे
३०	गु	७	२०	श्र	५	८	व्य	५	५५	ना	७	२०	१२	३४	२६	१८	२८	७	कुं. ३४।५४

[÷२०।५९ फर्वरी २ ता. २९
भ.५३।९ उ. श्रवणेरविः $\frac{३०}{६}$ (सौर:$\frac{४१}{०}$)
भ.$\frac{२२}{४०}$ या. अभि.नि.रविः $\frac{२२}{२१}$ (सौर:$\frac{३३}{१७}$)×

[×चतुर्थी व्र.

भ.$\frac{३०}{५}$ उ.वक्रीबुधः $\frac{४९}{४०}$ वक्रीमघा.४ शनिः $\frac{४}{४}$
भ.३।२९ या. पातस्पर्श $\frac{४३}{१}$ पातमोक्षः $\frac{५७}{८}$
पूषा. शुक्रः ८।२०
बुधास्तः पश्चिमायां १६।५०
भ.२३।३४ उ.५५।२५ या. मार्गी भौमः÷ षट्तिला ११ व्र.

पूषा.२गुरुः १०।० प्रदोषः
भ.७।८ उ. ३७।३१ या.
धनि. रविः ३८।२४ (सौर:४६।५०) +

[+वक्री श्रवणे बुधः ४४।१२

४२ पं.मा.कृ.४श.इ.११।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	८	८	४	१०	९
११	०	२९	१४	८	१३	५	११
४२	४८	१९	४५	२४	२७	०	३१
४०	१४	१३	२२	४३	०	४८	५६
६०	$\frac{३८}{५९}$	३३	१२	७२	$\frac{४३}{३}$	३	६१
५९	व.	३५	५७	३२	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जौ बाजरा मूगं मोढ मंदा होकर तेज हो. सोना चांदी रुई पाट में घटबढचले शीत-अधिक ।

गोचर ग्रहाः

४३ पं. मा. कृ. ११ श. इ. $\frac{१२}{१२}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	८	८	४	१०	९
१८	०	२८	१६	१७	१२	४	१८
४९	४४	५	१५	१	५९	३८	४०
१६	२८	४२	११	५९	२४	३२	०१
६०	$\frac{४०}{५५}$	३३	१२	७२	$\frac{५९}{३}$	३	४१
५५	मा	व.	३२	५०	व.	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गणः ५७ स.२००८

५	शु	५	१७	ध	४	४०	प	५३	४९	ब	५	१७	२७ ५५	३६	२७ ५	१९	२९	८	कुम्भे
२	श	२	१८	श	३	१२	शि	४७	४१	कौ	२	१८	१९	३२	२८	२०	१	९	मी. ३६
३	श	५६	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	र	५४	१	पू	१ ५८		सि	४०	५७	व	३६	१३	२३	३१	२९	२१	२	१०	मीने
५	चं	४९	२५	रे	५५	१४	सा	३४	१३	ब	२१	४३	२७	३१	२९	२२	३	११	मे.५५।१४
६	मं	४४	३१	अ	५१	५६	शु	२७	१४	कौ	१६	५८	३०	३०	३०	२३	४	१२	मेषे
७	बु	३९	३५	भ	४८	५०	शु	२०	१४	ग	१२	४	२४	२९	३१	२४	५	१३	मेषे
८	गु	३४	४०	कृ	४५	३५	ब्र	१३	८	वि	७	८	२८	२८	३२	२५	६	१४	वृ.३।१
९	शु	२९	३८	रो	४२	६	ऐं	५९ ५५	४१	वा	२	९	४१	२८	३२	२६	७	१५	वृषे
१०	श	२४	२५	मृ	३८	५१	वि	५१	४४	ग	२४	२५	४५	२७	३३	२७	८	१६	मि.१२
११	र	१९	३०	आ	३५	४३	प्री	४४	५९	वि	१९	३०	४९	२६	३४	२८	९	१७	मिथुने
१२	चं	१४	४१	पु	३३	८	आ	३८	१९	बा	१४	४१	५३	२५	३५	२९	१०	१८	क.१८।४६
१३	मं	१०	४५	पु	३०	५८	सौ	३२	२९	तै	१०	४५	५६	२५	३५	३०	११	१९	कर्के
१४	बु	७	२३	श्ले	२९	४४	शा	२७	२२	व	७	२३	२८ ००	२४	३६	१	१२	२०	सिं. २९
१५	गु	५	१०	म	२९	५९	अ	२३	२९	ब	५	१०	४	२३	३७	२	१३	२१	सिंहे

४४पं.मा.शु.२ श.इ. ११२३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	८	८	४	१०	९
२५	१२०	१७	२५	१२	४	२५	
५५	१३	१५	४२	४०	२८	१६	४६
१	४१	३६	२९	५	५४	१६	४८
६०	६	५६	१२	७३	४८	३	६०
४७	२१	व.	१४	५	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

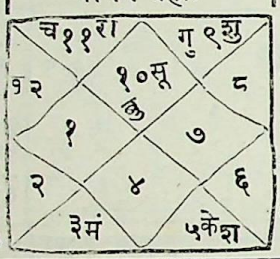

माघ शुक्ले ७बुधे कुंभेऽर्कः प्रविष्टःवा.३ न.४ प्रगल्भावस्था. (बैठी मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

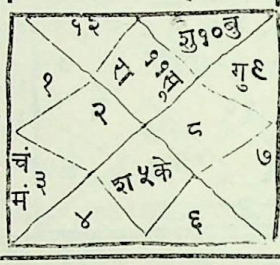

४५ पं.मा.शु.१० श.इ. ११९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	९	८	९	४	१०	१०
२	२	१४	१९	४	११	३	२
१९	१२	४५	६	१८	५६	५४	५२
४९	५४	१४	४३	३६	१०	१	५१
६०	११	२७	११	७३	३४	३	६०
३७	१८	व.	४२	१७	व.	११	४२

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९ | दि. उ. अ. भा. मु इं | चन्द्रः | वसंतर्तू रविर्दक्षिणे माघ कृष्णेति महा.

१	शु	४	४०	पू	३१	३१	सु	२०	२०	कौ	४	३०	२८	२२	३८	३	१४	२२	कं.४७।२०
२	श	५	१३	उ	३४	४६	धृ	१९	१०	ग	५	१३	१३	२२	३८	४	१५	२३	कन्यायां
३	र	७	३९	ह	३९	१५	शू	१८	२९	वि	७	३९	१६	२१	३९	५	१६	२४	कन्यायां
४	चं	११	३५	चि	४५	२३	गं	१९	१६	बा	११	३५	२०	२०	४०	६	१७	२५	तु.१२।१९
५	मं	१६	५६	स्वा	५२	१७	वृ	२०	४१	तै	१६	५६	२४	१९	४१	७	१८	२६	तुलायां
६	बु	२२	५६	वि	५९	५१	ध्रु	२२	५७	व	२२	५६	२८	१८	४२	८	१९	२७	धनिष्ठा.३राहुःमघा.१केतुः५३।१९
७	गु	२९	२२	अ	६०	०	व्या	२५	८	ब	२९	२२	३३	१८	४२	९	२०	२८	वृ.४२।५८
८	शु	३५	५१	अ	७	२५	ह	२७	२०	बा	२	३५	३६	१७	४३	१०	२१	२९	वृश्चिके
९	श	४१	२१	ज्ये	१४	२७	व	२८	५१	तै	८	३५	४०	१६	४४	११	२२	१	वृश्चिके
१०	र	४५	२६	मू	२०	११	सि	२९	२१	व	१३	२३	४४	१५	४५	१२	२३	२	धनुषि
११	चं	४८	१२	पू	२४	३३	व्य	२८	३९	व	१६	४९	४८	१४	४३	१३	२४	३	म. १० १४
१२	मं	४८	५६	उ	२७	१८	व	२६	३१	कौ	१८	३४	५३	१४	४६	१४	२५	४	मकरे
१३	बु	४७	५८	श्र	२८	१९	प	२३	४	ग	१८	२६	५६	१३	४७	१५	२६	५	कुं.५७।५०
१४	गु	४५	३	ध	२७	२३	शि	१८	५	वि	१६	३०	२९ १	१२	४८	१६	२७	६	कुंभे
३०	शु	४०	५०	श	२५	३	सि	११	५८	च	१२	५६	५	११	४९	१७	२८	७	कुम्भे

[Adhनि. बुधः३५।४०

मार्च३ता.३१

४६ पं.फा.कृ.२ श.इ. ५११							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	२९	८	९	४	१०	१०
१०	३	१५	२०	१२	११	३	९
३	४०	१९	२७	५६	२२	३१	५७
२२	२३	३०	२५	३८	५२	४५	२४
६०	१५	१७ ४५	११	७३	४०	३	६०
२५	५०	मा.	३	२६	व.	११	३२

गोचर ग्रहाः

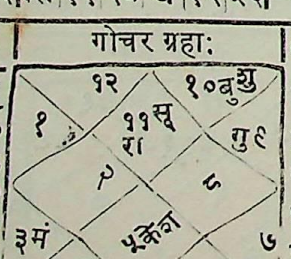

शुक्रस्य पंचवाराः स्युः यत्र मासे निरन्तरम्। प्रजा वृद्धिः सुभिक्षं च सुखं तत्र प्रवर्तते।। इस मास में धान्य रस मंदे सोना चांदी तेज रहे।

गोचर ग्रहाः

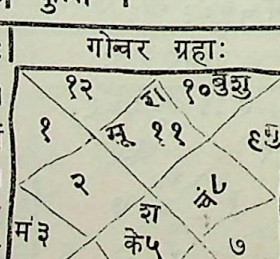

४७पं.फा.कृ.९ श.इ. १२।९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	९	८	९	४	१०	१०
१७	५	२०	२१	२१	१०	३	१७
५	२५	५	४३	३६	४८	९	०
३५	१०	४२	५	०	४२	३०	१७
६०	१९	४७	१०	७३	४०	३	६०
१७	४	१०	२४	३८	व.	११	२०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८१६ स. २००८
१	श ३५ २२ पू २१ २६ सा ४५ १० किं ८ ६	२९	१०	५०	१८	२९	८	मी. ७।२०	कुंभे शुक्रः ०।४२ पातस्पर्शः ४५।५२×
२	र २९ २ उ १७ १० शु ४८ ४३ बा २ ११	१३	९	५१	१९	३०	९	मीने	चंद्र दर्शनम् फुलरिया २ [×पातमोक्षः ५५
३	चं २२ ४६ रे १२ २८ ब्र ४० १३ ग २२ ४६	१७	९	५१	२०	१	१०	मे. १२।२८	भ.४९।२५उ. कुंभे बुधः ३३।४८ पूषा ४=
४	मं १६ ४ अ ७ ४३ ऐं ३२ ११ वि १६ ४	२१	८	५२	२१	२	११	मेषे	भ.१६।४या.वक्री मघा.३शनिः ४५।५९
५	बु ९ ५३ भ २९ ५५ वै २४ २० बा ९ ५३	२६	७	५३	२२	३	१२	वृ. १७।२४	[=गुरुः ४९।२४रविलावल ३
६	गु ३ ५७ रो ५५ ४४ वि १६ ५५ तै ३ ५७	३०	६	५४	२३	४	१३	वृषे	भ.५८।४३उ.शते शुक्रः २४।१
७	शु ५४ ४४ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	शु ५३ ५१ मृ ५२ ५६ मी ९ ४४ वि २६ १६	३४	५	५५	२४	५	१४	मि. ३४ ३०	भ.२६।१६या.मीनर्क्षः ६।५५(सौरः ११ १८)+
९	श ४९ ४५ आ ५० ४६ आ १९ ५४ बा २१ ४८	३८	४	५६	२५	६	१५	मिथुने	शते बुधः १४।४४ [+होलाष्टकम्
१०	र ४६ ३८ पु ४९ ९ शो ५१ ५९ तै १८ ११	४३	३	५७	२६	७	१६	क. ३४।३३	
११	चं ४३ ४१ पु ४८ २८ अ ४७ ८ व १५ १०	४७	३	५७	२७	८	१७	कर्के	भ. १५।१०उ. ४३।४१ या. उभा. रविः B
१२	मं ४१ ४२ श्ले ४८ २१ सु ४३ ५ ब १२ ४२	५१	२	५८	२८	९	१८	सिं. ४६ ३१	[B २७।५९ (सौरः ५१ ५४) आमलकी ११ व्र.
१३	बु ४० ५६ म ४९ २६ धृ ३९ ५८ कौ ११ १९	५५	१	५९	२९	१०	१९	सिंहे	प्रदोषः
१४	गु ४१ ६ पू ५१ ३५ शू ३७ ३० ग ११ १	३०	०	०	३०	११	२०	सिंहे	भ.४१।६उ.
१५	शु ४२ ३५ उ ५५ १ गं ३६ ३४ वि ११ ५०	४	५९	१	१	१२	२१	कं. ७।२५	भ.११।५०या.रा.चैत्रारंभः होलिकादहनम्

४८ पं. फा.शु. १ श.इ. १२ ८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	९	८	१०	४	१०	१०
२४	७	२७	२२	०	१०	२	२४
६	४४	२१	५४	१४	१५	४७	१
२२	३१	५८	४३	२८	४३	१४	४०
५९	२२	३६	९	७३	२५	३	६०
५८	५	५८	४०	४८	व.	११	६

गोचर ग्रहाः

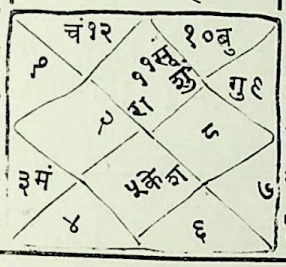

फाल्गुन शुक्ले ८ शुक्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४९ पं.फा.शु.९ श.इ. १२ ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	८	१०	४	१०	११
१	१०	६	२४	८	९	२	१
५	१४	१९	०	२३	४३	२४	१
२५	६	५२	२२	५३	१६	५८	२२
५८	२४	८१	८	७३	९	३	५९
४१	२३	२९	४९	५०	व.	११	७

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९	दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरे, फाल्गुन कृष्णेतिमहा.
१	श ४५ २४ ह ५९ ४३ बृ ३५ ५६ बा १४ ५४	३०	८	५८	२	१३	२२	कन्यायां	वसंत १ छारेंडी
२	र ४९ १५ चि ६० ० धृ ३६ ३१ तै १७ ५९	१२	५८	२	३	१४	२३	तु. ३२ ३९	[÷२२।८पूभा.शुक्रः १२।५६
३	चं ५४ ३५ चि ५ ३० व्या ३७ ५१ व २१ ५९	१६	५७	३	४	१५	२४	तुलायां	भ.२१।५९ उ.५४।३५या. पूभा.बुधः÷
४	मं ६० ० स्वा १२ १ ह ३९ ४३ ब २७ २०	२१	५६	४	५	१६	२५	तुलायां	चतुर्थी व्र.
५	बु ० २० वि १९ २१ व ४२ ५ बा ० २०	२५	५५	५	६	१७	२६	वृ. २।३१	[×शुक्रः १८।२६ अप्रेल ४ ता. ३०
६	गु ६ ४० अ २७ २ सि ४४ २६ तै ६ ४०	२९	५४	६	७	१८	२७	वृश्चिके	
७	शु १३ ८ ज्ये ३४ ३१ व्य ४६ ४१ व १३ ८	३३	५३	७	८	१९	२८	ध. ३४ ३१	भ.१३।८ उ.४६।५ या. शीतला पूजनम्
८	श १९ २ मू ४१ ७ व ४७ ५९ ब १९ २	३७	५३	७	९	२०	२९	धनुषि	
९	र २३ ४३ पू ४६ ३८ प ४८ १६ कौ २३ ४३	४१	५२	८	१०	२१	३०	धनुषि	रेवत्यां रविः ५५ ३८ (सौरः ५९ २१) मीनेबुधः २० १३
१०	चं २७ १६ उ ५० २६ शि ४७ १६ ग २७ १६	४५	५१	९	११	२२	३१	म. २।३५	भ.५८।० उ.
११	मं २८ ४४ श्र ५२ २९ सि ४४ ४४ वि २८ ४४	४९	५०	१०	१२	२३	१	मकरे	भ.२८।४४या. उभा. बुधः १३।५३मीने×
१२	बु २८ १४ ध ५२ २९ सा ४० ३८ बा २८ १४	५३	४९	११	१३	२४	२	कुं. २२।२९	पापमोचनी ११ व्र.
१३	गु २५ ३७ श ५० २८ शु ३४ ५६ तै २५ ३७	५७	४९	११	१४	२५	३	कुंभे	बुधास्तः पूर्वस्यां ७।१८ प्रदोषः
१४	शु २१ १६ पू ४६ ४८ शु २७ ४८ व २१ १६	३१	४८	१२	१५	२६	४	मी. ३३ ३४	भ. २१।१६ उ.४८।११या.उभा.शुक्रः ५२
१५	श १५ ५ उ ४१ ४० ब्र १९ २४ श १५ ५	५	४७	१३	१६	२७	५	मीने	उषा. १ गुरुः १२।५९
३०	र ७ ३८ रे ३५ ४३ ऐं १० १८ ना ७ ३८	१०	४६	१४	१७	२८	६	मे. ३५।४३	मन्वदिः नवरात्रारंभः

५० पं.चै.कृ.१ श.इ. १३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	८	१०	४	१०	११
८	१२	१६	२५	१७	९	२	७
३	५७	३७	०	३२	१५	२	५९
१८	५०	८	२८	२४	५०	४३	१७
५९	२६	९४	७	७३	५३	३	५९
२९	१०	२२	५५	५६	व.	११	३५

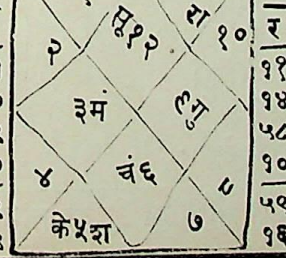

५१ पं. चै. कृ. ७ श. इ. १३ ५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	८	१०	४	१०	११
१४	१५	२८	२५	२६	८	१	१४
५८	५३	२	५३	११	५०	४०	५५
१०	५३	३५	३८	४९	६	२७	२६
५९	२८	०	६	७४	३	३	५९
१६	७	३५	४५	२	१९	११	१८

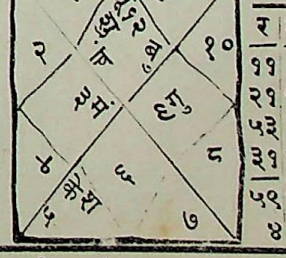

५२ पं.चै. कृ. १४ श.इ. १३ ५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	८	११	४	१०	११
२१	१९	१०	२६	४	८	१	२१
५३	१	५१	४०	५०	२८	१८	४९
३१	२३	२५	५	१७	१६	११	३७
५९	२९	५०	५	७४	३	३	५९
४	३४	५	५३	१४	व.	११	४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

मजयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०९, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रैतायुगप्रमाणम् ८६४०००, द्वपरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१०९, भोग्यकलिः ४२६८९१, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०६५, शाकः १९३०, अथास्मिन् वर्षे राजा रविः। मंत्री रविः। सस्येशो बुधः। धान्येशश्चंद्रः। मेघेशः शनिः। रसेशो गुरुः नीरसेशो भौमः। फलेशः शनिः। धनेशो-भौमः। दुर्गेशः शनिः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १५ ल्पवनाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ११।६।५१।५० भोग्यमासादिः ०।२३।८।१० पितृदैवतं युगम्। वर्षनाम आषाढः। मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासः संधौ। समयनिवासो वणिक्गृहे। समय विश्वा १२ समयवाहनम् मृगः स्तंभः१ अन्नस्य। सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी २ भानुसप्तमी २, रविदशमी नैव समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानी ३५२ तिथिक्षयः १७, तिथिवृद्धिः ९, उत्पत्ति विश्वा ९३, खपति विश्वा ८४, वर्षाविश्वा ७, धान्यम् ११ तृणम् १५, शीतम् १५ तेजः ११, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११३, शनिदृष्टिः दशिणे सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण सूर्यस्य १ चंद्रमसः १।

संवत् २०६५ श्राव.कृ.३० शुक्रे सूर्यग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घं.	२२	२४	२७
प.	५७	५८	३९

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	१४	५	२	२	११	२

वर्ष लग्नम् ४।७

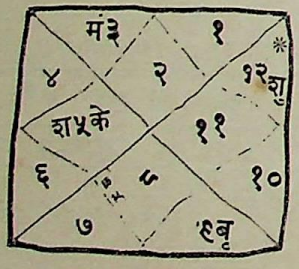

भैरव भवानी संवाद

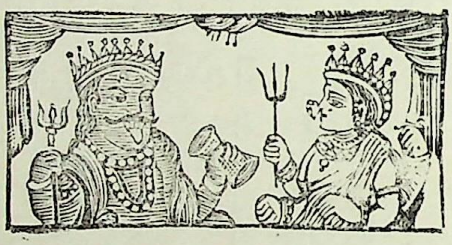

भैरव प्रश्न।

अंबा देवी मातसे पूछत भैरव जाय।
विक्रम पैंसठ सालका मुझको गुण बतलाय।।

भवानी उत्तर

माता कहे पुकारके सुन भैरव सब हाल।
दूध दही बिन देशका भूखां मरसी बाल।।
दिवानाघ राजा भये मंत्री पदको पाय।
समय निवासो वैश्यघर तेज़ी अधिक दिखाय।।
बिन पाणी बादल झुके इंद्र धनुष ले संग।
कहीं वर्षे कहीं यूं रहे प्रजा होयसी तंग।।
पापग्रहां इस वर्ष में लिया अधिक अधिकार।
रोग उपद्रव चौरभय जग में बढैं अपार।।
रोहिणी वासो संधि में स्तंभ लगा है एक।
धर्म कर्म जप तप किये ईश्वर राखे टेक।।

सं.२०६५श्रा.शु. १५ शनिवासरे चंद्रग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	४७	५१	५४
प.	१४	४	५४
घ.	१	२	४
मि.	२१	५३	२५

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ५।२०

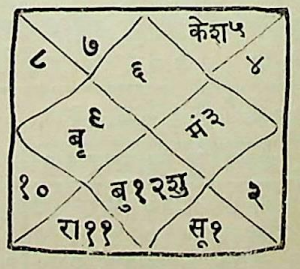

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४६।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५७।३०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणांफलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजारविस्तत्फलम् ।। सूर्येनृपेस्वल्पफलाश्च मेघाःस्वल्पं पयो गोषुजनेषुपीड़ा । स्वल्पंसुधान्यंफलमल्पवृक्षाश्चौराग्निबाधानिधनंनृपाणाम् ।। मंत्रीरविःफलम् ।। नृपभयंगदतोपिहिनस्करा त्प्रचुरधान्यधनादि-महितले । रसचयंहिसमर्घतमंतदारवि रमात्यपदंहिसमागतः ।। सस्येशोबुधस्तत्फलम् ।। जलधराजलराशिमुचो भृशंसुखसमृ-द्धियुतंनिरुपद्रवम् । द्विजगणःश्रुतिपाठकरःसदाप्रथमसस्यपतौसतिबोधने । धान्येशश्चंद्रःफलम् ।। चंद्रेधान्याधिपेजातेप्रजाबृद्धि-प्रजायते । गोधुमाःसर्षपाश्चैवगोषुक्षीरंतदावहु ।। मेघेशःशनिःफलप् ।। रविसुतेजलदस्यपतौभवेद्विरतबृष्टिवतीवसुधातदा । मनसितापकरो नृपतिःसदाविविधरोगरताजनतामता । रसेशोगुरुःफलम् ।। यदिगुरोरसपेजनसौख्यदेकमलवन्ति सरांसितृणानिच । जनपदा द्विजपूजनतत्परा गजसवाजिरथोष्ट्रयुतानृपाः ।। नीरसेशोभौमस्तत्फलम् ।। नीरसेशोयदाभौमः प्रवालारक्तवांससां । रक्तचंदनताम्राणामर्घबृद्धिर्दिनेदिने ।। फलेशःशनिःफलं ।। यदिशनिःफलपः फलहाभवेज्जनितपुन्य-गणस्यद्रुमःसदा । हिमत्रयंवरतस्करजन्तुत्रीर्जनपदागदराशि महाकुलः ।। धनेशःभौमस्तफलम् ।। असममौल्यकरोधणीसुतः शरदितापकरस्तुबधान्यहृत् । सहसिमासिभवेद्वीगुणंतदा नरपतिर्जनशोकविधायकः ।। दुर्गेशःशनिःफलम् ।। रविसुतेगढ़पालिनिविग्रहैःसकलदेशगताश्चालिताजनाः । विविधवैरिविशेषितनागराःकृषि धनंनलभेभ्दुविकश्चन ।। प्लवनामसंवत्सरः फलम् ।। ल्पवाब्देनीखिलाधात्रीबृष्टिभिःप्लवसन्निभा । रोगकालेत्वीतिभीतिःसम्मूर्णेवत्सरेफलम् ।। वर्षनाम आषाढः फलम् ।। प्लवाब्देतुराजानःसर्वदाकलहोत्सुकाः । क्वचिदीतिःकृचिद्भीतिःक्वचिवृद्धिर्जलंक्वचित् ।। मेघनामआवर्तःफलम् ।। आवर्तेछिन्नबृष्टिःस्यात् । रोहिणीनिवासःसंधौफलम् ।। खंडबृष्टिश्चसंधिषु ।। समयनिवासोवणिकगृहेफलम्वणिक् गृहेशुभंनास्ति ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०६५ मध्ये विवाहमूहर्ताः

चैत्र मासः

शुल्का १२ गुरौ उफा ल. ऽन्यगो रे ८ ऽस्।।ऽशु।।।।।।
मीनेव्याघातःपादतो शुक्रस्य वेधाभावः

,, १३ शुक्रेहस्ते ल. ऽन्यगो. १२ रे. ८।।।।।ऽ नृप ऽ।।।
मीने चन्द्रो ऽर्च्यः

वैशाख मासः ।

कृष्णा ७ रवै उषा ल. ऽन्यगो १२ रे ६ ।ऽऽबृ।ऽऽ
(नृप.घ.५१या)।।।।आवश्यके

मार्गशीर्ष मासः

कृ. १० शनौ उफा. ल. अन्योगो. रे ८।।।।।ऽचौरः
५१ या ।ऽ।।भौम ७ स्थदोषः

,, १० शनौ हस्ते ल. ७ रे ।।।।।। (चौ.५१ या)ऽऽ।।
,, ११ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो. रे ८।।।।।।।ऽऽ।। भौम
७ स्थदोषः

शु. २ शनौ मूले ल. ६-७ रे८ऽ।।।।। (नृ.४५या)ऽ।।।
कन्या लग्ने शनिः पूज्यः तुला. ल. घ ५३।१५उ.

,, ४ भौमे उषा. लः ऽन्यगो. रे ६।।ऽवृ शु. ।।।।।।।ल.
ऽन्यगो. सप्तमस्थ भौमदोषः

शु. ९ रवौ उभा. ल. ऽन्यगो.रे.ऽ।।।ऽ। (नृप३८उ.)।।।ऽ
दग्धा सप्तमस्थ भौमदोषः

,, १४ गुरौ रोहि.ल.६(घ.४६।१०उ.पादवधाद्वेधाभावः)
रे.६ ।।।ऽ शु. ।ऽरो.ऽऽ।।

,, १५ शुक्रे मृगे. ल. ६ रे. ।ऽ।ऽ बृ. ।। रोग ३३या.।ऽ।।
पाद तोवेधाभावः

फाल्गुन मासः

कृ. ५ शनौ. स्वा. ल. ८।९ रे. ऽऽ।।।ऽअ।।।ऽ। गणितेन
क्रांति साम्याऽभावः

,, ७ चन्द्रे अनु ल. ९ रे.ऽ।।।।।ऽनृ।ऽ।।

,, ८ भौमे ऽनु ल. गो. सोग्रांगःरे. ९।।।।।।।ऽ।।

,, १० गुरौ मूले ल. ८ रे ।।।।।ऽऽ।।

शु. १ गुरौ उभा ल. ८।९ रे ८।ऽ।।।।ऽ।।।

,, २ शुक्रे रेव. ल. ८।९ रे७ऽ।ऽशु ।।ऽ चौ।।।।
शुक्र युतिदोषः

अत्रक्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चैत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५८४६स. २००८
१	र	५१	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	चं	५०	५६	अ	२९	१८	वै	४६	५०	बा	२५	१३	३१ १४	५ ४५	६ १५	१८ २९ ७	मेषे
३	मं	४२	४३	भ	२२	५६	प्री	४१	२३	तै	१६	४९	१८	४४	१६	१९ १ ८	वृ.३६।२३
४	बु	३४	५६	कृ	१६	४६	आ	३२	१४	व	८	४९	२२	४४	१६	२० २ ९	वृषे
५	गु	२७	५७	रो	११	४२	सौ	२४	४	ब	१	२६	२६	४३	१७	२१ ३ १०	मि३९।३७
६	शु	२२	३	मृ	७	३३	शो	१६	३५	तै	२२	३	३०	४२	१८	२२ ४ ११	मिथुने
७	श	२७	९	आ	४	२८	अ	१०	२	व	१७	९	३४	४१	१९	२३ ५ १२	कं.४८।६
८	र	१३	३७	पु	२	३८	सु	४	४३	ब	१३	३७	३८	४०	२०	२४ ६ १३	कर्के
९	चं	११	२८	पु	२	१९	धृ	१३	५३	कौ	११	२८	४२	४०	२०	२५ ७ १४	कर्के
१०	मं	१०	२३	श्ले	२	५५	गं	५४	१४	ग	१०	२३	४६	३९	२१	२६ ८ १५	सि. २।५५
११	बु	१०	२८	म	४	४६	बृ	५२	४९	वि	१०	२८	५०	३८	२२	२७ ९ १६	सिहे
१२	गु	११	५२	पू	७	५१	धृ	५२	१७	बा	११	५२	५३	३७	२३	२८ १० १७	कं.२३।५१
१३	शु	१४	१५	उ	१२	२१	व्या	५२	१४	तै	१४	१५	५७	३७	५३	२९ ११ १८	कन्यायां
१४	श	१७	५२	ह	१७	२	ह	५३	१	व	१७	५२	३२ १	३३	२४	३० १२ १९	तु. ५०।३
१५	र	२२	१८	चि	२३	४	व	५४	३४	ब	२२	१८	५	३५	२५	३१ १३ २०	तुलायां

१पं.चै.शु.८ र.इ. २९।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	८	११	४	१०	११
०	२२	२६	२७	१५	८	०	२९
०	५३	५५	२३	१	११	५२	५५
०	१०	२६	२८	५	२४	३	४९
५८	३१	८	४	७४	१३	३	५८
४४	३	२९	४२	२०	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

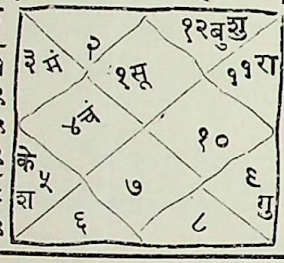

चैत्र शुक्ले ८ रवौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा३ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

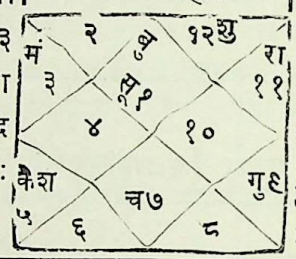

२पं.चै.शु.१५ र.इ. २९।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	८	११	४	१०	०
६	२६	११	२७	२३	७	०	६
५०	१६	४२	५१	३९	५९	२९	४६
४२	४१	२२	४७	३६	३१	४८	०
५८	३१	८	३	७४	१९	३	५८
३१	५३	३०	२०	२६	व.	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	चं	२७	४०	स्वा	२९	३९	सि	५६	२५	कौ	२७	४०	३२ ९ ५	३४	२६	१ १४ २१	तुलायां
२	मं	३३	३१	वि	३६	५०	व्य	५८	५०	तै	०	५	१२	३४	२६	२ १५ २२	वृ.२०।२
३	बु	३९	४३	अ	४४	२६	व	६०	०	व	६	३७	१६	३३	२७	३ १६ २३	वृश्चिके
४	गु	४६	१	ज्ये	५२	६	व	१	२१	ब	१२	५२	२०	३२	२८	४ १७ २४	ध. ५२।६
५	शु	५१	५९	मू	५९	१४	प	३	४२	कौ	१९	०	२३	३१	२९	५ १८ २५	धनुषि
६	श	५७	६	पू	६०	०	शि	५	३९	ग	२४	३२	२७	३१	२९	६ १९ २६	धनुषि
७	र	६०	०	उ	५	२६	सि	६	५०	वि	२९	१२	३१	३०	३०	७ २० २७	म.२१।४५
७	चं	१	१७	पू	१०	४१	सा	७	५	ब	११	७	२४	२९	३१	८ २१ २८	मकरे
८	मं	३	४२	श्र	१४	६	शु	५	५३	कौ	३	४२	३८	२८	३२	९ २२ २९	कुं.४४।५३
९	बु	४	२०	ध	१५	४०	शु	१३	५५	ग	४	२०	४१	२८	३२	१० २३ ३०	कुंभे
१०	गु	२	५५	श	१५	१८	ऐं	५२	११	वि	२	५५	४५	२७	३३	११ २४ १	मी. ५९ ३९
११	गु	५६	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०
१२	शु	५३	५७	पू	१२	५६	वै	४५	५२	कौ	२६	४१	४८	२६	३४	१२ २५ २	मीने
१३	श	४६	४७	उ	८	३९	वि	३६	५८	ग	२०	२२	५२	२६	३४	१३ २६ ३	मीने
१४	र	३८	१५	रे	२	५३	प्री	२७	१९	वि	१२	३१	५५	२५	३५	१४ २७ ४	मे २।४९
३०	चं	२८	५८	भ	४८	२३	आ	१६	५०	च	३	३६	५८	२४	३६	१५ २८ ५	मेषे

मरण्यां बुधः१६।४१ रा. वैशाखारंभः [+(सौरः१५।२०) कृत्ति. बुः४०।४२× भ.६।३७उ.३९।४३या. चतुर्थी व्र. अश्वि. मेषे शुक्रः४०।१२ भ.५७।६उ. भ २९।१२ या. भरण्यां रविः ९।५२+ [×कर्के भौमः ५९ ७ बुधोदयः पश्चिमायां ५९ ० बृषे बुधः२१।५३धनि.२मकरेराः आश्ले= भ.३३।३७उ. भ.५३या.वरुथिनी११व्र.स्मा.मई५ता.३१ [=४कर्के केतुः५२।९ मार्गी शनिः१४।३या.वरुथिनी११व्र. वै भ.४६।४७उ. प्रदोषः भ.१२।३१या.पुष्ये भोमः १८।३६ रोहि. बुधः५।६शुक्रास्तः पूर्व्रस्यां४३।४८

३पं.वै.कृ.७ र.इ. ३०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	८	०	४	१०	०
१३	२९	२६	२८	२	७	०	१३
३९	४९	१९	१२	१६	५३	७	३४
४७	१	१२	४०	५९	१७	३२	२५
५८	३२	८	१	७४	२८	३	५८
१९	४६	३५	५४	२६	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

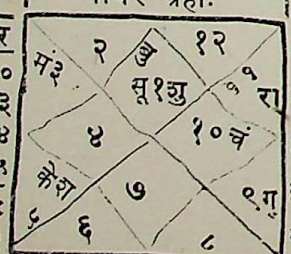

इस मास में धान्य सोना चांदी रस में मंदी होकर तेजी होजावे धूप अधिक हैजा आदि रोग होवे। कहीं २वर्षा भी हो।

गोचर ग्रहाः

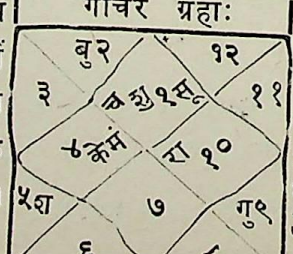

४पं.वै.कृ.१४ र.इ. ३०।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	८	०	४	९	०
२०	३	९	२८	१०	७	२९	२०
२७	२६	१	२४	५४	५१	४५	२१
२५	३५	५२	०	२२	३२	१७	९
५८	३३	८	०	७४	१३	३	५७
६	३२	२८	४५	२६	मा.	११	५७

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३० दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५८७५स.२००८

१	मं	१९	१५	कृ	४०	५२	सौ	६	४९	ब	२९	१५	३३	२४	३६	१६	२९	६	वृ.१।३१	भरण्यां शुक्रः२७।४७चंद्र दर्शनम्
२	बु	९	४६	रो	३३	४०	अ	४५	३७	कौ	९	४६	२	२३	३७	१७	१	७	वृषे	जमादिलावल५परशुराम जयंती
३	गु	०	४१	मृ	२७	१७	सु	३५	५९	ग	०	४१	८	२२	३८	१८	२	८	मि. ०।२९	भ. २६।४२ उ. ५२।४३ या. वक्री गुरुः×
४	गु	५२	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×३२।५३अक्षया३
५	शु	४६	१०	आ	२२	२२	धृ	२७	५८	ब	१९	२६	११	२२	३८	१९	३	९	मिथुने	[÷मृगे बुधः३४।५९
६	र	४१	९	पु	१८	५३	शू	२१	१७	कौ	१३	३९	१४	२१	३९	२०	४	१०	क ४।४६	कृत्ति. रविः५५।४८
७	श	३८	४	पु	१७	१	गं	१५	५०	ग	९	३६	१७	२१	३९	५१	५	११	कर्के	भ.३८।४उ.कृत्ति. रविः सौरः३।१२
८	चं	३६	३९	श्ले	१६	५४	बृ	११	४७	वि	७	२३	२०	२०	४०	२२	६	१२	सिं १६।५४	भ.७।२३या.
९	मं	३६	५४	म	१८	३०	ध्रु	८	५८	बा	६	४६	२३	१९	४१	२३	७	१३	सिंहे	
१०	बु	३८	३७	पू	२१	५७	व्या	७	३७	तै	७	४६	२६	१९	४१	२४	८	१४	कं.३८।३	वृषेऽर्कः २३।३ (सौरः ३०।५९)÷
११	गु	४१	४३	उ	२६	५२	ह	७	२१	व	१०	११	२८	१८	४२	२५	९	१५	कन्यायां	भ.१०।११उ.४१।४३या.मोहिनी११व्र.
१२	शु	४५	५८	ह	३१	५८	व	८	१	ब	१३	५१	३१	१८	४२	२६	१०	१६	कन्यायां	
१३	श	५१	१	चि	३८	१४	सि	९	१३	कौ	१८	२९	३४	१७	४३	२७	११	१७	तु.५।६	कृत्ति. शुक्रः२८।५८प्रदोषः
१४	र	५६	४१	स्वा	४५	२२	व्य	११	५	ग	२३	५१	३७	१७	४३	२८	१२	१८	तुलायां	भ.५६।४१उ. नृसिंह जयंती
१५	चं	६०	०	वि	५२	२८	व	१३	२	वि	२९	३८	३९	१६	४४	२९	१३	१९	वृ. ३५ ४९	भ.२९।३८या. बृषे शुक्रः५२।२७
१५	मं	२	३५	अ	५९	५६	प	१५	२४	व	२	३५	४२	१६	४४	३०	१४	२०	वृश्चिके	यमाय कुंभ दानम्

५पं.वै.शु.६शु.इ.३०।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	८	०	४	९	०
२७	७	१९	२८	१९	७	२९	२७
१३	१०	४४	२६	३१	५५	२३	०६
३७	१	६	२४	२३	१६	१	२३
५३	३४	७०	३३	७४	०	३	५७
५४	६	१५	व.	३२	५८	११	४५

गोचर ग्रहाः

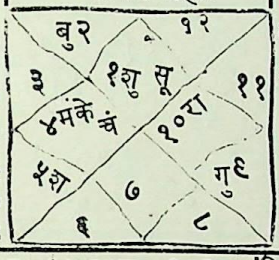

वैशाख शुक्ले १०रवौ

बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्धता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

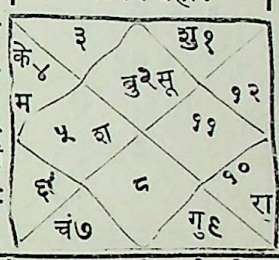

६पं.वै.शु.१४र.इ.३०।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	८	०	४	९	१
३	१०	२५	२८	२८	८	२९	३
५८	५६	१	१८	७	३	०	५०
३७	३८	१	२९	५५	४०	४५	५
५७	३४	३०	३३	७४	१	३	५७
४४	४७	२८	व.	३२	२६	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०	दि. उ. अ.	हि. मु. इ.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महाः

१	बु	८	४१	ज्ये	६०	७	शि	१७	४९	कौ	८	४१	३३	४४	५५	४५	६	२१	१५	२१	वृश्चिके	[+वक्री बुधः५२।४८
२	गु	१४	५२	ज्ये	७	२१	सि	२०	१०	ग	१४	५२	४७	१५	४५	१	१६	२२	ध. ७।२१		भ.४७।४२ उ. रा. ज्येष्ठारंभः
३	शु	२०	३२	मू	१४	२७	सा	२२	१३	वि	२०	३२	४९	१४	४६	२	१७	२३	धनुषि		ग.२०।३२या. चतुर्थी व्र.
४	श	२५	२३	पू	२१	०	शु	२३	४१	बा	२५	२३	५२	१४	४६	३	१८	२४	म.३७।२५		रोहि. रविः ४६।३७ (सौरः ५७।७)+
५	र	२९	३८	उ	२६	३९	शु	२४	२९	तै	२९	३८	५४	१३	४७	४	१९	२५	मकरे		
६	चं	३२	३८	श्र	३१	८	ब्र	२४	१४	ग	१	८	५६	१३	४७	५	२०	२६	मकरे		भ.३२।३८उ.
७	मं	३४	१०	ध	३४	११	ऐं	२२	५९	वि	३	२४	५८	१२	४८	६	२१	२७	कुं. २।४०		भ.३।३४या.
८	बु	३४	०	श	३५	३६	वै	२०	१७	बा	४	४	३४	१२	४८	७	२२	२८	कुंभे		रोहि. शुक्रः८।४८आश्ले. भौमः४२।९
९	गु	३१	५९	पू	३५	८	वि	१६	८	तै	२	२९	३	१२	४८	८	२३	२९	मी. १५ ४		बुधास्तः पश्चिमायां९।२३
१०	शु	२८	११	उ	३२	४६	प्री	१०	२६	व	०	५	३	११	४९	९	२४	३०	मीने		भ.०।५उ.२८।११या.
११	श	२२	२०	रे	२८	३५	आ	२५	३५	बा	२२	२०	५	११	४९	१०	२५	३१	मे.२८।३५		अपरा११व्र.
१२	र	१५	८	अ	२३	५	शो	४५	३१	तै	१५	८	७	११	४९	११	२६	१	मेषे		प्रदोषः जून६ता.३०
१३	चं	६	२५	भ	१६	१८	अ	३५	६	व	६	२५	९	१०	५०	१२	२७	२	वृ. २९		भ.६।२५उ.३१।३७या.
१४	चं	५०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
३०	मं	४६	४९	कृ	८	२०	सु	२४	१०	च	२१	५४	१०	१०	५०	१३	२८	३	वृषे		वटपूनम्

७ ज्ये. कृ.५ र.इ.३०।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	८	१	४	९	१
१०	१४	२७	२८	६	८	२८	१०
४२	४७	२३	२	४४	१७	३८	३२
२९	२०	१७	१०	४६	३५	३०	१६
५७	३५	३३	२२	७४	२	३	५७
३५	२०	व.	व.	३२	१६	११	२३

गोचर ग्रहाः

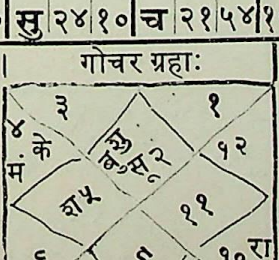

इस मास में गहूं जौ चना मटर आदि धान्यो में तेजी रहे सोना चांदी लोहा ताम्बा गुड शक्कर चीनी में मंदी रहे।

गोचर ग्रहाः

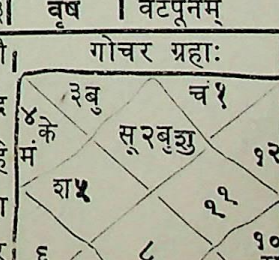

८पं.ज्ये.कृ.१२र.इ.३०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	८	१	४	९	१
१७	१८	२६	२७	१५	८	२८	१७
२५	४१	९	३७	२०	३५	१६	१३
१९	३१	४७	१९	३८	४९	१४	२२
५७	३५	३५	४	७४	२	३	५७
२७	३९	व.	व.	३८	५५	११	१३

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३० दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५९०४ स.२००८

१	बु	३६	२३	रो	४०	५२	धृ	१३	२२	कि	११	४५	३४	५
२	गु	२७	१४	आ	४६	१४	शु	४३	२५	बा	१	५६	१२	९
३	शु	१९	१	पु	४०	५३	बृ	४४	१०	ग	१९	१	१५	९
४	श	१२	१८	पू	३५	४३	धृ	३७	४	वि	१२	१८	१६	९
५	र	७	२८	श्ले	३४	५२	व्या	३१	३६	बा	७	२८	१७	९
६	चं	४	३१	म	३४	५४	ह	२७	३५	तै	४	३१	१८	८
७	मं	३	४५	पू	३७	४	ब	२५	१३	व	३	४५	१९	८
८	बु	५	२	उ	४०	५२	सि	२४	१४	ब	५	२	१९	८
९	गु	७	४५	ह	४६	१४	व्य	२४	५६	कौ	७	५४	२०	८
१०	शु	२१	२४	चि	५२	४८	ब	२६	१	ग	१२	२४	२१	८
११	श	१७	३७	स्वा	६०	०	प	२८	१	वि	१७	३७	२१	८
१२	र	२३	३८	स्वा	०	७	शि	३०	२९	बा	२३	३८	२२	८
१३	चं	२९	४७	वि	०७	३४	सि	३२	५५	तै	२९	४७	२२	८
१४	मं	३५	५२	अ	१५	८	सा	३५	१४	ग	२	४९	२३	७
१५	बु	४१	४०	ज्ये	२२	१४	शू	३७	१३	वि	८	४३	२३	७

१	मि.	४६												
२	मिथुने													
३	क.	२७	।०											
४	कर्के													
५	सिं.	३४												
६	सिंहे													
७	कं.	५३	।१											
८	कन्यायां													
९	कन्यायां													
१०	तु.	१४	।३१											
११	तुलायां													
१२	वृ.	५१												
१३	वृश्चिके													
१४	वृश्चिके													
१५	ध.	२२	।१४											

चंद्र दर्शनम्
भ.४५।३९उ.जमादि लाखर६
भ.१२।१८ या. मृगे रविः ४१।३०+
मृगे शुक्रः१।१७
[=(सौरः५६।४५) निर्जला११व्र.
भ.३।४५उ.३४।२४या.
[(+सौरः५५।५७) वक्रीरोहि. बुधः३२।३
वक्री पूषा.४गुरुः५६।०
भ.४५।०उ.मिथुने शुक्रः३५गंगा दशमी
भ. १७।३७ या. मिथुनेऽर्कः ४०।४=
प्रदोषः
बुधोदयः पूर्वस्यां५७।३०
भ.३५।५२उ. [÷वट सावित्री व्र.
भ.८।४३या.आर्दा. शुक्रः४९।२गुर्जराणां÷

९पं.ज्ये.शु.५र.इ.३०।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	८	१	४	९	१
२४	२२	२२	२७	२३	८	२७	२३
७	३८	४८	३	५६	५८	५३	५३
१९	४२	१८	५८	५३	३७	५९	१८
५७	३६	३२	५	७४	३	३	५७
२२	१७	व.	व.	३८	३३	११	५

गोचर ग्रहाः

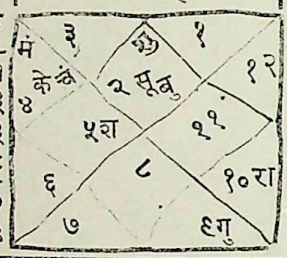

ज्येष्ठा शुक्ले ११शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ बालावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

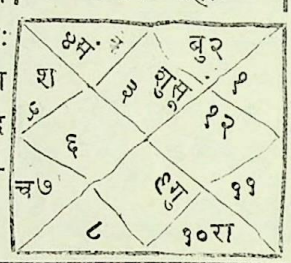

१०पं.ज्ये.शु. १२ र.इ. ३०/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	८	२	४	९	२
०	२६	१९	२६	२	९	२७	०
४८	३८	४३	२३	३३	२६	३१	३२
३६	५३	१९	३१	०	६	४३	२७
५७	३६	२२	२३	७४	४	३	५६
१३	३६	व.	व.	३८	११	११	५७

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३० दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः गीष्मर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.

१	गु	४६	५५	मू	२९	१३	शु	३९	८	बा	१४	१८	३४	५
२	शु	५१	२२	पू	३५	२५	ब्र	४०	२७	तै	१९	८	२४	७
३	श	५५	०	उ	४०	४४	ऐं	४१	३	व	२३	११	२४	७
४	र	५७	३१	अ	४५	४	वै	४०	५५	ब	२६	१६	२४	७
५	चं	५९	३	ध	४८	३०	वि	३९	५६	कौ	२८	१७	२४	७
६	मं	५९	१३	श	५०	४६	प्री	३७	५५	ग	२९	८	२४	७
७	बु	५८	१३	पू	५१	२६	आ	३५	१	वि	२८	४३	२३	७
८	गु	५५	४०	उ	५०	५०	सौ	३०	४७	बा	२६	५६	२३	७
९	शु	५१	३८	रे	४८	४४	शो	२५	१९	तै	२३	३९	२२	८
१०	श	४६	८	अ	४५	१३	अ	१८	४२	व	१८	५३	२२	८
११	र	३९	१३	भ	४०	२७	सु	११	२	व	१२	४१	२१	८
१२	चं	३१	२६	कृ	३४	२९	धृ	२३	२८	को	५	१९	२०	८
१३	मं	२२	२३	रो	२७	३८	गं	४२	४४	व	२२	२३	१९	८
१४	बु	१३	०	मृ	२०	२२	बृ	३२	१६	श	१३	०	१८	८
२०	गु	३	३४	आ	१३	१४	धु	२२	१३	ना	३	३४	१७	९

१	धनुषि													
२	म.	५१	।४५											
३	मकरे													
४	मकरे													
५	कु	१६	।४७											
६	कुम्भे													
७	मी.	३६												
८	मीने													
९	मे.	४४												
१०	मेषे													
११	वृ.	५३	।५८											
१२	वृषे													
१३	मि.	५४	।०											
१४	मिथुने													
२०	क.	५३	।१८											

भ.२३।११ उ. ५५।० या. आर्दा. रविः×
मघा.४शनिः३८चतुर्थी व्र.रा.आषाढारंभः
भ.५९।१३उ.
भ.२८।४३या.
[×३९।५९ (सौरः५८।१८) मार्गीबुधः÷
[÷९।१८मघा.सिंहे भौमः१९।४६
भ.१८।५३उ.४६।८या.
पुन.शुक्रः४२।३६योगिनी११व्र.
मृगे बुधः३२।२४प्रदोषः
भ.२२।२३ उ. ४७ या. धनि. १ राहुः=
[=आश्ले.३केतुः४६।३२जौलाई७ता.३१:

११ पं.आ.कृ.४ र.इ.३०/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	८	२	४	९	२
७	०	१९	२५	११	९	२७	७
२९	४३	२०	३७	९	५७	९	१०
३१	५२	१०	३४	७	५०	२७	५४
५७	२७	२२	१	७४	४	३	५६
१३	१	मा.	व.	३२	४४	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं चना जौ मक्का वाजरा सोना चांदी लोहा गुड सक्कर तेज होवे फिर सुदी में मन्दे हो वर्षा होवे।

गोचर ग्रहाः

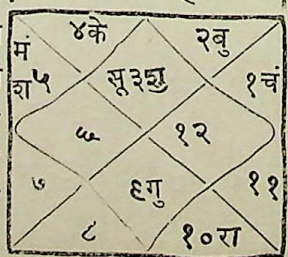

१२ पं.आ.कृ. ११र.इ. ३०/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	८	२	४	९	२
१४	४	२२	२४	१९	१०	२६	१३
९	५१	३७	४६	४५	३२	४७	४९
५८	२५	४१	४८	२१	३८	१२	०
५७	३७	४१	४/५७	७४	५	३	५६
७	३०	१३	व.	३२	५	११	५०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः५९३४स.२००८
१	गु	५१	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	४६	५३	पु	६	४६	व्या	१२	४०	बा	२	४७	३५	९	५६	१३	२९	४	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	श	४०	४६	पु	२	५६	ह	८	५२	तै	१३	५०	१५	९	५१	१४	१५		सिं. ५७	पुन. रविः ३७।४९ रज्जव७
४	र	३६	२२	म	५५	४९	सि	५१	२	व	८	३४	१४	९	५१	१५	२६		सिंहे	भ.८।३४ उ.३६।२२ या. पुन. रविः+
५	चं	३४	१९	पू	५६	२४	व्य	४७	१९	ब	५	२०	१३	९	५१	१६	३७		सिंहे	कर्के शुक्रः५०।२
६	मं	३४	१४	उ	५८	४३	व	४५	१०	कौ	४	१६	११	१०	५०	१७	४८		कं.११।५९	[+सौरः२।२० मिथुनेबुधः३६।२६
७	बु	३६	११	ह	६०	०	प	४४	५०	ग	५	१३	१०	१०	५०	१८	५९		कन्यायां	भ.३६।११ उ.
८	गु	४०	७	ह	४	१३	शि	४५	११	वि	८	८	८	१०	५०	१९	६१०		तु.३६।३५	भ.९या. पुष्ये शुक्रः ३५ वक्रीपूषा३ गुरुः ५४ २०
९	शु	४५	७	चि	८	५६	सि	४६	५५	बा	१२	३७	७	११	४९	२०	७	११	तुलायां	आर्द्रा. बुधः२९।१४
१०	श	१५	१४	स्वा	१६	६	सा	४९	८	तै	१८	११	५	११	४९	२१	८	१२	तुलायां	
११	र	५७	२९	वि	२३	१३	शु	५१	३४	व	२४	२२	३	११	४९	२२	९	१३	वृ. ६।३३	भ. २४ उ.३९ या. पूफा. भौमः ४०।५४ ÷
१२	चं	६०	०	अ	३१	१३	शु	५४	८	ब	३०	३१	१	१२	४८	२३	१०	१४	वृश्चिके	[÷शुक्रोदयःदश्चिमायां ३६ देवशयनी११व्र.
१३	मं	३	३२	ज्ये	३८	२५	ब्र	५६	१७	बा	३	३२	३९	१२	४८	२४	११	१५	ध. ३५	प्रदोषः
१३	बु	९	२०	मू	४५	२७	ए	५८	३	तै	९	२०	५७	१३	४७	२५	१२	१६	धनुषि	कर्केऽर्कः ७।१५(सौरः३५।४)
१४	गु	१४	११	पू	५१	१२	वै	५८	५९	व	१४	११	५५	१३	४७	२६	१३	१७	धनुषि	भ.१४।११ उ.४६।२या. वायुपरीक्षा
१५	शु	१७	५३	उ	५६	११	वि	५९	६	ब	१७	५३	५३	१४	४६	२७	१४	१८	म. ७।२६	पुन.बुधः ४७ बुधास्तःपूर्वस्यां ३१ व्यासपूजा

१३पं.आ.शु.४ र.इ. ३० ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	८	२	४	९	२
२०	९	२९	२३	२८	११	२६	२०
५०	१	५२	५३	२१	१५	२४	२६
२४	३४	३४	३१	२९	६	५६	५४
५७	३७	७८	५२	७४	५	३	५६
७	४४	१९	व.	३२	३२	११	५०

गोचर ग्रहाः

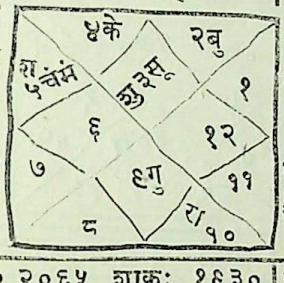

आषाढ ७ शुक्ले.१३
बुधे कर्केऽर्कः प्रविष्टः
वा.५ न.५ युवावस्था
(सूती) मु. ३०
धान्यादि भावे समता
शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

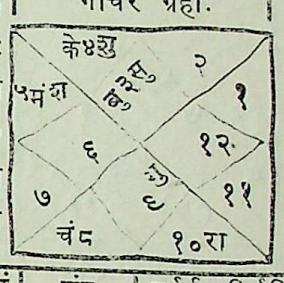

१४पं.आ.शु.११ र.इ. ३० ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	८	३	४	८	२
२७	१३	१०	२२	६	११	२६	२७
३०	१३	१५	५९	५७	५२	२	५
४३	२६	५०	३१	४३	४१	२१	०
५७	३८	०	५२	७४	५	३	५६
११	८	४४	व.	२६	२८	१९	५४

ति	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेत्ति महाः
१	श	२०	४९	अ	५९	४७	श्री	५८	२१	कौ	२०	४९	३३	५०	१४	४६	२८	१५	१९	मकरे	पुष्ये रविः ३६।३३
२	र	२२	२८	ध	६०	०	आ	५६	४९	ग	२२	२८	४८	१४	४६	२९	१६	२०	कुं. ३१।७	भ.५२।४३ उ.पुष्ये रविः सौरः ५।४५
३	चं	२२	५९	ध	२	२७	सौ	५४	२५	वि	२२	५९	४५	१५	४५	३०	१७	२१	कुम्भे	भ.२२।५९ या. आश्ले.शुक्रः २३ चतुर्थी व्र.
४	मं	२२	२८	श	४	१	शो	५१	१५	बा	२२	२८	४३	१५	४५	३१	१८	२२	मी. ४९ ३८	
५	बु	२१	४	पू	४	५१	अ	४७	२२	तै	२१	४	४०	१६	४४	१	१९	२३	मीने	कर्के बुधः ४३ रा.श्रावणारंभःनाग५मरुस्थल
६	गु	१८	४४	उ	४	३८	सु	४२	३२	व	१८	४४	३८	१६	४४	२	२०	२४	मीने	भ.१८।४४ उ.४७।५ या.
७	शु	१५	२५	रे	३	३१	धृ	३७	६	ब	१५	२५	३५	१७	४३	३	२१	२५	मे. ३।३१	पुष्ये बुधः १०।२९
८	श	११	१०	अ	२३	५९	शू	३०	४७	कौ	११	१०	३३	१७	४३	४	२२	२६	मेषे	पूफा. १ शनिः ५८२७
९	र	६	३	कृ	५४	२५	गं	२३	४४	ग	६	३	३०	१८	४२	५	२३	२७	वृ.१२।२३	भ.३२।५८ उ. ५९।५३ या.
१०	र	५	३	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×अगस्तदता.३१ हरियाली सूर्यग्रहणम्
११	चं	५	२	५८	रो	४९	३२	बृ	१६	१	ब	२६	२८	२७	१९	४१	६	२४	२८	वृषे	कामिका ११ व्र. स्मा.
१२	मं	४	५	२५	मृ	४४	७	धु	३८	५१	कौ	१९	११	२४	१९	४१	७	२५	२९	मि १६।५०	कामिका ११ व्र. वै.
१३	बु	३	७	३१	आ	३८	२६	ह	४९	४७	ग	११	२८	२३	२०	४०	८	२६	३०	मिथुने	भ.३७।३१ उ. प्रदोषः
१४	गु	२९	३५	पु	३२	३७	व	४०	४९	वि	३	३३	१९	२०	४०	९	२७	३१	क. १९।४	भ.३।३३ या.
२०	शु	२२	१६	पु	२७	२६	सि	३२	२२	ना	२२	१६	१६	२१	३९	१०	२८	१	कर्के	आश्ले. बुधः२९।१६ मघा.सिंहेशुक्रः १४ ४४×

१५पं. श्रा.कृ. २ र.इ. ३० ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	८	३	४	९	३
४	१७	२३	२२	१५	१२	२५	३
११	२८	२८	६	३४	३६	४०	४३
२८	१२	३४	२२	४१	५४	२५	२७
५७	२८	५९	४०	७४	६	३	५६
१५	२०	१३	व	२६	२०	११	५८

गोचर ग्रहाः

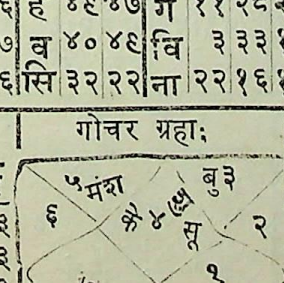

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं, गेहूं जौ चना वाजरा सोना चांदी गुड में तेजी हो प्रजामें कष्ट वर्षा कहीं कम कहीं अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

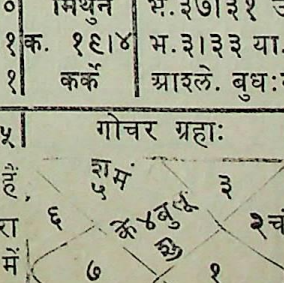

१६पं.श्रा. कृ.९ र. इ. ३० १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	८	३	४	९	३
१०	२१	८	२१	२४	१३	२५	१०
५२	४५	११	१६	१९	२३	१८	२२
३०	११	१७	४१	४८	२८	९	४४
४७	३८	५९	५२	७४	६	३	५७
२०	४३	६	व	२५	३२	११	५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०										दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५९६३ स.२००८
१	श	१६	१	श्ले	२३	१९	व्य	२४	४१	व	१६	१	३३ ५ ३६	११ २९ २	सिं. २३/९	आश्ले. रवि:३३।३४
२	र	११	१४	म	२०	२९	व	१८	७	कौ	११	१४	१० २२ ३८	१२ ३० ३	सिंहे	आश्ले. रवि:सौर:३६चंद्र दर्शनम् सिंधारा
३	चं	८	१६	पू	१९	३३	प	१३	८	ग	८	१६	७ २३ ३७	१३ १ ४	कं.३४।४७	भ.३७।४३उ.उफा.भौम:२४सावान८तीज
४	मं	७	१०	उ	२०	२८	शि	९	२२	वि	७	१०	४ २३ ३७	१४ २ ५	कन्यायां	भ.७।१०या. वरद४
५	बु	८	१४	ह	२३	२९	सि	७	४१	बा	८	१४	० २४ ३६	१५ ३ ६	तु.५५।५५	नाग पंचमी. याजुषा मुपाकर्म.
६	गु	११	१५	चि	२८	२२	सा	७	२१	तै	११	१५	३५३ २५ ३५	१६ ४ ७	तुलायां	मघा. सिंहे बुधः१२।७
७	शु	१५	४५	स्वा	३४	३२	शु	८	१	व	१५	४५	५४ २५ ३५	१७ ५ ८	तुलायां	भ.१५।४५ उ.४८।३५ या.
८	श	२१	२४	वि	४१	३७	शु	९	५१	ब	२१	२४	५० २६ ३४	१८ ६ ९	वृ.२४।५०	कन्यायां भौम:३९वक्री पूषा.२ गुरुः५।५३
९	र	२७	३६	अ	४९	१३	ब्र	१२	४	कौ	२७	३६	४७ २७ ३३	१९ ७ १०	वृश्चिके	[+पवित्रा ११ व्र.
१०	चं	३३	४७	ज्ये	५६	१५	ए	१४	३३	तै	०	४१	४४ २७ ३३	२० ८ ११	ध. ५६	बुधोदयः पश्चिमायां४०।०
११	मं	३९	४०	मू	६०	०	वै	१६	५७	व	६	४३	४० २८ ३२	२१ ९ १२	धनुषि	भ.६।४३उ.३९।४०या. पूफा. शुक्रः४।९+
१२	बु	४४	२३	मू	३	३८	वि	१८	४१	ब्र	१२	१	३७ २९ ३१	२२ १० १३	धनुषि	[÷रक्षा बन्धन भद्रोत्तरं चंद्रग्रहणम्
१३	गु	४७	५०	पू	९	३८	प्री	१९	४०	कौ	१६	७	३३ २९ ३१	२३ ११ १४	म.२५।४७	पूफा. बुधः३१।१९प्रदोषः
१४	शु	५०	७	उ	१४	१५	आ	१९	३५	ग	१८	५९	३० ३० ३०	२४ १२ १५	मकरे	भ.५०।७उ.
१५	श	५०	४३	ह	१७	३८	सौ	१८	२७	वि	२०	२५	२६ ३१ २९	२५ १३ १६	कुं.४८।३८	भ. २०।२५ या. मघा. सिंहेऽर्कः२७।३६÷

१७पं.श्रा.शु.२ र. इ. ३०।९

रा	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	८	४	४	९	३
१७	२६	२२	२०	२	१४	२४	१७
२४	५	४४	३१	४७	११	५५	२
१२	६	४९	२६	४६	४२	५४	३२
५७	३८	५९	१६	७४	६	३	५७
५५	३	व.	२०	४८	११	१२	

गोचर ग्रहाः

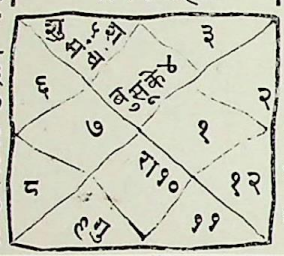

श्रावण शुक्ले १५शनौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

१८पं. श्रा.शु.९ र.इ. ३०।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	८	४	४	९	३
२४	०	६	१९	११	१५	२४	२३
१६	२७	१२	५२	२३	१	३३	४३
३७	७	७	३०	३५	४८	३८	३९
५७	३९	५९	२५	७४	७	३	५७
३३	११	५०	व	११	२	१५	२२

२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०										दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.:
१	र	५८	१०	ध	१९	३८	शो	१६	१७	बृ	२०	२६	३३ ३३ २८	२६ १४ १७	कुंभे	मघा. सिंहेऽर्कः सौर:५३अस्तं शनेः २३/५३
२	चं	४८	२५	श	२०	११	अ	१२	५८	तै	१९	२७	१९ ३२ २८	२७ १५ १८	कुंभे	[+भाद्रपदारंभः जन्माष्टमी . स्मा.
३	मं	४५	४०	पू	१९	५२	सु	८	५२	व	१७	२	१५ ३३ २७	२८ १६ १९	मी. ४।५६	भ.१७।२उ.४५।४० या.
४	बु	४२	१७	उ	१८	४७	धृ	५३	३३	व	१३	५८	१२ ३४ २६	२९ १७ २०	मीने	चतुर्थी व्र.
५	गु	३८	२	रे	१६	५३	गं	५२	४७	कौ	१०	१०	८ ३४ २६	३० १८ २१	मे.१६।५३	चंद्र षष्ठी
६	शु	३३	५३	अ	१४	३३	बृ	४६	३५	ग	५	५८	४ ३५ २५	३१ १९ २२	मेषे	भ.५३उ. उफा. बुधः५९उफा. शुक्रः५६
७	श	२९	११	भ	११	५६	ध्रु	४०	६	वि	१	३२	१ ३६ २४	१ २० २३	वृ.२६।८	भ.१।३२ या. पूफा. २ शनिः४६।१६रा.+
८	र	२४	४	कृ	८	४६	व्या	३३	११	कौ	२४	४	३५ ३७ २३	२ २१ २४	वृषे	कन्यायां बुधः४९।४४ जन्माष्टमी व्र. वै.
९	चं	१८	३०	रो	५	२०	ह	२६	२५	ग	१८	३०	५३ ३७ २३	३ २२ २५	मि. ३३/९	भ.४५।३५उ. कन्ययां शुक्रः३८।२४हस्ते×
१०	मं	१२	४०	मृ	३७	५६	व	१८	४१	वि	१२	४०	४९ ३८ २२	४ २३ २६	मिथुने	भ.१२।४०या. [×भौमः३०।३४गोगा९
११	बु	६	४६	पु	५३	४३	सि	११	१०	बा	६	४९	४६ ३९ २१	५ २४ २७	क.३९।२६	अजा११व्र.
१२	गु	०	४६	पु	४९	५०	व्य	४६	३८	तै	०	४६	४२ ४० २०	६ २५ २८	कर्के	भ.५५।९उ.वत्स द्वादशी प्रदोषः
१३	गु	५४	२३	०	०	०	०	०	३०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०	[÷कुशा ग्रहणी पिठोरी३०
१४	शु	५०	४	श्ले	४६	४३	प	४९	३७	वि	२२	३६	३८ ४० २०	७ २६ २९	सिं४६।४३	भ.२२।३६या.
३०	श	४६	८	म	४४	१५	शि	४३	८	च	१८	६	३४ ४१ १९	८ २७ ३०	सिंहे	पूफा. रविः १७।१२ (सौरः ५३।४८)÷

१९ पं.भा.कृ.१ र.इ. ३९/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	८	४	४	९	४
०	४	१८	१९	१९	१५	२४	०
५९	५२	२६	१३	५९	५३	११	२५
५३	५२	३८	५५	४९	१०	२३	५२
५७	३९	०	४	७४	७	३	५७
४०	१८	९	व.	२	८	११	३४

गोचर ग्रहाः

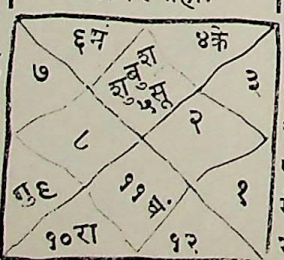

इस मास में ५ रविवार अशुभ हैं धान्य गल्ला किराणा चांदी सोना रुई पाट सण वारदाना में घटाबढी चले रोग भय बढे।

गोचर ग्रहाः

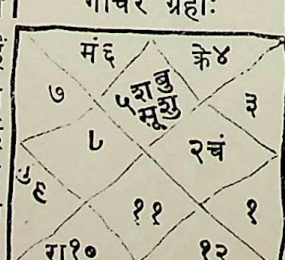

२०पं.भा. कृ.८ र. इ. ३९/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	८	४	४	९	४
७	९	२९	१	२८	१६	२३	७
४४	१९	२९	५६	३५	४५	४९	८
२०	४४	२०	२८	२०	१४	७	२१
५७	३९	९१	३	७३	७	३	५७
४९	४१	४७	.	५७	१४	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३० दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५१३ स.२००८

१	र	४३	२०	पू	४३	८	सि	३८	७	कि	१४	४४	३०	४२	५	९	२८	३१	कं.५८।१७
२	चं	४२	१४	उ	४३	४५	सा	३४	१४	बा	१२	४७	२६	४३	१७	१०	२९	१	कन्यायां
३	मं	४२	५५	ह	४५	५३	शु	३१	३२	तै	१२	३५	२२	४४	१६	११	१	२	कन्यायां
४	बु	४५	२५	चि	४९	४५	शु	३०	२१	व	१४	१०	१८	४४	१६	१२	२	३	तु.१७।४९
५	गु	४९	२५	स्वा	५५	९	ब्र	३०	८	व	१७	२५	१५	४५	१५	१३	३	४	तुलायां
६	शु	४५	४४	वि	६०	०	ऐं	३१	२८	कौ	२२	०५	११	४६	१४	१४	४	५	वृ. ४५।५
७	श	६०	०	वि	१	४४	वै	३३	१७	ग	२७	४६	७	४७	१३	१५	५	६	वृश्चिके
७	र	०	४४	अ	८	४५	वि	३५	३१	व	००	४४	३	४७	१३	१६	६	७	वृश्चिके
८	चं	६	५६	ज्ये	१६	२८	प्री	३७	५८	ब	६	५६	५९	४८	१२	१७	७	८	ध. १६
९	मं	१२	५६	मू	२३	५०	आ	३९	४९	कौ	१२	५६	५५	४९	११	१८	८	९	धनुषि
१०	बु	१८	१०	पू	३०	२०	सा	४१	३१	ग	१८	१०	५१	५०	१०	१९	९	१०	म.४६।३३
११	गु	२१	४६	उ	३५	१४	शो	४१	३९	वि	२१	४६	४७	५१	९	२०	१०	११	मकरे
१२	शु	२४	५	श्र	३७	२२	अ	४०	४३	वा	२४	५	४३	५१	९	२१	११	१२	मकरे
१३	श	२४	२६	ध	४०	४७	सु	३८	२८	तै	२४	२६	३९	५२	८	२२	१२	१३	कुं. ९।५
१४	र	२२	५८	श	४०	४९	धृ	३४	४४	व	२२	५८	३५	५३	७	२३	१३	१४	कुम्भे
१५	चं	२०	१५	पू	३९	३३	शू	२९	५५	व	२०	१५	३१	५४	६	२४	१४	१५	मी. ५३

हस्ते बुधः५५।३४
चंद्रदर्शनं सितम्बर९ ता. ३०
हस्ते शुक्रः४७।२९ श्रवण.४राहुः आश्ले×
भ.१४।१०उ.४५।२५या. गणेश चतुर्थी
ऋषिपंचमी
[×२केतुः३८।४०रमजान९हरितालिका३
[=नवल दुर्गे
भ.०।४४उ.३३।५०या.
मार्गी गुरुः ४८।४८या.
[Aशुक्रः२२।०
भ.४९।५८उ. रामदेवजी का मेला=
भ· २१।४६या.जलझूनी ११व्र.
चित्रा.बुधः३१।८वामन जयंती प्रदोषः
उफा.रविः१।३७(सौरः३८)चित्रा.A
भ.२२।५८उ.५१।३७या. अनंत १४
चित्रा. भौमः३।४४महालयारंभः

२१ पं.भा.शु.१ र.इ. २९३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	८	५	४	९	४
१४	१३	९	१८	७	१७	२३	१३
३०	४९	२५	४१	१०	३८	२६	५४
०	३४	५२	६	१६	२	५१	३४
५८	३९	७८	४३	७३	७	३	५७
१	५३	४४	व.	५०	२०	११	५७

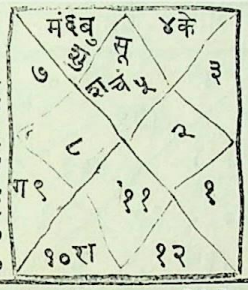

२२ पं.भा.शु. ७ र. इ. २९३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	८	५	४	९	४
२१	१८	१७	१८	१४	१८	२३	२०
१७	२१	५९	३५	४४	३१	४	४१
२	४०	२८	२४	५३	२६	३६	१३
५८	४०	६२	१३	७३	७	६	५८
१३	३	३०	व.	४४	२०	११	१२

२३ पं.भा.शु.१४ र. इ. २९५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	८	५	४	९	४
२८	२२	२४	१८	२४	१९	२२	२७
५	५६	४२	३९	१८	२४	४२	२९
२४	५३	२५	२९	४३	२२	२०	३२
५८	४०	४१	५९	७३	७	३	५८
२६	१३	५२	मा.	३२	१७	११	२९

ल. आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३० दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणे भा. कृष्णेतिमहाराष्ट्रा

१	मं	१६	६	उ	३७	१७	गं	२३	५०	कौ	१६	६	३०	५५	५	२५	१५	१६	मीने
२	बु	११	११	र	३३	५३	वृ	१७	२०	ग	११	११	२२	५६	४	२६	१६	१७	मे.३३।५३
३	गु	५	४९	अ	३०	१३	धु	१०	६	वि	५	४९	१८	५६	४	२७	१७	१८	मेषे
४	शु	५३	४९		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
५	शु	५३	५०	भ	२६	१०	व्या	४४	५३	कौ	२६	४४	१४	५७	३	२८	१८	१९	वृ.४०।१९
६	श	४८	१०	कृ	२२	४७	व	४७	४६	ग	२१	०	९	५८	२	२९	१९	२०	वृषे
७	र	४२	४४	रो	१८	३५	सि	४०	२६	वि	१५	२७	५	५९	१	३०	२०	२१	मी.५२
८	चं	३७	३१	मृ	१५	९	व्य	३३	२२	बा	१०	८	५९	००	०	३१	२१	२२	मिथुने
९	मं	३२	४९	आ	११	५५	ब	२६	२९	तै	५	१०	५९	१	५९	१	२२	२३	क. ५२
१०	बु	२८	१५	पु	९	११	प	१९	५९	व	०	३३	५३	२	५८	२	२३	२४	कर्के
११	गु	२४	२०	पु	६	५६	शि	१३	५३	बा	२४	२०	४८	२	५८	३	२४	२५	कर्के
१२	शु	२०	५९	श्ले	५	१०	सि	८	११	तै	२०	५९	४४	३	५७	४	२५	२६	सिं. ५।१०
१३	श	१८	३४	म	४	४	सा	३	५५	व	१८	३४	४०	४	५६	५	२६	२७	सिंहे
१४	र	१७	६	पु	३	५२	शु	५५	१४	श	१७	६	३६	५	५५	६	२७	२८	कं. १९।८
१५	चं	१६	५३	उ	४	५५	ब्र	५२	३८	ना	१६	५३	३२	६	५४	७	२८	२९	कन्यायां

कन्यायामर्कः२६।५८
भ.३८।३०उ. कन्यायामर्कः सौरः३।३९
भ.५।४९या. चतुर्थी व्र.
[× शुक्रः ३५।३७
तुलायां शुक्रः८।२१पूफा.३शनिः१०।५२
भ.४८।१०उ. [+ सौभाग्यवतीनां श्रा.)
भ.१५।२७या.उदयं शनेः५३।४८
वक्री बुधः ५३।१७
रा. आश्विनारंभः मातृ९+
भ.०।३३उ.२८।१५या. स्वात्यां×
तुलायां भौमः १०।२५ इंदिरा ११ व्र.
हस्ते रविः४०।७ प्रदोषः
भ.३४उ.५०या.हस्तेरविःसौरः१६।९
शस्त्रादि हतानां श्रा.
सर्व पितृ३० सोमवती

२४पं.आ.कृ. ७ र. इ. २९५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	८	८	६	४	९	५
४	२७	२८	१८	२	२०	२२	४
५५	३४	३९	५२	५२	१६	२०	१९
१६	१९	१४	२३	१	२६	५	३९
५८	४०	९	२	७३	७	३	५८
३८	३०	५४	१६	२०	८	११	४५

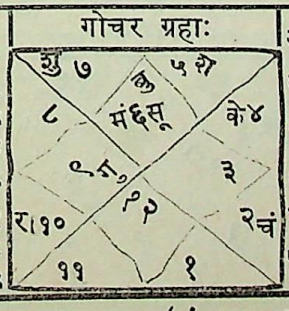

आश्विन कृष्णे १भौमे
कन्यायामर्कः प्रविष्टः
वा.४ न.४ युवावस्था
(सूती)मु.४५धान्यादि
भावे समता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

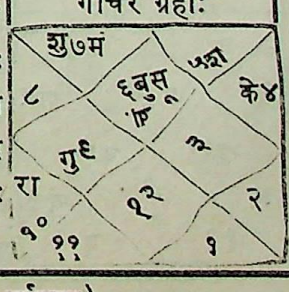

२५पं. आ.कृ.१४ र.इ. २९८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	८	६	४	९	५
११	२	२७	१९	११	२१	२१	११
४६	१४	५७	१४	२५	७	५७	१०
५२	४९	४०	५३	१२	५९	४९	३९
५८	४०	२९	३	७३	७	३	५९
५३	३५	व.	३७	११	२	११	०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६१२ सन् २००८
१	मं	१८	०	ह	७	११	ऐं	५१	३०	ब	१८	०	३९	६	५४	८	२९	३०	तु.३८।५५	बुधास्तः पाश्चिमायां २५।२१ +
२	बु	२०	४१	चि	१०	३९	वै	५०	५६	को	२०	४१	२३	७	५३	९	३०	१	तुलायां	चंद्रदर्शनम् अक्टूबर १० ता. ३१
३	गु	२४	४०	स्वा	१५	३५	वि	५१	३१	ग	२४	४०	१९	८	५२	१०	१	२	तुलायां	भ.५७।१६उ. सव्वाल १०
४	शु	२९	५२	वि	२१	५९	प्री	५२	५५	वि	२९	५२	१५	९	५१	११	२	३	वृ. ५।२३	भ.२९या. [+नवरात्रारंभःमातामह श्रा.
५	श	३५	४९	अ	२८	५६	आ	५४	८	ब	२	४४	११	१०	५०	१२	३	४	वृश्चिके	वक्री हस्ते बुधः २०५८
६	र	४२	१०	ज्ये	३६	३५	सौ	५७	४१	को	८	५९	७	११	४९	१३	४	५	ध ३६।३५	विशा.शुक्रः३१।४२स्वात्यां भौमः४।५
७	चं	४८	३१	मू	४४	४	शो	५९	५५	ग	१५	२०	३	११	४९	१४	५	६	धनुषि	भ. ४८।३१ उ.
८	मं	५४	८	पू	५१	१०	अ	६०	०	वि	२१	२०	५९	१२	४८	१५	६	७	धनुषि	भ.२१।२० या.
९	बु	५८	२६	उ	५७	६	अ	१	४६	बा	२६	१७	५५	१३	४७	१६	७	८	म.७।३८	पूषा.३ गुरुः२६।३०
१०	गु	६०	०	श्र	६०	०	सु	२	४६	तै	२९	५१	५१	१४	४६	१७	८	९	मकरे	अस्तो भौमः ३२।२१
१०	शु	१	२०	श्र	१	३५	धृ	२	४०	ग	१	२०	४७	१५	४५	१८	९	१०	कुं. ३२	भ.३१उ.चित्रा रविः १२।९ (सौरः४६)
११	श	२	१४	ध	४	१६	शू	५९	५९	वि	२	१४	४३	१५	४५	१९	१०	११	कुंभे	भ. २।१४या. पापां कुशा ११ व्र.
१२	र	१	८	श	५	४	बृ	५३	२०	बा	१	८	३९	१६	४४	२०	११	१२	मी. ४९।७	प्रदोषः [Bबुधोदयः पूर्वस्यां४८।१४
१३	र	५७	०४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷व्र. का.स्ना. प्रा.
१४	चं	५३	२२	पू	३	४८	ध्रु	४७	११	ग	२५	४७	३५	१७	४३	२१	१२	१३	मीने	भ५३।२२उ. वृश्चिके शुक्रः४५।०B
१५	मं	४७	२०	उ	१५	५६	व्या	३९	४७	वि	२०	२१	३१	१८	४२	२२	१३	१४	मे.५६।५२	भ.२०।२१ या.शरद पूर्णिम कोजागरी÷

२६ पं.आ.शु.६ र.इ.२८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	८	६	४	९	५
१८	६	२१	१९	१९	२१	२१	१८
४०	५६	४५	४५	५६	५८	३५	५
८	५६	१४	५०	२९	५	३३	२६
५९	४१	४३	४	७२	६	३	५९
९	७	व.	४७	५२	५७	१९	१६

गोचर ग्रहाः

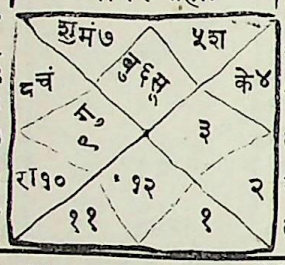

इसमास में गेहूं जौ चना चांदी रुई सोना तिल घृत गुड सक्कर तेल चीनी आदि पदार्थ मंदेहोकर अन्त में तेंज होवे ।

गोचर ग्रहाः

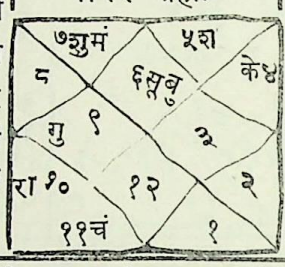

२७ पं.आ.शु. १२ र.इ. २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	८	६	४	९	५
२५	११	१४	२०	२८	२२	२१	२५
३५	४२	५२	२४	२७	४६	१३	१
२	१८	३७	५८	४०	१६	१८	८
५९	४१	४४	२०	५७	६	३	५९
२१	२४	व.	५६	३२	३२	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽआश्विन कृष्णेति महा.
१	बु	४०	२२	अ	५१	३९	ह	३१	२७	बा	१३	५१	३८	६	५	२३	१४	१५	मेषे	[=मार्गी बुधः१।३५अनू.शुक्रः२७।३३
२	गु	३२	४१	भ	४५	५८	व	२२	३१	तै	६	३१	२३	१९	४१	२४	१५	१६	वृ.५९।३५	भ.५८।५१उ.तुलायामर्कः ५५।५८ =
३	शु	२५	२	कृ	४०	१९	सि	१३	२१	वि	२५	२	२०	२०	४०	२५	१६	१७	वृषे	भ.२५।२या. तुलायामर्कःसौरः२९।२७÷
४	श	१७	४०	रो	३४	५३	प	२५	५१	बा	१७	४०	१६	२१	३९	२६	१७	१८	वृषे	[÷पूफा. ४ शनिः२९।१४करकचतुर्थी व्र.
५	र	१०	४८	मृ	३०	१	प	४७	२१	तै	१०	४८	१२	२२	३८	२७	१८	१९	मि. २।२७	[+३८।०रा. कार्तिकारंभः
६	चं	४	४६	आ	२६	४	शि	३९	३६	व	४	४६	८	२२	३८	२८	१९	२०	मिथुने	भ.४।४६ उः३२।१३ या.
७	चं	५४	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	मं	५५	२५	पु	२२	४९	सि	३२	४४	बा	२७	३२	४	२३	३७	२९	२०	२१	क.८।३८	[=ज्येष्ठा. शुक्रः२९।२९रु५१४
९	बु	५२	१९	पु	२०	३८	सा	२६	३२	तै	२३	५२	०	२४	३६	३०	२१	२२	कर्के	
१०	गु	५०	२	श्ले	१९	२८	शु	२१	२३	ब	२१	१०	२७	२५	३५	१	२२	२३	सिं. ३९	भ२१।१०उ.५०।२या.स्वात्यां रविः+
११	शु	४८	५६	म	१९	१९	शु	१६	५८	व	१९	२९	५३	२५	३५	२	२३	२४	सिंहे	स्वात्यां रविःसौरः१०विशा.भौमः३१।८×
१२	श	४८	५१	पू	२०	४	बृ	१३	२१	को	१८	५३	४९	२६	३४	३	२४	२५	क. ३५	
१३	र	४९	५४	उ	२२	३	ऐं	१०	४४	ग	१९	२२	४५	२७	३३	४	२५	२६	कन्यायां	भ.४९।५४उ. प्रदोषः ध न१३
१४	चं	५२	४	ह	२५	४	वै	८	५८	वि	२०	५९	४१	२८	३२	५	२६	२७	तु. ५७।७	भ. २०।५९ या. चित्रा. बुधः ३७।१९=
३०	मं	५५	२७	चि	२९	११	वि	७	५२	च	२३	४६	३७	२९	३१	६	२७	२८	तुलायां	महा लक्ष्मी पूजनम् [×रमा११व्र.

२८ पं.का. कृ.५ र.इ. २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	८	७	४	९	६
२	१६	१४	२१	६	२३	२०	२
३१	३०	४४	१२	५७	३२	२१	५८
२६	४७	३५	११	४७	३५	२	३४
५९	४१	४३	६	७२	६	३	५९
३४	३४	मा	४९	१४	२०	११	४६

गोचर ग्रहाः

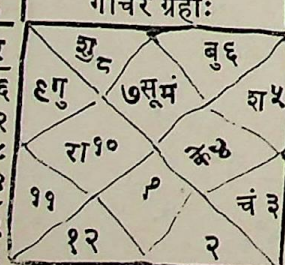

कार्तिक कृष्णे २ गुरौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ५ प्रगल्या-वस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

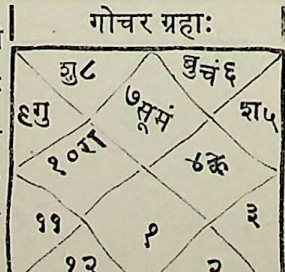

२९ पं.का. कृ.२ र. इ. २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	८	७	४	९	६
९	२१	२१	२२	१५	२४	२०	८
२९	२१	३४	६	२६	१६	२८	५७
४२	४०	३७	४०	३८	१२	५७	५४
५९	४१	५१	७	७१	३	३	६०
४७	५०	३४	५९	५५	५३	११	२

(सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हैमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०५१ स. २००८
१	बु	५६	५५	स्वा	३५	१३	प्री	७	४०	किं	२७	१४	२७	२६	५१	७	२८ २६	तुलायां	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	गु	६०	०	वि	४०	३८	आ	८	२०	बा	३२	३६	३०	३०	३०	८	२९ ३०	वृ. २४	चंद्र दर्शनं भातृ२यम२
३	शु	५	१७	अ	४७	२४	सौ	६	४८	कौ	५	१७	२७	३१	२६	९	१ ३१	वृश्चिके	तुलयां बुधः५५।२३जिल्काद११
४	श	११	४६	ज्ये	५५	१	शो	११	४३	ग	११	४६	२३	३१	२६	१०	२ १	ध. ५५।१	भ.४४।४८उ.नवम्बर११ता३०
५	र	१७	४७	मू	६०	०	अ	१३	४५	वि	१७	४७	१९	३२	२८	११	३ २	धनुषि	भ.१७।४७या.
६	चं	२४	२३	मू	२	३०	सु	१६	१३	बा	२४	२३	१८	३३	२७	१२	४ ३	धनुषि	पूषा.४गुरुः५०।२
७	मं	३०	२६	पू	१०	११	धृ	१८	४४	तै	३०	२७	१२	३४	२६	१३	५ ४	म.२६।५१	श्रवण.३राहुः आश्ले.१केतुः ३०।५५÷
८	बु	३५	२२	उ	१६	५१	शू	२०	१८	ग	२	५५	९	३४	२६	१४	६ ५	मकरे	भ.३५ उ.विशा.रविः५६स्वात्यांबुधः५६
९	शु	३६	१७	श्र	२२	३३	गं	२१	३	वि	७	२०	५	३५	२५	१५	७ ६	कुं. ५४	भ.२० ७या.विशा.रविः सौरः५७ गोपाष्टमी
१०	शु	४१	२१	ध	२६	३५	धृ	२०	३३	बा	१०	१६	२	३६	२४	१६	८ ७	कुम्भे	मूले धनुषि शुक्रः२६।७बृश्चिके भौमः A
११	श	४१	२८	श	२८	५२	धु	१८	४७	तै	११	२६	२६	३६	२४	१७	९ ८	कुम्भे	[÷बुधास्तःपूर्वस्यां१७।३४
१२	र	३६	२४	पू	२६	५	व्या	१५	१४	व	१०	२१	५५	३७	२३	१८	१० ९	मी. १४।२	भ.१०।२१उ.३६।२४या. प्रबोधिनी११×
१३	चं	३५	१६	उ	२७	११	ह	१०	०	ब	७	२३	५२	३८	२२	१९	११ १०	मीने	[A४६।२७अक्षय६
१३	मं	२६	२६	रे	२३	२६	व	२८	५१	का	२	२३	४९	३८	२२	२०	१२ ११	मे.२३।२६	प्रदोषःवैकुंठ१४ [×व्र.तुलसी विवाहः
१४	बु	२१	५८	अ	१८	१३	व्य	४५	४७	व	२१	५८	४५	३६	२१	२१	१३ १२	मेषे	भ.२१।५८उ.४७।४३या.अनु.भौमः ३१
१५	गु	१३	२८	भ	११	५६	व	३५	४६	ब	१३	२८	४२	४०	२०	२२	१४ १३	बृ.२५।११	विशा. बुधः१८।१७मन्वादिः का. स्ना. पू.

३०पं.का.शु.४ र.इ.२८।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	८	७	४	९	६
१६	२६	२	२३	२३	२४	२०	१५
२९	१६	२६	७	५४	५७	६	५८
२८	१	१७	५२	४७	१४	३१	५८
६०	४२	९४	८	७१	५	३	६०
४	०	४१	५३	३२	३१	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथी क्षय शुक्ल पक्ष की तिथी वृद्धि धान्य वाजरा मूगं मोठ चांदी सोना मंदी करे रुई तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

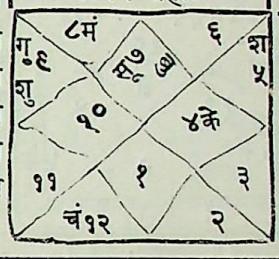

३१ पं.का.शु.११ र. इ. २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	८	८	४	९	६
२३	१	१४	२४	२	२५	१९	२३
३०	११	४	१४	२०	२५	४४	१
५०	१७	३७	५३	४६	१०	१५	३२
६०	४२	९९	९	७१	५	३	६०
१७	१०	४	४२	७	२	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	शु	४	२८	कृ	५३	४४	प	२५	२१	कौ	४	२८	३६	४०	२०	२३	१५ १४	वृषे	
२	शु	५०	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	
३	श	४६	४०	मृ	५०	४१	शि	१४	५८	ब	२१	३	३६	४१	१९	२४	१६ १५	मि २४।१०	भ.२१।३उ.४६।४०या.बृश्चिकेऽर्कः ५४
४	र	३८	४१	आ	४४	३५	सि	४८	५०	व	१२	४०	३३	४१	१९	२५	१७ १६	मिथुने	बृश्चिकेऽर्कः सौरः २२।११चतुर्थी व्र.
५	चं	३१	५४	पु	३९	३३	शु	४६	३७	कौ	५	२०	३०	४२	१८	२६	१८ १७	क २५।४९	
६	मं	२६	३२	पु	३५	५६	शु	३९	२१	व	२६	३२	२७	४३	१७	२७	१९ १८	कर्के	भ.२६।३२उ.५४।४२या.पूष।शुक्रः ४०
७	बु	२२	५२	श्ले	३३	५६	ब्र	३३	७	ब	२२	५२	२५	४३	१७	२८	२० १९	सिं. ३३	अनुं. रविः १२।५१ (सौरः ३८।५९)+
८	गु	२०	२५	म	३३	२२	ऐं	२८	९	कौ	२०	२५	२२	४४	१६	२९	२१ २०	सिंहे	[+बृश्चिके बुधः२०।३१
९	शु	१९	३६	पू	३४	१२	वै	२४	२३	ग	१९	३६	१९	४४	१६	३०	२२ २१	कं. ४९।४७	भ.४९।५४अनु. बुधः३७।५३
१०	श	२०	१३	उ	३६	३५	वि	२१	५५	वि	२०	१३	१७	४५	१५	१	२३ २२	कन्यायां	भ. २०।१३ या. उषा. १ गुरुः ५८।५४=
११	र	२२	१४	ह	४०	३	प्री	२०	३१	बा	२२	१४	१४	४५	१५	२	२४ २३	कन्यायां	उफा. १शनिः५०।३८उत्पत्ति११व्र.
१२	चं	२५	२८	चि	४४	४६	आ	२०	७	तै	२५	२८	१२	४६	१४	३	२५ २४	तु.१२।२५	[=रा. मार्गशीर्षारंभः
१३	मं	२९	४४	स्वा	५०	३४	सौ	२०	२६	व	२९	४४	९	४६	१४	४	२६ २५	तुलायां	भ.२९।४४उ. प्रदोषः
१४	बु	३५	५	वि	५७	११	शो	२१	१२	वि	२	२४	७	४७	१३	५	२७ २६	वृ.४०।३२	भ२।२४ या.
३०	गु	४०	४३	अ	६०	०	अ	२२	५९	च	७	५४	५	४७	१३	६	२८ २७	वृश्चिके	

३२ पं. मा.कृ.४ र. इ. २७ ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	८	८	४	९	७
०	६	२५	२५	१०	२६	१९	०
३३	१०	१३	२८	४४	८	२२	५
२९	१६	४१	१२	२	४६	०	३६
६०	४२	९९	१०	७०	४	३	६०
३०	२६	२३	२६	३०	३८	११	४०

गोचर ग्रहाः

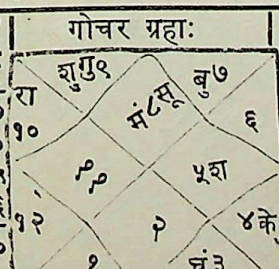

मार्गशीर्ष कृष्णे ३शनौ बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्ठा.: वा.३ न.३ बृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

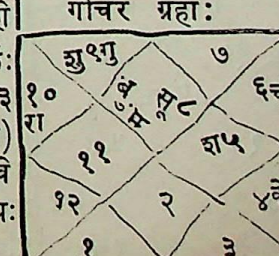

३३पं.मा.कृ.११ र.इ. २७ ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	८	८	४	९	७
७	११	६	२६	१९	२६	१८	७
३७	११	२३	४५	३	३८	५९	११
२६	३१	३८	२२	५०	२८	४४	९
६०	४२	०	११	६९	३	३	६०
४२	४६	३४	५	५२	५८	११	५३

(विक्रम सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०८१स.२००८
१	शु	४६	५१	अ	४	११	सु	२४	३९	किं	१३	४७	२६ ३	४८	१२	७	२९	२८	वृश्चिके
२	श	५३	१५	ज्ये	११	४०	धृ	२६	५९	बा	२०	३	०	४८	१२	८	३०	२९	ध. ११ ४०
३	र	५९	५२	मू	१९	८	शू	२९	१६	तै	२६	३४	२५ ८	४८	१२	९	१	३०	धनुषि
४	चं	६०	०	पू	२६	४४	गं	३१	३१	व	३२	५९	५६	४९	११	१०	२	१	म. ३३
४	मं	६	६	उ	३३	५४	वृ	३३	१९	वि	६	६	५४	४९	११	११	३	२	मकरे
५	बु	११	२२	श्र	४०	१०	ध्रु	३४	४४	बा	११	२२	५३	४९	११	१२	४	३	मकरे
६	गु	१५	५३	ध	४५	१९	व्या	३५	१६	तै	१५	५३	५१	५०	१०	१३	५	४	कुं. १३
७	शु	१८	५२	श	४९	१	ह	३४	२८	व	१८	५२	४९	५०	१०	१४	६	५	कुंभे
८	श	२०	१२	पू	५१	४	व	३२	२६	ब	२०	१२	४८	५०	१०	१५	७	६	मी. ३५
९	र	१९	४६	उ	५१	७	सि	२८	५५	कौ	१९	४६	४६	५१	९	१६	८	७	मीने
१०	चं	१७	४	रे	४९	१२	व्य	२३	४१	ग	१७	४	४५	५१	९	१७	९	८	मे. ४९
११	मं	१२	४१	अ	४५	१५	व	१७	३	वि	१२	४१	४४	५१	९	१८	१०	९	मेषे
१२	बु	६	१०	भ	३९	४४	प	४८ ५७		बा	६	१०	४३	५१	९	१९	११	१०	वृ. ५३।५
१३	बु	५२	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१४	शु	४९	२२	कृ	३३	७	सि	४८	५७	ग	२२	५९	४३	५२	८	२०	१२	११	वृषे
१५	शु	३९	४५	रो	२५	१९	सा	३७	५९	वि	१४	४०	४१	५२	८	२१	१३	१२	मि. २९

उषा. शुक्राः५१।१२ चंद्रदर्शनम्
ज्येष्ठा.बुधः०।४जिल्हेज१२
भ. ३२।५९ उ. ज्येष्ठा. भौमः०।३७+
भ. ६।६ या. ज्येष्ठा. रविः २२।५८=
[=सौरः४९)मकरे शुक्रः४०पातमोक्षः४८
चंपा ६
भ.१८।५२उ.४९।३२या.
[+दिसम्बर१२ ता.३१ पातस्पर्शः४९।२३
भ.४४।५२उ.मूले धनुषि बुधः२५।१४
भ.१२।४१या.उषा.२मकरे गुरुः३१।३३÷
प्रदोषः.
[÷मोक्षदा११ व्र.गीताजयंती
भ.४९।२२उ.श्रवणे शक्रः९।५७
भ.१४।४०या. दत्त जयंती

३४ पं.मा.शु. ३ र. इ. २७।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	८	८	४	९	७
१४	१६	१७	२८	२७	२७	१८	१४
४२	१६	२५	८	२१	४	३७	१७
४०	१	१	२०	२९	५२	२९	५५
६०	४३	९९	११	६९	३	३	६१
५०	७	२३	४६	३	२३	११	३

गोचर ग्रहाः

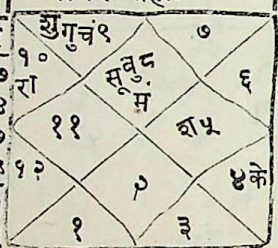

इस मास में शनिवार का चन्द दर्शन सोना चांदी लोहा रुई कपास वस्त्र आदि पदार्थो में तेजी करेगा रस धान्य में मन्दी होकर तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

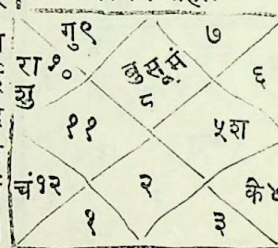

३५ पं.मा.शु.९ र.इ. २७।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	८	९	४	९	७
२१	२१	२८	२९	५	२७	१८	२१
४८	२२	२४	३४	३२	२५	१५	२५
४३	२५	५०	३७	४९	५९	१३	३८
६०	४३	९८	१२	६८	२	३	६१
५६	१७	९	१४	१८	३६	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्गे. कृष्णेति महा.
१	श	२९	५५	मृ	१७	३४	शु	२६	४२	बा	४	५०	२५ ४०	५३	८	२२	१४	१३	मिथुने
२	र	२०	३२	आ	९	५२	शु	१५	५०	ग	२०	३२	२९	५२	८	२३	१५	१४	क.४९।३८
३	चं	११	५४	पु	२ ५४	५४ १०	ब्र	२३	५० ३९	वि	११	५४	२९	५२	८	२४	१६	१५	कर्के
४	मं	४	३५	श्ले	५३	४४	वै	४८	४	बा	४	३५	२८	५२	८	२५	१७	१६	सिं५३।४४
५	मं	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	बु	५५	२६	म	५०	३१	वि	४१	३३	ग	२७	१३	२८	५२	७	२६	१८	१७	सिंहें
७	गु	५३	५०	पु	५०	८	प्री	३६	२४	वि	२४	४०	२७	५३	७	२७	१९	१८	सिंहे
८	शु	५४	२	उ	५१	४४	आ	३२	४९	बा	२३	५६	२७	५३	७	२८	२०	१९	क. ५।३२
९	श	५५	५८	ह	५४	५९	सौ	३१	२	तै	२५	०	२६	५३	७	२९	२१	२०	कन्यायां
१०	र	५९	२३	चि	५९	३९	शो	३०	१६	व	२७	४१	२६	५३	७	३०	२२	२१	तु.२७।१९
११	चं	६०	०	स्वा	६०	०	अ	३०	५५	ब	३१	४९	२६	५३	७	१	२३	२२	तुलायां
११	मं	४	१४	स्वा	५	३७	सु	३१	५५	बा	४	१४	२६	५३	७	२	२४	२३	वृ. ५५ ४२
१२	बु	९	५४	वि	१२	२४	धृ	३३	४६	तै	९	५४	२७	५३	७	३	२५	२४	वृश्चिके
१३	गु	१५	५१	अ	१९	४४	शू	३५	५०	व	१५	५१	२७	५३	७	४	२६	२५	वृश्चिके
१४	शु	२२	४०	ज्ये	२७	२०	गं	३८	२	श	२२	४०	२७	५३	७	५	२७	२६	ध.२७।२०
२०	श	२९	४	मू	३४	५३	वृ	४०	१५	ना	२९	४	३८	५२	८	६	२८	२७	धनुषि

भ.४६।१३उ. पातस्पर्शः४२।५०
भ.११।५४या. मूले धनुष्यर्कः३०।१३BA
पूषा. बुधः५३।७
[A(सौरः५३)पातमोक्षः१।४चतुर्थी व्र.
भ.५५।२६उ.
भ.२४।४०या.
मूले धनुषि भौमः ५।३२ बुधोदयः*
[*पश्चिमायां ७।३१
भ.२७।४१उ.५९।२३
धनि. शुक्रः ५९।३१ रा.पौषारंभः=
सफला११व्र. वै.
उषा.३गुरुः४८।५८प्रदोषः
भ.१५।५१उ.४९।१६या. उषा. बुधः३७
[=सफला११ व्र.स्मा
मकरे बुधः५०।५०

३६ पं.पौ.कृ. २ र. इ. ५३।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	९	९	४	९	७
२८	२६	९	१	१३	२७	१७	२८
५५	३१	२३	३	४०	४१	५२	३४
३७	४१	४९	५०	४८	५३	५७	२१
६१	४३	९६	१२	६७	१	३	६१
०	३७	५४	३२	१७	५३	११	१९

गोचर ग्रहाः

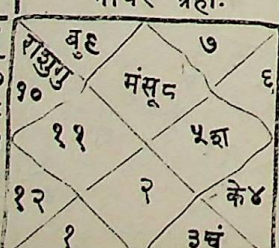

पौष कृष्णे ३ चंद्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.३न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

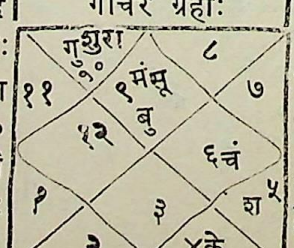

३७पं.पौ.कृ. १० र.इ. २६।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	९	९	४	९	८
६	१	२०	२	२१	२७	१७	५
३	४३	१९	३६	३७	५२	३०	४३
१४	१	२६	१४	५२	४१	४२	४६
६१	४३	९३	१२	६६	१	३	६१
४	४७	५५	५९	१	१३	११	२२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६५१ स.२००८
१	र	३५	२६	पू	४२	१०	धु	४२	१८	किं	२	१५	३५	५३	५	७	२९	२८	म.५८।५५	पूषा. रविः ३५।१३ (सौरः ५२।२१) A
२	चं	४१	१९	उ	४९	८	व्या	४४	१२	बा	८	२३	३९	५२	८	८	३०	२९	मकरे	चंद्र दर्शनम् [Aकुंभे शुक्रः५६।२२
३	मं	४६	२०	श्र	५५	१४	ह	४५	२१	तै	१३	५०	४०	५२	८	९	१	३०	मकरे	मोहरम१सन् १४३०दि.
४	बु	५०	४१	ध	६०	०	व	४५	४४	व	१८	३१	४१	५२	८	१०	२	३१	कुं.२७।५६	भ.१८:३१उ.५०।४१या.
५	गु	५३	५६	ध	०	३९	सि	४५	२८	व	२२	१९	४२	५२	८	११	३	१	कुंभे	वक्री शनिः १८जनवरी१ता.३१सन्२००९
६	शु	५५	४६	श	५	४	व्य	४४	२२	औ	२४	५१	४३	५१	९	१२	४	२	मी.१२	[+३९।५८ (सौरः५३।४८)
७	श	५६	१५	पू	८	२	व	४१	५६	ग	२६	०	४४	५१	९	१३	५	३	मीने	भ.५६।१५उ.
८	र	५५	२	उ	९	३९	ष	३८	२२	वि	२५	३८	४५	५१	९	१४	६	४	मीने	भ.३५या. श्रवणे बुधः५३शते शुक्रः१।५
९	चं	५२	१९	रे	९	४१	शि	३३	२६	बा	२३	४०	४७	५१	९	१५	७	५	मे.९।४१	पूषा. भौमः५७।३
१०	मं	४७	४०	अ	७	४८	सि	२६	५८	तै	१९	५९	४८	५०	१०	१६	८	६	मेषे	श्रवण.२राहुःपुष्य.४केतुः२३।१
११	बु	४१	३६	भ	२३	५७	सा	१९	१९	व	१४	३८	५०	५०	१०	१७	९	७	वृ.१८।८	भ.१४।३८उ.४१।३६या.पुत्रदा११व्र.
१२	शु	३४	१०	रो	५३	१०	शु	१०	२३	ब	७	५३	५३	५०	१०	१८	१०	८	वृषे	उषा.४गुरुः७।५३
१३	शु	२५	२१	मृ	४५	५७	शु	३३	३९	तै	२५	२१	५३	४९	११	१९	११	९	मि१९।३४	प्रदोषः
१४	श	१५	५९	आ	३८	२३	ये	३९	१	व	१५	५९	५५	४९	११	२०	१२	१०	मिथुने	भ. १५।५९उ.४१।११ या. उषा रविः+
१५	र	६	२२	पु	३०	३५	वै	२७	५६	ब	६	३२	५७	४९	११	२१	१३	११	कं.१७।३२	वक्री बुधः५१।५१मा. स्ना. प्रा.

३८ पं.पौ. शु. १ र. इ. २६/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	९	४	९	८
१३	६	०	४	२९	२७	१७	१२
११	५६	५१	१०	२७	५७	८	५३
१३	५६	४	३७	५४	२९	२६	३८
६१	४४	८५	१३	६४	०	३	६१
६	४	४७	२०	३५	२६	११	६२

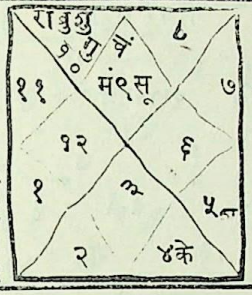

३९ पं.पौ. शु ८ र. इ. २६/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	१०	४	९	८
२०	१२	९	५	७	२७	१६	२०
१९	१३	४४	४६	६	५७	४६	३
२६	१	२४	५५	३६	५०	११	३५
६१	४४	६२	१३	६२	२१	३	६१
६	२२	४	२६	५३	व.	११	२६

४०पं.पौ. शु. १५ र.इ.२६/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	१०	४	९	८
२७	१७	१५	७	१४	२७	१६	२७
२७	३०	७	२४	३१	५२	२३	१३
२२	५४	४१	४७	१६	२६	५५	२७
६१	४४	५	१३	६०	१८	३	६१
६	३१	२०	३२	३८	व.	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाः
१	र	५०	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+३७।४४ (सौरः४८।४९)
२	चं	४८	३८	पु	२३	४७	वि	१७	३४	तै	२२	५२	२५	४६	१२	२२	१४	१२	कर्के	[÷पूर्वस्यां २८।२४
३	मं	४१	३४	श्ले	१७	५१	प्री	९	५१	व	१५	७	२९	४८	१२	२३	१५	१३	सिं. १७	भ.१५।७उ.४१।३४या. मकरेऽर्कः५६।२२
४	बु	३६	१०	म	१३	४३	सौ	५२	५६	ब	८	५२	४	४७	१३	२४	१६	१४	सिंहे	मकरेऽर्कः सौरः १५अस्तं गुरोः १२चतुर्थी व्र.
५	गु	३२	५८	पू	११	४	शो	४७	४५	कौ	४	३४	६	४७	१३	२५	१७	१५	कं.२६।०	बुधास्तः पश्चिमायां०।४७
६	शु	३१	५५	उ	१०	४७	अ	४४	१६	ग	२	२७	८	४६	१४	२६	१८	१६	कन्यायां	भ.३१।५५उ.पूभा.शुक्रः४५।१
७	श	३२	५२	ह	१२	४०	सु	४२	३२	वि	२	२४	११	४६	१४	२७	१९	१७	तु४४।३१	भ.२।२४या.वक्री उषा.बुधः५९।९
८	र	३५	४७	चि	१६	२२	धृ	४२	२५	बा	४	१७	१३	४५	१५	२८	२०	१८	तुलायां	[=उषा.भौमः२३।२५प्रदोषः
८	चं	४०	२५	स्वा	२१	५०	शू	४३	५	तै	८	६	१६	४५	१५	२९	२१	१९	तुलायां	[×२८।५२ (सौरः४०।३६)
९	मं	४५	४	वि	२८	१३	गं	४४	४६	व	१३	१५	१९	४४	१६	३०	२२	२०	वृ.११।३७	भ.१३।१५उ.४६।४या. अभि. प्र. रविः×
१०	बु	५२	३४	अ	२५	५२	ब	१९	१९	कौ	२१	४४	१६	१	२३	२१	वृश्चिके	रा. माघारंभः षट् तिला११व्र.		
११	शु	५९	१७	ज्ये	४३	१६	ध्रु	४९	२६	कौ	२५	५५	२४	४३	१७	२	२४	२२	ध४३।१६	श्रवण.१गुरुः१७।२१
१२	शु	६०	०	मू	५१	१	व्या	५१	३९	ग	३२	५८	२७	४३	१७	६	२५	२३	धनुषि	श्रवणे रविः ४५।२९ (सौरः ५६।३२)=
१३	श	६	४०	पू	५८	१३	ह	५३	३६	व	६	४०	२९	४२	१८	४	२६	२४	धनुषि	भ.६।४०उ.३९।११या.अभि. नि. रविः+
१४	र	११	४२	उ	६०	०	ब	५५	२	श	११	४२	३२	४२	१८	५	२७	२५	म.१४।५५	
३०	चं	१७	९	उ	५	२	सि	५५	५३	ना	१७	९	३५	४१	१९	६	२८	२६	मकरे	वक्री धनुषि बुधः १५।२५ बुधोदयः÷

४१पं.मा.कृ. ८ र. इ. २६/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	१०	४	९	९
४	२२	९	९	२१	२७	१६	४
३५	५१	२२	३	३७	४१	१	२२
१३	५४	१२	४३	५५	४९	३९	५६
६१	४४	४९	१३	१७	४९	३	६१
३	२८	व.	३८	५७	व.	११	१९

ग्रोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे ४ बुधे मकरेऽर्क. प्रविष्टः वा.३न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

ग्रोचर ग्रहाः

४२ पं.मा.कृ.१४ र.इ. २६/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	८	१०	४	९	९
११	२८	०	१०	२८	२७	१५	११
४२	१२	५४	४२	२५	२६	३९	३१
४०	३२	१४	५८	२६	२	२४	४७
६०	४४	६६	१३	५४	२	३	६१
५९	४७	व.	२८	व.	११	१३	

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६४१ स.२००९
१	मं	२१	३४	श्र	१०	४०	व्य	५६	८	ब	२१	३४	२६	६	५	७	२९	२७	कु. ४३।९	मीने शुक्रः१०।४८ मकरे भौमः ५०।२६×
२	बु	२५	४	ध	१५	३८	व	५५	३१	कौ	२५	४	४१	४०	२०	८	१	२८	कुंभे	सफर२ [×चंद्र दर्शनम्
३	गु	२७	३९	श	१९	३२	प	५३	५९	ग	२७	३९	४५	३९	२१	९	२	२९	कुम्भे	भ.५८।१६उ.
४	शु	२८	५४	पू	२२	२६	शि	५१	४४	वि	२८	५४	४८	३८	२२	१०	३	३०	मी. ६।४३	भ.२८।५४या. उभा. शुक्रः५०।७
५	श	२९	२३	उ	२४	१४	सि	४८	४३	बा	२९	२३	५१	३८	२२	११	४	३१	मीने	वसंत५
६	र	२८	२८	रे	२४	५३	सा	४४	४०	तै	२८	२८	५४	३७	२३	१२	५	१	मे.२४।५३	फर्वरी २ ता.२८
७	चं	२६	३१	अ	२४	२८	शु	३९	३१	व	२६	३१	५८	३६	२४	१३	६	२	मेषे	भ.२६।३१ उ ५४।५४ या. मार्गी बुधः=
८	मं	२३	१७	भ	२२	४०	शु	३३	३२	ब	२३	१७	२७	३६	२४	१४	७	३	वृ.३६।५८	भीष्माष्टमी [=७।७भानु७रथ७
९	बु	१८	५३	कृ	१९	५१	ब्र	२६	२५	कौ	१८	५३	५	३५	२५	१५	८	४	वृषे	[÷श्रवण.२गुरुः२१।८
१०	गु	१३	११	रो	१५	४१	एं	१८	२६	ग	१३	११	८	३४	२६	१६	९	५	मि. ४३।७	भ. ३९।५१ उ. धनि. रविः ५३।४७÷
११	शु	६	३२	मृ	१०	३३	वै	९	३५	वि	६	३२	१२	३४	२६	१७	१०	६	मिथुने	भ.६।३२ या. धनि. रविः सौरः २।२२+
१२	शु	५२	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[Bउदयो भौमः४७।३५
१३	श	५०	३७	आ	३४	२५	वि	७	५२	कौ	२४	४३	१५	३३	२७	१८	११	७	क. ४४	मकरे बुधः२७।५५प्रदोषः [+जया११व्र.
१४	र	४२	२	पु	५१	२८	आ	४०	५	ग	१६	२०	१९	३२	२८	१९	१२	८	कर्के	भ.४२।२उ. वक्री पूफा. ४शनिः५१।५८B
१५	चं	३३	४६	श्ले	४५	१७	सौ	३०	२७	वि	७	५४	२३	३१	२९	३०	१३	९	सिं. ४५	भ.५४ या.श्रवणेभौमः४५ मा. स्ना. पूर्तिः

४३ पं. मा.शु.६ र. इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	९	११	४	९	९
१८	३	२७	१२	४	२७	१५	१८
४९	३५	४०	२३	३९	५	१७	३९
१६	४९	५२	१०	५८	३१	८	५२
६०	४४	५३	१३	४९	३	३	६१
५५	५६	व.	२८	४४	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

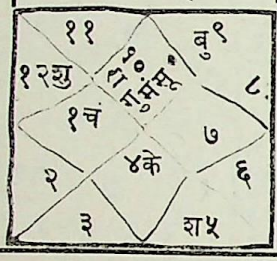

इस मास में ५ सोमवार सभी धान्य बाजरा मूंग मोठ को मंदा करें सुदि में धान्य धातु तेज हो प्रजा में सुख शांति रहे। शीत अधिक पडे।

गोचर ग्रहाः

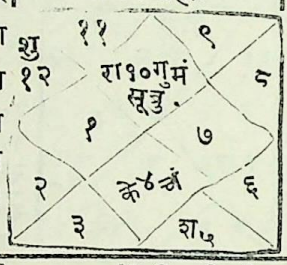

४४ पं. मा. शु. १४ र. इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	९	११	४	९	९
२५	९	०	१४	१०	२६	१४	२५
५५	०	३५	१	१७	४१	५४	४६
१	२५	२८	५२	१०	३५	५३	३९
६०	४५	३६	१३	४३	४६	३	६०
४७	१४	मा	३२	५३	व.	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०										दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा०
१	मं	२६	२८	म	४०	१४	शा	२१	३७	बा	०	७	२७	२९	३१	२१	१४	१०	सिंहे	उदयं गुरोः ४३।१२
२	बु	२०	२६	पू	३६	३६	अ	१३	४६	ग	२०	२६	३०	३०	३०	२२	१५	११	कं.५१।५	भ.४८।९उ.
३	गु	१५	५३	उ	३४	३१	सु	७	१३	वि	१५	५३	३४	२९	३१	२३	१६	१२	कन्यायां	भ.१५ या.कुंभेऽर्कः २९ (सौरः ३६०) चतुर्थी व्र.
४	शु	१३	३४	ह	३४	४१	धृ	२५	५६	बा	१३	३४	२८	२८	३२	२४	१७	१३	कन्यायां	पातस्पर्शः ४९।४८
५	श	१३	१४	चि	३६	५३	गं	५७	४७	तै	१३	१४	४१	२८	३२	२५	१८	१४	तु.५।४७	पातमोक्षः १।२६
६	र	१४	५८	स्वा	४१	५	बृ	५७	२४	व	१४	५८	४५	२७	३३	२६	१९	१५	तुलायां	भ.१४।५८ उ.४६।५४ या.
७	चं	१८	५०	वि	४६	४०	ध्रु	५८	३१	व	१८	५०	४९	२६	३४	२७	२०	१६	वृ.३०।१७	
८	मं	२४	१	अ	५३	४१	व्या	६०	०	कौ	२४	१	५३	२५	३५	२८	२१	१७	वृश्चिके	[×(सौरः११।४२)श्रवण.३ गुरुः४५।०
९	बु	३०	२०	ज्ये	६०	०	व्या	०	२६	ग	३०	२०	५६	२५	३५	२९	२२	१८	वृश्चिके	श्रवणे बुधः३१।४० रेवत्यां शुक्रः४।५७
१०	गु	३६	५०	ज्ये	१	१२	ह	२	३७	व	५	३५	२८	२४	३६	३०	२३	१९	ध.१।१२	भ.५।३५ उ. ३६।५०या.शतेरविः५।१९×
११	शु	४३	१३	मू	८	५०	व	५	६	ब	१०	१	४	२३	३७	१	२४	२०	धनुषि	विजया११ व्र. रा. फाल्गुनारंभः
१२	श	४९	१३	पू	१६	१७	सि	७	१२	कौ	१६	१३	८	२२	३८	२	२५	२१	म. ३२	
१३	र	५४	२२	उ	२२	५९	व्य	८	४०	ग	२१	४७	१२	२२	३८	३	२६	२२	मकरे	भ.५४।२२ उ. प्रदोषः
१४	चं	५८	२	श्र	२८	२३	व	९	२८	वि	२६	११	१६	२१	३९	४	२७	२३	मकरे	भ.२६।११ या. महाशिवरात्री व्र.
३०	मं	६०	०	ध	३२	४९	प	९	२०	च	२९	२५	२०	२०	४०	५	२८	२४	कुं. ०।३६	
३०	बु	०	५०	श	३६	१	शि	८	११	ना	०	५०	२४	१९	४१	६	२९	२५	कुंभे	

४५ पं. फा. कृ. ६ र. इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	९	११	४	९	१०
२	१४	६	१५	१५	२६	१४	२
५९	२६	५६	३९	५	१३	३२	५२
४९	३१	४२	२५	२४	३४	३७	४२
६०	४५	५९	१३	३५	४	३	६०
३७	२२	३३	२२	५६	व.	११	४२

गोचर ग्रहाः

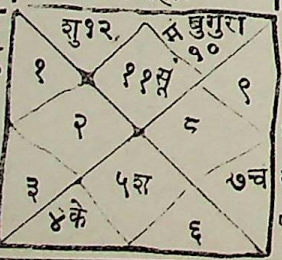

फाल्गुन कृष्णे ३गुरौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३ बालावस्था(बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

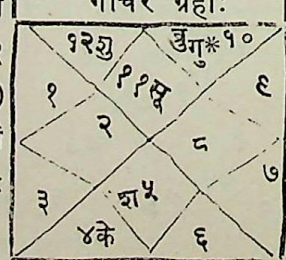

४६ पं. फा. कृ. १३ र. इ. ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	९	११	४	९	१०
१०	१९	१५	१७	१८	२५	१४	९
३	५३	१४	१५	४७	४२	१०	५७
२२	६	२४	४७	२०	५०	२१	१५
६०	४५	७८	१३	२५	२३	३	६०
२५	२८	२	१४	४५	व.	११	३१

* चं रा मं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिथि: फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३० | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५१ स.२००८

१	गु	२	८	पू	३८	२	सि	६	१३	ब	२	८	२८	१६	४२	७	३०	२६	मी २२।३२
२	शु	२	१९	उ	३९	९	सा	१९	५६	कौ	२	१९	३२	१८	४२	८	१	२७	मीने
३	श	१	३४	रे	३९	२	शु	५४	५५	ग	१	३४	२६	१७	४३	९	२	२८	मे. ३९।२
४	श	५८	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	र	५७	१५	अ	३८	२५	ब्र	४९	५९	ब	२८	३१	४०	१६	४४	१०	३	१	वृ. ५१ २५
६	चं	५३	५८	भ	३६	५८	एं	४४	१६	कौ	२५	३७	४४	१५	४५	११	४	२	वृषे
७	मं	५०	२	कृ	३४	४३	वै	३८	८	ग	२२	०	४८	१४	४६	१२	५	३	वृषे
८	बु	४५	२१	रो	३१	५३	वि	३१	२३	वि	१७	४२	५२	१४	४६	१३	६	४	मि. ०।१०
९	गु	४०	७	मृ	२८	२८	प्री	२४	१०	बा	१२	४४	५६	१३	४७	१४	७	५	मिथुने
१०	शु	३४	२०	आ	२४	२५	आ	१८	२०	तै	७	१३	२९ ५१	१२	४८	१५	८	६	क.५।५५
११	श	२८	२	पु	१९	४५	सौ	१३	२९	व	१	११	५	११	४९	१६	९	७	कर्के
१२	र	२१	१३	पु	१४	५३	अ	५१	२४	बा	२१	१३	९	१०	५०	१७	१०	८	सिं. १०।५
१३	चं	१४	३४	श्ले	१०	१५	सु	४३	१०	तै	१४	३४	१३	९	५१	१८	११	९	सिंहे
१४	मं	८	९	म	५	३७	धृ	३५	४०	व	८	९	१७	९	५१	१९	१२	१०	क. १६।३२
१५	बु	२	३५	पू	२	३४	शू	२९	०	व	२	३५	२१	८	५२	२०	१३	११	कन्यायां

वसन्ते१छारेंडी [Aभद्रोत्तरम्

धनि.भौमः४९।४५चंद्र दर्शनम्
रविलावल ३ पातस्पर्शः ३१ ४७ पातमोक्षः+
भ.३०।४०उ.५९।४७या.धनि.बुधः२२।३
[×(सौरः२६।२९)होलाष्टकम्
मार्च३ता.३१ [+४२।२३ फुलरिया २
[=पुष्य.३केतुः१७।४८ होलिका दहनम्A
भ.५०।२उ.
भ. १७।४२ या. पूमा. रविः २१।२५×
कुंभे बुधः१६।२८वक्री शुक्रः५१।४८
श्रवणे.४गुरुः४७।३०
भ.१।११उ.२८।२या. कुंभे. भौमः२५।५÷
प्रदोषः [÷आमलकी११व्र.
शते बुधः१२।१३
भ.८।९उ.३५।२२ या. श्रवण. १ राहुः=

४७ पं.फा.शु. ५ र.इ. ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	९	११	४	९	१०
१७	२५	२४	१८	२१	२५	१३	१७
५	२०	४८	५०	३	१०	४८	०
२५	१७	५८	३१	३६	२३	६	८
६०	४५	८१	१२	१२	३४	३	६०
१२	३८	३१	५३	१९	व.	११	२०

गोचर ग्रहाः

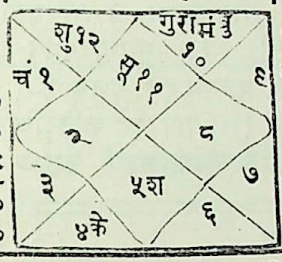

मकरे च स्थिते भौमे घृत तेल महर्घता। सुभिक्षं तत्र धान्यानां लोकाना दुःख पीडनम्।। इस मास में धान्य धातु मंदे रस तेज रहे

गोचर ग्रहाः

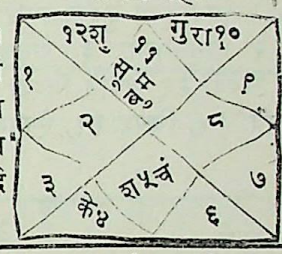

४८ पं.फा. शु.१२र. इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	९	११	४	९	१०
२४	०	५	२०	२१	२४	१३	२४
६	४७	२७	२२	३२	३६	२५	१
२२	५३	४३	५२	५३	५८	५०	३१
५२	४५	५७	१२	३७	४०	३	६०
५८	४६	४५	२६	व.	व.	११	६

तिथि: फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३० | दि. उ. अ. भा. मु. इं | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.

१	बु	५५	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	गु	५५	३०	ह	५८	५६	गं	२३	२८	तै	२६	५४	२९ ३९	६	५३	२१	१४	१२
३	शु	५४	२८	चि	६०	०	बृ	१९	२२	व	२४	५९	३०	६	५४	२२	१५	१३
४	श	५५	२६	चि	०	३	धु	१६	५९	ब	२४	५७	३४	५	५५	२३	१६	१४
५	र	५८	१७	स्वा	३	९	व्या	१५	५८	कौ	२६	५२	३८	४	५६	२४	१७	१५
६	चं	६०	०	वि	७	४४	ह	१६	१	ग	३०	३५	४३	३	५७	२५	१८	१६
६	मं	२	५२	अ	१४	१	व	१७	२७	व	२	५२	४७	३	५७	२६	१९	१७
७	बु	८	३२	ज्ये	२०	५४	सि	१९	१४	ब	८	३२	५१	२	५८	२७	२०	१८
८	गु	१४	५०	मू	२८	२६	व्य	२१	४२	कौ	१४	५०	५५	१	५९	२८	२१	१९
९	शु	२१	८	पू	३५	५८	व	२३	५२	ग	२१	८	३० ००	६	००	२९	२२	२०
१०	श	२७	४	उ	४२	४६	प	२५	४७	वि	२७	४	४	५९	१	३०	२३	२१
११	र	३२	८	श्र	४८	४०	शि	२६	५०	बा	३२	८	८	५८	२	१	२४	२२
१२	चं	३५	४५	ध	५३	८	सि	२६	५०	कौ	३	५४	१२	५८	२	२	२५	२३
१३	मं	३८	३	श	५५	५६	सा	२५	३३	ग	६	५४	१६	५७	३	३	२६	२४
१४	बु	३८	२८	पू	५७	२५	शू	२३	७	वि	८	१६	२१	५६	४	४	२७	२५
२०	गु	३७	३८	उ	५७	२८	शु	१९	३७	च	८	३	२५	५५	५	५	२८	२६

[×पूफा.३शनिः४५।५६ प्रदोषः
भ.२४।५९उ.५४।२८या.
मीनेऽर्कः२२।१८(सौरः२६।५०, चतुर्थी व्र.
शते भौमः५८।१४
बुधास्तः पूर्वस्यां४३।१७
भ. २।५२ उ. ३५ ४२ या उभा. रविः ४३ =
[=(सौरः४७।२६)पूमा. बुधः५।३०
शीतला पूजनम्
भ.५४।६उ.
भ.२७।४या.
मीने बुधः ३७ ४ वक्री उभा. शुक्रः १६ ३१ धनि.÷
[÷१गुरुः ४५ ८ रा.चैत्रारंभः पापमोचनी ११व्र.
भ. ३८।३ उ. उभा. बुधः२२।२१ वक्री×
भ.८।१६या.
शुक्रास्तः पश्चिमायां६।० मन्वादिः

४९ पं. चै. कृ.५ र.इ: २५ ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	९	११	४	९	११
१	६	१७	२१	१९	२४	१३	१
५	१७	६	५२	५८	३	३	२
२५	६	०	२६	५	२९	२५	१३
५९	५५	८	१२	२१ ५७	४०	३	५९
४१	४३	८०	८	व.	व.	११	४९

गोचर ग्रहाः

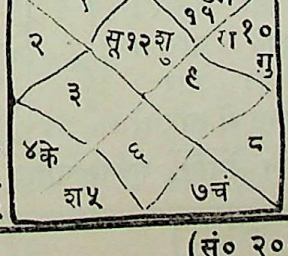

चैत्र कृष्णे ४ शनौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

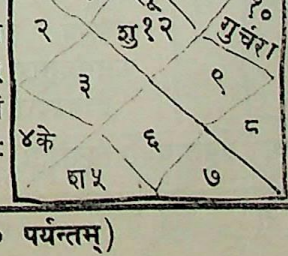

५०पं.चै. कृ. ११ र.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	९	११	४	९	११
८	११	२९	२२	१६	२३	१२	७
३	४५	४३	१७	३३	३०	४१	५९
१८	१४	५	३८	२२	०	१९	८
५९	४५	८	११	३३ ८	२२	३	५९
२९	५०	८१	३४	व.	व.	११	३५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

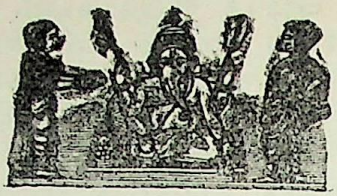

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११०, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००,द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१०१, भोग्यकलिः ४२६८९०, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६६, शाकः १९३१, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः । मंत्री चन्द्रः । सस्येशोगुरुः । धान्येशो भौमः । मेघेशः रविः । रसेशशनि । नीरसेशोगुरुः । फलेशः रविः । घनेशोबुधः । दुर्गेशःरविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णु-विंशतिकायां १६ शुभकृन्नाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमय गतमासादिः ११।११।५।१७ भोग्यमासादिः ०।१८।५४।४३ विश्वेदेवदैवतं युगम् । वर्षनाम श्रावणः । मेघनाम संवर्तः। रोहिणीनिवासः समुद्रे । समयनिवासो मालाकार गृहे । समय विश्वा १८ समयवाहनम् दुर्दुरः स्तंभः २ जलतृणयो । सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी ३ बुधाष्टमी २ भानुसप्तमी ३ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३१५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा १२६, वर्षाविश्वा १३, धान्यम् ११, तृणम् १५, शीतम् १५, तेजः ११, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्११९' सत्यम् ।। धर्म १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःदक्षिणे ग्रहणं३ सूर्यस्य २ चंद्रमसः १

संवत्२०६६श्रा.कृ.३०बुधे सूर्य ग्रहणम् "ग्रस्तोदितम्"

	स्पर्श	मध्य	मो.
घ.	५७	५९	२
प.	४४	५८	२५
घं.	५	६	७
मि.	३३	२६	२५

पौष शु. १५ गुरौ चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो
घ.	४४	४५	४७
प.	१७	५१	२५
घं.	१२	१२	१
मि.	१०	४७	२५

वर्षलग्नम् ६।१९

भैरव भवानी सम्वाद

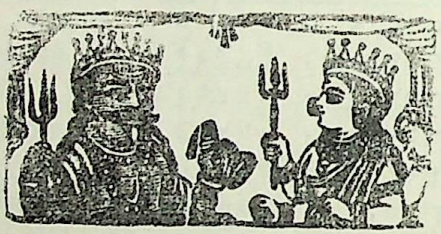

भैरव प्रश्न

जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
छयासठ संयतकाकहो श्रीमुख तें सब हाल ।।

भवानी उत्तर

सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्रीदेखतां श्रेष्ट जमानुं होय ।।
छायाकरसी छयासठो प्रजा करे उछाह ।
राजा की रोजी बढे सोरा होसी साह ।।
सस्ता अन्नबिकायसी वहता होसी राह ।
महा माई का वाक्य हैं वाह जमाना वाह ।।
रोहिणी वासो जलधि में संवतमालाकार ।
जलवर्षे हर्षे प्रजा मंगल गावें नार ।।
फलसंवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
" ईश्वरदत्त " रमेश का भजन जगत में सार ।।

सं.२०६६ श्रा.१८३१माघ कृ.३० शुक्रे सूर्य ग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.
घं.	१३	१७	२१
प.	५	०	४४
घं.	११	१	३
मि.	४१	१५	९

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सि	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ८।१०

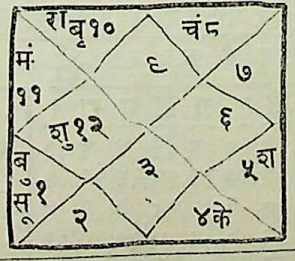

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५८।२०

+बु चं शु सू

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन्वर्षेराजाशुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रस्यराज्येबहु सस्य संकुला सुतीव्रवेगासरितोंबुराशिभिः । फलंतिवृक्षा बहुगोप्रसूति र्वसुन्धरा पार्थिवसौख्यसंयुता ।। मंत्रीचंद्रस्तत्फलम् ।। शशिनिमंत्रीगतेबहु सस्यवत्यपिधरारमरते सुखमंडिता । वियतिवारिधराबहुर्वाषणोजनपदाःसुखराशिसुशोभिताः ।। सस्येशोगुरुःफलम् ।। कणपतौसुरराज पुरोहिते-सकलसौख्यकरः श्रुतिपूर्वकाः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसिबहूनि वसूनिवै ।। धान्यशोभौमस्तत्फलम् ।। भूमिजे-ग्रीष्मधान्यशेग्रीष्मधान्यमहर्घकम् । शालीक्षुघृत तैलादिमहर्घाणिभवंतिच ।। मेघेशोरविःफलम् ।। जलदपेयदिवासरपेतदा-सरसिवैरमतेजनता रसम् । पनचणेक्षुनीवार सुशालिभिसुखचयंसुलंभंभुविवर्तते ।। रसेशःशनिःफलम् । रविसुते रसपेरस-संक्षयोनाजलदा गददात्च पयोधराः । अजगवांगजवाजिखरोष्ट्रहा जनपदेषुनरान्नरसैर्युता ।। नीरसेशोगुरुःफलय् ।। हरिद्रा-पीतवस्तूनिपीतवत्रादिकंचयत् । नीरसेशोयदाजीवःसर्वेषाप्रीतिरुतमा ।। फलेशःरविःफलम् ।। द्रुमवती फल पुण्यवतीधरा प्रभूदिताफलभोगविरोधतः । बहुजलंजलदा भुविमुंचतिकृचिदयिप्रमितंफलयोरविः । धनेशोबुधस्तत्फलम् ।। द्रविणयोहिम-रश्मिसुतोयदिविविधसंग्रहवस्तुफलातदा । द्विजवरा जययज्ञसुसंयुताः कृषिविशैषविशेषितमानसाः ।। दुर्गेशरविःफलम् ।। नयविशेषकरस्तरणिस्तदागतभयानरराजपुरोगमाः । समधिकेनतदानृपतोन्यतः पाथिषुसंव्रजतांनभयंक्वचित् ।। शुभकृन्नाम-संवन्सरःफलम् ।। शुभकृद्वन्सरेपृथ्वीसम्पूर्णाःविविधोत्सैवः आतंक चौरा भयदा राजानः समरोत्सुकाः ।। वर्षनाम श्रावणःफलम् ।। मनोल्हादंप्रकुर्वन्तिजनाःसौख्यसमायुताः । श्रांवणे बृष्टिः । रत्युग्रज्ञो महिष्या दिकं सुखम् ।। मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्तेजल पूरीता । रोहिणी निवासः समुद्रेफलम् ।। समुद्रेतुमहाबृष्टिः । समप निवासो मालिगृहेफलम् ।। मालिनः प्रचुरा बृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०६६ मध्ये विवाहमूहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृष्णा ८ शुक्रे उषा ल. ऽन्यगो. ८।९ रे. ८।।।।।।
(नृ.५०घ.उ.)ऽऽ।।

शुल्का४भौमे मृगे ल. ९(चं. पू.)रे.१०।।।।।।।।।।

,, ११ भौमे उफर ल. ऽन्यगो रे. ९।।।।।ऽ।।।

,, १३गुरौ स्वात्यां ल. ९(घ.४२।१४उ.)र.९।।।।।।।ऽ।।

ज्वेष्ठ मासः ।

कृष्णा ३ भौमे मूले ल. गो. रे.९।।।।।।ऽ।।।

,, १० भौमे उभा ल. १ रे.।।।।।।(नृपघ.५७य)।ऽऽ।।

,, ११ बुधे उभा. ल.ऽन्य.गो.९रे.८।।।।।।ऽऽ।।

शुल्का ७ शनौ मघा. ल. ऽ न्यगो. रे.६।।।।ऽऽचौऽऽ।।

,, ९चंन्द्रे उफा. ल. गो. ९ रे८।।।।।ऽरोऽ।।।

आषाढ मासः।

कृष्णा १ चंन्द्रे मूले ल. गो१२रे.७।।।।ऽ।(चो. घ. ३९उ)
ऽऽ।।मीने. चौ. पं चक: रे.६

,, ९बुधे रेव ला. ऽन्यगो. रे.८।।।।।ऽ अग्निाऽ।।

शुल्का४शुक्रे मघा. ल. ऽन्यगो २ रे६।।।।ऽऽअऽऽ।।

,, ७रवौ उफा.ल.१२।२ रे६।ऽ।।ऽनृऽऽ।।मीने चन्द्रेऽ
र्च्यः बृष घटी५६।११या.

,, ८चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो रे७।।।।।ऽ नृ ।ऽ।ऽ दग्धा

,, १०बुधे स्वात्यां ल. गो. रे८।।।।।ऽचौ४२घ.या.।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः ।

शुल्का१५बुधे. रोहि. ल.५ (घ.४३।३७या)रे.७।।।।ऽ।ऽऽ।।

पौष मासः ।

कृष्णा९ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो. ५ सिंहे लातदोषा ऽ मावः
रे. ६ऽ।।।।ऽ(चौ.घ.५१या)।ऽ।ऽ

,, ११शनौ स्वात्यां ल. ५ रे ।।।।।ऽ(रो.४९या)।ऽ।।

अत्र क्वचित्स मृतिदृष्टि दोषश्चे त्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ६२०० स. २००९
१	शु	३५	१५	र	५६	२१	ब्र	१४	५९	किं	६	२६	३९ ५५	६	२९	२७	मे५६।२१	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	श	३१	५०	अ	५४	२५	ऐं	९	३७	बा	३	३२	३३	५३	७	७	३०	२८	मेषे	चंद्रदर्शनं सिंधारा
३	र	२७	४६	भ	५१	३९	वै	२५ ५३		ग	२७	४६	३७	५३	७	८	१	२९	मेषे	भ.५५।२३उ.शुक्रोदयः पूर्वस्यां५८।४८×
४	चं	२३	१	कृ	४८	४०	प्री	४९	५८	वि	२३	१	४१	५२	८	९	२	३०	वृ.५।५४	भ.२३।१या.
५	मं	१८	१८	रो	४५	३१	आ	४३	८	बा	१८	१८	४५	५१	९	१०	३	३१	वृषे	रेवत्यां रविः ११।१ (सौरः १४।५३)=
६	बु	१३	६	मृ	४२	११	सौ	३६	१५	तै	१३	६	४९	५०	१०	११	४	१	मि. ५३	पूभा. भौमः५९।५३अप्रेल४ता.३०
७	गु	७	५९	आ	३८	५२	शो	२९	७	व	७	५९	५३	४९	११	१२	५	२	मिथुने	भ.७।५९उ.३५।२८या.
८	शु	२	५७	पु	३५	३२	अ	२२	२	ब	२	५७	५७	४९	११	१३	६	३	कं.२१।२२	राम नवमी [=रेवत्यां बुधः८।४८
९	शु	५४	४४		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×रविलाखर४ मत्स्य जयंती गणगौरी
१०	श	५२	३८	पु	३२	७	सु	१४	४६	तै	२५	११	३९	४८	१२	१४	७	४	कर्के	
११	र	४७	३२	श्ले	२८	५५	धृ	७	५९	व	२०	५	५	४७	१३	१५	८	५	सिं२८।५५	भ.२०।५उ.४७।३२या. कामदा११व्र.
१२	चं	४२	५३	म	२६	५	शु	२१	५३	ब	१५	१३	१०	४६	१४	१६	९	६	सिंहे	अश्वि.मेषे बुधः३५।५६
१३	मं	३८	४७	पू	२३	४७	बृ	४९	२६	कौ	१०	५०	१४	४५	१५	१७	१०	७	कं.३८।२३	प्रदोषः
१४	बु	३५	२९	उ	२२	१४	ध्रु	४४	२७	ग	७	८	१८	४४	१६	१८	११	८	कन्यायां	भ.३५।२९उ. धनि.२गुरुः५४।४२
१५	गु	३३	२५	ह	२१	५०	व्या	४०	३७	वि	४	२७	२३	४४	१६	१९	१२	९	तु.५२।२६	भ.४।२७या. हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.३र.इ.२८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	९	११	४	९	११
१४	१७	१३	२४	१२	२२	१२	१४
५९	१२	१८	४०	१०	५९	१९	५५
१०	४३	४३	५९	४४	५६	३	१७
५९	४५	५९	१०	३६	५	३	५९
१६	५९	५२	५६	व.	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

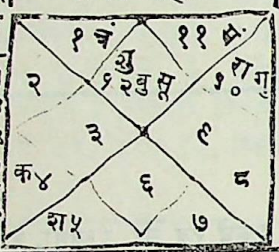

इस मास में धान्य वाजरा मूंग मोठ चावल गेहूं चना धातु सोना चांदी ताम्बा शक्कर चीनी तेल घृत तेज होवेंगे।

गोचर ग्रहाः

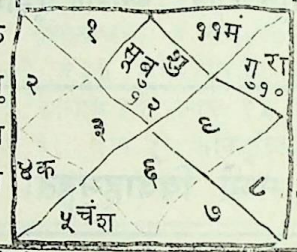

५२पं.चै.शु.११र.इ.

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	९	११	४	९	११
२१	२२	२७	२५	८	२२	११	२१
५३	४०	४३	५८	११	३१	५६	४९
३१	२९	५	१६	४९	४१	४८	२८
५९	४५	५९	१०	२७ ४१	४ ९	३	५९
४	५९	५७	१९	व.	व.	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्रः
१	शु	३२	४३	चि	२२	४४	ह	३७	४७	बा	३	४	३१ ५	६	२०	१३	१०	तुलायां	
२	श	३३	४४	स्वा	२५	१६	व	३६	३२	तै	३	१४	३०	४२	१८	२१	१४	११	तुलायां	[+वरुथिनी११व्र.
३	र	३६	८	वि	२९	१७	सि	३५	५३	व	४	५५	३४	४१	१९	२२	१५	१२	वृ.१३।१७	भ.४।५५उ.३६।८या.
४	चं	४०	५	अ	३४	५८	व्य	३६	५०	ब	८	५	२८	४०	२०	२३	१६	१३	वृश्चिके	अश्वि. मेषेऽर्कः४४।५९ (सौरः४९।२६)÷
५	मं	४५	२३	ज्ये	४१	२४	व	३८	३०	कौ	१२	४४	४२	४०	२०	२४	१७	१४	ध.४१।२४	मीने भौमः ५३ १२ बुधोदयः पश्चिमायां ३१ ८
६	बु	५१	२९	मू	४८	४९	प	४०	३०	ग	१८	२६	४६	३९	२१	२५	१८	१५	धनुषि	भ.४१।२९उ.
७	गु	५७	३३	पू	५६	२०	शि	४२	५६	वि	२४	३१	५०	३८	२२	२६	१९	१६	धनुषि	भ.२४।३१या.
८	शु	६०	१०	उ	६०	०	सि	४५	१०	बा	३०	३९	५३	३७	२३	२७	२०	१७	म.१३।१०	मार्गी शुक्रः४७।२१
८	श	३	५	उ	३	३८	सा	४६	४७	कौ	३	५	५७	३७	२३	२८	२१	१८	मकरे	[÷भरण्यां बुधः०।४१चतुर्थी व्र.
१९	र	९	४४	श्र	१०	८	शु	४७	२६	ग	९	४४	३२ ५	३६	२४	२९	२२	१९	कु.४२।४०	भ.४०।५९उ.उभा. भौमः२२।३०
१०	चं	१२	४	ध	१५	१२	शु	४६	५७	वि	१२	४	५	३५	२५	३०	२३	२०	कुम्भे	भ.१२।५४या.
११	मं	१५	५२	श	१८	५०	ब्र	४४	५५	बा	१५	५२	९	३४	२६	१	२४	२१	कुम्भे	कृत्ति. बुधः २४।४६ रा. वैशाखारंभः+
१२	बु	१५	५५	पु	२०	३२	ऐं	४१	३३	तै	१५	५५	१२	३४	२६	२	२५	२२	मी.५।७	प्रदोषः
१३	गु	१४	३०	उ	२०	२३	वै	३६	४१	व	१४	३०	१६	३३	२७	३	२६	२३	मीने	भ.१४।३०उ.४२।५६या.
१४	शु	११	२१	रे	१८	३७	वि	३०	३३	श	११	२१	२०	३२	२८	४	२७	२४	मे.१८।३७	वृषे बुधः३७।३९
२०	श	६	२८	अ	१५	३८	प्री	२३	३१	ना	६	२८	२३	२९	३१	५	२८	२५	मेषे	

१पं.वै.कृ.४ चं.इ.४४।५९

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	९	११	४	९	११
०	२९	१४	२७	५	२२	११	२९
०	७	४३	२५	३०	०	३०	५५
०	४८	२३	४८	२२	२२	४०	४१
५८	४५	५९	९	२३	८	३	५८
४४	५५	५८	२८	व.	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

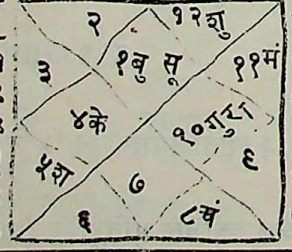

वैशाख कृष्णे ४ चंद्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ गतालकावस्था मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

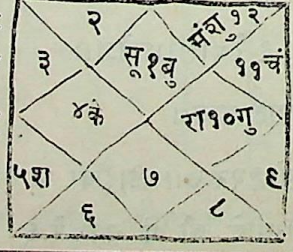

२पं.वै.कृ.१०चं.इ.४५।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	९	११	४	९	०
६	४	२५	२८	५	२१	११	६
५०	२३	५८	३१	२१	३९	८	४५
४२	१८	५९	२४	१४	४०	२४	५२
५८	४५	६२	८	२२	२३	३	५८
३१	५५	१३	३९	मा	घ.	११	२९

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिथि: वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६२३० स.२००९

१	र	०	५१	भ	११	२२	आ	१५	३५	ब	०	५१	३२	३५	२६	६	२९	२६	वृ.२५।१२	चंद्र दर्शनम्
२	र	५३	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	चं	४७	४०	कृ	६	४३	सौ	३३	३५	तै	२१	१	३१	३०	३०	७	१	२७	वृषे	भरण्यां रविः२५।१५(सौरः३१)जमादि×
४	मं	४०	५३	रो	५८	५५	अ	५१	५	व	१४	१६	३४	२९	३१	८	२	२८	मि. ३९	भ.१४।१६उ.४०।५३या.
५	बु	३४	२५	आ	५२	४९	सु	४३	१४	ब	७	४१	३८	३८	३२	९	३	२९	मिथुने	[×लावल ५ परशुराम जयंती अक्षया३
६	गु	२८	२०	पु	४८	५७	भु	३५	५०	कौ	१	२२	४१	३८	३२	१०	४	३०	क. ३४	
७	शु	२२	५३	पु	४५	३६	श	२८	४१	व	२२	५३	४५	२७	३३	११	५	१	कर्के	भ.२२।५३ उ. ५०।२९ या. घनि.३कुंभे÷
८	श	१८	४	श्ले	४३	१०	गं	२२	१९	ब	१८	४	२८	२६	१४	१२	६	२	सिं. ४३	पातस्पर्शः०।४६पातमोक्षः१२।२६
९	र	१३	४७	म	४१	८	बृ	१६	२०	कौ	१३	४७	५२	२६	३४	१३	७	३	सिंहे	[÷गुरुः१७।१५मई५ता.३१
१०	चं	१०	२१	पू	४०	१०	भु	११	७	ग	१०	२१	५५	२५	३५	१४	८	४	कं. ५५।५	भ.३८।५९उ.
११	मं	७	३८	उ	३९	४५	व्या	६	३१	वि	७	३८	५८	२४	३६	१५	९	५	कन्यायां	भ.७।३८या. मोहिनी११व्र.
१२	बु	५	५५	ह	४०	२९	ह	३२	५४	बा	५	५५	३३	२४	३६	१६	१०	६	कन्यायां	वक्री बुधः१०।४८रेवत्यां भौमः३४प्रदोषः
१३	शु	५	८	चि	४२	१४	सि	५७	२२	तै	५	८	५	२३	३७	१७	११	७	तु. २२	नृसिंह जयंती
१४	शु	५	२०	स्वा	४५	४	व्य	५६	३२	व	५	२०	८	२२	३८	१८	१२	८	तुलायां	भ.५।२०उ.३६।८या.
१५	श	६	५६	वि	४९	११	व	५६	७	ब	६	५६	११	२२	३८	१९	१३	९	वृ. ३३।९	बुधास्तः पश्चिमायां३।६यमायकुंभ दानम्

३पं.वै.शु.३ चं.इ. ४५।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
०	११	१	९	९१	४	९	०
१३	९	३	२९	७	२१	१०	१३
२९	५६	५५	३३	१३	२३	४६	३४
४७	३८	४१	४	४८	३५	८	१७
५८	४५	२८	७	२५	४१	३	५८
१९	५०	४३	३८	३५	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

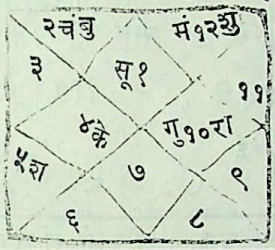

इस मास की कृष्ण पक्ष की तिथी वृद्धि व शुक्ल पक्ष की तिथी क्षय धातु धान्य व रस के भावो में तेजी कारक है तेजी ठहरेगी नही।

गोचर ग्रहाः

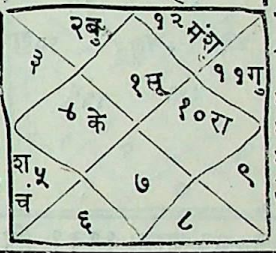

४पं.वै.शु. १० चं.इ. ४५/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	१०	११	४	९	०
२०	१५	७	०	१०	२१	१०	२०
२७	१९	३३	२६	१०	१२	२३	२१
२५	५६	१४	४६	३०	१८	५३	०१
५८	४५	३	६	३३	१९	३	५७
६	४६	२९	३७	३	व.	११	५७

तिथि: ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैं. कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	र	९	४८	अ	५४	३१	प	५६	४२	कौ	९	४८	३५	५	३६	२०	१४	१०	वृश्चिके	
२	चं	१३	४८	ज्ये	६०	०	शि	५८	१०	ग	१३	४८	१७	२१	३९	२१	१५	११	वृश्चिके	भ.४६।२३उ.कृत्ति. रविः११(सौरः१९)
३	मं	१८	४८	ज्ये	०	४३	सि	६०	०	वि	१८	५८	२०	२०	४०	२२	१६	१२	ध. ०।४३	भ.१८।५८ या. उषा.४राहुः पुष्य.२केतुः+
४	बु	२४	४७	मू	७	३०	सि	०	१४	बा	२४	४७	२३	१९	४१	२३	१७	१३	धनुषि	[+२६।२६चतुर्थी व्र.
५	गु	३०	५२	पू	१५	१९	सा	२	३६	तै	३०	५२	२६	१९	४१	२४	१८	१४	म. ३६	बृषेऽर्कः ३८।२६ (सौरः ४६।३०)÷
६	शु	३७	११	उ	२३	६	शु	४	५७	ग	४	१	२८	१८	४२	२५	१९	१५	मकरे	भ.३७।११उ.
७	श	४२	५६	श्र	३०	१४	शु	७	१८	वि	१०	४	३१	१८	४२	२६	२०	१६	मकरे	भ.१०।४या.मार्गी शनिः१५।२१
८	र	४७	२४	ध	३६	१६	ब्र	८	४१	बा	१५	१०	३४	१७	४३	२७	२१	१७	कुं.३।१५	[÷रेवत्यांशुक्रः५७।५०
९	चं	५०	३८	श	४०	५८	ऐं	९	१३	तै	१९	१	३७	१७	४३	२८	२२	१८	कुंभे	
१०	मं	५१	४३	पू	४३	५३	वै	८	२३	व	२१	१०	३९	१६	४४	२९	२३	१९	मि. २७	भ.२१।१०उ.५१।४३या.
११	बु	५०	५६	उ	४४	४६	वि	६	१	ब	२१	१९	४२	१६	४४	३०	२४	२०	मीने	अपरा११व्र.
१२	गु	४८	८	रे	४३	४३	प्री	५८	५४ ३०	कौ	१९	३२	४४	१५	४५	३१	२५	२१	मे. ४३	
१३	शु	४३	२२	अ	४०	४८	सौ	४९	२५	ग	१५	४५	४८	१५	४५	१	२६	२२	मेषे	भ.४३।२२उ. रा. ज्येष्ठारंभः प्रदोषः
१४	श	३६	५२	भ	३६	१२	शो	४१	७	वि	१०	७	४९	१४	४६	२	२७	२३	वृ. ४६	भ.१०।७या.
२०	र	२८	१२	कृ	३०	२९	अ	३२	४	च	२	३२	५२	१४	४६	३	२८	२४	वृषे	अश्वि. मेषे भौमः१।५३वट पूजनम्

५पं ज्ये.कृ.२ चं.इ. ४५।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	१०	११	४	९	०
२७	२०	६	१	१४	२१	१०	२७
१३	४०	३५	१३	२६	६	१	६
३७	५५	४२	४८	४९	१४	३७	१५
५७	४५	२५	५	३१	२०	६	५७
५४	३१	व.	२९	३९	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

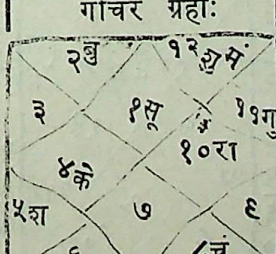

ज्येष्ठ कृष्णे ५ गुरौ
बृषेऽर्कः प्रविष्टः
वा.४न.४ प्रौढावस्था
(बैठी) मु. ४५
धान्यादि भावे
समर्घता शक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

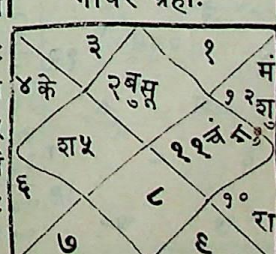

६पं.ज्ये.कृ.९ चं.इ. ४६।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	१०	११	४	९	१
३	२६	३	१	१९	२१	९	३
५८	१	२६	५४	३६	५	३९	४९
३७	५२	२४	१८	२९	४६	२२	५७
५७	४५	३३ ४८	४	४७	१४	३	५७
४४	१८	व.	३१	४५	मा	११	२४

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१

ति.												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः
१	चं	२०	४९	रो	२४	५	सु	२२	२५	ब	२०	४९	३३/५४	५५/१३	४७	४	२९	२५	मि.५०।१
२	मं	१२	५	मृ	१७	३७	धृ	१२	४७	कौ	१२	५	५६	१३	४७	५	१	२६	मिथुनं
३	बु	३	३९	आ	११	१६	शू	१०/३५	४८	ग	३	३९	५८	१२	४८	६	२	२७	क.५२।४
४	बु	५२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	गु	४८	३२	पु	५	४०	बृ	४५	३७	ब	२२	१०	३४/००	१२	४८	७	३	२८	कर्के
६	शु	४२	३४	पु	४/३	५६/२३	ध्रु	३८	१४	कौ	१५	३६	२	१२	४८	८	४	२९	सिं. ५७।७
७	श	३७	४१	म	५४	४४	व्या	३१	५१	ग	१०	८	३	११	४९	९	५	३०	सिंहे
८	र	३४	१०	पू	५३	३५	ह	२६	२६	वि	५	५६	५	११	४९	१०	६	३१	सिंहे
९	चं	३१	५३	उ	५३	४०	व	२२	५	बा	३	२	७	११	४९	११	७	१	कं.८।३७
१०	मं	३०	५८	ह	५५	२	सि	१८	४५	तै	१	२६	९	१०	५०	१२	८	२	कन्यायां
११	बु	३१	१२	चि	५७	३६	व्य	१६	२०	व	१	५	१०	१०	५०	१३	९	३	तु.२६।१९
१२	गु	३२	२८	स्वा	६०	०	व	१४	५९	ब	१	५०	१२	१०	५०	१४	१०	४	तुलायां
१३	शु	३५	१२	स्वा	१	१६	प	१४	३४	कौ	३	५०	१३	९	५१	१५	११	५	वृ.४९।४३
१४	श	३८	३७	वि	५	५२	शि	१५	१८	ग	६	५४	१५	९	५१	१६	१२	६	वृश्चिके
१५	र	४३	११	अ	११	१९	कृ	१६	१८	वि	१०	५३	१६	९	५१	१७	१३	७	वृश्चिके

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६९२ स. २००९

रोहि. रविः२।०(सौरः १२/३६)चंद्र दर्शनम्
जमादि लाखर६
भ.२९।४१उ.५५/४३या. वक्री मेषे बुधः४४/५५
बुधोदयः पूर्वस्यां २।३
भ.३७।४१उ.
भ.५।५६या. अश्वि. मेषे शुक्रः३।५२
जून ६ता.३०
मार्गी बुधः७।२६गंगादशमी
भ.१।५उ.३१।१२या. निर्जला११व्र.
[=वटसावित्री व्र.
बृषे बुधः३८।३४प्रदोषः
भ.३८।३७उ.
भ.१०।५३ या. मृगे रवि :५६/३ गुर्जरराणां=

७पं.ज्ये.शु. १च.इ.४६।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१०	११	४	९	१
१०	१	०	२	२५	२१	९	१०
४२	१८	४९	२५	२५	८	१७	३२
२९	४३	१६	१६	३४	५३	६	८
५७	४५	२४/५५	३	५२	०	३	५७
२५	१६	व.	२५	४३	५९	११	२३

गोचर ग्रहाः

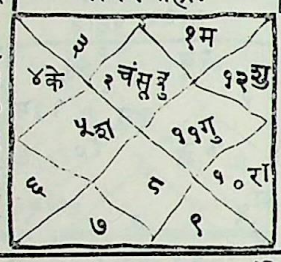

इस मास में
५ रविवार अशुभ है
धान्य गेहूं जौ चना
मटर सरसों अलसी
बाजरा मूंग मोठ
स्वर्ण ताम्बा में
घटाबढी धूप अधिक।

गोचर ग्रहाः

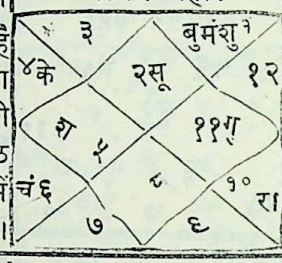

८पं.ज्ये.शु. ९च.इ. ४६/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	१०	०	४	९	१
१७	६	२९	२	१	२१	८	१७
२५	३३	६	४५	३७	१७	५४	१३
१९	५८	२२	५८	४१	२८	५०	१४
५७	४४	३/१४	२	५७	१	३	५७
२७	५५	व.	०	१३	३२	११	१

आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१

ति.												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	चं	४८	३०	ज्ये	१७	५५	सा	१७	१०	बा	१५	५०	३४/१७	९/५५	६	१८	१४	८	ध.१७।५५
२	मं	५४	२५	मू	२४	४७	शु	१९	७	तै	२१	२८	१८	८	५२	१९	१५	९	धनुषि
३	बु	६०	०	पू	३२	१९	शु	२१	३४	व	२७	२४	१९	८	५२	२०	१६	१०	म.४९।७
४	गु	०	२३	उ	३९	४९	ब्र	२४	३	वि	०	२३	१९	८	५२	२१	१७	११	मकरे
५	शु	६	३७	श्र	४७	१९	ऐं	२६	२६	बा	६	३७	२०	८	५२	२२	१८	१२	मकरे
६	श	१२	२९	ध	५४	३	वै	२८	३६	तै	१२	२९	२१	८	५२	२३	१९	१३	कुं२०।४१
७	र	१७	२३	श	५९	५५	वि	२९	४७	व	१७	२३	२१	८	५२	२४	२०	१४	कुंभे
८	चं	२१	८	पू	६०	०	प्री	३०	८	ब	२१	८	२२	८	५२	२५	२१	१५	मी.४८/१०
९	मं	२३	३४	पू	४	१४	आ	२९	४	कौ	२३	३४	२२	८	५२	२६	२२	१६	मीने
१०	बु	२३	५६	उ	६	४७	सौ	२६	३३	ग	२३	५६	२३	७	५३	२७	२३	१७	मीने
११	गु	२२	१७	रे	७	२६	शो	२२	३४	वि	२२	१७	२३	७	५३	२८	२४	१८	मे.७।२६
१२	शु	१८	३०	अ	५	५४	अ	१६	४६	बा	१८	३०	२३	७	५३	२९	२५	१९	मेषे
१३	श	१२	५६	भ	३/०	५४/५४	सु	९	२८	तै	१२	५६	२४	७	५३	३०	२६	२०	वृ.१६।१४
१४	र	५	३६	रो	५०	५२	धृ	४८/०	२६/०	व	५	३६	२४	७	५३	३१	२७	२१	बृषे
१५	र	५१	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
२०	चं	४७	२१	मृ	४३	४०	गं	४०	४७	च	२२	८	२४	७	५३	१	२८	२२	मि१७।१६

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्ये. कृष्णेति महाराष्ट्रा ३

मृगे रविः सौरः११।२८
[+पातस्पर्शः१३।१५पातमोक्षः३७।८
भ. २७।२४ उ. भरण्यां भौमः ५०।५२+
भ.०।२३या. चतुर्थी व्र.
भरण्यां शुक्रः५४।३५वक्री गुरुः३९।४३
भ.१७।२३उ.४९।१६या. मिनेऽर्कः५५/२७
मिथुनेऽर्कः सौरः१२।१६
भ.५३।६उ.
भ.२२।१७या.रोहि. बुधः८।४१
योगिनी११व्र.
प्रदोषः
भ.५।३६उ.३१।१६या. आर्दा. रविः५४/२२
आर्दा.रविः सौरः१३।४९रा. आषाढारंभः

९पं.आ.कृ.१ चं.इ. ४६/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१०	०	४	९	१
२४	११	१	२	८	२१	८	२३
७	४७	३२	५९	१८	३१	३२	५३
१९	१७	३१	२	२९	१२	३५	१०
५७	४४	३१/३४	०	६०	२	३	५७
२२	४०	भौ	५१	१६	१७	११	५

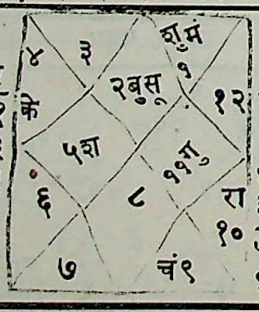

१० पं.आ.कृ. ७च. इ. ४६/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१०	०	४	९	२
०	१६	७	३	१५	२१	८	०
४८	५८	३१	३	१६	४९	१०	३२
३६	५५	३०	२२	४१	३२	१९	१९
५७	४४	६२	२/२	६२	२	३	५६
१७	३२	३६	व.	४०	५६	११	५७

११पं. आ कृ.३०चं इ. ४६/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१०	०	४	९	२
७	२२	१६	२	२२	२२	७	७
२९	४	३५	५८	२९	११	४८	१०
३१	१९	१०	५	५३	२४	४	४६
५७	४४	९०	५३/१	६४	३	३	५६
१३	१८	४५	व.	३२	३४	११	५४

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१				दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६२८८स.२००९
१	मं	३७	३२	आ	३५	५९	बृ	३०	३	किं	१२	२६	३४	५ ३६	२	२९	२३	मिथुने	[÷पूर्वस्यां२२।१७देवशयनी११व्र.व.
२	बु	२७	५०	पु	२८	२७	धु	१९	३२	बा	२	४१	२४	७ ५३	३	३०	२४	क१५।२०	चंद्रदर्शनं रथयात्रा
३	गु	१८	४८	पु	२१	३९	व्या	२९	२९	ग	१८	४८	२३	७ ५३	४	१	२५	कर्के	भ.४४।४८उ. रज्जन७
४	शु	१०	४८	श्ले	१५	५१	व	५०	४९	वि	१०	४८	२३	७ ५३	५	२	२६	सिं. १५	भ.१०।४८या. कृत्ति. शुक्रः४८।५६
५	श	४	१०	म	११	३१	सि	४५	५	बा	४	१९	२२	८ ५२	६	३	२७	सिंहे	मृगे बुधः२३।२९
६	श	५४	५८		०	०		०	०		०	०		० ०	०	०	०	० ०	[D१७।५१वायुपरीक्षा
७	र	५६	११	पू	८	५२	व्य	३९	३४	ग	२७	४६	२२	८ ५२	७	४	२८	कं२३।४०	भ.५६।११उ.
८	चं	५४	५१	उ	८	१	व	३५	३	वि	२५	३१	२१	८ ५२	८	५	२९	कन्यायां	भ.२५।३१या. बृषे शुक्रः ५०।२९ कृत्ति+
९	मं	५५	१२	ह	८	४७	प	३२	४६	बा	२५	१	२०	८ ५२	९	६	३०	तुं.४०।१	मिथुने बुधः५५।१७ [+भौमः८।११
१०	बु	५६	५९	चि	११	१५	शि	३१	२५	तै	२६	५	१९	८ ५२	१०	७	१	तुलायां	जौलाई७ता.३१
११	गु	६०	०	स्वा	१५	१	सि	३१	१४	व	२८	२०	१८	८ ५२	११	८	२	तुलायां	भ. २८।२०उ. देवशयनी११व्र. स्मा.
११	शु	०	१७	वि	२०	१९	सा	३१	५७	वि	०	१७	१७	९ ५१	१२	९	३	बृ.४।०	भ.०।१७या. बृषे बौमः४९।५ बुधास्तः÷
१२	श	४	३४	अ	२६	२०	शु	३३	१३	ज्ये	४	३४	१६	९ ५१	१३	१०	४	बृश्चिके	आर्दा. बुधः११।१३प्रदोषः
१३	र	९	६६	ज्ये	३३	७	शु	३५	७	तै	९	३६	१५	९ ५१	१४	११	५	ध.३३।७	पुन. रविः५३।१२
१४	चं	१५	१९	मू	४०	११	ब्र	३७	४	व	१५	१९	१४	९ ५१	१५	१२	६	धनुषि	भ.१५।१९उ.४८।२१या.पुन.रविःसौरःD
१५	मं	२१	२२	पू	४७	४२	ऐं	३९	३७	व	२१	२२	१३	९ ५१	१६	१३	७	ध.नुषि	व्यास पूजा गुरु१५

१३ पं.आ.शु.८ चं. इ. ४६ ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१०	०	४	९	२
१४	२७	२७	२	२९	२२	७	१३
९	७	४९	४३	५५	३९	२५	४८
५८	४४	३०	८	१६	४	४८	५१
५७	४३	२९	११	६६	४	३	५६
७	४७	१९	व.	६	१३	११	५०

गोचर ग्रहाः

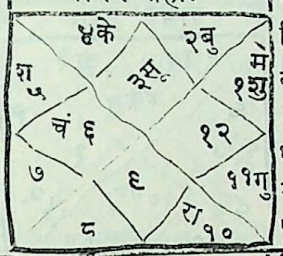

आषाढ कृष्णे ६ रवौ
मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः
वा.४न.४ बालावस्था
(बैठी) मु. १५
धान्यादि भावे
महर्घता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

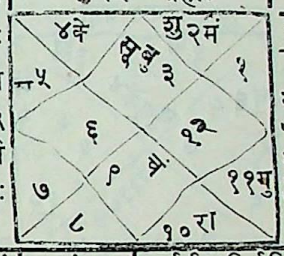

१३पं.आ.शु.१४चं.इ. ४६ ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	१०	१	४	९	२
२०	२	१२	२	७	२३	७	२०
५०	८	३	१४	३०	१०	३	२६
२४	२४	११	५५	५८	१९	३२	४५
५७	४३	२९	११	६७	४	३	५६
६	३१	२३	व.	१०	४६	११	५०

ति	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१				दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेत्ति महाः
१	बु	२७	२२	उ	५५	४	वै	४१	२८	कौ	२७	२२	३४ ५ ६	१० ५०	१७	१४	८	म.४।३२	रोहि.शुक्रः५९।१५पूफा. ४शनिः४८।०
२	गु	३३	२३	श्र	६०	०	वि	४४	२३	तै	०	२२	१०	१० ५०	१८	१५	९	मकरे	[÷सौरः२१।१६मृगे शुक्रः५८।५
३	शु	३८	५४	श्र	२	२३	प्री	४६	२८	व	६	८	८	१० ५०	१९	१६	१०	कुं३५।४९	भ.६।८उ.३८।५४या. पुन. बुधः २४।२५
४	श	४३	४०	ध	९	१४	आ	४७	५२	ब	११	१७	७	११ ४९	२०	१७	११	कुंभे	चतुर्थी व्र.
५	र	४७	२९	श	१५	२२	सौ	४८	४२	कौ	१५	४३	५	११ ४९	२१	१८	१२	कुंभे	नाग५मरुस्थले
६	चं	५०	३६	पू	२०	१९	शो	४८	३४	ग	१९	११	३	११ ४९	२२	१९	१३	मी.४।४	भ.५०।३६उ.
७	मं	५१	५६	उ	२३	५८	अ	४७	१३	वि	२१	१६	१	१२ ४८	२३	२०	१४	मीने	भ.२१।१६या.उषा.३राहुःपुष्य.१ केतुः२८
८	बु	५१	४५	रे	२६	११	सु	४४	३७	बा	२१	५०	३३ ५९	१२ ४८	२४	२१	१५	मे.२६।११	कर्के बुधः७।१५
९	गु	४९	२९	अ	२६	४२	धृ	४०	३४	तै	२०	३७	५७	१३ ४७	२५	२२	१६	मेषे	कर्केऽर्कः २२।३८ (सौरः ५०।३५)A
१०	शु	४५	२८	भ	२५	२३	शु	३५	८	व	१७	२८	५५	१३ ४७	२६	२३	१७	वृ.३९।१४	भ.१७।२८उ.४५।२८या.रोहि. भौमः३२
११	श	३९	३४	कृ	२१	४९	गं	२८	७	ब	१२	३१	५२	१४ ४६	२७	२४	१८	वृषे	कामिका११व्र.
१२	र	३२	१४	रो	१७	११	बृ	१९	४४	कौ	५	५४	५०	१४ ४६	२८	२५	१९	मि. ४४	पुष्ये रविः५१।५६प्रदोषः
१३	चं	२३	३२	मृ	११	४	धु	१०	२०	व	२३	३२	४८	१४ ४६	२९	२६	२०	मिथुने	भ.२३।३२ उ. ४८।४१ या. पुष्ये रविः÷
१४	मं	१३	५०	आ	४२	५२	व्या	५	४९	श	१३	५०	४५	१५ ४५	३०	२७	२१	कं.४२।४९	[Aपुष्ये१बुधः४१।४७
३०	बु	३	४९	पु	४७	५९	ब	३८	२६	ना	३	४९	४३	१५ ४५	३१	२८	२२	कर्के	सूर्यगहणम् हरियाली

१४पं. श्रा.कृ. ६ चं.इ. ४५ ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	१०	१	४	९	२
२७	७	२७	१	१५	२३	६	२७
२०	५	७	४७	१४	४४	४१	४
४३	६	३२	४२	३५	५६	१६	५२
५७	४२	२९	११	६८	५	३	५६
११	७	१०	व.	१५	५	११	५४

गोचर ग्रहाः

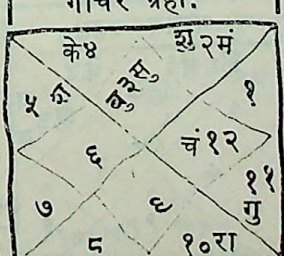

श्रावण कृष्णे ९ गुरौ
कर्केऽर्कः प्रविष्टः
वा.५न.५ प्रौढावस्था
(बैठी) मु. ३०
धान्यादि भावे समता
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

१५पं.श्रा. कृ.३१ चं. इ.४५ ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	१०	१	४	९	३
४	११	११	१	२३	२४	६	३
११	५८	५१	८	५	२२	१९	४३
२८	४१	११	३८	५०	१६	१	१९
५७	४२	२९	१७	६९	५	३	५६
१५	३१	२७	व.	२०	३४	११	५८

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१						दि. उ. अ.			भा. सु. इं.			चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३१८ स.२००९
१	बु	४९	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×मकरे गुरः५९।४७
२	गु	४४	२०	श्ले	४०	३७	सि	२७	४१	बा	१९	४	३३ ५५ ६ / ४० १६ ४४	५ २९ २३ सिं. ४३० आश्ले. बुधः ७।५५ चंद्रदर्शनम् रा.÷
३	शु	३६	१०	म	३४	२६	व्य	१७	५८	तै	१०	१५	२८ १६ ४४	२ १ २४ सिंहे सावानदतीज [÷श्रावणारंभः सिंधारा
४	श	२९	२९	पू	२९	४०	व	९	७	व	२	४९	३५ १७ ४३	३ २ २५ कं.४४।०० भ.२।४९उ.३९या. बुधोदयः पश्चिमायां=
५	र	२४	४६	उ	२६	५१	प	१	५५	बा	२४	४६	३३ १७ ४३	४ ३ २६ कन्यायां मिथुने शुक्रः५०।५९नाग पंचमी
६	चं	२२	३	ध	२५	५२	सा	५२	८	तै	२२	३	३० १८ ४२	५ ४ २७ तु.५६।२५ [+अगस्तदता.३१पवित्रा११व्र.
७	मं	२१	२४	चि	२६	५८	शु	४९	४४	व	२१	२४	२७ १९ ४१	६ ५ २८ तुलायां भ.२१।२४उ.५२।५या.
८	बु	२२	४५	स्वा	२९	५६	शु	४८	४९	ब	२२	४५	२४ १९ ४१	७ ६ २९ तुलायां [=५२वरद४
९	गु	२५	५०	वि	३४	४७	सि	४९	२०	कौ	२५	५०	२२ २० ४०	८ ७ ३० वृ.३९ मघा. सिंहे बुधः१०।३२ वक्री धनि.२×
१०	शु	३०	२६	अ	४०	१५	ब्र	५०	२९	ग	३०	२६	१९ २० ४०	९ ८ ३१ वृश्चिके [Aभद्रोत्तरम
११	श	३५	४६	ज्ये	४७	५०	ऐं	५२	३१	व	३	२	१६ २१ ३९	१० ९ १ घ.४७।५० भ.३।२ उ. ३५।४६या. आर्दा. शुक्रः४१०+
१२	र	४१	४८	मू	५५	१४	वै	५४	५५	ब	८	४४	१३ २१ ३९	११ १० २ धनुषि आश्ले.रविः४८।४७
१३	चं	४८	८	पू	६०	०	वि	५७	४१	कौ	१४	५८	१० २२ ३८	१२ ११ ३ धनुषि आश्ले. रविः सौरः२२।३प्रदोषः
१४	मं	५४	१	पू	२	४६	प्री	५९	४७	ग	२१	५	७ २३ ३७	१३ १२ ४ म.१९।३७ भ.५४।१उ.
१५	बु	६०	०	उ	१०	५	आ	६०	०	वि	२७	६	४ २३ ३७	१४ १३ ५ मकरे भ.२७।६या.श्रावणी कर्म रक्षा बन्धनम्A
१५	गु	०	११	श्र	१७	१४	आ	२	२	ब	०	११	० २४ ३६	१५ १४ ६ कुं.५०।२९ मृगे भौमः१७।२५

१६पं.श्रा.शु. ६चं. इ. ४५/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	१०	२	४	९	३
१०	१६	२५	०	१	२५	५	१०
५२	५०	३२	२२	३	४	५६	२२
३०	३१	४६	५५	५८	२३	४६	३६
५७	४२	८	५	७०	५	३	५७
२०	५	१४	व.	११	५९	११	५

गोचर ग्रहाः

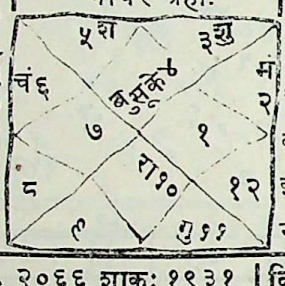

वृष राशौ यदा गौमः
सर्वं धान्य महर्घता।
चन्दनं कुंकुमं वस्त्रं
कार्पासादि महर्घता।।
इस मास में धान्य व
रस तेज धातु मंदी हो

गोचर ग्रहाः

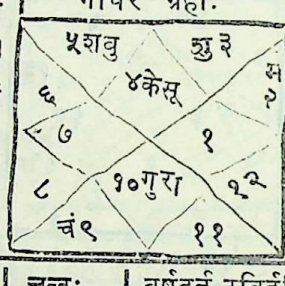

१७पं. श्रा.शु. १३चं.इ. ४५/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	९	२	४	९	३
१७	२१	७	२९	९	२५	५	१७
३४	३४	२४	३२	६	४८	३४	२
१२	१९	४०	४९	५४	७	३०	२४
५७	४१	८	४०	७०	६	३	५७
२५	४५	३	व.	५०	२०	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षदृतूं रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु	४	५७	ध	२३	४४	सौ	३	४५	कौ	४	५७	३२ ५७ २५ २९	१६ १५ ७ कुंभे पूफा. बुधः१८।३७
२	श	९	२२	श	२९	२०	शा	४	५२	ग	९	२२	५४ २५ ३५	१७ १६ ८ कुंभे भ.४१।७उ.
३	र	१२	५२	पू	३४	१८	अ	५	२८	वि	१२	५२	५० २६ ३४	१८ १७ ९ मी१७।४ भ.१२।५२या.चतुर्थी व्र.
४	चं	१५	१४	उ	३८	७	सु	५	१८	बा	१५	१४	४७ २७ ३३	१९ १८ १० मीने. [÷मिथुने भौमः२३।३५अजा११व्र. स्मा.
५	मं	१६	४४	रे	४०	४६	धृ	३	५८	तै	१६	४४	४४ २७ ३३	२० १९ ११ मे.४०।४६ उफा.१शनिः४०।२०चंद्र षष्ठी
६	बु	१६	५१	अ	४२	१७	शू	२	५७	व	१६	५१	४० २८ ३२	२१ २० १२ मेषे भ.१६।५१उ.४६।१४या.
७	गु	१५	३७	भ	४२	१५	वृ	५४	५२	ब	१५	३७	३७ २९ ३१	२२ २१ १३ वृ.५६।५७ पुन. शुक्रः३।२१जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	शु	१३	०	कृ	४१	४	धृ	४९	३१	कौ	१३	०	३३ २९ ३१	२३ २२ १४ वृषे जन्माष्टमी व्र. वै.
९	श	८	५३	रो	३८	१४	व्या	४३	०	गं	८	५३	३० ३० ३०	२४ २३ १५ वृषे भ.३६।११उ. गोगा९
१०	र	३	३०	मृ	३४	१२	ह	३५	२७	वि	३	३०	२६ ३१ २९	२५ २४ १६ मि. ६।१३ भ.३।३० या. मघा. सिंहेऽर्कः ४२।५९÷
११	र	५२	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ० ० [×बुधः१।२४अजा११व्र. वै. वत्स द्वादशी
१२	चं	४८	३४	आ	२८	४५	व	२६	५४	कौ	२२	३१	२२ ३२ २८	२६ २५ १७ मिथुने मघा. सिंहेऽर्कः सौरः १८।२८ उफा.×
१३	मं	३९	४७	पु	२२	२२	सि	१७	१७	ग	१४	१०	१९ ३२ २८	२७ २६ १८ कं. ८।५८ भ.३९।४७उ. प्रदोषः
१४	बु	३०	२६	पु	१५	२०	व्य	१४	७ ४९ ३८	वि	५	७	१५ ३३ २७	२८ २७ १९ कर्के भ.५।७या.कन्यायां बुधः५२।२३
३०	गु	२१	१३	श्ले	८	१	प	४६	४७	ना	२१	१३	१२ ३४ २६	२९ २८ २० सिं.८।१ कुशा ग्रहणी पिठोरी३०मन्वादिः

१८ पं.भा.कृ.४ चं.इ. ४५/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	९	२	४	९	३
२४	२६	१८	२८	१७	२९	५	२३
१६	१५	१०	३९	१५	३४	१२	४३
३७	३२	४४	४७	९४	९	१४	३१
५७	४१	८६	५२	७१	६	३	५७
३३	१९	२५	व.	२३	३२	११	२२

गोचर ग्रहाः

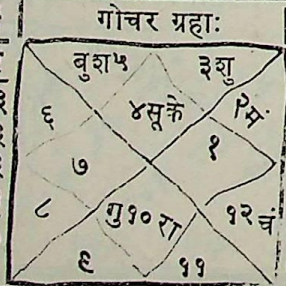

भाद्रपद कृष्णे १२चंद्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.५ न.६ गतालकावस्था ऊभी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

१९पं.भा.कृ.१२चं.इ. ४५/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	९	५	४	९	४
०	०	२७	२७	२५	२७	४	०
५९	५५	३१	४४	२८	२१	४९	२५
५३	१२	१६	१०	४१	४४	५९	४४
५७	४०	७०	५२	७१	६	३	५७
४०	३४	११	व.	५०	५०	११	२४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३४७स.२००९
१	शु १२ २९ म १३ ५४ शि ३७ १० ब १२ २९	३३	५	२६	३०	२९	२१	सिंहे	कर्के शुक्रः ३७।५१
२	श ४ ४० उ ५० ५१ सि २८ ३२ कौ ४ ४०	४	३५	२५	३१	३०	२२	कं.९।८	चंद्रदर्शनं हरितालिका ३
३	श ५४ १५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	[×गणेशचतुर्थी रा. भाद्रपदारंभः
४	र ५४ ४८ ह ४८ १ सा २१ १७ व २६ ५२	१	३६	२४	१	१	२३	कन्यायां	भ.२६।५२ उ. ५४।४८ या. रमजान९×
५	बं ५२ ५३ चि ४७ २५ शु १५ २८ व २३ ५०	३१	३७	२३	२	२	२४	तु.१७।४३	ऋषि पंचमी
६	मं ५३ १ स्वा ४८ ५५ शु ११ २८ कौ २२ ५६	५३	३७	२३	३	३	२५	तुलायां	पुष्ये शुक्रः ६।२
७	बु ५५ १९ वि ५२ २८ ब्र ९ १० ग २४ १०	४९	३८	२२	४	४	२६	वृ.३६।३५	भ.५५।१९उ. आर्दा. भौमः ४०।२५वक्री÷
८	गु ५९ १८ अ ५७ ४० ऐं ८ ४४ वि २७ १९	४६	३९	२१	५	५	२७	वृश्चिके	भ.२७।१९या.
९	शु ६० ० ज्ये ६० ० वै ८ ५९ वा ३१ ५७	४२	४०	२०	६	६	२८	वृश्चिके	[÷धनि.१गुरुः ६।१७
९	श ४ ३७ ज्ये ४ ११ वि १० ३८ कौ ४ ३७	३८	४०	२०	७	७	२९	ध.४।११	[=अस्तं शनेः १२।२८जल झूलनी ११व्र.
१०	र १० ३८ मू ११ २५ प्री १२ ५३ ग १० ३८	३४	४१	१९	८	८	३०	धनुषि	भ.४३।५४उ.पूफा.रविः ३३हस्ते बुधः ३४
११	चं १७ ११ पू १८ ५८ आ १५ २२ वि १७ ११	३०	४२	१८	९	९	३१	म.३५।५२	भ.१७।११या. पूफा. रविः सौरः ९।१९=
१२	मं २३ ११ उ २६ ३२ सौ १७ ५१ वा २३ ११	२६	४३	१७	१०	१०	१	मकरे	सितम्बर ९ता.३०वामन जयंती प्रदोषः
१३	बु २८ ५६ श्र ३३ ३८ शो २० ३४ तै २८ ५६	२२	४४	१६	११	११	२	मकरे	
१४	गु ३३ ४३ ध ३९ ५५ अ २१ ३७ ग १ १९	१८	४४	१६	१२	१२	३	कुं.६।४६	भ.३३।४३उ. अनंत १४
१५	शु ३७ २३ श ४५ २ सु २२ ३१ वि ५ ३५	१५	४५	१५	१३	१३	४	कुंभे	भ.५।३५या.आश्ले. शुक्रः ३५महालयारंभः

२०पं.भा.शु.५चं.इ.४५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	९	३	४	९	४
७	५	५	२६	३	२८	४	७
४४	२३	९	५०	४५	११	२७	९
२०	६	१८	२४	१४	२८	४३	१३
५७	४०	५१	४९	७	२	३	५७
४९	०	०	व.	११	२	११	४५

गोचर ग्रहाः

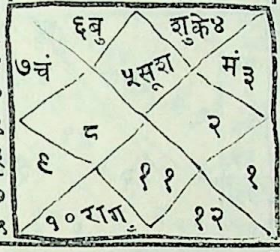

शुक्रस्य पंचवाराः स्यु
यत्र मासे निरन्तरम्।
प्रजावृद्धिः सुभिक्षं
च सुखं तत्र प्रवर्तते।।
इस मास में धातु
धान्य कुछधतेज
होके मंदीपकड़ले।

गोचर ग्रहाः

२१पं.भा.शु.११चं.इ.४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	९	३	४	९	४
१४	९	१०	२६	१२	२९	४	१३
३०	४९	२९	०	६	२	५	५४
०	५	१३	०	३२	२८	२८	२५
५८	३९	२४	१०	७२	७	३	५७
१	२५	५४	व.	३२	८	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श ४० १२ पू ४९ २३ धृ २२ २९ बा ८ ४७	३१	४६	५४	१४	१४	५	मी.३३	वक्री बुधः ३०।४७
२	र ४१ ४९ उ ५२ ३१ शू २१ ४० तै ११ १	७	४७	१३	१५	१५	६	मीने	[÷पुन.४केतुः २।१३इंदिरा ११व्र.
३	चं ४२ ६ रे ५४ ३२ ग २० ४ व ११ ५७	३	४७	१३	१६	१६	७	मे.५४।३२	भ.११।५७उ.४२।६या.
४	मं ४१ ३७ अ ५५ ४७ वृ १७ ३० ब ११ ५२	५९	४८	१२	१७	१७	८	मेषे	उफा.२कन्यायां शनिः २९।४९चतुर्थी व्र.
५	बु ४० ७ भ ५६ ५ ध्रु १४ १७ कौ १० ५२	५५	४९	११	१८	१८	९	मेषे	[Lपुन. भौमः १९ शस्त्रादि हतान्नं श्रा
६	गु ३७ ४३ कृ ५५ १४ ब्या १० १७ ग ८ ५५	५१	५०	१०	१९	१९	१०	वृ.१०।५२	भ.३७।४३उ.
७	शु ३४ २२ रो ५३ ३१ ह २५ ५४ वि ६ २	४७	५१	९	२०	२०	११	वृषे	भ.६।२या.
८	श ३० २० मृ ५० ५१ सि ५३ ३५ बा २ २१	४३	५१	९	२१	२१	१२	मि२२।११	[×वक्री उफा. बुधः ५७।५५ बुधास्तः=
९	र २५ १० आ ४७ २९ व्य ४६ ३४ ग २० १०	३९	५२	८	२२	२२	१३	मिथुने	भ.५२।९उ.उफा.रविः १७।०(सौरः ५३ ×
१०	चं १९ ८ पु ४३ ९ व ३८ ५० वि १९ ८	३५	५३	७	२३	२३	१४	क. २९।४	भ.१९।८या. [=पश्चिमायां ४७।३५मातृ
११	मं १२ २१ पु ३८ ५ प ३० ३१ बा १२ २१	३१	५४	६	२४	२४	१५	कर्के	मघा. सिंहे शुक्रः ३५।२५ उषा. २ राहुः÷
१२	बु ४ ५३ श्ले ३२ २६ शि २१ २४ तै ४ ५३	२७	५५	५	२५	२५	१६	सिं३२।२६	भ.५७।११उ.कन्यायामर्कः ४२।२१प्रदोषः
१३	गु ५२ १८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	शु ४९ ३० म २६ ४८ सि १२ ३५ बि २३ २०	२२	५६	४	२६	२६	१७	सिंहे	भ.२३।२०या.कन्यायामर्कः सौरः १९।१०L
३०	शु ४२ १५ पू २१ ३२ सा ३३ ५१ च १५ ५८	१८	५६	४	२७	२७	१८	कं.३५।२१	सर्व पितृ ३०

२२ पं.आ.कृ. ३ चं.इ. ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	९	३	४	९	४
२१	१४	१२	२५	२०	२९	३	२०
१७	८	२१	१२	३०	५४	४३	४१
२	५६	५०	३२	४३	३२	१२	५
५८	३८	११	२२	७२	७	३	५८
१३	५०	व.	व.	५३	१७	११	१२

गोचर ग्रहाः

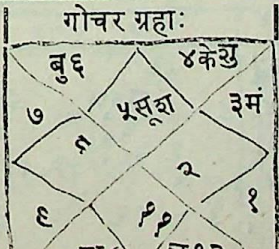

आश्विन कृष्णे १२
बुधे कन्यायामर्कः
प्रविष्टः वा. ३ न. ५
प्रगल्भावस्था (बैठी)
मु.३० धान्यादि भावे
समता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

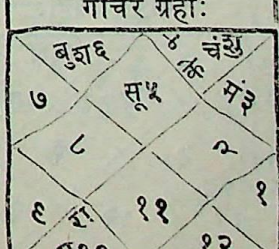

२३ पं.आ.कृ. १०चं.इ.४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	९	३	५	९	४
२८	२८	९	२४	२८	०	३	२७
५	२२	१५	३१	५८	४५	२०	२९
२४	२६	३२	५९	१	५४	५६	२४
५८	३७	५७	२६	७३	७	३	५८
२६	५८	व.	व.	१४	२०	११	२९

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविरुत्तरेऽर्गणः६३७६स. २००९
१	श	३६	२८	उ	१६	४९	शु	४७	२७	किं	९	२६	३०	५७	६	२८	२८	१९	कन्यायां	नवरात्रारंभः मातामह श्राद्धम्
२	र	३१	५६	ह	१३	२५	ब्र	४०	४७	बा	४	१२	९	५८	२	२९	२९	२०	तु ४२।२९	चंद्रदर्शनम्
३	चं	२९	१३	चि	११	३४	ऐं	३५	४३	वै	०	३४	५	५९	१	३०	१	२१	तुलायां	भ.५८।४८उ.सव्वाल१०
४	मं	२८	२४	स्वा	११	४७	वौ	३१	५२	वि	२८	२४	३०	०	६	३१	२	२२	वृ.५८।१६	भ.२८।२४या.
५	बु	२९	५२	वं	१३	४६	वि	२९	५३	बा	२९	५२	२९	१	५९	१	३	२३	वृश्चिके	वक्री सिंहे बुधः३०।१६रा.आश्विनारंभः
६	गु	३३	८	अ	१७	४४	प्री	२९	३१	कौ	१	३०	५३	२	५८	२	४	२४	वृश्चिके	[÷स्मा. कोजागरी व्र.
७	शू	३७	४९	सु	२३	१०	आ	२९	५५	ग	५	२८	४८	२	५८	३	५	२५	ध.२३।१०	भ.३७।४९उ.
८	श	४३	४१	मू	३०	९	सौ	३१	५२	वि	१०	४४	४४	३	५७	४	६	२६	धनुषि	भ.१०।४४या. हस्ते रविः५५।३०पूफा.×
९	र	५०	८	पू	३७	२९	शो	३३	५९	वा	१६	५४	४०	४	५६	५	७	२७	म.५४।२३	हस्ते रविःसौरः३१।४० [×शुक्रः३१।१२
१०	चं	५६	१६	उ	४५	४	अ	३६	२५	तै	२३	१२	३६	६	५५	६	८	२८	मकरे	बुधोदयः पूर्वस्यां२४।४८
११	मं	६०	०	श्र	५२	२२	सु	३८	४४	व	२९	१३	३२	६	५४	७	९	२९	मकरे	भ.२९।१३उ. मार्गी बुधः ३९।५६ पापां=
११	बु	२	११	ध	५८	५१	धृ	४०	२२	न्वि	२	११	२८	६	५४	८	१०	३०	कुं.२५।३६	भ.२।११या पापां कुशा११व्र. वै.
१२	गु	६	५७	श	६०	०	शू	४१	१४	बा	६	५७	२३	७	५३	९	११	१	कुंभे	प्रदोषः अक्टूबर १०ता.३१
१३	शु	१०	२२	श	३	५९	गं	४१	४	तै	१०	२२	१९	८	५२	१०	१२	२	मी. ५१	[=कुशा११व्र.स्मा.
१४	श	१२	३८	पू	८	०	बु	३९	४६	व	१२	३८	१५	९	५१	११	१३	३	मीने	भ.१२।३८उ.४२।५५ या शरद पूर्णिमा÷
१५	र	१३	११	उ	१०	२७	धृ	३७	३३	व	१३	११	११	१०	५०	१२	१४	४	मीने	शरद् पूर्णिमा वै. का. स्ना. प्रा.

२४पं.आ. शु.३चं.इ.४४।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	९	४	५	९	५
४	२२	२	२३	७	१	२	४
५५	२९	१०	५८	२९	३८	५८	१९
१६	१७	४४	४१	२४	४६	४१	२१
५८	३७	५३	१६	७३	७	३	५८
३८	१	व.	व.	२०	२०	११	४५

गोचर ग्रहः

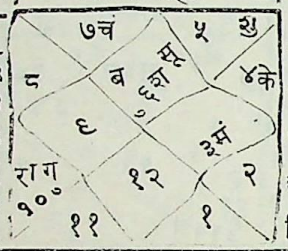

स मास में धान्य गल्ला गुड सक्कर नमक घृत में तेजी रहे प्रजा में रोग शोक फैले मनुष्य चिन्ताग्रसित हो

गोचर ग्रहः

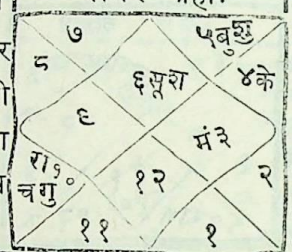

२५पं.आ.शु.१० चं.इ.४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	४	९	४	५	९	५
११	२६	२८	२३	१६	२	२	११
४६	२८	६	२४	३	३१	३६	११
५२	२४	४	४१	११	४८	२५	३१
५८	३६	३४	१३	७३	७	३	५९
५३	८	व.	व.	३२	१४	११	०

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविरुत्तरे आश्वि.कृष्णेति महारा.
१	चं	१२	२८	रे	११	३८	व्या	३४	११	कौ	१२	२८	२९	७	५१	१३	१५	५	मे.११।३८	कन्यायांबुधः ३।२१ कर्के भौमः १०।४A
२	मं	१०	४४	अ	११	४०	ह	३०	२	ग	१०	४४	३	११	४९	१४	१६	६	मेषे	भ.३४।१८उ. [=शनिः२१उदयं शनेः२४
३	बु	०७	५३	भ	१०	४७	व	२४	५८	वि	७	५३	२९	१२	४८	१५	१७	७	वृ.२५।२४	भ.०७।५३या. उफा. शुक्रः२२।४ करक×
४	बु	४	२१	कृ	९	११	सि	१९	१५	बा	४	२१	५५	१३	४७	१६	१८	८	वृषे	[Aवक्री श्रवण. ४गुरुः२०।३७ उफा. ३=
५	गु	०	२०	रो	६	५६	व्य	१३	१४	तै	०	२०	५१	१४	४६	१७	१९	९	मि. ३५	भ.५६।४उ. [×चतुर्थी व्र.
६	शु	५५	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	० ०	[÷रुप१४महालक्ष्मी पूजनमे
७	श	५१	२४	मृ	४	२३	व	६	५८	बि	२३	४४	४७	१५	४५	१८	२०	१०	मिथुने	भ. २३।४४ या. चित्रा. रविः २७।३२+
८	र	४६	२३	आ	२५	४३	प	५९	१०	बा	१८	५३	४३	१५	४५	१९	२१	११	क.४४।२	चीत्रा. रविः सौरः२।१४पुष्ये भौमः३१।९
९	चं	४१	३	पु	५४	४३	सि	४६	१३	तै	१३	४३	३९	१६	४४	२०	२२	१२	कर्के	हस्ते बुधः५५।४९ [+कन्यायां शुक्रः४०२
१०	मं	३५	२३	श्ले	५१	८	सा	३८	५५	व	८	१३	३५	१७	४३	२१	२३	१३	सिं. ५१	भ.८।१३उ.३५।२३या.
११	बु	२९	४०	म	४७	८	शु	३१	१९	ब	२	३१	३१	१८	४२	२२	२४	१४	सिंहे ९	मार्गी गुरुः३३।१९रमा११व्र.
१२	गु	२३	५९	पू	४३	२३	शु	२३	५१	तै	२३	५९	२७	१९	४१	२३	२५	१५	कं.५७।२	प्रदोषः धन१३ [–अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
१३	शु	१८	३५	उ	३९	४८	ब्र	१६	३१	व	१८	३५	२३	१९	४१	२४	२६	१६	कंन्यायां	भ.१८।३५उ.४६।१२या. रुप१४
१४	श	१३	४८	ह	३७	१७	ऐं	९	४१	श	१३	४८	२०	२०	४०	२५	२७	१७	कन्यायां	तुलाया मर्कः११।२१ (सौरः ४४।५८)÷
३०	र	१०	११	चि	३५	३५	वै	३३	५४	ना	१०	११	१६	२१	३९	२६	२८	१८	तु.६।२६	हस्ते शुक्रः ७।५ बुधास्तः पूर्वस्यां५।२८–

२६पं..का.कृ१चं.इ. ४४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	९	४	५	९	५
१८	०	०	२३	२४	३	२	१८
४०	१९	४२	१९	३९	२२	१४	५
८	५९	४०	१६	४३	४४	१०	१८
५९	३५	६३	१३	७३	७	३	५९
९	९	व.	व.	४४	५	११	१६

गोचर ग्रहः

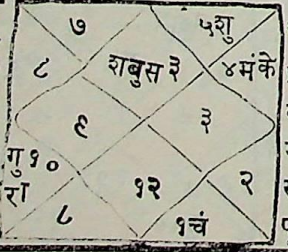

कार्तिक कृष्णे १४ शनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४-न.४ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहः

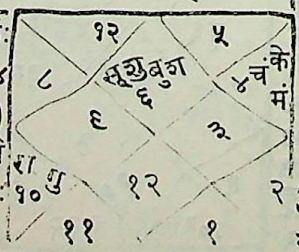

२७पं.का.कृ.१५चं.इ.४४।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	९	५	५	९	५
२५	४	९	२३	३	४	१	२५
३५	१	४१	१३	१८	१३	५१	१
२	१९	४२	३४	३२	१६	५४	०
५९	३४	९२	१९	७३	७	३	५९
२१	२	५२	व.	५०	२	११	३१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः ६४०६स.२००९

१	चं	७	४१	स्वा	३५	२	प्री	५४	१०	ब	७	४१	१२	२३	३८	२७	२९	१९	तुलायां
२	मं	६	५५	वि	३६	५१	आ	५१	२५	कौ	६	५५	८	२२	३८	२८	३०	२०	वृ.२१।२४
३	बु	७	०	अ	३९	५५	सौ	५०	५	ग	७	०	४	२३	३७	२९	१	२१	वृश्चिके
४	गु	१०	५४	ज्ये	४४	३२	शो	४९	४६	वि	१०	५४	०	२४	३६	३०	२	२२	ध.४४।३२
५	शु	१५	८	मू	५०	५४	अ	५१	३	बा	१५	८	२७	२५	३५	१	३	२३	धनुषि
६	श	२०	३७	पू	५७	३६	सु	५२	४०	तै	२०	३७	५३	२५	३५	२	४	२४	धनुषि
७	र	२६	५५	उ	६०	०	धृ	५४	५०	व	२६	५५	४९	२६	३४	३	५	२५	म.१४।३१
८	चं	३३	११	उ	५	१८	शू	५७	१४	वि	०	३	४५	२७	३३	४	६	२६	मकरे
९	मं	३९	१५	श्र	१२	३७	गं	५९	१०	बा	६	१५	४१	२८	३२	५	७	२७	कुं.४६।७
१०	बु	४४	२५	ध	१९	३६	बृ	६०	०	तै	११	४७	३७	२९	३१	६	८	२८	कुंभे
११	गु	४८	८	श	२५	२२	बृ	०	२८	व	१६	१४	३४	२९	३१	७	९	२९	कुंभे
१२	शु	५०	१४	पू	२९	३४	धु	३८	५९	व	१९	१२	३०	३०	३०	८	१०	३०	मी.
१३	श	५०	४०	उ	३२	१६	ह	५७	१५	कौ	२०	२८	२७	३१	२९	९	११	३१	मीने
१४	र	४९	७	रे	३३	१२	व	५३	३५	ग	१९	५४	२३	३१	२९	१०	१२	१	मे.३३।१२
१५	चं	४६	२२	अ	३२	३०	सि	४८	२६	वि	१७	४५	१९	३२	२८	११	१३	२	मेषे

[×तुलसीविवाहः
चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२ यम२
भ.३८।५७उ.चित्रा.बुधः ३३/४ धनि.१÷
भ.१०।५४या.
स्वात्यां रविः५३।२३रा.कार्तिकारंभः
स्वात्यां रविःसौरः२६।१तुलायां बुधः४७/२५
भ.२६।५५उ.
भ.०।३या गोपाष्टमी
कृष्मांडहेअक्षयहे
स्वात्यां बुधः४३।३०चित्रा.शुक्रः५१।१८
भ.१६।१४उ.४८।८या.प्रबोधिनी११व्र.×
[÷गुरुः१२।४३जिल्काद११
प्रदोषः
भ.४९।७उ.नवम्बर११ता.३०वैकुंठ१४
भ.१७।४५या. मन्वादिः का. स्ना. पू.

२८पं.का.शु.१चं.इ.४३।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	९	५	५	९	६
२	७	२०	२३	११	५	१	१
३१	३२	३४	१८	५९	२	३९	५८
२६	१०	४४	४०	१३	३५	३८	२६
५९	३२	०/०	५/४	७३	६	३	५९
३४	४६	३७	मा.	५६	४४	११	४६

२९पं.का.शु.८चं.इ.४३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	९	५	५	९	६
९	१०	३	२३	२०	५	१	८
२९	५०	१४	३१	४२	५०	७	५७
४२	४३	२०	१२	२९	२	२३	४६
५९	३१	०/०	२	७४	६	३	६०
४७	१९	५८	१३	२	३२	११	२

३० पं.का.शु.१५चं. इ. ४३/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	९	५	५	९	६
१६	१३	१५	२३	२९	६	०	१५
२९	५५	१२	५५	२७	३५	४५	५८
२८	४८	१४	४४	२५	२०	७	५०
६०	२९	०/०	३	७४	६	३	६०
४	१०	१९	३५	१४	१६	११	१८

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.

१	मं	४२	८	भ	३०	२५	व्य	४२	२७	बा	१४	१४	२७	३६	२७	१२	१४	३	वृ. ४४।४०
२	बु	३७	१४	कृ	२७	२५	व	३५	४१	तै	९	४३	१२	३४	२६	१३	१५	४	वृषे
३	गु	३१	२०	रो	२३	४४	प	२८	१०	व	४	१७	९	३४	२६	१४	१६	५	मि५१।४५
४	शु	२५	३८	मृ	१९	४५	शि	२०	४०	बा	२५	३८	५	३५	२५	१५	१७	६	मिथुने
५	श	२०	१	आ	१५	४७	सि	१२	४५	तै	२०	१	२	३६	२४	१६	१८	७	कं.५७।५४
६	र	१४	२६	पु	११	५६	सा	२४	५२/२६	व	१४	२६	२६/५८	३६	२४	१७	१९	८	कर्के
७	चं	९	८	पु	८	१८	शु	५०	४१	ब	९	८	५५	३७	२३	१८	२०	९	कर्के
८	मं	०४	७	श्ले	५	१	ब्र	४२	२०	कौ	४	७	५२	३८	२२	१९	२१	१०	सिं. ५।१
९	मं	५५	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१०	बु	५५	१९	म	२	५७/३५	ऐं	३६	१३	व	२७	२६	४९	३८	२२	२०	२२	११	सिंहे
११	गु	५१	४०	उ	५७	४९	वै	३०	५५	ब	२३	२६	४५	३९	२१	२१	२३	१२	कं. १४।९
१२	शु	४८	३७	ह	५६	२७	वि	२५	१५	कौ	२०	८	४२	४०	२०	२२	२४	१३	कन्यायां
१३	श	४६	२८	चि	५५	५३	प्री	२०	१०	ग	१७	३२	३९	४०	५०	२३	२५	१४	तु.२६।१०
१४	र	४५	१९	स्वा	५६	२६	आ	१५	४६	वि	१५	५३	३६	४१	१९	२४	२६	१५	तुलायां
३०	चं	४५	२०	वि	५८	०	सौ	१२	९	च	१५	१९	३३	४१	१९	२५	२७	१६	वृ.४२।३७

[+३२।१५चतुर्थी व्र.
भ.४।१७ उ. ३१।२० या. विशा. बुधः+
विशा. रविः१३।४९(सौरः४३।२५)
भ.१४।२६उ.४१।४७या.स्वात्यां शुक्रः२८/२९
आश्ले. भौमः३६।४१
सिं. ५।१
० ०
भ.२७।२६उ.५५।१९या.बृश्चिके बुधः४९/१९
उत्पत्ति११व्र.
[=धनुषि राहुः पुन.३ मिथुने कतुः५४।२१
भ.४६।२८ उ. अनु. बुधः३२।७प्रदोषः
भ.१५।५३या.
बृश्चिकेऽर्कः ९।५४ (सौरः३७/२२) उषा.१=

३१ पं. मा.कृ.७ चं. इ. ४९/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	९	६	५	९	६
२३	१६	२६	२४	८	७	०	२३
३०	४२	१२	२८	१३	१८	२२	१
५०	५८	२५	५	५	२९	५२	२४
६०	२७	०/०	४	७४	५	३	६०
१७	३	२८	४६	२०	५०	११	३०

गोचर ग्रहाः

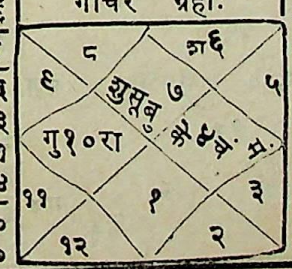

मार्गशीर्ष कृष्णे ३० चंद्रे बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न.४ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

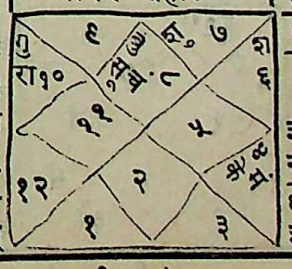

३२पं.मा.कृ.३० चं. इ. ४३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	९	६	५	९	७
०	१९	७	२५	१६	७	०	०
३३	१४	१५	९	५९	५८	०	५
२९	११	४	३६	५६	५८	३६	२९
६०	२४	९८	५	७४	५	३	६०
३०	२९	३३	५८	२५	२६	११	४०

फार्म नं० ११८

(विक्रम सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६४३५स.२००९
१	मं	४६	५०	अ	६०	०	शो	९ २८	किं	१६	५	३६ ३०	६ ४२	५ १८	२६	२८ १७	वृश्चिके	[÷शुक्रः८।१४जिल्हेज१२
२	बु	४९	५२	अ	१	१०	अ	८ २२	बा	१८	२१	२७	४३	१७	२७	२९ १८	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्
३	गु	५४	८	ज्ये	५	३८	सु	७ ५०	तै	२२	०	२५	४३	१७	२८	१ १९	ध. ५।३८	अनु रविः२८।१४(सौरः५४।३०)विशा.÷
४	शु	५९	३५	मू	११	३२	धृ	८ १४	व	२६	५१	२२	४४	१६	२९	२ २०	धनुषि	भ.२६।५१उ.५८।३५या.
५	श	६०	०	पू	१७	५९	शू	९ २८	ब	३२	४०	१९	४४	१६	३०	३ २१	म.३४।५०	[×११व्र.गीताजयंती
५	र	५	४६	उ	२५	२९	गं	११ ३३	बा	५	४६	१७	४५	१५	१	४ २२	मकरे	ज्येष्ठा. बुधः४९।१५रा. मार्गशीर्षारंभः
६	चं	१२	७	श्र	३३	४	वृ	१४ ०	तै	१२	७	१४	४५	१५	२	५ २३	मकरे	चंपा ६
७	मं	१८	३५	ध	४०	३१	ध्रु	१६ १४	व	१८	३५	१२	४६	१४	३	६ २४	कुं.६।४७	भ.१८।३५उ.५१।२७या.
८	बु	२४	१८	श	४७	६	व्या	१८ ४	ब	२४	१८	९	४६	१४	४	७ २५	कुम्भे	[Aबुधः ३९ दत्तजयंती दिसम्बर१२ता.३१
९	गु	२८	४०	पू	५२	१३	ह	१९ ०	कौ	२८	४०	७	४७	१३	५	८ २६	मी३५।३४	८=बुधोदयः पश्चिमायां४७।१९ मोक्षदा×
१०	शु	३१	३४	उ	५५	५३	ब	१८ ४८	तै	०	७	५	४७	१३	६	९ २७	मीने	वृश्चिके शुक्रः६।३३
११	श	३२	२७	रे	५७	३४	सि	१७ १३	व	२	१	२	४८	१२	७	१० २८	मे.५७।३४	भ.२।१उ.३२।२७या. धनि. २ गुरुः ४१/३१=
१२	र	३१	१६	अ	५७	२३	व्य	१४ ०	ब	१	५२	०	४८	१२	८	११ २९	मेषे	अनु. शुक्रः२५।३५
१३	चं	३८	२०	भ	५५	१३	व	९ २२	तै	२८	२०	२५ ५८	४८	१२	९	१२ ३०	मेषे	प्रदोषः
१४	मं	२३	२६	कृ	५१	३४	प	३ ५२ ३ ५५	व	२३	३६	५६	४९	११	१०	१३ १	बृ.९।१८	भ. २३।२६उ.५०।२० या. मूले धनुषिA
१५	बु	१७	१४	रो	४६	३७	सि	४७ ११	ब	१७	१४	५४	४९	११	११	१४ २	वृषे	ज्येष्ठा. रविः३८।२१

३३पं.मा.शु.६चं.इ.४२।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	९	६	५	८	७
७	२१	१८	२५	२५	८	२९	७
३७	२२	५	५९	४७	३५	३८	११
२६	४४	५२	१७	१७	२०	२०	०१
६०	२१	९६	६	७४	४	३	६०
४२	२६	११	५१	२६	५६	११	५३

गोचर ग्रहाः

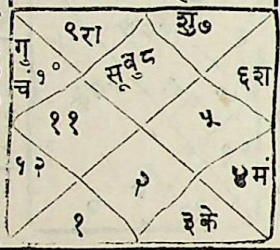

इस मास में धान्य बाजरा मूगं मोठ चावल मक्का गुहार सोना चांदी ताम्बा लोहा मंदा रहे रस तेज हो सुभिक्ष होवे

गोचर ग्रहाः

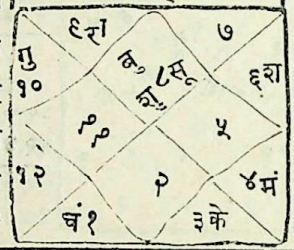

३४पं.मा.शु.१३चं.इ. ४२/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	९	७	५	८	७
१४	२३	२८	२६	४	९	२९	१४
४२	४	४५	५६	३५	८	१६	१७
४०	३७	३	१३	३५	२८	५	४७
६०	१७	९३	८	७४	४	३	६१
५०	५१	१८	२	२६	३२	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	गु	१०	५	मृ	४१	१	सा	३८ ७	कौ	१०	५	२५ ५३	६ ४९	५ ११	१२	१५ ३	मि१३।४९	ज्येष्ठा. रविः सौरः२।२४
२	शु	२	३५	आ	३५	१६	शु	२८ ५१	ग	२	३५	५१	५०	१०	१३	१६ ४	मिथुने	भ.२८।५५उ.५५।१५या.
३	शु	५२	२२	०	०	०	०	० ०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	[×ज्येष्ठा. शुक्रः२०।३९
४	श	४७	३७	पु	२९	२४	शु	१९ ३४	ब	२१	१७	४९	५०	१०	१४	१७ ५	क.१५।५९	चतुर्थी व्र.
५	र	४१	०	पु	२४	२४	ब्र	१० ३७	कौ	१४	१९	४८	५०	१०	१५	१८ ६	कर्के	
६	चं	३४	५९	श्ले	१९	५०	ऐं	१३ ५२ ३७	ग	७	२९	४६	५१	९	१६	१९ ७	सिं. १९°	भ.३४।५९उ.
७	मं	३०	४	म	१६	११	वि	४७ २८	वि	२	३२	४५	५१	९	१७	२० ८	सिंहे	भ.२।३२या.
८	बु	२६	१	पू	१३	३५	मी	४१ ११	कौ	२६	१	४४	५१	९	१८	२१ ९	कं.२८।१०	
९	गु	२३	८	उ	११	५४	आ	३५ ५१	ग	२३	८	४३	५१	९	१९	२२ १०	कन्यायां	भ. ५२।९ उ. पूषा. बुधः ३६।१५×
१०	शु	२१	१०	ह	११	९	सौ	३१ २०	वि	२१	१०	४२	५२	८	२०	२३ ११	तु.४१।२१	भ.२१।१०या.
११	श	२०	१७	चि	११	३४	शो	२७ ४३	बा	२०	१७	४१	५२	८	२१	२४ १२	तुलायां	सफला११व्र.
१२	र	२०	३२	स्वा	१३	१८	अ	२५ १	तै	२०	३२	४०	५२	८	२२	२५ १३	तुलायां	प्रदोषः
१३	चं	२२	४७	वि	१५	५७	सु	२३ ७	व	२२	४७	३९	५२	८	२३	२६ १४	वृ.०।१७	भ.२२।४७उ.५३।३२या.हस्त.१शनिः ३/४
१४	मं	२४	१७	अ	१९	३७	धृ	२२ १९	श	२४	१७	३९	५२	८	२४	२७ १५	वृश्चिके	मूले धनुष्यर्कः ४५।३६
३०	बु	२७	५९	ज्ये	२४	२६	शू	२१ ५०	ना	२७	५९	३८	५२	८	२५	२८ १६	ध.२४।२६	मूले धनुष्यार्कः सौरः६।१४

३५पं.पौ.कृ. ६चं.इ. ४२/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	८	९	७	५	८	७
२१	२४	९	२७	१३	९	२८	२१
४८	१९	७	५९	२३	३७	५३	२५
४३	३४	३७	४९	२८	५	४९	३०
६०	१३	८७	७	७४	३	३	६१
५६	१६	७	५६	३२	५१	११	११

गोचर ग्रहाः

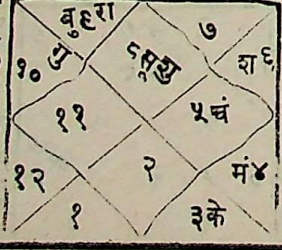

पौष कृष्णे १४भौमे धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा२ न.३ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

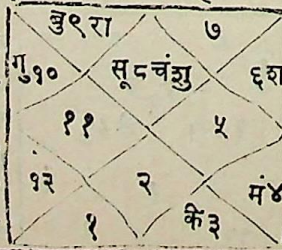

३६ पं.पौ.कृ.१३.चं.इ. ४३/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	८	९	७	५	८	७
२८	२४	१९	२९	२२	१०	२८	२८
२५	५९	२४	९	११	१	३१	२४
३७	३०	५०	५४	५६	४४	३४	१३
६१	५	७५	९	७४	३	३	६१
०	१४	२१	४४	३२	१६	११	१९

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविदक्षिणेऽहर्गं ६४६५ स.२००९
१	गु	३२	३७	मू	३०	११	गं	२२	३२	कि	०	१८	३५	५३	६	२६ २९ १७	धनुषि	[×५४।२९बुधास्तः पश्चिमायां ३३० प्रदोषः
२	शु	३८	११	पू	३६	४७	बृ	२३	५५	बा	५	२४	३७	५३	७	२७ ३० १८	म.५३।३७	चंद्रदर्शनम्
३	श	४४	३२	उ	४४	४	ध्रु	२५	४५	तै	११	२१	३७	५३	७	२८ १ १९	मकरे	धनि.३कुंभेगुरुः १६।३१शुक्रास्तः पूर्वस्यां÷
४	र	५०	५८	श्र	५१	४३	व्या	२७	४५	व	१७	४५	३६	५३	७	२९ २ २०	मकरे	भ.१७।४५उ.५८ या. मूले धनुषि शुक्रः ५२ ३८
५	चं	५७	३८	ध	५९	२३	ह	३०	१३	ब	२४	१८	३६	५३	७	३० ३ २१	कुं २५।३३	[÷२२।१२मोहोरम १सन् १४३१दि.
६	मं	६०	०	श	६०	०	व	३२	३३	कौ	३०	२९	३६	५३	७	१ ४ २२	कुम्भे	उषा. बुधः ३५।३८ वक्री भौमः ५४।७=
६	बु	३	४०	श	६	३३	सि	३४	१५	तै	३	४०	३६	५३	७	२ ५ २३	मी. ५६।१९	[=रा. पौषारंभः
७	गु	८	४६	पू	१२	४१	व्य	३४	५०	व	८	४६	३७	५३	७	३ ६ २४	मीने	भ.८।४६उ.४०।३९या.
८	शु	१२	३१	उ	१७	४१	व	३४	२९	ब	१२	३१	३७	५३	७	४ ७ २५	मीने	[+३१।३९ भा. स्ना. प्रा.
९	श	१४	३४	रे	२०	५४	प	३२	३८	कौ	१४	३४	३७	५३	७	५ ८ २६	मे. २९ ५४	वक्री बुधः७।५०
१०	र	१४	३१	अ	२२	९	शि	२९	५	ग	१४	३१	३८	५२	८	६ ९ २७	मेषे	भ.४३।२८उ.
११	चं	१२	२५	भ	२१	२३	सि	२३	५८	वि	१२	२५	३८	५२	८	७ १० २८	वृ.३५।४१	भ.१२।२५या.पूषा.रविः ३६ पुत्रदा ११व्र.
१२	मं	८	१३	कृ	१८	३५	सा	१७	२२	बा	८	१३	३९	५२	८	८ ११ २९	वृषे	पूषा. रविः सौरः७।५२वक्री. पूषा. बुधः×
१३	बु	२	१६	रो	१३	५१	शु	१२	३२	तै	२	१६	४०	५२	८	९ १२ ३०	मि. ४९	भ.५४।४१उ.
१४	बु	५२	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	
१५	गु	४५	१४	मृ	७	४६	ब्र	४९	४३	वि	१९	५८	४१	५२	८	१० १३ ३१	मिथुने	भ.१९।५८या.चंद्र ग्रहणम् पूषा. शुक्रः+

३७पं.पौ.शु. ५ .चंइ.४२।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१०	८	५	८	८
६	२५	२५	०	१	१०	२८	५
३	५	५९	२५	१	२१	९	४३
१४	२०	३८	२६	२६	२५	१८	३८
६१	१	४५	१०	७४	२	३	६१
४	११	१४	२९	३२	२८	११	२२

गोचर ग्रहाः

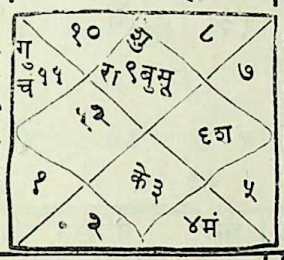

इस मास में बाजरा मूंग मोठ चावल रुई गुड सक्कर गन्ना में तेजी रहे चांदी सोना में घट वढ चले पशु रोग ग्रसित हों।

गोचर ग्रहाः

३८पं.पौ. शु.११चं. इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१०	८	५	८	८
१३	२४	२७	१	९	१०	२७	१२
११	३०	११	४५	४९	३५	४७	५३
१३	२९	४२	५८	८	५६	२	३०
६१	४	५	२६ १३	११	७४	१	३	६१
६	व.	व.	८	३३	४१	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा
१	शु	३७	२२	आ	५०	५२	ऐं	३९	६	बा	११	१७	३५	५३	४५	११ १४ १	क.३९।४३	जनवरी १ता.३१सन् २०१०
२	श	२८	११	पु	४६	२६	वै	२८	३१	तै	२	४२	४३	५१	९	१२ १५ २	कर्के	भ.५३।४८उ.
३	र	१९	२६	श्ले	४०	०	वि	१८	१८	वि	१९	२६	४४	५१	९	१३ १६ ३	सिं. ४०।०	भ.१९।२६या. चतुर्थी व्र.
४	चं	११	२७	म	३४	८	प्री	४३	१९	बा	११	२७	४५	५१	९	१४ १७ ४	सिंहे	[×बुधोदयः पूर्वस्यां ३९।११षट्तिला ११व्र
५	मं	४	५१	पू	२९	५८	सौ	५२	२२	तै	४	५१	४७	५१	९	१५ १८ ५	क.४४।१३	भ.५८।३८उ. धनि.४ गुरुः २९।२
६	मं	५४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	
७	बु	५५	५७	उ	२७	१	शो	४६	८	वि	२७	४८	४८	५०	१०	१६ १९ ६	कन्यायां	भ.२७।४८या.
८	शु	५३	४४	ह	२५	४०	अ	४१	७	बा	२४	५०	५०	५०	१०	१७ २० ७	तु. ५५ ४६	
९	शु	५३	७	चि	२५	५२	सु	३७	२३	तै	२३	२५	५२	५०	१०	१८ २१ ८	तुलायां	
१०	श	५४	१	स्वा	२७	३८	धृ	३४	४९	ब	२३	३४	५३	४९	११	१९ २२ ९	तुलायां	भ.२३।३४उ.५४।१या.
११	र	५६	८	वि	३०	४९	शू	३३	१५	ब	२५	४	५५	४९	११	२० २३ १०	वृ. १५ १	उषा. रविः५५।२१ वक्री मूले बुधः ४३×
१२	चं	५९	३४	अ	३५	१	गं	३२	४७	कौ	२७	५१	५७	४९	११	२१ २४ ११	वृश्चिके	उषा.रविः सौरः९।१९उषा.शुक्रः४।४०
१३	मं	६०	०	ज्ये	४०	२४	बृ	३३	१०	ग	३१	५०	४९	४८	१२	२२ २५ १२	ध.४०।२४	प्रदोषः
१३	बु	४	७	मू	४६	३७	ध्रु	३४	०	व	४	७	२६	४८	१२	२३ २६ १३	धनुषि	भ.४।७उ.३६।४६या. मकरे शुक्रः४५।३४
१४	गु	९	२५	पू	५३	३४	व्या	३५	४४	श	९	२५	४	४७	१३	२४ २७ १४	धनुषि	मकरेऽर्कः ११।४५ (सौरः २४।४६) वक्री÷
३०	शु	१५	१४	उ	६०	०	ह	३७	२९	ना	१५	१४	६	४७	१३	२५ २८ १५	म. ३९ ८	सूर्य ग्रहणम् [÷शनिः५१।४९

३९पं.मा.कृ.४ चं.इ. ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१०	८	५	८	८
२०	२३	२०	३	१८	१०	२७	२०
१९	१४	२१	१०	३७	४५	२४	३
२६	५३	३६	४४	४८	१८	४७	२७
६१	१४	९७	११	७४	१	३	६१
६	व.	व.	४७	३८	६	११	२६

ग्रोचर ग्रहाः

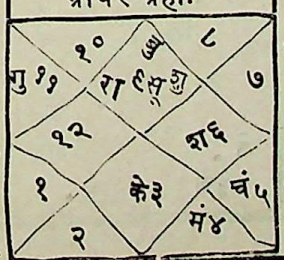

माघ कृष्णे १४ गुरौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३अतिवन्ध्या-वस्था (सूती) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

ग्रोचर ग्रहाः

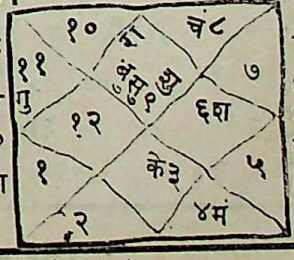

४०पं.मा.कृ.१२.चं इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१०	८	५	८	८
२७	२१	१२	४	२७	१०	२७	२७
२७	३७	३८	३९	२६	४०	२	१३
२२	४१	४९	४०	१३	५२	३१	१९
६१	२१	५७	४३	१२	७४	०	३	६१
६	व.	व.	१४	३८	१९	११	२४

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्ग ६४९५ स. २०१०
१	श	२१	३५	उ	०	४६	व	३९	४३	ब	२१	५८	२६	८	४६	१४	२६	२९	१६	मकरे
२	र	२८	५	श्र	८	१८	सि	४२	१	कौ	२८	५	११	४	६	१४	२७	१	१७	कुं. ४३
३	चं	३४	३७	ध	१५	५४	व्य	४४	१७	तै	१	२१	१३	४	५	१५	२८	२	१८	कुंभे
४	मं	४०	४५	श	२३	१४	व	४५	५७	व	७	४१	१६	४	५	१५	२९	३	१९	कुम्भे
५	बु	४६	१	पू	३०	२	प	४७	१९	ब	१३	२३	१९	४	४	१६	३०	४	२०	मी १३।२०
६	गु	५०	१८	उ	३५	४९	शि	४७	५१	कौ	१८	१०	२१	४	४	१६	१	५	२१	मीने
७	शु	५३	१८	रे	४०	१२	सि	४७	१२	ग	२१	४८	२४	४	३	१७	२	६	२२	मे. ४०।१२
८	श	५४	२६	अ	४३	४	सा	४५	१८	वि	२३	५२	२७	४	३	१७	३	७	२३	मेषे
९	र	५३	५०	भ	४४	७	शु	४१	४६	बा	२४	८	२९	४	२	१८	४	८	२४	वृ. ५८।५१
१०	चं	५१	१०	कृ	४३	५	शु	३६	४०	तै	२२	२९	३२	४	२	१८	५	९	२५	वृषे
११	मं	४६	३४	रो	४०	१६	ब्र	३०	१	व	१९	५२	३५	४	१	१९	६	१०	२६	वृषे
१२	बु	४०	१	मृ	३५	३३	एं	२१	५४	ब	१३	१७	३८	४	०	२०	७	११	२७	मि. ७।५५
१३	गु	३२	५	आ	२९	२६	वै	१२	२५	कौ	६	२	४१	४	९	२०	८	१२	२८	मिथुने
१४	शु	२३	४	पु	२२	१	वि	२	४९	व	२३	४	४५	३	९	२१	९	१३	२९	कं. ८।५२
१५	श	१३	२०	पु	१४	७	आ	४०	१	व	१३	२०	४८	३	८	२२	१०	१४	३०	कर्के

प्रदोषः [+भौमः ३३।१४ जया ११ व्र.
भ.२३।४उ.४८।१२या.
मा. स्ना. पूर्तिः

मार्गी बुधः ३१।४४ चंद्र दर्शन संभवः
सफर २
पूषा.४ राहुः पुन.२ कतुः ४६।४९
भ.७।४१उ.४०।४५या.
अभि. प्र. रविः ४४।१५ (सौरः ५६।७) ×
पूषा. बुधः २३/४ श्रवणे शुक्रः ४३/६ रा. माघारंभः
भ.५३।१८उ. भानु ७ रथ ७
भ.२३।५२या. भीष्माष्टमी
श्रवणे रविः ०।५२ (सौरः १३) अभि. नि. ÷
अभि. नि. रविः सौरः ४।२० [÷रविः ५३।७
भ.१९।५२ उ.४६।३४ या. वक्री पुष्ये +
[×शत. १ गुरुः ५७।५० वसंत ५

४१पं.मा.शु.३ चं.इ.४१।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	१०	९	५	८	९
४	१९	१२	६	६	१०	२६	४
३५	३८	०	११	१४	४८	४०	२२
१३	३६	४३	३८	२८	३२	१६	४८
६१	२९	१९	१२	७४	२३	३	६१
३	व.	मा	३५	३८	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

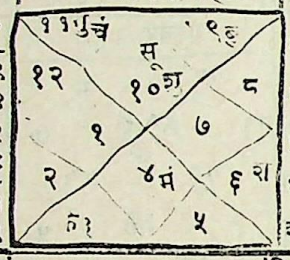

इस मास में चांदी
स्वर्ण लोहा रुई रंग
सूत वस्त्र में तेजी हो
प्रजा में अशान्ति फैले
धान्यो में मंदी रहे चं२
शीतभय हो ।

गोचर ग्रहाः

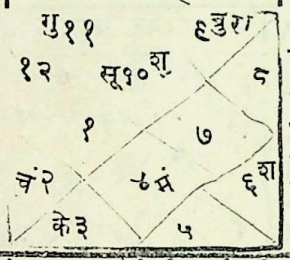

४२पं..माशु.१०चं.इ.४१/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	१०	९	५	८	९
११	१७	१७	७	१५	१०	२६	११
४२	९	१	४६	२	४२	१८	३१
४१	११	२३	३७	३८	१४	०	३९
६०	३४	५१	१३	७४	१६	३	६१
५९	व.	१६	२	३४	व.	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेतिमहा.
१	र	३	२९	श्ले	१७	२३	सौ	२९	१	कौ	३	२९	५१	३८	२३	११	१५	३१	सिं. ६।१७	[×बुधः २।५६ कुंभे शुक्रः ३५।५४
२	र	५०	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷(सौरः ५१।५१) शिवरात्री व्र.
३	चं	४५	३५	पू	५२	१७	शो	१८	२९	व	१९	४९	५४	३७	२३	१२	१६	१	सिंहें	भ.१९।४९उ.४५।३५या. धनि. शुक्रः १८=
४	मं	३८	१८	उ	४७	२८	अ	९	१४	ब	११	५६	५८	३६	२४	१३	१७	२	कं. ६।४	चतुर्थी व्र.
५	बु	३२	५२	ह	४४	१०	सु	२२	५३	कौ	५	३५	२७	३६	२४	१४	१८	३	कन्यायां	उषा. बुधः २७।५०
६	गु	२९	१६	चि	४२	४४	शु	४९	२१	ग	१	४	५	३५	२५	१५	१९	४	तु. १३।२६	भ.२९।१६उ.५८।३१या. शत.२ गुरुः ३५/७
७	शु	२७	४६	स्वा	४३	११	गं	४५	४३	ब	२७	४६	८	३४	२६	१६	२०	५	तुलायां	शुक्रोदयः पश्चिमायां २८।१२
८	श	२८	४	वि	४५	४७	बृ	४३	५०	कौ	२८	४	१२	३४	२६	१७	२१	६	वृ. ३०।८	धनि. रविः ९।१० (सौरः १७।५३) मकरे ×
९	र	३०	१६	अ	४९	५२	धु	४३	४	ग	३०	१६	१५	३३	२७	१८	२२	७	वृश्चिके	[=फर्वरी २ ता. २८
१०	चं	३३	४९	ज्ये	५५	१९	व्या	४३	४३	व	२	२	१९	३२	२८	१९	२३	८	ध. ५५/१९	भ.२।२उ.३३।४९या.
११	मं	३८	३९	मू	६०	०	ह	४४	४१	ब	६	१४	२३	३१	२९	२०	२४	९	धनुषि	विजया ११ व्र.
१२	बु	४४	२९	मू	१	३६	व	४६	४६	कौ	११	३४	२७	३१	२९	२१	२५	१०	धनुषि	
१३	गु	५०	४४	पू	८	५३	सि	४८	३५	ग	१६	३७	३०	३०	३०	२२	२६	११	म. २५।४६	भ.५०।४४उ.शते शुक्रः ५८।४ प्रदोषः
१४	शु	५७	१०	उ	१६	२५	व्य	५०	५९	वि	२३	५७	३४	२९	३१	२३	२७	१२	मकरे	भ. २३।५७ या. कुंभेऽर्कः ४४।२६ ÷
३०	श	६०	०	श्र	२४	४	व	५३	१३	च	३०	२१	३८	२८	३२	२४	२८	१३	कुं. ५७।१८	श्रवणे बुधः ९।११ वक्री उफा. ४ शनिः ३५/३४
३०	र	३	३१	ध	३१	३२	प	५५	१४	ना	३	३१	४१	२८	३२	२५	२९	१४	कुंभे	

४३पं.फा.कृ.३ चं.इ.४१।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	१०	९	५	८	९
१८	१४	२४	९	२३	१०	२५	१८
४९	४७	३६	२३	४९	३०	५५	३९
१६	५६	२२	३८	३७	२५	४४	४४
६०	३४	७०	१३	७४	५३	३	६१
५५	१३	०	२०	३२	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

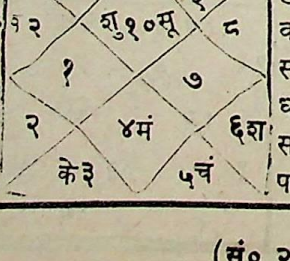

फाल्गुन कृष्णे १४ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३ वन्ध्याव-स्था (ऊभी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

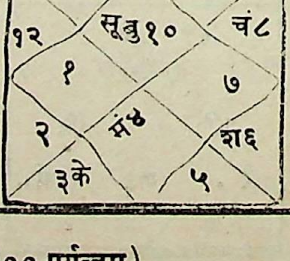

४४पं०फा. कृ.१० चं.इ.४२/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	१०	१०	५	८	९
२५	१२	३	११	२	१०	२५	२५
५५	३४	३५	२	२६	१३	३३	४६
१	५९	५३	३१	४८	४४	२९	३१
६०	३१/२	५२	१३	७४	३३/४	३	६०
४७	व.	३७	२६	३२	व.	११	५५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६५२५स.२१०

१	चं	९	५०	श	३८	४१	शि	५७	६	ब	९	५०	२७	६	५	२६	३०	१५	कुंभे
२	मं	१५	२८	पू	४५	१३	सि	५८	१४	कौ	१२	२८	४९	२६	३४	२७	१	१६	मी.३८
३	बु	२०	३१	उ	५१	१	सा	५८	२९	ग	२०	३१	५३	२५	३५	२८	२	१७	मीने
४	गु	२४	३३	रे	५५	४४	शु	५८	२४	वि	२४	३३	५६	२५	३५	२९	३	१८	मे.५५।४४
५	शु	२७	३५	अ	५९	२३	शु	५७	२५	वा	२७	३५	२८	२४	३६	३०	४	१९	मेषे
६	श	२९	१६	भ	६०	०	ब्र	५५	१०	तै	२९	१६	४	२३	३७	१	५	२०	मेषे
७	र	२९	२७	भ	१	३३	ऐं	५१	३४	व	२९	२७	८	२२	३८	२	६	२१	वृ. १६/४४
८	चं	२८	१०	कृ	२	२०	वै	४६	४०	व	२८	१०	१२	२२	३८	३	७	२२	वृषे
९	मं	२५	११	रो	८	२२	वि	४०	२१	कौ	२५	११	१६	२१	३९	४	८	२३	मि.२९
१०	बु	२०	२३	आ	५४	३७	प्री	३२	५४	ग	२०	२३	२०	२०	४०	५	९	२४	मिथुने
११	गु	१४	१४	पु	४९	१	आ	२४	१०	वि	१४	१४	२४	१९	४१	६	१०	२५	क.३५।२५
१२	शु	६	३४	पु	४२	१७	सौ	१४	३१	बा	६	३४	२८	१८	४२	७	११	२६	कर्के
१३	शु	५	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	श	४	२२	श्ले	३४	५९	शो	५९	४९	ग	२३	७	३२	१८	४२	८	१२	२७	सिं.३५।०
१५	र	३	४३	म	२७	११	सु	४२	१४	वि	१३	३२	३६	१७	४३	९	१३	२८	सिंहे

चंद्रदर्शनम्
रविलावल ३ फुलरिया २
भ.५२।३२उ.
भ.२४।३३या. शत.३ गुरुः २५।१३
शते रविः २०।४२ (सौरः २७।१३) +
रा. फाल्गुनारंभः [+अस्तं गुरोः०।०
भ.२९।२७उ.५८।४९या.धनि.बुधः५६।३
पूभा. शुक्रः३६।९ होलाष्टकम्

भ.४७।१८उ.
भ. १४।१४ या. कुंभे बुधः ५६।१०÷
बुधास्तः पूर्वस्यां५२।२५प्रदोषः
[÷आमलकी ११ व्र.
भ.४८।२२उ.
भ.१३:३२या. होलिका दहनम्

४५ पं.फा. शु. १ चं.इ. ४२/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१०	३	९	१०	१०	५	८	१०
२	१०	१३	१२	११	९	२५	२
५९	३४	४३	४३	२२	५३	११	५२
४९	१	५९	१६	५२	१०	१३	३४
६०	२५/१	८७	१३	७४	१४/३	३	६०
२७	व.	४४	३२	३२	व.	११	४२

गोचर ग्रहाः

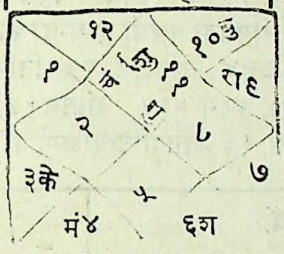

चैत्र कृष्णे १४ रवौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ वंध्यावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

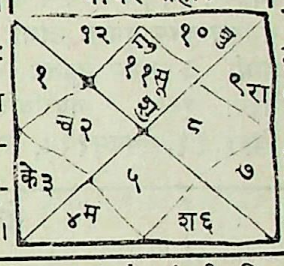

४६पं. फा.शु. ८ चं इ. ४३/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१०	३	९	१०	१०	५	८	१०
१०	८	२४	१४	२०	९	२४	९
३	५७	३७	२३	८	२८	४८	५७
२२	७	३४	२४	२	१२	५८	७
६०	१९/९	९९	१३	७४	४१/३	३	६०
२५	व	५६	३८	२६	व	११	३१

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१ | दि. उ अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंततू रविरुत्तरे, फाल्गुन कृष्णेतिमहा.

१	चं	२९	३०	पू	१९	४६	धृ	३१	५४	बा	४	७	३८/१६	४०	५	१०	१४	१	कं.३३।८
२	मं	२१	४	उ	१२	१३	शू	२२	७	ग	२१	४	४३	१५	४५	११	१५	२	कन्यायां
३	बु	१४	१	ह	८	३	गं	१३	५२	वि	१४	१	४८	१४	४६	१२	१६	३	तु३६।२५
४	गु	८	३६	चि	४	४८	ब्र	७	१०	बा	८	३६	५२	१४	४६	१३	१७	४	तुलायां
५	शु	५	२६	स्वा	३	१८	ध्रु	५८	१५/१८	तै	५	२६	५६	१३	४७	१४	१८	५	वृ.४७।५३
६	श	४	१९	वि	४	४	ह्र	५६	४४	व	४	१९	२९/१	१२	४८	१५	१९	६	वृश्चिके
७	र	५	३३	अ	६	४७	व	५६	३७	व	५	३३	५	११	४९	१६	२०	७	वृश्चिके
८	चं	८	२६	ज्ये	११	३२	सि	५७	२३	कौ	८	२६	९	१०	५०	१७	२१	८	ध. ११/३२
९	मं	१३	८	मू	१७	३८	व्य	५९	४	ग	१३	८	१३	९	५१	१८	२२	९	धनुषि
१०	बु	१८	४९	पू	२४	४७	व	६०	०	वि	१८	४९	१७	९	५१	१९	२३	१०	म.४१।३४
११	गु	२५	५	उ	३१	५२	व	१	१६	बा	२५	५	२१	८	५२	२०	२४	११	मकरे
१२	शु	३१	४७	श्र	३९	५८	प	३	४४	तै	३१	४७	२६	७	५३	२१	२५	१२	मकरे
१३	श	३८	७	ध	४७	२८	शि	६	२	ग	४	५७	३०	६	५४	२२	२६	१३	कुं.१३।४३
१४	र	४४	१	श	५४	३३	सि	८	४	वि	११	४	३४	५	५५	२३	२७	१४	कुंभे
३०	चं	४९	१३	पू	६०	०	सा	९	४०	च	१६	३७	३८	४	५६	२४	२८	१५	मी४४।१०

शते बुधः ५/३ मार्च ३ ता.३१ वसंत १ छारेंडी
भ.४७।३२उ.मीने शुक्रः ३७।२०
भ.१४।१या. चतुर्थी व्र.
पूभा. रविः ३६।४८ (सौरः ४२।०)=
उभा. शुक्रः१७।१३
भ.४।१९उ.३४।५६या.
[=शत.४ गुरुः १७।१
शीतला पूजनम्
भ.४५।५८उ. पूभा. बुधः१८।५०
भ.१८।४९या.
मार्गी भौमः५।२४पापमोचनी ११ व्र.
[×(सौरः४२।२१) मीनेः बुध ३४।१७
भ.३८।७उ. प्रदोषः
भ. ११।४ या. मीनेऽर्कः ३७।४१×
मन्वादिः

४७ पं.चै. कृ. १ चं. इ. ४२/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१०	३	१०	१०	१०	५	८	१०
१७	७	६	१६	२८	९	२४	१७
५	५१	१९	४	५२	०	२६	००
३५	४७	४८	५९	३०	१८	४२	००
६०	९/५	७०	१३	७४	५/४	३	६०
२१	व	२६	३८	२६	व	११	२०

४८पं.चै. कृ.८ चं.इ. ४३/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१०	३	१०	१०	११	५	८	१०
२४	७	१८	१७	७	८	२४	२४
६	१९	५२	४६	३५	२९	४	१
२२	१६	३४	३०	३५	५६	२६	२३
५९	१/१	८७	१३	७४	२/२	३	६०
५८	व	३८	३८	२६	व	११	६

४९पं.चै. कृ. ३० चं.इ. ४३/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
११	३	११	१०	११	५	८	११
१	७	२	१९	१६	७	२३	१
५	२३	१७	२७	१७	५७	४२	१
३५	२१	२	३२	१३	३२	११	५
५९	९/६	८७	१३	७४	४०/३	३	५९
४१	म.	४०	३२	२०	व	११	४९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१११, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००,द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१११, भोग्यकलिः ४२६८८९, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६७, शाकः १९३२, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः । मंत्री बुधः । सस्येशः शुक्रः। धान्येशो गुरुः । मेघेशो भौमः:। रसेशा रविः । नीरसेशःशुक्रः । फलेश श्चंद्रः । धनेशो गुरुः । दुर्गेशश्चद्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णु-विंशतिकायां १७ शोभकृन्नाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ११।१५।१८।४३ भोग्यमासादिः ०।१४।४१।१७ विश्वेदेवदैवतं युगम् । वर्षनाम भाद्रपदः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासःपर्वते । समयनिवासः कुंभकार गृहे। समय विश्वा१८ समयवाहनम् वृषभः स्तंभाः नैव सोमवत्यमानैव। सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी २ भानुसप्तमी १ रविदशमी ३ समय मुहूर्ताः ४०५ समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः २० तिथिवृद्धिः १४ उत्पत्ति विश्वा ९६ खपतिविश्वा १०८, वर्षाविश्वा ५, धान्यम् १७, तृणम् १५, शीतम्१५, तेजः ११,वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्११७, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःदक्षिणे । ग्रहणाभावः ।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	८	२	५	१४	२	५
ख.	१४	८	५	२	१४	५

वर्षेश लग्नम् ८।१०

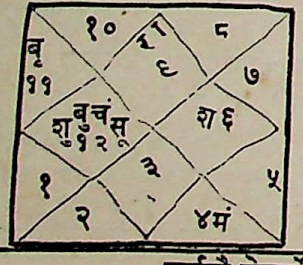

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ बिनती करुं सदा लगावुं धान ।
सतसठिये की साल में कैसा नियभें धान ।।

भवानी उत्तर

सत सठियो सतछोडसी जनता पलटे वेष ।
राजा मंत्री योग से हो उत्पात विशेष ।।
रोहिणी पर्वत में वसी भूमितनय मेघेश ।
रसकसकी कमतीरहे रसपति भये दिनेश ।।
पण सुरगुरु धान्येश है करै धान्य की सार ।
निशानाथ फलपति भये करसी श्रेष्ठ विचार ।।
सौम्यग्रहां इसवर्षमें लिया सात अधिकार ।
ज्येतिषके आधार से शर्मा कहे विचार ।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	२	८	११	१४	१४	११
ख.	८	१४	५	१४	१४	५

वर्षलग्नम् ६।१९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५६।११

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणांफलम् ।। अथास्मिन्वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् ।। भौमेनृपेवन्हित्रयंजनक्षयंचौराकुलंपार्थिवविग्रहञ्च । दुःखप्रजा व्याधिवियोगपीडास्वत्पंपयोमुंचतिवांरिवाहः ।। मंत्रीबुधस्तत्फलम् ।। शशिसुतेशुभमंत्रिसमागतेस्वपतिनारमतेमदनक्रियाम्। बहुधनंबहुवारिसमन्वितं यवमसूरचणान्नमहर्घता ।। सस्येशःशुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रोयदाधान्यपतिर्घरायांमेघोजलंवर्षति शोभनप्रियम् । गोधूमशालीक्षुधनप्रियंगु वृक्षेषुपुष्पाणिसुखप्रदानि ।। धान्येशोगुरुःफलम् ।। गुरौधान्यपतौयान्तियवगोधूम-शालयः । पच्यन्तेसर्वदेशेषु यज्वानोब्रह्मवादिनः ।। मेघेशोभौमःफलम्।। अवनिजेजलदस्यपतौ भुविश्रुतिविचारविहीन-धरामराः । क्वचिदपि प्रचुरंजलमल्पकंक्वचिदपिप्रचुरंबहुतापदम् ।। रसेशोरविफलम् ।। रसपतौ तरणौधरणीतदाविरस भोगरताल्पपयोधराः । वसन तैल घृतप्रियमानवाःसुखरसंनभुनक्तिमहीपतिः ।। निरसेशःशुक्रस्तत्फलम् ।। कर्पूरागरुगन्धाना हेममौक्तिकवाससां । अर्घवृद्धिःप्रजायेतनीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेश्चंद्रस्तत्फलम् ।। यदिविधुःफलयोद्रुमराशयःफलयुता-वलिभिःकुसुमैर्यूताद्विजमुखावरभोग समन्वितानृपतयो नयनाटनतत्पराः ।। धनेशोगुरुःतत्फलम् ।। सुमनसांचगुरुर्द्रविणाधिपः वणिज्वृत्तिपराःसुखभाजनाः । फलितपुष्पित भूमिरुहाःसदाविविधद्रव्ययुताभुविमानवाः ।। दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। गढपतिर्मृगलांघनकोयदा नृपसुराज्यविलासितपौरजाः । बहुधनेक्षुजगोरसभोगिनोनरवरा वरवर्णितविग्रहाः ।। शोभ-कृन्नामसंवत्सरःफलम् ।। शोभकृद्वत्सरेधात्री प्रजानांरोगशोकदा । तथापिसुखिनो लोकाबहु सस्यार्घवृष्टिभिः ।। वर्षनाम-भाद्रपदःफलम् ।। अर्घमहर्घतां यतिघनधान्यसमंभवेत् । मघवावर्षतिस्वच्छं संपर्दो भाद्रवर्षके ।। मेघनामपुष्करःफलम् । पुष्करेमंदवृष्टिःस्यात् ।। रोहिणीनिवासःपर्वतेफलम् ।। पर्वतेविंदुमात्रश्च । समय निवासःकुंभकारगृहे फलम् । अनावृष्टिःप्रजापतौ । एवं संचित्य दैवज्ञैःकथनीयंशुभाशुभम् ।।

संवत् २०६५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

द्वि. वैशाख मासः ।

शु. २ शनौ रोहि. ल. ऽन्यगो रे १०।।।।।।।।।।

,, ७ गुरौ मघा ल. १ (घ५६।५६उ)रे.६।।।।।।।ऽ।।

,, १० रवौ हस्ते ल .गो. रे ६।।।ऽगुऽगुऽरोऽ।।।आवश्यके

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. २ शनौ मूले ल. गो. १ रे८ऽऽ।।।।।।।।

,, ४ चन्द्रे उषा ल. गो रे.७।।।।ऽ।।ऽऽ घ. ४० .उ. क्रांतिसाम्यम्

,, ६ रवौ उषा ल. ऽ न्यगो रे।।ऽ बृ ।ऽ।(नृप.४६)ऽऽ।।

शु. १० चन्द्रे स्वात्यां ल. गो. १ रे ।।।।।ऽचौऽ।।। मेषे चन्द्रो ७र्च्यः

१२ बुधे अनु ल. ऽन्यगो २ रे।ऽ।।।ऽरो.।।।।वृषे चंन्द्रोऽर्च्यः

आषाढमासः

कृ. १ रवौ उषा ल. १ रे.।।।।।।।।।ऽ। क्रांतिसा

,, ७ शनौ उमा ल. ऽ न्यगो१-२रे६।।बृ।ऽऽरो।ऽ।।आव

,, ११ गुरौ रोहि. ल. १ रे६ऽऽ।।।ऽनृपा।ऽ।।आवस्यके

कार्तिक मासः

शु. १२ गुरौ रवे ल. गो. रे ६ऽ।।।ऽऽअऽ।।।

मार्गशीर्षमासः

कृ. १ चन्द्रे रोहि. ल. ५ गु. पू. रे७।।।।ऽऽचौऽ।।

मार्गशिर्ष मासः

कृ. २ भौमे मृगे ल. ५-७ रे८।।।।ऽ।ऽ।।।सिंहे गु. पू.

,, ८ चन्द्रे उफा ल. ७ रे।।।।ऽऽनृ।ऽ।।

,, ९ भौमे उफा. ल.५गु. पू. रे७।।।।ऽ।।ऽ।ऽघ४१।४६या.

,, १२ गुरौ स्वात्यां ल. ५ गु. पू. रे।।ऽशु।।।ऽघ.५४यम।।

शु. ३ बुधे उषा. ल. ७ रे ऽ।।।।ऽनृ।।।।

माघमासः ।

कृ. ४ रवौ उफा. ल. गो ७-८ रे६।।।।।।।।ऽ।।गो धूल्यां सप्तमस्थभौमदोषः

शु. ६ शनौ रोहि ल. गो. रेऽ।।।।ऽअ भौम ७ मस्यदोषः गणितेनक्रांति साम्याऽ भाव

,, १५ शुक्रे मघा. ७-८ रे७।।।।ऽ।ऽऽ।।तुलयां १२ शनि ल. ८ ध. ४७ या.

फाल्गुन मासः

कृ. १ शनौ उफा ल. ८ रे।।।।।ऽ चौ ।।।।

,, ७ गुरौ अनु ल. ऽ न्यगो ७-८रे. ६ऽ।।।ऽअऽऽ।। अन्यगो. सप्तमस्थभौम दोषः

शु. २ चन्द्रे रेव ल. ८-१०रे. ६ऽ।।ऽऽनृ ५२या.ऽ।।।

शु. ६ शुक्रे रोहि. ल. ८-१०रे.६ऽ।।।।ऽरो.५२ या ऽऽ।। वृश्चिके चन्द्रो ऽर्च्यः

(विक्रम सं. २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३२									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६५५४ स. २०१०
१	मं	५३	२०	पू	०	४३	शु	१०	३५	किं	२१	१६	३३	५७		२५	२९	१६	मीने	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	बु	५६	३६	उ	५	५९	शु	१०	४७	बा	२४	५८	४७	३	५७	२६	३०	१७	मीने	उभा. रविः ५८।४५ पूभा. १ गुरुः ४३।४३A
३	गु	५८	५५	रे	१०	१४	ब्र	१०	१७	तै	२७	४६	५१	२	५८	२७	१	१८	मे १०।१४	उभा. रविः सौरः २।५७ रविलाखर ४D
४	शु	५९	५५	अ	१३	३२	ऐं	८	४१	व	२९	२५	५५	१	५९	२८	२	१९	मेषे	भ. २९।२५ उ. ५९।५५ या
५	श	६०	०	भ	१५	४३	वै	६	३३	ब	२९	५७	३०	०	६	२९	३	२०	वृ. ३१।१	उदयंगुरोः ४१।२४
६	र	५८	५५	कृ	१६	५६	वि	३६	५५	कौ	२९	२७	४	५९	१	३०	४	२१	वृषे	[A चंद्रदर्शनं सिंधारा
७	चं	५६	३८	रो	१७	२	आ	५४	३४	ग	२७	४६	८	५८	२	१	५	२२	मि. ३३	भ. ५६।३८ उ. पूषा. ३ राहुः पुन. १ केतुः÷
८	मं	५३	१३	मृ	१५	२७	सो	४८	४३	वि	२४	५८	१२	५८	२	२	६	२३	मिथुने	भ. २४।५८ या. रेवत्यां बुधः २२।२२
९	बु	४८	३८	आ	१३	२६	शो	४१	४२	बा	२०	५५	१६	५७	३	३	७	२४	कं. ५५।४९	रामनवमी [÷४२।२१ रा. चैत्रारंभः
१०	गु	४२	५१	पु	९	५७	अ	३३	५०	तै	१५	४६	२१	५६	४	४	८	२५	कर्के	[D मत्स्य जयंती गणगौरी
११	शु	३६	७	पु	३२	५५	सु	२५	१३	व	९	२९	२५	५५	५	५	९	२६	सिं ५९।४९	भ. ९।२९ उ. ३६।७ या. अश्वि. मेषे=
१२	श	२८	१४	म	५३	३३	धृ	१६	४	व	२	११	२९	५४	६	६	१०	२७	सिंहे	बुधोदयः पश्चिमायां २७।३६ प्रदोषः
१३	र	१९	५०	पू	४७	१	शू	१५	५०	तै	१९	५०	३३	५३	७	७	११	२८	सिंहे	[=शुक्रः ४८।४३ कामदा ११व्र.
१४	चं	११	२०	उ	४०	३८	बृ	४६	८२	व	११	२०	३७	५३	७	८	१२	२९	कं. ०।२५	भ. ११।२० उ. ३७।१२ या. अश्वि. मेषे+
१५	मं	३	३	ह	३४	५४	धु	३७	५८	ब	३	३	४१	५२	८	९	१३	३०	कन्यायां	हनुमज्जयंती [+बुधः ४९।१२

५०पं. चै. शु. ७ चं. इ. ४३ ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	१०	११	५	८	११
८	७	१५	२१	२४	७	२३	७
३	५७	२३	७	५७	२४	१९	५९
१८	७	२८	८	५०	२९	५५	०
५९	९	२९	१३	७४	४०	३	५९
२९	५२	२४	२५	१४	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में बुधवार का चन्द्रदर्शन धातु सोना चांदीरुई तिल सूत में मंदी लावेगा धान्यव रस में तेजी रहेगी।

गोचर ग्रहाः

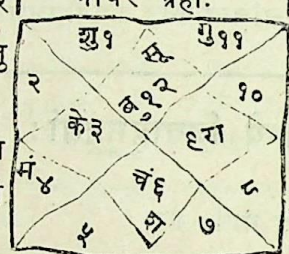

५१पं. चै. शु. १४ चं. इ. ४४ १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	१०	०	५	८	११
१४	९	२९	२२	३	६	२२	१४
५९	१	५१	४५	३६	५१	५७	५५
१०	४३	७	११	४३	२२	४०	९
५९	१५	०	१३	७४	३८	३	५९
१६	३२	१४	१४	४	व.	११	१८

ति.	प्र. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	५२	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+२२।८ वक्री उफा. ३ शनिः ११।२८=
२	बु	४८	४५	चि	३०	३४	व्या	३०	१३	तै	२२	१६	३१	५५	६	१०	१४	३१	तु. २।४४	रेवत्यां रविः २६।३४ (सौरः ३०।५४)
३	गु	४५	१४	स्वा	२७	३९	ह	२३	४०	व	१७	५९	४९	५०	१०	११	१५	१	तुलायां	भ. १७।५९ उ. ४५।१४ या. पूभा. २ गुरुः+
४	शु	४२	५९	वि	२६	५८	व	१८	५५	ब	१४	६	५३	४९	११	१२	१६	२	वृ. ११।५६	चतुर्थी व्रतम्
५	श	४२	४२	अ	२७	५५	सि	१५	४६	कौ	१२	३५	५६	४९	११	१३	१७	३	वृश्चिके	[=अप्रेल ४ता. ३०
६	र	४४	३३	ज्ये	३१	१४	व्य	१४	२७	ग	१३	३८	३९	४८	१२	१४	१८	४	ध. ३१।१४	भ. ४४।३३ उ.
७	चं	४८	२३	मू	३६	११	व	१४	४	वि	१६	२८	५	४७	१३	१५	१९	५	धनुषि	भ. १६।२८ या.
८	मं	५२	३७	पू	४२	४४	प	१५	१३	बा	२१	०	८	४६	१४	१६	२०	६	म. ५९।३०	भरण्यां शुक्रः ३७।५०
९	बु	५९	३४	उ	४९	५०	शि	१७	१७	तै	२६	३५	१२	४६	१४	१७	२१	७	मकरे	भरण्यां बुधः २९।२०
१०	गु	६०	०	श्र	५७	३१	सि	१९	३५	व	३२	४७	१६	४५	१५	१८	२२	८	मकरे	भ. ३२।४७ उ.
१०	शु	६	१	ध	६०	०	सा	२२	७	वि	६	१	१९	४४	१६	१९	२३	९	कुं. ३१।१६	भ. ६।१ या.
११	श	११	३७	ध	५	२	शु	२४	१७	बा	११	३०	२३	४३	१७	२०	२४	१०	कुम्भे	वरूथिनी ११व्र.
१२	र	१८	२३	श	१२	५	शु	२५	५१	तै	१८	२३	२६	४३	१७	२१	२५	११	कुम्भे	प्रदोषः
१३	चं	२२	५८	पू	१८	११	ब्र	२६	४७	व	२२	५८	३०	४२	१८	२२	२६	१२	मी. १।४०	भ. २२।५८ उ. ५४।३९ या.
१४	मं	२६	२०	उ	२२	५९	ऐं	२६	३८	श	२६	२०	३४	४१	१९	२३	२७	१३	मीने	
३०	बु	२८	४५	रे	२६	५३	वै	२५	३८	ना	२८	४५	३८	४०	२०	२४	२८	१४	मे. २६।५३	अश्वि. मेषेऽर्कः ०।२५ (सौरः ४।५८)

५२पं. वै. कृ. ७ चं. इ. ४४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	०	१०	०	५	८	११
२१	१०	१०	२४	१२	६	२२	२१
५३	३३	४५	२१	१४	१९	३५	४९
३१	५०	७	४०	२४	१२	२४	२०
५९	१८	८१	१२	७३	२३	३	५९
४	१०	०	५६	५६	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

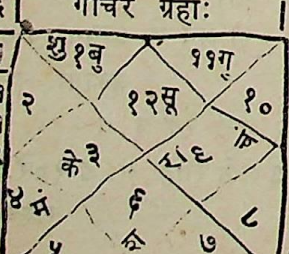

प्रथम वैशाख कृष्णे ३० बुधे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ सुतार्थिन्यवस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु. ५ क्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

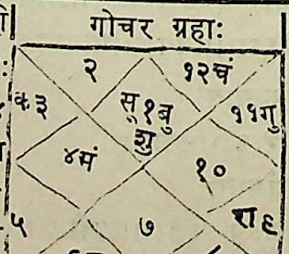

१पं. वै. कृ. ३० बु. इ. ०।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	१०	०	५	८	११
०	१२	१७	२६	२२	५	२२	२९
०	५०	५४	१५	२०	४०	९	५५
०	३५	४७	१८	१७	५२	१७	३२
५८	२१	२४	१२	७३	५९	३	५८
४४	४३	२३	२५	५०	व.	११	४५

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.प्र.वैशाखशुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्र : | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६५८४सन् २०१०

१	गु	२९	४७	अ	२९	२३	वि	२३	३२	व	२९	४७	३१ ३२	४०	५ २०	२५	२९	१५	मेषे	पूभा. ३ गुरुः ५९।३३
२	शु	२९	३६	भ	३०	४७	प्री	२०	३८	कौ	२९	३६	४६	३९	२१	२६	३०	१६	वृ.४५।५३	चंद्र दर्शनम्
३	श	२८	२७	कृ	३१	११	आ	१६	५४	ग	२८	२७	५०	३८	२२	२७	१	१७	वृषे	भ.३५उ.वक्री बुधः३६ कृति.शुक्रः३१५ +
४	र	२६	२३	रो	३०	३७	सौ	१२	२८	वि	२६	२३	५३	३७	२३	२८	२	१८	वृषे	भ.२६।२३या. [+ जमादि लावल ५
५	चं	२३	३१	मृ	२९	२६	शो	७	३२	बा	२३	३१	५७	३७	२३	२९	३	१९	मि. ०।१	बुधास्तः पश्चिमायां ५१।४
६	मं	२०	२	आ	२७	३४	अ	२	५३	तै	२०	२	३२	३६	२४	३०	४	२०	मिथुने	वृषे शुक्रः१५।१७
७	बु	१५	४३	पु	२५	१३	ध	४९	१०	व	१५	४३	५	३५	२५	१	५	०	क.३०	भ.१५उ.४३ या. रा. वैशाखारंभः
८	गु	११	२	पु	२१	५२	शू	४२	८	ब	११	२	९	३४	२६	२	६	२१	कर्के	
९	शु	५	४३	श्ले	१८	८	गं	३४	२७	कौ	५	४३	१२	३४	२६	३	७	२२	सिं. १८	
१०	शु	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२३	०	
११	श	५३	१६	म	१३	५२	बृ	२६	२९	व	२६	३१	१६	३३	२७	४	८	२४	सिंहे	भ.३६उ.५३या. कमला ११ व्र. स्मा.
१२	र	४६	२९	पू	९	११	धु	१८	१७	व	२०	५३	२०	३२	२८	५	९	२५	क. २३	आश्ले.भौमः४१।१ कमला ११ व्र. वै.
१३	चं	३९	४७	उ	२९ ४	२५ ५४	व्या	१०	४	कौ	१३	८	२३	३१	२९	६	१०	२६	कन्यायां	
१४	मं	३४	३२	चि	५५	४७	ह	१९ २	३९ ५२	ग	८	१०	२७	३१	२९	७	११	२७	तु.२७।४७	भ.३३उ.भरण्यां रविः४० (सौरः४६।२३)
१५	बु	२७	५५	स्वा	५२	५०	सि	४८	१३	वि	१	१३	२१	३०	३०	८	१२	२८	तुलायां	भ.१।१३या.रोहि.शुक्रः२७।२२

२पं.प्र.वै.शु.७ब.इ.०।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	१०	१	५	८	०
६	१५	१८	२७	०	५	२१	६
५०	८	१६	४५	५५	१४	४७	४५
४२	३४	४८	४	४१	३५	१	४३
५८	२४	३३	१२	७३	४३	३	५८
३१	१६	व.	८	४४	व	११	२९

गोचर ग्रहाः

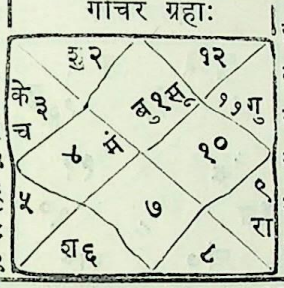

इस मासमें सोना चांदी ताम्बा लोहा वस्त्र रुई घृत तेल धान्य गुड सक्कर चीनी गन्ना में तेजी रहे या घटा-बढी हो ।

गोचर ग्रहाः

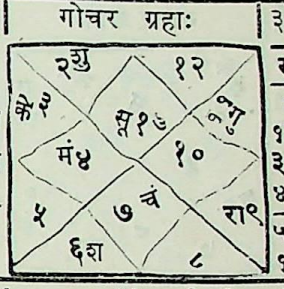

३पं.प्र.वै.शु. १५बु.इ.०।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	१०	१	५	८	०
१३	१७	१४	२९	९	४	२१	१३
३९	४१	१८	१२	२७	५१	२४	३४
४७	५३	५६	५०	२२	२०	४६	८
५८	२६	३६	११	७३	३	३	५८
१९	३२	व.	३०	३७	व.	११	१२

ति.द्वि.वैशाखकृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२													दि. उ. अ.		भा. मु. इं.		चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे प्र.वैशाख कृष्णेति महा.
१	गु	२३	३६	वि	५१	२३	व्य	४२	५०	कौ	२३	३६	३३ ३४	२९	५ ३६	९	१३	२९	वृ.३६।४३	वक्री आश्विन्यां बुधः ३३।२८
२	शु	२१	१	अ	५१	३१	व	३८	५०	ग	२१	१	३८	२८	३२	१०	१४	३०	वृश्चिके	भ.५०।३२उ.
३	श	२०	३	ज्ये	५३	३४	प	३६	२५	वि	२०	३	४१	२८	३२	११	१५	१	ध. ५३ ३४	भ.२०।३या.पूभा.४गुरुः३२।३१ मई ×
४	र	२०	५८	मू	५७	२२	शि	३५	२८	बा	२०	५८	४५	२७	३३	१२	१६	२	धनुषि	[× ५ ता० ३१ चतुर्थी व्र.
५	चं	२३	५०	पू	६०	०	सि	३५	३७	तै	२३	५०	४८	२६	३४	१३	१७	३	म.१९।३५	
६	मं	२८	२९	पू	२	५४	सा	३७	१	व	२८	२९	५२	२६	३४	१४	१८	४	मकरे	भ.२८।२९उ.
७	बु	३३	५०	उ	९	३७	शु	३८	५३	वि	१	९	५५	२५	३५	१५	१९	५	मकरे	भ.१।९या.
८	गु	४०	१०	श्र	१६	५६	शु	४१	२६	बा	७	०	५८	२४	३६	१६	२०	६	कुं.५०।४३	
९	शु	४६	३०	ध	२४	२९	ब्र	४३	४८	तै	१३	१५	३३	२४	३६	१७	२१	७	कुंभे	बुधोदयः पूर्वस्यां १६।९
१०	श	५२	७	श	३१	४७	ऐं	४५	४६	व	१९	१३	५	२३	३७	१८	२२	८	कुंभे	भ.१९।१३उ.५२।७या.
११	र	५६	५९	पू	३८	१७	वै	४६	५९	ब	२४	३१	८	२२	३८	१९	२३	९	मी. २१ ४०	मृगे शुक्रः २९।२८ कमला ११ व्र.
१२	चं	६०	०	उ	४३	१०	वि	४७	२	कौ	२८	३५	११	२२	३८	२०	२४	१०	मीने	
१३	मं	०	१३	रे	४७	१	प्री	४५	५७	तै	०	१३	१४	२१	३९	२१	२५	११	मे.४७।१	कृति. रविः२६।३४ (सौरः३४।१५)
१३	बु	२	७	अ	४८	५०	अ	४३	३९	व	२	७	१७	२१	३९	२२	२६	१२	मेषे	भ.२।७उ.३२।१४या.
१४	गु	२	२०	भ	४९	३०	सौ	४०	४	श	२	२०	२०	२०	४०	२३	२७	१३	मेषे	[÷मिथुने शुक्रः५८।११
३०	शु	०	५६	कृ	४८	४७	शो	३५	२२	ना	०	५६	२३	१९	४१	२४	२८	१४	वृ.४।१९	वृषेऽर्कः ५३।४९ मार्गी बुधः १०।६ ÷

४पं.द्वि.वै. कृ. ७बु.इ. १।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	११	१	५	८	०
२०	२०	१०	०	१७	४	२१	२०
२७	३०	४३	३७	५६	३१	२	२०
२५	१८	५९	८	५६	१९	३०	५२
५८	२८	१९	१०	७३	२४	३	५७
६	१७	व.	५८	२०	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

द्वि. वैशाख कृष्णे ३० शुक्रे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४ कुभार्यवस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

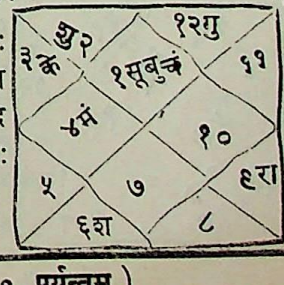

५पं.द्वि.वै.कृ.१३बु.इ. १।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	११	१	५	८	०
२७	२३	८	१	२६	४	२०	२७
२३	३१	५७	५६	२४	१५	४०	६
३७	२२	३२	५६	५०	५८	१५	६
५७	३०	३४	१०	७३	४९	३	५७
५४	४२	व.	२१	११	व.	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	द्वि.वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३०									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्ग ६६१३ स.२०१०
१	शु	५७	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	५४	४०	रो	४७	११	अ	३०	१	बा	२६	३५	३३	१९	४६	२५	२९	१५	वृषे	बृषेऽर्कः सौरः २।२ चंद्रदर्शनम्
३	र	५०	१६	मृ	४४	४०	सु	२३	५८	तै	२२	२६	२८	१८	४२	२६	१	१६	मि १५।२५	जमादि लाखर ६ परशुराम जयंति अ.३
४	चं	४५	२५	आ	४१	३८	धृ	१७	१३	व	१७	५२	३१	१८	४२	२७	२	१७	मिथुने	भ. १७।५२ उ. ४५।२५ या.
५	मं	४०	१८	पु	३८	२८	शू	१०	३४	ब	१२	५१	३४	१७	४३	२८	३	१८	क. २४।१६	
६	बु	३४	५६	पु	३५	८	गं	४	५३	कौ	७	३७	३७	१७	४३	२९	४	१९	कर्के	उभा. १ गुरू. ५९।१३
७	गु	२९	२९	श्ले	३१	४३	ध्रु	४९	४४	ग	२	१३	३९	१६	४४	३०	५	२०	सिं ३१।२६	भ.२९।२९ उ.५६।५६ या. आर्द्रा शु. ३३ ३३
८	शु	२४	२३	म	२८	२२	व्या	४२	४८	व	२४	२३	४२	१६	४४	३१	६	२१	सिंहे	[= मघा. सिंहे भौमः ५९।१६ प्रदोषः
९	श	१८	५९	पू	२४	५८	ह	३५	४६	कौ	१८	५९	४४	१५	४५	१	७	२२	कं. ३९।११	रा. ज्येष्ठारंभ
१०	र	१३	५८	उ	२१	५९	व	२९	९	ग	१३	५८	४७	१५	४५	२	८	२३	कन्यायां	भ. ४१।२५ उ. भरण्यां बुधः २०।५४
११	चं	८	५२	ह	१८	५७	सि	२२	३६	वि	८	५२	४९	१४	४६	३	९	२४	तु. ४७।४३	भ. ८।५२ या. पूषा २ राहुः आर्द्रा÷
१२	मं	४	१६	चि	१६	३०	व्य	१६	३२	बा	४	१६	५२	१४	४६	४	१०	२५	तुलायां	रोहि. रविः १७।२३ सौरः २८।१०)=
१३	बु	०	१४	स्वा	१४	३४	व	१०	५८	तै	०	१४	५४	१३	४७	५	११	२६	वृ. ५८।५५	भ. ५७।० उ० नृसिंह जयंती
१४	बु	५६	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ ४ कतुः ४०।५२ मोहिनी ११ व्र.
१५	गु	५५	३	वि	१३	४२	प	६	१०	वि	२६	१	५६	१३	४७	६	१२	२७	वृश्चिके	ग. २६।१ या. यमाय कुंभदानम्

६ पं.द्वि.बै.शु.६ बु.इ. ३०/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	११	२	५	८	१
३	२६	१०	३	४	४	२०	३
५८	४१	२९	१०	४९	५	१७	४९
३७	४०	१८	४४	४१	२	५९	४८
५७	३१	१९/०	९	७२	१२/१	३	५७
४४	१६	मा	३८	५०	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

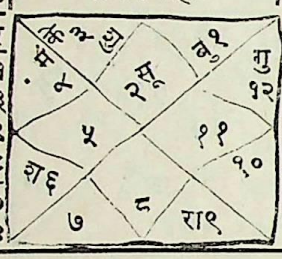

इस मास में गेहूं, जौ, चना, मटर, सरसों, बाजरा, मूंग चांवल तेज होवे। तेरह दिन का पक्ष अशुभ है धूप अधिक है हैजा आदि रोग की वृद्धि।

गोचर ग्रहाः

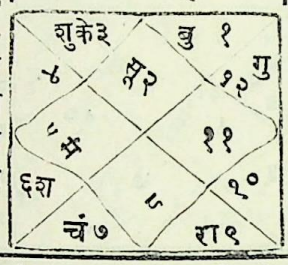

७ पं.द्वि.बै.शु. १३ बु.इ. ५/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	११	२	५	८	१
१०	०	१५	४	१३	३	१९	१०
४२	१	३७	२१	१२	५९	५५	३२
२९	१६	५१	३६	४७	४६	४३	००
५७	३२	५१	८	७२	२/३	३	५७
३५	११	२८	५०	३२	व.	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं० २०६७ शाकः १९३०									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे द्वि. वै.कृष्णेति महा.
१	शु	५४	२५	अ	१४	११	शि	३०	५७/५०	बा	२४	४४	३३/३४	१२/०	४८/४८	७	१३	२८	वृश्चिके	
२	श	५५	३२	ज्ये	१५	४९	सा	५८	३१	तै	२४	५८		१२	४८	८	१४	२९	ध. १५।४९	मार्गी शनिः ५२।४१
३	र	५७	५४	मू	१९	५	शु	५८	१	व	२६	४३	२	१२	४८	९	१५	३०	धनुषि	भ.२६।४३ उ.५७।५४ या. पातस्पर्शः ५५/३२
४	चं	६०	०	पू	२३	४८	शु	५८	५५	ब	२९	३८	३	११	४१	१०	१६	१	म. ४०।२२	पु. शुक्रः ५४/४४ पातमोक्षः ३/० चतुर्थीव्र.
४	मं	१	२३	उ	३०	२	त्र	६०	०	बा	१	२३	५	११	४९	११	१७	२	मकरे	जून ६ ता. ३०
५	बु	७	८	श्र	३६	५६	ब्र	०	३१	तै	७	८	७	११	४९	१२	१८	०	मकरे	
६	गु	१३	८	ध	४४	३३	एं	२	५१	व	१३	८	९	१०	५०	१३	१९	३	कुं. १०।४४	भ. १३।८ उ. ४६।१२ या.
७	शु	१९	१६	श	५१	५१	वै	५	१६	व	१९	१६	१०	१०	५०	१४	२०	४	कुम्भे	कृत्तिबुधः २७।३१
८	श	२५	२२	पू	५८	५८	वि	७	३५	कौ	२५	२२	१२	१०	५०	१५	२१	५	मी. ४२/१९	
९	र	३०	२३	उ	६०	०	प्री	९	२४	ग	३०	२३	१३	९	५१	१६	२२	६	मीने	वृषे बुधः ४३।२९
१०	चं	३३	५३	उ	४	४१	क्रा	१०	८	व	२	१०	१५	९	५२	१७	२३	७	मे. ९।०	भ. २।१० उ. ३३।५३ या.
११	मं	३६	८	रे	९	०	सौ	९	४५	व	५	२	१६	९	५१	१८	२४	८	मेषे	मृगे रविः १२/१६ (सौरः २७/०) अपरा ११व्र.
१२	बु	३६	२७	अ	११	२८	शि	७	५८	कौ	६	१७	१७	९	५१	१९	२५	९	वृ. २९।०	कर्के शुक्रः ११।५६
१३	गु	३४	४२	भ	१२	१६	अ	२९/१३	४५/५३	ग	५	३५	१८	८	५२	२०	२६	१०	वृषे	भ. ३४।४२ उ. प्रदोषः
१४	शु	३१	१३	कृ	११	१२	धृ	५३	४३	वि	२	५८	१९	८	५५	२१	२७	११	मि. ३६/४९	भ. २।५८ या. उभा. २ गुरुः ३४।७
२०	श	२६	२०	रो	८	४०	शू	४६	३७	ना	२६	२०	१९	८	५२	२२	२८	१२	मिथुने	रोहि. बुधः ३९/५६ पुण्ये शुक्रः ०।९ वट पू.

८ पं.ज्ये.कृ. ५ बु.इ. १।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	११	२	५	८	१
१७	३	२३	५	२१	३	१९	१७
२५	२९	३२	२५	३२	५८	३३	१२
१९	२०	५६	१२	१३	८	२८	५
५७	३३	७६	८	७२	१०/०	३	५७
२७	१५	५८	०	६	मा	११	१३

गोचर ग्रहाः

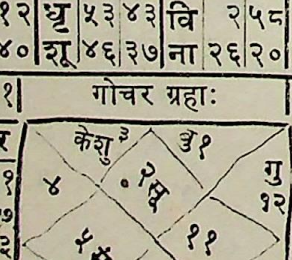

इस मास की कृष्ण पक्ष की तिथी क्षय धान्य गल्ला सोना, चांदी, गुड, सक्कर गन्ना में तेजी करेंगी वायु के साथ वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

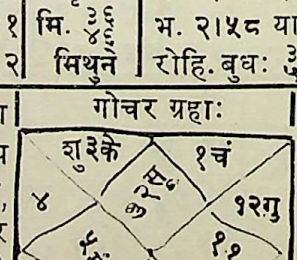

९ पं.ज्ये.कृ.१२ बु.इ: ४/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	११	२	५	८	१
२४	७	३	६	२९	४	१९	२३
७	४	५८	२२	४७	२	११	५९
१९	५९	४१	४१	४६	२९	१२	१
५७	३३	००/०	६	७१	१	३	५७
२२	५८	३०/०	४९	४४	२	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२ दि. उ. अ. हि. मु. इ. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६६४३सन् २०१०

१	र	२०	१६	मृ	४	५२	गं	३८	४७	ब	२०	१६	३४	५	५६	२३	२९	१३	मिथुने
२	चं	१३	२८	आ	१३	५५	बृ	३०	५३	कौ	१३	२८	२१	८	५२	२४	११	१४	क. ३५
३	मं	६	३९	पु	५०	३६	धु	२२	१७	ग	६	३९	२१	८	५२	२५	२१	५	कर्क
४	मं	५२	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	बु	५३	२	श्ले	४५	५६	व्या	१४	४	ब	२६	२०	२२	८	५२	२६	३	१६	सिं. ५६
६	शु	४७	१	म	४१	४७	ह	१२	५२	कौ	२०	१	२२	८	५२	२७	४	१७	सिंहे
७	शु	४१	१८	पू	३८	५	सि	५१	३८	ग	१४	१०	२२	७	५३	२८	५	१८	कं. ५२।२७
८	श	३६	३०	उ	३५	३२	व्य	४५	१६	वि	८	५४	२३	७	५३	२९	६	१९	कन्यायां
९	र	३२	१४	ह	३३	०	व	३९	३२	बा	४	२२	२३	७	५३	३०	७	२०	कन्यायां
१०	चं	२८	५६	चि	३१	३८	प	३५	२२	तै	०	३५	२४	७	५३	३१	८	२१	तु. २।१९
११	मं	२६	१३	स्वा	३१	०	शि	२९	५२	वि	२६	१३	२४	७	५३	१	९	२२	तुलायां
१२	बु	२४	३२	वि	३१	१९	सि	२६	४	बा	२४	३२	२४	७	५३	२	१०	२३	वृ. १५।१४
१३	गु	२३	५३	अ	३२	२१	सा	२३	१६	तै	२३	५३	२४	७	५३	३	११	२४	वृश्चिके
१४	शु	२४	१३	ज्ये	३४	३८	शु	२१	४	व	२४	१३	२४	७	५३	४	१२	२५	ध. ३४।३८
१५	श	२५	५५	मू	३८	१४	शु	२०	१६	ब	२५	५५	२३	७	५३	५	१३	२६	धनुषि

भ. ३८ उ. ५९ या. मिथुनऽर्कः १० (सौरः २७)

चंद्र दर्शनम्
रज्जव ७
मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ६ प्रगलभावसथा (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चियाम् ।
बुधास्तः पूर्वस्यां २५।१
भ. ४१।१८उ.
भ. ८।५४या. मृगे बुधः ३४।५
पूफा. भौमः ५२।५५
भ. ५७।३४ उ. गंगादशमी
भ. २६ या. आर्द्रा. रविः ६५ (सौरः २९) +
आश्ले. शुक्रः २८।२४प्रदोषः
[+मिथुने बुधः ३९ रा. आषाढारंभेः ÷
भ. २४ उ. ५५।४या. [÷ निर्जला ११व्र.
आर्द्रा. बुधः ४।५५ गुर्जराणा वट सावित्रीव्र.

१० पं. ज्ये. शु. ५ बृ. इ. १।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	११	३	५	८	२
०	१०	१६	७	७	४	१८	१०
४८	४७	२५	१३	५९	११	४८	३२
३६	५३	१	४८	५६	३१	५७	१०
५७	३४	३९	६	७१	१	३	५६
१७	४९	१४	५	१०	३५	११	५७

गोचर ग्रहाः

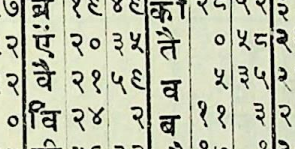

गोचर ग्रहाः

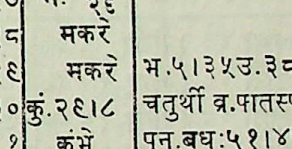

११ पं. ज्ये. शु. १२ बु. इ. ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	११	३	५	८	२
७	१४	०	७	१६	४	१८	७
२९	३५	४२	५७	८	२७	२६	१०
३१	४६	५०	०	२८	८	४१	३७
५७	३५	५९	४	७०	२	३	५६
१३	२०	५६	५८	४०	२०	११	५४

ज्येष्ठ शुक्ले ३ भौमे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ६ प्रगलभावसथा (बैठी, मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चियाम् ।

ति. आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२ दि. उ. अ. भा मु इं. चन्द्रः वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेति महा०

१	र	२८	५२	पू	४२	५७	ब्र	१९	४९	कौ	२८	५२	३४	७	५६	६	१४	२७	म. २९
२	चं	३३	४	उ	४८	५२	ऐं	२०	३५	तै	०	५८	२२	८	५२	७	१५	२८	मकरे
३	मं	३८	७	श्र	५५	२२	वै	२१	५९	व	५	३५	२२	८	५२	८	१६	२९	मकरे
४	बु	४४	०	ध	६०	०	वि	२४	२	ब	११	३	२१	८	५२	९	१७	३०	कुं. २९।८
५	गु	५०	२	ध	२	५५	प्री	२६	३२	कौ	१७	१	२०	८	५२	१०	१८	१	कुंभे
६	शु	५६	१६	श	१०	२६	आ	२९	९	ग	२३	९	१९	८	५२	११	१९	२	कुम्भे
७	श	६०	०	पू	१७	५६	सौ	३१	२७	वि	२९	३	१८	८	५२	१२	२०	३	मी. १।४
७	र	१	४९	उ	२४	३४	शो	३२	५५	ब	१	४९	१७	९	५१	१३	२१	४	मीने
८	चं	६	१४	रे	३०	५	अ	३३	३४	कौ	६	१४	१६	९	५१	१४	२२	५	मे. ३०।५
९	मं	९	९	अ	३४	१०	सु	३२	४४	ग	९	९	१५	९	५१	१५	२३	६	मेषे
१०	बु	१०	७	भ	३६	०	धृ	३०	२५	वि	१०	७	१४	९	५१	१६	२४	७	वृ. ५०।५८
११	गु	९	६	कृ	३५	५०	शू	२६	२७	बा	९	६	१३	९	५१	१७	२५	८	वृषे
१२	शु	६	४	रो	३३	५३	गं	२०	५८	तै	६	४	११	१०	५०	१८	२६	९	वृषे
१३	श	१	५	मृ	३०	११	बृ	१४	४	व	१	५	१०	१०	५०	१९	२७	१०	मि. २।२
१४	श	५३	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२०	र	४६	३९	आ	२४	५८	धु	५०	५५	च	२०	२९	८	१०	५०	२०	२८	११	मिथुने

भ. ५।३५उ. ३८।७या.
चतुर्थी व्र. पातस्पर्शः १३।१५ पातमोक्षः ३७
पुन. बुधः ५१।४५ जौलाई ७ ता. ३१
भ. ५६।१६उ.
भ. २९।३या.
मधा. सिंहे शुक्रः ९।१७
भ. ३९ उ. पुन. रविः ५५ (सौरः ३३।२३) ×
भ. १०।७या. पातस्पर्शः ३५।१०
पुष्ये बुधः २६ पातमोक्षः ० ३१ योगिनी ११व्र.
प्रदोषः [×कर्के बुधः ३५।२०
भ. १ उ. ३५ या. बुधोदयः पश्चिमायां ३।१५

१२ पं. आ. कृ. ४ बु. इ. १।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	११	३	५	८	२
१४	१८	१६	८	२४	४	१८	१३
९	३०	४	३१	१०	४३	४	४८
५२	१४	८	५२	५२	४८	२५	४२
५७	३६	३९	३	३९	३	३	५६
७	१०	२६	५२	५६	१	११	५०

गोचर ग्रहाः

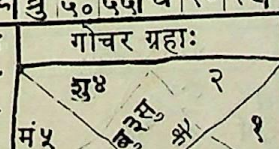

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर कुछ मंदे होवे तथा धातु सोना चांदी तांबा लोहा गुड़ सक्कर चीनी तेज होवे । खंड वर्षा होगी ।

गोचर ग्रहाः

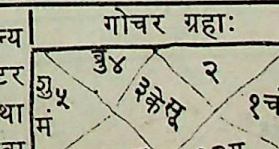

१३ पं. आ. कृ. १० बु. इ. १३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	११	४	५	८	२
२०	२२	०	८	२	५	१७	२०
५०	२८	५०	५८	९	५४	२२	२६
२४	२६	४६	१९	७	३१	१०	३६
५७	३६	३९	२	६९	३	३	५६
७	२७	२५	३४	२	३२	११	५०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	अषाढ शुक्लपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३२									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षतू रविर्दक्षिणेऽहर्ग६६७२ स.२०१०
१	चं	३८	४	पु	१८	५३	ह	४७	८	किं	१२	२१	३ ७	१५	४६	२१	२९	१२	क. ५।२५
२	मं	२९	१९	पु	१२	२५	व	३७	१९	बा	३	४१	५	११	४९	२२	३०	१३	कर्के
३	बु	२०	४९	श्ले	४ ७	५ ३	सि	२७	४१	ग	२०	४९	३	११	४९	२३	१	१४	सिं. ५।४७
४	गु	१२	४२	पू	५४	१	व्य	१८	१७	वि	१२	४२	१	१२	४८	२४	२	१५	सिंहे
५	शु	५	३९	उ	४९	४३	ब	१०	५	बा	५	३९	३ ६	१२	४८	२५	३	१६	कं. ७।५६
६	शु	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
७	श	५४	५३	ह	४६	४०	प	३ २	२ ५	ग	२७	१३	५७	१३	४७	२६	४	१७	कंन्यायां
८	र	५१	२२	चि	४४	५६	सि	५०	४१	वि	२३	८	५५	१३	४७	२७	५	१८	तु. १५।४७
९	चं	४९	९	स्वा	४४	३२	सा	४६	१९	बा	२०	१५	५२	१४	४६	२८	६	१९	तुलायां
१०	मं	४८	१६	वि	४५	१२	शु	४३	४	तै	१८	४३	५०	१४	४६	२९	७	२०	वृ. ३०।२
११	बु	४८	४८	अ	४७	१२	शु	४०	४१	व	१८	२९	४८	१४	४६	३०	८	२१	वृश्चिके
१२	गु	५०	२२	ज्ये	५०	१९	ब्र	३९	१३	ब	१९	५९	४५	१५	४५	३१	९	२२	ध ५०।१९
१३	शु	५२	५९	मू	५४	४१	ऐं	३८	५३	कौ	२१	४०	४३	१५	४५	१	१०	२३	धनुषि
१४	श	५६	४३	पू	६०	०	वै	३९	३	ग	२४	५१	४०	१६	४४	२	११	२४	धनुषि
१५	र	६०	०	पू	०	३	वि	३९	४९	वि	२९	३	३८	१६	४४	३	१२	२५	म.१६।३५
१५	चं	१	१७	उ	६	१०	प्री	४१	३१	ब	१	१७	३५	१७	४३	४	१३	२६	मकरे

१४ पं.आ.शु. ३ बु. इ. १।२०							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	११	४	५	८	२
२७	२६	१४	९	१०	५	१७	२७
३०	३१	११	१४	०	३३	१९	४
४३	५५	५०	५३	२९	४०	५४	४३
५७	३७	० ९	१	६८	४	३	५६
११	१	२९	१५	७	१६	११	५४

गोचर ग्रहाः

अषाढ़ शुक्ले ५ शुक्रे कर्कार्कः प्रविष्ठः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. धान्यादि भावे समर्घता शुक्रो दयऽ पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

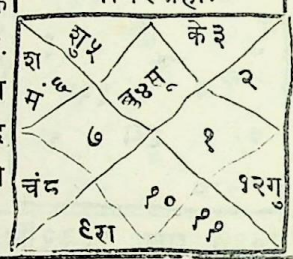

१५ पं.आ.शु. ११ बु. इ. १।१२							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	११	४	५	८	३
४	०	२६	९	१७	६	१६	३
११	३९	०	२३	४४	४	५७	४३
२८	१८	११	२४	३८	३४	३९	१०
५७	३७	० ९	०	६६	४	३	५६
१५	४७	५६	१४	५८	४३	११	५८

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षतू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णैतिमहाराष्ट्राः
१	मं	६	३७	श्र	१२	५०	आ	४३	३२	कौ	६	३७	३ ३	१७	४६	५	१४	२७	कुं. ४९
२	बु	१२	४०	ध	२०	९	सौ	४६	१०	ग	१२	४०	३०	१८	४२	६	१५	२८	कुंभे
३	गु	१८	४०	श	२७	३७	शो	४८	३२	वि	१८	४०	२७	१९	४१	७	१६	२९	कुम्भे
४	शु	२४	४९	पू	३५	१४	अ	५१	२	बा	२४	४९	२४	१९	४१	८	१७	३०	मी. २८
५	श	३०	३५	उ	४२	१८	सु	५३	४	तै	३०	३५	२२	२०	४०	९	१८	३१	मीने
६	र	३५	२९	रे	४८	३५	धृ	५४	२१	ग	३	२	१९	२०	४०	१०	१९	१	मे.४८।३५
७	चं	३९	९	अ	५३	४१	शू	५४	३५	वि	७	१९	१६	२१	३९	११	२०	२	मेषे
८	मं	४१	२४	भ	५७	८	गं	५३	४१	बा	१०	१६	१३	२१	३९	१२	२१	३	मेषे
९	बु	४१	३७	कृ	५८	४१	वृ	५१	१४	तै	११	३०	१०	२२	३८	१३	२२	४	वृ. १२।३१
१०	गु	३९	५४	रो	५८	७	ध्रु	४७	१७	व	१०	४५	७	२३	३७	१४	२३	५	बृश्चिके
११	शु	३५	५७	मृ	५५	४६	व्या	४१	३२	व	९	५५	४	२३	३७	१५	२४	६	मी. २६
१२	श	३०	६	आ	५२	२०	ह	३४	२३	कौ	३	१	०	२४	३६	१६	२५	७	मिथुने
१३	र	२२	४७	पु	४५	३५	व	२५	४७	व	२२	४७	३२	२५	३५	१७	२६	८	कं. ३२।१७
१४	चं	१४	३	पु	३८	४४	सि	१६	८	श	१४	३	५५	२५	३५	१८	२७	९	कर्के
३०	मं	४	२३	श्ले	३१	१	व्य	४४	५ ९	ना	४	२३	५०	२६	३४	१९	२८	१०	सिं ३१।१

हरियाली

१६ पं.श्रा.कृ. २ बु. इ. १।३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	११	४	५	८	३
१०	४	६	९	२५	६	१६	१०
५२	५१	१५	२२	१९	३९	३५	२२
३०	१८	५८	२६	३७	१४	२३	२७
५७	३८	७६	१ ६	६५	५	३	५७
३०	४	६	व	३१	१०	११	५

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य जौ चना मटर धातु लोहा चांदी सक्कर तेज होकर मंदे होवेंगे, वर्षा विषम होगी ।

गोचर ग्रहाः

१७ पं. श्रा.कृ. ९ बु. इ. ०।५५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	११	५	५	८	३
१७	९	१४	९	२	७	१६	१७
३४	७	४८	११	४५	१७	१३	२
१२	३७	१८	१७	४०	६	७	१५
५७	३८	५९	३ ४	६३	५	३	५७
२५	३८	५०	व	५०	३६	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७०१ स.२०१०
१	मं	५०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	४४	५७	म	२३	२७	प	४४	१६	बा	१९	४७	३२ ४७	२५ २७	३३ ३३	२० २९ ११	सिंहे हस्ते शुक्रः १।४३ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	शु	६६	१	पू	१५	४९	शि	३४	२	तै	१०	२९	४४	२७	३३	२१ १ १२	कं ३१।४६ रमजान ९ तीज
४	शु	२८	९	उ	९	४०	सि	२४	२५	व	२	५	४०	२८	३२	२२ २ १३	कन्यायां भ.२।५ उ.२८।९ या. वरद ४
५	श	२१	४०	ह	४	४०	सा	१६	१३	बा	२१	४०	३७	२९	३१	२३ ३ १४	तु.३२।५२ नाग पंचमी
६	र	१६	५६	चि	५५	५८	शु	९	२५	तै	१६	४०	३३	२९	३१	२४ ४ १५	तुलायां [श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनं भद्रोतरम्
७	चं	१३	५४	वि	५९	१६	शु	५ ३५	३८	व	१३	५४	३०	३०	३०	२५ ५ १६	वृ. ४४ १९ भ. ५३ उ. ४३ या. मघा सिंहेऽर्क. ३९
८	मं	१२	४०	अ	६०	०	ऐं	५६	५२	ब	१२	४०	२६	३१	२९	२६ ६ १७	मघा. सिंहेऽर्क. सौरः ३४।० वृश्चिके
९	बु	१३	१७	अ	१	१	वै	५५	२३	कौ	१३	१७	२२	३२	२८	२७ ७ २८	वृश्चिके
१०	शु	१५	१९	ज्ये	४	२३	वि	५५	१३	ग	१५	१९	१९	३२	२८	२८ ८ १९	ध.४।२३ भ. ४७।१ उ.
११	शु	१८	४३	म	८	५६	प्री	५५	५३	वि	१८	४३	१५	३३	२७	२९ ९ २०	धनुषि भ.१८।४३ या. पवित्रा ११ व्र.
१२	श	२३	१०	पू	१४	३७	आ	५७	७	बा	२३	१०	१२	३४	२६	३० १० २१	म.३१।० वक्री बुधः १७।१४ प्रदोषः
१३	र	२८	२९	उ	२०	१०	सौ	५९	०	तै	२८	२९	८	३४	२६	३१ ११ २२	मकरे
१४	चं	३४	१०	श्र	२८	१३	शो	६०	०	ग	१	१९	४	३५	२५	१ १२ २३	मकरे भ.३४।१० उ. रा. भाद्रपदारंभः
१५	मं	४०	१९	ध	३५	३३	शो	०	५८	वि	७	१४	१	३६	२४	२ १३ २४	कुं.१।५३ भ. ७।१४ या. चित्रा. शुक्रः ४२।१ ×

१८पं.श्रा.शु.२बु.इ. ०।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	११	५	५	८	३
२४	१३	२१	८	९	७	१५	२३
१६	२६	१६	५१	५९	४८	५०	४२
३७	५३	५८	२२	२	५	५२	२२
५७	३९	४४	४७ ३६	६१	६	६	५७
३३	१०	४७	व. ४८	०	११	२२	

गोचर ग्रहाः

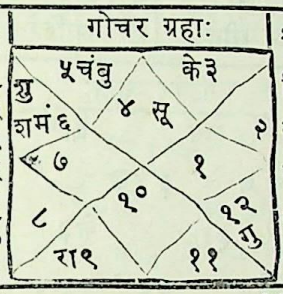

श्रावण शुक्ले ७ चंद्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ बालावस्था(बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

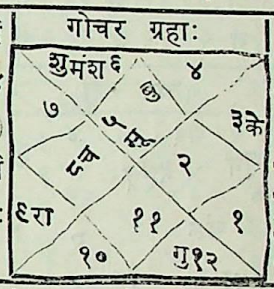

१७पं.श्रा.शु. १३चं.इ. ४५/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	११	५	५	८	४
०	१७	२४	८	१६	८	१५	०
५९	५२	५५	२२	५७	४२	२८	२५
५३	२६	५	१९	२	२९	३६	३५
५७	३९	२८	५६ ४	५९	६	३	५७
४०	३५	१७	व. २५	२०	११	३४	

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	बु	५६	१७	श	४२	५९	अ	३	२७	बा	१३	१८	३१ ३७	३७ ३७	३३ ३३	३ १४ २५	कुंभे [+जन्माष्टमी व्र. स्मा.
२	गु	५२	२६	पू	५०	५०	रु	५	५०	तै	१९	२२	५३	३७	२३	४ १५ २६	मी३३।५२ चित्रा. भौमः ३०।३२
३	शु	५७	५३	उ	५७	२६	धृ	८	११	व	२५	९	४९	३८	२२	५ १६ २७	मीने. भ. २५ उ.५७ या. बुधास्त. पश्चिमायां ३५/१९
४	श	६०	०	रे	६०	०	शू	१०	८	ब	३०	१७	४६	३९	२१	६ १७ २८	मीने चतुर्थी व्रतम्
५	र	२	४१	रे	३	४६	गं	११	३१	बा	२	४१	४२	४०	२०	७ १८ २९	मे.३।४६ हस्त. १ शनिः ४२।२५
६	चं	६	४०	अ	९	१९	वृ	१२	९	तै	६	४०	३८	४०	२०	८ १९ ३०	मेषे पूफा. रविः ४७।५८ चन्द्रषष्ठी
७	मं	८	१९	भ	१३	२९	धु	१२	४	व	८	१९	३४	४१	१९	९ २० ३१	वृ.२९।२२ भ.८।१९ उ. ३९/३२ या.पूफा.रविःसौरः २५/१५
८	बु	१०	४४	कृ	१६	३२	व्या	१०	४४	ब	१०	४४	३०	४२	१८	१० २१ १	वृषे तुलायां शुक्रः९।४ सितम्ब ९ ता.३० +
९	गु	१०	२४	रो	१७	५१	ह	८	१५	कौ	१०	२४	२६	४३	१७	११ २२ २	मि४७।४२ जन्माष्टमी व्र. वै.
१०	शु	८	५	मृ	१७	३३	व	९ ५४	५४ ३५	ग	८	५	२२	४४	१६	१२ २३ ३	मिथुने भ.३६।२ उ. गोगा ९ [*११व्र.स्मा.
११	श	३	५९	आ	१५	८	व्य	५१	३७	वि	३	५९	१८	४४	१६	१३ २४ ४	क.५७।९ भ.३९ या.वक्रीउभा.१गुरुः २५० अजा * [×वत्सद्वादशी
११	श	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	
१२	र	५१	५२	पु	११	९	ष	४३	२६	कौ	२५	१	१५	४५	१५	१४ २५ ५	कर्के तुलायां भौमः५३।१२ अज ११ व्र. वै. ×
१३	चं	४२	१३	पु	२३	५५	प	३४	१	वि	१७	३	११	४६	१४	२५ २६ ६	सिं५८।४७ भ.४२।१३ उ. प्रदोषः
१४	मं	३२	३३	म	५१	७	शि	२३	४६	ग	७	२३	७	४७	१३	१६ २७ ७	सिंहे भ.७।२३ या. वक्री मघायांबुधः ४२।४०
१५	बु	२२	३७	पू	४३	१२	सि	१२	५०	ना	२२	३७	३	४७	१३	१७ २८ ८	कुं.५६।१८ कुशा ग्रहणी पिठोरी ३० मन्वादिः

२० पं.भा.कृ.१ बु.इ. ०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	११	२	५	८	४
३७	२२	२४	७	२३	९	१५	७
४४	१९	३६	४४	३७	२७	६	९
२०	४१	७	३५	८	७	२१	४
५७	४०	३२ ३८	३९	६	३	५७	
४९	१	व.	वं.	४७	३३	११	४५

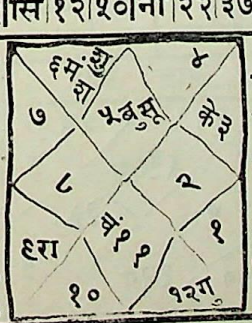

२१पं.भा.कृ.७बु.इ. ०।१९

रा	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	११	५	५	८	४
१४	६	१९	७	२९	१०	१४	१४
०	५१	१९	०	५२	१५	४४	५४
३०	५०	८	३२	२२	२२	५	१६
५८	४०	३३ ३४	४५	५१	६	३	५७
१	१९	वा	व.	२३	५०	११	५७

२२पं.भा.कृ३०बु.इ.०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	११	६	५	८	४
२१	१	१३	६	५	११	१४	२०
१७	२५	५	१०	३७	४	२१	४०
२	५९	१७	४८	२३	१२	४९	५६
५८	४०	५० २८	२८	४६	५	३	५८
१३	२८	व.	व:	२४	२	११	१३

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७३१स.२०१०

१	गु	१२	३७	उ	३५	६५	सा	५८	१६	ब	१२	३७	५९	४८	१३	१८	२९	९	कन्यायां	स्वात्यां शुक्रः २१।८ चंद्रदर्शनम्
२	शु	२	२६	ह	२८	४७	झ	४१	२४	कौ	२	२६	५५	४९	११	१९	१	०	तु.५६।१	बुधोदयः पूर्वस्यां ३९।१७ सव्वाल १०÷
३	शु	५२	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१०	०	०	[÷हरितालिका ३
४	श	४९	८	चि	२३	१६	ब्र	३२	२८	व	२२	१६	५१	५०	१०	२०	२	११	तुलायां	भ.२२।१६ उ. ४९।८ या. गणेश चतुर्थी
५	र	४४	३१	खा	२०	२३	ऐं	२५	२	ब	१६	५०	४७	५१	९	२१	३	१२	तुलायां	मार्गी बुधः ५७।२६ ऋषि पंचमी
६	चं	४१	५६	वि	१९	३५	वै	१९	१४	कौ	१३	१३	४३	५१	९	२२	४	१३	वृ. १७।३	उफा.रविः ३२।२३
७	मं	४१	४३	अ	१७	४४	वि	१५	७	ग	११	४९	३९	५२	८	२३	५	१४	वृश्चिके	भ.४१।४३ उ. उफा. रविः सौरः ९।३१
८	बु	४३	१४	ज्ये	२०	०	प्री	१२	२६	वि	१२	२८	३५	५३	७	२४	६	१५	ध.२०। ०	भ.१२।२८ या. स्वात्यां भौमः ५१।१०
९	गु	४६	३३	मृ	२३	५१	आ	११	२५	वा	१४	५१	३१	५४	६	२५	७	१६	धनुषि	कन्या यामर्कः ५७।४४ अस्तं शनिः ३३
१०	शु	५१	१६	पू	२९	२२	सौ	११	५३	तै	१८	५५	२७	५५	५	२६	८	१७	म.४६।१	कन्यार्कःसौरः३४।४२रामदवजीकामेला×
११	श	५६	५८	उ	३५	५६	शो	१२	५५	व	२४	८	२२	५६	४	२७	९	१८	मकरे	भ.२४.८ उ.५६।५८या.जल झूलनी ११व्र.
१२	र	६०	०	श्र	४२	४५	अ	१४	५३	व	३०	०	१८	५६	४	२८	१०	१९	मकरे	पूफा. बुधः १७।१४ वामन जयंती
१३	चं	३	२	ध	५०	४७	सु	१७	५	वा	३	२	१४	५७	३	२९	११	२०	कु १७।१६	प्रदोषः [×नवल दुर्गे
१४	मं	९	२८	श	५८	२५	धृ	१९	३१	तै	९	२८	९	५८	२	३०	१२	२१	कुम्भे	[Aसंध्या. पूजनारंभः
१५	बु	१५	३४	पू	६०	०	शू	२१	४९	व	१५	३४	५	५९	१	३१	१३	२२	मी.४८	भ.१५।३४ उ. ४८।२९ या. अनंत १४
१५	गु	२१	२४	पू	५	३१	गं	२४	२२	ब	२१	२४	३०	०	६	०	१	१४	२३	मीने	रा. आश्विनारंभः महालयारंभः कु .A

२३भा.शु. ८ बु. इ. ०।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	११	६	५	८	४
२२	६	११	५	१०	११	१३	२७
५	५	५४	१६	३९	५४	५९	२९
२४	६	४३	१९	१६	४	३४	१५
५८	४०	२०	४८	५९	३९	७	३	५८
२६	५६	.मा	ब.	५५	१०	११	२९

गोचर ग्रहाः

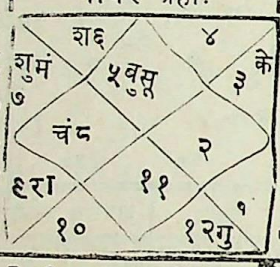

भाद्रपद शुक्ले ९ गुरौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

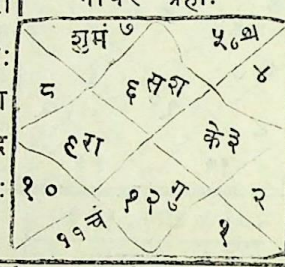

३पं.वै शु.३ चं.इ. ४५।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	११	६	५	८	५
४	१०	१६	४	१४	१२	१३	४
५५	४५	४४	२२	५७	४५	३७	१९
१६	३२	५६	१६	५४	४३	१८	२२
५८	४१	७५	५३	२९	७	३	५८
३८	२२	३७	ब.	४१	२०	११	४५

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणे भा.कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	शु	२६	२६	उ	२२	२५	बृ	२५	४	कौ	२६	२६	२९	६	५९	२	१५	२४	मीने	[×४ राहुःआर्द्रा.२ केतुः२६।२६
२	श	३०	५२	रे	१८	१९	धु	२६	४३	ग	३०	५२	५२	२	५८	३	१६	२५	मे १८।१९	[Aप्रदोषः[÷चतुर्थीव्र. [Bहतानां श्राद्धम्
३	र	३४	५	अ	२३	३५	च्या	२७	८	ब	२	२८	४८	२	५८	४	१७	२६	मेषे	भ.२।२८उ ३४।५या. हस्त२ शनिः ३९÷
४	चं	३६	४०	भ	२७	४७	ह	२६	५२	ब	५	२२	४४	३	५७	५	१८	२७	वृ. ३३	हस्ते रविः १०।५३ (सौरः ४६।१२) मुल×
५	मं	३७	५९	कृ	३०	५९	व	२५	३८	कौ	७	१८	४०	४	५६	६	१९	२८	वृषे	उफा.बुधः १८।५०
६	बु	३८	६	रो	३३	०	सि	२३	३६	ग	८	१	३६	५	५५	७	२०	२९	वृषे	भ.३८।६उ. वक्री पूभा. ४ गुरुः ४८।३३
७	गु	३६	५५	मृ	३३	५२	व्य	२०	३०	वि	७	३१	३२	६	५४	८	२१	३०	मि. २९	भ. ७।३१ या. कन्यायां बुधः १६।५७+
८	शु	३४	१४	आ	३३	१४	व	१६	१८	वा	५	३५	२८	६	५४	९	२२	१	मिथुने	अक्टूबर १० ता. ३१
९	श	३०	१५	पु	३१	८	प	१०	५०	तै	२	१६	२३	७	५३	१०	२३	२	क. ५६	भ.५७।३५उ.मातृ९(सौभाग्यवतीनां श्रा)
१०	र	२४	५५	पु	२७	३९	शि	५	३८	वि	२४	५५	१९	८	५२	११	२४	३	कर्क	भ. २४।५५या.
११	चं	१८	४	श्ले	२२	५६	सा	४८	११	चा	१८	४	१५	९	५१	१२	२५	४	सिं. ५९	वक्री शुक्रः ५५।४९इंदिरा ११व्र.
१२	मं	१०	१७	म	१७	४	शु	३८	४२	तै	१०	१७	११	१०	५०	१३	२६	५	सिंहे	हस्ते बुधः ५१।१२विशा. भौमः २९।२३
१३	बु	१	३१	पू	१०	२५	शु	२८	३७	व	१	३१	७	११	४९	१४	२७	६	क. २३।३८	भ.१।३१उ.२६।५८या., शस्त्रादि
१४	बु	५०	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+बुधास्तः पूर्वस्यां २०।४०
३०	गु	४३	२५	उ	१७	३३	ब्र	१८	५	च	१७	५५	३	११	४९	१५	२८	७	कन्यायां	सर्व पितृ ३०

२५पं.आ.कृ.५मं.इ.५९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	११	६	५	८	५
११	१५	२७	३	१७	१३	१३	११
४६	३१	४९	२६	५०	३८	१५	११
५२	५५	१६	२४	११	२८	३	२२
५८	४१	०	५३	१७	७	३	५९
५३	३४	३५	ब.	२५	२०	११	००

गोचर ग्रहाः

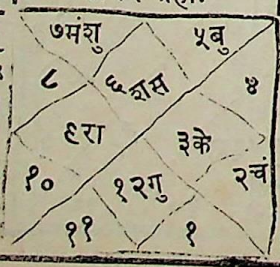

इस मास में शनिवार का चन्द्रदर्शन चांदी स्वर्ण लोहा रुई आदि में अच्छी तेजी करेगा धान्य मंदे होकर तेज हो प्रजा में पीड़ा हो।

गोचर ग्रहाः

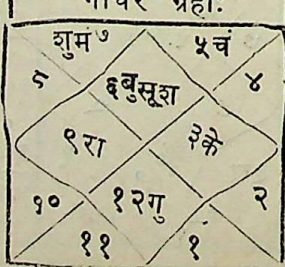

२६गं.आ.कृ.१२मं.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	११	६	५	८	५
१८	२०	१०	२	१९	१४	१२	१८
४०	२१	१४	३३	१६	३०	५२	५
८	११	५६	०	३४	७	४७	९
५२	४२	०	१६	३	७	३	५९
९	५	१९	व.	व.	२०	११	१६

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७६०स.२०१०

| | | |

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणेऽर्हगणः ६७९०स.२०१०

१	र	३	१३	वि	७	४	सौ	३	८	५३	२०	ब	३	१३	२७	५	३५	६	२५	१६	२९	७	वृश्चिके	अनु.बूधः ९।४९ बुधोदयः पश्चिमायां =
२	र	५५	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[= ४६।३४ चन्द्रदर्शनम् भातृ २ यम २
३	चं	५६	४५	अ	४	२८	अ	५	३	४१	तै	२७	५२	२	३	६	२४	१७	१	८	वृश्चिके	जिल्हेज १२
४	मं	५६	१३	ज्ये	३	३७	सु	४	९	४१	व	२६	२९	२६	३	६	२४	१८	२	९	ध. ३।३७	भ. २६।२९ उ. ५६।१३ या.
५	बु	५८	१	मू	४	४१	धृ	४	७	४७	ब	२७	७	५५	३	७	२३	१९	३	१०	धनुषि	
६	गु	६०	०	पू	६	४७	शू	४	७	१३	कौ	२९	४७	५२	३	८	२२	२०	४	११	भ. २३।२०	ज्येष्ठा भौमः ५६।३९
६	शु	१	३१	उ	११	४६	गं	४	७	३२	तै	१	३१	४९	३	८	२२	२१	५	१२	मकरे	[Lमार्गी गुरुः २०।५१ वैकुंठ १४
७	श	६	३५	श्र	१९	१९	वृ	४	९	९	व	६	३५	४५	३	९	२१	२२	६	१३	कुं ५२।४९	भ. ६।३५ उ. ३९।३५ या.
८	र	१२	३५	ध	२६	२०	ध्रु	५	१	१८	ब	१२	३७	४२	४	०	२०	२३	७	१४	कुंभे	गोपाष्टमी
९	चं	१९	७	श	३४	२	व्या	५	३	३४	कौ	१९	७	३९	४	०	२०	२४	८	१५	कुंभे	कुष्माड ९ अक्षय ९
१०	मं	२५	२४	पू	४१	१६	ह	५	५	४३	ग	२५	१९	३६	४	१	१९	२५	९	१६	मी. ३५	भ. ५८।२२ उ. वृश्चिकेऽर्कः २५।१७ ÷
११	बु	३१	१९	उ	४८	२५	व	५	७	२२	वि	३१	१९	३३	४	१	१९	२६	१०	१७	मीने	भ. ३१ या प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी वि.
१२	गु	३६	४	रे	५४	८	सि	५	८	२७	ब	३	४२	३०	४	२	१८	२७	११	१८	मे. ५४।८	[÷ (सौरः ५३।१४) ज्येष्ठा बुधः ६।२७
१३	शु	३९	३२	अ	५८	३७	व्य	५	७	५६	कौ	७	४८	२७	४	३	१७	२८	१२	१९	मेषे	अनु. रविः ४३ मार्गी शुक्रः २५ प्रदोषः
१४	श	४१	३७	भ	६०	०	व	५	६	३०	ग	१०	३४	२५	४	३	१७	२९	१३	२०	मेषे	भ. ४१।३७ उ. अनु. रविः सौरः १०।२L
१५	र	४२	१२	भ	१	५२	प	५	४		वि	११	५४	२२	४	४	१६	३०	१४	२१	वृ. १७।१७	भ. ११।५४ या मन्वादिः का. स्ना. पू.

३१पं.का.शु.४मं.इ.५८।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	१०	६	५	८	६
२३	१५	७	२९	५	१८	११	२३
३०	१४	४७	४१	१५	३७	१	१
५०	१७	२	३१	४	१	२९	१५
६०	४३	९४	१०	३३	६	३	६०
१७	३५	५४	व.	व.	२६	११	३०

गोचर ग्रहाः

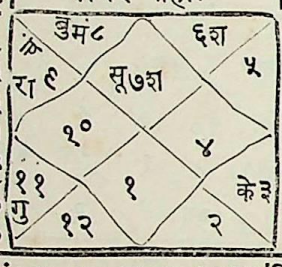

कार्तिक शुक्ले १० भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टःवा.३न३प्रौढा वस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

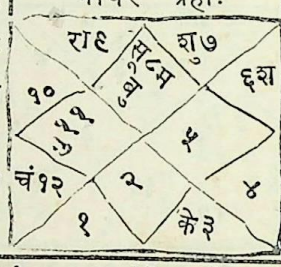

३२पं.का.शु. १०मं.इ. ५८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१०	६	५	८	७
०	२०	१७	२९	३	१९	१०	०
३३	२२	५५	३३	२८	२१	३९	५
२९	५	५९	५०	५०	३६	१३	१९
६०	४३	८७	४०	१७	६	३	६०
३०	५०	४२	व.	व.	१४	११	४०

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमततूं रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महा.

१	चं	४१	२१	कृ	३	३५	शि	५	०	२३	ग्रा	११	४६	२६	४	६	५	१	१५	२२	वृषे	रा. मार्गशीर्षारंभः
२	मं	३९	३३	रो	४	६	सि	४	६	१२	तै	१०	२०	१७	४	५	१५	२	१६	२३	मि ३३।४६	हस्त. ४ शनिः २०।०
३	बु	३६	३५	मृ	३	२६	सा	४	१	५	ब	८	८	१४	४	५	१५	३	१७	२४	मिथुने	भ. ८।८ उ. ३६।३५ या.
४	गु	३३	१२	आ	३	११	शु	३	५	२८	ब	४	२९	१२	४	६	१४	४	१८	२५	क. ४५।४९	मूल धनुषि बुधः ४८।३२ चतुर्थी व्र.
५	शु	२९	९	पु	३	५७	शु	२	९	१०	कौ	१	१०	९	४	६	१४	५	१९	२६	कर्के	
६	श	२४	५९	श्ले	५	५३	ब्र	२	२	४६	व	२४	५९	७	४	७	१३	६	२०	२७	सिं ५५।५३	भ. ५९ उ. ५२ या. अस्तो भौमः ३०
७	र	२०	१७	म	५	१	५०	ऐं	१	६	१	ब	२०	१०	५	४	७	१३	७	२१	२८	सिंहे
८	चं	१५	२२	पू	४	८	२४	वै	९	२	कौ	१५	२२	२	४	८	१२	८	२२	२९	सिंहे	मूले धनुषि भौमः ५३ मूल ३ राहुः ×
९	मं	१०	३८	उ	४	४	४६	वि	१	५२	३५	ग	१०	३८	०	४	८	१२	९	२३	३०	कं. २।२९	भ. ३७।४१ उ.
१०	बु	४	४४	ह	४	१	२	आ	४	६	४०	वि	४	४४	२५	४	८	१२	१०	२४	१	कन्यायां	भ. ४।४४ या. स्वात्यां शुक्रः २७।१३ A
११	बु	५	४	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[Aदिसम्बर १२ता. ३१ उत्पत्ति ११व्र.स्मा.
१२	गु	५	३	४६	चि	३८	१४	सौ	३	१०	कौ	२६	३१	५६	४	९	११	११	२५	२	तु. ९।३८	ज्येष्ठा रविः ५३।४४ उत्पत्ति ११ व्र. वै.
१३	शु	४	४१	स्वा	३	३	३८	शो	३	१	५८	ग	२१	१३	५४	४	९	११	१२	२६	३	तुलायां	भ. ४९ उ. ज्येष्ठा रविः सौरः १७ प्र.
१४	श	४	४	११	वि	३०	४०	अ	२	५	वि	१६	२६	५३	४	९	११	१३	२७	४	वृ. १६।२५	भ. १६।२६ या. पूभा. ४ मीने गुरुः २७
२०	र	४०	४८	अ	२८	२८	सु	१८	४	५	च	१२	२९	५१	५	०	१०	१४	२८	५	वृश्चिके	[× आर्द्रा १ केतुः १८।७

३३ पं.मा.कृ. २ मं. इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१०	६	५	८	७
७	२५	२७	२९	४	२०	१०	७
२७	३३	४१	३६	१३	३	१६	१०
२६	७	१३	४	१	४३	५८	५२
६०	४४	७५	१०	११	५	३	६०
४२	११	२९	मा	मा	५०	११	५३

गोचर ग्रहाः

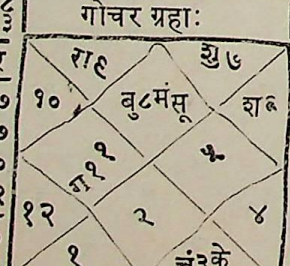

मार्गशीर्ष शुक्ले १० गुरौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

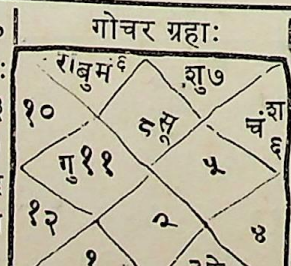

३४ पं.मा.कृ. ९ मं.इ. ५८।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	१०	६	५	८	७
१४	०	६	२९	६	२०	९	१४
४२	४७	१५	४९	२९	४२	५४	१७
४०	२९	४३	१६	१७	२९	४२	३८
६०	४४	६२	१	२२	५	३	६१
५०	२६	५	५५	१	१९	११	३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६६ स. २०१०
१	चं	३८	४६	ज्ये	२७	४८	धृ	१३	२८	किं	६	४६	२५	५	६	५	१५	२६	६	घ. २७
२	मं	३८	२३	मू	२८	३१	शू	६	२७	बा	८	३६	४८	५	०	१०	१६	३०	७	धनुषि
३	बु	३९	४२	पू	३०	४७	गं	६	३६	तै	६	२	४६	५	१	६	१७	१	८	म.४६।४७
४	गु	४२	४२	उ	३४	४६	वृ	५	१६	व	११	१२	४५	५	१	६	१८	२	६	मकरे
५	शु	४७	२२	श्र	४०	२७	ध्रु	४	४५	ब	१५	२	४४	५	१	६	१९	३	१०	मकरे
६	श	५३	०	ध	४६	५८	व्या	५	५५	कौ	२०	११	४३	५	१	६	२०	४	११	कुं. १३
७	र	५६	३०	श	५४	२६	ह	६	३१	ग	२६	१५	४२	५	२	८	२१	५	१२	कुंभे
८	चं	६०	०	पू	६०	०	व	६	३१	वि	३२	४२	४१	५	२	८	२२	६	१३	मी. ४५
८	मं	५	५५	पू	२	७	सि	११	४७	ब	६	५५	४०	५	२	८	२३	७	१४	मीने
९	बु	१२	०	उ	६	१६	व्य	१३	४५	कौ	१२	०	३९	५	२	८	२४	८	१५	मीने
१०	गु	१७	७	रे	१५	४२	व	१५	३	ग	१७	७	३९	५	२	८	२५	९	१६	मे. १५।४२
११	शु	२०	४६	अ	२०	३३	प	१५	६	वि	२०	४६	३८	५	२	८	२६	१०	१७	मेषे
१२	श	२२	४६	भ	२४	६	शि	१४	११	बा	२२	४६	३८	५	२	८	२७	११	१८	वृ. ३६।३४
१३	र	२३	७	कृ	२५	५०	सि	११	४१	तै	२३	७	३७	५	३	७	२८	१२	१९	वृषे
१४	चं	२१	३७	रो	२५	४७	सा	७	४८	व	२१	३७	३७	५	३	७	२९	१३	२०	मि ५५।३
१५	मं	१८	३५	मृ	२४	१६	शु	४०	५३	ब	१८	३५	३६	५	३	७	३०	१४	२१	मिथुने

विशा. शुक्रः २३।२९

३५पं.मा.शु.२ मं.इ. ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	११	६	५	८	७
२१	६	११	०	१०	२१	९	२१
४८	३	३०	११	५	१८	३२	२५
४३	४०	४	५६	१३	४	२७	२१
६०	४४	२३	३	३४	४	३	६१
५६	३७	३५	२४	मा	५०	११	११

३६पं.मा.शु.८ मं. इ. ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	११	६	५	८	७
२८	११	१०	०	१४	२१	९	२८
५५	२४	१६	४३	४९	४९	१०	३४
३७	१४	१	८	५५	४८	११	४
६१	४४	५३	४	४१	४	३	६१
०	४७	व.	३५	५७	२३	११	१९

३७पं. मा शु.१५मं.इ. ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	११	६	५	८	८
६	१६	१	१	२०	२२	८	५
३	४५	२७	२४	२७	१७	४७	४३
१४	१८	४७	२०	२५	१०	५५	२९
६१	४५	५३	५	४८	३	३	६१
४	२	व.	४७	२४	४४	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	बु	१४	१७	आ	२१	४८	ध्रु	४९	४०	कौ	१४	१७	३५	५	६	५	१	१५	२२	मिथुने
२	गु	९	१४	पु	१८	८	धृ	४२	४	ग	९	१४	३६	५	३	७	२	१६	२३	क ४।४
३	शु	३	३२	पु	१४	५	वै	३४	२६	वि	३	३२	३६	५	३	७	३	१७	२४	कर्के
४	शु	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	श	५१	४९	श्ले	९	३	वि	२६	३९	कौ	२४	४६	३७	५	३	७	४	१८	२५	सिं. ९।३
६	र	४६	२२	म	६	१	प्री	१८	५२	ग	१९	५	३७	५	३	७	५	१९	२६	सिंहे
७	चं	४१	१९	पू	३	५६	आ	११	१४	वि	१३	५०	३७	५	३	७	६	२०	२७	कं. १६।२५
८	मं	३६	२३	ह	५५	३५	सौ	४	५२	बा	८	५०	३८	५	२	८	७	२१	२८	कन्यायां
९	बु	३२	१५	चि	५३	१	अ	५०	२५	तै	४	१९	३८	५	२	८	८	२२	२९	तु. २४।१७
१०	गु	२७	४४	स्वा	५०	४९	सु	४४	१६	वि	२७	४४	३९	५	२	८	९	२३	३०	तुलायां
११	शु	२४	१९	वि	४९	२	धृ	३८	३१	बा	२४	१९	४०	५	२	८	१०	२४	३१	वृ. ३४।२९
१२	श	२१	३४	अ	४८	१५	शू	३३	२२	तै	२१	३४	४१	५	२	८	११	२५	१	वृश्चिके
१३	र	१९	३८	ज्ये	४८	३१	गं	२८	५९	व	१९	३८	४२	५	२	८	१२	२६	२	ध.४८।३१
१४	चं	१८	५०	मू	४९	५८	वृ	२५	२८	श	१८	५०	४३	५	१	९	१३	२७	३	धनुषि
२०	मं	१९	४	पू	५२	३२	धु	२२	५३	ना	१९	४	४४	५	१	९	१४	२८	४	धनुषि

वक्री ज्येष्ठा. वृश्चिके बुधः५२।२९ रा.+
भ.३६।२३उ. [+ पौषारंभः
भ.३।३२या.चतुर्थी व्र.
बुधोदयः पूर्वस्यां ११।३६
भ.४६।२२उ.
भ.१३।५०या.
भ.५९उ.पूषा.बुधः५९(सौर:२३।२४)
भ.२७।४४या,मार्गी बुधः३३।४१
सफला ११ व्र.
बृश्चिके शुक्रः३१जनवरी १ ता. ३१ B
भ.१९।३८उ.४९।१४या.
उषा.भौमः४८।१६
अनु.शुक्रः५२।१ [Bसन्२०११प्रदोषः

३८पं.पौ.कृ.८मं.इ.५७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	११	६	५	८	८
१३	२२	२५	२	२६	२२	८	१२
११	६	१५	१३	४०	४०	२५	५३
१३	३२	३२	१७	५९	१२	४०	२१
६१	४५	१२	६	५३	३	३	६१
६	२२	व.	४३	१६	१६	११	२६

गोचर ग्रहाः

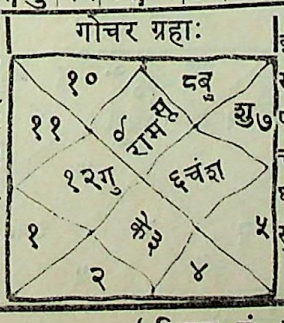

इस मास में धान्य सोना चांदी ताम्बा पीतल रसगुड़ सक्कर चीनी घृत तेल तृण घास पशु तेज रहे सुदि में धातु हो।

गोचर ग्रहाः

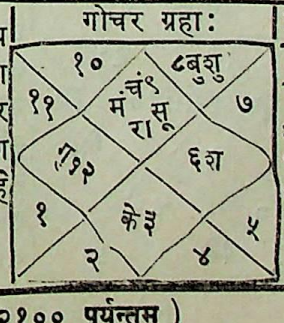

३९पं.पौ.कृ.३०मं.इ.५७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	११	७	५	८	८
२०	२७	२७	३	३	२२	८	२०
१९	३२	३६	९	२४	५८	३	०३
२६	२०	२५	५०	५८	२३	२४	१८
६१	४५	३५	७	५७	२	३	६१
६	३२	मा	५३	३	१९	११	२६

÷ चंरामं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३२															दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६८४९स.२०११
१	बु	२०	४६	उ	५६	२८	व्या	२१	४२	ब	२०	४६	२५	५६	५	१५	२९	५	म.८।३१	चंद्र दर्शनम्
२	गु	२४	२	श्र	६०	०	ह	२०	५८	कौ	२४	२	४७	५१	९	१६	१	६	मकरे	उभा.१गुरुः१४।३७ सफर
३	शु	२८	३१	श्र	१	३६	व	२१	२०	ग	२८	३१	४८	५०	१०	१७	२	७	कुं.३४।२०	
४	श	३४	४	ध	७	४	सि	२२	४४	व	१	१७	५०	५०	१०	१८	३	८	कुंभे	भ.१।१७उ.३४।४या.मूले धनुषि बुधः A
५	र	४०	२५	श	१५	७	व्य	२४	४४	ब	७	१५	५२	५०	१०	१९	४	९	कुम्भे	[A २९।३१ मकरे भौमः११।४७
६	चं	४६	५७	पू	२२	४५	व	२७	७	कौ	१३	४१	५३	४९	११	२०	५	१०	मी. ५०	
७	मं	५३	२२	उ	३०	१४	प	२९	१९	ग	२०	१०	५५	४९	११	२१	६	११	मीने	भ.५३।२२उ.उषा.बुधः १०/४४ (सौरः २४/५१)
८	बु	५८	५८	रे	३६	५४	शि	३१	८	वि	२६	१०	५७	४९	११	२२	७	१२	मे.३६।५४	भ.२६।१० या.
९	गु	६०	०	अ	४२	४७	सि	३२	५	बा	३१	४	५९	४८	१२	२३	८	१३	मेषे	
९	शु	३	११	भ	४७	२२	सा	३१	५४	कौ	३	११	२९/१	४८	१२	२४	९	१४	मेषे	मकरेऽर्कः २७/८ (सौरः ४१/१८) पातस्पर्शः४०।४
१०	श	६	१	कृ	५०	३	शु	३०	२२	ग	६	१	४	४७	१३	२५	१०	१५	वृ.३।२	भ.३६।२४उ.पातमोक्षः५।८
११	र	६	४७	रो	५१	३४	शु	२७	१४	वि	६	४७	६	४७	१३	२६	११	१६	वृषे	भ.६।४७या.पुत्रदा११व्र.
१२	चं	५	३०	मृ	४९	२३	ब्र	२२	३१	बा	५	३०	८	४६	१४	२७	१२	१७	मि. २९/१	ज्येष्ठा.शुक्रः४३।१० प्रदोषः
१३	मं	२	२०	आ	४६	२५	ऐं	१६	१३	तै	२	२०	११	४६	१४	२८	१३	१८	मिथुने	भ.५७।१६उ.चित्रा.१शनिः५०।४६
१४	मं	५४	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	बु	५१	२	पु	४१	५७	वै	८	४२	बि	२४	९	१३	४५	१५	२९	१४	१९	क.२८।४	भ.२४।९पूषा.बुधः१७।४४मा.स्ना.प्रा.

४०पं.पौ.शु.७मं.इ.५७।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	११	७	५	८	८
२७	२	४	४	१०	२३	७	२७
२७	५८	१२	१३	३२	११	४१	१३
२२	१२	४३	१६	५६	३१	९	१०
६१	४५	६३	८	६०	१	३	६१
६	४७	२९	४९	९	३२	११	२४

गोचर ग्रहाः

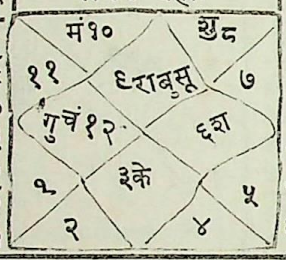

पौष शुक्ले ९ शुक्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

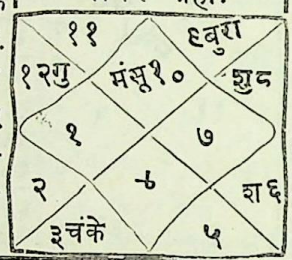

४१पं.पौ.शु.१३मं.इ.५७/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	११	७	५	८	९
४	८	१२	५	१७	२३	७	४
३५	२६	५४	२३	५७	२०	१८	२२
१३	३५	७	२४	४	६	५३	३९
६१	४५	७५	९	६२	०	३	६१
३	५७	३१	४०	२९	५६	११	१९

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३२															दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	शिशिरर्तूं रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	गु	४३	५३	पु	३६	४१	वि	१८	५०/५४	बा	१७	२८	२६/१९	४५/४४	५/१६	३०	१५	२०	कर्क	अभि.प्र.रविः५९।३८श्रवणे भौमः५९।९
२	शु	३६	१४	श्ले	३०	४९	आ	४१	५०	तै	१०	३	१९	४४	१६	१	१६	२१	सिं. ३०/४९	अभि.प्र.रविःसौरः११।३९रा.माघारंभः
३	श	२८	२१	म	२५	५१	सौ	३२	२९	व	२	१७	२१	४४	१६	२	१७	२२	सिंहे	भ.२।१७उ.२८।२१या.चतुर्थी व्र.
४	र	२१	३	पू	१९	१९	शो	२३	२३	बा	२१	३	२४	४३	१७	३	१८	२३	कं.३३।५	[÷८।३०(सौरः १९।५२)
५	चं	१४	२२	उ	१४	२४	अ	१४	५४	तै	१४	२२	२७	४३	१७	४	१९	२४	कंन्यायां	श्रवणे रविः१६।१५(सौरः२७।३५)
६	मं	८	२९	ह	१०	६	सु	५७/३	५२/५८	व	८	२९	२९	४२	१८	५	२०	२५	तु.३८।३१	भ.८।२९उ.३६।०या.अभि. नि. रविः ÷
७	बु	५६/३	३१/१	चि	६	५७	शू	५३	३७	ब	३	३१	३२	४२	१८	६	२१	२६	तुलायां	उभा.२गुरुः१।३८पातस्पर्शः३८।६पात-×
८	गु	५७	१	स्वा	४	५५	गं	४८	२१	तै	२८	१७	३५	४१	१९	७	२२	२७	वृ.४९।४१	वक्री शनिः३७।१३ [×मोक्षः५४।४४
१०	शु	५४	५६	वि	३	५६	वृ	४	५२	व	२५	५८	३८	४०	२०	८	२३	२८	वृश्चिके	भ.२५।५८उ.५४।५६या.उषा.बुधः ४६/१८
११	श	५४	८	अ	३	५१	धृ	४	१८	ब	२४	३२	४१	४०	२०	९	२४	२९	वृश्चिके	मूले धनुषि शुक्रः४९।३४षट्तिला११व्र.
१२	र	५४	४४	ज्ये	४	५०	व्या	३७	४०	कौ	२४	२६	४५	३९	२१	१०	२५	३०	ध.४।५०	मकरे बुधः५९।५१
१३	चं	५६	८	मू	७	९	ह	३५	४७	ग	२५	२८	४८	३८	२२	११	२६	३१	धनुषि	श.५६।८ उ. मूल. २राहुः मृग. ४केतुः =
१४	मं	५८	४५	पू	१०	२५	व	२५	५	वि	२६	५६	५१	३८	२२	१२	२७	१	म.२६।२८	भ.२६।५६या.फर्वरी २ ता. २८
३०	बु	६०	०	उ	१४	३८	सि	३४	३८	चै	३०	३२	५४	३७	२३	१३	२८	२	मकरे	वक्री हस्ते.४शनिः४२।२१
३०	गु	२	३२	श्र	१९	५७	व्य	३५	२६	ना	२	३२	५८	३६	२४	१४	२९	३	कुं.५३।८	[= ११।१० प्रदोषः

४२पं.मा.कृ.६मं.इ.५७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	११	७	५	८	९
११	१३	२२	६	२५	२३	६	११
४२	५५	३५	३९	३७	२२	५६	३१
४०	३७	३५	१४	३०	२६	३७	३०
६०	४६	८६	१०	६४	०	३	६१
५९	७	४४	२५	१९	१०	११	१३

गोचर ग्रहाः

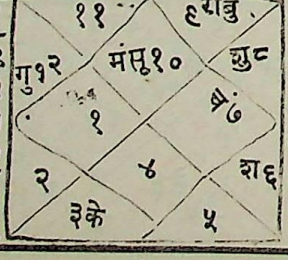

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ मक्का जो मंदे हो सुदि में धातु चांदी सोना ताम्बा रस गुड़ सक्कर तेज रहे, शीत अधिक पड़े।

गोचर ग्रहाः

४३पं.मा.कृ.१४मं.इ.५७/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	११	८	५	८	९
१८	१९	३	७	३	२३	६	१८
४९	२५	३	५९	२५	२०	३४	३९
१०	२३	४३	४६	५९	२४	२२	३५
६०	४६	९५	११	६५	३०	३	६१
५५	७	३१	४	४९	व.	११	४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६८७९स.२०११
१	शु	७	२८	ध	२६	१७	व	३६	४५	व	७	२८	२७	६	५	
२	श	१२	५७	श	३३	१९	प	३८	३४	कौ	१२	५७	१	३६	२४	१५ ३० ४ कुंभे चंद्रदर्शनम्
३	र	१९	२०	पू	४०	४७	शि	४०	४३	ग	१९	२०	५	३५	२५	१६ १ ५ कुंभे रविलावल
४	चं	२५	५५	उ	४८	२५	सि	४३	२	वि	२५	५५	८	३४	२६	१७ २ ६ मी. ५५ भ. ५२ उ. धनि.रविः २५ (सौरः ३३)÷
५	मं	३२	२३	रे	५६	१	सा	४५	२४	बा	३२	२३	१२	३४	२६	१८ ३ ७ मीने भ. २५।५५ या. बुधास्तः पूर्वस्यां २०।११
६	बु	३८	२२	अ	६०	००	शु	४७	१०	कौ	५	२२	१५	३३	२७	१९ ४ ८ मे. ५६।११ वसंत ५ [÷श्रवणेबुधः ५४ धनि.भौमः ५२
७	शु	४३	१३	अ	२	५२	शु	४७	५२	ग	१०	४७	१९	३२	२८	२० ५ ९ मेषे पातस्पर्शः ५।७ पातमोक्षः २०।३१
८	शु	४६	५३	भ	८	१९	ब्र	४७	२८	वि	१५	२	२३	३१	२९	२१ ६ १० मेषे भ.४३।१३ उ. पूषा.शुक्रः ४९ भानु७रथ७
९	श	४८	४७	कृ	१२	२१	ऐं	४५	४६	बा	१७	४७	२७	३०	३०	२२ ७ ११ वृ. २४ भ.१५।२या.उभा.३ गुरुः ५६ भीष्माष्टमी
१०	र	४८	२८	रो	१४	४१	वै	४२	२०	तै	१८	३८	२४	२९	३१	२३ ८ १२ वृषे कुंभेऽर्कः ५९।४९
११	चं	४६	१३	मृ	१४	५३	वि	३७	१९	व	१७	२०	२८	२८	३२	२५ १० १४ मि ४४।४७ कंभेऽर्कः सौरः ७।२३
१२	मं	४१	५३	आ	१२	५८	मी	३०	४८	ब	१४	३	४१	२८	३२	२६ ११ १५ मिथुने भ. १७ उ. ४६ या.धनि.बुधः ५४ जया ११ व्र.
१३	बु	३५	४१	पु	९	७	आ	२२	३८	कौ	८	४७	४५	२७	३३	२७ १२ १६ कं. ५५।५ कुंभेभौमः २२।६ कर्के प्रदोषः
१४	शु	२७	१	पु	४ ३३	२६ ५५	सौ	१३	१७	ग	१	२१	४९	२६	३४	२८ १३ १७ सिं. ५७ भ. २७।१ उ. ५३।४६ या.
१५	शु	२०	३०	म	४९	५९	शो	१८ ३	४९	ब	२०	३०	५३	२५	३५	२९ १४ १८ सिंहे कुंभेबुधः २५।४९ मा. स्ना. पूर्तिः

४४पं.मा.शु.५मं.इ.५७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	११	८	६	८	९
२५	२४	१४	९	११	२३	६	२५
५५	५६	०	२५	२४	१२	१२	४६
१	१७	४०	८	२५	५४	६	२२
६०	४६	०	११	६७	२६	३	६०
४७	१७	५५	४२	१०	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

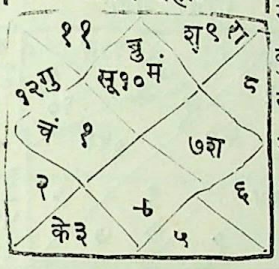

माघशुक्ले ९ शनौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टःवा२ न.३ युवावस्था(सूती) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४५पं.मा.शु.१२मं.इ.५७।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	११	८	५	८	१०
२	०	२५	१०	१५	२३	५	२
५९	२७	४३	५३	३०	०	४९	५२
४९	३६	३४	४६	२९	११	५१	२५
६०	४६	०	१२	६८	२	३	६०
३७	२७	५५	९	१३	व.	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	श	१०	८	पू	४२	४४	सु	४२	५	कौ	१०	८	२७ ६	२५	३५	३० १५ १९ कं. ५६।० शतेरविः ३६।५ (सौरः ४२।४५)
२	र	१	२	उ	३५	४६	धृ	३१	५०	ग	१	२	२८ ०	२४	३६	१ १६ २० कन्यायां भ.२६।४०उ.५२।१९या.रा.फाल्गुनारंभः
३	र	५१	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ०
४	चं	४४	२०	ह	२९	२५	शू	२२	११	ब	१८	१९	४	२३	३७	२ १७ २१ तु५६।५२ चतुर्थी व्रतम्
५	मं	३७	३५	चि	२४	२०	गं	१३	१९	कौ	१०	५८	८	२२	३८	३ १८ २२ तुलायां शतेबुधः ११।५ उषा.शुक्रः ५।४४
६	बु	३२	४०	स्वा	२०	४५	वृ	४६ ५५	४७	ग	४	५८	१२	२२	३८	४ १९ २३ तुलायां भ.३२।२० उ. शतेभौमः ५१।३६
७	गु	२८	४०	वि	१८	३६	व्या	५४	२४	वि	०	३०	१६	२१	३९	५ २० २४ वृ.४।८ भ.०।३०या. मकरे शुक्रः ५९।३४
८	शु	२६	३५	अ	१८	८	ह	५०	४०	कौ	२६	३५	२०	२०	४०	६ २१ २५ वृश्चिके
९	श	२६	२०	ज्ये	१९	१	व	४८	८	ग	२६	२०	२४	१९	४१	७ २२ २६ ध. १९।१ भ.५६।४१ उ. उभा. ४ गुरुः ४८।१५
१०	र	२७	२	मू	२१	३५	सि	४६	४३	वि	२७	२	२८	१८	४२	८ २३ २७ धनुषि भ.२७।२ या.
११	चं	२९	१७	पू	२५	१९	व्य	४६	२२	बा	२९	१७	३२	१८	४२	९ २४ २८ म.४१।३३ विजया ११ व्र.
१२	मं	३२	४५	उ	३०	१६	व	४६	४८	कौ	१	१	३६	१७	४३	१० २५ १ मकरे पूभा.बुधः २१।२१ मार्च ३ ता.३१
१३	बु	३७	१८	श्र	३६	९	प	४७	४१	ग	५	१	४०	१६	४४	११ २६ २ मकरे भ. ३७ उ. प्रदोषः महाशिवरात्री व्र. स्मा.
१४	गु	४२	३७	ध	४२	४९	शि	४९	३४	वि	९	५७	४४	१५	४५	१२ २७ ३ कुं.९।२९ भ.९।५७ या. महाशिवरात्री व्र. वै.
३०	शु	४८	२४	श	४९	४०	सि	५१	२०	च	१५	३०	४८	१४	४६	१६ २८ ४ कुंभे पूभा. रविः ५२।११ (सौरः ५७।३२)

४६ पं.फा.कृ.५ मं.इ. ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	११	८	५	८	१०
१०	५	८	१२	२७	२२	५	९
३	५८	७	२६	४०	४२	२७	५६
२२	३०	३४	१७	८	५४	३५	५८
६०	४६	८९	१२	६९	२३	३	६०
२५	२७	०	३२	२	व.	११	३१

ग्रोचर ग्रहाः

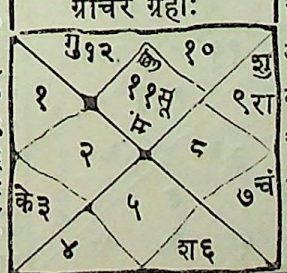

इस मास में ५शनिवार अहितकर हैं धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल में तेजी प्रजा में रोग शोक फैलनेकी सम्भावना हो।

ग्रोचर ग्रहाः

४७पं.फा.कृ.१२मं. इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	११	९	५	८	१०
१७	११	२१	१४	५	२२	५	१६
५	३०	१३	१	५५	२१	५	५९
३५	५४	५९	८	३०	२९	१९	५१
६०	४६	८९	१२	६९	२३	३	६०
१३	२५	०	५६	५२	व.	११	२०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३२									दि. उ. अ.	भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसंततुं रविरुत्तरेऽहर्गणः६८०८स. २०१०
१	श	५५	३५	पू	५७	१३	सा	५३	४०	किं	२२	५६	२६ १४	४६	१४ २६ ५	मी ४०।१६	श्रवणे शुक्रः २८।१६
२	र	६०	०	उ	६०	०	शु	५६	४	बा	२८	२३	५६ १३	४७	१५ ३० ६	मीने	मीने बुधः ३०।२६ चंद्रदर्शनम् पात ×
२	चं	१	११	उ	४	४६	शु	५८	२०	कौ	१	११	२९ १२	४८	१६ १ ७	मीने	रविलाखर ४
३	मं	७	३५	रे	१२	२०	ब्र	६०	०	ग	७	३५	५ ११	४६	१७ २ ८	मे.१२।२०	भ. ४०।३१ पु. उभा. बुधः १५।४
४	बु	१३	२६	अ	१९	२०	ब्र	०	६	वि	१३	२६	६ १०	५०	१८ ३ ६	मेषे	भ. १३।२६ या.
५	गु	१८	३२	भ	२५	३५	ऐं	१	३६	बा	१८	३२	१३ ६	५१	१९ ४ १०	वृ. ४१/५०	×स्पर्शः १६।२३ पातमोक्षः ३३।१३ फु.२
६	शु	२२	४०	कृ	३०	३६	वै	२	९	तै	२२	४०	१७ ६	५१	२० ५ ११	वृषे	बधोदयः पश्चिमायां ३५।१४
७	श	२५	२३	रो	३४	२०	वि	३३/५	५६	व	२५	२३	२१ ८	५२	२१ ६ १२	वृषे	भ. २५/३ उ. ५५/२२ या. पूभा. भौमः ४३/१७
८	र	२५	२०	मृ	३६	१६	आ	५६	१६	ब	२५	२०	२६ ७	५३	२२ ७ १३	मि५।१७	स्वाती १ गुरुः १७।३४ होलाष्टकम्
९	चं	२४	२६	आ	३६	१८	सौ	५१	२०	कौ	२४	२९	३० ६	५४	२३ ८ १४	मिथुने	मीनेऽर्कः ५३।४ (सौरः ५७।५३)
१०	मं	२२	४०	पु	३४	३०	शो	४४	५२	ग	२२	४०	३४ ५	५५	२४ ९ १५	क.१९।५७	भ. ५०।१० उ. रेवत्या बुधः ३२।४४
११	बु	१७	४१	पु	३०	३६	अ	३६	५५	वि	१७	४१	३८ ४	५६	२५ १० १६	कर्के	भ. १७/४१ या. धनि शुक्रः ३९/६ आ. ११ ब्र.
१२	गु	११	१	श्ले	२५	११	सु	२७	४२	बा	११	१	४३ ३	५७	२६ ११ १७	सिं२५।११	प्रदोषः
१३	शु	३	१	म	१८	२३	धृ	१७	२७	तै	३	१	४७ ३	५७	२७ १२ १८	सिंहे	भ. ५३/३ उ. उभा. रविः १४/८ [सौरः ३९/६]
१४	शु	५०	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	० ० ०	०	
१५	श	४३	४७	पू	१०	४६	शू	३८/६	४८/४९	वि	१८	४६	५१ २	५८	२८ १३ १९	क.२३।४३	भ. १६/६ या. गोधूलिसमये होलिका द.

४८पं.फा.शु. ३मं.इ. ५८/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	११	११	९	५	८	१०
२४	१७	४	१५	१४	२१	४	२४
६	०	४३	३८	१२	५६	४३	१
२२	२५	१९	४२	५२	२	४	१४
५९	४६	९९	१३	७०	३/५२	३	६०
५८	२२	४६	१४	३२	व.११	६	

गोचर ग्रहाः

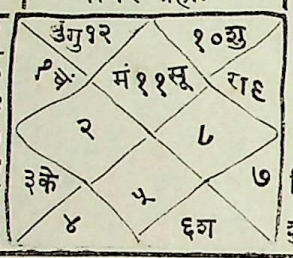

फाल्गुन शुक्ले ९ चंद्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु.४५ धान्या दि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

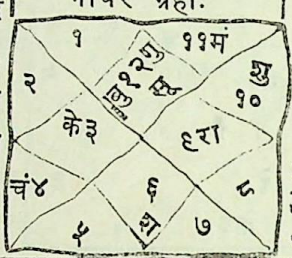

४९पं.फा.शु.१० मं.इ. ५८/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	११	९	५	८	११
१	२२	१७	१७	२२	२१	४	१
५	२१	२२	१६	३२	२८	२०	०
३५	१२	१७	८	१३	१२	४८	५६
५९	४६	२९	१३	७१	१/४०	३	५९
४१	२२	३	२६	७	व.११	४९	

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२									दि. उ. अ.	भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसंततुं रविरुत्तरे फा. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	र	३३	५५	उ	४९/३५	१४/३	बृ	४४	३८	ग	८	५१	२९ ६	५९/५५	२९ १४ २०	कन्यायां	वसन्त १ छारेंडी
२	चं	२४	१९	चि	४७	५८	शु	३३	५८	बा	२४	१९	३० ६	० ०	३० १५ २१	तु.२१।२९	भ. ५०।१ उ.
३	मं	१५	४४	स्वा	४२	१	व्या	२४	४६	वि	१५	४४	४ ५९	१	१ १६ २२	तुलायां	भ. १५/४४ या. कुंभे शुक्रः १३/७ रा. चै.ब ब्र.
४	बु	८	२६	वि	३७	५०	ह	१६	३५	बा	८	२६	८ ५८	२	२ १७ २३	वृ.२३।५३	
५	गु	२	५९	अ	३५	३४	व	७	५५	तै	२	५९	१२ ५८	२	३ १८ २४	वृश्चिके	भ. ५९।५५ उ.
६	गु	५६	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	० ० ०	०	
७	शु	५७	५६	ज्ये	३५	४	सि	४	४३	वि	२८	५५	१६ ५७	३	४ १९ २५	ध.३५।४	भ. ३६ या. अश्वि. मेषे बुधः ४८/३० मीने×
८	श	५८	२०	मू	३६	३५	व्य	१/१८	५८/०	बा	२८	८	२१ ५६	४	५ २० २६	धनुषि	[× भौमः ३३।१८ शीतला पूजनम
९	र	६०	०	पू	३९	५४	प	५८	४०	तै	२९	३०	२५ ५५	५	६ २१ २७	म.५६।७	शते शुक्रः ४७।२९ स्वाती २ गुरुः ५४।५३
९	चं	०	४०	उ	४४	४६	शि	५९	२५	ग	०	४०	२९ ५४	६	७ २२ २८	मकरे	भ. ३२।२० उ. अस्तं गुरोः १७।२४
१०	मं	४	०	श्र	५०	५०	सि	६०	०	वि	४	०	३३ ५३	७	८ २३ २९	मकरे	भ. ४।० या. उभा. भौमः ५६।२८
११	बु	८	५१	ध	५७	४५	सि	०	२६	बा	८	५१	३७ ५३	७	९ २४ ३०	कुं. २४/९	वक्री बुधः ४१।४२ पापपोचनी ११ ब्र.
१२	गु	१४	३७	श	६०	०	सा	२	२६	तै	१४	३७	४१ ५२	८	१० २५ ३१	कुम्भे	रेवत्यां रविः ४१।१७ (सौरः ४५/६) प्रदोषः
१३	शु	२०	४७	श	५	५	शु	४	४१	व	२०	४७	४५ ५१	९	११ २६ १	मि. ५५/३	भ. २०।४७ उ. ५४।० या. बुधास्तः ÷
१४	श	२७	१३	पू	१२	३५	शु	७	५	श	२७	१३	४९ ५०	१०	१२ २७ २	मीने	[÷पश्चिमायां ४५।१५ अप्रेल ४ ता.३०
३०	र	३३	२८	उ	२०	८	बु	९	३६	च	०	२०	५३ ४९	११	१३ २८ ३	मीने	वक्री मीने रेवत्यां बुधः४६।४९ मन्वादि

५०पं.चै.कृ.३मं.इ.५९।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	११	१०	५	८	११
८	२८	२६	१८	०	२०	३	७
३	०	३७	५७	१४	५६	५८	५८
१८	५८	३०	२५	२५	५३	३३	५१
५९	४६	७१	१३	७१	३/५१	३	५९
२९	२२	३४	३२	३२	व.११	३५	

गोचर ग्रहाः

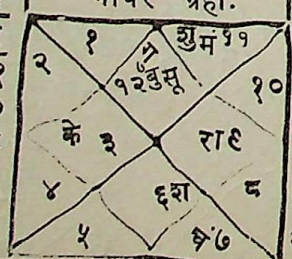

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल गेहूं शक्कर गुड धातु वदि में कुछ मंदी होकर सुदि में तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

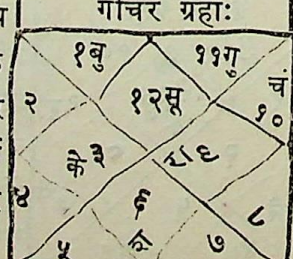

५१ पं. चै.कृ.१०मं.इ. ५९/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	११	१०	५	८	११
१४	३	०	२०	९	२०	३	१४
५९	२९	२९	३८	१८	२५	३६	५५
१०	४२	३१	६	२९	५५	१७	०
५९	४६	४	१३	७१	४/४०	३	५९
१६	११	५९	३८	५७	व.११	१८	

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

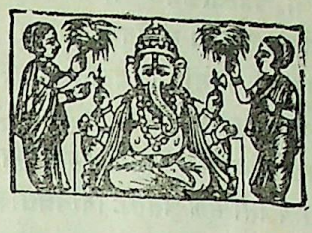

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११२, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१११२, भोग्यकलिः४२६८८८, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०६८, शाकः १९३३, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः । मंत्री गुरुः । सस्येशः शनिः । धान्येशशुक्रः । मेघेशो बुधः । रसेशश्चंद्रः नीरसेशः शनिः । फलेशो बुधः । धनेशः शनिः । दुर्गेशो बुधः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १८ क्रोधीनाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गतमासादिः११।१९।३२।१० भोग्यमासादिः०।१०।२७।५० विश्वेदेवदैवतं युगम् । वर्षनाम आश्विनः । मेघनाम द्रोणः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा ५ समयवाहनम् मृगः स्तंभः२ अन्नजलयोः । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी १, रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १५, तिथिवृद्धिः ८ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ८४ वर्षाविश्वा ११ धान्यम् १७ तृणम् १५, शीतम् १५ तेजः ११, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १२३, सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ शनिदृष्टिःदक्षिणयो । ग्रहण २ चंद्रमसः

संवत् २०६८ ज्ये. शु. बुधे १५
खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
मं घं.	४३	४६	४८	५०	५२
मं प.	४३	१४	१७	२०	५१
छं घं.	११	१२	१	२	३
छं मि.	५६	५७	४६	३५	३५

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	क
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्ष लग्नम् ६।३

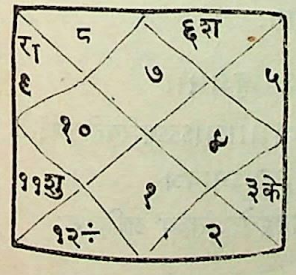

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न।

जय जय माता अंबिका बन्दौं बारम्बार ।
मैं पूछूं कर जोड़ कर अठसठिये का सार ।

भवानी उत्तर

अठसठियो आठों दिशां निपजे सुन्दर धान ।
मंत्री गुरु राजा शशि बाढे जग सन्मान ।।
दैत्यगुरु धान्येश है मेघपति युवराज ।
सागर में रोहिणी बसी सुन्दर हों सब काज ।।
वर्षा वर्षे चहुं दिशा नभमंडल में जोर ।
श्रावण में शनि पांच हैं कहींक माचै शोर ।।
संवत् विश्वा पांच हैं स्तंभ लगे हैं दोय ।
ईश भजन बिन जगत में सुख नहीं पाया कोय ।।

सं.२०६८मार्ग.शु. १५ शनिवासरे
खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
मं घ.	३१	३४	३५	३६	४०
मं प.	७	३१	३७	४३	७
छं घ.	६	८	८	९	१०
छं मि.	५४	१५	४२	८	३०

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ३।७

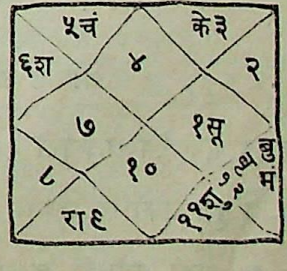

÷चंमंबुगुसू वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४९।० केतकीमतेन बेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।०।१

(सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रस्तत्फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगल शोभनानिप्रभूतवृष्टिःप्रचुरंचधान्यं सौख्यंजनानामुदयोनृपाणांप्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ।। मंत्रीगुरुःफलम् ।। विविध धान्ययुता रवलुमेदिनीप्रचुरतोय घनामुदिता भेवत् । नृपतयोजनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननुमंत्रि समागते ।। सस्येशः शनिफलम् ।। रविसुत यदिधान्यपतौ जनोनृपतिभिः परिपीडितविग्रहः । गदभयं तुषधान्यहरंसदादुरितवादविवाद युतानराः ।। धान्येशः शुक्रफलम् ।। भृगौ पश्चिमधान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्याः समर्घतांयांति स्वल्पंक्षीरंगवामपि ।। मेघेशोबुधस्तत्फलम् ।। अमृतरश्मिसुते यदिवारिपेबहुजलं तुष धान्यरसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसाः विविधसौख्ययुता धरणीतदा।। रसेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। यदिविधौरसपे भुवि मानवो । नवनवां युवतीं बुभुज प्रियाम् । जलधरा बहुवारिविधायका रसवती धनधान्यवतीमही ।। नीरसेशः शनिः फलं ।। त्रपुपिंडादि लोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तूनां । अर्धवृद्धिः प्रजायेत मंदेनीरसनायके ।। फलेशोबुधस्त त्फलम्।। यदिबुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशि मुचस्तदा । बहुतृणं कुसुमं कमलैर्दुतं जनपदा जनसौख्य मुदान्विताः।। धनेशः शनिः फलम् ।। द्रविणपे रविजेविरलंधनं गदरता धरणी पतयः सदा । अधनिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीडित मानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्।। विषयसाम्यसुखं शशिजेप्रभौभवति राशिगते तुविशेषतः। शशियुते यदिकोटक पालके पथिषु द्रव्ययुतांनभयंक्वचित् ।। क्रोधीनामसंवत्सरः फलम् ।। क्रोध्यब्दे निखिला लोकाः क्रोधलोभपरायणाः। इति दोषेण सततं मध्यसस्यार्घबृष्टयः ।। वर्षनाम आश्विनः फलम् ।। सुभिक्षं पूर्वसस्यंस्याज्ज्वररोगाकुलं जगत् । अश्विनेशोभना वृष्टिः नृप सौख्यकरोसदा ।। मेघनामद्रोणः फलम् ।। द्रोणेवर्षति सर्वदा ।। रोहिणीनिवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रेतुमहावृष्टिः । समयनिवासोमालिगृहे । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्यदैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्

संवत् २०६८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

शु. २ गुरौ रोहि ल. १० रे८।।।।।ऽ अ. ५० याऽ।।।

,, ८ बुधे मघा ल. गो (भौम ७ स्थः) रे.७।।।।।ऽ रोऽ ४२या.(उप४२उ)ऽगणितेन क्रांतिसाम्याऽभाव

,, १५ भौमे अनु ल. गो. १०रे६।।।।ऽऽअऽऽ।।गो धूल्यां ७ स्थो भौमः

ज्यष्ठ मासः ।

शु. ६ भौमे मघा ल. ऽन्यगो सौग्रांगः रे७।।।।।ऽ नृऽऽ।।

,, ८ गुरौ उफा ल. (सोग्रांग)ल.१० रे८।।।।।ऽचौ।ऽ।।

,,११ रवौ स्वात्यां ल. गो. (सोग्रांगः) १० रे.८।।।।ऽगु।ऽ।।।

आषाढ मासः।

कृ. ९ शुक्रे रेव ल.ऽन्यगो १०।१रे।।।।ऽऽरो५१ याऽऽ।।

शु. ६ बुधे उफा ल. ऽन्यगो. रे९।।।।।।ऽअ।।।।

,, ९ शनौ स्वात्यां ल. गो. १ रे. ९।।।।।ऽ।।।

मेषे ७ चां. पू.

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ११ चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो. (सोग्रांगः) रे ८।।।।।ऽ नृ ३९ या ऽ।।।

शु. ५ भौमे उषा ल. ऽ न्यगो. (सोग्रांगः)रे६ऽऽ।।।ऽऽ।।

,, ९ रवौ उभा ल. गो. (सोग्रांगः) रे ऽ।।।ऽरो२८ या ।।।ऽदग्धा.

माघ मासः

कृ. ७ रवौ हस्ते ल. गो. रे८ऽ।।।।ऽ।।।

,, ११ गुरौ अनु. ल. ऽ न्यगो. रे. ६।ऽ।।ऽऽऽ।।

फाल्गुनमासः ।

कृ. १ बुधे मघा ल. गो.९ रे. ७।।।।ऽ सू।ऽऽ।।

,, ३ शुक्रे उफा. ल. ९रे९।।।।।।ऽ।।।

,, १० शुक्रे मूले ल. न्यगो. (सौग्रांगः) रे.७।ऽ।।।ऽ नृपा।ऽ।। लग्ने भौमः

शु. ३ शुक्रे उमा. ल. ९ रे.७।ऽ।।।ऽअऽ।।।

चैत्र मासः

कृ. १ शुक्रे हस्ते ल. ९ रे.६ऽऽ।ऽबुऽ।।।।।

,, ४ रवौ स्वात्यां ल. ९ रे.६।।।।ऽ।।ऽऽऽगणितेनक्रांति साम्याऽभावः।

,, अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधिभिः

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्गणः ६९३८ स.२०११

१	चं	३९	२८	रे	२७	२९	ऐं	११	२५	कि	६	२८	३०	५४	६	१४	२९	४	मे.२७।२९	मूल. १ राहुः मृग. ३ केतुः७।१३ वक्री÷
२	मं	४४	५३	अ	३४	१६	वै	१३	२२	बा	१२	११	३७	४८	१९	१२	१५	३०	५	मेषे	चंद्र दर्शनम् सिंधारा [×नवरात्रारंभः
३	बु	४९	३४	भ	४०	१६	वि	१४	४०	तै	१७	१४	३९	५	४७	१३	१६	१	६	वृ.५६।३४	जमादि लावल ५ मत्स्य जयंती गणगौरी
४	गु	५३	२७	कृ	४५	३१	प्री	१५	१	व	२१	३१	१०	४६	१४	१७	२	७	वृषे	भ.२१।३१उ.५३।२७या.पूभा.शुक्रः५३०
५	शु	५६	१०	रो	५९	४०	आ	१५	५	ब	२४	४९	१४	४५	१५	१८	३	८	वृषे	[÷हस्त. ३ शनिः२४।२५ संवत्सरारंभः×
६	श	५७	२८	मृ	५२	३२	सौ	१४	८	कौ	२६	४९	१८	४४	१६	१९	४	९	मि. २१।६	रेवती. ३ गुरुः४७।०
७	र	५७	२९	आ	५४	०	शो	११	५०	ग	२७	२८	२२	४४	१६	२०	५	१०	मिथुने	भ. ५७।२९उ.
८	चं	५५	५०	पु	५३	५४	अ	८	२२	वि	२६	४०	२६	४३	१७	२१	६	११	क२८।५६	भ.२६।४०या.
९	मं	५२	४१	पु	५२	५	सु	४०	२०	बा	२४	१६	३०	४२	१८	२२	७	१२	कर्के	रामनवमी
१०	बु	४७	३८	श्ले	४८	४५	शु	५०	१९	तै	२०	५	३४	४१	१९	२३	८	१३	सिं४८।४५	[=१५।४८(सौरः२०।२९)कामदा११व्र.
११	गु	४१	१८	म	४४	७	गं	४१	४६	व	१४	२९	३८	४०	२०	२४	९	१४	सिंहे	भ.१४।२९ उ.४१ या. अश्वि. मेषेऽर्कः=
१२	शु	३३	२४	पू	३७	५६	बृ	३२	१५	व	७	२१	४२	४०	२०	२५	१०	१५	कं.५१।८	प्रदोषः
१३	श	२४	३६	उ	३०	४७	धु	२१	४८	तै	२४	२६	४६	४९	३१	२६	११	१६	कन्यायां	मीने शुक्रः११।३३रेवत्यां भौमः४।५९
१४	र	१५	१	ह	२३	१६	व्या	११	८	व	१५	१	५०	४८	२२	२७	१२	१७	तु.४९।२७	भ.१५।१उ.४०।८या. बुधोदयःपूर्वस्यां३५
१५	चं	५	१४	चि	१५	३८	ह	२३	४९ ३५	ब	५	१४	५३	३७	२३	२८	१३	१८	तुलायां	उभा. शुक्रः५८।२०हनुमज्जयंती

५२ पं.चै. शु. २सं. इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	११	१०	५	८	११
२१	८	२८	२२	१७	१९	३	२१
५३	५६	२०	१९	४३	५२	१४	४९
३१	५३	४६	३७	१६	२४	१	११
५९	४५	४४ ४७	१३	७२	४० ४८	३	५९
४	४८	व.	२८	१६	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले ११ गुरौ मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा. ४ न.४वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

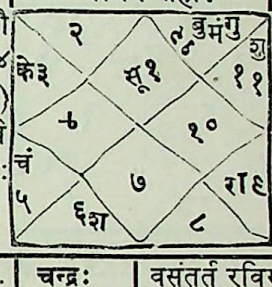

१ पं. चै.शु. ११वृ.इ. ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	११	१०	५	८	११
०	१५	२२	२४	२७	१९	२	२९
०	२१	२०	२१	३९	१३	४८	५५
०	३५	५६	४	४७	५	१४	२४
५८	४५	४१ २६	१३	७२	३४	३	५८
४४	५८	व.	३८	३९	व.	११	४५

ति. वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.

१	चं	५०	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४७	२८	स्वा	८	३८	सि	४०	३१	तै	२१	३८	३५ ५७	५ ३०	६ २३	२९	१४	१९	वृ.४९।१०	
३	बु	४०	२३	वि	४०	५५ ४५	व्य	३२	२२	व	१३	५५	३२ १	३६	२४	३०	१५	२०	वृश्चिके	भ.१३।५५उ.४०।२३या.
४	गु	३५	५	ज्ये	५६	१	व	२५	३३	ब	७	४६	५	३५	२५	१	१६	२१	ध.५६।१	भा. वैशाखारंभः चतुर्थी व्र.
५	शु	३१	५३	मू	५५	४६	प	२०	१७	कौ	३	२९	९	३४	२६	२	१७	२२	धनुषि	[×भौमः५०।१६
६	श	३१	३	पू	५७	३९	शि	१६	५५	ग	१	२८	१२	३४	२६	३	१८	२३	धनुषि	भ.३१।३उ. मार्गी बुधः३।३३
७	र	३२	१	उ	६०	०	सि	१५	५	वि	१	३२	१६	३३	२७	४	१९	२४	म१३।३७	भ.१।३२या. रेवती४ गुरुः४।४९ उदयो×
८	चं	३५	१	उ	१	२२	सा	१५	७	बा	३	३९	२०	३२	२८	५	२०	२५	मकरे	उदयं गुरौः५५।१२
९	मं	३९	३७	श्र	६	४९	शु	१५	५३	तै	७	१९	२३	३१	२९	६	२१	२६	कुं.४०।२	
१०	बु	४५	१४	ध	१३	१०	शु	१७	४१	व	१२	२५	२७	३१	२९	७	२२	२७	कुंभे	भ.१२।२५उ.४५।१४या.भरण्यां रविः५६
११	गु	५१	२५	श	२०	४६	ब्र	२०	५	ब	१८	२०	३१	३०	३०	८	२३	२८	कुंभे	भरण्यां रविः सौरः१।५४वरूथिनी११व्र.
१२	शु	५७	५५	पू	२८	२३	ऐं	२२	३२	कौ	२४	४०	३४	२९	३१	९	२४	२९	मी११।२९	रेवत्यां शुक्रः५८।३६
१३	श	६०	०	उ	३५	५९	वै	२५	१६	ग	३१	३	३८	२८	३२	१०	२५	३०	मीने	प्रदोषः
१३	र	४	११	रे	४३	१४	वि	२७	११	व	४	११	४१	२८	३२	११	२६	१	मे.४३।१४	भ.४।११उ.३६।५९या. मई५ ता. ३१
१४	चं	९	४७	अ	४९	५४	प्री	२८	५५	श	९	४७	४५	२७	३३	१२	२७	२	मेषे	
३०	मं	१४	४४	भ	५५	१९	आ	२९	५५	ना	१४	४४	४८	२६	३४	१३	२८	३	मेषे	आश्वि. मेषे भौमः२३।४६

२ पं.वै. कृ. ४ वृ. इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	११	११	५	८	०
६	२०	१९	२६	६	१८	२	६
५०	४४	२१	१	७	४२	२५	४५
४२	३५	४७	५५	१९	०	५८	३५
५८	४५	३४ ३२	१३	७२	१४ ४८	३	५८
२१	४७	व.	३२	५६	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जौ चना बाजरा मूंग मोठ मंदा हो घृत व गुड सक्कर में तेंजी चले धूप अच्छी पड़े । प्रजा में पीड़ा होवे ।

गोचर ग्रहाः

३ पं.वै. कृ. ११ वृ.इ. १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	११	११	५	८	०
१३	२६	२०	२७	१४	१८	२	१३
४९	५	४	४१	३५	१२	३	३४
४७	५३	३७	२४	१०	४७	४२	००
५८	४५	१३ १०	१३	७३	३	३	५८
१९	३२	मा	२६	१४	५८	११	१२

CC-0. Gurukul Kangri Uni... Haridwar. Digitized by eGangotri S3 Foundation USA

ति.	बैशाख शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३									दि. उ. अ.			भा.	सु.	इ.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२८ स. २०११
१	बु	१८	३२	कृ	६०	०	सौ	३०	६	ब	१८	३२	३३	५	६	१४	२९	४	वृ.११।३१	चन्द्रदर्शनम्
२	गु	२१	२७	कृ	०	७	शो	२९	३५	कौ	२१	२७	५५	२५	३५	१५	१	५	वृषे	जमादि लाखर ६ परशुराम जयंती
३	शु	२३	२७	रो	३	४५	अ	२८	९	ग	२३	२७	५८	२४	३६	१६	२	६	मि३५।५	भ. ५३।५२ उ. अक्षय ३
४	श	२४	१८	मृ	६	२५	सु	२५	५९	वि	२४	१८	३३	२४	३६	१७	३	७	मिथुने	भ. २४।१८ या.
५	र	२३	५८	आ	८	२	धृ	२३	६	बा	२३	५८	५	२३	३७	१८	४	८	क.५३।२९	अश्वि. १ मेषे गुरुः १७।२१
६	चं	२२	३५	पु	८	३८	शू	१९	१०	तै	२२	३५	८	२२	३८	१९	५	९	कर्के	पातस्पर्शः ९।५६ पातमोक्षः २६।२३
७	मं	२०	३	पु	७	५३	गं	१४	१८	व	२०	३	११	२२	३८	२०	६	१०	कर्के	भ. २०।३ उ. ४८।१३ या.
८	बु	१६	२३	श्ले	६	११	वृ	८	३३	ब	१६	२३	१४	२१	३९	२१	७	११	सिं. ६।११	कृति रविः ४१।५७ (सौरः ४९।४६) ÷
९	गु	११	४०	म	५	५५	ध्रु	४५	१५	कौ	११	४०	१७	२१	३९	२२	८	१२	सिंहे	[÷अश्वि. मेषे बुधः १३।५७ अश्वि=
१०	शु	५	३८	उ	५	४	ह	४५	३१	ग	५	३८	२०	२०	४०	२३	९	१३	कं.१२।५३	भ.३२।१० उ.४६ या.मोहिनी ११व्र.स्मा
११	शु	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=मेषे शुक्रः ०।३३
१२	श	५०	४९	ह	४८	१७	ब	३६	२९	ब	२४	४६	२३	१९	४१	२४	१०	१४	कन्यायां	मोहिनी ११ व्र. वै.
१३	र	४२	२५	चि	४१	५८	सि	२६	५४	कौ	१६	३७	२६	१९	४१	२५	११	१५	तु.१५।७	वृषेऽर्कः ९।१२ (सौरः १७।३३) प्रदोषः
१४	चं	३३	५५	स्वा	३५	३४	व्य	१७	१३	ग	८	१०	२८	१८	४२	२६	१२	१६	तुलायां	भ. ३३।५५ उ. ५९।४६ या. नृ. ज.
१५	मं	२५	३७	वि	२९	३७	व	४९	५०	ब	२५	३७	३१	१८	४२	२७	१३	१७	बृ.१६।६	यमाय कुंभदानम्

४पं.वै.शु.२वृ.इ. १६।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	११	११	५	८	०
२०	१	२४	२९	२३	१७	१	२०
२७	२५	११	१९	४	४६	४१	२०
२५	१६	२०	५२	२३	५२	२७	४४
५८	४५	४१	१३	७३	३७	३	५७
६	२२	२६	१९	२०	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले १३ रवौ वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ गतालका वस्था [ऊभी] मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

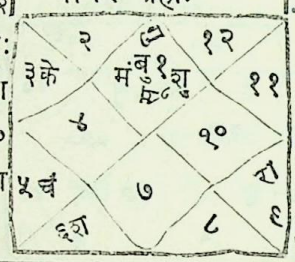

५पं.वै.शु. ९वृ. इ. १६।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	०	०	५	८	०
२७	६	१	०	१	१७	१	२७
१३	४२	९	५६	३३	२४	१९	५
३७	४	२२	३८	२५	११	११	५८
५७	४५	६६	१२	७३	५८	३	५७
५४	७	१७	५९	३४	व.	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३									दि. उ. अ.			भा.	सु.	इ.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	बु	१८	१८	अ	२४	३५	शि	५१	२८	कौ	१८	१८	३३	१७	४३	२८	१४	१८	वृश्चिके	
२	गु	१२	१६	ज्ये	२०	५७	सि	४५	२	ग	१२	१६	३७	१७	४३	२९	१५	१९	ध.२०।५७	भ. ४०।४ उ.
३	शु	७	५२	मू	१९	२	सा	४०	११	वि	७	५२	३९	१६	४४	३०	१६	२०	धनुषि	भ.७।५२ या.भरण्यां बुधः१३।२४ च.व्र.
४	श	५	४०	पू	१९	१८	शु	३६	५४	बा	५	४०	४२	१६	४४	३१	१७	२१	म.३४।५२	भरण्यां शुक्रः ५६।३६भरण्यां भो. ७।५०
५	र	५	२४	उ	२१	३४	शु	३५	४९	तै	५	२४	४४	१५	४५	१	१८	२२	मकरे	अश्वि. २ गुरुः ४६।३९ रा. ज्येष्ठारंभ
६	चं	७	२९	श्र	२५	३७	ब्र	३५	३१	व	७	२९	४७	१५	४५	२	१९	२३	कुं.५८।२९	भ. ७।२९ उ. ३८।४९ या.
७	मं	१०	९	ध	३१	२०	ऐं	३६	३९	ब	१०	९	४९	१४	४६	३	२०	२४	कुंभे	[×५२।११ जून ६ ता. ३० वटपूजनम्
८	बु	१६	२१	श	३८	२३	वै	३८	५०	कौ	१६	२१	५३	१४	४६	४	२१	२५	कुम्भे	रोहि. रविः ३२।४६ (सौरः ४३।४१)
९	गु	२२	१०	पू	४५	४४	वि	४१	७	ग	२२	१०	५४	१३	४७	५	२२	२६	मी२८।५३	भ. ५५।२३ उ.
१०	शु	२८	३७	उ	५३	३०	प्री	४३	४४	वि	२८	३७	५६	१३	४७	६	२३	२७	मीने	भ. २८।३७ या.
११	श	३४	४५	रे	६०	०	आ	४५	५९	ब्र	१	४१	५८	१३	४७	७	२४	२८	मीने	अपरा ११ व्र.
१२	र	४०	९	रे	०	४२	सौ	४७	४१	कौ	७	२८	३४	१२	४८	८	२५	२९	मे.०।४२	कृत्ति बुधः १।५९
१३	चं	४४	५५	अ	७	१९	शो	४८	३७	ग	१२	३३	३	१२	४८	९	२६	३०	मेषे	भ. ४४।५५ उ. बृषे बुधः ५२।५७ प्र.
१४	मं	४८	१	भ	१२	४०	अ	४८	३५	वि	१६	२८	३	११	४९	१०	२७	३१	वृ २८।४४	भ. १६।२८ या.
३०	बु	५०	९	कृ	१६	५६	सु	४७	३७	चं	१९	५	५	११	४९	११	२८	१	वृषे	कृत्ति शुक्रः ५६।५३ बुधास्तः पूर्वस्याम्×

६पँ.ज्ये.कृ. २वृ.इ. ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	०	०	५	८	१
३	११	१०	२	१०	१७	०	३
५८	५६	२८	३१	३	५	५६	४९
३७	५३	२३	१६	४३	१७	५६	४०
५७	४४	८८	१२	७३	१९	३	५७
४४	५७	१४	३५	४४	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य मंदा रहे शुक्रवार का चंद्रदर्शन सोना चांदी ताम्बा रुई वस्त्रआदि पदार्थों में घट-बढ करके तेजी करें। धूप अधिक कहीं २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

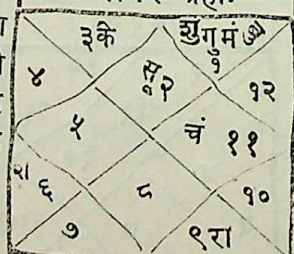

७ पं.ज्ये.कृ.९वृ. इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	०	०	५	८	१
१०	१७	२१	४	१८	१६	०	१०
४२	९	४६	३	३४	५०	३४	३१
२९	११	३७	०	८	२८	४०	५१
५७	४४	८०	१२	७३	४६	३	५७
३५	४१	३९	१६	५०	व.	११	२३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्गणः ५७ स.२०११

१	शु	५०	४६	रो	१६	४७	धृ	४५	४०	कि	२०	२६	३४	५	४६	१२	२६	२	मि५०।४४	वक्री हस्त.२शनिः४८।५६
२	शु	५०	१६	मृ	२१	४०	शू	४२	४३	बा	२०	३५	९	१०	५०	१३	३०	३	मिथुने	चंद्रदर्शनम्
३	श	४८	५८	आ	२२	२६	गं	३९	१	तै	१६	३८	१०	१०	५०	१४	१	४	मिथुने	रोहि.बुधः ४/३ वृषे शुक्रः ३/३ रज्जव ७
४	र	४६	३२	पु	२२	४	बृ	३४	३०	व	१७	४५	१२	१०	५०	१५	२	५	कं.७।१०	भ.१७।४५उ.४६।३२या.
५	चं	४३	२७	पु	२१	१०	बु	२९	३३	ब	१४	५६	१३	९	५१	१६	३	६	कर्के	ज्येष्ठा.४वृश्चिके राहुःमृग.२वृषेकेतुः ५/६
६	मं	३६	३६	श्ले	१६	३३	व्या	२४	५	कौ	११	३३	१५	९	५१	१७	४	७	सि. १/९	अश्वि.३गुरुः४५।३५
७	बु	३५	२५	म	१७	१३	ह	१८	१	ग	७	३२	१६	९	५१	१८	५	८	सिंहे	भ.३/५उ.मृगे रविः ३/९(सौरः ४/३१) कृत्ति. +
८	गु	३०	२६	पू	१४	२३	व	११	२६	वि	२	५५	१७	९	५१	१९	६	९	कं.२८।३२	भ.२।५५या. [+ भौमः १४।४५
९	शु	२४	५५	उ	१०	५८	सि	३०	२९	कौ	२४	५५	१८	८	५२	२०	७	१०	कन्यायां	[×५२।५२मार्गी शनिः ४/५ निर्जला ११ व्र.
१०	श	१८	१५	ह	६	५८	व	४९	१४	ग	१८	१५	१९	८	५२	२१	८	११	तु.३४।३३	भ.४५।१९उ.मृगे बुधः४।३७गंगादशमी
११	र	१२	२३	चि	२	४९	प	४१	५	वि	१२	२३	१९	८	५२	२२	९	१२	तुलायां	भ.१२।२३या.रोहि. शुक्रः ५/८ वृषे भौमः ×
१२	चं	५	४०	वि	५३	५५	शि	३३	४	बा	५	४०	२०	८	५२	२३	१०	१३	वृ.३९।२३	मिथुने बुधः५८।१६ प्रदोषः
१३	चं	५३	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷खग्रास चंद्रग्रहणम् गुर्जराणां वट =
१४	मं	५२	४६	अ	४९	१०	सि	२५	२४	ग	२५	५३	२१	८	५२	२४	११	१४	वृश्चिके	भ.५२।४६उ. [= सावित्री व्र.
१५	बु	४७	१७	ज्ये	४५	४६	सा	१८	४	वि	२०	२	२१	८	५२	२५	१२	१५	घ.४५।४६	भ.२९/३गा.मिथुनेऽर्कः २६/१३ (सौरः४३।१९)÷

८ पं. ज्ये.शु.१ बृ. इ. १७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	०	०	५	८	१
१७	२२	४	५	२७	१६	०	१७
२५	१९	५१	३१	४	४०	१२	१२
१९	२३	५०	५२	५२	३४	३४	५७
५७	४४	२९	११	७३	१/३	३	५७
२७	३१	२४	५२	५६	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले १५ बुधे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

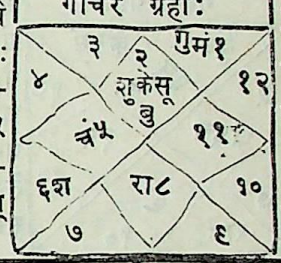

९ पं.ज्ये.शु.८ वृ. इ. १७।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	०	१	५	७	१
२४	२७	१९	६	५	१६	२९	२३
७	२५	३०	५७	३६	३५	५०	५२
१९	४८	३२	११	४७	२०	९	५३
५७	४४	२९	११	७४	२/३	३	५७
२२	५	२/१६	२	व.	११	५	

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.

१	गु	४३	४	मू	४३	३७	शु	११	३५	बा	१५	१०	३४	५	५६	२६	१३	१६	धनुषि	
२	शु	४०	३७	पू	४३	५	शु	६	१८	तै	११	५०	२२	८	५२	२७	१४	१७	म.५८।१९	आर्द्रा.बुधः५।१७
३	श	३९	३७	उ	४४	१	बृ	२१	५७/३६	व	१०	७	२३	७	५३	२८	१५	१८	मकरे	भ.१०।७उ.३९।३७या.चतुर्थी व्र.
४	र	४०	५०	अ	४७	१५	वै	५९	५	ब	१०	१४	२३	७	५३	२९	१६	१९	मकरे	
५	चं	४३	४६	ध	५१	५१	वि	५९	८	कौ	१२	१८	२३	७	५३	३०	१७	२०	कुं.१९।३३	
६	मं	४८	२३	श	५८	१०	प्री	६०	०	ग	१६	४	२४	७	५३	३१	१८	२१	कुंभे	भ.४८।२३ उ.
७	बु	५३	४४	पू	६०	०	प्री	०	४१	वि	२१	४	२४	७	५३	१	१९	२२	मी. ४/२८	भ.२१/४या.आर्द्रा.रविः २५/८ (सौरः४४।५२)×
८	गु	५९	५७	पू	५	३	आ	२	३६	बा	२६	५०	२४	७	५३	२	२०	२३	मीने	पुन.बुधः ३/६ मृगे शुक्रः ४/८ हस्त.३ शनिः ४/८
९	शु	६०	०	उ	१२	४७	सो	५	११	तै	३३	१	२४	७	५३	३	२१	२४	मीने	बुधोदयः पश्चिमायां ४।३२
९	श	६	५	रे	२०	१०	शो	७	२६	ग	६	५	२४	७	५३	४	२२	२५	मे.२०।१०	भ.३८।५१उ.अश्वि.४गुरुः४४।१२
१०	र	११	३८	अ	२६	५९	अ	९	३८	वि	११	३८	२३	७	५३	५	२३	२६	मेषे	भ.११।३८या.रोहिण्यां भौमः४२।१३
११	चं	१६	१९	भ	३२	४१	सु	१०	५४	बा	१६	१९	२३	७	५३	६	२४	२७	वृ.४७।४४	योगिनी ११ व्र. [×रा.आषाढारंभः
१२	मं	१९	२५	कृ	३७	१	धृ	१०	५६	तै	१९	२५	२२	८	५२	७	२५	२८	वृषे	कर्के बुधः४४।३८प्रदोषः
१३	बु	२१	३	रो	३९	४३	शु	९	५३	व	२१	३	२२	८	५२	८	२६	२९	वृषे	भ.२१।३उ.५१।०या.मिथुने शुक्रः १६।५५
१४	गु	२०	५७	मृ	४०	५५	गं	७	३६	श	२०	५७	२१	८	५२	९	२७	३०	मि.१/९	पुष्ये बुधः३७।१
२०	शु	१९	२२	आ	४०	४३	बृ	४/५५	१६	ना	१९	२२	२०	८	५२	१०	२८	१	मिथुने	जौलाई ७ ता० ३१

१० पं.आ.कृ.१ वृ.इ.१७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	०	१	५	७	२
०	२	४	८	१४	१६	२९	०
४८	२९	५६	१८	८	३४	२७	३२
३६	२८	५३	३६	२०	४८	५३	२
५७	४३	२९	१०	७४	२/३	३	५६
१७	५५	२०	४०	१४	मा.	११	५७

११ पं.आ.कृ.८ वृ.इ.१७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	०	१	५	७	२
७	७	१९	९	२२	१६	२९	७
२९	३०	३९	३५	४१	३९	५	१०
३१	५०	०	३८	२४	४७	३८	२९
५७	४३	२९	९	७४	१	३	५६
१३	३७	००	५६	२०	७	११	५४

१२ पं.आ.कृ.१४ वृ. इ. १७।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	०	२	५	७	२
१४	१२	२	१०	१	१६	२८	१३
९	२९	४४	४७	१४	४९	४३	४८
१८	२४	१७	६	२८	८	२२	३४
५७	४३	००/३०	९	७४	१	३	५६
७	१९	४७	२०	२६	४०	११	५०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	अषाढे शुक्लपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण ८७ स.२०११
१	श	१६	२८	पु	३९	२	व्या	५४	८	ब	१६	२८	३/१९	५/६	११	२९	२	क.२५।०
२	र	१२	३२	पु	३६	५८	ह	४८	०	कौ	१२	३२	१८	८	५२	१२	३०	३	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	चं	७	५३	श्ले	३४	१	व	४१	१३	ग	७	५३	१७	९	५१	१३	१	४	सिं. ३४।१	भ.३५।२१उ.आर्द्रा.शुक्रः४५।१ सावान ८
४	मं	२	५०	म	३०	४९	सि	३४	२८	वि	२	५०	१६	९	५१	१४	२	५	सिंहे	भ.२।५०या.
५	मं	५४	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	बु	५२	५	पू	२७	३७	व्य	२७	३७	कौ	२४	४९	१५	९	५१	१५	३	६	क.४१।४४	पुन.रविः२३।५८ (सौरः४८।५४)
७	गु	४६	४१	उ	२४	५	व	२०	४१	ग	१९	२३	१४	९	५१	१६	४	७	कन्यायां	भ.४६।४१उ.
८	शु	४१	३१	ह	२०	३४	प	१३	३९	वि	१४	६	१३	९	५१	१७	५	८	तु. ५/८	भ.१४।६या.आश्ले.बुधः५९।४०
९	श	३६	७	चि	१७	२१	शि	४/८	५३	बा	८	४९	११	१०	५०	१८	६	९	तुलायां	
१०	र	३०	५८	स्वा	१४	८	सा	५३	१४	तै	३	३२	१०	१०	५०	१९	७	१०	वृ. ५/६	भ.५८।३१उ.
११	चं	२६	५	वि	११	८	शु	४६	४७	वि	२६	५	८	१०	५०	२०	८	११	वृश्चिके	भ.२६।५या.देवशयनी ११ व्र.
१२	मं	२१	३३	अ	८	२९	शु	४०	४२	बा	२१	३३	७	११	४९	२१	९	१२	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	बु	१७	४५	ज्ये	६	२९	ब्र	३५	२०	तै	१७	४५	५	११	४९	२२	१०	१३	ध.६।२९	[× व्यास पूजा गुरु १५
१४	गु	१४	३८	मू	५	१	ऐं	३०	२९	ब	१४	३८	३	११	४९	२३	११	१४	धनुषि	भ.१४।३८उ.४३।४४या.वायु परीक्षा
१५	शु	१२	५०	पू	५	२	वै	२६	५४	ब	१२	५०	१	१२	४८	२४	१२	१५	म. १/९	पुन. शुक्रः३४।४९ मृगे भौमः४६।५ ×

१३पं.श्रा.शु.७वृ.इ.१६।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	०	२	५	७	२
२७	१७	१४	११	९	१७	२८	२०
५०	२४	४	५४	४८	३	२१	२६
२४	२२	२६	१८	२२	२५	६	२८
५७	४२	९०	८	७४	२	३	५६
७	५३	४७	३२	२६	२५	११	५०

गोचर ग्रहाः

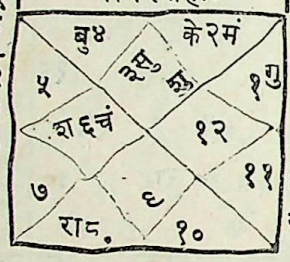

इस मास में वृष का मंगल सम्पूर्ण धान्य गेहूं जो मूंग मोठ चना आदि रुई कपास वस्त्र चन्दन केसर में तेजी करेगा हवा के साथ वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

१४ पं.श्रा.शु.१४वृ.इ.१६/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	०	२	५	७	२
२७	२२	२३	१२	१८	१७	२७	२७
३०	१६	३५	५५	२३	२२	५८	४
४३	३०	२	१	६	१	५१	३५
५७	४२	६९	७	७४	३	३	५६
११	३८	४३	३२	२६	१०	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१२	२३	उ	६	१	वि	२४	१७	कौ	१२	२३	३/५९	५/१२	४/८	२५	१३	१६	मकरे	कर्केऽर्कः५३।२४
२	र	१३	३३	श्र	८	४५	प्री	२३	८	ग	१३	३३	५७	१३	४७	२६	१४	१७	कुं४०।५५	भ.४/५उ.कर्केऽर्कः सौरः ३/१ भरणी १गुरुः ३/४ ५/९
३	चं	१६	१९	ध	१३	५	आ	२२	४१	वि	१६	१९	५५	१३	४७	२७	१५	१८	कुम्भे	भ.१६।१९या.चतुर्थी व्र.
४	मं	२०	२५	श	१८	३५	सो	२३	४०	बा	२०	२५	५२	१४	४६	२८	१६	१९	कुंभे	
५	बु	२५	३३	पू	२५	९	शो	२५	१०	तै	२५	३३	५०	१४	४६	२९	१७	२०	मी.८।३१	पुष्ये रविः २/३ (सौपः ५/१९) मघा.सिंहे.बुधः×
६	गु	३१	४१	उ	३२	३१	अ	२७	२५	व	३१	४१	४८	१४	४६	३०	१८	२१	मीने	भ.३१।४१उ. [× ०।११ नाग ५
७	शु	३७	५४	रे	३९	५६	मु	२९	५१	वि	४	४७	४५	१५	४५	३१	१९	२२	मे. ३/९ ५/६	भ.४।४७या.
८	श	४३	४४	अ	४७	२०	धृ	३२	१९	बा	१०	४९	४३	१५	४५	१	२०	२३	मेषे	कर्के शुक्रः४२।५० भा. श्रावणारंभः
९	र	४८	४६	भ	५३	४१	शू	३४	२	त	१६	१४	४०	१६	४४	२	२१	२४	मेषे	शुक्रास्तः पूर्वस्यां ५८।१२
१०	चं	५२	१७	कृ	५८	४१	गं	३४	४६	व	२०	३१	३८	१६	४४	३	२२	२५	वृ.९।५६	भ.३/१ ५/७ उ.५/२ ५/७ या. मिथुने भौमः ३७।१९
११	मं	५४	१४	रो	६०	०	बृ	३४	२३	ब	२३	१६	३५	१७	४३	४	२३	२६	वृषे	पुष्ये शुक्रः२७।४० कामिका ११ व्र.
१२	बु	५४	१९	रो	२	१५	ध्रु	३२	३५	कौ	२४	१६	३३	१७	४३	५	२४	२७	मि. ३/०	
१३	गु	५२	२५	मृ	३	४४	व्या	२९	१५	ग	२२	२२	३०	१८	४२	६	२५	२८	मिथुने	भ.५२।२५उ.प्रदोषः
१४	शु	४८	४१	आ	३	२९	ह	२४	२७	वि	२०	३९	२७	१९	४१	७	२६	२९	क४७।०	भ.२०।३९या.
३०	श	४३	३५	पु	१/३१	५/४५	व	१८	२७	च	१६	८	२४	१९	४१	८	२७	३०	कर्के	हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.६वृ.इ.१६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	०	२	५	७	३
४	२७	०	१३	२९	१७	२७	३
११	५	५८	४८	५८	४५	३६	४३
२८	३८	३७	३२	१९	१८	३५	२
५७	४२	४६	६	७४	३	३	५६
१५	२३	२	२६	३२	४२	११	५८

गोचर ग्रहाः

श्रावण कृष्णे १ शनौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

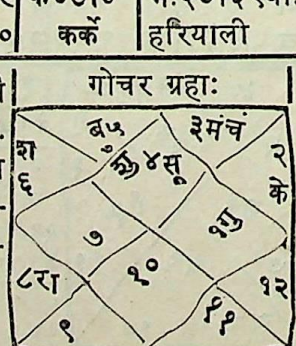

१६पं. श्रा.कृ.१३वृ.इ. १६/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	०	३	५	७	३
१०	१	५	१४	५	१८	२७	१०
५२	५१	४३	३५	३५	१२	१४	२२
३०	३६	३४	६	१७	११	२०	१९
५७	४१	१७	५	७४	४	३	५७
२०	४६	५२	३२	३२	२१	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ११६सन् २०११

१	र	३७	१९	श्ले	५३	५०	सि	११	२६	ब	१०	२७	३३	२०	४०	९	२८	३१	सि. ५३ ५०	[+८ ता० ३१ सिंघारा
२	चं	३०	२८	म	४८	५९	व्य	३३	५१	कौ	३	५३	१९	२०	४०	१०	२९	१	सिंहे	वक्री.बुधः १३।२४चंद्रदर्शनम् अगस्त +
३	मं	२३	२७	पू	४३	५५	प	४६	४७	ग	२३	२७	१६	२१	३९	११	१	२	कं.५७।४२	भ.४९।५५उ. रमजान ९ तीज
४	बु	१६	२३	उ	३९	४	शि	३८	२६	वि	१६	२३	१३	२१	३९	१२	२	३	कन्यायां	भ.१६।२३या.आश्ले. रविः १९।४३ ×
५	गु	९	४४	ह	३४	३५	सि	३०	३४	वा	९	४४	१०	२२	३८	१३	३	४	कन्यायां	आर्द्रा.भौमः २४।२६ नाग पंचमी
६	शु	३	३५	चि	३०	३५	सा	२३	५	तै	३	३५	७	२३	३७	१४	४	५	तु.२।३५	भ.५८।१उ. [×(सौरः५३।६) वरद ४
७	शु	५४	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	श	५२	१४	स्वा	२७	२१	शु	१५	५२	वि	२५	३८	४	२३	३७	१५	५	६	तुलायां	भ.२५।३८या.आश्ले.शुक्रः १४।५८
९	र	४९	६	वि	२४	४७	शु	९	३५	वा	२१	१०	०	२४	३६	१६	६	७	वृ.१०।२६	
१०	चं	४६	०	अ	२२	५८	ब्र	४६	५४	तै	१७	३३	३२	२५	३५	१७	७	८	वृश्चिके	ज्येष्ठा.३राहुः मृग.१केतुः ३।४४
११	मं	४३	३२	ज्ये	२२	१	वै	५४	८	व	१४	४६	५४	२५	३५	१८	८	९	ध. २२	भ.१४।४६उ.४३।३२या.बुधास्तः ÷
१२	बु	४१	५५	मू	२१	५४	वि	५०	१९	व	१२	५७	५०	२६	३४	१९	९	१०	धनुषि	[÷ पश्चिमायां ३५।२१पवित्रा ११व्र.
१३	गु	४१	३९	पू	२२	५२	प्री	४७	३०	कौ	११	४७	४७	२७	३३	२०	१०	११	म.३८।२१	प्रदोषः
१४	शु	४२	१०	उ	२४	४९	आ	४५	२०	ग	११	५४	४४	२७	३३	२१	११	१२	मकरे	भ.४२।१०उ.
१५	श	४४	१०	श्र	२७	४७	सौ	४४	३१	वि	१३	१०	४०	२८	३२	२२	१२	१३	मकरे	भ.१३/०या.श्रावणी कर्म रक्षाबन्धनम् भद्रो

१७पं.श्रा.शु.५वृ.इ.१६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	०	३	५	७	३
१७	६	७	१५	१४	१८	२६	१७
२४	३४	४	१३	१२	४३	५२	२
१२	२३	४१	२६	३६	१६	४	७
५७	४१	१३/४८	४	७४	४	३	५७
२५	२५	व. २६	३२	५०	११	१२	

गोचर ग्रहाः

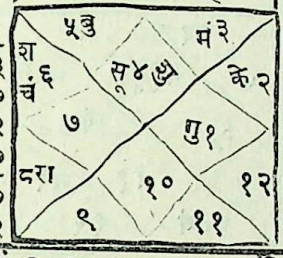

इस मास में ५ शनि अशुभ हैं चांदी में घटा वढी चले रस धातु धान्य में तेजी रहें प्रजा मे रोग शोक व्यापे शुक्र का अस्त वर्षा कारक है।

गोचर ग्रहाः

१८पं.श्रा.शु.१३वृ.इ.१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	०	३	५	७	३
२४	११	४	१५	२२	१९	२६	२३
१६	१५	२३	४३	५०	१७	२९	४३
३७	११	१३	३४	५६	५६	४८	१४
५७	४१	४५/४०	३	७४	५	३	५७
३३	७	व.	१९	३८	१४	११	२२

| ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.

१	र	४७	२२	ध	३२	१८	शो	४४	१२	बा	१५	४६	३७	२९	३९	२३	१३	१४	कुं. ०	[÷ आश्ले.बुधः ५३।३
२	चं	५१	४५	श	३७	४७	अ	४४	५६	तै	१९	३३	३३	२९	३१	२४	१४	१५	कुंभे	[+ मघा.सिंहे शुक्रः ३।३०चतुर्थी व्र.
३	मं	५६	४३	पू	४४	१०	सु	४६	१९	व	२४	१४	३०	३०	३०	२५	१५	१६	मी२७।३४	भ.२४।१४उ.५६।४३या. वक्री कर्के ÷
४	बु	६०	०	उ	५१	१३	धृ	४८	२६	ब	२९	४३	२६	२९	३१	२६	१६	१७	मीने	मघा.सिंहेऽर्कः १३।४५(सौरः ४९।३१) +
४	गु	२	४२	रे	५८	४९	शू	५०	४९	बा	२	४२	२३	३२	२८	२७	१७	१८	मे.५८।४९	
५	शु	९	१	अ	६०	०	गं	५३	१८	तै	९	१	१९	३२	२८	२८	१८	१९	मेषे	हस्त.४शनिः १।३४चंद्रषष्ठी
६	श	१४	४९	अ	६	२८	बृ	५५	३३	व	१४	४९	१५	३३	२७	२९	१९	२०	मेषे	भ.१४।४९उ.४७।४८या.
७	र	२०	४७	भ	१३	३४	ध्रु	५७	१०	ब	२०	४७	१२	३४	२६	३०	२०	२१	वृ.३०।२	जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	चं	२५	७	कृ	१९	२८	व्या	५७	४४	कौ	२५	७	८	३४	२६	३१	२१	२२	वृषे	जन्माष्मी व्र.वै.
९	मं	२७	५५	रो	२४	१०	ह	५६	५८	ग	२७	५५	४	३५	२५	१	२२	२३	मि. ५५	भ.५८।२०उ.भा.भाद्रपदारंभःगोगा ९
१०	बु	२८	४६	मृ	२७	२	व	५४	४३	वि	२८	४६	१	३६	२४	२	२३	२४	मिथुने	भ.२८।४६या.पुन.भौमः ४१।५०
११	गु	२७	३५	अं	२७	४८	सि	५०	४९	बा	२७	३५	५१/०	३७	२३	३	२४	२५	मिथुनें	बुधोदयःपूर्वस्यां २०।४४ अजा ११व्र.
१२	शु	२४	२६	पु	२६	४२	व्य	४५	२२	तै	२४	२६	५३	३७	२३	४	२५	२६	क.११।५९	वत्स द्वादशी प्रदोषः
१३	श	१९	२२	पु	२३	४८	व	३८	२२	व	१९	२२	४९	३८	२२	५	२६	२७	कर्के	भ.१९।२२उ.४५।५८या मार्गी बुधः =
१४	र	१२	३४	श्ले	१९	१	प	३०	३	श	१२	३४	४६	३९	२१	६	२७	२८	सिं.१९।१	[= २९।५०पूफा.शुक्रः ४८।१६
३०	चं	४	४६	म	१३	१२	शि	२०	५७	ना	४	४६	४२	४०	२०	७	२८	२९	सिंहें	कुशा ग्रहणी पिठोरी ३०मन्वादिः

१९पं.भा.कृ.४वृ.इ.१६।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	०	४	५	७	४
०	१५	२८	१६	१	१९	२६	०
५९	४९	४३	४	३०	५५	७	२५
२३	५५	५५	३७	११	४१	३३	२७
५७	४०	५५/३	१	७४	५	३	५७
४०	४६	व.	५५	३८	४१	११	३४

गोचर ग्रहाः

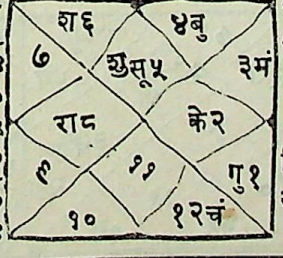

भाद्रपद कृष्णे ४ बुधे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घताशुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

२०पं०भा.कृ.११वृ.इ.१५/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	०	४	५	७	४
७	२०	२४	१६	१०	२०	२५	७
४४	२२	५०	१७	१०	३६	४५	८
२०	५५	५६	६	२३	४३	१७	५६
५७	४०	३३/०	०	७४	६	३	५७
४९	२६	व.	४६	३८	२	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १४६ स.२०११
१	चं	५१	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४७	१६	पू	३४	१७	सि	११	१०	बा	२१	४४	३१ ३८	४० ५	२० ६	८ २६ ३०	कं.१६।५३ वक्री गुरुः २६।५५ चंद्रदर्शनम्
३	बु	३८	५०	ह	५३	२०	सा	२०	१५० १५४	तै	१३	४	३४	४१	१६	९ १ ३१	कन्यायां पूफा. रविः २५ (सौरः ४०/२२) सब्बाल १०+
४	गु	३०	५३	चि	४७	३१	शु	४२	६	व	४	५२	३०	४२	१८	१० २ १	तु.२०।२८ भ.५२ उ.३३ या. सितम्बर ९ ता. ३० ×
५	शु	२३	४८	स्वा	४२	३८	ब्र	३३	३२	बा	२३	४८	२६	४३	१७	११ ३ २	तुलायां ऋषि पंचमी [× गणेश ४
६	श	१७	५४	वि	३८	५९	ऐं	२६	१	तै	१७	५४	२२	४४	१६	१२ ४ ३	वृ.२४।५४ [+ हरितालिका ३
७	र	१३	९	अ	३६	३३	वै	१९	२५	व	१३	९	१८	४४	१६	१३ ५ ४	वृश्चिके भ. १३।९ उ. ४१।३५ या
८	चं	१०	१	ज्ये	३५	२९	वि	१४	१	ब	१०	१	१५	४५	१५	१४ ६ ५	धं.३५।२९ सिंहे मघा. बुधः ३४।१०
९	मं	८	५	मू	३५	४४	प्री	९	२२	कौ	८	५	११	४४	१४	१५ ७ ६	धनुषि
१०	बु	७	२२	पू	३७	१७	आ	६	१	ग	७	२२	७	४७	१३	१६ ८ ७	म.५२।५८ भ.३७।४४ उ. उफा. शुक्रः ३३।२५
११	गु	८	७	उ	३९	५९	सौ	३	३९	वि	८	७	३	४७	१३	१७ ९ ८	मकरे भ. ८।७ या. जलझूलनी ११ व्र. ÷
१२	शु	९	४३	श्र	४३	५३	शो	२	१७	बा	९	४३	३९	४८	१२	१८ १० ९	मकरे कर्के भौमः १९।४३ प्रदोषः
१३	श	१२	५३	ध	४८	४७	अ	१	५८	तै	१२	५३	५५	४९	११	१९ ११ १०	कुं.१६।१९ कन्यायां शक्रः १४।२६ [÷वामन जयंती
१४	र	१६	४७	श	५४	२३	सु	२	३	व	१६	४७	५१	५०	१०	२० १२ ११	कुम्भे भ. १६।४७ उ. ४९।१४ या. अनंत १४
१५	चं	२१	४१	पू	६०	०	धृ	२	४७	ब	२१	४१	४७	५१	९	२१ १३ १२	मि. ५३ महालयारंभः कुमारिणां संध्या. पूजनारंभः

२१पं.भा.शु.४वृ.इ.१५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	०	४	५	७	४
१४	२४	२६	१६	१८	२१	२५	१३
३०	५१	४४	१९	५०	१९	२३	५४
०	४७	२	५२	४९	४८	२	८
५८	४०	१४	३०	७४	६	३	५७
१	२	मा	वं	३२	२४	११	५७

गोचर ग्रहाः

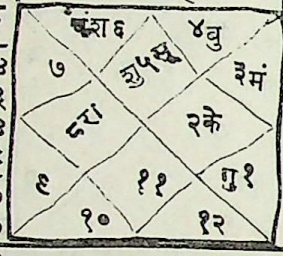

इस मास की कृष्णा पक्ष की तिथि वृद्धि शुक्ल पक्ष की तिथि क्षय गेहूं बाजरा चांवल सोना चांदी शक्कर गुड में तेजी करेंगी ।

गोचर ग्रहाः

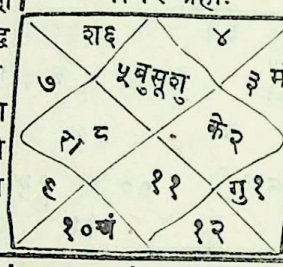

२२पं. भा.शु. ११वृ.इ. १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	०	४	५	७	४
२१	२९	४	१६	२७	२२	२५	२०
१७	१७	९	१२	३२	५	०	४०
२	३८	२५	४	२०	२०	४६	४८
५८	३९	९२	१२	७४	६	३	५८
१३	३७	४४	वं	३२	३८	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रः कृष्णेति महा.
१	मं	२७	४	पू	१	१	शू	४	२७	कौ	२७	४	३०	५५	९	२२ १४ १३	मीने उफा. रविः ४७ पूफा. बुधः ४७ बुधास्तः A
२	बु	३३	१४	उ	८	४	गं	६	२३	तै	०	९	३९	५२	८	२३ १५ १४	मीने उफा. रविः सौरः २५/२ पुष्ये भौमः ४६
३	गु	३९	३५	रे	१५	३५	बृ	७	४४	व	६	२४	३५	५३	७	२४ १६ १५	मे१५।३५ भ. ६।२४ उ. ३९।३५ या.
४	शु	४५	३८	अ	२३	१५	धु	११	१०	ब	१२	३५	३१	५४	६	२५ १७ १६	मेषे चतुर्थी व्रतम् [A पूर्वस्यां ५६।३०
५	श	५१	२९	भ	३०	४१	व्या	१३	३४	कौ	१८	३३	२७	५५	५	२६ १८ १७	बृ.४७।२० कन्यायामर्कः १३।७ (सौरः ५०।१३)
६	र	५६	२६	कृ	३७	१६	ह	१५	३०	ग	२४	५७	२२	५६	४	२७ १९ १८	वृषे भ. ५६।२६ उ. हस्ते शुक्रः १७।१५
७	चं	६०	०	रो	४२	५८	व	१६	४६	वि	२८	१७	१८	५६	४	२८ २० १९	वृषे भ. २८।१७ या. चित्रा. १ शनि १०।५९
७	मं	०	८	मृ	४७	१६	सि	१७	१	ब	०	८	१४	५७	३	२९ २१ २०	मि.१५।७ उफा. बुधः ४९।४१
८	बु	२	१०	आ	४९	५०	व्य	१६	८	कौ	२	१०	९	५८	२	३० २२ २१	मिथुने मातृ ९ (सौभाग्यवतीनां श्राद्धं)
९	गु	२	२२	पु	५०	१४	व	१३	३७	ग	२	२२	५	५९	१	३१ २३ २२	क. ३५।८ भ. ३१।२९ उ. कन्यायां बुधः ३७।५
१०	शु	०	३६	पु	४८	५७	प	९	४०	वि	०	३६	३० ०	० ६	० ६	१ २४ २३	कर्के भ. ३९ या.भा.आश्विनारंभः इं.११व्र.स्मा.
११	शु	५६	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० [+शस्त्रादिहतानांश्राद्धं
१२	श	५०	५०	श्ले	४५	२१	शि	४	५२ ५५	कौ	२३	५६	२९	१	५९	२ २५ २४	सिं४५।२१ इंदिरा ११ व्र. वै.
१३	र	४३	३२	म	४०	१७	सा	४८	७	ग	१७	११	५३	२	५८	३ २६ २५	सिंहे भ. ४३।३२ उ. प्रदोषः
१४	चं	३४	४६	पू	३३	५२	शु	२८	२६	वि	९	८	४८	२	५८	४ २७ २६	क.४७।२ भ. ९।८ या. अस्तं शनेः ३८।१ +
३०	मं	२५	११	उ	२६	३१	शु	२७	५९	ना	२५	११	४४	३	५७	५ २८ २७	कन्यायां हस्तेरविः २६।१६ (सौरः ४३/३) सर्वपितृ ३०

२३पं.आ.कृ.३वृ.इ.१५।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	०	५	५	७	४
२८	३	१६	१५	६	२२	२४	२७
५	३८	११	५४	१४	५२	३८	२९
२४	४९	५६	४०	६	५५	३०	९
५८	३९	८	१९	७४	६	३	५८
२६	५	९	वं	३२	५५	११	२९

गोचर ग्रहाः

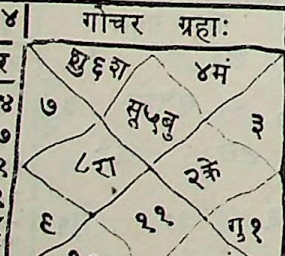

आश्विन कृष्णे ४ शनौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ गतालकावस्था ऊभी मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

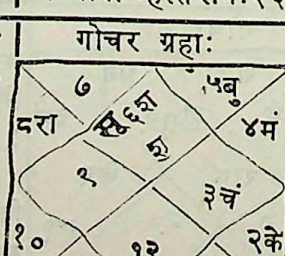

२४पं.आ.कृ.९बृ.इ.१५।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	०	५	५	७	५
४	७	२९	१५	१४	२३	२४	४
५५	५५	१९	२८	५५	४१	१६	१९
१६	१९	१९	३७	३०	४२	१५	१४
५८	३८	८	२९	७४	७	३	५८
३८	२७	४४	वं	२६	४	११	४५

(चिक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः १७५स.२०११
१	बु	१५	२१	ह	१८	४७	ब्रु	१७	१३	ब	१५	२१	२९ ४०	६	५६	६	२९	२८	तु४५।० हस्ते बुधः६।८नवरात्रारंभः मातामह श्रा.
२	गु	५	५४	चि	११	१३	ए	२३	३९	कौ	५	५४	३६	५	५५	७	३०	२९	तुलायां चित्रा.शुक्रः०।३७ चंद्र दर्शनम्
३	गु	५१	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
४	शु	४९	१९	स्वा	५	५४	वि	४६	७	व	२३	१०	३३	६	५४	८	१	३०	वृ.४४।५५ भ.२३।१०उ.४९।१९या.जिल्काद ११
५	श	४३	३	अ	५३	५२	प्री	३७	४९	ब्रु	१६	११	२८	६	५४	९	२	१	वृश्चिके शुक्रोदयः पश्चिमायां ३ १ अक्टूबर १०ता.३१
६	र	३८	३९	ज्ये	५१	२९	आ	३०	५१	कौ	१०	५१	३३	७	५३	१०	३	२	घ. ५१ २९ [+ज्येष्ठा २ राहुः रोहि.४ केतुः ५ ६ प्रदोष
७	चं	३५	४८	मू	५०	३८	सो	२५	३	ग	७	१३	१९	८	५२	११	४	३	धनुषि भ.३५।४८उ.
८	मं	३४	५६	पू	५१	२५	शो	२०	४९	वि	५	२२	१५	९	५१	१२	५	४	धनुषि भ.५।२२या.तुलायां शुक्रः२१।४९
९	बु	३५	४४	उ	५४	८	अ	१७	५४	बा	५	२०	११	१०	५०	१३	६	५	म.७।५ चित्रा.बुधः४१।५६
१०	गु	३७	५८	श्र	५८	११	सु	१६	१८	तै	६	५१	७	११	४९	१४	७	६	मकरे
११	शु	४१	४७	ध	६०	०	धृ	१५	५६	व	९	५२	३	११	४९	१५	८	७	कुं.३०।४९ भ.९।५२उ.४१।४७या.पापां कुशा ११ व्र.
१२	श	४६	२८	ध	३	२८	शू	१६	३७	ब	१४	८	२९	१२	४८	१६	९	८	कुंभे आश्ले.भौमः५४।५१
१३	र	५१	५९	श	९	३१	गं	१७	४९	कौ	१९	१३	५५	१३	४७	१७	१०	९	मी५९।४४ तुलायां बुधः३१।४स्वात्यांशुक्रः४४।३३+
१४	चं	५७	४६	पू	१६	२९	बृ	१९	४०	ग	२४	५२	५१	१४	४६	१८	११	१०	मीने भ.५७।४६उ.चित्रा.रविः५८।१८
१५	मं	६०	०	उ	२३	४१	ध्रु	२१	२८	वि	३०	५८	४७	१५	४५	१९	१२	११	मीने भ.३०।५८या.चित्रा.रविःसौरः३३।१७ =
१५	बु	४	५	रे	३१	५	व्या	२३	५१	व	४	५	४३	१५	४५	२०	१३	१२	मे.३१।५ [=शरद् पूर्णिमा कोजागरी व्र.का.स्ना.प्रा.

२५ पं.आ.शु.२ वृ.इ. १५ ७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	०	५	५	७	५
११	१२	१२	१४	२३	२४	२३	११
४६	७	५	५४	३७	३१	५३	११
५२	४१	४९	७	५९	३७	५९	१४
५८	३७	०	३ ५	७४	७	३	५९
५३	५२	२६	व.	२६	१४	११	०

गोचर ग्रहाः

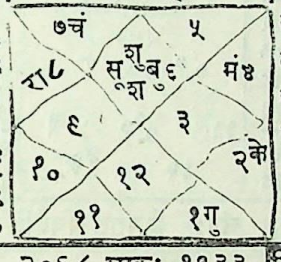

कन्याराशि गते शुक्रे सर्व सस्यं विनिश्यति, तत्र धान्य महर्घाणि शालिश्चैव विशेषतः इस मास धातु धान्य रस सभी तेज हो सुदि में धातु मंदी हो ।

गोचर ग्रहाः

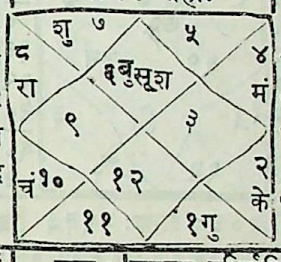

२६ पं.आ.शु.१० वृ.इ. १५ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	०	६	५	७	५
१८	१६	२४	१४	२	२५	२३	१८
४०	१५	१७	११	२०	२२	३१	५
८	७	३८	३८	१३	२६	४४	१
५९	३७	०	२ ६	७४	७	३	५९
९	२५	४५	व	२२	२०	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः स. २०६८ शाकः १९३३									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आ.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	गु	१०	२३	अ	३८	३५	ह	२६	११	कौ	१०	२३	३९	६	४४	२१	१४	१३	मेषे स्वात्यां बुधः४६।२वक्री आश्वि.४गुरुः ३ ३४
२	शु	१६	२८	भ	४५	५६	ब	२८	२०	ग	१६	२८	३५	१७	४३	२२	१५	१४	मेषे भ.४९।१७उ.
३	श	२२	६	कृ	५२	३८	सि	३०	१३	वि	२२	६	३१	१८	४२	२३	१६	१५	वृ. ३ ८ भ.२२।६या.चतुर्थी व्रतम्
४	र	२६	५३	रो	५८	३५	व्य	३१	२९	बा	२६	५३	२७	१९	४१	२४	१७	१६	वृषे चित्रा.२शनिः५०।११
५	चं	३०	५३	मृ	६०	०	व	३२	८	तै	३०	५३	२३	१९	४१	२५	१८	१७	मि. ३ १ तुलायामर्कः४२।७
६	मं	३३	३६	मृ	३	३२	प	३१	५६	ग	२	१४	३०	२०	४०	२६	१९	१८	मिथुने भ.३ ३ उ.तुलार्कः सौरः१६।१ बुधोदवः ×
७	बु	३४	५३	आ	७	११	शि	३०	३६	वि	४	१४	१६	२१	३९	२७	२०	१९	क.५३।४४ भ.४।१४या. [×पश्चिमायां १५।१८
८	गु	३४	४०	पु	९	१४	सि	२७	५५	बा	४	४६	१२	२२	३८	२८	२१	२०	कर्के विशा.शुक्रः२७।३९
९	शु	३२	१३	पु	९	४०	सा	२३	४९	तै	३	२६	८	२२	३८	२९	२२	२१	कर्के
१०	श	२८	१०	श्ले	८	२४	शु	१७	२६	व	०	११	४	२३	३७	३०	२३	२२	सिं.८।२४ भ.०।११उ.२८।१०या.
११	र	२२	२७	म	५	१४	शु	११	२३	बा	२२	२७	०	२४	३६	१	२४	२३	सिंहे भा.कार्तिकारंभः रमा ११ व्र.
१२	चं	१५	८	पू	२ ०	५ ३	ब्र	४	५ ०	तै	१५	८	२७	२५	३५	२	२५	२४	कं.१३।४८ स्वात्यां रविः२४।९(सौरः५७।४)विशा.=
१३	मं	६	३४	ह	४७	०	वै	४३	२२	व	६	३४	५३	२५	३५	३	२६	२५	कन्यायां भ.६।३४उ.३२।०या.रुप १४
१४	मं	५०	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० [=बुधः१७।५३प्रदोषःधन १३
३०	बु	४७	२०	चि	३९	५	वि	३२	३१	च	२२	२३	४९	२६	३४	४	२७	२६	तु.१३।२ महालक्ष्मी पूजनम्

२७ का. कृ. १ वृ. इ. १४ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	०	६	५	७	५
२५	२०	५	१३	११	२६	२३	२५
३५	१८	४७	२२	२	१३	९	०
२	०	२८	१६	२८	२६	२८	४३
१९	२६	०	१४	७४	७	३	५९
२१	३१	५०	व.	२०	२०	११	३१

गोचर ग्रहाः

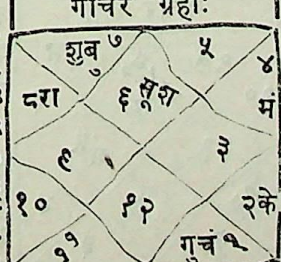

कार्तिक कृष्णे ५ चद्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

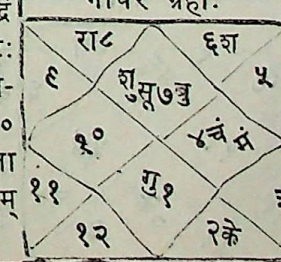

२८ पं.का.कृ.८ वृ.इ.१४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	०	६	५	७	६
२	२४	१६	१२	१९	२७	२२	१
३१	१४	४३	१८	४३	४	४७	५८
२६	१७	१९	४१	५२	५९	१२	९
५९	३५	९५	७ ४६	७४	२०	३	५९
३४	५६	४३	व.	१२	व.	११	४६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०४ स.२०११
१	गु ३७ २९ स्वा ३१ २२ प्री २१ ३४ किं १२ २५	३७	६	५	५	२८	२७	तुलायां	अन्नकुटं गोवर्द्धन पूजा [A च.गुरुः ४५
२	शु २८ ३२ वि २३ ५८ आ १० ३३ बा २ ५७	४५	२७	३३	६	२९	२८	वृ.१०।४९	बृश्चिके शुक्रः ३०।१४ चंद्रदर्शनम् V
३	श २० ४४ अ १७ ४४ सौ ३७ ५१ ग २० ४४	३७	२९	३१	७	१	२९	वृश्चिके	भ. ४७।४२ उ. बृश्चिके बुधः १०।३६+
४	र १४ ४० ज्ये १३ ३ अ ४३ ५१ वि १४ ४०	३४	२९	३१	८	२	३०	ध.१५।३	भ. १४।४० या. [+जिल्हेज १२
५	चं १० २३ मू १० २१ सु ३७ ५२ बा १० २३	३०	३०	३०	९	३	३१	धनुषि	अनु. बुधः ४३।३१ अनु शुक्रः ८।२०=
६	मं ८ १ पू ९ २२ धृ ३३ ४० तै ८ १	२७	३१	२९	१०	४	१	म.२४।४१	नवम्बर ११ ता. ३० [Vभ्रातृ २ यम २
७	बु ८ ० उ १० ३८ शू ३० ५४ व ८ ०	२३	३१	२९	११	५	२	मकरे	भ. ८।० उ. ३८।५५ या. उदयं शनेः ९
८	गु ९ ५० श्र १३ ४४ गं २९ ३८ ब ९ ५०	१९	३२	२८	१२	६	३	कु.४५।४३	गोपाष्टमी [=मघा. सिंहे भौमेः ५।३२
९	शु १३ ३३ ध १७ ४१ बृ ३० १ कौ १३ ३३	१६	३३	२७	१३	७	४	कुम्भे	कुष्मांड ९ अक्षय ९ [÷का. स्ना. पू.
१०	श १८ २९ श २४ ४७ धु ३० ५३ ग १८ २९	१३	३४	२६	१४	८	५	कुम्भे	भ. ५१।२७ उ. [Dशुक्रः ५४ मन्वादिः÷
११	र २४ २५ पू ३१ ५४ व्या ३१ ४९ वि २४ २५	९	३४	२६	१५	९	६	मी.१५।७	भ. २४।२५ या. विशा. रविः ४४।३५×
१२	चं ३० ३६ उ ३९ १३ ह ३४ ५६ बा ३० ३६	५	३५	२५	१६	१०	७	मीने	विशा. रविः सौरः ५ वक्री अश्विनी३A
१३	मं ३७ १५ रे ४६ ५५ व ३७ १८ कौ ३ ५५	२	३६	२४	१७	११	८	मे.४६।५५	प्रदोषः [×प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी वि.
१४	बु ४३ २९ अ ५४ १० सि ३९ २९ ग १० २१	२६	३६	२४	१८	१२	९	मेषे	भ. ४३।२९ उ. वैकुंठ १४
१५	गु ४९ १९ भ ६० ० व्य ४१ ३३ वि १६ २४	५५	३७	२३	१९	१३	१०	मेषे	भ. १६ या. ज्येष्ठा. बुधः ५५ ज्येष्ठा D

२९ पं.का.शु.१ वृ.इ. १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	०	६	५	७	६
९	२८	२७	११	२८	२७	२२	८
२९	४	७	३२	२६	५५	२४	५७
४२	३७	५५	५६	२८	५५	५७	२९
५९	३५	८८	५३	७४	७	३	६०
४७	८	५२	व.	२	१४	११	२

३० पं.का.शु. ८ वृ. इ. १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	०	७	५	७	६
१६	१	६	१०	७	२८	२२	१५
२९	४७	४४	३६	९	४६	२	५८
२८	४९	३८	४	४	५४	१	३३
६०	३४	८१	५३	७३	७	३	६०
४	१७	२८	व	५६	८	११	१८

३१ पं.का. शु.१५ वृ.इ. १४

र	मं	शु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	०	७	५	७	६
२३	५	१५	९	१५	२९	२१	२३
३०	२३	५२	४१	५०	३५	४०	१
५०	२८	३४	२०	३१	२०	२६	७
६०	३३	३९	३३	७३	६	३	६०
१७	१३	५	व	५०	५६	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महारा
१	शु ५४ २९ भ १ १० ब ४३ ११ बा २१ ५३	२६	६	५	२०	१४	११	वृ.१७।४६	
२	श ५८ ५६ कृ ७ ३३ प्र ४४ १ तै २६ ४४	४९	३८	२२	२१	१५	१२	वृषे	
३	र ६० ० रो १३ १० शि ४४ १० व ३० ४०	४५	३९	२१	२२	१६	१३	मि४५।३४	भ. ३०।४० उ. चित्रा. ३ शनिः ४४।५८
३	चं २ २२ मृ १७ ५८ सि ४३ ५२ वि २ २२	४२	४०	२०	२३	१७	१४	मिथुने	भ. २।२२ या. चतुर्थी व्र.
४	मं ४ ४० आ २१ ४३ सा ४२ ३४ बा ४ ४०	३९	४०	२०	२४	१८	१५	मिथुने	पातस्पर्शः ४६।२८
५	बु ५ ५९ पु २४ १४ शु ४० २८ तै ५ ५९	२६	३९	२१	२५	१९	१६	कं.८।३६	बृश्चिकेऽर्कः ४०।४० पातमोक्षः ८।१२
६	गु ६ ६ पु २५ ३६ शु ३७ १० व ६ ६	३३	३९	२१	२६	२०	१७	कर्के	भ.६।६उ. ३९ या. बृश्चिकेऽर्कः सौरः ४९
७	शु ४ ५२ श्ले २५ ३८ ब्र ३१ ५९ ब ४ ५२	३०	४२	१८	२७	२१	१८	सिं२५।३८	
८	श २ १५ म २४ १४ ऐं २७ २५ कौ २ १५	२७	४३	१७	२८	२२	१९	सिंहे	अनु. रविः ५९।०
९	श ५६ २ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	र ५३ १ पू २१ ३० वै २० ५४ व २५ ३९	२५	४३	१७	२९	२३	२०	क.३५।३०	भ. ३९ उ. ५३ या. अनु. रविः सौर; ३५ ३३
११	चं ४६ १३ उ १७ ३२ वि १३ २८ व १९ ३७	२२	४४	१६	३०	२४	२१	कन्यायां	मूले धनषि शुक्रः ३५।१५ उत्पत्ति ११व्र.
१२	मं ३८ २७ ह १२ १५ ग्री ४९ ५० कौ १२ २०	१९	४४	१६	१	२५	२२	तु.३९।६	भा. मार्गशीर्षारंभः
१३	बु ३० ४ चि ५७ ५३ सौ ४५ १० ग ४ १६	१७	४५	१५	२	२६	२३	तुलायां	भ. ३०।४ उ. ५५।३३ या. वक्री बुध-+
१४	गु २१ २ वि ५२ २ शो ३४ ४६ श २१ २	१४	४५	१५	३	२७	२४	वृ.३८।४८	[+ ५२।२४ प्रदोषः
३०	शु १२ २१ अ ४५ १८ अ २४ ३४ ना १२ २१	१२	४६	१४	४	२८	२५	वृश्चिके	

३२ पं.मा.कृ. ६ वृ. इ. १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	७	६	७	७
०	८	२२	८	२४	०	२१	०
३३	४८	७	४९	३२	२२	१८	५
२९	४३	२३	५५	३८	४८	१०	११
६०	३२	४६	४९	७३	६	३	६०
३०	१३	२३	व.	४७	३८	११	४०

गोचर ग्रहाः

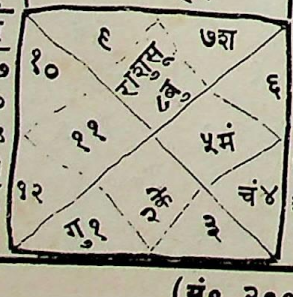

मार्गशीर्ष कृष्णे ५ बुधे बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः, वा. ३ न. ४ प्रगल्भा वस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता, शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

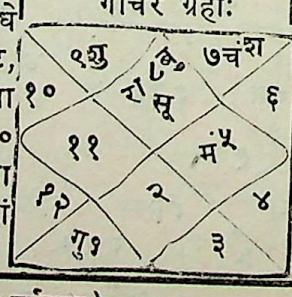

३३ पं.का. कृ.१४ वृ. इ: १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	८	६	७	७
७	१२	२६	८	३	१	२०	७
३७	३	८	४	१४	८	५५	१०
२६	४३	५६	५	२०	१०	५४	४४
६०	३०	२९	४	७३	६	३	६०
४२	५४	व.	व.	३८	२६	११	५३

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गणः २३४ स. २०११

१	शु	४	१	ज्ये	३९	३६	सु	१४	४२	ब	४	१	२६	६	५	५	२९	२६	घ.३९।३६
२	श	५३	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
३	र	५१	३९	मू	३५	११	धृ	५९	५३	तै	२४	२०	७	४७	१३	६	१	२७	धनुषि
४	चं	४८	४	पू	३२	३१	गं	५२	१९	व	१९	५२	५	४७	१३	७	२	२८	म.४७।२२
५	मं	४६	५३	उ	३१	५८	वृ	४८	२	व	१७	२८	२	४८	१२	८	३	२९	मकरे
६	बु	४७	२८	श्र	३३	३२	ध्रु	४५	२६	कौ	१७	१०	०	४८	१२	९	४	३०	मकरे
७	गु	५०	२३	ध	३७	१	ब्या	४४	४७	ग	१८	५५	२५	४८	१२	१०	५	१	कु.५।१६
८	शु	५४	५५	श	४२	२३	ह	४४	४१	वि	२२	३८	५६	४९	११	११	६	२	कुम्भे
९	श	६०	०	पू	४८	५९	व	४६	११	बा	२७	४६	५४	४९	११	१२	७	३	मी. ३२
९	र	०	३८	उ	५६	१६	सि	४८	५	कौ	०	३८	५३	४९	११	१३	८	४	मीने
१०	चं	६	५३	रे	६०	०	व्य	५०	२८	ग	६	५३	५१	५०	१०	१४	९	५	मीने
११	मं	१३	३८	रे	४	४	व	५२	४१	वि	१३	३८	४९	५०	१०	१५	१०	६	मे.४।४
१२	बु	१९	५९	अ	११	३८	प	५४	४८	बा	१९	५९	४८	५०	१०	१६	११	७	मेषे
१३	गु	२५	४४	भ	१८	३४	शि	५६	४७	तै	२५	४४	४६	५१	९	१७	१२	८	वृ. ३५
१४	शु	३०	३४	कृ	२४	४६	सि	५६	४९	व	३०	३४	४५	५१	९	१८	१३	९	वृषे
१५	श	३४	१०	रो	२९	४५	सा	५६	४०	वि	२	३२	४४	५१	९	१९	१४	१०	वृषे

प्रदोषः

[+ खग्रास चंद्रग्रहणम् दत्तजयंती

भ.३०।३४उ.

भ.२।२२या. बुधोदयः पूर्वस्यां ६।४१ +

भ.४०।१५उ.वक्री अनु.बुधः १८।२७

भ.१३।३८या.मोक्षदा ११व्र.गीता जयंती

भ.२२।३८या.पूषा.शुक्रः २२।६

ज्येष्ठा.रविः ९।७ (सौरः ३३।२७)

भ.५०।२३उ. दिसम्बर १२ ता. ३१

[÷ १२।४२ पातमोक्षः ५५।३४

भ.५९३उ.४८।४या.बुधास्तःपश्चिमायां ३४७

मोहोरम १ सन् १४३३ हि.पातस्पर्शः ÷

पूफा.भौमः ४१।४३ चंद्र दर्शनम्

३४ पं.मा.शु.७ वृ.इ.१३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	८	६	७	७
१४	१५	२१	७	११	१	२०	१४
५२	८	४६	२५	५५	५१	३३	१७
४०	३१	२६	२६	५५	२२	३९	३०
६०	२९	६५ ३४	५४ ३३	७३	६	३	६१
५०	११	व.	व.	२६	४	११	३

गोचर ग्रहाः

शु९ | रा | श७
१० | बुसू८ | ६
चं११ | | ५मं
१२ | २के | ४
१गु | | ३

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल गन्ना सक्कर गुड़ चांदी सोना मंदा होकर तेज होंगे प्रजा में अशान्ति फैले।

गोचर ग्रहाः

शु९ | श७
बुसू८रो
१० | ६
११ | ५मं
१२ | २के | ४
चं१गु | ३

३५ पं.मा.शु. १३ वृ.इ. १३/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	८	६	७	७
२१	१८	१३	६	२०	२	२०	२१
४८	०	३	५५	३६	३२	११	२५
४०	१४	५४	४८	४	६	२३	१३
६०	२७	७४ १२	४३	७३	५	३	६१
५६	२६	व.	व.	१७	४०	११	११

ति. पौष कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमतर्तू रविर्दक्षिणेमार्गशीर्षकृष्णेति महा.

१	र	३६	५२	मृ	३३	५४	शु	५५	३६	बा	५	३१	२५ ४३	६ ५१	५ ९	२०	१५	११	मि. ४९
२	चं	३८	२०	आ	३६	४७	शु	५३	४०	तै	७	३६	४२	५२	८	२१	१६	१२	मिथुने
३	मं	३८	३७	पु	३८	३५	ब्र	५०	५०	व	८	२९	४१	५२	८	२२	१७	१३	क. २३
४	बु	३७	५८	पु	३९	४९	ऐं	४७	२२	ब	८	१८	४०	५२	८	२३	१८	१४	कर्के
५	गु	३६	२८	श्ले	३९	५३	वै	४३	८	कौ	७	१२	३९	५२	८	२४	१९	१५	सिं. ३९
६	शु	३४	१	म	३८	५०	वि	३८	३	ग	५	१३	३९	५२	८	२५	२०	१६	सिंहे
७	श	३०	४३	पू	३७	५	प्री	३२	२०	वि	२	२२	३८	५२	८	२६	२१	१७	क.५१।३२
८	र	२६	३९	उ	३४	५५	आ	२६	०	कौ	२६	३९	३८	५२	८	२७	२२	१८	कन्यायां
९	चं	२१	५६	ह	३१	७	सौ	१८	५५	ग	२१	५६	३७	५३	७	२८	२३	१९	तु.५९।१
१०	मं	१५	४८	चि	२६	५६	शो	११	८	वि	१५	४८	३७	५३	७	२९	२४	२०	तुलायां
११	बु	९	२१	स्वा	२२	४	अ	४९ ५१	१३	बा	९	२१	३६	५३	७	३०	२५	२१	तुलायां
१२	गु	२	१३	वि	१६	३७	धृ	४५	०	तै	२	१३	३६	५३	७	१	२६	२२	वृ.२।५९
१३	गु	५२	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	शु	४७	२८	अ	११	१५	शू	३५	५९	वि	२१	१८	३६	५३	७	२	२७	२३	वृश्चिके
३०	श	४१	२६	ज्ये	५	५८	गं	२७	२८	च	१४	३६	३६	५३	७	३	२८	२४	घ.५।५८

भ.८।२९उ.३८।३७या.उषा.शुक्रः ४।५९*

[* वक्री अश्वि.२गुरुः २१।४९

भ.४८।५२उ.

भ.१५।४८या.

सफला ११ व्र.

भ.५५।७उ.भा.पौषारंभःप्रदोषः

ज्येष्ठा.१राहुःरोहि.३केतुः ४७।४५

ज्येष्ठा.बुधः ४९।२९

मार्गी.बुधः १४।२३ चतुर्थी व्र.

मकरे शुक्रः ४९।९

भ.३४।१उ.मूले धनुष्यर्कः १६ (सौरः ३५)

भ.२।२२या.चित्रा.४शनिः १२।२

भ.२१।१८या.श्रवणे शुक्रः ५६।२१

३६ पं.पौ.कृ.५ वृ.इ. १३/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	८	६	७	७
२८	२०	९	६	२९	३	१९	२८
५५	३४	४७	३५	१५	९	४९	३३
३७	५२	४२	३५	५८	४३	८	५१
६१	२५	१२ २३	२३	७३	५	३	६१
०	४	मा	व.	६	११	११	१९

गोचर ग्रहाः

९शु | ७श
१० | बु८रासू | ६
११ | | ५मं
१२ | २के | ४चं
१गु | | ३

पौष कृष्णे ६ शुक्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

१०शु | चंबुरा८
११ | ९सू | श७
१२ | | ६
१गु | ३ | मं५
२के | | ४

३७ पं.पौ.कृ. १३ वृ.इ. १२/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	०	९	६	७	८
६	२२	१४	६	७	३	१९	५
३	५२	१७	२४	५४	४३	२६	४३
१४	५	४६	४७	२२	४१	५२	२१
६१	२२	५४	५०	७२	४७	३	६१
४	२८	२९	व.	५०	व	११	२२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | पौष शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्र : | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २६३सन् २०११

| | | |

ति. | माघ शुक्लपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्गण २९३स. २०१२

१	मं	१३	५	श्र	२१	१	सि	२२	२८	ब	१३	५	२६	४३	१७	४	२९	२४	कुं.	५१।४७	श्रवणे रवि: ३१ (सौर: ४३) मकरे ×
२	बु	१२	४७	ध	२२	३४	व्य	१९	३५	कौ	१२	४७	२९	४२	१८	५	१	२५	कुंभे		अभि. वि. रवि: ३३ (सौर: ३३) पूभा*
३	गु	१४	२८	श	२५	४८	व	१८	२६	ग	१४	२८	३२	४२	१८	६	२	२६	कुम्भे		भ. ४६।५ उ. [*शुक्र: ४० रविलावल
४	शु	१७	४३	पू	३०	३१	प	१७	४३	वि	१७	४३	३५	४१	१९	७	३	२७	मी. १०		भ. १७।४३ या.
५	श	२२	२४	उ	३६	५३	शि	१८	४०	बा	२२	२४	३८	४०	२०	८	४	२८	मीने		वसंत ५
६	र	२८	४	रे	४३	५३	सि	२०	१७	तै	२८	४	४१	४०	२०	९	५	२९	मे.	४३।५३	[× बुध: ६।३५ वक्री भौम: २।५ A
७	चं	३४	३८	अ	५१	२६	सा	२२	३२	ग	१	२२	४५	३९	२१	१०	६	३०	मेषे		भ. ३४ उ.श्रवणे बुध. ९६ रथ ७ भानु७
८	मं	४१	३	भ	५८	४९	शु	२४	४७	वि	७	५०	४८	३८	२२	११	७	३१	मेषे		भ. ७।५० या भीष्माष्टमी
९	बु	४६	५९	कृ	६०	०	शु	२६	४८	बा	१४	१	५१	३८	२२	१२	८	१	वृ.	१५।३४	फर्वरी २९ [A चंद्रदर्शनम्
१०	गु	५२	३	कृ	५	४९	ब्र	२८	५	तै	१९	३१	५४	३७	२३	१३	९	२	वृषे		[= मा. स्ना. पूर्तिः
११	शु	५५	३७	रो	११	३१	ए	२८	१७	व	२३	५०	५८	३६	२४	१४	१०	३	मि.	४३।३५	भ. २३ उ. ५७ या. मीने शुक्र: ५६ जया ११व्र.
१२	श	५७	२८	मृ	१५	४०	वै	२७	१४	ब	२६	२२	२७	३६	२४	१५	११	४	मिथुने		[+ (सौर: ४८।५६) धनि. बुध: ५०।२८
१३	र	५७	३१	आ	१८	७	वि	२४	५०	कौ	२७	२९	५	३५	२५	१६	१२	५	मिथुने		उभा. शुक्र: ५३।४ प्रदोष:
१४	चं	५५	४१	पु	१८	५४	प्री	२१	१	ग	२६	३६	८	३४	२६	१७	१३	६	क.	३।४२	भ. ५५।४१ उ. धनी. रवि: ३९।५६ +
१५	मं	५२	२६	पु	१७	५५	आ	१५	५०	वि	२४	३	१२	३४	२६	१८	१४	७	कर्के		भ. २४।३ या. वक्री पूफा. भौम: ४६=

४२ पं. मा. शु. ३ वृ. इ. १२३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	०	१०	६	७	९
११	२७	३	८	२०	५	१७	११
४२	५४	२४	१	३४	२९	३५	३२
४०	४३	१	५५	१६	२०	३४	२२
६०	१३	०	५	७१	१	३	६१
५९	व.	४६	३६	५२	६	११	१३

गोचर ग्रहाः

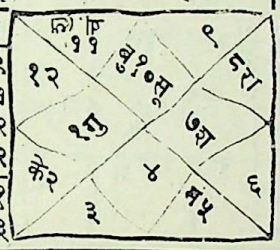

इस मास में धातु रस तेज हो धान्य मंदा हो कुम्भ राशौ स्थिते शुक्रे सुभीक्षं प्रचुरं जलम् । भवत्यत्र न संदेहो लोका- सर्वे निरामयाः ।।

गोचर ग्रहाः

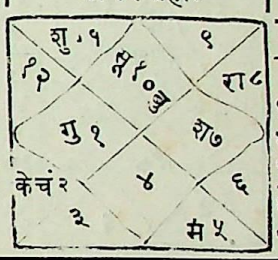

४३पं.मा.शु. १० वृ.इ. १२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	०	१०	६	७	९
१८	२७	१५	८	२८	५	१७	१८
४९	२०	११	४८	५४	३६	१३	३९
१६	३१	६	५८	०	०	१८	२७
६०	५०	०	५	७०	०	३	६१
५५	व.	५	३७	२८	४४	११	४

ति. | फाल्गुन कृष्ण पक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा.

१	बु	४७	५९	श्ले	१५	४०	सौ	९	३८	बा	२०	१२	२७	१५	६	२३	१९	१५	८	सिं	१५।४०	वक्री शनि: ८।१७
२	शु	४२	४१	म	१२	३०	शो	४७	५२	तै	१५	२०	१९	३२	२८	२०	१६	९	सिंहे		
३	शु	३६	५०	पू	८	४१	सु	४७	१९	व	९	४६	२३	३१	२९	२१	१७	१०	कं.	२२।३७	भ. ४६ उ. ५० या. कुंभे बुधः ३०।१५
४	श	३०	५६	उ	४	२३	धृ	३९	२२	व	३	५३	२७	३१	२९	२२	१८	११	कन्यायां		अश्वि.४ गुरु: २६।५७ चतुर्थी व्र.
५	र	२४	५९	ह	५१	५६	शू	३१	५६	तै	२४	५९	३०	३०	३०	२३	१९	१२	तु.	२८।१६	अनु. ४ राहुः रोहि. २ केतुः ४१।१० +
६	चं	१९	२४	स्वा	५२	४०	गं	२४	३३	ब	१९	२४	३४	२९	३१	२४	२०	१३	तुलायां		भ. १९।२४ उ. ४६।४८ या कुंभेऽर्क ×
७	मं	१४	११	वि	४९	२५	बृ	१६	४९	ब	१४	११	३८	२८	३२	२५	२१	१४	वृ.	३५।१३	शते बुधः २१।८
८	बु	९	१३	अ	४६	२३	धु	९	४६	कौ	९	१३	४१	२८	३२	२६	२२	१५	वृश्चिके		[+ पातस्पर्शः ३४।२६ पातमोक्षः ३५
९	गु	४	५१	ज्ये	४४	११	व्या	२०	५२	ग	४	४१	४४	२७	३३	२७	२३	१६	ध.	४४।११	भ. ३२।४८ उ. [×१५।१२ (सौर: २२)
१०	शु	०	४६	मू	४२	२५	व	५१	२७	वि	०	४६	४९	२६	३४	२८	२४	१७	धनुषि		भ. ४९ या. रेवत्यां शुक्र: ५५ वि.११स्मा.
११	शु	५६	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		[=(सौर: ५८।१६) प्रदोष
१२	श	५४	५०	पू	४१	२०	सि	४६	२५	कौ	२६	११	५३	२५	३५	२९	२५	१८	म.	५६।१५	विजया ११ व्र. वै.
१३	र	५३	०	उ	४१	०	व्य	४२	१५	ग	२२	५५	५६	२५	३५	३०	२६	१९	मकरे		भ. ५३।० उ. शने रवि: ५१।२८ =
१४	चं	५२	१७	श्र	४१	४५	व	३८	४९	वि	२२	३८	२८	२४	३६	१	२७	२०	मकरे		भ. ३२ या.भा.फाल्गुनारंभ: महाशिवरा
३०	मं	५२	४३	ध	४३	४१	प	३६	१४	च	२२	३०	४	२३	३७	२	२८	२१	कुं.	१२।४३	पूभा. बुध: ३५।५२

४४पं. फा.कृ. २ वृ. इ. १२५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	०	११	६	७	९
२५	२६	२७	९	७	५	१६	२५
५५	१३	३९	४२	१२	३७	५१	४६
१	५५	१४	५०	२५	१९	३	१४
६०	१२	०	७	६९	८	३	६०
४७	व.	१२	४१	४७	व	११	५५

गोचर ग्रहाः

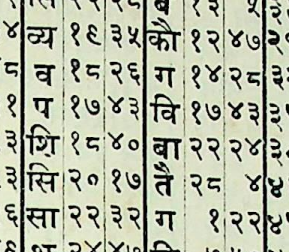

फाल्गुन कृष्णे ६ चंद्रे कुम्भेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

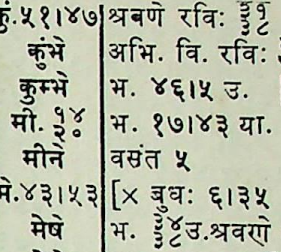

४५ पं. फा कृ. ९ वृ.इ: १३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	०	११	६	७	१०
२	२४	१०	१०	१५	५	१६	२
५९	३७	७	४४	२३	३३	२८	५२
४९	२६	५	२४	२८	३२	४७	१७
६०	२९	०	८	६८	४९	३	६०
३७	व	५६	४३	५६	व	११	४२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३						दि. उ. अ.			हि. मु. इ.			चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३२२सन् २०१२
१	बु	५४	३८	श	४७	१	शि	३५	३	कि	२३	४१	२८ २२ ३६ ५	३ २९ २२	कुम्भे	
२	गु	५७	५६	पू	५१	३४	सि	३४	२६	बा	२६	१७	१२ २२ ३८	४ ३० २३	मी. ३५ २९	बुधोदयःपश्चिमायां १७ ३२ चंद्रदर्शनम् फुल.२
३	शु	६०	०	उ	५७	२७	सा	३५	५	तै	३०	१५	१६ २१ ३९	५ १ २४	मीने	रविलाखर ४
३	श	२	३४	रे	६०	०	शु	३६	२०	ग	२	३४	३० २० ४०	६ २ २५	मीने	भ. ३ १९ उ.पातस्पर्शः ५ ६४ पातमोक्षः २१।१८
४	र	७	५९	रे	४	४	शु	३८	२३	वि	७	५९	२४ १९ ४१	७ ३ २६	मे.४।४	भ.७।५९या.
५	चं	१४	२४	अ	११	३२	ब्र	४०	५२	बा	१४	२४	२८ १८ ४२	८ ४ २७	मेषे	मीने बुधः११।४९
६	मं	२०	५०	भ	१९	१०	ऐं	४३	७	तै	२०	५०	३२ १८ ४२	९ ५ २८	वृ.३६।२	अश्वि.मेषे शुक्रः५९।२७
७	बु	२७	८	कृ	२६	४०	वै	४५	४	व	२७	८	३६ १७ ४३	१० ६ २९	वृषे	भ. २७ ८ उ. ५३ याउभा.बुधः२६।१०
८	गु	३२	३८	रो	३३	८	वि	४६	१	व	३२	३८	४० १६ ४४	११ ७ १	वृषे	मार्च ३ ता.३१होलाष्टकम्
९	शु	३६	४१	मृ	३८	२१	प्री	४५	५२	बा	४	४०	४४ १५ ४५	१२ ८ २	मि. ५।४४	भरणी.१गुरुः३६।४४
१०	श	३९	१७	आ	४१	४९	आ	४४	३१	तै	७	५९	४८ १४ ४६	१३ ९ ३	मिथुने	
११	र	३९	४२	पु	४३	२७	सौ	४१	२४	व	९	२९	५२ १४ ४६	१४ १० ४	क. २८।२	भ.९।२९उ.३९।४२या.पूभा.रविः७।३४+
१२	चं	३८	६	पु	४३	२	शो	३६	५४	ब	८	५४	५६ १३ ४७	१५ ११ ५	कर्के	[+(सौरः १३।३) आमलक्री १२ व्र.
१३	मं	३४	३८	श्ले	४०	४५	अ	३०	३९	कौ	६	२२	२९ १२ ४८	१६ १२ ६	सिं. ४५	प्रदोषः
१४	बु	२९	२६	म	३६	५७	सु	२३	१९	ग	२	२	५ ११ ४९	१७ १३ ७	सिंहे	भ.२९।२६उ.५६।६या.होलिकादहनम्
१५	गु	२२	४६	पू	३१	४९	धृ	१४	५२	ब	२२	४६	९ १० ५०	१८ १४ ८	कं.४५।२२	छारेंडी

४६पं.फा.शु.२वृ.इ.१३।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	०	११	६	७	१०
१०	२२	२३	१५	२३	५	१६	९
	३	२९	०	५२	२७	२४	६
	२२	४	७	२३	२५	३६	३२
	६०	३२ ४४	०	९	६८	३७	३
	२५	व.	३०	३३	५	व.	११

४७पं.फा.शु.८वृ.इ.१३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	११	०	०	६	७	१०
१७	२०	४	१३	१	५	१५	१६
	५	२८	३०	५	२२	१०	४४
	३५	१	४७	४६	५२	३७	१६
	६०	३५ ५४	८९	१०	६६	१६	३
	१२	व.	२०	१७	५९	व.	११

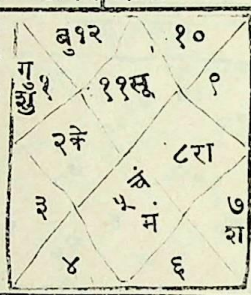

४८पं.फा.शु.१५वृ.इ.१४ ०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	११	०	०	६	७	१०
२४	१८	११	१४	९	४	१५	२४
	६	१०	३४	२३	९	५२	२२
	२२	५५	५९	३१	२२	३४	०
	५९	३५ २८	४१	१०	६५	५३	३
	५८	व.	८	५६	३५	व.	११

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३						दि. उ. अ.			भा मु इं.			चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	शु	१५	२५	उ	२६	४	शू	५५ ४४	५० ४०	कौ	१५	२५	२९ ४३	६ ५ ५१	१९ १५ ९	कन्यायां	पातस्पर्शः ४।३१ पातमोक्षः १५ ५४ वसत १
२	श	७	३७	ह	२०	१	बृ	४६	४७	ग	७	३७	१७	९ ५ १	२० १६ १०	तु.४७।१०	भ.३३।३१उ.५९।२६या.
३	श	५१	४९		०	०		०	०		०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	
४	र	५२	५	चि	१४	१९	ध्रु	३७	५२	ब	२५	४९	२१	८ ५ २	२१ १७ ११	तुलायां	चतुर्थी व्रतम्
५	चं	४५	१८	स्वा	८	५३	व्या	२९	१४	कौ	१८	४१	२६	७ ५ ३	२२ १८ १२	वृ.५०।२६	वक्री बुधः१०।२७भरण्यांशुक्रः५।२
६	मं	३९	१९	वि	४	१७	ह	२१	२३	ग	१२	१८	३०	६ ५ ४	२३ १९ १३	वृश्चिके	भ.३९।१९उ.
७	बु	३४	१७	अ	४०	५७ १९	व	१४	१७	वि	६	४८	३४	५ ५ ५	२४ २० १४	ध.५८।०	भ.६।४८या.मीनेऽर्कः८।२७ (सौरः १३ ४८) ×
८	गु	३०	१९	मू	५६	२०	सि	८	५	बा	२	१८	३८	४ ५ ६	२५ २१ १५	धनुषि	शीतला पूजनम्
९	शु	२७	३४	पू	५५	५५	व्य	५३ २५	५५ ४०	ग	२७	३४	४३	३ ५ ७	२६ २२ १६	धनुषि	भ.५६।४१उ.
१०	श	२५	४९	उ	५६	२७	प	५४	५८	वि	२५	४९	४७	३ ५ ७	२७ २३ १७	म.१०।१३	भ.२५।४९या.उभा.रविः ३९ (सौरः ३४ ०)
११	र	२४	५९	श्र	५८	११	शि	५२	२६	बा	२४	५९	५१	२ ५ ८	२८ २४ १८	मकरे	पापमोचनी ११ व्र.
१२	चं	२५	३८	ध	६०	०	सि	५०	४१	तै	२५	३८	५५	१ ५ ९	२९ २५ १९	कुं. २९ ३४	भरणी.२गुरुः२७।३२
१३	मं	२७	१	ध	०	५७	सा	५०	२	व	२७	१	३० ०	६ ० ६	३० २६ २०	कुंभे	भ.२७।१उ.५८।२४ या. प्रदोषः
१४	बु	२९	४६	श	४	५७	शु	४९	५१	श	२९	४६	४	५५ १	१ २७ २१	मी. ५३ ३८	भा.चैत्रारंभः
३०	गु	३३	४०	पू	९	५२	शु	५०	३८	च	१	४३	८	५८ २	२ २८ २२	मीने	मन्वादिः [×बुधास्तःपश्चिमायां १।५९

४९पं.चै.कृ.८वृ.इ.१४।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	०	६	७	११
	१	१५	१२	१५	१६	४	१४
	५	५५	१५	४७	४१	३०	५९
	३५	२२	०	२	४६	२२	४५
	५९	३० २९	३२ ३२	११	६३	३३	३
	४१	व.	व	३४	५७	व.	११

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे ७ बुधे मीनेऽर्कः प्रविष्टःवा.३ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

५०पं.चै.कृ.३०वृ.इ. १४ ४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	०	६	७	११
	८	१३	७	१७	२३	४	१४
	३	४९	८	१३	५९	४	३७
	१८	४८	३१	४८	५३	३४	२९
	५९	२३ ५०	५७	१२	६१	५३	३
	२९	व.	वं.	८	५५	व.	११

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

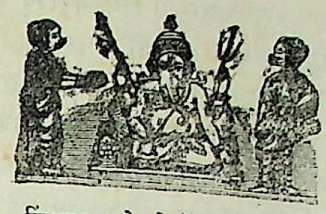

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११३, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००,द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११३, भोग्यकलिः ४२६८८७, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६९, शाकः १९३४, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः । मंत्री शुक्रः । सस्येशः चंद्रः। धान्येशः शनिः । मेघेशो गुरुः। रसेशो भौमः । नीरसेशः रविः। फलेशो गुरुः । धनेशो रविः । दुर्गेशो गुरुः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णु-विंशतिकायां १९ विश्वावसुनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ११।२३।४५।३६ भोग्यमासादिः ०।६।१४।२४ विश्वेदेवदैवतं युगम् । वर्षनाम आश्विनः । मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासःपर्वते । समयनिवासः कुंभकार-गृहे। समय विश्वा२० समयवाहनम् दुर्दुरःस्तंभः१ तृणस्य । सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी१ अंगारकी चतुर्थी२ बुधाष्टमी३ भानुसप्तमी २ रविदशमी १ समय मुहूर्ताः ३९० समयदिनानि ३८३ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा १२६, वर्षाविश्वा १७, धान्यम् १७, तृणम् १५, शीतम्१५, तेजः ११, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१२९, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःपश्चिमे । ग्रहणाभावः ।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	८	१४	११	११	५	११

भैरव भवानी सम्वाद

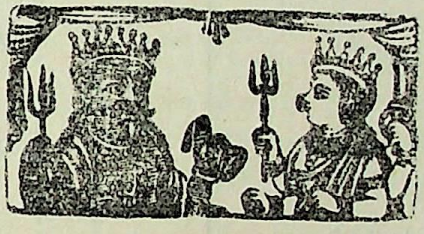

भैरव प्रश्न

कर जोड़े भैरव खड़ा माता थारे द्वार ।
उणहत्तर की साल का मख से कहदो सार ।।

भवानी उत्तर

गुणहत्तर गुण आगलो होसी अन्न अपार ।
साहुकार सोदा करे रस आयो व्यापार ।।
चौमासे मघवा चढे जग में हो सुख चैन ।
मोर पपीहा मस्त हो बोले मीठे बैन ।।
रोहिणी पर्वत में बसी धान्याधिप शनि जाण ।
पकी पकाई शाख में करसी कुछेक हाण ।।
पण भैरव भय मतकरे राजा मंत्री देख ।
धर्म कर्म जप तप किये ईश्वर राखे रेख ।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	घ.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	१४	८	१४	८	८	१४

वर्ष लग्नम् ५।२७

वर्षेश लग्नम् ५।२८

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।०।५१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणांफलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजाशुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रस्यराज्ये बहुसस्य संकुलासुतीव्रवेगाः सरितोंम्बुराशिभिः । फलंतिवृक्षाः बहुगोप्रसूतिः वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता । मंत्री शुक्रस्तत्फलम् ।। भृगुसुतेननु मंत्रिपदंगतेशलभमूषक रावथ-माहिषैः । भवति धान्य–समर्घ–तया भयं जनपदेषुजलं सरितोधिकम् ।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। सस्याधिपेशीतकरे प्रजा-सुखंमेघाः पयोमुंचतिगोपगोधुक् देवद्विजाराधन तत्परानृपा धराभवेद्धान्यधनौघपूर्णा ।। धान्येशः शनिःफलम् । दुर्भिक्षंजायते तत्रकलहं देशविग्रहं । सौराष्ट्र–देश नष्टश्च यत्रधान्याधिपः शनिः ।। मेघेशोगुरुःफलम् ।। गुरुरपि प्रियवृष्टिकरः सदाखिल विलासवती धरणीतदा । श्रुतिविचारपरानरपालका रससमृद्धियुताखिलमानवाः ।। रसेशो भौमस्तत्फलम् ।। यदिधरातनयोरसपो भवेन्नरसराशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विषमोजनतापदोन जलदो बहुवृष्टि करो भुवि ।। नीरसेशो रविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्ये त्रपुचंदनयोरपि । रत्नमाणिक्यमुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभयावनराशिमहाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सव मन्दिरा श्रुतिविचार पराद्विज पूर्वकाः ।। धनेशो रविःफलम् ।। द्रविणपे यदि वासरपेतदा वणिजतो बहुद्रव्य समागमः । गजतुरंगममेषखरोष्ट्र तो धनचयंलभतेक्रयविक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरौ गढपे नयशोभितानरवरा नरपाः कर पालिताः । गिरिषुवै नगरेषु समं सुखं शुभमतिद्विज शस्त्रवतांत्रिशाम् ।। विश्वावसुनाम संवत्सरः फलम् ।। अब्दे विश्वावसौ शश्वद्धौर रोग धरा नराः । सस्यार्धं वृष्टयोमध्या भूपाला नाति भूतयः ।। वर्षनामआश्विनः फलम् ।। सुभिक्षं पूर्वं सस्यँस्याज्ज्वर रोगाकुलंजगत् । आश्विने शोभनावृष्टिः नृप सौख्य करीमता ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्तेः छिन्नवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः पर्वतेफलम् । पर्वते विंदुमा त्रश्च । समय निवासः कुंभकारगृहे । अनावृष्टिः प्रजापतौ । एवं संचित्य-दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।

संवत् २०६९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृष्णा ८ शुक्रे उषा. ल. १२ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।

आषाढमासः

शुक्ला ५ रवौ मघा ल. ऽ न्यगो. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

कार्तिक मासः

शुक्ला ११ शनौ रेव. ल. गो (सोग्रांग.) रे. ९ ।।।।।ऽरो।।।। भौमाष्टम महादोषः नेष्टं

,, १५ बुधे रोहि. ल. ४–५–६ रे. ८ ।।।।ऽ (नृपः ४८ उ.) ।ऽ।।

मार्गशिर्ष मासः

कृष्णा १ गुरौ मृगे ल. ४–५–६ रे. ८ ।।।।।ऽ नृ. ४७ याऽ।।

,, २ शुक्रे मृगे ल. गो. (सोग्रांगः) रे. ९ ।।।।।।ऽ।। भौमाष्टम महादोषः नेष्टं

,, ६ बुधे मघा. ल. ६ ऽऽ।।ऽअऽ।।। आवश्यक ।

,, ८ शुक्रे उफा. ल. ४।५ रे. ७ ऽ।।।।। नृ. ३९ उ. ऽऽ।।

,, ९ शनौ हस्ते ल. ऽ न्यगो (सोयोगः) रे. ७ ।।।।।ऽनृ ।ऽ।ऽ दग्धा भौमाष्टम महादोषः नेष्टं

पौष मास ।

शुक्ला ५ बुधे उभा ल. ऽ न्थ गो. रे. ८ ।।।।।ऽअऽ।।। सप्तमस्थोभौमः कन्यऽयां चं. पू. वृश्चिके गु. श. पूज्यौपरिधश्च नेष्टम्.

,, ६ गुरौ रेव. ल. ऽ न्थ गो. (भौम ७ मस्थः) ल. ६ चं. पू. सत् रेखा ९ ।।।।।। नृ. ५४ उ. ।ऽ।।

माघमासः ।

कृष्णा ३ बुधे उफा.ल. ६ रे.९।।।।।।(रो. ४१ उ.)।ऽ।।

,, ४ गुरौ उफा. ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽरो।ऽ।। भौमाष्टम महादोषः

,, ५ गुरौ हस्ते ल. ८ (गु. श . पूज्यौ) रे. ७ ।।।।।ऽरो. ४० या. ऽऽ।।

,, ५ शुक्रे हस्ते ल. गो. (भौमाष्टममहादोषः) रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

,, ९ चन्द्रे अनु. ल. ऽन्यगौ. भौमाष्टममह दोषः) रे. ६ ऽ।।।ऽनृप ३६ उ. ऽऽ।।

,, ११ मूले ल. ८ (गु. श. सत्) रे. ८ ।ऽ।।।। चौ. ३५ उ. ।ऽ।। दग्धा ४२।३४ उ.

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्री चैत्र शुक्लपक्षः स० २०६९ शाकः १९३४ दि उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वसंततु रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५२स. २०१२

१	शु	३८	३२	उ	१५	४६	अ	५२	५	किं	६	५	३०	५८	२	३	२९	२३	मीने	वक्री मधा.भौमः २९/४ संवत्सारंभः नवरा.
२	श	४३	५७	रे	२२	२३	ऐं	५४	०	बा	११	१४	१६	५७	३	४	३०	२४	मे.२२।२३	कृति. शुक्रः ४९।५१ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	र	५०	२२	अ	२९	४४	वै	५६	१७	तै	१७	९	२१	५६	४	५	१	२५	मेषे	जमादिलावल ५ मत्स्य जयंति गणगौरी
४	चं	५६	४४	भ	३७	२०	वि	५८	४३	व	२३	३२	२५	५५	५	६	२	२६	वृ.५४।१६	भ. २३।३२ उ. ५६।४४ या.
५	मं	६०	०	कृ	४५	१	प्री	६०	०	ब	२९	५६	२९	५४	६	७	३	२७	वृषे	
५	बु	३	८	रो	५२	१३	प्री	१	११	बा	३	८	३३	५३	७	८	४	२८	वृषे	बृषे शुक्रः १४।१८
६	शु	८	५०	मृ	५८	१७	आ	३	५	तै	८	५०	३७	५३	७	९	५	२९	मि२५।१५	बुधोदयः पूर्वस्यां ४।३०
७	शु	१३	३५	आ	६०	०	सौ	३	४७	व	१३	३५	४१	५२	८	१०	६	३०	मिथुने	भ. १३/५ उ. ४५/१९ या. रेवत्यां रविः ५७/१०
८	श	१७	२	आ	३	१३	शो	३	३२	ब	१७	२	४५	५१	९	११	७	३१	क.५०।३१	रेवत्यां रविः सौरः १।२७
९	र	१८	३४	पु	६	१६	अ	२	५६/४०	कौ	१८	३४	४९	५०	१०	१२	८	१	कर्के	अप्रेल ४ ता. ३० रामनवमी
१०	चं	१७	५९	पु	७	२३	धृ	५३	५३	ग	१७	५९	५३	४९	११	१३	९	२	कर्के	भ. ४९/४९ उ. वक्री चित्रा. ३ शनिः २।१
११	मं	१५	२४	श्ले	६	२९	शू	४७	२७	वि	१५	२४	५७	४९	११	१४	१०	३	सिं ६।२९	भ. १५।२४ या. कामदा ११ व्र.
१२	बु	१०	४६	म	३७/३५	५५/३९	गं	३९	२९	बा	१०	४६	३१/९	४८	१२	२५	११	४	सिंहे	भरणी ३ गुरुः ०।५५ प्रदोषः
१३	गु	४	१८	उ	५२	४७	वृ	३०	१५	तै	४	१८	५	४७	१३	१६	१२	५	कं १२।२१	भ. ५६।२२ उ.
१४	गु	५२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	शु	४७	३३	ह	४५	५२	ध्रु	२०	१३	वि	२१	५७	१०	४६	१४	१७	१३	६	कन्यायां	भ. २१/७ या. मार्गी बुधः २६/४ हनुमज्जयंती

५१पं. चै.शु. ६ वृ.इ. ३५/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	१	६	७	११
१४	१२	१	१८	०	२	१४	१४
५९	८	४२	४३	५९	३६	१५	५४
१०	१३	७	१६	३८	०	१४	५२
५९	१६/२	३७/४८	१२	५८	१९/१	३	५८
१६	व.	व:	२६	५५	व	११	१९

गोचर ग्रहाः

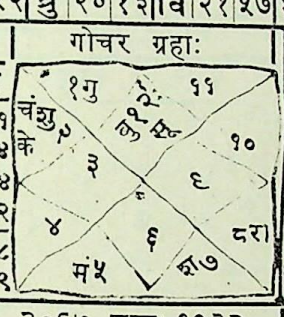

शुक्रस्य पंचवाराः स्युः
यत्र मासे निरन्तरम् ।
प्रजाबृद्धिः सुभिक्षं च
सुखं तत्र प्रवर्तते ।।
इस मास में प्रजा सुखी
रहे धान्य में तेजी
होकर मंदी

गोचर ग्रहाः

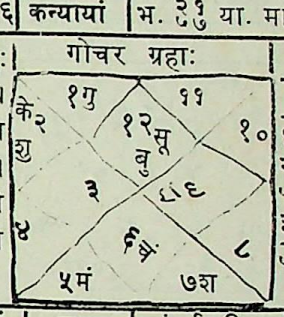

५२पं.चै.शु.१३ वृ.इ. ३५/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	१	६	७	११
२१	१०	०	२०	७	३	१३	२१
५३	५८	७	१५	३६	५	५२	४९
३१	५२	१२	५८	११	१७	५८	३
५९	७/४२	४/२३	१२	५५	३४	३	५९
४	व.	व	५८	४२	व.	११	४

ति. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वसंततु रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	श	३८	४	चि	३८	२२	व्या	५२	३६/९	बा	१२	४८	३१/९४	४५	१५/६	१८	१४	७	तु.१२।७	रोहि. शुक्रः ५०।१
२	र	२८	४४	स्वा	३१	४	व	४८	५८	तै	३	२३	१८	४४	१६	१९	१५	८	तुलायां	भ. ५४।१६ उ.
३	चं	१९	४९	वि	२४	२२	सि	३९	२८	वि	१९	४९	२२	४४	१६	२०	१६	९	वृ. १३/१	भ. १९।४९ या. चतुर्थी व्र.
४	मं	११	४३	अ	१८	३२	व्य	३०	२९	बा	११	४३	२६	४३	१७	२१	१७	१०	वृश्चिके	
५	बु	५	१	ज्ये	१४	१०	व	२२	५६	तै	५	१	३०	४२	१८	२२	१८	११	घ.१४।१०	भ. ५९।३६ उ.
६	बु	५४	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	शु	५५	५५	मू	११	१२	प	१६	३७	वि	२७	४६	३४	४१	१९	२३	१९	१२	धनुषि	भ. २७।४६ या.
८	शु	५३	५०	पू	१०	७	शि	११	३८	बा	२४	५३	२८	४०	२०	२४	२०	१३	भ.२५।१०	अश्वि. मेषेऽर्कः ३१।८ (सौरः ३६।१)×
९	श	५३	१९	उ	१०	१८	सि	७	५९	तै	२३	३४	४२	४०	२०	२५	२१	१४	मकरे	[×उभा. बुधः २७।१३ मार्गी भौमः ३५/३२
१०	र	५४	१७	श्र	१२	१०	सा	५	२९	व	२३	४७	४६	३९	२१	२६	२२	१५	कुं४३।४९	भ. २३/७ उ. ५४/१७ या. अनु. ३ रोहि. १ =
११	चं	५६	३१	ध	१५	२९	शु	४	४	ब	२५	२३	५०	३८	२२	२७	२३	१६	कुंभे	वरुथिनी ११ व्र.
१२	मं	५९	५९	श	१९	५३	शु	३	५५	कौ	२८	१५	५३	३७	२३	२८	२४	१७	कुंभे	[=केतुः ३९/५ पातस्पर्शः १९/३ पातमोक्षः ३३/५८
१३	बु	६०	०	पू	२५	१६	ब्र	४	२८	ग	३२	१६	५७	३७	२३	२९	२५	२८	मी ८।५५	भरणी ४ गुरुः ३१।० प्रदोषः
१३	गु	४	३३	उ	३१	३५	ऐं	५	३२	व	४	३३	३२/५	३६	२४	३०	२६	१९	मीने.	भ. ४।३३ उ. ३७।१४ या.
१४	शु	९	५४	रे	३८	३४	वै	७	२८	श	९	५४	५	३५	२५	३१	२७	२०	मे.३८।३४	
२०	श	१५	३३	अ	४५	४९	वि	९	१८	ना	१५	३३	९	३४	२६	१	२८	२१	मेषे	भा. वैशाखारंभ.

१ पं.बै.कृ.८ शु.इ. ३१।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	०	१	६	७	११
०	१०	३	२२	१४	२	१३	२९
०	२१	२२	१०	४५	२६	२६	५५
१	५८	१०	१२	३६	३१	५०	१५
१८	१९/१	३३/१२	१३	५०	४०/४	३	५८
४४	मा	मा	२५	१८	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

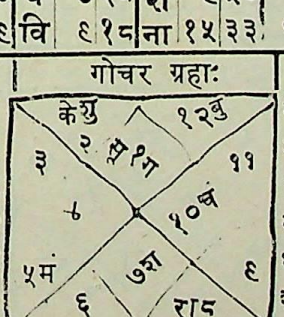

वैशाख कृष्णे ८ शुक्ले
मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.
३ न. ४ गतालका-
वस्था (ऊभी) मु.४५
धान्यादिभावे समर्धता
शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

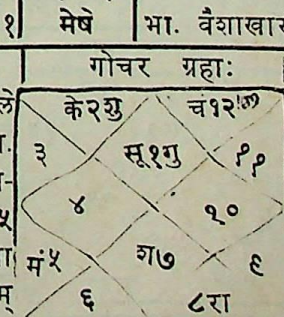

२पं.वै.कृ १४श.इ.३१।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	०	१	६	७	०
६	१०	९	२३	२०	१	१३	६
५०	२८	२६	४६	२	५४	४	४५
४२	४४	३१	५५	४६	५३	३४	२६
५८	६	५७	१३	४४	४०/४	३	५८
३१	४१	३६	२५	२०	च.	११	२१

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३८२ स.२०१२

१	र	२२	५१	भ	५३	२३	प्री	११	४३	ब	२१	५१	३२ ५	३४ २६	२	२९	२२	मेषे
२	चं	२८	७	कृ	६०	०	आ	१४	१३	कौ	२८	७	१६	३३ २७	३	१	२३	वृ.१०।१७
३	मं	३४	१९	कृ	०	५९	सौ	१६	३७	तै	१	१३	२०	३२ २८	४	२	२४	वृषे
४	बु	४०	२	रो	८	१९	शो	१८	२६	व	७	१०	२३	३१ २९	५	३	२५	मि. ३१
५	गु	४४	५८	मृ	१४	४६	अ	१९	५६	ब	१२	३०	२७	३१ २९	६	४	२६	मिथुने
६	शु	४८	४६	आ	२०	३२	पु	२०	४२	कौ	१६	५२	२१	३० ३०	७	५	२७	मिथुने
७	श	५१	११	पु	२४	३९	पु	२०	१६	ग	१९	५८	२४	२९ ३१	८	६	२८	कं.८।३८
८	र	५१	४४	पु	२७	२९	श्ले	१८	२९	वि	२१	२८	३८	२८ ३२	९	७	२९	कर्के
९	चं	५०	२४	श्ले	२८	३४	मं	१५	१८	ब्रा	२१	४	४१	२८ ३२	१०	८	३०	सिं२८।३४
१०	मं	४७	२५	म	२७	३४	पू	१०	३४	तै	१८	५५	४५	२७ ३३	११	९	१	सिंहे
११	बु	४२	२०	पू	२४	२९	ध्रु	८ ४	५२	व	१४	५३	४८	२६ ३४	१२	१०	२	कं ३८।२१
१२	शु	३५	२२	उ	१९	५७	ह	४	२२	ब	८	५१	५२	२६ ३४	१३	११	३	कन्यायां
१३	शु	२७	१	ह	१३	४३	व	३७	१७	कौ	१	११	५५	२५ ३५	१४	१२	४	तु.४०।७
१४	श	१७	३२	वि	३ ६	५२	सि	२६	३१	व	१७	३२	५८	२४ ३६	१५	१३	५	तुलायां
१५	र	७	३४	वि	५०	३६	व्य	१५	३४	व	७	३४	३३ ३२	२४ ३६	१६	१४	६	वृ.३७।३६

भ. ७।१० उ. ४०।२ या मृगे शुक्रः ३३ ५४
रेवत्यां बुधः ३७।५०
भरण्यां रविः ११।२४ (सौरः १७।२६)
भ. ५।११ उ.
भ. २१।२८ या.
[×३६ कृति.१गुरुः ४७ मोहिनी ११ व्र.
मई ५ ता. ३१
भ. १४।५३ उ.४२।२०या वक्री शुक्रः×
अस्तं गुरौः ५४।० प्रदोषः
नृसिंह जयंती
भ. ५७ उ. ४३ या. अश्वि. मेषे बुधः ४३ १७
यमाय कुंभदानम्

३पं.वै.शु.६श. इ.३१।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	०	१	६	७	०
१३	११	१७	२५	२४	१	१२	१३
२९	१०	४९	२४	३०	२२	४२	३३
४७	३७	३७	५४	४३	१२	१९	५१
५८	११	७७	१३	३६	२८	३	५८
१९	४२	३३	२६	१	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

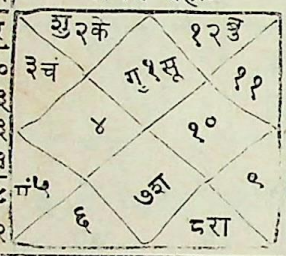

इस मास में धान्य गेहूं जौ जुवार बाजरा मंदा धातु सोना चांदी गुड सक्कर चीनी में तेजी रहे प्रजा में क्लेश फैले ।

गोचर ग्रहाः

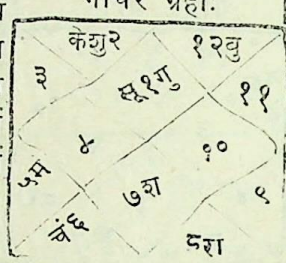

४प.वै.शु.१३शु.इ.३१।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	०	१	६	७	०
२०	१२	२८	२७	२७	०	१२	२०
२७	१२	५	३	४३	५२	२०	२०
२५	१२	३८	५०	२३	१६	३	३५
५८	१६	९६	१३	२५	१०	४	३५७
६	१६	९	३८	२	व.	११	५७

ति. | ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	र	४९	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४७	५२	अ	४३	२९	व	४४ ४५	३५	तै	२२	४०	३३ ५	२३ ३७	१७	१५	७	वृश्चिके
३	मं	३९	१०	ज्ये	३६	३५	शि	४४	५८	व	१३	३०	८	२२ ३८	१८	१६	८	ध ३६।३५
४	बु	३१	५२	मू	३१	३७	सि	३६	५०	ब	५	३१	११	२२ ३८	१९	१७	९	धनुषि
५	गु	२६	२१	पू	२८	१६	सा	३०	१०	तै	२६	२१	१४	२१ ३९	२०	१८	१०	म.४२।५५
६	शु	२२	४९	उ	२६	४९	शु	२५	४	व	२२	४९	१७	२१ ३९	२१	१९	११	मकरे
७	श	२१	१७	श्र	२७	२०	शु	२१	३५	व	२१	१७	२०	२० ४०	२२	२०	१२	कुं५८।३९
८	र	२१	४६	ध	२९	५८	न	१९	३८	कौ	२१	४६	२३	१९ ४१	२३	२१	१३	कुंभे
९	चं	२३	५२	श	३४	१६	ऐं	१९	३	ग	२३	५२	२६	१९ ४१	२४	२२	१४	कुंभे
१०	मं	२७	३४	पू	३९	४१	वै	१९	४९	वि	२७	३४	२८	१८ ४२	२५	२३	१५	मी२३।२०
११	बु	३२	२२	उ	४६	९	वि	२०	५३	ब्रा	३२	२२	३१	१८ ४२	२६	२४	१६	मीने
१२	गु	३८	१०	रे	५३	२८	प्री	२३	७	कौ	५	१६	३४	१७ ४३	२७	२५	१७	मे.५३।२८
१३	शु	४४	८	अ	६०	०	आ	२५	१९	ग	११	९	३७	१७ ४३	२८	२६	१८	मेषे
१४	श	५०	२५	अ	०	५६	सा	२७	५१	वि	१७	१७	३९	१६ ४४	२९	२७	१९	मेषें
३०	र	५६	२९	भ	८	२८	शो	३०	११	च	२३	२७	४२	१६ ४४	३०	२८	२०	वृ.२५।१८

भ. १३।३० उ. ३९।१० या.
पूफा. भौमः २४।२५ चतुर्थी व्र.
कृत्ति रविः ५७।२०
भ. २२ ४९ उ. ५३ या. कृत्ति.रविःसौरः १८
भरण्यां बुधः २४।९
भ. ५५ ४३ उ. बृश्चिर्कः २४ ३५ (सौरः ३३ ५)
भ. २७।३४ या.
कृति. बृषे गुरुः ५२।४४ बुधास्तः A
[A पूर्वस्यां १३।४८ अपरा. ११ व्र.
भ. ४४ ८ उ. वक्री चित्रा. २ कन्यायां ÷
भ. १७।१७ या. [÷ शनिः २५ प्रदोषः
कृत्ति. बुधः ५।८ वटपूजनम्

५ पं. ज्ये. कृ. ६शु. इ. ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	०	१	६	७	०
२७	१४	९	२८	२९	०	११	२७
१३	१	५३	४३	४१	२४	५७	५
३७	३०	२	२३	२४	४	४८	४९
५७	१९	०	१३	११	५३	३	५७
५४	३०	५१	३८	११	व.	११	४५

ग्रोचर ग्रहाः

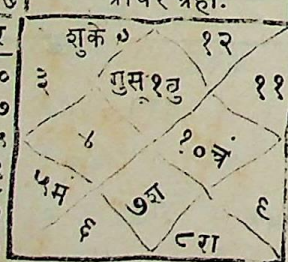

ज्येष्ठ कृष्णे ९ चंद्रे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ प्रगलभाव स्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

ग्रोचर ग्रहाः

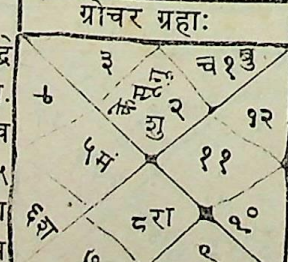

६ पं.ज्ये.कृ.१३ श.इ. ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	१	१	५	७	१
३	१५	२३	०	२९	२९	११	३
५८	५७	२९	२२	४८	५८	३५	४९
३७	३२	२८	३७	१८	२३	३२	३१
५७	२२	९	१२	१ ३	२९	३	५७
४४	३४	६	२८	व	व	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४११ स. २०१२

| | | |

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४ | दि. उ. | अ. | भा. मु. | इं. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४४१ स.२०१२

१	बु	३८	४	अ	४९	२१	बृ	५२	२४	किं	६	१४	३४/२४	५	५३/५३	३०	२९	२०	मिथुने	
२	गु	४०	५०	पु	५३	२५	श्रु	५२	५२	बा	९	२७	२४	७	५३	२१	३०	२१	कं. ३७/२४	आर्द्रा.रविः३/१कर्के बुधः२७।०कन्यायां ÷
३	शु	४२	२३	पु	५६	३१	च्या	५१	२७	तै	११	३७	२४	७	५३	१	१	२२	कर्क	आर्द्रा.रविः सौरः२/४भा.आषाढारंभः =
४	श	४३	५९	श्ले	५८	३७	ह	४९	१६	व	१३	११	२४	७	५३	२	२	२३	सिं५८।३७	भ.१/३उ.५/३या.पुष्ये बुधः५४।४१
५	र	४२	२७	म	५९	४०	च	४६	२९	ब	१३	१३	२४	७	५३	३	३	२४	सिंहे	मार्गी शनिः४६।२७ [= सावान ८
६	चं	४०	५०	पू	५९	२२	सि	४२	३५	कौ	११	३८	२३	७	५३	४	४	२५	सिंहे	[÷भौमः४३।१६चंद्र दर्शनम् रथयात्रा
७	मं	३८	४	उ	५८	८	व्य	३७	५९	ग	९	२७	२३	७	५३	५	५	२६	कं.१४।४	भ.३८।४उ मार्गी शुक्रः५०।४४
८	बु	३४	२०	ह	५६	६	व	३२	८	वि	६	१२	२२	८	५२	६	६	२७	कन्यायां	भ.६।१२या.
९	गु	२९	२५	चि	५२	२६	प	२५	१७	चा	१	५२	२२	८	५२	७	७	२८	तु.२४।१६	
१०	शु	२३	१५	स्वा	४७	५२	शि	१७	५०	ग	२३	१५	२१	८	५२	८	८	२९	तुलायां	भ.४९।४७उ.रोहि.१गुरुः४६।०
११	श	१६	२०	वि	४२	२२	सि	९	२९	वि	१६	२०	२०	८	५२	९	९	३०	वृ.२८।४४	भ.१६।२०या.देवशयनी ११व्र.
१२	र	८	२४	अ	३६	१६	सा	३९/५३	३३	बा	८	२४	१९	८	५२	१०	१०	१	वृश्चिके	जौलाई ७ ता.३१ प्रदोषः
१३	र	५१	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	चं	५१	३१	ज्ये	२९	५५	शु	४१	३०	ग	२४	४५	१८	८	५२	११	११	२	ध. २९/५५	भ.५१।३१उ.
१५	मं	४३	२३	मू	२३	३६	ब्र	३२	१५	वि	१७	२६	१७	९	५१	१२	१२	३	धनुषि	भ.१/३९या.व्यासपूजा गुरु१५वायु परीक्षा

११पं.आ.शु. ३शु.इ. ३/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	१	५	७	२
७	०	१	८	१३	२८	९	७
२९	२६	२८	२६	५७	५१	४४	१०
३१	१७	३४	४९	४३	२२	१४	२०
५७	३२	८१	१२	१/२२	१५	३	५६
१३	६	१५	५०	व.	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

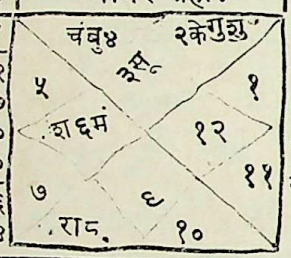

इस मास में धान्य गेहूं जो चना आदि रुई कपास तेज हो सोना चांदी लोहा मंदा हो वर्षा अच्छी होवेगी।

गोचर ग्रहाः

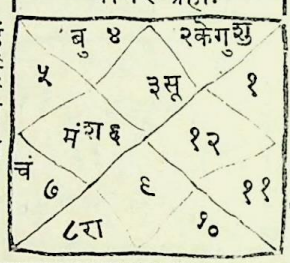

१२ पं.आ.शु. १०शु. इ. ३/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	१	५	७	२
१४	३	९	९	१३	२८	९	१३
९	५८	५१	५७	३०	५१	२१	४८
५८	१६	४७	११	२९	५४	५८	२५
५७	३३	५६	१२	६/२९	३२	३	५६
७	१९	३६	२२	म.	म.	११	५०

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४ | दि. उ | अ. | भा. मु. | इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.

१	बु	३६	४	पू	१८	८	ऐं	२३	४०	वा	९	४३	३४/२९	५	६/५१	१३	१३	४	म.३२।५	
२	गु	३०	११	उ	१३	५५	वै	१५	५६	ग	३०	११	१५	९	५१	१४	१४	५	मकरे	भ.५८।३उ.पुन.रविः३९।२१
३	शु	२५	५५	श्र	११	४	वि	९	२४	वि	२५	५५	१४	९	५१	१५	१५	६	कुं.४०।४०	भ.२५।५५या.पुन.रविःसौरः४।२६च.व्र.
४	श	२३	५४	ध	१०	१६	प्री	४	४३	बा	२३	५४	१३	९	५१	१६	१६	७	कुंभे	
५	र	२३	३९	श	११	२४	आ	१	३७	तै	२३	३९	१५	१०	५०	१७	१७	८	मी.५८	आश्ले.बुधः४१।५२ नाग ५ मरुस्थले
६	चं	२५	५२	पू	१४	४५	सौ	०	१७	व	२५	५२	१०	१०	५०	१८	१८	९	मीने	भ.२५।५२उ.५७।४८या.
७	मं	२९	४३	उ	१९	५८	शो	०	२	ब	२९	४३	८	१०	५०	१९	१९	१०	मीने	हस्ते भौमः५२।१७
८	बु	३५	०	रे	२६	२८	अ	१	१२	बा	२	२२	७	११	४९	२०	२०	११	मे.३९	
९	गु	४०	५५	अ	३३	३५	सु	३	१६	तै	७	५८	५	११	४९	२१	२१	१२	मेषे	वक्री बुधः५६।२२
१०	शु	४७	१६	भ	४१	१७	धृ	५	३५	व	१४	५	३	११	४९	२२	२२	१३	वृ.५८।१ ०	भ.१४।५उ.४७।१६या.
११	श	५३	१७	कृ	४८	४९	शू	८	१३	ब	२०	१६	१	१२	४८	२३	२३	१४	वृषे	कामिका ११ व्र.
१२	र	५८	४६	रो	५५	४८	गं	१०	२५	कौ	२६	१	३९/५७	१२	४८	२४	२४	१५	वृषे	[÷पश्चिमायां५३।१८हरियाली
१३	चं	६०	०	मृ	६०	०	मृ	१२	१२	ग	३०	५८	५७	१३	४७	२५	२५	१६	मि. ३८/४८	कर्केऽर्कः८।४७(सौरः३७।१० रोहि. २ A
१३	मं	३	११	मृ	१	४९	धु	१३	१३	व	३	११	५५	१३	४७	२६	२६	१७	मिथुने	भ.३।११उ.३४।४३या.
१४	बु	६	१५	आ	६	२८	श्रा	१३	१०	श	६	१५	५२	१४	४६	२७	२७	१८	कं.५४।७	[A गुरुः६।४९ प्रदोषः
३०	गु	८	१	पु	१०	१	ह	१२	१२	ना	८	१	५०	१४	४६	२८	२८	१९	कर्क	पुष्ये रविः३८।५वक्री पुष्ये बुधास्तः ÷

१३ पं.श्रा. कृ.३ शु. इ. ३/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	१	५	७	२
२०	७	१५	११	१४	२८	८	२०
५०	२६	३८	२५	५०	५७	५९	२६
२४	४७	४९	१	२४	११	४३	१९
५७	३४	२८	१२	२१	१	३	५६
७	३४	१९	८	१	१४	११	५०

गोचर ग्रहाः

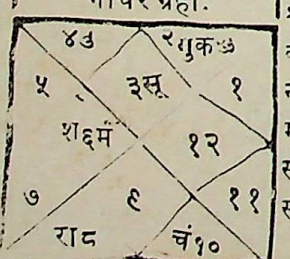

श्रावण कृष्ण १३ चंद्रे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.५ न.५प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

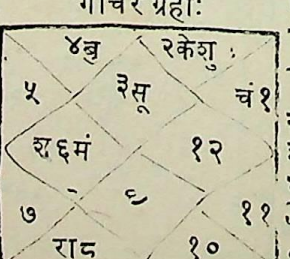

१४पं.श्रा. कृ. १० शु.इ. ३/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	१	५	७	२
२७	११	१८	१२	१७	२९	८	२७
३०	३४	४	५०	४१	७	३७	४
४३	३६	१९	१३	१०	२३	२७	२६
५७	३५	३/३८	११	३३	१	३	५६
११	३१	व.	३३	४२	४९	११	५४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४७१ स. २०१२

१	शु	८	३२	पु	१२	२०	व	१०	६	ब	८	३२	३३	५	६	२९	२९	२०	कर्क	पुष्ये रविः सौरः ७।५१
२	श	७	५०	श्ले	१३	२०	सि	७	१०	कौ	७	५०	४८	१४	४६	३०	३०	२१	सिं. १३ २०	चंद्र दर्शनम् सिधारा
३	र	६	१०	म	१३	३२	व्य	२७	३५	ग	६	१०	४५	१५	४५	३१	१	२२	सिंहे	भ.३४।५५उ.मृगे शुक्रः५१ रमजान९ तीज
४	चं	३	४०	पू	१२	४३	प	५३	५३	वि	३	४०	४०	१६	४४	१	२	२३	कं.२७।२२	भ.३।४०या.भा.श्रावणारंभः वरद ४
५	मं	०	१९	उ	११	२०	शि	४७	२४	बा	०	१९	३८	१६	४४	२	३	२४	कन्यायां	नाग पंचमी
६	मं	५९	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	५२	३	ह	९	१७	सि	४२	५४	ग	२४	१८	३५	१७	४३	३	४	२५	तु.३८।०	
८	गु	४७	८	चि	६	४३	सा	३५	४७	वि	१९	३५	३३	१७	४३	४	५	२६	तुलायां	भ.५२।३उ.
९	शु	४१	३२	स्वा	३	५९	शु	२८	४९	बा	१४	२०	३०	१८	४२	५	६	२७	वृ.४५।४६	भ.१९।३५या.
१०	श	३५	३५	अ	५५	३७	शु	२१	२०	तै	८	३४	२७	१९	४१	६	७	२८	वृश्चिके	
११	र	२९	१०	ज्ये	५१	१२	ब्र	१३	४३	व	२	२२	२४	१९	४१	७	८	२९	ध.५१।१२	[×शनिः २२।० श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम्
१२	चं	२२	३०	मू	४६	४३	ऐं	५	५३	बा	२२	३०	२२	२०	४०	८	९	३०	धनुषि	भ.२।२२उ.२९।१०या.पवित्रा ११व.
१३	मं	१५	५९	पू	४२	१२	वि	५०	५	तै	१५	५९	१९	२०	४०	९	१०	३१	म.५६।१६	प्रदोष
१४	बु	९	५१	उ	३८	३०	प्री	४२	४६	व	९	५१	१६	२१	३९	१०	११	१	मकरे	मिथुने शुक्रः५३।१७
१५	गु	४	४४	श्र	३५	४७	आ	३६	२६	ब	४	४४	१३	२१	३९	११	१२	२	मकरे	भ.९।५१उ.३७।१८या.अगस्त८ता.३१

१५पं.श्रा.शु.१शु.इ.३१।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	१	१	५	७	३
४	१५	१६	१४	२१	२९	८	३
११	२०	१४	१२	४३	२१	१५	४२
२८	१३	५२	१४	२३	४३	१२	५३
५७	३६	३५	१०	४१	२	३	५६
१५	१९	व.	५७	२८	३२	११	५८

गोचर ग्रहाः

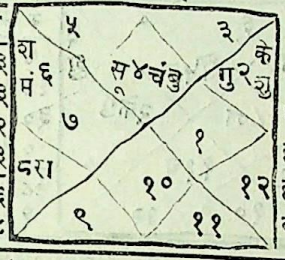

इस मास में धान्य गल्ला गुड़ सक्कर गन्ना कपास रुई धातु वदि में मंदे होकर सुदि में तेज होवे। कही २ अच्छी वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

१६पं.श्रा.शु.९शु.इ.३१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	१	१	५	७	३
१०	१९	१२	१५	२६	२९	७	१०
५२	२२	५९	२८	४२	४१	५२	२२
३०	५९	४६	५२	०	६	५६	१०
५७	३७	४८	१०	४८	३	३	५७
२०	४	व.	२०	१३	१६	११	५

ति. प्र.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण. कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	शु	०	३६	ध	३४	२६	सो	३१	९	को	०	३६	३३	५	६	१२	१३	३	कुं.५।७	आश्ले. रविः सौरः८।३८चित्रा. भौमः १२ B
२	शु	५७	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B रोहि. ३गुरुः२१।४९
३	श	५७	३८	श	३४	४४	शो	२७	१३	व	२७	५८	७	२३	३७	१३	१४	४	कुंभे	भ.२७।५८उ.५७।३८या.
४	र	५८	५९	पू	३६	५९	अ	२४	४४	ब	२८	१९	४	२३	३७	१४	१५	५	मी.२१	चतुर्थी व्र.
५	चं	६०	०	उ	४०	५९	सु	२३	५३	कौ	३१	०	०	२४	३६	१५	१६	६	मीने	बुधोदयः पूर्वस्यां ०।५५
५	मं	३	२	रे	४६	३०	धृ	२३	५८	तै	३	२	३३	२५	३५	१६	१७	७	मे.४६।३०	चंद्रषष्ठी
६	बु	६	५६	अ	५३	१५	शू	२५	१९	व	६	५६	५४	२५	३५	१७	१८	८	मेषे	भ.५९उ.३९या.मार्गी बुधः ३८ आर्द्रा. ÷
७	गु	१२	२०	भ	६०	०	गं	२७	१६	ब	१२	२०	५०	२६	३४	१८	१९	९	मेषे	जन्माष्टमी व्र.स्मा. [÷शुक्रः ३१।५८
८	शु	१८	३६	भ	०	३७	बृ	२९	४३	कौ	१८	३६	४७	२७	३३	१९	२०	१०	वृ.१७।२५	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	श	२४	५८	कृ	७	५२	धु	३२	४	ग	२४	५८	४४	२७	३३	२०	२१	११	वृषे	भ.५७।४०उ.गोगा ९
१०	र	३०	२२	रो	१५	१६	व्या	३४	९	वि	३०	२२	४०	२८	३२	२१	२२	१२	मि४८।२६	भ.३०।२२या.
११	चं	३४	४८	मृ	२१	३७	ह	३५	२७	ब	२	३५	३७	२९	३१	२२	२३	१३	मिथुने	अजा ११ व्र. [=पिठोरी ३० मन्वादिः
१२	मं	३७	५०	आ	२६	१७	व	३५	२७	कौ	६	१९	३३	२९	३१	२३	२४	१४	मिथुने	तुलायां भौमः १५।२६वत्सद्वादशी
१३	बु	३९	२५	पु	३०	१७	सि	३४	२६	ग	८	३७	३०	३०	३०	२४	२५	१५	क.१४।१३	भ.३९।२५उ.प्रदोषः
१४	गु	३९	४	पु	३२	५	व्य	३२	९	वि	९	१५	२६	३१	२९	२५	२६	१६	कर्के	भ.९।१५या.मघा.सिंहेऽर्कः २९।८
२०	शु	३७	१७	श्ले	३२	२३	व	२८	३२	चं	८	११	२२	३२	२८	२६	२७	१७	सि ३२।२३	मघा.सिंहेऽर्कः सौरः ५।३ कुशा ग्रहणी =

१७पं.प्र.भा.कृ.१ शु.इ. ३१/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	१	२	६	७	३
१७	२३	८	१६	२	०	७	१७
२४	३२	२४	४१	२०	४	३०	१
१२	१०	२९	३५	२४	१९	४०	५८
५७	२७	३५/१०	९	५३	३	३	५७
२५	४३	व.	४८	११	४३	११	१२

१८पं.प्र.भा.कृ.८ शु.इ. ३१/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	१	२	६	७	३
२४	२७	७	१७	८	०	७	२३
१६	४६	३९	४८	३४	३२	८	४३
३७	५५	५०	१८	५	१०	२५	५
५७	३८	१३/१४	८	५७	४	३	५७
३३	३४	मा	५०	१५	२८	११	२२

१९पं. प्र.भा कृ.३०शु इ. ३१/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	१	२	६	७	४
०	२	१२	१८	१५	१७	६	०
५९	७	२६	४९	१२	३	४६	२५
५३	५५	२	१६	७	४३	९	१८
५७	३९	६९	८	६०	४	३	५७
४०	१०	०	०	२०	५५	११	३४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	प्र.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५००सन्२०१२
१	श	३४	१४	म	३१	३०	प	२३	५२	कि	६	४६	३१/१९	३२	२८	२७	२८	१८	सिंहे	
२	र	३०	१४	पू	२९	३५	शि	१८	१७	बा	२	१४	१५	३३	२७	२८	२९	१९	कं.४३।५०	अनु.१राहु:कृत्ति.३केतु:२५/१९चंद्रदर्शनम्
३	चं	२५	२८	उ	२६	३६	सि	१२	१२	ग	२५	२८	१२	३४	२६	३९	१	२०	कन्यायां	भ.५२।५३उ.सव्वाल १०
४	मं	२०	१८	ह	२३	५	सा	१८/५	५३/३	वि	२०	१८	८	३४	२६	३०	२	२१	तु.५१।३३	भ.२०।१८या.आश्ले.बुधः२६।३३
५	बु	१४	५६	चि	२०	१	शु	५१	२८	बा	१४	५६	४	३५	२५	३१	३	२२	तुलायां	पुन.शुक्रः२५।२५
६	गु	९	३४	स्वा	१६	३९	ब्र	४४	३०	तै	९	३४	१	३६	२४	१	४	२३	वृ.५८।५६	भा.भाद्रपदारंभः
७	शु	४	६	वि	१३	४	ऐं	३६	३६	व	४	६	३५/७	३७	२३	२	५	२४	वृश्चिके	भ.४।६उ.३१।३०या.स्वात्यां भौमः२२।१
८	शु	५४	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	श	५३	३९	अ	९	५०	वै	३०	२४	बा	२६	१६	५३	३७	२३	३	६	२५	वृश्चिके	
१०	र	४८	४१	ज्ये	६	२३	वि	२३	२६	तै	२१	१०	४९	३८	२२	४	७	२६	ध.६।३३	रोहि.४गुरुः५४।४८
११	चं	४३	५९	मू	३	३४	प्री	१६	५०	व	१६	२०	४६	३९	२१	५	८	२७	धनुषि	भ.१६।२०उ.४३।५९या.कमला११व्र.
१२	मं	३९	३८	पू	४८/०	५७/३८	आ	१०	२८	ब	११	४९	४२	४०	२०	६	९	२८	म.१५।१३	बुधास्तःपूर्वस्यां८।३३
१३	बु	३६	३	श्र	५६	४७	सौ	३०/३०	५५/३४	कौ	७	५०	३८	४०	२०	७	१०	२९	मकरे	मघा.सिंहे बुधः१।३१
१४	गु	३३	१७	ध	५६	१३	अ	५४	२०	ग	४	४०	३४	४१	१९	८	११	३०	कुं.२६।३०	भ.३३।१७उ.पूफा.रविः१८।४४ ×
१५	शु	३१	४८	श	५७	४५	सु	५०	४०	वि	२	३२	३०	४२	१८	९	१२	३१	कुंभे	भ.२।३२या. [×सौरः५५।५४)

२०पं.प्र.भा.शु.७शु.इ३१।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	१	२	६	७	४
७	६	२१	१९	२२	१	६	७
४४	३३	५८	४३	११	३८	२३	८
२०	५४	२६	३४	३५	४९	५४	४७
५७	३९	०/८	६	६२	५	३	५७
४८	४६	३८/२८	५२	४५	२२	११	४०

गोचर ग्रहाः

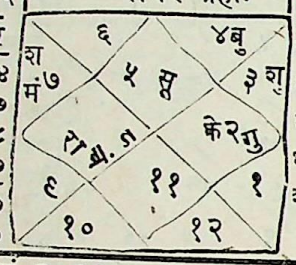

प्र.भाद्रपद कृष्णे १४ गुरौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वार.४ न. ४ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

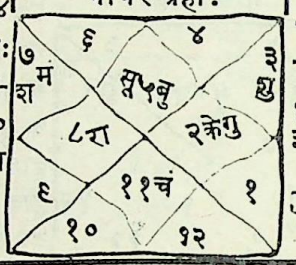

२१पं.प्र.भा.शु.१५शु.इ.३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	१	२	६	७	४
१४	११	४	२०	२९	२	६	१३
३०	५	४७	३१	२७	१६	१	५३
०	१७	१०	१९	३२	४४	३८	५९
५८	४०	८/८	६	६४	५	३	५७
१	३३	५/५	२	३७	४९	११	५७

ति.	द्वि.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेप्र.भाद्रपद कृष्णेतिमहा.
१	श	३१	३६	पू	५८	५५	धृ	४८	७	बा	१	४२	३१/२६	४३	१७/५	१०	१३	१	मी४३।३८	कर्क शुक्रः१।१४ सितम्बर ९ ता. ३०
२	र	३३	७	उ	६०	०	शू	४६	४९	तै	२	२१	२२	४४	१६	११	१४	२	मीने	
३	चं	३५	५८	उ	२	२०	गं	४६	१७	व	४	३२	१८	४४	१६	१२	१५	३	मीने	भ.४।३२उ.३५।५८या.
४	मं	४०	२५	रे	७	१४	वृ	४७	१४	ब	८	१७	१५	४५	१५	१३	१६	४	मे.७।१४	पूफा.बुधः५९/१९पुष्ये शुक्रः१४।६ चतुर्थी व्र.
५	बु	४५	४४	अ	१३	३१	ध्रु	४८	३९	कौ	१३	४	११	४६	१४	१४	१७	५	मेषे	
६	गु	५१	५५	भ	२०	३२	व्या	५०	५३	ग	१८	४९	७	४७	१३	१५	१८	६	वृ ३७।२५	भ.५१।५५उ.
७	शु	५८	११	कृ	२८	७	ह	५३	१८	वि	२५	२	३	४७	१३	१६	१९	७	वृषे	भ.५२।२या.
८	श	६०	०	रो	३५	३१	व	५६	२८	बा	३२	६	३०/५९	४८	१२	१७	२०	८	वृषे	
८	र	४	१	मृ	४२	३१	सि	५७	२५	कौ	४	१	५५	४९	११	१८	२१	९	मि९।१	
९	चं	९	७	आ	४८	११	व्य	५८	१७	ग	९	७	५१	५०	१०	१९	२२	१०	मिथुने	भ.४०।४७उ.
१०	मं	१२	२८	पु	५२	३८	व	५७	४७	वि	१२	२८	४७	५१	९	२०	२३	११	क.३६।१८	भ.१२/८या.उफा.बुधः५९चित्रा.४शनिः१४/०
११	बु	१४	३४	पु	५४	५२	प	५५	५०	बा	१४	३४	४३	५१	९	२१	२४	१२	कर्के	कमला ११ व्र.
१२	गु	१४	२३	श्ले	५५	३५	शि	५२	३०	तै	१४	२३	२९	५२	८	२२	२५	१३	सिं५५।३५	उफा.रविः३।९(सौरः४/३४)कन्या.बुधः ÷
१३	शु	१२	२३	म	५४	१८	सि	४७	३९	व	१२	२३	३५	५३	७	२३	२६	१४	सिंहे	भ.१२।२३उ.४०।३२या.
१४	श	८	४०	पू	५१	३४	सा	४१	३४	श	८	४०	३१	५४	६	२४	२७	१५	सिंहे	[÷ ३७।५७विशा.भौमः५४।४३
३०	र	३	२८	उ	४७	३८	शु	३४	२१	ना	३	२८	२७	५५	५	२५	२८	१६	कं.५।३५	कन्यायामर्कः२८।३०आश्ले.शुक्रः १८।५२

२२पं.द्वि.भा.कृ.७शु.इ.३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	१	३	६	७	४
२१	१५	१८	२१	६	२	५	२०
१७	४२	१०	१०	५७	५७	३९	४०
२	११	५५	५२	७	४३	२२	३९
५८	४०	०/८	४	६६	६	३	५८
१३	४८	३/३	५५	११	११	११	१२

गोचर ग्रहाः

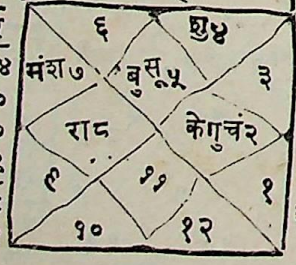

द्वि.भाद्रपद कृष्णे ३० रवौ कन्यायामर्कःवा.४न.५प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु.४५धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

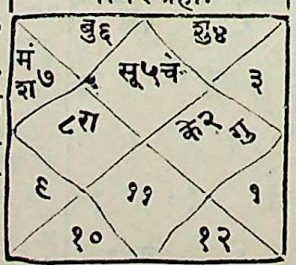

२३पं.द्वि.भा.कृ.१३शु.इ.४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	१	३	६	७	४
२८	२०	१	२१	१४	३	५	२७
५	२४	३८	४२	३८	४१	१७	२८
२४	४३	२	२२	२४	६	७	५८
५८	४१	८/८	३	६७	६	३	५८
२६	७	१९/१९	४६	३०	२६	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. द्वि. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४ | दि. उ. अ. भा मु. इं. | चंद्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३०स.२०१२

| | | |

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरहतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५५९स.२०१२

१	मं	१९	२४	चि	४८	५३	वि	३१	३५	ब	१९	२४	२३	१९	४१	२४	२९	१६	तुलायां
२	बु	१०	४२	वि	४८	२३	प्री	२१	३१	कौ	१०	४२	२०	२०	४०	२५	३०	१७	वृ.३४।५७
३	गु	२	१७	अ	४२	२	आ	११	४०	ग	२	१७	१६	२१	३९	२६	१	१८	वृश्चिके
४	गु	५२	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
५	शु	४७	२९	ज्ये	३६	३५	सौ	२	५९	ब	२	०	५६	१२	२२	३८	२७	२	१९
६	श	४१	४३	मू	३२	१६	अ	४५	३५	कौ	१४	३६	८	२२	३८	२८	३	२०	धनुषि
७	र	३७	२२	पू	२९	९	सु	३८	४४	ग	९	३२	४	२३	३७	२९	४	२१	म.४३।४३
८	चं	३४	१८	उ	२७	२५	धृ	३३	५	वि	५	५०	०	२४	३६	३०	५	२२	मकरे
९	मं	३२	३८	श्र	२७	५	शू	२८	३१	बा	३	२८	२७	२५	३५	१	६	२३	कु.५७।३२
१०	बु	३२	२०	ध	२७	५९	गं	२४	५९	तै	२	२९	५३	२५	३५	२	७	२४	कुम्भे
११	गु	३३	२०	श	३०	१४	बृ	२२	३४	व	२	५०	४९	२६	३४	३	८	२५	कुम्भे
१२	शु	३५	३५	पू	३३	३४	ध्रु	२०	४	ब	४	२८	४५	२७	३३	४	९	२६	मी. १७
१३	श	३८	४५	उ	३८	८	व्या	२०	४४	कौ	७	१०	४१	२८	३२	५	१०	२७	मीने
१४	र	४२	५२	रे	४३	३४	ह	२०	४७	ग	१०	४८	३७	२९	३१	६	११	२८	मे.४३।३४
१५	चं	४८	१०	अ	४९	५८	व	२१	२९	वि	१५	३१	३४	२९	३१	७	१२	२९	मेषे

तुलायामर्कः ५७/३० नवरात्रारंभः मातामह श्रा.
तुलार्कः सौरः ३१।३३ चंद्र दर्शनम्
भ.२८।२०उ.५४।२४या.जिल्हेज १२
[÷विशा.४राहुः कृत्ति.२केतुः १९।३७
[×कन्यायां शुक्रः२७।४२भा.कार्तिकारंभः
उफा.शुक्रः४५।१०
भ.३७।२२उ. ज्येष्ठा. भौमः५६।४० ÷
भ.५।५०या.
स्वात्यां रविः३९।३२बृश्चिकेबुधः२।५३×
स्वात्यां रविः सौरः १२।३६
भ.२।५०उ.३३।२०या.पापां कुशा ११व्र.
अनु.बुधः८।३४
प्रदोषः
भ.४२।५२उ. [= व्र.का.स्ना.प्रा.
भ १५।३१या. शरद पूर्णिमा कोजागरी=

२८ पं.आ.शु.५श.इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	१	४	६	७	६
२	१४	२५	२१	२५	७	३	१
३१	५३	३६	५८	१०	५२	२५	५८
२६	४२	३२	४८	३४	२५	४९	०
५९	४३	७४	५३	७१	७	३	५९
३४	२९	१५	व.	२२	२०	११	४६

गोचर ग्रहाः

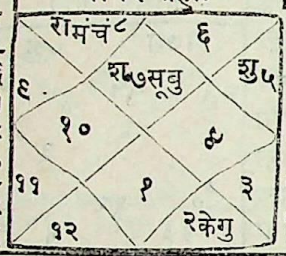

आश्विन शुक्ले १
भौमे तुलायामर्कः
प्रविष्टः वा. ३ न. ४
गतालकावस्था (ऊभी)
मु. ४५ धान्यादिभावे
समर्घता शुक्रोदयः
पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

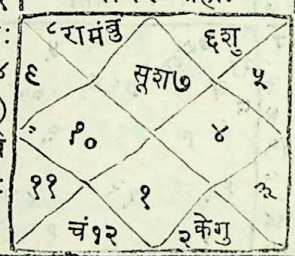

२९ पं.आ.शु.१२श.इ. ३९/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	१	५	६	७	६
९	१९	३	२१	३	८	३	८
२९	५९	४०	३३	३२	३३	३	५७
४२	३८	५	२५	५६	२५	३३	२०
५९	४३	५६	४	७१	७	३	६०
४७	४५	४६	व	४९	२०	११	२

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः स. २०६९ शाकः १९३४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं | चन्द्रः | हेमंततू रविर्दक्षिणे आ.कृष्णेति महाराष्ट्राः

१	मं	५३	४२	भ	५६	४३	सि	२३	८	बा	२०	५६	३७/३०	६/३०	५/३०	८	१३	३०	मेषे
२	बु	६०	०	कृ	६०	०	व्य	२५	५४	तै	२६	५२	२७	३१	२९	९	१४	३१	वृ.१३।३४
२	गु	०	१	कृ	४	७	व	२७	११	ग	०	१	२३	३१	२९	१०	१५	१	वृषे
३	शु	६	२२	रो	११	४२	प	२९	३१	वि	६	२२	१९	३२	२८	११	१६	२	मि४५।२८
४	श	१२	४४	मृ	१९	१५	शि	३१	५७	बा	१२	४४	१६	३३	२७	१२	१७	३	मिथुने
५	र	१८	३७	आ	२६	१९	सि	३३	३७	तै	१८	३७	१२	३४	२६	१३	१८	४	मिथुने
६	चं	२३	३५	पु	३२	२४	सौ	३४	५३	व	२३	३५	९	३४	२६	१४	१९	५	कं.१५।५३
७	मं	२७	१४	पु	३७	२२	शु	३५	४	ब	२७	१४	५	३५	२५	१५	२०	६	कर्के
८	बु	२९	१९	श्ले	४०	५२	शु	३४	०	कौ	२९	१९	२	३६	२४	१६	२१	७	सिं४०।५२
९	गु	२९	३२	म	४२	२५	ब्र	३१	३३	ग	२९	३२	२९/५८	३६	२४	१७	२२	८	सिंहे
१०	शु	२७	३८	पू	४१	५४	ऐं	२७	२६	वि	२७	३८	५५	३७	२३	१८	२३	९	क.५६।१८
११	श	२३	५१	उ	३९	३०	वै	२१	५३	बा	२३	५१	५२	३८	२२	१९	२४	१०	कन्यायां
१२	र	१८	२	ह	३५	५	वि	१४	४३	तै	१८	२	४९	३८	२२	२०	२५	११	कन्यायां
१३	चं	१०	४६	चि	२९	१९	प्री	५५/५०	५०/१८	व	१०	४६	४५	३९	२१	२१	२६	१२	तू.२।११
१४	मं	२	२	स्वा	२२	३१	सौ	४५	४१	श	२	२	४२	४०	२०	२२	२७	१३	तुलायां
३०	मं	५०	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०

हस्ते.शुक्रः४५।२
भ.३३।११उ.नवम्बर ११ ताः ३०
भ.६।२२या.करक चतुर्थी व्र.
[+ रविः५९।५८वक्री.बुधः५१।६
÷३९।५५उदयंशनेः२६।५२प्रदोषःधन१३
भ.२३।३५ उ.५५।२५ या. विशा. +
विशा.रविः सौरः ३०।०
स्वाती.२शनिः३१।२८
भ.५८।३५उ.
भ.२७।३८या.मूले धनुषि भौमः०।१८
रमा ११ व्र.
चित्रा.शुक्रः५६।५बुधास्तःपश्चिमायां ÷
भ.१०।४६उ.३६।२४या.वक्री.रोहि. ३ ×
महालश्मी पूजनम्
[× गुरुः७।३७ रूप १४

२० पं.का.कृ.३श. इ. ३९/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	१	५	६	७	६
१६	२५	९	२०	१२	९	२	१५
२९	९	११	५८	०	२३	४१	५८
२८	१४	६	२३	४७	५६	१८	२४
६०	४४	२८	२५	७२	७	३	६०
४	२५	११	व.	९	२०	११	१८

गोचर ग्रहाः

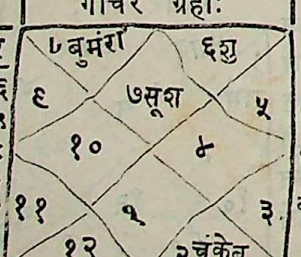

इस मास में धन का मंगल धान्य मंदा धातु तृण घृत तेज करे ।

गोचर ग्रहाः

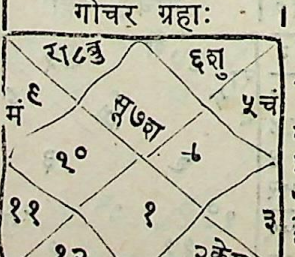

३१ पं.का.कृ.१०श.इ. ३९/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	१	५	६	७	६
२३	०	९	२०	२०	१०	२	२३
३०	२१	४८	१६	३३	१४	१९	०
५०	३६	५४	३४	१८	१३	२	५८
६०	४४	३०/३४	६/११	७२	७	३	६०
१७	२९	व.	व.	३२	१४	११	३०

(निरयण सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गण ५८८ स.२०१२

१	बु	४२	५४	वि	१५	०	शो	३४	५२	किं	१७	४५	२६	६	५	२३	२८	१४	वृ.१।५३	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	गु	३३	२८	अ	११	७ ५२	अ	२३	५०	बा	८	११	३६	४१	१९	२४	२९	१५	ध.५९।४९	बृश्चिकेऽर्कः ५६ चंद्रदर्शनम् भ्रातृद्वयम२
३	शु	२४	४१	मू	५३	२२	सु	१३	१९	ग	२४	४१	३३	४१	१९	२५	१	१६	धनुषि	भ. ५९ उ. बृश्चिकेऽर्कः सौरः ३४ वक्री÷
४	श	१७	१२	पू	४८	१२	धृ	२०	५१	वि	१७	१२	३०	४२	१८	२६	२	१७	धनुषि	भ. १७।१२ या. तुलायां शुक्रः ११।२८
५	र	११	१३	उ	४४	४०	गं	४७	२९	बा	११	१३	२७	४३	१७	२७	३	१८	म.२।१९	वक्री तुलायां बुधः २२।२७
६	चं	६	५८	श्र	४२	५५	वृ	४१	४०	तै	६	५८	२५	४३	१७	२८	४	१९	मकरे	अनु. रविः १४।२३ (सौरः ४१।५)
७	मं	४	२४	ध	४२	५०	ध्रु	३७	४	व	४	२४	२२	४४	१६	२९	५	२०	कुं.१२।५२	भ. ४।२४ उ. ३४।६ या गोपाष्टमी
८	बु	३	४७	श	४४	४७	व्या	३४	०	ब	३	४७	१९	४४	१६	३०	६	२१	कुंभे	÷विशा.बुधः ३१ मोहोरम१सन्१४३४हि
९	गु	४	५५	पू	४८	११	ह	३२	२१	कौ	४	५५	१७	४५	१५	१	७	२२	मी३२।२०	स्वात्यां शुक्रः ३३ भा. मार्गशीर्षारंभः अ.९
१०	शु	७	२७	उ	५२	५३	व	३२	४	ग	७	२७	१४	४५	१५	२	८	२३	मीने	भ. ३९ उ. बुधोदयः पूर्वस्यां ५५।५७
११	श	११	२८	रे	५८	४७	सि	३२	३७	वि	११	२८	१२	४६	१४	३	९	२४	मे.५८।४७	भ. ३१ या. प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी वि.
१२	र	१६	१९	अ	६०	०	व्य	३३	४३	बा	१६	१९	९	४६	१४	४	१०	२५	मेषे	प्रदोषः
१३	चं	२२	२४	अ	५	२८	व	३५	३१	तै	२२	२४	७	४७	१३	५	११	२६	मेषे	पूषा. भौमः ४१।५१
१४	मं	२८	१३	भ	१२	३०	प	३७	१७	व	२८	१३	५	४७	१३	६	१२	२७	वृ. २९ ३	भ. २९ उ. मार्गी बुधः २४ वैकुंठ १४
१५	बु	३४	४०	कृ	२०	२	शि	३९	३४	वि	१	२६	२	४८	१२	७	१३	२८	वृषे	भ. १।३६ या. मन्वादिः का. स्ना. पू.

३२ पं. का.शु.३शु.इ. २९ १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	१	५	६	७	७
०	५	३	१९	२९	११	१	०
३३	३६	४	२८	८	३	५६	५
२९	५८	१९	४१	४९	४३	४६	२
६०	४४	३९ ५९	८	७२	७	३	६०
३०	४४	व.	व.	५०	२	११	४०

गोचर ग्रहाः

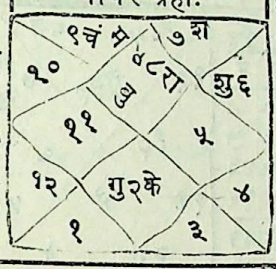

कार्तिक शुक्ले ९ गुरौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

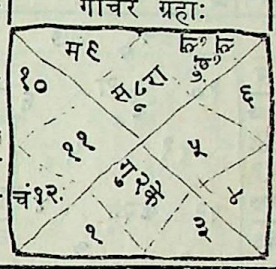

३३ पं. का.शु.१०शु.इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	१	६	६	७	७
७	१०	२५	१८	७	११	१	७
३७	५५	२४	३४	४७	५२	३४	१०
२६	८	५०	४८	४९	१२	३१	२५
६०	४५	४५	४९	७३	६	३	६०
४२	४	व.	व.	९	५०	११	५३

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणे का. कृष्णतिथिमहाराष्ट्राः

१	गु	४१	३	रो	२७	३२	सि	४१	४२	बा	७	५२	२६	०	४८	१२	८	१४	२९	वृषे	
२	शु	४६	४७	मृ	३४	५४	सा	४३	५१	तै	१३	५५	२५	५८	४८	१२	९	१५	३०	मि१।१३	
३	श	५२	५१	आ	४१	५६	शु	४५	३४	व	१९	४९	५६	४९	११	१०	१६	१	मिथुने	भ. १९ उ. ५२ या. दिसम्बर १२ता.३१
४	र	५७	४३	पु	४७	५९	शु	४६	५०	व	२५	१७	५४	४९	११	११	१७	२	क.३१।२९	ज्येष्ठा. रविः ३४ (सौरः ४६) चतुर्थीव्र.
५	चं	६०	०	पु	५३	३४	ब्र	४७	२१	कौ	२९	४०	५३	४९	११	१२	१८	३	कर्के	विशा. शुक्रः २१।५९
५	मं	१	३८	ले	५७	४७	ऐं	४७	३	तै	१	३८	५१	५०	१०	१३	१९	४	सिं५७।४७	
६	बु	४	२०	म	६०	०	वै	४५	३४	व	४	२०	४९	५०	१०	१४	२०	५	सिंहे	भ. ४।२ उ. ३४।५५
७	गु	५	२९	म	०	४२	वि	४२	५३	व	५	२९	४८	५०	१०	१५	२१	६	सिंहे	बृश्चिके बुधः १०।४९
८	शु	५	७	पू	२	०	प्री	३८	४९	कौ	५	७	४६	५१	९	१६	२२	७	क.१६।५३	वक्री रोहि.२गुरुः ३४ स्वाती. ३ शनिः १९
९	श	२	५४	उ	३४	५७ ४२	आ	३३	२८	ग	२	५४	४५	५१	९	१७	२३	८	कन्यायां	भ. ३०।५३ उ. ५८।५२ या.
१०	श	५५	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
११	र	५३	५	चि	५५	११	सौ	२६	२९	ब	२५	५८	४४	५१	९	१८	२४	९	तु.२७।१३	अनु. बुधः ६।१२ उत्पत्ति ११ व्र. स्मा.
१२	चं	४५	५४	स्वा	४९	४०	शो	१८	१०	कौ	१९	२९	४३	५१	९	१९	२५	१०	तुलायां	उत्पत्ति ११ व्र. वै.
१३	मं	३७	२९	वि	४२	५७	अ	४९	४३	ग	११	४१	४२	५२	८	२०	२६	११	वृ.२९।३८	भ. ३९ उ. बृश्चिके शुक्रः १७ प्रदोषः
१४	बु	२८	५	अ	३५	२९	धृ	४७	३४	बि	२	४७	४१	५२	८	२१	२७	१२	वृश्चिके	भ. २।४७ या.
३०	गु	१८	२२	ज्ये	२८	५२	शू	३६	२६	ना	१८	२२	४०	५२	८	२२	२८	१३	ध २८।५२	उषा. भौमः ५६।६

३४ पं.मा.कृ.२शु.इ.२८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	१	६	६	७	७
१४	१६	२५	१७	१६	१२	११	१४
४२	१५	१	३८	२८	३८	१२	१७
४०	२५	२६	२०	१९	४९	१५	२१
६०	४५	३५ ५७	७	७३	६	३	६१
५०	१३	मा.	व.	२०	३२	११	३

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष शुक्ले ३ शनौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

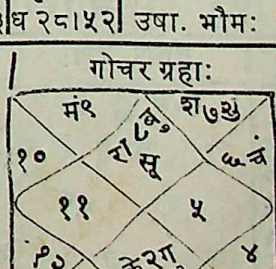

३५ पं.मा.कृ.८शु.इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	१	६	६	७	७
२१	२१	१	१६	२५	१३	०	२१
४८	३८	२८	४०	१०	२२	५०	२५
४३	४६	४१	४१	५५	५९	०	४
६०	४५	६८	५२	७३	६	३	६१
५६	२७	२५	व.	३०	२०	११	११

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः६१८ स.२०१२
१	शु	८	४३	मू	२०	१०	गं	२५	२७	ब	८	४३	३५	५६	५	२३	२९	१४	धनुषि	अनु.शुक्रः०।१६चंद्र दर्शनम्
२	शु	५१	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	श	५२	२३	पू	१३	२५	बृ	१५	२५	तै	२६	९	३९	५२	८	२४	१	१५	म२९।३२	मूले धनुष्यर्कः३१।४५(सौरः५२)सफर २
४	र	४६	२३	उ	७	५३	ध्रु	१३	५२	व	१९	२३	२८	५२	८	२५	२	१६	मकरे	भ.१९।२३उ.४६।२३या.
५	चं	४२	१६	श्र	३	५८	ह	५२	१७	ब	१४	१९	३८	५२	८	२६	३	१७	कुं.३३।१	
६	मं	४०	२७	ध	२	५	व	४७	५०	कौ	११	२१	३७	५३	७	२७	४	१८	कुंभे	ज्येष्ठा.बुधः५३।०मकरे भौमः३९चंपा ६
७	बु	४०	३७	श	२	२६	सि	४४	५३	ग	१०	३२	३७	५३	७	२८	५	१९	मी४९।१४	म.४०।३७उ.
८	गु	४२	४०	पू	४	४९	व्य	४३	३१	वि	११	४४	३६	५३	७	२९	६	२०	मीने	भ.११।४४या.
९	शु	४६	३६	उ	८	४९	व	४३	४९	बा	१४	४१	३६	५३	७	३०	७	२१	मीने	[×१केतुः११।१६मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१०	श	५१	३८	रे	१४	२३	प	४४	४३	तै	१९	७	३६	५३	७	१	८	२२	मे.१४।२३	भा.पौषारंभः
११	र	५७	५३	अ	२०	५६	शि	४६	३१	व	२४	४६	३६	५३	७	२	९	२३	मेषे	भ.२४।४६उ.५७या.विशा.३राहुःकृत्तिः×
१२	चं	६०	०	भ	२८	१९	सि	४८	३८	ब	३२	०	३७	५३	७	३	१०	२४	वृ.४५।१४	ज्येष्ठा.शुक्रः४३।३३
१२	मं	४	७	कृ	३५	५७	सा	५०	५६	बा	४	७	३७	५३	७	४	११	२५	वृषे	प्रदोषः [÷ बुधः४०।०दत्तजयंती
१३	बु	१०	४८	रो	४३	३६	शु	५३	७	तै	१०	४८	३७	५३	७	५	१२	२६	वृषे	बुधास्तःपूर्वस्यां३३।४९
१४	गु	१७	३	मृ	५०	४३	शु	५५	३	व	१७	३	३८	५२	८	६	१३	२७	मि. १०	भ.१७।३उ.५०।१या.मूले धनुषि÷
१५	शु	२२	५९	आ	५७	३१	ब्र	५६	३२	व	२२	५९	३८	५२	८	७	१४	२८	मिथुने	पूषा.रविः३६।४५(सौरः५४।२७)

३६ पं.मा.शु.१ शु. इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	१	७	६	७	७
२८	२७	१०	१५	३	१४	०	२८
५५	४	३९	४५	५४	४	२७	३३
३७	३४	४	२९	३२	५९	४४	४७
६१	४५	८२	३६	७३	५	३	६१
०	३९	४७	व.	४३	५७	११	१९

३७पं.मा.शु. ९ शु. इ. २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	१	७	६	७	८
६	२	२०	१४	१२	१४	०	५
३	३०	४३	५३	३९	४४	५	४३
१४	५४	४१	६	४०	२८	२८	१२
६१	४५	९४	५०	७३	५	३	६१
४	४१	११	व	५०	३२	११	२२

३८पं.मा. शु.१५शु.इ. २९

र	म	शु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१	७	६	६	८
१३	७	१	१४	२१	१५	२९	१२
११	५९	१६	६	२५	२०	४३	५३
२३	३८	१६	१८	८	५६	१३	४
६१	४५	९५	६	७३	५	३	६१
६	५४	१०	व	५६	२	११	२६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महारा.
१	श	२८	७	पु	६०	०	ऐं	५७	२५	कौ	२८	७	३५	५६	५	८	१५	२९	क४६।५०	
२	र	३२	२६	पु	३	१६	वै	५७	४२	तै	०	१६	४०	५२	८	९	१६	३०	कर्के	
३	चं	३५	४९	पु	८	२२	वि	५७	१३	व	४	७	४१	५२	८	१०	१७	३१	कर्के	भ.४।७उ.३५।४९या.श्रवणे भौमः५।२६
४	मं	३८	१	श्ले	१२	१९	प्री	५५	४०	ब	६	५५	४२	५२	८	११	१८	१	सिं१२।१९	जनवरी १ ता. ३१ सन् २०१३चतुर्थी व्र.
५	बु	३९	१०	म	१५	३१	आ	५३	३०	कौ	८	३६	४३	५१	९	१२	१९	२	सिंहे	
६	गु	३९	६	पू	१७	२८	सौ	५०	१७	ग	९	८	४४	५१	९	१३	२०	३	कं.३२।३५	भ.३९।६उ.
७	शु	३७	५०	उ	१७	५९	शो	४६	१	वि	८	२८	४५	५१	९	१४	२१	४	कन्यायां	भ.८।२८यां.मूले धनुषि शुक्रः१८।५२
८	श	३५	१४	ह	१७	२२	अ	४०	३३	बा	६	३२	४७	५१	९	१५	२२	५	तु.४६।४७	पूषा.बुधः१३।२४वक्री रोहि.१गुरुः४४
९	र	३१	१४	चि	१५	१३	सु	३४	२	तै	३	१४	४८	५०	१०	१६	२३	६	तुलायां	भ.५८।३२उ.
१०	चं	२५	५१	स्वा	११	५२	धृ	२६	२६	वि	२५	५१	५०	५०	१०	१७	२४	७	वृ.५३।३१	भ.२५।५१या.
११	मं	१९	११	वि	७	२३	शू	१७	५६	बा	१९	११	५२	५०	१०	१८	२५	८	वृश्चिके	सफला ११व्र.
१२	बु	११	३५	अ	२८	३८	गं	२८	५८	तै	११	३५	५३	४९	११	१९	२६	९	ध. ५५	प्रदोषः
१३	गु	३	८	मू	४८	२	ध्रु	४८	१०	व	३	८	५५	४९	११	२०	२७	१०	धनुषि	भ.३।८उ.२८।४०या.उषा.रविः४१।३०×
१४	गु	५१	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[× सौरः५५।५४
३०	शु	४५	२८	पू	४१	९	व्या	३७	५५	च	१९	५५	५७	४९	११	२१	२८	११	म.५४।३७	

३९ पं.पौ..कृ. ७शु. इ. २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१	८	६	६	८
२०	१३	१२	१३	०	१५	२९	२०
१५	२९	५	२६	११	५२	२०	३
२६	४९	२४	१७	१६	५९	५७	१
६१	४६	९८	५५	७४	४	३	६१
६	७	३५	व.	२	३८	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार ५ रविवार अशुभ हैं धातु सोना चांदी तेज हो शीत का प्रकोप रहे प्रजा में रोग शोक फैले।

गोचर ग्रहाः

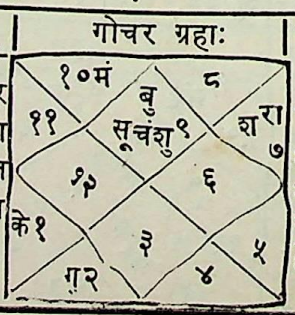

४०पं.पौ. कृ.३० शु. इ.२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१	८	६	६	८
२७	१९	२३	१२	८	१६	२८	२७
२७	०	१२	५५	५७	२१	५८	१२
२२	२	३६	१६	२५	४३	४२	५३
६१	४६	०	४३	७४	३	३	६१
६	८	५०	व.	८	५९	११	२४

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | पौष शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्र : | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्गणः ६४७सन् २०१३

१	श	३७	३०	उ	३५	२	ह	२८	५	किं	११	३४	२५	६	५	२२	२९	१२	मकरे	
२	र	३०	४६	श्र	३०	७	व	१९	२३	बा	४	८	२६	४८	१२	२३	३०	१३	कुं. २९	मकरेऽर्कः ५७।५४ उषा. बुधः ४९ चंद्रदर्शनम्
३	चं	२५	३२	ध	२६	३६	सि	११	४९	ग	२५	३२	४	४७	१३	२४	१	१४	कुंभे	भ. ५३ उ. मकरेऽर्कः सौरः ३१ रविलाबल ३
४	मं	२२	१५	श	२४	५८	व्य	५	२९	वि	२२	१५	६	४७	१३	२५	२	१५	कुम्भे	भ. ९२ या. मकरे बुधः ४५।३४ पूषा. शुक्रः ०।५
५	बु	२१	१६	पू	२५	३६	व	९	५७ ३८	बा	२१	१६	८	४६	१४	२६	३	१६	मी १०।२६	धनि. भौमः ५४।३५ स्वातीः ४ शनिः ३९।१०
६	गु	२२	२	उ	२८	५	शि	५७	४०	तै	२२	२	११	४६	१४	२७	४	१७	मीने	
७	शु	२५	७	रे	३२	३८	सि	५७	३२	व	२५	७	१३	४५	१५	२८	५	१८	मे. ३२।३८	भ. २५।७ उ. ५७।२२ या.
८	श	२९	३६	अ	३८	३५	सा	५८	५६	ब	२९	३६	१६	४५	१५	२९	६	१९	मेषे	
९	र	३५	४०	भ	४५	४६	शु	६०	०	बा	२	३८	१९	४४	१६	३०	७	२०	मेषे	अभि. प्र. रविः ३०।२४ (सौरः ४२।४२)
१०	चं	४१	५६	कृ	५३	१६	शु	०	५४	तै	८	४८	२१	४४	१६	१	८	२१	वृ. २।३८	श्रवणे बुधः ३७ भा. माघारंभः पातस्पर्शः ५५
११	मं	४८	३८	रो	६०	०	शु	३	१४	व	१५	१७	२४	४३	१७	२	९	२२	वृषे	भ. १५७ उ. ४८ या. पातमोक्षः ३६ पुत्रदा ११ व्र.
१२	बु	५४	५६	रो	०	५६	ब्र	५	२९	ब	२१	४७	२७	४३	१७	३	१०	२३	मि. ३४	श्रवणे रविः ४७।१ (सौरः ५८।३८)
१३	गु	६०	०	मृ	८	८	ऐं	७	३४	कौ	२७	४७	२९	४२	१८	४	११	२४	मिथुने	प्रदोषः अभि. नि. रविः ३६ (सौरः ५९)
१३	शु	०	३९	आ	१४	४९	वै	८	५६	तै	०	३९	२२	४२	१८	५	१२	२५	मिथुनें	उषा. शुक्रः ३५।४९ कुभे भौमः २३।४७
१४	श	५	१८	पु	२०	३०	वि	९	२८	व	५	१८	३५	४१	१९	६	१३	२६	क. ४।५	भ. ५।१८ उ. ३७।४ या.
१५	र	८	५०	पु	२४	५३	प्री	९	१७	ब	८	५०	३८	४०	२०	७	१४	२७	कर्के	मा. स्ना. प्रा.

४१ पं. पौ. शु. ७ श. इ. २७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	१	८	६	६	९
४	२४	४	१२	१७	१६	२८	४
३५	३१	४२	३३	४३	४६	३६	२२
१३	४८	४७	१८	३७	८	२६	२२
६१	४६	०	२५	७४	२	३	६१
३	९	३०	व.	१४	२३	११	१९

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले २ रवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्या दिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

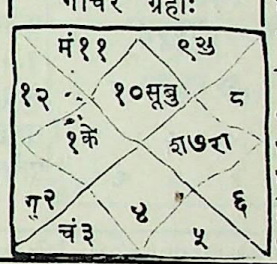

४२ पं. पौ. शु. १३ श. इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१	८	६	६	९
११	०	१६	१२	२६	१७	२८	११
४२	३	५१	२०	३०	५	१४	३१
४०	१४	४	४९	१८	४६	१०	१३
६०	४६	०	५९	७४	२	३	६१
५९	१३	६३	व.	२०	२६	११	१३

ति. | माघ कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.

१	चं	११	१४	श्ले	२८	१६	आ	८	८	को	११	१४	२६	४१	४०	२०	८	१५	२८	सिं. २९	मकरे शुक्रः १७।१५
२	मं	१२	३५	म	३०	३५	सौ	६	१५	ग	१२	३५	४५	३९	२१	९	१६	२९	सिंहें	भ. ४२।३५ उ. धनि. बुधः १९।५०
३	बु	१२	३५	पू	३१	४६	शो	२३	५६ ३२	वि	१२	३५	४८	३८	२२	१०	१७	३०	कं. ४६।५२	भ. १२।३५ या. मार्गी गुरुः ४।४९ चतुर्थी व्र.
४	गु	११	४३	उ	३२	८	सु	५५	४३	बा	११	४३	५१	३८	२२	११	१८	१	कन्यायां	अस्त. भौमः २८।२२
५	शु	१०	४	ह	३१	४०	धृ	५०	४१	तै	१०	४	५४	३७	२३	१२	१९	२	कन्यायां	फर्वरी २ ता. २८
६	श	७	३१	चि	३०	२२	शू	४४	५६	व	७	३१	५८	३६	२४	१३	२०	३	तु. १।१	भ. ७।३१ उ. ३५।५० या. कुंभे बुधः ४।४९ +
७	र	४	८	स्वा	२८	६	गं	३८	३७	ब	४	८	२७	३६	२४	१४	२१	४	तुलायां	पातस्पर्श। १२।१२ पातमोक्षः ३२।४
८	र	५५	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+ शते भौमः ५२।०
९	चं	५४	५३	वि	२५	४	वृ	३१	३१	तै	२७	२५	५	३५	२५	१५	२२	५	वृ. १०।५०	
१०	मं	४९	५	अ	२१	१६	धु	२३	५५	व	२१	५९	८	३४	२६	१६	२३	६	वृश्चिके	भ. २१।५९ उ. ४९।५ या. धनि. रविः ५५।१९ ×
११	बु	४२	३४	ज्ये	१९	४७	व्या	१५	३८	ब	१५	५०	१२	३४	२६	१७	२४	७	ध. १६ ४७	धनि. रविः सौरः ४।२८ षट्तिला ११ व्र.
१२	गु	३५	२९	मू	११	३९	ह	५७	५०	कौ	९	२	१५	३३	२७	१८	२५	८	धनुषि	[× शते बुधः ५१।२७ श्रवणे शुक्रः १३।१७ ÷
१३	शु	२८	२६	पू	६	१४	सि	४९	५	ग	१	५८	१९	३२	२८	१९	२६	९	म. १९।५६	भ. २८।२६ उ. ५४।५१ या. प्रदोषः
१४	श	२१	१५	उ	१४	५५ २१	व्य	४०	४४	श	२१	१५	२३	३१	२९	२०	२७	१०	मकरे	[÷ बुधोदयः पश्चिमायां १२।९
२०	र	१५	२	ध	५२	४०	व	३२	५९	ना	१५	२	२७	३१	२९	२१	२८	११	कुं. २४।३२	

४३ पं. मा. कृ. ५ श. इ. २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१	९	६	६	९
१८	५	२८	१२	५	१७	२७	१८
४९	३५	५५	१९	१६	२०	५१	३९
१६	१३	१	८	१९	२४	५५	१८
६०	४६	०	२९	७४	१	३	६१
५१	१५	६४	मा.	२०	५३	११	४

गोचर ग्रहाः

इस मास में बाजरा मूंग मोठ मक्का चना गेहूं चावल आदि धान्य रस चांदी ळोहा ताम्बा वदि में मंदा होकर सुदि में तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

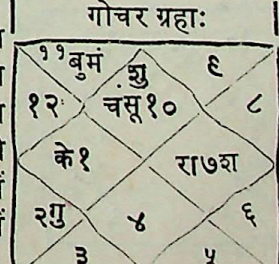

४४ पं. मा. कृ. १२ श. इ. २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	१०	१	९	६	६	९
२५	११	११	१२	१४	१७	२७	२५
५५	६	०	२६	१	३०	२९	४६
१	५०	४३	५३	५४	२९	३९	५
६०	४६	९९	१	७४	१	३	६०
४७	१८	४	४१	२६	१३	११	५५

(सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३४										दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७७स.२०१३
१	चं	६	४२	श	५०	१५	प	२६	१४	ब	६ ४२	३७ ३० ६ ३० ५	२२ २६ ११	कुंभे
२	मं	५	५४	पू	४६	४३	शि	२०	५६	कौ	५ ५४	२४ २६ ३१	२३ १ १२	मी.५३४
३	बु	४	५	उ	५०	४६	सि	१७	२	ग	४ ५	३८ २८ ३२	२४ २ १३	मीने
४	गु	४	२	रे	५४	११	सा	१४	४८	वि	४ २	४१ २८ ३२	२५ ३ १४	मे५४।११
५	शु	६	१०	अ	५९	११	शु	१४	१२	बा	६ १०	४५ २७ ३३	२६ ४ १५	मेषे
६	श	१०	१५	भ	६०	०	शु	१४	२८	तै	१० १५	४९ २६ ३४	२७ ५ १६	मेषें
७	र	१५	१४	भ	५	३५	ब्र	१६	४	व	१५ १४	५३ २५ ३५	२८ ६ १७	वृ.२२०
८	चं	२१	१२	कृ	१२	३८	ऐं	१८	२	व	२१ १२	५६ २५ ३५	२९ ७ १८	वृषे
९	मं	२७	४९	रो	२०	१३	वै	२०	२५	कौ	२७ ४९	२८ २४ ३६	३० ८ १९	मि ५५३
१०	बु	३४	५	मृ	२७	३७	वि	२२	३३	तै	० ५७	४ २३ ३७	१ ९ २०	मिथुने
११	गु	३९	५२	आ	३४	२९	प्री	२४	१५	व	६ ५८	८ २२ ३८	२ १० २१	मिथुने
१२	शु	४३	१७	पु	४०	१४	आ	२४	५६	ब	११ ३४	१२ २२ ३८	३ ११ २३	क.२३।४८
१३	श	४७	२९	पु	४४	३४	सौ	२४	४६	कौ	१६ २३	१६ २१ ३९	४ १२ २३	कर्के
१४	र	४९	५	श्ले	४७	२६	शो	२३	२३	ग	१८ १७	२० २० ४०	५ १३ २४	सिं. ४७ २६
१५	चं	४९	३३	म	४८	५७	अ	२०	५०	वि	१९ १९	२४ १९ ४१	६ १४ २५	सिंहे

चन्द्रदर्शनम्
कुंभेऽर्कः ३३५ (सौरः ३६) रविलाखर ४
भ. ३४।३ उ.
भ. ४।२ या. पूभा. बुधः ३३।१६
धनि. शुक्रः ५४ शुक्रास्तः पूर्वस्यां २५ ÷ [÷ वसंत ५
भ. १५ उ. ४६ या. भानु ७ रथ ७
भीष्माष्टमी[=२राहुः भरणी ४ केतुः ३५
शने रविः ६।५१ (सौरः १३।४८) ×
भा. फाल्गुनारंभः
भ.५८उ.३९या.कुंभे शुक्रः ३३ जया११व्र
[×पूभा. भौमः ४१ वक्री शनिः २६
वक्री बुधः प्रदोषः [+ मा. स्ना. पूर्ति
भ. ४५ उ. रोहिणी २ गुरुः ४७ विशा.=
भ. १९ या. बुधास्तः पश्चिमायां ५५ +

४५पं.मा.शु.५श.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१	९	६	६	१०
२	१६	२१	१२	२२	१७	२७	२
५९	३७	७	४४	४८	३५	७	५२
४९	५९	४८	४६	४	२४	२४	८
६०	४६	७३	३	७४	०	३	६०
३७	८	३७	११	२६	२६	११	४२

गोचर ग्रहाः

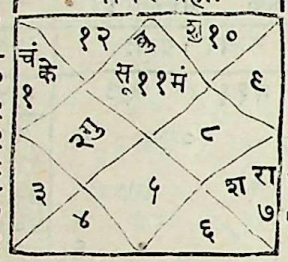

माघ शुक्ले २ भौमे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा ३ न.३ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

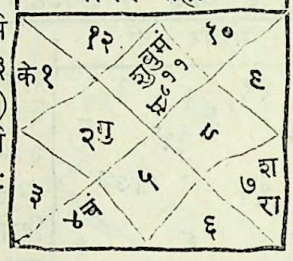

४६ पं.मा.शु.१२शु.इ.२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१	१०	६	६	१०
१०	२२	२५	१३	१	१७	२६	९
३	७	४६	११	३३	३४	४५	५६
२२	५५	१९	४९	२२	५५	८	४१
६०	४५	१३	४	७४	०	३	६०
२५	५९	२२	२३	३२	२०	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४										दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	मं	४८	४	पू	४९	९	सु	१७	१९	बा	१८ ४८	२८ १९ ४२ ५	७ १५ २६	सिंहे
२	बु	४५	४६	उ	४८	२५	धृ	१२	५५	तै	१६ ५५	३३ १८ ४२	८ १६ २७	कं. ३।५८
३	गु	४२	३४	ह	४६	४९	शू	७	३२	व	१४ १०	३६ १७ ४३	९ १७ २८	कन्यायां
४	शु	३८	४१	चि	४४	३५	गं	५३	५३	व	१० ३७	४० १६ ४४	१० १८ १	तु१५।४२
५	श	३४	२६	स्वा	४१	५६	ध्रु	४७	५४	कौ	६ ३४	४४ १५ ४५	११ १९ २	तुलायां
६	र	२९	५५	वि	३९	७	व्या	४२	८	ग	२ १०	४८ १४ ४६	१२ २० ३	वृ.२४।४९
७	चं	२५	८	अ	३५	५६	ह	३५	१४	ब्र	२५ ८	५२ १४ ४६	१३ २१ ४	वृश्चिके
८	मं	२१	६	ज्ये	३२	३२	व	२८	३	कौ	२१ ६	५६ १३ ४७	१४ २२ ५	ध.३२।३२
९	बु	१४	५९	मू	२८	५८	सि	२०	३८	ग	१४ ५९	२९ १२ ४८	१५ २३ ६	धनुषि
१०	गु	९	२८	पू	२५	१७	व्य	१३	१४	वि	९ २८	५ ११ ४९	१६ २४ ७	म.३९।२४
११	शु	४	२	उ	२१	४४	व	६ ४८	५२ ५९	बा	४ २	९ १० ५०	१७ २५ ८	मकरे
१२	शु	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	
१३	श	५४	२	श्र	१८	२२	शि	५२	१९	ग	२६ २३	१३ ९ ५१	१८ २६ ९	कुं.४७।३
१४	र	४९	४१	ध	१५	४४	सि	४६	१३	वि	२१ ५२	१७ ९ ५१	१९ २७ १०	कुंभे
३०	चं	४६	४४	श	१३	४७	सा	४१	३	च	१८ १३	२१ ८ ५२	२० २८ ११	मि. २८

भ. ५४।२ उ. पूभा.शुक्रः १५।३४ प्रदोषः
भ. २१।५२ या. बुधोदयः पूर्वस्यां ÷
[÷ ५७।२८ महाशिवरात्री व्र.

४७पं.फा.कृ.४शु.इ. २९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१	१०	६	६	१०
१७	२७	२२	१३	१०	१७	२६	१६
५	३७	५९	४७	१७	३०	२२	५९
३५	३४	३८	३८	५३	७	५२	३४
६०	४६	५९ ३४	५	७४	१ ७	३	६०
१२	२	व.	२४	३२	व.	११	२०

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथी वृद्धि धान्य गल्ला वस्त्र धातु रूई सन में मंदी करे सुदी में रस पदार्थ तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

४८पं. फा.कृ.११ शु.इ.२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	१	१०	६	६	१०
२४	३	१६	१४	१९	१७	२६	२४
६	५	२	३१	२	१९	०	०
२२	१७	३५	४१	३८	५९	३७	५७
५९	४५	६३	६	७४	४६	३	६०
५८	५२	व.	३५	३२	व.	११	६

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४				दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः७०६ स.२०१३
१	मं	४४	५९	पू	१३	१६	शु	३७	२	किं	१५	५१	२९	६	५३	२१	२९	१२	मीने	
२	बु	४४	४७	उ	१४	१६	शु	३४	२४	बा	१४	५३	३०	६	५४	२२	३०	१३	मीने	चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
३	गु	४६	३२	रे	१६	५८	ब्र	३३	२	तै	१५	४०	३४	५	५५	२३	१	१४	मे.१६।५८	मीनेऽर्कः$\frac{5}{30}$(सौरः$\frac{3}{6}$) जमादिलावल ५
४	शु	४९	४७	अ	२०	५३	ऐं	३२	३७	व	१८	१०	३८	४	५६	२४	२	१५	मेषे	भ.१८।१०उ.४९।४७या.
५	श	५४	३८	भ	२६	३७	वै	३३	४३	ब	२२	१३	४३	३	५७	२५	३	१६	वृ. $\frac{43}{17}$	
६	र	६०	०	कृ	३३	१७	वि	३५	२५	कौ	२७	२६	४७	३	५७	२६	४	१७	वृषे	उभा.रविः$\frac{54}{30}$(सौरः$\frac{49}{32}$) मीने शुक्रः $\frac{17}{30}$
६	चं	०	१५	रो	४०	३७	मृ	३७	३७	तै	०	१५	५१	२	५८	२७	५	१८	वृषे	
७	मं	६	३१	मृ	४८	१४	आ	३९	५६	व	६	३१	५५	१	५९	२८	६	१९	मि.$\frac{14}{5}$	भ.$\frac{5}{1}$उ.$\frac{3}{4}$$\frac{6}{1}$या. मार्गी बुधः$\frac{3}{0}$ उभा. =
८	बु	१२	५४	आ	५५	२७	सौ	४१	५५	ब	१२	५४	३८	०	०	२९	७	२०	सिंथुने	होलाष्टकम् [= शुक्रः५७।५
९	गु	१८	४७	पु	६०	०	शो	४३	२३	कौ	१८	४७	४	५९	१	३०	८	२१	क.४५।९	[÷ शनिः२०।१४ प्रदोषः
१०	शु	२३	२९	पु	१	४३	अ	४३	४६	ग	२३	२९	८	५८	२	१	९	२२	कर्के	भ.५५।१०उ.भा.चैत्रारंभः
११	श	२६	५१	पु	६	३२	सु	४२	४३	वि	२६	५१	१२	५८	२	२	१०	२३	कर्के	भ.२६।५१या. आमलकी ११ व्र.
१२	र	२८	२४	श्ले	९	५५	धृ	४०	२७	बा	२८	२४	१६	५७	३	२	११	२४	सिं.९।५५	रोहिणी.३गुरुः४१।५६वक्री स्वाती. ३ ÷
१३	चं	२८	४	म	११	२५	शू	३६	४१	तै	२८	४	२१	५६	४	४	१२	२५	सिंहे	[+ ३।१७ होलिका दहनम् भद्रोत्तरम्
१४	मं	२६	२	पू	११	९	गं	३१	२७	व	२६	२	२५	५५	५	५	१३	२६	क.२५।४४	भ.२६।२उ.५४।११या. रेवत्यां भौमः +
१५	बु	२२	२०	उ	९	३१	बृ	२५	३६	व	२२	२०	२९	५४	६	६	१४	२७	कन्यायां	छारेंडी

४९ पं.फा.शु.४ शु.इ.२९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	१	१०	६	६	११
१	८	११	१५	२७	१७	२५	१
५	३१	५८	२२	४६	४	३८	०
३५	४४	३०	३७	५	५५	२९	३९
५९	४५	२९	७	७४	२३	३	५९
४१	४२	व.	३८	३३	व.	११	४९

गोचर ग्रहाः

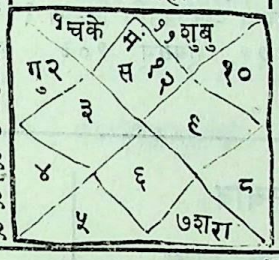

फाल्गुन शुक्ले ३ गुरौ मीनेऽर्क.प्रविष्टःवा. ३ न.४प्रौढावस्था(बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

५० पं.फा.शु. १० शु.इ. $\frac{30}{4}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	१	११	६	६	११
८	१३	१२	१६	६	१६	२५	७
३	५७	४६	२०	३०	४५	१६	५८
१८	१८	४४	४६	१८	३६	६	३४
५९	४५	१६	८	७४	३	३	५९
२९	४७	मा	४६	३८	व.	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४				दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	शु	१७	३८	ह	६	३३	ध्रु	१८	३५	कौ	१७	३८	३३	५३	६	७	१५	२८	तु.३४।४२	वसंत १
२	शु	१२	१	चि	२	५५	व्या	११	१	ग	१२	१	३७	५३	७	८	१६	२९	तुलायां	भ.३८।५५उ.
३	श	५	४९	वि	५४	२१	ह	३	५२	वि	५	४९	४१	५२	८	९	१७	३०	वृ.४०।२५	भ.५।४९या. रेवत्यां शुक्रः$\frac{41}{4}$चतुर्थी व्र.
४	श	५३	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	र	५३	३७	अ	५०	१	सि	४७	२९	कौ	२६	३४	४५	५१	९	१०	१८	३१	वृश्चिके	रेवत्यां रविः१२।३३(सौरः१६।५९)
६	चं	४७	५३	ज्ये	४६	७	व्य	३९	५६	ग	२०	४४	४९	५०	१०	११	१९	१	घ.४६।७	भ.४७।५३उ.अप्रेल ४ ता.३०
७	मं	४२	३३	मू	४२	३४	व	३२	४९	वि	१५	१३	५३	४९	११	१२	२०	२	धनुषि	भ.१५।१३या.पूभा.बुधः३।२
८	बु	३७	२३	पू	३९	२६	प	२५	४७	बा	९	५८	५७	४९	११	१३	२१	३	म.५३।५३	शीतला पूजनम्
९	गु	३२	५९	उ	३७	०	शि	१८	५६	तै	५	११	३१	४८	१२	१४	२२	४	मकरे	
१०	शु	२८	५८	श्र	३४	५१	सि	१३	२०	व	०	२९	५	४७	१३	१५	२३	५	मकरे	भ.०।२९उ.२८।५८या.
११	श	२५	३५	ध	३३	३०	सा	७	५६	ब	२५	३५	१०	४६	१४	१६	२४	६	कु.४।१०	पापमोचनी ११ व्र.
१२	र	२२	५७	श	३२	५१	शु	१९	५५	तै	२२	५७	१४	४५	१५	१७	२५	७	कुम्भे	प्रदोषः
१३	चं	२१	११	पू	३३	१६	व्र	५५	४१	व	२१	११	१८	४४	१६	१८	२६	८	मी.$\frac{18}{10}$	भ.२१।११उ.५०।५३या.
१४	मं	२०	३४	उ	३४	४५	ऐं	५३	१६	श	२०	३४	२२	४४	१६	१९	२७	९	मीने	[+ २७।३० मन्वादिः
३०	बु	२१	५	रे	३७	२६	वै	५२	१६	ना	२१	५	२६	४३	१७	२०	२८	१०	मे.३७।२६	मीने बुधः३।४४अहिव. मेषे शुक्रः +

५१ पं.चै. कृ. २ शु. इ. $\frac{30}{5}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	१	११	६	६	११
१४	१९	१७	१७	१५	१६	२४	१४
५९	१९	२२	२५	११	२२	५३	५४
१०	३७	१	२६	४२	५५	५०	४३
५९	४५	४४	९	७४	४४	३	५९
१६	२७	३५	३०	३८	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल सक्कर गुड़ चीनी बुदि में मंदी होकर सुदि में कुछ तेज होवे, कहीं वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

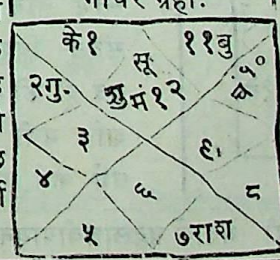

५२ पं.चै.कृ. १० शु.इ. $\frac{30}{5}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	१	११	६	६	११
२१	२४	२४	१८	२३	१५	२४	२१
५३	४०	२८	३५	५२	२६	३१	४८
३१	४८	४८	२८	५१	३८	३४	५४
५९	४५	६६	१०	७४	५९	३	५९
४	१७	१८	१४	३८	व	११	४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

मजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११४, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५११४, भोग्यकलिः४२६८८६, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०७०, शाकः १९३५, अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः । मंत्री शनिः । सस्येशो भौमः । धान्येशः रविः । मेघेशो शुक्रः । रसेशो गुरुः नीरसेशो भौमः । फलेशः शुक्रः । धनेशश्चंद्रः । दुर्गेशः शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठ्यब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां २० पराभवनाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः११।२७।५९।२ भोग्यमासादिः ०।२।०।५८ विश्वेदेवदैवतं युगम् । वर्षनाम कार्तिकः । मेघनाम संवर्तः । रोहिणी निवासःसमुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा ८ समयवाहनम् चातकःस्तंभः३ अन्नतृणवायूनां । सोमवत्यमाः१ सोमवती पंचमी१ अंगारकी चतुर्थी ३ भानुसप्तमी १बुधाष्टमी२, रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १९, तिथिवृद्धिः १२ उत्पत्ति विश्वा ८७ खपति विश्वा ११४ वर्षाविश्वा ९ धान्यम् ९ तृणम् ७, शीतम् ७ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १०३, शनिदृष्टिः पश्चिमेसत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण १ चंद्रमसः

संवत् २०७० शा.१९३५ चैत्र शु. १५ गुरौ चंद्रग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
इ.	४६	४७	४८
प.	५९	५०	४१
घं.	१	१	१
मि.	१५	३५	५५

वर्ष लग्नम् ४।२

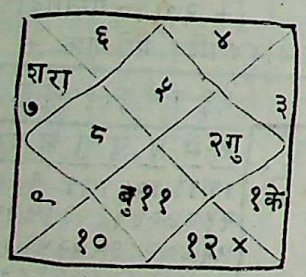

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न।
माता स कर जोड़ के पूछै भैरव लाल ।
विक्रम सत्तर साल का शीघ्र कहो सब हाल ।।

भवानी उत्तर
सुनजे भैरव चेतकर मैं समझावुं तोय ।
राजा मंत्री देखतां मध्य जमानुं होय ।।
ज्येष्ठ साढ वर्षा लगे श्रावण करसी तंग ।
बुध भार्गव के योग से आसोजां तक रंग ।।
रोहिणी बसी समुद्र में संवत् मालाकार ।
स्तंभ तीन है वर्ष में होसी बेड़ा पार ।।
संवत् विश्वा आठ है वर्षा विश्वा अंक ।
सब ही को सुख होयसी क्या राजा क्या रंक ।।
शनि मंत्री इस वर्ष में खोटी देवें राय ।
धर्म कर्म करते रहो भगवत् करे सहाय ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् ८।१९

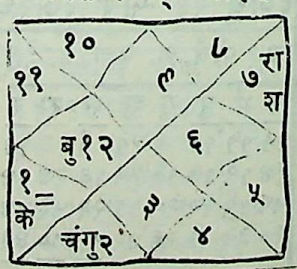

+चंमंशुसू वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५१।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१।४१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) = शुमंसू

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षेराजागुरुः फलम् ।। गुरौनृपे वर्षति कामदं जलं महीतले काम दुधाश्चधेनवः । व्रजन्तिविप्रा बहवोग्निहोत्रिणोमहोत्सवं सर्नजनेषुवर्धते । मंत्रिशनिफलम् ।। रवि सुते यदिमंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहुदुःखदाः । नजलदाः जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखंन धनंक्वचित् ।। सस्येशोभौमस्तत्फलम् प्रथम धान्यपतौ- धरणी सुतेगजतुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदा बहुरोगघनो जलं न सम सौख्य करस्तुषधान्यहत् ।। धान्येशोरविःफलम्।। पश्चाद्धान्याधिपेसूर्ये पश्चाद्धान्यं तदानहि । विग्रहंभूमृताधान्यं महर्घज्वरपीडनम् ।। मेघेशःशुक्रःफलम्।। भृगुसुतोजलदस्यपति- र्यदाज लयुता जलदा दिवि शोभनाः । धननिधान युताद्विजपालका नृपतयोजनता सुखदायकाः ।। रसेंशोगुरुः फलम् ।। यदि गुरौ रसपेजन सौख्यदे कमलवंति सरांसि तृणानि च । जनपदा द्विज पूजनतत्परा गजसवाजिरथोष्ट्रयुता नृपाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम् ।। नीरसेशोयदा भौम प्रवाल रक्तवासस्त्रां । रक्त चंदनताम्राणामर्हबृद्धिर्दिने दिने।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम्।। यदिफलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदु कुमार महीरुहराशयः । बहुपथा नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठ परायणाः ।। धनेशश्चंद्रः फलम् ।। धनपतिर्मृग लांछनकोयदा रसचयात्क्रयविक्रयर्तोधनम् । वसन शालि युगं धनजं बहु द्रविण तैल घृतं नृप सौख्यदम् ।। दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। नरवरेषु विशेषपतिर्यदा भृगुसुतौ बहुसौख्य करो मतः । विनय वाणिज गेह समः सुखोगतवनं निकटे पिच दूरतः ।। पराभवनाम संवत्सरः फलम् ।। पराभवाब्देराज्ञां स्यात् समरं सह शत्रुभिः आमयः क्षुद्र सस्यानि प्रभूतान्यल्यबृष्टयः ।। नर्षनामः कार्तिकफलम् ।। पाप बुद्धिरता लोका भवंति कार्तिके सदा । देवता नैव मन्यन्ते राज्यं च तस्करैर्हृतम् ।। मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्तेजलपूरिता ।। रोहिणीनिवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रेतुमहावृष्टिः । समयनिवासोमालाकारगृहे । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः।। एवं संचित्यदैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्

संवत् २०७० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

ज्येष्ठ मासः ।

कृष्णा २ रवौ मूले ल. १०।११।१२ रे. ७ ।ऽ।।ऽऽअ।।।।
,, ९ रवौ उभा. ल. ऽन्यगो ५ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

सप्तम भौमदोषः

आषाढ मासः।

शुक्ला ३ गुरौ मघा ल. ऽन्यगो २ रे. १० ।।।।।।।।।
५ शनौ उफा ल. ऽ न्यगो २ रे. १० ।।।।।।।।।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृष्णा १ चन्द्रे रोहि. ल. ६ रे. ८ ।।।।।ऽअऽ।।।
,, २ भौमे मृगे ल. ६ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।
,, ७ चन्द्रे मधा ल. ऽन्यगो. रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।।
,, १० गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो. ५ रे. ८ ।।।।।।ऽ।।
शुक्ला ४ शुक्र उषा ल. ऽ न्यगो. रे. ६ ।।ऽशु।ऽऽअ।।।।
,, ८ भौमे उभा. ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽऽचौ।।।।

माघ मासः

कृष्णा ४ चन्द्रे उफा ल.९(गु.पू.सन्)रे.८।।।।।ऽचौ।ऽ।।
५ भौमे उफा ल. गो. रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।
५ भौमे हस्ते ल. ९ (गु.७पू.) रे.८ ऽ।।।।ऽ।।।
,, ६ बुधे हस्ते ल. गो. रे. ७ ऽ।।।।ऽरोऽ।।।
कृष्णा ९ शनौ अनु. ल. ९ (गु.पू.) रे.६ ऽ।।।।ऽअऽऽ।।
शुक्ला ४ चन्द्रे उभा ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽअ.ऽऽ।।
,, ५ भौमे रेव. ल. ऽन्यगो. रे. १० ।।।।।।।।।।
,, ९ शनौ रोहि. ल. गो. रे. ९ ।।।।।।।।ऽ। गणिते-
नक्रांतिसाम्या ऽ भावः
,, १५ शुक्रे मघा. ल. ९ गु. पू. सत्र रे. ६
।।।।ऽऽअऽऽ।।

फाल्गुनमासः ।

कृष्णा २ चन्द्र उफा. ल. गो. रे.८ ।।।।।ऽनृ४२या.ऽ।।।
,, ३ भौमे हस्ते ल. गो. ९।१० रे. ८ ।।।।।।
(चौ. ४२ उ.) ।ऽ।ऽ दग्धा
,, ७ शनौ अनु. ल. ऽन्यगो ६ रे. ७ ऽ।।।।।
(मृ. ४१ उ.) ऽऽ।।
,, ९ चन्द्रे मूले ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽअऽऽ।।
,, १२ बुधे उषा. ल. ९ रे. ६ ।ऽऽशु।।।ऽऽ।।
शुक्ला १ रवौ उभा ल. ९।१० रे. ८ ।ऽ।।।ऽरो. ३९
या ऽ।।। धनुषि. गु. पू.
,, ७ शुक्रे रोहि ल. ऽन्यगो ६ रे. ६ ।।।ऽशु।ऽ
(नृ. ३८ या) ऽऽ।।

,, अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधिभिः

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०७० शाकः १९३५									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः७३६ स.२०१३
१	गु	२३	५	अ	४१	२२	वि	५२	१९	व	२३	५	३१/३०	५/४	६/१८	२१	२९	११	मेषे
२	शु	२६	१६	भ	४६	४१	प्री	५२	५०	कौ	२६	१६	३४	४१	१९	२२	१	१२	मेषे
३	श	३०	५८	कृ	५२	१५	आ	५४	६	ग	३०	५८	३८	४०	२०	२३	२	१३	वृ.३।४
४	र	३६	२३	रो	६०	०	सौ	५५	५७	व	३	४०	४२	४०	२०	२४	३	१४	वृषे
५	चं	४२	४२	रो	०	२६	शो	५८	२३	व	९	२३	४६	३९	२१	२५	४	१५	मि३४।१४
६	मं	४८	५५	मृ	८	२	अ	६०	०	कौ	१५	४८	५०	३८	२२	२६	५	१६	मिथुने
७	बु	५५	७	आ	१५	३२	अ	०	५३	ग	२२	१	५३	२७	२३	२७	६	१७	मिथुने
८	गु	६०	०	पु	२२	३८	सु	२	५२	वि	२७	४०	५७	३७	२३	२८	७	१८	क.५।५२
८	शु	०	१२	पु	२८	२६	धृ	३	४	ब	०	१२	३३/१	३६	२४	२९	८	१९	कर्के
९	श	४	१०	श्ले	३२	५२	शू	४	८	कौ	४	१०	५	३५	२५	३०	९	२०	सिं. ३३/५२
१०	र	६	२५	म	३५	२२	गं	४८/५	५७	ग	६	२५	९	३४	२६	१	१०	२१	सिंहे
११	चं	६	३४	पू	३५	५१	ध्रु	५५	२५	वि	६	३४	१२	३४	२६	२	११	२२	कं.५०।२९
१२	मं	४	४३	उ	३४	२३	व्या	४९	२६	बा	४	४३	१६	३३	२७	३	१२	२३	कन्यायां
१३	बु	०	५२	ह	३१	२०	ह	४१	५९	तै	०	५२	२०	३२	२८	४	१३	२४	तु.५८।५९
१४	बु	५४	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		० ०
१५	गु	४८	२५	चि	२६	३८	व	३३	४०	वि	२१	५८	२३	३१	२९	५	१४	२५	तुलायां

चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभ
उभा. बुधः २२।४६ अश्वि. मेषे भौमः×
अश्वि. मेषेऽर्कः ४६।३० (सौरः ५१/३२) ÷
भ. ३।४० उ. ३६।२३ या.
[× ३१।५४ जमादि लाखर ६ सिंधारा
[÷रोहि.४गुरुः १९/१४मत्स्य जयंती गणगोरी
भ. ५५।७ उ.
भ. २७।४० या.
रामनवमी स्मा.
रामनवमी वै.
भ. ३६।२९ उ. रवत्यां बुधः १८।५३=
भ. ६।३४ या. शुक्रोदयः पश्चिमायां +
प्रदोषः [+ ५९।२४ कामदा ११ व्र.
भ. ५५।३० उ.
[=भरण्यां शुक्रः १४।० भा. वैशाखारंभः
भ. २१।५८ या. चंद्रग्रहणम् हनुमज्जयंती

१ पं.चै.शु.३ श. इ. ४६/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१	०	६	६	११
०	०	५	२०	४	१५	२४	२९
०	५६	२०	४	६	२१	५	५५
०	६	२८	५९	५४	२२	३०	७
५८	४५	८६	१०	७४	२३/४	३	५८
४४	७	१९	५८	३२	व.	११	४५

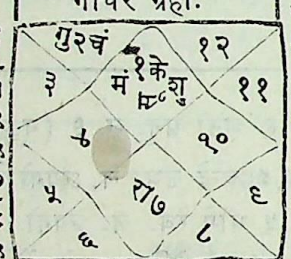

चैत्र शुक्ले ३ शनौ मेषऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

२पं.चै.शु.९ श. इ. ४६।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१	०	६	६	०
६	६	१५	२१	१२	१४	२३	६
५०	११	४५	२५	४६	५०	४३	४५
४२	२६	४३	४४	८	३८	१५	१८
५८	४४	८/०	११	७४	३/४	३	५८
२१	५६	१७	३५	३२	व.	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०७० शाकः १९३५									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	शु	४०	४३	स्वा	२१	१०	सि	२४	४०	बा	१४	३४	३२/२७	५/३१	६/२९	६	१५	२६	तुलायां
२	श	३२	४२	वि	१५	४	व्य	१५	१६	तै	६	४३	३१	३०	३०	७	१६	२७	वृ.१।३५
३	र	२४	२९	अ	८	५९	व	५३/५५	५०/०	वि	२४	२९	३५	२९	३१	८	१७	२८	वृश्चिके
४	चं	१६	४७	ज्ये	७/५५	५९/४	शि	४८	१३	बा	५६	४७	३८	२८	३२	९	१८	२९	ध.३।७
५	मं	९	४७	पू	५३	४७	सि	४०	२३	तै	९	४७	४१	२८	३२	१०	१९	३०	धनुषि
६	बु	३	४०	उ	५०	३२	सा	३३	२५	व	३	४०	४५	२७	३३	११	२०	१	म.७।५९
७	बु	५४	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	गु	५४	३२	श्र	४८	३०	शु	२७	१२	बा	२६	३५	४८	२६	३४	१२	२१	२	मकरे
९	शु	५१	३६	ध	४७	३१	शु	२१	५७	तै	२३	५	५२	२६	३४	१३	२२	३	कुं.१८।१
१०	श	४९	५२	श	४७	३४	ब्र	१७	४४	व	२०	४४	५५	२५	३५	१४	२३	४	कुंभे
११	र	४९	१६	पू	४८	५०	ऐं	१४	१७	ब	१८	३४	५८	२४	३६	१५	२४	५	मी. ३३/१
१२	चं	४९	५५	उ	५१	१७	वै	११	५८	कौ	१८	३५	३३/२	२४	३६	१६	२५	६	मीने
१३	मं	५१	२७	रे	५४	४३	वि	१०	२५	ग	२०	४१	५	२३	३७	१७	२६	७	मे.५४।४३
१४	बु	५४	१०	अ	५९	११	प्री	९	५०	वि	२२	४८	८	२२	३८	१८	२७	८	मेषे
२०	गु	५७	५८	भ	६०	०	आ	९	४५	च	२६	४	११	२२	३८	१९	२८	९	वृ.२१।१६

चैत्र कृष्णेति महा.

भ.३५/५६ उ. भरण्या रविः २६/४७ (सौरः ३२/५७)
भ. ३९/३४ या. अश्वि. मेषे बुधः ३२।८ +
[+ विशाखा. १ राहुः भ. ३ केतुः ३९/५×
भरण्यां भौमः २१।५१ मृग १ गुरुः=
भ. ३।४० उ. ३१।१० या. मई ५ A
[Aता. ३१ पातस्पर्शः ३९/४६ पातमोक्षः ४४/५८
कृत्ति. शुक्रः ६।१७ [× चतुर्थी व्र.
[= १८।१३ बुधास्तः पूर्वस्यां १४।२९
भ. २०/४४ उ. ४५/५३ या. वृषे शुक्रः ४५।१५
भरण्या बुधः १९।४ वसुधिनी ११ व्र.
भ. ५१।२७ उ. प्रदोषः
भ. २२।४८ या.

३पं.वै.कृ.२ श.इ.४७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१	०	६	६	०
१३	११	२८	२२	२१	१४	२३	१३
३९	२४	३४	४९	२५	१८	२०	४३
४७	५४	५९	२६	१	५०	५९	४३
५८	४४	८/०	१२	७४	४०/४	३	५८
१९	३७	१२	८	३२	व	११	१२

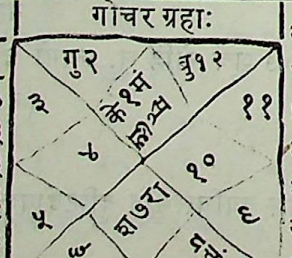

वैशाख शुक्ले ४ भौमे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

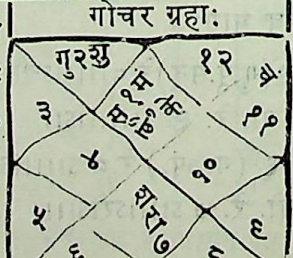

४पं.वै.कृ.१०श.इ.४७।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	१	१	६	६	०
२०	१६	१२	२४	०	१३	२२	२०
२७	३६	१५	१५	२	४६	५८	२०
२५	२९	०	५४	३१	५९	४३	२७
५८	४४	८/५	१२	७४	४०/४	३	५७
६	१७	५३	२६	२६	व	११	५७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०७० शाकः १९३५ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चंद्रः ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ७६५ स.२०१३

१	शु	६०	०	भ	४	३८	सा	१०	४१	कि	३०	२५	५४	२१	३९	२०	२९	१०	वृषे
२	श	२	५१	कृ	११	१०	शो	१२	१६	ब	२	५१	१७	२१	३९	२१	३०	११	वृषे
३	र	८	१४	रो	१८	१	अ	१४	२०	कौ	८	१४	२०	२०	४०	२२	१	१२	मि५१.४६
४	चं	१४	२८	मृ	२५	३०	सु	१६	४१	ग	१४	२८	२३	१९	४१	२३	२	१३	मिथुने
५	मं	२०	४६	आ	३३	१३	धृ	१८	५७	वि	२०	४६	२६	१९	४१	२४	३	१४	मिथुने
६	बु	२७	८	पु	४०	५४	शू	२१	३३	बा	२७	८	२८	१८	४२	२५	४	१५	क.२३.५९
७	गु	३२	३७	पु	४७	२९	गं	२३	३२	तै	३२	३७	३१	१८	४२	२६	५	१६	कर्के
८	शु	३७	७	श्ले	५३	६	बृ	२४	३४	ग	४	५२	३४	१७	४३	२७	६	१७	सि५३.१६
९	श	४०	१३	म	५६	५९	धु	२४	२९	वि	८	४०	३७	१७	४३	२८	७	१८	सिंहे
१०	र	४१	३२	पू	५९	१	व्या	२३	३	बा	१०	५२	३९	१६	४४	२९	८	१९	सिंहे
११	चं	४०	४२	उ	५९	१०	ह	१९	५७	तै	११	७	४२	१६	४४	३०	९	२०	कं.१४.३
१२	मं	३८	४६	ह	५७	१०	व	१५	१२	व	९	४४	४४	१५	४५	३१	१०	२१	कन्यायां
१३	बु	३२	५४	चि	५३	२२	सि	८	५५	व	५	५०	४७	१५	४५	१	११	२२	तु.२५.१६
१४	गु	२६	११	स्वा	४७	५४	व्य	१९	५९	तै	२६	११	४९	१४	४६	२	१२	२३	तुलायां
१५	शु	१६	५२	वि	४१	६	प	४१	५८	व	१६	५२	५२	१४	४६	३	१३	२४	वृ.२७.४८
१५	श	८	४९	अ	३३	५५	शि	३१	४०	ब	८	४९	५४	१३	४७	४	१४	२५	वृश्चिके

भ. ४७ उ. वृषि बुधः ५९ अक्षया ३
भ. ४९ या. वृषेऽर्कः ५८ (सौरः ४८/३९)
मृग. २ गुरुः ५७.०
[+ कुंभदानम्
भ. ३७.७ उ. रोहि. बुधः ३८.५८
भ. ८.४० या. कृत्ति. भौमः ३२.११
[÷ कृत्ति. बुधः ३५ चंद्रदर्शनम्
भ. ४९ उ. ३९ या. मोहिनी ११ व्र.
बुधोदयःपश्चिमायां५९० भा.ज्येष्ठारंभ.प्र.
मृगे शुक्रः ४६० वृषे भौमः ५८ नृसिंह ज.
भ. ५६ उ. ५१ या. मृगे बुधः ३९.५
रोहि. रविः ३३ (सौरः ३५/४४) यमाय +

५ पं.वै.शु.१श.इ.४७.२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	१	१	६	६	०
२७	२१	२७	२५	८	१३	२२	२७
१३	४५	६	४५	३९	१५	३६	५
३७	०	५८	३२	१८	४०	२८	४१
५७	४४	५९	१२	७४	२५	३	५७
५४	७	३५	५०	२६	व	११	४५

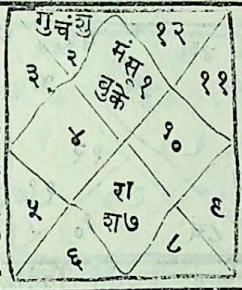

६ पं.वै.शु.८श. इ. ४७.३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१	१	६	६	१
३	२६	१२	२७	१७	१२	२२	३
५८	५१	२४	१७	१५	४६	१४	४९
३७	१८	७	३८	७	१९	१२	२३
५७	४३	५९	१२	७४	९	३	५७
४४	११	५५	१४	२६	व	११	३४

७ पं.वै शु.१५श.इ.४७.४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	१	१	६	६	१
१०	१	२६	२८	२५	१२	२१	१०
४२	५५	३१	५०	५०	१९	५१	३१
२९	१२	५	४९	२४	३५	५७	३४
५७	४३	५९	१३	७४	५३	३	५७
३५	३१	३४	२०	२०	व	११	२३

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०७० शाकः १९३५ दि. उ अ. भा.मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	श	५०	२३	०	०	०	०	०	०	तै	२४	२९	३३	१२	४७	५	१५	२६	ध.२६.२५
२	र	४९	४७	ज्ये	२६	२५	सि	२१	११	तै	२४	२९	५६	१२	४७				
३	चं	४०	४०	मू	१९	१८	सा	१०	५४	व	१५	१३	५८	१२	४८	६	१६	२७	धनुषि
४	मं	३२	२६	पू	१२	५८	शु	१९	५१	ब	६	३३	३४	१२	४८	७	१७	२८	भ. १५ उ. ४० या. मिथुने बुधः ३७.९
५	बु	२५	४४	उ	७	३७	ब्र	४४	४६	तै	२५	४४	०	१२	४८	८	१८	२९	न.२६.३८ चतुर्थी व्र.
६	शु	२०	१४	श्र	३	५४	ऐं	३८	३२	व	२०	१४	३	११	४९	९	१९	३०	मकरे मिथुने शुक्रः १९ मृग. ३ गुरुः ५२.५५
७	शु	१६	३९	ध	१	५४	वै	३३	२८	ब	१६	३९	५	११	४९	१०	२०	३१	कुं.३२.५४
८	श	१४	२६	श	१	२३	वि	२९	४७	कौ	१४	२६	७	११	४९	११	२१	१	कुम्भे भ. २०.१४ उ. ४८.२७ या.
९	र	१३	५८	पू	२	२२	प्री	२७	२९	ग	१३	५८	९	१०	५०	१२	२२	२	आर्द्रा बुधः ३९.४७
१०	चं	१५	४	उ	५	८	आ	२६	११	वि	१५	४	१०	१०	५०	१३	२३	३	मीने जून ६ ता. ३०
११	मं	१७	१५	रे	८	५२	सौ	२६	२	बा	१७	१५	१२	१०	५०	१४	२४	४	मीने भ. ४४.३१ उ.
१२	बु	२०	५३	अ	१३	५६	शो	२६	५८	तै	२०	५३	१३	९	५१	१५	२५	५	मे. ८.५२ भ. १५.१४ या. आर्द्रा शुक्रः ३६.४८
१३	गु	२५	२०	भ	१९	५०	अ	२७	४६	व	२५	२०	१५	९	५१	१६	२६	६	मेषे अपरा ११ व्र.
१४	शु	३०	४९	कृ	२६	४४	सु	२९	५१	श	३०	४९	१६	९	५१	१७	२७	७	वृ.३६.३४ प्रदोषः
३०	श	३६	२३	रो	३३	४०	धृ	३१	५०	च	३	३६	१७	९	५१	१८	२८	८	वृषे भ. २५ उ. ५६ या रोहि. भौमः ७.४८ मृगे रविः ५८.२५ मृगे रविः सौरः १३.३४ वटपूजनम्

पं.८ज्ये.कृ.८श.इ. ४७.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	२	२	६	६	१
१७	६	८	०	४	११	२१	१७
२५	१५	२६	२५	२५	५५	२९	१२
१९	४४	४६	५५	१२	५	४१	४०
५७	४२	९४	१३	७४	२१	३	५७
२७	२१	९	३२	१३	५	११	१३

गोचर ग्रहाः

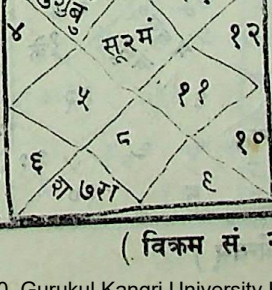

इस मास में ५ रविवार अशुभ हैं धूप अधिक हैजे का प्रकोप हो धान्य गल्ला धातु स्वर्ण चांदी रूई रंग सुदी में तेज होगा। और वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

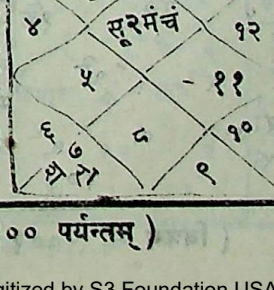

९ पं. ज्ये. कृ.३० श.इ.५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	२	२	६	६	४
२४	११	१७	२	१२	११	२१	२३
७	५४	५९	१	५८	३४	७	५२
१९	३६	१७	५	५२	६	२५	३६
५७	४२	६८	१३	७४	४३	३	५७
२२	५८	४१	३२	२	वं	११	५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः७९५ स. २०१३
१	र	४२	३२	मृ	४१	१९	शू	३४	१९	किं	९	२८	३४	५	६	१९	२९	९	मि.२९	अस्तं गुरोः १९।४८
२	चं	४८	४१	आ	४९	४९	गं	३६	५१	बा	१५	३७	१९	८	५२	२०	३०	१०	मिथुने	पुन. बुधः ३३।१८ चंद्रदर्शनम्
३	मं	५४	४९	पु	५६	१९	बृ	३९	१५	तै	२१	४५	१९	८	५२	२१	१	११	कं. ३	सावान ८
४	बु	६०	०	पु	६०	०	ध्रु	४१	१४	व	२७	३६	२०	८	५२	२२	२	१२	कर्क	भ. २७।३६ उ.
४	गु	०	२३	पु	३	४	व्या	४२	४९	वि	०	२३	२१	८	५२	२३	३	१३	कर्क	भ. ०।२३ या.
५	शु	५	६	श्ले	९	१८	ह	४३	४४	बा	५	६	२१	८	५२	२४	४	१४	सिं९।१८	मिथुनेऽर्कः ५६ पुन. शक्रः ३४ मृग. ४×
६	श	८	४२	म	१४	२५	व	४३	१८	तै	८	४२	२२	८	५२	२५	५	१५	सिंहे	मिथुनेऽर्कः सौरः १४।२२ [× गुरुः ३० १७
७	र	१०	५२	पू	१७	५३	सि	४१	३८	व	१०	५२	२२	८	५२	२६	६	१६	कं.३३।२२	भ. १०।५२ उ. ४१।३ या.
८	चं	११	१३	उ	१९	४७	व्य	३८	३५	ब	११	१३	२३	७	५३	२७	७	१७	कन्यायां	[=सौरः १५) कर्केशुक्रः ४६ भा.आषाढारंभ
९	मं	९	५२	ह	१९	४४	व	३३	५५	कौ	९	५२	२३	७	५३	२८	८	१८	तु.४८।४३	गंगादशमी
१०	बु	६	२६	चि	१७	४२	प	२७	४७	ग	६	२६	२३	७	५३	२९	९	१९	तुलायां	भ. ३३।४९ उ.
११	गु	१	१३	स्वा	१३	४८	शि	२०	७	वि	१	१३	२४	७	५३	३०	१०	२०	वृ.५४।४६	भ. १।१३ या. उर्जला ११ व्र.
१२	गु	५२	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	शु	४५	४१	वि	८	२५	सि	१०	११	कौ	१९	५२	२४	७	५३	३१	११	२१	वृश्चिके	आर्द्रा रविः ५५।५४ प्रदोषः
१४	श	३४	०	अ	४१	१५२ ५७	सा	१३	५० २२	ग	९	५१	२४	७	५३	१	१२	२२	ध. ५३ ८	भ. ३४।०उ.५९।५८ या. (आर्द्रा रविः=
१५	र	२५	५५	मू	४६	१	शु	३९	३७	ब	२५	५५	२४	७	५३	२	१३	२३	धनुषि	गुर्जरागां वट सावित्री व्र.

१०पं.ज्ये.शु. ६श इ. ४७ ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	२	२	६	६	२
०	१६	२४	३	२१	११	२०	०
४८	४९	४६	३७	३०	१७	४५	३१
३६	५५	५	३७	२५	१३	१०	४५
५७	४२	३८	१३	७३	१२	३	५६
१७	२५	१४	३८	५६	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

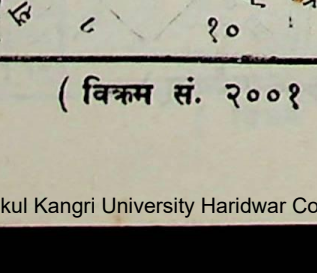

ज्येष्ठ शुक्ले ५ शुक्रे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टः वा. ४न.५युवावस्था(सूतौ) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्व-स्याम्।

गोचर ग्रहाः

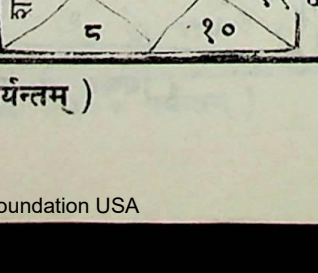

११ पं.ज्ये.शु. १४श. इ. ४७ ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	२	३	६	६	२
७	२१	२८	५	०	११	२०	७
२९	४३	२१	१३	२	४	२२	१०
३१	३४	४७	३७	२	२६	५४	१२
५७	४२	८	१३	७३	३	३	५६
१३	२५	२५	३८	५०	व.	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	चं	१५	४८	पू	३८	१२	व्र	२८	४९	क	१५	४८	३४	५	६	३	१४	२४	म.५१।२४	वक्री बुधः ५०।५६
२	मं	६	८	उ	३१	८	ऐं	१८	२३	गं	६	८	२३	७	५३	४	१५	२५	मकरे	भ. ३१।४८ उ. ५७.२८ या पुष्ये शुक्रः=
३	मं	५१	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[= २८।३९ मृगे भौमः ४।११
४	बु	५०	७	श्र	२५	११	वै	९	११	व	२३	४७	२३	७	५३	५	१६	२६	कुं.५३।४	चतुर्थीं व्र.
५	गु	४४	४०	ध	२०	५६	वि	४९	५३ ५५	कौ	१७	२३	२२	८	५२	६	१७	२७	कुम्भे	उदयी भौमः १९।५७
६	शु	४१	८	श	१८	४०	आ	४८	५५	ग	१२	५४	२२	८	५२	७	१८	२८	कुंभे	भ. ४१।८ उ.
७	श	३९	४१	पू	१८	६	सौ	४५	२२	वि	१०	२५	२१	८	५२	८	१९	२९	मी. ५ ३	भ. १०।२५ या. आर्द्रा. १ गुरुः ५१ ×
८	र	४०	१२	उ	१९	४४	शो	४३	२६	बा	९	५३	२०	८	५२	९	२०	३०	मीने	बुधास्तः पश्चिमायां ४६।४९
९	चं	४२	२२	रे	२३	२	अ	४२	५८	तै	११	१७	१९	८	५२	१०	२१	१	मे.२३	जौलाई ७ ता. ३१ [×स्वाती ४ राहुः+
१०	मं	४६	१०	अ	२८	२	सु	४३	४७	व	१४	१६	१८	८	५२	११	२२	२	मेषे	भ. १४।१६ उ. ४६।१० या.
११	बु	५१	५	भ	३४	१५	धृ	४५	२१	व	१८	३७	१७	९	५१	१२	२३	३	वृ. ५०।५८	उदयं गुरोः ०।० योगिनी ११ व्र.
१२	गु	५६	५१	कृ	४१	७	शू	४७	८	कौ	२३	५८	१६	९	५१	१३	२४	४	वृषे	मिथुने भौमः ५० [+भरणी२ केतुः ५९
१३	शु	६०	०	रो	४८	२८	गं	४९	२३	ग	२८	४९	१५	९	५१	१४	२५	५	वृषे	पुनः रविः ५५।४४ प्रदोषः
१३	श	२	४७	मृ	५६	१०	बृ	५२	०	व	२	४७	१४	९	५१	१५	२६	६	मि. २२ १९	भ. २।४७ उ. ३५।५५ या. रविः ५९ A
१४	र	९	२	आ	६०	०	ध्रु	५४	५९	श	९	२	१३	९	५१	१६	२७	७	मिथुने	मार्गी शनिः ४६।२४
३०	चं	१४	५९	आ	३	३३	व्या	५६	४२	ना	१४	५९	११	१०	५०	१७	२८	८	कं.५३।५६	सोमवती ३० [A आश्ले. शुक्रः २९।५३

१२ पं.आ. कृ.७ श. इ. ४७ ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	२	४	६	६	२
१४	२६	२८	६	८	१०	२०	१३
९	३३	२६	४९	३३	५६	०	४८
५८	४	१३	५५	५८	३८	३९	१७
५७	४२	२० १७	१३	७३	० ४६	३	५६
७	८	व	३४	४४	व	११	५०

गोचर ग्रहाः

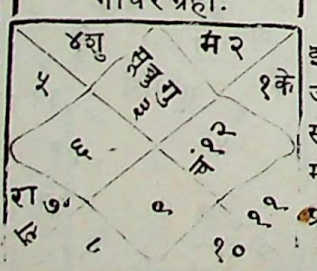

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो सोना चांदी कपासरुई मंदे होवर्षा अच्छी हो प्रजा में सुख फैले।

गोचर ग्रहाः

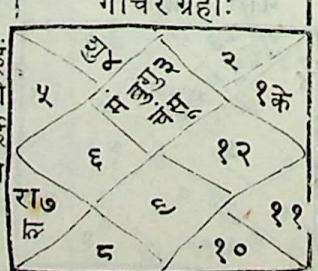

१३ पं, आ.कृ. १३श. इ. ४७ ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	२	३	६	६	२
२०	१	२५	८	१७	१०	१९	२०
५०	२२	२८	२५	१	५३	३८	२६
२४	१	२३	८	४१	२	२३	११
५७	४१	३ १३	१३	७३	०	३	५६
७	५८	व.	३२	२६	व	११	५०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०७० शाकः१९३५ |दि. उ. अ.|भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गण ८२५स.२०१३

१	मं	२०	४९	पु	१०	४४	ह	५८	३७	ब	२०	४९	३४ १०	५ ५०	६	१८	२९	९	कर्के	
२	बु	२५	४९	पु	१७	२७	व	६०	०	कौ	२५	४९	८	१०	५०	१९	३०	१०	कर्के	चंद्र दर्शनम् रथयात्रा
३	गु	३०	१२	श्ले	२३	१९	व	०	२	ग	३०	१२	७	११	४९	२०	१	११	सिं. ३३ १९	रमजान ९
४	शु	३३	३७	म	२८	३२	सि	०	२८	व	१	५४	५	११	४९	२१	२	१२	सिंहे	भ.१।५४उ.३३।३७ या.
५	श	३५	५४	पू	३२	२६	व्य	१९	५९ ५०	व	४	४५	३	११	४९	२२	३	१३	क. ४६	आर्द्रा. २ गुरुः४९।३८
६	र	३६	२५	उ	३५	३	प	५७	२५	कौ	६	९	१	१२	४८	२३	४	१४	कन्यायां	आर्द्रा.भौमः३३।४९
७	चं	३६	१७	ह	३६	३८	शि	५४	९	ग	६	२३	३३ ९	१२	४८	२४	५	१५	कन्यायां	भ.३६।१७उ.
८	मं	३४	२२	चि	३६	३	सि	४९	४१	वि	५	१९	५७	१३	४७	२५	६	१६	तु.६।३७	भ.५।१९या. कर्केऽर्कः २४।१० (सौरः =
९	बु	३०	४३	स्वा	३४	३८	सा	४३	५७	बा	२	३२	५५	१३	४७	२६	७	१७	तुलायां	मघा.सिंहे शुक्रः३३।४३
१०	गु	२५	२८	वि	३१	२०	शु	३६	५३	ग	२५	२८	५२	१४	४६	२७	८	१८	वृ.१७।१०	भ.५२।८उ.बुधोदयःपूर्वस्यां५१।२७
११	शु	१८	४९	अ	२६	३७	शु	२८	३४	वि	१८	४९	५०	१४	४६	२८	९	१९	वृश्चिके	भ.१९या.पुष्ये रविः देवशयनी११ व्र.
१२	श	१०	४७	ज्ये	२०	३०	ब्र	१९	२३	बा	१०	४७	४८	१४	४६	२९	१०	२०	ध.२०।३०	पुष्ये रविःसौरः२३।२२ प्रदोषः
१३	र	१	४९	मू	१३	१८	ऐं	१२	४९ ३८	तै	१	४९	४५	१५	४५	३०	११	२१	धनुषि	भ.५२।१८उ.मार्गी.बुधः५३।४
१४	र	५०	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=५२।४१) वक्री आर्द्रा.बुधः६।१०
१५	चं	४२	२२	पू	५२	५३ ३१	वि	४८	४	वि	१७	२०	४३	१५	४५	३१	१२	२२	म.१९।०	भ.१९या.व्यासपूजा गुरु१५वायु परीक्षा

१४ पं.आ. शु.५श. इ. ४७ ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	२	३	६	६	२
२७	६	२१	९	२५	१०	१९	२७
३०	७	२०	५९	२९	५४	१६	४
४३	४८	४२	३१	२	२२	७	१८
५७	४१	३४ ५२	१२	७३	४० ३	३	५६
११	४२	व.	२१	१७	मा	११	५४

गोचर ग्रहाः

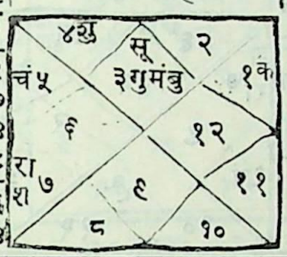

आषाढ़ शुक्ले ८ भौमे कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा.५ न.५बालावस्था(बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

१५पं.आ.शु. १२ श.इ.४७ ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	२	४	६	६	३
४	१०	१९	११	३	११	१८	३
११	५०	६	३३	५५	०	५३	४२
२८	४९	३६	४	४१	३२	५२	४५
५७	४१	२९	१३	७३	१	३	५६
१५	२८	व.	१४	२	२२	११	५८

| ति.| श्रावण कृष्ण पक्षः सं० २०७० शाकः १९३५ |दि. उ. अ.|भा. मु. इं | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़ कृष्णेति महा.

१	मं	३३	१	श्र	५१	४१	प्री	३७	५१	बा	७	४१	३३ ४०	५ १६	६ ४४	१	१३	२३	मकरे	भा श्रावणारंभः
२	बु	२४	४४	ध	४५	३५	आ	२८	२३	ग	२४	४४	२८	१६	४४	२	१४	२४	कुं.१८।३८	भ.५१।१७उ.
३	गु	१७	५०	श	४१	२१	सौ	२०	१	वि	१७	५०	२५	१७	४३	३	१५	२५	कुंभे	भ.५०या.पुन.बुधः२०।११चतुर्थी व्र.
४	शु	१२	४५	पू	३८	५७	शो	१३	१८	बा	१२	४५	३३	१७	४३	४	१६	२६	मी. ३३	
५	श	९	४१	उ	३८	४३	अ	७	५५	तै	९	४१	३०	१८	४२	५	१७	२७	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	र	९	४	रे	४०	३७	सु	४	२९	व	९	४	२७	१९	४१	६	१८	२८	मे.४०।३७	भ.९।४उ.३९या.पूफा.शुक्रः३७।१
७	चं	१०	८	अ	४४	२०	धृ	२	४१	ब	१०	८	२४	१९	४१	७	१९	२९	मेषे	आर्द्रा.३गुरुः३।४८
८	मं	१३	४९	भ	४९	५५	शू	२	४३	कौ	१३	४९	२२	२०	४०	८	२०	३०	मेषे	
९	बु	१८	७	कृ	५६	४१	गं	३	२२	ग	१८	७	१९	२०	४०	९	२१	३१	वृ.६।३७	भ.५१।१उ.
१०	गु	२३	५५	रो	६०	०	बृ	४	३१	वि	२३	५५	१६	२१	३९	१०	२२	१	वृषे	भ.२३।५५या.अगस्त ८ ता. ३१
११	शु	२९	५८	रो	४	१०	धु	७	३५	बा	२९	५८	१३	२१	३९	११	२३	२	मि. ३७	आश्ले.रविः५०।२९कामिका ११ व्र.
१२	श	३६	२८	मृ	११	४४	ष्या	१०	१३	कौ	३	१३	१०	२२	३८	१२	२४	३	मिथुने	आश्ले.रविःसौरः२४।९पुन. भौमः३१।५३
१३	र	४२	२५	आ	१९	१७	ह	१२	४७	ग	९	२६	७	२३	३७	१३	२५	४	मिथुने	भ.४२।२५उ.कर्के बुधः३६।२६प्रदोषः
१४	चं	४७	५१	पु	२६	२०	व	१४	५०	वि	१५	८	४	२३	३७	१४	२६	५	क. ३५	भ.१५।८या.
३०	मं	५२	२४	पु	३२	४४	सि	१६	३९	च	२०	७	०	२४	३६	१५	२७	६	कर्के	पुष्ये बुधः५७।३० हरियाली

१६पं.श्रा.कृ. ५ श. इ. ४७ ११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	२	४	६	६	३
१०	१५	२१	१३	१२	११	१८	१०
५२	३१	३८	३	१९	११	३१	२२
३०	४८	४९	२९	३४	१०	३६	२
५७	४१	४० ३०	१२	७२	२	३	५७
२०	५	मा	५६	४६	१	११	५

गोचर ग्रहाः

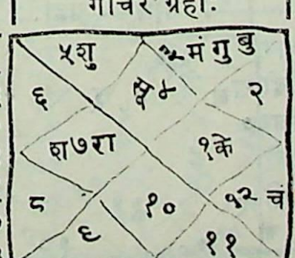

इस मास में धातु सोना चाँदी ताम्बा मंदे हो गुड सक्कर गन्ना रुई गेहूं जो चना चावल तेज हो, वर्षा कहीं अच्छी कहीं कम हो ।

गोचर ग्रहाः

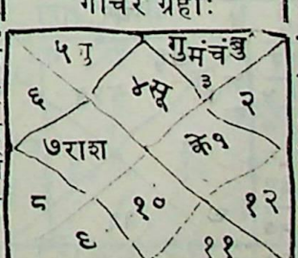

१७पं. श्रा. कृ.१२श.इः ४७ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	२	४	६	६	३
१७	२०	२८	१४	२०	११	१८	१७
३४	१०	४९	३२	४३	२६	९	१
१२	१९	५९	४२	१३	८	२१	५०
५७	४०	८४	१२	७२	२	३	६०
२५	४९	४	३१	२५	४०	११	४२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५									दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८५४स. २०१३
१	बु	५५	५७	श्ले	३८	९	व्य	१७	३६	किं	२४	१०	३२	२५	३५	१६	२८	७	सिं३८।९
२	गु	५८	३६	म	४२	४६	व	१७	५५	बा	२७	१६	५४	२५	३५	१७	२९	८	सिंहे
३	शु	६०	०	पू	४६	१४	प	१७	१९	तै	२९	१९	५०	२६	३४	१८	१	९	सिंहे
३	श	०	२	उ	४८	३७	शि	१५	५३	ग	०	२	४७	२७	३३	१९	२	१०	कं १।५०
४	र	०	३१	ह	५०	८	सि	१३	२७	वि	०	३१	४४	२७	३३	२०	३	११	कन्यायां
५	र	५९	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
६	चं	५८	११	चि	५०	३७	सा	१०	२८	कौ	२९	२	४०	२८	३२	२१	४	१२	तु.२०।२३
७	मं	५५	२२	स्वा	४९	४५	शु	६	३८	ग	२६	४६	३७	२९	३१	२२	५	१३	तुलायां
८	बु	५१	३०	वि	४८	१	शु	५३	५४	वि	२३	२६	३३	२९	३१	२३	६	१४	वृ.३३।२७
९	गु	४६	३९	अ	४५	६	ए	४९	३७	बा	१९	४	३०	३०	३०	२४	७	१५	वृश्चिके
१०	शु	४०	३१	ज्ये	४२	७	वै	४२	५	तै	१४	५	३६	३१	२९	२५	८	१६	ध.४२।७
११	श	३३	३०	मू	३६	१३	वि	३३	५४	व	७	०	२२	३२	२८	२६	९	१७	धनुषि
१२	र	२५	४८	पू	३०	३२	प्री	२५	४	बा	२५	४८	१९	३२	२८	२७	१०	१८	म.४३।५८
१३	चं	१७	२६	उ	२४	१६	आ	१५	२८	तै	१७	२६	१५	३३	२७	२८	११	१९	मकरे
१४	मं	९	५	श्र	१८	०	सौ	५९	५९	व	९	५	१२	३४	२६	२९	१२	२०	कुं४५।६
१५	बु	१	८	ध	१२	१३	अ	४८	८	ब	१	८	८	३४	२६	३०	१३	२१	कुंभे

१८पं.श्रा.शु.३श.इ. ४६ ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	२	४	६	६	३
२४	२४	९	१५	२९	११	१७	२३
१६	४६	५३	५८	२	४६	४७	४२
३७	१	५३	३०	५३	२४	५	५७
५७	४०	५५	१२	७२	३	३	५७
३३	३८	१८	१३	२	२५	११	२२

गोचर ग्रहाः

श्रावण शुक्ले १० शुक्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.६प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

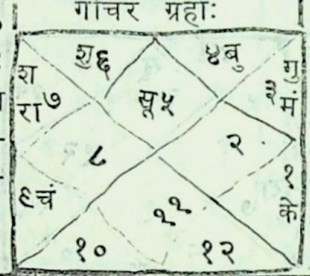

१९पं.श्रा.शु.११श.इ. ४५ ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	२	५	६	६	४
०	२९	२३	१७	७	१२	१७	०
५९	१९	३०	२१	२०	१०	२४	२५
५३	३४	५८	२५	३८	५९	४९	१९
५७	४०	५५	११	७१	३	३	५७
४०	२१	४६	४२	३७	५८	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५									दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेश्रावण कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	बु	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	गु	४९	२८	श	७	२०	सु	४०	२२	तै	२१	५०	३२	३५	२६	२१	१४	२२	मी४९।४०
३	शु	४४	२३	पू	३	४६	धृ	३३	५६	व	१६	५६	१	३६	२४	१	१५	२३	मीने.
४	श	४२	३३	उ	२	३	शू	२९	६	व	१३	२८	३७	३७	२३	२	१६	२४	मीने
५	र	४२	३८	रे	२	२९	गं	२५	४३	कौ	१२	३५	५३	३७	२३	३	१७	२५	मे.२।२९
६	चं	४४	५८	अ	४	४९	बृ	२४	२२	ग	१३	४८	४९	३८	२२	४	१८	२६	मेषे
७	मं	४८	५८	भ	९	५	ध्रु	२३	५७	वि	१६	५८	४६	३९	२१	५	१९	२७	भ.४४।५८उ.चंद्रषष्ठी
८	बु	५४	२९	कृ	१४	४८	व्या	२५	११	बा	२१	४३	४२	४०	२०	६	२०	२८	वृ.२५।३१
९	गु	६०	०	रो	२१	४८	ह	२६	५९	तै	२७	२३	३८	४०	२०	७	२१	२९	वृषे
९	शु	०	१९	मृ	२९	११	व	२९	२२	ग	०	१९	३४	४१	१९	८	२२	३०	मि५५।२९
१०	श	६	४९	आ	३६	५२	सि	३२	२	बि	६	४९	३०	४२	१८	९	२३	३१	मिथुने
११	र	१२	५०	पु	४३	५९	व्य	३४	१२	बा	१२	५०	२६	४३	१७	१०	२४	१	मिथुने
१२	चं	१८	२२	पु	५०	२८	व	३५	५७	तै	१८	२२	२२	४४	१६	११	२५	२	क.२७।१२
१३	मं	२२	३६	श्ले	५५	४४	प	३६	३९	व	२२	३६	१८	४४	१६	१२	२६	३	कर्के
१४	बु	२५	४१	म	५९	५४	शि	३६	४३	श	२५	४१	१५	४५	१५	१३	२७	४	सिं.५५।४४
३०	गु	२७	२९	पू	६०	०	सि	३५	४०	ना	२७	२९	११	४६	१४	१४	२८	५	सिंहे

पुन.१गुरुः१९सितम्बरहता.३०अजा११व्र. स्वाती.३शनिः३३।५८वत्सद्वादशी प्रदोषः भ.२२।३६उ.५४।९या.उफा.बुधः४५।६ सिंहे कन्यायांबुधः५२।४३कुशाग्रहणी पिठोरी ३०

२०पं.भा.कृ.४ श.इ. ४६ ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	२	५	६	६	४
७	३	७	१८	१५	१२	१७	७
४४	५०	३८	४०	३६	३९	२	८
२०	४२	५३	५५	०	२५	३४	३९
१७	४०	५५	११	७१	४	३	५७
४९	१०	८	५	११	३७	११	४५

गोचर ग्रहाः

इस मास में शनिवार का चन्द्र दर्शन चांदी स्वर्ण लोहा ताम्बा रुई रंग सूत में तेजी करे धान्य में मंदी कहीं २ वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

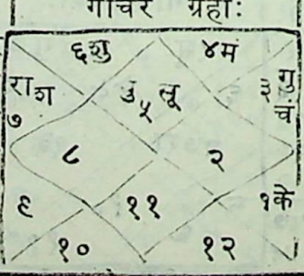

२१ पं.भा.कृ.१०श.इ. ४६ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	२	५	६	६	४
१४	८	२१	१९	२३	१३	१६	१३
३०	१९	४	५५	४८	११	४०	५३
०	२३	३०	५२	४७	६	१८	५१
५८	३९	५५	१०	७०	४	३	५७
१	४२	४४	२८	३२	५८	११	५७

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

तिथि: भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽर्हगणः८८४ स. २०१३

१	शु	२७	४८	पू	२	३७	सा	३३	२१	व	२७	४८	३१	५४	६	१५	२९	६	कं.१८।२	तुलायांशुक्रः४।३४
२	श	२७	०	उ	४	१६	शु	३०	२३	कौ	२७	०	३	४७	१३	१६	३०	७	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	र	२५	१४	ह	४	४०	शु	२६	३७	ग	२५	१४	३२	४८	१२	१७	१	८	तु.३४।२९	भ.५३।५५उ.बुधोदयःपश्चिमायां
४	चं	२२	३७	चि	४	१९	ब्र	२१	५६	वि	२२	३७	५५	४९	११	१८	२	९	तुलायां	भ.२२।३७या.गणेशचतुर्थी
५	मं	१९	१८	स्वा	२	५७	ए	१६	४३	ग्रा	१९	१८	५१	५०	१०	१९	३	१०	वृ.४७।२४	ऋषिपंचमी [÷जिलकाद११हरितालिका३
६	बु	१५	३२	वि	२	५६	वै	११	८	तै	१५	३२	४७	१	९	२०	४	११	वृश्चिके	हस्तेबुधः३४।७स्वात्यांशुक्रः४८।४७
७	गु	१०	६	ज्ये	५५	५८	वि	५	३७	व	१०	६	४३	५१	९	२१	५	१२	ध.५५।५८	भ.१०।६उ.३८।७या.
८	शु	६	८	मू	५	२४	आ	५१	२८	व	६	८	३९	५२	८	२२	६	१३	धनुषि	उफा.रवि.१८।३२(सौरः५६।५)
९	श	०	४३	पू	४	४९	सो	४४	१	कौ	०	४३	३५	५३	७	२३	७	१४	धनुषि	आश्ले.भौमः१।९
१०	श	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			[×११ब्र.वै.वामनजयंती
११	र	४८	३५	उ	४	३५	शो	३६	१९	व	२१	४३	३१	५४	६	२४	८	१५	म.२।४५	भ.२१उ.४५याजलझूलनी११ब्र.स्मा.
१२	चं	४२	७	श्र	४	०	५	अ	२८	२३	ब	१५	२१	२७	५५	५	२५	९	१६	मकरे	कन्यायामर्कः४३।५३जलझूलनी×
१३	मं	३५	४९	ध	३५	४३	सु	२०	२५	कौ	८	५८	२२	५६	४	२६	१०	१७	कुं ७।५३	कन्यार्कःसौरः२१।१६प्रदोषः
१४	बु	३०	४	श	३१	३७	धृ	१३	४४	ग	२	५६	१८	५६	२	२७	११	१८	कुम्भे	भ.३०।४उ.५७।३१या.अनंत१४
१५	गु	२४	५८	पू	२८	३८	शू	८	३३	व	२४	५८	१४	५७	३	२८	१२	१९	मी.	महालयारंभःकु.संध्या.पूजानारंभः

२२पं.भा.शु.२श.इ.४६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	२	६	६	६	४
२१	१२	३	२१	१	१३	१६	२०
१७	४५	३१	६	५८	४६	१८	४०
२	३२	१९	२२	३०	१२	३	३१
५८	३९	०	९	६९	५	३	५८
१३	२२	३०	४५	५३	२६	११	१२

गोचर ग्रहाः

भाद्रपदशुक्ले१२चंद्रे कन्यायामर्कःप्रविष्टः वा.४न.५गतालर्का-वस्था(ऊर्भी)मु.३० धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

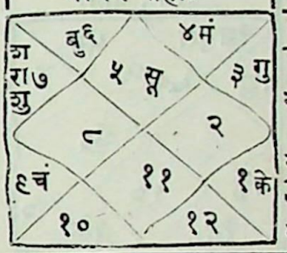

२३पं.भा.शु.९श.इ.४६।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	२	६	६	६	४
२८	१७	१४	२२	१०	१४	१५	२७
५	९	५८	११	४	२४	५५	२८
२४	२२	५	४९	५	५४	४७	५०
५८	३९	९३	९	६९	५	३	५८
२६	१२	८	१	२	५०	११	२

१	शु	२१	१०	उ	२६	४१	वृ	५३	३७	कौ	२१	१०	३०	५८	६	२९	१३	२०	मीनें	चित्राबुधः१५।२२
२	श	१९	२०	रे	२६	१७	धु	४९	३८	ग	१९	२०	५	५९	१	३०	१४	२१	मि.२६।१७	भ.४९।५३उ.
३	र	१८	५१	अ	२७	३८	व्या	४७	११	वि	१८	५१	३०	०	०	३१	१५	२२	मेषे	भ.१८।५१या.चतुर्थीव्र.
४	चं	२०	३१	भ	३०	५५	ह	४६	९	बा	२०	३१	५९	५९	५९	१	१६	२३	वृ.४७।४	विशा.शुक्रः२६।९पुन.२गुरुः५५।१७+
५	मं	२३	५६	कृ	३५	३२	व	४६	२८	तै	२३	५६	२	२५	८	२	१७	२४	वृषे	तुलायांबुधः४४।२९[+भा.आश्विनारंभः
६	बु	२८	५६	रो	४१	५४	सि	४७	२६	व	२८	५६	४८	२५	८	३	१८	२५	वृषे	भ.२८।५६उ.
७	गु	३४	३३	मृ	४८	५३	व्य	४९	१६	वि	१	४४	४४	३	५७	४	१९	२६	मि१५।२३	भ.१।४४या.हस्तेरविः५७।२
८	शु	४०	५७	आ	५६	२८	व	५१	४२	बा	७	४५	४०	४	५५	५	२०	२७	मिथुने	हस्तेरविःसौरः३३।४६
९	श	४७	९	पु	६०	०	प	५३	५९	तै	१४	३	३६	५	५५	६	२१	२८	क.४७।४	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
१०	र	५२	५०	पु	३	५५	शि	५५	५८	व	१९	५९	३२	६	५४	७	२२	२९	कर्के	भ.१९उ.५०या.स्वात्यांबुधः
११	चं	५७	१७	पु	१०	४३	सि	५७	१३	ब	२५	४	२८	६	५४	८	२३	३०	कर्के	इंदिरा११ब्र.
१२	मं	६०	०	श्ले	१६	१९	सा	५७	८	कौ	२८	४८	३३	७	५३	९	२४	१	सिं१६।१९	अक्टूबर१०ता३१
१२	बु	०	२०	म	२०	४२	गु	५६	०	तै	०	२०	१९	८	५२	१०	२५	२	सिंहे	बृश्चिकेशुक्रः१८।३२प्रदोषः
१३	गु	१	४७	पू	२३	९	शु	५३	३३	व	१	४७	१५	९	५१	११	२६	३	कं.३८।२३	भ.१।४७उ.३७या.शस्त्रादिहतानांश्रा.
१४	शु	१	२६	उ	२४	६	व्र	४९	५९	श	१	२६	११	१०	५०	१२	२७	४	कन्यायां	सर्वपितृ३०
३०	शु	५८	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

तिथि: आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतूं रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.

२४पं.आ.कृ.२श.इ.४५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	२	६	६	६	५
४	२१	२५	२३	१८	१५	१५	४
५५	३०	३४	१०	६	५	३३	१८
१६	४	४१	३४	७	५६	२१	५७
५८	३८	८९	८	६८	६	३	५८
३८	५१	११	१०	१३	१५	११	४५

ग्रोचर ग्रहाः

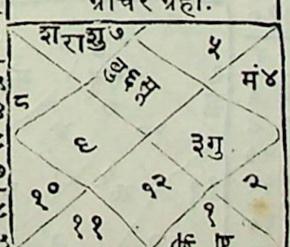

इस मासमें गेहूं, जो, चना, मटर, बाजरा मंदे हों, धातु, सोना, चांदी, लोहा, तांबा, गुड़, शक्कर, गन्ना, रुई तेज हो फल श्रेष्टहोवे।

ग्रोचर ग्रहाः

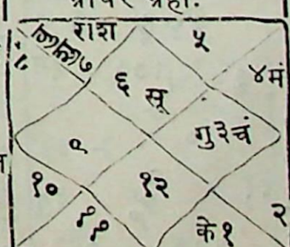

२५पं.आ.कृ.९श.इ.४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	२	६	६	६	५
११	२५	५	२४	२६	१५	१५	११
४६	४८	१५	२	२	४९	११	१०
५२	४०	५४	५६	५३	१९	१६	५७
५८	३८	७८	७	६७	६	३	५९
५३	२८	२१	१	८	३१	११	०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५									दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः९१३सन्२०१३
१	श	५६	२७	ह	२३	४७	ऐं	४५	१६	किं	२८	१४	२९ ७	६ ११	५ ४९	१३	२८ ५	तु.५२।५७	अनु.शुक्रः१५।२८मघा.सिंहेभौमः ४५ १२×
२	र	५२	२६	चि	२२	७	वै	३९	३५	बा	२४	२६	३	११	४९	१४	२९ ६	तुलायां	स्वाति४शनि ३४।४३ चंद्रदर्शनम्
३	चं	४७	३८	स्वा	१९	३६	वि	३३	७	तै	२०	२	२९	१२	४८	१५	१ ७	तुलायां	जिल्हेज१२ [×नवरात्रारंभःमातामहःश्रा.
४	मं	४२	२७	वि	१६	२७	प्री	२६	५	व	१५	२	५५	१३	४७	१६	२ ८	वृ.२।१४	भ.१५।२उ ४२।२७या.
५	बु	३७	११	अ	१३	१	आ	१९	५६	ब	९	४९	५१	१४	४६	१७	३ ९	वृश्चिके	
६	गु	३१	४६	ज्ये	९	३२	सौ	११	५२	कौ	४	३१	४७	१५	४५	१८	४ १०	ध.९।३२	चित्रा.रवि२९।४
७	शु	२६	२५	मू	६	२	शो	४९	५२ ५०	व	२६	२५	४३	१५	४५	१९	५ ११	धनुषि	भ.२६।२५उ.५३।५६या.चित्रा.रविः+
८	श	२१	२६	पू	३	५६ ५९	सु	५०	३६	ब	२१	२६	२९	१६	४४	२०	६ १२	म.१६।४९	[+सौरः४।२०विशा.बुधः५१।१६
९	र	१६	२२	श्र	५६	२४	धृ	४३	३६	कौ	१६	२२	३५	१७	४३	२१	७ १३	मकरे	
१०	चं	१२	३४	ध	५३	३७	शू	३७	५८	ग	१२	३४	३१	१८	४२	२२	८ १४	कुं.२५।०	भ.३९।५२उ.
११	मं	७	१०	श	५१	७	गं	३०	२८	वि	७	१०	२७	१९	४१	२३	९ १५	कुम्भे	भ.७।१०या.पापांकुशा११व्र.
१२	बु	३	९	पू	४९	२२	वृ	२४	२८	बा	३	९	२३	१९	४१	२४	१० १६	मी३४।४८	प्रदोषः [–व्र.का.स्ना.प्रा.
१३	बु	५६	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	[...(सौरः४७।४)ज्येष्ठाशुक्रः२३।३८
१४	गु	५७	२०	उ	४८	१४	धु	१९	५	ग	२८	३४	२०	२०	४०	२५	११ १७	मीने	भ.५७।२०उ.तुलायांमर्कः१२।५३...
१५	शु	५६	१०	रे	४८	२१	व्या	१४	१९	वि	२६	४५	१६	२१	३९	२६	१२ १८	मे.४८।२१	भ.२६।४५या.शरद्पूर्णिमा कोजागरी–

२६पं.आ.शु.१श.इ ४५ ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	२	७	६	६	५
१८	०	१२	२४	३	१६	१४	१८
४०	४	४९	४८	५३	३४	४९	४
८	२३	८	२२	१०	३०	०	४४
५९	३८	८४	६	६५	६	३	५९
९	१७	५	८	४७	४४	११	१६

गोचर ग्रहाः

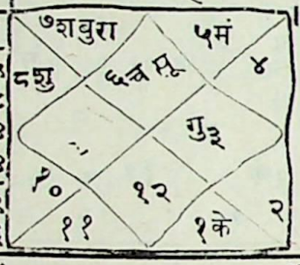

आश्विनशुक्ले१४गुरौ तुलायामर्कःप्रविष्टः वा.४न.४प्रौढावस्था (बैंठी) मु.४५ धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयःपश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

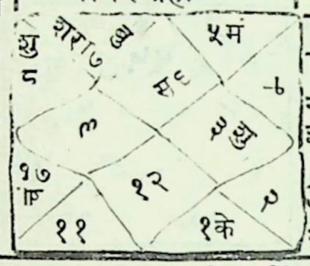

२७पं.आ.शु.८श.इ.४५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	२	७	६	६	५
२५	४	२०	२५	११	१७	१४	२५
३५	१७	३९	२५	३५	२१	२६	००
२	४२	०	५२	२८	४०	४५	२६
५९	३७	४३	४	६४	७	३	५९
२१	४७	८	५९	१९	२	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३५									दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेतिमहा.
१	श	५६	१८	अ	४९	३९	ह	१०	३५	बा	२६	१४	२८ १२	६ २२	५ ३८	२७	१३ १९	मेषे	
२	र	५८	६	भ	५२	३७	व	७	५७	तै	२७	१२	८	२२	३८	२८	१४ २०	मेषे	वक्रीबुधः३१।०अस्तंशनैः२९।३४
३	चं	६०	०	कृ	५६	५८	सि	६	३६	व	२९	४२	४	२३	३७	२९	१५ २१	वृ.८।४२	भ.२९।४२उ.
४	मं	११	१९	रो	६०	०	व्य	६	०	वि	१	१९	०	२४	३६	३०	१६ २२	वृषे	भ.१।१९या.चतुर्थीव्र.
५	बु	६	४	रो	२	४५	व	६	४४	बा	६	४	२७ ६	२५	३५	१	१७ २३	मि३६।०	स्वात्यांरविः ५४।५५भा.कार्तिकारंभः
६	गु	११	२९	मृ	९	१६	प	७	८	तै	११	२९	५३	२५	३५	२	१८ २४	मिथुनें	स्वात्यांरविःसौरः२८।७
७	शु	१७	५५	आ	१६	४१	शि	१०	१६	व	१७	५५	४९	२६	३४	३	१९ २५	मिथुनें	भ.१७।५५उ.५१।६या.
८	श	२४	१७	पु	२४	१७	मे	१२	३२	व	२४	१७	४५	२७	३३	४	२० २६	क.७।२३	बुधास्तःपश्चिमायाम्४१।३०
९	र	३०	१५	पु	३१	३३	सा	१४	५१	कौ	३०	१५	४१	२८	३२	५	२१ २७	कर्के	
१०	चं	३५	१३	श्ले	३७	५७	शु	१६	४९	तै	२	४४	३७	२९	३१	६	२२ २८	सिं३७।५७	पूफा.भौमः३५।४४ [=१७।४५
११	मं	३८	५२	म	४२	५४	शु	१७	११	व	७	२	३४	२९	३१	७	२३ २९	सिंहे	भ.७।२उ.३८।५२या.वक्रीस्वात्यांबुधः=
१२	बु	४०	४५	पू	४६	११	व्र	१६	४४	ब	९	१९	३०	३०	३०	८	२४ ३०	सिंहे	मूलेधनुषिशुक्रः१६।१४रमा११व्र.
१३	गु	४०	३८	उ	४७	४३	ऐं	१४	४६	कौ	१०	४१	२७	३१	२९	९	२५ ३१	कं.१।३४	
१४	शु	३८	३५	ह	४७	२२	वै	११	२०	ग	९	३७	२३	३१	२९	१०	२६ १	कन्यायां	भ.३८।३५उ.नवं.११ता.३०प्रदोषः धन१३
१५	श	३४	४४	चि	४५	१९	वि	६	३०	वि	६	४०	१९	३२	२८	११	२७ २	तु.१६।१९	भ.६।४०या.स्वाती२राहुःअश्वि.४केतुः÷
३०	र	२९	३६	स्वा	४१	४८	प्री	० १७	५१ ४०	च	२	१०	१६	३३	२७	१२	२८ ३	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम् [÷४४।१रूप१४

२८पं.का.कृ.१श.इ. ४५ २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	२	७	६	६	६
२	८	२४	२५	१९	१८	१४	१
३१	२७	२१	५५	७	१०	४	५७
२६	११	४३	१	३७	५	२९	५२
५९	३७	६	३	६२	७	३	५९
३४	१७	५३	४९	३०	८	११	४६

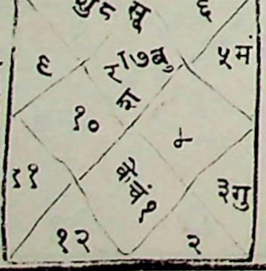

२९पं.का.कृ.७श.इ.४५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	२	७	६	६	६
९	१२	२२	२६	२६	१८	१३	८
२९	३३	२२	१५	२८	५९	४२	५७
४२	४०	३७	५४	५	३८	१३	१२
५९	३६	५६	२	६०	७	३	६०
४७	२७	व	२६	१४	८	११	२

३०पं.का.कृ.१४श.इ.४५ ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	२	८	६	६	६
१६	१६	१४	२६	२	१९	१३	१५
२९	३५	२२	२६	३३	४९	१९	५८
२८	१३	४१	२४	३२	५५	५८	१६
६०	३६	९४	१	५७	७	३	६०
४	१९	व	३	२१	२२	११	१८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः९४३ सन् २०१३
१	चं	२३	१६	वि	३७	१०	सौ	४४	४४	ब	२३	१६	२७ ५३ २६	१३ २९ ४	वृ.२३।२०	विशाखा १शनिः २९ अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	मं	१६	२२	अ	३१	५४	शो	३६	४	कौ	१६	२२	९ ३४ २६	१४ ३० ५	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ २ यम २
३	बु	९	२०	ज्ये	२६	५३	अ	२७	२२	ग	९	२०	५ ३५ २५	१५ १ ६	ध.२६।५३	भ. ५१ उ. विशा. रविः १५ (सौरः ४५)÷
४	गु	२	२२	मू	२१	५०	सु	१८	३६	वि	२	२२	२ ३६ २४	१६ २ ७	धनुषि	भ. २।२२ या.
५	गु	५३	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०	[÷ मोहोरम १ सन् १४३५ हि.
६	शु	४९	५५	पू	१७	१०	धृ	१०	२२	कौ	२२	५३	२६ ३८ २४	१७ ३ ८	म.३१।१०	बुधोदयः पूर्वस्यां १३।५६
७	श	४४	३९	उ	१३	१०	शू	३८	५३	ग	१७	१७	५५ ३७ २३	१८ ४ ९	मकरे	भ. ४४।३९ उ. वक्री गुरुः २।४७
८	र	४०	१३	श्र	९	५५	वृ	४८	३८	वि	१२	२६	५२ ३८ २२	१९ ५ १०	कुं.३८।४०	भ. १२।२६ या गोपाष्टमी
९	चं	३६	४०	ध	७	२५	ध्रु	४२	४१	बा	८	२६	४९ ३८ २२	२० ६ ११	कुंभे	मार्गी बुधः १।२९ कुष्मांड ९ अक्षय ९
१०	मं	३३	५९	श	५	५०	व्या	३७	१६	तै	५	१९	४५ ३९ २१	२१ ७ १२	मी. ५०	
११	बु	३२	७	पू	५	१७	ह	३२	४७	व	३	३	४२ ४० २०	२२ ८ १३	मीने	भ. ३।३ उ. ३२।७ या. पूषा. शुक्रः ७=
१२	गु	३१	७	उ	५	१९	व	२८	५६	व	१	३७	३९ ४० २०	२३ ९ १४	मीने	[= प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी विवाहः
१३	शु	३१	२१	रे	६	३५	सि	२६	३	कौ	०	१४	३६ ४१ १९	२४ १० १५	मे.६।३५	प्रदोषः [+ वैकुंठ १४
१४	श	३२	३२	अ	८	४४	व्य	२३	७	ग	१	५६	३३ ४१ १९	२५ ११ १६	मेषे	भ. ३३ उ. वृश्चिकेऽर्कः ३१ (सौरः ३९)+
१५	र	३५	७	भ	१२	०	च	२२	५५	वि	२	५०	३० ४२ १८	२६ १२ १७	वृ.२८।८	भ. २।५० या. मन्वादिः का. स्ना. पू.

३१पं.का.शु.७श.इ. ५४ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	२	८	६	६	६
२३	२०	८	२६	१०	२०	१२	२३
३०	३४	४१	२८	१८	४०	५७	०
५०	१२	१३	५२	३६	३०	४२	५०
६०	३५	१२ ५७	०	५३	७	३	६०
१७	५२	व. व.	३५	२०	११	३०	

गोचर ग्रहाः

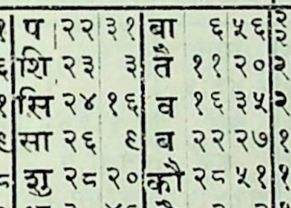

कार्तिकशुक्ले १४ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४प्रगलभावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

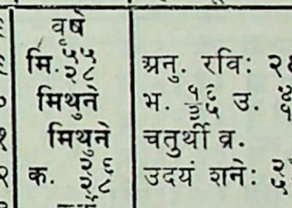

३२पं.का.शु.१४श.इ. ५४ ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	६	८	६	६	७
०	२४	११	२६	१६	२१	१२	०
३३	२९	१२	१९	३६	३०	३५	४
२९	२	०	३०	०	३६	२७	५४
६०	३५	५४ १४	१	४०	४९	७	३	६०
२०	१८	मा.	व.	२	१४	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेतिमहा.
१	चं	३८	४६	कृ	१६	३१	प	२२	३१	बा	६	५६	२६ ४३ १७	२७ १३ १९	वृषे	
२	मं	४३	५५	रो	२२	१६	शि	२३	३	तै	११	२०	२५ ४३ १७	२८ १४ १९	मि.५५	अनु. रविः २९।४६ (सौरः ५६।३६)
३	बु	४९	१४	मृ	२८	४१	सि	२४	१६	व	१६	३५	२२ ४४ १६	२९ १५ २०	मिथुने	भ. ५६ उ. ४९ या. उफा. भौमः २७
४	गु	५५	४०	आ	३५	२९	सा	२६	९	व	२२	२७	१९ ४४ १६	३० १६ २१	मिथुने	चतुर्थी व्र.
५	शु	६०	०	पु	४३	२८	शु	२८	२०	कौ	२८	५१	१७ ४५ १५	१ १७ २२	क. २६	उदयं शनेः ५३ भा. मार्गशीरंभ
५	श	२	२	पु	५१	९	शु	३०	४६	तै	२	२	१४ ४५ १५	२ १८ २३	कर्के	
६	र	९	३२	श्ले	५८	१०	ब्र	३२	५५	ब	९	३२	१२ ४६ १४	३ १९ २४	सिं. ५८	भ. ३२ उ. ५१ या. विशा. बुधः १६।५७
७	चं	१४	११	म	६०	०	एं	३४	१७	ब	१४	११	९ ४६ १४	४ २० २५	सिंहे	
८	मं	१८	३६	म	४	३	वै	३४	४८	कौ	१८	३६	७ ४७ १३	५ २१ २६	सिंहे	कन्यायां भौमः ४२।१८
९	बु	२१	२६	पू	८	४६	वि	३३	५९	ग	२१	२६	५ ४७ १३	६ २२ २७	कं.२४।२६	भ. ५१।४९ उ.
१०	गु	२२	१३	उ	११	२९	प्री	३१	४३	वि	२२	१३	२ ४८ १२	७ २३ २८	कन्यायां	भ. २२।१३ या.
११	शु	२०	५७	ह	१२	२५	आ	२७	४३	बा	२०	५७	० ४८ १२	८ २४ २९	तु.४१।४६	उषा. शुक्रः ३८।४० उत्पत्ति ११ व्र.
१२	श	१७	४६	चि	११	८	सौ	२२	१०	तै	१७	४६	२५ ४८ १२	९ २५ ३०	०	प्रदोषः
१३	र	१२	३८	स्वा	८	९	शो	१५	७	व	१२	३८	५६ ४९ ११	१० २६ १	तुलायां	भ. ३२ उ. ३९ या. बृश्चिके बुधः ७÷
१४	चं	५	५०	वि	२३	५३	अ	३७	४७	श	५	५०	५४ ४९ ११	११ २७ २	वृ.४९।३४	ज्येष्ठा. रविः ५३ विशाखा. २ शनिः ४७
३०	चं	५२	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	वृश्चिके	दिसम्बर १२ ता. ३१

३३पं.मा.कृ.५श.इ ४२।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	२	८	६	६	७
७	२८	१९	२६	२२	२२	१२	७
३७	१७	१६	१	१९	२०	१३	१०
२६	२०	४८	५	२६	२	११	२७
६०	३४	७९	३	४३	७	३	६०
४२	३७	२८	व	६	८	११	५३

गोचर ग्रहाः

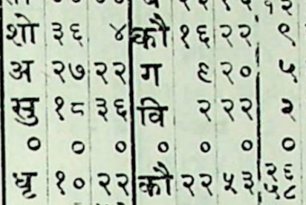

इस मास में बुध का चन्द्रदर्शन चांदी रूई सोना सण तिल घृत मंदे करें रस गुड सक्कर तेज हो प्रजा में शान्ति रहे ।

गोचर ग्रहाः

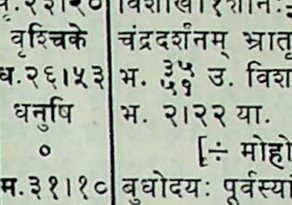

३४पं.मा.कृ.१२श.इ. ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	२	८	६	६	७
१४	५२	९	२५	२७	२३	११	१४
४२	१	३४	३३	१८	८	५०	१७
४०	३४	३२	३६	२६	३८	५५	१३
६०	३३	८९	१ ३५	३५	७	३	६१
५०	५३	१५	व.	२२	२११		३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ९७२ स. २०१३
१	मं ४९ २५	ज्ये ४९ ३५	धृ ४७ १६	किं २३ ४४	२५ ३	४९	५ ११	१२ २८ ३	ध. ४९।३५ ज्येष्ठा. रविः सौरः ४।३० अनु. बुधः ३३
२	बु ४० ३९	मू ४३ ४७	शू ३७ ५	बा १५ २	५१	५०	१०	१३ २९ ४	धनुषि मकरेशुक्रः ४४।४९ चंद्रदर्शनम्
३	गु ३२ १६	पू ३७ १३	गं २७ ४	तै ६ २७	४९	५०	१०	१४ १ ५	म. ५०।४४ भ. ३७ उ. बुधास्तः पूर्वस्यां २९ ४ सफर २
४	शु २४ ३८	उ ३१ २०	वृ १७ १७	वि २४ ३८	४८	५०	१०	१५ २ ६	मकरे भ. २४।३८ या.
५	श १७ ४४	श्र २६ २०	ध्रु ८ १७	बा १७ ४४	४६	५१	९	१६ ३ ७	कुं. ५४।३०
६	र १२ १४	ध २२ ४०	व्या २९ ५३	तै १२ १४	४५	५१	९	१७ ४ ८	कुंभे चंपा ६
७	चं ७ ५६	श २० ८	व ४७ ४४	व ७ ५६	४४	५१	९	१८ ५ ९	कुंभे भ. ७।५६ उ. ३६।७ या.
८	मं ५ १६	पू १९ ११	सि ४३ ४	ब ५ १६	४३	५१	९	१९ ६ १०	मी ४।२६
९	बु ३ ५२	उ १९ २७	व्य ३९ २६	कौ ३ ५२	४२	५२	८	२० ७ ११	मीने
१०	गु ३ ४२	रे २१ १४	व ३६ ५८	ग ३ ४२	४१	५२	८	२१ ८ १२	मे. २१।१४ भ. ३४।२३ उ. ज्येष्ठा. बुधः ७।४६
११	शु ५ ४	अ २४ २८	प ३५ १९	वि ५ ४	४०	५२	८	२२ ९ १३	मेषे भ. ५।४ या. मोक्षदा ११ व्र. गीताजयंती
१२	श ७ १४	भ २८ ३०	शि ३४ ५८	बा ७ १४	३९	५२	८	२३ १० १४	वृ. ४४।४४ प्रदोषः [+हस्तेभौमः १४।२४ दत्तजयंती
१३	र १० ५६	कृ ३३ २८	सि ३५ २	तै १० ५६	३९	५२	८	२४ ११ १५	वृषे मूलेधनुष्यर्कः ४७।८
१४	चं १५ १६	रो ३९ १८	सा ३५ ३९	व १५ १६	३८	५२	८	२५ १२ १६	वृषे भ. १५ उ. ४९ या. मूलेधनुष्यर्कः सौरः ९० +
१५	मं २० ४८	मृ ४६ २	शु ३७ १२	व २० ४८	३८	५२	८	२६ १३ १७	मि. १२ ४०

३५पं. मा. शु. ५श. इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	२	९	६	६	७
२१	५	१०	२४	१	२३	११	२१
४८	४०	३	५७	१५	१५	२८	२४
४३	८	३६	०	४७	४८	४०	५६
६०	३२	९४	२६	२५	६	३	६१
५६	५८	१७	व.	२३	४४	११	११

गोचर ग्रहाः

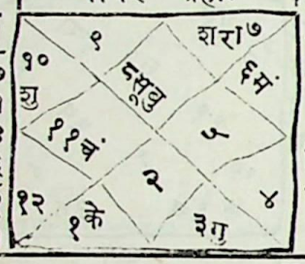

मार्गशीर्ष क्लें १३ रवौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

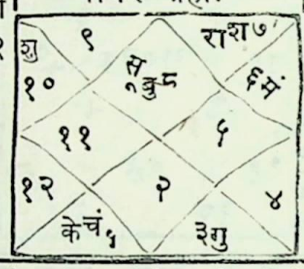

३६पं. मा. शु. १२श. इ. ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	२	९	६	६	७
२८	९	२०	२४	३	२४	११	२८
५५	११	५२	१३	५६	४०	६	३३
३७	२८	५९	४८	२	४८	२४	३९
६१	३२	९७	२६	१२	६	३	६१
०	१	१९	व.	३५	२९	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	बु २६ २७	आ ५३ ८	शु ३९ ०	कौ २६ २७	३५	५३	५ ७	२७ १४ १८	मिथुने
२	गु ३२ ५८	पु ६० ०	ब्र ४१ १०	ग ३२ ५८	३७	५३	७	२८ १५ १९	क. ४३।५० [+३७।३६ वक्री शुक्रः ३३।१३
३	शु ३९ २२	पु ० ४४	ऐं ४३ २५	व ६ १०	३६	५३	७	२९ १६ २०	कर्के भ. ६।१० उ. ३९।२२ या. मूलेधनुषि बुधः +
४	श ४५ ४७	पु ८ २५	वै ४५ ४६	ब १२ ३४	३६	५३	७	३० १७ २१	कर्के चतुर्थी व्र.
५	र ५१ ४१	श्ले १५ ४२	वि ४७ २०	कौ १८ ४४	३६	५३	७	१ १८ २२	सिं १५।४२ वक्री पुन १ गुरुः १७।४० भा. पौषारंभः
६	चं ५६ ३३	म २२ १५	प्री ४८ ३९	ग २४ ७	३६	५३	७	२ १९ २३	सिंहे भ. ५६।३३ उ.
७	मं ६० ०	पू २७ ५०	आ ४८ ४८	वि २८ २६	३७	५३	७	३ २० २४	कं ४३।५२ भ. २८।२६ या.
७	बु ० २०	उ ३१ ५८	सौ ४७ ५३	ब ० २०	३७	५३	७	४ २१ २५	कन्यायां
८	गु २ १६	ह ३४ ३४	शो ४६ १३	कौ २ १६	३७	५३	७	५ २२ २६	कंन्यायां
९	शु २ २६	चि ३५ ८	अ ४१ १४	ग २ २६	३८	५२	८	६ २३ २७	तु. ४।५१ भ. ३१।३१ उ.
१०	श ० ३६	स्वा ३३ ४३	सु ३५ ४१	वि ० ३६	३९	५२	८	७ २४ २८	तुलायां भ. ०।३६ या. पूषा. रविः ५२।८ पूषाबुधः ×
११	श ५६ ३	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	० ० ०	[×५७।१६ सफला ११ व्र. स्मा.
१२	र ५० ५३	वि ३० २२	धृ २७ ३०	कौ २३ ४६	४०	५२	८	८ २५ २९	वृ. १६।१२ पूषा. रविः सौरः ९।५८ सफला ११ व्र. वै.
१३	चं ४३ ३४	अ २५ ५	शू १९ ४७	ग १७ १३	४१	५२	८	९ २६ ३०	वृश्चिके भ. ४३।३४ उ. प्रदोषः
१४	मं ३४ ४८	ज्ये १८ ४५	गं २९ ४९	वि ९ ११	४१	५२	८	१० २७ ३१	ध. १८।४५ भ, ९।११ या,
३०	बु २५ २३	मू ११ २२	ध्रु ४८ ३०	च ० ६	४२	५२	८	११ २८ १	धनुषि जनवरी १ ता० ३१ सन् २०१४

३७पं. पौ. कृ. ४श. इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	२	९	६	६	८
६	१२	१	२३	४	२५	१०	५
३	३३	४९	२४	५३	२४	४४	४३
१४	४३	१९	७	४०	२५	९	४
६१	३०	९९	१५	३२	६	३	६१
४	५५	२३	व.	व.	१४	११	२२

गोचर ग्रहाः

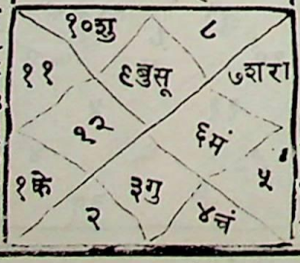

इसमासमें चांदी स्वर्ण मंदे रहें, सरसों तिल अलसी गुड़ तेजी करें शकुन :–पौषसुदी १४ दिना बिजली का घनघोर। शुभवर्षाआषाढ में बोलें दादुरमोर ।।

गोचर ग्रहाः

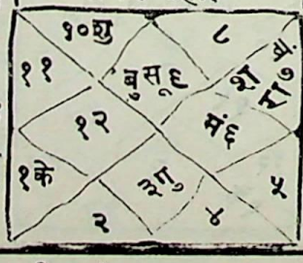

३८पं. पौ. कृ. १०श. इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	२	९	६	६	८
१३	१५	१२	२२	३	२६	१०	१२
११	४५	५६	२९	५७	४	२१	५२
१३	११	३८	५६	१८	५९	५३	५६
६१	२९	०	४८	३२	५	३	६१
६	३४	२८	व.	व.	५०	११	२६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५										दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १००२स,२०१४
१	गु	१५	३४	पु	३ ८	२३	व्या	३७	३३	ब	१५	३४	२५ ६ ९	१२ २९ २	म.१६।४३	चंद्रदर्शनम्
२	शु	६	२२	श्र	४८	५२	ह	२६	५६	कौ	६	२२	४४ ५१ ९	१३ १ ३	मकरे	रविलावल३ [×अश्वि.३केतुः३६।८
३	शु	५१	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	[÷८।४०स्वाति१राहुः×
४	श	५०	१५	ध	४२	५८	व	१६	५३	व	२३	५७	४५ ५१ ९	१४ २ ४	कुं. ३ ५	भ.३ ३ उ.५ ९ या.विशाखा३वृश्चिकेशनिः÷
५	र	४४	२०	श	३८	४०	सि	८	३२	ब	१७	१७	४७ ५१ ९	१५ ३ ५	कुंभे	
६	चं	४०	१३	पू	३६	४	व्य	० ४४	५४	कौ	१२	१३	४८ ५० १०	१६ ४ ६	मी२१।४३	उषा.बुधः८।१८वक्रीधनूषिशुक्रः५०।१८
७	मं	३७	५३	उ	३५	१३	प	५०	४	ग	९	३	५० ५० १०	१७ ५ ७	मीने	भ.३७।५३उ.
८	बु	३७	२५	रे	३६	१२	शि	४७	७	वि	७	३८	५२ ५० १०	१८ ६ ८	मे.३६।१२	भ.७।३८या.मकरेबुधः५।५९
९	गु	३८	४६	अ	३८	५३	सि	४५	२२	बा	८	५	५३ ४९ ११	१९ ७ ९	मेषे	
१०	शु	४१	३१	भ	४३	२	सा	४४	४९	तै	१०	८	५५ ४९ ११	२० ८ १०	वृ.५९।२२	उषारविः ५ ६ शुक्रास्तःपश्चिमायां०।३६
११	श	४५	४५	कृ	४८	२३	शु	४५	२०	व	१३	३८	५७ ४९ ११	२१ ९ ११	वृषे	भ.१ ३ उ.४ ५ या.उषा.रविःसौरः११।२५-
१२	र	५०	४७	रो	५४	४९	शु	४६	१९	ब	१८	१६	५९ ४८ १२	२२ १० १२	वृषे	वक्रीपूषा.शुक्रः१५।२ [-पुत्रदा११व्र.
१३	चं	५६	५३	मृ	६०	०	व्र	४८	१०	कौ	२३	५०	२ ६ ४८ १२	२३ ११ १३	मि. २८	प्रदोषः [=शुक्रोदयःपूर्वस्यां ३ ६ मा.स्ना.प्रा.
१४	मं	६०	०	मृ	२	८	ऐं	५०	१	ग	२९	४९	४ ४७ १३	२४ १२ १४	मिथुनें	मकरेऽर्कः १ ७ (सौरः ५ ६) श्रवणेबुधः ६ ६
१४	बु	२	४४	आ	९	९	वै	५२	१६	व	२	४४	६ ४७ १३	२५ १३ १५	क.५९।५२	भ.२।४४उ.३६।२या.
१५	गु	९	१९	पु	१६	४६	वि	५४	२८	ब	९	१९	८ ४६ १४	२६ १४ १६	कर्के	चित्राभौमः ४ ४ वक्रीआर्द्रा४गुरुः ५ ६ =

३९पं.पौ.शु.४श.इ. ५ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	२	९	६	६	८
२०	१८	२४	२१	१	२६	९	२०
१९	४९	१५	३३	६	४३	५९	२
२६	२६	४०	३६	४७	८	३७	५३
६१	२८	०	५२	३१	५	३	६१
६	०	५८	व.	व.	२५	११	२६

गोचर ग्रहाः

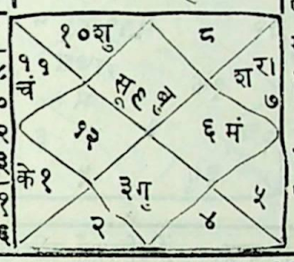

पौषशुक्ले १४भौमे मकरेऽर्कःप्रविष्टःवा. ३न. ३प्रौढावस्था (बैठी मु.१५धान्यादि भावेंमहर्घता शुक्रास्तः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

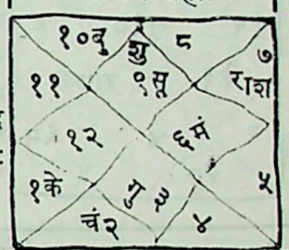

४०पं.पौ.शु.११श.इ. ४ ३ ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	२	८	६	६	८
२७	२१	५	२०	२६	२७	९	२७
२७	४०	५१	३६	५८	१७	३७	१२
२२	३४	५८	५०	४१	४६	२२	४५
६१	२६	०	५३	३६	४	३	६१
६	१	५३	व.	व.	५६	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५										दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु	१५	३९	पु	२४	४	प्री	५६	३१	कौ	१५	३९	३ ६ ६ १ ४६ ५ ४	२७ १५ १७	कर्क	
२	श	२१	५२	श्ले	३१	३५	आ	५८	१०	ग	२१	५२	१२ ४५ १५	२८ १६ १८	सिं. ३ ५	भ.५४।३९उ.बुधोदयःपश्चिमायां४१।२२
३	र	२७	२६	म	३७	५२	सौ	५९	२८	वि	२७	२६	१६ ४५ १५	२९ १७ १९	सिंहें	भ.२७।२६या.चतुर्थीव्र.
४	चं	३२	८	पू	४३	४७	शो	५९	५८	बा	२२	८	१९ ४४ १६	३० १८ २०	कं.५९।५९	अभि.प्र.रविः४५।४७(सौरः५८।१३)
५	मं	३६	०	उ	४८	३३	अ	५९	४१	कौ	४	३४	२१ ४४ १६	१ १९ २१	कन्यायां	भा.माघारंभः
६	बु	३८	३३	ह	५२	७	सु	५८	१५	ग	७	१६	२४ ४३ १७	२ २० २२	कन्यायां	भ.३८।३३उ.धनि.बुधः३।५३
७	गु	३९	३८	चि	५४	१०	धृ	५५	४०	वि	९	५	२७ ४३ १७	३ २१ २३	तु.२३।८	भ.९।५या.
८	शु	३९	११	स्वा	५४	२९	शू	५१	४१	बा	९	२२	२९ ४२ १८	४ २२ २४	तुलायां	श्रवणेरविः २ ४ (सौरः १४, अभि. नि.=
९	श	३६	५३	वि	५३	११	गं	४६	७	तै	८	२	३३ ४२ १८	५ २३ २५	वृ.३८।३१	अभि.नि.रविःसौरः ६ ९ [=रविः ५ ४
१०	र	३२	४१	अ	५०	४	बृ	३९	१६	व	४	४७	३५ ४१ १९	६ २४ २६	वृश्चिके	भ.४ ७ उ.३ २ या. कुंभेबुधः ३ ६ पातस्पर्शः ८
११	चं	२६	५३	ज्ये	४५	२०	धु	३१	२	बा	२६	५३	३८ ४० २०	७ २५ २७	ध. ४ ५ ३०	पातमोक्षः१५।३४षट्तिला११व्र.
१२	मं	१९	३४	मू	३९	१२	व्या	२१	४७	तै	१९	३४	४१ ४० २०	८ २६ २८	धनुषि	प्रदोषः
१३	बु	११	७	पू	३२	४	ह	११	३५	व	११	७	४५ ३९ २१	९ २७ २९	म.४५।८	भ.११।७उ.३६।२३या.
१४	गु	१	३८	उ	२४	२२	व	० ४३	४८	श	१	३८	४८ ३८ २२	१० २८ ३०	मकरे.	
२०	गु	५०	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	

४१पं.मा.कृ.२श.इ. ४ ३ ८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	२	८	६	६	९
४	२४	१७	१९	२२	२७	९	४
३५	१७	३६	४१	५७	४८	१५	२२
१३	२	२९	४९	४०	२२	६	१४
६१	२३	०	२८	३२	४	३	६१
३	४६	२२	व.	व.	२६	११	१९

गोचर ग्रहाः

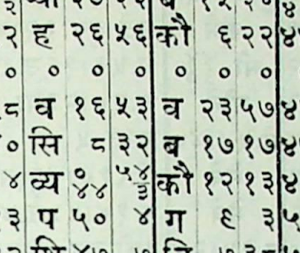

इस मासयें धातु सोना चांदी रुई वस्त्र बाजरा मूँग मोठ रस गुड़ शक्कर चीनी वदी में मंदी होकर सुदी में तेज हों ।

गोचर ग्रहाः

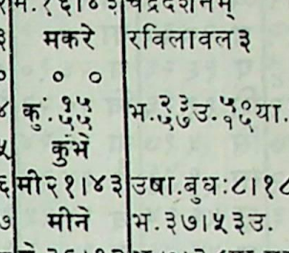

४२पं.मा.कृ. ६श.इ. ५ ३ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	२	८	६	६	९
११	२६	२८	१८	२०	२८	८	११
४२	२	४५	५१	१४	१५	५२	३५
४०	३८	४	७	३५	७	५१	५
६	२०	८८	४ ३	१ ७	३	३	६१
५९	५६	५२	व.	व.	४५	११	१३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५								दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण १०३१स.२०१४
१	शु ४२ २३	श्र १६ ३१	व्य ३८ ४५	किं १७ ११	५१ ३८ ५२	११ २९ ३१	कुं.४३।५१	[+चंद्र दर्शनम् फरवरी २ ता. २८
२	श ३३ ३८	ध ११ १२	व २८ ३५	बा ८ १	५४ ३७ २३	१२ ३० १	कुंभे	शते बुधः१२।४१मार्गी शुक्रः१२।४९ +
३	र २६ १०	श ८ ५५ १८	प १९ २६	ग २६ १०	५८ ३६ २४	१३ १ २	मी. ३४	भ.५३।१६उ.रविलाखर ४
४	चं २० २३	उ ५५ ४२	शि ११ २६	वि २० २३	२७ ३६ २४	१४ २ ३	मीने	भ.२०।२३या.
५	मं १६ २४	रे ५४ ४७	सि ५ १७	बा १६ २४	५ ३५ २५	१५ ३ ४	मे.५४।४७	वसंत ५
६	बु १४ ३२	अ ५६ २	सा ५३ ५७	तै १४ ३२	८ ३४ २६	१६ ४ ५	मेषे	[A१०।४२(सौरः१९।५५)पातस्पर्शः D
७	गु १४ ५५	भ ५९ १३	शु ५६ २४	व १४ ५५	१२ ३४ २६	१७ ५ ६	मेषे	भ.१४।५५उ.४५।५९या. धनि.रविः A
८	शु १७ ३	कृ ६० ०	ब्र ५६ ४३	ब १७ ३	१५ ३३ २७	१८ ६ ७	वृ.१५।२८	वक्री बुधः ३६ तुलायांभौमः १७ भीष्माष्टमी
९	श २१ २	कृ ४ १२	ऐं ५७ २८	कौ २१ २	१९ ३२ २८	१९ ७ ८	वृषे	बुधास्तःपश्चिमायां ४१।४१
१०	र २६ ११	रो १० ३०	वै ५९ १७	ग २६ ११	२३ ३१ २९	२० ८ ९	मि४४।७	भ.५९।२२उ.
११	चं ३२ ३३	मृ १७ ४४	वि ६० ०	वि ३२ ३३	२७ ३१ २९	२१ ९ १०	मिथुने	भ.३२।३३या.जया ११ व्र.
१२	मं ३८ ४२	आ २५ ८	वि १ २७	ब ५ ३७	३० ३० ३०	२२ १० ११	मिथुने	[D २९० पातमोक्षः५१।५७भानु७रथ ७
१३	बु ४५ १७	पु ३२ ५२	प्री ३ ४७	कौ ११ ५९	३४ २९ ३१	२३ ११ १२	क.१५।५६	कुंभेऽर्कः ४५ (सौरः ५३) वक्री.धनि.बुध : ×
१४	गु ५१ २२	पु ४० १०	आ ६ २५	ग १८ २०	३८ २८ ३२	२४ १२ १३	कर्के	भ.५१।२२उ. [×५९।२४ प्रदोषः
१५	शु ५७ १९	श्लु ४७ ९	सौ ८ १	वि २४ २०	४१ २८ ३२	२५ १३ १४	सिं४७।९	भ.२४।२०या.मा.स्ना.पूर्ति.

४३पं.मा.शु.५श.इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	१०	२	८	६	६	९
१८	२८	७	१८	१९	२८	८	१८
४९	३९	८	५	२२	३७	३०	३९
१६	४७	३८	४६	१९	५५	३५	१०
६०	१८	५५	५	२८	३	३	६१
५५	२	४६	५०	व.	१०	११	४

गोचर ग्रहाः

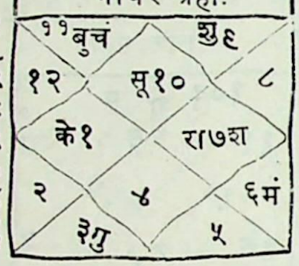

माघ शुक्ले १३ बुधे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदय पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

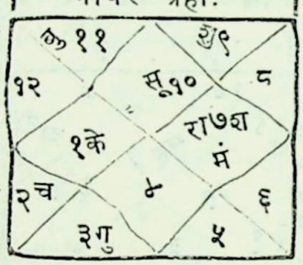

४४ पं.मा.शु.९श.इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	१०	२	८	६	६	९
२५	०	८	१७	२०	२८	८	२५
५५	२०	५२	२७	४२	५५	८	४५
१	१७	१९	३६	४	४४	१९	५७
६०	१४	२३	४	१४	२	३	६
४७	४	व.	व.	मा	२२	११	५९

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५								दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	श ६० ०	म ५३ २१	शो ९ ३४	बो २९ ४७	२७ ३५ ३३	२६ १४ १५	सिंहे	
१	र २ १६	पू ५८ ४७	अ १० २२	कौ २ १६	४९ २६ ३४	२७ १५ १६	सिंहे	
२	चं ६ २५	उ ६० ०	सु १० ३४	ग ६ २५	५३ २५ ३५	२८ १६ १७	कं.१४।५४	भ.३७ ५९उ.
३	मं ९ ३३	उ ३ १७	धृ १० ३	वि ९ ३३	५६ २५ ३५	२९ १७ १८	कन्यायां	भ.९।३३या.वक्री मकरेबुधः ५६ चतुर्थी व्र
४	बु ११ ३७	ह ६ ४४	शू ८ ४१	बा ११ ३७	२८ २४ ३६	३० १८ १९	तु.३७।५३	शते रविः २२ (सौरः २९) पातस्पर्शः ५०
५	गु १२ ३०	चि ९ २	गं ६ २९	तै १२ ३०	४ २३ ३७	१ १९ २०	तुलायां	भा.फाल्गुनारंभःपातमोक्षः७।४
६	शु १२ २१	स्वा १० १७	बृ २ ५५	ब १२ २१	८ २२ ३८	२ २० २१	वृ.५५।०	भ.१२ उ.४१ या.उषा.शुक्रः ३६ वक्रीआर्द्रा ×
७	श १० ५८	वि ९ ५५	व्या ५३ ४२	ब १० ५८	१२ २२ ३८	३ २१ २२	वृश्चिके	बुधोदयःपूर्वस्यां९।३६
८	र ८ ३	अ ८ ५६	ह ४७ १६	कौ ८ ३	१६ २१ ३९	४ २२ २३	वृश्चिके	[×३ गुरुः११।४७
९	चं ३ ५८	ज्ये ६ १३	व ३९ ५५	ग ३ ५८	२० २० ४०	५ २३ २४	ध.६।१३	भ.३१।१२उ.५८।२७या.
१०	चं ५४ २९	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	
११	मं ५१ ४६	मू २ ५५	सि ३१ ३२	ब २५ ६	२४ १९ ४१	६ २४ २५	धनुषि	विजया ११ व्र.स्मा.
१२	बु ४३ ५६	उ ५० ५३	व्य २२ २९	कौ १७ ५१	२८ १८ ४२	७ २५ २६	म.१०।२८	मकरेशुक्रः १७ वक्री मौमः ४५ विजया ११ व्र.
१३	गु ३५ ३७	श्र ४४ १४	व १२ २९	ग १० १६	३२ १८ ४२	८ २६ २७	मकरे	भ.३५ उ.प्रदोषःमहाशिवरात्री व्र.स्मा.
१४	शु २६ ४१	ध ३७ १४	प ३ ५९	वि १ ९	३६ १७ ४३	९ २७ २८	कुं.१०।४४	भ.१।९या.महाशिवरात्री व्र.वै.
२०	श १८ ४	श ३० ४१	सि ४२ १९	ना १८ ४	४० १६ ४४	१० २८ १	कुम्भे	मार्गी बुधः४४।१७मार्च ३ता.३१

४५ पं.फा.कृ. १श. इ. ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	२	८	६	६	१०
२	१	३	१६	२३	२९	७	२
५९	३४	६	५६	२५	८	४६	५२
४९	४८	०	२०	१	३८	४	०
६०	९	८	३	२७	३५	३	६०
३७	८	व.	व.	३४	व.	११	४२

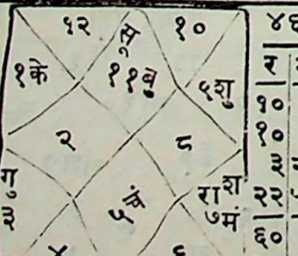

४६पं.फा.कृ. ७ श. इ. ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	२	८	६	६	१०
१०	२	२६	१६	२७	२९	७	९
३	२०	१	३६	३०	१६	२३	५६
२२	५३	१९	४३	४	४१	४८	३३
६०	३	४७	२	३७	१	३	६०
२५	४६	व	व	१८	००	११	३१

४७पं.फा. कृ.३०श.इ. ४४

र	म	शु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	२	९	६	६	१०
१७	२	२४	१६	२	२९	७	१६
५	३८	१५	२५	३५	२०	१	५९
३५	४९	३२	१९	१०	१७	३३	२६
६०	४	१	३७	४५	०	३	६०
१२	व	मा	व	२	१२	११	२०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७० शाकः १९३५								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गण १०६१ स.२०१४
१	र	१०	०	पू	२४	५६	सा	३३	३१	व	१०	०	२८	३४	१५	४५	११	२६	२	मी	११।२५	चंद्र दर्शनम्
२	चं	३	१६	उ	२०	४९	शु	२६	१	कौ	३	१६	४८	१४	४६	१२	१	३		मीने		वक्री शनिः५०।२६जमादिलावल५पात-×
३	चं	५४	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०		[×स्पर्शः२७।१पातमोक्षः४३ फुलरिया २
४	मं	५४	४८	रे	१८	१२	शु	१६	४६	व	२६	२६	५२	१४	४६	१३	२	४		मे.१८।१२		भ.२६ उ.५४ या.पूभा.रविः३० (सौरः +
५	बु	५३	५०	अ	१७	४२	ब्र	१५	२८	व	२४	१६	५६	१३	४७	१४	३	५		मेषे		[+४४।६) मार्गी गुरुः५३।५७
६	गु	५४	५१	भ	१६	१६	ऐं	१२	४६	कौ	२४	२०	२९	१२	४८	२५	४	६		वृ. ३५		
७	शु	५७	५२	कृ	२२	५६	वै	१२	४	ग	२६	२१	५१	१४	९	१६	५	७		वृषे		भ.५७।५२उ.
८	श	६०	०	रो	२८	१२	वि	११	५४	वि	३०	११	९	१०	५०	१७	६	८		बृषे		भ.३९ या.चित्रा.४राहुःअश्वि.२केतुः =
८	र	२	३०	मृ	३४	५६	प्री	१३	२३	ब	२	३०	१३	६	५१	१८	७	९		मि१।३४		[= ३१।५ होलाष्टकम्
९	चं	८	३३	आ	४२	१३	आ	१५	२०	कौ	८	३३	१७	६	५१	१९	८	१०		मिथुने		श्रवणे शुक्रः४०।२५
१०	मं	१४	२८	पु	४६	५८	सौ	१७	३७	ग	१४	२८	२१	८	५२	२०	९	११		क.३३।१		भ.४७।५२उ.
११	बु	२१	१७	पु	५७	३१	शो	१६	५४	वि	२१	१७	२६	७	५३	२१	१०	१२		कर्के		भ.३९ या.कुंभे बुधः३।१२आमलकी११ व्र.
१२	गु	२७	२०	श्ले	६०	०	अ	२२	३	बा	२७	२०	३०	६	५४	२२	११	१३		कर्के		
१३	शु	३२	५७	श्ले	४	२७	सु	२३	४३	कौ	०	८	३४	५	५५	२३	१२	१४		सिं४।२७		मीनेऽर्कः३९।१३ (सौरः ४३) प्रदोषः
१४	श	३७	१७	म	१०	३७	धृ	२४	१४	ग	५	७	३८	४	५६	२४	१३	१५		सिंहे		भ.३७।१७उ.
१५	र	४०	३८	पू	१५	२१	शू	२४	२	वि	८	५८	४३	३	५७	२५	१४	१६		क.३१।२१		भ.८।५८या.होलिका दहनम्

४८ पं. फा.शु.८श.इ. ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	२	९	६	६	१०
२४	२	२७	१६	८	२९	६	२४
६	२१	२२	२४	२२	१८	३९	०
२२	१८	५५	०	३७	७	१७	४९
५९	३७	३४	४५	५०	२८	३	६०
५८	व.	१०	सा	३१	वे.	११	६

गोचर ग्रहाः

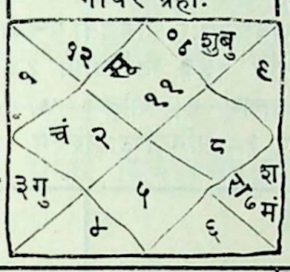

फाल्गुन शुक्ले १३ शुक्रे मीमेऽर्कःप्रविष्टः वा.३न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

४९ पं. फा.शु.१४श.इ. ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	२	९	६	६	११
१	१	३	१६	१४	२९	६	१
५	३२	३४	३२	४४	११	१७	०
३५	३८	५९	२५	३८	४९	१	३१
५९	१६	५८	१	५५	२०	३	५९
४०	व.	८	५६	३	व.	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरे फा. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४२	४९	उ	१९	२०	गं	२३	५	बा	११	४३	२९	४७	३३	५७	२६	१५	१७	कन्यायां		वसंत १ छारेंडी
२	मं	४३	५०	ह	२२	५	बृ	२१	७	तै	१३	१९	५१	२	५८	२७	१६	१८	तु	५२।५३		उभा.रविः १७ (सौरः५।३)शते बुधः५३
३	बु	४३	२८	चि	२३	४२	ध्रु	१८	१४	व	१३	३८	५५	१	५९	२८	१७	१९		तुलायां		भ.३३ उ.४३ या.आर्द्रा.४गुरुः५१।१७
४	गु	४२	२५	स्वा	२४	१९	व्या	१४	५०	ब	१२	५६	३०	०	६	२९	१८	२०		तुलायां		चतुर्थी व्र.
५	शु	४०	३१	वि	२४	२०	ह	१०	३४	कौ	११	२८	४	५९	१	३०	१९	२१	वृ.	९।२०		
६	श	३७	३६	अ	२३	७	व	५	३४	ग	९	३	८	५८	२	१	२०	२२		वृश्चिके		भ.३७।३६उ.भा.चैत्रारंभः
७	र	३४	८	ज्ये	२०	१३	सि	५५	५२	वि	५	५२	१२	५८	२	२	२१	२३	ध	२०।१३		भ.५।५२या.वक्री कन्यायां भौमः७।०
८	चं	२९	४०	मू	१८	४३	व	४६	४६	बा	१	५४	१६	५७	३	३	२२	२४		धनुषि		धनि.शुक्रः३८।४शीतला पूजनम्
९	मं	२४	२४	पू	१५	१५	प	३९	१६	ग	२४	२४	२१	५६	४	४	२३	२५	म.	२९।१२		भ.५१।२८उ.
१०	बु	१८	३२	उ	११	४	शि	३१	१०	वि	१८	३२	२५	५५	५	५	२४	२६		मकरे		भ.१८।३२या.
११	गु	११	५९	श्र	६	२३	सि	२२	३९	बा	११	५९	२९	५४	६	६	२५	२७	कुं.	३३।४७		पापमोचनी ११ व्र.
१२	शु	४	५३	ध	१५	५४	सा	१३	५३	तै	४	५३	३३	५३	७	७	२६	२८		कुंभे		भ.५७।३६उ.पूभा.बुधः४१।२०प्रदोषः
१३	शु	५२	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०				
१४	श	५०	३२	पू	५०	५०	शु	११	५५	वि	२४	४	३७	५३	७	८	२७	२९	मी	३७।७		भ.२४।४
३०	र	४४	२०	उ	४६	४६	ब्र	४९	१७	च	१७	२६	४१	५२	८	९	२८	३०		मीने		मन्वादिः

५० पं.चै.कृ.६श.इ.४५।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	२	९	६	६	११
८	०	११	१६	२१	२९	५	७
३	८	४९	४९	३०	०	५४	५८
१८	३५	३७	५५	७	०	४६	२६
५९	२३	७५	३	५८	५८	३	५९
२९	व.	३५	२५	३२	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि धान्य गुड सक्कर चीनी गल्ला वस्त्र में मंदी करे सुदि में रस कस तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

५१ पं.चै.कृ.१४श.इ. ४५ ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	१०	२	९	६	६	११
१४	२८	२१	१७	२८	२८	५	१४
५९	१६	३६	१५	३५	४४	३२	५४
१०	५५	५४	४७	३१	२४	३०	३५
५९	२९	९०	४	६१	३५	३	५९
१६	व.	१२	३५	१३	व.	११	१८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११५, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् ८६४०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११५, भोग्यकलिः ४२६८८५, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०७१, शाकः १९३६, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः । मंत्री चंद्रः । सस्येशो बुधः। धान्येशो भौमः । मेघेशो रविः। रसेशः शुक्रः। नीरसेशो बुधः। फलेश शनिः । धनेशो भौमः । दुर्गेशःशनिः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां २ किलकनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ०।२।१२।२९ भोग्यमासादिः ११।२७।४७।३१ चंद्रदैवतं युगम् । वर्षनाम मार्गशीर्षः । मेघनाम पुष्करः। रोहिणी निवासःसंधौ । समयनिवासोः वाणक् गृहे। समय विश्वा१२ समयवाहनम् मृगः। स्तंभाः३ अन्नजलतृणानां : सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी१ भानुसप्तमी३ रविदशमी २ समय मुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १४ तिथिवृद्धिः ७ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपतिविश्वा ८४, वर्षाविश्वा १५, धान्यम् ९, तृणम् ७, शीतम् ७, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१०९, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःपश्चिमे । ग्रहणाभावः ।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	२	११	८	८	२	८

वर्ष लग्नम् ७।२८

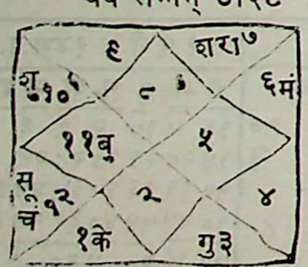

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे मात से जिमि पूछे हर साल ।
इकहत्तर की साल का मात सुनावो हाल ।

भवानी उत्तर

इकहत्तर इकलोतियो ना सारे इकसार ।
आपस में जनता लड़े घटे मही का भार ।।
राजा मंत्री योग से धर धर मंगलाचार ।
नारि खिलावें डीकरा गायां दूध अपार ।।
वर्षा लगे सुहावणी श्रावण भादों मास ।
अन्न जल की कमती नहीं उत्तम नीपजे घास ।।
समय निवासो वैश्यघर तेजडियों का जोर ।
ईश भजन सम जगत में ना ऊंचा कुछ ओर ।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ०।१५

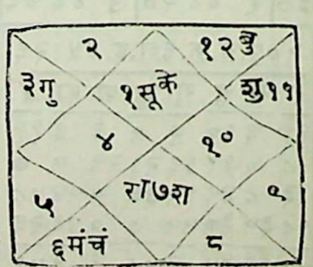

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५२।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२।३१

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणांफलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजाचन्द्रस्तत्फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरंचधान्यं । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ।। मंत्री चंद्रस्तत्फलम् ।। शशिनि मंत्रि गते बहुसस्यवत्यपिधरा रमते सुख मंडिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखराशि सुशोभिताः ।। सस्येशो बुधस्तत्फलम् ।। जलधरा जलराशिमुचोभृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणः स्तुति पाठकरः सदा प्रथमसस्यपतौ सति बोधने । धान्येशोभौमः फलम् ।। भूमिजे ग्रीष्म-धान्येशे ग्रीष्म-धान्य महर्घकम् ।। शालीक्षुघृत तैलादि महर्घाणि भवंति च । मेघेशो रविः फलम् ।। जलदपे यदि वासरपेतदा सरसि वै रमते जनता रसम् । यवचनेक्षु नीवार सुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषित मानसाः । सुखसुभिक्ष-सुमोदवती धरा धरणीपाहत पापगण प्रिया ।। नीरसेशो बुधस्तत्फलम् ।। चित्रवस्त्रादिकञ्चै व शंख चंदन पूर्वकम् । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधोयदि ।। फलेशः शनिः फलम् ।। यदि शनिः फलपः फलहाभवेज्जनित पुष्प गणास्तरवः सदा । हिमभयं नरतस्करजँतदा जनपदा जनरासिसमाकुलाः ।। धनेशो भौमः फलम् ।। असम मौल्य करो धरणी सुतः शरदि तापकरस्तुष धान्यहृत् । सहसिमासि भवद्विगुणं तदानरपतिर्जन शोक विधायकः ।। दुर्गेशः शनिः फलम् ।। रवि सुते गढ़पालिनि विग्रहै : सकल देश गत्ताश्चलिता जनाः विविधवैरि विशेषित नागराः कृषि धनं लभते भुवि कश्चनः ।। कीलक नामसंवत्सरः फलम् ।। कीलकाब्देत्वीति भीतिः प्रजा क्षोभ नृपावहौ । तथापिवर्धते लोकाः सम धान्यार्घ वृष्टिभिः ।। वर्षनाम मार्गशीर्षः फलम् ।। कार्पासादिमहर्घस्यात् गोधूमापतिलादिकम् । मेघोवर्षति देवो वा मार्गशीर्षे विशेषतः ।। रोहिणी निवासः संधौफलम् ।। खंड वृष्टि श्च संधिषु ।। मेघनामपुष्करस्तत्फलम् । पुष्करे मंद वृष्टिः स्यात् ।। समयनिवासोवणिक् गृहे फलम् ।। वाणिक् गृहे शुभंनास्ति ।। एवं संचित्यदैवज्ञैः कथनीयम् शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृष्णा ८ शुक्रे अनु. ल. गो.(सीग्रांगः)रे.७।ऽ।।।ऽनृऽ।।।
,, ४ शनौ मूले ल. १० रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, ७ चन्द्रे उषा. ल. गो. (सोग्रांगः) व ९ (घ ४३।११ उ) गु. पू. सत्
शुक्ला २ गुरौ. रोहि. ल. १० रे. ८ ।।।।।ऽरो.ऽ।।।
,, ८ बुधे मघा. ल. ९ (घ. ४४।७ उ) गु. पू. सत् रे.८।।।।।।ऽऽ।गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः
,, ९ गुरौ मघा. ल. गो. (सोग्रांगः) ल. ९ (गु. पू. सत्) रे. ८ ।।।।।ऽऽ। ग. क्रांति-साम्याऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १ गुरौ. अनु. ल. ९।१० (धनुषि गु. पू.)
,, ४ रवौ उषा ल. १० रे. ६ ।।।ऽबुऽऽऽ।। पादतोवेधाभावः
,, ११ शनौ रेव. ल. ऽन्यगो १० रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
शुक्ला ८ शुक्रे उफा ल.गो.१०रे.८ऽ।।।।।(नृ४२उ)ऽ।।।

आषाढमासः

कृष्णा ८ शुक्रे रेव ल. १०।२ (मकरे गु. पू.) रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
,, ९ शनौ रेव. ल. ऽन्यगो रे. ७।।।।ऽऽचौ.ऽ।।
शुक्ला ४ भौमे मघा ल. २ रे. ७ ।।।।।ऽचौ.ऽऽ।।
,, ७ शुक्रे उफा ल. ऽन्यगो १० रे. ७।ऽ।।।।ऽऽ।। मकरे गु. पू. घ. ३८।५३ या.
,, ७ शुक्रे हस्ते ल. २ (घ. ५५।४९ या) रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।
,, १० चन्द्रे स्वात्यां ल. गो. १० रे. ८ ।।।।ऽ।ऽ।।। मकरे गु. पूज्यः

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला १५ शनौ मृगे ल. ५ घ. ४१।३१ उ. रे. ६ ।ऽ।।ऽ।।ऽसूऽआऽ।।

पौष मासः

कृष्णा १ रवौ मृगे ल. गो. ५ घ. ४०।३८ या. रे. ७ ।ऽ।।ऽसू।।ऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ६ भौमे. ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) रे. ८ ऽऽ।।।।।।।।

चैत्र मासः

कृष्णा ३ चन्द्र स्वात्यां ल. गो. (भौ. ८ महादोषः ल. १० गु. पू. सत् रे. ६ ।।।।।ऽचौ।ऽऽऽ दग्धा गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः
,, ४ भौमे स्वात्यां ल. गो. रे.८ ।।।।।।।ऽऽ। गो. भौमाष्टम महादोषः

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः १०९०स.२०१४
१	चं	३९	२	रे	४३	३५	ऐं	४२	४२	किं	११	४१	३०	५५	६	१०	२९	३१	मे.४३।३५	रेवत्यां रविः २६ (सौरः ३३०) कुंभे शुक्रः ÷
२	मं	३५	२०	अ	४२	८	वै	३७	२६	बा	७	११	४९	५०	१०	११	३०	१	मेषे	चंद्र दर्शनम् अप्रेल ४ ता.३० सिंघारा
३	बु	३३	३६	भ	४२	३७	वि	३३	३७	तै	४	१९	५३	४९	११	१२	१	२	वृ.५८।११	जमादिलाखर ६ मत्स्यजयंती गणगौरी
४	गु	३३	३३	कृ	४४	५४	प्री	३१	२२	व	३	३४	५७	४९	११	१३	२	३	वृषे	भ.३।३४उ.३३।३३या.
५	शु	३५	४४	रो	४९	३	आ	३०	४४	ब	४	३७	३१	४८	१२	१४	३	४	वृषे	मीने बुधः १२।८
६	श	३९	२८	मृ	५४	४६	सौ	३१	५	कौ	७	३५	५	४७	१३	१५	४	५	मि. ३१	[÷८।३६संवत्सरारंभः नवरात्रा.
७	र	४४	५०	आ	६०	०	शो	३२	५४	ग	१२	९	८	४६	१४	१६	५	६	मिथुने	भ.५४उ.उभा.बुधः७।४५शतेशुक्रः२७।५५
८	चं	५०	३९	आ	१	४०	अ	३५	२	वि	१७	४४	१२	४६	१५	१७	६	७	कं.५२।१४	भ.१७।४४या.
९	मं	५७	२	पु	९	५	सु	३७	२४	बा	२३	५०	१६	४५	१५	१८	७	८	कर्के	रामनवमी
१०	बु	६०	०	पु	१६	३८	धृ	३९	४५	तै	३०	५	१९	४४	१६	२९	८	९	कर्के	[×बुधास्तः पूर्वस्यां ३६।४५
१०	गु	३	७	श्ले	२३	५३	शू	४१	२६	ग	३	७	२३	४३	१७	२०	९	१०	सिं. ३३	भ.३५।५४उ.
११	शु	८	४१	म	३०	५	गं	४२	१७	वि	८	४१	२६	४३	१७	२१	१०	११	सिंहे	भ.८।४१या.कामदा ११व्रतम्
१२	श	१२	५२	पू	३४	४९	वृ	४२	५	बा	१२	५२	३०	४२	१८	२२	११	१२	कं ५०।४३	प्रदोषः
१३	र	१५	४४	उ	३८	२६	ध्रु	४०	४५	तै	१५	४४	३४	४१	१९	२३	१२	१३	कन्यायां	रेवत्यां बुधः ३९।९ वक्रीहस्ते भौमः ३१७×
१४	चं	१६	५८	ह	४०	४४	व्या	३८	२४	व	१६	५८	३८	४०	२०	२४	१३	१४	कन्यायां	भ.१६८उ.५६७या.अश्वि.मेषेऽर्कः १।५३ A
१५	मं	१६	५५	चि	४१	३३	ह	३४	५२	ब	१६	५५	४२	४०	२०	२५	१४	१५	तुं.११।८	हनुमज्जयंती [A (सौरः ७।४)

५२पं. चै.शु.६श.इ. ४६।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	२	१०	६	६	११
२१	२६	२	१७	५	२८	५	२१
१३	१	४२	५०	५५	२३	१०	४८
३१	१६	४०	५६	४८	५३	१५	४६
५९	३१	०	५	६३	१५	३	५९
४	व.	४५	४४	२३	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

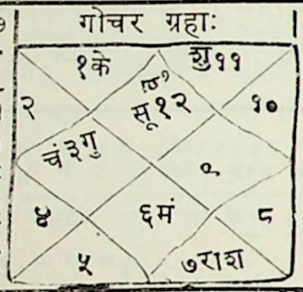

चैत्र शुक्ले १४ चंद्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

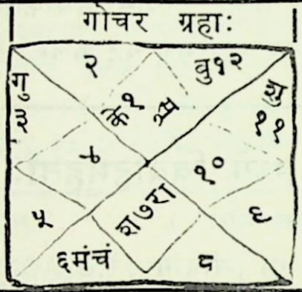

१पं.चै.शु.१४चं.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	११	२	१०	६	६	११
०	२३	१७	१८	१४	२७	४	२९
०	४	२३	४१	४७	५५	४४	५५
०	३४	३१	२४	४२	१	१०	० ०
५८	३०	३६	०	७	६५	५३	३	५८
४४	व.	५३	५०	१७	व.	११	४५

ति	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वसंततू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु	१५	१८	स्वा	४१	१०	व	३०	२६	कौ	१५	१८	३१	३९	२६	२६	१५	१६	तुलायां	
२	गु	१२	४३	वि	३९	४३	सि	२५	१४	ग	१२	४३	५०	३८	२२	२७	१६	१७	वृ.२५।५	भ.४०।५९उ.
३	शु	९	१५	अ	३७	३४	व्य	१९	२९	वि	९	१५	५३	३७	२३	२८	१७	१८	वृश्चिके	भ.९।१५या.पूभा.शुक्रः४७।५१चतुर्थी व्र.
४	श	४	५६	ज्ये	३५	२	व	१३	४	बा	४	५६	५७	३७	२३	२९	१८	१९	ध.३५।२	
५	र	०	३२	मू	३२	१३	प	४०	५३	तै	०	३२	३२	३६	२४	३०	१९	२०	धनुषि	भ.५५।४३उ.अश्वि.मेषे बुधः २८।४६
६	र	५५	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	चं	५०	४५	पू	२९	१०	सि	५३	१	वि	२३	१४	५	३५	२५	१	२०	२१	म.४३।२१	भ.२३।१४या.भा.वैशाखारंभः
८	मं	४५	३५	उ	२५	५४	सा	४५	५४	बा	१८	६	९	३४	२६	२	२१	२२	मकरे	
९	बु	४०	१६	श्र	२२	२५	शु	३८	४६	तै	१२	५२	१२	३४	२६	३	२२	२३	कुं.५०।३९	
१०	गु	३४	४७	ध	१८	५३	शु	३१	३२	ब	७	३१	१६	३३	२७	४	२३	२४	कुम्भे	भ.७।३१उ.३४।४७पुन.१गुरुः ३०।१६
११	शु	२९	१९	श	१५	२८	ब्र	२४	२८	ब	१	५९	२०	३२	२८	५	२४	२५	मी. ५७	वरुथिनी ११व्र.
१२	श	२४	०	पू	११	५४	ऐं	१७	३२	तै	२४	०	२३	३१	२९	६	२५	२६	मीने	भरण्यां बुधः ३९।४२ प्रत्रोषः
१३	र	१९	११	उ	८	५९	वै	१०	५९	व	१९	११	२७	३१	२९	७	२६	२७	मीने	भ.१९उ.४७या.भरण्यारविः ४२ (सौरः =
१४	चं	१५	१	रे	६	४४	वि	५	१०	श	१५	१	३१	३०	३०	८	२७	२८	मे.६।४४	[= ४८।२९) मीने शुक्रः ४६।४०
१०	मं	१३	२	अ	५	३०	प्री	१४	५७	ना	१३	२	३४	२९	३१	९	२८	२९	मेषे	

२पं.वै.कृ.७चं.इ.२।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	२	१०	६	६	०
६	२०	१	१९	२२	२७	४	६
५०	३८	८	३२	२९	२८	२१	४५
४२	२४	१३	१७	१७	१	५४	११
५८	२६	५९	०	७	६६	१०	३	५८
३१	व.	४४	५९	४३	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चना बाजरा मूंग मोठआदि सोना चांदी लोहा गुड सक्कर वस्त्र रुई वारदाना मदे हो ।

गोचर ग्रहाः

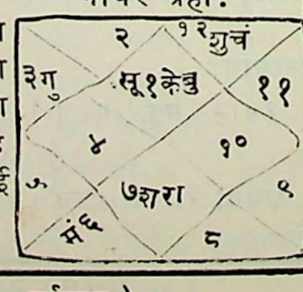

३पं.वै.कृ.१४चं.इ. २।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	२	११	६	६	०
१३	१८	१६	२०	०	२६	३	१३
३९	२५	५	२९	१७	५८	५९	३३
४७	१२	२८	२८	५३	३७	३९	३६
५८	१९	२९	८	६७	२८	३	५८
१९	व.	३४	५०	५४	व.	११	१२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	बैशाख शुक्लपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः११२०स.२०१४
१	बु १०२७	भ	५	४८	सौ	५२	४५	ब	१०२७	३३ ३८ २८ ३६	१०२९३०	वृ.२१।१६	उभा. षुक्रः ४३।२१ चंद्रदर्शनम्
२	गु १०२२	कृ	७	३८	शो	५२	३१	कौ	१०२२	४१ २८ ३२	११ १ १	वृषे	मई ५ ता.३१ रज्जव ७ परशुरामजयंती
३	शु १२ २	रो	१०	५६	अ	५२	६	ग	१२ २	४५ २७ ३३	१२ २ २	मि४३।२०	भ. ४३।४० उ. कृत्ति. बुधः ५८।१६ ×
४	श १५१८	मृ	१५	४४	सु	५३	७	वि	१५१८	४८ २६ ३४	१३ ३ ३	मिथुने	भ. १५।१८या. [×वक्री विशा.२ शनिः÷
५	र २०१३	आ	२२	१४	धृ	५५	५	बा	२०१३	५२ २६ ३४	१४ ४ ४	मिथुने	वृषे बुधः ३५।४८ पातस्पर्शः ५६।११
६	चं २५३८	पु	२६	११	शू	५७	२६	तै	२५३८	५५ २५ ३५	१५ ५ ५	क.१२।२३	पातमोक्षः २६।२३ [÷२७।६ अक्षया ३
७	मं ३१५३	पु	३६	४५	गं	५६	५२	व	३१५३	५८ २४ ३६	१६ ६ ६	कर्के	भ. ३१।५३ उ.
८	बु ३८ ८	श्ले	४४	७	वृ	६०	०	वि	५ ०	३३ २४ ३६	१७ ७ ७	सिं. ४४	भ. ५।० या. बुधोदयः पश्चिमायां २३
९	गु ४३४६	म	५१	१	वृ	२	४	बा	१०५८	५ २३ ३७	१८ ८ ८	सिंहे	[+अश्वि. १ केतुः ३१।८ मोहिनी ११ ब्र.
१०	शु ४८१७	पू	५६	३५	धु	३	२६	तै	१६ ३	८ २२ ३८	१९ ९ ९	सिंहे	रोहि. बुधः ३६।०
११	श ५११६	उ	६०	०	व्या	३	५४	व	१९४६	११ २२ ३८	२० १० १०	कं.१२।३५	भ. १९ उ. ५३ या. चित्रा. ३ राहुः +
१२	र ५२२५	उ	०	३६	ह	३	३	ब	२१५०	१४ २१ ३९	२१ ११ ११	कन्यायां	कृति. रविः २८।६ (सौरः ३६।२१)
१३	चं ५१५५	ह	३	५	व	५३	५६	कौ	२२१०	१७ २१ ३९	२२ १२ १२	तु.३३।१५	रेवत्यां शुक्रः २६।३५ प्रदोषः
१४	मं ४९२६	चि	३	२५	व्य	५२	१२	ग	२०१०	२० २० ४०	२३ १३ १३	तुलायां	भ. ४९।२६ उ. नृसिंह जयंती
१५	बु ४५३६	स्वा	२	५७	प	४६	१३	वि	१७३१	२३ १९ ४१	२४ १४ १४	वृ.४५।३२	भ. ५५ या. वृषेऽर्कः ५५ यमायकुंभदा

४पं.बै.शु.६चं.इ. २।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	२	११	६	६	०
२०	१६	०	२१	८	२६	३	२०
२७	४२	५५	३२	१२	२७	३७	२०
२५	४	५	४६	३२	५४	२३	२१
५८	१३	३९	९	६८	४०	३	५७
६	१९	३	४०	५१	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले १५बुधे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

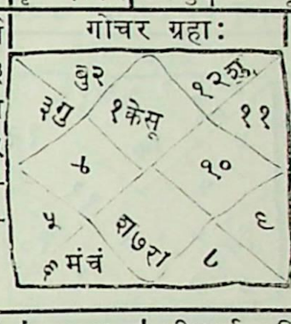

५पं.बै.शु.१३चं.इ.२।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	२	११	६	६	०
२७	१५	१४	२२	१६	२५	३	२७
१३	३८	२५	४१	१२	५६	१५	५
३७	१३	३४	२०	२९	२	८	३५
५७	२९	८	१०	६९	४०	३	५७
५४	व.	२९	२३	३८	व.	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेबैशाखकृष्णेति महा.
१	गु ४०३०	अ	५६	३५	प	३९	१६	बा	१३ ३	३३ १९ ४३	२५१५१५	वृश्चिके	वृषेऽर्कः सौरः ४।८ पुन. २ गुरुः ५७।१२
२	शु ३४३५	ज्ये	५२	७	शि	३१	३८	तै	७३२	२८ १८ ४२	२६१६१६	ध.५२।७	
३	श २८१३	मृ	४७	५६	सि	२३	४६	व	१२४	३१ १८ ४२	२७१७१७	धनुषि	भ. १।२४ उ. २६ या. मृगे बुधः ३५ ÷
४	र २१४७	पू	४३	३७	सा	१६	१	बा	२१४७	३४ १७ ४३	२८१८१८	म.५७।३६	[÷ मार्गी भौमः ५३।४४ चतुर्थी व्रत
५	चं १५२८	उ	३९	३२	शु	८	१६	तै	१५२८	३७ १७ ४३	२९१९१९	मकरे	
६	मं ९२८	श्र	३५	३४	शु	३७	५२	व	९२८	३९ १६ ४४	३० २० २०	मकरे	भ. ९।२८ उ. ३६।४३ या.
७	बु ३५८	ध	३२	१९	ऐं	४६	३७	ब	३५८	४२ १६ ४४	३१२१२१	कुं. ३।५६	
८	बु ५४५८	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	
९	गु ५४२०	श	२९	३५	वै	४०	१७	तै	२६४५	४४ १५ ४५	१२२२	कुंभे	मिथुने बुधः २१।१६ भा. ज्येष्ठारंभः
१०	शु ५०१६	पू	२७	१४	वि	३४	४०	व	२२१७	४७ १५ ४५	२ २३ २३	मी.३१	भ. २२ उ. ५९ या. आश्वि. मेषे शुक्रः ४९
११	श ४६५७	उ	२५	३८	प्री	२८	५८	व	१८३६	४९ १४ ४६	३ २४ २४	मीने	अपरा ११ ब्र.
१२	र ४४११	रे	२५	२	आ	२४	२०	कौ	१५४०	५२ १४ ४६	४ २५ २५	मे.२५।२	रोहि. रविः १८।५५ (सौरः ३०।१६)
१३	चं ४२३८	अ	२४	३१	सौ	२०	२७	ग	१३२४	५४ १३ ४७	५ २६ २६	मेषे	भ. ४२।३८ उ. प्रदोषः
१४	मं ४२ ६	भ	२५	४१	शो	१७	२८	वि	१२२२	५६ १३ ४७	६ २७ २७	बृ ४१।१३	भ. १२।२२ या.
३०	बु ४२४६	कृ	२७	५०	अ	१५	१७	च	१२२६	५८ १२ ४८	७ २८ २८	वृषे	वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ. ५च.इ. ३।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	२	११	६	६	१
३	१५	२५	२३	२४	२५	२	३
५८	६	२२	५४	१५	२४	५२	४९
३७	०	३४	४	५८	४३	५२	२८
५७	१	८३	११	७०	३५	३	५७
४४	मा	५८	०	२३	व	११	३४

गोचर ग्रहाः

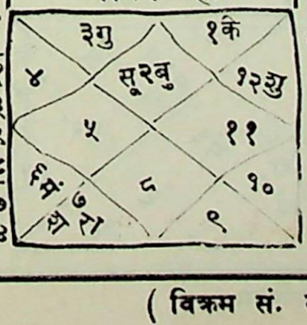

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर सरसों मंदे होगे धातु सोना चांदी ताम्बा वस्त्र गुड़ सक्कर तेज हो।

गोचर ग्रहाः

७पं.ज्ये.कृ.१३चं.इ.३।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	२	२	०	६	६	१
१०	१५	३	२५	२	२४	२	१०
४२	१८	२१	१२	२३	५४	३०	३१
२९	१४	०	२२	३८	१४	३७	२९
५७	६	५१	११	७१	४	३	५७
३५	३२	१६	३७	३	२०	११	२३

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ११४९स.२०१४
१	गु ४४ ४६ रो ३१ १४ सु १४ २३ कि १३ ४६	३४ ५ ० १२ ४८	८ २८ २९	वृषे	आर्द्रा. बुधः ५५।५७
२	शु ४८ ८ मृ ३५ ५० धृ १३ ५९ बा १६ ३०	२ १२ ४८	९ २९ ३०	मि ३।३२	चंद्रदर्शनम्
३	श ५२ ५४ आ ४१ ५५ शू १४ ५६ तै २० ३१	३ ११ ४९	१० १ ३१	मिथुने	सावान ८
४	र ५८ ९ पु ४८ ३४ गं १६ १६ व २५ ३१	५ ११ ४९	११ २ १	क.३१।५५	भ. ३५/१ उ. ५८।९ या. पुन. ३ गुरुः ÷
५	चं ६० ० पु ५६ ८ धृ १८ २७ ब ३१ ९६	७ ११ ४९	१२ ३ २	कर्के	[÷ ३९।५८ जून ६ ता. ३०
५	मं ४ २४ श्ले ६० ० धु २१ १० बा ४ २४	९ १० ५०	१३ ४ ३	कर्के	
६	बु १० ३४ श्ले ३ ३९ व्या २३ ३९ तै १० ३४	१० १० ५०	१४ ५ ४	सिं३।३९	भरण्यां शुक्रः २२।७
७	गु १६ ३५ म ११ २ ह २५ ४४ व १६ ३५	१२ १० ५०	१५ ६ ५	सिंहे	भ. ३५/६ उ. ४९/१ या. वक्री बुधः ५४।२१
८	शु २१ ३२ पू १७ २६ व २६ ५१ ब २१ ३२	१३ ९ ५१	१६ ७ ६	कं.३३।४३	
९	श २५ १४ उ २२ ३६ सि २७ ० कौ २५ १४	१५ ९ ५१	१७ ८ ७	कन्यायां	
१०	र २७ ४ ह २६ १ व्य २५ ३९ ग २७ ४	१६ ९ ५१	१८ ९ ८	तु.५६।४७	भ. ५७।४ उ. मृगे रविः १३।४८ ×
११	चं २७ ५ चि २७ ३३ व २२ ४५ वि २७ ५	१७ ९ ५१	१९ १० ९	तुलायां	भ. २७।५ या. निर्जला ११ व्र.
१२	मं २४ ४७ स्वा २७ ७ प १८ २२ बा २४ २७	१८ ८ ५२	२० ११ १०	तुलायां	बुधास्तः पश्चिमायां २७।१२ प्रदोषः
१३	बु २० ४९ वि २४ ३८ शि १२ २५ तै २० ४९	१९ ८ ५२	२१ १२ ११	वृ.१०।१६	[×(सौरः २९।६) गंगादशमी
१४	गु १४ ५८ अ २० ३८ सि ५९/५४ व १४ ५८	१९ ८ ५२	२२ १३ १२	वृश्चिके	भ. १४।५८ उ. ४१।२४ या.
१५	शु ७ ५० ज्ये १५ १७ शु ४० ५४ ब ७ ५०	२० ८ ५२	२३ १४ १३	ध.१५।१७	गुर्जराणां वट सावित्री व्रतम्

८पं.ज्ये.शु. ४चं.इ.३।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	२	२	०	६	६	१
१७	१६	७	२६	१०	२४	२	१७
२५	५	५४	३२	३४	२५	८	१२
१९	१०	२५	४२	३०	२३	२१	३९
५७	११	१६	१२	७१	४/४	३	५७
२२	५८	५२	८	२९	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

कृष्ण पक्ष में तिथी घटे शुक्ल पक्ष बढ जाय। एक चीज की क्या कहे सभी चीज बढ जाय।। इस मास में धातु तेज रहे।

गोचर ग्रहाः

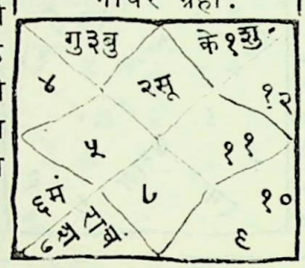

९ पं.ज्ये.शु.११चं.इ. ३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	२	२	०	६	६	१
२४	१७	८	२७	१८	२३	१	२३
७	२३	४६	५६	४८	५८	४६	५२
१९	५३	५५	२	१४	५५	५	३१
५७	१६	१३/४७	१२	७१	४/३	३	५७
२२	१७	व	२६	१०	व	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७१	शाकः १९३६	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	शु ५२ ६	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	
२	श ५२ ३९	मृ ९ २४	शु ३८ ३२	तै २६ १७	३४/१ ५/८ ५३	२४ १५ १४ धनुषि
३	र ४३ १०	पू १७/३ ५३/३	व्र २९ ११	व १७ ५९	२१ ८ ५२	२५ १६ १५ म.१६।४६
४	चं ३५ २७	श्र ५१ ३६	ऐं २० ०	ब ९ २६	२२ ८ ५२	२६ १७ १६ मकरे
५	मं २८ २०	ध ४६ ५६	वै ११ २७	कौ १ ४४	२२ ८ ५२	२७ १८ १७ कुं.१९।१६
६	बु २२ ५	श ४३ २	वि २८/३ ५३/३	व २२ ५	२३ ७ ५३	२८ १९ १८ कुंभे
७	गु १७ २	पू ४० १७	आ ५० १५	ब १७ २	२३ ७ ५३	२९ २० १९ मी२५।५८
८	शु १२ ५८	उ ३८ ५४	सौ ४५ ५	कौ १२ ५८	२३ ७ ५३	३० २१ २० मीने
९	श १० १६	रे ३८ ३५	शो ४० ५४	ग १० १६	२४ ७ ५३	३१ २२ २१ मे.३८।३५
१०	र ८ २४	अ ३९ १२	अ ३७ ३४	वि ८ २४	२४ ७ ५३	१ २३ २२ मेषे
११	चं ७ ५०	भ ४१ ११	सु ३५ १७	बा ७ ५०	२४ ७ ५३	२ २४ २३ वृ ५६।५५
१२	मं ८ ४०	कृ ४४ ५	धृ ३३ ५१	तै ८ ४०	२४ ७ ५३	३ २५ २४ वृषे
१३	बु १० १८	रो ४८ ११	शू ३३ ३१	व १० १८	२४ ७ ५३	४ २६ २५ वृषे
१४	गु १३ १३	मृ ५३ १९	गं ३३ २६	श १३ १३	२३ ७ ५३	५ २७ २६ मि. २५/१ मिथुने
१५	शु १७ २	आ ५९ २२	वृ ३४ २३	ना १७ २	२३ ७ ५३	६ २८ २७ मिथुने

१० पं.आ.कृ.४चं.इ.३।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	२	०	६	६	२
०	१९	६	२९	२७	२३	१	०
४८	१२	१६	२२	४	२६	२३	३१
३६	४	२६	३०	१२	०/५०	४०	
५७	२०	३/१	१२	७२	११/३	३	५६
१७	२२	व	५१	१६	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

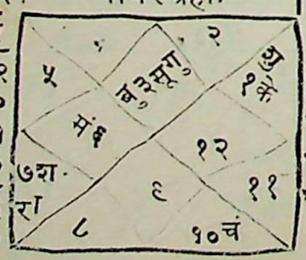

आषाढ कृष्णे ३ रवौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ६ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

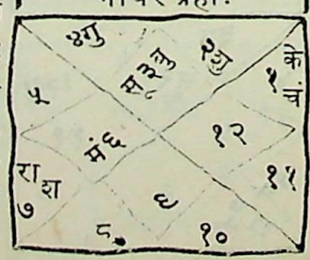

११पं.आ.कृ.११च. इ. ३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	१	६	६	२
७	२१	२	०	५	२३	१	७
२९	२४	५०	५१	२२	१६	११	१०
३१	३६	१७	२२	१९	५	२४	७
५७	२३	३/३	१३	७२	५/१	३	५६
१३	२२	व	१४	३७	व	११	५४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	अषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ११७९स. २०१४
१	श २२ ५ पु ६० ० ध्रु ३६ ० ब २२ ५	३३ ५६	७ २९ २८	क ४९।३७	चित्रा.भौमः ३३।३१
२	र २७ २६ पु ६ २ व्या ३८ १० कौ २७ २६	२२ ८५२	८ ३० २९	कर्के	बुधोदयःपूर्वस्यां ३२चंद्रदर्शनं रथयात्रा
३	चं ३२ ३९ पु १३ ३१ ह ४० ३० तै ० २	२१ ८५२	९ १ ३०	कर्के	रमजान९
४	मं ३९ ५२ श्ले २० ४८ व ४२ ५३ व ६ १६	२० ८५२	१० २ १	सिं २०।४८	भ ६।१६उ.३९।५२या.जौलाई७ता. ३१
५	बु ४६ ९ म २८ ४१ सि ४५ ४० ब १३ १	१९ ८५२	११ ३ २	सिंहे	मार्गीबुधः५६।३८
६	गु ५१ २३ पू ३५ ४३ व्य ४७ ४१ कौ १८ ४६	१८ ८५२	१२ ४ ३	कं.५२।१५	
७	शु ५५ ४९ उ ४१ ५३ व ४८ ४३ ग २३ ३६	१७ ९५१	१३ ५ ४	कन्यायां	भ ५५।४९उ.पुण्य.१गुरुः३३।५२
८	श ५८ १७ ह ४६ ४४ शि ४८ ३७ वि २७ ३	१६ ९५१	१४ ६ ५	कन्यायां	भ २७।३या.
९	र ५९ ४४ चि ४९ ४४ सि ४७ १७ वा २९ १	१५ ९५१	१५ ७ ६	तु.१८।१४	पुन.रविः १०।७ (सौरः ३५।२९
१०	चं ५८ ४३ स्वा ५० ४५ सा ४४ १७ तै २९ १३	१४ ९५१	१६ ८ ७	तुलायां	
११	मं ५५ ४१ वि ४९ ४४ शु ३९ ४४ व २७ ११	१३ ९५१	१७ ९ ८	वृ.३४।५९	भ.२७उ.५५या.मृगेशुक्रः ४२देवशयनी=
१२	बु ५० ३६ अ ४६ ५१ शु ३३ ३२ ब २३ ८	११ १०५०	१८ १० ९	वृश्चिके	देवशयनी ११व्र.वैं. [=११व्र.स्मा.
१३	गु ४३ ३४ ज्ये ४२ २ शु २५ ५० कौ १७ ५	१० १०५०	१९ ११ १०	ध. ४३	प्रदोषः
१४	शु ३६ १० मू ३५ ५२ ब्र १६ ४४ ग ९ ५२	८ १०५०	२० १२ ११	धनुषि	भ.३६।१०उ. [×मीनेकेतुः ३४व्यासपूज
१५	श २६ २ पू २८ ५१ ए ५५ ४९ वि १ ६	७ ११ ४९	२१ १३ १२	म.४१।५७	भ.१या.चित्रा२कन्यायांकेतुः रेवती४×

१२पं.आ.शु.३चं.इ.३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	१	६	६	२
१४	२३	०	२	१३	२३	०	१३
९	५८	२१	२१	४२	०	३९	४८
५८	३७	२५	३६	५४	७	१२	१२
५७	२५	५४	१३	७२	५४	३	५६
७	५२	वं	२०	५६	वं.	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस माममें ५शनिवार अशुभ हैं धान्य गल्ला गुड़ शक्कर धातु सोना चांदी वस्त्र रुई तेज हो प्रजा में रोग व्यापें।

गोचर ग्रहाः

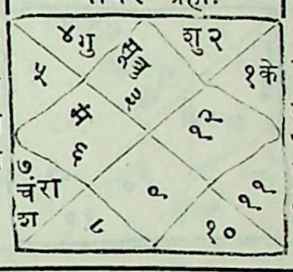

१३पं.आ.शु.१०चं.इ.३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	१	६	६	२
२०	२६	१	३	२२	२२	०	२०
५०	५१	१६	५३	५४	८	१७	२६
२४	५४	५९	३८	१७	११	३	६
५७	२८	२१	१३	७३	१०	३	५६
७	७	मा	३२	१४	च	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः स. २०७१ शाकः १९३६	दि. उ. अ.	भा. मु. इं	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	र १६ २४ उ २१ १४ वि ४५ ५६ कौ १६ २४	३४ ५६	२२ १४ १३	मकरे	वृषेशुक्रः ३४तुलायांभौमः ५९बुधस्तः+
२	चं ६ ४९ श्र १३ ४४ प्री ३५ ३० ग ६ ४९	३ ११ ४९	२३ १५ १४	कुं.४०।२३	भ.३२।१३उ.५७।३८या.आर्द्रा.बुध.१२
३	चं ५० ४९ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	० ० ०	० ०		[+पूर्वस्यां ५९अस्तंगुरौः ४८
४	मं ४९ ३७ ध ७ ३ आ २५ ४७ व २४ ८	१ १२ ४८	२४ १६ १५	कुम्भे	चतुर्थीव्रतम्
५	बु ४२ ३८ श ५७ ३७ सौ १६ ५१ कौ १६ ७	३९ १२ ४८	२५ १७ १६	मी. ४२	कर्केऽर्कः ३९।३३नाग५मरुस्थले
६	गु ३७ २२ उ ५३ ५१ शो ९ २२ ग १० ०	५७ १३ ४७	२६ १८ १७	मीने	भ.३७।२२उ कर्केऽर्कः सौरः८।१३
७	शु ३३ ४६ रे ५२ २९ अ ५३ ५५ वि ५ ३४	५५ १३ ४७	२७ १९ १८	मे.५२।४५	भ.५।३४या.
८	श ३१ ४७ अ ५२ ४५ ध्रु ५४ ७ वा २ ४६	५२ १४ ४६	२८ २० १९	मेषे	आर्द्रा शुक्रः९।१५पुष्ये.२गुरुः३६।३२
९	र ३१ २३ भ ५४ ३४ शू ५१ ५० तै १ ३५	५० १४ ४६	२९ २१ २०	मेषे	पुष्येरविः ६१(सौरः ३८)मार्गीशनिः ३९
१०	चं ३२ ४० कृ ५७ ५० गं ५० २८ व २ १	४८ १४ ४६	३० २२ २१	वृ.१०।२५	भ २।१उ. ३२।४०या
११	मं ३५ १ रो ६० ० बृ ५० २१ ब ३ ५०	४५ १५ ४५	३१ २३ २२	वृषे	कामिका ११व्र
१२	बु ३८ ४६ रो २ ३३ ध्रु ५१ ५ कौ ६ ५३	४३ १५ ४५	१ २४ २३	मि. ३५	पुन बुधः३६।२४भा श्रावणारंभः
१३	गु ४२ १७ मृ ८ ९ व्या ५२ १९ ग १० ३१	४० १६ ४४	२ २५ २४	मिथुने	भ.४२।१७उ.प्रदोषः
१४	शु ४८ ४७ आ १४ ४४ ह ५४ १३ वि १५ ३२	३८ १६ ४४	३ २६ २५	मिथुने	भ १५।३२ या.
३०	श ५४ ३१ पु २१ ४३ व ५६ १९ च २१ ३८	३५ १७ ४३	४ २७ २६	क. ४।५८	हरियाली

१४पं.श्रा.कृ.२चं. इ. ३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	३	२	६	५	२
२७	०	६	५	०	२२	२९	२७
३०	४	४२	२६	२९	४१	५४	४
४३	४४	१८	१०	४२	२१	४७	१३
५७	२९	५२	१३	७३	३१	३	५६
११	४६	२	३२	२२	वं.	११	५४

गोचर ग्रहाः

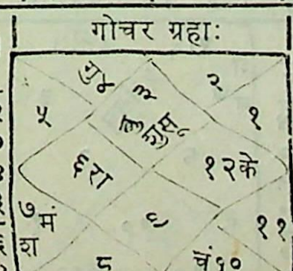

श्रावणकृष्णे५बुधेऽर्क प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था सूती) मु. ३०धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

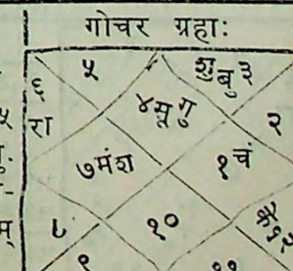

३१पं.का कृ.१०श.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	२	३	२	६	५	३
४	३१	५	६	८	२२	२९	३
११	२७	५०	५९	५५	३९	३२	४२
२८	०	१७	३५	५३	२५	३२	४०
५७	३१	९७	१३	७३	३	३	५६
१५	५८	२३	३८	३७	मा	११	५८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गण १२०८स.२०१४

१	र	६०	०	पु	२९	२	सि	५८	४१	कि	२७	३४	३	५	६	५	२८	२७	कर्क	स्वात्यांभौमः २०।५९
१	चं	०	३७	श्ले	३०	३४	व्य	६०	०	ब	०	३७	३०	१८	४२	६	२९	२८	सिं ३७।३४	चंद्रदर्शनम्
२	मं	६	५०	म	४४	१	व्य	१	११	कौ	६	५०	२७	१९	४१	७	१	२९	सिंहे	कर्केबुधः २।३३सव्वाल १०सिंधारा
३	बु	१२	५३	पू	५१	१४	व	३	५०	ग	१२	५३	२४	१९	४१	८	२	३०	सिंहे	भ. ३ उ.पुष्येबुधः ५ पुन.शुक्रः ३ तीज
४	गु	१८	२१	उ	५७	३५	प	५	४५	वि	१८	२१	२२	२०	४०	९	३	३१	क.७।४९	भ.१८।२१या.वरद४
५	शु	२२	५७	ह	६०	०	शि	७	१२	बा	२२	५७	१९	२०	४०	१०	४	१	कन्यायां	अगस्तऽता.३१नागपंचमी
६	श	२६	२१	ह	३	२०	सि	८	१	तै	२६	२१	१६	२१	३९	११	५	२	तु.३५।२५	
७	र	२८	२६	चि	७	३१	सा	७	४१	व	२८	२६	१३	२१	३९	१२	६	३	तुलायां	भ.२८।२६उ.५८।३५या.आश्लेरविः ५ ÷
८	चं	२८	४४	स्वा	१०	११	शु	६	४	ब	२८	४४	१०	२२	३८	१३	७	४	वृ.५५।५२	[÷(सौरः ३ ९ १)पुष्ये ३ गुरुः ३ ९ ०
९	मं	२७	१५	वि	११	६	शु	८	२५	कौ	२७	१५	७	२३	३७	१४	८	५	वृश्चिके	
१०	बु	२३	४६	अ	१०	१०	ऐ	५	२४	ग	२३	४६	४	२३	३७	१५	९	६	वृश्चिके	भ.५१ उ.आश्ले.बुधः ६ ० उदयंगुरोः ३ ६
११	गु	१८	१५	ज्ये	७	११	वै	४	५४	वि	१८	१५	०	२४	३६	१६	१०	७	ध.७।११	भ.१६या.कर्केशुक्रः ३ १ पवित्रा११व्र
१२	शु	११	८	मू	२१	५४	वि	३६	८	बा	११	८	३७	२५	३५	१७	११	८	धनुषि	प्रदोषः
१३	श	२	४४	उ	४९	४	प्री	२६	६	तै	२	४४	५४	२५	३५	१८	१२	९	म.९।३३	भ.५२।५७उ. [+रक्षाबंधनम्भद्रोत्तरम्
१५	र	४२	५५	श्र	४१	१४	आ	१५	३१	वि	१७	५६	५०	२६	३४	१९	१३	१०	मकरे	भ.१७।५६या.पुष्येशुक्रः ९ ० श्रावणीकर्म +

१६पं.श्रा.शु. १चं. इ.२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	२	३	२	६	५	३
१०	७	२८	८	१७	२२	२९	१०
५२	३	३	३१	२४	४१	१०	२१
३०	२९	५४	५९	४	५६	१६	५७
५७	३३	५८	१३	७३	०	३	५७
२०	४३	८	३८	४७	५३	११	५

गोचर ग्रहाः

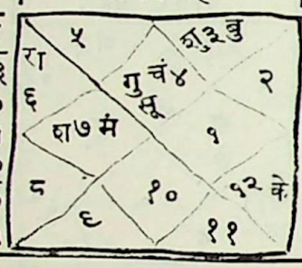

इस मास में धान्य गेहूं जौ चना मटर धातु सोना चांदी तांबा तेज हो कहीं २ वर्षा बहुत अच्छी होगी ।

गोचर ग्रहाः

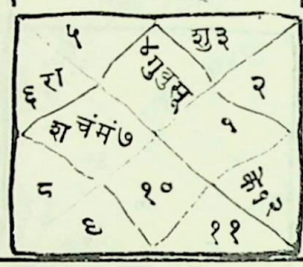

१७पं. श्रा. शु. ८चं.इ: २ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	३	२	६	५	३
१७	१०	१२	१०	२५	२२	२८	१७
३४	५३	२०	५	५४	४९	४८	१
१२	४२	३५	१३	७	१६	०	४५
५७	३५	५९	१३	७३	१	३	५७
२५	१४	९	३३	५०	३२	११	२

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६ | दि.उ अ. भा.मु इं | चन्द्रः | वर्षर्तू रविरुत्तरे श्रावण कृष्णेति महा.

१	चं	३२	४६	ध	३३	१८	सौ	३	४९	बा	७	३८	३	५	७	३	२०	१४	११	कु.७।१६	
२	मं	२३	२०	श	२५	३१	अ	४३	२	ग	२३	२०	४४	२७	३३	२१	१५	१२	कुम्भे	भ.४८।५८उ.मघा.सिंहेबुधः ३७।२४
३	बु	१४	३६	पू	१९	४	सु	३३	४१	वि	१४	३६	४०	२८	३२	२२	१६	१३	मी. ५ ४१	भ.१४।३६या.चतुर्थीव्रतम्
४	गु	७	२८	उ	१४	९	धृ	२५	२५	बा	७	२८	३७	२९	३१	२३	१७	१४	मीने	
५	शु	२१	६	रे	१०	५०	शू	१८	३२	तै	२१	६	३३	२९	३१	२४	१८	१५	मे. १०।५०	भ.५८।५०उ.चंद्रषष्ठी
६	शु	५	६	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	श	५	६	३४	अ	९	२०	गं	१३	२०	वि	२७	४२	३०	३०	३०	२५	१९	१६	मेषे	भ.२७।४२या.मघा.सिंहेऽर्कः ५९।५४
८	र	५	८	२२	भ	१०	३	वृ	९	४१	बा	२७	२८	२६	३१	२९	२६	२०	१७	बृ.२५।४०	मघा.सिंहेऽर्कःसौरः ३ ६ जन्माष्टमीव्रतम्
९	चं	६०	०	कृ	१२	३२	धु	७	३७	तै	२९	३३	२२	३२	२८	२७	२१	१८	वृषे	पुष्ये.४गुरुः ५ ५ विशा.२शनिः ५ ६ गोगा ९
९	मं	०	४४	रो	१६	५९	व्या	७	५	ग	०	४४	१९	३२	२८	२८	२२	१९	मि ४९।४२	भ.३ ३ उ.पूफा.बुधः ३ ७ विशा.भौमः ५ ६
१०	बु	४	४२	मृ	१२	२६	ह	७	४६	वि	४	४२	१५	३३	२७	२९	२३	२०	मिथुने	भ.४।४२या.बुधोदयःपश्चिमायां १८।०
११	गु	९	४३	आ	२८	५८	व	८	५८	बा	९	४३	१२	३४	२६	३०	२४	२१	मिथुने	आश्ले शुक्रः ०।४४अजा११व्र.
१२	शु	१५	४५	पु	३६	२३	मि	११	५	तै	१५	४५	८	३४	२६	३१	२५	२२	क.१९।३२	वत्सद्वादशीप्रदोषः
१३	श	२१	४७	पु	४३	४४	व्य	१३	१४	व	२१	४७	४	३५	२५	१	२६	२३	कर्के	भ.२१।४७उ.५४।५३या.भा.भाद्रपदारंभः
१४	र	२७	५८	श्ले	५१	२२	व	१५	५३	श	२७	५८	१	३६	२४	२	२७	२४	सिं. ३ २	
३०	चं	३४	४	म	५८	४६	प	१८	२१	च	१	१	३ १	३७	२३	३	२८	२५	सिंहे	कुशाग्रहणीपिठोरी ३० मन्वादिःसोमवती

१८पं.भा.कृ.१चं.इ.२।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	३	३	६	५	३
२४	१४	२६	११	४	२३	२८	२३
१६	५०	४८	३७	२५	०	२५	४२
२७	३१	३६	३४	५	४७	४५	५२
५७	३६	८	१३	७४	२	३	५७
३३	१६	४४	३२	०	११	११	२२

१९पं.भा.कृ.९चं.इ. २।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	३	३	६	५	४
०	१८	१०	१३	१२	२३	२८	०
५९	५९	२६	९	५९	१७	३	२५
५३	३५	१०	१७	२०	२०	२९	१५
५७	३७	८	१२	७४	२	३	५७
४०	१७	४८	२०	८	५०	११	३४

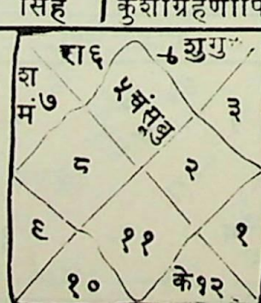

२०पं.भा कृ.३०चं.इ.१ ९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	३	१	६	५	४
७	२३	२२	१४	२१	२३	२७	७
४४	१६	५२	३९	३४	३९	४१	८
२०	३०	१२	२२	२६	३६	१४	३३
५७	३८	८	१३	७४	३	३	५७
४९	६	५९	१४	१४	३२	११	४५

(विक्रम सं. २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः स० २०७१ शाकः १९३६						दि. उ. अ.			भा. मु. इं			चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२३८स.२०१४
१	मं	३९	४६	पू	६०	०	शि	२०	३१	किं	६	५५	३३ ५७ २६	४ २९ २६	सिंहे	
२	बु	४४	४९	पू	५	५१	सि	२२	२०	बा	१२	१७	४९ ३८ २२	५ ३० २७	कं.२२।२२	उफा.बुधः१२।११ चंद्र दर्शनम्
३	शु	४९	१७	उ	११	५६	सा	२३	३८	तै	१७	३	४६ ३९ २१	६ १ २८	कन्यायां	जिल्काद ११ हरितालिका ३
४	शु	५२	१६	ह	१७	३४	शु	२४	११	व	२०	४६	४२ ४० २०	७ २ २९	तु४९।४२	भ.२९उ.५२या.कन्यायांबुधः३१गणेश ४
५	श	५४	२५	चि	२१	५०	शु	२३	५४	ब	२३	२०	३८ ४० २०	८ ३ ३०	तुलायां	पूफा.रवि.४९।३०ऋषि पंचमी
६	र	५५	१७	स्वा	२५	१७	ब्र	२२	५८	कौ	२४	५०	३४ ४१ १९	९ ४ ३१	तुलायां	पूफा.रविःसौरः३६मघा. सिंहे शुक्रः५२।०
७	चं	५४	५६	वि	२७	१०	ऐं	२१	१	ग	२५	७	३० ४२ १८	१० ५ १	वृ.११।४१	भ.५४।५६उ.सितम्बर ९ ता.३०
८	मं	५२	४५	अ	२७	४४	वै	१७	३८	वि	२३	२१	२६ ४३ १७	११ ६ २	बृश्चिके	भ.२३।२१या.
९	बु	४९	५	ज्ये	२६	४२	वि	१३	११	ना	२०	५५	२२ ४४ १६	१२ ७ ३	ध.२६।४२	आश्ले.१गुरुः३२।२३
१०	गु	४३	५०	मू	२४	१०	प्री	७	१४	तै	१६	२८	१८ ४४ १६	१३ ८ ४	धनुषि	हस्ते बुधः४९।२६बृश्चिकेभौमः४१।१
११	शु	३७	१४	पू	२०	७	आ	१९	५३	व	१०	३३	१५ ४५ १५	१४ ९ ५	म.३३।४४	भ.१०।३३उ.३७।१४या.जलझूलनी११व्र.
१२	श	२९	२०	उ	१४	४९	शो	४२	५५	ब	३	१८	११ ४६ १४	१५ १० ६	मकरे	वामनजयंती प्रदोषः
१३	र	२०	२०	श्र	८	२०	अ	३२	५२	तै	२०	२०	७ ४७ १३	१६ ११ ७	कुं.३४।४०	
१४	चं	१०	४५	ध	१	५३	सु	२२	१८	व	१०	४५	३ ४७ १३	१७ १२ ८	कुंभे	भ.५५उ.३७या.अनंत१४महालयारंभः
१५	मं	१	८	पू	४६	६	धृ	११	३७	ब	१	८	३९ ४८ १२	१८ १३ ९	मि. ३३	अनु.भौमः४१।१२

२१पं.भा.शु.७ चं.इ. ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	३	४	६	६	४
१४	२७	४	१६	०	२४	२७	१३
३०	४२	१४	७	१२	३	१८	५३
०	०	३१	४१	११	२५	५८	४५
१८	३८	९५	१२	७४	४	३	५७
१	५	२०	५३	२०	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद कृष्णे ७ शनौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५कुमार्यवस्था (बैठी मु.१५ धान्यादिभावे महर्धता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

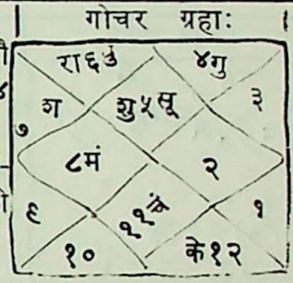

२२ पं.भा.शु १४श.इ.४१							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	३	४	६	५	४
२१	२	१४	१७	८	२४	२६	२०
१७	१३	३६	३३	५०	३२	५६	४०
२	४४	१८	४०	३१	२८	४२	२५
५८	४०	८६	१२	७४	४	३	५८
१३	१	१४	२८	२६	४२	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेभाद्र. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	५०	४५		०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०		
२	बु	४३	५५	उ	३९	४८	शू	३३	५०	तै	१७	५९	३० ४९ ११	१९ १४ १०	मीने	
३	गु	३७	१५	रे	३४	४६	बृ	४३	४९	व	१०	३६	५१ ५० १०	२० १५ ११	मे३४।४६	भ.१०।३६उ.३७।१५या.पूफा.शुक्रः३८
४	शु	३२	२८	अ	३१	२०	धु	३६	३३	ब	४	५२	४७ ५१ ९	२१ १६ १२	मेषे	चतुर्थी व्रतम्
५	श	२९	४०	भ	३०	१०	व्या	३१	५	कौ	१	३४	३३ ५१ ९	२२ १७ १३	वृ.४५	उफा.रविः३३चित्रा.१राहुःरेवती.३ +
६	र	२९	१९	कृ	३१	८	ह	२७	३१	ब	२९	१९	३९ ५२ ८	२३ १८ १४	वृषे	भ.२९उ.उफा.रविःसौरः३१चित्रा. ÷
७	चं	३०	४६	रो	३४	७	व	२५	२७	वि	०	२	३५ ५३ ७	२४ १९ १५	वृषे	भ.०।२या. [+केतुः१६।५६
८	मं	३४	२०	मृ	३८	५४	सि	२५	१९	बा	२	३३	३१ ५४ ६	२५ २० १६	मि ३०	कन्यायामर्कः५९।१६ [÷बुधः४४।२१
९	बु	३९	८	आ	५४	५५	व्य	२६	१	तै	६	४३	९७ ५५ ५	२६ २१ १७	मिथुने	कन्यार्कःसौरः३६मातृ९(सौभाग्यवतीनां=
१०	गु	४५	१०	पु	५२	१३	व	२७	४३	व	१२	९	२२ ५६ ४	२७ २२ १८	क.३५।२३	भ.१२।९उ.४५।१०या. [= श्राद्ध)
११	शु	५२	२३	पु	५९	४३	प	३०	१	व	१८	४७	१८ ५६ ४	२८ २३ १९	कर्के	इंदिरा ११ब.
१२	श	५८	४९	श्ले	६०	०	शि	३२	२४	कौ	२५	३६	१४ ५७ ३	२९ २४ २०	कर्के	तुलायां बुधः३७आश्ले.२गुरु, ३६।४५
१३	र	६०	०	श्ले	७	३०	सि	३४	५७	ग	३१	५२	९ ५८ २	३० २५ २१	सिं. ३०	प्रदोषः
१३	चं	४	५४	म	१४	४७	सा	३७	१	व	४	५४	५ ५९ १	३१ २६ २२	सिंहें	भ.४।५४उ.३७या.उफा.शुक्रः२२।५५ *
१४	मं	१०	१९	पू	२१	३७	शु	३८	४५	श	१०	१९	३० ० ०	१ २७ २३	कं.३८।३	भा.आश्विनारंभःसर्वपितृ३०
३०	बु	१४	५१	उ	२७	२०	शु	३९	३३	ना	१४	५१	२९ १ ५९	२ २८ २४	कन्यायां	[*शस्त्रादि हतानां श्राद्धं

२३पं.आ.कृ.७चं.इ. ३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	३	४	६	५	४
२८	६	२३	१८	१७	२५	२६	२७
५	५१	४०	५६	३१	४	३४	२८
२४	५४	१२	२४	८	५९	२७	४२
५८	४०	७०	१२	७४	५	३	५८
२६	४०	३४	८	२६	४	११	२९

गोचर ग्रहाः

आश्वितकृष्णे ८ भौमे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु.१५धान्यादि भावेमहर्धता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

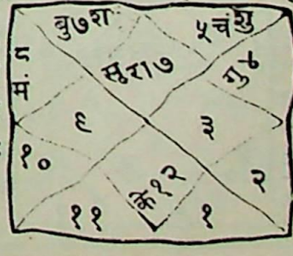

२४पं.आ.कृ.१३चं.इ. २१							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	३	४	६	५	५
४	११	१	२०	२६	२५	२६	४
५५	३६	२३	१६	१३	४०	१२	१८
१६	४	२०	२३	१६	५५	११	५०
५८	४१	५३	११	७४	५	३	४८
३८	१२	१२	३७	२७	३२	११	४५

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६										दि. उ. अ.		भा. मु. इं.		चन्द्रः	शरदृतू रविरुत्तरेऽहर्गणः १२६८ स.२०१४
१	गु	१८	२६	ह	३२	२२	व्र	३६	४०	ब	१८	२६	२९	६	५८	३ २८ २५	कन्यायां	कन्यायांशुक्रः ६ नवरावारंभः मातामह श्रा.
२	शु	२०	४७	चि	३६	१०	ऐं	३८	५७	कौ	२०	४७	४८	२	५८	४ २९ २६	तु.४।१६	चंद्र दर्शनम्
३	श	२२	१४	स्वा	३९	४	वै	३७	३१	ग	२२	१४	४४	३	५७	५ १ २७	तुलायां	भ.५३ उ.हस्तेरविः ३३ (सौरः४९।१८) ×
४	र	२२	३९	वि	४०	१५	वि	३५	२	बि	२२	३९	४०	४	५६	६ २ २८	वृ.२५।२४	भ.२२।३९या.स्वात्यांबुधः ४३।२९
५	चं	२२	२	अ	४१	४०	प्री	३१	५७	वा	२२	२	३६	५	५५	७ ३ २९	.वृश्चिके	ज्येष्ठा.भौमः २२।४८ [×जिल्हेज १२
६	मं	२०	२०	ज्ये	४१	३४	आ	२८	२	तै	२०	३०	३२	६	५४	८ ४ ३०	ध.४१।३४	
७	बु	१७	२३	मू	४०	१३	सौ	२३	८	ब	१७	२३	२८	६	५४	९ ५ १	धनुषि	भ.१७।२३उ.४५।३३या.
८	गु	१३	४३	पू	३७	५६	शो	१७	१९	ब	१३	४३	३३	७	५३	१० ६ २	म.५२।३	विशा.३शनिः २०।४८ अक्टूबर २१ता.२१
९	शु	८	५२	उ	३४	२६	अ	१०	४४	कौ	८	५२	१९	८	५२	११ ७ ३	मकरे	वक्रीबुधः १४।५१ हस्तेशुक्रः ३।२६
१०	श	२	५३	श्र	३०	८	सु	१३	५९	ग	२	५३	५	९	५१	१२ ८ ४	कु.५७।२७	भ ३९ उ. ५६ या.शुक्रास्तः पूर्वस्यां १४।२४÷
११	श	५३	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०	[÷ पापांकुशा ११ व्र.स्मार्ताः
१२	र	४७	२३	ध	२४	४६	शू	४६	१७	ब	२१	४२	११	१०	५०	१३ ९ ५	कुम्भे	पापां कुशा ११ व्र वै.
१३	चं	३९	१९	श	१८	५४	गं	३६	४९	कौ	१३	२०	७	११	४९	१४ १० ६	मी.५९	प्रदोषः
१४	मं	३१	८	पू	१२	४०	वृ	२७	१२	ग	५	१३	३	११	४९	१५ ११ ७	मीने	भ.३१ उ.१७ या.शरद् १५स्मा.कोजागरीव्र.
१५	बु	२३	२८	उ	६	४०	ध्रु	१७	५३	ब	२३	२८	२९	१२	४८	१६ १२ ८	मीने	शरद् १५वै.

२५पं.आ.शु.५चं.इ.१।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	३	५	६	५	५
११	१६	६	२१	४	२६	२५	११
४६	२५	४७	३२	५६	२०	४९	१०
५२	१	४६	३५	६	६	५६	४९
३८	४१	२६	१०	७४	५	३	५९
५३	४२	१५	५९	३२	५९	११	००

गोचर ग्रहाः

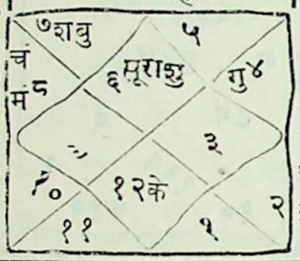

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठचना रस गन्ना गुड़ सक्कर चीनी धातु सोना चाँदी घृत में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

२६पं.आ.शु. १३चं.इ. १।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	३	५	६	५	५
१८	२१	८	२२	१३	२७	२५	१८
४०	२०	१९	४३	४०	१	२७	४
८	२४	२६	३४	४१	२३	४०	३६
५९	४२	१५	१०	७४	६	३	५९
९	१६	व.	१४	३२	२०	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६										दि. उ. अ.		भा. मु. इं.		चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	गु	१६	४०	रे	२०	५५	व्या	९	१३	कौ	१६	४०	२८	१३	४७	१७ १३ ९	से.१।२०	आश्ले.३गुरुः ४७।५४
२	शु	११	१९	भ	५४	३६	ह	२४	२३	ग	११	१९	५१	१४	४६	१८ १४ १०	मेषे	भ.३९ उ.वक्रीचित्रा.बुधः ४३ बुधास्तः +
३	श	७	३५	कृ	५३	५३	सि	४९	५२	वि	७	३५	४७	१५	४५	१९ १५ ११	वृ. २९	भ.३५ या.चित्रा.रविः ३४ करक चतुर्थी व्र.
४	र	६	११	रो	५५	१६	व्य	४६	३०	वा	६	११	४३	१५	४५	२० १६ १२	वृषे	चित्रा.रविःसौरः १९।५२
५	चं	६	३६	मृ	५८	५१	व	४४	५९	तै	६	३६	३९	१६	४४	२१ १७ १३	मि. २५	चित्रा.शुक्रः ४४।४१ [+पश्चिमायां ५२।४१
६	मं	९	१३	आ	६०	०	प	४४	३०	व	९	१३	३५	१७	४३	२२ १८ १४	मिथुने	भ.९।१३उ.४१।१९या.
७	बु	१३	२५	आ	३	५५	शि	४५	१९	व	१३	२५	३१	१८	४२	२३ १९ १५	क.५४।८	वक्री कन्यायां बुधः ५९।४१
८	गु	१९	१०	पु	१०	३६	सि	४७	१६	कौ	१९	१०	२७	१९	४१	२४ २० १६	कर्के	[÷मूले धनुषि भौमः ३।३७
९	शु	२५	१९	पु	१७	३९	सा	४९	२५	ग	२५	१९	२३	१९	४१	२५ २१ १७	कर्के	भ.५८।३४उ.तुलायामर्कः २८।१६
१०	श	३१	४९	श्ले	२५	२३	शु	५१	५९	वि	३१	३९	२०	२०	४०	२६ २२ १८	सिं. २५	भ.३१।३९या.तुलार्कःसौरः २।३६ ÷
११	र	३७	५५	म	३२	५४	शु	५४	१	ब	४	५३	१६	२१	३९	२७ २३ १९	सिंहे	तुलायां शुक्रः ३।३१ रमा ११ व्र.
१२	चं	४३	२८	पू	३९	३७	व्र	५५	४२	कौ	१०	४२	१२	२२	३८	२८ २४ २०	क.५६।६	[×पूर्वस्यां ५१।५३ रूप १४
१३	मं	४७	४६	उ	४५	३३	ऐं	५६	२९	ग	१५	३६	८	२२	३८	२९ २५ २१	कन्यायां	भ.४७।४६उ.प्रदोषःधन १३
१४	बु	५०	४६	ह	५०	१०	वै	५६	१४	वि	१९	१५	४	२३	३७	३० २६ २२	कन्यायां	भ.१९।१५या.वक्रीहस्तेबुधः २९ बुधोदय.×
३०	गु	५२	२२	चि	५३	२६	वि	५५	४	च	२१	३४	०	२४	३६	१ २७ २३	तु.२१।४८	भा.कार्तिकारंभः महालक्ष्मी पूजनम्

२७ पं.का.कृ. ५ चं. इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	३	५	६	५	५
२५	२६	३	२३	२२	२७	२५	२५
३५	२०	४५	५०	२५	४४	५	००
२	१०	५४	५६	३७	५३	२४	१८
५९	४२	५५	९	७४	६	३	५९
२१	४८	व.	३७	३५	२२	११	२१

गोचर ग्रहाः

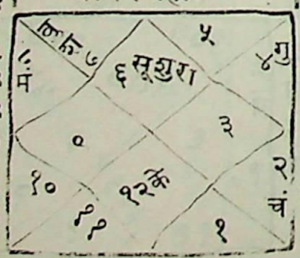

कार्तिक कृष्ण ९ शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न४प्रगलभावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तःपूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

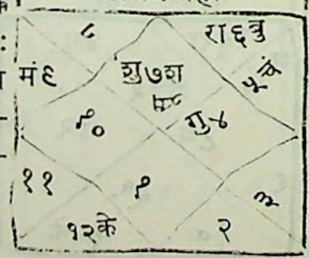

२८ पं.का.कृ. १२चं.इ. ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	३	६	६	५	६
२	१	२५	२४	१	२८	२४	१
३१	२४	५२	५१	११	३०	४३	५७
२६	४३	४१	४०	१०	२५	९	४३
५९	४३	७५	८	७४	६	३	५९
३४	२४	व.	४६	३८	५०	११	४६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Panini Kanya Maha Vidyalaya Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२९७स.२०१४
१	शु	५२	४४	स्वा	५५	२८	प्री	५२	४६	किं	२२	३२	२७	२६	३५	२	२८	२४	तुलायां	स्वात्यां रविः १९° (सौरः ४६) स्वात्यां ÷
२	श	५१	४७	वि	५६	२७	आ	४९	३५	बा	२२	१५	५३	२५	३५	३	२९	२५	वृ.४१।१२	मार्गी बुधः ३९।१९ चंद्रदर्शनम् भ्रातृ २
३	र	५०	५	अ	५६	१०	सो	४५	३८	तै	२०	५६	४९	२६	३४	४	१	२६	वृश्चिके	मोहोरम १ सन् १४३६ हि.
४	चं	४७	२९	ज्ये	५५	२५	शो	४०	४६	च	१८	४७	४५	२७	३३	५	२	२७	च ५५।२५	भ. १८।४७ उ. ४७।२९ या.
५	मं	४४	२	मू	५३	४३	अ	३५	२६	ब	१५	४६	४१	२८	३२	६	३	२८	धनुषि	चित्रा. बुधः २६।३३
६	बु	४०	१७	पू	५१	३५	सु	२९	४७	कौ	१२	१०	३७	२९	३१	७	४	२९	धनुषि	[÷ शुक्रः ४५ अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
७	गु	३५	५५	उ	४८	५७	धृ	२३	३२	ग	८	६	३४	२९	३१	८	५	३०	म.५।५६	भ. ३५।५५ उ.[=११ ब्र. तुलसी विवाह
८	शु	३०	१०	श्र	४५	५३	शू	१६	४६	वि	३	३२	३०	३०	३०	९	६	३१	मकरे	भ. ३।३२ या गोपाष्टमी
९	श	२५	४८	ध	४२	१७	गं	९	४३	कौ	२५	४८	२७	३१	२९	१०	७	१	कुं.१४।५	अस्तं शनेः २९।१९ अक्षय ९ ×
१०	र	२०	४	श	३८	१९	वृ	२०	१३	ग	२०	४	२३	३१	२९	११	८	२	कुंभे	भ. ४७ उ. विशा. ४ वृश्चिके गुरुः ३५
११	चं	१४	४	पू	३४	२	व्या	४६	३४	वि	१४	४	१९	३२	२८	१२	९	३	मी. २९	भ. १४ या.आश्ले. ४गुरुः ३३ प्रबोधिनी=
१२	मं	७	५२	उ	२९	३९	ह	३८	३४	बा	७	५२	१६	३३	२७	१३	१०	४	मीने	तुलायां बुधः ३७ विशा. शुक्रः २९ प्रदोषः
१३	बु	१	४९	रे	२५	३१	व	३०	५२	तै	१	४९	१२	३४	२६	१४	११	५	मे.२५।३१	भ. ५६ उ. पूषा. भौमः ३९ वैकुंठ १४
१४	बु	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१५	१२	६	०	[×नवम्बर ११ ता. ३०
१५	गु	५१	३५	अ	२२	१	सि	२३	३७	वि	२३	५६	९	३४	२६	१५	१२	६	मेषे	भ. ३३ या.वि.रविः ३९ मन्वादिः का.स्ना.पू.

२९पं.का.शु.४ च.इ. ०।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	३	६	६	५	६
९	६	२२	२५	९	२९	२४	८
२९	३२	५४	४७	२७	१८	२०	५७
४२	१७	३२	१७	२९	०	५३	३
५९	४३	१७	७	७४	७	३	६०
४७	४४	मा.	४९	३८	२	११	२

गोचर ग्रहाः

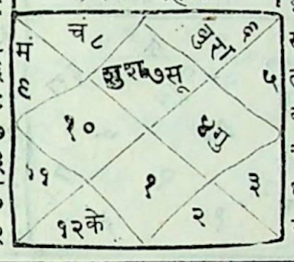

इस मास में धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा काष्ठ घृत कपास तृण घास चोपाये पशु तेज हो धान्य में तेजी अच्छी रहे।

गोचर ग्रहाः

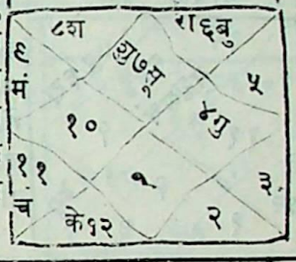

३०पं.मा.शु.११चं.इ.०।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	३	६	७	५	६
१६	११	२७	२६	१८	०	२३	१५
२९	४५	४२	३४	४५	६	१८	२८
२८	२२	४	१२	१८	२९	३८	७
६०	४३	७०	६	७४	७	३	६०
४	५६	४३	४१	३८	१४	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमंतर्तुः रविर्दक्षिणेकार्तिककृष्णेति महा.
१	शु	४८	१६	भ	१९	२६	व्य	१७	५	बा	१९	५५	२७	५	३५	२५	१६	१३	७	वृ.३४।११	विशा. रविः सौरः १।३
२	श	४६	४४	कृ	१८	२६	च	११	४७	तै	१७	३०	२	३	३६	२४	१७	१४	८	वृषे	बुधास्तः पूर्वस्याम् २७।२४
३	र	४६	४३	रो	१८	५६	प	७	३५	व	१६	४७	२६	२	३६	२४	१८	१५	९	मि५०।७	भ. १६ उ. ४६ या. स्वात्यां बुधः ४३
४	चं	४८	४६	मृ	२१	२६	शि	५	२	ब	१७	४४	५५	३७	२३	१९	१६	१०		मिथुने	चतुर्थी व्रतम्
५	मं	५२	२१	आ	२५	२६	सि	३	३५	कौ	२०	३२	५२	३८	२२	२०	१७	११		मिथुने	
६	बु	५७	३५	पु	३१	१२	सा	३	३८	ग	२४	५८	४९	३८	२२	२१	१८	१२		क.१६।४६	भ. ३५ उ. वृश्चिके शुक्रः ०।१७
७	गु	६०	०	पु	३७	५९	शु	४	५४	वि	३०	३४	४५	३९	२१	२२	१९	१३		कर्के	भ. ३०।३४ या.
७	शु	३	३४	श्ले	४५	२३	शु	६	३१	ब	३	३४	४२	४०	२०	२३	२०	१४		सि. ३५	अनु. शुक्रः ३६।५७
८	श	१०	०	म	५२	२८	ब्र	८	५८	कौ	१०	०	२९	४०	२०	२४	२१	१५		सिंहे	हस्तः ४ राहु। रेवती. २ केतुः ८।४५
९	र	१६	१९	पू	६०	०	ऐं	१२	६	ग	१६	१९	२६	४१	१९	२५	२२	१६		सिंहे	भ. ४७ उ. वृश्चिकेकर्कः २६ (सौरः ५५)
१०	चं	२१	५६	पू	०	९	वै	१३	७	वि	२१	५६	२३	४१	१९	२६	२३	१७		कं.१६।४३	भ. २१।५६ या.
११	मं	२६	२८	उ	६	२५	वि	१४	२	बा	२६	२८	३०	४२	१८	२७	२४	१८		कन्यायां	विशा. बुधः ३।२४ उत्पत्ति ११ ब्र.
१२	बु	२९	२६	ह	११	९	प्री	१४	१	तै	२९	२६	२७	४३	१७	२८	२५	१९		तु.४२।५५	अनु. रविः ४५।९
१३	गु	३०	४७	चि	१४	४१	आ	१२	५५	ग	०	४	२५	४३	१७	२९	२६	२०		तुलायां	भ. ३० उ. अनु. रविः सौरः १२।८ प्र.
१४	शु	३०	२१	स्वा	१६	२३	सो	१०	२२	वि	०	३४	२२	४४	१६	३०	२७	२१		तुलायां	भ. ०।३४ या.
३०	श	२८	२२	वि	१६	२५	शो	६	३५	ना	२८	२२	१९	४४	१६	१	२८	२२		वृ. १।२५	उषा. भौमः ३९।५१ रा. मार्गशीर्षारंभः

३१पं.मा.कृ.४ च.इ. ०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	३	६	७	५	६
२३	१७	७	२७	२७	०	२३	२३
३०	१	४	१५	३०	५५	३६	०
५०	८	३७	४३	४७	५५	२२	४०
६०	४४	८७	५	७४	७	३	६०
१७	२२	२८	४४	३२	२०	११	३०

गोचर ग्रहाः

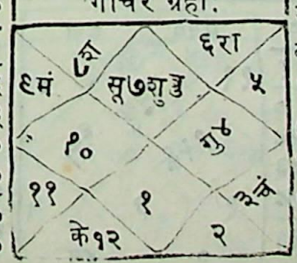

मार्गशीर्ष कृष्णे ९रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

३२पं.मा.कृ.९र.इ.५९।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	३	७	७	५	७
०	२२	१८	२७	६	१	२३	०
२३	२०	२२	४८	१७	४५	१४	४
२९	१३	२६	४७	३८	४७	६	४४
६०	४४	९२	४	७४	७	३	६०
३०	२८	१६	३२	३२	२०	१९	४०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः १३२७ स. २०१४

१	र	२५	१५	अ	१५	२३	अ	१३	५४	व	२५	१५	२६	६	५५	२	२९	२३	वृश्चिके
२	चं	२१	५	ज्ये	१३	१५	धृ	४९	२०	कौ	२१	५	१७	४५	१५	३	१	२४	ध.१३।१५
३	मं	१६	१७	मू	१०	१२	शू	४२	१०	ग	१६	१७	१२	४६	१४	४	२	२५	धनुषि
४	बु	११	८	पू	६	३९	गं	३४	५२	वि	११	८	९	४६	१४	५	३	२६	म.२०।४६
५	गु	५	५२	उ	९	५६	वृ	२७	४०	बा	५	५२	७	४७	१३	६	४	२७	मकरे
६	शु	०	३९	ध	५	१३	ध्रु	२०	२६	तै	०	३९	५	४७	१३	७	५	२८	कुं.२७।५४
७	शु	५४	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	श	५०	२९	श	५	५१	व्या	१३	१	वि	२	५६	२	४८	१२	८	६	२९	कुम्भे
९	र	४५	४१	पू	४	३७	ह	६	५३	बा	१८	५	०	४८	१२	९	७	३०	मी. ३५
१०	चं	४०	५८	उ	४	४४	सि	५२	१३	तै	१३	१९	२५	४८	१२	१०	८	१	मीने
११	मं	३६	५०	रे	४	१२	व्य	४५	४६	व	८	५४	२६	४९	११	११	९	२	मे.४४।१२
१२	बु	३३	१	अ	४	१२	व	३९	४३	ब	४	५६	२४	४९	११	१२	१०	३	मेषे
१३	गु	२९	५९	भ	४	४६	प	३४	१६	कौ	१	३०	५३	४९	११	१३	११	४	वृ.५५।४१
१४	शु	२७	५१	कृ	४	३०	शि	२९	३१	व	२७	५१	५१	५०	१०	१४	१२	५	वृषे
१५	श	२७	७	रो	४	१३	सि	२५	४७	ब	२७	७	४९	५०	१०	१५	१३	६	वृषे

चंद्रदर्शन संभवः
वृश्चिकेबुधः १६।२२सफर २
भ.४३।४२उ.ज्येष्ठा.शुक्रः १५।५८
भ.११या.अनु.बुधः १९शुक्रोदयः÷
मकरेभौमः ७।३१ [÷पश्चिमे २३
भ.५५।२१उ.चंपा६
भ.२२।५५या.
अनु.१शनिः १३।५५ [–ब्र.गीताजयंती
दिसम्बर १२ता.३१ [+मोक्षदा ११–
भ.८।५४उ.३६।५०या.ज्येष्ठारविः ५५ १६ +
ज्येष्ठा.रविःसौरः २०।०२
प्रदोषः
भ.३७उ.५६या.ज्येष्ठा.बुधः ० ३ मूले×
दत्तजयंती [×धनुषिशुक्रः ५० उदयंशने ७ ५५

३३पं.मा.शु.५ र.इ. ५९ ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	३	७	७	५	७
७	२७	२९	२८	१५	२	२२	७
३७	३९	३२	१२	५	३६	५१	१०
२६	४३	५३	४७	१८	४	५१	१७
६०	४४	९७	१	३७	४	७	३	६०
४२	५१	५१	२०	३२	२०	११	५३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना गेहूं चांवल धातु सोना चांदी तांबा लोहा तेज हो।

गोचर ग्रहाः

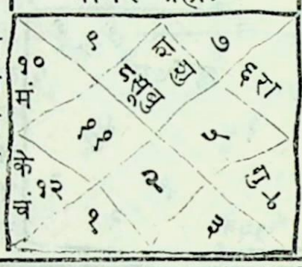

३४पं.मा.शु. ९ र.इ. ५९ ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	३	७	७	५	७
१४	३	१०	२८	२३	३	२२	१४
४२	२	३६	२७	५१	२५	२९	१७
४०	२१	२५	५८	५८	३०	३५	३
६०	४४	९९	१	७४	७	३	६१
५०	००	२५	२६	१४	११	३	

ति. | पौष कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.

१	र	२७	३७	मृ	४३	३८	सा	२३	३	कौ	२७	३७	२५	६	५०	१६	१४	७	मि १२।३४
२	चं	२९	४६	आ	४७	१४	शु	२१	४९	ग	२९	४६	४६	५१	९	१७	१५	८	मिथुने
३	मं	३३	११	पु	५२	२२	शु	२०	५९	व	१	२९	४५	५१	९	१८	१६	९	क.३६।५
४	बु	३८	१०	पु	५८	४५	ब्र	२१	३८	ब	५	४०	४४	५१	९	१९	१७	१०	कर्के
५	गु	४३	३६	श्ले	६०	०	ए	२३	२	कौ	११	५३	४३	५१	९	२०	१८	११	कर्के
६	शु	५०	२२	श्ले	५	३८	वै	२५	३	ग	१६	५९	४२	५२	८	२१	१९	१२	सिं५।३८
७	श	५६	५३	म	१३	२०	वि	२७	१५	वि	२३	३७	४१	५२	८	२२	२०	१३	सिंहे
८	र	६०	०	पू	२१	४	प्री	२९	२९	बा	२९	३७	४०	५२	८	२३	२१	१४	कं.३७।४८
८	चं	२	५६	उ	२८	१	आ	३१	८	कौ	२	५६	३९	५२	८	२४	२२	१५	कन्यायाँ
९	मं	८	१	ह	३३	३५	सौ	३१	४३	ग	८	१	३९	५२	८	२५	२३	१६	कन्यायां
१०	बु	११	२८	चि	३७	४४	शो	३१	१७	वि	११	२८	३८	५२	८	२६	२४	१७	तु.५।३९
११	गु	१३	११	स्वा	४०	५	अ	२९	१९	बा	१३	११	३८	५२	८	२७	२५	१८	तुलायां
१२	शु	१२	५७	वि	४१	३२	सु	२५	५७	तै	१२	५७	३७	५३	७	२८	२६	१९	वृ.२६।११
१३	श	१०	५४	अ	३९	१५	ध्रु	२०	५७	व	१०	५४	३७	५३	७	२९	२७	२०	वृश्चिके
१४	र	६	५५	ज्ये	३९	१८	शू	१४	३४	श	६	५५	३६	५३	७	३०	२८	२१	ध.३६।१८
३०	चं	१	३९	मू	३२	५४	गं	७	३८	ना	१	३९	३६	५३	७	१	२९	२२	धनुषि

प्रदोषः
भ.१।२९उ.३३।११या.
श्रवणेभौमः ३।१८चतुर्थीत्र.
वक्रीगुरुः ७।६
भ.५०।२१उ.
भ.२३।३७या.मूलेधनुषिबुधः २२।५७
कन्यायाँ
भ.३४उ.मूले धनुष्यर्कः ३१ (सौरः २३)=
भ.११।२८या. [=पूषा.शुक्रः ३०
सफला ११व्र.
प्रदोषः
भ.१०।५४उ.३८।५५या.
पूषायांबुधः ४२।३२
भा.पौषारंभः

३५पं.पौ.कृ. १ र.इ. ५९ ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	३	८	७	५	७
२१	८	२१	२८	२	४	२२	२१
४८	२६	३७	३३	३९	१४	७	२४
५३	४९	३७	५०	१८	३८	२०	४५
६०	४५	९९	०	७४	७	३	६१
५६	६	५२	३८	२६	८	११	११

३६पं.पौ.कृ.८ र.इ.५९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	३	८	७	५	७
२८	१३	२२	२८	११	५	२१	२८
५५	५२	३९	३०	२६	२	४५	३३
३७	२४	४७	११	३१	३१	४	२८
६१	४५	९९	४०	७४	६	३	६१
०	१४	४०	व.	२६	५६	११	१९

३७पं.पौ.कृ. १४ र.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	३	८	७	५	८
६	१९	१३	२८	२०	५	२१	५
३	१९	४७	१६	१३	४८	२२	४२
१४	३४	१७	५२	४८	५८	४८	५३
६१	४५	९९	३	७४	६	३	६१
४	२२	२५	व	२०	४४	११	२२

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्र :	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १३५७स, २०१४
१	चं	५३	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	मं	४८	१६	पू	२७	१०	धु	५०	९	बा	२१	४६	३६ ५३ ७	२ ३० २३	म.४०।५२	चंद्र दर्शनम्
३	बु	४१	२२	उ	२१	५९	व्या	४१	१७	तै	१४	४९	२६ ५३ ७	३ १ २४	मकरे	रविलावल ३
४	गु	३४	२०	श्र	१६	३४	ह	३२	२६	व	७	५१	३७ ५३ ७	४ २ २५	कु. ४४	भ.७।५१उ.३४।२०या.
५	शु	२७	५३	ध	११	४२	व	२३	५५	ब	१	७	३७ ५३ ७	५ ३ २६	कुंभे	
६	श	२१	५२	श	७	४९	सि	१६	८	तै	२१	५२	३७ ५३ ७	६ ४ २७	मी ४९।४०	उषा.शुक्रः५।५६धनि.भौमः२।३
७	र	१६	४६	पू	३	३६	व्य	८	३०	व	१६	४६	३८ ५२ ८	७ ५ २८	मीने	भ.१६।४६उ.४४।४०या.
८	चं	१२	३३	उ	०	५९	व	५२	५५	ब	१२	३३	३८ ५२ ८	८ ६ २९	मे.५८।४६	पूषा.रविः७।३१(सौरः ३५) मकरेशुक्रः ४७
९	मं	९	६	अ	५७	४४	शि	५०	२९	कौ	९	६	३९ ५२ ८	९ ७ ३०	मेषे	उषा.बुधः०।२७अनु.२शनिः १२ बुधोदयः ÷
१०	बु	६	३२	भ	५७	३१	सि	४६	२	ग	६	३२	४० ५२ ८	१० ८ ३१	मेषे	भ.३५।४५उ. [÷पश्चिमे५६।१९
११	गु	४	५८	कृ	५८	१५	सा	४२	७	वि	४	५८	४१ ५२ ८	११ ९ १	वृ.१२।४१	भ.४।५८या.मकरेबुधः३।२६जनवरी १=
१२	शु	४	१३	रो	६०	०	शु	३९	१३	बा	४	१३	४२ ५२ ८	१२ १० २	वृषे	प्रदोषः
१३	श	४	४९	रो	०	८	शु	३७	२	तै	४	४९	४३ ५१ ९	१३ ११ ३	मि. ३२ ३४	[= ता.३१सन्२०१५पुत्रदा११व्र.
१४	र	६	१२	मृ	२	५९	व्र	३७	११	व	६	१२	४४ ५१ ९	१४ १२ ४	मिथुनें	भ.६।१२उ.३७।३८या.कुंभेभौमः३८।२२
१५	चं	९	४	आ	६	५२	ऐं	३५	४५	ब	९	४	४५ ५१ ९	१५ १३ ५	क.५५।३९	मा.स्ना.प्रा.

३८ पं.पौ.शु.७र.इ. ५८/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	३	८	७	५	८
१३	२४	२४	२७	२८	६	२१	१३
१९	४८	५९	५३	३९	३२	०	५२
१३	१८	४९	५६	४९	५३	३३	४५
६१	४५	९७	३८	७४	६	३	६१
६	२३	२४	व.	१८	२६	११	२६

गोचर ग्रहाः

पौष कृष्णे ९ भौमे धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा.३ न.३प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमे ।

गोचर ग्रहाः

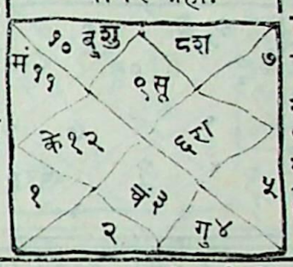

३९ पं.पौ.शु.१४र.इ. ५८/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	३	९	७	५	८
२०	०	६	२७	७	७	२०	२०
१९	१५	३	२२	४६	१४	३८	२
२६	२५	४	५२	७	४६	१७	४२
६१	४५	९२	५८	७४	६	३	६१
६	२२	११	व.	१२	३	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	मं	१२	५७	पु	११	५५	वै	३६	१४	कौ	१२	५७	३५ ४७ ९	१६ १४ ६	कर्के	श्रवणे शुक्रः४७।१
२	बु	१८	४	पु	१८	१२	वि	३७	२६	ग	१८	४	४८ ५० १०	१७ १५ ७	कर्के	भ.५०।५०उ.श्रवणेबुधः३२।४७
३	गु	२३	३७	श्ले	२५	११	वी	३९	१३	वि	२३	३७	५० ५० १०	१८ १६ ८	सिं. २५ ३१	भ.२३।३७या.चतुर्थी व्रतम्
४	शु	३०	१३	म	३२	४१	आ	४१	३१	ला	३०	१३	५२ ५० १०	१९ १७ ९	सिंहें	
५	श	३६	४३	पू	४०	८	सो	४३	५९	कौ	३	२८	५३ ४९ ११	२० १८ १०	कं.५७।२	
६	र	४३	१०	उ	४७	४६	शो	४५	५७	ग	९	५८	५५ ४९ ११	२१ १९ ११	कन्यायां	भ.४३ उ.उषा.रविः १३ (सौरः२९।५७)
७	चं	४८	४६	ह	५४	१८	अ	४७	२१	वि	१५	५८	५७ ४९ ११	२२ २० १२	कन्यायां	भ.५५ या.वक्रीअश्ले.३गुरुः३६।११
८	मं	५३	२	चि	५९	४०	सु	४७	५०	ला	२०	५५	५९ ४८ १२	२३ २१ १३	तु.२६।५७	शते भौमः१२।९
९	बु	५५	४४	स्वा	६०	०	धृ	४६	४	तै	२४	२३	२९ ४८ १२	२४ २२ १४	तुलायां	मकरेऽर्कः२८।४० (सौरः४२।२४)
१०	गु	५६	२२	स्वा	३	२६	शू	४४	४६	व	२६	३४	४ ४७ १३	२५ २३ १५	वृ.४९।४६	भ.२६।३४उ.५६।२२या.
११	शु	५५	५	वि	५	१३	गं	४०	५२	ब	२५	४४	६ ४७ १३	२६ २४ १६	वृश्चिके	षट्तिला११व्र.स्मा.
१२	श	५१	४४	अ	४	५६	वृ	३५	२२	कौ	२३	२५	८ ४६ १४	२७ २५ १७	वृश्चिके	धनि.शुक्रः २२ हस्त.३राहुःरेवती१केतुः =
१३	र	४६	२४	ज्ये	३९	५६	धु	२८	२०	ग	१९	४	११ ४६ १४	२८ २६ १८	घ. ३२	भ.४६।२४उ.प्रदोषः
१४	चं	३९	२४	पू	५३	१२	व्या	१९	१४	वि	१२	५४	१३ ४५ १५	२९ २७ १९	धनुषि	भ.१२।५४या.[=१।१२षट्तिला११व्र.वै.
१५	मं	३१	२९	उ	४६	५२	ह	१०	२३	च	५	२६	१६ ४५ १५	३० २८ २०	म.६।३७	धनि.बुधः३०।१०

४० पं.मा.कृ.६र.इ. ५८/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	३	९	७	५	८
२७	५	१६	२६	१६	७	२०	२७
२७	४४	५	४३	३२	५४	१६	१२
२२	३१	१७	४६	२४	२२	२	२४
६१	४५	७६	३	७४	५	३	६१
६	२०	५१	व.	२	२९	११	२४

गोचर ग्रहाः

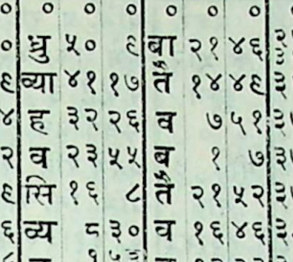

माघकृष्णे९बुधे मकरेऽर्कःप्रविष्टःवा.२ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमे ।

गोचर ग्रहाः

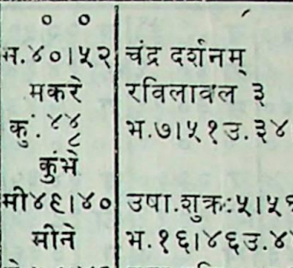

४१ पं.मा.कृ. १३र.इ. ५८/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	३	९	७	५	९
४	११	२२	२५	२५	८	१९	४
३५	१२	२९	५७	१७	३०	५३	२२
१३	३२	५३	३६	५६	४७	४६	३
६१	४५	३२	४९	७३	५	३	६१
३	२३	५२	व.	५६	१०	११	१९

(स. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | माघ शुक्लपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १३८६स.२०१५

१	बु	२२	५९	श्र	३९	५७	व	३५	४९	ब	२२	५९	२६	४४	१६	१	२९	२१	मकरे	अभि. प्र. रविः ३।१० (सौरः १३।४५) ÷
२	गु	१४	१०	ध	३३	८	व्य	४०	६	कौ	१४	१०	२१	४४	१६	२	१	२२	कुं ५।२	कुंभे शुक्रः ४२।५९ रविलाखर ४
३	शु	५	४३	श	२६	४०	व	३०	१६	ग	५	४३	२४	४३	१७	३	२	२३	कुम्भे	भ. ३१ उ. ५८ या. वक्री श्रवणे बुधः ३७
४	शु	५२	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷वक्रीबुधः ३० चंद्रदर्शनम् भा.माघारंभः
५	श	५१	१०	पू	२१	४	प	२१	१०	ब	२४	३५	२७	४३	१७	४	३	२४	मी. २८	श्रवणे रविः १७।४७ (सौरः २९।४१) ×
६	र	४५	४०	उ	१६	३९	शि	१३	११	कौ	१८	२५	२९	४२	१८	५	४	२५	मीने	अभि. नि. रविः १०।२ (सौरः २१।५८)
७	चं	४१	३२	रे	१३	४३	सि	६	७	ग	१३	३६	३२	४२	१८	६	५	२६	मे. १३।४३	भ. ४१।३२ उ. भानु ७ रथ ७
८	मं	३८	५१	अ	११	५६	सा	१३	२२	वि	१०	११	३५	४१	१९	७	६	२७	मेषे	भ. १०।११ या. भीष्माष्टमी
९	बु	३७	३४	भ	११	४६	शु	५१	५७	बा	८	१८	३८	४०	२०	८	७	२८	वृ. २७।१	शते शुक्रः ७।३२
१०	गु	३७	३७	कृ	१२	४५	ब्र	४९	२९	तै	७	८	४१	४०	२०	९	८	२९	वृषे	पातस्पर्शः १५।५८
११	शु	३९	११	रो	१०	१६	एं	४७	५९	व	८	२४	४५	३९	२१	१०	९	३०	मि ४६।५८	भ. ८।२४ उ. ३९ या. पूभा. भौमः १३ +
१२	श	४१	३६	मृ	१८	४०	वै	४७	३७	व	१०	२४	४८	३८	२२	११	१०	३१	मिथुने	[×बुधास्तः पश्चिमायां ४७ वसंत ५
१३	र	४५	३०	आ	२३	२७	वि	४७	४२	कौ	१३	३३	५१	३८	२२	१२	११	१	मिथुने	फरवरी [+ पातमोक्षः ५९ जया. ११ व्र.
१४	चं	४९	५१	पु	२९	७	प्री	४८	२३	ग	१७	३६	५४	३७	२३	१३	१२	२	क. १२।४१	भ. ४९।५१ उ.
१५	मं	५५	२९	पु	३५	३३	आ	४९	५७	वि	२२	४०	५८	३६	२४	१४	१३	३	कर्के	भ. २२।५० या. मा. स्ना. पूर्तिः

४२पं.मा.शु.६र.इ.५८।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	३	१०	७	५	९
११	१६	२१	२५	४	९	१९	११
४२	३९	२	६	१	३	३१	३०
४०	४७	४९	२५	३०	२५	३०	५४
६०	४५	५८	३४	७	३	४	३६ १
५९	१६	व	व	५०	४६	११	१३

गोचर ग्रहाः

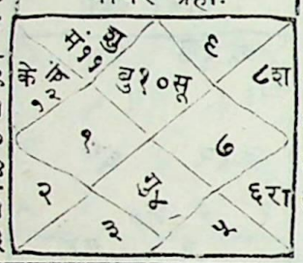

इस मास में धान्य गल्ला धातु लोहा ताम्बा चांदी रस गुड सक्कर वदी में तेज होकर सुदी में मंदे हो जावेंगे ।

गोचर ग्रहाः

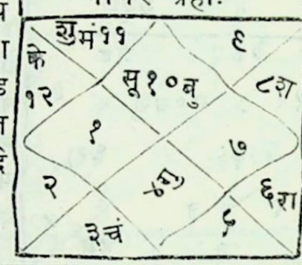

४३पं.मा.शु.१३र.इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	३	१०	७	५	९
१८	२२	१३	२४	१२	९	१९	१८
४९	६	१४	११	४३	३२	९	३९
१६	३२	२	४६	१६	१७	१५	००
६०	४५	८१	५२	७	३	४	६१
५५	९	व	व	४९	११	११	४

ति. | फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.

१	बु	६०	०	श्ले	४२	२३	सौ	५१	५०	बा	२८	२५	२७	६	२४	१५	१४	४	सिं ४२।२३	वक्री उषा बुधः २१।१०
१	गु	१	२०	म	४९	५३	शो	५३	५९	कौ	१	२०	५	३५	२५	१६	१५	५	सिंहे	बुधोदयः पूर्वस्यां ५।५०
२	शु	७	४८	पू	५७	२८	अ	५६	१६	ग	७	४८	८	३४	२६	१७	१६	६	सिंहे	भ. ४०।५८ उ.धनि.रविः २६ (सौरः ३५)
३	श	१४	९	उ	६०	०	सु	५८	३६	वि	१४	९	१२	३४	२६	१८	१७	७	कं. १४।१९	भ. १४ या. पूभा. शुक्रः ३२ चतुर्थी व्र.
४	र	२०	२९	उ	४	५५	धृ	६०	०	बा	२०	२९	१५	३३	२७	१९	१८	८	कन्यायां	वक्री आश्ले. २ गुरुः २८।१६
५	चं	२६	१३	ह	११	५६	धृ	०	१८	तै	२६	१३	१९	३२	२८	२०	१९	९	तु. ४५।१	अनु. ३ शनिः ३८।३९
६	मं	३१	४	चि	१८	७	शू	१	३२	व	३१	४	२३	३१	२९	२१	२०	१०	तुलायां	भ. ३१।४ उ.
७	बु	३४	२८	स्वा	२२	५५	गं	१	४४	वि	२	४६	२७	३१	२९	२२	२१	११	तुलायां	भ. ४३ या. पातस्पर्शः २६ पातमोक्षः ४८
८	गु	३६	२१	वि	२६	२३	वृ	४९	५७	बा	५	२५	३०	३०	३०	२३	२२	१२	वृ. १०।३१	मार्गी बुधः ५९।२३ मीने भौमः १८।१७
९	शु	३६	१८	अ	२७	५२	व्या	५४	२९	तै	६	२२	३४	२९	३१	२४	२३	१३	वृश्चिके	कुम्भेऽर्कः १।३१ (सौरः ९।२०)
१०	श	३४	१२	ज्ये	२७	२५	ह	४९	१	व	५	१५	३८	२८	३२	२५	२४	१४	ध. २७।२५	भ ५।१५ उ. ३४।१२ या.
११	र	३०	३५	मू	२४	०	व	४१	५३	ब	२	२३	४१	२८	३२	२६	२५	१५	धनुषि	मीने शुक्रः ५४।१७ विजया ११ व्र.
१२	चं	२४	३२	पू	२०	३७	सि	३३	२२	तै	२४	३२	४५	२७	३३	२७	२६	१६	म. ३४।११	उभा. भौमः ३१।४० प्रदोषः
१३	मं	१७	३७	उ	१४	५५	व्य	२३	४०	व	१७	३७	४९	२६	३४	२८	२७	१७	मकरे	भ. १७ उ. ४२ या. महाशिवरात्री व्र.
१४	बु	७	५२	श्र	९	५७	व	१३	७	श	७	५२	५३	२५	३५	२९	२८	१८	कुं. ३५	श्रवणे बुधः ३५ उभा. शुक्रः ३८।४
३०	बु	५०	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

४४पं.फा.कृ.४र.इ.५९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	३	१०	७	५	९
२५	२७	७	२३	२१	९	१८	२५
५५	३१	३४	१५	२५	५७	४६	४५
१	३७	१	५८	३०	४०	५९	४७
६०	४५	२५	४७	७३	३	३	६०
४७	३	व	व	३८	३२	११	५५

ग्रोचर ग्रहाः

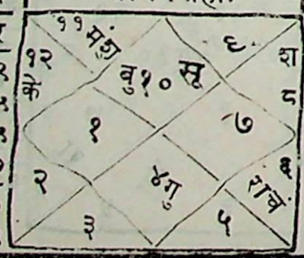

फाल्गुन कृष्णे ९ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.३युवावस्था (सूती) धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

ग्रोचर ग्रहाः

४५पं.फा.कृ.११र.इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	३	११	७	५	१०
२	२	८	२२	०	१०	१८	२
५९	५५	२६	२०	५	१९	२४	५१
४९	४४	५६	५६	१७	१४	४४	५०
६०	४४	१९	८१	७३	२	३	६०
३७	५६	१९	व	२६	४९	११	४२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसततूरविरुत्तरेऽहर्गण १४१५ स.२०१५
१	गु	४८	३९	ध	१३	११	प	२	४९ २	कि	२३	३०	२७ ५६ २५ ३५	३० २९ १९	कुंभे	शते रविः ३७।३७ (सौरः ४४।५१)
२	शु	३९	१०	पू	४०	३	सि	४०	५८	बा	१३	५४	२८ ०० २४ ३६	१ ३० २०	मी	३१।५३ चंद्रदर्शनम् भा. फाल्गुनारंभः फुलरिया२
३	श	३०	३१	उ	३८	२७	सा	३०	३१	तै	४	५०	४ २३ ३७	२ १ २१	मीने	भ. ५६।४६ उ. जमादिलावल ५
४	र	२३	२	रे	३३	१३	शु	२१	३१	वि	२३	२	८ २२ ३८	३ २ २२	मे.	३३।१३ भ. २३।२ या.
५	चं	१७	९	अ	२९	३८	शु	१४	१४	बा	१७	९	१२ २२ ३८	४ ३ २३	मेषे	
६	मं	१३	१	भ	२७	५३	ब्र	८	१२	तै	१३	१	१६ २१ ३९	५ ४ २४	वृ.	५२ [× (सौरः ५९।३८) धनि. बुधः ९।४६
७	बु	१०	४५	कृ	२७	५८	ए	३	३५	व	१०	४५	२० २० ४०	६ ५ २५	वृषे	भ. १०।४५ उ. ४०।३४ या.
८	गु	१०	२२	रो	२९	५०	वै	२९	२६	ब	१०	२२	२४ १९ ४१	७ ६ २६	वृषे	होलाष्टक
९	शु	११	५२	मृ	३३	२०	प्री	५८	२१	कौ	११	५२	२८ १८ ४२	८ ७ २७	मि	१।३५
१०	श	१४	४४	आ	३८	१९	आ	५८	५६	ग	१४	४४	३२ १८ ४२	९ ८ २८	मिथुने	भ. ४६।५२ उ.
११	र	१९	०	पु	४४	२५	सौ	६०	०	वि	१९	०	३६ १७ ४३	१० ९ १	क.	२७।४४ भ. १९।० या. रेवत्यां शुक्रः २९।४७ =
१२	चं	२४	४	पु	५१	५	सौ	०	५	बा	२४	४	४० १६ ४४	११ १० २	कर्के	[= मार्च ३ ता.३१ अमल ११
१३	मं	३०	८	श्ले	५८	१४	शो	१	५४	तै	३०	८	४४ १५ ४५	१२ ११ ३	सिं	५८।१४ प्रदोषः
१४	बु	३६	४	म	६०	०	अ	३	५३	ग	३	६	४८ १४ ४६	१३ १२ ४	सिंहे	भ. ३६।४ उ. पूभा. रविः ५३।४३ ×
१५	गु	४२	२६	म	५	४१	सु	६	७	वि	९	१५	५२ १४ ४६	१४ १३ ५	सिंहे	भ. १९ या. रेवत्यां भौमः ५३ होलिका द.

४६ पं. फा.शु.४ र.इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	३	११	७	५	१०
१०	८	१३	२१	८	१०	१८	९
३	१९	२३	२८	४१	३५	२	५६
२२	१२	३१	३०	१७	६	२८	२३
६०	४४	४९	५	७३	२	३	६०
२५	४७	४९	व.	१७	७	११	३२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला मंदे हो चांदी सोने वस्त्र में घटा बढी चले रस तेज हो प्रजा में सुख चैन रहे।

गोचर ग्रहाः

४७पं. फा.शु.११ र.इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	३	११	७	५	१०
१७	१३	२०	२०	१७	१०	१७	१६
५	२९	५१	४०	१६	४५	४०	५९
३५	४३	२१	४४	३४	५८	१२	१७
६०	४४	६८	१६	७३	१	३	६०
१२	३८	३८	व.	४	२६	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसततूरविरुत्तरे फा. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४८	४६	पू	१३	१०	भृ	८	२९	बा	१५	३६	२५ १३ ४५	१५ १४ ६	क.	३०।२ वसंत १ छारेंडी
२	श	५४	४५	उ	२०	३८	शू	१०	३५	तै	२१	४५	२ १२ ४८	१६ १५ ७	कन्याया	
३	र	६०	०	ह	२७	२२	गं	१२	२०	व	२७	२५	५ ११ ४९	१७ १६ ८	कन्यायां	भ. २७ उ. वक्री आश्ले. १ गुरुः ५१ ×
३	चं	०	६	चि	३३	२०	बृ	१३	३३	वि	०	६	९ १० ५०	१८ १७ ९	तु	०।२१ भ. ०।६ या. कुंभे बुधः ४।५ चतुर्थी व्र.
४	मं	४	३९	स्वा	३८	४३	धु	१४	५	बा	४	३९	१३ ९ ५१	१९ १८ १०	तुलायां	[× पातस्पर्शः ०।५५ पातमोक्षः १७।५
५	बु	८	१३	वि	४२	५२	श्रा	१३	४९	तै	८	१३	१७ ९ ५१	२० १९ ११	वृ.	२६।५०
६	गु	१०	२९	अ	४५	४४	ह	१२	२७	व	१०	२९	२१ ८ ५२	२१ २० १२	वृश्चिके	भ. २९ उ. ५९ या. अश्वि. मेषे शुक्र- २५
७	शु	११	२३	ज्ये	४६	५८	व	९	५४	ब	११	२३	२६ ७ ५३	२२ २१ १३	ध	४६।५८ शते बुध ४६।२९ शीतला पूजनम्
८	श	१०	३८	मू	४६	२५	सि	६	२	कौ	१०	३८	३० ६ ५४	२३ २२ १४	धनुषि	मीनेऽर्कः; ५४।३६ (सौरः ५९।५९)
९	र	८	२	पू	४४	१६	व्य	५२	५३ १७	ग	८	२	३४ ५ ५५	२४ २३ १५	म.	५८।१७ भ. ३५।५० उ. वक्री शनिः ४।४०
१०	चं	३	३८	उ	४०	१९	प	४६	१	वि	३	३८	३८ ४ ५६	२५ २४ १६	मकरे	भ. ३।३८ या. पापमोचनी ११ व्र.स्मा.
११	चं	५४	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०	
१२	मं	५१	२३	श्र	३४	५४	शि	३६	५६	कौ	२४	३३	४३ ३ ५७	२६ २५ १७	मकरे	पापमोचनी ११ व्र. वै.
१३	बु	४१	४३	ध	२८	१३	सि	२६	५१	ग	१६	३३	४७ ३ ५७	२७ २६ १८	कुं.	१।३४ भ. ४३ उ.उषा.रवि. १५ (सौर.३५) प्र.
१४	गु	३२	४	श	२०	४१	सा	१६	७	वि	६	५३	५१ २ ५८	२८ २७ १९	मी	५९।२१ भ. ६।५३ या.
३०	शु	२२	१८	पू	१२	५५	श्र	१०	४९ ५	ना	२२	१८	५५ १ ५९	२९ २८ २०	मीने	हस्त२ राहु. उभा. ४ केतु. ५७।२ मन्वादि

४८पं.चै.कृ.३ चं.इ.०।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	३	११	७	५	१०
२४	१८	२९	१९	२५	१०	१७	२४
६	५८	०४	५९	४८	५२	१७	०
२२	४१	३२	१३	४७	१९	५७	४०
५९	४४	८३	२५	७२	४६	३	६०
१८	३६	२६	व.	५०	व.	११	६

गोचर ग्रहाः

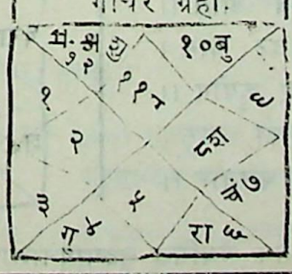

चैत्र कृष्णे ८ शनौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न.४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमे

गोचर ग्रहाः

४९पं.चै.कृ.१०चं.इ.०।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	३	०	७	५	११
१	२४	१०	१९	४	१०	१६	१
५	१६	११	२४	१८	५३	५५	०
३५	५	४६	२९	११	५३	४१	२२
५९	४४	९४	०	७२	४	३	५९
४१	१६	५०	४६	३१	व.	११	४९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११६, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५११६, भोग्यकलिः४२६८८४, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०७२, शाकः १९३७, अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः । मंत्री भौमः । सस्येशो गुरुः । धान्येशो बुधः । मेघेशश्चंद्रः । रसेशः शनिः नीरसेशो गुरुः । फलेशश्चंद्रः । धनेशो गुरुः । दुर्गेशश्चंद्रः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ३ सौम्यनाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ०।६।२५।५५ भोग्यमासादिः ११।२३।३४।५ चंद्र दैवतं युगम् । वर्षनाम माधः । मेघनाम द्रोणः। रोहिणो निवासःसमुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा १८ समयवाहनम् महिषः।स्तंभौ २ जलतृणयोः । सोमवत्यमाः३ सोमवती पंचमी१ अंगारकी चतुर्थी २ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी३, रविदशमी ३ समयमुहूर्ताः ३९० समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः १८, तिथिवृद्धिः १२ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा ७ धान्यम् १५ तृणम् ७, शीतम् ७ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १०७, शनिदृष्टिः पश्चिमे सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण १ चंद्रमसः

संवत् २०७२ चैत्र शु. १५ शनौ खग्रास ग्रस्तोदय चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घं.	२३	२६	२७	२८	३२
प.	१४	५५	३९	२३	४
घं.	३	५	५	५	७
मि.	४५	१३	३१	४८	१७

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् ३।२६

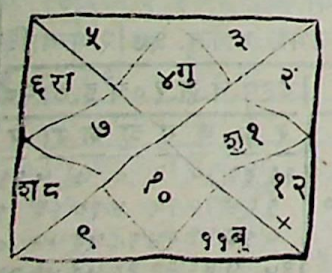

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न।

श्री जगदंबे ईश्वरी बहत्तर में हरषाय ।
संवत् का फल प्रेम से कहो मोय समझाय ।।

भवानी उत्तर

बहत्तर बाजाबाजसी चहुं दिशि लड़े नरेश ।
राजा मंत्री योग से जनता देश विदेश ।।
निशानाथ मेघेश है रोहिणी सिंधु निवास ।
फूले फले वंसुधरा पूरण हो सब आस ।।
आषाढा वर्षा लगे श्रावण सुंदर योग ।
भादवा सुदी आसोज में कुजगुरु योग कुयोग ।।
फल सवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जाने वही जो है जग करतार ।।

नोट-भाद्रपद शुक्ला १५ चंद्रवार को प्रातःपश्चिमप्रदेशों मेंग्रस्तास्त चंद्रग्रहण होगा । जिसका स्पर्श रेल्वे ६।४० मोक्ष १०।१पर है ।

फाल्गुन कृष्णा ३० बुधवार को स्वल्पग्रास ग्रस्तोदय सूर्यग्रहण कुछ प्रदेशों में होगा । जिसका स्पर्श रेल्वे५।४० मोक्ष६।३८ पर है जहां यह ग्रहण दृश्य होवे वहां ही इसकी मानने की आवश्यकता है ।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ३।१५

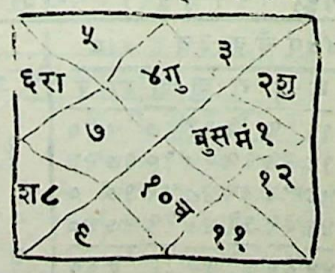

+चंमंकेसू वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५३।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।३।२१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शनि फलम् ।। शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यतेजनः । युद्धं नृपाणां गद तस्कराद्यैः भ्रमंति लोका क्षुधिताश्चदेशान् ।। मंत्री भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजो ननु मंत्रिपदं गतोभवति दस्यु गदादिज वेदना । जनपदेषुजयं सुखसंचयं न बहु गोषु पयो द्विज कर्म च ।। सस्येषो गुरुः फलम् ।। कणपतौ सुरराज पुरोहिते सकल सौख्यकरः श्रुतिपूर्वकः । जल धरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै।। धान्येशो बुधस्तत्फलम्।। बुधेधान्याधिपे मेघा जलं मुंचंतिवैभृशम् । सैंधवेलाट देशे च माधवोल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। शशिनितो-यदपेयदि गोमहिष्यजजवरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती ननुभामिनी ।। रशेशः शनिः फलम् ।। रविसुते रसपे रस संक्षयो न जलदा गददाश्चपयोधराः । अजगवां गजवाजि खरोष्ट्र हा जनपदेषु नरान्तरसैर्युताः ।। नीरसेशोगुरुः फलम् ।। हरिद्रा पीतवस्तूनि पीतवस्त्रादिकं चयत् । नीरसेशो यदाजीवः सर्वेषां प्रीति-रुत्तमा ।। फलेशश्चंद्रस्तत्फलम् यदिविधुः फलपोद्रुमराशयः फलयुतव्रतिभिः कुसुमैर्युता । द्विजमुखावर भोग समन्विता नृपत्तयो नयनाटनतत्पराः ।। धनेशोगुरुः फलम् ।। सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिज वृत्ति परा सुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुविमानवाः । समसुखाः क्रय विक्रय जीविनो नृपतयो जन पालन तत्पराः ।। दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। गढपतिर्मृगलांछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नर वरावर वर्णित विग्रहाः ।। सौम्यनाम संवत्सरः फलम् ।। सौम्याब्देनिखिला लोका बहु सस्यार्घ वृष्टिभिः । विवैरिणो धराधीशा विप्राश्चाध्वर तत्पराः । वर्षनाम माघः फलम् ।। सुभिक्षं पूर्व याम्यायां मध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरे रौरवं माघ वर्षे धान्यमहर्घता ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रेतु महाबृष्टिः ।। समयनिवासो मालाकार गृहे फलम् ।। मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्।।

संवत् २०७२ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाखमासः

शुक्ला ३ भौमे रोहि.ल. १०।११ रे.७ऽमं।ऽशु।ऽ।।।।। मकरे गुरुः पू.

,, ४ बुधे मृगे ल.११रे.७।।।।।ऽरोऽऽ।।

,, ९ चंद्रे मघा.रे.७ल.गो (भौम७मेऽर्च्यः) ११चं. पूज्यः गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, १०भौमेमघा ल.गो.(भौमः७पू.)रे.७।।।।ऽनृऽऽ।

,, ११ बुधे उफा,ल.११ (चं.७पू.) रे.७।।।।ऽऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, १२ गुरौ उफा.ल.ऽन्यगो. (भौ.७मेर्च्यः) ल.१० गु.पू.सत्

ज्येष्ठ मासः ।

कृष्णा ३ गुरौ मूले ल.११ रे.७।।।।ऽऽनृ।ऽ।। गोधूल्यां भौमाष्टम महादोषः ।

,, ५ शनौ उषा. ल.११ रे.६ऽऽ।।।ऽचौ.।।।ऽदग्धा

शुक्ला १ भौमे मृगे ल. ११।१ रे.८।।।।।ऽनृऽ।।।

,, ६ रवौ मघा.ल.१(घ.५०।२२उ.)रे.।।।।।।।ऽ।ऽ

,, १२ शनौ स्वात्यां ल.१ (चं.७पू.) रे.८ऽ।ऽचं.।।। (चौ.४५उ.)।।।।

प्रथम आषाढ मासः ।

कृष्णा १ बुधे मूले ल. १ रे. ९ ।ऽ।।।।।।।

,, ३ शुक्रे उषा.ल.१रे.६ऽ।।।।ऽअ।ऽ।ऽ दग्धा आव. गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, १० गुरौ रेवत्यां ल. १ (घ. ५३।५४ उ.) रे.७।।।।ऽऽरो।ऽ।।

कार्तिकादि मासेषु सिंहस्थ गुरुदोषः ।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरेऽहर्गणः १४४५ सन् २०१५
१	श १२ ४०	उ ३३ ५३	ब्र ४४ ८	व १२ ४०	३० ० ६	३० २९ २१		मे.५८।३८	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः ÷
२	र ३ ५१	अ ५३ ३	ऐं ३५ २	को ३ ५१	४ ५९ १	१ १ २२		मेषे	पूभा.बुधः ४ ६ रा.चैत्रारंभः जमादिलाखर +
३	र ५२ ३५	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०		०	[÷सिंधारा [+६मत्स्यजयंती गणगौरी
४	चं ५० ३४	भ ४९ १३	वै २७ ५	ब २३ २९	८ ५८ २	२ २ २३		मेषे	भ.२३।२९उ.५०।३४या.भरण्यांशुक्रः =
५	मं ४६ ३९	कृ ४७ २२	वि २० ५२	ब १८ ३६	१२ ५८ २	३ ३ २४		वृ.३।४६	[=३०।३९अश्वि.मेषे भौमः३९।४५
६	बु ४४ ५०	रो ४७ ४१	मृ १६ २२	को १५ ४३	१६ ५७ ३	४ ४ २५		वृषे	
७	गु ४५ १७	मृ ५० ३	आ १३ ३३	ग १५ ३	२१ ५६ ४	५ ५ २६		मि.५९	भ.४९।१७उ.
८	शु ४७ ३२	आ ५४ ७	सौ १२ ४	वि १६ २५	२५ ५५ ५	६ ६ २७		मिथुने	भ.१६या.मीनेबुधः ५४ बुधास्तः पूर्वस्यां ४७
९	श ५१ २६	पु ५९ १८	शो १२ २८	बा १९ २९	२९ ५४ ६	७ ७ २८		क. ४३	रामनवमी
१०	र ५६ ३३	पु ६० ०	अ १३ १७	तै २४ ०	३३ ५३ ७	८ ८ २९		कर्के	उभा.बुधः ३९।५६
११	चं ६० ०	पु ५ ५४	सु १५ ५	व २९ ३७	३० ५३ ७	९ ९ ३०		कर्के	भ.२९।३७उ.कामदा ११व्र.स्मा.
११	मं २ ४७	श्ले १३ ५३	भृ १७ २५	वि २ ४७	४१ ५२ ८	१० १० ३१		सिं. ५३	भ.२।४७या.रेवत्यांरविः४३।१९(सौरः×
१२	बु ८ ५९	म २१ २६	शू १९ ५०	बा ८ ५९	४५ ५१ ९	११ ११ १		सिंहे	अप्रेल ४ता.३०प्रदोषः
१३	गु १५ २४	पू २८ ५५	गं २२ १२	तै १५ २४	४९ ५० १०	१२ १२ २		कं.४५।४२	[×४८।२) कामदा ११व्र.वै.
१४	शु २१ २३	उ ३६ ४	वृ २४ ११	व २१ २३	५३ ४९ ११	१३ १३ ३		कन्यायां	भ.२१।२३उ.५४।९या.कृति.शुक्रः४३।१
१५	श २६ ५५	ह ४२ ३९	ध्रु २५ ४९	व २६ ५५	५७ ४९ ११	१४ १४ ४		कन्यायां	ग्रस्तोदितखग्रासचंद्रग्रहणमहनुमज्जयंती

५० पं.चै.शु.४चं.इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	३	०	७	५	११
८	२९	२१	१८	१२	१०	१६	७
३	३१	३४	५८	४४	५०	३३	५८
१८	३०	२३	३४	१०	२०	२६	१७
५९	४३	३	५३	७२	४७	३	५९
२९	५५	४९	व.	४	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

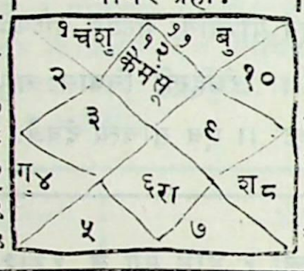

इस मास में बाजरा मूंग मोठ आदि धान्य सोना चांदी लोहा वस्त्र रुई कपास बदि में मंदे होकर सुदि में तेज हो जावेंगे ।

गोचर ग्रहाः

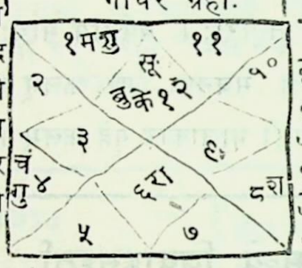

५१ पं.चै.शु.११चं.इ. १०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	३	०	७	५	११
१४	४	४	१८	२१	१०	१६	१४
५९	४३	१	४०	५	४२	११	५४
१०	५५	२३	५९	५६	११	१०	२७
५९	४३	३	२९	७१	३४	३	५९
१६	५०	४४	व.	४४	व.	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	र ३१ ४१	चि ४८ १५	ज्या २६ ४३	ज्यै ३१ ४१	३१ १ ४८	१२	१५ १५ ५	तु.१५।२७	रेवत्यांबुधः४१।३८मार्गीगुरुः ४३।२६
२	चं ३५ ३४	स्वा ५३ १४	ह २७ २	तै ३ ३७	५ ४७	१३	१६ १६ ६	तुलायां	वृषेशुक्रः३०।५२
३	मं ३८ २१	वि ५७ १४	व २६ ३४	व ६ ५७	१० ४६	१४	१७ १७ ७	वृ.४१।१४	भ.६।५७उ.३८।२१या.
४	बु ४० २८	अ ६० ०	सि २५ १६	व्र ९ २४	१४ ४५	१५	१८ १८ ८	वृश्चिके	चतुर्थी व्रतम्
५	गु ४० ३९	अ ० १	व्य २३ ५	कौ १० ३२	१८ ४४	१६	१९ १९ ९	वृश्चिके	अस्त, भौमः५९।३
६	शु ४० ११	ज्ये १ ४५	व २० ५	ग १० २५	२२ ४४	१६	२० २० १०	ध.१।२७	भ.४०।११उ.भरण्यांभौमः३७।५८
७	श ३८ २७	मू १ १६	प १५ ५३	वि ९ १९	२६ ४३	१७	२१ २१ ११	धनुषि	भ.९।१९या.
८	र ३५ २३	पू २३ ५८	शि १० ३८	बा ६ ५५	३० ४२	१८	२२ २२ १२	म.१५।५४	अश्वि.मेषेबुधः३।६
९	चं ३१ १	श्र ५६ ६	सि २५ ४९	तै ३ ६	३४ ४१	१९	२३ २३ १३	मकरे	भ.५८।१३उ.
१०	मं २५ २५	ध ५१ ३८	शु ४९ १०	वि २५ २५	३८ ४०	२०	२४ २४ १४	कुं २३।५२	भ.३५या.अश्वि.मेषेऽर्कः १७ सौरः २२ ३५)
११	बु १८ ३८	श ४५ ५७	शु ३९ ५१	बा १८ ३८	४२ ४०	२०	२५ २५ १५	कुंभे	रोहि.शुक्रः१३।१३वरुथिनी ११व्र.
१२	गु १० ४६	पू ३९ ३८	व्र ३० १२	तै १० ४६	४६ ३९	२१	२६ २६ १६	मी. २६	प्रदोषः
१३	शु २ १०	उ ३२ ४८	ऐं २० ४	व २ १०	५० ३८	२२	२७ २७ १७	मीने	भ.१०उ.३५या वक्रीअनु.२शनि१२।२८
१४	शु ५० ५८	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०		०		
२०	श ४४ २८	रे २६ १०	वै ९ १३	च्र १८ ४७	५३ ३७ २३		२८ २८ १८	मे.२६।१८	भरण्यां बुधः१८।८

५२ पं.वै.कृ.२चं.इ १।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	३	०	७	५	११
२१	९	१७	१८	२९	१०	१५	२१
५३	५४	२०	३३	२४	२८	४८	४८
३१	२९	१०	४	३२	५९	५४	३८
५९	४३	२९	०	७१	१४	३	५९
४४	४०	१५	मा	१७	व.	११	१४

गोचर ग्रहाः

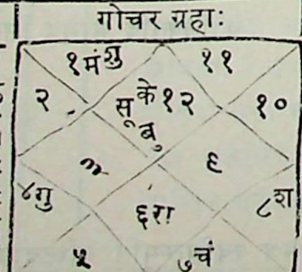

बैशाख कृष्णे १० भौमे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमे ।

गोचर ग्रहाः

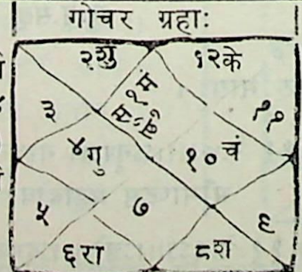

१पं.वै.कृ.१०मं.इ. १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	३	१	७	५	१९
०	१५	४	१८	८	१०	१५	२९
०	५८	३९	३४	५४	८	२२	५४
०	१२	२२	८	११	२१	४६	५२
५८	४३	२९	०	१७	५९	३	५८
४४	१५	१५	२३	३५	व.	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation USA

ति.	बैशाख शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७						दि. उ.अ.			भा मु इं.			चन्द्रः	वसंततुरविरुत्तरेऽहर्गणः १४७४सन् २०१५
१	र	२६	२७	अ	१९	४८	चि	३५	२५	किं	१०	२८	३५ ३७ २३	२९ २९ १९	मेषे	
२	चं	२९	३६	भ	१४	५८	आ	४४	३२	बा	३	५	३२ ३६ २४	३० ३० २०	वृ.२९।८	चंद्रदर्शनम् परशु रामजयंती
३	मं	२४	३६	कृ	११	३८	स्वौ	३८	१७	ग	२४	२६	५ ३५ २५	१ १ २१	वृषे	भ. ५३ उ.बुधोदयः पश्चिमायां ३५ भा. =
४	बु	२१	२७	रो	१०	५	शो	३५	४६	वि	२१	२७	९ ३४ २६	२ २ २२	मि४०।२४	भ.२१।२७या.
५	गु	२०	२२	मृ	१०	४४	अ	३१	१५	बा	२०	२२	१२ ३४ २६	३ ३ २३	मिथुने	[=वैशाखारंभः रज्जव७अक्षय३
६	शु	२१	२९	आ	१३	१९	सु	३०	३१	तै	२१	२९	१६ ३३ २७	४ ४ २४	मिथुने	
७	श	२४	३४	पु	१७	५१	धृ	३०	३५	व	२४	३४	२० ३२ २८	५ ५ २५	क.१।४३	भ. ३४ उ. ५६ या.कृति.बुधः९।३१
८	र	२९	८	पु	२३	४६	शू	३१	५८	ब	२९	८	२३ ३१ २९	६ ६ २६	कर्के	मृगेशुक्रः ३६ पातस्पर्शः७।३३ पातमोक्षः ३१
९	चं	३५	२	श्ले	३१	७	गं	३४	९	बा	२	५	२७ ३१ २९	७ ७ २७	सिं. ३१	भरण्यांरविः ५७ बृषेबुधः९।९
१०	मं	४१	१३	म	३८	२५	बृ	३६	३३	तै	८	३८	३१ ३० ३०	८ ८ २८	सिंहे	भरण्यां रविः सौरः४। ०
११	बु	४७	३८	पू	४६	३	धु	३९	२	व	१४	२६	३८ २९ ३१	९ ९ २९	सिंहे	भ. ३६ उ. ४७ या.कृत्तिः भौमः५।१ मौहिनी ÷
१२	गु	५३	२६	उ	५३	२४	व्या	४१	७	ब	२०	३३	३८ २८ ३२	१० १० ३०	कं २।५३	[÷ ११ व्र.
१३	शु	५८	५३	ह	५९	५०	ह	४२	४९	स्वौ	२६	१०	४१ २८ ३२	११ ११ १	कन्यायां	मई ५ ता.३१ प्रदोषः
१४	श	६०	०	चि	६०	०	व	४२	३०	ग	३०	५२	४५ २७ ३३	१२ १२ २	तु.३२।३०	मिथुनेशुक्रः ३६।१२ नृसिंहजयंती
१४	र	२५	०	चि	५	१०	सि	४२	२७	व	२	५०	४८ २६ ३४	१३ १३ ३	तुलायां	भ.२।५०उ.३४।२१या.बृषेभौमः ४४।४४
१५	चं	५	५२	स्वा	९	३५	व्य	४२	२९	ब	५	५२	५२ २६ ३४	१४ १४ ४	वृ.५६।५८	रोहिण्यांबुधः१।५८ यमाय कुंभ दानम्

२पं.वै.शु.३मं.इ. १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	३	१	७	५	०
६	२१	१९	१८	१७	९	१५	६
५०	२	१२	४५	१२	४६	०	४५
४२	५६	१४	५८	२२	४४	३१	३
५८	४३	५९	२	६९	३५	३	५८
३१	५	५०	४७	५३	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

भूमि पुत्रो यदा मेषे सुभिक्षं सर्वधान्यकम्। प्रवालानि महर्घाणि क्रोधावांस्तुभवेन्नृप ।। इस मास में धान्य मंदे हो धातु तेज हो।

गोचर ग्रहाः

३पं.वै.शु.१०मं.इ.१७।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	३	१	७	५	०
१३	२६	१	१९	२५	९	१४	१३
३९	६	५४	६	१३	२१	३८	३३
४७	०	४०	३२	२३	४०	१५	२८
५८	४२	०	४	६८	५३	३	५८
१९	५६	१०	१	५४	व.	११	१२

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७						दि. उ. अ.			हि. मु. इ.			चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.
१	मं	७	३६	वि	१२	४१	व	४०	३२	कौ	७	३६	३५ २५ ३५	१५ १५ ५	वृश्चिके	
२	बु	८	१५	अ	१४	३५	प	३७	४३	ग	८	१५	५८ २४ ३६	१६ १६ ६	वृश्चिके	भ.३७।५९उ.
३	गु	७	४४	ज्ये	१५	४३	शि	३४	१६	वि	७	४४	३३ २४ ३६	१७ १७ ७	ध.१५।४३	भ.७।४४या.चतुर्थी व्रतम्
४	शु	६	१७	मू	१५	५५	सि	३०	२	बा	६	१७	५ २३ ३७	१८ १८ ८	धनुषि	आर्द्रा.शुक्रः२७।१५ पातस्पर्शः३४।१२
५	श	४	४	पू	१५	१२	सा	२४	५९	तै	४	४	८ २२ ३८	१९ १९ ९	म.२९।४८	गातमोक्षः२४।७
६	र	०	५२	उ	१३	३८	शु	१९	३६	व	०	५२	११ २२ ३८	२० २० १०	मकरे	भ.०।५२उ.२९।०या.आश्ले.२गुरुः ५९
७	र	५६	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	
८	चं	५२	३६	श्र	११	१९	शु	१२	३७	ज्ञा	२४	५२	१४ २१ ३९	२१ २१ ११	कुं३९।५०	कृत्ति.रविः४३।२९ (सौरः५१।२२)
९	मं	४७	१३	ध	८	२२	व्र	३७	५३	तै	१९	५४	१७ २१ ३९	२२ २२ १२	कुंभे	
१०	बु	४१	१७	श	४	३५	वै	५१	२५	व	१४	१४	२० २० ४०	२३ २३ १३	मी४६।१९	भ.१४।१४उ.४१।१७या.
११	गु	३४	३१	पू	१७	५५	वि	४३	०	ब	७	५४	२३ १९ ४१	२४ २४ १४	मीने	अपरा ११ व्र.
१२	शु	२७	१९	रे	५०	१३	प्री	३४	३०	कौ	०	५५	२६ १९ ४१	२५ २५ १५	मे.५०।१३	बृषेऽर्कः१०।४४ (सौरः१९।३९) प्रदोषः
१३	श	२०	८	अ	४५	१०	आ	२५	५६	व	२०	८	२८ १८ ४२	२६ २६ १६	मेषे	भ.२०।८उ.४६।४२या.
१४	र	१३	१५	भ	४०	४०	सौ	१७	४९	श	१३	१५	३१ १८ ४२	२७ २७ १७	वृ.५४।४६	रोहिण्यांभौमः५३।१२
३०	चं	७	११	कृ	३७	४	शो	१०	२४	ना	७	११	२४ १७ ४३	२८ २८ १८	वृषे	वक्री बुधः४५।८ वटपूजनम्

४पं. ज्ये.कृ.१मं.इः १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	३	२	७	५	०
२०	१	११	१९	३	८	१४	२०
२७	६	२७	३५	५५	४	१५	२०
२५	२१	११	१३	२८	०	५९	१३
५८	४२	६८	४	६८	१३	३	५७
६	४१	४५	५६	२	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

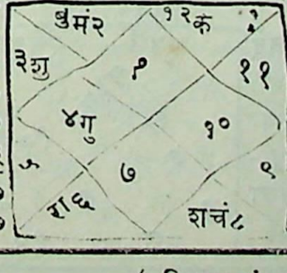

ज्येष्ठ कृष्णे१२ शुक्रे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.५ युवावस्था (सूती) मु ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

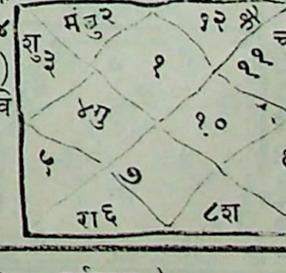

५पं.ज्ये.कृ. ९ मं. इ. १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	३	२	७	५	०
२७	६	१७	२०	१०	८	१३	२७
१३	४	१६	१२	४८	२४	५३	०१
३७	१९	५९	२२	४	१८	४४	२७
५७	४२	२७	६	६६	३४	३	५७
१४	३१	४२	१७	४९	व	११	४२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १५०४स.२०१५

१	मं	२	८	रो	३४	३९	अ	३ ५६	५४ ५३	ब	२	८	३३ ३७	५ ५७	६ ४३	२९	२९	१९	वृषे	चंद्रदर्शनम्
२	मं	५२	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	बु	५६	१७	मृ	३४	१४	धृ	५४	५२	तै	२७	७	३९	१६	४४	३०	१	२०	मि. ३९	पुन.शुक्र:४९।४०सावान८
४	गु	५६	२८	आ	३५	३२	शू	५२	४२	व	२६	२२	४२	१६	४४	३१	२	२१	मिथुने	भ.३३उ.५६या.बुधास्त:पश्चिमायां १८
५	शु	५८	४०	पु	३८	५५	गं	५२	१३	ब	२७	३५	४४	१५	४५	१	३	२२	क.२३।४	हस्त.१राहू:उभा३केतु:३१ भा.=
६	श	६०	०	पु	४३	५०	बृ	५२	४०	कौ	३०	२९	४७	१५	४५	२	४	२३	कर्के	[=ज्येष्ठारंभः
६	र	२	१९	श्ले	५०	२२	धृ	५४	२८	तै	२	१९	४९	१४	४६	३	५	२४	सिं५०।२२	
७	चं	७	४०	म	५७	२२	व्या	५६	३४	ब	७	४०	५२	१४	४६	४	६	२५	सिंहे	भ.७।४०उ.४०।३७या.रोहि.रविः+
८	मं	१३	३४	पू	६०	०	ह	५९	७	ब	१३	३४	५४	१३	४७	५	७	२६	सिंहे	[+३४ १८(सौर:४५।४७
९	बु	१९	५२	पू	५	७	व	६०	०	कौ	१९	५२	५६	१३	४७	६	८	२७	कं.२१।५५	
१०	गु	२५	४६	उ	१२	२०	व	१	२९	ग	२५	४६	५८	१२	४८	७	९	२८	कन्यायां	म.५८।२३उ.गंगादशमी
११	शु	३१	०	ह	१९	१४	सि	३	२२	त्रि	३१	०	३४ ००*	१२	४८	८	१०	२९	तु.५१।५६	भ.३१।०या.निर्जला११व्र.
१२	श	३५	०	चि	२४	३८	व्य	४	१७	ब	३	०	२	१२	४८	९	११	३०	तुलायां	कर्केशुक्र:३८।७
१३	र	३७	३२	स्वा	२८	५२	व	४	१०	कौ	६	१६	३	११	४९	१०	१२	३१	तुलायां	प्रदोषः [÷सावित्रीव्रतम्
१४	चं	३७	३८	वि	३१	३३	प	२	५३	ग	७	३५	५	११	४९	११	१३	१	वृ.१५।५३	भ.३७।३८उ.जून६ता.३०
१५	मं	३७	५५	अ	३२	५८	शि	३ ५५	४९ ४९	त्रि	७	४७	७	११	४९	१२	१४	२	वृश्चिके	भ.७।७या.पुष्येशुक्र:५४गुर्जराणां वट÷

६पं.ज्ये.शु.१मं.इ. १८।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	३	२	७	५	१
३	११	१८	२०	१८	७	१३	३
५८	०	५८	५६	२०	५३	३१	४९
३७	७	३७	३१	४२	४२	२८	१०
५७	४२	२३	७	६५	४०	३	५७
४४	२०	व.	१४	१७	व.	११	३४

७पं.ज्ये.शु. ८मं.इ.१८।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	३	२	७	५	१
१०	१५	१७	२१	२५	७	१३	१०
४२	५३	५	४७	४१	२२	९	२१
२९	३१	४६	१३	२०	२६	१३	३१
५७	४२	२६	८	६३	४०	३	५७
३५	७	व	२२	३२	व	११	२३

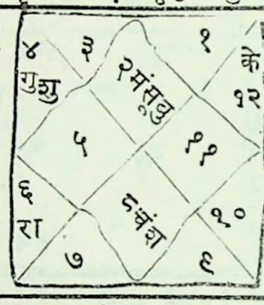

८पं.ज्य.शु.१५मं.इ. १३५

र	म	शु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	३	३	७	५	१
१७	२०	१३	२२	२	६	१२	१७
२५	४४	३३	४४	४३	५१	४६	१२
१९	५३	११	१०	४८	३२	५७	२७
५७	४१	३५ १०	९	६१	३४	३	५७
२७	५६	वे	७	१५	व	११	१३

ति. प्र.आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.

१	बु	३६	८	ज्ये	३२	५७	सा	५२	४४	बा	७	२	३९ ३९	५ १०	६ ५०	१३	१५	३	ध.३२।५७	
२	गु	३३	१४	मू	३१	४८	शु	४७	२३	तै	४	४०	१०	१०	५०	१४	१६	४	धनुषि	वक्रीअनु.१शनि:५०।७
३	शु	२९	२०	पू	२९	५३	शु	४१	३७	व	३	१८	१२	१०	५०	१५	१७	५	म.४४।४६	भ ३।१८उ.२९।२०या.चतुर्थीव्रतम्
४	श	२४	५५	उ	२७	२५	ब्र	३५	१७	बा	२४	५५	१३	९	५१	१६	१८	६	मकरे	मृगेभौमः६।३४
५	र	२०	११	श्र	२४	३५	ऐं	२८	४०	तै	२०	११	१५	९	५१	१७	१९	७	कुं.५३।५	
६	चं	१५	१४	ध	२१	३६	वै	२२	७	व	१५	१४	१६	९	५१	१८	२०	८	कुंभे	भ.१५उ.४३या.मृगेरविः२९(सौर:३४)×
७	मं	१०	१२	श	१८	१७	वि	१५	२१	ब	१०	१२	१७	९	५१	१९	२१	९	कुंभे	बुधोदय:पूर्वस्याँ७।४४
८	बु	४	५२	पू	१४	५८	प्री	८	२०	कौ	४	५२	१८	८	५२	२०	२२	१०	मी०।४७	[×आश्लें.३गुरु:३७
९	बु	५४	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ९	
१०	गु	५३	५४	उ	११	२७	आ	२ १७	५१ ४४	व	२६	४१	१९	८	५२	२१	२३	११	मीन	भ.२६।४१उ.५३।५४या.
११	शु	४८	३३	रे	७	४४	शो	४७	१५	व	२१	१३	१९	८	५२	२२	२४	१२	मे.७।४४	योगिनी११व्र.
१२	श	४२	१७	अ	४	२६	अ	४०	३१	कौ	१५	४९	२०	८	५२	२३	२५	१३	मेषे	मार्गीबुधः४२५७
१३	र	३८	३५	भ	१३	५७ ४६	सु	३४	१५	ग	१०	५५	२१	८	५२	२४	२६	१४	वृ.१५।५०	भ.३८।३५उ.
१४	चं	३४	२८	रो	५७	२८	धृ	२८	३४	वि	६	३१	२१	८	५२	२५	२७	१५	वृषे	भ.६।३१या.मिथुनेऽर्कः२७।४५(सौर:-
२०	मं	३१	३४	मृ	५७	६	शू	२२	२८	च	३	१	२२	८	५२	२६	२८	१६	मि२७।१७	[-४५।२५)मिथुनेभौमः४८।५०

९पं. प्र.आ.कृ.७मं.इ. १३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	३	३	७	५	१
२४	२५	१०	२३	९	६	१२	२३
७	३३	५३	२६	२८	२१	२४	५२
१९	४७	४६	४१	५५	८	४१	२३
५७	४१	१७ २८	९	५८	१६	३	५७
२२	४६	वे	५०	२३	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

प्र.आषाढ़कृष्णे १४चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टःवा. ४ न. ५ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

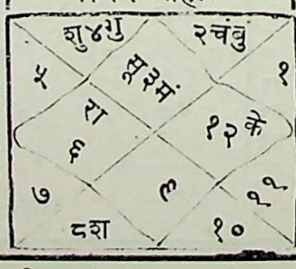

१०पं. प्र.आ.कृ.३०मं.इ. १३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	३	३	७	५	२
०	०	११	२४	१५	५	१२	०
४८	२०	७	५४	४८	५३	२	३१
३६	३८	५२	२९	४०	५३	२६	३२
५७	४१	१७	१०	५४	५८ ३	३	५६
१७	३७	मा	३२	३३	व.	११	५७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. प्र.आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७ दि.उ. अ.भा.मु. इं. चंद्रः ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १५३३स.२०१५

१	बु	३०	६	आ	५८	३	गं	१९	४१	किं	०	५०	३४	५६	२७	२९	१७	मिथुने	आश्ले.शुक्रः १५।३
२	गु	३०	५	पु	६०	०	बृ	१७	११	बा	०	५	२२	८	५२	२८	३०	१८	क.४५।४	चंद्रदर्शनम्
३	शु	३२	४	पु	०	४५	ध्रु	१६	८	तै	१	५	२२	७	५३	२९	११	१९	कर्के	रमजानः९
४	श	३५	१७	पु	५	४	व्या	१५	४१	व	३	४०	२३	७	५३	३०	२	२०	कर्के	भ.३।४०उ.३५।१७या.
५	र	४०	२०	श्ले	१०	४४	ह	१६	४८	व	७	४८	२३	७	५३	३१	३	२१	सिं	१०।४४	
६	चं	४५	४४	म	१७	३१	व	१८	४३	कौ	१३	२	२४	७	५३	१	४	२२	सिंहे	आर्द्रा.रविः २६ (सौरः ४६) भा.आषाढारंभः
७	मं	५१	४८	पू	२४	५३	सि	२१	३	ग	१८	४६	२४	७	५३	२	५	२३	कं	४१।४५	भ.५५।४८उ.
८	बु	५७	५८	उ	३२	२१	व्य	२३	३२	वि	२४	५३	२४	७	५३	३	६	२४	कन्यायां		भ २४।५३या.
९	गु	६०	०	ह	३९	३३	व	२५	४७	बा	३०	४३	२४	७	५३	४	७	२५	कन्यायां		आर्द्रा.भौमः ३५।१६
९	शु	३	२९	चि	४५	४१	प	२७	२०	कौ	३	२९	२३	७	५३	५	८	२६	तु.	१२।३७	आश्ले.४गुरुः १८।३७
१०	श	७	५०	स्वा	५०	३४	शि	२७	५२	ग	७	५०	२३	७	५३	६	९	२७	तुलायां		भ.३९।१२उ.
११	र	१०	३५	वि	५२	४७	सि	२७	१	वि	१०	३५	२२	८	५२	७	१०	२८	वृ.	३७।५९	भ.१०।३५या.कमला ११व्र.
१२	चं	११	३०	अ	५५	६	सा	२५	२	बा	११	३०	२२	८	५२	८	११	२९	वृश्चिके		
१३	मं	१०	३५	ज्ये	५४	४२	शु	२१	२०	तै	१०	३५	२१	८	५२	९	१२	३०	ध.	५४।४२	मृगेबुधः ४५।५८
१४	बु	६	५८	मू	५२	५०	शु	१६	२३	व	६	५८	२०	८	५२	१०	१३	१	धनुषि		भ.६।५८उ.३४।५१या.जुलाई७ता.३१
१५	गु	२	४४	पू	४९	३५	व्र	१०	२३	ब	२	४४	१९	८	५२	११	१४	२	धनुषि		

११पं.प्र.आ.शु.७मं.इ. १९/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	३	३	७	५	२
७	५	१५	२६	२१	५	११	७
२९	५	६	६	३८	२८	४०	०९
३१	३५	४०	२९	३५	३७	१०	५९
५७	४१	४५	११	४९	४० / ३	३	५६
१३	२६	२८	१०	४३	व	११	५४

गोचर ग्रहाः

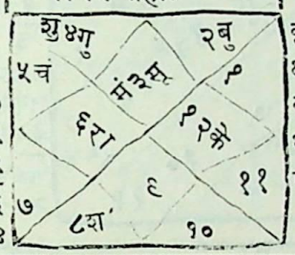

कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय व शुक्ल पक्ष की वृद्धि इसमासमें धान्य धातु कुछ मंदा करेगी रस तेजी होंगे।

गोचर ग्रहाः

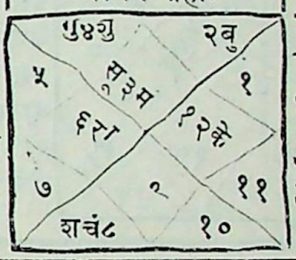

१२पं.प्र.आ.शु.१३मं.इ. १९/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	३	३	७	५	२
१४	९	२२	२७	२६	५	११	१३
९	४८	४३	२२	५०	६	१७	४८
५८	०	२६	१२	४२	१४	५५	।४
५७	४१	७९	११	४३	३ / ३	३	५६
७	१६	११	४७	३४	व	११	५०

त. द्वि आषाढकृष्णपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७ दि. उ अ. भा.मु. इं. चन्द्रः वर्षर्तूरविर्दक्षिणे प्र.आषाढकृष्णेति महा.

१	गु	५४	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
२	शु	५२	१७	उ	४५	३२	ऐं	३२	५२ / २१	तै	२४	५२	३४	५६	१२	१५	३	म.३।३४	
३	श	४५	५०	श्र	४१	१०	वि	४७	५९	व	१९	३	१७	९	५१	१३	१६	४	मकरे		भ.१९।३उ.४५।५०या.
४	र	३९	८	ध	३६	४१	प्री	४०	४	ब	१२	२८	१६	९	५१	१४	१७	५	कुं.	८।५५	मिथुनेबुधः २५।४७मघा.सिंहेशुक्रः=
५	चं	३२	३९	श	३२	१६	आ	३२	११	कौ	५	५४	१५	९	५१	१५	१८	६	कुंभे		पुन.रविः २५।३० (सौरः ५१।०)
६	मं	२६	१४	पू	२८	९	सौ	२४	३६	व	२६	१४	१४	९	५१	१६	१९	७	मी	१४।११	भ २६।१४उ.५३।४०या.
७	बु	२१	६	उ	२४	२९	शो	१७	२८	ब	२१	६	१३	९	५१	१७	२०	८	मीने		[=१४।२३चतुर्थीव्रतम्
८	गु	१६	२	रे	२१	२६	अ	१०	३६	कौ	१६	२	११	१०	५०	१८	२१	९	मे.	२१।२६	आर्द्रा.बुधः १०।४५
९	शु	११	२९	अ	१८	५५	सु	४	१९ / ५४	ग	११	२९	१०	१०	५०	१९	२२	१०	मेषे		भ.३९।३१उ.
१०	श	७	३४	भ	१७	३	शू	५२	१७	वि	७	३४	८	१०	५०	२०	२३	११	वृ.	३१।४४	भ.७।३४या.
११	र	४	२०	कृ	१५	४८	गं	४८	३३	बा	४	२०	७	११	४९	२१	२४	१२	वृषे		बुधास्तः पूर्वस्यां २९।४२कमला ११व्र.
१२	चं	२	२	रो	१५	२३	वृ	४४	४२	तै	२	२	५	११	४९	२२	२५	१३	मि.	३५	
१३	मं	०	२४	मृ	१५	५३	ध्रु	४१	३७	व	०	२४	३	११	४९	२३	२६	१४	मिथुने		भ.२४उ.३७या.मघा.१सिंहेगुरुः०।७
१४	बु	०	२	आ	१७	४८	व्या	३९	२३	श	०	२	१	१२	४८	२४	२७	१५	मिथुने		पुन.भौमः ३४।४८
३०	गु	०	३५	पु	२०	४९	ह	३८	३८	ना	०	३५	५९	१२	४८	२५	२८	१६	क.	५।४	कर्केऽर्कः ५४।५६पुन.बुधः ३।१६

१३पं.द्वि.आ.कृ.६मं. इ. १९/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	३	४	७	५	२
२०	१४	३	२८	१	४	१०	२०
५०	२९	२०	४१	१२	४७	५५	२५
२४	१७	१०	४६	४०	२४	३९	५८
५७	४०	७९	१२	३५	२ / २०	३	५६
७	४७	९	१४	१०	व.	११	५०

गोचर ग्रहाः

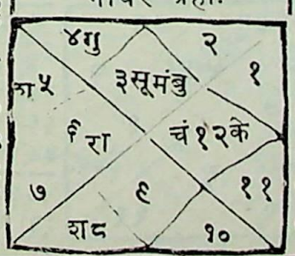

द्वि. आषाढ कृष्णे ३० गुरौ कर्के ऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि-भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

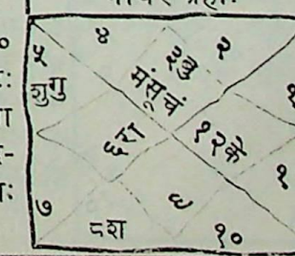

१४पं.द्विआ.कृ.१३मं.इ. १९/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	४	४	७	५	२
२७	१९	१६	०	४	४	१०	२७
३०	८	२७	३	३०	३२	३३	५
४३	६	१४	४७	३२	३५	२३	५
५७	४०	७९	१२	२४	१/४६	३	५६
७	४०	९	३२	१७	व.	११	५४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. द्वि.आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७ दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण १५६३स.२०१५

१	शु	३	१	पु	२५	४	व	३८	१६	ब	३	१	३३ ५ ४७	२६	२९	१७	कर्क		कर्केऽर्कः सौरः २३।४४
२	श	६	३०	श्ले	३०	२६	सि	३९	४	कौ	६	३०	५५ १३ ४७	२७	३०	१८	सि	३०।२६	चंद्रदर्शनम् रथयात्राः
३	र	११	२५	म	३६	५५	व्य	४०	३२	ग	११	२४	५२ १४ ४६	२८	१	१९	सिंहे		भ. ४४।३ उ. सव्वाल १०
४	चं	१६	४२	पू	४४	७	व	४२	४०	वि	१६	४२	५० १४ ४६	२९	२	२०	सिंहे		भ. १६।४२ या. पुष्ये रविः २४।१४ ×
५	मं	२२	५४	उ	५१	४२	प	४५	१६	बा	२२	५४	४८ १४ ४६	३०	३	२१	कं.	१।१	[× सौरः ५४।२५) कर्के बुधः ४२।५५
६	बु	२९	९	ह	५९	८	शि	४७	५०	तै	२९	९	४५ १५ ४५	३१	४	२२	कन्यायां		पुष्ये बुधः १८।२
७	गु	३५	८	चि	६०	०	सि	४९	५३	ग	२	८	४३ १५ ४५	१	५	२३	तु.	३२।३६	भ. ३५।८ उ. भा. श्रवणारंभः
८	शु	३९	५७	चि	६	४	सा	५१	१४	वि	७	३२	४० १६ ४४	२	६	२४	तुलायां		भ. ३५या. उफा. ४ राहुः उभा २केतुः ४७
९	श	४३	२६	स्वा	११	५०	शु	५१	३१	बा	११	४२	३८ १६ ४४	३	७	२५	तुलायां		वक्री शुक्रः ४५।२३
१०	र	४५	८	वि	१६	१७	शु	५०	१८	तै	१४	१७	३५ १७ ४३	४	८	२६	वृ.	०।१०	
११	चं	४४	५५	अ	१९	७	व्र	४७	३६	व	१५	२	३३ १७ ४३	५	९	२७	वृश्चिके		भ. १५।२ उ. ५४ या. देवशयनी ११ व्र.
१२	मं	४२	२८	ज्ये	१९	५	एं	४३	१८	ब	१३	४२	३० १८ ४२	६	१०	२८	ध.	१९	आश्ले. बुधः ३७।३५
१३	बु	३८	१७	मू	१७	३२	वै	३७	२४	को	१०	२३	२७ १९ ४१	७	११	२९	धनुषि		प्रदोषः
१४	गु	३२	१७	पू	१४	१९	वि	३०	१३	ग	५	१७	२४ १९ ४१	८	१२	३०	म.	२८।५	भ. ३२ उ. ५७या. कर्के भौमः ४५ वायु परीक्षा
१५	शु	२४	५६	उ	९	२५	प्री	२१	४६	व	२४	५६	२३ २० ४०	९	१३	३१	मकरे		मघा. २ गुरुः १३।२ व्यास पूजा गुरु १५

१५पं द्वि आ.शु.५मं.इः १८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	४	४	७	५	३
४	२३	१	१	६	४	१०	३
११	४५	१३	२८	२३	२२	११	४२
२८	०	५९	२३	२४	२०	८	३२
५७	४०	५९	१२	१०	११	३	५६
१५	२९	९	५६	२४	व	११	५८

गोचर ग्रहाः

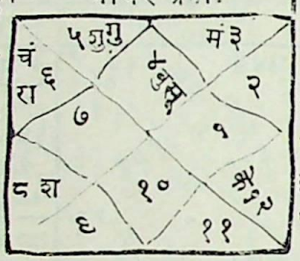

इस मासमें ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य गल्ला धातु रस रूई कपासु वारदाना गन्ने में तेजी हो प्रजा में रोग फैले।

गोचर ग्रहाः

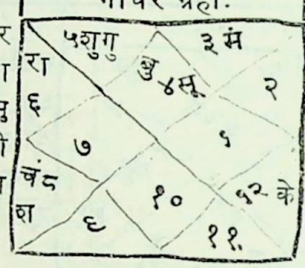

१६पं.द्वि.आ.शु.१२मं.इ ९५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	४	४	७	५	३
१०	२८	१५	२	६	४	९	१०
५२	२०	५९	५४	३३	१६	४८	२१
३०	३८	५६	३७	११	४८	५२	४९
५७	४०	५९	१३	५६	२०	३	५७
२०	१७	२५	१४	व.	व	११	५

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७ दि. उ. अ. भा. मु इं | चन्द्रः | वर्षर्तू रविरुत्तरे द्वि.आषाढकृष्णेति महा.

१	श	१६	५२	श्र	३८	५३ ५०	आ	१२	४५	कौ	५	५२	३३ १९ २० ४०	१०	१४	१	कुं.	३०।३२	मार्गी शनिः ३।१ अगस्त ८ ता. ३१
२	र	८	३२	श	५१	६	सौ	२५	५५ २५	ग	८	३२	१६ २१ ३९	११	१५	२	कुंभे		भ. ३४।२१ उ.
३	चं	०	११	पू	४५	१२	अ	४४	३५	वि	०	११	१२ २१ ३९	१२	१६	३	मी.	३१ ४५	भ. ०।११ या. आश्ले. रविः २१।१५ =
४	चं	५२	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०	०	०	०		[=(सौरः ५५।१२) चतुर्थी व्रतम्
५	मं	४५	१७	उ	४०	१	सु	३५	५४	कौ	१८	४९	१० २२ ३८	१३	१७	४	मीने		सिंहे मघायां बुधः २८।२४ पुष्ये भौमः+
६	बु	३८	५५	रे	३५	३५	भृ	२७	५३	ग	१२	६	७ २३ ३७	१४	१८	५	मे.	३५	भ. ३८।५५ उ. बुधोदयः पश्चिमायां २५
७	गु	३३	५६	अ	३२	२५	शू	२०	४९	वि	६	२५	४ २३ ३७	१५	१९	६	मेषे		भ. ६।२५ या. [+ ३९ नाग ५ मरुस्थले
८	शु	३०	४	भ	३०	१९	गं	१४	३५	चा	२	४२	० २४ ३६	१६	२०	७	मेषे		शुक्रास्तः पश्चिमायां ३१।१२
९	श	२७	२६	कृ	२९	२४	वृ	९	२६	ग	२७	२६	५३ २५ ३५	१७	२१	८	वृ.	४५।५	भ. ५६।३५ उ.
१०	र	२५	४५	रो	२९	३५	ध्रु	५	१६	वि	२५	४५	५४ २५ ३५	१८	२२	९	वृषे		भ. २५।४५ या.
११	चं	२५	२६	मृ	३१	३	व्या	४९	५७ ५०	बा	२५	२६	५० २६ ३४	१९	२३	१०	मि.	१९	कामिका ११ व्र.
१२	मं	२६	२७	आ	३३	४६	व	५८	४	तै	२६	२७	४७ २७ ३३	२०	२४	११	मिथुने		उदयं भौमः ५०।५५ प्रदोषः
१३	बु	२८	२५	पु	३७	१३	सि	५७	४६	व	२८	२५	४४ २७ ३३	२१	२५	१२	कं.	२१	भ. ३८ उ. ५९ या. पूफा. बुधः २।४६
१४	गु	३१	२६	पु	४१	५०	व्य	५७	३८	श	३१	२६	४० २८ ३२	२२	२६	१३	कर्के		वक्री कर्के आश्ले. शुक्रः ३५।३५
२०	शु	३५	३०	श्ले	४७	३९	व	५८	३४	च	३	२८	३७ २९ ३१	२३	२७	१४	सिं	४७।३८	अस्तं गुरोः ३६।० हरियाली

१७ पं.श्रा.कृ.५मं.इ.१९ ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	४	४	७	५	३
१७	२२	९	४	४	४	९	१७
३४	५४	३९	२४	४८	१५	२६	१
१२	७	५०	७	४०	५४	३७	३७
५७	४०	५९	१३	३३ १४	१९	३	५७
२५	१३	१७	२६	वंमा	११	१२	

गोचर ग्रहाः

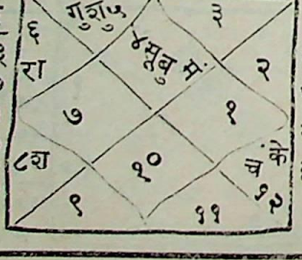

इस मास में ५ शनिवार है धान्य गल्ला धातु रस रुई कपास वारदाना गन्ने में तेजी हो प्रजा में रोग फैले

गोचर ग्रहाः

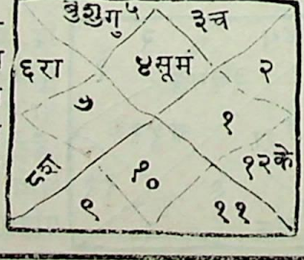

१८पं.श्रा.कृ.१२मं.इ. १७ ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	४	४	७	५	३
२४	७	१२	५	१	४	९	२३
१६	२६	२५	३	१८	२०	४	४२
३७	१७	४२	४९	३२	२	२१	४४
५७	४०	५९	१३	३४ १०	१	३	५७
३३	२	७	३२	व.	४	११	२२

(सं० २००१ संवारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चंद्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५९२स.२०१५
१	श	४०	३४	म	५४	१८	प	६०	०	कि	८	२	३३	२९	३५	२४	२८	१५	सिंहे	मघा. ३ गुरुः ०।५६
२	र	४६	१४	पू	६०	०	प	०	१७	बा	१३	२४	३०	३०	३०	२५	२९	१६	सिंहे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	५२	२१	पू	१	१९	शि	२	२२	तै	१९	१७	२६	३१	२९	२६	१	१७	कं	१८।२९ मघा. सिंहेऽर्कः १५।१७ (सौरः ३१)=
४	मं	५८	४५	उ	८	५९	सि	४	५०	व	२५	३३	२२	३२	२८	२७	२	१८	कन्यायां	भ. २५।३३ उ. ५८।४५ या. वरद ४
५	बु	६०	०	ह	१६	३३	सा	७	४	ब	३१	५१	१९	३२	२८	२८	३	१९	तुं.	५०।१७ नाग पंचमी
६	गु	४	५८	चि	२४	२	शु	९	४१	बा	४	५८	१५	३३	२७	२९	४	२०	तुलायां	उफा. बुधः ३४।३०
७	शु	१०	१६	स्वा	३०	२६	शु	११	४९	तै	१०	१६	१२	३४	२६	३०	५	२१	तुलायां	[=जिल्काद ११ तीज
८	श	१४	३२	वि	३५	५९	ब्र	१२	४९	ब	१४	३२	८	३४	२६	३१	६	२२	वृ.	१९।३४ भ. १४।३२ उ. ४५।४७ या. कन्यायां ×
९	र	१७	१	अ	३९	५९	ऐं	१२	४१	ब	१७	१	४	३५	२५	१	७	२३	वृश्चिके	भा. भाद्रपदारंभः
१०	चं	१८	१६	ज्ये	४२	४	वै	११	२३	कौ	१८	१६	१	३६	२४	२	८	२४	ध.	४२।४ [×बुधः ३३ शुक्रोदयः पूर्वस्यां १८।०
११	मं	१७	७	मू	४२	४	वि	८	३२	ग	१७	७	३१	३७	२३	३	९	२५	धनुषि	भ. ४५।३३ उ. आश्ले. भौमः ३८।५६
१२	बु	१३	५९	पू	४०	२	प्री	५	४९	वि	१३	५९	५३	३७	२३	४	१०	२६	म.	५४।३ भ. १३।५९ या. पवित्रा ११ व्र.
१३	गु	८	४९	उ	३६	८	सौ	५०	२	बा	८	४९	४९	३८	२२	५	११	२७	मकरे	प्रदोषः
१४	शु	१	४५	श्र	३०	३०	शो	४१	१	तै	१	४५	४६	३९	२१	६	१२	२८	कुं.	५७।१३ भ. ५३।२३ उ.
१५	शु	५१	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० [+भद्रोत्तरे
१५	र	४४	१८	ध	२३	२५	अ	३१	६	वि	१८	५०	४२	४०	२०	७	१३	२९	कुम्भे	भ. ५० या. श्रावणी कर्म रक्षाबंधनम् +

१९प.श्रा.शु.४मं.इ.१७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	४	३	७	५	४
०	१	२३	७	२६	४	८	०
५९	५६	११	२४	५८	२८	४२	२४
१३	४२	३१	४०	२६	३३	५	५७
५७	३९	९१	१३	३५	१	३	५७
४०	४६	१९	३८	व	३७	११	३४

गोचर ग्रहाः

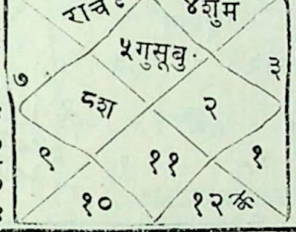

श्रावण शुक्ले ३ रवौ: सिंहेऽर्कः प्रविष्टःवा.५ न.५ युवावस्था [सूती] मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रास्तः पश्चिमायाँ

गोचर ग्रहाः

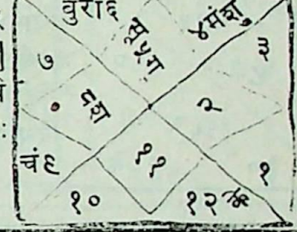

२०प.श्रा.शु.१० मं.इ.१७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	४	३	७	५	४
७	१६	३	८	२३	४	८	७
४४	२५	५	५६	३	४१	१९	८
२०	४८	३५	१०	५४	२८	५०	२५
५७	३९	७७	१३	३३	२	३	५७
४९	२९	३३	३८	व.	२२	११	४५

ति	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७									दि. उ. अ.			भा. मु. इं			चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	र	३४	३१	श	१६	२५	सु	२०	३६	बा	९	२५	३३	५८	४०	२०	८	१४	३०	मी. ५४ हस्ते बुधः ३३ मघा. ४ गुरुः १४।४३
२	चं	२५	८	पू	८	५१	धृ	१०	४९	ग	२५	८	३४	४१	१९	९	१५	३१		मीने भ. ५३ उ. पूफा. रविः ५४ (सौरः ४२)
३	मं	१५	५९	उ	३८	५३	गं	४९	३७	वि	१५	५९	३०	४२	१८	१०	१६	१	मे.	५५।७ भ. ५९ या. सितम्बर ९ ता.३० चतुर्थी व्र.
४	बु	७	४५	अ	५०	५	वृ	४०	३७	बा	७	४५	२६	४३	१७	११	१७	२		मेषे
५	गु	१	९	भ	४६	२	ध्रु	३२	४७	तै	१	९	२२	४४	१६	१२	१८	३		मेषे भ. ५५।५६ उ. चन्द्र षष्ठी
६	गु	५४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०
७	शु	५२	३१	कृ	४४	०	व्या	२६	१९	वि	२४	१३	१८	४४	१६	१३	१९	४	वृ.	१।२ भ. २४।१३ या.
८	श	५०	४९	रो	४३	३५	ह	२१	१४	बा	२१	५२	१५	४५	१५	१४	२०	५		वृषे मार्गी शुक्रः ४९।५६ जन्माष्टमी व्र.
९	र	५०	३५	मृ	४४	३९	व	१७	२०	तै	२०	४२	११	४६	१४	१५	२१	६	मि.	१४ गोगा ९
१०	चं	५२	७	आ	४६	२३	सि	१४	५३	व	२१	२१	७	४७	१३	१६	२२	७		मिथुने भ. २१।२१ उ. ५२।५७ या.
११	मं	५४	४९	पु	५१	३६	व्य	१३	३०	ब	२३	२८	३	४७	१३	१७	२३	८	क.	३५।१८ उदयं गुरोः ४०।४८ अजा. ११ व्र.
१२	बु	५८	४८	पु	५६	४२	व	१३	२०	कौ	२६	४९	३२	४८	१२	१८	२४	९		कर्के वत्स द्वादशी
१३	गु	६०	०	श्ले	६०	०	प	१४	५	ग	३१	१०	५५	४९	११	२९	२५	१०		कर्के प्रदोषः
१३	शु	३	३२	श्ले	२	४७	शि	१५	११	व	३	३२	५१	५०	१०	२०	२६	११	सिं.	४७ भ. ३।३२ उ. ३६।२७ या.
१४	श	९	२२	म	९	३७	वि	१७	६	श	९	१२	४७	५१	९	२१	२७	१२		सिंहे [A मन्वादिः
१०	र	१५	१३	पू	१६	४८	सा	१९	४	ना	१५	१३	४३	५१	९	२२	२८	१३	कं.	३३।५१ उफा.रविः ४९ कुशाग्रहणी पिठोरी३०A

२१प.भा.कृ.३म.इ.१७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	४	३	७	५	४
१४	२०	११	१०	२०	४	७	१३
३०	५३	३१	२७	४२	५९	५७	५३
०	३५	५९	५०	११	६	३४	२७
५८	३९	६०	१३	५१	३	३	५७
१	२९	५४	३८	व.	६	११	५७

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चना चावल मूंग मोठ सोना चांदी लोहा वस्त्र रूई गुड शक्कर तेज। गुरु मंगल के योग से सुदी में वर्षा कम हो।

गोचर ग्रहाः

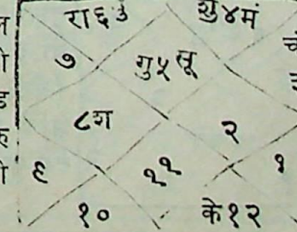

२२प.भा.कृ.११मं.इ.१७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	४	३	७	५	४
२१	२५	१८	११	२०	५	७	२०
१७	१९	३	५९	१५	२१	३५	४०
२	३७	१८	१०	३२	२२	१९	१७
५८	३९	३९	१३	५५	३	३	५८
१३	११	२	३२	मा	४१	११	१२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्ष सं० २०७२ शाकः १९३७									दि. उ. अ.		भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६२२स.२०१५
१	चं	२१	२०	उ	२५	१	शु	२१	२८	ब	२१	२०	३९	५२	६	२३ २९ १४ कन्यायां उफा.रविःसौर २७।८पूफा.१गुरुः २४।३८
२	मं	२७	४३	ह	३२	४	शु	२२	५५	कौ	२७	४३	३५	५३	७	२४ ३० १५ कन्यायां मघा.सिंहेभौमः ३९।५१चंद्रदर्शनम्
३	बु	३३	४९	चि	३९	२८	ब्र	२६	४६	तै	०	४६	३१	५४	६	२५ १ १६ तु.५।४६ वक्रीबुधः ४२।४१जिल्हेज १२हरितालिका ३
४	गु	३९	१७	स्वा	४६	१४	ऐं	२८	११	व	६	३३	२७	५५	५	२६ २ १७ तुलायां भ.६।३३उ.३९या.कन्यायामर्कः १४।३९+
५	शु	४३	४७	वि	५२	१७	वै	२९	३७	ब	११	२८	२२	५६	४	२७ ३ १८ वृ.३५।४६ ऋषि पंचमी
६	श	४७	११	अ	५६	५७	वि	३०	२६	कौ	१५	२८	१८	५६	४	२८ ४ १९ वृश्चिके [+(सौरः५२।१९)गणेश चतुर्थी
७	र	४९	१०	ज्ये	६०	०	प्री	३०	४	ग	१८	७	१४	५७	३	२९ ५ २० वृश्चिके भ.४९।१०उ.
८	चं	४९	२५	ज्ये	०	३१	आ	२८	२५	वि	१९	१७	९	५८	२	३० ६ २१ घ.०।३१ भ.१९।१७या
९	मं	४७	४८	मू	२	२५	सौ	२५	२३	बा	१८	३६	५	५९	१	३१ ७ २२ धनुषि [×अनु.२शनिः३९अनंत १४महालयारंभः
१०	बु	४४	१९	पू	२	२५	शो	२०	५३	तै	१६	३	३०	६	६	१ ८ २३ म.१६।५५ भा.आश्विनारंभःरामदेवजी का मेला
११	गु	३८	५०	उ	२६	५६ १९	अ	१४	५०	व	११	३४	२९	६	५९	२ ९ २४ मकरे भ.११।३४उ.३८।५०या.बुधास्तःपश्चि-=
१२	शु	३१	५०	ध	५१	१४	सु	७	५१ १२	ब	५	५०	५२	२	५८	३ १० २५ कु.२३।५६ उफा.३राहुःउभा.१केतुः४०।०वामनजयंती
१३	श	२३	२१	श	४४	२४	शू	४८	२८	तै	२३	२१	४८	२	५८	४ ११ २६ कुम्भे प्रदोषः [=मायां२३।११जलझूलनी११ब्र.
१४	र	१३	४६	पू	३६	५९	गं	३७	४७	व	१३	४६	४४	३	५७	५ १२ २७ मी.३३ भ.१३।४६उ.३८।५२या.हस्तेरविः २७ ×
१५	चं	३	५७	उ	२८	४९	वृ	२६	४८	व	३	५७	४०	४	५६	६ १३ २८ मीने हस्तेरविःसौरः४।४९

२३पं.भा.शु.२मं.इ. १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	४	३	७	५	४
२८	२९	२१	१३	२१	५	७	२७
५	४५	४३	२९	३९	४७	१३	२८
२४	४	५२	२८	७	१३	३	३५
५८	३९	५	१३	२०	४	३	५८
२६	४	५८	२६	२०	२०	११	२९

गोचर ग्रहाः

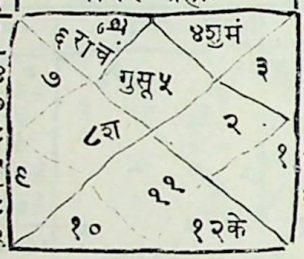

भाद्रपद शुक्ले ४ गुरौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४न. ४ बृद्धावस्था (बैठी मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

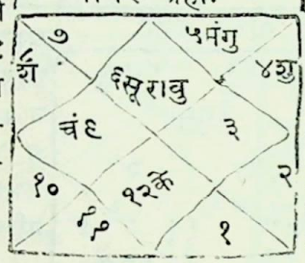

२४पं.भा.शु.९मं.इ. १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	४	३	७	५	५
४	४	२०	१४	२४	६	६	४
५५	८	५०	५८	३६	१७	५०	१८
१६	२८	२	३०	५८	१०	४७	४२
५८	३८	२३	१३	३१	४	३	५८
३८	५४	व.	२०	५८	५०	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७									दि. उ. अ.		भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेभाद्र. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४९	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	मं	४४	३४	रे	२१	१	ध्रु	१५	४५	तै	१९	१४	२९	६	५५	७ १४ २९ से.२१।१
३	बु	३६	१०	अ	१३	४९	व्या	५	५९	व	१०	१९	३२	६	५४	८ १५ ३० मेषे भ.१९उ.३६या.पूफा.२गुरुः २०।५८
४	गु	२९	७	भ	८	०	व	४७	७	ब्र	२	४१	२८	६	५४	९ १६ १ वृ.३३ मघा.सिंहेशुक्रः १।४१अक्टूबर १०ता.३१+
५	शु	२४	१०	कृ	३	४७	सि	४०	२	तै	२४	१०	२३	७	५३	१० १७ २ वृषे [+ चतुर्थी व्रतम्
६	श	२१	४	रो	१	५०	व्य	३४	३५	व	२१	४	१९	८	५२	११ १८ ३ मि.३१ भ.२१।४उ.३९या.वक्रीउफा..बुधः३५
७	र	२०	५	मृ	१	४	व	३०	५१	व	२०	५	१५	९	५२	१२ १९ ४ मिथुने
८	चं	२१	१३	आ	२	४०	प	२८	१९	कौ	२१	१३	११	१०	५०	१३ २० ५ क.५०।१६
९	मं	२३	५०	पु	६	८	शि	२७	५८	ग	२३	५०	७	११	४९	१४ २१ ६ कर्के भ.५५उ.मातृ९ (सौभाग्यवतीनां श्रा.)
१०	बु	२८	३	पु	११	१२	सि	२८	२९	वि	२८	३	३	११	४९	१५ २२ ७ कर्के भ.२८।३या.पूफा.भौमः०।५६
११	गु	३३	१४	श्ले	१७	२९	सा	२९	३८	व	०	३४	३९	१२	४८	१६ २३ ८ सिं.३९ बुधोदयःपूर्वस्या १।३८इंदिरा११ब्र.
१२	शु	३९	२५	म	२४	४०	शु	३१	५४	कौ	६	२५	५५	१३	४७	१७ २४ ९ सिंहे मार्गी बुधः४६।२४
१३	श	४५	४६	पू	३१	५५	शु	३३	५६	ग	१२	३५	५१	१४	४६	१८ २५ १० क.४८।५० भ.४६उ.चित्रा.रविः५९।५०प्रदोषः
१४	र	५१	५८	उ	३९	३५	ब्र	३६	२५	वि	१८	५२	४७	१५	४५	१९ २६ ११ कन्यायां भ.५३या.चित्रा.रविःसौरः३३शस्त्रादि ×
३०	चं	५८	६	ह	४७	४	ऐं	३८	४३	च	२५	२	४३	१५	४५	२० २७ १२ कन्यायां सर्व पितृ ३० [×हतानां श्रा.

२५पं.आ.कृ.२मं.इ.१६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	५	३	७	५	५
११	८	१४	१६	२८	६	६	११
४६	३०	२९	२५	४८	५०	२८	१०
५२	५६	३५	५५	३६	५३	३२	४१
५८	३८	६३	१३	४०	५	३	५९
५३	४७	व.	८	४७	१६	११	००

गोचर ग्रहाः

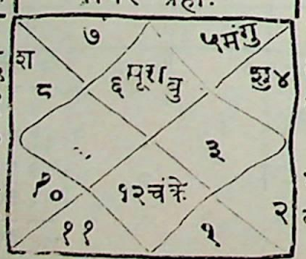

आश्विन शुक्ले ४शनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदय पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

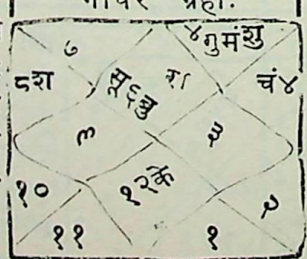

२६पं.आ.कृ.९मं.इ.१६।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	४	४	७	५	५
१८	१२	८	१७	३	७	६	१८
४०	५१	३	५१	५७	२७	६	४
८	७	७	३६	५४	२९	१६	२८
५९	३८	४३	१२	४७	५	३	५९
९	५९	व.	४३	३५	४४	११	१६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतौ रविरुत्तरेऽहर्गणः १६५१ स. २०१५

१	मं	६०	०	चि	५४	१४	वै	४०	४५	कि	३०	५८	३९	१६	४४	२१ २८ १३	तु. २०।३९	नवरात्रारंभः मातामहश्राद्धम्
१	बु	३	५१	स्वा	६०	०	वि	४२	३८	ब	३	५१	३५	१७	४३	२२ २९ १४	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
२	गु	८	५५	स्वा	०	५७	प्री	४३	४४	कौ	८	५५	३१	१८	४२	२३ १ १५	वृ. ५०।१८	हस्ते बुध. ५८।८ मोहोरम १ सन् १४३७ हि.
३	शु	१३	१०	वि	६	४५	आ	४४	१०	ग	१३	१०	२७	१९	४१	२४ २ १६	वृश्चिके	भ. ४४।४५उ.
४	श	१६	२०	अ	११	३२	सौ	४३	३८	वि	१६	२०	२३	१९	४१	२५ ३ १७	वृश्चिके	भ. १६ या. तुलायामर्कः ४९ पूफा. शुक्र. १३ +
५	र	१८	३०	ज्ये	१५	२८	शो	४२	४५	बा	१८	३०	२०	२०	४०	२६ ४ १८	ध. १५।२८	तुलार्कः सौरः १८।७
६	चं	१९	२१	मू	१८	४	अ	४०	४०	तै	१९	२१	१६	२१	३९	२७ ५ १९	धनुषि	[+पूफा. ३ गुरुः २३।१४
७	मं	१८	४५	पू	१९	२१	सु	३७	१३	व	१८	४५	१२	२२	३८	२८ ६ २०	म. ३४।१९	भ. १८।४५उ. ४७।४६ या.
८	बु	१६	४७	उ	१९	१५	धृ	३२	४५	ब	१६	४७	८	२२	३८	२९ ७ २१	मकरे	
९	गु	१३	२	श्र	१७	२२	शू	२६	५२	कौ	१३	२	४	२३	३७	३० ८ २२	कुं. ४५।४३	
१०	शु	८	२	ध	१४	३	गं	१९	५०	ग	८	२	०	२४	३६	१ ९ २३	कुम्भे	भ. ३४।४५उ. भा. कार्तिकारंभः
११	श	१	२८	श	९	२२	वृ	११	४३	वि	१	२८	२५	२५	३५	२ १० २४	मी ४९।५८	भ. १।२८ या. स्वात्यांरविः २५।४१ (सौरः ÷
१२	श	५२	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	[÷ ५९।१०) पापां कुशा ११ व्र.
१३	र	४४	५८	पू	३०	५३	धु	३५	५२	कौ	१९	१९	५३	२५	३५	३ ११ २५	मीने	चित्रा. बुधः ३८।१९ प्रदोषः
१४	चं	३५	३४	रे	४९	६	ह	४१	४९	ग	१०	१६	४९	२६	३४	४ १२ २६	मे. ४९।६	भ. ३५ उ. कोजागरी व्रतम् शरद्पूर्णिमास्मा.
१५	मं	२६	१	अ	४१	४१	व	३१	६	वि	०	४७	४५	२७	३३	५ १३ २७	मेषे	भ. ४७ या. का. स्ना. प्रा. शरद्पूर्णिमा वै.

२७ पं. आ. शु. १ मं. इ. १६।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	४	४	७	५	५
२५	१७	८	१९	९	८	५	२५
३५	१२	२	१४	४८	७	४४	००
२	४	३५	३८	११	५	१	१०
५९	३८	४१	१२	५२	६	३	५९
२१	२२	मी	२०	३४	६	११	३१

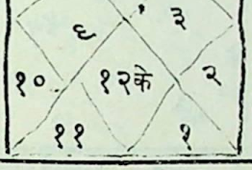

२८ पं. आ. शु. ७ मं. इ. १६।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	४	४	७	५	६
२	२१	१५	२०	१६	८	५	१
३१	३०	११	३४	१२	४९	२१	५७
५६	२२	४६	२३	५०	८	४५	३५
५९	३८	८३	११	५६	६	३	५९
३४	१४	५३	५६	४३	२६	११	४४

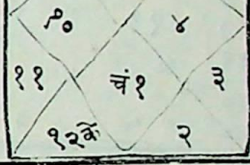

२९ पं. आ. शु. १५ मं. इ. १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	४	४	७	५	६
९	२५	२५	२१	२३	९	४	८
२९	४०	५८	५०	४	३३	५९	५६
४२	३४	२६	५३	३४	०	२९	५५
५९	३७	९७	११	५९	६	३	६०
४७	५०	२२	१७	५५	३८	११	२

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७	दि. उ. अ. भा. मु. इं.	चन्द्रः	हेमंततौ रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.

१	बु	१७	१२	भ	३४	५०	सि	२०	५०	कौ	१७	१२	२७	२६	३२	६ १४ २८	वृ. ४८।२३	उफा. भौमः ५०।११ बुधास्त. पूर्वस्यां ५।११
२	गु	९	२१	कृ	२९	०	व्य	११	९	ग	९	२१	३७	२९	३१	७ १५ २९	वृषे	भ. ३६।८उ. तुलायांबुधः ४४।४८
३	शु	२	५५	रो	२४	५६	व	३३	५३	वि	२	५५	३४	२९	३१	८ १६ ३०	मि ५३।४७	भ. २।५५ या. उफा. शुक्रः ४६ करकचतुर्थी व्र.
४	शु	५५	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	
५	श	५५	५८	मृ	२२	३९	शि	४९	५५	कौ	२७	७	३०	३०	३०	९ १७ ३१	मिथुने	अनु. ३शनिः ३०।१०
६	र	५५	४९	आ	२२	३२	सि	४६	१३	ग	२५	५३	२७	३१	२९	१० १८ १	मिथुने	भ. ५५।४९उ नवम्बर ११ ता. ३०
७	चं	५७	४१	पु	२४	३१	सा	४४	१	वि	२६	४५	२३	३१	२९	११ १९ २	क. ९।१	भ. २६।४५ या. स्वात्यांबुधः ४१।५३
८	मं	६०	०	पु	२८	२७	शु	४२	४६	बा	२९	३४	१९	३२	२८	१२ २० ३	कर्के	कन्यायां शुक्रः १।२५ कन्यायांभौमः १२
८	बु	१	२७	श्ले	३४	१	शु	४४	११	कौ	१	२७	१६	३३	२७	१३ २१ ४	सिं ३४।१	पूफा. ४ गुरुः ५०।३०
९	गु	६	५	म	४१	४९	ब्र	४५	१३	ग	६	५	१२	३४	२६	१४ २२ ५	सिंहे	भ. ३९।२५उ.
१०	शु	१२	४६	पू	४८	७	ऐं	४७	५८	धि	१२	४६	९	३४	२६	१५ २३ ६	सिंहे	भ. १२।४६ या. विशा. रविः ४६।७
११	श	१९	६	उ	५५	५२	वै	५०	२५	बा	१९	६	५	३५	२५	१६ २४ ७	कं. ५।३	विशा. रविः सौरः १६।३४ रमा ११ व्र.
१२	र	२५	४२	ह	६०	०	वि	५२	५२	तै	२५	४२	२	३६	२४	१७ २५ ८	कन्यायां	
१३	चं	३१	५३	ह	३	२२	प्री	५४	४४	व	३१	५२	२६	३६	२४	१८ २६ ९	तु. ३६।५३	भ. ३१।५२उ. प्रदोषः धन १३
१४	मं	३७	२५	चि	१०	२५	आ	५६	२१	वि	४	३९	५५	३७	२३	१९ २७ १०	तुलायां	भ. ४।३९ या. विशा. बुधः ४६।३२ रुप १४
२०	बु	४२	९	स्वा	१६	४६	सो	५७	५	च	९	४७	५२	३८	२२	२० २८ ११	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

३० पं. का. कृ. ८ मं. इ. १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	४	५	७	५	६
१६	०	७	२३	०	१०	४	१५
२९	१	३६	३	१४	१९	३७	५७
२८	५२	४७	११	५३	८	१४	५९
६०	३७	०	१०	६२	६	३	६०
४	३६	५	३९	१९	५६	११	१८

गोचर ग्रहाः

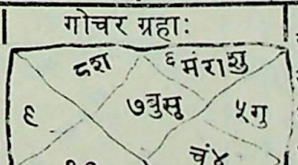

इस मास में धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा रस तेज होवे धान्य बाजरा मूंग मोठ बदि में तेज होकर सुदि में मन्दे हो।

गोचर ग्रहाः

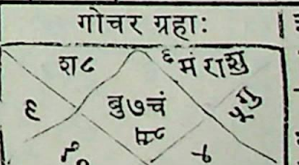

३१ पं. का. कृ. १४ मं. इ. १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	४	५	७	५	६
२३	४	१९	२४	७	११	४	२३
३०	१५	७	१०	४३	७	१४	००
५०	२९	४८	३०	४४	८	५८	३२
६०	३७	०	९	६४	७	३	६०
१७	२२	५	५४	१३	८	११	३०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६८१स.२०१५
१	गु	४५	२५	वि	२१	५९	शो	५६	५८	किं	१३	४७	२६	३८	५२	२१	२९	१२	वृ.५।४१	हस्तेशुक्रः २२।५२ अन्नकूट गोवर्धन पूजा
२	शु	४७	४३	अ	२६	३४	अ	५६	११	बा	१६	३४	४५	३९	२१	२२	३०	१३	वृश्चिके	अस्तंशनैः १२।० चंद्रदर्शनम् भातृ२यम२
३	श	४९	१३	ज्ये	२९	५४	सु	५४	३४	तै	१८	२८	४२	४०	२०	२३	१	१४	ध.२९।५४	सफर२
४	र	४९	३५	मू	३२	७	धृ	५१	५९	व	१९	२४	३९	४०	२०	२४	२	१५	धनुषि	भ.१९।२४उ.४९।३५या.
५	चं	४८	५२	पू	३३	२७	शू	४८	४६	ब	१९	१४	३६	४१	१९	२५	३	१६	म.४८।३२	वृश्चिकेऽर्कः ४२।१२
६	मं	४७	८	उ	३३	२८	गं	४४	४३	कौ	१८	०	३३	४१	१९	२६	४	१७	मकरे	वृश्चिकेऽर्कः सौरः १०।५१ वृश्चि.बुधः १।७
७	बु	४४	१५	श्र	३२	४८	बृ	३९	४५	ग	१५	४१	३०	४२	१८	२७	५	१८	मकरे	भ.४४।१५उ. [=गोपाष्टमी
८	गु	४०	२८	ध	३०	५७	धृ	३३	५८	वि	१२	२२	२७	४३	१७	२८	६	१९	कुं.१।५२	भ.$\frac{1}{3}$३या.अनु.बुधः$\frac{2}{5}$हस्ते.भौमः$\frac{4}{3}$=
९	शु	३५	४८	श	२८	४	व्या	२७	१६	बा	८	८	२५	४३	१७	२९	७	२०	कुंभे	अनु.रविः०।३२ (सौरः२९।३९) अक्षय९
१०	श	२९	५९	पू	२४	१९	ह	१९	४५	तै	२	५३	२२	४४	१६	३०	८	२१	मी १०।१६	भ.५६।४१उ.
११	र	२३	२३	उ	१९	३०	व	११	२६	वि	२३	२३	१९	४४	१६	१	९	२२	मीने	भ.$\frac{3}{3}$३या.भा.मार्गशीर्षारंभः प्रबोधिनी×
१२	चं	१५	४९	रे	१३	५२	सि	३४	३०	बा	१५	४९	१७	४५	१५	२	१०	२३	मे.१३।५२	प्रदोषः [×११ब्र.तुलसीविवाहः
१३	मं	७	५२	अ	७	५२	ब	४३	४३	तै	७	५२	१४	४५	१५	३	११	२४	मेषे	चित्रा.शुक्रः १४।४२ बैकुंठ१४
१४	बु	०	१	भ	१७	५७	प	३४	२०	व	०	१	१२	४६	१४	४	१२	२५	वृ.१५।४६	भ.$\frac{6}{3}$उ.$\frac{6}{3}$या.मन्वादिः का.स्ना.पू.
१५	बु	५२	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

३२गं.का.शु.६मं.इ.१५।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	४	५	७	५	७
०	८	०	२५	१५	११	३	०
३३	२७	२३	१२	२५	५५	५२	७
२९	१४	३८	२९	४४	४१	४३	३६
६०	२७	०५	९	६५	७	३	६०
३०	१	१	१०	४६	१४	११	४०

गोचर ग्रहाः

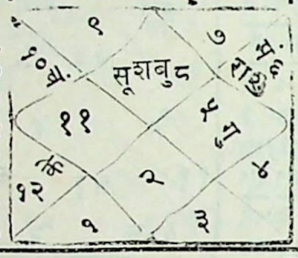

कार्तिक शुक्ले ५ चंद्रे वृश्चिकेऽर्कः वा.३न.४ कुमारावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

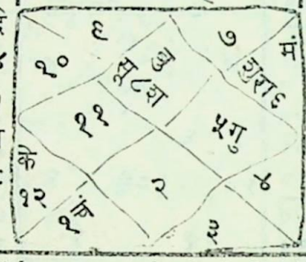

३३पं.का.शु.१३मं.इ.१५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	४	५	७	५	७
७	१२	११	२६	२३	१२	३	७
३७	३७	२७	८	२०	४४	३०	१०
२६	२६	२२	३१	२८	४२	२७	९
६०	३६	९९	८	६७	७	३	६०
४२	४०	२३	२१	८	२०	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	गु	४६	१०	रो	५१	३३	शि	२५	४३	बा	१९	२२	२९	४९	१४	५	१३	२६	वृषे	[=$\frac{3}{5}$
२	शु	४१	४	मृ	४८	१२	सि	१७	४७	तै	१३	३७	७	४७	१३	६	१४	२७	मि १९।५२	ज्येष्ठा.बुधः$\frac{3}{3}$उफा.२ राहुः पूभा.४ केतुः=
३	श	३७	५२	आ	४६	४०	सा	११	९	ब	९	२८	५	४७	१३	७	१५	२८	मिथुने	भ.$\frac{2}{8}$उ.$\frac{3}{5}$या.उफा.१ गुरुः$\frac{4}{3}$
४	र	३६	३७	पु	४७	१५	शु	५	५९	ब	७	१४	२	४८	१२	८	१६	२९	क.३२।७	अनु.४ शनिः १५।४४ चतुर्थीव्रतम्
५	चं	३७	२१	पु	४९	३४	शु	२	२६	कौ	६	५६	०	४८	१२	९	१७	३०	कर्के	तुलायांशुक्रः १।२३
६	मं	४०	१०	श्ले	५३	५२	ब्र	०	४६	ग	८	४६	३५	४८	१२	१०	१८	१	सिं. $\frac{5}{3}$	भ.४०।१० उ.दिसम्बर १२ता.३१
७	बु	४४	३९	म	५९	४४	ए	०	५	वि	१२	२६	५६	४९	११	११	१९	२	सिंहे	भ.१२।२६या.
८	गु	५०	५८	पू	६०	०	वै	०	५४	बा	१७	५०	५४	४९	११	१२	२०	३	सिंहे	ज्येष्ठा.रविः १०।३९ (सौरः३५।३३)
९	शु	५६	४९	पू	६	४९	वि	२	४०	तै	२३	४४	५३	४९	११	१३	२१	४	क. $\frac{2}{3}$	
१०	श	६०	०	उ	१४	१८	पी	४	४९	व	३०	६	५१	५०	१०	१४	२२	५	कन्यायां	भ.३०।६उ.स्वात्यांशुक्रः ४३।६
१०	र	३	२८	ह	२१	५५	अं	७	१३	वि	३	२८	४९	५०	१०	१५	२३	६	तु.५५।३२	भ.३।२८या मूले धनुषि बुधः ११।३६
११	चं	९	३८	चि	२९	५	सो	९	१५	बा	९	३८	४८	५०	१०	१६	२४	७	तुलायां	उत्पत्ति ११ब्र.
१२	मं	१५	१३	स्वा	३५	३५	शो	१०	५१	तै	१५	१३	४६	५१	९	१७	२५	८	तुलायां	प्रदोषः
१३	बु	१९	२९	वि	४०	४०	अ	११	३५	व	१९	२९	४५	५१	९	१८	२६	९	वृ.२४।२४	भ.१९।२९उ.५०।५२या.
१४	गु	२२	१४	अ	४४	३२	सु	११	१७	श	२२	१४	४४	५१	९	१९	२७	१०	वृश्चिके	बुधोदयः पश्चिमायां २९।१७
३०	शु	२३	५८	ज्ये	४७	४	धृ	९	५८	ना	२३	५८	४३	५१	९	२०	२८	११	ध.४७।४	

३४पं.मा.कृ.६मं.इ.१४।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	४	६	७	५	७
१४	१६	२२	२६	१	१३	३	१४
४२	४४	२३	५७	२३	३४	८	१६
४०	२८	४९	५८	३८	३४	११	५५
६०	३६	९७	७	६८	७	३	६१
५०	१८	३८	८	१४	२०	११	३

गोचर ग्रहाः

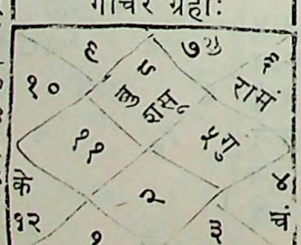

इस मास में धान्य धातु तेज हो रस मंदे होकर तेज हों ।

गोचर ग्रहाः

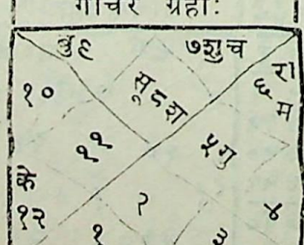

३५पं.मा.कृ.१२मं.इ. $\frac{9}{4}$$\frac{4}{3}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	४	६	७	५	७
२१	२०	३	२७	९	१४	२	२१
४८	४८	१५	४०	३४	२४	४५	२४
४३	३२	३६	३७	३४	७	५६	३७
६०	३५	९५	६	६९	७	३	६१
५६	५०	१९	११	५	२०	११	११

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गणः १७११ सं. २०१५

१	श	२४	१३	मू	४८	२५	शू	७	३८	व	२४	१३	२५	४३	५३	८	२१	२९	१२	धनुषि	चित्रा. भौमः ४१।५६ चंद्रदर्शनम्
२	र	२३	१९	पू	४८	४३	गं	४	१५	को	२३	१९	४१	५२	८	२२	१	१३		धनुषि	रविलावल ३
३	चं	२१	३१	उ	४८	१६	वृ	१९	५४	ग	२१	३१	४०	५२	८	२३	२	१४		म.३।३६	भ. ५०।१० उ. पूषा. बुधः ४८।२१
४	मं	१८	४९	श्र	४६	४९	व्या	४९	३८	वि	१८	४९	३९	५२	८	२४	३	१५		मकरे	भ. १८।४९ या.
५	बु	१५	१९	ध	४४	५६	ह	४३	५१	बा	१५	१९	३९	५२	८	२५	४	१६		कुं.१५।५२	मूलेधनुष्यर्कः १७ (सौरः ३९) उदयं शनेः ४३
६	गु	११	२९	श	४२	२२	व	३७	३२	तै	११	२९	३८	५२	८	२६	५	१७		कुंभे	विशा. शुक्रः ४।१५ चंपा ६
७	शु	७	११	पू	३९	३०	सि	३०	४८	व	७	११	३८	५२	८	२७	६	१८		मी. २५	भ. ७।११ उ. ३४।४८ या.
८	श	२	२५	उ	३६	३१	व्य	२३	४०	ब	२	२५	३७	५३	७	२८	७	१९		मीने	
९	श	५४	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		० ०	
१०	र	५१	३९	रे	३२	३४	व	१६	११	तै	२४	३२	३७	५३	७	२९	८	२०		मे.३२।३४	
११	चं	४५	४८	अ	२८	२०	प	८	२१	व	१८	४४	३६	५३	७	३०	९	२१		मेषे	भ. १८ उ. ४८ या. मोक्षदा ११ व्र. गीताजयंती
१२	मं	३९	५१	भ	२४	३	शि	३३	५९	ब	१२	५०	३६	५३	७	१	१०	२२		वृ.३८।१	भा. षौषारंभः
१३	बु	३३	५९	कृ	१९	५५	सा	४४	५०	कौ	६	५५	३६	५३	७	२	११	२३		वृषे	उषा बुधः ५६।५६ प्रदोषः
१४	गु	२८	४२	रो	१६	१४	शु	३७	३८	ग	१	२३	३६	५३	७	३	१२	२४		मि. ४४	भ. ४३ उ. ५६ या. तुलायां भौमः १२ ४१
१५	शु	२४	२४	मृ	१३	१४	शु	३१	११	ब	२४	२४	३७	५३	७	४	१३	२५		मिथुने	वृश्चिके शुक्रः २५।४० दत्तजयंती

३६ पं.मा.शु.४मं.इ. १३ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	४	६	७	५	७
२८	२४	१४	२८	१७	१५	२	२८
५५	५०	०	१५	५२	१३	२३	३३
३७	४२	४	१८	८	१	४०	२०
६१	३५	९१	५	६९	७	३	६१
०	४०	५३	१	५५	१४	११	१९

गोचर ग्रहाः

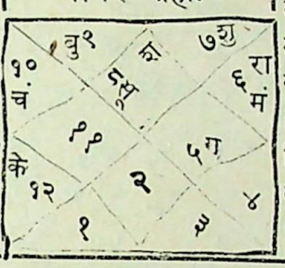

मार्गशीर्ष शुक्ले ५ बुधे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.३न३गतालंकास्था (ऊर्ध्वा) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

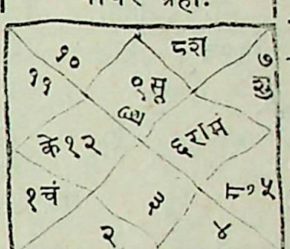

३७ पं.मा.शु.१२मं.इ. १४ २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	४	६	७	५	८
६	२८	२४	२८	२६	१६	२	५
३	५७	१७	४२	१५	१	१	४२
१४	३१	१७	७	०	१६	२५	४५
६१	३५	८२	३	७०	७	३	६१
३	४	२९	४७	३४	२	११	२२

ति. | पौष कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग कृष्णेति महा.

१	श	२१	२०	आ	११	२५	व्र	२७	४०	कौ	२१	२०	३५	३७	५३	७	५	१४	२६	क.५६।३८	मकरे बुधः १९।२६
२	र	२०	१	पु	११	४०	ऐं	२१	२९	ग	२०	१	३७	५३	७	६	१५	२७		कर्के	भ. ५०।६ उ.
३	चं	२०	१२	पु	१३	२	वै	१८	४७	वि	२०	१२	३८	५२	८	७	१६	२८		कर्के	भ. २०।१२ या अनु. शुक्रः ५।१७ +
४	मं	२२	३२	श्ले	१५	५७	वि	१७	४१	बा	२२	३२	३८	५२	८	८	१७	२९		सिं. १५	पूषा. रविः २२।५४ (सौरः ४१।१)
५	बु	२६	२१	म	२१	८	प्री	१७	२९	तै	२६	२१	३९	५२	८	९	१८	३०		सिंहे	[+ज्येष्ठा. १ शनिः ०।४५ चतुर्थी व्र.
६	गु	३१	४६	पू	२७	३१	आ	१८	३८	ब	३१	४६	४०	५२	८	१०	१९	३१		कं.४४।१९	भ. ३१।४६ उ.
७	शु	३७	५४	उ	३४	४१	सौ	२०	१४	वि	४	५०	४१	५२	८	११	२०	१		कन्यायां	भ. ५ या. जनवरी १ ता.३१सन् २०१६
८	श	४४	२२	ह	४२	२२	शो	२२	२९	बा	११	८	४२	५२	८	१२	२१	२		कन्यायां	
९	र	५०	४४	चि	४९	३५	अ	२४	३५	तै	१७	३२	४३	५१	९	१३	२२	३		तु.१५।५९	
१०	चं	५६	२०	स्वा	५६	२८	सु	२६	२९	व	२३	३२	४४	५१	९	१४	२३	४		तुलायां	भ. २३।३२ उ. ५६।२० या.
११	मं	६०	०	वि	६०	०	धृ	२७	३६	ब	२८	३२	४५	५१	९	१५	२४	५		वृ.४५।३५	वक्री बुधः ३६ स्वात्यां भौमः १४।५०÷
११	बु	०	४३	वि	१	५८	शू	२७	३०	बा	०	४३	४७	५१	९	१६	२५	६		वृश्चिके	सफला ११ व्र. वै.
१२	गु	३	३६	अ	६	२	गं	२६	१८	तै	३	३६	४८	५०	१०	१७	२६	७		वृश्चिके	प्रदोषः [÷ सफला ११ व्र. स्मा.
१३	शु	४	४७	ज्ये	८	२६	वृ	२३	४४	व	४	४७	५०	५०	१०	१८	२७	८		ध. २६	भ. ४।४७ उ. ३४ या. ज्येष्ठा. शुक्रः =
१४	श	४	१३	मू	९	२५	ध्रु	१९	५४	श	४	१३	५२	५०	१०	१९	२८	९		धनुषि	[=४।३७ बुधास्तः पश्चिमायां ५३।५२
२०	र	२	११	पू	८	४१	व्या	१४	५३	ना	२	११	५३	४९	११	२०	२९	१०		म.२३।१३	वक्री गुरुः ५१।१७

३८ पं.पौ. कृ.४मं.इ. १४ १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	४	७	७	५	८
१३	२	२	२८	४	१६	१	१२
११	४५	५८	५९	४१	४८	३९	५२
१३	४७	८	५६	४६	२२	९	३७
६१	३४	६१	२	७१	६	३	६१
६	२१	९	२३	१०	५०	११	२६

गोचर ग्रहाः

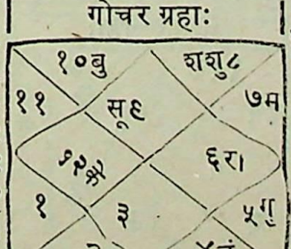

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य गल्ला गुड शक्कर धातु तेज हो प्रजा में रोग शोक फैले शीत अधिक पड़े ।

गोचर ग्रहाः

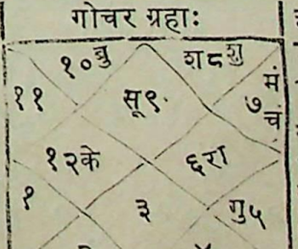

३९ पं.पौ.कृ. ११मं.इ. १४ १८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	४	७	७	५	८
२०	६	६	२९	१३	१७	१	२०
१९	३९	५३	७	१३	३३	१६	२
२६	३६	१०	५८	१	२२	५३	३४
६१	३३	५	०	७१	६	३	६१
६	५७	१२	५७	३५	३२	११	२६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| पौष शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १७४१ स. २०१६

१	र	५६	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	५४	१७	उ	६	५१	ह	८	५९	बा	२६	३४	२५ ५६	४९ ५१	२१ ३० ११ मकरे उषा. रवि: ३७ (सौर: ४२) चंद्रदर्शनम्
३	मं	४९	४१	श्र	४	७	व	२०	४७	तै	२१	५९	५७	४९	११ २२ १२ कुं. ३२।२४ रविलाखर ४
४	बु	४४	२२	ध	४१	५६ ३३	व्य	४७	३६	व	१७	१	५९	४८	१२ २३ २ १३ कुम्भे भ. १७ उ. ४४ या. वंक्री धनुषि बुध: ५५
५	गु	३९	२	पू	५३	३९	व	४०	१९	ब	११	४२	२६	४८	१२ २४ ३ १४ मी ३९।३१ यकरेऽर्क: ४४।३ (सौर: ५७।५५)
६	शु	३३	५०	उ	५०	३	ष	३३	५	कौ	६	२७	५	४७	१३ २५ ४ १५ मीने वक्री पूषा. बुध: ४४।४३
७	श	२८	४५	रे	४६	३८	शि	२५	४४	ग	१	१७	६	४७	१३ २६ ५ १६ मे. ४६।३८ भ. २८।४५ उ. ५६।१५ या.
८	र	२३	४४	अ	४३	२५	सि	१८	३५	ब	२३	४४	८	४६	१४ २७ ६ १७ मेषे
९	चं	१८	५९	भ	४०	२१	सा	१२	३०	कौ	१८	५९	११	४६	१४ २८ ७ १८ वृ. ५४।४३ मूले धनुषि शुक्र: ५६।३
१०	मं	१४	३३	कृ	३७	४७	शु	४८	५५	ग	१४	३३	१३	४५	१५ २९ ८ १९ वृषे भ. ४२।२६ उ.
११	बु	१०	२०	रो	३५	३७	ब्र	५२	२८	वि	१०	२०	१६	४५	१५ ३० ९ २० वृषे भ. ३०या.बुधोदय:पूर्वस्यां ३९पुत्रदा ११ व्र
१२	गु	६	४७	मृ	३४	७	ऐं	४७	४	बा	६	४७	१९	४४	१६ १ १० २१ मि ४।५२ अभि. प्र. रवि: १८।३३ (सौर: २९) ÷
१३	शु	३	५६	आ	३३	१७	वै	४२	२३	तै	३	५६	२१	४४	१६ २ ११ २२ मिथुने [÷ भा. माघारंभ: प्रदोष:
१४	श	२	८	पु	३३	३७	वि	३८	३८	व	२	८	२४	४३	१७ ३ १२ २३ क. १८।३२ भ. २।८ उ. ३१।५० या.
१५	र	१	३१	पु	३५	९	प्री	३५	५५	ब	१	३१	२७	४३	१७ ४ १३ २४ कर्के श्रवणे रविः ३३ [सौर: ४५] मा.स्ना.प्रा.

४०पं.पौ.शु.३मं.इ.१४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	४	७	७	५	८
२७	१०	२२	२९	२१	१८	०	२७
२७	२७	२३	६	४५	१६	५४	१२
२२	४७	६	११	०	२६	३८	२६
६१	३३	८४	१°	७२	६	३	६१
६	७	व	व	०	२०	११	२४

गोचर ग्रहाः

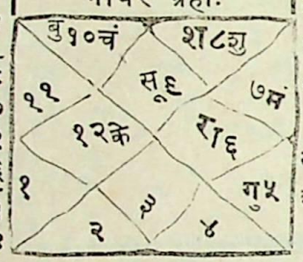

पौष शुक्ले ५ गुरौ मकरेऽर्के: प्रविष्ट: वा २ न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदय: पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

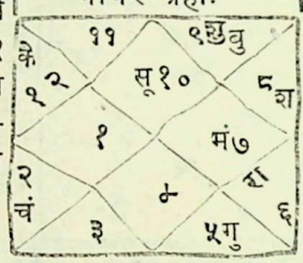

४१पं.पौ.शु.१०मं.इ.१४।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	४	८	७	५	९
४	१४	२३	२८	०	१८	०	४
३५	१०	५८	५६	२१	५६	३२	२१
१३	३७	३७	५३	४०	१३	२२	५५
६१	३२	६९	५३	७२	५	३	६१
३	११	व	व	१९	५२	११	१९

ति.| माघ कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेति महा.

१	चं	२	१०	श्ले	३८	२०	आ	३४	४०	कौ	२	१०	२६ ३	४२ ५	१८ ५ १४ २५ सिं ३८।२० अभि.नि.रवि: २५।२५ [सौर: ३९]
२	मं	४	३५	म	४२	५३	सौ	३३	४७	ग	४	३५	३२	४२	१८ ६ १५ २६ सिंहे भ. ३६।२० उ. मार्गी बुध: ३२।४४
३	बु	८	५	पू	४८	४४	शो	३४	३४	वि	८	५	३५	४१	१९ ७ १६ २७ सिंहे म. ८।५ या चतुर्थी व्रतम्
४	गु	१३	१९	उ	५५	२१	अ	३५	५२	बा	१३	१९	३८	४०	२० ८ १७ २८ कं. ५।२३
५	शु	१९	४	ह	६०	०	सु	३७	५२	तै	१९	४	४१	४०	२० ९ १८ २९ कन्यायां पूषा. शुक्र: ४४।५ उफा. १ सिंहे राहु:×
६	श	२५	३१	ह	२	४९	धृ	४०	८	व	२५	३१	४५	३९	२१ १० १९ ३० तु. ३६।३६ भ. ३५ उ. ५६ या. विशा. भौम: ४९
७	र	३२	१	चि	१०	२३	शू	४२	२३	ब	३२	१	४८	३८	२२ ११ २० ३१ तुलायां ज्येष्ठा. २ शनि: ७।२
८	चं	३८	२	स्वा	१७	४७	गं	४४	४	बा	५	१	५१	३८	२२ १२ २१ १ तुलायां फरवरी २ ता. २९
९	मं	४२	५७	वि	२३	५८	धृ	४४	३५	तै	१०	२९	५४	३७	२३ १३ २२ २ वृ. ७।२५ [×पूभा. ३ कुंभे केतु: २४।४८
१०	बु	४६	११	अ	२८	५४	ध्रु	४४	२०	व	१४	३४	५८	३६	२४ १४ २३ ३ बृश्चिके भ. १४।३४ उ. ४६।११ या.
११	गु	४७	४८	ज्ये	३२	१०	व्या	४२	२३	ब	१६	५९	२७	३६	२४ १५ २४ ४ ध. ३२।१० षट्तिला ११ व्र.
१२	शु	४७	२३	मू	३३	२८	ह	३९	२	कौ	१७	३५	५	३५	२५ १६ २५ ५ धनुषि उषा. बुध: २५।३१
१३	श	४५	६	पू	३२	५९	व	३४	४	ग	१६	१४	८	३४	२६ १७ २६ ६ म. ४७।२४ भ. ४५।६ उ. धनि. रवि: ४१।२८ =
१४	र	४०	५८	उ	३०	४०	सि	२७	५१	वि	१३	२	१२	३४	२६ १८ २७ ७ मकरे भ. १३।२ या. [=(सौर: ५१।२) प्रदोष:
३०	चं	३५	३०	श्र	२७	१	व्य	२०	२३	च	८	१४	१५	३३	२७ १९ २८ ८ कुं. ५४।३८ मकरे बुध: २७।४९

४२पं.मा.कृ.२मं.इ.१४।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	४	८	७	५	९
११	१७	२०	२८	८	१९	०	११
४२	४६	४३	३६	५८	३५	१०	३०
४०	८	५५	४७	५	२८	७	४६
६०	३१	१	४७	१८	७२	५	३	६१
५९	१४	व	व	३८	२९	११	१३

ग्रोचर ग्रहाः

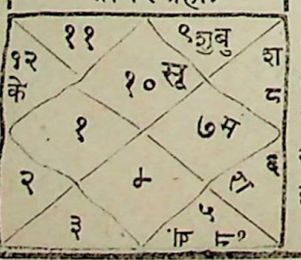

इस मास में बाजरा मूंग मोठ जुवार मक्का रस तेज हो चांदी रुई सोना वारदाना तिलहन घृत मंदे हों ।

ग्रोचर ग्रहाः

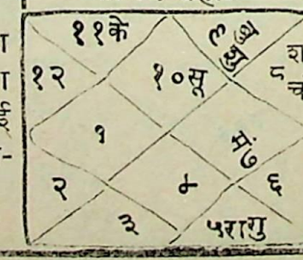

४३पं. मा.कृ.९मं.इ. १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	४	८	७	४	९
१८	२१	२३	२८	१७	२०	२९	१८
४९	१६	५३	८	३५	१०	४७	३८
१६	१६	१०	३१	२८	३४	५१	५२
६०	२९	३८	२५	७२	४	३	६१
५५	५९	३३	व	५६	५९	११	४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽर्हर्गणः १७७०स.२०१६
१	मं	२८	४९	श्र	२२	१६	व	११	५६	किं.	२	९	२७ ६ ५	२० २९ ९	कुंभे	उभा.शुक्रः ३५।४७
२	बु	२१	४६	श	१७	४	प	३	५१	कौ	२१	४६	२३ ३१ २९	२१ ३० १०	नी. ५८।२	चन्द्रदर्शनम्
३	गु	१४	३६	पू	११	४२	सि	४५	२२	ग	१४	३६	२७ ३१ २९	२२ १ ११	मीने	भ.४१।७उ.जमादिलावल५
४	शु	७	३८	उ	६	२२	सा	३६	४६	वि	७	३८	३० ३० ३०	२३ २ १२	मीने	भ.७।३८या.मकरेशुक्रः १९।३९
५	श	१	३	रे	१	५५	शु	२८	५५	बा	१	३	३४ २९ ३१	२४ ३ १३	मे.१।४९	कुंभेऽर्कः १६।४४ (सौरः ५०।०) वसंत५
६	श	५४	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	
७	र	४९	५६	भ	५४	२४	शु	२१	२४	ग	२२	२९	३८ २८ ३२	२५ ४ १४	मेषे	भ.४९।५६उ.भानु७रथ७
८	चं	४५	३९	कृ	५१	५९	ब्र	१४	४१	वि	१७	४८	४१ २८ ३२	२६ ५ १५	वृ.८।४७	भ.१७।४८या.भीष्माष्टमी
९	मं	४२	११	रो	५०	२२	ऐं	८	४२	बा	१३	५६	४५ २७ ३३	२७ ६ १६	वृषे	
१०	बु	४०	२	मृ	४९	५२	वै	३	५५	तै	११	७	४९ २६ ३४	२८ ७ १७	मि २०।७	श्रवणेबुधः ४।३५वक्रीपूफा.४गुरुः ४५।१६
११	गु	३८	१६	आ	५०	१०	प्री	५५	३	व	९	९	५३ २५ ३५	२९ ८ १८	मिथुने	भ.९।९उ.२८।१६या.जया ११व्र.
१२	शु	३७	४७	पु	५१	३५	आ	५२	२४	ब	८	१	५६ २५ ३५	३० ९ १९	क. ३६।१४	शतेरविः ५३।०
१३	श	३८	२४	पु	५३	५८	सौ	५०	१८	कौ	८	५	२२ ५ २४ ३६	१ १० २०	कर्के	शतेरविः सौरः ३२ श्रवणेशुक्रः ३२ वृश्चिके-
१४	र	३९	५६	श्ले	५७	४०	शो	४९	२८	ग	९	१०	४ २३ ३७	२ ११ २१	सिं ५७।४०	भ. ३९ उ.[-भौमः ५५ भा.फाल्गुन प्रदोषः
१५	चं	४२	४९	म	६०	०	अ	४९	१	वि	११	२२	८ २२ ३८	३ १२ २२	सिंहे	भ.११।२२मा.स्ना.पूर्तिः

४४पं. मा.शु.१मं.इ. ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	४	८	७	४	९
२५	२४	०	२७	२६	२०	२९	२५
५५	४०	२७	३२	१३	४१	२५	४५
१	१९	४०	५३	५५	२८	३५	३९
६०	२८	५९	३ ५८	७३	४	३	६०
४७	४४	४१	व.	१४	३१	११	५५

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले ५ शनौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टःवा.३ न. ४ गतालकावस्था (ऊर्ध्वा मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

४५पं.मा.शु. ६मं.इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	४	९	७	४	१०
२	२७	८	२६	४	२१	२९	२
५९	५४	५५	४९	५२	९	३	५१
४९	५४	३७	५२	५५	७	२०	४२
६०	२७	७७	६ ३२	७३	३	३	६०
३७	७	२२	व.	२०	५५	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	मं	४६	५१	म	२	१७	सु	४९	४०	बा	१४	५०	२९ ६ ३ ५८	४ १३ २३	सिंहे	
२	बु	५२	११	पू	८	१	धृ	५१	५८	तै	१९	३२	१६ २१ ३९	५ १४ २४	कं. २४।३७	
३	गु	५७	५०	उ	१४	३८	शू	५२	४४	व	२५	१	२० २० ४०	६ १५ २५	कन्यायां	भ.२५।१उ ५७।५०या.
४	शु	६०	०	ह	२१	५०	गं	५५	१	ब	३०	५९	२४ १९ ४१	७ १६ २६	तु.५५।४०	धनि बुधः ३३।४३व्रतुर्थीव्रतम्
४	श	४	९	चि	२९	३१	बृ	५७	२५	बा	४	९	२८ १८ ४२	८ १७ २७	तुलायां	
५	र	१०	३८	स्वा	३७	१०	धु	५९	५१	तै	१०	३८	३२ १८ ४२	९ १८ २८	तुलायां	अनु.भौमः ५३।४९
६	चं	१६	५३	वि	४४	१०	व्या	६०	०	व	१६	५३	३६ १७ ४३	१० १९ २९	वृ.२७।२५	भ.१६।५३उ.४९।३५या.
७	मं	२२	१७	अ	५०	२	व्या	१	१०	ब	२२	१७	४० १६ ४४	११ २० १	वृश्चिके	कुंभेबुधः ४६।१८मार्च ३ता.३१
८	बु	२६	२७	ज्ये	५४	४०	ह	१	४१	कौ	२६	२७	४४ १५ ४५	१२ २१ २	ध.५४।४०	धनि.शुक्रः १२।६
९	गु	२८	५५	मू	५७	२२	व	१ ५५	५२	ग	२८	५५	४८ १४ ४६	१३ २२ ३	धनुषि	भ.५९।७उ.
१०	शु	२९	१९	पू	५८	२	व्य	५५	९	वि	२९	१९	५२ १४ ४६	१४ २३ ४	धनुषि	भ.२९।१९या.पूभा.रविः ९।६ (सौरः १५)
११	श	२७	४२	उ	५६	४३	वे	४९	४७	बा	२७	४२	५६ १३ ४७	१५ २४ ५	म.१२।४३	शते.बुधः ५८।५४विजया ११व्र.
१२	र	२४	५	श्र	५३	३३	प	४२	४६	तै	२४	५	२९ १२ ४८	१६ २५ ६	मकरे	प्रदोषः [=महाशिवरात्री व्र.स्मा.
१३	चं	१८	३८	ध	४८	४०	शि	३४	४९	ब	१८	३८	५ ११ ४९	१७ २६ ७	कुं. २१।५	भ.१८।३८उ.४४।५९या.कुंभेशुक्रः ३ ४०=
१४	मं	११	२०	श	४२	३६	सि	२५	१०	श	११	२०	९ १० ५०	१८ २७ ८	कुंभे	बुधास्तःपूर्वस्यां ४७।४१महाशिवरात्रीव्र.वै
२०	बु	३	२०	पू	३५	४६	सा	१५	७	ना	३	२०	१३ ९ ५१	१९ २८ ९	मी २२।२९	ग्रस्तोदितंसूर्यग्रहणम्

४६पं. फा.कृ. १मं.इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	४	९	७	४	१०
१०	०	१८	२६	१३	२१	२८	९
३	५८	३२	१	३१	३२	४१	५६
२२	८	२०	३०	१९	३८	४	१५
६०	२४	८६	३१	७३	३	३	६०
२५	५६	४९	व.	३२	२०	११	३१

४७पं.फा.कृ.७मं.इ.१५।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	५	४	९	७	४	१०
१७	३	२९	२५	२२	२१	२८	१६
५	५०	९	८	१०	५१	१८	५९
३५	५९	२२	५६	५	३६	४९	९
६७	२२	९७	५३	७३	२	३	६०
१२	४२	४०	व.	४४	३३	११	२०

४८पं.फा.कृ.१४मं.इ. ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	४	१०	७	४	१०
२४	६	१०	२४	०	२२	२७	२४
६	३०	४१	१४	५०	६	५६	०
२२	०	३८	५६	२८	०	३३	३२
५९	२०	७७	५२	७३	१	३	६०
५८	११	९	व.	५०	४८	११	६

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः १८८०स.२०१६
१	बु ५०१३ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	
२	गु ४५२८ उ २८ ४६	शु ५३ ५९	बा १९ २६ १७	६ ५१ २० २९ १०	मीने चंद्र दर्शनम् फुलरिया २
३	शु ३६ ५७ रे २२ ४	ब्र ४४ ५१	तै ११ १३ २१	८ ५२ २१ १ ११	मे २२।४ जमादिलाखर ६
४	श २९ ५ अ १५ ५८	ए ३५ ४०	व ३ १ २६	७ ५३ २२ २ १२	मेषे भ.३।१उ.२९।५या.शते शुक्रः५७।५९
५	र २२ १३ भ १० ५०	वै २७ ५१	बा २२ १३ ३०	६ ५४ २३ ३ १३	वृ.५४ पूमा.बुधः३५।३६
६	चं १६ ४४ कृ ७ १९	वि २० ३८	तै १६ ४४ ३४	५ ५५ २४ ४ १४	वृषे मीनेऽर्कः९।५९ (सौरः१५।३०)
७	मं १२ ३० रो ४ ४६	प्री १४ ४९	व १२ ३० ३८	४ ५६ २५ ५ १५	मि ३४ भ.१३०उ:४१३या.वक्रीपूफा.३गुरुः२२।५८
८	बु ९ ५३ मृ ३ ५२	आ १० १३	ब ९ ५३ ४३	३ ५७ २६ ६ १६	मिथुने होलाष्टकम्
९	गु ८ ३८ आ ४ १७	सौ ६ ३८	कौ ८ ३८ ४७	३ ५७ २७ ७ १७	क.५०।२९ उभा.रविः३१।३ (सौरः३६।६)
१०	शु ८ ४५ पु ६ ९	शो ४ १६	ग ८ ४५ ५१	२ ५८ २८ ८ १८	कर्के भ.३९।३२उ.मीने बुधः५७।६
११	श १० १९ पु ९ १७	अ २ ५१	वि १० १९ ५५	१ ५९ २९ ९ १९	कर्के भ.१०।१९या.आमलकी ११व्र.
१२	र १२ ४४ श्ले १३ ३४	सु २ ३१	बा १२ ४४ ३३ ००	० ० ० ३० १० २०	सिं.५३४ उभा.बुधः३८।२७प्रदोषः
१३	चं १६ ३२ म १८ ४६	धृ २ ४७	तै १६ ३२ ४	५९ १ १ ११ २१	सिंहे भा.चैत्रारंभः
१४	मं २१ २ पू २४ ४९	शू २ ३५	व २१ २ ८	५८ २ २ १२ २२	कं.४१।२९ भ.२३उ.५३या.होलिकादहनं भद्रोत्तरम्
१५	बु २६ ३९ उ ३१ ३१	गं ५ १७	ब २६ ३९ १२	५८ २ ३ १३ २३	कन्यायां पूभा.शुक्रः४६।१ छारेंडी

४९पं.फा.शु.७मं.इ. १५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	४	१०	७	४	११
१	८	२३	२३	९	२२	२७	१
५	५२	८	२०	२९	१४	३४	०
३५	८	५६	५६	५३	५६	१७	१४
५९	१७	५९	५३	१	३	५९	
४१	११	५	व. ५६	११	११	४९	

गोचर ग्रहाः

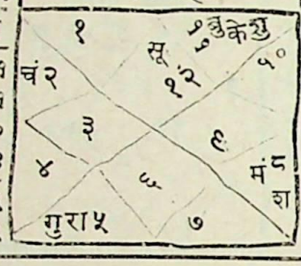

फाल्गुन शुक्ले ६ चंद्रे मीनेऽर्क.प्रविष्टः वा.३ न.४युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

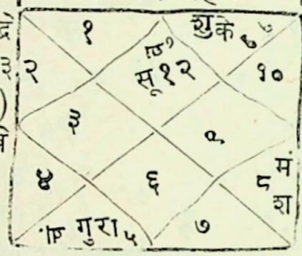

५०पं.फा.शु.१४मं.इ. १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	४	१०	७	४	११
८	१०	६	२२	१८	२२	२७	७
३	५५	३२	२८	९	१९	१२	५८
१८	१	५६	४४	११	३०	२	८
५९	१३	५९	३३	७४	०	३	५९
२९	२	३५	व.	२२	५	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेफाल्गुन कृष्णेति महा.
१	गु ३२ २३ ह ३८ ४४	वृ ७ १	कौ ३२ २३	३९ ५७ ३ ४ १४ २४	कन्यायां वसंत १
२	शु ३८ ४६ चि ४६ १४	धु ९ २५	तै ५ ३५	२१ ५६ ४ ५ १५ २५	तु १२।२९ वक्री शनिः३९।३६
३	श ४५ ७ स्वा ५३ ४७	व्या ११ ५१	व ११ ५६	२५ ५५ ५ ६ १६ २६	तुलायां भ.११।५६उ.४५।७या.
४	र ५१ १३ वि ६० ०	ह १४ ११	ब १८ १०	२९ ५४ ६ ७ १७ २७	वृ.४४।२१ रेवत्यांबुधः२१।२०चतुर्थी व्रतम्
५	चं ५६ ४० वि १ १२	व १५ ५५	कौ २३ ५४	३३ ५३ ७ ८ १८ २८	वृश्चिके
६	मं ६० ० अ ७ ३७	सि १७ १७	ग २८ ५७	३७ ५३ ७ ९ १९ २९	वृश्चिके
६	बु १ १४ ज्ये १३ १८	व्य १७ ३१	व १ १४	४१ ५२ ८ १० २० ३०	ध.१३।१८ भ.१४उ.३३या.रेवत्यांरविः५८।४२
७	गु ४ २९ मू १७ २३	व १६ ४९	व ४ २९	४५ ५१ ९ ११ २१ ३१	धनुषि रेवत्यांरविःसौरः३३मीने शुक्रः५१।५१
८	शु ६ ६ पू १९ ४०	प १४ ३१	कौ ६ ६	४९ ५० १० १२ २२ १	म.३४।४७ पूफा.४राहु,पूभा.२केतुः३८अप्रेल४ता. ÷
९	श ४ ४२ उ २० ११	शि १० ४९	ग ४ ४२	५३ ४९ ११ १३ २३ २	मकरे भ.३३उ.अश्वि.मेषेबुधः४५।८
१०	र २ २५ श्र १८ ४८	सि ३० ३६	वि २ २५	५७ ४९ ११ १४ २४ ३	कुं.४७।२ भ.२५या.उभा.शुक्रः३४पापमोचनी ११ ×
११	र ५५ ४३ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ० ० ० ०	[÷ ३०शीतला पूजनम् [× व्र. स्मा.
१२	चं ५३ १ ध १५ १६	शु ५० ३६	कौ २८ ५	३१ ४८ १२ १५ २५ ४	कुंभे पापमोचनी ११व्र.वै.
१३	मं ४५ १ श १० ३	शु ४० ३५	ग १९ १	५ ४७ १३ १६ २६ ५	मी.५० भ.४५उ.बुधोदयःपश्चिमायां५६प्रदोषः
१४	बु ३६ ५ पू ३५ ३५	ब्र ३० १०	वि १० २३	१० ४६ १४ १७ २७ ६	मीने भ.१०।३३या.
२०	गु २६ २६ रे ४८ २०	ए १९ २९	च ११ ६	१४ ४५ १५ १८ २८ ७	मे.४८।२० मन्वादिः

५१पं.चै.कृ. ६मं. इ. १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	४	१०	७	४	११
१४	१२	२०	२१	२६	२२	२६	१४
५९	२६	४३	४०	४८	१८	४९	५४
१०	२५	१६	११	७	५०	४६	१९
५९	९	५९	३६	७४	२२	३	५९
१६	११	५२	व.	८	व	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में बदि में धान्य जो गेहूं बाजरा चावल मूंग मोठ मंदे हो सुदि में धान्य धातु वस्त्र तेज होजावेंगे ।

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.कृ.१३मं.इ.१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	०	४	११	७	४	११
२१	१३	४	२०	५	२२	२६	२१
५३	५०	१०	५६	२६	१३	२७	४८
३१	३८	४२	३१	२५	४८	३१	३०
५९	४	५९	४६	७४	१	३	५९
४	२३	५६	व.	१४	व.	११	४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११७, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११७, भोग्यकलिः ४२६८८३, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०७३, शाकः १९३८, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः । मंत्री बुधः । सस्येशो शनिः। धान्येशो गुरुः । मेघेशो भौमः। रसेशो रविः। नीरसेशो भृगुः। फलेशो भौमः । धनेशः शुक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां ४ साधारणनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ०।१०।३९।२२ भोग्यमासादिः ११।१९।२०।३८ चंद्रदैवतं युगम् । तत्र वर्षनाम फाल्गुनः। मेघनाम आवर्तः । रोहिणी निवासःपर्वत । समयनिवासः कुंभकार गृहे। समय विश्वा ५ समयवाहनम् दुर्दुरः। स्तंभाः३ अन्नतृणवायूनां । सोमवत्यमाः१ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी१ भानुसप्तमी१ रविदशमी १समय मुहूर्ताः ४१५ समयदिनानि ३५५ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा १२६, वर्षाविश्वा १३, धान्यम् १५, तृणम् ७, शीतम् ७, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्११३, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःपश्चिमे । ग्रहणाभावः ।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	८	१४	११	११	५	११

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	१४	८	१४	८	८	१४

वर्ष लग्नम् ४।२९

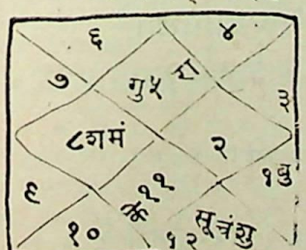

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ अरजी करूं पद पूजूं में तोय ।
तेहत्तर की साल को भेद बतादे मोय ।।

भवानी उत्तर

तीना मास तिहोतरो संचय करो सब कोय ।
दूणा तिगुणा चोगुणा इसड़ा दमड़ा होय ।।
राजा मंत्री मित्र है भार्गव बुध संयोग ।
राज प्रजा मैत्री रहे दुनिया भोगे भोग ।।
श्रावण भादव मास में बुध गुरु भृगु संचार ।
आकाशां मघवा चढे वरषे मूसलधार ।।
पण रोहिणी पर्वतबसी भौम भये मेघेश ।
पकी पकाई साख में करसी विघ्न फलेश ।।
फल संवत्सर का कहा निज गुरु का धर ध्यान ।
"बंशीधर" भगवान का भजन करे कल्याण ।।

सं. २०७३ माघ शुक्ला १४ शुक्रवार को अर्द्धरात्रि पश्चात् रेल्वे घं. ६ मिं.१७ के समय चंद्र बिंब पर मालिन्यता आयेगी । यह ग्रहण स्वल्पग्रास होने से अनादेश्य है ।

वर्षेश लग्नम् ६।६

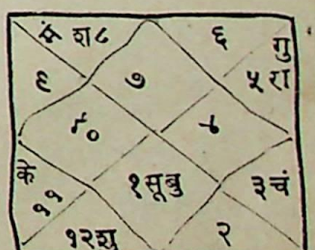

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५४।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।४।२१

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रस्य राज्ये बहुसस्यसंकुला स्वतीव्रवेगाः सरितोंबु राशिभिः । फलंतिवृक्षा बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ।। मंत्री बुधस्तत्फलम् ।। शशिसुते शुभमंत्रिसमागते स्वपतिना कुरुते मदनक्रियाम् । बहुधनं बहुवारि समन्वितं यव मसूर चणान्न महर्घता ।। सस्येशः शनिः फलम् ।। रविसुते यदि धान्यपतौ जनो नृपतिभिः परिपीड़ित विग्रहः । गद भयं तुषधान्य हरं सदादुरित वादविवादयुता नराः ।। धान्येशो गुरुः फलम् ।। गुरौ धान्यपतौ यान्ति यवगोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्रह्मवादिनः ।। मेघेशोभौमस्तत्फलम् ।। अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि श्रुतिविचार विहीन धरामराः । क्वचिदपि प्रचुरंजलमल्पकं क्वचिदपि प्रचुरं बहुतापदम् ।। रसेशो रविः फलम् ।। रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरस भोगरताल्प पयोधरा । वसन तैल घृत प्रिय मानवाः सुखरसंचभुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। कर्पूरागरुगन्धानां हेम मौक्तिक वाससां । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशो भौमः फलम् ।। फलपतिर्यदि भूतनयो भवेत् सुबहु पुण्य फलान्वित मेदिनी । गतभयानृतदेशजनास्तदा नृपतयो बहु विग्रहकारकाः ।। धनेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकलाभुवि मानवाः । समसुखाः क्रयविक्रय जीविनो नृपतयो जनपालन तत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजो गढ़नायकतांगतो विविध दुःख वियोग समन्वितः जनपदेषुजनाः क्रयविक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ।। साधारणनाम संवत्सरः फलम् साधारणाब्दे बृष्टयर्कं भयं साधारणं मतम् । मध्यसंपद्धराधीशाः प्रजाःस्युः स्वस्थचेतसः ।। वर्षनाम फाल्गुनः फलम् ।। सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्य पश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्नवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणीनिवासः पर्वते फलम् ।। पर्वतेबिन्दु मात्रश्च ।। समयनिवासो कुंभकार गृहे फलम् ।। अनावृष्टिः प्रजापतौ । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १० शनौ मघा. ल. गो. ९ रे. ६ ।ऽ।।।ऽ (अ घ. ३६या)।ऽऽ। धनुषिव्यये शनिः

,, १२ चन्द्रे उफा. ल. ६ (व्ययेशनिः) रे. ६ ऽसू।।शुऽके।।।ऽ। पादतो वेधाऽभावः

,, १३ भौमे उफा. ल. ऽन्यगो ६ (व्ययेशनिः) रे६ ऽसू।।ऽशुऽकेऽचौ।।।। पादतो वेधाऽभावः

,, १४ बुधे हस्ते ल. ऽन्यगो ६ (श.पू.सत्) रे. ८ ।।।।।ऽचो४२याऽ।।।

,, १५ शुक्ले स्वात्यां ल. ६ (श.पू.सत् रे. ७ ।।।।ऽसू।(रो.घ.४४उ.)ऽऽ।।

वैशाख मासः ।

कृष्णा ७ शुक्रे उषा. ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽचंऽ।।।ऽचौ।।।।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृष्णा ११ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो ७ रे. ६ ।।ऽबृ।।ऽ (रो.घ.५२या)ऽऽ।।

शुक्ला २ गुरौ मूले.ल.६।७रे.६ऽऽबु।।ऽ(चौ४७या)ऽ।।।

,, ६ गुरौ उभा.ल.गो.रे.९।।।।।ऽ नृप.४१या)।।।।

,, १० शुक्रे रेव. ल. ६ (चंद्रपू.सत्) रे ६।ऽ।।।। (चौरःऽ६उ ऽऽऽ

,, १३ चन्द्रे रोहि. ल. ६ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

माघ मासः

कृष्णा ४ चन्द्रे उफा. ल. ७-६ रे. ७ ।।।ऽऽअ.ऽ।। (धनुषि व्यये शनिः)

,, ५ भौमे उफा. ल. गो. रे.८ ।।।।ऽ।।ऽ।।भौमाष्टम महादोषः

,, ५ भौमे हस्ते ल. ७ (घ.४४।४१उ; श.पू.सत् रे८ऽ।।।।।नृ५५उ.ऽ।।।

,, १० रवौ अनु.ल.७-६ (धन.श.पू.सत्) रे. ६ ।ऽ।।।ऽरो.४६याऽऽ।।

शुक्ला ६ रवौ रोहि. ल. ८ रे.७ ।।।।।ऽनृ३७या.।ऽऽ।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ७ शनौ अनु. ल.१० (व्ययेशनिः, रे.७ऽ।।।।ऽचौ।ऽ।।

,, १२ गुरौ उषा. ल. ८ रे ६ ।ऽ।।।ऽअऽऽ।।

शुक्ला २ भौमे उषा. ल.८ रे.७ ऽऽ।।।।।ऽ।।

,, ६ शनौ रोहि.ल.१०(व्ययेशनिः)रे७।।।।।ऽअऽऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णा १ चन्द्रे हस्ते ल. १० (व्यये शनिः) रे ६ ।ऽ।ऽबु.ऽऽअ।।।। बुधस्य पादतो वेधाऽभावः

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८	दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततुंरविरुत्तरेऽहर्गणः १८२९सन् २०१६
१	शु १६ २७	अ	४०	३८	वै	८	४९	ब १६ २७	३५ १२ ४४ ५ १६	१९ २९ ८	मेषे	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः =
२	श ६ ४७	भ	३३	३२	ज्ये	३०	२३	कौ ६ ४७	२२ ४४ १६	२० १ ९	वृ.४७।१	रज्जव ७मत्स्य जयंती गणगौरी
३	श ५० १८	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	[= सिंधारा
४	र ५० ४१	कृ	२७	२९	आ	३८	५३	व २३ ५३	२६ ४३ १७	२१ २ १०	वृषे	भ.३३उ.५१या.भरण्यांबुधः४६वक्रीपूफा.÷
५	चं ४४ ३९	रो	२३	१०	मृ	३१	३१	ब १७ ४१	३० ४२ १८	२२ ३ ११	मि५१।४९	वक्री भौमः२७।३
६	मं ४० ३३	मृ	२०	२८	शो	२५	३५	कौ १२ ३६	२४ ४१ १९	२३ ४ १२	मिथुने	[÷ २ गुरुः५२।१२
७	बु ३८ १५	आ	१९	४६	अ	२१	५६	ग ९ २४	३८ ४० २०	२४ ५ १३	मिथुने	भ.३६उ.अश्वि.मेषेऽर्कः३२ (सौरः३८।७)
८	गु ३८ १	पु	२०	५३	सु	१७	४९	वि ८ ८	४२ ४० २०	२५ ६ १४	क.५।३६	भे.८।८या.रेवत्यां शुक्रः२२।२६
९	शु ३९ २२	पु	२३	४७	धृ	१६	१७	बा ८ ४१	४६ ३९ २१	२६ ७ १५	कर्के	रामनवमी
१०	श ४२ १२	श्ले	२८	०	शू	१५	५२	तै १० ४७	५० ३८ २२	२७ ८ १६	सिं. २८	
११	र ४६ २७	म	३३	२८	गं	१६	३९	व १४ १९	५३ ३७ २३	२८ ९ १७	सिंहे	भ.१४।१९उ.४६।२७यां.कामदा११व्र.
१२	चं ५१ २८	पू	३९	४९	बृ	१७	४९	व १८ ५८	५७ ३७ २३	२९ १० १८	क५६।३७	
१३	मं ५७ ३४	उ	४७	२	ध्रु	१९	५०	कौ २४ ३१	३२ ३६ २४	३० ११ १९	कन्यायां	प्रदोषः
१४	बु ६० ०	ह	५४	१७	व्या	२१	५२	ग ३० ३२	५ ३५ २५	३१ १२ २०	कन्यायां	कृत्ति.बुधः४५।३९
१५	शु ३ ३१	चि	६०	०	ह	२४	११	व ३ ३१	९ ३४ २६	१ १३ २१	तु२८।१	भ.३।३१उ.३६।३७या.भा.वैशाखारंभः
१५	शु ९ ४२	चि	१	४५	व	२६	२७	ब ९ ४२	१२ ३४ २६	२ १४ २२	तुलायां	हनुमज्जयंती

१पं चै.शु.७बु.इ ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	४	११	७	४	११
०	१४	१८	२०	१५	२२	२६	२९
०	४०	४९	११	३८	२	१	५४
०	३७	३०	३८	२०	१७	२२	४३
५८	५३	८८	२९	७४	४९	३	५८
४४	व.	१०	व.	२०	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

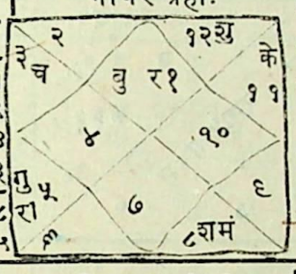

चैत्र शुक्ला ७ बुधे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा ३ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

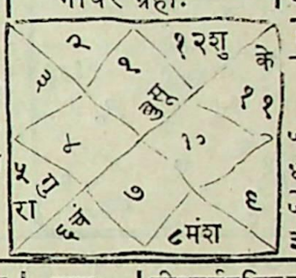

२पं.चै.शु.१४बु.इ. ३२।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	४	११	७	४	०
६	१४	२६	१९	२४	२१	२५	६
५०	३३	२९	४३	१६	४८	३९	४४
४२	३८	५३	५५	१९	४७	७	५४
५८	४९	४७	१७	७४	१६	३	५८
३१	व.	३२	व.	२६	व.	११	२९

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८	दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	श १५ ४७	स्वा	९	१३	सि	२८	४७	कौ १५ ४७	३२ ५ २७	३ १५ २३	वृ.५९।३२	
२	र २१ ४०	वि	१६	१९	व्य	३०	३३	ग २१ ४०	२० ३२ २८	४ १६ २४	वृश्चिके	भ.५४।७उ.
३	चं २६ ३५	अ	२२	४६	व	३१	५३	वि २६ ३५	२३ ३१ २९	५ १७ २५	वृश्चिके	भ.३६या.अश्वि.मेषेशुक्रः१३ चतुर्थी व्र.
४	मं ३० ४९	ज्ये	२८	२९	प	३२	२६	बा ३० ४९	२७ ३१ २९	६ १८ २६	ध.२८।२९	
५	बु ३४ ७	मू	३३	०	शि	३२	२६	कौ २ २८	३१ ३० ३०	७ १९ २७	धनुषि	भरण्यांरविः१२ (सौरः१९)वक्रीबुधः३२
६	गु ३६ १३	पू	३६	२९	सि	३१	११	ग ५ १०	३४ २९ ३१	८ २० २८	म.५१।५८	भ.३६।१३उ.
७	शु ३६ ४४	उ	३८	२३	सा	२८	४६	वि ६ २९	३८ २८ ३२	९ २१ २९	मकरे	भ.६।२९या.
८	श ३५ ४४	श्र	३८	४३	शु	२५	५३	बा ६ १४	४१ २८ ३२	१० २२ ३०	मकरे	बुधास्तः पूर्वस्यां २०।२६
९	र ३३ १	ध	३६	४८	शु	२०	०	तै ४ २३	४५ २७ ३३	११ २३ १	कुं७।४६	मई ५ ता.३१
१०	चं २८ १६	श	३४	१४	व्र	१३	२३	व ० ४१	४८ २६ ३४	१२ २४ २	कुंभे	भ.०।४१उ.२८।१६या.
११	मं २२ ९	पू	२९	२८	ऐं	४०	५९	बा २२ ९	५२ २६ ३४	१३ २५ ३	मी१५।४०	शुक्रास्तः पूर्वस्यां ९।०वरुथिनी११व्र.
१२	बु १३ ३२	उ	२३	२०	वि	४६	४४	तै १३ ३२	५५ २५ ३५	१४ २६ ४	मीने	प्रदोषः
१३	गु ५ ४१	रे	१६	२३	प्री	३६	२	व ५ ४१	५८ २४ ३६	१५ २७ ५	मे.१६।२३	भ.५।४१उ.३०।५०या.
१४	गु ५० १७	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	
३०	शु ४६ ७	अ	८	४३	आ	२५	२१	च २१ २	३३ २४ ३६	१६ २८ ६	मेषे	भरण्यांशुक्रः०।१९मार्गीगुरुः४३।५८

३पं. वै.कृ.५बु.इ: ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	४	०	७	४	०
१३	१४	२९	१९	२	२१	२५	१३
३९	१३	३२	२३	५४	२८	१६	३३
४७	३०	३५	३५	१४	१५	११	१९
५८	१२	०	५६	७४	३	३	५८
१९	व.	व.	व.	२६	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

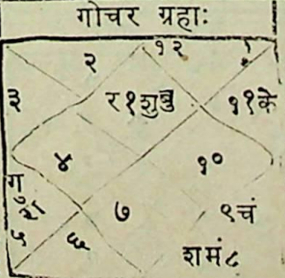

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य धातु रस तेज हो प्रजा में रोग शोक फैले ।

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.कृ. १२ बु. इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	४	०	७	४	०
२०	१३	२८	१९	११	२१	२४	२०
२७	४	३	१२	३२	६	५४	२०
२५	८	१८	१०	१३	१८	२६	४
५८	१९	२९	२३	७४	४	३	५७
६	व.	व.	व.	२६	व.	११	१७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८ | दि. उ. अ.भा.मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १८५८स.२०१६

१	श	३६	२४	भ	१	५२	सौ	१४	३१	किं	११	१५	३३	५३	६७	१७	२९	७	वृ.१४।११	वक्रीभरण्यांबुधः२५।३९
२	र	२७	३२	रो	४७	३१	शो	४	५०	बा	१	५८		८	२२	३८	१८	३०	८	वृषे	चंद्रदर्शनम् परशुराम जयंती
३	चं	१९	५९	मृ	४२	५७	सु	४७	२७	ग	१९	५९	११	२२	३८	१२	१	९	मि१५।१४	भ.४७।६उ.सावान८अक्षया३
४	मं	१४	१२	आ	३९	५८	धृ	४१	१०	वि	१४	१२	१४	२१	३९	२०	२	१०	मिथुने	भ.१४।१२या.कृत्तिःरविः५८।५२
५	बु	१०	१४	पु	३९	४	शू	३६	५०	बा	१०	१४	१७	२१	३९	२१	३	११	क.२४।१७	कृत्तिःरविःसौरः७।२४
६	गु	८	३६	पु	४०	२६	गं	३३	५३	तै	८	३६	२०	२०	४०	२२	४	१२	कर्के	
७	शु	८	५९	श्ले	४३	४१	वृ	३२	२८	व	८	५९	२३	१९	४१	२३	५	१३	सिं४३।४१	भ.८।५९उ.४०।६या.
८	श	११	१२	म	४८	५१	धु	३२	५०	ब	११	१२	२६	१९	४१	२४	६	१४	सिंहे	वृषेऽर्कः२६।७(सौरः३५।११)
९	र	१५	१४	पू	५५	४	व्या	३३	४४	कौ	१५	१४	२८	१८	४२	२५	७	१५	सिंहे	
१०	चं	२०	२०	उ	६०	०	ह	३५	४७	ग	२०	२०	३१	१८	४२	२६	८	१६	कं.११।५३	भ.५३।२४उ.कृत्ति.शुक्रः५२।२०
११	मं	२६	२९	उ	२	२१	व	३८	१३	वि	२६	२९	३४	१७	४३	२७	९	१७	कन्यायां	भ.२६।२९या.मोहिनी११व्र.
१२	बु	३२	३४	ह	९	४६	सि	४०	४१	बा	३२	३४	३७	१७	४३	२८	१०	१८	तु.४३।५	बुधोदयःपश्चिमायां४०।४३
१३	गु	३८	४९	चि	१७	२४	व्य	४३	१	कौ	५	४१	३९	१६	४४	२९	११	१९	तुलायां	वृषेशुक्रः३३।२१प्रदोषः
१४	शु	४४	३२	स्वा	२४	३७	व	४५	५	ग	११	४०	४२	१६	४४	३०	१२	२०	तुलायां	भ.४४।३२उ.नृसिंहजयंती [-कुंभदानम्
१५	श	४९	५८	वि	३१	२९	प	४६	४८	वि	१७	१५	४४	१५	४५	३१	१३	२१	वृ.१४।४६	भ.१७या.वक्रीज्येष्ठा.१शनिः२९ यमाय-

५पं.वै.शु.५बु.इ.३३।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	४	०	७	४	०
२७	११	२४	१९	२०	२०	२४	२७
१३	१९	१३	१०	८	४०	३२	५
३७	५४	८	५९	४६	१९	२०	१८
५७	२०	३४	०	७४	३	३	५७
४४	व.	वं	मा	३२	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

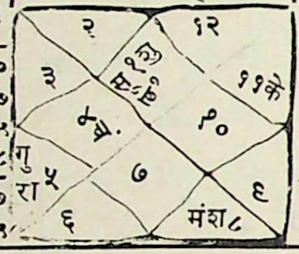

वैशाख शुक्ले ८ शनौ वृषेऽर्कः प्रविटः वा.४ न. ४ कुमारावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

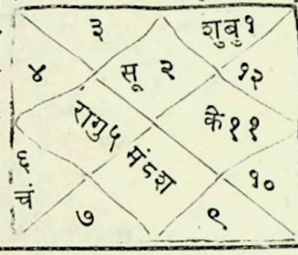

६पं.वै.श.१२बु.इ. ३३।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	०	४	०	७	४	१
३	९	२१	१९	२८	२०	२४	३
५८	६	७	१८	४६	१२	१०	४९
३७	४३	४८	१४	१	४	४	१
५७	३१	२२	६	२	७४	१८	३	५७
४४	व.	वं		३	३२	व	११	३४

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८ | दि. उ. अ.भा.मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	र	५४	२१	अ	३७	५७	शि	४७	४६	बा	२२	९	३३	५	६	१	१४	२२	वृश्चिके	भा.ज्येष्ठारंभः
२	च	५७	५३	ज्ये	४२	४५	सि	४८	५	तै	२६	७	४७	१५	४५	२	१५	२३	ध.४२।४५	
३	मं	६०	०	मू	४७	४	सा	४७	४६	व	२९	८	५२	१४	४६	३	१६	२४	धनुषि	भ.२९।८उ.रोहि.रविः४९मार्गीबुधः३३
३	बु	०	२५	पू	५०	२१	शु	४६	३१	वि	०	२५	५४	१३	४७	४	१७	२५	धनुषि	भ.०।२५या.रोहि.रविःसौरः१।१९चतु.व्र.
४	गु	१	५०	उ	५२	३४	शु	४४	२१	बा	१	५०	५६	१३	४७	५	१८	२६	म.५।५४	
५	शु	२	१७	श्र	५३	३४	ब्र	४१	२०	तै	२	१७	५८	१२	४८	६	१९	२७	मकरे	रोहि.शुक्रः४०।५९
६	श	१	२५	ध	५३	२२	ऐं	३७	२०	व	१	२५	३४	१२	४८	७	२०	२८	कुं.२३।२८	भ.१।२५उ.३०।३०या.
७	श	५८	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	र	५६	१२	श	५१	५०	वै	३२	१५	बा	२७	५३	२	१२	४८	८	२१	२९	कुम्भे	
९	चं	५१	४१	पू	४९	१३	वि	२६	२८	तै	२३	५६	३	११	४९	९	२२	३०	मी३४।५२	
१०	मं	४५	५०	उ	४५	२०	प्री	१९	२	व	१८	४६	५	११	४९	१०	२३	३१	मीने	भ.१८।४६उ.४५।५०या.
११	बु	३८	५६	रे	४०	१२	आ	११	७	ब	१२	२३	७	११	४९	११	२४	१	मे.४०।१२	पूफा.३गुरुः५९जून६ता.३०अपरा११व्र.
१२	गु	३०	५३	अ	३४	८	सौ	३	५०	कौ	४	५५	९	१०	५०	१२	२५	२	मेषे	प्रदोषः [=राहुःपूभा.१केतु-१८।३४
१३	शु	२२	१८	भ	२७	३७	अ	४२	३८	च	२२	१८	१०	१०	५०	१३	२६	३	वृ.४०।५३	भ.२२।१८उ.४७।४६या.पूफा.३=
१४	श	१३	१४	कृ	२०	४४	सु	३२	५२	श	१३	१४	१२	१०	५०	१४	२७	४	वृषे	वक्री.विशा.भौमः४५।४४
१५	र	४	३६	रो	१४	२३	धृ	२३	१९	ना	४	३६	१३	९	५१	१५	२८	५	मि४१।३६	कृत्ति.बुधः१५।५८वटपूजनम्

७पं.ज्ये.कृ.३बु.इ.३३।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	०	४	१	७	४	१
१०	६	२०	१९	७	१९	२३	१०
४२	४३	४५	३३	२२	४१	४७	३१
२९	५	७	४३	८	५६	४९	१२
५७	२०	३	३	७४	३४	३	५७
३५	वं	मं	२७	३२	व.	११	२३

गोचर ग्रहाः

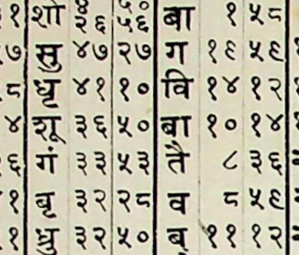

इस मास में धान्य गल्ला रस वस्त्र रुई रंग में वदि में मन्दी होकर सुदि में तेजी हो कहीं २ वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

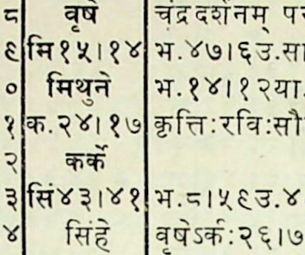

८पं.ज्ये.कृ.११बु.इ.३३।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	०	४	१	७	४	१
१७	४	२३	१९	१५	१९	२३	१७
२५	१३	४८	५७	५८	११	२५	१२
१९	४८	५०	२५	४१	३१	३३	१८
५७	५६	३४	४	७४	४०	३	५७
२७	व.	५	३५	३८	व.	११	१३

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण १८८८स.२०१६

१	र	५१	५७		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४६	५२	मृ	८	५१	शू	१४	४६	बा	२३	१३	३४	५६	१६	२१	६	मिथुने
३	मं	४४	५३	आ	४	४१	गं	७	१८	तै	१७	२२	१६	६	५१	१७	१	७
४	बु	४१	४७	पु	२	७	वृ	१	५५	व	१३	२०	१७	६	५१	१८	२	८
५	गु	४०	५०	पु	१	४६	व्या	५४	१६	व	११	१६	१८	८	५२	१९	३	६
६	शु	४१	५३	श्ले	३	२५	ह	५३	२६	कौ	११	२१	१९	८	५२	२०	४	१०
७	श	४५	८	म	७	४	व	५३	२६	ग	१३	३०	१९	८	५२	२१	५	११
८	र	४६	४१	पू	१२	२५	सि	५५	५	वि	१७	२४	२०	८	५२	२२	६	१२
९	चं	५५	३५	उ	१६	७	व्य	५७	१५	बा	२२	३८	२१	८	५२	२३	७	१३
१०	मं	६०	०	ह	२६	३६	व	५६	३५	तै	२८	३८	२१	८	५२	२४	८	१४
११	बु	१	४२	चि	३४	१७	प	६०	०	ग	१	४२	२२	८	५२	२५	९	१५
१२	गु	७	५६	स्वा	४१	३६	प	२	०	वि	७	५६	२२	८	५२	२६	१०	१६
१३	शु	१२	३६	वि	४८	२६	शि	४	२०	बा	१३	३६	२३	७	५३	२७	११	१७
१४	श	१८	४७	अ	५४	२२	सि	६	२	तै	१८	४७	२३	७	५३	२८	१२	१८
१५	र	२२	४१	ज्ये	५९	२	सा	६	५२	व	२२	४१	२३	७	५३	२९	१३	१९
१५	चं	२५	२१	मू	६०	०	शु	६	४०	ब	२५	२१	२४	७	५३	३०	१४	२०

धनुषि

चंद्रदर्शनम्

भ.४५।८उ.

भ.१७।२४या.

मिथुनेशुक्रः०।३५

मिथुनेऽर्कः४३।८गंगादशमी

भ.३४।४९उ.मिथुनेऽर्कःसौरः०।५७+

भ ७।५६या.निर्जला ११व्र.

प्रदोषः [+रोहि.बुधः५२।३८

आर्द्राशुक्रः२२।९वक्रीतुलायां भौमः७।२५

भ.२२।४१उ.५४।१या.

गुर्जराणां वट सावित्री व्रतम्

९पं.ज्ये.शु.४बु.इ.३३।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	१	४	१	७	४	१
२४	२	०	२०	२४	१८	२३	२३
७	१४	१३	२९	३४	३९	३	५२
१९	५३	५५	५६	३४	५४	१८	१४
५७	३२	६४	५	७४	४०	३	५७
२२	व.	४९	४३	३८	व	११	५

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले १०भौमे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

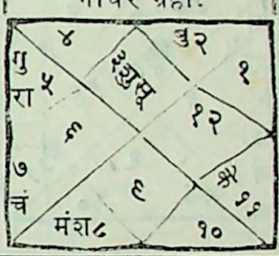

१०पं.ज्ये.शु.१०बु.इ.३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	१	४	२	७	४	२
०	०	९	२१	३	१८	२२	०
४८	३९	३१	९	१०	९	४१	३१
३६	५८	३०	२५	४८	४३	२	२३
५७	५०	५१	६	७४	२८	३	५६
१७	व.	३५	३९	३८	व	११	५७

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८ | दि.उ. अ. भा.मु. इं | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.

१	मं	२६	५१	मू	२	४६	शु	५	४४	कौ	२६	५१	३४	५६	३१	१५	२१	धनुषि
२	बु	२७	११	पू	५	१६	व्र	३	५६	ग	२७	११	२४	७	५३	१	१६	२२
३	गु	२६	२९	उ	६	३८	एं	१	५६	वि	२६	२९	२४	७	५३	२	१७	२३
४	शु	२४	४४	अ	७	०	वि	५	३२	बा	२४	४४	२४	७	५३	३	१८	२४
५	श	२२	२१	ध	६	४३	प्री	४	३५	तै	२२	२१	२३	७	५३	४	१९	२५
६	र	१८	५७	श	५	२३	आ	४	५५	व	१८	५७	२३	७	५३	५	२०	२६
७	चं	१५	३	पू	३	५६	सौ	३	५६	ब	१५	३	२२	८	५२	६	२१	२७
८	मं	१०	२२	रे	५	३२	शो	३	३९	कौ	१०	२२	२२	८	५२	७	२२	२८
९	बु	४	५८	अ	५	३०	अ	२	५७	ग	४	५८	२१	८	५२	८	२३	२९
१०	बु	५	३	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	गु	५२	५	भ	४	५०	सु	१५	९	ब	२५	२८	३०	८	५२	९	२४	३०
१२	शु	४४	५६	कृ	४	४७	धृ	६	५१	कौ	१८	३१	१९	८	५२	१०	२५	१
१३	श	३७	५०	रो	३	३८	गं	५	१५	ग	११	२३	१८	८	५२	११	२६	२
१४	र	३०	५३	मृ	३	५४	वृ	४	२	वि	४	२२	१७	९	५१	१२	२७	३
३०	चं	२४	४५	आ	२	५४	ध्रु	३	४४	ना	२४	४५	१६	९	५१	१३	२८	४

वृषभे

मेषे

मिथुने

आर्द्रारविः४२।३

भ.२०।३६उ.आर्द्रारविःसौरः भा.=

भ.२६।२९या.मृगेबुधः४१।२४चतुर्थीव्र.

[=आषाढारंभः

मकरे

कुं.३६।५१

कुंभे

मार्गीभौमः१५।४६

मी४८।५९

मीने

मिथुनेबुधः९।९ [÷पूर्वस्यां४।४०

मे.५६।३२

भ.३१।५४उ.५८।५०या.पुन.शुक्रः

आर्द्राबुधः२१।१६योगिनी ११व्र.स्मा.

जुलाई७ता.३१योगिनी११व्र.वै.

भ.३७।५०उ. प्रदोषः

भ.४।२२या.पूफा.४गुरुः४४।२२

११पं.आ.कृ.२बु.इ.३३।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	१	४	२	७	४	२
७	२९	२१	२१	११	१७	२२	७
२९	४१	१२	५५	४६	४०	१८	९
३१	१०	२५	२३	३४	४८	४६	५०
५७	२०	५९	७	७४	१०	३	५६
१३	व.	२०	४१	३२	व	११	५४

गोचर ग्रहाः

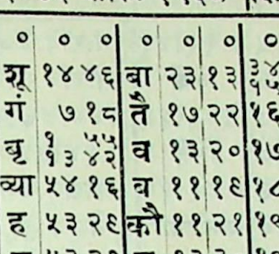

इस मास में गेहूं रुई अलसी सूत कपास में तेजी हो चांदी सोना तिलहन सण वारदाना मंदे हों वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

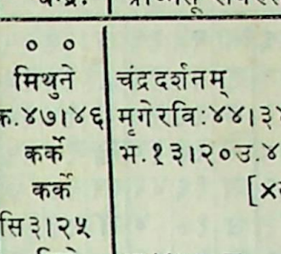

१२पं.आ.कृ.९बु.इ.३३।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	४	२	७	४	२
१४	२९	५	२२	२०	१७	२१	१३
९	२३	१	४८	२३	१३	५६	४७
५८	३८	१६	०	६	४८	३१	५५
५७	१३	२९	८	७४	५२	३	५६
७	मा	५५	४१	३२	व.	११	५०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८										दि. उ.		अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः १९१७स.२०१६
१	मं	१९	३५	पु	२६	५६	व्या	२८	१६	ब	१९	३५	३५	५	६	१४	२९	५ क.१२।४१
२	बु	१६	१५	पु	२५	३९	ह	२३	१६	कौ	१६	१५	१४	९	५१	१५	३०	६ कर्के
३	गु	१४	३७	श्ले	२६	१३	व	१९	२७	ग	१४	३७	१३	९	५१	१६	१	७ सिं२६।१३
४	शु	१४	५५	म	२८	२८	सि	१७	१४	वि	१४	५५	११	१०	५०	१७	२	८ सिंहे
५	श	१७	७	पू	३२	५२	च्य	१६	४२	बा	१७	७	१०	१०	५०	१८	३	९ कं.४९।१९
६	र	२१	२	उ	३८	४१	व	१७	४	तै	२१	२	८	१०	५०	१९	४	१० कन्यायां
७	चं	२६	२३	ह	४५	२९	प	१९	१९	व	२६	२३	७	११	४९	२०	५	११ कंन्यायां
८	मं	३२	२४	चि	५३	०	शि	२१	२	ब	३२	२४	५	११	४९	२१	६	१२ तु.१९।१४
९	बु	३८	३१	स्वा	६०	०	सि	२३	३०	बा	५	२७	३	११	४९	२२	७	१३ तुलायां
१०	गु	४४	२०	स्वा	०	२४	सा	२५	५१	तै	११	२५	१	१२	४८	२३	८	१४ वृ.५०।५२
११	शु	४९	३५	वि	७	४१	शु	२७	४८	व	१६	५७	३३	१२	४८	२४	९	१५ वृश्चिके
१२	श	५३	११	अ	१३	४८	शु	२८	५३	ब	२१	२३	५७	१३	४७	२५	१०	१६ वृश्चिके
१३	र	५५	४१	ज्ये	१८	३४	ब्र	२८	५१	कौ	२४	२६	५५	१३	४७	२६	११	१७ ध.१८।३४
१४	चं	५६	२०	मू	२२	१	ऐं	२७	३६	ग	२६	१	५२	१४	४६	२७	१२	१८ धनुषि
१५	मं	५५	४०	पू	२३	५८	वै	२५	५	वि	२५	५९	५०	१४	४६	२८	१३	१९ म.३९।५

भ.१६।५७उ.४९।३५या. देवशयनी ११व्र.
कर्केऽर्कः १०।१९ (सौरः ३९।१६)
प्रदोषः [=बुधः २९।१व्यासपूजावायुपरीक्षा
भ.५६।२०उ.बुधोदयः पश्चिमायां ५६।२८
भ.२५।५९या.पुष्येरविः ३९।३७ आश्ले =

१३पं.आ.शु.२बु.इ. ३३/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	४	२	७	४	२
२०	२९	२०	२३	२८	१६	२१	२०
५०	४४	८	४६	५९	४८	३४	२५
२४	४६	२०	४८	३१	५८	१५	४९
५७	८	०/१०	९	७४	२/३	३	५६
७	१०	२९	३२	व	११	५०	

गोचर ग्रहाः

आषाढशुक्ले १२शनौ
कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.५
न.४बालावस्था (बैठी
मु.३० धान्यादिभावे
समता शुक्रोदयः
पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

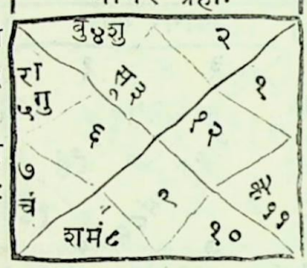

१४पं.आ.शु.९बु.इ. ३३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	३	४	३	७	४	२
२७	०	५	२४	७	१६	२१	२७
३०	४३	३	५०	३५	२८	१२	३
४३	५५	४	१३	१०	५	०	५६
५७	१२	०/१०	१०	७४	५/६०	३	५६
११	२३	९	१२	२६	व	११	५४

त.	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८										दि. उ		अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	बु	५३	३५	उ	२४	२७	वि	२१	३८	बा	२४	३७	३३/४८	५/१४	६/४६	२९	१४	२० मकरे
२	गु	५०	३४	श्र	२३	३८	प्री	१७	१०	तै	२२	४	४५	१५	४५	३०	१५	२१ कुं.५२।५३
३	शु	४६	३७	ध	२२	१०	आ	११	५०	व	१८	३५	४३	१५	४५	३१	१६	२२ कुंभे
४	श	४१	५२	श	१९	४०	सौ	६/१३	५३/८	व	१४	१४	४०	१६	४४	१	१७	२३ कुम्भे
५	र	३७	७	पू	१६	५५	अ	५३	८	कौ	९	२९	३८	१६	४४	२	१८	२४ मी२।३६
६	चं	३२	५	उ	१३	५२	सु	४६	१९	ग	४	३६	३५	१७	४३	३	१९	२५ मीने
७	मं	२६	५८	रे	१०	४१	धृ	३९	४२	ब	२६	५८	३३	१७	४३	४	२०	२६ मे.१०।४१
८	बु	२१	४४	अ	७	२५	शू	३२	३४	कौ	२१	४४	३०	१८	४२	५	२१	२७ मेषे
९	गु	१६	१४	भ	४	६	गं	२५	३२	ग	१६	१४	२७	१९	४१	६	२२	२८ वृ.१८।११
१०	शु	१०	४०	कृ	२/२९	५५/४३	वृ	१८	३३	वि	१०	४०	२४	१९	४१	७	२३	२९ वृषे
११	श	५	१९	मृ	५३	५६	ध्रु	११	४१	बा	५	१९	२२	२०	४०	८	२४	३० मि२५।३२
१२	र	०	१०	आ	५१	१७	व्या	४९/५९	५८/३३	तै	०	१०	१९	२०	४०	९	२५	३१ मिथुने
१३	र	५५	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१४	चं	५१	४४	पु	४९	१७	व	५३	२	वि	२३	४३	१६	२१	३९	१०	२६	१ क.३४।४७
२०	मं	४९	१६	पु	४८	२५	सि	४८	७	च	२०	२९	१३	२१	३९	११	२७	२ कर्के

भ.१८।३५उ.४६।३७या.
भा.श्रावणारंभः चतुर्थी व्रतम्
अनु.भौमः ३६।२३उफा.१गुरुः ४३/३नाग५
भ.३२।५उ.५९।३२या.
मघा.सिंहेबुधः १३।५५
भ.४३।२७उ.
भ.१०।४०या.
कामिका ११व्र.
भ.५५।४२उ.मघा.सिंहेशुक्रः ४७/३६ प्रदोषः
भ.२३।४३या.अगस्त८ता.३१
आश्ले.रविः ३६।३८हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.१बु.इ. ३३/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	४	३	७	४	३
४	२	१८	२५	१६	१६	२०	३
११	१७	४२	५८	११	१०	४९	४२
२८	६	०	४४	५३	४१	४४	२३
५७	१६	०/१०	१०	७४	१/३	३	५६
१५	४७	८	५५	२६	व.	११	५८

गोचर ग्रहाः

श्रावणशुक्ले १३ भौमे
सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४
न.५प्रौढावस्था (बैठी)
मु.४५ धान्यादि भावे
समर्घता शुक्रोदयः
पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

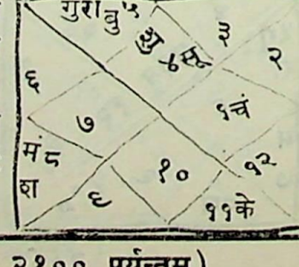

१६पं. श्रा.कृ.८बु.इ. ३३/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	४	४	३	७	४	३
१०	४	०	२७	२४	१५	२०	१०
५२	२१	२९	१२	४८	५७	२७	२१
३०	०	१७	४	२५	२२	२८	४०
५७	२०	९०	११	७४	१/८	३	५७
२०	४१	३३	२६	२०	व.	११	५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.|श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९४६ स.२०१६

१	बु	४७	४९	श्ले	४८	५२	व्य	४४	२८	किं	१८	३२	३१ ५ ३६	१२	२८	३	सिं४८।५२	आश्ले.रविः सौरः १०।४४
२	गु	४८	५	म	५०	४८	व	४१	५५	बा	१७	५७	७ २३ ३७	१३	२९	४	सिंहे	पूफा.बुधः ४१।० चंद्र दर्शनम् सिंधारा
३	शु	५०	११	पू	५४	१८	प	४०	४९	तै	१९	८	४ २३ ३७	१४	१	५	सिंहे	पूफा.२ राहुः शत.४ केतुः ३१ ५१ जिल्काद ÷
४	श	५३	३९	उ	५९	१७	शि	४०	२२	व	२१	५५	० २४ ३६	१५	२	६	कं१०।३२	भ.२१।५५ उ.५३।३९ या.वरद ४
५	र	५८	४३	ह	६०	०	सि	४१	३१	ब	२६	११	३३ ५५ २५ ३५	१६	३	७	कन्यायां	नाग पंचमी [÷ ११ तीज
६	चं	६०	०	ह	५	४१	सा	४३	२४	कौ	३१	३०	५४ २५ ३५	१७	४	८	तु.३९।१२	
६	मं	४	१७	चि	१२	४३	शु	४५	४५	तै	४	१७	५० २६ ३४	१८	५	९	तुलायां	
७	बु	१०	२८	स्वा	२०	१९	शु	४८	२	व	१०	२८	४७ २७ ३३	१९	६	१०	तुलायां	भ.१०।२८ उ.४३।३४ या.
८	गु	१६	४०	वि	२७	४४	ब्र	५०	२४	ब	१६	४०	४४ २७ ३३	२०	७	११	वृ.१०।५३	पूफा.शुक्रः ३३ उफा.२ कन्यायांगुरुः ३१।२६
९	शु	२२	१०	अ	३४	३३	ऐं	५१	५७	कौ	२२	१०	४० २८ ३२	२१	८	१२	वृश्चिके	मार्गी शनिः ३३।३
१०	श	२६	१६	ज्ये	३९	५६	वै	५२	२९	ग	२६	१६	३७ २९ ३१	२२	९	१३	ध.३९।५६	भ.५७।३७ उ.
११	र	२८	५८	मू	४४	५	वि	५१	३८	वि	२८	५८	३३ २९ ३१	२३	१०	१४	धनुषि	भ.२८।५८ या.पवित्रा ११ व्र.
१२	चं	२९	४३	पू	४६	१४	प्री	४९	३५	बा	२९	४३	३० ३० ३०	२४	११	१५	धनुषि	उफा.बुधः २८।३ प्रदोषः
१३	मं	२८	४३	उ	४६	४१	आ	४६	०	तै	२८	४३	२६ ३१ २९	२५	१२	१६	म.१।२१	मघा.सिंहेऽर्कः ३०।४०
१४	बु	२५	५३	श्र	४५	२५	सौ	४०	५७	व	२५	५३	२२ ३२ २८	२६	१३	१७	मकरे	भ.३५ उ.५३ या.मघा.सिंहेऽर्कः सौरः ७।९
१५	गु	२१	३७	ध	४२	४०	शो	३४	४९	ब	२१	३७	१९ ३२ २८	२७	१४	१८	कुं.१४।२	श्रावणी कर्म रक्षा बन्धनम्

१७पं.श्रा.शु.१बु.इ.३३।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	४	४	४	७	४	३
१७	६	११	२८	३	१५	२०	१७
३४	५०	४२	२८	२४	४८	५	१
१२	६	३६	३७	५४	११	१३	२८
५७	२३	८६	१२	७४	५३	३	५७
२५	४२	१३	३	१४	व.	११	१२

१८पं.श्रा.शू.७बु.इ. ३३।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	४	४	४	७	४	३
१४	९	२०	२९	१२	१५	१९	२३
१६	४१	१९	४८	०	४३	४२	५२
३७	५६	१४	०	३२	४८	५७	३१
५७	२६	६८	१२	७४	१४	३	५७
३३	२०	३९	२०	८	व.	११	२२

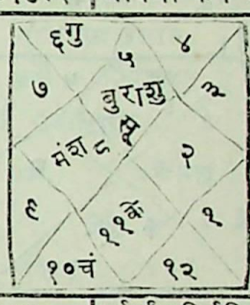

१९पं.श्रा.शु.१४बु.इ.३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	५	४	७	४	४
०	१२	२८	१	२०	१५	१९	०
५९	५६	२७	१०	३६	४४	२०	२४
५३	२०	१८	२३	३१	२०	४२	४८
५७	२८	५१	१२	७४	३५	३	५७
४०	४३	३४	४७	२	मं	११	३

ति.|भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षतू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.

१	शु	१६	१२	श	३८	५३	अ	२७	५०	कौ	१६	१२	३३ ५५ २७	२८	१५	१९	कुम्भे	कन्यायांबुधः २०।४६
२	श	९	५८	पू	३४	२३	सु	२०	६	ग	९	५८	१२ ३४ २६	२९	१६	२०	मी१९।५६	भ.३६।४० उ.
३	र	३	२१	उ	२९	५६	धृ	१२	९	वि	३	२१	८ ३४ २६	३०	१७	२१	मीने	भः३।२१ या.चतुर्थी व्र.
४	र	५३	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०	०	०	० ०	
५	चं	५०	१८	रे	२५	१४	शू	४५	३	कौ	२३	२९	४ ३५ २५	३१	१८	२२	मे.२५।१४	उफा.शुक्रः २९।५६
६	मं	४४	१०	अ	२१	२६	वृ	४८	२३	ग	१७	१४	१ ३६ २४	१	१९	२३	मेषे	भ.४४।१० उ.भा.भाद्रपदारंभः चन्द्रषष्ठी
७	बु	३८	४४	भ	१७	१०	धु	४१	११	वि	११	२७	३५ ३७ २३	२	२०	२४	वृ.३१।१८	भ.३७ या.ज्येष्ठा.भोमः ५६ जन्माष्टमी =
८	गु	३३	३८	कृ	१३	४३	व्या	३४	१३	बा	६	११	५३ ३७ २३	३	२१	२५	वृषे	कन्यायांशुक्रः ३९ जन्माष्टमी व्र वै.
९	शु	२९	१४	रो	१०	५७	ह	२७	५९	तै	१	२६	४९ ३८ २२	४	२२	२६	मि३८।५६	भ.५७।२२ उ. गोगा ९ [=व्र.स्मा.
१०	श	२५	२९	मृ	८	५५	व	२२	५	वि	२५	२९	४६ ३९ २१	५	२३	२७	मिथुनें	भ.२५।२९ या.उफा.३ गुरुः ५५।३८
११	र	२२	२९	आ	७	३४	सि	१६	५३	बा	२२	२९	४२ ४० २०	६	२४	२८	क.५१।५८	अजा ११ व्र.
१२	चं	२०	१६	पु	६	४६	व्य	१२	७	तै	२०	१६	३८ ४० २०	७	२५	२९	कर्के	वक्रीबुधः ५२।५२ वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	मं	१९	५	पु	६	४९	व	८	१९	व	१९	५	३४ ४१ १९	८	२६	३०	कर्के	भ.१९ उ.४९ या.पूफा.रविः २९ (सौरः ५८)
१४	बु	१८	५५	श्ले	८	१२	प	५	११	श	१८	५५	३० ४२ १८	९	२७	३१	सिं८।१२	[÷ ३० मन्वादिः
३०	गु	१९	५९	म	१०	३२	शि	४	२	ना	१९	५९	२६ ४३ १७	१०	२८	१	सिंहे	सितम्वर९ता.३० कुशाग्रहणी पिठोरी ÷

२० पं.भा.कृ.७बु.इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	५	४	७	४	४
७	१६	३	२	२९	१५	१८	७
४४	२६	३०	३५	११	४९	५८	८
२०	३८	३२	३५	१७	८	२६	१६
५७	३०	२२	१३	७३	१	३	५७
४९	४०	२३	८	५५	१६	११	४५

गोचर ग्रहाः

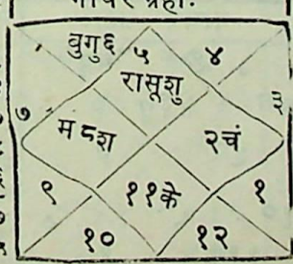

इस मास में धान्य गल्ला रस गुड़ शक्कर चीनी सोना चांदी वस्त्र बदि में मंदे होकर सुदि में तेज होंगे। वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

२१ पं.भा.कृ.१४बु.इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	५	५	७	४	४
१४	२०	३	४	७	१५	१८	१३
३०	११	४९	२	४६	५८	३६	५३
०	४२	५९	३१	१९	५५	१०	२८
५८	३२	५६	१३	७३	१	३	५७
१	५५	व.	२०	५०	५३	११	५७

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८										दि. उ. अ.			भा. मु. इ.			चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९७६स.२०१६
१	शु	२२	२८	पू	१४	१९	सि	२	१४	ब	२२	२८	३१ २३	५ ४४	१९ १६	११	२९	२	कं.३०।३०	हस्तेशुक्रः २१।४
२	श	२६	९	उ	१९	२	सा	१	४७	कौ	२६	९	१८	४४	१६	१२	३०	३	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	र	३१	१३	ह	२५	१२	शु	२	३३	ग	३१	१३	१५	४५	१५	१३	१	४	तु.५८।३४	जिल्हेज १२हरितालिका ३
४	चं	३६	५५	चि	३१	५६	शु	४	२	ब	४	४	११	४६	१४	१४	२	५	तुलायां	भ.४।४उ ३६।५५या.गणेशचतुर्थी
५	मं	४३	७	स्वा	३९	३५	ब्र	६	३	ब	१०	१	७	४७	१३	१५	३	६	तुलायां	बुधास्तः पश्चिमायां १५।५३ऋषिपंचमी
६	बु	४९	२३	वि	४७	१०	ऐं	८	४१	कौ	१६	१५	३	४७	१३	१६	४	७	वृ.३०।१६	
७	गु	५५	१६	अ	५४	३४	वै	११	१०	ग	२२	२०	५ ९	४८	१२	१७	५	८	वृश्चिके	भ.५५।१६उ.
८	शु	६०	०	ज्ये	६०	०	वि	१३	५१	वि	२७	४१	५५	४९	११	१८	६	९	वृश्चिके	भ.२७।४१या.वक्रीसिंहेबुधः २८।५३
८	श	०	७	ज्ये	०	५६	प्री	१४	३५	ब	०	७	५१	५०	१०	१९	७	१०	ध.०।५६	[+वक्रीपूफा.बुधः ४।२३चित्रा.शुक्र. १५ ÷
९	र	३	३६	मू	६	३	आ	१५	४६	कौ	३	३६	४७	५१	९	२०	८	११	धनुषि	[÷उफा.४गुरुः १९ जलझूलनी ११व्र. *
१०	चं	५	१९	पू	९	२१	सौ	१३	३३	ग	५	१९	४३	५१	९	२१	९	१२	म.२४।४०	भ.३५।१०उ.अस्तंगुरोः ४९।१२
११	मं	५	०	उ	१०	३९	शो	१०	५०	वि	५	०	३९	५२	८	२२	१०	१३	मकरे	भ.५।०या.उफा.रविः ४।४१ (सौरः ४२) +
१२	बु	२	२९	श्र	१०	११	अ	६	३३	बा	२	२९	३५	५३	७	२३	११	१४	कु.३८।५८	प्रदोषः [* वामन जयंती
१३	बु	५५	४३		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=१शनि.५५।२४महालयरंभः
१४	गु	५२	१२	ध	७	४६	सु	३४	५२	ग	२५	११	३१	५४	६	२४	१२	१५	कुम्भे	भ.५२।१२उ.अनंत १४
१५	शु	४४	४९	श	३६	५४	शू	४४	४९	ब्रि	१८	३१	२७	५५	५	२५	१३	१६	मी. ३४	भ. १९ या.कन्यायामर्कः ३०।२ज्येष्ठा =

२२पं.भा.शु.६वु.इ. ३२							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	५	५	७	४	४
२१	२४	१	५	१६	१६	१८	२०
१७	१०	५०	३०	२०	१३	१३	४०
२	५	६	५८	३८	१२	५५	८
५८	३४	५९	१३	७३	२	३	५८
१३	२०	व.	२८	३८	२४	११	१२

गोचर ग्रहाः

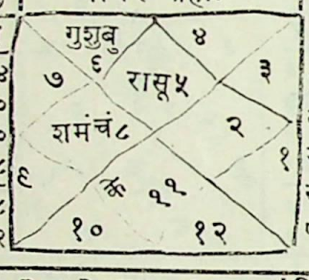

भाद्रपद शुक्ले १५
शुक्रे कन्यायामर्कः
प्रविष्टः वा. ४ न. ५
बालावस्था (बैठी)
मु. ३० धान्यादिभावे
समता शुक्रोदयः
पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

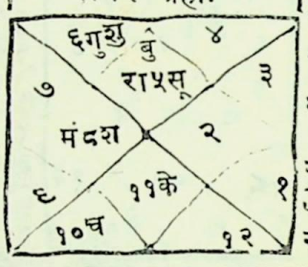

२३पं.भा.शु.१२बु.इ. ३२							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	५	५	७	४	४
२८	२८	२४	७	२४	१६	१७	२७
५	२१	५८	०	५३	३२	५१	२८
२४	२९	५	३२	५६	१३	३९	२६
५८	३५	५९	१३	७३	३	३	५८
२६	४३	व.	३२	२६	२०	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८										दि. उ. अ.			भा. मु. इ.			चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेभाद्र. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	३६	४७	उ	५२	६	गं	३५	४५	बा	१०	४८	३२ ३०	५ ५६	६ ४	२६	१४	१७	मीने	कन्यार्कः सौरः ७।५१मूलेधनुषिभौमः १९
२	र	२८	२७	रे	४६	१	बृ	२६	१०	तै	२	३७	१८	५६	४	२७	१५	१८	मे.४६।१	भ.५४।१६उ.तुलायांशुक्रः ४३।११
३	चं	२०	६	अ	३९	२८	धु	१६	३१	वि	२०	६	१४	५७	३	२८	१६	१९	मेषे	भ.२०।६या.चतुर्थीव्र.
४	मं	१२	११	भ	३३	४८	व्या	७ १	५० ५१	बा	१२	११	९	५८	२	२९	१७	२०	वृ. ४७	बुधोदयः पूर्वस्यां ४२।३७
५	बु	५	१०	कृ	२८	५०	व	५०	३	तै	५	१०	५	५९	१	३०	१८	२१	वृषे	भ.५९।६उ.
६	बु	५३	५६		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०		
७	गु	५४	१३	रो	२४	५८	सि	४२	४७	वि	२६	४०	३० ०	६ ०	६ ०	३१	१९	२२	मि. ५३	भ.२६।४०या.मार्गीबुधः २३।३
८	शु	५०	३२	मृ	२२	२६	व्य	३६	२६	बा	२२	२२	२९	६	५	१	२०	२३	मिथुने	भा.आश्विनारंभः
९	श	४८	७	आ	२०	५८	व	३१	७	तै	१९	१९	५३	२५८		२	२१	२४	मिथुने	स्वात्यांशुक्रः ५९ मातृ९ (सौभाग्यवतीनांश्रा.
१०	र	४६	५०	पु	२०	४६	प	२६	५२	व	१७	२८	४८	२५८		२	२२	२५	क.५।४९	भ.१७।२८उ.४६।५०या.
११	चं	४६	४८	पु	२१	२९	शि	२३	३०	ब	१६	४९	४४	३५७		४	२३	२६	कर्के	हस्तेरविः ४३।११इंदिरा११व्र.
१२	मं	४८	०	श्ले	२३	४३	सि	२१	४	कौ	१७	२४	४०	४५६		५	२४	२७	सिं. २३	हस्तेरविः सौरः २०।२१
१३	बु	५०	१४	म	२६	४९	सा	१९	३५	ग	१९	७	३६	५५५		६	२५	२८	सिंहे	भ. ५९ उ.हस्त.१गुरुः २१।५८प्रदोषः
१४	गु	५३	३८	पू	३१	१०	शु	१९	९	वि	२१	५६	३२	६५४		७	२६	२९	क.४७।३१	भ.२१।५६या.शस्त्रादि हतानां श्रा.
३०	शु	५८	०	उ	३६	३३	शु	१९	३	च	२५	४९	३८	६५४		८	२७	३०	कन्यायां	सर्वपितृ ३०

२४पं.आ.कृ.५बु.इ.३२।८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	४	५	६	७	४	५
४	२	२०	८	३	१६	१७	४
५५	४२	५९	३१	२६	५५	२९	१८
१६	४०	४२	८	१३	३५	२४	३३
५८	३६	४९	१३	७३	३	३	५८
३८	४२	व.	३८	१४	५४	११	४५

गोचर ग्रहाः

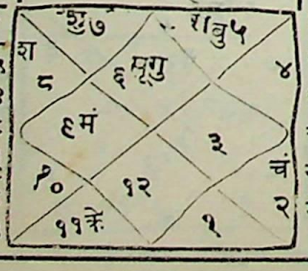

इस मास में ५ शनि वार ५ रविवार अशुभ हैं धातु सोना चांदी लोहा रस धान्य गल्ला तेज हो प्रजा में दुःख फैले।

गोचर ग्रहाः

२५पं.आ.कृ.१३बु.इ.३२।१							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	४	५	६	७	४	५
११	७	२३	१०	११	१७	१७	११
४६	१३	५४	२	५८	२२	७	१०
५२	१२	११	१७	५५	१	८	३२
५८	३७	४९	१३	७३	४	३	५९
५३	५०	मा	३८	२२	४	११	०

(विक्रम सं. २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाक: १९३८						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २००५स.२०१६
१	श	६०	०	ह	४२	५०	ध्रु	२०	०	किं	३०	४०	२३ ३ ५५	९ २८ १	कन्यायां	उफा.बुध:७।४०अक्टूबर१०ता.३१ +
१	र	३	२०	चि	४९	३२	ऐं	२१	३३	च	३	२०	१९ ८ ५२	१० २९ २	तु.१६।११	चंद्रदर्शनम्[+नवरात्रारंभ मातामह श्रा.
२	चं	९	८	स्वा	५७	२	वै	२३	३४	कौ	९	८	१५ ९ ५१	११ १ ३	तुलायां	कन्यायांबुध:३९मोहोरम१सन् १४३८ हि.
३	मं	१५	३०	वि	६०	०	वि	२६	१	ग	१५	३०	११ १० ५०	१२ २ ४	वृ.४७।४३	भ.४८।४२उ.
४	बु	२१	५५	वि	४	३६	प्री	२८	१७	वि	२१	५५	७ ११ ४९	१३ ३ ५	वृश्चिके	भ.२१या.विशा.शुक्र:७।०
५	गु	२८	११	अ	१२	१३	आ	३०	४३	ब्रा	२८	११	३ ११ ४९	१४ ४ ६	वृश्चिके	[÷पूर्वस्यां२८।४४उदयं गुरौ:३।०
६	शु	३३	२६	ज्ये	१९	१७	सौ	३२	३९	कौ	०	४९	२९ १२ ४८	१५ ५ ७	ध.१९।१७	पूषा.भौम:४९पूफा.१राहु:शत.३केतु:३५
७	श	३७	४६	मू	२५	२२	शो	३३	४३	ग	५	३६	५५ १३ ४७	१६ ६ ८	धनुषि	भ.३७।४६उ.
८	र	४०	३१	पू	३०	५	अ	३३	३७	वि	९	८	५१ १४ ४६	१७ ७ ९	म.४५।४९	भ.९।८या.हस्ते.बुध:४३।४१बुधास्त: ÷
९	चं	४१	२९	उ	३२	५९	सु	३२	१५	ब्रा	११	०	४७ १५ ४५	१८ ८ १०	मकरे	चित्रा.रवि:१५।१३ (सौर:५०।५५)
१०	मं	४०	२६	श्र	३४	६	धृ	२९	१३	तै	१०	५८	४३ १५ ४५	१९ ९ ११	मकरे	[×१६।४३शरद्पूर्णिमास्मा. कोजागरी व्र.
११	बु	३७	१४	ध	३३	७	शू	२४	४०	व	८	५०	३९ १६ ४४	२० १० १२	कुं ३।३७	भ.८।५०उ.३७।१४या.पापांकुशा ११व्र.
१२	शु	३१	५८	श	३०	११	गं	१८	३४	ब	४	३६	३५ १७ ४३	२१ ११ १३	कुंभे	वृश्चिके शुक्र:२०।३६हस्त.२गुरु:४८।५३
१३	शु	२५	१	पू	२५	२८	बृ	१०	५१	तै	२५	१	३१ १८ ४२	२२ १२ १४	मी ११।३९	प्रदोष:
१४	श	१६	४९	उ	१९	१७	ध्रु	४४	५३	व	१६	४९	२७ १९ ४१	२३ १३ १५	मीने	भ.१६।४९उ.४२।१२या.अनु.शुक्र: ×
१५	र	७	३५	रे	१२	८	ह	४१	८	च	७	३५	२३ १९ ४१	२४ १४ १६	मे.१२।८	तुलायामर्क:५९शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.

२६पं.आ.शु.४बु.इ.३१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	६	७	४	५
१८	११	२	१	२०	१७	१६	१८
४०	५०	५५	३२	३०	५३	४४	४
८	४२	५९	४२	११	१७	५२	१९
५९	३८	९४	१३	७२	४	३	५९
९	५८	४७	३६	४९	५६	११	१६

गोचर ग्रहा:

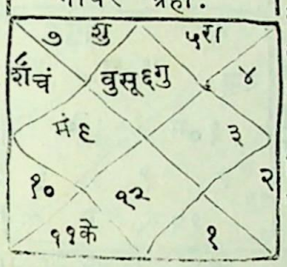

आश्विनशुक्ले १५रवौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न. ४ युवावस्था (सूती) मु.३०धान्यादिभावेसमताशुक्रोदय पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहा:

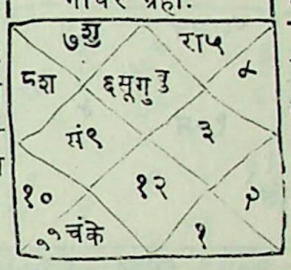

२७पं.आ. शु.११बु.इ.३१४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	६	७	४	५
२५	१६	१४	१३	२९	१८	१६	२५
३५	३४	५१	२	०	२७	२२	००
२	३७	४	३१	३६	३२	३७	१
५९	३९	००	१३	७२	५	३	५९
२१	३७	५८	३२	२९	२६	११	३१

ति.	कार्तिककृष्णपक्षः सं० २०७३ शाक: १९३८						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेति महा.
१	र	५०	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४८	३५	अ	३८	५२	ब्र	३०	२३	तै	२३	१६	२८ २० ४५	३५ १५ १७	मेषे	तुलार्कःसौर:३३।३९चित्रा.बुध:३२।१२
३	मं	३९	३५	कृ	५०	६	सि	१९	४४	व	१४	५	१६ २१ ३९	२६ १६ १८	बृ १०।१४	भ.१४।५उ.३९।३५या.
४	बु	३१	३५	रो	४४	८	व्य	९	३५	ब	५	३५	१२ २२ ३८	२७ १७ १९	वृषे	करक चतुर्थी व्र.
५	गु	२५	४	मृ	३९	२२	व	२८	५५	तै	२५	४	८ २२ ३८	२८ १८ २०	मि ११।४५	
६	शु	२०	१०	आ	३६	२६	शि	४६	४२	व	२०	१०	४ २३ ३७	२९ १९ २१	मिथुने	भ.२०।१०उ.४८।३६या.तुलायांबुध: १७ २८
७	श	१७	१	पु	३५	१७	स्थि	४०	२५	ब	१७	१	० २४ ३६	३० २० २२	क.२०।३५	
८	र	१५	२९	पु	३५	३३	सा	३६	२९	कौ	१५	२९	२७ २५ ३५	१ २१ २३	कर्के	स्वात्यांरविः४१।४भा.कार्तिकारंभः
९	चं	१५	४४	श्ले	३७	४०	शु	३४	१९	ग	१५	४४	५३ २५ ३५	२ २२ २४	सिं. ३७ ४०	भ.४६।३४उ.स्वात्यांरविःसौर:१४।४२
१०	मं	१७	२५	म	४१	६	शु	३२	२६	वि	१७	२५	४९ २६ ३४	३ २३ २५	सिंहे	भ.१७।२५या.स्वात्यांबुध:१८।४
११	बु	२०	१६	पू	४५	५२	ब्र	३२	१६	ब्रा	२०	१६	४५ २७ ३३	४ २४ २६	सिंहे	उषा.भौम:५७।२रमा११व्र.
१२	गु	२४	४४	उ	५१	४०	ऐं	३२	५०	तै	२४	४४	४१ २८ ३२	५ २५ २७	क.२।१९	ज्येष्ठा.शुक्र:६।३४
१३	शु	३०	४९	ह	५८	२०	वै	३३	५५	व	३०	४९	३७ २९ ३१	६ २६ २८	कन्यायां	भ.३९उ ज्वेष्ठा २शनि.५२प्रदोष:धन१३
१४	श	३५	३८	चि	६०	०	वि	३५	४७	वि	३	१३	३४ २९ ३१	७ २७ २९	तु.३१।५०	भ.३।१३या.हस्त.३गुरु:३५।५६रुप१४
३०	र	४१	५२	चि	५	२०	प्री	३७	४१	च	८	४५	३० ३० ३०	८ २८ ३०	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२८पं.का.कृ.४बु.इ.३१।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	५	७	७	४	६
२	२१	२६	१४	७	१९	१६	१
३१	२६	५५	३१	३०	५	०	५७
२६	१०	३७	३७	४	२०	२१	२६
५९	४०	००	१३	७२	५	३	५९
३४	११	२६	२०	५	५०	११	४६

गोचर ग्रहा:

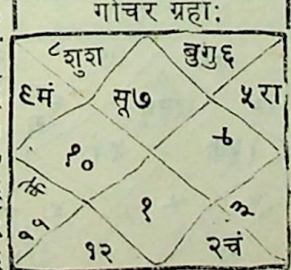

सोमवाराः यदा पञ्च चान्द्रमासे भवन्तिहि। धनधान्यंसमृद्धिःस्यात् सुखं सर्वत्र सुन्दरम् ।। इस मास में धान्य मंदे हो धातु तेज हो ।

गोचर ग्रहा:

२९पं.का.कृ.११बु.इ.३१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	५	७	७	४	६
९	२६	८	१५	१५	१९	१५	८
२९	२२	४६	५९	५७	४५	३८	५६
४२	३४	३४	१७	५०	३२	६	४६
५९	४०	००	१३	७१	६	३	६०
४७	४१	३३	१४	४६	१५	११	२

(विक्रम सं० २००१ संवत्सरारम्भ २१०० पर्यन्तम)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिकशुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८									दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः २०३५स.२०१६
१	चं	४८	४	स्वा	१२	५४	आ	४०	३	किं	१४	५८	२७	३१	२९	९	२९	३१	तुलायां मकरेभौमः ३६ अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा
२	मं	५४	३१	वि	२०	२५	सौ	४२	१९	बा	२१	१७	२३	३१	२९	१०	३०	१	वृ.३।३२ चंद्रदर्शनमूनवम्बर११ता.३०भातृ२ यम२
३	बु	६	०	अ	२८	८	शो	४४	४०	तै	२७	३६	१९	३२	२८	११	१	२	वृश्चिके विशा.बुधः२४।५सफर२
३	गु	०	४१	ज्ये	३५	३	अ	४६	२२	ग	०	४१	१६	३३	२७	१२	२	३	ध.३५।३ भ.३३।२४उ.
४	शु	६	७	मू	४१	२०	सु	४७	३४	वि	६	७	१२	३४	२६	१३	३	४	धनुषि भ.६।७या.
५	श	१०	४९	पू	४६	५४	धृ	४८	१९	बा	१०	४९	९	३४	२६	१४	४	५	धनुषि
६	र	१४	५	उ	५१	३	शू	४७	२२	तै	१४	५	५	३५	२५	१५	५	६	म.२।५६ विशा.रविः१।३० (सौरः३२।६)
७	चं	१६	७	श्र	५३	३५	गं	४६	१७	व	१६	७	२	३६	२४	१६	६	७	मकरे भ.१६उ.४६या.मूलेधनुषिशुक्रः६।५४
८	मं	१६	२२	ध	५४	३५	वृ	४३	१३	ब	१६	२२	२६	३६	२४	१७	७	८	कुं.२४।५ वृश्चिकेबुधः४४।१६गोपाष्टमी
९	बु	१४	५२	श	५३	३४	ध्रु	३८	३७	कौ	१४	५२	५५	३७	२३	१८	८	९	कुंभे कुष्मांड९अक्षय९
१०	गु	११	२५	पू	५०	४१	व्या	३२	३१	ग	११	२५	५२	३८	२२	२९	९	१०	मी.३६ भ.३८।४२उ.अनु.बुधः४५।५४
११	शु	५	५९	उ	४६	१	ह	२४	५८	वि	५	५९	४९	३८	२२	२०	१०	११	मीने भ.५।५९या.प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाह
१२	शु	५३	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	मीने
१३	श	५०	३८	रे	४०	५	व	१६	९	कौ	२४	५०	४५	३९	२१	२१	११	१२	मे.४०।५ प्रदोषः
१४	र	४१	१५	अ	३२	५६	सि	६	४९	ग	१५	५६	४२	४०	२०	२२	१२	१३	मेषे भ.४१।१५उ.वैकुंठ १४
१५	चं	३१	२४	भ	२५	१	व	४४	२१	वि	६	१९	३९	४०	२०	२३	१३	१४	वृ.३८।१ भ.१९या.श्रवणेभौमः १३ मन्वादिःका.स्ना

३०पं.का.शु.३बु.इ.३१।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	५	७	७	४	६
१६	१	२०	१७	२४	२०	१५	१५
२९	२२	११	२५	२४	२८	१५	५७
२८	५५	१३	१२	५८	२६	५०	५०
६०	४०	०	१२	७१	६	३	६०
४	३१	१९	५०	२२	३२	११	१८

गोचर ग्रहाः

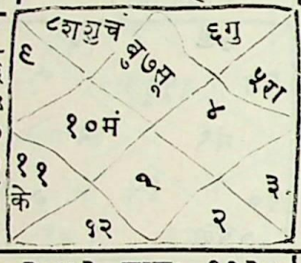

इस मास में ५ सोमवार श्रेष्ट हैं प्रजा में सुख शान्ति रहे धातु रस सुदी में तेज हो जावेंगे।

गोचर ग्रहाः

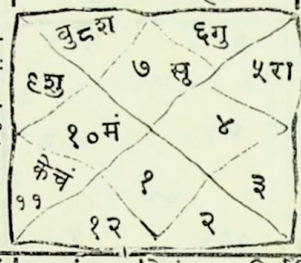

३१पं.का.शु.९ बु.इ.३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	५	८	७	४	६
२३	६	१	१८	२२	१५	२३	
३०	२७	१६	४८	५०	१२	५३	०
५०	५८	४४	५८	१०	५८	३४	२३
६०	४१	९८	१२	७०	६	३	६०
१७	४१	३९	२३	५३	४४	११	३०

ति	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	हेमंततू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	मं	२१	३३	कृ	१७	२	प	३३	१४	कौ	२१	३३	३६	४१	१९	२४	१४	१५	वृषे वृश्चिकेऽर्क५७।३५हस्त.४गुरुः४६।४४
२	बु	१२	१८	रो	९	३७	शि	२२	२२	ग	१२	१८	३३	४१	१९	२५	१५	१६	मि. ३६ भ.३८।९उ.वृश्चिकेऽर्कः सौरः २६।२३
३	गु	४	०	मृ	३८	५४	सि	१२	३८	वि	४	०	३०	४२	१८	२६	१६	१७	मिथुने भ.४।०या.चतुर्थी व्र.
४	गु	५३	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० [+ज्येष्ठा.बुधः २३ बुधोदयःपश्चिमायां ४१
५	शु	५२	३३	पु	५४	३८	सा	९	५२	कौ	२४	५५	२७	४३	१७	२७	१७	१८	क.४०।२६ पूषा.शुक्रः२०।१
६	श	४९	४५	पु	५३	१५	शु	५१	२१	ग	२१	९	२५	४३	१७	२८	१८	१९	कर्के भ.४५उ अनु.रविः५५ (सौरः४३।११)+
७	र	४९	७	श्ले	५४	१	व्र	४७	१६	वि	१९	२६	२३	४४	१६	२९	१९	२०	सिं. ५४ भ.१९।२६या.
८	चं	५०	१३	म	५६	४३	ऐं	४५	२	बा	१९	४०	१९	४४	१६	३०	२०	२१	सिंहे
९	मं	५३	१६	पू	६०	०	वै	४४	२	तै	२१	४४	१७	४५	१५	१	२१	२२	सिंहे भा.मार्गशीर्षारंभः
१०	बु	५७	४६	पू	०	५८	वि	४४	४२	व	२५	३१	१४	४५	१५	२	२२	२३	कं १७।२४ भ.२५।३१उ.५७।४६या.अस्तंशनेः ४१७
११	गु	६०	०	उ	६	४३	प्री	४५	४३	व	३०	३१	१२	४६	१४	३	२३	२४	कन्यायां उत्पत्ति ११व्र.स्मा.
११	शु	३	१६	ह	१३	२३	आ	४७	३५	बा	३	१६	९	४६	१४	४	२४	२५	तुं.४७।६ उत्पत्ति ११व्र.वै.
१२	श	९	३७	चि	२०	४९	सौ	४९	४८	तै	९	३७	७	४७	१३	५	२५	२६	तुलायां प्रदोषः
१३	र	१६	४	स्वा	२८	२६	शो	५२	८	व	१६	४	५	४७	१३	६	२६	२७	तुलायां भ.१६।४उ.४९।१६या.
१४	चं	२२	२७	वि	३६	१	अ	५४	२२	श	२२	२७	२	४८	१२	७	२७	२८	वृ.१९।८ मूलेधनुषिबुधः ३८ ज्येष्ठा.३शनिः१७।३८
१०	मं	२८	४८	अ	४३	१९	सु	५६	२३	ना	२८	४८	०	४८	१२	८	२८	२९	वृश्चिके उषा.शुक्रः३३।१७

३२पं.मा.कृ.२बु.इ.३०।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	५	८	७	४	७
०	११	१२	२०	११	२१	१४	०
३३	३५	४८	१२	५९	३१	४	
२९	५६	५२	५३	०	२८	१९	२७
६०	४१	९५	१२	७०	८	३	६०
३०	५२	२५	७	१६	२	११	४०

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षकृष्णे १ भौमे बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

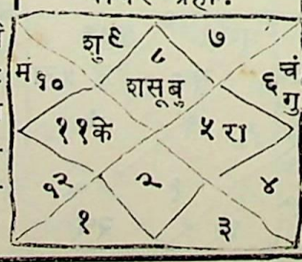

३३पं.मा.कृ.१०बु.इ.३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	५	८	७	४	७
७	१६	२२	२१	१९	२२	१४	७
३७	४५	३७	२६	३१	४७	-९	१०
२६	३२	४४	६	४८	१३	३	०
६०	४२	९१	११	६९	७	३	६०
४२	१६	३८	२८	३४	८	११	५३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०७३ शाकः १९३८ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽर्गणः२०६५सन्२०१६

१	बु	३४	३१	ज्ये	५०	११	धृ	५७	५९	किं	१	४०	२५	६	५	९	२९	३०	ध.५०।११	
२	गु	३९	२९	मू	५६	१३	शू	५९	०	बा	७	०	५८	४८	५२	१०	३०	१	धनुषि	चन्द्रदर्शनम् दिसम्बर१२ता.३१
३	शु	४३	५०	पू	६०	०	गं	५९	२३	तै	११	३९	५४	४९	११	११	१	२	धनुषि	ज्येष्ठा.रवि-२३(सौर:५१)मकरेशुक्रः×
४	श	४६	५८	पू	१	३१	बृ	५८	४६	व	१५	२४	५३	४९	११	१२	२	३	म.१७।३५	भ.१५।२४उ.४६।५८या
५	र	४९	१	उ	५	४८	धु	५७	४४	व	१७	५९	५१	५०	१०	१३	३	४	मकरे	चित्रा.१गुरुः४५।३३
६	चं	४९	५१	श्र	९	१	व्या	५५	३४	कौ	१९	२६	४९	५०	१०	१४	४	५	कुं.४०।०	चंपा६ [×३३धनि.भौ२:३६रविलावल३
७	मं	४९	१९	ध	१०	५९	ह	५२	११	ग	१९	३५	४८	५०	१०	१५	५	६	कुंभे	भ.४९।१९उ.
८	बु	४७	१७	श	११	३६	व	४७	३५	वि	१८	१८	४६	५१	९	१६	६	७	मी५५।४८	भ.१८।१८या.
९	गु	४३	३९	पू	१०	३२	सि	४२	४८	बा	१५	२८	४५	५१	९	१७	७	८	मीने	पूषा.बुध.३७मघा.४राहुःशत २केतुः५५
१०	शु	३८	४६	उ	८	०	व्य	३४	४९	तै	११	१३	४४	५१	९	१८	८	९	मीने	[+५५।५मोक्षदा११व्र गीताजयंती
११	श	३२	९	रे	४	५४	व	२६	३५	न	५	२८	४३	५१	९	१९	९	१०	मे.४।४	भ.५।२८उ.३२।९या.श्रवणेशुक्रः+
१२	र	२४	२९	भ	५२	१९	प	१७	२६	बा	२४	२९	४२	५२	८	२०	१०	११	मेषे	कुंभेभौमः५।१५प्रदोषः
१३	चं	१५	५०	कृ	४५	१६	शि	७	४९	तै	१५	५०	४१	५२	८	२१	११	१२	वृ.५।३३	
१४	मं	६	३९	रो	३७	५४	सा	४६	५६	व	६	३९	४०	५२	८	२२	१२	१३	वृषे	भ.६।३९उ.३२।०या.दत्तजयंती
१५	मं	५०	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	९	०	०	

३४पं.मा.शु.१बु.इ.३०।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	५	८	७	४	७
१४	२१	२	२२	२७	२३	१३	१४
४२	५७	४९	३९	४५	३६	४६	१६
४०	५८	१९	३२	२९	४	४८	४६
६०	४२	८४	१०	६८	७	३	६१
५०	१७	५४	५५	५१	१६	११	३

गोचर ग्रहाः

इस मास में चांदी सोना मंदे हो रुई धान्य बाजरा मूंग मोठ मक्का चांवल मंदे होकर सुदि में तेज हो जावेंगे।

गोचर ग्रहाः

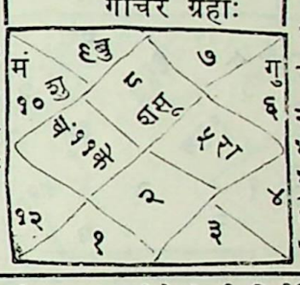

३५पं.मा.शु.८बु.इ.३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	५	९	७	४	७
२१	२७	१२	२३	५	२४	१३	२१
४८	१०	१०	४७	५५	२१	२४	२४
४३	१९	३०	५३	५२	२६	३२	२८
६०	४२	७२	१०	६७	७	३	६
५६	२८	४६	१०	५८	२०	११	१

ति. पौष कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.

१	बु	४८	३७	मृ	३०	५२	शु	३५	४३	बा	२२	५९	३५	६	५	८	२३	१३	१४	मि३।५३	
२	गु	४०	५९	आ	२४	३७	शु	२६	०	तै	१४	४८	३९	५२	८	२४	१४	१५	मिथुने	मूलेधनुष्यर्कः३३।१७(सौर:५४।५५)
३	शु	३४	५१	पु	१९	४१	ब्र	१७	१४	व	७	५५	३८	५२	८	२५	१५	१६	क.५।५५	भ.७।५५उ.३४।५१या.
४	श	३०	२५	पु	१६	१७	ऐं	१०	३	ब	२	३८	३८	५२	८	२६	१६	१७	कर्के	चतुर्थी व्रतम्
५	र	२८	२३	श्ले	१५	१	वै	४	१६	तै	२८	२३	३७	५३	७	२७	१७	१८	सिं१५।१	वक्रीबुधः
६	चं	२८	२६	म	१६	१४	वि	२३	५७	व	२८	२६	३७	५३	७	२८	१८	१९	सिंहे	भ.२८।२६उ.५९।३१या.
७	मं	३०	३५	पू	१९	११	आ	५७	४१	व	३०	३५	३६	५३	७	२९	१९	२०	क.३५।२२	शतेभौमः४।३१
८	बु	३४	३७	उ	२३	५५	सौ	५८	२	बा	२	३६	३६	५३	७	३०	२०	२१	कन्यायां	
९	गु	३९	५०	ह	२९	४३	शो	५९	४०	तै	७	१४	३६	५३	७	१	२१	२२	कन्यायां	धनि.शुक्रः४७।२१बुधास्तःपश्चिमायां=
१०	शु	४६	१४	चि	३७	२०	अ	६०	०	व	१३	२	३६	५३	७	२	२२	२३	तु ३।३१	भ.१३।२उ.४६।१४या.
११	श	५२	४१	स्वा	४४	५९	अ	१	४९	ब	१९	२७	३७	५३	७	३	२३	२४	तुलायां	सफला११व्र.
१२	र	५९	१७	वि	५२	४१	सु	४	१	कौ	२५	५९	३७	५३	७	४	२४	२५	वृ.३५।४६	[=२९।२४भा.पौषारंभः
१३	चं	६०	०	अ	६०	०	धृ	६	२२	ग	३२	२६	३७	५३	७	५	२५	२६	वृश्चिके	ज्येष्ठा.४शनिः३८।५१प्रदोषः
१३	मं	५	३५	अ	०	५	शू	८	१२	व	५	३५	३८	५२	८	६	२६	२७	वृश्चिके	भ.५।३५उ.३८।१६या.उदयंशनेः२।३९
१४	बु	१०	५६	ज्ये	६	४३	गं	९	५२	श	१०	५६	३८	५२	८	७	२७	२८	ध.६।४३	पूषा.रविः३८।१७(सौर:५६।३३) वक्री=
२०	गु	१५	२२	मू	१२	२९	वृ	१०	३९	ना	१५	२२	३९	५२	८	८	२८	२९	धनुषि	[=मूलेबुधःकुंभेशुक्रः४७चित्रा२गुरुः३९

३६पं.पौ.कृ.१बु.इ.२९।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	५	९	२	४	७
२८	२	१९	२४	१३	२५	१३	२८
५५	२५	१५	५१	५९	१४	२	३३
३७	८	४७	४	१७	५६	१६	११
६१	४२	४३	९	६६	७	३	६१
०	३३	४१	२४	५०	२०	११	१९

३७पं.पौ.कृ.८बु.इ.२९।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	५	९	७	४	८
६	७	२०	२५	२१	२६	१२	५
३	४०	२९	४८	५५	४	४०	४२
१४	५५	४९	५४	१६	१९	२	३६
६१	४२	२६	८	६५	७	३	६१
४	५३	५१	३२	३१	१४	११	२२

३८पं.पौ.कृ.१४बु.इ.३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	५	९	७	४	८
१३	१२	१३	२६	२९	२६	१२	१२
११	५७	४०	४०	४१	५३	१७	५२
१३	४०	५	८	२८	१०	४५	२८
६१	४२	९७	७	६३	७	३	६१
६	५८	०	१२	५९	८	११	२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण२०९५ स.२०१६
१	शु	१८	५१	पू	१७	१०	धु	१०	२३	ब	१८	५१	२५	५६	५	९	२९	३०	म.३३।४	चन्द्रदर्शनम्
२	श	२१	५	उ	२०	४९	ध्या	९	३५	कौ	२१	५	४१	५२	८	१०	१	३१	मकरे	रविलाखर४
३	र	२२	२७	श्र	२३	३४	ह	७	५०	ग	२२	२७	४२	५२	८	११	२	१	कुं.५४।२६	भ.५२।३६उ.जनवरी१ता.३१सन्२०१७
४	चं	२२	४५	ध	२५	१८	व	५	२	वि	२२	४५	४३	५१	९	१२	३	२	कुंभे	भ.२२।४५या.
५	मं	२१	५२	श	२५	५०	सि	१६	५६	बा	२१	५२	४४	५१	९	१३	४	३	कुंभे	शते:शुक्र:५५/३० बुधोदय:पूर्वस्यां३८।४६
६	बु	२०	४	पू	२५	३३	व	५२	४४	तै	२०	४	४५	५१	९	१४	५	४	मी१०।२४	
७	गु	१७	११	उ	२४	८	प	४६	५४	व	१७	११	४७	५१	९	१५	६	५	मीने	भ.१७।११उ.४५।२१या.
८	शु	१३	३१	रे	२१	४६	शि	३९	५०	व	१३	३१	४८	५०	१०	१६	७	६	मे.२१।४६	पूभा.भौम:५९।३१
९	श	८	३८	अ	१८	२२	सि	३२	५२	कौ	८	३८	५०	५०	१०	१७	८	७	मेषे	
१०	र	२	५५	भ	१४	१२	सा	२४	३१	ग	२	५५	५२	५०	१०	१८	९	८	वृ.२७।५५	भ.२९।३६उ.५६।१७या.पुत्रदा११व्रस्मा.
११	र	५	३	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	चं	४	८	५	३	कृ	९	५	शु	१६	८	ब	२२	३५	५३	४९	११	१९	१०	९	वृषे	मार्गीबुधः१०।३२पुत्रदा११व्र.वै.
१३	मं	४१	४	रो	३ / २३	५३ / ५४	शु	३ / ३१	५० / ३१	कौ	१४	५८	५५	४९	११	२०	११	१०	मि३०।२०	उषा.रवि:४३।२ (सौर:५८।०) प्रदोषः
१४	बु	३३	२२	आ	५१	३७	ऐं	४७	३३	ग	७	१३	५७	४९	११	२१	१२	११	मिथुने	भ.३३।२२उ.५९।४३या.
१५	गु	२६	३	पु	४६	३७	वै	३९	३२	ब	२६	३	५९	४८	१२	२२	१३	१२	क.३२।५२	मा.स्ना प्रा.

३९पं. पौ.शु.६बु.इ. २९/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	५	१०	७	४	८
२०	१८	५	२७	७	२७	११	२०
१९	१२	५१	२४	१५	४०	५०	२
२६	४३	३२	०	१४	५२	३०	२५
६१	४२	४२	६	६२	६	३	६१
६	५५	व.२४	८	५८	११	२६	

गोचर ग्रहाः

पौष कृष्णे २ गुरौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा३ न.४प्रौढावस्था(बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

Aशुकेमं

गोचर ग्रहाः

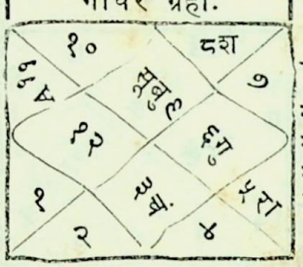

४०पं. पौ.शु.१४बु.इ. २९/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	५	१०	७	४	८
२७	२३	५	२८	१४	२८	११	२७
२७	२९	१९	०	३४	२६	३३	१२
२२	२	२६	४७	१६	५३	१४	१७
६१	४२	३१/३०	५	५९	६	३	६१
६	५८	मा	११	४८	४०	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु	१९	५६	पु	४२	३१	वि	३०	५९	कौ	१९	५६	२६	६	५	२३	१४	१३	कर्के	मकरेऽर्कः५९।२६
२	श	१५	४	श्ले	४०	११	प्री	२४	२१	ग	१५	४	४	४७	१३	२४	१५	१४	सिं४०।११	भ.४३।३२उ.मकरेऽर्कः सौर:१३।२७
३	र	१२	१	म	३९	४५	आ	१९	१०	वि	१२	१	६	४७	१३	२५	१६	१५	सिंहे	भ.१२।१या.चतुर्थी व्रतम्
४	चं	१०	५५	पू	४१	६	सा	१५	३६	बा	१०	५५	८	४६	१४	२६	१७	१६	कं.५६।५९	पूभा.शुक्र:४९।२९
५	मं	११	५८	उ	४४	४१	शो	१३	५०	तै	११	५८	११	४६	१४	२७	१८	१७	कन्यायां	[=(श्रवणेरविःसौर:१/४)उभा.भौम:३४/२६
६	बु	१५	६	ह	४९	५२	अ	१३	८	व	१५	६	१३	४५	१५	२८	१९	१८	कन्यायां	भ.१५।६उ.४७।२४या.
७	गु	१९	४२	चि	५६	३२	सु	१३	४९	ब	१९	४२	१६	४५	१५	२९	२०	१९	तु.२३।१२	[×मीने भौमः २९।९
८	शु	२५	४२	स्वा	६०	०	धृ	१५	३४	कौ	२५	४२	१९	४४	१६	३०	२१	२०	तुलायां	अभि.प्र.रवि:३३।५६ (सौर:४४।४८)×
९	श	३२	२	स्वा	३	४३	शू	१७	४३	ग	३२	२	२१	४४	१६	१	२२	२१	वृ.५४।२९	पूभा.बुधः४५।२४भा.माघारंभः
१०	र	३८	३२	वि	११	२४	गं	२०	७	व	५	१७	२४	४३	१७	२	२३	२२	वृश्चिके	भ.५।१७उ.३८।३२या.
११	चं	४४	४९	अ	१८	५०	वृ	२२	१५	ब	११	४०	२७	४३	१७	३	२४	२३	वृश्चिके	श्रवणेरविः४८।३३षट्तिला११व्र.
१२	मं	५०	५	ज्ये	२५	३३	ध्रु	२३	४४	कौ	१७	२६	२९	४२	१८	४	२५	२४	ध.२५।३३	अभि.नि.रवि:४०।४८ (सौर:५२।१)=
१३	बु	५४	११	मू	३१	१६	व्या	२४	१७	ग	२२	८	३२	४२	१८	५	२६	२५	धनुषि	भ.५४।११उ.प्रदोषः
१४	गु	५६	५७	पू	३५	५५	ह	२४	२	वि	२५	३४	३५	४१	१९	६	२७	२६	म.५१।४२	भ.२५।३४या.मूल.१धनुषिशनि:२२।४२
१५	शु	५८	२०	उ	३९	२	व	२२	४७	च	२७	३८	३८	४०	२०	७	२८	२७	मकरे	मीनेशुक्र:३३।२९

४१पं.मा.कृ.६बु.इ.२९।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	५	१०	७	४	९
४	२८	१०	२८	२१	२९	११	४
३५	४४	२५	२९	३४	१०	१०	२१
१३	१३	५२	६	२६	५९	५८	४३
६१	४३	५३	४	५६	६	३	६१
३	०	१९	०	४१	२६	११	१९

गोचर ग्रहाः

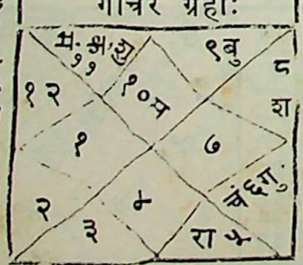

माघ कृष्णे १ शुक्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

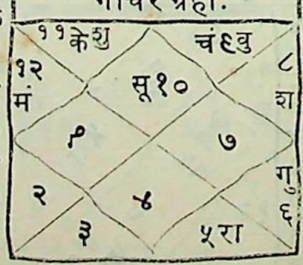

४२पं.मा.कृ.१३बु.इ. २९/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	५	१०	७	४	९
११	३	१८	२८	२८	२९	१०	११
४२	५९	१९	४९	१९	५३	४८	३०
४०	६	८	५	६	३१	४३	३७
६०	४२	७२	२	५२	६	३	६१
५९	३६	६	३८	४२	११	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८								दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २१२४ स. $\frac{२०}{१७}$
१	श	५८	२३	अ	४०	४७	सि	२०	२४	किं	२७	२२	$\frac{२६}{४१}$ $\frac{६}{४०}$ $\frac{५}{२०}$	८ २९ २८	मकरे	
२	र	५७	१६	ध	४१	१९	व्य	१६	५८	बा	२७	४६	४५ ३९ २१	९ ३० २९	कुं. ११।३	चंद्र दर्शनम्
३	चं	५५	१६	श	४१	५	च	१२	४६	तै	२६	१६	४८ ३८ २२	१० १ ३०	कुंभे	जमादि लावल ५
४	मं	५२	२६	पू	३६	५५	प	७	४६	व	२३	५१	५१ ३८ २२	११ २ ३१	मी २५।१३	भ.२३।५१उ.५२।२६या.उषा बुधः $\frac{५४}{१८}$=
५	बु	४८	५१	उ	३८	४	शि	$\frac{१०}{२}$	$\frac{५४}{१९}$	ब	२०	३८	५४ ३७ २३	१२ ३ १	मीने	फरवरी २ ता.२८ वसंत ५ [=उ.भा.शु $\frac{२०}{७}$
६	गु	४४	५६	रे	३५	५३	सा	५०	४	कौ	१६	५३	५८ ३६ २४	१३ ४ २	मे. ३५।५३	
७	शु	४०	३५	अ	३३	१२	शु	४३	१६	ग	१२	४६	$\frac{२७}{१}$ ३६ २४	१४ ५ ३	मेषें	भ.४०।३५उ.मकरे.बुधः $\frac{३८}{४}$ रथभानु७
८	श	३५	४५	भ	३०	१	शु	३६	१३	वि	८	१०	५ ३५ २५	१५ ६ ४	वृ.४४।८	भ. ८।१० या. भीष्माष्टमी
९	र	३०	३८	कृ	२६	२६	ब्र	२८	४७	बा	३	१२	८ ३४ २६	१६ ७ ५	बृषे	धनि. रवि. $\frac{५६}{५१}$ पातस्पर्शः $\frac{१४}{३}$ पा.मो. $\frac{३८}{३०}$
१०	चं	२४	५६	रो	२२	३५	एं	२१	८	ग	२४	५६	१२ ३४ २६	१७ ८ ६	मि. $\frac{५०}{३०}$	भ. ५२।४ उ धनि. रवि. सौरः ६।३४
११	मं	१६	६	मृ	१८	२५	वै	१३	१६	वि	१६	९	१५ ३३ २७	१८ ९ ७	मिथुने	भ. १६।६ या जया ११ व्र.
१२	बु	१३	११	आ	१४	१९	वि	$\frac{२६}{२}$	$\frac{५२}{३७}$	बा	१३	११	१९ ३२ २८	१९ १० ८	क. $\frac{५६}{२७}$	वक्री. गुरुः ५१।५४ प्रदोषः
१३	शु	७	२८	पु	१०	२६	आ	५०	४०	तै	७	२८	२३ ३१ २६	२० ११ ६	कर्के	मघा. ३ राहुः शत. १ केतु. ४८।५८
१४	शु	२	२५	पु	७	११	सौ	४४	१४	व	२	२५	२७ ३१ २६	२१ १२ १०	कर्के	भ. २।२५ उ.३०।१७ या. श्रवणे बुध.=
१५	शु	५५	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	[=७।२४ मा. स्ना. पूर्ति.

४३पं.मा.शु.५बु.इ.२६।३८

र	सं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	५	११	८	४	९
१८	९	२७	२८	४	०	१०	१८
४९	११	२९	५९	१५	३३	२६	२८
१६	२०	२	२८	२९	२५	२७	४३
६०	४२	८३	१	४७	५	३	६१
५५	४१	१४	१३	५३	४७	११	४

गोचर ग्रहाः

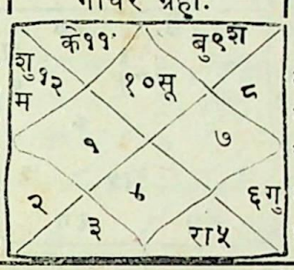

इस मास में धान्य बाजरा मूग मोठ चना मक्का घृत तेल सोना चांदी आदि धातुयें मन्दी हो शीत प्रकोप अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

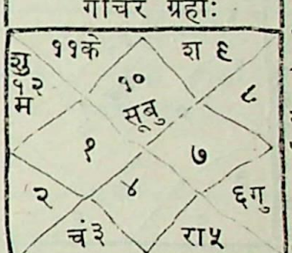

४४पं.मा.शु.१२बु.इ. $\frac{२९}{४८}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	५	११	८	४	९
२५	१४	७	२९	९	१	१०	२५
५५	२२	३३	०	३७	९	४	४५
१	४१	३२	५४	३०	३२	१२	३०
६०	४२	९०	०	४१	५	३	६०
४७	४०	२	५	१७	१८	११	५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८								दि. उ. अ.	भा. मु. इं	चन्द्रः	शिशिरर्तूरवि रुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	श	५५	२०	श्ले	४	५२	शो	३८	५२	बा	२६	४४	$\frac{३७}{३०}$ $\frac{६}{३०}$ $\frac{५०}{३०}$	२२ १३ ११	सिं. $\frac{५३}{५३}$	रेवत्यां भौमः ४२।५४
२	र	५४	७	म	४	१७	अ	३४	४९	तै	२४	४३	३४ २९ ३१	२३ १४ १२	सिंहे	कुंभेऽर्कः ३२।७ (सौरः ४०।३२)
३	चं	५४	३७	पू	४	५३	सु	३२	११	व	२४	२२	२८ २८ ३२	२४ १५ १३	क. $\frac{३१}{३१}$	भ. २४।२२ उ. ५४।३७ या.
४	मं	५७	०	उ	७	२६	धृ	३०	०	ब	२५	४९	४१ २८ ३२	२५ १६ १४	कन्यायां	चतुर्थी व्रतम्
५	बु	६०	०	ह	११	४६	शू	३०	४३	कौ	२८	५५	४५ २७ ३३	२६ १७ १५	तु.४४।४०	
५	शु	०	५१	चि	१७	३४	गं	३१	५७	तै	०	५१	४९ २६ ३४	२७ १८ १६	तुलायां	
६	शु	६	१८	स्वा	२४	१४	वृ	३३	२४	व	६	१८	५३ २५ ३५	२८ १९ १७	तुलायां	भ. १८ उ. $\frac{३९}{३२}$ या बुधा.पू. $\frac{५४}{५८}$ पातस्पर्शः×
७	श	१२	२६	वि	३१	४३	धृ	३५	४४	ब	१२	२६	५६ २५ ३५	२९ २० १८	वृ.१४।५०	धनि. बु. २६।५२ [× $\frac{२५}{२६}$ पातमोक्षः $\frac{४४}{३४}$
८	र	१८	५६	अ	३९	१३	ज्या	३८	३	कौ	१८	५६	$\frac{२८}{२०}$ २४ ३६	३० २१ १९	वृश्चिके	शते. रवि. ८।२३ (सौरः १५।५४)
९	चं	२५	१४	ज्ये	४६	२३	ह	३९	५६	ग	२५	१४	४ २३ ३७	१ २२ २०	ध.४६।२३	भ. $\frac{५७}{५६}$ उ. रे. शुक्रः ३८।५६ भा.फा.
१०	मं	३०	३८	मू	५२	३१	व	४१	५	वि	३०	३८	८ २२ ३८	२ २३ २१	धनुषि	भ. ३०।३८ या.
११	बु	३४	४६	पू	५७	१४	सि	४१	२	ब	२	४२	१२ २२ ३८	३ २४ २२	धनुषि	कुंभे. बुधः ३०।६विजया ११ व्र.
१२	गु	३७	२७	उ	६०	०	व्य	३९	५५	कौ	६	६	१६ २१ ३९	४ २५ २३	म.१३।४	
१३	शु	३८	२५	उ	०	३३	व	३७	२४	ग	७	५६	२० २० ४०	५ २६ २४	मकरे	भ. $\frac{३५}{३}$ उ. प्रदोषःमहाशिवरात्री व्र.स्मा.
१४	श	३७	३४	श्र	२	२	प	३३	३८	वि	७	५९	२४ १९ ४१	६ २७ २५	कु.३१।५९	भ. ७।५९ या महाशिवरात्री व्र. वै.
२०	र	३५	१४	ध	१	५६	शि	२८	३८	च	६	२४	२८ १८ ४२	७ २८ २६	कुम्भे	शते. बुध २७।२२

४५पं.फा.कृ.५बु.इ.३०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	५	११	८	४	१०
२	१९	१८	२८	१४	१	९	२
५९	३२	२४	५३	४	४३	४१	५१
४९	१३	३६	४२	१	१६	५६	३३
६०	४२	०	$\frac{१}{३०}$	३२	४	३	६०
३७	४०	$\frac{१४}{१४}$	व. ४२	४९	११	४२	

गोचर ग्रहाः

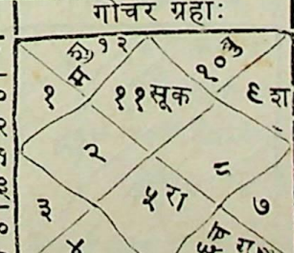

फाल्गुन कृष्णे २ रवौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्या दिभावे समता शुक्रोदय पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

४६पं.फा.कृ.११बु.इ. $\frac{३०}{१७}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	५	११	८	४	१०
१०	२४	०	२८	१७	२	९	९
३	४०	०	३६	१९	१२	१९	५६
२२	४१	११	११	३०	५४	४०	६
६०	४२	$\frac{०}{०}$	२	२१	४	३	६०
२५	३५	$\frac{१४}{१४}$	५६	१७	२०	११	३१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८									दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २१५४स.२०१७
१	चं	३१	४०	श	४८	५३	सि	२३	४४	कि	३	२७	३३	६	५	८	२९	२७	मी. ४३	
२	मं	२७	८	उ	५४	५५	सा	१६	१	कौ	२७	८	३६	१७	४३	९	३०	२८	मीने	चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
३	बु	२१	५५	रे	५१	१४	शु	९	११	ग	२१	५५	४०	१६	४४	१०	१	१	मे.५१।१४	भ.४९उ.अश्वि.मेषेभौमः४८।९मार्च ३ ÷
४	गु	१६	३४	अ	४७	३७	शु	१	५२	वि	१६	३४	४४	१५	४५	११	२	२	मेषे	भ.३९या.पातस्पर्शः२५पातमोक्षः२०।१४
५	शु	११	१	भ	४३	५०	ऐं	४६	४४	बा	११	१	४८	१४	४६	१२	३	३	वृ.५७।५६	[÷ ता.३१जमादिलाखर ६
६	श	५	३५	कृ	४०	१७	वै	३९	२३	तै	५	३५	५२	१४	४६	१३	४	४	वृषे	पूभा.रविः३४(सौरः३१)वक्रीशुक्रः२७
७	र	०	१९	रो	३६	५७	वि	३२	१४	व	०	१९	५६	१३	४७	१४	५	५	वृषे	भ.५९उ.२५या.पूफा.बुधः३९होलाष्टकम्
८	र	५५	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	चं	५०	३४	मृ	३३	५३	प्री	२५	१३	बा	२३	२	२९	१२	४८	१५	६	६	सि५।२५	
१०	मं	४६	०	आ	३१	४	आ	१८	२७	तै	१८	१७	५	११	४९	१६	७	७	मिथुने	
११	बु	४१	५३	पु	२८	३८	सौ	१२	२४	व	१३	५६	९	१०	५०	१७	८	८	क.१३।४५	भ.१३।५६उ.४१।५३या.आमलकी११व्र.
१२	गु	३८	३२	पु	२६	५३	शो	६	३६	ब	१०	१२	१३	९	५१	१८	९	९	कर्के	
१३	शु	३५	३७	श्ले	२५	४१	अ	१९	५५ ३७	कौ	७	४	१७	९	५१	१९	१०	१०	सिं. ५१	मीनेबुधः४९।१५प्रदोषः
१४	श	३३	५६	म	२५	४३	धृ	५३	८	ग	४	४७	२१	८	५२	२०	११	११	सिंहे	भ.३३।५६उ.
१५	र	३३	२३	पू	२६	५५	शू	५०	२६	वि	३	४०	२६	७	५३	२१	१२	१२	कं.४२।३१	भ.४०या.उभा.बुधः३६होलिकादहनम्

४७पं.फा.शु.३बु.इ. ३०।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	५	११	८	४	१०
१७	२९	१२	२८	१९	२	८	१६
५	४७	२२	११	१	३८	५७	५९
३५	३५	५	३८	४१	२२	२५	००
६०	४२	५९	४	७	३	३६	०
१२	२४	३	व.	२	३९	११	२०

गोचर ग्रहाः

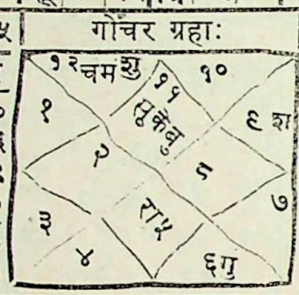

इस मास में धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा गुड़ शक्कर गन्ना वस्त्र बाजरा मूंग मोठ तेज हो प्रजा में महामारी फैले।

गोचर ग्रहाः

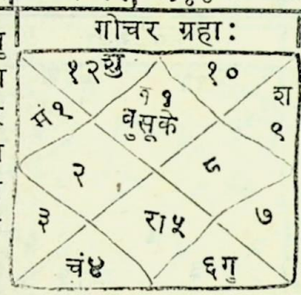

४८पं.फा.शु.११बु.इ. ३०।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	५	११	८	४	१०
२४	४	२५	२७	१८	३	८	२४
६	५१	३२	३८	४९	०	३५	०
२२	४३	४९	२	२६	१८	९	२३
५९	४२	५	२३	४१	३	३६	०
५८	१०	५४	व.	व.	०	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेफाल्गुन कृष्णेति महा.
१	चं	३४	११	उ	२९	२०	गं	४९	२३	बा	३	४७	३९	६	५४	२२	१३	१३	कन्यायां	वसंत १ छारेंडी
२	मं	३६	४६	ह	३३	१७	वृ	४८	४१	तै	५	२८	३४	५	५५	२३	१४	१४	कन्यायां	मीनेऽर्कः३५(सौरः३१)पातस्पर्शः५१ ×
३	बु	४०	१९	चि	३८	३५	ध्रु	४९	२५	व	८	३२	३८	४	५६	२४	१५	१५	तु.५।५६	भ.३६उ.४९या.वक्रीउभा.शुक्रः१७।५
४	गु	४५	२६	स्वा	४४	२८	ध्या	५०	४८	ब	१२	५३	४३	३	५७	२५	१६	१६	तुलायां	मूल.२शनिः३७।४८चतुर्थी व्र.
५	शु	५१	१६	वि	५२	४	ह	५२	५०	कौ	१८	२१	४७	३	५७	२६	१७	१७	वृ.३५।१०	उभा.रविः४६।२६(सौरः५१।३८)
६	श	५७	३७	अ	५९	३५	ब	५५	१४	ग	२४	२६	५१	२	५८	२७	१८	१८	वृश्चिके	भ.५७।३७उ.वक्रीचित्रा.१गुरुः२८।१४
७	र	६०	०	ज्ये	६०	०	सि	५७	३४	वि	३०	४९	५५	१	५९	२८	१९	१९	वृश्चिके	भ.३९या.रेवत्यांबुधः१६बुधोदयः =
७	चं	४	१	ज्ये	७	३	व्य	५९	१९	ब	४	१	३०	६	०	२९	२०	२०	ध ७।३	भरण्यांभौमः१५।३८शीतलापूजनम्
८	मं	९	४६	मू	१३	५८	व	५९	४९	कौ	९	४६	४	५	५	१	३०	२१	२१	धनुषि	[×पातमोक्षः२६।२५ [=पश्चिमायां ३९
९	बु	१४	१८	पू	१९	२६	प	५९	५१	ग	१४	१८	८	५	८	२	१	२२	२२	म.३५।२९	भ.४५।५३उ.भा.चैत्रारंभः
१०	गु	१७	२९	उ	२३	४१	शि	५८	४	वि	१७	२९	१२	५	८	२	२	२३	२३	मकरे	भ.१५या.शुक्रास्तःपश्चिमायां४९।४८
११	शु	१८	३९	श्र	२५	५२	सि	५४	४३	बा	१८	३९	१६	५	७	३	३	२४	२४	कुं.५५।५९	पापमोचनी११व्र.
१२	श	१७	५७	ध	२६	७	सा	४९	५३	तै	१७	५७	२१	५	६	४	४	२५	२५	कुंभे	प्रदोषः
१३	र	१५	२६	श	२४	४२	शु	४३	४३	व	१५	२६	२५	५	५	५	५	२६	२६	कुंभे	भ.१६उ.१३या.अश्वि.मेषेबुधः१३।४९
१४	चं	१०	५८	पू	२१	४०	शु	३६	२३	श	१०	५८	२९	५	४	६	६	२७	२७	मी. २९	शुक्रोदयःपूर्वस्यां३९।३६
२०	मं	५	९	उ	१७	८	ब्र	२८	१	ना	५	९	३३	५	३	७	७	२८	२८	मीने	मन्वादिःनवरात्रारंभः

४९पं.चै.कृ. ३बु. इ. ३१।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	५	११	८	४	११
१	९	९	२६	१६	३	८	१
५	५४	१९	५८	३३	१७	१२	०
३५	५०	१६	४१	५८	२८	५४	५
५९	४१	२	२०	३५	२	३	५२
४१	९	२९	व.	व.	१७	११	४९

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे २भौमेमीनेऽर्कःप्रविष्टः वा.३ न.३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

५०पं.चै.कृ.९बु.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	५	११	८	४	११
८	१४	२३	२६	१२	३	७	७
३	५४	२१	११	४२	२९	५०	५८
१८	५४	३२	५६	७	२९	३८	०
५९	४१	०	१७	३५	१	३	५९
२९	५३	३५	व.	व.	२२	११	३५

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११८, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५११८,भोग्यकलिः४२६८८२, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०७४, शाकः १९३९, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः । मंत्री गुरुः । सस्येशो रविः । धान्येशः शुक्रः । मेघेशोबुधः। रसेशो भौमः नीरसेशो रविः । फलेशोबुधः । धनेशः शनिः । दुर्गेशोबुधः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ५ विरोधकृन्नाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ०।१४।५२।४८ भोग्यमासादिः ११।१५।७।१२ चंद्रदैवतं युगम् । तत्र वर्षनाम चैत्रः । मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासःतटे । समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा १० समयवाहनम् सिंचायुः।स्तंभा ३ अन्न-जलतृणानां । सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी२ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी१, रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३९५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १६, तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा ५ धान्यम् ७ तृणम् १३, शीतम् ७ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १०३, शनिदृष्टिः पश्चिमे सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण २ चंद्रमसः

सं.२०७४ शा. १९३९ श्रा. शु.१५ चंद्रे चंद्र ग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.	
ग्र.	४०	४३	४५	उज्ज.
प.	५०	२१	५२	
घं.	१०	११	१२	रेल्वेटा.
मि.	४७	४७	४८	

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सि	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ०।२४

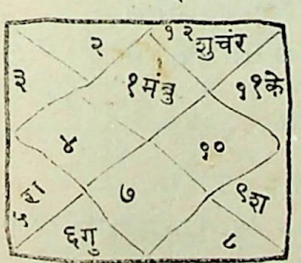

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ भैरव भणे सुणो अंबिका माय ।
चोहत्तर की साल का सांचा भेद बताय ।।

भवानी उत्तर

चोहतरिये चकवाससी होय अन्न को काल ।
मही न मांट विलोयसी दहीन मांगे बाल ।।
श्रावण अरु आषाढ में रवि आगे कुजराय ।
पवन चक्र जग में चले बिन वर्षा तरसाय ।।
छोटा मोटा मानवी धबरायें इस साल ।
व्यापारां घटबढ धणी होसी माला माल ।
वर्षा विश्वा पांच है रोहिणी तट निरधार ।
संवत् मध्यम होयसी ना सारे इकसार ।।

संवत् २०७४ शा. १९३९ माघ शु. १५ बुधे खग्रास चंद्र ग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
ग्र.	घ.	२७	२९	३१	३३	३५
	प.	१२	४९	२६	३	४०
मो.	घं.	५	६	७	७	८
	मि.	२०	२१	१	४०	४३

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ८।२८

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५५।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।५।११

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् ।। भौमे नृपे वन्हिभयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहं च ।। दुखं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयोमुंचति वारिवाहाः ।। मंत्री गुरुः फलम् ।। विविध धान्य युता खलु मेदिनी प्रचुर तोय घना मुदिता भवेत् । नृपतयो जनपालन तत्पराः सुर गुरौ ननु मंत्रि समागते ।। सस्येशो रविः फलम्।। सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवौपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहुभूरुहाश्च ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम् ।। भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्या समर्घतां यांति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधस्तत्फलम् ।। अमृत रश्मि सुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्य रसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसोविविध सौख्ययुता धरणीतदा ।। रसेशो भौमस्तत्फलम् ।। यदि धरातनयो रसपो भवेन्न रसराशियुता जनताशुभा । नरपतिर्विषमो जनता पदो न बहुवृष्टिकरो जलदोभुवि ।। नीरसेशो रविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्येत्रपु चंदनयोरपि । रत्नमाणिक्य मुक्तादेरर्घ बृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो बुधस्तत्फलम् ।। यदि बुधे फलपे फल मुत्तमं जलधरा जलराशि मुचस्तदा । बहु तृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदा जन सौख्य मुदान्विताः । धनेशः शनिः फलम् ।। द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणी पतयः सदा । अधनिका वणिजः कृषि जीविनो द्विजवरा परिपीड़ित मानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम् ।। विषय साम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राशिगतेनु विशेशतः । शशिसुतें यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्ययुजां न भयं क्वचित् ।। विरोधकृन्नरुम संवत्सरः फलम् ।। विरोध कृद्वत्सरेतु परस्पर विरोधिनः । सर्वेजना नृपाश्चैव मध्य सस्यार्घ बृष्टयः ।। वर्षनाम चैत्रस्तत्फलम् ।। सस्यानि घृत कार्पसि तैलादि सुख संचयः । चैत्र वर्षे भवेद्बृद्धिः नृप सौख्य फलप्रदा । मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्ते जलपूरिता । रोहिणी निवासस्तटे फलम् ।। तटे बृष्टिः सुशोभना । समयनिवासो रजकगृहे फलम्।। रजके बृष्टि रुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाखमासः

कृष्णा ७ भौमे उषा ल. १० श.पू.ल. १२ गु.पू. रे ६
ऽ।।।।ऽनृऽऽ।।

,, ८ बुधे उषा ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः)
रे७ऽ।।।।।ऽऽ।।

शुक्ला ३ शनौ मृगे ल.१२(गु.७पूज्यः)रे.९।।।।।ऽचौ।।।।

,, ११ शनौ उफा ल.१०श.पू.सत् रे.८ ।।।।।ऽनृऽ।।।

ज्येष्ठ मासः

शुक्ला ९ शुक्रे शनौ हस्ते ल. गो (भौमाऽष्टमः) ल.१०
व्यये शनिः रे.९ ।।।।।।ऽ।।।

,, ११ चन्द्रे स्वात्यां ल. ऽन्यगो (भौमाष्टमः)

,, १३ बुधे अनु ल. १०।१२ रे.७।।।।ऽऽनृ३९या ।ऽ।।
मकरलग्नंघ.४२।८उपरांत शनिपूजनात्सत्

आषाढ मासः

कृष्णा ९ रवौ रेव ल. १-२-१० रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
मकरे श. पूज्यः

शुक्ला ९ रवौ स्वात्यां ल. १ (चन्द्रोऽर्च्यः) रे८।।।।।।
(रो.४८उ.)।ऽ।।

,, १० चन्द्रे स्वात्यां ल.गो.१०रे८।।।।।ऽ।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ५ गुरौ उषा ल. ऽन्यगो ७ रे ७ ।ऽ।।।ऽऽ।।

,, १५ रवौ रोहि. ल. ५-६ ।।।।ऽऽरोऽऽ।।

पौष मासः

कृष्णा १ चन्द्रे मृगे ल. ५-६ रे ७ ।ऽ।।ऽ।।ऽ।।

,, ८ रवौ उफा ल. ६ रे ७ ।।।।।ऽचौऽऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णा १ शुक्र उफा ल. ७ (घ.३७।उ) रे.८
।।।।ऽऽरो-४०या ।।।।

,, २ शनौ उफा ल. गो. रे. ९ ।।।।ऽ।।।।।

,, ७ गुरौ अनु ल. ऽन्यगो रे ८ ऽऽ।।।।।।।।

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९	दि. उ.अ.	भा मु इं.	चन्द्रः	वसंततुरविरुत्तरेऽहर्गणः २१८४सन् २०१७
१	मं ५३ २ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०				
२	बु ५० ५८ रे १२ १ ऐं १९ २० बा २४ ३५ ३७ ५३ ६ ८ २९ २९			मे.१२।१	चंद्रदर्शनम् सिधारा
३	शु ४३ २६ अ ६ २३ वै १० १९ तै १७ १२ ४१ ५२ ८ ९ १ ३०			मेषे	रज्जव ७ मत्स्य जयंती गणगेरी
४	शु ३६ २५ भ ३० ५४ वि १९ २५ व ९ ५५ ४५ ५१ ९ १० २ ३१			वृ.१४।४१	भ.९।५५उ.३६।२५या.रेवत्यां रविः×
५	श २९ ३५ रो ५१ २२ आ ४४ ५९ ब ३ ० ४९ ५० १० ११ ३ १			वृषे	अप्रेल४ता.३०
६	र २३ ३१ मृ ४७ ३० सौ ३७ २५ तै २३ ३१ ५३ ४९ ११ २ ४ २			मि१९।२६	[×१४।५(सौरः१९।५)
७	चं १८ ४० आ ४४ ४२ शो ३० ४१ व १८ ४० ५७ ४९ ११ १३ ५ ३			मिथुने	भ.१८।४०उ.४६।१८या.
८	मं १३ ५५ पु ४२ ४९ अ २४ ५० ब १३ ५५ ३१ ४८ १२ १४ ६ ४			क.२८।१७	रामनवमी स्मा.
९	बु १० २७ पु ४१ ४४ सु १९ ३५ कौ १० २७ ५ ४७ १३ १५ ७ ५			कर्के	रामनवमी वै.
१०	गु ८ २ श्ले ४१ ४६ धृ १५ २२ ग ८ २ १० ४६ १४ १६ ८ ६			सिं४१।४६	भ.३७।१८उ.वक्रीशनिः३४।४९.
११	शु ६ ३५ म ४२ ४५ शू ११ ४४ वि ६ ३५ १४ ४५ १५ १७ ९ ७			सिंहे	भ.६।३५या.वक्रीबुधः ५३ कामदा ११व्र.
१२	श ५ ५९ पू ४४ ५० गं ९ ८ बा ५ ५९ १८ ४४ १६ १८ १० ८			सिंहे	कृत्ति.भौमः१०।५८ प्रदोषः
१३	र ६ ४० उ ४७ ५५ बृ ७ २ तै ६ ४० २२ ४४ १६ १९ ११ ९			कं.०।३६	वक्रीपूभा.शुक्रः१४।३०
१४	चं ८ २४ ह ५२ १ ध्रु ६ २६ व ८ २४ २६ ४३ १७ २० १२ १०			कन्यायां	भ.८।२४उ.३९।५३या.
१५	मं ११ २२ चि ५७ १४ व्या ६ ३ ब ११ २२ ३० ४२ १८ २१ १३ ११			तु.२४।३७	बुधास्तःपश्चिमायाँ४६।२५ हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.२बु.इ.५३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	५	११	८	४	११
१४	१९	३	२५	८	३	७	१४
५९	५३	३४	२१	१७	३६	२८	५४
१०	२४	५५	११	२	५४	२२	१०
५९	४१	८०	४३	३४	०	३	५९
१६	४९	४७	व.	व.	५७	११	१८

गोचर ग्रहाः

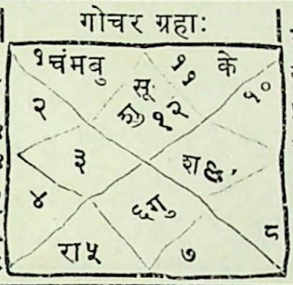

भूमिपुत्रो यदा मेषे-
सुभिक्षं सर्वधान्यकम्।
प्रवलानि महर्घाणि
क्रोधवांस्तु भवेन्नृप ।।
इस मास में धान्य
मंदा होकर सुदि में
कुछ तेज हो

गोचर ग्रहाः

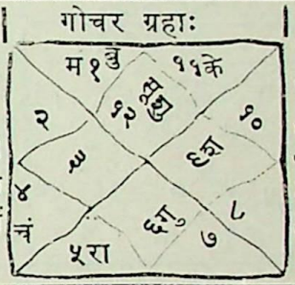

५२पं.चै.शु.९बु.इ.३२।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	५	११	८	४	११
२१	२४	९	२४	४	३	७	२१
५३	३९	४४	२८	४४	३९	६	४८
३१	३७	३१	२६	५२	४७	७	२१
५९	४१	१४	५७	२३	५५	०	३	५९
	४४	३२	व.	व.		७	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९	दि. उ. अ.	हि. मु. इ.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु १५ २६ स्वा ६० ० ह ६ ४८ कौ १५ २६ ३१ ५ ६ १९ २२ १४ १२			तुलायां	वृषे भौमः ५४।५
२	शु २० ३५ स्वा ३ ४१ व ८ १५ ग २० ३५ ३८ ४० २० २३ १५ १३			वृ.५३।५५	भ.५३।२४उ.अश्वि.मेषेऽर्कः४८।१=
३	शु २६ १३ वि १० ४० सि १० १३ वि २६ १३ ४२ ४० २० २४ १६ १४			वृश्चिके	भ.२६।१३या.वक्रीहस्त.४गुरुः९।१२–
४	श ३२ २७ अ १८ ८ ज्ये १२ ३८ बा ३२ २७ ४६ ३९ २१ २५ १७ १५			वृश्चिके	मार्गीशुक्रः२०।२० [–चतुर्थीव्रतम्
५	र ३८ ४५ ज्ये २५ ५० व १४ ५३ कौ ५ ३६ ५० ३८ २२ २६ १८ १६			ध.२५।५०	[=(सौरः ५३)मघा.२राहुःधनि४केतुः ४७ ५२
६	चं ४४ ५२ मू ३३ १५ प १७ २० ग ११ ४९ ५३ ३७ २३ २७ १९ १७			धनुषि	भ.४४।५२उ.
७	मं ४९ ५४ पू ३९ ४० शि १८ ५४ वि १७ १८ ५७ ३७ २३ २८ २० १८			म.५५।५९	भ.१७।१८या.
८	बु ५३ ५२ उ ४४ ५८ सि १९ ३९ बा २१ ५३ ३२ ३६ २४ २९ २१ १९			मकरे	
९	गु ५६ १ श्र ४८ ३७ सा १८ ५८ तै २४ ५६ ५ ३५ २५ ३० २२ २०			मकरे	उभा.शुक्रः५६।३०
१०	शु ५६ १० ध ५० १९ शु १७ ११ व २६ ५ ९ ३४ २६ १ २३ २१			कुं.१९।२८	भ.२६।५उ.५६।१०या.भा.वैशाखारंभः
११	श ५४ १८ श ४९ ५९ शु १३ २७ व २५ १४ १२ ३४ २६ २ २४ २२			कुम्भे	वरुथिनी११व्र.स्मा.
१२	र ५० २३ पू ४७ ३७ ब्र ८ १२ कौ २२ २१ १६ ३३ २७ ३ २५ २३			मी३३।१३	वरुथिनी११व्र.वै.
१३	चं ४४ ३४ उ ४३ ३२ ऐं ३० ५५ ग १७ २८ २० ३२ २८ ४ २६ २४			मीने	भ.४४।३४उ. प्रदोषः
१४	मं ३७ २ रे ३७ ५८ वि ४४ ८ वि १० ४८ २३ ३१ २९ ५ २७ २५			मे.३७।५८	भ.१०।४८या.
२०	बु २८ ४४ अ ३१ २७ प्री ३४ ७ च २ ५३ २७ ३१ २९ ६ २८ २६			मेषे	वक्री मूल.१शनिः५२।२०

१ पं. वै.कृ.२बृ.इ: ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	८	४	११
०	०	१०	२३	२	३	६	२९
०	३७	३	२२	४९	३७	३९	५४
०	१९	७	४८	५५	४१	५९	३५
५८	४१	३६	५२	३१	४०	३	५८
४४	२९	व.	व.	व.	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

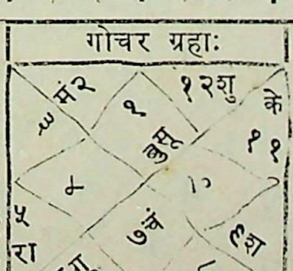

वैशाख कृष्णे २ गुरौ
मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.३
न. ४ प्रगल्भावस्था
(बैठी)मु.४५ धान्यादि
भावे समर्घता शुक्रो-
दयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

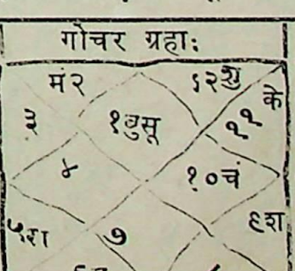

२पं. वै.कृ. ९ बृ. इ. ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	८	४	०
६	५	५	२२	३	३	६	६
५०	२९	५२	३०	२१	३०	१७	४४
४२	६	२३	२१	४३	११	४३	४६
५८	४१	३१	२९	३२	२८	३	५८
३१	१९	व.	व.	मा	व.	११	२९

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९									दि. उ. अ. भा. मु. इं.				चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२२१३स.२०१७
१	गु	१९	३५	भ	२४	२१	आ	२३	५८	ब	१९	३५	३२ ३१	५ ३०	६ ३०	७	२९	२७	वृ.३७।३५	भरण्यांरविः२९ (सौरः ३५) रोहि.भौमः +
२	शु	१०	२९	कृ	१७	२०	सौ	१३	५०	को	१०	२९	३४	२९	३१	८	१	२८	वृषे	बुधोदयःपूर्वस्यां ३६ सावान८परशुरामजयं.
३	श	१	४६	रो	१०	४५	शो	५९ ३	५० ४	ग	१	४६	२८	२८	३२	९	२	२९	मि ३७ ५९	भ.२६।५०उ.५३।४०या.अक्षया ३
४	श	५१	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+ २०।८चंद्रदर्शनम्
५	र	४६	४६	मृ	५	१४	सु	४६	४७	व	२०	१३	४१	२८	३२	१०	३	३०	मिथुने	
६	चं	४१	३	आ	३८	५९	धृ	३९	५०	की	१३	५४	४५	२७	३३	११	४	१	क.४३।१५	मई ५ ता. ३१
७	मं	३६	५१	पु	५५	४७	शू	३३	५७	ग	८	५७	४८	२६	३४	१२	५	२	कर्के	भ.३६।५१उ.
८	बु	३४	१२	श्ले	५५	३१	गं	२९	२२	वि	५	३१	५२	२६	३४	१३	६	३	सिं.५५ ५५	भ.५।३१या.
९	गु	३२	५३	म	५७	२	बृ	२५	५६	बा	३	३२	५५	२५	३५	१४	७	४	सिंहे	
१०	शु	३३	८	पू	५९	२२	धु	२३	३१	तै	३	०	५८	२४	३६	१५	८	५	सिंहे	मार्गीबुधः४१।५५
११	श	३४	४०	उ	६०	०	व्या	२२	१८	व	३	५४	३३	२४	३६	१६	९	६	कं.१५।१७	भ.३।५४उ.३४।४०या.मोहिनी११व्र.
१२	र	३७	१३	उ	३	१	ह	२२	५	ब	५	५६	५	२३	३७	१७	१०	७	कन्यायां	
१३	चं	४१	५	ह	७	३६	व	२२	२७	को	९	९	८	२२	३८	१८	११	८	तु.४०।३४	प्रदोषः
१४	मं	४५	३७	चि	१३	३३	सि	२३	२८	ग	१३	२१	११	२२	३८	१९	१२	९	तुलायां	भ.४५।३७उ.नृसिंह जयंती
१५	बु	५१	४	स्वा	२०	१२	व्य	२५	१४	वि	१८	२०	१४	२१	३९	२०	१३	१०	तुलायां	भ.१८।२०या.यमायकुंभदानम्

३पं.वै.शु.१वृ.इ. ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	८	४	०
१३	१०	१	२१	५	३	५	१३
२९	१९	४५	४१	२४	१८	५५	२३
४७	२४	५४	३५	४१	०	२७	११
५८	४१	३० २८	४६ ६	२५	२ ८	३	५८
१९	१५	व.	व.	५८	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

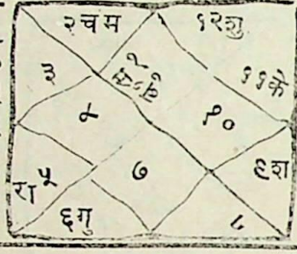

इस मास में धान्य जो गेहूं चना मटर सरसों बाजरा में मंदी होकर तेजी हो धातुओं में मंदी रस में तेजी चले।

गोचर ग्रहाः

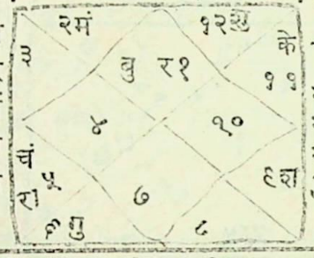

४पं.वै.शु. ९वृ.इ. ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	८	४	०
२०	१५	०	२०	९	३	५	२०
२७	७	३१	५७	१४	१	३३	१९
२५	४४	५५	४०	६	१९	१२	५६
५८	४१	४९ ३	६ ०	३६	४१ २	३	५७
६	५	व.	व.	९	व	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९									दि. उ. अ. भा. मु. इं.				चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	गु	५६	५२	वि	२७	२	व	२७	१२	बा	२३	५८	३३ १७	५ २५	६ ३९	२१	१४	११	वृ.१०।१९	कृत्ति.रविः१४।१५ (सौरः२२।५५)
२	शु	६०	०	अ	३४	३१	पु	२९	४१	ते	२९	५६	२०	२०	४०	२२	१५	१२	वृश्चिके	
३	श	३	१	ज्ये	४१	५९	शि	३२	४	ग	३	१	२३	१९	४१	२३	१६	१३	ध.४१।५९	भ.३६।७उ.
४	र	९	१४	मू	४९	२८	भि	३४	३३	वि	९	१४	२६	१९	४१	२४	१७	१४	धनुषि	भ.१ ५या.बृषेऽर्कः ४१ ३० सौरः ५२ चतुर्थी व्र.
४	चं	१५	९	पू	५६	३१	सा	३६	२३	बा	१५	९	२८	१८	४२	२५	१८	१५	धनुषि	रेवत्यांशुक्रः ४९ वक्रीहस्त.३गुरुः५९।२९
५	मं	२०	२२	उ	६०	०	शु	३७	४५	तै	२०	२२	३१	१८	४२	२६	१९	१६	म.१३।१	
६	बु	२४	४९	उ	२	३२	शु	३८	१४	व	२४	४९	३४	१७	४३	२७	२०	१७	मकरे	भ.२४।४९उ.५६।१५या.मृगेभौमः ५४ ३०
७	गु	२७	४१	श्र	७	२४	ब्र	३७	३१	ब	२७	४१	३७	१७	४३	२८	२१	१८	कुं.३९।३	
८	शु	२८	५८	ध	१०	४४	ऐं	३५	२९	को	२८	५८	३९	१६	४४	२९	२२	१९	कुंभे	
९	श	२८	२६	श	१२	११	वै	३२	१	ग	२८	२६	४३	१६	४४	३०	२३	२०	मी.५६	भ.५७।५उ.
१०	र	२५	४४	पू	११	५३	वि	२७	४१	वि	२५	४४	४४	१५	४५	३१	२४	२१	मीने	भ.२५।४४या.
११	चं	२२	१३	उ	९	२	प्री	१९	५५	बा	२२	१३	४७	१५	४५	१	२५	२२	मीने	भा.ज्येष्ठारंभःअपरा११व्र.
१२	मं	१४	३९	रे	४१	५४ ५१	आ	१२	४५	तै	१४	३९	४९	१४	४६	२	२६	२३	मे.४।४१	भरण्यांबुधः२७।२०प्रदोषः
१३	बु	६	४४	भ	५१	५५	सौ	२३	४९ ४४	व	६	४४	५२	१४	४६	३	२७	२४	मेषे	भ.६।४४उ.३२।५या.
१४	बु	५०	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२०	गु	४७	४१	कृ	४४	८	अ	४१	१६	च	२२	३३	५४	१३	४७	४	२८	२५	वृ.४।५८	रोहि.रविः५।४ (सौरः ५६) वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.१वृ.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	८	४	०
२७	१९	२	२०	१३	२	५	२७
१३	५३	४६	२०	४७	४१	१०	५
५५	२१	१९	२	४६	२०	५६	१०
५७	४१	२६ २२	४ ५२	४४	२१ ३	३	५७
५५	१	मा	व.	१०	व.	११	४५

६पं.ज्ये.कृ.७वृ.इ.४९.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	५	११	८	४	१
३	२४	८	१९	१९	२	४	३
५८	३७	१४	४९	९	१७	४८	४८
३७	४८	५६	३०	३२	२०	४१	५३
५७	४०	५३ ४	३	५० ५	३	३	५७
४४	४३	२७	व.	१	व.	११	३४

७पं.ज्ये.कृ.३०वृ.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	५	११	८	४	१
१०	२९	१६	१९	२५	१	४	१०
४२	२०	२७	२६	८	५१	२६	३१
२९	२४	२९	३१	२८	२५	२५	४
५७	४०	७९ ३	२८	५४	४	३	५७
२५	३७	१६	व	४०	व.	११	२३

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २२४२स.२०१७
१	शु	३७	४०	रो	३६	१३	सु	३०	२५	कि	१२	४०	३३	१५	४७	५ २९ २६ वृषे मिथुनेभौमः४७।४५
२	श	२७	४९	मृ	२८	४७	धृ	१९	५५	बा	२	४४	५८	१२	४८	६ ३० २७ मि२।३० चंद्र दर्शनम्
३	र	१९	३	आ	२२	१०	शू	९	५६	ग	१९	३	३४	१२	४८	७ १ २८ मिथुने भ.४५।१७उ.रमजान ९
४	चं	११	३१	पु	१६	४३	गं	५२	५३	वि	११	३१	२	१२	४८	८ २ २९ क.३।४ भ.११।३१या.
५	मं	५	३१	पु	१३	११	धृ	४७	३६	बा	५	३१	३	११	४९	९ ३ ३० कर्के
६	बु	१	२३	श्ले	११	३३	व्या	४२	५५	तै	१	२३	५	११	४९	१० ४ ३१ सिं११।३३ भ.५९उ.अश्विमेषेशुक्रः१३अस्तोभौमः२५
७	बु	५७	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० सिंहे
८	शु	५८	५०	म	११	२८	ह	३९	४६	वि	२८	५८	७	११	४९	११ ५ १ सिंहे भ.२६या.क्रत्ति.बुधः३९जून६ता.३१
९	शु	६०	०	पू	१३	३३	व	३८	१०	बा	२९	३४	९	१०	५०	१२ ६ २ कं.२९।२४
९	श	०	१९	उ	१६	५८	सि	३७	५६	कौ	०	१९	१०	१०	५०	१३ ७ ३ कन्यायां बृषेबुधः३८।३२
१०	र	३	१३	ह	२१	५९	व्य	३८	४०	ग	३	१३	१२	१०	५०	१४ ८ ४ तु.५५।१ भ.३५।२१उ.गंगादशमी
११	चं	७	२९	वि	२८	२	व	३९	३६	वि	७	२९	१३	९	५१	१५ ९ ५ तुलायां भ.२९या.आर्द्रा.भौमः५०निर्जला११व्र.
१२	मं	१२	३२	स्वा	३४	५९	प	४१	१३	बा	१२	३२	१५	९	५१	१६ १० ६ तुलायां प्रदोषः
१३	बु	१८	२७	वि	४२	८	शि	४४	१७	तै	१८	२७	१६	९	५१	१७ ११ ७ वृ २५।२१ मृगेरविः५९।५७मार्गीगुरुः६।३२
१४	गु	२४	२६	अ	४९	४१	सि	४६	३८	व	२४	२६	१७	९	५१	१८ १२ ८ वृश्चिके भ.३६उ.५२या.मृगे रविः(सौरः१५।४०)
१५	शु	३०	२७	ज्ये	५७	९	सा	४९	७	ब	३०	२७	१८	८	५२	१९ १ ९ ध ५७।९ रोहि.बुधः६।३०गुजराणांवटसावित्री व्र.

८पं.ज्ये.शु.८बृ.इ.४९।२०

र	सं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	५	०	८	४	१
१७	४	२६	१९	१	१	४	१७
२५	१	५७	१२	३३	२२	४	१२
१९	२३	१४	१८	२९	५५	९	१८
५७	४०	०	५	५८	२८	३	५७
१७	३३	२५	ब	२५	ब.	११	१३

गोचर ग्रहाः

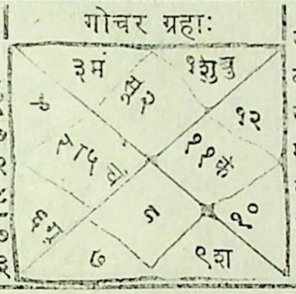

ज्येष्ठ कृष्णे ३ रवौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ नः४बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

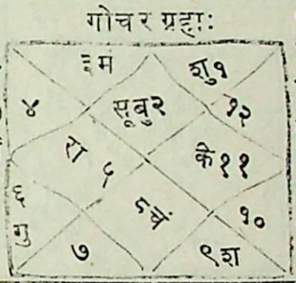

९पं.ज्ये.श.१४वृ.इ.४९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	५	०	८	४	१
२४	८	९	१९	८	०	३	२३
७	४०	२६	७	२१	५२	४१	५२
१९	१६	२८	२६	२९	३७	५४	६
५७	४०	२७	२२	६१	४०	३	५७
२२	२३	२३	मा	७	व	११	

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श	३६	३०	मू	६०	०	शु	५१	२१	बा	३	२८	३४	५	५३	२० १४ १० धनुषि बुधास्तःपूर्वस्यां३०।१२
२	र	४२	४	मू	४	२०	शु	५३	१५	तै	९	१७	१९	८	५२	२१ १५ ११ धनुषि
३	चं	४६	५३	पू	१०	३	ब्र	५४	३२	व	१४	२८	२०	८	५२	२२ १६ १२ स.२६।४७ भ.१४।२८उ.४६।५३या.
४	मं	५१	१	उ	१६	५९	ऐं	५५	२६	व	१८	५७	२१	८	५२	२३ १७ १३ मकरे भरण्यांशुक्रः५१।१४चतुर्थीव्र.
५	बु	५४	५	अ	२३	१३	वै	५५	१७	कौ	२२	३३	२१	८	५२	२४ १८ १४ कुं.५४।४६ मिथुनेऽर्कः५८।३१
६	शु	५५	४९	ध	२६	२०	वि	५३	४१	ग	२४	५७	२२	८	५२	२५ १९ १५ कुंभे भ.४९मिथुनेऽर्कःसौरः५६मृगेबुधः३४ =
७	शु	५६	१०	श	२८	५६	प्री	५१	४८	वि	२५	५९	२२	८	५२	२६ २० १६ कुंभे भ.२५।५९या.
८	श	५४	५२	पू	३०	४	आ	४८	११	बा	२५	३१	२३	७	५३	२७ २१ १७ मी१४।४७ [= मघा.१राहुःधनि.३केतुः४२।२५
९	र	५१	५६	उ	२९	३५	सौ	४३	१०	तै	२३	२४	२३	७	५३	२८ २२ १८ मीने मिथुनेबुधः४६।१०
१०	चं	४७	१	रे	२७	८	शो	३६	४७	व	१९	२८	२३	७	५३	२९ २३ १९ मे.२७।८ भ.१९।२८उ.४७।१या.
११	मं	४०	४६	अ	२३	२२	अ	२९	५	ब	१३	५३	२४	७	५३	३० २४ २० मेषे वक्रीज्ये.४वृश्चिके.शनिः४६योगिनी११व्र.
१२	बु	३२	५९	भ	१७	५८	सु	२०	२०	कौ	६	५२	२४	७	५३	३१ २५ २१ वृ.३१।१९ आर्द्रा.रविः५७आर्द्रा.बुधः४३।१२प्रदोषः
१३	गु	२४	९	कृ	११	२४	धृ	१२	१४	व	२४	९	२४	७	५३	१ २६ २२ वृषे भ.२४उ.१९या.आर्द्रा.रविःसौरः१८।१ A
१४	शु	१४	१९	रो	५९	५२	गं	४९	२५	श	१४	१९	२४	७	५३	२ २७ २३ मि३०।१० [A भा. आषाढारंभः
२०	श	४	२२	आ	४८	४१	बृ	३८	३७	ना	४	२२	२४	७	५३	३ २८ २४ मिथुने

१०पं.आ.कृ.६वृ.इ.४९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	५	०	८	४	२
०	१३	२३	१९	१५	०	३	०
४८	१७	४२	१०	२४	२१	१९	३१
३६	१७	२९	४४	४०	३६	३८	१५
५७	४०	०	५	६३	४०	३	५६
१७	१७	१६	२६	२०	ब.	११	५७

गोचर ग्रहाः

आषाढ कृष्णे ५ बुधे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

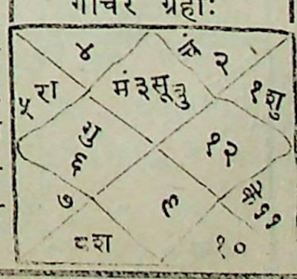

११पं.आ.कृ.१३वृ.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	५	०	७	४	२
७	१७	९	१९	२२	२९	२	७
२९	५४	२	२२	४३	५०	५७	९
३१	७	६	४८	१	३५	२३	४२
५७	४०	५९	२	६५	४०	३	५६
१३	१०	१९	४	९	ब.	११	५४

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९			दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽर्गणः२२७२सं.२०१७
१	श	५०	१६	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	
२	र	४५	५०	पु	४१	५१	ध्रु	२८	५८	बा	२०	१५	३४	५६	४	२६	२५	क.२८।३४	पुन.भौम:५७।१६ चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	चं	३८	१४	पु	३६	१६	व्या	१६	२८	तै	१२	२	२३	७	५	३	५	१	२६	कर्के	कृत्तिशुक्र:२७।४६सव्वाल१०
४	मं	३२	३८	श्ले	३२	३२	ह	११	३१	व	५	२६	२२	८	५	२	६	२	२७	सिं	३२।३२	भ.५।२६उ.३२।३८या.पुन.बुध:५२।४४
५	बु	२८	४४	म	३०	३८	व	६	१६	ब	०	४१	२२	८	५	२	७	३	२८	सिंहे		
६	गु	२७	५	पू	३०	५६	सि	५०	५७	तै	२७	५	२१	८	५	२	८	४	२९	कं.	४६।३५	वृषेशुक्र:३७।५८
७	शु	२७	३०	उ	३३	२५	व	५६	२६	व	२७	३०	२०	८	५	२	९	५	३०	कन्यायां		भ.२७।३०उ.५८।४२या.
८	श	२६	५५	ह	३७	२६	प	५६	५८	ब	२९	५५	१९	८	५	२	१०	६	१	कन्यायां		जुलाई७ता.३१
९	र	३४	१	चि	४३	१६	शि	५७	४८	बा	२	५८	१८	८	५	२	११	७	२	तु.	१०।२१	कर्केबुध:४५।६बुधोदय:पश्चिमायां४५
१०	चं	३६	६	स्वा	५०	७	सि	५६	५०	तै	६	३५	१७	६	५	१	१२	८	३	तुलायां		[÷हस्त.४गुरु:५६देवशयनी११व्र.
११	मं	४५	२०	वि	५७	३२	सा	६०	०	व	१२	१४	१६	६	५	१	१३	६	४	बृ.	४०।४१	भ.१२।१४उ.४५।२०या. पुष्येबुध:३६÷
१२	बु	५१	१६	अ	६०	०	सा	२	१३	ब	१८	१६	१५	६	५	१	१४	१०	५	वृश्चिके		पुन.रवि:५६।१६
१३	गु	५७	३२	अ	५	७	शु	४	५०	कौ	२४	२५	१४	६	५	१	१५	११	६	वृश्चिके		पुन.रवि:सौर:२२।३प्रदोष:
१४	शु	६०	०	ज्ये	१२	३३	शु	७	१६	ग	३०	२४	१३	६	५	१	१६	१२	७	ध.	१२।३३	
१४	श	३	१६	मू	१६	२८	ब्र	६	२०	व	३	१६	११	१०	५०		१७	१३	८	धनुषि		भ.१६उ.३५या.रोहि.शुक्र:४४वायुपरीक्षा
१५	र	८	२६	पू	२५	५६	एं	११	६	ब	८	२६	१०	१०	५०		१८	१४	६	म.	४२।२२	व्यासपूजागुरु१५

१२पं.आ.शु.६वृ.इ. ४९ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	५	१	७	४	२
१४	२२	२३	१९	०	२९	२	१३
९	२८	५९	४३	१२	१९	३५	४७
५८	५९	२	२३	२९	४६	७	४७
५७	३९	५८	४	६६	२३	३	५६
७	५९	०	१	२४	व.	११	५०

गोचर ग्रहाः

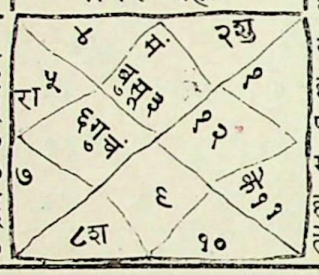

इस मास में ५ शनिवार,५रविवार अशुभ हैं प्रजा में रोग शोक फैलें जौ गेहूं बाजरा मूंग मोठ चांवल तेज हो धातु मंदे होकर तेज हों।

गोचर ग्रहाः

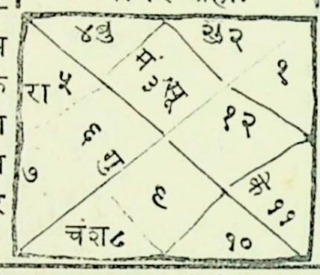

१३पं.आ.शु.१३वृ.इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	५	१	७	४	२
२०	२७	७	२०	७	२८	२	२०
५०	४	२८	१२	४९	५२	१२	२५
२४	२६	४४	०	३०	८	५१	४१
५७	४०	५५	५	६७	४	३	५६
७	४	०	८	४७	व.	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९			दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	चं	१२	३६	उ	३१	२८	वै	१२	७	कौ	१२	३६	३४	५०	६	५०	१९	१५	१०	मकरे	
२	मं	१६	५	श्र	३६	११	वि	१२	२६	ग	१६	५	७	११	४६	२०	१६	११	मकरे	भ.४३उ.आश्ले.बुध:५२कर्कभौम:२६
३	बु	१८	२२	ध	३९	५४	प्री	११	५८	वि	१८	२२	५	११	४९	२१	१७	१२	कुं.	८।२	भ.१८।२२या.चतुर्थी व्रतम्
४	गु	१६	३८	श	४२	२६	आ	१०	४३	बा	१६	३८	३	११	४९	२२	१८	१३	कुम्भे		
५	शु	१६	४६	पू	४३	५७	सौ	८	३४	तै	१६	४९	१	१२	४८	२३	१६	१४	मी	२८।३४	नाग५मरुस्थले
६	श	१८	५४	उ	४४	४३	शो	५	३३	व	१८	५४	३९	१२	४८	२४	२०	१५	मीने		भ.१८।५४उ.४७।४६या.
७	र	१६	४४	रे	४३	४४	अ	३३	५५	व	१६	४४	५७	१३	४७	२५	२१	१६	मे.	४३।४४	कर्केऽर्क:२५।४२(सौर:५४।४७)×
८	चं	१३	१५	अ	४१	३७	धृ	५०	३६	कौ	१३	१५	५५	१३	४७	२६	२२	१७	मेषे		[×पुष्येभौम:२६।३०
९	मं	८	४३	भ	३८	१८	शू	४३	३४	ग	८	४३	५३	१४	४६	२७	२३	१८	वृ.	५२।११	भ.३५।४४उ.
१०	बु	२	४४	कृ	३३	५०	गं	३५	३५	वि	२	४४	५०	१४	४६	२८	२४	१९	वृषे		भ.३४या.पुष्येरवि:५०कामिका११व्र.स्मा.
११	बु	५३	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		[+११व्र.वै.
१२	गु	४७	४८	रो	२८	२४	बृ	२६	४४	कौ	२१	४९	४८	१४	४६	२९	२५	२०	मि.	५५।१३	पुष्येरवि:सौर:३५मृगेशुक्र:३९कामिका+
१३	शु	३९	१३	मृ	२२	२	ध्रु	१७	२४	ग	१३	३०	४५	१५	४५	३०	२६	२१	मिथुने		भ.३९।१३उ.मघा.सिंहेबुध:७।११प्रदोष:
१४	श	३०	१९	आ	१५	१९	व्या	७	५७	वि	४	४६	४३	१५	४५	३१	२७	२२	क.	५५।२६	भ.४।४६या.
२०	र	२१	४४	पु	८	४८	व	४८	३३	ना	२१	४४	४०	१६	४४	१	२८	२३	कर्के		भा.श्रावणारंभ:हरियाली

१४पं.श्रा.कृ.४वृ.इ. ५९ ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	५	१	७	४	२
२७	१	१९	२०	१५	२८	१	२७
३०	३५	२१	४८	३७	२६	५०	३
४३	१०	३२	१४	३७	१७	३६	४८
५७	३९	८३	६	६८	५०	३	५६
११	५६	१६	१५	५०	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

श्रावण कृष्णे ७ रवौ कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा.५ न. ५ कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

१५पं.श्रा.कृ.१२वृ.इ. ५१ ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	५	१	७	४	३
४	६	२९	२१	२३	२८	१	३
११	६	३६	३३	३१	२	२८	४२
२८	३२	०	०	२६	५३	२०	१५
५७	३९	७८	७	६९	१७	३	५६
१५	५६	३२	११	३८	व.	११	५८

(स. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३०१स.२०१७
१	चं	१३	४६	पु	३	५५	सि	३९	४१	ब	१३	४६	३३ ५ ६	२ २९ २४	सिं ५७।१८	
२	मं	७	१८	म	५४	३७	व्य	३२	१६	कौ	७	१८	३५ १७ ४३	३ ३० २५	सिंहे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	बु	२	२६	पू	५३	१३	व	२६	७	ग	२	२६	३३ १७ ४३	४ १ २६	सिंहे	भ.३०।५८उ.५९।३१या.मिथुने शुक्रः=
४	बु	५७	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	[=३१।२४जिल्काद११तीजवरद४
५	गु	५८	४४	उ	५४	२	प	२१	३१	ब	२९	७	३० १८ ४२	५ २ २७	कं.८।२५	नागपंचमी
६	शु	६०	०	ह	५६	३७	शि	१८	३८	कौ	२९	२२	३७ १९ ४१	६ ३ २८	कन्यायां	
६	श	०	१	चि	६०	०	सि	१८	१४	तै	०	१	२४ १९ ४१	७ ४ २९	तु.२८।५६	
७	र	३	२२	चि	१	१६	सा	१८	१०	ब	३	२२	२२ २० ४०	८ ५ ३०	तुलायां	भ.३।२२उ.३५।४१या.
८	चं	८	१	स्वा	७	१३	शु	१९	३५	ब	८	१	१९ २० ४०	९ ६ ३१	वृ.५७।४०	
९	मं	१३	५६	वि	१४	२९	शु	२१	१५	कौ	१३	५६	१६ २१ ३९	१० ७ १	वृश्चिके	आर्द्राशुक्रः२०।२४अगस्तदता.३१
१०	बु	२०	०	अ	२१	५६	ब्र	२४	२९	ग	२०	०	१३ २१ ३९	११ ८ २	वृश्चिके	भ.५३।९उ.आश्ले:रविः ५२ पूफा.बुधः ३४
११	गु	२६	१८	ज्ये	२९	३०	ऐं	२६	४५	त्रि	२६	१८	१० २२ ३८	१२ ९ ३	ध.२९।३०	भ. २६ ट्या.आश्ले.रविःसौरः १६ पवित्रा–
१२	शु	३२	१	मू	३६	३७	वै	२९	३१	बा	३२	१	७ २३ ३७	१३ १० ४	धनुषि	चित्रा.१गुरुः४।१२ [–११ व्र.
१३	श	३७	२३	पू	४३	७	वि	३०	६	कौ	४	४२	४ २३ ३७	१४ ११ ५	म.५९।२३	प्रदोषः [*रक्षाबंधनम् भद्रोत्तरम्
१४	र	४०	४०	उ	४८	१३	प्री	३०	४४	ग	९	१	० २४ ३६	१५ १२ ६	मकरे	भ.४०।४०उ.आश्ले.भौमः८।२४
१५	चं	४३	२२	श्र	५२	२३	आ	३०	५५	सि	१२	१	३३ २५ ३५	१६ १३ ७	मकरे	भ.१२।१या.चंद्रग्रहणम् श्रावणीकर्म*

१६पं.श्रा.शु.५वृ.इ.४८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	५	२	७	४	३
१०	१०	८	२२	१	२७	१	१०
५२	३७	०	२१	३०	४२	६	२१
३०	३७	०	५०	४०	५४	५	३२
१७	३९	५७	८	७०	३ ३८	३	५७
२०	४६	५४	१९	३२	व	११	५

गोचर ग्रहाः

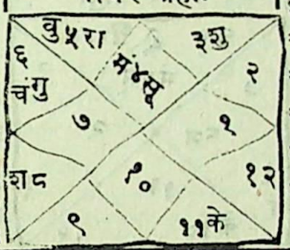

इस मासमें मंगल का चंद्र दर्शन धातु सोना चांदी लोहा गेहूं जौ चना मटर अलसी वस्त्र रुई गुड़ शक्कर में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

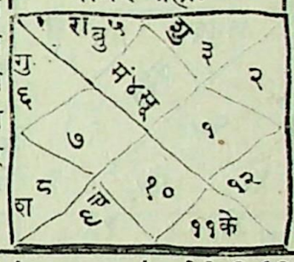

१७पं.श्रा.शु.११वृ.इ.५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	५	२	७	४	३
१७	१५	१४	२३	९	२७	०	१७
३४	७	५	१७	३५	२५	४३	१
१२	१९	६	३८	२८	४४	४९	२०
५७	३९	३२	९	७१	३ ५	३	५७
२५	४६	८	५	५	व	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	मं	४४	४०	ध	५५	२०	सौ	२९	४०	बा	१४	१	३२ ५ ३५	१७ १४ ८	कुं.२३।५२	
२	बु	४४	५१	श	५६	३८	शो	२७	४२	तै	१४	४५	५० २६ ३४	१८ १५ ९	कुंभे	
३	गु	४३	५७	पू	५६	५३	अ	२४	४५	व	१४	२४	४७ २७ ३३	१९ १६ १०	मी४४।५	भ.१४।२४उ.४३।५७या.
४	शु	४२	७	उ	५७	५०	सु	२१	५०	ब	१३	२	४४ २७ ३३	२० १७ ११	मीने	वक्रीबुधः११।५१चतुर्थी व्र.
५	श	३९	३५	रे	५६	४९	धृ	१७	३५	कौ	१०	५१	४० २८ ३२	२१ १८ १२	मे.५६।४९	पुन.शुक्रः४१।१८चंद्रषष्ठी
६	र	३६	४	अ	५५	११	शू	१२	३७	ग	७	४९	३७ २९ ३१	२२ १९ १३	मेषे	भ.३६।४उ.
७	चं	३३	१०	भ	५३	७	गं	७	४	वि	४	३७	३३ २९ ३१	२३ २० १४	मेषे	भ.४।३७या.जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	मं	२७	२८	कृ	५०	५	वृ	१ ५३ २ १८		बा	०	१९	३० ३० ३०	२४ २१ १५	वृ.७।२०	जन्माष्टमी व्र.वै. [+मकरेकेतुः३५।४
९	बु	२२	५	रो	४६	२३	ब्या	४७	७	ग	२२	५	२६ ३१ २९	२५ २२ १६	वृषे	भ.४९।५उ.मघा.सिंहेऽर्कः४६।३गोगा९
१०	गु	१६	४	मृ	४२	६	ह	३९	२७	वि	१६	४	२२ ३२ २८	२६ २३ १७	मि१४।१४	भ.१६।४या.मघा.सिंहेऽर्कःसौरः२२।४०×
११	शु	९	१८	आ	३७	१७	व	३१	३५	बा	९	१८	१९ ३२ २८	२७ २४ १८	मिथुने	अजा.११व्र. [×आश्ले४कर्केराहुःधनि.२+
१२	श	२	२०	पु	३२	२०	सि	२२	४३	तै	२	२०	१५ ३३ २७	२८ २५ १९	क.१८।३५	भ.५५।२५उ.बुवास्तःपश्चिमायां÷
१३	श	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	[÷३७।२४वत्सद्वादशी प्रदोषः
१४	र	४८	३४	पु	२७	२२	व्य	१४	३०	वि	२१	५९	१२ ३४ २६	२९ २६ २०	कर्के	भ.३१या.
३०	चं	४२	४४	श्ले	२३	११	व	३३	५२	च	१५	३९	८ ३४ २६	३० २७ २१	सिं२३।११	कर्केशुक्रः८।४५कुशाग्रहणीपिठोरी३०

१८पं.भा.कृ.३वृ.इ.४८।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	५	२	७	४	३
२४	१९	१७	२४	१७	२७	०	२३
१६	३६	१८	१९	४५	१४	२१	४२
३७	४०	४३	१२	२५	३५	३३	२७
५७	३९	२	९	७१	२ ५	३	५७
३३	३९	२	४९	३२	व	११	२२

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद कृष्णे ९ बुधे सिंहेऽर्कःप्रविष्टःबा.४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मू.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

१९पं.भा.कृ.१०वृ.इ.४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	५	२	७	३	४
०	२४	१६	२५	२५	२७	२९	०
५९	५	३०	२१	५९	७	५९	२४
५३	२८	४३	६	२८	१६	१८	४०
५७	३९	३ ५	१०	७१	३ ५	३	५७
४०	२९	व	३२	५९	व.	११	३४

फार्म नं० १३३ (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) .

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३३० स. २०१७
१	मं	३७	५३	म	१९	३४	शि	५२	३६	किं	१०	१८	३२ ५४	३५ ६५	२५	३१	२८	२२	सिंहे	वक्रीमघायांबुधः५८।१५
२	बु	३४	३५	पू	१७	४१	सि	४७	३०	बा	६	१४	१	३४	२४	१	२९	२३	कं.३२।३७	चंद्रदर्शनम् भा. भाद्रपदारंभः
३	गु	३३	१८	उ	१७	२८	सा	४३	४३	तै	३	५६	५३१	३७	२३	२	१	२४	कन्यायां	पुष्येशुक्रः०।२०जिल्हेज१२हरितालिका३
४	शु	३३	५२	ह	१९	१	शु	४१	२६	व	३	३५	५३	३७	२३	३	२	२५	तु.५०।४१	भ.३५उ.५३या.चित्रा.२गुरुः३१०मार्गी+
५	श	३६	२०	चि	२२	२२	शु	४०	४०	ब	५	६	४९	३८	२२	४	३	२६	तुलायां	मघा.सिंहेभौमः५९।३४ऋषिपंचमी
६	र	४०	२८	स्वा	२७	१९	ब्र	४१	१२	कौ	८	२४	४६	३९	२१	५	४	२७	तुलायां	[+शनिः४५गणेशचतुर्थी
७	चं	४५	५३	वि	३४	८	ऐं	४२	५९	ग	१३	१०	४२	४०	२०	६	५	२८	वृ.१७।२६	भ.४५।५३उ. [÷अनंत१४महालयारंभः
८	मं	५१	५६	अ	४०	५६	वै	४४	५८	वि	१८	५४	३८	४०	२०	७	६	२९	वृश्चिके	भ.१८।५४या.
९	बु	५८	११	ज्ये	४८	३०	वि	४७	१४	बा	२५	३	३४	४१	१९	८	७	३०	ध.४८।३०	पूफा.रविः३५।३९
१०	गु	६०	०	मू	५५	५२	प्री	४९	४०	तै	३१	१०	३०	४२	१८	९	८	३१	धनुषि	पूफा.रविःसौरः१३।३१
१०	शु	४	१०	पू	६०	०	आ	५१	३५	ग	४	१०	२६	४३	१७	१०	९	१	धनुषि	भ.३६।४२उ.सितम्बर९ता.३०
११	श	९	१४	पू	२	३४	सौ	५२	३४	वि	९	१४	२२	४४	१६	११	१०	२	म.१८।५६	भ.९।१४या.जलझूलनी११व्र.वामनजयंती
१२	र	१२	५०	उ	८	४	शो	५२	२६	बा	१२	५०	१८	४४	१६	१२	११	३	मकरे	बुधोदयःपूर्वस्यां१३।०प्रदोषः
१३	चं	१५	११	श्र	१२	५	अ	५०	३७	तै	१५	११	१५	४५	१५	१३	१२	४	कुं.४३।१९	आश्ले.शुक्रः६।३७
१४	मं	१५	४१	ध	१४	३३	सु	४८	४०	व	१५	४१	११	४६	१४	१४	१३	५	कुंभे	भ.१५।४१उ.४५।२०या.मार्गीबुधः३५÷
१५	बु	१४	५९	श	१५	४४	धृ	४५	६	ब	१४	५९	७	४७	१३	१५	१४	६	कुंभे	कु.संध्या.पूजनारंभः

२०पं.भा.शु.३वृ.इ.४८।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	५	३	७	३	४
७	२८	११	२६	४	२७	२९	७
४४	३३	२९	३७	१७	४	३७	८
२०	२९	३१	१२	३५	४४	२	८
५७	३९	६० २१	११	७२	२ ०	३	५७
४९	२९	व.	९	२०	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

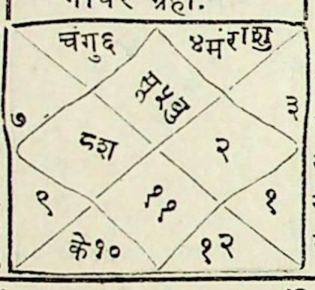

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष तिथि वृद्धि धातु सोना चांदी धान्य गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ में मंदी करे

गोचर ग्रहाः

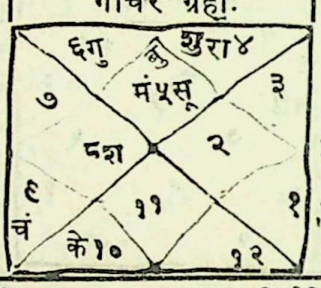

२१पं.भा.शु.१०वृ.इ.४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	३	७	३	४
१४	२	५	२७	१२	२७	२९	१३
३०	५९	४३	५२	३९	६	१४	५३
०	३८	२६	१६	२२	२९	४७	२०
५८	३९	४६ ५०	११	७२	४९	३	५७
१	२९	वं	४६	४१	मा	११	५७

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९										दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	गु	१२	४८	पू	१५	३१	शू	४०	३४	कौ	१२	४८	३३	५४	६३	१६	१५	७	मी०।३४	[×भौमः१३प्रदोषः
२	शु	९	३७	उ	१४	१०	गं	३५	७	ग	९	३७	३९	४८	१२	१७	१६	८	मीने	भ.३७।३०उ.
३	श	५	२३	रे	१२	५	बृ	२९	६	वि	५	२३	५५	४९	११	१८	१७	९	मे.१२।५	भ.५।२३या. चतुर्थी व्रतम्
४	र	०	३९	अ	९	२३	धु	२२	३९	बा	०	३९	५१	५०	१०	१९	१८	१०	मेषे	[=११व्र.
५	र	५५	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	चं	५०	५८	भ	६	२०	व्या	१५	५६	ग	२३	२८	४७	५१	९	२०	१९	११	वृ.२०।३२	भ.५०।५८उ.
७	मं	४५	५५	कृ	७	५६ ४३	ह	९	७	वि	१८	२६	४३	५१	९	२१	२०	१२	वृषे	भ.१८।२६या.चित्रा.३तुलायांगुरुः८।४९
८	बु	४०	४३	मृ	५६	४०	व	१३ २	५८ ५३	वा	१३	१९	३९	५२	८	२२	२१	१३	मि२८।१४	उफा.रविः२०।४(सौरः५८।११)
९	गु	३५	२४	आ	५३	१४	व्य	४८	१०	तै	८	३	३५	५३	७	२३	२२	१४	मिथुने	मातृ९(सौभाग्यवतीनां श्रा.)
१०	शु	३०	०	पु	४९	४९	व	४१	०	व	२	४२	३१	५४	६	२४	२३	१५	क.३४।५५	भ.२।४२उ.३०।०या.मघा.सिंहेशुक्रः५९
११	श	२४	५४	पु	४६	३८	प	३४	४१	बा	२४	५४	२७	५५	५	२५	२४	१६	कर्के	कन्यायामर्कः३५पूफा.बुधः२९इंदिरा=
१२	र	१९	५८	श्ले	४३	५०	शि	२७	३१	तै	१९	५८	२२	५६	४	२६	२५	१७	सिं४३।५०	कन्यार्कःसौरः३३पूफा.भौमः२९उदयो×
१३	चं	१५	४८	म	४१	४७	सि	२१	१९	व	१५	४८	१८	५६	४	२७	२६	१८	सिंहे	भ.१५।४८उ.४३।५७या.
१४	मं	१२	७	पू	४०	११	सा	१५	३४	श	१२	७	१४	५७	३	२८	२७	१९	कं.५५।१०	सर्वपितृ३०
१५	बु	१४	५९	उ	४०	५	शु	१०	३८	ना	९	४८	९	५८	२	२९	२८	२०	कन्यायां	मातामह श्रा.

२२पं.आ.कृ.१वृ.इ.४७ ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	३	७	३	४
२१	७	४	२९	२१	२७	२८	२०
१७	२५	५४	११	४	१३	५२	४०
२	५५	३२	१७	१६	८	३१	४०
५८	३९	२२ २९	१२	७२	१	३	५८
१३	१२	मा	१४	५६	२९	११	१३

गोचर ग्रहाः

आश्विन कृष्णा ११ कन्यार्कःप्रविष्टः वा.४ न. ५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

२३पं. आ.कृ.९वृ.इ.४७ ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	६	३	७	३	४
२८	११	१०	०	२९	२७	२८	२७
५	५२	२५	३३	३२	२३	३०	२८
२४	२६	३५	११	४६	५६	१५	१८
५८	३९	७९	१२	७३	२	३	५८
२६	२	२८	३२	१४	७	११	२९

(विक्रम सं. २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३६०स.२०१७

१	गु	८	५०	ह	४१	१६	शु	६	५७	ब	८	५०	३०	५५	९	३०	२९	२१	कन्यायां
२	शु	९	२२	चि	४४	१९	ब्र	४	१६	कौ	९	२२	३०	०	०	३१	१	२२	तु.१२।४७
३	श	११	४६	स्वा	४८	४२	ऐं	३	११	ग	११	४६	२९	५	९	१	२	२३	तुलायां
४	र	१५	३५	वि	५४	३१	वै	२	३४	वि	१५	३५	५३	२	५८	२	३	२४	वृ.३८।४
५	चं	२०	४६	अ	६०	०	वि	३	३५	बा	२०	४६	४८	२	५२	३	४	२५	वृश्चिके
६	मं	२६	३३	अ	१	७	प्री	५	२०	तै	२६	३३	४४	३	५७	४	५	२६	वृश्चिके
७	बु	३२	५१	ज्ये	८	४३	आ	७	४२	व	३२	५१	४०	४	५६	५	६	२७	ध.८।४३
८	गु	३९	६	मू	१६	१०	सौ	१०	४	वि	५	५८	३६	५	५५	६	७	२८	धनुषि
९	शु	४४	३६	पू	२३	२३	शो	१२	८	बा	११	५१	३२	६	५४	७	८	२९	म.३९।५४
१०	श	४८	४१	उ	२९	२९	अ	१३	४४	तै	१६	३८	२८	६	५४	८	९	३०	मकरे
११	र	५१	३०	श्र	३४	२६	सु	१४	८	व	२०	५	२३	७	५३	९	१०	१	मकरे
१२	चं	५२	८	ध	३७	१४	धृ	१३	२०	ब	२१	४९	१९	८	५२	१०	११	२	कुं.५।५०
१३	मं	५१	५	श	३८	२६	शू	११	११	कौ	२१	३६	१५	९	५१	११	१२	३	कुंभे
१४	बु	४८	११	पू	३७	५२	गं	७	३१	ग	१९	३८	११	१०	५०	१२	१३	४	मी२३।०
१५	गु	४३	५०	उ	३५	४४	वृ	२३	५९	वि	१६	०	७	११	४९	१३	१४	५	मीने

चंद्रदर्शनम् नवरात्रारंभः
मोहोरम१सन्१४३९हि.
भ.४३उ.बुधास्तःपूर्वस्यां०१४भा.×
भ.१५।३५या. [×आश्विनारंभः
उफा.बुधः४।२८ [÷पूफा.शुक्रः५।३४
हस्तेरविः५८।३४कन्यायांबुधः४६।५८÷
भ.३२।५१उ.हस्तेरविःसौरः३५।५२
भ.५।५८या.चित्रा.४गुरुः२५।१५
भ.२९उ.५१०या.अक्टूबर१०ता.३१A
हस्तेबुधः१५।४ [Aपापांकुश११व्र.
प्रदोषः
भ.४८।११उ. [Dका.स्ना.प्रा.
भ.१६।०या.शरदपूर्णिमाकोजागरीव्र.D

२४पं.आ.शु.१वृ.इ.४७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	६	४	७	३	५
४	१६	२१	१	८	२७	२८	४
५५	१८	१	५७	४	३९	८	१८
१६	४३	१	५०	५	२२	०	२५
५८	३८	०१६	१२	७३	२	३	५८
३८	५५	१६	५८	२६	४८	११	४५

२५पं.आ.शु.८वृ.इ.४७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	६	४	७	३	५
११	२०	३	३	१६	२८	२७	११
४६	४४	४०	२४	३८	०	४५	१०
५२	२	१२	५४	३५	३२	४४	२४
५८	३८	०९	१३	७३	३	३	५९
५३	५१	४३	१७	३८	३२	११	००

२६पं.आ.शु.१५वृ.इ.४७/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	६	४	७	३	५
१८	२५	१९	४	२५	२८	२७	१८
४०	९	२०	५३	१५	२५	२३	४
८	४३	२४	४६	३६	१२	२९	११
५९	३८	०८	१३	७३	४	३	५९
९	३४	५०	२६	५०	८	११	१६

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेति महा.

१	शु	३८	२०	रे	३२	२९	व्या	४९	१०	बा	११	५	२९	६	१	५९	१४	१५	६	मे.३२।२९
२	श	३१	५८	अ	२८	१७	ह	४१	४	तै	५	९	२९	६	१२	४८	१५	१६	७	मेषे
३	र	२५	३१	भ	२३	३७	व	३२	५८	वि	२५	३१	५५	१३	४	७	१६	१७	८	वृ.३७।२६
४	चं	१८	४५	कृ	१८	५४	सि	२४	२५	बा	१८	४५	५१	१४	४	६	१७	१८	९	वृषे
५	मं	१२	३१	रो	१४	२३	व्य	१६	३२	तै	१२	३१	४७	१५	४	५	१८	१९	१०	मि४२।३७
६	बु	६	३७	मृ	१०	५१	व	८	५०	व	६	३७	४३	१५	४	५	१९	२०	११	मिथुने
७	गु	१	१०	आ	६	३६	प	२	५२	ब	१	१०	३९	१६	४	४	२०	२१	१२	क.४९।२१
८	गु	५५	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	शु	५२	५	पु	३	३६	सि	४८	५	तै	२४	११	३५	१७	४	३	२१	२२	१३	कर्के
१०	श	४८	३६	पु	१३	५९	सा	४२	७	व	२०	२०	३१	१८	४	२	२२	२३	१४	सिं५९।२९
११	र	४५	५३	म	५८	३४	शु	३६	५२	ब	१७	१४	२७	१९	४	१	२३	२४	१५	सिंहे
१२	चं	४३	५६	पू	५८	२०	शु	३२	१३	कौ	१४	५४	२३	१९	४	१	२४	२५	१६	सिंहे
१३	मं	४३	६	उ	५९	१३	ब्र	२८	१७	ग	१३	२९	२०	२०	४	०	२५	२६	१७	कं.१३।३४
१४	बु	४३	१२	ह	६०	०	ऐं	२५	११	वि	१३	९	१६	२१	३	९	२६	२७	१८	कन्यायां
३०	गु	४४	४१	ह	१	५	वै	२२	५८	च	१३	५६	१२	२२	३	८	२७	२८	१९	तु.३२।३८

[=स्वाती१गुरुः५९।१८अस्तंगुरौः२१।३६
तुलायांबुधः४०।३कन्यायांभौमः२६।५३=
भ.२०।२०उ.४८।३६या.
रमा११व्र. [+धन.१३
[−स्वात्यांबुधः५५/४९हस्तेशुक्रः३५/५६प्रदोषः+
भ.४३उ.तुलायामर्कः१४५(सौरः४९/१०)−
भ.१३।९या.रूप१४
आश्ले३राहुःधनि१केतुः२७महालक्ष्मीपूज.

२७पं.का.कृ. ७वृ. इ. ४७/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	६	५	७	३	५
२५	२९	२८	६	३	२८	२७	२४
३५	३४	२७	२३	५५	५३	१	५९
२	२३	२५	४२	८	४६	१३	५३
५९	३८	०९	१३	७३	४	३	५९
२१	२४	४७	३२	५३	४२	११	३१

गोचर ग्रहाः

कार्तिक कृष्णे १३भौमे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा४न.५प्रगलभावस्था (बैठी) मु.४५धात्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

२८पं.का.कृ. ३०वृ.इ. ४९/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	६	५	७	३	६
२	३	९	७	१२	२९	२६	१
३१	५९	४७	५४	३६	२५	३८	५७
२६	४९	२५	५८	४०	५५	५७	१८
५९	३८	०८	१३	७४	५	३	५९
३४	२३	५९	२८	२	५	११	४६

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिकशुक्लपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९									दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३९९स.२०१७
१	शु	४७	२८	चि	४	१३	वि	२१	५८	किं	१६	४	२८	२३	३८	२८	२९	२०	तुलायां अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा
२	श	५१	३०	स्वा	८	४०	प्री	२१	२९	बा	१९	२९	४	२३	३७	२९	३०	२१	वृ.५७।५६ चंद्रदर्शनम् भातृ २यम२
३	र	५६	४६	वि	१४	२१	आ	२२	८	तै	२४	८	०	२४	३६	३०	१	२२	वृश्चिके सफर२
४	चं	६०	०	अ	२०	४४	सौ	२३	२६	व	२९	४१	२७	२५	३५	१	२	२३	वृश्चिके भ.२९।उ.स्वात्यांरविः ५६भा.कार्तिकारंभः
४	मं	२	३७	ज्ये	२८	२	शो	२५	२४	वि	२	३७	५३	२५	३५	२	३	२४	ध.२८।२ भ.२।३७या.स्वात्यांरविःसौरः ३०।१३
५	बु	८	५७	मू	३५	४४	अ	२७	४९	बा	८	५७	४९	२६	३४	३	४	२५	धनुषि [+बुधोदयःपश्चिमायां४।३०अक्षय९
६	गु	१५	२८	पू	४३	१९	सु	३०	१२	तै	१५	२८	४५	२७	३३	४	५	२६	धनुषि विशा.बुधः७।४७मूल. १धनुषिशनिः २७
७	शु	२१	२८	उ	५०	१४	धृ	३२	१९	व	२१	२८	४१	२८	३२	५	६	२७	म.०।२ भ.२१।२८उ.५३।५३या.
८	श	२६	१९	श्र	५५	५२	शू	३३	२८	ब	२६	१९	३७	२९	३१	६	७	२८	मकरे चित्रा.शुक्रः२३।५५गोपाष्टमी
९	र	२९	५२	ध	६०	०	गं	३३	४३	कौ	२९	५२	३४	२९	३१	७	८	२९	कुं.२८।२ हस्तेभौमः१४।४८स्वाती२गुरुः१२।१३ +
१०	चं	३१	२६	ध	०	१३	वृ	३२	२५	तै	०	३९	३०	३०	३०	८	९	३०	कुंभे [× तुलसी विवाह
११	मं	३१	७	श	२	३२	ध्रु	२९	४५	व	११	६	२७	३१	२९	९	१०	३१	मी.४७ भ.१।१६उ.३१।७या.प्रबोधिनी ११व्र. ×
१२	बु	२८	३५	पू	२	५३	ब्या	२५	२३	बा	२८	३५	२३	३१	२९	१०	११	१	वृश्चिकेबुधः ५६नवम्बर११ता.३०प्रदोषः
१३	गु	२४	१६	उ	२५	१५ ५६	ह	१९	२५	तै	२४	१६	१९	३२	२८	११	१२	२	मे.५८।४ तुलायांशुक्रः४३।१वैकुंठ १४
१४	शु	१८	११	अ	५३	४	व	१२	१	व	१८	११	१६	३३	२७	१२	१३	३	मेषे भ.१८।११उ.४४।३०या.अनु. बुधः५५।४
१५	श	१०	४८	भ	४७	११	सि	३१	५० ४१	ब	१०	४८	१२	३४	२६	१३	१४	४	मेषे मन्वादिःक..स्ना.पु.

२९पं.का.शु.६वृ.इ.४६।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	६	५	८	३	६
९	८	२१	९	२१	०	२६	८
२९	२४	३	२६	१९	१	१६	५६
४२	५०	११	५६	५२	४८	४२	३८
५९	३८	९७	१३	७४	५	३	६०
४७	३३	२७	२८	८	३३	११	२

गोचर ग्रहाः

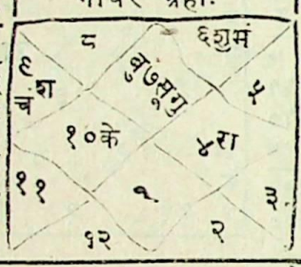

इसमास में धान्य गेहूं जो मक्का बाजरा मूंग मोठ सोना चांदी गुड सक्कर में मंदी होकर तेजी हो जावेंगे।

गोचर ग्रहाः

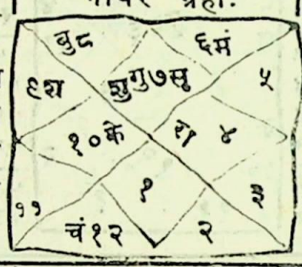

३०पं.का.शु.१३वृ.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	६	६	८	३	६
१६	१२	१	१०	०	०	२५	१५
२९	४९	३४	५८	४	४०	५४	५७
२८	८	५	३७	१९	३४	२६	४२
६०	३८	९२	१३	७४	६	३	६०
४	३७	४१	३८	१४	२	११	१८

ति	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	र	२	५५	कृ	४०	५०	व	४४	२९	कौ	२	५५	२७	३४	२६	१४	१५	५	वृ.०।३५
२	र	५१	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	चं	४६	१६	रो	३४	१८	प	३४	३६	व	२०	२१	५	३५	२५	१५	१६	६	वृषे भ.२०।उ.४६या.विशा.रवि १६ (सौरः ४७
४	मं	३८	२९	मृ	२८	७	शि	२४	५९	व	१२	२२	२	३६	२४	१६	१७	७	मि. १३ चतुर्थी व्र.
५	बु	३१	३७	आ	२२	४७	सि	१६	४	कौ	५	३	२८	३६	२४	१७	१८	८	मिथुने स्वात्यांशुक्रः०।३९उदयंगुरोः२१।०
६	गु	२५	४४	पु	१८	२३	सा	७	४०	व	२५	४४	५५	३७	२३	१८	१९	९	क.४।२९ भ.२५।४४उ ५३।२५या.
७	शु	२१	५	पु	१५	१२	शु	१५	३३	ब	२१	५	५२	३८	२२	२९	२०	१०	कर्के
८	श	१७	३८	श्ले	१३	२८	ब्र	४८	१६	कौ	१७	३८	४९	३८	२२	२०	२१	११	सिं१३।२८
९	र	१५	३३	म	१२	२२	ऐं	४३	५४	ग	१५	३३	४५	३९	२१	२१	२२	१२	सिंहे भ.४५।२उ.
१०	चं	१४	३१	पू	१२	५७	वै	४०	२४	वि	१४	३१	४२	४०	२०	२२	२३	१३	कं २८।२० भ.१४।३१या.ज्येष्ठा.बुधः५।१३
११	मं	१४	४३	उ	१४	२९	नि	३७	५९	बा	१४	४३	३९	४०	२०	२३	२४	१४	कन्यायां स्वाती.३गुरुः३३।८उत्पत्ति११व्र.
१२	बु	१६	१३	ह	१७	२	प्री	३६	२५	तै	१६	१३	३६	३९	२१	२४	२५	१५	तुं.४९।१० प्रदोषः
१३	गु	१८	४५	चि	२१	१९	आ	३६	०	व	१८	४५	३३	३९	२१	२५	२६	१६	तुलायां भ.१८उ.३७या.बृश्चिकेऽर्कः १२ (सौरः ५४
१४	शु	२२	२५	स्वा	२६	०	सौ	३५	४९	श	२२	२५	३०	४०	२०	२६	२७	१७	तुलायां
३०	श	२७	३	वि	३२	५२	शो	३६	१६	ना	२७	३	२७	४१	१९	२७	२८	१८	वृ.१६।१० विशा.शुक्रः४५।५७

३१पं.मा.कृ.६वृ.इ.४६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	६	६	८	३	६
२३	१७	११	१२	८	१	२५	२३
३०	१४	५०	३०	५०	२१	३२	०
५०	३१	३१	०	५३	११	११	१५
६०	३८	८६	१२	७४	६	३	६०
१७	३१	५	३२	२०	२०	११	३०

गोचर ग्रहाः

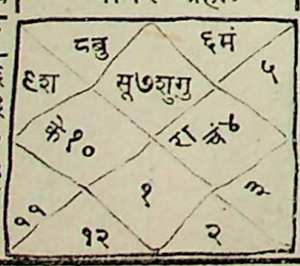

मार्गशीर्षकृष्णे १३गुरौ बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३प्रगलभावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

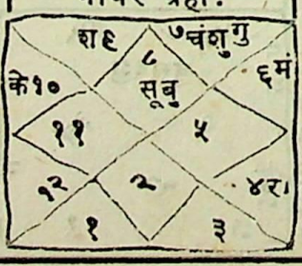

३२पं.मा.कृ.१३वृ.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	६	६	८	३	७
०	२१	२१	१३	१७	२	२५	०
३३	३९	२१	५९	३७	४	९	४
२९	१८	४०	४६	२६	५५	५५	१९
६०	३८	७६	१३	७४	६	३	६०
३०	२२	३१	२६	२२	३५	११	४०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मागशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०७४ शाकः १९३९ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविदक्षिणेऽहर्गणः २४१९सन् २०१७

१	र	३२	३७	अ	३८	३५	अ	३७	४५	व	३२	३७	२६	४३	५७	२८	२९	१९	वृश्चिके	अनु.रवि:३१८(सौर:५४९) चित्रा.भौम:२३४
२	चं	३८	४१	ज्ये	४५	४९	सु	३९	३५	बा	५	३९	२२	४४	१६	२९	३०	२०	व.४५।४९	चंद्रदर्शनम्
३	मं	४५	८	मू	५३	२३	धृ	४१	५९	तै	११	५४	१९	४४	१६	३०	१	२१	धनुषि	रविलावल३
४	बु	५१	४२	पू	६०	०	शू	४४	४	न	१८	२५	१७	४५	१५	१	२	२२	धनुषि	भ.१८।२५उ.५३या.भा.मार्गशीर्षारंभः
५	गु	५८	३	पू	१	४	गं	४६	२४	ब	२४	५२	१४	४५	१५	२	३	२३	म.१७।४३	
६	शु	६०	०	उ	८	२७	वृ	४८	२९	कौ	३०	४४	१२	४६	१४	३	४	२४	मकरे	मूलेधनुषिबुधः८।३८चंपा६
६	श	३	२५	श्र	१४	५५	ध्रु	४९	३४	तै	३	२५	९	४६	१४	४	५	२५	कुं.४७।११	
७	र	७	४६	ध	१९	२८	व्या	४९	४०	व	७	४६	७	४७	१३	५	६	२६	कुंभे	भ.४३उ.३९या.वृश्चिकेशुक्रः३९।४
८	चं	१०	२६	श	२४	१४	ह	४८	१३	व	१०	२६	५	४७	१३	६	७	२७	कुंभे	
९	मं	११	२३	पू	२६	२०	व	४४	१६	कौ	११	२३	२	४८	१२	७	८	२८	मी१०।५०	मूल.२शनिः१९।३८
१०	बु	१०	१७	उ	२६	२७	सि	४०	५२	ग	१०	१७	०	४८	१२	८	९	२९	मीने	भ.३४उ.अनु.शुक्रः१३४स्वाती.४गुरुः३१७
११	गु	७	११	रे	२४	२४	व्य	३४	३७	नि	७	११	२५	४८	१२	९	१०	३०	मे.२४।२४	भ.१५या.तुलायांभौमः२३मोक्षदा११व्र.=
१२	शु	१	४९	अ	२०	२९	व	२६	५९	बा	१	४९	५६	४९	११	१०	११	१	मेषे	दिसम्बर१२ता.३१प्रदोषः[=गीताजयंती
१३	शु	५३	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
१४	श	४६	४३	भ	१४	५७	प	१७	५२	ग	२०	४७	५४	४९	११	११	१२	२	वृ.२८।२६	भ.४३उ.ज्येष्ठारविः४३वक्रीबुधः३७
१५	र	३७	३०	कृ	८	५२	शि	५५	२९	वि	१२	६	५३	४९	११	१२	१३	३	वृषे	भ.१६या.ज्येष्ठा.रविःसौरः३६दत्तजयंती

३३पं.मा.शु.५वृ.इ.४५।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	६	६	८	३	७
७	२६	२९	१५	२६	२	२४	७
३७	३	३७	२८	२५	५०	४७	९
२६	४७	२६	४८	८	३५	३९	५२
६०	३८	५९	१३	७४	६	३	६०
४२	२०	२९	१४	२६	५३	११	५३

गोचर ग्रहाः

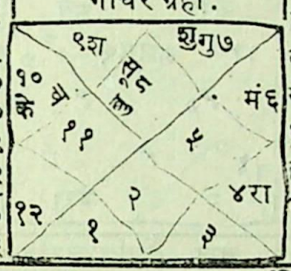

इस मास में ५ रविवार अशुभ हैं धान्य गेहूं जो चना मटर धातु सोना चांदी तेज हो प्रजा में अशान्ति रहे।

गोचर ग्रहाः

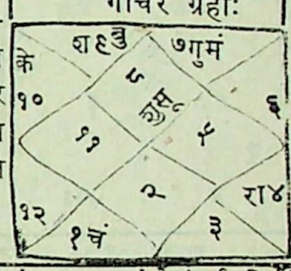

३४पं.मा.शु.११वृ.इ.४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	७	८	३	७
१४	०	४	१६	५	३	२४	१४
४२	२७	४८	५६	१३	३७	२५	१६
४०	२९	२२	२	१२	१२	२४	३८
६०	३८	२१	१२	७४	७	३	६१
५०	६	४९	५६	२६	४	११	३

ति. पौष कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविदक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.

१	चं	२७	५९	रो	७	५३	सा	४६	२२	बा	२	४४	५५	५०	१०	१३	१४	४	मि२६।३१	
२	मं	१८	४१	आ	४५	४२	शु	३५	३६	ग	१८	४१	४९	५०	१०	१४	१५	५	मिथुने	भ.४४।१४उ.ग्रस्तंशनेः५।१९
३	बु	९	४७	पु	३९	१०	शु	२५	२६	वि	९	४७	४८	५०	१०	१५	१६	६	क.२५।४८	भ ९।४७या.बुधास्तःपश्चिमायां +
४	गु	२	१	पु	३३	५१	व्र	१६	१	बा	२	१	४६	५१	९	१६	१७	७	कर्के	[+ ५६।२५ चतुर्थी व्र.
५	गु	५३	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	००	
६	शु	५०	५१	श्ले	३०	२	ऐं	७	४६	ग	२३	१६	४५	५१	९	१७	१८	८	सिं३०।२	भ.५०।५१उ.
७	श	४८	०	म	२७	५८	वै	५०	५४	वि	१९	२५	४४	५१	९	१८	१९	९	सिंहे	भ १९।२५या.ज्येष्ठा.शुक्रः५५।५८
८	र	४६	४६	पू	२७	२६	प्री	५१	१३	बा	१७	२३	४३	५१	९	१९	२०	१०	क.४२।४५	वक्रीज्येष्ठा वृश्चिकेबुधः५५स्वात्यां ÷
९	चं	४७	१४	उ	२८	४०	आ	४८	२२	तै	१७	०	४२	५२	८	२०	२१	११	कन्यायां	[÷ भौमः ३७।३८
१०	मं	४९	१३	ह	३१	४०	सौ	४६	४८	व	१८	१३	४१	५२	८	२१	२२	१२	कन्यायां	भ.१८।१३उ.४९।१३या.
११	बु	५२	२४	चि	३६	१	शो	४६	२	ब	२०	४८	४०	५२	८	२२	२३	१३	तु ३।५०	सफला११व्र.
१२	गु	५७	०	स्वा	४१	१९	अ	४७	३	कौ	२४	४२	३९	५२	८	२३	२४	१४	तुलायां	[=सौरः १०।२६विशा.१गुरुः८।२७
१३	शु	६०	०	वि	४७	३१	सु	४८	२३	ग	२९	३८	३९	५२	८	२४	२५	१५	वृ.३०।५८	मूलेधनुष्यर्कः४८।४०प्रदोषः
१३	श	२	१७	अ	५४	३९	धृ	४९	५३	व	२	१७	३८	५२	८	२५	२६	१६	वृश्चिके	भ.२।१७उ.३५।१७या.मूळेधनुष्यर्कः =
१४	र	८	१७	ज्ये	६०	०	शू	५१	४६	श	८	१७	३८	५२	८	२६	२७	१७	वृश्चिके	शुक्रास्तःपूर्वस्यां१२।३६
३०	चं	१४	३७	ज्ये	१	५०	गं	५४	१०	ना	१४	३७	३७	५३	७	२७	२८	१८	ध.१।५०	बुधोदयःपूर्वस्यां२९।५५

३५पं.पौ.कृ.५वृ.इ.४५।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	७	८	३	७
२१	४	३	१८	१४	४	२४	२१
४८	५१	९	२१	१	२५	३	२४
४३	१८	४७	१८	३७	२३	८	२०
६०	३७	६५	१२	७४	७	३	६१
५६	५३	व.	३१	३२	१४	११	११

गोचर ग्रहाः

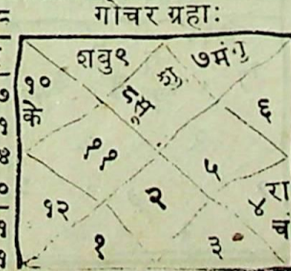

पौषकृष्णे १३शुक्रेधनुष्यर्कःप्रविष्टःवा.२न.४प्रगलभावस्था बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

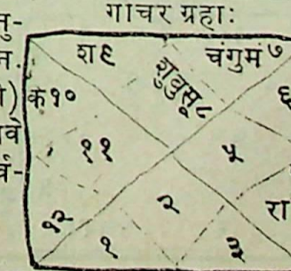

३६पं.पौ.कृ.१२वृ.इ.४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	६	७	८	३	७
२८	९	२४	१९	२२	५	२३	२८
५५	१४	५२	४३	५०	१४	४०	३३
३७	३१	१२	८	५६	२५	५३	३
६१	३७	६४	१२	७४	७	३	६१
०	५०	व	१०	३२	२०	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९									दि. उ. अ.			भा. मु. इ.			चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२४४९स.२०१७
१	मं	२१	२	मू	९	२५	वृ	५६	१४	ब	२१	२	३५	५६	५	२८	२९	१९	धनुषि	चंद्रदर्शन संभवः
२	बु	२७	२९	पू	१६	५९	ध्रु	५८	२७	कौ	२७	२९	३६	५३	७	२९	१	२०	म.३३।५०	मूलेधनुषिशुक्रः२५।१५रविलाखर ४
३	गु	३३	४०	उ	२४	२५	व्या	६०	०	तै	०	३४	३६	५३	७	३०	२	२१	मकरे	
४	शु	३८	४५	श्र	३१	५	व्या	०	१०	व	६	१२	३६	५३	७	१	३	२२	मकरे	भ.६।१२उ.३८।४५या.भा.पौषारंभः
५	श	४३	४६	ध	३६	५८	ह	१	२०	ब	११	१५	३६	५३	७	२	४	२३	कुं.४।१	मार्गी बुधः३८।२२
६	र	४७	१	श	४१	४८	व	२	२	कौ	१५	२३	३७	५३	७	३	५	२४	कुंभे	
७	चं	४८	५५	पू	४५	७	सि	३९	५९	ग	१७	५८	३७	५३	७	४	६	२५	मी२९।१७	भ.४८।५५उ.
८	मं	४९	११	उ	४६	५९	व	५६	४४	वि	१९	३	३७	५३	७	५	७	२६	मीने	भ.१९।३या.मूल.३शनिः५४।४७
९	बु	४७	३६	रे	४६	५३	प	५२	१७	ना	१८	२३	३८	५२	८	६	८	२७	मे.४६।५३	
१०	गु	४४	२	अ	४५	२	शि	४६	१७	तै	१५	४९	३८	५२	८	७	९	२८	मेषे	पूषा.रविः५३।४०
११	शु	३८	३७	भ	४१	११	सि	३७	४५	व	११	२०	३९	५२	८	८	१०	२९	वृ.५५।२२	भ.११।२०उ.३८।३७या.पूषा.रविः ×
१२	श	३१	४४	कृ	३३	५२	सा	२९	५४	व	५	१०	४०	५२	८	९	११	३०	वृषे	[× सौरः१२।४पुत्र दा११त्र.
१३	र	२३	१५	रो	२९	५	शु	१९	०	तै	२३	१५	४१	५२	८	१०	१२	३१	मि५५।१७	पूषा.शुक्रः३।५७विशा.भौमः५९प्रदोषः
१४	चं	१४	०	मृ	२१	२९	शु	२९	४९	व	१४	०	४२	५२	८	११	१३	१	मिथुने	भ.१४।०उ.३९।६या.जनवरी१ता.३१
१५	मं	४	१३	आ	१३	३७	ऐं	४६	४५	ब	४	१३	४२	५१	९	१२	१४	२	क.५२।४७	मा.स्ना.प्रा.

३७पं. पौ.शु.३वृ.इ. ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	६	८	८	३	८
६	१३	१८	२१	१	६	२३	५
३	३८	५४	२	३९	३	१८	४२
१४	१३	४३	६	१४	५८	३७	२८
६१	३७	१५	११	७४	७	३	६१
४	४५	व.	३६	३२	२०	११	२२

गोचर ग्रहाः

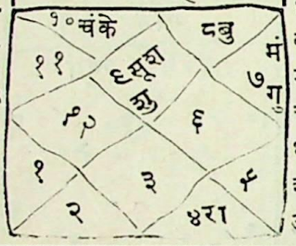

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन बाजरा मूंग मोठ सोना चांदी लोहा आदि धातुओ में तेजी करे शीत का प्रकोप अधिक हो ।

गोचर ग्रहाः

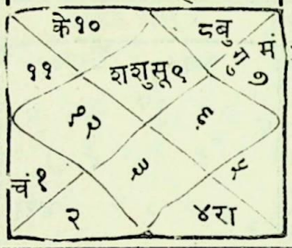

३८पं.पौ.शु.१०वृ.इ.४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	६	८	८	३	८
१३	१८	२१	२२	१०	६	२२	१२
११	१	२	१७	२७	५३	५६	५२
१३	१	३८	३१	७	२८	२१	२०
६१	३७	४०	१०	७४	७	३	६१
६	२०	मा.	५६	३८	२०	११	२

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति सहा.
१	मं	५०	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
२	बु	४५	१३	पु	५५	५२	वै	३६	७	तै	१९	५३	२५	५६	५	१३	१५	३	कर्के	विशा.२गुरुः५९।३०
३	गु	३७	८	श्ले	५२	४९	वि	२६	४	व	११	१०	४५	५१	९	१४	१६	४	सिं५२।४९	भ.११।१०उ.३७।८या.आश्ल.२राहुः =
४	शु	३०	३३	म	४८	३७	प्री	१७	३७	ब	३	५०	४७	५१	९	१५	१७	५	सिंहे	चतुर्थी व्र. [=श्रवण.४केतु १९।३
५	श	२५	५६	पू	४६	२०	आ	१०	७	तै	२५	५६	४८	५०	१०	१६	१८	६	सिंहे	मूलेधनुषिबुधः३९।३८
६	र	२३	२१	उ	४६	१	सा	४	२९	व	२३	२१	५०	५०	१०	१७	१९	७	कं.१।१५	भ.२३।२१उ.५३।७या.उदयंशनेः२४
७	चं	२२	५३	ह	४७	४६	शा	२२	५७	ब	२२	५३	५२	५०	१०	१८	२०	८	कन्यायां	
८	मं	२४	१९	चि	५२	७	सु	५७	७	कौ	२४	१९	५३	४९	११	१९	२१	९	तु.१९।५६	
९	बु	२७	२९	स्वा	५६	२४	धृ	५७	३२	ग	२७	२९	५५	४९	११	२०	२२	१०	तुलायां	भ.५९उ.उषा.रविः२६उषा.शुक्रः३७
१०	गु	३२	१२	वि	६०	०	शू	५८	२९	वि	३२	१२	५७	४९	११	२१	२३	११	वृ.४६।१०	भ.३२।१२या.उषा.रविःसौरः१३।३१
११	शु	३७	४३	वि	२	४५	गं	६०	०	व	४	५७	५९	४८	१२	२२	२४	१२	वृश्चिके	षट्तिला११व्र.
१२	श	४४	१३	अ	१०	२८	गं	०	२३	कौ	१०	५८	२६	४८	१२	२३	२५	१३	वृश्चिके	मकरेंशुक्रः१८।८
१३	र	५०	४६	ज्ये	१७	३१	धृ	२	३१	ग	१७	२९	४	४७	१३	२४	२६	१४	ध.१७।३१	भ.५९उ.मकरेऽर्कः१५(सौरः२८) प्रदोषः
१४	चं	५७	११	मू	२५	११	ध्रु	४	५३	वि	२३	५८	६	४७	१३	२५	२७	१५	धनुषि	भ.२३।५८या.
३०	मं	६०	०	पू	३२	३६	व्या	७	१९	च	३०	१९	८	४६	१४	२६	२८	१६	म.४९।२३	पूषा.बुधः३८।४६बृश्चिकेभौमः ५७।३५
३०	बु	३	२७	उ	३९	४३	ह	९	२	ना	३	२७	११	४६	१४	२७	२९	१७	मकरे	

३९पं.मा.कृ.३वृ.इ.४४।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	६	८	८	३	८
२०	२२	२७	२३	१९	७	२२	२०
१९	२२	५३	२७	१५	४२	३४	२
२६	४१	४६	४७	४३	२२	६	१७
६१	३७	६६	१०	७४	७	३	६१
६	११	०	१७	३८	१४	११	२६

गोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे १३ रवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.२प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

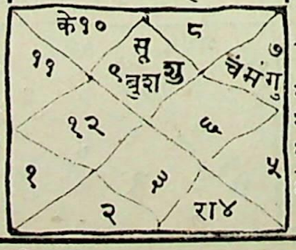

४०पं.मा.कृ.१०वृ.इ.४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	६	८	८	३	८
२७	२६	६	२४	२८	८	२२	२७
२७	४२	४२	३३	३	३०	११	१२
२२	५४	३६	३२	५८	४०	५०	९
६१	३६	७९	९	७४	७	३	६१
६	४४	३४	३१	३८	४	११	२४

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्गण२४७९स.२०१८
१	गु ९ ९	श्र	४६	११	व	१०	३४	व ९ ९	२८ ३० १८ मकरे चंद्रदर्शनम्[÷श्रवणेशुक्रः भा.माघारंभः
२	शु १४ ३	ध	५१	५६	सि	११	३५	कौ १४ ३	२९ १ १९ कुं.१९।३ जमादिलावल५
३	श १८ ११	श	५६	३६	व्य	११	५८	ग १८ ११	३० २ २० कुम्भे. भ.४९।४३उ.अभि.प्र.रविः४९।१९
४	र २१ १५	पू	६०	०	व	११	१८	वि २१ १५	१ ३ २१ मी४४।२३ भ.या.अभि.प्र.रविःसौरः÷
५	चं २३ ५	पू	०	१८	प	१०	११	बा २३ ५	२ ४ २२ मीने अनु.भौमः वसंत५ [Aरथ७
६	मं २३ ५०	उ	२	४६	शि	८	२	तै २३ ५०	३ ५ २३ मीने =(सौरः) अभि.नि.रविः भानु७A
७	बु २३ १६	रे	३	५६	सि	४०	५७	व २३ १६	४ ६ २४ मे.३।५६ भ.उ.या.श्रवणे रविः=
८	गु २१ २	अ	३	४३	शु	५४	१३	ब २१ २	५ ७ २५ मेषे अभि.नि.रविःसौरः उषा.बुधः*
९	शु १७ २०	भ	५	५६	शु	४७	२८	कौ १७ २०	६ ८ २६ वृ.१६।५ [*मूल.४शनिः भीमाष्टमी
१०	श १२ ११	रो	५४	१०	ब्र	३९	२२	ग १२ ११	७ ९ २७ वृषे भ.उ मकरेबुधः विशाखा.३ –
११	र ५ ४३	मृ	४८	२४	ऐं	३०	१३	वि ५ ४३	८ १० २८ मि२१।१७ भ.या.बुधास्तःपूर्वस्यां जया११व्र.
१२	र ५२ १७	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ० [–गुरुः
१३	चं ४९ २२	आ	४१	२४	वे	२०	२०	कौ २३ ४१	९ ११ २९ मिथुने प्रदोषः
१४	मं ४० १३	पु	३४	११	वि	६	४९	ग १४ ४७	१० १२ ३० क.२०।५९ भ.४०।१३उ.[७ चंद्रग्रहणम्मा.स्ना.पूर्ति
१५	बु ३१ १	पु	२९	५५	आ	४८	४७	वि ५ ३७	११ १३ ३१ कर्के भ.या.धनि.शुक्रः खग्रास७

४१पं.मा.शु.१वृ.इ.४४।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	६	९	८	३	९
४	१	१६	२५	६	९	२१	४
२५	३	२६	३३	५२	१७	४९	२१
१३	४७	१०	४७	२३	१७	३५	२८
६१	३६	८८	८	७४	६	३	६१
३	३७	३७	४०	३८	५२	११	१९

गोचर ग्रहाः

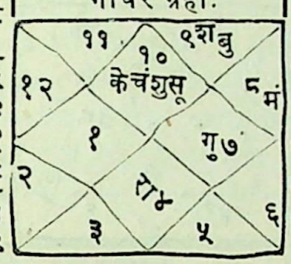

इस मास में धान्य जौ बाजरा मूंग मोठ चना आदि तेज हो रस गुड़ शक्कर चीनी सोना चांदी लोहा आदि धातु मंदी हो

गोचर ग्रहाः

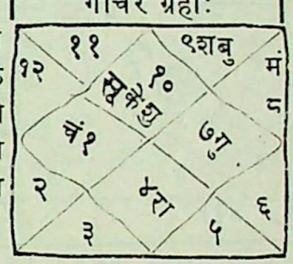

४२पं.मा.शु.८वृ.इ. ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	६	९	८	३	९
११	५	२६	२६	१५	१०	२१	११
४२	२३	५२	२७	४०	३	२७	३०
४०	५३	४४	३२	२६	७	१९	२९
६०	३६	९५	७	७४	६	३	६१
५९	२८	३४	३६	३२	३५	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	गु २२ २२	श्ले	२१	३	सौ	३९	३१	कौ २२ २२	१ सिं२१।३ फरवरी२ता.२८
२	शु १४ ४८	म	१४	३७	शो	३०	२८	ग १४ ४८	२ सिंहे भ.४१।५०उ.
३	श ८ ५१	पू	१०	३३	अ	२३	२	वि ८ ५१	३ कं.२४।५८ भ.८।५१या.श्रवणेबुध.१।४१ शुक्रोदयः×
४	र ४ ३४	उ	८	१४	सु	१७	२८	बा ४ ३४	४ कन्यायां [×पश्चिमायां१।४८चतुर्थी व्र.
५	चं २ ४०	ह	८	९	धृ	१३	२६	तै २ ४०	५ तु.३८।३८
६	मं २ ५३	चि	९	८	शू	११	११	व २ ५३	६ तुलायां भ.२।५३उ.३३।५८या.धनि.रविः+
७	बु ५ ३	स्वा	१४	७	गं	१०	०	च ५ ३	७ तुलायां [+(सौरः) कुंभेशुक्रः८।२८
८	गु ९ १३	वि	१९	५२	बृ	११	४	कौ ९ १३	८ वृ.३।२६ पातस्पर्शः१७।३२पातमोक्षः३९।२
९	शु १४ ३२	अ	२६	४४	ध्रु	१२	३४	ग १४ ३२	९ वृश्चिके भ.४७।४२उ.
१०	श २० ५२	ज्ये	३४	८	व्या	१४	४६	वि २० ५२	१० ध.३४।८ भ.२०।५२या.धनि.बुधः५७।५१
११	र २७ २९	मू	४१	५३	ह	१६	५९	बा २७ २९	११ धनुषि शतेशुक्रः३०।२४विजया११व्र.
१२	चं ३३ ५९	पू	४९	२८	व	१९	२४	कौ ० ४४	१२ धनुषि कुंभेऽर्कः४७।३०(सौरः५६।३)
१३	मं ४० ६	उ	५६	३१	शि	२१	२३	ग ७ २	१३ म.६।१४ भ.४०।६उ.ज्येष्ठा.भौमः२०।५१प्रदोषः
१४	बु ४५ २४	श्र	६०	०	व्य	२३	०	वि १२ ४५	१४ मकरे भ.या.कुंभेबुधः महाशिवरात्री व्र.
३०	गु ४९ ३८	श्र	२	४३	व	२४	३७	च १७ ३१	३० ४५ २७ ३३ २६ २८ १५ कु.३५।१४

४३पं.फा.कृ.१वृ.इ.४५।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	६	९	८	३	९
१८	९	७	२७	२४	१०	२१	१८
४९	४१	५०	१४	२७	४७	५	३८
१६	३५	३८	१७	४०	६	३	३५
६०	३५	९०	६	७४	६	३	६१
५५	४९	१४	३३	३२	२०	११	४

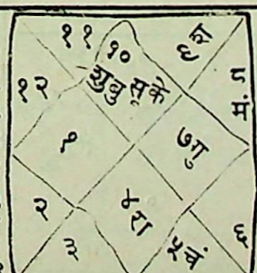

४४पं.फा.कृ.८वृ.इ.४५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	६	१०	८	३	९
२५	१३	१९	२७	३	११	२०	२५
५५	५९	२४	५३	१४	२७	४२	४५
१	२	६	३८	४२	०	४८	२२
६०	३५	०	५	७४	६	३	६०
४७	३०	४६	२६	३३	०	११	५५

४५पं.फा.कृ.३०वृ.इ.४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	६	१०	८	३	१०
२	१८	१	२८	११	१२	२०	२
५९	१४	४०	२५	५९	५	२०	५१
४९	२४	१६	१९	३५	२४	३२	२५
६०	३५	०	४	७४	५	३	६०
३७	२	३३	१४	२६	३२	११	४३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २५०९ स. २०१८
१	शु ५२ ४९	ध ७ ४७	प २३ ३७	किं २१ १३	२७ ५	५	२७	२९ १६	कुंभे
२	श ५४ ५४	श १२ ११	शि २२ ३८	बा २३ ५१	५३ २५	३५	२८	३० १७	मी ५९।१९ चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
३	र ५५ ५४	पू १५ २	सि २० ५५	तै २५ २४	५६ २५	३५	२९	१ १८	मीने शतेबुधः २६।५२ जमादिलाखर ६
४	चं ५६ १	उ १७ ८	सा १८ ५	व २५ ५७	२८ २४	३६	३०	२ १९	मीने भ. २५ उ. ५६ या. शतेरविः २३ ×
५	मं ५५ ०	रे १८ ५	शु १५ ४३	ब २५ ३०	४ २३	३७	१	३ २०	मे. १८।५ भा. फाल्गुनारंभः [× (सौरः ३१)
६	बु ५२ ५७	अ १८ १३	शु १० ४५	कौ २३ ५८	८ २२	३८	२	४ २१	मेषे पातस्पर्शः ३१।१२ पातमोक्षः ४६।०
७	गु ४९ ५२	भ १७ १३	व्र ५४ १ ५४ १७	ग २१ २४	१२ २२	३८	३	५ २२	वृ. ३१।४५ भ. ४९।५२ उ. पूभा. शुक्रः ८।५८ आश्ले. १×
८	शु ४६ ४	क्रु १५ २१	वै ५४ २३	वि १७ ५८	१६ २१	३९	४	६ २३	वृषे भ. १७।५८ या. होलाष्टकम्
९	श ४१ ११	रो १२ ३५	वि ४६ ७	बा १३ ३७	२० २०	४०	५	७ २४	मि ४०।४० [× राहुः श्रवण. ३ केतुः १३।१८
१०	र ३५ २२	मृ ८ ४६	प्री ३८ ०	तै ८ १६	२४ १९	४१	६	८ २५	मिथुने पूभा. बुधः ३८।४७
११	चं २८ ३९	आ ४ ५४ ० ४१	आ २९ १९	व २ ०	२८ १८	४२	७	९ २६	क. ४५।१ भ. २।० उ. २८।३९ उ. आमलकी ११ व्र.
१२	मं २१ १६	पु ५२ ५५	सौ २० १६	बा २१ १६	३२ १८	४२	८	१० २७	कर्के प्रदोषः
१३	बु १३ ३०	श्ले ४७ ८	शो १० ४७	तै १३ ३०	३६ १७	४३	९	११ २८	सिं ४७।८
१४	गु ५ ४७	म ४१ ३४	अ १ ४१ ५१ १९	व ५ ४७	४० १६	४४	१०	१२ १	सिंहे भ. ५।४७ उ. ३२।८ या. मार्च ३ ता. ३१+
१५	गु ५२ ४२	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	०	०	० ०	० [+होलिकादहनं भद्रोत्तरम्

४६पं.फा.शु.७वृ.इ. ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	६	१०	८	३	१०
१०	२२	१३	२८	२०	१२	१९	९
३	२७	३२	४७	४५	४०	५८	५५
२२	४०	१०	४९	४७	५५	१७	५८
६०	३४	५५	३	७४	५	३	६०
२५	२७	५८	२	२६	२	११	३१

गोचर ग्रहाः

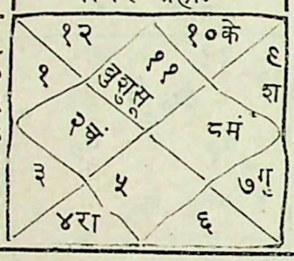

फाल्गुन कृष्णे १२ चंद्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

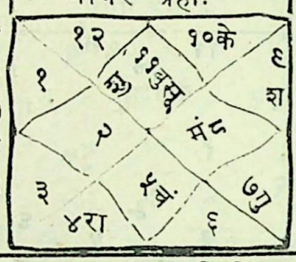

४७पं.फा.शु.१४वृ.इ. ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	६	१०	८	३	१०
१७	२६	२७	२९	२९	१३	१९	१६
५	३६	४९	२	३०	१३	३६	५८
३५	५०	५	१०	०	१	१	५२
६०	३३	५८	१	७४	४	३	६०
१२	४८	३८	३२	२६	३९	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेतिमहा.
१	शु ५२ २७	पू ३७ १	ध्रु ४५ १४	बा २५ २८	२८ ६	५	११	१३ २	कं. ५१।१३ मीनेबुधः ५ मीनेशुक्रः १ वसंत १ छारेडी
२	श ४७ ४१	उ ३३ ५०	शू ३८ ४१	तै २० ४	४८ १४	४६	१२	१४ ३	कन्यायां पूषा. १ शनिः १६।३
३	र ४४ ४१	ह ३२ २६	गं ३३ २६	व १६ ११	५२ १४	४६	१३	१५ ४	कन्यायां भ. १६ उ. ४४ या. पूभा. रविः ३९ +
४	चं ४३ ४२	चि ३२ ५७	बृ ३० २	ब १४ ११	५६ १३	४७	१४	१६ ५	तु. २।४१ पातस्पर्शः १३ पातमोक्षः ५६ चतुर्थी व्र.
५	मं ४४ ५२	स्वा ३५ ३५	ध्रु २८ ८	कौ १४ ४७	२९ ५	१२	४८	१५ १७	६ तुलायां [+ (सौरः ४६) उभा. बुधः ३३ A
६	बु ४८ १	वि ३९ ५४	आ २७ २७	ग १६ २६	५	११	४९	१६ १८	७ वृ. २३।४९ भ. ४८।१ उ. मूले धनुषि भौमः २५।२२
७	गु ५२ ३९	अ ४४ ५७	ह २८ १०	वि २० २०	९	१०	५०	१७ १९	८ वृश्चिके भ. २०।२० या.
८	शु ५८ ३३	ज्ये ५२ ५५	व ३० १०	बा २५ ३६	१३	९	५१	१८ २०	९ ध. ५२।५५ शीतला पूजनम्
९	श ६० ०	मू ६० ०	से ३२ १	तै ३१ ४३	१७	९	५१	१९ २१	१० धनुषि वक्री गुरुः ३०।८
९	र ४ ५३	मू ० २२	व्य ३४ ३०	ग ४ ५३	२१	८	५२	२० २२	११ धनुषि भ. ३८।७ उ.
१०	चं ११ २१	पू ८ ७	व ३६ ३४	वि ११ २१	२६	७	५३	२१ २३	१२ म. २४।५३ भ. ११।२१ या.
११	मं १७ २६	उ १५ १३	प ३८ १४	बा १७ २६	३०	६	५४	२२ २४	१३ मकरे रेवत्यांबुधः ७।३० पापमोचनी ११ व्र.
१२	बु २२ ३३	श्र २१ २६	शि ३९ ८	तै २२ ३३	३४	५	५५	२३ २५	१४ कुं. ५३।५७ मीनेऽर्कः ४०।४५ (सौरः ४६) प्रदोषः
१३	गु २६ २१	ध २६ २८	सि ३८ ४५	व २६ २१	३८	४	५६	२४ २६	१५ कुम्भे भ. ३६ उ. ३७ या. रेवत्यांशुक्रः ३४
१४	शु २८ ४८	श ३० २२	सा ३७ ३१	शु २८ ४८	४३	३	५७	२५ २७	१६ कुम्भे [A उभा. शुक्रः ३१ बुधोदयः पश्चिमायां २९
१५	श २९ ५४	पू ३२ ४१	शु ३५ १५	नौ २९ ५४	४७	३	५७	२६ २८	१७ मी १७।८ मन्वादिः

४८पं.चै.कृ.७वृ.इ.४६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	११	६	११	८	३	१०
२४	०	१०	२९	८	१३	१९	२४
६	४४	१९	६	१३	४१	१३	०
२२	५३	५	४०	१२	५३	४५	१५
५९	३३	९८	०	७४	४	३	६०
५८	१७	१७	२३	२०	४	११	६

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे १२ बुधे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

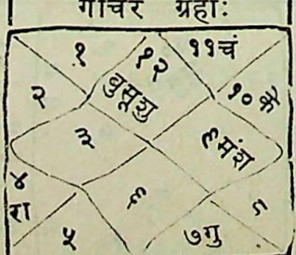

४९पं.चै.कृ.१३वृ.इ. ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	६	११	८	३	११
१	४	१९	२९	१६	१४	१८	०
५	४९	२८	३	५४	५	५१	५९
३५	४४	१२	७	४७	३१	३०	५७
५९	३२	६३	१०	७४	३	३	५९
४१	२५	२६	व.	१६	२८	११	४९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११९, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११९, भोग्यकलिः ४२६८८१, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०७५, शाकः १९४०, अथास्मिन् वर्षे राजा रविः । मंत्री शनिः । सस्येशश्चंद्रः। धान्येशो रविः । मेघेशः शुक्रः। रसेशो बुधः। नीरसेशश्चंद्रः। फलेशो गुरुः । धनेशश्चंद्रः । दुर्गेशशुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां ६ परिधाविनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ०।१९।६।१४ भोग्यमासादिः ११।१०।५३।४६अग्निदैवतं युगम् । तत्र वर्षनाम वैशाखः। मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासःसंधौ । समयनिवासोः वणिक् गृहे। समय विश्वा २० समयवाहनम् अश्वः। स्तंभौ२ वायुतृणयोः । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी३ भानुसप्तमी ३रविदशमी २समय मुहूर्ताः ३६० समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः २० तिथिवृद्धिः १४ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा ९३, वर्षाविश्वा ११, धान्यम् ७, तृणम् १३, शीतम् ७, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१०९, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःपश्चिमे । ग्रहण १ चंद्रमसः।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	१४	५	२	२	११	२

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	५	१४	५	१४	१४	५

वर्ष लग्नम् ५।४

भैरव भवानी सम्वाद

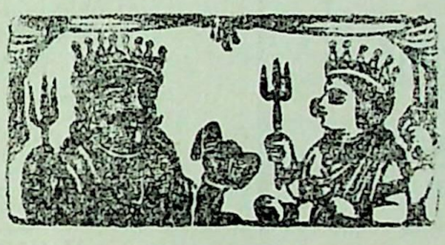

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ विनती करूं जगदंबा के द्वार ।
पछेतर की साल में करदे बेडापार ।।

भवानी उत्तर

राजा रवि मंत्री शनि पिता पुत्र संयोग ।
युद्ध उपद्रव अग्निभय जग में बाढे रोग ।।
समयनिवासो वणिक्घर बढे घणा व्यापार ।
खंड वृष्टि हो भूमि पर ना सारे इकसार ।।
पण भैरव भय मतकरे फलपति है सुरराज ।
दैत्यगुरु मेघेश से सुधरे जग का काज ।।
सौम्यग्रहों के कबज में हुये सात अधिकार ।
जगदीश्वर के भजन से होसी बेड़ा पार ।।

सं.२०७५ शा. १९४०आषाढ शु. १५ शुक्रे खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
मं घ.	४३	४६	४८	५०	५३
मं प.	३९	२४	३२	४०	२५
मु घ.	११	१	१	२	३
मु मि.	५५	१	५२	४३	४९

वर्षेश लग्नम् ०।२६

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५६।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।६।१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा रविः फलम् ।। सूर्ये नृपे स्वल्प फलाश्चमेघाः स्वल्पं पयो गोषुजनेषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्प वृक्षाश्चौराग्नि बाधा निर्धनं नृपाणां ।। मंत्री शनिः फलम् ।। रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहुदुःखदा । न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित्।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम्।। सस्याधिपे शीत करे प्रजा सुखं मेघाः पयो मुंचति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधन तत्परा नृपा धरा भवेद्धान्य धनौघपूर्णा । धान्येशो रविः फलं ।। पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदानहि । विग्रहे भू भृतां धान्यं महर्घं ज्वर पीड़नम् । मेघेशः शुक्रः फलम् ।। भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलयुता जलदा दिवि शोभनाः । धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो बुधस्तत्फलम् ।। रसपतौ द्विजराज सुते मही सुलभ धान्य घृतादि युता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहुजलाखिलदेश सुरक्षिताः ।। नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। शुक्ल वर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससां । अर्घ बृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे । फलेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गर्तभया वनराशि महाद्रुमाः। यजन याजनकोत्सव मन्दिराः श्रुति विचार परा द्विज पूर्वकाः ।। धनेशश्चंद्रः फलम् ।। धनपति मृग लांछन को यदा रस-चयात्क्रयविक्रयतो घनम् । वसनशालि युगं धनजं बहु द्रविण तेल घृतं नृप सौख्यकम् ।। दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। नर वेरषुविशेष पतिर्यदा भृगुसुतो बहुसौख्यकरो मतः । विनय वाणिज गेह समःसुखो गत वनं निकटेपि च दूरतः।। परिधावि नाम संवत्सरः फलम् ।। भूपाहवो महारोगो मध्य सस्यार्घ बृष्टयः । दुःखिनो जन्तवः सर्वे वत्सरे परिधाविनि ।। वर्षनाम वैशाखः फलम् ।। अर्घ विविध भावेन जायते द्रविण प्रदम् । नीरुजा निर्भया लोका वैशाखे जन पूजिताः ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मंद बृष्टिश्च । रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खंड बृष्टिश्चसंधिषु ।। समय निवासो वणिक् गृहे । वणिक् गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।

संवत् २०७५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

शुक्ला ३ बुधे रोहि ल. ११ रे. ६ ।।।।।ऽनृ।।।।
,, ४ गुरौ मृगे ल. ११ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, ५ शुक्रे मृगे ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽचौऽऽ।।
,, १५ रवौ स्वात्यां ल. ११ रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।

प्रथम ज्येष्ठ मासः ।

कृष्णा ११ शुक्रे उभा ल.११ रे.७ ।।।।।ऽरो.४८याऽऽ।।

द्वि. ज्येष्ठ मासः ।

शुक्ला ७ भौमे उषा ल. १ (गु.७मे.पूज्यः) रे. ८
।।।।ऽबृ।ऽ।।
,, ८ बुधे हस्ते ल. १ (घ.५२।३७ उपरांत) रे.८
।ऽ।।।।ऽ।।।
,, ६ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो (सोग्रांगःश.) रे. ७
।ऽ।।।ऽचौऽ।।।
,, १० शुक्रे स्वात्यां ल. १ (गु.चन्द्रौ७मे.पूर्ज्यौ) रे८
।।ऽबृ।।।।ऽ।।
,, १३ चन्द्रे अनु ल. ऽन्यगो (सोग्रांगःश.) रे. ७
ऽऽऽचं।।।।।।।

आषाढ मासः ।

कृष्णा १ शुक्रे उषा ल. १ (गु.पू.सत्) रे. ८
।।।।।ऽनृ।।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याभावः
,, ८ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो (सोग्रांगःश) १-२ रे७
।।।।।ऽअ.।ऽ।ऽ

पौष मासः ।

शुक्ला ११ गुरौ रोहि. ल. (चं.पू.सत्) रे. ८
।।।।।।।।ऽऽ दग्धा गणितेन क्रां. साम्याऽभावः

माघ मासः ।

कृष्णा १ भौमे मघा ल. ७-८ रे. ९ ।।।।ऽरो।।।।
,, ५ शुक्रे हस्ते ल. गो (सोग्रांगः ७-८ रे. ७
।।।।।ऽअऽऽ।।
,, ७ रवौ स्वात्यां ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ८ रे. ६
ऽ।।।।ऽनृऽऽ।।
,, ६ भौमे अनु ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ७ रे. ७
।।।।।ऽचौऽऽ।।
शुक्ला ३शुक्रे उभा ल.ऽन्यगो(सोग्रांगः)रे.१०।।।।।।।।।।
,, ५ रवौ रेव ल. ऽन्यगो रे. ६ऽऽ।।।।ऽऽ।।

फाल्गुन मासः ।

कृष्णा २ गुरौ उफा ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽऽ।।।।
शुक्ला २ शुक्रे रेव. ल.१० (श.पू.सत्) रे.८ ऽ।।।।।ऽ।।।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०									दि. उ. अ.			भा मु इं.			चन्द्रः	वसंततुरविरुत्तरेऽहर्गणः २५३९सन् २०१८
१	र	२९	४०	उ	३३	४१	शु	३१	५२	ब	२९	४०	२९ ५३	३	५८	२७ २९ १८	मीने	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
१	चं	२८	१२	रे	३३	४५	ब्र	२७	४६	कौ	२८	१२	५५	१	५९	२८ ३० १९	मे. ३३।४५	चंद्रदर्शनम् सिंघारा
२	मं	२५	५३	अ	३२	५५	ऐं	२२	४७	ग	२५	५३	३० ०	०	०	२९ १ २०	मेषे	भ. ५३ उ. रज्जव७मत्स्यजयंतीगणगौरी
३	बु	२२	५३	भ	३१	२९	वै	१७	१४	वि	२२	५३	३० ०	०	०	३० २ २१	बृ. ४५।५३	भ. २२।५३या.
४	गु	१८	५६	कृ	२९	७	वि	११	२०	बा	१८	५६	४ ५९	०	०	१ ३ २३	वृषे	वक्रीबुधः ४२।९भा. चैत्रारंभः
५	शु	१४	५३	रो	२५	३२	प्री	९	५३	तै	१४	५३	८ ५८	२	१	२ ४ २३	मि ५४।३३	
६	श	१०	१९	मृ	२३	३५	सौ	५१	३२	व	१०	१९	१२ ५८	२	२	४ २३		
७	र	५	२३	आ	२०	५	शो	४४	८	ब	५	२३	१६ ५७	३	३	५ २४	मिथुने	भ. १९ उ. ३७ या. बुधास्तः पश्चिमायां ३६
८	चं	०	५	पु	१६	२७	अ	३६	३८	कौ	०	५	२१ ५६	४	४	६ २५	मिथुने	रामनवमी स्मा.
९	चं	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२५ ५५	५	५	७ २६	क. २।२२	अश्वि. मेषे शुक्रः २१।५१ रामनवमी वै.
१०	मं	४८	२३	पु	१२	२६	सु	२८	५६	ब	२१	२१	० ०	०	०	० ०		
११	बु	४२	२६	श्ले	८	१०	धृ	२१	१८	ब	१५	२५	२९ ५४	६	६	८ २७	कर्के	भ. २१ उ. ४६ या. कामदा ११ व्र.स्मा.
१२	शु	३६	४०	म	४	२९	शू	१३	५०	कौ	९	३३	३३ ५३	७	७	९ २८	सिं. ८।१०	कामदा ११ व्र.वै.
१३	शु	३१	४३	पू	५८	५७ १८	गं	६	४४	ग	४	११	३७ ५३	७	८	१० २९	सिंहे	प्रदोषः
१४	श	२७	३४	ह	५६	५०	बृ	२०	५४	ब	२७	३४	४१ ५२	८	९	११ ३०	कं. १५।१७	भ. ३१ उ. ५९ या. पूषा. भौमः ५३।३७
१५	श	२७	३४	ह	५६	५०	बृ	२०	५४	ब	२७	३४	४५ ५१	९	१०	१२ ३१	कन्यायां	हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.५बृ.इ ४६७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	६	११	८	३	११
८	८	२२	२८	२५	१४	१८	७
३	५०	५३	४९	३४	२५	२९	५७
१८	४९	१३	२३	१९	१	१४	५२
५९	३१	४ ४	३ ३	७४	२	३	५९
२९	२३	व.	व.	८	४३	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में रुई रंग स्वर्ण तेज रहेंगे चांदी में घटाबढी चले धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल गेहं मंदेहोकर तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

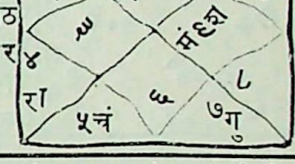

५१पं.चै.शु.१३बृ.इ. ४७१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	६	०	८	३	११
१४	१२	२०	२८	४	१४	१८	१४
५९	४६	१०	२७	१३	४०	६	५४
१०	३४	१२	२९	२०	२६	५९	२
५९	३०	४ ३	४ ३	७४	२	३	५९
१६	६	व.	व.	२	२	११	८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०									दि. उ. अ.			हि. मु. इ.			चन्द्रः	वसंततुरविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	र	२४	४७	चि	५६	५५	व्या	५१	११	कौ	२४	४७	३० ५९	५	५० ५०	११ १३ १	तु. २६।५२	अप्रेल ४ता. ३१
२	चं	२३	४४	स्वा	५८	३४	ह	४८	५८	ग	२३	४४	५३	४	११	१२ १४ २	तुलायां	भ. ५३।५६उ.
३	मं	२४	९	वि	६०	०	व	४७	३५	वि	२४	९	५७	४	११	१३ १५ ३	वृ. ४६।४	भ. २९ या. वक्रीउभा. बुधः ३४ चतुर्थी व्र.
४	बु	२६	३८	वि	१	५५	सि	४७	२५	बा	२६	३८	३१	४	८	१२ १४ १६ ४	वृश्चिके	
५	गु	३०	३२	अ	६	५८	व्य	४८	३७	तै	३०	३२	४	४	७	१३ १५ १७ ५	वृश्चिके	
६	शु	३५	५६	ज्ये	१३	२७	व	५०	२०	ग	३	१४	८	४	६	१४ १६ १८ ६	ध. १३।२७	भ. ३५।५६उ. भरण्यांशुक्रः १३।२१
७	श	४२	२	म	२०	३२	प	५२	५२	वि	८	५९	१२	४	६	१४ १७ १९ ७	धनुषि	भ. ८।५९या.
८	र	४८	१४	पू	२८	५	शि	५४	४३	बा	१५	८	१६	४	५	१५ १८ २० ८	म. ४४।५६	बुधोदयः पूर्वस्यां ४३।३८
९	चं	५४	२६	उ	३५	२६	सि	५७	८	तै	२१	२०	१९	४	४	१६ १९ २१ ९	मकरे	
१०	मं	५९	४१	श्र	४२	१७	सौ	५८	३९	व	२७	४	२३	४	३	१७ २० २२ १०	मकरे	भ. २७।४उ. ५९।४१या.
११	बु	६०	०	ध	४७	३७	शु	५८	२३	ब	३१	३३	२७	४	३	१७ २१ २३ ११	कु. १४।५७	वरुथिनी ११ व्र.स्मा.
११	शु	३	२५	श	५१	३२	शु	५७	२२	बा	३	२५	३०	४	२	१८ २२ २४ १२	कुम्भे	वरुथिनी ११ व्र.वै.
१२	शु	५	४८	पू	५३	४८	ब्र	५४	५९	तै	५	४८	३४	४	१	१९ २३ २५ १३	मी. ३८	प्रदोषः
१३	श	६	२४	उ	५४	३८	ऐं	५१	१४	व	६	२४	२८	४	०	२० २४ २६ १४	मीने	भ. ६।२४उ. ३५।५०या. अश्वि. मेषेऽर्कः ×
१४	र	५	१६	रे	५३	४१	वै	४६	१५	श	५	१६	४२	४	०	२० २५ २७ १५	मे. ५३।४१	मार्गीबुधः ४८।३३
३०	चं	२	३८	अ	५१	४२	वि	४०	२३	ना	२	३८	४६	३	९	२१ २६ २८ १६	मेषे	[× ३।२४ (सौरः ९।१०)

५२पं.वै.कृ.५बृ.इ: ४७३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	६	०	८	३	११
२१	१६	१४	२७	१२	१४	१७	२१
५३	३५	५०	५७	४९	५०	४४	४८
३१	४२	१३	१८	२३	४९	४३	१३
५९	२८	४ ६	५ ०	७३	१	३	५९
४	४३	व.	व.	५६	२२	११	४

गोचर ग्रहाः

वैशाखकृष्णे १३ शनौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु ४५ धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

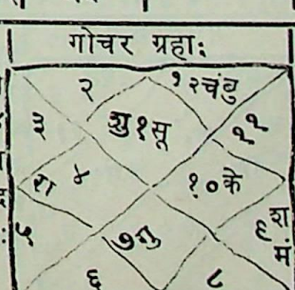

१पं. वै.कृ.१३श. इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	६	०	८	३	११
०	२०	११	२७	२२	१४	१७	२९
०	५९	२	१०	५७	१८	१८	५४
०	२	४६	४१	५८	१६	३५	२६
५८	२६	५ ४	६ ८	७३	०	३	५८
४४	४१	व.	व.	५०	३२	११	४५

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २५६९स.२०१८
१	चं	५६	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	५३	४९	भ	४७	४३	प्री	३३	५३	बा	२६	१६	३१ ५०	३८	२६	२७	२९ १७	मेषे	कृत्ति.शुक्रः३।५०चंद्रदर्शनम्
३	बु	४८	१५	कृ	४५	४	आ	२६	४१	तै	२१	२	५३	३७	२३	२८	१ १८	धृ २।३	सावान ८परशुरामजयंतीअक्षया३
४	गु	४२	४०	रो	४१	१०	सौ	१९	६	व	१५	२८	५७	३७	२३	२९	२ १९	वृषे	भ.१५उ.४०या.धृषेशुक्रः४९वक्रीविशा. ÷
५	शु	३६	५५	मृ	३७	२८	शो	११	४६	ब	९	४७	३२ १	३६	२४	३०	३ २०	मि९।१९	[÷२गुरुः१०।२७वक्रीशनिः१६।११
६	श	३१	१७	आ	३३	४६	अ	३३	३९	कौ	४	१०	५	३५	२५	१	४ २१	मिथुने	भा.वैशाखारंभः
७	र	२५	६	पु	३०	२०	धृ	५०	१४	व	२५	६	९	३४	२६	२	५ २२	क.१६।११	भ.२५।६उ.५२।५४या.
८	चं	२०	४१	पु	२७	१	शू	४३	१९	व	२०	४१	१२	३४	२६	३	६ २३	कर्के	
९	मं	१५	५४	श्ले	२४	५	गं	३६	५०	कौ	१५	५४	१६	३३	२७	४	७ २४	सिं. २५	उषा.भौमः५१।२२
१०	बु	११	१६	म	२१	३५	बृ	३०	४४	ग	११	१६	२०	३२	२८	५	८ २५	सिंहे	भ.३९।१४उ.
११	गु	७	१३	पू	१९	४१	ध्रु	२५	३	वि	७	१३	२३	३१	२९	६	९ २६	क.३४।१७	भ.१७या.पुष्ये.४राहुःश्रवण२केतुः१२।८=
१२	शु	३	४३	उ	१८	७	व्या	२०	३	वा	३	४३	२७	३१	२९	७	१० २७	कन्यायां	भरण्यांरविः४३(सौरः५५)रेवत्यांबुधः +
१३	श	१	३	ह	१७	२९	ह	१५	३७	तै	१	३	३१	३०	३०	८	११ २८	तु.४७।५४	भ.५९।२०उ.रोहि.शुक्रः४९नृसिंहजयंती
१४	श	५८	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०		[= मोहिनी११व्र.[+५३।२१प्रदोषः
१५	र	५८	५३	चि	१८	१९	च	१२	१०	वि	२९	७	२४	२९	३१	९	१२ २९	तुलायां	भ.२९।७या.यमायकुंभदानम्

२पं.वै.शु.६श.इ.३।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	६	१	८	३	०
६	२४	१२	२६	१	१४	१६	६
५०	३२	११	२६	२१	५८	५९	५४
४२	२०	५६	४२	१६	३४	१९	३७
५८	२५	३५	३	७३	१०	३	५८
३१	४३	सा	व.	४३	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

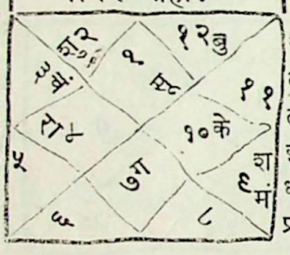

यत्र मासे खेर्वाराः
जायते पंच सन्ततम् ।
दुर्भिक्षं छत्र भङ्गश्च
तथास्तेच महद्भयम्।।
इस मास में धातु
धान्य में तेजी हो
प्रजा में दुःख फैले ।

गोचर ग्रहाः

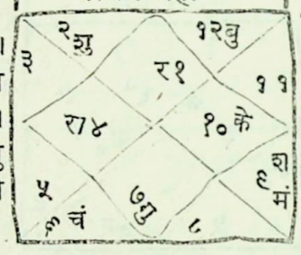

३पं.वै. शु.१३श.इ.५३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	६	१	८	३	०
१३	२७	१६	२५	१०	१४	१६	१३
३९	५६	४८	३७	२	५४	३४	३३
४७	२०	४	३४	३८	२५	४	२
५८	२३	४५	४०	७३	५९	३	५८
१९	४७	३५	व.	२८	व.	११	१२

ति.	प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	चं	५९	४९	स्वा	२०	७	सि	९	४१	बा	२९	२१	३३ ३८	२८	३३	१०	१३ ३०	तुलायां	
२	मं	६०	०	वि	२३	१९	व्य	८	३७	तै	३१	५	४१	२८	३२	११	१४ १	वृ.७।३१	मकरेभौमः४२।१२मई५ता.३१
३	बु	२	२३	अ	२७	५०	व	८	२	ग	२	२३	४५	२७	३३	१२	१५ २	वृश्चिके	भ.३४।१०उ.
४	गु	५	५८	ज्ये	३४	३०	प	८	५६	वि	५	५८	४८	२६	३४	१३	१६ ३	ध.३४।३०	भ.५।५८या.चतुर्थी व्र.
५	शु	१०	५८	मू	४०	३४	शि	१०	२६	बा	१०	५८	५२	२६	३४	१४	१७ ४	धनुषि	
६	श	१६	४४	पू	४८	७	सि	१२	३३	तै	१६	४४	५५	२५	३५	१५	१८ ५	धनुषि	
७	र	२२	५५	उ	५५	३४	सा	१४	५६	व	२२	५५	५८	२४	३६	१६	१९ ६	म.४।५८	भ.२२।५५उ.५६।६या.
८	चं	२९	१७	श्र	६०	०	शु	१७	३०	ब	२९	१७	३३	२४	३६	१७	२० ७	मकरे	
९	मं	३४	५०	श्र	२	५२	शु	१९	२०	बा	२	४	५	२३	३७	१८	२१ ८	कुं ३६।२	
१०	बु	३९	७	ध	९	१३	ब्र	२०	८	तै	६	५९	८	२२	३८	१९	२२ ९	कुंभे	अश्वि.मेषेबुधः४०।२१मृगेशुक्रः४।५६
११	गु	४१	५१	श	१३	५९	ऐं	२०	१	व	१०	२९	११	२२	३८	२०	२३ १०	कुंभे	भ.१०।२९उ.४१।५१या.
१२	शु	४२	४९	पू	१७	११	वै	१८	२५	ब	१२	२०	१४	२१	३९	२१	२४ ११	मी१।२३	कृत्ति.रविः३९(सौरः३८)अपरा११व्र.
१३	श	४१	४९	उ	१८	१५	वि	१५	१४	कौ	१२	१९	१७	२१	३९	२२	२५ १२	मीने	
१३	र	३८	५०	रे	१७	३६	प्री	१०	३४	ग	१०	१९	२०	२०	४०	२३	२६ १३	मे.१७।३६	भ.३८।५०उ.प्रदोषः
१४	चं	३४	७	अ	१६	८	अ	२९ ४५	५२ ३८	वि	६	२८	२३	१९	४१	२४	२७ १४	मेषे	भ.२६या.बृषेऽर्कः५६मिथुनेशुक्रः३३
२०	मं	२८	५	भ	११	१७	शो	४८	५२	च	१	६	२६	१९	४१	२५	२८ १५	वृ.२५।२	बृषेऽर्कःसौरः६।१४वटपूजनम्

४पं.प्र.ज्ये.कृ.५श.इ.४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	६	१	८	३	०
२०	१	२४	२४	१८	१४	१६	२०
२७	९	४	४४	३१	४४	११	२९
२५	१४	३४	५३	२३	५३	४८	४७
५८	२०	६८	५३	७३	४३	३	५७
६	३४	२६	व.	१८	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

प्रथम ज्येष्ठ कृष्णे ३०
भौमे बृषेऽर्कः प्रविष्टः
वा.४न.४सुतार्थिन्यव-
स्था (सूती) मु. १५
धान्यादिभावे महर्घता
शुक्रोदयःपश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

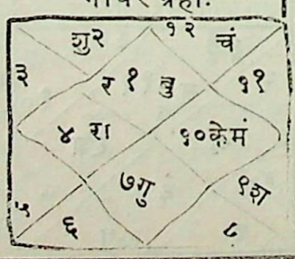

५पं.प्र.ज्ये.कृ.१२श.इ.२५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	६	१	८	३	०
२७	४	३	२३	२६	१४	१५	२७
१३	७	३२	५१	५८	३१	४९	५
३७	५	४९	४३	२६	१६	३३	१
५७	१९	८८	५७	७३	१६	३	५७
५४	१४	५२	व.	२	व.	११	४५

ति.प्र. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४० दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २५६७स.२०१८

१	बु	२०	५३	कृ	६	२०	अ	४०	७	व	२०	५३	३३	५	४३	२६	२९ १६	वृषे	वक्रीविशा.१गुरुः१५।५०चंद्रदर्शनम्
२	गु	१३	२३	रो	५६	१९	सु	३१	७	कौ	१३	२३	३१	१८	४२	२७	११७	मि२८।६	रमजान ९
३	शु	५	४१	आ	४९	५५	धृ	२२	१४	ग	५	४१	३४	१७	४३	२८	२१८	मिथुने	भ.३२।१उ.५८।२१या.भरण्यांबुधः१५२
४	शु	५२	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	
५	श	५१	२५	पु	४५	१	शू	१३	३८	ब	२४	५२	३७	१७	४३	२९	३१९	क.३१।१४	
६	र	४५	७	पु	४०	३९	गं	४७	५३	का	१८	१६	३९	१६	४४	३०	४२०	कर्के	आर्द्रा.शुक्रः७।४६
७	चं	३९	४५	श्ले	३७	२१	ध्रु	५१	३७	ग	१२	२६	४२	१६	४४	३१	५२१	सिं३७।२१	भ.३९।४५उ.
८	मं	३५	२१	म	३४	५६	व्या	४५	५०	वि	७	३३	४४	१५	४५	१	६२२	सिंहे	भ.७।३३या.भा.ज्येष्ठारंभः
९	बु	३१	५८	पू	३३	३५	ह	४०	४१	बा	३	२९	४७	१५	४५	२	७२३	कं.४८।२९	
१०	शु	२९	२६	उ	३३	११	व	३६	२६	तै	०	४२	४९	१४	४६	३	८२४	कन्यायां	भ.५८।४४उ.
११	शु	२८	२	ह	३३	४२	सि	३२	५६	वि	२८	२	५३	१४	४६	४	९२५	कन्यायां	भ.२५या.रोहि.रविः३७(सौरः३३)कृत्ति=
१२	श	२७	३७	चि	३५	१२	व्य	३०	३१	बा	२७	३७	५४	१३	४७	५	१०२६	तु.४।२७	[=बुधः२७बुधास्तःपूर्वस्यां३२कमला११त्र.
१३	र	२८	२६	स्वा	३७	४६	व	२८	४१	तै	२८	२६	५६	१३	४७	६	११२७	तुलायां	बृषेबुधः६।४७
१४	चं	३०	१७	वि	४१	४१	प	२८	९	व	३०	१७	५८	१२	४८	७	१२२८	वृ.२५।४२	भ.३०।१७उ.
१५	मं	३३	१४	अ	४६	२२	शि	२७	५०	वि	१	४६	३४	१२	४८	८	१३२९	वृश्चिके	भ.१।४६या.श्रवणेभौमः४७।३६

६पं.प्र.ज्ये.शु.५श.इ.४।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	६	२	८	३	१
३	६	१४	२२	५	१४	१५	३
५८	४१	५३	५८	२३	१३	२७	४८
३७	२	१३	२६	२	२३	१७	४४
५७	१६	०६	४०	७२	५५	३	५७
४४	२६	१६	व	४७	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धातु सोना चांदी रुई वार-दाना मंदा हो धान्य गेहूं जो चना मटर बाजरा गुड शक्कर तेज होवे ।

गोचर ग्रहाः

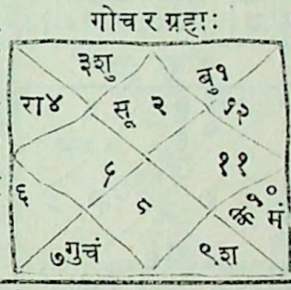

७पं.प्र.ज्ये.शु.१२श.इ.४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	६	२	८	३	१
१०	९	२७	२२	१३	१३	१५	१०
४२	८	५५	८	४४	५२	५	३०
२९	१७	५	१०	४९	१	१	५५
५७	१३	०९	४८	७२	३४	३	५७
३५	५५	३५	व.	२५	व	११	२३

ति. द्वि. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४० दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे प्र. ज्येष्ठ कृष्णेति महा.

१	बु	३७	१६	ज्ये	५२	२३	सि	२८	४५	बा	५	१२	३४	१२	४८	९	१४ ३०	ध.५२।२३	
२	गु	४२	२५	मू	५८	५२	सा	३०	१४	तै	९	५०	३	११	४९	१०	१५ ३१	धनुषि	रोहि.बुधः५५।२७पुन.शुक्रः२१।४९
३	शु	४७	५९	पू	६०	०	शु	३२	१२	व	१५	१२	५	११	४९	११	१६ १	धनुषि	भ.१५।१२उ.४७।५९या.जून६ता.३०
४	श	५४	४	पू	६	२०	शु	३४	४१	व	२१	२	७	११	४९	१२	१७ २	म.२३।१२	चतुर्थीत्र.
५	र	६०	०	उ	१३	४८	ब्र	३७	१३	कौ	२७	१५	९	१०	५०	१३	१८ ३	मकरे	वक्रीमूल.४शनिः५६।३३
५	चं	०	२६	श्र	२१	२६	ऐं	३९	४०	तै	०	२६	१०	१०	५०	१४	१९ ४	कुं.५४।५९	
६	मं	६	१८	ध	२८	३१	वै	४१	२२	व	६	१८	१२	१०	५०	१५	२० ५	कुम्भे	भ.६।१८उ.३८।४३या.
७	बु	११	७	श	३४	११	वि	४२	८	ब	११	७	१३	९	५१	१६	२१ ६	कुम्भे	मृगेबुधः५७।४
८	शु	१४	४९	पू	३८	४४	प्री	४१	४७	कौ	१४	४९	१५	९	५१	१७	२२ ७	मी२२।३५	
९	शु	१६	४०	उ	४१	२५	आ	३९	५४	ग	१६	४०	१६	९	५१	१८	२३ ८	मीने	भ.४६।४०उ.मृगेरविः१५।२०(सौरः +
१०	श	१६	४०	रे	४२	३	सौ	३६	२५	वि	१६	४०	१७	९	५१	१९	२४ ९	मे.४२।३	भ.१६।४०या.
११	र	१४	१८	अ	४०	३८	शो	३१	११	बा	१४	१८	१८	८	५२	२०	२५ १०	मेषे	मिथुनेबुधः३।३१कमला११त्र.
१२	चं	१०	१५	भ	३७	२०	अ	२४	३८	तै	१०	१५	१९	८	५२	२१	२६ ११	वृ.५१।४	पुष्येशुक्रः३६।५६
१३	मं	४	४	कृ	३२	१७	सु	१६	२६	व	४	४	१९	८	५२	२२	२७ १२	वृषे	भ.४।४उ.३०।१७या.
१४	मं	५२	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	[+३१।१२)कर्केशुक्रः४९।२६
१५	बु	४७	५६	रो	२६	१०	धृ	२५	५९	च	२२	१३	२०	८	५२	२३	२८ १३	मि५२।४३	आर्द्रा.बुधः५।२४

८पं. द्वि.ज्येकृ.४श.इ.४।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	१	६	२	८	३	१
१७	११	१२	२१	२२	१३	१४	१७
२५	६	२७	२२	३	२७	४२	१२
१९	५८	४७	२३	३२	१८	४६	१
५७	११	२९	०६	७२	५५	३	५७
२७	१९	०१	व.	२	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

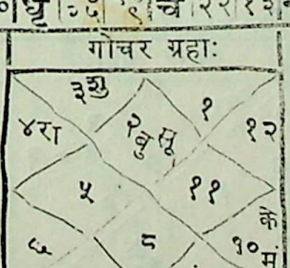

इस मास में धान्य गल्ला गेहूं जो चना आदि मंदा रहे धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा गुड़ सक्कर चीनी तेज रहे ।

गोचर ग्रहाः

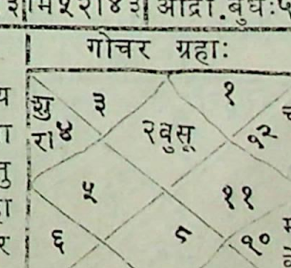

९पं.द्वि.ज्ये.कृ.१०श.इ.४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	१	६	३	८	३	१
२४	१२	२७	२०	०	१३	१४	२३
७	३७	३३	४२	१८	०	२०	५१
१९	३७	५३	०	२५	११	३०	५७
५७	८	५९	२५	७१	१०	३	५७
२२	३	४३	व.	३५	व.	११	५

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४० | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२६२६ स.२०१८

१	गु	३८	४३	मृ	१९	१६	गं	४७	१७	कि	१३	१९	३४ ३१	५ ६ ८ ५२	२४	२९	१४	मिथुने	
२	शु	२९	२९	आ	१२	१२	बृ	३७	१३	बा	४	५	२१	८ ५२	२५	३०	१५	क.५२.२	मिथुनेऽर्कः१३।५४(सौरः ३२ ०) चंद्रदर्शनम्
३	श	२०	३३	पु	५ १९	५३ ३८	धु	२७	२५	ग	२०	३३	२२	८ ५२	२६	१	१६	कर्के	भ. ४६।३० उ. सव्वाल १०
४	र	१२	२८	श्ले	५३	५३	व्या	१८	२	वि	१२	२८	२२	८ ५२	२७	२	१७	सिं५३।५३	भ.१२ ३१या.वक्रीस्वाती.४गुरुः५९ ३१=
५	चं	५	२५	म	४९	५५	ह	९	५८	बा	५	२५	२३	७ ५३	२८	३	१८	सिंहे	[=बुधोदयःपश्चिमायां५।३
६	चं	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	०	०	
७	मं	५५	२८	पू	४७	३३	व	५९ ५४	५४	ग	२७	३५	२३	७ ५३	२९	४	१९	सिंहे	भ.५५।२८ उ. पुन. बुधः ४६।२८
८	बु	५२	५६	उ	४६	३७	व्य	५२	३७	वि	२४	१२	२३	७ ५३	३०	५	२०	कं.१।५०	भ. २४।१२ या.
९	गु	५१	४१	ह	४७	१	व	४९	१३	बा	२२	१९	२४	७ ५३	३१	६	२१	कन्यायां	[×भ.आषाढारंभःगंगादशमी
१०	शु	५१	५३	चि	४९	४	प	४६	५४	तै	२१	४७	२४	७ ५३	१	७	२२	तु.१८।२	आर्द्रारविः१२।४९(सौरः३३।०)×
११	श	५३	३५	स्वा	५२	२१	शि	४५	४४	व	२२	४४	२४	७ ५३	२	८	२३	तुलायां	भ.२२।४४उ.५३।३५या.आश्लेशुक्रः+
१२	र	५६	१६	वि	५६	४४	सि	४५	३९	ब	२४	५५	२४	७ ५३	३	९	२४	बृ.४०।३८	[+८।१निर्जला११व्र.
१३	चं	६०	०	अ	६०	०	सा	४६	४	कौ	२८	१४	२४	७ ५३	४	१०	२५	वृश्चिके	कर्के बुधः २१।९ प्रदोषः
१३	मं	०	१२	अ	२	८	शु	४७	४	तै	०	१२	२३	७ ५३	५	११	२६	वृश्चिके	[÷केतुः६।१०गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.
१४	बु	४	४९	ज्ये	८	२४	शु	४८	५७	व	४	४९	२३	७ ५३	६	१२	२७	ध.८।२४	भ.४।४९उ.३७।३२या. पुष्येबुधः२५।५६
१५	गु	१०	१४	मू	१५	९	व्र	५०	५९	ब	१०	१४	२२	८ ५२	७	१३	२८	धनुषि	वक्रीभौमः३९।५४पुष्य३राहुःश्रव.१÷

१०पं.द्वि.ज्ये.शु.५श.इ.४।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	२	६	३	८	३	२
०	१३	१२	२०	८	१२	१३	०
४८	२९	४३	८	२९	२१	५८	२१
२६	५८	४८	६	२०	१२	१५	६
५७	४	५९	१४	७१	४१	३	५६
१७	४७	४४	व.	७	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

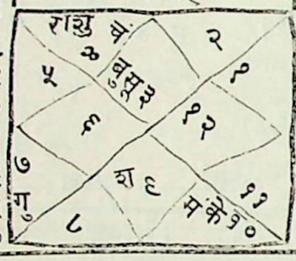

द्वि.ज्येष्ठशुक्ले २शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.६ गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

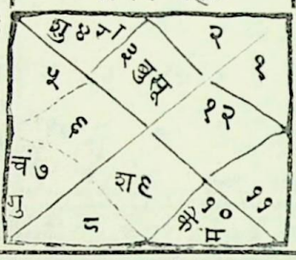

११पं.द्वि.ज्ये.शु.११श.इ.४।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	२	६	३	८	३	२
७	१४	२५	१९	१६	१२	१३	७
२९	१०	५५	४२	३६	१	३५	९
३१	२६	१९	१८	४	८	५९	३३
५७	१	२	१३	७०	४०	३	५६
१३	३५	३४	व.	२७	व.	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०						दि. उ. अ.भा. मु. इं						चन्द्रः				वर्षर्तूरविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	शु	१५	५८	पू	२२	२८	ऐं	५३	२४	कौ	१५	५८	३४ ३२	५ ६ ८ ५२	८	१४	२९	म.३९।२०	
२	श	२२	२	उ	२९	५५	वै	५५	५१	ग	२२	२	२१	८ ५२	९	१५	३०	मकरे	भ. ५५।७ उ.
३	र	२८	१३	अ	३७	२६	वि	५८	१७	वि	२८	१३	२०	८ ५२	१०	१६	१	मकरे	भ.२८।१३या.जुलाई७ता.३१ चतुर्थी व्र
४	चं	३४	४	ध	४४	३५	प्री	६०	०	ब	१	८	१९	८ ५२	११	१७	२	कुं.११।१	
५	मं	३९	३	श	५०	५७	प्री	०	२०	कौ	६	३३	१८	८ ५२	१२	१८	३	कुंभे	
६	बु	४३	२१	पू	५६	२९	आ	१	४४	ग	११	१२	१७	९ ५१	१३	१९	४	मी४०।६	भ.४३।२१उ.मघा.सिंहेशुक्रः५२।२०
७	गु	४५	५८	उ	६०	०	सौ	२	१९	वि	१४	४०	१६	९ ५१	१४	२०	५	मीने	भ. १४।४० या.
८	शु	४७	८	उ	०	४१	शो	१ ४०	५७	बा	१६	३३	१५	९ ५१	१५	२१	६	मीने	पुन.रविः११।३९(सौरः३७।३५)
९	श	४६	२०	रे	३	६	सु	५६	७	तै	१६	४४	१४	९ ५१	१६	२२	७	मे.३।६	आश्ले.बुधः ४।२३
१०	र	४३	२९	अ	२	१४	धृ	५१	६	व	१४	५५	१३	९ ५१	१७	२३	८	मेषे	भ.१४।५५उ.४३।२९ या.
११	चं	३८	४७	भ	१ ४९	५६ ३१	शू	४४	२८	बृ	११	८	११	१० ५०	१८	२४	९	वृ.१५।५७	मार्गी गुरुः ५।१९ योगिनी ११ व्र.
१२	मं	३२	४	रो	५३	४	गं	३६	२२	कौ	५	२५	१०	१० ५०	१९	२५	१०	वृषे	प्रदोषः
१३	बु	२४	४	मृ	४६	३५	बृ	२७	४	व	२४	४	८	१० ५०	२०	२६	११	मि१९।४९	भ. २४।४ उ. ४९।२५ या.
१४	गु	१४	४६	आ	३९	१०	धु	१६	५३	श	१४	४६	७	११ ४९	२१	२७	१२	मिथुनें	
१५	शु	४	५३	पु	३१	१४	व्या	६ ४९	३	ना	४	५३	५	११ ४९	२२	२८	१३	क.१८।१३	

१२पं.आ.कृ.२श.इ.४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	३	६	३	८	३	२
१४	१४	७	१९	२४	११	१३	१३
९	७	१६	२४	३६	३०	१३	४७
५८	१	१९	११	२९	४०	४३	३८
५७	२४	८९	५३	६९	४०	३	५६
७	व.	२२	व.	३८	व.	११	५०

गोचर ग्रहाः

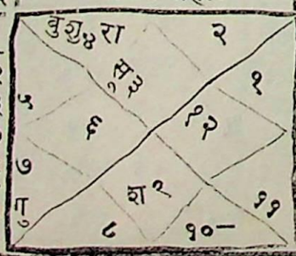

इस मास में चांदी सोना रुई रंग सूत तेज होकर सुदी में मंदी हो वर्षा अच्छी हो प्रजा में विग्रह पैदा हो।

गोचर ग्रहाः

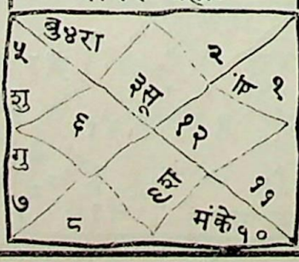

१३पं.आ.कृ.९श.इ. ४।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	३	६	४	८	३	२
२०	१३	१६	१९	२	१०	१२	२०
५०	३३	४०	१५	३१	५९	५१	२५
२४	३२	८	३२	३७	२८	२८	३२
५७	३७	६८	२९	३८	३४	३	५६
७	व.	१८	व.	५०	व.	११	५०

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०						दि.		उ.		अ.		भा.		मु.		इं.		चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २६५६स.२०१८
१	शु	४९	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	४५	२	पु	२३	१४	व	४४	५३	बा	१९	५६	३४	५	१	६	२३	२९	१४	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	र	३६	१४	श्ले	१६	२३	सि	३४	३४	तै	१०	३८		१	१२	४८	२४	१	१५	सिं १६।२३	जिल्काद ११
४	चं	२८	३७	म	१०	३१	व्य	२५	३४	व	२	२५	३५	१	१२	४८	२५	२	१६	सिंहें	भ. ३५ उ. ३७ या. कर्केऽर्कः ४५ पूफा. शुक्रः ४२ ३०
५	मं	२२	४७	पू	५	५६	व	१८	१०	बा	२२	४७	५७	१	१३	४७	२६	३	१७	कं. २०।१५	कर्केऽर्कः सौरः १०।१९
६	बु	१८	४७	उ	३	१८	प	१२	३	तै	१८	४७	५५	१	१३	४७	२७	४	१८	कन्यायां	
७	गु	१६	३७	ह	२	२२	शि	७	२५	व	१६	३७	५३	१	१४	४६	२८	५	१९	तु. ३२।५८	भ. १६।३७ उ ४६।३३ या.
८	शु	१६	२९	चि	३	३४	सि	४	१४	ब	१६	२९	५०	१	१४	४६	२९	६	२०	तुलायां	पुष्ये रविः १०।२३ (सौरः४१।०)
९	श	१८	५	स्वा	६	१९	सा	२	४२	कौ	१८	५	४८	१	१४	४६	३०	७	२१	वृ. ५३।३६	वक्री मूल. ३ शनिः ३४।६
१०	र	२१	८	वि	१०	४१	शु	२	१९	ग	२१	८	४५	१	१५	४५	३१	८	२२	वृश्चिके	भ. ५३।२१ उ.
११	चं	२५	३५	अ	१६	२३	शु	३	४	वि	२५	३५	४३	१	१५	४५	१	९	२३	वृश्चिके	भ. ३५ या.भा.श्रावणारंभः देवशयनी ११ व्र.
१२	मं	३०	४१	ज्ये	२२	५५	व्र	४	२६	बा	३०	४१	४०	१	१६	४४	२	१०	२४	ध. २२।५५	वक्री बुधः ९।४२
१३	बु	३६	४०	मू	३०	६	ऐं	६	३१	कौ	३	४०	३८	१	१६	४४	३	११	२५	धनुषि	प्रदोषः [+व्यासपूजा वायुपरीक्षा
१४	गु	४२	३६	पू	३७	२९	वै	८	४०	ग	९	३८	३५	१	१७	४३	४	१२	२६	म. ५४।२२	भ. ४२।३६ उ. वक्रीउषा.भौमः २७।२२
१५	शु	४८	३५	उ	४५	०	वि	११	४	वि	१५	३५	३३	१	१७	४३	५	१३	२७	मकरे	भ. १५।३५ या. खग्रास चन्द्रग्रहणम्+

१४पं.आ.शु.२श.इ. ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	३	६	४	८	३	२
२७	१२	२३	१९	१०	१०	१२	२७
३०	३५	४८	१५	२१	२९	२९	३
४७	५३	५८	४	२२	५३	१२	३९
५७	४०	४३	५२	६७	१८	३	५६
११	व.	३८	मा	४६	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

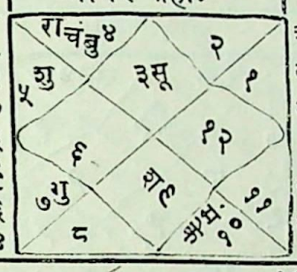

आषाढ शुक्ले ४चन्द्रे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ वृद्धावस्था (जैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

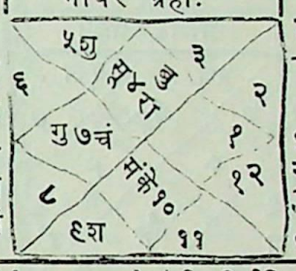

१५पं.आ.शु. ९श.इ. १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	३	६	४	८	३	३
४	११	२८	१९	१८	१०	१२	३
११	१८	१०	२४	२	१	६	४२
२८	१८	५५	२५	४६	५९	५७	६
५७	३९	१४	२	६६	५३	३	५६
१५	व.	७	२	३१	व	११	५८

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०						दि.		उ.		अ.		भा.		मु.		इं.		चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	श	५४	४०	श्र	५२	१७	ग्री	१३	३४	बा	२१	३७	३०	३	१८	५	४३	६	१४	२८	मकरे	
२	र	६०	०	ध	५९	१३	आ	१५	४९	तै	२७	२५	२७	१	१९	४१		७	१५	२९	कुं. २५।४४	उफा. शुक्रः ५।४
३	चं	०	१०	श	६०	०	सौ	१७	४१	ग	०	१०	२४	१	१९	४१		८	१६	३०	कुम्भे	भ. ३२।३० उ.
३	मं	४	५१	श	५	२९	शो	१८	५६	वि	४	५१	२२	२	०	४०		९	१७	३१	मी ५४।४३	भ. ४।५१ या. चतुर्थी व्र.
४	बु	८	४४	पू	११	७	अ	१९	४५	बा	८	४४	१९	२	०	४०		१०	१८	१	मीने	कन्यायां शुक्रः १७।१३ बुधास्तः=
५	गु	११	३७	उ	१५	३२	सु	१९	३५	तै	११	३७	१६	२	१	३९		११	१९	२	मीने	विशा. १ गुरुः ३०।४ नाग ५ मरुस्थले
६	शु	१३	१७	रे	१८	५३	धृ	१८	२९	व	१३	१७	१३	२	१	३९		१२	२०	३	मे. १८।५३	भ. १३।१७ उ. ४३।२३ या. आश्ले. रविः ×
७	श	१३	२८	अ	२०	४४	शू	१६	१०	ब	१३	२८	१०	२	२	३८		१३	२१	४	मेषे	[×७।२४ (सौरः४१।४७)
८	र	१२	५	भ	२०	५८	गं	१२	३३	कौ	१२	५	७	२	३	३७		१४	२२	५	वृ. ३५।३७	[=पश्चिमायां २८।३५ अगस्त ८ ता. ३१
९	चं	९	३	कृ	१९	३४	बृ	७	४९	ग	९	३	४	२	३	३७		१५	२३	६	वृषे	भ. ३६।३४ उ.
१०	मं	४	६	रो	१६	२३	धु	१९	२२	वि	४	६	०	२	४	३६		१६	२४	७	मि ४४।७	भ. ४।६ या. कामिका ११ व्र. स्मा.
११	मं	५३	४१		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०		०	०		० ०	
१२	बु	५०	०	मृ	११	५२	ह	४५	३	कौ	२३	५३	३७	२	५	३५		१७	२५	८	मिथुने	कामिका ११ व्र. वै.
१३	गु	४१	५	आ	५३	५३	व	३५	२०	ग	१५	३२	५४	२	५	३५		१८	२६	९	क. ४५।४४	भ. ४१।५ उ. प्रदोषः
१४	शु	३१	२३	पु	५१	१५	सि	२४	५०	वि	६	१४	५०	२	६	३४		१९	२७	१०	कर्के	भ. ६।१४ या.
१५	श	२१	३०	श्ले	४३	३०	व्य	१४	११	ना	२९	३०	४७	२	७	३३		२०	२८	११	सिं ४३।३०	हस्ते शुक्रः ०।११ हरियाली

१६पं.श्रा.कृ.१श.इ.४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	३	६	४	८	३	३
१०	९	२९	१९	२५	९	११	१०
५२	५३	६	४१	३३	३६	४४	२१
३०	१७	१४	४६	५८	२९	४१	२२
५७	१०	१७	५१	३	६४	४४	३	५७
२०	व.	व.	२६	५८	व	११	५

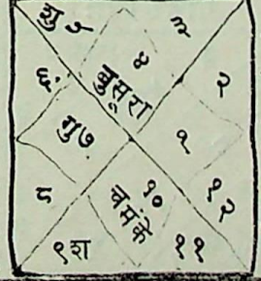

१७पं.श्रा.कृ.७श.इ.३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	३	६	५	८	३	३
१७	८	२६	२०	२	९	११	१७
२४	३३	१०	७	५५	१४	२२	१
१२	४७	१	८	४६	३५	२५	११
५७	२	४४	४	६३	५	३	५७
२५	व	व.	३४	१५	व.	११	१२

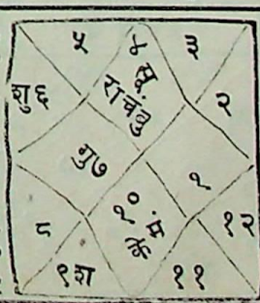

१८पं.श्रा.कृ.३०श.इ. ३४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	३	६	५	८	३	१
२४	७	२०	२०	१०	८	११	२३
१६	२०	४७	४१	३	५५	०	४२
३७	१०	२	२४	४०	४८	१०	१८
५७	१२	५०	५	६०	२	३	५७
३३	व	व.	४१	५५	वे	११	२२

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २६८५सं.२०१८
१	र ११ ५८	म	३६	१३	व ३९ ५५	ब	११	५८	२२ ५ ३ ३ ४४ २७ ३३	२१ २९ १२	सिंहे	चंद्रदर्शनम् सिधारा
२	चं ३ ९	पू	३०	११	शि ४४ ११	कौ	३	९	४० २८ ३२	२२ १ १३	क.४४।४	जिल्हेज १२ तीज
३	चं ५२ ४१	०	०	०	० ० ०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	
४	मं ५० १७	उ	२५	४३	सि ३६ १४	व	२३	३	३७ २९ ३१	२३ २ १४	कन्यायां	भ.२३उ.५०।१७या.मार्गीभौमः२९वरद४
५	बु ४६ ३६	ह	२२	५४	सा २९ ४५	ब	१८	२६	३३ २९ ३१	२४ ३ १५	तु.५२।३०	नाग पंचमी
६	गु ४५ ८	चि	२२	७	शु २५ १०	कौ	१५	५२	३० ३० ३०	२५ ४ १६	तुलायां	[+(सौरः३९२)बुधोदयःपूर्वस्यां३५।४७
७	शु ४५ ५१	स्वा	२४	११	शु २२ १६	ग	१५	२९	२६ ३१ २९	२६ ५ १७	तुलायां	भ.४५।५१उ.मघासिंहेऽर्कः१।२६+
८	श ४८ २५	वि	२६	४९	ब्र २० ५६	वि	१७	८	२२ ३२ २८	२७ ६ १८	वृ.११।१०	भ. १७।८ या.
९	र ५२ ४४	अ	३१	५०	ऐं २१ २	बा	२०	३३	१९ ३२ २८	२८ ७ १९	वृश्चिके	मार्गी बुधः ३९।४
१०	चं ५७ ५८	ज्ये	३७	५६	वै २१ ५६	तै	२५	२१	१५ ३३ २७	२९ ८ २०	ध.३७।५६	
११	मं ६० ०	मू	४५	२२	वि २३ ५२	व	३१	४	१२ ३४ २६	३० ९ २१	धनुषि	भ. ३१।४ उ. पवित्रा ११ व्र. स्मा.
११	बु ४ १०	पू	५२	५०	ग्री २६ १०	वि	४	१०	८ ३४ २६	३१ १० २२	धनुषि	भ. ४।१० या. पवित्रा ११ व्र. वै.
१२	गु १० २३	उ	६०	०	आ २८ ४८	बा	१०	२३	४ ३५ २५	१ ११ २३	म.९।४४	भा. भाद्रपदारंभः प्रदोषः
१३	शु १६ २६	उ	०	२५	सौ ३१ ९	तै	१६	२६	१ ३६ २४	२ १२ २४	मकरे	चित्रा. शुक्रः ४९।१३
१४	श २२ १४	श्र	७	४१	शो ३३ २०	व	२२	१४	३५ ३७ २३	३ १३ २५	कुं.४१।५	भ. २२।१४ उ. ५४।४८ या.
१५	र २७ २२	ध	१४	२८	अ ३४ ५५	ब	२७	२२	५३ ३७ २३	४ १४ २६	कुंभे	श्रावणी कर्म रक्षाबन्धनम्

१९पं.श्रा.शु.८श.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	३	६	५	८	३	४
०	६	१७	२१	१६	८	१०	०
५९	३३	२६	२२	५५	४१	३७	२४
५३	५४	२४	४१	५५	५२	५४	३१
५७	३ १४	१४ २६	६	५८	४७ १	३	५७
४०	मा	व.	३८	८	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

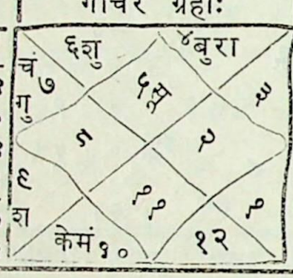
६शु
४बुरा
चं ७
गु
९मं
४
५
१
९
९
९

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	घ्र.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७१४ स. २०१८
१	चं	३३	४	उ	५१	४१	सा	११	४९	किं	६	५३	३५	४९	५१	१९	२९	१०	कं. १०।४१	पूफा. बुधः १२।१७ स्वात्यांशुक्रः १५।९
२	मं	२६	४९	ह	४७	३६	शु	२	३३	कौ	२६	४९	५१	५०	१०	२०	३०	११	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	बु	२२	११	चि	४५	१०	ब्र	४९	२६	ग	२२	११	४७	५१	९	२१	१	१२	तु. १६।२३	भ. ५०उ. मोहोरम १सन् १४४०हि. =
४	गु	१९	३८	खा	४५	०	ऐं	४४	४४	वि	१९	३८	४३	५१	९	२२	२	१३	तुलायां	भ. ३८या. उफा. रविः ३५गणेशचतुर्थी
५	शु	१९	८	वि	४६	४०	वै	४२	१	बा	१९	८	३९	५२	८	२३	३	१४	वृ. ३१।१५	उफा. रविः सौरः १३।४३ ऋषिपंचमी
६	श	२०	४३	अ	५०	३३	वि	४१	८	तै	२०	४३	३५	५३	७	२४	४	१५	वृश्चिके	[= हरितालिका ३
७	र	२४	१६	ज्ये	५६	३	प्री	४०	५९	व	२४	१६	३१	५४	६	२५	५	१६	व ५६।३	भ. २४।१६ उ. ५७।१३ या.
८	चं	२९	११	मू	६०	०	आ	४२	१९	ब	२९	११	२७	५५	५	२६	६	१७	धनुषि	कन्यायामर्कः ४८(सौरः ३८)उफा. बुधः ३३
९	मं	३५	१३	मू	२	५०	सौ	४४	२५	बा	२	११	२२	५६	४	२७	७	१८	धनुषि	कन्यायांबुधः ५५।३९
१०	बु	४१	२७	पू	१०	४	शो	४६	५०	तै	८	२०	१८	५६	४	२८	८	१९	म. २६।५९	रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
११	गु	४६	४१	उ	१७	४४	अ	४९	१३	च	१४	४	१४	५७	३	२९	९	२०	मकरे	भ. १४उ. ४६या. जलझूलनी ११व्र.
१२	शु	५३	३१	श्र	२५	५	सु	५१	१७	ब	२०	६	९	५८	२	३०	१०	२१	कुं. ५८।३१	श्रवणेभौमः २६।३३ वामनजयंती
१३	श	५८	२९	ध	३१	५९	धृ	५३	०	कौ	२५	५९	५	५९	१	३१	११	२२	कुंभे	प्रदोषः
१४	र	६०	०	श	३७	४६	शू	५३	४२	ग	३०	१४	३०	००	६	००	१	१२	२३	कुंभे	विशा. ३गुरुः ५६भा. आश्विनारंभः अनं. १४
१४	चं	२	०	पू	४२	१७	गं	५३	२८	व	३	०	५९	१	५९	२	१३	२४	मी. २९	भ. २०उ. ३३या. हस्तेबुधः १९महालयारंभः
१५	मं	४	४३	उ	४५	४१	बृ	५२	१३	ब	४	४३	५२	२	५८	३	१४	२५	मीने	कु. संध्यापूजनारंभः

२३पं.भा.शु.६श.इ. ३।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	६	६	८	३	४
२८	८	२२	२५	९	८	९	२७
५	२५	४२	११	३८	२७	८	२८
२४	१६	२२	३१	५३	२५	५२	९
५८	१४	४५	१०	३५	१	३	५८
२६	१	३७	१४	५६	२	११	२९

गोचर ग्रहाः

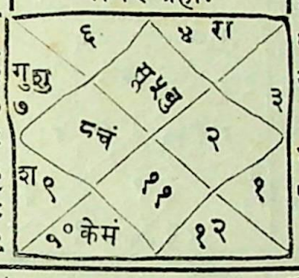

भाद्रपद शुक्ले ८ चंद्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावेसमता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

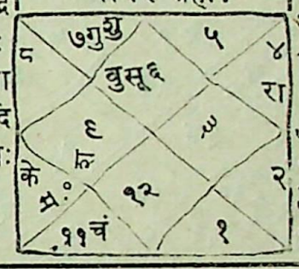

२४पं.भा.शु.१३श.इ.२।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	६	६	८	३	५
४	१०	५	२६	१३	८	८	४
५५	१०	४७	२२	३५	३५	४६	१८
१६	१९	६	८	४६	३५	३६	१६
५८	१७	५९	१०	२५	१	३	५८
३८	२	१४	५६	५२	३६	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ	घ्र.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	बु	५	५३	रे	४७	५६	ध्रु	५०	१३	की	५	५३	२९	३५	५८	४	१५	२६	मे. ४७।५६	
२	गु	६	४	अ	४९	८	ध्या	४७	१३	ग	६	४	४४	३	५७	५	१६	२७	मेषे	भ. ३५उ. हस्तेरविः १३(सौरः ५१।२४)
३	शु	५	४	भ	४९	१४	ह	४३	३१	वि	५	४	४०	४	५६	६	१७	२८	मेषे	भ. ५।४या. चतुर्थी व्र.
४	श	३	७	कृ	४८	४९	व	३९	७	बा	३	७	३६	५	५५	७	१८	२९	वृ. ४।८	
५	र	०	३५	रो	४७	२३	सि	३४	४	तै	०	३५	३२	६	५४	८	१९	३०	वृषे	भ. ५७।१५ उ.
६	र	५६	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	९	०	०	०	
७	चं	५३	१४	मृ	४५	२३	व्य	२८	२०	वि	२५	१६	२८	६	५४	०	२०	१	मि १६।२३	भ. २५।१५ या. चित्रा. बुधः ५९।४३ ×
८	मं	४८	३९	आ	४२	४४	व	२२	१०	बा	२०	५६	२३	७	५३	१०	२१	२	मिथुने	[× अक्टूबर १०ता. ३१
९	बु	४३	२०	पु	३९	२४	प	१५	१९	तै	१५	५९	११	८	५२	११	२२	३	क. २५।१४	मातृ९(सोभाग्यवतीनां श्रा.)
१०	गु	३७	२४	पु	३५	२८	शि	८	१३	ब	१०	२२	१५	९	५१	१२	२३	४	कर्के	भ. १२उ. ३४या. वक्रीशुक्रः ५१।१५
११	शु	३०	५७	श्ले	३१	३	सि	३२	५१	ब	४	१०	११	१०	५०	१३	२४	५	सिं. ३१	इंदिरा ११व्र.
१२	श	२३	३१	म	२६	९	शु	४३	५५	तै	२३	३१	७	११	४९	१४	२५	६	सिंहे	तुलायांबुधः १२।९ प्रदोषः
१३	र	१७	२६	पू	२१	२१	शु	३५	३४	व	१७	२६	३	११	४९	१५	२६	७	कं. ३५।११	भ. १७उ. ४४या. शस्त्रादिहतानां श्रा.
१४	चं	१०	५२	उ	१६	४२	ब्र	२७	३२	श	१०	५२	३९	१२	४८	१६	२७	८	कन्यायां	बुधोदयः पश्चिमायां ५७सर्वपितृ३०
३०	मं	५	१९	ह	१३	२	ऐं	२०	१२	ना	५	१९	५५	१३	४७	१७	२८	९	तु. ४१।४०	मातामहश्रा.

२५ पं.आ.कृ. ४श. इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	६	६	८	३	५
११	१२	१८	२७	१६	८	८	११
४६	२५	६	३७	३	४८	२४	१०
५२	४८	५०	४८	३२	३२	२१	१५
५८	२९	००	११	१२	२	३	५९
५३	५४	११	२९	४७	२२	११	०

गोचर ग्रहाः

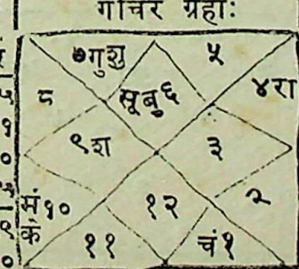

इस मास में चांदी रुईसोना सन तिलहन धान्य मंदे होवे घृत में तेजी होवे कही २ कुछ वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

२६पं.आ.कृ.१२श.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	६	६	८	३	५
१८	१५	२९	२८	१६	९	८	१८
४०	३	४३	५७	५२	५	२	४
८	७	५२	०	३७	४२	१५	२
५९	२२	००	१२	३०	३	३	५९
९	७	२२	७	घ.	८	११	९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२७४४सन्२०१८
१	बु	०	४७	चि	१०	१७	वै	१३	३३	ब	०	४७	२६	६	५	१८	२९	१०	तुलायां	चित्रा.रविः४५।५९स्वात्यांबुधः३१७ =
२	बु	५७	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[= चंद्रदर्शनम् नवरात्रारंभः
३	गु	५६	५३	स्वा	९	१०	वि	८	२८	तै	२७	२५	४७	१५	४५	१९	१	११	वृ.५४।४०	चित्रा.रविःसौरः२१।५८विशा.४ ×
४	शु	५७	४७	वि	९	५०	प्री	४	३४	व	२७	२०	४३	१५	४५	२०	२	१२	वृश्चिके	भ.२७।२०उ.५७।४७या.
५	श	६०	०	अ	१२	२९	आ	२	८	ब	२९	११	३९	१६	४४	२१	३	१३	वृश्चिके	[×बृश्चिकेगुरुः२९।१६सफर२
५	र	०	३६	ज्ये	१६	५०	सौ	१	२०	बा	०	३६	३५	१७	४३	२२	४	१४	ध.१६।५०	[+ कार्तिकारंभःकोजागरीव्र.
६	चं	५	३	मू	२२	४४	शो	१	३८	तै	५	३	३१	१८	४२	२३	५	१५	धनुषि	[÷४५।४५)शरद्पूर्णिमा का.स्ना.प्रा.
७	मं	१०	३९	पू	२९	३८	अ	३	११	व	१०	३९	२७	१९	४१	२४	६	१६	म.४६।३०	भ.१०।३९उ.४३।४७या.
८	बु	१६	५५	उ	३७	७	सु	५	५	ब	१६	५५	२३	१९	४१	२५	७	१७	मकरे	तुलायांमर्कः२९।४८
९	गु	२३	१३	श्र	४४	४०	धृ	७	२७	कौ	२३	१३	२०	२०	४०	२६	८	१८	मकरे	तुलार्कःसौरः४।४२शुक्रास्तपश्चिमायां:५९
१०	शु	२९	१६	ध	५१	४६	शू	९	४२	ग	२९	१६	१६	२१	३९	२७	९	१९	कुं.१८।१३	विशा.बुधः१७।५७
११	श	३४	१९	श	५७	५५	गं	११	३५	व	१	४७	१२	२२	३८	२८	१०	२०	कुम्भे	भ.१।४७उ.३४।१९या.पापांकुशा११व्र.
१२	र	३७	५५	पू	६०	०	बृ	१२	२३	ब	६	७	८	२२	३८	२९	११	२१	मी४६।२०	मूल.४शनिः२८।२९
१३	चं	४०	१९	पू	२	२८	ध्रु	१२	१७	कौ	९	७	४	२३	३७	३०	१२	२२	मीने	प्रदोषः
१४	मं	४०	४५	उ	५	२	व्या	१०	५०	ग	१०	३२	०	२४	३६	१	१३	२३	मीने	भ.४०।४५उ.धनि.भौमः३५।२४भा. +
१५	बु	३९	५८	रे	७	२४	ह	८	१४	वि	१०	२१	२७	२५	३५	२	१४	२४	मे.७।२५	भ.१०।२१या.स्वात्यांरविः११० (सौरः ÷

२७पं.आ.शु.५श.इ.२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	६	७	६	८	३	५
२५	१८	१०	०	१५	९	७	२४
३५	४	४०	१९	४७	२७	३९	५९
२	२३	१६	१२	१०	५४	४९	४४
५९	२४	९५	१२	१६	३	३	५९
२१	३८	४२	२२	व.	४३	११	३१

गोचर ग्रहाः

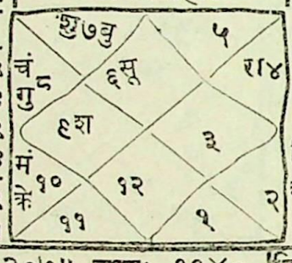

आश्विन शुक्ले८ बुध तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न.३कुमार्यवस्था (बैठी)मु. ४५ धान्या दिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

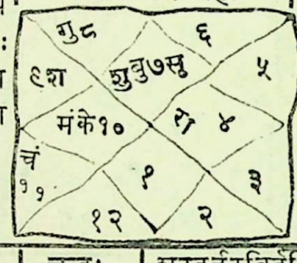

२८पं.आ.शु.११श.इ.२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	७	६	८	३	६
२	२१	२१	१	१२	९	७	१
३१	२४	५	४५	५२	५३	१७	५७
२६	१४	६	४	१२	४२	३४	९
५९	२६	८८	१२	३९	४	३	५९
३४	३१	११	५०	व.	२३	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा.
१	गु	३७	३७	अ	७	४६	च	३५	५५	बा	८	४७	३७	२५	३५	३	१५	२५	मेषे	
२	शु	३४	२४	भ	६	४९	व्य	५४	५	तै	६	०	४९	२६	३४	४	१६	२६	वृ.२१।२१	बृश्चिकेबुधः२६।३७
३	श	३०	१६	कृ	४	५६	च	४८	१२	च	२	२०	४५	२७	३३	५	१७	२७	वृषे	भ.२।२०उ.३०।१६या.अनु.१गुरुः =
४	र	२५	३७	रो	२३	५७	प	४१	२८	बा	२५	३७	४१	२८	३२	६	१८	२८	मि३०।५२	अनु.बुधः५६।४८
५	चं	२०	५१	आ	५६	१६	शि	३४	३७	तै	२०	५१	३७	२९	३१	७	१९	२९	मिथुने	[= ३२।४करकचतुर्थी व्र.
६	मं	१५	५१	पु	५२	५६	सि	२७	३७	च	१५	५१	३४	२९	३१	८	२०	३०	क.३८।४६	भ.६५उ.४३या.वक्रीचित्रा.शुक्रः२४।५
७	बु	१०	५०	पु	४९	३४	सा	२०	३४	च	१०	५०	३०	३०	३०	९	२१	३१	कर्के	पुष्य.१राहुःउषा.३केतुः५०।५३
८	गु	५	४७	श्ले	४६	१८	शु	१३	२३	कौ	५	४७	२७	३१	२९	१०	२२	१	सि४६।१८	नवम्बर११ता.३०
९	शु	०	३७	म	४२	५६	शु	२०	४६	ग	०	३७	२३	३१	२९	११	२३	२	सिंहे	भ.४७उ.५६या.शुक्रोदयःपूर्वस्यां७।१२
१०	शु	५४	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	श	५०	३५	पू	३९	५१	ऐं	५२	१९	ब	२३	३२	१९	३२	२८	१२	२४	३	कं.५४।५	रमा११व्र.स्मा.
१२	र	४६	२	उ	३६	४९	वै	४५	३०	कौ	१८	१९	१६	३३	२७	१३	२५	४	कन्यायां	रमा११व्र.वै.
१३	चं	४२	४	ह	३४	२३	वि	३९	१५	ग	१४	३	१३	३४	२६	१४	२६	५	कन्यायां	भ.४३उ.कुंभेभौमः३६प्रदोषःधन१३
१४	मं	३८	४४	चि	३२	४६	प्री	३३	३४	वि	१०	२४	९	३४	२६	१५	२७	६	तु.३।३४	भ.१२४या.विशा.रविः३३(सौरः५९)रुप१४
३०	बु	३६	५०	स्वा	३२	१	आ	२८	३८	च	७	४७	५	३५	२५	१६	२८	७	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२९पं.का.कृ.३श.इ.२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	७	६	८	३	६
९	२४	०	३	८	१०	६	८
२९	५७	४७	१३	४२	२३	५५	५६
४२	०	१३	२३	४०	४२	१८	२९
५९	२८	७९	१३	२६	४	३	६०
४७	७	५४	१४	व.	५२	११	२

गोचर ग्रहाः

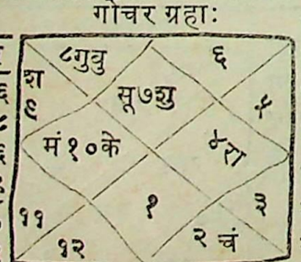

इस मासमें कृष्णपक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि धान्य गेहूं जो चना रस गुड सक्कर में मंदी करें और सुदि में तेज हो।

गोचर ग्रहाः

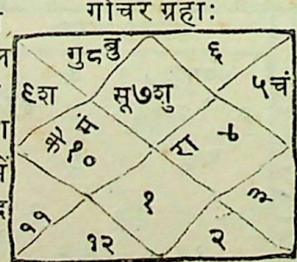

३०पं.का.कृ.११श.इ.१।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	७	६	८	३	६
१६	२८	९	४	४	१०	६	१५
२९	४९	३२	४३	४३	५७	३२	५७
२८	१	२	२३	५	०	३	३३
६०	२९	६६	१३	३०	५	३	६०
४	५०	४६	२०	व.	२०	११	१८

ति.	कार्तिकशुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०										दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७७३स.२०१८
१	गु	३६	१४	वि	३२	४५	सौ	२४	५८	कि	६	३२	२७ ३६ २४	१७ २९ ८	वृ. १७।३४	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	शु	३७	११	अ	३४	५५	शो	२२	२९	बा	६	४२	२८ ३६ २४	१८ ३० ९	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्भातृ२यम२
३	श	३९	५२	ज्ये	३८	४०	अ	२०	५६	तै	८	३१	५५ ३७ २३	१९ १ १०	ध.३८।४०	ज्येष्ठा.बुधः १६।४४रविलाबल३
४	र	४३	५७	मू	४३	४७	सु	२०	२२	व	११	५५	५३ ३८ २२	२० २ ११	धनुषि	भः ११।५५उ.४३।५७या.
५	चं	४९	२३	पू	५०	१६	धृ	२१	६	ब	१६	४०	४९ ३८ २२	२१ ३ १२	धनुषि	अनु.२गुरुः ३६।३
६	मं	५५	२९	उ	५७	३६	शू	२२	४६	कौ	२२	२६	४५ ३९ २१	२२ ४ १३	म.७।५	[×२०।४५शतेभौमः २८।४७
७	बु	६०	०	श्र	६०	०	गं	२५	४	ग	२८	३९	४२ ४० २०	२३ ५ १४	मकरे	अस्तंगुरोः ०।३६
७	शु	१	४९	श्र	५	९	बृ	२७	१७	व	१	४९	३९ ४० २०	२४ ६ १५	कुं.३८।५२	भ.१।४९उ.३५।२या.गोपाष्टमी
८	शु	८	१४	ध	१२	३४	धु	२९	२३	व	८	१४	३६ ४१ १९	२५ ७ १६	कुंभे	बृश्चिकेऽर्कः २८।२१ (सौरः ५७/३६)वक्रीबुधः×
९	श	१३	४३	श	१९	१७	च्या	३०	५२	कौ	१३	४३	३३ ४१ १९	२६ ८ १७	कुंभे	मार्गशुक्रः १६।१८कुष्माँडेऽक्षयेऽ.
१०	र	१७	४३	पू	२४	३७	ह	३१	११	ग	१७	४३	३० ४२ १८	२७ ९ १८	मी८।१७	भ.४९।४उ. [A११व्रः तुलसी विवाह
११	चं	२०	२६	उ	२८	३४	व	३०	२१	वि	२०	२६	२७ ४३ १७	२८ १० १९	मीने	भ.२०।२६या.अनु.रविः ४६/२१प्रबोधिनी A
१२	मं	२१	८	रे	३०	४४	सि	२८	७	बा	२१	८	२५ ४३ १७	२९ ११ २०	मे.३०।४४	अनु.रविः सौरः १४।१४प्रदोषः
१३	बु	२०	४	अ	३०	५९	च्य	२४	२१	तै	२०	४	२३ ४४ १६	३० १२ २१	मेषे	बुधास्तः पश्चिमायां ४२।५६वैकुंठ १४
१४	शु	१७	२	भ	२९	३२	व	१९	१०	व	१७	२	१९ ४४ १६	१ १३ २२	वृ.४३।४८	भ. १७/३उ.४४/४७या.वक्री.अनु.बुधः २२/२४भा. ÷
१५	शु	१२	३२	कृ	२६	३८	प	१२	४७	ब	१२	३२	१७ ४५ १५	२ १४ २३	वृषे	मन्वादिः का.स्ना.पु. [÷मार्गशीर्षारंभः

३१पं.का.शु.३श.इ.१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	७	७	६	८	३	६
२३	२	१६	६	१	११	६	२३
३०	४८	२८	५	५८	३३	१०	० ०
५०	३६	५९	११	२६	३२	४७	६
६०	३१	४४	१३	१९	५	३	६०
१७	२९	१२	३२	व.	४९	११	३०

गोचर ग्रहाः

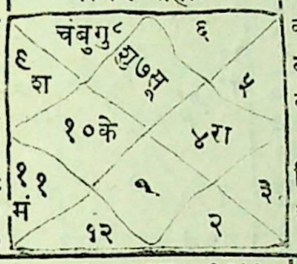

कार्तिक शुक्ले ८ शुक्रे बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

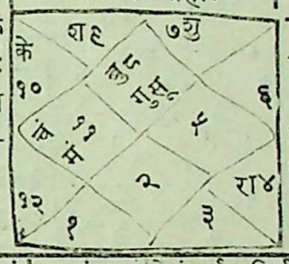

३२पं.का.शु.९श.इ.१।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	६	८	३	७
०	६	१९	७	१	१२	५	०
३३	५७	२६	४७	१०	१२	४८	४
२९	४७	३५	४९	१	५०	३१	१०
६०	२२	४/३४	१३	३/२९	६	३	६०
३०	३९	व.	३५	व.	१२	११	४०

ति	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०										दि. उ. अ.	भा. मु. इं	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	श	७	५	रो	२२	४१	शि	२९	५३	कौ	७	५	२६ ४५ २५	३ १५ २४	मि५०।२३	
२	र	०	४९	मृ	१८	५	सा	४९	११	ग	०	४९	१२ ४६ १४	४ १६ २५	मिथुने	भ.२७।३१उ.५४।१४या.
३	र	५३	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०	
४	चं	४७	३५	आ	१३	१५	शु	४०	४९	ब	२०	५४	९ ४६ १४	५ १७ २६	क.५४।४४	अनु.३गुरुः ४९।५७चतुर्थीव्र.
५	मं	४१	१९	पु	८	३३	शु	३२	३४	कौ	१४	२७	७ ४७ १३	६ १८ २७	कर्के	
६	बु	३५	३०	पु	४	३	ब्र	२४	३१	ग	८	२५	५ ४७ १३	७ १९ २८	कर्के	भ.३५।३०उ.पूषा.१शनिः ७।११
७	शु	३०	१६	श्ले	१९	३६	ऐं	१६	५४	वि	२	५३	२ ४८ १२	८ २० २९	सिं०।१९	भ.२।५३या.
८	शु	२५	३७	पू	५४	४	वै	९	४६	कौ	२५	३७	० ४८ १२	९ २१ ३०	सिंहे	[×४९/४८बुधोदयः पूर्वस्यां ५१/३३उत्पत्ति ११व्र.
९	श	२१	३१	उ	५२	७	वि	२१	५३	ग	२१	३१	३५ ४८ १२	१० २२ १	कं.८।३४	भ.४९।५७उ.दिसम्बर १२ता.३१
१०	र	१८	२३	ह	५०	५०	आ	५१	५६	वि	१८	२३	५६ ४९ ११	११ २३ २	कन्यायां	भ.१८।२३या.ज्येष्ठा.रविः ५६।४८
११	चं	१५	५१	चि	५०	१९	सौ	४७	१६	बा	१५	५१	५४ ४९ ११	१२ २४ ३	तु.२०।३४	ज्येष्ठा.रविः सौरः २२।८वक्री.विशा.बुधः×
१२	मं	१४	१३	स्वा	५०	४७	शो	४३	२०	तै	१४	१३	५३ ४९ ११	१३ २५ ४	तुलायां	स्वात्यांशुक्रः ३३।३४प्रदोषः
१३	बु	१३	४५	वि	५२	२६	अ	४०	१०	व	१३	४५	५१ ५० १०	१४ २६ ५	वृ.३७।२	भ.१३।४५उ.४३।५७या.
१४	शु	१४	८	अ	५५	८	अ	३७	५६	श	१४	८	४९ ५० १०	१५ २७ ६	वृश्चिके	मार्गीबुधः ५६।१६
२०	शु	१६	०	ज्ये	५८	५४	धृ	३६	५८	ना	१६	०	४८ ५० १०	१६ २८ ७	ध.५८।५४	पूभा.भौमः ४९।३९

३३पं.मा.कृ.१श.इ.१।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	६	८	३	७
७	११	१५	९	२	१२	५	७
२७	१४	३	२१	१८	५५	२६	९
२६	२०	२२	४०	५०	१९	१६	४३
६०	३३	६/४	१३	१४	६	३	६०
४२	४७	व.	व.	मा	२६	११	५३

गोचर ग्रहाः

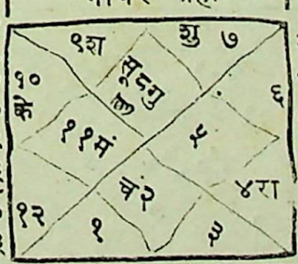

मार्गशीर्षकृष्णे ९ रवौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

३४पं.मा.कृ.९श.इ १।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	६	८	३	७
१४	१५	६	१०	५	१३	५	१४
४२	२८	३०	५५	३	३९	४	१६
४०	६	४७	१९	४३	२२	०	२९
६०	३४	६/८	१२	२७	६	३	६१
५०	३०	व.	३८	११	४१	११	३

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२८०३स.२०१८
१	श १९ २	मू ६० ०	शू ३६ ३१	ब १९ २	२५ ६	५	१७ २९ ८	धनुषि	अनु.बुधः५८।४१ चंद्र दर्शन संभवः
२	र २३ १९	मू ३ ५३	गं ३७ ५	कौ २३ १९	४५ ५१	९	१८ १ ९	धनुषि	उदयं गुरौ २२।४८ रविलाखर ४
३	चं २८ ४९	पू १० १४	बृ ३८ ३१	ग २८ ४९	४४ ५१	९	१९ २ १०	म.२६।५६	
४	मं ३४ ५२	उ १७ २	ध्रु ४० १२	व १ ५०	४३ ५१	९	२० ३ ११	मकरे	भ.१।५०उ.३४।५२या.अनु.४गुरुः५३
५	बु ४१ २३	श्र २४ ३७	व्या ४२ ३६	व ८ ७	४२ ५२	८	२१ ४ १२	कुं.५८।२८	
६	गु ४७ ५८	ध २२ १८	ह ४४ ५४	कौ १४ ५०	४१ ५२	८	२२ ५ १३	कुंभे	चंपा६
७	शु ५३ ५८	श ३९ ५३	व ४६ ४९	ग २० ५८	४० ५२	८	२३ ६ १४	कुंभे	ग.५३।५८उ.
८	श ५८ ४७	पू ४६ १३	सि ४८ ७	वि २६ २२	३९ ५२	८	२४ ७ १५	मी२९।३८	भ.२६।२२या.
९	र ६० ०	उ ५१ १४	व्य ४८ १५	बा ३० ३४	३९ ५२	८	२५ ८ १६	मीने	मूलेंधनुष्यर्कः४।३ (सौरः२५।५८) +
९	चं २ २२	रे ५४ २९	व ४६ ५९	कौ २ २२	२८ ५२	८	२६ ९ १७	मे.५४।२९	[+अस्तंशनेः२७।७
१०	मं ३ ५३	अ ५५ ५२	प ४४ १९	ग ३ ५३	२८ ५२	८	२७ १० १८	मेषे	भ.३३।४०उ.
११	बु ३ २७	भ ५५ १२	शि ३९ ५६	वि ३ २७	३७ ५३	७	२८ ११ १९	मेषे	भ.३।२७या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	गु ० ५४	कृ ५२ ३६	सि ३३ ५२	बा ० ५४	३७ ५३	७	२९ १२ २०	वृ.९।३३	प्रदोषः
१३	गु ५५ ३५	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	०	० ० ०	० ०	[÷भा.पौषारंभः दत्तजयंती
१४	शु ५० १८	रो ४८ २६	सा २६ २९	ग २३ २३	२६ ५३	७	३० १३ २१	वृषे	भ.५०।१८उ.विशा.शुक्रः५५।१२
१५	श ४३ ३	मृ ४२ ५०	शु १७ ४७	वि १६ ४०	२६ ५३	७	१ १४ २२	मि१५।३८	भ.१६।४०या.ज्येष्ठा.बुधः३७।२२÷

३५पं.मा.शु.१श.इ.०।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	६	८	३	७
२१	२०	३	१२	९	१४	४	२१
४८	६	८	२९	८	२५	४१	२४
४३	३६	२	२	२४	३४	४५	११
६०	३५	३५	१३	३६	६	३	६१
५६	२०	सा	३२	५२	५८	११	११

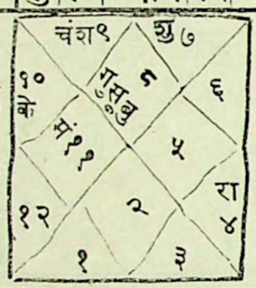

३६पं.मा.शु.८श.इ.०।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	६	८	३	७
२८	२४	७	१४	१४	१५	४	२८
५५	३९	३८	१	१२	१३	१९	३२
३७	३६	२८	५५	११	१२	२९	५४
६१	३५	५६	१३	४४	७	३	६१
०	५४	३५	२६	३६	८	११	१९

३७पं.मा.शु.१५श.इ.३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	७	६	८	३	८
६	२९	१५	१५	२०	१६	३	५
३	१६	५३	३३	४	१	५७	४२
१४	१६	१८	३२	२६	५५	१३	१९
६१	३६	७६	१३	५०	७	३	६१
४	४१	३	२०	१३	१४	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	र ३४ ५४	आ ३६ ३४	शु ९ ५०	बा ८ ५८	२५ ६	५	२ १५ २३	मिथुने	मीनेभौमः१२।२
२	चं २६ ३५	पु ३० १	ऐं ४८ ४०	तै ० ४४	३६ ५३	७	३ १६ २४	क.१६।३९	भ.५२।२५उ.
३	मं १८ १५	पु २३ ३४	वै ३८ ५५	वि १८ १५	३७ ५३	७	४ १७ २५	कर्के	भ.१८।१५या. चतुर्थी व्रतम्
४	बु ९ ३३	श्ले १७ ४६	वि २९ ४०	बा ९ ३३	३७ ५३	७	५ १८ २६	सिं१७।४६	[=पूभा.२शनिः२७।२१
५	गु ३ ५४ ३९	म १२ ५१	प्री २१ १०	तै ३ ३९	३७ ५३	७	६ १९ २७	सिंहे	भ.५७।५९उ.ज्येष्ठा.१गुरुः१२।१७=
७	शु ५३ २५	पू ८ ५७	आ १३ ३९	वि २५ ४२	३८ ५२	८	७ २० २८	कं.२३।१७	भ.२५।४२या.उभा.भौमः३।२०
८	श ५० १४	उ ६ १७	सौ ७ ५	बा २१ ४९	३८ ५२	८	८ २१ २९	कन्यायां	पूषा.रविः९।३(सौरः२७।३६)
९	र ४८ १४	ह ४ ५६	शो ३५ ३५	तै १९ १४	३९ ५२	८	९ २२ ३०	तु.३४।५३	[×जनवरी१ता.३१,सन्२०१९सफला११
१०	चं ४७ ३१	चि ४ ५१	शू ५३ ३५	व १७ ५२	४० ५२	८	१० २३ ३१	तुलायां	भ.१७।५२उ.४७।३१या.
११	मं ४७ ५८	स्वा ५ ५३	धृ ५१ ०	ब १७ ४४	४१ ५२	८	११ २४ १	वृ.५२।३९	मूलेंधनुषिबुधः९ बृश्चिकेशुक्रः३७×
१२	बु ४९ ३४	वि ८ १४	शू ४९ ३६	कौ १८ ४६	४२ ५२	८	१२ २५ २	वृश्चिके	पुन.४रा.हुःउषा.२केतुः४२।४१
१३	गु ५२ ३५	अ ११ ३८	गं ४९ १०	ग २१ ४	४३ ५१	९	१३ २६ ३	वृश्चिके	भ.५२।३५उ. प्रदोषः
१४	शु ५६ १९	ज्ये १६ १३	बृ ४९ १	वि २४ २७	४४ ५१	९	१४ २७ ४	ध.१६।१३	भ.२४।२७या.अनु.शुक्रः५७।२७
३०	श ६० ०	मू २१ ३७	ध्रु ४९ ५०	च २८ ४९	४५ ५१	९	१५ २८ ५	धनुषि	
३०	र १ १९	पू २८ २	व्या ५१ १७	ना १ १९	४७ ५१	९	१६ २९ ६	म.४४।५०	

३८पं.पौ.कृ.८श.इ.२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	७	७	६	८	३	८
१३	३	२५	१७	२६	१६	३	१२
११	५५	३०	३	३०	५१	३४	५२
१३	१९	२९	३२	२२	२२	५८	११
६१	३७	८५	१३	५४	७	३	६१
६	१०	४८	४	४३	२०	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में सूत चांदी सोना रुई तेज रहे रस में घटा बढ़ी चले प्रजा में विग्रह पैदा हों शुभ कार्य अधिक हो

गोचर ग्रहाः

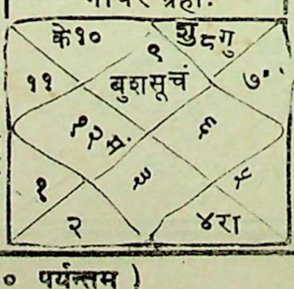

३९पं.पौ.कृ.३०श.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	७	७	८	३	८
२०	८	५१	८	३	१७	३	२०
१९	३६	४५	३१	२२	४०	१२	२
२६	२२	४	३७	४४	४४	४२	८
६१	३७	९२	१२	५८	७	३	६१
६	४०	३९	३६	१८	२०	११	२६

(विक्रम सं. २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२८३३स.२०१९
१	चं	६	५२	उ	३५	१६	ह	५३	१०	ब	६	५२	२५/४८	६/५०	५/१०	१७ ३० ७	मकरे	बुधास्तःपूर्वस्यां५९।४४चन्द्रदर्शनम्
२	मं	१३	७	श्र	४२	२६	व	५५	२९	को	१३	७	५०	५०	१०	१८ १ ८	मकरे	जमादिलावल५
३	बु	१९	४०	ध	५०	१०	सि	५७	३८	ग	१९	४०	५२	५०	१०	१९ २ ९	कुं.१६।१८	भ.५२।५८उ.
४	गु	२६	१६	श	५७	४१	व्य	५९	५२	वि	२६	१६	५३	४९	११	२० ३ १०	कुम्भे	भ.२६।१६या.पूषा.बुधः७।०
५	शु	३२	३२	पू	६०	०	व	६०	०	बा	३२	३२	५५	४९	११	२१ ४ ११	मी४७।५६	उषा.रविः१३।४८ (सौरः२९।३)
६	श	३७	४४	पू	४	४१	व	१	४९	कौ	५	८	५७	४९	११	२२ ५ १२	मीने	ज्येष्ठा.२गुरुः१६।४४
७	र	४२	७	उ	१०	४१	प	२	४६	ग	९	५५	५९	४८	१२	२३ ६ १३	मीने	भ.४२।७उ.
८	चं	४४	४८	रे	१५	२६	शि	२	३५	वि	१३	२८	२६	४८	१२	२४ ७ १४	मि.१५।२६	भ.१३/२२या.मकरेऽर्कः३/१२ सौरः४/३०
९	मं	४५	३८	अ	१८	३१	सि	२/१९	५५/५९	बा	१५	१३	४	४७	१३	२५ ८ १५	मेषे	[=पातस्पर्शः२५।१०
१०	बु	४४	२२	भ	१९	२९	शु	५३	५३	वै	१५	०	६	४७	१३	२६ ९ १६	वृ.३४।१४	रेवत्यांभौमः४९।४५ [×पुत्रदा११व्र.
११	गु	४१	१	कृ	१८	३२	शु	४७	४३	व	१२	४१	८	४६	१४	२७ १० १७	वृषे	भ.१२।४१उ.४१।१या.ज्येष्ठा.शुक्रः३७/७×
१२	शु	३५	४१	रो	१५	२८	ब्र	३९	५७	ब	८	२१	११	४६	१४	२८ ११ १८	मि४३।०	उषा.बुधः३२।२२उदयंशनेः४१।५०=
१३	श	२८	४१	मृ	१०	३३	ऐं	३०	५३	को	२	११	१३	४५	१५	२९ १२ १९	मिथुने	पातमोक्षः१६।१४प्रदोषः [+मास्ना.प्रा.
१४	र	२०	१९	आ	४/२३	५५/५५	वै	२०	४२	व	२०	१९	१६	४५	१५	३० १३ २०	क.४४।४	भ.२०।१९उ.४५।४४या.मकरेबुधः३/१८
१५	चं	११	९	पु	४९	३४	वि	१/१०	४९/०	ब	११	९	१९	४४	१६	१ १४ २१	कर्के	अभि.प्र.रविः४/४२ सौरः५/५१ भा.माघारंभः+

४०पं.पौ.शु. ६श.इ. ०/१४								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र	
८	११	८	७	७	८	३	८	
२७	१३	१६	१९	१०	१८	२	२७	
२७	१९	२३	५६	३७	३०	५०	१२	
२२	१६	४९	३८	३४	४	२७	०	
६१	३७	९७	१२	६१	७	३	६१	
६	४१	२३	१५	० ०	१६	११	२४	

गोचर ग्रहाः

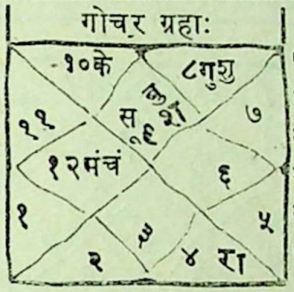

पौष शुक्ले ८ चन्द्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा२ न.३बालावस्था बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

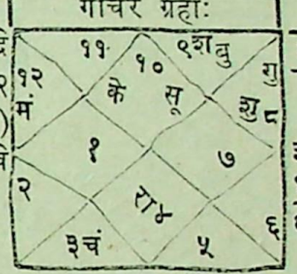

४१पं.पौ.शु. १३श.इ. ०/१२								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र	
९	११	८	७	७	८	३	९	
४	१८	२७	२१	१८	१९	२	४	
३५	२	२६	१८	७	१८	२८	२१	
१३	४६	५३	५०	३४	४३	११	२९	
६१	३८	०/९	११	६३	७	३	६१	
३	४	०/३	४७	१४	८	११	१९	

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	मं	१	३१	श्रे	४१	५८	आ	४८	२३	को	१	३१	२/३१	६/४४	५/१६	२ १५ २२	सि४१।५८	
२	मं	५०	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	[Aशनिः५/३१
३	बु	४३	२३	म	३४	५४	सौ	३८	७	व	१७	४८	२४	४३	१७	३ १६ २३	सिहे	भ.१७।४८उ.४३।२३या.
४	गु	३५	३८	पू	२८	५०	शो	२८	४०	ब	९	३१	२७	४३	१७	४ १७ २४	क.४२।४०	श्रवणेरविः१९/४७ (सौरः३२/४७) चतुर्थी व्रतम्
५	शु	२९	१८	उ	२४	११	अ	२०	११	को	२	२८	२९	४२	१८	५ १८ २५	कन्यायां	अभि.नि.रविः१/१४ (सौरः२३/४) पूषा.३A
६	श	२४	४०	ह	२१	१२	सु	१३	२२	व	२४	४०	३२	४२	१८	६ १९ २६	तु.५०।३४	भ.२४/४०उ.५३/५७या.श्रवणेबुधः३६।१८
७	र	२१	५३	चि	२०	१	धृ	७	४३	व	२१	५३	३५	४१	१९	७ २० २७	तुलायां	
८	चं	२०	४७	स्वा	२०	२६	शू	३	३७	को	२०	४७	३८	४०	२०	८ २१ २८	तुलायां	[Hपातस्पर्शः१।५०पातमोक्षः२४।४०
९	मं	२१	२२	वि	२२	३८	गं	५९/१९	५६/१६	ग	२१	२२	४१	४०	२०	९ २२ २९	वृ.७।५	भ.५२।२४उ.मूलेधनुषिशुक्रः३७।४७
१०	बु	२३	२६	अ	२६	८	धु	५८	६	वि	२३	२६	४५	३९	२१	१० २३ ३०	वृश्चिके	भ.२३।२६या.ज्येष्ठा.३गुरुः१।२०H
११	गु	२६	५७	ज्ये	३१	४	ध्या	५९	४४	बा	२६	५७	४८	३८	२२	११ २४ ३१	ध.३१।४	षट्तिला११व्र.
१२	शु	३१	३२	मू	३७	३	ह	६०	०	वै	३१	३२	५१	३८	२२	१२ २५ १	धनुषि	फरवरी२ता.२८
१३	श	३७	२	पू	४३	५६	ह	०	४६	ग	४	१७	५४	३७	२३	१३ २६ २	धनुषि	भ.३७।२उ. प्रदोषः
१४	र	४३	२	उ	५०	५६	व	२	३५	वि	१०	२	५८	३७	२३	१४ २७ ३	म.०।४१	भ.१०।२या.धनि.बुधः१९।३०
३०	चं	४९	२६	श्र	५८	३५	सि	४	२८	च	१६	१४	२७/१	३६	२४	१५ २८ ४	मकरे	

४२पं.मा.कृ.६श.इ.०।१५								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र	
९	११	९	७	७	८	३	९	
११	२२	८	२२	२५	२०	२	११	
४२	४६	५७	३७	५१	६	५	३०	
४०	४८	४७	१२	४०	२५	५५	२०	
६०	३८	०/११	११	६४	७	३	६१	
१९	२६	३३	८	५४	२	११	१३	

गोचर ग्रहाः

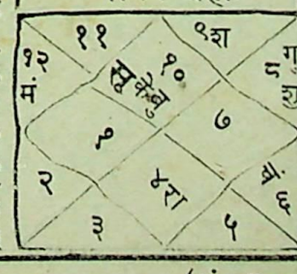

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ मक्का चांवल गेहूं तेज हो धातु चांदी सोना रुई तिलहन सन मंदे हो ।

गोचर ग्रहाः

४३पं.मा.कृ.१३श.इ.२/३								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र	
९	११	९	७	८	८	३	९	
१८	२७	२०	२३	३	२०	१	१८	
४९	३१	५८	५१	४४	५२	४३	३८	
१६	१६	११	१४	६	५५	४०	२६	
६०	३८	०/१०	६६	६	३	६१		
५५	४०	३७	२८	२२	४४	११	४	

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण२८६३स.२०१९
१	मं ५५ ५० ध ६० ० व्य ६ ४८ किं २२ ३८	२७	३५	५५	१६	२९	५	कुं.३२।२०	अश्वि.मेषेभौमः३१।२६
२	बु ६० ० ध ६ ४ व ९ ५ बा २९ १	८	३४	२६	१७	३०	६	कुंभे	धनि.रविः३७(सौरः३७)कुंभेबुधः५५=
२	गु २ १२ श १३ ३७ प ११ १४ कौ २ १२	१२	३४	२६	१८	१	७	कुंभे	जमादिलाखर६ [=चंद्रदर्शनम्
३	शु ८ १६ पू २० ३१ शि १३ ४ ग ८ १६	१५	३३	२७	१९	२	८	मी३।४७	भ.४०।५२उ.
४	श १३ २९ उ २७ ४९ सि १४ ७ वि १३ २९	१९	३२	२८	२०	३	९	मीने	भ.१३।२९या.
५	र १८ ३ रे ३२ २१ सा १४ ४६ बा १८ ३	२३	३१	२९	२१	४	१०	मे.३२।२१	शतेबुधः३५पूषा.शुक्रः२३वसंत५
६	चं २१ ५ अ ३६ २३ शु १४ २० तै २१ ५	२७	३१	२९	२२	५	११	मेषें	[×पातमोक्षः५३भानु७रथ७
७	मं २२ ५४ भ ३८ ५२ शु १२ ४१ व २२ ५४	३०	३०	३०	२३	६	१२	वृ.५४।५	भ.५२उ.५२या.पातस्पर्शः३५×
८	बु २३ २ कृ ३९ ४५ ब्र ९ ४४ ब २३ २	३४	२९	३१	२४	७	१३	वृषे	कुंभेऽर्कः२३(सौरः१३)भीमाष्टमी
९	गु २१ ७ रो ३८ ५२ ऐ २६ ५४ कौ २१ ७	२८	२८	३२	२५	८	१४	वृषे	
१०	शु १७ २९ मृ ३५ ५६ वि ५२ ५ ग १७ २९	४१	२८	३२	२६	९	१५	मि७।२३	भ.४४उ.बुधोदयःपश्चिमायां५३
११	श १२ २ आ ३१ १७ प्री ४३ २५ वि १२ २	४५	२७	३३	२७	१०	१६	मिथुने	भ.१२।२या.जया११व्र.
१२	र ४ ५५ पु २५ २६ आ ३३ ३१ बा ४ ५५	४९	२६	३४	२८	११	१७	क.११।५३	प्रदोषः
१३	र ५१ २९ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०						[+सौरः४६।५७)मा.स्ना.पूर्तिः
१४	चं ४६ ५५ पु १८ १६ सौ २२ ४७ ग २१ ३९	५३	२५	३५	२९	१२	१८	कर्के	भ.४६।५५उ.पूभा.बुधः१३।४५
१५	मं ३७ १० श्ले १० २१ शो ११ ४३ वि १२ २	५६	२५	३५	३०	१३	१९	सिं१०।२१	भ.१२।२या.शतेरविः३९।९+

४४पं.मा.शु.४श.इ.०।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	१०	७	८	८	३	५
२५	२	३	२५	११	२१	१	२५
५५	१४	४७	०	४५	३७	२१	४५
१	५३	५३	५०	५७	२३	२४	१३
६०	३८	०	९	६७	६	३	६०
४७	४२	५९	४३	३४	२९	११	५५

गोचर ग्रहाः

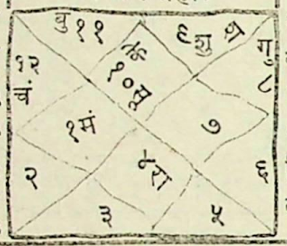

माघ शुक्लें ८ बुधे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

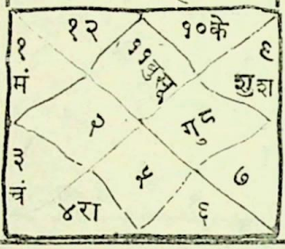

४५पं.मा.शु.११श.इ.०।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	७	८	८	३	१०
२	६	१६	२६	१९	२२	०	२
५९	५८	६	४	५२	२०	५९	५१
४९	४६	१८	५५	१९	१०	९	१६
६०	३८	०	८	६८	६	३	६०
३७	५७	३५	५३	३६	१४	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	बु २७ २० म ३० ५३ अ ० ४९ ४९ बा २ १४	२८	०	३४	५६	१	१४	२०	सिंहे	ज्येष्ठा.४गुरुः१०।२६भा.फाल्गुनारंभः
२	गु १८ १० उ ४८ २२ धृ ३९ ५८ ग १८ १०	४	२३	३७		२	१५	२१	कं.८।१६	भ.४४।४उ.उषा.शुक्रः४७।८
३	शु ९ ५९ ह ४३ ६ शू ३१ १५ वि ९ ५९	८	२२	३८		३	१६	२२	कन्यायां	भ.९।५९या.चतुर्थी व्र.
४	श ५५ ३४ चि ३९ ५० गं २३ ५५ बा ३ ३४	१२	२२	३८		४	१७	२३	तु.११।२८	[÷शुक्रः४९२पातस्पर्शः५३पातमोक्षः३९
६	र ५६ २६ स्वा ३८ २३ वृ १८ १० ग २७ ४२	१६	२१	३९		५	१८	२४	तुलायां	भ.५६उ.मीनेबुधः४४।४५मकरे÷
७	चं ५६ २ वि ३९ ५६ ध्रु १४ १ वि २६ १४	२०	२०	४०		६	१९	२५	वृ.२४।३३	भ.२६।१४या.भरण्यांभौमः३१।१३
८	मं ५७ ३५ अ ४२ ४ व्या ११ ४४ बा २६ ४९	२४	१९	४१		७	२०	२६	वृश्चिके	पूषा.४शनिः२६।४५
९	बु ६० ० ज्ये ४६ ३१ ह १० ३६ तै २९ १२	२८	१८	४२		८	२१	२७	ध.४६।३१	[–श्रवणेशुक्रः८।११महाशिवरात्रीव्र.वै.
९	गु ० ५० मृ ५२ १८ व ११ १२ ग ० ५०	३२	१८	४२		९	२२	२८	धनुषि	भ.३३।१२उ.उभा.बुधः११।२३
१०	शु ५ ३४ पू ५९ १२ सि १२ १३ वि ५ ३४	३६	१७	४३		१०	२३	१	धनुषि	भ.५।३४या.मार्च३ता.३१
११	श १० ११ उ ६० ० व्य १४ ८ बा १० ११	४०	१६	४४		११	२४	२	म.१६।३	विजया११व्र.
१२	र १७ ३४ उ ६ ३२ व १६ २३ तै १७ ३४	४४	१५	४५		१२	२५	३	मकरे	प्रदोषः [Eमहाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१३	चं २४ २ श्र १४ १० प १८ ४९ व २४ २	४८	१४	४६		१३	२६	४	कु.४७।५५	भ.२४।२उ.५७।११या.पूभा.रविः५५E
१४	मं ३० १९ ध २१ ४१ शि २१ ४ श ३० १९	५२	१४	४६		१४	२७	५	कुम्भे	पूभा.रविःसौरः१।४४वक्रीबुधः४४।५६-
२०	बु ३६ २९ श २८ ५९ सि २३ ७ च ३ २४	५६	१३	४७		१५	२८	६	कुम्भे	पुन.३राहुःउषा.१केतुः३७।४७

४६पं.फा.कृ.४श.इ.१।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	७	८	८	३	१०
१०	११	२७	२७	२८	२३	०	९
३	४२	२८	२	५	०	३६	५५
२२	२५	३४	४२	२४	०	५३	४९
६०	३८	८७	७	६९	५	३	६०
२५	५९	२५	५९	२०	५०	११	३१

गोचर ग्रहाः

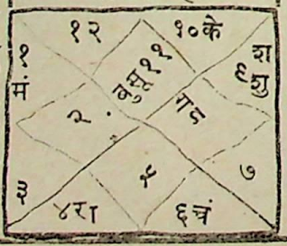

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चांवल गेहूं जौ मंदेहों धातु सोना चांदी रस गुड़ शक्कर तेज होवे

गोचर ग्रहाः

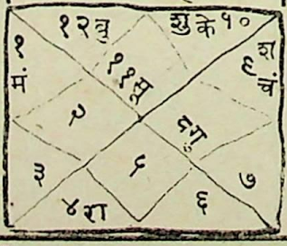

४७पं.फा.कृ.११श.इ.१।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	११	७	९	८	३	१०
१७	१६	४	२७	६	२३	०	१६
५	२५	३२	५३	२१	३७	१४	५८
३५	५	५३	४२	३२	४४	३७	४३
६०	२९	३९	६	७०	५	३	६०
१२	२	४६	४८	९	२६	११	२०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४० | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २८९२स.२०१९

१	गु	४१	५८	पू	३५	४४	सा	२४	४३	किं	९	१३	२९	६	५	१६	२९	७	मी १९।३	बुधास्तः पश्चिमायां ३६।२१
२	शु	४६	३६	उ	४१	३८	शु	२५	५०	बा	१४	१७		५	११	१७	३०	८	मीने	चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
३	श	५०	३५	रे	४६	५१	शु	२६	११	तै	१८	३६		९	१०	१८	१	९	मे.४६।५१	रज्जवऽपातस्पर्शः ३६ पातमोक्षः ५१
४	र	५३	२५	अ	५०	५४	ब्र	२५	३५	व	२२	०	१३		९	१९	२	१०	मेषे	भ.२०।०उ.५३।२५या.
५	चं	५५	५	भ	५३	५६	ऐं	२४	२४	ब	२४	१४	१७		९	२१	३	११	मेषे	वक्रीपूभा.बुधः ३८।१
६	मं	५५	२८	कृ	५५	४७	वै	२२	२०	कौ	२५	१६	२१		८	२२	४	१२	वृ.९।२३	
७	बु	५४	३५	रो	५६	१७	वि	१९	६	ग	२५	१	२६		७	२३	५	१३	वृषे	भ.५४।३५उ.
८	गु	५२	१०	मृ	५५	१०	प्री	१४	४१	वि	२३	२२	३०		६	२४	६	१४	मि २५।४४	भ.२३।२२या.मीनेऽर्कः ३ होलाष्टकम्
९	शु	४८	२६	आ	५२	५०	आ	८	५८	बा	२०	१२	३४		५	२५	७	१५	मिथुने	मीनेऽर्कः सौरः ३ वक्रीकुंभेबुधः १०।२
१०	श	४३	६	पु	४८	५०	सो	२	५३	तै	१५	४६	३८		४	२६	८	१६	क.३४।५०	धनि.शुक्रः १७।६ [+आमलकी ११व्र.
११	र	३६	२४	पु	४३	३५	अ	४५	२३	व	९	४५	४३		३	२७	९	१७	कर्के	भ.१५उ.३३या.कृत्तिभौमः २१।१४+
१२	चं	२८	३५	श्ले	३७	१३	सु	३५	३४	व	२	२९	४७		३	२७	१०	१८	सिं ३७।१३	उभा.रविः १७।१२ (सौरः ३३) प्रदोषः
१३	मं	१९	४९	म	३०	२३	धृ	२५	१९	तै	१९	४९	५१		२	२८	११	१९	सिंहे	[×होलिकादहनम् भद्रोत्तरम्
१४	बु	१०	३२	पू	२३	२	शू	१४	३५	व	१०	३२	५५		१	२९	१२	२०	कं.३६।१७	भ.१०।३२उ.३५।५८या. ×
१५	गु	१	२३	उ	१६	२	गं	२५	५०	व	१	२३	३०	६	०	३०	१३	२१	कन्यायां	कुंभेशुक्रः ५१।१९ छारेंडी वसंत १

४८पं.फा.शु.३श.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	११	७	९	८	२	१०
२४	२१	४	२८	१४	२४	२९	२४
६	६	५१	३८	४०	१२	५२	०
२२	५०	१८	६	१९	०	२२	६
५९	३९	३५	५	७०	४	३	६०
५८	११	व.	५४	४६	५६	११	६

गोचर ग्रहाः

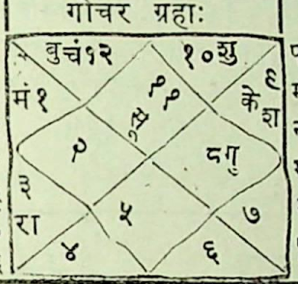

फाल्गुन शुक्ले ८गुरौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न४कुमारावस्था(बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

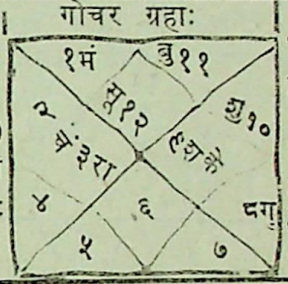

४९पं.फा.शु.१०श.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	७	९	८	२	११
१	२५	२९	२९	२३	२४	२९	०
५	४८	७	१४	२	४२	३०	५९
३५	७	५	२९	२	३२	६	४८
५९	३९	६१	४	७१	४	३	५९
४१	१७	व.	४३	१६	२९	११	४९

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४० | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.

१	गु	५१	१६		०	०	०		०	०	०	०		०	०	०	०	०	[=भा. चैत्रारंभः
२	शु	४५	१६	ह	९	४७	ध्रु	४६	८	तै	१८	५७		३०	५	९	१	१४	२२	तु.३७।१९	वृषेभौमः १६।३० बुधोदयः पूर्वस्यां ७।३ ३=
३	श	३९	११	चि	४	५०	व्या	३८	५३	व	१२	१३		८	५८	२	२	१५	२३	तुलायां	भ.१२।१३उ.३९।११या.
४	र	३५	२	स्वा	१	४३	ह	३३	५	ब	७	७		१२	५८	२	३	१६	२४	वृ.४५।५३	चतुर्थी व्रतम्
५	चं	३३	१३	वि	०	३७	ब	२९	१३	कौ	४	७		१६	५७	३	४	१७	२५	वृश्चिके	
६	मं	३३	१९	अ	१	४३	ज्ये	२६	५२	ग	३	१६		२१	५६	४	५	१८	२६	वृश्चिके	भ.३३।१९उ.
७	बु	३५	४४	ज्ये	४	४०	व्य	२६	२९	वि	४	३१		२५	५५	५	६	१९	२७	ध.४।४०	भ.४।३१या.शतेशुक्रः २४।५४
८	गु	३९	४३	मू	९	३१	व	२६	५३	बा	७	४३		२९	५४	६	७	२०	२८	धनुषि	शीतलापूजनम्
९	शु	४५	३	पू	१५	४६	प	२८	२९	तै	१२	२३		३३	५३	७	८	२१	२९	म.३२।३५	मूल.१धनुषिगुरुः ५।३
१०	श	५१	१८	उ	२३	२	शि	३०	३९	व	१८	१०		३७	५३	७	९	२२	३०	मकरे	भ.१८।१०उ.५१।१८या.मार्गीबुधः ५।१९
११	र	५७	५२	श्र	३०	३८	शि	३३	१	ब	२४	३५		४१	५२	८	१०	२३	३१	मकरे	रेवत्यांरविः ४४ (सौरः ५० पापमोचनी×
१२	चं	६०	०	ध	३८	११	सा	३५	३३	कौ	३०	५९		४५	५१	९	११	२४	१	कुं.४।२५	अप्रेल ४ ता.३० [×११व्र.
१३	मं	४	६	श	४५	३१	शु	३७	३५	तै	४	६		४९	५०	१०	१२	२५	२	कुम्भे	प्रदोषः
१३	बु	१०	८	पू	५२	११	शु	३९	१३	व	१०	८		५३	४९	११	१३	२६	३	मी ३५।३१	भः १०।८उ.४२।३७या.
१४	गु	१५	५	उ	५७	४२	ब्र	३९	५६	श	१५	५		५७	४९	११	१४	२७	४	मीने	
३०	शु	१८	५८	रे	६०	०	ऐं	४०	५	ना	१८	५८		३१	४८	१२	१५	२८	५	मीने	मन्वादिः

५०पं.चै.कृ.३श.इ.२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	१०	८	२	११
८	०	२३	२९	१	२५	२९	७
६	३०	३३	४२	२४	९	७	५७
१८	७	२९	१८	५८	१४	५१	४३
५९	३९	३६	३	७१	३	३	५९
२९	२५	व.	३२	४७	४९	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शुक्रवार शुभ हैं यदि में धान्य जौ गेहूं बाजरा मूंग मोठ धातु रस मंदे होकर सुदि में अच्छे तेज हों।

गोचर ग्रहाः

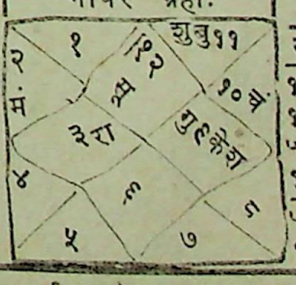

५१पं.चै.कृ.१०श.इ.४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	८	१०	८	२	११
१४	५	२१	०	९	२५	२८	१४
५९	७	५५	२	४९	३२	४५	५३
१०	४१	१	२	२६	२	३५	५३
५९	३९	११	२	७२	३	३	५९
१६	१८	व.	७	२१	४	११	१६

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८५१२०, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२०, भोग्यकलिः४२६८८०, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०७६, शाकः १९४१, अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः । मंत्री रविः । सस्येशो भौमः । धान्येशश्चंद्रः । मेघेशःशनिः। रसेशो गुरुः नीरसेशो भौमः । फलेशःशनिः । धनेशो भौमः । दुर्गेशःशनिः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ७ प्रमादीनाम संवत्सरःप्रवर्ततेतस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः०।२३।१९।४०।४८भोग्यमासादिः११।६।४०।१९।१२अग्निदैवतं युगं। तत्रवर्षनाम ज्येष्ठः । मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासःतटे । समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा ८ समयवाहनम् महिषः। स्तंभाः ३ जलतृणावायुनाम्। सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी१ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी१, रविदशमी२ समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १७, तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा १७ धान्यम् ७ तृणम् १३, शीतम् ७ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११५, शनिदृष्टिः पश्चिमे सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण २ चंद्रसूर्ययोः ।

सं.२०७६ शा. १९४१ पौष कृ.३० गुरौ सूर्य ग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.
घ.	८	९	१०
प.	१९	५१	५४
घं.	४	८	११
मि.	४१	३१	८

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	क
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् ३।१८

भैरव भवानी संवाद

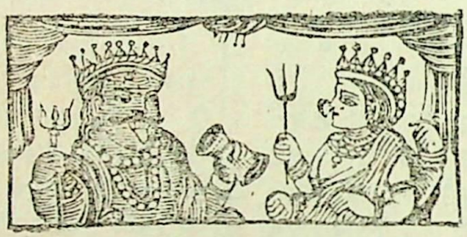

भैरव प्रश्न

छियंतर में जगदंबिके सदा लगावुं ध्यान ।
कैसा फल संवत् लहे कैसा निपजे धान ।।

भवानी उत्तर

छयंतर वर्षा विषम हो वर्षे झीणा नीर ।
कहींक वर्षा प्रलय सम कहींक छूटे धीर ।
शनि राजा इण वर्ष में मंत्रि वासरनाथ ।
देश विदेशां जग भ्रमे जनता खप्पर हाथ ।।
संवत् वासो रजकघर मेघाधिप शनि जाण ।
फलपति अरु दुर्गेश से करसा होसी हाण ।।
टीडी मूषा कातरा करैं उपद्रव जोर ।
चौपायां में रोग हो जग में मांचे शोर ।।
शर्मा ज्योतिष से कहे देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब-जाने वही जो है जगदाधार ।।

संवत् २०७६ शा.१९४१आषा. शु. १५ भौमे चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो
घ.	१	२	४
मि.	३१	५९	२७
घं.	४७	५१	५४
प.	४१	२०	५९

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ३।२३

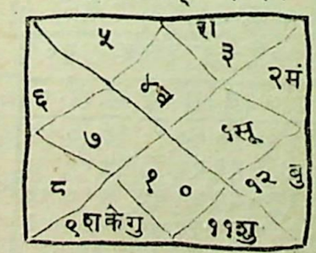

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५७।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।६।५१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा शनिस्तत्फलम् । शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः युद्धं नृपाणां गद तस्कराद्यैः भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् । मंत्री रविस्तत्फलम् । नृप भयं गदतोऽपिहि तस्करा प्रचुर धान्य धनादि महीतले । रसचयंहि समर्घतमं सदा रवि रमात्यपदंहि समागतः । सस्येशो भौमस्तत्फलम् । प्रथम धान्यपतौ धरणी सुते गज तुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग धनोजलं न सम सौख्य करं तुष धान्य हृत् । धान्येशश्चंद्रस्तत्फलम् । धान्याधिक्यं गोपु दुग्धं प्रभूतं,पुत्रैः पौत्रैर्लोक वृन्तं समेतम् । मेघव्राता भूरि वर्षति पाथश्चंद्रश्चेत् स्यादग्र धान्याधिनाथः । मेघेशः शनिः फलम् । रविसुते जलदस्य पतौ भवेद्विरल वृष्टिवती वसुधा तदा । मनसि ताप करो नृपति सदां विविध रोगरता जनता मता । रसेशो गुरुः फलम् । यदि गुरुर्रसपो जन सौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानि च । जनपदा द्विज पूजन तत्परा, गज सुवाजि रथोष्ट्र युता नृपाः । नीरसेशो भौमस्तत्फलम् । नीरसेशो यदा भौमः प्रवाल रक्त वाससां । रक्त चंदन ताम्राणांमर्घ वृद्धिर्दिने दिने । फलेशः शनिः फलम् । यदि शनिः फलपः फलहा भवेज्जनित पुष्प जनस्य द्रुमः सदा । हिम भयंकर तस्कर जन्तुभिः जनपदो गद राशि महाकुलः । धनेशो भौमस्तत्फलम् । असम मौल्य करो धरणी सुतः शरदि ताप करस्तुष धान्य हृत् । सहसि मासि भवेद्द्विगुणं तदा नरपति र्जन शोक विधायकः । दुर्गेशः शनिः फलम् । रविसुते गढ़ पालिनि विग्रहैः सकल देश गताश्चलिता जनाः विविध वैरि विशेषित नागराः कृषि धनं शलभैर्मुषितं भुवि । प्रमादीनाम संवत्सरः फलम् । प्रमादी वत्सरे तत्र मध्य सस्यार्घ वृष्टयः प्रजाः कथं चिज्जीवंति समात्सर्याः क्षितीश्वराः । वर्षनाम ज्येष्ठः फलम् । ज्येष्ठाब्दे धर्म मार्गस्थाः पीड़्यन्ते सत्क्रिया पराः । न चवर्षति वै दैवो भवेत्सस्य विनाशनम् । मेघनाम द्रोणः फलम् । द्रोणे वर्षति सर्वदा । रोहिणी निवासस्तटेफलम् । तटेवृष्टिः सुशोभना । समय निवासो रजक गृहे फलम् । रजकस्य शुभं नास्ति । एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।

संवत् २०७६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १३ बुधे हस्ते ल. १०-१२ (मीनेचं७मेऽर्क्यः) रे७
।।।ऽबृऽऽ।।। बुधस्य पादतो वेधाऽभावः
,,१५शुक्रे स्वात्यांल.१०-११ (मकरे.श.पू.) रे६ऽ।।।ऽऽऽ।।

वैशाख मासः

शुक्ला २ चन्द्रे रोहि ल. १०-११-१२ रे.९ ।।।।।।ऽ।।।
,, ८ रवौ मघा. ल. गो.११ (चं७पू) रे.८ ।।।।।।।ऽ।।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, १० भौमे उफा. ल. ऽन्यगो रे. ७ ।ऽ।।।ऽअ।ऽ।।
,,११बुधे हस्ते ल.ऽन्यगो१० (मकरे.श.पू.) रे.६।।।।।।ऽ।।।
,, १४ शुक्रे स्वात्यां ल.१० (श.पू.) रे.६ ऽऽ।।।ऽअऽ।।।
,,१५शनौ अनु ल.११-१२ (घ.४६-२०उ) रे.७।।।।ऽ।ऽऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १ रवौ अनु. ल. ११-१२ रे. ६ ।।।।ऽऽनृऽऽ।।
,, ९ भौमे उभा ल. १०-११ (मकरे.श.पू.) रे. ९
।।।।।।नृ४३उ.।ऽ।।
,, १० बुधे रेव ल. १०-११ (मकरे.श.पू.) रे. ६
ऽ।।।।ऽ(नृ.४४या)ऽऽ।।
,, ११ गुरौ रेव ल. ऽन्यगो (भौमाऽमहादोषः) रे. ७
ऽ।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ६ शनौ मघा ल. ११-१ रें. ६ ।ऽ।।।।।।।।
कुंभे चन्द्रोऽर्क्यः
,, ८ चन्द्रे उफा ल. १०-१२ रे.६।।।।।।।ऽ।। मीनचं.पू.
,, १३ शनौ अनु ल. ११-१२ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।

आषाढ मासः

कृष्णा ७ चन्द्रे उभा ल. २ (गु.पू.) रे ७ ।।।।।ऽरो।ऽ।ऽ
,, ८ भौमे उभा ल. ११ रे ८ ।।।।।।।।ऽ।ऽ दग्धा
शुक्ला ५ रवौ उफा ल. ११-२ रे १० ।।।।।।।।।।
कुंभे चन्द्रोऽर्क्यः । वृषे गु.पू.
,, ६ चन्द्रे हस्ते ल. १२-२ रे ७ ।।।।।ऽनृऽऽ।।
मीने चं७पू. । वृषे गु७पू.
,, ९ बुधे स्वात्यां ल. ११ रे ८ ऽ।।।।चौ३९उऽ।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ७ भौमे मघा ल. ४-६ रे ७ ।।।।।ऽअ४३याऽऽ।।
,, ८ बुधे मघा ल. ऽन्यगो रे ८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, १० शुक्रे हस्ते ल. ऽन्यगो ५ रे८ ।।।।।।चौ४१उऽऽ।।
शुक्ला २ गुरौ मूले ल. ५-६ रे ८ ।।ऽबृशु।।।ऽ।।।
,, १४ बुधे रोहि ल. ५-६ (घ.४१-५२उ) रे७।।।।ऽ।ऽऽ।।
,, १५ गुरौ मृगे ल. ५ रे ६ ।ऽ।।ऽऽरो।ऽ।।

माघ मासः

कृष्णा ५ बुधे उफा ल. गो. रे ९ ।।।।।।।ऽ।।
,, ६ गुरौ हस्ते ल. ७ रे ७ ऽ।।।।ऽ (मृ.पं.४५या) ऽ।।।
,, ९ शनौ स्वात्यां ल. ऽन्यगो रे६ ऽ।।ऽशु।।नृ४१उऽऽ।।
पादतो वेधाऽभावः
,, ११ चन्द्रे अनु ल. ऽन्यगो रे ७ ।ऽ।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ४ बुधे उभा ल. ऽन्यगो रे ८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, ५ गुरौ रेव ल. ऽन्यगो रे ९ ।।।।।ऽ।।।।
शुक्ला १० भौमे रोहि. ल. गो. रे ८ ।।।।।।ऽऽ।।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ८ रवौ अनु ल. ऽन्यगो रे ९ ।।।।।।।ऽ।।
शुक्ला २ भौमे उभा ल. ८ रे ८ ।ऽ।।।।ऽ।।।
,, ३ बुधे रेव ल. ८ रे ७ ।।ऽशु।।ऽनृ।।।ऽ दग्धा
अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२९२३स.२०१९
१	श २२ १ रे २१६ वै ३९ १ व २२ १	३१	५	६	१६	२९	६	मे.२।१६	रोहि.भौमः २५ चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः=
२	र २३ ४६ अ ४४४ वि ३७ २० कौ २३ ४६	१०	४६	१४	१७	१	७	मेषे	पूभा.शुक्रः३०।७सावान८सिंधारा
३	चं २४ २२ भ ८ ६ प्री ३४ ४१ ग २४ २२	१४	४५	१५	१८	२	८	वृ.२३।२८	भ.५४।१५उ. मत्स्यजयंती गणगौरी
४	मं २४ ८ कृ ९ ३२ आ ३१ २५ वि २४ ८	१८	४४	१६	१९	३	९	वृषे	भ.२४।८या. [=नवरात्रारंभः
५	बु २२ ४६ रो १० ४ सौ २७ ३१ बा २२ ४६	२२	४४	१६	२०	४	१०	मि३९।४७	
६	गु २० ३१ मृ ९ २९ शो २२ ३२ तै २० ३१	२६	४३	१७	२१	५	११	मिथुने	मीनेबुधः५२।१४वक्रीगुरुः११।७
७	शु १७ २० आ ७ ५९ अ १६ ५४ व १७ २०	३०	४२	१८	२२	६	१२	क.५१।१३	भ.१७।२०उ.४५।१७या.
८	श १३ १३ पु ५ ३७ सु १० २६ ब १३ १३	३४	४१	१९	२३	७	१३	कर्के	रामनवमी स्मा. [×रामनवमी वै.
९	र ८ ४ पु २३ ५५ धृ १६ ५२ कौ ८ ४	३८	४०	२०	२४	८	१४	सिं५८।१९	अश्वि.मेषेऽर्कः१८।४७(सौरः २४)×
१०	चं २ ४ म ५३ २५ गं ४६ ५१ ग २ ४	४२	४०	२०	२५	९	१५	सिंहे	भ.२६उ.५८या.उभा.बुधः १२ मीनेशुक्रः+
११	चं ५३ १४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+५६ कामदा११व्र.स्मा.
१२	मं ४७ ४८ पू ४७ ५१ वृ ३८ ० ब २१ ३३	४६	३९	२१	२६	१०	१६	सिंहे	पातस्पर्शः १२९ पातमोक्षः ३४ कामदा÷
१३	बु ३९ ५० उ ४१ ५५ ध्रु २८ ४२ कौ १३ ४९	५०	३८	२२	२७	११	१७	कं.१।२२	प्रदोषः [÷११व्र.वै.
१४	गु ३२ ९ ह ३६ २९ व्या १९ ४२ ग ५ ५९	५३	३७	२३	२८	१२	१८	कन्यायां	भ.३२उ.५७या.उभा.शुक्रः ३४
१५	शु २५ ५ चि ३१ २७ ह ११ १४ वि २५ ५	५७	३७	२३	२९	१३	१९	तु.३।५८	हनुमज्जयंती

५२पं.चै.शु.१श.इ. ३।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	८	१०	८	२	११
२१	९	२५	०	१८	२५	२८	२१
५३	४५	११	१२	१४	४९	२३	४८
३१	२५	२४	४७	५३	५९	१९	४
५९	३९	३१	०	७२	२	३	५९
४	२३	मा	५२	२५	२८	११	४

गोचर ग्रहाः

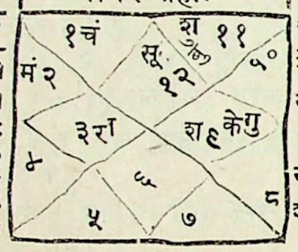

चैत्र शुक्ले ९ रवौ मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावें महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

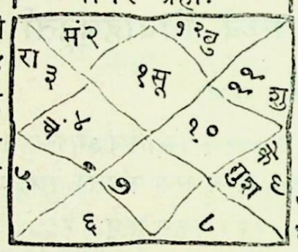

१पं.चै.शु. ९र.इ.१४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	८	१०	८	२	११
०	१५	२	०	२८	२६	२७	२९
०	११	२६	१३	१३	७	५७	५४
०	५६	१३	४४	१	८	१५	१८
५८	३९	५९	४३	७२	१	३	५८
४४	२५	५२	व	४९	२५	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	श १८ ५८ स्वा २७ ४१ व ३७ ५३ कौ १८ ५८	३२	५	६	३०	१४	२०	तुलायां	
२	र १४ २२ वि २५ ७ व्य ५१ ५५ ग १४ २२	५	३५	२५	१	१५	२१	वृ.१०।४६	भ.४२।५४उ.भा.वैशाखारंभः
३	चं ११ २७ अ २४ ५८ व ४८ २७ वि ११ २७	९	३४	२६	२	१६	२२	वृश्चिके	भ.११।२७या.चतुर्थी व्र.
४	मं १० २२ ज्ये २६ ३४ प ४६ ४६ वा १० २२	१२	३४	२६	३	१७	२३	ध.२६।३४	वक्रीज्येष्ठा.४वृश्चिकेगुरुः१७।१०
५	बु ११ ४४ मू ३० १३ शि ४६ ७ तै ११ ४४	१६	३३	२७	४	१८	२४	धनुषि	
६	गु १४ ४७ पू ३५ १३ सि ४६ ५७ व १४ ४७	२०	३२	२८	५	१९	२५	म.५१।५३	भ.१४उ.४७या.रेवत्यांबुधः ३५
७	शु १९ ३० उ ४१ ५४ सा ४८ ४३ ब १९ ३०	२३	३१	२९	६	२०	२६	मकरे	मृगे भौमः ४५।२२
८	श २५ १६ श्र ४९ १ शु ५१ ० कौ २५ १६	२७	३१	२९	७	२१	२७	मकरे	भरण्यांरविः५९।५
९	र ३१ ३६ ध ५६ ४७ शु ५३ ३३ ग ३१ ३६	३१	३०	३०	८	२२	२८	कुं.२२।५३	भरण्यांरविःसौरः६।६
१०	चं ३७ ४३ श ६० ० बृ ५५ ४९ व ४ ४०	३४	२९	३१	९	२३	२९	कुंभे	भ.४० उ ३७या.रेवत्यांशुक्रः ३९
११	मं ४३ ३१ श ४ ७ ऐं ५७ २८ ब १० ३७	३८	२८	३२	१०	२४	३०	मी५४।१२	वरुथिनी११व्र.
१२	बु ४८ २८ पू १० ५४ वै ५८ २८ कौ १५ ५९	४१	२८	३२	११	२५	१	मीने	वक्रीशनिः७।२१मई५ता.३१
१३	गु ५१ ५५ उ १६ २१ वि ५८ १० ग २० ११	४५	२७	३३	१२	२६	२	मीने	भ.५१।५५उ. प्रदोषः
१४	शु ५४ १६ रे २० ४२ प्री ५७ २ वि २३ ५	४८	२६	३४	१३	२७	३	मे.२०।४२	भ.२३।५या.अश्वि.मेषेबुधः३४।३२
३०	श ५४ ५२ अ २३ ३४ आ ५४ ४० च २४ ३५	५२	२६	३४	१४	२८	४	मेषे	

२पं.वै.कृ.२र.इ.१९।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	८	११	८	२	०
६	१९	१०	०	६	२६	२७	६
५०	४७	५९	४	४०	१५	२४	४४
४२	५६	६	१६	५९	०	५९	२९
५८	३९	७८	२०	७३	१	३	५८
३१	२५	४७	व.	२	१	११	२९

गोचर ग्रहाः

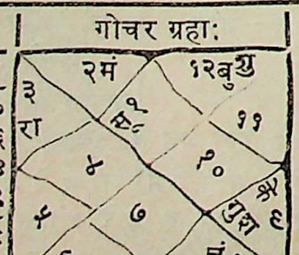

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं प्रजा में महामारी फैले धान्य धातु रस तेज होवे धूप तेज होवे अग्नि का प्रकोप होवे

गोचर ग्रहाः

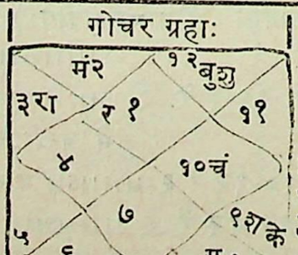

३पं.वै.कृ.९र.इ.१९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	७	११	८	२	०
१३	२४	२१	२९	१५	२६	२७	१३
३९	२१	१९	४५	९	१८	१२	३२
४७	४३	१६	५८	२९	१०	४४	५४
५८	३९	९६	३३	७३	०	३	५८
१९	२४	२८	व.	१६	१६	११	१२

ति.	बैशाख शुक्लपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१												दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२९५१स.२०१९
१	र	५४	११	भ	२५	१२	सौ	५१	१९	किं	२४	३१	३३	५	६	२९	१५	५	वृ. ४०।१८	[+पूषा.४केतुः४५।४५
२	चं	५२	२३	कृ	२५	३५	शो	४७	१२	बा	२२	१७	५८	२४	३६	१६	३०	६	वृषे	मिथुनेभौमः५७।२२ चंद्रदर्शनम्
३	मं	४९	४९	रो	२४	५५	अ	४२	२०	तै	२१	६	३३	२४	३६	१७	१	७	मि५४।१४	रमजानऽ परशुरामजयंती अक्षय३
४	बु	४६	२३	मृ	२३	३४	सु	३९	४०	व	१८	६	५	२३	३७	१८	२	८	मिथुने	भ.१८।६उ.४६।२३या.पुन.२राहुः+
५	शु	४२	२२	आ	२१	३८	धृ	३०	५१	ब	१४	२३	८	२२	३८	१९	३	९	मिथुने	[÷३५।३२बुधास्तः पूर्वस्यां९।५३
६	शु	३७	५६	पु	१९	१३	शू	२४	४७	कौ	१०	९	११	२२	३८	२०	४	१०	क.४।४९	भरण्यांबुधः४४।४२अश्वि.मेषेशुक्रः÷
७	श	३३	९	पु	१६	२२	गं	१८	१०	ग	५	३२	१४	२१	३९	२१	५	११	कर्के	भ.३३।९उ.कृत्ति.रविः४५(सौरः५३)−
८	र	२८	२	श्ले	१३	१४	बृ	११	१५	वि	०	६	१७	२१	३९	२२	६	१२	सिं१३।१४	भ.९या. [−पातस्पर्शः३५पातमोक्षः५३
९	चं	२२	३२	म	९	३७	धु	३५	४३	कौ	२२	३२	२०	२०	४०	२३	७	१३	सिंहे	[D(सौरः२१।४५) मोहिनी ११ व्र.
१०	मं	१६	५२	पू	५	४३	ह	४९	११	ग	१६	५२	२३	१९	४१	२४	८	१४	कं.१९।४४	भ.४३।५५उ.
११	बु	१०	५८	उ	४९	५६	व	४१	४९	वि	१०	५८	२६	१९	४१	२५	९	१५	कन्यायां	भ.१०।५८या.वृषेऽर्कः१२।१६D
१२	गु	४	५३	चि	५४	२९	सि	३४	२४	बा	४	५३	२८	१८	४२	२६	१०	१६	तु.२६।२९	प्रदोषः [*यमायकुम्भदानम्
१३	शु	५४	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[Aआर्द्राभौमः१८।३१नृसिंहजयंती
१४	शु	५४	१४	स्वा	५१	२६	व्य	२७	३७	ग	२७	४७	३१	१८	४२	२७	११	१७	तुलायां	भ.५४।१४उ.कृत्ति.बुधः१३।५A
१५	श	५०	१७	वि	४९	२०	व	२१	३३	वि	२२	१६	२४	१७	४३	२८	१२	१८	वृ.३४।५२	भ.२२।१६या.वृषेबुधः४४।२१*

४पं.वै.शु.१र.इ.१९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	७	११	८	२	०
२०	२८	३	२९	२३	२६	२६	२०
२७	५५	१३	१९	३८	१७	५०	१९
२५	४८	८	१९	५३	६	२८	३९
५८	३९	१००	३४	७३	२०	३	५७
६	२३	९	व	२६	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

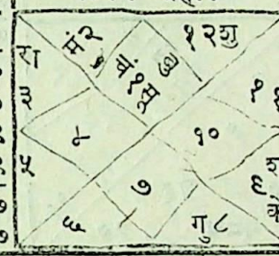

वैशाख शुक्ले ११बुधे
वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४
न.४बालावस्था(बैठी)
मु.३० धान्यादि भावे
समता शुक्रोदयः
पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

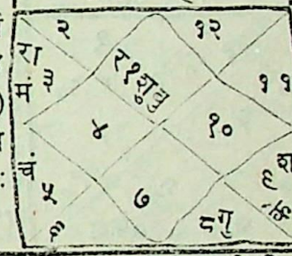

५पं.वै.शु.८र.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	७	०	८	२	०
२७	३	१६	२८	२	२६	२६	२७
१३	२७	३४	४५	८	११	२८	४
३७	४३	५२	०	२४	२०	१२	५३
५७	३९	९९	४२	७३	१९	३	५७
५४	२२	८	व.	३८	व.	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१												दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.
१	र	४७	३०	अ	४८	४०	प	१६	२३	बा	१८	५४	३३	५	६	२९	१३	१९	वृश्चिके	
२	चं	४६	२२	ज्ये	४९	२४	शि	१२	२८	तै	१६	५६	२९	१६	४४	३०	१४	२०	ध.४९।२४	
३	मं	४७	९	मू	५२	८	सि	९	५५	व	१६	४६	४२	१६	४४	३१	१५	२१	धनुषि	भ.१६।४६उ.४७।९या.भरण्यांशुक्रः३९
४	बु	४९	३५	पू	५६	२९	सा	८	५८	ब	१८	२२	४४	१५	४५	१	१६	२२	धनुषि	भा.ज्येष्ठारंभः चतुर्थी व्र.
५	शु	५३	३२	उ	६०	०	शु	८	४७	कौ	२१	३४	४७	१५	४५	२	१७	२३	म.१२।५८	रोहि.बुधः११।३१पातस्पर्शः३३।४२
६	शु	५८	४७	उ	२	२३	शु	१०	७	ग	२६	१०	४९	१४	४६	३	१८	२४	मकरे	भ.५८।४७उ.पातमोक्षः२०।२
७	श	६०	०	श्र	९	५	ब्र	११	५३	वि	३१	५०	५२	१४	४६	४	१९	२५	कुं.४२।५२	भ.५०या.रोहि.रविः५०(सौरः४७)
७	र	४	५३	ध	१६	३९	धै	१४	२२	ब	४	५३	५४	१३	४७	५	२०	२६	कुम्भे	
८	चं	१०	५९	श	२४	८	वै	१५	५८	कौ	१०	५९	५६	१३	४७	६	२१	२७	कुंभे	
९	मं	१६	५०	पू	३१	१०	वि	१८	५३	ग	१६	५०	५८	१२	४८	७	२२	२८	मी१४।२४	भ.४९।२२उ.
१०	बु	२१	५५	उ	३७	१३	प्री	२०	२१	वि	२१	५५	३०	१२	४८	८	२३	२९	मीने	भ.२१।५५या.मृगेबुधः२८।५०
११	गु	२५	२९	रे	४१	४८	आ	२०	२१	बा	२५	२९	२	१२	४८	९	२४	३०	मे.४१।४८	अपरा ११ व्र.
१२	शु	२७	३८	अ	४४	५२	सौ	१९	२६	तै	२७	३८	३	११	४९	१०	२५	३१	मेषे	वक्रीज्येष्ठा.३गुरुः३०।४२ प्रदोषः
१३	श	२७	४६	भ	४६	१४	शो	१७	११	व	२७	४६	५	११	४९	११	२६	१	मेषे	भ.४९उ.५७या.मिथुनेबुधः४२कृत्ति.=
१४	र	२६	२१	कृ	४५	५९	अ	१३	३२	श	२६	२१	७	११	४९	१२	२७	२	वृ.१।११	[=शुक्रः३०बुधोदयःपश्चिमायां३१×
२०	चं	२३	२६	रो	४४	१४	सु	८	४०	ना	२३	२६	९	१०	५०	१३	२८	३	वृषे	वटपूजनम् [×जून६ता.३१

६पं.ज्ये.कृ.१र.इ.१९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	७	०	८	२	१
३	७	१	२८	१०	२६	२६	३
५८	५९	१६	३	३९	०	५	४८
३७	२१	१६	२५	४२	४	५७	३६
५७	३९	९९	४२	७३	१९	३	५७
४४	१८	८	व.	५०	व.	११	३४

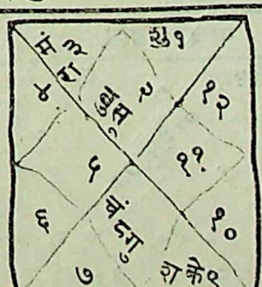

७पं.ज्ये.कृ.७र.इ.२०।१

र	मं	ब्र	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	७	०	८	२	१
१०	१२	१६	२७	१९	२५	२५	१०
४२	३०	३९	१६	९	४४	४३	३०
२९	४३	४०	१६	५८	५६	४१	४७
५७	३९	९९	१९	७३	२८	३	५७
३५	१८	८	व.	५४	व.	११	२३

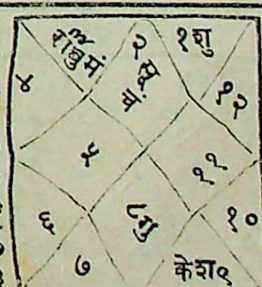

८पं.ज्ये.कृ.१४र.इ.२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	७	०	८	२	१
१७	१७	१	२६	२७	२५	२५	१७
२५	०	१४	२५	४१	२६	२१	११
१९	१	४६	४३	२०	६	२६	५३
५७	३९	९९	५०	७४	३	३	५७
२२	१५	८	व.	२	व.	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २९८१स.२०१९
१	मं १९ ५ मृ ४१ ४०	धृ	३	८	२९	ब	१९	५	३ ४ ५ १० ३० ६ ५० १४ २९ ४ मि १२।५७ चंद्रदर्शनम्
२	बु १४ ४ आ ३८ ४	गं	४८	५५		कौ	१४	४	१२ १० ५० १५ १ ५ मिथुने आर्द्रा.बुधः ३ २ वृषेशुक्रः १३ सव्वाल १०
३	गु ८ १७ पु ३४ ११	वृ	४१	२३		ग	८	१७	१३ ९ ५१ १६ २ ६ क.२०।१० भ.३५।२०उ.
४	शु २ २४ पु ३० १४	ध्रु	३३	५९		वि	२	२४	१५ ९ ५१ १७ ३ ७ कर्के भ.२।२४या.पुन.भौमः४।१९
५	शु ५४ २ ० ० ०	०	०	०		०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ० ०
६	श ५० ४२ श्ले २६ २४	व्या	२६	४६		कौ	२३	३४	१६ ९ ५१ १८ ४ ८ सिं २६।२४ मृगेरविः ३०।४३ (सौरः४६।४३)
७	र ४५ ५ म २२ ४१	ह	१९	३५		ग	१७	५४	१७ ९ ५१ १९ ५ ९ सिंहे भ.४५।५उ.
८	चं ३९ ५३ पू १९ २२	व	१२	३३		वि	१२	२९	१८ ८ ५२ २० ६ १० कं.३३।३६ भ.१२।२९या.
९	मं ३५ ० उ १६ २०	सि	५	४	५३ ३८	बा	७	२६	१९ ८ ५२ २१ ७ ११ कन्यायां [×रोहि.शुक्रः२९।४७गंगादशमी
१०	बु ३० २५ ह १३ ३७	च	५३	२६		तै	२	४२	१९ ८ ५२ २२ ८ १२ तु.४२।३२ भ.५८।२७उ.पुन.बुधः५९।१२×
११	गु २६ २९ चि ११ २६	प	४७	५६		वि	२६	२९	२० ८ ५२ २३ ९ १३ तुलायां भ.२६।२९या.निर्जला ११व्र.
१२	शु २३ ३ स्वा ९ ५०	शि	४३	०		बा	२३	३	२१ ८ ५२ २४ १० १४ वृ.५४।१३ प्रदोषः
१३	श २० २५ वि ९ १	सि	३८	४७		तै	२०	२५	२१ ८ ५२ २५ ११ १५ वृश्चिके मिथुनेऽर्कः २९।१७ (सौरः४७।३१)
१४	र १८ ५१ अ ९ १४	सा	३५	२३		व	१८	५१	२२ ८ ५२ २६ १२ १६ वृश्चिके भ.१८।५१उ.४८।३८या.
१५	चं १८ २४ ज्ये १० ३८	शु	३३	२		ब	१८	२४	२२ ८ ५२ २७ १३ १७ ध.१०।३८ गुर्जराणां वट सावित्री व्र.

९पं.ज्ये.शु.७र.इ.२०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	७	१	८	२	१
२४	२१	१३	२५	६	२५	२४	३०
७	२९	५६	३२	१३	४	५९	५१
१९	६	३५	४२	८	५	१०	४९
५७	३९	५०	५२	७४	३	३	५७
२२	२२	३८	व.	८	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

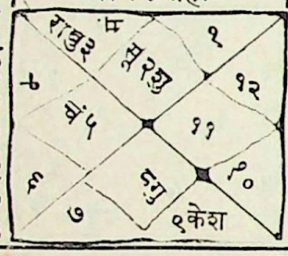

ज्येष्ठशुक्ले १३ शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

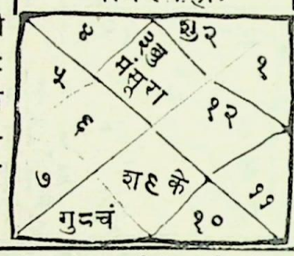

१०पं.ज्ये.शु.१४र.इ.२०।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	७	१	८	२	२
०	२५	२४	२४	१४	२४	२४	०
४८	५७	२५	३८	४५	३८	३६	३०
३६	२५	५९	२४	०	२८	५४	५८
५७	३९	८०	५३	७४	४	३	५६
१७	११	२०	वं.	१४	व.	११	५७

हि.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	मं १९ ३६ मृ १३ ११	शु	३१	५८		कौ	१९	३६	३ ४ ५ ६ ५३ २८ १४ १८ धनुषि
२	बु २२ १० पू १७ १०	ब्र	३१	३१		ग	२२	१०	२३ ७ ५३ २९ १५ १९ म.३३।३१ भ.५४।१उ.
३	गु २५ ५२ उ २२ ३५	ऐं	३२	१९		वि	२५	५२	२३ ७ ५३ ३० १६ २० मकरे भ.२५।५२या.कर्केबुधः१२।२०चतुर्थीव्र.
४	शु ३० ५३ श्र २९ ४	वै	३३	५८		बा	३०	५३	२४ ७ ५३ ३१ १७ २१ मकरे [=कर्केभौमः४०।२८भा.आषाढारंभः
५	श ३६ ४३ ध ३६ १३	वि	३४	४४		कौ	३	४८	२४ ७ ५३ १ १८ २२ कुं.२।३८ आर्द्रा.रविः२८।१२ (सौरः४९।४)=
६	र ४२ ४७ श ४३ ४१	प्री	३८	३४		ग	९	४५	२४ ७ ५३ २ १९ २३ कुम्भे भ.४२।४७उ.मृगेशुक्रः२१।२२
७	चं ४८ ५६ पू ५१ १०	आ	४१	१०		वि	१५	५१	२४ ७ ५३ ३ २० २४ मी ३४।१८ भ.१५।५१या.पुष्येबुधः८।३८
८	मं ५४ २४ उ ५७ ५९	सौ	४३	७		बा	२१	४०	२४ ७ ५३ ४ २१ २५ मीने
९	बु ५८ ३२ रे ६० ०	शो	४४	७		तै	२६	२८	२३ ७ ५३ ५ २२ २६ मीने वक्रीज्येष्ठा.२गुरुः४४।५७
१०	गु ६० ० रे ३ २५	अ	४३	५८		व	२९	५१	२३ ७ ५३ ६ २३ २७ मे.३।२५ भ.२९।५१उ.पुष्येभौमः५७।२७
१०	शु १ १० अ ७ २९	सु	४२	२४		वि	१	१०	२२ ८ ५२ ७ २४ २८ मेषे भ.१।१०या.मिथुनेशुक्रः५०।२५
११	श १ ४९ भ ९ ३५	धृ	३९	११		बा	१	४९	२२ ८ ५२ ८ २५ २९ वृ.२४।३८ योगिनी ११व्र.
१२	र ० ३१ कृ ९ ४६	शू	३४	४१		तै	०	३१	२१ ८ ५२ ९ २६ ३० वृषे भ.५७।२३उ. प्रदोषः
१३	र ५६ ५२ ० ० ०	०	०	०		०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ० ०
१४	चं ५२ १२ रो ८ ११	गं	२८	४०		वि	२४	४७	२० ८ ५२ १० २७ १ मि ३६।३६ भ.२४।४७या.जुलाई७ता.३१
२०	मं ४६ ४ मृ ५ २	बृ	२१	२३		च	१९	८	१९ ८ ५२ ११ २८ २ मिथुने

११पं.आ.कृ.६र.इ.२०।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	७	१	८	२	२
७	०	२	२३	२३	२४	२४	७
२९	२५	३८	४५	१८	१०	१४	९
३१	५६	५३	४७	२२	४१	३९	२५
५७	३९	५०	३	७४	१	३	५६
१३	१८	४७	व.	२०	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मास में गुड़ शक्कर तेज हो धान्य गेहूं जौ चना मटर धातु सोना चांदी मंदा हो कहीं-कहीं वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

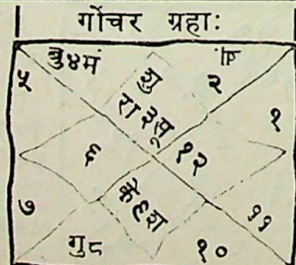

१२पं.आ.कृ.१२र.इ.२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	७	२	८	२	२
१४	४	८	२२	१	२३	२३	१३
९	५३	१	५७	५१	४०	५२	४७
५८	१०	१९	७	७	५९	२३	३०
५७	३९	२४	५०	७४	३	३	५६
७	१३	११	व.	२६	व.	११	५०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि. उ. अ.			भा. मु इं.			चन्द्रः	वर्षतूं रविदक्षिणेऽहर्गणः ३०१०स.२०१९
१	बु	३८	३७	आ	१६	५४ ३४	धु	१३	१३	किं	१२	२० ३४	५८	५६	१२	२९	३	क.४१।११	
२	गु	३०	५७	पु	४९	७	व्या	२५	५१ ३१	बा	४	४७ १७	९	५१	१३	३०	४	कर्के	आर्द्रां.शुक्रः १७ चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	शु	२३	८	श्ले	४३	२७	व	४६	२८	ग	२३	८ १६	९	५१	१४	१	५	सिं ४३।२७	भ. ४९ उ.वक्रीबुधः ५४ वक्रीपूषा.३शनिः ×
४	श	१५	३१	म	३८	११	सि	३७	४०	वि	१५	३१ १५	९	५१	१५	२	६	सिंहे	भ. ३५ १ या.पुन.रविः२७।२ (सौरः५३।६)
५	र	८	३५	पू	३३	३४	व्य	२९	४७	बा	८	३५ १४	९	५१	१६	३	७	कं ४७।३५	[×२०।४४जिल्काद११
६	चं	२	२०	उ	२९	३९	व	२२	१८	तै	२	२० १३	९	५१	१७	४	८	कन्यायां	भ.५७।१उ.
७	चं	५४	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	०	०	०	०	[A ग्रहणम् व्यासपूजा वायु परीक्षा
८	मं	५२	३४	ह	२६	४५	प	१५	३८	वि	२४	४८ ११	१०	५०	१८	५	९	तुं.५५।५०	भ.२४।४८या.
९	बु	४९	१६	चि	२४	५५	शि	९	४९	बा	२०	५५ १०	१०	५०	१९	६	१०	तुलायां	पुन.१राहुःपूषा.३केतुः३०।५३
१०	गु	४७	७	स्वा	२३	५८	सि	४	४६	तै	१८	११ ८	१०	५०	२०	७	११	तुलायां	[= ५२।३७देवशयनी११व्र.
११	शु	४५	३८	वि	२४	९	सा	३७	५६ ३०	व	१६	२३ ७	११	४९	२१	८	१२	वृ.९।७	भ.१६।२३उ.४५।३८या.अस्तो भौमः =
१२	श	४५	२०	अ	२५	१५	शु	५४	४३	ब	१५	२९ ५	११	४९	२२	९	१३	वृश्चिके	बुधास्तःपश्चिमायां४।५२
१३	र	४६	७	ज्ये	२७	२८	ब्र	५२	५४	कौ	१५	४३ ३	११	४९	२३	१०	१४	ध.२७।२८	प्रदोश।
१४	चं	४८	१४	मू	३०	५७	ऐं	५२	२४	ग	१७	१० १	१२	४८	२४	११	१५	धनुषि	भ.४८।१४उ.पुन.शुक्रः८।२
१५	मं	५१	२०	पू	३५	१९	वै	५२	२०	वि	१९	४७ ३३	१२	४८	२५	१२	१६	म.५१।४०	भ १९।४७या कर्केऽर्कः५६।२८चंद्र A

१३पं.आ.शु.५र.इ.१९।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	७	२	८	२	२
२०	९	१०	२२	१०	२३	२३	२०
५०	१९	६	१४	२५	१०	३०	२५
२४	५२	२५	१३	५५	४४	८	२४
५७	३९	६ ७	८	७४	४० ४०	३	५६
७	५	व	व.	२६	व	११	५०

गोचर ग्रहः

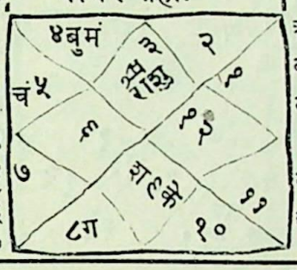

आषाढशुक्ले १५ भौमे कर्कऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी)मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहः

१४पं.आ.शु.१३र.इ.१९।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	७	२	८	२	२
२७	१३	८	२१	१९	२२	२३	२७
३०	४६	३८	३४	०	४०	७	३
४३	३७	२८	५९	४	३७	५२	३१
५७	३९	३३ ४९	५ ४	७४	४०	३	५६
११	१२	व	व.	२९	व.	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षतूं रविदर्क्षिणे आषाढ कृष्णेति महा
१	बु	५५	३३	उ	४०	४३	वि	५३	१४	बा	२३	२६ ३३	५७	१३	४७	२६	१३	१७	मकरे	कर्केऽर्कःसौरः२५।५०
२	गु	६०	०	श्र	४७	१३	प्री	५४	४३	तै	२८	३८	५५	१३	४७	२७	१४	१८	मकरे	आश्लेषा.भौमः५७।९
३	शु	०	४३	ध	५४	८	आ	५६	४४	ग	०	४३	५२	१४	४६	२८	१५	१९	कुं.२०।४०	भ.३३।३७उ.
४	श	६	३१	श	६०	०	सौ	५९	१०	वि	६	३१	५०	१४	४६	२९	१६	२०	कुंभे	भ.६।३१या.पुष्येरविः२५।४६ (सौरः +
५	र	१२	३१	श	१	४१	शो	६०	०	बा	१२	३१	४८	१४	४६	३०	१७	२१	मी. ५३ २३	[+५६।३१) चतुर्थीव्र.
६	चं	१८	४६	पू	९	१५	शो	१	३८	तै	१८	४६	४५	१५	४५	३१	१८	२२	मीने	शुक्रास्तःपूर्वस्यां३३।३६नाग५मरुस्थले
६	मं	२४	३६	उ	१६	४०	अ	४	१३	व	२४	३६	४३	१५	४५	१	१९	२३	मीने	भ.२४।३६उ.५६।५८वक्रीपुन.बुधः७।३×
७	बु	२९	२०	रे	२३	७	सु	५	५४	ब	२९	२०	४०	१६	४४	२	२०	२४	में.२३।७	[×कर्केशुक्रः १५ भा श्रावणारंभः
८	गु	३२	५४	अ	२८	१६	धृ	६	५०	बा	१	७	३८	१६	४४	३	२१	२५	मेषे	
९	शु	३४	३९	भ	३१	४८	शू	६	२६	तै	३	४६	३५	१७	४३	४	२२	२६	वृ.४७।१४	पुष्येशुक्रः०।२
१०	श	३४	२४	कृ	३३	३१	गं	४	४०	व	४	३१	३३	१७	४३	५	२३	२७	वृषे	भ.४।३१उ.३४।२४या.
११	र	३१	५८	रो	३३	९	वृ	५१	५५ ४	ब	३	४१	३०	१८	४२	६	२४	२८	वृषे	कामिका११व्र.
१२	चं	२७	३९	मृ	३०	४४	व्या	४९	३१	तै	२७	३९	२७	१९	४१	७	२५	२९	मि. ५९	वक्रीमिथुनेबुधः९।४७प्रदोषः
१३	मं	२१	२९	आ	२६	२०	ह	४१	३२	व	२१	२९	२४	१९	४१	८	२६	३०	मिथुने	भ.३१ उ.४७ या.बुधोदयःपूर्वस्यां४।४२
१४	बु	१३	४२	पु	२०	४४	व	३२	१९	श	१३	४२	२२	२०	४०	९	२७	३१	क.७।८	
३०	गु	४	५८	पु	१४	८	सि	२२	३२	ना	४	५८	१९	२०	४०	१०	२८	१	कर्के	मार्गीबुधः ५३ अगस्तदता.३१हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.४र.इ.१९।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	७	२	८	२	३
४	१८	४	२१	२७	२२	२२	३
११	१३	२८	४	३६	१०	४५	४१
२८	५	८	५	११	३४	३६	५८
५७	३९	३६ ३	५७	७४	२९ ४	३	५६
१५	१२	व	व.	३२	व.	११	५९

गोचर ग्रहः

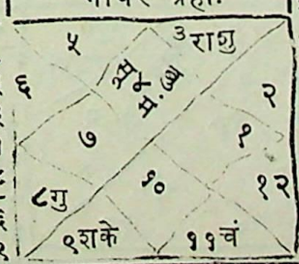

श्रावण पहली पंचमी वर्षे करे निहाल। पवन चले तो अति बुरी पड़े हलाहल काल ।। लेखक-वंशीधर शर्मा सिमारला

गोचर ग्रहः

१६पं. श्रा.कृ.११र.इ.१९।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	७	३	८	२	३
१०	२२	०	२०	६	२१	२२	१०
५२	३९	२४	४१	१३	४०	२३	२१
३०	०	४०	५३	१२	१२	२१	१५
५७	३९	२५ ३३	५७	७४	४	३	५७
२०	१९	व.	व	३२	१०	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि. उ.अ.			भा मु इं.			चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०४०सन् २०१९
१	गु	५०	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
२	शु	४६	१६	श्ले	५३	५३०	व्य	१२	१३	बा	२०	५७	३३१६	२५	३९	११	२९	२	सिं ६।५२	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	श	३७	२८	पू	५३	१३	व	२५०	३	तै	११	५२	१३	२१	३९	१२	१	३	सिंहे	आश्ले.रविः ३३/५८ (सौरः ५७/५८) कर्के बुधः +
४	र	२९	२२	उ	४७	१३	शि	४२	४३	व	३	२५	१०	२२	३८	१३	२	४	क. ६।४३	भ.३।२५उ.२९।२२या.वरद४
५	चं	२२	२०	ह	४२	३३	सि	३४	३२	बा	२२	२०	७	२३	३७	१४	३	५	कन्यायां	आश्ले.शुक्रः ४७।२७नागपंचमी
६	मं	१६	४०	चि	३९	३२	सा	२७	३१	तै	१६	४०	४	२३	३७	१५	४	६	तु ११।२	[+१७।३७जिल्हेज १२तीज
७	बु	१२	३८	स्वा	३७	५५	शु	२१	३३	व	१२	३८	०	२४	३६	१६	५	७	तुलायां	भ.१२।३८उ.४१।२१या.
८	गु	१०	९	वि	३७	४६	शु	१६	५०	ब	१०	९	३३५७	२५	३५	१७	६	८	वृ.२२।४८	मघा.सिंहेभौमः ५८।३९
९	शु	९	६	अ	३९	२	ब्र	१३	३१	कौ	९	६	५४	२५	३५	१८	७	९	वृश्चिके	पुष्येबुधः ३४।२
१०	श	९	३१	ज्ये	४१	५०	ऐं	११	१	ग	९	३१	५०	२६	३४	२९	८	१०	ध.४१।५०	भ.४०।२४उ.मार्गीगुरुः ४२।४०
११	र	११	१८	मू	४५	३६	वै	९	५६	वि	११	१८	४७	२७	३३	२०	९	११	धनुषि	भ.११।१८या.पवित्रा ११व्र.
१२	चं	१४	२१	पू	५०	३७	वि	९	५०	बा	१४	२१	४४	२७	३३	२१	१०	१२	धनुषि	प्रदोषः
१३	मं	१८	२२	उ	५६	२९	प्री	१०	१७	तै	१८	२२	४०	२८	३२	२२	११	१३	म.७।५	
१४	बु	२३	६	श्र	६०	०	आ	११	१७	व	२३	६	३७	२९	३१	२३	१२	१४	मकरे	भ.२३।६उ.५५।५५या.
१५	गु	२८	४४	श्र	३	१२	सौ	१३	९	ब	२८	४४	३३	२९	३१	२४	१३	१५	कुं. ३६।४४	श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्

१७पं श्रा.शु.४र.इ. १९/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	७	३	८	२	३
१७	२७	०	२०	१४	२१	२२	१७
२४	५	१६	२७	५०	१३	१	१
१२	६	८	५८	२४	८	५	३
५७	३९	१५/४९	१/२४	७४	५४	३	५७
२५	९	मा	व.	२८	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

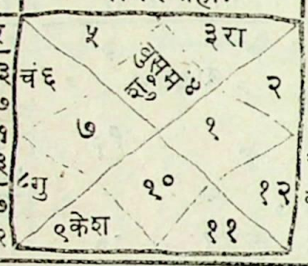

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि वृद्धि व शुक्ल पक्ष की तिथि क्षय धान्य गेहूं जो चना धातु रस में तेजी करेगी।

गोचर ग्रहाः

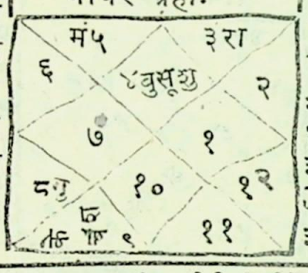

१८पं.श्रा.शु.११र.इ. १९/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	७	३	८	२	३
२४	१	५	२०	२३	२०	२१	२२
१६	३१	२३	२३	२८	४८	३८	४२
३७	४८	१३	६	४८	२५	५०	१०
५७	३९	७०	८	७४	३३	३	५७
३३	९	१९	मा	३८	व.	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि. उ. अ.			हि. मु. इ.			चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु	३४	३८	ध	१०	१६	शो	१५	८	बा	१	४१	३२३०	५३०	६३०	२५	१४	१६	कुंभे	मघा.सिंहेशुक्रः ३६।०
२	श	४०	४०	श	१७	४३	अ	१७	३८	तै	७	३९	२६	३१	२९	२६	१५	१७	कुंभे	मघा.सिंहेऽर्कः १६।३९ (सौरः ५३।४३)
३	र	४६	५२	पू	२५	१४	सु	२०	२	व	१३	४६	२३	३२	२८	२७	१६	१८	मी ८।२२	भ.१३।४६उ.४६।५२या.
४	चं	५१	४०	उ	३२	३८	धृ	२२	२६	ब	१९	१६	१९	३२	२८	२८	१७	१९	मीने	आश्ले.बुधः २८।१चतुर्थीव्र.
५	मं	५७	४१	रे	३९	२६	शू	२४	२२	कौ	२४	४०	१५	३३	२७	२९	१८	२०	मे. ३९।२६	
६	बु	६०	०	अ	४५	१८	गं	२५	५०	ग	२९	४५	१३	३४	२६	३०	१९	२१	मेषे	चन्द्रषष्ठी
६	गु	१	४९	भ	५०	१	वृ	२६	१९	व	१	४९	८	३४	२६	३१	२०	२२	मेषे	भ.४१/५९उ.३३/३९या.बुधास्तः पूर्वस्यां १७।१९
७	शु	४	३३	कृ	५३	१७	धु	२५	३७	ब	४	३३	४	३५	२५	१	२१	२३	वृ.५।५०	भा.भाद्रपदारंभः जन्माष्टमीस्मा.
८	श	५	२९	रो	५४	३७	व्या	२३	४४	कौ	५	२९	१	३६	२४	२	२२	२४	वृषे	जन्माष्टमीवै.
९	र	३	३६	मृ	५४	५	ह	२०	१९	ग	३	३६	३१/५७	३७	२३	३	२३	२५	मि २४।२१	भ.३२।३८उ.गोगाह
१०	चं	१	४१	आ	५१	४०	व	१५	१८	वि	१	४१	५३	३७	२३	४	२४	२६	मिथुने	भ.१।४१या.मघा.सिंहेबुधः २३।२९ ÷
११	चं	५५	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	[÷ अजा.११व्र.स्मा.
१२	मं	५०	१०	पु	४७	१८	सि	८	३७	कौ	२३	२६	४९	३८	२२	५	२५	२७	क. ३।२३	पूफा.शुक्रः ३०अजा ११व्र.वै.वत्सद्वादशी
१३	बु	४२	७	पु	४१	३१	व्य	२८/५९		ग	१६	८	४६	३९	२१	६	२६	२८	कर्के	भ.४२।७उ.प्रदोषः
१४	गु	३२	४७	श्ले	३४	२०	प	४१	११	वि	७	२७	४३	४०	२०	७	२७	२९	सिं ३४।२०	भ.७।२७या.पूफा.भौमः ५७।३४
३०	शु	२२	५८	म	२६	३४	शि	३०	१८	ना	२२	५८	३८	४०	२०	८	२८	३०	सिंहे	वक्रीपूषा.२शनिः ट्टकुशाग्रहणीपिठोरी ३०

१९पं.भा.कृ.३र.इ. १९/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	७	४	८	२	४
०	५	१५	२०	२	२०	२१	०
५९	५८	०	२७	८	२७	१६	२४
५३	८	५८	२६	१०	१२	३४	२३
५७	२९	५/५९	१	७४	५३	३	५७
४०	१६	४३	१०	२८	व.	११	२४

गोचर ग्रहाः

भाद्रपदकृष्णे २ शनौ सिंहेऽर्कः प्रविष्ट. वा.५ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु १५ धान्यादि भावे महर्घताशुक्रास्तः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

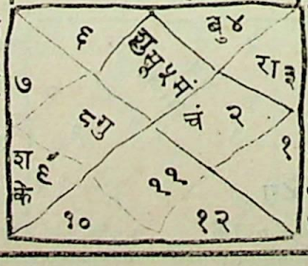

२०पं.भा.कृ.९र.इ. १९/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	७	४	८	२	४
७	१०	२७	२०	१०	२०	२०	७
४४	२५	५४	४०	४८	९	१४	७
२०	१९	२५	२६	४४	४७	१८	५१
५७	२९	५/५९	२	७४	१/३	३	५७
४९	१६	३६	३०	२७	व.	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०६९सं.२०१९

१	श	१२	५३	पू	१८	४०	सि	१९	१८	ब	१२	५३	३१	४५	१९	९	२९	३१	कं.३१।४८	पूफा.रविः६।२५(सौरः ४५) चंद्रदर्शनम्
२	र	३	२२	उ	११	१४	सा	४८	४९	कौ	३	२२	३०	४२	१८	१०	१	१	कन्यायां	सितम्बरहता.३०मोहोरम१सन्१४४१ +
३	र	५१	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+हि. हरितालिका ३
४	चं	४७	११	ह	३५	५४	शु	४९	२४	व	२०	५४	२६	४३	१७	११	२	२	तु.३१।५२	भ.६उ.५१या.पूफा.बुधः२ गणेश चतुर्थी
५	मं	४१	२९	स्वा	५५	३४	ब्र	४१	३९	ब	१४	२०	२३	४४	१६	१२	३	३	तुलायां	ऋषि पंचमी
६	बु	३७	३४	वि	५३	५५	ऐं	३५	३५	कौ	९	३२	१८	४४	१६	१३	४	४	वृ.३९।१९	[÷कन्यायांशुक्रः४६।४४जलझूलनी११व्र.
७	गु	३५	४९	अ	५३	५४	वै	३०	४३	ग	६	४२	१५	४५	१५	१४	५	५	वृश्चिके	भ.३५।४९उ.
८	शु	३५	४६	ज्ये	५६	२	वि	२७	२८	वि	५	४७	११	४६	१४	१५	६	६	ध.५६।२	भ.५।४७या.
९	श	३७	३४	मू	५९	४३	प्री	२५	४७	बा	६	४०	७	४७	१३	१६	७	७	धनुषि	उफा.शुक्रः५।४४
१०	र	४०	५४	पू	६०	०	आ	२५	२४	तै	९	१४	३	४७	१३	१७	८	८	धनुषि	रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
११	चं	४५	१०	पू	४	५४	सौ	२६	११	व	१३	२	३९	४८	१२	१८	९	९	म.२१।२८	भ.१३।२उ.४५।१०या.उफा.बुधः४।४७÷
१२	मं	५१	१	उ	११	८	शो	२७	२५	ब	१८	५	५५	४९	११	१९	१०	१०	मकरे	कन्यायांबुधः५०।४७वामनजयंती
१३	बु	५६	५९	श्र	१८	११	अ	२९	३१	कौ	२४	०	५१	५०	१०	२०	११	११	कुं.५१।४१	आर्द्रा.४राहुःपूषा.२केतु२२।५९प्रदोषः
१४	शु	६०	०	ध	२५	१३	सु	३१	३५	ग	३०	३	४७	५१	९	२१	१२	१२	कुंभे	अनंत१४
१५	शु	३	८	श	३२	४४	धृ	३३	५३	व	३	८	४३	५१	९	२२	१३	१३	कुंभे	भ.३उ.३६या.उफा.रविः५०महालयारंभः
१५	श	९	८	पू	४०	१४	शू	३६	१५	ब	९	८	३९	५२	८	२३	१४	१४	मी२३।२२	उफा.रविः२९।१४कु.संध्या.पूजनारंभः

२१पं.भा.शु.२र.इ. ५८/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	७	४	८	२	४
१४	१४	११	२१	१९	१९	२०	१३
३०	५२	४९	२	२८	५६	३२	५३
०	२३	१	५३	५९	२४	३	३
४८	३९	५	३	७४	४०	३	५७
१	१६	१४	५०	३२	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

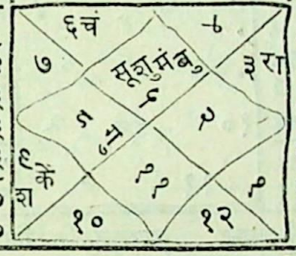

इस मास में धान्य गेहूं जो चना बाजरा धातु सोना चांदी रस कस कृष्ण पक्ष में कुछ मंदे होकर शुक्ल पक्ष में तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

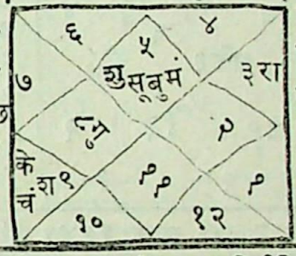

२२पं.भा.शु.१०र.इ. १९/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	७	४	८	२	४
२१	१९	२५	२१	२८	१९	२०	२०
१७	२०	१३	३३	१०	४६	९	३९
२	३१	१६	२९	३०	५९	४७	४३
५८	३९	५	४	७४	५५	३	५८
१३	१६	९	५९	३२	व.	११	१३

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१																	दि. उ. अ.भा. मु. इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	र	१५	१२	उ	४७	३१	गं	३८	२८	कौ	१५	१२	३५	५३	७	२४	१५	१५	मीने	
२	चं	२०	४७	रे	५४	३	वृ	४०	१५	ग	२०	४७	३१	५४	६	२५	१६	१६	मे.५४।३	भ.५३।७उ.हस्तेबुध ३५।३५
३	मं	२५	२८	अ	६०	०	धु	४१	२९	वि	२५	२८	२७	५५	५	२६	१७	१७	मेषे	भ.२५।२८या.कन्यायामर्कः १६(सौरः ×
४	बु	२९	२०	अ	०	२	आ	४२	७	बा	२९	२०	२२	५६	४	२७	१८	१८	मेषे	[×५४/५५)हस्तेशुक्रः ५५मार्गीशनिः ३२चतु.व्र
५	गु	३२	११	भ	४	५४	ह	४१	५०	कौ	०	४६	१८	५६	४	२८	१९	१९	वृ.२०।५२	उफा.भौमः४९।१५
६	शु	३३	४४	कृ	८	४६	व	४०	४३	ग	२	५८	१४	५७	३	२९	२०	२०	वृषे	भ.३३उ.बुधोदयःपश्चिमायां२४।१
७	श	३३	५६	रो	११	२४	सि	३८	१७	बि	३	५०	९	५८	२	३०	२१	२१	मि४१।५३	भ.३।५०या.
८	र	३२	२९	मृ	१२	२३	व्य	३४	४१	बा	३	१३	५	५९	१	३१	२२	२२	मिथुने	
९	चं	२९	२८	आ	११	५३	व	२९	५६	तै	०	५८	३०	०	६	१	२३	२३	क.५५।८	भ.५६उ.भा.आश्विनारंभःमातृ९
१०	मं	२४	२९	पु	९	३४	प	२३	३५	वि	२४	२९	५९	१	५९	२	२४	२४	ककँ	भ.३९या.चित्रा.बुधः ४५कन्यायां भौमः ५५
११	बु	१८	१४	पु	५	४६	शि	१५	५८	बा	१८	१४	५३	२	५८	३	२५	२५	ककँ	ज्येष्ठा.३गुरुः३०।४३इंदिरा११व्र.
१२	गु	१०	२८	श्ले	२९	५३	सि	१४	५०	तै	१०	२८	४८	२	५८	४	२६	२६	सिं०।२९	प्रदोषः
१३	शु	१	४६	पू	४६	४२	शु	४७	५	व	१	४६	४४	३	५७	५	२७	२७	कं.५९।४७	भ.१।४६उ.२६।५९या.हस्तेरविः २९ =
१४	शु	५०	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[= शस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	श	४२	३०	उ	३९	४	शु	३६	२६	च	१७	२१	४०	४	५६	६	२८	२८	कन्यायां	हस्तेरविःसौर५६चि.शुक्रः ३०सर्वपितृ३०

२३पं.आ.कृ.१र.इ. १९/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	७	५	८	२	४
२८	२३	७	२२	६	१९	१९	२७
५	४८	४२	११	५१	४३	४७	२८
२४	२९	५०	३८	४०	५	३२	१
५८	३९	५	६	७४	१६	३	५८
२६	१६	४०	८	२६	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

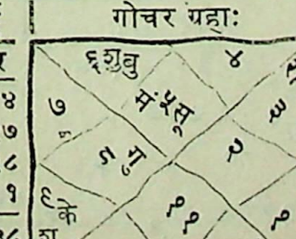

आश्विन कृष्णे३ भौमे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४न. ५ बृद्धावस्था (बैठी)मु.३० धान्यादिभावेसमता शुक्रास्तः पूर्वे ।

गोचर ग्रहाः

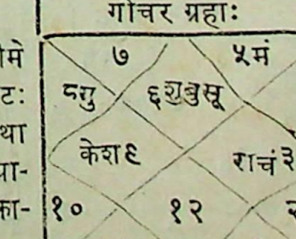

२४पं.आ.कृ.८र.इ. १९/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	७	५	८	२	५
४	२८	१९	२२	१५	१९	१९	२४
५५	१७	१५	५७	३३	४३	२५	१८
१६	४६	७	३६	३९	४१	१६	८
५८	३९	०	६	७४	३४	३	५८
३८	२२	३७	५९	२६	मा	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः ३०९८स.२०१९
१	र ३३ ७	ह ३१ ३८	ब्र २५ ३४	किं ७ ४८	३९	५	५५	७ २९ २९	तु.५८।१६	तुलायांबुधः १०।२९शुक्रोदयःपश्चिमायां+
२	चं २४ ३२	चि २४ ५४	ऐं १५ २४	कौ २४ ३२	३२	६	५४	८ ३० ३०	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
३	मं १७ २७	स्वा १९ २६	व्वै ६ ५५	ग १७ २७	२८	६	५४	९ १ १	तुलायां	भ.४४।४७उ.अक्टूबर१०ता.३१सफर२
४	बु १२ ७	वि १५ ३९	प्री ५१ २०	वि १२ ७	२३	७	५३	१० २ २	वृ.१।३६	भ.१२।७या.
५	गु ८ ५०	अ १३ ४६	आ ४६ ४३	बा ८ ५०	१९	८	५२	११ ३ ३	वृश्चिके	स्वात्यांबुधः४२।५९तुलायांशुक्रः५४।४३
६	शु ७ ३७	ज्ये १४ १५	सौ ४३ ३५	तै ७ ३७	१५	९	५१	१२ ४ ४	ध.१४।१५	[+१८।३६नवरात्रारंभःमातामह श्रा.
७	श ८ ३०	मू १६ ३४	शो ४१ ५८	ब ८ ३०	११	१०	५०	१३ ५ ५	धनुषि	भ.८।३०उ.३९।५८या.
८	र ११ २५	पू २० ५८	अ ४२ ११	ब ११ २५	७	११	४९	१४ ६ ६	म.३७।८	[÷शरद्पूर्णिमाकोजागरीव्र.का.स्ना.प्रा.
९	चं १५ ५५	उ २५ ३७	सु ४२ ५१	कौ १५ ५५	३	११	४९	१५ ७ ७	मकरे	पूषा.३शनिः१९।३२
१०	मं २१ २५	श्र ३३ ३८	धृ ४४ ३७	ग २१ २५	३५९	१२	४८	१६ ८ ८	मकरे	भ.५४।३६उ.
११	बु २७ ४७	ध ४० ५५	शू ४६ ५६	त्रि २७ ४७	५५	१३	४७	१७ ९ ९	कुं.७।१७	भ.३७या.स्वात्यांशुक्रः१३५पापांकुशा११व्र.
१२	गु ३३ ११	श ४८ ४३	गं ४९ २४	ब ० २६	५१	१४	४६	१८ १० १०	कुंभे	हस्तेभौमः३५।३५
१३	शु ३९ ५७	पू ५६ ४	वृ ५१ ४१	कौ ६ ३४	४७	१५	४५	१९ ११ ११	मी३९।१३	चित्रा.रविः१।२२(सौरः३७।२९)प्रदोष
१४	श ४६ ९	उ ६० ०	धु ५३ ४९	ग १३ ३	४३	१५	४५	२० १२ १२	मीने	भ.४६।९उ.
१५	र ५१ १९	उ ३ ८	व्या ५५ १३	त्रि १८ ४४	३९	१६	४४	२१ १३ १३	मीने	भ.१८।४४या.विशा.बुधः४८।१७ ÷

२५पं.आ.शु १र.इ.१८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	७	५	८	२	५
११	२	०	२३	२४	१९	१९	११
४६	४६	११	५०	१५	४८	३	१०
५२	३०	४९	२४	३६	३२	०	७
५८	३९	९२	८	७४	१	३	५९
५३	१९	२५	८	२६	१६	११	०

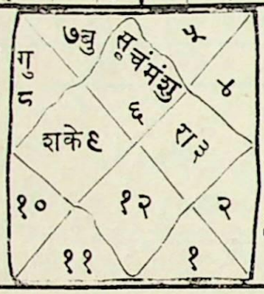

२६पं.आ.शु.८र.इ.१७।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	७	६	८	२	५
१८	७	१०	२४	२	१९	१८	१८
४०	१६	१५	४९	५७	५८	४०	३
८	१२	७	३४	२९	१	४५	५४
५९	३९	८३	९	७४	१	३	५९
९	१९	१६	००	२०	५६	११	१६

२७पं.आ.शु.१५र.इ.१४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	७	६	८	२	५
२५	११	१९	२५	११	२०	१८	२४
३५	४६	२३	५५	३९	१२	१८	५९
२	२६	१७	१२	५०	४३	२९	३६
५९	३९	७२	९	७४	२	३	५९
२१	२२	१६	४६	१४	३७	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूंरविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	चं ५५ २६	रे ९ २८	ह ५६ १	बा २३ २२	३५	६	५३	२२ १४ १४	मे.९।२८	
२	मं ५८ ४६	अ १४ ५३	व ५६ २३	तै २७ ६	३१	१८	४२	२३ १५ १५	मेषे	
३	बु ६० ०	भ १८ ४४	सि ५५ ३३	व २९ ५१	२७	१९	४१	२४ १६ १६	वृ.३४।४८	भ.२९।५१उ.
३	गु ० ५६	कृ २२ ५८	व्य ५४ २९	वि ० ५६	२३	१९	४१	२५ १७ १७	वृषे	भ.०।५६या.तुलायामर्कः४५।११ज्येष्ठा÷
४	शु १ ५८	रो २५ २२	व ५१ ४४	बा १ ५८	२०	२०	४०	२६ १८ १८	मि५६।५	तुलार्कःसौरः२०।१३
५	श २ ६	मृ २६ ४७	प ४८ ३३	तै २ ६	१६	२१	३९	२७ १९ १९	मिथुने	[÷४गुरुः४६।१करकचतुर्थी व्र.
६	र १ २	आ २७ १०	शि ४४ २३	व १ २	१२	२२	३८	२८ २० २०	मिथुने	भ.१।२उ.२९।५७या.विशा.शुक्रः१।५६
७	र ५७ ४९	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	० ० ०	० ०	
८	चं ५५ २९	पु २६ ११	सि ३९ १८	बा २७ १०	८	२२	३८	२९ २१ २१	क.११।२६	[= २५।५१भा.कार्तिकारंभः
९	मं ५० ५७	पु २४ ४	सा ३३ १९	तै २३ १३	४	२३	३७	३० २२ २२	कर्के	उदयो भौमः३७।५५
१०	बु ४५ ९	श्ले २० ५३	शु २६ १३	व १८ ३	०	२४	३६	१ २३ २३	सिं२०।५३	भ.१८।३उ.४५।९या. बृश्चिके बुधः =
११	गु ३८ २७	म १६ २६	शु १८ २६	ब ११ ४८	५९	२५	३५	२ २४ २४	सिंहे	स्वात्यांरविः२७।१३रमा११व्र.
१२	शु ३० ४४	पू ११ ४	ब्र ९ ३९	कौ ४ ३५	५३	२५	३५	३ २५ २५	कं.२४।३१	स्वात्यांरविःसौरः१।१६प्रदोषःधन१३
१३	श २२ २९	उ ५ ५३	ऐं १३ ५०	व २२ २९	४९	२६	३४	४ २६ २६	कन्यायां	भ.२२।२९उ.४७।११या.रुप१४
१४	र १३ ५२	चि ५२ ५	वि ४० ३९	श १२ ५२	४५	२७	३३	५ २७ २७	तु.२५।१८	महालक्ष्मी पूजनम्
३०	चं ५ ४४	स्वा ४६ १४	प्री ३१ ४	ना ५ ४४	४१	२८	३२	६ २८ २८	तुलायां	बृश्चिकेशुक्रः३।३१अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा

२८पं.का.कृ.६र.इ.१७।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	७	६	८	२	६
२	१६	२७	२७	२०	२०	१७	१
३१	१८	६	६	२१	३१	५६	५७
२६	४०	२९	११	४	४८	१४	१
५९	३९	५५	१०	७४	३	३	५९
३४	२२	१९	२९	८	२३	११	४६

गोचर ग्रहाः

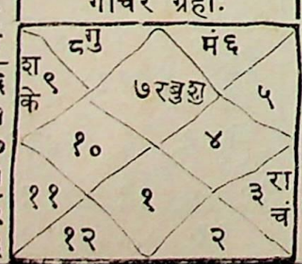

कार्तिक कृष्णे ३ गुरौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न.४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

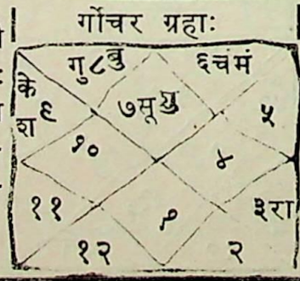

२९पं.का.कृ.१४र.इ.२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	७	६	८	२	६
९	२०	२	२८	२९	२०	१७	८
२९	५१	३२	२१	३	५५	३३	५६
४२	०	५६	४०	२२	४८	५८	२१
५९	३९	१५	११	७४	३	३	६०
४७	२५	४१	८	२५	८	११	२

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१ | दि. उ. अ. भा मु. इं. | चंद्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः ३१२८स.२०१६

१	चं	५२	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=चंद्रदर्शनम् भातृ २ यम २
२	मं	५२	२५	वि	४१	३४	आ	२२	२२	बा	२५	२७	३७ ३६	२९ ५१	७	२९	२९	वृ.२७।४४ वक्रीबुधः ३९ ३२ मूल.१धनुषिगुरुः ३१ ८=
३	बु	४८	७	अ	३८	१६	सौ	१४	४७	तै	२०	१६	३४	२९ ३१	८	१	३०	वृश्चिके अनु.शुक्रः ४५।२५रविलावल ३
४	गु	४५	५३	ज्ये	३७	४	शो	८	३२	व	१६	५९	३०	३० ३०	९	२	३१	ध.३७।४ भ. ३६ उ. ४५ या.चित्रा.भौमः ६ ८
५	शु	४५	३६	मू	३७	५८	अ	३	३४	ब	१५	४४	२७	३१ २९	१०	३	१	धनुषि नवम्बर ११ता.३०
६	श	४७	३५	पू	४०	५०	सु	३९	५९	कौ	१६	३५	२३	३१ २९	११	४	२	म.५७।० [×वक्रीतुलायांबुधः ३५।१६
७	र	५१	२२	उ	४५	२७	शू	५९	२२	ग	१९	२८	१९	३२ २८	१२	५	३	मकरे भ.५१।२२उ.
८	चं	५६	३४	श्र	५१	३४	गं	६०	०	वि	२३	२५	१६	३३ २७	१३	६	४	मकरे भ.२३।२५या.गोपाष्टमी
९	मं	६०	०	ध	५८	४५	गं	०	३२	बा	२९	३८	१२	३४ २६	१४	७	५	कुं.२५।१० बुधास्तःपश्चिमायां ३७ कुष्मांडह अक्षयह
९	बु	२	४३	श	६०	०	बृ	२	२६	कौ	२	४३	०	३४ २६	१५	८	६	कुंभे विशा.रविः ४७।३९
१०	गु	९	१६	श	६	२०	धु	४	५०	ग	९	१६	५	३५ २५	१६	९	७	मी ५६।५४ भ. ४२ उ.विशा.रविःसौरः १८।४०×
११	शु	१५	३२	पू	१३	४५	व्या	७	१४	वि	१५	३२	२	३६ २४	१७	१०	८	मीने भ. ३१ या.प्रबोधिनी ११व्र.तुलसीविवाहः
१२	श	२१	२१	उ	२०	५३	ह	९	१४	बा	२१	२१	२६ ५८	३६ २४	१८	११	९	मीने प्रदोषः
१३	र	२६	२५	रे	२७	१८	व	१०	३९	तै	२६	२५	५५	३७ २३	१९	१२	१०	मे.२७।१८ ज्येष्ठा.शुक्रः ४७ तुलायांभौमः १९ ४
१४	चं	३०	२	अ	३२	१९	सि	११	१८	व	३०	२	५२	३८ २२	२०	१३	११	मेषे भ.३०।२उ. वैकुंठ १४
१५	मं	३२	३३	भ	३६	२२	व्य	१०	५३	त्रि	१	१७	४९	३८ २२	२१	१४	१२	वृ.५२।२ भ.१।१७या.मन्वादिः का.स्ना.पू.

३०पं.का.शु.७र.इ.१७।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	७	७	८	२	६
१६	२५	२	२९	७	२१	१७	१५
२९	२३	१	४१	४५	२३	११	५७
२८	५६	५५	२८	१८	४९	४२	२५
६०	३९	३०	११	७३	४	३	६०
४	२१	व.	४७	५६	३८	११	१८

गोचर ग्रहाः

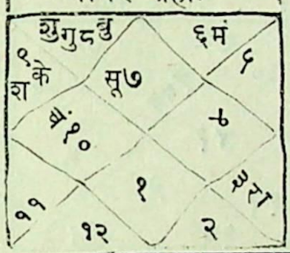

इस मास में धान्य गेहूं बाजरा मूंग मोठ आदि और रस कस वदि में मंदे होकर सुदि में तेज हो जावे

गोचर ग्रहाः

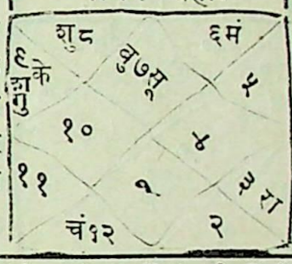

३१पं.का.शु.१३र.इ.१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	८	७	८	२	६
२३	२९	२५	१	१६	२१	१६	२२
३०	५८	३९	५	२६	५४	४९	५९
५०	४१	२५	१०	५३	३२	२७	५८
६०	३९	३६	१२	७३	५	३	६०
१७	२९	वं.	१४	५०	१	११	३०

ति	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१	दि. उ. अ. भा. मु. इं	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.

१	बु	३३	४९	कृ	३९	४	व	९	३४	बा	३	११	२६ ४५	३९ ५२	२२	१५	१३	वृषे आर्द्रा.३राहुःपूभा.१केतुः१५।११
२	गु	३३	५१	रो	४०	५०	प	७	२४	तै	३	५०	४२	४० २०	२३	१६	१४	वृषे [+पूर्वस्यां १।१३पांतस्पर्शः ४६।५
३	शु	३२	५१	मृ	४१	२५	शि	४	१७	व	३	२१	३९	४० २०	२४	१७	१५	मि ११।१३ भ. ३१ उ. ३२ या.वक्रीस्वात्यांबुधः ४५ ३
४	श	३०	५५	आ	४१	७	सि	८	२४	ब	१	५३	३६	४१ १९	२५	१८	१६	मिथुने वृश्चिकेऽर्कः ४३।४४ चतुर्थी व्र.
५	र	२८	१५	पु	३९	५६	शु	५०	३८	तै	२८	१५	३३	४१ १९	२६	१९	१७	क.२४।१३ वृश्चिकेऽर्कःसौरः १२।५०
६	चं	२४	५५	पु	३८	१६	शु	४४	५०	व	२४	५५	३०	४२ १८	२७	२०	१८	कर्के भ.२४।५५उ.५२।५९या.बुधोदयः+
७	मं	२१	२	श्ले	३५	५२	ब्र	३८	४५	ब	२१	२	२७	४३ १७	२८	२१	१९	सिं ३५।५२ पातमोक्षः ६।२० [÷भौमः २९ ५
८	बु	१६	२०	म	३३	१	एं	३१	५०	कौ	१६	२०	२५	४३ १७	२९	२२	२०	सिंहे अनु.रविः २।४ (सौरः २९ ५) स्वात्यां÷
९	गु	१०	५८	पू	२९	२५	वै	२४	३०	ग	१०	५८	२२	४४ १६	३०	२३	२१	कं.४३।२१ भ. ३७ ३४ उ. मार्गीबुधः ३ मूले.धनुषिशुक्रः–
१०	शु	४	३०	उ	२५	८	वि	१६	४३	वि	४	३०	१९	४४ १६	१	२४	२२	कन्यायां भ. ३० या.भा.मार्गशीर्षारंभःउत्पत्ति ११A
११	शु	५४	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[–९।१६मूल.२गुरुः३।०
१२	श	५२	३७	ह	२०	२९	प्री	८	३३	कौ	२५	५५	१७	४५ १५	२	२५	२३	तु.४८।८ उत्पत्ति ११व्र.वै. [A व्र.स्मा.
१३	र	४६	११	चि	१५	४८	अ	१२	४५	ग	१८	२४	१४	४५ १५	३	२६	२४	तुलायां भ.४६।११उ. प्रदोषः
१४	चं	४०	१	स्वा	११	८	शो	४	५३	वि	१२	६	१२	४६ १४	४	२७	२५	वृ.५३।३ भ.१२।६या.
१५	मं	३४	३८	त्रि	७	१	अ	३६	२६	च	७	१९	९	४६ १४	५	२८	२६	वृश्चिके विशा.बुधः ५।४३पूषा.४शनिः १६।७

३२पं.मा.कृ.५र.इ.१६।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	८	७	८	२	७
०	४	१८	२	२५	२२	१६	०
३३	३३	५१	३२	८	२९	२७	४
२९	४७	२९	२	३५	५६	११	२
६०	३९	४५	१२	७३	५	३	६०
३०	२२	व.	३४	४४	३०	११	४०

गोचर ग्रहाः

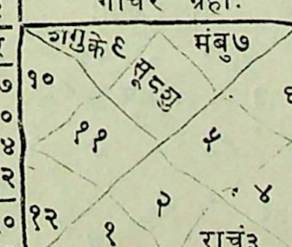

मार्गशीर्षकृष्णे ४शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न४गतालकास्था (ऊर्ध्वा) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

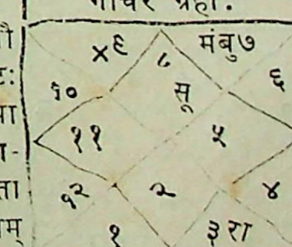

३३पं.मा.कृ.१३र.इ.१६ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	८	८	८	२	७
७	९	१८	४	३	२३	१६	७
३७	१०	१७	२	४९	८	४	९
२६	३०	३१	२	३७	१७	५६	३५
६०	३९	३३	१३	७३	५	३	६०
४२	२५	मा	१	३२	५३	११	५३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽर्हगणः ३१५७स.२०१९
१	बु ३० ३४ अ ३ ५७ सु २९ ५० किं २ ३६	२६	६	५	६	२९	२७	वृश्चिके	
२	गु २७ ५७ ज्ये २ ५ धृ २४ ३३ कौ २७ ५७		४७	१३	७	३०	२८	ध.२।५	चंद्रदर्शनम्
३	शु २७ १६ मू २ ५ शू २० ३४ ग २७ १६	५	४७	१३	८	१	२९	धनुषि	भ.५७।५३उ.रविलाखर४
४	श २८ ३० पू ३ ४९ गं १८ २७ वि २८ ३०	२	४८	१२	९	२	३०	म.१९।४४	भ.२८।३०या.पातस्पर्शः ३४।५८
५	र ३१ ३६ उ ७ २९ वृ १७ ८ ब ० ३	०	४८	१२	१०	३	१	मकरे	पूषा.शुक्रः ५६ दिसम्बर १२ता.३१=
६	चं ३६ १५ श्र १२ २२ ध्रु १७ २१ कौ ३ ५५	२५ ५८	४९	११	११	४	२	कुं.४५।३९	चंपा६ [=पातमोक्षः २१।१६
७	मं ४२ १ ध १८ ५६ व्या १८ ५२ ग ९ ८	५६	४९	११	१२	५	३	कुम्भे	भ.४२।१उ.ज्येष्ठा.रविः १२।११×
८	बु ४८ २६ श २६ ३ ह २० ३५ वि १५ १३	५३	४९	११	१३	६	४	कुम्भे	भ.१५।१३या. [×(सौरः ३७/३९)
९	गु ५४ ५१ पू ३३ ४४ व २२ ५८ बा २१ ३८	५१	५०	१०	१४	७	५	मी १६।५०	वृश्चिकेबुधः १२।४१
१०	शु ६० ० उ ४१ २ सि २५ ८ तै २७ ५२	४९	५०	१०	१५	८	६	मीने	मूल.३गुरुः १२।१
१०	श ० ५२ रे ४७ ४७ व्य २६ ५० ग ० ५२	४८	५०	१०	१६	९	७	मे.४७।४७	भ.३३।२७उ.अनु.बुधः ३४।१
११	र ६ ३ अ ५३ ६ व २७ ३८ वि ६ ३	४६	५१	९	१७	१०	८	मेषे	भ.६।३या.मोक्षदा ११व्र.गीताजयंती
१२	चं ९ ३८ भ ५७ १ प २७ २८ बा ९ ३८	४५	५१	९	१८	११	९	मेषे	प्रदोषः
१३	मं ११ ५० कृ ५९ २० शि २६ ० तै ११ ५०	४४	५१	९	१९	१२	१०	वृ.१२।३६	विशा.भौमः ३८।२८
१४	बु १२ २१ रो ६० ० सि २३ १२ व १२ २१	४३	५१	९	२०	१३	११	वृषे	भ.१२।२१उ.४१।५२या.दत्तजयंती
१५	गु ११ २२ रो १३ २८ सा १९ २८ ब ११ २२	४२	५२	८	२१	१४	१२	मि २९।५७	उषा.शुक्रः ४१।२५

३४पं.मा.शु.५र.इ.१६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	८	८	८	२	७
१४	१३	२४	५	१२	२३	१५	१४
४२	४८	५५	३४	३०	४८	४२	१६
४०	१४	३४	५	४७	५०	४०	२१
६०	३९	७०	१३	७३	६	३	६१
५०	२५	३२	२०	२०	२०	११	३

गोचर ग्रहाः

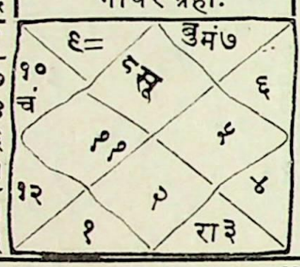

=केशुगुश ×शशुगुके।

इस मास में धातु सोना चांदी लोहा धान्य बाजरा मूंग मोठ चना मक्कामंदा रहे प्रजा में सुख शांति रहेगी।

गोचर ग्रहाः

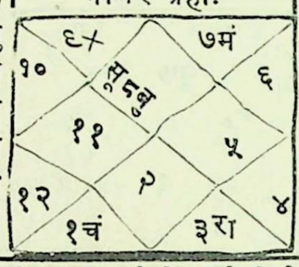

३५पं.मा.शु.११र.इ.१९/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	८	८	२	७
२१	१८	४	७	२१	२४	१५	२१
४८	२६	१९	७	११	३१	२०	२४
४३	२४	४४	५२	२०	५५	२४	३
६०	३९	८४	१३	७३	६	३	६१
५६	२९	५४	२६	१४	३२	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	शु ९ १ आ ५८ १३ शु १४ ३८ कौ ९ १	२५ ४४	६ ५२	५ ८	२२	१५	१३	मिथुने	
२	श ५ ४० पु ५६ ८ शु ८ ५० ग ५ ४०	४०	५२	८	२३	१६	१४	क.४१।४०	भ.३३।३६उ.
३	र १ ३२ पु ५३ ७ ब्र ३१ ५३ वि १ ३२	२९	५२	८	२४	१७	१५	कर्के	भ.१।३२या.मकरेशुक्रः २३।३७चतुर्थी व्र.
४	र ५५ १६ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+ज्येष्ठा.बुधः ३६/३७ अस्तंगुरोः ४५/३६
५	चं ५२ १ श्ले ४९ ५९ वै ४९ ४१ कौ २४ २४	२९	५२	८	२५	१८	१६	सिं५०।०	मूलेधनुष्यर्कः १९।२६ (सौरः ४१।२९)+
६	मं ४७ २ म ४६ ४४ वि ४१ ३५ ग १९ ५३	२८	५२	८	२६	१९	१७	सिंहें	भ.४७।२उ.बुधास्तः पूर्वस्यां ५०।१५
७	बु ४२ ४ पू ४३ २० प्री ३४ ३४ वि १४ ५४	२८	५२	८	२७	२०	१८	कं.५७।३०	भ.१४।५४या.
८	गु ३७ १० उ ४० २ आ २७ २२ बा ९ ३७	२७	५३	७	२८	२१	१९	कन्यायां	
९	शु ३२ ८ ह ३६ ४७ सौ २० ११ तै ४ ३९	२७	५३	७	२९	२२	२०	कन्यायां	भ.५९।४०उ.मूल.४गुरुः ४८।४५
१०	श २७ १३ चि ३३ ३२ शो १२ ५१ वि २७ १३	२६	५३	७	३०	२३	२१	तु.५।९	भ.२७।१३या.
११	र २२ २५ स्वा ३० ३३ अ ९ ५३ बा २२ २५	२६	५३	७	१	२४	२२	तुलायां	भा.पौषारंभः सफला ११व्र.
१२	चं १८ १० वि २७ ५४ धृ ५३ ८ तै १८ १०	२६	५३	७	२	२५	२३	वृ.१३।३४	श्रवणेशुक्रः ३१।४६ प्रदोषः
१३	मं १४ २५ अ २५ ५८ शू ४७ २२ व १४ २५	२६	५३	७	३	२६	२४	वृश्चिके	भ.१४।२५उ ४२।५६या.
१४	बु ११ २६ ज्ये २४ ४७ गं ४२ २२ श ११ २६	२७	५३	७	४	२७	२५	ध.२४।४७	मूलेधनुषिबुधः ३५/४४ वृश्चिकेभौमः ३७/४२
३०	गु ९ ४६ मू २५ ७ बृ ३८ ३६ ना ९ ४६	२७	५३	७	५	२८	२६	धनुषि	सूर्यग्रहणम्

३६पं.पौ.कृ.३र.इ.१६/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	८	८	२	७
२८	२३	१४	८	२९	२५	१४	२८
५५	६	२६	४३	५०	१६	५८	३२
३७	२५	५८	२३	४६	५२	९	४६
६१	३९	९१	१३	७२	६	३	६१
०	२२	३६	३२	५७	५०	११	१९

गोचर ग्रहाः

-केशुगुशु

पौष कृष्णे ५ चंद्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.३न.३गतालकावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

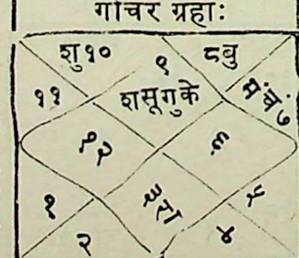

३७पं.पौ.कृ.११र.इ.१५/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	८	९	८	२	८
६	२७	२५	१०	८	२६	१४	५
३	४६	१३	१९	२७	३	३५	४२
१४	४८	४१	४८	५८	५४	५३	११
६१	३९	९५	१३	७२	७	३	६१
४	२६	३१	३८	४५	२	११	२२

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३१८७स.२०१६
१	शु ९ २५ पू २६ २६	ध्रु ३५ ५४	ब ६ २५	३५ ६ ५	६ २६ २७	म.४२।१७	उषा.१शनिः ३३ अस्तंशनेः ४७ चंद्रदर्शनम्
२	श १० ३६ उ २६ ४०	व्या ३४ ४३	कौ १० ३६	३८ ५२ ८	७ १ २८	मकरे	जमादिलावल५
३	र १३ ३५ श्र ३४ ६	ह ३४ ६	ग १३ ३५	३८ ५२ ८	८ २ २६	मकरे	भ.४५ उ.पूषा.रविः ३४ (सौरः ४३)
४	चं १७ ५६ ध ४० १०	व ३४ ४७	वि १७ ५६	३९ ५२ ८	९ ३ ३०	कुं.७।८	भ.१७।५६या.अनु.भौमः३३।६
५	मं २३ २५ श ४६ ५१	सि ३६ २५	बा २३ २५	४० ५२ ८	१० ४ ३१	कुम्भे	
६	बु २९ ४७ पू ५४ २५	व्य ३८ ३८	तै २६ ४७	४१ ५२ ८	११ ५ १	मी३७।३२	जनवरी१ता.३१सन्२०२०
७	गु ३६ ७ उ ६० ०	व ४० ४६	ग २ ५७	४२ ५२ ८	१२ ६ २	मीने	भ.३६।७उ.पूषा.बुधः५६।४६
८	शु ४२ २८ उ २ २	प ४२ ४६	वि ६ १७	४३ ५१ ६	१३ ७ ३	मीने	भ.६।१७या.धनि.शुक्रः१६।५५
९	श ४८ ५८ र ६ ७	शि ४४ २०	बा १५ ४३	४४ ५१ ६	१४ ८ ४	मे.६।७	पूषा.१गुरुः१५।१७
१०	र ५१ ५८ अ १५ १४	सि ४४ ४४	तै २० २८	४५ ५१ ६	१५ ६ ५	मेषे	
११	चं ५४ ३४ भ १९ ५२	सा ४३ ४८	व २३ १६	४७ ५१ ६	१६ १० ६	वृ.३४।३५	भ.२३।१६उ.५४।३४या.पुत्रदा११व्र.
१२	मं ५५ ५ कृ २२ ४५	शु ४१ ३४	ब २४ ४६	४८ ५० १०	१७ ११ ७	वृषे	
१३	बु ५३ ४४ रो २३ ५३	शु ३७ ४९	कौ २४ २५	५० ५० १०	१८ १२ ८	मि५३।३४	कुंभेशुक्रः४६।३३ प्रदोषः
१४	गु ५० ४२ मृ २३ १४	व्र ३२ ३५	ग २२ १३	५२ ५० १०	१९ १३ ६	मिथुने	भ.५०।४२उ.
१५	शु ४६ ४ आ २० ५४	ऐं २६ १३	वि १८ २३	५३ ४९ ११	२० १४ १०	मिथुने	भ.१८।२३या. मा.स्ना.प्रा.

३८पं.पौ.शु.३र.इ.१५।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	८	९	८	२	८
१३	२	६	११	१७	२६	१४	१२
११	२८	४	५६	४	५२	१३	५२
१३	५५	१९	४६	४१	१९	३८	३
६१	३९	९८	१३	७२	७	३	६१
६	३८	३५	३८	२७	१४	११	२६

गोचर ग्रहाः

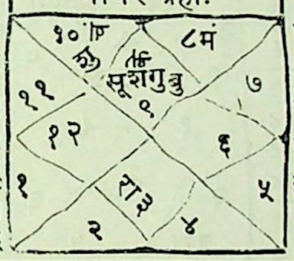

इस मास में धान्य धातु तेज रहे रस गुड़ शक्कर चीनी वस्त्र वारदाना मंदा हो शीत अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

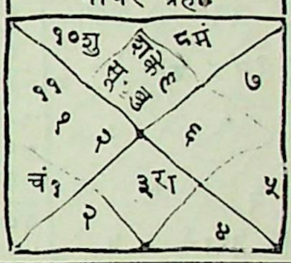

३९पं.पौ.शु.१०र.इ.१५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	८	९	८	२	८
२०	७	१७	१३	२५	२७	१३	२०
१९	११	८	३३	३८	४१	५१	२
२६	२४	५३	४३	५९	१३	२२	०
६१	३९	९	१३	७२	७	३	६१
६	३७	४	३८	३	२०	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	श ४० २७ पु १७ १६	वै १८ ५६	बा १३ १५	२५ ६	५	२१ १५ ११	क.३।१३	उषा.रविः २९ (सौरः ४४) उषा.बुधः ३=
२	र ३४ ५ पु १२ ४८	व १० ३८	तै ७ १६	५७ ४९	११	२२ १६ १२	कर्के	मकरेबुधः५८।० [=उदयंगुरोः ४२
३	चं २७ २८ श्ले ७ ५६	प्री १२ ५१	व ० ४७	५९ ४८	१२	२३ १७ १३	सिं७।५६	भ.०।४७उ.२७।२८या. चतुर्थीव्र.
४	मं २० ४८ म ३ ५५	सौ ४५ २२	बा २० ४८	२६ ४८	१२	२४ १८ १४	सिंहें	मकरेऽर्कः४५।३५शतेशुक्रः१६।५१
५	बु १४ ३२ उ ५४ १८	शो ३७ ४	तै १४ ३२	४ ४७	१३	२५ १९ १५	कं.१२।२९	मकरेऽर्कःसौरः ९ आर्द्रा.२राहुःमूल.४×
६	गु ८ ४२ ह ५० ४३	अ २९ ४४	व ८ ४२	६ ४७	१३	२६ २० १६	कन्यायां	भ.८।४२उ.३६।५या. [×केतुः ७
७	शु ३ २८ चि ४७ ३८	सु २२ २८	ब ३ २८	८ ४६	१४	२७ २१ १७	तु.१९।१०	[+बुधः ५ ज्येष्ठा.भौमः ५
८	शु ५५ ३५ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	०	० ० ०	० ०	[÷भा.माघारंभःपातमोक्षः३।४९
९	श ५५ ० स्वा ४५ १०	धृ १५ ५२	तै २७ १	११ ४६	१४	२८ २२ १८	तुलायां	पूषा.२गुरुः५५।०
१०	र ५१ ५६ वि ४३ ४३	शू ९ ४८	व २३ २८	१३ ४५	१५	२९ २३ १९	वृ.२९।५	भ.२३।२८उ.५१।५६या.श्रवणें+
११	चं ४९ ३२ अ ४३ ५	गं ४९ २०	ब २० ४४	१६ ४५	१५	३० २४ २०	वृश्चिके	पातस्पर्शः४०।२६षट्तिला११व्र.
१२	मं ४८ ८ ज्ये ४३ १	धु ५५ ५७	कौ १८ ५०	१९ ४४	१६	१ २५ २१	ध.४३।१	अभि.प्र.रविः२०।५ (सौरः३१।२२)÷
१३	बु ४७ ४९ मू ४४ ११	व्या ५२ ५२	ग १७ ५८	२१ ४४	१६	२ २६ २२	धनुषि	भ.४७।४९उ. प्रदोषः
१४	गु ४८ ३० पू ४६ १३	ह ५१ ४१	वि १८ १०	२४ ४३	१७	३ २७ २३	धनुषि	भ.१८।१०या. [–उषा.२मकरेशनिः ५४
२०	शु ५० ३१ उ ४९ ३९	व ४९ ४७	च १९ ३१	२७ ४३	१७	४ २८ २४	म.२।५	श्रवणेरविः३४।४२ (सौरः४८।१८)–

४०पं.मा.कृ.२र.इ.१५।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	८	१०	८	२	८
२७	११	२८	१५	४	२८	१३	२७
२७	५६	४६	१०	१०	३०	२९	११
२२	१३	५५	५	१	४३	६	५२
६१	३९	०	१३	७१	७	३	६१
६	४६	३१	३२	४५	२०	११	२४

गोचर ग्रहाः

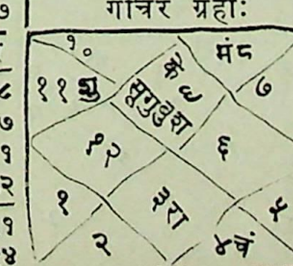

माघ कृष्णे ४ भौमे मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा२ न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावें समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

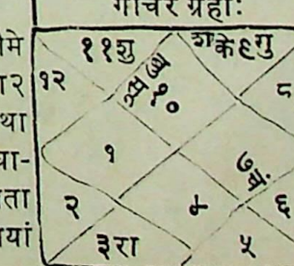

४१पं.मा.कृ.११.इ.१५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	८	१०	८	२	९
४	१६	१०	१६	१२	२९	१३	४
२५	४०	१७	४४	३८	२०	६	२१
१३	१२	६	१६	१७	४२	५१	२१
६१	३९	०	१३	७१	७	३	६१
३	४४	१७	२०	२०	२०	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्लपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण ३२१६ स. २०२०

१	श	५३	४८	श्र	५४	२२	सि	४६	१३	कि	२२	१०	३६	४३	१८	५ २६ २५	मकरे	अभि.नि.रविः ५६ (सौरः ३६) पूभा.शु. २२
२	र	५८	११	ध	६०	०	व्य	४६	४८	बा	२५	५६	३२	४२	१८	६ ३० २६	कुं.२७।१६	धनि.बुधः ५१।५ चंद्रदर्शनम्
३	चं	६०	०	ध	०	१०	व	५१	१४	तै	३०	५८	३५	४१	१६	७ १ २७	कुंभे	जमादिलाखर ६
४	मं	३	४६	श	६	४०	प	५३	०	ग	३	४६	३८	४०	२०	८ २ २८	मी ५७।५	भ.३६।५३उ.
५	बु	१०	०	पू	१३	५३	शि	५५	२३	वि	१०	०	४१	४०	२०	९ ३ २९	मीने	भ.१०।० या.बुधोदयः पश्चिमायां ३६।२७
६	गु	१६	२५	उ	२१	३८	सि	५७	४६	बा	१६	२५	४५	३६	२१	१० ४ ३०	मीने	कुंभेबुधः ३५।४० वसंत ५
७	शु	२२	५३	रे	२८	५१	सा	६०	०	तै	२२	५३	४८	३८	२२	११ ५ ३१	मे.२८।५१	[×फर्वरी २ ता. २९ भानु ७ रथ ७
८	श	२८	५३	अ	३६	७	सा	०	४८	व	२८	५३	५१	३८	२२	१२ ६ १	मेषे	भ.२८।५३उ.उदयंशनेः १९।१२ ×
९	र	३३	४६	भ	४१	५०	शु	१	४	वि	१	१९	५४	३७	२३	१३ ७ २	वृ.५७।५४	भ.१।१९या.मीनेशुक्रः ४६।२० पूषा.३ +
९	चं	३६	५९	कृ	४६	७	शु	१	१३	बा	५	२२	५८	३६	२४	१४ ८ ३	वृषे	शतेबुधः ५२।४० पातस्पर्शः ११।३१ =
१०	मं	३८	२२	रो	४८	२६	बृ	१ ५७	३२	तै	७	४०	२ ७	३६	२४	१५ ९ ४	वृषे	[=पातमोक्षः २८।४७ [+गुरुः ५७ भीष्मा.
११	बु	३७	४६	मृ	४८	३८	वै	५३	४	व	८	४	५	३५	२५	१६ १० ५	मि १८।३२	भ.८ उ.३६ या.उभा.शुक्रः ३७ जया ११ व्र.
१२	गु	३५	३	आ	४६	५८	वि	४७	८	ब	६	२४	८	३४	२६	१७ ११ ६	मिथुनें	धनि.रविः ४३।० (सौरः ५३।८)
१३	शु	३०	२३	पु	४	३	२८	ग्री	३९	४६	कौ	२	४३	१२	३४	२६	१८ १२ ७	क.२९।२०	मूलेधनुषिभौमः ४३।३३ प्रदोषः
१४	श	२४	१	पु	३८	२४	आ	३१	५	व	२४	१	१५	३३	२७	१९ १३ ८	कर्के	भ.२४।१उ.५०।१६या.
१५	र	१६	३१	श्ले	३२	२५	सो	२१	४४	ब	१६	३१	१९	३२	२८	२० १४ ९	सिं ३२।२५	मा स्ना. पूर्तिः

४२पं.मा.शु.२र.इ.१५।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	८	१०	९	२	९
११	२१	२२	१८	२१	०	१२	११
४२	२५	१८	१८	३	९	४४	३०
४०	३४	२९	३४	१४	४७	३५	१२
६०	३९	३	१३	७०	७	३	६१
५९	४१	५	१४	५०	१४	११	१३

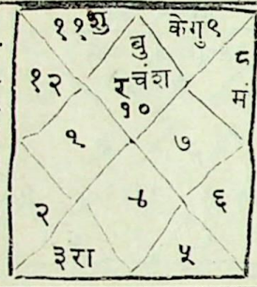

४३पं.मा.शु.८र.इ.१५।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	८	१०	९	२	९
१८	२६	४	१९	२९	०	१२	१८
४९	१२	९	५१	२३	१८	२२	३८
१६	३६	११	११	५६	३४	२०	१८
६०	३९	९३	१२	७०	७	३	६१
५५	३५	२३	५०	१३	८	११	४

४४पं.मा.शु.१५र.इ.५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	८	११	९	२	९
२५	१	१४	२१	७	१	१२	२५
५५	०	७	२१	३८	४५	०	४५
१	४६	५५	४	४९	५०	४	५
६०	३९	७२	१२	६९	६	३	६०
४७	२८	२४	२२	२९	५६	११	५५

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१ | दि. उ. अ. भा. मु इं | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.

१	चं	८	२३	म	२५	५३	शो	११	५२	कौ	८	२३	२७	३५	२९	२१ १५ १०	सिंहे	
२	चं	५१	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	
३	मं	५१	३७	पू	१९	१३	अ	५० ५७		व	२५	४४	२७	३१	२९	२२ १६ ११	कं.३२।३९	भ.२५।४४उ.५१।३७या.
४	बु	४३	४६	उ	१२	५९	धृ	४२	४५	बृ	१७	४१	३०	३०	३०	२३ १७ १२	कन्यायां	चतुर्थी व्र.
५	गु	३६	५०	ह	७	४१	शू	३४	८	कौ	१०	१८	३४	२९	३१	२४ १८ १३	तु.३५।२७	कुंभेऽर्कः १८।१६ (सौरः २७।६)
६	शु	३१	१०	चि	३	१३	गं	२६	३४	ग	४	०	३८	२८	३२	२५ १९ १४	तुलायां	भ.३१।१०उ.५८।५४या.
७	श	२६	३८	स्वा	३९	५५	वृ	२०	१	ब	२६	३८	४१	२८	३२	२६ २० १५	बृ.४२।५७	
८	र	२२	२८	अ	५७	८	ध्रु	१४	२८	कौ	२२	२८	४५	२७	३३	२७ २१ १६	वृश्चिके	
९	चं	२१	२६	ज्ये	५७	३६	व्या	९	५९	ग	२१	२६	४९	२६	३४	२८ २२ १७	ध.५७।३६	भ.५१ उ.वक्रीबुधः १४ रेवत्यांशुक्रः २।२७
१०	मं	२०	४९	मृ	५९	२७	ह	६	३०	वि	२०	४९	५३	२५	३५	२९ २३ १८	धनुषि	भ.२०।४९या.पूषा.४ गुरुः ५७।५६
११	बु	२१	३४	पू	६०	०	व	४	५	बा	२१	३४	५६	२५	३५	३० २४ १९	धनुषि	शतेरविः ५३ बुधा.पश्चि. ३० विजया ११ व्र.
१२	गु	२३	१६	पू	२	२७	सि	२	४३	तै	२३	१६	३८	२४	३६	१ २५ २०	म.१८।२८	शतेरविः सौर २।२८ भा.फाल्गुनारंभः प्रदोष
१३	शु	२६	१८	उ	६	२९	व्य	२	२०	ब	२६	१८	४	२३	३७	२ २६ २१	मकरे	भ.२६।१८उ.५८ या.महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१४	श	३०	१६	श्र	११	४०	व	२	१७	श	३०	१६	८	२२	३८	३ २७ २२	कु.४४।३९	महाशिवरात्रीव्र.वै.
३०	र	३५	१०	ध	१७	३९	प	३	६	च	२	४३	१२	२२	३८	४ २८ २३	कुम्भे	उषा.३ शनिः ५५।५१

४५पं फा कृ.८र.इ.१६।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	८	११	९	२	१०
२	५	१८	२२	१५	२	११	२
५९	४८	४२	४७	४६	३१	३७	५१
४९	५०	१४	२०	५९	५५	४८	८
६०	३९	१०	१२	६८	६	३	६०
३७	२१	२३	७	४४	३८	११	४२

गोचर ग्रहाः

फाल्गुनकृष्णे ५ गुरौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४६पं.फा.कृ.३०र.इ.२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	८	११	९	२	१०
१०	१०	१५	२४	२३	३	११	९
३	३४	३५	१०	४९	१५	१५	५५
२२	५५	४६	३०	१९	४७	३३	४१
६०	३९	५८	११	६७	६	३	६०
२५	१२	८	२८	४३	२५	११	३१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१								दि उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३२४६स.२०२०
१	चं	४०	४३	श	२४	२०	शि	४	४४	कं	७	५६	२६	२५	३५	५ २९ २४	कुंभे	
२	मं	४६	२९	पू	३१	३२	सि	६	३३	बा	१३	३६	२०	२०	४०	६ ३० २५	मी. १४	चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
३	बु	५३	२५	उ	३९	९	सा	८	५३	तै	१९	५७	२४	१९	४१	७ १ २६	मीने	रज्जव ७
४	गु	५९	५६	रे	४६	५५	शु	११	१०	व	२६	१०	२८	१८	४२	८ २ २७	मे.४६।५५	भ.२६।१०उ.५९।५६या.पूषा.भौमः १६
५	शु	६०	०	अ	५४	१४	शु	१३	२०	ब	३३	२	३२	१८	४२	९ ३ २८	मेषे	अश्वि.मेषेशुक्रः४४।५४पातस्पर्शः२३।९+
६	श	६	९	भ	६०	०	ब्र	१५	२८	बा	६	९	३६	१७	४३	१० ४ २९	मेषे	[+ पातमोक्षः३६।३४
७	र	११	१९	भ	०	३७	ऐं	१६	३०	तै	११	१९	४०	१६	४४	११ ५ १	वृ.१६।५०	मार्च ३ता.३१
८	चं	१५	१९	कृ	६	७	वै	१६	२९	व	१५	१९	४४	१५	४५	१२ ६ २	वृषे	भ.१५उ.४६या.वक्रीबनि.बुधः५०।५८
९	मं	१७	५१	रो	९	५२	वि	१५	९	ब	१७	५१	४८	१४	४६	१३ ७ ३	मि४०।३२	बुधोदयःपूर्वस्यां२०।१६होलाष्टकम्
१०	बु	१८	१९	मृ	११	१३	मृ	१२	२३	कौ	१८	१९	५२	१४	४६	१४ ८ ४	मिथुने	पूभा.रविः१०।३८(सौरः१७।१५)
११	गु	१६	४९	आ	११	५१	आ	८	१	ग	१६	४९	५६	१३	४७	१५ ९ ५	क.५५।२६	भ.४५।१उ.
११	शु	१३	१४	पु	९	५७	सौ	४	२३	वि	१३	१४	२९	१२	४८	१६ १० ६	कर्के	भ.१३।१४या.आमलकी११व्र.
१३	श	७	४२	पु	५	४९	अ	४५	२६	बा	७	४२	५	११	४९	१७ ११ ७	कर्के	उषा.१गुरुः४७।५८प्रदोषः
१३	र	०	३२	श्ले	१३	५३	सु	३५	३०	तै	०	३२	९	१०	५०	१८ १२ ८	सिं.०।१३	भ.५२।०उ.
१४	र	५१	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	
१५	चं	४२	४०	पू	४५	४४	धृ	२४	५४	वि	१७	१९	१३	९	५१	१९ १३ ९	क.५८।४९	भ.१७।१९या.होलिकादहनम्

४७प.फा.शु.६र.इ.१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	८	०	९	२	१०
१७	१५	८	२५	१	३	१०	१६
५	२७	१८	३०	४१	५७	५३	५८
३५	३२	०	७	४९	४०	१७	३५
६०	३९	६३	१०	६६	६	३	६०
१२	३४	वं.	५५	३२	२	११	२०

गोचर ग्रहाः

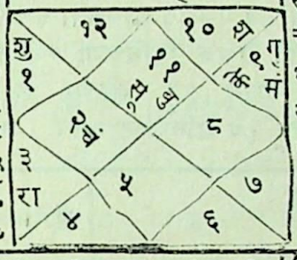

सोमवाराः यदा पञ्च। चान्द्रमासे भवन्तिहि धनधान्यंसमृद्धिःस्यात् सुखं सर्वत्र सुन्दरम्। इस मास में बदि में मंदी व सुदि में तेजी चले।

गोचर ग्रहाः

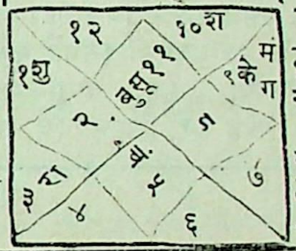

४८प.फा.शु.१३र.इ.१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	८	०	९	२	१०
२४	२०	४	२६	९	४	१०	२३
६	१७	१९	४४	२४	३७	३१	५९
२२	४२	५	५६	५४	१२	२	५८
५९	३९	१६	१०	६५	५	३	६०
५८	२०	व.	१११	४०	११	६	

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	मं	३२	५७	उ	३८	२	शू	१३	५८	बा	७	४८	२२	९	५१	२० १४ १०	कन्यायां	वसंत १छारेंडी
२	बु	२३	२६	ह	३०	४०	गं	३	४९	ग	२३	२६	२१	८	५२	२१ १५ ११	तु.५७।३२	भ.४८।५८उ.मार्गीबुधः४०।३५भरण्यां =
३	गु	१४	३१	चि	२४	२५	ध्रु	४	३३	वि	१४	३१	२६	७	५३	२२ १६ १२	तुलायां	भ.१४।३१याचतुर्थी व्र.
४	शु	६	४३	स्वा	१८	३५	व्या	३४	५९	बा	६	४३	३०	६	५४	२३ १७ १३	तुलायां	[=शुक्र५५।२९पातस्पर्शः ३५ पातमोक्षः ४५ ३८
५	श	०	२६	वि	१५	१	ह	२८	३	तै	०	२६	३४	५	५५	२४ १८ १४	वृ.०।५५	भ.५५ उ.मीनेऽर्कः११।३१(सौरः १७)
६	श	५५	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०	
७	र	५२	५९	अ	१२	४५	व	२२	२८	वि	२४	२५	३८	४	५६	२५ १९ १५	बृश्चिके	भ.२४।२५या.
८	चं	५१	५६	ज्ये	१२	२३	सि	१८	२२	बा	२२	२८	४३	३	५७	२६ २० १६	ध.१२।२३	शीतलापूजनम्
९	मं	५२	३२	मू	१३	४४	व्य	१५	४०	तै	२२	१३	४७	३	५७	२७ २१ १७	धनुषि	उभा.रविः ३२ (सौरः ३९) उषा.भौमः ३७
१०	बु	५४	३६	पू	१६	४७	व	१४	४	व	२३	३४	५१	२	५८	२८ २२ १८	म.३२।५३	भ.२३।३४उ.५४।३६या.शतेबुधः ४९ ३४ ×
११	गु	५८	७	उ	२१	१०	प	१४	१	ब	२६	२२	५५	१	५९	२९ २३ १९	मकरे	पापमोचनी ११व्र.
१२	शु	६०	०	श्र	२६	३६	शि	१४	३२	कौ	३०	२८	३० ०	०	०	३० २४ २०	कुं.५९।३५	[×आर्द्रां.१राहुःमूल.३केतुः२।३६
१२	श	२	४९	ध	३२	३५	सि	१५	४६	तै	२	४९	३० ४	५	५९	१ २५ २१	कुंभे	भा.चैत्रारंभःप्रदोषः
१३	र	८	१६	श	४०	५	सा	१७	४५	व	८	१६	८	५	८	२ २६ २२	कुंभे	भ.८।१६उ.४१।१२या.मकरेभौमः १९
१४	चं	१४	७	पू	४७	२०	शु	१९	४६	श	१४	७	१२	५	८	२ ३ २७ २३	मी३०।३०	
३०	मं	२०	३२	उ	५४	५५	शु	२२	७	ना	२०	३२	१६	५	७	३ ४ २८ २४	मीने	कृत्ति शुक्रः४८।५६मन्वादिः

४९प.चै.कृ.७र.इ.१७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	८	०	९	२	११
१	२५	५	२७	१६	५	१०	०
५	८	३१	५४	५३	१३	८	५९
३५	३५	४८	२५	६	३७	४६	४०
५९	३९	१९	९	६३	५	३	५९
४१	७	मा	२६	२०	११	११	४९

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे ५ शनौ मीनेऽर्कःप्रविष्टःवा.३ न.३प्रौढावस्था बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

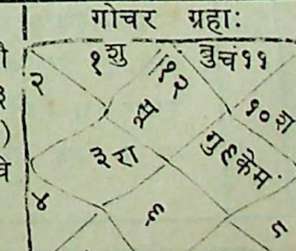

५०प.चै.कृ.१३र.इ.१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	८	०	९	२	११
८	२९	१०	२८	२४	५	९	७
३	५९	२३	५८	५	४६	४६	५७
१८	३८	४२	५५	२०	३४	३०	३५
५९	३८	४६	८	११	४	३	५९
२९	५४	५९	३६	२	४९	११	३५

(२००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२१, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२१, भोग्यकलिः ४२६८७९, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०७७, शाकः १९४२, अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः । मंत्री चंद्रः । सस्येशोगुरुः। धान्येशो भौमः । मेघेशो रविः। रसेशः शनिः। नीरसेशोगुरुः। फलेशो रविः। धनेशोबुधः । दुर्गेशो रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां ८ आनंदनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ०।२७।३३।७।१२ भोग्यमासादिः ११।२।२६।५२।४८अग्निदैवतं युगम् । तत्र वर्षनाम आषाढः। मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासःसंधौ। समयनिवासोःवणिक् गृहे। समय विश्वा १८ समयवाहनम् सिंचाणुः। स्तंभौ२ जलतृणयोः। सोमवत्यमाः३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी२ भानुसप्तमी १रविदशमी १समय मुहूर्ताः ३९५ समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा १०५ खपतिविश्वा ९६, वर्षाविश्वा ९, धान्यम् १३, तृणम् १३, शीतम् ७, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्११३, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःरुत्तरे । ग्रहण १ सूर्यस्यः।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	५	१४	२	११	१४	२
ख.	५	११	११	८	२	११

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	१४	५	८	११	११	८
ख.	११	५	११	५	५	१५

वर्ष लग्नम् ३।२०

भैरव भवानी सम्वाद

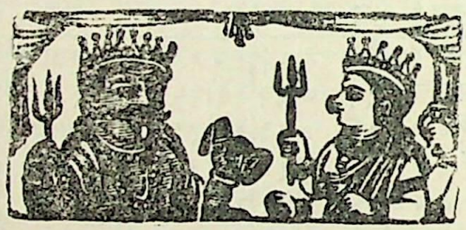

भैरव प्रश्न

सतंतर की साल में अंबा के दरवार ।
फल पूछों जगदंबिका जिमि पूछां हरवार ।।

भवानी उत्तर

सतंतर सत राखसी मध्यम वर्षे नीर ।
निबला सबला मानवी सबको बंधसी धीर ।।
सस्याधिप सुर पूज्य है नीरसेश पद पाय ।
उगती खेती देख कर कृषक घणां हर्षाय ।।
समय निवासो वणिक् घर रोहिणी संधिनिवास ।
अन्न की कुछ कमती रहे होय घणेरा घास ।।
राजा बुध मंत्री शशी जग की करसी सार ।
घर २ वजे बधावणां घर २ मंगल चार ।।

संवत् २०७७ शा. १९४२आषाढ कृ. ३० रवौ सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो
घ.	१०	११	१
मि.	१६	५७	४३
घ.	९	१३	१८
प.	३२	४५	१०

वर्षेश लग्नम् ६।१३

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।७।४१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे २ तूर्य विवाह मंगलं। प्रकुर्वते दान दयांजनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलं ॥ मंत्री चंद्रस्तत्फलम् ॥ शशिनि मंत्रि गते बहु सस्यबत्यपि धरा रमते सुख मंडिता । वियति वारिधरा बहु वर्षिणो जनपदा सुखराशि सुशोभिताः ।। सस्येशो गुरुः फलम् ।। कणपतौ सुरराज पुरोहिते सकल सौख्यकरः श्रुति पूर्वकाः । जलधरा जलदा बहुसम्पदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै ।। धान्येशो भौमः फलम् ।। भूमिजे ग्रीष्म धान्यशे ग्रीष्म धान्य महर्घकम् । शालीक्षु घृत तैलादि महेर्घाणि भवंतिहि ।। मेघेशो रविः फलम् ।। जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनता रसम् । यव चणेक्षुनीवार सुशालिभिः सुख चयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शनिः फलम् ।। रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अज गवां गज वाजि खरोष्ट्रहाः जनपदेषु नरा न रसैर्युताः ।। नीरसेशो गुरुः फलम् ।। हरिद्रा पीत वस्तूनि पीत वस्त्रादिकं च यत् । नीरसेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ।। फलेशः रविः फलम् ।। द्रुमवती वर पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता । बहुजलं जलदो भुवि मुञ्चति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो बुधस्तत्फलम् ।। द्रविणपो हिम रश्मि सुतो यदा विविध संग्रह वस्तु फलार्थदा द्विजवरा जप यज्ञसुसंयुताः कृषि विशेष विशेषित मानसाः ।। दुर्गेशोरविःफलं ।। नय विशेष करस्तरणिस्तदा गत भया नरराज पुरोगमाः । समधिको न तदा नृपजोन्यजः स्वपथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ।। आनंद नाम संवत्सरः फलम् ।। आनंदाब्दे खिला लोकाः सर्वानन्द चेतसः । राजानः सुखिनः सर्वे बहु सस्यार्घ बृष्टिभिः ।। वर्षनामआषाढःफलम् ।। आषाढाब्दे तु राजानः सर्वदा कलहोत्सुकाः । क्वचिदीतिः क्वचिद्भीतिः क्वचिद्वृद्धिः जलं क्वचित् । मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्न बृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खण्ड बृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे फलम् ।। वणिक् गृहे शुभं नास्ति । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ८ शुक्रे मघा ल. ११ (चं.पू.) रे.६ ।।।।ऽऽरोऽ।ऽ।

गणितेन क्रांति साम्याभावः

,, ९ शनौ मघा ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽ।ऽ।ऽ।

गणितेन क्रांति साम्याभावः

,, ११ चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो १२ (मी.चं.पू.) रे. ७ ऽऽ।।।ऽअ।।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १० रवौ उषा ल. ऽन्यगो १ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।

,, ११ चन्द्रे रेव. ल. ऽन्यगो १ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

शुक्ला ७ शुक्रे मघा ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

आषाढ मासः

कृष्णा ८ शनौ उभा ल. १ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ९ बुधे हस्ते ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे. ७ ।।।।।-।ऽ।ऽ दग्धा

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२७६ स.२०२०
१	बु २६ ४३ रे ६० ० ब्र २४ २० ब २६ ४३	३० ५६ ६	५ २९ २५	मीने	चंद्रदर्शनम्संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	गु ३३ १ रे २२ ऐं २६ ४१ कौ ३३ १	२५ ५५ ५	६ १ २६	मे.२।२२	सावानष्टसिधारा
३	शु ३८ ४९ अ ९ ४३ वै २८ ३७ तै ५ ५५	२९ ५४ ६	७ २ २७	मेषे	मत्स्यजयंती गणगौरी
४	श ४३ ५२ भ १६ १३ वि २९ ४० व ११ २०	३३ ५३ ७	८ ३ २८	वृ.३२।४१	भ ११ उ.५३ या.बृषेशुक्रः१७।४७
५	र ४८ ३ कृ २२ ७ प्री ३० २९ ब १५ ५८	३७ ५३ ७	९ ४ २९	वृषे	उषा.मकरेगुरुः४०।५६
६	चं ५० ५९ रो २६ ४४ आ ३० ८ कौ १९ ३१	४१ ५२ ८	१० ५ ३०	मि५८।२५	
७	मं ५२ २७ मृ ३० ५ सौ २८ ४१ ग २१ ४३	४५ ५१ ९	११ ६ ३१	मिथुने	भ.५२।१७उ.रेवत्यांरविः०।१४(सौरः ÷
८	बु ५२ १७ आ ३१ ४२ शो २५ ५० वि २२ २२	४९ ५० १०	१२ ७ १	मिथुने	भ.२२।२२या.अप्रेल ४ता.३०
९	गु ५० १० पु ३१ ४० अ २१ ३७ बा २१ १३	५३ ४९ ११	१३ ८ २	क.१६।४१	रामनवमी
१०	शु ४६ १५ पु २९ ४२ सु १५ ५० तै १८ १२	५७ ४९ ११	१४ ९ ३	कर्के	[÷ ५।३९)पूभा.बुधः१६।६
११	श ४० ३३ श्ले २५ ५५ धृ ८ ३५ व १३ २४	३ १ ४८ १२	१५ १० ४	सिं२५।५५	भ.१३।२४उ ४०।३३या.कामदा११व्र.
१२	र ३३ १४ म २० ३६ शू ० ५० ४ ब ६ ४७	५ ४७ १३	१६ ११ ५	सिंहे	श्रवणेभौमः ४७ उषा.४शनिः४०।५०प्रदोष
१३	चं २४ ३८ पू १३ ५९ वृ ४० ४ तै २४ ३८	१० ४६ १४	१७ १२ ६	क.२७।७	
१४	मं १५ २ उ २९ ५१ ध्रु २९ ५ व १५ २	१४ ४५ १५	१८ १३ ७	कन्यायां	भ.१५।२उ.४०।१या.मीनेबुधः३१।४६
१५	बु ४ ५९ चि ५० ३८ व्या १८ ५ ब ४ ५९	१८ ४४ १६	१९ १४ ८	तु.२४।३३	रोहि.शुक्रः८।३८हनुमज्जयंती

५१ पं.चै.शु.५र.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	८	१	९	२	११
१४	४	१७	२९	०	६	९	१४
४९	५०	४३	१७	५८	१५	२४	५३
१०	४९	४८	७	३०	२२	१५	४५
५९	३८	६९	७	५८	४	३	५९
१६	५५	१४	३४	१३	१४	११	१८

गोचर ग्रहाः

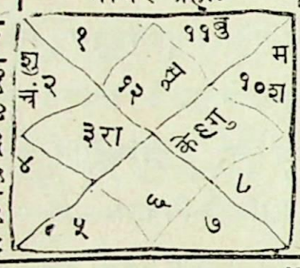

इस मास में धान्य वाजरा मूंग मोठ चावल धातु चांदी सोना रुई तिल सन वारदाना मंदा हो रसकस तेज हो।

गोचर ग्रहाः

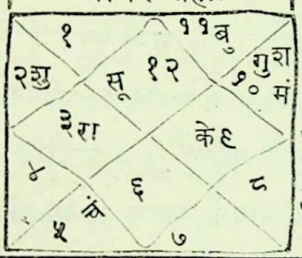

५२प.चै.शु१२र.इ.१८।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	९	१	९	२	११
२१	९	२६	०	७	६	९	२१
५३	४०	५२	४८	२५	४१	१	४७
३१	५९	४८	१४	४८	२०	५९	५६
५९	३८	८४	६	५४	३	३	५९
४	५०	१३	३२	२१	३४	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२	दि. उ. अ.	भा. मु. इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु ५० २ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	
२	गु ४५ ५० स्वा ४३ २६ ह १४ ५० तै २० २५	३१ ५ ३२ ४४ १६	२० १५ ९	तुलायां	उभा.बुधः५७।४
३	शु ३७ ४१ वि ३७ ३६ सि ४८ ४३ व ११ ४६	२६ ४३ १७	२१ १६ १०	वृ.२४।४	भ.११।४६उ.३७।४१या.
४	श ३१ ११ अ ३३ २७ व्य ४१ ३५ ब ४ २६	३० ४२ १८	२२ १७ ११	वृश्चिके	चतुर्थी व्र.
५	र २६ २८ ज्ये ३१ ७ व ३५ ३८ तै २६ २८	३४ ४१ १९	२३ १८ १२	ध.३१।७	
६	चं २४ १ मू ३० ५५ प ३१ २८ व २४ १	३८ ४० २०	२४ १९ १३	धनुषि	भ.२४।१उ.५३।५२या.अश्वि.मेषेऽर्कः ×
७	मं २३ ४३ पू ३२ ४९ शि २९ ७ ब २३ ४३	४२ ४० २०	२५ २० १४	म.४८।४४	[×३४।१०(सौरः४०।१३)
८	बु २५ ११ उ ३६ २८ सि २८ ८ कौ २५ ११	४६ ३९ २१	२६ २१ १५	मकरे	
९	गु २८ २६ अ ४१ ४० सा २८ ४५ ग २८ २६	५० ३८ २२	२७ २२ १६	मकरे	
१०	शु ३३ ५ ध ४७ ५५ शु २९ ४९ व ० ४३	५३ ३७ २३	२८ २३ १७	कु.१४।४७	भ.०।४३उ.३३।५या.रेवत्यांबुधः४८।४९
११	श ३८ ४६ श ५५ १६ शु ३१ ५५ ब ५ ५५	५७ ३७ २३	२९ २४ १८	कुम्भे	वरुथिनी ११व्र.
१२	र ४४ ५२ पू ६० ० ब्र ३४ १३ कौ ११ ४९	३ २ ३६ २४	३० २५ १९	मी. ४७	
१३	चं ५१ २३ पू २ ३७ ऐं ३६ ४८ ग १८ ७	५ ३५ २५	३१ २६ २०	मीने.	भ.५१।२३उ.प्रदोषः
१४	मं ५७ २९ उ १० २३ वै ३९ ९ वि २४ २६	९ ३४ २६	१ २७ २१	मीने	भ.२४।२६या.भा.वैशाखारंभः
३०	बु ६० ० रे १७ ४६ वि ४१ १४ च ३० २९	१२ ३४ २६	२ २८ २२	मे.१७।४६	बुधास्तःपूर्वस्यां४६।३४
३०	गु ३ ३० अ २४ ४६ प्री ४२ ५० ना ३ ३०	१६ ३३ २७	२ २९ २३	मेषे	

१पं.वै.कृ.६चं.इ.३४।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	९	१	९	२	११
०	१५	९	११	४	७	८	२९
०	२४	३६	४०	१९	७	३५	५४
०	०	३६	१२	४८	४४	५१	९
५८	३८	५९	५	४८	२	३	५८
४४	२६	५३	१३	३२	४७	११	४५

गोचर ग्रहाः

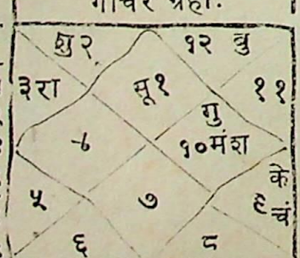

वैशाखकृष्णे६चन्द्रेमेषे ऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.५ वृद्धाऽवस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समताशुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

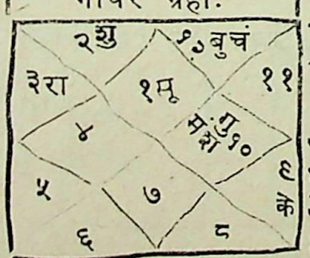

२पं.वै.कृ.१३चं.इ.३४।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	९	१	९	२	०
६	२०	२१	२	१९	७	८	६
५०	१४	५१	१४	२२	२४	१३	४४
४२	३५	७	४२	५९	४	३६	२०
५८	३८	५९	४	४१	२	३	५८
३१	१९	४४	५	४३	४	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३३०६स.२०२०
१	शु	८	४	३	भ	३१	३	आ	४	३	५	६	वृ.४७	अश्वि.मेषेबुधः५६।२७धनि.भौमः ×
२	श	१३	६	३	कृ	३६	३१	सो	४	४	३१	कौ	१३	६	२३	३१	२९	५	१	२५	वृषे	रमजान ९ परशुरामजयंती
३	र	१६	४	१	रो	४१	१	शो	४	४	०	ग	१६	४	१	२७	३१	२९	६	२	२६	वृषे	भ.४७।५८उ.अक्षया३
४	चं	१९	१	६	मृ	४४	२६	अ	४	२	५६	वि	१९	१	६	३१	३०	३०	७	३	२७	मि १२।४३	भ.१९।१६या.भरण्यांरविः१४।२८ ÷
५	मं	२०	२	९	आ	४६	४९	मु	४	०	५७	बा	२०	२	९	३४	२९	३१	८	४	२८	मिथुने	[÷(सौरः२१।३८) मृगेशुक्रः१४।४८
६	बु	२०	४	६	पु	४७	५०	भृ	३७	४	९	तै	२०	४	६	३८	२८	३२	९	५	२९	क.३२।३५	[× ५१।२१चंद्रदर्शनम्
७	गु	१९	२	९	पु	४७	३५	शू	३३	२	७	व	१९	२	९	४१	२८	३२	१०	६	३०	कर्के	भ.१९।२९उ.४८।१३या.
८	शु	१६	५	७	श्ले	४५	४२	गं	२७	५	७	ब	१६	५	७	४५	२७	३३	११	७	१	सि. ४३	भरण्यांबुधः३३।६मई५ता.३१
९	श	१२	४	६	म	४२	३५	वृ	२१	२	०	कौ	१२	४	६	४८	२६	३४	१२	८	२	सिंहे	पातस्पर्शः५।२९पातमोक्षः१९।१४
१०	र	७	२	२	पू	३८	३	धु	१३	३	८	ग	७	२	२	५३	२६	३४	१३	९	३	कं.५१।३८	भ.३३।५४उ.
११	चं	०	२	७	उ	३२	१६	ध्या	५५	२	५	वि	०	२	७	५५	२५	३५	१४	१०	४	कन्यायां	भ.०।२७या.कुंभेभौमः ५३ मोहिनी ११ब्र.
१२	चं	५१	५	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	मं	४	३	५	ह	२५	३८	व	४	५	११	कौ	१८	०	५	८	२४	३६	१५	११	५	तु.५२।३२	प्रदोषः
१४	बु	३४	१	७	चि	१८	२६	स्वि	३४	४	१	ग	८	५	६	३३	२४	३६	१६	१२	६	तुलायां	भ.३४।१७उ.५९।५१या.नृसिंहजयंती
१५	गु	२५	६	३	स्वा	११	१९	व्य	२४	४	०	व	२५	६	०	५	२३	३७	१७	१३	७	वृ.५१।२२	कृत्ति.बुधः३८।२४यमायकुंभदानम्

३पं.वै.शु.४चं.इ. ३४।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	९	१	९	२	०
१३	२५	५	२	२३	७	७	१३
२९	३	२२	४१	३०	३४	५१	३२
४७	११	३१	१३	५४	५२	२०	४५
५८	३७	३९	२	३२	१	३	५८
१९	५४	३८	५७	४९	२८	११	१२

गोचर ग्रहाः

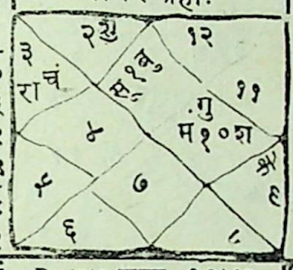

इस मास में धान्य गल्ला आदि मंदे होवे धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा रुई वस्त्र घृत तेल तेज होवेंगे ।

गोचर ग्रहाः

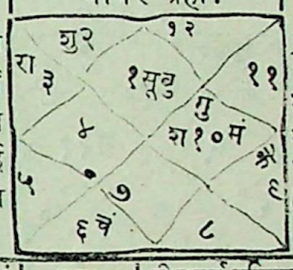

४पं.वै.शु.११चं.इ.३४।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	९	१	९	२	०
२०	२९	१९	२	२६	७	७	२०
२७	५०	४८	५८	२८	४१	२९	१९
२५	४२	१८	५२	५९	३५	५	३०
५८	३१	५९	१	२१	०	३	५७
३	२९	७	३१	५६	४८	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.
१	शु	१६	३	१	वि	४३	३५	व	१५	४	कौ	१६	३१	३८	२२	३८	१८	१४	८	वृश्चिके	
२	श	८	५	७	ज्ये	५५	१०	प	३६	५०	ग	८	५	७	११	२२	३८	१९	१५	९	ध.५५।१०	भ.३५।५३उ.वृषेबुधः६।५
३	र	२	४	९	मू	५२	५६	सि	५३	३८	वि	२	४	९	१४	२१	३९	२०	१६	१०	धनुषि	भ.२।४९या.चतुर्थीब्र.
४	र	५५	५	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	चं	५६	५	५	पू	५२	५०	सा	४९	४	कौ	२७	४९		१७	२१	३९	२१	१७	११	धनुषि	कृत्ति.रविः २९ (सौरः ३०) वक्रीशनिः ५१
६	मं	५७	१	०	उ	५४	५१	शु	४७	२	ग	२७	२		२०	२०	४०	२२	१८	१२	म.८।२०	भ.५७।१०उ.
७	बु	५९	३	२	श्र	५८	५६	शु	४७	०	वि	२८	२१		२३	१९	४१	२३	१९	१३	मकरे	भ.३९या.रोहि.बुधः ३९ वक्रीगुरु.३३।४४
८	गु	६	०	०	ध	६	०	ब्र	४७	२	बा	३१	३		२६	१९	४१	२४	२०	१४	कुं.३१।५१	बृषेऽर्कः ३९ (सौरः ३७) वक्रीशुक्रः३।५९×
८	शु	३	३	७	ध	४	४	६	४९	७	कौ	३	३	७	२८	१८	४२	२५	२१	१५	कुम्भे	बुधोदयःपश्चिमायां५४।१४
९	श	८	५	६	श	११	४	७	वै	५१	१७	ग	८	५	६	३१	१८	४२	२६	२२	१६	कुंभे	भ.४१।५८उ. [×शतेभौमः५९।२८
१०	र	१५	०		पू	१९	२	वि	५३	५०	वि	१५	०		३४	१७	४३	२७	२३	१७	मी. १४	भ.१५।०या.
११	चं	२१	८		उ	२६	४७	प्री	५६	२८	बा	२१	८		३७	१७	४३	२८	२४	१८	मीने	अपरा११ब्र.
१२	मं	२७	३	२	रे	३४	७	आ	५८	२९	तै	२७	३	२	३२	१६	४४	२९	२५	१९	मे.३४।७	प्रदोषः
१३	बु	३३	१	३	अ	४१	१	सौ	६०	०	ग	०	२	३	४२	१६	४४	३०	२६	२०	मेषे	भ.३३उ.मृगेबुधः ३४ मृग.४राहुःमूल.२ =
१४	गु	३८	३		भ	४७	२	सौ	०	१	३	वि	५	३८		४४	१५	४५	३१	२७	२१	मेषे	भ.५।३८या. [=केतुः१।३
२०	शु	४१	४	३	कृ	५२	४	शो	९	४	च	९	५	३		४७	१५	४५	१२	८	२२	वृ.३।५३	भा.ज्येष्ठारंभः वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ. ५चं. इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	१	९	१	९	२	०
२७	४	५	३	२७	७	७	२७
१३	३४	१८	६	४०	४३	६	४
३७	४८	४७	५४	२६	४४	४९	४४
५७	३६	५९	०	६	४	३	५७
५४	४६	५२	२४	५३	११	४	५

गोचर ग्रहाः

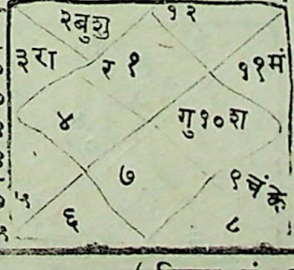

ज्येष्ठ कृष्ण ८ गुरौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

६पं.ज्ये.कृ.११चं.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	९	१	९	२	१
३	९	१९	३	२७	७	६	३
५८	१७	३१	६	८	४०	४४	४८
३७	३१	३५	३२	२०	५९	३३	२७
५७	३६	५९	१	१५	४०	३	५७
४४	४४	४३	व.	च.	व.	११	३४

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) फार्म नं० १३८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽर्गणः ३३३५स.२०२०
१	श	४४	१६	रो	५५	५३	अ	१	८	किं	१२	५६	३३ ४९	५ १४	४६	२	२६	२३	वृषे
२	र	४५	४७	मृ	५८	४७	सु	२१ ५८	१६	बा	१४	५६	५२	१४	४६	३	३०	२४	मि २७।२० रोहि.रविः ५१ मिथुनेबुधः ३१ चंद्रदर्शनम्
३	चं	४६	१०	आ	६०	०	शू	५६	२९	तै	१५	५८	५४	१३	४७	४	१	२५	मिथुने रोहि.रविः ३।२५सव्वाल१०
४	मं	४५	३७	आ	०	३४	गं	५२	४४	व	१५	५३	५६	१३	४७	५	२	२६	क.४६।१३ भ.१५।५३उ.४५।३७या.
५	बु	४३	५६	पु	१	२५	बृ	४८	५३	ब	१४	४८	५८	१२	४८	६	३	२७	कर्के
६	गु	४१	२३	पु	१	२२	धु	४४	०	कौ	१२	४१	३४ ००	१२	४८	७	४	२८	कर्के आर्द्रां.बुधः ५६ वक्रीरोहि.शुक्रः १३।५३
७	शु	३७	५६	श्ले	१ ३	५५ ५६	व्या	३८	२३	ग	९	४१	२	१२	४८	८	५	२९	सिं०।१३ भ.३७।५६उ.
८	श	३३	४३	पू	५५	२५	ह	३२	४	बि	५	५१	३	११	४९	९	६	३०	सिंहे भ.५।५१या.
९	र	२८	२४	उ	५१	३९	व	२५	२	बा	१	४	५	११	४९	१०	७	३१	कं.९।२८
१०	चं	२२	१९	ह	४७	९	सि	१७	१९	ग	२२	१९	७	११	४९	११	८	१	कन्यायां भ.५८उ.शुक्रास्तःपश्चिमायां ३५ जून६ =
११	मं	१५	२२	चि	४१	५२	व्य	९	१	वि	१५	२२	९	१०	५०	१२	९	२	तु.१४।३१ भ.१५।२२या.निर्जला ११व्र.
१२	बु	७	५२	स्वा	३६	१०	व	१०	५१ ३	बा	७	५२	१०	१०	५०	१३	१०	३	तुलायां प्रदोषः [= ता.३० गंगादशमी
१३	गु	०	५	वि	३०	२४	शि	४२	१९	तै	०	५	१२	१०	५०	१४	११	४	वृ.१६।५० भ.५२।२२उ.पूभा.भौमः३।१४
१४	गु	५२	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	शु	४५	१४	अ	२५	२	सि	३३	५८	वि	१८	४७	१३	९	५१	१५	१२	५	वृश्चिके भ.१८।४७या.गुर्जराणावटसावित्री व्र.

७पं.ज्ये.शु.३चं.इ.३५।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	९	१	९	२	१
१०	१३	१	२	२४	७	६	१०
४२	५६	२४	५६	३०	३३	२२	३०
२९	५६	४३	२८	५८	४०	१८	३८
५७	३६	९४	२	२४	५२	२६	५७
२४	५	१	व.	व.	व	११	२३

गोचर ग्रहाः

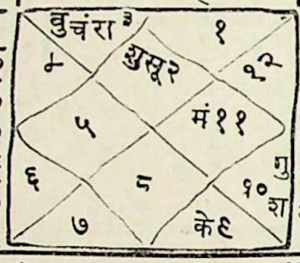

५ शुक्रवार इस मास में श्रेष्ठ है धान्य गल्ला आदि में मंदी होवे प्रजा में सुख शान्ति रहे वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

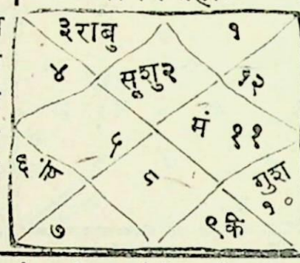

८पं.ज्ये.शु१०चं.इ.३५।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	९	१	९	२	१
१७	१८	१०	२	२०	७	६	१७
२५	३२	४६	३७	५२	२१	०	११
१९	४२	१	१९	४८	४०	२	४४
५७	३५	६६	३ ३८	३५ ५१	२	३	५७
२७	२७	१५	व.	व.	व.	११	१३

हि.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श	३८	५९	ज्ये	२०	४९	सा	२६	२३	बा	१२	६	३४ ५५	९	५९	१६	१३	६	ध.२०।४९
२	र	३४	२७	मू	१७	४३	शु	१९	५३	तै	६	४३	१६	९	५१	१७	१४	७	धनुषि मृगेरविः४६।६
३	चं	३१	४४	पू	१६	३२	शु	१४	५४	व	३	५	१७	९	५१	१८	१५	८	म.३१।४१ भ.३उ.३१या.मृगेरविःसौर १५चतुर्थीव्र.
४	मं	३०	५२	उ	१७	९	व्र	११	३२	ब	१	१८	१८	८	५२	१९	१६	९	मकरे
५	बु	३२	१०	श्र	१९	४५	एं	९	४१	कौ	१	३१	१९	८	५२	२०	१७	१०	कु.५१।५८ शुक्रोदयःपूर्वस्यां८।२४
६	गु	३५	२४	ध	२४	१२	वै	९	९	ग	३	४७	१९	८	५२	२१	१८	११	कुम्भे भ.३५।२४उ.
७	शु	४०	१०	श	३०	२०	वि	९	५६	वि	७	४७	२०	८	५२	२२	१९	१२	कुम्भे भ.७।४७या.पुन.बुधः०।४१
८	श	४५	५०	पू	३७	२०	प्री	११	५३	बा	१२	५९	२१	८	५२	२३	२०	१३	मी २०।३५
९	र	५२	६	उ	४५	०	आ	१४	८	तै	१८	५८	२१	८	५२	२४	२१	१४	मीने मिथुनेऽर्कः४४।४०
१०	चं	५८	६	रे	५२	२८	सौ	१६	४७	व	२५	६	२२	८	५२	२५	२२	१५	मे.५२।२८ भ.२५उ.५९या.मिथुनेऽर्कःसौरः३।३
११	मं	६०	०	अ	५९	३१	शो	१९	३	व	३०	५७	२२	८	५२	२६	२३	१६	मेषें वक्रीबुधः १४ योगिनी ११व्र.स्मा.
११	बु	३	४८	भ	६०	०	अ	२०	४९	बा	३	४८	२३	७	५३	२७	२४	१७	मेषें वक्रीउषा.३शनिः १३ योगिनी ११व्र.वै.
१२	गु	८	३०	भ	५	३५	सु	२१	४६	तै	८	३०	२३	७	५३	२८	२५	१८	वृ.२१।४६ प्रदोषः
१३	शु	११	४३	कृ	१०	१६	धृ	२१	३५	व	११	४३	२३	७	५३	२९	२६	१९	वृषे भ.११ उ.४२या.मीनेभौमः२०।५०
१४	श	१३	४०	रो	१४	०	शू	२०	३१	श	१३	४०	२४	७	५३	३०	२७	२०	मि ४५।३ ×बुधास्तःपश्चिमायां५९।४९सूर्यग्रहणम्
३०	र	१४	९	मृ	१६	६	गं	१८	८	ना	१४	९	२४	७	५३	३१	२८	२१	मिथुने आर्द्रा.रविः४३।३५वक्रीआर्द्रा.बुधः ३५ ×

९पं.आ.कृ.३चं.इ.३५।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	९	१	९	२	१
२४	२३	१७	२	१६	७	५	२३
७	३	१०	९	२८	५	३७	५१
१९	२५	१२	५८	४८	२४	४७	४०
५७	३४	३४	४४	३१ २२	२ ४०	३	५७
२२	४१	२८	व.	व.	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

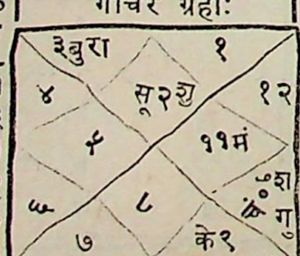

आषाढ कृष्णे ९ रवौ मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्या दिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

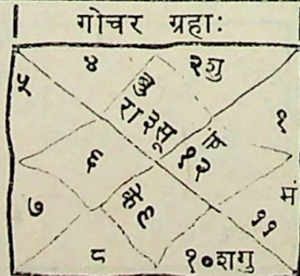

१०पं.आ.कृ.१०चं.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	९	१	९	२	२
०	२७	२०	१	१३	६	५	०
४८	२८	१०	३४	३	४५	१५	३०
३६	३४	५	५५	७	२२	३१	४९
५७	३३	२	५ ५२	२१ १३	३ १९	३	५६
१७	५२	४९	व.	व.	व.	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविदक्षिणेऽहर्गणः ३३६५स.२०२०
१	चं	१३	११	आ	१६	५५	बृ	१४	५२	ब	१३	११	३४	५	५३	१ २९ २२	मिथुने	आर्द्रा.रविः सौरः ४।३६ चंद्रदर्शनम् =
२	मं	११	७	पु	१६	४१	धु	१०	४३	कौ	११	७	२४	७	५३	२ १ २३	क.१।४४	जिल्काद ११ रथयात्रा
३	बु	८	१२	पु	१५	४०	ध्या	५	५१	ग	८	१२	२४	७	५३	३ २ २४	कर्के	भ.३६।२३उ.मार्गशुक्रः ३४।१६
४	गु	४	३४	श्ले	१३	४०	ह	१४	५४	वि	४	३४	२३	७	५३	४ ३ २५	सिं १३।४०	भ.४।३४या.उभा.भौमः २४।२७
५	शु	०	२२	म	११	१६	सि	४८	११	बा	०	२२	२३	७	५३	५ ४ २६	सिंहे	[= भा. आषाढारंभः
६	शु	५५	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	
७	श	५०	५४	पू	८	३५	व्य	४१	३४	ग	२३	२०	२२	८	५२	६ ५ २७	कं.२२।५०	भ.५०।५४उ.
८	र	४५	४०	उ	५	३७	व	३४	४७	वि	१८	१७	२२	८	५२	७ ६ २८	कन्यायां	भ.१८।१७या.
९	चं	४०	१०	ह	६	५६	प	२७	४०	बा	१२	५५	२१	८	५२	८ ७ २९	तु.३०।३१	
१०	मं	३४	१८	स्वा	५४	४७	शि	२०	२६	तै	७	१४	२०	८	५२	९ ८ ३०	तुलायां	वक्रीउषा.१धनुषि गुरुः १३।२६
११	बु	२८	२९	वि	५०	५०	मि	१३	०	व	१	२३	१९	८	५२	१० ९ १	वृ.३६।४९	भ.१।२३उ.२८।२९या.जौलाई७ता.३१+
१२	गु	२२	३७	अ	४७	९	सा	४०	५३	बा	२२	३७	१८	८	५२	११ १० २	वृश्चिके	प्रदोषः [+देवशयनी ११व्र.
१३	शु	१७	३	ज्ये	४३	५६	शु	५१	५४	तै	१७	३	१७	९	५१	१२ ११ ३	ध.४३।५६	
१४	श	१२	४	मू	४१	१९	ब्र	४५	४१	व	१२	४	१६	९	५१	१३ १२ ४	धनुषि	भ.१२।४उ.४०।६या.वायुपरीक्षा
१५	र	८	८	पू	४०	९	ऐं	४०	४४	ब	८	८	१५	९	५१	१४ १३ ५	म.५५।४३	पुन.रविः ४२।२५ व्यासपूजागुरु १५

११पं.आ.शु.१चं.इ.३५।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	९	१	९	२	२
७	१	१९	०	११	६	४	७
२९	४७	४१	५२	२१	२१	५३	९
३१	२	२८	२६	५८	२९	१५	१६
५७	३३	२३	६	३४	३	३	५६
१३	०	व	व.	व.	व	११	५४

गोचर ग्रहाः

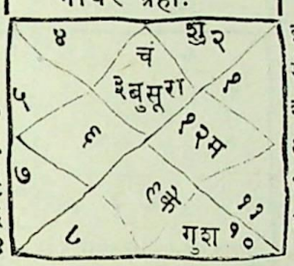

इस मास में कृष्णपक्ष में तिथि वृद्धि व शुक्ल पक्ष में तिथि क्षय धान्य गल्ला धातु वस्त्र रुई सूत में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

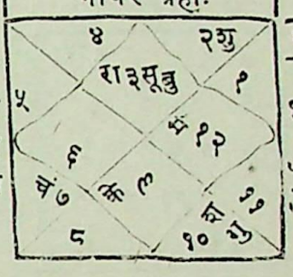

१२पं.आ.शु.९चं.इ.३५/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	९	१	९	२	२
१४	५	१६	०	११	५	४	१३
९	५७	२९	४	३०	५५	३१	४७
५८	३२	१७	४१	३६	२६	०	२१
५७	३१	३५	२३	३७	६	३	५६
७	४४	व	व.	मा	व.	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा
१	चं	५	४३	उ	४०	२६	वै	३६	५५	कौ	५	४३	३४	९	५१	१५ १४ ६	मकरे	पुन.रविः सौरः ८।३८
२	मं	४	४४	श्र	४२	१३	वि	३४	२५	ग	४	४४	१३	९	५१	१६ १५ ७	मकरे	भ.३५।८उ.
३	बु	५	३३	ध	४५	३७	प्री	३३	२४	वि	५	३३	११	१०	५०	१७ १६ ८	कुं.१३।५५	भ.५।३३या.चतुर्थी व्र.
४	गु	८	४	श	५०	४९	आ	३३	२२	बा	८	४	१०	१०	५०	१८ १७ ९	कुम्भे	बुधोदयः पूर्वस्यां ५३।०
५	शु	१२	१६	पू	५७	२०	सौ	३४	४०	तै	१२	१६	८	१०	५०	१९ १८ १०	मी ४०।४३	नाग ५ मरुस्थले
६	श	१७	३०	उ	६०	०	शो	३६	२८	व	१७	३०	७	११	४९	२० १९ ११	मीने	भ.१७।३०उ.५०।३४या.
७	र	२३	३८	उ	४	२७	अ	३८	५५	ब	२३	३८	५	११	४९	२१ २० १२	मीनें	
८	चं	२९	४४	रे	१२	५	सु	४१	१८	कौ	२९	४४	३	११	४९	२२ २१ १३	मे.१२।५	
९	मं	३५	३१	अ	१९	१८	धृ	४३	२९	तै	२	३७	१	१२	४८	२३ २२ १४	मेषे	मार्गीबुधः २।५४
१०	बु	४०	२३	भ	२६	७	शू	४४	५०	व	७	५७	५९	१२	४८	२४ २३ १५	वृ.४२।२५	भ.७।५७उ.४०।२३या.
११	गु	४३	४६	कृ	३१	२१	गं	४५	४	ब	१२	४	५७	१३	४७	२५ २४ १६	वृषे	कर्केऽर्कः ११ (सौरः ४१) कामिका ११व्र.
१२	शु	४५	४२	रो	३५	८	बृ	४४	११	कौ	१४	४४	५५	१३	४७	२६ २५ १७	वृषे	
१३	श	४५	४९	मृ	३७	१९	धु	४१	५६	ग	१५	४६	५२	१४	४६	२७ २६ १८	मि ६।१३	भ.४५उ.रेवत्यांभौमः ५६।४३प्रदोषः
१४	र	४४	२	आ	३७	४६	व्या	३८	१६	वि	१४	५६	५०	१४	४६	२८ २७ १९	मिथुने	भ.१४।५६या.पुष्येरविः ४१।९
१५	चं	४०	५५	पु	३६	४२	ह	३३	२३	च	१२	२८	४८	१४	४६	२९ २८ २०	कं.२१।५८	पुष्येरविः सौरः १२।३ हरियाली

१३पं.श्रा.कृ.१चं.इ.३५।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	८	१	९	२	२
२०	९	१२	२९	१३	५	४	२०
५०	५७	२९	१३	२४	२७	८	२५
२४	४०	३६	५	३६	४	४४	१५
५७	३०	३०	८	२५	२२	३	५६
७	४१	व.	व.	१९	व	११	५०

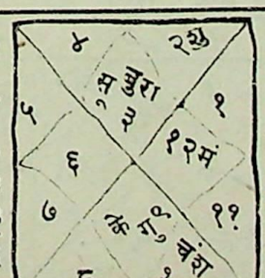

१४पं.श्रा.कृ.८चं.इ.३५।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	८	१	९	२	२
२७	१३	११	२८	१६	४	३	२७
३०	४५	१५	१९	४०	५६	४६	३
४३	१४	०	१२	४१	४९	२९	२२
५७	२९	३९	५२	३५	४०	३	१६
११	२५	व.	व.	५०	व.	११	५४

१५पं.श्रा.कृ.३०चं.इ.३५/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	२	८	१	९	२	३
४	१७	१४	२७	२१	४	३	३
११	२५	१७	२५	३	२५	२४	४१
२८	१६	३५	१९	२५	५१	१३	४९
५७	२७	४९	५२	४४	४०	३	५६
१५	३८	मा	व.	०	व	११	५९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२						दि. उ.अ.		भा मु इं.			चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३३९४सन् २०२०
१	मं	३६	२४	पु	३४	१४	व	२७	२१	किं	८	३९	३३ १५ ४५	३०	२९	२१	कर्क	मृग. ३ राहुः मूल. १ केतुः ५४।२९
२	बु	३१	८	श्ले	३०	५६	सि	२०	४६	बा	३	४६	४३ १५ ४५	३१	३०	२२	सिं ३०।५६	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	गु	२५	१६	म	२७	९	व्य	१३	२९	ग	२५	१६	४० १६ ४४	१	१	२३	सिंहे	भ. ५३ उ. मृगेशुक्रः भाः श्रावणारंभः +
४	शु	१९	१४	पू	२३	१०	व	५४	३८	वि	१९	१४	३८ १६ ४४	२	२	२४	क. ३७।१०	भ. १९।१४या. वरद ४
५	श	१३	२२	उ	१९	१०	शि	५१	३१	बा	१३	२२	३५ १७ ४३	३	३	२५	कन्यायां	नागपंचमी [+जिल्हेज १२तीज
६	र	७	२१	ह	१५	२०	सि	४३	५०	तै	७	२१	३३ १७ ४३	४	४	२६	तु ४३।३७	पुन. बुधः १९ वक्रीपूषा. ४ गुरुः ४०।२६
७	चं	१	५०	चि	११	५३	सा	३६	४९	व	१	५०	३० १८ ४२	५	५	२७	तुलायां	भ. १।५० उ. २९।१२या.
८	चं	५४	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०	०	०	००	
९	मं	५१	४९	स्वा	८	२९	शु	३०	१	बा	२४	११	२७ १९ ४१	६	६	२८	वृ. ५१।२४	
१०	बु	४७	२२	वि	५	४३	शु	२३	४७	तै	१९	४१	२४ १९ ४१	७	७	२९	वृश्चिके	
११	गु	४३	२८	अ	३	२३	ब्र	१७	५२	व	१५	२६	२३ २० ४०	८	८	३०	वृश्चिके	भ ३५ उ. ४३ या. पवित्रा ११ व्र.
१२	शु	४०	१०	ज्ये	१	४२	ऐं	१२	१९	ब	११	४९	१९ २० ४०	९	९	३१	ध. १।४२	[=बुधः ४८ श्रावणीकर्मरक्षाबन्धनम् भद्रो.
१३	श	३७	४३	मू	०	३२	वै	७	२५	कौ	८	५६	१६ २१ ३९	१०	१०	१	धनुषि	मिथुने शुक्रः १३ अगस्त ८ता. ३१ प्रदोषः
१४	र	३६	२६	पृ	०	८	वि	१८	३७	ग	७	५	१३ २१ ३९	११	११	२	म. १५।२३	भ. ३६ उ. आश्ले. रविः ३० कर्के बुधः ०।५७
१५	चं	३६	१६	उ	१	११	आ	५७	३५	वि	६	२१	१० २२ ३८	१२	१२	३	मकरे	भ ६।२१या. आश्ले. रवि सौरः १२ पुष्ये =

१६पं श्रा.शु.७चं.इ. ३४ ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	२	८	१	९	२	३
१०	२०	२१	२६	२६	३	३	१०
५२	४४	४७	३३	१६	५४	१	२१
३०	४९	४९	११	५९	२९	५७	६
५७	२५	८५	३५	४९	४०	३	५७
२०	४२	३५	व. ५९	व. ११	५		

गोचर ग्रहाः

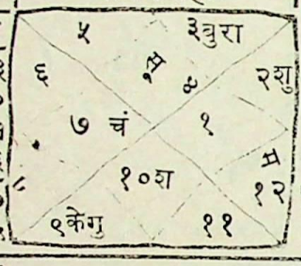

श्रावणकृष्णे ११ गुरौ कर्केऽर्कः प्रविष्ट. वा. ५ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

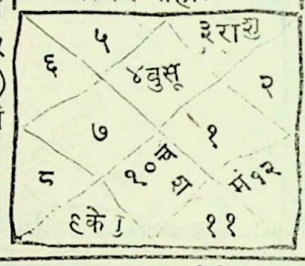

१७पं.श्रा.शु.१५चं.इ. ३४ ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	८	२	९	२	३
१७	२३	२	२५	२	३	२	१७
३४	४५	५३	४४	८	२३	३९	०
१२	२२	४२	१३	२४	५६	४२	५४
५७	२३	५८	३६	४८	५४	३३	३	५७
२५	२८	९	व. ४२	व. ११	१२		

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२						दि. उ. अ.		हि. मु. इ.			चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	मं	३७	२८	अ	३	७	सौ	५६	३५	बो	६	५२	३७ २३ ५३ ३७	१३	१३	४	कुं. ३४।४८	वक्रीउषा. २शनिः २८।३३
२	बु	४०	१७	ध	६	२९	शो	५६	१३	तै	९	२२	४ २३ ३७	१४	१४	५	कुंभे	बुधास्तः पूर्वस्यां २६।५६
३	गु	४४	१३	श	११	७	अ	५६	५९	व	१२	१४	० २४ ३६	१५	१५	६	कुंभे	भ. १२।१४ उ. ४४।१३या.
४	शु	४९	१६	पू	१७	१५	सु	५८	३७	व	१६	४४	३७ २५ ३५	१६	१६	७	मी ०।४३	चतुर्थीव्र.
५	श	५५	१२	उ	२४	७	ध्रु	६०	०	कौ	२२	१४	५४ २५ ३५	१७	१७	८	मीने	आर्द्रा.शुक्रः ४१।१३
६	र	६०	०	रे	३१	३६	ध्रु	०	४१	ग	२८	१८	५० २६ ३४	१८	१८	९	मे. ३१।३६	चन्द्रषष्ठी
६	चं	१	२४	अ	३९	१२	शू	३	१२	व	१	२४	४७ २७ ३३	२९	१९	१०	मेषे	भ. २१ उ. ३४ या. आश्ले. बुधः ३२।५१
७	मं	७	३५	भ	४६	२१	गं	५	३७	ब	७	३५	४४ २७ ३३	२०	२०	११	मेषे	जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	बु	१३	०	कृ	५२	२९	वृ	७	३९	कौ	१३	०	४० २८ ३२	२१	२१	१२	वृ. २।५३	जन्माष्टमीव्र.वै.
९	गु	१६	५५	रो	५७	१२	ध्रु	८	३५	ग	१६	५५	३७ २९ ३१	२२	२२	१३	वृषे	भ. ४८।१२ उ. गोगा ९
१०	शु	१९	२९	मृ	६०	०	व्या	८	२९	वि	१९	२९	३३ २९ ३१	२३	२३	१४	मि २८।४७	भ. १९।२९या.
११	श	२०	६	मृ	०	२३	ह	७	१	बा	२०	६	३० ३० ३०	२४	२४	१५	मिथुने	अजा ११ व्र.
१२	र	१८	३८	आ	१	३४	व	५८	३५ २८	तै	१८	३८	२६ ३१ २९	२५	२५	१६	क. ४५।५८	मघा. सिंहेऽर्कः ३३ वत्सद्वादशीप्रदोषः
१३	चं	१५	१७	पु	४९	५७ २९	व्य	५३	२०	व	१५	१७	२२ ३२ २८	२६	२६	१७	कर्के	भ. १५।१७ उ. ४२।४३या. मघा. सिंहेऽर्कः ×
१४	मं	१०	८	श्ले	५४	६	व	४५	५८	श	१०	८	१९ ३२ २८	२७	२७	१८	सिं ५४।६	[×सौरः ९. १५ मघा. सिंहे बुधः ५।४५
२०	बु	३	४१	म	४९	०	प	३७	३५	ना	३	४१	१५ ३३ २७	२८	२८	१९	सिंहे	कुशाग्रहणीपिठोरी ३० मन्वादिः

१८पं. भा.कृ.६चं.इ. ३४ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	८	२	९	२	३
२४	२६	१६	२५	८	२	२	२३
१६	२६	३६	०	३०	५५	१७	४२
३७	१३	३२	४०	२२	२३	२६	१
५७	२१	८	६	५८	४	३	५७
३३	५	८	व. २५	८	११	२२	

गोचर ग्रहाः

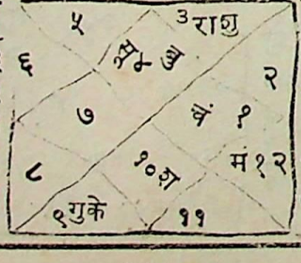

भाद्रपदकृष्णे १२ रवौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रौढाऽवस्था (बैठी) मु ४५ धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

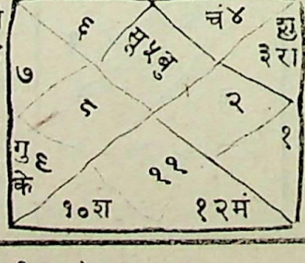

१९पं.भा.कृ.१३चं.इ. ३४ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	४	८	२	९	२	४
०	२८	०	२४	१५	२	१	०
५९	४२	५७	२३	१५	२९	१५	२४
५३	११	४०	१३	५४	२०	११	१४
५७	१७	०	५९	६१	५३	३	५७
४०	५९	४३	व. १२	व. ११	३५		

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४२४सं.२०२०
१	बु ५२ ३५ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	[=अश्वि.मेषेभौमः४०।१२गणेश च.
२	गु ४८ २६ पू ४३ १० शि २८ ४७	बा २२ २१	३३ ५ ६ / १२ ३४ २६	२९ २९ २०	क.५६।४१ चंद्रदर्शनम्
३	शु ४० ३५ उ ३७ १७ सि १९ ४६	तै १४ ३१	८ ३४ २६	३० १ २१	कन्यायां मोहोरम१सन् १४४२हि.हरितालिका३
४	श ३३ ५ ह ३१ ४१ सा १० ३२	च ६ ५०	४ ३५ २५	३१ २ २२	तु.५९।१२ भ.६।५०उ.३३।५या.पुन.शक्रः२१।५=
५	र २६ २ चि २६ ४३ शु १ ५५ ३२	बा २६ २	१ ३६ २४	१ ३ २३	तुलायां पूफा.बुधः५२ २३भा.भाद्रपदारंभः×
६	चं १९ ५० स्वा २२ २९	ब्र ४६ ९	तै १९ ५०	३३ ३७ २३	२ ४ २४ तुलायां [×ऋषिपंचमी
७	मं १४ ३८ वि १९ २	ऐं ३९ १५	च १४ ३८	५३ ३७ २३	३ ५ २५ वृ.४।५४ भ.१४।३८उ.४२।३२या.
८	बु १० २६ अ १६ ४६	वै ३३ २५	च १० २६	४९ ३८ २२	४ ६ २६ वृश्चिके [+कर्केशुक्रः ५५ ३ बुधोदयःपश्चिमायां ५६ ४
९	गु ७ १६ ज्ये १५ २०	वि २८ २१	कौ ७ १६	४६ ३९ २१	५ ७ २७ व.१५।२० [÷अनंत१४महालयारंभः
१०	शु ४ ५९ मू १५ २	प्री २४ ५	ग ४ ५९	४२ ४० २०	६ ८ २८ धनुषि भ.३४।२७उ.
११	श ३ ५६ पू १५ ३६	आ २० ३७	वि ३ ५६	३८ ४० २०	७ ९ २९ म.३१।६ भ.३९या.जलझूलनी११व्र.वामनजयंती
१२	र ४ ५ उ १७ ३६	सौ १८ १०	बा ४ ५	३४ ४१ १९	८ १० ३० मकरे पूफा.रविः२१।४८ प्रदोषः
१३	चं ५ ७ श्र २० २२	शो १६ ३१	तै ५ ७	३० ४२ १८	९ ११ ३१ कुं.५२।२२ पूफा.रविःसौरः०।६उफा.बुधः१६।७+
१४	मं ७ २३ ध २४ २३	अ १६ ७	व ७ २३	२६ ४३ १७	१० १२ १ कुंभे भ.५३उ.३९या.सितम्बर९ता.३०÷
१५	बु १० ४५ श २९ २६	सु १५ ४५	ब १० ४५	२२ ४४ १६	११ १३ २ कुंभे कन्यायांबुधः८।२कु.संध्या.पूजनारंभः

२०पं.भा.शु.६चं.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	८	२	९	२	४
७	०	१४	२३	२२	२	१	७
४४	२८	३६	५३	२०	४	३२	७
२०	४४	५५	४२	४९	५९	५५	४२
३७	१५	०	३ ५२	६३	२०	३	५७
४९	७	१५	व.२७	व.११		४५	

गोचर ग्रहाः

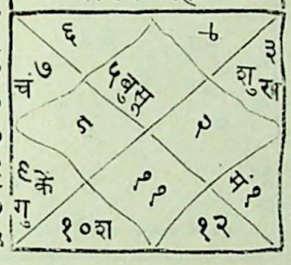

इस मास में वदि में धान्य गल्ला तेज होकर सुदि में गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ धातु मंदे होवे रस-कस गुड़ तेज हो।

गोचर ग्रहाः

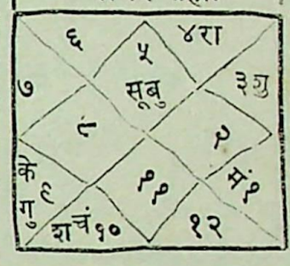

२१पं.भा.शु.१३चं.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	८	२	९	२	४
१४	१	२७	२३	२९	१	१	१३
३०	४३	११	३२	४१	४५	१०	५२
०	२६	५६	५३	२४	११	३९	५४
५८	११	०	३	६५	४१	३	५७
	१२	६	३३		७	व.११	५७

ति.	प्र.आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०७७ शाकः १९४२	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	गु १५ १३ पू ३५ ३२	धृ १६ ४१	कौ १५ १३	३३ ५ ५ / १२ ४४ १६	१२ १४ ३ मी १९।१ पुष्येशुक्रः५५।३३
२	शु २० २८ उ ४२ ३	शू १८ १५	ग २० २८	१५ ४५ १५	१३ १५ ४ मीने भ.५३।२८उ.
३	श २६ २९ रे ४९ ३०	गं २० ११	वि २६ २९	११ ४६ १४	१४ १६ ५ मे.४९।३० भ.२६।२९या. चतुर्थी व्र.
४	र ३२ ३८ अ ५७ ४	बृ २२ ३४	बा ३२ ३८	७ ४७ १३	१५ १७ ६ मेषे
५	चं ३८ ५२ भ ६० ०	ध्रु २५ १७	कौ ५ ४५	३ ४७ १३	१६ १८ ७ मेषे [Dवक्रीपूषा.३गुरुः१२।२९
६	मं ४४ ४३ भ ४ ३७	व्या २७ २५	ग ११ ४७	३९ ४८ १२	१७ १९ ८ वृ.२१।२३ भ.४४।४३उ.हस्तेबुधः१८।४०D
७	बु ४९ २६ कृ ११ ४१	ह २९ ६	वि १७ ४	५५ ४९ ११	१८ २० ९ वृषे भ.१७।४या.
८	गु ५२ ५८ रो १७ ३२	व २९ ५०	बा २१ १२	५१ ५० १०	१९ २१ १० मि४९।११ [Hपूषा.४गुरुः३६।४४सर्वपितृ३०
९	शु ५४ ४० मृ २० ५१	सि २९ ३४	तै २३ ४९	४७ ५१ ९	२० २२ ११ मिथुने मातृ९(सौभाग्यवतीना.श्रा.)
१०	श ५४ १८ आ २४ २५	व्य २७ ५१	व २४ २९	४३ ५१ ९	२१ २३ १२ मिथुने भ.२४।२९उ.५४।१८या.
११	र ५१ ५३ पु २४ ४८	व २४ २५	ब २३ ३५	३९ ५२ ८	२२ २४ १३ क.८।४३ उफा.रविः ६ १३ (सौरः ४४ ९) इंदिरा११व्र.
१२	चं ४७ २९ पु २३ ४१	प १९ १७	कौ १९ ४१	३५ ५३ ७	२३ २५ १४ कर्के [Aशुक्रः२।३८शस्त्रादि हतानांश्रा.
१३	मं ४१ १६ श्ले २० २२	शि १२ ४८	ग १४ २२	३१ ५४ ६	२४ २६ १५ सिं२०।२२ भ.४९ ६ उ.मार्गीगुरुः ४५ ५८ प्रदोषः
१४	बु ३३ ३१ म १५ १२	सि ३५ ५०	वि ७ २३	२७ ५५ ५	२५ २७ १६ सिंहे भ.७।२३या.कन्यार्कः३१।३४आश्ले.A
३०	गु २४ ४९ पू ९ ३	शु ४५ २६	ना २४ ४९	२२ ५६ ४	२६ २८ १७ कं.२२।१४ कन्यार्कःसौरः९।५७चित्रा.बुधः २६ ३ H

२२पं.प्र.आ.कृ.५चं.इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	५	८	३	९	२	४
२१	२	८	२३	७	१	०	२०
१७	२४	४६	२०	१५	२८	४८	३९
२	४०	५९	४९	४	८	२४	३४
५८	८	९८	१७	६६	३	३	५८
१३	८	२	व.२९	व.११		१२	

गोचर ग्रहाः

प्र. आश्विन कृष्णे १४ बुधे कन्यार्कः प्रविष्टः वा.४न.५वंध्याऽवस्था (ऊभी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

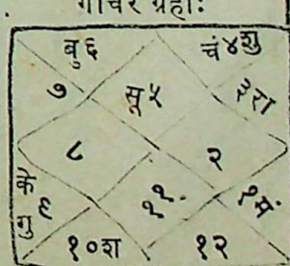

२३पं.प्र.आ.कृ.१२चं.इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	५	८	३	९	२	४
२८	२	१९	२३	१४	१	०	२७
५	२६	११	१८	५९	१६	२६	२७
२४	३८	१०	२५	३१	४४	८	५२
५८	४	८९	१६	६७	१८	३	५८
२६	९	९	व.५३	व.११		२९	

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. प्र.आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०७७ शाकः १९४२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४५३सन् २०२०

१	शु	१५	३१	उ	२	५२	शु	३५	७	व	१५	३१	३०/१८	५६	६	२७	२९	१८	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
२	श	६	१०	चि	४७	४९	ब्र	२४	५१	कौ	६	१०	१४	५७	३	२८	१	१९	तु.२१।१९	सफर २
३	श	५१	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	र	४९	२९	स्वा	४१	२३	ऐं	१४	४४	व	२३	२८	९	५८	२	२९	२	२०	तुलायां	भ.२३।२८उ.४९।२९या.वक्रीभौमः ५९
५	चं	४१	३५	वि	३६	५	वै	२	५१/५०	ब	१५	३२	५	५९	१	३०	३	२१	वृ.२२।२५	
६	मं	३७	१२	अ	३२	१४	प्री	४९	३५	कौ	९	२३	३०/०	६/०	०	३१	४	२२	वृश्चिके	तुलायांबुधः १६/२ मृग.२राहुःज्येष्ठा.४=
७	बु	३३	१५	ज्ये	२९	४३	आ	४३	२६	ग	५	१३	५९	६/५९	१	५	२३		ध.२९।४३	भ.३३।१५उ.भा.आश्विनारंभः
८	गु	३०	५६	मू	२८	५३	सौ	३८	४२	वि	२	५	५२	२	५८	२	६	२४	धनुषि	भ.२।५या. [=केतुः ४६/५१
९	शु	३०	८	पू	२९	२८	शो	३५	५	बा	०	३२	४८	२	५८	३	७	२५	म.४४।५९	
१०	श	३०	५८	उ	३१	३२	अ	३२	४९	तै	०	३३	४४	३	५७	४	८	२६	मकरे	हस्तेरविः४४।४३
११	र	३२	५९	श्र	३४	५८	सु	३१	३१	व	१	५८	४०	४	५६	५	९	२७	मकरे	भ.५८उ.५९या.हस्तेरविःसौरः २३×
१२	चं	३६	१३	ध	३९	३९	धृ	३१	२२	व	४	३६	३६	५	५५	६	१०	२८	कुं.७।१९	मार्गशनिः४९।४१
१३	मं	४०	३१	श	४५	१४	शू	३१	४७	कौ	८	२२	३२	६	५४	७	११	२९	कुम्भे	[×स्वात्यांबुधः ४६/५३ सिंहेमघा.शुक्रः ५९/५१+
१४	बु	४५	४०	पू	५१	३७	गं	३२	४०	ग	१३	५	२८	६	५४	८	१२	३०	मी३५।१	भ.४५।४०उ. [+कमला ११व्र.
१५	गु	५१	१७	उ	५८	२९	बृ	३४	२५	वि	१८	२९	२३	७	५३	९	१३	१	मीने	भ.१८।२९या. अक्टूबर १०ता.३१

२४पं.प्र.आ.शु.५चं.इ.३३/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	५	८	३	९	२	५
४	१२	९	२३	२२	१	०	४
५५	५३	४	२५	५३	९	३	१७
१६	२	३०	८	२	२२	५३	५९
५८	०	७७/१८	१	६८	३८	३	५८
३८	२९	१९	मा	२२	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

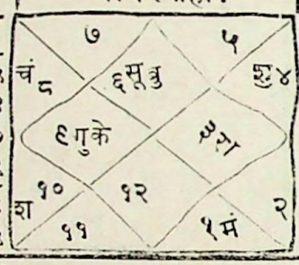

इल मास में धान्य गेहूं जौ चना मटर सरसों अलसी मटर आदि मंदे हो धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा तेज हो।

गोचर ग्रहाः

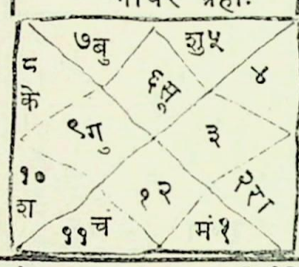

२५पं.प्र.आ.शु.१२चं.इ.३३/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	८	४	९	१	५
११	०	७	२३	०	१	२९	११
४६	४६	२७	४१	५१	६	४१	९
५२	५	२५	१७	७	४६	३७	५८
५८	३	६२	२	६९	२	३	५९
५३	वं	३८	४०	४०	व.	११	०

ति.द्वि.आश्विनकृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेप्र.आश्विनकृष्णेतिमहा.

१	शु	१७	२६	रे	६०	०	ध्रु	३६	२८	बा	२४	२२	२९/१९	६/८	५/५२	१०	१४	२	मीने	
२	श	६०	०	रे	५	४९	व्या	३८	४४	तै	३०	३१	१५	९	५१	११	१५	३	मे.५।४९	
३	र	३	३७	अ	१३	१७	ह	४१	१३	ग	३	३७	११	१०	५०	१२	१६	४	मेषे	भ.३६।४६उ.
४	चं	९	५५	भ	२०	५३	व	४३	३३	वि	९	५५	७	११	४९	१३	१७	५	वृ.३७।४०	भ.९।५५या.चतुर्थी व्र.
५	मं	१५	४७	कृ	२८	०	सि	४५	२२	बा	१५	४७	३	११	४९	१४	१८	६	वृषे	
६	बु	२०	४४	रो	३४	१४	व्य	४६	३५	तै	२०	४४	२५/९	१२	४८	१५	१९	७	वृषे	
६	गु	२४	५२	मृ	३९	४१	व	४७	१	व	२४	५२	५५	१३	४७	१६	२०	८	मि६।५८	भ.२४।५२उ.५६।१५या.
७	शु	२७	३८	आ	४३	३७	प	४६	२३	ब	२७	३८	५१	१४	४६	१७	२१	९	मिथुने	पूफा.शुक्रः १२।२
८	श	२८	३१	पु	४५	५४	शि	४४	२६	कौ	२८	३१	४७	१५	४५	१८	२२	१०	क.३०।२०	चित्रा.रविः १६।४५(सौरः ५३।१)
९	र	२७	३८	पु	४६	२६	सि	४०	५५	ग	२७	३८	४३	१५	४५	१९	२३	११	कर्के	भ.५६।९उ.
१०	चं	२४	४१	श्ले	४४	४८	सा	३५	५४	वि	२४	४१	३९	१६	४४	२०	२४	१२	सिं४४।४८	भ.२४।४१या.
११	मं	१९	५६	म	४१	२१	शु	२९	२१	बा	१९	५६	३५	१७	४३	२१	२५	१३	सिंहे	वक्रीबुधः १।४५कमला ११व्र.
१२	बु	१३	१९	पू	३६	२४	शु	२१	१६	तै	१३	१९	३१	१८	४२	२२	२६	१४	कं.४९।४७	
१३	गु	५	२२	उ	२९	५८	ब्र	१२	१	व	५	२२	२७	१९	४१	२३	२७	१५	कन्यायां	भ.५।२२उ.३०।४३या.
१४	गु	५०	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	शु	४६	१९	ह	२२	२८	ऐं	१/४०	४९/१९	च	२१	११	३३	१९	४१	२४	२८	१६	तु.४८।३१	

२६पं.द्वि.आ.कृ.३चं.इ.३३/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	११	६	८	४	९	१	५
१८	२९	१४	२४	९	१	२९	१८
४०	८	७	६	३	९	१९	३
८	६	१२	४०	११	०	२१	४५
५९	५९	४०	३	७०	५०	३	५९
९	व.	२५	५९	२६	सा	११	१६

गोचर ग्रहाः

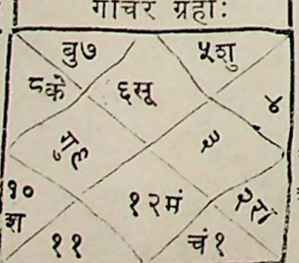

इस मास में धान्य गल्ला गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ धातु सोना चांदी गुड सक्कर आदि तेज हो।

गोचर ग्रहाः

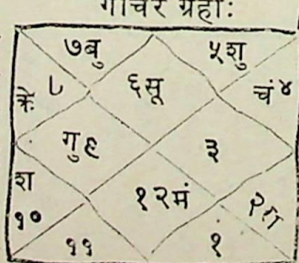

२७पं.द्वि.आ.कृ.१०चं.इ.३३/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	११	६	८	४	९	१	५
२५	२७	१७	२४	१७	१	२८	२४
३५	१५	३५	४०	१८	१६	५७	५९
२	५४	४६	४१	१८	१	६	२७
५९	५/०	४	५	७१	१	३	५९
२१	वं	१४	७	५	३०	११	३१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. द्वि.आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०७७ शाकः १९४२ दि. उ. अ.भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेऽर्गणः३४८२स.२०२०

१	श	३६	२६	चि	१४	३५	वि	३६	४७	कि	११	२२	३८	३०	५०	२५	२९	१७	तुलायां	तुलायामर्कः०।३४(सौरः३५।४५)=
२	र	२६	५२	स्वा	६	५२	वी	२८	५८	बा	१	३८	१६	२१	३९	२६	३०	१८	वृ ४६।१९	चन्द्रदर्शनम् [=नवरात्रारंभः मातामहश्रा.
३	चं	१८	२३	अ	५३	३७	आ	१८	३७	ग	१८	२३	१२	२२	३८	२७	११	१९	वृश्चिके	भ.४४।३९उ.बुधास्तः पश्चिमायां३१।७×
४	मं	११	१६	ज्ये	४९	०	सौ	९	२१	वि	११	१६	८	२२	३८	२८	२	२०	ध.४९।०	भ.११।१६या.उफा.शुक्रः२४।२०
५	बु	५	४६	मू	४६	२५	शो	१	२८	५३	बा	५	४६	४	२३	३७	२९	३	२१	धनुषि [×रविलाबल३
६	गु	२	७	पू	४५	२९	सु	५०	११	तै	२	७	०	२४	३६	३०	४	२२	धनुषि	[+कन्यायांशुक्रः८।४९भा.कार्तिकारंभः
७	शु	०	३३	उ	४६	३४	धृ	४६	४३	व	०	३३	२७	२५	३५	१	५	२३	म.०।४६	भ.०।३३उ.३०।४४या.स्वात्यांरविः३३+
८	श	०	५५	श्र	४९	४०	शू	४४	५६	व	०	५५	५३	२५	३५	२	६	२४	मकरे	स्वात्यांरविः सौरः १६।४८
९	र	३	१	ध	५४	१०	गं	४४	२२	कौ	३	१	४९	२६	३४	३	७	२५	कुं.२१।५५	
१०	चं	६	३२	श	५९	५३	बृ	४५	३	ग	६	३२	४५	२७	३३	४	८	२६	कुंभे	भ.३८।५९उ. [÷पापांकुशा११त्र.
११	मं	११	२६	पू	६०	०	धु	४६	१४	वि	११	२६	४१	२८	३२	५	९	२७	मी४९।५०	भ.११।२६या.वक्री चित्रा.बुधः११।५१÷
१२	बु	१७	९	पू	६	२९	व्या	४८	१९	बा	१७	९	३७	२९	३१	६	१०	२८	मीने	प्रदोषः
१३	शु	२३	१३	उ	१३	४५	ह	५०	१५	तै	२३	१३	३४	२९	३१	७	११	२९	मीने	[Dशरद् पूर्णिमा का.स्ना.प्रा.
१४	शु	२९	३७	रे	२१	१०	व	५२	३१	व	२९	३७	३०	३०	३०	८	१२	३०	मे.२१।१०	भ.३९उ.उषा.१गुरुः३ कोजागरी व्र.
१५	श	३५	५१	अ	२८	४१	सि	५४	४७	वि	२	४४	२७	३१	२९	९	१३	३१	मेषे	भ.२।४४या.हस्तेशुक्रः२५।६D

२८पं.द्वि.आ.शु.३चं.इ.३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	६	८	४	९	१	६
९	२५	१५	२५	२५	१	२८	१
३१	२०	२७	२२	३८	२७	३४	५६
२६	१०	४३	३४	४९	२२	५०	५२
५९	७	५८	५	७१	२	३	५९
३४	व.	व.	१५	३२	११	११	४६

गोचर ग्रहाः

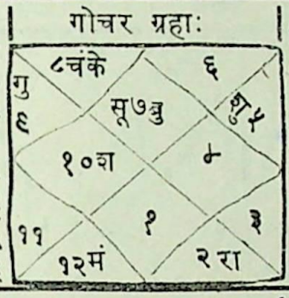

द्वि.आश्विन शुक्ले १ शनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

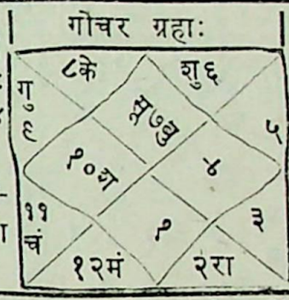

२९पं.द्वि.आ.शु.१०चं.इ.३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	६	८	५	९	१	६
९	२३	७	२६	४	१	२८	८
२९	३५	३९	१२	४	४४	१२	५६
४२	४९	५०	३२	३४	१३	२५	१२
५९	५४	५१	७	७१	२	३	६०
४७	व.	व.	१३	५८	५१	११	२

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२ दि. उ. अ.भा. मु. इं. चन्द्रः हेमंततूरविर्दक्षिणेद्वि.आश्विनकृष्णेतिमहा.

१	र	४१	५२	भ	३६	१	व्य	५६	५५	बा	८	५२	२७	३३	५९	१०	१४	१	वृ.५२।४९	बुधोदयः पूर्वस्यां२२।९नवम्बर११ता.३०
२	चं	४७	३२	कृ	४३	१३	व	५८	३४	तै	१४	४२	१९	३२	२८	११	१५	२	वृषे	
३	मं	५२	१४	रो	४९	११	प	५९	३७	व	१९	५३	१६	३३	२७	१२	१६	३	वृषे	भ.१९।५३उ.५२।१४या.मार्गीबुधः५९
४	बु	५६	१०	मृ	५४	३५	शि	५९	१४	ब	२४	१२	१२	३४	२६	१३	१७	४	मि२१।५३	करक चतुर्थी व्रतम्
५	गु	५८	५९	आ	५८	५८	सि	५९	५१	कौ	२७	३५	९	३४	२६	१४	१८	५	मिथुने	
६	शु	६०	०	पु	६०	०	सा	५८	३२	ग	२९	४७	५	३५	२५	१५	१९	६	क.४६।१९	विशा.रविः३।२(सौरः३४।१२)
७	श	०	३४	पु	२	५	शु	५६	९	व	०	३४	२	३६	२४	१६	२०	७	कर्के	भ.०।३४उ.३०।३९या.
८	र	०	४३	पु	३	५४	शु	५२	२७	ब	०	४३	२६	३६	२४	१७	२१	८	कर्के	
९	र	५८	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	चं	५६	१७	श्ले	४	८	व्र	४७	३१	तै	२७	४७	५५	३७	२३	१८	२२	९	सिं४।८	
११	मं	५१	२६	म	३	५६	ऐं	४१	८	व	२३	५१	५२	३८	२२	१९	२३	१०	सिंहे	भ.२३।५१उ.५१।२६या.
१२	बु	४५	१७	उ	५५	११	वै	३३	३७	ब	१८	२१	४९	३८	२२	२०	२४	११	कं.१३।३०	स्वात्यांबुधः५५चित्राशुक्रः४८रमा११त्र.
१२	गु	३७	३४	ह	४९	२०	वि	२४	५१	कौ	११	२५	४५	३९	२१	२१	२५	१२	कन्यायां	धन१३
१३	शु	२९	१	चि	४२	३२	प्री	१५	११	ग	३	१७	४२	४०	२०	२२	२६	१३	तु.१५।५६	भ.२९उ.५९या.मार्गीभौमः५५प्रदोषः+
१४	श	१९	३७	स्वा	३५	३	आ	४९	२०	श	१९	३७	३९	४०	२०	२३	२७	१४	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम् [+रूप१४
३०	र	१०	५	वि	२७	२५	शो	४३	५	ना	१०	५	३६	४१	१९	२४	२८	१५	वृ.१४।२०	वृश्चिकेऽर्कः५९।७ अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा

३०पं.का.कृ.२चं.इ.३२।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	६	८	५	९	१	६
१६	२२	२	२७	१२	२	२७	१५
२९	१५	४	९	३३	४	५०	५७
२८	२५	८	२९	४३	५५	१९	१६
६०	५	१३	३३	८	७२	३	३	६०
४	वं.	व.	२४	१८	३२	११	१८

गोचर ग्रहाः

कार्तिककृष्णे ३०रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.२न.४ बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

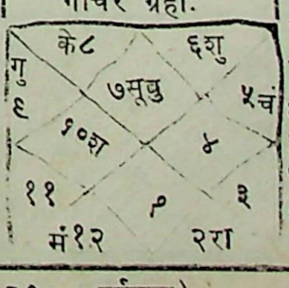

३१पं.का.कृ.९चं.इ.३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	६	८	५	९	१	६
२३	२१	४	२८	२१	२	२७	२२
३०	२३	२४	१२	६	३०	२८	५९
५०	४९	५९	२२	२२	४७	३	४९
६०	३	५५	९	७२	४	३	६०
१७	व.	मा	११	३८	१३	११	३०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२	दि. उ. अ.भा.सु. इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽर्गणः३५१२स२०१२
१	चं ०५३ अ २०२०	अ ३२४३ ब ०५३ २६ ६ ४१ ५ १९	२५२९१६ वृश्चिके	वृश्चिकेऽर्कः सौरः२८।२९तुला.शुक्रः×
२	चं ५१४१ ० ० ०	० ० ० ० ० ०	० ० ० ० ०	[×४६।३०चंद्रदर्शनम्भातृ२यम२
३	मं ४५४३ ज्ये १४१६	सु २३१६ तै १९ ९३० ४२१८	२६ १ १७	ध.१४।१६ रविलाखर४ [+उषा.३शनिः११।५७
४	बु ४०३६ मू ९३६	धृ १५ ७ व १३१० २७ ४३१७	२७ २ १८	धनुषि भ.१३।१०उ.४०।३६या.
५	गु ३७३९ पू ६५५	शू ८१६ ब ९ ७ २५ ४३१७	२८ ३ १९	म.२१।४६ अनु.रविः१७।२७ (सौरः४५।१७)
६	शु ३६५० उ ६१६	गं ३२२ कौ ७१४ २२ ४४१६	२९ ४ २०	मकरे उषा.२मकरे.गुरुः६।४८
७	श ३७५४ श्र ७ ८	ब्र ३ ५८ १५ ग ७२५ १९ ४४१६	३० ५ २१	कुं.३९।२८ भ.३७।५४उ.विशा.बुधः३१।१४.+
८	र ४१ ३ ध १११२	च्या ५८२५ वि ९२८ १७ ४५१५	१ ६ २२	कुंभे भ.९।२८या.स्वात्यांशुक्रः८।४९भा.मा-÷
९	चं ४५४७ श १६ ७	ह ५९ २ बा १३२५ १४ ४५१५	२ ७ २३	कुंभे कुष्मांड९अक्षय९ [÷शीर्षारंभःगोपाष्टमी
१०	मं ५१४१ पू २२२९	व ६० ० तै १८४४ १२ ४६१४	३ ८ २४	मी५।५४ मृग.१राहुःज्येष्ठा.३केतुः३८।२७
११	बु ५७५७ उ २९५५	व ० ४७ व २४४९ ९ ४६१४	४ ९ २५	मीने भ.३९उ.५७या.प्रबोधिनी११व्र.A
१२	गु ६० ० रे ३७२३	सि २५७ ब ३११७ ७ ४७१३	५ १० २६	मे.३७।२३ बुधास्तःपूर्वस्यां३२।११
१२	शु ४३८ अ ४५ ४	च्य ५२१ बा ४३८ ५ ४७१३	६ ११ २७	मेषे प्रदोषः [Aतुलसी विवाहः
१३	श १०५५ भ ५२२५	व ७३३ तै १०५५ २ ४८१२	७ १२ २८	मेषे वृश्चिकेबुधः३।५१वैकुंठ१४
१४	र १६४९ कृ ५९ ३	प ९२९ व १६४९ ० ४८१२	८ १३ २९	वृ.९।४ भ.१६।४९उ.४९।२४या.
१५	चं २१५९ रो ६० ०	शि १०५३ व २१५९ २५ ४८१२	९ १४ ३०	वृषे अनु.बुधः८।१२मन्वादिःका.स्ना.पूर्तिः

३२पं.का.शु १चं.इ.३२।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	६	८	५	९	१	७
०	२१	१२	२९	२९	२	२७	०
३३	१८	४४	२१	४२	५९	५	३
२९	५४	६	४३	२९	५३	४८	५३
६०	१५	८१	९	७२	४	३	६०
३०	सा	४१	५५	५६	४७	११	४०

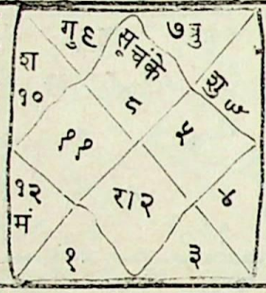

३३पं.का.शु.९च.इ.३२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	६	९	६	९	१	७
७	२१	२३	०	८	३	२६	७
३७	४७	४	३६	२२	३२	४३	९
२६	३१	३०	२९	१२	६	३२	२६
६०	५	९१	१०	७३	५	३	६०
४२	२२	३९	४०	१४	११	११	५३

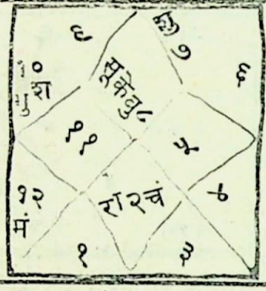

३४पं.का.शु.१५चं.इ.३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	९	६	९	१	७
१४	२२	३	१	१७	४	२६	१४
४२	५४	५६	५६	३	९	२१	१६
४०	६	६	३५	४७	१४	१७	१२
६०	९	९५	११	७३	५	३	६१
५०	२	४४	१८	२०	४०	११	३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२	दि. उ. अ.भा. सु. इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	मं २६ २ रो ४४९	सि ११३५ कौ २६ २	२५ ६ ४९ ५ ११	१० १५ १ मि३७।१४ दिसम्बर१२ता.३१
२	बु २९१६ मृ ९३८	सा ११३४ ग २९१६	५४ ४९ ११	११ १६ २ मिथुने ज्येष्ठा.रविः२७।३४ (सौरः५३।११)=
३	गु ३१२७ आ १३३३	शु १०४७ व ०२२	५३ ४९ ११	१२ १७ ३ मिथुने भ.०।२२उ.३१।२७या. चतुर्थी व्रतम्
४	शु ३२२५ पु १६२१	शु ९११ व १५६	५१ ५० १०	१३ १८ ४ क.०।३९ [=विशा.शुक्रः५६।०
५	श ३२२८ पु १८१०	व्र ६४९ कौ २२६	४९ ५० १०	१४ १९ ५ कर्के
६	र ३१२५ श्ले १९ ४	ऐं ३९ ५० ग १५६	४८ ५० १०	१५ २० ६ सिं१९।४ भ.३१।२५उ.
७	चं २९१७ म १८५०	वि ५४ ५ वि ०२१	४६ ५१ ९	१६ २१ ७ सिंहे भ.०।२१या.उषा.३गुरुः२७।३१
८	मं २५५५ पू १७१७	प्री ४८ १ कौ २५५५	४५ ५१ ९	१७ २२ ८ कं.३१।३६ ज्येष्ठा.बुधः३७।४४
९	बु २१२८ उ १४३५	अ ४१ १ ग २१२८	४४ ५१ ९	१८ २३ ९ कन्यायां भ.४८।३४उ.
१०	गु १५४० ह १०४७	सौ ३३१३ वि १५४०	४३ ५१ ९	१९ २४ १० तु.३८।२३ भ.१५।४०या.वृश्चिकेशुक्रः५८।१६
११	शु ९ ५ चि ५५९	शो २४२५ बा ९ ५	४३ ५२ ८	२० २५ ११ तुलायां उत्पत्ति११व्र.
१२	श १३१ स्वा ९ ५४ ७	अ १५ ९ तै १३१	४१ ५२ ८	२१ २६ १२ बृ.४०।३६ भ.५३।२७उ. प्रदोषः
१३	श ५१५६ ० ० ०	० ० ० ० ० ०	० ० ०	० ० ० ० ०
१४	र ४५१३ अ ४७४८	सु १५ ५० १२ वि १९२०	४० ५२ ८	२२ २७ १३ वृश्चिके भ.१९।२०या.अनु.शुक्रः३३।५८
३०	चं ३७१६ ज्ये ४१४२	शू ४५५२ च १११४	२९ ५२ ८	२३ २८ १४ ध.४१।४२

३५पं.मा.कृ.७चं.इ.३१।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	९	६	९	१	७
२१	२४	१४	३	२५	४	२५	२१
४८	२९	५१	२०	४६	४८	५९	२३
४३	६	५८	४९	४१	५०	१५	५४
६०	१२	९८	११	७३	६	३	६१
५६	५९	२	५७	३३	४	११	११

गोचर ग्रहाः

इस मास म कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय व शुक्लपक्ष की तिथि वृद्धि धान्य बाजरा मूंग मोठ गल्ला धातु रसकस तेज हो।

गोचर ग्रहाः

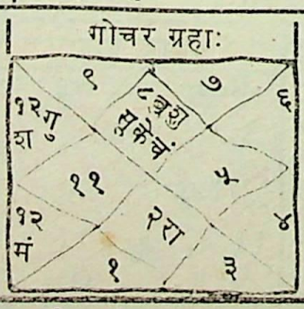

३६पं.मा.कृ.३०चं.इ.३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	९	७	९	१	७
२८	२६	२५	४	४	५२	५२	२८
५५	३२	५४	४८	३०	३०	३६	३२
३७	३५	३६	३२	३६	४३	४५	३७
६१	१६	९९	१२	७३	६	३	६१
०	३६	२२	२०	४४	२६	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२								दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३५४१स.२०२०
१	मं	३०	९	मू	३६	३०	गं	३७	२	किं	३	४३	३५ ५३ ५	२४ २९ १५	धनुषि	मूलेधनुष्यर्कः ३४।४९ (सौरः ५७।१)
२	बु	२४	२२	पू	३२	३६	वृ	२९	२५	कौ	२४	२२	३८ ५२ ८	२५ ३० १६	म.४७।१	मूलेधनुषिबुधः ५९।४६ चंद्रदर्शनम्
३	गु	२०	१४	उ	३०	१५	धु	२३	०	ग	२०	१४	३८ ५२ ८	२६ १ १७	मकरे	भ.४९।२० उ.जमादिलावल ५
४	शु	१८	२६	श्र	३०	११	व्या	१८	६	वि	१८	२६	३७ ५३ ७	२७ २ १८	मकरे	भ.१८।२६ या.
५	श	१८	२९	ध	३२	८	ह	१४	५६	बा	१८	२९	३७ ५३ ७	२८ ३ १९	कुं.१।१०	
६	र	२०	३६	श	३५	५६	व	१३	४४	तै	२०	३६	३६ ५३ ७	२९ ४ २०	कुम्भे	चंपा ६
७	चं	२४	३७	पू	४१	२२	मि	१३	२६	व	२४	३७	३६ ५३ ७	३० ५ २१	मी २५।१	भ.२४।३७ उ.५७।२१ या.
८	मं	३०	४	उ	४८	१०	व्य	१३	४९	व	३०	४	३६ ५३ ७	१ ६ २२	मीने	भा.पौषारंभः
९	बु	३६	१५	रे	५५	२८	व	१६	२६	बा	३	१०	३६ ५३ ७	२ ७ २३	मे.५५।२८	उषा.४ गुरुः ८।२८
१०	गु	४२	५४	अ	६०	०	प	१८	३८	तै	९	३४	३७ ५३ ७	३ ८ २४	मेषे	ज्येष्ठाशुक्रः १३ अश्वि. मेषे भोमः ३६।२२
११	शु	४९	१७	अ	३	१०	शि	२०	५५	व	१६	५	३७ ५३ ७	४ ९ २५	मेषे	भ.१६।५ उ.४९।१७ या. पूषा.बुधः ४० ×
१२	श	५५	८	भ	१०	३४	सि	२२	५०	व	२२	१३	३७ ५३ ७	५ १० २६	वृ.२७।१६	[×उषा.४ शनिः ३५ मोक्षदा ११ व्र. गीताजयं.
१३	र	६०	०	कृ	१७	२०	सा	२४	१९	कौ	२७	४८	३८ ५२ ८	६ ११ २७	वृषे	प्रदोषः
१३	चं		०२८	रो	२३	१	शु	२४	५७	तै		०२८	३८ ५२ ८	७ १२ २८	मि ५५।१३	पूषा.रविः ३९।४९ (सौरः ५८।३९)
१४	मं	३	३७	मृ	२७	२६	शु	२४	२७	व	३	३७	३९ ५२ ८	८ १३ २९	मिथुने	भ.३।३७ उ.३४।४९ या. दत्तजयंती
१५	बु	६	१	आ	३०	३७	व्र	२३	११	ब	६	१	४० ५२ ८	९ १४ ३०	मिथुने	

३७पं.मा.शु.५चं.इ.३१।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	९	७	९	१	८
६	२८	६	६	१३	६	२५	५
३	५८	५३	१९	१६	१४	१४	४२
१४	४४	१३	१९	१	२४	३०	२
६१	१९	०	१२	७३	६	३	६१
४	५१	५१	४६	५०	२८	११	२२

गोचर ग्रहाः

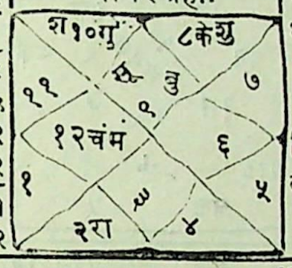

मार्गशीर्षशुक्ले १ भौमे धनुष्यर्कः प्रविष्टः बा. ३ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्या दिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

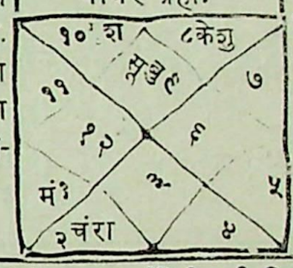

३८पं.मा.शु.१३चं.इ.३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	९	७	९	१	८
१३	११	८	७	२२	७	२४	१२
११	४५	७	५३	१	०	५२	५१
१३	११	१	१७	४१	२९	१४	५४
६१	२२	०	१२	७३	६	३	६१
६	२०	३	८	५६	५६	११	२६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२								दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे, मार्ग. कृष्णेति महा.
१	गु	७	४	पु	३२	३७	एं	२१	१	कौ	७	४	२५ ४१ ५	१० १५ ३१	क.१७।७	
२	शु	७	४	पु	३३	३३	वै	१७	४०	ग	७	४	४२ ५२ ८	११ १६ १	कर्के	भ.३६ उ.जनवरी १ ता.३१ सन् २०२१
३	श	५	५३	श्ले	३३	४१	वि	१३	३४	वि	५	५३	४३ ५१ ९	१२ १७ २	सिं ३३।४१	भ.५।५३ या. उषा.बुधः ४८।२१ चतुर्थीव्र.
४	र	३	४९	म	३२	५०	प्री	९	२	बा	३	४९	४४ ५१ ९	१३ १८ ३	सिंहे	मूलेधनुषिशुक्रः ५२।१३
५	चं	१	४	पू	३१	२१	आ	४२ ३५	३५ १५	तै	१	४	४५ ५१ ९	१४ १९ ४	कं.४५।४७	भ.५७।४२ उ.मकरे बुधः ४७।५१
६	चं	५६	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	
७	मं	५३	५०	उ	२९	७	शो	५१	३५	वि	२५	४६	४७ ५१ ९	१५ २० ५	कन्यायां	भ.२५।४६ या.
८	बु	४९	६	ह	२६	२९	अ	४४	३४	बा	२१	२८	४८ ५० १०	१६ २१ ६	तु.५४।५०	श्रवण.१ गुरुः ५०।५
९	गु	४४	४	चि	२३	११	सु	३७	२७	तै	१६	३५	५० ५० १०	१७ २२ ७	तुलायां	अस्तंशनेः १६।२१
१०	शु	३८	२४	खा	१९	१९	धृ	२९	४०	व	११	१४	५२ ५० १०	१८ २३ ८	तुलायां	भ.११।१४ उ.३८।२४ या.
११	श	३२	१०	वि	१५	८	शू	२१	३७	ब	५	१७	५३ ४९ ११	१९ २४ ९	वृ.१।११	सफला ११ व्र.
१२	र	२५	४७	अ	१०	२२	गं	१३	१८	तै	२५	४७	५५ ४९ ११	२० २५ १०	वृश्चिके	उषा.रविः ४४।३४ श्रवणे बुधः ५३।४८ A
१३	चं	१९	२६	ज्ये	५	४०	वृ	५ ५३	३	व	१९	२६	५७ ४९ ११	२१ २६ ११	ध.५।४०	भ.१९ उ.३६ या. उषा.रविः सौरः ०।६
१४	मं	१३	४२	मू	२९	५३	व्या	४९	३२	श	१३	४२	५९ ४८ १२	२२ २७ १२	धनुषि	[A बुधोदयः पश्चिमायां ३६।३६ प्रदोषः
३०	बु	८	२३	उ	५५	४०	ह	४३	४	ना	८	२३	२६ ४८ १२	२३ २८ १३	म.१२।३३	

३९पं.पौ.कृ.५चं.इ.३१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	९	८	९	१	८
२०	४	२९	९	०	७	२४	२०
१९	४६	३१	२९	४७	४८	२९	१
२६	१४	४८	६	५३	७	५९	५१
६१	२४	०	१३	७४	७	३	६१
६	२०	३५	२०	२	८	११	२६

गोचर ग्रहाः

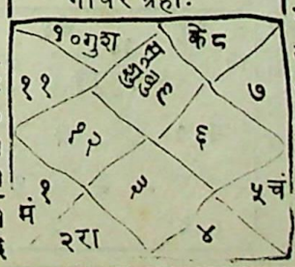

भूमि पुत्रो यदा मेषे सुभिक्षंसर्वधान्यकम् । प्रवालानि महर्घाणि क्रोधवन्तो भवेन्नृपाः । इस मास में धान्य में मंदी रहे ।

गोचर ग्रहाः

४०पं.पौ.कृ.१३चं.इ.३१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	९	९	८	९	१	८
२७	८	११	११	९	८	२४	२७
२७	१	०	६	३४	३६	७	११
२२	३०	२६	३२	३५	१४	४३	४३
६१	२६	९७	१३	७४	७	३	६१
६	२०	४५	३१	८	१४	११	२४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३५७१स.२०२१
१	गु	४	२६	श्र	५४	४९	व	३७	४६	ब	४	२६	२६	४७	१३	५	२४	२९	१४	मकरे	मकरेऽर्कः०।५८(सौरः१५।३३)पूषा D
२	शु	२	१५	ध	५५	३२	सि	३३	४८	कौ	२	१५	६	४७	१३	२	५	१	१५	कुं.२५।१०	जमादिलाखर६ [Dशुक्रः ३/३ चंद्रदर्शनम्
३	श	१	४८	श	५८	२२	व्य	३१	७	ग	१	४८	८	४६	१४	२	६	२	१६	कुम्भे	भ.३२।३०उ.
४	र	३	१२	पू	६०	०	व	३०	५	वि	३	१२	११	४६	१४	२	७	३	१७	मी४६।४१	भ.३।१२या.
५	चं	६	२६	पू	२	४७	प	३०	२०	बा	६	२६	१३	४५	१५	२	८	४	१८	मीने	+(सौरः ५/४७)श्रव.रविःसौरः ५/०पुत्र.११व्र
६	मं	११	१४	उ	८	४२	शि	३१	४४	तै	११	१४	१६	४५	१५	२	९	५	१९	मीने	धनिबुधः ३/५ अस्तंगुरोः७।४८
७	बु	१७	२	रे	१५	३४	सि	३३	३२	व	१७	२	१९	४४	१६	३	०	६	२०	मे.१५।३४	भ.१७/२उ.५/१६या.अभि.प्र.रविः३५।२८ ÷
८	गु	२३	२९	अ	२३	११	सा	३५	५०	ब	२३	२९	२१	४४	१६	१	१	७	२१	मेषे	श्रवण२गुरुः५।५१भा.माघारंभः
९	शु	२९	५५	भ	३०	४४	शु	३८	५	कौ	२९	५५	२४	४३	१७	२	८	२	२२	वृ.४७।३०	भरण्यांभौमः५।१४[÷(सौरः४६।५४)
१०	श	३६	२	कृ	३७	४८	शु	३९	४४	तै	२	५८	२७	४३	१७	३	९	२	२३	वृषे	श्रवणेरविः५०।५श्रवण.१शनिः१७।३१
११	र	४०	५६	रो	४३	४३	ब्र	४०	३५	व	८	२९	२९	४२	१८	४	१०	२	२४	वृषे	भ.२९/३उ.५/१९या.अभि.नि.रविः४२।२० +
१२	चं	४४	२३	मृ	४८	२१	ऐं	४०	२१	व	१२	४०	३२	४२	१८	५	११	२	२५	मि१६।२	कुंभेबुधः१६।४९उपा.शुक्रः९।३
१३	मं	४९	२६	आ	५१	३२	वै	३८	५२	कौ	१५	२५	३५	४१	१९	६	१२	२	२६	मिथुने	रोहिणी.४राहुःज्येष्ठा.२केतुः ३/१ प्रदोषः
१४	बु	४६	४७	पु	५२	५९	वि	३६	११	ग	१६	३७	३८	४०	२०	७	१३	२	२७	क३७।३७	भ.४६।४७उ.मकरेशुक्रः५०।२१
१५	गु	४५	२६	पु	५३	१	प्री	३२	१६	वि	१६	४	४१	४०	२०	८	१४	२	२८	कर्के	भ.१६।४या.मा.स्ना.प्रा.

४१पं.पौ.शु.५चं.इ.३/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	९	८	९	१	९
४	११	२१	१२	१८	९	२३	४
३५	२८	५८	४५	२०	२६	४५	२१
१३	१	२३	४	४६	२०	२७	१२
६१	२८	८६	१३	७४	७	३	६१
३	११	४६	३२	१४	२०	११	१९

गोचर ग्रहाः

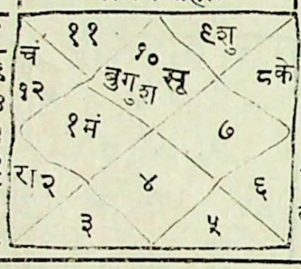

पौष शुक्ले १. गुरौ मकरेऽर्कःप्रविष्टःवा३ न. ४ बालाऽवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावें समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

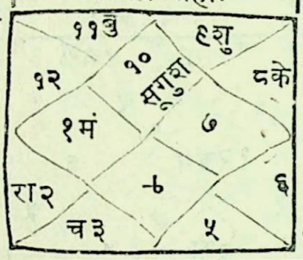

४२पं.पौ.शु.१२चं.इ.३/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	१०	९	८	९	१	९
११	१५	०	१०	२७	१०	२३	११
४२	१	१३	२४	७	१६	२३	३०
४०	५५	१	४३	२३	१९	१२	३
६०	२९	५५	१३	७४	७	३	६१
५९	४३	१	३८	२०	२०	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु	४	३	श्ले	५१	५९	आ	२७	२४	बा	१४	१४	२६	३९	२५	९	१५	२९	सिं५१।५९	
२	श	३९	२५	म	४९	४५	सौ	२१	३४	तै	११	१४	४८	३८	२२	१०	१६	३०	सिंहे	वक्रीबुधः२६।३८
३	र	३५	४	पू	४६	५६	शो	१५	१३	व	७	१४	५१	३८	२२	११	१७	३१	सिंहे	भ.७।१४उ.३५।४या.
४	चं	३०	१७	उ	४३	४७	अ	८	२३	ब	२	४०	५४	३७	२३	१२	१८	१	कं.१।९	बुधास्तःपश्चिमायां३३।४५फर्वरी २ *
५	मं	२५	२२	ह	४०	३८	सु	१८/५२	५१	तै	२५	२२	५८	३६	२४	१३	१९	२	कन्यायां	[* ता.२८चतुर्थी व्र.
६	बु	२०	१७	चि	३७	११	शू	४७	०	व	२०	१७	२/७	३६	२४	१४	२०	३	तु.८।५५	भ.२०।१७उ.४७।४७या.
७	गु	१५	१६	स्वा	३३	४०	गं	३९	४९	ब	१५	१६	५	३५	२५	१५	२१	४	तुलायां	श्रवणेशुक्रः४८।२९श्रवण.३गुरुः१०।२
८	शु	१०	२५	वि	३०	२६	वृ	३२	४१	कौ	१०	२५	८	३४	२६	१६	२२	५	वृ.१६।१५	धनि.रविः ३/९ वक्रीमकरेबुधः२९।२२
९	श	५	२०	अ	२७	१३	ध्रु	२५	३१	ग	५	२०	१२	३४	२६	१७	२३	६	वृश्चिके	भ.३२।५३उ.धनि रविःसौरः८।४०
१०	र	०	२७	ज्ये	२४	१६	व्या	१८	४७	वि	०	२७	१५	३३	२७	१८	२४	७	ध.२४।१६	भ.०।२७या.षट्तिला११व्र.स्मा.
११	र	५५	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	चं	५१	३३	मू	२१	२७	ह	१३	४	कौ	२३	४१	१९	३२	२८	१९	२५	८	धनुषि	षट्तिला११व्र.वै.
१३	मं	४८	२	पू	१९	१६	व	५९/२३	५३	ग	१९	४७	२३	३१	२९	२०	२६	९	म.२३।५४	भ.४८।२उ.उदयंशनेः३८।५०प्रदोषः
१४	बु	४५	३५	उ	१७	४९	व्य	५५	३१	वि	१६	४८	२७	३१	२९	२१	२७	१०	मकरे	भ.१६।४८या.वक्रीश्रवणेबुधः२२।३८
३०	गु	४३	४९	श्र	१७	२४	व	५१	४७	च	१४	४२	३०	३०	३०	२२	२८	११	कुं.४७।५८	

४३पं.मा.कृ.४चं.इ.३१।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	१०	९	९	९	१	९
१८	१८	१	१६	५	११	२३	१८
४९	४५	५२	३	५५	६	०	३८
१६	२९	५५	५४	१२	४	५६	९
६०	३१	३३/१९	१३	७४	७	३	६१
५५	५	व.	३८	२६	२०	११	४

गोचर ग्रहाः

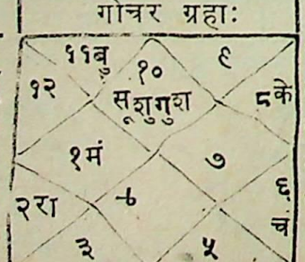

इस मास में शनिवार का चन्द्र दर्शन चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सूत तेज हो धान्य व गल्ला मंदा होवे ।

गोचर ग्रहाः

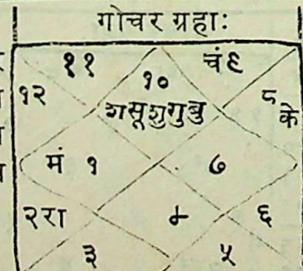

४४पं.मा.कृ.१२चं.इ.३/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	९	९	९	१	९
२५	२२	२५	१७	१४	११	२२	२५
५५	३४	३१	४३	३९	५५	३८	४४
१	१६	५७	१२	२९	१९	४१	५६
६०	३१	६/१०	१३	७४	७	३	६०
४७	५८	व.	३२	२६	१२	११	५५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्लपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३६००स.२०२१

१	शु	४	३	३१	ध	१८	३२	प	४९	८	किं	१३	४०	३७	२६	३५	कुंभे
२	श	४	४	५४	श	२०	५२	शि	४७	५७	बा	१४	१३	३८	२८	३२	कुंभे
३	र	४	८	०	पू	२४	४७	सि	४७	२३	तै	१६	२७	४१	२८	३२	मी.८।४८
४	चं	५	२	२५	उ	३०	७	सा	४७	५८	व	२०	१३	४५	२७	३३	मीने
५	मं	५	७	५२	रे	३६	३९	शु	४९	१	ब	२५	८	४९	२६	३४	मे.३६।३९
६	बु	६	०	०	अ	४३	४९	शु	५१	५४	कौ	३१	१	५३	२५	३५	मेषे
६	गु	४	१	०	भ	५१	२९	ब्र	५४	१०	तै	४	१०	५६	२५	३५	मेषे
७	शु	१	०	४५	कृ	५८	५६	ऐं	५६	१९	व	१०	४५	२०	२४	३६	वृ.८।२०
८	श	१६	५	८	रो	६०	०	वै	५७	५०	व	१६	५८	४	२३	३७	वृषे
९	र	२२	१	६	रो	५	३३	वि	५८	१०	कौ	२२	१६	८	२२	३८	मि. ३८
१०	चं	२६	२		मृ	१०	४६	प्री	५७	२८	ग	२६	२	१२	२२	३८	मिथुने
११	मं	२८	२	२२	आ	१४	३८	आ	५५	२२	वि	२८	२२	१६	२१	३९	मिथुने
१२	बु	२८	४	६	पु	१६	३६	सौ	५१	३७	बा	२८	४६	२०	२०	४०	क.१।७
१३	शु	२७	७		पु	१६	३८	शो	४७	२४	तै	२७	७	२४	१९	४१	कर्के
१४	शु	२३	४	५	श्ले	१४	५९	अ	४०	८	व	२३	४५	२८	१८	४२	सिं१४।५९
१५	श	१८	५	२	म	१२	९	सु	३२	४३	ब	१८	५२	२३	१८	४२	सिंहे

भ.२३उ.५९या.शतेशुक्रः६।२
मा.स्ना.पूर्तिः

[=भौमः५४।२९
श्रवण ४ गुरुः १७।०
भ.१५उ.५३या.शतेरविः५९ (सौरः १८ ×
कुंभेशुक्रः४६ श्रवण.२शनिः३२ भा. ÷
वृषेभौमः५६ [×भानु७रथ७
भ ५७।१२उ.मार्गीबुधः८।४६
भ.२८।२२या.जया ११व्र.
प्रदोषः
[÷फाल्गुनारंभः भीष्माष्टमी

४५पं.मा.शु.४चं.इ.३१।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	९	९	९	१	१०
२	२६	१८	१९	२३	१२	२२	२
५९	२७	३६	२२	२४	४४	१६	१०
४९	३६	१८	४४	२२	३५	२५	५९
६०	३२	४९	१३	७४	७	३	६०
३७	५२	व.	३१	२६	२	११	४२

गोचर ग्रहाः

=बुशुगश
माघ शुक्ले १ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादि भावेमहर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

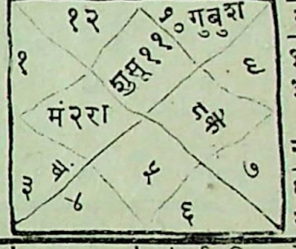

४६पं.मा.शु.१०चं.इ.३१/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	९	१०	९	१	१०
१०	०	१७	२१	२	१३	२१	९
३	२५	२	०	११	३१	५४	५५
२२	४८	४९	३६	२	१९	९	३२
६०	३३	४९	१३	७४	६	३	६०
२५	३८	मा	२०	३२	१०	११	३१

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः वसंततूरविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाराष्ट्रा

१	र	१२	५	९	पू	७	५०	ध्रु	२४	३५	कौ	१२	५९	३९	६	५३	कं २१।३८
२	चं	६	२	५	उ	३५	५५	शू	१६	२	ग	६	२५	४०	१६	४४	कन्यायां
३	चं	५	३	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	मं	५	२	४	चि	५	३	६	गं	३४	३१	ब	२६	८	४४	१५	४५
५	बु	४	६	२	खा	४	८	२	३	ध्रु	५१	२	कौ	१९	३१	४८	१४
६	शु	४	०	२	वि	४	४	३१	व्या	४	३	१९	ग	१३	२२	५२	१४
७	शु	३	५	७	अ	४	१	१	ह	३	६	१०	वि	७	४	६	१३
८	श	३	०	३	ज्ये	३	८	२१	व	२	९	३९	बा	२	५	०	१२
९	र	२	६	३	मू	३	६	२	४	सि	२	३	४७	ग	२	६	३२
१०	चं	२	३	३	पू	३	५	२	०	व्य	१	८	३२	वि	२	३	३०
११	मं	२	१	१	उ	३	५	१	१४	०	व	१	४	०	बा	२	१
१२	बु	१	९	५	श्र	३	५	४	०	प	१	०	७	तै	१	९	५२
१३	गु	१	९	५	३	ध	३	७	३	८	शि	७	१	३	व	१	९
१४	शु	२	०	२	९	श	४	०	३	२	सि	५	७	श	२	०	२
३०	श	२	२	३	३	पू	४	४	३	२	सा	४	१	३	ना	२	२

भ.३३उ.५९या.मार्च३ता.३१

चतुर्थीव्र.

भ.३५उ.पूभा.रविः२६/१ (सौरः३३) ×
भ.७।४६या.
[×धनि.बुधः५७/१३ धनि.१गुरुः४९।३६
भ.५५।१उ.
भ.२३।३०या.पूभा.शुक्रः४७।५६
विजया ११व्र.
प्रदोषः
भ.१९उ.५०/१या.कुंभेबुधः३७ रोहि. =
महाशिवरात्रीव्र.वै.
[=भौमः४।४३ महाशिवरात्रीव्र.स्मा.

४७पं.फा.कृ.२चं. इ. ३२/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	९	१०	९	१	१०
१७	४	२०	२२	१०	१४	२१	१६
५	२६	२८	३६	५५	१६	३१	५८
३५	४६	४४	५०	५९	३४	५४	२६
६०	३४	३७	१३	७४	६	३	६०
१२	१९	३२	८	३२	३२	११	२०

गोचर ग्रहाः

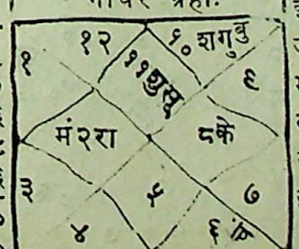

इस मास में धान्य जो गेहूं बाजरा मूंग मोठ चन्दन केसर वस्त्र कपास आदि सब पदार्थ तेज होंगे ।

गोचर ग्रहाः

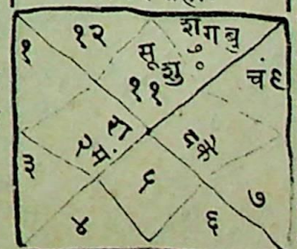

४८पं. फा.कृ.१०चं.इ.३३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	९	१०	९	१	१०
२४	८	२६	२४	१९	१४	२१	२३
६	३१	५४	११	४०	५९	९	५९
२२	३०	५८	२४	४४	५६	३८	४९
५९	३४	५९	१२	७४	६	३	६०
५८	५२	५६	४७	३२	२०	११	६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वसंततौ रविरुत्तरेऽहर्गण ३६३०स.२०२१

१	र	२५	५५	उ	४६	५५	शु	३	५१	व	२५	५५	३९/३४	६/५५	२३	२६	१४ मीने
२	चं	३०	२१	रे	५६	१६	शु	४	२६	को	३०	२१	३८	४	५६	२४	१ १५ मे.
३	मं	३५	५०	अ	६०	०	ब्र	६	०	तै	३	५	४३	३	५७	२५	२ १६ मेषे
४	बु	४२	५	आ	३	१२	ऐं	७	५३	व	८	५८	४७	३	५७	२६	३ १७ मेषे
५	गु	४८	२६	भ	१०	३८	वै	१०	१७	ब	१५	१७	५१	२	५८	२७	४ १८ वृ.
६	शु	५४	५०	कृ	१७	२६	वि	१२	४६	को	२१	४०	५५	१	५६	२८	५ १६ वृषे
७	श	६०	०	रो	२५	४४	प्री	१४	५६	ग	२७	४३	३०/००	६/००		२९	६ २० मि.
७	र	०°	३५	मृ	३२	१	आ	१६	१४	व	०	३५	४	५५°	१	३०	७ २१ मिथुने
८	चं	५	४	आ	३६	५८	सौ	१६	३५	ब	५	४	८	५८	२	१	८ २२ मिथुने
९	मं	८	९	पु	४०	१३	शो	१५	२९	कौ	८	९	१२	५८	२	२	९ २३ क.
१०	बु	९	१६	पु	४१	३१	अ	१३	१	ग	९	१६	१६	५७	३	३	१० २४ कर्के
११	गु	८	२०	श्ले	४०	४०	सु	८	४५	वि	८	२०	२१	५६	४	४	११ २५ सिं
१२	शु	५	२०	म	३८	१	धृ	३/४०	५२	बा	५	२०	२५	५५	५	५	१२ २६ सिहे
१३	श	०	२६	पू	३३	३७	गं	४७	१६	तै	०	२६	२९	५४	६	६	१३ २७ कं.
१४	र	५/६	२/१	उ	२७	५६	वृ	३७	५९	वि	१९	५४	३३	५३	७	७	१४ २८ कन्यायां

मीनेऽर्कः ३६/(सौरः ३३/)चंद्रदर्शन संभवः
सावान८फुलरिया२
शतेबुधः३७।२७मीनेशुक्रः५०।०
भ.६/८ उ.४/५या.उभा रविः४७=
[=(सौरः५३/४)
उभा.शुक्रः३०।२७धनि.२गुरुः५४।४९
भ.०।३५उ.३२।५०या.
भा.चैत्रारंभः होलाष्टकम्
भ.३८।४८उ. [×आमलकी११व्र.
भ.८।२०या.पूभा.बुधः४९।५७×
श्रवण.३शनिः३०।१६ प्रदोषः
भ.५३।४७उ.
भ.१९।५४या. होलिकादहनम्

४९पं.फा.शु.२चं.इ. ३२/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	९	१०	९	१	११
१	१२	५	२५	२८	१५	२०	०
५	३८	१७	४२	२३	४०	४७	५९
३५	१७	२	५४	५६	५२	२३	३१
५९	३५	७६	१२	७४	५	३	५९
४१	१९	५६	२०	३८	५३	११	४९

गोचर ग्रहाः

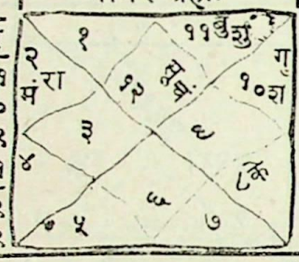

फाल्गुन शुक्ले१ रवौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्या-दिभावे समर्घता शुक्रास्तः

गोचर ग्रहाः

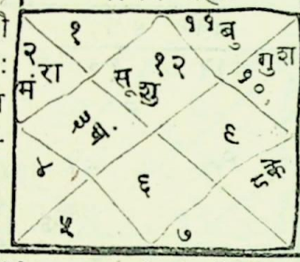

५०पं.फा.शु८चं.इ.३३।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	९	११	९	१	११
८	१६	१५	२७	७	१६	२०	७
३	४७	७	११	७	१९	२५	५७
१८	४६	२३	४२	१२	२६	७	२६
५९	३५	९०	१२	७४	५	३	५९
१६	४४	३४	१	३८	३१	११	३५

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२ दि. उ. अ. भा. मु. इं चन्द्रः वसंततौ रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.

१	चं	३७	३५	ह	२१	३३	ध्रु	२८	४	बा	११	४८	३७/३३	५/३	६	८	१५ २९ तु.
२	मं	२८	४९	चि	१४	४६	व्या	१७	५९	तै	३	१२	४१	५२	८	९	१६ ३० तुलायां
३	बु	२०	२२	स्वा	८	१०	ह	६/३	५/३	वि	२०	२२	५५	५१	९	१०	१७ ३१ वृ.
४	गु	१२	२९	वि	२/११	५/४	सि	५०	१९	बा	१२	२९	४९	५०	१०	११	१८ १ वृश्चिके
५	शु	५	२७	ज्ये	५३	५	व्य	४१	४४	तै	५	२७	५३	४९	११	१२	१९ २ ध.
६	शु	५४	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०
७	श	५५	१	मू	५०	२८	व	३५	५	वि	२७	२०	५७	४९	११	१३	२० ३ धनुषि
८	र	५१	४६	पू	४९	४	प	३०	४०	बा	२३	२३	३१/५	४८	१२	१४	२१ ४ धनुषि
९	चं	५०	४	उ	४९	०	शि	२६	२०	तै	२०	५५	५	४७	१३	१५	२२ ५ म.
१०	मं	४९	१४	श्र	५०	१४	सि	२२	५७	व	१९	३८	१०	४६	१४	१६	२३ ६ मकरे
११	बु	४९	५६	ध	५२	५०	सा	२०	४८	व	१९	३५	१४	४५	१५	१७	२४ ७ कुं.
१२	गु	५१	४०	श	५६	२५	शु	१९	२१	को	२०	४८	१८	४४	१६	१८	२५ ८ कुंभे
१३	शु	५४	४७	पू	६०	०	शु	१९	७	ग	२३	१३	२२	४४	१६	१९	२६ ९ मी.
१४	श	५८	४४	पू	१	१३	ब्र	१९	१२	वि	२६	४५	२६	४३	१७	२०	२७ १० मीने
२०	र	६०	३	उ	६	४०	ऐं	२०	१०	च	३१	३७	३०	४२	१८	२१	२८ ११ मीने
२०	चं	३	३०	रे	१३	२०	वै	२१	४९	ना	३	३०	३४	४१	१९	२२	२९ १२ मे.

वसंत१छारेडी [+राहुःज्येष्ठा१केतुः२७/५०
भ.३५/५४उ.रेवत्यांशुक्रः१४।०रोहि.३+
भ.३९/५या.रेवत्यांरविः१५/५१(सौरः२१/१९)÷
अप्रेल४ता.३० [÷मीनेबुधः४६/५चतुर्थी व्र.
भ.४९/५०उ.उभा.बुधः४३/५मृगेभौमः३९/३२–
[–शीतलापूजनम्
भ.२७।२०या.
धनि.३कुंभेगुरुः४६/५बुधास्तःपूर्वस्यां५५/६
भ.१९।३८उ.४९।१४या.
पापमोचनी११व्र.
भ.५६/५४उ.रेवत्यांबुधः५३/५ प्रदोषः
भ.२६।४५या.अश्वि.मेषेशुक्रः०।२७
मन्वादिः

५१पं.चै.कृ.१चं.इ. ३३।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	९	११	९	१	११
१४	२०	२६	२८	१५	१६	२०	१४
५९	५७	१०	३६	४९	५५	२	५३
१०	३२	५९	१०	२४	१९	५१	३६
५९	३६	७/८	११	७४	५	३	५९
१६	४	५/५	२३	३८	२	११	१८

गोचर ग्रहाः

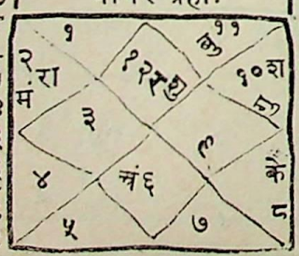

इस मास में धान्य गल्ला रुई कपड़ा अलसी चांदी सोना मंदा होकर तेज हो बालकों को पीड़ा रहे

गोचर ग्रहाः

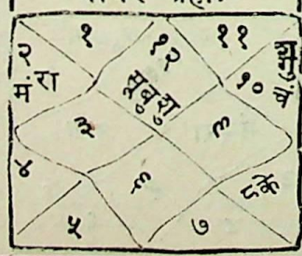

५२पं.चै कृ.९चं.इ. ३३।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	९	११	९	१	११
२१	२५	८	२९	२४	१७	१९	२१
५३	९	३४	५८	३०	२६	४०	४७
३१	५०	३६	८	१२	३५	३६	४७
५९	३६	७/८	१०	७४	४	३	५९
४	२३	५/५	५१	३८	२८	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२२, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२२, भोग्यकलिः४२६८७८, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०७८, शाकः १९४३, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः । मंत्री भौमः । सस्येशः शुक्रः । धान्येशोबुधः । मेघेशश्चंद्रः। रसेशो रविः । नीरसेशः शुक्रः । फलेशश्चंद्रः । धनेशो गुरुः । दुर्गेशश्चंद्रः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ९ राक्षसनाम संवत्सरःप्रवर्तते।तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः१।१।४६।३३।३६भोग्यमासादिः१०।२८।१३।२६।२४अग्निदैवतं युगं।तत्रवर्षनाम श्रावणः। मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे। समय विश्वा १८ समयवाहनम् महिषः। स्तंभाः २ अन्नवाच्यो:। सोमवत्यमानास्तिः सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी२, रविदशमी२ समयमुहूर्ताः ३१५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १८, तिथिवृद्धिः११ उत्पत्ति विश्वा ९६ खपति विश्वा १०८ वर्षाविश्वा१५ धान्यम् १३ तृणम् १३, शीतम् ७ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११९, शनिदृष्टिरुत्तरे। सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहणाऽभावः ।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सि	कं
लाभ	८	२	५	१४	२	५
खर्च	१४	८	५	२	१४	५

वर्ष लग्नम् ०।२३

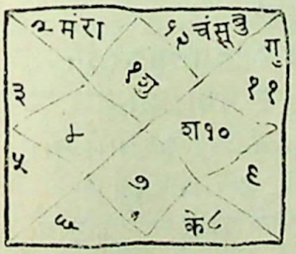

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे मात से जिमि पूछा हर साल ।
अठंतर की साल का कहो शुभाशुभ हाल ।।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला मैं समझावुं तोय ।
राजा मंत्री देखतां घणां उपद्रव होय ।।
ताप तिजारा नहरुवा जग में होय अपार ।
अग्नि चौर भय रोग से पीड़ित हो संसार ।।
आषाढां वर्षा लगे श्रावण मध्यम जाण ।
भादों रविकुज योग से होसी खैंचा ताण ।।
परण भैरव भय मतकरे फलपति है द्विजराज ।
धान्याधिप के योग से होय सिद्ध सब काज ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	२	८	११	१४	१४	११
खर्च	८	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ९।७

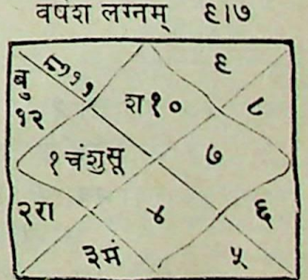

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५९।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।८।३१

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् । भौमे नृपे वन्हि भयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहश्च । दुःखं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयो मुंचति वारिवाहः ।। मंत्री भौमः फलम् ।। अवनिजो ननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्यु गदादिज वेदना । जनपदेषु जयं सुख संचयं न बहु गोषु पयो द्विजकर्म च ।। सस्येशः शुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघोजलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालेक्षु धन प्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुख प्रदानि ।। धान्येशो बुधस्तत्फलम् ।। बुधे धान्याधिपे मेघा जलं मुंचंति वै भृशम् । सैंधवे लाटदेशे च माधवोल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चंद्रस्तत्फलं ।। शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजखरादिषु दुग्ध रसं तदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती ननु भामिनी ।। रसेशो रविः फलम् ।। रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरस भाग रतल्प पयोधराः । वसन तैल घृत प्रिय मानवाः सुख रसं न भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रः फलम् ।। कर्पूरागर गन्धानां हेम मौक्तिक वाससां अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशश्चंद्रस्तत्फलं ।। यदि विधु फलपो द्रुमराशयः फलयुतावलिभिः कुसुमैर्युताः । द्विज मुखावर भोग समन्विता नृपतयो नयनाटन तत्पराः ।। धनेशो गुरुः फलं ।। सुमनसां च गुरु र्द्रविणाधिपो वणिज वृत्ति परा सुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुवि मानवाः ।। दुर्गेशश्चंद्रः फलं ।। गढ़पतिः शशलांछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनः नर वरा वर वर्णित विग्रहाः ।। राक्षसनाम संवत्सरः फलं ।। स्व स्व कार्ये रताः सर्वे मध्य सस्यार्घ वृष्टयः । राक्षसाब्दे खिला लोका राक्षसा इव निष्क्रियाः ।। वर्षनाम श्रावणः फलं ।। श्रावणाब्दे धरा भाति त्रिदश स्पर्द्धि मानवैः । धरा पुष्प फलैर्युक्ता परिपूर्णा ध्वरादिभिः ।। मेघनाम संवर्तः फलं ।। संवर्ते जल पूरिता ।। रोहिणी निवास स्तटे फलं ।। तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समय निवासो रजक गृहे ।। रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १३ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ८।।।।।ऽअ्रऽ।।।

,, १४ चन्द्रे स्वात्यां ल. ११ (श.पू.सत्) रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा ४ शुक्रे मूले. ल. गो. ११-१२ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। (ल.११श.पू.सत्)

,, ६ रवौ उषा ल. ११-१२ रे.८ ऽऽ।।।।।।।। (कुंभे व्ययेऽर्की)

,, ११ शुक्रे उभा ल. ११ (व्ययेऽर्की.) रे. ७ ऽऽ।।।।।ऽ।।

शुक्ला ६ शुक्रे उफा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः भोमाष्टमश्च) ल. १२ चं.पू.सत्

,, १० शनौ हस्ते ल. गो. (सोग्रांगः भौमाष्टम-म.दो.) रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।

,, १३ चन्द्रे स्वात्यां ल. ११ (घ.४८-५३या.व्ययेऽर्की) रे. ७ ।ऽ।ऽ।।ऽ।।। पादतो वेधाऽभावः

,, १५ बुधे अनु ल. ११-१२ रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ।। (कुंभे व्ययेऽर्की)

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १० शुक्रे ल. १ (घ.५४-१४उ.) रे.७ ।।।।।ऽअ्रऽऽ।।

,, ११ शनौ रेव ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे.७।।।।।ऽऽऽ।।

शुक्ला १० रवौ स्वात्यां ल.गो. (भौमाष्टमः) ल.११ रे८ ।।।ऽबृ।।ऽ।।। पादतो वेधाऽभावः

,, १५ गुरौ मूले ल. १२-१ रे. ७ ।।।ऽशु।।।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

आषाढ मासः

कृष्णा ६ बुधे उभा ल. १ रे. ८ ।।।।।ऽचौ।ऽ।।

,, ७ गुरौ उभा ल. ऽन्यगो (भौमाष्टमः) ल. १ (घ.५०-८या) रे. ७ ।।।।।ऽचौ।ऽ।ऽ दग्धा

,, ८ शुक्रे रेवल.ऽन्यगो(भौमाष्टमः)ल.१रे.८।।।।।।ऽऽ।।

शुक्ला ५ गुरौ उफा ल. १२ चं.पू.सत् रे.८ ऽ।।।।ऽअ्रा।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ शनौ रोहि ल. ५-६ रे. ७ ।।।।ऽऽनृ।ऽ।। सिंहे ७ मे गुरु पूज्यः

,, २ रवौ मृगे ल. ५-६ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।। सिंहे ७ स्थो गुरु पूज्यः

,, ९ रवौ उफा ल. ६ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।

,, ११ भौमे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

,, १२ बुधे स्वात्यां ल.५(गु.७पूज्यः)रे८ ।।।।।ऽचौऽ।।।

शुक्ला ८ शनौ उभा ल.६ (चं.७पू) रे. १० ।।।।।।।।।।

,, १० चन्द्रे रेव ल. गो. (सोग्रांगः७मेभौमश्च) ल. ६ (घ.४६-४०या चं.पू.सत्)

माघ मासः

कृष्णा ४ शनौ उफा ल. गो. ७ रे. ८ ।।।।।ऽरो।ऽ।।

,, ५ रवौ हस्ते ल. गो. रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।

शुक्ला ५ शनौ रेव ल.ऽन्यगो६ (चं.७पू) रे.६।।।।।ऽनृ।।।।

,, ६ गुरौ रोहि. ल. गो. रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ शुक्रे उफा ल. ६-७ रे. ९ ।।।।।।चौ४४उ.ऽ।।।

ति. | श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३६६० स.२०२१

१	मं	९	६	अ	२०	१४	वि	२३	४४	व	९	६	३१	५	६	२३	३०	१३	मेषे
२	बु	१५	२०	भ	२७	५४	प्री	२६	१६	कौ	१५	२०	४२	४०	२०	२४	१	१४	वृ.४४।४७
३	गु	२१	४६	कृ	३५	२८	आ	२८	३६	ग	२१	४६	४६	३९	२१	२५	२	१५	वृषे
४	शु	२८	६	रो	४३	८	सौ	३०	५०	वि	२८	६	५०	३८	२२	२६	३	१६	वृषे
५	श	३३	५५	मृ	४९	५८	शो	३३	१	व	१	१	५३	३७	२३	२७	४	१७	मि१६।३३
६	र	३८	५०	आ	५५	५२	अ	३४	६	कौ	६	२३	५७	३७	२३	२८	५	१८	मिथुने
७	चं	४२	३३	पु	६०	०	सु	३४	२०	ग	१०	४१	३२	३६	२४	२९	६	१९	क.४४।२१
८	मं	४४	५०	पु	०	३०	धृ	३३	१६	वि	१३	४१	५	३५	२५	३०	७	२०	कर्के
९	बु	४५	५	पु	३	२१	शू	३०	३५	बा	१४	५७	९	३४	२६	१	८	२१	कर्के
१०	गु	४३	२२	श्ले	४	२३	गं	२६	२२	तै	१४	१३	१२	३४	२६	२	९	२२	सिं४।२३
११	शु	३९	२६	म	३	२२	वृ	२०	२९	व	११	२४	१६	३३	२७	३	१०	२३	सिंहे
१२	श	३३	३७	पू	९९	५५ १०	ध्रु	१३	१०	ब	६	३२	२०	३२	२८	४	११	२४	कं.१४।४
१३	र	२६	२	ह	४९	१०	व्या	४ १७	५० १०	तै	२६	२	२३	३१	२९	५	१२	२५	कन्यायां
१४	चं	१७	२९	चि	४१	५३	व	४३	५१	व	१७	२९	२७	३१	२९	६	१३	२६	तु.१५।३१
१५	मं	७	४४	स्वा	३४	३	सि	३३	१०	ब	७	४४	३१	३०	३०	७	१४	२७	तुलायां

आर्द्रा.भौम:४ धनि.४गुरु: प्रदोषः

भ.१७।२९उ.४२।३७या.

भरण्यांरविः (सौर:) हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु.१मं.इ.४९।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	१०	०	९	१	११
०	०	२४	१	४	१०	१९	२९
०	१०	१७	३०	४४	१	१४	५४
०	५२	३८	१४	३८	२३	३१	१
५८	३६	५९	९	७४	३	३	५८
४४	४६	३५	५५	३२	३३	११	४५

२पं.चै.शु.८मं.इ.४९।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१०	०	९	१	०
६	४	८	२	१३	१८	१८	६
५०	२१	५४	४०	२४	२१	५२	४४
४२	३६	१४	५५	२५	१	१६	१२
५८	३६	५९	९	७४	३	३	५८
३१	५९	३८	१५	३२	२०	११	२९

३पं.चै.शु.१५मं.इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१०	०	९	१	०
१३	८	२३	३	२२	१८	१८	१३
३९	३५	४८	४६	२	४४	३०	३२
४७	३५	१८	५	४६	२४	०	३७
५८	३७	५९	८	७४	२	३	५८
१९	६	१३	२८	३२	३४	११	११

ति. | बैशाख कृष्णपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३ | दि. उ. अ. भा. मु. इं | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.

१	मं	५०	११		०	०	०		०	०	०		०	०	०		०	०	
२	बु	४८	२७	वि	२६	१४	व्य	२२	२०	तै	२३	११	३३	५	६	८	१५	२८	वृ.१३।११
३	गु	३९	१६	अ	१९	८	ब	१२	४	ब	१३	५२	३८	२८	३२	९	१६	२९	वृश्चिके
४	शु	३१	२४	ज्ये	१२	५८	प	३९	२७	ब	५	२०	४१	२८	३२	१०	१७	३०	ध.१२।५८
५	श	२४	५६	मू	८	२०	सि	४७	१८	तै	२४	५६	४५	२७	३३	११	१८	१	धनुषि
६	र	२०	२१	पू	५	१९	सा	४१	४२	ब	२०	२१	४८	२६	३४	१२	१९	२	म.२०।२
७	चं	१७	२४	उ	४	१०	शु	३७	३४	ब	१७	२४	५२	२६	३४	१३	२०	३	मकरे
८	मं	१६	२३	श्र	४	३३	शु	३५	५	को	१६	२३	५५	२५	३५	१४	२१	४	कुं.३५।३९
९	बु	१७	१८	ध	६	४६	ब्र	३३	३४	ग	१७	१०	५८	२४	३६	१५	२२	५	कुंभे
१०	गु	१९	१३	श	१०	२८	एं	३३	३१	वि	१९	१३	३	२४	३६	१६	२३	६	मी५९।२०
११	शु	२२	४७	पू	१५	३६	वे	३४	१४	बा	२२	४७	५	२३	३७	१७	२४	७	मीने
१२	श	२७	२१	उ	२१	३७	वि	३५	३१	तै	२७	२१	८	२२	३८	१८	२५	८	मीने
१३	र	३२	४६	रे	२८	३५	प्री	३७	२	ग	०	३	११	२२	३८	१९	२६	९	मे.२८।३५
१४	चं	३८	३०	अ	३५	४१	आ	३८	५३	वि	५	३८	१४	२१	३९	२०	२७	१०	मेषे
१५	मं	४४	५२	भ	४३	१३	सौ	४२	११	च	११	४१	१७	२१	३९	२१	२८	११	मेषे

वृषेबुधः बुधोदयःपश्चिमायां ÷

भ.१९।१३उ.३९या.कृत्ति.बुधः

कृत्ति.शुक्रः३७।० मई५ता.३१

भ.२०।२१उ.४८।५३या.

[÷चतुर्थी व्र.

वृषेशुक्रः १८।१३पातस्पर्शः५६।५०

भ.४८।११उ.पातमोक्षः१०।४६

भ.१९।१३या.रोहि.बुधः१८।२९

वरुथिनी११व्र.

प्रदोषः

भ.३२।४६उ.

भ.५।३८या.

कृत्ति.रवि:१५।४७ (सौर:२५।१)

४पं.वै.कृ.८मं.इ.५०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	१०	१	९	१	०
२०	१२	७	४	०	१८	१८	२०
२७	५१	२०	४५	३९	५८	७	१९
२५	१८	४६	२५	५०	४८	४४	२२
५८	३७	५०	७	७४	१	३	५७
६	३१	२३	२२	२६	५३	११	५७

गोचर ग्रहाः

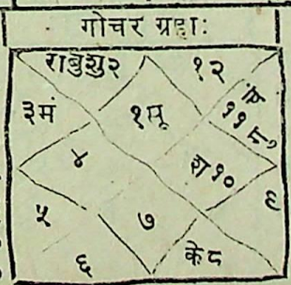

चैत्र शुक्ले १ भौमे मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.३ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रास्तः

गोचर ग्रहाः

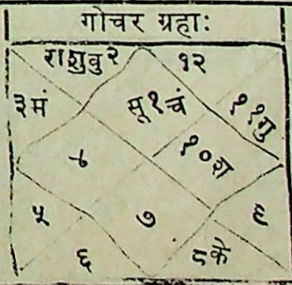

५पं.वै.कृ.३०मं.इ. ५०/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	१०	१	९	१	०
२७	१७	१८	५	९	१९	१७	२७
१३	७	१२	३७	१६	९	४५	४
३७	२४	३६	४१	२६	०	२९	३६
५७	३७	८३	६	७४	१	३	५७
५४	३२	१	२६	२६	१६	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३												दि. उ. अ.		भा. मु. इं.		चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३६८९स.२०२१
१	बु	५०	५९	कृ	५०	४४	शो	४४	३९	किं	१७	५६	३३	५०	६	२२	२९	१२	वृ. ०।३	रोहि.शुक्रः ३५।३९
२	गु	५७	३	रो	५८	४	अ	४७	४	बा	२४	१	२३	१९	४१	२३	३०	१३	वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	शु	६०	०	मृ	६०	०	सु	४८	५६	तै	२९	५३	२६	१९	४१	२४	१	१४	मि ३१।३१	वृषेऽर्कः ४३।२ (सौरः ५२।४८)=
३	श	२	४३	मृ	४	५८	धृ	५०	१	ग	२	४३	२८	१८	४२	२५	२	१५	मिथुने	भ.३५।५उ.मृगेबुधः ३७।७
४	र	७	२७	आ	११	११	शू	५०	४९	वि	७	२७	३१	१८	४२	२६	३	१६	मिथुने	भ.७।२७या.पुन.भौमः ३६।२१
५	चं	११	२३	पु	१६	२७	गं	५०	४२	बा	११	२३	३४	१७	४३	२७	४	१७	क.०।८	[=सव्वाल १०परशुरामजयंतीअक्षय३
६	मं	१४	३	पु	२०	२८	बृ	४९	१७	तै	१४	३	३७	१७	४३	२८	५	१८	कर्के	पातस्पर्शः ५१।५
७	बु	१५	१४	श्ले	२२	५६	धु	४६	४१	व	१५	१४	३९	१६	४४	२९	६	१९	सिं २२।५६	भ.१५।१४उ.४४।५५या.पातमोक्षः ६५
८	गु	१४	३५	म	२३	३८	व्या	४२	३३	ब	१४	३५	४२	१६	४४	३०	७	२०	सिंहे	
९	शु	१२	१९	पू	२२	३८	ह	३६	५९	कौ	१२	१९	४४	१५	४५	३१	८	२१	कं. ३६।५४	शत. १गुरुः ५८।१
१०	श	८	८	उ	१९	४४	व	२९	५७	ग	८	८	४७	१५	४५	१	९	२२	कन्यायां	भ.३५।११उ.भा.ज्येष्ठारंभः
११	र	२	१५	ह	१५	८	सि	२१	४३	वि	२	१५	४९	१४	४६	२	१०	२३	तु. ४२।११	भ.२।१५या.मृगेशुक्रः १९।४वक्रीशनिः×
१२	र	५२	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×४२।१३मोहिनी ११व्र.
१३	चं	४५	५०	चि	९	१४	व्य	१२	३	कौ	२०	१७	५२	१४	४६	२	११	२४	तुलायां	प्रदोषः [+नृसिंहजयंती
१४	मं	३६	१०	स्वा	३	५२	व	५४	४९	ग	११	०	५४	१३	४७	४	१२	२५	वृ. ४१।१३	भ.३६।१०उ.रोहि.रविः ३९ (सौरः ५९)+
१५	बु	२६	१५	अ	४६	२०	शि	४०	२	वि	१	१३	५६	१३	४७	५	१३	२६	वृश्चिके	भ.१९ या.मिथुनेबुधः ३५ यमाय कुंभदानम्

६पं.वै.शु.६मं.इ.५०।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१०	१	९	१	१
३२	१५	२५	६	१७	१९	१७	३
५८	२४	५२	२३	५२	१४	२३	४८
३७	३६	१६	२४	३७	१२	१३	१९
५७	३७	४७	५	७४	०	३	५७
४४	५०	१२	१९	२०	३४	११	३४

गोचर ग्रहाः

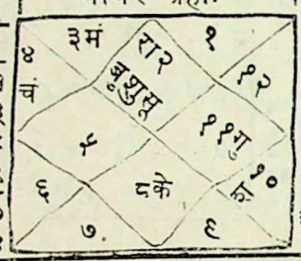

वैशाख शुक्ले ३ शुक्रे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठो) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

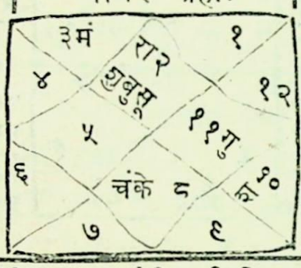

७पं.वै.शु.१४मं.इ. ५०/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१०	१	९	१	१
१०	२५	२९	७	२६	१९	१७	१०
४२	४१	५१	१	२७	१४	०	३०
२९	२९	१८	१	४३	५३	५८	३०
५७	३७	११	४	७४	१९	३	५७
३५	५०	२३	११	१४	व.	११	२३

ति	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३												दि. उ. अ.		भा. मु. इं.		चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	गु	१६	०	ज्ये	३८	५०	सि	२९	२०	कौ	१६	०	३३	५२	६	६	१४	२७	ध. ३८।५०	[÷३५।४९मिथुनेशुक्रः ४२।२२
२	शु	६	५१	मू	३२	११	सा	१९	३५	ग	६	५१	३४	१२	४८	७	१५	२८	धनुषि	भ.३२।४५उ.५८।३९या.वक्रीबुधः ÷
३	श	५५	४९	पू	२६	५८	शु	१०	४३	ब	२५	२६	२	१२	४८	८	१६	२९	म.४१।९	चतुर्थी व्र.
५	र	४७	३२	उ	२३	४३	शु	३४	५३	कौ	१९	५२	३	११	४९	९	१७	३०	मकरे	पातस्पर्शः ४३।४८
६	चं	४५	६	श्र	२२	१८	ए	५३	३७	ग	१६	१९	५	११	४९	१०	१८	३१	कुं. ५२।४३	भ.४५।६उ.पातमोक्षः ३।५०
७	मं	४४	४३	ध	२३	९	वै	५१	१२	वि	१४	५४	७	११	४९	११	१९	१	कुंभे	भ.५४या.कर्केभौमः ५३ रोहि.२राहुः–
८	बु	४६	१५	श	२५	५३	वि	५०	१७	बा	१५	२९	९	१०	५०	१२	२०	२	कुंभे	वक्रीवृषेबुधः ०।१९
९	गु	४९	३७	पू	३०	१७	प्री	५०	५६	तै	१७	५६	१०	१०	५०	१३	२१	३	मी १४।११	आर्द्राशुक्रः १०।२९
१०	शु	५४	१४	उ	३६	८	आ	५२	७	व	२१	५६	१२	१०	५०	१४	२२	४	मीने	भ.२१।५६उ.५४।१४या.
११	श	५९	५०	रे	४३	११	सौ	५४	१४	व	२७	२	१३	९	५१	१५	२३	५	मे. ४३।११	अपरा ११व्र. [–अनु.४केतुः ३५D
१२	र	६०	०	अ	५०	२८	शो	५६	३६	कौ	३२	५३	१५	९	५१	१६	२४	६	मेषे	[Dबुधास्तःपश्चिमायां ३४ जून ६ता.३०
१२	चं	५	५६	भ	५८	१४	अ	५९	१४	तै	५	५६	१६	९	५१	१७	२५	७	मेषे	पुष्येभौमः २३।२९ प्रदोषः
१३	मं	१२	२६	कृ	६०	०	सु	६०	०	व	१२	२६	१७	९	५१	१८	२६	८	वृ. १५।७	भ.१२।२६उ.४५।२७या.मृगेरविः १९ H
१४	बु	१८	२८	कृ	५	४४	सु	१	३५	श	१८	२८	१८	८	५२	१९	२७	९	वृषे	[Hसौरः १७।४६
३०	गु	२४	१२	रो	१२	५८	धृ	३	४९	ना	२४	१२	१९	८	५२	२०	२८	१०	मि ४६।१३	वटपूजनम्

८पं.ज्ये.कृ.७मं.इ.५०।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	१०	२	९	१	१
१७	२९	०	७	५	१९	१६	१७
२५	५८	२	२९	१	११	३८	११
१९	३७	४६	२४	३७	६	४२	३६
५७	३८	३५	३	७४	५४	३	५७
२७	२	व.	५	८	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

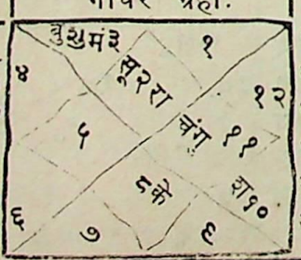

इस मास में धातु सोना चांदी ताम्बा रुई वस्त्र कपास धान्य गल्ला गेहूं जौ मटर अलसी सरसों आदि तेज रहें।

गोचर ग्रहाः

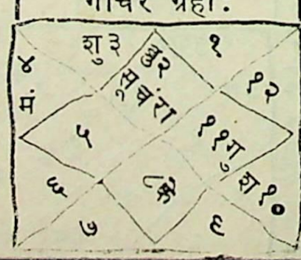

९पं.ज्ये.कृ.१३मं.इ. ५०/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	१०	२	९	१	१
२४	४	२७	७	१३	१९	१६	२३
७	१६	२०	५०	३४	२	१६	५१
१९	३७	४९	२४	३७	२	२६	३२
५७	३८	३२	१	७४	१९	३	५७
२२	५२	व.	४०	२	व.	११	५

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३७१९स.२०२१

१	शु	२९	१३	मृ	१९	२७	शू	५	३४	ब	२९	१३	३४	५९	५३	२१ २९ ११	मिथुने	चंद्रदर्शनम् [×सावित्री व्र.
२	श	३३	२०	आ	२५	११	गं	६	४१	बा	१	१६	२०	८	५२	२२ १ १२	मिथुने	जिल्काद११
३	र	३६	४०	पु	३०	१४	वृ	७	१८	तै	५	०	२१	८	५२	२३ २ १३	क.१३।५९	
४	चं	३९	०	पु	३४	१०	ध्रु	६	४७	व	७	५०	२१	८	५२	२४ ३ १४	कर्के	भ.७।५०उ.३९।०या.पुन.शुक्रः८।९
५	मं	४०	६	श्ले	३७	७	व्या	५	३९	ब	९	३३	२२	८	५२	२५ ४ १५	सिं३७।७	मिथुनेऽर्कः०।३ (सौरः१८।३४)
६	बु	४०	१	म	३८	४६	ह	३	५०	कौ	१०	३	२२	८	५२	२६ ५ १६	सिंहें	वक्रीरोहि.बुधः४८।४४
७	गु	३८	३१	पू	३९	१३	व	४०	५५	ग	९	१६	२३	७	५३	२७ ६ १७	कं.५३।५५	भ.३८।३१उ.
८	शु	३५	४३	उ	३८	२	व्य	५१	४	वि	७	७	२३	७	५३	२८ ७ १८	कन्यायां	भ.७।७या.वक्रीगुरुः४३।१०
९	श	३१	२७	ह	३५	२८	व	४४	४०	बा	३	३५	२३	७	५३	२९ ८ १९	कन्यायां	
१०	र	२५	५४	चि	३१	३५	प	३७	१०	ग	२५	५४	२४	७	५३	३० ९ २०	तु.३।३१	भ.५२उ.बुधोदयःपूर्वस्यां३५गंगादशमी
११	चं	१९	६	स्वा	२६	२९	शि	२८	२५	वि	१९	६	२४	७	५३	३१ १० २१	तुलायां	भ.१९या.आर्द्रारविः५८निर्जला११व्र.
१२	मं	१०	४५	वि	२०	२२	सि	१८	५९	बा	१०	४५	२४	७	५३	१ ११ २२	वृ.५।५४	आर्द्रारविःसौरः२०कर्कशुक्रः२०।३ +
१३	बु		१	५८	अ	१३	३१	सा	५८	४९	तै	१	५८	२४	७	५३	२ १२ २३	वृश्चिके	भ.५३उ.पातस्पर्शः२०पातमोक्षः४६
१४	बु	५०	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	[+भा.आषाढारंभः प्रदोषः
१५	गु	४३	२२	ज्ये	१३	५३	८	शु	४८	४३	वि	१७	५७	२४	७	५३	३ १३ २४	ध.६।१३	भ.५७या.मार्गीबुधः३८गुर्जराणां वट ×

१०पं.ज्ये.शु.५मं.इ.५०।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१०	२	९	१	२
०	८	२३	८	२२	१८	१५	०
४८	३४	४८	१	६	४९	५४	३०
३६	५२	२९	८	३२	१६	१२	४१
५७	३८	२९ १७	०	७३	२६	३	५६
१७	१२	व.	३२	५५	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

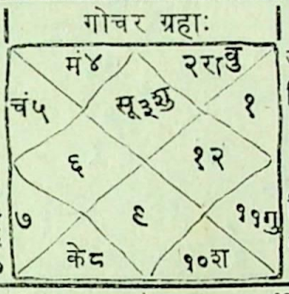

ज्येष्ठा शुक्ले ५ भौमे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ बालाऽवस्था (बैठी) मु.१५धान्या-दिभावेमहर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

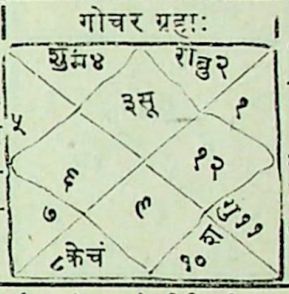

११पं.ज्ये.शु.१२मं.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१०	३	९	१	२
७	१२	२१	८	०	१८	१५	७
२९	५४	५१	३	३७	३१	३१	९
३१	७	११	७	५२	१२	५५	८
५७	३	२	४९	७३	५०	३	५६
१३	१९	व.	व.	५०	व.	११	५४

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वर्षर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.

१	शु	३४	४४	पू	५३	७	ब्र	३९	१६	बौ	९	३	३४	५	५३	४ १४ २५	धनुषि	पुष्येशुक्रः२।३४
२	श	२७	१५	उ	४८	२०	ऐं	३०	४०	तै	०	५९	२३	७	५३	५ १५ २६	म.६।५५	भ.५४।१९उ.
३	र	२१	२३	श्र	४५	१२	वै	२३	२५	वि	२१	२३	२२	८	५२	६ १६ २७	मकरे	भ.२१।२३या.चतुर्थीव्र.
४	चं	१७	२०	ध	४४	६	वि	१७	४३	बा	१७	२०	२२	८	५२	७ १७ २८	कुं.१४।३९	आश्ले.भौमः५६।४६
५	मं	१५	३८	श	४५	२०	ग्री	१३	४३	तै	१५	३८	२१	८	५२	८ १८ २९	कुम्भे	मृगेबुधः४।२९
६	बु	१५	५५	पू	४८	२८	आ	११	२३	व	१५	५५	२०	८	५२	९ १९ ३०	मी३२।४१	भ.१५।५५उ.४७।११या.
७	गु	१८	२७	उ	५३	८	सौ	११	०	ब	१८	२७	१९	८	५२	१० २० १	मीने	जौलाई७ता.३१
८	शु	२२	३१	रे	५९	२७	शो	११	३४	कौ	२२	३१	१८	८	५२	११ २१ २	मे.५९।२७	
९	श	२७	५६	अ	६०	०	अ	१३	१६	ग	२७	५६	१७	९	५१	१२ २२ ३	मेषे	
१०	र	३३	५३	अ	६	४६	सु	१५	२६	व	०	५४	१६	९	५१	१३ २३ ४	मेषे	भ.०।५४उ.३३।५३या.
११	चं	४०	१६	भ	१४	२०	धृ	१८	१	ब	७	३	१५	९	५१	१४ २४ ५	वृ.३१।१६	पुन.रविः५७।४८योगिनी११व्र.
१२	मं	४६	२८	कृ	२२	५	शू	२०	३३	कौ	१३	२२	१४	९	५१	१५ २५ ६	वृषे	पुन.रविःसौरः२४।९आश्ले.शुक्रः४।१८
१३	बु	५१	५८	रो	२९	१३	गं	२२	८	ग	१९	१३	१३	९	५१	१६ २६ ७	वृषे	भ.५१।५८उ मिथुनेबुधः१९।५५प्रदोषः
१४	गु	५६	३५	मृ	३५	४०	बृ	२४	३०	वि	२४	१६	११	१०	५०	१७ २७ ८	मि२।२७	भ.२४।१६या.
३०	शु	५९	५९	आ	४०	५७	ध्रु	२५	१५	च	२८	१७	१०	१०	५०	१८ २८ ९	मिथुने	

१२पं.आ.कृ.५मं.इ.५०।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१०	३	९	१	२
१४	१७	२३	७	९	१८	१५	१३
९	१४	४०	५५	८	१०	९	४७
५८	३५	५	८	६	१९	४०	१३
५७	३८	२६ ३	११	७३	२९	३	५६
७	२६	मा	व.	३८	व.	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला मंदा होवेसोना चांदी लोहा ताम्बा आदि धातु तेज हो कहीं २ अच्छी वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

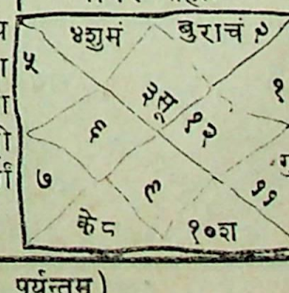

१३पं.आ.कृ.१२मं.इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१०	३	९	१	२
२०	२१	२९	७	१७	१७	१४	२०
५०	३४	२८	३८	३६	४४	४७	२५
२४	८	५	२०	४३	५६	२४	७
५७	३८	६५	२९ ३	७३	५२ ३	३	५६
७	३३	२५	व.	२५	व.	११	५७

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

फार्म नं० १४०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३									दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविदक्षिणेऽहर्गणः ३७४८स.२०२१
१	श	६०	०	पु	४५	२१	व्या	२५	२२	किं	३१	१०	३४	१०	५०	१९ २९ १०	क.२९।१५	
१	र	२	२२	पु	४८	३७	ह	२४	३५	ब	२	२२	७	११	४९	२० ३० ११	कर्के	चंद्रदर्शनम्
२	चं	३	४०	श्ले	५०	५०	व	२२	५२	कौ	३	४०	५	११	४९	२१ १ १२	सिं५०।५०	आर्द्राबुधः ३५ जिल्हेज १२ रथयात्रा
३	मं	३	४५	म	५१	११	सि	२०	१०	ग	३	४५	३	११	४९	२२ २ १३	सिंहें	भ.३३।२५उ.
४	बु	३	६	पू	५२	११	व्य	१६	४७	वि	३	६	१	१२	४८	२३ ३ १४	सिंहे	भ.३।६या.
५	गु	१	१७	उ	५१	४०	व	१२	५४	बा	१	१७	५३	१२	४८	२४ ४ १५	कं.७।३	[=पुन.बुधः ५४ मघा सिंहेभौमः २४।१ ×
६	गु	५७	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	[×वक्रीधनि.४गुरुः २६ देवशयनी ११व्र.
७	शु	५४	५५	ह	५०	७	प	८	७	ग	२६	४४	५७	१३	४७	२५ ५ १६	कन्यायां	भ.५५ उ.कर्केऽर्कः २७ (सौरः५६।५३)
८	श	५०	३५	चि	४७	४७	शि	३३	५३	वि	२२	४५	५५	१३	४७	२६ ६ १७	तु.१८।५७	भ.२२।४५या.मघा.सिंहेशुक्रः३।५१
९	र	४५	१७	स्वा	४४	२७	सा	४९	२३	बा	१७	५६	५२	१४	४६	२७ ७ १८	तुलायां	
१०	चं	३९	७	वि	३९	१९	शु	४१	४२	तै	१२	१२	५०	१४	४६	२८ ८ १९	वृ.२५।३६	पुष्येरविः५६।३२
११	मं	३२	१९	अ	३५	३१	शु	३३	३३	व	५	४३	४८	१४	४६	२९ ९ २०	वृश्चिके	भ.४५ उ.३२या.पुष्येरविःसौरः२७।३४=
१२	बु	२४	४४	ज्ये	२९	५९	ब्र	२४	४७	बा	२४	४४	४५	१५	४५	३० १० २१	ध.२९।५९	बुधास्तःपूर्वस्यां १।५५प्रदोषः
१३	गु	१७	८	मू	२४	२३	ऐं	१५	५१	तै	१७	८	४३	१५	४५	३१ ११ २२	धनुषि	वक्रीश्रवण.२शनिः४५।१
१४	शु	९	२५	पू	१९	१	वै	७	५१	व	९	२५	४०	१६	४४	१ १२ २३	म.३२।५०	भ.२५ उ.३५या.भा.श्रावणारंभःवायुपरी.
१५	श	२	३१	उ	१४	१७	प्री	५१	१३	ब	२	३१	३८	१६	४४	२ १३ २४	मकरे	व्यासपूजागुरु१५

१४पं.आ.शु.३मं.इ.५०।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१०	३	९	१	२
२७	२५	८	७	२६	१७	१४	२७
३०	५५	४७	१२	४	१७	२५	३
४३	५	५३	१८	१	४६	८	१४
५७	३८	९७	३०	७३	१०	३	५६
१३	३३	३७	व.	१४	व	११	५४

गोचर ग्रहाः

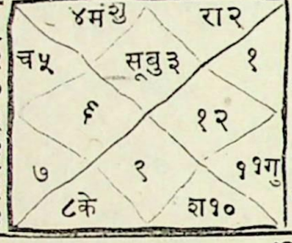

आषाढ शुक्ले ७ शुके कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा. ४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावेसमताशुक्रोदय पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

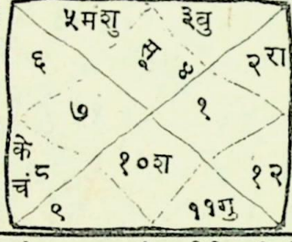

१५पं.आ.शु.११मं.इ.२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	१०	४	९	१	३
४	०	२१	६	४	१६	१४	३
११	१७	३	३७	२९	४८	२	४१
२८	२	४०	५९	२८	३६	५३	४१
५७	३८	७	३५	७२	२४	३	५६
१५	४६	८०	व.	५६	व.	११	५९

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	श	५३	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	र	५२	११	अ	१०	३७	आ	४४	४७	तै	२४	२२	३३	१५	४३	३ १४ २५	कुं.३९।३०	कर्केबुधः१३।५६
३	चं	४९	२९	ध	८	२३	सौ	३८	४०	व	२०	५०	३३	१७	४३	४ १५ २६	कुम्भे	भ.२०।५०उ.४९।२९या.पुष्येबुधः ५१
४	मं	४८	५०	श	८	२१	शो	३६	१७	ब	१९	१०	३०	१८	४२	५ १६ २७	मी५४।३१	चतुर्थीव्र.
५	बु	५०	२३	पू	९	५४	अ	३४	३३	कौ	१९	३६	२७	१९	४१	६ १७ २८	मीने	पूफाशुक्रः१२।३९नाग५
६	गु	५३	४१	उ	१३	२९	सु	३३	५९	ग	२२	२	२४	१९	४१	७ १८ २९	मीने	भ.५३।४१उ.
७	शु	५८	२६	रे	१८	१८	धृ	३४	४४	वि	२६	३	२२	२०	४०	८ १९ ३०	मे.१८।१८	भ.२६।३या.
८	श	६०	०	अ	२५	२६	शू	३६	३८	वा	३१	२३	१९	२०	४०	९ २० ३१	मेषे	[÷१राहुःअनु.३केतुः१९।१९
८	र	४	२०	भ	३२	४५	गं	३८	५१	कौ	४	२०	१६	२१	३९	१० २१ १	वृ.४९।३९	अगस्त८ता.३१
९	चं	१०	३१	कृ	४०	२२	वृ	४१	२८	ग	१०	३१	१३	२१	३९	११ २२ २	वृषे	भ.४३ उ.आश्ले.रविः ५३ आश्ले.बुधः २७
१०	मं	१६	४१	रो	४७	३८	ध्रु	४३	४४	वि	१६	४१	१०	२२	३८	१२ २३ ३	वृषे	भ.१६।४१या.आश्ले.रविःसौरः २९ रो.÷
११	बु	२२	१२	मृ	५४	१६	व्या	४५	३४	बा	२२	१२	७	२३	३७	१३ २४ ४	मिं२०।५७	कामिका११व्र.
१२	गु	२६	४२	आ	५९	४३	ह	४६	२७	तै	२६	४२	४	२३	३७	१४ २५ ५	मिथुने	प्रदोषः
१३	शु	२९	५५	पु	६०	०	व	४६	१६	व	२९	५५	०	२४	३६	१५ २६ ६	क.४७।४२	भ.२९।५५उ.
१४	श	३१	३५	पु	३	४२	सि	४५	११	वि	०	४५	५७	२५	३५	१६ २७ ७	कर्के	भ.०।४५या.
२०	र	३१	५५	पु	६	३४	व्य	४२	४८	च	१	४५	५४	२५	३५	१७ २८ ८	कर्के	मघा.सिंहेबुधः ४६ उफा.शुक्रः २५ हरिया.

१६पं.श्रा.कृ.४मं.इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	१०	४	९	१	३
१०	४	५	५	१२	१६	१३	१०
५२	३९	२३	५६	५२	१८	४०	२०
३०	४	१३	२०	५२	७	३७	५८
५७	३८	८९	६	७२	४	३	५७
२०	४७	२६	व.	३७	४०	११	५

गोचर ग्रहाः

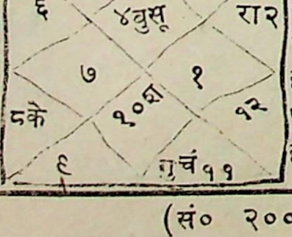

इस मास में ५ रविवार श्रेष्ठ नहीं है धान्य धातु रस तेज हो प्रजा में रोग शोक फैले कहीं २ वर्षा होवे ।

गोचर ग्रहाः

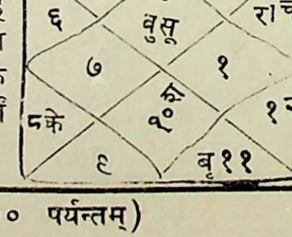

१७पं.श्रा.कृ.१०मं.इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	१०	४	९	१	३
१७	९	२०	५	२१	१५	१३	१७
३४	३	७	८	१४	४६	१८	०
१२	०	१	५३	२४	२६	२२	४६
५७	३८	५९	५	७२	४	३	५७
२५	४७	११	व.	१६	४०	११	१२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३	दि. उ.अ.	भा मु इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७७८सन् २०२१
१	चं ३० ४२ श्ले ७ ५२ च ३९ २४ क ० १२०	३२ ५० २९ ३४	१८ २९ ९	सिं.७।५२	चंद्रदर्शनम्
२	मं २८ ३५ म ८ १ प ३५ १० कौ २८ ३५	४७ २७ ३३	१९ १ १०	सिंहे	पूफा.भौमः ३६ मोहोरम १सन् १४४३ ×
३	बु २५ ३१ पू ७ १३ शि ३० ७ ग २५ ३१	४४ २७ ३३	२० २ ११	क.२१।४७	भ. ५३ उ.कन्यायांशुक्रः १२।१०तीज
४	गु २१ ४५ उ ५ २८ सि २४ २२ वि २१ ४५	४० २८ ३२	२१ ३ १२	कन्यायां	भ. ६१ या.वरद ४ [×हि. सिंधारा
५	शु १७ २५ ह ३ १४ सा १८ २३ बा १७ २५	३७ २९ ३१	२२ ४ १३	तु.३१।५८	नागपंचमी
६	श १२ ४९ चि ४१ ५७ शु १२ २१ तै १२ ४९	३३ २९ ३१	२३ ५ १४	तुलायां	बुधोदयः पश्चिमायां ४८।१७
७	र ७ ५५ वि ५४ ४३ शु ४४ ५३ व ७ ५५	३० ३० ३०	२४ ६ १५	वृ.४०।३१	भ.७।५५ उ.३५।१८या.
८	चं २ ४० अ ५१ १४ ऐं ५१ ४३ ब २ ४०	२६ ३१ २९	२५ ७ १६	बृश्चिके	मघा.सिंहेऽर्कः ४७।३५ पूफा.बुधः ४।१४
९	चं ५४ ३८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	[=गुरुः ९।५३ पवित्रा ११व्र.
१०	मं ५१ ३४ ज्ये ४७ ३५ वै ४४ २९ तै २४ २६	२२ ३२ २८	२६ ८ १७	ध.४७।३५	मघा.सिंहेऽर्कः सौरः ३५ अस्तोभौमः २६।२
११	बु ४५ ४९ मू ४३ ४४ वि ३६ ५६ व १८ ४१	१९ ३२ २८	२७ ९ १८	धनुषि	भ.१८।४१ उ.४५।४९ या.वक्रीधनि.३ =
१२	गु ४० १ पू ४० ११ प्री २९ ४६ ब १२ ५५	१५ ३३ २७	२८ १० १९	म.५४।१७	हस्तेशुक्रः ३८।२१
१३	शु ३४ ४७ उ ३६ ३४ आ २२ ४४ कौ ७ २४	१२ ३४ २६	२९ ११ २०	मकरे	प्रदोषः
१४	श ३० १ श्र ३३ ५१ सो १६ ६ ग २ २४	८ ३४ २६	३० १२ २१	मकरे	भ.३०।१ उ.५८।१३या.
१५	र २६ २५ ध ३१ ५८ शो ९ ५६ व २६ २५	४ ३५ २५	३१ १३ २२	कुं.२।५५	श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्

१८पं.श्रा.शु.२मं.इ. ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	१०	४	९	१	३
२४	१३	३	४	२९	१५	१२	२३
१६	२७	५४	१७	३३	१५	५६	४१
३७	१८	४३	२४	२२	५४	६	५३
२७	३९	५	४६	७१	३४	३	५७
३३	५	४९	व.	५५	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

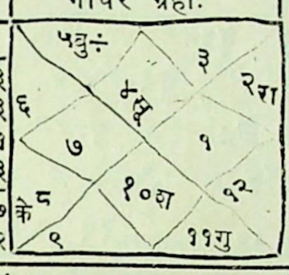

श्रावण शुक्ले ८ चन्द्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ गतालकावस्थाऊभी मु. ३० धान्यादिभावेसमताशुक्रोदयः पश्चिमायां ।

÷चमंशु

गोचर ग्रहाः

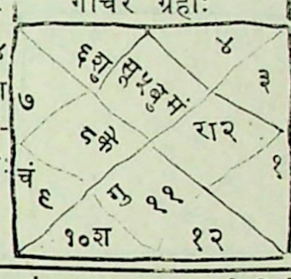

१९पं.श्रा.शु.१०मं.इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	१०	५	९	१	४
०	१७	१६	३	७	१४	१२	०
५९	५२	२७	२२	५०	४५	३३	२४
५३	३४	४	३८	४२	३६	५०	६
५७	२९	५९	५३	७१	१४	३	५७
४०	१२	१९	व.	२८	व.	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३	दि. उ. अ.	हि. मु. इ.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	चं २३ ५९ श ३१ ३८ अ ४ ५७	कौ २३ ५९	३२ ५५ ३६ २८	१ १४ २३	कुंभे	भा.भाद्रपदारंभः
२	मं २३ २० पू ३२ ४० सु १ ५५	ग २३ २०	३५ ३७ २३	२ १५ २४	मी १७।२४	भ.५३।५४ उ.उफा.बुधः ०।४४
३	बु २४ २८ उ ३५ ३६ शू ५७ २९	वि २४ २८	५३ ३७ २३	३ १६ २५	मीने	भ.२४।२८ या.चतुर्थीव्र.
४	गु २७ १७ रे ४० २ गं ५८ २४	बा २७ १७	४९ ३८ २२	४ १७ २६	मे.४०।२	कन्यायांबुध ६।८
५	शु ३१ ३७ अ ४५ ५७ वृ ५८ ४१	तै ३१ ३७	४६ ३९ २१	५ १८ २७	मेषे	चंद्रषष्ठी [×उफा.भौमः ४३ गोगा९
६	श ३६ ५६ भ ५२ ४३ धु ६० ०	ग ४ १६	४२ ४० २०	६ १९ २८	मेषे	भ.३६।५६ उ.
७	र ४३ ८ कृ ६० ० धु ० २३	वि १० २	३८ ४० २०	७ २० २९	बृ.९।३२	भ.१०।२या.
८	चं ४९ २८ कृ ० ३ व्या २ ४०	बा १६ १८	३४ ४१ १९	८ २१ ३०	वृषे	पूफा.रविः ३७।११ जन्माष्टमी व्र.
९	मं ५५ १४ रो ७ ३१ ह ४ ८	तै २२ ४१	३० ४२ १८	९ २२ ३१	मि ४१।५	पूफा.रविः सौरः ३५ चित्रा.शुक्रः १।३९ ×
१०	बु ६० ० मृ १४ ४० व ७ १७	व २७ ४०	२६ ४३ १७	१० २३ १	मिथुने	भ.२७।४० उ.सितम्बर९ता.३०
१०	गु ० ५ आ २० ३४ सि ८ ३७	वि ० ५	२२ ४४ १६	११ २४ २	मिथुने	भ.०।५या.हस्तेबुधः २।४०
११	शु ३ २५ पु २५ ९ व्य ८ ४९	बा ३ २५	१८ ४४ १६	१२ २५ ३	क.९।०	अजा ११व्र.
१२	श ५ ११ पु २८ ५ व ७ ५६	तै ५ ११	१५ ४५ १५	१३ २६ ४	कर्के	वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	र ५ १४ श्ले २९ १८ प ५ ४१	व ५ १४	११ ४६ १४	१४ २७ ५	सिं २९।१८	भ. ५४ उ. ३६ या.तुलायांशुक्रः ४५।२+
१४	चं ३ १७ म २८ ४४ शि ५९ ५५	श ३ १७	७ ४७ १३	१५ २८ ६	सिंहे	[+कन्यायांभौमः ५३
३०	मं ० ४ पू २६ ५८ सा ५० ५०	ना ० ४	३ ४७ १३	१६ २९ ७	कं.४१।१४	कुशाग्रहणीपिठोरी ३० मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.२मं.इ. ४९।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	१०	५	९	१	४
७	२२	२७	२	१६	१४	१२	७
४४	१८	५८	२८	४	१७	११	७
२०	५४	१	३०	४१	१७	२५	३४
५७	३९	९५	५३	७१	४३	३	५७
४९	१२	४१	व.	२	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

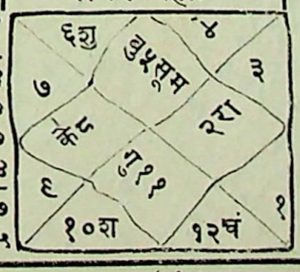

गोचर ग्रहाः

२१पं.भा.कृ.९मं.इ. ५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	१०	५	९	१	४
१४	२६	८	१	२४	१३	११	१३
३०	४६	१८	३४	१६	५१	४९	५२
०	१९	४	५२	५	२९	१९	४६
५८	३९	८३	३७	७०	४६	३	५७
१	२९	३५	व.	२१	व.	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८०८सं. २०२१
१	मं ५५ १९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु ५० ०	उ	२४ १	शु	४४ ६	बा	२२	४१	३० ५९	४८ १२	१७	३०	८	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	गु ४४ ५	ह	२० १७	शु	३६	४१	तै	१७	२	५५	४९	११	१८	१	९	तु.४८।१७	सफर२हरितालिका३
४	शु ३८ ६	चि	१६ १८	ब्र	२८	५५	व	११	५	५१	५०	१०	१९	२	१०	तुलायां	भ.१५उ.३६या.वक्रीश्रवण१शनिः +
५	श ३२ ३	स्वा	१२ ९	ऐं	२१	१८	ब	५	४	४७	५१	९	२०	३	११	वृ.५४।१०	स्वात्यांशुक्रः ३०।२९ऋषिपंचमी
६	र २६ १६	वि	८ १०	वै	१३	५९	तै	२६	१६	४३	५१	९	२१	४	१२	वृश्चिके	चित्रा.बुध५७।९
७	चं २० ५८	अ	४ २५	वि	३७	५२ ५०	व	२०	५८	३९	५२	८	२२	५	१३	वृश्चिके	भ.२८उ.४९या.उफा.रविः २१।३६
८	मं १५ ४०	ज्ये	३ ५७	आ	५२	३२	ब	१५	४०	३५	५३	७	२३	६	१४	ध.१।३	उफा.रविःसौरः १७वक्रीधनि.२मकरेA
९	बु ११ ७	पू	५५ २९	सौ	४६	७	कौ	११	७	३१	५४	६	२४	७	१५	धनुषि	[Aगुरुः४५।३९[+४३।३६गणेशचतुर्थी
१०	गु ६ ४८	उ	५३ २८	शो	४०	१०	ग	६	४८	२७	५५	५	२५	८	१६	म.९।५९	भ ३५।०उ.कन्यायामर्कः४६।५७
११	शु ३ १३	श्र	५२ १२	अ	३४	३७	वि	३	१३	२२	५६	४	२६	९	१७	मकरे	भ.३।१३या.कन्यार्कःसौरः२५।२८ ×
१२	श ० ९	ध	५१ ३०	सु	२९	५३	बा	०	९	१८	५६	४	२७	१०	१८	कुं.२१।५१	प्रदोषः [×जलझूलनी ११व्र.वामनजयंती
१३	श ५६ ५३		० ० ०		० ० ०			०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	र ५७ ५	श	५१ ५५	धृ	२५	४३	ग	२७	३	१४	५७	३	२८	११	१९	कुंभे	भ.५७।५उ.अनंत१४
१५	चं ५७ ३	पू	५३ २४	शू	२२	१५	वि	२७	४	९	५८	२	२९	१२	२०	मी३८।२	भ.२७।४या.मरालयारंभः

२२पं.भा.शु.१मं.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	१०	६	९	१	४
२१	११	१७	०	२	१३	११	२०
१७	१६	२३	४४	२४	२९	२७	३९
२	८	२५	४२	११	६	४	२६
५८	३९	६९	५८	६९	८	३	५८
१३	२९	४	व.३५	व.११	१२		

गोचर ग्रहाः

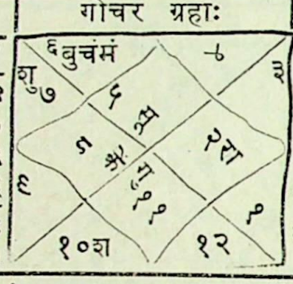

भाद्रपदशुक्ले १० गुरौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ वृद्धाऽवस्था (बैठी) मु.४५ वान्यादिभावेसमर्धताशुक्रोदयःपश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

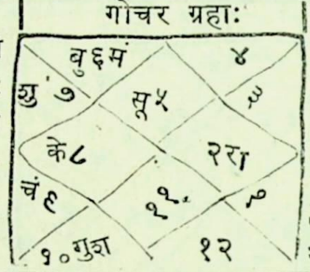

२३पं.भा.शु.८मं.इ. ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	९	६	९	१	४
२८	५	२४	२९	१०	१३	११	२७
५	४५	५४	५९	२७	९	४	२७
२४	५८	२२	३८	५८	५८	४८	४४
५८	३९	५०	६१	६८	३१	३	५८
२६	३९	३२	व.५०	व.११	२९		

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	मं ५८ ४५	उ	५६ २०	गं	१९	५३	बा	२७	५४	३० ५५	६	३०	१३	२१	मीने	तुलायांबुधः ३७।४१हस्तेभौमः २२।४१
२	बु ६० ०	रे	६० ०	वृ	१८	५६	तै	३०	१५	३० ०	६	३१	१४	२२	मीने	
२	गु १ ४६	रे	० ३६	धु	१८	२७	ग	१	४६	५९ ५९	१	१	१५	२३	मे.०।३६	भ.३३उ.विशाशुक्र१२भा.आश्विनारंभः
३	शु ६ १	अ	६ १२	ष्या	१९	६	वि	६	१	५३	२	५८	३	१६	२४	मेषे	भ.६।१या.चतुर्थीव्र.
४	श ११ १२	म	१२ ३१	ह	२०	३८	बा	११	१२	४८	२	५८	३	१७	२५	वृ.२९।२१	वक्रीबुधः ३७।४८
५	र १७ १९	क्रु	१९ ५२	च	२२	२९	तै	१७	१९	४४	३	५७	४	१८	२६	वृषे	
६	चं २३ ४४	रो	२७ ३१	सि	२५	७	व	२३	४४	४०	४	५६	५	१९	२७	वृषे	भ.२३।४४उ.५६।५०या हस्तेरविः +
७	मं २९ ५५	मृ	३४ ५५	व्य	२७	३२	ब	२९	५५	३६	५	५५	६	२०	२८	मि१।१३	[+ ०।६ (सौरः ३७।५८)
८	बु ३५ २३	आ	४१ ४४	व	२९	२५	बा	२	३९	३२	६	५४	७	२१	२९	मिथुने	[=अनु.२केतुः १३श स्त्रादिहतानाँश्वा.
९	गु ३९ २२	पु	४७ ३	प	३०	२५	तै	७	२३	२८	६	५४	८	२२	३०	क.३०।४३	मातृ९ (सोभाग्यवतीनांश्वा.)
१०	शु ४१ ५०	पु	५१ ६	शि	३०	१७	व	१०	३६	२३	७	५३	९	२३	१	कर्के	भ.१९उ.४०या.अक्टूबर १०ता.३१
११	श ४२ २४	श्ले	५३ १०	सि	२८	४२	ब	१२	७	१९	८	५२	१०	२४	२	सिं५३।१०	वृश्चिकेशुक्रः ५।६इंदिरा११व्र.
१२	र ४० ५५	म	५३ १०	सा	२५	३४	कौ	११	३९	१५	९	५१	११	२५	३	सिंहे	वक्रीकन्यायांबुधः १५बुधास्तःपश्चि. ३६
१३	चं ३७ ८	पू	५१ २९	शु	२०	५९	ग	९	१	११	१०	५०	१२	२६	४	सिंहे	भ.३७।८उ.प्रदोषः
१४	मं ३२ १७	उ	४७ ५८	शु	१४	५४	वि	४	४३	७	११	४९	१३	२७	५	कं.५।३६	भ.४।४३या.अनु.शुक्रः १९कृत्ति४राहुः =
२०	बु २५ ५२	ह	४३ १४	ब्र	२५	७ ३१	ना	२५	५२	३	११	४९	१४	२८	६	कन्यायां	सर्वपितृ३०

२४पं.आ.कृ.१मं.इ.४९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	९	६	९	१	५
४	१०	०	२९	१८	१२	१०	४
५५	१७	४	२१	२८	५४	४२	१७
१६	२८	१६	४	१२	३२	३२	५१
५८	३९	२२	११	६७	१४	३	५८
३८	४६	३२	व.५२	व.११	४५		

२५पं.आ.कृ.७मं.इ.४८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	९	६	९	१	५
११	१४	१	२८	२६	१२	१०	११
४६	५१	२४	५०	२१	४३	२०	९
५२	२५	१४	२४	५४	३७	१७	५०
५८	३९	१६	४	६६	५१	३	५९
५३	४७	व.	व.	४२	व.	११	०

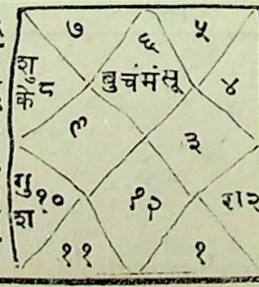

२६पं.आ.कृ.१४मं.इ.४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	९	७	९	१	५
१८	१९	२६	२८	४	१२	९	१८
४०	२६	४८	२९	९	३७	५८	३
९	२४	२२	२	२२	४८	१	३७
५९	३९	५०	३५	६७	२३	३	५९
९	५६	व.	व.	१६		११	१६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०७८ शाकः १९४३								दि. उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८३७स.२०२१
१	शु	१८	२५	चि	३७	३९	वै	४९	५५	ब	१८	२५	२८	६	२	५	४८	१५	२९	७	तु.१०।२६	नवरात्रारंभः मातामह श्रा.
२	शु	१०	४४	स्वा	३१	४९	वि	४०	४०	कौ	१०	४४	५५	१३	४७	१६	३०	८	तुलायां	वक्रीहस्तेबुधः३५।४९ चंद्रदर्शनम्
३	श	२	४३	वि	२५	५१	प्री	३१	२८	ग	२	४३	५१	१४	४६	१७	१	९	वृ.१२।२०	भ.२८।५८उ.५५।१४या.मार्गीशनिः= .
४	श	५२	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		[=५०।४ रविलावल३
५	र	४८	२६	अ	२०	२७	आ	२२	१६	ब	२१	५०	४७	१५	४५	१८	२	१०	वृश्चिके	चित्रा.रविः३२।८
६	चं	४२	१६	ज्ये	१५	४४	सौ	१४	८	कौ	१५	२१	४३	१५	४५	१९	३	११	ध.१५।४४	चित्रा.रविःसौरः६२ चित्रा.भौमः४३
७	मं	३७	२०	मृ	११	४९	शो	६५	५३	ग	९	४८	३९	१६	४४	२०	४	१२	धनुषि	भ.३७।२०उ.
८	बु	३३	१३	पू	९	५	सु	५३	२९	वि	५	१६	३५	१७	४३	२१	५	१३	म.२३।३८	भ.५।१६या.
९	शु	३०	२५	उ	७	१४	धृ	४८	२२	बा	१	४९	३१	१८	४२	२२	६	१४	मकरे	[×ज्येष्ठा.शुक्रः१६।४८
१०	शु	२८	३०	श्र	६	३१	शू	४४	१	ग	२८	३०	२७	१९	४१	२३	७	१५	कु.३६।४१	भ.५८।५उ.बुधोदयःपूर्वस्यां४७।१२
११	श	२७	४०	ध	६	५१	गं	४०	२९	वि	२७	४०	२३	१९	४१	२४	८	१६	कुम्भे	भ.२७।४०या.पापांकुशा११व्र.
१२	र	२८	७	श	८	१३	वृ	३८	२	बा	२८	७	२०	२०	४०	२५	९	१७	मी५५।५	तुलायामर्कः१५।५७(सौरः५१।१६)×
१३	चं	२९	२६	पू	१०	४३	ध्रु	३६	१६	तै	२९	२६	१६	२१	३९	२६	१०	१८	मीने	मार्गीबुधः२५।३८ प्रदोषः
१४	मं	३१	५९	उ	१४	३४	व्या	३५	४०	ग	०	४३	१२	२२	३८	२७	११	१९	मीने	भ.३९उ.मार्गीगुरुः१३ कोजागरी व्र.
१५	बु	३५	४०	रे	१८	४६	ह	३५	२२	वि	३	४९	८	२२	३८	२८	१२	२०	मे.१८।४६	भ.३।४९या.शरद्पूर्णिमा का.स्ना.प्रा.

२७पं.आ.शु.७मं.इ.३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	९	७	९	१	५
२५	२४	१९	२८	११	१२	९	२४
३५	३	७	१७	४८	२६	३५	५९
२	४७	१९	४२	१८	३६	४६	१९
५९	४०	५२	१५	६३	१७	३	५९
२१	६	व.व.	४३	मा	११	३१	

गोचर ग्रहाः

आश्विनशुक्ले १२रवौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.५कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

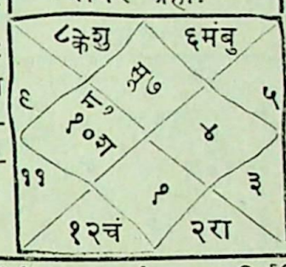

२८पं.आ.शु.१४मं.इ.२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	९	७	९	१	६
२	२८	१६	२८	१९	१२	९	१
३१	४२	१३	१४	१६	४०	१३	५६
२६	०	४८	२	१	४८	३०	४४
५९	४०	१७	८	६१	१	३	५९
३४	१६	मा	मा	४५	४१	१४	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३								दि. उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	गु	४०	२४	अ	२४	२६	व	३६	१७	बा	८	२	२८	६	३	५	३७	२९	१३	२१	मेषे	तुलायां भौमः ४४।३७
२	शु	४५	५४	भ	३०	५५	सि	३७	३४	तै	१३	९	०	२४	३६	३०	१४	२२	वृ.४७।४१	[+५७।५९ भा.कार्तिकारंभः
३	श	५२	४	कृ	३८	३	व्य	३९	३०	व	१८	५९	२७	२५	३५	१	१५	२३	वृषे	भ.१८।५९उ.५२।४या.स्वात्यांरविः+
४	र	५८	३०	रो	४५	३२	व	४१	४७	व	२५	१७	५३	२५	३५	२	१६	२४	वृषे	स्वात्यांरविःसौरः३२।१९करक चतुर्थीव्र.
५	चं	६०	०	मृ	५३	७	प	४४	१२	कौ	३१	४०	४९	२६	३४	३	१७	२५	मि१९।१९	
५	मं	४	५०	आ	६०	०	शि	४६	३०	तै	४	५०	४५	२७	३३	४	१८	२६	मिथुने	
६	बु	१०	४१	आ	०	३४	सि	४८	१०	व	१०	४१	४१	२८	३२	५	१९	२७	क.५०।१६	भ.१०।४१उ.४३।६या.
७	शु	१५	३०	पु	६	५०	सा	४८	३२	व	१५	३०	३७	२९	३१	६	२०	२८	कर्के	चित्रा.बुधः३६।४७
८	शु	१९	४	पु	१२	८	शु	४८	२९	कौ	१९	४	३४	२९	३१	७	२१	२९	कर्के	
९	श	२०	४१	श्ले	१५	३४	शु	४६	४२	ग	२०	४१	३०	३०	३०	८	२२	३०	सिं१५।३४	भ.५०।२९उ.मूलेंधनुषिशुक्रः२०।२
१०	र	२०	१७	म	१७	११	व्र	४३	१८	वि	२०	१७	२७	३१	२९	९	२३	३१	सिंहे	भ.२०।१७या.स्वात्यांभौमः४३।९
११	चं	१७	५५	पू	१६	५२	ऐं	३८	७	बा	१७	५५	२३	३१	२९	१०	२४	१	कं.३१।१४	नवम्बर११ता.३०रमा११व्र.
१२	मं	१३	२६	उ	१४	२०	वै	३१	३३	तै	१३	२६	१९	३२	२८	११	२५	२	कन्यायां	तुलायांबुधः११।२६प्रदोषःघन१३
१३	बु	७	१३	ह	१०	४	वि	२३	२३	व	७	१३	१६	३३	२७	१२	२६	३	तु.३७।१२	भ.७।१३उ.३३।२१या.रूप१४
१४	बु	५२	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
३०	गु	५०	५६	चि	४०	५५	प्री	१४	९	च	२५	१३	१२	३४	२६	१३	२७	४	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२९पं.का.कृ.५मं.इ.४८।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	९	७	९	१	६
९	३	२१	२८	२६	१२	८	८
२९	२२	९	२१	३०	४९	५१	५६
४२	१२	४०	१८	३६	१२	१४	४
५९	४०	७२	१५	५९	१	३	६०
४७	२६	२	१३	१९	३८	११	२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जौ चना बाजरा मूंग मोठ तेज हो धातु सोना चांदी रसकस कपास रुई मंदी हो ।

गोचर ग्रहाः

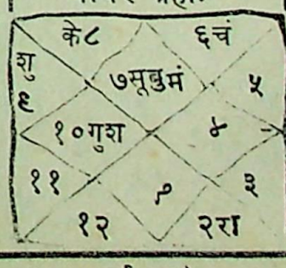

३०पं.का.कृ.१२मं.इ.४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	९	८	९	१	६
१६	८	०	२८	३	१३	८	१५
२९	४	५५	३७	२८	२	२८	५७
२८	१६	३७	४१	५२	५३	५९	८
६०	४०	९१	२५	६	२	३	६०
४	२९	७	३५	४	२५	११	१८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८६६स.२०२१
१	शु ४१ ३३	वि	५०	३२	आ	४	३९	किं १६ १४	२७ ६ ३४ ५ ३६ १४ २८ ५ वृ.३७।१८ अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	श ३२ २०	अ	४३	२	शो	४२	५८	बा ६ ५६	५ ३५ २५ १५ २९ ६ वृश्चिके विशा.रविः १६ (सौरः ४९) स्वात्यांबुधः=
३	र २३ ४६	ज्ये	३६	१७	अ	३२	४९	ग २३ ४६	२ ३६ २४ १६ १ ७ ध.३६।१७ भ.४९ उ.बुधास्तः पूर्वस्यां १५ रविलाखर४
४	चं १५ ४९	मू	३०	१५	सु	२३	३	वि १५ ४९	२६ ५८ ३६ २४ १७ २ ८ धनुषि भ.१५।४९या.
५	मं ९ १९	पू	२५	३५	धृ	१४	२७	बा ९ १९	५५ ३७ २३ १८ ३ ९ म.३९।४९ श्रवण.२शनिः३२।२६
६	बु ४ २	उ	२२	२९	शू	७	२	तै ४ २	५२ ३८ २२ १९ ४ १० मकरे [=२७ चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२
७	गु ० २६	श्र	२०	५३	गं	५५	५५	व ० २६	४९ ३८ २२ २० ५ ११ कुं.५०।५२ भ.०।२६ उ.२९।२३या. गोपाष्टमी
८	गु ५७ ५४	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ० ० ० ० ० ०
९	शु ५७ ५५	ध	२०	५२	धु	५२	९	बा २८ ८	४५ ३९ २१ २१ ६ १२ कुंभे कुष्मांड९अक्षय९
१०	श ५८ ५६	श	२२	२२	व्या	४९	४३	तै २८ २६	४२ ४० २० २२ ७ १३ कुंभे पूषा.शुक्रः १०।४९
११	र ६० ०	पू	२५	२०	ह	४८	१५	व ३० ६	३९ ४० २० २३ ८ १४ मीन ९।३५ भ.३९ उ.विशा.बुधः ४३ प्रबोधिनी ११व्र.×
११	चं १ १६	उ	२९	२८	व	४८	२	वि १ १६	३६ ४१ १९ २४ ९ १५ मीने भ.१।१६या. [×तुलसीविवाहः
१२	मं ४ ४७	रे	३४	३७	सि	४८	२७	बा ४ ४७	३३ ४१ १९ २५ १० १६ मे.३४।३७ वृश्चिकेऽर्कः १४।३० (सौरः ४९) प्रदोषः
१३	बु ९ १९	अ	४०	३१	व्य	४९	२४	तै ९ १९	३० ४२ १८ २६ ११ १७ मेषे वैकुंठ १४
१४	गु १४ ४१	भ	४७	२१	व	५१	६	व १४ ४१	२७ ४३ १७ २७ १२ १८ मेषे भ.१४।४१ उ.४७।३५या.
१५	शु २० २८	कृ	५४	३७	प	५३	१	ब २० २८	२५ ४३ १७ २८ १३ १९ वृ.४।१० अनु.रविः ३२।५० मन्वादिः का.स्नापू.

३१पं.का.शु.५मं.इ. ४७ ५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	९	८	९	१	६
२३	१२	१२	२९	१०	१३	८	२३
३०	४७	६	३	४	२०	६	५९
१०	१३	१८	५०	१	४९	४३	४१
६०	४०	९७	३	५१	३	३	६०
१७	२९	५२	५७	५८	११	११	३०

गोचर ग्रहाः

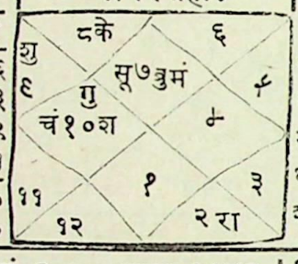

कार्तिकशुक्ले १२भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

३२पं.का.शु.१२म.इ. ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	९	८	९	१	७
०	१७	२३	२९	१६	१३	७	०
३३	३२	२५	३९	१०	४३	४४	३
२९	३१	१६	१८	८	५५	२८	४५
६०	४०	९९	५	४७	३	३	६०
३०	३३	१५	५	५	४७	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततौ रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	श २६ ५५	रो	६०	०	शि	५५	१०	कौ २६ ५५	२३ ६ ४४ ५ १६ २९ १४ २० वृषे अनु.रविः सौरः ८ वृश्चिकेबुधः ५९ +
२	र ३३ १९	रो	२	५	सि	५७	२७	तै ० ७	१९ ४४ १६ ३० १५ २१ मि ३५।३५ [+विशा.भौमः २३ धनि.३कुं भेगुरुः ७ १८
३	चं ३९ ९	मृ	९	५	सा	५९	३६	व ६ १४	१७ ४५ १५ १ १६ २२ मिथुने भ.६ ४ उ.३९ या.अनु.बुधः ५६ ÷
४	मं ४५ २८	आ	१७	२	शु	६०	००	ब १२ १८	१४ ४५ १५ २ १७ २३ मिथुने चतुर्थी व्र. [÷भा.मार्गशीर्षारंभः
५	बु ५० ३६	पु	२३	४४	शु	१	२६	कौ १८ २	१२ ४६ १४ ३ १८ २४ क.७।४
६	गु ५४ ४२	पु	२९	४०	शु	२	४९	ग २२ ३९	९ ४६ १४ ४ १९ २५ कर्के भ.५४।४२ उ.
७	शु ५७ २१	श्ले	३४	७	ब्र	३	५	वि २६ १	७ ४७ १३ ५ २० २६ सि ३४।७ भ.२६।१या.
८	श ५८ १७	म	३७	१४	एं	२	२५	बा २७ ४९	५ ४७ १३ ६ २१ २७ सिंहे
९	र ५७ २४	पू	३८	१३	वै	१	५५	तै २७ ५१	२ ४८ १२ ७ २२ २८ कं.५३।१३
१०	चं ५४ २८	उ	३८	१४	प्री	५१	४४	व २५ ५६	० ४८ १२ ८ २३ २९ कन्यायां भ.५५ उ.५४ या.उदयोभौमः ४८
११	मं ४९ ४२	ह	३५	४५	आ	४५	१३	ब २२ ५	२५ ४८ १२ ९ २४ ३० कन्यायां ज्येष्ठा.बुधः १०।२८ उत्पत्ति ११व्र.
१२	बु ४३ ९	चि	३१	२२	सौ	३७	४	कौ १६ २५	५६ ४९ ११ १० २५ १ तु.३।३४ उषा.शुक्रः २९।५० दिसम्बर १२ता.३१
१३	गु ३५ १३	स्वा	२५	२९	शो	२७	४४	ग ९ ११	५४ ४९ ११ ११ २६ २ तुलायां भ.३५।१३ उ.ज्येष्ठारविः ४२।५७ प्रदोषः
१४	शु २५ ५९	वि	१८	३५	अ	१७	३१	वि ० ३५	५३ ४९ ११ १२ २७ ३ वृ.५।१ भ.०।३५या.ज्येष्ठा.रविः सौरः ८।४२
३०	श १६ १४	अ	१०	५२	सु	६	४८	ना १६ १४	५१ ५० १० १३ २८ ४ वृश्चिके वृश्चिकेभौमः ५१।३७

३३पं.मा.कृ.४मं.इ.४७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	१०	८	९	१	७
७	२२	४	०	२१	१४	७	७
३७	१९	३५	२२	३८	१०	२२	९
२६	५२	४९	५९	१३	४१	१२	१८
६०	४०	५८	६	४०	४	३	६०
४२	५३	१७	१४	१५	२८	११	५३

गोचर ग्रहाः

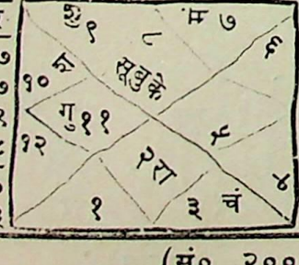

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना जौ गेहूं मक्का धातु सोना चांदी लोहा रसकस गुड़ शक्कर तेज हो प्रजा में दुख फैले।

गोचर ग्रहाः

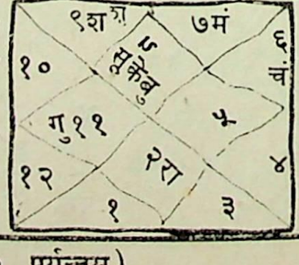

३४पं.मा.कृ.११मं.इ. ४७ १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	१०	८	९	१	७
१४	२७	१५	१	२६	१४	६	१४
४२	८	३९	१५	१७	४१	५९	१६
४०	४९	१४	४	१३	२८	५६	४
६०	४१	९९	७	३२	४	३	६१
५०	०	४९	१३	४	५६	११	३

तिं. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८९६स.२०२१

१	र	६	२९	ज्ये	२	५३	शू	४४	३२	ब	६	२९	३५	६	५०	१४	२९	५	ध.२।५२	चन्द्रदर्शनम्
२	र	५०	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	चं	४८	४९	पू	४८	४०	गं	३४	६	तै	२२	५७	४८	५०	१०	१५	१	६	धनुषि	जमादिलावल५
४	मं	४१	४६	उ	४३	२६	बृ	२४	४३	च	१५	१७	४६	५१	९	१६	२	७	म.२।२१	भ.१५उ.४१या.कृत्ति.३राहुःअनु.१=
५	बु	३६	३७	श्र	३९	४४	धु	१६	३२	व	९	११	४५	५१	९	१७	३	८	मकरे	मकरेशुक्रः२१।२७ [=केतुः३।२०
६	गु	३३	१२	ध	३८	०	व्या	१०	४	कौ	४	५४	४४	५१	९	१८	४	९	कुं.८।५२	मूलेधनुषिबुधः४९अनु.भौमः३८
७	शु	३१	५३	श	३८	५	ह	४	५५	ग	२	३२	४३	५१	९	१९	५	१०	कुंभे	भ.३१।५३उ.
८	श	३२	३१	पू	४०	२२	व	०	२९	वि	२	११	४२	५२	८	२०	६	११	मी२४।४८	भ.२।११या.
९	र	३४	५२	उ	४४	६	व्य	५८	४४	बा	३	४१	४१	५२	८	२१	७	१२	मीने	
१०	चं	३८	४४	रे	४९	४०	व	५९	२२	तै	६	४८	४०	५२	८	२२	८	१३	मे.४९।४०	
११	मं	४३	४९	अ	५५	४८	प	६०	०	व	११	१७	३९	५२	८	२३	९	१४	मेषे	भ.११।१७उ.४३।४९या.मोक्षदा११व्र.
१२	बु	४९	३७	भ	६०	०	प	०	२५	ब	१६	४३	३९	५२	८	२४	१०	१५	मेषे	मूले.धनुष्यर्कः५०।१२ [×३९ प्रदोषः
१३	गु	५५	४९	भ	३	५	शि	२	२६	कौ	२२	४३	३८	५२	८	२५	११	१६	वृ.१९।५२	मूलेधनुष्यर्कःसौरः१२।३२वनि.४गुमः×
१४	शु	६०	०	कृ	१०	१२	सि	४	२२	ग	२९	८	३८	५२	८	२६	१२	१७	वृषे	[+वक्रीशुक्रः१५।२दत्तजयंती
१५	श	२	२६	रो	१७	५२	सा	६	३९	व	२	२६	३९	५३	७	२७	१३	१८	मि५१।३१	भ २।२६उ.३५।३६या.पूषा.बुधः१३+
१५	र	८	४६	मृ	२५	११	शु	८	४९	ब	८	४६	३७	५३	७	२८	१४	१९	मिथुनें	

३५पं.मा.शु.४मं.इ.४७।० | गोचर ग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१०	८	९	१	७
२१	२	२६	२	२९	१५	६	२१
४८	०	३९	१३	४७	१६	३७	२३
४३	११	४०	५९	५६	१६	४१	४६
६०	४१	९८	८	२१	५	३	६१
५६	७	५६	२५	१	२६	११	११

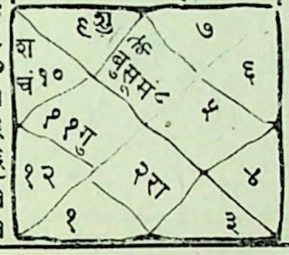

मार्गशीर्षशुक्ले १२बुधे धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा२ न. ३ गतालकावस्था (ऊभी)मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

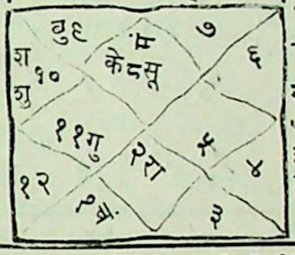

३६पं.मा.शु.११मं.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	१०	९	९	१	७
२८	६	७	३	१	१५	६	२८
५५	५२	४०	१९	५७	५४	१५	३२
३७	४४	१९	४१	१८	१८	२५	२९
६१	४१	९८	९	७	५	३	६१
०	११	२	१३	३२	५०	११	१९

तिं. पौष कृष्णपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.

१	चं	१४	५३	आ	३२	३२	शु	१०	४०	कौ	१४	५३	३६	६	५३	७	२९	१५	२०	मिथुने	
२	मं	२०	२६	पु	३८	५४	ब्र	१२	११	ग	२०	२६	३६	५३	७	३०	१६	२१	क.२२।१९	भ.५२।४७उ.
३	बु	२५	९	पु	४४	४२	ऐं	१३	२२	वि	२५	९	३६	५३	७	१	१७	२२	कर्के	भ.२५या.श्रवण.३शनिः३५बुधोदयः÷
४	गु	२९	१	श्ले	४९	३१	वै	१३	४५	बा	२९	१	३६	५३	७	२	१८	२३	सिं४९।३१	[÷पश्चिमायां३४भा.पौषारंभः–
५	शु	३१	४४	म	५३	१३	वि	१३	२२	कौ	०	२२	३७	५३	७	३	१९	२४	सिंहे	[–चतुर्थी व्र.
६	श	३३	१६	पू	५५	३७	प्री	१२	५	ग	२	२९	३७	५३	७	४	२०	२५	सिंहे	भ.३३।१६उ. [Eमकरेबुधः५।४१
७	र	३३	२३	उ	५६	४२	आ	९	३५	वि	३	१९	३७	५३	७	५	२१	२६	कं.१०।५३	भ.३।१९या.उषा.बुधः५२।१०
८	चं	३१	५२	ह	५६	८	सौ	५	५२	बा	२	३७	३८	५२	८	६	२२	२७	कन्यायां	[+ज्येष्ठा.भौमः३९।२०
९	मं	२८	४७	चि	५३	५०	शो	५९	३३	तै	०	१९	३८	५२	८	७	२३	२८	तु.२४।५९	भ.५६।२५उ.पूषा.रविः५५।१२+
१०	बु	२४	३	स्वा	५०	६	सु	४७	१८	वि	२४	३	३९	५२	८	८	२४	२९	तुलायां	भ.२४।३या.पूषा.रविःसौरः१४।१०E
११	गु	१७	५३	वि	४४	५८	धृ	३८	३१	बा	१७	५३	४०	५२	८	९	२५	३०	बृ.३१।१५	वक्रीधनुषिशुक्रः४।३सफला११व्र.
१२	शु	१०	१४	अ	३८	३०	शू	२८	५५	तै	१०	१४	४१	५२	८	१०	२६	३१	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	श	१	३७	ज्ये	३१	१९	गं	१८	२६	व	१	३७	४२	५२	८	११	२७	१	ध.३१।१९	भ.१७उ.२७या.जनवरी१ता.३१सन्२०२२
१४	श	५	०४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०
३०	र	४२	४७	मृ	२३	४६	बृ	३७	४९	च	१७	३५	४३	५१	९	१२	२८	२	धनुषि	शत.१गुरुः३।१४

३७पं.पौ.कृ.२मं. इ. ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१०	९	९	१	८
६	११	१८	४	२	१६	५	५
३	४७	४१	३१	११	३४	५३	४१
१४	५३	४६	२६	२०	५६	१०	५४
६१	४१	९५	९	६	६	३	६१
४	१९	९	५६	व.	१४	११	२२

गोचर ग्रहाः

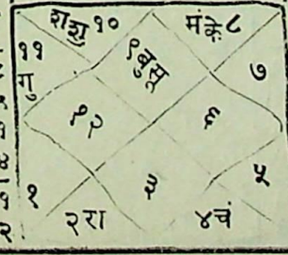

इस मास में धातु धान्य गल्ला गुड़ शक्कर कृष्णपक्ष में मंदा होकर शुक्लपक्ष में तेज हो जावेंगे।

गोचर ग्रहाः

३८पं.पौ.कृ.९मं.इ. ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१०	९	९	१	८
१३	१९	२९	५	०	१७	५	१२
११	४५	२१	४८	३०	१८	३०	५१
१३	०	१६	४७	४७	२२	५४	४६
६१	४१	८९	१०	२९	६	३	६१
६	२५	५३	४३	व.	३१	११	२९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं.२०७८ शाकः १९४३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३९२५स.२०२२
१	चं ३३ ४९ पू १६ २४	व्या ४६ २६	कि ८ १८	२५ ४४	५६ ५१	९	१३ २९	३	म.२९।४३
२	मं २५ ४१ उ ९ ४१	ह ३७ १	कौ २५	४१ ४५	५१	९	१४ ३०	४	मकरे
३	बु १९ ५ अ ४ २०	व २८ ४०	ग १९	५ ४७	५१	९	१५ १	५	कुं.३२।३१
४	गु १४ ११ ध ० ४१	५६ सि २१ ३७	वि १४	११ ४८	५०	१०	१६ २	६	कुंभे
५	शु ११ १५ पू ५९	५८ व्य १६ ४१	बा ११	१५ ५०	५०	१०	१७ ३	७	मी४४।२०
६	श १० ४१ उ ६० ०	व १३ २३	तै १०	४१ ५२	५०	१०	१८ ४	८	मीने
७	र १२ २ उ १ ४९	प ११ २७	व १२	२ ५३	४९	११	१९ ५	९	मीने
८	चं १५ २४ रे ६ २	शि ११ २८	ब १५	२४ ५५	४९	११	२० ६	१०	मे.६।२
९	मं २० २२ अ १२ १८	सि ११ ५८	कौ २०	२२ ५७	४९	११	२१ ७	११	मेषे
१०	बु २६ ११ भ १८ ५९	सा १३ ४०	ग २६	११ ५९	४८	१२	२२ ८	१२	वृ.३५।५२
११	गु ३२ ३७ कृ २६ ३१	शु १५ ५१	वि ३२	३७ २६	४८	१२	२३ ९	१३	वृषे
१२	शु ३९ २० रो ३४ २३	शु १८ ११	ब ५	५८ ४	४७	१३	२४ १०	१४	वृषे
१३	श ४५ ४३ मृ ४१ ४६	ब्र २० २६	कौ १२	३१ ६	४७	१३	२५ ११	१५	मि८।४
१४	र ५१ ३२ आ ४८ ४६	ऐं २२ २२	ग १८	३७ ८	४६	१४	२६ १२	१६	मिथुने
१५	चं ५६ ३३ पु ५४ ५८	वै २३ ३८	वि २४	२ ११	४६	१४	२७ १३	१७	क.३८।२५

चन्द्रदर्शनम्

भ ३६ उ.वक्रीपूषाशुक्रः ३१ जमादिलाखर६

भ.१४।११या.

शुक्रास्तः पश्चिमायां३७।१२

भ.१२।२उ.४३।४३या.

उषा.रविः०।५७(सौरः१५।३७)

भ.५९।२४उ.श्रवणेबुधः१९।२३

भ.३२उ.या.शुक्रोदयःपूर्वस्यां३४पुत्रदा११व्र.

मकरेऽर्कः३६ सौरः३१)वक्रीबुधः१९

प्रदोषः [=मा.स्ना.प्रा.

भ.५१।३२उ.मूलेधनुषिभौमः१४।५०

भ.२४।२या. बुधास्तःपश्चिमायां४।१९=

३९पं.पौ.शु.२मं.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	१०	८	९	१	८
२०	२१	९	७	२७	१८	५	२०
१९	४३	१९	१०	५	३	८	१
२६	२३	८	५५	५६	३२	३८	४३
६१	४१	७४	११	३४	६	३	६१
६	४०	२३	२०	व.	४४	११	२६

गोचर ग्रहाः

शबुचं १० | ८मके | गु ११ | हसूशु | ७ | १२ | ९ | १ | ३ | ५ | २रा | ४

पौष शुक्ले १२ शुक्रे मकरेऽर्कःप्रविष्टःवा३ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी, मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

बुंश १० | मंके ८ | ११ गु | हसू | ७ | १२ | ९ | १ चं | ६ | ३ | २रा | ४

४०पं.पौ.शु.९मं.इ.३६

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	१०	८	९	१	८
२७	२६	१५	८	२२	१८	४	२७
२७	४३	३५	३७	५२	५०	४६	११
२२	३४	२	२६	२३	३८	२३	४५
६१	४१	३२	११	३५	७	३	६१
६	५०	२६	५९	वं	२	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेतिमहा.
१	मं ६० ० पु ६० ०	वि २४ १५	बा २८ ३४	२६ १३	४५	१५	२८ १४	१८	कर्के
१	बु ० ३४ पु ० ९	प्री २४ १९	कौ ० ३४	१६	४५	१५	२९ १५	१९	कर्के
२	गु ३ ४४ श्ले ४ २८	आ २३ २७	ग ३ ४४	१९	४४	१६	३० १६	२०	सिं४।२८
३	शु ५ ३६ म ७ ५०	सौ २१ ४९	वि ५ ३६	२१	४४	१६	१ १७	२१	सिंहे
४	श ६ २९ पू १० ९	शो १९ २२	बा ६ २९	२४	४३	१७	२ १८	२२	कं.२५।२७
५	र ६ २३ उ ११ २२	अ १६ ४	तै ६ २३	२७	४३	१७	३ १९	२३	कन्यायां
६	चं ५ ४१ ह ११ ३२	सु ११ ५०	व ५ ४१	२९	४२	१८	४ २०	२४	तु.४१।०
७	मं २ ४९ चि १० २८	धृ ६ ४१	ब २ ४९	३२	४२	१८	५ २१	२५	तुलायां
८	मं ५६ ३९ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	० ०	०	० ०
९	बु ५४ ५४ स्वा ८ २६	शू ० ३२	५३ तै २७ ११	३५	४१	१९	६ २२	२६	वृ.५१।५
१०	गु ४९ ७ वि ५ १८	वृ ४५ ५३	व २२ १	३८	४०	२०	७ २३	२७	वृश्चिके
११	शु ४२ २७ अ ५८	४१ ध्रु ३७ ६	ब १५ ४७	४१	४०	२०	८ २४	२८	भ.२२।१उ.४९।७या.
१२	श ३४ ५९ मू ४९	४१ ज्या २७	५३ कौ ८	४३	४५	३९	२१ ९ २५	२९	ध.५५।३९ धनुषि
१३	र २६ ५६ पू ४३	३२ ह १७ १६	ग ० ५८	४८	३८	२२	१० २६	३०	ष.तिला११व्र.
१४	चं १८ ४७ उ ३७	१७ व ५४	५० श १८ ४७	५१	३८	२२	११ २७	३१	बुधोदयःपूर्वस्यां१।२७
२०	मं १० ५५ श्र ३१	३२ च्य ५० ११	ना १० ५५	५४	३७	२३	१२ २८	१	मकरे

भ.२६उ.५३या.मार्गशुक्रः३५ प्रदोषः

फर्वरी२ता.२८

४१पं.मा.कृ १मं.इ.४६।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१०	८	९	१	९
४	१	१४	१०	१९	१९	४	४
२५	४६	१२	७	११	३९	२४	२१
१३	१६	५४	४४	२८	११	७	४
६१	४२	५५	१२	२६	६	३	६१
३	५	व.	२०	वं	२६	११	१९

११गु | हमशु | १० | ८ | १२ | सूबु | के | १ | ७ | चं४ | ६ | २रा | ३ | ५

४२पं.मा.कृ.७मं.इ.४६।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१०	८	९	१	९
११	६	६	११	१७	२०	४	११
४२	४९	१२	४०	१०	२८	१	२९
४०	५५	४७	५२	२३	४४	५२	५५
६०	४२	८५	१२	११	७	३	६१
५९	वं	३२	४७	व.	१७	११	१३

शु ९ | के | १२ | सूबुचं | ८ | १ | ७ | रा | ६ | २ | ३ | ५

४३पं.मा.कृ.३०मं.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१०	८	९	१	९
१८	११	०	१३	१७	२१	३	१८
४९	५५	२८	१६	४	१८	३९	३८
१६	३७	१२	५५	५९	४७	३६	१
६०	४२	२४	१३	५	७	३	६१
५५	१४	व.	८	मा	२०	११	४

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३९५५स.२०२२
१	बु ४ ०	ध्र २५ १०	व ४२ ३४	ब ४ ०	२६ ६	५	१३ २९ २	कुंभे	शत.३गुरुः०।३७ चंद्रदर्शनम्
२	बु ५४ २२	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	० ० ०	० ०	
३	गु ५४ २८	श २३ ५७	प ३६ १६	तै २६ २६	२७ ३६	२४	१४ १ ३	कुम्भे	पूषा.भौमः४६।२५रज्जव७
४	शु ५२ ४७	पू २२ ५३	शि ३१ १०	व २३ ३७	५ ३५	२५	१५ २ ४	मी८।९	भ.२३।३७उ.५२।४७या.
५	श ५२ ५४	उ २३ ४५	सि २७ ५९	ब २२ ५०	८ ३४	२६	१६ ३ ५	मीने	मार्गीबुधः२२।४०वसंत५
६	र ५५ १७	रे २६ ४०	सा २६ ५७	कौ २४ ५	१२ ३४	२६	१७ ४ ६	मे.२६।४०	धनि.रविः१३।४६(सौरः२४।११)
७	चं ५९ २६	अ ३१ २५	शु २६ २९	ग २७ २१	१५ ३३	२७	१८ ५ ७	मेषे	भ.५९उ.कृत्ति.२राहुःविशा.४केतुः५९=
८	मं ६० ०	भ ३७ ४३	शु २७ ३१	वि ३२ ८	१९ ३२	२८	१९ ६ ८	वृ.५४।३१	भ.३२या.पातमोक्षः१३भीष्माष्टमी
८	बु ४ ५२	कृ ४४ ५५	व्र २९ २६	ब ४ ५२	२३ ३१	२९	२० ७ ९	वृषे	[=पातस्पर्शः५९भानु७रश७
९	गु १० ५८	रो ५२ ३०	ऐं ३१ ३४	कौ १० ३५	२७ ३१	२९	२१ ८ १०	वृषे	
१०	शु १७ ४२	मृ ६० ०	वै ३३ ५३	ग १७ ४२	३० ३०	३०	२२ ९ ११	मि२६।१७	भ.५०।५५उ.
११	श २४ ८	मृ ० ४	वि ३५ ५२	वि २४ ८	३४ २९	३१	२३ १० १२	मिथुने	भ.२४।८या.कुंभेऽर्कः४९।२ (सौरः५६)×
१२	र २९ ४३	आ ७ ६	प्री ३७ २८	बा २९ ४३	३८ २८	३२	२४ ११ १३	क.५६।५२	[×जया११व्र.
१३	चं ३४ ३२	पु १३ २८	आ ३८ ४	कौ २ ७	४१ २८	३२	२५ १२ १४	कर्के	प्रदोषः
१४	मं ३७ ५५	पु १८ १८	सौ ३७ ३६	ग ६ १३	४५ २७	३३	२६ १३ १५	कर्के	भ.३७।५५उ.
१५	बु ४० ४	श्ले २२ ८	शो ३६ १९	वि ८ ५९	४९ २६	३४	२७ १४ १६	सिं२२।८	भ.६०या.शत.४गुरुः१३ मा.स्ना.पू.

४५पं.मा.शु.८मं.इ.४६।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१०	८	९	१	९
२५	१७	२	१४	१८	२२	३	२५
५५	३	८	५४	५२	९	१७	४४
१	४	५३	२९	४८	४	२०	४८
६०	४२	२३	१३	१९	७	३	६०
४७	३२	मा	२०	४४	२०	११	५५

गोचर ग्रहाः

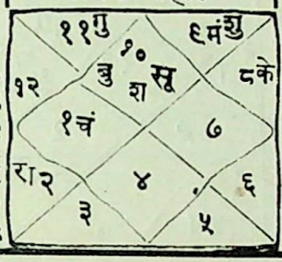

माघ शुक्ले ११ शनौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टःवा.२ न. ३ बालावस्था (बैठी)मु.१५धान्यादि भावेमहर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

४५पं.मा.शु.१४मं.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	१०	८	९	१	१०
२	२२	६	१९	२२	२२	२	२
५९	१२	४५	३४	१२	५९	५५	५०
४९	७	३२	५	२२	१०	५	५१
६०	४२	५१	१३	३१	७	३	६०
४७	४२	५८	३१	२३	१४	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	गु ४० ४९	म २४ ४१	अ ३३ ५९	बा १० २६	२७ ३	५ ३५	२८ १५ १७	सिंहे	[+(सौरः३३।३१)श्रवणेबुधः३१।२८
२	शु ४० २८	पू २५ ५३	सु ३० ४३	तै १० ३८	५६ २५	३५	२९ १६ १८	कं.४०।५९	[÷धनि.१शनिः३९।४४
३	श ३९ १४	उ २६ १६	धृ २६ ४६	व ९ ५१	२८ २४	३६	३० १७ १९	कन्यायां	भ.९उ.३९या.शते.रविः२५+
४	र ३७ ५	ह २५ ५५	शु २२ ८	ब ८ १०	४ २३	३७	१ १८ २०	तु.५५।१३	भा.फाल्गुनारंभः चतुर्थी व्रतम्
५	चं ३३ ५५	चि २४ ३१	गं १६ ४३	कौ ५ ३०	८ २२	३८	२ १९ २१	तुलायां	उषा.भौमः४८।३०उदयंशनेः२३।४
६	मं ३० २७	स्वा २२ ३३	बृ १० ५१	ग २ ११	१२ २२	३८	३ २० २२	तुलायां	भ.३७उ.५४या.उषा.शुक्रः५४
७	बु २६ २०	वि २० ७	धु ५३६ ५२१२	ब २६ २०	१६ २१	३९	४ २१ २३	वृ.५।१४	
८	गु २१ ३७	अ १७ ५	ह ५० ४०	कौ २१ ३७	२० २०	४०	५ २२ २४	वृश्चिके	अस्तंगुरोः १९।४८
९	शु १६ १९	ज्ये १३ २८	व ४३ ०	ग १६ १९	२४ १९	४१	६ २३ २५	व.१३।२८	भ.४३।२८उ.
१०	श १० ३८	मू ९ ३२	सि ३५ ६	वि १० ३८	२८ १८	४२	७ २४ २६	धनुषि	भ.१०।३८या.मकरेभौमः११।५१
११	र ४ २५	पू ५ ३	ध्य २६ ५२	बा ४ २५	३२ १८	४२	८ २५ २७	म.१८।५६	मकरेशुक्रः१०।६विजया११व्र.
१२	र ५३ ४१	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	० ० ०	० ०	[–मार्च३ता.३१ महाशिवरात्रीव्र.
१३	चं ५१ ५०	उ ०३४ ५५३६	व १८ ४३	ग २४ ५८	३६ १७	४३	९ २६ २८	मकरे	भ.५१।५०उ. प्रदोषः
१४	मं ४५ ५९	ध ५२ १६	प ११ ०	वि १८ ५५	४० १६	४४	१० २७ १	कुं.२४।१३	भ.१८।५५या.धनि.बुधः२९।४–
३०	बु ४० ५८	श ४९ २२	शि ३४० ५३३०	च १३ २८	४४ १५	४५	११ २८ २	कुम्भे	पूभा.१गुरुः३।५३

४६पं.फा.कृ.६मं.इ.४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	१०	८	९	१	१०
१०	२७	१४	१८	२६	२३	२	९
३	२१	२३	१४	४१	४८	३२	५५
२२	५०	४९	३५	२५	४०	४९	२४
६०	४२	७१	१३	४०	७	३	६०
२५	४६	५	३२	१७	८	११	३१

गोचर ग्रहाः

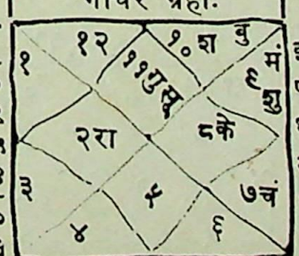

इस मास में शुक्ल-पक्ष की तिथि वृद्धि धान्यों में मंदी करे गुड़ शक्कर सोना चांदी में कुछ तेजीहो

गोचर ग्रहाः

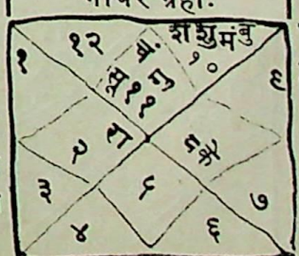

४७पं. फा.कृ.१४मं.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	१०	९	९	१	१०
१७	२	२३	१९	२	२४	२	१६
५	३३	४६	५६	३	३७	१०	५८
२५	४२	१	१७	४३	१	३४	१८
६०	४२	८४	१३	४७	६	३	६०
१२	४६	४५	३८	१०	५८	११	२०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण३९८४स.२०२२
१	गु	३७	६	पू	४७	४९	सा	५१	५८	किं	९	२	२८	६	५	१२	२९	३	मी३३।१२	[=फुलरिया २
२	शु	३४	५६	उ	४७	५२	शु	४७	५४	बा	६	१	५२	१४	४६	१३	३०	४	मीने	पूभा.रविः ४ १३ (सौरः ४ १८) चंद्रदर्शनम्=
३	श	३४	३१	रे	४९	३८	शु	४५	३१	तै	४	४	३	५६	१३	४७	१४	१	५	मे.४९।३८	सावान८
४	र	३६	११	अ	५३	१६	ब्र	४४	३२	ब	५	२	१	२९	१२	४८	१५	२	६	मेषे	भ.५।२१उ.३६।११या. कुंभेबुधः२२।३३
५	चं	३९	२९	भ	५८	२९	ऐं	४४	४४	ब	७	५	०	५	११	४९	१६	३	७	मेषे	
६	मं	४४	२०	कृ	६०	०	वै	४६	१५	की	११	५	५	९	१०	५०	१७	४	८	बृ.१५।१०	
७	बु	४९	५९	कृ	५	१०	वि	४८	२	ग	१७	१०	१३	९	५१	१८	५	९	वृषे	भ.४९।५९उ.
८	गु	५६	२७	रो	१२	१९	आ	५०	२२	वि	२३	१३	१७	९	५१	१९	६	१०	मि४६।६	भ.२३।१३या.शतेबुधः ३ ५ होलाष्टकम्
९	शु	६०	०	मृ	१९	५३	प्री	५२	३४	बा	२९	३८	२१	८	५२	२०	७	११	मिथुने	श्रवणेशुक्रः ९ २ श्रवणेभौमः५३।४१
९	श	२	४९	आ	२७	१६	सौ	५४	१६	कौ	२	४९	२६	७	५३	२१	८	१२	मिथुने	
१०	र	८	३६	पु	३३	५७	शो	५५	१४	ग	८	३६	३०	६	५४	२२	९	१३	क.१७।१७	भ.४०।५९उ. [×आमलकी११व्र.
११	चं	१३	२२	पु	३९	३	अ	५५	८	वि	१३	२२	३४	५	५५	२३	१०	१४	कर्के	भ.१ ३ २या.मीनेऽर्कः ४ १७ (सौरः ४ १९)×
१२	मं	१६	३८	श्ले	४३	२०	सु	५३	४५	बा	१६	३८	३८	४	५६	२४	११	१५	सिं४३।२०	पूभा.२गुरुः५३।६ प्रदोषः
१३	बु	१८	२१	म	४५	११	धृ	५१	८	तै	१८	२१	४३	३	५७	२५	१२	१६	सिंहे	[+पूभा.बुधः३६।१९ छारेंडी
१४	गु	१८	२०	पू	४५	४७	शू	४७	१४	व	१८	२०	४७	३	५७	२६	१३	१७	सिंहे	भ.१ २ ८उ.३ ४ या. होलिका दहनम्
१५	शु	१६	४७	उ	४५	४	गं	४२	२२	व	१६	४७	५१	२	५८	२७	१४	१८	कं.०।३६	उभा.रविः३।२१ (सौरः ९।१५)+

४८पं.फा.शु.६मं.इ. ४७ ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	१०	९	९	१	१०
२४	७	३	२१	८	२५	१	२३
८	४६	४९	३७	४	२३	४८	५९
२२	४१	३७	१९	१६	५३	१८	४१
५९	४३	९४	१३	५२	६	३	६०
५८	२	५१	३८	११	३५	११	६

गोचर ग्रहाः

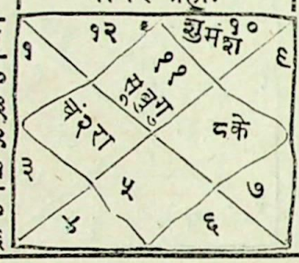

फाल्गुन शुक्ले ११चंद्रे मीनेऽर्कःप्रविष्टःवा.३ न. ४ बालावस्था (वैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याँ ।

गोचर ग्रहाः

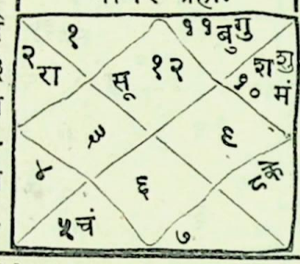

४९पं.फा.शु१२मं.इ.४ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	१०	९	९	१	११
१	१२	१५	२३	१४	२६	१	०
५	५९	८	१८	३५	८	२६	५९
३१	३५	२४	५४	३८	५६	२	२३
५९	४३	९	१३	५६	६	३	५९
४१	३	५	३२	२१	२६	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	श	१३	५७	ह	४३	२०	बृ	३६	३९	कौ	१३	५७	२९	६	५९	२८	१५	१९	कन्यायां	वसंत१
२	र	१०	६	चि	४०	३८	धु	३०	१९	ग	१०	६	३०	६	०	२९	१६	२०	तु.१२।०	भ.३७।४७उ.धनि.२शनिः४८।१०
३	चं	५	२९	स्वा	३७	२५	व्या	२३	२७	वि	५	२९	४	५	९	३०	१७	२१	तुलायां	भ.५।२९या.बुधास्तःपूर्वस्यां ३ ४ चतुर्थी व्र.
४	मं	०	२३	वि	३४	१७	ह	१६	२०	बा	०	२३	८	५	८	२	१	१८	२२	वृ.२०।४	भा.चैत्रारंभः
५	मं	५४	३८		०	०		०	०		०	०	०	०	०	०	०	०		[÷कुंभेशुक्रः२।१५ ८ अप्रेल४ता.३०
६	बु	५०	२	अ	३०	४४	व	९	१५	ग	२२	३१	१२	५	८	२	१९	२३	वृश्चिके	भ.५०।२उ.
७	गु	४४	४४	ज्ये	२७	२३	सि	७	५ ५	वि	१७	२३	१६	५	७	३	२०	२४	ध.२७।२३	भ.१ ३ या.मीनेबुधः १ १ धनि.शुक्रः ३ १
८	शु	३९	४७	मू	२४	४	व	४८	०	बा	१२	१६	२१	५	६	४	२१	२५	धनुषि	उभा.बुधः५६।३७शीतलापूजनम्
९	श	३४	४०	पू	२०	४७	प	४०	५९	तै	७	१३	२५	५	५	५	२२	२६	म.३५।१	उदयंगुरोः०।०
१०	र	२९	४७	उ	१७	४०	शि	३४	१७	व	२	१३	२९	५	४	६	२३	२७	मकरे	भ.२।१३उ.२९।४७या.
११	चं	२५	५	श्र	१४	५०	सि	२७	४४	बा	२५	५	३३	५	३	७	२४	२८	कुं.४३।३९	पापमोचनी११व्र.
१२	मं	२०	५४	ध	१२	२८	सा	२१	५०	तै	२०	३२	३७	५	३	७	२५	२९	कुंभे	धनि.भौमः ३ १ पूभा.३गुरुः ५ ३ प्रदोषः
१३	बु	१७	२२	श	१०	४०	शु	१६	१६	व	१७	२२	४१	५	२	८	२६	३०	मी५५।२	भ.१७।२२उ.४६।१या.
१४	गु	१४	४०	पू	९	४९	शु	११	२५	श	१४	४०	४५	५	१	९	१०	२७	३१	मीने	रेवत्यांरविः३१।० (सौरः३६।४२)÷
३०	शु	१३	१४	उ	१०	१	ब्र	७	५९	ना	१३	१४	४९	५	०	१०	११	२८	१	मीने	रेवत्यांबुधः३६।५६ मन्वादिः ८

५०पं.चै.कृ.४मं.इ.४८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	१०	९	९	१	११
८	१८	२७	२४	२१	२६	१	७
३	१५	२७	१९	२९	५२	३	५७
१८	१८	०	१७	४२	२०	४७	१८
५९	४३	९	१३	५९	६	३	५९
२९	५	५	३२	२६	१४	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य रसकस सोना चांदी घृत रुई कपास बारदाना तेज हो प्रजामें महामारी फैले ।

गोचर ग्रहाः

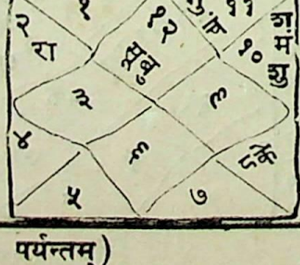

५१पं.चै.कृ.१२मं.इ. ४ ५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	१०	९	९	१	११
१४	२३	१०	२६	२८	२७	०	१४
५९	३०	४६	३९	४१	३२	४१	५३
१०	४	८	०	१८	३५	३१	२८
५९	४३	९	१३	६२	५	३	५९
१६	१३	५	२०	३	५०	११	१८

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम्।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२३, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२३, भोग्यकलिः ४२६८७७, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०७९, शाकः १९४४, अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः। मंत्री गुरुः। सस्येशःशनिः। धान्येशः शुक्रः। मेघेशो बुधः। रसेशश्चंद्रः। नीरसेशः शनिः। फलेशो भौमः। धनेशःशनिः। दुर्गेशो बुधः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां १० नलनाम संवत्सरःप्रवर्तते। तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १।६।०।०।० भोग्यमासादिः १०।२४।०।०।०अग्निदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम भाद्रपदः।मेघनाम पुष्करः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासोःमालाकार गृहे। समय विश्वा ५ समयवाहनम् महिषः। स्तंभौ३ अन्नजलतृणानाम्।सोमवत्यमा २ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी१ भानुसप्तमी ३रविदशमी २समय मुहूर्ताः ३४५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९३ खपतिविश्वा ९३, वर्षाविश्वा ७, धान्यम् ५, तृणम् ५, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१०१, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिरुत्तरे। ग्रहण २ चंद्रसूर्ययोः।

सं.२०७९ कार्तिक कृष्णा ३० भौमे ग्रस्तास्त सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो
घं.	४	५	६
मि.	२४	२७	२५
घं.	२४	२७	२९
प.	५३	३१	५५

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् २।१७

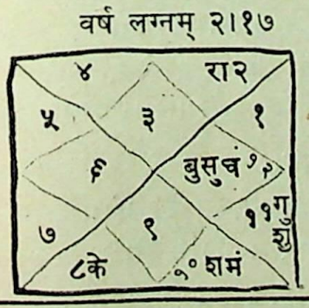

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

माता से कर जोड कर पूछे भैरव लाल।
कैसे बीते जगत में उनियासी की साल।।

भवानी उत्तर

गुण हीनो गुणियासियो निबला वर्षे नीर।
परदेशां के अन्न से बंधे जगत में धीर।।
शनि राजा मंत्री गुरु भलो न यांको संग।
इनकी खैंचाताण में दुनिया होसी तंग।।
फलप भौम सस्येश शनि संवत् विश्वा बाण।
पकी पकाई साख में कर्षा होसी हाण।।
स्तंभ तीन है वर्ष के रोहिणी सिंधु निवास।
संवत् मालाकार घर यह संवत् की आस।।
संवत्सर का फल कहा शर्मा ज्योतिष देख।
ईश भजन सबसे बडा इसमे मीन न मेष।।

सं.२०७९ कार्तिक शुभ १५भौमे ग्रस्तोदित खग्रास चंद्रग्रहणम्।

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	२	३	४	५	६
प.	३७	४६	२७	८	१७
घं.	२०	२३	२५	२६	२९
प.	२५	१८	०	४२	३४

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् १।७

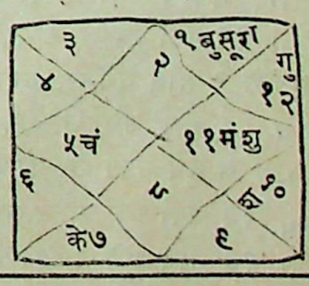

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।९।११

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः फलम् ।। शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूत रोगैः परिपीडयते जनः । युद्धं नृपाणां गद तस्कराद्यैः भ्रमंति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री गुरुः फलम् ।। विविध धान्ययुता खलु-मेदिनी प्रचुर तोय घना मुदिता भवेत् । नृपतयो जन पालन तत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रि समागते ॥ सस्येशः शनिः फलं ॥ रविसुते यदि धान्यपतौ जना नृपतिभिः परिपीड़ित विग्रहाः । गदभयं तुष धान्य हरं सदा दुरित वादविवादयुता नराः ।। धान्येशः शुक्रः फलम् ।। भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्यं समर्घतां यांति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधः फलम् ।। अमृत रश्मि सुते यदि वारिपे बहु जलं तुष धान्य रसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुता धरणी तदा ।। रसेशश्चंद्रः फलं ।। यदि बिधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियां । जल धरा बहुवारि विधायका रसवती धन धान्यवती मही।। नीरसेशः शनिः फलम् ।। अपः पिण्डादादि लोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तुनां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरस नायके ।। फलेशो भौमः फलम् ।। फलपतिर्यदि भूतनयो भवेन्न बहु पुण्य फलान्वित पादापाः । गद भयान्वित देशजनास्तदा नृपतयो बहु विग्रह कारकाः ।। धनेशः शनिः फलम् । द्रविणपे रविजे बिरलं धनं गदरता धरणी पतयः सदा । अधनतां वणिजां कृषि जीविनो द्विजवराः परपीड़न मानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्त-त्फलम् ।। विषम साम्य सुखं शशिजे प्रभौ भवति राष्ट्र जनेषु विशेषतां । शशि सुते यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्यवतां न भयं क्वचित् ।। नलनाम संवत्सरः फलं ।। नलाब्दे मध्य सस्यार्घ वृष्टिभिः प्रवरा धरा । नृप संक्षोभ संजाता भूरि तस्कर भीतयः ।। वर्षनाम भाद्रपदः फलम् ।। अब्दे भाद्रपदे वृष्टिः क्षेमारोग्यं क्वचित् क्वचित् । सर्व सस्य समृद्धिः स्यान्नाशमेति परं फलम् ।। मेघनाम पुष्करस्तत्फलं ।। पुष्करे मंद वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलं ।। समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समयनिवासो माली गृहे फलं ।। मालिनः प्रचुरा वृष्टिः। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १३ गुरौ उफा ल. ८-९ रे ८ ऽ।।।ऽ।।।।।

वैशाख मासः

कृष्णा ३ भौमे अनु ल.गो.(सोग्रांगः)ल.९रे६।ऽ।ऽबुऽ।ऽ।।।
,, ४ बुधे मूले ल. १२ रे. ७ ।।।।।ऽचौऽऽ।।
,, ५ गुरौ मूले ल. गो. (सोग्रांगः) ल. ८
,, ६ शुक्रे उभा ल. ८-१२ रे. ८ ऽ।।।।ऽरो।।।।
शुक्ला २ चन्द्रे रोहि ल. १०-१२ रे. ८ ऽ।।।।ऽ।।।
(मीने व्ययेकीं)
,, ११ गुरौ हस्ते ल. ९-१० (घ.५२या) रे. ७
।।।ऽनृऽ।ऽ।।। पादाद्वेधाभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ३ बुधे मूले ल. १० रे ८ ।।।।।।ऽ।।ऽ दग्धादोषः
,, ५ शुक्रे उषा ल. गो ९ रे ७ ।।।।।।ऽऽऽ।
,, ११ गुरौ रेव ल. ऽन्यगो ९ रे ७ ।।।।।ऽऽऽ।
शुक्ला १ भौमे मृगे ल. ऽन्यगो रे ९।।।।।ऽचौ।।।।
,, ६ चन्द्रे मघा ल. ऽन्यगो ९ रे ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।
,, ८ बुधे उफा ल. गो ९-१० रे ९ ।।।।।।ऽ।।
,, १२ शनौ स्वात्यां ल.ऽन्यगो ९-१० रे८।।।।।ऽरोऽ।।।
,, १५ भौमे मूले ल. १० रे ६ ।।।।ऽऽअऽऽ।।

आषाढ मासः

शुक्ला ४ रवौ मघा ल. ऽन्यगो २ रे ६ ऽ।।।।ऽरोऽऽ।।
,, ९ शुक्रे स्वात्यां ल. गो. रे ८ ।।।।।ऽनृऽ।।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ९ शुक्रे उभा ल. गो. (सौग्रांगः) ल. ६
(गु.चं.पू.) रे ६ ।।ऽवृ।।।ऽऽ।ऽ दग्धा
,, १५ गुरौ मृगे ल. ६ (गु.पू.सत्) रे ६ ।ऽ।।ऽऽनृ।ऽ।।

पौष मासः

शुक्ले ४ बुधे उभा ल. ९ रे ६ ।।ऽवृ।।ऽअऽऽ।।
,, ५ गुरौ उभा ल. ऽन्यगो रे ७ ।।ऽवृ।।।ऽऽ।।
,, ५ गुरौ रेव ल. ९ रे १० ।।।।।।।।।
,, ६ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो रे ९ ।।।।।ऽनृ।।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा १ चन्द्रे मघा ल. ९ रे ६ ऽ।।।ऽ।ऽऽ।।
,, ४ गुरौ उफा ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽऽरोऽ।।।
,, ११ गुरौ मूले ल. ऽन्यगो रे ७ ।ऽ।।।ऽनृ।ऽ।।
शुक्ला ३ बुधे रेव ल. १० (घ.५५-४१उ) रे ९
।।।।।।।।।ऽ दग्धा

चैत्र मासः

कृष्णा १ बुधे हस्ते ल.१०(घ.५४-५६उ)रे९ ।ऽ।।।।।।।।
,, २ गुरौ हस्ते ल. गो. ९ रे ८ ।ऽ।।।ऽचौ।।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४०१४स.२०२२
१	श १३ ५ रे ११ ५६ ऐं ५ ३१ ब १३ ५ ३० ५ ६	१२ २९ २	मे.११।५६		चन्द्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	र १४ ३७ अ १४ १३ वै ४ १७ की १४ ३७ ५७ ४९ ११	१३ १ ३	मेषे		रमजान ९ सिंधारा
३	चं १७ ४१ भ १९ ४९ वि ३ ५८ ग १७ ४१ ३१ ४८ १२	१४ २ ४	वृ.३६।१९		भ.४९।५७उ.मत्स्यजयंती गणगौरी
४	मं २२ १३ कृ २५ ५० प्री ४ ३९ वि २२ १३ ५ ४७ १३	१५ ३ ५	वृषे		भ.२२।१३या.
५	बु २७ ३२ रो ३२ ३७ आ ६ १७ बा २७ ३२ ८ ४६ १४	१६ ४ ६	वृषे		शतेशुक्रः२०।४३
६	गु ३३ ४८ मृ ४० १४ सौ ८ ४५ की ० ४० १२ ४६ १४	१७ ५ ७	मि६।२६		कुंभेभौमः३१।३१
७	शु ४० ८ आ ४७ १८ शो १० ५५ ग ६ ५८ १६ ४५ १५	१८ ६ ८	मिथुने		भ.४०।८उ.अश्वि.मेषेबुधः१४।२
८	श ४६ १ पु ५४ ५६ अ १३ १७ वि १३ ४ १९ ४४ १६	१९ ७ ९	क.३८।२		भ.१३।४या. [=पातमोक्षः५९।२३
९	र ५१ १३ पु ६० ० सु १५ ५ बा १८ ३७ २३ ४३ १७	२० ८ १०	कर्के		रामनवमी [×भरण्यांबुधः ४३ प्रदोषः
१०	चं ५४ ५० पु ० ५२ धृ १५ ३१ तै २३ १ २६ ४३ १७	२१ ९ ११	कर्के		कृत्ति.१राहुःविशा.३केतुः५६।२७
११	मं ५६ ५२ श्ले ५ २८ शू १४ ५२ व २५ ५० ३० ४२ १८	२२ १० १२	सिं५।२८		भ.२५।५०उ.५६।५२या. कामदा११व्र.
१२	बु ५६ ४१ म ८ १० गं १२ ४७ ब २६ ४० २४ ४१ १९	२३ ११ १३	सिंहे		पूभा.४मीनेगुरुः १३ ३ पातस्पर्शः ४ ८ =
१३	गु ५४ ५१ पू ९ ११ बृ ९ ११ कौ २५ ४७ २८ ४० २०	२४ १२ १४	कं.२४।०		अश्वि.मेषेऽर्कः४।५७ (सौरः११।१६)×
१४	शु ५१ १० उ ८ २४ ध्रु ४ ३ ५ ३ ८ ग २३ ० ४२ ४० २०	२५ १३ १५	कन्यायां		भ.५१ ०उ.बुधोदयःपश्चिमायां०।५५
१५	श ४५ ५९ ह ५ ५९ ह ५० ३२ वि १८ ३४ ४६ ३९ २१	२६ १४ १६	तु.३४।८		भ.१ ८या.शते.भौमः२ ४हनुमन्जयंती

५२पं.चै.शु.४मं.इ.४९।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	१०	१०	९	१	११
२१	२८	२५	२८	६	२८	०	२१
५३	४६	१	१६	६	१०	१९	४७
३१	१२	४४	४४	११	२३	१६	३९
५९	४३	५	१३	६३	५	३	५९
४	१६	३२	१३	५९	२४	११	४

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले १३ गुरौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

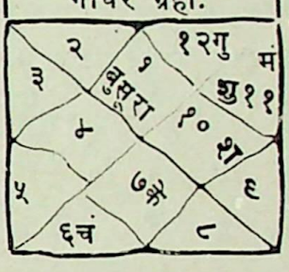

१पं.चै.शु.१३वृ.इ. ५ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	११	१०	९	०	११
०	४	१२	०	१५	२८	२९	२९
०	५९	५	१०	२	५२	५३	५३
०	४२	२६	४४	४६	४८	११	५२
५८	४३	३	१२	६५	४	३	५८
४४	१२	१३	४७	४७	५०	११	४५

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	र ३९ ४३ चि २ ५६ १६ व ४२ २९ बा १२ ५० ३१ ५ ६	२७ १५ १७	तुलायां		
२	चं ३२ ५३ वि ५२ ३३ सि ३३ ५८ तै ६ १७ ५३ ३७ २३	२८ १६ १८	बृ.३८।४८		भ.५९।१७उ.पूभा.शुक्रः३५।२८.
३	मं २५ ४२ अ ४७ १९ व्य २५ २५ वि २५ ४२ ५७ ३७ २३	२९ १७ १९	वृश्चिके		भ.२५।४२या. चतुर्थी व्रतम्
४	बु १८ ४० ज्ये ४२ २६ व १७ ११ बा १८ ४० ३२ ३६ २४	३० १८ २०	ध.४२।२६		
५	गु १२ ३ मू ३८ ९ प ८ ५३ तै १२ ३ ५ ३५ २५	१ १९ २१	धनुषि		भा.वैशाखारंभः
६	शु ६ ५ पू ३४ २० शि १ १४ ५ २ व ६ ५ ९ ३४ २६	२ २० २२	म.४८।३४		भ.६उ.३ ३या.कृत्ति.बुधः१ ४
७	श ० २९ उ ३१ १८ सा ४७ ४६ व ० २९ १२ ३४ २६	३ २१ २३	मकरे		
८	श ५५ ३० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	० ० ०			
९	र ५१ ५९ श्र २८ ५९ शु ४१ ४९ तै २३ ५९ १६ ३३ २७	४ २२ २४	कुं.५८।१६		वृषेबुधः१४।४०
१०	चं ४८ ५२ ध २७ ३३ शु ३६ ४६ व २० २५ २० ३२ २८	५ २३ २५	कुंभे		भ.२०।२५उ.४८।५२या.
११	मं ४६ ४५ श २७ ० ब्र ३२ २१ व १७ ४८ २३ ३१ २९	६ २४ २६	कुंभे		वरुथिनी११व्र.
१२	बु ४५ १८ पू २६ ५९ ए २८ ५६ की १६ १ २७ ३१ २९	७ २५ २७	मी१२।०		भरण्यांरविः ४ ५४ (सौरः ५ २ १)मीनेशुक्रः ३ ३
१३	गु ४५ १५ उ २८ २६ वै २५ ५७ ग १५ १८ ३१ ३० ३०	८ २६ २८	मीने		भ.४ ५उ.उभा.१गुरुः ३ ५ प्रदोषः
१४	शु ४५ ४९ रे ३० ४७ वि २४ २६ वि १५ ३२ ३४ २९ ३१	९ २७ २९	मे.३०।४७		भ.१५।३२या.
२०	श ४८ १२ अ ३४ २९ प्री २३ २० च १७ ० ३८ २८ ३२	१० २८ ३०	मेषे		उभा.शुक्रः २ ६ ४धनि.३कुंभेशनिः ५ ०

२पं वै कृ.५वृ.इ. ५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	११	१०	९	०	०
६	१०	२४	१	२२	२९	२९	६
५०	१५	४३	४३	४७	२३	३०	४४
४२	३२	५५	५५	३५	२०	५५	३
५८	४३	० ५	१२	६७	४	३	५८
२१	११		२०	१०	२२	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में धातु सोना चाँदी रुई रंग धान्य गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ तेज हो रसकस कुछ मंदे हो ।

गोचर ग्रहाः

३पं.वै.कृ.१३वृ.इ. ५ ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	१	११	११	९	०	०
१३	१५	४	३	०	२९	२९	१३
३९	३१	१५	१३	२९	४९	८	३२
४७	३०	३२	३०	२२	४८	४०	२८
५८	४३	६६	१२	६८	३	३	५८
१९	१३	४०	२	१४	४२	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४									दि. उ. अ.			भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४०४३स.२०२२
१	र	५१	३१	भ	३९	१३	आ	२२	४९	कि	१९	५२	३२ ४१	५ २८	३२	११	२९ १	वृ.५५।४३	मई५ता.३१
२	चं	५५	५६	कृ	४५	१३	सौ	२३	५५	बा	२३	४४	४५	२७	३३	१२	३० २	वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	मं	६०	०	रो	५१	४३	शो	२५	२५	तै	२८	३९	४८	२६	३४	१३	१ ३	वृषे	सव्वाल१०परशुरामजयंतीअक्षया३
४	बु	१	२२	मृ	५९	१३	अ	२७	२५	ग	१	२२	५२	२६	३४	१४	२ ४	मि२५।२८	भ.३४।२५उ.पूभा.भौमः०।३७
५	गु	७	२८	आ	६०	०	सु	२९	४९	वि	७	२८	५५	२५	३५	१५	३ ५	मिथुने	भ.७।२८या.
६	शु	१३	५३	आ	६	५४	धृ	३२	२७	बा	१३	५३	५८	२४	३६	१६	४ ६	क.५७।३०	रोहि.बुधः१८।४७
७	श	२०	५	पु	१४	२२	शू	३४	४०	तै	२०	५	३३	२४	३६	१७	५ ७	कर्के	[=बुधास्तःपश्चिमायां१९मोहिनी११व्र.
८	र	२५	३५	पु	२१	११	गं	३६	५	व	२५	३५	५	२३	३७	१८	६ ८	कर्के	भ.२५।३५उ.५७।४३या.
९	चं	२९	५१	श्ले	२६	५०	वृ	३६	४०	ब	२९	५१	८	२२	३८	२९	७ ९	सिं२६।५०	वक्रीबुधः२४पातस्पर्शः३५पातमोक्षः४८
१०	मं	३२	२९	म	३१	१	धु	३५	४७	बा	१	११	११	२२	३८	२०	८ १०	सिंहे	[+८।२०उभा.२गुरुः२०।२३
११	बु	३३	२२	पू	३३	११	व्या	३३	२२	तै	२	५५	१४	२१	३९	२१	९ ११	कं.४८।१६	कृत्ति.रविः३१।१०(सौरः४०।५३)
१२	गु	३२	११	उ	३३	२८	ह	२९	१९	व	२	४६	१७	२१	३९	२२	१० १२	कन्यायां	भ.२।४६उ.३२।११या.रेवत्यांशुक्रः२७=
१३	शु	२८	४७	ह	३१	३१	व	२३	४०	व	०	२९	२०	२०	४०	२३	११ १३	तु.५९।१२	प्रदोषः
१४	श	२३	४०	चि	२६	५४	सि	१६	३२	तै	२३	४०	२३	१९	४१	२४	१२ १४	तुलायां	वृषेऽर्कः३६वक्रीकृत्तिबुधः१४७नृसिंह जयंती
१५	र	१६	४५	स्वा	२२	४४	व्य	८	५० ५०	व	१६	४५	२६	१९	४१	२५	१३ १५	तुलायां	भ.१६।४५उ.४२।४५या.वृषेऽर्कःसौरः +
१५	चं	८	४४	वि	१६	३३	प	४८	५९	ब	८	४४	२८	१८	४२	२६	१४ १६	वृ.३।६	यमायकुंभदानम्

४पं.वै.शु.४वृ.इ ५ ३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	१	११	११	१०	०	०
२०	२०	९	४	८	०	२८	२०
२७	४७	३२	५१	३६	१२	४६	१९
२५	१०	२	१३	०	२६	२४	१३
५८	४३	२२	११	६९	३	३	५७
६	२८	५८	२६	४	८	११	५७

गोचर ग्रहाः

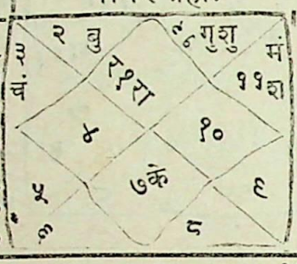

वैशाखशुक्ला १३ शनौ वृषेऽर्कः प्रविष्ट. वा.३ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्या दिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

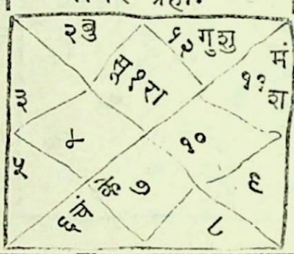

५पं.वै.शु.११वृ.इ. ५ ५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	१	११	११	१०	०	०
२७	२६	१०	६	१६	०	२८	२७
१३	२	३०	४	२८	३०	२४	४
३७	२४	२२	३७	१३	३६	९	२७
५७	४३	१३ ४९	१०	६९	२	३	५७
५४	२१	व.	५५	५५	२३	११	४५

ति	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४									दि. उ. अ.			भा.	मु.	इं	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	चं	५१	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	५१	९	अ	१०	२	शि	३८	५५	तै	२५	३४	३३ ५१	१८ ४९	३३	२७	१५ १७	वृश्चिके	मीनेभौमः२०।१४
३	बु	४२	२९	ज्ये	११ ३५	३५	सि	२९	८	व	१६	४९	३४	१७	४३	२८	१६ १८	ध.३।११	भ.१६।४९उ.४२।२९या.
४	गु	३४	२१	पू	५१	०	सा	२०	२	ब	८	२५	३७	१७	४३	२९	१७ १९	धनुषि	चतुर्थी व्र.
५	शु	२७	१२	उ	४६	२८	शु	११	१०	कौ	०	४६	३९	१६	४४	३०	१८ २०	म.४।५२	[×पातस्पर्शः४०।१५पातमोक्षः५४।५५
६	श	२१	१६	श्र	४३	२	शु	३७ ३९	२९	व	२१	१६	४३	१६	४४	३१	१९ २१	मकरे	भ.२१।१६उ.४८।५९या.उभा.भौम.३६×
७	र	१६	४१	ध	४०	५७	ऐं	५१	४६	ब	१६	४१	४४	१५	४५	१	२० २२	कु.१२।०	भा.ज्येष्ठारंभः
८	चं	१३	२५	श	४०	२२	वै	४७	२७	कौ	१३	२५	४७	१५	४५	२	२१ २३	कुम्भे	अश्वि.मेषेशुक्रः४०।४२
९	मं	११	२९	पू	४०	५५	वि	४४	५	ग	११	२९	४९	१४	४६	३	२२ २४	मी२५।४७	भ.४१।१०उ.
१०	बु	१०	५२	उ	४२	५८	प्री	४१	५८	वि	१०	५२	५२	१४	४६	४	२३ २५	मीने	भ.५२या.रोहि.रविः२९ (सौरः३४।२८)
११	गु	११	३९	रे	४६	७	आ	४०	४३	बा	११	३९	५४	१३	४७	५	२४ २६	मे.४६।७	अपरा११व्र.
१२	शु	१३	२५	अ	५०	२३	सौ	४०	३७	तै	१३	२५	५६	१३	४७	६	२५ २७	मेषें	प्रदोषः
१३	श	१६	३६	भ	५५	३८	शो	४०	४५	व	१६	३६	५८	१२	४८	७	२६ २८	मेषें	भ.१६।३६उ.४८।३४या.
१४	र	२०	३२	कृ	६०	०	अ	४१	५१	श	२०	३२	३४ ००	१२	४८	८	२७ २९	वृ.१२।१०	
३०	चं	२५	३८	कृ	१	४३	सु	४३	३२	ना	२५	३८	२	१२	४८	९	२८ ३०	वृषे	वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ.४वृ.इः ६।४							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	११	१०	०	१
३	१	८	७	२९	०	२८	३
५८	१६	८	२३	४३	४४	१	४८
३७	५	२२	६	१९	२०	५३	१०
५७	४२	३२ १३	१०	७०	१	३	५७
४४	८	व.	१२	३५	३८	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर अलसी धातु सोना चांदी रसकस तेज रहे कहीं २ अच्छी वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

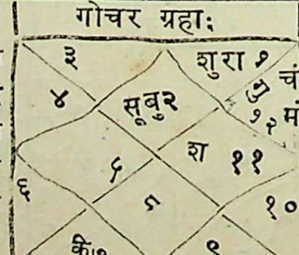

७पं.ज्ये.कृ.११वृ.इ.६।१०							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	०	१०	०	१
१०	६	४	८	२	०	२७	१०
४२	२८	२०	३६	५२	५३	३९	३०
२९	४१	१३	४७	२३	६	३७	२१
५७	४२	३० ४०	९	७१	१	३	५७
३५	५३	व.	२९	६	५	११	२३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४०७३स.२०२२

१	मं	३०	५३	रो	८	३१	धृ	४५	४४	व	३०	५३	३४	११	४९	१०	२९	३१	मि४२।११	बुधोदयःपूर्वस्यां१०।५४चंद्रदर्शनम्
२	बु	३७	४	मृ	१५	५१	शू	४८	१७	बा	३	५८	५	११	४९	११	१	१	मिथुने	जून६ता.३०जिल्काद११
३	गु	४३	२२	आ	२३	२७	गं	५०	४०	तै	१०	१३	७	११	४९	१२	२	२	मिथुने	
४	शु	४९	३२	पु	३१	०	बृ	५२	५६	व	१६	२७	९	१०	५०	१३	३	३	क.१४।७	भ.३६उ.४३या.भरण्यांशुक्रः५९उभा.३
५	श	५५	१६	पु	३८	१९	धु	५५	११	ब	२२	२४	१२	१०	५०	१४	४	४	कर्के	[+ गुरुः४७।२२
६	र	६०	०	श्ले	४४	३५	व्या	५६	२८	कौ	२७	३८	१३	९	५१	१५	५	५	सिं४४।३५	मार्गीबुधः२५।५४वक्रीशनिः२६।१५
६	चं	०	५	म	५०	२	ह	५६	४७	तै	०	५	१५	९	५१	१६	६	६	सिंहे	
७	मं	३	३१	पू	५३	४४	व	५५	४७	व	३	३१	१६	९	५१	१७	७	७	सिंहे	भ.३।३१उ.३४।२७या.
८	बु	५	२२	उ	५५	३५	सि	५३	१५	व	५	२२	१७	९	५१	१८	८	८	कं.९।११	मृगेरविः१६(सौरः३३)रेवत्यांभौमः५९
९	गु	५	२४	ह	५५	३५	व्य	४९	३३	कौ	५	२४	१८	८	५२	१९	९	९	कन्यायां	गंगादशमी
१०	शु	३	१९	चि	५३	३८	व	४३	३२	ग	३	१९	१९	८	५२	२०	१०	१०	तु.२४।३६	भ.३१०उ.३५०या.निर्जला११व्र.स्मा.
११	शु	५६	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	श	५३	११	स्वा	४९	३४	प	३६	१३	ब	२६	१६	१९	८	५२	२१	११	११	तुलायां	निर्जला११व्र.वै.
१३	र	४५	३७	वि	४३	४५	शि	२७	२२	कौ	१९	२४	२०	८	५२	२२	१२	१२	वृ.३०।१२	प्रदोषः
१४	चं	३६	३९	अ	३६	४९	सि	१७	४८	ग	११	८	२१	८	५२	२३	१३	१३	वृश्चिके	भ.३६उ.भरणी४राहुःविशा.२केतुः११
१५	मं	२६	५६	ज्ये	२९	१२	सा	२३	४९	बि	१	४७	२१	८	५२	२४	१४	१४	ध.२९।१२	भ.४७या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

८पं,ज्ये.शु.३वृ.इ.६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	०	१०	०	१
१७	११	२	९	११	०	२७	१७
२५	३७	९	४५	४	५७	१७	११
१९	५	४३	२२	२६	४८	२२	२७
५७	४२	१३	८	७१	०	३	५७
२७	५१	व.	४१	३८	२०	११	१३

गोचर ग्रहाः

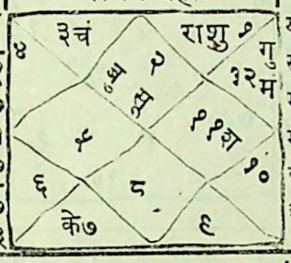

यदा दैत्य गुरुर्मेषे
सर्वधान्य महर्घता ।
महिषी पशु पिडाच
मेघ वर्षा भविष्यति।।
इस मास में मेष का
शुक्र तेजी करेगा ।

गोचर ग्रहाः

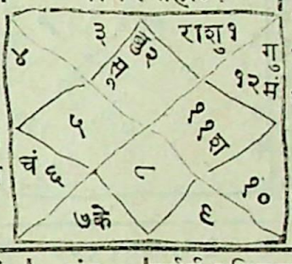

९पं.ज्ये.शु.९वृ.इ.१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	०	१०	०	१
२४	१६	३	१०	१९	०	२६	२३
७	४४	२७	४८	१८	५६	५५	५१
१९	२८	५४	०	४७	५३	६	२३
५७	४२	१४	७	७२	२०	३	५७
२२	३६	मा	४२	२	व.	११	५

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वर्षर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.

१	बु	१६	५३	मृ	२१	३७	शु	४५	५२	कौ	१६	५३	३४	८	५३	२५	१५	१५	धनुषि	मिथुनेऽर्कः१५(सौरः३४)कृत्तिशुक्रः२०१५
२	गु	५०	५५	पू	१४	५	ब्र	३५	३०	ग	७	१३	२२	८	५२	२६	१६	१६	म.२७।२३	भ.३२।३९उ.५८।६या.
३	शु	५०	११	उ	७	१७	ऐं	२६	२	ब	२४	८	२२	८	५२	२७	१७	१७	मकरे	पातस्पर्शः३०पातमोक्षः४०चतुर्थी व्र.
४	श	४३	४३	श्र	५२	५८	वै	१७	३९	कौ	१६	५७	२३	७	५३	२८	१८	१८	कुं.२९।५१	रोहि.बुधः५५।५३बृषेशुक्रः५।५८
५	र	३९	८	श	५५	४०	वि	१०	४३	ग	११	२६	२३	७	५३	२९	१९	१९	कुम्भे	भ.३९।८उ.
६	चं	३६	१८	पू	५५	२०	प्री	५	४	वि	७	४३	२३	७	५३	३०	२०	२०	मी४०।२५	भ.७।४३या
७	मं	३५	१५	उ	५६	५१	आ	१०	५७	बा	५	४६	२४	७	५३	३१	२१	२१	मीने	
८	बु	३६	२	रे	५९	५८	शो	५६	५६	तै	५	३८	२४	७	५३	१	२२	२२	मे.५९।५८	आर्द्रा.रविः१४(सौरः३५)भा.आषाढारंभ
१०	गु	३८	१०	अ	६०	०	अ	५७	१	व	७	६	२४	७	५३	२	२३	२३	मेषे	भ.७।६उ.३८।१०या.
११	शु	४१	४९	अ	४	२३	सु	५७	४८	ब	९	५९	२४	७	५३	३	२४	२४	मेषे	योगिनी११व्र.
१२	श	४६	३०	भ	१०	०	धृ	५९	९	कौ	१४	१०	२४	७	५३	४	२५	२५	वृ.२६।३५	
१३	र	५१	५९	कृ	१६	२०	शू	६०	०	ग	१९	१४	२३	७	५३	५	२६	२६	वृषे	भ.५१।५९उ.रोहि.शुक्रः२८।११प्रदोषः
१४	चं	५७	४३	रो	२३	३१	शू	११	४	वि	२४	५२	२३	७	५३	६	२७	२७	मि५७।११	भ.२४।५२या.अश्वि.मेषेभौमः२६।४८
२०	मं	६०	०	मृ	३०	५१	गं	३	२२	च	३०	४९	२२	८	५२	७	२८	२८	मिथुने	मृगेबुधः२५।२८
२०	बु	३	५५	आ	३८	२९	बृ	५	५५	ना	३	५५	२२	८	५२	८	२९	२९	मिथुने	

१०पं.आ.कृ.गु.२इ.६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	११	०	१०	०	२
०	२१	७	११	२७	०	२६	०
४८	४९	३९	४३	३५	५१	३२	३०
३६	४१	३२	३०	३१	२२	५१	३२
५७	४२	४९	६	७२	१०	३	५६
१७	१७	४१	५३	२५	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

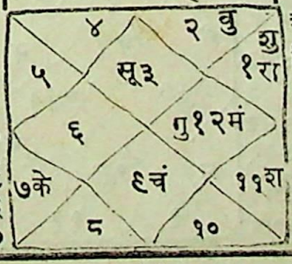

आषाढ कृष्णे १ बुधे
मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.
५न.५ गतालकावस्था
(ऊभी) मु.३० धान्या
दिभावेसमताशुक्रोदय
पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

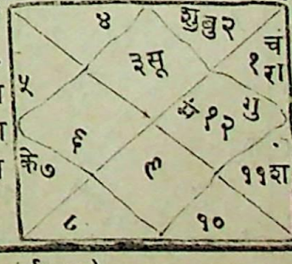

११पं.आ.कृ.१०वृ.इ.६।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	११	१	१०	०	२
७	२६	१५	१२	५	०	२६	७
२९	५०	३५	३२	५५	४१	१०	८
३१	३५	२	३१	२३	३५	३५	५९
५७	४१	८१	५	७२	४९	३	५६
१३	५९	१४	४८	४०	व.	११	५४

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४										दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविदक्षिणेऽहर्गणः ४१०३स.२०२२
१	गु	१०	४	पु	४५	५८	ध्रु	८	१९	ब	१०	४	३४	५	८५२	९	३०	३०	कं.२९।५	चंद्रदर्शनम्
२	शु	१६	१	पु	५३	१४	व्या	१०	४४	कौ	१६	१	२०	८	५२	१०	१	१	कर्के	उभा.४गुरुः २७/४ जौलाई७ता. ३१जिल्हेज =
३	श	२१	३१	श्ले	५९	२८	ह	१२	४४	ग	२१	३१	१९	८	५२	११	२	२	सिं५९।२८	भ.५३।५१उ.मिथुनेबुधः१०।१५
४	र	२६	१२	म	६०	०	व	१३	५६	वि	२६	१२	१८	८	५२	१२	३	३	सिंहे	भ.२६।१२या. [=१२रथयात्रा
५	चं	२९	५३	म	५	१०	सि	१४	४९	बा	२९	५३	१७	९	५१	१३	४	४	सिंहे	
६	मं	३२	१७	पू	९	४७	व्य	१४	४७	कौ	१	५	१६	९	५१	१४	५	५	क.२५।३५	आर्द्रबुधः ४/३३ बुधास्तःपूर्वस्यां३५।४१
७	बु	३३	९	उ	१२	५८	व	१३	२५	ग	२	४३	१५	९	५१	१५	६	६	कन्यायां	भ.३ ३/४ उ पुन.रविः १३/१९ (सौरः ३/४९)
८	गु	३२	३२	ह	१४	३७	प	१०	४३	वि	२	५०	१४	९	५१	१६	७	७	तु.४४।२९	भ.२।५०या.मृगेशुक्रः३८।५२
९	शु	२९	५९	चि	१४	२३	शि	६	४४	बा	१	१६	१३	९	५१	१७	८	८	तुलायां	
१०	श	२५	४४	स्वा	१२	२३	सि	१३/१	५३/७	ग	२५	४४	११	१०	५०	१८	९	९	वृ.५४।३७	भ.५३/४ उ.वक्रीधनि.२मकरेशनि ५०।२२
११	र	१९	३८	वि	८	४१	शु	४६	१३	वि	१९	३८	१०	१०	५०	१९	१०	१०	वृश्चिके	भ.१९।३८या.देवशयनी११व्र.
१२	चं	१२	०	अ	३०/३	५३/२३	शु	३६	४७	ब्रा	१२	०	८	१०	५०	२०	११	११	ध.५६।५२	प्रदोषः
१३	मं	३	६	मू	४९	२२	ब्र	२६	३५	तै	३	६	७	११	४९	२१	१२	१२	धनुषि	भ.५३।२२उ.पुन.बुधः२१।४७
१४	मं	५०	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	[×पूजा वायु परीक्षा
१५	बु	४३	१९	पू	४१	३२	ऐं	१५	४४	वि	१८	२०	५	११	४९	२२	१३	१३	म.५४।३२	भ.१८।१०या.मिथुनेशुक्रः१३।३२व्यास×

१२पं.आ.शु.१वृ.इ.६।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	११	१	१०	०	२
१४	१	२६	१३	१४	०	२५	१३
९	५०	१९	१३	१६	२७	४८	४७
५८	३१	८	४१	३७	४	१९	४
५७	४१	०/५९	४	७३	२/२२	३	५७
७	३७	४९	४१	१	व	११	७

गोचर ग्रहाः

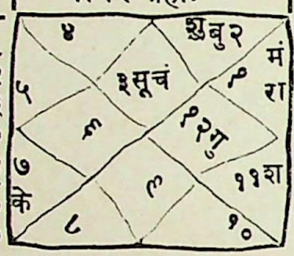

इस माससमें गुड़शक्कर गन्ना चीनी वस्त्र तेज हो धान्य-गल्ले में कुछ मंदी चले प्रजा में विरोध फैलें कहीं २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

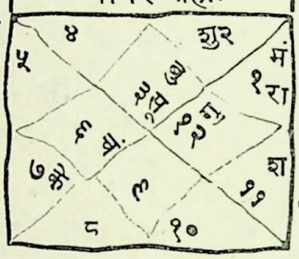

१३पं.आ.शु.८वृ.इ. ६।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	११	१	१०	०	२
२०	६	९	१३	२२	०	२५	२०
५०	४५	२५	४६	३९	८	२६	२४
२४	४७	५५	३४	५४	१३	४	५८
५७	४०	२९/५२	३	७३	०/३	३	५६
७	५७	२५	३५	१६	व.	११	१०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	गु	३३	२०	उ	३३	३३	वै	५/४	४९/१३	बा	८	१९	३४	५	११	४९	२३	१४	१४	मकरे	
२	शु	२४	७	श्र	२६	३५	प्री	४४	१७	ग	२४	७	१	१२	४८	२४	१५	१५	कुं.५३।४०	भ.५०।४उ.
३	श	१६	१	ध	२०	४६	आ	३५	३५	वि	१६	१	३३/९	१२	४८	२५	१६	१६	कुंभे	भ.१६/७ या.कर्केऽर्कः ४३/७ भरण्यांभौमः =
४	र	९	३४	श	१६	३६	सौ	२८	११	बा	९	३४	५७	१३	४७	२६	१७	१७	मी५९।४७	कर्केऽर्कःसौरः १३/१९ ककेंबुधः४।३७
५	चं	५	७	पू	१४	११	शो	२२	२१	तै	५	७	५५	१३	४७	२७	१८	१८	मीने	पुष्येबुधः १५/३ आर्द्राशुक्रः४६।१३नाग ५
६	मं	२	४४	उ	१३	५०	अ	१८	८	व	२	४४	५२	१४	४६	२८	१९	१९	मीने	भ.२।४४उ.३२।३९या.
७	बु	२	३३	रे	१५	४९	सु	१५	४५	व	२	३३	५०	१४	४६	२९	२०	२०	मे.१५।४९	पुष्येरविः ११।५५ (सौरः ४३।६)
८	गु	४	९	अ	१९	२०	धृ	१४	४४	कौ	४	९	४८	१४	४६	३०	२१	२१	मेषे	[=४१।५चतुर्थी व्र.
९	शु	७	३८	भ	२४	३९	शू	१५	२३	ग	७	३८	४५	१५	४५	३१	२२	२२	वृ.४१।१३	भ.३९।५४उ.
१०	श	१२	१०	कृ	३०	५६	गं	१६	२९	वि	१२	१०	४३	१५	४५	१	२३	२३	वृषे	भ.१२।१०या.भा.श्रावणारंभः
११	र	१८	१०	रो	३८	२५	बृ	१८	४०	बा	१८	१०	४०	१६	४४	२	२४	२४	वृषे	आश्ले.बुधः४७।४९कामिका ११व्र.
१२	चं	२४	१३	मृ	४५	५२	ध्रु	२१	४	तै	२४	१३	२८	१६	४४	३	२५	२५	मि१२।८	प्रदोषः
१३	मं	३०	३७	आ	५३	३६	व्या	२३	४२	व	३०	३७	३५	१७	४३	४	२६	२६	मिथुने	भ.३०।३७उ.
१४	बु	३६	४०	पु	६०	०	ह	२६	४	वि	३	३८	३३	१७	४३	५	२७	२७	क.४४।२	भ.३।३८या.वक्रीगुरुः२०।२३
३०	गु	४२	१९	पु	०	५०	व	२८	१६	च	९	२९	३०	१८	४२	६	२८	२८	कर्के	बुधोदयःपश्चिमायां५५।५१हरियाली

१४पं.श्रा.कृ.१वृ.इ.५।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	११	२	९	०	२
२७	११	२३	१४	१	२९	२५	२७
३०	३५	४०	११	४	४६	३	३
४३	२०	५२	२	२	५	४८	५
५७	४०	२/५	२	७३	३/९३	३	५६
११	२८	१/५७	●	२६	व.	११	५४

१५पं.श्रा.कृ.८वृ.इ.५।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	११	२	९	०	३
४	१६	९	१४	१/९	२९	२४	३
११	२०	११	२६	३१	२०	४१	४१
२८	१७	५३	६	१९	४६	३३	३२
५७	३९	१/५५	०	७३	५८/३	३	५६
१५	४६	४०	५८	४०	व.	११	५९

१६पं.श्रा.कृ.३०वृ.इ.५।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	११	२	९	०	३
१०	२०	२३	१४	१७	२८	२४	१०
५२	५८	३	३२	५९	५२	१९	२०
३०	३७	२५	३१	३१	३७	१७	४९
५७	३९	१/५	०	७३	१४/४	३	५७
२०	१४	४८	व.	५०	व.	११	५

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४४									दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१३२सन् २०२२
१	शु	४७	६	पु	८	५	सि	२६	५६	कं	१४	४४	३७	१९	४६	७ २६ २६	कर्के	पुन.शुक्रः ४३।३२
२	श	५१	२६	श्ले	१३	५२	व्य	३१	८	बा	१६	१७	२४	१६	४१	८ ३० ३०	सिं १३।५२	चंद्रदर्शनम्सिंधारा
३	र	५४	३१	म	१६	१३	व	३१	४०	तै	२२	५८	२२	२०	४०	९ १ ३१	सिंहे	मघा.सिंहेबुधः ५९ मोहोरम १सन् १४४४ =
४	चं	५६	३१	पू	२३	३२	प	३१	८	व	२५	३१	१९	२०	४०	१० २ १	कं.३६।२३	भ.३५ उ.५६ या.अगस्तदता.३१वरद४
५	मं	५७	२८	उ	२६	५३	शि	३०	१	ब	२६	५६	१६	२१	३९	११ ३ २	कन्यायां	नागपंचमी [=हि.तीज
६	बु	५७	११	ह	२६	६	सि	२८	१०	कौ	२७	१६	१३	२१	३६	१२ ४ ३	तु.५६।३४	आश्ले.रविः८।५६ (सौरः४३।५३)
७	शु	५५	४३	चि	३०	२	सौ	२४	५६	ग	२६	२७	१०	२२	३८	१३ ५ ४	तुलायां	भ.५५।४३उ.
८	शु	५२	४५	स्वा	२६	३१	शु	२०	५३	वि	२४	१४	७	२३	३७	१४ ६ ५	तुलायां	भ.२४।१४या.कृत्ति.भौमः ५७।१४
९	श	४८	२६	वि	२७	४६	शु	१५	२७	बा	२०	३५	४	२३	३७	१५ ७ ६	वृ.१३।१२	कर्केशुक्रः ५५।४९
१०	र	४२	४३	अ	२४	३५	ब्र	९	४	तै	१५	३४	०	२४	३६	१६ ८ ७	वृश्चिके	
११	चं	३५	४५	ज्ये	२०	७	ऐं	३८	५१	व	६	१४	३२	२५	३५	१७ ९ ८	ध.२०।७	भ.९ उ.३५ या.पूफा.बुधः ४६ पवित्रा ११ब्र
१२	मं	२७	४२	मू	१४	२८	वि	४३	४६	व	१	४३	५४	२५	३५	१८ १० ९	धनुषि	पुष्येशुक्रः ४२।३९ प्रदोषः
१३	बु	१८	५८	पू	८	१	प्री	३३	४९	तै	१८	५८	५०	२६	३४	१९ ११ १०	म.२१।१५	
१४	शु	९	४०	उ	५७	५२	आ	२३	२४	व	९	४०	४७	२७	३३	२० १२ ११	मकरे	भ.९।४०उ.३५।९या.बृषेभौमः १७।७
१५	शु	०	३७	ध	४७	१७	सौ	१३	२८	ब	०	३७	४४	२७	३३	२१ १३ १२	कु.२०।३२	श्रावणीकर्मरक्षाबंधनम्

१७पं.श्रा.शु.७वृ.इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	११	२	९	०	३
१७	२५	५	१४	२६	२८	२२	१७
३४	२८	३५	२८	३०	२२	५७	०
१२	३४	१०	३४	७	४१	१	३७
५७	३८	३९	३३	७३	३४	३	५७
२५	२१	३४	वें.	५६	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

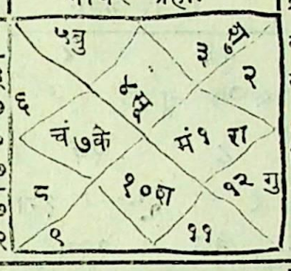

श्रावण कृष्णे ३ शनौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ६ बालावस्था बैठी मु. १५धान्या-दिभावेमहर्घता शुक्रोदय पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

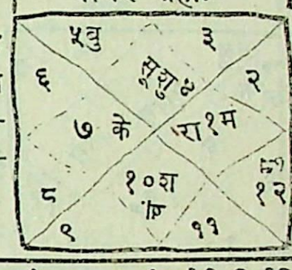

१८पं.श्रा.शु.१४वृ.इ. २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	५	११	३	९	०	३
२४	२९	१६	१४	५	२७	२३	२३
१६	५२	४८	१५	२	५१	३४	४१
३७	३४	१४	२९	२	४०	४६	४४
५७	३७	९१	५३	७४	४०	३	५७
३३	२०	३८	व.	२	व.	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४४									दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु	५१	२८		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	४४	४६	श	४१	५३	शो	४४	५१	तै	१८	२७	३२	२८	३३	२२ १४ १३	कुम्भे
३	र	३६	११	पू	३८	८	सु	४८	७	व	१२	०	३७	२९	३१	२३ १५ १४	मी २४।४ भ.१२।० उ.३६।११या.चतुर्थीब्र.
४	चं	३५	२२	उ	३५	५१	भृ	४२	२३	ब	७	१६	३३	२९	३१	२४ १६ १५	मीने भरणी ३ राहुः विशा.१ केतुः ४३।४६
५	मं	३३	५१	रे	३६	२	शू	३८	२३	कौ	४	३७	२०	३०	३०	२५ १७ १६	मे.३६।२ चंद्रषष्ठी
६	बु	३४	२०	अ	३८	७	गं	३५	५५	ग	४	५	२६	३१	२९	२६ १८ १७	मेषे भ.३४ उ.मघा.सिंहेऽर्कः ५८ (सौरः ४०)
७	शु	३७	५	भ	४२	१७	वृ	३५	२२	वि	५	४३	२२	३२	२८	२७ १९ १८	वृ.५८।४३ भ.४३ या.उफा.बुधः ४८ जन्माष्टमीब्र.स्मा.
८	शु	४१	१७	कृ	४८	०	धु	३५	४४	बा	९	११	१९	३२	२८	२८ २० १९	वृषे जन्माष्टमी व्र.वै.
९	श	४६	४७	रो	५४	५२	व्या	३७	२५	तै	१४	२	१५	३३	२७	२९ २१ २०	वृषे कन्यायांबुधः ४१ आश्ले.शुक्रः ३३ गोगा ९
१०	र	५२	५८	मृ	६०	०	ह	३९	३२	व	१९	५२	१२	३४	२६	३० २२ २१	मि २८।२९ भ.१९।५२ उ.५२।५८ या.
११	चं	५९	२३	मृ	२	८	व	४२	२	ब	२६	१०	८	३४	२६	३१ २३ २२	मिथुने अजा ११ब्र. [H पिठोरी ३०
१२	मं	६०	०	आ	९	५३	सि	४४	३४	कौ	३२	२७	४	३५	२५	१ २४ २३	मिथुने भा.भाद्रपदारंभः वत्सद्वादशी
१३	बु	५	३१	पु	१७	१७	व्य	४६	४७	तै	५	३१	१	३६	२४	२ २५ २४	क.०।२६ प्रदोषः
१४	शु	११	०	पु	२४	१६	व	४८	२८	व	११	०	५७	३७	२३	३ २६ २५	कर्के भ.११।० उ.४३।१४या.वक्रीउभा.३गुरुः +
१५	शु	१५	२८	श्ले	३०	७	प	४९	१०	श	१५	२८	५३	३७	२३	४ २७ २६	सिं.३०।७ [+२१।२२
३०	श	१८	५५	म	३४	५१	शि	४९	१०	ना	१८	५५	४९	३८	२२	५ २८ २७	सिंहे वक्रीधनि.१शनिः ६।४६ कुशाग्रहणी H

१९पं.भा.कृ.७वृ.इ.५।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	४	११	३	९	०	४
०	४	२६	१३	१२	२७	२३	०
५९	६	४०	५३	३६	२०	१२	२३
५३	१८	३०	२०	११	४२	३०	५७
५७	३६	७६	४	७४	४०	३	५७
४०	११	४६	व.	८	व.	११	२४

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद कृष्णे ६बुध सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. १ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्या दिभावेसमता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

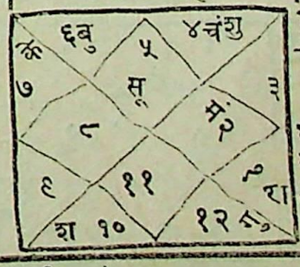

२०पं.भा.कृ.१३वृ.इ.५।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	११	३	९	०	४
७	८	५	१३	२२	२६	२२	७
४४	१०	०	२१	११	४९	५०	७
२०	४४	०	२१	२८	१६	१५	२५
५७	३४	५८	१२	७४	४०	३	५७
४९	५८	५२	व.	१६	व.	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः४१६२सं.२०२२
१	र २१ १० पू ३८ ३४ सि ४८ १७ ब २१ १०	३१	४६	३९	२५	६	२९	२८	कं.५४।१३ रोहि.भौमः१२।३१चंद्रदर्शनम्
२	चं २२ १३ उ ४१ ११ सा ४६ ३० कौ २२ १३	४२	४०	२०		७	१	२९	कन्यायां हस्तेबुधः५०।३५सफर२
३	मं २२ २० ह ४२ ३७ शु ४३ ५० ग २२ २०	३८	४०	२०		८	२	३०	कन्यायां भ.५१ उ.पूफा.रविः५३हरितालिका३
४	बु २१ २० चि ४३ १४ शु ४० १८ वि २१ २०	३४	४१	१९		९	३	३१	तु.१२।५५ भ.२१।२०या.पूफा.रविःसौरः३१।९ +
५	गु १९ ३८ स्वा ४२ ५८ ब्र ३६ १९ बा १९ ३८	३०	४२	१८		१०	४	१	तुलायां सितम्बर९ता.३०ऋषिपंचमी
६	शु १६ ४९ वि ४१ ४९ ऐं ३१ २२ तै १६ ४९	२६	४३	१७		११	५	२	वृ.२७।६ [+मघा.सिंहेशुक्रः२५।७गणेशचतुर्थी
७	श १३ १० अ ३९ ५८ वै २५ ५१ व १३ १०	२२	४४	१६		१२	६	३	वृश्चिके भ.१३।१०उ.४०।५८या.
८	र ८ ४६ ज्ये ३७ ४ वि १९ ३२ व ८ ४६	१८	४४	१६		१३	७	४	ध.३७।४
९	चं ३ २८ मू ३३ २६ प्री १२ ४० कौ ३ २८	१५	४५	१५		१४	८	५	धनुषि
१०	चं ५४ २ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०		०	०	०	० ०
११	मं ५० ४४ पू २८ ५६ आ ५९ ५० व २४ ७	११	४६	१४		१५	९	६	म.४२।४७ भ.२४उ.५९या.जलझूलनी११व्र.स्मा.
१२	बु ४३ १९ उ २३ ५२ शो ४८ १२ ब १७ २	७	४७	१३		१६	१०	७	मकरे जलझूलनी११व्र.वै.वामनजयंती
१३	गु ३५ ५२ श्र १८ २० अ ३९ १७ कौ ९ ३४	३	४७	१३		१७	११	८	कुं.४५।३६ वक्रीबुधः३४।१प्रदोषः
१४	शु २७ ४७ ध १२ ५३ सु ३० २८ ग १ ४९	५९	४८	१२		१८	१२	९	कुंभे भ.२७।४७उ.५४।४५या.अनंत१४
१५	श २१ ४२ श ७ ५० धृ २२ १३ ब २१ ४२	५५	४९	११		१९	१३	१०	मी४९।४६ महालयारंभःकु.संध्यापूजनारंभः

२१पं.भा.शु.५वृ.इ. ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	११	४	९	०	४
१४	१२	११	१२	०	२६	२२	१३
२०	३	१९	४२	४९	१९	२७	५२
०	३२	५९	७	१६	५५	५९	३७
५८	३३	२५	६ ११	७४	१३	३	५८
१	४०	४४	व.२०	व.११	१		

गोचर ग्रहाः

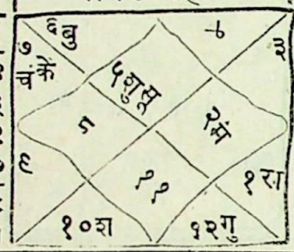

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धातु सोना चांदी गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ अलसी तेज हो प्रजा में महामारी फैले।

गोचर ग्रहाः

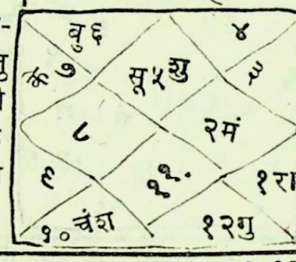

२२पं.भा.शु.१३वृ.इ. ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	११	४	९	०	४
२१	१५	१४	११	९	२५	२२	२०
१७	४२	४२	५६	२८	५१	५	३९
२	४०	०	२०	१६	४	४३	१७
५८	३१	३	६ ५७	७४	५८	३	५८
१३	४९	७	व	२६	व.११	१२	

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०७९ शाकः १९४४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	र १६ ४ पू ३ ४४ शू १४ ४० कौ १६ ४	३०	५१	५८	१०	६	२०	१४	११ मीने पूफा.शुक्रः११।३२
२	चं १२ ४ उ ४९ ५८ गं ८ १३ ग १२ ४	४७	५१	९		२१	१५	१२	मे.५९।४१ भ.४०।५४उ.
३	मं ९ ४४ अ ६० ० वृ २३ ५६ वि ९ ४४	४३	५१	९		२२	१६	१३	मेषे भ.४९या.उफा.रविः३६।५९चतुर्थीव्र.
४	बु ९ १४ अ ० २६ व्या ५७ ३४ वा ९ १४	३९	५२	८		२३	१७	१४	मेषे उफारविःसौरः१५।४९
५	गु ११ ६ भ ३ १७ ह ५६ ४५ तै ११ ६	३५	५३	७		२४	१८	१५	वृ.१९।२५ [×पश्चिमायां४१।३९
६	शु १४ ३६ कृ ७ ५२ व ५७ २८ व १४ ३६	३१	५४	६		२५	१९	१६	वृषे भ.१४।३६उ.४७।१०या. बुधास्तः ×
७	श १९ ४३ रो १३ ५९ सि ५९ १४ ब १९ ४३	२७	५५	५		२६	२०	१७	मि४७।३१ कन्यायामर्कः२।२०(सौरः४१।०)
८	र २५ २९ मृ २१ ४ व्य ६० ० कौ २५ २९	२२	५६	४		२७	२१	१८	मिथुने [Aभा.आश्विनारंभःप्रदोषः
९	चं ३१ ५६ आ २८ २८ व्य १ २६ ग ३१ ५६	१८	५६	४		२८	२२	१९	मिथुने वक्रीउफा.बुधः५९।२४मातृ९
१०	मं ३८ ९ पु ३६ ५ व ३ ५५ व ५ २	१४	५७	३		२९	२३	२०	क.१९।११ भ.५।२उ.३८।९या.
११	बु ४३ ३३ पु ४३ १० प ६ १० ब १० ५१	९	५८	२		३०	२४	२१	कर्के उफा.शुक्रः५५।३०इंदिरा११व्र.
१२	गु ४८ ११ श्ले ४९ ७ शि ७ ५५ कौ १५ ५२	५	५९	१		३१	२५	२२	सिं४९।७ [+भौमः३३।४३शस्त्रादिहतानां श्रा.
१३	शु ५१ १९ म ५३ ४८ सि ८ ४७ ग १९ ४५	३०	०	०	६	१	२६	२३	सिंहे भ.५१।१९उवक्रीउभा.२गुरुः२८।३४A
१४	श ५२ ५३ पू ५७ १२ सा ८ ३७ वि २२ ६	२९	१	५९		२	२७	२४	सिंहे भ.२२।६या.कन्यायांशुक्रः३६मृगे +
३०	र ५३ १० उ ५९ ४ शु ७ १६ च २३ १	५२	२	५८		३	२८	२५	क.१२।४० सर्वपितृ३०

२३पं.आ.कृ.५वृ.इ.४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	११	४	९	०	४
२८	१९	१३	११	१८	२५	२१	२७
५५	४७	५	९	२५	४३	२	२७
२४	३१	१३	२८	११	५२	२८	३५
५८	२९	४ ३६	७ ३७	७४	३ ३७	३	५८
२६	५९	व.	व	२६	व.११	२९	

गोचर ग्रहाः

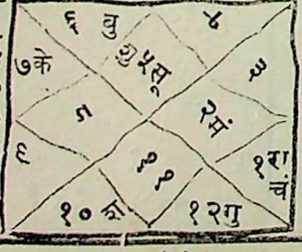

आश्विनकृष्णे ७ शनौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.४ बालावस्था (बैठी) मु.४५वान्यादिभावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

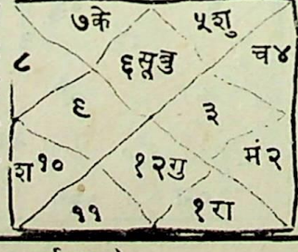

२४पं.आ.कृ.१२वृ.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	११	४	९	०	५
४	२२	७	१०	२६	२५	२१	४
५५	१९	२०	११	५१	४	२१	१७
१६	२०	१३	२	४	३४	१२	४२
५८	२७	४९	५३	७४	३ ५१	३	५८
३८	३२	व.	व	३२	व.११	४५	

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०७९ शाकः १९४४									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१९१स.२०२२
१	चं	५१	५०	ह	५९	३७	शु	४	४८	कि	२२	२९	२९	६	५	४	२९ २६	कन्यायां	नवरात्रारंभः मातामहश्रा.
२	मं	४९	३२	चि	५९	१३	ब्र	१०	५५	बा	२०	४१	४४	३	५७	५	३० २७	तु.२९।५०	हस्तेरविः १५ (सौरः ५३०) चंद्रदर्शनम्
३	बु	४६	३२	स्वा	५७	५३	वै	५१	४८	तै	१८	२	४०	४	५६	६	१ २८	तुलायां	रविलाबल ३
४	गु	४२	४२	वि	५५	४५	वि	४५	५६	व	१४	३७	३६	५	५५	७	२ २९	वृ.४१।१७	भ.१४।३७उ.४२।४२या.
५	शु	३८	२५	अ	५३	१७	ग्री	३९	४८	ब	१०	३३	३२	६	५४	८	३ ३०	वृश्चिके	बुधोदयः पूर्वस्यां २९।४५
६	श	३३	४७	ज्ये	५०	३३	आ	३३	२७	कौ	६	५	२८	६	५४	९	४ १	ब.५०।३३	शुक्रास्तः पूर्वस्यां ५६ अक्टूबर १०ता.३१
७	र	२८	५९	मृ	४७	२७	सो	२६	४६	ग	१	२३	२३	७	५३	१०	५ २	धनुषि	भ.२८।५९उ.५६।२७या.मार्गीबुधः ×
८	चं	२३	५४	पू	४४	४	शो	१९	५०	ब	२३	५४	१९	८	५२	११	६ ३	म.५८।१०	[×३१।३५हस्तेशुक्रः३५।३४
९	मं	१८	३९	उ	४०	३१	अ	१२	४४	कौ	१८	३९	१५	९	५१	१२	७ ४	मकरे	
१०	बु	१३	६	श्र	३६	४७	सु	७	५३	ग	१३	६	११	१०	५०	१३	८ ५	मकरे	भ.४०।१९उ.
११	गु	७	३३	ध	३३	९	शू	५०	४०	वि	७	३३	७	११	४९	१४	९ ६	कुं.४।५८	भ.७।३३या.पापांकुशा११व्र.
१२	शु	२	६	श	२९	३८	गं	४३	४१	बा	२	६	३	११	४९	१५	१० ७	कुंभे	प्रदोषः
१३	शु	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	[=व्र. का. स्ना. प्रा.
१४	श	५२	३६	पू	२६	३८	वृ	३७	२	ग	२४	४७	२६	१२	४८	१६	११ ८	मी१२।२५	भ.५२।३६उ.
१५	र	४९	१६	उ	२४	२३	ध्रु	३०	५५	वि	२०	५६	५५	१३	४७	१७	१२ ९	मीने	भ.२०।५६या.शरद्पूर्णिमाकोजागरी=

२५पं.आ.शु.४वृ.इ.९४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	११	५	९	०	५
११	२४	१	९	५	२४	२०	११
४६	१८	१०	१४	३४	४५	५८	९
५२	३०	३८	३८	२६	२९	५७	४१
५८	३४	४४	५२	७४	१७	३	५९
५३	३२	व.	व.	३२	व.	११	००

गोचर ग्रहाः

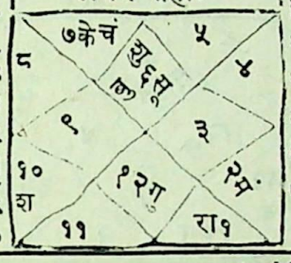

इस मास में धान्य गल्ला धातु सोना चांदी चंदन रुई कपास वारदाना केसर वस्त्र सभी पदार्थ तेज होगें ।

गोचर ग्रहाः

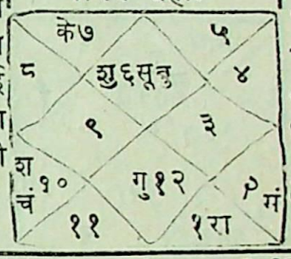

२६पं.आ.शु.११वृ.इ.४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	११	५	९	०	५
१८	२७	१	८	१४	२४	२०	१८
४०	१६	१५	१९	१९	३१	३६	३
८	५८	३२	४१	५	२३	४१	२८
५९	२२	४३ १०	४४	७४	१३	३	५९
९	२२	मा	व.	३२	व.	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेतिमहा.
१	चं	४७	१९	रे	२३	२५	व्या	२५	४८	बा	१८	१७	२९	१५	६	१८	१३ १०	मे.२३।२५	चित्रा.रविः४७।३१ [÷प्रदोषःधन१३
२	मं	४६	५९	अ	२३	५३	ह	२१	१९	तै	१७	९	४७	१५	४५	१९	१४ ११	मेषे	चित्रा.रविःसौरः२४।४
३	बु	४८	२४	भ	२५	५३	व	१९	२३	व	१७	४१	४३	१५	४५	२०	१५ १२	वृ.४१।१४	भ.१७।४१उ.४८।२४या.
४	गु	५१	२३	कृ	२९	४०	सि	१८	५	ब	१९	५३	२९	१६	४४	२१	१६ १३	वृषे	चित्रा.शुक्रः१६।५७करकचतुर्थीव्र.
५	शु	५६	१२	रो	३५	०	व्य	१७	५५	कौ	२३	४७	२५	१७	४३	२२	१७ १४	वृषे	हस्तेबुधः९।५० [×महालक्ष्मीपूजनम्
६	श	६०	०	मृ	४१	२८	व	१९	४	ग	२८	५८	३१	१८	४२	२३	१८ १५	मि८।१४	मिथुनेभौमः४६।४१
६	र	१	४४	आ	४८	४१	प	२०	४०	व	१	४४	२७	१९	४१	२४	१९ १६	मिथुने	भ.१।४४उ.३४।५६या.
७	चं	८	७	पु	५६	४१	शि	२२	५८	ब	८	७	२३	१९	४१	२५	२० १७	क.३९।४१	तुलायामर्कः ३१० भरणी२राहुःस्वाती +
८	मं	१४	३१	पु	६०	०	सि	२५	१४	कौ	१४	३१	२०	२०	४०	२६	२१ १८	कर्के	तुलार्कःसौरः ४६ तुलायांशुक्रः३५।५२
९	बु	२०	२१	पु	३	३७	सा	२७	२३	ग	२०	२१	१६	२१	३९	२७	२२ १९	कर्के	भ.५२।४५उ. [+४केतुः३६।८
१०	गु	२५	१०	श्ले	१०	१४	शु	२८	३४	वि	२५	१०	१२	२२	३८	२८	२३ २०	सिं१०।१४	भ.३५०या.वक्रीउभा.१गुरुः२७बुधास्तः =
११	शु	२८	३५	म	१५	२२	शु	२८	४६	बा	२८	३५	८	२२	३८	२९	२४ २१	सिंहे	रमा११व्र. [=पूर्वस्यां१५।०
१२	श	३०	१६	पू	१९	८	ब्र	२७	४७	तै	३०	१६	४	२३	३७	३०	२५ २२	कं.३४।३७	चित्रा.बुधः २५ मार्गीशनिः२३।४७
१३	र	३०	७	उ	२१	६	ऐं	२५	१७	ग	०	११	०	२४	३६	१	२६ २३	कंन्यायां	भ.३०७उ.५९०या.स्वात्यांशुक्रः५४।१६ ÷
१४	चं	२८	१२	ह	२१	२३	वै	२१	३२	श	२८	१२	२७ ५६	२५	३५	२	२७ २४	तु५०।४४	स्वात्यांरविः १३ (सौरः ५५ रुप१४ ×
३०	मं	२४	४८	चि	२०	६	वि	१६	२८	ना	२४	४८	५३	२५	३५	३	२८ २५	तुलायां	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजासूर्यग्रहणम्

२७पं.का.कृ.४वृ.इ.३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	११	५	९	०	५
२५	२९	८	७	२३	२४	२०	२४
३५	११	२५	२७	३	२१	१४	५९
२	३८	५५	४३	५०	४३	२५	१०
५९	१७	८५	१३	७४	५७	३	५९
२१	५२	४१	व.	३८	वं.	११	३१

गोचर ग्रहाः

कार्तिक कृष्णे ७ चंद्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावेसमर्घताशुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

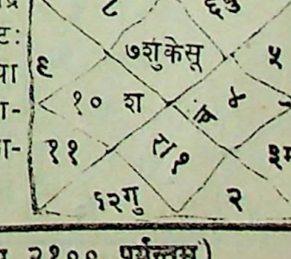

२८पं.का.कृ.१०वृ.इ.४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	५	११	६	९	०	६
२	०	१९	६	१	२४	१९	१
३१	३४	२३	४०	४९	१७	५२	५६
२६	५८	५६	२३	१९	३५	१०	३५
५९	१३	९९	२३	७४	१६	३	५९
३४	१५	४१	व.	३८	व.	११	४६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः हेमंततौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२२१स.२०२२

१	बु	२०	१४	स्वा	१७	२८	मी	१०	१४	ब	२०	१४	२७ ४९	६ २६	५ ३४	४	२९ २६	वृ.५९।४९	तुलायांबुधः१८।२१
२	गु	१४	४४	वि	१३	५५	आ	२४ ३	२५ ५२	कौ	१४	४४	४५	२७	३३	५	३० २७	बृश्चिके	चंद्रदर्शनम्भातृ२यम२
३	शु	८	५५	अ	९	५८	शो	४७	५३	ग	८	५५	४१	२८	३२	६	१ २८	वृश्चिके	भ.३५।५५उ.रविलाखर४
४	श	२	५५	ज्ये	५	४१	अ	४०	१	वि	२	५५	३७	२९	३१	७	२ २९	ध.५।४१	भ.२।५५या.
५	श	५३	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	[×५।१५विशा.बुधः२६।४३
६	र	५१	१७	मू	३१	५६	सु	३२	२५	कौ	२४	५	३४	२९	३१	८	३ ३०	धनुषि	स्वात्यांबुधः१३।१९
७	चं	४६	१	उ	५४	८	धृ	२४	५२	ग	१८	३८	३०	३०	३०	९	४ ३१	म.११।४४	भ.४६।१उ. [+का.स्ना.पू.
८	मं	४०	५४	श्र	५०	४९	शू	१७	४५	वि	१३	२७	२७	३१	२९	१०	५ १	मकरे	भ.१३या.नवम्बर११ता.३०गोपाष्टमी
९	बु	३६	२२	ध	४८	११	गं	१०	४३	बा	८	३८	२३	३१	२९	११	६ २	कुं.१९।३०	कुष्मांडनवमी९अक्षय९
१०	गु	३२	३७	श	४६	४	बृ	१९ ४	५४ ०	तै	४	२९	१९	३२	२८	१२	७ ३	कुंभे	विशा.शुक्रः३३।४५
११	शु	२९	१४	पू	४४	२५	च्या	५२	३६	व	०	५५	१६	३३	२७	१३	८ ४	मी २९।५०	भ.५५उ.२९ १८या.प्रबोधिनी११व्र.तुल.वि.
१२	श	२६	३२	उ	४३	३५	ह	४७	४४	बा	२६	३२	१२	३४	२६	१४	९ ५	मीने	वक्रीभौमः५४।३०प्रदोषः
१३	र	२४	४३	रे	४३	२८	च	४३	३५	तै	२४	४३	९	३४	२६	१५	१० ६	मे.४३।२८	विशा.रविः३३।४८वैकुंठ१४
१४	चं	२४	५	अ	४४	४०	सि	४०	१०	व	२४	५	५	३५	२५	१६	११ ७	मेषे	भ.२४उ.५४ १८या.विशा.रविःसौरः ×
१५	मं	२४	३१	भ	४७	१	व्य	३७	४७	ब	२४	३१	२	३६	२४	१७	१२ ८	मेषे	ग्रस्तोदितखग्रासचंद्रग्रहणम्सन्वादिः +

२९पं.का.शु.२वृ.इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	११	६	९	०	६
९	१	१	५	१०	२४	१९	८
२९	१४	१७	५९	३५	१८	२९	५५
४२	१३	२	६	३१	४	५४	५५
५९	८	०	२६	७४	३२	३	६०
४७	२४	८	व.	२८	मा	११	२

गोचर ग्रहाः

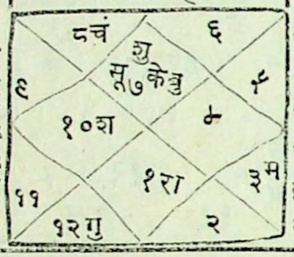

इस मास में मिथुन का मंगल धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल गेहूं धातु सोना चांदी वस्त्र रुई तेज हो कही २ कुछ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

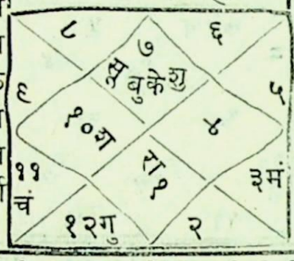

३०पं.का.शु.१०वृ.इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	११	६	९	०	६
१६	१	१३	५	१९	२४	१९	१५
२९	१५	०	२५	२२	२३	७	५६
२८	५८	४	२३	१६	२०	३९	५९
६०	२	०	१५	४७	१	३	६०
४	५८	५७	व.	३८	१७	११	१८

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः हेमंततौ रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.

१	बु	२६	३०	कृ	५०	३५	व	३६	३५	कौ	२६	३०	२९ ३६	२४	१८	१३	९	वृ.२।५४	
२	गु	२९	४६	रो	५५	२०	प	३६	३	ग	२९	४६	५५	३७	२३	१९	१४	१०	वृषे	[×३२।४०वक्रीवृषेभौमः५३।३२
३	शु	३४	२३	मृ	६०	०	शि	३६	४३	व	२	४	५३	३८	२२	२०	१५	११	मि२८।२९	भ.२।४उ.३४।२३या.वृश्चिकेशुक्रः ×
४	श	३९	४५	मृ	१	३९	सि	३८	८	ब	७	४	४९	३८	२२	२१	१६	१२	मिथुने	चतुर्थीव्र.
५	र	४६	११	आ	८	३७	सा	४०	०	कौ	१२	५८	४५	३९	२१	२२	१७	१३	क.५९।२०	बृश्चिकेबुधः२३।४
६	चं	५२	४१	पु	१६	१५	शु	४२	२४	ग	१९	२६	४२	४०	२०	२३	१८	१४	कर्के	भ.५२।४१उ.अनु.शुक्रः९।४६
७	मं	५९	२	पु	२३	४९	शु	४४	४१	वि	२४	५१	३९	४०	२०	२४	१९	१५	कर्के	भ.२४।५१या.अनु.बुधः४१।४८
८	बु	६०	०	श्ले	३१	४	ब्र	४६	३२	बा	३१	४३	३६	४१	१९	२५	२०	१६	सिं३१।४	बृश्चिकेऽर्कः२९।५३ (सौरः५९।३२)
८	गु	४	२३	म	३७	७	ऐं	४७	२६	कौ	४	२३	३३	४१	१९	२६	२१	१७	सिंहे	
९	शु	८	२५	पू	४१	५५	वै	४७	११	ग	८	२५	३०	४२	१८	२७	२२	१८	कं.५७।४०	भ.३९।३८उ.
१०	श	१०	५२	उ	४४	५४	वि	४५	४४	वि	१०	५२	२७	४३	१७	२८	२३	१९	कन्यायां	भ.१०।५२या.अनु.रविः४८।१३
११	र	११	१७	ह	४५	५८	ग्री	४२	३१	बा	११	१७	२५	४३	१७	२९	२४	२०	कन्यायां	अनु.रविःसौरः१६।२०उत्पत्ति११व्र.
१२	चं	९	५२	चि	४५	५	आ	३७	४७	तै	९	५२	२२	४४	१६	३०	२५	२१	तु.१५।३१	प्रदोषः
१३	मं	६	१९	स्वा	४२	२३	सौ	३१	३७	व	६	१९	१९	४४	१६	१	२६	२२	तुलायां	भ.१९उ.३३या.भा.मार्गशीर्षारंभः
१४	बु	१	७	वि	३८	८	शो	२४	१	श	१	७	१७	४५	१५	२	२७	२३	वृ. २४ ११	
३०	बु	५३	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	

३१पं.मा.कृ.२वृ.इ.३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	११	६	९	०	६
२३	०	२४	५	२८	२४	१८	२२
३०	३३	२३	०	८	३३	४५	५९
५०	२५	३१	५४	५३	४३	२३	३२
६०	१९	०	१३	७४	१	३	६०
१७	व.	२	व.	३२	५८	११	३०

गोचर ग्रहाः

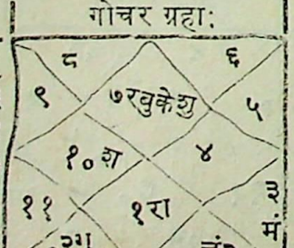

मार्गशीर्ष कृष्णे८ बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५धान्यादि भावेमहर्घताशुक्रास्तःपूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

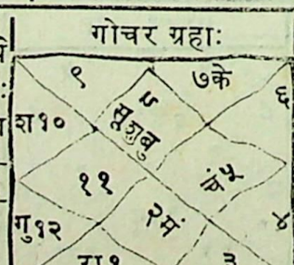

३२पं.मा.कृ.८वृ.इ.३।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	११	७	९	०	७
०	२९	५	४	६	२४	१८	०
३३	९	२९	५५	५५	४९	२३	३
२९	२२	३५	४३	१२	१	७	३६
६०	४९	९९	४६	७४	२	३	६०
३०	व.	२६	व.	३२	३८	११	४०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२५०स.२०२२

१	गु	४७	१.१	अ	३२	५०	अ	१३	३३	किं	२०	४९	२६ ५४	६ ५५	५५	३ २८ २४	वृश्चिके	ज्येष्ठा.बुधः १२।४२ज्येष्ठा.शुक्रः ४९।३=
२	शु	३९	२०	ज्ये	२६	५३	मु	३९	३९	बा	१३	१६	१२	४६	१४	४ २९ २५	ध.२६।५३	मार्गगुरुः १८।३७ चंद्रदर्शनम्
३	श	३१	३३	मू	२०	५४	शू	४७	३५	ते	५	२६	९	४६	१४	५ १ २६	धनुषि	भ.४५।३उ.जमादिलावल५
४	र	२४	४०	पू	१५	७	गं	३८	२०	वि	२४	४०	७	४७	१३	६ २ २७	म.२८।५१	भ.२४।४०या
५	चं	१७	३४	उ	१०	४	बृ	२९	५५	बा	१७	३४	५	४७	१३	७ ३ २८	मकरे	[=शुक्रोदयःपश्चिमायां४७।२४
६	मं	११	३२	श्र	५	४०	ध्रु	२१	५९	ते	११	३२	३	४८	१२	८ ४ २९	कुं.३४।०	चंपा६
७	बु	६	४१	ध	२०	३८	व्या	१५	५८	व	६	४१	०	४८	१२	९ ५ ३०	कुंभे	भ.६।४१उ.३४।४७या.
८	गु	२	५२	पू	५८	४४	ह	८	४७	व	२	५२	३५	४८	१२	१० ६ १	मी४४।३	दिसम्बर१२ता.३१
९	शु	०	९	उ	५८	२९	व	३२	३९	कौ	०	९	५६	४९	११	११ ७ २	मीने	ज्येष्ठा.रविः ३८मूलेधनुषिबुधः ५४×
१०	शु	५८	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८ ० ०	० ०	[×बुधोदयःपश्चिमायां १९
११	श	५८	-१	रे	५९	२४	व्य	५५	३५	व	२८	१७	५४	४९	११	१२ ८ ३	मे.५९।२४	भ.२७उ.५६या.ज्येष्ठा.रविःसौरः २४+
१२	र	५८	४६	अ	६०	०	व	५३	२	व	२८	२३	५३	४९	११	१३ ९ ४	मेषे	वक्रीरोहि.भौमः १८।१३मोक्षदा११व्र.वै.
१३	चं	६०	०	अ	१	३१	प	५१	१७	कौ	२९	३४	५१	५०	१०	१४ १० ५	मेषे	मूलेधनुषिशुक्रः २३।४८ प्रदोषः
१३	मं	०	२२	श	४	४०	शि	५०	४४	ते	०	२२	४९	५०	१०	१५ ११ ६	वृ.२०।४४	[+मोक्षदा११व्र.स्मा.
१४	बु	३	१६	कृ	८	५६	सि	५०	२५	व	३	१६	४८	५०	१०	१६ १२ ७	वृषे	भ.३।१६उ.३५।१२या. दत्तजयंती
१५	गु	७	८	रो	१४	४	सा	५१	७	व	७	८	४६	५१	९	१७ १३ ८	मि४७।१२	

३३पं.मा.शु.१वृ.इ.२।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	११	७	९	०	७
७	२७	१६	४	१५	२५	१८	७
३७	४	२३	४०	४२	८	०	९
२६	५२	५३	३०	३२	५३	५२	९
६०	१६	९७	१३	७४	३	३	६०
४२	व.	७	व.	३२	२६	११	५३

३४पं.मा.शु.८वृ.इ.२।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	११	७	९	०	७
१४	२४	२७	४	२४	२५	१७	१४
४२	३४	९	४६	२९	३३	३८	१५
४०	४८	४०	१२	५३	३६	३६	५५
६०	३५	९४	९९	७४	४	३	६१
५०	व.	२७	मा	२६	१११		३

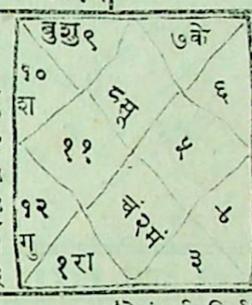

३५पं.मा.शु.१५वृ.इ.३।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	८	११	८	९	०	७
२१	२१	७	५	३	२६	१७	२१
४८	५५	४३	०	१६	२	१६	२३
४३	२३	३०	२५	४४	३१	२१	३७
६०	३३	८९	२	७४	४	३	६१
५६	व.	५३	२२	२६	२८	११	११

ति. पौष कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः हेमंततूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.

१	शु	१२	१६	मृ	२०	२०	शु	५२	३३	कौ	१२	१६	२५ ५१	६ ५१	९	१८ १४ ९	मिथुने	
२	श	१७	५०	आ	२६	५७	शु	५४	२०	ग	१७	५०	४४	५१	९	१९ १५ १०	मिथुने	भ.५१।२उ.
३	र	२४	१५	पु	३४	३०	व्र	५६	३३	वि	२४	१५	४३	५१	९	२० १६ ११	क.१७।३७	ग.२४।१५या.पूपा.बुधः ४५ चतुर्थी व्र.
४	चं	३०	४१	पु	४२	५	ऐं	५८	४८	बा	३०	४१	४३	५२	८	२१ १७ १२	कर्के	
५	मं	३६	१२	श्ले	४९	४३	वै	६०	०	की	३	२६	४१	५२	८	२२ १८ १३	सिं४९।४३	
६	बु	४३	६	म	५६	४७	वै	०	५९	ग	९	३९	४०	५२	८	२३ १९ १४	सिंहे	भ.४३।६उ.
७	गु	४७	५७	पू	६०	०	वि	२	३४	वि	१५	३१	३९	५२	८	२४ २० १५	सिंहे	भ.१५।३१या.
८	शु	५१	२४	पू	२	३२	प्री	३	२०	बा	१९	४०	३९	५२	८	२५ २१ १६	कं.१८।३७	मूलेधनुष्यर्कः ५५ (सौरः २९ पूपा.शुक्रः÷
९	श	५३	४	उ	६	५२	आ	३	५७	ते	२२	१४	३८	५२	८	२६ २२ १७	कन्यायां	[÷३६ धनि.२शनिः ५४
१०	र	५२	३२	ह	९	२६	सौ	२ ३६	२९	व	२२	४७	३८	५२	८	२७ २३ १८	तु.३९।४२	भ.२२।४७उ.५२।३२या.
११	चं	५०	०	चि	९	५८	अ	५३	४५	ब	२१	१६	३७	५३	७	२८ २४ १९	तुलायां	भरणी.१राहुःस्वाति.३केतुः २७।४८–
१२	मं	४५	४०	स्वा	८	२९	सु	४७	८	कौ	१७	५०	३७	५३	७	२९ २५ २०	वृ.५१।१	[–सफला११व्र.
१३	बु	३९	१८	वि	५	११	भृ	३८	५७	ग	१२	२९	३६	५३	७	३० २६ २१	वृश्चिके	भ.३९।१८उ. प्रदोषः
१४	गु	३१	२९	अ	०	५३	शू	२९	३८	वि	५	२६	३६	५३	७	१ २७ २२	ध.५३।४४	भ ३६ या.उषा.बुधः ३७ भा.पौषारंभः
२०	शु	२२	५३	मू	४६	४०	गं	१९	३४	ना	२२	५३	३६	५३	७	२ २८ २३	धनुषि	

३६पं.पौ.कृ.७वृ.इ.२।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	८	११	८	९	०	७
२८	१९	१७	५	१२	२६	१६	२८
५५	२१	४६	२६	४	३४	५४	३२
३७	७	२६	१३	१	४१	५	२०
६१	२२	८०	३	७४	५	३	६१
०	व.	५४	४६	२६	२	११	१९

गोचर ग्रहाः

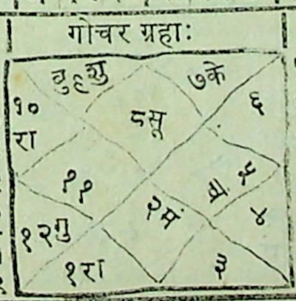

पौष कृष्णा ८ शुक्रे धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा३ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

३७पं.पौ.कृ.१४वृ.इ.३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	११	८	९	०	८
६	१७	२६	६	२०	२७	१६	५
३	१७	४	०	५०	११	३१	४१
१४	१७	५५	४७	४२	६	४९	४५
६१	१९	५९	४	७४	५	३	६१
४	व.	१०	५८	२२	३२	११	२२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

ति. पौष शुक्लपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४२८०स.२०२२

१	श	१३	३३	पू	३९	१४	बृ	४९	३७	ब	१३	३३	३५	६३	५७	३	२९	२४	म.५२।२५	[=वक्रीबुधः२३।२मकरेशुक्रः१९।३५
२	र	४	२९	उ	३२	१	व्या	४७	५१	कौ	४	२९	३७	५३	७	४	३०	२५	मकरे	चंद्रदर्शनम्
३	र	५१	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×जमादिलाख२६
४	चं	४८	६	श्र	२५	३९	ह	३६	५०	व	२२	०	३७	५३	७	५	१	२६	कुं.५२।५८	भ.२२।०उ.४८।६या.उषा.शुक्रः३७×
५	मं	४१	४०	ध	२०	१६	व	२८	२	ब	१४	५३	३७	५३	७	६	२	२७	कुंभे	मकरेबुधः९।४०
६	बु	३६	२८	श	१६	१४	सि	२०	३६	कौ	९	४	३८	५२	८	७	३	२८	मी५९।२९	उभा.२गुरुः२३।१
७	गु	३३	१०	पू	१३	५३	व्य	१४	१४	ग	४	४९	३८	५२	८	८	४	२९	मीने	भ.३०उ पूषा.रविः१५(सौरः२९=
८	शु	३१	१७	उ	१३	६	व	९	१४	वि	२	१३	३९	५२	८	९	५	३०	मीने	भ.२।१३या.
९	श	३१	०	रे	१३	४१	प	५	२८	बा	१	८	४०	५२	८	१०	६	३१	मे.१३।४१	[+जनवरी१ता.३१सन्२०२३
१०	र	३२	२२	अ	१६	५	शि	२	५५	तै	१	४१	४१	५२	८	११	७	१	मेषे	बुधास्तःपश्चिमायां५२।१४+
११	चं	३४	४७	भ	१९	३५	सि	१	२५	व	३	३५	४२	५२	८	१२	८	२	वृ.३५।४८	भ.३।३५उ.३४।४७या.वक्री धनुषिबुधः÷
१२	मं	५८	३४	कृ	२४	२६	सा	१	१३	व	६	४०	४३	५१	९	१३	९	३	वृषे	[÷३।४६पुत्रदा११व्र.
१३	बु	४३	११	रो	३०	११	शु	१	३९	कौ	१०	५३	४४	५१	९	१४	१०	४	वृषे	वक्री पूषा.बुधः२४।२४ प्रदोषः
१४	गु	४८	५५	मृ	३६	४८	शु	२	२९	ग	१६	२	४५	५१	९	१५	११	५	मिथु३।२९	भ.४८।५५उ.
१५	शु	५४	४२	आ	४३	३९	व्र	४	११	वि	२१	४८	४७	५१	९	१६	१२	६	मिथुने	भ.२१या.श्रवणेशुक्रः१९ मा.स्ना.प्रा.

३८पं.पौ.शु.७वृ.इ.६३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	९	११	८	९	०	८
१३	१५	०	६	२९	२७	१६	१२
११	३३	८	४३	३८	५०	९	५१
१३	७	५३	५९	६	३५	३४	३७
६१	१४	४	६	७४	५	३	६१
६	व.४५		९	१४	५८	११	२६

गोचर ग्रहाः

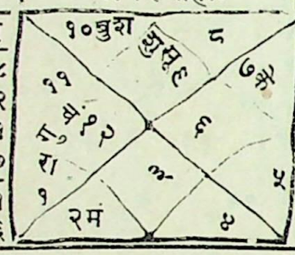

इस मास में धान्य गेहूं जौ चना बाजरा मूंग मोठ धातु सोना चांदी वस्त्र रुई तेज हो शीत का प्रकोप अधिक रहे।

गोचर ग्रहाः

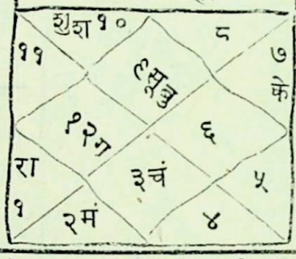

३९पं.पौ.शु.१४वृ.इ.४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	११	९	९	०	८
२०	१४	२५	७	८	२८	१५	२०
१९	३३	४६	३५	२४	३२	४७	१
२६	७	४८	१७	०	२४	१८	३४
६१	६५	८५	६	७४	६	३	६१
६	व.	व.	४	८	२०	११	२६

ति. माघ कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.

१	श	६०	०	पु	५१	८	ऐं	६	४	बा	२७	५६	२५	६०	५०	१७	१३	७	क.३४।१६	
२	र	११	०	पु	५८	३६	वै	८	११	कौ	११	०	५०	५०	१०	१८	१४	८	कर्के	
३	चं	७	४३	श्ले	६०	०	वि	१०	३१	ग	७	४३	५२	५०	१०	१९	१५	९	कर्के	भ.४०।५०उ.
४	मं	१३	५८	श्ले	६	७	प्री	१२	४०	वि	१३	५८	५३	४९	११	२०	१६	१०	सिं६।७	भ.१३।५८या. चतुर्थी व्र.
५	बु	१७	४९	म	१३	९	आ	१४	२५	बा	१७	४९	५५	४९	११	२१	१७	११	सिंहे	उषा.रविः१५।२०(सौरः३१।९)
६	गु	२४	५१	पू	१९	२४	सौ	१५	२६	तै	२४	५१	५७	४९	११	२२	१८	१२	कं.३५।४३	
७	शु	२८	५०	उ	२४	४०	शो	१५	४८	व	२८	५०	५९	४८	१२	२३	१९	१३	कन्यायां	भ.२८।५०उ.बुधोदयःपूर्वस्यां१६।६
८	श	३१	२८	ह	२८	४०	अ	१५	११	वि	०	९	२६	४८	१२	२४	२०	१४	तु.५९।५०	भ.९या.मकरेऽर्कः३१.सौरः४६)–
९	र	३२	१६	चि	३१	१	सु	१३	१३	बा	१	५२	४	४७	१३	२५	२१	१५	तुलायां	[–मार्गीभौमः५४।५१
१०	चं	३१	१२	स्वा	३१	२८	धृ	१०	४६	तै	१	४४	६	४७	१३	२६	२२	१६	तुलायां	भ.५९।४५उ.धनि.शुक्रः११।३१
११	मं	२८	१९	वि	२९	५७	शू	४८	२३	वि	२८	१९	८	४६	१४	२७	२३	१७	वृ.१५।२०	भ.२८।१९या.
१२	बु	२३	२३	अ	२६	२८	वृ	५०	८	बा	२३	२३	११	४६	१४	२८	२४	१८	वृश्चिके	धनि.३कुं भेशनिः३१।४८षट्तिला११व्र.
१३	गु	१६	४३	ज्ये	२१	२२	ध्रु	४१	०	तै	१६	४३	१३	४५	१५	२९	२५	१९	ध.२१।२२	मार्गीबुधः६।४६प्रदोषः
१४	शु	८	४५	मू	१५	३	व्या	३०	४२	व	८	४५	१६	४५	१५	३०	२६	२०	धनुषि	भ.८।४५उ.३४।१०या.
१५	शु	५०	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+उभा.३गुरुः२०।३८भा.माघारंभः
२०	श	४९	५३	पू	७	५२	ह	१९	५३	च	२४	४४	१९	४४	१६	१	२७	२१	म.२०।३६	अभि.प्र.रविः६।१४(सौरः१७।५७+

४०पं.मा.कृ.५वृ.इ.१।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	११	९	९	०	८
२७	१४	१७	८	१७	२९	१५	२७
२७	१२	१०	३३	९	१६	२५	११
२२	५४	३७	५०	५४	४१	३	२६
६१	३३	४०	८	७४	६	३	६१
६	व.	व.	१६	२	३४	११	२४

गोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे ७ शनौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा२ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४१पं.मा.कृ.१२वृ.इ.९४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	११	९	१०	०	९
४	१४	१३	९	२५	०	१५	४
३५	२९	४८	३८	३४	३	२	२०
१३	२८	११	१६	११	२५	४७	५५
६१	३४	१८	९	७३	६	३	६१
३	मा	व.	६	५६	५१	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति. माघ शुक्लपक्षः सं.२०७९ शाकः १९४४ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४३०९स.२०२३

१	र	४०	७	अ	५१	५१	व	९	४९	कि	१५	०	२६	६	५	२	२८	२२	मकरे	कुंभेशुक्रः२१।१३
२	चं	३०	४८	ध	४४	४०	व्य	४७	१४	बा	५	२८	२४	४३	१७	३	२९	२३	कुं.१८।१५	चन्द्रदर्शनम् [=(सौरः३६।रज्जव७
३	मं	२२	२८	श	३८	३५	च	३७	४९	ग	२२	२८	२७	४३	१७	४	१	२४	कुम्भे	भ.४९।१उ.श्रवणेरविः२०।५१=
४	बु	१५	३४	पू	३४	४	प	२९	२५	वि	१५	३४	२९	४२	१८	५	२	२५	मी२०।११	भ.१५।३४या.अभि.नि.रविः१३।१०×
५	गु	१०	२९	उ	३१	२८	शि	२२	५८	बा	१०	२९	३२	४२	१८	६	३	२६	मीने	वसंत५ ×(सौरः२५।१०)
६	शु	७	१२	रे	३०	३४	सि	१७	४२	तै	७	१२	३५	४१	१९	७	४	२७	मे.३०।३४	शते.शुक्रः४१।११
७	श	६	१	अ	३१	४९	सा	१४	५	व	६	१	३८	४०	२०	८	५	२८	मेषे	भ.६।१उ.३६।२६या.भानु७रथ७
८	र	६	५१	भ	३४	५२	शु	१२	६	ब	६	५१	४१	४०	२०	९	६	२९	वृ.५१।१	पातस्पर्शः३५पातमोक्षः३६भीष्माष्टमी
९	चं	९	१३	कृ	३९	२७	शु	११	३१	कौ	९	१३	४५	३९	२१	१०	७	३०	वृषे	अस्तंशनेः३८।२५
१०	मं	१३	२०	रो	४५	२५	ब्र	१२	२	ग	१३	२०	४८	३८	२२	११	८	३१	वृषे	भ.४५।५३उ.
११	बु	१८	२६	मृ	५२	९	ऐं	१३	७	वि	१८	२६	५१	३८	२२	१२	९	१	मि१८।४७	भ ३६या.फर्वरी२ता.२८जया११व्र.
१२	गु	२४	३०	आ	५९	३५	वै	१५	४	बा	२४	३०	५४	३७	२३	१३	१०	२	मिथुने	
१३	शु	३०	४१	पु	६०	०	वि	१७	४	तै	३०	४१	५८	३६	२४	१४	११	३	क.५०।११	प्रदोषः
१४	श	३७	१०	पु	७	४	प्री	१९	२२	ग	३	५५	२७	३६	२४	१५	१२	४	कर्के	भ.३७।१०उ.उषा.बुधः३१।५३
१५	र	४३	२८	पु	१४	२६	आ	२१	२९	वि	१०	१९	५	३५	२५	१६	१३	५	कर्के	भ.१०।१९या. मा.स्ना.पूर्तिः

४२पं.मा.शु.५वृ.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	११	१०	१०	०	९
११	१५	१७	१०	४	०	१४	११
४२	२०	१२	५०	३७	५१	४०	२९
४०	२०	४७	३८	४१	२५	३१	४६
६०	८	४९	९	७३	७	३	६१
५९	३८	मा	५१	५०	२	११	१३

गोचर ग्रहाः

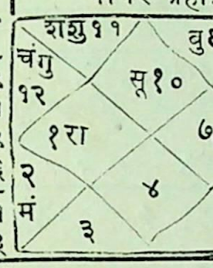

इस मास में ५ रविवार ५ शनिवार अशुभ है धान्य गल्ला रसकस धातु वस्त्र घृत में तेजी हो प्रजा में दुःख फैले।

गोचर ग्रहाः

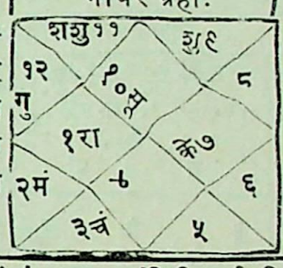

४२पं.मा.शु.१२वृ.इ.५५

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	११	१०	१०	०	९
१८	१६	२४	१२	१३	१	१४	१८
४९	४०	१	७	२०	४०	१८	३७
१६	३०	५	३४	१७	५२	१६	५२
६०	१२	६३	१०	७३	७	३	६१
५५	४८	३५	३५	४४	१४	११	४

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.

१	चं	४९	३५	श्रे	२१	४३	सौ	२३	३४	बु	१६	३१	२७	६	५	१७	१४	६	सिं२१।४३	घनि.रविः२९।९(सौरः३९।४३)
२	मं	५४	५६	म	२८	२६	शो	२५	१३	तै	२२	१५	१२	३४	२६	१८	१५	७	सिंहे	मकरेबुधः१।५०पूभा.शुक्रः२३।३१
३	बु	५९	३१	पू	३४	२३	अ	२६	५	व	२७	१३	१५	३३	२७	१९	१६	८	कं.५०।४५	भ.२७उ.५९या.उभा.४गुरुः१२।१४
४	शु	६०	०	उ	३९	५०	सु	२६	२८	ब	३१	२२	१९	३२	२८	२०	१७	९	कन्यायां	चतुर्थी व्र.
४	शु	३	१४	ह	४४	७	धृ	२६	८	बु	३	१४	२३	३१	२९	२१	१८	१०	कन्यायां	[+२९।५८घनि.४शनिः५३।११
५	श	५	४४	चि	४७	६	शू	२४	४५	तै	५	४४	२७	३१	२९	२२	१९	११	तु.१५।३७	[÷९।५८पातमोक्षः२१।२७
६	र	७	७	स्वा	४८	५०	गं	२२	१८	व	७	७	३०	३०	३०	२३	२०	१२	तुलायां	भ.७।७उ.३७।३या.पातस्पर्शः÷
७	चं	६	५९	वि	४९	१६	वृ	१८	४३	ब	६	५९	२४	२९	३१	२४	२१	१३	वृ.३४।१०	कुंभेऽर्कः४।२५(सौरः१३।४१)
८	मं	५	३४	अ	४७	४३	ध्रु	१४	४	कौ	५	३४	२८	२८	३२	२५	२२	१४	वृश्चिके	श्रवणेबुधः२८।४७
९	बु	२	९	ज्ये	४४	४३	व्या	७	५०	ग	२	९	४१	२८	३२	२६	२३	१५	ध.४४।४३	भ.२९।४१उ.५७।१३या.मीनेशुक्रः÷
१०	बु	५५	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[–प्रदोषः महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
११	गु	५०	५२	मू	४०	१५	ह	२३	२४	ब	२४	२	४५	२७	३३	२७	२४	१६	धनुषि	विजया११व्र.स्मा. [Dभा.फाल्गुनारंभः
१२	शु	४३	१४	पू	३४	२९	सि	४२	१६	कौ	१७	३	४९	२६	३४	२८	२५	१७	म.४७।४७	विजया११व्र.वै. [Aमहाशिवरात्रीव्र.वै.
१३	श	३४	३५	उ	२७	४०	व्य	३१	५६	ग	८	५४	५३	२५	३५	२९	२६	१८	मकरे	भ.३४।३५उभा.शुक्रः१३।३६–
१४	र	२५	२७	श्र	२०	२२	व	२१	११	वि	०	१	५६	२५	३५	३०	२७	१९	कुं.४६।३३	भ.१या.शते.रविः४१(सौरः४३)A
३०	चं	१५	५५	ध	१२	४५	प	१०	२९	ना	१५	५५	२९	२४	३६	१	२८	२०	कुंभे	अश्वि.४राहुःस्वाती.२केतुः२२।३D

४४ पं.फा.कृ.४वृ.इ. ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	११	१०	१०	०	९
२५	१८	२	१३	२२	२	१३	२५
५५	२५	३६	२९	०	३१	५६	४४
१	८	३६	२०	५०	१६	०	३९
६०	१७	७८	११	७३	७	३	६०
४७	५	८	१४	३३	२०	११	५५

गोचर ग्रहाः

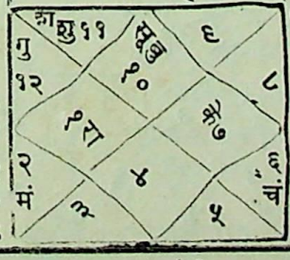

फाल्गुन कृष्णे७ चन्द्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ बालावस्था (बैठी)मु.४५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

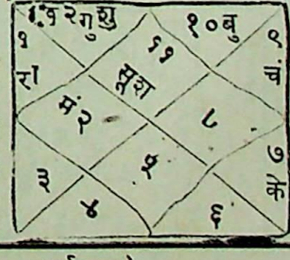

४५पं.फा.कृ.११वृ.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	११	११	१०	०	१०
२	२०	१२	१४	०	३	१३	२
५९	३४	१८	५५	३९	२१	३३	५०
४९	४४	४३	३०	३२	४७	४५	४२
६०	१९	८८	११	७३	७	३	६०
३७	३६	५९	५३	२०	२०	११	४३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४३३९स.२०२३

१	मं	६	४९	श	५	५४	शि	१६	५०	ब	६	४९	२९	६	५	२	२९	२१	मी४६।१५	चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
२	मं	५१	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	बु	५२	१२	उ	५५	४३	सा	४२	२३	तै	२५	२९	८	२२	३८	३	१	२२	मीने	सावान ८
४	गु	४७	२३	रे	५२	१९	शु	३५	२३	व	१९	४७	१२	२२	३८	४	२	२३	मे.५२।१९	भ.१९उ.३३या.धनि.बुधः१६मृगे भौमः=
५	शु	४४	३७	अ	५१	४७	शु	३०	२०	ब	१५	५९	१६	२१	३९	५	३	२४	मेषे	रेवती.१गुरुः१३।१२पातमोक्षः९।४६
६	श	४४	७	भ	५३	२०	व्र	२७	०	को	१४	२२	२०	२०	४०	६	४	२५	मेषे	[=५७पातस्पर्शः५९
७	र	४५	२९	कृ	५६	५१	ऐं	२४	५	ग	१४	४८	२४	१९	४१	७	५	२६	वृ.९।१३	भ ४५।२९उ.
८	चं	४८	५८	रो	६०	०	वै	२५	४	वि	१७	१३	२८	१८	४२	८	६	२७	वृषे	भ.१३या.कुँभेबुधः३४ होलाष्टकम्
९	मं	५३	४६	रो	२	२	वि	२५	३५	बा	२१	२२	३२	१८	४२	९	७	२८	मि३५।११	[×४३।२० मार्च३ता.३१
१०	बु	५९	५०	मृ	८	२०	प्री	२७	२८	तै	२६	४८	३६	१७	४३	१०	८	१	मिथुने	रेवत्यांशुक्रः४।४२बुधास्तःपूर्वस्यां×
११	गु	६०	०	आ	१५	४७	आ	२९	३४	व	३३	०	४०	१६	४४	११	९	२	मिथुने	भ.३३।०उ.आमलकी११व्र.स्मा.
११	शु	६	१०	पु	२३	१७	सौ	३१	५९	वि	६	१०	४४	१५	४५	१२	१०	३	क.६।२५	भ.६०या.शतेबुधः२२आमलकी११व्र.वै.
१२	श	१२	४७	पु	३०	५६	शो	३४	१९	बा	१२	४७	४८	१४	४६	१३	११	४	कर्के	पूभा.रविः५६।४७ प्रदोषः
१३	र	१८	५५	श्ले	३८	४	अ	३६	१५	तै	१८	५५	५३	१४	४६	१४	१२	५	सिं३८।४	पूभा.रविःसौरः३।५०उदयंशनेः२३।५५
१४	चं	२४	३५	म	४४	५१	सु	३७	३८	व	२४	३५	५६	१३	४७	१५	१३	६	सिंहे	भ.२४।३५उ.५६।५९या.
१५	मं	२९	२२	पू	५०	१९	धृ	३८	२४	ब	२९	२२	५९	१२	४८	१६	१४	७	सिंहे	होलिकादहनम्

४६पं.फा.शु.४वृ.इ.२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	११	११	१०	०	१०
१०	२२	२२	१६	९	४	१३	९
३	५१	५३	२५	१६	१२	११	५५
२२	२	४६	३०	२६	३६	२९	१५
६०	२२	९७	१२	७३	७	३	६०
२५	४४	५३	१९	१४	२०	११	२१

गोचर ग्रहाः

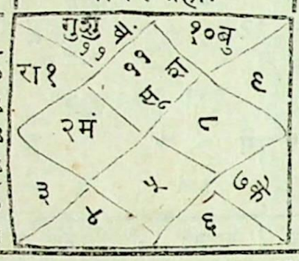

इस मास में मंगलका चन्द्रदर्शन धातु गल्ला धान रसकस रुईसभी पदार्थों में तेजी करे।

गोचर ग्रहाः

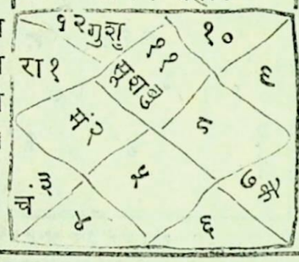

४७पं.फा.शु.११वृ.इ.३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	११	११	१०	०	१०
१७	२५	४	१७	१७	५	१२	१६
५	४२	२०	५८	५०	३	४९	५८
२५	१८	२०	२६	४२	४	१३	९
६०	२५	९०	१२	७२	७	३	६०
१२	१६	३०	४०	५६	१४	११	२०

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तूरविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.

१	बु	३३	११	उ	५४	५६	शू	३८	२६	बा	१	१७	२९	६	५	५९	१७	१५	८	कं.६।२८	वसंत१छारेंडी
२	गु	३६	३	ह	५८	०	गं	३७	३२	तै	४	३७	९	१०	५०	१८	१६	९		कन्यायां	
३	शु	३७	४१	चि	६०	०	वृ	३५	५३	व	६	५२	१३	९	५१	१९	१७	१०		तु.२९।४०	भ.६।५२उ.३७।४१या.पूभा.बुधः५१।१६
४	श	३८	२२	चि	१	२१	ध्रु	३३	२६	ब	८	१	१७	९	५१	२०	१८	११		तुलायां	रेवती.२गुरुः१।५३ चतुर्थी व्र.
५	र	३७	५२	स्वा	२	५४	व्या	३०	१३	को	८	७	२१	८	५२	२१	१९	१२		वृ.४८।२८	अश्वि मेषेशुक्रः३।१०मिथुनभौमः११
६	चं	३६	२९	वि	३	३९	ह	२६	१	ग	७	११	२६	७	५३	२२	२०	१३		वृश्चिके	भ.३६।२९उ. [+शीतलापूजनम्
७	मं	३३	५६	अ	३	८	व	२०	५९	वि	५	१३	३०	६	५४	२३	२१	१४		वृश्चिके	भ.५।१३या.मीनेऽर्कः५७।४०
८	बु	३०	२१	ज्ये	१३	३२	सि	१५	३	बा	२	८	२४	५	५५	२४	२२	१५		ध.१।३६	मीनेऽर्कःसौरः४।११शत.१शनिः५६।१+
९	गु	२५	३५	पू	५५	२१	व्य	८	१३	ग	२५	३५	३८	४	५६	२५	२३	१६		धनुषि	भ.५२।४१उ.मीनेबुधः८।४७
१०	शु	१९	४८	उ	५०	४७	च	३५	२९	वि	१९	४८	४३	३	५७	२६	२४	१७		म.९।१३	भ.१९।४८या.उभा.बुधः५१।१
११	श	१३	१	श्र	४५	३	शि	४३	२	बा	१३	१	४७	३	५७	२७	२५	१८		मकरे	उभा.रविः१८।४० (सौरः२४।२७)÷
१२	र	५	३४	ध	३९	०	सि	३३	२९	तै	५	३४	५१	२	५८	२८	२६	१९		कुं.१२।१	भ.५७।१७उ. प्रदोषः
१३	र	५१	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		० ०	[÷पापमोचनी११व्र.
१४	चं	४९	१०	श	३२	४४	सा	२३	५५	वि	२३	१३	५५	१	५९	२९	२७	२०		कुंभे	भ.२३।१३या.
३०	मं	४१	२१	पू	२६	५३	शु	१४	२५	च	१५	१३	३०	६	०	३०	२८	२१		मी१३।२१	मन्वादिः

४८पं.चै.कृ.२वृ.इ.३।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	११	११	१०	०	१०
२४	२८	१६	१९	२६	५	१२	२३
६	३५	३८	३४	२१	५२	२६	५९
२२	१०	२९	५५	५८	४१	५८	३२
५९	२७	९०	१३	७२	७	३	६०
५८	२	५२	६	४१	८	११	६

गोचर ग्रहाः

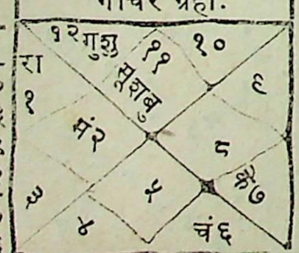

चैत्र कृष्णे ७ भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.२न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

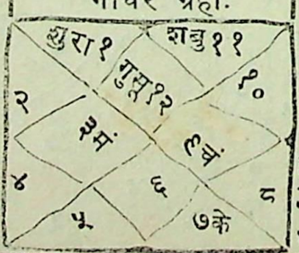

४९पं.चै.कृ.९वृ.इ.३।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	११	०	१०	०	११
१	१	२९	२१	४	६	१२	०
५	४१	४९	११	४९	४०	४	५९
३५	२८	४१	२०	५९	५२	४२	४६
५९	२८	९०	१३	७२	६	३	५९
४१	३७	३९	२०	२२	५६	११	४९

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२४, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२४, भोग्यकलिः४२६८७६, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८०, शाकः १९४५, अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः । मंत्री भृगुः । सस्येशो रविः । धान्येशःशनिः । मेघेशो गुरुः। रसेशो भौमः । नीरसेशो रविः । फलेशो गुरुः । धनेशो रविः। दुर्गेशो गुरुः। एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां११पिंगलनाम संवत्सरः प्रवर्तते।तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः १।१०।१३।२६।२४ भोग्यमासादिः १०।१९।४६।३३।३६ नासत्यदैवतं युगं। तत्रवर्षनाम आश्विनः । मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा १० समयवाहनम् सिंचाणुः । स्तंभः १ तृणस्यः। सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी ३ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी ३, रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३६५ समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १८, तिथिवृद्धिः१० उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा १३ धान्यम् ५ तृणम् ५, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १०७, शनिदृष्टिरुत्तरे। सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण १चंद्रमसः ।

संवत् २०८० आश्विन शु. १५ शनिवासरे चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	४७	४८	४९
प.	२	२९	५६
घं.	१	१	२
मिं.	१६	५१	२५

नोट– वैशाख शुक्ला १५ शुक्रवार को रात्रि में रेल्वे घं. ११ मिं. ४ के समय चंद्रबिंब पर मालिन्यता दृष्टिगोचर होगी।

वर्ष लग्नम् ७।९

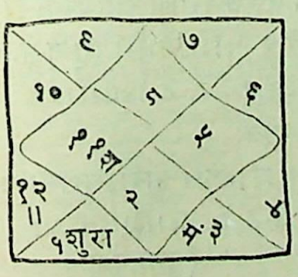

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जय जय जगदंबिके करिये कोटि सहाय ।
अस्सी संवत्सर तणों पूरो भद बताय ।।

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे मुख से वचन उचार ।
इस अस्सी की साल में सुख पावे संसार ।।
बुध राजा मंत्री भृगु इनका उत्तम योग ।
आपस में मैत्री रहे दुनियां भोगे भोग ।।
सागरतट रोहिणी बसी संवत रजक निवास ।
देवगुरु मेघेश हैं वर्षा करे प्रकाश ।।
दोनों श्रावण वर्ष कर भादों करसी तंग ।
कहींक उत्तर देश में मचै भूमि पर जंग ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जाने वही जो है जग करतार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सि	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ४।२

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।९।५१

=चंगुसूबु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

फार्म न. १४३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्य विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दान दयां जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलं ।। मंत्री शुक्रः फलम् ।। भृगु सुते ननु मंत्रि पदं गते शलभ मूषकरावथ माहिषैः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ।। सस्येशो रविः फलम् ।। सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्व धान्यं समर्घ बहवोपि चौराः युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्ये बहु भूरुहाश्च ।। धान्येशः शनिः फलम् ।। निर्धना क्षितिभुजो रणादराः सस्यमल्पमति रोगिणो जनाः । नैव वर्षति जलं सुरेश्वरः स्याद्यदा कणपतिः शनैश्चरः ।। मेघेशो गुरुः फलम् ।। गुरुरपि प्रिय वृष्टि करः सदाखिल विलासवती धरणीतदा श्रुति विचार परा नरपालका रस समृद्धि युताखिलमानवाः ।। रसेशो भौमः फलम् ।। यदि धरातनयो रसपो भवेन्न रस राशि युता जनता शुभा । नरपति विषमो जनतापदो न जलदो बहु वृष्टि करो भुवि ।। नीरसेशो रविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्र चंदनयोरपि । रत्न माणिक्य मुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभया वनराशि महाद्रुमाः यजन याजनकोत्सव मन्दिराः श्रुति विचार पराः द्विज पूर्वकाः ।। धनेशो रविः फलम् ।। द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहु द्रव्य समागतः । गज तुरंगम मेष खरोष्ट्रतो धन चयं लभते क्रय विक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरौ गढ़पे नयशोभिता नर वरा नरपाः करपालिताः । गिरिषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शास्त्रवतो निशम् ।। पिंगलनाम संवत्सरः फलम् ।। पिंगलाब्दे त्वीति भीतिर्मध्य सस्यार्घ वृष्टयः । राजानो विक्रमा क्रांताः भुंजंते शत्रु मेदिनीम् ।। वर्षनाम आश्विनः फलम् ।। अब्देत्वाश्वयुजे त्यर्थं सुखिनः सर्व जन्तवः । मध्यमं पूर्व सस्यं स्यात् । परिपूर्णा विपच्यते ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम् ।। तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे फलम् ।। रजके वृष्टि रुत्तमा ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ५ बुधे उषा. ल. गो. (सोग्रांगः) ल. १२ रे. ७
।ऽ।।ऽ।।।।ऽ दग्धा
,, ११ चन्द्रे उभा ल. ऽन्यगो (सोग्रांग.) रे. ८
।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला २ रवौ मृगे ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) १२ रे. ८
।।।।।ऽचौऽ।।।
,, ६ चन्द्रे उषा ल. गो. १२ (मीनेशनिचन्द्रौपूज्यौ)
रे. ८ ।।।।।ऽनृऽ।।।
,, १० भौमे हस्ते ल. गो. रे. ६ ।।।।।।।ऽऽ।।
,, १४ शनौ अनु ल. १२ रे. ८ ।।।ऽबु।।।ऽ।।
बुधस्य पादवेधाऽभावः

आषाढ मासः

कृष्णा १ चन्द्रे मूले ल. गो. रे. ८ ।ऽ।।।ऽअ।।।।
,, ३ भौमे उषा ल. १२ श पू. रे.८ ।।।।।।।ऽ।ऽदग्धा
,, ८ रवौ उभा ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽरोऽऽ।।
,, ६ चन्द्रे रेव ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।
शुक्ला ४ गुरौ मघा ल. २ (घ.५४-४उ) रे.८।।।।।।ऽऽ।।
,, ५ शुक्रे मघा ल. २ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

कार्तिक मासः

शुक्ला १५ चन्द्रे रोहि.ल.४(घ.३८।२३उ)रे.७।।।।ऽ।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ भौमे मृगे ल.४-७(तुला.गु.पू.)रे.८।।।।।ऽअऽ।।।
शुक्ला ३ शुक्रे उषा ल. ४ (चं.पू.) ७ (गु.पू.) रे. ६
।।।।।ऽअ।।।।

पौष मासः

शुक्ला ६ भौमे उभा ल. ८ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।
,, १० शनौ रोहि. ल. ८ (घ.५१-२०उ.) रे. ७
ऽ।।।ऽचौ।।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ४ भौमे हस्ते ल. ७ (गु.पू.) रे. ८
,, ५ बुधे हस्ते ल. गो. ७ (घ.४३-१३या) रे. ८
।।।।।।ऽऽ।। तुलायां गुरुः पूज्यः
,, ६ रवौ अनु ल. ऽन्यगो७(तु.गु.पू.)रे.७।।।ऽवृ।।ऽऽ।।
,, ११ भौमे मूले ल. ७-८ रे. ७ ।।।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा
शुक्ला ३ चन्द्रे उभा ल.७-८रे.६ ।।।।।ऽअ।।।। (तु.गु.पू.
वि.वे. ,, ९ रवौ मृगे ल. ९ (चं.पू.) रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा६शनौ अनु.ल.७रे.७ ।।।ऽवृ।।ऽऽ।। पादाद्वधाऽभावः
,, ८चन्द्रे मूले ल. ऽन्यगो ७-८ रे. ८ ।।।।।ऽअ।ऽ।।
(तुला.गु.पू.)
,, १०बुध उषा ल. ऽन्यगो ८-६ रे. ८ ।।।।।ऽनृ।ऽ।।

ति. श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५ | वि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४३६८स.२०२३

१	बु	३४	२८	उ	२१	४७	शु	५४	५२	किं	७	५४	३०/१	५५/५९	६/६	१	२१ २२	मीने	भा.चैत्रारंभःसंवत्सरारंभःनवरात्रारंभः
२	गु	२८	४७	रे	१८	४	ऐं	५१	५५	बा	१	३७	८	५८	२	२	३० २३	मे.१८।४	भरण्यांशुक्रः७।२३ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	शु	२५	२	अ	१५	५०	वै	४६	५५	ग	२५	२	१२	५८	२	३	१ २४	मेषे	भ.५९/६०उ.रेवत्यांबुधः३/६०रमजान९=
४	श	२३	२५	भ	१५	५१	वि	४३	४९	वि	२३	२५	१६	५७	१	४	२ २५	वृ.३१।२०	भ.२३।२५या.रेवती.३गुरुः१५।३३
५	र	२३	३७	कृ	१७	४७	प्री	४२	४७	बा	२३	३७	२१	५६	४	५	३ २६	वृषे	आर्द्रा.भौमः५०।५५
६	चं	२५	५६	रो	२१	४३	आ	४२	२२	तै	२५	५६	२५	५५	५	६	४ २७	मि५४।२४	[=मत्स्यजयंतीगणगौरी
७	मं	२९	५९	मृ	२७	६	सौ	४३	२८	व	२९	५९	२९	५४	६	७	५ २८	मिथुनें	भ.२९।५९उ.
८	बु	३४	३४	आ	३३	५९	शो	४५	३१	वि	२	१७	३३	५३	७	८	६ २९	मिथुने	भ.२।१७या. [×बुधः१/५
९	गु	४१	३२	पु	४१	१९	अ	४७	४१	बा	८	३	३७	५३	७	९	७ ३०	क.२४।२९	बुधोदयःपश्चिमायां२०।७रामनवमी
१०	शु	४८	१०	पु	४९	१	सु	५०	५	तै	१४	५१	४१	५२	८	१०	८ ३१	कर्के	रेवत्यांरविः१/६(सौरः५२/६०)अश्वि.मेषे×
११	श	५४	१७	श्ले	५६	२३	धृ	५२	८	व	२१	१३	४५	५१	९	११	९ १	सिं५६।२३	भ.२/६०उ.५/६०या.अप्रेल४ता.३०+
१२	र	५९	५३	म	६०	०	शू	५३	४३	व	२७	५	४९	५०	१०	१२	१० २	सिंहे	अस्तगुरोः३७।४८ [+कामदा११व्र.
१३	चं	६०	०	म	२	५५	गं	५४	३०	कौ	३३	४	५३	४९	११	१३	११ ३	सिंहे	कृत्ति.शुक्रः२०।४९ प्रदोषः
१३	मं	४	१४	पू	८	२४	ब्रु	५४	४	त	४	१४	५७	४९	११	१४	१२ ४	कं.२४।३०	
१४	बु	७	२३	उ	१२	४७	ध्रु	५२	५०	व	७	२३	३१/१	४८	१२	१५	१३ ५	कन्यायां	भ.७।२३उ.३८।१८या.
१५	गु	९	१३	ह	१५	४०	ब्या	५०	३५	ब	९	१३	५	४७	१३	१६	१४ ६	तु.४४।३४	वृषेशुक्रः९।३१ हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.२वृ.इ.३।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	११	०	१०	०	११
८	४	१३	२२	१२	७	११	७
३	५७	४६	५०	१५	२८	४२	५७
१८	२५	८	३१	४७	१	२७	९
५९	३०	९	१३	७२	६	३	५९
२९	३	७/३	२६	१	३८	११	३५

५१पं.चै.श.९वृ.इ.४।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	११	०	१०	०	११
१४	८	२७	२४	२१	८	११	१४
५९	१९	४४	३०	३७	१२	२०	५३
१०	५९	४६	१४	२६	५४	११	१९
५९	३१	५८/५९	१२	७१	६	३	५९
१६	२	३८	३२	३५	२५	११	१८

५२पं.चै.शु.१५वृ.इ.४/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	०	११	०	१०	०	११
२१	११	९	२६	२९	८	१०	२१
५३	५०	५१	११	५४	५५	५७	४७
३१	३५	५४	३१	७	२३	५५	३०
५९	३२	९३	१३	७१	६	३	५९
४	९	२६	३८	८	२	११	४

ति. वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५ | दि. उ. अ. भा. मु इं | चन्द्रः | वसंततू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.

१	शु	९	४३	चि	१७	२९	ह	४७	२०	कौ	९	४३	३१/१	५/६	६/६	१७	१५ ७	तुलायां	[÷रेवती.४गुरुः९।५४
२	श	९	७	स्वा	१८	७	व	४३	२३	ग	९	७	१४	४५	१५	१८	१६ ८	तुलायां	भ.३८।११उ.भरण्यांबुधः७।१६÷
३	र	७	१६	वि	१७	५५	सि	३८	४८	वि	७	१६	१८	४४	१६	१९	१७ ९	वृ.२।५८	भ.७।१६या. चतुर्थी व्र.
४	चं	४	३५	अ	१६	५६	व्य	३३	३१	बा	४	३५	२२	४४	१६	२०	१८ १०	वृश्चिके	
५	मं	२	२६	ज्ये	१५	१२	व	२७	४०	तै	२	२६	२६	४३	१७	२१	१९ ११	ध.१५।१२	भ.५७।४३उ.
६	मं	५५	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	
७	बु	५३	२६	मू	१३	५	प	२१	३२	वि	२५	३४	३०	४२	१८	२२	२० १२	धनुषि	भ.२५।३४या.
८	गु	४८	३१	पू	९	९	शि	१४	४८	बा	२०	५८	३४	४१	१९	२३	२१ १३	म.२३।३७	[–रोहि.शुक्रः४२।२
९	शु	४३	९	उ	७	१	सि	७	५०	तै	१६	५१	३८	४०	२०	२४	२२ १४	मकरे	अश्वि.मेषेऽर्कः२०।१८(सौरः२६।४७)–
१०	श	३७	२०	श्र	५७/६०	५५/६०	सा	१७/६०	१३/६०	व	१०	१४	४२	४०	२०	२५	२३ १५	कुं.३१।१३	भ.१०।१४उ.३७।२०या.
११	र	३०	५८	श्र	५४	४४	शु	४४	२४	ब्र	४	९	४६	३९	२१	२६	२४ १६	कुंभे	वरुथिनी११व्र.
१२	चं	२४	३५	पू	५०	१९	ब्र	३६	३५	तै	२४	३५	५०	३८	२२	२७	२५ १७	मी३६।२६	शत.२शनिः०।५८ प्रदोषः
१३	मं	१८	१८	उ	४६	१३	ए	२८	४८	व	१८	१८	५३	३७	२३	२८	२६ १८	मीने	भ.१८।१८उ ४५।२३या.
१४	बु	१२	२८	रे	४२	५२	वै	२१	३८	श	१२	२८	५७	३७	२३	२९	२७ १९	मे.४२।५२	
३०	गु	७	२८	अ	४०	४१	वि	१५	२८	ना	७	२८	३२/३	३६	२४	३०	२८ २०	मेषे	वक्रीबुधः३०।२

१पं वै कृ.९शु.इ.२०।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	११	१	१०	०	११
०	१६	१९	२८	९	९	१०	२९
०	५	५	११	३४	४५	३१	५३
०	४६	२	६	१	११	४७	४४
५८	३२	४४	१३	७०	५	३	५८
४४	५८	९	३८	२२	३२	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे ९ शुक्रे मेषेऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न.५प्रौढावस्था बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२पं.वै.कृ.१शु.इ. ३/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	११	१	१०	०	०
६	१९	२१	२९	१७	१०	१०	६
५०	४८	३१	५२	३८	२१	९	४३
४२	३६	५५	१	४२	२२	३२	५५
५८	३३	९/३	१३	६९	५	३	५८
३१	४४	व.	३६	३४	६	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५									दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः४३९८स.२०२३
१	शु	३	४२	भ	३९	५५	प्री	१०	२२	व	३	४२	३२	५३	६५	१	२९	२१	वृ.५५।९
२	श	१	४३	कृ	४०	५०	आ	६	२३	को	१	४३		९	३४	२६	२	१	२२	वृषे
३	र	१	२१	रो	४३	४३	सौ	४	१	ग	१	२१	१२	३४	२६	३	२	२३	वृषे
४	चं	३	०	मृ	४८	२०	शो	३	२	वि	३	०	१६	३३	२७	४	३	२४	मि१६।१
५	मं	६	१६	आ	५४	२७	अ	३	२३	बा	६	१६	२०	३२	२८	५	४	२५	मिथुने
६	बु	११	१४	पु	६०	०	सु	४	५२	तै	११	१४	२३	३१	२९	६	५	२६	क.४४।३२
७	गु	१६	४९	पु	१	१४	धृ	६	४६	व	१६	४९	२७	३१	२९	७	६	२७	कर्के
८	शु	२३	३२	पु	८	४४	शू	९	१७	ब	२३	३२	३१	३०	३०	८	७	२८	कर्के
९	श	२९	१८	श्ले	१६	१२	गं	११	३५	कौ	२९	१८	३४	२९	३१	९	८	२९	सिं१६।१२
१०	र	३४	५६	म	२३	७	वृ	१३	३१	तै	२	७	३८	२८	३२	१०	९	३०	सिंहे
११	चं	३९	२०	पू	२८	५९	धु	१४	३४	व	७	८	४१	२८	३२	११	१०	१	कं.४५।६
१२	मं	४२	१९	उ	३३	२७	ब्या	१४	३५	ब	१०	४९	४५	२७	३३	१२	११	२	कन्यायां
१३	बु	४३	३९	ह	३६	२४	ह	१३	१६	कौ	१२	५९	४८	२६	३४	१३	१२	३	कन्यायां
१४	गु	४३	१६	चि	३७	३९	व	१०	४२	ग	१३	२७	५२	२६	३४	१४	१३	४	तु.७।१
१५	शु	४१	२०	स्वा	३७	३४	सि	६	५१	वि	१२	१८	५५	२५	३५	१५	१४	५	तुलायां

पुन.भौमः४९अश्वि.१मेषेगुरुः५५ चन्द्रः= बुधास्त.पश्चि.५४सव्वाल१० परशुराम× भ.३२।१०उ अक्षया३ [×जयंती भ.३या.अश्वि.३राहुः स्वाती.१केतुः [=दर्शनम् भा.वैशाखारंभः मृगेशुक्रः२०।५७ भ.१६।४९उ.५०।११या. भरण्यांरविः०।३७(सौरः८।१२) [+मोहिनी११व्र. उदयंगुरोः५२।४८ भ.७।८उ.३९।२०या.मई५ता.३१+ मिथुनेशुक्रः१७।४९ प्रदोषः [÷यमायकुंभदानम् भ.४३।१६उ.नृसिंहजयंती भ.१२।१८या.अश्वि.२गुरुः५७।१८÷

३पं.वै.शु.८शु.इ २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	०	१	१०	०	०
१३	२३	१९	१	२५	१०	९	१३
३९	३६	१८	३२	३६	५४	४७	३२
४७	४	४०	२४	२९	३२	१६	२०
५८	३४	३५	१३	६८	४	३	५८
१९	१९	व.	३२	४६	४४	११	१२

गोचर ग्रहाः

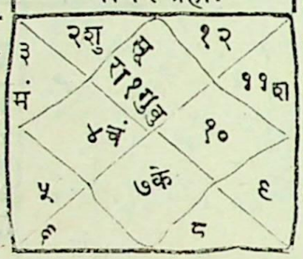

शुक्रस्य पंचवाराः स्युः यत्रमासे निरन्तम् । प्रजावृद्धिः सुभिक्षं च सुखं तत्र प्रवर्तते ॥ इसमासमेंधातुमें तेजी धान्य में मन्दी हो ।

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.शु.१५शु.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	०	२	१०	१	०
२०	२७	१५	३	३	११	९	२०
२७	२६	७	११	२६	२४	२५	१९
२५	३१	८	५६	३५	२९	०	५
५८	३४	३५	१३	६७	४	३	५७
६	४४	व.	२२	३८	११	११	५७

ति	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	श	३८	८	वि	३६	३	व्य	२७	५४	बा	९	८	३२	५	६	१६	१५	६	वृ.२१।२६
२	र	३४	५	अ	३३	४५	प	४९	५८	तै	६	६	३३	२४	३६	१७	१६	७	वृश्चिके
३	चं	२८	१	ज्ये	३०	३९	शि	४३	९	व	१	३	५	२३	३७	१८	१७	८	ध.३०।३९
४	मं	२३	४६	मू	२७	१९	सि	३६	७	बा	२३	४६	८	२२	३८	१९	१८	९	धनुषि
५	बु	१८	२२	पू	२३	४९	सा	२९	४	तै	१८	२२	११	२२	३८	२०	१९	१०	म.३७।५८
६	गु	१२	५९	उ	२०	२६	शु	२१	३५	व	१२	५९	१४	२१	३९	२१	२०	११	मकरे
७	शु	७	३४	अ	१६	५५	शु	१४	५१	ब	७	३४	१७	२१	३९	२२	२१	१२	कुं.४५।१६
८	श	२	२७	ध	१३	३८	ब्र	७	५५	कौ	२	२७	२०	२०	४०	२३	२२	१३	कुंभे
९	श	५४	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१०	र	५२	१६	श	१०	२८	ऐं	५०,	५३ २९	व	२४	४४	२३	१९	४१	२४	२३	१४	मी५३।१४
११	चं	४७	३५	पू	७	२९	वि	४८	८	ब	१९	५६	२६	१९	४१	२५	२४	१५	मीने
१२	मं	४३	२८	उ	५	७	प्री	४२	१९	कौ	१५	३१	२८	१८	४२	२६	२५	१६	मीने
१३	बु	३९	५९	रे	३	५	आ	३६	५८	ग	११	४३	३१	१८	४२	२७	२६	१७	मे.३।५
१४	गु	३७	२१	अ	१	४५	सौ	३२	२९	वि	८	४०	३४	१७	४३	२८	२७	१८	मेषे
२०	शु	३६	४	भ	१	४७	शो	२९	४	च	६	१२	३७	१७	४३	२९	२८	१९	वृ.१७।२

वक्रीअश्वि.बुधः२१।० भ.१उ.२९या.आर्द्राशुक्रः१२ चतुर्थीव्र. कर्केभौमः४९बुधोदयःपूर्वस्यां५९ भ.१२उ.४७या.कृत्ति.रविः४३– पातस्पर्शः३७।५९पातमोक्षः४९।५८ [–(सौरः५६) भ.२४।४४उ.५२।१६या. वृषेऽर्कः१३(सौरः२३)पुष्येभौमः४४A [Aअपरा११व्र. भ.३९।५९उ.मार्गीबुधः३५।३४प्रदोषः भ.८।४०या. वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.७शु.इ. २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	०	२	१०	०	०
२७	१	१२	४	११	११	९	२७
१३	२०	१६	५०	६	५०	२	४
३७	२८	३४	२	२६	५३	४५	२०
५७	३५	४२	१३	६६	३	३	५७
५४	२०	व.	१४	२२	३२	११	४५

गोचर ग्रहाः

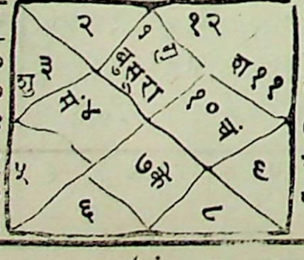

ज्येष्ठकृष्णे ११ चन्द्रे वृषेऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

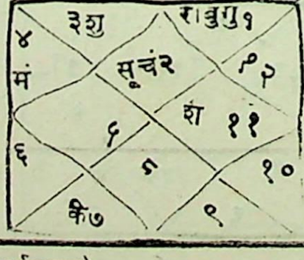

६पं.ज्ये.कृ.३०शु.इ. २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	०	२	१०	०	१
३	५	१२	६	१८	१२	८	३
५८	१६	३०	२५	३५	१२	४०	४८
३७	४८	५८	२९	२	२९	२९	३
५७	३५	९	२०	१२	६४	२	३५७
४४	२४	मा	५६	४६	५३	११	३४

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४४२७स.२०२३

१	श	३५	५४	कृ	२	५०	अ	२६	३४	किं	५	५९	३३	५	१६	६	४४	३०	२९	२०	वृषे	पुन.शुक्रः४०।९अश्वि.३गुरु २८।४७
२	र	३७	२९	रो	५	२१	सु	२५	३०	बा	६	४१	४२	१६	४४	३१	३०	२१	मि३७।२४	चंद्रदर्शनम्
३	चं	४०	३४	मृ	९	२७	धृ	२५	१४	तै	९	१	४४	१५	४५	१	१	२२	मिथुने	भरण्यांबुधः$\frac{११}{१}$भा.ज्येष्ठारंभ =
४	मं	४४	४२	आ	१४	५५	शू	२६	२	ब	१२	३८	४७	१५	४५	२	२	२३	मिथुने	भ.१२।३८उ.४४।४२या. [=जिल्काद११
५	बु	५०	२३	पु	२१	२३	गं	२७	४४	ब	१७	३२	४९	१४	४६	३	३	२४	क.४।४६	[×पातस्पर्शः४५।२५
६	गु	५६	३९	पु	२८	४४	वृ	३०	१६	कौ	२३	३१	५०	१४	४६	४	४	२५	कर्के	रोहि.रविः३७।२२(सौरः४९।५९)×
७	शु	६०	०	श्ले	३६	१३	ध्रु	३२	४४	ग	२९	४४	५५	१३	४७	५	५	२६	सि३६।१३	पातमोक्षः१।५८
७	श	२	५०	म	४३	३९	व्या	३५	५	व	२	५०	५६	१३	४७	६	६	२७	सिंहे	भ.२।५०उ.३५।४४या.
८	र	८	३८	पू	५०	१२	ह	३६	४८	ब	८	३८	५८	१२	४८	७	७	२८	सिंहे	
९	चं	१३	२८	उ	५५	२२	व	३७	२५	कौ	१३	२८	३४	१२	४८	८	८	२९	कं.६।२९	[+गंगादशमी
१०	मं	१६	५२	ह	५९	१०	सि	३६	५२	ग	१६	५२	२	१२	४८	९	९	३०	कन्यायां	भ.४७।४६उ.कर्केशुक्रः३५।३६+
११	बु	१८	४०	चि	६०	०	व्य	३४	५६	वि	१८	४०	३	११	४९	१०	१०	३१	तु.३०।५	भ.१८।४०या.निर्जला११व्र.
१२	गु	१८	१२	चि	१	१	व	३१	२६	बा	१८	१२	५	११	४९	११	११	१	तुलायां	जून६ता.३० प्रदोषः
१३	शु	१६	२	स्वा	०५१	५६	प	२६	२९	तै	१६	२	७	११	४९	१२	१२	२	वृ.४४।३२	पुष्येशुक्रः५४।१९
१४	श	११	५५	अ	५५	५८	शि	२०	१३	व	११	५५	९	१०	५०	१३	१३	३	वृश्चिके	भ.११।५५उ.३९।१५या.
१५	र	६	३४	ज्ये	५१	२६	सि	१३	४४	व	६	३४	१०	१०	५०	१४	१४	४	ध.५१।२६	अश्वि.४गुरुः$\frac{४५}{२}$गुर्जरागांवटसावित्रीव्र.

७पं.ज्ये.शु.७शु.इ.२१।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	७	०	२	१०	०	१
१०	९	१५	८	२५	१२	८	१०
४२	१६	५६	०	४९	२९	१८	२०
२९	१२	२४	१४	४४	४२	१४	१४
५७	३६	३७	१२	६२	२	३	५७
३५	६	२९	३२	५२	१४	११	२३

गोचर ग्रहाः

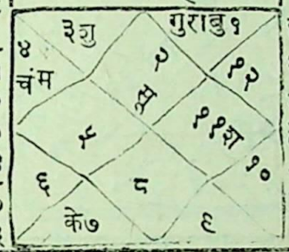

इस मास में कृष्णपक्ष में धातु धान्य रस में मंदी चले सुदि में तेजी होवे प्रजा में रोग शोक फैले।

गोचर ग्रहाः

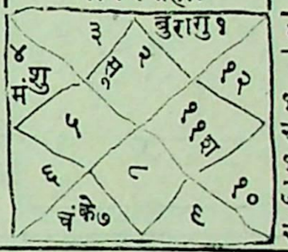

८पं.ज्ये.१३शु.ड.$\frac{३}{३७}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	०	३	१०	०	१
१७	१३	२२	९	२	१२	७	१७
२५	१७	५९	३०	४७	४२	५५	११
१९	१०	५३	३६	६	१४	५८	१९
५७	३६	६८	१२	६०	१	३	५७
२७	२५	२४	१४	२३	३२	११	१३

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चंद्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.

१	चं	०	२	मृ	४६	१३	सा	४५६	३१	कौ	०	२	३४	५	६०	१५	१५	५	धनुषि	कृत्ति.बुधः३४।४२
२	चं	५२	४८		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
३	मं	४५	३२	पू	४१	१	शु	४७	५०	व	१९	११	१३	९	५१	१६	१६	६	म.५४।४४	भ.१९।११उ.४५।३२या.
४	बु	३८	१८	उ	३५	५५	ब्र	३९	२७	ब	११	५५	१५	९	५१	१७	१७	७	मकरे	वृषेबुधः$\frac{४४}{५०}$पातस्पर्शः५१।५५चतुर्थी व्र.
५	शु	३२	३४	श्र	३१	८	ऐं	३१	१७	कौ	५	२६	१६	९	५१	१८	१८	८	कुं.५९।५	मृगेरविः$\frac{३२}{५}$(सौरः$\frac{४९}{२}$ अश्वि.भौमः$\frac{५२}{२}$÷
६	शु	२५	१९	ध	२७	२	वै	२३	४२	व	२५	१९	१७	९	५१	१९	१९	९	कुंभे	भ.२५।१९उ.५२।३३या.
७	श	१९	४७	श	२३	३४	वि	१९	३४	ब	१९	४७	१८	८	५२	२०	२०	१०	कुंभे	[÷पातमोक्षः$\frac{७}{२५}$
८	र	१५	७	पू	२१	१	प्री	१०	१२	कौ	१५	७	१९	८	५२	२१	२१	११	मी६।३९	
९	चं	११	१३	उ	१८	५९	आ	३९	५४	ग	११	१३	१९	८	५२	२२	२२	१२	मीने	भ.३९।४३उ.
१०	मं	८	१३	रे	१८	१	शो	५५	१४	वि	८	१३	२०	८	५२	२३	२३	१३	में.१८।१	भ.८।१३या.
११	बु	६	५	अ	१७	५७	अ	५१	४३	बा	६	५	२१	८	५२	२४	२४	१४	मेषे	रोहि.बुधः६।०योगिनी११व्र.
१२	गु	४	४९	भ	१९	४	सु	४९	०	तै	४	४९	२१	८	५२	२५	२५	१५	वृ.३४।३५	मिथुनेऽर्कः$\frac{३९}{३०}$(सौरः$\frac{३९}{३०}$) प्रदोषः
१३	शु	४	४७	कृ	२१	९	धृ	४७	११	व	४	४७	२२	८	५२	२६	२६	१६	वृषे	भ.४।४७उ.३५।१०या.
१४	श	५	३२	रो	२४	९	शू	४६	३२	श	५	३२	२२	८	५२	२७	२७	१७	मि५६।१७	आश्ले.शुक्रः$\frac{३५}{१}$वक्रीशनि·$\frac{४५}{३७}$
३०	र	७	५६	मृ	२८	२६	गं	४६	१५	ना	७	५६	२३	७	५३	२८	२८	१८	मिथुने	

९पं.आ.कृ.६शु.इ.२१।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	०	३	१०	०	१
२४	१७	२	१०	९	१२	७	२३
७	२२	२९	५८	२४	५०	३३	५१
१९	५	२	५९	१४	१३	४२	१६
५७	३६	९२	११	५७	०	३	५७
२२	५१	१३	४३	१४	५६	११	५

गोचर ग्रहाः

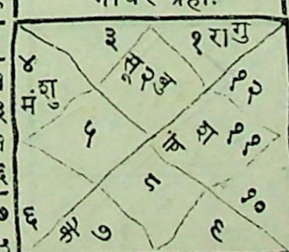

आशाढ़कृष्णे १२गुरौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावें समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

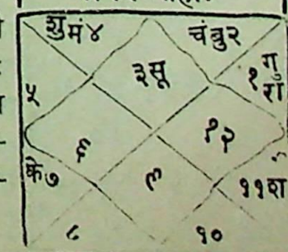

१०पं.आ.कृ.१३शु.इ.$\frac{२१}{३७}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	०	३	१०	०	२
०	२१	१४	१२	१५	१२	७	०
४८	२९	१४	२३	३५	५३	११	३०
३६	२	३५	२	१७	२८	२७	९५
५७	३७	५८	११	५३	०	३	५६
१७	८	३८	७	१	७	११	५७

CC-0. Jangamwadi Math Varanasi Collection. Digitized by S3 Foundation USA

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४४५७स.२०२३
१	चं	११	१७	आ	३३	४१	वृ	४७	१४	ब	११	१७	३४	५ ५६	२९	२९	१९	मिथुने	[×दर्शनम् रथयात्रा
२	मं	१६	१	पु	४०	११	धु	४८	४७	कौ	१६	१	२३	७ ५३	३०	३०	२०	क.२३।३४	बुधास्तः पूर्वस्यां १६।२७ चंद्र×
३	बु	२१	१६	पु	४७	५	व्या	५०	५२	ग	२१	१६	२४	७ ५३	३१	१	२१	कर्के	भ.५४।२२उ.मृबुधः७।४४भरणी १गुरुः÷
४	गु	२७	२८	श्ले	५४	४३	ह	५३	१७	वि	२७	२८	२४	७ ५३	१	२	२२	सिं५४।४३	भ.२७।२८या.आर्द्रा.रविः२९।४४ A
५	शु	३३	३३	म	६०	०	व	५६	१	ब	०	३०	२४	७ ५३	२	३	२३	सिंहे	[A(सौरः५१।१०)भा आषाढारंभः
६	श	३९	४७	म	२	३१	सि	५८	२०	कौ	६	४०	२४	७ ५३	३	४	२४	सिंहे	मिथुनेबुधः१९।२७
७	र	४५	०	पू	९	४७	व्य	५९	५३	ग	१२	२३	२४	७ ५३	४	५	२५	कं.२६।१७	भ.४५।०उ. [÷७।५२जिल्हज १२
८	चं	४९	१३	उ	१५	४९	व	६०	०	वि	१७	६	२३	७ ५३	५	६	२६	कन्यायां	भ.१७।६या.अश्वि.२राहुःचित्रा.४केतुः+
९	मं	५१	४३	ह	२०	४६	व	२८ ५९	५३	बा	२०	२८	२३	७ ५३	६	७	२७	तु.५२।१८	आर्द्रा.बुधः२०।५२
१०	बु	५२	१९	चि	२३	५०	शि	५७	१७	तै	२२	१	२२	८ ५२	७	८	२८	तुलायां	[+१४।४०
११	गु	५०	५३	स्वा	२५	१२	सि	५३	२४	व	२१	३६	२२	८ ५२	८	९	२९	तुलायां	भ.३१उ.५५या.देवशयनी ११व्र.
१२	शु	४७	१२	वि	२४	१९	सा	४८	१	ब	१९	२	२१	८ ५२	९	१०	३०	वृ.९।३२	मघा.सिंहेभौमः३९।१४
१३	श	४१	४९	अ	२१	२३	शु	४०	४९	कौ	१४	३०	२०	८ ५२	१०	११	१	वृश्चिके	जुलाई७ता.३१प्रदोषः
१४	र	३४	४४	ज्ये	१६	५६	शु	३२	२९	ग	८	१६	१९	८ ५२	११	१२	२	ध.१६।५६	भ.३४।४४उ वायुपरीक्षा
१५	चं	२६	२८	मू	११	४	ब्र	२३	२३	वि	०	३६	१८	८ ५२	१२	१३	३	धनुषि	भ.३९या.पुन.बुधः३४।१६व्यासपूजा

११पं.आ.शु.५शु.इ. २१ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	०	३	१०	०	२
७	२५	२७	१३	२१	१२	६	७
२९	३८	५९	४३	१२	५१	४९	८
२१	१७	१३	२६	५४	३६	११	५२
५७	३७	५९	१०	४७	२८	३	५६
७	१६	१९	३१	५८	व	११	५४

गोचर ग्रहाः

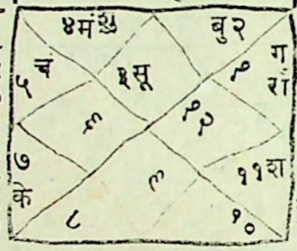

इस मास में वदी में धान्य गेहूं जो चना मटर अलसी धातु रसकस में मंदी सुदि में तेज हों कहीं २ कुछ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

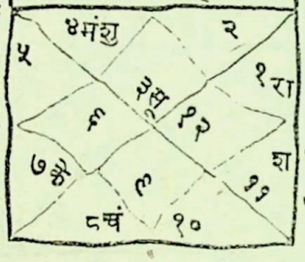

१२पं.आ.शु.१२शु.इ. २१ ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	०	३	१०	०	२
१४	२९	१३	१४	२६	१२	६	१३
९	४८	६	५९	९	४५	२६	४६
५८	१०	५८	१०	११	३२	५६	५७
५७	३७	५९	९	४०	१९	३	५६
७	४७	३२	४९	५६	व.	११	१०

ति.	प्र. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	मं	१७	३८	पू	३ ४	५३	ए	१३	२५	कौ	१७	३८	३४ १७	५ ५१	१३	१४	४	म.१७।४८	
२	बु	८	४१	श्र	५०	५५	चै	२३ ५९		ग	८	४१	१६	९ ५१	१४	१५	५	मकरे	भ.३४।६उ.५९।४६या.
३	बु	५१	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	०	० ०	
४	गु	५१	४५	ध	४४	४४	ग्री	४४	१४	ब	२५	४६	१५	९ ५१	१५	१६	६	कुं.१७।४९	पुन.रविः३४(सौरः ५५/१२) चतुर्थीव्र.
५	शु	४४	२८	श	३९	२४	आ	३५	२४	कौ	१८	३६	१४	९ ५१	१६	१७	७	कुंभे	मघा.सिंहेशुक्रः१।४नाग५
६	श	३८	३८	पू	३५	२३	स्रो	२७	५०	ग	११	३२	१३	९ ५१	१७	१८	८	मी२१।२३	भ.३८।३८उ.कर्केबुधः१३।१६
७	र	३३	५४	उ	३२	४२	शो	२१	१४	वि	६	१६	११	१० ५०	१८	१९	९	मीने	भ.६।१६या.पुष्येबुधः४९।६
८	चं	३०	५०	रे	३१	३१	अ	१५	५१	वा	२	२२	१०	१० ५०	१९	२०	१०	मे.३१।३१	भरणी.२गुरुः३९।३०
९	मं	२९	१	अ	३१	२५	सु	११	३०	ग	२९	१	८	१० ५०	२०	२१	११	मेषे	भ.५८।४६उ.
१०	बु	२८	३२	भ	३२	४६	धृ	८	८	वि	२८	३२	७	११ ४९	२१	२२	१२	वृ.४८।२८	भ.३९या.बुधोदयःपश्चिमायां४६।४
११	गु	२९	२८	कृ	३५	३३	शू	६	४	बा	२९	२८	५	११ ४९	२२	२३	१३	वृषे	कामिका ११व्र.
१२	शु	३१	२१	रो	३९	२०	गं	४	४९	कौ	०	२४	३	११ ४९	२३	२४	१४	वृषे	[×बुधः४८।२०
१३	श	३४	४०	मृ	४४	१४	वृ	४	४८	ग	३	०	१	१२ ४८	२४	२५	१५	मि११।४७	भ.३४।४०उ.प्रदोषः
१४	र	३८	४०	आ	४९	५९	ध्रु	४	५५	वि	६	४०	३३ ५९	१२ ४८	२५	२६	१६	मिथुने	भ.६।४०या.कर्केऽर्कः५८।०आश्ले. ×
१५	चं	४३	५६	पु	५६	३८	व्या	६	१६	च	११	१८	५७	१३ ४७	२६	२७	१७	क.३९।५८	कर्केऽर्कःसौरः२७।५६हरियाळी

१३पं.प्र.श्रा.कृ.५शु.इ. २१ २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	०	४	१०	०	२
२०	४	२८	१६	०	१२	६	२०
५०	१	११	९	११	३४	४	२४
२४	५२	४६	५४	०	१६	४०	५०
५७	३८	५९	९	३२	५१	३	५६
७	१	१९	७	२८	व	११	५०

गोचर ग्रहाः

प्र. श्रावण कृष्णे १४ रवौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ अतिवन्ध्या-वस्था (सूती) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदय पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

१४पं.प्र.श्रा.कृ.१२शु.इ. २१ २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	०	४	१०	०	२
२७	८	१२	१७	३	२२	५	२७
३०	१९	१	१४	३	१८	४२	२
४३	८	५	१७	७	४३	२४	५८
५७	३८	५९	८	१९	३० व	३	५६
११	२३	५९	२३	५९	व	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	प्र.श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५								वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतू रविदक्षिणेऽहर्गण४४८६स.२०२३
१	मं	४९	१२	पु	६०	०	ह	८	१	कि	१६	३४	३३	५	४७	२७ २८ १८	कर्के	
२	बु	५५	२६	पु	३	४०	व	१०	७	बा	२२	१९	५२	१४	४६	२८ २९ १९	कर्के	चंद्रदर्शनम्
३	गु	६०	०	श्ले	११	१८	सि	१२	४०	तै	२८	३३	५०	१४	४६	२९ १ २०	सिं११।१८	पुष्येरविः३७/१८ (सौरः३७) मोहोरम१सन् +
४	शु	१	४०	म	१८	४५	व्य	१४	८	ग	१	४०	४८	१४	४६	३० २ २१	सिंह	भ.३४।४७उ. [+१४४५हि.
५	श	७	५५	पू	२६	१५	व	१७	२३	वि	७	५५	४५	१५	४५	३१ ३ २२	कं.४२।५८	भ.७।५५या.पूफा.भौमः३३।५५
६	र	१३	२२	उ	३३	६	प	१९	३६	बा	१३	२२	४३	१५	४५	१ ४ २३	कन्यायां	वक्रीशुक्रः३५।१०भा.श्रावणारंभः
७	चं	१८	६	ह	३८	५९	शि	२१	१	तै	१८	६	४०	१६	४४	२ ५ २४	कन्यायां	मघा.सिंहेबुधः४१।४०
८	मं	२१	२६	चि	४३	३०	सि	२१	१९	व	२१	२६	३८	१६	४४	३ ६ २५	तु.११।१४	भ.२१।२६उ.५२।१९या.
९	बु	२३	१२	स्वा	४६	२१	सा	२०	१७	ब	२३	१२	३५	१७	४३	४ ७ २६	तुलायां	
१०	गु	२३	२	वि	४७	१७	शु	१७	५३	कौ	२३	२	३३	१७	४३	५ ८ २७	वृ.३२।४	
११	शु	२०	५३	अ	४६	८	शु	१३	५२	ग	२०	५३	३०	१८	४२	६ ९ २८	वृश्चिके	भ.४८।४८उ.
१२	श	१६	४३	ज्ये	४३	१०	ब्र	८	१९	वि	१६	४३	२७	१९	४१	७ १० २९	ध.४३।१०	भ.१६।४३या.कमला११ब्र.
१३	र	१०	२८	मू	३८	५	ऐं	१०	५३	बा	१०	२८	२४	१९	४१	८ ११ ३०	धनुषि	
१४	चं	३	२६	पू	३१	५३	वि	४२	५३	तै	३	२६	२२	२०	४०	९ १२ ३१	म.४५।२	भ.५३।२२उ.
१५	मं	४३	५३	उ	२४	३०	प्री	३२	२०	वि	१८	३८	१९	२०	४०	१० १३ १	मकरे	भ.१८।३८या.अगस्तऽता.३१

१५पं.प्र.श्रा.शु.३शु.इ. २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	०	४	१०	०	३
४	१२	२४	१८	४	११	५	३
११	३३	२०	१२	२१	५९	२०	४१
२८	१४	२	५८	४७	२	९	२५
५७	३८	०/५	७	५	३/९	३	५६
१५	३३	४३	१४	५९	व	११	५९

गोचर ग्रहः

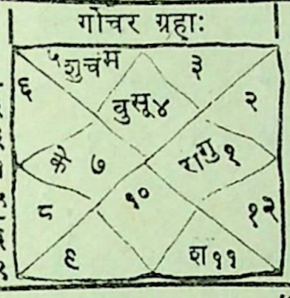

इस मास में धान्य गल्ला चावल आदि सोना चांदी तिल वारदाना रुई मंदी हो वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहः

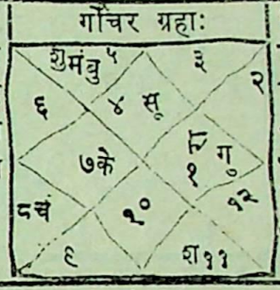

१६पं.प्र.श्रा.शु१०शु.इ.३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	०	४	१०	०	३
१०	१६	५	१९	३	११	४	१०
५२	५२	९	४	५२	३६	५७	२०
३०	२३	२२	४१	४८	२२	५३	४२
५७	३८	८२	६	११/४४	४/३	३	५७
२०	५८	१३	२१	व	व	११	५

ति.	द्वि.श्रावणकृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वर्षतू रविदक्षिणेप्र.श्रावण कृष्णेति महा.
१	बु	३३	४९	अ	१६	४२	आ	२१	३९	बा	८	५१	३३	२१	३९	११ १४ २	कुं.४२।४८	
२	गु	२४	१३	ध	८	५५	सौ	१०	४८	ग	२४	१३	१३	२१	३९	१२ १५ ३	कुम्भे	भ.४९।३७उ.आश्ले.रविः२४।१९ =
३	शु	१५	२	श	२२	५४/०	शो	२३	२९	वि	१५	२	१०	२२	३८	१३ १६ ४	मी४१।५२	भ.१५।२या.चतुर्थीव्र.
४	श	७	७	उ	५०	४०	सु	४२	१६	बा	७	७	७	२३	३७	१४ १७ ५	मीने	शुक्रास्तःपश्चिमायां३३।०
५	र	०	४७	रे	४७	३७	धृ	३५	१४	तै	०	४७	४	२३	३७	१५ १८ ६	मे.४७।३७	भ.५६।२१उ.भरणी.३गुरुः१४।४८
६	र	५५	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०		[=सौरः५९।२४) पूफा.बुधः२६।१३
७	चं	५३	४०	अ	४६	२२	शू	२९	३५	वि	२५	०	०	२४	३६	१६ १९ ७	मेषे	भ.२५।०या.वक्रीआश्ले.कर्कशुक्रः२६।२४
८	मं	५२	५३	भ	४६	५४	गं	२५	२०	बा	२३	१६	३३/५७	२५	३५	१७ २० ८	मेषे	
९	बु	५३	५०	कृ	४९	१८	वृ	२२	३९	तै	२३	२१	५४	२५	३५	१८ २१ ९	वृ.२।३०	
१०	गु	५६	२	रो	५३	२	ध्रु	२१	१६	व	२४	५६	५०	२६	३४	१९ २२ १०	वृषे	भ.२४।५६उ.५६।२या.
११	शु	५९	५९	मृ	५८	१६	व्या	२१	८	ब	२८	१	४७	२७	३३	२० २३ ११	मि२५।३९	कमला११ब्र.स्मा.
१२	श	६०	०	आ	६०	०	ह	२१	५९	कौ	३२	२२	४४	२७	३३	२१ २४ १२	मिथुने	उफा.भौमः५८।४६कमला११ब्र.वै.
१३	र	४	४४	आ	४	१९	व	२३	२०	तै	४	४४	४०	२८	३२	२२ २५ १३	क.५३।५४	
१४	चं	१०	३६	पु	११	२५	सि	२५	३०	व	१०	३६	२७	२९	३१	२३ २६ १४	कर्के	भ.१०।३६उ.४३।२५या.
१५	मं	१६	१३	पु	१८	३९	व्य	२७	३२	श	१६	१३	३३	२९	३१	२४ २७ १५	कर्के	
३०	बु	२२	३७	श्ले	२६	१९	व	३०	७	ना	२२	३७	३०	३०	३०	२५ २८ १६	सिं२६।१९	

१७पं.द्वि.श्रा.कृ.३शु.इ.२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	०	४	१०	०	३
१७	२१	१४	१९	१	११	४	१७
२४	१३	२१	४९	२३	९	३५	००
१२	१२	५८	५९	२	५०	३८	३०
५७	३८	६८	५/३६	४	३/५	३	५७
२५	५८	३	१४	व	२	११	१२

गोचर ग्रहः

इस मास में शुक्र का चन्द्रदर्शन धातु चांदी सोना रुई में घटबढ करें रसकस तेज हो धान्य मंदा हो वर्षा होवे।

गोचर ग्रहः

१८पं.द्वि.श्राकृ.११शु.इ.४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	०	३	१०	०	३
२५	२५	२१	२०	२७	१०	४	२३
१६	३३	३९	२६	३४	४०	१३	४१
२७	७	७	४२	३०	४४	२२	३७
५७	३९	४५	४	३/५	१/७	३	५७
३३	५	५	८	व	व	११	२२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५ | दि. उ अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५१६स.२०२३

| | | |

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः४५४६सं.२०२३
१	श	७	४१	उ	२	३५	शु	५३	४५	ब	७	४१	३० ३१	५४ ५४	६ ६	२५ २९ १६	कन्यायां	मार्गबुधः३।४९
२	र	११	४६	ह	८	१३	ब्र	५४	८	कौ	११	४६	२७	५५	५	२६ ३० १७	तु.४०।३८	कन्यायामर्कः९/३७(सौरः५६/३१)चंद्रदर्शनम्
३	चं	१४	५८	चि	१३	३	ऐं	५३	३६	ग	१४	५८	२२	५६	४	२७ १ १८	तुलायां	भ.६९उ.रविलावल३हरितालिका३
४	मं	१७	१	स्वा	१६	४४	वै	५२	१९	वि	१७	१	१८	५६	४	२८ २ १९	तुलायां	भ.१७।१या.गणेशचतुर्थी
५	बु	१८	१४	वि	१९	२४	वि	५०	१७	बा	१८	१४	१४	५७	३	२९ ३ २०	वृ.३।४४	ऋषिपंचमी
६	गु	१७	२८	अ	२१	१	प्री	४७	८	तै	१७	२८	९	५८	२	३० ४ २१	वृश्चिके	
७	शु	१५	५५	ज्ये	२१	११	आ	४२	५५	च	१५	५५	५	५९	१	३१ ५ २२	ध.२१।११	भ.१५।५५उ.४४।२८या.
८	श	१३	१	मू	२०	६	सौ	३७	३४	ब	१३	१	३० ३०	६ ६	० ०	१ ६ २३	धनुषि	चित्रा.भौमः२२।५७भा.आश्विनारंभः
९	र	८	३७	पू	१७	२८	शो	३१	९	कौ	८	३७	२९ २९	१ ५९	५९ ५९	२ ७ २४	म.३१।३४	अस्तोभौमः३९।६
१०	चं	३	८	उ	१३	५२	अ	२३	३७	ग	३	८	५३	२	५८	३ ८ २५	मकरे	भ.२९/४२उ.५६/६या.जलझूलनी११व्र.स्मा.
११	चं	५३	८		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	
१२	मं	४८	१४	श्र	८	४७	सु	१५	९	ब	२२	१५	४८	२	५८	४ ९ २६	कुं.३५।४७	जलझूलनी११व्र.वै.वामनजयंती
१३	बु	३९	५०	ध	४९	५५	धृ	४७	५० १२	कौ	१४	२	४४	३	५७	५ १० २७	कुंभे	हस्तेरविः३०।५२प्रदोषः
१४	गु	३०	३१	पू	४८	५६	गं	४५	३८	ग	५	१०	४०	४	५६	६ ११ २८	मी३५।४३	भ.३९उ.५६या.हस्तेरविः सौरः९अनंत१४
१५	शु	२१	४१	उ	४२	१५	बृ	३५	३२	ब	२१	४१	३६	५	५५	७ १२ २९	मीने	उफा.बुधः३७।४७महालयारंभः

२४पं.भा.शु.७शु.इ. ९/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	०	३	१०	०	५
४	२२	१७	२०	२३	७	१	४
५५	३७	२	५२	२२	३७	५९	१७
१६	३४	५३	४१	४२	५९	४८	३४
५८	४०	६३	३६	३५	५२	३	५८
२८	१८	मा.	ब.	२१	ब.	११	४५

गोचर ग्रहाः

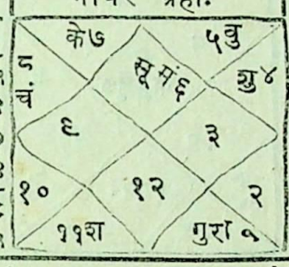

भाद्रपदशुक्ले २ रवौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४न. ५ युवावस्था (सूती)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

२५पं.भा.शु.१५शु.इ.१९/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	०	३	१०	०	५
११	२७	२६	२०	२८	७	१	११
४६	१५	७	२३	८	१२	३७	९
५२	५०	४४	३८	२४	४७	३३	३३
५८	४०	७	४१	४४	३	३	५९
५३	२३	५२	वं.	१०	व.	११	७०

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०८० शाकः १९४५								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	श	१३	२४	रे	३६	१४	ध्रु	२६	०	कौ	१३	२४	३१	६	५४	८ १३ ३०	मे.३६।१४	[×सिंहेशुक्रः५१।१७अक्टूबर१०ता.३१
२	र	६	३१	अ	३१	२९	व्या	१७	२०	ग	६	३१	२८	६	५४	९ १४ १	मेषे	भ.३३।४८उ.कन्यायांबुधः३०।४मघा. ×
३	चं	१	५	भ	२८	२९	ह	९	५३	वि	१	५	२३	७	५३	१० १५ २	मेषे	भ.१।५या.चतुर्थी व्र.
४	चं	५६	२९		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	[=५५।४०बुधास्तःपूर्वस्यां८।०
५	मं	५६	२६	कृ	२७	३२	ब	५९	५५	कौ	२७	०	१९	८	५२	११ १६ ३	बृ.४३।१५	तुलायांभौमः२६।२७वक्रीभरणी२गुरुः =
६	बु	५७	१२	रो	२८	४४	व्य	५७	२०	ग	२५	४९	१५	९	५१	१२ १७ ४	वृष	भ.५७।१२उ.
७	गु	६०	०	मृ	३१	५५	व	५६	३८	वि	२८	४०	११	१०	५०	१३ १८ ५	मि०।२०	भ.२८।४०या.
७	शु	०	७	आ	३६	४७	प	५६	५२	ब	०	७	७	११	४९	१४ १९ ६	मिथुने	
८	श	४	३७	पु	४३	१३	शि	५८	१९	कौ	४	३७	३	११	४९	१५ २० ७	क.२६।३६	हस्तेबुधः३५मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
९	र	१०	३४	पु	५०	२६	सि	६०	०	ग	१०	३४	२९	१२	४८	१६ २१ ८	कर्के	भ.४३।३५उ.
१०	चं	१६	३७	श्ले	५८	८	सि	०	२३	वि	१६	३७	५५	१३	४७	१७ २२ ९	सिं५८।८	भ.१६।३७या.
११	मं	२३	१३	म	६०	०	सा	२	५२	बा	२३	१३	५१	१४	४६	१८ २३ १०	सिंहे	वक्रीधनि४शनिः४७।३०इंदिरा११व्र.
१२	बु	२९	२०	म	५	४०	शु	५	६	तै	२९	२०	४७	१५	४५	१९ २४ ११	सिंहे	चित्रारविः३।५४(सौरः३९।३५)
१३	गु	३४	५५	पू	१२	५४	शु	७	२२	ग	२	७	४३	१५	४५	२० २५ १२	कं.२९।२९	भ.३४।५५उ.प्रदोषः
१४	शु	३९	१७	उ	१९	१७	ब्र	८	५८	वि	७	६	३९	१६	४४	२१ २६ १३	कन्यायां	भ.३या.स्वात्यांभौमः२९शस्त्रादिहता.श्रा
३०	श	४२	४६	ह	२४	२३	ऐं	९	४१	च	११	१०	३५	१७	४३	२२ २७ १४	तु.५६।३७	चित्राबुधः५२।०सर्वपितृ३०

२६पं.आ.कृ.७शु.इ.१९।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	०	४	१०	०	५
१८	१	८	१९	३	६	१	१८
४०	५६	९	४६	३२	५१	१५	३
८	१७	१४	१	१३	५८	१७	२०
५९	४०	०	५०	५०	४९	३	५९
९	१९	५३	व.	२४	ब.	११	१६

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धातु धान्य में तेजी होवे प्रजा में शोक और व्याधि फैले रसकस में कुछ मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

२७पं.आ.कृ.१४शु.इ. १९/

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	०	४	१०	०	५
२५	६	२०	१९	९	६	०	२४
३५	३८	३५	०	३५	३४	५३	५९
२	३८	२	५०	३१	२६	२	२
५९	४१	०	४०	५४	२	३	५९
२१	०	३२	व	१०	व.	११	३१

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

फार्म नं० १४४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५७५स.२०२३
१	र ४५ १	चि २८ ५२	वै ९ ३१	किं १३ ५३	३९ १९ ६ ५	२३ २८ १५	तुलायां	नवरात्रारंभः मातामहश्रा.
२	चं ४६ ८	स्वा ३१ ५३	वि ८ ३१	बा १५ ३४	२७ १९ ४१	२४ २९ १६	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
३	मं ४६ ४	वि ३३ ४९	प्री ६ २९	तै १६ ६	२३ १९ ४१	२५ १ १७	वृ.१८।२०	तुलायामर्कः ४६ पूफा.शुक्रः २३ रविलाखर४
४	बु ४५ ७	अ ३४ ४३	आ ४० ५९	व १५ ३५	२० २० ४०	२६ २ १८	वृश्चिके	भ.१५ उ.४५ या.तुलार्कःसौरः २९ तुलायां ×
५	गु ४३ १९	ज्ये ३४ ५६	शो ५५ ५२	ब १४ १३	१६ २१ ३९	२७ ३ १९	ध.३४।५६	[×बुधः५४।८
६	शु ४० २६	मू ३४ ०	अ ५० ५३	कौ ११ ५२	१२ २२ ३८	२८ ४ २०	धनुषि	
७	श ३६ ५८	पू ३२ २५	सु ४५ १३	ग ८ ४२	८ २२ ३८	२९ ५ २१	म.४६।४८	भ.३६।५८उ.
८	र ३२ ३४	उ २९ ५८	धृ ३८ ५४	वि ४ ४६	४ २३ ३७	३० ६ २२	मकरे	भ.४।४६या.स्वात्यांबुधः ४९।३७
९	चं २७ २९	श्र २६ ४४	शू ३१ ४९	बा ० १	० २४ ३६	१ ७ २३	कुं.५४।४१	भा.कार्तिकारंभः
१०	मं २१ ३२	ध २२ ३८	गं २४ १६	ग २१ ३२	२७ २५ ३५	२ ८ २४	कुम्भे	भ.४८।१६उ.स्वात्यांरविः २८।४५
११	बु १५ १	श १७ ५६	बृ १६ ८	वि १५ १	५३ २५ ३५	३ ९ २५	मी५९।१	भ.१५।१या.स्वात्यांरविः सौरः ३।२२ ÷
१२	गु ७ ४७	पू १२ ३८	ध्रु २१ ५१	बा ७ ४७	४९ २६ ३४	४ १० २६	मीने	प्रदोषः [÷पापांकुशा ११त्र.
१३	शु ० ३३	उ ७ २०	ह ४९ ५०	तै ० ३३	४५ २७ ३३	५ ११ २७	मीने	भ.५३।२१उ.
१४	शु ५२ ४८	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	[= का.स्ना.प्रा.
१५	श ४७ ५	रे १३ २९	व ४१ २६	वि २० १३	४१ २८ ३२	६ १२ २८	मे.२।१३	भ.२०।१३या.शरद्पूर्णिमाकोजागरीव्र.=

२८पं.आ.शु.६शु.इ.१९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	०	४	१०	०	६
२	११	२	१८	१९	६	०	१
२१	२३	२४	१०	९	२०	३०	५६
२६	१७	२५	५२	१८	४६	४६	२७
५९	४१	०	२४	५७	३३	३	५९
२४	१०	५८	व	५८	व	११	४६

गोचर ग्रहाः

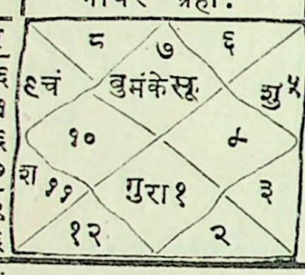

आश्विनशुक्ले ३ भौमे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न४प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

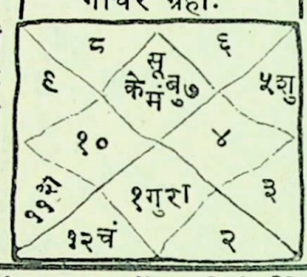

२९पं.आ.शु.१३शु.इ.१५।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	०	४	१०	०	६
९	१६	१४	१७	२३	६	०	८
२९	११	१०	१६	७	१३	८	५५
४२	२४	४८	२६	५५	३०	३०	४७
५९	४१	०	५३	६०	४५	३	६०
४७	२०	५९	व.	४४	व.	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हिमंतर्तूरविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	र ४१ ४०	भ ५४ १२	सि ३३ ४४	बा १४ २२	२७ ३८ ९ ५	७ १३ २९	मेषे	रेवती४मीनेचराहुःचित्रा२कन्यायांकेतुः ५९
२	चं ३७ ५६	कृ ५२ १४	व्य २७ १०	तै ९ ४८	२४ २९ ३१	८ १४ ३०	वृ.८।४३	उफा.शुक्रः ४८।२९
३	मं ३६ ४	रो ५२ २३	व २१ ५८	व ६ ५९	३० ३० ३०	९ १५ ३१	वृषे	भ.५९ उ.३४ या.विशा.बुधः २५ वक्री ×
४	बु ३५ ४९	मृ ५४ १२	प १८ १८	ब ५ ५६	२७ ३१ २९	१० १६ १	मि२३।१७	विशा.भौमः ४९ नवम्बर ११ता.३०करक+
५	गु ३७ ५९	आ ५७ ४७	शि १६ १४	कौ ६ ५३	२३ ३१ २९	११ १७ २	मिथुने	कन्यायांशुक्रः ५५।५० [+चतुर्थीव्र.
६	शु ४१ ४७	पु ६० ०	सि १५ २५	ग ९ ५३	१९ ३२ २८	१२ १८ ३	क.४६।४७	भ.४१।४७उ.मार्गीशनिः ५८।२४
७	श ४७ १४	पु ३ ७	सा १५ ५९	वि १४ ३१	१६ ३३ २७	१३ १९ ४	कर्के	भ.१४।३१या. [×भरणी१गरुः ४४।१२
८	र ५३ ७	पु ९ ५५	शु १७ २८	बा २० १०	१२ ३४ २६	१४ २० ५	कर्के	
९	चं ५९ ४१	श्ले १७ ११	शु १९ ३४	तै २६ २३	९ ३४ २६	१५ २१ ६	सिं१७।११	विशा.रविः ४९।११बृश्चिकेबुधः १०।२४
१०	मं ६० ०	म २४ ४६	व्र २२ २	व ३२ ४६	५ ३५ २५	१६ २२ ७	सिंहे	भ.३२।४६उ.विशा.रविःसौरः २०।४६
१०	बु ५ ५२	पू ३२ १	ऐं २४ १३	वि ५ ५२	२ ३६ २४	१७ २३ ८	कं.४८।४०	भ.५।५२या.अनु.बुधः ३३।४८
११	गु ११ ३५	उ ३८ ३८	वै २५ ५१	बा ११ ३५	२६ ३६ २४	१८ २४ ९	कन्यायाँ	बुधोदयःपश्चिमायां ३३।५८रमा ११त्र.
१२	शु १६ ४	ह ४३ ५६	वि २६ ३२	तै १६ ४	५५ ३७ २३	१९ २५ १०	कन्यायां	प्रदोषःधन १३
१३	श १९ १६	चि ४७ ५६	प्री २६ २०	व १९ १६	५३ ३८ २२	२० २६ ११	तु.१५।५६	भ.१९।१६उ.५०।२या.रुप १४
१४	र २० ४७	स्वा ५० ३१	आ २४ ५३	श २० ४७	४९ ३८ २२	२१ २७ १२	तुलायां	हस्तेशुक्रः ११।३७महालक्ष्मीपूजनम्
२०	चं २१ ०	वि ५१ ४४	सौ २२ २२	ना २१ ०	४५ ३९ २१	२२ २८ १३	वृ.३६।२६	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा

३०पं.का.कृ.६शु.इ.१९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	०	५	१०	११	६
१६	२१	२५	१६	०	६	२९	१५
२९	१	१७	१९	२४	१०	४६	५६
२८	५५	५३	४४	७	३४	१५	५१
६०	४१	९८	५३	६३	५	३	६०
४३	७	३८	व	४	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

कन्याराशि गते शुक्रे सर्वसस्यं विनश्यति, तत्र धान्य महर्घाणि शालिश्चैव विशेषतः इस मास में धान्य में तेजी रहेगी ।

गोचर ग्रहाः

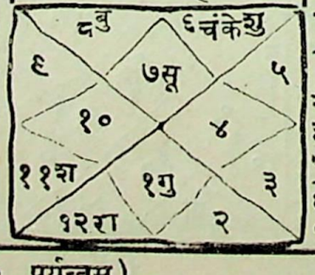

३१पं. का.कृ.१२शु.इ.१९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	०	५	१०	११	६
२३	२५	६	१५	७	६	२९	२२
३०	५५	५	२३	५७	१२	२३	५९
५०	१९	१७	१०	५४	४७	५९	२४
६०	४१	९४	५३	६४	४८	३	६०
१७	४६	३८	व.	४९	मा	११	३०

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६०५स.२०२३
१	मं १९ ४३ अ ५१ ४४ शो १८ ३० च १९ ४३	२६	४०	२०	२२	२९	१४	वृश्चिके	
२	बु १७ २१ ज्ये ५० ३८ अ १४ १० कौ १७ १३	२९	४०	२०	२४	३०	१५	ध.५०।३८	चंद्रदर्शनम्भातृ२यम२
३	गु १४ ११ मू ४८ ५२ सु ८ ५२ ग १४ ११	२६	४१	१९	२५	१	१६	धनुषि	भ.४३ उ.वृश्चिकेऽर्क४५ वृश्चिकेभौमः =
४	शु १० १८ पू ४६ २२ धृ ४७ ५३ वि १० १८	३३	४१	१९	२६	२	१७	धनुषि	भ.१९ या.वृश्चिकेऽर्कः सौर;१५ ज्येष्ठा ×
५	श ६ ७ उ ४३ ४० गं ५० ५ ग्रा ६ ७	३०	४२	१८	२७	३	१८	म.१।११	[×बुधः२३।४५[=७।४०जमादिलावल ५
६	र १ २६ श्र ४० ३४ वृ ४३ १५ तै १ २६	२७	४३	१७	२८	४	१९	मकरे	भ.५६।४५उ.
७	र ५५ १९ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	००	[÷अनु.भौमः४७।१२गोपाष्टमी
८	चं ५१ ४७ ध ३७ ३२ ध्रु ३६ १३ वि २४ १६	२५	४३	१७	२९	५	२०	कुं.९।३	भ.२४।१६या.अनु.रविः३।३६(सौर३१÷
९	मं ४७ ४० श ३४ ४ व्या २८ ५८ बा १९ ४०	२२	४४	१६	३०	६	२१	कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९
१०	बु ४१ १४ पू ३० ३४ ह २१ ३७ तै १४ २६	१९	४४	१६	१	७	२२	मी१६।२७	भा.मार्गशीर्षारंभः
११	गु ३५ ५५ उ २६ ५२ व १४ १० व ८ ३४	१७	४५	१५	२	८	२३	मीने	भ.८।३४उ.३५।५५या.चित्राशुक्रः५९ +
१२	शु ३० ४३ रे २३ २२ सि ५० ५३ ब ३ १९	१४	४५	१५	३	९	२४	मे.२३।२२	[+प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाह
१३	श २६ ४ अ २० १८ व ५३ ११ तै २६ ४	१२	४६	१४	४	१०	२५	मेषे	प्रदोषःवैकुंठ१४
१४	र २१ ५१ भ १७ ४७ प ४७ २ व २१ ५१	९	४६	१४	५	११	२६	वृ.३२।२१	भ.५१ उ.५९या.मूलेधनुषिबुधः४८।२
१५	चं १८ ५८ कृ १६ ४ शि ४१ ५९ ब १८ ५८	७	४७	१३	६	१२	२७	वृषे	वक्रीअश्वि.४गुरुः१५मन्वादिःका.स्ना.पू.

३२पं.का.शु.४शु.इ.१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	०	५	१०	११	७
०	०	१६	१४	१५	६	२९	०
३३	५०	३१	२८	४०	२०	१	३
२९	२०	४८	४६	४१	१३	४४	२८
६०	४२	९१	२५	६६	१	३	६०
३०	७	१६	व.	१९	२९	११	४०

गोचर ग्रहाः

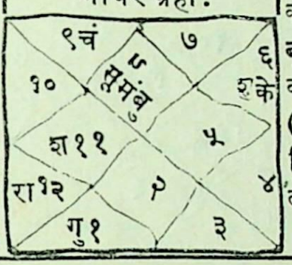

कार्तिक शुक्ले ३ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.३ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याँ ।

गोचर ग्रहाः

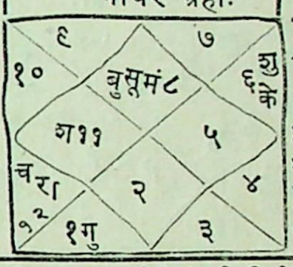

३३पं.का.शु.१२शु.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	०	५	१०	११	७
७	५	२६	१३	२३	६	२८	७
३७	४८	२२	३८	४१	२१	३९	९
२६	४	३८	५३	१७	४८	२८	१
६०	४२	८३	३५	६७	२	३	६०
४२	१६	०	व.	३३	१०	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	मं १७ १६ रो १६ ८ सि ३७ ५५ कौ १७ १६	२६	४७	१३	७	१३	२८	मि४६।४४	शतभिषा.१शनिः१९।२१
२	बु १७ २० मृ १७ २२ सा ३५ २१ ग १७ २०	२	४८	१२	८	१४	२९	मिथुने	भ.४८।१३उ.तुलायांशुक्रः४४।४३
३	गु १९ ६ आ २० २५ शु ३४ ३ वि १९ ६	०	४८	१२	९	१५	३०	मिथुने	भ.१९।६या.चतुर्थीव्र.
४	शु २२ २५ पु २४ ५१ शु ३३ ४३ बा २२ २५	२५	४८	१२	१०	१६	१	क.८।४४	दिसम्बर१२ता.३१
५	श २७ २९ पु ३० ५९ ब्र ३४ ३९ तै २७ २९	५६	४९	११	११	१७	२	कर्के	पातस्पर्शः२७।०पातमोक्षः४४।१
६	र ३३ १ श्ले ३७ ४३ ऐं ३६ ११ ग ० १५	५४	४९	११	१२	१८	३	सिं३७।४३	भ.३३ उ.ज्येष्ठारविः१३(सौरः३९।४५)
७	चं ३९ ३२ म ४५ २२ वै ३८ ४ वि ६ १६	५३	४९	११	१३	१९	४	सिंहे	भ.६।१६या.
८	मं ४६ २ पू ५२ ४४ वि ४० ४० बा १२ ४७	५१	५०	१०	१४	२०	५	सिंहे	स्वात्यांशुक्रः२४।५७
९	बु ५१ ५३ उ ५९ ५५ प्री ४२ ३९ तै १८ ५७	४९	५०	१०	१५	२१	६	क.९।३१	
१०	गु ५६ ४८ ह ६० ० आ ४३ ५६ व २४ २०	४८	५०	१०	१६	२२	७	कन्यायां	भ.२४।२०उ.५६।४८या.
११	शु ६० ० ह ५ ४६ सौ ४३ ५९ ब २८ २६	४६	५१	९	१७	२३	८	तु ३८।१	उत्पत्ति११व्र.स्मा.
११	श ० ५ चि १० १६ शो ४२ ५५ बा ० ५	४५	५१	९	१८	२४	९	तुलायां	ज्येष्ठाभौमः२७।२०उत्पत्ति११व्र.वै.
१२	र १ ४८ स्वा १३ ० अ ४० ३१ तै १ ४८	४४	५१	९	१९	२५	१०	वृ.५८।४६	पूषा.बुधः३१।३७प्रदोषः
१३	चं १ ३९ वि १४ २ सु ३६ ३५ व १ ३९	४३	५१	९	२०	२६	११	वृश्चिके	भ.१।३९उ.३०।३८या.
१४	चं ५७ ५७ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	मं ५६ १३ अ १३ २५ धृ ३१ २५ च २७ ५५	४२	५२	८	२१	२७	१२	वृश्चिके	

३४पं.मा.कृ.४शु.इ.१७।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	०	६	१०	११	७
१४	१०	५	१२	१	६	२८	१४
४२	४७	४०	५४	४६	४८	१७	१५
४०	४९	३७	४०	३७	२९	१२	४७
६०	४२	७०	४५	६८	२	३	६१
५०	२६	१९	व.	३७	५१	११	३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य चावल बाजरा मूंग मोठ चना मक्का तेज हो चांदी स्वर्ण लोहा आदि धातुयें मंदी होवे ।

गोचर ग्रहाः

३५पं.मा.कृ.११शु.इ.१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	०	६	१०	११	७
२१	१५	१२	१२	९	७	२७	२१
४८	५०	३३	१८	५९	१०	५४	२३
४३	२४	०७	४३	४६	१९	५७	२९
६०	४२	२८	३०	६९	३	३	६१
५६	४६	५	व.	२२	३२	११	११

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६३४स.२०२३
१	बु ५१ ३३	ज्ये ११ १९	शू २५ ७	किं २३ ५३	२५ ६ २	५	२२ २८ १३	ध.११।१९	वक्रीबुधः१३।५१
२	गु ४६ १	मू ८ १६	गं १७ ५९	बा १८ ४७	४० ५२	८	२३ २९ १४	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
३	शु ४० ६	पू ४ २६	बृ १० १७	तै १३ ४	३९ ५२	८	२४ १ १५	म.१८।३८	जमादिलाखर६
४	श ३४ ६	उ ० ११ ५५ ४२	ध्रु २ १३ ५१ ५८	व ७ ६	३९ ५२	८	२५ २ १६	मकरे	भ.५ उ.३४ या.मूलेधनुष्यर्कः२० ८=
५	र २८ ११	ध ५१ ४७	ह ४६ ३१	ब १ ८	३८ ५२	८	२६ ३ १७	कु.२३।५०	वक्रीमूलेबुधः२।५८
६	चं २२ २८	श ४७ ५३	व ३८ ५३	तै २२ २८	३८ ५२	८	२७ ४ १८	कुम्भे	चंपा६
७	मं १७ २०	पू ४४ ३२	सि ३१ ३२	व १७ २०	३७ ५३	७	२८ ५ १९	मी३०।२२	भ.१७।२०उ.४४।५६या.
८	बु १२ ३१	उ ४१ ३५	व्य २४ २७	ब १२ ३१	३७ ५३	७	२९ ६ २०	मीने	[=सौरः४३ ५) विशा.शुक्रः४ ३ ६ बुधास्तः×
९	गु ८ १०	रे ३९ १३	व १७ ५७	कौ ८ १०	३६ ५३	७	३० ७ २१	मे.३९।१३	[×पश्चिमायां ४ ५ ९ पातस्पर्शः १ ६ ६ +
१०	शु ४ २०	अ ३७ २२	प ११ ५०	ग ४ २०	३६ ५३	७	१ ८ २२	मेषे	भ.३२।५२उ.भा.पौषारंभः
११	श १ २५	भ ३६ १६	शि ६ २३	वि १ २५	३६ ५३	७	२ ९ २३	वृ.५०।५५	भ.१।२५या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	श ५७ २५	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	०	० ० ०	० ०	[पातमोक्षः ३२।३२
१३	र ५७ १७	कृ ३४ ५०	सि २९ ५२	कौ २८ ४	३६ ५३	७	३ १० २४	वृषे	प्रदोषः
१४	चं ५६ ५६	रो ३६ ३२	शु ५३ ५५	ग २७ ८	३७ ५३	७	४ ११ २५	वृषे	भ.५६।५६उ.वृश्चिकेशुक्रः३।५२
१५	मं ५७ ४०	मृ ३८ १६	शु ५१ २३	वि २७ १८	३७ ५३	७	५ १२ २६	मि७।२४	भ.२७।१८या. दत्तजयंती

३६पं.मा.शु.३शु.इ१७।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	०	६	१०	११	७
२८	२०	१३	११	१८	७	२७	२८
५५	५५	४७	५१	१९	३५	३२	३२
२७	१	५६	३६	१२	२	४१	१२
६१	४२	१५ ४	३ २५	७०	४	३	६१
०	५०	व.	व.	११	१४	११	१९

गोचर ग्रहाः

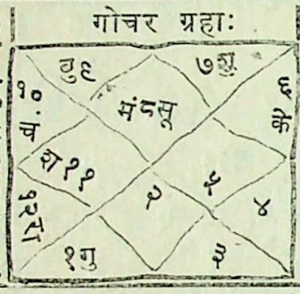

मार्गशीर्षशुक्लें ४शनौ धनुष्यऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ वृद्धाऽवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावेसमताशुक्रोदय पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

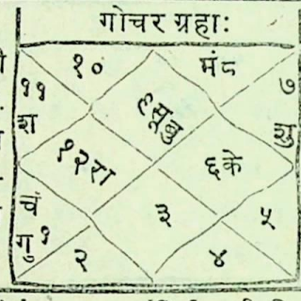

३७पं.मा.शु.१०शु.इ.१७ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	०	६	१०	११	८
६	२६	७	११	२६	८	२७	५
३	२	१	३३	४३	६	१०	४१
१४	२	८	४३	३४	५४	२६	३७
६१	४३	१५ ३	३ २	७०	४ ९	३	६१
४	१	व.	व.	४८	व.	११	३२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	बु ५९ ५२	आ ४१ ३०	ब्र ५० २०	बा २८ ४६	२५ ६ ३	५	६ १३ २७	मिथुने	अनु.शुक्रः४ ३ मूलेधनुषिभौमः३ ८
२	गु ६० ०	पु ४५ ५७	ऐं ४९ ४४	तै ३१ ४०	३८ ५२	८	७ १४ २८	क.२९।५०	वक्रीज्येष्ठा.वृश्चिकेबुधः२ १ बुधोदयः÷
२	शु ३ २८	पु ५१ ३१	वै ५० २०	ग ३ २८	३८ ५२	८	८ १५ २९	कर्के	भ.३ ५ ४ उ.पूभा.रविः२ ८ (सौरः४ ५ १ ३)
३	श ८ २१	श्ले ५७ ५९	वि ५१ ४२	वि ८ २१	३९ ५२	८	९ १६ ३०	सिं५८।०	भ.८।२१या. चतुर्थी व्र.
४	र १३ ४८	म ६० ०	प्री ५३ ४०	बा १३ ४८	४० ५२	८	१० १७ ३१	सिंहे	मार्गीगुरुः३ ७ रेवती.३राहुः चित्रा.१—
५	चं २० १८	म ५ ३१	आ ५५ ५०	तै २० १८	४१ ५२	८	११ १८ १	सिंहे	जनवरी१ता.३१सन्२०२४ [—केतुः ५ १ १
६	मं २६ ५०	पू १३ ४	सौ ५८ ४	व २६ ५०	४२ ५२	८	१२ १९ २	कं.३०।२	भ.२ ६ उ.५ ९ या.मार्गीबुधः ५ २
७	बु ३३ ८	उ २० ५८	शो ६० ०	ब ३३ ८	४३ ५१	९	१३ २० ३	कन्यायां	
८	गु ३८ २९	ह २७ १९	शो ० १	बा ५ ४९	४४ ५१	९	१४ २१ ४	कन्यायां	[÷पूर्वस्यां ४ ३
९	शु ४२ ३१	चि ३२ ४१	अ १ १	तै १० ३०	४५ ५१	९	१५ २२ ५	तु.०।१	
१०	श ४४ ५६	स्वा ३६ ३७	सु ० ४५ २८	व १३ ४३	४७ ५१	९	१६ २३ ६	तुलायां	भ.१३।४३उ.४४।५६या.
११	र ४५ १६	वि ३८ ३२	शू ५५ ५६	ब १५ ६	४८ ५०	१०	१७ २४ ७	वृ.२३।१८	ज्येष्ठा.शुक्रः४४।२१सफला११ .
१२	चं ४३ ३३	अ ३८ ३४	गं ५१ २१	कौ १४ २४	५० ५०	१०	१८ २५ ८	वृश्चिके	मूलेधनुषिबुधः५६।४८
१३	मं ४० १	ज्ये ३६ ४४	बृ ४५ ६	ग ११ ४७	५२ ५०	१०	१९ २६ ९	ध.३६।४४	भ.४०।१उ. प्रदोषः
१४	बु ३४ ३९	मू ३३ १०	ध्रु ३७ ३२	वि ७ २०	५३ ४९	११	२० २७ १०	धनुषि	भ.७।२०या.
३०	गु २७ ५२	पू २८ १०	व्या २८ ५६	च १ १६	५५ ४९	११	२१ २८ ११	म.४१।२६	उषा.रविः३०।४३ (सौरः४६।४०)

३८पं.पौ.कृ.२शु.इ. १७ ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	०	७	१०	११	८
१३	१	२९	११	५	८	२६	१२
११	१०	८	२५	१२	४१	४८	५१
१३	५२	२	५२	१८	१७	१०	२९
६१	४३	४ ३	० २६	७१	५	३	६१
६	११	व.	त्र.	१९	१३	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला चांदी सोना रुई वारदाना सूत तेज हो शीत का प्रभाव कष्टदायक हो

गोचर ग्रहाः

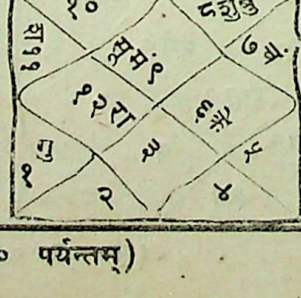

३९पं.पौ.कृ.९शु.इ. १७ १०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	०	७	१०	११	८
२०	६	२८	११	१३	९	२६	२०
१९	२३	३५	२८	४४	१८	२५	१
२६	६	४९	३७	२	५८	५४	२६
६१	४३	२३	० ५२	७१	५	३	६१
६	२५	मा	मा	४४	४२	११	२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४६६४स.२०२४
१	शु २०।१७	उ २२।४८	ह १९।४४	ब २०।१७	२५ ६ ५	२२ २९ १२		मकरे	शतभिषा.२शनिः २०।६
२	श १२।४०	अ १६।२२	व १०।१०	कौ १२।४०	५९ ४८ १२	२३ ३० १३		कुं.४३।२५	चंद्रदर्शनम्
३	र ४।५१	ध १०।२९	सि ०।४९ ५० २९	ग ४।५१	२६ ४८ १२	२४ १ १४		कुम्भे	भ.३१ उ.३७ या.मकरेऽर्कः ४७=
४	र ५२।४०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०		० ०	[=पूषा.भौमः ३६ रज्जव७
५	चं ५०।४३	श ४।५५	ब ४१।४४	व २४ ७	४ ४७ १३	२५ २ १५		मी४६।५६	मकरेऽर्कः सौरः २।७
६	मं ४४।४४	पू ९ ५६	प ३४।५६	कौ १७।४४	६ ४७ १३	२६ ३ १६		मीने	उदयोभौमः ४८।३८
७	बु ४०। ३	रे ५३।१७	शि २७।४०	ग १२।२३	८ ४६ १४	२७ ४ १७		मे.५३।१७	भ.४०।३उ.
८	शु ३६।१७	अ ५१।३२	सि २१।२२	वि ८।१०	११ ४६ १४	२८ ५ १८		मेषे	भ.८।१०या.मूलेधनुषिशुक्रः ३७।२६
९	शु ३३।५४	भ ५०।५४	सा १६। १	बा ५। ५	१३ ४५ १५	२९ ६ १९		मेषे	पातस्पर्शः ४२।२३पातमोक्षः ५६।१
१०	श ३२।१७	कृ ५१।२०	शु ११।४३	तै ३। ५	१६ ४५ १५	३० ७ २०		वृ.६।१	पूषा.बुधः २५।२६
११	र ३१।५८	रो ५२।५३	शु ८।१३	व २। ८	१९ ४४ १६	१ ८ २१		वृषे	भ.२८ उ.३१ या.अभि.प्र.रविः ३१७×
१२	चं ३२।५५	मृ ५५।४३	ब्र ५।३८	ब २।२६	२१ ४४ १६	२ ९ २२		मि२४।१८	[×(सौरः ३१८)भा.माघारंभःपुत्रदा११व्र.
१३	मं ३४।४६	आ ५९।२५	एं ३।५८	कौ ३।५१	२४ ४३ १७	३ १० २३		मिथुने	प्रदोषः [+मा.स्ना.प्रा.
१४	बु ३७।५२	पु ६०। ०	वै ३।२५	ग ६।१९	२७ ४३ १७	४ ११ २४		क.४८।५	भ.३५७ उ.श्रवणेरविः ३१४ (सौरः ५०)
१५	शु ४१।५०	पु ४।१९	वि २।५८	वि ९।५१	२९ ४२ १८	५ १२ २५		कर्के	भ.९५१ या.अभि.नि.रविः ३९ (सौरः ४९)+

४०पं.पौ.शु.१शु.इ. १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	०	७	१०	११	८
२७	११	३	११	२२	९	२६	२७
२७	३७	५८	४१	१८	५९	३	११
२२	५	१२	६	११	४२	३९	१८
६१	४३	५५	२	७२	६	३	६१
६	४६	४२	१०	४	५	११	२४

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले ३ रवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३ वृद्धावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

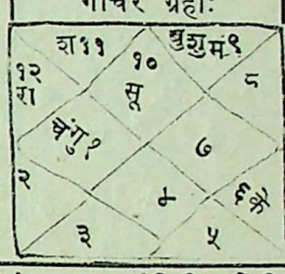

४१पं.पौ.शु.९शु.इ. १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	०	८	१०	११	९
४	१६	११	१२	०	१०	२५	४
३५	५२	५६	३	५३	४३	४१	२०
१३	३७	२४	४०	५७	८	२३	४७
६१	४३	७३	३	७२	६	३	६१
३	५०	२४	३५	२८	२६	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु ४७। ८	पु १०।१०	श्री ३।४५	बा १४।२९	२६ ६ ५	६ १३ २६		कर्के	
२	श ५२।४७	श्ले १६।४३	आ ५।१३	तै १९।५८	३२ ४२ १८	७ १४ २७		सिं१६।४३	
३	र ५९। ७	म २३।५१	सौ ६।५९	व २५।५७	३८ ४० २०	८ १५ २८		सिंहे	भ.२५।५७उ.५९।७या.
४	चं ६०। ०	पू ३१।२८	शो ९।१०	ब ३२।२२	४१ ४० २०	९ १६ २९		कं.४८।२१	पूषा.शुक्रः २५।२८ चतुर्थी व्र.
४	मं ५।३८	उ ३९। २	अ ११।३६	बा ५।३८	४५ ३९ २१	१० १७ ३०		कन्यायां	उषा.बुधः १३।०
५	बु १२। ७	ह ४६।१३	सु १३।४५	तै १२। ७	४८ ३८ २२	११ १८ ३१		कन्यायां	[÷उषा.भौमः १२ फर्वरी२ता.२९
६	गु १७।५३	चि ५२।३५	धृ १५।२६	व १७।५३	५१ ३८ २२	१२ १९ १		तु.१९।२४	भ.१५३ उ.१७ या.मकरेबुधः ३२÷
७	शु २२।४०	स्वा ५७।४४	शू १६।१२	व २२।४०	५४ ३७ २३	१३ २० २		तुलायां	भरणी.१गुरुः ५४ पातस्पर्शः ३५–
८	श २५।५७	वि ६०। ०	गं १५।५१	कौ २५।५७	५८ ३६ २४	१४ २१ ३		वृ.४५।२६	[–पातमोक्षः ४७
९	र २७।२५	वि १।१९	बृ १४। ४	ग २७।२५	२७ ३६ २४	१५ २२ ४		वृश्चिके	भ.५७उ.
१०	चं २६।५०	अ २।४७	ध्रु १०।४१	वि २६।५०	५ ३५ २५	१६ २३ ५		वृश्चिके	भ.२६।५०या.मकरेभौमः ४२।२३
११	मं २४। २	ज्ये २२ ३७	व्या ५४ २८	बा २४। २	८ ३४ २६	१७ २४ ६		ध.२।२२	धनि.रविः ३३ (सौरः ५५) षट्तिला११व्र.
१२	बु १९।३२	पू ५५।३१	व ५१। ६	तै १९।३२	१२ ३४ २६	१८ २५ ७		धनुषि	श्रवणेबुधः ५६।५३ प्रदोषः
१३	गु १३। १	उ ४९।३८	सि ४१।४९	व १३। १	१५ ३३ २७	१९ २६ ८		म.९।३	भ.१३।१उ.४९।५या.
१४	शु ५। ८	श्र ४२।४९	व्य ३१।४२	श ५। ८	१९ ३२ २८	२० २७ ९		मकरे	उषा.शुक्रः १०।३०
३०	शु ५१। ५	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०		० ०	

४२पं.मा.कृ.१शु.इ.१७।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	०	८	१०	११	९
११	२२	२१	१२	९	२१	२५	११
४२	१०	२६	३५	३१	२८	१९	२९
४०	८	२४	२८	३४	३४	८	३८
६०	४४	८४	४	७२	६	३	६१
५९	११	३१	४७	४७	३७	११	१२

४३पं.मा.कृ.७शु.इ.१७।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	०	८	१०	११	९
१८	२७	१	१३	१८	२२	२४	१८
४९	२८	२४	१६	९	१६	५६	३७
१६	४१	३२	१६	२२	५	५२	४४
६०	४४	९२	५	७२	६	३	६१
५५	१६	३८	५९	५९	५६	११	४

४४पं.मा.कृ.१४शु.इ.१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	०	८	१०	११	९
२५	२	१२	१४	२६	१३	२४	२५
५५	४९	१३	४	४८	५	३४	४४
१	५२	४१	५	२९	२४	३६	३१
६०	४४	९९	६	७३	७	३	६०
४७	३६	३४	५३	१४	८	११	५५

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं.२०८० शाकः १९४५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४६९३स.२०२३
१	श ४६ ५६ ध ३५ २४ व २१ २ किं २१ ३४	३७	६	५	२१	२८	१०	कुं.९।७	बुधास्तःपूर्वस्यां२१।२४
२	र ३७ ४५ श २८ ७ प १० २६ वा १२ २०	२७	३१	२९	२२	२९	११	कुम्भे	मकरेशुक्रः२५अस्तं शनेः=
३	चं २९ १३ पू २१ १७ शि ९ ५९ तै ३ २९	३०	३०	३०	२३	१	१२	मी८।०	भ.५५।१६उ.सावान८ [=
४	मं २१ २० उ १५ २१ सा ४१ १९ वि २१ २०	२४	२९	३१	२४	२	१३	मीने	भ.३१या.कुंभेऽर्कः१९८(सौरः१२)
५	बु १४ ५१ रे १० ३७ शु ३३ ४३ बा १४ ५१	२८	२८	३२	२५	३	१४	मे.१०।३७	पातस्पर्शः३५।२०पातमोक्षः२ वसंत५
६	गु १० ४५ अ ७ २३ शु २७ २० तै १० ४५	४१	२८	३२	२६	४	१५	मेषे	
७	शु ६ २७ भ ५ ४४ ब्र २२ १९ व ६ २७	४५	२७	३३	२७	५	१६	वृ.२०।२९	भ.६७उ.३५या.धनि.बुधः४७भानु७×
८	श ४ ३७ कृ ४ ४७ ऐं १८ २६ व ४ ३७	४९	२६	३४	२८	६	१७	वृषे	[×रथ७भीष्माष्टमी
९	र ४ २६ रो ७ २५ वै १५ ५३ कौ ४ २६	५३	२५	३५	२९	७	१८	मि३८।५८	श्रवणेभौम.४२।१६
१०	चं ५ ५६ मृ १० ३२ वि १४ २६ ग ५ ५६	५६	२५	३५	३०	८	१९	मिथुने	भ.१७उ.शतेरविः५६श्रवणेशुक्रः५६
११	मं ८ ३१ आ १४ ४८ प्री १४ २० वि ८ ३१	२८	२४	३६	१	९	२०	मिथुने	भ.६या.शतेरविःसौरः४कुंभेबुधः५+
१२	बु १२ २५ पु २० ५ आ १४ ४७ बा १२ २५	४	२३	३७	२	१०	२१	क.३।४६	प्रदोषः
१३	गु १७ ७ पु २६ १० सौ १५ ४१ तै १७ ७	८	२२	३८	३	११	२२	कर्के	[+भा.फाल्गुनारंभःजया११व्र.
१४	शु २२ ५३ श्ले ३३ १२ शो १७ २५ व २२ ५३	१२	२२	३८	४	१२	२३	सिं३३।१२	भ.२२।५३उ.५५।४६या.शते बुधः४२।३
१५	श २८ ३८ म ४० १३ अ १९ २३ व २८ ३८	१६	२१	३९	५	१३	२४	सिंहे	मा.स्ना.प्रा.

४५पं.मा.शु.७शु.इ. १७/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	०	९	१०	११	१०
२	८	२३	१५	५	१३	२४	२
५९	१२	४२	१	२७	५५	१२	५०
४९	१८	२२	२३	५०	५५	२१	३४
६०	४४	५/०	८	७३	७	३	६०
३७	४१	२३	४	२३	१४	११	४२

गोचर ग्रहाः

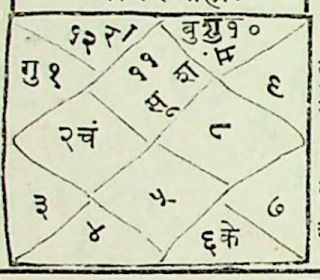

माघ शुक्ले ४ भौमे कुंभेऽर्कःप्रविष्ट. वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

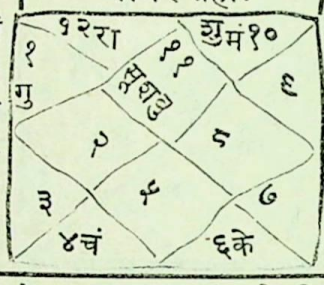

४६पं.मा.शु.१४शु.इ.५/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	०	९	१०	११	१०
१०	१३	५	१६	१४	१४	२३	९
३	२६	५५	४	७	४६	५०	५५
२२	११	२४	८	८	४८	५	७
६०	४४	५०/०	८	७३	७	३	६०
२५	५२	३५	५७	२९	२०	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	र ३५ ४ पू ४७ ५० सु २१ ३७ बा १ ५१	२८	३०	५०	६	१४	२५	सिंहे	
२	चं ४१ २६ उ ५५ ११ धृ २३ ४९ तै ८ १४	२४	१९	४१	७	१५	२६	कं.४।४०	भरणी.२गुरुः५३।३५
३	मं ४७ ५३ ह ६० ० शू २६ ७ व १४ ४०	२८	१८	४२	८	१६	२७	कन्यायां	भ.१४।४०उ.४७।५३या.
४	बु ५३ १७ ह २ ३८ गं २७ ५६ ब २० ३५	३२	१८	४२	९	१७	२८	तु.३५।५०	पातस्पर्शः१०।५६पातमोक्षः२चतुर्थी व्र.
५	गु ५८ १४ चि ९ १२ वृ २९ १० कौ २५ ४५	३६	१७	४३	१०	१८	२९	तुलायां	[÷मार्च ३ता.३१
६	शु ६० ० स्वा १५ ५ ध्रु २९ ३५ ग ३० ५	४०	१६	४४	११	१९	१	तुलायां	पूभा.बुधः५५।२४धनि.शुक्रः४५।६÷
७	श १५ ६ वि १९ ३७ व्या २८ ५३ व १ ५६	४४	१५	४५	१२	२०	२	वृ.३।२९	भ.१।५६उ.३३।९या.
७	र ४ २२ अ २२ ३७ ह २६ ५९ ब ४ २२	४८	१४	४६	१३	२१	३	वृश्चिके	रेवती.२राहुःहस्त.४केतुः४५।५३
८	चं ४ ४८ ज्ये २३ ५३ व २३ ४७ कौ ४ ४८	५२	१४	४६	१४	२२	४	ध.२३।५३	पूभा.रविः१२।१०(सौरः१९।२१)
९	मं ३ ३९ मू २३ २३ सि १८ ५३ ग ३ ३९	५६	१३	४७	१५	२३	५	धनुषि	भ.३२।४उ. [–विजया११व्र.स्मा.
१०	बु ० ३० पू २० ५४ व्य १२ ३४ वि ० ३०	२९/१	१२	४८	१६	२४	६	म.३४।४९	भ.०।३०या.धनि.भौमः५३।२६–
११	बु ५४ ५४ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aविजया११व्र.वै.
१२	गु ४८ ३८ उ १६ ३२ व ३/४ ५/८ कौ २२ १	५	११	४९	१७	२५	७	मकरे	मीनेबुधः४।११कुंभेशुक्रः८।२४A
१३	शु ४० २५ श्र १० ४६ शि ४५ २६ ग १४ ३१	९	१०	५०	१८	२६	८	कुं.३७।१४	भ.४०।२५उ.उभा.बुधः४७।२८ प्रदोषःD
१४	श ३१ ० ध ३/४ ५२/१४ सि ३४ ३८ वि ५ ४३	१३	९	५१	१९	२७	९	कुंभे	भ.५/३या.शत४शनिः४७/४महाशिवरात्रीव्रतै
३०	र २१ १४ पू ४८ १० सा २३ २५ ना २१ १४	१७	९	५१	२०	२८	१०	मी३५।७	[Dमहाशिवरात्रीव्र.स्मा.

४७ पं.फा.कृ.६शु.इ. १८/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	०	९	१०	११	१०
१७	१८	१८	१७	२२	१५	२३	१६
५	५८	४८	१३	४६	३७	२७	५८
३५	१९	४३	१२	५९	५९	५०	१
६०	४४	५/०	९	७३	७	३	६०
१२	५१	३/४	४४	४३	२०	११	२०

गोचर ग्रहाः

इस मास में गेहूं बाजरा मूंग मोठ चना मक्का तिलहन अलसी मटर सोना चांदी तेज हो रसकस में घटा-बढी रहे।

गोचर ग्रहाः

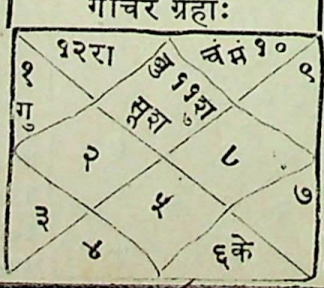

४८पं.फा.कृ.१३शु.इ. १९/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	०	१०	१०	११	१०
२४	२४	२	१८	१	१६	२३	२३
६	२४	२४	२७	२६	२९	५	५९
२२	०	०	५०	२०	६	३४	२४
५९	४५	५/०	१०	७३	७	३	६०
५८	७	१/०	२९	५०	२०	११	३१

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४७२३स.२०२४
१	चं ११ २५ उ ४० ३२ शु १२ ३१ ब ११ २५ २९	६	५२	२१	२९	११	मीने	चंद्रदर्शनम्
२	मं २ ४ रे ३३ ५४ शु ५ ५० को २ ४ २६	७	५३	२२	१	१२	मे.३३।५४	शतेशुक्रः३१।५७रमजानɛफुलरिया२
३	मं ५१ ५६ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	० ०	
४	बु ४६ ५१ अ २८ ३२ ऐं ४४ १५ व २० २६ ३०	६	५४	२३	२	१३	मेषे	भ.३६उ.५६या.बुधोदयःपश्चिमायां१९१
५	गु ४१ ४६ भ २५ ɛ वै ३७ ४१ व १४ १८ ३४	५	५५	२४	३	१४	वृ.३ɛ।२४	मीनेऽर्कः१३।३ (सौरः१९।४२)
६	शु ३८ २८ कृ २३ २१ वि ३२ २ɛ को १० ७ ३८	४	५६	२५	४	१५	वृषे	रेवत्यांबुधः५२।५३कुंभेभौमः३२।१०
७	श ३७ २० रो २३ २८ मृ २८ ५७ ग ७ ५४ ४३	३	५७	२६	५	१६	मि५४।३६	भ.३७उ.भरणी.३गुरुः५७उदयंशनेः४३
८	र ३८ १३ मृ २५ ४४ आ २६ ५६ वि ७ ४६ ४७	३	५७	२७	६	१७	मिथुने	भ.७४६या.उभा.रविः३४(सौरः४८)=
९	चं ४० ३४ आ २९ ३८ सो २६ २० बा ɛ २३ ५१	२	५८	२८	७	१८	मिथुने	[=होलाष्टकम्
१०	मं ४४ ४० पु ३४ ५ɛ शो २७ ३ तै १२ ३७ ५५	१	५ɛ	२९	८	१ɛ	क.१८।३९	
११	बु ४ɛ ४९ पु ४१ १३ अ २८ ८ व १७ १४ ५०	ɛ	६	३०	ɛ	२०	कर्के	भ.१७४उ.४९या.आमलकी११व्र.
१२	गु ५५ ५० श्ले ४८ २८ सु ३० १२ व २२ ४९ ४	५	५ɛ	१	१	१०	२१ सि४८।२८	भा.चैत्रारंभः
१३	शु ६० ० म ५५ ५२ धृ ३२ १ɛ को २८ ५३ ८	५	५८	२	२	११	२२ सिंहे	प्रदोषः
१३	श १ ५ɛ पू ६० ० शू ३४ ३८ तै १ ५ɛ १२	५	५८	२	३	१२	२३ सिंहे	पूभा.शुक्रः१९।३४
१४	र ८ १ɛ पू ३ २३ गं ३ɛ ४ɛ व ८ १ɛ १ɛ	५	४७	३	४	१३	२४ कं.२०।१२	भ.६९उ३१या.शतेभौमः३४होलिकादहनं
१५	चं १४ २५ उ १० ३ɛ बृ ३८ ५८ ब १४ २५ २१	५	६	४	५	१४	२५ कन्यायां	अश्वि.मेषेबुधः४।५४छारंडी

४ɛपं.फा.शु.ɛशु.इ.१८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	०	१०	१०	११	११
१	२९	१५	१९	१०	१७	२२	०
५	४९	३९	४७	५	१९	४३	५९
२५	५९	२५	१३	४२	३४	१८	ɛ
५९	४५	०	११	७३	७	३	५९
४१	१३	५५	७	५ɛ	१३	११	४९

गोचर ग्रहाः

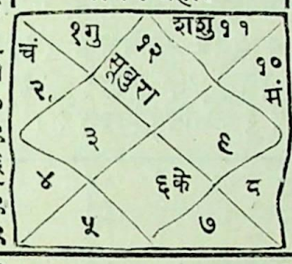

फाल्गुन शुक्ले ५ गुरौ मीनेऽर्कःप्रविष्टःवा.३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु.१५ धान्या-दिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

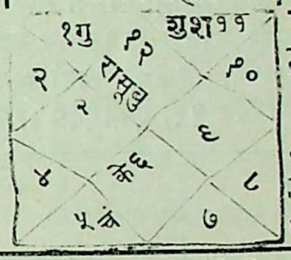

५०पं.फा.शु.१३शु.इ.९९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	०	१०	१०	११	११
८	५	२६	२१	१८	१८	२२	७
३	१ɛ	२ɛ	१०	४५	९	२१	५७
१८	१ɛ	५३	५२	४०	३२	३	१
५९	४५	७७	११	७४	७	३	५९
२९	३२	११	४५	२	२	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८० शाकः १ɛ४५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	मं २० २१ ह १७ ४५ धु ४० ३५ को २० २१	३०	५५	६	६	१५	२६	तु.५०।५५	वसंत१
२	बु २५ ३२ चि २४ ४ व्या ४१ ४० ग २५ ३२	२९	५४	६	७	१६	२७	तुलायां	भ.५७।३ɛउ.
३	गु २ɛ ४६ स्वा २ɛ ४४ ह ४२ ७ वि २ɛ ४ɛ	३३	५३	७	८	१७	२८	तुलायां	भ.२९।४ɛया. चतुर्थी व्रतम्
४	शु ३३ ɛ वि ३४ २३ व ४१ ५० ब १ २७	३७	५३	७	९	१८	२९	वृ.१८।१४	
५	श ३५ २ɛ अ ३७ ५४ सि ४० २९ को ४ १८	४१	५२	८	१०	१ɛ	३०	वृश्चिके	[×मीनेशुक्रः२५।१
६	र ३ɛ ३१ ज्ये ४० १ɛ व्य ३८ १४ ग ५ ५८	४५	५१	ɛ	११	२०	३१	ध.४०।१ɛ	भ.३६उ.रेवत्यांरविः१४ɛ (सौरः७४५)×
७	चं ३ɛ १३ मू ४१ १४ व ३४ ४३ वि ɛ २२	४९	५०	१०	१२	२१	१	धनुषि	भ.ɛ२या.वक्रीबुधः४५भरणी.४गुरुः४५+
८	मं ३४ २२ पू ४० ३८ प ३० २ बा ५ १७	५३	४ɛ	११	१३	२२	२	म.५५।२	[+अप्रेल४ता.३० शीतलापूजनम्
९	बु ३० ५१ उ ३८ १३ शि २४ ७ तै २ ३७	५७	४ɛ	११	१४	२३	३	मकरे	भ.५१७उ.उभा.शुक्रः७४१बुधास्तःपश्चि-÷
१०	गु २५ ४३ श्र ३४ ३५ सि १ɛ ५४ वि २५ ४३	३१	४८	१२	१५	२४	४	मकरे	भ.२५।४३या. [÷मायां३५९
११	शु १ɛ १५ ध २ɛ २ɛ सा २५ ४५० बा १ɛ १५	५	४७	१३	१ɛ	२५	५	कुं.२।१	पापमोचनी११व्र.
१२	श ११ २३ श २३ १२ शु ४८ ५ɛ तै ११ २३	१०	४ɛ	१४	१७	२ɛ	६	कुम्भे	प्रदोषः
१३	र २ ३ɛ पू १ɛ १ व्र ३८ २ɛ व २ ३ɛ	१४	४५	१५	१८	२७	७	मी२।४ɛ	भ.३ɛउ.५३या.पूभा.१शनिः३९७
१४	र ५० ३४ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	चं ४३ ३ɛ उ ८ ३५ ऐं २७ ४९ च १८ २३	१८	४४	१ɛ	१९	२८	८	मीने	मन्वादिः

५१पं. चै.कृ.४शु.इ. १९५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	०	०	१०	१०	११	११
१४	१०	२	२२	२७	१८	२१	१४
५९	४२	२२	३८	२५	५८	५८	५३
१०	२५	२ɛ	६	१	१२	४७	११
५९	४५	२७	१२	७४	६	३	५९
१ɛ	२९	१३	१४	८	५०	११	१८

गोचर ग्रहाः

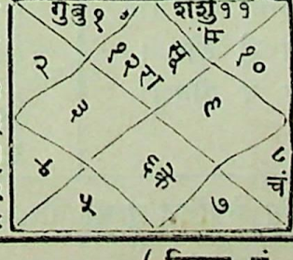

इस मास में धान्य गल्ला चांवल आदि रसकस मंदे हो प्रजा में आनंद फैले सर्वत्र शान्ति रहे ।

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.कृ.११शु.इ. ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	०	०	११	१०	११	११
२१	१ɛ	२	२४	६	१९	२१	२१
५३	८	२८	८	३	४४	३ɛ	४७
३१	२०	८	१०	४०	५ɛ	३२	२२
५९	४५	३ɛ	१२	७४	ɛ	३	५९
४	३५	व.	३२	१ɛ	३२	११	४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२५, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२५, भोग्यकलिः ४२६८७५, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०८१, शाकः १९४६, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः । मंत्री शनिः । सस्येशोभौमः। धान्येशो रविः । मेघेशः शुक्रः। रसेशोगुरुः। नीरसेशो भौमः। फलेशः शुक्रः। धनेशश्चंद्रः। दुर्गेशः शुक्रः। एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां १२ कालनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १।१४।२६।५३।४८ भोग्यमासादिः १०।१५।३३।६।१२नासत्यदैवतं युगम् । तत्र वर्षनाम आश्विनः।मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासस्तटे। समयनिवासोःरजक गृहे। समय विश्वा८। समयवाहनम् वृषभः। स्तंभाः३अन्नजलवायूनाम्।सोमवत्यमा १ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी३ भानुसप्तमी२ रविदशमी३ समय मुहूर्ताः ३९० समयदिनानि ३५५ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९६ खपतिविश्वा १०८, वर्षाविश्वा ५, धान्यम् ११, तृणम् ५, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१०५, सत्यम् ।। धर्मः १।।, पापं १८ शनिदृष्टिरुत्तरे । ग्रहणाऽभावोभारते ।

भाद्रपद शुक्ला १४ भौमवार को अर्द्ध रात्रि पश्चात् पश्चिम प्रदेशों में ग्रस्तास्त चंद्र ग्रहण होगा जिसका स्पर्श रेल्वे घं. ७ मिं.३७ और मोक्ष रेल्वे घं. ८ मि. ५७ पर होगा। भारत में यह ग्रहण नहीं होगा। जहां दृश्य नहीं होवे वहां इसके स्नान दानादिकी आवश्यकता नहीं है ।

वर्ष लग्नम् ७।२९

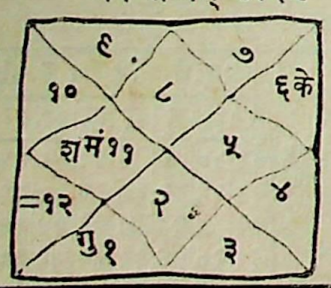

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

भैरव माता से कहे मेरा यही सवाल ।
इक्यासी संवत् तणों कहदे मैया हाल ।।

भवानी उत्तर

इक्यासी की साल में मैं समझावुं तोय ।
अन होणी होवे नहीं होणी हो सो होय ।।
राजा कुज मंत्री शनि इनकी खोटी चाल ।
युद्ध उपद्रव जगत में मांचे घणां बवाल ।
दिवानाथ धान्येश हैं संवत् विश्वा आठ ।
कहीं धान्य का नाश हो कहींक होसी ठाठ ।।
सागर तट रोहिणी बसी स्तंभ लगे है तीन ।
अन्न जल की कमती नही इसमें मेष न मीन ।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	८	२	५	१४	२	५
ख.	२	८	५	२	१४	५

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	२	८	११	१४	१४	११
ख.	८	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ६।२१

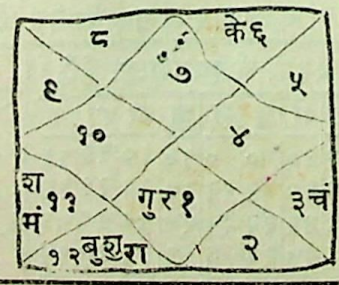

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।२।०° केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१०।४१

=सुबुराचंशु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् ।। भौमे नृपेवन्हिभयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहं च । दुःखं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयो मुञ्चति वारिवाहः ।। मंत्री शनिः फलम् ।। रविसुते यदि मंत्रिणी पार्थिव। विनय संरहिता बहुदुःखदा । न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम् ।। प्रथम धान्यपतौ धरणी सुते गज तुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग घनो जलं न सम सौख्यकरं तुष धान्य हृत् ।। धान्येशो रविः फलम् ।। पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वर पीड़नम् ।। मेघेशो शुक्रः फलम् ।। भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलमुचो जलदा दिवि शोभनाः । धन निधान युताः द्विज पालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो गुरुः फलम् ।। रसपतौ द्विजराज सुते मही सुलभ धान्य घृतादि युता जनाः । प्रमुदिता वैरनायक पालिताः बहु जलाखिल देश सुरक्षिता ।। नीरसेशो भौमः फलम् ।। नीरसेशो यदा भौमः प्रवाल रक्तं वाससां । रक्त चंदन ताम्राणांमर्घ वृद्धि दिनेदिने ।। फलेशः शुक्रः फलम् ।। यदि फलस्य पतौ भृगुजे धरा मृदु कुमार मही रुह राशयः । बहु फला नरनाथ सुभोगदा द्विजवरा श्रुति पाठ परायणाः ।। धनेशश्चंद्रः फलम् ।। धनपति मृग लांछनको यदा रसचया क्रय विक्रयतो धनम् । वसन शालि सुगंध रसं बहु विण तैल घृतं नृप सौख्यदम् ।। दुर्गेशः शुक्रः फलम् ।। नगरदेश विशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्य करो मतः । विनय वारिज गेह समः सुखो नग वने निकटे पिच दूरतः ।। कालनाम संवत्सरः फलम् ।। वत्सरे कालयुक्ताख्य सुखिनः सर्व जन्तवः । सन्त्यथापि च सस्यानि प्रचुराणि तथा गदाः ।। वर्षनाम आश्विनः फलम् ।। अब्दे त्वाश्विनेत्यर्थं सुखिनः सर्व जन्तवः । मध्यमं पूर्वं सस्यं स्यात् परिपूर्णा विपच्यते ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्नवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासस्तटे फलं ।। तटे वृष्टि सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे फलं ।। रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १० गुरौ मघा ल. गो. ८-९ रे. ६
।ऽ।।।ऽनृ४३या।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, १५ भौमे स्वात्यां ल. ६ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

आषाढ मासः

शुक्ला ५ गुरौ उफा ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।ऽ।।।।।
,, ६ चन्द्रे स्वात्यां ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽअऽ।।।।

माघ मासः

कृष्णा ७ भौमे स्वात्यां ल. ८ (गु.पू.सत्) रे. ८
।।।।।।ऽऽ।।
,, ८ बुधे स्वात्यां ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे. ७
।।।।।ऽरोऽऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ७ गुरौ अनु. ल. ऽन्यगो १० रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ६ बुधे रोहि. ल. १० रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४७५२स.२०२४
१	मं	३४	३१	रे	१०	५३/३४	वै	१७	३६	किं	९	३	३१/२२	५/४४	६/१६	२०	२९	९	मे.१।१०
२	बु	२६	२८	भ	४९	२८	वि	८	५१/५१	बा	०	२९	२६	४३	१७	२१	३०	१०	मेषे
३	गु	१९	५७	कृ	४५	४७	आ	५२	५६	ग	१९	५७	३०	४२	१८	२२	१	११	बृ.३।३३
४	शु	१५	४	रो	४४	२	सौ	४७	५१	वि	१५	४	३४	४१	१९	२३	२	१२	वृषे
५	श	१२	१९	मृ	४४	४०	शो	४४	३४	बा	१२	१९	३८	४०	२०	२४	३	१३	मि१४।२१
६	र	११	५६	आ	४७	७	अ	४२	४१	तै	११	५६	४२	४०	२०	२५	४	१४	मिथुने
७	चं	१३	१८	पु	५१	३८	सु	४२	४३	व	१३	१८	४६	३९	२१	२६	५	१५	क.३५।३०
८	मं	१६	४६	पु	५७	२८	धृ	४३	२२	व	१६	४६	५०	३८	२२	२७	६	१६	कर्के
९	बु	२१	३८	श्ले	६०	०	शू	४५	८	कौ	२१	३८	५३	३७	२३	२८	७	१७	कर्के
१०	गु	२७	३३	श्ले	४	३५	गं	४७	२४	ग	२७	३३	५७	३७	२३	२९	८	१८	सिं४।३५
११	शु	३३	४९	म	११	५७	वृ	४९	५९	व	०	४१	३२/१	३६	२४	३०	९	१९	सिंहे
१२	श	४०	१०	पू	१९	४४	धु	५२	२१	ब	६	५९	५	३५	२५	३१	१०	२०	कं.३६।३४
१३	र	४६	११	उ	२७	२	व्या	५४	२५	कौ	१३	१०	९	३४	२६	१	११	२१	कन्यायां
१४	चं	५१	३७	ह	३३	५०	ह	५५	४७	ग	१८	५४	१२	३४	२६	२	१२	२२	कन्यायां
१५	मं	५६	७	चि	३९	५८	व	५६	४४	वि	२३	५२	१६	३३	२७	३	१३	२३	तु.६।५४

वक्रीमीनेरेवत्यांबुधः४८।३७=
पूषा.भौमः१३।५५ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
भ ४७/३० उ.सव्वाल १० मत्स्यजयंती गणगौरी
भ१५।४या.[=संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
अश्वि.मेषेऽर्कः ३५/११ (सौरः ४/१६)×
[×रेवत्यांशुक्रः५५।२४
भ.१३।१८उ.४५।२या.
कृत्ति.१गुरुः५६।६
रामनवमी
[+पातमोक्षः २३/४ कामदा ११व्र.
भ.०/४९ उ.३३/४९ या.पातस्पर्शः ११/२९+
बुधोदयःपूर्वस्यां३।५१
भा.वैशाखारंभः प्रदोषः
भ.५१।३७उ.
भ.२३/३या.मीनेभौमः १५/१९ हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु.५श.इ. ३५/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	०	११	१०	११	११
०	२२	२७	२५	१६	२०	२१	२९
०	३३	७	५६	१५	३९	१०	५३
०	४	५२	२८	३२	२९	२७	३७
५८	४५	४५/२९	१३	७४	६	३	५८
४४	३१	व	२	२१	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

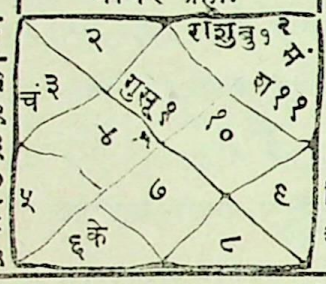

चैत्र शुक्ले ५ शनौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० धान्या-दिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

२पं.चै.शु.१२श.इ. ३५/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	०	११	१०	११	०
६	२७	२३	२७	२४	२१	२०	६
५०	५८	४	३१	५३	२१	४८	४३
४६	३४	१	३०	५३	२९	१२	४८
५८	४५	३८/२८	१३	७४	५	३	५८
३१	३७	व	२०	२६	५२	११	२९

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६									दि. उ. अ.			भा. मु. इं			चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु	५९	३९	स्वा	४५	५	सि	५६	४४	बा	२७	५३	३२/३०	५/३२	६/२८	४	१४	२४	तुलायां
२	गु	६०	०	वि	४९	१	व्य	५५	५५	तै	३०	५३	२३	३१	२९	५	१५	२५	वृ.३३।२
२	शु	२	७	अ	५२	११	च	५४	२१	ग	२	७	२७	३१	२९	६	१६	२६	बृश्चिके
३	श	३	३२	ज्ये	५४	१०	प	५२	६	वि	३	३२	२१	३०	३०	७	१७	२७	ध.५४।१०
४	र	३	४५	मू	५५	७	शि	४८	४४	बा	३	४५	३४	२९	३१	८	१८	२८	धनुषि
५	चं	३	९	पू	५५	१३	सि	४४	४०	तै	३	९	३८	२८	३२	९	१९	२९	धनुषि
६	मं	१	२६	उ	५४	५	सा	३९	४६	व	१	२६	३१	२८	३२	१०	२०	३०	म.९।५६
७	मं	५७	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
८	बु	५४	४६	श्र	५१	५८	शु	३४	५	बा	२६	४०	४५	२७	३३	११	२१	१	मकरे
९	गु	४९	५२	ध	४८	५४	शु	२७	२३	तै	२२	१९	४८	२६	३४	१२	२२	२	कुं.२०।२६
१०	शु	४३	४६	श	४४	४०	ब्र	१९	५०	व	१६	४९	५३	२६	३४	१३	२३	३	कुंभे
११	श	३६	४८	पू	३९	३०	ऐं	११	३२	ब	१०	१७	५५	२५	३५	१४	२४	४	मी२५।४८
१२	र	२९	१२	उ	३३	४४	वै	२/४१	५०/३०	कौ	३	०	५८	२४	३६	१५	२५	५	मीने
१३	चं	२१	८	रे	२७	४०	प्री	४३	५५	व	२१	८	३३	२४	३६	१६	२६	६	मे.२७।४०
१४	मं	१२	४७	अ	२१	३५	आ	३४	३७	श	१२	४७	५	२३	३७	१७	२७	७	मेषे
२०	बु	४	५९	भ	१६	२	सौ	२६	८	ना	४	५९	८	२२	३८	१८	२८	८	वृ.२९।५४

अश्वि.मेषेशुक्रः४५।१७

भ.३२।४९उ.
भ.३/२या.भरण्यांरविः ७/५१ (सौरः २/४४)÷
[÷मार्गीबुधः ३/५० उभा.भौमः ३/६–
[–चतुर्थी व्र.
भ.७/२६ उ.३०/०या.शुक्रास्तःपूर्वस्यां१२।०

कृत्ति.२वृषेगुरुः११।७मई५ता.३१

भ.१६।४९उ.४३।४६या.
वरुथिनी११व्र.
भरण्यांशुक्रः ३३/४४ रेवती.१राहुःहस्त.३+
भ.२१।८उ.४६।५७या.
[+केतुः ३/५५ प्रदोषः

३पं.वै.कृ.३श.इ. ३६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	०	०	१०	११	०
१३	३	२३	२९	३	२२	२०	१३
३९	२२	३५	८	३२	१	२५	३२
५०	१	३१	२०	६	१२	५६	१३
५८	४५	३/६	१३	७४	५	३	५८
१९	३१	मा	२६	२६	३१	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य तेज हो गुड़ शक्कर धातु रंग वस्त्र रुई कपास मंदे हों कहीं२ वर्षा हो।

*मंराचंबु

गोचर ग्रहाः

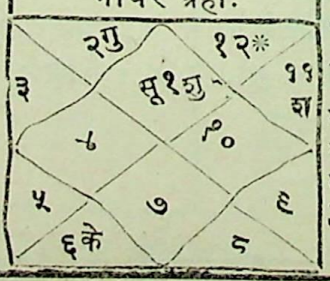

४पं.वै.कृ.११श.इ. ३६/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	१	०	१०	११	०
२०	८	२५	०	१२	२२	२०	२०
२७	४५	३	४६	९	३७	३	१८
२९	४	४०	१९	१८	४८	४०	५९
५८	४५	३०	१३	७४	५	३	५७
६	२५	१	३२	३२	२	११	५७

ति. | वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४७८२स.२०२४

१	बु	५३	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=परशुरामजयंती अक्षया३
२	गु	५२	३३	कृ	११	३०	शो	१८	३८	बा	२५	२०	३३	५२	६३८	१९	२९	९	वृषे	चंद्रदर्शनम् अस्तं गुरोः १८।०
३	शु	४८	४९	रो	८	४४	अ	१२	२०	तै	२०	४१	१४	२१	३९	२०	१	१०	मि	३८।१० अश्वि.मेषेबुधः ३५।४०जिल्काद११=
४	श	४७	१६	मृ	७	३६	सु	७	३३	व	१८	२	१७	२१	३९	२१	२	११	मिथुने	भ.१८।२उ.४७।१६या.कृत्ति.रविः×
५	र	४७	३२	आ	८	३४	धृ	४	१७	ब	१७	२४	२०	२०	४०	२२	३	१२	क.	५५।४९ [×१।५०(सौरः११।३६)
६	चं	४९	५४	पु	११	३४	शू	३	१७	कौ	१८	४३	२३	१९	४१	२३	४	१३	कर्के	पूभा.२शनिः३९।४१
७	मं	५३	५८	पु	१६	२३	गं	२	५७	ग	२१	५६	२६	१९	४१	२४	५	१४	कर्के	भ.५३उ.वृषेऽर्कः २९(सौरः ३९)+
८	बु	५९	३२	श्ले	२२	४७	वृ	४	१०	वि	२६	४५	२८	१८	४२	२५	६	१५	सिं	२२।४७ भ.२६।४५या कृत्ति.३गुरुः२०।४१
९	गु	६०	०	म	२९	५१	धु	६	२	बा	३२	३१	३१	१८	४२	२६	७	१६	सिंहे	कृत्ति.शुक्रः२५।३
९	शु	५	३०	पू	३७	२९	व्या	८	२९	कौ	५	३०	३४	१७	४३	२७	८	१७	कं.	५४।२२ [+रेवत्यांभौमः५९।५७
१०	श	११	५२	उ	४४	५९	ह	११	०	ग	११	५२	३७	१७	४३	२८	९	१८	कन्यायां	भ.४४।४९उ.
११	र	१७	४६	ह	५१	५८	व	१३	११	वि	१७	४६	३९	१६	४४	२९	१०	१९	कन्यायां	भ.३५या.वृषेशुक्रः६।२मोहिनी११व्र.
१२	चं	२३	५	चि	५७	५२	सि	१४	५१	बा	२३	५	४२	१६	४४	३०	११	२०	तु.	२४।५५ प्रदोषः
१३	मं	२७	१०	स्वा	६०	०	व्य	१५	३२	तै	२७	१०	४४	१५	४५	३१	१२	२१	तुलायां	भरण्यांबुधः ३२।१०नृसिंहजयंती
१४	बु	३०	४	स्वा	२	४२	व	१५	१८	व	३०	४	४७	१५	४५	१	१३	२२	वृ.	५०।२३ भ.३०।४उ.भा.ज्येष्ठारंभः
१५	गु	३१	३१	वि	६	१७	प	१४	३	वि	०	४७	४९	१४	४६	२	१४	२३	वृश्चिके	भ.०।४७या.यमायकुंभदानम्

५पं.वै.शु.४श.इ. ३६/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१	०	१०	११	०
२७	१४	०	२	२०	२३	१९	२७
१३	६	५७	२५	४६	१०	४१	४
३७	४३	३६	५	२६	३०	२५	१३
५७	४५	५६	१३	७४	४	३	५७
५४	१९	३९	३८	३२	३८	११	४५

गोचर ग्रहाः

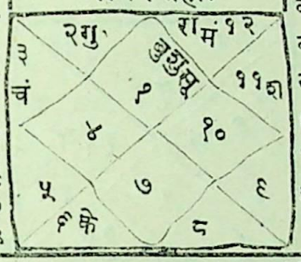

वैशाख शुक्ला ७भौमे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न, ५ प्रगल्भावस्था (बैठी, मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

६पं.वै.शु.१०श.इ. ३६/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	१	०	१०	११	१
३	१९	९	४	२९	२३	१९	३
५८	२६	२५	४	२३	४०	१९	४७
४४	५३	५	३४	४२	८	९	५७
५७	४५	८०	१३	७४	४	३	५७
४४	१४	२४	३८	३२	२	११	३४

ति | ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६ | दि. उ. अ. भा. मु. इं | चंद्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	शु	३१	४१	अ	८	३२	शि	११	५२	बा	१	३६	३३	५२	५१४६	३	१५	२४	वृश्चिके	रोहि.रविः५२।२७
२	श	३०	४२	ज्ये	९	३९	सि	८	३८	तै	१	११	५४	१३	४७	४	१६	२५	ध.	९।३९ भ.५९।४३उ.रोहि.रविः सौरः५।३१
३	र	२८	४४	मू	९	४६	सा	४	४५	वि	२८	४४	५६	१३	४७	५	१७	२६	धनुषि	भ.२८।४४या. चतुर्थी व्र.
४	चं	२५	५२	पू	९	१	शु	१४	३८	बा	२५	५२	५८	१२	४८	६	१८	२७	म.	२३।५३ रोहि.शुक्रः१३।३९
५	मं	२२	१७	उ	८	३०	ब्र	४९	५	तै	२२	१७	३४ ०	१२	४८	७	१९	२८	मकरे	[÷३७।५कृत्ति.४गुरुः२६/४४
६	बु	१८	२५	अ	५	२८	ऐं	४२	५७	व	१८	२५	२	१२	४८	८	२०	२९	कुं.	३४।१० भ.१८।२५उ.४६।१०या.कृत्ति.बुधः÷
७	गु	१३	५६	ध	५१	५६	वै	३६	२१	ब	१३	५६	३	११	४९	९	२१	३०	कुंभे	[–भौमः३६।२ जून६ता.३०
८	शु	८	५१	पू	५६	१६	वि	२९	२८	कौ	८	५१	५	११	४९	१०	२२	३१	मी	४२।९ वृषेबुधः १९।५९
९	श	३	२०	उ	५२	२१	प्री	२२	२	ग	३	२०	७	११	४९	११	२३	१	मीने	भ.३०।२०उ.५७।२०या.अश्वि.मेषे–
१०	श	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+१७।२४अपरा११व्र.वै.
११	र	५१	५	रे	४८	१	आ	१४	२६	ब	२४	१२	९	१०	५०	१२	२४	२	मे.	४८।१ अपरा११व्र.स्मा.
१२	चं	४४	४१	अ	४३	४४	सौ	३५	५२	कौ	१७	५३	१०	१०	५०	१३	२५	३	मेषे	बुधास्तःपूर्वस्यां३४।२२उदयंगुरोः+
१३	मं	३८	२०	भ	३९	२१	अ	५१	२०	ग	११	३०	१२	१०	५०	१४	२६	४	वृ.	५३।२८ ग.३८।२०उ. प्रदोषः
१४	बु	३२	३६	कृ	३५	४७	सु	४४	२१	वि	५	२८	१३	९	५१	१५	२७	५	वृषे	भ.५।२८या.रोहि.बुध.२५।४०
३०	गु	२७	३४	रो	३२	५८	धृ	३८	९	च	०	५	१५	९	५१	१६	२८	६	वृषे	वटपूजनम्

७पं.ज्ये.कृ.२श.इ. ३६/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	१	१	१०	११	१
१०	२४	२०	५	८	२४	१८	१०
४२	४५	१	४३	०	५	५६	३०
४०	३२	१६	५२	०	२०	५४	८
५७	४४	०	१३	७४	३	३	५७
२५	५६	३२	३८	३८	२९	११	२३

गोचर ग्रहाः

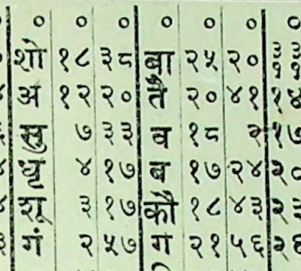

इस मास में धान्य गेहूं चना चांवल मक्का मंदा हो रस-कस गुड़ शक्कर में तेजी हो वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

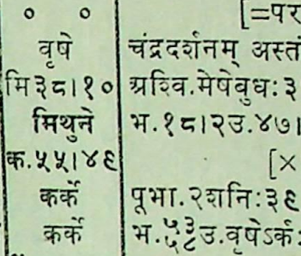

८पं.ज्ये.कृ.९श.इ. ३७/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१	१	१०	११	१
१७	०	२	७	१६	२४	१८	१७
२५	०	२९	२२	३५	२७	३४	११
२६	४३	४२	५५	५६	२५	३८	१४
५७	४४	०	१३	७४	३	३	५७
२७	५०	३७	३२	३८	४४	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १९४६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४८११स.२०२४
१	शु २४ ०	मृ	३१	४०	शू	३२	८	ब	२४ ० ३४ ५६	१७ २९ ७	मि २।१९	मृगेरविः४७।२०मृगेशुक्रः ६ ३८ चन्द्रदर्शनम्
२	श २२ ७	आ	३१	५९	गं	२९	१७	कौ	२२ ७ १७ ९ ५१	१८ १ ८	मिथुने	मृगेरविःसौरः४।२१जिल्हेज १२
३	र २१ ५७	पु	३३	५४	बृ	२७	१	ग	२१ ५१	१८ ८ ५२	१९ २ ९	क.१७।२५	भ.५२।४२उ.
४	चं २३ ३४	पु	३७	३६	धु	२६	२	वि	२३ ३४	१९ ८ ५२	२० ३ १०	कर्के	भ.२३।३४या.
५	मं २६ ५८	श्ले	४२	५३	व्या	२६	२०	बा	२६ ५८	१९ ८ ५२	२१ ४ ११	सिं ४२।५३	मृगेबुधः४१।५६
६	बु ३१ ५५	म	४९	२८	ह	२८	६	तै	३१ ५५	२० ८ ५२	२२ ५ १२	सिंहे	मिथुनेशुक्रः३३।५रोहिणी १गुरुः५४।२४
७	गु ३७ ३१	पू	५६	४४	व	३०	१	ग	४ ४३	२१ ८ ५२	२३ ६ १३	सिंहे	भ.३७।३१उ.
८	शु ४३ ४३	उ	६०	०	सि	३२	३०	वि	१० ३७	२१ ८ ५२	२४ ७ १४	कं.१३।३९	भ.१ ७या.मिथुनेऽर्कः ४ ५५ मिथुनेबुधः ४ ३०
९	श ४९ ४१	उ	४	२३	व्य	३४	५६	बा	१६ ४२	२२ ८ ५२	२५ ८ १५	कन्यायां	मिथुनेऽर्कःसौरः५।९
१०	र ५५ १४	ह	११	४३	व	३६	५२	तै	२२ २७	२२ ८ ५२	२६ ९ १६	तु.४४।५८	गंगादशमी
११	चं ५९ २८	चि	१८	१३	प	३८	१	व	२७ २१	२३ ७ ५३	२७ १० १७	तुलायां	भ.३१ उ.५२ या आर्द्रबुधः ४ आर्द्रशुक्रः=
१२	मं ६० ०	स्वा	२३	११	शि	३८	१	व	३० ४६	२३ ७ ५३	२८ ११ १८	तुलायां	[=५४ निर्जला ११व्र.
१३	बु २ ५	वि	२६	५४	सि	३६	४९	बा	२ ५	२३ ७ ५३	२९ १२ १९	वृ.१०।५८	भरण्यांभौमः ३६।२ प्रदोषः
१३	गु ३ १२	अ	२८	५४	सा	३४	१६	तै	३ १२	२४ ७ ५३	३० १३ २०	वृश्चिके	[×गुर्जराणांवटसावित्री व्र.
१४	शु २ ३४	ज्ये	२९	२१	शु	३०	२९	व	२ ३४	२४ ७ ५३	३१ १४ २१	ध.२९।२१	भ.२।३४उ.३१।२७या.आर्द्रा.रविः ४ ४९
१५	श ० २०	मू	२८	२८	शु	२५	४४	ब	० २०	२४ ७ ५३	१ १५ २२	धनुषि	आर्द्रा.रविःसौरः६।४२भा.आषाढारंभः×

९पं.ज्ये.शु.२श.इ.३७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१	१	१०	११	१
२४	५	१६	८	२५	२४	१८	२३
७	१४	४७	५९	१२	४३	१२	५१
३०	१०	१	४९	१८	१	२२	१०
५७	४४	३	१३	७४	२	३	५७
२२	३३	३२	२६	३८	६	११	५

गोचर ग्रहाः

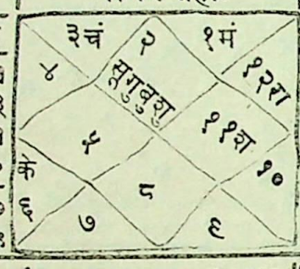

ज्येष्ठ शुक्ले ८ शुक्रे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

१०पं.ज्ये.शु.९श.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	१	२	१०	११	२
०	१०	१	१०	३	२४	१७	८
४८	२४	५९	३६	४८	५९	५०	३०
४७	५४	५६	८	४३	२९	७	१९
५७	४४	४९	१३	७४	१	३	५६
१७	२२	५३	२०	३७	२७	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १९४६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श ५६ ३३	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	
२	र ५२ ३३	पू	२६	२२	ब्र	१९	५८	तै	२४ ४३ ३४ ५६	२ १६ २३	म.४०।४०	पुन.बुधः५८।६
३	चं ४७ १६	उ	२३	३३	ऐं	१३	४३	व	१९ ५४	२४ ७ ५३	३ १७ २४	मकरे	भ.१९।५४उ.४७।१६या.
४	मं ४१ ५१	श्र	२०	२	वै	६ ४७	५५	ब	१४ ३३	२३ ७ ५३	४ १८ २५	कुं.४८।१७	बुधोदयःपश्चिमायां ३ ४ चतुर्थी व्र.
५	बु ३६ १७	ध	१६	३२	प्री	५२	२९	कौ	९ ४	२३ ७ ५३	५ १९ २६	कुम्भे	
६	गु ३० ४७	श	१३	१	आ	४५	२५	ग	३ ३२	२३ ८ ५२	६ २० २७	मी ५५।१८	भ.३ ७उ.५८ या.रोहिणी.२गुरुः ४ ६
७	शु २५ १२	पू	९	२४	सौ	३८	२४	ब	२५ १२	२३ ८ ५२	७ २१ २८	मीने	पुन.शुक्रः४७।४०
८	श १९ ५६	उ	६	६	शो	३१	२९	कौ	१९ ५६	२१ ८ ५२	८ २२ २९	मीने	कर्केबुधः१४।३वक्रीशनिः२०।२५
९	र १४ ५२	रे	२	५७	अ	२४	४०	ग	१४ ५२	२० ८ ५२	९ २३ ३०	मे.२।४५	भ.४२।१९उ.
१०	चं ९ ४६	भ	५७	१०	सु	१८	१३	वि	९ ४६	१९ ८ ५२	१० २४ १	मेषे	भ.९ ९या.पुण्येबुधः ४ जुलाई७ता.३१
११	मं ५ १५	कृ	५४	५८	धृ	१२	२	बा	५ १५	१८ ८ ५२	११ २५ २	वृ.११।३७	योगिनी ११व्र.
१२	बु १ १२	रो	५३	३२	शू	६	१९	तै	१ १२	१७ ९ ५१	१२ २६ ३	वृषे	भ.५७।५०उ. प्रदोषः
१३	बु ५६ ३८	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०		
१४	गु ५५ १७	मृ	५२	४८	गं	१३	३२	वि	२६ ३३	१६ ९ ५१	१३ २७ ४	मि २३।१०	भ.२६।३३या.
२०	शु ५४ १४	आ	५३	३२	धु	५३	२१	च	२४ ४५	१५ ९ ५१	१४ २८ ५	मिथुने	पुन.रविः४३।३९

११पं.आ.कृ.१श.इ. ३६ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	१	२	१०	११	२
७	१५	१७	१२	१२	२५	१७	७
२९	३२	१२	१०	२४	१	२७	८
४२	४९	४३	३४	३२	५९	५१	४६
५७	४४	४९	१३	७४	०	३	५६
१३	३	४१	७	३२	४९	११	५४

गोचर ग्रहाः

आषाढशुक्ले १०भौमे कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा.५ न.५प्रौढावस्था(बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

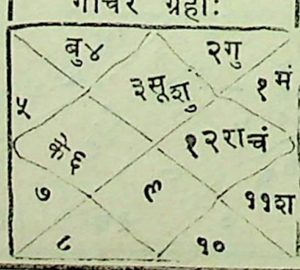

१२पं.आ.कृ.८श.इ. ३६ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	१	२	१०	११	२
१४	२०	०	१३	२१	२५	१७	१३
१०	३७	४२	४३	१	४	५	४६
८	४४	४७	२६	१२	३४	३६	५१
५७	४३	४९	१२	७४	३	३	५६
७	४२	२९	४३	३२	३	११	५०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६									दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४८४०स.२०२४
१	श	५४	१३	पु	५५	२०	व्या	५०	४९	किं	२४	१३	३३	९	५१	१५	२९	६	क.३९।५३	पुन.रवि:सौर:१कर्कशुक्र:५५।२६
२	र	५५	५९	पु	५८	४३	ह	४९	५२	बा	३५	६	१३	९	५१	१६	३०	७	कर्के	उभा.४राहु:हस्त.२केतु:३९चंद्रदर्शनम्H
३	चं	५९	९	श्ले	६०	०	ब	४९	४७	तै	२७	३४	११	१०	५०	१७	१	८	कर्क	कृत्ति.भौमः१मोहोरम१सन्१९४६हि.
४	मं	६०	०	श्ले	३	२६	सि	५०	३६	व	३१	३१	१०	१०	५०	१८	२	९	सिं.३।२६	भ.३१उ.६०या.आश्ले बुध:६।३पुष्ये ×
४	बु	३	५३	म	९	३९	व्य	५२	१४	वि	३	५३	८	१०	५०	१९	३	१०	सिंहे	[Hशुक्रोदय:पश्चिमायां३१रथयात्रा
५	शु	९	१४	पू	१६	३४	व	५४	१९	बा	९	१४	७	११	४९	२०	४	११	क.३३।२८	[×शुक्र:३६।४१
६	शु	१५	२२	उ	२४	९	प	५७	१६	तै	१५	२२	५	११	४९	२१	५	१२	कन्यायां	वृषेभौम:४३।१५
७	श	२१	२९	ह	३१	३६	शि	५९	२६	व	२१	२९	३	११	४९	२२	६	१३	कन्यायां	भ.३१उ.५३या.रोहिणी३गुरु:३५।३९
८	र	२७	१६	चि	३८	४०	सि	६०	०	ब	२७	१६	१	१२	४८	२३	७	१४	तु५।८	[Aपातमोक्ष:२६।२५
९	चं	३१	५९	स्वा	४४	४३	सि	१	१२	कौ	३१	५९	३३	१२	४८	२४	८	१५	तुलायां	[+आश्ले.शुक्र:२८।५७वायुपरीक्षा
१०	मं	३५	१३	वि	४९	११	सा	१	५८	तै	३	३६	५७	१३	४७	२५	९	१६	वृ.३३।४	कर्केऽर्क:१३।५(सौर:३८)पातस्पर्श:१७A
११	बु	३६	४३	अ	५१	५४	शु	३९	५८	व	५	५८	५५	१३	४७	२६	१०	१७	वृश्चिके	भ.५।५८उ.३६।४३या.देवशयनी११व्र.
१२	शु	३६	११	ज्ये	५२	४८	ब्र	५६	२०	व	६	२७	५३	१४	४६	२७	११	१८	ध.५२।४८	प्रदोष:
१३	शु	३३	४५	मू	५१	४२	ऐं	५१	२१	कौ	४	५८	५०	१४	४६	२८	१२	१९	धनुषि	पुष्येरवि:४२।२४मघा.सिंहेबुध:२६।८
१४	श	२९	३१	पू	४९	१	वै	४५	९	ग	१	३८	४८	१४	४६	२९	१३	२०	धनुषि	भ.३१उ.५०या.पुष्येरवि: (सौर१४।९)+
१५	र	२३	५९	उ	४५	१	वि	३७	५३	ब	२३	५९	४५	१५	४५	३०	१४	२१	स.३।१	व्यासपूजागुरु१५

१३पं.आ.शु १श.इ.३६/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	१	२	१०	११	२
२०	२५	१२	१५	२९	२५	१६	२०
५०	३९	३९	१३	३६	२	४३	२४
३५	४	३२	८	५४	१०	२०	४५
५७	४३	९६	१२	७४	३८	३	५६
७	१९	४१	२०	२६	व.	११	५०

१४पं.आ.शु.७श.इ.३६।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	१	३	१०	११	२
२७	०	२२	१६	८	२४	१६	२७
३०	३८	५१	४०	१३	५४	२१	२
५४	२०	७	१२	५२	४७	४	५२
५७	४२	७७	१२	७४	२६	३	५६
११	५५	२५	०	२६	व.	११	५४

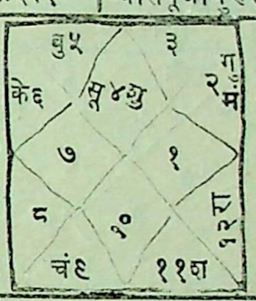

१५पं.आ.शु.१४श.इ.३६/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	१	३	१०	११	३
४	५	१	१८	१६	२४	१५	३
११	३१	५	३	४९	४२	५८	४१
३८	५५	४६	३६	२३	४०	४९	१९
५७	४२	५६	११	७४	२	३	५९
१५	३६	४	२३	२६	व.	११	५६

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	चं	१७	१०	श्र	४०	१	श्री	२९	४१	कौ	१७	१०	३३	१५	४५	३१	१५	२२	मकरे	
२	मं	९	५९	ध	३४	४०	आ	२१	७	ग	९	५९	४०	१६	४४	१	१६	२३	कुं.७।२१	भ.३६।१५उ.भा.श्रावणारंभ:
३	बु	२	३२	श	२९	२९	सौ	१२	३२	वि	२	३२	२८	१६	४४	२	१७	२४	कुंभे	भ.२।३२या.चतुर्थीव्र.
४	बु	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०\	
५	शु	४८	१४	पू	२४	२६	शो	५८	५१	कौ	२१	४२	३५	१७	४३	३	१८	२५	मी१०।४२	नाग५मरुस्थले
६	शु	४२	७	उ	१९	५५	सु	४८	४	ग	१५	१०	३३	१७	४३	४	१९	२६	मीने	भ.४२।७उ.
७	श	३६	३९	रे	१६	१०	धृ	४०	५१	वि	९	२३	३०	१८	४२	५	२०	२७	मे.१६।१०	भ.९।२३या.रोहि.भौम:५।५५
८	र	३१	५४	अ	१२	५२	शू	३४	२९	बा	४	१६	२७	१९	४१	६	२१	२८	मेषे	
९	चं	२८	६	भ	१०	४२	गं	२८	४७	ग	२८	६	२४	१९	४१	७	२२	२९	वृ.२५।२१	भ.५६।३७उ.
१०	मं	२५	८	कृ	९	१८	बृ	२३	४१	वि	२५	८	२२	२०	४०	८	२३	३०	वृषे	भ.२५या.रोहिणी४गुरु:५७।६
११	बु	२३	१०	रो	९	१	ध्रु	१९	३२	बा	२३	१०	१९	२०	४०	९	२४	३१	मि३९।११	मघा.सिंहेशुक्र:२०।२७कामिका११व्र.
१२	शु	२२	६	मृ	९	२१	व्या	१६	२	तै	२२	६	१६	२१	३९	१०	२५	१	मिथुने	अगस्तदता.३१प्रदोष:
१३	शु	२२	१९	आ	११	१	ह	१३	२१	व	२२	१९	१३	२१	३९	११	२६	२	क.५७।५८	भ.२२उ.५२या.आश्ले.रवि:३९।२४
१४	श	२३	२३	पु	१३	३७	व	११	३८	श	२३	२३	१०	२२	३८	१२	२७	३	कर्के	आश्ले.रवि:सौर:१४।५६वक्रीबुध:७।२६
१५	र	२५	५२	पु	१७	२८	सि	११	५	ना	२५	५२	७	२३	३७	१३	२८	४	कर्के	हरियाली

१६पं.श्रा.कृ.७श.इ.३६/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	१	३	१०	११	३
१०	१०	६	१९	२५	२४	१५	१०
५२	२१	५७	२३	२५	२६	३६	२०
४१	२५	३६	३५	३४	१७	३३	३६
५७	४२	२९	१०	७४	३७	३	५७
२०	१२	२६	५३	२०	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

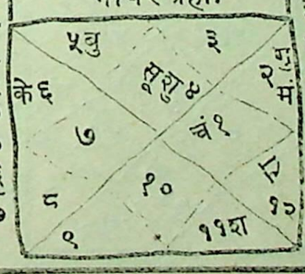

इस मास में बदि में धान्य चावल गेहूं जो बाजरा आदि सोना चांदी लोहा रुई वस्त्र में मंदी होकर सुदि में तेज होंगे।

गोचर ग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ.१४श.इ.३६/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	१	४	१०	११	३
१७	१५	९	२०	४	२४	१५	१७
३४	५४	५५	३८	२	५	१४	०
२३	३१	३२	३६	१३	३८	१८	२४
५७	४१	१०	१०	७४	१६	३	५७
२५	१५	व.	११	१४	व	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६						दि. उ. अ.			भा मु इं.			चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४८७० सन् २०२४
१	चं	२९	२७	श्ले	२२	१७	व्य	१०	५६	ब	२९	२७	३३ ५ ३७	१४ २९ ५	सिं २२।१७	
२	मं	३४	१३	म	२८	२५	व	११	५१	बा	१	५०	० २४ ३६	१५ ३० ६	सिंहे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	बु	३९	३८	पू	३५	१०	प	१३	२२	तै	६	५५	३२ २५ ३५	१६ १ ७	कं.५२।०	सफर२तीज
४	गु	४५	५३	उ	४२	२८	शि	१५	३०	ब	१२	४५	५४ २५ ३५	१७ २ ८	कन्यायां	भ.१२।४५उ.४५।५३या.वरद४
५	शु	५२	४	ह	५०	८	सि	१७	५२	ब	१८	५८	५० २६ ३४	१८ ३ ९	कन्यायां	नागपंचमी
६	श	५८	१३	चि	५७	४९	सौ	२०	३०	कौ	२५	८	४७ २७ ३३	१९ ४ १०	तु.२३।५८	
७	र	६०	०	स्वा	६०	०	शु	२२	४९	ग	३०	५१	४४ २७ ३३	२० ५ ११	तुलायां	पूफाशुक्रः १०।२७बुधास्तःपश्चिमायां २९
७	चं	३	२९	स्वा	४	२७	शु	२४	१९	व	३	२९	४० २८ ३२	२१ ६ १२	वृ.५३।३८	भ.३।२९उ.३५।३३या.
८	मं	७	३७	वि	१०	२	ब्र	२४	५५	ब	७	३७	३७ २९ ३१	२२ ७ १३	वृश्चिके	
९	बु	९	५८	अ	१४	२	ए	२४	८	कौ	९	५८	३३ २९ ३१	२३ ८ १४	वृश्चिके	
१०	गु	१०	२९	ज्ये	१६	२०	वै	२१	५८	ग	१०	२९	३० ३० ३०	२४ ९ १५	ध.१६।२०	भ.३९।४१उ.
११	शु	८	५४	मू	१६	२३	वि	१८	४	वि	८	५४	२६ ३१ २९	२५ १० १६	धनुषि	भ.८।५४या.मघासिंहेऽर्कः ३३।२६मृगे +
१२	श	५	८	पू	१४	३५	प्री	१२	३१	बा	५	८	२२ ३२ २८	२६ ११ १७	म.३०।५६	मघासिंहेऽर्कः सौरः ११।२१प्रदोषः
१३	श	५	४	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	००	[+भौमः १४।१वक्रीपूभा१शनि१७।५९=
१४	र	५	२	२०	उ	१०	५	४	आ	२९	५ ३८	ग	२५	५८	१९ ३२ २८	२७ १२ १८	मकरे	भ.५२।२०उ. [=पवित्रा११व्र.
१५	चं	४	४	९	श्र	३	५ ४	३ ०	शो	४	७ ४	६ ०	वि	१८	१४	१५ ३३ २७	२८ १३ १९	कु.३२।२४	भ.१८।१४या.श्रावणीकर्मरक्षाबंधनम

१८पं.श्रा.शु.६श.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	१	४	१०	११	३
२४	१९	८	२१	१२	२३	१४	२३
१६	४६	३८	४९	३७	४१	५२	४१
४४	५२	२०	५	३४	३८	२	३१
५७	४०	५०	९	७४	४९	३	५७
३३	४१	व	२८	४	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

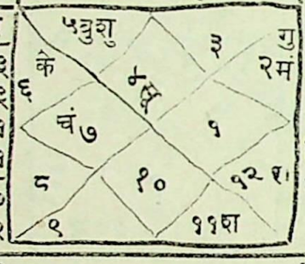

श्रावण शुक्ले १२शनौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.५ न.५ गतालकावस्था ऊर्ध्वभी.मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

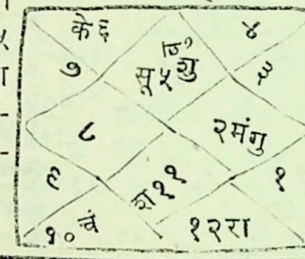

१९पं.श्रा.शु.१२श.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	१	४	१०	११	४
१	२४	३	२२	२१	२३	१४	०
०	१९	४०	५४	१३	१४	२९	२३
४	५२	३०	३२	१९	४३	४६	४४
५७	४०	५७ ३८	८	७३	४	३	५७
४०	११	व.	४०	५६	व.	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६						दि. उ. अ.			हि. सु. इ.			चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	मं	३५	१७	श	५२	१९	अ	३७	५२	बा	९	४८	३२ ५ ३४ २६	२९ १४ २०	कुंभे	मृग१गुरुः ३२।१५
२	बु	२६	१३	पू	४५	२२	सु	२७	४९	तै	०	४५	८ ३४ २६	३० १५ २१	मी३२।६	भ.५१।४७उ. [+४६।३७जन्माष्टमीव्र.
३	गु	१७	२१	उ	३८	४९	धृ	१७	४४	वि	१७	२१	४ ३५ २५	३१ १६ २२	मीने	भ.१७।२१या.वक्रीआश्ले.कर्केबुधः ४५ ×
४	शु	९	१५	रे	३३	२	शू	२९	५७	बा	९	१५	१ ३६ २४	१ १७ २३	मे.३३।२	भा.भाद्रपदारंभः [×उफाशुक्रः २३ चतु.व्र.
५	श	५	४	१४	अ	२८	२२	वृ	५१	४५	तै	२	४	३५ ३७ २३	२ १८ २४	मेषे	भ.५६।१८उ.कन्यायांशुक्रः ४५ चन्द्रषष्ठी
७	र	५१	४६	भ	२४	५८	धु	४४	५६	वि	२४	२	५३ ३७ २३	३ १९ २५	वृ.४२।३१	भ.२४।२या.
८	चं	४८	४९	कृ	२२	५१	व्या	३९	२७	बा	२०	१७	४९ ३८ २२	४ २० २६	वृषे	मिथुनेभौमः २४।१६बुधोदयःपूर्वस्यां +
९	मं	४७	१२	रो	२२	२०	ह	३५	१०	तै	१८	०	४६ ३९ २१	५ २१ २७	मि५२।४०	गोगा९
१०	बु	४६	५५	मृ	२३	१	व	३१	४३	व	१७	३	४२ ४० २०	६ २२ २८	मिथुने	भ.१७।३उ.४६।५५या.मार्गीबुधः ५६
११	गु	४८	६	आ	२५	१०	सि	२९	३४	ब	१७	३०	३८ ४० २०	७ २३ २९	मिथुने	अजा११व्र.
१२	शु	५०	२०	पु	२८	२७	व्य	२८	२२	कौ	१९	१३	३४ ४१ १९	८ २४ ३०	क.१२।३८	पूफा.रविः २३।१०वत्सद्वादशी
१३	श	५३	५६	पु	३२	५८	व	२८	१९	ग	२२	८	३० ४२ १८	९ २५ ३१	कर्के	भ.५३उ.पूफा.रविः सौरः २।१२प्रदोषः
१४	र	५८	७	श्ले	३८	२४	प	२८	३१	वि	२६	१	२६ ४३ १७	१० २६ १	सिं३८।२४	भ.२६।१या.हस्तेशुक्रः ५५ सितम्बरता.३०
३०	चं	६०	०	म	४४	३६	शि	२९	४३	च	३०	४८	२२ ४४ १६	११ २७ २	सिंहे	
३०	मं	३	२९	पू	५१	३२	सि	३१	२३	ना	३	२९	१८ ४४ १६	१२ २८ ३	सिंहे	कुशाग्रहणीपिठोरी ३०मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.५श.इ.३५।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	३	१	४	१०	११	४
७	२८	२८	२३	२९	२२	१४	७
४४	४८	१९	५३	४७	४५	७	७
२८	२५	२३	२८	२८	२६	३१	११
५७	३९	४९	७	७३	२४	३	५७
४९	३५	व.	३९	५०	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य चावल गेहं जोबाजरा मूंग मोठ तेज होवे धातु सोना चांदी लोहा गुड़ सक्कर वस्त्र सदे होगें ।

गोचर ग्रहाः

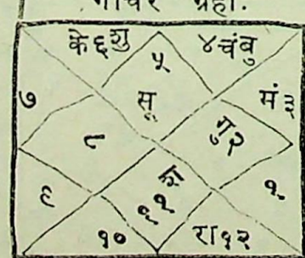

२१पं.भा.कृ.१३श.इ. ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	१	५	१०	११	४
१४	३	२७	२४	८	२२	१३	१३
३०	१०	५१	४५	२१	१४	४५	५२
४	३७	७	१४	४७	३८	१५	२३
५८	३८	२४	६	७३	४०	३	५७
१	५६	मा	३८	४४	व.	११	५७

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८१ शाकः१९४६									दि. उ अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६००स.२०२४
१	बु	६	२	उ	५८	५६	सा	३३	३४	ब्र	६	२	३३ ३०	५५ ५७	६ ३	१३	२६ ४	कं.८।२३	[×३ हरितालिका ३
२	शु	१५	१६	ह	६०	०	शु	३५	५८	कौ	१५	१६	११	४६	१४	१४	३० ५	कन्यायां	मघा सिंहेबुधः४०।५चंद्रदर्शनम्
३	शु	२१	४१	ह	६	३६	शु	३८	२४	ग	२१	४१	७	४७	१३	१५	१ ६	तु.४०।२३	भ.५३उ.आर्द्रा.भौमः२२।६रविलावल×
४	श	२७	५२	चि	१४	१०	ब्र	४०	३७	वि	२७	५२	३	४७	१३	१६	२ ७	तुलायां	भ.२७।५२या.गणेशचतुर्थी
५	र	३३	२३	स्वा	२१	२५	एं	४२	४१	ब	०	३७	३० ३९	४८	१२	१८	३ ८	तुलायां	उभा३राहुःहस्त१केतुः३२।२ऋषिपंचमी
६	चं	३७	५६	वि	२७	३८	वै	४४	७	कौ	५	६१	५५	४९	११	१८	४ ९	वृ.११।५	[+अनंत१४महालयारंभः
७	मं	४१	१६	अ	३२	५६	वि	४४	२३	ग	६	३७	५१	५०	१०	१९	५ १०	वृश्चिके	भ.४१।१६उ. [=जलझूलनी११त्र.
८	बु	४३	२	ज्ये	३६	४१	प्री	४३	२१	वि	१२	६	४७	५१	६	२०	६ ११	ध.३६।४१	भ.१२।६या.
९	गु	४२	५३	मू	३८	२५	आ	४०	५६	बा	१२	५७	४३	५१	६	२१	७ १२	धनुषि	चित्राशुक्रः५०।१५
१०	शु	४०	४१	पू	३८	१७	सो	३७	१	तै	११	४७	३९	५२	८	२२	८ १३	म.५२।४६	उफा.रविः७।३५ (सौरः४६।५२)
११	श	३६	२६	उ	३६	२३	शो	३१	२५	व	८	३३	३५	५३	७	२३	९ १४	मकरे	भ.८।३३उ.३६या.पूफा.बुधः६।२५ =
१२	र	३०	११	श्र	३२	१६	अ	२४	१५	ब	३	१८	३१	५४	६	२४	१० १५	कुं.५६।३०	बुधास्तःपूर्वस्यां३६वामनजयंतीप्रदोषः
१३	चं	२२	३७	ध	२६	४१	सु	१५	३२	तै	२२	३७	२७	५५	५	२५	११ १६	कुंभे	कन्यायामर्कः३२।५६
१४	मं	१३	३३	श	१६	५३	धू	५६	४९	व	१३	३३	२२	५६	४	२६	१२ १७	मी५६।६	भ.१३।३३उ.३६या.कन्यार्कःसौरः१३+
१५	बु	३	४६	पू	१२	१०	गं	४४	३५	ब	३	४६	१८	५६	४	२७	१३ १८	मीने	तुलायांशुक्रः१७।३३

२२पं.भा.शु.४श.इ.३५।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१	५	१०	११	४
२१	७	२	२५	१६	२१	१३	२०
१७	२६	३३	३०	५४	४२	२३	३९
६	२४	०	११	३१	२९	००	३
१८	३७	७९	५	७३	४०	३	५८
१३	५८	३३	४१	३४	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

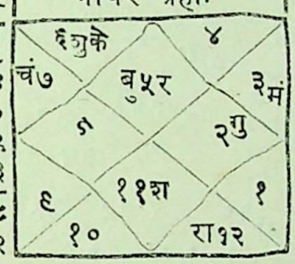

भाद्रपदशुक्ले १३ चंद्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.३न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावेमहर्घताशुक्रोदयः पश्चिमे ।

गोचर ग्रहाः

२३पं.भा.शु.११श.इ.३५/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१	५	१०	११	४
२८	११	१४	२६	२५	२१	१३	२७
५	३५	१०	७	२८	१०	०	२७
२८	२८	३०	३०	५६	१९	४४	२०
५८	३७	७९	४	७३	४०	३	५८
२६	७	४७	३३	२०	व.	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेभाद्रपद कृष्णेति महा.
१	बु	५०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	गु	४४	११	उ	१४	२३	बृ	३३	३७	तै	१८	५९	३० १४	५७	६ ३	२८	१४ १९	वे.५६।३७	
३	शु	३५	१०	अ	४९	५३	ध्रु	२३	६	व	९	४०	९	५८	२	२९	१५ २०	मेषे	भ.९।४०उ.३५।१०या.चतुर्थीत्र.
४	श	२७	२३	भ	४४	२२	व्या	१३	१४	व	१	१६	५	५९	१	३०	१६ २१	वृ.५८।२१	उभा.बुधः१२।२७
५	र	२१	१४	कृ	४०	१९	ह	४९	५२	तै	२१	१४	३०	०	०	३१	१७ २२	वृषे	मृग२गुरुः४७।२८
६	चं	१६	५९	रो	३८	१४	सि	५१	२७	व	१६	५९	२९	१	५९	१	१८ २३	वृषे	भ.१६।५९उ.४५।४६या.कन्यायांबुधः +
७	मं	१४	३४	मृ	३७	५३	ज्य	४७	११	ब	१४	३४	५३	२	५८	२	१९ २४	मि८।३	[+११।२२स्वात्यांशुक्रः४३भा.आश्वि.रं
८	बु	१३	५३	आ	३९	२२	वे	४४	२६	कौ	१३	५३	४८	२	५८	३	२० २५	मिथुने	
९	गु	१५	१६	पु	४२	४०	प	४२	५९	ग	१५	१६	४४	३	५७	४	२१ २६	क.२६।५०	भ.४६।३४उ.हस्तेरविः४६।९मातृ९
१०	शु	१७	५१	पु	४७	१४	शि	४२	४२	वि	१७	५१	४०	४	५६	५	२२ २७	कर्के	भ.१७।५१या.हस्तेरविःसौरः२४।३३
११	श	२१	५९	श्ले	५२	५८	सि	४३	३१	बा	२१	५९	३६	५	५५	६	२३ २८	सिं५२।५८	हस्तेबुधः४५।२८इंदिरा११त्र.
१२	र	२७	१	म	५९	३७	सा	४४	४५	तै	२७	१	३२	६	५४	७	२४ २९	सिंहे	पुन.भौमः४०।५०
१३	चं	३३	१	पू	६०	०	शु	४६	४९	ग	०	१	२८	६	५४	८	२५ ३०	सिंहे	भ.३३उ.वक्रीशत४शनिः४८।५४प्रदोषः
१४	मं	३८	५२	पू	६	५०	शु	४८	४९	वि	५	५६	२३	७	५३	९	२६ १	कं.२३।४२	भ.५३या.अक्टूबर१०ता.३१शस्त्रादि- ÷
२०	बु	४५	२०	उ	१४	१७	ब्र	५१	२२	च	१२	६	१९	८	५२	१०	२७ २	कन्यायां	सर्वपितृ३० [÷हतानांश्रा.

२४पं.आ.कृ.४श.इ.३५/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	४	१	६	१०	११	५
४	१५	२७	२६	४	२०	१२	४
५५	३३	२	३५	१	३८	३८	१७
१९	२२	२	५२	१२	३८	१८	२७
५८	३५	८९	३	७३	२४	३	५८
३८	५२	०	२५	१४	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

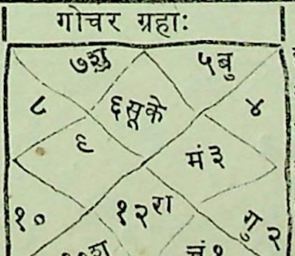

इस मास में धान्य गेहूं जो मक्काबाजरा मूंग मोठ चावल गुड़ शक्कर वस्त्र रुई तेज होगें ।

गोचर ग्रहाः

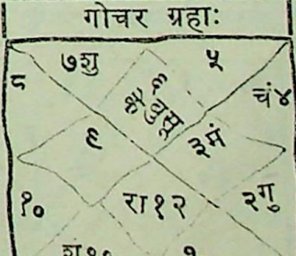

२५पं.आ.कृ.११श.इ.३५/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	१	६	१०	११	५
११	१९	९	२६	१२	२०	१२	११
४६	२२	४०	५५	३२	९	१६	९
५२	५	५९	३७	२८	११	१३	२५
५८	३४	८९	१	७२	४	३	५९
५३	३५	३३	५८	५६	व.	११	०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation USA

तिं.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०८१ शाकः १९४६	दि. उ. अ.भा. मु. इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९२९स.२०२४
१	गु ५१ ३१ ह २१ ५१ ऐं ५३ ४० किं १८ २५ २९ ६ ५५ ११ २८	३	तु.५५।३३	नवरात्रारंभः मातामहश्रा.
२	शु ५७ ३२ चि २९ १५ वै ५५ ५६ बा २४ ३१ ११ १० ५० १२ २९	४	तुलायां	विशा.शुक्रः४२।३७चंद्रदर्शनम्
३	श ६० ० स्वा ३६ २३ वि ५७ ४७ तै ३० १५ ७ ११ ४९ १३ १	५	तुलायां	रविलाखर४
४	र २५९ वि ४२ ४० प्री ५८ ४९ ग २५९ ३ ११ ४९ १४ २	६	बृ.२६।६	भ.३५।१८उ.चित्रा.बुधः१०।४५
५	चं ७ ३७ अ ४८ १३ आ ५९ २३ वि ७ ३७ २९ १२ ४८ १५ ३	७	वृश्चिके	भ.७।३७या.
६	मं ११ १० ज्ये ५२ ४४ सौ ५९ १७ बा ११ १० ५५ १३ ४७ १६ ४	८	ध.५२।४४	
७	बु १३ ३१ मू ५५ ४४ शो ५७ ४९ तै १३ ३१ ५१ १४ ४६ १७ ५	९	धनुषि	वक्रीगुरुः५४।४२
८	गु १४ १८ पू ५७ २२ अ ५५ १३ व १४ १८ ४७ १५ ४५ १८ ६	१०	धनुषि	भ.१४।१८उ.४३।५६या.चित्रा.रविः÷
९	शु १३ ३५ उ ५७ १५ सु ५१ २२ व १३ ३५ ४३ १५ ४५ १९ ७	११	म.१२।१८	[÷१५।१७(सौरः ५५/७)तुला.बुधः५५।११
१०	श ११ ० श्र ५५ १४ धृ ४५ ४९ कौ ११ ० ३९ १६ ४४ २० ८	१२	मकरे	वृश्चिकेशुक्रः५६।५४
११	र ६ ३३ ध ५१ ४१ शू ३९ १ ग ६ ३३ ३५ १७ ४३ २१ ९	१३	कुं.२३।२७	भ.३३।३७उ.
१२	चं ० ४१ श ४६ ३३ गं ३० ४६ वि ० ४१ ३१ १८ ४२ २२ १०	१४	कुंभे	भ.०।४१या.स्वात्यांबुधः१०।३८ पापां ×
१२	चं ५२ २८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	० ०		[×कुशा११ब्र.[=प्रा.शरद्पूर्णिमा
१३	मं ४४ २९ पू ४० ४ बृ २१ ३१ कौ १८ ४९ २७ १९ ४१ २३ ११	१५	मी२६।४१	अनु.शुक्रः४२।४८प्रदोषः.
१४	बु ३४ ४७ उ ३२ ३४ ध्रु ११ १४ ग ९ ३८ २३ १९ ४१ २४ १२	१६	मीने	भ.३४।४७उ.५९।५०या.कोजागरीव्र.
१५	गु २४ ५३ रे २४ ४१ व्या २९ ४९ ब २४ ५३ २० २० ४० २५ १३	१७	मे २४।४१	तुलायामर्कः२।३ (सौरः ३७/५)का.स्ना.=

२६पं.आ.शु.३श.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	१	६	१०	११	५
१८	२३	२२	२७	२१	१९	११	१८
४०	१	१६	६३	४२	५३	३	
५	५	२६	११	१८	४	५७	१२
५९	२३	८/५८	०	७२	३/५८	३	५९
९	१८	१९	४९	४०	व.	११	१६

गोचर ग्रहाः

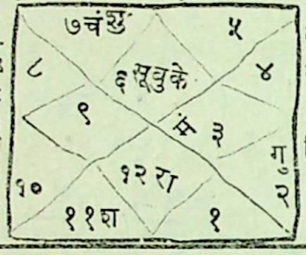

आश्विनशुक्ले १५गुरौ तुलायामर्कःप्रविष्टः वा.४ न४ बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

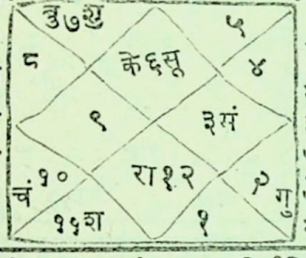

२७पं.आ.शु.९श.इ.३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	१	६	१०	११	५
२५	२६	३	२७	२९	१९	११	२४
३४	२७	५६	६	३२	१७	३१	५८
५९	७	१०	४३	३८	३५	४२	५४
५९	२१	८/०	३०	७२	१७/३	३	५९
२१	५०	५६	व.	२०	व.	११	३१

तिं.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६	दि. उ. अ.भा. मु. इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेतिमहा.
१	शु १५ १४ अ १६ ५० च ३८ ३४ कौ १५ १४ २९ २१/३ ३९/५	२६ १४ १८	सिंहे	
२	श ५३/६ २३/१८ भ ९ ४९ सि २८ २५ ग ६ १८ १३ २२ ३८	२७ १५ १९	बृ.२३।२३	भ.३२।३०उ.५८।४१या.
३	र ५२ ४० कृ ४/५५ व्य १९ २५ ब २५ ४० ८ २२ ३८	२८ १६ २०	वृषे	कर्केभौमः१५।८बुधोदयःपश्चिमायां ३/२
४	चं ४८ ४३ मृ ५७ ३२ च ११ ४६ कौ २० ४१ ४ २३ ३७	२९ १७ २१	मि२८।४०	करकचतुर्थीव्र.
५	मं ४६ ५२ आ ५७ १४ प ५ ३२ ग १७ ४७ ० २४ ३६	३० १८ २२	मिथुने	भ.४६।५२उ.विशा.बुधः३८।२
६	बु ४७ १७ पु ५९ १३ शि ५/५७ वि १७ ५ २७/२६ २५ ३५	१ १९ २३	क.४३।४३	भ.१७।५या.स्वात्यांरविः ४/६ भा.का.रंभः
७	गु ४९ २२ पु ६० ० सा ५७ १३ बा १८ १९ ५३ २५ ३५	२ २० २४	कर्के	स्वात्यांरविःसौरः१८।५४
८	शु ५३ २२ पु २ ५५ शु ५७ ४१ तै २१ २२ ४९ २६ ३४	३ २१ २५	कर्के	वक्रीमृग.१गुरुः४९।०
९	श ५८ ३१ श्ले ८ ११ शु ५८ २७ च २५ ५६ ४५ २७ ३३	४ २२ २६	सिं८।११	भ.२५/६उ.५८।३१या.ज्येष्ठाशुक्रः४३।५८
१०	र ६० ० म १४ ४१ ब्र ६० ० ब ३१ ४० ४१ २८ ३२	५ २३ २७	सिंहे	रमा११ब्र.स्मा.
११	चं ४ ५० पू २२ १३ ब्र ० २९ बा ४ ५० ३७ २९ ३१	६ २४ २८	कं.३९।५	पुष्येभौमः१०।१६रमा११ब्र.वै.
१२	मं ११ ४ उ २९ ४१ सें २ ४७ तै ११ ४ ३४ २९ ३१	७ २५ २९	कन्यायां	वृश्चिकेबुधः२५।२६प्रदोषः
१३	बु १७ ३८ ह्र ३७ १९ वै ५ १० व १७ ३८ ३० ३० ३०	८ २६ ३०	कन्यायां	भ.१७।३८उ.५०।४४या.घन१३
१४	गु २३ ४९ चि ४४ ४६ वि ७ २८ श २३ ४९ २७ ३१ २९	९ २७ ३१	तु.११।२	अनु.बुधः५१।४६वृप१४
३०	शु २९ ३२ स्वा ५१ १६ प्री ९ ३२ ना २९ ३२ २३ ३१ २९	१० २८ १	तुलायां	नवम्बर११ता.३०महालक्ष्मीपूजनम्

२८पं.का.कृ.२श.इ.३४।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	१	७	१०	११	६
२	२९	१५	२६	८	१८	११	१
३१	३९	२	५७	१	५६	९	५६
२३	४०	२८	०	४१	५६	२६	१८
५९	३०	५७	१/७२	३/६	३	५९	
२४	३	१७	व.	२	व.	११	४६

गोचर ग्रहाः

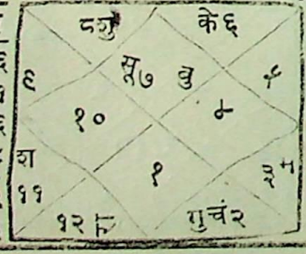

इस मास में धान्य गल्ला में मंदी होवे चांदी स्वर्ण तेज हो रुई में घटा बढी चले प्रजा में सुख शान्ति फैले ।

गोचर ग्रहाः

२९पं.का.कृ.१०श.इ.३५/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	१	७	१०	११	६
९	२	२५	२६	१६	१८	१०	८
२९	३५	३८	३७	२८	४०	४७	५५
३८	४९	३५	२६	४१	४१	१०	३८
५९	२७	९१	२/३	७१	१/२	३	६०
४७	४१	४६	व.	३७	व.	११	२

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९५९स.२०२४
१	श	३४	२५	वि	५७	३१	आ	११	७	कि	१	५७	२७	३	५	११	२९	२	वृ.४०।५७	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा
२	र	३८	२९	अ	६०	०	सौ	११	५६	बा	६	२७	१६	३३	२७	१२	३०	३	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्भातृ२यम२
३	चं	४१	३७	अ	२	४६	शो	१२	१२	तै	१०	३	१२	३४	२६	१३	१	४	वृश्चिके	जमादिलावल५
४	मं	४३	३९	ज्ये	६	५६	अ	११	२९	व	१२	३८	९	३४	२६	१४	२	५	ब.६।५६	भ.१२।३८उ.४३।३९या.
५	बु	४४	२४	मू	१०	६	सु	१०	७	ब	१४	१	५	३५	२५	१५	३	६	धनुषि	विशा.रविः४।३६(सौरः३६।१५)+
६	गु	४४	११	पू	१२	७	धृ	७	५९	कौ	१४	१७	२	३६	२४	१६	४	७	म.२७।१९	[+मूलेधनुषिशुक्रः४५।२६
७	शु	४२	३७	उ	१२	५५	शू	४	४७	ग	१३	२४	२९	३६	२४	१७	५	८	मकरे	भ.४२।३७उ.
८	श	३९	३७	श्र	१२	३२	गं	२९	५४	वि	११	७	५५	३७	२३	१८	६	९	कुं.४१।३५	भ.११।७या.गोपाष्टमी
९	र	३५	३१	ध	१०	३८	ध्रु	४८	३७	बा	७	३४	५२	३८	२२	१९	७	१०	कुम्भे	ज्येष्ठाबुधः५०।४३उभा.२राहुःउफा.४÷
१०	चं	२९	५८	श	७	३२	ध्या	४१	५	तै	२	५९	४९	३८	२२	२०	८	११	मी४९।१६	भ.५६।४०उ. [÷केतुः२३।५५अक्षय९
११	मं	२३	२३	पू	३	५४	ह	३२	३७	वि	२३	२३	४५	३९	२१	२१	९	१२	मीने	भ.३३या.प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
१२	बु	१५	२६	रे	५१	३६	व	२३	१५	बा	१५	२६	४२	४०	२०	२२	१०	१३	मे.५१।३६	प्रदोषः
१३	गु	६	५८	अ	४४	४३	सि	१३	२३	तै	६	५८	३९	४०	२०	२३	११	१४	मेषे	भ.५९उ.मार्गशनिः४६।४वैकुंठ१४
१४	गु	५१	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	शु	५०	८	भ	३७	४४	व्य	५९	५५	वि	२४	७	३६	४१	१९	२४	१२	१५	वृ.५१।१०	भ.२४।७या.मन्वादिःका.स्ना.पू.

३०पं.का.शु.१श.इ. ३४/९०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	१	७	१०	११	६
१६	५	५	२६	२४	१८	१०	१५
२९	१३	४४	८	५४	२८	२४	५६
२०	१२	४६	३८	५८	५५	५५	४२
६०	२५	८४	२४	७१	२३	३	६०
४	१०	४९	व.	१३	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

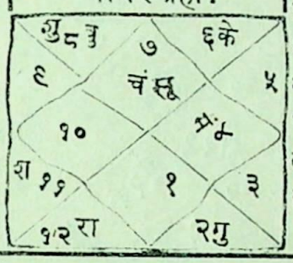

इस मास में ५ शुक्रवार श्रेष्ठ हैं धनधान्य में वृद्धि होवे चांदी स्वर्ण लोहा तेज हो प्रजा सुखी हो।

गोचर ग्रहाः

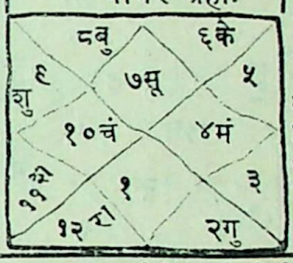

३१पं.का.शु.८श.इ.३३/९०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	१	८	१०	११	६
२३	७	१५	२५	३	१८	१०	२२
३०	२५	४	३१	१८	२२	२	५९
४०	३५	४१	३७	३२	२३	२९	१४
६०	२२	७४	३५/९०	७०	२९/९०	३	६०
१७	२२	३१	व.	४१	व.	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	श	४१	२६	कृ	३१	२५	प	४३	१९	बा	१५	४७	३६	४९/९०	५९	२५	१३	१६	वृषे	वृश्चिकेऽर्कः०।४०(सौरः३०।३५)
२	र	३४	४४	रो	२६	२	शि	३४	२८	तै	८	५	३०	४२	१८	२६	१४	१७	मि५४।८	
३	चं	२९	३७	मृ	२२	१४	सि	२७	०	व	२	१०	२७	४३	१७	२७	१५	१८	मिथुने	भ.१०उ.३७या.पूषा.शुक्रः०चतुर्थीव्र.
४	मं	२६	२६	आ	२०	११	सा	२०	५७	बा	२६	२६	२५	४३	१७	२८	१६	१९	मिथुने	अनु.रविः१९।०(सौरः४७।२३)
५	बु	२५	३२	पु	२०	२७	शु	१६	३९	तै	२५	३२	२२	४४	१६	२९	१७	२०	क.५।२३	
६	गु	२६	४०	पु	२२	३७	शु	१३	५२	व	२६	४०	१९	४४	१६	३०	१८	२१	कर्के	भ.२६।४०उ.५८।१८या.पातस्पर्शः ×
७	शु	२९	५६	श्ले	२६	५३	व्र	१३	६	ब	२९	५६	१७	४५	१५	१	१९	२२	सिं२६।५३	भो.मार्गशीर्षारंभः
८	श	३४	३९	म	३२	३२	एं	१३	१४	बा	२	१७	१४	४५	१५	२	२०	२३	सिंहे	[×३४।३२पातमोक्षः४९।७
९	र	४०	४२	पू	३९	३७	वै	१४	३९	तै	७	४०	१२	४६	१४	३	२१	२४	क.५६।२७	
१०	चं	४६	५९	उ	४६	५९	वि	१६	३८	व	१३	५०	९	४६	१४	४	२२	२५	कन्यायां	भ.३०उ.५९या.बक्रीबुधः२२।५२
११	मं	५२	४५	ह	५४	४५	प्री	१८	४९	ब	१९	५२	७	४७	१३	५	२३	२६	कन्यायां	उत्पत्ति११व्र.
१२	बु	५९	५३	चि	६०	०	आ	२१	१४	कौ	२६	१९	५	४७	१३	६	२४	२७	तु.२८।२७	
१३	गु	६०	०	चि	२	९	सौ	२३	१८	ग	३२	४६	२	४८	१२	७	२५	२८	तुलायां	वक्रीरोहि.४गुरुः९।२६प्रदोषः
१३	शु	५	३९	स्वा	८	५८	शो	२४	४६	व	५	३९	०	४८	१२	८	२६	२९	वृ. ५९	भ.५।३९उ.३७।४९या.उषा.शुक्रः +
१४	श	९	५९	वि	१४	४०	अ	२५	२०	श	९	५९	२५	४८	१२	९	२७	३०	वृश्चिके	[+१४।४८बुधास्तःपश्चिमायां५६।३२
३०	र	१३	२३	अ	१९	१८	सु	२५	१	ना	१३	२३	५६	४९	११	१०	२८	१	वृश्चिके	दिसम्बर१२ता.३१

३२पं.मा.कृ.१श.इ.३३।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१	८	१०	११	७
०	९	२३	२४	११	१८	९	०
३३	२०	६	४७	३९	२०	४०	३
२२	६	३२	६	१४	२८	२४	१८
६०	१८	५७	३३/९०	७०	१०/९०	३	६०
३०	५१	१०	व.	४	मा	११	४०

३३पं.मा.कृ.८श.इ.३३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१	८	१०	११	७
७	१०	२८	२३	१९	१८	९	७
३७	४०	६	५६	५६	२४	१८	८
१६	३०	३२	१०	३१	११	८	५१
६०	१४	२०	३०/९०	६९	०	३	६०
४२	३०	१६	व.	१६	५९	११	५३

३४पं.मा.कृ.१४श.इ.३३/९०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१	८	१०	११	७
१४	११	२६	२३	२८	१८	८	१४
४२	२७	३०	१	९	३२	५२	१५
२९	५०	५०	८	४३	३५/९०	५२	३७
६०	९	३५/९०	५३	६८	१	३	६१
५०	१७	व.	व.	३३	३४	११	३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६			दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९८९स.२०२४
१	चं १५ २९	ज्ये २२ ४५	धृ २३ ५१	ब १५ २९	३५	४९	११	११	२९	२	ध.२२।४५ ज्येष्ठारविः २९ (सौरः ५ ६ मकरेशुक्रः ५२
२	मं १६ ३५	मू २५ १४	शू २१ ४९	कौ १६ ३१	५३	४९	११	१२	३०	३	धनुषि चंद्रदर्शनम्
३	बु १६ २३	पू २६ ३४	गं १८ ५३	ग १६ २३	५१	५०	१०	१३	१	४	म.४१।४० भ.४५।५४उ.जमादिलाखर६
४	गु १५ २५	उ २६ ५५	वृ १५ ४	वि १५ २५	४९	५०	१०	१४	२	५	मकरे भ.१५।२५या.
५	शु १३ ३३	श्र २६ ३४	ध्रु १० ४७	बा १३ ३३	४८	५०	१०	१५	३	६	कुं.५५।५६
६	श १० ४०	ध २५ १८	व्या ५ ४७	तै १० ४०	४६	५१	९	१६	४	७	कुंभे चंपा६
७	र ७ १२	श २३ १३	ह २ ३५	व ७ १२	४४	५१	९	१७	५	८	कुम्भे भ.१७उ.३५या.वक्रीअनु.बुधः४३।५०
८	चं ३ १	पू २० २५	सि ४६ २९	ब ३ १	४३	५१	९	१८	६	९	मी६।७
९	चं ५४ ५२	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०
१०	मं ५२ ७	उ १६ ४७	व्य ३८ ५३	तै २५ ०	४२	५२	८	१९	७	१०	मीने श्रवणेशुक्रः ५१।१३
११	बु ४५ ३९	रे १२ २५	व ३० ४५	व १८ ५३	४१	५२	८	२०	८	११	मे.१२।२५ भ.१८।५३उ.४५।३९या.बुधोदयः +
१२	गु ३८ ४२	अ ७ २८	प २२ ७	ब १२ १०	४०	५२	८	२१	९	१२	मेषे [+पूर्वस्यां ३८।२५मोक्षदा ११व्र.गीताजयं
१३	शु ३१ ४०	भ २६ ५४	शि १३ ९	कौ ५ ११	३९	५२	८	२२	१०	१३	वृ.१५।५७ प्रदोषः
१४	श २४ ४३	रो ५२ २५	सि २३ ५१	व २४ ४३	३९	५२	८	२३	११	१४	वृषे भ.२४।४३उ ५१।३९या.दत्तजयंती
१५	र १८ ३५	मृ ४८ ३७	शु ४८ २६	बं १८ ३५	३९	५२	८	२४	१२	१५	मि२०।३१ मूलेधनुष्यर्कः ३६ (सौरः ५९ वक्रीभौमः ३९

३५पं.मा.शु.६श.इ३३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१	९	१०	११	७
२१	११	१८	२२	६	१८	८	२१
४८	३९	१७	४	१७	४६	३३	२३
३२	१४	२८	१२	३	१	४७	१८
६०	२	९४ ५६	५२	६७	२	३	६१
५६	४१	व.	व.	३२	२२	११	११

गोचर ग्रहाः

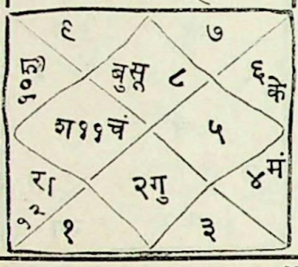

मार्गशीर्षकृष्णे १ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्या दिभावेसमता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

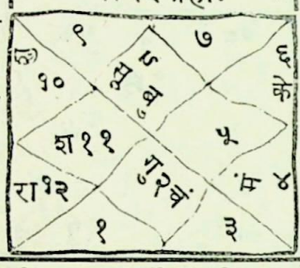

३६पं.मा.शु.१४श.इ.३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१	९	१०	११	७
२८	११	१२	२१	१४	१९	८	२८
५५	९	१४	७	१८	४	११	३२
२६	४३	३५	२३	१९	१९	२१	१
६१	१	१४३	५७	६६	३	३	६१
०	५५	व.	व.	२३	९	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६			बि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	चं १३ ३३	आ ४५ ४६	शु ४१ ४८	कौ १३ ३३	३५	५९	८	२५	१३	१६	मिथुने मार्गीबुधः २०।४४
२	मं १० ४	पु ४४ ४७	ब्र ३६ २८	ग १० ४	३८	५२	८	२६	१४	१७	क.३०।२ भ.३९।१६उ.
३	बु ८ २८	पु ४५ ४०	ऐं ३२ ४३	वि ८ २८	३७	५३	७	२७	१५	१८	कर्के भ.८।२८या.चतुर्थीव्र.
४	गु ८ ४४	श्ले ४८ ४०	वै ३० ३३	बा ८ ४४	३७	५३	७	२८	१६	१९	सिं४८।४०
५	शु ११ ६	म ५३ २४	वि २९ ३४	तै ११ ६	३६	५३	७	२९	१७	२०	सिंहे
६	श १५ ४	पू ५९ ३१	प्री २९ ५८	ब १५ ४	३६	५३	७	३०	१८	२१	सिंहे भ.१५।४उ.४७।५३या.
७	र २० ४३	उ ६० ०	आ ३१ ३७	ब २० ४३	३६	५३	७	१	१९	२२	कं.१६।१३ ध्रनि.शुक्रः ३७।३२भा.पौषारंभः
८	चं २६ ४९	उ ६ २९	सौ ३३ ३२	कौ २६ ४९	३६	५३	७	२	२०	२३	कन्यायां वक्रीरोहि.३गुरुः १३।१७
९	मं ३३ २६	ह १४ ८	शो ३५ ५३	तै ० ७	३७	५३	७	३	२१	२४	तु.४७।५१ ज्येष्ठायांबुधः ३१।३९
१०	बु ३९ ४०	चि २१ ३३	अ ३८ २	व ६ ३३	३७	५३	७	४	२२	२५	तुलायां भ.६।३३उ.३९।४०या.
११	गु ४५ २१	स्वा २८ ४५	सु ३९ ३७	ब १२ ३०	३७	५३	७	५	२३	२६	तुलायां सफला ११व्र.
१२	शु ४९ ४०	वि ३४ ३४	ध्रु ४० १९	कौ १७ ३०	३८	५२	८	६	२४	२७	वृ.१८।७
१३	श ५२ ४७	अ ३९ ७	शू ४० ५	ग २१ १३	३८	५२	८	७	२५	२८	वृश्चिके भ.५३उ.पूषा.रविः ४१ कुंभेशुक्रः ३६प्रदोष
१४	र ५४ १०	ज्ये ४२ १८	गं ३८ ३३	वि २३ २८	३९	५२	८	८	२६	२९	ध ४२।१८ भ.२३या.पूषा.रविः सौरः ४५ पूभा १ ×
२०	चं ५४ ११	मू ४४ ३	बृ ३५ ५४	च २४ १०	४०	५२	८	९	२७	३०	धनुषि [×शनिः ३१।५७

३७पं.पौ.कृ.६श.इ.३२।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	१	९	१०	११	८
६	१०	१४	२०	२२	१९	७	५
३	१	३३	१२	९	२७	४९	४१
०	८	३८	२२	५४	५८	६	२६
६१	१२	४३	२७	६४	३	३	६१
४	व.	मा.	व.	५८	४४	११	२२

गोचर ग्रहाः

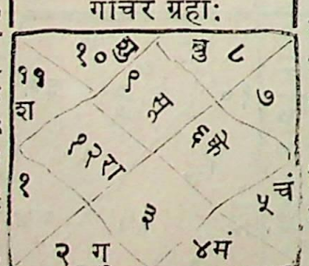

मार्गशीर्ष शुक्ळे १५ रवौधनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.२न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादि भावें समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

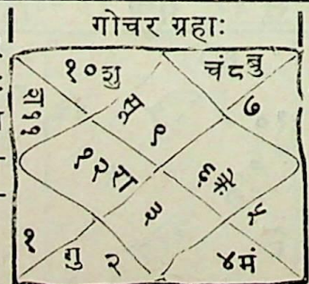

३८पं.पौ.कृ.१३श.इ.३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	१	९	१०	११	८
१३	८	२१	१९	२९	१९	७	१२
१०	१४	२७	२२	५३	५५	२६	५१
५९	४६	३६	१६	४२	३७	५०	१८
६१	१९ ४३	६८	३५ ६	६३	४	३	६१
६	व.	२८	व.	२३	२६	११	२६

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५०१८स.२०२४
१	मं	५२	४७	पू	४४	२४	धृ	३२	८	किं	२३	२९	२५	५६	५	१० २८ ३१	म.५६।१४
२	बु	५०	२७	उ	४३	४४	व्या	२७	३२	बा	२१	३७	४२	५२	८	११ २९ १	मकरे चंद्रदर्शनम्जनवरी१ता.३१सन्२०२५
३	गु	४७	७	श्र	४२	७	ह	२२	७	तै	१८	४७	४३	५१	९	१२ १ २	मकरे रज्जव७
४	शु	४३	८	ध	३९	४९	व	१५	५७	व	१५	७	४४	५१	९	१३ २ ३	कुं.१०।५८ भ.१५।७उ.४३।८या शतेशुक्रः५१।५
५	श	३८	५१	श	३७	८	सि	९	३६	ब	१०	५९	४५	५१	९	१४ ३ ४	कुम्भे मूलेधनुषिबुधः११।५६
६	र	३४	१४	पू	३४	१२	व्य	१३	५२	कौ	६	३२	४७	५१	९	१५ ४ ५	मी१९।५६
७	चं	२९	३४	उ	३१	५	प	४८	५९	ग	१	५४	४८	५०	१०	१६ ५ ६	मीने भ.२९।३४उ.५७।२या.
८	मं	२४	३१	रे	२७	४९	शि	४१	५०	ब	२४	३१	५०	५०	१०	१७ ६ ७	मे.२७।४९
९	बु	१९	२८	अ	२४	२८	सि	३४	२५	कौ	१९	२८	५३	५०	१०	१८ ७ ८	मेषे
१०	गु	१४	१४	म	२०	५५	सा	२७	२	ग	१४	१४	५३	४९	११	१९ ८ ९	वृ.३५।३ भ.४२।६उ.
११	शु	९	५९	कृ	१७	२५	शु	१९	४८	वि	९	५९	५५	४९	११	२० ९ १०	वृषे भ.५९या.उषा.रविः४६पुत्रदा११व्र.
१२	श	३	५८	रो	१४	१	शु	१२	४९	बा	३	५८	५७	४९	११	२१ १० ११	मि४२।३९ उषा.रविःसौरः२।१२प्रदोषः
१३	श	५५	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० [×राहुःउभा.३केतुः१६।११
१४	र	५५	३४	मृ	११	१७	ब्र	६	१३	ग	२७	३०	५९	४८	१२	२२ ११ १२	मिथुने भ.५५।३४उ.वक्रीपुन.भौमः२।४६ ×
१५	चं	५२	५३	आ	९	२५	ऐं	५	५५	वि	२४	१३	२६	४८	१२	२३ १२ १३	क.५३।५३ भ.२६या.पूषा.बुधः३८मा.स्ना.प्रा.

३९पं.पौ.शु.५श.इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१	१०	१०	११	८
२०	६	०	१८	७	२०	७	२०
१९	२	२७	३७	२२	२७	४	१
५	५०	३०	३०	२६	३६	३४	१५
६१	३६	८१	४१	६१	४	३	६१
६	व	३	व	१७	५५	११	२६

गोचर ग्रहाः

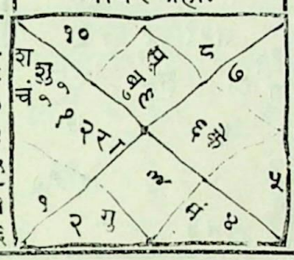

इस मास में वदि में धान्य गल्ला धातु रस तेज होवे सुदि में चाँदी सोना रुई सण तिल मंदे होवेगें ।

गोचर ग्रहाः

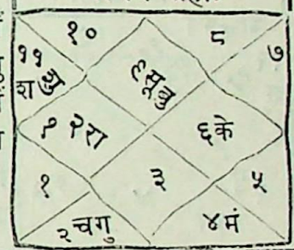

४०पं.पौ.शु.१२श.इ. ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१	१०	१०	११	८
२७	३	१०	१८	१४	२१	६	२७
२७	३५	२०	०	३५	३	४२	११
७	५३	२०	५८	४२	११	१९	७
६१	३१	८९	२९	५८	५	३	६१
६	व	०	व	४१	२५	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	मं	५१	३४	पु	८	४२	वि	५१	७	बा	२२	१३	२६	४७	६	१३ २४ १३ १४	कर्के मकरेऽर्कः२।२९(सौरः१७।३९)
२	बु	५१	५०	पु	९	३१	प्री	४८	२९	तै	२१	४२	६	४७	१३	२५ १४ १५	कर्के
३	शु	५३	५२	श्ले	११	३८	आ	४६	५९	व	२२	५१	८	४६	१४	२६ १५ १६	सिं११।३८ भ.३२उ.५३या.पूभा.शुक्रः५७।३८
४	शु	५७	१४	म	१५	३५	सौ	४६	४०	ब	२५	३३	११	४६	१४	२७ १६ १७	सिंह चतुर्थीव्र.
५	श	६०	०	पू	२०	५३	शो	४७	४०	कौ	२९	५१	१३	४५	१५	२८ १७ १८	कं.३७।३३
५	र	२	२८	उ	२७	३४	अ	४९	११	तै	२	२८	१६	४५	१५	२९ १८ १९	कन्यायां ×वक्रीमिथुनेभौमः३६बुधास्तःपूर्वस्यां५७
६	चं	८	१८	ह	३४	५२	सु	५१	२३	व	८	१८	१९	४४	१६	३० १९ २०	कन्यायां भ.१८उ.३१या.अभि.प्र.रविः३७।५ A
७	मं	१४	४३	चि	४२	२२	धृ	५३	३७	ब	१४	४३	२१	४४	१६	१ २० २१	तु.८।३७ भा.माघारभः [A(सौरः४९।०)×
८	बु	२१	१०	स्वा	४९	४०	शू	५५	४१	कौ	२१	१०	२४	४३	१७	२ २१ २२	तुलायां उषा.बुधः३१७पातस्पर्शः४३०पातमोक्षः ५५९
९	गु	२७	७	वि	५६	१०	गं	५६	५२	ग	२७	७	२७	४३	१७	३ २२ २३	वृ.३९।३२ भ.५९।२६उ.श्रवणे रविः५१।४२
१०	शु	३१	४६	अ	६०	०	वृ	५६	५९	वि	३१	४६	२९	४२	१८	४ २३ २४	वृश्चिके भ.३१या.श्रवणेरविःसौरः५९अभि.नि. =
११	श	३४	५९	अ	१	१७	ध्रु	५५	५१	ब	३	२२	३२	४२	१८	५ २४ २५	बृश्चिके षट्तिला११व्र.
१२	र	३६	२३	ज्ये	५	१	व्या	५३	२८	कौ	५	४१	३५	४१	१९	६ २५ २६	ध.५।१ [=रविः५३(सौरः५६मकरेबुधः ३०।३७
१३	चं	३६	४	मू	६	४९	ह	४९	३३	ग	६	१३	३८	४०	२०	७ २६ २७	धनुषि भ.३६।४उ. प्रदोषः
१४	मं	३३	४७	पू	६	५५	व	४५	२४	वि	४	५५	४१	४०	२०	८ २७ २८	म.२१।३२ भ.४।५५या.मीनेशुक्रः१।०
३०	बु	३०	१५	उ	५	२३	सि	३८	३	च	२	१	४५	३९	२१	९ २८ २९	मकरे

४१ .मा.कृ. ५श. इ. ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	१	१०	१०	११	९
४	१	२०	१७	२१	२१	६	४
३४	६	४६	३२	२७	४२	२०	२०
४९	४७	१२	४२	३६	२२	३	३६
६१	३१	९५	३३	५५	५	३	६१
३	व	२९	व.	२५	५०	११	१९

गोचर ग्रहाः

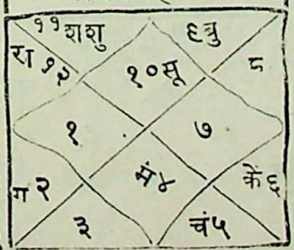

माघ कृष्णे १ भौमे मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्या दिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

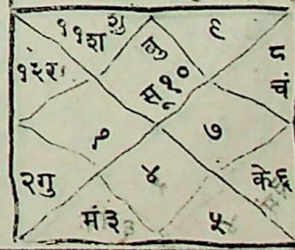

४२पं.मा.कृ.११श.इ. ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	१	१०	१०	११	९
११	२८	१	१७	२७	२२	५	११
४२	४७	४३	१२	५३	२४	५७	२९
२९	४२	५५	५४	४६	२२	४८	२७
६०	३३	०	१८	५१	६	३	६१
५९	व.	४२	व	१	१४	११	१३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. माघ शुक्लपक्षः सं.२०८१ शाकः १९४६ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५०४८स.२०२५

१	गु	२५	१८	अ	३४	५६	व्य	३१	७	व	२५	१८	२६	६	३८	३२	१०	२९	३०	कुं.३१।२२	श्रवणेबुधः४२।२९
२	शु	१९	३६	श	५४	३९	व	२३	७	कौ	१९	३६	५१	३८	२२		११	३०	३१	कुंभे	उभा.शुक्रः५९।२० चंद्रदर्शनम्
३	श	१३	३८	पू	५०	७	प	१५	५	ग	१३	३८	५४	३७	२३		१२	१	१	मी३६।१५	भ.४०।३५उ.फेंदरी२ता.२८सावान८
४	र	७	३३	उ	४६	०	शि	६	५४	वि	७	३३	५८	३६	२४		१३	२	२	मीने	भ.७।३३या.
५	चं	१	३२	रे	४१	५३	सा	५१	२४	बा	१	३२	२७	३६	२४		१४	३	३	मे.४१।५३	मार्गीगुरुः३९पूभा.२शनिः५३वसंत५ [=भानु७रथ७
६	चं	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	मेषे	
७	मं	५०	३४	अ	३८	२१	शु	४४	९	ग	२३	१०	५	३५	२५		१५	४	४	मेषे	भ.५८उ.पातस्पर्शः२२पातमोक्षः३३=
८	बु	४५	४४	भ	३५	४	शु	३७	४	वि	१८	९	८	३४	२६		१६	५	५	वृ.४९।२६	भ.१८।९या. भीष्माष्टमी
९	गु	४१	२६	कृ	३२	३१	ब्र	३०	३८	बा	१३	३५	१२	३४	२६		१७	६	६	बृषे	धनि.रविः०(सौरः१९)
१०	शु	३७	५०	रो	३०	२२	ऐं	२४	३५	तै	९	३८	१५	३३	२७		१८	७	७	मि५९।४०	धनि.बुधः२९।२३
११	श	३४	५०	मृ	२८	५९	वै	१९	९	व	६	२०	१९	३२	२८		१९	८	८	मिथुने	भ.६।२०उ.३४।५०या.जया११व्र.
१२	र	३२	२२	आ	२८	२०	वि	१४	१९	ब	३	३६	२३	३१	२९		२०	९	९	मिथुने	[×(सौरः४४)मा.स्ना.पूर्तिः
१३	चं	३१	६	पु	२८	४२	प्री	१०	७	कौ	१	४४	२७	३१	२९		२१	१०	१०	क.१३।३६	प्रदोषः
१४	मं	३०	५८	पु	३०	४	आ	६	४९	ग	१	२	३०	३०	३०		२२	११	११	कर्के	भ.३०।५८उ.कुंभेबुधः९।३८
१५	बु	३१	४८	श्ले	३२	४७	सौ	४	२३	वि	१	२३	२४	२९	३१		२३	१२	१२	सिं३२।४७	भ.१।२३या.कुंभेऽर्कः३५।१६×

४३पं.मा.शु.३श.इ. ३२/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	१	११	१०	११	९
१८	२६	१३	१७	३	२३	५	१८
४९	४८	११	३	४५	९	३५	३७
१	११	४९	४३	२५	४	२२	३४
६०	२४/१३	०	२३	४५	६	३	६१
५५	व.	२७	व.	४५	२९	११	४

गोचर ग्रहाः

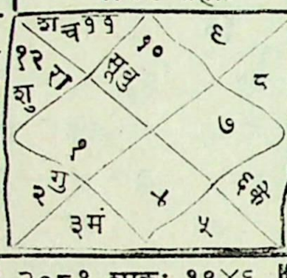

माघ शुक्ले १५ बुधे कुंभेऽर्कःप्रविष्टःवा.२ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

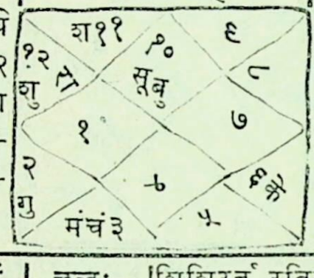

४४पं.मा.शु.११श.इ.३२/४०

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	१	११	१०	११	९
२५	२५	२५	१७	८	२३	५	२५
५४	१३	१५	४	५०	५५	१३	४४
५०	४८	१४	५५	२८	३४	१६	२१
६०	१६/४९	८	५३	३८	६	३	६०
४७	वै.	५८	मा	२४	४४	११	५५

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शिशिरर्तु रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.

१	गु	३४	१४	म	३६	३२	शो	३	३०	बा	३	१	२७	६	५८	३२	२४	१३	१३	सिंहे	
२	शु	३७	५०	पू	४१	२९	अ	२	४९	तै	६	२	४१	२८	३२		२५	१४	१४	कं.५८।५	शते.बुधः५०।१०
३	श	४२	५३	उ	४७	५३	सु	३	३२	व	१०	२१	४५	२७	३३		२६	१५	१५	कन्यायां	भ.१०।२१उ.४२।५३या.
४	र	४८	२३	ह	५४	५४	धृ	४	५७	ब	१५	३८	४९	२६	३४		२७	१६	१६	कन्यायां	चतुर्थी व्र.
५	चं	५४	४६	चि	६०	०	शू	६	४९	कौ	२१	३४	५३	२५	३५		२८	१७	१७	तु.२८।४१	पातस्पर्शः२७।५पातमोक्षः३८।३५
६	मं	६०	०	चि	२	२८	गं	९	२	ग	२८	३	५६	२५	३५		२९	१८	१८	तुलायां	
६	बु	१	२०	स्वा	१०	०	वृ	११	२२	व	१	२०	२८	२४	३६		३०	१९	१९	तुलायां	भ.३०उ.३४या.शते.रविः३९(सौरः२९)
७	गु	७	३७	वि	१७	१६	धु	१३	२५	ब	७	३७	४	२३	३७		१	२०	२०	वृ.०।२७	भा.फाल्गुनारंभः
८	शु	१२	४६	अ	२३	१८	व्या	१४	२०	कौ	१२	४६	८	२२	३८		२	२१	२१	बृश्चिके	
९	श	१६	३७	ज्ये	२७	५४	ह	१४	१३	ग	१६	३७	१२	२२	३८		३	२२	२२	ध.२७।५४	भ.४७।३८उ.पूभा बुधः३।२०
१०	र	१८	४०	मू	३०	५०	व	१२	४७	वि	१८	४०	१६	२१	३९		४	२३	२३	धनुषि	भ.१८।४०या.अस्तंशनेः७।५९
११	चं	१८	४७	पू	३१	४७	सि	९	४४	बा	१८	४७	२०	२०	४०		५	२४	२४	म.४६।२९	मार्गीभौमः४२।२२विजया११व्र.
१२	मं	१६	४९	उ	३०	३७	व्य	७	५३/५३	तै	१६	४९	२४	१९	४१		६	२५	२५	मकरे	बुधोदयःपश्चिमायां८।३ प्रदोषः
१३	बु	१३	८	श्र	२७	५१	प	५१	३३	व	१३	८	२८	१८	४२		७	२६	२६	कुं.५५।४३	भ.१३।८उ.४९या.महाशिवरात्री व्र.स्मा.
१४	गु	७	२९	ध	२३	३४	शि	४२	५६	श	७	२९	३२	१८	४२		८	२७	२७	कुंभे	मीनेबुधः३३ महाशिवरात्री व्र.वै.
३०	शु	०	३४	श	१८	४	सिं	३३	४०	ना	०	३४	२६	१७	४३		९	२८	२८	मी५८।३५	

४५ पं.फा.कृ.३श.इ. ३३/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	१	११	१०	११	१०
२	२४	७	१७	१२	२४	४	२
५९	११	५९	१५	५५	४४	५१	५०
४२	१३	४२	३६	३५	१७	१	२४
६०	१६/४९	८	२	२८	७	३	६०
३७	वै.	२८	१२	५७	२०	११	४२

गोचर ग्रहाः

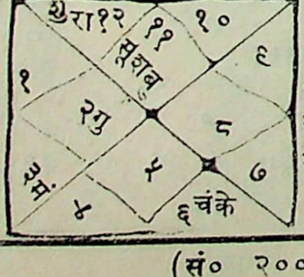

इस मास में वदि में धान्य धातु तेज हो सुदि में धान्य गल्ला गुड़ शक्कर तेल घृत मंदा हो।

गोचर ग्रहाः

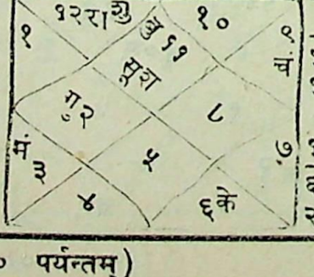

४६पं.फा.कृ.९श.इ. ३३/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	१	११	१०	११	१०
१०	२३	२०	१७	१५	२५	४	९
३	४५	५५	३६	४१	३४	२८	५४
१४	०	८	२९	४९	१	४५	५७
६०	१५०	०	३	१६	७	३	६०
२५	व.	२१	३७	३८	८	११	३१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५०७८स.२०२५

१	शु	५२	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=फुलरिया२
२	श	४४	५३	पू	१२	६	सा	२४	८	बा	१८	५३	२८	६	१६	५	१० २९ १ मीने उभा.बुध:३
३	र	३७	२	उ	५०	५४	शु	१४	३९	तै	१०	५७	४४	१५	४५	११	१ २ मे.५९।५२ वक्रीशुक्र:६।३३रमजान९
४	चं	२९	२६	अ	५४	३६	शु	८	५५	व	३	१४	४८	१४	४६	१२	२ ३ मेषे भ.३
५	मं	२२	३३	भ	५०	१	ऐं	४८	३५	बा	२२	३३	५२	१४	४६	१३	३ ४ मेषे पूभा.रवि:२७।३४(सौर:३४।५३)
६	बु	१७	१९	कृ	४६	३२	वै	४१	३१	तै	१७	१९	५६	१३	४७	१४	४ ५ वृ.४।९
७	गु	११	४४	रो	४४	२२	वि	३५	१६	व	११	४४	२९	१२	४८	१५	५ ६ वृषे भ.११।४४उ.३९।५४या.
८	शु	८	४	मृ	४३	११	प्री	२९	५७	ब	८	४	५	११	४९	१६	६ ७ मि१३।४६ होलाष्टकम्
९	श	५	३०	आ	४३	८	आ	२५	४०	कौ	५	३०	९	१०	५०	१७	७ ८ मिथुने
१०	र	४	२	पु	४४	१०	सौ	२२	१३	ग	४	२	१३	९	५१	१८	८ ९ क.२८।५३ भ.३३।५५उ.
११	चं	३	४९	पु	४६	३८	शा	१९	४४	वि	३	४९	१७	९	५१	१९	९ १० कर्के भ.३।४९या.आमलकी११व्र.
१२	मं	४	४९	श्ले	४९	५७	अ	१८	१३	बा	४	४९	२१	८	५२	२०	१० ११ सिं४९।५७ प्रदोषः
१३	बु	६	४८	म	५४	२२	सु	१७	४३	तै	६	४८	२६	७	५३	२१	११ १२ सिंहे [×वक्रीबुधः३७।११छारेंडी
१४	गु	९	५९	पू	५९	३७	धृ	१७	२६	व	९	५९	३०	६	५४	२२	१२ १३ सिहे भ.५९उ.४२या.होलिकादहनम् भद्रोत्तरम्
१५	शु	१४	१	उ	६०	०	शू	१८	२९	ब	१४	१	३४	५	५५	२३	१३ १४ कं.१६।१५ मीनेऽर्कः२८।२४(सौर:३५।१४)×

४७पं.फा.शु.२श इ.३३।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	११	१	११	१०	११	१०
१७	२३	३	१८	१६	२६	४	१६
५	५१	१५	५	३५	२५	६	५७
२८	१०	११	५६	३६	१	३०	५२
६०	४	९७	४	१	७	३	६०
१२	मा	५३	४८	२०	१४	११	२०

गोचर ग्रहाः

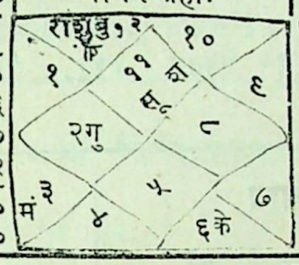

फाल्गुनशुक्ले १५शुक्र मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.३ कुमारावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

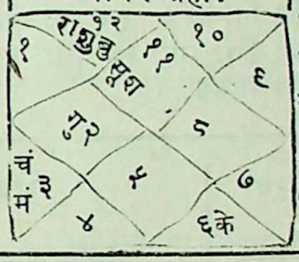

४८पं.फा.शु.९श.इ.३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	११	१	११	१०	११	१०
२४	२४	१२	१८	१५	२७	३	२३
६	३०	२०	४४	५०	१६	४४	५९
१४	७	५३	१०	३८	४४	१४	१५
५९	९	६२	५	१५	७	३	६०
५८	४८	३१	५९	व.	२०	११	६

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.

१	श	१९	१६	उ	६	११	गं	१९	४९	कौ	१९	१६	२९	६	५६	२४	१४ १५ कन्यायां वसंत१ [+बुधास्तःपश्चिमायां४
२	र	२५	१	ह	१२	५३	वृ	२१	४९	ग	२५	१	४३	३	५७	२५	१५ १६ तु.४६।३० भ.५८उ.पूभा.४राहुःउफा.२केतुः
३	चं	३१	१६	चि	२०	२३	धु	२४	१	वि	३१	१६	४७	३	५७	२६	१६ १७ तुलायां भ.३
४	मं	३७	३८	स्वा	२८	१	ष्या	२६	२६	ब	४	२७	५१	२	५८	२७	१७ १८ तुलायां [÷चतुर्थी व्र.
५	बु	४३	५५	वि	३५	३२	ह	२८	४५	कौ	१०	४७	५५	१	५९	२८	१८ १९ वृ.१८।३९ रोहिणी४गुरुः३४।५२
६	गु	४९	२९	अ	४२	१९	व	३०	२८	ग	१६	४२	०	०	०	२९	१९ २० वृश्चिके भ.४९।२९उ.
७	शु	५३	५८	ज्ये	४८	५	मि	३१	१६	वि	२१	४३	४	५५	१	३०	२० २१ ध.४८।५ भ.२
८	श	५६	५६	मू	५२	२०	व्य	३१	२	बा	२५	२७	८	५८	२	१	२१ २२ धनुषि भा.चैत्रारंभः [–शीतलापूजनम्
९	र	५८	१३	पू	५४	५२	व	२९	३०	तै	२७	३४	१२	५८	२	२	२२ २३ धनुषि [A११व्र.स्मा.
१०	चं	५७	१७	उ	५५	२३	प	२६	१६	व	२७	४५	१६	५७	३	३	२३ २४ म.१०।० भ.२७।४५उ.५७।१७या.
११	मं	५४	२५	श्र	५३	५२	शि	२१	३१	ब	२५	५१	२१	५६	४	४	२४ २५ मकरे शुक्रोदयःपूर्वस्यां२१।३६ पापमोचनीA
१२	बु	४९	३२	ध	५०	२४	सि	१५	५	कौ	२१	५८	२५	५५	५	५	२५ २६ कुं.२२।८ पापमोचनी११व्र.वै.
१३	गु	४२	४५	श	४५	१३	सा	७	५०	ग	१६	८	२९	५४	६	६	२६ २७ कुंभे भ.४२।४५उ. प्रदोषः
१४	शु	३४	३५	पू	३८	४६	शु	४८	३	वि	८	४०	३३	५३	७	७	२७ २८ मी२४।५३ भ.८।४०या.
१५	श	२५	४०	उ	३१	३८	व्र	३७	२३	च	०	७	३७	५३	७	८	२८ २९ मीने उदयंशने:४३।५७

४९पं.चै.कृ.१श.इ.३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	१	११	१०	११	११
१	२५	१५	१९	१२	२८	३	०
५	४१	२७	३०	५५	८	२१	५८
३१	१०	०	४०	४८	५३	५८	५७
५९	१४	९	५०	६	२९	७	३	५९
४१	३२	व.	५२	व.	२०	११	४९

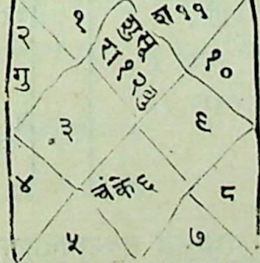

५०पं.चै.कृ.८श.इ.३४।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	१	११	१०	११	११
८	२७	१२	२०	८	२९	२	७
३	१३	८	२४	४५	०	५९	५६
१८	२६	६	४	४	२९	४३	५२
५९	१७	३९	८	२७	७	३	५९
२९	५५	व.	२	व.	१४	११	३५

५१पं.चै.कृ.३०श.इ.३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	१	११	१०	११	११
१४	२९	६	२१	४	२९	२	१४
५९	१०	१२	२४	२८	५१	३७	५३
१०	५२	३६	४	३०	२२	२७	३
५९	२१	४७	८	३१	७	३	५९
१६	१	व.	५३	व.	८	११	१८

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२६, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२६, भोग्यकलिः४२६८७४, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८२, शाकः १९४७, अथास्मिन् वर्षे राजा रविः । मंत्री रविः । सस्येशः बुधः । धान्येशःचंद्रः । मेघेशः रविः। रसेशः शुक्रः । नीरसेशः बुधः । फलेशः शनिः । धनेशः भौमः।दुर्गेशःशनिः।एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्येरुद्रविंशतिकायां १३सिद्धार्थनाम संवत्सरः प्रवर्तते।तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः १।१८।४०।२०।१२ भोग्यमासादिः १०।११।१९।३९।४८ नासत्यदैवतं युग। तत्रवर्षनाम कार्तिकः । मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासःसंधौ । समयनिवासो वणिकगृहे । समय विश्वा १२ समयवाहनमश्वः । स्तंभाः ३ जलतृणवायूनां।सोमवत्यमानास्ति सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी १भानुसप्तमी २बुधाष्टमीनास्ति रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३६० समयदिनानि ३५५ तिथिक्षयः १५, तिथिवृद्धिः१० उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा ११ धान्यम् ११ तृणम् ५, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १११, शनिदृष्टिरुत्तरे । सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहणे २चंद्रमसः ।

सं.२०८२ भाद्रपद शु. १५ रवौ खग्रास चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.सं.	म.	उ.	मो.
घ.	९ १०	११	१२	१
मि.	५५ ५७	४०	२३	२५
घ.	३८ ४१	४३	४४	४७
प.	४० १६	३	५०	२६

फाल्गुन शु. १५ भौमे खग्रास ग्रस्तोदयं च चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	३	५	६
मि.	१५	१	४७

वर्ष लग्नम् ४।१९

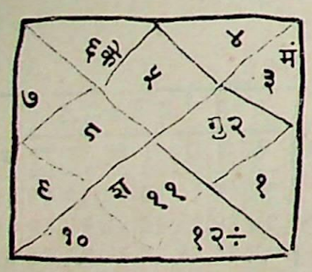

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे नम्र हो अंबा के दरबार ।
बैयासी की साल में करके कहो बिचार ।।

भवानी उत्तर

माता कहे पुकार के सुन हो भैरव लाल ।
बैयासी की साल में मध्यम निपजे माल ।।
रविराजा इण वर्ष में आप भये परधान ।
अन्न विदेशां आयसी वर्षा की हो हाण ।।
समय निवासो वैंश्यघर दिनमणी है मेघेश ।
जौ गेंहं संचय करो होसी लाभ विशेष ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
शर्मा कहे विचार के भजन करो करतार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ९।१८

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।३।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।११।३१

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा रविः फलम् ।। सूर्ये नृपे स्वल्प फलाश्चमेघाः स्वल्पं पयो गोषु जनेषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्प वृक्षाश्चौराग्नि बाधा निधनं नृपाणाम् ।। मंत्रि रविः फलम् ।। नृप भयं गदतोपिहितस्करात्प्रचुर धान्य धनादि महीतले रसचयं हि समर्घतमं तदा रविरमात्य पदं हि समागतः ।। सस्येशः बुधः फलम् ।। जलधरा जलराशि मुचो भृशं सुखसमृद्धि युतं निरुपद्रवं । द्विजगणाः स्तुति पाठकराः सदा प्रथम सस्यपतौ सतिबोधने ।। धान्येशश्चंद्रस्तत्फलं-चंद्रे धान्याधिपे जाते प्रजावृद्धिः प्रजायते । गोधूमा सर्षपाश्चैव गोषुक्षीरं तदा बहुः ।। मेघेशः रविः फलम् ।। जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनता रसम् । यव चणेक्षु नीवार सुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशःशुक्रःफलं ।। यजन याजनकोत्सवउत्सुका जनपदा जल तोषित मानसाः । सुख सुभिक्ष सुमोदवती धरा धरणीपाहृत पापगण प्रियाः नीरसेशः बुधस्तत्फलम् ।। चित्र वस्त्रादिकञ्चैव शंख चंदन पूर्वकम् । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधोयदि ।। फलेशः शनिः फलम् ।। यदि शनिः फलपः फलहा भवेज्जनित पुष्प गणस्य द्रुमः सदा । हिमभयं वर तस्कर जन्तुभिः जनपदो गद राशि महाकुलः ।। धनेशो भौमः फलम् ।। असम मौल्य करो धरणी सुतः शरदि तापकरस्तुष धान्य हृत् । सहसि मासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जन शोक विधायकः ।। दुर्गेशः शनिः फलम् ।। रविसुते गढ़ पालिनि विग्रहैः सकल देश गताश्चलिता जनाः । विविध वैरि विशेषित नागराः कृषि धनं शलभैर्मुषितं भुवि ।। सिद्धार्थ नाम संवत्सरः फलम् ।। सिद्धार्थ वत्सरे भूयो ज्ञान वैराग्य युक् प्रजाः । सकला वसुधा भाति बहु हुसस्यार्घ वृष्टिभिः ।। वर्षनाम कार्तिकः फलं ।। स्यात्पीड़ा कार्तिके वर्षे वन्हि गावोपजीविनां । शस्त्राग्नेश्च भयं वृद्धिः पुष्पको शुंभजीविनां ।। मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्ते जल पूरिता । रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खण्ड वृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे फलम् ।। वणिक् गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८२ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णा १ चन्द्रे स्वात्यां ल.८ (गु.पू.सत्) रे.८।।।।।।ऽऽ।।

,, ३ बुधे अनु ल. ११ रे. ७ ।ऽ।।ऽअऽ।।।

शुक्ला २ भौमे रोहि ल. ८ (गु.चं.पूज्यौ) ल. ११ रे.८ ।।।।ऽचौऽ।।।

,, ३ बुधे मृगे ल.८ (गु.चं.पूज्यौ) रे.१० ।।।।।।।।।

,, ८ चन्द्रे मघा ल. गो. ८-११ रे. ७ ऽ।।।।ऽ।ऽ।

(वृश्चिकेगु.पू.)कुंभेचं.पू. गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १ भौमे अनु ल. ११ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

,, ५ शनौ उषा ल. गो. रे. ६ ।।।ऽबृ।ऽऽऽ।।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः पादाद्वेधाऽभावः

शुक्ला ६ रवौ मघा ल. १ (श.पू.) रे. ६ ऽ।।।।ऽरोऽऽ।।

,, ७ चन्द्रे मघा ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।

,, १२ शनौ स्वात्यां ल. १ (चं.श.पूज्यौ) रे. ६ ऽ।।।ऽऽनृ।।।ऽ घ. ४३ या परिघार्धम्

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १२ रवौ हस्ते ल. ४ रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।

शुक्ला २ शनौ मूले ल. ७ रे. ७ ।।।ऽबृ।ऽचौऽ।।।

पादतो वेधाऽभावः

,, ५ भौमे उषा ल. ऽन्यगो ४ रे. ६ ।ऽ।।ऽ।ऽऽ।।

गोधूल्यां सप्तमे भौमः । कर्के चन्द्रः ७ पूज्यः ।

,, १० रवौ उभा ल. गो. ४ रे. ७ ।।।।।।ऽऽ।ऽ

गोधूल्याँ सप्तमे भौमः

,, १४ गुरौ रोहि ल. ४ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ बुधे उफा ल. ७-६ (घ.४२-५उ) रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।। (धनुषि गु.७मे.पूज्यः)

,, ४ गुरौ उफा ल. गो. (सप्तमस्थो भौमः) रे. ७ ऽ।।।।ऽ।ऽ।।

,, ८ भौमे अनु ल. ऽन्यगो ७ रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णा ६ चन्द्रे अनु ल. ऽन्यगो (सप्तमे भौमः) रे. ७ ऽऽ।।।ऽचौ।।।।

,, ८ बुधे मूले ल. १० रे. ७ ।।।ऽबृ।ऽरो।ऽ।।

पादतो वेधाऽभावः

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः ५१०७स.२०२५
१	र १६ ११	रे	२४	११	ए	२६	४६	ब	१६ ११	३०/४१ ५/५२ ६/८ ९ २९ ३०	मे.२४।११	कर्केभौमः ५/५५पूभा ४मीनेशनिः ४/५७ चन्द्र=
२	चं ६ ४९	अ	१६	५२	वै	१६	२४	कौ	६ ४९	४५ ५१ ९ १० १ ३१	मेषे	रेवत्यांरविः १७/३(सौरः २३/१७) बुधोदयः×
३	चं ५१ ११	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ० ० ० ० ०	० ०	[=दर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः A
४	मं ४९ ५९	भ	१०	१४	वि	३/५	५/२	व	२३ ५९	४९ ५० १० ११ २ १	वृ.२३।५२	भ.२/५३ उ.४/५९ या.अप्रेल४ता.३०
५	बु ४३ २६	कृ	४	४६	आ	५०	१	ब	१६ ४२	५३ ४९ ११ १२ ३ २	वृषे	[×पूर्वस्यां ५/५७ वक्रीपूभा.शुक्रः ३/५६+
६	गु २८ १८	रो	०/४३	३/७	सौ	४	३०	कौ	१० ५२	५७ ४९ ११ १३ ४ ३	मि२९।३१	[+सव्वाल१०मत्स्यज.गणगौरी
७	शु ३४ ५८	आ	५७	३३	शो	३८	३१	ग	६ ३८	३/५ ४८ १२ १४ ५ ४	मिथुने	भ.३/५४ उ.वक्रीपूभा.बुधः ३/५७
८	श ३३ ८	पु	५८	१९	अ	३४	४७	वि	४ ३	५ ४७ १३ १५ ६ ५	क.४३।५	भ.४।३या. [Aसिंधारा
९	र ३३ २	पु	६०	०	सु	३२	२५	बा	३ ५	१० ४६ १४ १६ ७ ६	कर्के	रामनवमी
१०	चं ३४ ३०	पु	०	४०	धृ	३१	१०	तै	३ ४६	१४ ४५ १५ १७ ८ ७	कर्के	
११	मं ३७ ७	श्ले	४	२५	शू	३१	४	व	५ ४८	१८ ४४ १६ १८ ९ ८	सिं४।२५	भ.५/४८ उ.३/७या.मार्गबुधः ४/६÷
१२	बु ४१ ३	म	९	२१	गं	३१	४१	ब	९ ५	२२ ४४ १६ १९ १० ९	सिंहे	[÷कामदा११व्र.
१३	गु ४५ ४१	पू	१५	१३	बृ	३२	३८	कौ	१३ २२	२६ ४३ १७ २० ११ १०	कं.३१।५४	उभा.बुधः २/८मृग.१गुरुः ४/१४ प्रदोषः
१४	शु ५१ २५	उ	२१	५५	धु	३४	२८	ग	१८ ३३	३० ४२ १८ २१ १२ ११	कन्यायां	भ.५१।२५उ.पुष्येभौमः २३।२
१५	श ५७ ८	ह	२८	४८	व्या	३६	३१	वि	२४ १६	३४ ४१ १९ २२ १३ १२	कन्यायां	भ.२/४६या.मार्गशुक्रः ३/९हनुमज्जयंती

५२गं.चै.शु.८श.इ. ५/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	१	११	११	११	११
२१	१	३	२२	१	०	२	२१
५३	२८	२	३०	३०	४१	१५	४७
३१	२३	२०	०	४	२४	१२	१४
५९	२३	१७/३४	९	१७/३४	७	३	५९
४	४१	व	४२	व.	२	११	४

गोचर ग्रहाः

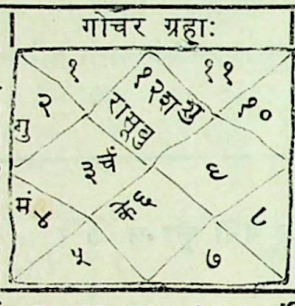

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य गल्ला धातु गुड़ शक्कर रुई वस्त्र तेज हो प्रजा में बिमारी फैले ।

गोचर ग्रहाः

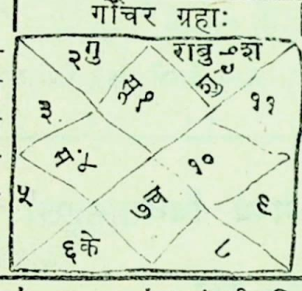

१ पं.वै.कृ१र.इ. ५/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	१	११	११	११	११
०	४	४	२३	०	१	१	२९
०	२९	३४	५२	२४	३९	४९	५३
०	२	८	४८	२२	५४	७	२९
५८	२६	२१	१०	१९/३	६	३	५८
४४	११	सा	३२	सा	४३	११	४५

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	र ६० ०	चि	३६	१७	ह	३८	५०	बा	३० १४	३१/३८ ५/४० ६/२०	२३ १४ १३	तु.२।३२	अश्वि.मेषेऽर्कः ५१।४(सौरः ५७।५०)
१	चं ३ २०	स्वा	४३	५७	व	४१	१०	कौ	३ २०	४२ ४० २०	२४ १५ १४	तुलायां	
२	मं ९ ३९	वि	५१	२२	सि	४३	३०	ग	९ ३९	४६ ३९ २१	२५ १६ १५	वृ.३४।२६	भ.४२।४१उ.
३	बु १५ ४२	अ	५८	१६	व्य	४५	२३	वि	१५ ४२	५० ३८ २२	२६ १७ १६	वृश्चिके	भ.१५।४२या. चतुर्थी व्र.
४	गु २१ ५	ज्ये	६०	०	व	४६	३९	बा	२१ ५	५३ ३७ २३	२७ १८ १७	वृश्चिके	
५	शु २५ ४१	ज्ये	४	३३	प	४७	११	तै	२५ ४१	५७ ३७ २३	२८ १९ १८	ध ४।३३	
६	श २९ ७	मू	९	४०	शि	४६	४०	व	२९ ७	२२/१ ३६ २४	२९ २० १९	धनुषि	भ.२९।७उ.
७	र ३१ १५	पू	१३	२८	सि	४४	५६	वि	० ११	५ ३५ २५	३० २१ २०	म.२९।२	भ.०।११या.
८	चं ३१ २८	उ	१५	४३	सा	४१	५२	बा	१ २१	९ ३४ २६	१ २२ २१	मकरे	भा.वैशाखारंभः
९	मं ३० ४	श्र	१५	५८	शु	३७	५	तै	० ४६	१२ ३४ २६	२ २३ २२	कुं.४५।१५	भ.५८।१८उ.
१०	बु २६ ३३	ध	१४	३२	शु	३०	५८	वि	२६ ३३	१६ ३३ २७	३ २४ २३	कुंभे	भ.२६।३३या.
११	गु २१ ९	श	११	३	ब्र	२३	११	बा	२१ ९	२० ३२ २८	४ २५ २४	मी५२।२०	वरुथिनी११व्र.
१२	शु १४ १४	पू	६/५५	३/३१	ऐं	१४	१७	तै	१४ १४	२३ ३१ २९	५ २६ २५	मीने	उभा.शुक्रः ५२।४९ प्रदोषः
१३	श ५ ५४	रे	५२	१६	वै	३/३	२/१	व	५ ५४	२७ ३१ २९	६ २७ २६	मे.५२।१२	भ.५।५४उ.३१।७या.
१४	श ५० २६	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	[–रेवत्यांबुधः ३०।०
३०	र ४६ २६	अ	४४	१०	प्री	४२	४६	च	२१ २३	३१ ३० ३०	७ २८ २७	मेषे	भरण्यांरविः ३१।१७(सौरः ३९।१५)–

२पं.वै.कृ.७र.इ.५१।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	१	११	११	११	०
६	७	९	२५	१	२	१	६
५०	१७	३२	९	३४	२६	२६	४३
४६	४६	२०	४०	४१	२८	५१	४०
५८	२८	४८	११	१७	६	३	५८
३१	१	१२	१०	३४	२८	११	२९

गोचर ग्रहाः

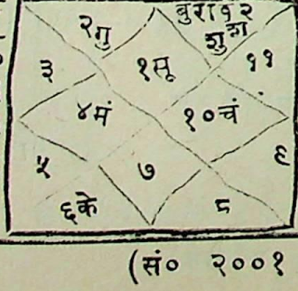

वैशाख कृष्णे १ रवौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

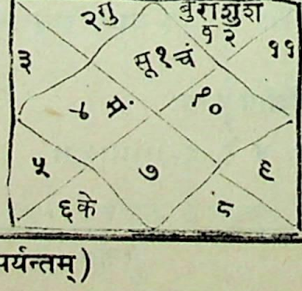

३पं.वै.कृ.३०र.इ. ५/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	१	११	११	११	०
१३	१०	१७	२६	४	३	१	१३
३९	१९	५	३०	१८	११	४	३२
५०	५५	१०	१८	३६	१३	३६	५
५८	२९	६९	११	२९	६	३	५८
१९	२८	४८	४७	४५	१४	११	१२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५१३६स.२०२५
१	चं ३६ २५ भ ३६ २१ आ ३१ ५० कि ११ २५ ३३ ५९ ६१	८	२९	२८	वृ.४९।३२	मृग.२गुरुः४१।२उभा.१शनिः१६।१२			
२	मं २६ ५१ कृ २९ ५ सो २१ २८ बा १ ३८	३८	२८	३२	९	३०	२९	वृषे	चंद्रदर्शनम् परशुरामजयंती
३	बु १८ २८ रो २३ १९ शो १२ २ ग १८ २८	४१	२८	३२	१०	१	३०	मि५०।५०	भ.४५।१उ.जिल्काद११अक्षया३
४	गु ११ ३४ मृ १८ २२ अ ३४० ५३ वि ११ ३४	४५	२७	३३	११	२	१	मिथुने	भ.११।३४या.मई५ता.३१
५	शु ६ २७ आ १५ ४२ धृ ५१ ५९ बा ६ २७	४८	२६	३४	१२	३	२	मिथुने	
६	श ३ १० पु १४ ५३ शू ४८ २१ तै ३ १०	५२	२६	३४	१३	४	३	क.०।५	
७	र १ ५८ पु १६ ११ गं ४६ २३ ब १ ५८	५५	२५	३५	१४	५	४	कर्के	भ.१।५८उ.३२।२४या.
८	चं २ ५० श्ले १९ १७ वृ ४५ ५३ ब २ ५०	५८	२४	३६	१५	६	५	सि१९।१७	पातस्पर्शः१०।१०पातमोक्षः२२।१३
९	मं ५ २६ म २३ ५९ धु ४६ ३८ कौ ५ २६	३३	२४	३६	१६	७	६	सिंहें	[=(सौरः२७)आश्ले.भौमः३६/४
१०	बु ९ ३१ पू ३० १ व्या ४७ ५६ ग ९ ३१	५	२३	३७	१७	८	७	कं.४६।४३	भ.४२।१उ.अश्वि.मेषेबुधः४।५५
११	गु १४ ३१ उ ३६ ४९ ह ५० २ वि १४ ३१	८	२२	३८	१८	९	८	कन्यायां	भ.१४।३१या मोहिनी११व्र.
१२	शु २० ३१ ह ४४ ११ च ५२ १७ बा २० ३१	११	२२	३८	१९	१०	९	कन्यायां	प्रदोषः
१३	श २६ ३३ चि ५१ ४८ सि ५४ ४३ तै २६ ३३	१४	२१	३९	२०	११	१०	तु.१८।०	नृसिंहजयंती
१४	र ३२ ४४ स्वा ५९ ३ व्य ५७ १ ब ३२ ३४	१७	२१	३९	२१	१२	११	तुलायां	भ.३२/४४उ.५५/३३या.कृत्ति.रविः१७/१३=
१५	चं ३८ ४१ वि ६० ० च ५९ १२ वि ५ ४२	२०	२०	४०	२२	१३	१२	वृ.४९।२६	यमाय कुंभदानम्

४पं.वै.शु.७र.इ. ५१/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	१	११	११	११	०
२०	१३	२६	२७	८	३	०	२०
२७	३०	४१	५४	१७	५३	४२	१८
२९	५०	६	५४	१७	३१	२०	५१
५८	३०	८९	५२	३९	५	३	५७
६	४१	७१	१४	९	५०	११	५७

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन धातु गल्ला धान रस में तेजी करेगा कहीं २ अच्छी वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

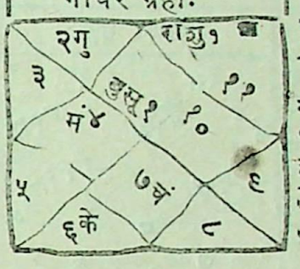

५पं.वै.शु.१४र.इ. ५२/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	१	११	११	११	०
२७	१६	८	२९	१३	४	०	२७
१३	४८	२	२२	१२	३३	२०	४
३७	२८	३५	८	५०	२९	५	५
५७	३१	५०	१२	४६	७	३	५७
५४	४६	५	३२	२३	२६	११	४५

ति	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७	वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	मं ४४ १९ वि ६ १४ प ६० ० बा ११ ३०	३३	५९	६१	२३	१४	१३	वृश्चिके	[मृग.३मिथुनेगुरु ५३/२०
२	बु ४९ २१ अ १२ ५८ प ० ५८ तै १६ ५०	२६	१९	४१	२४	१५	१४	वृश्चिके	वृषेऽर्कः४४/१८(सौरः५०) भरण्यांबुधः५५/१५×
३	गु ५३ २३ ज्ये १८ ४४ शि २ २ ब २१ २२	२८	१८	४२	२५	१६	१५	धनुषि	भ.२१।२२उ.५३।२३या.
४	शु ५५ २३ मू २३ ४९ सि २ २८ ब २४ २३	३१	१८	४२	२६	१७	१६	धनुषि	रेवत्यांशुक्रः२२।७ चतुर्थी व्र.
५	श ५८ २१ पू २८ ६ सा २ १० कौ २६ ५२	३४	१७	४३	२७	१८	१७	म.४३।५०	[+सिंहेकेतुः११/३बुधास्तःपूर्वस्यां ५०/१
६	र ५९ १३ उ ३० ५८ शु १ ५७ ग २८ ४७	३७	१७	४३	२८	१९	१८	मकरे	भ.५९/३उ.पूभा.३कुंभेराहुःउफा.१+
७	चं ५८ ३५ श्र ३२ ३४ व्र ५५ ३३ वि २८ ५४	३९	१६	४४	२९	२०	१९	मकरे	भ.२८/५४या.पातस्पर्शः९/६पातमोक्षः२३/५
८	मं ५६ २२ ध ३२ ४३ ऐं ५० ५४ बा २७ २८	४२	१६	४४	३०	२१	२०	कुं.२।३८	
९	बु ५२ ३७ श ३१ १० वै ४५ ४ तै २४ २९	४४	१५	४५	३१	२२	२१	कुंभे	कृत्ति.बुधः४२।१३
१०	गु ४७ २६ पू २८ १० वि ३८ २ ब २० १	४७	१५	४५	१	२३	२२	मी१३।५५	भ.२०।१उ.४७।२६या.भा.ज्येष्ठारंभः
११	शु ४० ४६ उ २३ ४७ प्री २९ ५१ ब १४ ६	४९	१४	४६	२	२४	२३	मीने	वृषेबुधः१९।१३अपरा११व्र.
१२	श ३२ ४६ रे १८ ४ आ २० ४० कौ ६ ४६	५२	१४	४६	३	२५	२४	मेषे	प्रदोषः
१३	र २३ ५३ अ ११ २६ सौ १० ४९ ब २३ ५३	५४	१३	४७	४	२६	२५	मेषे	भ.२३।५३उ.४९।२०या.रोहि रविः÷
१४	चं १४ २२ भ ५ ३३ शो २२ २९ श १४ २२	५६	१३	४७	५	२७	२६	वृ.१७।१३	[÷७।५०(सौरः२१)
१५	मं ४ ४१ रो ४९ ४३ सु ३९ ४४ ना ४ ४१	५८	१२	४८	६	२८	२७	बृषे	वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ.६र.इ. ५२/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	२	११	११	१०	१
३	२०	२१	०	१८	५	२९	३
५८	१५	०	५१	४९	९	५७	४७
४४	२९	२९	४३	१२	४०	४९	४९
५७	३२	५९	१२	५१	४	३	५७
४४	५२	४९	५६	३९	५६	११	३४

गोचर ग्रहाः

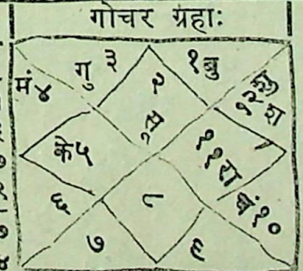

ज्येष्ठ कृष्णे २ बुधे बृषेऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी)मु.१५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

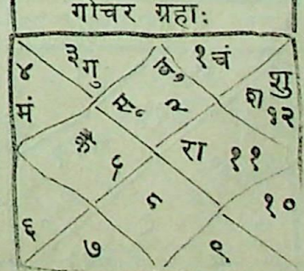

७पं.ज्ये.कृ.१३र.इ. ५२/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	२	११	११	१०	१
१०	२३	५	२	२४	५	२९	१०
४२	५०	२५	२३	५८	४२	३५	३०
४०	२०	५२	५३	२६	२९	३३	०
५७	३३	३	१३	५६	४	३	५७
३५	३६	५०	१५	१	३५	११	२३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

फार्म नं० १४७

CC-0. Gurukul Kangri University, Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५१६६स.२०२५

| | | |

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५१९५स.२०२५
१	गु	१६	३५	आ	५	११	ध्रु	४२	४३	ब	१६	३५	३४	५	६	५	२९ २६	क.४७।२७ कृत्ति.शुक्रः१५।३० चन्द्रदर्शनम्
२	शु	११	११	पु	१२	५८	व्या	३६	२८	कौ	११	११	२२	८	५	६	१ २७	कर्के मोहोरम१सन्१४४७हि.रथयात्रा
३	श	७	३१	श्ले	५९	३७	ह	३१	४०	ग	७	३१	२२	८	५	७	२ २८	सिं५९।३७ भ.३६।४६उ.आर्द्रां.२गुरुः२६।४४
४	र	६	१	म	६०	०	ब	२८	२८	वि	६	१	२१	८	५	८	३ २९	सिंहे भ.६।१या.वृषेशुक्रः३४।३०
५	चं	६	२८	म	१	३८	सि	२७	२५	बा	६	२८	२०	८	५	९	४ ३०	सिंहे पूफा.भौमः२२।६
६	मं	८	५६	पू	५	३३	व्य	२७	८	तै	८	५६	१९	८	५	१०	५ १	क.२१।५३ जुलाई७ता.३१
७	बु	१३	२	उ	१०	५५	ब	२८	१७	ब	१३	२	१८	८	५	११	६ २	कन्यायां भ.१३।२उ.४५।५०या.
८	गु	१८	३८	ह	१७	५०	प	३०	१७	ब	१८	३८	१७	९	५	१२	७ ३	तु.५१।३१
९	शु	२४	३५	चि	२५	१३	शि	३२	४६	कौ	२४	३५	१६	९	५	१३	८ ४	तुलायां [=सौरः२६।१५देवशयनी११व्र.
१०	श	३०	४४	स्वा	३२	५३	सि	३५	१२	ग	३०	४४	१५	९	५	१४	९ ५	तुलायां पुन.रविः५९।२
११	र	३६	४३	वि	४०	५	सा	३७	२५	व	३	४३	१४	९	५	१५	१० ६	वृ.२३।३८ भ.३।४३उ.३६।४३या.पुन.रविः=
१२	चं	४१	४८	अ	४६	४०	शु	३९	८	ब	९	१५	१३	९	५	१६	११ ७	बृश्चिके आश्ले.बुधः४।२७उदयंगुरोः५६।२४
१३	मं	४५	४८	ज्ये	५२	२	शु	३९	५४	कौ	१३	४८	११	१०	५०	१७	१२ ८	ध.५२।२ रोहि.शुक्रः२६।५० प्रदोषः
१४	बु	४८	२६	मू	५६	०	ब्र	३९	४५	ग	१७	७	१०	१०	५०	१८	१३ ९	धनुषि भ.४८।२६उ.
१५	गु	४९	३६	पू	५८	४७	ऐं	३८	२५	वि	१९	१	८	१०	५०	१९	१४ १०	धनुषि भ१९।१या.व्यासपूजावायुपरीक्षागुरुः१५

१२पं.आ.शु.४र.इ. ५२/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	२	१	११	१०	२
१४	१३	९	१०	०	७	२७	१३
१०	१	४०	१९	३१	२६	४४	४६
८	५५	५	२६	१	२४	१५	४३
५७	३६	८६	१३	६७	१	३	५६
७	३२	२२	३८	२	२२	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में गेहूं जो चना मटरबाजरा सरसों आदि में मंदी हो वर्षा अच्छी हो रुई तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

१३पं.आ.शु.११र.इ. ५२/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	२	१	११	१०	२
२०	१७	१६	११	८	७	२७	२०
५०	५	३१	५४	१२	३२	२२	२४
३५	४९	४१	५८	२९	२	०	३७
५७	३७	४०	१३	६८	०	३	५६
७	८	४५	३२	१०	४३	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	शु	४९	३४	उ	६०	०	वै	३६	१७	बा	१९	३५	३४	५	६	२०	१५ ११	म.१४।११ [×वक्रीबुधः१३।४२
२	श	४८	२२	उ	०	२५	वि	३३	२	तै	१८	५८	५	११	४९	२१	१६ १२	मकरे वक्रीशनिः४६।९
३	र	४६	१०	श्र	०	५३	श्री	२९	०	च	१७	१६	३	११	४९	२२	१७ १३	कुं.३०।३५ भ.१७उ.४६या.आर्द्रां.३गुरुः१०।९
४	चं	४३	१०	ध	१७	५८	आ	२४	२३	ब	१४	४०	१	१२	४८	२३	१८ १४	कुंभे चतुर्थी व्र.
५	मं	३९	१९	पू	५७	२१	सौ	१९	३	कौ	११	१४	३३	१२	४८	२४	१९ १५	मी४२।४७ नाग५मरुस्थले
६	बु	३५	१९	उ	५४	५९	शो	१३	१६	ग	७	१९	५७	१३	४७	२५	२० १६	मीने भ.३५उ.कर्केऽर्कः२८ (सौरः५९)×
७	गु	३०	४४	रे	५२	१०	अ	७	११	वि	३	१	५५	१३	४७	२६	२१ १७	मे.५२।१० भ.३।१या. [+केतुः४।२८
८	शु	२५	४०	अ	४८	५२	सु	०	५३	कौ	२५	४०	५२	१४	४६	२७	२२ १८	मेषे [–मृगेशुक्रः२३पूभा.२राहुःपूफा.४+
९	श	२०	११	भ	४५	११	शू	४६	२३	ग	२०	११	५२	१४	४६	२८	२३ १९	वृ.५९।१६ भ.४७।११उ.पुष्येरविः५७।४६
१०	र	१४	१०	कृ	४१	३२	गं	३८	५१	वि	१४	१०	४८	१४	४६	२९	२४ २०	वृषे भ.१४।१०या.पुष्येरविः सौरः२९।४०–
११	चं	७	५५	रो	३६	४४	बृ	३१	४	बा	७	५५	४५	१५	४५	३०	२५ २१	वृषे कामिका११व्र.
१२	मं	१	३४	मृ	३२	३६	धु	२४	१	तै	१	३४	४३	१५	४५	३१	२६ २२	मि४।४० भ.५५उ.उफा.भौमः५३ प्रदोषः
१३	मं	५	३	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Hभा.श्रावणारंभः
१४	बु	४९	५०	आ	२८	४३	व्या	१५	५७	वि	२२	३९	४०	१६	४४	१	२७ २३	मिथुने भ.२२।३९या.बुधास्तःपश्चिमायां४५H
३०	गु	४५	८	पु	२५	४०	ह	९	४	च	१७	२९	३८	१६	४४	२	२८ २४	क.११।२६ हरियाली

१४पं.श्रा.कृ.३र.इ. ५२/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	२	१	११	१०	२
२७	२१	२०	१३	१६	७	२६	२७
३०	१२	२८	२९	०	३३	५९	२
५४	४	३७	३१	५४	५४	४४	४४
५७	३८	१०	१३	६९	८	३	५६
११	१	२५	२८	२	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

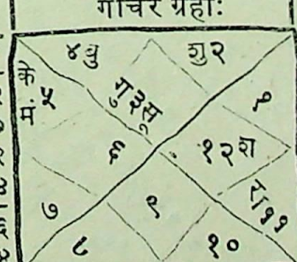

श्रावण कृष्णे ६ बुधे कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

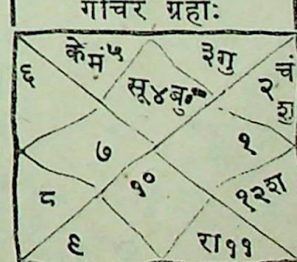

१५पं.श्रा.कृ.१०र.इ. ५१/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	२	१	११	१०	३
४	२५	२०	१५	२३	७	२६	३
११	२३	५६	३	५७	३०	३७	४१
३८	२	२	४	७	४७	२९	११
५७	३७	३०	१३	६९	४६	३	५६
१५	५६	व.	२०	५६	व.	११	५९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri Univ. By Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७	दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५२२४सन् २०२५
१	शु ४१ ३१ पु २३ ३४ व २ ४७ ५५ ९०	किं	१३	२३	३३ ५५	५ १७	६ ४३	३	२९ २५	कर्के	
२	श ३९ ५४ श्ले २३ १० व्य ५४ ५	बा	१०	४६	२३	१७	४३	४	३० २६	सिं २३।१०	मिथुनेशुक्रः १५ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	र ३९ ५६ म २४ १९ व ५१ ५१	तै	९	५५	३०	१८	४२	५	१ २७	सिंहे	सफर २ तीज
४	चं ४१ ५२ पू २७ ७ प ५० ४८	व	१०	५४	२७	१९	४१	६	२ २८	कं.४३।१६	भ.१९ उ.४१ या.कन्यायांभौमः ५५ =
५	मं ४५ १९ उ ३१ ४४ शि ५१ ६	ब	१३	३५	२४	१९	४१	७	३ २९	कन्यायां	वक्रीपुष्येबुधः २२।३६नागपंचमी
६	बु ५० १९ ह ३७ ५६ सि ५२ ४७	कौ	१७	४९	२२	२०	४०	८	४ ३०	कन्यायां	[=आर्द्रां.४गुरुः ३ ६ वरद४
७	गु ५६ ४ चि ४४ ४६ सौ ५४ ३६	ग	२३	११	१९	२०	४०	९	५ ३१	तु.११।२१	भ.५६।४उ.आर्द्राशुक्रः ५९।७
८	शु ६० ० स्वा ५२ २५ शु ५७ ८	वि	२९	८	१६	२१	३९	१०	६ १	तुलायां	भ.२९।८या.अगस्त८ता.३१
८	श २ १२ वि ५९ ४७ शु ५९ ३१	ब	२	१२	१३	२१	३९	११	७ २	वृ.४२।५७	आश्ले रविः ५ ४।४७
९	र ८ १३ अ ६० ० ब्र ६० ०	कौ	८	१३	१०	२२	३८	१२	८ ३	वृश्चिके	आश्ले रविःसौरः ३०।२७
१०	चं १३ ३५ अ ६ ४८ ब्र १ ३७	ग	१३	३५	७	२३	३७	१३	९ ४	वृश्चिके	भ.४५.।३८.
११	मं १७ ४१ ज्ये १२ ३२ ऐं २ ४५	वि	१७	४१	४	२३	३७	१४	१० ५	ध.१२।३२	भ.१७।४१या.पवित्रा११व्र.
१२	बु २० १९ मू १६ ५२ वै २ ४४	बा	२०	१९	०	२४	३६	१५	११ ६	धनुषि	प्रदोषः
१३	गु २१ ५ पू १९ ३५ वि १ ३४ २९	तै	२१	५	३२ ५७	२५	३५	१६	१२ ७	म.३४।५१	
१४	शु २० १९ उ २० ४० आ ५५ १५	ब	२०	१९	५४	२५	३५	१७	१३ ८	मकरे	भ.२०।१९उ.४९।८या.
१५	श १७ ५७ श्र २० १३ सौ ५० २०	ब	१७	५७	५०	२६	३४	१८	१४ ९	कु.४९।२५	बुधोदयःपूर्वस्यां ३ ९ श्रावणीकर्म रक्षाबंधन

१६पं.श्रा.शु.३र.इ. ५ ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	२	२	११	१०	३
१०	२९	१७	१६	१	७	२६	१०
५२	२८	४६	३५	५८	२२	१५	२०
४१	१०	५	२	२६	४४	१३	२८
५७	२८	४ ३	१३	७०	१ ११	३	५७
२०	२२	व.	८	३८	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

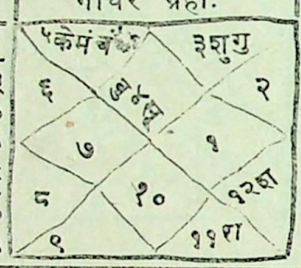

इस मास में सोना चांदी लोहा ताम्बा गुड़ सक्कर चीनी रुई वस्त्र तेज होवे धान्य में कुछ मंदी होगी ।

गोचर ग्रहाः

१७पं.श्रा.शु.९र.इ. ५ ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	२	२	११	१०	३
१७	३	१३	१८	१०	७	२५	१७
३४	५६	२४	५	४	९	५२	०
२३	२०	१८	१०	४८	५०	५७	१६
५७	२८	४ ५	१२	७१	३ ०	३	५७
२५	४६	व.	४९	१४	व.	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७	दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	र १४ १६ ध १८ ३७ शो ४४ २९	कौ	१४	१६	३ ४७	५ २७	६ ३३	१९	१५ १०	कुंभे	
२	चं ९ ४६ श १६ ० अ ३७ ५८	ग	९	४६	४४	२७	३३	२०	१६ ११	मी५८।१६	भ.३७।५उ.
३	मं ४ २५ पू १२ २१ सु ३१ ०	वि	४	२५	४०	२८	३२	२१	१७ १२	मीने	भ.३५ या.मार्गीबुधः ५ ६ पुन.शुक्रः ८ ३ ९ ×
४	मं ५४ ३० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	०	० ०		[+जन्मा.व्र.स्मा. [×चतुर्थी.व्र
५	बु ५३ १७ उ ९ ४ धृ २३ ४७	कौ	२६	६	३७	२९	३१	२२	१८ १३	मीने	हस्तेभौमः २९।३३पुन.१गुरुः १।५६
६	गु ४८ १४ रे ५ २६ शू १६ ३६	ग	२०	४५	३३	२९	३१	२३	१९ १४	मे.५।२६	भ.४८।१४उ.चंद्रषष्ठी
७	शु ४२ २५ अ ५० २५ गं ९ ३२	वि	१५	१९	३०	३०	३०	२४	२० १५	मेषे	भ.१५।१९या.वक्रीउभा.१शनिः ३ ९ +
८	श ३७ १ कृ ५५ १३ वृ २६ ५३	बा	९	४३	२६	३१	२९	२५	२१ १६	वृ.१२।३६	मघा.सिंहेऽर्कः ४ ९ जन्माष्टमी व्र.वै.
९	र ३१ ५६ रो ५२ १४ व्या ४८ ३८	तै	४	२८	२२	३२	२८	२६	२२ १७	वृषे	भ.३ ५ उ.मघा.सिंहेऽर्कःसौरः २ ६ गोगा९
१०	चं २७ ११ मृ ४९ २५ ह ४२ १३	वि	२७	११	१९	३२	२८	२७	२३ १८	मि२०।५०	भ.२७।११या.
११	मं २२ ४१ आ ४६ ५६ त्र ३६ १	बा	२२	४१	१५	३३	२७	२८	२४ १९	मिथुने	अजा११व्र. [÷कुशाग्रहणीपिठोरी३०
१२	बु १८ ५० पु ४५ ११ सि ३० २४	तै	१८	५०	१२	३४	२६	२९	२५ २०	क.३०।३७	कर्केशुक्रः ४३।३२वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	गु १५ ४२ पु ४४ १२ व्य २५ १४	व	१५	४२	८	३४	२६	३०	२६ २१	कर्के	भ.१५।४२उ.४४।३५या.
१४	शु १३ २९ श्ले ४४ २४ व २० ४६	श	१३	२९	४	३५	२५	३१	२७ २२	सिं४४।२४	आश्ले.बुधः १९।५४
३०	श १२ ३५ म ४५ ३८ प १७ २८	ना	१२	३५	१	३६	२४	१	२८ २३	सिंहे	पुष्येशुक्रः ३ ५ भा.भाद्रपदारंभः÷

१८पं.भा.कृ.१र.इ. ५ २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	२	२	११	१०	३
२४	८	९	१९	१८	६	२५	२३
१६	१६	५७	३३	१५	५२	३०	४१
४४	५५	५४	११	५८	५८	४२	२३
५७	२९	९ ११	१२	७१	४ ३	३	५७
३३	१०	व.	२०	३८	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

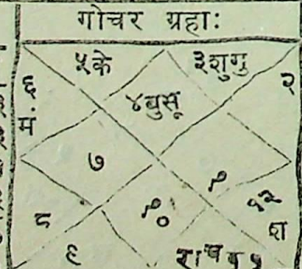

भाद्रपद कृष्णे ८शनौ सिंहेऽर्कःप्रविष्ट.वा.४ न. ४ युवावस्था सूती) मु.३०धान्या-दिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

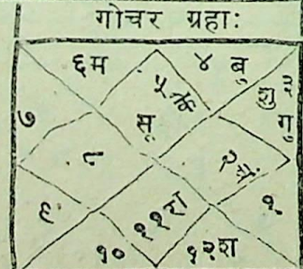

१९पं.भा.कृ.९र.इ. ५ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	२	२	११	१०	४
१	१२	१२	२०	२६	६	२५	०
०	४१	३९	५७	३०	३१	८	२३
४	४९	५४	११	५०	३०	२६	३६
५७	३९	५ २५	१२	७२	२ ३	३	५७
४०	२९	मा	७	२	व.	११	३४

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७ | दि. उ अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५२५४स.२०२५

१	र	१२	५७	पू	४८	२५	शि	१५	२	ब	१२	५७	५५	३५	२६	२	२९	२४	सिंहे	
२	चं	१४	५६	उ	५२	४१	सि	१४	७	कौ	१४	५६	५३	३७	२३	३	३०	२५	कं.४।२९	चंद्रदर्शनम्
३	मं	१८	१७	ह	५८	२२	सा	१३	४०	ग	१८	१७	४९	३८	२२	४	१	२६	कन्यायां	भ.५६ उ.रविलावल३हरितालिका३
४	बु	२३	१६	चि	६०	०	शु	१४	३२	वि	२३	१६	४६	३९	२१	५	२	२७	तु.३१।३३	भ.२३।१६या.गणेशचतुर्थी
५	शु	२८	४४	चि	४	४४	शु	१६	७	बा	२८	४४	४३	४०	२०	६	३	२८	तुलायां	ऋषिपंचमी
६	शु	३४	५४	स्वा	१२	९	ब्र	१८	३६	कौ	१	४६	३८	४०	२०	७	४	२९	तुलायां	[×३६४पुन२गुरुः२०७बुधास्तःपूर्वस्यां४५
७	श	४१	३	वि	१६	४१	ऐं	२१	२	ग	७	५८	३४	४१	१९	८	५	३०	वृ.२।४८	भ.४१३उ.पूफा.रविः३६मघा.सिंहेबुधः×
८	र	४६	५६	अ	२७	२	वै	२३	१८	वि	१३	५६	३०	४२	१८	९	६	३१	वृश्चिके	भ १३।५६या.पूफा.रविःसौरः१७।४३
९	चं	५१	३६	ज्ये	३३	४०	वि	२५	११	बा	१९	१७	२६	४३	१७	१०	७	१	ध.३३।४०	सितम्बरहत्ता.३०
१०	मं	५४	४७	मू	३८	४७	प्री	२५	५३	तै	२३	१३	२२	४४	१६	११	८	२	धनुषि	रामदेवजीकामेलानवलदुर्गे
११	बु	५६	९	पू	४२	२८	आ	२५	२४	ब	२५	२८	१८	४४	१६	१२	९	३	म.५७।५४	भ.३५ उ.५६या.आश्लें.शुक्रः४७चित्रा.+
१२	शु	५५	२८	उ	४४	११	सो	२३	२८	ब	२५	४८	१५	४५	१५	१३	१०	४	मकरे	वामनजयंती[+भौमः२३जलझूलनी११व्र
१३	शु	५२	५७	श्र	४३	५८	शो	२०	२	कौ	२४	१२	११	४६	१४	१४	११	५	मकरे	प्रदोषः
१४	श	४८	३७	ध	४२	१	अ	१५	०	ग	२०	४७	७	४७	१३	१५	१२	६	कुं.१३।०	भ.३६उ.पूफा.बुधः२६।३५अनंत१४
१५	र	४२	५५	श	३८	३१	सु	८	४४	वि	१५	४६	३	४७	१३	१६	१३	७	कुंभे	भ.४६या.खग्रासचंद्रग्रहणम्महालयारंभः

२०पं.भा.शु.१र.इ.५१।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	२	३	११	१०	४
७	१७	२०	२२	४	६	२४	७
४४	९	३५	१८	४९	६	४६	७
२८	७	१७	२९	१६	३२	११	३
५७	३९	९३	११	७२	५३	३	५७
४९	५१	२०	३०	२९	व	११	४५

२१पं.भा.श.८र.इ.५१।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	२	३	११	१०	४
१४	२१	२	२३	१३	५	२४	१३
३०	३९	२९	३६	१२	३८	२३	५२
४	४७	२	३२	४३	५६	५५	१५
५८	४०	५५	१०	७२	१४	३	५७
१	८	५	५६	५०	व	११	५७

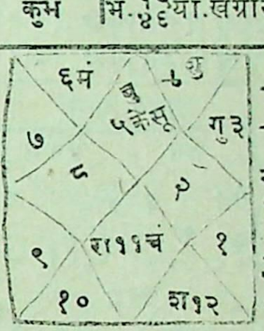

२२पं.भा.शु.१५र.इ.५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	२	३	११	१०	४
२१	२६	१६	२४	२१	५	२४	२०
१७	१३	२	४९	२८	८	१	२८
६	५५	२	३४	४२	४६	३९	५५
५८	४०	५५	१०	७२	२५	३	५८
१३	२५	१९	१६	५	व	११	१२

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतूं रविर्दक्षिणेभाद्रपद कृष्णेति महा.

१	चं	३६	२	पू	३३	५३	धृ	१३	५१	बा	९	२८	३०	५९	४८	१६	१७	१४	८	मी२०।३	
२	मं	२८	४९	उ	२९	१	गं	४४	२९	तै	२	२५	५५	४९	११	१८	१५	९	मीने	भ.५४।७उ.
३	बु	२१	२५	रे	२३	१९	वृ	३५	४०	वि	२१	२५	५१	५०	१०	१९	१६	१०	मे.२३।१९	भ.२१।२५या.चतुर्थीव्र.
४	शु	१४	२	अ	१७	५५	ध्रु	२६	५९	बा	१४	२	४७	५१	९	२०	१७	११	मेषे	
५	शु	७	२२	भ	१२	५६	व्या	१८	३४	तै	७	२२	४३	५१	९	२१	१८	१२	वृ.२६।५२	[=बुधः२४।२०तुला.भौमः३५।४७
६	श	१	११	कृ	८	४०	ह	१०	५०	ब	१	११	३९	५२	८	२२	१९	१३	वृष	भ.१।११उ.३६या.उफा.रविः५२उफा.=
७	श	२४	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	र	५१	२२	रो	५	१७	ध	२९	५७	बा	२३	३१	३५	५३	७	२३	२०	१४	मि३४।०	उफा.रविःसौरः२३मघा.सिंहेशुक्रः४४
९	चं	४७	३८	मृ	२	४४	व्य	५१	१२	तै	१९	३०	३१	५४	६	२४	२१	१५	मिथुने	कन्यायांबुधः११।५मातृ९
१०	मं	४४	५९	आ	०	५५	ब	४६	५	ब	१६	१८	२७	५५	५	२५	२२	१६	क.४५।२३	भ.१६उ.५४या.कन्यायामर्कः४८।१९
११	बु	४३	१४	पु	०	१२	प	४१	४९	ब	१४	६	२३	५६	४	२६	२३	१७	कर्के	कन्यार्कःसौरः२७।३४इंदिरा११व्र.
१२	शु	४२	२६	पु	०	१४	शि	३९	२२	कौ	१२	५०	१८	५६	४	२७	२४	१८	कर्के	[×पूफा.३केतुः५६शस्त्रादिहतानांश्रा.
१३	शु	४२	५९	श्ले	१	२४	सि	३५	४१	ग	१२	४२	१४	५७	३	२८	२५	१९	सिं१।२४	भ.५९उ.पुन.३गुरुः२५।३प्रदोषः
१४	श	४४	१७	म	४	७	सा	३३	४६	वि	१३	३८	९	५८	२	२९	२६	२०	सिंहे	भ.१३।३८या.हस्तेबुधः४५पूभा.१राहुः×
२०	र	४७	१०	पू	७	२	शु	३३	१५	च	१५	४३	५	५९	१	३०	२७	२१	कं.२३।९	सर्वपितृ३०

२३पं.आ.कृ.८र.इ. ५०/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	२	४	११	१०	४
२८	०	२९	२५	०	४	२३	२७
५५	५०	२१	५८	७	३६	३९	२७
२८	४९	५०	५	४४	५८	५४	१२
५८	४०	५५	९	७३	४०	३	५८
२९	४२	५	२०	व	११	२९	

गोचर ग्रहाः

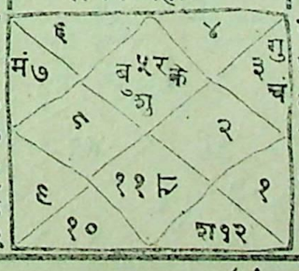

आश्विन कृष्णे १०
भौमे कन्यायामर्कः
प्रविष्टः वा. ४ न.५
बालावस्था(बैठी) मु.
४५ धान्यादिभावे
समर्धताशुक्रोदयः
पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

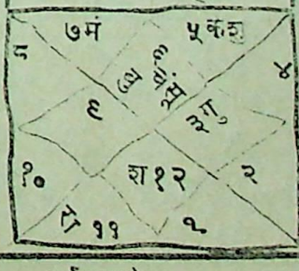

२४पं.आ.कृ.३०र.इ. ५०/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	२	४	११	१०	५
४	५	११	२७	८	४	२३	४
५५	२१	५३	१	३९	४	१७	१७
१९	१	२५	५	३६	१६	८	१९
५८	४१	०	८	७३	४	३	५८
२८	९	२९	४३	२०	४०	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University, Haridwar. Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०८२ शाकः १९४७								दि.	उ.	अ.भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२८३स.२०२५
१	चं	५०	५०	उ	११	३१	शु	३३	८	किं	१९	०	३०	६	६	३१	२८	२२	कन्यायां	नवरात्रारंभः मातामहश्रा.
२	मं	५५	५९	ह	१७	७	ब्र	३३	५८	बा	२३	२४	५९	१	५९	१	२९	२३	तु.५०।२१	स्वात्यांभौमः ३१/८ चंद्रदर्शनम् भा.आश्विना
३	बु	६०	०	चि	२३	३६	ऐं	३५	२३	तै	२८	४९	५२	२	५८	२	१	२४	तुलायां	रविलाखर४
३	गु	१	४०	स्वा	३०	४१	वै	३७	१९	ग	१	५०	४८	२	५८	३	२	२५	तुलायां	भ.३४।४६उ.पूफा.शुक्रः४९।३०
४	शु	७	५२	वि	३८	१६	वि	३९	३९	वि	७	५२	४४	३	५७	४	३	२६	वृ २१।२२	भ.७।५२या.
५	श	१४	१४	अ	४६	०	प्री	४२	२२	बा	१४	१४	४०	४	५६	५	४	२७	वृश्चिके	हस्तेरविः१।३२(सौरः४०।४)
६	र	२०	२६	ज्ये	५३	२०	आ	४४	३८	तै	२०	२६	३६	५	५५	६	५	२८	ध.५३।२०	चित्राबुधः३९।२९
७	चं	२४	४७	मू	५९	२०	सौ	४६	७	व	२४	४७	३२	६	५४	७	६	२९	धनुषि	भ.२४।४७उ.५७।१९या.
८	मं	२९	५१	पू	६०	०	शो	४६	३९	ब	२९	५१	२८	६	५४	८	७	३०	धनुषि	बुधोदयःपश्चिमायां२७।२२
९	बु	३२	१६	पू	४	१५	अ	४५	५२	बा	१	३	२३	७	५३	९	८	१	म.२०।३	वक्रीपूभा४शनिः २३/९ अक्टूबर१०ता.३१
१०	गु	३२	४०	उ	७	२६	सु	४३	३३	तै	२	२८	१९	८	५२	१०	९	२	मकरे	तुलायांबुधः५४।०
११	शु	३१	७	श्र	८	२५	धृ	३९	३७	व	१	५३	१५	९	५१	११	१०	३	कुं.३८।०	न.५१/३ उ.३१/३ या.पापांकुशा११ब्र.
१२	श	२७	१९	ध	७	३६	शू	३४	९	बा	२७	१९	११	१०	५०	१२	११	४	कुंभे	प्रदोषः [=का.स्ना.प्रा.
१३	र	२१	४३	श	४	४६	गं	२७	८	तै	२१	४३	७	११	४९	१३	१२	५	मी४६।१३	[÷शरद्पूर्णिमास्मा.कोजागरीव्र.
१४	चं	१४	२५	पू	२	५४	बृ	१८	३७	व	१४	२५	३	११	४९	१४	१३	६	मीने	भ.१४।२५उ.४०।२०या.उफाशुक्रः ३०/७÷
१५	मं	६	१४	रे	४७	२६	ध्रु	११	५९	व	६	१४	२६	१२	४८	१५	१४	७	मे.४७।२६	स्वात्यांबुधः५।४८शरद्पूर्णिमा वै. =

२५पं.आ.शु.६र. इ. ५०/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	२	४	११	१०	५
११	१०	२३	२७	१७	३	२२	११
४६	१४	३८	५७	१४	२१	५४	९
५२	३८	२१	४०	३८	४४	५३	१७
५८	४१	०/५०	७	७३	४/३७	३	५९
५३	१९	३०/०	४४	४४	व. ११	०	

गोचर ग्रहाः

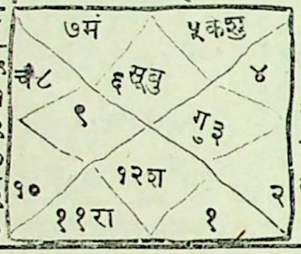

इस मास में मंगल का चंद्र गेहूं जो चना मटर सरसो धातु सोना चांदी लोहा रसकस को तेज करेगा।

गोचर ग्रहाः

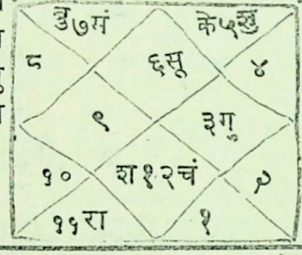

२६पं.आ.शु.१३र.इ.५०/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	२	४	११	१०	५
१८	१५	४	२८	२५	३	२२	१८
४०	१	४०	४७	५१	०	३२	३
५	१	१	२	५०	४	३७	४
५९	४१	९५	६	७३	२४/३	३	५९
९	२६	१९	४०	५०	व. ११	१६	

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७								दि.	उ.	अ.भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेतिमहा.
१	मं	५१	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	४८	२४	अ	४०	२७	ह	४८	५२	तै	२२	५४	३८	१३/६	४/५५	१६	१५	८	मेषे	
३	गु	३९	४३	भ	३३	५५	व	३८	४०	व	१४	३	५१	१४	४६	१७	१६	९	वृ.४७।०	भ.१४/३ उ.३९/३ या.कन्यायांशुक्रः११।४६
४	शु	३१	३७	कृ	२७	१४	सि	२९	१०	ब	५	४०	४७	१५	४५	१८	१७	१०	वृषे	चित्रा.रविः३३।३७करकचतुर्थीव्र.
५	श	२४	३४	रो	२१	४८	व्य	२०	६	तै	२४	३४	४३	१५	४५	१९	१८	११	मि४९।४८	चित्रा.रविःसौरः१०।३८
६	र	१९	५	मृ	१७	४८	व	१२	१३	व	१९	५	३९	१६	४४	२०	१९	१२	मिथुने	भ.१९।५उ.४६।५६या.
७	चं	१४	४७	आ	१५	९	प	१८/५	५४/२५	ब	१४	४७	३५	१७	४३	२१	२०	१३	क.५९।१६	विशा.भौमः३।४६
८	मं	१२	५	पु	१३	५८	सि	५५	११	कौ	१२	५	३१	१८	४२	२२	२१	१४	कर्के	[÷हस्तेशुक्रः१३।१५रमा११व्र.
९	बु	१०	४१	पु	१४	८	सा	५१	४०	ग	१०	४१	२७	१९	४१	२३	२२	१५	कर्के	भ.४०।४०उ.
१०	गु	१०	४०	श्ले	१५	४१	शु	४९	२३	वि	१०	४०	२३	१९	४१	२४	२३	१६	सिं१५।४१	भ.१०।४०या.विशा.बुधः१७।३३
११	शु	१२	१७	म	१८	३६	शु	४८	७	बा	१२	१७	२०	२०	४०	२५	२४	१७	सिंहे	तुलायामर्कः१७।२६(सौरः५३।२२)÷
१२	श	१४	४३	पू	२२	३२	ब्र	४८	२	तै	१४	४३	१६	२१	३९	२६	२५	१८	कं.३८।४८	पुन.४कर्केगुरुः५७।२५प्रदोषः
१३	र	१८	३२	उ	२७	३७	ऐं	४८	५	व	१८	३२	१२	२२	३८	२७	२६	१९	कन्यायाँ	भ.१८।३२उ.५०।४६या.धन१३
१४	चं	२३	१	ह	३३	२७	वै	४९	१३	श	२३	१	८	२२	३८	२८	२७	२०	कन्यायां	रुप१४
३०	मं	२८	४१	चि	४०	१८	वि	५१	४३	ना	२८	४१	४	२२	३७	२९	२८	२१	तु.६।५२	महालक्ष्मीपूजनम्

२७पं.का.कृ.६र.इ.५०।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	२	५	११	१०	५
२५	१९	१५	२९	४	२	२२	२४
३४	५०	१	२९	३१	३०	१०	५८
५९	२८	३७	२४	२६	१८	२१	४६
५९	४१	८७	५	७३	४/४	३	५९
२१	४७	३४	४३	५६	व. ११	३१	

गोचर ग्रहाः

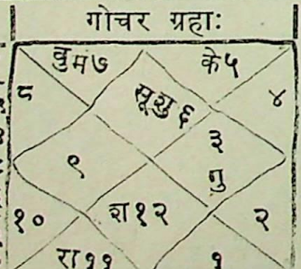

कार्तिककृष्णे ११ शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ गतालकावस्था(ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

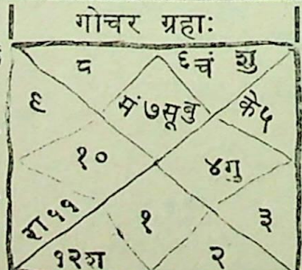

२८पं.का.कृ.१३र.इ.५५/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	३	५	११	१०	६
२	२४	२५	०	१३	२	२१	१
३१	४३	३७	३	१३	३	४८	५६
२३	१०	२६	५८	१९	१४	६	१०
५९	४२	७८	४	७४	४/३	३	५९
३४	२	२३	३२	२	व.	११	४६

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३१३सं.२०२५
१	बु ३४ १९ स्वा ४७ २३ प्री ५२ ४९ कि १ ३० २८ ० २४ ३६	२०	२९	२२	तुलायां	अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा			
२	शु ४० ५० वि ५४ ५८ आ ५५ १४ बा ७ ३४ २९ २५ ३५	१	३०	२३	वृ.३८।४	स्यात्यांरविः ५९ बृश्चिकेबुधः ५० चंद्र×			
३	शु ४७ १८ अ ६० ० सौ ५७ ३८ तै १४ ४ ५३ २५ ३५	२	१	२४	वृश्चिके	स्वात्यांरविः सौरः ३ ४ जमादिलावल५			
४	श ५३ ३८ अ २ ३५ शो ५९ ४४ व २० २८ ४९ २६ ३४	३	२	२५	वृश्चिके	भ.२०।४८उ.५३।३८या.			
५	र ५९ १३ ज्ये ९ ५८ अ ६० ० व २६ २५ ४५ २७ ३३	४	३	२६	व.९।५८	अनु.बुधः५६।४४			
६	चं ६० ० मृ १६ ४२ अ १ ४५ कौ ३१ ३३ ४१ २८ ३२	५	४	२७	धनुषि	चित्रा.शुक्रः५६।३४बृश्चिकेभौमः१९।२६			
६	मं ३ ५४ पू २२ ३५ सु २ ५९ तै ३ ५४ ३७ २९ ३१	६	५	२८	म.३८।४१	[×दर्शनम्भा.कार्तिकारंभःभातृ२यम२			
७	बु ७ १५ उ २७ ० धृ ३ १६ व ७ १५ ३४ २९ ३१	७	६	२९	मकरे	भ.७।१५उ.३८।५या.			
८	शु ८ ५५ श्र २९ ५० शू १९ २९ ब ८ ५५ ३० ३० ३०	८	७	३०	मकरे	गोपाष्टमी			
९	शु ८ ४३ ध ३० ४१ बृ ५५ ४५ कौ ८ ४३ २७ ३१ २९	९	८	३१	कुं.०।२१	कुष्मांड९अक्षय९			
१०	श ६ ३२ श २९ ४२ धु ५० ८ ग ६ ३२ २३ ३१ २९	१०	९	१	कुम्भे	भ. ३ ४ उ.अनु.भौमः १ १ नवम्बर११ता.३०			
११	र २ १६ पू २६ ३४ ज्या ४२ ५६ वि २ १६ १९ ३२ २८	११	१०	२	मी१२।२१	भ.२।१६या.तुलायांशुक्रः१५।४१प्रबो- ÷			
१२	र ५३ ४६ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०		० ०	[÷धिनी११व्र.तुलसीविवाहः			
१३	चं ४८ २२ उ २१ ४३ ह ३४ २२ कौ २२ १२ १६ ३३ २७	१२	११	३	मीने	प्रदोषः			
१४	मं ३९ ३३ रे १५ १९ ब २४ ३६ ग १३ ५७ १२ ३४ २६	१३	१२	४	मे.१५।१९	भ.३९।३३उ.वैकुंठ१४			
१५	बु २९ ५२ अ ८ २ स्वि १३ ५१ वि ४ ४२ ९ ३४ २६	१४	१३	५	मेषे	भ.४।४२या.मन्वादिःका.स्ना.पू.			

२९पं.का.शु.५र.इ. ४ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	३	५	११	१०	६
९	२९	३	०	२१	१	२१	८
२९	३९	१२	३०	५७	३९	२५	५५
३८	०	२५	१८	२५	५८	५०	३०
५९	४२	६४	३	७४	८	३	६०
४७	२८	३०	२२	८	व.११	२	

गोचर ग्रहाः

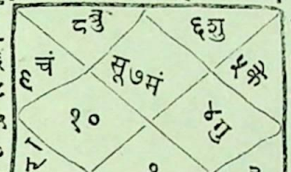

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर धातु सोना चांदी रुई वस्त्र मंदे होवे गुड़ शक्कर चीनी तेज हो

गोचर ग्रहाः

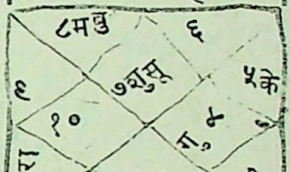

३०पं.का.शु.११र.इ. ४ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	३	६	११	१०	६
१६	४	९	०	०	१	२१	१५
२९	३७	५५	४६	४१	१९	३	५६
२०	१३	५	२६	५६	५५	३	२४
६०	४२	४१	१	७४	३ ८	३	६०
४	४९	४५	५३	१६	व.११	१८	

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०८२ शाकः १९४७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	गु २० २ भ १ ३ ५२ व्य २ ४९ कौ २० २	२७	३५	२५	१५	१४	६	बृ.१३।१५	विशा.रविः १९ (सौरः ५१ ४९ अस्तोभौमः ४९ ३१
२	शु १० २७ रे ४५ २ प ४१ १९ ग १० २७	२	३६	२४	१६	१५	७	वृषे	भ.३६।२उ.स्वात्यांशुक्रः३३।४१
३	श १ ३८ मृ ३८ ५० शि ३१ २० वि १ ३८	२६	३६	२४	१७	१६	८	मि११।५६	भ.१।३८या.चतुर्थीव्र.
४	श ५२ ३५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०		०	०		० ०	
५	र ४८ १४ आ ३४ ४ सि २२ ३१ कौ २१ १३	५५	३७	२३	१८	१७	९	मिथुने	वक्रीबुधः३।४६
६	चं ४४ १७ पु ३० ५९ सा १५ ४ ग १६ १५	५२	३८	२२	१९	१८	१०	क.१६।४५	भ.४४।१७उ.
७	मं ४२ ६ पु २९ ४६ शु ९ १ वि १३ ११	४९	३८	२२	२०	१९	११	कर्के	भ.१३।११या.
८	बु ४१ ५५ श्ले ३० २२ शु ४ ३२ बा १२ ०	४५	३९	२१	२१	२०	१२	सिं३०।२२	
९	शु ४३ २१ म ३३ ५ ब्र ३० ५८ तै १२ ३८	४३	४०	२०	२२	२१	१३	सिंहे	वक्रीगुरुः५७।२५
१०	शु ४६ १९ पू ३६ ५८ वै ५८ ३९ व १४ ५०	३९	४०	२०	२३	२२	१४	कं.५३।१९	भ. ५ ० उ. ४ १ ६ या.बुधास्तःपश्चिमायां ४ ३ ३ ४
११	श ५० ४० उ ४२ २३ वि ६० ० ब १८ २९	३६	४१	१९	२४	२३	१५	कन्यायां	उत्पत्ति११व्र.
१२	र ५५ ४९ ह ४८ २८ वि ० १९ कौ २३ १४	३३	४१	१९	२५	२४	१६	कन्यायां	बृश्चिकेऽर्कः१६।३ (सौरः४६।६)
१३	चं ६० ० चि ५५ ४१ प्री १ २८ ग २८ ५७	३०	४२	१८	२६	२५	१७	तु.२२।५	प्रदोषः
१३	मं २ ५ स्वा ६० ० आ ३ २९ व २ ५	२७	४३	१७	२७	२६	१८	तुलायां	भ. २ ५ उ. ३ ५ या.विशा.शुक्रः१३।४१
१४	बु ८ १९ स्वा २ ५३ सौ ५ २८ श ८ १९	२५	४३	१७	२८	२७	१९	वृ.५३।४४	अनु.रविः३४।२३ज्येष्ठा.भौमः२९।५३
२०	गु १४ ४४ वि १० ४१ शो ७ ५० ना १४ ४४	२२	४४	१६	२९	२८	२०	बृश्चिके	अनु रविः सौरः२।५४

३१पं.मा.कृ.५र.इ.४९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	३	६	११	१०	६
२३	९	१२	०	९	१	२०	२२
३०	३९	४४	५४	२८	४	४१	५९
४०	७	४२	०	५	१२	१९	६
६०	४३	५ ५	०	७४	४ ७	३	६०
१७	५	व.	४१	२०	व.	११	३०

गोचर ग्रहाः

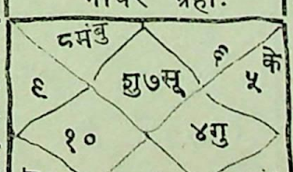

मार्गशीर्ष कृष्णे १२ रवौ बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ गतालकावस्था (ऊभी मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

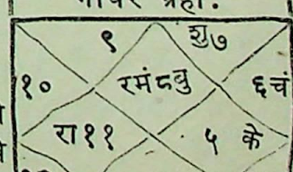

३२पं.मा.कृ.१२र.इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	३	६	११	१०	७
०	१४	८	०	१८	०	२०	०
३२	४३	२५	५१	१५	५३	१९	३
२२	४१	१६	२५	७	२१	३	१०
६०	४३	६ ११	४२	७४	१ १	३	६०
३०	२५	व.	व	२६	व.	११	४०

CC-0. Gurukul Kangri University, Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३४३स.२०२५
१	शु	२१	२	अ	१८	२	अ	१०	१	ब	२१	२	२६	६ ४४	५ १६	२०	२९	२१	वृश्चिके	वक्रीविशा.बुधः९।२९
२	श	२७	५	ज्ये	२५	२२	सु	१२	१४	कौ	२७	५	१७	४५	१५	१	३०	२२	ध.२५।२२	शतभिषा.४राहुःपूफा.२केतुः४८।३६×
३	र	३२	३१	मू	३२	१	धृ	१३	५५	ग	३२	३१	१४	४५	१५	२	१	२३	धनुषि	वक्रीतुलायांबुधः४६।२५जमादिलाखर ६
४	चं	३७	१०	पू	३७	५७	शू	१४	५०	व	४	५०	१२	४६	१४	३	२	२४	म.५४।११	भ.४।५०उ.३७।१०या.
५	मं	४०	४५	उ	४२	५४	गं	१५	२५	ब	८	५७	९	४६	१४	४	३	२५	मकरे	[×चंद्रदर्शनम्भा.मार्गशीर्षारंभः
६	बु	४३	१	श्र	४६	३८	बृ	१५	१७	कौ	११	५३	७	४७	१३	५	४	२६	मकरे	वृश्चिकेशुक्रः३ ५ बुधोदयःपूर्वस्यां४३ +
७	गु	४३	५५	ध	४८	५५	धु	१३	४४	ग	१३	२८	५	४७	१३	६	५	२७	कुं.१७।४७	भ.४३।५५उ.मार्गीशनिः१८।५५
८	शु	४३	९	श	४९	४२	ब्या	११	२	वि	१३	३२	२	४८	१२	७	६	२८	कुंभे	भ.१३।३२या.अनु.शुक्रः४६।४५
९	श	४०	३३	पू	४८	४५	ह	७	८	बा	११	५१	०	४८	१२	८	७	२९	मीऽ३।१४	मार्गीबुधः४६।१३ [Λ५०।३९दत्तजयंती
१०	र	३६	१४	उ	४५	५५	व	३७	५३	तै	८	२३	५८	४८	१२	९	८	३०	मीने	[+पातस्पर्शः५६।३२पातमोक्षः११।३८
११	चं	३०	१८	रे	४१	३१	च्य	४६	३५	व	३	१६	५६	४९	११	१०	९	१	मे ४१।३१	भ.१ ३ उ.३ १ ८या.दिसम्बर१२ता.३१ =
१२	मं	२२	४९	अ	३५	३७	व	३७	१८	बा	२२	४९	५४	४९	११	११	१०	२	मेषे	ज्येष्ठा.रवि:४४।३४प्रदोषः
१३	बु	१४	८	भ	२८	३६	प	२७	२	तै	१४	८	५३	४९	११	१२	११	३	वृ.४१।४२	ज्येष्ठा.रवि:सौर:१०।४८
१४	गु	४	४५	कृ	२१	०	शि	१६	१०	व	४	४५	५१	५०	१०	१३	१२	४	वृषे	भ.४ ५ उ.५ १ या.वक्रीपुन.३मिथुनेगुरुः A
१५	गु	५०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=मोक्षदा११व्र.गीताजयंती

३३पं.मा.शु.३र.इ.४८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	३	६	११	१०	७
७	१९	२९	०	२७	०	१९	७
३७	५०	५६	३८	२	४७	५६	८
१६	५३	४९	५३	४९	४९	४८	४३
६०	४३	७ ५८	१ ३	७४	२०	३	६०
४२	३९	व.	व	२६	व	११	५३

गोचर ग्रहाः

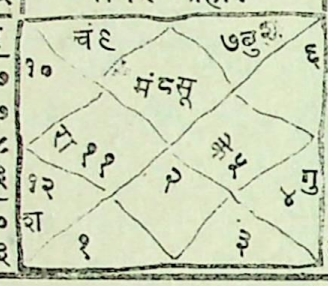

इस मास में बदि में धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो चावल गुड़ सक्कर मंदे हो सुदि में धान्यरसकस तेज हो जावे।

गोचर ग्रहाः

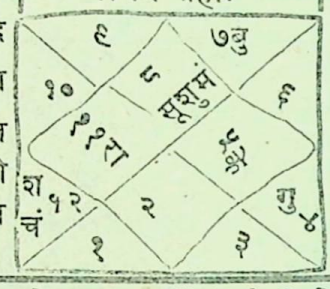

३४पं.मा.शु.१०र.इ.४ ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	३	७	११	१०	७
१४	२५	२६	०	५	०	१९	१४
४२	१	२८	१६	५१	४७	२४	१५
२९	४१	५२	५२	१८	१०	३२	२९
६०	४३	१३ ३२	३५ ५	७४	२२	३	६१
५०	५१	मा	व.	२६	मा	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	शु	४५	२५	रो	१३	३	सि	५ ४९	३	वा	२०	११	२५	६ ५०	५ १०	१४	१३	५	मि३९।२५	
२	श	३६	५०	मृ	४५	२३	शु	४३	५९	तै	११	७	४८	५०	१०	१५	१४	६	मिथुने	बृश्चिकेबुधः४४।२
३	र	२९	२०	पु	५४	७	शु	३४	४७	ब	३	५	४६	५१	९	१६	१५	७	क.४०।२२	भ.३ ६ उ.२ ९ या.मूलेधनुषिभौमः३०।१७ =
४	चं	२३	३९	पु	५०	५५	ब्र	२६	५६	बा	२३	३९	४५	५१	९	१७	१६	८	कर्के	[=चतुर्थीव्र.
५	मं	१९	५०	श्ले	४९	३४	ऐं	२०	४१	ते	१९	५०	४४	५१	९	१८	१७	९	सिं४९।३४	ज्येष्ठाशुक्रः२५।५२
६	बु	१८	१८	म	५०	२९	वै	१६	२	ब	१८	१८	४३	५१	९	१९	१८	१०	सिंहे	भ.१ ८ उ.४ ८ या.अनु.बुधः८।४५
७	गु	१९	१	पू	५३	११	वि	१३	१६	ब	१९	१	४३	५२	८	२०	१९	११	सिंहे	
८	शु	२१	२८	उ	५७	५८	प्री	११	४८	कौ	२१	२८	४१	५२	५	२१	२०	१२	कं.९।२३	
९	श	२५	४०	ह	६०	०	आ	११	२३	ग	२५	४०	४०	५२	८	२२	२१	१३	कंन्यायां	भ.५८।२०उ.
१०	र	३०	५९	ह	४	११	सो	१२	४९	वि	३०	५९	३९	५२	८	२३	२२	१४	तु.३७।४६	भ.३०।५९या.
११	चं	३७	२५	चि	११	२२	शो	१४	५०	ब	४	१२	३९	५२	८	२४	२३	१५	तुलायां	मूलेधनुष्यर्कः५ ९ शुक्रास्तःपूर्वस्यां३।१० ×
१२	मं	४३	५३	स्वा	१८	४६	अ	१६	५९	कौ	१०	३९	३८	५२	८	२५	२४	१६	तुलायां	मूलेधनुष्यर्कःसौरः१४।३८
१३	बु	५०	२६	वि	२६	२९	सु	१९	२३	ग	१७	९	३८	५२	८	२६	२५	१७	वृ.९।३३	भ.५०।२६उ.प्रदोषः [× सफला११व्र.
१४	गु	५६	३५	अ	३३	५८	धृ	२१	३५	वि	२३	३०	३७	५३	७	२७	२६	१८	वृश्चिके	भ.२३।३०या.
३०	शु	६०	०	ज्ये	४१	४	शू	२३	३९	च	२९	३३	३७	५३	७	२८	२७	१९	ध.४१।४	ज्येष्ठाबुधः५ ६ मूलेधनुषिशुक्रः५८।२७
३०	श	२	३१	मू	४७	३१	गं	२४	५७	ना	२	३१	३६	५३	७	२९	२८	२०	धनुषि	

३५पं.पौ.कृ.३र.इ. ४६ ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	७	११	१०	७
२१	०	१	२९	१४	०	१९	२१
४८	१४	३	४६	३९	५२	१२	२३
३२	१३	०	१	४	१२	१७	१०
६०	४४	५८	४ ३	७४	१	३	६१
५६	१	३७	व	३२	९	११	११

गोचर ग्रहाः

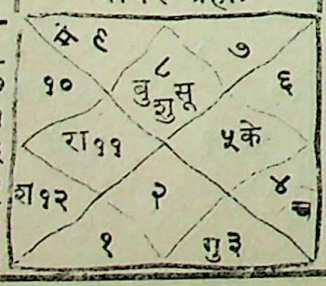

पौष कृष्णे ११ चंद्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टःवा. २नर गतालकावस्था (ऊभी)मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

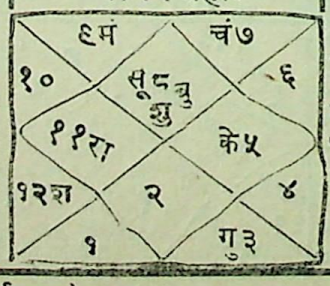

३६पं.पौ.कृ.१०र.इ.४ ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	७	११	१०	७
२८	५	९	२९	२३	१	१८	२८
५५	२९	३०	७	५७	२	५०	३१
२६	२८	५४	१२	५४	२०	१	५३
६१	४४	७८	५ ५	७४	१	३	६१
०	२२	१	चं.	३२	४४	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. पौष शुक्लपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५३७३स.२०२५

१	र	७	१५	पू	५२	५२	वृ	२५	४५	ब	४	१५	२५	५६	७	३०	२९	२१	धनुषि	
२	चं	११	१४	उ	५७	३७	ध्रु	२६	३५	कौ	११	१४	३६	५३	७	१	३०	२२	म.९।३	चंद्रदर्शनम्भा.पौषारंभः
३	मं	१४	२२	अ	६०	०	व्या	२५	१८	ग	१४	२२	३६	५३	७	२	१	२३	मकरे	भ.४५।१७उ.रज्जव७
४	बु	१६	१३	अ	१	४	ह	२३	३७	वि	१६	१३	३७	५३	७	३	२	२४	कुं.३२।२२	भ.१६।१३या.
५	गु	१७	४	ध	३	४०	व	२१	२४	वा	१७	४	३७	५३	७	४	३	२५	कुम्भे	पूषा.भौमः१३।१६
६	शु	१६	३५	श	५	०	सि	१८	१५	तै	१६	३५	३७	५३	७	५	४	२६	मी५०।१४	[+बुधास्तःपूर्वस्यां४४।०
७	श	१५	२	पू	५	१९	व्य	१३	५३	व	१५	२	३८	५२	८	६	५	२७	मीने	भ.१५।२उ.४३।३१या.
८	र	१२	०	उ	४	४	व	८	३२	व	१२	०	३८	५२	८	७	६	२८	मीने	पूषा.रविः५६।५२
९	चं	७	५०	रे	४	५६	प	२	५२	कौ	७	५०	३९	५२	८	८	७	२९	मे.१।४१	पूषा.रविःसौरः$\frac{16}{16}$मूलेधनुषिबुधः$\frac{3}{16}$+
१०	मं	२	२५	भ	५३	०	सि	४६	१७	ग	२	२५	४०	५२	८	९	८	३०	मेषे	भ.२८।५३उ.५५।४७या.पूषा.शुक्रः ÷
११	मं	५३	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷३६।३४पुत्रदा११व्र.स्मा.
१२	बु	४८	५	कृ	४७	४	सा	३६	५४	ब	२१	५६	४१	५२	८	१०	९	३१	वृ.६।३१	पुत्रदा११व्र.वै.
१३	गु	३९	४१	रो	४०	३७	शु	२६	५९	कौ	१३	५३	४२	५२	८	११	१०	१	वृषे	जनवरी१ता.३१सन्२०२६प्रदोषः
१४	शु	३०	५०	मृ	३३	४६	शु	१६	३७	ग	५	१५	४३	५१	९	१२	११	२	मि७।११	भ.३०।५०उ.५६।३७या.
१५	श	२२	२५	आ	२७	८	ब्र	३७	५०	व	२२	२५	४४	५१	९	१३	१२	३	मिथुने	मा.स्ना.प्रा.

३७पं.पौ.शु.१र.इ. ४८/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	२	८	११	१०	८
६	१०	१९	२८	२	१	१८	५
३	४६	१८	२१	१३	१७	२७	४१
०	५५	१८	७	१२	२	४५	१८
६१	४४	८७	४६	७४	२	३	६१
६	४७	१७	व	३२	३१	११	२२

गोचर ग्रहाः

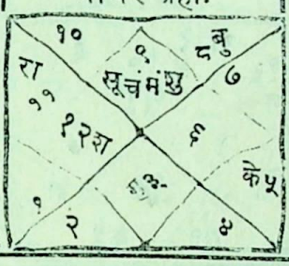

इस मास में धान्य गल्ला रुई वस्त्र रस-कस तथा धातु सोना चांदी में तेजी होवे शीत का प्रकोप प्रजा को दुःख दें।

गोचर ग्रहाः

३८पं.पौ.शु.८र.इ. ४६/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	२	८	११	१०	८
१३	१६	२९	२७	११	१	१८	१२
१०	६	४०	२९	४	३७	५	५१
५९	५०	१६	१०	५९	१९	३०	१०
६१	४४	९४	३०/७	७४	३	३	६१
६	५७	२	व	३८	१९	११	२६

ति. माघ कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.

१	र	५१	३४	पु	२१	१६	वै	४८	११	कौ	१४	३४	२५	५१	९	१४	१३	४	क.७।४४	वक्रीपुन.२गुरुः४।१७
२	चं	८	८	पु	१६	३६	वि	४०	३७	ग	८	८	४७	५१	९	१५	१४	५	कर्के	भ.३५।४०उ.
३	मं	३	११	श्ले	१३	३५	प्री	३४	२०	वि	३	११	४८	५०	१०	१६	१५	६	सिं१३।३५	भ.३।११या.पूषा.बुधः३७।२०चतुर्थीव्र.
४	बु	०	१३	म	१२	४९	आ	२९	५५	बा	०	१३	५०	५०	१०	१७	१६	७	सिंहे	
५	बु	५९	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
६	गु	६०	०	पू	१४	११	सौ	२७	८	ग	३०	१४	५२	५०	१०	१८	१७	८	कं.३०।०	
६	शु	०	५५	उ	१७	२६	शो	२६	२०	व	०	५५	५३	४९	११	१९	१८	९	कन्यायां	भ.०।५५उ.३२।३७या.
७	श	४	१९	ह	२२	३२	अ	२६	२१	ब	४	१९	५५	४९	११	२०	१९	१०	तु.५५।४५	उषा.शुक्रः ९।५२
८	र	९	१२	चि	२८	५८	सु	२७	३१	कौ	९	१२	५७	४९	११	२१	२०	११	तुलायां	उषा.रविः$\frac{1}{38}$(सौरः$\frac{17}{43}$)उषा.भौमः$\frac{32}{0}$
९	चं	१५	३०	स्वा	३६	११	धृ	२९	३३	ग	१५	३०	५९	४८	१२	२२	२१	१२	तुलायां	भ.४८।४०उ.मकरेशुक्रः५०।५३
१०	मं	२१	५०	वि	४३	५५	शू	३१	५३	वि	२१	५०	२६	४८	१२	२३	२२	१३	वृ.२७।०	भ.२१।५०या.
११	बु	२८	३१	अ	५१	३३	गं	३४	११	बा	२८	३१	४	४७	१३	२४	२३	१४	वृश्चिके	मकरेऽर्कः१८।२२(सौरः३३।१०)उषा.=
१२	गु	३४	३६	ज्ये	५८	३९	बृ	३६	७	कौ	१	३३	६	४७	१३	२५	२४	१५	ध.५८।३९	मकरेभौमः४७।५९
१३	शु	४०	१७	मू	६०	०	ध्रु	३७	४०	ग	७	२६	८	४६	१४	२६	२५	१६	धनुषि	भ.४०।१७उ.प्रदोषः
१४	श	४४	३७	मू	४	५६	व्या	३८	७	वि	१२	२७	११	४६	१४	२७	२६	१७	धनुषि	भ.१२।२७या.मकरेबुधः११।३४
३०	र	४७	४७	पू	१०	१	ह	३७	४८	च	१६	१२	१३	४५	१५	२८	२७	१८	म.२६।१	[=बुधः५३।२८षट्तिला११व्र.

३९पं.मा.कृ.१र.इ.५६/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	२	८	११	१०	८
२०	२१	१०	२६	१९	२	१७	२०
१९	२८	२१	३४	५३	२	४३	१
५	४४	५५	१९	३१	१०	१४	७
६१	४५	९७	५२/६	७४	३	३	६१
६	७	४०	व.	३८	५४	११	२६

४०पं.मा.कृ.८र.इ.४७।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	२	८	११	१०	८
२७	२६	२१	२५	२८	२	१७	२७
२७	५२	२२	३७	४१	३१	२०	१०
७	१	२३	४४	५६	१९	५९	५९
६१	४५	९८/०	५२/७	७४	४	३	६१
६	१७	२२	व.	३८	३५	११	२४

४१पं.मा.कृ.३०र.इ.५२/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	२	९	११	१०	९
४	२	२	२४	७	३	१६	४
३४	१६	४६	४२	२९	४	५८	२०
५९	१६	४४	१४	४२	२३	४३	२८
६१	४५	९८/०	४६/७	७४	४	३	६१
३	२७	५३	व.	३८	५९	११	१९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिं. माघ शुक्लपक्षः सं.२०८२ शाकः १९४७ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५४०२स.२०२६

१	चं	४९	४६	उ	१४	१	व	३६	३२	किं	१८	४६	२६	६	५	२९	२८	१९	मकरे	[×५५।५४भा.माघारंभःसावान८
२	मं	५०	३४	श्र	१६	५६	सि	३४	२७	बा	२०	१०	१९	४४	१६	३०	२९	२०	कु.४७।४७	अभि.प्र.रविः२ श्रवणेशुक्रः४ चंद्रदर्शनं
३	बु	५०	२५	ध	१८	३८	व्य	३१	३४	तै	२०	२९	२१	४४	१६	१	१	२१	कुम्भे	अभि.प्र.रविःसौरः४।३१उभा.१शनिः×
४	गु	४९	११	श	१९	२७	व	२७	३१	व	१९	४८	२४	४३	१७	२	२	२२	कुंभे	भ.१ उ.४ या.श्रवणेबुधः५२।३०
५	शु	४७	१४	पू	१९	२२	प	२३	१६	ब	१८	१२	२७	४३	१७	३	३	२३	मी.४।२३	वसंत५ [=२ शत.३राहुःपूभा.१केतुः४
६	श	४४	१२	उ	१८	२२	शि	१८	१३	कौ	१५	४३	२९	४२	१८	४	४	२४	मीने	श्रवणेरविः (सौरः) अभि.नि.रविः=
७	र	४०	४१	रे	१६	३२	सि	१२	३१	ग	१२	२६	३३	४२	१८	५	५	२५	मे.१६।३२	भ.उ.अभि.नि.रविःसौरः भानु७ ÷
८	चं	३६	२१	अ	१३	३२	सा	६	५२	वि	८	३१	३५	४१	१९	६	६	२६	मेषे	भ.८।३१या.भीष्माष्टमी [÷रथ७
९	मं	३०	२०	भ	१०	५२	शु	५१	२६	आ	३	२०	३८	४०	२०	७	७	२७	वृ.२४।५३	
१०	बु	२५	२९	कृ	६	५७	ब्र	४३	२३	ग	२५	२९	४१	४०	२०	८	८	२८	वृषे	भ.५२।१७उ.श्रवणेभौमः७।२७
११	गु	१९	६	रो	३०	५४	ऐं	३४	४७	वि	१९	६	४५	३९	२१	९	९	२९	मि२९।५५	भ. या.वक्रीपुन.१गुरुः जया११व्र.
१२	शु	१२	३	आ	५२	१०	वै	२६	७	बा	१२	३	४८	३८	२२	१०	१०	३०	मिथुने	धनिःबुध५३।१८प्रदोषः
१३	श	५	१७	पु	४७	१४	वि	१७	२६	तै	५	१७	५१	३८	२२	११	११	३१	क.३३।२८	भ.५८।२५उ.धनि.शुक्रः२२।४० –
१४	श	५३	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[– शुक्रोदयःपश्चिमायां३७।१२
१५	र	५२	२९	पु	४२	५९	प्री	९	७	वि	२५	२७	५४	३७	२३	१२	१२	१	कर्के	भ. या.फर्वरी२ता.२८मा.स्ना.पूर्तिः

४२पं.मा.शु.७र.इ. ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	२	९	११	१०	९
११	७	१४	२३	१६	३	१६	११
४२	४३	२६	४८	१७	४१	३६	२९
२९	३०	५८	४३	५३	२०	२७	१९
६०	४५	८	१	७४	५	३	६१
५९	३७	८	व.	३२	२८	११	१३

गोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे ११ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

४३पं.मा.शु.१५र.इ. ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	२	९	११	१०	९
१८	१३	२६	२२	२५	४	१६	१८
४९	११	५२	५९	५	२१	१४	२७
१	४२	१९	४२	३१	५८	१२	२६
६०	४५	८	१	७४	५	३	६१
५५	५७	८	व.	३२	५२	११	४

तिं. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.

१	चं	४७	३५	श्ले	३९	४५	आ	३५	५३	बा	२०	२	२६	३६	२४	१३	१३	२	सि३९।४५	
२	मं	४४	२३	म	३७	५५	शो	४९	३५	तै	१५	५९	२७	३६	२४	१४	१४	३	सिंहे	कुंभेबुधः२९।२९
३	बु	४२	५४	पू	३८	९	अ	४५	४९	व	१३	३८	५	३५	२५	१५	१५	४	कं.५३।३८	भ.१३।३८उ.४२।५४या.
४	गु	४३	१९	उ	४०	७	सु	४३	४५	ब	१३	६	८	३४	२६	१६	१६	५	कन्यायां	कुंभेशुक्रः४१।१२चतुर्थीव्र.
५	शु	४५	४२	ह	४३	५२	धृ	४२	४४	कौ	१४	३०	१२	३४	२६	१७	१७	६	कन्यायां	धनि.रविः१५।२३ (सौरः२६।१७)
६	श	४९	५५	चि	४९	१४	शू	४३	१०	ग	१७	४८	१५	३३	२७	१८	१८	७	तु.१६।३३	भ.४९।५५उ.शतेबुधः१८।२०पातस्पर्श×
७	र	५५	३७	स्वा	५६	७	गं	४४	४१	वि	२२	४६	१९	३२	२८	१९	१९	८	तुलायां	भ.२२।४६या.बुधोदयःपश्चिमायां२०।०
८	चं	६०	०	वि	६०	०	वृ	४६	३९	बा	२८	४०	२३	३१	२९	२०	२०	९	वृ.४६।३५	[×३८।४३पातमोक्षः५०।५०
८	मं	१	४३	वि	३	२५	धु	४९	१	कौ	१	४३	२७	३१	२९	२१	२१	१०	वृश्चिके	
९	बु	८	१७	अ	११	२५	व्या	५१	५	ग	८	१७	३०	३०	३०	२२	२२	११	वृश्चिके	भ.४१।२३उ.शतेशुक्रः३।१२
१०	गु	१४	२९	ज्ये	१८	१३	ह	५२	४७	वि	१४	२९	३४	२९	३१	२३	२३	१२	ध.१८।१३	भ.१४।२९या.कुंभेऽर्कः५०।३९
११	शु	१९	५९	मू	२४	५३	व	५३	३४	बा	१९	५९	३८	२८	३२	२४	२४	१३	धनुषि	कुंभेऽर्कःसौरः०।१५विजया११व्र.
१२	श	२४	१०	पू	२९	१	सि	५३	१४	तै	२४	१०	४१	२८	३२	२५	२५	१४	म.४५।१४	धनि.भौमः४२।९प्रदोषः
१३	र	२६	५९	उ	३३	५५	व्य	५१	४४	व	२६	५९	४५	२७	३३	२६	२६	१५	मकरे	भ.२६।५९उ.५७।३६या.पूभा.बुधः=
१४	चं	२८	१२	श्र	३६	१७	व	४९	११	श	२८	१२	४९	२६	३४	२७	२७	१६	मकरे	महाशिवरात्रीव्र.वै.
३०	मं	२७	५६	ध	३७	१६	प	४५	२४	ना	२७	५६	५३	२५	३५	२८	२८	१७	कुं.६।४६	[=३०।०महाशिवरात्रीव्र.स्मा.

४४ पं.फा.कृ.७र.इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	१०	२	१०	११	१०	९
२५	१८	९	२२	३	५	१५	२५
५४	४०	१४	१७	१२	४	५१	४४
५०	४४	५३	१०	१५	५५	५६	१३
६०	४६	८	२४	७४	६	३	६०
४७	२	८	व.	३२	२०	११	५५

गोचर ग्रहाः

फाल्गुनकृष्ण१० गुरौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टःवा. २ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावेसमताशुक्रोदय पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

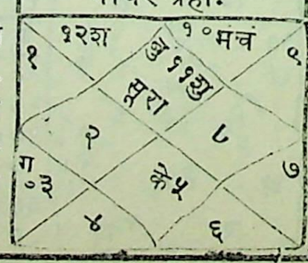

४५पं.फा.कृ.१३र.इ. ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	२	१०	११	१०	१०
२	२४	२०	२१	१२	५	१५	२
५९	१०	२६	४१	३८	५०	२९	५०
४२	५२	३५	४२	१०	४९	४१	१६
६०	४६	८	४	७४	६	३	६०
३७	२	२९	व.	२६	३२	११	४२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः५४३२स.२०२६
१	बु	२६	१४	श	३६	५४	शि	४०	४८	व	२६	१४	३७	२६	३५	२९ २९ १८	कुंभे	चंद्रदर्शनसंभवः
२	गु	२३	४०	पू	३५	२७	सि	३५	१९	को	२३	४०	२८	२४	३६	३० ११९	मीन२०।४९	शतेरविः३३(सौरः३५) रमजान९+
३	शु	२०	११	उ	३३	३१	सा	२९	१३	ग	२०	११	४	२३	३७	१ २२०	मीने	भ.४८।४उ.भा.फाल्गुनारंभः
४	श	१५	५८	रे	३०	४९	शु	२२	३५	वि	१५	५८	८	२२	३८	२ ३२१	मे.३०।४९	भ.१५।५८या.पूभा.शुक्रः४१।४० =
५	र	११	३२	अ	२८	४	शु	१६	७	बा	११	३२	१२	२२	३८	३ ४२२	मेषे	[=पातस्पर्शः३।५३पातमोक्षः१३।३८
६	चं	६	५०	भ	२४	५५	ब्र	९	१३	तै	६	५०	१६	२१	३९	४ ५२३	वृ.३९।६	कुंभेभौमः३३०उभा.२शनिः२।१२
७	मं	१	५६	कृ	२१	३८	ऐं	१९	५३	व	१	५६	२०	२०	४०	५ ६२४	वृषे	भ.१।५६उ.२८।५९या.होलाष्टकम्
८	मं	५५	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	००	[+फुलरिया२
९	बु	५१	४१	रो	१८	१५	वि	४७	४५	बा	२४	२०	२४	१९	४१	६ ७२५	मि४६।२८	
१०	गु	४६	२८	मृ	१४	४१	मी	४०	३१	तै	१९	४	२८	१८	४२	७ ८२६	मिथुने	वक्रीबुधः१५।१३
११	शु	४१	२२	आ	११	२२	आ	३३	२०	व	१३	५५	३२	१८	४२	८ ९२७	क.५३।५१	भ.५५उ.४१।२२या.आमलकी११व्र.
१२	श	३६	२०	पु	८	१	सो	२६	३१	ब	८	५१	३६	१७	४३	९ १०२८	कर्के	बुधास्तःपश्चिमायां१०।४४
१३	र	३१	५७	पु	५	८	शो	२०	३	को	४	८	४०	१६	४४	१० ११ १	कर्के	मीनेशुक्रः४३मार्च३ता.३१प्रदोषः
१४	चं	२८	११	श्ले	२	५५	अ	१४	३	व	२८	११	४४	१५	४५	११ १२ २	सिं२।५५	भ.२८उ.५४या.होलिकादहनमभद्रोत्तरम्
१५	मं	२५	३७	म	१	३५	सु	९	२	ब	२५	३७	४८	१४	४६	१२ १३ ३	सिंहे	शतेभौमः३४०छारेंड्रीग्रस्तोदयंचंद्रग्रहणम्

४६पं.फा.शु.५र इ.४८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	२	१०	११	१०	१०
१०	२९	२७	२१	२१	६	१५	९
३	४१	२६	१५	२३	२८	७	५४
१४	२	३५	२५	१०	२८	२५	४९
६०	४६	३९	५३	७४	६	३	६०
२५	१२	१	व.	२६	४९	११	३१

गोचर ग्रहाः

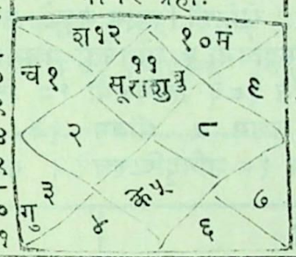

इस मास में धान्यमंदे
रस तेज होवे ।
मकरे च स्थिते भौमे
घृत तेल महर्घता ।
सुभिक्षं तत्रधान्यानां
लोकाना दुःख पीडनं

गोचर ग्रहाः

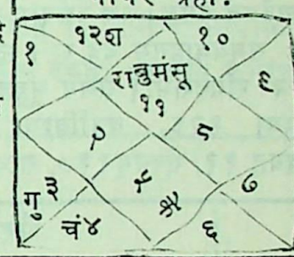

४७ पं.फा.शु.१३र.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	२	११	११	१०	१०
१७	५	२७	२०	०	७	१४	१६
५	१२	२०	५७	७	२८	४५	५७
२८	०	४९	५४	१६	८	९	४४
६०	४६	४०	३३	७४	७	३	६०
१२	११	व.	व.	२६	२	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	बु	२४	१८	पू	१	३९	भृ	५	८	को	२४	१८	२८	१४	४९	१३ १४ ४	क.१६।५४	पूफा.रविः५७(सौरः५०)उभा.शुक्रः ×
२	गु	२४	४३	उ	२	४०	रू	२	४०	ग	२४	४३	२९	१३	४७	१४ १५ ५	कन्यायां	भ.५५।४६उ. [×२४।२२वसंत१
३	शु	२६	४८	ह	६	२२	गं	१	२३	वि	२६	४८	२९	१२	४८	१५ १६ ६	तु.२८।३८	भ.२६।४८या.चतुर्थीव्र.
४	श	३०	२०	चि	१०	५३	भृ	१	६	बा	३०	२०	५	११	४९	१६ १७ ७	तुलायां	अस्तंशनेः५५।४७
५	र	३५	२९	स्वा	१७	५	धु	२	२	कौ	२	५४	९	१०	५०	१७ १८ ८	तुलायां	मार्गीगुरुः५५।२४
६	चं	४१	१८	वि	२३	५८	ज्या	३	३९	ग	८	२३	१२	९	५१	१८ १९ ९	वृ.७।१५	भ.४१।१८उ.वक्रीशतेबुधः५३।३१
७	मं	४७	४१	अ	३१	३२	ह	५	४९	वि	१४	२९	१७	९	५१	१९ २० १०	वृश्चिके	भ.१४।२९या.
८	बु	५४	१	ज्ये	३९	१	व	८	२	बा	२०	५१	२१	८	५२	२० २१ ११	व.३९।१	शीतलापूजनम्
९	गु	५९	४८	मू	४७	१	सि	१०	१३	तै	२६	५४	२६	७	५३	२१ २२ १२	धनुषि	[+बुधोदयःपूर्वस्यां५६।५७
१०	शु	६०	०	पू	५१	५०	व्य	११	२५	च	३२	०	३०	६	५४	२२ २३ १३	धनुषि	भ.३२।०उ.
१०	श	४	१३	उ	५६	१६	व	११	४३	वि	४	१३	३४	५	५५	२३ २४ १४	म.७।५६	भ.४।१३या.मीनेऽर्कः४३(सौरः५०।४५+
११	र	७	१५	श्र	५८	५९	प	१०	४६	बा	७	१५	३८	४	५६	२४ २५ १५	मकरे	रेवत्यांशुक्रः७।४७पापमोचनी११व्र.
१२	चं	८	२१	ध	५९	४९	शि	८	२५	तै	८	२१	४३	३	५७	२५ २६ १६	कुं.२९।२४	प्रदोषः
१३	मं	७	३८	श	५९	३	सि	४९	५४	व	७	३८	४७	३	५७	२६ २७ १७	कुम्भे	भ.७।३८उ.३६।२५या.
१४	बु	५	१२	पू	५६	४१	शु	५३	१४	श	५	१२	५१	२	५८	२७ २८ १८	मी४२।१७	उभा.रविः४।५१(सौरः१२।२१)
३०	गु	१	२०	उ	५३	१६	शु	४६	७	ना	१	२०	५५	१	५९	२८ २९ १९	मीने	मन्वादिःनवरात्रारंभः

४८पं.चै.कृ.५र.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	२	११	११	१०	१०
२४	१०	२१	२०	८	८	१४	२३
६	४२	११	५०	१०	१९	२२	५९
१४	४९	१८	१७	६	८	५४	७
५९	४६	३८	१	७४	७	३	६०
५८	१८	व.	व.	२०	१०	११	६

गोचर ग्रहाः

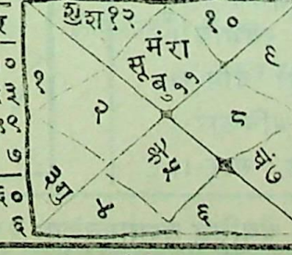

चैत्र कृष्णे १० शनौ
मीनेऽर्कः प्रविष्टः
वा.३न.३कुमार्यवस्था
(बैठी) मु.४५धान्या-
दि भावे समर्घता
शुक्रोदयःपश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

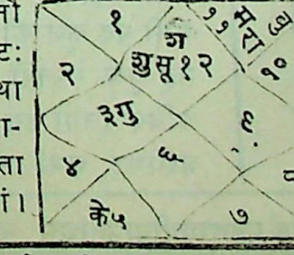

४९पं.चै.कृ.११र.इ.४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	२	११	११	१०	११
१	१६	१६	२०	१७	९	१४	०
५	१३	३९	५२	३१	१०	०	५८
३१	१२	२२	१९	४८	४१	३८	४९
५९	४६	३८	१	७४	७	३	५९
४१	१८	व.	मा	१४	२०	११	४९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२७, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२७, भोग्यकलिः ४२६८७३, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०८३, शाकः १९४८, अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः । मंत्री भौमः । सस्येशः गुरुः । धान्येशः बुधः । मेघेशः चंद्रः । रसेशःशनिः। नीरसेशः गुरुः। फलेशः रविः । धनेशः गुरुः । दुर्गेशः चंद्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां १४ रौद्रनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १।२२।५३।४६।३६ भोग्यमासादिः १०।७।६।१३।२४नासत्यदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम पौषः।मेघनाम पुष्करः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासोःमालाकार गृहे । समय विश्वा १८ समयवाहनम् दर्दुरः । स्तंभः१ जलस्य । सोमवत्यमा २ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी × भानुसप्तमी२ रविदशमी१ समय मुहूर्ताः ३४५ समयदिनानि ३८३ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा १२६, वर्षाविश्वा १७, धान्यम् ११, तृणम् ५, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्११७, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिरुत्तरे । ग्रहणाऽभावः ।

माघ शुक्ला १४ शनिवार को अर्द्ध रात्रि पश्चात् रेल्वे घं. ४ मि. ४५ के समय चंद्रबिंब पर मालिन्यता आवेगी । यह ग्रहण अल्पग्रास होने से अनादेश्य है । स्पष्ट दृष्टिगोचर नहीं होगा।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

माता के दरबार में पूछै भैरवलाल ।
तीयासी की साल का कहो शुभाशुभ हाल ।।

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे हाल सुनो चितलाय ।
तियासी की साल का कहुं भेद समझाय ।।
राष्ट्रपति अरु धनपति सस्याधिप गुरु जान ।
जग में सुख संपत्ति रहे बढै मान सन्मान ।।
रोहिणी वासो जलधि में संवत मालाकार ।
वर्षा विश्वा सप्तदश वर्षे मूसलधार ।।
मंत्री पद कुज को मिला इनका क्रूर स्वभाव ।
यह सुख से नहीं रहन दे बिच २ देखे दाव ।।
अधिक लिया इस वर्ष में सौम्य ग्रहां अधिकार ।
बंशीधर शर्मा कहे उत्तम इनका सार ।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	११	५	८	२	५	८
ख.	५	१४	११	१२	५	११

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	५	११	१४	२	२	१४
ख.	१४	५	११	८	८	११

वर्ष लग्नम् ११।१५

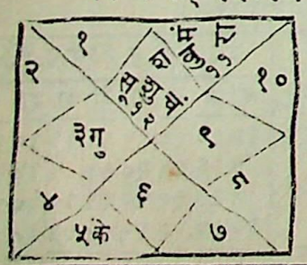

वर्षेश लग्नम् १।१६

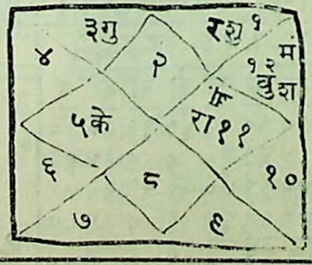

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।४।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१२।२१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation, USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुस्तत्फलम् ।। गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले काम दुधाश्च धेनवः ।। यजंति विप्रा बहवोग्नि होत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ।। मंत्री भौमः फलम् ।। अवनिजो ननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्यु गदादिज वेदना । जनपदेषु जयं सुख संचयं न बहु गोषु पयो द्विज कर्म च ।। सस्येशो गुरुः फलम् ।। कणपतौ सुरराज पुरोहिते सकल सौख्यकरः श्रुतिपूर्वकाः ।। जलधरा जलदा बहु सस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनिवै ।। धान्येशो बुधेः फलम् ।। बुधे धान्याधिपे मेघा जलं मुंचंति वै भृशम् ।। सैंधवे लाट देशे च माधवोऽल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजखरादिषु दुग्ध रसं तदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती ननु भामिनी ।। रसेशः शनिः फलम् ।। रविसुते रसपे रस संक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः अजगवां गज वाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषु नरा न रसैर्युताः ।। नीरसेशो गुरुः फलम् ।। हरिद्रापीत वस्तूनां पीतवस्त्रादिकञ्चयत् । नीरसेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ।। फलेशो रविः फलम् ।। द्रुमवती वर पुष्यवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषिता । बहु जलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो गुरुः फलम् ।। सुमनसां च गुरु र्द्रविणाधिपो वणिज वृत्ति परा सुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुवि मानवाः ।। दुर्गेशश्चंद्रः फलम् ।। गढ़पतिः शशलांछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नरवरा वर वर्णित विग्रहाः ।। रौद्रनाम संवत्सरः फलम् ।। रौद्रेब्दे नृप संभूत क्षोभ क्लेश समन्वितो सततं त्वखिला लोकाः मध्य सस्यार्घ वृष्टयः ।। वर्षनाम पौषः फलम् ।। पौषेब्दे सुखिनः सर्वे गुरु पूजारता जनाः । क्षेत्रं सुभिक्षमारोग्यं वृष्टि कृषक सम्मता ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मंद वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे ।। समुद्रेतु महा वृष्टिः ।। समयनिवासो मालि गृहे । मालिनः प्रचुरावृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ५ भौमे मृगे ल. ऽन्यगो रे. ८ ऽ।।।।ऽऽ।।

प्र. ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ भौमे मूले ल. गो. १० रे. ७ ।।।ऽबृ।ऽअ।ऽ।।
पादतोवेधाऽभावः

द्वि. ज्येष्ठ मासः

शुक्ला ८ चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।ऽचौ।ऽ।।
,, १५ चन्द्रे मुले ल. १ (व्ययेशनिः) रे. ७
।।।ऽबृ।ऽनृ।ऽ।। पादतोवेधाऽभावः

आषाढ मासः

कृष्णा ६ चन्द्रे उभा. ल. १ (व्ययेऽर्की) रे. ७
ऽ।।।।ऽअऽ।।।

माघ मासः

कृष्णा ३ चन्द्रे उफा ल. ८ रे. ८ ।।।।।ऽअ।ऽ।।
,, ५ भौमे उफा ल. गो. रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।
,, ९ रवौ अनु. ल. ऽन्यगो रे. ६ ऽ।।।।ऽरोऽऽ।।
शुक्ला १० भौमे मृगे ल. गो. (सोग्रांगः) ७ रे. ८
ऽ।।।।।।ऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ७ शनौ अनु. ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ७ रे. ७
ऽ।।।।।ऽऽ।।
,, ९ चन्द्रे मूले ल. ७-८ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ६ रवौ रोहि ल. ऽन्यगो रे. ६ ऽ।।।।ऽअऽऽ।।

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः ५४६२स.२०२६
१	गु	५४	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=मीनेभौमः$\frac{३}{४}$हनुमज्जयंती
२	शु	५०	६	रे	४६	५	ब्र	३८	२३	बा	२३	३	३०	६	०	मे.४९।५	पूभा.भौमः३६।१६ चंद्रदर्शनम् सिंघारा
३	श	४३	४७	अ	४४	४१	ऐं	३०	१०	तै	१६	५६	४	५९	१	सेषे	मार्गीबुधः$\frac{५१}{३२}$सव्वाल१०मत्स्यजयंती×
४	र	३७	२६	भ	४०	३२	वै	२२	०	व	१०	३६	८	५८	२	१	२२	बृ.५४।२२	भ.$\frac{१६}{१}$उ.$\frac{३७}{३६}$या.उभा.३शनिः$\frac{२७}{२३}$भा.+
५	चं	३१	२०	कृ	३५	५४	वि	१४	१७	ब	४	२३	१२	५८	२	२	३	२३	बृषे	[×गणगौरी [+चैत्रारंभः
६	मं	२५	२७	रो	३२	१	श्री	३८	५२	तै	२५	२७	१६	५७	३	३	४	२४	वृषे	[–५३।३०उदयोभौमः५१।३६
७	बु	२०	१	मृ	२८	३४	सो	५२	१६	व	२०	१	२१	५६	४	४	५	२५	मि०।१७	भ.२०।१उ.४७।३४या.अश्वि.मेषे शुक्रः–
८	गु	१५	८	आ	२५	३१	शो	४५	५४	ब	१५	८	२५	५५	५	५	६	२६	मिथुने	रामनवमी स्मा.
९	शु	१०	५१	पु	२३	१७	अ	४०	०	कौ	१०	५१	२९	५४	६	६	७	२७	क.८।५१	रामनवमी वै.
१०	श	७	७	पु	२१	४०	सु	३४	४५	ग	७	७	२३	५३	७	७	८	२८	कर्के	भ.$\frac{३५}{३८}$उ.शत.२राहुःमघा.४केतुः३७।९
११	र	४	९	श्ले	२०	४३	धृ	२९	५९	वि	४	९	३७	५३	७	८	९	२९	सिं२०।४३	भ.४।९या.कामदा११व्र.
१२	चं	१	४८	म	२०	३१	शू	२६	२	बा	१	४८	४१	५२	८	९	१०	३०	सिंहे	प्रदोषः
१३	मं	०	३९	पू	२१	२९	गं	२२	५२	तै	०	३९	४५	५१	९	१०	११	३१	कं.३६।५८	रेवत्यांरविः३२।२६ (सौरः३८।४८)
१४	बु	०	२६	उ	२३	२७	धृ	२०	३८	व	०	२६	४९	५०	१०	११	१२	१	कन्यायां	अप्रेल४ता.३०
१५	गु	१	२७	ह	२६	५०	ध्रु	१९	४१	ब	१	२७	५३	४९	११	१२	१३	२	तु.५९।८	भ.०।२६उ.३०।२७या.पूभा.बुधः$\frac{२५}{५०}$=

५०पं.चै.शु.४र.इ. $\frac{५०}{०}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	२	११	११	१०	११
८	२१	१४	२१	२६	१०	१३	७
३	४३	४०	२	११	२	३८	५६
१८	१२	२३	५३	३५	४६	२३	४४
५९	४६	६	२	७४	७	३	५९
२९	१८	११	३०	८	२०	११	३५

गोचर ग्रहाः

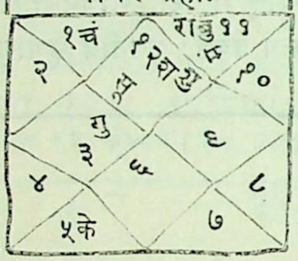

इस मास में चांदी सोना रुई घटबढ लेकर तेज होजावे धान्य गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ कुछ मंदे होंगे ।

गोचर ग्रहाः

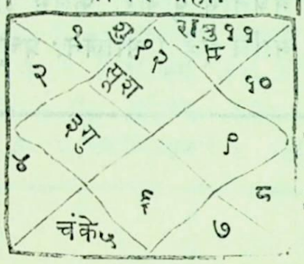

५१पं.चै.शु.११र.इ. $\frac{५०}{२१}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	२	०	११	१०	११
१४	२७	१७	२१	४	१०	१३	१४
५९	१२	५६	२३	४९	५५	१६	५२
१०	४	१३	३१	५५	१	७	५५
५९	४६	३४	३	७४	७	३	५९
१६	१३	२८	५३	२	२०	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८									दि. उ. अ.			भा. मु. इं			चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	शु	३	५०	चि	३१	२६	ज्या	१९	१४	कौ	३	५०	३०	५७	४९	६	११	१३	१४	३	तुलायां	
२	श	७	३०	स्वा	३७	१४	ह	२०	०	ग	७	३०	३१	५१	४८	१२	१४	१५	४	तुलायां	भ.४०।२उ.
३	र	१२	३५	वि	४३	३८	व	२१	२९	वि	१२	३५	५	४७	१३	१५	१६	५	वृ.२७।२	भ.$\frac{१२}{१५}$या.भरण्यांशुक्रः$\frac{४५}{५१}$ चतुर्थी व्र.
४	चं	१८	५	अ	५१	१३	सि	२३	३०	बा	१८	५	८	४६	१४	१६	१७	६	वृश्चिके	उभा.भौमः४३।२३
५	मं	२४	२०	ज्ये	५७	५८	व्य	२५	५६	तै	२४	२०	१३	४६	१४	१७	१८	७	ध.५७।५८	
६	बु	३१	५	मू	६०	०	व	२८	२३	व	३१	५	१६	४५	१५	१८	१९	८	धनुषि	भ.३१।५उ.
७	गु	३६	४४	मू	६	१२	ध	३०	२३	वि	३	५४	१९	४४	१६	१९	२०	९	धनुषि	भ.३।५४या.
८	शु	४१	४०	पू	१२	५३	शि	३१	२४	बा	९	१२	२३	४३	१७	२०	२१	१०	ष.२९।१४	मीनेबुधः५६।१
९	श	४५	१४	उ	१८	१७	सि	३१	३५	तै	१३	२७	२६	४३	१७	२१	२२	११	मकरे	
१०	र	४७	६	श्र	२१	५९	सा	३०	१७	व	१६	१०	३०	४२	१८	२२	२३	१२	कुं.५२।५७	भ.१६।१०उ.४७।६या.
११	चं	४६	४९	ध	२३	५५	शु	२७	११	ब	१६	५७	२४	४१	१९	२३	२४	१३	कुम्भे	उभा.बुधः२६।१६वरुथिनी११व्र.
१२	मं	४४	३३	श	२३	४१	शु	२२	४६	कौ	१५	४१	३८	४०	२०	२४	२५	१४	कुंभे	अश्वि.मेषेऽर्कः६।२७ (सौरः१३।२२)
१३	बु	४०	३०	पू	२१	५३	व्र	१६	५४	ग	१२	३१	४२	४०	२०	२५	२६	१५	मी७।२०	भ.४०।३०उ. प्रदोषः
१४	गु	३४	३८	उ	१८	१५	ऐं	९	२३	वि	७	३४	४६	३९	२१	२६	२७	१६	मीने	भ.७।३४या.कृत्ति.शुक्रः३७।५६
२०	शु	२७	२३	रे	१३	९	वै	५०	५१	च	१	०	५०	३८	२२	२७	२८	१७	मे.१३।९	

५२पं.वै.कृ.३र.इ. $\frac{५०}{५१}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	२	०	११	१०	११
२१	२२	२४	२१	१३	११	१२	२१
५३	३९	९	५३	२६	४७	५३	४७
३१	३२	२५	०	१०	१३	५१	६
५९	४६	५८	५	७३	७	३	५९
४	१३	२३	२	५५	१४	११	४

गोचर ग्रहाः

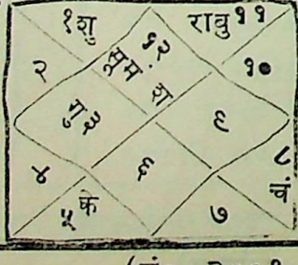

वैशाख कृष्णे १२ भौमे मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

१पं.वै.कृ.१२मं.इ. $\frac{५०}{५७}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	२	०	११	१०	११
०	९	४	२२	२३	१२	१२	२९
०	४	१३	३५	३३	४९	२७	५३
०	४१	३७	३५	४०	१	४३	२०
५८	४५	८०	६	७३	७	३	५८
४४	५८	३	२०	४८	८	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

तिथि: वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वसंततुरविरुत्तरेऽहर्गणः५४९१स.२०२६

१	श	१९	२३	अ	७	१४	ग्री	४२	१४	ब	१९	२३	३१	५	३७	६	२८	२९	१८	मेषे	उभा.४शनिः१८।३९ चंद्रदर्शनम्
२	र	११	४	भ	१	५३	आ	३२	४३	कौ	११	४	५७	३७	२३		२९	१	१९	वृ.१४।३२	वृषेशुक्रः३३जिल्काद११परशुरामजयंती
३	चं	३	४	रो	४९	४	सौ	२३	६	ग	३	४	३२	३६	२४		३०	२	२०	वृषे	भ.२१उ.५७या.पुन.२गुरुः५३अक्षया३
४	चं	५२	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	० ०	
५	मं	४८	१६	मृ	४४	५	शो	१४	३४	ब	२१	४६	५	३५	२५		१	३	२१	मि१६।३५	भा.वैशाखारंभः
६	बु	४२	७	आ	४०	२	अ	९	५४	कौ	१५	११	९	३४	२६		२	४	२२	मिथुने	रेवत्यांबुधः२३।४५
७	गु	३७	१७	पु	३७	७	धृ	५३	२०	ग	९	४२	१२	३४	२६		३	५	२३	क.२२।५१	भ.३७।१७उ.रेवत्यांभौमः५७।१४
८	शु	३३	३१	पु	३५	१७	शू	४८	४	वि	५	२४	१६	३३	२७		४	६	२४	कर्के	भ.५।२४या.
९	श	३०	५९	श्ले	३४	५२	गं	४३	५७	बा	२	१५	२०	३२	२८		५	७	२५	सिं३४।५२	
१०	र	२९	३५	म	३५	२३	वृ	४०	४१	तै	०	१७	२३	३१	२९		६	८	२६	सिंहे	भ.५९।३०उ.
११	चं	२९	२५	पू	३७	१४	ध्रु	३८	२१	वि	२९	२५	२७	३१	२९		७	९	२७	कं.५२।५५	भ.३५या.भरण्यांरविः३६(सौरः५४)=
१२	मं	३०	२६	उ	४०	०	व्या	३६	५६	बा	३०	२६	३१	३०	३०		८	१०	२८	कन्यायां	[=रोहि.शुक्रः३३मोहिनी११व्र.
१३	बु	३२	२४	ह	४४	३	ह	३६	४०	कौ	१	२५	३४	२९	३१		९	११	२९	कन्यायां	प्रदोषः
१४	गु	३५	३६	चि	४९	१	व	३६	२९	ग	४	०	३८	२८	३२		१०	१२	३०	तु.१६।३२	भ.३५उ.अश्वि.मेषेबुधः४नृसिंहजयंती
१५	शु	३९	४५	स्वा	५४	५७	सि	३७	३५	वि	७	४०	४१	२८	३२		११	१३	१	तुलायां	भ.७०या.मई५ता.३१यमायकुंभदानम्

२पं. वै.शु.५मं.इ.६।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	२	१	११	१०	०
६	१४	१४	२३	२	१३	१२	६
५०	२९	३६	२१	६	३९	५	४३
४८	२०	१४	४३	४७	२५	२८	३१
५८	४५	९६	७	७३	६	३	५८
३१	५८	३२	१७	३८	५६	११	२९

गोचर ग्रहाः

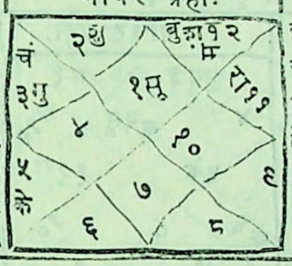

इस मास में शनि का चन्द्रदर्शन चांदीसोना रुई रंग सूतमें अच्छी तेजी करेगा रसकस कुछ मंदे हों।

गोचर ग्रहाः

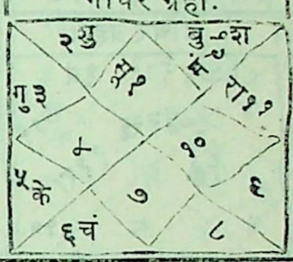

३पं.वै.शु.१२मं.इ. ७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	२	१	११	१०	०
१३	१९	२६	२४	१०	१४	११	१३
२९	५३	२७	१४	३७	२८	४३	३१
५०	२८	११	४३	३०	१	१२	५६
५८	४५	९०	८	७३	६	३	५८
१९	४३	११	२६	२४	३८	११	१२

तिथि: प्र.ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मतुरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	श	४४	५८	वि	६०	०	व्य	३९	५	बा	१२	२१	३२	५	३७	६	१२	१४	२	वृ.४४।५६	बुधास्तःपूर्वस्यां५९।५५
२	र	५०	३१	वि	१	३५	व	४१	५	तै	१८	१४	४८	२६	३४		१३	१५	३	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्
३	चं	५६	३५	अ	८	४९	ए	४३	२८	व	२३	३३	५२	२६	३४		१४	१६	४	वृश्चिके	भ.२३।३३उ.५६।३५या.
४	मं	६०	०	ज्ये	१६	२५	शि	४५	५५	ब	२९	४३	५५	२५	३५		१५	१७	५	ध.१६।२५	चतुर्थी व्रतम्
५	बु	२	५१	मू	२४	२	सि	४८	१९	बा	२	५१	५८	२४	३६		१६	१८	६	धनुषि	भरण्यांबुधः५५।१०
६	गु	९	५	पू	३१	१३	सा	५०	११	तै	९	५	३३	२४	३६		१७	१९	७	म.४७।४७	
७	शु	१४	२०	उ	३७	२७	शु	५१	७	व	१४	२०	५	२३	३७		१८	२०	८	मकरे	भ.१४उ.४६या.मृगेशुक्रः३४
८	श	१८	३६	अ	४२	३२	शु	५१	२	ब	१८	३६	८	२२	३८		१९	२१	९	मकरे	
९	र	२१	१८	ध	४५	५५	व्र	४९	३७	कौ	२१	१८	११	२२	३८		२०	२२	१०	कुं.१४।१३	[×अश्वि.मेषेभौमः२१६
९	चं	२२	१३	श	४७	१७	ऐं	४६	३१	ग	२२	१३	१४	२१	३९		२१	२३	११	कुंभे	भ.५१उ.कृत्ति.रविः३३(सौरः४९)×
१०	मं	२१	२	पू	४६	४६	वै	४१	५६	वि	२१	२	१७	२१	३९		२२	२४	१२	मी३१।५४	भ.२१।२या.
११	बु	१७	५३	उ	४४	१३	वि	३५	४०	बा	१७	५३	२०	२०	४०		२३	२५	१३	मीने	कृत्ति.बुधः१३।५६अपरा११व्र.
१२	गु	१२	४६	रे	३९	५१	ग्री	२७	४९	तै	१२	४६	२३	१९	४१		२४	२६	१४	मे.३९।५१	वृषेऽर्कः५९वृषेबुधः४७मिथुनेशुक्रः८२+
१३	शु	५	४६	अ	३४	१	आ	१८	४८	व	५	४६	२६	१९	४१		२५	२७	१५	मेषे	भ.५६उ.३१या.वृषेऽर्कःसौरः१०।३२
१४	शु	५१	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	० ०	[+पुन.३गुरुः५६ प्रदोषः
३०	श	४८	३९	भ	२७	११	सौ	९	४९	च	२३	०	२८	१८	४२		२६	२८	१६	वृ.४०।१९	वटपूजनम्

४पं.प्र.ज्ये.कृ.४मं.इ.७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	२	१	११	१०	०
२०	२५	९	२१	१९	१५	११	२०
२७	१५	४१	१३	६	१५	२०	१८
२९	४०	४२	५५	३२	४	५६	४२
५८	४९	९१	९	७३	६	३	५७
६	३३	२१	१६	१४	२६	११	५७

गोचर ग्रहाः

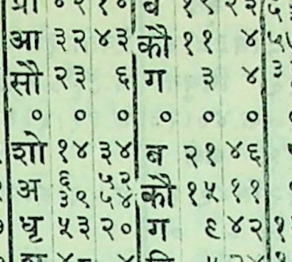

प्र.ज्येष्ठकृष्णे १२गुरौ वृषेऽर्कःप्रविष्टः वा.३ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

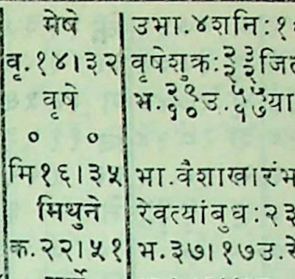

५पं.प्र.ज्ये.कृ.१०मं.इ.७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	२	१	११	१०	०
२७	०	२४	२६	२७	१६	१०	२७
१३	३४	१७	१८	३२	०	५८	३
३७	४४	३८	४०	३५	४	४१	५६
५७	४५	९१	९	७२	६	३	५७
५४	१८	२८	५३	५६	१३	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	प्र.ज्येष्ठशुक्लपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५५२०स.२०२६
१	र ३८ ३५ कृ १९ ४१ अ ४७ ५२ किं १३ ३७	३३/३९	५	१८	६	२७	२९	१७	वृषे
२	चं २९ १ रो १२ १६ सु ३७ २८ बा ३ ४८	३४	१७	४३	२८	३०	१८	मि३८।४५	रेवती.१शनिः३१।३२ चन्द्रदर्शनम्
३	मं १९ ५९ मृ ५५/५३ धृ २७ ४० ग १९ ५९	३७	१७	४३	२९	१	१९	मिथुने	भ.४५/४६उ.रोहिण्यांबुधः१५/१५आर्द्रा.शुक्रः=
४	बु ११ ५३ पु ५४ १४ शू १८ ३४ वि ११ ५३	३९	१६	४४	३०	२	२०	क.४०।२३	भ.११।५३या.
५	गु ५ १५ पु ५० ४९ गं १० २ बा ५ १५	४२	१६	४४	३१	३	२१	कर्के	[=४/३९जिल्हेज१२
६	शु ० ६ श्ले ४९ १४ बृ ४/३५/३७ तै ० ६	४४	१५	४५	१	४	२२	सिं४९।१४	भ.५६।४४उ.भा.ज्येष्ठारंभः
७	शु ५६ ३८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	श ५४ ५३ म ४९ १७ व्या ५६ २ वि २५ ४८	४७	१५	४५	२	५	२३	सिंहे	भ.२५।४८या.
९	र ५४ ५२ पू ५० ५३ ह ५३ ३५ बा २४ ५२	४९	१४	४६	३	६	२४	सिंहे	[×४/३७बुधोदयःपश्चिमायां३७
१०	चं ५६ १८ उ ५४ ८ व ५२ २२ तै २५ ३५	५३	१४	४६	४	७	२५	कं.६।४२	रोहि.रविः३/३३(सौरः३/३६)मृगेबुधः×
११	मं ५९ ४ ह ५८ ३० सि ५२ २२ व २७ ४१	५४	१३	४७	५	८	२६	कन्यायां	भ.२/१७उ.५९/४या. कमला११व्र.स्मा.
१२	बु ६० ० चि ६० ० व्य ५३ ४ व ३१ ०	५६	१३	४७	६	९	२७	तु.३१।१५	कमला११व्र.वे.
१३	गु २ ५६ चि ४ १ व ५४ १२ बा २ ५६	५८	१२	४८	७	१०	२८	तुलायां	
१४	शु ७ ३८ स्वा १० १४ प ५६ १४ तै ७ ३८	०/३४	१२	४८	८	११	२९	तुलायां	मिथुनेबुधः२।८भरण्यांभौमः४।५१
१५	श १३ २२ वि १७ ११ शि ५८ १९ व १३ २२	२	१२	४८	९	१२	३०	वृ.०।२७	भ.१/३२उ.४/६३या.पुन.शुक्रः५/५४शत.२+
१५	र १९ ५ अ २४ २७ सि ६० ० ब १९ ५	३	११	४९	१०	१३	३१	वृश्चिके	[+राहुःमघा.३केतुः३/५

६पं.प्र.ज्ये.शु.३मं.इ.७/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	२	२	११	१०	१
३	५	९	२७	५	१६	१०	३
५८	५१	३४	२८	२६	४२	३६	४७
४४	३२	१६	३०	२०	३२	२५	४०
५७	४५	५९	१०	७२	५	३	५७
४४	१८	५५	३६	३८	५०	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य धातु गल्ला रस घृत तेल वस्त्र रुई तेज हो प्रजा में महामारी फैले वर्षा अच्छीहो।

गोचर ग्रहाः

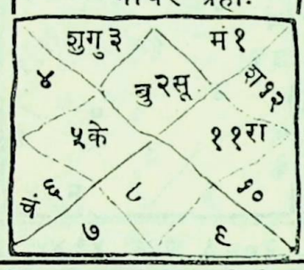

७पं.प्र.ज्ये.शु.११मं.इ.७/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	२	२	११	१०	१
१०	११	२४	२८	१४	१७	१०	१०
४२	६	१३	४२	१६	२२	१४	२९
४०	५०	५५	३२	४४	१२	१०	५१
५७	४५	५९	११	७२	५	३	५७
३५	६	५८	१३	१६	२५	११	२३

ति.	द्वि.ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे प्र.ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	चं २५ ५ ज्ये ३१ ५८ सि ० ४० कौ २५ ५	३४/३५	५/५१	६/४९	११	१४	१	ध.३१।५८	आर्द्रा.बुधः५६।५६जून६ता.३०
२	मं ३१ १७ मू ३९ २५ सा ३ ९ ग ३१ १७	७	११	४९	१२	१५	२	धनुषि	पुन.४कर्के गुरुः५।१९
३	बु ३७ ८ पू ४६ ४० शु ५ ३१ व ४ १२	९	१०	५०	१३	१६	३	धनुषि	भ.४।१२उ.३७।८या.
४	गु ४२ २१ उ ५३ १ शु ७ २६ व ९ ४४	१०	१०	५०	१४	१७	४	म.३।१५	चतुर्थी व्र.
५	शु ४६ ४० श्र ५८ ४४ व्र ८ ५० कौ १४ ३०	१२	१०	५०	१५	१८	५	मकरे	
६	श ४९ ५६ ध ६० ० ऐं ९ २३ ग १८ १८	१३	९	५१	१६	१९	६	कुं.३०।५५	भ.४९।५६उ.
७	र ५१ ४१ ध ३ ५ वै ८ ५९ वि २० ४८	१५	९	५१	१७	२०	७	कुंभे	भ.२०।४८या.
८	चं ५१ ४६ श ६ ८ वि ७ २४ वा २१ ४३	१६	९	५१	१८	२१	८	मी५२।५	मृगेरविः१९(सौरः३५/३४)कर्के शुक्रः२५/१५
९	मं ५० ४ पू ७ २४ ग्री ४/२३/२४ तै २० ५५	१७	९	५१	१९	२२	९	मीने	
१०	बु ४६ २९ उ ६ ५० सौ ५३ ४५ व १८ १६	१८	८	५२	२०	२३	१०	मीने	भ.१८।१६उ.४६।२९या.
११	गु ४० ३९ रे ४ २० शो ४६ १० व १३ ३४	१९	८	५२	२१	२४	११	मे.४।२०	पुन.बुधः५/पुष्येशुक्रः१/१४कमला११व्र.
१२	शु ३३ ४० अ ९/५४ अ ३७ २६ कौ ७ ९	१९	८	५२	२२	२५	१२	मेषे	
१३	श २५ ३५ कृ ४७ १२ सु २७ ४४ व २५ ३५	२०	८	५२	२३	२६	१३	वृ.७।२६	भ.२५।३५उ.५०।३३या.
१४	र १५ ३२ रो ३९ ३० धृ १७ ११ श १५ ३२	२१	८	५२	२४	२७	१४	वृषे	
३०	चं ५ ३० सृ ३१ ४४ शू ६/१९/५९ ना ५ ३०	२१	८	५२	२५	२८	१५	मि५।३७	मिथुनेऽर्कः१६।४०(सौरः३६।१२)

८पं.द्वि.ज्ये.कृ.२मं.इ.७/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	३	२	११	१०	१
१७	१६	६	०	२२	१७	९	१७
२५	१८	५८	०	३४	५८	५१	१०
२६	५८	३४	२९	२६	१९	५४	५७
५७	४४	०/८	११	७१	४	३	५७
२७	५२	४८	५०	५४	५५	११	१२

गोचर ग्रहाः

द्वि.ज्येष्ठकृष्णे३०चंद्रे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ५न५ प्रव्राजिकावस्था (ऊर्ध्वा)मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

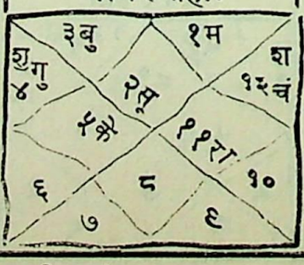

९पं.द्वि.ज्ये.कृ.९मं.इ.७/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	३	३	११	१०	१
२४	२१	१७	१	०	१८	९	२३
७	२८	२१	२१	५०	३१	२९	५०
३०	५९	११	४३	३८	३४	३८	५३
५७	४४	८१	१२	७१	४	३	५७
२२	४०	५६	१५	२१	३१	११	५

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ५५५०स.२०२६

१	चं	४९	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
२	मं	४५	४९	आ	२४	३	बृ	४५	१	बा	२०	३१	३४	८	५२	२६	२९	१६	मिथुने	कृत्ति.भौम:१४।१५ चंद्रदर्शनम्
३	बु	३७	३१	पु	१७	२५	धु	३५	३८	तै	११	४०	२२	८	५२	२७	१	१७	क.४।६	मोहोरम१सन्१४४८हि.
४	गु	३०	३२	पु	११	५४	व्या	२७	१०	व	४	१	२३	७	५३	२८	२	१८	कर्के	भ.४।१उ.३०।३२या पुष्य.१गुरु:३१
५	शु	२५	२८	श्ले	८	१७	ह	२०	३३	बा	२५	२८	२३	७	५३	२९	३	१९	सिं८।१७	
६	श	२२	१४	म	६	३३	व	१५	२६	तै	२२	१४	२३	७	५३	३०	४	२०	सिहे	वृषेभौम:५१।१
७	र	२१	१३	पू	६	४३	सि	११	४४	व	२१	१३	२४	७	५३	३१	५	२१	कं.२२।१९	भ.२१।१३उ.५१।३६या.
८	चं	२२	०	उ	९	७	व्य	९	५२	ब	२२	०	२४	७	५३	१	६	२२	कन्यायां	आर्द्रा.रवि:१५३(सौर:३७४५) कर्के बुध:२३१=
९	मं	२४	३७	ह	१३	४	व	८	४८	कौ	२४	३७	२४	७	५३	२	७	२३	तु.४५।४५	[=आश्ले.शुक्र:३९०भा.आषाढारंभ:
१०	बु	२८	४५	चि	१८	२६	प	१०	५	ग	२८	४५	२४	७	५३	३	८	२४	तुलायां	गंगादशमी
११	गु	३३	५१	स्वा	२४	४३	शि	११	३०	व	१	१८	२४	७	५३	४	९	२५	तुलायां	भ.१९८उ.५३या.पातस्पर्श:४६निर्ज.११व्र.
१२	शु	३९	४९	वि	३२	५	सि	१३	३४	ब	६	५०	२३	७	५३	५	१०	२६	बृ.१५।१५	पातमोक्ष:६।२०
१३	श	४५	५३	अ	३९	२८	सा	१५	५२	कौ	१२	५१	२३	७	५३	६	११	२७	वृश्चिके	वक्रीबुध:४८।३९ प्रदोष:
१४	र	५१	५२	ज्ये	४७	४६	शु	१८	२२	ग	१८	५२	२२	८	५२	७	१२	२८	ध.४७।४६	भ.५१।५२उ.
१५	चं	५७	४६	मू	५५	७	शु	२०	४२	वि	२४	४९	२२	८	५२	८	१३	२९	धनुषि	भ.२४।४९या. गुर्जराणां वटसावित्रीव्र.

१०पं.द्वि.ज्ये.शु.२मं.इ.७।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	३	३	११	१०	२
०	२६	२५	२	८	१९	९	०
४८	३५	१९	४५	५८	०	७	३०
४७	१३	३०	४७	८	२२	२३	२
५७	४४	५०	१२	७०	३	३	५६
१७	१६	४२	३३	५३	५२	११	५७

गोचर ग्रहाः

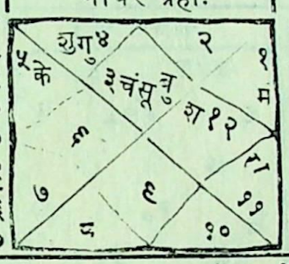

इस मास में मंगल का चंद्रदर्शन गेहूं जौ चना मटर सरसों बाजरा मूंग मोठ धातु गुड़ शक्कर चीनी में तेजी करे।

गोचर ग्रहाः

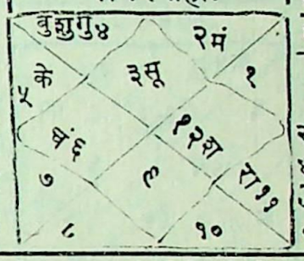

११पं.द्वि.ज्ये.शु.९मं.इ.७।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	३	३	११	१०	२
७	१	०	४	१७	१९	८	७
२९	३९	१५	१२	१	२५	४५	८
४२	२९	४	४७	१९	२३	७	२९
५७	४३	२०	१२	७०	३	३	५६
१३	४०	२३	५८	१३	२०	११	५४

| ति. | आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठ कृष्णेति महा.

१	मं	६०	०	पू	६०	०	ब्र	२२	५०	बा	३१	१	३४	५	५६	९	१४	३०	धनुषि	
१	बु	४	१७	पू	२	१०	ऐं	२४	३७	कौ	४	१७	२०	८	५२	१०	१५	१	म.१८।४०	जुलाई७ता.३१
२	गु	८	२	उ	८	१०	वै	२५	४७	ग	८	२	१९	८	५२	११	१६	२	मकरे	भ.३९।५८उ.
३	शु	११	५४	श्र	१२	४७	वि	२६	२१	वि	११	५४	१८	८	५२	१२	१७	३	कुं.४५।३	भ.११।५४या. चतुर्थी व्र.
४	श	१४	४१	ध	१७	१९	प्री	२६	७	बा	१४	४१	१७	९	५१	१३	१८	४	कुंभे	मघा.सिंहेशुक्र:३४रोहि.भौम:५०पुष्य.२+
५	र	१६	३२	श	२०	५०	आ	२४	५९	ते	१६	३२	१६	९	५१	१४	१९	५	कुम्भे	रेवती.२शनि:५०।५२
६	चं	१७	२	पू	२२	५९	सौ	२२	४७	व	१७	२	१५	९	५१	१५	२०	६	मी७।२७	भ.१७२उ.४६या.पुन.रवि:१३६(सौर:४१७)×
७	मं	१६	१७	उ	२३	४६	शो	१९	२९	ब	१६	१७	१४	९	५१	१६	२१	७	मीने	[×वक्रीमिथुनेबुध:५३३
८	बु	१४	२	रे	२३	२	अ	१५	१	कौ	१४	२	१३	९	५१	१७	२२	८	मे.२३।२	[+गुरु:४२०बुधास्त:पश्चिमायां:२९४
९	गु	१०	४	अ	२०	५०	सु	९	१३	ग	१०	४	११	१०	५०	१८	२३	९	मेषे	भ.३७।२५उ.
१०	शु	४	४५	भ	१७	७	धृ	२९	५२	वि	४	४५	१०	१०	५०	१९	२४	१०	वृ.३०।५१	भ.४।४५या.योगिनी११व्र.स्मा.
११	शु	५३	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	श	४९	५८	कृ	१२	४	गं	४५	१७	कौ	२३	५५	८	१०	५०	२०	२५	११	वृषे	योगिनी११व्र.वै.
१३	र	४१	३	रो	५४	५९	बृ	३५	२२	ग	१५	३०	७	११	४९	२१	२६	१२	मि३२।२२	भ.४१।३उ. प्रदोष:
१४	चं	३१	२६	आ	५१	२९	धु	२५	१	वि	६	१९	५	११	४९	२२	२७	१३	मिथुने	भ.६।१९या.
३०	मं	२१	५९	पु	४४	१३	व्या	१४	२९	ना	२१	५९	३	११	४९	२३	२८	१४	क.३१।२	

१२पं.आ.कृ.१मं.इ.७।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	३	३	११	१०	२
१४	६	१	५	२५	१९	८	१३
१०	४०	४६	४२	१	४६	२२	४६
८	८	५९	४	४८	१२	५२	३४
५७	४३	१०	१३	६९	२	३	५६
७	३४	व	१७	२०	३५	११	५०

१३पं.आ.कृ.७मं.इ.७।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	३	४	११	१०	२
२०	११	२९	७	२	२०	८	२०
५०	३८	५२	१२	५५	२	१०	२४
३५	५६	१२	३६	२३	२८	३६	२८
५७	४३	३३	१३	६८	१	३	५६
७	३४	व	७	२६	३२	५६	११	५०

१४पं.आ.कृ.३०मं इ.७।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	३	४	११	१०	२
२७	१६	२५	८	१०	२०	७	२७
३०	३२	४७	४४	४१	१३	३८	२
५४	३८	१३	६	२४	२६	२०	३५
५७	४३	३३	१३	६७	१	३	५६
११	१	व	३२	२५	१८	११	५४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८ | दि. उ. अ. भा. मु इं. | चन्द्रः | वर्षतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५५७९स.२०२६

१	बु	१२	५५	पु	३७	५०	ह	४ २९	५ ३६	ब	१२	५५	३४ ३७	५ १२	६ ४८	२४	२९	१५	कर्के	चन्द्रदर्शनम्
२	गु	४	५७	श्ले	३२	४०	सि	४७	५७	कौ	४	५७	३५ ३९	१२	४८	२५	१	१६	सिं ३२।४०	कर्केऽर्कः ४ ५३ पूफा.शुक्रः ३९ सफर २रथयात्रा
३	गु	५	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	शु	५	४९	म	२९	७	व्य	३९	५८	व	२६	११	५७	१३	४७	२६	२	१७	सिंहे	भ. २६ उ. ५३ या.कर्केऽर्कःसौरः १४।३१
५	श	५	१ २३	पू	२७	२०	व	३४	४७	ब	२२	३६	५५	१३	४७	२७	३	१८	कं.४२।३०	अस्तंगुरोः २२।१२
६	र	५	१ २	उ	२८	२	प	३१	२८	कौ	२१	१२	५२	१४	४६	२८	४	१९	कन्यायां	पुष्य.३गुरुः५३।२१
७	चं	५	२ ४१	ह	३०	२३	शि	२९	३४	ग	२१	५१	५०	१४	४६	२९	५	२०	कन्यायां	भ. ५२ उ.पुष्येरविः १३ (सौरः ४५)
८	मं	५	६ १६	चि	३४	५६	सि	२९	२९	वि	२४	२८	४८	१४	४६	३०	६	२१	तु.२।४०	भ २४ या.बुधोदयःपूर्वस्यां ५७।३७
९	बु	६	०	स्वा	४०	५०	सा	३०	१७	बा	२८	४३	४५	१५	४५	३१	७	२२	तुलायां	
९	गु	१	१ १	वि	४७	५६	शु	३१	५९	कौ	१	१ १	४३	१५	४५	१	८	२३	वृ.३१।१०	मृगेभौमः५१।३०भा.श्रावणारंभः
१०	शु	७	१४	अ	५५	१६	शु	३४	१८	ग	७	१४	४०	१६	४४	२	९	२४	वृश्चिके	भ.४०।२०उ.मार्गीबुधः४६।२८
११	श	१३	२७	ज्ये	६०	०	ब्र	३६	५६	वि	१३	२७	३८	१६	४४	३	१०	२५	वृश्चिके	भ.१३।२७या.देवशयनी ११व्र.
१२	र	१९	३२	ज्ये	३	३	ऐं	३९	२६	बा	१९	३२	३५	१७	४३	४	११	२६	ध.३।३	प्रदोषः
१३	चं	२५	२१	मू	१०	१९	वै	४१	३६	तै	२५	२१	३३	१७	४३	५	१२	२७	धनुषि	वक्रीशनिः७।८
१४	मं	३०	२८	पू	१७	११	वि	४२	५९	व	३०	२८	३०	१८	४२	६	१३	२८	म.३३।३७	भ.३०।२८उ.उफा.शुक्रः५५।५१
१५	बु	३४	३७	उ	२२	५६	प्री	४३	५४	वि	२	३२	२७	१९	४१	७	१४	२९	मकरे	भ.३२ या.व्यासपूजावायुपरीक्षागुरु १५

१५पं.आ.शु.८मं.इ. ७ १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	३	४	११	१०	३
४	२१	२२	१०	१८	२०	७	३
११	२४	१९	१६	१९	१९	१६	४१
३८	११	२३	४८	२६	४४	५	२
५७	४२	२३ १९८	१३	६६	०	३	५६
१५	१९	व.	३८	०	३९	११	५९

गोचर ग्रहाः

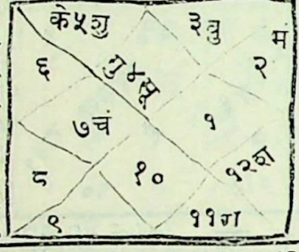

आषाढ शुक्ले २ गुरौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावें समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

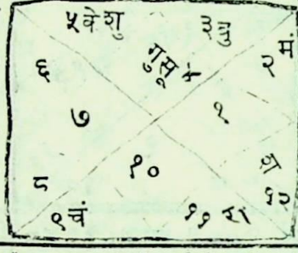

१६पं.आ.शु.१४मं.इ. ७ ८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	३	४	११	१०	३
१०	२६	२२	११	२५	२०	६	१०
५२	१०	४९	५०	४७	२१	५३	२०
४१	४१	१९	२	४२	१४	४९	१९
५७	४२	२१ १९	१३	६४	११	३	५७
२०	२	मा	३८	२५	व.	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८	दि. उ. अ. भा. मु. इं.	चन्द्रः	वर्षतूं रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.

१	गु	३७	४१	अ	२७	५१	आ	४४	४	बा	६	९	३३ ३५	५ १९	६ ४१	८	१५	३०	कुं.५९।४७	[=धनि.४राहुःमघा.२केतुः २६×
२	शु	३९	४२	ध	३१	४४	सौ	४३	१२	तै	८	४१	२३	२०	४०	९	१६	३१	कुंभे	[×अगस्तदता.३१
३	श	४०	३४	श	३४	३४	शो	४१	३६	ब	१०	८	१९	२०	४०	१०	१७	१	कुंभे	भ. १८ उ. ३४ या.कन्यायांशुक्रः ४५=
४	र	४०	२९	पू	३६	२२	अ	३९	१६	ब	१०	३१	१६	२१	३९	११	१८	२	मी २०।५५	मिथुनभौमः४५।५९ चतुर्थी व्र.
५	चं	३९	२३	उ	३७	१६	सु	३५	५९	कौ	९	५६	१३	२१	३९	१२	१९	३	मीने	आश्ले.रविः १० (सौरः ५९) पुष्य.४+
६	मं	३७	२८	रे	३७	७	धृ	३१	५२	ग	८	२५	१०	२२	३८	१३	२०	४	मे.३७।७	भ.३७।२८उ.
७	बु	३४	१४	अ	३५	४८	शू	२७	१	वि	५	५१	७	२३	३७	१४	२१	५	मेषे	भ.५।५१या.मिथुनेबुधः३१।१५
८	गु	३०	१०	भ	३३	४३	गं	२१	२०	बा	२	३७	४	२३	३७	१५	२२	६	वृ.४७।५६	[+गुरुः५२।२०नाग५
९	शु	२५	५	कृ	३०	३५	बृ	१४	५५	ग	२५	५	०	२४	३६	१६	२३	७	वृषे	भ.५२।३उ.
१०	श	१९	२	रो	२६	२६	ध्रु	७ ३२	५१ ५३	वि	१९	२	३२	२५	३५	१७	२४	८	मि५३।५६	भ.१९।२या.पुष्यबुधः२२।४९
११	र	१२	७	मृ	२१	२६	ह	५०	४६	बा	१२	७	५४	२५	३४	१८	२५	९	मिथुने	कामिका ११व्र.
१२	चं	४	२३	आ	१५	५०	व	४१	३२	तै	४	२३	५०	२६	३४	१९	२६	१०	क.५६।२४	भ.५६।१७उ.हस्तेशुक्रः ५९ प्रदोषः
१३	चं	५	१ ५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	मं	४	८ १६	पु	९	५५	सि	३२	२२	वि	२२	१६	४७	२७	३३	२०	२७	११	कर्के	भ.२२।१६या.उदयंगुरोः२१।०
२०	बु	४	० ४६	पु	५९	५४	व्य	२३	१८	च	१४	३१	४४	२७	३३	२१	२८	१२	सिं ५८।३७	आर्द्रा.भौमः३८।५१ हरियाली

१७पं.श्रा.कृ.६मं.इ. ७ ०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	३	५	११	१०	३
१७	०	२८	१३	३	२०	६	१७
३४	१६	१८	२३	४	१८	२१	०
२३	२०	५०	२०	४१	०	३४	७
५७	४१	७०	१३	६२	५०	३	५७
२५	४३	५२	३८	३१	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

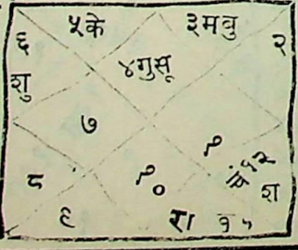

इस मास में जौ गेहूं चना मटर सरसों मंदी हो सोना चांदी आदि धातु गुड़ शक्कर चीनी तेज हो

गोचर ग्रहाः

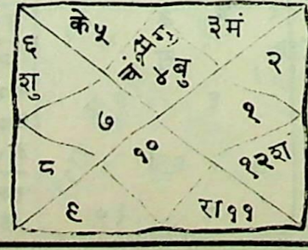

१८पं.श्रा.कृ.१४मं.इ. ६ ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	३	५	११	१०	३
२४	५	८	१४	१०	२०	६	२३
१६	२६	३	५५	७	९	९	४१
४४	३६	४०	४१	५८	४३	१८	१४
५७	४१	७०	१३	६०	५१	३	५७
३३	२१	४६	३२	७	व.	११	२२

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८	दि. उ. अ.	भा मु इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६०८सन्२०२६
१	गु ३४ ६ म ५४ २६ व १४ ५२ किं ७ २७	३२ २८ ६२	२२ २९ १३	सिंहे	[=५५रविलावल३तीज
२	शु २८ ५७ पू ५१ ४९ प ७ २५ बा १ ३३	३७ २९ ३१	२३ ३० १४	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	श २५ ४३ उ ५० ५२ शि १ ५५ ग २५ ४३	३३ २९ ३१	२४ १ १५	क.६।२१	भ.३४उ.आश्ले.बुधः५२बुधास्तःपूर्वस्यां=
४	र २३ १९ ह ५१ ५० सा ५२ ५६ वि २३ १९	३० ३० ३०	२५ २ १६	कन्यायां	भ.२३या.वक्रीरेवती.१शनिः३६वरद४
५	चं २४ ५६ चि ५४ ५९ शु ५१ ५० बा २४ ५६	२६ ३१ २९	२६ ३ १७	तु.२३।२५	मघा.सिंहेऽर्कः४।१२(सौरः४२।२४)
६	मं २७ ३८ स्वा ५९ ५२ शु ५१ २५ तै २७ ३८	२२ ३२ २८	२७ ४ १८	तुलायां	
७	बु ३१ ५८ वि ६० ० व्र ५२ ३२ व ३१ ५८	१९ ३२ २८	२८ ५ १९	वृ.४९।४१	भ.३१।५८उ.आश्ले.१गुरुः११।५०
८	गु ३७ ४० वि ६ १७ ऐं ५३ ३१ वि ४ ४९	१५ ३३ २७	२९ ६ २०	वृश्चिके	भ.४।४९या.
९	शु ४३ ४२ अ १३ १२ वै ५६ ५५ बा १० ४१	१२ ३४ २६	३० ७ २१	वृश्चिके	
१०	श ४९ ५४ ज्ये २० ५२ वि ५९ २१ तै १६ ४८	८ ३४ २६	३१ ८ २२	ध.२०।५२	मघा.सिंहेबुधः३३।१९
११	र ५५ ४७ मू २८ १८ ग्री ६० ० व २२ ५०	४ ३५ २५	१ ९ २३	धनुषि	भ.३२उ.५७या.भा.भाद्रपदारंभः×
१२	चं ६० ० पू ३५ १७ ग्री १ ५० ब २८ १८	१ ३६ २४	२ १० २४	म.४९।१५	[×पवित्रा११व्र.
१३	मं ० ५० उ ४१ ९ आ ३ १९ बा ० ५०	५७ ३७ २३	३ ११ २५	मकरे	चित्रा.शुक्रः१२।३७ प्रदोषः
१३	बु ४ ४० श्र ४५ ५१ सौ ४ १ तै ४ ४०	५३ ३७ २३	४ १२ २६	मकरे	
१४	गु ७ १० ध ४९ १८ शो ३ ३९ व ७ १०	४९ ३८ २२	५ १३ २७	कु.१७।३५	भ.७।१०उ.३७।४४या.
१५	शु ८ १८ श ५१ १९ अ २ १८ ब ८ १८	४६ ३९ २१	६ १४ २८	कुंभे	श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम्

१९पं.श्रा.शु.६मं.इ. ४३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	३	५	११	१०	४
१	१०	२०	१६	१६	१९	५	०
०	१३	५८	२७	५१	५६	४७	२३
४	३४	३०	२५	५४	१७	२	२७
५७	४०	५८	१३	५६	१४	३	५७
४०	४६	५४	२६	५८	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

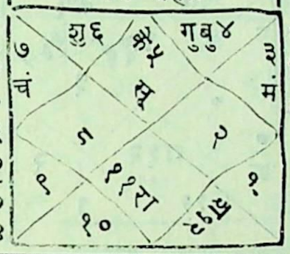

श्रावण शुक्ले १५चन्द्रे सिंहेऽर्के प्रविष्टःवा.५ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

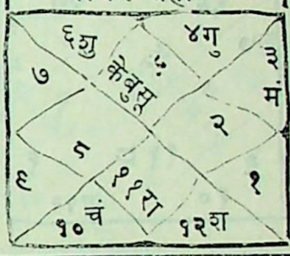

२०पं.श्रा.शु.१२मं.इ. ३२							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	३	५	११	१०	४
७	१४	५	१७	२३	१९	५	७
४४	४५	६	५८	१४	३८	२४	६
२८	२९	११	१२	३८	३५	४७	५४
५७	४०	५८	१३	५२	३४	३	५७
४९	१८	५४	२०	५२	व.	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८	दि. उ. अ.	हि. मु. इ.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	श ८ ६ पू ५२ ५ सु १० ५६ कौ ८ ६	३१ ४० ६०	७ १५ २९	मी३६।५४	पूफा.बुधः१६।२१
२	र ६ ४९ उ ५१ ५४ शू ५२ ३६ ग ६ ४९	३८ ४० २०	८ १६ ३०	मीने	भ.३५।३८उ.पूफा.रविः५३।५६
३	चं ४ २८ रे ५० ५० गं ४७ ५९ वि ४ २८	३४ ४१ १९	९ १७ ३१	मे.५०।५०	भ.३८या.पूफा.रविःसौरः३५ चतुर्थी व्र.
४	मं १ ३१ अ ४९ ९ वृ ४२ ३४ बा १ ३१	३० ४२ १८	१० १८ १	मेषे	सितम्बर९ता.३० [÷जन्माष्टमीव्र.स्मा.
५	मं ५६ ४ ० ० ० ० ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	[+पुन.भौमः१५।४चन्द्रषष्ठी
६	बु ५३ ३१ भ ४६ ५६ ध्रु ३६ ३५ ग २५ ३३	२६ ४३ १७	११ १९ २	मेषे	भ.५३।३१उ.तुलायांशुक्रः११।४७+
७	शु ४८ ५३ कृ ४४ २९ व्या ३० २२ वि २१ १२	२२ ४४ १६	१२ २० ३	वृ.१।२०	भ.२१।१२या.आश्ले.२गुरुः३६।२०÷
८	शु ४४ १६ रो ४१ २२ ह २३ ४६ बा १६ ३४	१८ ४४ १६	१३ २१ ४	वृषे	जन्माष्टमीव्र.वै.
९	श ३८ २८ मृ ३७ ५० व १६ ५० तै ११ २२	१५ ४५ १५	१४ २२ ५	मि९।३६	उफा.बुधः२७।४०गोगा९
१०	र ३२ ३९ आ ३४ ० सि ९ ३३ व ५ ३३	११ ४६ १४	१५ २३ ६	मिथुने	भ.५।३३उ.३२।३९या.
११	चं २६ २९ पु २९ ५३ व्य ३ ५८ बा २६ २९	७ ४७ १३	१६ २४ ७	क.१५।५५	कन्यायांबुधः१९।५५अजा११व्र.
१२	मं २० १९ पु २५ ४४ प ४६ ३८ तै २० १९	३ ४७ १३	१७ २५ ८	कर्के	वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	बु १४ २३ श्ले २१ ३१ शि ३९ ११ व १४ २३	५९ ४८ १२	१८ २६ ९	सिं२१।३१	भ.१४।२३उ.४१।४४या.
१४	गु ९ ६ म १८ २० सि ३२ २३ श ९ ६	५५ ४९ ११	१९ २७ १०	सिंहे	
३०	शु ४ ३५ पू १५ ५० सा २६ ८ ना ४ ३५	५१ ५० १०	२० २८ ११	कं.३०।३२	स्वात्यांशुक्रः३३कुशाग्रहणीपिठोरी३०

२१पं.भा.कृ.४मं.इ. ६३४							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	३	५	११	१०	४
१९	१९	१८	१९	२९	१९	५	१३
३०	१४	४५	२७	७	१७	२	५२
४	२४	३६	११	४४	६	३१	६
५८	३९	५९	१३	४७	२६	३	५७
१	५५	५३	८	५८	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

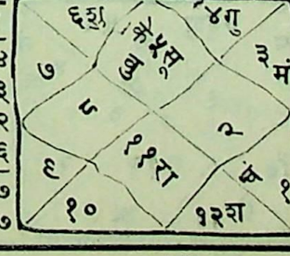

इस मास में धान्य गल्ला कुछ मंदा हो गुड़ शक्कर सोना चांदी वस्त्र तेज हो प्रजा में रोग-शोक फैले।

गोचर ग्रहाः

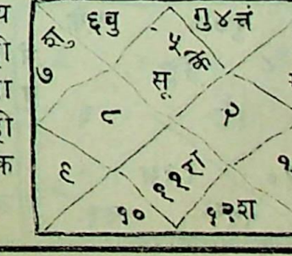

२२पं.भा.कृ.१२मं.इ. ६१५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	३	६	११	१०	४
२१	२३	१	२०	४	१८	४	२०
१७	३८	२६	५४	२४	५१	४०	३८
६	३५	२८	२९	४०	२५	१६	४६
५८	३९	०	१२	४१	५३	३	५८
१३	१२	२३	४५	२२	व.	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८	दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६३८स.२०२६
१	श १।३५	उ	१४।३७	शु	२१।१२	ब	१।३५	३०।५५।५१	६।२१।२९।१२	कन्यायां	बुधोदयःपश्चिमायां८।४६
२	र ०।५	ह	१५।७	शु	१७।१३	कौ	०।५	४२।५१।९	२२।३०।१३	तु.४६।१३	उफा.रविः३२/९हस्तेबुधः५५/६१ चंद्रदर्शनम्
३	चं ०।३८	चि	१७।२०	ब्र	१४।५०	ग	०।१८	३९।५२।८	२३।१।१४	तुलायां	भ.३१/१२उ.उफा.रविःसौरः१५/५५ रविलाखर=
४	मं २।३८	स्वा	२१।८	ऐं	१३।४९	वि	२।३८	३५।५३।७	२४।२।१५	तुलायां	भ.२।३८या.ऋषिपंचमी
५	बु ६।१९	वि	२६।४३	वै	१३।५२	बा	६।१९	३१।५४।६	२५।३।१६	वृ.१०।१९	[=४ हरितालिका३ गणेश चतुर्थी
६	गु ११।३०	अ	३३।२२	वि	१५।३४	तै	११।३०	२७।५५।५	२६।४।१७	वृश्चिके	कन्यायामर्कः३।४२(सौरः४३।६)
७	शु १७।२२	ज्ये	४०।३७	प्री	१७।२२	व	१७।२२	२२।५६।४	२७।५।१८	ध ४०।३७	भ.१७।२२उ.५०।२९या.कर्के भौमः१५/४०
८	श २३।३७	मू	४८।११	आ	१९।५३	ब	२३।३७	१८।५६।४	२८।६।१९	धनुषि	
९	र २९।४६	पू	५५।२४	सौ	२२।८	कौ	२९।४६	१४।५७।३	२९।७।२०	धनुषि	आश्ले.३गुरुः२५।३१
१०	चं ३५।६	उ	६०।०	शो	२३।५९	तै	२।४३	९।५८।२	३०।८।२१	म.१२।०	चित्रा.बुधः३५।४७
११	मं ३९।१०	उ	१।४९	अ	२५।५	व	६।४७	५।५९।१	३१।९।२२	मकरे	भ.६/७उ३९/१०या.जलझूलनी११व्र.
१२	बु ४१।३७	श्र	६।४४	सु	२५।५	ब	१०।२३	३०/२९।६/०।०।५/९।०।०	१।१०।२३	कुं.३८।३३	पुष्येभौमः५२/३६भा.आश्विनारंभः×
१३	गु ४२।२५	ध	१०।२१	धृ	२३।५२	कौ	१२।१	२९/५६।१/५९।०	२।११।२४	कुंभे	प्रदोषः [×वामनजयंती
१४	शु ४१।३१	श	१२।१४	शू	२१।१८	ग	११।५८	५२।२।५८	३।१२।२५	मी५७।२१	भ.४१।३१उ.अनंत१४
१५	श ३९।२	पू	१२।२३	गं	१७।१९	वि	१०।१६	४८।२।५८	४।१३।२६	मीने	भ.१९/१६या.तुलायांबुधः१५/५२महालयारंभः

२३पं.भा.शु.४मं.इ.६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	३	६	११	१०	४
२८	२७	१३	२२	८	१८	४	२७
५५	५७	११	१९	५०	२२	१८	२७
२८	५०	५३	१२	१०	५५	०	३
५८	२८	०/०	१२	३२	४/१०	३	५८
२६	४०	५३	२०	५०	व.११	२९	

गोचर ग्रहाः

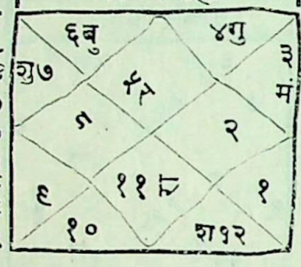

भाद्रपद शुक्ले ६ गुरौ कन्यायांमर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२४पं.भा.श.११मं.इ.५/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	३	६	११	१०	५
४	२	२४	२३	१२	१७	३	४
५५	१२	६	४०	१०	५२	५५	१७
१९	०	२२	५	२३	५	४४	१०
५८	२८	९२	१२	२१	२८	३	५८
३८	१५	१६	०	३३	व.११	४	

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेभाद्रपद कृष्णेति महा.
१	र ३५।२३	उ	११।२०	बृ	१२।२२	बा	७।१२	२९/४४	६/३५।५७	५।१४।२७	मीने	हस्तेरवि.१६।५५(सौरः५५।३६)
२	च ३०।५६	रे	९।१	भु	२६/२९	तै	४।९	४०।४।५६	६।१५।२८	मे.९।१	भ.५८।१३उ.
३	मं २५।२९	अ	५।४८	ह	५२।३९	वि	२५।२९	३६।५।५५	७।१६।२९	मेषे	भ.२५।२९या. चतुर्थी ब्र.
४	बु १९।५३	भ	२/१७।५६/१५	व	४५।२०	बा	१९।५३	३२।६।५४	८।१७।३०	वृ.१६।२१	स्वात्यांबुधः५७।४७
५	गु १४।१९	रो	५४।५४	सि	३७।५१	तै	१४।१९	२८।६।५४	९।१८।१	वृषे	अक्टूबर१०ता.३१
६	शु ८।५१	मृ	५१।११	व्य	३०।४०	व	८।५१	२३।७।५३	१०।१९।२	मि२३।२	भ.६/१७उ.३६/१९या.वक्रीशुक्रः५/०
७	श ३।३२	आ	४७।५०	व	२३।२६	ब	३।३२	१९।८।५२	११।२०।३	मिथुने	धनि.३राहुःमघा.१केतुः२०।६
८	श ५४।५२	०	०।०	०	०।०	०	०।०	०।०।०	०।०।०	० ०	
९	र ५३।३१	पु	४४।४३	प	१६।२७	त	२५।५८	१५।९।५१	१२।२१।४	क.३०।३०	मातृ९(सौभाग्यवतीनां श्रा.)
१०	चं ४८।५३	पु	४१।४६	शि	९।३७	व	२१।१२	११।१०।५०	१३।२२।५	कर्के	भ.२१।१२उ.४८।५३या.
११	मं ४४।३८	श्ले	३९।२५	सि	३/१०।५३/४३	ब	१६।४५	७।११।४९	१४।२३।६	सिं३९।२५	इंदिरा११व्र.
१२	बु ४१।१०	म	३७।१९	शु	५१।७	कौ	१२।५४	३।११।४९	१५।२४।७	सिंहे	वक्रीउभा.४शनिः३४।२२
१३	गु ३८।१८	पू	३६।७	शु	४६।०	ग	९।४४	५९/२९।१२	१६।२५।८	कं.५१।३	भ.३९/१८उ.आश्ले ४गुरुः३९/३९ प्रदोषः
१४	शु ३६।२४	उ	३५।५०	ब्र	४१।३४	वि	७।२१	५५।१३।४७	१७।२६।९	कन्यायां	भ.७।२१या.शस्त्रादिहतानां श्रा.
२०	श ३५।४८	ह	३६।४८	ऐं	३८।११	च	६।६	५१।१४।४६	१८।२७।१०	कन्यायां	चित्रा.रविः४८।०सर्वपितृ३०

२५पं.आ.कृ.३मं.इ.५/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	३	६	११	१०	५
११	६	४	२४	१४	१७	३	११
४६	२०	७	५८	५	२०	३३	९
५२	४९	५५	१२	५६	६	२९	८
५८	३७	८२	११	७	४/४०	३	५९
५३	३४	३२	२२	४१	व	११	००

गोचर ग्रहाः

इस मास में गन्ना गुड़ शक्कर अनाज रुई तेज हो पशु पीड़ित व रोग ग्रस्त हों प्रजा में विग्रह उत्पन्न हो।

गोचर ग्रहाः

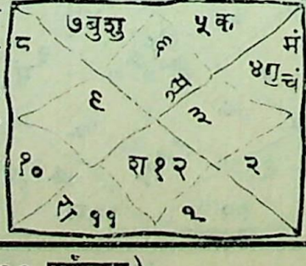

२६पं.आ.कृ ११मं.इ.५/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	३	६	११	१०	५
१८	१०	१३	२६	१४	१६	३	१८
४०	२४	९	१२	१४	४६	११	२
५	४	५४	१४	३१	२६	१३	५५
५९	३६	७०	१०	८/२७	४/४०	३	५९
९	४९	११	५०	व.	व.	११	१९

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०८३ शाकः १९४८	वि. उ.	अ.भा. मु. इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः५६६७स.२०२६
१	र ३६ २५ चि ३८ ५४ वै ३५ ४१ किं ६ ६	२८ ६ ५	१९ २८ ११	तु.७।५१	चित्रा.रविः सौरः २६ नवरात्रारंभः मा.श्रा
२	चं ३८ ५३ स्वा ४२ २२ वि ३४ ४३ बा ७ ३९	४३ १५ ४५	२० २९ १२	तुलायां	विशा.बुधः१२।५६चंद्रदर्शनम्
३	मं ४२ २९ वि ४७ १४ प्री ३४ १३ तै १० ४१	३९ १६ ४४	२१ १ १३	वृ.३१।१	जमादिलावल५
४	बु ४७ ३९ अ ५३ ५२ आ ३४ ५९ ब १५ ४	३५ १७ ४३	२२ २ १४	वृश्चिके	भ.१५।४उ.४७।३९या.
५	गु ५३ २८ ज्ये ६० ० सौ ३६ २६ ब २० ३३	३१ १८ ४२	२३ ३ १५	वृश्चिके	
६	शु ५९ ४४ ज्ये ० ४१ शो ३८ ४७ कौ २६ ३६	२७ १९ ४१	२४ ४ १६	व.०।४१	शुक्रास्तः पश्चिमायां २१।३६
७	श ६० ० मू ८ १६ अ ४१ १३ ग ३२ ५५	२३ १९ ४१	२५ ५ १७	धनुषि	तुलायामर्कः३२।०आश्ले.भौम.३१।४६
७	र ६ ६ पू १५ ४७ सु ४३ २३ ब ६ ६	२८ २० ४०	२६ ६ १८	म.३२।३३	भ.६।६उ. ३९ या.तुलार्कः सौरः८।५४
८	चं ११ ५५ उ २२ ५२ धृ ४५ ५ ब ११ ५५	१६ २१ ३९	२७ ७ १९	मकरे	[÷भा.कार्तिकारंभः प्रदोषः
९	मं १६ ३३ श्र २८ ४३ शू ४५ ४४ कौ १६ ३३	१२ २२ ३८	२८ ८ २०	मकरे	[×स्मा.कोजागरीव्र.
१०	बु १९ ४७ ध ३३ ११ गं ४५ १६ ग १९ ४७	८ २२ ३८	२९ ९ २१	कुं.०।५७	भ.५०।२३उ.
११	गु २० ५९ श ३५ ५० वृ ४३ १७ वि २० ५९	४ २३ ३७	३० १० २२	कुंभे	भ.२०।५९या.पापांकुशा११व्र.
१२	शु २० २५ पू ३६ २० ध्रु ३९ ५२ बा २० २५	० २४ ३६	१ ११ २३	मी२१।२०	वक्रीबुधः५ ३वक्रीचित्रा.शुक्रः४५।३६÷
१३	श १७ ५१ उ ३५ १५ व्या ३४ ४७ तै १७ ५१	२७ २५ ३५	२ १२ २४	मीने	स्वात्यांरविः१४।५२ (सौरः४९।५७)
१४	र १३ २८ रे ३२ ३१ ह २८ २४ व १३ २८	५३ २५ ३५	३ १३ २५	मे.३२।३१	भ.१३।२८उ.४०।३७या.शरद्पूर्णिमा ×
१५	चं ७ ४७ अ २८ १७ व २० ५३ ब ७ ४७	४९ २६ ३४	४ १४ २६	मेषे	शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.

२७पं.आ.शु.३मं.इ.५।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	३	६	११	१०	५
२५	१४	२०	२७	१२	१६	२	२५
३४	२०	४५	२२	२५	१४	४८	५८
५९	२	५८	८	५	२	१८	३७
५९	३५	५२	१०	२४	३४	३	५९
२१	५३	२०	४	३	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

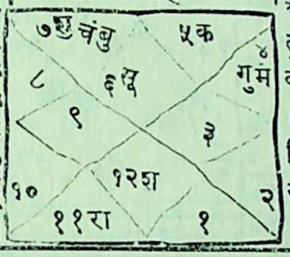

आश्विनशुक्ले ७ शनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

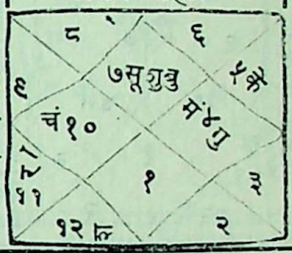

२८पं.आ.शु.९मं.इ.१।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	३	६	११	१०	६
२	१८	२५	२८	८	१५	२	१
३१	९	५४	२६	५५	४२	२६	५६
२३	२६	०	१३	५५	१८	४२	१
५९	३५	२३	९	३४	१	३	५९
३४	१	२३	२२	व.	व.	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८	दि. उ.	अ.भा. मु. इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेतिमहा.
१	मं ० ५२ भ २३ ११ श्लि १२ २९ कौ ० ५२	२५ २७ ५३	५ १५ २७	वृ.३६।४७	
२	मं ५२ ५१ ० ० ० ० ० ० ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	
३	बु ४६ १२ कृ १७ ३३ व्य ३२ ५० ब १९ ५७	४१ २८ ३२	६ १६ २८	बृषे	भ.१९।५७उ.४६।१२या.
४	गु ३९ ३ रो १२ ८ प ४५ ५३ ब १२ ३७	३७ २९ ३१	७ १७ २९	मि३९।३३	बुधास्तः पश्चिमायां ३३ करकचतुर्थीव्र.
५	शु ३२ १६ मृ ६ ५८ शि ३७ १३ कौ ५ ३९	३४ २९ ३१	८ १८ ३०	मिथुने	शुक्रोदयः पूर्वस्यां५०।२४
६	श २६ २० आ २९ ५६ सि २९ १४ ब २६ २०	३० ३० ३०	९ १९ ३१	क.४१।१२	भ.२६ उ.५३ या.मघा.१सिंहेगुरुः३५।०
७	र २१ ५ पु ५५ २५ सा २१ ४६ ब २१ ५	२७ ३१ २९	१० २० १	कर्के	नवम्बर११ता.३०
८	चं १६ ४७ श्ले ५३ १९ शु १५ ७ कौ १६ ४७	२३ ३१ २९	११ २१ २	सिं५३।१९	वक्रीस्वात्यांबुधः५०।५५
९	मं १३ २३ म ५२ ७ शु ९ १३ ग १३ २३	१९ ३२ २८	१२ २२ ३	सिंहे	भ.४२।१३उ.
१०	बु ११ २ पू ५१ ५२ ब्र ५९ ५५ वि ११ २	१६ ३३ २७	१३ २३ ४	सिंहे	भ.११।२या.
११	गु ९ ३५ उ ५२ ३१ वै ५६ ७ बा ९ ३५	१२ ३४ २६	१४ २४ ५	कं.७।२	वक्रीकन्यायांशुक्रः२३।७रमा११व्र.
१२	शु ९ ९ ह ५४ २५ वि ५३ ३० तै ९ ९	९ ३४ २६	१५ २५ ६	कन्यायां	विशा.रविः३५।२२प्रदोषःघन१३
१३	श ९ ५५ चि ५७ १९ प्री ५१ ३९ ब ९ ५५	५ ३५ २५	१६ २६ ७	तु.२५।५२	भ.५५ उ.४० या.वि.रविः सौरः २५ रुप १४
१४	र ११ ३९ स्वा ६० ० आ ५१ १ श ११ ३९	२ ३६ २४	१७ २७ ८	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्
२०	चं १४ ४६ स्वा १ २१ सौ ५० ४४ ना १४ ४६	५८ ३६ २४	१८ २८ ९	वृ.५०।५	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा

२९पं.का.कृ.१मं.इ.५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	३	६	११	१०	६
९	२१	२६	२९	४	१५	२	८
२९	५०	१६	२५	४२	१२	४	५५
३८	२०	५	१	७	२९	२६	२१
५९	३४	३१	८	३५	३	३	६०
४७	१	४	३१	व.	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

कार्तिक शुक्ले ७ चंद्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

३०पं.का.कृ.९मं.इ.५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	४	६	११	१०	६
१६	२५	१९	०	१	१४	१	१५
२९	२१	३७	१८	०	४५	४२	५५
२०	४	४४	३२	११	३२	११	२५
६०	३२	९५	७	२६	४२	३	६०
४	५२	व.	२५	व.	व.	११	१८

(विक्रम सं. २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८										दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः५६९७सं.२०२६
१	मं	१८	५३	वि	६	२०	शो	५१	३२	ब	१८	५३	५५ ६	३७ ६	२३ ५	१९	२९	१०	वृश्चिके	
२	बु	२४	१०	अ	१२	३०	अ	५२	५८	कौ	२४	१०	५२	३८	२२	२०	३०	११	वृश्चिके	बुधोदयःपूर्वस्यां७चंद्रदर्शनम्भातृ२यम२
३	गु	३०	६	ज्ये	१९	२१	सु	५४	४४	ग	३०	६	४९	३८	२२	२१	१	१२	ध.१९।२१	मघा.सिंहेभौमः३३जमादिलाखर६
४	शु	३६	३१	मू	२६	३९	धृ	५६	५९	व	३	१८	४५	३९	२१	२२	२	१३	धनुषि	भ.१८उ.३६या.मार्गीबुधः५७।५४
५	श	४३	२	पू	३४	३९	शू	५९	२५	ब	९	४६	४२	४०	२०	२३	३	१४	म.५१।३४	मार्गीशुक्रः४९।३४
६	र	४९	१६	उ	४२	१९	गं	६०	०	कौ	१६	९	३९	४०	२०	२४	४	१५	मकरे	
७	चं	५४	३६	श्र	४८	५७	गं	१	४१	ग	२१	५६	३६	४१	१९	२५	५	१६	मकरे	भ.५४उ.बृश्चिकेऽर्कः३१।२६
८	मं	५८	४१	ध	५४	३३	बृ	३	५	वि	२६	३८	३३	४१	१९	२६	६	१७	कुं.२१।४५	भ.३८या.बृश्चिकेऽर्कःसौरः३१गोपाष्टमी
९	बु	६०	०	श	५८	३४	धृ	२	२९	बा	२९	५०	३०	४२	१८	२७	७	१८	कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९
९	गु	०	५९	पू	६०	०	व्या	२	४८	कौ	०	५९	२७	४३	१७	२८	८	१९	मी४५।७	अनु.रविः४९।४६
१०	शु	१	२८	पू	०	३८	ह	३५	५९	ग	१	२८	२५	४३	१७	२९	९	२०	मीने	भ.३०उ.५९या.अनु.रविःसौरः३९÷
११	शु	५८	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷प्रबोधिनी११व्र.स्मा.तुलसीविवाह
१२	श	५६	५	उ	५०	५८	सि	५१	३	ब	२८	०	२२	४४	१६	३०	१०	२१	मे.५८।५१	प्रबोधिनी११व्र.वै.
१३	र	५०	३२	अ	५५	२	व्य	४३	४७	कौ	२३	१८	१९	४४	१६	१	११	२२	मेषे	तुलायांशुक्रः३०भा.मार्गशीर्षारंभःप्रदोषः
१४	चं	४३	१३	भ	४९	३८	व	३५	२२	ग	१६	५२	१७	४५	१५	२	१२	२३	मेषे	भ.४३।१३उ.वैकुंठ१४
१५	मं	३५	५	कृ	४३	११	प	२५	५०	वि	९	९	१४	४५	१५	३	१३	२४	वृ.३।१	भ.९या.मन्वादिःका.स्ना,पू.

३१पं.का.शु.१मं.इ.४।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	४	५	११	१०	६
२	२८	१२	१	२८	१४	१	२२
३०	४१	२१	२	५६	२२	१९	५८
४०	५१	४०	३५	२४	१६	५५	५७
६०	३१	४६ २९	६	५९	२	३	६०
१७	२९	व.	२५	व.	३	११	३०

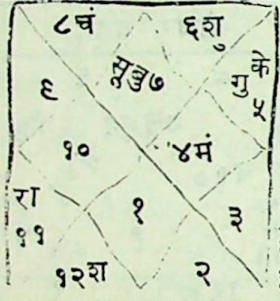

३२पं.का.शु.८मं.इ.४।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	४	५	११	१८	७
०	१	११	१	२८	१४	०	०
३३	५१	४२	४०	५०	२	५७	३
२२	१३	०	२३	२०	४२	४०	१
६०	२९	३७ १०	५	१५ १२	२०	३	६०
३०	५५	मा	१३	मा	व.	११	४०

३३पं.का.शु.१५मं.इ.१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	४	६	११	१०	७
७	४	१८	२	०	१३	०	७
३७	४८	२१	९	३६	४७	३५	८
१६	४	०	३६	०	३१	२४	३४
६०	२८	७३	४	१७ ४६	१	३	६०
४२	१	३	२	४५	व.	११	५२

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०८३ शाकः १९४८										दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	हेमततूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	बु	२६	१३	रो	३६	१३	शि	१५	५०	बा	०	३९	२६ १२	४३ ६	१४ ५	४	१४	२५	वृषे	विशा.बुधः२५।३७
२	गु	१७	१९	मृ	२९	७	सि	२२ ५	३९ ४	ग	१७	१९	९	४६	१४	५	१५	२६	मि२।४०	भ.४२।५८उ.
३	शु	८	३७	आ	२२	२३	शु	४५	१०	वि	८	३७	७	४७	१३	६	१६	२७	मिथुने	भ.८।३७या.चतुर्थीत्र.
४ ५	श	५३ ०	३८ ३	पु	१६	३६	शु	३६	१	बा	०	३८	५	४७	१३	७	१७	२८	क.३।३	
६	र	४८	२८	पु	११	५२	ब्र	२७	४८	ग	२१	१०	२	४८	१२	८	१८	२९	कर्के	भ.४८।२८उ.
७	चं	४४	२४	श्ले	८	२३	ऐं	२०	४३	वि	१६	२६	०	४८	१२	९	१९	३०	सिं८।२३	भ.१६।२६या.
८	मं	४१	५९	म	६	२५	वै	१४	५९	बा	१३	११	२५ ८	४८	१२	१०	२०	१	सिंहे	दिसम्बर१२ता.३१
९	बु	४०	५३	पू	६	१	वि	१०	१९	तै	११	२६	५६	४९	११	११	२१	२	कं.२१।१२	ज्येष्ठा.रविः५९बृश्चिकेबुधः२८।३
१०	गु	४१	१५	उ	६	४६	प्री	६	४९	व	११	४	५४	४९	११	१२	२२	३	कन्यायां	भ.११उ.४५या.ज्येष्ठा.रविःसौरः२६
११	शु	४२	५५	ह	९	४	आ	४	२८	ब	१२	५	५३	४९	११	१३	२३	४	तु.४०।४७	अनु.बुधः४६।३६उत्पत्ति११व्र.
१२	श	४५	३९	चि	१२	३०	सौ	३	१०	कौ	१४	१६	५१	५०	१०	१४	२४	५	तुलायां	स्वात्यांशुक्रः३५धनि.२मकरेराहुःआश्लेषा=
१३	र	४९	५०	स्वा	१७	१९	शो	२	५८	ग	१७	४४	४९	५०	१०	१५	२५	६	तुलायां	भ.४९।५०उ.प्रदोषः
१४	चं	५४	३४	वि	२३	०	अ	३	७	वि	२२	१२	४८	५०	१०	१६	२६	७	वृ.६।३५	भ.२२।१२या.
१५	मं	६०	०	अ	२९	३१	सु	४	९	च	२७	२८	४६	५१	९	१७	२७	८	वृश्चिके	[=४कर्केकेतुः१२।४
३०	बु	०	२२	ज्ये	३६	२२	धृ	५	२६	ना	०	२२	४५	५१	९	१८	२८	९	वृ.३६।२२	बुधास्तःपूर्वस्यां४३।३९

३४पं.मा.कृ.८मं.इ.४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	४	६	११	१०	७
१४	७	२७	२	३	१३	०	१४
४२	२७	५८	२९	५०	३७	१३	१५
२९	५४	४८	४९	३५	३०	८	२०
६०	२६	८६	२	३१	० १	३	६१
५०	३	३७	४५	०	व.	११	३

गोचर ग्रहाः

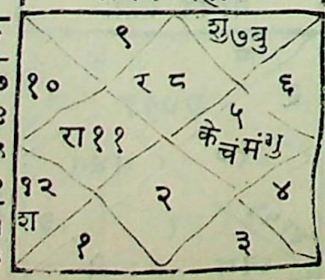

इस मास के कृष्ण पक्ष में धातु धान्य गल्ला गुड़ सक्कर वस्त्र रुई बारदाना मंदे होकर सुदि में तेज हों ।

गोचर ग्रहाः

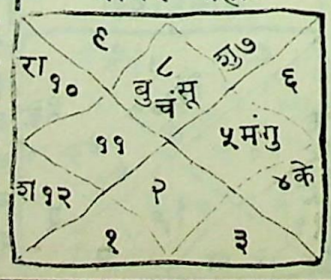

३५पं.मा.कृ.३०मं.इ.५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	४	६	११	९	७
२१	९	८	२	८	१३	२९	२१
४८	४९	२७	४८	१८	३३	५०	२३
३२	४४	१४	४४	५०	१	५३	१
६०	२३	९३	१	३९	१०	३	६१
५६	१८	५	१८	५४	व.	११	११

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः५७२७स.२०२६
१	गु ६ २५	मू ४ ३	५१	शू ७ ३२	ब ६ २५	२५ ५६	९	१९ २९ १०	धनुषि	मार्गीशनिः२६।४२
२	शु १३ ५३	पू ५१	२०	गं ९ ५७	कौ ११ ५३	४३ ५१	९	२० ३० ११	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	श १९ २९	उ ५८	५८	वृ १२ १९	ग १९ २९	४३ ५२	८	२१ १ १२	म.८।१४	भ.५२।४०उ रञ्जव७
४	र २५ ५०	श्र ६०	०	ध्रु १४ १४	वि २५ ५०	४१ ५२	८	२२ २ १३	मकरे	भ.२५।५०या.ज्येष्ठाबुधः२९।३६
५	चं ३१ २६	श्र ६	८	व्या १६	५ बा ३१ २६	४० ५२	८	२३ ३ १४	कुं.३९।२१	
६	मं ३६	८ ध १२	३३	ह १७ १६	कौ ३ ४७	३९ ५२	८	२४ ४ १५	कुम्भे	वक्रीगुरुः५१।५०चंपा६
७	बु ३९ २२	श १७	४१	व १७ ३१	ग ७ ४५	३९ ५२	८	२५ ५ १६	कुम्भे	भ.३३उ.मूलेधनुष्यर्कः७।१२(सौरः३०)
८	गु ४१	२ पू २१	२०	सि १६ ३२	वि १० १२	३८ ५२	८	२६ ६ १७	मी५।२५	भ.१०।१२या.
९	शु ४०	४९ उ २३	८	व्य १४ २	बा १० ५५	३८ ५२	८	२७ ७ १८	मीने	
१०	श ३८	२९ रे २३	५	व १० ६	तै ९ ३९	३७ ५३	७	२८ ८ १९	मे.२३।५	
११	र ३४	२८ अ २१	१	प ३२ ४३	व ६ २८	३७ ५३	७	२९ ९ २०	मेषे	भ.२८उ.३या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	चं २८	८ भ १७	१	सि ४८ ४२	व ११८	३६ ५३	७	३० १० २१	वृ.३०।३९	पूफा.भौमः४०।९प्रदोषः
१३	मं २०	२८ कृ ११	२०	सा ३८ ५५	तै २० २८	३६ ५३	७	१ ११ २२	वृषे	मूलेधनुषिबुधः१३विशा.शुक्रः२०भा.÷
१४	बु ११	३७ रो ३४	२३	शु २८ १७	व ११ ३७	३६ ५३	७	२ १२ २३	मि३०।४२	भ.११उ.३६या.दत्तजयंती
१५	गु १	५७ आ ४८	५३	शु १७ २२	ब १ ५७	३६ ५३	७	३ १३ २४	मिथुने	[÷पौषारंभः

३६पं.मा.शु.६मं.इ.३।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	४	६	११	९	७
२८	११	१९	२	१३	१३	२९	२८
५५	४९	११	४२	४१	३३	२८	३१
२६	५२	२	१८	२	५०	३७	४४
६१	२०	९६	०	४६	३३	३	६१
०	२२	१८	११	४९	मा	११	१९

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षशुक्ले७ बुधे धनुष्यर्कःप्रविष्टः वा. ३न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

३७पं.मा.शु.१३.मंइ.३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	४	६	११	९	८
६	१३	०	२	१९	१३	२९	५
३	२६	३	३४	४५	३९	६	४१
०	२८	५०	४१	४७	४७	२२	९
६१	१६	९८	३५	५१	१	३	६१
४	३५	३४	व.५२	१७	११	२२	

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेतिमहा.
१	गु ५० १५	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	
२	शु ४२ ४४	पु ४१	११	व्र ६ ४९	तै १७ २९	३५ ५३	७	४ १४ २५	क.२८।७	
३	श ३४	४ पु ३४	३०	वै ४५	१६ व ८ २४	३७ ५३	७	५ १५ २६	कर्के	भ.८।२४उ.३४।४या.
४	र २६	३८ श्ले २८	५६	बि ३६	१९ ब ० २१	३७ ५३	७	६ १६ २७	सिं२८।५६	चतुर्थीव्र.
५	चं २०	५३ म २४	५५	प्री २८	४४ तै २० ५३	३८ ५२	८	७ १७ २८	सिंह	[×(सौरः३१।४७)
६	मं १७	९ पू २२	३९	आ २२	३८ च १७ ९	३८ ५२	८	८ १८ २९	कं.३७।३३	भ.१७।९उ.४६।७या.पूषा.रविः१२५५ ×
७	बु १५	५ उ २२	१४	सो १७	५६ ब १५ ५	३९ ५२	८	९ १९ ३०	कन्यायां	पूषा.बुधः२३।२
८	गु १५	७ ह २३	५३	शो १४	५४ कौ १५ ७	४० ५२	८	१० २० ३१	तु.५५।३७	[=जनवरी१ता.३१सन्२०२७
९	शु १६	५० चि २७	२१	अ १३	११ ग १६ ५०	४१ ५२	८	११ २१ १	तुलायां	भ.४८।२३उ.बृश्चिकेशुक्रः२८।२१ =
१०	श १९	५६ स्वा ३२	१	सु १२	४० वि १९ ५६	४२ ५२	८	१२ २२ २	तुलायां	भ.१९।५६या.
११	र २४	३१ वि ३७	५९	धृ १३	३३ बा २४ ३१	४३ ५१	९	१३ २३ ३	वृ.२१।३०	सफला११व्र.
१२	चं २९	५२ अ ४४	४९	शू १४	४० तै २९ ५२	४४ ५१	९	१४ २४ ४	बृश्चिके	
१३	मं ३६	१२ ज्ये ५२	६	गं १६	३६ ग ३ २	४५ ५१	९	१५ २५ ५	ध.५२।६	भ.३६।१२उ.अनु.शुक्रः०।२९प्रदोषः
१४	बु ४२	३१ मू ५९	३०	बृ १८	३१ वि ९ २१	४७ ५१	९	१६ २६ ६	धनुषि	भ.९।२१या.
३०	गु ४८	५७ पू ६०	०	ध्रु २०	५६ च १५ ४४	४८ ५०	१०	१७ २७ ७	धनुषि	उषा.बुधः३४।२६

३८पं.पौ.कृ.६मं.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	४	६	११	९	८
१३	१४	११	२	२६	१३	२८	१२
१०	३४	६	१७	२१	५१	४४	५१
५९	५४	३	१३	३२	०	६१	
६१	१२	०	५०	५६	१	३	६१
६	८	२५	व	५५	८	११	२६

गोचर ग्रहाः

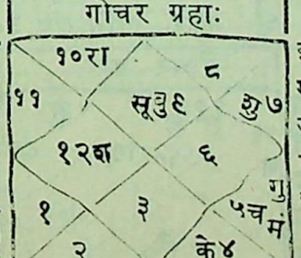

इस मास में बाजरा मूंग मोठ चना मक्का जो गेहूं चावल धातु रसकस गुड़ सक्कर आदि तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

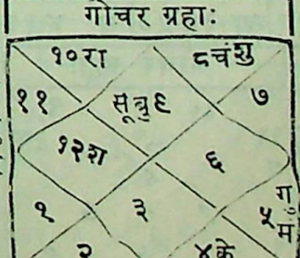

३९पं.पौ.कृ.१३मं.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	४	७	११	९	८
२०	१५	२२	१	३	१४	२८	२०
१९	९	३३	५१	२२	७	२१	००
५२	२२	२	०	४८	१९	५०	५८
६१	६	०	४	५९	२	३	६१
६	१७	५८	मं.	२२	४०	११	२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८										दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५७५६स.२०२७
१	शु	५५	२२	पू	७	१०	व्या	२३	५	किं	२२	९	२५	५०	५०	१०	१८	२८	८	म.२४।१
२	श	६०	०	उ	१४	३५	ह	२५	१६	बा	२८	२२	५२	५०	१०	१९	२९	९		मकरे
३	र	१	२३	श्र	२१	३१	व	२६	५४	कौ	१	२३	५३	४९	११	२०	१	१०		कुं.५४।३५
४	चं	६	४०	ध	२७	४०	सि	२७	५३	ग	६	४०	५५	४९	११	२१	२	११		कुंभे
५	मं	११	१८	श	३३	२३	व्य	२८	८	वि	११	१८	५७	४९	११	२२	३	१२		कुंभे
६	बु	१४	४८	पू	३७	३२	व	२७	५८	बा	१४	४८	५९	४८	१२	२३	४	१३		मी२१।३०
७	गु	१६	५९	उ	४०	४०	प	२६	३२	तै	१६	५९	२६	४८	१२	२४	५	१४		मीने
८	शु	१७	४६	रे	४२	१०	शि	२३	५२	व	१७	४६	४	४७	१३	२५	६	१५		मे.४२।१०
९	श	१६	४७	अ	४२	५	सि	१९	५०	ब	१६	४७	६	४७	१३	२६	७	१६		मेषे
१०	र	१४	२२	भ	४०	७	सा	१४	३०	कौ	१४	२२	८	४६	१४	२७	८	१७		वृ.५४।१३
११	चं	९	५२	कृ	३६	३१	शु	३९	५५	ग	९	५२	११	४६	१४	२८	९	१८		बृषे
१२	मं	३	५८	रो	३१	१७	ब्र	५०	२३	वि	३	५८	१३	४५	१५	२९	१०	१९		मि५८।११
१३	मं	५२	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		० ०
१३	बु	४७	४८	मृ	२५	५	ऐं	४०	१२	कौ	२२	६	१६	४५	१५	३०	११	२०		मिथुने
१४	गु	३८	१८	आ	१७	३५	वै	२९	२३	ग	१३	३	१९	४४	१६	१	१२	२१		क.५६।४४
१५	शु	२८	३५	पु	९	४७	वि	१८	२४	वि	३	२६	२१	४४	१६	२	१३	२२		कर्के

४०पं.पौ.शु.४मं.इ. १३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	४	७	११	९	८
२७	१५	३	१	१०	१४	२७	२७
२७	१२	५७	१५	४३	२८	५९	१०
७	०	११	५४	३०	३०	३५	५०
६	३९	८	२५	६१	३	३	६१
६१	व.	४६	व.	५२	२७	११	२४

गोचर ग्रहाः

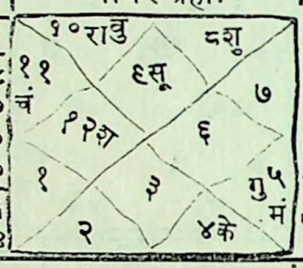

पौष शुक्ले ६ गुरौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

४१पं.पौ.शु.११मं.इ. १३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	४	७	११	९	९
४	१४	१५	०	१८	१४	२७	४
२४	२७	४६	३४	१९	५४	३७	२०
५९	१	१९	२३	१६	३२	१९	१९
६१	५	८	१९	६३	४	३	६२
३	व	४४	व	५१	२	११	१९

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेतिमहा.
१	श	१९	११	पु	२४	५३	प्री	५९	५२	कौ	१९	११	२६	४३	१७	३	१४	२३	सि५५।५	धनि.बुधः३१।१९
२	र	१०	३५	म	४९	१३	सौ	४७	५५	ग	१०	३५	२७	४३	१७	४	१५	२४	सिंहे	भ.५३उ.श्रवणेरविः३२(सौरः३६)×
३	चं	३	१०	पू	४५	२	शो	३९	५९	वि	३	१०	२९	४२	१८	५	१६	२५	कं.५९।२७	भ.३।१०या.अभि.नि.रविः१४।४३ A
४	चं	५४	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×वक्रीकर्केआश्ले.४गुरुः९।०
५	मं	५४	४	उ	४२	४४	अ	३३	३३	कौ	२५	५३	३२	४२	१८	६	१७	२६	कन्यायां	[A(सौरः२७।१६)चतुर्थीव्र.
६	बु	५२	४३	ह	४२	४०	सु	२८	५५	ग	२३	२३	३५	४१	१९	७	१८	२७	कन्यायां	भ.५३उ.कुंभेबुधः३०वक्रीमघायांभौम१५२
७	गु	५३	२५	चि	४४	४६	धृ	२५	५७	बि	२३	४	३८	४०	२०	८	१९	२८	तु.१३।४३	भ.२३।४या.पातस्पर्शः५९।११
८	शु	५५	५९	स्वा	४८	३२	शू	२४	३०	बा	२४	४२	४१	४०	२०	९	२०	२९	तुलायां	मूलेधनुषिशुक्रः३६पातमोक्षः१२।४२
९	श	६०	०	वि	५३	५३	गं	२४	४९	तै	२८	१२	४५	३९	२१	१०	२१	३०	वृ.३७।३३	
९	र	०	२६	अ	६०	०	बृ	२५	३७	ग	०	२६	४८	३८	२२	११	२२	३१	वृश्चिके	भ.३३।७उ.
१०	चं	५	४९	अ	०	२८	ध्रु	२७	३६	वि	५	४९	५१	३८	२२	१२	२३	१	वृश्चिके	भ.४९या.शतेबुधः३७फर्वरी२ता.२८
११	मं	१२	१६	ज्ये	७	५८	व्या	२९	४२	बा	१२	१६	५४	३७	२३	१३	२४	२	ध.७।५८	षट्तिला११व्र.
१२	बु	१८	४३	मू	१५	३२	ह	३२	९	तै	१८	४३	५८	३६	२४	१४	२५	३	धनुषि	प्रदोषः
१३	गु	२५	२०	पू	२३	१३	व	३४	२३	व	२५	२०	२७	३६	२४	१५	२६	४	म.४०।२	भ.२५।२०उ.५८।२४या.
१४	शु	३१	२८	उ	३०	२९	सि	३६	२७	श	३१	२८	५	३५	२५	१६	२७	५	मकरे	[+१राहुःआश्ले.३केतुः५।१०
३०	श	३७	५	श्र	३७	११	व्य	३७	५०	च	४	१६	८	३४	२६	१७	२८	६	मकरे	धनि.रविः३०।४६(सौरः४९)धनि.+

४२पं.मा.कृ.५मं.इ. १८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	३	७	११	९	९
११	१३	२७	२९	२६	१५	२७	११
४२	३५	२१	४६	७	२५	१५	२९
२९	५६	४	१९	११	१२	४	१०
६०	१६	९५	१७	६५	४	३	६१
५९	व	१०	व	२६	३८	११	१३

गोचर ग्रहाः

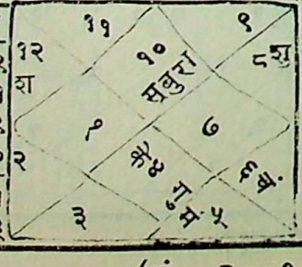

इस मास में धान्य धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा रस गुड़ सक्कर चीनी नमक तेल घृत गन्ना तेज होवें प्रजा पिड़ित हो

गोचर ग्रहाः

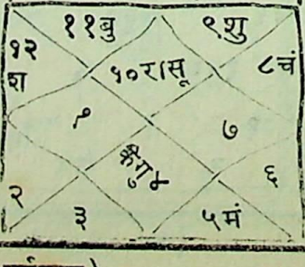

४३पं.मा.कृ.११मं.इ.२							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१०	३	८	११	९	९
१८	११	७	२८	४	१५	२६	१८
४९	५२	१०	५३	३	१९	५२	३७
१	८	३०	३५	४	५३	४८	१७
६०	२४	७१	४४	६६	५	३	६१
५५	व	२६	व	५०	२	११	४

ति. माघ शुक्लपक्षः सं.२०८३ शाकः १९४८ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५७८६स.२०२७

१	र	४१	३८	ध	४२	५५	च	३८	३६	कि	९	२१	२७	६	२६	१८	२९	७	कुं.१०।३	
२	चं	४५	३२	श	४८	२३	प	३८	४३	बा	१३	३५	१५	३३	२७	१९	३०	८	कुंभे	चंद्रदर्शनम्
३	मं	४८	२३	पू	५२	१	शि	३७	५८	तै	१६	५७	१९	३२	२८	२०	१	९	मी३६।७	वक्रीबुधः ५३ रेवती १शनिः २२ रमजान९
४	बु	५०	५	उ	५५	१	सि	३६	२३	च	१९	१४	२३	३१	२९	२१	२	१०	मीने	भ.१३ उ.५९ या.पूषा.शुक्रः८।४१
५	गु	५०	४९	रे	५६	५०	सा	३४	४	ब	२०	२७	२७	३१	२९	२२	३	११	मे.५६।५०	वसंत ५
६	शु	५०	९	अ	५७	३५	शु	३०	५६	कौ	२०	२९	३०	३०	३०	२३	४	१२	मेषे	बुधास्तः पश्चिमायां २९।३१
७	श	४८	२६	भ	५७	१४	शु	२७	३५	ग	१९	१७	३४	२९	३१	२४	५	१३	मेषे	भ.३९ उ.कुंभेऽर्कं ५।४४ (सौरः १५) ×
८	र	४५	१८	कृ	५५	२१	ब्र	२१	१७	वि	१६	५७	३८	२८	३२	२५	६	१४	वृ.११।४६	भ.१६।१७या.भीष्माष्टमी
९	चं	४१	७	रो	५२	२३	ऐं	१४	५९	बा	१३	१२	४१	२८	३२	२६	७	१५	वृषे	[×भानु७रथ७
१०	मं	३५	२७	मृ	४८	७	वै	४०	५२	तै	८	१७	४५	२७	३३	२७	८	१६	मि२०।१५	
११	बु	२८	४६	आ	४२	४३	प्री	५०	१०	च	२	६	४९	२६	३४	२८	९	१७	मिथुने	भ.३ उ.३९ या.वक्रीधनि.बुधः २९ जया११
१२	गु	२०	५४	पु	३६	३७	आ	४०	२७	बा	२०	५४	५३	२५	३५	२९	१०	१८	क.२३।५४	वक्रीआश्ले.३गुरुः५८।२२प्रदोषः
१३	शु	१२	३४	पु	२९	५०	सौ	३०	१४	तै	१२	३४	५६	२५	३५	३०	११	१९	कर्के	शतेरविः४२।१५ (सौरः५१।९)
१४	श	३	५१	श्ले	२२	५८	शो	२०	१७	च	३	५१	२८	२४	३६	१	१२	२०	सिं२२।५८	भ.५३ उ.२९।८या.भा.फाल्गुनारंभः =
१५	श	५१	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=मा.स्ना.पूर्ति.

४४पं.मा.शु.३मं.इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१०	३	८	११	९	९
२५	९	११	२७	१२	१६	२६	२५
५४	५०	४०	५८	६	३८	३०	४४
५०	४९	४४	४४	१८	१३	३२	४
६०	३१	९	५२	६७	५	३	६०
४७	व	२८	व.	५८	३२	११	५५

गोचर ग्रहाः

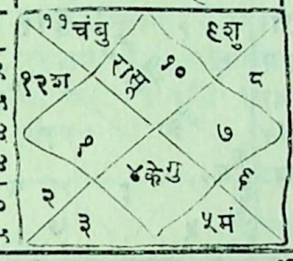

माघशुक्ले७शनौकुंभे र्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

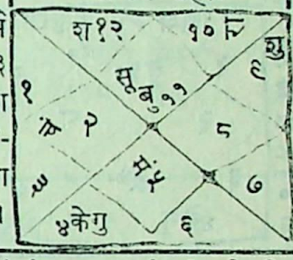

४५पं.मा.शु.१०मं.इ. ५०

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	३	८	११	९	१०
२	७	८	२७	२०	१७	२६	२
५९	४१	१८	२	१६	१९	८	५०
४२	२४	२२	५३	५५	३४	१७	००
६०	३५	६८	५२	६८	५	३	६०
३७	व	व.	व	५२	५९	११	४२

ति. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.

१	र	४७	४०	म	१६	५०	अ	१०	४०	बा	२०	३	२९	६	३७	२	१३	२१	सिंहे	उषा.शुक्रः २८।१६
२	चं	४१	२२	पू	११	४४	सु	५५	५२	तै	१४	३१	८	२२	३८	३	१४	२२	कं.२५।४७	
३	मं	३६	३१	उ	७	५५	शू	४८	१०	च	८	५६	१२	२२	३८	४	१५	२३	कंन्यायां	भ.५६ उ.३६ या.वक्रीमकरेबुधः ४४।१६
४	बु	३३	४२	ह	५	५६	गं	४३	४४	ब	५	६	१६	२१	३९	५	१६	२४	तु.३६।६	मकरेशुक्रः ३९ बुधोदयः पूर्वस्यां ४९ चतु. ब्र
५	गु	३३	१	चि	६	१६	बृ	४०	५५	कौ	३	२१	२०	२०	४०	६	१७	२५	तुलायां	
६	शु	३४	३२	स्वा	८	३१	धु	४०	५	ग	३	४६	२४	१९	४१	७	१८	२६	वृ.५६।४५	भ.३४।३२उ.
७	श	३८	५	वि	१२	५०	ज्या	३९	५८	वि	६	१८	२८	१८	४२	८	१९	२७	वृश्चिके	भ.६।१८या.
८	र	४२	५८	अ	१८	३२	ह	४१	२३	बा	११	३१	३२	१८	४२	९	२०	२८	वृश्चिके	
९	चं	४९	५	ज्ये	२५	३६	ब	४३	२७	तै	१६	१	३६	१७	४३	१०	२१	१	ध.२५।३६	मार्च ३ता.३१
१०	मं	५५	२८	मू	३२	५९	स्ति	४५	४२	च	२२	१६	४०	१९	४४	११	२२	२	धनुषि	भ.२२।१६उ.५५।२८या.
११	बु	६०	०	पू	४०	४९	व्य	४८	८	ब	२८	४३	४४	१५	४५	१२	२३	३	म.५७।३६	विजया ११व्र.
११	गु	१	५९	उ	४७	५८	ब	५०	७	बा	१	५९	४८	१४	४६	१३	२४	४	मकरे	पूभा.रविः ५८।१९श्रवणेशुक्रः ४७।२३
१२	शु	७	५९	श्र	५४	५२	प	५१	४३	तै	७	५९	५२	१४	४६	१४	२५	५	मकरे	पूभा.रविः सौरः ५९ मार्गीबुधः ५९ प्रदोषः
१३	श	१३	२३	ध	६०	०	शि	५२	१३	च	१३	२३	५६	१३	४७	१५	२६	६	कुं.२७।३६	भ.९३ उ.४३ या.महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१४	र	१७	२३	ध	०	२०	सि	५२	४	श	१७	२३	२९	१२	४८	१६	२७	७	कुंभे	महाशिवरात्रीव्र.वै.
३०	चं	२०	२८	श	४	४९	सा	५०	४७	ना	२०	२८	५	११	४९	१७	२८	८	मी५२।१३	

४६ पं.फा.कृ.७मं.इ. ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	३	८	११	९	१०
१०	५	०	२६	२८	१८	२५	९
३	२५	४३	९	३१	४	४६	५४
१४	३७	८	४	१२	८	१	४०
६०	३५	६४	५७	६९	६	३	६०
२५	व	व.	व.	३८	२०	११	३१

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला मंदा रहे धातु सोना चांदी रसकस चीनी गुड वारदाना कपास आदि तेज होवें ।

गोचर ग्रहाः

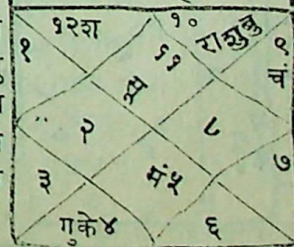

४७पं.फा.कृ.१०मं.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	९	३	९	११	९	१०
१७	३	२६	२५	६	१८	२५	१६
५	१२	४९	१८	४८	५०	२३	५७
२८	५४	३४	२५	५०	३१	४६	३५
६०	३१	१६	६	७०	६	३	६०
१२	व	व	व.	२२	३३	११	२९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः५८१६स.२०२७
१	मं	२२	५	पू	८	१	शु	४८	४४	ब	२२	५	२९	६	५०	१८ २९ ९	मीने	चद्रदर्शनम्पातस्पर्शः३६पातमोक्षः४०
२	बु	२२	४०	उ	१०	१४	शु	४५	४५	कौ	२२	४०	१३	९	५१	१९ १ १०	मीने	सव्वाल१०फुलरिया२
३	गु	२२	१७	रे	११	१८	ब्र	४१	४६	ग	२२	१७	१७	९	५१	२० २ ११	मे ११।१८	भ.३१उ.वक्रीकर्केआश्ले.भौमः४१।२१
४	शु	२०	४०	अ	११	३१	ऐं	३७	२५	वि	२०	४०	२१	८	५२	२१ ३ १२	मेषे	भ.२०।४०या.रेवती.२शनिः८।४
५	श	१८	३१	भ	११	१	वै	३२	२५	बा	१८	३१	२६	७	५३	२२ ४ १३	वृ.२५।३८	कुंभेबुधः२२।४९
६	र	१५	१७	कृ	९	३१	वि	२६	४०	तै	१५	१७	३०	६	५४	२३ ५ १४	वृषे	मीनेऽर्कः५९।१०
७	चं	११	३५	रो	७	२४	प्री	२०	२३	व	११	३५	३४	५	५५	२४ ६ १५	मि३६।१	भ.१५उ.३९या.मीनेऽर्कःसौरः१७धनि.÷
८	मं	७	३०	मृ	४	३८	आ	१३	२९	ब	७	३०	३८	४	५६	२५ ७ १६	मिथुने	होलाष्टकम् [÷शुक्रः५५।१०
९	बु	१	५२	आ	१४	५५	सौ	६	५२	कौ	१	५२	४३	३	५७	२६ ८ १७	क.४३।२	[×(सौरः३७)आमलकी११व्र स्मा.
१०	बु	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	[+अस्तंशनैः७होलिकादहनम्भद्रोत्तरम्
११	गु	४९	३१	पु	५२	१	अ	४९	४०	व	२२	४७	४७	३	५७	२७ ९ १८	कर्के	भ.२२।४७उ.४९।३१या.उभा.रविः२९×
१२	शु	४२	३१	श्ले	४७	२	सु	४१	११	ब	१६	१	५१	२	५८	२८ १० १९	सिं४७।२	शतेबुधः५१।३७आमलकी११व्र.वै.
१३	श	३५	३८	म	४२	४	धृ	३२	४३	कौ	९	४	५५	१	५९	२९ ११ २०	सिंहे	प्रदोषः
१४	र	२८	५१	पू	३७	२९	शू	२४	२२	ग	२	१४	३०	०	०	३० १२ २१	कं.५१।३४	भ.२८।५१उ.५५।५५या.कुंभेशुक्रः३६+
१५	चं	२२	५८	उ	३३	४८	गं	१७	१	ब	२२	५८	४	५	५९	१ १ १३ २२	कन्यायां	भा.चैत्रारंभःछारेंडी

४८पं.फा.शु.१मं.इ.४।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	९	३	९	११	९	१०
२४	१	२८	२४	१५	१९	२५	२३
६	५	२१	३२	८	३९	१	५८
१४	५३	२५	४६	३८	७	३०	५८
५९	२५	२३	६०	७०	६	३	६०
५८	१४	मा	व.	५९	५०	११	६

गोचर ग्रहाः

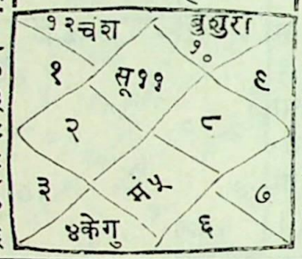

फाल्गुनशुक्ले ६ रवौ मीनेऽर्कःप्रविष्टःवा.२ न. ३ प्रगलभावस्था (बैठी)मु.४५ धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

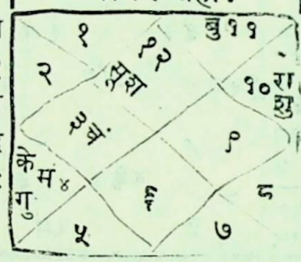

४९ पं.फा.शु.८ मं.इ.५।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	३	९	११	९	११
१	२९	३	२३	२३	२०	२४	०
५	२६	३१	५३	३१	२९	३९	५८
३१	३१	५२	२४	३४	३१	१४	४०
५९	१८	४९	४९	७१	७	३	५९
४१	व.	४९	व.	२५	२	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८								दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	मं	१९	८	ह	३१	१६	बृ	१०	३३	कौ	१९	८	३०	८	५५	६ २ १४ २३	कन्यायां	वक्रीआश्ले.२गुरुः५०।३१वसंत१
२	बु	१४	५९	चि	३०	२९	ध्रु	५	२०	ग	१४	५९	१३	५८	२	३ १५ २४	तु.०।५२	भ.४४।१७उ.
३	गु	१३	३४	स्वा	३१	३१	व्या	३०	५९	वि	१३	३४	१६	५७	३	४ १६ २५	तुलायां	भ.१३।३४या.चतुर्थीव्र.
४	शु	१४	७	वि	३४	३३	व	५८	३२	बा	१४	७	२१	५६	४	५ १७ २६	वृ.१८।४७	
५	श	१६	३५	अ	३९	१५	सि	५८	५७	तै	१६	३५	२५	५५	५	६ १८ २७	वृश्चिके	शतेशुक्रः२।६
६	र	२०	४६	ज्ये	४५	३२	व्य	६०	०	व	२०	४६	२९	५४	६	७ १९ २८	ध.४५।३२	भ.२०।४६उ.५३।३१या.
७	चं	२६	१७	मू	५२	२१	व्य	०	३५	ब	२६	१७	३३	५३	७	८ २० २९	धनुषि	पूभा.बुधः५३धनि.शुक्रः५९शीतलापूजन
८	मं	३२	२५	पु	६०	०	व	२	४१	कौ	३२	२५	३७	५३	७	९ २१ ३०	धनुषि	
९	बु	३८	४७	पू	०	३	प	५	६	तै	५	३६	३१	५२	८	१० २२ ३१	म.१६।५३	रेवत्यांरविः४७ (सौरः५४मार्गीभौमः५८
१०	गु	४४	५०	उ	७	२५	शि	७	१३	व	११	४८	४५	५१	९	११ २३ १	मकरे	भ.५१उ.४४।५०या.अप्रेल४ता.३०
११	शु	५०	६	श्र	१४	२६	सि	९	४	ब	१७	२८	४९	५०	१०	१२ २४ २	कुं.४७।२०	पापमोचनी११व्र.
१२	श	५३	५९	ध	२०	१४	सा	९	५३	कौ	२३	२	५३	४९	११	१३ २५ ३	कुंभे	
१३	र	५६	३६	श	२४	४३	शु	९	४३	ग	२५	१७	५७	४९	११	१४ २६ ४	कुम्भे	भ.५६।३६उ.प्रदोषः
१४	चं	५७	२२	पू	२७	४२	शु	८	२१	वि	२६	५९	३१	४८	१२	१५ २७ ५	मी११।५७	भ.२६।५९या.मीनेबुधः३१।३
२०	मं	५६	५१	उ	२९	८	ब्र	५	४२	च	२७	६	५	४७	१३	१६ २८ ६	मीने	मन्वादिः

५०पं.चै.कृ.१मं.इ.२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	३	१०	११	९	११
८	२८	११	२३	१	२१	२४	७
३	१७	३	२२	५५	२१	१६	५६
१८	३१	२९	४४	३०	११	५९	३५
५९	१९	६९	३८	७१	७	३	५९
२९	व	२०	व.	५०	१४	११	३५

५१पं.चै.कृ.८मं.इ.५।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	३	१०	११	९	११
१४	२७	२०	२२	१०	२२	२३	१४
५९	३८	१८	५९	२०	१३	५४	५२
१०	२	१८	४६	४९	१९	४३	४६
५९	३२	८५	२९	७२	७	३	५९
१६	व	२५	व.	९	२०	११	१८

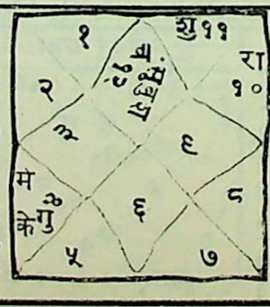

५२पं.चै.कृ.३०मं.इ. ६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	३	१०	११	९	११
२१	२७	०	२२	१८	२३	२३	२१
५३	२६	५७	४५	४७	६	३२	४६
३१	४७	२५	५८	१७	७	२८	५७
५९	४४	९८	५०	७२	७	३	५९
४	मा	२३	व.	३२	२०	११	४

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२८, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२८, भोग्यकलिः४२६८७२, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८४, शाकः १९४९, अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः । मंत्री बुधः । सस्येशः शुक्रः । धान्येशो गुरुः । मेघेशो भौमः। रसेशो रविः । नीरसेशः शुक्रः । फलेशो भौमः । धनेशः शुक्रः।दुर्गेशो भौमः।एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्येरुद्रविंशतिकायां १५ दुर्मतिनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः १।२७।७।१३।० भोग्यमासादिः १०।२।५२।४७।० नासत्यदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम माघः । मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासःसंधौ । समयनिवासो वणिक्गृहे । समय विश्वा १८ समयवाहनम्सिंचाणुः । स्तंभः १ जलस्य । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी ३ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी ३ रविदशमी ३ समयमुहूर्ताः ४०५ समयदिनानि ३५५ तिथिक्षयः १७, तिथिवृद्धिः१२ उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा ९ धान्यम् १७ तृणम् ५, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११५, शनिदृष्टिरुत्तरे । सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण १ सूर्यस्य ।

सं. २०८४ श्रावण कृ. ३० चंद्रे सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घं.	३	४	५
मि.	५४	४५	६
घ.	२३	२५	२६
प.	३८	४६	३७

वर्ष लग्नम् १०।२७

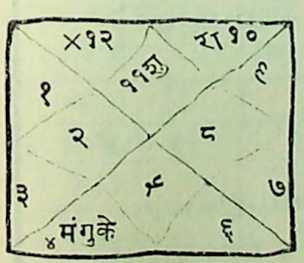

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

मात भवानी अंबिके भैरव पूछे तोय ।
चौरासी संवत् तणों हाल सुनादे मोय ।।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला चौरासी का हाल ।
वर्षा होसी सांतरी जनता मालामाल ।।
राजा मंत्री बुध भये इनकी सुंदर चाल ।
व्यापारां घट बढ चले चतुर कमावे माल ।।
अट्ठारह विश्वा समय वर्षा विश्वा अंक ।
सब ही को सुख होयसी क्या राजा क्या रंक ।।
भूमि सुत मेघेश हैं फलपति उनको जाण ।
पकी पकाई साख में करसी खैंचा ताण ।।
"बनवारी" जगदीश का कर बंशीधर जाप ।
धर्म कर्म करते रहो मिटै सभी संताप ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

राशि	तु	वृ	घ	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ४।९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।५।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१३।१२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्य विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दान दयां जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ।। मंत्री बुधः फलम् ।। शशिसुते शुभ मंत्रि समागते स्वपतिना रमते मदन क्रियाम् । बहु धनं बहु वारि समन्वितं यव मसूर चणान्न महर्घता ।। सस्येशः शुक्रः फलम् ।। शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालेक्षु धनप्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुख-प्रदानि ।। धान्येशो गुरुः फलम् ।। गुरौ धान्यपतौ याते यव गोधूम शालयः । पच्यन्ते सर्व देशेषु यज्वानो ब्राह्मणादयः ।। मेघेशो भौमः फलम् ।। अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि श्रुति विचारविहीन धरामराः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रशमं बहुतापदं ।। रसेशो रविः फलम् ।। रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरस भाग रताल्पपयोधरा । वसनतैल घृत प्रिय मानवाः सुख रसं न भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशो शुक्रः फलम् ।। कर्पूरागर गन्धानां हेम मौक्तिक वाससां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशो भौमः फलम् ।। फलपतिर्यदि भूतनयो भवेन्न बहु पुष्प फलान्वित पादपाः । गदभयान्वित देश जनास्तदा नृपतयो बहु विग्रहकारकाः ।। धनेशः शुक्रः फलम् ।। द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकला ननु मानवाः । समसुखाः क्रय विक्रय जीविनो नृपतयो जन पालन तत्पराः ।। दुर्गेशो भौमः फलम् ।। अवनिजो गढ़ नायकतां गतो विविध दुःख वियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रय विक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ।। दुर्मतिनाम संवत्सरः फलम् ।। दुर्मत्यब्दे खिला लोकाः भूपाः दुर्मतयः सदा । तथापि सुखिनः सर्वे संग्रामाः सन्ति चेदपि ।। वर्षनाम माघः फलम् ।। माघे संपत्करोब्दः स्यात् सर्वभूतहितोदयः सम्यग्वर्षति पर्जन्यः सुभिक्षं च प्रजायते ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खण्ड वृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे फलम् ।। वणिक् गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १४ चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो ८ रे. ७ ।।।ऽशुऽाऽ।।।
पादतो वेधाऽभावः

,, १५ भौमे स्वात्यां ल. ११ (घ.५३-४०उ.)
रे. ६ ।।।।ऽऽचौऽऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा १ बुधे स्वात्यां ल. ८ रे. ७ ।।।।ऽाऽऽ।।
,, ५ रवौ मूले ल.८ (घ.३८-०उ.) रे.८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, १२ चन्द्रे उभा. ल. ८ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।
शुक्ला १३ भौमे स्वात्यां ल. १ (चं.श.पूज्यौ) रे. ७
।ऽ।।ऽाऽ।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा २ शनौ मूले ल. १ (श.पू.) रे. ८ ।।।।ऽाऽ।।।
,, ४ चन्द्रे उषा. ल. १ (श.पू.) रे. ७ ।।।ऽबु।।ऽऽ।।
दग्धा पादाद्वेधाऽभावः
,, ९ रवौ उभा. ल. ऽन्यगो रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

शुक्ला ८ शुक्रे उफा. ल. ऽन्यगो १२ रे. ७ ।।।।।ऽरोऽऽ।।
(मीने.चं.पू.)

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ९ भौमे उभा. ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽऽ।।।।
(भौमशुक्रावष्टमस्थौ)
शुक्ला १५ चन्द्रे मृगे ल. ५-७ रे. ६ ।ऽ।ऽशुऽ।।ऽ।।
पादाद्वेधाऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ६ चन्द्रे हस्ते ल. ८-९ रे.७ ऽ।।।।ऽऽ।।।(घ.५०उ.)
शुक्ला ४ चन्द्रे उभा. ल. ८-९ रे. ६ ।।।।ऽ।ऽऽ।।
,, १५ गुरौ मघा. ल. ८-९ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ८ गुरौ अनु ल. ९ रे. ७ ऽ।।।।ऽनृ।ऽ।।
शुक्ला २ रवौ उभा. ल. ८-९ रे. ६ ऽऽ।।ऽ।ऽ।।।

ति. | श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५८४५स.२०२७

१	बु	५४	५४	रे	२९	१७	ऐं	३	५५	कि	२५	५२	३१	५	६	१७	२९	७	मे.२९।१७	उभा.बुधः ३३ पूभा.शुक्रः १६ रेवती.३ ÷
२	गु	५१	५०	अ	२८	१९	वि	५२	५	बा	२३	२२	१४	४५	१५	१८	३०	८	मेषे	चंद्रदर्शनम्सिंधारा
३	शु	४८	१	भ	२६	३२	प्री	४५	५७	तै	१९	५५	१८	४४	१६	१९	१	९	वृ.४०।५२	जिल्काद११मत्स्यजयंतीगणगौर
४	श	४३	३१	कृ	२३	५२	आ	३९	२६	व	१५	४६	२२	४४	१६	२०	२	१०	वृषे	भ.१५ उ.३३ या.श्रवण.४राहुःआश्ले.२=
५	र	३८	५६	रो	२१	८	सो	३२	५९	ब	११	१३	२६	४३	१७	२१	३	११	मि४९।३९	मार्गीगुरुः१३।४२ [=केतुः५।२३
६	चं	३३	५८	मृ	१८	१०	शो	२६	६	कौ	६	२७	३०	४२	१८	२२	४	१२	मिथुने	[÷शनिः५९ संवत्सरारंभःनवरात्रारंभः
७	मं	२८	४९	आ	१४	५०	अ	१९	४	ग	१	२३	२४	४१	१९	२३	५	१३	क.५७।२०	भ.२८।४९उ.५६।१५या.
८	बु	२३	४२	पु	११	३०	सु	१२	९	ब	२३	४२	२८	४०	२०	२४	६	१४	कर्के	अश्वि.मेषेऽर्कः २१ ० (सौरः२८।५३)
९	गु	१८	२९	पु	८	११	धृ	२५	५३	कौ	१८	२९	४२	४०	२०	२५	७	१५	कर्के	रेवत्यांबुधः १९ ० मीनेशुक्रः ३४ रामनवमी
१०	शु	१३	७	श्ले	४	५१	गं	५०	४४	ग	१३	७	४६	३९	२१	२६	८	१६	सिं४।५१	भ.४९उ.बुधास्तःपूर्वस्यां२६।४५
११	श	७	४९	म	२७	५७	वृ	४४	८	वि	७	४९	५०	३८	२२	२७	९	१७	सिंहे	भ.७।४९या.कामदा११व्र.
१२	र	२	३३	उ	५६	०	धु	३७	५०	बा	२	३३	५३	३७	२३	२८	१०	१८	कं.१२।५०	उभा.शक्रः९।३९प्रदोषः
१३	र	५५	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	चं	५४	४४	ह	५४	८	व्या	३१	४	ग	२६	३२	५७	३७	२३	२९	११	१९	कन्यायां	भ.५४।४४उ.
१५	मं	५२	१७	चि	५३	४०	ह	२७	५	वि	२३	३०	३२	३६	२४	३०	१२	२०	तु.२३।५४	भ.२३।३०या.हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु.८बु.इ. २१ ५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	३	१०	११	९	११
०	२८	१५	२२	२८	२४	२३	२९
०	१७	९	४०	४६	९	६	५३
०	४२	५०	१९	५	३६	२०	१२
५८	११	१६	४३	७२	७	३	५८
४४	२	३९	मा	५२	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले ८ बुधे मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न. ५ बालावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

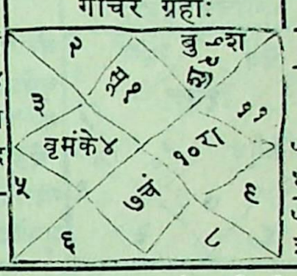

२पं.चै.शु.१बु.इ. २२ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	३	११	११	९	०
६	२९	२८	२२	७	२५	२२	६
५०	२५	३२	४७	१४	२	४४	४३
४६	५	५६	२	४२	३१	४	२३
५८	१५	१९	१	७३	७	३	५८
३१	४६	१६	५३	११	१४	११	२१

ति. | बैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९ | दि.उ.अ. | भा.मु. इं | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.

१	बु	५१	८	स्वा	५४	३१	व	२३	३०	बा	२१	४७	३२	५	५	२५	१	१३	२१	तुलायां	भा.वैशाखारंभः
२	गु	५१	३६	वि	५६	५५	सि	२०	५८	तै	२१	२२	९	३४	२६	२	१४	२२	बृ.४१।१९	अश्वि.मेषेबुधः५।९
३	शु	५३	४८	अ	६०	०	व्य	१९	४४	ब	२२	४२	१२	३४	२६	३	१५	२३	वृश्चिके	भ.२३ उ.५३ या.मघा.सिंहेभौमः ३४।५७
४	श	५७	१६	अ	०	५८	व	१९	३३	ब	२५	३२	१६	३३	२७	४	१६	२४	वृश्चिके	चतुर्थी व्र.
५	र	६०	०	ज्ये	६	३१	प	२०	३७	कौ	२९	४८	२०	३२	२८	५	१७	२५	ध.६।३१	उदयंःशनिः८।१२
५	चं	२	२०	मू	१२	५९	शि	२२	२०	तै	२	२०	२३	३१	२९	६	१८	२६	धनुषि	
६	मं	८	७	पू	१९	२१	सि	२४	३८	व	८	७	२७	३१	२९	७	१९	२७	म.३६।२८	भ.८।७उ.४१।१३या.
७	बु	१४	२०	उ	२७	५०	सा	२७	४	ब	१४	२०	३१	३०	३०	८	२०	२८	मकरे	भरण्यांरविः२।० (सौरः१०।१८) =
८	गु	२०	३७	श्र	३५	११	शु	२९	१८	कौ	२०	३७	३४	२९	३१	९	२१	२९	मकरे	रेवत्यांशुक्रः८।४३
९	शु	२५	५६	ध	४१	३६	शु	३०	४०	ग	२५	५६	३८	२८	३२	१०	२२	३०	कुं.८।२४	भ.५८।२उ. [=भरण्यांबुधः२९।३३
१०	श	३०	८	श	४६	३०	व्र	३१	४	वि	३०	८	४१	२८	३२	११	२३	१	कुंभे	भ ३०।८या.मई५ता.३१
११	र	३२	५७	पू	५०	७	ऐं	३०	१२	ब	१	३२	४५	२७	३३	१२	२४	२	मी३४।१३	वरुथिनी११व्र.
१२	चं	३३	४१	उ	५१	४५	वै	२८	३	कौ	३	१९	४८	२६	३४	१३	२५	३	मीने	आश्ले.३गुरुः५९।३५प्रदोषः
१३	मं	३२	४२	रे	५१	३७	वि	२४	१७	ग	३	११	५२	२६	३४	१४	२६	४	मे.५१।३७	भ.३२।४२उ.कृत्ति.बुधः३८।३५
१४	बु	२९	५२	अ	५०	१	प्री	१९	१३	वि	१	१७	५५	२५	३५	१५	२७	५	मेषे	भ.१।१७या.
२०	गु	२५	३३	भ	४६	५७	आ	१२	५५	ना	२५	३३	५८	२४	३६	१६	२८	६	मेषे	बृषेबुधः १४ रेवती४शनिः४।५३

३पं वै कृ.७बु.इ. २२ ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	३	११	११	९	०
१३	१	१३	२३	१५	२५	२२	१३
१९	०	४	२	४३	५४	२१	३१
५०	४	४८	२८	२३	१०	४९	४८
५८	१९	२७	३	७३	७	३	५८
१९	६	३८	२०	२०	८	११	१२

गोचर ग्रहाः

सोना चांदी रुई सूत बारदाना रेशम रंग में घट बढ चल करके तेजी का रुख बने रसकस अच्छी तेजी पकड़े।

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.कृ.१४बु.इ. ३२ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	३	११	११	९	०
२०	२	२८	२३	२४	२१	२१	२०
२७	५७	११	२६	१३	४४	५९	१८
२९	५८	३५	१३	२६	५३	३३	३४
५८	२१	५९	४	७३	६	३	५७
६	५९	४६	२९	३२	५६	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University, Haridwar. Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५८७५स.२०२७

१	शु	२०	९	कृ	४२	५९	सौ	५५	५७	ब	२०	९	३३	५	२४	६	१७	२९	७	वृ.०।५७	चन्द्रदर्शनम्
२	श	१३	५२	रो	३८	३६	अ	५०	५	को	१३	५२		५	२३	३७	१८	१	८	वृषे	जिल्हेज१२परशुरामजयंती
३	र	७	२२	मृ	३३	५३	सु	४१	५२	ग	७	२२		८	२२	३८	१९	२	९	मि६।१५	भ.३४।०उ.अक्षया३
४	चं	०	३७	आ	२९	२२	धृ	३४	११	वि	०	३७		११	२२	३८	२०	३	१०	मिथुने	भ.$\frac{3}{17}$या.अश्वि.मेषेशुक्रः$\frac{9}{16}$=
५	चं	५	३४	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=बुधोदयःपश्चिमायां३।५८
६	मं	४	८	१५	पु	२५	१६	शू	२६	३०	कौ	२१	१७	१४	२१	३९	२१	४	११	क.११।१८	कृत्ति.रविः$\frac{48}{0}$(सौरः$\frac{58}{0}$)रोहि.बुधः$\frac{6}{57}$
७	बु	४	२	४५	पु	२१	३२	गं	१९	१५	ग	१५	३०	१७	२१	३९	२२	५	१२	कर्के	भ.४२।४५उ.
८	गु	३	७	४९	श्ले	१८	११	वृ	१२	२२	वि	१०	१७	२०	२०	४०	२३	६	१३	सिं१८।११	भ.१०।१७या.
९	शु	३	३	२६	म	१५	३९	धु	५	५६	बा	५	३७	२३	१९	४१	२४	७	१४	सिंहे	
१०	श	२	९	४४	पू	१३	४३	व्या	$\frac{0}{19}$	$\frac{54}{56}$	तै	१	३५	२६	१९	४१	२५	८	१५	कं.२८।२६	भ.$\frac{55}{14}$उ.वृषेऽर्कः$\frac{15}{14}$(सौरः$\frac{26}{5}$)
११	र	२	६	४९	उ	१२	३६	व	५०	२५	वि	२६	४९	२८	१८	४२	२६	९	१६	कन्यायां	भ.२६।४९या.मोहिनी११व्र.
१२	चं	२	४	३३	ह	१२	८	सि	४६	४०	बा	२४	३३	३१	१८	४२	२७	१०	१७	तु.४२।२२	प्रदोषः
१३	मं	२	३	२१	चि	१२	४१	व्य	४३	४०	तै	२३	२१	३४	१७	४३	२८	११	१८	तुलायां	मृगेबुधः४४।८नृसिंहजयंती
१४	बु	२	३	२२	स्वा	१४	२२	व	४१	३३	व	२३	२२	३७	१७	४३	२९	१२	१९	तुलायां	भ.२३।२२उ.५३।५२या.
१५	गु	२	४	२३	वि	१७	१	प	४०	४३	ब	२४	२३	३९	१६	४४	३०	१३	२०	वृ.१।२१	यमायकुंभदानम्

५पं.वै.शु.७बु.इ.२२।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	३	०	११	९	०
२७	५	१२	२३	२	२७	२१	२७
१३	१६	२५	५८	४४	३४	३७	३
३७	१२	$\frac{1}{25}$	१	२६	६	१	१७	४८
५७	२४		५	७३	६	३	५७
५४	४४		४९	३८	४४	३८	११	४५

गोचर ग्रहाः

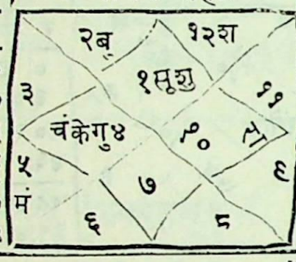

वैशाख शुक्ले १० शनौ वृषेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न. ४ प्रौढ़ावस्था बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

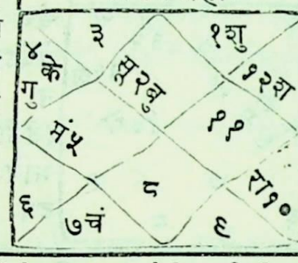

६पं.वै.शु.१४बु.इ.२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	३	०	११	९	१
३	७	२४	२४	११	२८	२१	३
५८	५०	२०	२८	१४	२१	१५	४७
४४	४२	१७	१०	५३	११	२	३२
५७	२६	९३	६	७३	६	३	५७
४४	५९	३५	३७	५०	२६	११	३४

ति. | ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	शु	२६	५०	अ	२०	५९	शि	४०	२०	को	२६	५०	$\frac{3}{3}$	$\frac{6}{19}$	$\frac{5}{44}$	३१	१४	२१	वृश्चिके	भरण्यांशुक्रः४।३८
२	श	३०	३२	ज्ये	२६	११	सि	४१	८	ग	३०	३२		४४	१५	४५	१	१५	२२	ध.२६।११	मिथुनेबुधः५८।३६भा.ज्येष्ठारंभः
३	र	३५	२९	मू	३२	२९	सा	४२	४१	व	३	०		४८	१५	४५	२	१६	२३	धनुषि	भ.३।०उ.३५।२९या. चतुर्थी व्र.
४	चं	४०	५३	पू	३९	३४	शु	४४	५८	ब	८	११		४९	१४	४६	३	१७	२४	म.५६।२७	[×पातस्पर्शः$\frac{24}{4}$पातमोक्षः$\frac{4}{38}$
५	मं	४	७	३	उ	४	७	शु	४	२४	को	१३	५८	५२	१४	४६	४	१८	२५	मकरे	रोहि.रविः३८।३६(सौरः५२।५)×
६	बु	५	३	२३	श्र	५	४४	ब्र	४	५७	ग	२०	१३	५४	१३	४७	५	१९	२६	मकरे	भ.५३।२३उ.
७	गु	५	९	१३	ध	६	०	ऐं	५	६	वि	२६	१८	५६	१३	४७	६	२०	२७	कुं.२८।१८	भ.२६।१८या.
८	शु	६	०	०	ध	१	५३	वै	५	१९	बा	३१	३४	५८	१२	४८	७	२१	२८	कुम्भे	
८	श	३	५	५	श	७	५०	वि	५	२४	को	३	५५	$\frac{3}{30}$	१२	४८	८	२२	२९	मी५६।१९	आर्द्रां.बुधः१५।४६
९	र	७	१९	९	पू	१२	२९	प्री	५	२	ग	७	१९	२	१२	४८	९	२३	३०	मीने	भ.३८।५उ.
१०	चं	८	५	१	उ	१५	८	आ	४	२५	वि	८	५१	३	११	४९	१०	२४	३१	मीने	भ.८।५१या.
११	मं	८	१	९	रे	१५	५८	सौ	४५	७	बा	११	९	५	११	४९	११	२५	१	मे.१५।५८	कृत्ति.शुक्रः$\frac{4}{16}$पूफा.भौमः$\frac{35}{9}$जून६+
१२	बु	५	४	६	अ	१४	५७	शो	३	१५	तै	५	४६	७	११	४९	१२	२६	२	मेषे	प्रदोषः [+ता.३०अपरा११व्र.
१३	गु	१	१	९	भ	११	५१	अ	३	१५	व	१	१९	९	१०	५०	१३	२७	३	वृ.२५।४४	भ.$\frac{19}{1}$उ.$\frac{28}{14}$या.वृषेशुक्रः४६।२१
१४	गु	५	३	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१४	२८	४	वृषे	
१५	शु	४	७	४४	कृ	७	२३	सु	२	३	२५	च	२१	२६	१०	१०	५०	१४	२८	४	वृषे	अश्वि.१मेषेशनिः१३।२१वटपूजनम्

७पं.ज्ये.कृ.६बु.इ.२३।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	३	०	११	९	१
१०	१०	३	२५	१९	२९	२०	१०
४२	३८	२९	२४	४६	६	५२	२९
४०	४६	१३	०	१	२२	४६	४३
५७	२८	६६	७	७३	६	३	५७
३५	४५	१७	३८	५६	१०	११	२३

गोचर ग्रहाः

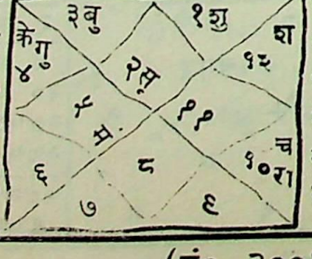

इस मास में सोना चांदी रुई तेज हो धान्य गेहूं जौ चना मटर अलसी आदि मंदे हों कहीं २ थोड़ी वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

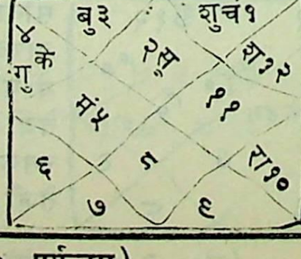

८पं.ज्ये.कृ.१२बु.इ.२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	३	०	११	९	१
१७	१३	९	२६	२८	२९	२०	१७
२५	४३	२७	१७	१७	४९	३०	१०
२६	५५	५४	१०	२०	१९	३१	४९
५७	३०	३१	८	७४	५	३	५७
२७	१९	११	३८	२	४९	११	१३

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५९०४स.२०२७

१	श	३९	३१	रो	१४२	५३	धृ	१४	१७	कि	१३	३७	३४ १२	५ १०	६ ५०	१५	२९	५	मि२८।३३	आश्ले.४गुरुः१।५०
२	र	३०	५९	आ	४९	१	शू	४४७	५० ३४	बा	५	१५	१३	९	५१	१६	३०	६	मिथुने	चंद्रदर्शनम्
३	चं	२२	४१	पु	४२	२३	वृ	४५	४६	ग	२२	४१	१५	९	५१	१७	१	७	क.२९।३	भ.४८।४५उ.मोहोरम१सन्१४४९हि.
४	मं	१४	४९	पु	३७	२६	ध्रु	३७	१०	वि	१४	४९	१६	९	५१	१८	२	८	कर्के	भ.१९या.मृगेरविः३० (सौरः५९)=
५	बु	७	४४	श्ले	३२	५३	व्या	२९	११	बा	७	४४	१७	९	५१	१९	३	९	सिं३२।५३	[=वक्रीबुधः४५
६	गु	१	३५	म	२९	२६	ह	२२	८	तै	१	३५	१८	८	५२	२०	४	१०	सिंहे	भ.५६।३६उ.
७	गु	५५	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×राहुःआश्ले.१केतुः५४०
८	शु	५२	४८	पू	२७	४	व	१५	५३	वि	२४	४२	१९	८	५२	२१	५	११	कं.४१।४७	भ.२४या.रोहि.शुक्रः५७१० श्रवण.३×
९	श	५०	२३	उ	२५	५७	सि	१०	४७	बा	२१	३५	१९	८	५२	२२	६	१२	कन्यायां	.[+निर्जला११व्र.
१०	र	४९	५	ह	२५	५९	व्य	६	४१	तै	१९	४४	२०	८	५२	२३	७	१३	तु.५६।३८	गंगादशमी
११	चं	४८	५६	चि	२७	१८	व	३	२९	व	१९	०	२१	८	५२	२४	८	१४	तुलायां	भ.१९उ.६या.बुधास्तःपश्चिमायां११+
१२	मं	४९	५९	स्वा	२९	५८	प	१९ १९	५८ १९	ब	१९	२७	२१	८	५२	२५	९	१५	तुलायां	मिथुनेऽर्कः३२।२१ (सौरः५१।४३)
१३	बु	५२	७	वि	३३	३१	सि	५९	४६	कौ	२१	३	२२	८	५२	२६	१०	१६	वृ.१७।३८	प्रदोषः
१४	गु	५५	२६	अ	३८	०	सा	५९	३७	ग	२३	४६	२२	८	५२	२७	११	१७	वृश्चिके	भ.५५।२६उ.
१५	शु	५९	३०	ज्ये	४३	२२	शु	६०	०	वि	२७	२८	२३	७	५३	२८	१२	१८	ध.४३।२२	भ.२७।२८या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

९पं.ज्ये.शु.५बु.इ. २३ १०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	३	१	०	९	१
२४	१६	११	२७	६	०	२०	२३
७	५७	५१	१६	४९	२९	८	१०
३०	४७	१४	३७	४४	६	१५	४५
५७	३१	३९	९	७४	५	३	५७
२२	२५	व.	२८	८	५२	११	५

गोचर ग्रहाः

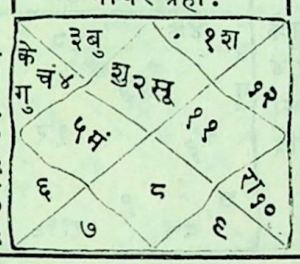

ज्येष्ठ शुक्ले १२भौमे मिथुनेऽर्के:प्रविष्टःवा. ४ न.५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्धता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

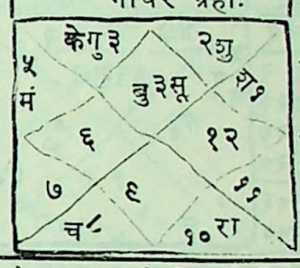

१०पं.ज्ये.शु.१३बु.इ. २३ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	३	१	०	९	२
०	२०	१०	२८	१५	११	१९	०
४८	२२	४६	२०	२१	६	४५	२९
४७	१२	३०	४९	५०	१४	५९	५४
५७	३३	२५	१०	७४	४	३	५६
१७	५६	व.	१०	१८	५६	११	५७

ति. आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.

१	श	६०	०	मू	४९	४८	शु	०	४७	बा	३२	८	३४ ३३	५६ ३३	२९	१३	१९		धनुषि	
१	र	४	४६	पू	५६	४७	शु	२	२०	कौ	४	४६	२३	७	५३	३०	१४	२०	धनुषि	पातस्पर्शः५२।३८
२	चं	१०	२६	उ	६०	०	ब्र	४	२७	ग	१०	२६	२४	७	५३	३१	१५	२१	म.१३।४०	भ.४३।२७उ.पातमोक्षः१५।४६
३	मं	१६	२८	उ	४	१९	ऐं	६	५०	वि	१६	२८	२४	७	५३	१	१६	२२	मकरे	भ.१९या.आर्द्रा.रविः३१० (सौरः५३ १९)÷
४	बु	२२	३६	श्र	११	४९	वै	९	२२	बा	२२	३६	२४	७	५३	२	१७	२३	कुं.४५।३५	[÷मृगेशुक्रः५५भा.आषाढारंभः–
५	गु	२८	३६	ध	१९	२१	वि	११	४७	तै	२८	३६	२४	७	५३	३	१८	२४	कुंभे	वक्रीमृगेबुधः४१।१८ [–चतुर्थीव्र.
६	शु	३३	४५	श	२६	४	प्री	१३	४६	ग	११	०	२४	७	५३	४	१९	२५	कुंभे	भ.३३।४५उ.
७	श	३७	५६	पू	३१	४२	आ	१४	५२	वि	५	५०	२३	७	५३	५	२०	२६	मी१५।१८	भ.५।५०या.मघा.१सिंहेगुरुः९।८
८	र	४०	२०	उ	३५	५३	सौ	१४	५०	बा	९	८	२३	७	५३	६	२१	२७	मीने	
९	चं	४१	५	रे	३८	१६	शो	१३	३२	तै	१०	४२	२२	८	५२	७	२२	२८	मे.३८।१६	मिथुनेशुक्रः२३।२०उफा.भौमः४५।४२
१०	मं	३९	४२	अ	३८	४८	अ	१०	२९	व	१०	२३	२२	८	५२	८	२३	२९	मेषे	भ.१०।२३उ.३९।४२या.
११	बु	३६	१७	भ	३७	१३	सु	५८	५४ ५३	ब	७	५९	२१	८	५२	९	२४	३०	बृ.५१।२१	योगिनी११व्र.
१२	गु	३०	५१	कृ	३३	४६	शू	५२	१०	कौ	३	३४	२०	८	५२	१०	२५	१	वृषे	जुलाई७ता.३१ प्रदोषः
१३	शु	२३	४१	रो	२८	३३	गं	४३	१०	व	२३	४१	१९	८	५२	११	२६	२	मि५५।१५	भ.२३उ.४९या.बुधोदयःपूर्वस्यां२७
१४	श	१५	१४	मृ	२१	५६	बृ	३३	२३	श	१५	१४	१८	८	५२	१२	२७	३	मिथुने	आर्द्रा.शुक्रः४५।४६
३०	र	५	४९	आ	१४	४०	ध्रु	२२	५७	ना	५	४९	१७	९	५१	१३	२८	४	क.५३।५७	कन्यायांभौमः५९।८

११पं.आ.कृ.४बु.इ. २३ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	३	१	०	९	२
७	२३	७	२९	२३	१	१९	७
२९	५४	२३	२९	५४	३९	२३	८
४२	४०	४६	५३	४०	१४	२४	२१
५७	२४	३३ ३५	१०	७४	४	३	५६
१३	०	व.	५३	२१	२९	११	५४

गोचर ग्रहाः

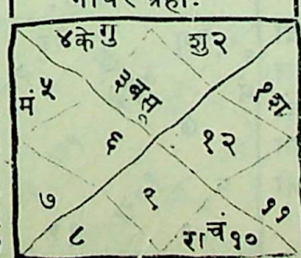

इस मास में गेहूं जौ चना मटर बाजरा मूंग मोठ धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा गुड़ शक्कर रुई तेज हो प्रजा पीड़ित हो ।

गोचर ग्रहाः

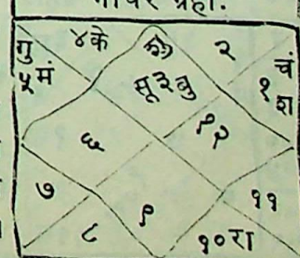

१२पं.आ.कृ.११ बु.इ. २३ २२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	४	२	०	९	२
१४	२७	३	०	२	२	१९	१३
१०	३६	५९	४३	२८	८	१	४६
८	२२	५६	१२	३०	१७	२८	२६
५७	२४	२४ ४३	११	७४	३	३	५६
७	४५	व.	२४	२१	५०	११	५०

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९						दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५९३४स.२०२७
१	र	५०	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४६	२४	पु	७	५२	व्या	१२	२१	बा	२१	१४	३४ १६	९ ५६	१४ २९ ५	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	मं	३७	२४	श्ले	५२	५९	ह	१५	५८	तै	११	५४	१५	९	५१	१५ १ ६	सिं५२।५९	पुन.रविः२९।४८(सौरः५८) मार्गीबुधः९।२१=
४	बु	२९	१९	म	४७	१९	सि	४२	५१	व	३	२१	१४	९	५१	१६ २ ७	सिंहे	भ.३।२१उ.२९।१९या. [=सफर२
५	गु	२२	४५	पू	४३	१७	व्य	३५	१३	बा	२२	४५	१३	९	५१	१७ ३ ८	क.५७।४१	
६	शु	१७	३४	उ	४०	५२	व	२८	५२	तै	१७	३४	११	१०	५०	१८ ४ ९	कन्यायां	
७	श	१४	१४	ह	४०	७	प	२३	५५	व	१४	१४	१०	१०	५०	१९ ५ १०	कन्यायां	भ.१४।१४उ.४३।२४या.
८	र	१२	३४	चि	४०	५२	शि	२०	१०	ब	१२	३४	८	१०	५०	२० ६ ११	तु.१०।३०	
९	चं	१२	३८	स्वा	४३	२६	सि	१७	४७	कौ	१२	३८	७	११	४९	२१ ७ १२	तुलायां	[×मघा.२गुरुः१९३देवशयनी११व्र.
१०	मं	१४	१५	वि	४७	१२	सा	१६	३४	ग	१४	१५	५	११	४९	२२ ८ १३	वृ.३१।१६	भ.४५।४०उ.
११	बु	१७	४	अ	५२	१८	शु	१६	३३	वि	१७	४	३	११	४९	२३ ९ १४	बृश्चिके	भ.९७या.आर्द्रा.बुधः०४५पुन.शुक्रः४९०×
१२	गु	२१	५	ज्ये	५८	२६	शु	१७	१९	बा	२१	५	१	१२	४८	२४ १० १५	ध.५८।२६	प्रदोषः
१३	शु	२५	५९	मू	६०	०	ब्र	१८	२५	तै	२५	५९	३३ ५९	१२	४८	२५ ११ १६	धनुषि	कर्केऽर्कः५९।१४
१४	श	३१	३४	मू	५	२०	ऐं	२०	३४	व	३१	३४	५७	१३	४७	२६ १२ १७	धनुषि	भ.३१।३४उ.कर्केऽर्कःसौरः३०।२
१५	र	३७	२५	पू	१२	१९	वै	२२	४०	वि	४	२९	५५	१३	४७	२७ १३ १८	म.२९।११	भ.४।२९या.व्यासपूजा वायुपरीक्षा

१३पं.आ.शु.४बु.इ. २२ ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	४	२	०	९	२
२०	१	३	२	११	२	१८	२०
५०	२५	१९	०	३	३३	३९	२४
३५	१२	३४	१४	१८	३२	१३	२०
५७	३५	५५	१२	७४	३	३	५६
७	३३	मा	१	२६	१८	११	५०

गोचर ग्रहाः

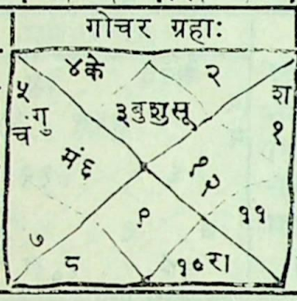

आषाढ शुक्ले १३शुक्रे कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न. ४ प्रगलभावस्था (बैठी,मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

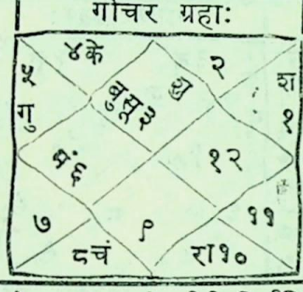

१४पं.आ.शु.११बु.इ. २२ ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	४	२	०	९	२
२७	५	६	३	१९	२	१८	२७
३०	२०	५७	२०	३८	५४	१६	२
५४	२०	२९	३८	६	३६	५७	२७
५७	३६	४७	१२	७४	२	३	५६
११	१४	३४	२०	३२	३४	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९						दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	चं	४३	२८	उ	१९	४७	वि	२५	९	बा	१०	२६	३३ ५२	५ ५४	६ ४६	२८ १४ १९	मकरे	
२	मं	४९	३४	श्र	२७	१४	प्री	२७	३१	तै	१६	३१	१०	१४	४६	२९ १५ २०	मकरे	पुष्येरविः२८।३२शुक्रास्तःपूर्वस्यां१५।०
३	बु	५५	१७	ध	३४	३७	आ	२९	५४	व	२२	२५	४८	१४	४६	३० १६ २१	कुं.०।५५	भ.३३५उ.५५या.पुष्येरविःसौरः०४३
४	गु	६०	०	श	४१	१६	सौ	३१	४७	ब	२७	४७	४५	१५	४५	३१ १७ २२	कुम्भे	कर्के शुक्रः४७हस्तेभौमः२४३ चतुर्थी व्र.
४	शु	०	१८	पू	४७	२१	शो	३३	१३	बा	०	१८	४३	१५	४५	१ १८ २३	मी३०।५०	भा.श्रावणारंभः
५	श	४	४२	उ	५२	२५	अ	३३	४७	तै	४	४२	४०	१६	४४	२ १९ २४	मीने	नाग५ मरुस्थले
६	र	७	४०	रे	५६	११	सु	३३	२३	व	७	४०	३८	१६	४४	३ २० २५	मे.५६।११	भ.५४०उ.३६या.पुन.बुधः१२०
७	चं	९	२६	अ	५८	१५	धृ	३१	५३	ब	९	२६	३५	१७	४३	४ २१ २६	मेषे	पुष्येशुक्रः३२।३१
८	मं	९	१७	भ	५८	३४	शू	२८	५५	कौ	९	१७	३३	१७	४३	५ २२ २७	मेषे	अश्वि.२शनिः१।११
९	बु	७	३०	कृ	५७	५	गं	२४	२६	ग	७	३०	३०	१८	४२	६ २३ २८	वृ.१३।१२	भ.३५।३४उ.
१०	गु	३	३९	रो	५३	३६	बृ	१८	३१	वि	३	३९	२७	१९	४१	७ २४ २९	वृषे	भ.३।३९या.कामिका११व्र.स्मा.
११	गु	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	[+बुधास्तःपूर्वस्यां३३कामिका११व्र.वै.
१२	शु	५०	४४	मृ	४८	३२	धु	११	१	कौ	२४	१९	२४	१९	४१	८ २५ ३०	मि२१।४	कर्के बुधः३४।२२मघा.३गुरुः४२।१४
१३	श	४२	३	आ	४२	१३	व्या	२२	५०५६	ग	१६	२३	२३	२०	४०	९ २६ ३१	मिथुने	भ.४२।३उ. प्रदोषः
१४	र	३२	२७	पु	३४	४५	व	४२	९	वि	७	१५	१९	२०	४०	१० २७ १	क.२१।३७	भ.७५या.पुष्येबुधः१५अगस्तऽता.३१
३०	चं	२२	२७	पु	२६	५०	सि	३१	१२	ना	२२	२७	१६	२१	३९	११ २८ २	कर्के	हरियाली सूर्यग्रहणम्

१५पं.श्रा.कृ.३बु.इ.२२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	४	२	०	९	३
४	९	१४	४	२८	३	१७	३
११	२२	४३	४३	१४	१०	५४	४०
३८	८	३७	३७	२८	२६	४१	५४
५७	३७	८६	१२	७४	१	३	५६
१५	१	२५	४४	३२	५३	११	५९

गोचर ग्रहाः

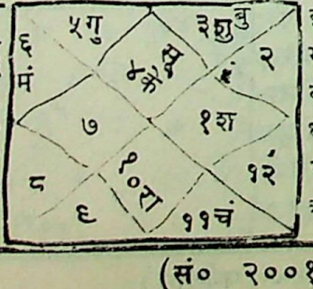

इस मास में चांदी रुई सोना सण तिल वारदाना मंदे हो धान्य गल्ला घृत रसकस में कुछ तेजी आवेगी ।

गोचर ग्रहाः

१६पं.श्रा.कृ.९बु.इ. ३३ ३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	४	३	०	९	३
१०	१३	२५	६	६	३	१७	१०
५२	२८	५४	९	५१	२१	३२	२०
४१	५९	१८	२५	११	४३	२६	११
५७	३७	८९	१३	७४	१	३	५७
२०	५३	४९	८	३२	१६	११	५

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९	दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५९६३सन् २०२७
१	मं १२ १८ श्ले १८ २५ व्य २० २३ ब १२ १८	३३	५२	६९	१२	२९	३	सिं १८।२५	आश्ले.रविः २५।३३सिंधारा
२	बु २ ५६ म ११ ४९ व ९ ५५ कौ २ ५६	१०	२२	३८	१३	३०	४	सिंहे	आश्ले.रविःसौरः १।३० चंद्रदर्शनम् तीज
३	बु ५१ ४० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=रविलाखर३वरद४
४	गु ४७ ४२ पू ५ ३५ प २५ ५१ व २१ ९	७	२३	३७	१४	१	५	कं.१९।२५	भ.२१ उ.४५ या.आश्ले.शुक्रः १९=
५	शु ४२ ४४ उ ५७ ३२ सि ४५ १० ब १५ १३	४	२३	३७	१५	२	६	कन्यायां	नागपंचमी
६	श ३९ ४४ चि ५७ ३४ सा ४० २ कौ ११ १४	०	२४	३६	१६	३	७	तु.२७।५६	आश्ले.बुधः ५०।१२
७	र ३८ ५३ स्वा ५८ ५० शु ३६ १७ ग ९ १८	३७	२५	३५	१७	४	८	तुलायां	भ.३८।५३उ.
८	चं ३९ ५५ वि ६० ० शु ३४ २२ वि ९ २४	५४	२५	३५	१८	५	९	वृ.४६।७	भ.९।२४या.वक्रीशनिः ३३।२
९	मं ४२ ४५ वि १ ५३ ब्र ३३ ३८ ला ११ २०	५०	२६	३४	१९	६	१०	वृश्चिके	[+श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम्
१०	बु ४७ १ अ ६ ४४ ऐं ३४ २१ तै १४ ५३	४७	२७	३३	२०	७	११	वृश्चिके	[×पुष्य.४केतुः ५१।२७
११	गु ५२ १६ ज्ये १२ ४८ वै ३५ ४० व १९ ३८	४४	२७	३३	२१	८	१२	ध.१२।४८	भ.१९।३८उ.५२।१६या. पवित्रा ११व्र.
१२	शु ५८ १४ मू १९ ४५ वि ३७ ४७ ब २५ १५	४०	२८	३२	२२	९	१३	धनुषि	चित्रा.भौमः २७।५२श्रवण.२राहुः×
१३	श ६० ० पू २७ ४ प्री ४० ३ कौ ३१ १८	३६	२९	३१	२३	१०	१४	म.४४।१	मघा.सिंहेबुधः १२।४१ प्रदोषः
१३	र ४ २२ उ ३४ ५३ आ ४२ ३७ तै ४ २२	३३	२९	३१	२४	११	१५	मकरे	मघा.४गुरुः ४३।३१
१४	चं १० ३२ श्र ४२ १८ सौ ४४ ४७ व १० ३२	३०	३०	३०	२५	१२	१६	मकरे	भ.१३ उ.४३ या.मघा.सिंहेशुक्रः ९३
१५	मं १६ २३ ध ४९ २२ शो ४७ ५ ब १६ २३	२६	३१	२९	२६	१३	१७	कु.१५।५०	मघा.सिंहेऽर्कः १९।३५ (सौरः ५७) +

१७पं.श्रा.शु.२बु.इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	४	३	०	९	३
१७	१७	९	७	१५	३	१७	१६
३४	४१	३८	३६	२८	२८	१०	५९
२३	१०	५३	४०	३७	३०	१०	५९
५७	३८	५९	१३	५६	०	३	५७
२५	१९	३५	२०	३८	३७	११	१२

गोचर ग्रहाः

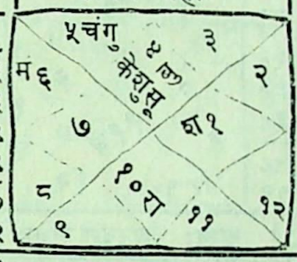

श्रावणशुक्ले १५भौमे सिंहेऽर्कः प्रविष्ट.वा.५ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

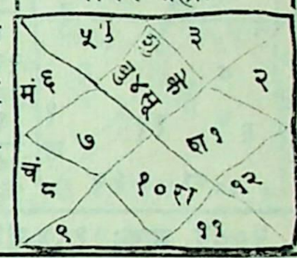

१८पं.श्रा.शु.१०बु.इ. ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	४	२	०	९	३
२४	२१	२४	९	२४	३	१६	२३
१६	५८	१२	५	७	२९	४७	४१
४४	४१	४०	३१	५	१०	५५	६
५७	३८	५९	१३	७४	९३	३	५७
४०	५०	१६	२६	३८	व.	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९	दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	बु २१ ४५ श ५५ ५३ अ ४८ ५४ कौ २१ ४५	३२	५३	६८	२७	१४	१८	कुंभे	[÷भा.भाद्रपदारंभः
२	गु २६ २८ पू ६० ० सु ४९ ५२ ग २६ २८	१९	३२	२८	२८	१५	१९	मी ४५।१०	भ.५८।२२उ.अस्तंगुरोः ८।२४
३	शु ३० १७ पू १ ३६ ध्रु ५० १२ वि ३० १७	१५	३३	२७	२९	१६	२०	मीने	भ.३०।१७या. चतुर्थी.व्र.
४	श ३३ १ उ ६ ३८ शू ५० ० ब १ ३९	१२	३४	२६	३०	१७	२१	मीने	पूफा.बुधः ४।५५
५	र ३४ ४० रे १० २५ गं ४८ ४९ कौ ३ ५०	८	३४	२६	३१	१८	२२	मे.१०।२५	चन्द्रषष्ठी
६	चं ३५ १७ अ १३ ९ वृ ४६ ३२ ग ४ ५८	४	३५	२५	१	१९	२३	मेषे	भ.३५।१७उ.वक्री अश्वि.१शनिः १२।१÷
७	मं ३४ १९ भ १४ ३८ ध्रु ४३ २० वि ४ ४९	१	३६	२४	२	२०	२४	वृ.२९।३८	भ.४९ या.तुलायांभौमः ७२६ जन्मा.व्र.स्मा.
८	बु ३१ ५० कृ १४ ४० व्या ३८ ५२ बा ३ ४	३७	३७	२३	३	२१	२५	वृषे	बुधोदयःपश्चिमायां १४५ जन्माष्टमी व्र.वै.
९	गुं २७ ५२ रो १३ १४ ह ३३ १४ ग २७ ५२	५३	३७	२३	४	२२	२६	मि ४१।४३	भ.५५।१५उ.पूफा.शुक्रः ५३।७गोगा ९
१०	शु २२ ३७ मृ १० १२ व २६ १८ वि २२ ३७	४९	३८	२२	५	२३	२७	मिथुने	भ.२२।३७या.
११	श १५ ४४ आ ६ १ सि १८ १५ बा १५ ४४	४६	३९	२१	६	२४	२८	क.४६।४७	उफा.बुधः ३४।४७अजा.११व्र.
१२	र ७ ५३ पु २२ ५७ व्य ९ १९ ५० तै ७ ५३	४२	४०	२०	७	२५	२९	कर्के	भ.५९।३उ.वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	र ५१ १० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[-गुरुः २ कुशाग्रहणी
१४	चं ४९ ३२ श्ले ४६ २९ प ४९ १२ वि २४ १७	३८	४०	२०	८	२६	३०	सिं ४६।२९	भ.२४।१७या.कन्यायांबुधः ४८।०
३०	मं ४० १८ म ३९ १५ शि ३८ ४१ च १४ ५५	३४	४१	१९	९	२७	३१	सिंहे	पूफा.रविः ९९ (सौरः ४९) पूफा.१-

१९पं.भा.कृ.१बु.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	४	०	९	४
१	२६	८	१०	२	३	१६	०
०	२१	५	३५	४६	२५	२५	२३
४	५४	१३	४६	१९	३४	३९	१९
५७	३९	५९	१३	७४	५३	३	५७
४०	२२	५६	३२	३८	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में गुरुवार का चन्द्रदर्शन चांदी सोना लोहा ताम्बा मंदे हों रुई कपास वारदाना धान्य तेज हों।

गोचर ग्रहाः

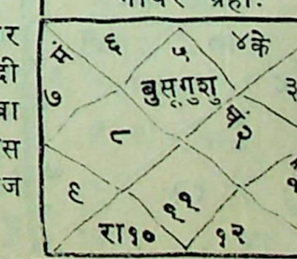

२०पं.भा.कृ.८बु.इ. ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	४	४	०	९	४
७	०	२०	१२	११	३	१६	७
४४	४९	५१	६	२६	१६	३	६
२८	२३	२२	४०	४२	३०	२३	४६
५७	३९	५९	१३	७४	३७	३	५७
४९	४७	२८	३८	३२	व.	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digtized by eGangotri Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९	दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५९९२स.२०२७
१	बु ३१ २४ पू ३२ १८ सि २८ ३७ कि ५ ५१	३१ ३०	५ ४२	६ ६८	१० २८	१	कं.४५।४९	सितम्बर९ता.३०
२	गु २३ ४० उ २६ २२ सा १९ १२ कौ २३ ४०	२६	४३	१७	११ २९	२	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	शु १७ २२ ह २२ ० शु १० ४७ ग १७ २२	२२	४४	१६	१२ १	३	तु.५०।४०	भ.४५ उ.स्वात्यांभौमः२० रविलाखर४=
४	श १२ ५२ चि १९ २० शु ३३ ५४ ४१ वि १२ ५२	१८	४४	१६	१३ २	४	तुलायां	भ.१३ या.केचिन्मतेगणेश४ऋषिपंचमी
५	र १० ४० स्वा १८ ४९ ऐं ५४ ५८ बा १० ४०	१५	४५	१५	१४ ३	५	तुलायां	[=हरितालिका३
६	चं १० ३५ वि २० २९ वै ५२ ५६ तै १० ३५	११	४६	१४	१५ ४	६	वृ.५।४	हस्तेबुधः१३।२६उफा.शुक्रः३८।१८
७	मं १२ ३० अ २४ २ वि ५२ ५२ व १२ ३०	७	४७	१३	१६ ५	७	वृश्चिके	भ.१२।३०उ.४४।२५या.
८	बु १६ १९ ज्ये २९ १९ प्री ५३ ३१ ब १६ १९	३	४७	१३	१७ ६	८	ध.२९।१९	[×गुरुः२१ महालयारंभः
९	गु २१ २३ मू ३५ ५९ आ ५५ १२ कौ २१ २३	३० ५९	४८	१२	१८ ७	९	धनुषि	कन्यायांशुक्रः१९।१८
१०	शु २७ ३२ पू ४३ १९ सौ ५७ ३४ ग २७ ३२	५५	४९	११	१९ ८	१०	धनुषि	रामदेवजी का मेला नवल दुर्गे
११	श ३३ ४५ उ ५० ५६ शो ५९ ५७ व ० ३८	५१	५०	१०	२० ९	११	ध.०।१३	भ.३८ उ.३४ या.जलझूलनी११व्र.
१२	र ४० ५ श्र ५८ २१ अ ६० ० ब ६ ५५	४७	५१	९	२१ १०	१२	मकरे	वामनजयंती
१३	चं ४६ ० ध ६० ० अ २ ३१ कौ १३ २	४३	५१	९	२२ ११	१३	कुं.३१।५२	उफा.रविः५३ उदयंगुरोः२२ प्रदोषः
१४	मं ५१ २ ध ५ २४ सु ४ २३ ग १८ ३१	३९	५२	८	२३ १२	१४	कुंभे	भ.५१ उ.उफा.रविःसौरः३३ अनंत१४
१५	बु ५५ ४ श ११ ५६ धृ ५ ४७ वि २३ ३	३५	५३	७	२४ १३	१५	कुम्भे	भ.२३ या.चित्रा.बुधः४३ पूफा.२×

२१पं.भा.शु.१बु.इ. २१ ४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	४	४	०	९	४
१४	५	२१	१३	२०	३	१५	१३
३०	२०	३४	३८	७	२	४१	५१
४	३५	८	६	१२	३५	८	५८
५८	४०	९८	१३	७४	२ ५६	३	५७
१	१७	३७	३८	२२	व. ११		५७

२२पं.भा.शु.८बु.इ. २१ ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	४	४	०	९	४
२१	९	१३	१५	२८	२	१५	२०
१७	५७	८	९	४८	४४	१८	३८
६	१४	३८	२९	२२	१७	५२	३८
५८	४०	८८	१३	७४	५० २	३	५८
१३	४४	१७	३८	३२	व. ११		१२

२३पं.भा.शु.१५बु.इ. २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	४	५	०	९	४
२८	१४	२२	१६	७	२	१४	२७
५	३७	५०	४०	२९	२२	५६	२६
२८	१२	२४	५	३८	५	३७	५५
५८	४१	७५	१३	७५	३८	३	५८
२६	२३	५८	३२	२६	व. ११		२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	गु ५८ १० पू १७ २ शू ६ ३८ बा २६ ३७	३०	५४	६	२५	१४	१६	मी०।४६	[+हस्तेशुक्र.२२
२	शु ६० ० उ २१ ३४ गं ६ ३३ तै २९ १०	२७	५५	५	२६	१५	१७	मीने	कन्यायांमर्कः१९।५(सौरः५८।३७)+
२	श ० ११ रे २४ ४४ बृ ५ ४१ ग ० ११	२२	५६	४	२७	१६	१८	मि.२४।४४	भ.३०।३२उ.
३	र ० ५३ अ २६ ५९ धु ३ ५३ वि ० ५३	१८	५६	४	२८	१७	१९	मेषे	भ.०।५३या. चतुर्थी व्रतम्
४	चं ० ४६ भ २८ ११ व्या ३२ ५३ बा ० ४६	१४	५७	३	२९	१८	२०	वृ.४३।१८	[÷सौरः१३ चित्रा.शुक्रः६३
५	चं ५८ ५२ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–शुक्रोदयःपश्चिमायां४८ प्रदोषः
६	मं ५७ २९ कृ २८ ४० व ५३ ५६ ग २८ ३३	९	५८	२	३०	१९	२१	वृषे	भ.१७।२९उ.तुलायांबुधः१२।३७
७	बु ५४ १९ रो २७ ४७ सि ४८ ५९ वि २५ ५४	५	५९	१	३१	२०	२२	मि५६।५५	भ.२५।५४या.
८	गु ५० २२ मृ २६ ४ व्य ४३ १६ बा २२ २०	३० ०	०	०	१	२१	२३	मिथुने	विशा भौमः१६।४२भा.आश्विनारंभः
९	शु ४५ १६ आ २३ २६ व ३६ ४५ तै १७ ४९	२९	१	५९	२	२२	२४	मिथुने	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
१०	श ३९ २५ पु १९ ४९ प २९ २३ व १२ २०	५३	२	५८	३	२३	२५	क.५।४३	भ.१२।२०उ.३९।२५या.
११	र ३२ २८ पु १५ २३ शि २१ २० व ५ ५६	४८	२	५८	४	२४	२६	कर्के	इंदिरा११व्र.
१२	चं २५ १ श्ले १० ६ सि १२ ४१ तै २५ १	४४	३	५७	५	२५	२७	सिं१०।६	हस्तेरविः३२ स्वात्यांबुधः५९ –
१३	मं १७ ११ म ४ ५४ सा ३५ ५० व १७ ११	४०	४	५६	६	२६	२८	सिंहे	भ.१७।११उ.४३।१६या.हस्तेरविः÷
१४	बु ९ २२ उ ५२ ५७ शु ४५ १९ श ९ २२	३६	५	५५	७	२७	२९	कं.१२।४	सर्वपितृ३०
३०	गु २ ४ ह ४८ १३ ब्र ३६ ४६ ना २ ४	३२	६	५४	८	२८	३०	कन्यायां	मातामहश्रा.नवरात्रारंभः

२४पं.आ.कृ.७बु.इ. २१ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	४	५	०	९	५
४	१९	१	१८	१६	१	१४	४
५५	२१	८	९	१०	५५	२४	१७
१९	२९	४२	४०	५५	४१	२१	२
५८	४१	६०	१३	७४	५३	३	५८
३८	४४	०	२६	२६	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

आश्विन कृष्णे २शुक्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ युवावस्था (सूती) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्तःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

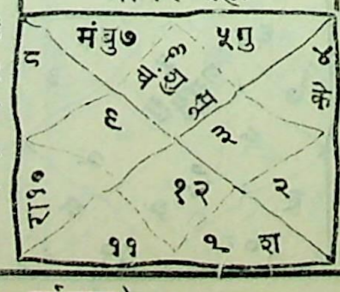

२५पं.आ.कृ.१४बु.इ. २१ १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	४	५	०	९	५
११	२४	७	१९	२४	१	१४	११
४६	१०	३३	३७	५२	२६	१२	९
५२	३४	४९	५५	४८	३८	५	०
५८	४२	३८	१३	७४	४०	३	५९
५३	२	१	१४	२६	व.	११	०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०८४ शाकः १९४९												दि. उ. अ.भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०२२स.२०२७
१	गु	५३	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		[=ता.३१
२	शु	५०	५३	चि	४४	३९	ऐं	२९	१३	बा	२३	२१	३९	६	५४	९ २९ १	तु.१६।२६ पूफा.३गुरुः३०चन्द्रदर्शनम् अक्टूबर१०=
३	श	४७	५६	स्वा	४२	५४	वै	२२	५३	तै	१९	२४	२३	७	५३	१० १ २	तुलायां जमादिलावल५
४	र	४६	४७	वि	४३	३	वि	१७	५८	व	१७	२१	१९	८	५२	११ २ ३	वृ.२८।१ भ.२१उ.४६या.तुलायांशुक्रः२७
५	चं	४७	५२	अ	४५	१९	प्री	१४	३१	व	१७	१९	१५	९	५१	१२ ३ ४	वृश्चिके [×श्रवण.१राहुःपुष्य.३केतुः३२+
६	मं	५०	५०	ज्ये	४९	१५	आ	१३	१५	कौ	१९	२१	११	१०	५०	१३ ४ ५	ध.४९।१५ [+शरद्पूर्णिमा का.स्ना.प्रा.
७	बु	५५	२३	मू	५४	४९	सो	१२	५२	ग	२३	६	७	११	४९	१४ ५ ६	धनुषि भ.५५।२३उ.वक्रीबुधः३३।१६
८	गु	६०	०	पू	६०	०	शो	१३	४६	वि	२८	१६	३	११	४९	१५ ६ ७	धनुषि भ.२८।१६या.वृश्चिकेभौमः४२।८
८	शु	१	१०	पू	१	४८	अ	१५	३५	व	१	१०	२९	१२	४८	१६ ७ ८	म.१८।३९ स्वात्यांशुक्रः५०।५२
९	श	७	२४	उ	९	११	सु	१७	५३	कौ	७	२४	५५	१३	४७	१७ ८ ९	मकरे [÷(सौरः३१)पापांकुशा११व्र.
१०	र	१३	४४	अ	१६	४५	धृ	२०	१४	ग	१३	४४	५१	१४	४६	१८ ९ १०	कुं.५०।२२ भ.४६।४३उ.
११	चं	१९	४३	ध	२३	५९	शू	२२	२४	वि	१९	४३	४७	१५	४५	१९ १० ११	कुंभे भ.१९।४३या.चित्रा.रविः४।२३÷
१२	मं	२४	४७	श	३०	२९	गं	२३	५६	बा	२४	४७	४३	१५	४५	२० ११ १२	कुंभे अनु.भौमः२६।३३ प्रदोषः
१३	बु	२८	३६	पू	३५	३७	वृ	२४	३७	तै	२८	३६	३९	१६	४४	२१ १२ १३	मी१९।२० बुधास्तःपश्चिमायां२०।३२
१४	गु	३१	६	उ	३९	३७	ध्रु	२४	१६	व	३१	६	३५	१७	४३	२२ १३ १४	मीने भ.३१।६उ.कोजागरीव्र.
१५	शु	३२	५	रे	४२	२४	व्या	२२	४९	वि	१	३५	३१	१८	४२	२३ १४ १५	मे.४२।२४ भ.१।३५या.वक्रीचित्रा.बुधः३४×

२६पं.आ.शु.७बु.इ. २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	४	६	०	९	५
१८	२९	१०	२१	३	०	१३	१८
४०	२	४७	४	३४	५५	४९	२
५	२८	४६	२६	२३	३४	१०	४७
५९	४२	१४०	१२	७४	४८	३	५९
९	३४	व.	५६	२०	व.	११	१६

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जौ चांवल मूंग मोठ बाजरा आदि मंदे हों चांदी सोना रुई बारदाना घटबढ़ लेकर तेज हो।

गोचर ग्रहाः

२७पं.आ.शु.१३बु.इ.५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	४	६	०	९	५
२५	३	८	२२	१२	०	१३	२४
३४	५८	२४	२९	१६	२२	२७	५८
५९	४८	२३	२०	४१	४८	३४	२९
५९	४२	५३	१२	७४	४०	३	५९
२१	५२	व.	३२	१४	व.	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९												दि. उ. अ.भा. मु. इं.			चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	श	३१	५६	अ	४३	४२	ह	२०	२५	बा	२	०	२७	६	५१	२४ १५ १६	मेषे
२	र	३०	३२	भ	४३	४८	व	१६	५२	तै	१	१४	२३	१९	४१	२५ १६ १७	वृ.५८।३८ भ.५९उ.तुलायामर्कः४९पूफा.४गुरुः५७
३	चं	२८	१७	कृ	४३	८	सि	१२	३२	वि	२८	१७	२०	२०	४०	२६ १७ १८	वृषे भ.२७या.तुलार्कःसौरः३५वक्री मीने–
४	मं	२५	०	रो	४१	४०	ध्य	७	४२	बा	२५	०	१६	२१	३९	२७ १८ १९	वृषे विशा.शुक्रः४।०
५	बु	२१	१३	मृ	३९	३५	व	२५	५३	तै	२१	१३	१२	२२	३८	२८ १९ २०	मि१०।३७ वक्रीकन्यायांबुधः५६।५४
६	गु	१७	५	आ	३७	१२	शि	४९	२६	व	१७	५	८	२२	३८	२९ २० २१	मिथुने भ.१७।५उ.४४।५१या.
७	शु	१२	३७	पु	३४	२०	सि	४३	४	व	१२	३७	४	२३	३७	३० २१ २२	क.२०।३ [–रेवती.४शनिः३०करकचतुर्थी व्र.
८	श	७	४६	पु	३१	७	सो	३५	५८	कौ	७	४६	०	२४	३६	१ २२ २३	कर्के भा.कार्तिकारंभः
९	र	२	२६	श्ले	२७	२३	शु	२९	४२	ग	२	२६	२९	२५	३५	२ २३ २४	सि२७।२३ भ.३९उ.५६या.स्वात्यांरविः३०५
१०	र	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	
११	चं	५०	५०	म	२४	३२	शु	२१	७	ब	२३	४६	५३	२५	३५	३ २४ २५	सिंहे स्वात्यांरविःसौरः५८रमा११व्र.स्मा.
१२	मं	४५	०	पू	१९	२०	ब्रु	१३	२०	कौ	१७	५५	४९	२६	३४	४ २५ २६	कं.३३।२१ बुधोदयःपूर्वस्यां३७रमा११व्र.वै.
१३	बु	३९	१९	उ	१५	२३	ए	४३	४३	ग	१२	१०	४५	२७	३३	५ २६ २७	कन्यायां भ.३९उ.वृश्चिकेशुक्रः३५प्रदोषःधन१३
१४	गु	३४	२१	ह	११	४९	वि	५१	२३	वि	६	५०	४१	२८	३२	६ २७ २८	तु.४०।२४ भ.६०या.मार्गीबुधः४३रूप१४
३०	शु	३०	८	चि	८	५९	प्री	४६	११	च	२	१४	३७	२९	३१	७ २८ २९	तुलायां महालक्ष्मी पूजनम्

२८पं.का.कृ.५बु.इ. २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	४	६	११	९	६
२	८	०	२३	२०	२९	१३	१
२१	५८	५४	४९	५८	४५	५	५५
२३	१६	१८	५५	१	५	१९	५३
५९	४३	६९	१२	७४	४०	३	५९
३४	७	व	१४	७	व.	११	४६

गोचर ग्रहाः

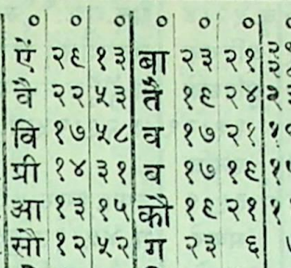

कार्तिक कृष्णे २ रवौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा३न५प्रगलभावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि ३चं भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

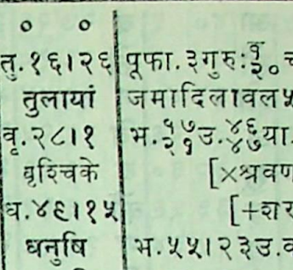

२९पं.का.कृ.१३बु.इ.३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	४	६	११	९	६
९	१४	२५	२५	२९	२९	१२	८
२९	१	२९	८	३९	१६	४३	५५
३८	४४	३१	२८	४७	१२	३	१३
५९	४३	१४	११	७४	३४	३	६०
४७	४४	व	४०	१	व.	११	२

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०५१सं. २०२७

१	श	२७	२६	स्वा	७	५	आ	४०	५	ब	२७	२६	३७	६	५३	८	२९	३०	वृ.५२।४
२	र	२६	१८	वि	७	३	सौ	३६	९	कौ	२६	१८	३०	३०	३०	९	३०	३१	वृश्चिके
३	चं	२६	५४	अ	८	२२	शो	३३	४०	ग	२६	५४	२७	३१	२९	१०	१	१	वृश्चिके
४	मं	२९	२५	ज्ये	११	२९	अ	३२	२९	वि	२९	२५	२३	३१	२९	११	२	२	ध.११।२९
५	बु	३३	२८	मू	१६	४	सु	३२	३०	ब	१	२६	१९	३२	२८	१२	३	३	धनुषि
६	गु	३८	५५	पू	२२	२३	धृ	३३	५९	कौ	६	११	१६	३३	२७	१३	४	४	म.३९।६
७	शु	४५	१	उ	२९	१४	शू	३५	३४	ग	११	५८	१२	३४	२६	१४	५	५	मकरे
८	श	५१	२१	श्र	३६	५३	गं	३७	५५	वि	१८	११	९	३४	२६	१५	६	६	मकरे
९	र	५७	३९	ध	४४	११	वृ	४०	११	बा	२४	३०	५	३५	२५	१६	७	७	कुं.१०।३२
१०	चं	६०	०	श	५१	१२	ध्रु	४२	३	तै	२९	५०	२	३६	२४	१७	८	८	कुंभे
१०	मं	२	२	पू	५६	५३	व्या	४३	५	ग	२	२	५८	३६	२४	१८	९	९	मी४०।२८
११	बु	७	४	उ	६०	०	ह	४२	५६	वि	७	४	५५	३७	२३	१९	१०	१०	मीने
१२	गु	९	३२	उ	०	४४	व	४१	४६	बा	९	३२	५२	३८	२२	२०	११	११	मीने
१३	शु	१०	१८	रे	३	४३	सि	३९	२	तै	१०	१८	४९	३८	२२	२१	१२	१२	मे.३।४३
१४	श	९	२३	अ	४	४४	व्य	३४	५९	व	९	२३	४५	३९	२१	२२	१३	१३	मेषे
१५	र	६	५०	भ	४	१३	व	२९	४७	ब	६	५०	४२	४०	२०	२३	१४	१४	वृ.१८।४७

अनु.शुक्रः १९ ज्येष्ठा.भौमः ५४९ अन्नकूटं=
चंद्रदर्शनम् भ्रातृयमद्वि
भ.५९० उ.नवम्बर ११ ता.३० जमादि-×
भ.२९।२५या. [×लाखर६
[=गोवर्द्धनपूजा
उफा.१गुरुः५०।६
भ.४५।१उ.तुलायांबुधः४४।५२
भ.१९या.विशा.रविः५४ गोपाष्टमी
विशा.रविःसौरः२९।५५अक्षयद्वि
[+प्रबोधिनी ११व्र.तुलसीविवाह
भ.३४।३३उ.
भ.७या.स्वात्यांबुधः४११ ज्येष्ठा.शुक्रः१४०+
प्रदोषः
वैकुंठ१४
भ.९।२३उ.३८।६या.
मन्वादिः का.स्ना.पू.

३०पं.का.शु.५बु.इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	४	७	११	९	६
१६	१९	२७	२६	८	२८	१२	१५
२९	७	४२	२३	२१	४४	२०	५६
२०	५२	५०	३१	१४	२८	४७	१७
६०	४४	५६	११	७३	४६	३	६०
४	०	मा	१	५४	व.११	१८	

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ रविवार अशुभ हैं धान्य धातु गल्ला रसकस गुड़ शक्कर आदि तेज हों प्रजा में महामारी फैले।

गोचर ग्रहाः

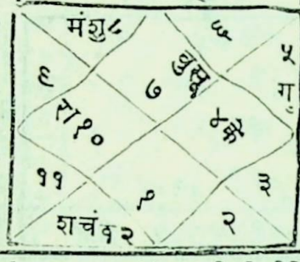

३१पं.का.श.११बु.इ. २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	४	७	११	९	६
२३	२४	६	२७	१७	२८	११	२२
३०	१८	९	३३	२	१४	५८	५८
४०	४	२९	१८	४२	३१	३२	४९
६०	४४	८४	१०	७३	५८	३	६०
१७	११	१५	२२	५०	व.११	३०	

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०८४ शाकः १९४९	दि. उ. अ.भा. मु. इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.

१	चं	३	११	कृ	२८	५७	प	२३	४३	कौ	३	११	३९	४०	३०	२४	१५	१५	वृषे
२	चं	५५	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	मं	५३	४	मृ	५६	१	शि	१५	५५	व	२५	४६	३६	४१	१९	२५	१६	१६	मि२७।४८
४	बु	४७	३३	आ	५२	२३	सि	९	३५	व	२०	१८	३३	४१	१९	२६	१७	१७	मिथुने
५	गु	४१	५४	पु	४८	२८	सा	२४	५३	को	१४	४३	३०	४२	१८	२७	१८	१८	क.३४।२७
६	शु	३६	३७	पु	४४	४६	शु	४७	१४	ग	९	१५	२७	४३	१७	२८	१९	१९	कर्के
७	श	३१	२६	श्ले	४१	३८	व्र	३९	४८	वि	४	१	२५	४३	१७	२९	२०	२०	सिं४१।३८
८	र	२६	२१	म	३८	०	ऐं	३२	३४	कौ	२६	२१	२३	४४	१६	३०	२१	२१	सिंहे
९	चं	२१	४०	पू	३४	५८	वै	२५	२६	ग	२१	४०	१९	४४	१६	१	२२	२२	कं.४९।१९
१०	मं	१७	१८	उ	३२	२१	वि	१९	५	वि	१७	१८	१७	४५	१५	२	२३	२३	कन्यायां
११	बु	१३	२२	ह	३०	१७	प्री	१२	५३	बा	१३	२२	१४	४५	१५	३	२४	२४	तु.५९।३४
१२	गु	१०	५	चि	२८	५०	आ	७	१३	तै	१०	५	१२	४६	१४	४	२५	२५	तुलायां
१३	शु	७	२९	स्वा	२८	४	सौ	१	५५	व	७	२९	९	४६	१४	५	२६	२६	तुलायां
१४	श	६	१	वि	२८	२६	अ	५४	१२	श	६	१	७	४७	१३	६	२७	२७	वृ.१३।२०
३०	र	५	४४	अ	३०	३	सु	५१	४०	ना	५	४४	५	४७	१३	७	२८	२८	वृश्चिके

प्रदोषः
भ.४९।२९उ.भा.मार्गशीर्षारंभः
भ.१७।१८या.
उत्पत्ति ११व्र.
वृश्चिकेबुधः४१।५३ प्रदोषः
भ.३९ उ.४६या.उफा.२कन्यायांगुरुः४७
अनु.बुधः५८।२

३२पं.मा.कृ.४बु.इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	४	७	११	९	७
०	२९	१६	२८	२५	२७	११	०
३३	३१	४५	३८	४४	४८	३६	२
२२	४८	१४	४९	१०	४	१६	५३
६०	४४	९३	९	७३	३७	३	६०
३०	२६	५७	३७	४१	व.११	४०	

गोचर ग्रहाः

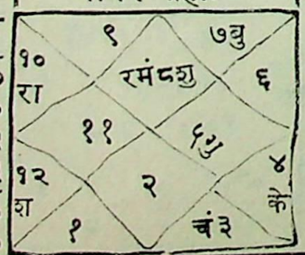

मार्गशीर्षकृष्णे ३भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.३ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

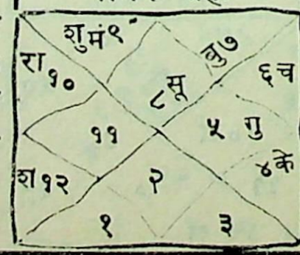

३३पं.मा.कृ.११बु.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	४	८	११	९	७
७	४	२७	२९	४	२७	११	७
३७	४६	४७	३८	२४	२४	१४	८
१६	१९	२४	२०	५४	५०	१	२६
६०	४४	९६	८	७३	५९	३	६०
४२	३७	४७	४६	२९	व.११	५३	

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः६०८१स.२०२७

१	चं	६	४४	ज्ये	३३	८	धृ	५०	३४	ब	६	४४	२६	३	४८	६	१२	८	२९	२९	ध.३३।८	
२	मं	९	३१	मू	३७	३०	शू	४९	५८	कौ	९	३१		०	४८	१२		९	३०	३०	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	बु	१३	२८	पू	४३	१९	गं	५०	४२	ग	१३	२८	२५		४८	१२		१०	१	१	म.५९।५७	भ.४६।७उ.पूषा.शुक्रः३१।२०दिसम्बर+
४	गु	१८	४६	उ	४९	५३	वृ	५२	१	वि	१८	४६	५६		४९	११		११	२	२	मकरे	भ.१८।४६या.पातमोक्षः१३।३१
५	शु	२४	४४	श्र	५७	१७	धु	५४	१८	बा	२४	४४	५४		४९	११		१२	३	३	मकरे	ज्येष्ठा.रविः१५।२०(सौरः४१।५१)
६	श	३१	६	ध	६०	०	व्या	५६	३८	तै	३१	६	५३		४९	११		१३	४	४	कुं.३१।३	चंपा ६
७	र	३७	४०	ध	४	५०	ह	५८	४२	ग	४	२३	५१		५०	१०		१४	५	५	कुम्भे	भ.३७।४०उ.पूषा.भौमः३२।७
८	चं	४३	३२	श	१२	११	व	६०	०	वि	१०	३६	४९		५०	१०		१५	६	६	कुंभे	भ.१०।३६या.ज्येष्ठाबुधः२४।२
९	मं	४८	१३	पू	१८	४५	व	०	२५	बा	१५	५२	४८		५०	१०		१६	७	७	मी२।७	[+१२ता.३१रज्जव७पातस्पर्शः५३।३१
१०	बु	५१	२०	उ	२३	५८	सि	१	६	तै	१९	४६	४६		५१	९		१७	८	८	मीने	
११	गु	५२	३२	रे	२७	३२	व्य	३	५९	व	२१	५६	४५		५१	९		१८	९	९	मे.२७।३२	भ.२१।५६उ.५२।३२या.मोक्षदा११ ×
१२	शु	५१	४४	अ	२९	४	प	५५	१	ब	२२	८	४४		५१	९		१९	१०	१०	मेषे	[×ब्र.गीताजयंती
१३	श	४९	९	भ	२८	४६	शि	४९	५७	कौ	२०	२६	४३		५१	९		२०	११	११	वृ.४३।१३	प्रदोषः
१४	र	४४	५०	कृ	२६	३४	सि	४३	२६	ग	१६	५९	४२		५१	९		२१	१२	१२	वृषे	भ.४४।५०उ.उषा.शुक्रः१४।२५
१५	चं	३८	५८	रो	२२	५९	सा	३५	४९	वि	११	५४	४१		५१	९		२२	१३	१३	मि५०।३७	भ.११।५४या.दत्तजयंती

३४पं.मा.शु.३बु.इ.१९।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	५	८	११	९	७
२४	१०	८	०	१३	२७	१०	१४
४२	४	५०	३१	५	५	५१	१५
२९	३०	१०	५२	३१	३५	४५	१२
६०	४५	९८	७	७३	१९	३	६१
५०	२	२०	४७	२०	व	११	३

गोचर ग्रहाः

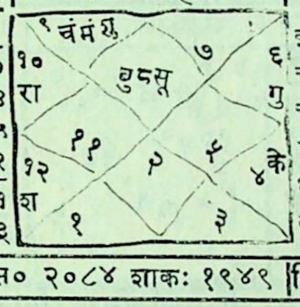

इस मास में मंगल का चन्द्र दर्शन धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा रस गुड सक्कर चीनी धान्य गल्ला में तेजी करे।

गोचर ग्रहाः

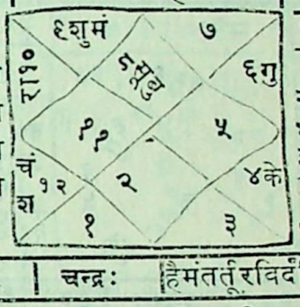

३५पं.मा.शु.१०.बु.इ.१९।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	५	८	११	९	७
२१	१५	१९	१	२१	२६	१०	२१
४८	२६	५१	१७	४५	५१	२९	२२
३२	०	७	४९	२२	२९	२९	५३
६०	४५	९९	६	७३	४०	३	६१
५६	१४	३०	४०	१२	व	११	११

ति. पौष कृष्णपक्षः स० २०८४ शाकः १९४९ | दि उ.अ. भा.मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेतिमहा.

१	मं	३२	४	मृ	१८	१४	शु	२७	१४	बा	५	३१	२५		५८	६		२३	१४	१४	मिथुने	मूलेधनुषिबुधः४७।२३मकरेशुक्रः५९।२
२	बु	२४	५६	आ	१२	५५	शु	१८	१७	ग	२४	५६	३९		५२	८		२४	१५	१५	क.५३।४३	भ.५१।८उ.पातस्पर्श३४।५पातमोक्ष५३२
३	गु	१७	२१	पु	७	१९	ब्र	९	९	वि	१७	२१	३९		५२	८		२५	१६	१६	कर्के	भ.१९या.मूलेधनुष्यर्कः३२(सौरः४५।४१)+
४	शु	१०	१४	पु	५०	५४	ऐं	१०	५१	बा	१०	१४	३८		५२	८		२६	१७	१७	सिं५६।४६	वक्रीरेवती३शनिः३३उषा.४राहुःपुष्य.=
५	श	३	३५	म	५२	२५	वि	४३	२२	तै	३	३५	३८		५२	८		२७	१८	१८	सिंहें	भ.५७।३९उ. [+चतुर्थीब्र.
६	श	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०		०	०	०	० ०	[=२केतुः३५।१७
७	र	५२	३८	पू	४९	४	प्री	३५	४१	वि	२५	८	३७		५३	७		२८	१९	१९	सिंहे	भ.२५।८या.
८	चं	४८	३१	उ	४६	२९	आ	२८	५१	बा	२०	३४	३७		५३	७		२९	२०	२०	कं.३।२५	
९	मं	४५	१७	ह	४४	४७	सौ	२२	५९	तै	१६	५४	३६		५३	७		३०	२१	२१	कन्यायां	
१०	बु	४३	८	चि	४४	४	शो	१७	४१	व	१४	१३	३६		५३	७		१	२२	२२	तु.१४।२५	भ.१३उ.४३या.उषाःभौमः५३भा.पौषा.
११	गु	४१	५३	स्वा	४४	२२	अ	१३	२३	ब	१२	३०	३६		५३	७		२	२३	२३	तुलायां	पूषा.बुधः७।२०श्रवणेशक्रः७।८मार्गी ×
१२	शु	४१	४२	वि	४५	४५	सु	९	४६	कौ	११	४७	३६		५३	७		३	२४	२४	वृ.३०।२४	[×शनि.सफला११ब्र.
१३	श	४२	४६	अ	४८	१४	धृ	७	८	ग	१२	१४	३७		५३	७		४	२५	२५	वृश्चिके	प्रदोषः
१४	र	४४	४९	ज्ये	५१	५२	शू	५	१४	वि	१३	४७	३७		५३	७		५	२६	२६	ध.५१।५२	भ.४२।४६उ.
२०	चं	४८	१५	मू	५६	३४	गं	४	३२	च	१६	३२	३७		५३	७		६	२७	२७	धनुषि	भ.१३।४७या.मकरेभौमः६।५३

३६पं.पौ.कृ.२बु. इ. १९।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	५	९	११	९	७
२८	२०	०	१	०	२६	१०	२८
५५	४८	५२	५७	२४	४२	७	३१
२६	४३	४४	४	२२	०	१४	३६
६१	४५	९९	५	७२	५२	३	६१
०	२८	५०	४०	५४	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

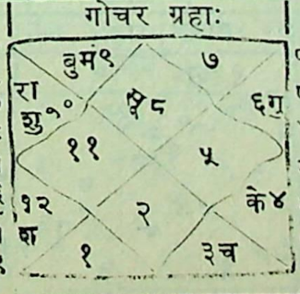

पौषकृष्णे३ गुरौ धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा.३न. ४बालावस्था(बैठी) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

३७पं.पौ.कृ.१०बु.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	५	९	११	९	८
६	२६	१२	२	९	२६	९	५
३	१३	०	२८	१	३८	४४	४१
०	५५	२५	३७	४१	२०	५८	१
६१	४५	९९	४	७२	१९	३	६१
४	५०	२०	२६	३६	व	११	२२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९						दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ६११०स.२०२७
१	मं	५२	३१	पू	६०	०	बृ	४	१४	कं	२०	२३	२५	६	५३	८	७	२८	२८	धनुषि	
२	बु	५८	१	पू	२	२०	ध्रु	५	२	बा	२५	१६	३८	५२	८	८	२९	२९	म.१८।५८	पूषा.रविः ३७ (सौरः ४९) रेवती.४शनिः×
३	गु	६०	०	उ	८	५३	व्या	६	२२	तै	३०	५९	३९	५२	८	९	१	३०	मकरे	सावान८ [×२७।२१चंद्रदर्शनम्
४	शु	३	५८	श्र	१६	७	ह	८	१६	ग	३	५८	४०	५२	८	१०	२	३१	कु.४९।५४	भ.२७।१५उ.उषा.बुधः २३।२२
५	श	१०	३२	ध	२३	४१	व	१०	३१	वि	१०	३२	४१	५२	८	११	३	१	कुंभे	भ.३२या.जनवरी १ता.३१सन् २०२८
६	र	१७	११	श	३१	२६	सि	१२	४९	बा	१७	११	४२	५२	८	१२	४	२	कुंभे	मकरेबुधः २९।१९धनि.शुक्रः ५६।४३
७	चं	२३	२५	पू	३८	३८	व्य	१५	३	तै	२३	२५	४३	५१	९	१३	५	३	मि २१।५०	बुधोदयः पश्चिमायां १५।३७
८	मं	२८	४१	उ	४४	४३	व	१९	२५	व	२८	४१	४४	५१	९	१४	६	४	मीने	भ.२८।४१उ.अस्तोभौमः ४४।६
९	बु	३२	४३	रे	४९	३९	प	१६	५४	वि	०	४२	४५	५१	९	१५	७	५	मे.४९।३९	भ.०।४२या.
१०	गु	३४	५८	अ	५२	४४	शि	१६	११	बा	३	५०	४७	५१	९	१६	८	६	मेषे	
११	शु	३५	१९	श्र	५३	४६	सि	१३	५५	तै	५	८	४८	५०	१०	१७	९	७	मेषे	[÷शुक्रः ३९ श्रवणेभौमः ५९ पुत्रदा ११व्र.
१२	श	३३	२७	कृ	५२	४५	सा	९	५९	व	४	२३	५०	५०	१०	१८	१०	८	बृ.८।३१	भ.२४उ.३३या.श्रवणेबुधः ४६।१कुंभे ÷
१३	र	२९	४१	रो	४९	५९	शु	२	५४	ब	१	३४	५२	५०	१०	१९	११	९	वृषे	
१३	चं	२३	५८	मृ	४५	५	ब्र	४	५४	तै	२३	५८	५३	४९	११	२०	१२	१०	मि १७।३२	प्रदोषः
१४	मं	१६	३५	आ	३९	१०	ऐं	३	२१	व	१६	३५	५५	४९	११	२१	१३	११	मिथुने	भ.१६उ.४२या.उषा.रविः ३२ (सौरः ४६
१५	बु	८	२५	पु	३२	२१	वै	२९	५	ब	८	२५	५७	४९	११	२२	१४	१२	क.१९।३	सा.स्ना.प्रा.

३८पं.पौ.श.२बु.इ.१८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	५	९	११	९	८
१३	१	२३	२	१७	२६	९	१२
१०	४०	१४	५१	३६	३९	२२	५०
५९	५२	२१	४	५८	५४	४३	५३
६१	४५	९८	३	७२	४२	३	६१
६	५३	५८	१३	१८	मा.	११	२६

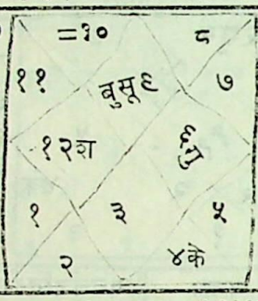

३९पं.पौ.शु.८बु.इ.१८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	५	९	११	९	८
२०	७	४	३	२६	२६	९	२०
१९	१०	२९	४	१०	४७	०	००
५	१९	४७	५९	२३	२	२७	५०
६१	४५	९५	१	७२	१	३	६१
६	५५	३४	४२	०	२३	११	२६

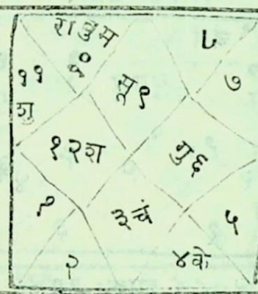

४०पं.पौ.शु.१५बु.इ.१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	५	१०	११	९	८
२७	१२	१५	३	४	२६	८	२७
२७	३९	९	९	४०	५८	३८	१०
७	४७	४०	४	४८	५९	११	४५
६१	४६	८४	०	७१	२	३	६१
६	८	४१	२९	३६	५	११	२४

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९						दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेतिमहा.
१	बु	५१	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५०	३८	पु	२५	८	वि	१८	३३	तै	२५	४	२५	५९	४९	१२	२३	१५	१३	कर्के	शतेशुक्रः ५७।५१
३	शु	४१	५९	श्ले	१८	१५	प्री	५१	४९	व	१६	१८	२३	३८	१२	२४	१६	१४	सिं १८।१५	भ.१९उ.५१या.मकरेऽर्कः ४८ वक्रीगुरुः ३५
४	श	३४	०	म	११	५९	सौ	४९	१	ब	७	५९	४	४७	१३	२५	१७	१५	सिंहे	मकरेऽर्कः सौरः ४।१३चतुर्थीव्र.
५	र	२७	१७	पू	६	२६	शो	४०	४०	कौ	०	३८	६	४७	१३	२६	१८	१६	कं.२०।२५	[=३४।३४) भा.माघारंभः
६	चं	२२	१	उ	२३	५७	अ	३३	३२	व	२२	१	८	४६	१४	२७	१९	१७	कन्यायां	भ.२२।१उ.५०।०या.
७	मं	१७	५८	चि	५८	२३	सु	२७	३९	ब	१७	५८	११	४६	१४	२८	२०	१८	तु.२९।१	[×(सौरः ५२।३०) वक्रीबुधः १३।३९
८	बु	१५	४४	स्वा	५८	३९	धृ	२२	५२	कौ	१५	४४	१३	४५	१५	२९	२१	१९	तुलायां	धनि.बुधः १६ पातस्पर्शः ३७ पातमोक्षः ५५ २८
९	गु	१४	४१	वि	६०	०	शू	१९	२३	ग	१४	४१	१६	४५	१५	३०	२२	२०	वृ.४४।५६	भ.४४।५९उ.
१०	शु	१५	१६	वि	०	२२	गं	१६	५९	वि	१५	१६	१९	४४	१६	१	२३	२१	वृश्चिके	भ.१५या.अभि.प्र.रविः २३।१४(सौरः=
११	श	१७	८	अ	३	३१	बृ	१५	४३	बा	१७	८	२१	४४	१६	२	२४	२२	वृश्चिके	षट्तिला ११व्र.
१२	र	२०	७	ज्ये	७	३६	ध्रु	१५	३५	तै	२०	७	२४	४३	१७	३	२५	२३	ध ७।३६	प्रदोषः
१३	चं	२४	२७	मू	१२	५०	व्या	१५	४४	व	२४	२७	२७	४३	१७	४	२६	२४	धनुषि	भ.३४उ.५६या.श्रवणेरविः ३७।५१ ×
१४	मं	२९	२४	पू	१८	५३	ह	१६	४६	श	२९	२४	२९	४२	१८	५	२७	२५	म.३५।३७	अभि.नि.रविः ३०।६ (सौरः ४२।४७)+
३०	बु	३५	८	उ	२५	५०	व	१८	२०	च	२	१६	३२	४२	१८	६	२८	२६	मकरे	[+पूभा.शुक्रः १।४धनि.भौमः ५०।२१

४१पं.मा.कृ.८बु.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	५	१०	११	९	९
४	१८	२३	३	१३	२७	८	४
३४	१०	२२	४	८	१६	१५	२०
५९	५५	१६	२६	२४	४१	५६	११
६१	४६	५३	५९	७१	२	३	६१
३	१८	४०	व	११	४६	११	२९

गोचर ग्रहाः

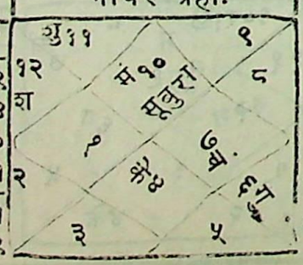

माघ कृष्णे ३ शुक्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. २ न. ३ बालावस्था (बैठी)मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

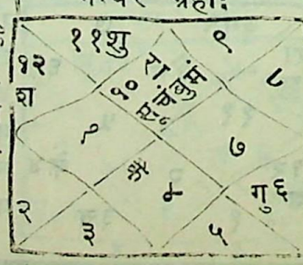

४२पं.मा.कृ.३०बु.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	५	१०	११	९	९
११	२३	२५	२	२१	२७	७	११
४२	४१	५८	५०	३१	३९	५३	२९
२९	५३	८	६	३४	०	४०	:२
६०	४६	३३	२	७०	३	३	६१
५९	२०	व.	व	४७	३२	११	१३

=मंराचंशु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ६१४०स.२०२८
१	गु	४१	१७	श्र	३२	५९	सि	२०	१०	किं	८	१२	३६ ४६ १९	७ २९ २७	मकरे	बुधास्तः पश्चिमायां १२।५३
२	शु	४७	४३	ध	४०	३८	व्य	२२	३७	बा	१४	३०	३८ ४० २०	८ ३० २८	कु.६।४९	चंद्रदर्शनम्
३	श	५४	२५	श	४८	११	व	२४	५२	तै	२१	४	४१ ४० २०	९ १ २९	कुंभे	रमजानः९
४	र	६०	०	पू	५५	४२	प	२६	५५	व	२७	३३	४५ ३९ २१	१० २ ३०	मी३८।४९	भ.२७।३३उ.वक्रीश्रवणेबुधः६।०
४	चं	०	४१	उ	६०	०	शि	२८	४३	वि	०	४१	४८ ३८ २२	११ ३ ३१	मीने	भ.०।४१या.
५	मं	६	१७	उ	२	१४	सि	३०	३	बा	६	१७	५१ ३८ २२	१२ ४ १	मीने	फर्वरी२ता.२९वसंत५
६	बु	१०	४२	रे	७	५८	सा	३०	२०	तै	१०	४२	५४ ३७ २३	१३ ५ २	मे.७।५८	मीनेशुक्रः२६।४९
७	गु	१३	४६	अ	१२	२३	शु	२९	१४	व	१३	४६	५८ ३६ २४	१४ ६ ३	मेषे	भ.१३।४६उ.४४।३२या.कुंभेभौमः×
८	शु	१५	१९	भ	१५	१३	शु	२६	५५	ब	१५	१९	२९ ३६ २४	१५ ७ ४	वृ.३०।२६	भीष्माष्टमी
९	श	१३	५८	कृ	१६	५	ब्र	२२	५९	कौ	१३	५८	५ ३५ २५	१६ ८ ५	वृषे	उभा.शुक्रः१८।१०
१०	र	१२	३४	रो	१४	५६	ऐं	१७	३४	ग	१२	३४	८ ३४ २६	१७ ९ ६	मि४३।२६	भ.३९उ.धनि.रविः४६ (सौरः५७।२०)
११	चं	८	१०	मृ	११	५६	वै	१०	२५	वि	८	१०	१२ ३४ २६	१८ १० ७	मिथुने	भ.८।१०या.जया११व्र.
१२	मं	१	४०	आ	६	५८	वि	५८	१९	बा	१	४०	१५ ३३ २७	१९ ११ ८	क.४७।१८	बुधोदयः पूर्वस्यां२७।७प्रदोषः
१३	मं	५२	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	[×१६।३२भानु७रथ७
१४	बु	४५	१	पु	४८	५२	आ	४१	३७	ग	१९	३१	१९ ३२ २८	२० १२ ९	कर्के	भ.४५।१उ.
१५	गु	३५	२२	श्ले	४५	३२	सौ	३०	३७	वि	१०	११	२३ ३१ २९	२१ १३ १०	सिं४५।३२	भ.१०।११या.मा.स्ना.पूर्तिः

४३पं.मा.शु.६बु.इ.१८।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	५	१०	११	९	९
१८	२९	१८	२	२९	२८	७	१८
४९	१५	४५	२७	५०	५३	१	३७
१	२४	४७	२२	४६	५३	२५	९
६०	४६	६५	४६	७०	४	३	६१
५५	२२	व.	व.	७०	८	११	४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना मक्का ज्वार में मंदी होवे रसकस सोना चांदी रुई तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

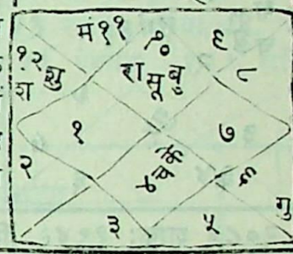

४४पं.मा.शु.१४बु.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	५	११	११	९	९
२५	४	११	१	८	२८	७	२५
५४	४६	२०	५५	४	३७	९	४३
५०	१	२०	१९	१६	२३	९	५६
६०	४६	६६	५९	६९	४	३	६०
४७	२२	व	व	१०	४४	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९						दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	शु	२५	३६	म	३७	४१	शो	१९	२९	बा	०	२९	३७ ३९ २९	२२ १४ ११	सिंहे	शतेभौमः४६।२९
२	श	१६	८	पू	३०	१३	अ	३८	५९	ग	१६	८	३० ३० ३०	२३ १५ १२	कं.४३।४१	भ.४१।४७उ.
३	र	७	२६	उ	२४	६	धृ	४९	४०	वि	७	२६	३४ २९ ३१	२४ १६ १३	कन्यायां	भ.२६या.कुंभेऽर्कः३५ सौरः३१ १८)चतु.व्र.
४	चं	०	५	ह	१९	१३	शू	४१	५५	बा	०	५	३८ २८ ३२	२५ १७ १४	तु.४७।४५	
५	चं	५४	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	
६	मं	५०	४०	चि	१६	१६	गं	३५	४३	ग	२२	३१	४२ २८ ३२	२६ १८ १५	तुलायां	भ.५०।४०उ.मार्गीबुधः३३।३४
७	बु	४८	३८	स्वा	१५	५	धृ	३१	२	वि	१९	३९	४५ २७ ३३	२७ १९ १६	तुलायां	भ.१९।३९या.रेवत्यांशुक्रः४६।२१
८	गु	४८	४४	वि	१५	४०	ध्रु	२७	५३	बा	१८	४१	४९ २६ ३४	२८ २० १७	वृ.०।३१	
९	शु	५०	३३	अ	१८	१८	व्या	२६	१०	तै	१९	३८	५३ २५ ३५	२९ २१ १८	वृश्चिके	उषा.३राहुःपुष्य.१केतुः२८।५७
१०	श	५३	४९	ज्ये	२२	२२	ह	२५	४२	व	२२	११	५६ २५ ३५	३० २२ १९	ध.२२।२२	भ.२२।११उ.५३।४९या.शतेरविः५७
११	र	५८	३१	मू	२७	४३	व	२६	३४	ब	२६	१०	२८ २४ ३६	१ २३ २०	धनुषि	शतेरविःसौरः९ भा.फाल्गुनारंभः=
१२	चं	६०	०	पू	३४	५	सि	२७	४७	कौ	३१	१३	४ २३ ३७	२ २४ २१	म.५०।५४	[=विजया११व्र.
१३	मं	३	५६	उ	४१	१९	व्य	२९	४७	तै	३	५६	८ २२ ३८	३ २५ २२	मकरे	प्रदोषः
१३	बु	१०	९	श्र	४८	४१	व	३१	४७	ब	१०	९	१२ २२ ३८	४ २६ २३	मकरे	भ.१९उ.४३या.महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१४	गु	१६	२३	ध	५६	१३	प	३४	१२	श	१६	२३	१६ २१ ३९	५ २७ २४	कुं.२२।२७	अश्वि.१मेषेशनिः५१ महाशिवरात्रीव्र.वै.
२०	शु	२२	४९	श	६०	०	शि	३६	२०	ना	२२	४९	२० २० ४०	६ २८ २५	कुम्भे	

४५पं फा.कृ.७बु.इ ९ १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	५	११	११	९	१०
२	१०	९	१	१६	२९	६	२
५९	१७	५३	१७	९	१२	४६	४९
४२	२	५६	२८	४	१४	५३	५९
६०	४६	५५	६	६८	५	३	६०
३७	२२	मा	व.	२५	७	११	४२

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन कृष्ण ३ रवौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४६पं.फा.शु.१३बु.इ. १९ २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	५	११	११	९	१०
१०	१५	१२	०	२४	२९	६	९
३	४९	२४	३१	१०	५१	२४	५४
१४	३७	२५	५५	२६	२९	३८	३२
६०	४६	४०	५	६७	५	३	६०
२५	२७	१५	व	२२	३५	११	३१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरेऽहर्गण६१७०स.२०२८
१	श	२९	१०	श	३	४५	सि	३८	३३	ब	२९	१०	२४	१९	४५	७	२९	२६	मी५४।७	
२	र	३५	४	पू	१०	५४	सा	४०	२३	बा	२	७	२८	१८	४२	८	३०	२७	मीने	यक्रीउफा.१सिंहेगुरुः५७चंद्रदर्शनम् ÷
३	चं	४०	९	उ	१७	३४	शु	४१	१४	तै	७	३६	३२	१८	४२	९	१	२८	मीने	अश्वि.मेषेशुक्रः३७पूभा.भौमः३५ –
४	मं	४४	३३	रे	२३	१८	शु	४१	४४	व	१२	२१	३६	१७	४३	१०	२	२९	मे.२३।१८	भ.१२।२१उ.४४।३३या.
५	बु	४७	४४	अ	२८	८	ब्र	४१	३४	ब	१६	८	४०	१६	४४	११	३	१	मेषे	मार्च३ता.३१
६	गु	४९	४६	भ	३१	४७	ऐं	४०	८	कौ	१८	४५	४४	१५	४५	१२	४	२	वृ.४७।२०	[–सव्वाल१०पातस्पर्शः६।८पातमोक्ष५७
७	शु	५०	१४	कृ	३४	०	वै	३७	३१	ग	२०	०	४८	१४	४६	१३	५	३	वृषे	भ.५०।१४उ.[÷फुलरिया२
८	श	४९	९	रो	३४	४३	वि	३३	४५	वि	१९	४१	५२	१४	४६	१४	६	४	वृषे	भ.१९।४१या.पूभा.रविः१३।४२सौरः+
९	र	४६	२२	मृ	३३	३२	प्री	२८	२८	बा	१७	४५	५६	१३	४७	१५	७	५	मि४।७	[+२१।२७धनि.बुधः१५।२६होलाष्टकं
१०	चं	४१	४३	आ	३०	४४	आ	२१	५२	तै	१४	२	२९	१२	४८	१६	८	६	मिथुने	
११	मं	३५	४२	पु	२६	२६	सौ	१३	५५	व	८	४२	५	११	४९	१७	९	७	क.१२।३०	भ.८।४२उ.३५।४२या.आमलकी११व्र.
१२	बु	२७	५५	पु	२०	३७	शो	४७	५०	ब	१	४८	९	१०	५०	१८	१०	८	कर्के	प्रदोषः
१३	गु	१९	२०	श्ले	१३	४७	सु	४४	२	तै	१९	२०	१३	९	५१	१९	११	९	सिं१३।४७	कुंभेबुधः१४।१४
१४	शु	९	४९	म	६	५२ १६	धृ	३३	४	व	९	४९	१७	९	५१	२०	१२	१०	सिंहे	भ.९।४९उ.३४।५३या.होलिकादहनं ×
१५	शु	५०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×भद्रोत्तरे

४७पं.फा.शु.५बु.इ. १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	४	०	०	९	१०
१७	२१	२०	२९	१	०	६	१६
५	२०	१८	४१	५९	३३	२	५७
२८	३५	०८	५६	३८	५४	२२	२७
६०	४३	६१	३८	६६	३	३	६०
१२	१७	५०	व	१	२	११	२०

गोचर ग्रहाः

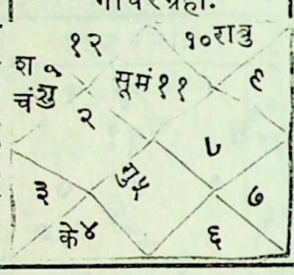

शुक्रस्यपंचवाराः स्युः यत्र मासे निरन्तरम् । प्रजा वृद्धिःसुभिक्षं च सुखं तत्र प्रवर्तते । इस मास का फल मंदी कारक है प्रजा चैन से रहे ।

गोचर ग्रहाः

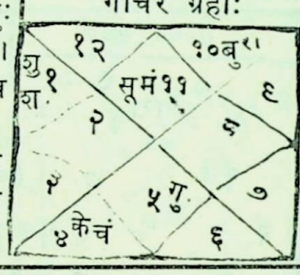

४८पं.फा.शु.१२बु.इ.२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	४	०	०	९	१०
२४	२६	२८	२८	९	१	५	२३
६	४९	४९	४८	३८	१८	४०	५८
१४	५५	२३	२९	३१	४३	७	५०
५९	४६	७८	५३	६४	६	३	६०
५८	१७	१५	व.	२९	२१	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	श	५०	३१	उ	५०	५६	शू	२२	१२	बा	२५	१४	२९	६	५३	२१	१३	११	क.१३।०	भरण्यांशुक्रः४७।२९वसंत१छारेंडी
२	र	४१	५५	ह	४४	२८	गं	१२	४	तै	१६	१३	२६	७	५३	२२	१४	१२	कन्यायां	
३	चं	३४	३१	चि	३९	२९	बृ	५५	५३	च	८	१३	३०	६	५४	२३	१५	१३	तु ११।५८	भ.१३उ.३४या.मीनेभौमः१९चतुर्थीव्र.
४	मं	२८	५९	स्वा	३६	२६	ज्या	४८	३३	ब	१	४५	३४	५	५५	२४	१६	१४	तुलायां	मीनेऽर्कः१३(सौरः२१)शतेबुधः०।१५
५	बु	२५	२३	वि	३५	४	ह	४३	५३	तै	२५	२३	३८	४	५६	२५	१७	१५	वृ.२१।२५	
६	गु	२४	१०	अ	३६	४	च	४०	५९	व	२४	१०	४३	३	५७	२६	१८	१६	वृश्चिके	भ.२०उ.५४या.उभा.भौमः३९।५५
७	शु	२४	५५	ज्ये	३८	५९	सि	३९	३४	व	२४	५५	४७	३	५७	२७	१९	१७	ध.३८।५९	उभा.रविः३९(सौरः४३)शीतलापूजनम्
८	श	२७	२८	मू	४३	४१	व्य	३९	४९	कौ	२७	२८	५१	२	५८	२८	२०	१८	धनुषि	
९	र	३१	५८	पू	४९	४६	व	४०	३८	ग	३१	५८	५५	१	५९	२९	२१	१९	धनुषि	
१०	चं	३७	१६	उ	५६	५८	प	४२	३८	व	४	३७	००	००	००	३०	२२	२०	म.६।३४	भ.४।३७उ.३७।१६या.
११	मं	४३	३५	श्र	६०	०	शि	४४	५२	ब	१	२५	४	५९	१	१	२३	२१	मकरे	भा.चैत्रारंभःपापमोचनी११व्र.
१२	बु	५०	१	श्र	४	२३	सि	४७	२८	कौ	१६	४८	८	५८	२	२	२४	२२	कुं.३८।१५	पूभा.बुधः३१।१०
१३	गु	५६	२४	ध	१२	८	सा	४९	४२	ग	२३	१२	१२	५८	२	३	२५	२३	कुम्भे	भ.५६।२४उ.प्रदोषः
१४	शु	६०	०	श	१९	२७	शु	५१	४३	वि	२९	२५	१६	५७	३	४	२६	२४	कुंभे	भ.३९या.कृत्ति.शुक्रः५१वक्रीपूफा.४ A
१४	श	२	२६	पू	२६	३५	शु	५३	१६	श	२	२६	२१	५६	४	५	२७	२५	मी९।४८	अश्वि.२शनिः५१।८
३०	र	७	५५	उ	३२	४४	ब्र	५४	४	ना	७	५५	२५	५५	५	६	२८	२६	मीने	मन्वादिः [Aगुरुः५९।७

४९पं.चै.कृ.५बु.इ.२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	४	०	०	९	११
१	२	८	२७	१७	२	५	०
५	१८	४१	५४	२	६	१७	५८
३१	५४	४६	७	१०	११	५१	३१
५९	४६	९१	५३	६२	६	३	५९
४१	७	८	व.	३६	३७	११	४९

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे ४ भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

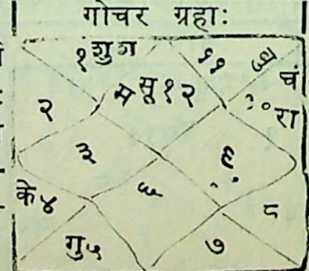

५०पं.चै.कृ.१२बु.इ.२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	४	०	०	९	११
८	७	१९	२७	२४	२	४	७
३	४५	४२	०	९	५५	५५	५६
१८	४३	२२	१४	१८	५२	३५	२७
५९	४५	०	४०	४०	६	३	५९
२९	५७	४३	व.	११	५३	११	३५

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२९, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२९, भोग्यकलिः४२६८७१, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८५, शाकः १९५०, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः । मंत्री गुरुः । सस्येशः रविः । धान्येशः शुक्रः । मेघेशः बुधः। रसेशः भौमः । नीरसेशः रविः । फलेशः बुधः । धनेशः शनिः।दुर्गेशः बुधः।एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्येरुद्रविंशतिकायां १६ दुंदुभिनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः २।१।२०।३९।२४ भोग्यमासादिः ९।२८।३९।२०।३६ भगदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम फाल्गुनः।मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे।समयविश्वा १० समयवाहनम्मृगः । स्तंभौः २ जलतृणयोः ।सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ भानुसप्तमी १ बुधाष्टमी २ रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३१५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १५, तिथिवृद्धिः९ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ८४ वर्षाविश्वा १५ धान्यम् १७ तृणम् ५, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १२१, शनिदृष्टि पूर्वस्यां । सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण २ चंद्रमसः ।

सं. २०८५ आषाढ शु. १५ गुरौ चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घं.	१०	१२	१
मि.	४८	३	१७
घ.	४०	४३	४७
प.	५३	५९	५

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्ष लग्नम् १।१२

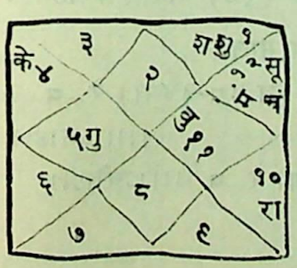

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछै मात से जिमि पूछा हर बार ।
पच्यासी की साल का कहदो मैया सार ।।

भवानी उत्तर

राजा शशि मंत्री गुरु यह है सुंदर योग ।
बजै दुंदुभि चैन की जनता भोगे भोग ।।
सागर में रोहिणी बसी चंद्रपुत्र मेघेश ।
दुःख मिटे सुख ऊपजे वर्षा होय विशेष ।।
आषाढ़ां वर्षा लगे जग में हो सुख चैन ।
मोर पपीहा मस्त हो बोलें मीठे बैन ।।
सौम्यग्रहां इस वर्ष में लिया अधिक अधिकार ।
घर घर मंगल होयसी सुख पावे संसार ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
परमेश्वर के भजन से होसी बेड़ा पार ।।

सं.२०८५ पौष शु. १५ रवौ खग्रास चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	८	९	१०	१०	१२
मि.	३४	४१	१९	५६	३
घ.	३५	३८	३९	४१	४४
प.	१७	५	३९	१३	१

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ६।२९

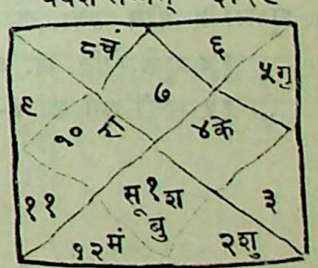

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।६।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१४।२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रस्तत्फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरं च धान्यं सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम् ।। मंत्री गुरुः फलम् ।। विविध धान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुरतोपघनामुदिताभवेत् । नृपतयो जनपालन तत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रि समागते ।। सस्येशः रविःफलम् ।। सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्या स्वल्पं च सस्यं बहु भूरुहाश्च ।। धान्येशः शुक्रः फलम् ।। भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधः फलम् ।। अमृत रश्मिसुते यदि वारिपे बहु जलं तुष धान्य रसादिकम् । द्विज वरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुता धरणी तदा ।। रसेशो भौमः फलम् ।। यदि धरातनयो रसपो भवेन्न रस राशि युता जनता शुभा । नरपतिर्विषमो जनता पदो न जलदो बहु वृष्टि करो भुवि ।। नीरसेशो रविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्र चंदनपो रपि । रत्न माणिक्य मुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो बुधः फलम् ।। यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशि मुचस्तदा । बहु तृणं कुसुमं: कमलैर्युतं जनपदो जनसौख्य मुदान्वितः ।। धनेशः शनिः फलम् ।। द्रविणपे रविजे विरलं धनं गद रता धरणी पतयः तदा । अधनिका वणिजः कृषि जीविनो द्विजवराः परपीडिन मानसाः ।। दुर्गेशः बुधः फलम् ।। विषम साम्य सुखं शशिजे प्रभौ भवति राष्ट्रजनेषु विशेषताम् । शशिसुते यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्य गतां न भयं क्वचित् ।। दुंदुभिनाम संवत्सरः फलम् ।। सर्व सस्य युता धात्री पालिता धरणीधरैः । पूर्वदेश विनाशः स्यात् तत्र दुंदुभि वत्सरे ।। वर्षनाम फाल्गुनः फलम् ।। फाल्गुनाब्दे चौर भीतिः स्त्रीणां दुर्भगता भृशम् । क्वचिद्वृष्टिः क्वचित् सस्यं क्वचिद्भीरीतयः क्वचित् ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्नवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रेतुमहावृष्टिः ।। समय निवासो मालि गृहे । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णा ५ शुक्रे मूले ल. गो. रे. ७ ।।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा.
शुक्ला ३ गुरौ रोहि. ल. ११ गु.पू.सत् रे. ७
।।ऽशु।।ऽनृऽ।।।
,, ११ शुक्रे उफा. ल. ऽन्यगो (७मेभौमः) रे. ६
।।।।।।ऽ।।।
,, १२ शनौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽसूऽ।।ऽनु।।।।
(नक्षत्रांतः)

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ५ भौमे उषा. ल. ऽन्यगो रे. ६ ।ऽ।।ऽ।ऽऽ।।
,, १४ शुक्रे रोहि. ल. ४-६ रे. ७ ।।।।ऽऽचौ५२या।ऽ।।
,, १५ शनौ मृगे ल. ४-६ (घ३५-३३उ) रे. ७
।ऽ।।ऽ।(रोगपं.घ५१उ)।ऽ।।

पौष मासः

कृष्णा १ रवौ मृगे ल. गो. रे. ६ ।ऽ।।ऽऽरो।ऽ।।
,, ६ रवौ हस्ते ल.ऽन्यगो ४ रे.७ ऽ।:।।ऽचो४२या।ऽ।।
(दग्धा३२-५०उ.)
,, ११ भौमे स्वात्यां ल. ४-५ रे.७ ।।।।ऽऽरो४१या।ऽ।।

माघ मासः

शुक्ला ६ रवौ रेव ल. ऽन्यगो ८ रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
,, १० गुरौ रोहि. ल. गो. ८ (बृ.चं.७पू.) रे. ७
।।।।।ऽअ.५२या।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ११ शुक्रे मृगे ल. गो. रे. ।।।ऽशु।।ऽ।ऽ
(दग्धा२७-११उ) पादतो वेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ४ शुक्रे उफा. ल. ८ (घ.४८-३४या) रे. ८
।।।।।ऽअ।ऽ।।
,, ६ बुधे अनु. ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।।ऽचौ।ऽ।।

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः ६२००स.२०२८
१	चं १२ ११ रे ३८ ७ ऐं ५४ २२ ब १२ ११	३९	५४	६	७	२९	२७	मे.३८।७	चंद्रदर्शनम्संवत्सरारंभःनवरात्रारंभः
२	मं १५ ४५ अ ४२ २९ वै ५३ ४३ कौ १५ ४५	३३	५३	७	८	१	२८	मेषे	मौनेबुधः ३२ बृषेशुक्रः ५३ जिल्काद ११सिं.
३	बु १८ १६ भ ४५ ५१ वि ५२ ८ ग १८ १६	३७	५३	७	९	२	२९	मेषे	भ.४६ उ.बुधास्तःपूर्वस्यां ३२ मंत्स्य ×
४	गु १९ ४२ कृ ४८ ११ प्री ४९ ४९ वि १९ ४२	४१	५२	८	१०	३	३०	वृ.१।२६	भ.१९।४२या.उभा.बुधः९।५६
५	शु २० ४ रो ४९ २८ आ ४६ ५० बा २० ४	४५	५१	९	११	४	३१	वृषे	रेवत्यांरविः३।१२(सौरः९।५१)
६	श १९ १७ मृ ४९ ३२ सो ४२ ३५ तै १९ १७	४९	५०	१०	१२	५	१	मि१९।३०	अप्रेल४ता.३०
७	र १७ १३ आ ४८ १६ शो ३७ २१ व १७ १३	५३	४९	११	१३	६	२	मिथुने	भ.१७ उ.५५ या.रेवत्यांभौमः ५९ अस्तं H
८	चं १३ ५५ पु ४५ ४७ अ ३१ ९ ब १३ ५५	५७	४९	११	१४	७	३	क.३०।५४	रामनवमीस्मा.[×जयंती गणगौरी
९	मं ९ २७ पु ४२ १३ सु २३ ५६ कौ ९ २७	३१	४८	१२	१५	८	४	कर्के	रामनवमीवै. [Hशनेः४५।४७
१०	बु ३ ३९ श्ले ३७ २२ धृ १५ ५० ग ३ ३९	५	४७	१३	१६	९	५	सिं३७।२२	भ.३०।१६उ.५६ या.कामदा११व्र.स्मा.
११	बु ५३ १५ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०								
१२	गु ४८ ५५ म ३१ ३५ शू ४९ ५९ ब २२ ५४	१०	४६	१४	१७	१०	६	सिंहे	रेवत्यांबुधः११।१५कामदा११व्र.वै.
१३	शु ४० २८ पू २५ १४ बृ ४७ २६ कौ १४ ४१	१४	४५	१५	१८	११	७	कं.३८।३१	प्रदोषः
१४	श ३१ ३५ उ १८ २४ ध्रु ३७ २९ ग ६ १	१८	४४	१६	१९	१२	८	कन्यायां	भ.३५ उ.५७ या.रोहि.शुक्रः३२।४१
१५	र २३ ८ ह ११ ५८ व्या २८ ६ ब २३ ८	२२	४४	१६	२०	१३	९	तु.३९।७	हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.३बु.इ. २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	४	१	०	९	११
१४	१३	१	२६	०	३	४	१४
५९	१०	४९	९	५४	४६	३३	५२
१०	४८	१६	१८	२२	५५	२०	३८
५९	४५	३५	७	५७	७	३	५९
१६	४७	३५	व	१	४	११	१८

गोचर ग्रहाः

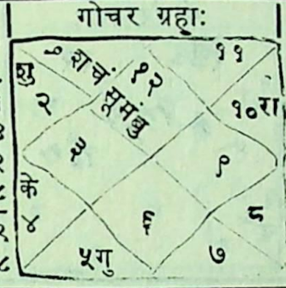

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल धातु सोना चांदी लोहा रुई कपास वारदाना तेज हो रसकस में मंदी हों।

गोचर ग्रहाः

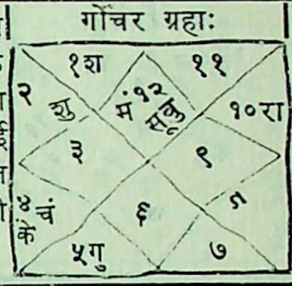

५२पं.चै.शु.१०बु.इ. २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	४	१	०	९	११
२१	१८	१५	२५	७	४	४	२१
५३	३५	१	२२	११	३९	११	४६
३१	२	८	२६	४९	११	४	४९
५९	४५	३५	७	५२	७	३	५९
४	४७	३५	व	४६	१४	११	

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	चं १५ २३ चि ६ १५ ह १९ २३ कौ १५ २३	३३	४३	५७	२१	१४	१०	तुलायां	
२	मं ९ ११ स्वा ४८ ५७ व ११ ५४ ग ९ ११	३०	४२	१८	२२	१५	११	वृ.४४।४१	भ.३६।४३उ.
३	बु ४ १६ अ ५८ ११ सि ५ ३६ वि ४ १६	३४	४१	१९	२३	१६	१२	वृश्चिके	भ.वृ ६ याअश्वि.मेषेबुधः४२।१८चतुर्थीव्र.
४	गु १ ३४ ज्ये ५९ ३२ व्य २२ ५७ बा १ ३४	३८	४०	२०	२४	१७	१३	ध.५९।३२	अश्वि.मेषेऽर्कः३७।१२(सौरः४४।२५)
५	शु १ १ मू ६० ० प ५७ ४१ तै १ १	४२	४०	२०	२५	१८	१४	धनुषि	
६	श २ ३२ मू २ ५८ शि ५७ ४५ व २ ३२	४६	३९	२१	२६	१९	१५	धनुषि	भ.२।३२उ.३४।२०या.
७	र ६ ८ पू ७ ५८ सि ५९ १४ ब ६ ८	५०	३८	२२	२७	२०	१६	म.२४।३७	
८	चं १० ५३ उ १४ ३३ सा ६० ० कौ १० ५३	५३	३७	२३	२८	२१	१७	मकरे	
९	मं १६ २३ श्र २१ ४९ सा १ १३ ग १६ २३	५७	३७	२३	२९	२२	१८	कुं.५५।४०	भ.४९।४६उ.भरण्यांबुधः५८।५
१०	बु २३ १० ध २९ ३० शु ३ ३७ वि २३ १०	३२	३६	२४	३०	२३	१९	कुंभे	भ.२३।१०या.
११	गु २९ २८ श ३६ ५८ शु ६ ११ बा २९ २८	५	३५	२५	३१	२४	२०	कुंभे	अश्वि.मेषेभौमः ३५ वरुथिनी११व्र.
१२	शु ३५ २५ पू ४४ ७ ब्र ८ १६ कौ २ २६	९	३४	२६	१	२५	२१	मी२७।२०	अश्वि.३शनिः ४८ उषा.२राहुःपुन.४ =
१३	श ४० ३१ उ ५० ११ ऐं ९ ५६ ग ७ ५८	१२	३४	२६	२	२६	२२	मीने	भ.४०।३१उ.प्रदोषः
१४	र ४४ २० रे ५४ ५८ वै १० ३१ वि १२ २५	१६	३३	२७	३	२७	२३	मे.५४।५८	भ.१२ या.बुधोदयःपश्चिमायां३७।०
२०	चं ४६ ५६ अ ५८ ५६ वि १० २३ च १५ ३८	२०	३२	२८	४	२८	२४	मेषे	[=केतुः२७।४२भा.वैशाखारंभः

१पं.वै कृ.४वृ.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	४	१	०	९	११
०	२४	१	२४	१३	५	३	२९
०	५४	५४	३४	५१	४२	४४	५३
०	२२	१८	४१	१८	४०	५६	३
५८	४५	३९	५	४६	७	३	५८
४४	३७	५८	व	२८	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे ४ गुरौ मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.३ न. ३ युवावस्था (सूती)मु.१५धान्यादि भावेमहर्घताशुक्रोदयः पश्चिमाया।

गोचर ग्रहाः

२पं.वै.कृ.११वृ.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	४	१	०	९	०
६	०	१६	२४	१८	६	३	६
५०	१३	४१	१	३७	३६	२२	४३
४६	३४	३५	४८	१	११	४०	१४
५८	४५	३९	५६	३८	७	३	५८
३१	१२	४४	व.	५५	२०	११	२९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation USA

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

ति. | बैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५० | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६२२९स.२०२८

१	मं	४८	२	भ	६०	०	प्री	९	१५	किं	१७	२९	३३	५	२६	५	२९	२५	मेषे	कृत्ति.बुधः३८।३०
२	बु	४८	२९	भ	१	२९	आ	७	११	बा	१८	१५	२७	३१	२९	६	३०	२६	वृ.१९।५०	चंद्रदर्शनम्
३	गु	४७	३८	कृ	२	५५	सौ	४	१७	तै	१८	३	३१	३०	३०	७	१	२७	वृषे	भरण्यांरविः१७३३(सौरः२५५०) बृषेबुधः×
४	शु	४५	५४	रो	३	२७	शो	२०	५५	व	१९	४६	३४	२९	३१	८	२	२८	मि३३।१६	भ.१६।४६उ.४५।५४या.
५	श	४३	२०	मृ	३	६	सु	५१	९	व	१४	३७	३८	२८	३२	९	३	२९	मिथुने	मृगेशुक्रः३६।३५
६	र	३९	५२	आ	१	५९	धृ	४५	३२	कौ	११	३६	४१	२८	३२	१०	४	३०	क.४५।३५	[×४७जिल्हेज१२परशुरामजयंतीअक्ष.३
७	चं	३६	२	पु	७	२९	शू	३९	१५	ग	७	५७	४५	२७	३३	११	५	१	कर्के	भ.३६।२उ.मई५ता.३१
८	मं	३१	१४	श्ले	५४	४५	गं	३२	३४	वि	३	३८	४८	२६	३४	१२	६	२	सिं५४।४५	भ.३।३८या.
९	बु	२५	५४	म	५०	८	वृ	२५	११	कौ	२५	५४	५२	२६	३४	१३	७	३	सिंह	रोहि बुधः३८।५२
१०	गु	१९	५१	पू	४६	२	ध्रु	१७	२६	ग	१९	५१	५५	२५	३५	१४	८	४	कं.५९।४८	भ.४६।३४उ.
११	शु	१३	१८	उ	४१	८	व्या	९	१३	वि	१३	१८	५८	२४	३६	१५	९	५	कन्यायां	भ.१३।१८या.मोहिनी११व्र.
१२	श	६	१८	ह	३६	१५	ह	५३	४६	बा	६	१८	३३	२४	३६	१६	१०	६	कन्यायां	प्रदोषः
१३	श	५३	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+शनेः५।०यमायकुंभदानम्
१४	र	५२	३२	चि	३१	२३	सि	४४	३१	ग	२५	५७	५	२३	३७	१७	११	७	तु.३।४९	भ.५३उ.वक्रीपूफा.३गुरुः३४नृसिंहजयंती
१५	चं	४६	४१	स्वा	२७	१६	व्य	३७	१६	वि	१९	३६	८	२२	३८	१८	१२	८	तुलायां	भ.१९।३६या.भरण्यांभौमः४।४३उदयं+

३पं.वै.शु.३वृ.इ.३७।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	४	१	०	९	०
१३	५	०	२३	२२	७	३	१३
२९	३०	१५	३७	२२	२९	०	३१
५०	३६	४	१९	२६	२८	२५	३९
५८	४५	०	४१	२९	७	३	५८
३९	२	१२	व	५	२०	११	१२

गोचर ग्रहाः

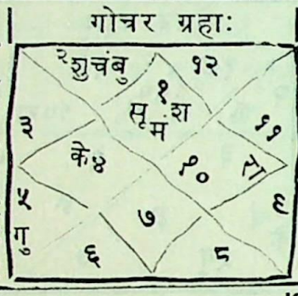

इस मास में चांदी स्वर्ण सण तिल वार-दाना लोहा मंदा हो घृत तेल नमक आदि रसकस तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

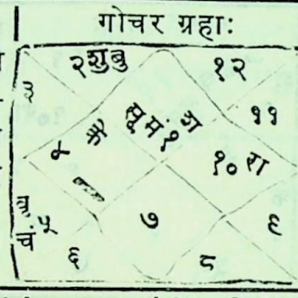

४पं.वै.शु.१०वृ.इ.३५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	४	१	०	९	०
२०	१०	११	२३	२४	८	२	२०
२७	४५	१	२३	४४	२२	३८	१८
२९	४३	३०	४६	४६	५९	९	२५
५८	४४	६२	१५	१६	७	३	५७
६	५२	२५	व	१६	१४	११	५७

ति. | ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५० | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	मं	४१	५८	वि	२४	१३	व	३०	५४	बा	१४	२०	३३	५	२२	३८	१९	१३	९	वृ.९।५९	मार्गीगुरुः२०।३४
२	बु	३८	५१	अ	२२	४७	प	२५	४०	तै	१०	२४	१४	२१	३९	२०	१४	१०		बृश्चिके	
३	गु	३७	३४	ज्ये	२२	५६	शि	२२	२७	व	८	१२	१७	२१	३९	२१	१५	११		ध.२२।५६	भ.१६उ.३७या.कृत्ति.रविः२३(सौरः=
४	शु	३८	२	मू	२४	५२	सि	२०	९	ब	७	४८	२०	२०	४०	२२	१६	१२		धनुषि	[=१३) वक्रीशुक्रः४८।२०चतुर्थीव्र.
५	श	४०	३८	पू	२८	४९	सा	१९	१३	कौ	९	२०	२३	१९	४१	२३	१७	१३		म.४५।१२	
६	र	४४	४९	उ	३४	२१	शु	१९	३९	ग	१२	४३	२६	१९	४१	२४	१८	१४		मकरे	भ.४४उ.बृषेऽर्कः३७(सौरः४१)
७	चं	५०	१९	श्र	४१	१२	शु	२१	२२	वि	१७	३४	२८	१८	४२	२५	१९	१५		मकरे	भ.१७।३४या.
८	मं	५६	२४	ध	४८	३३	व्र	२३	२५	बा	२३	२१	३१	१८	४२	२६	२०	१६		कुं.१४।५२	
९	बु	६०	०	श	५६	४	ऐं	२५	५९	तै	२९	३०	३४	१७	४३	२७	२१	१७		कुम्भे	अश्वि.४शनिः४०।१२
९	गु	२	३६	पू	६०	०	वै	२८	१३	ग	२	३६	३७	१७	४३	२८	२२	१८		मी४६।३२	भ.३५।३५उ.
१०	शु	८	३४	पू	३	२२	वि	३०	९	वि	८	३४	३९	१६	४४	२९	२३	१९		मीने	भ.८।३४या.पूफा.४गुरुः४६।३५
११	श	१३	३२	उ	९	४७	प्री	३०	५८	बा	१३	३२	४२	१६	४४	३०	२४	२०		मीने	वक्रीबुधः१।५अपरा११व्र.
१२	र	१७	४	रे	१४	४४	आ	३०	५७	तै	१७	४	४४	१५	४५	३१	२५	२१		मे.१४।४४	वक्रीरोहि शुक्रः५६।५प्रदोषः
१३	चं	१९	२०	अ	१८	२८	सा	२९	३९	व	१९	२०	४७	१५	४५	१	२६	२२		मेषे	भ.१९उ.४९।३३या.भा.ज्येष्ठारंभः
१४	मं	१९	४६	भ	२०	३५	शो	२७	८	श	१९	४६	४९	१४	४६	२	२७	२३		वृ.३५।४४	बुधास्तःपश्चिमायां४५।५९
१५	बु	१८	५३	कृ	२१	११	अ	२३	२९	ना	१८	५३	५२	१४	४६	३	२८	२४		वृषे	रोहि.रविः५४।०वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.३वृ.इ.३८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	४	१	०	९	०
२७	१५	१८	२३	२५	९	२	२७
१३	५८	२०	१६	२७	१५	१५	३
३७	२३	४९	५५	४	११	५४	३९
५७	४४	४२	१७	०	७	३	५७
५४	२१	३७	मा	२५	८	११	४५

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठकृष्णे ६ रवौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ प्रगलभावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

६पं.ज्ये.कृ.९वृ.इ.३२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	४	१	०	९	१
३	२१	२१	२३	२४	१०	१	३
५८	८	४३	१८	१५	६	५३	४७
४४	३५	३४	२९	२९	४३	३८	२३
५१	४४	५	१	१९	६	३	५७
४४	१६	३०	२०	व	५६	११	३४

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०									दि. उ. अ.	भा. मु. इं.		चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ६२५९स.२०२८
१	गु	१६	३६	रो	२०	३८	सु	१८	५५	ब	१६	३६	३३ ५ ४ १ ३ ४ ६	४ २९ २५	मि ४९।५१	रोहि.रवि:सौर:७।३७चद्रदर्शनम्
२	शु	१३	११	मृ	१९	४	धृ	१३	३५	कौ	१३	११	५६ १३ ४७	५ १ २६	मिथुने	कृत्ति.भौम:३१मोहोरम१सन् १४५०हि
३	श	९	११	आ	१६	४१	शू	७	३५	ग	९	११	५८ १२ ४८	६ २ २७	क.५९।३६	भ.३६।४८उ.
४	र	४	२६	पु	१३	५४	गं	५४	५३ ३३	वि	४	२६	३४ ० १२ ४८	७ ३ २८	कर्के	भ.४।२६या.
५	र	५५	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	[×पश्चिमायां३९।०
६	चं	५४	२५	पु	१०	५१	ध्रु	४७	३६	कौ	२६	५८	२ १२ ४८	८ ४ २९	कर्के	[÷गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.
७	मं	४९	११	श्ले	७	३१	व्या	४०	४६	ग	२१	४८	३ ११ ४९	९ ५ ३०	सिं ७।३१	भ.४९।११उ.वृषेभौम:४८।५२शुक्रास्त×
८	बु	४३	५५	म	४	३५	ह	३३	४६	वि	१६	३३	५ ११ ४९	१० ६ ३१	सिहे	भ.१६।३३या.
९	गु	३८	३४	पू	५५	३६	व	२६	४९	बा	११	१५	७ ११ ४९	११ ७ १	कं.१५।३	जून६ता.३०
१०	शु	३३	७	ह	५४	१०	सि	१९	४३	तै	५	५०	९ १० ५०	१२ ८ २	कन्यायां	गंगादशमी
११	श	२८	०	चि	५०	५९	व्य	१२	५२	व	०	३३	१० १० ५०	१३ ९ ३	तु.२२।३५	भ.०।३३उ.२८।०या.निर्जला११व्र.
१२	र	२२	५३	स्वा	४८	१९	व	६	२३	बा	२२	५३	१२ १० ५०	१४ १० ४	तुलायां	प्रदोषः
१३	चं	१८	३९	वि	४६	२१	प	१०	२४	तै	१८	३९	१३ ९ ५१	१५ ११ ५	वृ.३१।५०	उदयोभौम:२५।८
१४	मं	१४	५५	अ	४५	११	सि	४९	४६	व	१४	५५	१५ ९ ५१	१६ १२ ६	वृश्चिके	भ.१४।५५उ.४३।४३या.
१५	बु	१२	३१	ज्ये	४५	३४	सा	४६	१७	ब	१२	३१	१६ ९ ५१	१७ १३ ७	ध.४५।३४	मृगेरविः४८।५२शुक्रोदयःपूर्वस्यां५१ ÷

७पं.ज्ये.शु.१वृ.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	४	१	०	९	१
१०	२६	२१	२३	२१	१०	१	१०
४२	१५	१२	२८	१२	५६	३१	२९
४०	४३	४	१६	२२	४२	२२	३४
५७	४४	३३ ३५	२	३५ ३०	६	३	५७
३५	६	व. ४७	व	३८	११	२३	

गोचर ग्रहाः

भूमि पुत्रो यदा मेषे
सुभिक्षसर्वधान्यकम्।
प्रबलानि महर्घाणि
क्रोधवंतो भवेन्नृपाः।
इस मास में सोना
चांदी मंदे होवे ।

गोचर ग्रहाः

८पं.ज्ये.शु.९वृ.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	४	१	०	९	१
१७	१	१८	२३	१७	११	१	१७
२५	२०	५	४७	१	४४	९	१०
२६	१७	४९	२४	१	१७	७	४०
५७	४३	३३ २६	३	३६ ०	६	३	५७
२७	५६	व. ५९	व	२६	११	१३	

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०									दि. उ. अ.	भा. मु. इं.		चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	गु	११	३९	मृ	४७	१७	शु	४३	४६	कौ	११	३९	३४ १७ ५ ५१	१८ १४ ८	धनुषि	मृगेरविःसौर:६।२७
२	शु	१२	५	पू	५०	३४	शु	४२	३८	ग	१२	५	१८ ८ ५२	१९ १५ ९	धनुषि	भ.४३।१३उ.
३	श	१४	२१	उ	५५	१३	ब्र	४२	३२	वि	१४	२१	१९ ८ ५२	२० १६ १०	म.६।४४	भ.१४।२१या.चतुर्थीव्र.
४	र	१७	५५	श्र	६०	०	ऐं	४३	३९	बा	१७	५५	१९ ८ ५२	२१ १७ ११	मकरे	बुधोदयःपूर्वस्यां१६।२६
५	चं	२३	१	श्र	१	२०	वै	४५	२५	तै	२३	१	२० ८ ५२	२२ १८ १२	कुं.३५।५	
६	मं	२८	५०	ध	८	५०	वि	४७	४६	व	२८	५०	२१ ८ ५२	२३ १९ १३	कुंभे	भ.२८।५०उ.रोहि.भौम:४५।४०
७	बु	३४	५८	श	१५	५८	प्री	५०	१३	वि	१	५४	२१ ८ ५२	२४ २० १४	कुम्भे	भ.१।५४या.मिथुनेऽर्कः४७।४८
८	शु	४१	८	पू	२३	२९	आ	५२	२९	बा	८	३	२२ ८ ५२	२५ २१ १५	मी ६।३६	मिथुनेऽर्कःसौर:१५वक्रीकृति.शुक्र:३६
९	शु	४६	२४	उ	३०	२६	सौ	५४	१	तै	१३	४६	२२ ८ ५२	२६ २२ १६	मीने	मार्गीबुधः१।२९भरणी१शनिः४८।०
१०	श	५०	१४	रे	३६	१०	शो	५४	३२	व	१८	१९	२३ ७ ५३	२७ २३ १७	मे.३६।१०	भ.१८।१९उ.५०।१४या.
११	र	५२	४०	अ	४०	२५	अ	५३	४७	ब	२१	२७	२३ ७ ५३	२८ २४ १८	मेषे	योगिनी११व्र.
१२	चं	५३	१४	भ	४२	५०	सु	५१	३७	कौ	२२	५७	२३ ७ ५३	२९ २५ १९	वृ.५८।२	[=भा.आषाढारंभः
१३	मं	५१	५८	कृ	४३	३८	धृ	४७	५९	ग	२२	३६	२४ ७ ५३	३० २६ २०	वृषे	भ.५१।५८उ.प्रदोषः
१४	बु	४८	४९	रो	४२	४०	शू	४२	५९	वि	२०	२३	२४ ७ ५३	३१ २७ २१	वृषे	भ.२०।२३या.आर्द्रा.रवि:४६।२१
१५	गु	४४	१६	मृ	४०	३	गं	३६	४३	च	१६	३२	२४ ७ ५३	१ २८ २२	मि ११।२१	आर्द्रा.रवि:सौर:८।४८मार्गीशुक्र:४९=

९पं.आ.कृ.१वृ.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	४	१	०	९	१
२४	६	१४	२४	१२	१२	०	२३
७	२२	४६	१५	५४	२९	४६	५०
३०	१६	१६	०	२२	४९	५१	३६
५७	४३	२५ ४८	५	३० ९	६	३	५७
२२	२०	व	५	व. १०	११	५	

१०पं.आ.कृ.८वृ.इ.३८।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	४	१	०	९	२
०	११	१३	२४	९	१३	०	०
४८	२१	३४	५०	५९	१३	३४	२९
४७	११	५२	१३	५६	१६	३६	४५
५७	४३	१७ ३	६	१५ ५५	५	३	५६
१७	१०	वं	१३	व.	४९	११	५७

११पं.आ.कृ.३०वृ.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	४	१	०	९	२
७	१६	१५	२५	८	१३	०	७
२९	१७	५८	३०	५६	५३	२	८
४२	४९	५२	२५	६	३१	२०	१२
५७	४२	३१ ५६	७	१०	५	३	५६
१३	५४	मा २	मा	२३	११	५४	

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by eGangotri Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६२८८स.२०२८
१	शु	३८	३५	आ	३६	२८	वृ	२९	४१	कि	११	२५	३४/२४	५७/५३		२	२९	२३	मिथुने	उषा.१धनुषिराहुःपुन.३मिथुनेकेतुः३२/२१
२	श	३१	५९	पु	३२	७	ध्रु	२१	५२	बा	५	१७	२४	७	५३	३	३०	२४	क.१८।१२	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	र	२५	२५	पु	२७	२०	व्या	१३	५०	ग	२५	२५	२३	७	५३	४	१	२५	कर्के	भ.५२।०उ.सफर२
४	चं	१८	३४	श्ले	२२	३२	ह	५५	५२	वि	१८	३४	२३	७	५३	५	२	२६	सिं२२।३२	भ.१८।३४या.
५	मं	१२	१६	म	१८	७	सि	५०	२	बा	१२	१६	२२	८	५२	६	३	२७	सिंहे	
६	बु	५	५९	पू	१४	५	व्य	४२	४९	तै	५	५९	२२	८	५२	७	४	२८	कं.२८।१४	
७	गु	०	२३	उ	१०	४०	व	३५	५३	व	०	२३	२१	८	५२	८	५	२९	कन्यायां	भ.०।२३उ.२७।५३या.
८	गु	५५	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	शु	५१	०	ह	७	१	प	२९	३४	बा	२३	१२	२०	८	५२	९	६	३०	तु.३६।१६	मृगेबुधः३७।५रोहि.शुक्रः३८।२२
१०	श	४७	२३	चि	५	३१	शि	२३	५३	तै	१९	११	१९	८	५२	१०	७	१	तुलायां	जुलाई७ता.३१
११	र	४४	३२	स्वा	३	५३	सि	१८	५०	व	१५	५७	१८	८	५२	११	८	२	वृ.४८।५३	भ.५५/३३उ.४४/३२या.मृगेभौमः५६/३९उफा.१=
१२	चं	४२	२४	वि	३	१३	सा	१४	२२	ब	१३	२८	१७	९	५१	१२	९	३	वृश्चिके	[=गुरुः११/१३देवशयन्येकादशी
१३	मं	४१	२२	अ	३	१७	शु	१०	४२	कौ	११	५३	१६	९	५१	१३	१०	४	वृश्चिके	प्रदोषः [×वायुपरीक्षा चन्द्रग्रहणम्
१४	बु	४१	२१	ज्ये	४	३१	शु	७	४९	ग	११	२१	१५	९	५१	१४	११	५	ध.४।३१	भ.२६/१९उ.पुन.रविः४५/१९मिथुनेबुधः३३/१९
१५	गु	४२	४०	मृ	६	४३	ब्र	५	४३	वि	१२	०	१४	९	५१	१५	१२	६	धनुषि	भ.१२/०या.पुन.रविःसौरः१५/५०व्यासपूजा×

१२पं.आ.शु.७वृ.इ. ३५/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	४	१	०	८	२
१४	२१	२२	२६	९	१४	२९	१३
१०	११	१३	१९	४३	३०	४०	४६
८	३१	४१	१२	३७	३६	४	१७
५७	४२	६७	८	१६	४	३	५६
७	४३	४८	१०	३९	५६	११	५०

गोचर ग्रहाः

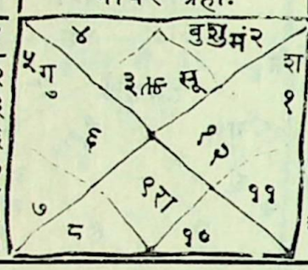

आषाढ कृष्णे ७ बुधे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टःवा. ४ न.५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

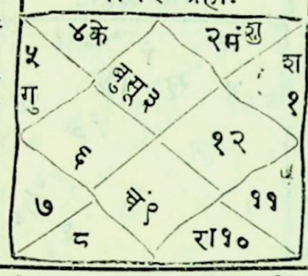

१३पं.आ.शु.१५वृ.इ. ३८/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	४	१	०	८	२
२०	२६	१	२७	१२	१५	२९	२०
५०	२	४५	१३	१९	४	१७	२४
३५	५३	२२	५२	४४	४१	४९	११
५७	४२	९७	८	२९	४	३	५६
७	१७	५०	५९	१०	२९	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	शु	४५	१९	पू	१०	१७	ऐं	५	४	बा	१३	५९	३३/१९	९/५१		१६	१३	७	म.२६।२६	
२	श	४९	६	उ	१४	५३	वै	४	४१	तै	१७	१२	११	१०	५०	१७	१४	८	मकरे	
३	र	५४	१	श्र	२०	४९	वि	५	३५	व	२१	३३	१०	१०	५०	१८	१५	९	कुं.५४।९	भ.२१।३३उ.५४।१या.आर्द्रा बुधः३९।०
४	चं	५९	३५	ध	२७	२९	ग्री	७	११	ब	२६	४८	८	१०	५०	१९	१६	१०	कुम्भे	चतुर्थी व्र.
५	मं	६०	०	श	३५	०	आ	९	१९	कौ	३२	३९	७	११	४९	२०	१७	११	कुम्भे	नाग५मरुस्थले
५	बु	५	४३	पू	४२	४०	सौ	११	४७	तै	५	४३	४	११	४९	२१	१८	१२	मी२५।४५	मिथुनेभौमः२५।१७
६	गु	१२	५	उ	४९	५६	शो	१४	२१	व	१२	५	३	११	४९	२२	१९	१३	मीने	भ.१२।५उ.४४।५६या.
७	शु	१७	४८	रे	५६	३४	अ	१६	२४	ब	१७	४८	१	१२	४८	२३	२०	१४	मे.५६।३४	बुधास्तःपूर्वस्यां६।४
८	श	२२	१६	अ	६०	०	सु	१७	४२	कौ	२२	१६	५३/३३	१२	४८	२४	२१	१५	मेषे	[+पुन.बुधः४०।३८
९	र	२५	३५	अ	२	२	धृ	१८	३	ग	२५	३५	५७	१३	४७	२५	२२	१६	मेषे	भ.५९/३३उ.कर्केऽर्कः१३/४७(सौरः४५/३४)+
१०	चं	२६	५१	भ	५	३५	शू	१६	५६	वि	२६	५१	५५	१३	४७	२६	२३	१७	वृ.२१।४	भ.२६।५१या.
११	मं	२६	१३	कृ	७	३१	गं	१४	१६	बा	२६	१३	५२	१४	४६	२७	२४	१८	वृषे	कामिका११व्र. *चंमंबके
१२	बु	२३	२३	रो	७	१०	बृ	९	५५	तै	२३	२३	५०	१४	४६	२८	२५	१९	मि३६।६	पुष्येरविः४३।५५ प्रदोषः
१३	गु	१८	५२	मृ	५	३	धु	४/८	५२/३९	व	१८	५२	४८	१४	४६	२९	२६	२०	मिथुने	भ.५२/३८उ.४५/३५या.पुष्येरविःसौरः४६/३५
१४	शु	१२	३८	आ	१/१९	५४/३९	ह	४८	२३	श	१२	३८	४५	१५	४५	३०	२७	२१	क.४२।१५	कर्केबुधः२३।५८
३०	श	४	५५	पु	४९	४९	व	३९	१२	ना	४	५५	४३	१५	४५	३१	२८	२२	कर्के	पुष्येबुधः५९/५०आर्द्रा.भौमः९/३६हरियाली

१४पं.श्रा.कृ.६वृ.इ.३८।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	४	१	०	८	२
२७	०	१४	२८	१५	१५	२८	२७
३०	५१	२	१४	४८	३४	५५	२
५४	७	५३	३१	२५	५	३३	१८
५७	४२	४/२६	९	३८	३	३	५६
११	५		४४	४९	५०	११	५४

गोचर ग्रहाः

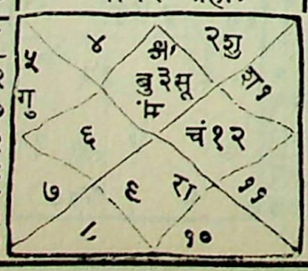

श्रावण कृष्णे ९ रवौ कर्केऽर्कः प्रविष्टःवा.५ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

१५पं.श्रा.कृ.१३वृ.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	४	१	०	८	३
४	५	२८	२९	२०	१५	२८	३
११	३६	२४	२०	२९	५९	३३	४०
३८	२५	११	२८	५३	३८	१८	४५
५७	४१	५/२५	१०	४६	१	३	५६
१५	४०		२७	१४	१६	११	५९

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३१८स.२०२८
१	श	५१	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=रविलावल३तीज
२	र	४७	५५	श्ले	४३	२५	सि	२९	३९	बा	२२	१६	३३/४०	५/१६	६/४४	१	२९	२३	सिं४३।२५	चंद्रदर्शनम् भा. श्रावणारंभः सिंधारा
३	चं	३९	३६	म	३७	५	व्य	२०	४	तै	१३	४५	२८	१६	४४	२	१	२४	सिंहे	मृगेशुक्रः ३/४ उफा.२कन्यायांगुरुः ५/४=
४	मं	३१	३६	पू	३१	५	व	१०	२९	व	५	३६	२५	१७	४३	३	२	२५	क.४४।५९	भ.५।३६उ.३१।३६या.बरद४
५	बु	२४	३४	उ	२६	२	प	३/५	५२/१९	बा	२४	३४	२३	१७	४३	४	३	२६	कन्यायां	नागपंचमी
६	गु	१८	२५	ह	२१	५५	सि	४६	२९	तै	१८	२५	३०	१८	४२	५	४	२७	तु.५०।२१	[+श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्
७	शु	१३	३२	चि	१८	४७	सा	४०	१६	व	१३	३२	२७	१९	४१	६	५	२८	तुलायां	भ.१३।३२उ.४१।४०या.
८	श	९	४७	स्वा	१७	८	शु	३५	८	ब	९	४७	२४	१९	४१	७	६	२९	तुलायां	आश्ले.बुधः १५।४२
९	र	७	३१	वि	१६	४७	शु	३१	१	कौ	७	३१	२२	२०	४०	८	७	३०	वृ.१।५२	[×अगस्त८ता.३१पवित्रा११व्र.
१०	चं	६	१७	अ	१७	२८	ब्र	२७	५१	ग	६	१७	१९	२०	४०	९	८	३१	वृश्चिके	भ.३६।४८उ.
११	मं	६	१९	ज्ये	१९	२९	ऐं	२५	३३	वि	६	१९	१६	२१	३९	१०	९	१	ध.१९।२९	भ.६।१९या.मिथुनेशुक्रः ३०।८×
१२	बु	७	३५	मू	२२	३१	वै	२४	१६	बा	७	३५	१३	२१	३९	११	१०	२	धनुषि	आश्ले.रविः ४१।०
१३	गु	९	५६	पू	२६	४३	वि	२४	९	तै	९	५६	१०	२२	३८	१२	११	३	म.४३।०	आश्ले.रविः सौरः १७।२ प्रदोषः
१४	शु	१३	२२	उ	३१	५२	प्री	२४	१०	व	१३	२२	७	२३	३७	१३	१२	४	मकरे	भ.१३।२२उ.४५।३३या.
१५	श	१७	४३	श्र	३७	५७	आ	२५	१२	व	१७	४३	४	२३	३७	१४	१३	५	मकरे	मघा.सिंहेबुधः ०/४ भरणी.२शनिः ३२/४८+

१६पं.श्रा.शु.६वृ.इ. ३७/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	५	१	०	८	३
१०	१०	१३	०	२५	१६	२८	१०
५२	१९	१८	३०	५७	२१	११	२०
४१	२४	३२	११	२५	०	२	२
५७	४१	४९	११	५१	२	३	५७
२०	२८	३/४	४	३७	३४	११	५

गोचर ग्रहाः

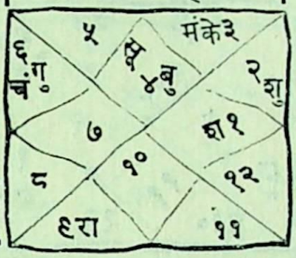

इस मास में धान्य गेहूं जौ चांवल मूंग मोठ बाजरा आदि व लाल वस्तुएं धातुएं तेज हों कहीं २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

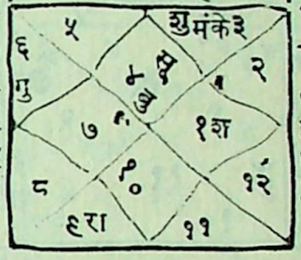

१७पं.श्रा.शु.१३वृ.इ. ३/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	५	२	०	८	३
१७	१४	२७	१	१	१६	२७	१६
३४	५९	१९	४५	५९	३७	४८	५९
२३	४२	३४	१४	२	१	४६	५०
५७	४१	४९	११	५५	१	३	५७
२५	१३	४३	४१	५८	५३	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	र	२२	५५	ध	४४	३७	सौ	२६	५३	कौ	२२	५५	३३/३०	५/२४	६/३६	१५	१४	६	कु.११।१७	बुधोदयः पश्चिमायां ५४।५०
२	चं	२८	४४	श	५१	५७	शो	२८	५८	ग	२८	४४	३२/५७	२५	३५	१६	१५	७	कुंभे	
३	मं	३४	४९	पू	५९	३१	अ	३१	२०	व	१	४६	५४	२५	३५	१७	१६	८	मी४२।४४	भ.१।४६उ.३४।४९या.आर्द्रां.शुक्रः ४/७°
४	बु	४१	२	उ	६०	०	सु	३३	५२	ब	७	५५	५०	२६	३४	१८	१७	९	मीने	चतुर्थी व्र.
५	गु	४७	२	उ	७	७	धृ	३६	९	कौ	१४	२	४७	२७	३३	१९	१८	१०	मीने	
६	शु	५२	२	रे	१४	१६	शू	३८	४	ग	१९	३२	४४	२७	३३	२०	१९	११	मे.१४।१६	भ.५२।२उ.पुन.भौमः १०।४१ चन्द्रषष्ठी
७	श	५६	४	अ	२०	२३	गं	३९	१०	वि	२४	३	४०	२८	३२	२१	२०	१२	मेषे	भ.२/३या.पूफा.बुधः २५/४० उफा.३गुरुः ३/५
८	र	५८	२९	भ	२५	२२	बृ	३९	८	बा	२७	१६	३७	२९	३१	२२	२१	१३	वृ.४१।१४	जन्माष्टमी व्र.
९	चं	५९	७	कृ	२८	५०	ध्रु	३७	५५	तै	२८	४८	३३	२९	३१	२३	२२	१४	वृषे	गोगा९
१०	मं	५७	३८	रो	३०	१५	व्या	३४	५८	व	२८	२२	३०	३०	३०	२४	२३	१५	वृषे	भ.२८।२२उ.५७।३८या.
११	बु	५४	५	मृ	२९	४८	ह	३०	३५	ब	२५	५१	२६	३१	२९	२५	२४	१६	मि०।२	मघा.सिंहेऽर्कः ३५।०अजा११व्र.स्मा.
१२	गु	४८	३२	आ	२७	१२	व	२४	२८	कौ	२१	१८	२२	३२	२८	२६	२५	१७	मिथुने	मघा.सिंहेऽर्कः सौरः ३/२७ अजा११व्र.वै.–
१३	शु	४१	२३	पु	२२	४१	सि	१६	४९	ग	१४	५७	१९	३२	२८	२७	२६	१८	क.८।४९	भ.४१।२३उ. प्रदोषः
१४	श	३२	५५	पु	१६	४५	व्य	७/५१	५९/१३	वि	७	९	१५	३३	२७	२८	२७	१९	कर्के	भ.७।९या. [–वत्सद्वादशी
३०	र	२३	२८	श्ले	९	४४	प	४७	३१	ना	२३	२८	१२	३४	२६	३९	२८	२०	सिं९।४४	उफा.बुधः ४/७ कुशाग्रहणीपिठोरी३०

१८पं.भा.कृ.५वृ.इ. ३७/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	५	२	०	८	३
२४	१९	१०	३	८	१६	२७	२३
१६	३७	६	२	२९	४८	२६	४०
४४	२६	४	३८	३८	२२	३१	५७
५७	४०	७	१२	५९	१	३	५७
३३	५६	९/८	१२	२८	१६	११	२२

गोचर ग्रहाः

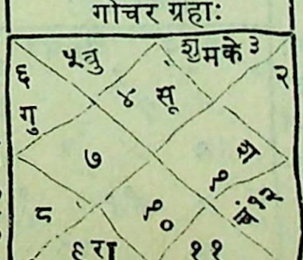

भाद्रपदकृष्णे ११ बुधे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

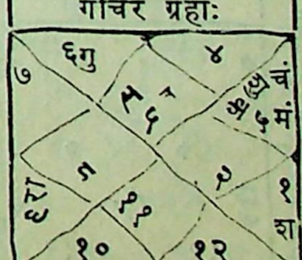

१९पं.भा.कृ.१२वृ.इ. ३/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	२	०	८	४
१	२४	२१	४	१५	१६	२७	०
०	१२	३८	२३	२२	५४	४	२३
४	११	२४	६	१९	४३	१५	१०
५७	४०	९५	१२	६२	०	३	५७
४०	४०	५५	३१	२	३६	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०८५ शाकः १९५०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६३४७स.२०२८
१	चं १३ ४०	म	२ १०	५२ २०	शि ३६ ५३	ब १३ ४०	३२ ८	५ ३४	६ २६	३० २९ २१	सिंहे	[=चन्द्रदर्शनम् हरितालिका३
२	मं ४ ५	उ	४७ २८	स्वि २६ २०	कौ ४ ५	४ ३५ २५	३१ ३० २२	कं.७।४४	पुन.शुक्रः१४।४८वक्रीशनिः३९।४१=
३	मं ५१ ३		० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	[×भाद्रपदारंभः रविलाखर४गणेशचतु.
४	बु ४७ ५	ह	४१ १४	सा १६ १६	व २१ ६	१ ३६ २४	१ १ २३	कन्यायां	भ.२१ उ.४७ या.कन्यायांबुधः१३ भा.×
५	गु ४० ३१	चि	३६ १९	शु ४ ५२ १६	ब १३ ४८	३१ ३७ २३	२ २ २४	तु.८।४६	ऋषिपंचमी
६	शु ३५ ३०	स्वा	३३ ०	व्र ५२ ४४	कौ ८ ०	५३ ३७ २३	३ ३ २५	तुलायां	पूभा.४राहुःपुन.२केतुः१५।०
७	श ३२ २६	वि	३१ २६	ऐं ४७ ३८	ग ३ ५८	४९ ३८ २२	४ ४ २६	वृ.१६।३३	भ.३२।२६उ.कर्केभौमः३१।७
८	र ३० ५६	अ	३१ २८	वै ४३ ४७	वि १ ४१	४६ ३९ २१	५ ५ २७	वृश्चिके	भ.१।४१या.
९	चं ३१ १४	ज्ये	३३ १४	वि ४१ २५	बा १ ५	४२ ४० २०	६ ६ २८	ध.३३।१४	[+हस्तेबुधः जलझूलनी११व्र.
१०	मं ३२ ५६	मू	३६ २८	प्री ४० ७	तै २ ५	३८ ४० २०	७ ७ २९	धनुषि	उफा.४गुरुः८।४१
११	बु ३६ ९	पू	४१ ४	आ ४० ७	व ४ ३२	३४ ४१ १९	८ ८ ३०	म.५७।२९	भ. उ. या.पूफा.रविः+
१२	गु ४० २५	उ	४६ ४३	सौ ४० ५१	ब ८ १७	३० ४२ १८	९ ९ ३१	मकरे	पूफा.रविःसौरः ककशुक्रः पुष्ये÷
१३	शु ४५ २५	श्र	५३ ११	शो ४२ ०	कौ १२ ५५	२६ ४३ १७	१० १० १	मकरे	सितंबर९ता.३०प्रदोषः
१४	श ५१ ६	ध	६० ०	अ ४४ २	ग १८ १५	२२ ४४ १६	११ ११ २	कुं.२६।४१	भ. उ.अनंत१४ [÷भौमः वामनजयं
१५	र ५७ ६	ध	० ११	सु ४६ ६	वि २४ ६	१८ ४४ १६	१२ १२ ३	कुंभे	भ. या.पुष्येशुक्रः महालयारंभः

२०पं.भा.शु.५वृ.इ. ३७/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	५	२	०	८	४
७	२८	१	५	२२	१६	२६	७
४४	४३	५९	४७	३२	५५	४२	६
२८	३७	१३	२	६	५२	०	३७
५७	४०	८३	१२	६४	१४	३	५७
४९	१२	२५	५६	३	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

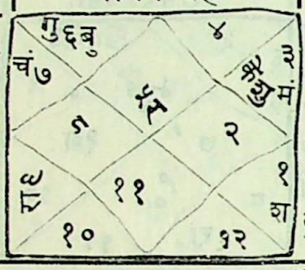

इस मास में ५ रविवार अशुभ हैं धान्य गल्ला सोना चांदी वस्त्र रुई वारदाना घृत तेज हो प्रजा दुःखी हो।

गोचर ग्रहाः

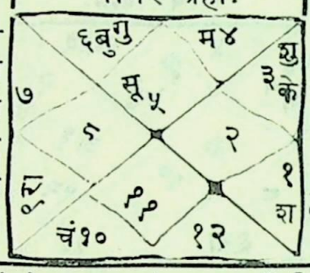

२१पं.भा.शु.१२वृ.इ. ३७/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	५	२	०	८	४
१४	३	११	७	२९	१६	२६	१३
३०	१३	०	१२	५७	५२	१९	५१
४	१	३६	४७	७	८	४४	४९
५८	३९	६७	१३	६५	६३	३	५७
१	५३	२७	१४	४०	व.	११	१७

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	चं ६० ०	श	७ ३१	धृ ४८ ३१	बा ३० १०	३५ ५	६ ५	१३ १३ ४	मी५८।६	
१	मं ३ १४	पू	१४ ५८	शू ५० ५४	कौ ३ १४	११ ४६ १४	१४ १४ ५	मीने	
२	बु ९ २९	उ	२२ २६	गं ५३ ७	ग ९ २९	७ ४७ १३	१५ १५ ६	मीने	भ.४२।२१उ.
३	गु १५ १३	रे	२९ ३२	वृ ५४ ५७	वि १५ १३	३ ४७ १३	१६ १६ ७	मे.२९।३२	भ.१५।१३या. चतुर्थी व्र.
४	शु २० ८	अ	३५ ५५	ध्रु ५६ २०	बा २० ८	३९ ४८ १२	१७ १७ ८	मेषे	
५	श २४ २३	भ	४१ ३३	व्या ५६ ५५	तै २४ २३	५५ ४९ ११	१८ १८ ९	वृ.५७।३८	वक्रीभरणी.१शनिः१९।१५
६	र २७ २७	कृ	४५ ५५	ह ५६ २७	व २७ २७	५१ ५० १०	१९ १९ १०	वृषे	भ २७।२७उ.५८।१४या.
७	चं २९ १	रो	४८ ४४	व ५४ ४३	ब २९ १	४७ ५१ ९	२० २० ११	वृषे	
८	मं २८ ५९	मृ	४९ ५६	सि ५१ ५१	कौ २८ ५९	४३ ५१ ९	२१ २१ १२	मि१९।२०	[–हस्त.१गुरुः५६।८मातृ९
९	बु २७ ३	आ	४९ २९	व्य ४७ २८	ग २७ ३	३९ ५२ ८	२२ २२ १३	मिथुने	भ.५५ उ.उफा.रविः९(सौरः ४८)–
१०	गु २३ १४	पु	४६ ५६	व ४१ २६	वि २३ १४	३५ ५३ ७	२३ २३ १४	क.३२।३४	भ.२३।१४या.चित्रा.बुधः४६।४९
११	शु १७ ३६	पु	४२ ४४	प ३४ ५	बा १७ ३६	३१ ५४ ६	२४ २४ १५	कर्के	आश्ले.शुक्रः४५।३२ इंदिरा११व्र.
१२	श १० २३	श्ले	३६ ५४	शि २५ १९	तै १० २३	२७ ५५ ५	२५ २५ १६	सिं३६।५४	कन्यायामर्कः३४।२८ प्रदोषः
१३	र १ ५२	म	३० ३	सि १५ ४१	ब १ ५२	२२ ५६ ४	२६ २६ १७	सिंहे	भ.५२ उ.२७या.कन्यार्कःसौरः÷
१४	र ५० २९		० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	[÷अस्तंगुरोः सस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	चं ४२ २१	पू	२२ २०	सा ५२ ४९	च १७ २१	१८ ५६ ४	२७ २७ १८	कं.३५।२२	वक्रीबुधः३।६सर्वपितृ३०

२२पं.आ.कृ.३वृ.इ. ३७/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	५	३	०	८	४
२१	७	१८	८	७	१६	२५	२०
१७	३८	२०	४०	३४	४२	१७	३८
६	५३	४२	१९	१	४७	२८	२९
५८	३९	४७	१३	६७	१३/८	३	५८
१३	३१	४१	२३	६	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

आश्विनकृष्णे १२शनौ कन्यायांमर्कः प्रविष्टः वा.४न.४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

२३पं.आ.कृ.१०वृ.इ. ३७/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	५	३	०	८	४
२८	१२	२३	१०	१५	१६	२५	२७
५	१	१६	९	२१	२८	३५	२६
२८	३७	३४	११	५४	४१	१३	४६
५८	३९	२०	१३	६८	२/६	३	५८
२६	७	४०	३२	१४	व.	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३७६स.२०२८
१	मं	३२	२०	उ	१४	२८	शु	४३	९	किं	७	२०	३०	५७	६	२८	२८	१६	कन्यायां	नवरात्रारंभः मातामह श्रा.
२	बु	२३	२	ह	६	५२	ब्र	२२	३५	कौ	२३	२	९	५८	२	२९	२९	२०	तु.३३।२७	चंद्रदर्शनम्
३	गु	१४	५६	चि	२	५४	ऐं	२३	७	ग	१४	५६	५	५९	१	३०	१	२१	तुलायां	भ.४१।३६उ.जमादिलावल५
४	शु	८	१६	वि	५०	५७	वै	१४	२७	वि	८	१६	३०	०	०	३१	२	२२	वृ.३६।५४	भ.८।१६या.आश्ले.भौमः४।५४
५	श	३	३३	अ	४९	२०	वि	७	२८	बा	३	३३	२९	१	१	१	३	२३	वृश्चिके	भा.आश्विनारंभः
६	र	०	४५	ज्ये	४९	३६	प्री	२	५६	तै	०	४५	५३	२	५८	२	४	२४	ध.४९।३६	वक्रीहस्तेबुधः २०।५२
७	चं	०	५	मू	५१	५६	सौ	५६	५	व	०	५	४८	२	५८	३	५	२५	धनुषि	भ.०।५उ.३०।४७या.
८	मं	१	२९	पू	५५	५७	शो	५५	२२	व	१	२९	४४	३	५७	४	६	२६	धनुषि	हस्तेरविः ४७ बुधास्तः पश्चिमायां १९
९	बु	४	३०	उ	६०	०	अ	५५	५९	कौ	४	३०	४०	४	५६	५	७	२७	म.१२।२१	हस्तेरविः सौरः ३६ मघा.सिंहेशुक्रः २६
१०	गु	९	९	उ	१	३०	सु	५७	१५	ग	९	९	३६	५	५५	६	८	२८	मकरे	भ.४१।५०उ.
११	शु	१४	३२	श्र	८	२	धृ	५९	१६	वि	१४	३२	३२	६	५४	७	९	२९	कुं.४१।४४	भ.१४ या.हस्त.२गुरुः ५९ पापांकुशा ११ब्र.
१२	श	२०	४२	ध	१५	२६	शू	६०	०	बा	२०	४२	२८	६	५४	८	१०	३०	कुंभे	प्रदोषः
१३	र	२७	२	श	२२	५२	शू	१	३२	तै	२७	२	२३	७	५३	९	११	१	कुंभे	अक्टूबर १०ता.३१
१४	चं	३३	१३	पू	३०	२५	गं	३	५२	ग	०	७	१९	८	५२	१०	१२	२	मी१२।३२	भ.३३।१३उ.कोजागरी ब्र.
१५	मं	३९	१४	उ	३७	३९	वृ	६	८	वि	६	१३	१५	९	५१	११	१३	३	मीने	भ.६।१३या.शरद्पूर्णिमा का.स्ना.प्रा.

२४पं.आ.शु.३वृ. इ. ३६/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	५	३	०	८	५
४	१६	२४	११	२३	१६	२५	४
५५	२१	१८	३९	५६	१०	१२	१६
१९	४७	५०	१४	४४	१६	१७	५३
५८	३८	३१/३९	१३	६९	५१	३	५८
३८	४४	व.३८	५	व.११		४५	

गोचर ग्रहाः

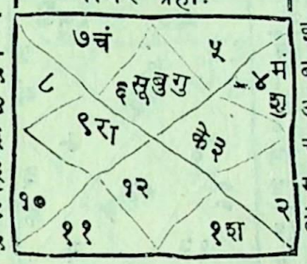

इस मास में जौ गेहूं बाजरा मूंग मोठ आदि धान्य व सोना चांदी मंदे हों घृत तेल गुड़ शक्कर चीनी तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

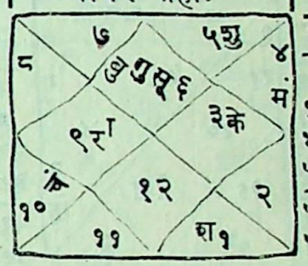

२५पं.आ.शु.१०वृ.इ. ३६/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	५	४	०	८	५
११	२१	१९	१३	१	१५	२४	११
४६	३८	४३	१०	२१	४७	५०	८
५२	१०	७	१२	११	३५	४२	५१
५८	३८	३२/३९	१३	६९	११/३	३	५९
५३	१९	व.३८	५८	व.११		००	

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	बु	४४	४०	रे	४४	३१	धु	८	१३	बा	११	५७	२९/१९	६/१०	५/५०	१२	१४	४	मे.४४।३१	
२	गु	४९	१७	अ	५०	३३	व्या	९	५२	तै	१६	५८	७	११	४९	१३	१५	५	मेषे	
३	शु	५३	५	भ	५५	५०	ह	१०	५२	व	२१	११	३	११	४९	१४	१६	६	मेषे	भ.२१।११उ.५३।५या.
४	श	५५	४७	कृ	६०	०	व	११	८	ब	२४	२६	२८/५९	१२	४८	१५	१७	७	वृ.११।५६	वक्रीउफा.बुधः ३२।३०करकचतुर्थीव्र.
५	र	५७	२८	कृ	०	१३	सि	१०	४३	कौ	२६	३२	५५	१३	४७	१६	१८	८	वृषे	पूफा.शुक्रः ५०।३१बुधोदयः पूर्वस्यां ४७
६	चं	५७	४९	रो	३	२९	व्य	९	२२	ग	२७	३८	५१	१४	४६	१७	१९	९	मि३४।२७	भ.५७।४९उ.
७	मं	५६	५६	मृ	५	२६	व	७	४	वि	२७	२२	४७	१५	४५	१८	२०	१०	मिथुने	भ.२७या.चित्रा.रविः १९ (सौरः ५७/१३)
८	बु	५४	३६	आ	६	१३	प	३/४५	५४/३७	बा	२५	४६	४३	१५	४५	१९	२१	११	क.४९।५७	मार्गीबुधः १९।४७
९	गु	५०	४०	पु	५	३२	सि	५३	३१	तै	२२	३८	२९	१६	४४	२०	२२	१२	कर्के	[–हस्त.३गुरुः ४१/१ रमा ११ब्र.
१०	शु	४५	२६	पु	३/१९	५९/२९	सा	४६	४५	व	१८	३	३५	१७	४३	२१	२३	१३	सिं५९।४८	भ.१९उ.४५या.उदयंगुरोः ३१/४८
११	श	३८	४८	म	५४	५२	शु	३८	४५	ब	१२	७	३१	१८	४२	२२	२४	१४	सिंहे	हस्तेबुधः ५४ मघा.सिंहेभौमः ३०/४–
१२	र	३०	५५	पू	४८	५०	शु	२९	५५	कौ	४	५१	२७	१९	४१	२३	२५	१५	सिंहे	प्रदोषः धन १३
१३	चं	२२	१५	उ	४१	५८	ब्र	१९	५९	व	२२	१५	२३	१९	४१	२४	२६	१६	कं.२।७	भ.२२।१५उ.४७।४२या.रूप १४
१४	मं	१३	१०	ह	३४	४२	ऐं	९/३१	४९/३१	श	१३	१०	२०	२०	४०	२५	२७	१७	कन्यायां	तुलायामर्कः ३५ (सौरः ५९) दीपमालिका
३०	बु	३	५३	चि	२७	३८	वि	४८	५८	ना	३	५३	१६	२१	३९	२६	२८	१८	तु.१।१०	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा

२६पं.का.कृ.२वृ.इ. ३६/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	५	४	०	८	५
१८	२४	१२	१४	९	१५	२४	१८
४०	५१	१४	४१	३१	२१	२८	२
५	४३	६	२	२६	७	२६	३८
५९	३७	३९/९	१३	७०	५२	३	५९
९	५९	व.३८	३९	व.११		१६	

गोचर ग्रहाः

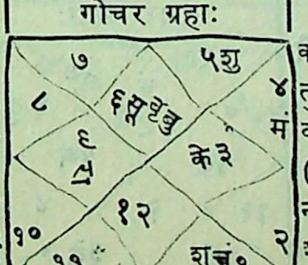

कार्तिककृष्णे १४भौमे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.५वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

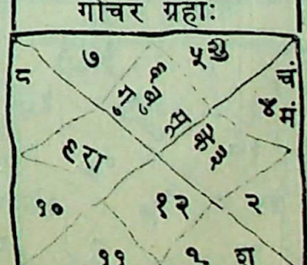

२७पं.का.कृ.९वृ.इ. ३६/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	५	४	०	८	५
२५	२९	९	१६	१७	१४	२४	२४
३४	१	३०	११	४७	५१	६	५८
५९	१९	३२	४२	५६	२२	१०	२०
५९	३७	१५/३५	१३	७१	४/१०	३	५९
२१	१९	मा ३२	१४	च.११		३१	

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽर्गणः ६४०६सं.२०२८
१	बु ५१ १७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[–बुधास्तः पूर्वस्यां ६० प्रदोषः
२	गु ४७ ४१	स्वा	२१	१६	प्री	३६	१७	बा	२१	२५	२८ ६ १२ २ ५ ३८	२७	२६	१६	तुलायां	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२ यम२
३	शु ४१ ४४	वि	१६	४	आ	३०	५०	तै	१४	४२	८ २२ ३८	२८	१	२०	बृ.२।३३	उफा.शुक्रः १।१५ जमादिलाखर६
४	श ३७ ३७	अ	१२	३३	सौ	२३	४२	व	६	४०	४ २३ ३७	२९	२	२१	वृश्चिके	भ.६।४०उ.३७।३७या.
५	र ३५ ४१	ज्ये	१०	५८	शो	१८	८	ब	६	३६	० २४ ३६	३०	३	२२	ध.१०।५८	कन्यायांशुक्रः ४८।३६
६	चं ३५ ५६	मू	१२	४३	अ	१४	२६	कौ	५	४८	२७ ५६ २५ ३५	१	४	२३	धनुषि	स्वात्यांरविः ४५।३८भा.कार्तिकारंभः
७	मं ३८ ८	पू	१४	१७	सु	१२	२२	ग	७	२	५३ २५ ३५	२	५	२४	म.३०।२५	भ.३८।८उ.स्वात्यांरविःसौरः २१।०
८	बु ४२ १५	उ	१८	४७	धृ	१२	५	वि	१०	११	४९ २६ ३४	३	६	२५	मकरे	भ.१९।१या.चित्रा.बुधः ५३गोपाष्टमी
९	गु ४७ १५	श्र	२४	४०	शू	१२	३६	बा	१४	४५	४५ २७ ३३	४	७	२६	कुं.५८।१५	कुष्मांड९अक्षय९
१०	शु ५२ ५३	ध	३१	५१	गं	१४	३४	तै	२०	४	४१ २८ ३२	५	८	२७	कुंभे	पूषा.३राहुःपुन.१केतुः ६।५८
११	श ६० ०	श	३९	१५	बृ	१६	२२	व	२६	३४	३७ २९ ३१	६	९	२८	कुंभे	भ.३६उ.देवप्रबोधिन्येकादशी तुलसीवि.
११	र ० १५	पू	४६	५८	धु	१८	४६	वि	०	१५	३४ २९ ३१	७	१०	२९	मी ३०।२	भ.१५या. [×नवम्बर ११ता.३०
१२	चं ६ ३५	उ	५४	१६	व्या	२१	५	बा	६	३५	३० ३० ३०	८	११	३०	मीने	तुलायांबुधः १४हस्त.४गुरुः ४३–
१३	मं १२ ३८	रे	६०	०	ह	२३	४	तै	१२	३८	२७ ३१ २९	९	१२	३१	मीने	हस्तेशुक्रः १।४४वैकुंठ१४
१४	बु १७ ४३	रे	१	८	व	२४	२९	व	१७	४३	२३ ३१ २९	१०	१३	१	मे.१।८	भ.४७उ.४९या.वक्रीअश्विनी४शनिः ३२×
१५	गु २१ ४१	अ	६	४५	सि	२४	५९	ब	२१	४१	१९ ३२ २८	११	१४	२	मेषे	मन्वादिः का.स्ना.पू.

२८पं.का.शु.२वृ.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	५	४	०	८	६
२	३	१४	१७	२६	१४	२३	१
३१	५	२४	४१	९	१९	४३	५५
२३	५३	२६	३८	५४	४१	५५	४४
५९	३६	७२	१३	७१	४ ३१	३	५९
३४	५३	५०	२६	४१	व.	११	४६

२९पं.का.शु.९वृ.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	५	५	०	८	६
९	७	२४	१९	४	१३	२३	८
२९	६	२०	१०	३६	४६	२१	५५
३८	४०	१०	१२	१४	१९	३९	४
५९	३६	९३	१३	७२	४ ४०	३	६०
४७	१६	२४	२०	२	व.	११	२

३०पं.का.शु.१५वृ.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	५	५	०	८	६
१६	११	५	२०	१३	१३	२२	१५
२९	३	४४	३७	५	१२	५९	५६
२०	१८	५६	३७	५६	३६	२४	८
६०	३५	९९	१३	७२	४०	३	६०
४	५६	२४	६	२८	व.	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०८५ शाकः १९५०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	शु २४ ५०	भ	११	३१	व्य	२४	५५	कौ	२४	५०	२७ ६ ३ ५ २७	१२	१५	३	वृ.२७।२६	स्वात्यांबुध.:८।५५
२	श २६ ४७	कृ	१५	१०	ध	२३	५१	ग	२६	४७	१२ ३४ २६	१३	१६	४	वृषे	भ.५७।८उ.
३	र २७ ३०	रो	१७	५२	प	२१	५५	वि	२७	३०	९ ३४ २६	१४	१७	५	मि ४८।३८	भ.२७।३०या. चतुर्थी व्र.
४	चं २७ १३	मृ	१९	२५	शि	१९	२२	बा	२७	१३	५ ३५ २५	१५	१८	६	मिथुने	विशा.रविः ६८(सौरः ३४)पूफा.भौमः ५३
५	मं २६ ३	आ	२०	८	सि	१५	४९	तै	२६	३	२ ३६ २४	१६	१९	७	मिथुने	
६	बु २४ १	पु	१९	५२	सा	११	३१	व	२४	१	२६ ५८ ३६ २४	१७	२०	८	क.४।५६	भ.२४।१उ.५२।२८या.
७	गु २० ५६	पु	१८	४०	शु	६	२४	व	२०	५६	५५ ३७ २३	१८	२१	९	कर्के	
८	शु १६ ५९	श्ले	१६	३१	शु	० ३४	५३ ३६	कौ	१६	५९	५२ ३८ २२	१९	२२	१०	सिं १६।३१	चित्रा.शुक्रः ५७।४३
९	श १२ १०	म	१३	२०	ऐं	४६	४७	ग	१२	१०	४९ ३८ २२	२०	२३	११	सिंहे	भ.३९।११उ.विशा.बुध.:११।२९
१०	र ६ ११	पू	९	२५	वै	३८	३७	वि	६	११	४५ ३९ २१	२१	२४	१२	कं.२३।१५	भ.६।११या.उत्पत्ति ११व्र.स्मा.
११	र ५३ २२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+शुक्रः २३चित्रा.१गुरुः ५८
१२	चं ५२ १९	उ	४४	२६	वि	२९	५९	कौ	२५	५६	४२ ४० २०	२२	२५	१३	कन्यायां	उत्पत्ति ११व्र.वै.
१३	मं ४४ ४२	चि	५३	२१	प्री	२०	५६	ग	१८	३०	३९ ४० २०	२३	२६	१४	तु.२६।१६	भ.४४।४२उ. प्रदोषः
१४	बु ३७ ७	स्वा	४७	४८	आ	११	३९	वि	१०	५४	३६ ४१ १९	२४	२७	१५	तुलायां	भ.१०।५४या.
३०	गु ३० १	वि	४२	४१	सो	३२	५१ २९	च	३	३४	३२ ४१ १९	२५	२८	१६	वृ.२८।५८	वृश्चिकेऽर्कः २९(सौर.:३४)तुलायां+

३१पं.मा.कृ.७वृ.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	५	५	०	८	६
२३	१४	१७	२२	२१	१२	२२	२२
३०	५३	१९	२	४०	३९	३७	५८
४०	४६	४१	६	१६	७	८	४०
६०	३५	०	१२	७२	४	३	६०
१७	४	१९	३८	४७	व.	११	३०

गोचर ग्रहाः

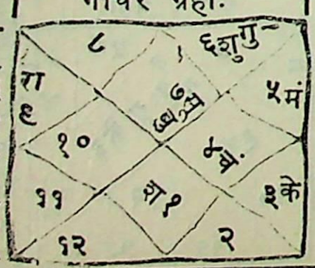

मार्गशीर्षकृष्णे ३० गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु.३० धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

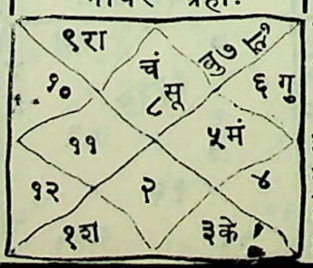

३२पं.मा.कृ.३०वृ.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	५	६	०	८	७
०	१८	२८	२३	०	१२	२२	०
३३	३८	३४	२४	१७	७	१४	२
२२	४९	२३	२२	२०	१२	५२	४४
६०	३४	०	१२	७३	१ ३४	३	६०
३०	२९	३७	१८	२	व.	११	४०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५० | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चंद्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणेऽर्हृगणः६४३५स.२०२८

१	शु	२३	५९	अ	३८	३८	अ	४६	२३	ब	२३	५९	२६	२९	१७	वृश्चिके	वृश्चिकेबुधः२६।१९
२	श	१९	२८	ज्ये	३६	४	सु	३९	५५	कौ	१९	२८	२७	३०	१८	ध.३६।४	चंद्रदर्शनम्
३	र	१६	५२	मू	३५	२०	धृ	३४	५६	ग	१६	५२	२५	४३	१७	२८	१ १९	धनुषि	भ.२६उ.अनु.रविः३३(सौरः४९)=
४	चं	१६	२	पू	३६	२४	शू	३१	१७	वि	१६	२	२२	४४	१६	२९	२ २०	म.५२।१३	भ.१६।२या.पातस्पर्शः५१।५
५	मं	१७	२५	उ	३९	४१	गं	२९	४३	बा	१७	२५	१९	४४	१६	३०	३ २१	मकरे	स्वात्यांशुक्रः४२।३१पातमोक्षः९।४०
६	बु	२०	३८	श्र	४४	३८	बृ	२९	१४	तै	२०	३८	१७	४५	१५	१	४ २२	मकरे	भा.मार्गशीर्षारंभःचंपा६
७	गु	२५	२६	ध	५१	७	ध्रु	३०	२	व	२५	२६	१४	४५	१५	२	५ २३	कुं.१७।५२	भ.२५।२६उ.५८।२५या.
८	शु	३१	२३	श	५८	४	व्या	३१	५०	ब	३१	२३	१२	४६	१४	३	६ २४	कुम्भे	[=अनु.बुधः३५रज्जव७
९	श	३७	४९	पू	६०	०	ह	३३	५८	बा	४	३६	९	४६	१४	४	७ २५	मी४८।५४	
१०	र	४४	१७	पू	५	५०	व	३६	२१	तै	११	३	७	४७	१३	५	८ २६	मीने	
११	चं	५०	२५	उ	१३	१४	सि	३८	२६	व	१७	२१	५	४७	१३	६	९ २७	मीने	भ.१७उ.५५या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	मं	५५	२६	रे	२०	६	व्य	३९	५१	ब	२३	२५	२	४८	१२	७	१० २८	मे.२०।६	ज्येष्ठा.बुधः७।४६
१३	बु	५९	१०	अ	२६	२	व	४०	३०	कौ	२७	१८	०	४८	१२	८	११ २९	मेषे	प्रदोषः [+दत्तजयंती
१४	गु	६०	०	भ	३०	३१	प	३९	५७	ग	३०	२५	२५	४८	१२	९	१२ ३०	वृ.४६।१८	[×शुक्रः२९उफा.भौमः७४
१५	शु	१	४०	कृ	३३	३९	शि	३८	२२	ब	१	४०	२६	४९	११	१०	१३ १	वृषे	भ.१४०उ.३२या.दिसंबर१२ता.३१+
१५	श	२	३७	रो	३५	३३	सि	३५	५०	ब	२	३७	५४	४९	११	११	१४ २	वृषे	ज्येष्ठा.रविः३४(सौरः५३)विशा.×

३३पं.मा.शु.७वृ.इ.३५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	५	६	०	८	७
७	२२	९	२४	८	११	२१	७
३७	१७	४०	४३	५७	३७	५२	८
२६	५६	२६	४१	२५	१२	३७	१७
६०	३३	९९	११	७३	५६	३	६०
४२	३२	४४	५०	१६	व	११	५३

गोचर ग्रहाः

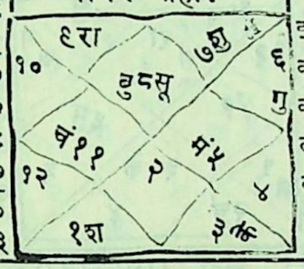

इस मास में शनिवार का चंद्रदर्शन तेजीकारक है चांदी सोना लोहा रुई रंग सूत वारदाना तेज हो।

गोचर ग्रहाः

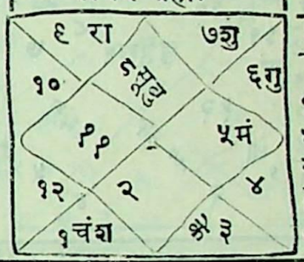

३४पं.मा.शु.१४वृ.इ.३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	५	६	०	८	७
१४	२५	२०	२५	१७	११	२१	१४
४२	५०	४०	५८	३८	१०	३०	१५
२९	१०	१९	५५	५३	४४	२१	३
६०	३२	९८	११	७३	३३	३	६१
५०	२२	२	११	२६	व	११	३

ति. | पौष कृष्णपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५० | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेतिमहा.

१	र	२	२०	मृ	३६	७	सा	३२	१२	कौ	२	२०	५३	४९	११	१२	१५	३	मि५।५०	
२	चं	०	४९	आ	३५	४१	शु	२७	४९	ग	०	४९	५१	५०	१०	१३	१६	४	मिथुने	भ.२९उ.५८या.चित्रा.२गुरुः४०÷
३	चं	५७	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷पातस्पर्शः३२पातमोक्षः५६
४	मं	५५	११	पु	३४	२७	शु	२३	९	ब	२६	४४	४९	५०	१०	१४	१७	५	क.१९।४६	चतुर्थी व्र.
५	बु	५१	२६	पु	३२	४१	ब्र	१७	४	कौ	२३	१८	४८	५०	१०	१५	१८	६	कर्के	मूलेधनुषिबुधः३५।४३
६	गु	४७	२१	श्ले	३०	१९	ऐं	१०	५०	ग	१९	२३	४६	५१	९	१६	१९	७	सिं३०।१९	भ.४७।२१उ.
७	शु	४२	५७	म	२७	४४	वै	२८	५३	वि	१५	९	४५	५१	९	१७	२०	८	सिंहे	भ.१५।९या.
८	श	३८	३	पू	२४	३६	प्री	५०	३९	बा	१०	३०	४४	५१	९	१८	२१	९	क.३८।४८	कन्यायांभौमः६।३६
९	र	३२	५०	उ	२१	८	आ	४३	१५	तै	५	२६	४३	५१	९	१९	२२	१०	कन्यायां	वृश्चिकेशुक्रः३२।१६
१०	चं	२७	१९	ह	१७	२१	सौ	३५	३९	व	०	४	४२	५२	८	२०	२३	११	तु.४५।२४	भ.०।४उ.२७।१९या.
११	मं	२१	४०	चि	१३	२७	शो	२७	५४	बा	२१	४०	४१	५२	८	२१	२४	१२	तुलायां	सफला११व्र.
१२	बु	१६	२	स्वा	९	३५	अ	२०	१४	तै	१६	२	४०	५२	८	२२	२५	१३	वृ.५१।५२	अनु.शुक्रः५८बुधोदयःपश्चि.३८ प्रदोषः
१३	गु	१०	४०	वि	५	५८	सु	१२	५३	व	१०	४०	३९	५२	८	२३	२६	१४	बृश्चिके	भ.१०।४०उ.३८।१८या.
१४	शु	५	५७	अ	२	४८	धृ	५२	५३	श	५	५७	३९	५२	८	२४	२७	१५	वृश्चिके	मूलेधनुष्यर्कः ३७।५८पूषा.बुधः८।३८
३०	श	२	४	ज्ये	०	५९	गं	५४	३२	ना	२	४	३८	५२	८	२५	२८	१६	धः०।२८	मूलेधनुष्यर्कःसौरः१।१३

३५पं.पौ.कृ.६वृ.इ. ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	५	६	०	८	७
२१	२९	१	२७	२६	१०	२१	२१
४८	११	३५	९	२२	४७	८	२२
३२	५३	२४	५४	१	५३	६	४४
६०	३१	९७	१०	७३	५३	३	६१
५६	२४	८	३२	३८	व.	११	११

गोचर ग्रहाः

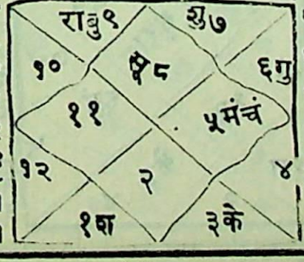

पौष कृष्णे १४ शुक्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.२न.३सुतार्थिन्यवस्था (सूती) मु.१५धान्यादिभावें महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

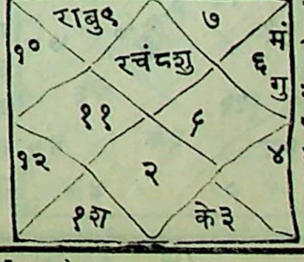

३६पं.पौ.कृ.१३वृ.इ. ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	५	७	०	८	७
२८	२	१२	२८	५	१०	२०	२८
५५	२४	२६	१६	६	२९	४५	२१
२६	०	१७	३४	२९	३१	५०	२७
६१	३०	९४	९	७३	१२	३	६१
०	४	१६	४६	४९	व	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६४६५स.२०२८
१	श	५७	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	५८	४६	पू	६०	०	बृ	५०	३७	बा	२९	१०	२५	६	५	२६	२९	१७	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	चं	५९	४७	पू	०	१६	ध्रु	४८	२	तै	२९	१६	३८	५२	८	७	२७	११	म.१५।५०	सावान ८
४	मं	६०	०	उ	२	३२	व्या	४६	३८	व	३१	७	२७	५३	७	२७	११	८	मकरे	भ.३१।७उ.
५	बु	२	२७	श्र	६	४१	ह	४६	३६	वि	२	२७	२६	५३	७	२९	३	२०	कुं.३९।२६	भ.२।२७या.
५	गु	६	४५	ध	१२	१५	व	४८	४	बा	६	४५	२६	५३	७	३०	४	२१	कुम्भे	
६	शु	१२	२०	श	१८	५०	सि	४९	४०	तै	१२	२०	२६	५३	७	१	५	२२	कुंभे	भा.पौषारंभः
७	श	१८	३६	पू	२६	११	व्य	५१	५५	व	१८	३६	२६	५३	७	२	६	२३	मी९।२१	भ.३९उ.५१या.ज्येष्ठा.शुक्रः५०।४०
८	र	२५	५	उ	३३	४३	व	५४	१२	ब	२५	५	२७	५३	७	३	७	२४	मीने	उषा.बुधः३।८
९	चं	३१	१८	रे	४१	२	प	५५	५९	कौ	३१	१८	२७	५३	७	४	८	२५	मे.४१।२	[+तुलायांगुरुः१।१८पुत्रदा११व्र.
१०	मं	३६	४६	अ	४७	२६	शि	५६	५५	तै	४	२	३७	५३	७	५	९	२६	मेषे	मकरेबुधः२५।२७
११	बु	४०	४०	भ	५२	१८	सि	५६	४६	व	८	४३	३८	५२	८	६	१०	२७	मेषे	भ.८।४३उ.४०।४०या.चित्रा.३+
१२	गु	४३	७	कृ	५५	४४	सा	५५	२६	ब	११	५३	३८	५२	८	७	११	२८	वृ.८।९	पूषा.रदिः४३पूषा.२राहुःआर्द्रा४केतुः५८
१३	शु	४३	४७	रो	५७	२६	शु	५२	४७	कौ	१३	२७	३९	५२	८	८	१२	२९	वृषे	पूषा.रविःसौरः२।५१प्रदोषः
१४	श	४२	३८	मृ	५७	२३	शु	४८	३७	ग	१३	१२	४०	५२	८	९	१३	३०	मि२७।२५	भ.४२।३८उ.
१५	र	४०	१	आ	५५	५६	ब्र	४३	२८	वि	११	१९	४१	५२	८	१०	१४	३१	मिथुने	भ.९१या.मा.स्ना.प्रा चंद्रग्रहणम्

३७पं.पौ.शु.५वृ.इ. ३४/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	५	७	०	८	८
६	५	२३	२९	१३	१०	२०	५
३	२५	२	१७	५२	१५	२३	४०
०	५२	१०	३८	१२	२९	३४	५२
६१	२८	८७	८	७३	३५	३	६१
४	१९	४९	५९	५०	व	११	२२

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ रविवार अशुभ हैं धान्य गेहूं जो चना मटर आदि तेज होवे प्रजा में बिमारी फैले शीत प्रकोप हो।

गोचर ग्राहः

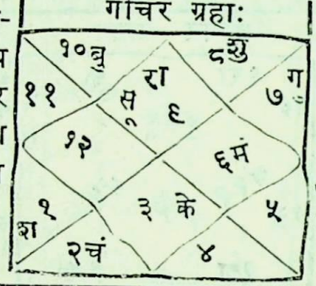

३८पं.पौ.शु.१२वृ.इ. ३४/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	६	७	०	८	८
१३	८	२	०	२२	१०	२०	१२
१०	१५	३५	१२	३७	६	१	५०
५९	४०	२०	२९	५२	५८	१९	४४
६१	२६	७२	८	७३	४८	३	६१
६	२६	२५	४	५६	व.	११	२६

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेतिमहा.
१	चं	३६	१०	पु	५३	४२	ऐं	३८	३१	बा	८	५	२५	५	८	११	१५	१	क.३९।१०	जनवरी१ता.३१सन्२०२९
२	मं	३१	२६	पु	५०	१३	वै	३२	२३	तै	३	४८	४३	५१	९	१२	१६	२	कर्के	भ.५८।४०उ.हस्तेभौमः२।३५
३	बु	२५	५४	श्ले	४६	२५	वि	२२	५२	वि	२५	५४	४४	५१	९	१३	१७	३	सिं४६।२५	भ.२५या.मूलेधनुषिशुक्रः२५चतुर्थीव्र.
४	गु	२०	१९	म	४२	२५	प्री	१५	२०	बा	२०	१९	४५	५१	९	१४	१८	४	सिंहे	
५	शु	१४	४३	पू	३८	३७	आ	७	३५	तै	१४	४३	४७	५१	९	१५	१९	५	कं.५२।४३	मार्गीशनिः२८।३१
६	श	९	२०	उ	३५	१	सौ	७	५२	व	९	२०	४८	५०	१०	१६	२०	६	कन्यायां	भ.९।२०उ.३६।४१या.
७	र	४	२	ह	३१	३३	अ	४५	३१	ब	४	२	५०	५०	१०	१७	२१	७	कन्यायां	वक्रीबुधः२।३५
८	र	५५	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	चं	५५	२	चि	२८	२७	सु	३८	३०	तै	२७	५	५२	५०	१०	१८	२२	८	तु.०।१	[÷०।२षट्तिला११व्र.
१०	मं	५०	१७	स्वा	२५	४८	धृ	३२	५	व	२२	३९	५३	४९	११	१९	२३	९	तुलायां	भ.२२।३९उ.५०।१७या.
११	बु	४६	३८	वि	२३	२८	शू	२५	४४	ब	१८	२७	५५	४९	११	२०	२४	१०	वृ.९।३	उषा.रविः४५।४७बुधास्तःपश्चिमायां ÷
१२	गु	४३	२८	अ	२१	४३	गं	१९	५६	कौ	१५	३	५७	४९	११	२१	२५	११	वृश्चिके	उषा.रविःसौरः४।१८
१३	शु	४१	१३	ज्ये	२०	४६	बृ	१४	५३	ग	१२	२०	५९	४८	१२	२२	२६	१२	ध.२०।४६	भ.४१।१३उ.प्रदोषः
१४	श	४०	५	मू	२०	५०	ध्रु	१०	२८	वि	१०	३९	२६	४८	१२	२३	२७	१३	धनुषि	भ.१०।३९या.पूषा.शुक्रः१७।५०
३०	र	३९	५५	पू	२२	२	व्या	७	५	च	१०	०	४	४७	१३	२४	२८	१४	म.३७।३८	मकरेऽर्कुः४।११ (सौरः१९।४५)

३९पं.मा.कृ.४वृ.इ. ३४/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	६	८	०	८	८
२०	१०	८	१	१	१०	१९	२०
१९	५१	४५	०	२५	३	३९	००
५	४	२६	२६	१	४३	३	४१
६१	२४	३१	६	७४	०	३	६१
६	१३	२१	५०	२	व	११	२६

गोचर ग्राहः

माघ कृष्णे ३० रवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न. ३ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्राहः

४०पं.मा.कृ.१२वृ.इ. ३४/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	६	८	०	८	८
२७	१३	७	१	१०	१०	१९	२७
२७	८	२१	४१	११	५	१६	१०
७	१०	०	३८	२५	५६	४८	३३
६१	२१	५४	५	७४	४८	३	६१
६	३०	व.	५५	१४	मा	११	२४

=मंराचंशु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६४९४स.२०२१
१	चं	४१	१६	उ	२४	२७	ह	४	३२	कि	१०	३५	२६	४७	५३	२५	२९	१५	मकरे	[×(सौरः ५/६) उषा.शुक्रः ४२।१५
२	मं	४४	९	श्र	२८	५	व	३	२९	बा	१२	४२		८	४६	१४	२६	३०	१६	मकरे	चंद्रदर्शनम्
३	बु	४८	१३	ध	३३	११	सि	२	५३	तै	१६	११	११	४६	१४	२७	१	१७	कुं.०।३८	रमजान९
४	गु	५३	३८	श	३९	३४	व्य	३	३८	व	२०	५५	१३	४५	१५	२८	२	१८	कुम्भे	भ.२५ उ.५३ या.वक्रीधनुषिबुधः ३/३
५	शु	५९	४६	पू	४६	४०	व	४	५५	ब	२६	४२	१६	४५	१५	२९	३	१९	मी २९।५४	वसंत५
६	श	६०	०	उ	५४	१९	प	७	१४	कौ	३३	१	१९	४४	१६	३०	४	२०	मीने	अभि.प्र.रविः ३८ (सौरः ५/६) वक्रीपूषा.+
६	र	६	१६	रे	६०	०	शि	९	३२	तै	६	१६	२१	४४	१६	१	५	२१	मीने	बुधोदयःपूर्वस्यां ४०।३४भा.माघारंभः
७	चं	१२	४४	रे	१	५२	सि	११	४१	व	१२	४४	२४	४३	१७	२	६	२२	मे १।५२	भ.१/४ उ.३/९ या.भानु७रथ७
८	मं	१८	३४	अ	८	५४	सा	१३	२२	ब	१८	३४	२७	४३	१७	३	७	२३	मेषे	श्रवणेरविः ५/४ पातस्पर्शः १/३ पातमोक्षः =
९	बु	२३	४	भ	१४	३९	शु	१४	१	कौ	२३	४	२९	४२	१८	४	८	२४	वृ.३०।४५	श्रवणेरविःसौरः ९ अभि.नि.रविः ४/२९ ×
१०	गु	२६	८	कृ	१९	२	शु	१३	३१	ग	२६	८	३२	४२	१८	५	९	२५	वृषे	भ.५६।४०उ. [+बुधः २१।१५
११	शु	२७	११	रो	२१	३०	ब्र	११	३०	वि	२७	११	३५	४१	१९	६	१०	२६	मि ५१।५३	भ.२७।११या.जया ११व्र.[=३/१० भीष्मा.
१२	श	२६	१५	मृ	२२	१६	ए	८	१	बा	२६	१५	३८	४०	२०	७	११	२७	मिथुने	मकरे शुक्रः २३।४२प्रदोषः
१३	र	२३	२५	आ	२०	५६	वै	३०	२/३	तै	२३	२५	४१	४०	२०	८	१२	२८	मिथुने	मार्गी बुध ५३।२७
१४	चं	१८	४६	पु	१८	५२	प्री	४८	५३	व	१८	४६	४५	३९	२१	९	१३	२९	क.४।२३	भ.१८।४६उ.४५।४६या.
१५	मं	१२	४७	पु	१३	३५	आ	४०	३८	ब	१२	४७	४८	३८	२२	१०	१४	३०	कर्के	मा.स्ना.पूर्तिः

४१पं.मा.शु.४वृ.इ.३४।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	६	८	०	८	९
४	१५	२९	२	१८	१०	१८	४
३४	५	१५	१५	५७	१३	५४	२०
५९	५३	४७	११	३२	५२	३२	२
६१	१८	८/९	४	७४	१	३	६१
३	१६	व.	४२	२०	२८	११	१९

गोचर ग्रहाः

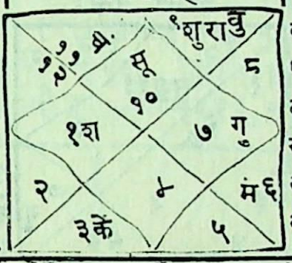

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथिक्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि बदि में धातु धान्य गल्ला रस में मंदी कर सुदि में तेजी करें।

गोचर ग्रहाः

४२पं.मा.शु.१०वृ.इ.३४/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	६	८	०	८	९
११	१६	२३	२	२७	१०	१८	११
४२	४०	२९	३९	४४	२६	३२	२८
२९	३४	५३	४३	१०	३१	१६	५३
६०	२४	२/३	३	७४	२	३	६१
५९	२६	व	२९	२०	९	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	बु	५	४९	श्ले	८	१३	सौ	३१	२०	कौ	५	४९	५/९	३८	२३	११	१५	३१	सिं ८।१३	
२	बु	५२	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	गु	५०	५०	म	३०	२/५४	शो	२२	२	व	२४	३७	५४	३७	२३	१२	१६	१	सिंहे	भ.३४ उ.५० या.फर्वरी२ता.२८
४	शु	४३	३५	उ	५१	३४	अ	१३	५	ब	१७	७	५८	३६	२४	१३	१७	२	कं.१०।३३	चतुर्थी व्र.
५	श	३६	५५	ह	४६	४६	सु	४/७	२/५३	कौ	१०	१५	२/७	३६	२४	१४	१८	३	कन्यायां	[÷शुक्रः २/५० पातस्पर्शः ३/५ पातमोक्षः ४/३०
६	र	३०	५७	चि	४२	४६	शु	४८	२१	ग	३	५६	५	३५	२५	१५	१९	४	तु.१४।४६	भ.३/७ उ.५/८ या.उषा.बुधः ३/५ श्रवणे ÷
७	चं	२५	५९	स्वा	३९	४०	गं	४१	४०	ब	२५	५९	८	३४	२६	१६	२०	५	तुलायां	[=महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
८	मं	२१	४८	वि	३७	४०	बृ	३५	३६	कौ	२१	४८	१२	३४	२६	१७	२१	६	वृ.२३।१०	धनि.रविः १।३२ (सौरः १२।५२)
९	बु	१८	५०	अ	३६	३७	ध्रु	३०	२३	ग	१८	५०	१५	३३	२७	१८	२२	७	वृश्चिके	भ.४७।४४उ.
१०	गु	१६	३८	ज्ये	३६	३६	व्या	२६	३	वि	१६	३८	१९	३२	२८	१९	२३	८	ध.३६।३६	भ.१६।३८या.मकरेबुधः २४।१६
११	शु	१५	३४	मू	३७	२३	ह	२२	२७	बा	१५	३४	२३	३१	२९	२०	२४	९	धनुषि	विजया ११व्र.
१२	श	१५	३८	पू	३९	३७	व	१९	५६	तै	१५	३८	२७	३१	२९	२१	२५	१०	म.५५।२४	प्रदोषः
१३	र	१६	४६	उ	४२	४७	सि	१८	२	व	१६	४६	३०	३०	३०	२२	२६	११	मकरे	भ.१/४ उ.४/५ या.शुक्रास्तःपूर्वस्यां ३९° =
१४	चं	१९	५	श्र	४६	५९	व्य	१७	२८	श	१९	५	३४	२९	३१	२३	२७	१२	मकरे	कुंभेऽर्कः ३/४८ (सौरः ५/६०) वक्रीभौमः +
३०	मं	२२	२६	ध	५२	१०	व	१७	१६	ना	२२	२६	३८	२८	३२	२४	२८	१३	कुं.१९।३५	[+वक्रीगुरुः १/५६ महाशिवरात्रीव्र.वै.

४३पं फा.कृ.३वृ.इ. ३४/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	६	९	०	८	९
१८	१७	२४	२	६	१०	१८	१८
४९	४७	३८	५५	३०	४४	१०	३७
१	४९	५३	१२	४७	४९	१	०
६०	९	२६	१	७४	२	३	६१
५५	३१	२२	५९	२९	५०	११	४

गोचर ग्रहाः

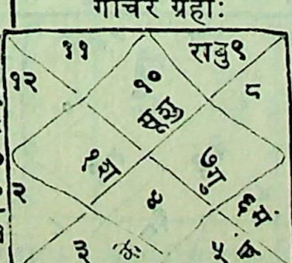

फाल्गुन कृष्णे १४ चंद्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.२न.३ अतिवन्ध्या-वस्था (सूती) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

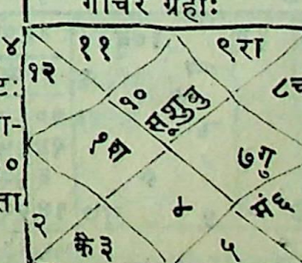

४४पं.फा.कृ.१०वृ.इ. ३४/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	६	९	०	८	९
२५	१८	०	३	१५	११	१७	२५
५४	२६	१०	२	१७	७	४७	४३
५०	१३	४४	५६	२	५२	४५	४७
६०	३	५३	०	७४	३	३	६०
४७	३९	५६	४५	२९	३२	११	५५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६५२४स.२०२९
१	बु २६ ५८ श ५८ ३२ प १८ ६ ब २६ ५८	२७	६	५	२५	२९	१४	कुंभे	धनि.शुक्रः५९/६चंद्रदर्शनम्
२	गु ३२ २२ पू ६० ० शि १९ २९ कौ ३२ २२	४५	२७	३३	२६	१	१५	मी४८।४८	सव्वाल१०फुलरिया२
३	शु ३८ ३० पू ५ ३४ सि २१ २५ तै ५ २६	४९	२६	३४	२७	२	१६	मीने	
४	श ४४ ५८ उ १३ १ सा २३ ३४ व ११ ४४	५३	२५	३५	२८	३	१७	मीने	भ.११/४उ.५/८या.श्रवणेबुधः१/२५
५	र ५१ ३७ रे २० ४१ शु २५ ५४ ब १८ १७	५६	२५	३५	२९	४	१८	मे.२०।४१	
६	चं ५७ ४६ अ २८ १६ शु २८ १९ कौ २४ ४१	२८/००	२४	३६	३०	५	१९	मेषे	शतेरविः१३।१(सौरः२३)
७	मं ६० ० भ ३४ ५५ ब्र २९ ५२ ग ३० १४	४	२३	३७	१	६	२०	बृ.५१।१८	कुंभेशुक्रः१९।२१भा.फाल्गुनारंभः
७	बु २ ४३ कृ ४० २५ ऐं ३० २३ व २ ४३	८	२२	३८	२	७	२१	वृषे	भ.२।४३उ.३४।४२या.
८	गु ६ ४२ रो ४४ १६ वै २९ ३८ ब ६ ४२	१२	२२	३८	३	८	२२	वृषे	होलाष्टकम्
९	शु ८ ४५ मृ ४६ २३ वि २७ २५ कौ ८ ४५	१६	२१	३९	४	९	२३	मि१५।२८	
१०	श ८ ५२ आ ४६ २२ प्री २३ ४४ ग ८ ५२	२०	२०	४०	५	१०	२४	मिथुने	भ.३७।५०उ.
११	र ६ ४८ पु ४४ २९ आ १८ १७ वि ६ ४८	२४	१९	४१	६	११	२५	क.२९।५७	भ,४६/९या.शतेशुक्रः४/९आमलकी११व्र.
१२	चं २ ४३ पु ४० ३१ सौ ११ १४ बा २ ४३	२८	१८	४२	७	१२	२६	कर्के	धनि.बुधः५६।२४प्रदोषः
१३	चं ५४ ७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०		
१४	मं ४९ १९ श्ले ३५ ७ शो ५०/२ ५०/३३ ग २३ ४	३२	१८	४२	८	१३	२७	सिं. ३/५	भ.४९।१९उ.
१५	बु ४० ४९ म २८ ३४ सु ४३ १६ वि १५ ४	३६	१७	४३	९	१४	२८	सिहे	भ.१५।४या.होलिकादहनम्

४५पं.फा.शु.२वृ इ.३४।३५.

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	६	९	०	८	१०
२	१८	८	३	२४	११	१७	२
५९	३४	०	०	३	३५	२५	४९
४२	४८	५४	५८	११	५६	३०	५०
६०	३०/२	७१	४०/०	७४	४	३	६०
३७	व	३५	व. २६	१३	११	४२	

गोचर ग्रहाः

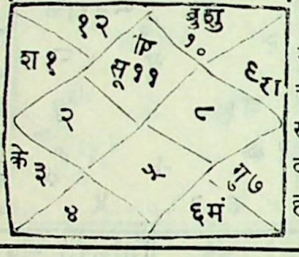

इस मास में बाजरा मूंगमोठ ज्वारगुंवार चना तेज हो चांदी सोना रुई सण वार-दाना तिलहन मंदे होवे ।

गोचर ग्रहाः

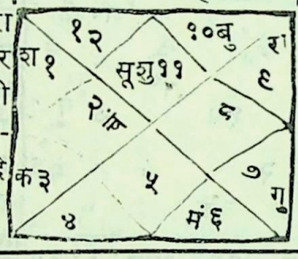

४६ पं.फा.शु.८वृ.इ.३/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	६	१०	०	८	१०
१०	१८	१७	२	२	१२	१७	९
३	९	१४	५१	४८	८	३	५४
१४	५०	२८	०	१८	६	१४	२३
६०	१०/८	८४	२	७४	४	३	६०
२५	व. १६	१०	३२	४७	११	३	

ति.	प्र. चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	गु ३१ ४७ पू २१ २६ धृ ३२ ४४ बा ६ १८	२८/४०	१६	४४	१०	१५	१	क.३४।३८	पूषा.१राहुःआर्द्रा.३केतुः५/३मार्च३ता.D
२	शु ३२ ४५ उ १४ १४ शू २२ १७ ग २२ ४५	४४	१५	४५	११	१६	२	कन्यायां	भ.४८।२१उ. [D३१वसंत१छारेंडी
३	श १३ ५८ ह ७ २५ गं १२ २० वि १३ ५८	४८	१४	४६	१२	१७	३	तु.३४।२४	भ.५/८या.कुंभेबुधः९।२९चतुर्थीव्र.
४	र ५३/४ ५७/१० चि २३/२ ५४/५७ बृ ५९/५५ बा ५ ५७	५२	१४	४६	१३	१८	४	तुलायां	पूभा.रविः२९।५(सौरः३६।५९)
६	चं ५३ ४४ वि ५२ ४१ व्या ४७ २९ ग २६ २५	५६	१३	४७	१४	१९	५	वृ.२८।३४	भ.५३।४४उ.
७	मं ४९ ५५ अ ५१ १ ह ४१ ४१ वि २१ ४९	२९/१	१२	४८	१५	२०	६	वृश्चिके	भ.२१।४९या.
८	बु ४७ २८ ज्ये ५० ३५ व ३६ ५५ बा १८ ४१	५	११	४९	१६	२१	७	ध.५०।३५	शतेबुधः३/५०भरणी१शनिः५/५शीतलापूज.
९	गु ४६ ४० मू ५१ २० सिं ३३ २६ तै १७ ४	९	१०	५०	१७	२२	८	धनुषि	पूभा.शुक्रः२०।५८
१०	शु ४७ १६ पू ५३ ५७ ध्य ३१ ४ व १६ ५८	१३	९	५१	१८	२३	९	धनुषि	भ.१६।५८उ.४७।१६या.
११	श ४९ ५ उ ५७ ३४ व २९ ५२ ब १८ १०	१७	९	५१	१९	२४	१०	म.९।५०	पापमोचनी११व्र.
१२	र ५२ २० श्र ६० ० प २९ ५२ कौ २० ४२	२१	८	५२	२०	२५	११	मकरे	बुधास्तःपूर्वस्यां४९।१
१३	चं ५६ ३४ श्र २ ३७ शि २९ ५९ ग २४ २७	२६	७	५३	२१	२६	१२	कुं.३५।३२	भ.५६।३४उ.प्रदोषः
१४	मं ६० ० ध ८ २८ सि ३१ १० वि २९ ७	३०	६	५४	२२	२७	१३	कुंभे	भ.२९।७या.
१४	बु १ ४० श १५ १३ सा ३२ ५६ श १ ४०	३४	५	५५	२३	२८	१४	कुम्भे	मीनेऽर्कः२९।५६(सौरः३७।२०)
३०	गु ७ २० पू २१ ४१ शु ३४ ४७ ना ७ २०	३८	४	५६	२४	२९	१५	मी५।४	पूभा.बुधः५।४८मन्वादिः

४७पं.चै.कृ.१वृ.इ.३५।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	६	१०	०	८	१०
१७	१७	२७	२	११	१२	१६	१६
५	१२	३०	२८	३३	४४	४०	५७
२८	०	५३	५२	४०	१३	५८	१८
६०	१८/१२	९४	३/४	७४	५	३	६०
१२	व. ५०	व	३२	१०	११	२०	

४८पं.चै.कृ ९वृ.इ.३५।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	६	१०	०	८	१०
२४	१५	८	१	२०	१३	१६	२३
६	४२	४५	५९	१८	२३	१८	५८
१४	२९	२५	५६	०	५३	४३	४१
५९	२५/९	७/४०	४/०	७४	५	३	६०
५८	व	३७	व	३२	३८	११	६

४९पं.चै.कृ.३०वृ इ.३/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	१०	६	१०	०	८	११
१	१३	२०	१	२९	१४	१५	०
५	४९	५५	२३	१	७	५६	५८
३१	१२	४४	४२	५२	८	२७	२३
५९	३१/२१	९९/१९	५२/५	७४	६	३	५९
४१	व	३२	व	३८	२	११	४९

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम्।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३०, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१३०, भोग्यकलिः ४२६८७०, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०८६, शाकः १९५१, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः। मंत्री शुक्रः। सस्येशश्चंद्रः। धान्येशः शनिः। मेघेशः शुक्रः। रसेशो बुधः। नीरसेशश्चंद्रः। फलेशो गुरुः। धनेशोः रविः। दुर्गेशो गुरुः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां १७रुधिरोद्गारीनाम संवत्सरःप्रवर्तते। तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः २।५।३४।५।४८ भोग्यमासादिः ९।२४।२५।५४।१२ भगदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम चैत्रः।मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासः संधौ। समयनिवासोः वैश्य गृहे। समय विश्वा २० समयवाहनम् दर्दुरः। स्तंभः१ अन्नस्य। सोमवत्यमा १ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी × भानुसप्तमी १रविदशमी२ समय मुहूर्ताः ४३५ समयदिनानि ३८३ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा १२६, वर्षाविश्वा ७, धान्यम् ९, तृणम् ११, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१११, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिपूर्वं। ग्रहण २ चंद्रमसः।

संवत्२०८६ज्ये.शु.१४ चंद्रवासरे अर्द्धरात्रि पश्चिम पश्चाद् प्रदेशे ग्रस्तास्तं चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	७	८	८	९	१०
मि.	३	३	५३	४३	४४

भारत में यह ग्रहण नहीं होगा

सं.२०८६ मार्ग. शुक्ला १५ गुरौ खग्रास चंद्र ग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
घ.	२	३	४	४	६
मि.	२५	४३	१३	४३	१३

वर्ष लग्नम् ०।२९

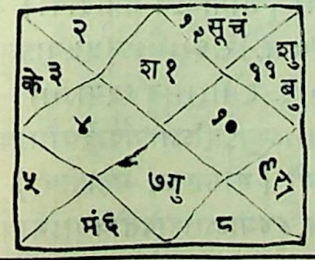

भैरव भवानी सम्वाद

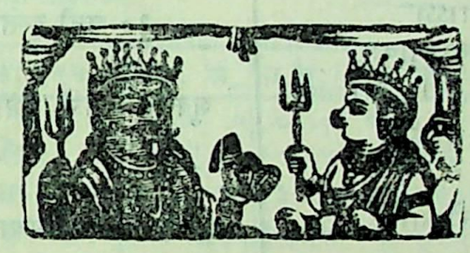

भैरव प्रश्न

नम् भाव भैरव खड़ा चरण नवाये शीश।
छियासी का फल कहो मुख से विश्वा बीस।।

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे छियासी का सार।
सौम्यग्रहां इस वर्ष में लिये आठ अधिकार।।
कविराजा इण वर्ष में राखे जग का मान।
वर्षा मध्यम होयसी घणा नीपजे धान।।
वर्षा ऋतु आरंभ में गुरु मंगल का योग।
पवन चक्र जग में चलें बढै जगत में रोग।।
पण भैरव भय मतकरे संवत् विश्वाबीस।
स्तंभ एक है अन्न का भली करे जगदीश।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	८	१४	११	११	५	११

रा.	तु.	बृ.	घ.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ९।२९

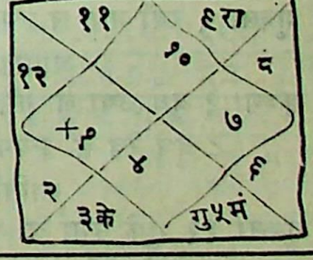

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१४।५२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) +शुबुसूचंश

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः फलम् ।। शुक्रस्य राज्ये बहुसस्य संकुलां स्वतीव्रवेगाः सरितोम्बु राशिभिः । फलन्ति वृक्षा बहु गोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ।। मंत्री शुक्रः फलम ।। भृगुसुते ननु मंत्रि पदं गते शलभ मूषकरावथमाहिषैः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ।। सस्येशः चंद्रः फलम् ।। सस्याधिपे शीतकरे प्रजा सुखं मेघाः पयो मुंचति गोपयोधुक् । देवद्विजाराधन तत्परा नृपाः धरा भवेद्धान्य धनौघ पूर्णा ।। धान्येशः शनिः फलम् ।। निर्धना क्षितिभुजो रणादराः सस्यमल्प मतिः रोगिणो नराः । नैव वर्षति जलं सुरेश्वरः स्यद्यद्रादा कणपतिः शनैश्चरः ।। मेघेशः शुक्रः फलम् ।। भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलमुचो जलदा दिवि शोभनाः । धन निधान युता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो बुधः फलम् ।। रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभ धान्य घृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहु जलाखिलदेश सुरक्षिता ।। नीरसेशश्चंद्रःफलम् ।। शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ।। फलेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गत भया वनराशि महाद्रुमाः यजन याजनकोत्सव मन्दिराः श्रुति विचार परा द्विज पूर्वकाः ।। धनेशो रविः फलम् ।। द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहु द्रव्य समागमः । गज तुरंगम मेष खरोष्ट्रतो धन चयं लभते क्रय विक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरौ गढ़पे नय शोभिता नरवरा नरपाः कर पालिताः । गिरिषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शास्त्रवतो निशम् ।। रुधिरोद्गारीनाम संवत्सरः फलम् ।। आहवे निहिता सर्वे भूपा रोगैस्तथा जनाः । यथा कथंचिज्जीवन्ति रुधिरोद्गारिवत्सरे ।। वर्षनाम चैत्रः फलम् ।। चैत्राब्दे भभुजः स्वच्छाः स्त्रीषु चाल्प प्रजाभवेत् । अल्प वृष्टिः स्वल्प धान्यं प्रजानां व्याधितो भयम् ।। मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्ते जल पूरिता ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खंड वृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे ।। वणिक् गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

द्वि. चैत्र मासः

शुक्ला ६ चन्द्रे मघा ल. गो. रे. ७ ।ऽ।।।।ऽऽ।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १३ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो १० रे. ६ ।।।।।ऽ।।।

,, १५ शनौ स्वात्यां ल. १० रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा ४ भौमे मूले ल. १० रे. ७ ऽ।।।ऽरो।ऽ।।

,, ११ बुधे उभा ल. १० रे. ६ ऽऽ।ऽ।ऽ।।

शुक्ला २ भौमे मृगे ल. ऽन्यगो १० रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।

,, ८ चन्द्रे मघा ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।।ऽचौ।ऽ।।

,, १० बुधे हस्ते ल. गो. १० रे. ८ ।।।।।ऽरोऽ।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ गुरौ उभा ल. गो. रे. ७ ।।।ऽशु।।।ऽऽ।

पादाद्वेधाऽभावः गणितेन क्रांति साम्याऽभावश्च

,, ९ भौमे उभा ल. ऽन्यगो रे.६ ।।।ऽबृऽऽअ३९या।ऽ।।

पादतो वेधाऽभावः

शुक्ला ५ रवौ मघा ल.ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे.८ ।ऽ।।।ऽअ।।।।

आषाढ मासः

कृष्णा १ बुधे उषा ल. गो. रे. ६ ।।।ऽबु।।नृ३८उ।।।।

,, ८ बुधे रेव ल. ऽन्यगो रे. ६ ऽ।।।ऽ।ऽऽ।।

कार्तिक मासः

शुक्ला ११ शुक्रे उभा ल. ६ रे. ६ ।ऽ।।।।।।।।

,, १५ बुधे रोहि ल. ५-६ रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ९ शुक्र उफा ल. ऽन्यगो ५ (गोधूल्यां भौमाष्टम महादोषः) रे. ८ ।।।।।।।ऽ।ऽ दग्धा

,, १० शनौ हस्ते ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) ल. ५ रे. ६ ऽ।।।।ऽचौऽऽ।।

शुक्ला ८ गरौ उभा ल. गो. रे. १० ।।।।।।।।।। (व्य.घ.२७-६उ.)

माघ मासः

कृष्णा २ चन्द्रे मघा ल. ६-६ रे. ६ ।।।।ऽ।।।।।

,, ४ बुधे उफा ल. ६-६ रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।

,, १२ बुधे मूले ल. ६ रे. ६ ।।।।ऽ।ऽऽ।ऽ दग्धा

शुक्ला ४ बुधे उभा ल.६-६(घ.३७-१६उ)रे.६ऽ।।।।।।।।।

,, १४ रवौ मघा ल.६ रे.६ ।।।ऽबुऽ।ऽऽ।।पादाद्वेधाऽभावः

,, १५चंद्रे मघा ल.६रे.६।।।ऽबुऽ।ऽऽ।। पादतोवेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा १ भौमे उफा ल. ६ रे. ८ ।।।।ऽऽचौ४८या।।।।

,, २बुधेउफाल.गो.(भौमाष्टममहादोषः)रे.६।।।।ऽ।।।।।

,, ६ भौमे मूले ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) वा.ल.१०(घ.५४-४८या.)रे.६।।।।ऽऽनृ५५याऽऽ।।

शुक्ला २ बुधे रेव ल. ६-१० रे. ६ ।।।।।।नृ४५याऽ।।।

,, ६रवौरोहि.ल.१०रे.६।।।ऽशु।ऽचौऽऽ।।पादाद्वेधाभावः

,, ७ चन्द्रे रोहि ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) रे.६ ।।।ऽशु।ऽचौघ.४४याऽऽ।।पादतोवेधाऽभावः

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिथि | प्र. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे ६५५४स.२०२९

१	शु	१३	२३	उ	२९	३५	शु	३७	१५	ब	१३	२३	२९ ४३	६ ५७	२५	३०	१६	मीने	मीनेशुक्रः २२।३१ चंद्रदर्शनम्
२	श	१९	४३	रे	३७	१०	ब्र	३९	३८	कौ	१९	४३	४७	३ ५७	२६	१	१७	मे. ३७।१०	उभा. रविः ५१ (सौरः ५६) जिल्काद ११
३	र	२६	१७	अ	४४	२९	ऐं	४१	४२	ग	२६	१७	५१	२ ५८	२७	२	१८	मेषे	भ. ५९।२० उ.
४	चं	३२	२२	भ	५१	४३	वै	४३	३७	वि	३२	२२	५५	१ ५९	२८	३	१९	मेषे	भ. ३२।२२ या. उभा. शुक्रः ३।६
५	मं	३७	३३	कृ	५७	५६	वि	४५	१	ब	४	५७	३०० ०	६ ०	२९	४	२०	वृ. ८।१६	मीने बुधः ३२।२३
६	बु	४२	१	रो	६०	०	प्री	४५	२५	कौ	९	४७	४	५९	१	३०	५	२१	वृषे
७	गु	४४	४८	रा	२	५९	आ	४४	३२	ग	१३	२४	८	५८	२	१	६	२२	मि ३४।४४	भ. ४४ उ. उभा. बुधः ५६ भा. चैत्रारंभः
८	शु	४५	४	मृ	६	२८	सौ	४२	१६	वि	१४	५६	१२	५८	२	२	७	२३	मिथुने	भ. १४।५६ या.
९	श	४५	२८	आ	८	१९	शो	३८	३१	बा	१५	१६	१६	५७	३	३	८	२४	क. ५३।११	
१०	र	४२	४०	पु	८	८	अ	३३	११	तै	१४	४	२१	५६	४	४	९	२५	कर्के	
११	चं	३८	१०	पु	५	७	सु	२६	१३	व	१०	२५	२५	५५	५	५	१०	२६	कर्के	भ. २५ उ. ३६ या. कमला ११ व्र.
१२	मं	३१	३१	श्ले	२	५ ५४	धृ	१७	५९	ब	४	५०	२९	५४	६	६	११	२७	सिं २।१	
१३	बु	२३	३१	पू	४९	३३	शू	२५	८ ४९ ३२	तै	२३	३१	३३	५३	७	७	१२	२८	सिंहे	रेवत्यांबुधः ५४ वक्री चित्रा २ कन्यायां ×
१४	गु	१४	१९	उ	४१	५०	बृ	४७	३	व	१४	१९	२७	५३	७	८	१३	२९	क. २।३७	भ. १४ उ. ३९ या. रेवत्यांशुक्र. ४६।३६
१५	शु	४	२८	ह	३३	५०	ध्रु	३५	५६	ब	४	२८	४१	५२	८	९	१४	३०	कन्यायां	[×गुरुः ३८।५४

५०पं.प्र.चै.शु.७वृ.इ. ३६/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	६	११	०	८	११
८	११	४	०	७	१४	१५	७
३	३५	३	४०	४५	५२	३४	५६
१८	५६	५४	४१	०	३४	१२	१८
५९	३३	५८	४२	७४	६	३	५९
२९	व	५५	व	३८	२३	११	३५

गोचर ग्रहाः

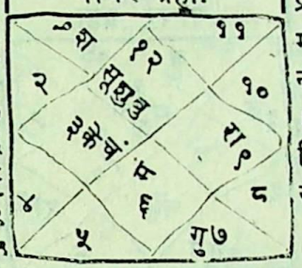

प्र.चैत्र कृष्ण १४ बुधे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ अतिवन्ध्यावस्था (सूती)) मु. ४५ घान्या दिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

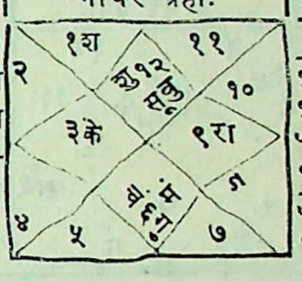

५१पं.प्र.चै.शु.१४वृ.इ. ३६/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	५	११	०	८	११
१४	९	१८	२९	१६	१५	१५	१४
५९	१०	६	५२	२७	३९	११	५२
१०	४८	४०	५२	२५	५८	५६	२९
५९	३३	५८	२६	७४	६	३	५९
१६	व	५२	व	३८	३८	११	१८

तिथि | द्वि चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे प्र. चैत्र कृष्णेति महा.

१	शु	५०	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	४५	२	चि	२६	१३	व्या	२५	७	ते	१९	४७	३० ४५	५१	९	१०	१५	३१	तु. ०।२	रेवत्यां रविः ३५ (सौरः २५।२३)
३	र	३६	१४	स्वा	१९	१६	ह	१५	१	व	१०	३८	४९	५०	१०	११	१६	१	वृ. ५९।५७	भ. ३८ उ. ३६ या. अप्रेल ४ ता. ३० चतुर्थीव्र.
४	चं	२८	४६	वि	१३	३१	व	६ ५३	१ २३	ब	२	३०	५३	४९	११	१२	१७	२	वृश्चिके	
५	मं	२३	९	अ	९	३२	व्य	५२	८	त	२३	९	५७	४९	११	१३	१८	३	वृश्चिके	
६	बु	१९	१९	ज्ये	७	२७	व	४७	३१	व	१९	१९	३१	४८	१२	१४	१९	४	ध. ७।२७	भ. १९ उ. ४९ या. अश्वि. मेषे बुधः २०।५१
७	गु	१७	१७	मू	७	७	प	४४	२२	ब	१७	१७	५	४७	१३	१५	२०	५	धनुषि	
८	शु	१७	३४	पू	८	४९	शि	४२	५१	कौ	१७	३४	१०	४६	१४	१६	२१	६	म. २४।३७	
९	श	१९	१६	उ	१२	४	सि	४२	३४	ग	१९	१६	१४	४५	१५	१७	२२	७	मकरे	भ. ५९ उ. भरणी २ शनिः ३१ बुधोदयः ÷
१०	र	२२	३१	श्र	१६	५८	सा	४३	२२	वि	२२	३१	१८	४४	१६	१८	२३	८	कुं. ५०।०	भ. २२।३१ या. [÷पश्चिमायां ५९।७
११	चं	२७	१०	ध	२३	३	शु	४४	१९	बा	२७	१०	२२	४४	१६	१९	२४	९	कुम्भे	अश्वि. मेषे शुक्रः ३०।१८ कमला ११ व्र.
१२	मं	३२	३८	श	२९	५८	शु	४६	४६	तै	३२	३८	२६	४३	१७	२०	२५	१०	कुंभे	[A उफा. भौमः ७।२६
१३	बु	३८	५१	पू	३७	१५	ब्र	४८	४६	ग	५	२४	३०	४२	१८	२१	२६	११	मी २०।२६	भ. ३८।५१ उ. भरन्यां बुधः १६।४३ वक्री A
१४	गु	४५	१	उ	४४	४५	ऐं	५१	२०	वि	११	५६	३४	४१	१९	२२	२७	१२	मीने	भ. ११।५६ या.
३०	शु	५१	१०	रे	५२	२५	वै	५३	४१	च	१८	५	३८	४०	२०	२३	२८	१३	मे. ५२।२५	अश्वि. मेषेऽर्कः ५२।३५ (सौरः ५९।५६)

५२पं.द्वि. चैक्रं.७वृ.इ. ३६/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	०	५	११	०	८	११
२१	६	२	२९	२५	१६	१४	२१
५३	४८	३०	०	९	३०	४९	४६
३१	११	५४	४७	५०	१४	४०	४०
५९	२८	५९	५२	७४	६	३	५९
४	व	१२	व	३४	५५	११	४

गोचर ग्रहाः

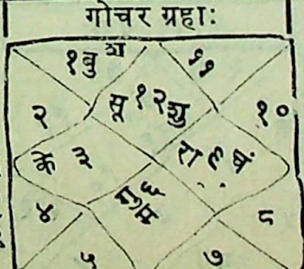

द्वि.चैत्रकृष्णे ३० शुक्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ प्रवाजिकावस्था (ऊभी) मु. ३० घान्या दिभावेसमता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

१पं.द्वि.चै.कृ.३०शु.इ. ५२/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१०	५	०	०	८	११
०	४	१७	२७	५	१७	१४	२९
०	१४	३८	५९	२२	३२	२३	५२
०	१७	१०	१३	१९	६	३२	५५
५८	२१	२८	५९	७४	७	३	५८
४४	व	२३	व.	३२	८	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) फार्म नं० १५४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	द्वि. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६५८३स.२०२९
१	श	५७	२३	अ	५९	४९	वि	५५	५१	कि	२४	३७	३१/४२	५/४०	६/२०	२४	२९	१४	मेषे	नवरात्रारंभः
२	र	६०	०	भ	६०	०	प्री	५७	३८	बा	३०	१२	४६	३९	२१	२५	३०	१५	मेषे	चंद्रदर्शनम्
२	चं	३	२	भ	६	४०	आ	५८	४२	कौ	३	२	५०	३८	२२	२६	१	१६	वृ.२३।१०	अस्तंशने: ३/१८ जिल्हेज १२ मत्स्यजयंती×
३	मं	७	४७	कृ	१२	४०	सौ	५९	१३	ग	७	४७	५३	३७	२३	२७	२	१७	वृषे	भ.३९।५२उ.गणगौरी [×सिंधारा
४	बु	११	५७	रो	१८	२	शो	५९	९	वि	११	५७	५७	३७	२३	२८	३	१८	मि५०।८	भ.५/१७या.शुक्रोदय:पश्चिमायां१८।३६
५	गु	१४	५२	मृ	२२	१४	अ	५७	५२	बा	१४	५२	३/१९	३६	२४	२९	४	१९	मिथुने	
६	शु	१६	३५	आ	२५	५	सु	५५	२८	तै	१६	३५	५	३५	२५	३०	५	२०	मिथुने	कृत्ति.बुधः४२।३भरण्यांशुक्रः१५।५६
७	श	१६	५१	पु	२६	३२	धृ	५१	४६	व	१६	५१	९	३४	२६	१	६	२१	क.११।१०	भ.५/६उ.४/६या.भा.वैशाखारंभः
८	र	१५	२३	पु	२६	१७	शू	४६	४४	ब	१५	२३	१२	३४	२६	२	७	२२	कर्के	पातस्पर्शः४८।२४रामनवमीस्मा.
९	चं	१२	२५	श्ले	२४	२३	गं	४०	९	कौ	१२	२५	१७	३३	२७	३	८	२३	सिं२४।२३	बृषेबुधः ३/६ पातमोक्षः ३/४ रामनवमीवै.
१०	मं	७	३२	म	२०	५१	बृ	३२	२६	ग	७	३२	२०	३२	२८	४	९	२४	सिंहे	भ.३/३उ.वक्रीचित्रा.१गुरुः१६।५४
११	बु	१	१३	पू	१५	४८	धु	२३	३०	वि	१	१३	२३	३१	२९	५	१०	२५	कं.२९।११	भ.१।१३या.कामदा११व्र.
१२	बु	५२	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+३२।४६(सौरः४१।२१)
१३	गु	४४	३२	उ	९	२१	व्या	१३	४२	कौ	१८	५५	२७	३१	२९	६	११	२६	कन्यायां	प्रदोषः
१४	शु	३४	५२	ह	२/७	५२/१०	ह	३/८	४९/१५	ग	९	४२	३१	३०	३०	७	१२	२७	तु.२८।१२	भ.३४।५२उ.५९।५६या.भरण्यांरविः+
१५	श	२५	१	स्वा	४६	३४	सि	४१	३८	व	२५	१	३४	२९	३१	८	१३	२८	तुलायां	हनुमज्जयंती

२पं.द्वि.चै.शु.६शु.इ. ५२/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	५	०	०	८	०
६	२	२६	२७	१४	१८	१५	६
५०	३३	५१	६	२	२४	१	४३
४६	५०	३६	२५	६	४०	१७	६
५८	१३/२१	६४	४६	७४	७	३	५८
३१	व	२२	व	३२	१४	११	२९

गोचर ग्रहाः

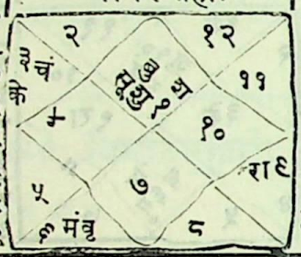

इस मास में धान्य चावलगेहूं जो बाजरा मूंग मोठ धातु सोना चांदी वारदाना वस्त्र तेज हो पशु पीडित हो प्रजा दुःखी हो ।

गोचर ग्रहाः

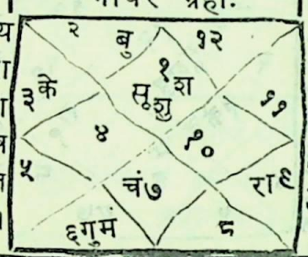

३पं.द्वि.चै.शु.१४शु.इ. ५५/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	५	०	०	८	०
१३	१	३/१	१	२६	२२	१९	१३	१३
३९	२८	४५	१५	४०	१८	३९	३१
५०	५	५०	१४	८	४०	१	३१
५८	३/६	१८	१/५	७४	७	३	५८
१९	ध	२२	ध	२६	२०	११	१२

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे द्वि. चैत्र कृष्णेति महा.
१	र	१५	२९	वि	३९	४४	व्य	३१	२९	कौ	१५	२९	३/३८	५/२८	६/३३	९	१४	२९	वृ.२६।२७	
२	चं	६	४३	अ	३३	५१	व	२२	१६	ग	६	४३	४१	२८	३२	१०	१५	३०	वृश्चिके	भ.३३।६उ.५९।२९या.
३	चं	५२	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	मं	५३	४९	ज्ये	२९	३७	प	१४	२३	ब	२६	३९	४५	२७	३३	११	१६	१	ध.२९।३७	वक्रीबुधः १/५७ कृत्ति.शुक्रः २/८ मई५ता. ÷
५	बु	५०	१९	मू	२७	२२	शि	८	२	कौ	२२	४	४८	२६	३४	१२	१७	२	धनुषि	[÷३१चतुर्थीव्र.
६	गु	४८	५७	पू	२७	१५	सि	३	२०	ग	१९	३८	५२	२६	३४	१३	१८	३	म.४२।४७	भ.४/८उ.बृषेशुक्रः ५/० भरणी३शनिः १/९=
७	शु	४९	४१	उ	२९	२३	सा	२/८	५/४०	वि	१९	१९	५५	२५	३५	१४	१९	४	मकरे	भ.१९।१९या.मार्गीभौम; १।२७
८	श	५२	२९	श्र	३३	१२	शु	५९	२६	बा	२१	५	५८	२४	३६	१५	२०	५	मकरे	[=मूल४राहुःआर्द्रा२केतुः ५/२ बुधास्तः +
९	र	५६	४८	ध	३८	३६	ब्र	६०	०	त	२४	३८	३३	२४	३६	१६	२१	६	कुं.५।५४	[+पश्चिमायां४६।२७
१०	चं	६०	०	श	४५	१४	ब्र	०	२६	व	२९	२९	५	२३	३७	१७	२२	७	कुंभे	भ.२९।२९उ.
१०	मं	२	११	पू	५२	४९	हें	२	२५	वि	२	११	८	२२	३८	१८	२३	८	मी३५।५५	भ.२।११या.
११	बु	८	२५	उ	६०	०	वैं	४	४०	बा	८	२५	११	२२	३८	१९	२४	९	मीने	वरुथिनी११व्र.
१२	गु	१४	४९	उ	०	२०	वि	७	२३	तै	१४	४९	१४	२१	३९	२०	२५	१०	मीने	वक्रीमेषेबुधः८।१५प्रदोषः
१३	शु	२०	५७	रे	८	१	प्री	९	४४	व	२०	५७	१७	२१	३९	२१	२६	११	मे.८।१	भ.५/७उ.५/३या.कृत्ति.रविः१८।४५ –
१४	श	२६	४३	अ	१५	४	आ	११	५८	श	२६	४३	२०	२०	४०	२२	२७	१२	मेषे	[–(सौरः२९।१३)रोहि.शुक्रः५८।०
३०	र	३१	२३	भ	२१	४४	सौ	१३	३७	च	३१	२३	२३	१९	४१	२३	२८	१३	वृ.३८।७	

४पं.वै.कृ.७शु.इ. ५३/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	५	१	०	८	०
२०	१	२	२५	१	२०	१३	२०
२७	०	०	२८	१७	१२	१६	१८
२९	१८	३२	५	३५	३२	४५	१७
५८	५५/६	१३/मा	२५/व	७४	७	३	५७
६	मा	व	व	२६	२०	११	५७

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगल का चंद्रदर्शन तेजी कारक हैं, धान्य गल्ला धातु रसकस वस्त्र कपास वारदाना घृत में तेजी करे ।

गोचर ग्रहाः

५पं.वै.कृ.१३शु.इ. ५३/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	५	१	०	८	०
२७	१	२८	२४	९	२१	१२	२७
१३	९	५८	४६	५४	५	५४	३
३७	४	८	२६	३२	३५	३०	३१
५७	६	३/५५	३/५	७४	७	३	५७
५४	५८	व	व	२६	२०	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	बैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ६६१३स.२०२९
१	चं	३५	५९	कृ	२७	१६	शो	१४	२२	किं	३	४१	३३	१५	४५	२४	२९ १४	वृषे	बृषेऽर्कः ४६।० (सौरः ५७।६)
२	मं	३९	१६	रो	३२	१९	अ	१४	३१	बा	७	३७	२८	१८	४२	२५	३० १५	वृषे	वक्रीभरण्यांबुधः ५१।२५ चंद्रदर्शनम्
३	बु	४१	३१	मृ	३६	९	सु	१४	१	तै	१०	२८	३१	१८	४२	२६	१ १६	मि४।१४	मोहोरम १सन् १४५१ हि. परशुराम ×
४	गु	४२	३९	आ	३८	५०	धृ	१२	२७	व	१२	५	२४	१७	४३	२७	२ १७	मिथुने	भ.१२।५उ.४२।३९या.
५	शु	४२	४३	पु	३९	३२	शू	१०	२०	ब	१२	४१	३७	१७	४३	२८	३ १८	क.२४।२२	[×जयंतीअक्षया३
६	श	४१	३२	पु	४१	७	गं	७	२२	कौ	१२	७	३९	१६	४४	२९	४ १९	कर्के	
७	र	३९	१५	श्ले	४०	२२	बृ	१९	५४	ग	१०	२३	४२	१६	४४	३०	५ २०	सिं४०।२२	भ.३९।१५उ.
८	चं	३५	४२	म	३८	३३	व्या	५२	३	वि	७	२८	४४	१५	४५	३१	६ २१	सिंहे	भ.२८या.बुधोदयः पूर्वस्यां ४७।५६
९	मं	३१	२	पू	३५	३१	ह	४५	३	बा	३	२२	४७	१५	४५	१	७ २२	कं.४९।२९	मृगेशुक्रः ५३ उदयंशनेः २९।५भा.ज्ये.रंभः
१०	बु	२४	५६	उ	३१	२३	व	३७	१०	ग	२४	५६	४९	१४	४६	२	८ २३	कन्यायां	भ.५१।३१उ.
११	गु	१८	६	ह	२६	४	सि	२८	१७	वि	१८	६	५२	१४	४६	३	९ २४	तु.५३।४	भ.१८।६या.मोहिनी ११व्र.
१२	शु	१०	७	चि	२०	४	व्य	१९	६	बा	१०	७	५४	१३	४७	४	१० २५	तुलायां	रोहि.रविः ९।२२ (सौरः २३।८) प्रदोषः
१३	श	१	३५	स्वा	१३	२३	व	१५	५९	तै	१	३५	५६	१३	४७	५	११ २६	वृ.५३।२९	भ.५२।४९उ.नृसिंहजयंती
१४	श	५१	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	[–यमायकुंभदानम्
१५	र	४४	१४	वि	६	५१	शि	५०	१३	वि	१८	३१	५८	१२	४८	६	१२ २७	वृश्चिके	भ.१८।३१या.मार्गीबुधः ४८।५९–

६पं.वै.शु.५शु.इ.५३।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	०	५	१	०	८	१
३	१	२५	२४	१८	२२	१२	३
५८	५२	११	११	२९	०	३२	४७
४४	१९	३८	४९	२४	०	१४	१५
५७	११	२९	२२	७४	७	३	५७
४४	४३	व	व	२०	१४	११	३४

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले १ चंद्रे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

७पं.वै.शु.१२शु.इ.५३/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	०	५	१	०	८	१
१०	३	२३	२३	२७	२२	१२	१०
४२	८	३१	४४	४	५२	९	२९
४०	२०	१९	२	४१	२६	५९	२६
५७	१६	८	१३	७४	७	३	५७
३५	१०	व.	व	१४	८	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	चं	३६	३७	अ	४९	५४	सि	४१	२९	बा	१०	२५	३४	५	४८	७	१३ २८	ध.५५।४२	मिथुनेशुक्रः १५।३१
२	मं	३०	२०	मू	५१	५६	सा	३४	२	तै	३	२८	२	१२	४८	८	१४ २९	धनुषि	भ.५७/६ उ.भरणी ४शनिः २२।४५
३	बु	२५	३२	पू	५०	१२	शु	२७	५३	वि	२५	३२	२	११	४९	९	१५ ३०	धनुषि	भ.३२ या.पातस्पर्शः ५७ पातशोक्षः ३९=
४	गु	२२	५५	उ	५०	३५	शु	२३	३८	बा	२२	५५	५	११	४९	१०	१६ ३१	म.५।१८	[=चतुर्थीव्र.
५	शु	२२	१७	श्र	५२	५६	व्र	२०	५१	तै	२२	१७	७	११	४९	११	१७ १	मकरे	जून ६ता.३०
६	श	२३	५८	ध	५७	११	ऐं	२०	६	व	२३	५८	९	१०	५०	१२	१८ २	कु.२५।३	भ.५३ उ.५५/४१ या.आर्द्रा.शुक्रः ४३।४७
७	र	२७	२५	श	६०	०	वै	२०	८	ब	२७	२५	१०	१०	५०	१३	१९ ३	कुंभे	
८	चं	३२	१७	श	२	५२	वि	२१	३५	कौ	३२	१७	१२	१०	५०	१४	२० ४	मी५३।१०	वक्रीहस्त.४गुरुः १३।४
९	मं	३८	२०	पू	६	५६	प्री	२३	४४	तै	५	१८	१३	९	५१	१५	२१ ५	मीने	
१०	बु	४४	३०	उ	१७	१९	आ	२६	८	व	११	२५	१५	९	५१	१६	२२ ६	मीने	भ.११५ उ.४४/३० या.कृत्ति.बुधः १०।५३
११	गु	५०	४०	रे	२५	५	सौ	२८	४४	ब	१७	३५	१६	९	५१	१७	२३ ७	मे.२५।५	अपरा ११व्र.
१२	शु	५६	२४	अ	३२	१३	शो	३०	५३	कौ	२३	३२	१७	९	५१	१८	२४ ८	मेषे	मृगेरविः १५/४ (सौरः २०/५८) बृषेबुधः ३८।३०
१३	श	६०	०	भ	३८	५६	अ	३२	३९	ग	२८	५०	१८	८	५२	१९	२५ ९	वृ.५५।१९	प्रदोषः
१३	र	१	१६	कृ	४४	२७	सु	३३	२२	व	१	१६	१९	८	५२	२०	२६ १०	वृषे	भ.१।१६उ.३२।५८या.
१४	चं	४	४०	रो	४८	४०	धृ	३३	१६	श	४	४०	१९	८	५२	२१	२७ ११	वृषे	मार्गीगुरुः ३७।३३
३०	मं	६	११	मृ	५१	३५	शू	३२	८	ना	६	११	२०	८	५२	२२	२८ १२	मि२०।७	वटपूजनम्

८पं.ज्ये.कृ.५शु.इ.५३।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	०	५	२	०	८	१
१७	४	२५	२३	५	२३	११	१७
२५	५१	७	२४	३८	४४	४७	१०
२६	३२	५९	२६	२४	२४	४३	३२
५७	२०	३१	५१	७४	६	३	५७
२७	१४	मा	व	६	५६	११	५३

गोचर ग्रहाः

कृष्ण पक्ष में तिथि बढे शुक्लपक्षघटजाय एक चीज की क्याकहें सभीचीज घट जाय।। इस मास में तेजी रहेगी ।

गोचर ग्रहाः

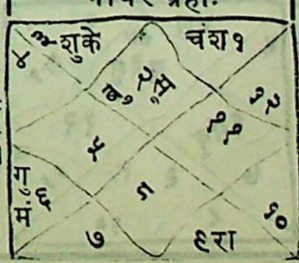

९पं.ज्ये.कृ.१२शु.इ.५३/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	५	२	१०	८	१
२४	६	०	२३	१४	२४	११	२३
७	५९	१३	१३	११	२४	२५	५०
३०	२८	४४	५५	२४	५	२७	२८
५७	२३	५३	३०	७३	६	३	५७
२२	११	२७	व	५६	३८	११	२२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१										वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ६६४३स.२०२९
१	बु	८	१२	आ	५३	३३	गं	३०	१०	ब	८	१२	३४/३१	५/८	६/५२	२३	२९	१३	मिथुने	पुन.शुक्रः४१।४०चंद्रदर्शनम्
२	गु	८	८	पु	५४	३६	बृ	२७	९	कौ	८	८	२१	८	५२	२४	१	१४	क.३९।२०	सफर२
३	शु	७	७	पु	५४	३२	धु	२३	२२	ग	७	७	२२	८	५२	२५	२	१५	कर्के	भ.३६उ.मिथुनेऽर्कः३।७(सौरः२२।४६)
४	श	५	४	श्ले	५३	४०	व्या	१८	५६	वि	५	४	२२	८	५२	२६	३	१६	सिं५३।४०	भ.५।४या.
५	र	२	१३	म	५२	८	ह	१४	२	ब्रा	२	१३	२३	७	५३	२७	४	१७	सिंहे	रोहि.बुधः१।२२हस्तेभौमः९।८
६	र	५६	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	चं	५४	२९	पू	४९	४३	व	८	२९	ग	२६	३६	२३	७	५३	२८	५	१८	सिंहे	भ.५४।२९उ.
८	मं	४९	३७	उ	४६	५६	सि	१८/२	५३/५९	वि	२२	३	२३	७	५३	२९	६	१९	कं.४।१	भ.२२।३या.
९	बु	४४	८	ह	४३	२३	व	४८	२५	बा	१६	५२	२४	७	५३	३०	७	२०	कन्यायां	[×(सौरः२५/९) भा.आषाढारंभः नि.११व्र.
१०	गु	३८	५	चि	३९	१५	प	४०	५१	तै	११	६	२४	७	५३	३१	८	२१	तु.११।२०	कर्केशुक्रः५४।२गंगादशमी
११	शु	३१	२९	स्वा	३४	४४	शि	३२	४२	व	४	४७	२४	७	५३	१	९	२२	तुलायां	भ.४।४७उ.३१।२९या.आर्द्रां.रविः४/४×
१२	श	२४	२७	वि	२९	५०	सि	२४	३१	बा	२४	२७	२४	७	५३	२	१०	२३	वृ.१६।४	चित्रा.१गुरुः१६।४८प्रदोषः
१३	र	१७	१५	अ	२५	१	सा	१६	१९	तै	१७	१५	२४	७	५३	३	११	२४	वृश्चिके	पुष्येशुक्रः३६।४७
१४	चं	१०	५५	ज्ये	२०	३५	शु	८	२६	व	१०	५५	२३	७	५३	४	१२	२५	ध.२०।३५	भ.५/५उ.३८।१या.मृगेबुधः९।१४
१५	मं	५	८	मू	१७	३	शु	१७/१	५३/३८	ब	५	८	२३	७	५३	५	१३	२६	धनुषि	गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

१०पं.ज्ये.शु.३शु.इ. ५३/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	५	२	०	८	२
०	९	८	२३	२२	२५	११	०
४८	२७	२७	१२	४२	२२	३	२९
४७	४०	२९	११	४३	५२	१२	३७
५७	२५	८२	४७	७३	६	३	५६
१७	४७	१७	मा	५०	२६	११	५७

गोचर ग्रहाः

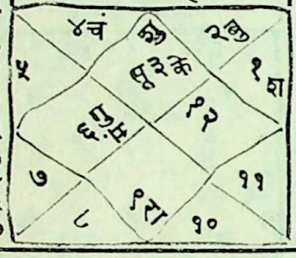

ज्येष्ठ शुक्ले ३ शुक्रे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ५ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्या-दिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

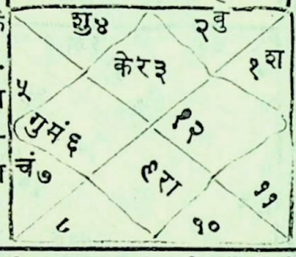

११पं.ज्ये.शु.११शु.इ. ५३/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	५	३	०	८	२
७	१२	१९	२३	१	२६	१०	७
२९	१३	१९	१९	१३	९	४०	८
४२	५९	५	१६	३०	०	५६	४
५७	२८	१६	१	७३	६	३	५६
१३	१	४६	५५	४४	११	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	बु	०	३७	पू	१४	४५	ऐं	४९	४९	कौ	०	३७	३४/३३	५/८	६/५६	६	१४	२७	म.२९।३६	कृत्ति.१शनिः४६।७
२	बु	५६	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×बुधास्तःपूर्वस्यां४५।२३
३	गु	५६	१६	उ	१४	११	वै	४६	९	व	२६	५६	२२	८	५२	७	१५	२८	मकरे	भ.२६उ.५६।१६या.मिथुनेबुध४२।५५×
४	शु	५७	४	श्र	१५	१७	वि	४४	१४	ब	२६	४०	२१	८	५२	८	१६	२९	कुं.४६।५४	चतुर्थीव्र.
५	श	५९	३८	ध	१८	३१	प्री	४३	१८	कौ	२८	१६	२०	८	५२	९	१७	३०	कुम्भे	
६	र	६०	०	श	२३	१७	आ	४३	४६	ग	३१	४९	१९	८	५२	१०	१८	१	कुंभे	आर्द्रा.बुधः५८।४७जौलाई७ता.३१
६	चं	४	१	पू	२९	३१	सौ	४५	२४	व	४	१	१८	८	५२	११	१९	२	मी१२।५७	भ.४।१उ.३६।४५या.
७	मं	९	२८	उ	३६	२५	शो	४७	४०	व	९	२८	१७	९	५१	१२	२०	३	मीने	
८	बु	१५	३८	रे	४४	४	अ	५०	१५	कौ	१५	३८	१६	९	५१	१३	२१	४	मे.४४।४	[=राहुःआर्द्रा.१केतुः४६।११
९	गु	२१	३९	अ	५१	२९	सु	५२	३१	ग	२१	३९	१५	९	५१	१४	२२	५	मेषे	भ.५४।३०उ.आश्ले.शुक्रः३८।५०मूल३=
१०	शु	२७	२१	भ	५८	२८	धृ	५४	३३	वि	२७	२१	१४	९	५१	१५	२३	६	मेषे	भ.२७/१या.पुन.रविः३/४(सौरः२८।२१)
११	श	३२	१५	कृ	६०	०	शू	५५	२६	बा	३२	१५	१३	९	५१	१६	२४	७	बृ.१४।५१	पातस्पर्शः६/९पातमोक्षः४/३योगिनी११व्र.
१२	र	३५	३८	कृ	३	५८	गं	५५	२३	कौ	३	५६	११	१०	५०	१७	२५	८	वृषे	पुन.बुधः१२।१४
१३	चं	३७	४६	रो	८	२२	बृ	५४	१३	ग	६	४२	१०	१०	५०	१८	२६	९	मि३९।४३	भ.३७।४६उ.प्रदोषः
१४	मं	३७	५३	मृ	११	४	धु	५१	४१	वि	७	५०	८	१०	५०	१९	२७	१०	मिथुने	भ.७।५०या.
३०	बु	३६	५०	आ	१२	२३	व्या	४८	१	च	७	२१	७	११	४९	२०	२८	११	क.५७।१६	

१२पं.आ.कृ.४शु.इ.५३।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	५	३	०	८	२
१४	१५	२२	२३	९	२६	१०	१३
१०	१७	२४	३४	४३	५२	१८	४६
८	२०	४३	४८	१२	२९	४१	९
५७	२९	८/५९	३	७३	५	३	५६
७	५३	३/२	२०	३२	५२	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो अलसी मंदे हो धातु सोना .चांदी गन्ना गुड़ सक्कर नमक तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

१३पं.आ.कृ.१०शु.इ. ५३/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	५	३	०	८	२
२०	१८	१७	२३	१८	२७	९	२०
५०	३४	१३	५८	११	३३	५६	२४
३५	२६	२०	२३	२१	४०	२५	३
५७	३१	७/८	४	७३	५	३	५६
७	३४	२२	२८	२०	२४	११	५०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१									वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६६७२स.२०२९
१	गु	३४	१६	पु	१२	१४	ह	४३	२१	किं	५	३३	३४	५९	६	२१	२९	१२	कर्के	कर्केबुधः४६।७
२	शु	३०	४२	पु	११	३	व	३७	५३	बा	२	२९	३	११	४९	२२	३०	१३	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	श	२६	२७	श्ले	८	४९	सि	३१	४८	ग	२६	२७	१	१२	४८	२३	१	१४	सिं८।४९	भ.५३उ.पुष्येबुधः२२रविलावल३
४	र	२१	३१	म	६	९	व्य	२५	६	वि	२१	३१	३३	१२	४८	२४	२	१५	सिंहे	भ.२१।३१या.
५	चं	१६	३४	पू	३	११	व	१८	३९	बा	१६	३४	५७	१३	४७	२५	३	१६	कं.१७।२४	कर्केऽर्कः३०मघा.सिंहेशुक्रः३९चित्रा.=
६	मं	११	९	उ	०	५९	प	११	५६	तै	११	९	५५	१३	४७	२६	४	१७	कंन्यायां	कर्केऽर्कःसौर १।५ [=भौमः१३
७	बु	५	५७	चि	५३	२४	शि	५७	५९	व	५	५७	५२	१४	४६	२७	५	१८	तु.२५।२	भ.५।५७उ.३३।१९या.
८	गु	०	४१	स्वा	५०	०	सा	५१	०	ब	०	४१	५०	१४	४६	२८	६	१९	तुलायां	पुष्येरविः५९।१८
९	गु	५४	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	शु	५०	४	वि	४६	३८	शु	४३	५६	तै	२२	४२	४८	१४	४६	२९	७	२०	वृ.३२।२९	पुष्येरविःसौरः३१।४६
११	श	४४	४८	अ	४३	२२	शु	३७	१७	व	१७	२६	४५	१५	४५	३०	८	२१	वृश्चिके	भ.३७उ.४८या.आश्ले.बुधः१बुधोदयः×
१२	र	४०	१	ज्ये	४०	३३	व्र	३०	४७	व	१२	२४	४३	१५	४५	३१	९	२२	ध.४०।३३	[×पश्चिमायां४९देवशयनी११व्र.
१३	चं	३५	४९	मू	३८	१६	ऐं	२४	४३	कौ	७	५५	४०	१६	४४	१	१०	२३	धनुषि	भा.श्रावणारंभः प्रदोषः
१४	मं	३२	२६	पू	३६	५१	वै	१९	१२	ग	४	७	३८	१६	४४	२	११	२४	म.५१।३३	भ.३२।२६ उ. वायुपरीक्षा
१५	बु	३०	११	उ	३५	४०	वि	१४	२९	वि	१	१८	३५	१७	४३	३	१२	२५	मकरे	भ.१।१८या.व्यासपूजा गुरु१५

१४पं.आ.शु.२शु.इ. ५३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	५	३	०	८	२
२७	२२	२	२४	२६	२८	९	२७
३०	३	२०	३०	३८	१०	३४	२
५४	५४	२४	१८	२	५५	९	१०
५७	३२	२९	५	५७	४	३	५६
११	५८	५६	३६	११	५६	११	५४

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले ५ चंद्रे कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न. ५ गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५घान्या दिभावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

१५पं.आ.शु.१०शु.इ. ५३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	४	०	८	३
४	२५	१६	२५	५	२८	९	३
११	४४	२४	९	२	४५	११	४०
३८	१३	४७	२५	४६	३२	५४	३७
५७	३४	५९	६	७२	४	३	५६
१५	९	१३	३४	५०	२५	११	५९

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	गु	२९	२२	श्र	३७	३५	प्री	१०	५४	कौ	२९	२२	३३	५९	६३	४	१३	२६	मकरे	[–चतुर्थी. व्र.
२	शु	३०	१०	ध	४०	१३	आ	८	३०	ग	३०	१०	३०	१८	४२	५	१४	२७	कुं.८।५४	पूफा.शुक्रः४८।४०
३	श	३२	३२	श	४४	२६	सा	७	२६	व	१	२१	२७	१९	४१	६	१५	२८	कुंभ	भ.३९उ.३३या.मघा.सिंहेबुधः२५–
४	र	३६	१८	पू	५०	०	शो	७	१६	ब	४	२५	२४	१९	४१	७	१६	२९	मी३३।३६	तुलायांभौमः३५।५७
५	चं	४१	२८	उ	५६	३१	अ	८	२४	कौ	८	५३	२२	२०	४०	८	१७	३०	मीने	नाग५मरुस्थले
६	मं	४७	२३	रे	६०	०	सु	१०	७	ग	१४	२५	१९	२०	४०	९	१८	३१	मीने	भ.४७।२३उ.
७	बु	५३	२६	रे	३	५९	धृ	१२	२७	वि	२०	२४	१६	२१	३९	१०	१९	१	मे.३।५९	भ.२०।२४या.अगस्तदता.३१
८	गु	५९	३०	अ	११	२९	शू	१५	३	बा	२६	२८	१३	२१	३९	११	२०	२	मेषे	आश्ले.रविः५६।१९चित्रा.२गुरुः५६।९
९	शु	६०	०	भ	१८	४६	गं	१७	११	तै	३२	८	१०	२२	३८	१२	२१	३	वृ.३५।२१	आश्ले.रविःसौरः३२।३३
९	श	४	४६	कृ	२५	५	बृ	१८	४८	ग	४	४६	७	२३	३७	१३	२२	४	वृषे	भ.३६।३६उ.
१०	र	८	२६	रो	३०	२	ध्रु	१९	१६	वि	८	२६	४	२३	३७	१४	२३	५	वृषे	भ.८।२६या.पूफा.बुधः५०।१४
११	चं	१०	४८	मृ	३३	२७	व्या	१८	२१	बा	१०	४८	०	२४	३६	१५	२४	६	मि१।४५	कामिका११व्र.
१२	मं	११	५	आ	३४	५६	ह	१६	२५	तै	११	५	३३	२५	३५	१६	२५	७	मिथुने	प्रदोषः
१३	बु	९	४३	पु	३४	४१	ब	१२	४९	व	९	४३	५४	२५	३५	१७	२६	८	क.१९।४५	भ.९।४३उ.३८।६या.उफा.शुक्रः२।७
१४	गु	६	२९	पु	३२	५४	सि	७	४६	श	६	२९	५०	२६	३४	१८	२७	९	कर्के	स्वात्यांभौमः१४।३३कृत्ति.२शनिः३४
२०	शु	२	५	श्ले	२९	३४	व्य	३४	५३	ना	२	५	४७	२७	३३	१९	२८	१०	सिं२९।३४	कन्यायांशुक्रः४९।१९हरियाली

१६पं.श्रा.कृ २शु.इ. ५३१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	४	०	८	३
१०	२९	२९	२५	१३	२९	८	१०
५२	३४	४	५५	२५	१५	४९	१९
४१	३७	२६	१९	३४	२५	३८	५४
५७	३५	५०	७	७२	३	३	५७
२०	४१	२५	३६	३२	५२	११	५

१७पं.श्रा.कृ.९शु.इ.५३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	५	४	०	८	३
१७	३	१०	२६	२१	२९	८	१६
३४	३४	२१	४८	४६	५१	२७	५९
२३	५	४	११	३४	३१	२३	४२
५७	३६	९१	८	७२	३	३	५७
२५	४१	४१	३७	७	२०	११	१२

१८पं.श्रा.कृ.३०शु.इ.५२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	५	५	१	८	३
२४	७	२०	२७	०	०	८	२३
१६	४१	१२	४६	४	३	५	४०
४४	२८	४	५५	२३	२२	७	४९
५७	३७	७५	९	७१	२	३	५७
३३	२८	५३	२६	४६	३५	११	२२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१	दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७०२सन् २०२९
१	शु ५३ ५९	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श ४९ १३	म २५	२०	प ४६	२३	बा २२	३८	३२ ४४	५ २७	६ ३३	२० २९ ११	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	र ४२ २९	पू २०	३४	शि ३८	१६	तै १५	५१	४० २८	३२	२१ १ १२	कं.३४।२३	रविलाखर४तीज
४	चं ३५ ३५	उ १५	४९	सि २९	५४	व ९	२	३७ २९	३१	२२ २ १३	कन्यायां	भ.९।२उ.३५।३५या.वरद४
५	मं २९ १०	ह ११	११	सा २१	५३	व २	२२	३३ २९	३१	२३ ३ १४	तु.३९।०	नागपंचमी
६	बु २३ २	चि ६	५०	शु १४	१६	तै २३	२	३० ३०	३०	२४ ४ १५	तुलायां	[=उफा.बुध: ३५
७	गु १७ २९	स्वा ३	५६	शु ६	५३	व १७	२९	२६ ३१	२९	२५ ५ १६	वृ.४५।४४	भ.१७उ.४५या.मघा.सिंहेऽर्कः ५०/२१=
८	शु १२ ३७	अ ५७	२५	ऐं ५३	३६	ब १२	३७	२२ ३२	२८	२६ ६ १७	वृश्चिके	मघा.सिंहेऽर्कःसौर:२८।५७
९	श ७ १७	ज्ये ५५	३३	वै ४७	४९	कौ ७	१७	१९ ३२	२८	२७ ७ १८	ध.५५।३३	[×हस्तेशुक्रः १६।४४
१०	र ४ ५३	मू ५४	३२	वि ४२	४९	ग ४	५३	१५ ३३	२७	२८ ८ १९	धनुषि	भ.३३।३२उ.कन्यायांबुधः ३२।४२×
११	चं २ ११	पू ५४	१२	प्री ३८	२०	वि २	११	१२ ३४	२६	२९ ९ २०	धनुषि	भ.२।११या. पवित्रा११ब्र.
१२	मं ० २१	उ ५४	५९	आ ३४	४२	बा ०	२१	८ ३४	२६	३० १० २१	म.९।२४	प्रदोषः
१३	मं ५९ १३	० ०	०	० ०	०	० ०	०	० ०	०	० ० ०	० ०	
१४	बु ५९ ४६	श्र ५६	५६	सौ ३१	४३	ग २९	४०	४ ३५	२५	३१ ११ २२	मकरे	भ.५९।४६उ.
१५	गु ६० ०	ध ५९	५३	शो २९	४०	वि ३०	३२	१ ३६	२४	१ १२ २३	कुं.२८।२५	भ.३०।३२या.भा.भाद्रपदारंभः
१५	शु १ १८	श ६०	०	अ २९	०	ब १	१८	३१/५७ ३७	२३	२ १३ २४	कुंभे	चित्रा.३गुरुः ५३/५७ श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम्

१९पं.श्रा.शु.८शु.इ. ५२/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	५	५	१	८	४
१	११	२८	२८	८	०	७	०
०	५७	२४	५०	२०	२०	४२	२३
४	१४	२९	३५	१७	६	५१	२
५७	३८	५७	१०	७१	१	३	५७
४०	१५	२३	९	१९	५६	११	३४

गोचर ग्रहः

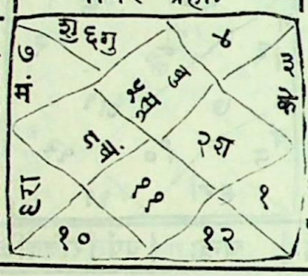

श्रावण शुक्ले ७ गुरौ सिंहेऽर्कःप्रविष्टःवा ४ न५बालावस्था(बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहः

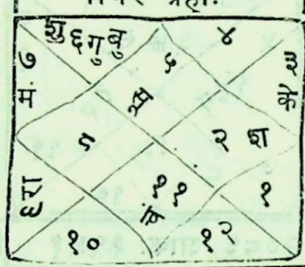

२०पं.श्रा.शु.१५शु.इ. ५२/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	५	५	१	८	४
७	१६	४	२९	१६	०	७	७
४४	१९	२९	५९	३३	३१	२०	६
२८	४१	५६	४६	२९	४१	२६	२९
५७	३९	३२	१०	७०	१	३	५७
४९	८	५३	५२	४७	१७	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१	दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	श ४ ९	श ४	४	सु २८	४१	कौ ४	९	३१/५३ ५७	६ ३३	३ १४ २५	मी५३।१०	[–मृग४केतुः ३८/३४ प्रदोषः
२	र ८ ९	पू ९	३२	धृ २९	२६	ग ८	९	४९ ३८	२२	४ १५ २६	मीने	भ.४०।४४उ.
३	चं १३ १९	उ १५	४७	शू ३१	७	वि १३	१९	४६ ३९	२१	५ १६ २७	मीने	भ.१३।१९या. चतुर्थी व्र.
४	मं १९ ५	रे २२	५४	गं ३३	१३	बा १९	५	४२ ४०	२०	६ १७ २८	मे.२२।५४	[÷बुधः ५७ जन्माष्टमी व्र.स्मा.
५	बु २५ १३	अ ३०	३२	बृ ३५	३४	तै २५	१३	३८ ४०	२०	७ १८ २९	मेषे	चंद्रषष्ठी [+४३/३१ विशा.भौमः ५०/०
६	गु ३१ ३१	भ ३७	५८	धु ३८	४	व ३१	३१	३४ ४१	१९	८ १९ ३०	वृ.५४।४५	भ.३१/३१ उ.पूफा.रविः ४५ चित्रा.शुक्रः+
७	शु ३७ २२	कृ ४५	५	व्या ४०	११	वि ४	२६	३० ४२	१८	९ २० ३१	वृषे	भ.४।२६या.पूफा.रविःसौर:१९/४वक्री÷
८	श ४१ ५१	रो ५१	१	ह ४१	३२	बा ९	३६	२६ ४३	१७	१० २१ १	वृषे	सितम्बरहता.३०जन्माष्टमी व्र.वै.
९	र ४५ ३	मृ ५५	३८	व ४१	४९	तै १३	२७	२२ ४४	१६	११ २२ २	मि२३।२०	गोगाह
१०	चं ४६ ८	आ ५८	२५	सि ४०	३७	व १५	३५	१८ ४४	१६	१२ २३ ३	मिथुने	भ.१५।३५उ.४६।८या.
११	मं ४५ २६	पु ५९	६	व्य ३७	५२	ब १५	४७	१५ ४५	१५	१३ २४ ४	क.४३।५६	अजा११ब्र.
१२	बु ४२ ४१	पु ५७	५०	व ३३	४१	कौ १४	३	११ ४६	१४	१४ २५ ५	कर्के	तुलायांशुक्रः४२।२३वत्सद्वादशी
१३	गु ३७ ५८	श्ले ५४	५४	प २७	५२	ग १०	१९	७ ४७	१३	१५ २६ ६	सि५४।५४	भ.३७उ.वक्रीशनिः ५/९ मूल.२राहुः–
१४	शु ३१ २८	म ५०	४	शि २०	३४	वि ४	४३	३ ४७	१३	१६ २७ ७	सिंहे	भ.४।४३या.
२०	श २३ ५१	पू ४४	२५	सि १२	०	ना २३	५१	३०/५९ ४८	१२	१७ २८ ८	कं.५७।४८	कुशाग्रहणी पिठोरी३०मन्वादिः

२१पं.भा.कृ.७शु.इ. ५२/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	६	५	१	८	४
१४	२०	७	१	२४	०	६	१३
३०	४७	३४	१२	४३	३८	५८	५१
४	४२	१६	५४	१	२४	२०	४१
५८	३९	०	११	७०	०	३	५७
१	५५	२८	२३	९	३८	११	५७

गोचर ग्रहः

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं गेहूं जौ चना चांवल बाजरा सोनाचांदीलोहा गुड़ शक्करचीनी तेज हो प्रजा में रोग हो

गोचर ग्रहः

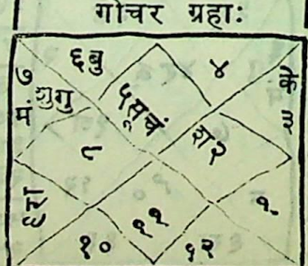

२२पं.भा.कृ.१४शु.इ. ५२/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	६	६	१	८	४
२१	२५	६	२	२	०	६	२०
१७	२२	१२	३०	४९	३९	३६	३८
६	१६	३२	७	३०	५०	५	२१
५८	४०	४१/५१	१२	६९	१३	३	५८
१३	२६	व.	१	१७	व.	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१	वि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७३१ स. २०२९
१	र १५ २९	उ	३७	५९	सा	२ ४३	५० २४	ब	१५ २९	३० ५५ ४९ ६५	१८ २९ ९	कन्यायां	बुधास्तः पश्चिमायां १।३०
२	चं ६ ४८	ह	३१	२३	शु	४३	१६	कौ	६ ४८	५१ ५० १०	१९ ३० १०	तु.५८।१३	चंद्रदर्शनम् हरितालिका ३
३	चं ५१ ४०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	[=जमादिलावल ५ गणेशचतुर्थी
४	मं ५० ३९	चि	२५	३	ब्र	३३	४०	व	२४ ३३	४७ ५१ ९	२० १ ११	तुलायां	भ. २४/३३ उ. ५९/० या. स्वात्यांशुक्रः १४/६=
५	बु ४३ ४१	स्वा	१९	२९	ऐं	२४	४२	व	१७ १०	४३ ५१ ९	२१ २ १२	तुलायां	चित्रा.४ गुरुः २५।१४ ऋषिपंचमी
६	गु ३७ ३८	वि	१५	१६	वै	१६	३३	कौ	१० ३९	३९ ५२ ८	२२ ३ १३	वृ.१।१९	उफा, रविः २४।३०
७	शु ३२ ५६	अ	११	१६	वि	९	१५	ग	५ १७	३५ ५३ ७	२३ ४ १४	वृश्चिके	भ. ३२/६ उ. उफा. रविः सौरः ४/० वक्री सिंहे×
८	श २९ २६	ज्ये	९	६	प्री	२ ४५	५४ ४८	वि	१ ११	३१ ५४ ६	२४ ५ १५	ध.९।६	भ. १/१ या. [×बुधः ५५/३ वृश्चिके भौमः ४/६८
९	र २७ २०	मू	८	०	सो	५३	१९	कौ	२७ २०	२७ ५५ ५	२५ ६ १६	धनुषि	कन्यायायामर्कः ४९/५५ [+पूफा.बुधः ३/५
१०	चं २६ २५	पू	८	१५	शो	५०	२	ग	२६ २५	२२ ५६ ४	२६ ७ १७	म.२३।३८	भ. ५६/३७ उ. कन्यार्कः सौरः २९/४० वक्री+
११	मं २६ ४९	उ	९	४६	अ	४७	५०	वि	२६ ४९	१८ ५६ ४	२७ ८ १८	मकरे	भ.१६।४९ या. जलझूलनी ११ व्र.
१२	बु २८ ९	श्र	१२	२८	सु	४६	२७	वा	२८ ९	१४ ५७ ३	२८ ९ १९	कुं.४४।२१	अनु. भौमः ४३।२४ वामनजयंती
१३	शु ३० ५७	ध	१६	१४	धृ	४६	१९	तै	३० ५७	९ ५८ २	२९ १० २०	कुंभे	प्रदोषः
१४	शु ३४ ३१	श	२०	५६	शू	४६	१५	ग	२ ४४	५ ५९ १	३० ११ २१	कुंभे	भ.३४।३१ उ. अनंत १४
१५	श ३८ ५५	पू	२६	३२	गं	४७	१५	वि	६ ४३	३० ० ६ ०	३१ १२ २२	मी १०।८	भ. ६/४३ या. विशा. शुक्रः ५४/५७ महालयारंभः

२३पं.भा.शु.७शु.इ. ५२/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	६	६	१	८	४
२८	०	०	३	१०	०	६	२७
५	३	३	५०	५१	३६	१३	२६
२८	४०	२९	१३	३२	२५	४९	३८
५८	४१	७४/२	१२	६८	५२	३	५८
२६	१६	व.	२०	३२	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

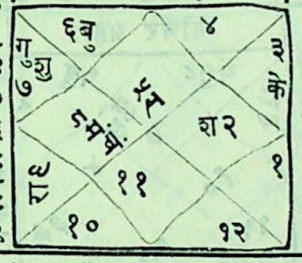

भाद्रपद शुक्ले ९ रवौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ युंवावस्था (सूती) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

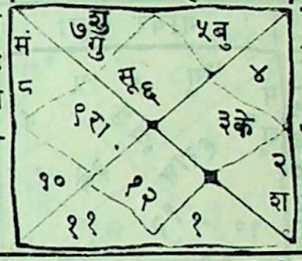

२४पं.भा.श.१४शु.इ. ५२/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	६	६	१	८	५
४	४	२४	५	१८	०	५	४
५५	४९	९	१३	४९	२७	५१	१६
१९	३४	३६	१६	१६	११	३३	४५
५८	४१	१९/३	१२	६७	३८/१	३	५८
३८	४६	व	४७	२९	व.	११	४

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	र ४४ ३३	उ	३३	११	बृ	४८	५५	बा	११ ४४	२९ ६५ ५९	१ १३ २३	मीने	बुधोदयः पूर्वस्यां ३४/० भा. आश्विनारंभः
२	चं ५० ३८	रे	४०	७	ध्रु	५०	५४	तै	१७ ३५	५२ २ ५८	२ १४ २४	मे.४०।७	
३	मं ५६ ४३	अ	४७	३५	व्या	५३	८	व	२३ ४०	४८ २ ५८	३ १५ २५	मेषे	भ. २३/४० उ. ५६/४३ या. मार्गीबुधः १/८
४	बु ६० ०	भ	५५	११	ह	५५	३७	ब	२९ ५२	४४ ३ ५७	४ १६ २६	मेषे	चतुर्थी व्र.
४	गु ३ २	कृ	६०	०	व	५८	१	बा	३ २	४० ४ ५६	५ १७ २७	वृ.१२।४	हस्तेरविः ३।४ (सौरः ४२।१०)
५	शु ९ ७	कृ	२	४१	सि	५९	५२	तै	९ ७	३६ ५ ५५	६ १८ २८	वृषे	स्वाती.१ गुरुः ५६।१३
६	श १४ ७	रो	९	१६	च्य	६०	०	व	१४ ७	३२ ६ ५४	७ १९ २९	मि४२।८	भ.१४।७ उ.४६।११ या.
७	र १८ १६	मृ	१४	५९	व्य	०	४३	ब	१८ १६	२८ ६ ५४	८ २० ३०	मिथुने	[÷अक्टूबर १० ता. ३१
८	चं २० ३५	आ	१९	११	व	०/४५	५८/४४	कौ	२० ३५	२३ ७ ५३	९ २१ १	मिथुने	उफा.बुधः ५/३ वृश्चिकेशुक्रः ५/३÷
९	मं २१ १०	पु	२१	३७	शि	५६	२८	ग	२१ १०	१९ ८ ५२	१० २२ २	क.६।१	भ.५०।२५ उ. मातृ ९
१०	बु १९ ४०	पु	२१	५५	सि	५२	१	वि	१९ ४०	१५ ९ ५१	११ २३ ३	कर्के	भ.१९।४० या.
११	गु १६ ४	श्ले	२०	२१	सो	४६	४	बा	१६ ४	११ १० ५०	१२ २४ ४	सिं२०।२१	कन्यायांबुधः ४४/४ अनुशुक्रः ५२/६ वक्रीकृत्ति १-
१२	शु १० ३६	म	१६	४५	शु	३८	२६	तै	१० ३६	७ ११ ४९	१३ २५ ५	सिंहे	प्रदोषः [-मेषेशनिः ६/० इंदिरा ११ व्र.
१३	श ३ २६	पू	११	२९	शु	२९	२६	व	३ २६	३ ११ ४९	१४ २६ ६	कं.२४।५२	भ. ३/९ उ. २९/१० या. शस्त्रादिहतानां श्रा.
१४	श ५१ २८	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	
१५	र ४५ ३४	उ	५/३४	५२/५४	ब्र	१९	२१	च	२० १६	२८/५९ १२	१५ २७ ७	कन्यायां	सर्वपितृ ३०

२५पं.आ.कृ.५शु.इ. ५१/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	६	६	१	८	५
११	९	२४	६	२६	०	५	११
४६	४०	२७	२९	४०	१३	२९	८
५२	३७	२९	४	२६	१	१८	४३
५८	४२	४३/४६	१३	६६	१६/२	३	५९
५३	७	मा	८	१५	व	११	०

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगलका चन्द्रदर्शन धान्यगल्ला सोना चांदी रुई कपास गुड़ शक्कर चीनी में तेजी करे।

गोचर ग्रहाः

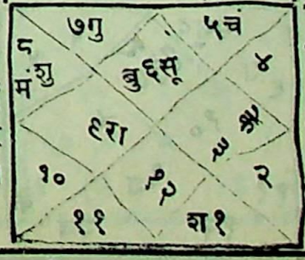

२६पं.आ.कृ.१२शु.इ. ५१/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	६	७	०	८	५
१८	१४	१	८	४	२९	५	१८
४०	३६	३८	६	२४	५४	७	२
५	२५	६	५४	१४	५९	२	३०
५९	४२	८६	१३	६४	२/५१	३	५९
९	३३	५५	२२	४७	व.	११	१६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७६०स.२०२९
१	चं ३५ ५२ चि ५० २ ऐं ४ ४९ किं १० ४३	२८	६	५	१६	२८	८	तु.२३।५०	ज्येष्ठा.भौमः ४ नवरात्रारंभः मातामहश्रा
२	मं २६ २२ स्वा ४२ ३७ वि ४७ २६ बा १ ७	५१	१४	४६	१७	२९	९	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
३	बु १७ ३१ वि ३५ ५२ प्री ३७ १६ ग १७ ३१	४७	१५	४५	१८	१	१०	वृ.२२।३३	भ. ३ उ.चित्रा.रविः ३ जमादिलाखर६
४	गु ९ ४५ अ ३० ७ आ २७ ४८ वि ९ ४५	४३	१५	४५	१९	२	११	वृश्चिके	भ. ४ या.चित्रा.रविः सौर: १ हस्तेबुध १२
५	शु ३ २१ ज्ये २६ ० सौ १९ ४९ बा ३ २१	३९	१६	४४	२०	३	१२	ध.२६।०	बुधास्तः पूर्वस्यां ३२।५६
६	शु ५५ १३ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	श ५५ ४३ मू २३ ४० शो १३ १५ ग २७ ८	३५	१७	४३	२१	४	१३	धनुषि	भ.५५।४ उ.
८	र ५४ ३४ पू २२ ५६ अ ७ ४६ वि २५ ८	३१	१८	४२	२२	५	१४	म.३८।९	भ.२५।८ या.स्वाती.२ गुरुः ३६।४५
९	चं ५५ ७ उ २३ ५० सु ३ ४९ बा २४ ५०	२७	१९	४१	२३	६	१५	मकरे	[=ज्येष्ठा.शुक्रः १ ३ अस्तंगुरोः ५ ० ×
१०	मं ५७ ६ श्र २६ ३१ धृ १ १६ ३७ तै २६ ६	२३	१९	४१	२४	७	१६	कुं.५८।३३	[×पापांकुशा ११ व्र.स्मा.
११	बु ६० ० ध ३० ३४ गं ५९ ५१ व २८ ५०	२०	२०	४०	२५	८	१७	कुम्भे	भ. २ ८ उ.तुलायामर्कः १ ८ (सौरः ५ ५) =
११	गु ० ३५ श ३५ ४७ बृ ६० ० वि ० ३५	१६	२१	३९	२६	९	१८	कुंभे	भ. ० या.चित्रा.बुधः ५ पापां. ११ व्र.वै.
१२	शु ५ २ पू ४१ ५१ बृ ० ३१ बा ५ २	१२	२२	३८	२७	१०	१९	मी२५।२०	प्रदोषः
१३	श १० २२ उ ४८ ४४ ध्रु १ ३४ तै १० २२	८	२२	३८	२८	११	२०	मीने	
१४	र १६ १४ रे ५५ ५४ व्या ३ २८ ब १६ १४	४	२३	३७	२९	१२	२१	मे.५५।५४	भ १ ६ उ. ४ ९ या.शरद्पूर्णिमास्मा कोजा.व्र.
१५	चं २२ ३४ अ ६० ० ह ५ २५ ब २२ ३४	०	२४	३६	३०	१३	२२	मेषे	तुलायांबुधः ४ ६ शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.

२७पं.आ.शु.५शु.इ. ५ ९ ३ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	६	७	०	८	५
२५	१९	१२	९	११	२९	४	२४
३४	३६	४८	३६	५९	२१	४४	५८
५९	५४	०	२२	३५	३४	४७	१२
५९	४३	० ९	१३	६३	३ १	३	५९
२१	१०	५ ६	२९	२	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

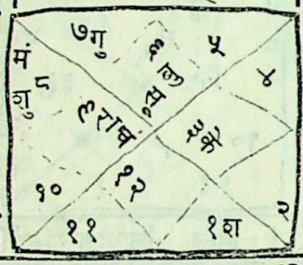

आश्विनशुक्ले ११बुधे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा४न४प्रगलभावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

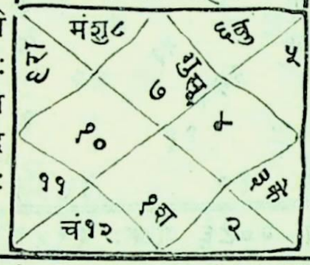

२८पं.आ.शु.१२शु.इ. ५ ९ ३ ६

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	६	७	०	८	६
२	२४	२४	११	१९	२९	४	१
३१	४१	५६	७	२१	४	२२	५५
२३	३८	२७	१	३२	५२	३१	३६
५९	४३	१०३	१३	६०	५३	३	५९
३४	३०	५८	३२	५२	व.	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा.
१	मं २८ ४१ अ ३ ३१ ब ७ ४४ कौ २८ ४१	२७	६	५	१	१४	२३	मेषे	भा.कार्तिकारंभः
२	बु ३५ २ भ १० ५० सि १० ७ तै १ ५१	५३	२५	३५	२	१५	२४	वृ.२७।४०	स्वात्यांरविः १।१ (सौरः ३६।३१)
३	गु ४० ४७ कृ १८ ८ व्य १२ ११ व ७ ५४	४९	२६	३४	३	१६	२५	वृषे	भ.७।५४ उ.४०।४७ या.
४	शु ४५ ४७ रो २४ ४८ व १३ ५८ ब १३ १७	४५	२७	३३	४	१७	२६	मि५७।४८	स्वात्यांबुधः ४५।२९ करक चतुर्थी व्र.
५	श ५० ६ मृ ३० ४९ प १५ १४ कौ १७ ५६	४१	२८	३२	५	१८	२७	मिथुने	मूलेधनुषिभौमः ५।५१
६	र ५३ ६ आ ३५ ४६ शि १५ ३९ ग २१ ३६	३७	२९	३१	६	१९	२८	मिथुने	भ.५३।६ उ.
७	चं ५४ ४३ पु ३९ २१ सि १५ ११ वि २३ ५४	३४	२९	३१	७	२०	२९	क.३३।२७	भ.२३।५४ या.स्वाती.३ गुरुः ५३।१
८	मं ५४ ४१ पु ४१ २४ सा १३ ३२ बा २४ ४२	३०	३०	३०	८	२१	३०	कर्के	मूलेधनुषिशुक्रः ११।४
९	बु ५२ ४४ श्ले ४१ ४४ शु १० ३२ तै २३ ४३	२७	३१	२९	९	२२	३१	सिं४१।४४	[+अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
१०	गु ४८ ५५ म ४० १७ शु ६ ५ व २० ४९	२३	३१	२९	१०	२३	१	सिंहे	भ.२०।४९ उ. ४ ५५ या.नवंबर ११ ता.३०
११	शु ४३ १६ पू ३६ ५६ व्र ० ५२ ३४ ब १६ ५	१९	३२	२८	११	२४	२	कं.५०।४०	रमा ११ व्र.
१२	श ३६ ११ उ ३१ ५२ वै ४४ २ कौ ९ ४३	१६	३३	२७	१२	२५	३	कन्यायां	विशा.बुधः ५०।५ धन १३
१३	र २७ ४६ ह २५ ३५ वि ३४ १३ ग १ ५८	१२	३४	२६	१३	२६	४	तु.५१।५५	भ.२७।४६ उ.५२।३ या. प्रदोषः रूप १४
१४	चं १८ २० चि १८ १४ प्री २३ ३८ श १८ २०	९	३४	२६	१४	२७	५	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्
३०	मं ८ ३० स्वा १० २६ आ १२ ३५ ना ८ ३०	५	३५	२५	१५	२८	६	वृ.४९।३०	विशा.रविः २१।३१ (सौरः ५ ३) +

२९पं.का.कृ.४शु.इ. ५ ९ ३ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	६	७	०	८	६
९	२९	६	१२	२६	२८	४	८
२९	४९	४९	३८	३०	३४	०	५४
३८	१९	५५	४२	११	३७	१५	५६
५९	४३	० ७	१३	५८	४ १०	३	६०
४७	५४	५ ६	३८	७	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

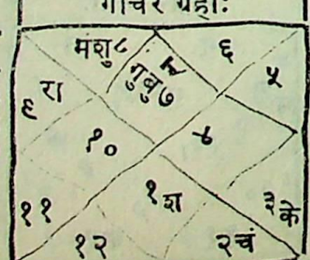

इस मास में काष्ट घास घृत कपासधातु सोना चांदी लोहा पशु तेज हों धान्यों में मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

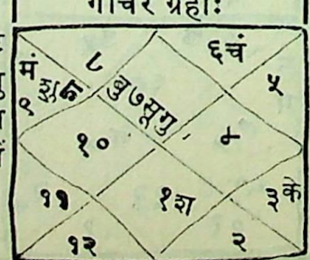

३०पं.का.कृ.११शु.इ. ५ ९ ३ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	६	८	०	८	६
१६	५	१८	१४	३	२८	३	१५
२९	०	१९	१०	२०	२	३८	५६
३०	४३	५९	१६	३८	२८	०	०
६०	४४	० ९	१३	५४	४ २	३	६०
४	१६	४ ९	३८	४३	व.	११	१८

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७९०सं.२०२९

१	मं	५०	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	४९	३६	वि	२ ३५	५२ ४६	सौ	१ ३४	४९ २३	बा	२४	१०	२७ २	६ ३६	५ २५	१६	२९	७	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम् भ्रातृद्वयम२
३	गु	४१	३९	ज्ये	४९	१०	अ	४१	११	तै	१५	३७	२६ ५८	३	३६	२४	१७	१	८	ध.४९।१०	मूल१राहुःमृग.३केतुः२९।२७रज्जव७
४	शु	३५	१७	मू	४४	४१	सु	३२	१९	व	८	२८	५५	३७	२३	१८	२	९	धनुषि	भ.८।२८उ.३५।१७या.
५	श	३०	५१	पू	४२	५	धृ	२५	१६	ब	३	४	५२	३८	२२	१९	३	१०	म.५६।५२	वृश्चिकेबुधः८।२४ [-गोपाष्टमी
६	र	२८	२३	उ	४१	१४	शू	१९	४३	तै	२८	२३	४९	३८	२२	२०	४	११	मकरे	
७	चं	२८	३	श्र	४२	४४	गं	१५	४१	व	२८	३	४५	३९	२१	२१	५	१२	मकरे	भ.२९उ.५९या.उदयंगुरोः५०
८	मं	२९	४०	ध	४५	५४	वृ	१३	१८	ब	२९	४०	४२	४०	२०	२२	६	१३	कुं.१४।१९	अनु.बुधः९ ४पूषाशुक्रः४४ ८पूषा.भौमः५५-
९	बु	३३	१	श	५०	५७	धु	१२	३०	बा	१	२०	३९	४०	२०	२३	७	१४	कुंभे	स्वाती.४गुरुः२१।३७अक्षय९
१०	गु	३७	४७	पू	५७	६	व्या	१२	५९	तै	५	२४	३६	४१	१९	२४	८	१५	मी४०।३४	[×(सौरः ४९)प्रबोधिनी११व्र.+
११	शु	४३	२८	उ	६०	०	ह	१४	८	व	१०	३७	३३	४१	१९	२५	९	१६	मीने	भ.१७उ.४३या.वृश्चिकेऽर्कः१७×
१२	श	४९	४५	उ	४	१६	व	१६	२	ब	१६	३६	३०	४२	१८	२६	१०	१७	मीने	[+तुलसीविवाहः
१३	र	५६	१९	रे	११	३०	सि	१८	९	कौ	२३	२	२७	४३	१७	२७	११	१८	मे.११।३०	प्रदोषः [÷वक्रीभरणी.४शनिः१।२२
१४	चं	६०	०	अ	१९	११	व्य	२०	३५	ग	२९	२७	२५	४३	१७	२८	१२	१९	मेषे	अनु.रविः३५।५५वैकुंठ१४
१५	मं	२	३६	भ	२६	४१	व	२२	३९	व	२	३६	२२	४४	१६	२९	१३	२०	वृ.४३।२५	भ.३उ.३५या.अनु.रविःसौरः५÷
१५	बु	८	३९	कृ	३३	३५	प	२४	३४	ब	८	३९	१९	४४	१६	३०	१४	२१	वृषे	ज्येष्ठाबुधः३९मन्वादिःका.स्ना.पू.

३१पं.का.शु.४शु इ.५०।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	६	८	०	८	६
२३	१०	२९	१५	९	२७	३	२२
३०	१५	३०	४२	४५	२८	१५	५८
४०	३६	५८	२९	३२	५२	४४	३२
६०	१३	९९	१३	५०	४०	३	६०
१७	३२	१९	३२	१८	व.	११	३०

गोचर ग्रहः

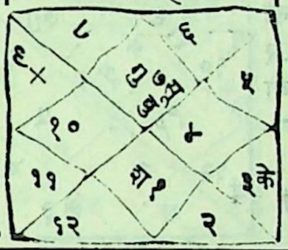

×शुमंराचं
कार्तिकशुक्ल ११शुक्रे
वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः
वा.३ न.४ वृद्धावस्था
(बैठी) मु.४५धान्या-
दिभावे समर्घता
शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहः

३२पं.का.शु.११शु.इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	६	८	०	८	७
०	१५	१०	१७	१५	२६	२	०
३३	३३	२४	१३	३९	५४	५३	२
२२	४०	५८	३७	५०	५०	२९	२९
६०	४४	९६	१३	४४	४०	३	६
३०	५२	३६	३२	५९	व.	११	४

ति. | मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०८६ शाकः १९५१ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.

१	गु	१४	५	रो	४०	१०	शि	२६	१०	कौ	१४	५	२६ १७	६ ४५	५ ५५	१	१५	२२	वृषे	भा.मार्गशीर्षारंभः
२	शु	१८	४४	मृ	४५	३५	सि	२६	५८	ग	१८	४४	१४	४५	१५	२	१६	२३	मि१२।५२	भ.५०।३७उ.बधोदयःपश्चिमायां०।८
३	श	२२	३०	आ	५०	२६	सा	२७	१२	वि	२२	३०	१२	४६	१४	३	१७	२४	मिथुने	भ.२२।३०या. चतुर्थी.व्र.
४	र	२५	१२	पु	५४	७	शु	२६	४५	बा	२५	१२	९	४६	१४	४	१८	२५	क.३८।१२	
५	चं	२६	४९	पु	५६	४८	शु	२५	१८	तै	२६	४९	७	४७	१३	५	१९	२६	कर्के	
६	मं	२७	१९	श्ले	५८	८	व्र	२२	५४	व	२७	१९	५	४७	१३	६	२०	२७	सिं५८।८	भ.२७।१९उ.५६।५०या.
७	बु	२६	२०	म	५८	११	ऐं	१९	३५	ब	२६	२०	३	४८	१२	७	२१	२८	सिंहें	
८	गु	२३	५९	पू	५६	४१	वै	१५	०	कौ	२३	५९	०	४८	१२	८	२२	२९	सिंहे	मूलेधनुषिबुधः ३९विशा.१गुरुः५३
९	शु	२०	८	उ	५३	४६	वि	९	१४	ग	२०	८	२५ ५८	४८	१२	९	२३	३०	कं.१०।५७	भ.४७।२८उ.
१०	श	१४	५९	ह	४९	३५	प्री	२०	५२ ६	वि	१४	५९	५६	४९	११	१०	२४	१	कन्यायां	भ.५९या.उषा.भौमः १९दिसंबर१२ता३१
११	र	८	१४	चि	४४	७	सौ	४५	१८	बा	८	१४	५४	४९	११	११	२५	२	तु.१६।५१	ज्येष्ठा.रविः४६।६ उत्पत्ति११व्र.
१२	चं	०	४१	स्वा	३७	४१	शो	३५	२६	तै	०	४१	५३	४९	११	१२	२६	३	तुलायां	भ.५२उ.ज्येष्ठा रवि.सौरः ११ प्रदोषः
१३	चं	५१	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
१४	मं	४३	४	वि	३०	३३	अ	२५	११	वि	१७	३६	५१	५०	१०	१३	२७	४	वृ.१७।२०	भ.१७।३६या.उषा.शुक्रः५।२९
३०	बु	३४	७	अ	२३	२२	सु	१४	३४	च	८	३५	४९	५०	१०	१४	२८	५	वृश्चिके	मकरेभौमः३५।२०

३३पं.मा.कृ.२शु.इ. ५० २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	६	८	०	८	७
७	२०	२१	१८	२०	२६	२	७
३७	५४	४	४३	५०	२१	३९	८
१६	१८	४४	४८	२०	११	१३	९
६०	४५	९३	१३	३७	३३	३	६०
४२	०	२८	२०	३४	व	११	५३

गोचर ग्रहः

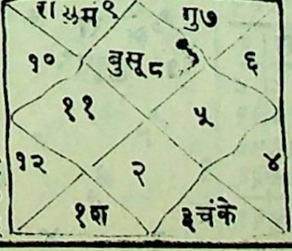

इस मास में वदि में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना मक्का मंदा हो सुदि में चांदी सोना रुई घटबढ लेकर तेज हो।

गोचर ग्रहः

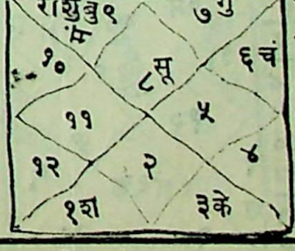

३४पं.मा.कृ.९शु.इ.५० ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	६	८	०	८	७
१४	२६	१	२०	२५	२५	२	१४
४२	१७	२९	१२	७	४८	८	१४
२९	५८	१३	२२	१२	४३	५७	५५
६०	४५	८७	१३	२८	१०	३	६१
५०	१७	५९	१०	३१	व.	११	३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः६८१९स.२०२९
१	गु	२५	३८	ज्ये	१६	४८	धृ	४ २०	५ ३०	ब	२५	३८	२५ ४८	६ ५०	५ १०	१५ २९ ६ ध.१६।४८
२	शु	१८	१८	मू	१०	४६	गं	४६	११	कौ	१८	१८	४६	५१	९	१६ ३० ७ धनुषि चंद्रदर्शनम्
३	श	१२	४१	पू	६	३८	बृ	३८	५६	ग	१२	४१	४५	५१	९	१७ १ ८ म.२०।५७ भ.४०।४६उ.सावान२
४	र	८	५२	उ	३	५५	ध्रु	३३	१०	वि	८	५२	४४	५१	९	१८ २ ९ मकरे भ.८।५२या.पूषा.बृध.१५।३०
५	चं	७	१५	श्र	४	३५	व्या	२९	२६	बा	७	१५	४३	५१	९	१९ ३ १० कुं.३५।२१
६	मं	७	३५	ध	६	६	ह	२७	८	तै	७	३५	४२	५२	८	२० ४ ११ कुंभे चंपा६
७	बु	१०	१६	श	९	५४	व	२६	५३	ब	१०	१६	४१	५२	८	२१ ५ १२ मी५८।२३ भ.१०।१६उ.४२।२५या.
८	गु	१४	३४	पू	१४	३२	सि	२७	६	व	१४	३४	४०	५२	८	२२ ६ १३ मीने
९	शु	२०	४	उ	२१	८	व्य	२८	३५	कौ	२०	४	३९	५२	८	२३ ७ १४ मीने वक्रीशुक्रः७।५०
१०	श	२६	२६	रे	२८	३१	व	३०	४६	ग	२६	२६	३९	५२	८	२४ ८ १५ मे.२८।३१ भ.५९।४६उ.मूलेधनुष्यर्कः५३।२१
११	र	३३	७	अ	३६	५	प	३३	५	वि	३३	७	३८	५२	८	२५ ९ १६ मेषे भ.३३या.मूलेधनुष्यर्क.सौर:१६ विशा.=
१२	चं	३९	२५	भ	४३	४३	शि	३५	२४	ब	६	१६	३८	५२	८	२६ १० १७ मेषे [=२गुरुः१२ मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१३	मं	४५	२३	कृ	५०	१८	सि	३७	१५	कौ	१२	२४	३७	५३	७	२७ ११ १८ वृ.०।२२ श्रवणेभौम.२२।५४ प्रदोषः
१४	बु	५०	३४	रो	५६	५२	सा	३८	३३	ग	१७	५८	३७	५३	७	२८ १२ १९ बृषे भ.५०।३४उ.
१५	गु	५४	२९	मृ	६०	०	शु	३९	०	वि	२२	३१	३६	५३	७	२९ १३ २० मि२९।२७ भ.३२ या.दत्तजयंती खग्रास चंद्रग्रहणम्

३५पं.मा.शु.२शु.इ.५०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	६	८	०	८	७
२१	१	११	२१	२८	२५	१	२१
४८	४२	२९	३९	८	१८	४६	२२
३२	१८	१०	०	२४	३२	४२	२६
६०	४५	७७	१२	१६	५३	३	६१
५६	३४	४८	४८	२१	व	११	११

गोचर ग्रहाः

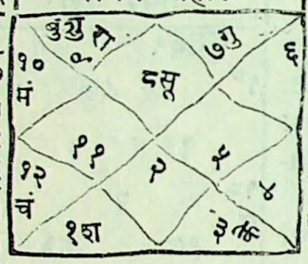

मार्गशीर्षशुक्ले१०शनौ धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा.२ न. ३ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

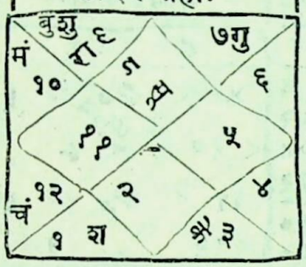

३६पं.मा.शु.९शु.इ. ४९/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	६	८	०	८	७
२८	७	१९	२३	२९	२४	१	२८
५५	९	३२	३	३९	५१	२४	३१
२६	२४	२८	१४	४	१४	२६	१९
६१	४५	५७	१२	१ ४९	३ ३०	३	६१
०	४०	१३	२०	व. व	११	१९	

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	शु	५७	३१	मृ	२	१	शु	३८	४९	बा	२६	०	२५ ३६	५ ५३	७	३० १४ २१ मिथुने
२	श	५९	२३	आ	६	१३	व्र	३७	३८	तै	२८	२७	३६	५३	७	१ १५ २२ क.५२।२६ वक्रीबुधः९।५२भा.पौषारंभः
३	र	५९	५६	पु	९	१०	ऐं	३५	४०	व	२९	३९	३६	५३	७	२ १६ २३ कर्के भ.२९।३९उ.५९।५६या.
४	चं	५९	४४	पु	११	१०	वै	३२	५६	ब	२९	५०	३७	५३	७	३ १७ २४ कर्के चतुर्थी व्रतम्
५	मं	५८	२७	श्ले	१२	२०	वि	२९	२२	कौ	२९	५	३७	५३	७	४ १८ २५ सिं१२।२० बुधोदयःपश्चिमायां३१।१
६	बु	५६	१७	म	१२	२८	ग्री	२५	०	ग	२७	२२	३७	५३	७	५ १९ २६ सिंहे भ.५६।१७उ.
७	गु	५३	१४	पू	११	४०	आ	१९	४७	वि	२४	४५	३८	५२	८	६ २० २७ कं.२६।१४ श.२४।४५या.
८	शु	४९	१६	उ	९	५४	सौ	१४	०	बा	२१	१५	३८	५२	८	७ २१ २८ कन्यायां पूषा.रवि.५८।२१
९	श	४४	२३	ह	७	१६	शो	७	२५	तै	१६	४९	३९	५२	८	८ २२ २९ तु.३५।२८ पूषा.रविःसौर:१९ वक्रीपूषा.शुक्रः१२
१०	र	३८	४०	चि	३ ४०	५५ ३४	अ	८	५५ ५६	व	११	३१	४०	५२	८	९ २३ ३० तुलायां भ.११।३१उ.३८।४०या.
११	चं	३२	४	वि	५४	८	धृ	४३	२८	ब	५	२२	४१	५२	८	१० २४ ३१ वृ.४०।२५ सफला११व्र.
१२	मं	२४	३५	अ	४८	३७	शू	३४	२५	तै	२४	३५	४२	५२	८	११ २५ १ वृश्चिके जनवरी१ता.३१सन्२०३० प्रदोषः
१३	बु	१७	२६	ज्ये	४३	१	गं	२५	११	व	१७	२६	४३	५१	९	१२ २६ २ ध.४३।१ भ.१७उ.४३या.वक्रीमूलेबुधः२९।१७
१४	गु	९	५८	म	३७	४२	बृ	१६	९	श	९	५८	४४	५१	९	१३ २७ ३ धनुषि विशा.३गुरुः२२।५८
३०	शु	३	११	पू	३३	८	ध्रु	३५ ३३	५२ ३३	ना	३	११	४५	५१	९	१४ २८ ४ म.४७।१८ धनि.भौमः२८।१२

३७पं.पौ.कृ.१शु.इ. ४९/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	६	८	०	८	८
६	१२	२३	२४	२९	२४	१	५
३	३७	२४	२४	१२	२८	२	४०
०	३७	७	१४	५४	४१	११	४४
६१	४५	४	११	१४ २०	४९	३	६१
४	४४	३२	५९	व.	व	११	२२

३८पं.पौ.कृ ८शु.इ.४९।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	६	८	०	८	८
१३	१८	१७	२५	२६	२४	०	१२
१०	६	५१	४२	५०	१०	३९	५०
५९	३६	४७	४	४९	१६	५५	३६
६१	४५	८९	११	३ १९	२ १३	३	६१
६	४७	४७	१९	व	व	११	२६

३९पं.पौ.कृ.३०शु.इ.४९/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	६	८	०	८	८
२०	२३	१०	२६	२२	२३	०	२०
१९	२६	२०	५५	५९	५६	१७	००
५	१४	४७	२४	५३	२०	३९	३३
६१	४५	७३ २६	१० १९०	३६ १२	१२	३	६१
६	५०	व	४१	व	व	११	२६

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१	दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६८४९स.२०३०
१	शु ५४ ११	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श ५३ ७	उ	२९	४९	ह	५३	२२	बा	२५ १५	मकरे	चन्द्रदर्शनम् शुक्रास्तःपश्चिमायां१२।०
३	र ५० ३३	श्र	२८	१५	व	४८	२४	तै	२१ ५०	कुं.५८।२७	बुधोदयःपूर्वस्यां१५।३५रमजान९
४	चं ५० ४	ध	२८	४०	सि	४४	४२	व	२० १८	कुम्भे	भ.२०।१८उ.५०।४या.
५	मं ५१ ४४	श	३०	५२	व्य	४३	५	व	२० ५४	कुम्भे	
६	बु ५५ १०	पू	३४	५८	व	४२	३५	कौ	२३ २७	मी१८।५६	[=केतुः२२।४३
७	गु ६० ०	उ	४०	३५	प	४३	२३	ग	२७ ३९	मीने	ज्येष्ठा.४वृश्चिकेराहुः मृग.२वृषे=
७	शु ० ८	रे	४७	३३	शि	४४	५४	व	० ८	मे.४७।३३	भ.९उ.३३या.उषा.रविः१९(सौरः१९)×
८	श ६ ९	अ	५४	५८	सि	४७	०	ब	६ ९	मेषे	[×मार्गीबुध :३९शुक्रोदयःपूर्वस्यां३९
९	र १२ ४९	भ	६०	०	सा	४९	१६	कौ	१२ ४९	मेषे	कुंभेभौमः०।२०
१०	चं १९ ८	भ	२	४३	शु	५१	१७	ग	१९ ८	वृ.१९।३२	भ.५२उ.मकरेऽर्कः१९(सौरः३५)
११	मं २५ १३	कृ	९	५८	शु	५२	५०	वि	२५ १३	वृषे	भ.२५।१३या. पुत्रदा११व्र.
१२	बु ३० ६	रो	१६	२६	व्र	५३	२९	बा	३० ६	मि४८।५५	
१३	शु ३३ ५०	मृ	२१	२५	ऐं	५२	५२	कौ	१ ५८	मिथुने	प्रदोषः
१४	शु ३६ ७	आ	२५	१४	वै	५१	१४	ग	४ ५८	मिथुनें	भ.३६।७उ.
१५	श ३६ ५५	पु	२७	३७	वि	४८	४३	वि	६ ३१	क.१२।१	भ.६या.मार्गीशनिः३०मा.स्ना.प्रा.

४०पं.पौ.शु.७शु.इ.४९३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	६	८	०	७	८
२७	२९	७	२८	१८	२३	२९	२७
२७	५	०	४	४८	४८	५५	१०
७	३८	५४	१२	४३	११	२४	२५
६१	४५	१३	९	३३	३९	३	६१
६	५५	मा	५४	वं.	वं	११	२४

गोचरग्रहाः

पौष शुक्ले १० चंद्रे मकरेऽर्कःप्रविष्ट.वा३ न. ३ प्रगलभावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

४१पं.पौ.शु.१४शु.इ.४९३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	६	८	०	७	९
४	४	१०	२९	१५	२३	२९	४
३४	३५	३१	७	३९	४५	३३	१९
५९	४२	४४	१२	३२	१८	८	५४
६१	४५	४३	९	२१	४	३	६१
३	४६	५३	२	व.	व.	११	१९

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	र ३६ १९	पु	२८	५०	प्री	४५	६	बा	५ ३७	कर्के	अभि.प्र.रवि:५४।० [+भा माघारंभः
२	च ३४ ४९	श्ले	२८	४४	आ	४०	३८	तै	५ ३४	सिं२८।४४	अभि.प्र.रविःसौरः६,शतेभौमः३२+
३	मं ३२ ५	म	२७	४७	सौ	३५	२५	व	३ २७	सिहे	भ.३७उ.३२या.पूषा.बुधः३९ चतुर्थीव्र.
४	बु २८ ४७	पू	२६	११	शो	२९	४४	व	० २६	कं.४०।३५	
५	गु २४ ५५	उ	२३	४७	अ	२३	२७	तै	२४ ५५	कन्यायां	श्रवणेरवि:८।३७ (सौरः२३।३३)
६	शु २० ४६	ह	२१	१५	सु	१६	५७	व	२० ४६	तु.४९।४८	भ.२९उ.४९या.अभि.नि.रवि:६२(सौरः
७	श १६ १६	चि	१८	२१	धृ	१०	७	ब	१६ १६	तुलायां	[५६० विशा.४वृश्चिकेगुरुः१४
८	र ११ २५	स्वा	१५	४	शू	३	५२	कौ	११ २५	वृ.५७।२९	
९	चं ६ ११	वि	११	३८	वृ	४८	१०	ग	६ ११	वृश्चिके	भ.३३।२८उ.मार्गीशुक्रः७।४
१०	मं ० ४५	अ	७	३९	ध्रु	४०	३३	वि	० ४५	वृश्चिके	भ.०।४५या. षट्तिला११व्र.स्मा.
११	मं ५४ २२		०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	
१२	बु ४९ ३०	ज्ये	३	४७	ज्या	३३	१	कौ	२२ १८	ध.३।४७	षट्तिला११व्र.वै.
१३	गु ४४ १९	मू	७	५६	ह	२५	४४	ग	१६ ५४	धनुषि	भ.४४।१९उ. प्रदोषः
१४	शु ३९ ४०	उ	५४	१०	व	१८	४९	वि	११ ५९	म.११।१०	भ.११।५९या.फर्वरी२ता.२८
३०	श ३६ ७	श्र	५२	४२	सि	१२	४३	च	७ ५३	मकरे	उषा.बुधः४।५२

४२पं.मा.कृ.६शु.इ.४९३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	७	८	०	७	९
११	१०	१७	०	१४	२३	२९	११
४२	६	२६	४	१९	४८	१०	२८
२९	१९	६	५५	५९	२९	५३	४५
६०	४५	६१	८	५	५०	३	६१
५९	४९	४१	२०	वं	मा	११	१३

गोचर ग्रहाः

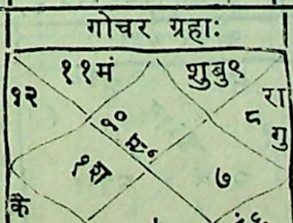

इस मास की वदिकी तिथि क्षय व सुदिकी तिथि वृद्धि धान्य गल्ला रसकस वस्त्र वारदाना में मंदी करेगी धातु तेज हों ।

गोचर ग्रहाः

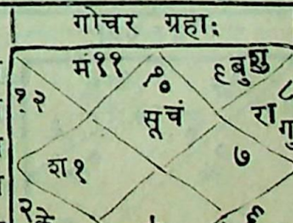

४३पं.मा.कृ.१४शु.इ.४९३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	७	८	०	७	९
१८	१५	२६	०	१४	२३	२८	१८
४९	३६	१९	५५	५७	५६	४८	३६
१	७	५९	५५	२२	५६	३७	५२
६०	४५	७९	७	३८	१	३	६१
५५	३९	१	७	मा	३२	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽर्हर्गणः६८७८स.२०३०
१	र	३३	५०	ध	५२	४२	व्य	७	३४	किं	४	५८	२७ १ ३६ २४	१४	२९	३	कु.२२।४२
२	चं	३३	७	श	५४	१६	व	३	४०	बा	३	२८	५ ३५ २५	१५	३०	४	कुंभे मकरेबुधः ३६ चंद्रदर्शनम्
३	मं	३४	२२	पू	५७	२६	प	१२	५८	तै	३	१४	८ ३४ २६	१६	१	५	मी४१।३९ सव्वाल१०
४	बु	३७	१९	उ	६०	०	सि	५९	४३	व	५	५०	१२ ३४ २६	१७	२	६	मीने भ.५० उ.३९ या.धनि.रविः १६ (सौरः २६
५	गु	४१	३८	उ	२	११	सा	६०	०	व	९	२८	१५ ३३ २७	१८	३	७	मीने पूभा.भौमः२५।४३वसंत५
६	शु	४७	१३	रे	८	३४	सा	१	१०	कौ	१४	२५	१९ ३२ २८	१९	४	८	मे.८।३४ पातस्पर्शः२२।३९पातमोक्षः३८।५२
७	श	५३	३५	अ	१५	४३	शु	२	४१	ग	२०	२४	२३ ३१ २९	२०	५	९	मेषे भ.५३।३५उ.भानु७रथ ७
८	र	५९	५९	भ	२३	१०	शु	४	५९	वि	२६	४७	२७ ३१ २९	२१	६	१०	वृ.४०।१ भ.२६।४७या.भीष्माष्टमी
९	चं	६०	०	कृ	३०	३६	ब्र	७	११	बा	३३	३	३० ३० ३०	२२	७	११	वृषे श्रवणेबुधः२७।३४
९	मं	६	७	रो	३७	३१	ऐं	९	४	कौ	६	७	२४ २९ ३१	२३	८	१२	वृषे कुंभेऽर्कः५२।११
१०	बु	११	२२	मृ	४३	१४	वै	१०	९	ग	११	२२	३८ २८ ३२	२४	९	१३	मि१०।२२ भ.४३।१५उ.कुंभेऽर्कः सौरः२।२१
११	गु	१५	७	आ	४७	१७	वि	१०	३	वि	१५	७	४१ २८ ३२	२५	१०	१४	मिथुने भ.१५।७या.जया११व्र.
१२	शु	१७	२२	पु	४९	४४	प्री	८	५२	बा	१७	२२	४५ २७ ३३	२६	११	१५	क.३३।५७ प्रदोषः
१३	श	१७	४५	पु	५०	३७	आ	६	७	तै	१७	४५	४९ २६ ३४	२७	१२	१६	कर्के
१४	र	१६	२२	श्ले	४९	४२	सौ	२	५४ १ ४९	व	१६	२२	५३ २५ ३५	२८	१३	१७	सिं४९।४२ भ.१६।२२उ.४४।५७या.
१५	चं	१३	३३	म	४७	३७	अ	५०	३३	ब	१३	३३	५६ २५ ३५	२९	१४	१८	सिंहे मा.स्ना.पूर्तिः

४४पं.मा.शु.६शु.इ.४९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	७	८	०	७	९
२५	२१	६	१	१७	२४	२८	२५
१४	३	५	४०	२१	१०	२६	४३
५०	४७	२४	५	०	१९	२१	३९
६०	४५	८९	६	२४	२	३	६०
४७	३३	११	१०	९	१२	११	५५

गोचर ग्रहाः

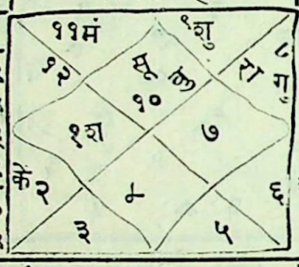

माघ शुक्ले ९ भौमे कुंभेऽर्क प्रविष्टःवा.२ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

४५पं.मा.शु.१२शु.इ.५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	७	८	०	७	१०
२	२६	१६	२	२१	२४	२८	२
५९	३१	३९	१६	४	२९	४	४९
४२	१२	११	१९	१९	३८	६	४२
६०	४५	९७	५	३४	२	३	६०
३७	२३	४०	०	५५	५२	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	मं	९	२०	पू	४४	३७	सु	४३	३७	कौ	९	२०	२८ २३ ३६	३०	१५	१९	क.५८।४१ शतेरविः२८।२४ (सौरः३७।४३)
२	बु	४	३०	उ	४०	५२	धृ	३६	८	ग	४	३०	४ २३ ३७	१	१६	२०	कन्यायां भ.३० उ.५९ या.धनि.बुधः५७ मीनेमौम+
३	बु	५४	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०	०	०	[+१३।३४भा.फाल्गुनारंभः
४	गु	५२	५९	ह	३६	४८	शू	२८	३१	ब	२५	५४	८ २२ ३८	२	१७	२१	कन्यायां बुधास्त.पूर्वस्यां३०।१चतुर्थीव्र.
५	शु	४७	१४	चि	३३	१४	गं	२०	३७	कौ	२०	६	१२ २२ ३८	३	१८	२२	तु.५।१
६	श	४१	४६	स्वा	२९	२	वृ	१३	१३	ग	१४	३०	१६ २१ ३९	४	१९	२३	तुलायां भ.४१ उ.कुंभेबुधः५० उषा.शुक्रः४९
७	र	३६	२७	वि	२५	२४	ध्रु	५०	५२ ४९	वि	९	६	२० २० ४०	५	२०	२४	वृ.११।१८ भ.९।६या.उभा.भौमः३७।२८
८	चं	३१	२९	अ	२२	८	ह	५१	४०	बा	३	५८	२४ १९ ४१	६	२१	२५	वृश्चिके
९	मं	२६	५७	ज्ये	१९	८	व	४५	१६	ग	२६	५७	२८ १८ ४२	७	२२	२६	ध.१९।८ भ.५४।४८उ.
१०	बु	२२	४०	मू	१६	४७	सि	३९	१३	वि	२२	४०	३२ १८ ४२	८	२३	२७	धनुषि भ.२२ या.शतेबुधः५५।५मकरेशुक्रः५३
११	गु	१९	१	पू	१४	५२	व्य	३३	३२	बा	१९	१	३६ १७ ४३	९	२४	२८	म.२९।३४ विजया११व्र.
१२	शु	१५	५८	उ	१३	४१	व	२८	३९	तै	१५	५८	४० १६ ४४	१०	२५	१	मकरे माचं३ता.३१प्रदोषः
१३	श	१३	४९	श्र	१३	८	प	२४	१७	व	१३	४९	४४ १५ ४५	११	२६	२	कुं.४३।२७ भ.१३ उ.१५ या.महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१४	र	१२	४१	ध	१३	४७	शि	२१	४	श	१२	४१	४८ १४ ४६	१२	२७	३	कुंभे महाशिवरात्रीव्र.वै.
३०	चं	१२	३९	श	१५	३३	सि	१८	४०	ना	१२	३९	५२ १४ ४६	१३	२८	४	कुम्भे पूभा.रविः २४ (सौरः५२।३०)

४६पं फा.कृ.५शु.इ ५० १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	७	८	०	७	१०
१०	१	२८	२	२५	२४	२७	९
३	५८	१	४४	५७	५२	४०	५४
१४	४४	४४	२८	४०	३७	५०	१५
६०	४५	०	३	४२	३	३	६०
२५	२८	१९	४७	५८	३४	११	३१

गोचर ग्रहाः

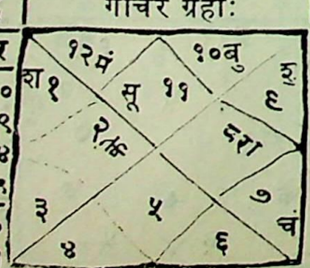

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल गेहूं जो मेंकुछ मंदी हो धातु सोना चांदी रसकस वस्त्र कपास तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

४७पं.फा.कृ.१२शु.इ. ५० ३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	७	९	०	७	१०
१७	७	१०	३	१	२५	२७	१६
५	२१	१०	४	३६	२०	१९	५७
२८	२२	५२	२०	११	५६	३५	१०
६०	४५	०	२	४९	४	३	६०
१२	१७	४३	२३	१०	१६	११	२०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१									दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	वसंततु रविरुत्तरेऽहर्गण६६०८स.२० ३०
१	मं	१४	७	पू	१८	५२	सा	१७	३५	व	१४ ७	२८ १६ ४७	१४ २६ ५	मी ३।२	चंद्रदर्शनम्पातस्पर्शः ४१ पातमोक्षः ५३
२	बु	१७	६	उ	२३	२२	शु	१७	११	कौ	१७ ६	२९ १ १२ ४८	१५ १ ६	मीने	जिल्काद११फुलरिया२
३	गु	२१	१७	रे	२६	१५	शु	१७	५७	ग	२१ १७	५ ११ ४६	१६ २ ७	मे.२६।१५	भ.५३।५८उ.पूभा.बुधः१३।१२
४	शु	२६	३६	अ	३५	५०	ब्र	१६	१४	वि	२६ ३६	९ १० ५०	१७ ३ ८	मेषे	भ.२६।३६या.
५	श	३२	४६	भ	४३	२१	ऐं	२१	३२	बा	३२ ४६	१३ ६ ५१	१८ ४ ९	मेषे	×वक्रीगुरुः ४६ ज्येष्ठा३राहुःमृग१केतुः ५७ ५२
६	र	३९	१०	कृ	५०	५३	वै	२३	५५	कौ	५ ५६	१७ ६ ५१	१९ ५ १०	वृ.०।१४	
७	चं	४५	२८	रो	५८	२३	वि	२६	१०	ग	१२ १६	२१ ८ ५२	२० ६ ११	वृषे	भ.४५।२८उ.श्रवणेशुक्रः४।५
८	मं	५१	१२	मृ	६०	०	प्री	२७	५३	वि	१८ २०	२६ ७ ५३	२१ ७ १२	मि ३१।३५	भ.१६ या.मीनेबुधः२२।३४होलाष्टकम्
९	बु	५५	३२	मृ	४	४८	आ	२८	४१	बा	२३ २२	३० ६ ५४	२२ ८ १३	मिथुने	रेवत्यांभौमः५३।१४
१०	गु	५८	१४	आ	६	५५	सौ	२८	२०	तै	२६ ५३	३४ ५ ५५	२३ ९ १४	क.५७।३१	मीनेऽर्कः ४५ ३० (सौरः ५२ ५१) उभा बुधः४।०×
११	शु	५९	७	पु	१३	२५	शो	२६	२७	व	२८ ४०	३८ ४ ५६	२४ १० १५	कर्के	भ.३६ उ.५९ या.आमलकी११व्र.ल्मा.
१२	श	५७	५०	पु	१४	५८	अ	२३	७	ब	२८ २८	४३ ३ ५७	२५ ११ १६	कर्के	अस्तोभौम.:२।७आमलकी११व्र.वै.
१३	र	५४	५०	श्ले	१४	३१	सु	१८	७	कौ	२६ २०	४७ ३ ५७	२६ १२ १७	सिं १४।३१	कृत्ति१शनिः४५।३४प्रदोषः
१४	चं	४९	५२	म	१२	१८	धृ	११	४६	ग	२२ २४	५१ २ ५८	२७ १३ १८	सिंह	भ.४९ उ.उभा.रविः २३ (सौरः १४ १७)
१५	मं	४३	३१	पू	८	२६	शू	१०	४५ ३२	वि	१६ ४१	५५ १ ५९	२८ १४ १९	कं.२२।११	भ.५६ या.होलिकादहनम्

४८पं.फा.शु.४शु.इ.५० ५८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	७	९	०	७	१०
२४	१२	२३	३	७	२५	२६	२३
६	४६	८	१४	४९	५३	५७	५८
१४	४१	२८	५३	२३	२४	१९	३३
५९	४५	५९	१	५८	४	३	६०
५८	१२	५६	०	४९	४९	११	६

गोचर ग्रहाः

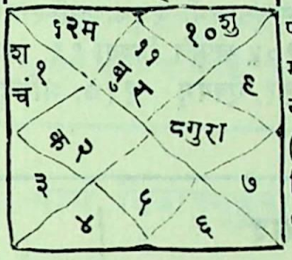

फाल्गुनशुक्ले १० गुरौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्या-दिभावे समर्घता पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

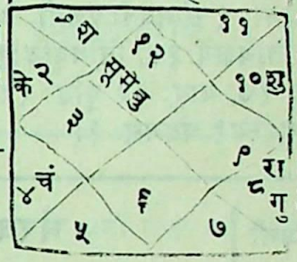

४९पं.फा.शु.११शु.इ.५१ १०							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	७	९	०	७	११
१	१८	६	३	१४	२६	२६	०
५	८	५१	१६	३०	३०	३५	५८
३१	१२	१८	२३	५०	७	३	१५
५९	४४	५९	१९	५७	५	३	५९
४१	५३	१८	व.	२८	११	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१									दि. उ. अ.	भा. मु. इं	चन्द्रः	वसंततु रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	बु	३६	१७	उ	२८	२३	बृ	४६	३६	बा	९ ५४	३० ० ६०	२९ १५ २०	कन्यायां	रेवत्यांबुधः ४३ वसंत१छारेंडी
२	शु	२८	४१	चि	५१	५६	ध्रु	३७	२५	तै	२ २६	४ ५९ ५९ १	३० १६ २१	तु २४।५५	भ.५४।४५उ.
३	शु	२०	५०	स्वा	४६	१६	व्या	२८	१७	वि	२० ५०	८ ५८ २	१ १७ २२	तुलायां	भ.२० या.भा.चैत्रारंभः चतुर्थीव्र.
४	श	१३	२७	वि	४१	१०	ह	१६	२४	बा	१३ २७	१२ ५८ २	२ १८ २३	वृ.२७।२७	बुधोदयःपश्चिमायां१८।०
५	र	६	३७	अ	३६	४६	व	११	१७	तै	६ ३७	१६ ५७ ३	३ १९ २४	वृश्चिके	धनिशुक्रः३८।१७
६	चं	०	३४	ज्ये	३३	३१	सि	३५	५३ १९	व	० ३४	२१ ५६ ४	४ २० २५	ध.३३।३१	भ.०।३४उ.२८।३या शीतलापूजनम्
७	चं	५४	५८	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ० ०	० ०		
८	मं	५१	२२	मू	३०	३१	व	५०	५७	बा	२३ २७	२५ ५५ ५	५ २१ २६	धनुषि	
९	बु	४८	१४	पू	२८	५२	प	४५	५३	तै	१९ ४८	२९ ५४ ६	६ २२ २७	म.४३।४६	[=अश्वि.मेषेभौमः३२।१६प्रदोषः
१०	गु	४५	५९	उ	२८	२६	शि	४१	४१	व	१७ ६	२३ ५३ ७	७ २३ २८	मकरे	भ.१७ उ.५५ या.अश्वि.मेषेबुधः७।२०
११	शु	४५	२	श्र	२८	५५	सि	३८	६	ब	१५ ३०	३७ ५३ ७	८ २४ २९	कु.५९।४२	पापमोचनी११व्र.
१२	श	४५	१२	ध	३०	२९	सा	३५	४२	कौ	१५ ७	४१ ५२ ८	९ २५ ३०	कुंभे	कुंभेशुक्रः५९।३२
१३	र	४६	२२	श	३३	११	शु	३४	५	ग	१५ ४७	४५ ५१ ९	१० २६ ३१	कुंभे	भ.४३ उ.रवत्यांरविः ३४ (सौरः ४० ५४)=
१४	चं	४८	४१	पू	३६	५९	शु	३३	३४	वि	१७ ३१	४९ ५० १०	११ २७ १	मी २१।२	भ.१७।३१या.अप्रेल४ता.३०
३०	मं	५२	१४	उ	४१	४९	व्र	३३	३४	च	२० २७	५३ ४९ ११	१२ २८ २	मीने	मन्वादिः

५०पं.चै.कृ.३शु.इ.५१ ३१							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	७	९	०	७	११
८	२३	२०	३	२१	२७	२६	७
३	२७	३९	८	३२	१०	१२	५६
१८	५०	३६	३५	२४	१६	४८	१०
५९	४४	५९	१	६०	५	३	५९
२९	४७	१५	व.	२८	३९	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो बाजरा मूंग मोठ चावल धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा मंदा हो वस्त्र रुई वारदाना तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

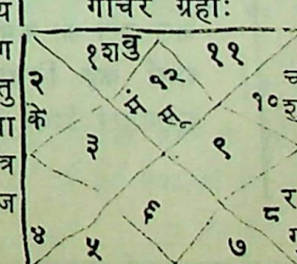

५१पं.चै.कृ.११शु.इ.५५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	७	९	०	७	११
१४	२८	२	२	२८	२७	२५	१४
५९	४५	४३	५१	४९	५३	५०	५२
१०	३६	१	२५	१२	४९	३२	२१
५९	४४	५३	१०	१२	६	३	५९
१६	२६	३४	व.	४७	२	११	१८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३१, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१३१, भोग्यकलिः४२६८६९, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८७, शाकः १९५२, अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः । मंत्री रविः । सस्येशो भौमः । धान्येशः चंद्रः । मेघेशः शनिः। रसेशो गुरुः । नीरसेशो भौमः । फलेशः शनिः । धनेशो भौमः।दुर्गेशःशनिः।एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्येरुद्रविंशतिकायां १८रक्ताक्षनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः २।९।४७।३२।१२ भोग्यमासादिः ९।२०।१२।२७।४८ भगदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम वैशाखः।मेघनाम पुष्करः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे।समयविश्वा ८ समयवाहनम्सिंचाणुः । स्तंभाः३ जलतृण वायूनाम् ।सोमवत्यमाः १ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी१ भानुसप्तमी २बुधाष्टमी२ रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३४५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः१७, तिथिवृद्धिः११ उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा १३ धान्यम् ९ तृणम् ११, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११७, शनिदृष्टि पूर्वस्यां । सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण २सूर्यस्य१ चंद्रमसः १।

सं. २०८७ ज्येष्ठ कृ. ३० शनौ सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घं.	१०	११	१२
मि.	१९	२५	४०
घ.	९	१२	१५
प.	४०	२५	३४

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ९।१८

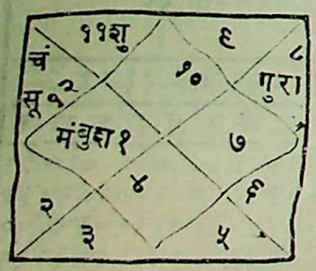

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जननी ज्वालामुखी भैरव आया द्वार ।
सत्यासी की साल का कहदो फल विस्तार ।।

भवानी उत्तर

सत्यासी सत छोडसी करसी धुवांधार ।
सत्ताधिप विग्रह करें जनता कष्ट अपार ।।
बुधजी राजा बापड़ा चले न इनका जोर ।
मंत्री रवि दुर्गेश शनि करैं और की ओर ।।
वर्षा विश्वा विश्व है रोहिणी सागर मांय ।
जल तृण की कमती नहीं अन्न भरोसा नांय ।।
शर्मा कहे विचार के संवत् के ग्रहचार ।
करणहार ईश्वर धणी उनकी शक्ति अपार ।।

सं. २०८७ ज्ये. शु. १५ चंद्र चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो
घं.	१०	१२	१
मि.	५१	५	१९
घ.	४१	४४	४७
प.	१	६	११

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	घ	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् १।२५

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।८।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१५।४२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृह गृहे तूर्य विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दान दयां जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ।। मंत्री रवि: फलम् ।। नृप भयं गदतोपिहि तस्करात् प्रचुर धान्य धनादि महीतले । रसचयं हि समर्घतमं तदा रविरमात्य पदं हि समागतः ।। सस्यशः भौमः फलम् ।। प्रथम धान्यपतौ धरणीसुते गजतुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग घनोजलं न समसौख्य करं तुष धान्य हृत् ॥ धान्येशश्चंद्रः फलम् ॥ चंद्रे धान्याधिपे जाते प्रजावृद्धिः प्रजायते । गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोषुक्षीरंतदा बहुः ॥ मेघेश:शनि:फलम् ।। रविसुते जलदस्यपतौ भवेद्विरल वृष्टिरतीव वसुन्धरा । सनसि तापकरो नृपतिः सदा विविध रोग रता जनता मता ।। रसेशो गुरुः फलम् ।। यदि गुरु रसपो जन सौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानि च । जनपदा द्विज पूजन तत्परा गज सुवाजिरथोष्ट्रयुता नृपाः ।। नीरसेशोभौम:फलम्।। नीरसेशो यदा भौम:प्रवाल रक्तवाससां । रक्तचंदनताम्राणा मर्घ वृद्धिर्दिनेदिने ।। फलेशः शनिः फलम् ।। यदि शनिः फलपः फलहा भवेज्जनित पुष्प गणस्य द्रुम सदा । हिम भयंकर तस्कर जन्तुभिःर्जनपदो गद राशि महा कुलः ।। धनेशो भौमः फलम् ।। असम मौल्यकरो धरणीसुतः शरदि ताप करस्तुष धान्य हृत् । सहसि मासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जन शोक विधायकः ।। दुर्गेशः शनिः फलम् ।। रविसुते गढ़ पालिनि विग्रहैः सकलदेश गताश्चलिता जनाः । विविध वैरि विशेषित नागराः कृषि धनं शलभैर्मुषितं भुवि ।। रक्ताक्षनाम संवत्सरः फलम् रक्ताक्षि वत्सरे सस्य वृद्धिर्वृष्टिरनुत्तमा । प्रेक्षन्ते सर्वदान्योन्यं राजानो रक्तलोचनाः । वर्षनाम वैशाखः फलम ।। वैशाखेऽब्देतु राजानो धर्म मार्ग रताः क्षितौ क्षेमं सुभिक्षमारोग्यं द्विजाश्चाध्वर तत्पराः ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मंदवृष्टिश्च ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रेतुमहावृष्टिः ।। समय निवासो मालि गृहे । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशभम् ।।

संवत् २०८७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १३ भौमे हस्ते ल. ९-१० रे. ८ ।।।।।ऽअऽ।।।

,, १५ गुरौ स्वात्यां ल. ९-१०-११ रे.६।।।।ऽऽनृऽऽ।।

वैशाख मासः

शुक्ला २ शनौ रोहि ल. १०-११ रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।।

,, ८ शनौ मघा ल. ९-११ (कुं.७चं.पू.) रे. ७ ऽ।।।।ऽरो।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, ११ भौमे हस्ते ल. ९-१० रे. ८ ।।।।।ऽअऽ।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १० रवौ उभा ल. ११-१ रे. ७ ऽ।।।।ऽअ।ऽ।। (घ.४४-३५ उ.)

,, ११ चन्द्रे रेव ल. ९-१०-११ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।। दग्धा घ.४९-११उ.

शुक्ला १ रवौ मृगे ल. ११ रे. ८ ।।।।ऽऽरो४५या।।।।

,, ६ शुक्रे मघा ल. ९-११ (कुं.चं.७पू.) ल.१ रे.६ ऽ।।।।ऽनृऽऽ।।

,, ८ रवौ ल. ९-१० रे. ८ ।।।।।ऽचौ।ऽ।।

आषाढ मासः

कृष्णा ७ शनौ उभा ल. ऽन्यगो १०-११-१ रे. ६ ऽ।।।।ऽचौ३७या।ऽ।ऽदग्धा

,, ८ रवौ रेव ल.१०-११-१ रे.८ ।।।।।।रो४०उऽऽ।।

शुक्ला ५ शनौ उफा ल. ऽन्यगो (७मेभौमः) ल. ११ (चं.पू.) रे. ९ ।।।।।ऽअ।।।।

,, ७ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो(७मेभौमः)रे.८।।।।।।ऽऽ।।

,, ९ भौमे स्वात्यां ल.११-१(मेषेचं.पू.)रे९।।।।।।ऽ।।।

माघ मासः

कृष्णा ९ शुक्रे स्वात्यां ल.ऽन्यगो६-९रे.७।।।।।अ३१याऽऽ।।

शुक्ला ५ चन्द्रे उभा ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽनृऽ।।।

,, ६ भौमे रेव ल. ऽन्यगो रे. १० ।।।।।।।।।।

,, १० शनौ रोहि ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽ।।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा १ शनौ मघा ल. गो. ९ रे. ६ ऽ।।।ऽ।ऽऽ।।

,, ३ चन्द्रे उफा ल. ९ रे. ८ ।।।।ऽ।ऽ।।।

,, १० चन्द्रे मूले ल. ऽन्यगो रे. ७ ।ऽ।।।ऽनृ।ऽ।।

शुक्ला ३ चन्द्रे रेव ल. ९-१० रे.८ ।।।।।ऽअ।।।ऽ दग्धा

चैत्र मासः

कृष्णा १ चन्द्रे हस्ते ल. गो. ९-१० रे. ७ ।ऽ।ऽबुऽ।।।।।

,, ३ बुधे स्वात्यां ल. गो. १० (घ.५३उ) रे. ६ ।।।।ऽ।।ऽऽऽ गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२										दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६९३७स.२०३०
१	बु	५६	४१	रे	४७	४३	ऐं	३४	२०	किं	२४	२७	३०	५५	६	१३	२९	३	मे.४७।४३	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	गु	६०	०	अ	५४	१९	वै	३५	४९	बा	२९	२१	३१	४८	१२	१४	३०	४	मेषे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
२	शु	२	२	भ	६०	०	वि	३७	५५	कौ	२	२	५	४७	१३	१५	१	५	मेषे	जिल्हेज १२ मत्स्यजयंती सिंधारा
३	श	८	१२	भ	१	४३	प्री	४०	१०	ग	८	१२	८	४६	१४	१६	२	६	वृ.१८।३६	भ.४१।२१ उ.शते शुक्रः १२।३२ गणगौरी
४	र	१४	३१	कृ	९	१६	आ	४२	४०	वि	१४	३१	१२	४६	१४	१७	३	७	वृषे	भ.१४।३१ या.
५	चं	२०	५४	रो	१६	५६	सौ	४५	१३	बा	२०	५४	१६	४५	१५	१८	४	८	मि५०।३३	भरण्यां बुधः ५१।२७
६	मं	२६	४४	मृ	२४	१०	शो	४६	४६	तै	२६	४४	१९	४४	१६	१९	५	९	मिथुने	
७	बु	३१	४०	आ	३०	६	अ	४७	२६	व	३१	४०	२३	४३	१७	२०	६	१०	मिथुने	भ.३१।४० उ.
८	गु	३५	१५	पु	३४	५४	सु	४६	५२	वि	३	२७	२६	४३	१७	२१	७	११	क.१८।४२	भ.३।२७ या.
९	शु	३७	११	पु	३७	५५	धृ	४४	४३	बा	६	१३	३०	४२	१८	२२	८	१२	कर्के	वक्री बुधः ४८।१५ रामनवमी
१०	श	३६	४९	श्ले	३८	५३	शू	४१	११	तै	७	०	३४	४१	१९	२३	९	१३	सिं३८।५३	[=बुधास्तः पश्चिमायां ३६ कामदा ११ व्र.
११	र	३५	२९	म	३८	५	गं	३५	५७	व	६	९	३८	४०	२०	२४	१०	१४	सिंहे	भ.६ उ.३५ या. अश्वि. मेषेऽर्कः ५७ सौर १५=
१२	चं	३१	०	पू	३५	८	बृ	२९	९	ब	३	१४	४२	४०	२०	२५	११	१५	कं.४८।५६	वक्री अश्विन्यां बुधः १६।२७ प्रदोषः
१३	मं	२४	१५	उ	३०	१९	धु	२०	४९	तै	२४	१५	४६	३९	२१	२६	१२	१६	कन्यायां	
१४	बु	१६	८	ह	२४	१३	व्या	११	२३	व	१६	८	५०	३८	२२	२७	१३	१७	तु.५०।४६	भ.१६ उ.४१ या. कृत्ति २ वृषे शनिः ४१।१७
१५	गु	७	२९	चि	१७	१९	ह	२९	४९	ब	७	२९	५३	३७	२३	२८	१४	१८	तुलायां	पूभा.शुक्रः २१ भरण्यां भौमः २५ हनुमज्जयं.

५२पं.चै.शु.२र.इ. ५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	७	१०	०	७	११
२१	४	१०	२	६	२८	२५	२१
५३	०	४७	२८	१८	३९	२८	४६
३१	१८	२	५	७	३६	१७	३२
५९	४४	५१	१ ४	६४	६	३	५९
४	१९	१३	व	३५	२३	११	४

गोचर ग्रहाः

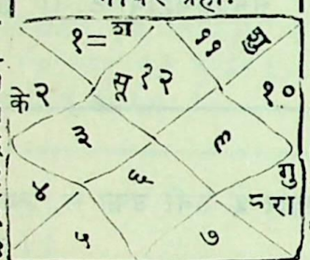

=बुचंमं
चैत्र शुक्ले ११ रवौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी मु.३० धान्यादि भावेसमता शुक्रोदय पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

१पं.चै.शु.११र.इ. ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	७	१०	०	७	११
०	१०	१३	१	१५	२९	२५	२९
०	७	३३	४८	२८	३६	२	५२
०	५५	४३	५४	५९	२५	३०	४६
५८	४४	१२ १	३५	६६	६	३	५८
४४	१	व	व	२०	३८	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	गु	५०	४१	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	४८	५८	स्वा	८	५४	सि	४०	२७	तै	२३	३४	३१	३७	३५	२३	२९	१५ १९	बृ.४९।१४	
३	श	४०	१	वि	२ ४१	५३ ३८	व्य	३०	३७	व	१४	२९	३२ १	३६	२४	३०	१६	२०	वृश्चिके	भ.१४।२९ उ.४०।१ या.
४	र	३१	४९	ज्ये	५०	३९	व	२१	१६	ब	५	५५	५	३५	२५	१	१७	२१	ध.५०।३९	भा.वैशाखारंभः चतुर्थीव्र.
५	चं	२४	५७	मृ	४६	३३	प	१२	४९	तै	२४	५७	९	३४	२६	२	१८	२२	धनुषि	
६	मं	१९	३०	पू	४३	३८	शि	४४	५४	व	१९	३०	१२	३४	२६	३	१९	२३	म.५८।२०	भ.१९।३० उ.४७।३३ या.
७	बु	१५	३७	उ	४२	२७	सा	५६	९	व	१५	३७	१६	३३	२७	४	२०	२४	मकरे	[×मीने शुक्रः १५।२२
८	गु	१३	५	अ	४२	४५	शु	५१	४८	कौ	१३	५	२०	३२	२८	५	२१	२५	मकरे	[÷वक्री विशा.३ गुरुः ५७।४४
९	शु	१२	१६	ध	४४	३२	शु	४९	३३	ग	१२	१६	२३	३१	२९	६	२२	२६	कुं.१३।३८	भ.४२।३६ उ.
१०	श	१२	५६	श	४७	४३	व्र	४८	३१	वि	१२	५६	२७	३१	२९	७	२३	२७	कुम्भे	भ.१२ या. भरन्यां रविः ४८ (सौरः ५६) ×
११	र	१४	५०	पू	५२	२	ऐं	४८	३२	बा	१४	५०	३१	३०	३०	८	२४	२८	मी३५।५७	वरुथिनी ११ व्र.
१२	चं	१८	१	उ	५७	२५	वै	४८	५१	तै	१८	१	३४	२९	३१	९	२५	२९	मीने	प्रदोषः
१३	मं	२२	१६	रे	६०	०	वि	५०	१०	व	२२	१६	२८	२८	३२	१०	२६	३०	मीने	भ.२२ उ.५२ या. उभा.शुक्रः ९।३५ ÷
१४	बु	२७	२२	रे	३	४६	प्री	५२	६	श	२७	२२	४१	२८	३२	११	२७	१	मे.३।४६	अस्तंशनेः १५।४७ मई ५ ता.३१
३०	गु	३२	५८	अ	१०	३८	आ	५४	६	च	०	१०	४५	२७	३३	१२	२८	२	मेषे	बुधोदयः पूर्वस्यां १८।१३

२पं.वै.कृ.४र.इ. १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	७	१०	१	७	०
६	१५	१०	१	२३	०	२४	६
५०	१९	३९	७	७	२७	४०	४२
४६	८	१४	३४	४४	४	१५	५७
५८	४३	३८	२९	६७	६	३	५८
३१	५१	व	व	३३	५६	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में वदि में धान्य गल्ला चांदी स्वर्ण लोहा ताम्बा सूत रंग कपास बारदाना मंदा हो सुदि में तेज होवेगें।

गोचर ग्रहाः

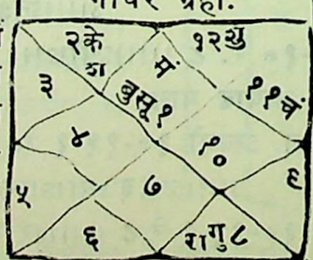

३पं.वै.कृ.११र.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	७	११	१	७	०
१३	२०	६	०	१	१	२४	१३
३९	२६	७	२०	१	१९	१७	३१
५०	२७	५२	३८	३४	३४	५९	२२
५८	४३	३६ २९	१	६८	७	३	५८
१९	३१	व	व	३७	८	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. बैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२७ स.२०३०

१	शु	३८	५९	भ	१७	५३	सौ	५६	३७	किं	५	५८	३२	२६	५	३४	१३	२९	३	वृ.३४।४६	
२	श	४५	१०	कृ	२५	२६	शो	५८	५९	बा	१२	४	५२	२६	३४	१४	३०	४		वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	र	५१	२८	रो	३३	०	अ	६०	०	तै	१८	१९	५५	२५	३५	१५	१	५		वृषे	मोहोरम् १सन् १४५२हि.परशुराम =
४	चं	५७	२३	मृ	४०	२०	अ	१	१८	व	२४	२५	५८	२४	३६	१६	२	६		मि६।४०	भ.२५ उ.२३या.कृत्ति.भौमः४४।३
५	मं	६०	०	आ	४६	४९	सु	३	१२	ब	२९	५४	३३	२४	३६	१७	३	७		मिथुने	[=जयंतीअक्षया३
५	बु	२	२६	पु	५२	३८	ध्रु	४	३९	बा	२	२६	५	२३	३७	१८	४	८		क.३६।११	मार्गीबुधः४२।४७पातस्पर्शः४४।१
६	गु	६	२४	पु	५६	५६	शू	५	५	तै	६	२४	८	२२	३८	१९	५	९		कर्के	पातमोक्षः३।४
७	शु	९	८	श्ले	५९	२९	गं	४	२३	व	९	८	११	२२	३८	२०	६	१०		सिं५९।२९	भ.९।८उ.३९।३१या.
८	श	९	५५	म	६०	०	बृ	१७	३३	व	९	५५	१४	२१	३९	२१	७	११		सिंहे	कृत्ति.रविः ३४ (सौरः ४५ रेवत्यां ×
९	र	९	२७	म	२३	५८	ब्या	५३	३९	कौ	९	२७	१७	२१	३९	२२	८	१२		सिंहे	[×शुक्रः ४६ बृषेभौमः२२।३८
१०	चं	६	५	उ	५६	०	ह	४६	४९	ग	६	५	२०	२०	४०	२३	९	१३		कं.१३।२२	भ.३३।४०उ.कृत्ति.३शनिः५५।३५
११	मं	१	१४	ह	५१	१०	व	३८	३५	वि	१	१४	२३	१९	४१	२४	१०	१४		कन्यायां	भ.१।१४या.मोहिनी११व्र.
१२	मं	५३	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		० ०	[A२३।१४नृसिंहजयंती
१३	बु	४६	१८	चि	४५	१	सि	२९	२१	कौ	२०	२१	२६	१९	४१	२५	११	१५		तु.१८।५	बृषेऽर्कः २३ (सौरः १२।३८, प्रदोषः
१४	गु	३६	५६	स्वा	३७	३७	व्य	१८	५९	ग	११	३७	२८	१८	४२	२६	१२	१६		तुलायां	भ.३६ उ.ज्येष्ठा.२राहुः रोहि.४केतुः A
१५	शु	२६	५७	वि	२९	४१	व	३	४९	वि	१	५६	२१	१८	४२	२७	१३	१७		वृ.१६।४०	भ.१।५६या.यमायकुंभदानम्

४पं.वै.शु.३र.इ.८।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	६	११	१	७	०
२०	२५	४	२९	९	२	२३	२०
२७	३१	०	३०	०	१२	५५	१८
२९	१	०	०	२	१४	४३	८
५८	४३	१९	५४	४९	६९	७	३	५७
३	२६	व	व	३४	१४	११	५७

गोचर ग्रहाः

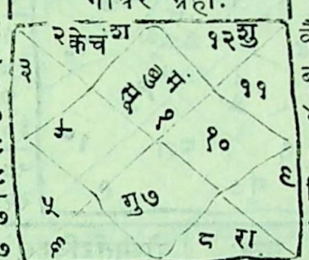

वैशाख शुक्ले १३ बुधे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४न.५ गतालकावस्था (ऊभी)मु.३०धान्यादिभावें समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

५पं.वै.शु.९र.इ. ८।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	११	१	७	०
२७	०	४	२८	१७	३	२३	२७
१३	३३	२४	३७	४	६	३३	३
३७	२५	१४	३४	१२	५८	२८	२२
५७	४३	१९	२२	५२	७०	७	३	५७
५४	१७	मा	व	११	२०	११	४५

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	श	१६	४८	अ	२१	५०	शि	४६	२६	बा	१६	४८	३३	१५	५	४३	२८	१४	१८	वृश्चिके	
२	र	५१	१८	ज्ये	१४	२२	सि	३६	१९	तै	७	८	३७	१७	४३	२९	१५	१९		ध.१४।२२	भ.३२।४३उ.५८।१८या.
३	चं	५०	४४	मू	७	५८	सा	२७	१५	ब	२४	३१	३९	१६	४४	३०	१६	२०		धनुषि	पातस्पर्शः ३६ पातमोक्षः ५० चतुर्थीव्र.
४	मं	४५	२	पू	३	५	शु	१९	३२	कौ	१७	५३	४२	१६	४४	३१	१७	२१		म.१७।१९	
५	बु	४१	११	उ	१	५८	शु	१३	२४	ग	१३	६	४४	१५	४५	१	१८	२२		मकरे	भ.४१।११उ.भा.ज्येष्ठारंभः
६	गु	३९	२१	ध्र	५९	२२	ब्र	८	४१	वि	१०	१६	४७	१५	४५	२	१९	२३		कु.२९।२	भ.१०।१६या.अश्वि.मेषेशुक्रः२०।४३
७	शु	३९	२५	श	६०	०	ऐं	५	३८	बा	९	२३	४९	१४	४६	३	२०	२४		कुंभे	भरन्यांबुधः२।१
८	श	४१	१९	श	२	४	वै	४	७	तै	१०	२२	५२	१४	४६	४	२१	२५		मी५०।१२	रोहि.रविः २४ सौरः ३८ रोहि.भौम ३५
९	र	४४	३५	पू	६	१५	वि	३	५४	व	१२	५७	५४	१३	४७	५	२२	२६		मीने	भ.१२।५७उ.४४।३५या.
१०	चं	४९	११	उ	११	४६	प्री	४	५१	ब	१६	५३	५६	१३	४७	६	२३	२७		मीने	वक्रीविशा.२गुरुः४३।५३अपरा११व्र.
११	मं	५४	४४	रे	१८	११	आ	६	१०	कौ	२१	५७	५८	१२	४८	७	२४	२८		मे.१८।११	
१२	बु	६०	०	अ	२५	३१	सौ	८	२२	ग	२७	४४	३०	१२	४८	८	२५	२९		मेषे	प्रदोषः
१३	गु	०	४४	भ	३२	४९	शो	१०	२९	व	०	४४	२	१२	४८	९	२६	३०		वृ.४९।४२	भ.०।४४उ.३३।४९या.
१४	शु	६	५४	कृ	४०	१९	अ	१३	९	श	६	५४	३	११	४९	१०	२७	३१		वृषे	
३०	श	१२	५७	रो	४७	४७	सु	१५	२८	ना	१२	५७	५	११	४९	११	२८	१		वृषे	जून६ता.३०सूर्यग्रहणम्वटपूजनं

६पं.ज्ये.कृ.२र.इ.९।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	६	११	१	७	१
३	५	८	२७	२५	४	२३	३
५८	३३	३७	४३	१०	०	११	४७
४४	३२	३७	२९	५२	५०	१२	६
५७	४३	४२	५२	७०	७	३	५७
४४	७	२९	व	४९	२०	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं गेहूं जो चना मटर सरसो अलसी धातु सोना चांदी रुई वस्त्र तेज हो प्रजा में रोग शोक फैले ।

गोचर ग्रहाः

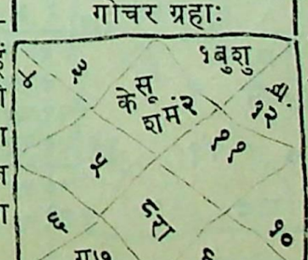

७पं.ज्ये.कृ.१०र.इ.९।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	६	०	१	७	१
१०	१०	१५	२६	३	४	२२	१०
४२	३१	४८	५१	२१	५४	४८	२९
४०	१	२५	५४	३२	५४	५७	१७
५१	४२	७०	३७	७१	७	३	५७
३५	३७	१	व	२१	२०	११	२३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ५७स. २०३०
१	र	१८	५६	मृ	५५	०	धृ	१७	४७	ब	१८	५६	३४	५	६	१२	२९	२	मि २१।२३	कृत्ति.बुधः ५५।३२ चंद्रदर्शनम्
२	चं	२४	२०	आ	६०	०	शू	१९	४१	कौ	२४	२०	९	१०	५०	१३	१	३	मिथुने	भरण्यांशुक्रः ३७।१६ सफर २
३	मं	२९	१	आ	१	२१	गं	२०	४६	ग	२९	१	१०	१०	५०	१४	२	४	क. ५०।३०	
४	बु	३२	५०	पु	६	५३	बृ	२१	१९	व	०	५५	१२	१०	५०	१५	३	५	कर्के	भ. ०।५५ उ. ३२।५० या. बृषे बुधः ४।३९
५	गु	३५	३३	पु	११	३२	ध्रु	२१	११	ब	४	११	१३	९	५१	१६	४	६	कर्के	उदयंशनेः १२।१२
६	शु	३९	५३	श्ले	१५	६	व्या	२०	८	कौ	६	१३	१५	९	५१	१७	५	७	सिं १५।६	[×कृत्ति. ४ शनिः ५०।५६
७	श	३६	५४	म	१७	१३	ह	१७	४३	ग	६	५३	१६	९	५१	१८	६	८	सिंहे	भ. ५४ उ. मृगे रविः १९।३८ (सौरः ३७) ×
८	र	३५	१९	पू	१७	४९	व	१४	६	वि	६	६	१७	९	५१	१९	७	९	कं. ३२।३२	भ. ६।६ या.
९	चं	३२	१	उ	१६	४३	सि	९	१७	ब्रा	३	४०	१८	८	५२	२०	८	१०	कन्यायां	रोहि.बुधः ३६।२१
१०	मं	२६	५८	ह	१३	५६	व्य	५८	२३	ग	२६	५८	१९	८	५२	२१	९	११	तु. ४१।४८	भ. ५३।४५ उ. गंगादशमी
११	बु	२०	३१	चि	९	४०	प	४६	३४	वि	२०	३१	१९	८	५२	२२	१०	१२	तुलायां	भ. २०।३१ या. निर्जला ११ व्र.
१२	गु	१२	३३	स्वा	४९	५३	शि	३७	१	ब्रा	१२	३३	२०	८	५२	२३	११	१३	वृ. ४३।४३	मृगे भौमः ३४ बुधास्तः पूर्वस्यां ३२ प्रदोषः
१३	शु	४	७	अ	४९	४१	सि	२६	३५	तै	४	७	२१	८	५२	२४	१२	१४	वृश्चिके	भ. ५३।५४ उ. कृत्ति. शुक्रः ५६।२८
१४	शु	४९	४७		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[= ९८) गुर्जराणांवटसावित्रीव्र. चंद्रग्रह.
१५	श	४३	५९	ज्ये	४१	५८	सा	१५	५६	वि	१८	५६	२१	८	५२	२५	१३	१५	घ. ४१।५८	भ. १६ या चंद्रग्रहणम् मिथुनेऽर्कः १६ सौर=

८पं.ज्ये.शु.१र.इ.९।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	१	०	१	७	१
१७	१५	२५	२६	११	५	२२	१७
२५	२५	२८	३	३४	४९	२६	१०
२६	४१	३०	११	४४	४१	४१	२३
५७	४२	९२	४९	७१	७	३	५७
२८	२६	४५	व	४७	१४	११	१३

गोचर ग्रहाः

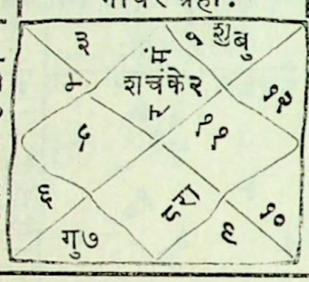

ज्येष्ठ शुक्ले १५ शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्ये.शु.८र.इ. ९।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	६	०	१	७	१
२४	२०	७	२५	१९	६	२२	२३
७	१८	१६	१९	५०	४२	४	५०
३०	३२	५५	१२	२	११	२५	१९
५७	४२	९२	४९	७२	७	३	५७
२२	१६	२४	व	७	८	११	५

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	र	३४	२८	मृ	३४	३८	शु	५५	५०	बा	९	१३	३५	८	५३	२६	१४	१६	धनुषि	
२	चं	२५	५०	पू	२८	१२	ब्र	४५	५७	तै	०	९	२२	८	५२	२७	१५	१७	म. ४१।५५	भ. ५३ उ. मृगे बुधः ५७ बृषे शुक्र. ४१।५४
३	मं	१८	२८	उ	२३	५	ऐं	३८	२	वि	१८	२८	२३	७	५३	२८	१६	१८	मकरे	भ. १८।२८ या. चतुर्थीव्र.
४	बु	१२	५६	श्र	१९	५४	वै	३१	३६	बा	१२	५६	२३	७	५३	२९	१७	१९	कुं. ४९।१५	
५	गु	९	२८	ध	१८	३५	वि	२६	५५	तै	९	२८	२३	७	५३	३०	१८	२०	कुम्भे	मिथुनेबुधः १४।११
६	शु	८	१९	श	१९	४३	प्री	२४	१	व	८	१९	२४	७	५३	३१	१९	२१	कुंभे	भ. ८।१९ उ. ३८।४१ या.
७	श	९	३	पू	२२	३६	आ	२२	२७	व	९	३	२४	७	५३	१	२०	२२	मी ६।५३	आर्द्रा.रविः १७ (सौरः ५९ भा.आषा.रंभ
८	र	११	४५	उ	२७	२८	सौ	२२	५५	कौ	११	४५	२४	७	५३	२	२१	२३	मीने	आर्द्रा.बुधः २०।४४ मिथुनेभौमः १३।१
९	चं	१६	११	रे	३३	३१	शो	२४	०	ग	१६	११	२४	७	५३	३	२२	२४	मे. ३३।३१	भ. ४८।५५ उ.
१०	मं	२१	३९	अ	४०	४६	अ	२६	३	वि	२१	३९	२४	७	५३	४	२३	२५	मेषे	भ. २१।३९ या.
११	बु	२७	४३	भ	४८	७	सु	२८	२५	बा	२७	४३	२३	७	५३	५	२४	२६	मेषे	रोहि.शुक्रः ३।३१ योगिनी ११ व्र.
१२	गु	३४	१०	कृ	५५	५२	धृ	३१	२	कौ	०	५६	२३	७	५३	६	२५	२७	बृ. ५।३	
१३	शु	४०	१५	रो	६०	०	शू	३३	३२	ग	७	१२	२३	८	५२	७	२६	२८	वृषे	भ. ४०।१५ उ. प्रदोषः
१४	श	४५	५२	रो	३	१६	गं	३५	४०	वि	१३	३	२३	८	५२	८	२७	२९	मि ३६।४४	भ. १३।३ या. पुन.बुध: ३२।६
३०	र	५०	५३	मृ	१०	१२	बृ	३७	२४	च	१८	२२	२१	८	५२	९	२८	३०	मिथुने	

१०पं.आ.कृ.१र.इ.९।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	६	०	१	७	२
०	२५	२०	२४	२८	७	२१	०
४८	९	५८	४१	८	३४	४२	२९
४७	१८	२६	२०	२	३७	१०	२८
५७	४२	९२	४९	७२	६	३	५६
१७	७	२८	व	३२	५६	११	५७

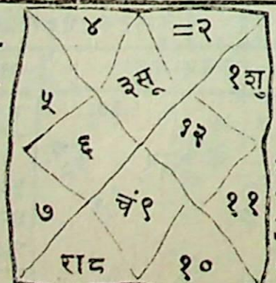

११पं.आ.कृ.८र.इ.९।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	६	१	१	७	२
७	२९	३	२४	६	८	२१	७
२९	५७	१५	१०	२८	२५	१९	७
४२	२२	२२	५२	२६	५	५४	५५
५७	४१	९२	५३	७२	६	३	५६
१३	५०	३४	व	५०	३८	११	५४

१२पं.आ.कृ.३०र.इ.९।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	६	१	१	७	२
१४	४	२१	२३	१४	९	२०	१३
१०	४३	१७	४८	५०	१३	५७	४६
८	८	२७	७	१७	५२	३९	०
५७	४१	९२	४०	७३	६	३	५६
७	३०	२३	व	१०	२६	११	५०

=मंशकेबु

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८६स.२३०
१	चं	५४	४३	आ	१६	१५	धु	३८	६	किं	२२	४८	३/२०	८	५/६	१०	२६	१	मिथुने	जौलाई७ता.३१
२	मं	५७	४३	पु	२१	२३	ष्या	३८	३०	बा	२६	१८	१९	८	५२	११	३०	२	क.५।६	आर्द्रा.भौमः५/८चंद्रदर्शनश्नम्रथयात्रा
३	बु	५६	४६	पु	२५	३१	ह	३७	५९	तै	२८	४६	१८	८	५२	१२	१	३	कर्के	रविलावल३
४	गु	६०	०	श्ले	२८	४०	व	३६	२६	व	३०	१५	१७	९	५१	१३	२	४	सिं२८।४०	भ.३/७उ.कर्केबुधः२६।३१
४	शु	०	४१	म	३०	४७	सि	३४	७	वि	०	४१	१६	९	५१	१४	३	५	सिंहे	भ.४/१या.बुधोदयःपश्चिमायां४०।१९
५	श	०	२९	पू	३१	५६	व्य	३१	१३	बा	०	२९	१५	९	५१	१५	४	६	कं.४६।५३	पुन.रविः५/७(सौरः४/३)पुष्येबुधः८।१६
६	श	५८	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	र	५६	४१	उ	३१	४४	व	२७	७	ग	२७	५५	१४	९	५१	१६	५	७	कंन्यायां	भ.५/६उ.मृगेशुक्रः१४/७रोहि.१शनिः५/८
८	चं	५३	७	ह	३०	२५	प	२२	१	वि	२४	५४	१३	९	५१	१७	६	८	तु.५९।११	भ.२४।५४या.
९	मं	४८	१६	चि	२७	५८	शि	१६	८	बा	२०	४१	११	१०	५०	१८	७	९	तुलायां	
१०	बु	४२	१०	स्वा	२४	२९	सि	९	१३	तै	१५	१३	१०	१०	५०	१९	८	१०	तुलायां	
११	शु	३५	१७	वि	१९	४३	सा	३/२	५/५	व	८	४३	८	१०	५०	२०	९	११	वृ.५।५४	भ.८/९उ.३/५या.देवशयनी११व्र.
१२	शु	२७	१२	अ	१४	३	शु	४३	३१	व	१	१४	७	११	४९	२१	१०	१२	वृश्चिके	मिथुनेशुक्रः४७।५१प्रदोषः
१३	श	१८	४२	ज्ये	७	४६	ब्र	३३	४४	त	१८	४२	५	११	४९	२२	११	१३	ध.७।४६	आश्ले.बुधः३२।११मार्गीगुरुः१४।९
१४	र	१०	२	मू	५/१७	५/३९	ऐं	२४	२	व	१०	२	३	११	४९	२३	१२	१४	धनुषि	भ.१०।२उ.३५।४८या.वायुपरीक्षा
१५	चं	१	३४	उ	४९	२०	वै	१४	५०	ब	१	३४	१	१२	४८	२४	१३	१५	म.८।३२	व्यासपूजागुरु१५

१३पं.आ.शु.७र.इ. ९।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	६	१	१	७	२
२०	९	५	२३	२३	१०	२०	२०
५०	२६	१७	३३	१३	०	३५	२३
३५	५६	२४	२५	१२	३२	२३	५४
५७	४१	५/८	२/१	७३	६	३	५६
७	२०	४/७	वे	२०	१४	११	५०

गोचर ग्रहाः

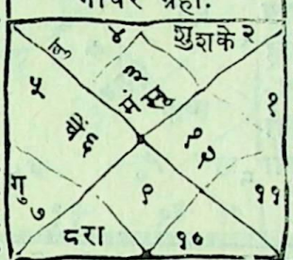

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन धातु धान्य गल्ला रसकस गुड़ सक्कर तेल तिलहन घृत में तेजी करेगा।

गोचर ग्रहाः

१४पं.आ.शु१४र.इ.८।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	६	२	१	७	२
२७	१४	१७	२३	१	१०	२०	२७
३०	८	४२	२८	३९	४४	१३	२
५४	१७	२२	१२	२२	५३	७	१
५७	४१	०/९	१/२	७३	५	३	५६
११	४	५०	मा	३२	५०	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	चं	५२	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×३केतुः१६।४०चतुर्थीव्र.
२	मं	४७	५२	श्र	४५	८	वि	६/९	५/३	तै	२१	०	३/५९	५/२	४८	२५	१४	१६	मकरे	कर्केऽर्कः४५।२३
३	बु	४३	१४	ध	४२	१८	आ	५२	५०	व	१५	३३	५७	१३	४७	२६	१५	१७	कुं.१३।४३	भ.१/३५उ.४/१४या.कर्केऽर्कःसौर:१६।३७
४	गु	४०	४७	श	४१	४४	सौ	४८	२४	व	१२	०	५५	१३	४७	२७	१६	१८	कुंभ	आर्द्रा.शुक्रः३/५०ज्येष्ठा.१राहुःरोहि. ×
५	शु	४०	२३	पू	४३	१	शो	४५	३०	कौ	१०	३५	५२	१४	४६	२८	१७	१९	मी२७।४२	नाग५मरुस्थले
६	श	४२	१०	उ	४६	२०	अ	४४	४२	ग	११	१६	५०	१४	४६	२९	१८	२०	मीने	भ.४/१०उ.पुष्येरविः१/४(सौरः४७।१८)
७	र	४५	४५	रे	५१	२९	सु	४४	४२	वि	१३	५७	४८	१४	४६	३०	१९	२१	मे.५१।२९	भ.१३।५७या.
८	चं	५०	५०	अ	५८	२	धृ	४६	१०	बा	१८	१७	४५	१५	४५	३१	२०	२२	मेषे	मघा.सिंहेबुधः१/७पुन.भौमः५४।३३
९	मं	५६	३९	भ	६०	०	शू	४८	३९	तै	२३	४४	४३	१५	४५	१	२१	२३	मेषे	भा.श्रावणारंभः
१०	बु	६०	०	भ	५	१५	गं	५०	४३	व	२९	५०	४०	१६	४४	२	२२	२४	वृ.२२।११	भ.२९।५०उ.
१०	गु	३	१	कृ	१३	१	बृ	५३	१६	वि	३	१	३८	१६	४४	३	२३	२५	वृषे	भ.३।१या.
११	शु	९	२	रो	२०	२७	धु	५५	३०	बा	९	२	३५	१७	४३	४	२४	२६	मि५३।५३	उदयोभौमः३०।२२कामिका११व्र.
१२	श	१४	४३	मृ	२७	२०	ष्या	५७	८	तै	१४	४३	३३	१७	४३	५	२५	२७	मिथुने	प्रदोषः
१३	र	१९	२६	आ	३३	२२	ह	५७	५३	व	१९	२६	३०	१८	४२	६	२६	२८	मिथुने	भ.१९।२६उ.५१।५या.
१४	चं	२२	४५	पु	३८	५	ब	५७	४४	श	२२	४५	२७	१९	४१	७	२७	२९	क.२१।५७	पुन.शुक्रः१७।१८
३०	मं	२४	५९	पु	४१	४६	सि	५६	३८	ना	२४	५९	२४	१९	४१	८	२८	३०	कर्के	हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.७र.इ.८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	६	२	१	७	३
४	१८	२८	२३	१०	११	१९	३
११	४७	३१	३०	६	२६	५०	४०
३८	५६	५२	४७	४३	४६	५२	२८
५७	४०	८४	१	७३	५	३	५६
१५	५३	५९	१३	४४	२६	११	५९

गोचर ग्रहाः

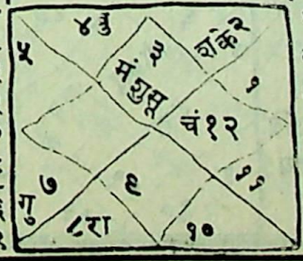

श्रावणकृष्णे २ भौमे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ६ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्या दिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

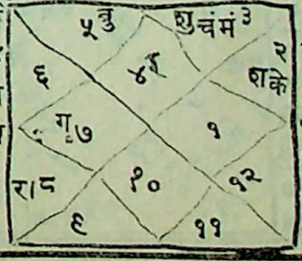

१६पं.श्रा.कृ.१३र.इ.८।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	६	२	१	७	३
१०	२३	७	२३	१८	१२	१९	१०
५२	२५	३९	४३	३५	४	२८	१९
४१	२६	०/१	१९	२१	१९	३६	४५
५७	४०	६६	२	७३	४	३	५७
२०	४०	५६	३३	५०	५६	११	५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२								दि. उ.अ.			भा मु इं.			चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ११६सन् २०३०
१	बु	२५	५२	श्ले	४४	६	व्य	५४	३५	ब	२५	५२	३३	२०	४०	९ २९ ३१	सिं४४।६	
२	गु	२५	३१	म	४५	१७	व	५१	३५	कौ	२५	३१	१९	२०	४०	१० ३० १	सिंहे	चंद्रदर्शनम् अगस्त८ता.३१सिंधारा
३	शु	२४	१८	पू	४५	३५	प	४७	४४	ग	२४	१८	१६	२१	३९	११ १ २	सिंहे	भ.५३उ.पूफा.बुधः११रविलाखर४तीज
४	श	२२	५	उ	४५	५	शि	४३	१४	वि	२२	५	१३	२१	३९	१२ २ ३	कं.०।२८	भ.२५या.आश्ले.रवि.१३ (सौरः४५)×
५	र	१९	१०	ह	४३	४९	सि	३८	१६	बा	१९	१०	१०	२२	३८	१३ ३ ४	कन्यायां	नागपंचमी [×वरद४
६	चं	१५	३१	चि	४१	४४	सा	३२	४२	तै	१५	३१	७	२३	३७	१४ ४ ५	तु.१२।४६	
७	मं	११	४०	स्वा	३९	१५	शु	२६	३४	व	११	४०	४	२३	३७	१५ ५ ६	तुलायां	भ.१४०उ.३८या.कर्केशुक्रः३९कर्केभौमः=
८	बु	६	१६	वि	३५	५६	शु	१९	५८	ब	६	१६	०	२४	३६	१६ ६ ७	वृ.२१।४६	[=३९।२८
९	गु	०	५५	अ	३२	७	ब्र	१२	४४	कौ	०	५५	३२	२५	३५	१७ ७ ८	वृश्चिके	
१०	गु	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	[÷पवित्रा११ब्र.स्मा.
११	शु	४८	१७	ज्ये	२७	४७	ऐं	८	५३	व	२१	३६	५४	२५	३५	१८ ८ ९	ध.२७।४७	भ.३१उ.४६या.पुष्येशुक्रः१५।४३ ÷
१२	श	४१	२९	मू	२३	११	वि	४८	५४	ब	१४	५३	५०	२६	३४	१९ ९ १०	धनुषि	पवित्रा११ब्र.वै.
१३	र	३४	४२	पू	१८	२३	प्री	४०	४६	कौ	८	५	४७	२७	३३	२० १० ११	म.३२।१३	प्रदोषः
१४	चं	२८	२२	उ	१३	४४	आ	३३	२	ग	१	३२	४४	२७	३३	२१ ११ १२	मकरे	भ.३९उ.५५या.पुष्येभौमः१६।४
१५	मं	२२	३९	श्र	९	४९	सौ	२५	४६	ब	२२	३९	४०	२८	३२	२२ १२ १३	कुं.३८।२८	रोहि२शनिः४६।३श्रावणीकर्मरक्षाबंध.

१७पं.श्रा.शु.५र.इ.८।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	६	२	१	७	३
१७	२८	१४	२४	२७	१२	१९	१६
२४	१	४५	४	६	३९	६	५९
२३	३७	७	१	११	११	२१	३३
५७	४०	४३	३	७३	४	३	५७
२५	२६	३०	५३	५६	३४	११	१२

गोचर ग्रहाः

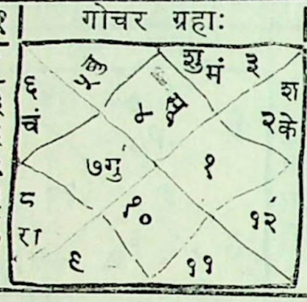

इस मास में धान्य गल्ला चावल गेहूं जो चना मटर रस-कस सक्कर चीनी घृत में तेजी रहे सोना चांदी मंदा हो।

गोचर ग्रहाः

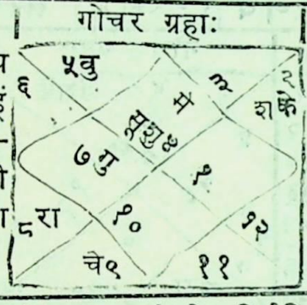

१८पं.श्रा.शु.१३रइ.८।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	६	३	१	७	३
२४	२	१९	२४	५	१३	१८	२२
१६	३४	१२	३२	३९	९	४४	४०
४४	४१	०	५३	०	४३	५	४०
५७	४०	१४	५	७४	३	३	५७
३३	१०	३३	१	२	५५	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२								दि. उ. अ.			हि. मु. इ.			चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	बु	१८	२०	ध	७	८	शो	१९	३४	कौ	१८	२०	३७	२९	३९	२३ १३ १४	कुंभे	वक्रीबुधः४।४३
२	गु	१५	४५	श	५	४६	अ	१४	२४	ग	१५	४५	३३	२९	३१	२४ १४ १५	मी५१।२	भ.४५।१२उ.
३	शु	१४	४०	पू	६	८	सु	१०	४०	वि	१४	४०	३०	३०	३०	२५ १५ १६	मीने	भ.१४।४०या.चतुर्थीव्र.
४	श	१५	३३	उ	८	१९	धृ	८	४७	बा	१५	३३	२६	३१	२९	२६ १६ १७	मीने	मघा.सिंहेऽर्कः५।४४(सौरः४४।३०)
५	र	१८	२५	रे	१२	२६	शू	७	५३	तै	१८	२५	३२	३२	२८	२७ १७ १८	मे.१२।२६	चन्द्रषष्ठी
६	चं	२२	५७	अ	१८	४	गं	८	८	व	२२	५७	१९	३२	२८	२८ १८ १९	मेषे	भ.२२।५७उ.५५।४२या.
७	मं	२८	२८	भ	२४	४७	बृ	९	४९	ब	२८	२८	१५	३३	२७	२९ १९ २०	वृ.४१।३६	आश्ले.शुक्रः७।१जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	बु	३४	४०	कृ	३२	४	ध्रु	१२	०	बा	१	३४	१२	३४	२६	३० २० २१	वृषे	जन्माष्टमीव्र.वै.
९	गु	४०	५१	रो	३९	३८	व्या	१४	२९	तै	७	४५	८	३४	२६	३१ २१ २२	वृषे	गोगा९
१०	शु	४६	३७	मृ	४६	५२	ह	१६	४२	व	१३	४४	४	३५	२५	१ २२ २३	मि१३।१५	भ.१४उ.४६या.बुधास्तःपश्चिमायां =
११	श	५१	१८	आ	५३	७	व	१८	४१	व	१८	५७	१	३६	२४	२ २३ २४	मिथुने	अजा११ब्र. [=१२भा.भाद्रपदारंभः
१२	र	५४	३४	पु	५८	२	सि	१९	३५	कौ	२२	५६	३१	३७	२३	३ २४ २५	क.४१।४८	वत्सद्वादशी
१३	चं	५६	२८	पु	६०	०	व्य	१९	३५	ग	२५	३१	५३	३७	२३	४ २५ २६	कर्के	भ.५६।२८उ.प्रदोषः
१४	मं	५६	४५	पु	१	३७	व	१८	११	वि	२६	३६	४९	३८	२२	५ २६ २७	कर्के	भ.२६।३६या.
३०	बु	५५	१९	श्ले	३	३७	प	१५	३७	च	२६	२	४६	३९	२१	६ २७ २८	सिं३।३७	वक्रीमघायांबुधः५६कुशाग्रहणीपि. ३०

१९पं.भा.कृ.५र.इ.८।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	६	३	१	७	४
१	७	२०	२५	१४	१३	१८	०
०	६	३	९	१३	२६	२१	२२
४	१८	४३	३२	१	७	४९	५३
५७	३९	२९	६	७४	३	३	५७
४०	५९	व	९	१४	२३	११	२४

गोचर ग्रहाः

भाद्रपदकृष्णे ४ शनौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.५ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी मु.४५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

२०पं.भा.कृ.१२र.इ. ८।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	६	३	१	७	४
७	११	१६	२५	२२	१३	१७	७
४४	३५	४३	५३	४९	५८	५९	६
२८	४२	५२	५६	१९	२६	३४	२०
५७	३९	५५	६	७४	२	३	५७
४९	४२	व.	५९	२०	३८	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२ | दि. उ अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः १४५स.२०३०

१	गु	५२	४३	म	३	५८	शि	११	५५	किं	२४	१	३१/४	५४	६०	७	२८	२९	सिंहे	[=चंद्रदर्शनम्
२	शु	४८	५८	पू	३	८	सि	७	१०	बा	२०	५०	३८	४०	२०	८	२९	३०	कं.१७।४२	पूफा.रविः ५५/८ मघा.सिंहेशुक्रः ५/४२=
३	श	४४	४०	उ	१/२३	५७/३३	सा	१/४०	५३/६	तै	१६	४९	३४	४१	१९	९	१	३१	कन्यायां	पूफा.रविःसौरः ३५/१ विशा.३ गुरुः ३३/४×
४	र	३९	४७	चि	५५	४०	शु	४८	३७	व	१२	१३	३०	४२	१८	१०	२	१	तु.२७।३	भ. १३/१ उ. ३९/४ या.सितंबर९ता.३० गणे.चतु.
५	चं	३४	४०	स्वा	५२	२८	ब्र	४१	३४	ब	७	१३	२६	४३	१७	११	३	२	तुलायां	आश्ले.भौमः २।३८ ऋषिपंचमी
६	मं	२९	१७	वि	४९	७	एं	३४	२७	कौ	१	५८	२२	४४	१६	१२	४	३	वृ.३४।५७	[×जमादिलावल५हरितालिका३
७	बु	२४	७	अ	४५	४५	वै	२८	७	व	२४	७	१८	४४	१६	१३	५	४	वृश्चिके	भ.२४।७उ.५१।३०या.
८	गु	१८	५३	ज्ये	४२	२२	वि	२१	७	ब	१८	५३	१५	४५	१५	१४	६	५	ध.४२।२२	
९	शु	१३	३८	मू	३८	५९	प्री	१४	२	कौ	१३	३८	११	४६	१४	१५	७	६	धनुषि	बुधोदयः पूर्वस्यां५२।४३
१०	श	८	३४	पू	३५	५४	आ	७	२	ग	८	३४	७	४७	१३	१६	८	७	म.५०।१०	भ.३६।४उ.
११	र	३	३४	उ	३३	०	सौ	०/१९	५३/५५	वि	३	३४	३	४७	१३	१७	९	८	मकरे	भ. ३/४ या.मार्गीबुधः ३/६ जलझूलनी ११व्र+
१२	र	५५	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+वामनजयंती
१३	चं	५४	५८	श्र	३०	३३	अ	४७	५५	कौ	२६	५७	३/९०	४८	१२	१८	१०	९	कुं.५९।४०	प्रदोषः
१४	मं	५१	४९	ध	२८	४७	सु	४२	२०	ग	२३	२३	५५	४९	११	१९	११	१०	कुंभे	भ.५१।४९उ.पूफा.शुक्रः ४/३/४ अनंत१४
१५	बु	५०	१	श	२८	१	धृ	३७	३२	वि	२०	५५	५१	५०	१०	२०	१२	११	कुंभे	भ.२०।५५या. महालयारंभः

२१पं.भा.शु.४र.इ. ७/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	६	४	१	७	४
१४	१६	१०	२६	१	१४	१७	१३
३०	४	९	४४	२७	१५	३७	५१
४	१	५८	३८	७	२५	१८	३२
५८	३९	५९/३४	८	७४	१	३	५७
१	२५	व.	८	२६	५९	११	५७

गोचर ग्रहाः

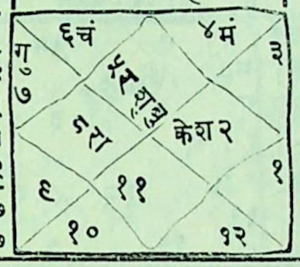

इस मास में धातु सोनाचांदी रुईकपास वस्त्र धान्य गल्ला रसकस गुड़ शक्कर चीनी नमकआदि तेज हो कहीं२कुछ वर्षाहो

गोचर ग्रहाः

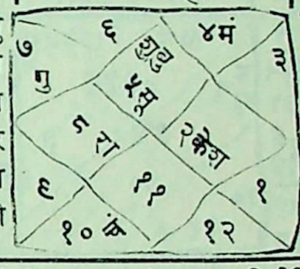

२२पं.भा.श.११र.इ. ४/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	६	४	१	७	४
२१	२०	६	२७	१०	१४	१७	२०
१७	३०	५८	४१	६	२७	१५	३८
६	२९	३०	३१	१४	१८	३	१२
५८	३९	३/४७	८	७४	१	३	५८
१३	२५	व	५९	२६	१९	११	१२

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.

१	गु	४९	२९	पू	२८	३२	शू	३४	१	बा	१९	४५	३०/४७	५/५१	६/९	२१	१३	१२	मी १३।२४	
२	शु	५०	२९	उ	३०	३२	गं	३१	३१	तै	१९	५९	४३	५१	९	२२	१४	१३	मीने	उफा.रविः ९।५३
३	श	५३	७	रे	३३	५९	बृ	३०	२५	व	२१	४८	३९	५२	८	२३	१५	१४	मे.३३।५९	भ. २१/४८ उ. ५३/७ या.उफा.रविःसौरः २९/१
४	र	५७	१५	अ	३८	५३	धु	३०	११	ब	२५	११	३५	५३	७	२४	१६	१५	मेषे	चतुर्थी व्र. [÷इंदिरा११व्र.
५	चं	६०	०	भ	४५	१३	व्या	३१	११	कौ	२९	५४	३१	५४	६	२५	१७	१६	मेषे	
५	मं	२	३४	कृ	५२	१०	ह	३२	५२	तै	२	३४	२७	५५	५	२६	१८	१७	वृ.१।५७	कन्यायामर्कः ५।१४ (सौरः ४५।१२)
६	बु	८	३७	रो	५९	४४	व	३५	१०	व	८	३७	२२	५६	४	२७	१९	१८	वृषे	भ.८।३७उ.४१।४५या. पूफा.बुधः ४।५७
७	गु	१४	५३	मृ	६०	०	सि	३७	३७	ब	१४	५३	१८	५६	४	२८	२०	१९	मि ३३।२५	अनु.४ राहुः रोहि.२ केतुः ८।४२
८	शु	२१	१	मृ	७	५	व्य	३९	४३	कौ	२१	१	१४	५७	३	२९	२१	२०	मिथुने	वक्रीशनिः ३६।५२
९	श	२६	१३	आ	१४	११	व	४१	१२	ग	२६	१३	९	५८	२	३०	२२	२१	मिथुने	भ.५८।२उ.उफा.शुक्रः २७।३४ मातृ९
१०	र	२९	५२	पु	१९	४२	प	४१	४०	वि	२९	५२	५	५९	१	३१	२३	२२	क.३।१८	भ. ५९/२ या.विशा.४ वृश्चिके गुरुः ४/३
११	चं	३२	६	पु	२४	५	शि	४०	५८	ब	०	५९	३०/०	६/०	६/०	१	२४	२३	कर्के	मघा.सिंहेभौमः १/१२ भा.आश्विनारंभः÷
१२	मं	३२	२९	श्ले	२६	१९	सि	३८	४९	कौ	२	१७	२९/६	६/५	५/९	२	२५	२४	सिं २६।१९	कन्यायांशुक्रः ८।५२
१३	बु	३०	५६	म	२६	५५	सो	३५	७	ग	१	४२	५२	२	५८	३	२६	२५	सिंहे	भ. ३९/६ उ. ५९/१४ या.बुधास्तः पूर्वस्यां ४७/५८ प्रदोषः
१४	गु	२७	३३	पू	२५	४४	शु	३०	०	श	२७	३३	४८	२	५८	४	२७	२६	क.४०।४	उफा.बुधः २६।१५ शस्त्रादिहतानांश्रा.
२०	शु	२२	३५	उ	२३	३	शु	२३	३६	ना	२२	३५	४४	३	५७	५	२८	२७	कन्यायां	हस्तेरविः १८/२७ (सौरः ५७/४२) सर्वपितृ३०

२३पं.आ.कृ.४र.इ. ७/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	६	४	१	७	४
२८	२४	१०	२८	१८	१४	१६	२७
५	५४	१२	४४	४६	३४	५२	२६
२८	२९	५८	३१	५५	३४	४७	२९
५८	३९	६३/१७	९	७४	०	३	५८
२६	८	मा	४४	२६	४०	११	२९

गोचर ग्रहाः

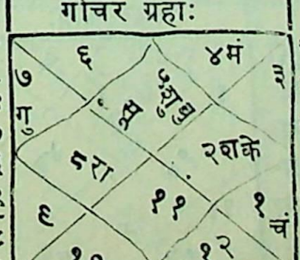

आश्विन कृष्णे ५भौमे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

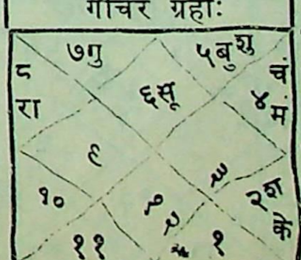

२४पं.आ.कृ.१०र.इ. ७/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	६	४	१	७	५
४	२९	१९	२९	२७	१४	१६	४
५५	१६	१७	५३	२९	३६	३०	१६
१९	४८	५३	२	१०	१८	३१	३६
५८	३८	९७	१०	७४	०/११	३	५८
३८	५०	४६	२८	३२	व.	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७५स.२०३०
१	श	१६	४९	ह	१९	६	ब्र	१६	२६	ब	१६	४९	२९	६	५			तु.४६।४६ कन्यायांबुधः १७ नवरात्रारंभः मातामह श्रा
२	र	१०	१३	चि	१४	२६	ऐं	८	१७	कौ	१०	१३	३६	४०	५६	६	२९	२८	तुलायां	चंद्रदर्शनम् शुक्रास्तः पूर्वस्यां ३६।०
३	चं	३	२९	स्वा	९	३९	वै	९	५१	ग	३	२९	३२	५	५५	७	३०	२९		
४	चं	५३	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	६	५४	८	१	३०	वृ.५०।५८	भ.३०।२उ.५६।३६या.जमादिलाखर ६
५	मं	५०	१६	वि	४	४४	प्री	४	१४	ब	२	२६	२८	६	५४	९	२	१		
६	बु	४४	१६	अ	०	५५	आ	३	२९	कौ	१७	१६	३२	७	५३	१०	३	२	वृश्चिके	अक्टूबर १०ता.३१
७	गु	३८	५०	मू	५	३०	सौ	२७	५९	ग	११	३३	१९	८	५२	११	४	३	ध.५६।३	हस्तेशुक्रः १०।२७
८	शु	३४	११	पू	४९	३६	शो	२०	५४	वि	६	३०	१५	९	५१	१२	५	४	धनुषि	भ.३८।५०उ.हस्तेबुधः ४७।३१
९	श	३०	५	उ	४७	३२	अ	१४	३६	बा	२	८	११	१०	५०	१३	६	५	धनुषि	भ.६।५०या.
१०	र	२६	५५	श्र	४६	१७	सु	८	३८	ग	२६	५५	७	११	४९	१४	७	६	म.४।५	
११	चं	२४	२६	ध	४५	४४	धृ	२	५५	वि	२४	२६	३	११	४९	१५	८	७	मकरे	भ.५५।४१उ.
१२	मं	२२	४९	श	४५	५६	गं	५५	२०	बा	२२	४९	२९	१२	४८	१६	९	८	कुं.१६।०	भ.२४।२६या.पापांकुशा ११ व्र.
१३	बु	२२	२८	पू	४७	२८	वृ	५२	२८	तै	२२	२८	५५	१३	४७	१७	१०	९	कुंभे	प्रदोषः [×शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.
१४	गु	२२	५६	उ	५०	१	ध्रु	५०	१६	व	२२	५६	५१	१४	४६	१८	११	१०	मी ३२।५	[=शरद्पूर्णिमास्मा.कोजागरीव्र.
१५	शु	२४	४८	रे	५३	४०	व्या	४९	३५	ब	२४	४८	४७	१५	४५	१९	१२	११	मीने	भ.५३ उ.५३ या.चित्रा.रविः ५०=
																			मे.५३।४०	चित्रा.रविः सौरः २९ अनु. १ गुरुः ९×

२५ पं.आ.शु.२र.इ. ७/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	७	५	१	७	५
११	३	१	१	६	१४	१६	११
४६	३८	२९	५	५२	३३	८	८
५२	४९	२४	३५	३२	११	१६	३४
५८	३८	७/०	११	७४	५/१	३	५९
५३	५३	४८	६	३२	व.	११	००

गोचर ग्रहाः

कृष्णपक्ष में तिथि बढें शुक्लपक्ष घट जाय। एक चीजकी क्या कहें सभीचीज घट जाय।। इस मास में तेजी-कारक योग हैं।

गोचर ग्रहाः

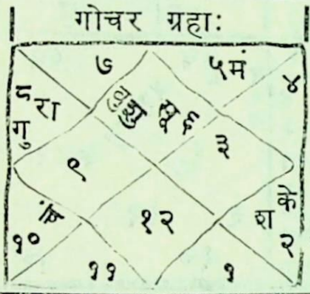

२६ पं.आ.शु.१०र.इ. ७/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	७	५	१	७	५
१८	७	१४	२	१४	१४	१५	१८
४०	५७	११	२२	५६	२४	४६	२
५	४३	१७	५९	४६	१८	०	२१
५९	३८	७/०	११	७४	३/७	३	५९
९	२६	५८	४४	३२	व.	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	श	२७	५३	अ	५८	३०	ह	४९	१३	कौ	२७	५३	२९	६	५५	२०	१३	१२	मेषे	चित्रा.बुधः २१।१८चित्रा.शुक्रः ४९।२१
२	र	३२	२०	भ	६०	०	व	४९	५६	तै	०	६	३९	१६	४४	२१	१४	१३	मेषे	
३	चं	३७	३६	भ	४	४१	सि	५१	२२	व	४	५८	३५	१७	४३	२२	१५	१४	वृ.२१।२२	भ.५८ उ.३७ या.पूफा.भौमः ४९
४	मं	४३	४१	कृ	११	२६	व्य	५३	२७	ब	१०	३८	३१	१८	४२	२३	१६	१५	वृषे	तुलायांबुधः ७।५२करक चतुर्थी व्र.
५	बु	४९	५९	रो	१८	५६	व	५५	४४	कौ	१६	५०	२७	१९	४१	२४	१७	१६	मि५२।४५	
६	गु	५६	२४	मृ	२६	३४	प	५८	१२	ग	२३	११	२३	१९	४१	२५	१८	१७	मिथुने	भ.५६।२४उ.तुलायामर्कः ३४।२१
७	शु	६०	०	आ	३४	१	शि	६०	०	वि	२९	१७	२०	२०	४०	२६	१९	१८	मिथुने	भ.२९ या.तुलार्कःसौरः ११ तुलायांशुक्रः ९८
७	श	२	११	पु	४०	२४	शि	०	१४	ब	२	११	१६	२१	३९	२७	२०	१९	क.२३।४८	स्वात्यांबुधः १५।६
८	र	६	४३	पु	४५	४९	सि	१	२८	कौ	६	४३	१३	२२	३८	२८	२१	२०	कर्के	
९	चं	९	५४	श्ले	४९	२६	सा	१	३९	ग	९	५४	८	२२	३८	२९	२२	२१	सिं४९।२६	भ.४०।२९उ.
१०	मं	११	४	म	५१	१०	शु	०	५७	वि	११	४	४	२३	३७	३०	२३	२२	सिंहै	भ.११।४या.
११	बु	१०	१८	पू	५०	५२	व्र	५३	२०	बा	१०	१८	०	२४	३६	१	२४	२३	सिंहे	स्वात्यांशुक्र ५९ भा.कार्तिकारंभः रमा ११ व्र
१२	गु	७	२६	उ	४८	३५	ऐं	४७	३२	तै	७	२६	२७	२५	३५	२	२५	२४	कं.५।१८	स्वात्यांरविः १६ (सौरः ५३) प्रदोषः घन १३
१३	शु	२	४४	ह	४४	४४	वै	४०	१०	व	२	४४	५३	२५	३५	३	२६	२५	कन्यायां	भ.२।४४उ.२९।२८या.रूप १४
१४	शु	५३	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२०	श	४८	४१	चि	३९	१७	वि	३१	३८	च	२२	२६	४९	२६	३४	४	२७	२६	तु.१२।०	महालक्ष्मीपूजनम्

२७ पं.का.कृ.२र.इ. ५/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	७	५	१	७	५
२५	१२	२६	३	२३	१४	१५	२४
३४	१४	२६	४३	४१	१०	२३	५८
५९	५६	३५	५५	५६	८	४५	३
५९	३८	७/०	१२	७४	२/६	३	५९
२१	१२	५८	१४	३८	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

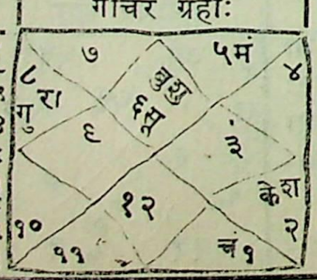

कार्तिक कृष्णे ६ गुरौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा ३न४प्रगलभावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

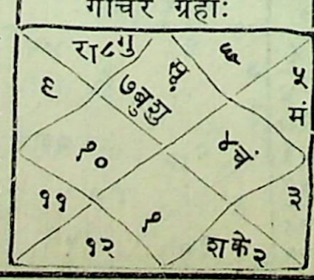

२८ पं.का.कृ.८र.इ. ४/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	७	६	१	७	६
२	१६	८	५	२	१३	१५	१
३१	३०	७	७	२७	५१	१	५५
२३	१८	५९	४८	२२	३२	२९	२७
५९	३७	७/०	१२	७४	२/५०	३	५९
३४	४७	५४	३२	३८	व.	११	४६

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २०४स.२०३०

१	र	४०	१६	स्वा	३३	८	प्री	२२	६	किं	१४	३०	२७	६	५	५	२८	२७	तुलायां	विशा.बुधः ३/१ अनु.२गुरुः ३/२ अन्नकूटं=
२	चं	३१	४४	वि	२६	२२	आ	१२	२५	बा	६	१	४१	२८	३२		६	२६	२८	वृ.१३।३ चंद्रदर्शनम् आतृ२यम२ [=गोवर्द्धन पूजा
३	मं	२३	३२	अ	२०	२	सौ	३०	५०	ग	२२	३२	३७	२६	३१		७	१	२९	वृश्चिके भ.१/७ उ.वक्रीरोहि.१शनिः ३/१ रज्जव७
४	बु	१५	४३	ज्ये	१३	४७	अ	४३	२२	वि	१५	४३	३४	२६	३१		८	२	३०	ध.१३।४७ भ.१५।४३या.
५	गु	८	५२	मू	८	४३	सु	३४	५८	बा	८	५२	३०	३०	३०		९	३	३१	धनुषि
६	शु	३	२	पू	४	३७	धृ	२७	३७	तै	३	२	२७	३१	२६		१०	४	१	म.१८।५३ भ.५८।२८उ.नवंबर ११ता.३०
७	शु	५५	२६		०	०		०	०		०	०	०	०	०		०	०	०	० ०
८	श	५५	१८	उ	१	३६	शू	२१	२	वि	२६	५३	२३	३१	२६		११	५	२	मकरे भ.२६/३ या.बुधोदयः पश्चिमायां १/५ गोपाष्टमी
९	र	५३	२३	श्र	५/०	५९/०	गं	१५	३६	बा	२४	२०	१९	३२	२८		१२	६	३	कुं.२६।५२ वृश्चिकेबुधः ३/३ विशा.शुक्रः ३/९ अक्षय९
१०	चं	५२	४६	श	६०	०	बृ	११	१६	तै	२३	४	१६	३३	२७		१३	७	४	कुंभे [×उफा.भौमः ५/५ प्रबोधिनी ११व्र.+
११	मं	५३	३०	श	०	३२	ध्रु	७	५८	व	२३	८	१२	३४	२६		१४	८	५	मी४७।१० भ.२ १/८ उ.५ १/३ या.अनु.बुधः १/० ××
१२	बु	५५	१२	पू	२	४१	व्या	५	३७	व	२४	२१	९	३४	२६		१५	९	६	मीने विशा.रविः३६।५४ [+तुलसीविवाहः
१३	गु	५८	१३	उ	५	५६	ह	४	१४	कौ	२६	४२	५	३५	२५		१६	१०	७	मीने विशा.रविः सौरः९।२७ प्रदोषः
१४	शु	६०	०	रे	१०	२८	व	४	४	ग	३०	११	२	३६	२४		१७	११	८	मे.१०।२८ वैकुंठ१४
१५	श	२	१०	अ	१५	४३	सि	३	५३	व	२	१०	२/८	३६	२४		१८	१२	९	मेषे भ.२।१०उ.३४।३७या.
१६	र	७	५	भ	२२	४	व्य	४	५०	ब	७	५	५५	३७	२३		१९	१३	१०	बृ.३८।४३ मन्वादिः का.स्ना.पू.

२९पं.का.शु.१र.इ. ३/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	७	६	१	७	६
९	२०	१९	६	११	१३	१४	८
२९	४३	१९	३४	१३	२८	३९	५४
३८	१२	५	२६	५२	३०	१३	४७
५९	३७	९८	१२	७४	३/१	३	६०
४७	३३	३८	५७	३८	व.	११	२

३०पं.का.शु.९र.इ. ३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	७	६	१	७	६
१६	२४	०	८	२०	१३	१४	१५
२९	५३	४	३	०	१	१६	५५
२०	६	३४	४७	१	३०	५८	५१
६०	३७	९४	१३	७४	५/३	३	६०
४	१६	२१	१७	३२	व.	११	१८

३१पं.का.शु.१५र.इ. ६/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	७	६	१	७	६
२३	२९	१०	९	२८	१२	१३	२२
३०	२	२७	३५	४६	३१	५४	५८
४०	३८	१८	१३	३७	१२	४२	२३
६०	३६	८९	१३	७४	४/०	३	६०
१७	५५	०	२६	३२	व.	११	३/०

ति. | मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं | चन्द्रः | हेमंततूं रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.

१	चं	१२	३७	कृ	२८	४१	व	६	३०	कौ	१२	३७	५/२	६/३	८	२२	२०	१४	११	वृषे वृश्चिकेशुक्रः ५/९ कन्यायां भौमः ३/९ ÷
२	मं	१८	५८	रो	३६	८	प	८	१३	ग	१८	५८	४९	३८	२२		२१	१५	१२	वृषे भ.५२।८उ. [÷अनु.३गुरुः ५/६
३	बु	२५	१९	मृ	४३	५८	शि	१०	२४	वि	२५	१९	४५	३९	२१		२३	१६	१३	मि१०।३ भ.२५।१९या.अनु.शुक्रः ४/१ चतुर्थी व्र.
४	गु	३१	४४	आ	५१	३२	सि	१२	४४	बा	३१	४४	४२	४०	२०		२३	१७	१४	मिथुने ज्येष्ठा.बुधः२४।२२
५	शु	३७	४६	पु	५८	३२	सा	१५	४	कौ	४	४५	३९	४०	२०		२४	१८	१५	क.४१।४७
६	श	४२	५५	पु	६०	०	शु	१६	५०	ग	१०	२०	३६	४१	१९		२५	१९	१६	कर्के भ.४२।५५उ.वृश्चिकेऽर्कः ३२।५७
७	र	४६	५२	पु	४	४५	शु	१७	४३	वि	१४	५३	३३	४१	१९		२६	२०	१७	कर्के भ.१४।५३या.वृश्चिकेऽर्कः सौरः ३।४४
८	चं	४९	२०	श्ले	९	३८	व्र	१७	३७	बा	१८	६	३०	४२	१८		२७	२१	१८	सिं९।३८ अस्तंगुरोः ४३।१२
९	मं	४९	४७	म	१३	५८	ऐं	१६	१६	तै	१९	३३	२७	४३	१७		२८	२२	१९	सिंहे अनु.रविः ५१।१७
१०	बु	४८	२३	पू	१४	२१	वै	१३	२४	व	१९	५	२५	४३	१७		२९	२३	२०	कं.२९।१२ भ.१९/५ उ.३/६ या.अनु.रविः सौरः ३/२
११	गु	४४	४४	उ	१३	४६	वि	८	५३	ब	१६	३३	२२	४४	१६		३०	२४	२१	कन्यायां अनु.३राहुः रोहि.१केतुः ४/७ उत्पत्ति ११व्र.
१२	शु	३९	१३	ह	११	१६	प्री	२/४७	५२/१८	कौ	११	५८	१९	४४	१६		१	२५	२२	तु.३९।० भा.मार्गशीर्षारंभः
१३	श	३२	५	चि	६	४४	सौ	४६	०	ग	५	३९	१७	४५	१५		२	२६	२३	तुलायां भ.३/५ उ.५/१ या.शुक्रोदयः पश्चिमायां १/८ -
१४	र	२३	३७	स्वा	०/४४	५/३	शो	३६	८	श	२३	३७	१४	४५	१५		३	२७	२४	वृ.४०।३३ मूलेधनुषिबुधः ४/९ ज्येष्ठा.शुक्रः २/०
२०	चं	१४	१८	अ	४६	१०	अ	२५	२९	ना	१४	१८	१२	४६	१४		४	२८	२५	वृश्चिके [-प्रदोषः

३२पं.मा कृ.७र.इ. ६/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	७	७	१	७	७
०	३	२०	११	७	११	१३	०
३३	८	१७	७	३३	५८	३२	२
२२	२४	५३	४१	४७	४१	२७	२७
६०	२६	८१	१३	७४	४/३	३	६०
३०	२३	४	३२	३२	व.	११	४०

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षकृष्णे ६शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा३न३प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

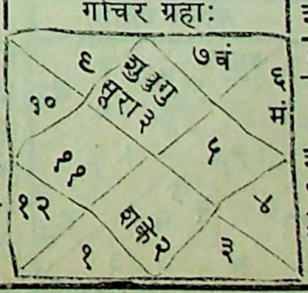

३३पं.मा.कृ.१४र.इ. ५/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	७	७	१	७	७
७	७	२९	१२	१६	११	१३	७
३७	१०	१२	४१	२०	२४	१०	८
१६	३४	४	६	६	५/०	११	०
६०	३५	६८	१३	७४	४/०	३	६०
४२	५४	८	३८	२९	व.	११	५३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३४स.२०३०
१	मं ४ ४८	ज्ये	३८	३१	सु	१४	३२	ब ४ ४८	२६ ६ ५ ५ २९ २६ ध.३८।३१ अनु.४गुरुः५७।१ चंद्रदर्शनम्
२	मं ५० ३७	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ० ० ० ० ०
३	बु ४६ ४३	मू	३१	२३	धृ	३ ४४	४७	तै २१ ४	७ ४७ १३ ६ १ २७ धनुषि सावान८
४	गु ३९ ६	पू	२५	७	गं	४३	५२	व १२ ५४	५ ४७ १३ ७ २ २८ म.३८।५२ भ.१२।५४उ.३९।६या.
५	शु ३२ ५६	उ	२०	९	बृ	३५	३२	ब ६ १	२ ४८ १२ ८ ३ २९ मकरे हस्तेभौमः७।५९
६	श २८ २७	श्र	१६	४६	ध्रु	२८	४६	कौ ० ४१	० ४८ १२ ९ ४ ३० कुं.४५।५८ चंपा६
७	र २५ ४३	ध	१५	१०	व्या	२३	१७	व २५ ४३	२५ ५८ ४८ १२ १० ५ १ कुंभे भ.२५ ४ उ.५५।१५या.दिसंबर१२ता.३१
८	चं २४ ४७	श	१५	१२	ह	१९	११	ब २४ ४७	५६ ४९ ११ ११ ६ २ कुंभे
९	मं २५ ३८	पू	१७	९	व	१६	३३	कौ २५ ३८	५४ ४९ ११ १२ ७ ३ मी१।४० ज्येष्ठा.रविः१।२९ (सौरः२७।२६)
१०	बु २७ ५६	उ	२०	३०	सि	१४	५५	ग २७ ५६	५३ ४९ ११ १३ ८ ४ मीने भ.५९ ४ उ.मूलेधनुषिशुक्रः ५६ ४२
११	गु ३१ ३७	रे	२५	१७	व्य	१४	४७	वि ३१ ३७	५१ ५० १० १४ ९ ५ मे.२५।१७ भ.३१ ३७ या.वक्रीबुधः २९ ५ मोक्षदा११व्र.=
१२	शु ३६ २०	अ	३१	१७	व	१५	२६	ब ३ ५८	४९ ५० १० १५ १० ६ मेषे [=गीताजयंती [×दत्तजयंती
१३	श ४१ ५३	भ	३७	५०	प	१६	२८	कौ ९ ६	४८ ५० १० १६ ११ ७ वृ.५४।५१ प्रदोषः
१४	र ४७ ५३	कृ	४४	५३	शि	१८	२६	ग १४ ५३	४६ ५१ ९ १७ १२ ८ वृषे भ.४७।५३उ.
१५	चं ५४ २१	रो	५२	२२	सि	२०	२०	वि २१ ७	४५ ५१ ९ १८ १३ ९ वृषे भ.२१ ७ या.बुधास्तःपश्चिमायां ४९ ×

३४ पं.मा.शु.७र.इ. ५ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	७	७	१	७	७
१४	११	५	१४	२५	१०	१२	१४
४२	९	५२	१५	७	५०	४७	१४
२९	३२	४८	१८	८	२१	५५	४६
६०	३५	३९	१३	७४	४०	३	६१
५०	२८	४५	३८	२६	व.	११	३

गोचर ग्रहाः

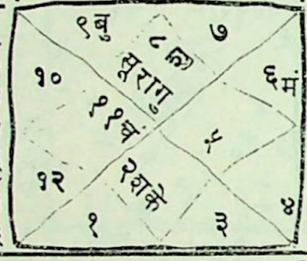

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन धातु बाजरा मूंग मोठ चना चांवल रसकस गुड़ शक्कर चीनी में तेजी करेगा प्रजा में शान्ति रहे।

गोचर ग्रहाः

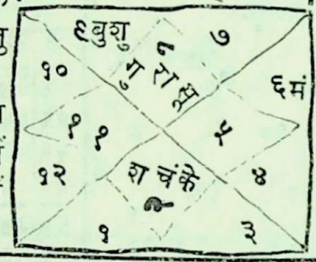

३५पं.मा.शु.१४र.इ. ५ ५५

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	७	८	१	७	७
२१	१५	७	१५	३	१०	१२	२१
४८	५	५	४९	५४	१६	२५	२२
३२	४६	५६	४४	७	३७	४०	२७
६०	३५	३८	१३	७४	४ ३२	३	६१
५६	१	व.	३८	२६	व.	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा.
१	मं ६० ०	मृ	५९	४६	सा	२२	३८	बा २७ ३१	२५ ४४ ५ ५१ ९ १९ १४ १० मि२६।४
१	बु ० ४२	आ	६०	०	शु	२४	४५	कौ ० ४२	४३ ५१ ९ २० १५ ११ मिथुने ज्येष्ठा.१गुरुः ५ १ १ वक्रीकृत्ति.४शनिः ४५ २९
२	गु ७ १०	आ	७	६	शु	२६	४४	ग ७ १०	४३ ५२ ८ २१ १६ १२ क.५७।२३ भ.४०।०उ.
३	शु १२ ४९	पु	१४	९	ब्र	२८	२५	वि १२ ४९	४१ ५२ ८ २२ १७ १३ कर्के भ.१२।४९या. चतुर्थी व्र.
४	श १७ ५५	पु	२०	३८	ऐं	२९	३०	बा १७ ५५	४० ५२ ८ २३ १८ १४ कर्के उदयंगुरोः१।४८
५	र २२ २	श्ले	२६	८	वै	२९	५२	तै २२ २	३९ ५२ ८ २४ १९ १५ सिं२६।८ वक्रीज्येष्ठा.वृश्चिकेबुधः १ ६ पूषाशुक्रः ३ २९
६	चं २५ १४	म	३०	२३	वि	२९	२०	व २५ १४	३९ ५२ ८ २५ २० १६ सिंहे भ.२५ १ उ.५५ ५ या.मूलेधनुष्यर्कः ९ ४ +
७	मं २६ ४०	पू	३३	१०	प्री	२७	४३	ब २६ ४०	३८ ५२ ८ २६ २१ १७ कं.४८।२७ [+(सौरः ३२ १६)
८	बु २६ ३७	उ	३४	१९	आ	२४	४६	कौ २६ ३७	३८ ५२ ८ २७ २२ १८ कन्यायां
९	गु २४ ३३	ह	३३	४९	सौ	२०	१६	ग २४ ३३	३७ ५३ ७ २८ २३ १९ कन्यायां भ.५२।३९उ.
१०	शु २० ४६	चि	३१	२२	शो	१४	१९	वि २० ४६	३७ ५३ ७ २९ २४ २० तु.२।३६ भ.२०।४६या.
११	श १५ १६	स्वा	२७	९	अ	५० ६	२४ ५१	बा १५ १६	३६ ५३ ७ ३० २५ २१ तुलायां बुधोदयःपूर्वस्यां४४।४९सफला११व्र.
१२	र ८ ९	वि	२१	२८	धृ	४८	२६	तै ८ ९	३६ ५३ ७ १ २६ २२ वृ.७।५३ भ.५९।४३उ.भा.पौषारंभः प्रदोषः
१३	र ५१ ३४	०	०	०	०	०	०	० ०	० ० ० ० ० ० ० ० ० ०
१४	चं ५० २२	अ	१४	३७	शू	३७	५८	वि २५ २	३६ ५३ ७ २ २७ २३ वृश्चिके भ.२५।२या.चित्रा.भौमः८।४
३०	मं ४० ४४	ज्ये	६ ५	५२ १०	गं	२६	५७	च १५ ३३	३६ ५३ ७ ३ २८ २४ ध.६।५५

३६पं.पौ.कृ.५र.इ. ५ १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	७	८	१	७	७
२८	१८	०	१७	१२	९	१२	२८
५५	५६	२१	२३	४१	४४	३	२१
२६	३५	०	४६	१७	१३	२४	१०
६१	३४	५९	१३	७४	४०	३	६१
०	१६	व.	३२	२३	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

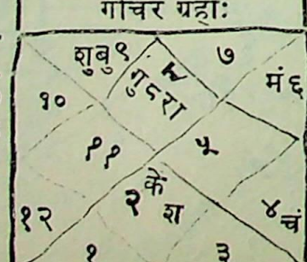

पौष कृष्णे ६ चन्द्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा३न३प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

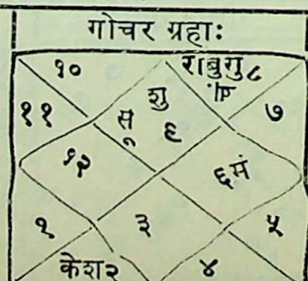

३७पं.पौ.कृ.१२र.इ. ५ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	७	८	१	७	८
६	२२	२२	१८	२१	९	११	५
३	४४	२७	५६	२८	१३	४१	४०
०	४२	१८	२०	५	५५	९	३५
६१	३३	४ ४३	१३	७४	५२	३	६१
४	३७	व.	२५	२०	व.	११	२२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२									दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२६३स.२३०
१	बु	३०	५८	पू	५१	२५	वृ	१५	४६	किं	५	५१	३५	६	५३	५७	४ २६ २५	धनुषि	उषा.शुक्रः११।२८ [–चंद्रदर्शनम्
२	गु	२२	१	उ	४४	५६	धु	५१	५९	कौ	२२	१	३७	५	३	७	५ ३० २६	म.४।४८	मार्गीबुधः३४।४६ज्येष्ठा.२गुरु।५१–
३	शु	१४	१७	श्र	३९	२८	ह	४६	१४	ग	१४	१७	३७	५	३	७	६ १ २७	मकरे	भ.४१।१०उ.रमजानह
४	श	८	४	ध	३५	४७	व	३८	५५	वि	८	४	३८	५	२	८	७ २ २८	कुं.७।३८	भ.८।४या.मकरेशुक्रः५२।५६
५	र	३	४७	श	३४	३	सि	३३	१९	बा	३	४७	३८	५	२	८	८ ३ २९	कुम्भे	पूषा.रदिः१३।४७ (सौरः३३।५४)
६	चं	१	२९	पू	३४	३०	व्य	२९	१३	तै	१	२९	३९	५	२	८	९ ४ ३०	मी १९।२३	
७	मं	१	२७	उ	३६	४७	व	२६	५४	व	१	२७	४०	५	२	८	१० ५ ३१	मीने	भ.१।२७उ.३२।२२या.
८	बु	३	१७	रे	४१	०	प	२५	५०	ब	३	१७	४१	५	२	८	११ ६ १	मे.४१।०	जनवरी१ता.३१सन्२०३१
९	गु	६	४६	अ	४६	३५	शि	२६	११	कौ	६	४६	४२	५	२	८	१२ ७ २	मेषे	
१०	शु	११	४३	भ	५३	१९	सि	२७	१९	ग	११	४३	४३	५	१	९	१३ ८ ३	मेषे	भ.४४।४४उ.
११	श	१७	३७	कृ	६०	०	सा	२९	१४	वि	१७	३७	४४	५	१	९	१४ ९ ४	वृ.१०।१०	भ.१७या.तुलायांभौमः५७पुत्रदा११व्र.
१२	र	२३	५५	कृ	०	४२	शु	३१	२०	बा	२३	५५	४५	५	१	९	१५ १० ५	वृषे	श्रवणेशुक्रः५२।५५
१३	चं	३०	३८	रो	८	१	शु	३३	३७	तै	३०	३८	४७	५	१	९	१६ ११ ६	मि४१।५०	प्रदोषः
१४	मं	३६	५२	मृ	१५	४०	ब्र	३५	४६	ग	३	४५	४८	५	०	१०	१७ १२ ७	मिथुने	भ.३६।५२उ.मूलेधनुषिबुधः४१।५७
१५	बु	४३	२४	आ	२२	५५	ऐं	३७	३८	वि	१०	८	५०	५	०	१०	१८ १३ ८	मिथुने	भ.१०।८या.मा.स्ना.प्रा.

३८ पं.पौ.शु.५र.इ.५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	७	९	१	७	८
१३	२६	२१	२०	०	८	११	१२
१०	२७	५३	२७	१४	४७	१८	५०
५९	१८	६	४३	४९	२	५३	२७
६१	३२	२४	१३	७४	२	३	३६१
६	५०	मा	१४	१४	व	११	२६

गोचरग्रहाः

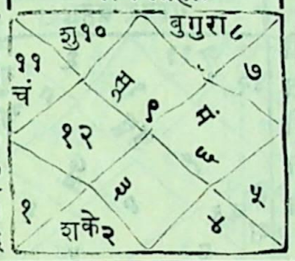

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना मक्का सोना चांदी रुई मंदी होवे रसकस गुड़ शक्कर चीनी नमक तेज हो।

गोचर ग्रहाः

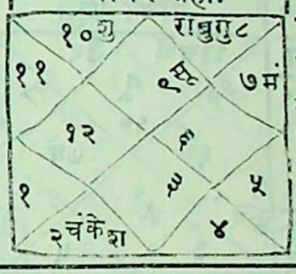

३९पं.पौ.शु.१२र.इ.५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	७	९	१	७	०
२०	०	२७	२१	९	८	१०	२०
१९	३	२७	५७	०	२४	५६	४
५	५८	२५	२२	३६	२५	३७	२८
६१	३२	५८	१२	७४	४	३	३६१
६	६	१६	५४	७	व.	११	२६

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.३
१	शु	४८	१९	पु	२९	४३	वै	३९	६	बा	१५	५१	२५	६	५	१०	१९ १४ ९	क.१३।१	
२	शु	५२	५२	पु	३५	३५	वि	३९	५३	तै	२०	३५	५३	४	११	२०	१५ १०	कर्के	[=(सौरः३५)ज्येष्ठा.३गुरुः४०
३	श	५६	३०	श्ले	४०	४८	प्री	३९	५९	व	२४	४१	५५	४	११	२१	१६ ११	सिं४०।४८	भ.२४उ.५६या.उषा.रविः१८
४	र	५९	८	म	४४	५२	आ	३९	२८	ब	२७	४९	५७	४	११	२२	१७ १२	सिंहे	चतुर्थी व्र.
५	चं	६०	०	पू	४८	१२	सौ	३७	५७	कौ	२९	५१	५९	४	१२	२३	१८ १३	सिंहे	
५	मं	०	३४	उ	५०	११	शो	३५	३१	तै	०	३४	२६	४	१२	२४	१९ १४	कं.३।४२	मकरेऽर्कः३४।५७ (सौरः५०।४८)
६	बु	०	५८	ह	५०	५२	अ	३२	११	व	०	५८	४	४	७	१३	२५ २० १५	कन्यायां	भ.०।५८उ.३०।२७या.
७	बु	५८	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	धनि.शुक्रः३०।३
८	गु	५७	२८	चि	५०	८	सु	२७	४०	बा	२८	४२	६	४	७	१३	२६ २१ १६	तु.२०।३०	
९	शु	५३	३८	स्वा	४७	५०	धृ	२१	५६	तै	२५	३३	८	४	६	१४	२७ २२ १७	तुलायां	पूषा.बुधः५१।२०
१०	श	४८	२५	वि	४४	१६	शू	१५	०	व	२१	१	११	४	६	१४	२८ २३ १८	वृ.३०।१०	भ.२१उ.४८या.स्वात्यांभौमः३७×
११	र	४१	४६	अ	३९	२४	गं	७	५१	ब	१५	५	१३	४	५	१५	२९ २४ १९	वृश्चिके	पातमोक्षः११।३२ षट्तिला११व्र.
१२	चं	३४	८	ज्ये	३३	३४	धु	४८	३०	कौ	७	५७	१६	४	५	१५	३० २५ २०	ध.३३।३४	[×पातस्पर्शः२९
१३	मं	२५	४०	मू	२६	५२	व्या	३८	१९	व	२५	४०	१९	४	४	१६	१ २६ २१	धनुषि	भ.२५उ.५१या.अभि.प्र.रविः९ सौरः९
१४	बु	१६	३६	पू	१९	४०	ह	२७	४७	श	१६	३६	२१	४	४	१६	२ २७ २२	म.३२।५५	अनु.राहुः कृत्ति.४केतुः५३।३०
३०	गु	७	५१	उ	१२	४२	व	१७	४०	ना	७	५१	२४	४	३	१७	३ २८ २३	मकरे	[२२ कुंभेशुक्रः५४भा.माघारंभःप्रदोष

४०पं.मा.कृ.४र.इ.४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	७	९	१	७	८
२७	३	५	२३	१७	८	१०	२७
२७	३१	४०	२४	४६	५	३४	१०
७	३४	४१	५८	१२	५६	२२	१६
६१	३०	७४	१२	७४	१२	३	३६१
६	५६	१०	२६	१	व.	११	२४

गोचर ग्रहाः

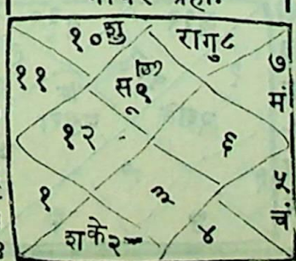

माघ कृष्णे ५ भौमे मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. २ न.३ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावें समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

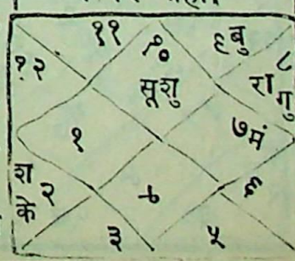

४१पं.मा.कृ.११र.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र.
९	६	८	७	९	१	७	९
४	६	१५	२४	२६	७	१०	४
२४	५३	४	४८	३०	५२	१२	१९
५९	१०	२६	५८	३६	१२	६	४५
६१	२९	८५	१२	७३	१	३	३६१
३	३७	२०	८	५५	व.	११	१९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २९३स.२०३१
१	शु ०३२ अ ६२८ सि ८५१ ब ०३२	२६	६	५	४	२९	२४	कुं.३४।०	श्रवणेरविः २४ (सौरः ३९) चंद्रदर्शनम्
२	शु ५१ ४४ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	श ४६ ५० ध ५३ ५६ व ५२ १ तै १९ ३३	२९	४२	१८	५	१	२५	कुंभे	अभि.नि.रविः १६ (सौरः २९) सव्वाल १०
४	र ४३ ७ पू ५६ ३० प ४६ १३ व १४ ५८	३२	४२	१८	६	२	२६	मी४१।५४	भ.१४ उ. ४३ या.उषा.बुधः ५७
५	चं ४१ ४६ उ ५७ २१ शि ४२ २२ ब १२ २६	३५	४१	१९	७	३	२७	मीने	शतेशुक्रः १५ वसंत ५
६	मं ४२ १७ रे ५९ ५७ सि ४० ७ कौ १२ १	३८	४०	२०	८	४	२८	मे.५९।५७	ज्येष्ठा.४गुरुः ४०।४८
७	बु ४४ ५५ अ ६० ० सौ ३८ ४३ ग १३ ३६	४१	४०	२०	९	५	२९	मेषे	भ.५४ उ.मकरेबुधः ६ भानु७रथ७
८	गु ४९ २३ अ ४ ३४ शु ३९ ५८ वि १७ ९	४५	३९	२१	१०	६	३०	मेषे	भ.९ या.पातस्पर्शः २२ पातमोक्षः ४४-
९	शु ५४ ५९ भ १० २९ शु ४१ ३२ बा २२ ११	४८	३८	२२	११	७	३१	वृ.२७।१८	[-भीष्माष्टमी
१०	श ६० ० कृ १७ ४५ ब्र ४३ ३४ तै २८ १२	५१	३८	२२	१२	८	१	वृषे	बुधास्तः पूर्वस्यां ३७।२१ फर्वरी २ता.२८
१०	र १ २५ रो २५ १७ ऐं ४५ ५४ ग १ २५	५४	३७	२३	१३	९	२	मि५९।९	भ.३४।४४ उ.मार्गीशनिः २०।४८
११	चं ८ ३ मृ ३३ १ वे ४८ १६ वि ८ ३	५८	३६	२४	१४	१०	३	मिथुने	भ.८।३ या.जया ११ ब्र.
१२	मं १४ २५ आ ४० ९ वि ५० १० बा १४ २५	२७	३६	२४	१५	११	४	मिथुने	श्रवणेबुधः ३४।३७ प्रदोषः
१३	बु २० १७ पु ४६ ५२ प्री ५१ २९ तै २० १७	५	३५	२५	१६	१२	५	क.३०।११	[=(सौरः ४५ पूभा.शुक्रः ५७
१४	गु २५ १४ पु ५२ २६ आ ५१ ५५ व २५ १४	८	३४	२६	१७	१३	६	कर्के	भ.२५ उ.५७ या.धनि.रविः ३२ =
१५	शु २८ ५८ श्ले ५७ ० सौ ५१ ४१ ब २८ ५८	१२	३४	२६	१८	१४	७	सिं५७।०	मा.स्ना.पूर्तिः

४२पं.मा.शु.४र.इ.४।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	७	१०	१	७	९
११	१०	२५	२६	५	७	९	११
४२	६	१७	१०	१३	४४	४९	२८
२९	३२	३८	१	४८	१०	५१	३६
६०	२८	९३	११	७३	०	३	६१
५९	२०	७	३२	५०	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

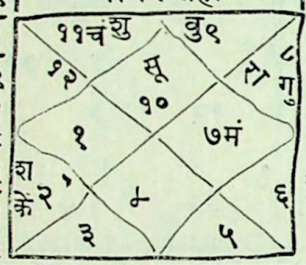

इस मास में अलसी गेहूं रुई कपास सूत मूंगफली में तेजी हो धान्य व गल्ला सस्ता हो शीत अधिक पड़े।

गोचर ग्रहाः

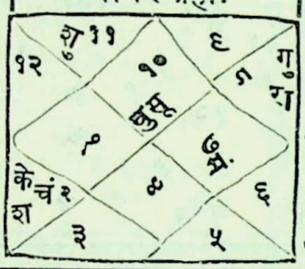

४३पं.मा.शु.१०र.इ.५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	७	१०	१	७	९
१८	१३	६	२७	१२	७	९	१८
४९	७	४	२७	५५	४१	२७	३६
१	४८	२६	२९	५५	३१	३५	४३
६०	२६	९४	१०	७३	०	३	६१
५५	२३	२६	५६	४३	व.	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	श ३१ ४२ म ६० ० शो ५० २९ बा ० २०	२७	६	५	१९	१५	८	सिंहे	
२	र ३३ २५ म ० २८ अ ४८ २५ तै २ ३३	१५	३३	३७	१९	३२	२८	सिंहे	
३	चं ३३ ५० पू ३ २ सु ४५ ३९ व ३ ३७	२३	३१	२९	२१	१७	१०	कं.१८।२२	भ.३।३७ उ.३३।५० या.
४	मं ३३ २१ उ ४ २२ धृ ४२ ० ब ३ ३५	२७	३१	२९	२२	१८	११	कन्यायां	चतुर्थीव्र.
५	बु ३१ ५५ ह ४ ५० शू ३७ ४२ कौ २ ३८	३०	३०	३०	२३	१९	१२	तु.३४।४१	धनि.बुधः २८।४
६	गु २९ ३१ चि ४ ३२ गं ३२ ३१ ग ० ४३	३४	२९	३१	२४	२०	१३	तुलायां	भ.३९ उ.५७ या.कुंभेऽर्कः ७ (सौरः ५७)
७	शु २६ १९ स्वा ३ १३ बृ २६ ४९ व २६ १९	३८	२८	३२	२५	२१	१४	बृ.४६।३३	
८	श २२ २० वि ५९ ५६ ध्रु २० १६ कौ २२ २०	४१	२८	३२	२६	२२	१५	वृश्चिके	मीनेशुक्रः ४।२३
९	र १७ १५ ज्ये ५३ ५९ व्या १३ ६ ग १७ १५	४५	२७	३३	२७	२३	१६	ध.५३।५९	भ.४४।२३ उ.कुंभेबुध.: १७।२३
१०	चं ११ ३१ मू ४९ २१ ह ५३ ५५ वि ११ ३१	४९	२६	३४	२८	२४	१७	धनुषि	भ.१३ या.उभा.शुक्रः ४८ मूल.१ गुरुः ४३
११	मं ४ ५४ पू ४३ ५८ सि ४७ ३६ बा ४ ५४	५३	२५	३५	२९	२५	१८	म.५७।३४	विजया ११ व्र.
१२	मं ५२ ५३ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	बु ५० २३ उ ३८ २३ व्य ३८ ३७ ग २४ ५	५६	२५	३५	३०	२६	१९	मकरे	भ.५३ उ.शतेरविः ४५ (सौरः ५३) प्रदोषः
१४	गु ४२ ५९ श्र ३२ ५४ व २९ ४७ वि १६ ४१	२०	२४	३६	१	२७	२०	मकरे	भ.१४ या.शतेबुधः ४३ विशा.भौमः ३२ ×
३०	शु ३६ २२ ध २८ ३ प २१ १७ च ९ ४०	४	२३	३७	२	२८	२१	कुं.०।२८	[×भा.फाल्गुनारंभः महाशिवरात्रीव्र.

४४पं.फा.कृ.२र.इ.५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	७	१०	१	७	९
२५	१५	१७	२८	२२	७	९	२५
५४	५९	२८	३९	३६	४४	५	४३
५०	३८	२६	५०	७	४९	१९	३०
६०	२४	०	१०	७३	०	३	६०
४७	२५	५६	१३	३०	मा	११	५५

गोचर ग्रहाः

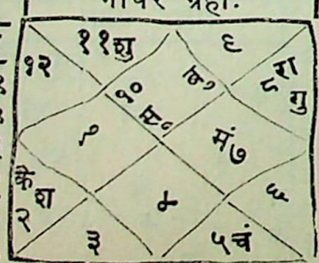

फाल्गुन कृष्णे ६ गुरौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ प्रगलभावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावें समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४५पं.फा.कृ.९र.इ.५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	७	११	१	७	१०
२	१८	२९	२९	१	७	८	२
५९	३७	३८	४७	१४	५३	४३	४९
४२	३७	२	३१	३१	२८	४	३३
६०	२१	०	७	७३	१	३	६०
३७	४४	२७	२८	२०	३१	११	४२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२ | वि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंततौ रविरुत्तरेऽर्हणं ३२२स.२०३१

१	श	३०	३७	श	२४	१४	शि	१३	३४	किं	३	२९	२८	६ २२	५ ३८	३	२९	२२	कुम्भे		
२	र	२६	२४	पू	२१	४१	सि	७	५	कौ	२६	२४	१२	२२	३८	४	३०	२३	मी७।१९	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया२	
३	चं	२४	१०	उ	२१	७	सा	२ १६	५ ६ १२	ग	२४	१०	१६	२१	३९	५	१	२४	मीने	भ.५ ३ ३ उ.पातस्पर्शः ३ ४ ३ पातमोक्षः ६ ७ ३०	
४	मं	२३	४३	रे	२२	१९	शु	५६	४९	वि	२३	४३	२०	२०	४०	६	२	२५	मे.२२।१९	भ.२३।४३या.	[-जिल्काद११
५	बु	२५	२४	अ	२५	४०	ब्र	५६	१९	बा	२५	२४	२४	१९	४१	७	३	२६	मेषे		
६	गु	२८	५३	भ	३०	५०	ऐं	५७	२	तै	२८	५३	२८	१८	४२	८	४	२७	वृ.४७।२७	पूभा.बुधः १०।५५	
७	शु	३३	५६	कृ	३७	१७	वै	५८	४६	ग	१	२४	३२	१८	४२	९	५	२८	वृषे	भ.३३।५६उ.रेवत्यांशुक्रः४०।१६	
८	श	३९	५६	रो	४४	२०	ब्रि	६०	०	वि	६	५६	३६	१७	४३	१०	६	१	वृषे	भ.६।५६या.मार्च३ता.३१ होलाष्टकम्	
९	र	४६	२७	मृ	५२	१	वि	०	५५	बा	१३	११	४०	१६	४४	११	७	२	मि१८।११		
१०	चं	५२	४९	आ	५९	२३	प्री	३	१६	तै	१९	३८	४४	१५	४५	१२	८	३	मिथुने	[=मीनेबुधः ३ ७ ४ १ आमलकी११व्र.	
११	मं	५८	४१	पु	६०	०	आ	५	२३	व	२५	४५	४८	१४	४६	१३	९	४	क.४९।३५	भ.२५ ४५ उ.५ ६ ५९ या.पूभारविः ५ ९ ५ ९=	
१२	बु	६०	०	पु	६	१९	सौ	६	५४	ब	३१	१	५२	१४	४६	१४	१०	५	कर्के	पूभा.रविःसौरः८।२	
१३	गु	३	२१	पु	११	५५	शो	७	४३	बा	३	२१	५६	१३	४७	१५	११	६	कर्के	उभा.बुधः७।३९ प्रदोषः	
१४	शु	६	४६	श्ले	१६	१४	अ	७	७	तै	६	४६	२९ ९	१२	४८	१६	१२	७	सिं१६।१४	बुधोदयःपश्चिमायां९।३७	
१५	श	८	४७	म	१९	१२	सु	५	३९	व	८	४७	५	११	४९	१७	१३	८	सिंहे	भ.९ ७ उ.३ ९ या.होलिकादहनम्भद्रोत्तरम्	
१५	र	९	१६	पू	२०	५२	धृ	३ ५ ६	४८	व	९	१६	९	१०	५०	१८	१४	९	कं.३५।५६	पातस्पर्शः५८।२२छारेंडी	

४६ पं.फा.शु.२ र.इ. ५ ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	८	११	१	७	१०
१०	२०	१२	०	९	८	८	९
३	५८	३०	४९	५०	७	२०	५५
१४	३०	४२	४८	३८	२३	४८	६
६०	१९	७ २५	८	७३	२	३	६०
२५	१	७	३७	११	१३	११	३१

४७ पं.फा.शु ९ र.इ.५।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	८	११	१	७	१०
१७	२३	२५	१	१८	८	७	१६
५	०	३१	४६	२४	२६	५८	५७
२८	३६	२६	१	०	१३	३३	१
६०	१५	७ २५	७	७२	२	३	६०
१२	१७	३९	३४	५२	५३	११	२०

४८ पं.फा.शु.१५ र.इ. ६ १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	११	८	११	१	७	१०
२४	२४	८	२	२६	८	७	२३
६	४१	३६	२४	५५	४९	३६	५८
१४	२०	७	५९	८	५५	१७	२३
५९	११	७ ० ८	६	७२	३	३	६०
५८	९	१३	३१	३२	३४	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२	दि. उ. अ.	भा. मु. इं	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	चं ८ २३ उ २१ ७ गं ५४ ५२ कौ ८ २३	२९ १३ ६ ५ ५१	१९ १५ १०	कन्यायां	अश्वि.मेषेशुक्रः ४ ९ ३० पातमोक्षः ५ १० ५ १ वसंत१
२	मं ६ ३६ ह २० २८ बृ ४९ ४१ ग ६ ३६	१७ ९ ५१	२० १६ ११	तु.४८।८	भ.३५।५उ.
३	बु ३ ३४ चि १९ १० ध्रु ४४ ० वि ३ ३४	२१ ८ ५२	२१ १७ १२	तुलायां	भ.३।३४या. चतुर्थी व्र.
४	गु ० ३ स्वा १७ ७ व्या ३७ ४० बा ० ३	२६ ७ ५३	२२ १८ १३	तुलायां	
५	गु ५५ ५५ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	
६	शु ५१ ३५ वि १४ ३५ ह ३१ १२ ग २३ ४६	२० ६ ५४	२३ १९ १४	वृ.०।१३	भ.५ ५ ९ उ.रेवत्यांबुधः ७ शीतलापूजनम्
७	श ४६ ५५ अ १२ १ व २४ २६ वि १९ १५	२४ ५ ५५	२४ २० १५	बृश्चिके	भ.१ ९ या.मीनेऽर्कः ० ४ (सौरः ६ ३)
८	र ४१ ५७ ज्ये ८ ५३ सि १७ २७ बा १४ २६	३८ ४ ५६	२५ २१ १६	ध.८।५३	मूल.२गुरुः४४।३
९	चं ३६ ४९ मू ५ २९ व्य १० १३ तै ९ २३	४३ ३ ५७	२६ २२ १७	धनुषि	
१०	मं ३१ १० पू १ ४५ ५ १० व २ ० २९ ५२ व ३ ५९	४७ ३ ५७	२७ २३ १८	म.१५।४७	भ.३ ९ उ.३ ९ या.उभा.रविः २ ९ ४ ८+
११	बु २४ ३२ श्र ५४ ७ शि ४७ ५६ बा २४ ३२	५१ २ ५८	२८ २४ १९	मकरे	पापमोचनी११व्र. [+(सौरः ३ ०)
१२	गु १९ ५७ ध ५० ४० सि ४० ५० तै १९ ५७	५५ १ ५९	२९ २५ २०	कुं.२२।२४	प्रदोषः
१३	शु १४ ५२ श ४७ ५० सा ३४ १ व १४ ५२	३ ० ० ६ ६	३० २६ २१	कुंभे	भ.१४।५२उ.४२।३०या.
१४	श १० ८ पू ४५ ४४ शु २८ ९ श १० ८	४ ५ ९ १	१ २७ २२	मी३२।१	भरण्यांशुक्रः४४।२६भा.चैत्रारंभः;
३०	र ६ ४२ उ ४५ १ शु २३ ११ ना ६ ४२	८ ५८ २	२ २८ २३	मीने	मन्वादिः;

४९ पं.चै.कृ.८ र.इ. ६ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	८	०	१	७	११
१	२५	१९	३	५	९	७	०
५	५६	१८	१६	२२	१८	१४	५८
३१	३१	२९	३७	३४	३६	१	६
५९	५	७९	५	७२	४	३	५९
४१	५२	३३	२५	१२	१४	११	४९

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे ७ शनौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा३ न.३वृद्धावस्था(बैठी) धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

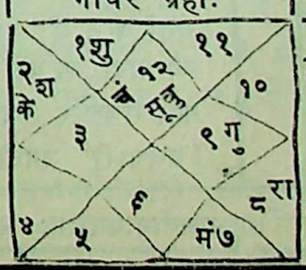

५० पं.चै.कृ.३० र.इ. ६ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	८	०	१	७	११
८	२६	२५	३	१३	९	६	७
३	४४	०	५०	४६	५१	५१	५६
१८	३१	७	२६	५५	२२	४६	१
५९	०	२३	४	७१	४	३	५९
२९	५९	२८	१४	५२	४८	११	३५

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३२, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१३२, भोग्यकलिः ४२६८६८, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०८८, शाकः १९५३, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः । मंत्री चंद्रः । सस्येशःगुरुः। धान्येशो भौमः । मेघेशो रविः । रसेशः शुक्रः। नीरसेशो बुधः। फलेशः रविः । धनेशः बुधः । दुर्गेशः रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां १९ क्रोधनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः २।१४।०।५८।३६ भोग्यमासादिः ९।१५।५९।१।२४ भगदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम ज्येष्ठः।मेघनाम द्रोणः । रोहिणी निवासः पर्वते । समयनिवासोकुंभकार गृहे । समय विश्वा १८ समयवाहनम् मृगः । स्तंभः १ जलस्य । सोमवत्यमा ३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी २रविदशमी२ समय मुहूर्ताः ३४५ समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः ९ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपतिविश्वा ८४, वर्षाविश्वा ५, धान्यम् १५, तृणम् ११, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्११५, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिपूर्वं । ग्रहण १ सूर्यस्यः ।

भैरव भवानी सम्वाद

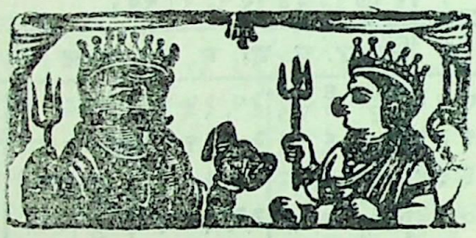

भैरव प्रश्न

माता के दरबार में भैरव तणों सवाल ।
अठ्यासी की साल का कहो शुभाशुभ हाल ।।

भवानी उत्तर

आठों कूंट अठ्यासियो वर्षा होसी खंड ।
भादव कुज गुरु योग से चालें पवन प्रचंड ।।
निशानाथ राजा भये मंत्री पद को पाय ।
सस्याधिप सुरपूज्य है जग की करें सहाय ।।
पर्वत पर रोहिणी बसी स्तंभ लगा है एक ।
कुंभकार घर समय है ईश्वर राखे टेक ।।
वर्षा ऋतु के मध्य में जगत् मचावे शोर ।
व्यापारां घटवढ घणी तेजड़ियों का जोर ।।
फल संवत्सर का कहा देख नभश्चर चार ।
"वनवारी" जगदीश का भजन जगत् में सार ।।

सं.२०८८ ज्येष्ठ कृष्णा ३० बुधे सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	११	१	२
मि.	३०	८	३५
घ.	१२	१६	२०
प.	३८	४२	२०

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	२	११	८	८	२	८
रा.	तु	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् १।१

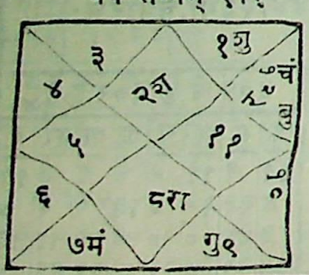

वर्षेश लग्नम् ४।६

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१६।३२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरंच धान्यं । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधि जरा नराणाम् ।। मंत्री चंद्रः फलम् ।। शशिनि मंत्रिगते बहु सस्यवत्यपि धरा रमते सुख मंडिता । वियतिवारि धरा बहुवर्षिणो जनपदा सुख राशि सुशोभिता ।। सस्येशो गुरुः फलम् ।। कणपतौ सुरराजपुरोहिते सकल सौख्यकरः श्रुतिपूर्वकाः । जलधरा जलदा बहु सस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै ।। धान्येशो भौमस्तत्फलं ।। भूमिजे ग्रीष्म धान्येशे ग्रीष्म धान्य महर्घकम् । शालीक्षु घृत तैलादि महर्घाणि भवंति च ।। मेघेशो रविः फलम् ।। जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमतेजनता रसम् । यव चणेक्षु नीवार सुशालिभिः सुख चयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शुक्रः फलम् ।। यजन याजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जल तोषित मानसाः । सुख सुभिक्ष सुमोदवती धरा धरणीपाहतं पाप गण प्रियाः ।। नीरसेशो बुधः फलम् ।। चित्र वस्त्रादिकंचैव शंख चंदन पूर्वकम् । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ।। फलेशो रविः फलम् ।। द्रुमवती वर पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता । बहु जलं जलदो भुवि मुँचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो बुधः फलम् ।। द्रविणपो हिम रश्मिसुतो यदा विविध संग्रह वस्तु फलार्थदा । द्विज वरा जप यज्ञ सुसंयुताः कृषि विशेष विशेषित मानसाः ।। दुर्गेशः रविः फलम् ।। नय विशेषकरस्तरणिस्तदा गतभया नरराज पुरोगमाः । समधिको न तदा नृपजोन्यजः स्व पथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ।। क्रोध नाम संवत्सरः फलम् ।। क्रोधाब्दे मध्य वृष्टिः स्यात् पूर्वदेशे च वृष्टयः । सम्पूर्णमितरत् सर्वे भूपाः क्रोध परायणाः ।। वर्षनाम ज्येष्ठः फलम् ।। ज्येष्ठाब्दे धर्म मार्गस्थाः पीडयन्ते सत्क्रिया पराः । न च वर्षति वै देवो भवेत्सस्य विनाशनम् ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम् ।। पर्वते विंदु मात्रश्च ।। समयनिवासः कुँभकार गृहे ।। अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णा ७ चन्द्रे उषा ल. ११ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ४ शुक्रे मृगे ल.११(घ५३-३१उ)रे.७।।।।।ऽअऽऽ।।
,, ६ गुरौ मघा ल. गो. (सोग्रांगः) ११ (चं.७पू) रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ११शनौ उफा ल.ऽन्यगो(सपापांगः)रे.९।।।ऽबु।।।।।
,, १२ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो (सपापः) रे.८ऽऽ।।।।।।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ३ शुक्रे मूले ल. ११ रे. ८ ।।।।।ऽचो।ऽ।।
,, ५ रवौ उषा ल. ११ रे. ७ ।।।।।ऽऽऽ।ऽ
,, ११ शनौ रेव ल. ऽन्यगो (सोग्रांग.) ११
शुक्ला ७ बुधे मघा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ११चं.पू.सत्
,, ९ शुक्रे उफा ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।।ऽ।।।
,, १० शनौ हस्ते ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽचौ।ऽ।।

आषाढ मासः

कृष्णा १ शुक्रे मूले ल. गो. रे. ८ ।ऽऽबृ।।।।।।।
,, ४ रवौ उषा ल. गो. रे. ७ ।।।।।।।ऽऽऽ दग्धा
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ८ गुरौ उभा ल. ऽन्यगो रे.७ ऽ।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ५ बुधे मघा ल. ऽन्यगो रे. ९ ।ऽ।।।।।।।।

कार्तिक मासः

शुक्ला १५ शुक्रे रोहि ल. ६ रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ शनौ रोहि ल. ५ रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।
,, ८ रवौ उफा ल. ६ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।
,, ६ चन्द्रे उफा ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।
,, ६ चन्द्रे हस्ते ल. ५ (घ.४०-३५उ) रे. ७ ।।।।।ऽ।ऽ।ऽ दग्धा
,, १० भौमे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।ऽनृ।ऽ।ऽ
,, ११ बुधे स्वात्यां ल. ६ रे. ७ ।।ऽशु।।ऽचौ।ऽ।।
,, १२ गुरौ स्वत्त्यां ल. ५ (घ.३६-३७या) रे. ८ ।।ऽशु।।।।ऽ।।

माघ मासः

कृष्णा ४ शनौ उफा ल. गो. ६ रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
,, ५ रवौ हस्ते ल. गो. ६ रे.७ ।।।।।ऽरो३२याऽऽ।।
,, ६ गुरौ मृगे ल. १० रे. ६ ।ऽ।ऽबृ।ऽचौ।ऽ।।
पादतो वेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ८ शुक्रे मूले ल. १० रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।।
,, १० रवौ उषा ल. ६ रे. ८ ।।ऽबृ।।।।ऽ।।
शुक्ला २ शनौ रेव ल. ९ (घ.४६।२२या) रे. ८ ।।।।।ऽअऽ।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३										दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५२स.२०३१
१	चं	४	३२	रे	४५	४९	ब्र	१९	१९	ब	४	३२	३०/१	२/५	५८	६/३	३	२९	२४	मे.४५।५९	वक्रीभौमः १/६ रोहिणी १शनिः ५४/५९ चंद्र +
२	मं	३	५२	अ	४८	२२	ऐं	१६	४६	कौ	३	५२	१६	५७		३	४	१	२५	मेषे	जिल्हेज १२सिंधारामत्स्यजयंती
३	बु	५	१०	भ	५२	२४	वै	१५	३७	ग	५	१०	२१	५६		४	५	२	२६	मेषे	भ.३६/७ उ.अनु. १राहुः कृत्ति. ३केतुः ४९/१ ×
४	गु	८	५	कृ	५८	८	वि	१५	३२	वि	८	५	२५	५५		५	६	३	२७	वृ.८।५०	भ.८।५या. [×गणगौरी
५	शु	१२	३१	रो	६०	०	प्री	१७	०	बा	१२	३१	२९	५४		६	७	४	२८	वृषे	बुधास्तः पश्चिमायां १।१८
६	श	१७	५८	रो	४	४६	आ	१८	४४	तै	१७	५८	३३	५३		७	८	५	२९	मि३८।३१	[+दर्शनम्संवत्सरारंभः नवरात्रारंभ
७	र	२४	१७	मृ	१२	१७	सौ	२१	५	व	२४	१७	३७	५३		७	९	६	३०	मिथुने	भ.२४।१७उ.५७।२७या.
८	चं	३०	३७	आ	१९	४६	शो	२३	१९	ब	३०	३७	४१	५२		८	१०	७	३१	मिथुने	रेवत्यांरविः ४९।२१ (सौरः ५६।२६)
९	मं	३६	३५	पु	२६	५६	अ	२५	१८	बा	३	३६	४५	५१		९	११	८	१	क.१०।१९	अप्रेल ४ता. ३० रामनवमी
१०	बु	४१	३२	पु	३३	१३	सु	२६	३१	तै	९	३	४९	५०	१०	१३	९	२		कर्कं	कृत्ति.शुक्रः ५८।५२
११	गु	४५	१	श्ले	३७	५८	धृ	२६	२९	व	१३	१६	५३	४९	११	१३	१०	३		सिं३७।५८	भ.१/३ उ.४५/१ या.कामदा ११व्र.
१२	शु	४६	४९	म	४१	१९	शू	२५	१६	ब	१५	५५	५७	४९	११	१४	११	४		सिंहे	
१३	श	४७	०	पू	४२	४९	गं	२२	४४	कौ	१६	५४	३९/१	४८	१२	१५	१२	५		कं.५७।४५	बृषेशुक्रः ४८।३प्रदोषः
१४	र	४५	१७	उ	४२	३४	बृ	१८	४८	ग	१६	८	५	४७	१३	१६	१३	६		कन्यायां	भ.४५।१७उ.
१५	चं	४२	७	ह	४१	१	ध्रु	१३	३२	वि	१३	४२	१०	४६	१४	१७	१४	७		कन्यायां	भ.१३।४२या.हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.७र.इ. ६/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	८	०	१	७	११
१४	२७	२४	४	२२	१०	६	१४
५९	०	४७	१५	६	२८	२९	५२
१७	४०	१०	४३	५८	८	३०	१२
५९	५९/१२	३३/१२	३	७१	५	३	५९
१६	व	व	४	२६	१०	११	१८

गोचर ग्रहाः

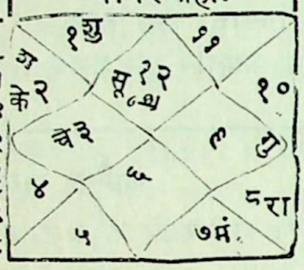

इस मास में धान्य गल्ला रसकस मंदे हो शुक्ल पक्षमें स्वर्ण चांदी रुई रंग गेहूं जो चना मटर सरसो तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

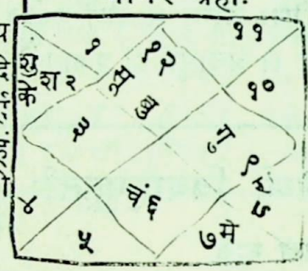

५२पं.चै.शु.१४र.इ. ३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	८	१	१	७	११
२१	२६	१९	४	०	११	६	२१
५३	४१	०	३२	२३	८	७	४६
३१	६	२	२०	६	२४	१५	२३
५९	१३/५३	४९/८	१	७०	५	३	५९
४	व	व	३५	५६	३२	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	मं	३७	३६	चि	३८	१७	ब्या	७	२८	बा	९	५१	३४/५४	४५	५/१५	६	१८	१५	८	तु.१०।९	
२	बु	३२	१८	स्वा	३४	४०	ह	३०/३४	५२/३१	तै	३	५७	१८	४४	१६	१९	१६	९		तुलायां	भ.५९/२१ उ.वक्रीउभा.बुधः ५८।३९
३	गु	२६	२४	वि	३०	३६	सिं	४५	३१	वि	२६	२४	२२	४४	१६	२०	१७	१०		वृ.१६।३७	भ.२६।२४या.चतुर्थाव्र.
४	शु	२०	२४	अ	२६	३३	व्य	३७	४३	बा	२०	२४	२६	४३	१७	२१	१८	११		वृश्चिके	
५	श	१४	२१	ज्ये	२२	२७	व	३०	११	तै	१४	२१	३०	४२	१८	२२	१९	१२		ध.२२।२७	बुधोदयः पूर्वस्यां ३७।५३
६	र	८	३६	मू	१८	४०	प	२२	४६	व	८	३६	३४	४१	१९	२३	२०	१३		धनुषि	भ.८।३६उ.३५।५९या.
७	चं	३	२२	पू	१५	२०	शि	१५	४६	ब	३	२२	२८	४०	२०	२४	२१	१४		म.२९।३५	अश्वि.मेषेऽर्कः ३३/१ (सौरः ३१/०) रोहि. =
८	चं	५४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		० ०	[=शुक्रः २२।५६
९	मं	५३	३५	उ	१२	१९	सि	८	५४	तै	२५	५२	४३	४०	२०	२५	२२	१५		मकरे	वक्रीगुरुः ५८।२१
१०	बु	४९	११	श्र	९	४२	सा	३०/३	५४/६	व	२१	२३	४६	३९	२१	२६	२३	१६		कुं.३८।३७	भ.२१।२३उ.४९।११या.
११	गु	४५	३४	ध	७	३२	शु	५१	८	ब	१७	२२	५०	३८	२२	२७	२४	१७		कुंभे	वरुथिनी ११व्र.
१२	शु	४२	३२	श	६	१	ब्र	४६	१७	कौ	१४	३	५३	३७	२३	२८	२५	१८		मी५०।२६	
१३	श	४०	२७	पू	५	१४	ऐं	४२	७	ग	११	२९	५७	३७	२३	२९	२६	१९		मीने	भ.४०।२७उ.प्रदोषः
१४	र	३९	२८	उ	५	२६	वै	३९	३	वि	९	५७	३२/१	३६	२४	३०	२७	२०		मीने	भ.९।५७या.मार्गीबुधः १२।४४
३०	चं	३९	३०	रे	६	५२	वि	३६	४६	च	९	२९	५	३५	२५	१	२८	२१		मे.६।५२	भा.वैशाखारंभः

१पं.वै.कृ.७चं.इ. २३/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	८	१	१	७	११
०	२५	१४	४	१०	११	५	२९
०	३०	२१	४१	०	५९	४१	५२
०	०	१	५६	३२	५६	७	३८
५८	१८/२०	२६/३	०	७०	६	३	५८
४४	व	व	१९	९	७	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे ७ चंद्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावेसमर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

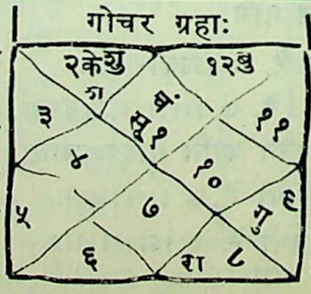

२पं.वै.कृ.३०चं.इ. २३/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	८	१	१	७	०
६	२३	१४	४	१८	१२	५	६
५०	५१	१२	३९	४	४६	१८	४२
४६	२९	२५	०	५५	२३	५१	४९
५८	२३/१५	१५/१५	६९	६	३	५८
३१	व	मा	व	१६	२६	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३८१ सं. २०३१
१	मं	४०	५६	अ	६	२५	प्री	३५	४८	किं	१०	१४	३३/९	३५/३४	२६/६	२	२६	२२	मेषे
२	बु	४३	५६	भ	१३	२०	आ	३५	२८	बा	१२	२६	१२	३४	२६	३	३०	२३	वृ.३६।३६ चंद्रदर्शनम्
३	गु	४८	१७	कृ	१८	३७	सौ	३६	२३	तै	१६	८	१६	३३	२७	४	१	२४	वृषे मोहोरम १सन् १४५३ हि. परशुराम ×
४	शु	५३	३१	रो	२४	५६	शो	३७	४८	व	२०	५४	२०	३२	२८	५	२	२५	मि५८।३३ भ.२०।५४ उ.५३।३१ या.
५	श	५९	३९	मृ	३२	११	अ	४०	७	ब	२६	३५	२३	३१	२९	६	३	२६	मिथुने रेवत्यांबुधः ३५/७ मृगेशुक्रः ४/३ रोहिणी.२ H
६	र	६०	०	आ	३९	३८	सु	४३	४०	कौ	३२	५०	२७	३१	२९	७	४	२७	मिथुने [Hशनिः७।३५ [×जयंतीअक्षया ३
७	चं	६	१	पु	४७	८	धृ	४५	२	तै	६	१	२१	३०	३०	८	५	२८	क.३०।१५ भरण्यांरविः ३।३२ (सौरः १२।२४)
७	मं	१२	५	पु	५४	१७	शू	४६	५५	व	१२	५	२४	२९	३१	९	६	२९	कर्के भ.१२/५ उ.४/४७ या.पातस्पर्शः १/४ पातमो.३/२५
८	बु	१७	२९	श्ले	५९	४९	गं	४७	४८	ब	१७	२९	३८	२८	३२	१०	७	३०	सिं५९।४९
९	गु	२१	२२	म	६०	०	वृ	४७	३७	कौ	२१	२२	४१	२८	३२	११	८	१	सिंहे मिथुनेशुक्रः ५/२५ मई५ ता.३१
१०	शु	२३	५८	म	४	१६	धु	४५	५५	ग	२३	५८	४५	२७	३३	१२	९	२	सिंहे भ.५४।१३ उ.
११	श	२४	२९	पू	६	३९	व्या	४२	४१	वि	२४	२९	४८	२६	३४	१३	१०	३	कं.२१।४५ भ.३/६ या.वक्रीस्वात्यांभौमः ३/६ मोहि.११
१२	र	२२	५३	उ	७	४	ह	३७	५२	बा	२२	५३	५२	२६	३४	१४	११	४	कन्यायां प्रदोषः
१३	चं	१९	२३	ह	५	४३	व	३१	३६	तै	१९	२३	५५	२५	३५	१५	१२	५	तु.३४।७ नृसिंहजयंती
१४	मं	१४	५	चि	३१/२	५५/२७	सि	२४	१	व	१४	५	५८	२४	३६	१६	१३	६	तुलायां भ.१४।५ उ.४०।५० या.
१५	बु	७	३५	वि	५२	२८	व्य	१५	३६	ब	७	३५	३३/२	२४	३६	१७	१४	७	वृ.३८।५० आर्द्रा.शुक्रः ५/८ यमायकुंभदानम्

३पं.वै.शु.६चं.इ.२३।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	८	१	१	७	०
१३	२१	१७	४	२५	१३	४	१३
३९	४२	२९	२५	५९	३५	५६	३१
५०	२९	३१	५२	५६	६	३६	१४
५८	२५/४४	३४	३/३६	६८	६	३	५८
१९	व	२५	व	२७	३८	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि धान्य गेहूं जो चना बाजरा मूंग मोठ चना चांदी स्वर्ण रुई मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.शु.१३चं.इ.२४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	८	२	१	७	०
२०	१९	२३	४	३	१४	४	२०
२७	१४	४५	४	४६	२६	३४	१८
२९	३१	७	१९	४८	१०	२०	०
५८	३५/४	५९	५/३	६७	६	३	५७
६	व	२९	व	१७	५६	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेवैशाख कृष्णेति महा.
१	गु	०	२	अ	४६	३७	व	३७/६	५०/४८	कौ	०	२	३३/५	२३/५	३७/६	१८	१५	८	वृश्चिके
२	गु	५२	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१९	१६	९	० ०
३	शु	४४	१०	ज्ये	४०	४१	शि	४८	१६	व	१८	१३	८	२२	३८	१९	१६	९	ध.४०।४१ भ.१८।१३ उ.४४।१० या.
४	श	३६	३१	मू	३५	११	सि	३९	२९	ब	१०	२०	११	२२	३८	२०	१७	१०	धनुषि अश्वि.मेषेबुधः ३७।२६ चतुर्थीव्र.
५	र	२९	३५	पू	३०	११	सा	३१	१२	कौ	३	३	१४	२१	३९	२१	१८	११	म.४४।९ कृत्ति.रविः ४/९ पातस्पर्शः १/१० पातमोक्ष ३६/१३
६	चं	२३	२३	उ	२६	२	शु	२३	३७	व	२३	२३	१७	२१	३९	२२	१९	१२	मकरे भ.३३/३ उ.५०/४८ या.कृत्ति.रविःसौरः०।१६
७	मं	१८	१३	श्र	२२	५८	शु	१६	५८	ब	१८	१३	२०	२०	४०	२३	२०	१३	कुं.५१।५७
८	बु	१३	५८	ध	२०	५६	ब्र	१०	५८	कौ	१३	५८	२३	१९	४१	२४	२१	१४	कुंभे [×वक्रीमूल १गुरुः २६।८
९	गु	१०	५५	श	२०	६	एं	५	५९	ग	१०	५५	२६	१९	४१	२५	२२	१५	कुंभे भ.३९।५ ३उ.बृषेऽर्कः १/६ (सौरः २९) ×
१०	शु	८	५२	पू	२०	९	वै	५/६	५६/३७	वि	८	५२	२८	१८	४२	२६	२३	१६	मी४।५१ भ.८।५२ या.अस्तंशनेः ३।४
११	श	७	५०	उ	२१	१६	प्री	५६	१९	बा	७	५०	३१	१८	४२	२७	२४	१७	मीने अपरा ११ व्र.
१२	र	८	८	रे	२३	३५	आ	५४	४६	तै	८	८	३४	१७	४३	२८	२५	१८	मे.२३।३५ प्रदोषः
१३	चं	९	१७	अ	२६	३४	सौ	५४	२२	व	९	१७	३७	१७	४३	२९	२६	१९	मेषे भ.९।१७ उ.४/९ या.भरण्यांबुधः ३२।१०
१४	मं	११	३५	भ	३१	१३	शो	५४	२६	श	११	३५	३९	१६	४४	३०	२७	२०	पुन.शुक्रः ३२।३५
१५	बु	१५	३	कृ	३६	३३	अ	५५	२३	ना	१५	३	४२	१६	४४	३१	२८	२१	वृषे सूर्यग्रहणम् वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.६चं.इ. २४/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	०	८	२	१	७	०
२७	१९	२	३	११	१५	४	२७
१३	४१	२५	३५	२३	१८	१२	३
३७	१३	५२	६	६	४०	५	१४
५७	३३/५	८१	५/४	६५	७	३	५७
५४	व.	५२	व	४९	८	११	४५

गोचर ग्रहाः

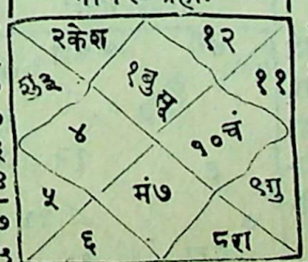

ज्येष्ठ कृष्णे ९ गुरौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा४न.४प्रगलभावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

६पं.ज्ये.कृ.१३चं.इ.२४/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	८	२	१	७	१
३	१४	१३	२	१८	१६	३	३
५८	१९	७	५८	४७	११	४९	४६
४४	२६	८	१	१०	४२	४९	५८
५७	१९/७	०/२	५/६	६४	७	३	५७
४४	व	३/१	व	१०	१४	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽर्हर्गणः ४११ स. २०३१
१	गु १९ ३५	रो ४३	२	सु ५७	३	ब १९	३५	३३/४४	१ ५/१५ ४/४५	१ २९ २२	वृषे	रोहिणी ३शनिः ५०।५४ चंद्रदर्शनम् =
२	शु २४ ५६	मृ ४९	५४	धृ ५९	९	कौ २४	५६	४७	१५ ४५	२ १ २३	मि १६।२८	सफर २ [=भा.ज्येष्ठारंभः
३	श ३० ५९	आ ५७	२८	शू ६०	०	ग ३०	५९	४९	१४ ४६	३ २ २४	मिथुने	[+(सौरः ५४।११)
४	र ३७ २१	पु ६०	०	शू १	३२	व ४	१०	५२	१४ ४६	४ ३ २५	क. ४८।१२	भ. ४।१० उ. ३७।२१ या. रोहि. रविः ४९ +
५	चं ४३ २८	पु ५	७	गं ४	४	ब १०	२४	५४	१३ ४७	५ ४ २६	कर्के	कृत्ति. बुधः ५८।३८
६	मं ४९ १४	पु १२	४५	बृ ६	३७	कौ १६	२१	५६	१३ ४७	६ ५ २७	कर्के	[÷कृत्ति. २ केतुः ६६/३३ बुधास्तः पूर्वस्यां ३६/२१
७	बु ५३ ४७	श्ले १९	२२	धृ ८	१९	ग २१	३०	५८	१२ ४८	७ ६ २८	सिं. १९/२२	भ. ५३/४७ उ. बृषे बुधः ४१/५८ विशा. ४ राहुः ÷
८	गु ५७ ७	म २४	४७	व्या ९	४	वि २५	२७	३४/०	१२ ४८	८ ७ २९	सिंहे	भ. २५।२७ या.
९	शु ५८ ४५	पू २८	३४	ह ८	४२	बा २७	५६	२	१२ ४८	९ ८ ३०	क. ४४।४	कर्के शुक्रः ३४।१६
१०	श ५८ ११	उ ३०	३४	व ६	४६	तै २८	२८	३	११ ४९	१० ९ ३१	कन्यायां	गंगादशमी
११	र ५५ ३८	ह ३०	३४	सि २३/४८	५४/४७	व २६	५४	५	११ ४९	११ १० १	तु. ५९।३०	भ. २६/५४ उ. ५५/३८ या. जून ६ ता. ३० निर्जला ×
१२	चं ५० ५५	चि २८	२६	व ५१	३१	ब २३	१६	७	११ ४९	१२ ११ २	तुलायां	रोहि. बुधः ३४/३३ पुष्ये शुक्र ५६/५७ निर्जला ११ व्र. वै
१३	मं ४४ २७	स्वा २४	२९	प ४३	१७	कौ १७	४१	९	१० ५०	१३ १२ ३	तुलायां	प्रदोषः [×११ व्र. स्मा.
१४	बु ३६ ३१	वि १८	५५	शि ३४	१	ग १०	२९	१०	१० ५०	१४ १३ ४	वृ. ५।१९	भ. ३६।३१ उ.
१५	गु २७ ३९	अ १२	१०	सि २४	०	वि २	५	१२	१० ५०	१५ १४ ५	वृश्चिके	भ. २।५ या. गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

७पं.ज्ये.शु.५चं.इ.२४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	८	२	१	७	१
१०	१२	२५	२	२५	१७	३	१०
४२	२४	३४	१४	५७	६	२७	२९
४०	२८	५	२८	४	७	३३	९
५७	१३	५८	४९	६२	७	३	५७
२५	व	९	व	६	२०	११	२३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला सोना चांदी लोहा ताम्बा रसकस गुड़ सक्कर चीनी वस्त्र रुई कपास वारदाना आदि सर्व पदार्थ मंदा रहे।

गोचर ग्रहाः

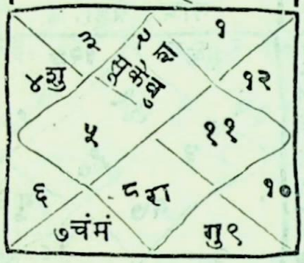

८पं.ज्ये.शु.१२चं.इ.२४/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	८	३	१	७	१
१७	११	९	१	२	१८	३	१७
२५	२	३९	२६	४८	०	५	१०
२६	६	२२	२	५०	५१	१८	१५
५७	५९	२७	३७	५९	७	३	५७
२७	व	२५	व	२७	२०	११	१३

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ. कृष्णेति महा.
१	शु १८ ६	ज्ये ५२/४३	५२	सा १३	३८	कौ १८	६	३४/३३	५/९ ५९/६	१६ १५ ६	ध. ४।५२	
२	श ८	३८	पू ५०	३७	शु १४/१५	५०/८	ग ८	३८	१५ ९	५१	१७ १६ ७	धनुषि	भ. ३४।९ उ. ५९।४० या.
३	श ५१	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०		[=मृगे बुधः ३९।५२ चतुर्थीव्र.
४	र ५१	२९	उ ४४	२८	ब्र ४३	५४	ब २५	३४	१६	९	५१	१८	१७ ८	म. ४।५	मृगे रविः ३५।१ (सौरः ५३।१) =
५	चं ४४	२६	श्र ३९	३६	एं ३५	३२	कौ १७	५७	१७	९	५१	१९	१८ ९	मकरे	
६	मं ३८	५७	ध ३६	०	वे २८	१६	ग ११	४१	१८	८	५२	२०	१९ १०	कुं. ७।४८	भ. ३८।५७ उ. मार्गीभौमः २१।४
७	बु ३४	५९	श ३३	५९	वि २२	२५	वि ६	५८	१९	८	५२	२१	२० ११	कुम्भे	भ. ६।५८ या. मिथुने बुधः ४६।३
८	गु ३२	४०	पू ३३	३१	प्री १७	५२	बा ३	४९	१९	८	५२	२२	२१ १२	मी १८।३८	
९	शु ३१	५३	उ ३४	३७	आ १४	३२	तै २	१६	२०	८	५२	२३	२२ १३	मीने	वक्री ज्येष्ठा ४ बृश्चिके गुरुः ५७।५८
१०	श ३२	३८	रे ३७	२५	सौ १२	१९	व २	१५	२१	८	५२	२४	२३ १४	मे. ३७।२५	भ. १९/२८ उ. ३३/३२ या. आर्द्रां. बुधः ४४।५८
११	र ३४	३७	अ ४१	१२	शो ११	२०	ब ३	३७	२१	८	५२	२५	२४ १५	मेषे	मिथुनेऽर्कः ३३/३५ (सौरः ५३/३९) योगिनी ११ व्र.
१२	चं ३७	४९	भ ४६	१४	अ ११	२९	कौ ६	१३	२२	८	५२	२६	२५ १६	मेषे	
१३	मं ४२	१४	कृ ५२	५	सु ११	५२	ग १०	१	२३	७	५३	२७	२६ १७	बृ. २।४२	भ. ४२/१९ उ. रोहिणी ४ शनिः ५४/५८ प्रदोषः
१४	बु ४७	९	रो ५८	४६	धृ १३	१०	वि १४	४१	२३	७	५३	२८	२७ १८	वृषे	भ. १४।४१ या. आश्लें. शुक्रः ०।३५
३०	गु ५२	४६	मृ ६०	०	शू १५	८	च १९	५७	२३	७	५३	२९	२८ १९	मिं ३२।३	बुधोदयः पश्चिमायां ४२।५०

ह्पं.आ.कृ.५चं.इ.२४/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	८	३	१	७	१
२४	१०	२४	०	९	१८	२	२३
७	१९	५६	३४	१६	५४	४३	५०
३०	२३	१७	१६	५२	४७	२	११
५७	४९	५८	५२	५५	७	३	५७
२२	व	५४	व	५६	२०	११	५

गोचर ग्रहाः

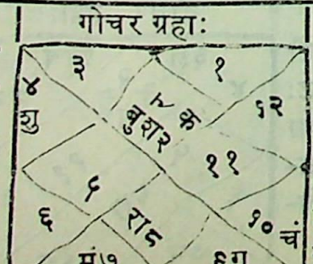

आषाढकृष्णे ११ रवौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

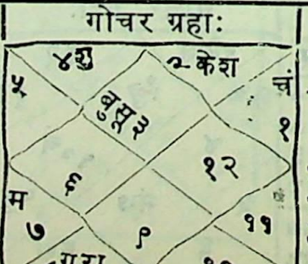

१०पं.आ.कृ.१२च.इ.२४/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	७	३	१	७	२
०	१०	१०	२९	१५	१९	२	०
४८	१७	६	४०	१७	४९	२०	२९
४७	२०	५०	४२	५३	८	४७	२०
५७	५८	२९	५२	५१	७	३	५६
१७	मा	२९	व.	२२	१४	११	५७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३ दि. उ. अ. भा. मु. इ. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४४०स.२०३१

१	शु	५८	५३	मृ	५	२०	गं	१७	१६	कं	२५	४६	३४	७	५६	२०	२६	२०	मिथुने	
२	श	६०	०	आ	१३	२२	बृ	१६	४७	बा	३१	५८	२४	७	५३	३१	३०	२१	मिथुने	पुन.बुधः १९ उदयंशनेः ३६ चंद्रदर्शनम् =
३	र	५	४	पु	२०	५२	ध्रु	२२	१६	कौ	५	४	२४	७	५३	१	१	२२	क.३।५६	आर्द्रा.रविः ३२ (सौरः ५५ २२) रविलावल ३+
४	चं	११	६	पु	२८	२४	व्या	२४	३६	ग	११	६	२४	७	५३	२	२	२३	कर्के	भ.४३।५६उ. [+भा.आषाढारंभः
५	मं	१६	४७	श्ले	३५	२०	ह	२६	३२	वि	१६	४७	२४	७	५३	३	३	२४	सिं ३५।२०	भ.१६।४७या. [=रथयात्रा
६	बु	२१	३७	म	४१	२६	व	२८	८	बा	२१	३७	२४	७	५३	४	४	२५	सिंहे	
७	गु	२५	३०	पू	४६	२०	सि	२८	४४	तै	२५	३०	२३	७	५३	५	५	२६	सिंहे	कर्केबुधः ३६।४४
८	शु	२८	१	उ	४९	५१	व्य	२७	५९	व	२८	१	२३	७	५३	६	६	२७	कं.२।१३	भ.२८।१उ.५८।२१या.
९	श	२८	४०	ह	५१	२९	व	२५	५४	ब	२७	४०	२२	८	५२	७	७	२८	कन्यायां	पुष्येबुधः ४९।२
१०	र	२७	३४	चि	५१	२८	प	२२	३६	कौ	२७	३४	२२	८	५२	८	८	२९	तु.२१।२८	
११	चं	२४	१९	स्वा	४९	१४	शि	१७	३५	ग	२४	१९	२१	८	५२	९	९	३०	तुलायां	भ.५१।४७उ.
१२	मं	१९	१६	वि	४५	१२	सि	१०	५३	वि	१९	१६	२०	८	५२	१०	१०	१	वृ.३१।१३	भ.१९ १६या. जुलाई७ता.३१देवशयनी११व्र
१३	बु	१२	१९	अ	३९	३५	सा	४३	५९	बा	१२	१९	१९	८	५२	११	११	२	वृश्चिके	प्रदोषः
१४	गु	४	७	ज्ये	३२	४१	शु	४३	२४	तै	४	७	१८	८	५२	१२	१२	३	ध.३२।४१	भ.५४।३३उ.
१५	शु	४४	३१	मू	२४	५५	ब्र	३२	३८	वि	१९	३२	१७	९	५१	१३	१३	४	धनुषि	भ.१३ ३या.व्यासपूजावायुपरीक्षःगुरु१५

११पं.आ.शु.३च.इ. २४ ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	७	३	१	७	२
७	१०	२३	२८	२०	२०	१	७
२९	५३	५७	४७	४२	४२	५८	७
४२	५४	७	२४	३६	४०	३१	४७
५७	९	२९	५२	४५	७	३	५६
१३	११	२०	व	४९	८	११	५४

गोचर ग्रहाः

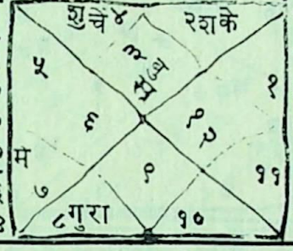

इस मास में शनि का चन्द्र दर्शन तेजी कारक है धातु सोना चांदी लोहा गेहू जो चना मटर सरसो अलसी रुई तेज रहे

गोचर ग्रहाः

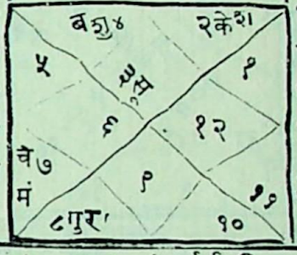

१२पं.आ.शु१०च.इ. ३४ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	७	३	१	७	२
१४	१२	५	२७	२५	२१	१	१३
१०	६	५३	५६	२२	३५	३६	४५
८	३२	२४	२	५२	६	१५	५२
५७	१४	९६	२५	३८	६	३	५६
७	३२	२२	व	४	५६	११	५०

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३ दि. उ. अ. भा. मु. इ. चन्द्रः वर्षर्तूरविरुत्तरे आषाढ कृष्णेति महा.

१	श	३४	२१	पू	१६	५५	ऐं	२१	४१	बा	९	२६	३६	९	५६	१४	१४	५	म.२९।५८	
२	र	२४	५	उ	९	७	वै	१०	५६	ग	२४	५	१५	९	५१	१५	१५	६	मकरे	भ.५९उ.पुन.रविः ३१ (सौरः ५९)
३	चं	१५	४५	श्र	१३	५३	वि	४४	५१	वि	१५	४५	१४	९	५१	१६	१६	७	कुं.२८।४५	भ.१५या.आश्ले.बुधः ५४ चतुर्थीत्र.
४	मं	८	१५	श	५२	२३	आ	४३	५९	बा	८	१५	१३	९	५१	१७	१७	८	कुंभे	
५	बु	२	४०	पू	५०	१६	सौ	३७	५०	तै	२	४०	११	१०	५०	१८	१८	९	मी ३५।४८	भ.५६उ मघा.सिंहेशुक्रः ३८ नाग५
६	बु	५६	११	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		० ०	
७	गु	५७	१०	उ	४९	५५	शो	३३	५	वि	२८	०	१०	१०	५०	१९	१९	१०	मीने	भ.२८।०या.
८	शु	५७	२३	रे	५१	४२	अ	२९	५६	बा	२७	१६	८	१०	५०	२०	२०	११	मे ५१।४२	
९	श	५९	१७	अ	५५	३	सु	२८	२२	तै	२८	२०	७	११	४९	२१	२१	१२	मेषे	वक्रीज्येष्ठा.३गुरुः८।४५
१०	र	६०	०	भ	६०	०	धृ	२८	७	व	३१	२	५	११	४९	२२	२२	१३	मेषे	भ.३१।२उ.
१०	चं	२	४८	भ	०	३	शू	२९	१	वि	२	४८	३	११	४९	२३	२३	१४	वृ.१६।३७	भ.२।४८या.
११	मं	७	२६	कृ	६	२०	गं	३०	१९	बा	७	२६	१	१२	४८	२४	२४	१५	वृषे	मृग१शनिः५।२१कामिका११व्र.
१२	बु	१३	०	रो	१३	२०	बृ	३२	४१	तै	१३	०	३५	१२	४८	२५	२५	१६	मि४७।०	प्रदोषः
१३	गु	१८	५७	मृ	२०	३८	ध्रु	३४	५५	व	१८	५७	५७	१३	४७	२६	२६	१७	मिथुने	भ.१८।५७उ.५२।७या.कर्केऽर्कः ÷
१४	शु	२५	१७	आ	२८	१४	व्या	३७	२८	श	२५	१७	५५	१३	४७	२७	२७	१८	मिथुने	[÷०।४६ (सौरः ३२।८)
३०	श	३१	१९	पु	३५	३८	ह	३९	५३	ना	३१	१९	५२	१४	४६	२८	२८	१९	क.१८।४७	हरियाली

१३पं.श्रा.कृ.३च.इ.२४।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	७	३	१	७	२
२०	१३	१६	२७	२९	२२	१	२०
५०	५०	१	९	१	२९	१४	२३
३५	४२	२६	०	४१	१७	०	४६
५७	१८	७६	३७	२८	६	३	५६
७	२०	३६	व	११	४१	११	५०

गोचर ग्रहाः

श्रावणकृष्णे १३ गुरौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ५न. ५ प्रगलभावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

१४पं.श्रा.कृ.१०च.इ.२४ ९९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	७	४	१	७	२
२७	१६	२४	२६	१	२३	०	२७
३०	२	५	२९	२३	१५	५१	१
५४	६	२८	५६	२८	३६	४४	५३
५७	२२	५३	४७	१५	६	३	५६
११	२९	२७	व	१४	२६	११	५४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३ | दि. उ. अ. भा मु इं. | चन्द्रः | वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४७०सन् २०३१

१	र	३७	८	पु	४३	१	व	४२	१०	किं	४	१३	३३/५०	५/५४	६/४६	२९ २९ २०	कर्के	पुष्येरविः ३०।४२
२	चं	४२	२५	श्ले	४९	४०	सि	४४	६	बा	९	४६	४८	१४	४६	३० ३० २१	सिं ४९।४०	पुष्येरविः सौरः ४९ वक्रीशुक्रः १३/५ चंद्र ÷
३	मं	४६	५७	म	५५	३४	च्य	४५	१०	तै	१४	४१	४५	१५	४५	३१ १ २२	सिंहे	मघा.सिंहेबुधः १३/६ रविलाख र ४तीज
४	बु	५०	३९	पू	६०	०	व	४५	४०	व	१८	४८	४३	१५	४५	१ २ २३	सिंहे	श.१/४८ उ.३९ या.भा.श्रावणारंभः वरद ४
५	गु	५३	१४	पू	०	४३	प	४५	३४	ब	२१	५६	४०	१६	४४	२ ३ २४	कं.१६।४४	विशा.भौमः ३७।१७नागपंचमी
६	शु	५४	२५	उ	४	४८	शि	४४	३२	कौ	२३	४९	३८	१६	४४	३ ४ २५	कन्यायां	[÷दर्शनम् सिंधारा
७	श	५४	१७	ह	७	३३	सि	४२	१०	ग	२४	२१	३५	१७	४३	४ ५ २६	तु.३८।१३	भ.५४।१७उ.
८	र	५२	२८	चि	८	५३	सा	३८	३७	वि	२३	२२	३३	१७	४३	५ ६ २७	तुलायां	भ.२३।२२या.वक्रीबुधः १५।५७
९	चं	४९	६	स्वा	८	३९	शु	३३	४०	बा	२०	४७	३०	१८	४२	६ ७ २८	वृ.५२।७	[×कृत्ति.१मेषेकेतुः ४०।३पवित्रा ११व्र.
१०	मं	४४	१	वि	६	३६	शु	२७	२४	तै	१६	३३	२७	१९	४१	७ ८ २९	वृश्चिके	[=श्रावणीकर्मरक्षाबंधनस्
११	बु	३७	३२	अ	३/२	५५/५४	व्र	२०	२	व	१०	४६	२४	१९	४१	८ ९ ३०	ध.५७।२९	भ.१/४९ उ.३/२ या.विशा. ३तुलायांचराहुः ×
१२	गु	२९	३०	मू	५१	४९	ऐं	११	२३	ब	३	३१	२२	२०	४०	९ १० ३१	धनुषि	वक्रीआश्ले.कर्केशुक्रः ४८।२६प्रदोषः
१३	शु	२०	३१	पू	४४	३४	वै	५५/१	४९/३१	तै	२०	३१	१९	२०	४०	१० ११ १	म.५७।४०	अगस्तदृता.३१
१४	श	१०	५३	उ	३७	०	प्री	४०	४७	व	१०	५३	१६	२१	३९	११ १२ २	मकरे	भ.१०।५३उ.३५।५५या.
१५	र	०	५७	श्र	२९	२९	आ	३०	१२	व	०	५७	१३	२१	३९	१२ १३ ३	कुं.५५।५९	आश्ले.रविः २८ शुक्रास्तः पश्चिमायां ३/६=

९५प.श्रा.शु.२च.इ.२४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	७	४	१	७	३
४	१८	२९	२५	२	२४	०	३
१५	३८	३७	५१	८	२	२९	४०
३८	२८	१६	१८	२८	३८	२९	२०
५७	२५	२६	४०/४	२९/२०	६	३	५६
१२	२०	१	व	व	१४	११	५९

गोचर ग्रहाः

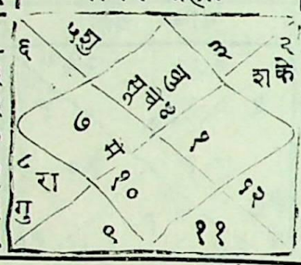

इस मास में ५ शनिवार ५ रविवार अशुभ हैं प्रजा में महामारी फैलें धातु धान्य रस-कस गुड़ नमक रुई वस्त्र वारदाना तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

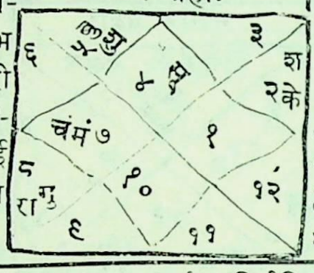

१६प.श्रा.शु.९च.इ.२४।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	७	४	१	७	३
१०	२१	१	२५	०	२४	०	१०
५२	३४	५९	२३	५९	४७	७	१९
४१	१	४६	१३	१०	४६	१३	३७
५७	२७	५/३६	३/२२	१/५	५	३	५७
२०	४१	व	व	व	५०	११	५

ति. प्र.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३ | दि. उ. अ. हि. मु. इ. | चन्द्रः | वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.

१	र	५०	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×बुधः १७।१८चतुर्थीव्र.
२	चं	४२	५६	ध	२२	२८	सौ	२०	०	तै	१७	१२	३३/१०	५/२२	६/३८	१३	१४ ४	कुंभे आश्ले.रविः सौरः ३/६ बुधास्तः पश्चिमे.१/२२
३	मं	३५	४७	श	१६	३३	शो	१०	४८	व	९	२१	७	२३	३७	१४	१५ ५	मी५८।३१ भ.९।२१उ.३५।४७या.वक्रीकर्के आश्ले×
४	बु	३०	२२	पू	१२	३१	अ	५०/२	५३/३६	व	३	४	४	२३	३७	१५	१६ ६	मीने [Aशुक्रोदयःपूर्वस्यां ५१।३६
५	गु	२७	६	उ	१०	१५	धृ	५१	३८	तै	२७	६	०	२४	३६	१६	१७ ७	मीने चंद्रषष्ठी
६	शु	२६	११	रे	१०	११	शू	४८	३९	व	२६	११	३३/५७	२५	३५	१७	१८ ८	मे.१०।११ भ.२६।११उ.५६।३६या.
७	श	२७	२	अ	१२	१३	गं	४७	११	व	२७	२	५४	२५	३५	१८	१९ ९	मेषे जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	र	३०	२	भ	१६	१०	वृ	४७	२६	कौ	३०	२	५०	२६	३४	१९	२० १०	वृ.३२।३४ जन्माष्टमीव्र.वै.
९	चं	३४	३४	कृ	२१	४६	ध्रु	४८	१६	तै	२	१८	४७	२७	३३	२०	२१ ११	वृषे गोगा९
१०	मं	४०	८	रो	२८	२१	व्या	५०	१७	व	७	२१	४४	२७	३३	२१	२२ १२	वृषे भ.७।२१उ.४०।८या.
११	बु	४६	१३	मृ	३५	५६	ह	५२	४३	ब	१३	१०	४०	२८	३२	२२	२३ १३	मि२।९ अजा ११व्र.
१२	गु	५२	४२	आ	४३	३८	व	५५	१९	कौ	१९	२७	३७	२९	३१	२३	२४ १४	मिथुने वृश्चिकेभौमः ३१।२९वत्सद्वादशी
१३	शु	५८	५८	पु	५१	१६	सि	५७	५१	ग	२५	५०	३३	२९	३१	२४	२५ १५	क.३४।२२ भ.५८।५८उ.प्रदोषः
१४	श	६०	०	पु	५८	२२	व्य	६०	०	वि	३१	४०	३०	३०	३०	२५	२६ १६	कर्के भ.३१।४०या.मार्गीगुरुः ७।६
१५	र	४	२३	श्ले	६०	०	व्य	०	२	श	४	२३	२६	३१	२९	२६	२७ १७	कर्के मघा.सिंहेंऽर्कः २१।७मृग २शनिः ३/४७ A
१६	चं	९	१६	श्ले	४	१५	व	१	३५	ना	९	१६	२२	३२	२८	२७	२८ १८	सिं४।१५ मघा.सिंहेंऽर्कः सौरः ०कुशाग्रहणीपिठो ३०

१७प.प्र.भा.कृ.२च.इ.५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	७	३	१	६	३
१७	२४	०	२५	२७	२५	२९	१६
३४	४९	३१	३	१७	२०	४४	५९
२३	१२	५९	२५	११	०	५७	२५
५७	२०	५५/३५	२/२०	३१/१०	५	३	५७
२५	१	व	व	व	२६	११	१२

१८प.प्र.भा.कृ.९च.इ.५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	७	३	१	६	३
२४	२८	२५	२४	२३	२६	२९	२३
१६	१९	३६	५१	४७	८	२२	४०
४४	४४	४	०	१३	२४	४२	३२
५७	३१	५२/४७	०/५४	३३/२९	४	३	५७
३३	५०	व	व	व	५९	११	२२

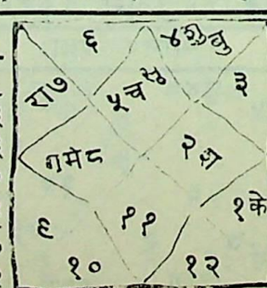

१९प.प्र.भा.कृ.३०च.इ.३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	७	३	१	६	४
१	२	२०	२४	१९	२६	२९	०
०	५	४५	५१	३७	४३	०	२२
४	२०	५८	७	२६	२३	२६	४५
५७	३३	३५/४	२/१९	३/१२	४	३	५७
४०	२५	व	मा	ब	३८	११	३४

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. प्र.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३ | दि. उ. अ.भा.मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५००स.२०३१

१	मं	१३	५	म	१०	१५	प	२	२६	ब	१३	५	३२ ३२ ५ ६	२८	२९	१९	सिंहे	
२	बु	१६	०	पू	१४	५९	शि	२	३२	कौ	१६	०	१५	३३	२७	२९	३०	२०	कं.३०।५१	अनु.भौमः ३७/१० बुधोदयः पूर्वस्यां ५९/६० चंद्रदर्श·
३	गु	१७	५८	उ	१८	२७	सि	१	५२	ग	१७	५८	१२	३४	२६	३०	१	२१	कन्यायां	भ.४८।२२उ.जमादिलावल५
४	शु	१८	४६	ह	२१	१	सा	१९	५७/४३	वि	१८	४६	८	३४	२६	३१	२	२२	तु.५१।४६	भ.१८।४६या.मार्गीबुधः२५।५५
५	श	१८	२६	चि	२२	३२	शु	५५	१	बा	१८	२६	४	३५	२५	१	३	२३	तुलायां	भा.भाद्रपदारंभः
६	र	१७	०	स्वा	२३	७	ब्र	५०	५६	तै	१७	०	१	३६	२४	२	४	२४	तुलायां	
७	चं	१४	२३	वि	२२	१३	ऐं	४५	४९	व	१४	२३	५१/५७	३७	२३	३	५	२५	वृ.७।२७	भ.१३/३उ.४३/३या.वक्रीपुष्येशुक्रः२२।४२
८	मं	१०	४२	अ	२१	२१	वै	३९	५५	ब	१०	४२	५३	३७	२३	४	६	२६	वृश्चिके	
९	बु	६	१	ज्ये	१७	२४	वि	३२	५६	कौ	६	१	४९	३८	२२	५	७	२७	ध.१७।२४	
१०	बु	५३	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	गु	५३	२	मू	१३	१९	प्री	२५	१४	ब	२६	३०	४६	३९	२१	६	८	२८	धनुषि	भ.३६/०उ.५३/३या.कमला११ब्र.स्मा.
१२	शु	४५	८	पू	८	६	आ	१६	४२	व	१९	५	४२	४०	२०	७	९	२९	म.२१।३६	कमला११ब्र.वै.
१३	श	३६	४४	उ	९	२/३५/३	सौ	३३	५०/१४	कौ	१०	५६	२८	४०	२०	८	१०	३०	मकरे	[÷१०।५१(सौर:५०।५२)
१४	र	२८	१४	ध	४९	२०	अ	४८	८	ग	२	२९	३४	४१	१९	९	११	३१	कुं.२२।३०	भ.२८।१४उ. ५४।७या.पूफा.रवि:÷
१५	चं	२०	१	श	४३	१७	सु	३८	५०	व	२०	१	३०	४२	१८	१०	१२	१	कुम्भे	मार्गीशुक्रः३।४९सितम्बर९ता.३०

२०पं.प्र.भा.शु.७च.इ.२३/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	७	३	१	६	४
७	६	२०	२४	१६	२७	२८	७
४४	२	४५	५८	३९	१४	३८	६
२८	५६	३६	२६	५०	३१	११	१२
५७	२५	२५/४	१	१६/८	३	३	५७
४९	५	मा	३५	व	५९	११	४५

गोचर ग्रहाः

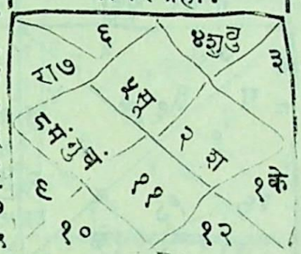

प्रथम भाद्रपद कृष्णे १४ रवौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु.१५धान्या-दिभावे महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

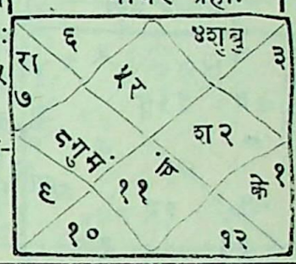

२१पं.प्र.भा.शु.१५च.इ.२३/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	७	३	१	६	४
१४	१०	२६	२५	१५	२७	२८	१३
३०	१२	२८	१५	३१	४१	९१	५९
४	१८	१७	११	१६	१०	५५	२४
५८	३६	८०	३	४७	३	३	५७
१	२१	२८	१	मा	२६	११	५७

ति. द्वि.भाद्रपदकृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तूरविर्दक्षिणेप्र.भाद्र. कृष्णेति महा.

१	मं	१२	४२	पू	३८	३१	धृ	३०	१७	कौ	१२	४२	३१ ३६ ४३ १७	११	१३	२	मी१४।४२	
२	बु	६	४०	उ	३४	५३	शू	२२	४८	ग	६	४०	२३	४४	१६	१२	१४	३	मीने	भ.३४।३०उ.मघा.सिंहेबुधः५३।४१
३	गु	२	२०	रे	३३	२०	गं	१६	३३	वि	२	२०	१८	४४	१६	१३	१५	४	मे.३३।२०	भ.२।२०या.चतुर्थीव्र.
४	शु	०	१०	अ	३३	४६	बृ	१२	११	बा	०	१०	१५	४५	१५	१४	१६	५	मेषे	
५	श	०	२	भ	३६	१४	ध्रु	९	१२	तै	०	२	११	४६	१४	१५	१७	६	वृ.५२।१८	
६	र	२	५	कृ	४०	३२	व्या	८	१८	व	२	५	७	४७	१३	१६	१८	७	वृषे	भ.२।५उ.३३।५८या.
७	चं	५	५२	रो	४६	१५	ह	८	८	ब	५	५२	३	४७	१३	१७	१९	८	वृषे	
८	मं	११	४	मृ	५३	२६	व	९	२९	कौ	११	४	५९	४८	१२	१८	२०	९	मि१९।५०	आश्ले.शुक्रः३३।३७बुधास्तःपूर्वस्यां ३६/७
९	बु	१६	५८	आ	६०	०	सि	११	३०	ग	१६	५८	५५	४९	११	१९	२१	१०	मिथुने	भ.५०।१४उ.
१०	गु	२३	३१	आ	०	५२	व्य	१३	५६	वि	२३	३१	५१	५०	१०	२०	२२	११	क.५१।३८	भ.३३/१या.पूफा.बुधः ४७/४ज्येष्ठा.भौमः ५०/६६
११	शु	२९	४६	पु	८	३४	व	१६	२३	बा	२९	४६	४७	५१	९	२१	२३	१२	कर्के	कमला११ब्र.
१२	श	३५	१४	पु	१५	३९	प	१८	३१	कौ	२	३०	४३	५१	९	२२	२४	१३	कर्के	उफा.रविः५५।१६
१३	र	३९	५८	श्ले	२२	२३	शि	२०	८	ग	७	३६	३९	५२	८	२३	२५	१४	सिं२२।२३	भ.५९/६उ.उफा.रविःसौरः३५।३१
१४	चं	४३	१२	म	२७	३२	सि	२०	४३	वि	११	३५	३५	५३	७	२४	२६	१५	सिंहें	भ.११।३५या.
१५	मं	४५	२५	पू	३१	४३	सा	२०	३२	च	१४	१८	३१	५४	६	२५	२७	१६	कं.४७।२७	

२२पं.द्विभा.कृ.७च.इ.२३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	७	३	१	६	४
२१	१४	७	२५	१६	२८	२७	२०
१७	३०	१८	४०	२५	३	५३	३८
६	११	१४	१२	४४	२६	३९	४
५८	३७	००/७	४	१६	२	३	५८
१३	३१	९१	१०	८	४१	११	१२

गोचर ग्रहाः

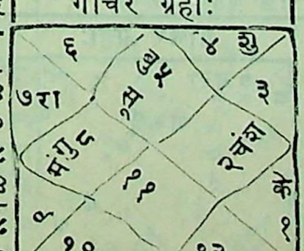

इस मास में धान्य गल्ला सोना चांदी मंदे हो । रसकस गुड़ सक्कर चीनी नमक गन्ना रुई वस्त्र कपास वारदाना तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

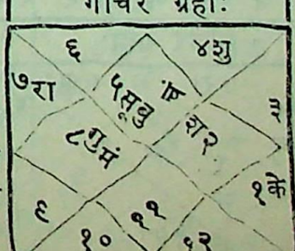

२३पं.द्वि.भा.कृ१४च.इ.२३/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	७	३	१	६	४
२८	१८	२०	२६	१८	२८	२७	२७
५	५७	२१	१३	५५	२१	३१	२६
२८	११	२५	२६	५	२२	२४	२१
५८	३८	००/५	५	२८	२	३	५८
२६	२८	४१	१८	३९	२	११	२०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.द्वि. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३ दि. उ अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५२९स.२०३१

१	बु	४६	१३	उ	३४	३८	शु	१९	१९	किं	१५	४९	३०/३	५५	६	२६	२८	१७	कन्यायां	कन्यायामर्कः २०।३६
२	गु	४५	४६	ह	३६	१७	शु	१७	९	बा	१५	५९	२२	५६	४	२७	२९	१८	कन्यायां	कन्यार्कःसौरः ४/३ उफा.बुधः ४/३५ चंद्रदर्शनं
३	शु	४४	३२	चि	३६	५२	ब्र	१३	५९	तै	१५	९	१८	५६	४	२८	१	१९	तु.६।३५	जमादिलाखर६हरितालिका३
४	श	४२	१०	स्वा	३६	३७	ऐं	१०	११	व	१३	२१	१४	५७	३	२९	२	२०	तुलायां	भ.१३/१९ उ.४२/१० या.कन्यायांबुधः २८ ज्येष्ठा=
५	र	३९	१०	वि	३५	४०	वै	५	२३	ब	१०	४०	९	५८	२	३०	३	२१	वृ.२०।५४	ऋषिपंचमी
६	चं	३५	३०	अ	३३	५३	वि	१९/३	५४/३३	कौ	७	२०	५	५९	१	३१	४	२२	वृश्चिके	[=४गुरुः०।४९गणेशचतुर्थी
७	मं	३१	२२	ज्ये	३१	३८	आ	४८	३१	ग	३	३१	३०/०	०	६/०	१	५	२३	ध.३१।३८	भ.३/३ उ.५/५ या.भा.आश्विनारंभः
८	बु	२६	२९	मू	२८	४४	सौ	४१	४३	ब	२६	२९	२९/५६	१	५९	२	६	२४	धनुषि	
९	गु	२१	७	पू	२५	२०	शो	३४	३२	कौ	२१	७	५२	२	५८	३	७	२५	म.३९।१८	
१०	शु	१५	११	उ	२१	१३	अ	२७	१	ग	१५	११	४८	२	५८	४	८	२६	मकरे	भ.४२।०उ.हस्तेबुधः०।१८
११	श	८	४९	श्र	१६	४३	सु	१८	५७	वि	८	४९	४४	३	५७	५	९	२७	कुं.४४।२४	भ.४/६ या.हस्तेरविः ३/० जलझूलनी ११ +
१२	र	२	११	ध	१२	५	धृ	१०	५०	बा	२	११	४०	४	५६	६	१०	२८	कुंभे	हस्तेरविःसौरः १३।१३प्रदोषः
१३	र	५३	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+ व्र.वामनजयंती
१४	चं	४९	३८	श	७	३५	शू	३७/२	५०/१५	ग	२२	३८	३६	५	५५	७	११	२९	मी४९।२७	भ.४९।३८उ.अनंत१४
१५	मं	४४	१९	पू	३	२४	वृ	४७	३२	वि	१६	५८	३२	६	५४	८	१२	३०	मीने	भ.१/६ या.महालयारंभः कु.संध्यापूजनारंभ

२४पं.द्वि.भा.शु.६च.इ. २२/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	७	३	१	६	५
४	२३	३	२६	२२	२८	२७	४
५५	३२	३२	५५	५२	३३	९	१६
१९	१०	२	१६	५४	२९	८	२८
५८	३९	५८	६	३८	१	३	५८
३८	२०	४३	२७	१६	२२	११	४५

गोचर ग्रहाः

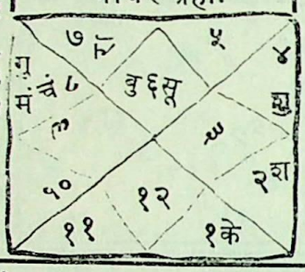

द्वि.भाद्रपदशुक्ले १बुधे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४बालावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

२५पं.द्विभा.श.१४च.इ. २२/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	७	३	१	६	५
११	२८	१६	२७	२७	२८	२६	११
४६	१५	३	४३	३४	४१	४६	८
५२	३६	७	२६	२३	२	५३	२६
५८	४०	७/०	७	४५	०	३	५९
५३	१	३८	२५	४६	४३	११	००

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३ दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.

१	बु	४०	१६	उ	७/०	५३/५	ध्रु	४१	२०	बा	१२	१७	३९/३८	६	५४	९	१३	१	मे.५८।०	मूलेधनुषिभौम.५/५ विशा.२राहुःभर÷
२	गु	३७	५६	अ	५८	४०	व्या	३६	४	तै	९	६	२३	७	५३	१०	१४	२	मेषे	[÷४केतुः३२।२७अक्टूबर१०ता.३१
३	शु	३७	१०	भ	५९	२	ह	३२	१७	व	७	३३	१९	८	५२	११	१५	३	मेषे	भ.३/३ उ.३/१० या.चित्राबुधः४३।४०
४	श	३८	३१	कृ	६०	०	व	३०	१६	ब	७	५०	१५	९	५१	१२	१६	४	वृ.१५।१	चतुर्थीव्र.
५	र	४१	३८	कृ	२	२०	सि	२९	१४	कौ	१०	४	११	१०	५०	१३	१७	५	वृषे	वक्रीशनिः३।१८
६	चं	४६	२२	रो	६	५९	व्य	२९	२८	ग	१३	३०	७	११	४९	१४	१८	६	मि४०।११	भ.४६।२२उ.
७	मं	५१	५८	मृ	१३	२४	व	३०	५६	वि	१९	१०	३	११	४९	१५	१९	७	मिथुने	भ.१९/० या.तुलायांबुधः३७।१२
८	बु	५८	२३	आ	२०	२६	प	३२	५९	बा	२५	१०	२९/२	१२	४८	१६	२०	८	मिथुने	[=४३।४७) स्वात्यांबुधः५५।९
९	गु	६०	०	पु	२८	७	शि	३५	२१	तै	३१	३२	५५	१३	४७	१७	२१	९	क.११।१२	मातृ९ (सौभाग्यवतीनांश्रा.)
९	शु	४	४१	पु	३५	२७	सि	३७	४०	ग	४	४१	५१	१४	४६	१८	२२	१०	कर्के	भ.३७।३२उ.
१०	श	१०	२३	श्ले	४२	१७	सा	३९	३२	वि	१०	२३	४७	१५	४५	१९	२३	११	सिं४२।१७	भ.१०।२३या.चित्रा.रविः५।५५(सौरः=
११	र	१५	१३	म	४७	४९	शु	४०	१९	बा	१५	१३	४३	१५	४५	२०	२४	१२	सिंह	बुधोदयःपश्चिमायां४०।२६इंदिरा११व्र.
१२	चं	१८	२५	पू	५२	४	शु	४०	११	तै	१८	२५	३९	१६	४४	२१	२५	१३	सिंहे	प्रदोषः
१३	मं	२०	१९	उ	५४	४३	व्र	३८	४७	व	२०	१९	३५	१७	४३	२२	२६	१४	क.७।४४	भ.२०।१९उ.५०।२२या.
१४	बु	२०	२६	ह	५५	५०	ऐं	३६	११	श	२०	२६	३१	१८	४२	२३	२७	१५	कन्यायां	मूल.१धनुषिगुरुः १९/५ शस्त्रादिहतानांश्रा
३०	गु	१९	२	चि	५५	३१	वै	३२	१४	ना	१९	२	२७	१९	४१	२४	२८	१६	तु.२५।४१	सर्वपितृ ३०

२६पं.आ.कृ.६च.इ. २२/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	७	४	१	६	५
१८	३	२७	२८	३	२८	२६	१८
४०	४	५२	३९	१२	४२	२४	२
५	५९	५	५८	२२	५४	३७	१३
५९	४०	९/०	८	५१	१०	३	५९
९	५२	४८	३१	८	व.	११	१६

गोचर ग्रहाः

इस मास में गेहूं जो चना मटर सरसों अलसी धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा गुड सक्कर चीनी रुई वस्त्र तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

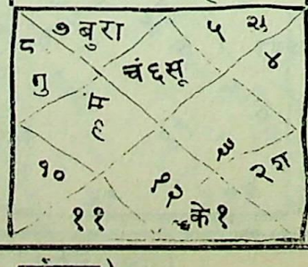

२७पं.आ.कृ.१२च.इ. २२/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	७	४	१	६	५
२५	८	९	२९	९	२८	२६	२४
३४	०	१	४१	२६	३९	२	५७
५९	१	३४	५६	३५	३६	२१	५५
५९	४१	९७	९	५५	०/९	३	५९
४१	३३	२३	२०	३८	व.	११	३१

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३ | दि. उ. | अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५५९स.२०३१

१	शु	१६	२०	स्वा	५४	५	वि	२७	२०	ब	१६	२०	२९	६	५	२५	२९	१७	तुलायां	तुलायामर्कः ४/९/४ पूफा.शुक्रः ३/३–
२	श	१२	३४	वि	५१	४७	प्री	२१	३७	कौ	१२	३४	२०	२०	४०	२६	३०	१८	वृ.३७।२१	तुलार्कःसौरः२६।३१चद्रदर्शनम्
३	र	८	१०	अ	४८	४७	आ	१५	२२	ग	८	१०	१६	२१	३९	२७	१	१९	वृश्चिके	भ.३५।४२उ.रज्जव७
४	चं	३	१५	ज्ये	४५	३५	सौ	८	२०	वि	३	१५	१२	२२	३८	२८	२	२०	ध.४५।३५	भ.३/५या.विशा.बुधः ३/७पूफा.भौमः ५०
५	चं	५५	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–नवरात्रारंभः मातामहश्रा.
६	मं	५३	०	मू	४२	१०	शो	१/२४	५३	कौ	२५	३८	८	२२	३८	२९	३	२१	धनुषि	
७	बु	४७	५१	पू	३८	४४	सु	४७	२१	ग	२०	२५	४	२३	३७	३०	४	२२	म.५२।५४	भ.४७।५१उ. [×कोजागरी व्र.
८	शु	४२	५१	उ	३५	२५	धृ	४०	९	वि	१५	२१	०	२४	३६	१	५	२३	मकरे	भ.१५।२१या.भा.कार्तिकारंभः
९	शु	३७	४३	श्र	३२	७	शू	३३	७	बा	१०	१७	२७/५६	२५	३५	२	६	२४	मकरे	स्वात्यांरविः३१।४७
१०	श	३२	४९	ध	२८	५३	गं	२६	५	तै	५	१६	५३	२५	३५	३	७	२५	कुं.०।३०	स्वात्यांरविःसौरः७।३४
११	र	२८	८	श	२५	५५	बृ	१९	१७	व	०	२८	४९	२६	३४	४	८	२६	कुम्भे	भ.०।२८उ.२८।८या.पापांकुशा११व्र.
१२	चं	२३	५०	पू	२३	२५	धु	१२	५१	बा	२३	५०	४५	२७	३३	५	९	२७	मी९।२	वृश्चिकेबुधः३८।५४ प्रदोषः
१३	मं	२०	१३	उ	२१	२४	व्या	६	५०	तै	२०	१३	४१	२८	३२	६	१०	२८	मीने	[=शरद्पूर्णिमा वै. का.स्ना.प्रा
१४	बु	१७	२३	रे	२०	९	ह	१/१९	५५/१३	व	१७	२३	३७	२९	३१	७	११	२९	मे.२०।९	भ.१/३उ.४/६या. शरद्पूर्णिमा स्मा.×
१५	गु	१५	५०	अ	२०	८	सि	५२	४७	ब	१५	५०	३४	२९	३१	८	१२	३०	मेषे	अनु.बुधः२।४९उफा.शुक्रः४२।४०=

२८पं.आ.शु.४चं. इ. २२/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	८	४	१	६	६
२	१३	१९	०	१६	२८	२५	१
२१	०	३७	४९	८	३०	४०	५५
२३	३६	१२	८	६	४०	६	१९
५९	५१	९१	१०	५८	१/३५	३	५९
३४	५६	३	१	४८	ब.	११	४६

गोचर ग्रहाः

आश्विन शुक्ले १शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ गतालकावस्था (ऊभौ) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

२९पं.आ.शु.१२चं.इ. २२/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	८	४	१	६	६
९	१८	२९	२	२३	२८	२५	८
२९	४	३६	२	१३	१६	१७	५४
३८	८	३२	२०	४८	२३	१०	३९
५९	४२	८३	१०	६१	२/१६	३	६०
४७	३३	२३	४८	३९	ब.	११	२

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३ | दि. उ. | अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूं रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.

१	शु	१५	३७	भ	२१	२२	व्य	५०	२३	कौ	१५	३७	३/७	६/३०	५/३०	९	१३	३१	वृ.३७।६	
२	श	१७	१	कृ	२४	१७	च	४९	७	ग	१७	१	२७	३१	२९	१०	१४	१	वृषे	भ.४८।३०उ.नवम्बर११ता.३०
३	र	१९	५९	रो	२८	४४	प	४८	४४	वि	१९	५९	२३	३१	२९	११	१५	२	वृषे	भ.५/९या.कन्यायांशुक्रः ४/६करकचतुर्थीव्र.
४	चं	२४	२२	मृ	३४	२८	शि	४९	४२	बा	२४	२२	१९	३२	२८	१२	१६	३	मि१।३६	मूल.२गुरुः२१।५५
५	मं	२९	४८	आ	४०	५५	सि	५१	७	तै	२९	४८	१६	३३	२७	१३	१७	४	मिथुने	
६	बु	३६	१३	पु	४८	२५	सा	५३	२३	ग	३	०	१२	३४	२६	१४	१८	५	क.३१।३२	भ.३६।१३उ.
७	शु	४२	३८	पु	५५	५५	शु	५५	४४	वि	९	२५	९	३४	२६	१५	१९	६	कर्के	भ.९।२५या.विशा.रविः५२।१७
८	शु	४८	४१	श्ले	६०	०	शु	५७	४८	बा	१५	३९	५	३५	२५	१६	२०	७	कर्के	विशा.रविःसौरः२४।५८उफा.भौमः ५९/३९
९	श	५४	१	श्ले	३	१२	ब्र	५९	२२	तै	२१	२१	२	३६	२४	१७	२१	८	सिं३।१२	
१०	र	५७	४४	म	९	३३	ऐं	५९	३७	व	२५	५२	२६/५८	३६	२४	१८	२२	९	सिंहे	भ.२५।५२उ.५७।४४या.
११	चं	६०	०	पू	१४	२४	वै	५८	५३	ब	२८	५३	५५	३७	२३	१९	२३	१०	कं.३०।१३	ज्येष्ठा.बुधः२४।२२रमा११व्र.स्मा.
११	मं	०	२९	उ	१७	४१	वि	५६	३८	बा	०	२	५२	३८	२२	२०	२४	११	कन्यायां	हस्तेशुक्रः५९।०रमा११व्र.वै.
१२	बु	०	१९	ह	१९	६	प्री	५२	५०	तै	०	१९	४९	३८	२२	२१	२५	१२	तु.४८।५८	भ.५/६उ.मकरेभौमः ३/७प्रदोषः धन१३
१३	बु	५८	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	गु	५५	१६	चि	१८	५१	आ	४७	३८	वि	२६	५९	४५	३९	२१	२२	२६	१३	तुलायां	भ.२६।५९या.रूप१४
३०	शु	५०	२६	स्वा	१६	५१	सौ	४१	७	च	२२	५१	४२	४०	२०	२३	२७	१४	वृ.५९।२३	महालक्ष्मीपूजनम्

३०पं.का.कृ.४चं.इ. २१/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	८	५	१	६	६
१६	२३	८	३	०	२७	२४	१५
२९	११	४८	१९	३५	५७	५५	५५
२०	३५	७	५९	४६	४३	३५	४३
६०	४२	७२	११	६३	२/५०	३	६०
४	५०	५०	२२	४३	ब.	११	१८

गोचर ग्रहाः

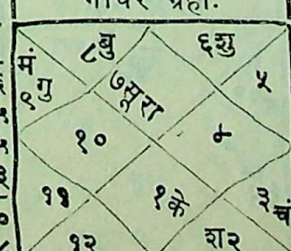

इस मास में धान्य गल्ला धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा रुई वारदाना कपास वदि में मंदे होकर सुदि में तेजी होवे ।

गोचर ग्रहाः

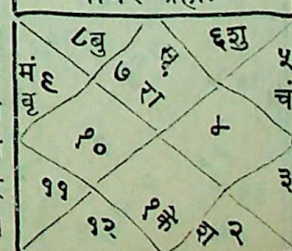

३१पं.का.कृ.११चं.इ. २१/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	८	५	१	६	६
२३	२८	१६	४	८	२७	२४	२२
३०	२२	३७	४१	१३	२४	३३	५८
४०	१	३०	५३	१९	४१	१९	१५
६०	४३	५४	१२	६५	३/१	३	६०
१७	६	४८	०	२०	ब.	११	३०

(विक्रम सं. २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५८८स.२०३१
१	श ४४ २५	वि १३ ३३	शो ३३ ४७	किं १७ २५	३९ ६	४० ५०	२४ २८ १५	वृश्चिके	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	र ३७ ५०	अ ९ २	अ २५ ४०	बा ११ ७	३६ ४१	१९ २५	२९ १६	वृश्चिके	वृश्चिकेऽर्कः ४८ चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२
३	चं ३१ ७	ज्ये ४ ५५	सु १७ २	तै ४ २८	३३ ४१	१९ २६	१ १७	ध.४।८	भ.५३ उ.वृश्चिकेऽर्कः सौरः १९ सावान८
४	मं २४ १९	पू ५४ १६	धृ ६९ ५३	वि २४ १९	३० ४२	१८ २७	२ १८	धनुषि	भ २४।१९या.
५	बु १७ ५३	उ ४९ ५२	गं ५२ १	ना १७ ५३	२७ ४३	१७ २८	३ १९	म.८।१०	वक्रीबुधः ४।७
६	गु १२ ७	श्र ४६ ४	वृ ४४ २०	तै १२ ७	२५ ४३	१७ २९	४ २०	मकरे	अनु.रविः ६ ४० (सौरः ३६ मूल ३गुरुः १९
७	शु ६ ४८	ध ४२ ४७	धु ३७ ७	व ६ ४८	२२ ४४	१६ ३०	५ २१	कुं.१४।२६	भ.६।४८उ.३४।३३या.गोपाष्टमी
८	श २ १९	श ४० २०	व्या ३० ३८	ब २ १९	१९ ४४	१६ १	६ २२	कुंभे	भा.मार्गशीर्षारंभः कुष्मांड९ अक्षय९
९	श ५६ ५	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	० ०	[–बुधास्तः पश्चिमायां५८।०
१०	र ५५ ३४	पू ३८ ४१	ह २४ ४०	तै २६ ५९	१७ ४५	१५ २	७ २३	मी२४।६	चित्रा.शुक्रः ४२ वक्रीमृग.१शनिः४२।९–
११	चं ५३ २८	उ ३७ ५०	व १९ ३१	व २४ ३१	१४ ४५	१५ ३	८ २४	मीने	भ ३४ उ.५३ ३८ या.प्रबोधिनी ११व्र.तुलसीवि.
१२	मं ५२ ४	रे ३७ ४६	सि १५ ०	व २२ ४६	१२ ४६	१४ ४	९ २५	मे.३७।४६	श्रवणेभौमः ५२।५१
१३	बु ५२ १४	अ ३८ ४८	व्य ११ १९	कौ २२ ९	९ ४६	१४ ५	१० २६	मेषे	प्रदोषः
१४	गु ५२ ५२	भ ४० ५२	व ८ १७	ग २२ ३३	७ ४७	१३ ६	११ २७	वृ.५६।४१	भ.५३ उ.वक्रीअनु.बुधः ४५ वैकुंठ१४
१५	शु ५५ ९	कृ ४४ ९	प ६ १४	वि २४ ०	५ ४७	१३ ७	१२ २८	वृषे	भ.२४।०या.मन्वादिः मा.स्ना.पूर्तिः

३२पं.का.शु.३च.इ. २१ ५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	५	१	६	७
०	३	२१	६	१६	२७	२४	०
३३	३६	२५	७	२	७	११	२
२२	११	५२	८	५६	४१	३	१९
६०	४३	१८	१२	६६	६३	३	६०
३०	२३	१८	२०	४७	व.	११	४०

गोचर ग्रहाः

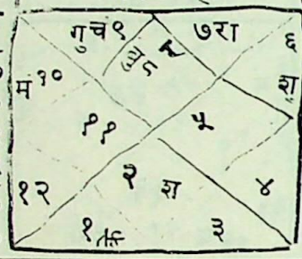

कार्तिक शुक्लै २ रवौ वृश्चिकेऽर्के प्रविष्टः वा.३ न.४ युंवावस्था (सूती) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

३३पं.का.शु.११च.इ. २१ १५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	५	१	६	७
७	८	१९	७	२४	२६	२३	७
३७	५३	५१	३५	२	३७	४८	७
१६	१७	५८	३५	४६	१६	४८	५२
६०	४३	५३	१२	६७	१०	३	६०
४२	४०	व.	४८	५८	व.	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	हेमतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	श ५८ ३७	रो ४८ ३७	शि ५ २७	बा २६ ५३	२ ३६	६ ४८	५ १२	८ १३ २९	वृषे	तुलायांशुक्रः २७।१
२	र ६० ०	मृ ५४ १६	सि ४ ५५	तै ३० ५५	०	४८	१२	९ १४ ३०	मि२१।२६	[=रा .भर.३केतुः२४।८
२	चं ३ १४	आ ६० ०	सा ५ ३२	ग ३ १४	२५ ५८	४८	१२	१० १५ १	मिथुने	भ.३५।५४उ.दिसंबर१२ता.३१
३	मं ८ ३४	आ ० ४०	शु ६ ५४	वि ८ ३४	५६	४९	११	११ १६ २	क.५१।१	भ.८।३४या. चतुर्थी व्र.
४	बु १४ ५२	पु ७ ४८	शु ८ ५५	बा १४ ५२	५४	४९	११	१२ १७ ३	कर्के	ज्येष्ठा.रविः ५६ (सौरः ४३) विशा.१=
५	गु २१ २४	पु १५ २४	ब्र ११ ११	तै २१ २४	५३	४९	११	१३ १८ ४	कर्के	स्वात्यांशुक्रः ५४।८
६	शु २७ ४९	श्ले २३ ४	ऐं १३ ३०	व २७ ४९	५१	५०	१०	१४ १९ ५	सिं२३।४	भ.२७।४९उ.मूल.४गुरुः २१।२४×
७	श ३३ ४१	म ३० ६	वै १५ ३१	वि ० ४५	४९	५०	१०	१५ २० ६	सिंहे	भ.०।४५या.
८	र ३८ १५	पू ३६ १	वि १६ ४०	बा ५ ५८	४८	५०	१०	१६ २१ ७	कं.५२।१०	[×बुधोदयः पूर्वस्यां ४९ ५८
९	चं ४१ २०	उ ४० ३५	प्री १६ ५३	तै ९ ४७	४६	५१	९	१७ २२ ८	कन्यायां	
१०	मं ४२ २७	ह ४३ १३	आ १५ ३८	व ११ ५३	४५	५१	९	१८ २३ ९	कन्यायां	भ.११।५३उ.४२।२७या.
११	बु ४१ ३७	चि ४३ ५५	सौ १२ ५६	ब १२ २	४४	५१	९	१९ २४ १०	तु.१३।३४	मार्गीबुधः ५।३९ उत्पत्ति ११व्र.
१२	गु ३८ ४४	स्वा ४२ ३७	शो ८ ३४	कौ १० १०	४३	५१	९	२० २५ ११	तुलायां	
१३	शु ३४ १	वि ३९ २७	अ २ ४३	ग ५३ ६ २२	४२	५२	८	२१ २६ १२	वृ.२५।१५	भ.३४।१उ. प्रदोषः
१४	श २७ २६	अ ३४ ३७	धृ ४६ ३५	वि ० ४३	४१	५२	८	२२ २७ १३	वृश्चिके	भ.०।४३या.धनि.भौमः १३।६
३०	र १९ ५८	ज्ये २८ ५४	शू ३७ २	ना १९ ५८	४०	५२	८	२३ २८ १४	ध.२८।५४	

३४प मा कृ.२च.इ. २५ ०							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	६	१	६	७
१४	१४	११	९	२	२६	२३	१४
४२	११	४३	६	१०	४	२६	१४
२९	३८	३४	४७	५२	१९	३२	३८
६०	४३	२०	१३	६८	३४	३	६१
१०	५६	व.	९	५३	व	११	३

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार ५ रविवार अशुभ हैं प्रजा में रोग शोक फैले धातु धान्य गल्ला रसकस में तेजी हो ।

गोचर ग्रहाः

३५पं.मा.कृ.९चं.इ. २० ४८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	६	१	६	७
२१	१९	५	१०	१०	२५	२३	२१
४८	३१	३६	३९	२६	३०	४	२२
३२	२३	५८	५८	१०	७	१७	१९
६०	४३	१४	१३	६९	४०	३	६१
५६	५२	व.	२२	४०	व.	११	११

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६१८स.२०३१

१	चं	११	३७	मू	२२	२१	गं	२७	७	ब	११	३७	३५	६०	८	२४	२९	१५	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
२	मं	३	५	पू	१५	३८	बृ	१७	८	कौ	३	५	३९	५२	८	२५	११	१६	म.२९।२	मूलेधनुष्यर्कः २४ (सौरः ४७) विशा.–
३	मं	५१	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–शुक्रः २३ रमजान९
४	बु	४७	५	उ	९	१३	ध्रु	७	५५	व	२०	५४	३८	५२	८	२६	२	१७	मकरे	भ.२०।५४उ.४७।५या.
५	गु	४०	१४	श्र	३३	५५	ह	४९	११	व	१३	३९	३८	५२	८	२७	३	१८	कुं.३१।०	
६	शु	३४	४०	श	५५	१३	व	४१	३८	कौ	७	२७	३७	५३	७	२८	४	१९	कुम्भे	चंपा६
७	श	३०	१३	पू	५२	५५	सि	३४	५२	ग	२	२६	३७	५३	७	२९	५	२०	मी३८।२९	भ.३३उ.५६या.पूषा.१गुरुः०।४२
८	र	२७	१६	उ	५१	५६	व्य	२९	२२	ब	२७	१६	३६	५३	७	३०	६	२१	मीने	कुंभेभौमः५८।३अस्तंगुरौ३८।२४
९	चं	२५	३७	रे	५२	१५	व	२४	५९	कौ	२५	३७	३६	५३	७	१	७	२२	मे.५२।१५	भा.पौषारंभः
१०	मं	२५	८	अ	५३	५४	प	२१	३५	ग	२५	८	३६	५३	७	२	८	२३	मेषे	भ.५५।४०उ.ज्येष्ठा.बुधः४४।१०
११	बु	२६	११	भ	५६	४८	शि	१९	१६	वि	२६	११	३६	५३	७	३	९	२४	मेषे	भ२६या.वृश्चिकेशुक्रः ३७मोक्षदा ११व्र =
१२	गु	२८	२	कृ	६०	०	सि	१७	४९	बा	२८	२	३७	५३	७	४	१०	२५	वृ.१२।५०	[=गीताजयंती
१३	शु	३१	२५	कृ	०	५६	सा	१७	३६	तै	३१	२५	३७	५३	७	५	११	२६	वृषे	प्रदोषः
१४	श	३५	३८	रो	५	५३	शु	१७	२७	ग	३	३१	३७	५३	७	६	१२	२७	मि३८।४६	भ.३७उ.अनु.शुक्रः२०।१८
१५	र	४०	३९	मृ	११	३९	शु	१८	२२	वि	८	८	३८	५२	८	७	१३	२८	मिथुने	भ.८।८या.दत्तजयंती

३६ पं.मा.शु.१चं.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	६	१	६	७
२८	२४	७	१२	१८	२४	२२	२८
५५	५३	४५	१५	४६	५५	४२	३१
२६	१३	१८	१८	४१	३०	१	२
६१	४३	५४	१३	७०	४०	३	६१
०	५२	मा	३२	२५	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

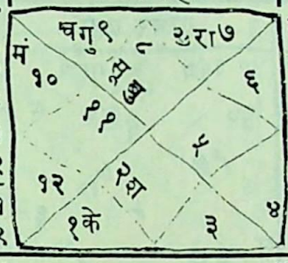

मार्गशीर्षशुक्ले २भौमे धनुष्यर्कःप्रविष्टः वा ३ न.४ युवावस्था (सूती) मु.४५धान्या-दिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

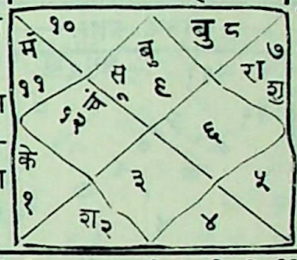

३७पं.मा.शु.९चं.इ. २०

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	८	६	१	६	८
६	०	१५	१३	२७	२४	२२	५
३	१६	१	५१	१२	२१	१९	४०
०	८	२३	२९	४७	२२	४५	२७
६१	४४	७०	१३	७१	४	३	६१
४	५	४१	३२	४	व.	११	२२

ति. | पौष कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा.

१	चं	४६	२३	आ	१८	२०	ब्र	१९	५२	बा	१३	३१	३५	६२	८	१४	२९	मिथुने	पूषा.रविः२९।१० (सौरः४९।२५)
२	मं	५२	५०	पु	२५	२४	ऐं	२१	४४	तै	१९	३६	३९	५२	८	१५	३०	क.८।३८	शतेभौम.४३।३३
३	बु	५९	१९	पु	३२	५४	वै	२३	५६	व	२६	४	४०	५२	८	१०	१६	३१	कर्के	भ.२६।४उ.५९।१९या.
४	गु	६०	०	श्ले	४०	२६	वि	२६	१६	ब	३२	३०	४१	५२	८	११	१७	१	सिं४०।२६	जनवरी१ता.३१सन्२०३२चतुर्थीव्र.
४	शु	५	४१	म	४७	५६	प्री	२८	२२	बा	५	४१	४२	५२	८	१२	१८	२	सिंहे	मूलेधनुषिबुधः३१।२०
५	श	११	४४	पू	५४	२९	आ	३०	२	तै	११	४४	४३	५१	९	१३	१९	३	सिंहे	पूषा.२गुरुः२७।५५
६	र	१६	५२	उ	६०	०	सौ	३०	५६	व	१६	५२	४४	५१	९	१४	२०	४	क.१०।५३	भ.५३उ.४०या.वक्रीरोहि.४शनि ५९
७	चं	२०	४७	उ	०	४	शो	३०	५५	ब	२०	४७	४५	५१	९	१५	२१	५	कन्यायां	
८	मं	२३	२	ह	४	१३	अ	२९	३५	कौ	२३	२	४७	५१	९	१६	२२	६	तु.३५।२२	
९	बु	२३	३१	चि	६	३२	सु	२६	४२	ग	२३	३१	४८	५०	१०	१७	२३	७	तुलायां	भ.५२।४३उ.ज्येष्ठा.शुक्रः२०।४८
१०	गु	२१	५५	स्वा	६	५५	धृ	२२	७	वि	२१	५५	५०	५०	१०	१८	२४	८	वृ.५०।४६	भ.२१।५५या.
११	शु	१८	१३	वि	५	२३	शू	१६	१०	बा	१८	१३	५२	५०	१०	१९	२५	९	वृश्चिके	सफला११व्र.
१२	श	१२	३९	अ	४९	५४	गं	३२	५१	तै	१२	३९	५३	४९	११	२०	२६	१०	ध.५६।३५	प्रदोषः
१३	र	५	२८	मू	५०	०	ध्रु	४९	३७	व	५	२८	५५	४९	११	२१	२७	११	धनुषि	भ.५८उ.३१या.उषा.रविः ३३×
१४	र	५१	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×(सौरः५२)पूषा.बुधः ३२+
३०	चं	४७	३५	पू	४२	३५	व्या	३८	४९	च	२२	१६	५७	४९	११	२२	२८	१२	म.५५।४०	[+बुधास्तःपूर्वस्यां ३१

३८ पं.पौ.कृ.१चं.इ. २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	८	७	१	६	८
१३	५	२४	१५	५	२३	२१	१२
१०	३८	१३	२८	४२	४८	५७	५०
५९	५३	४१	५५	५८	४३	३०	१९
६१	४४	८०	१३	७१	४	३	६१
६	३	५२	३८	२९	व.	११	२६

३९पं.पौ.कृ.७च.इ. २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	८	७	१	६	८
२०	११	४	१७	१४	२३	२१	२०
१९	०	१४	५	१५	१८	२५	०
५	५०	१३	२१	२२	२५	१४	१६
६१	४४	९०	१३	७१	५२	३	६१
६	४	१९	३८	५३	व.	११	२६

४०पं.पौ.कृ.३०चं.इ. २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	८	७	१	६	८
२७	१६	१४	१८	२२	२२	२१	२७
२७	२३	४३	४२	५०	५१	१२	१०
७	२	४४	४७	१३	१८	५९	८
६१	४४	९५	१३	७२	३८	३	६१
६	१६	४४	३२	१३	व.	११	२४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६४७ स.२०३२
१	मं ३७ ५९	उ	३४ ५५	ह	२७ ५२	किं	१२ ४७	२५ ६ ५२	२३ २९ १३ मकरे
२	बु २८ ४५	श्र	२७ ३२	व	१७ १	बा	३ २२	२६ ४८ १२	२४ ३० १४ कुं.५४।५
३	गु २० २	ध	२० ३७	सि	६ ५०	ग	२० २	४ ४७ १३	२५ १ १५ कुंभे
४	शु १२ ३१	श	१४ ५९	व	४८ ३१	वि	१२ ३१	६ ४७ १३	२६ २ १६ कुंभे
५	श ६ २६	पू	१० ४७	प	४१ ३५	बा	६ २६	८ ४६ १४	२७ ३ १७ मी५६।४८
६	र २ १०	उ	८ २३	शि	३५ ५८	तै	२ १०	११ ४६ १४	२८ ४ १८ मीने
७	र ५७ २२	०	० ०	०	० ०	०	० ०	० ० ०	० ० ० ०
८	चं ५८ ४७	र	७ ४१	सि	३१ ४७	वि	२९ ९	१३ ४५ १५	२९ ५ १९ मे.७।४१
९	मं ५९ ४७	अ	८ ४२	सा	२९ ७	बा	२९ ४७	१६ ४५ १५	३० ६ २० मेषे
१०	बु ६० ०	भ	११ ३१	शु	२७ ३३	तै	३० ५७	१९ ४४ १६	१ ७ २१ वृ.२७।३४
१०	गु २ ८	कृ	१५ ४३	शु	२७ २६	ग	२ ८	२१ ४४ १६	२ ८ २२ वृषे
११	शु ६ १०	रो	२१ ३	ब्र	२८ २	वि	६ १०	२४ ४३ १७	३ ९ २३ मि५४।८
१२	श ११ २	मृ	२७ १४	ऐं	२९ ७	बा	११ २	२७ ४३ १७	४ १० २४ मिथुने
१३	र १६ ४२	आ	३४ १४	वै	३० ५७	तै	१६ ४२	२९ ४२ १८	५ ११ २५ मिथुनें
१४	चं २२ ४०	पु	४१ ३६	वि	३२ ५२	व	२२ ४०	३२ ४२ १८	६ १२ २६ क.२४।४६
१५	मं २९ १४	पु	४९ ५	प्री	३५ १०	ब	२९ १४	३५ ४१ १९	७ १३ २७ कर्के

४१पं.पौ.शु.८चं.इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	८	८	१	६	९
४	२१	२५	२०	१	२२	२०	४
३४	४४	३८	१९	२७	२८	५०	१९
५९	२	२	१६	०	५२	४३	३७
६१	४४	९९	१३	७२	२/४६	३	६१
३	१०	५२	२६	३२	व	११	१९

गोचर ग्रहाः

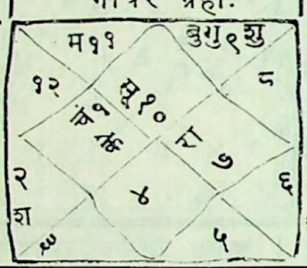

पौष शुक्ले २ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्ट. वा. २ न. ३ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्या-दिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

४२पं.पौ.शु.१४चं.इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	८	८	१	६	९
११	२७	७	२१	१०	२२	२०	११
४२	५	१	५४	५	१०	२८	२८
२९	१३	५	३२	१३	२६	२७	२८
६०	४३	९/४	१३	७२	१/२	३	६१
५९	५८	५/३	२०	५०	व	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	बु ३५ ३७	श्ले	५६ २५	आ	३७ १८	बा	२ २५	२६ ६ ५	८ १४ २८ सिं५६।२५
२	गु ४१ ५१	म	६० ०	सौ	३९ २३	तै	८ ४४	४१ ४० २०	९ १५ २९ सिंहे
३	शु ४७ ३५	म	३ ४३	शो	४१ ५	व	१४ ४३	४५ ३९ २१	१० १६ ३० सिंहे
४	श ५२ २९	पू	१० २१	अ	४२ ८	ब	२० २	४८ ३८ २२	११ १७ ३१ कं.२६।४८
५	र ५६ ३७	उ	१६ १०	सु	४२ ३३	कौ	२४ ३३	५१ ३८ २२	१२ १८ १ कन्यायां
६	चं ५९ २६	ह	२१ ०	धृ	४२ १	ग	२८ १	५४ ३७ २३	१३ १९ २ तु.५२।४७
७	मं ६० ०	चि	२४ ३५	शू	४० १८	वि	३० ६	५८ ३६ २४	१४ २० ३ तुलायां
७	बु ० ४७	स्वा	२६ ३२	गं	३७ ३१	व	० ४७	२/५ ३६ २४	१५ २१ ४ तुलायां
९	गु ०/५७ ३७/४६	वि	२६ ५०	वृ	३३ ४	कौ	० ३६	५ ३५ २५	१६ २२ ५ वृ.११।४५
१०	शु ५४ ३०	अ	२५ १६	ध्रु	२७ १४	व	२६ २६	८ ३४ २६	१७ २३ ६ वृश्चिके
११	श ४८ ४७	ज्ये	२१ ५८	व्या	१९ ५९	ब	२१ ३८	१२ ३४ २६	१८ २४ ७ ध.२१।५८
१२	र ४१ ३५	मू	१६ ५६	ह	११ २३	कौ	१५ ११	१५ ३३ २७	१९ २५ ८ धनुषि
१३	चं ३३ ५	पू	१० ४०	व	७/४० ३/३९	ग	७ २०	१९ ३२ २८	२० २६ ९ म.२३।५४
१४	मं २३ ४१	उ	३/७ ५३	व्य	४० १७	श	२३ ४१	२३ ३१ २९	२१ २७ १० मकरे
३०	बु १४ ५	ध	४७ ५८	व	२९ १८	ना	१४ ५	२७ ३१ २९	२२ २८ ११ कुं.२१।५०

४३पं.मा.कृ.६चं.इ. २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	८	८	१	६	९
१८	२	१८	२३	१८	२१	२०	१८
४९	२४	५४	२८	४३	५७	६	३६
१	२५	१४	१	५२	०	१२	२५
६०	४२	०/४	१३	७३	१/०	३	६१
५५	५६	४/१	८	८	व	११	४

गोचर ग्रहाः

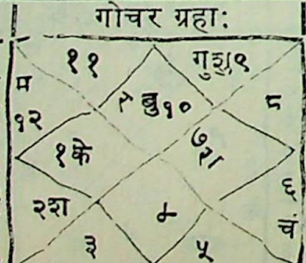

इस मास में धान्य बाजरा मूंगमोठ चना मटर सरसों अलसी रसकस गुड़ शक्कर चीनी तेज हो सोना चांदी मंदा हो ।

गोचर ग्रहाः

४४पं.मा.कृ.१३चं.इ. ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	८	८	१	६	९
२५	७	१	२४	२७	२१	१९	२५
५४	४३	१८	५९	२३	४९	४३	४३
५०	५	५८	४९	२	१	५६	२२
६०	४३	०/९	१२	७३	०/४०	३	६०
४५	५०	२/४१	२०	व	११	५५	

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽर्हर्गणः६७७स.२०३२
१	गु ४ २० श ४० ४७ प	१८ २५	ब ४ २०	२७ ६ ५०	२३ २९ १२			कुम्भे	शतेबुध.:१६।४७ चंद्रदर्शनम्
२	गु ५१ ५ ० ० ० ०	० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०			
३	शु ४७ ४१ पू ३४ ४३ शि	३२ ५१	तै २१ ३३	३४ २९ ३१	२४ १ १३	मी	२१।१४	कुं.भेऽर्के.२२।५७ सौर:३३	जिल्काद११
४	श ४१ ३८ उ ३० ७ सा	५२ १४	व १४ ३९	३८ २८ ३२	२५ २ १४	मीने		भ.१४।३९उ.४१।३०या.	
५	र ३७ २८ रे २७ २८ शु	४६ ३२	ब ९ ३३	४१ २८ ३२	२६ ३ १५	मे.	२७।२८	वसंत५	
६	चं ३५ ११ अ २६ ५४ शु	४२ २५	कौ ६ १९	४५ २७ ३३	२७ ४ १६	मेषे		मार्गीशनि:३६।३५	
७	मं ३५ ११ भ २८ १६ ब्र	३९ ५२	ग ५ ११	४९ २६ ३४	२८ ५ १७	वृ.	४४।४	भ.३५ उ.उषा.१गुरु:१५ भानु७रथ७	
८	बु ३७ २ कृ ३१ २९ ऐं	३८ ५३	वि ६ ६	५३ २५ ३५	२९ ६ १८	वृषे		भ.६या.बुधोदय:पश्चि.५९ भीष्माष्टमी	
९	गु ३९ ५० रो ३६ २८ वै	३९ २०	बा ८ २६	५६ २५ ३५	३० ७ १९	वृषे		शतेरवि.५९ पूभा.बुध:३७ श्रवणेशुक्र:३४	
१०	शु ४५ ४८ मृ ४२ ४७ वि	४० २९	तै १२ ४९	२८ २४ ३६	१ ८ २०	मि	९।३७	शतेरवि:सौर:८।४६भा.फाल्गुनारंभ:	
११	श ५१ ४९ आ ४९ ५५ प्री	४२ २५	व १८ ४८	४ २३ ३७	२ ९ २१	मिथुने		भ.१४८ उ.५१ या.रेवत्यांभौम:१९–	
१२	र ५७ ५९ पु ५७ १९ आ	४४ ३१	व २४ ५४	८ २२ ३८	३ १० २२	क.	४०।२८	[–जया११व्र.	
१३	चं ६० ० पु ६० ० सौ	४६ ५५	कौ ३१ १८	१२ २२ ३८	४ ११ २३	कर्के		प्रदोष:	
१४	मं ४ ३७ पु ४ ५८ शो	४९ १३	तै ४ ३७	१६ २१ ३९	५ १२ २४	कर्के			
१५	बु १० ५५ श्ले १२ १४ अ	५० ५४	व १० ५५	२० २० ४०	६ १३ २५	सिं	१२।१४	भ.५९ उ.५३ या.मीनेबुध:५५	
१५	गु १६ ४५ म १९ १७ सु	५२ ३४	ब १६ ४५	२४ १९ ४१	७ १४ २६	सिंहे		मा.स्ना.पू.	

४५पं.मा.शु.६च.इ. २०/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	८	९	१	६	१०
२	१२	१४	२६	६	२१	१९	२
५९	५९	४	२८	२	४६	२१	४९
४२	२	३७	४८	३५	४४	४१	२५
६०	४३	४	१२	७३	२	३	६०
३७	३८	३५	२०	२६	व.	११	४२

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले ३ शुक्रे कुंभेऽर्क:प्रविष्ट: वा.३ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्या-दिभावे समता शुक्रोदय:पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

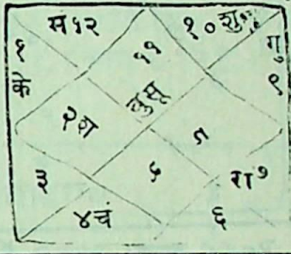

४६पं.मा.शु.१३च.इ.३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	८	९	१	६	१०
१०	१८	२६	२७	१४	२१	१८	९
३	१४	१४	५४	४२	५०	५९	५३
१४	५३	३५	२५	४	१०	२५	५८
६०	४३	९६	११	७३	५१	३	६०
२५	२४	३९	५३	३८	मा	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	शु २१ ५५ पू २५ २९ धृ	५३ २६	कौ	२१ ५५	२८ ६ ५	८	१५ २७	कं.	४१।५४
२	श २६ १९ उ ३१ ८ शू	५३ ३१	ग	२६ १९	३२ १८ ४२	९	१६ २८	कन्यायां	भ.५८।१उ.उभाबुध:२८।३०
३	र २९ ४३ ह ३५ ३६ गं	५२ ५९	वि	२९ ४३	३६ १७ ४३	१०	१७ २९	कन्यायां	भ.२९।४३या. चतुर्थीव्र.
४	चं ३२ १ चि ३९ १० बृ	५१ २९	ब	० २२	४० १६ ४४	११	१८ १	तु.७।२३	धनि.शुक्र:१९।२६माचं३ता.३१
५	मं ३३ २० स्वा ४१ ३४ ध्रु	४९ ७	कौ	२ ४१	४४ १५ ४५	१२	१९ २	तुलायां	
६	बु ३३ २७ वि ४२ ५० व्या	४५ ४८	ग	३ २३	४८ १४ ४६	१३	२० ३	वृ.२७।३१	भ.३३।२७उ.
७	गु ३२ १० अ ४२ ४६ ह	४१ २२	वि	२ ४८	५२ १४ ४६	१४	२१ ४	वृश्चिके	भ.२८या.पूभा.रवि:१५ (सौर:३३
८	शु २९ २९ ज्ये ४१ १३ व	३५ ५०	बा	० ४९	५६ १३ ४७	१५	२२ ५	ध.४१।१३	उषा.२मकरेगुरु:३।१८
९	श २५ २३ मू ३८ २२ सि	२९ ८	ग	२५ २३	२९ १२ ४८	१६	२३ ६	धनुषि	भ.५२।४५उ.कुंभेशुक्र:४१।४८
१०	र २० ७ पू ३४ १६ व्य	२१ २५	वि	२० ७	५ ११ ४९	१७	२४ ७	म.४७।५५	भ.२०।७या. वक्रीबुध:३२।२१
११	चं १३ १६ उ २८ ५० व	१२ ३१	बा	१३ १६	९ १० ५०	१८	२५ ८	मकरे	विजया११व्र.
१२	मं ५ २९ श्र २२ ३३ प	३ ४९ ५२	तै	५ २९	१३ ९ ५१	१९	२६ ९	कुं.४९।५	भ.५७ उ.बुधास्त:पश्चिमायां१३ प्रदोष:
१३	मं ५१ ३९ ० ० ० ०	० ०	०	० ० ०	० ० ०	०	० ०		
१४	बु ४७ ५६ ध १५ ३७ सि	४२ २६	वि	२२ ३२	१७ ९ ५१	२०	२७ १०	कुंभे	भ.३३या.अश्वि.मेषेभौम:१९=
३०	गु ३९ ११ श ८ ३५ सा	३२ २३	च	१३ ३३	२१ ८ ५२	२१	२८ ११	मी	४८।४० [=महाशिवरात्री व्र.

४७पं.फा.कृ.४च.इ. २१/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	८	९	१	६	१०
१७	२३	५	२९	२३	२१	१८	१६
५	२७	१५	१६	२२	५८	३७	५६
२८	११	४	४८	१६	५२	९	५३
६०	४३	६१	११	७३	१	३	६०
१२	२९	१३	१४	५०	३१	११	२०

गोचर ग्रहाः

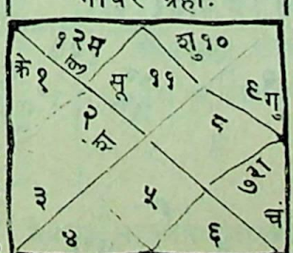

इस मास में शनिवार का चन्द्रदर्शन चांदी सोना लोहा रुई रंग सूत वारदाना आदि अच्छे तेज हों रसकस में मंदी रहै।

गोचर ग्रहाः

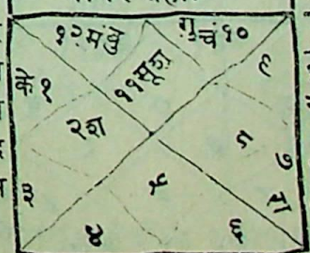

४८प.फा.कृ.११चं.इ. २१/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	९	१०	१	६	१०
२४	२८	८	०	२	२२	१८	२३
६	३८	४	३५	२	१२	१४	५८
१४	५३	५९	२	१७	४०	५४	१६
५९	४३	८	१०	७३	२	३	६०
५८	१३	व.	३६	५१	१२	११	६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण७०६स.२०३२
१	शु ३० ५२ पू ३ ५४	शु	२२	४९	किं	५	१	२९ ६ ५	२२ २९ १२ मीने	शतेशुक्रः ५/३ पातस्पर्शः ५ पातमोक्षः ५७/२४
२	श २३ ४० रे ५२ २०	शु	१४	२१	कौ	२३	४०	३० ६ ५४	२३ ३० १३ मे.५२।२२	चद्रदर्शनम् फुलरिया२
३	र १८ २० अ ४९ ३८	ब्र	७	३	ग	१८	२०	२४ ५ ५५	२४ १ १४ मेषे	भ.४६ उ.मीनेऽर्कः १६ (सौरः २३/५४)-
४	चं १४ ३८ भ ४९ २०	ऐं	११	५६	वि	१४	३८	३८ ४ ५६	२५ २ १५ मेषे	भ.१४।३८या. [-जिल्हेज१२
५	मं १३ २३ कृ ५१ ७	वि	५५	१०	बा	१३	२३	४२ ३ ५७	२६ ३ १६ वृ.४।४७	वक्रीपूभा.बुधः१७।११
६	बु १३ ५६ रो ५४ ५१	प्री	५४	३७	तै	१३	५६	४७ ३ ५७	२७ ४ १७ वृषे	उभा.रविः३७।११ (सौरः४५।३०)
७	गु १६ ४३ मृ ६० ०	आ	५४	५८	व	१६	४३	५१ २ ५८	२८ ५ १८ मि२७।३१	भ.१६।४३ उ.४८।५५या.
८	शु २१ ७ मृ ० ११	सौ	५६	३५	ब	२१	७	५५ १ ५९	२९ ६ १९ मिथुने	वक्रीकुंभेबुधः५६।२६होलाष्टकम्
९	श २६ ४६ आ ६ ५५	शो	५८	४५	कौ	२६	४६	३० ० ६ ६	३० ७ २० क.५७।२५	[=आमलकी११व्र.
१०	र ३२ ५० पु १४ १५	अ	६०	०	ग	३२	५०	४ ५९ १	१ ८ २१ कर्के	भा.चैत्रारंभः
११	चं ३९ ३२ पु २१ ५३	अ	१	५०	व	६	११	८ ५८ २	२ ९ २२ कर्के	भ.६।११उ.३९।३२या.पूभा.शुक्र ५२/५४=
१२	मं ४५ ४६ श्ले २९ २६	सु	३	३०	ब	१२	३९	१२ ५८ २	३ १० २३ सिं२९।२६	बुधोदयःपूर्वस्यां५८।२५
१३	बु ५१ २२ म ३५ ५९	धृ	५	२९	कौ	१८	३४	१६ ५७ ३	४ ११ २४ सिंहे	उषा.३गुरु.५५।३८ प्रदोषः
१४	गु ५६ ५ पू ४२ २९	शू	६	४८	ग	२३	४३	२१ ५६ ४	५ १२ २५ कं.५८।४२	भ.५६।५उ.
१५	शु ५९ ३३ उ ४७ २३	गं	७	२३	वि	२७	४९	२५ ५५ ५	६ १३ २६ कन्यायां	भ.२७।४९या.होलिकादहनम्

४९प.फा.शु.४च.इ.२१।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	९	१०	१	६	११
१	३	४	१	१०	२२	१७	०
५	४७	१३	४८	४१	३१	५२	५७
३१	६	३७	२९	५३	३४	३८	५८
५९	४२	५८/१३	९	७३	२	३	५९
४१	५८	व	५२	५८	५२	११	४९

गोचर ग्रहाः

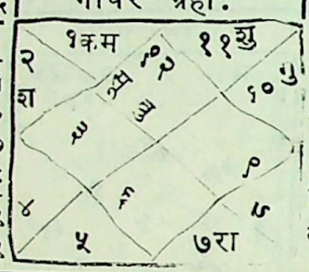

फाल्गुन शुक्ले ३ रवौ मीनेऽर्कः प्रविष्टःवा.३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धान्या-दिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

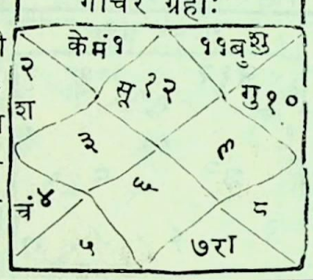

५०पं.फा.शु.११च.इ.२२/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	९	१०	१	६	११
८	८	२७	२	१९	२२	१७	७
३	५४	५८	५६	२२	५५	३०	५५
१८	७	३७	४२	१२	१९	२३	५३
५९	४२	४९/५६	९	७४	३	३	५९
२९	४७	व	७	४	३२	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	श ६० ० ह ५१ २५	वृ	७	१४	बा	३०	४७	३९ ५ ५४ ६	७ १४ २७ कन्यायां	वसंत१छारेंडी
१	र २ २ चि ५४ ११	ध्रु	६	६	कौ	२	२	३३ ५३	७ ८ १५ २८ तु.२२।४८	भरण्यांभौमः२७। ७मृग.१शनिः २४/६
२	चं ३ १७ स्वा ५५ ५७	व्या	४	११	ग	३	१७	३७ ५३	७ ९ १६ २९ तुलायां	भ.३३।२१उ.
३	मं ३ २५ वि ५६ ४६	ह	५/१९	५६/२४	वि	३	२५	४१ ५२	८ १० १७ ३० वृ.४१।३४	भ.३।२५या.मीनेशुक्रः५८।२८चतुर्थी व्र.
४	बु २ ३७ अ ५६ ४१	सि	५३	२६	बा	२	३७	४५ ५१	९ ११ १८ ३१ वृश्चिके	रेवत्यांरविः४।४३ (सौरः११।५७)
५	गु ० ५९ ज्ये ५५ ४२	व्य	४८	२८	तै	०	५९	४९ ५०	१० १२ १९ १ ध.५५।४२	भ.२६ उ.मार्गीबुधः २१/६ अप्रेल४ता.३०
६	गु ५७ २३ ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ० ० ० ० ० ० ०	
७	शु ५४ ५४ मू ५३ ५३	च	४२	४५	वि	२६	३८	५३ ४९	११ १३ २० २ धनुषि	भ.३६ या.उभाशुक्रः ४७ शीतलापूजनम्
८	श ५० ४१ पू ५१ १५	प	३६	२२	बा	२२	४७	५७ ४९	११ १४ २१ ३ धनुषि	
९	र ४५ २८ उ ४७ ४८	शि	२९	१३	तै	१८	४	३१ ४८	१२ १५ २२ ४ म.५।२३	
१०	चं ३९ २९ श्र ४३ २५	सि	२१	२६	व	१२	२८	५ ४७	१३ १६ २३ ५ मकरे	भ.१२।२८उ.३९।२९या.
११	मं ३२ ५४ ध ३८ २४	सा	१३	११	ब	६	११	१० ४६	१४ १७ २४ ६ कुं.१०।५५	पापमोचनी११व्र.
१२	बु २५ ३३ श ३२ ५८	शु	४/३२	५१/१०	तै	२५	३३	१४ ४५	१५ १८ २५ ७ कुंभे	स्वाती.३राहुःभर.१केतु.१३।१४प्रदोषः
१३	गु १८ १० पू २७ ३९	व्र	४६	४९	व	१८	१०	१८ ४४	१६ १९ २६ ८ मी१३।५९	भ.१८।१०उ.४४।२५या.
१४	शु १० ४१ उ २२ २६	ऐं	३८	३४	श	१०	४१	२२ ४४	१६ २० २७ ९ मीने	
३०	श ४ ७ रे १८ ६	वै	३०	५९	ना	४	७	२६ ४३	१७ २१ २८ १० मे.१८।६	मन्वादिःनवरात्रारंभः

५१प.चै.कृ.२च.इ.३२/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	९	१०	१	६	११
१४	१३	२५	३	२८	२३	१७	१४
५९	५९	०	५९	१	२४	८	५२
१०	१०	४०	६	२६	४	७	४
५९	४२	१४/१३	८	७४	४	३	५९
१६	४३	व	२०	१४	१३	११	१८

गोचर ग्रहाः

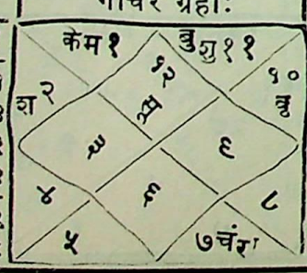

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना मटर सरसों अलसी आदि कुछ मंदे हों प्रजा में शोक फैलेधातुरसकसतेजहों

गोचर ग्रहाः

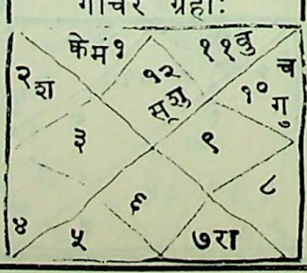

५२पं.चै.कृ.१०चं.इ.२२/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	९	११	१	६	११
२१	१९	२६	४	६	२३	१६	२१
५३	१	२४	५५	४०	५७	४५	४६
३१	१६	४०	१६	५५	०	५१	१५
५९	४२	१९/८	७	७४	४	३	५९
४	३२	मा	१०	२०	४६	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३३, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रैतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१३३, भोग्यकलिः४२६८६७, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८९, शाकः १९५४, अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः । मंत्री भौमः । सस्येशःशुक्रः । धान्येशो बुधः । मेघेशश्चंद्रः। रसेशो रविः । नीरसेशः शुक्रः । फलेशश्चंद्रः । धनेशो गुरुः।दुर्गेशश्चंद्रः।एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्येरुद्रविंशतिकायां २० क्षय नाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः २।१८।१४।२५।० भोग्यमासादिः ९।११।४५।३५।० भगदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम आषाढः।मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे। समयविश्वा १८ समयवाहनमश्वः । स्तंभौ २ अन्न वाय्वोः । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी ३ भानुसप्तमी ३ बुधाष्टमी२ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३९० समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः१८, तिथिवृद्धिः११ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा११ धान्यम् १५ तृणम् ११, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १२१, शनिदृष्टि पूर्वस्यां । सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण ३सूर्यस्य१ चंद्रमसः २।

सं. २०८९ कार्तिक कृ. ३० बुधे सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घं.	९	९	१०
मि.	४९	५७	२२
घ.	८	८	९
प.	२५	४५	४७

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्ष लग्नम् ०।२८

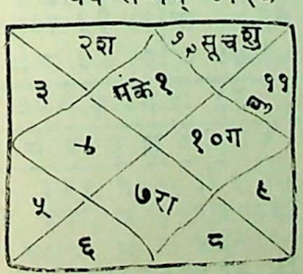

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

नम् भाव भैरव खड़ा चरण नवावे शीश ।
फल निवासी साल का कहदो विश्वा बीस ।।

भवानी उत्तर

निवासी की साल में होसी नाणां नाश ।
खाली थैली जग भ्रमे दुनिया रहे उदास ।।
शनि राजा इस वर्ष में मंत्री होसी भौम ।
नीच वर्ण उन्नत रहे गिरसी ऊंची कौम ।।
रोहिणी वास समुद्र में निशानाथ मेघेश ।
चिंता जग की मेटसी पद पाकर दुर्गेश ।।
अष्टादश विश्वा समय स्तंभ वर्ष में दोय ।
ईश भजन बिन जगत् में सुख नहीं पाया कोय।।

सं. २०८९ चैत्र शु. १५ रवौ चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	६	८	८	९	१०
मि.	५९	१२	४३	१५	२८
घं.	३१	३४	३५	३६	४०
प.	१९	२३	४१	५९	३

आश्विन शु.१५ चं.खग्रासचं.ग्रहण

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
घ.	१०	१२	१२	१	२
मि.	५९	१२	३८	४	१७
घं.	४१	४४	४५	४६	४९
प.	२१	२३	२८	३३	३५

वर्षेश लग्नम् ७।७

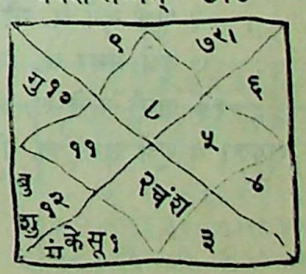

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१०।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१७।२३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः फलम् ।। शनैश्चरै भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीडयते जनाः । युद्धं नृपाणां गद तस्काद्यैर्भ्रमंति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री भौमः फलम् ।। अवनिजो ननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्यु गदादिज वेदना जनपदेषु जयं सुखसंचयं न बहु गोषु पयो द्विजकर्म च ।। सस्येशः शुक्रः फलम् ॥ शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालेक्षु धनप्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुखप्रदानि ।। धान्येशो बुधः फलम् ।। बुधे धान्याधिपे मेघा जलं मुंचंति वै भृशम् । सैंधवे लाटदेशे च माधवोऽल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चंद्रः फलम् ।। शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजखरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धन धान्यवती धरा विविध भोगवती ननु भामिनी ।। रसेशो रविः फलम् ।। रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरसभाग रताल्प पयोधरा । वसन तेल घृत प्रिय मानवाः सुख रसं न भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रः फलम् ।। कर्पूरागगरु न्धानां हेम मौक्तिक वाससां । अर्घवृद्धि. प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशश्चंद्रः फलम् ।। यदि विधुः फलपो द्रुमराशयः फलयुतावलिभिः कुसुमैर्युताः द्विज मुखावर भोग समन्विता नृपतयो नयनाटन तत्पराः ।। धनेशो गुरुः फलम् ।; सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिज वृत्ति परासुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहा. सदा विविध द्रव्ययुता भुवि मानवाः ।। दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। गढ़पतिः शशलांछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नरवरा वर वर्णित विग्रहाः ।। क्षयनाम संवत्सरः फलम ।। कर्पासगन्ध तैलेक्षु मधु सस्य विनाशनम् । क्षीयमाणाश्चायि नरा जीवन्ति क्षय वत्सरे ।। वर्षनाम आषाढः फलम् ।। आषाढाब्देतु राजानः सर्वदा कलहोत्सुकाः क्वचिदीतिः क्वचिद्भीतिः क्वचिद्वृद्धिः जलं क्वचित् ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रेतु महावृष्टिः ।। समय निवासो मालि गृहे । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला ४ भौमे रोहि ल. ११-१२ रे. ६ ऽ।।।।।।।।।

,, ६ चन्द्रे मघा ल. ११ (चं.७पू.) रे. ६
।ऽ।।।चो।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १० भौमे मघा ल. ६ रे. ६ ।ऽ।।।ऽचो।ऽऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

आषाढ मासः

शुक्ला ३ शनौ मघा ल. २ रे. ६ ।।।।।ऽ।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ गुरौ रोहि ल. ५ रे. ८ ।।।।।ऽअऽ।।।

,, २ शुक्रे मृगे ल. गो. रे. ८ ।।।ऽवृ।।ऽ।।।

,, ७ बुधे मघा ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।ऽरो।ऽ।।

,, १० शनौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।

शुक्ला ८ शुक्रे उभा ल. गो. रे. ८ ऽ।।।।ऽचो।।।।

माघ मासः

कृष्णा २ चन्द्रे मघा ल. ८ (घ.५०-२२उ) रे. ६
।।।ऽवृ।।।।।। पादतो वेधाऽभावः

,, ३ भौमे मघा ल. ८ रे. ८ ।।।ऽवृ।ऽनृ।।।।
पादतो वेधाऽभावः

,, ५ गुरौ उफा ल. गो. ८ रे. ८ ।।।।।ऽचौ।ऽ।।

फाल्गुन मासः

शुक्ला ७ चन्द्रे रोहि ल. ऽन्यगो रे. ७ ।ऽ।।।ऽनृ।ऽ।।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः७३६स.२०३२

१	श	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	५४	१९	अ	१४	५५	वि	२४	३७	बा	२६	२२	३१	५	६	२२	२९	११	मेषे
३	चं	५२	५	भ	१३	२६	प्री	१९	४३	तै	२३	१२	३४	४१	१९	२३	१	१२	वृ.२८।३६
४	मं	५१	४१	कृ	१४	७	आ	१६	१०	व	२१	५३	३८	४०	२०	२४	२	१३	वृषे
५	बु	५३	३४	रो	१६	२८	सौ	१४	३१	ब	२२	३७	४२	४०	२०	२५	३	१४	मि४८।३५
६	गु	५७	०	मृ	२०	४१	शो	१४	१	कौ	२५	१७	४६	३९	२१	२६	४	१५	मिथुने
७	शु	६०	०	आ	२६	२४	अ	१४	५३	ग	२९	३०	५०	३८	२२	२७	५	१६	मिथुने
७	श	२	१	पु	३३	१७	सु	१६	३८	व	२	१	५३	३७	२३	२८	६	१७	क.१६।३४
८	र	७	४७	पु	४०	४७	धृ	१८	५५	ब	७	४७	५७	३७	२३	२९	७	१८	कर्के
९	चं	१४	१६	श्ले	४८	२२	शू	२१	२०	कौ	१४	१६	३२	३६	२४	३०	८	१९	सिं४८।२२
१०	मं	२०	२९	म	५५	२८	गं	२३	३१	ग	२०	२९	५	३५	२५	३१	९	२०	सिंहे
११	बु	२५	५९	पू	६०	०	बृ	२५	८	वि	२५	५९	९	३४	२६	१	१०	२१	सिंहे
१२	गु	३०	२९	पू	१	५२	ध्रु	२५	५२	बा	३०	२९	१२	३४	२६	२	११	२२	कं.१८।४
१३	शु	३३	४०	उ	६	३९	व्या	२५	३१	कौ	२	४	१६	३३	२७	३	१२	२३	कन्यायां
१४	श	३५	१७	ह	१०	२६	ह	२४	२	ग	४	२८	२०	३२	२८	४	१३	२४	तु.४१।२७
१५	र	३५	२८	चि	१२	२९	व	२१	३३	वि	५	२२	२३	३१	२९	५	१४	२५	तुलायां

प्रदोषः [+रेवत्यांबुध:३२हनुमज्जयंती
भ.३५।१७उ.अश्वि.मेषेशुक्र:२१।१
भ.५।२२या.खग्रासचन्द्रग्रहणम्+

१पं.चै.शु.४म.इ. ३८/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	९	११	१	६	११
०	२४	२	५	१६	२४	१६	२९
०	५७	२३	५३	५२	४०	१९	५२
०	३०	४६	१७	५२	१	४६	२९
५८	४२	५१	६	७४	५	३	५८
४४	७	१२	५	२६	१५	११	४५

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले ४ भौमे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.४५धान्या-दिभावेसर्धमता शुक्रो-शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

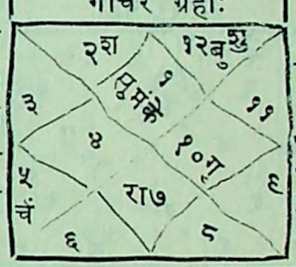

२पं.चै.शु.१०मं.इ. ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	९	११	१	६	०
६	२९	१०	६	२५	२५	१५	६
५०	५२	९	३४	३१	२१	५७	४२
४६	४८	४७	१९	१६	०	३२	४०
५८	४२	७२	४	७४	५	३	५८
३१	२	११	५६	२६	४३	११	२९

ति. | बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.

१	चं	३४	१३	स्वा	१३	२०	स	१७	५८	बा	४	५०	३२	५	६	१५	२६	वृ.५८।२६	शुक्रास्तः पूर्वस्यां १६।१२
२	मं	३२	१	वि	१३	१	व्य	१३	३३	तै	३	७	३१	३०	३०	७	१६	२७	वृश्चिके	भरण्यांरविः १८।५५ (सौरः २७।५६)
३	बु	२८	४९	अ	११	४९	व	८	२२	व	०	२५	३४	२९	३१	८	१७	२८	वृश्चिके	भ.०।२५उ.२८।४९या.चतुर्थी व्र.
४	गु	२४	५५	ज्ये	९	४७	प	२/४०	५३/४५	बा	२४	५५	३८	२८	३२	९	१८	२९	ध. ९।४७	
५	शु	२०	३२	मू	७	२९	सि	५०	१	तै	२०	३२	४१	२८	३२	१०	१९	३०	धनुषि	
६	श	१५	५९	पू	४	४०	सा	४३	१९	व	१५	५९	४५	२७	३३	११	२०	१	म.२०।५६	भ.१५।५९उ.४३।३१या.मई५ता.३१
७	र	११	४	उ	१/४३	५६/३८	शु	३६	३३	ब	११	४	४८	२६	३४	१२	२१	२	मकरे	मृग.२शनिः ५४।५७
८	चं	५	५१	ध	५४	५१	शु	२९	२१	कौ	५	५१	५२	२६	३४	१३	२२	३	कु.२६।२१	अश्वि.मेषेबुध ५७।४५
९	मं	०	३१	श	५१	४	ब्र	२२	१	ग	०	३१	५५	२५	३५	१४	२३	४	कुंभे	भ.२७।४१उ.५४।५०या.
१०	मं	५४	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷वरुथिनी११व्र.स्मा.
११	बु	४९	८	पू	४७	२८	ऐं	१४	४०	ब	२२	५९	५८	२४	३६	१५	२४	५	मी३३।२२	भरण्यांशुक्र. ६।३रोहि.भौमः ६।२३
१२	गु	४३	३८	उ	४३	५६	वै	७	३२	कौ	१६	२३	३३/३२	२४	३६	१६	२५	६	मीने	वरुथिनी ११व्र.वै.
१३	शु	३८	२९	रे	४०	५२	वि	३७/४९	५३/५९	ग	११	३	५	२३	३७	१७	२६	७	मे.४०।५२	भ.३८।२९उ. प्रदोषः
१४	श	३३	५९	अ	३८	२९	आ	४८	६	वि	६	१४	८	२२	३८	१८	२७	८	मेषे	भ.६।१४या.
३०	र	३०	२९	भ	३७	१०	सो	४३	२२	च	२	१४	११	२२	३८	१९	२८	९	वृ.५२।१३	

३प.वै.कृ.२म.इ. ५/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	९	०	१	६	०
१३	४	१९	७	४	२६	१५	१३
३९	४८	५१	७	९	४	३५	३१
५०	०	५४	२३	२२	५५	१५	५
५८	४१	९०	३	७४	६	३	५८
१९	५२	३३	४८	२६	४	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंगमोठआदि कुछ मंदे हों गुड शक्कर चीनी नमक गन्ना धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा वस्त्र रुई आदि तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

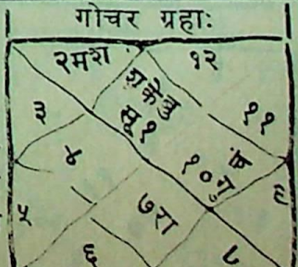

४पं.वै.कृ.९म.इ. ३९/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	९	०	१	६	०
२०	९	१	७	१२	२६	१५	२०
२७	४१	१३	३१	४७	५१	१२	१७
२९	१७	३०	१२	२	११	५९	५१
५८	४१	०/०	२	७४	६	३	५७
६	४८	३५	२८	३२	२५	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख	शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः७६५सं.२०३२
१	चं	२८ २२	कृ	३७ २२	शो	३९ ३९	ब	२८ २२	३३/१४	२१ ३९ २० २९ १०	वृषे	चद्रदर्शनसंभवः [÷भौमः३९/६
२	मं	२७ ४७	रो	३९ ४	अ	३७ २०	कौ	२७ ४७	१७ २१	३९ २१ १ ११	वृषे	कृत्ति.रविः५९/६ (सौरः५५/८) भरण्यांबुधः=
३	बु	२९ १३	मृ	४२ २०	सु	३६ १५	ग	२९ १३	२० २०	४० २२ २ १२	मि१०।४२	अस्तोभौमः४८।३०अक्षया३
४	गु	३२ १३	आ	४७ १६	धृ	३६ ४	व	० ४३	२३ १९	४१ २३ ३ १३	मिथुने	भ.४/३उ.३२।१३या.
५	शु	३६ ४२	पु	५३ ४७	शू	३७ ४१	ब	४ २७	२६ १९	४१ २४ ४ १४	क.३७।९	बृषेऽर्क३२।९(सौरः४३।४१)
६	श	४२ ५	पु	६० ०	गं	३९ २२	कौ	९ २३	२८ १८	४२ २५ ५ १५	कर्के	कृत्तिशुक्रः५७।५७
७	र	४८ १९	पु	० ४५	बृ	४१ ४७	ग	१५ १२	३१ १८	४२ २६ ६ १६	कर्के	भ ४/९उ.[=५०बुधास्तःपूर्वस्यां४/५×
८	चं	५४ ३०	श्ले	८ १८	धु	४४ १४	वि	२१ २४	३४ १७	४३ २७ ७ १७	सिं८।१८	भ.२१।१४या.कृत्ति.बुधः५०।१४
९	मं	६० ०	म	१६ ४०	च्या	४६ २१	बा	२७ २१	३७ १७	४३ २८ ८ १८	सिंहे	बृषेशुक्रः३८।५६वक्रीगुरुः५८।३२
९	बु	० १३	पू	२२ ३५	ह	४७ ३७	कौ	० १३	२९ १६	४४ २९ ९ १९	कं.३८।५६	बृषेबुधः१४।३२
१०	गु	४ ५६	उ	२७ ५९	व	४७ ४०	ग	४ ५६	४२ १६	४४ ३० १० २०	कन्यायां	भ.३६।३३उ. [×सफर२परशुरामजयंती
११	शु	८ ११	ह	३२ १	सि	४६ ३९	वि	८ ११	४४ १५	४५ ३१ ११ २१	कन्यायां	भ.८।११या.मोहिनी११व्र.
१२	श	९ ४३	चि	३४ १९	व्य	४४ १३	बा	९ ४३	४७ १५	४५ १ १२ २२	तु.३।१०	भा.ज्येष्ठारंभःप्रदोषः
१३	र	९ २९	स्वा	३४ ५८	व	४० १७	तै	९ २९	४९ १४	४६ २ १३ २३	तुलायां	रोहि.बुधः५४।५२नृसिंहजयंती
१४	चं	७ १९	वि	३३ ४७	प	३५ १२	व	७ १९	५२ १४	४६ ३ १४ २४	वृ.१९।५	भ.७/९उ.३/५या.रोहि.रविः५/९मृगे ÷
१५	मं	३ ४७	अ	३१ २८	शि	२९ ६	ब	३ ४७	५४ १३	४७ ४ १५ २५	वृश्चिके	रोहि.रविःसौरः४/९यमायकुंभदानम्

५पं.वै.शु.२मं.इ.३९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	९	०	१	६	०
२७	१४	१४	७	२१	२७	१४	२७
१३	२२	७	४६	२४	३९	५०	३
३७	२४	१९	१९	७	४३	४४	५
५७	४१	८/९	१	७४	६	३	५७
५४	३१	४/९	७	३२	३८	११	४५

गोचर ग्रहाः

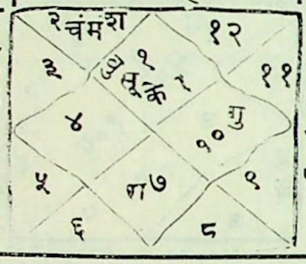

वैशाख शुक्ले ५ शुक्रे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

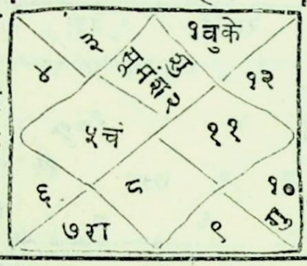

६पं.वै.शु.९मं.इ.३९।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	९	१	१	६	१
३	१९	२८	७	०	२८	१४	३
५८	२१	२५	५१	१	३०	२८	४६
४४	२९	१६	३२	८	४३	२८	४९
५७	४१	८/९	०	७४	६	३	५७
४४	२४	१/९	४	३२	५६	११	३४

ति.	ज्येष्ठ	कृष्णपक्षः सं.२०८९ शाकः १९५४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेवैशाख कृष्णेति महा.
१	मं	५५ १६	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	५३ ३२	ज्ये	२८ ११	सि	२२ ११	तै	२६ १७	३३/५६ १३ ५७ ५ १६ २६	ध.२८।११	रोहि.शुक्रः४६।३
३	गु	४७ २०	मू	२४ १३	सा	१४ ३९	व	२० २६	५८ १२ ४८ ६ १७ २७	धनुषि	भ २०।२६उ.४७।२०या.
४	शु	४१ ६	पू	१९ ५७	शु	९/५२	ब	१४ १३	३४/० १२ ४८ ७ १८ २८	म.३३।५२	चतुर्थीव्र.
५	श	३४ ५४	उ	१५ ३८	ब्र	५१ ४६	कौ	८ ०	२ १२ ४८ ८ १९ २९	मकरे	
६	र	२९ ५	श्र	११ ४२	ऐं	४४ २८	ग	१ ५९	३ ११ ४९ ९ २० ३०	कुं.३९।५३	भ.२९/५उ.५/२०या.मृगेबुधः१/९मृग३मिथुने ÷
७	चं	२३ ३४	ध	८ ४	वै	३७ २९	ब	२३ ३४	५ ११ ४९ १० २१ ३१	कुंभे	[÷शनिः२/३अस्तंशनेः६।०
८	मं	१८ १८	श	४ ४९	वि	३० ३२	कौ	१८ १८	७ ११ ४९ ११ २२ १	मी४७।३९	जून६ता.३०
९	बु	१३ ३७	पू	१/५६ ४७	प्री	२४ २३	ग	१३ ३७	९ १० ५० १२ २३ २	मीने	भ.२/१८उ.मिथुनेबुधः१६।१९
१०	गु	९ १९	रे	५७ ४७	आ	१८ ३६	वि	९ १९	१० १० ५० १३ २४ ३	मे.५७।४७	भ.१/९या.मिथुनेभौभः२/७बुधोदयः=
११	शु	५ ४०	अ	५६ ४६	सौ	१३ ११	बा	५ ४०	१२ १० ५० १४ २५ ४	मेषे	अपरा११व्र. [=पश्चिमायां३/५
१२	श	२ ५०	भ	५६ ३०	शो	८ ३६	तै	२ ५०	१३ ९ ५१ १५ २६ ५	मेषे	आर्द्रा.बुधः३८।२४प्रदोषः
१३	र	० ४०	कृ	५७ ३१	अ	४ २९	व	० ४०	१५ ९ ५१ १६ २७ ६	वृ.११।४५	भ.४०उ.३/१या.मृगेशुक्रः३९।१०
१४	र	५९ २	०	० ०	०	० ०	०	० ०	० ० ० ० ० ०	० ०	
३०	चं	५९ ५६	रो	५९ २५	सु	१/३४ ५१	च	२९ ४९	१६ ९ ५१	१७ २८ ७	वृषे	मृगेरविः५०।२४वटपूजनम्

७पं.ज्ये.कृ.१मं.इ.३/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	९	१	१	६	१
१०	२४	१३	७	८	२९	१४	१०
४२	८	४४	८	३७	२३	६	२९
४०	४९	३१	१४	४८	१०	१३	०
५७	४१	८/९	२/९	७४	७	३	५७
३५	१४	१/०	व	३८	४	११	२३

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले ६ चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

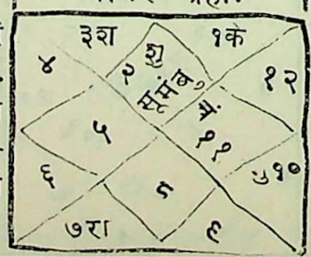

८पं.ज्ये.कृ.८मं.इ.४/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	९	१	२	६	१
१७	२८	२८	७	१७	०	१३	१७
२५	५३	४५	३५	१३	१६	४३	१०
२६	३१	४०	३१	५५	३०	५७	४
५७	४१	८/९	४/९	७४	७	३	५७
२७	१०	५/८	व	३८	१४	११	१३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽर्हर्गणः७९४स.२०३२

१	मं	६०	०	मृ	६०	०	शू	५८	३५	किं	३०	४५	३४/१७	९	५६	१८	२९	८	मि३१।१२	मृगेरवि सौरः८।३३
१	बु	१	३४	मृ	२	५९	गं	५८	१८	ब	१	३४	१८	८	५२	१९	३०	९	मिथुने	स्वाती२राहुःअश्वि.४केतुः११चंद्रदर्शनम्
२	गु	४	३८	आ	७	३०	वृ	५९	१९	कौ	४	३८	१९	८	५२	२०	१	१०	क.५७।१	रविलाबल३
३	शु	८	५९	पु	१३	३१	ध्रु	६०	०	ग	८	५९	१९	८	५२	२१	२	११	कर्के	भ.४१।३५उ.
४	श	१४	१०	पु	२०	८	ध्रु	०	४८	वि	१४	१०	२०	८	५२	२२	३	१२	कर्के	भ.१४।१०या.मिथुनेशुक्रः०।४४
५	र	२०	१७	श्ले	२७	३९	व्या	३	१६	बा	२०	१७	२१	८	५२	२३	४	१३	सिं२७।३९	पुन.बुधः१८।६आर्द्रा.भौमः१६।२९
६	चं	२६	३०	म	३५	२३	ह	५	५०	तै	२६	३०	२१	८	५२	२४	५	१४	सिंहे	मिथुनेऽर्कः४८।५८
७	मं	३२	३२	पू	४२	४७	व	८	१७	व	३२	३२	२२	८	५२	२५	६	१५	कं.५९।२३	भ.३३उ.मिथुनेऽर्कःसौरः९।२१
८	बु	३७	४०	उ	४९	११	सि	१०	१२	वि	५	६	२२	८	५२	२६	७	१६	कन्यायां	भ.५।६या.वक्रीउषा.३गुरुः२८।१७
९	गु	४१	३३	ह	५४	११	व्य	११	१३	बा	९	३६	२३	७	५३	२७	८	१७	कन्यायां	आर्द्राशुक्रः१४।३
१०	शु	४३	४९	चि	५७	२५	व	११	२	तै	१२	४१	२३	७	५३	२८	९	१८	तु.२५।४८	गंगादशमी [=भा.आषाढारंभः
११	श	४४	४	स्वा	५८	४७	प	९	२२	व	१३	५६	२३	७	५३	२९	१०	१९	तुलायां	भ.१३उ.४४।४या.निर्जला११व्र.
१२	र	४२	११	वि	५८	१६	शि	६	१६	ब	१३	७	२४	७	५३	३०	११	२०	वृ.४३।२४	कर्के बुधः१२।२४
१३	चं	३८	३५	अ	५५	४७	सि	३८/१	५३/४३	कौ	१०	२३	२४	७	५३	३१	१२	२१	वृश्चिके	आर्द्रारविः४७।५३प्रदोषः
१४	मं	३२	५८	ज्ये	५१	५३	शु	४७	५२	ग	५	४७	२४	७	५३	१	१३	२२	ध.५१।५३	भ.३५उ.५९या.आर्द्रारविःसौर ५०/४ =
१५	बु	२६	५	मू	४६	४४	शु	३९	२९	ब	२६	५	२४	७	५३	२	१४	२३	धनुषि	पुष्येबधः१९/२गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

९पं.ज्ये.शु.१मं.इ.४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	९	१	२	६	१
२४	३	१२	७	२५	१	१३	२३
७	२६	९	१४	५०	१०	२१	५०
३०	२५	५४	१७	२३	२६	४१	२
५७	४१	९	५३	७४	७	३	५७
२२	०	५९	व	३८	२०	११	५

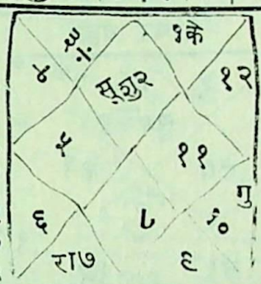

१०प.ज्ये.शु ७मं.इ.४०.३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	९	२	२	६	२
०	८	२३	६	४	२	१२	०
४८	१७	२८	४४	२६	४	५९	२९
४७	४२	५२	६	३४	४८	२६	११
५७	४०	८८	५/६	७४	७	३	५६
१७	५०	१७	व	३२	२०	११	५७

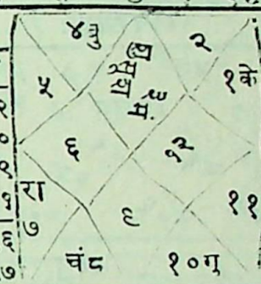

११पं.ज्ये.शु.१४मं.इ.४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	२	२	६	२
७	१२	२	६	१३	२	१२	७
२९	५६	३७	६	२	५९	३७	७
४२	५६	४८	२२	३५	१७	१०	३८
५७	४०	६४	६	७४	७	३	५६
१३	३६	९	८	३२	२०	११	५४

ति. आषाढ़ कृष्णपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणे ज्येष्ठ. कृष्णेति महा.

१	गु	१८	२६	पू	४०	५२	ब्र	३०	३४	कौ	१८	२६	३४/२४	७	५३	३	१५	२४	म.५४।२०	
२	शु	१०	२१	उ	३४	४६	ऐं	२१	१६	ग	१०	२१	२३	७	५३	४	१६	२५	मकरे	भ.३६।१५उ.मृग४शनिः२९।३०
३	श	२	८	अ	२८	५९	वै	१२	५	वि	२	८	२३	७	५३	५	१७	२६	कुं.५६।४६	भ.२।८या.चतुर्थीव्र.
४	श	५२	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	र	४७	२२	ध्र	२३	३२	वि	१२/३	५१/४९	कौ	२०	५३	२२	८	५२	६	१८	२७	कुंभ	
६	चं	४१	५	श	१८	५६	आ	४७	१५	ग	१४	१३	२२	८	५२	७	१९	२८	कुंभे	भ.४१।५उ.पुन.शुक्रः२०।४३
७	मं	३५	५२	पू	१५	२१	सौ	४०	३६	वि	८	२८	२१	८	५२	८	२०	२९	मी१।१५	भ.८।२८या.
८	बु	३१	३८	उ	१२	४४	शो	३४	३८	ब्रा	३	४५	२०	८	५२	९	२१	३०	मीने	
९	गु	२८	३९	रे	११	१७	अ	२९	४६	तै	०	८	१९	८	५२	१०	२२	१	मे.११।१७	भ.५७।४१उ.जुलाई७ता.३१
१०	शु	२६	४२	अ	१०	५३	सु	२५	४३	वि	२६	४२	१८	८	५२	११	२३	२	मेषे	भ.२६।४२या.
११	श	२५	४६	भ	११	३२	धृ	२२	३०	बा	२५	४६	१७	९	५१	१२	२४	३	वृ.२६।५६	पुन.भौमः२४।२५योगिनी११व्र.
१२	र	२६	८	कृ	१३	१८	शू	२०	१७	तै	२६	८	१६	९	५१	१३	२५	४	वृषे	प्रदोषः
१३	चं	२७	२६	रो	१६	५	गं	१८	५१	व	२७	२६	१५	९	५१	१४	२६	५	मि४८।९	भ.२७उ.५८या.पुन.रविः४३उदयंशनेः×
१४	मं	२९	५६	मृ	२०	१३	वृ	१८	३३	श	२९	५६	१४	९	५१	१५	२७	६	मिथुने	पुन.रविःसौरः१४।५६ककंशुक्रः२७।५८
३०	बु	३३	३२	आ	२५	१२	ध्रु	१८	३८	च	१	४४	१३	९	५१	१६	२८	७	मिथुने	[×२५।६शुक्रोदयःपश्चिमायां१०।१२

१२पं.आ.कृ.७मं.इ.३९/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	२	२	६	२
१४	१७	९	५	२१	३	१२	१३
१८	३५	७	२२	३८	५४	१४	४५
८	१७	८	३०	२४	२२	५५	४३
५७	४८	३६	५६/२	७४	७	३	५६
७	२६	८	व	३२	१४	११	५०

गोचर ग्रहाः

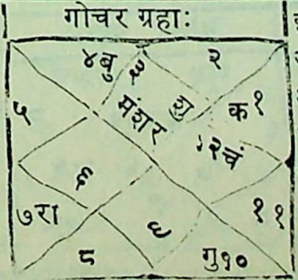

इस मासमें धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो अलसी चांदी सोना रुई आदि तेज होवे वर्षा अच्छी होवे रसकस में अच्छी तेजी आवे ।

गोचर ग्रहाः

१३पं.आ.कृ.१४मं.इ.३९/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	३	२	६	२
२०	२२	१२	४	०	४	११	२०
५०	११	२५	३३	१४	४८	५२	२३
३५	४२	४९	२९	४६	१८	३९	३७
५७	४०	६	३५/४	७४	७	३	५६
७	२६	२६	व.	२६	८	११	५०

÷शत्रुमंच (सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढशुक्लपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५४	दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः८२४स.२०३२
१	गु ३८ १७	पु ३१ ९	व्या १९ ३६	किं ५ ५४	३४ १० ५ ६	१७ २९ ८	क.१४।४०	वक्रीबुधः८।२९
२	शु ४३ २७	पु ३७ ५०	ह २१ २०	बा १० ५२	१० १० ५०	१८ ३० ९	कर्के	पुष्येशुक्रः९।१२चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	श ४९ ३८	श्ले ४५ १६	च २३ ३१	तै १६ ३२	८ १० ५०	१९ १ १०	सिं४५।१६	रविलाखर४
४	र ५५ ५३	म ५२ ५२	सि २५ ४७	व २२ ४५	७ ११ ४९	२० २ ११	सिंहे	भ.२२।४५उ.५५।५३या.
५	चं ६० ०	पू ६० ०	व्य २८ २६	ब २८ ५९	५ ११ ४९	२१ ३ १२	सिंहे	
५	मं २ ५	पू ० २८	व ३१ ३	बा २ ५	३ ११ ४९	२२ ४ १३	कं.१७।१३	
६	बु ७ ४०	उ ७ २७	प ३२ ४१	तै ७ ४०	१ १२ ४८	२३ ५ १४	कन्यायां	
७	गु १२ ११	ह १३ ३७	शि ३३ ३१	व १२ ११	५९ १२ ४८	२४ ६ १५	तु.४६।१	भ.१२उ.४३या.बुधास्तःपश्चिमायां११
८	शु १५ २५	चि १८ २५	सि ३३ १४	ब १५ २५	५७ १३ ४७	२५ ७ १६	तुलायां	कर्केऽर्कः१६ (सौरः४७ वक्रीउषा२गुरुः२५
९	श १६ ४३	स्वा २१ १९	सा ३१ २६	कौ १६ ४३	५५ १३ ४७	२६ ८ १७	तुलायां	
१०	र १६ १	वि २२ १७	शु २८ ८	ग १६ १	५२ १४ ४६	२७ ९ १८	वृ.७।३	भ.४४।३६उ.कर्केभौमः३९।६
११	चं १३ १२	अ २१ १३	शु २३ ०	वि १३ १२	५० १४ ४६	२८ १० १९	वृश्चिके	भ.१३या.पुष्येरविः३५देवशयनी११व्र.
१२	मं ८ २६	ज्ये १८ ५	ब्र १६ २६	बा ८ २६	४८ १४ ४६	२९ ११ २०	ध.१८।५	पुष्येरविःसौरः५६आश्ले.शुक्रः५१प्रदोष
१३	बु १ ४८	मू १३ ११	ऐं १८ ५०	तै १ ४८	४५ १५ ४५	३० १२ २१	धनुषि	भ.५३।४०उ.आर्द्रा.१शनिः४६।१५
१४	वु ५१ ५२	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	
१५	गु ४४ ४१	पू ७ ५२	वि ४८ ५९	वि १९ १०	४३ १५ ४५	३१ १३ २२	म.२०।१५	भ.१९या.व्यासपूजावायुपरीक्षागुरुः१५

१४पं.आ.शु.५मं.इ. ३९/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	३	२	६	२
२७	२६	१२	३	८	५	११	२७
३०	४७	३३	४१	५०	४०	३०	१
५४	२	५४	१७	४२	५९	२३	४४
५७	४०	५०	५३	७४	७	३	५६
११	१६	व	व	२६	१	११	५४

गोचरग्रहाः

आषाढ शुक्ले ८ शुक्रे कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा५ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५ धान्या दिभावे महर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

१५पं.आ.शु.१२मं.इ. ३९/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	३	२	६	३
४	१	९	२	१७	६	११	३
११	२०	१२	४७	२६	३२	८	४०
३८	३१	०	६	३८	३१	८	११
५७	४०	४१	२९	५३	७४	६	३	५६
१५	६	व	व	२५	४४	११	५९

ति	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	शु ३५ ५	श्र ५२ ३८	प्री ३८ ३६	बा ९ ५३	३३ ४० १६ ४४	१ १४ २३	मकरे	पुष्येभौमः३८।२१भा.श्रावणारंभः
२	श २५ ३९	ध ४५ ११	आ २८ ४	तै ० २२	३८ १६ ४४	२ १५ २४	कुं.१८।५४	भ.५१।५उ.
३	र १६ ३२	श ३८ ४०	सौ १८ ४	वि १६ ३२	३५ १७ ४३	३ १६ २५	कुंभे	भ.१६।३२या.चतुर्थीव्र.
४	चं ८ २०	पू ३२ ५६	शो ८ ३५	बा ८ २०	३३ १७ ४३	४ १७ २६	मी१९।२२	
५	मं १ २६	उ २८ ३९	अ १० ५२	तै १ २६	३० १८ ४२	५ १८ २७	मीने	भ.५५।५८उ.नाग५मरुस्थले
६	बु ५४ ३३	रे २५ ४३	धृ ४७ ०	वि २४ ३	२७ १९ ४१	६ १९ २८	मे.२५।४३	भ.२४।३या.
७	वु ५२ ८	अ २४ २९	शू ४२ १८	बा २१ २	२४ १९ ४१	७ २० २९	मेषे	वक्रीपुन.बुधः५।४७
८	गु ४९ ५७	भ २४ ४९	गं ३८ ४९	तै १९ ३५	२२ २० ४०	८ २१ ३०	वृ.४०।१६	मघा.सिंहेशुक्रः५०।३२
९	शु ४९ १३	कृ २६ ४८	बृ ३६ ३९	व १९ ४२	१९ २० ४०	९ २२ ३१	वृषे	भ.१९।४२उ.५०।११या.
१०	श ५० ११	रो ३० १६	ध्रु ३५ ३९	ब २१ १२	१६ २१ ३९	१० २३ १	वृषे	बुधोदयःपूर्वस्यां३९अगस्त८ता.३१ =
११	र ५२ १३	मृ ३४ ४५	व्या ३५ ४५	कौ २३ ५७	१३ २१ ३९	११ २४ २	मि२।३०	आश्ले.रविः४२।२८ [=कामिका११व्र.
१२	मं ६० ०	आ ४० १५	ह ३६ २०	ग २७ ५४	१० २२ ३८	१२ २५ ३	मिथुने	आश्ले.रविःसौरः१९।८प्रदोषः
१३	बु ० ६	पु ४६ ३९	व ३७ ४१	व ० ६	७ २३ ३७	१३ २६ ४	क.३०।३	भ.०।६उ.३२।४४या.मार्गीबुधः६।१३
१४	गु ५ २२	पु ५३ ३८	सि ३९ ३८	श ५ २२	४ २३ ३७	१४ २७ ५	कर्के	
३०	शु १० ५६	श्ले ६० ०	व्य ४१ ४४	ना १० ५६	० २४ ३६	१५ २८ ६	कर्के	हरियाली

१६पं.श्रा.कृ.५मं.इ. ३९/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	३	२	६	३
१०	५	४	१	२६	७	१०	१०
५२	५३	१८	५३	३	२२	४५	१९
४१	१७	२५	२४	१४	५	५२	२८
५७	४०	३९	७	७४	६	३	५७
२०	६	व.	व	२०	३२	११	५

गोचर ग्रहः

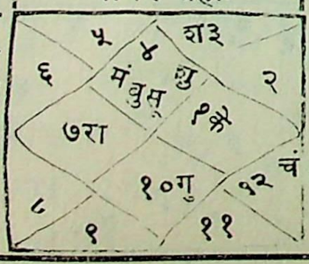

इस मास में वदि में धान्य गेहूं जो चना चावल बाजरा धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा मंदा होकर सुदि में तेज होवे ।

गोचर ग्रहः

१७पं.श्रा.कृ.१३मं.इ. ३९/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	४	२	६	३
१७	१०	२	१	४	८	१०	१६
३४	२४	२३	१	३८	९	२३	५९
२३	४०	४९	३४	४२	४०	३७	१६
५७	३९	३१	२०	७४	६	३	५७
२५	४९	व.	ब	११	१७	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४ | दि. उ.अ. | भा मु इं. | चन्द्रः | वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८५४सन् २०३२

१	श	१७	३७	श्ले	१	२	च	४४	१२	ब	१७	३७	३२/५७	२५	३५/६	१६	२९	७	सिं १.२	
२	र	२३	२०	म	८	२९	प	४६	४७	कौ	२३	२०	५४	२५	३५	१७	३०	८	सिंहे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	२९	२१	पू	१६	४	शि	४९	५	ग	२९	२१	५०	२६	३४	१८	१	९	क. ३२.५१	जमादिलावंल ५तीज
४	मं	३५	३	उ	२३	१२	सि	५०	४९	व	४	१२	४७	२७	३३	१९	२	१०	कन्यायां	भ. १/३ उ. ३/५ या. पूफा. शुक्रः ४३.४६ वरद ४
५	बु	३९	५५	ह	२९	४७	सा	५२	१६	ब	७	२९	४४	२७	३३	२०	३	११	कन्यायां	स्वाती १ राहुः अश्वि. ३ केतुः ३/६ नागपंचमी
६	गु	४३	४०	चि	३५	१६	शु	५२	५९	कौ	११	४८	४०	२८	३२	२१	४	१२	तु. २.३१	वक्रोधनुषिउषा. १ गुरुः ५०.४२
७	शु	४५	५७	स्वा	३९	२८	शु	५२	२३	ग	१४	४९	३७	२९	३१	२२	५	१३	तुलायां	भ. ४५.५७ उ. आश्ले. भौम: १८.४१
८	श	४६	३१	वि	४२	११	ब्र	५०	२०	वि	१६	१४	३३	२९	३१	२३	६	१४	वृ. २७.३०	भ. १६.१४ या.
९	र	४५	१४	अ	४३	१	ए	४७	१	बा	१५	५२	३०	३०	३०	२४	७	१५	वृश्चिके	[+१५.३३ पवित्रा ११ व्र.
१०	चं	४२	२	ज्ये	४१	५७	वै	४२	२	तै	१३	३८	२६	३१	२९	२५	८	१६	व. ४१.५७	मघा. सिंहेऽर्कः ३६.३०
११	मं	३६	५५	मू	३८	४३	वि	३५	२९	व	९	२८	२२	३२	२८	२६	९	१७	धनुषि	भ. ९.२८ उ. ३/६ या. मघा. सिंहेऽर्कः सौरः +
१२	बु	२९	५५	पू	३३	५५	प्री	२७	२८	ब	३	२५	१९	३२	२८	२७	१०	१८	म. ४७.२०	प्रदोषः [×कर्मरक्षाबंधनम्
१३	गु	२१	३५	उ	२७	३४	आ	१८	१६	तै	२१	३५	१५	३३	२७	२८	११	१९	मकरे	आश्ले. बुधः ३५.१५
१४	शु	१२	७	श्र	२०	११	सौ	८/३	४९/१६	व	१२	७	१२	३४	२६	२९	१२	२०	कुं. ४६.१२	भ. १२.७ उ. ३७.५ या.
१५	श	२	४	ध	१२	१३	अ	४६	१६	ब	२	४	८	३४	२६	३०	१३	२१	कुम्भे	उफा. शुक्रः ३/४ आर्द्रा २ शनिः ३/९ श्रावणी ×

१८पं.श्रा.शु.४मं.इ.३९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	४	२	६	३
२४	१४	५	०	१३	८	१०	२३
१६	५४	३३	१४	१४	५४	१	४०
४४	३२	७	२४	१७	५०	२१	२३
५७	३९	५३/१४	३/६	७४	५	३	५७
२३	३९	मा	ब	२	५०	११	२२

गोचर ग्रहाः

श्रावणशुक्ले १० चंद्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५ धान्या-दिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

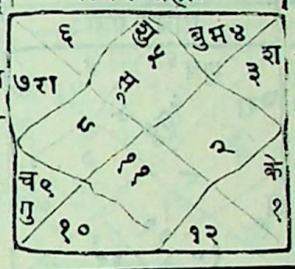

१९पं.श्रा.शु.११मं.इ.३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	८	४	२	६	४
१	१९	१३	२९	२१	९	९	०
०	२३	३७	३२	४९	३७	३९	२२
४	१७	५५	४२	२३	१९	५	२६
५७	३९	९३	४/५	७२	५	३	५७
४०	३९	५८	व	५६	३०	११	३४

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४ | दि. उ. अ. | हि. मु. इ. | चन्द्रः | वर्षतूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.

१	श	४९	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
२	र	४२	२१	श	३/४	५२/२९	सु	३५	२२	तै	१७	८	३२/४	३५/५	२५/६	२१	१४	२२	मी ४३.४१	[×भा. भाद्रपदारंभः चतुर्थीव्र.
३	चं	३३	३३	उ	५०	२७	धृ	२५	९	व	७	५७	१	३६	२४	१	१५	२३	मीने	भ. ७.५७ उ. ३/३ या. बुधास्तः पूर्वस्यां ४/५ ×
४	मं	२६	१३	रे	४५	३५	शू	१६	१	बा	२६	१३	३१/५७	३७	२३	२	१६	२४	मे. ४५.३५	कन्यायांशुक्रः १९.३३
५	बु	२०	४१	अ	४२	२५	गं	८	५	तै	२०	४१	५३	३७	२३	३	१७	२५	मेषे	चंद्रषष्ठी
६	गु	१७	१०	भ	४१	१३	वृ	४/४	१/१२	व	१७	१०	४९	३८	२२	४	१८	२६	बृ. ५६.२५	भ. १/१० उ. ४/३ या. मघा. सिंहेबुधः ५९.४४
७	शु	१५	३७	कृ	४२	१	व्या	५३	४४	ब	१५	३७	४६	३९	२१	५	१९	२७	वृषे	जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	श	१६	४	रो	४४	४४	ह	५१	५५	कौ	१६	४	४२	४०	२०	६	२०	२८	बृषे	जन्माष्टमीव्र.वै.
९	र	१८	११	मृ	४८	५५	व	५१	४०	ग	१८	११	३८	४०	२०	७	२१	२९	मि १६.५०	भ. ५०.३ उ. गोगा ९ [+भौमः १६.३२
१०	चं	२१	५५	आ	५४	२८	सि	५२	३६	वि	२१	५६	३४	४१	१९	८	२२	३०	मिथुने	भ. २१.५६ या. पूफा. रविः २६.१४
११	मं	२६	४७	पु	६०	०	व्य	५३	५०	बा	२६	४७	३०	४२	१८	९	२३	३१	क. ४४.२३	पूफा. रविः सौरः ६.२४ अजा ११ व्र.
१२	बु	३२	३९	पु	१	१	व	५६	९	तै	३२	३९	२६	४३	१७	१०	२४	१	कर्के	हस्तेशुक्रः ३/३ सितम्बर९ता ३० वत्सद्वादशी
१३	शु	३८	३७	पु	८	२३	प	५८	२०	ग	५	३८	२२	४४	१६	११	२५	२	कर्के	भ. ३/७ उ. पूफा. बुधः ४२.२९ प्रदोषः
१४	शु	४४	५८	श्ले	१५	५०	शि	६०	०	वि	११	४७	१८	४४	१६	१२	२६	३	सिं १५.५०	भ. ११/४७ या. मघा. सिंहे भौमः ५/३ उदयो +
३०	श	५१	४	म	२३	२६	शि	०	५५	च	१८	१	१५	४५	१५	१३	२७	४	सिंहे	कुशाग्रहणी पिठोरी ३० मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.४मं.इ. ३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	८	५	२	६	४
७	२३	२५	२८	०	१०	९	७
४४	५०	३३	५७	२३	१६	१६	६
२८	५६	४३	२२	४२	३४	५०	३
५७	३९	३/४	३/४	७३	५	३	५७
४९	२२	२३	व	५०	२	११	४५

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला धातु रसकस वस्त्र रुई वारदाना कपास तेज होवे प्रजा में रोग शोक और अशान्ति रहे।

गोचर ग्रहाः

२१पं.भा.कृ.११मं.इ. ३/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	८	५	२	६	४
१४	१८	९	२८	८	१०	८	१३
३०	१९	१८	३०	५७	५२	५४	५१
४	८	२२	२२	२९	१९	३४	१५
५८	३९	३/४	३/४	७३	४	३	५७
१२२		८	व.	४४	३८	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) फार्म नं. १६०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४										दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८८३स.२०३२
१	र	५६	५७	पू	३०	४९	सि	३	१४	कि	२४	०	३१ १९	५ ४६	६ १४	१४	२८	५	क.४७।३५	
२	चं	६०	०	उ	३७	५४	सा	५	२०	बा	२९	३४	७	४७	१३	१५	२९	६	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
२	मं	२	११	ह	४४	७	शु	७	१०	कौ	२	११	३	४७	१३	१६	१	७	कन्यायां	जमादिलाखर६
३	बु	६	४१	चि	४९	४०	शु	८	१८	ग	६	४१	३९	४८	१२	१७	२	८	तु.१६।५४	भ.३९उ.हरितालिका३गणेश४
४	गु	१०	१८	स्वा	५४	८	ब्र	८	४४	वि	१०	१८	५५	४९	११	१८	३	९	तुलायां	भ.१९या.उफा.बुधः२९ऋषिपंचमी
५	शु	१३	४४	वि	५७	३४	ऐं	८	२८	वा	१३	४४	५१	५०	१०	१९	४	१०	वृ.४१।४३	
६	श	१३	५८	अ	५९	२९	वै	७	२२	तै	१३	५८	४७	५१	९	२०	५	११	वृश्चिके	कन्यायांबुधः५।८
७	र	१३	४०	ज्ये	५९	५९	वि	४	५८	व	१३	४०	४३	५१	९	२१	६	१२	ध.५९।५९	भ.१३उ.४२या.चित्रा.शुक्रः२४।४६
८	चं	११	५८	मू	५८	५८	प्री	२९	५५	ब	११	५८	३९	५२	८	२२	७	१३	धनुषि	उफा.रविः१०।३९(सौरः५१।४)
९	मं	८	३५	पू	५६	१२	सौ	५०	४	कौ	८	३५	३५	५३	७	२३	८	१४	धनुषि	[×वै.वामनजयंती
१०	बु	३	३३	उ	५२	६	शो	४२	५५	ग	३	३३	३१	५४	६	२४	९	१५	म.१०।१०	भ.३७उ.५७या.जलझूलनी११व्र.स्मा.
११	बु	५३	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=तुलायांशुक्रः५२।३प्रदोषः
१२	गु	४९	४	श्र	४६	३२	अ	३४	१५	ब	२३	२	२७	५५	५	२५	१०	१६	मकरे	कन्यायामर्कः३६।०जलझूलनी व्र.×
१३	शु	४०	१०	ध	३९	४१	सु	२४	४७	कौ	१४	३७	२२	५६	४	२६	११	१७	कुं.१३।६	कन्यार्कःसौरः१६।१५हस्तेबुधः१।१५=
१४	श	३०	४३	श	३२	२३	धृ	१४	२५	ग	५	२६	४८	५६	४	२७	१२	१८	कुम्भे	भ.३१उ.५०या.मार्गीगुरुः५२अनंत१४
१५	र	२०	५७	पू	२४	४६	शू	४४ ३९	९ ४८	ब	२०	५७	१४	५७	३	२८	१३	१९	मी ११।४०	महालयारंभःकु.संध्या.पूजनारंभः

२२पं.भा.शु.२मं.इ.३९								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	८	५	२	६	४
२१	२	२२	२८	१७	११	८	२०
१७	४५	५३	११	३२	२४	३२	३७
६	३६	२०	५१	२	७	१९	५५
५८	५७	३१	१६	७३	४	३	५८
१३	५	५५	व	२१	२	११	१२

गोचर ग्रहः

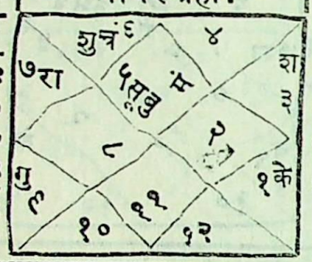

भाद्रपदशुक्ले १२ गुरौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहः

२३पं.भा.शु.९म.इ.३९								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	८	५	२	६	४
२८	७	५	२८	२६	११	८	२७
५	१०	३७	२	३	५१	१०	२६
२८	४८	१९	२०	१८	११	३	१२
५८	३९	०८	४९	७३	३	३	५८
२६	२	४८	व	२०	३०	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४										दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	चं	११	३७	उ	१७	२३	बृ	४२	४६	कौ	११	३७	३०	५८	६	२९	१४	२०	मीने	
३	मं	५३	२२	रे	११	४	ध्रु	३३	२६	ग	३	२२	५	५६	१	३०	१५	२१	मे.११।४	भ.२९।५२उ.५६।२२
४	बु	५१	१८	अ	६	९	व्या	२५	२५	ब	२३	४९	३० ०	६ ०	० ०	३१	१६	२२	मेषे	बुधोदयःपश्चिमायां१२।२३चतुर्थीव्र.
५	गु	४८	१३	भ	२	५८	ह	१८	५०	कौ	१९	४५	२९ ५६	१ ५९	० ०	१	१७	२३	वृ.१७।३९	स्वात्यांशुक्रः१९।४४भा.आश्विनारंभः
६	शु	४७	३१	कृ	१	४४	व	१३	५२	ग	१७	५२	५३	२	५८	२	१८	२४	वृषे	भ.४७।३१उ.पूफा.भौमः१८।१५
७	श	४८	४३	रो	२	४९	सि	१०	४३	वि	१८	७	४८	२	५८	३	१९	२५	मिथु ३४।२०	भ.१८।७या.चित्राबुधः१८।४२
८	र	५२	१	मृ	५	५२	व्य	९	५	बा	२०	२२	४४	३	५७	४	२०	२६	मिथुने	हस्तेरविः४९।१३
९	चं	५६	४२	आ	१०	४१	व	९	१६	तै	२४	२१	४०	४	५६	५	२१	२७	मिथुने	हस्तेरविःसौर३९मातृ९सौभाग्यवती.श्रा
१०	मं	६०	०	पु	१६	५०	प	१०	३	व	२९	३८	३६	५	५५	६	२२	२८	क.०।१८	भ.२९।३८उ.
१०	बु	२	३५	पु	२४	२	शि	११	५२	वि	२	३५	३२	६	५४	७	२३	२९	कर्के	भ.३५या.तुलायांबुधः३१।१२
११	गु	८	४७	श्ले	३१	३८	सि	१४	२०	बा	८	४७	२८	६	५४	८	२४	३०	सिं. ३१	इंदिरा११व्र.
१२	शु	१५	२५	म	३९	१९	सा	१६	४९	तै	१५	२५	२३	७	५३	९	२५	१	सिंहे	अक्टूम्बर१०ता.३१प्रदोषः
१३	श	२१	४१	पू	४६	४०	शु	१९	८	व	२१	४१	१९	८	५२	१०	२६	२	सिंहे	भ.२१।४१उ.५४।२७या.
१४	र	२७	१३	उ	५३	३०	शु	२१	१२	श	२७	१३	१५	९	५१	११	२७	३	कं.३।२२	शस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	चं	३२	५	ह	५९	२५	व्र	२२	५०	ना	३२	५	११	१०	५०	१२	२८	४	कन्यायां	स्वात्यांबुधः४३विशा.शुक्र१९सर्वपितृ३०

२४पं.आ.कृ.२मं.इ.३८।२३								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	८	६	२	६	५
४	११	१७	२८	४	१२	७	४
५५	३६	३०	२	३५	१३	४७	१६
१९	४	२५	२८	६	५५	४७	१९
५८	२८	०९	३२	७३	२	३	५८
३८	५८	१५	मा	९	४४	११	४५

गोचर ग्रहः

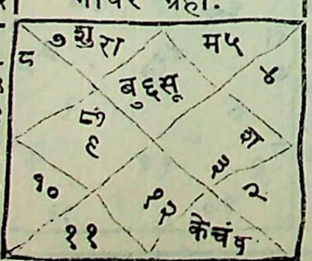

इस मास में चाँदी रुई स्वर्ण सण तिल बाजरा गेहूं जो चना आदि मंदे होवे रस कस गुड़ सक्कर घृत वारदाना तेज हो।

गोचर ग्रहः

२५पं.आ.कृ.१०मं.इ.३९								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	८	६	२	६	५
११	१५	२८	२८	१३	१२	७	११
४६	५९	३५	१२	६	३२	२५	८
५२	५६	५३	१४	४	३१	३२	१७
५८	३८	९५	१	७२	२	३	५९
५३	४०	३	४१	५०	५	११	०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः९१३स.२०३२
१	मं	३५	५५	चि	६०	०	ऐं	२३	३२	किं	४	०	२७	६	५९	१३ २९ ५ तु.३१।५५ नवरात्रारंभःमातामहश्रा.
२	बु	३८	५०	चि	४	२५	वै	२३	३६	बा	७	२२	३	११	४९	१४ ३० ६ तुलायां चंद्रदर्शनम्
३	शु	४०	३७	स्वा	८	२२	वि	२२	४४	तै	९	४३	२८	१२	४८	१५ १ ७ वृ.५५।३८ रज्जव७
४	शु	४१	२२	वि	११	२३	प्री	२१	४	व	१०	५९	५५	१३	४७	१६ २ ८ वृश्चिके भ.१०।५९उ.४१।२२या.
५	श	४०	५८	अ	१३	१९	आ	१८	३४	ब	११	१०	५१	१४	४६	१७ ३ ९ वृश्चिके [×राहुःअश्वि.२केतुः५६।५५
६	र	३९	३१	ज्ये	१४	१५	सौ	१५	२७	कौ	१०	१४	४७	१५	४५	१८ ४ १० ध.१४।१५ चित्रा.रविः२१।८(सौरः५९।१९)
७	चं	३६	५५	मू	१४	८	शा	११	१६	ग	८	१३	४३	१५	४५	१९ ५ ११ धनुषि भ.३६।५५उ.
८	मं	३३	१९	पू	१२	४२	अ	६	९	वि	५	७	३९	१६	४४	२० ६ १२ म.२७।६ भ.५।७या.वृश्चिकेशुक्रः३३चित्रा.४ ×
९	बु	२८	३९	उ	१०	१९	सु	१२	५३	बा	०	५९	३५	१७	४३	२१ ७ १३ मकरे विशा.बुधः४९।४६
१०	गु	२२	४३	श्र	६	४९	शू	४५	३८	ग	२२	४३	३१	१८	४२	२२ ८ १४ कुं.३४।३५ भ.४९।२२उ.
११	शु	१६	१	ध	२१	२५	गं	३६	५२	वि	१६	१	२७	१९	४१	२३ ९ १५ कुम्भे भ.१६या.अनु.शुक्रः३३उभा.भौमः३२ =
१२	श	८	१७	पू	५०	४०	बृ	२७	४२	बा	८	१७	३३	१९	४१	२४ १० १६ मी३७।१२ प्रदोषः [=पापांकुशा११त्र.
१३	र	०	२	उ	४४	१८	ध्रु	१८	२	तै	०	२	२०	२०	४०	२५ ११ १७ मीने भ.५३उ.तुलायामर्कः५(सौरः४२।३)
१४	र	५१	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० [Dशरदूपूर्णिमाका.स्ना.प्रा.कोजागरीव्र.
१५	चं	४३	४९	रे	३८	८	व्या	२६	५० ३८	वि	१७	५३	१६	२१	३९	२६ १२ १८ मे.३८।८ भ.१७या.खग्रासचंद्रग्रहणवक्रीशनिः५९D

२६पं.आ.शु.१मं. इ. ३७ ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	८	६	२	६	५
१८	२०	८	२८	२१	१२	७	१८
४०	२४	५६	३१	२६	४५	३	२
५	२२	४६	३७	७	११	१६	४
५९	३८	८७	३	७२	१	३	५९
९	३५	१०	८	३२	२५	११	१६

गोचर ग्रहाः

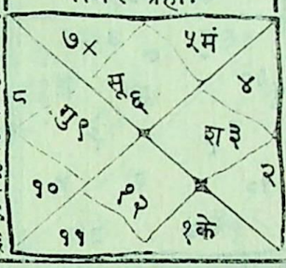

×राचबुश

आश्विनशुक्ले १३रवौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

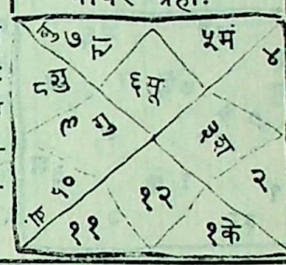

२७पं.आ.शु.८ मं.इ.३७ ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	८	७	२	६	५
२५	२४	१८	२९	०	१२	६	२४
३४	४८	२७	०	५	५३	४१	५७
५९	०	५८	०	१७	१३	१	४६
५९	३८	७६	४	७२	०	३	५९
२१	३३	४१	१९	११	४४	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	मं	३६	४६	अ	३२	४८	व	५०	१९	बा	१०	१७	२८	२६	३८	२७ १३ १९ मेषे
२	बु	३१	७	भ	२८	३९	स्वि	४२	४९	तै	३	५६	१२	२२	३८	२८ १४ २० वृ.४३।० भ.५९।६उ.कन्यायांभौम:५५।५५
३	गु	२७	६	कृ	२६	२	व्य	३६	३१	वि	२७	६	४	२३	३७	२९ १५ २१ वृषे भ.२७।६या.करकचतुर्थीव्र.
४	शु	२५	१५	रो	२५	२२	व	३१	४९	बा	२५	१५	०	२४	३६	३० १६ २२ मि५६।४ बृश्चिकेबुधः३७।४२
५	श	२५	२३	मृ	२६	४६	प	२८	४१	तै	२५	२३	२९	२५	३५	१ १७ २३ मिथुने स्वात्यांरविः४७उषा२मकरेगुरुः१६ ×
६	र	२७	४२	आ	३०	२०	शि	२७	४१	व	२७	४२	५३	२५	३५	२ १८ २४ मिथुने भ.२७उ.५९या.स्वात्यांरविःसौर:२३।६
७	चं	३१	४९	पु	३५	३८	सि	२७	२२	ब	३१	४९	४९	२६	३४	३ १९ २५ क.१९।१८ [×भा.कार्तिकारंभः
८	मं	३७	१९	पु	४२	१७	सा	२८	३७	बा	४	३४	४५	२७	३३	४ २० २६ कर्के अनु.बुधः३५।४०ज्येष्ठाशुक्रः२१।१९
९	बु	४३	२५	श्ले	४९	२३	शु	३०	३५	तै	१०	२२	४१	२८	३२	५ २१ २७ सिं४९।२३
१०	गु	५०	४	म	५७	७	शु	३२	५२	व	१६	४४	३७	२९	३१	६ २२ २८ सिंहे भ.१६।४४उ.५०।४या.
११	शु	५६	१८	पू	६०	०	ब्र	३५	१८	ब	२३	११	३४	२९	३१	७ २३ २९ सिंहे रमा११त्र.
१२	श	६०	०	पू	४	३४	ऐं	३७	१९	कौ	२९	८	३०	३०	३०	८ २४ ३० कं.२१।१८ [=नवम्बर११ता.३०रुप१४
१३	र	१	५९	उ	११	२९	वै	३८	४९	तै	१	५९	२७	३१	२९	९ २५ ३१ कन्यायां प्रदोषःघन१३
१३	चं	६	४०	ह	१७	२२	वि	३९	२६	व	६	४०	२३	३१	२९	१० २६ १ तु.४९।४३ भ.४०उ.३९या.वक्रीबुधः३६।५०=
१४	मं	९	५३	चि	२२	४	प्री	३९	२	श	९	५३	१९	३२	२८	११ २७ २ तुलायां महालक्ष्मीपूजनम्
३०	बु	११	५९	स्वा	२५	२३	आ	३७	४३	ना	११	५९	१६	३३	२७	१२ २८ ३ तुलायां सूर्यग्रहणम् अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा

२८पं.का.कृ १मं.इ.३७ ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	७	२	६	६
२	२९	२६	२९	८	१२	६	१
३१	९	५२	३६	३२	५५	१८	५५
२३	४३	२६	५०	१३	३०	४५	१०
५९	३८	६२	५	७१	०	३	५९
३४	२६	२९	२८	५०	व	११	४६

२९पं.का.कृ.८मं.इ.३७ ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	९	७	२	६	६
९	३	३	०	१६	१२	५	८
२९	३२	२१	२१	५९	१२	५६	५४
३८	६	७	५०	१०	२३	२९	३०
५९	३८	३८	६	७१	४७	३	६०
४७	१९	४९	३२	२८	व	११	२

३०पं.का.कृ.१४मं.इ.३७ ४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	९	७	२	६	६
१६	७	६	१	२५	१२	५	१५
२९	५३	१	१४	२४	४३	२४	५१
२०	२०	२३	१७	४०	४४	१४	३४
६०	३८	३९	७	७१	३४	३	६०
४	१२	व	३५	४	व	११	१८

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः९४३स.२०३२

१	गु	१२	४५	वि	२७	३२	सौ	३५	२२	ब	१२	४५	२७	६	५	१३	२९	४	वृ.१२।०	चंद्रदर्शनसंभवः
२	शु	१२	१९	अ	२८	३६	शो	३२	०	कौ	१२	१९		३४	२६				वृश्चिके	हस्तेभौमः ५३ सावान८भातृ२यम२
३	श	१०	५०	ज्ये	२८	३७	अ	२८	१	ग	१०	५०	९	३४	२६	१४	१	५		
४	र	८	३४	मू	२७	५३	सु	२३	८	वि	८	३४	५	३५	२५	१५	२	६	ध.२८।३७	भ.३९ उ.विशा.रविः ७ (सौरः ४ ×
५	चं	५	३२	पू	२६	२०	धृ	१७	५०	बा	५	३२	२	३६	२४	१६	३	७	धनुषि	भ.८।३४या.बुधास्तःपश्चिमायां३६।५२
६	मं	२	१	उ	२४	१६	शू	१२	६	तै	२	१	२६	३६	२४	१७	४	८	म.४०।४९	वक्रीविशा.बुधः२८।४
७	मं	५५	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५५	३७	२३	१८	५	९	मकरे	भ.५७।४८उ.
८	बु	५३	७	श्र	२१	४३	गं	४४	५३ ३०	वि	२५	२७	५२	३८	२२	१९	६	१०	कुं.५०।८	[×मूलेधनुषिशुक्रः२३।५४
९	गु	४७	५१	ध	१८	३४	धु	५१	४४	बा	२०	२९	४९	३८	२२	२०	७	११	कुंभे	भ.३५या.वक्रीतुलायांबुधः ५ ४ गोपाष्टमी
१०	शु	४२	१०	श	१४	५३	व्या	४४	८	तै	१५	०	४५	३९	२१	२१	८	१२	मी५६।५६	कुष्मांड९अक्षय९
११	श	३६	१	पू	१०	५३	ह	३६	५	व	९	५	४२	४०	२०	२२	९	१३	मीने	[H (सौरः ३४) उषा.३गरुः३५।२६
१२	र	२९	३७	उ	६	१९	व	२७	५८	ब	२	४९	३९	४०	२०	२३	१०	१४	मीने	भ ५ उ.३६ या.प्रबोधिनी११व्र.तुलसीवि.
१३	चं	२३	२१	रे	४६	५५	सि	१९	४९	तै	२३	२१	३६	४१	१९	२४	११	१५	मे.१।४६	प्रदोषः
१४	मं	१७	३०	भ	५३	५१	व्य	१२	१	व	१७	३०	२३	४१	१९	२५	१२	१६	मेषे	वैकुंठ१४
१५	बु	१२	२९	कृ	५१	८	व	४९	५३ ३७	ब	१२	२९	३०	४२	१८	२६	१३	१७	वृ.८।१०	भ१७।३०उ.४५।०या.वृश्चिकेऽर्कः ४ H
																				पूषा.शुक्रः ४ मन्वादिःका.स्ना.पू.

३१पं.का.शु.६मं.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	९	८	२	६	६
१३	१२	१	२	३	१२	५	२२
३०	१३	४५	१३	४६	२९	११	५८
४०	५९	४७	४८	४८	४२	५८	६
६०	३८	८१	८	७०	३४	३	६०
१७२		व	३७	२८	व.	११	३०

गोचर ग्रहाः

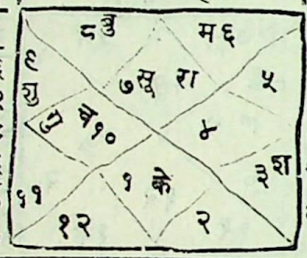

कार्तिकशुक्ले १४भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा३न४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

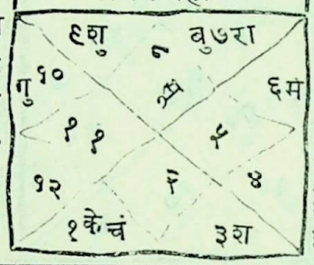

३२पं.का.शु.१४मं.इ. ३६ ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	९	८	२	६	७
०	१६	२३	३	१२	१२	४	०
३३	३३	२२	२०	५	१०	४९	२
२२	३२	३४	१३	५६	५२	४३	१०
६०	३७	७९	९	६९	२९	३	६०
३०	४९	व.	२८	४६	व.	११	४०

ति. | मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५३ | दि. उ. अ. भा. मु. इं | चन्द्रः | हेमंततू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.

१	शु	८	४४	रो	५०	७	शि	५३	६	कौ	८	४४	२६	४३	५७	२७	१४	१८	वृषे	
२	शु	६	५०	मृ	५०	४१	सि	४९	७	ग	६	५०	२५	४३	१७	२८	१५	१९	मि२०।२४	भ.३६उ.अनु.रविः२३ (सौरः ५ ९ वक्री=
३	श	६	२५	आ	५२	५८	सा	४६	५६	वि	६	२५	२२	४४	१६	२९	१६	२०	मिथुने	भ.६।२५या.चतुर्थीव्र.
४	र	८	४	पु	५७	१२	शु	४५	४६	बा	८	४	१९	४४	१६	३०	१७	२१	क.४१।८	[=स्वात्यांबुधः १४ बुधोदय.पूर्वस्यां८।५०
५	चं	११	२२	पु	६०	०	शु	४५	५६	तै	११	२२	१७	४५	१५	१	१८	२२	कर्के	मार्गीबुधः३४।२९भा.मार्गशीर्षारंभः
६	मं	१६	३०	पु	२	५७	ब्र	४७	२४	व	१६	३०	१४	४५	१५	२	१९	२३	कर्के	भ.१६।३०उ.४९।३९या.
७	बु	२२	४८	श्ले	९	४१	ऐं	४९	१७	ब	२२	४८	१२	४६	१४	३	२०	२४	सिं९।४१	विशा.बुधः२०।२
८	गु	२८	४९	म	१७	१०	वै	५१	३५	कौ	२८	४९	९	४६	१४	४	२१	२५	सिंहे	
९	शु	३५	१४	पू	२४	३२	वि	५३	५०	तै	२	१	७	४७	१३	५	२२	२६	कं.४१।२१	
१०	श	४१	३	उ	३१	४६	प्री	५५	३२	व	८	८	५	४७	१३	६	२३	२७	कन्यायां	भ.८।८उ.४१।३या चित्रा.भौमः३९।२८
११	र	४५	४६	ह	३८	५	आ	५६	१६	ब	१३	२४	२	४८	१२	७	२४	२८	कन्यायाँ	उत्पत्ति११व्र.
१२	चं	४९	६	चि	४२	४९	सौ	५६	२	कौ	१७	२६	०	४८	१२	८	२५	२९	तु.१०।२७	उषा.शुक्रः०।२३
१३	मं	५०	५५	स्वा	४६	२२	शो	५४	४०	ग	२०	०		४८	१२	९	२६	३०	तुलायां	भ.५०।५५उ.प्रदोषः
१४	बु	५०	५०	वि	४७	५८	अ	५१	५०	वि	२०	५२	५६	४९	११	१०	२७	१	वृ.३२।३४	भ.३९या.मकरेशुक्रः ५ ३ दिसं.१२ता.३१
३०	गु	४९	२५	अ	४८	११	सु	४७	५२	च	२०	७	५४	४९	११	११	२८	२	वृश्चिके	ज्येष्ठा.रविः३२।१५

३३पं.मा कृ.६मं.इ. ३६ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	९	८	२	६	७
७	२०	१९	४	२०	११	४	७
३७	५२	५०	३१	२१	४७	२७	७
१६	३४	१७	३७	५०	४९	२७	४३
६०	२७	१३ २५	१०	६८	३ ०	३	६०
४२	४६	मा	१३	५८	वं	११	५३

गोचर ग्रहाः

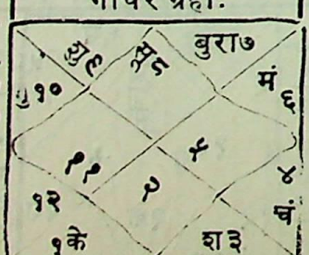

इस मास में शनिवार का चंद्रदर्शन चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सूत में अच्छी तेजी करेगा धान्य व गल्ले में कुछ मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

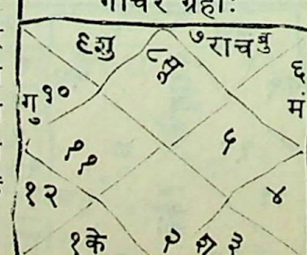

३४पं.मा.कृ.१३मं.इ. ३३ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	९	८	२	६	७
१४	२५	२४	५	२८	११	४	१४
४२	१०	२६	४८	३२	२०	५	१४
२९	३७	५३	२२	२४	३८	११	२९
६०	३७	६१	१०	६८	५३	३	६१
५०	३१	१६	५६	१०	व.	११	३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः९७२स.२०३२

१	शु	४६	३४	ज्ये	४७	१०	धृ	४२	४७	किं	१७	५९	२५	६	४०	५५	१२	२९	३	ध.४७।१०	ज्येष्ठा.रविः सौरः५९।२९
२	श	४२	४८	मू	४५	१३	शू	३७	१	बा	१४	४१	२१	५	५०	१०	१३	३०	४	धनुषि	उषा.४गुरुः५८।३० चंद्रदर्शनम्
३	र	३८	१७	पू	४२	२०	गं	३०	३७	तै	१०	३२	४९	५	५०	१०	१४	१	५	म.५६।३४	वृश्चिकेबुधः १६।४१ रमजानɛ
४	चं	३३	२२	उ	३९	१४	बृ	२३	२२	व	५	४९	४८	५	५०	१०	१५	२	६	मकरे	भ.५।४९उ.३३।२२या.
५	मं	२८	२०	श्र	३५	४९	धु	१६	१४	व	०	५१	४६	५	५१	९	१६	३	७	मकरे	अनु.बुधः४५।४७
६	बु	२३	१६	ध	३२	१९	व्या	९	१७	तै	२३	१६	४५	५	५१	९	१७	४	८	कुं.४।४	तुलायांभौमः२८।१८ चंपा६
७	गु	१८	८	श	२८	५३	ह	५८	४९	व	१८	८	४४	५	५१	९	१८	५	९	कुंभे	भ.१८।८उ.४५।४०या.
८	शु	१३	१२	पू	२५	३८	सि	४७	३८	ब	१३	१२	४३	५	५१	९	१९	६	१०	मी११।२७	श्रवणेशुक्रः३६।५१ [=गीताजयंती
९	श	८	१७	उ	२२	१७	व्य	४०	३२	कौ	८	१७	४२	५	२	८	२०	७	११	मीने	
१०	र	३	३४	रे	१९	२३	व	३३	५०	ग	३	३४	४१	५	२	८	२१	८	१२	मे.१९।२३	भ३१उ.५९या.मोक्षदा११व्र.स्मा.=
११	र	५५	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=ज्येष्ठा.बुधः५९दत्तजयंती
१२	चं	५५	२	अ	१६	५४	प	२७	११	ब	२७	५	४०	५	२	८	२२	९	१३	मेषे	मोक्षदा११व्र.वै.
१३	मं	५१	४९	भ	१४	४१	शि	२१	११	कौ	२३	२५	३९	५	२	८	२३	१०	१४	वृ.२९।१७	चित्रा.३राहु.अश्वि.१केतुः४५प्रदोषः
१४	बु	४९	११	कृ	१३	७	सि	१५	३५	ग	२०	३०	३९	५	२	८	२४	११	१५	वृषे	भ.४९।११मूलेघनुष्यर्कः३९।३०
१५	गु	४७	५९	रो	१२	४१	सा	१०	५२	वि	१८	३५	३८	५	२	८	२५	१२	१६	मि४३।५	भ.१८।३५या.मूलेघनुष्यर्कःसौरः३९-

३५पं.मा.शु.५मं.इ. ३६/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	९	९	२	६	७
२१	२९	३	७	६	१०	३	२१
४८	२७	७	१०	३	७	५०	४२
३२	३२	८	१६	४८	६	५६	१०
६०	३७	८०	११	६७	५०	३	६१
५६	२३	२९	३१	९	व.	११	११

गोचर ग्रहाः

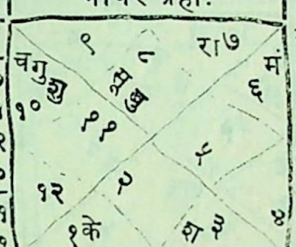

मार्गशीर्षशुक्ले १४बुधे धन ष्यर्कः प्रविष्टः वा२नɜ प्रगलभावस्था (बैठी)मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

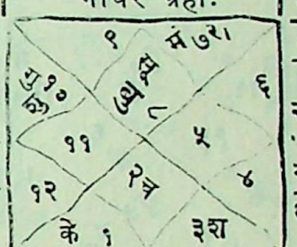

३६पं.मा.शु.१३मं.इ. ३५/५९

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	९	९	२	६	७
२८	३	१३	८	१४	१०	३	२८
५५	४४	७	३५	३६	१७	२०	३०
२६	४९	१९	५३	४७	१७	४०	५३
६१	३६	८८	१२	६५	४/४	३	६१
०	५९	३९	८	५०	व.	११	१९

ति. पौष कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.

१	शु	४८	१	मृ	१३	३०	शु	७	९	बा	१८	०	३८	६	५२	८	२६	१३	१७	मिथुने	
२	श	४९	५२	आ	१५	३२	शु	४	४३	तै	१८	५६	३७	५	३	७	२७	१४	१८	मिथुने	वक्रीआर्द्रा.१शनिः२३।४
३	र	५३	१	पु	१९	१३	व्र	३	२६	व	२१	२६	३७	५	३	७	२८	१५	१९	क.३।१८	भ.२१।२६उ.५३।१या. स्वात्यांभौमः२५/२४
४	चं	५७	४१	पु	२४	२०	ऐं	२	५५	व	२५	२१	३६	५	३	७	२९	१६	२०	कर्के	बुधास्तःपूर्वस्यां ३/६ चतुर्थी व्र.
५	मं	६०	०	श्ले	३०	४०	वै	३	४६	कौ	३०	२८	३६	५	३	७	३०	१७	२१	सिं३०।४०	श्रवण.१गुरुः१२।३८
५	बु	३	१६	म	३७	४२	वि	५	८	तै	३	१६	३६	५	३	७	१	१८	२२	सिंहे	धनि.शुक्रः२६।४९भा.पौषारंभः
६	गु	९	४६	पू	४५	२२	प्री	७	२३	व	९	४६	३६	५	३	७	२	१९	२३	सिंहे	भ.९।४६उ.४३।३या.
७	शु	१६	२०	उ	५२	४५	आ	९	३७	ब	१६	२०	३७	५	३	७	३	२०	२४	कं.२।१३	
८	श	२२	२१	ह	५९	३८	सौ	११	४४	कौ	२२	२१	३७	५	३	७	४	२१	२५	कन्यायां	मूलेधनुषिबुधः५५।१९
९	र	२७	४०	चि	६०	०	शो	१३	६	ग	२७	४०	३७	५	३	७	५	२२	२६	तु.३२।२३	भ.५९।३२उ.
१०	चं	३१	३५	चि	५	८	अ	१३	२७	वि	३१	२५	३८	५	२	८	६	२३	२७	तुलायां	भ.३१।२५या
११	मं	३३	३०	स्वा	९	२३	सु	१२	४१	ब	२	२७	३८	५	२	८	७	२४	२८	वृ.५६।४	पूषा.रविः४/३कुंभेशुक्रः३/३सफला११व्र.
१२	बु	३३	३८	वि	११	३८	धृ	१०	२९	कौ	३	३४	३९	५	२	८	८	२५	२९	वृश्चिके	पूषा.रविःसौरः४।५७
१३	गु	३१	५८	अ	१२	८	शू	६	४२	ग	२	४८	४०	५	२	८	९	२६	३०	वृश्चिके	भ.३१।५८उ. प्रदोषः
१४	शु	२८	२२	ज्ये	१०	४७	गं	१/२८	५/३०	वि	०	१०	४१	५	२	८	१०	२७	३१	ध.१०।४७	भ.०।१०या.
२०	श	२३	२८	मू	७	५०	धु	४७	३५	ना	२३	२८	४२	५	२	८	११	२८	१	धनुषि	जनवरी१ता.३१सन्२०३३

३७पं.पौ.कृ.५मं.इ. ३५/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	९	९	२	६	८
६	७	२३	१०	२२	९	२	५
३	५९	३६	४	२५	४३	५८	४०
०	३८	०	४८	१६	८	२५	१८
६१	३६	९४	१२	६४	४/४०	३	६१
४	३८	२१	२५	२५	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथि वृद्धि व शुक्लपक्ष की तिथि क्षय धातु सोनाचांदी लोहा ताम्बा गुड शक्कर वस्त्र तेजीकरे

गोचर ग्रहाः

३८पं.पौ.कृ.११मं.इ. ३५/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	९	१०	२	६	८
१३	१२	४	११	०	९	२	१२
१०	११	२०	३७	३	८	३६	५०
५९	३१	३५	१६	५८	३१	९	१०
६१	३६	९७	१२	६२	४/४०	३	६१
६	२२	३०	५२	४०	व.	११	२६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिथि: पौष शुक्लपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५४ | दि. उ. अ. भा. सु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १००२स२०३३

१	र	१७	२३	पू	३ ५०	५ ५	ब्या	३९	६	ब	१७	२३	२५ ४३	६ ५१	५ ९	१२	२९	२	म.१७।२७	चन्द्रदर्शनम्
२	चं	१०	३८	श्र	५३	५७	ह	३०	२५	कौ	१०	३८	४४	५१	९	१३	१	३	मकरे	पूषा.बुधः ३६ शतेशुक्रः ४६ सव्वाल १०
३	मं	३	५०	ध	४८	५२	व	२१	४३	ग	३	५०	४५	५१	९	१४	२	४	कुं.२१।२५	भ.३०।२६उ.५७।३या.
४	मं	५	३	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु	५०	४३	श	४४	७	सि	१३	९	ब	२३	५३	४७	५१	९	१५	३	५	कुंभे	श्रवण.२गुरुः १०।३१
६	गु	४४	५०	पू	३९	५८	व्य	५५	५२ २०	कौ	१७	४६	४८	५०	१०	१६	४	६	मी.२६।०	
७	शु	३९	३५	उ	३६	१८	ष	४९	५३	ग	११	१२	५०	५०	१०	१७	५	७	मीने	भ.३९।३५उ.
८	श	३५	१७	रे	३३	३४	शि	४३	२५	वि	७	२६	५२	५०	१०	१८	६	८	मे.३३।३४	भ.७।२६या.
९	र	३१	३७	अ	३१	३२	सि	३७	२९	बा	३	२७	५३	४९	११	१९	७	९	मेषे	[-उषा.बुधः ३ ६ पुत्रदा ११ब्र.
१०	चं	२८	४७	भ	३०	२३	सा	३२	१६	तै	०	१२	५५	४९	११	२०	८	१०	वृ.४५।८	भ. ५ ७ उ.उषा.रवि. ४ ९ विशा.भौम: ३ ५
११	मं	२६	५६	कृ	३०	२	शु	२७	४३	वि	२६	५६	५७	४९	११	२१	९	११	वृषे	भ.२६।५६या.उषा.रवि:सौर:६।२४-
१२	बु	२४	५०	रो	३०	४६	शु	२४	०	बा	२४	५०	५९	४८	१२	२२	१०	१२	वृषे	प्रदोषः
१३	गु	२५	५९	मृ	३२	३५	ब्र	२१	५	तै	२५	५९	२६ ९	४८	१२	२३	११	१३	मि१।४१	मकरेबुधः ३३।३९
१४	शु	२६	५९	आ	३५	१७	ऐं	१९	६	व	२६	५९	४	४७	१२	२४	१२	१४	मिथुने	भ. २ ६ उ. ५ १ या.मकरेऽर्कः ५ ३ (सौर: २ १ ११)
१५	श	२९	२८	पु	३९	१०	वै	१८	१४	ब	२९	२८	६	४७	१३	२५	१३	१५	क.२३।१२	मा.स्ना.प्रा.

३९पं.पौ.शु.३मं.इ. ३५ ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	९	१०	२	६	८
२०	१६	१५	१३	७	८	२	२०
१९	२३	१९	१२	२७	३४	१३	०
५	२८	४४	१८	११	१६	५३	७
६१	३६	७	१३	६०	४ ३१	३	६१
६	१५ ८	१४	२५	व	११	२६	

गोचर ग्रहाः

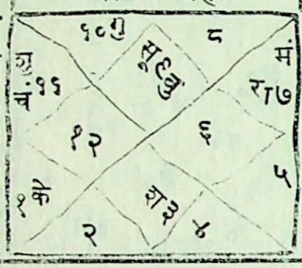

पौष शुक्ले १४ शुक्रे मकरेऽर्कः प्रविष्ट.वा३ न. ४ प्रगलभावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

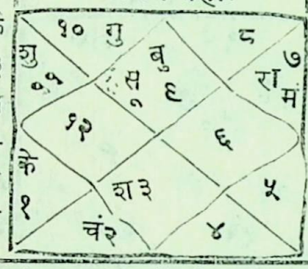

४०पं.पौ.शु.११मं.इ. ३५ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	९	१०	२	६	८
२७	२०	२६	१४	१४	८	१	२७
२७	३३	३८	४९	३३	१	५१	९
७	२२	२	८	५४	४४	३८	५९
६१	३५	७	१३	५७	४ ०	३	६१
६	३९	७	२२	३८	व	११	२४

तिथि: माघ कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४ | दि. उ. अ. भा. सु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.

१	र	३३	७	पु	४४	७	वि	१७	५०	बा	१	१७	२९ ८	४९ ६	५ ४	२६	१४	१६	कर्के	
२	चं	३८	१	श्ले	५०	२२	प्री	१८	२८	तै	५	३४	११	४६	१४	२७	१५	१७	सिं५०।२२	पूभा.शुक्रः९।४
३	मं	४३	३१	म	५७	१०	आ	१९	४५	व	१०	४६	१३	४५	१५	२८	१६	१८	सिंहे	भ.१०।४६उ.४३।३१या.
४	बु	४९	४९	पू	६०	०	सौ	२१	४९	ब	१६	४०	१६	४५	१५	२९	१७	१९	सिंहे	श्रवणेबुधः ३ ४ श्रवण.३गुरुः ३ २ ९ चतुर्थीव्र.
५	गु	५६	२३	पू	४	४६	शो	२३	५९	कौ	२३	११	१९	४४	१६	३०	१८	२०	कं.२१।४१	अभि.प्र.रविः ४०।९ (सौर:५३।१२)
६	शु	६०	०	उ	१२	२५	अ	२६	१९	ग	२९	३६	२१	४४	१६	१	१९	२१	कन्यायां	भा.माघारंभः
६	श	२	४९	ह	१९	५०	सु	२८	१७	व	२	४९	२४	४३	१७	२	२०	२२	तु.५३।५	भ.२।४९उ.३५।४०या.
७	र	८	३२	चि	२६	१९	धृ	२९	३०	ब	८	३२	२७	४३	१७	३	२१	२३	तुलायां	श्रवणेरविः ५४।४६ [=अस्तंगुरोः १ ५ ३ ६
८	चं	१३	६	स्वा	३१	३२	शू	२९	५०	कौ	१३	६	२९	४२	१८	४	२२	२४	तुलायां	श्रवणेरविःसौर: १ ८ अभि.नि.रविः ४ ७ =
९	मं	१६	१	वि	३५	६	गं	२८	३९	ग	१६	१	२३	४२	१८	५	२३	२५	बृ.१९।१३	भ. ३ ६ ० उ.अभि.नि.रविःसौर:०।२५
१०	बु	१७	०	अ	३६	५३	बृ	२५	५३	वि	१७	०	२५	४१	१९	६	२४	२६	वृश्चिके	भ.१७।०या.
११	गु	१५	५९	ज्ये	३६	३२	ध्रु	२१	३७	बा	१५	५९	२८	४०	२०	७	२५	२७	ध.३६।३२	धनि.बुधः १ ६ वृश्चिकेभौमः ४ ९ ×
१२	शु	१२	५२	मू	३४	१०	व्या	१५	४४	तै	१२	५२	४१	४०	२०	८	२६	२८	धनुषि	मीनेशुक्रः ३४।२३ प्रदोषः
१३	श	८	१	पू	३०	४	ह	६ ३	५१ १६	व	८	१	४५	३९	२१	९	२७	२९	म.४३।४२	भ.८।१उ.३४।४०या.
१४	र	१	१८	उ	२४	३४	सि	५०	१२	श	१	१८	४८	३८	२२	१०	२८	३०	मकरे	[×षट्तिला ११ब्र.
३०	र	५२	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

४१पं.मा.कृ.३मं.इ. ३५ ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	९	१०	२	६	९
४	२४	८	१६	२१	७	१	४
२४	४१	१८	२७	१७	२१	२९	१९
५९	१७	३२	७	४२	१९	२२	२८
६१	२४	७	१३	५२	५ ३	३	६१
३	५८	७	२२	५५	व	११	१९

गोचर ग्रहाः

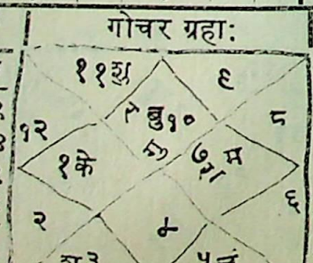

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन तेजी-कारक है धान्य बाजरा मूंग मोठ चना गेहूं चांवल सोना चांदी में तेजी हो ।

गोचर ग्रहाः

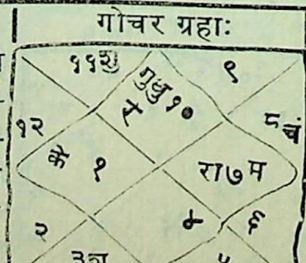

४२पं.मा.कृ.९मं.इ. ३५ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	९	१०	२	६	९
११	२८	२०	१८	२७	७	१	११
४२	४८	२०	६	३२	४	७	२८
२९	४	१०	२६	५६	५	७	१९
६०	३४	७	१३	४९	३ २७	३	६१
५९	३६	७	२८	२१	व	११	१३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १०३१स.२०३३
१	चं ४५ ७ श्र १७ ४६ व्य ४० १७ किं १९ २०	२६	३८	५२	११	२९	३१	कुं.४४।३५	कुंभेबुधः १९ बुधोदयःपश्चिमायां ४७
२	मं ३६ ३२ ध ११ २४ व ३० ११ बा १० ४९	५४	३७	२३	१२	३०	१	कुम्भे	उभा.शुक्रः ४८ वक्रीमृग.४शनिः ३० –
३	बु २८ १३ श ४९ ५३ प २० १० तै २ २२	५८	३६	२४	१३	१	२	मी४५।१९	भ.५३ उ.अनु.भौम.३२ श्रवण४गुरुः ३४ =
४	गु २० ३३ उ ५३ २३ शि १० ३९ वि २० ३३	२७	३६	२४	१४	२	३	मीने	भ.२०।३३या. [=जिल्काद११
५	शु १३ ४० रे ४९ १ सि ५१ ५२ बा १३ ४०	५	३५	२५	१५	३	४	मे.४९।१	शतेबुधः९।४३ वसंत५
६	श ८ ४ अ ४६ ७ शु ४७ ३५ तै ८ ४	८	३४	२६	१६	४	५	मेषे	[-चंद्रदर्शनम्फर्वरी२ता.२८
७	र ३ ४१ भ ४४ ३० शु ४२ १ व ३ ४१	१३	३४	२६	१७	५	६	वृ.५९।२७	भ.३४ उ.३३ या.धनि.रवि:३४ (सौर:×
८	चं ० ४६ कृ ४४ १९ ब्र ३७ ३६ ब ० ४६	१५	३३	२७	१८	६	७	वृषे	[×१५८) भानु७रथ७भीष्माष्टमी
९	चं ५८ २६ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	मं ५८ ५९ रो ४५ २२ ऐं ३४ १६ तै २९ ५	१९	३२	२८	१९	७	८	वृषे	
११	बु ६० ० मृ ४७ ४९ वै ३२ ० व २९ ३२	२३	३१	२९	२०	८	९	मि१६।३५	भ.२९।३२उ. जया११ब्र.स्मा.
११	गु ० ६ आ ५१ १३ वि ३० २९ वि ० ६	२७	३१	२९	२१	९	१०	मिथुने	भ.०।६या. जया११ब्र.वै.
१२	शु २ ८ पु ५६ ५ प्री ३० २० बा २ ८	३०	३०	३०	२२	१०	११	क.३९।५२	प्रदोष·
१३	श ५ ३८ पु ६० ० आ ३० १५ तै ५ ३८	३४	२९	३१	२३	११	१२	कर्के	कुंभेऽर्कः ३०।२० (सौर:४८।५६)
१४	र ९ ४८ पु १ ३१ सौ ३१ १९ व ९ ४८	२८	२८	३२	२४	१२	१३	कर्के	भ.९।४८उ.४२।३०या.
१५	चं १५ १३ श्ले ७ ५८ शो ३२ ५० ब १५ १३	४१	२८	३२	२५	१३	१४	सिं७।५८	मा.स्ना.पूर्तिः

४३पं.मा.शु.२मं.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	९	११	२	६	९
१८	३	२	१९	३	६	०	१८
४९	५०	२१	४६	१८	४१	४४	३६
१	४२	४	४४	३७	३१	५१	२६
६०	३४	८	१३	४३	२	३	६१
५५	२	५३	३८	२०	व.११		४

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले १३ शनौ कुंभेऽर्कःप्रविष्टः वा.२ न. २ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० वान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

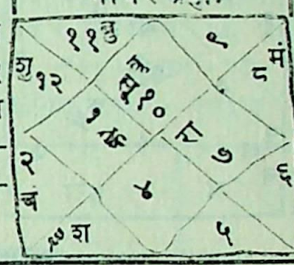

४४पं.मा.शु.१०मं.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	९	११	२	६	९
२५	३	१३	२१	७	६	०	२५
५४	५०	२८	२६	५६	२२	२२	४३
५०	३१	१६	४९	४२	३५	५९	१३
६०	३३	८	१३	३५	१	३	६०
४७	२४	१६	३८	२०	व	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	मं २० ४६ म १४ ४४ अ ३४ ४४ कौ २० ४६	२७	४५	२७	२६	१४	१५	सिंहे	पूभा.बुधः १३ चित्रा २राहुःरेव.४केतुः ४२
२	बु २७ १५ पू २२ ११ सु ३६ ५६ ग २७ १५	४९	२६	३४	२७	१५	१६	कं.३९।४	धनि.१गुरुः३७।९
३	गु ३३ ३७ उ २९ ४४ भ्र ३९ ११ व ० २६	५३	२५	३४	२८	१६	१७	कन्यायां	भ.०।२६उ.३३।३७या.
४	शु ३९ ५६ ह ३७ २३ शू ४१ २४ ब ६ ४६	५६	२५	३५	२९	१७	१८	कन्यायां	वक्रीबुधः५४।२ चतुर्थी व्र.
५	श ४५ ५५ चि ४४ १७ गं ४३ ११ कौ १२ ५५	२८	२४	३६	३०	१८	१९	तु.१०।५०	शतेरविः१४।३१ (सौर:२४।१८
६	र ५० ५४ स्वा ५० २५ कृ ४४ १० ग १८ २५	४	२३	३७	१	१९	२०	तुलायां	भ.५४ उ.बुधास्तःपश्चिमायां ५१३+
७	चं ५४ ३८ वि ५५ ११ धु ४४ १८ वि २२ ४६	८	२२	३८	२	२०	२१	वृ.३९।०	भ.२२।४६या.उदयंगुरोः४८।०
८	मं ५६ ४३ अ ५८ २७ व्या ४२ ५८ बा २५ ४०	१२	२२	३८	३	२१	२२	वृश्चिके	वक्रीशतेबुधः४०।१७
९	बु ५६ ५५ ज्ये ५९ ५० ह ४० १० तै २६ ४९	१६	२१	३९	४	२२	२३	व.५९।५०	[+भा.फाल्गुनारंभः
१०	शु ५५ २ मू ५९ ११ व ३५ ५० व २५ ५८	२०	२०	४०	५	२३	२४	धनुषि	भ.२५।५८उ.५५।२या.
११	शु ५१ १५ पू ५६ ३१ सि २९ ५६ ब २३ ८	२४	१९	४१	६	२४	२५	धनुषि	विजया११ब्र. [÷महाशिवरात्रीब्र.स्मा.
१२	श ४५ २५ उ ५२ ३ व्य २२ २९ कौ १८ २०	२८	१८	४२	७	२५	२६	म.१०।२४	ज्येष्ठा.भौम. १२।५०
१३	र ३८ ५ श्र ४६ ११ व १३ ३४ ग ११ ४५	३२	१८	४२	८	२६	२७	मकरे	भ.३८।५उ.वक्रीशुक्रः ३६।४८ प्रदोषः÷
१४	चं २९ २३ ध ३९ ७ प ४३ ४९ वि ३ ४४	३६	१७	४३	९	२७	२८	कुं.१२।३९	भ.३।४४या.महाशिवरात्रीब्र.वै.
२०	मं १९ ५९ श ३१ २९ सि ४२ ७ ना १९ ५९	४०	१६	४४	१०	२८	१	कुंभे	मार्गीशनिः५८।४६ मार्च ३ता.३१

४५पं.फा.कृ.१मं.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	९	११	२	६	१०
२	१०	२०	२३	११	६	०	२
५९	४४	२२	६	३१	९	०	४९
४२	४६	२३	४	१९	२९	२०	१६
६०	३२	३८	१३	२४	३१	३	६०
३५	३७	२९	३२	४९	व.	११	४२

४६पं.फा.कृ.८मं.इ. ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	९	११	२	५	१०
१०	१४	२०	२४	१३	६	२९	९
३	३६	२	४५	५०	१	३८	५३
१४	१८	४९	१४	३१	१६	४	४९
६०	३१	४३	१३	११	४९	३	६०
२५	२८	व	२६	२६	व.	११	३१

४७पं.फा.कृ.३०मं.इ. ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	९	११	२	५	१०
१७	१८	१३	२६	१४	५	२९	१६
५	२३	३१	२२	१५	५८	१५	५६
२८	१३	२३	४४	२९	१९	४९	४४
६०	३०	७०	१२	४३	३	३	६०
१२	२३	व	२०	३	व.	११	२०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५४									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्गण१०६१स.२०३३
१	बु	१०	१६	पू	२३	४२	सा	३१	१२	ब	१०	१६	२८	६	५	११	२९	२	मी१०।३९	धनि.२गुरुः५४।२२ चंद्रदर्शनम्
२	गु	०	५०	उ	१६	२६	शु	२०	५०	कौ	०	५०	४८	१४	४६	१२	१	३	मीने	जिल्हेज१२फुलरिया२
३	शु	४४	२८	रे	१०	५	शु	११	२	व	१८	१४	५२	१४	४६	१३	२	४	मे.१०।५	भ.१९उ.४या.पूभारविः३०(सौरः३९
४	श	३८	२५	अ	५	३	ब्र	५२	५३	ब	११	२६	५६	१३	४७	१४	३	५	मेषे	
५	र	३४	६	भ	१	३७	वै	५०	८	कौ	६	१५	२९	१२	४८	१५	४	६	वृ.१६।१३	बुधोदयःपूर्वस्यां३१।७
६	चं	३१	२९	कृ	०	१	वि	४५	५३	ग	२	४७	५	११	४९	१६	५	७	वृषे	भ.३१।२९उ.
७	मं	३०	५०	रो	०	८	मृ	४३	२०	वि	१	९	९	१०	५०	१७	६	८	मि३१।९	भ.१।९या. होलाष्टकम्
८	बु	३१	५९	मृ	२	१०	आ	४१	४६	बा	१	२४	१३	९	५१	१८	७	९	मिथुने	
९	गु	३४	२२	आ	५	३७	सौ	४१	३५	तै	३	१०	१७	९	५१	१९	८	१०	क.५४।२३	
१०	शु	३८	२०	पु	१०	३८	शो	४२	१७	व	६	२१	२१	८	५२	२०	९	११	कर्के	भ.६।२१उ.३८।२०या.आमलकी११व्र.
११	श	४३	१०	पु	१६	३९	अ	४३	२२	ब	१०	४५	२६	७	५३	२१	१०	१२	कर्के	[–मार्गीबुधः३२
१२	र	४९	४	श्ले	२३	२५	सु	४५	२८	कौ	१६	७	३०	६	५४	२२	११	१३	सिं२३।२५	प्रदोषः
१३	चं	५४	५३	म	३०	२९	धृ	४७	२६	ग	२१	५८	३४	५	५५	२३	१२	१४	सिंहे	भ.५३उ.मीनेऽर्कः३१०(सौरः३९)–
१५	मं	६०	०	पू	३७	५८	शू	४९	४२	वि	२८	५	३८	४	५६	२४	१३	१५	कं.५४।५१	भ.२८।५या.होलिकादहनम्
१५	बु	११	८	उ	४५	३१	गं	५२	५	ब	१	१८	४३	३	५७	२५	१४	१६	कन्यायां	छारेंडी

४८पं.फा.शु.८मं.इ. ३९/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	९	११	२	५	१०
२४	२२	७	२७	१२	६	२८	२३
६	४	४७	५८	३८	१	५३	५८
१४	४४	२०	३४	२	३४	३३	७
५९	२९	३४/५९	१३	२१/५७	५४	३	६०
५८	२०	व	२	व.	मा	११	६

गोचर ग्रहाः

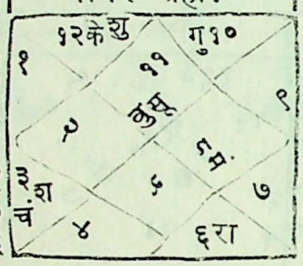

फाल्गुनशुक्ले १४चन्द्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न.४ प्रगल्भावस्था बैठी) मु. ३० घान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४९पं.फा.शु.१५मं.इ. ३७/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	९	११	२	५	११
१	२५	७	२९	९	६	२८	०
५	३८	११	३३	९	१०	३१	५७
३१	१३	४६	८	३६	८	१७	४९
५९	२७	६/१९	१२	३३/५५	१	३	५९
४१	५५	मा	२६	व	३०	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	गु	७	३७	ह	५२	५५	बृ	५४	८	कौ	७	३७	२९/४७	६/३	५/५७	२६	१५	१७	कन्यायां	उभा.रविः५३धनि.३कुंभेगुरुः४५=
२	शु	१३	४४	चि	५९	४७	ध्रु	५५	४९	ग	१३	४४	५१	२	५८	२७	१६	१८	तु.२६।२१	भ.४६।२७उ.उभा.रविःसौरः१।२
३	श	१९	१०	स्वा	६०	०	व्या	५७	२	वि	१९	१०	५५	१	५९	२८	१७	१९	तुलायां	भ.१९०या.शुक्रास्तःपश्चिमायां१६×
४	र	२३	५४	स्वा	५	४९	ह	५७	३२	बा	२३	५४	३०/०	६/०	६/०	२९	१८	२०	वृ.५४।५६	[=वसंत१ [×चतुर्थी व्र.
५	चं	२७	४६	वि	११	१९	व	५७	२	तै	२७	४६	४	५/५९	१	३०	१९	२१	वृश्चिके	
६	मं	३०	२०	अ	१५	२४	सि	५५	३१	व	३०	२०	८	५८	२	१	२०	२२	वृश्चिके	भ.३०।२०उ.भा.चैत्रारंभः
७	बु	३१	२३	ज्ये	१८	३	व्य	५२	४३	वि	०	५१	१२	५८	२	२	२१	२३	ध.१८।३	भ.०।५१या.शुक्रोदयःपूर्वस्यां१।१२
८	गु	३०	५१	मू	१९	११	व	४९	४७	बा	१	७	१६	५७	३	३	२२	२४	धनुषि	मूलेधनुषिभौमः४४।५७शीतलापूजनम्
९	शु	२८	३१	पू	१८	३१	प	४२	४६	ग	२८	३१	२१	५६	४	४	२३	२५	म.३२।५६	भ.५६।२६उ.वक्रीपूभा.शुक्रः२।१०
१०	श	२४	२२	उ	१६	१०	शि	३५	३८	वि	२४	२२	२५	५५	५	५	२४	२६	मकरे	भ.२४:२२या.
११	र	१८	२६	श्र	११	५८	सि	२७	१९	बा	१८	२६	२९	५४	६	६	२५	२७	कुं.३९।१०	पापमोचनी११व्र.
१२	चं	११	६	ध	२२/६	५३/१	सा	१८	३२	तै	११	६	३३	५३	७	७	२६	२८	कुंभे	आर्द्रा१शनिः४६।५० प्रदोषः
१३	मं	२	२८	पू	५१	५२	शु	७/३१	४९/६	व	२	२८	३७	५३	७	८	२७	२९	मी३८।४७	भ.२।२८उ.२७।४१या.
१४	मं	५०	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	बु	४३	३	उ	४४	७	त्र	४५	३२	च	१७	५८	४१	५२	८	९	२८	३०	मीने	मन्वादिः

५०पं.चै.कृ.६मं.इ.३७/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	१०	११	२	५	११
८	२९	१०	१	४	६	२८	७
३	४	४९	३	४६	२३	९	५५
१८	३४	४४	४०	३०	४२	२	४४
५९	२६	३७	१२	३५/५५	१	३	५९
२९	८	२३	१६	व	४९	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में सूत चांदी सोना रुई लोहा वस्त्र वारदाना तेजहो धान्य कुछ मंदा हो शासनाधिकारियों में विरोध हो।

गोचर ग्रहाः

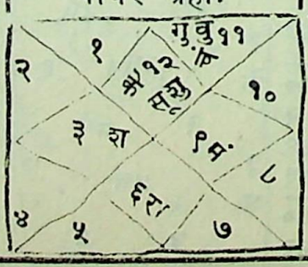

५१पं.चै.कृ.१३मं.इ.३८/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१०	११	२	५	११
१४	२	१७	२	०	६	२७	१४
५९	२०	१८	३१	५०	४२	४६	५१
१०	५३	३६	५५	५६	२५	४६	५५
५९	२४	६०	११	२७/१३	२	३	५९
१६	७	१४	५०	व	५०	११	१८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३४, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१३४, भोग्यकलिः ४२६८६६, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०९०, शाकः १९५५, अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः । मंत्री बुधः । सस्येशःशनिः। धान्येशो गुरुः । मेघेशो बुधः । रसेशश्चंद्रः। नीरसेशःशनिः । फलेशो भौमः । धनेशःशुक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां १ प्रभवनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः २।२२।२७।५१।२४ भोग्यमासादिः ९।७।३२।८।३६ विष्णुदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम श्रावणः।मेघनाम संवर्तः । रोहिणी निवासः संध्यौ । समयनिवासोवणिक् गृहे । समय विश्वा ५ समयवाहनम् चातकः । स्तंभः १ जलस्य । सोमवत्यमा १ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी १रविदशमी३ समय मुहूर्ताः ३५५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ८७ खपतिविश्वा ११४, वर्षाविश्वा १७, धान्यम् १५, तृणम् ११, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१२७, सत्यम्।। धर्मं १।।,पापं १८शनिदृष्टिपूर्वे । २ग्रहण सूर्यस्यः १ चंद्रमसः१।

भैरव भवानी सम्वाद

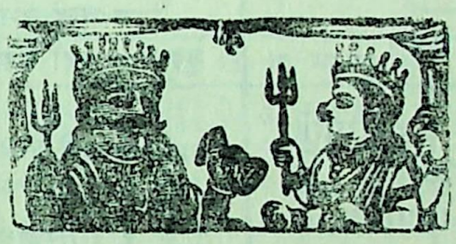

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ कर श्री भैरव ने जगदंबा से प्रश्न किया ।
पूरा हाल कहो मैया कैसा निपजे संवत नविया ।।

भवानी उत्तर

सुन भैरव नव्वे तणों भेद बताऊं तोय ।
वर्षा होसी निर्वली खंड जमानों होय ।।
सत्रह विश्वा वृष्टि है संवत् विश्वा पांच ।
भर चौमासे बीच में वर्षा होसी खांच ।।
संवत् वासो वणिक् घर तेजड़ियों को आस ।
फलाधीश धरणी तनय फल का करसी नाश ।।
पण भैरव भय मत करे अमर पूज्य का राज ।
परदेशां की मदत से सारें जग का काज ।।

सं.२०९० चैत्र कृष्णा ३० चंद्रे सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म	मो.
घ.	४	५	६
मि.	१६	२३	२२
घ.	२४	२७	२९
प.	३३	१९	४८

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	११	५	८	२	५	८
ख.	५	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ७।२१

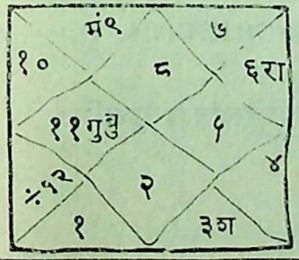

स.२०९० चैत्र शु. १५ गुरौ खग्रास चंद्र ग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
घ.	१०	१२	१२	१	२
मि.	५३	२	४१	११	३०
घं.	४१	४४	४५	४६	५०
प.	४	२२	३६	५०	८

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	घ.	म.	कुं.	मी.
ला.	५	११	१४	२	२	१४
ख.	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् १०।११

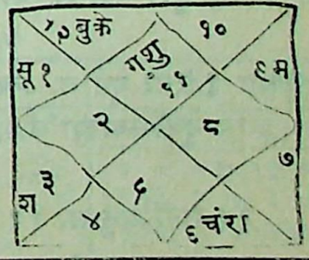

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।११।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१८।१३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः फलम् ।। गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले काम दुघाश्च धेनवः। यजन्ति विप्रा बहवोग्नि होत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ।। मंत्री बुधः फलम् ।। शशिसुते शुभ मंत्रि समागते स्वपतिना रमते मदन क्रियाम् । बहु धनं बहु वारि समन्वितं यवमसूर चणान्न महर्घता ।। सस्येशः शनिः फलम् ।। रविसुते यदि धान्यपतौ जना नृपतिभिः परिपीडित विग्रहाः । गद भयं तुष धान्य हरं सदा दुरित वादविवादयुता नराः ।। धान्येशो गुरुः फलम् ।। गुरौ धान्यपतौ याते यव गोधूमशालयः पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्राहमणादयः ।। मेघेशो बुधः फलम् ।। अमृत रश्मिसुते यदि वारिपे बहु जलं तुष धान्य रसादिकम् द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुता धरणीतदा ।। रसेशश्चन्द्रस्तत्फलम् ।। यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियां । जलधरा बहु वारि विधायका रसवती धन धान्यवती मही ।। नीरसेशः शनिः फलम् ।। पयः पिण्डादि लोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तूनां । अर्घं वृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरस नायके ।। फलेशो भौमः फलम् ।। फलपतिर्यदि भूतनयो भवेन्न बहु पुष्प फलान्वित पादपाः । गद भयान्वित देश जनास्तदा नृपतयो बहु विग्रहकारकाः ।। धनेशः शुक्रः फलम् ।। द्रविणपो भुगुजो द्रविणैर्युताः सम धना सकला ननु मानवाः । समसुखा क्रयविक्रय जीविनो नृपतयो जनपालन तत्पराः ।। दुर्गेशो भौमः फलम् ।। अवनिजो गढ नायकतां गतो विविध दुःख वियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ।। प्रभव नाम संवत्सरः फलम् ।। निरीतिः सकलोदेशः सस्य निष्पद्मि रुन्नता । स्वस्थिता भूभुजः सर्वे प्रभवे सुखिनो जनाः ।। वर्षनाम श्रावणः फलम् ।। श्रावणाब्दे धरा भाति त्रिदश स्पर्द्धि मानवैः । धरा पुष्प फलैर्युक्ता परिपूर्णा ध्वरादिभिः।। मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्ते जल पूरिता ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खंड वृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे फलम् ।। वणिक् गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०९० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णा ७ गुरौ उषा ल. ८-११ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला २ शनौ रोहि ल. ११ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।
,, ३ रवौ रोहि ल. ८ (चं.७पू.) रे.८ ।।।।।ऽरोऽ।।।
,, ३ रवौ मृगे ल. ११ रे. ९ ।।।।।ऽरो।।।।
,, ९ शनौ मघा ल, गो. ८-११ रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ।
कुँभे चं७मे पूज्यः गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ११ भौमे हस्ते ल. ८ रे. ६ ऽऽ।ऽशुऽ।।।।।
पादतो वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ३ भौमे मूले ल. गो. रे. ७ ।।।।।ऽअ५४याऽ।।ऽ
दग्धा
,, ४ बुधे उषा ल. ११-१ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, ५ गुरौ उषा ल. गो. रे. ६ ।।।।।ऽनृऽऽऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
शुक्ला १ रवौ मृगे ल. ऽन्यगो १ रे. १० ।।।।।।।।।।
,, १२ गुरौ स्वात्यां ल. ११ रे. ७ ।।ऽबृऽ।ऽ।।।
पादतो वेधाऽभावः
,, १४ शनौ अनु ल. ११ रे. ८ ।।।।।ऽरोऽ।।।

आषाढ मासः

,, ८ चन्द्रे उभा ल. ११ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ४ गुरौ मघा ल. १ (घ.५१-२७उ.) रे. ७
।।।।।ऽचौऽऽ।।
,, ५ शुक्रे मघा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे. ७
।।।।।ऽचौऽऽ।।
,, ९ बुधे स्वात्यां ल. ११ रे. ७ ।।।ऽबृ।ऽअऽ।।।
पादतो वेधाऽभावः

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १० बुधे उफा ल. ५-७ (सिं.गु.७पू.) रे. ७
।ऽ।।।।ऽऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ७ शुक्रे स्वात्यां ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽऽ।ऽबृ।।।।।।
पादतो वेधाऽभावः
,, ९ रवौ अनु ल. ७ रे. ७ ऽ।।।।ऽअ।ऽ।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५ | दि. उ. अ. भा. मु इं. | चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरेऽर्हर्गणः १०९०स.२०३३

१	गु	३३	१९	रे	३६	२९	ऐं	३४	५३	किं	८	११	३५	५१	६	१०	२९	३१	मे.३६।२९	रेवत्यांरविः २७ (सौरः ३२) -
२	शु	२४	२०	अ	२९	४८	वै	२५	४	कौ	२४	२०	४९	५०	१०	११	३०	१	मेषे	चंद्रदर्शनम्अप्रेल४ता.३०सिंवारा
३	श	१६	३६	भ	२४	२३	वि	१६	१३	ग	१६	३६	५३	४९	११	१२	१	२	वृ.३८।२९	भ.४३ उ.धनि.४गुरुः३३ मोहोरम१सन्=
४	र	१०	२८	कृ	२०	४६	प्री	८	४३	वि	१०	२८	५७	४९	११	१३	२	३	वृषे	भ.१०।२८या.
५	चं	६	१६	रो	१९	४	आ	३	५५	बा	६	१६	३१	४८	१२	१४	३	४	मि४९।१६	[=१४५५हि.मत्स्यजयंती गणगौरी
६	मं	४	१०	मृ	१९	२९	शो	५६	३२	तै	४	१०	५	४७	१३	१५	४	५	मिथुने	[-संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
७	बु	४	११	आ	२२	०	अ	५५	३९	व	४	११	१०	४६	१४	१६	५	६	मिथुने	भ.४।११उ.३५।७या.
८	गु	६	३	पु	२६	४	सु	५६	१०	ब	६	३	१४	४५	१५	१७	६	७	क.१०।३	रामनवमीस्मा.
९	शु	९	४०	पु	३१	४६	धृ	५७	२३	कौ	९	४०	१८	४४	१६	१८	७	८	कर्के	मीनेबुधः ३१।३५रामनवमीवै.
१०	श	१४	३४	श्ले	३८	३४	शू	५९	२०	ग	१४	३४	२२	४४	१६	१९	८	९	सिं३८।३४	भ.४७।३६उ.
११	र	२०	३८	म	४५	५०	गं	६०	०	वि	२०	३८	२६	४३	१७	२०	९	१०	सिंहे	भ.२०।३८या.कामदा११व्र.
१२	चं	२६	४४	पू	५३	२९	गं	१	३६	बा	२६	४४	३०	४२	१८	२१	१०	११	सिंहे	उभा.बुधः२।१५मार्गींशुक्रः५।५७
१३	मं	३३	१३	उ	६०	०	बृ	४	५	तै	३३	१३	३४	४१	१९	२२	११	१२	कं.१०।२०	प्रदोषः [×मेषेऽर्कः सौरः ३हनुमज्जयंती
१४	बु	३९	१४	उ	०	५५	धु	६	१७	ग	६	१३	३८	४०	२०	२३	१२	१३	कन्यायां	भ.३९।१४उ.अश्वि.मेषेऽर्कः५४।८
१५	गु	४४	५८	ह	८	१४	व्या	८	१६	वि	१२	६	४२	४०	२०	२४	१३	१४	तु.४१।३७	भ.५२या. खग्रास चन्द्रग्रहणम् अश्वि.×

५२पं.चै.शु.६मं.इ. ३८ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१०	१०	२	५	११
२१	५	२५	३	२८	७	२७	२१
५३	२६	४९	५६	२८	६	२४	४६
३१	६	२६	२४	४८	७	३१	६
५९	२१	८१	११	५१	३	३	५९
४	५५	४७	१२	व.	३२	११	४

गोचर ग्रहाः

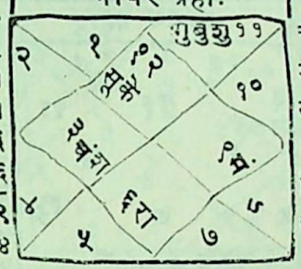

चैत्र शुक्ले १४ बुधे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्या-दिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

१पं.चै.शु.१४बु.इ. ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१०	१०	२	५	११
०	८	७	५	२८	७	२६	२९
०	४७	५६	३२	११	३८	५८	५२
०	५३	२०	१७	५३	५३	२६	२१
५८	१९	९६	१०	५४	४	३	५८
४४	१	२९	२८	म.	१७	११	४५

ति. | बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.

१	शु	४९	५३	चि	१५	०	ह	९	५६	बा	१७	२६	३५	३९	६	२५	१४	१५	तुलायां	
२	श	५३	५९	स्वा	२०	४२	व	१०	४२	तै	२१	५६	५०	३८	२२	२६	१५	१६	तुलायां	
३	र	५७	८	वि	२५	४१	सि	१०	५६	व	२५	३३	५३	३७	२३	२७	१६	१७	वृ.९।२६	भ.२५।३३उ.५७।८या.
४	चं	५९	३	अ	२९	४१	व्य	१०	३३	व	२८	५	५७	३७	२३	२८	१७	१८	वृश्चिके	चतुर्थीव्र.
५	मं	५९	४०	ज्ये	३२	३१	व	९	७	कौ	२९	३१	३२	३६	२४	२९	१८	१९	ध.३२।३१	रेवत्यांबुध १२ चित्रा.१राहुःरेव.३केतुः ४३
६	बु	५९	४७	मू	३४	१९	प	६	५२	ग	२९	५३	५	३५	२५	३०	१९	२०	धनुषि	भ.५९ उ.मीनेशुक्रः ५९ शत.१गुरुः ६७
७	गु	५८	१७	पू	३४	५९	शि	३	३८	वि	२९	२	९	३४	२६	१	२०	२१	म.४९।४५	भ.२९।२या. भा.वैशाखारंभः
८	शु	५५	२५	उ	३४	४	सि	२०	५३	बा	२७	५१	१२	३४	२६	२	२१	२२	मकरे	
९	श	५१	७	श्र	३१	५६	शु	४७	२०	तै	२३	१६	१६	३३	२७	३	२२	२३	मकरे	
१०	र	४५	३५	ध	२८	२३	शु	३९	४९	व	१८	३१	२०	३२	२८	४	२३	२४	कु.०।१०	भ.१९ उ.३५या. [+वरुथिनी११व्र.
११	चं	३८	३५	श	२३	३९	ब्र	३१	११	ब	१२	४०	२३	३१	२९	५	२४	२५	कुंभे	आर्द्रा.२शनिः ५५ बुधास्त.पूर्वस्यां ४७+
१२	मं	३०	४५	पू	१७	४४	ऐं	२१	४७	कौ	४	४०	२७	३१	२९	६	२५	२६	मी४।१३	अश्वि.मेषेबुध २९ पूषा.भौमः ४६ प्रदोषः
१३	बु	२२	१०	उ	११	११	वै	११	५२	व	२२	१०	३१	३०	३०	७	२६	२७	मीने	भ.१० उ.४३या.भरण्यांरविः ३४÷
१४	गु	१२	५५	रे	४	५३	वि	१८	५९	श	१२	५५	३४	२९	३१	८	२७	२८	मे.४।२	उभा.शुक्रः १०।७ [÷(सौरः ४३)
२०	शु	४	५	भ	५१	१०	आ	४२	२०	ना	४	५	३८	२८	३२	९	२८	२९	मेषे	

२ पं.वै.कृ.६बु.इ. ५४ २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१०	१०	२	५	०
६	११	१९	६	२९	८	२६	६
५०	१८	४४	४७	५८	१२	३६	४२
४६	४	१७	४६	१२	०	१०	३२
५८	१५	८०	९	२२	४	३	५८
३१	५१	५६	४४	२	५०	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में शनिवार का चन्द्रदर्शन चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सूत में अच्छी तेजी करेगा धूप का प्रकोप अधिक रहेगा ।

गोचर ग्रहाः

३पं.वै.कृ.१३बु.इ. ५४ ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१०	११	२	५	०
१३	१३	२	७	३	८	२६	१३
३९	३३	५१	५७	११	४९	१३	३०
५०	५४	४३	४०	२४	१२	५५	५७
५८	१२	०	९	३३	५	३	५८
१९	२२	९५	०	२३	१२	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ११२०सं.२०३३

१	शु	५१	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	४८	४३	कृ	४६	३७	सौ	३३	४८	बा	२२	१३	३२/४१	५	२८	६/३२	१०	२९	३०	वृ.५।२	चन्द्रदर्शनम्
३	र	४३	१७	रो	४२	५३	शो	२६	३६	तै	१६	०	४५	२७	३३		११	१	१	वृषे	सफर२मई५ता.३१परशुरामजयंती-
४	चं	३९	४१	मृ	४१	२३	अ	२०	५२	व	११	२९	४८	२६	३४		१२	२	२	मि१२।८	भ.११।२९उ.३९।४१या. [-अक्षया३
५	मं	३८	२३	आ	४२	१२	सु	१६	५६	ब	९	२	५२	२६	३४		१३	३	३	मिथुने	भरण्यांबुधः४।०
६	बु	३८	५६	पु	४४	५८	धृ	१४	४६	कौ	८	३९	५५	२५	३५		१४	४	४	क.२९।१७	पातस्पर्शः१३।३२पातमोक्षः४३।१७
७	गु	४१	४४	पु	४९	३२	शू	१४	२०	ग	१०	२०	५८	२४	३६		१५	५	५	कर्के	भ.४१।४४उ.
८	शु	४६	५	श्ले	५५	३४	गं	१४	४७	वि	१३	५४	३३/३२	२४	३६		१६	६	६	सि५५।३४	भ.१३।५४या.
९	श	५१	५२	म	६०	०	बृ	१६	२६	बा	१८	५८	५	२३	३७		१७	७	७	सिंहे	
१०	र	५७	५२	म	२	५०	ध्रु	१८	३४	तै	२४	५२	८	२२	३८		१८	८	८	सिंहे	
११	चं	६०	०	पू	१०	५	व्या	२१	८	व	३१	३	११	२२	३८		१९	९	९	कं.२७।०	भ.३९/५३उ.कृत्ति.बुधः५७/५२मोहिनी११व्र.स्मा
११	मं	४	१४	उ	१७	४६	ह	२३	३७	वि	४	१४	१४	२१	३९		२०	१०	१०	कन्यायां	भ.४/१४या.बृषेबुधः४/३३ मोहिनी११व्र.वै.
१२	बु	१०	१६	ह	२५	६	व	२५	३८	बा	१०	१६	१७	२१	३९		२१	११	११	तु.५८।२०	कृत्ति.रविः२०।१७(सौर.३/१९)प्रदोषः
१३	गु	१५	४३	चि	३१	३५	सि	२७	८	तै	१५	४३	२०	२०	४०		२२	१२	१२	तुलायां	शत.२गुरुः१७।१९नृसिंहजयंती
१४	शु	२०	५	स्वा	३६	५८	व्य	२७	५०	व	२०	५	२३	१९	४१		२३	१३	१३	तुलायां	भ.२०।५उ.५१।४३या.
१५	श	२३	२२	वि	४१	२४	व	२७	४०	ब	२३	२२	२६	१९	४१		२४	१४	१४	वृ.२५।१८	बृषेऽर्कः४/३३(सौर.५९/१३) यमायकुंभदानम

४पं.वै.शु.६बु इ. ५४/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१०	११	२	५	०
२०	१५	१७	९	७	९	२५	२०
२७	२४	१४	०	३१	२९	५१	१७
२९	५४	५६	५८	४१	३५	३९	४३
५८	९	२/५७	८	४१	५	३	५७
६	२	७	६	५३	४०	११	५७

गोचर ग्रहाः

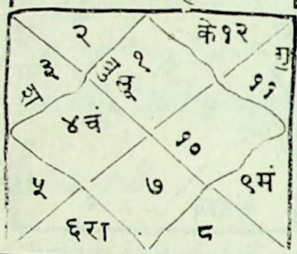

वैशाख शुक्ले १५शनौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

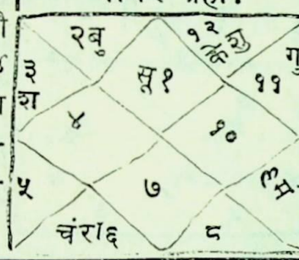

५पं.वै.शु.१२बु.इ. ५५/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	१	१०	११	२	५	०
२७	१६	२	९	१२	१०	२५	२७
१३	४७	३२	५८	४६	१३	२९	२
३७	५३	५६	३४	५२	१९	२४	५७
५७	५	२/५८	७	४८	६	३	५७
५४	०	३८	२	२६	२	११	४५

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	र	२५	३१	अ	४४	४३	प	२६	३३	कौ	२५	३१	३३/२८	५/१८	६/३२		२५	१५	१५	वृश्चिके	रोहि.बुधः१८।२५
२	चं	२६	३४	ज्ये	४६	५२	शि	२४	३९	ग	२६	३४	३१	१८	४२		२६	१६	१६	धं.४६।५२	भ.५६।२७उ.रेवत्यांशुक्रः४९।०
३	मं	२६	२०	मू	४८	७	सि	२१	४७	वि	२६	२०	३४	१७	४३		२७	१७	१७	धनुषि	भ.२६।२०या. चतुर्थी व्र.
४	बु	२५	९	पू	४८	२५	सा	१८	२०	वा	२५	९	३७	१७	४३		२८	१८	१८	धनुषि	बुधोदयःपश्चिमायां३२।३६
५	गु	२३	१५	उ	४७	५२	शु	१४	६	तै	२३	१५	३९	१६	४४		२९	१९	१९	म.३।१७	
६	शु	२०	२१	श्र	४६	१९	शु	९	५	व	२०	२१	४३	१६	४४		३०	२०	२०	मकरे	भ.२०।२१उ.४८।३०या.
७	श	१९	३८	ध	४३	५६	व्र	३/२७	५३/४३	ब	१६	३८	४४	१५	४५		३१	२१	२१	कुं.१५।६	मृगेबुधः५९।५२वक्रीभौमः४०।५
८	र	१२	८	श	४०	५५	वै	५०	१७	कौ	१२	८	४७	१५	४५		१	२२	२२	कुंभे	भा.ज्येष्ठारभः
९	चं	६	५१	पू	३६	५६	वि	४२	३९	ग	६	५१	४९	१४	४६		२	२३	२३	मी२२।५६	भ.३३।४६उ.
१०	मं	०	४२	उ	३२	२८	प्री	३४	५२	वि	०	४२	५३	१४	४६		३	२४	२४	मीने	भ.०।४२या.अपरा११व्र.स्मा.
११	मं	५३	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	० ०	[=५६/४० अपरा११व्र.वै.
१२	बु	४६	३५	रे	२७	१३	आ	२५	५८	कौ	२०	१५	५४	१३	४७		४	२५	२५	मे.२७।१३	रोहि.रविः१५(सौर.२५/१४)मिथुनेबुधः=
१३	गु	३९	१६	अ	२१	५२	सौ	१७	२२	ग	१२	५५	५६	१३	४७		५	२६	२६	मेषे	भ.३९।१६उ. प्रदोषः
१४	शु	३१	५०	भ	१६	४०	शो	८	३८	वि	५	३३	५८	१२	४८		६	२७	२७	वृ.३०।३१	भ.५।३३या.
३०	श	२५	२०	कृ	१२	३	अ	०/३५	५२/३४	ना	२५	२०	३४/००	१२	४८		७	२८	२८	वृषे	वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ.४बु.इ. ५५/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	१०	११	२	५	१
३	१७	१७	१०	१८	१०	२५	३
५८	३८	१२	४९	३२	५९	७	४६
४४	५६	४	४८	६	२४	८	४१
५७	१	९/८	६	५३	६	३	५७
४४	२४	३४	११	१७	२१	११	३४

गोचर ग्रहाः

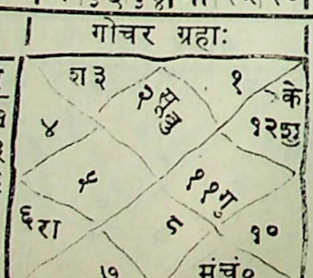

इस मास में ५ रविवार अशुभ हैं प्रजा में रोग शोक फैले धान्य गेहूं जौ चना मटर सरसों अलसी धातु तेज हो।

गोचर ग्रहाः

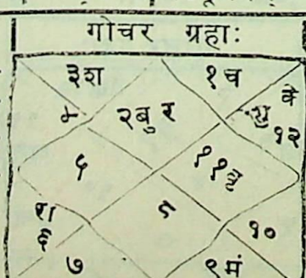

७पं.ज्ये.कृ.१२बु.इ.५५/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	१०	११	२	५	१
१०	१८	२९	११	२४	११	२४	१०
४२	०	५७	३३	४६	४७	४४	२८
४०	१८	४३	०	८	५३	५२	५२
५७	१/०	२/०२	५	५७	६	३	५७
३५	व	३३	४	१८	३६	११	२३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५ दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽर्हगणः ११४९स.२०३३

१	र	१९	४२	रो	८	१२	भृ	४६	४७	ब	१९	४२	३४/३५	६/१२	४८	८	२९	२९	मि ३७।०	चंद्रदर्शनम्
२	चं	१५	३९	मृ	५	४६	शू	४१	५९	कौ	१५	३९	३	११	४९	९	१	३०	मिथुने	आर्द्रा.बुधः६।१५रविलाबल३
३	मं	१३	३३	आ	५	२८	गं	३८	२३	ग	१३	३३	५	११	४९	१०	२	३१	क. ५१।३१	भ.४३।२२उ.अश्वि.मेषेशुक्रः२२।३६
४	बु	१३	११	पु	६	५२	बृ	३६	४८	त्रि	१३	११	७	११	४९	११	३	१	कर्के	भ.१३।११या.जनक्रता.३०
५	गु	१५	२	पु	१०	१७	भृ	३६	२२	बा	१५	२	९	१०	५०	१२	४	२	कर्के	
६	शु	१८	३१	श्ले	१५	१३	व्या	३७	१४	तै	१८	३१	१०	१०	५०	१३	५	३	सिं १५।१३	
७	श	२३	३७	म	२१	४२	ह	३९	६	व	२३	३७	१२	१०	५०	१४	६	४	सिंहे	भ.२३।३७उ.५६।२७या.
८	र	२९	१७	पू	२८	४६	व	४१	२६	ब	२९	१७	१३	९	५१	१५	७	५	कं. ४५।४१	
९	चं	३५	३४	उ	३६	२५	सि	४३	५२	बा	२	२५	१५	९	५१	१६	८	६	कन्यायां	
१०	मं	४१	३५	ह	४३	५०	व्य	४६	९	तै	८	३४	१६	९	५१	१७	९	७	कन्यायां	आर्द्रा.३शनिः२५।०गंगादशमी
११	बु	४७	८	चि	५०	३८	व	४७	५२	व	१४	२१	१७	९	५१	१८	१०	८	तु. १७।१४	भ.१४/१५उ.४७/४८या.मृगेरविः५/४७(सौरः२४/२५);
१२	गु	५१	१४	स्वा	५६	६	प	४८	४८	व	१९	११	१८	८	५२	१९	११	९	तुलायां	[=निर्जला ११व्र.
१३	शु	५४	१४	वि	६०	०	शि	४८	२८	कौ	२२	४४	१९	८	५२	२०	१२	१०	वृ. ४४।१९	प्रदोषः
१४	श	५५	३१	वि	०	२३	सि	४६	५८	ग	२४	५२	१९	८	५२	२१	१३	११	वृश्चिके	भ.५५।३१उ.पुन.बुधः३४।४२
१५	र	५५	२५	अ	३	१०	सा	४४	३४	वि	२५	२७	२०	८	५२	२२	१४	१२	वृश्चिके	भ.२५।२७या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

८ पं.ज्ये.शु.४ब.इ. ५५/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१०	०	२	५	१
१७	१७	१०	१२	१	१२	२४	१७
२५	४२	१८	७	३३	२८	२२	९
३६	२२	०	४४	१८	१७	३७	५८
५७	५२	७७	३	६०	६	३	५७
२७	व.	१९	५७	१९	५१	११	१३

गोचर ग्रहाः

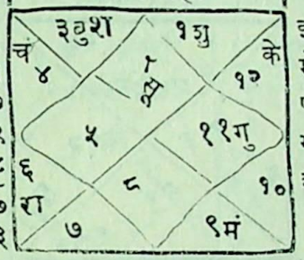

इस मास के कृष्णपक्ष में कुछ मंदी रहे शक्ल पक्ष में धातु धान्य गल्ला रसकस गुड शक्कर घृत तेज हो।

गोचर ग्रहाः

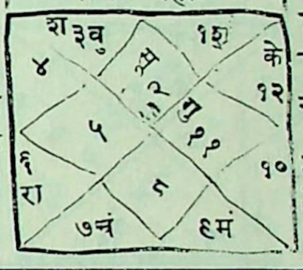

९ पं.ज्ये.शु.११ब.इ. ५५/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१०	०	२	५	१
२४	१६	१७	१२	८	१३	२४	२३
७	५१	५४	३४	३३	३०	०	४९
३०	५	३२	२३	४३	३६	२१	५४
५७	६३	४७	२	६२	७	३	५७
२२	व.	१६	४०	४२	२	११	५

ति. आषाढ़ कृष्णपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५ दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ. कृष्णेति महा.

१	चं	५३	५८	ज्ये	४	२६	शु	४०	५९	बा	२४	४१	३४/३५	५६/५७	२३	१५	१३	ध. ४।२६	भरण्यांशुक्रः३८।१६
२	मं	५१	२५	मू	४	३८	शु	३६	३१	तै	२२	४१	२१	८	५२	२४	१६	१४	धनुषि	अस्तंशनेः१३।३८
३	बु	४७	५५	पू	३	४९	ब्र	३१	१९	व	१९	४०	२२	८	५२	२५	१७	१५	म. १८।२४	भ.१९/२०उ.५५/५६या.मिथुनेऽर्कः२९(सौरः२४/२५)
४	गु	४३	४५	उ	२	४९/५७	ऐं	२५	३८	ब	१५	५०	२२	८	५२	२६	१८	१६	मकरे	चतुर्थीव्र.
५	शु	३९	१४	ध	५७	१२	वै	१९	२४	कौ	११	२९	२३	७	५३	२७	१९	१७	कुं. २८।३०	
६	श	३४	२६	श	५४	१४	वि	१२	५७	ग	६	५०	२३	७	५३	२८	२०	१८	कुंभे	भ.३४।२६उ.
७	र	२९	२८	पू	५०	४३	प्री	६/८	१३/१३	वि	१	५७	२३	७	५३	२९	२१	१९	मी ३६।३६	भ.१।५७या.वक्रीबुधः३६।४०
८	चं	२४	८	उ	४७	२९	सौ	५२	२९	कौ	२४	८	२४	७	५३	३०	२२	२०	मीने	
९	मं	१८	४८	रे	४३	५८	शो	४५	१५	ग	१८	४८	२४	७	५३	३१	२३	२१	मे. ४३।५८	भ.५५/५६उ.हस्त.४राहुःरेव.२केतुः३६/३७
१०	बु	१२	५८	अ	४०	२४	अ	३८	६	वि	१२	५८	२४	७	५३	१	२४	२२	मेषे	भ.५७/५८या.आर्द्रारविः३/४(सौरः३५)-
११	गु	७	२१	भ	३६	४५	सु	३०	५९	चा	७	२१	२४	७	५३	२	२५	२३	वृ. ५०।५७	योगिनी ११व्र. [=भा.आषाढारंभः
१२	शु	१	५२	क्र	३३	३२	धृ	२४	१८	तै	१	५२	२४	७	५३	३	२६	२४	वृषे	भ.५९/६०उ.वक्रीगुरुः४० प्रदोषः
१३	शु	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=बुधास्तःपश्चिमायां १६।४०
१४	श	५२	२०	रो	३०	५०	शू	१७	४९	वि	२४	३६	२३	७	५३	४	२७	२५	मि ५९।५३	भ.२४।३६या.वक्रीमूलेभौमः३६।४०=
३०	र	४९	७	मृ	२८	५७	गं	१२	३	च	१९	३३	२३	७	५३	५	२८	२६	मिथुने	कृत्ति.शुक्रः२।३६

१० पं.आ.कृ.३ब.इ. ५५/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	०	२	५	२
९	१५	२२	१२	१५	१४	२३	०
४८	३०	१९	५१	४७	२३	३८	२९
४७	३६	५५	५८	३५	५३	६	३
५७	११	१५	१	६४	७	३	५६
१७	व.	३०	२०	३४	१४	११	५७

गोचर ग्रहाः

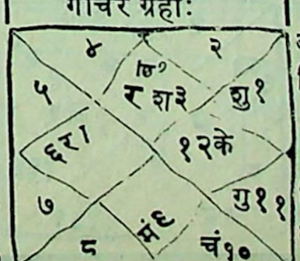

आषाढ़ कृष्णे ३ बुधे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ५ न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.४५घान्यादिभावेसर्धमता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

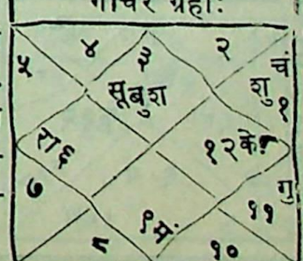

११ पं.आ.कृ.१०ब.इ. ५५/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	०	२	५	२
७	१३	२३	१३	२३	१५	२३	७
२९	४९	१७	०	१३	१७	१५	७
४२	३७	१३	५४	४१	४६	५०	४०
५७	११	१३	०	६६	७	३	५६
१३	व.	व.	२०	७	२०	११	५४

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ११७८स.२०३३
१	चं ४७ १० आ २८ ३५ बृ ७ २२ कं १८ ८	३४	५	६	६	२९	२७	मिथुने	
२	मं ४७ ४० पु २९ २४ ध्रु ३ ३३ बा १७ २५	२२	८	५२	७	३०	२८	क. १४।१२	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	बु ४८ १३ पु ३२ ११ ब्या १ २१ तै १७ ५६	२१	८	५२	८	१	२९	कर्के	बृषेशुक्रः १०।४५ रविलाखर ४
४	गु ५१ २ श्ले ३६ २४ ह ० १७ व १९ ३७	२०	८	५२	९	२	३०	सिं ३६।२४	भ १९।३७ उ.५१।२या.
५	शु ५५ ५७ म ४२ १३ व ० ७ ब २३ २९	१९	८	५२	१०	३	१	सिंहे	वक्रीआर्द्राबुधः ४/४ जुलाई ७ ता. ३१
६	श ६० ० पू ४८ ४९ सि १ ४७ कौ २८ ३६	१८	८	५२	११	४	२	सिंहे	
६	र ११४ उ ५६ ४४ व्य ३ ४१ तै ११४	१७	९	५१	१२	५	३	कं. ५।४८	आर्द्रा ४ शनिः १४।३६
७	चं ७ २१ ह ६० ० व ६ ११ व ७ २१	१६	९	५१	१३	६	४	कन्यायां	भ. ७।२१ उ. ४०।२४या.
८	मं १३ २८ ह ३ ५० प ८ ३४ ब १३ २८	१५	९	५१	१४	७	५	तु. ३७।२५	
९	बु १९ ८ चि ११ १ शि १० ४३ कौ १९ ८	१४	९	५१	१५	८	६	तुलायां	पुन. रविः २।६ (सौरः ३०।२७)
१०	गु २३ ४१ स्वा १७ ७ सि १२ ४ ग २३ ४१	१३	९	५१	१६	९	७	तुलायां	भ. ५५।१४ उ.
११	शु २६ ४६ वि २१ ४३ सा १२ ११ वि २६ ४६	११	१०	५०	१७	१०	८	वृ. ५।३४	भ. २६/६ यारोहि. शुक्रः १३/१३ देवशयनी ११ व्र.
१२	श २८ १० अ २४ ५५ शु ११ १० बा २८ १०	१०	१०	५०	१८	११	९	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	र २७ ३५ ज्ये २६ २१ शु ८ ४१ तै २७ ३५	८	१०	५०	१९	१२	१०	ध. २६।२१	
१४	चं २५ १६ मू २५ ५५ ब्र ५६ ५४ व २५ १६	७	११	४९	२०	१३	११	धनुषि	भ. २५।१६ उ. ५३।२१या. वायुपरीक्षा
१५	मं २१ २६ पू २४ ५ वै ५३ ४२ ब २१ २६	५	११	४९	२१	१४	१२	म. ३८।२०	व्यासपूजा गुरु १५

१२पं.आ.शु.३बु.इ. ५५/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	१	२	५	२
१४	११	२०	१३	०	१६	२२	१३
१०	५५	५९	०	५०	१२	५३	४५
८	३४	५३	४३	६	४	३४	३५
५७	४३	३२	१९	६७	७	३	५६
७	व	व	व	२८	२०	११	५०

गोचर ग्रहाः

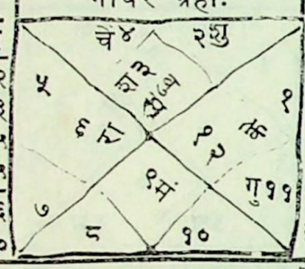

इस मास में कृष्ण पक्ष में धातु सोना चांदी लोहा धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो अलसी मंदा होकर सुदि में तेज हो कहीं २ वर्षा होवे

गोचर ग्रहाः

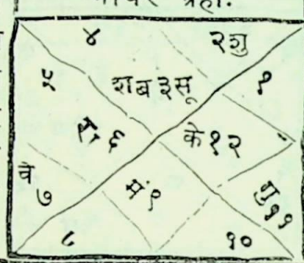

१३पं.आ.शु.९बु.इ. ५५/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	१	२	५	२
२०	१०	१७	१२	८	१७	२२	२०
५०	७	०	४९	३३	६	३१	२३
३५	१	१२	५९	५८	५८	१८	२९
५७	८	३६	२	६८	७	३	५६
७	व	व	व	३३	२०	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविरुत्तरे आषाढ कृष्णेति महा.
१	बु १६ ३२ उ २१ ३ वि ४६ ३८ कौ १६ ३२	३४	५	६	२२	१५	१३	मकरे	बुधोदयः पूर्वस्यां ३८।१६
२	गु १० ४७ श्र १७ ८ प्री ३९ ३ ग १० ४७	१	१२	४८	२३	१६	१४	कुं. ४५।४	भ. ३७।३५ उ.
३	शु ४ २३ ध १३ ० आ ३१ २५ वि ४ २३	३३	१२	४८	२४	१७	१५	कुंभे	भ. ४।२३या. चतुर्थीव्र.
४	शु ५३ ४१ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	श ५१ ४३ श ८ ४६ सौ २३ ३६ कौ २४ ४३	५७	१३	४७	२५	१८	१६	मी ५०।३९	कर्केऽर्कः ३/२ मार्गीबुधः ३५।१७ नाग ५
६	र ४५ ५२ पू ४ ३७ शो १६ ८ ग १८ ४७	५५	१३	४७	२६	१९	१७	मीने	भ. ४५।५२ उ. कर्केऽर्कः सौरः ३।११
७	चं ४० २० उ ४/३ २८ अ ८ ४४ वि १३ ६	५२	१४	४६	२७	२०	१८	मे ५७।११	भ. १३।६या.
८	मं ३५ ३ अ ५४ १० सु ४/३ ५३ बा ७ ४१	५०	१४	४६	२८	२१	१९	मेषे	[=मृगेशुक्रः ५०° उदयंशनेः ३५।१४
९	बु ३० २८ भ ५१ ३५ शू ४८ ४० तै २ ४५	४८	१४	४६	२९	२२	२०	मेषे	भ. ५/२४ उ. पुष्ये रविः ०।५० (सौरः ३/३२)=
१०	गु २६ २० कृ ४९ २९ गं ४२ ५५ वि २६ २०	४५	१५	४५	३०	२३	२१	वृ. ६।३	भ. २६।२०या.
११	शु २२ ४६ रो ४८ ८ बृ ३७ ३४ बा २२ ४६	४३	१५	४५	३१	२४	२२	वृषे	कामिका ११ व्र.
१२	श २० १ मृ ४७ २९ ध्रु ३२ ५५ तै २० १	४०	१६	४४	१	२५	२३	मि १७।४८	भा. श्रावणारंभः प्रदोषः
१३	र १८ ११ आ ४७ ५९ ब्या २९ ४ व १८ ११	३८	१६	४४	२	२६	२४	मिथुने	भ. १/१६ उ. ४७।४७या. मार्गीभौमः १४।४०
१४	चं १७ २३ पु ४९ ४१ ह २६ ११ श १७ २३	३५	१७	४३	३	२७	२५	क. ३४।१५	मिथुनेशुक्रः ५१।५
३०	मं १७ ४६ पु ५२ २७ व २४ १ ना १७ ४६	३३	१७	४३	४	२८	२६	कर्के	पुन. बुधः ५४।१२ हरियाली

१४पं.श्रा.कृ.१बृ.इ.५५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	१	२	५	२
२७	८	१४	१२	१६	१८	२२	२७
३०	३३	१०	३०	२५	१	९	१
५४	३६	२३	७	२३	२६	३	३६
५७	२५	१६	४३	६९	७	३	५६
११	व	व	व	२०	१४	११	५४

गोचर ग्रहाः

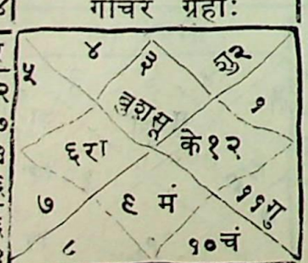

श्रावण कृष्णे ५ शनौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

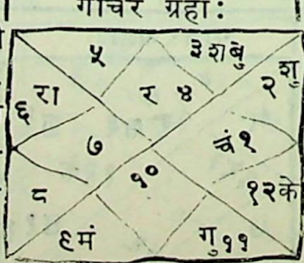

१५पं.श्रा.कृ.९बृ.इ. ५५/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	२	१०	१	२	५	३
४	७	१५	१२	२४	१८	२१	३
११	२९	२०	२	२३	५५	४६	४०
३८	३४	२८	४९	१७	१२	४८	३
५७	४७	२९/३	४९	७०	७	३	५६
११	व	मा	व	११	८	११	५९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चंद्रः | वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२०८स.२०३३

१	बु	१९	३६	श्ले	५६	४०	सि	२३	४	ब	१९	३६	३३ ३०	५ १८	६ ४२	५	२९	२७	सिं५६।४०	
२	गु	२२	४६	म	६०	०	व्य	२२	४९	कौ	२२	४६	२७	१९	४१	६	३०	२८	सिंह	चद्रदर्शनम्सिंघारा
३	शु	२७	२	म	१	५८	व	२३	५९	ग	२७	२	२४	१९	४१	७	१	२९	सिंहे	भ.५९उ.पुन.१शनिः३९जमादिलावल+
४	श	३२	३८	पू	८	२८	प	२५	३१	वि	३२	३८	२२	२०	४०	८	२	३०	क.२५।१४	भ.३२।३८या.वरद४ [+५तीज
५	र	३८	४१	उ	१५	३४	शि	२७	५०	ब	५	३९	१९	२०	४०	९	३	३१	कन्यायां	आर्द्राशुक्रः२९।५४नागपंचमी
६	चं	४४	५२	ह	२३	१३	सि	३०	२९	कौ	११	४६	१६	२१	३९	१०	४	१	तु.५६।५८	अगस्तऽता.३१
७	मं	५०	५२	चि	३०	४३	सा	३२	५५	ग	१७	५२	३	२१	३९	११	५	२	तुलायां	भ.५०।५२उ.आश्ले.रविः५७।५१
८	बु	५५	५६	स्वा	३७	४३	शु	३४	५२	वि	२३	२४	१०	२२	३८	१२	६	३	तुलायां	भ.२३।२४या.आश्ले.रवि.सौरः ÷
९	गु	५९	४४	वि	४३	१९	शु	३५	५३	बा	२७	५०	७	२३	३७	१३	७	४	वृ.२६।५५	[÷३४।३९कर्केबुधः१७।५२
१०	शु	६०	०	अ	४७	३१	ब्र	३५	४६	तै	३०	४८	४	२३	३७	१४	८	५	वृश्चिके	पुष्येबुधः१२।५१
१०	श	१	५२	ज्ये	४९	५२	ऐं	३४	१४	ग	१	५२	०	२४	३६	१५	९	६	ध.४९।५२	भ.३१।५४उ.
११	र	१	५५	मू	५०	१३	वै	३१	९	वि	१	५५	३२ ५७	२५	३५	१६	१०	७	धनुषि	भ.१।५५या.पवित्रा११व्र.
१२	र	५८	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=कर्म रक्षाबंधनम्भद्रोतरम्
१३	चं	५६	१	पू	४८	४१	वि	२६	३२	कौ	२७	५८	५४	२५	३५	१७	११	८	धनुषि	बुधास्तःपूर्वस्यां१७।३२प्रदोषः
१४	मं	५०	२४	उ	४५	३२	प्री	२०	१६	ग	२३	१२	५०	२६	३४	१८	१२	९	म.२।५१	भ.५०।२४उ.
१५	बु	४३	२३	श्र	४०	४१	आ	१२	५०	वि	१६	५३	४७	२७	३३	१९	१३	१०	मकरे	भ.१६।५३या.वक्रीशत१गुरुः१६९श्राव.=

१६पं.श्रा.शु.१बु.इ. ५४।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	२	१०	२	२	५	३
१०	६	२१	११	२	१९	२१	१०
५२	५२	१२	२६	२९	४७	२४	१९
४१	५८	४७	२४	२	५३	३२	२०
५७	५९	७२	५६	७०	७	३	५७
२०	मा	५	व	५०	२	११	५

१७पं.श्रा.शु ८बु.इ.५४।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	१०	२	२	५	३
१७	६	१	१०	१०	२०	२१	१६
३५	५२	३	४३	३४	३८	२	५९
२३	१९	५८	१९	१	५३	१६	८
५७	६	८०	६	७१	६	३	५७
२५	४	२२	व	२३	४६	११	१२

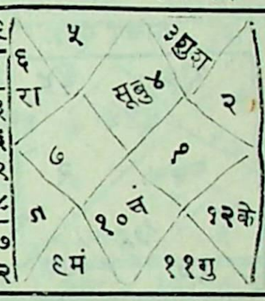

१८प.श्रा.शु.१५बु इ.५४।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	१०	२	२	५	३
२४	७	१३	९	१८	२१	२०	२३
१६	२९	५७	५५	४६	२९	४०	४०
४४	१७	२२	१६	२३	१३	१	१५
५७	१०	५८	२५	७१	६	३	५७
३३	४५	५७	व	५०	३२	११	२२

ति | भाद्रपदं कृष्णपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं | चंद्रः | वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.

१	गु	३५	३७	ध	३५	१	सौ	५४ ५०	बा	९	३०	३३ ४४	२७	३३	२०	१४	११	कु.७।५१	पुन.शुक्रः५५।१९
२	शु	२७	३४	श	२८	४७	अ	४५	५०	तै	१	३५	४०	२८	३२	२१	१५	१२	कुंभे	भ.५३।२३उ.आश्ले.बुधः१६।३२
३	श	१९	१२	पू	२२	३७	सु	३६	३३	वि	१९	१२	३७	२९	३१	२२	१६	१३	मी९।१०	भ.१९।१२या.चतुर्थीव्र.
४	र	११	३०	उ	१७	९	धृ	२७	३७	बा	११	३०	२३	२९	३१	२३	१७	१४	मीने	
५	चं	४	२९	रे	१२	१३	शू	१९	१३	तै	४	२९	३०	३०	३०	२४	१८	१५	मे.१२।१३	भ.५८।१४उ.चंद्रषष्ठी
६	चं	५३	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=राहुः रे.१केतुः३९भा.भाद्रपदारंभः
७	मं	५३	७	अ	७	५४	गं	११	२९	वि	२५	४०	२६	३१	२९	२५	१९	१६	मेषे	भ.२५।४०या.मघा.सिंहेऽर्कः५१।५३
८	बु	४९	३	भ	४	५०	बृ	४४ ५४	बा	२१	५	२२	३२	२८	२६	२०	१७	वृ.१९।२०	मघा.सिंहऽर्कः सौरः३१।३जन्माष्टमीव्र.
९	गु	४६	१५	कृ	२	५०	व्या	५३	४०	तै	१७	३९	१९	३२	२८	२७	२१	१८	वृषे	मघा.सिंहेबुधः४३।५४गोगाष्ट
१०	शु	४४	२५	रो	१	५६	ह	४९	३६	व	१५	२०	१५	३३	२७	२८	२२	१९	मि३२।०	भ.१५।२०उ.४४।२५या.
११	श	४३	४६	मृ	२	२	व	४६	२५	व	१४	५	१२	३४	२६	२९	२३	२०	मिथुने	कर्केशुक्रः२१।४९अजा११व्र.
१२	र	४४	२३	आ	३	२२	सि	४४	१०	कौ	१४	४	८	३४	२६	३०	२४	२१	क.५०।१९	वत्सद्वादशी
१३	चं	४५	५०	पु	५	५८	व्य	४२	४१	ग	१५	६	४	३५	२५	३१	२५	२२	कर्के	भ.४५।५०उ.प्रदोषः
१४	मं	४८	३३	पु	९	३०	व	४२	२६	वि	१७	११	१	३६	२४	१	२६	२३	कर्के	भ.१७।११या.पुष्येशुक्रः१२हस्त.३=
३०	बु	५२	२२	श्ले	१४	४	प	४२	३७	च	२०	२७	५१	३७	२३	२	२७	२४	सिं१४।४	कुशाग्रहणीपिठोरी३०मन्वादिः

१९पं.भा.कृ.८बु.इ. ५४।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	३	१०	२	२	५	४
१	८	२८	९	२७	२२	२०	०
०	२८	२०	२	२	१७	१७	२२
४	२८	२	४६	३५	१७	४५	२८
५७	१४	२५	५३	७२	६	३	५७
४०	३१	२	व	११	२०	११	३४

गोचर ग्रहाः

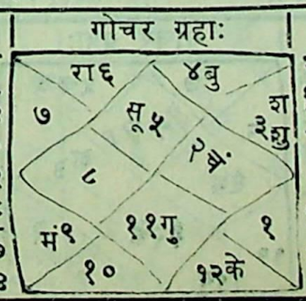

भाद्रपदकृष्णे ७ भौमे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

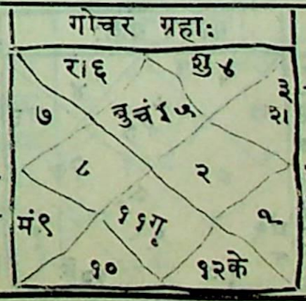

२०पं. भा.कृ.३०बु.इ.५४।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	१०	३	२	५	४
७	१०	१२	८	५	२३	१९	७
४४	२७	१३	९	२२	२	५५	५
२८	४३	५२	१८	३०	४९	३०	५५
५७	१७	५८	५७	७२	५	३	५७
४९	३०	२९	ब	३२	५५	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५ दि. उ अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२३७स२०३३

१	गु	५७	२०	म	१९	३४	शि	४३	३४	किं	२४	५१	३१ ५३	३५ ३७	२६ २३	३	२८	२५	सिंहे
२	शु	६०	०	पू	२६	३४	सि	४५	१३	बा	३०	०	४९	३८	२२	४	२९	२६	कं.४३.१३
३	श	२	४१	उ	३३	११	सा	४७	२०	कौ	२	४१	४६	३९	२१	५	१	२७	कन्यायां
४	र	८	५०	ह	४०	४७	शु	४९	४३	ग	८	५०	४२	४०	२०	६	२	२८	कन्यायां
५	चं	१५	८	चि	४८	१८	शु	५२	२	वि	१५	८	३८	४०	२०	७	३	२९	तु.१४.३२
६	मं	२१	२९	स्वा	५५	५२	ब्र	५४	३८	बा	२१	२९	३४	४१	१९	८	४	३०	तुलायां
७	बु	२७	१	वि	६०	०	ऐं	५६	२५	तै	२७	१	३०	४२	१८	९	५	३१	वृ.४५.४३
८	गु	३१	३५	वि	२	२०	वै	५७	१४	व	३१	३५	२६	४३	१७	१०	६	१	वृश्चिके
९	शु	३४	४१	अ	७	४४	वि	५६	५७	वि	३	८	२२	४४	१६	११	७	२	वृश्चिके
१०	श	३५	५७	ज्ये	११	३२	प्री	५५	२	बा	५	१९	१८	४४	१६	१२	८	३	ध.११.३२
११	र	३५	११	मू	१३	३२	आ	५१	४८	तै	५	३४	१५	४५	१५	१३	९	४	धनुषि
१२	चं	३२	१६	पू	१३	२९	सौ	४६	४७	व	३	४४	११	४६	१४	१४	१०	५	म.२७.५७
१३	मं	२७	२९	उ	११	२१	शो	४०	७	बा	२७	२९	७	४७	१३	१५	११	६	मकरे
१४	बु	२०	४७	श्र	७	१९	अ	३२	१	तै	२०	४७	३	४७	१३	१६	१२	७	कुं.३४.२९
१५	गु	१२	३२	ध	३९	५३ १८	सु	२२	४१	व	१२	३२	३० ५९	४८	१२	१७	१३	८	कुंभे
१५	शु	३	२९	पू	४७	३५	धृ	१२	४०	ब	३	२९	५५	४९	११	१८	१४	९	मी३४.२६

२१पं.भा.शु.६बु.इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	१०	३	२	५	४
१४	१२	२५	७	१३	२३	१९	१३
२०	४१	७	१३	४६	४५	३३	११
४	१३	८	५५	८	१४	१४	७
५८	२०	०	५३	७२	५	३	५७
१	४६	३८	व	५०	३२	११	५७

गोचर ग्रहाः

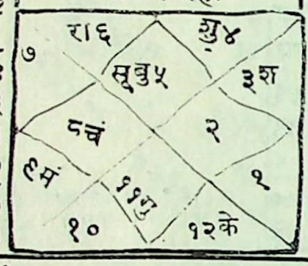

इस मास की कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि गुड़ सक्कर चीनी घृत में मन्दी करे सुदि में सोना चांदी तेज हो।

गोचर ग्रहाः

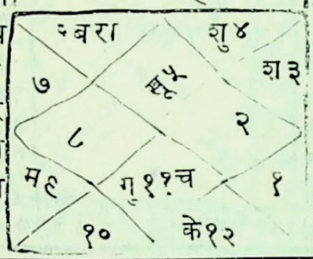

२२पं. भा.श.१३बु.इ.५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	१०	३	२	५	४
२१	१५	७	६	२२	१४	१९	२०
१७	२०	०	२०	१२	२४	१०	२७
६	४६	०	४२	१८	५८	५८	४७
५८	२३	०	२८	७३	५	३	५८
१३	१५	३२	ब	१४	२	११	१२

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.

१	शु	४९	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
२	श	४४	३४	उ	४०	९	शू	२ ३९	४९ २९	तै	१८	४४	३० ५९	५ ५०	६ १०	१९	१५	१०	मीने
३	र	३५	३५	रे	३३	१	वृ	४१	२२	व	१०	४	४७	५१	९	२०	१६	११	मे.३३.१
४	चं	२७	२५	अ	२६	३८	ध्रु	३१	४७	ब	१	३०	४३	५१	९	२१	१७	१२	मेषे
५	मं	२०	४३	भ	२१	४५	व्या	२३	३	तै	२०	४३	२९	५२	८	२२	१८	१३	वृ.३५.५३
६	बु	१५	२४	कृ	१८	१६	ह	१५	३९	व	१५	२४	३५	५३	७	२३	१९	१४	वृषे
७	गु	११	५३	रो	१६	१९	व	९	३३	ब	११	५३	३१	५४	६	२४	२०	१५	मि४६.१०
८	शु	९	५०	मृ	१६	०	सि	४	४४	कौ	९	५०	२७	५५	५	२५	२१	१६	मिथुने
९	श	९	२५	आ	१७	१	व्य	१७	५७ ४२	ग	९	२५	२२	५६	४	२६	२२	१७	मिथुने
१०	र	१०	३८	पु	१९	५४	प	५७	५८	वि	१०	३८	१८	५६	४	२७	२३	१८	क.४.११
११	चं	१२	५५	पु	२३	५६	शि	५७	५६	बा	१२	५५	१४	५७	३	२८	२४	१९	कर्के
१२	मं	१६	४१	श्ले	२९	७	सि	५८	२२	तै	१६	४१	९	५८	२	२९	२५	२०	सि२९.७
१३	बु	२१	१५	म	३५	१	सा	५९	४१	व	२१	१५	५	५९	१	३०	२६	२१	सिंहे
१४	गु	२६	५२	पू	४२	०	शु	६०	०	श	२६	५२	३० ०००	६ ००	० ०	३१	२७	२२	क.५८.४४
३०	गु	३२	३०	उ	४८	५८	शु	१	३९	ना	३२	३०	२९ ५९	१	५५ ५९	१	२८	२३	कन्यायां

२३ पं.आ.कृ.६बु.इ. ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	१०	४	२	५	४
२८	१८	१७	५	०	२५	१८	२७
५	२२	५७	३१	४२	०	४८	२६
२८	४४	२९	१६	४०	५८	४३	४
५८	२६	९२	४४	७३	४	३	५८
२६	०	३२	व	२०	४०	११	२९

गोचर ग्रहाः

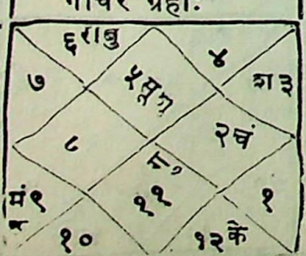

आश्विनशुक्ले ८ शुक्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

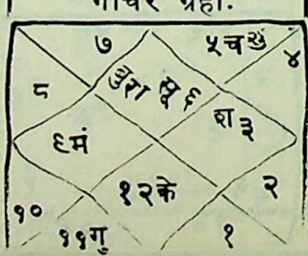

२४पं.आ.कृ.१३बु.इ.५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	१०	४	२	५	५
४	२१	२७	४	९	२५	१८	४
५५	४२	५८	४७	१४	३३	२६	१६
१९	५८	१९	३८	५३	४	२७	११
५८	२८	८१	५५	७३	४	३	५८
३८	५	४६	व	३२	६	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतू रावदक्षिणेऽहगणः १२६७स.२०३३

१	श	३८	४७	ह	५६	३३	शु	३	४३	किं	५	३८	५२	३	५८	२ २९ २४	कन्याया	नवरात्रारभःमातामहश्रा.
२	र	४५	२	चि	६०	०	ब्र	६	८	बा	११	५४	४८	२	५८	३ ३० २५	तु.३०।२०	पूफा.शुक्रः१३।३५चंद्रदर्शनम्
३	चं	५१	१७	चि	४	६	ऐं	८	२८	तै	१८	१०	४४	३	५७	४ १ २६	तुलायां	रज्जव७
४	मं	५६	५८	स्वा	११	३४	वै	१०	४६	व	२४	७	४०	४	५६	५ २ २७	तुलायां	भ.२४उ.५६या.हस्तेरविः३० (सौरः४४)
५	बु	६०	०	वि	१८	१९	वि	१२	३५	ब	२९	२४	३६	५	५५	६ ३ २८	वृ.१।३८	स्वात्यांबुधः४१।०
५	गु	१	५०	अ	२४	२६	प्री	१३	५३	बा	१	५०	३२	६	५४	७ ४ २९	वृश्चिके	
६	शु	५	३५	ज्ये	२९	२०	आ	१४	२८	तै	५	३५	२८	६	५४	८ ५ ३०	ध.२९।२०	
७	श	७	५३	मू	३२	४१	सौ	१३	५०	व	७	५३	२३	७	५३	९ ६ १	धनुषि	भ.५३उ.३६या.उषा.सौमः३९ अक्टूबर÷
८	र	८	२५	पू	३४	२२	शो	११	४७	ब	८	२५	१९	८	५२	१० ७ २	म.४९।२१	[÷१०ता.३१
९	चं	७	१०	उ	३४	१७	अ	८	२३	कौ	७	१०	१५	९	५१	११ ८ ३	मकरे	
१०	मं	३	५६	श्र	३२	११	सु	२८ ३	५३ ३०	ग	३	५६	११	१०	५०	१२ ९ ४	मकरे	भ.२३उ.५९या.पापांकुशा११व्र.स्मा.
११	मं	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	[+शरद्पूर्णिमास्मा.कोजागरीव्र.
१२	बु	५१	५२	ध	२८	७	शू	४८	५६	ब	२५	२१	७	११	४९	१३ १० ५	कुं.०।९	पापाकुशा११व्र.वै.
१३	गु	४३	३८	श	२२	३५	गं	३९	४७	कौ	१७	४५	३	११	४९	१४ ११ ६	कुम्भे	उफा.शुक्रः२।५०प्रदोषः
१४	शु	३४	८	पू	१५	३२	वृ	२९	२६	ग	८	५३	२९	१२	४८	१५ १२ ७	मी२।१८	भ.३४।८उ.५९।११या.मकरेभौमः१९
१५	श	२४	१४	उ	५८	५९	ध्रु	१८	३८	ब	२४	१४	५५	१३	४७	१६ १३ ८	मे.५९।५७	कन्यायांशुक्र.३५शरद१५वै.का.स्ना.प्रारं

२५पं.आ.शु.५ब. इ. ५३/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	१०	४	२	५	५
११	२५	६	४	१७	२६	१८	११
४६	२१	५४	११	५०	०	४	८
५२	५४	१८	२	३५	२९	१२	९
५८	२९	६८	५०	७३	३	३	५९
१३	५६	४३	व	४४	३२	११	०

गोचर ग्रहाः

इस मासमें५शनिवार अशुभ हैं धान्य गल्ला सोना चांदी गुडचीनी तेल बारदाना वस्त्र कपास तेज हो प्रजा दुःखी हो।

गोचर ग्रहाः

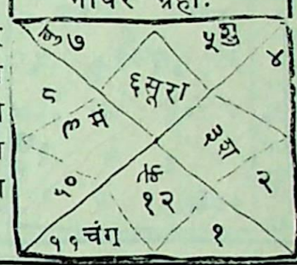

२६पं.आ.शु. १२बु.इ.५३/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	१०	४	२	५	५
१८	२९	१४	३	२६	२६	१७	१८
४०	१४	१९	४२	२८	२३	४१	१
५	४२	५२	५४	१६	४९	५६	५६
५९	३१	५०	३	७३	२	३	५९
९	३७	२०	४ व	५०	४७	११	१६

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णांत महा

१	र	१४	१६	अ	५२	१३	ज्या	२८ ७	४९ ४	कौ	१४	१६	२६	१	४ ५	१७ १४ ९	मेषे	
२	चं	४	४४	भ	४५	१०	व	४६	८	ग	४	४४	४७	१५	४५	१८ १५ १०	वृ.५८।४४	भ.३०उ.५६उ.चित्रा.रविः३६।४१
३	चं	५१	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०	
४	मं	४९	४	कृ	३९	२४	सि	३६	४९	ब	२२	३९	४३	१५	४५	१९ १६ ११	वृषे	चित्रा.रदिःसौरः५०पुन.३शनिः४७=
५	बु	४३	५४	रो	३५	२६	च्य	२८	४६	कौ	१६	२९	३९	१६	४४	२० १७ १२	वृषे	[=करकचतुर्थीव्र.
६	गु	४०	३५	मृ	३३	२८	व	२२	१७	ग	१२	१५	३५	१७	४३	२१ १८ १३	मि४।२७	भ.४०।३५उ
७	शु	३९	२१	आ	३३	४	प	१७	१४	वि	९	५८	३१	१८	४२	२२ १९ १४	मिथुने	भ.५८या.वक्रधनि.३गुरुः१९।५०
८	श	४०	५	पु	३४	५२	शि	१३	५०	बा	९	४३	२७	१९	४१	२३ २० १५	क.१९।२५	वक्रीबुधः३६।१०
९	र	४२	२५	पु	३८	२२	सि	११	५४	तै	११	१५	२३	१९	४१	२४ २१ १६	कर्के	हस्तेशुक्रः४५।५०
१०	चं	४६	२८	श्ले	४३	३१	सा	११	३५	व	१४	२६	२०	२०	४०	२५ २२ १७	सिं४३।३१	भ.१४।२६उ.४६।२८या.तुलायामर्कः –
११	मं	५१	२९	म	४९	५२	शु	१२	२०	ब	१८	५८	१६	२१	३९	२६ २३ १८	सिंहे	रमा११व्र [–३०(सौरः३४)
१२	बु	५७	३८	पू	५६	५३	शु	१३	३३	कौ	२४	३३	१२	२२	३८	२७ २४ १९	सिंहे	[Cअन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा
१३	गु	६०	०	उ	६०	०	ब्र	१५	४०	ग	३०	४२	८	२२	३८	२८ २५ २०	कं.१३।४३	प्रदोषःधन१३
१३	शु	३	४७	उ	४	१४	ऐं	१७	५१	व	३	४७	४	२३	३७	२९ २६ २१	कन्यायां	भ.४३उ.३७।०या.रुप१४
१४	श	१०	१३	ह	११	५३	वै	२०	१४	श	१०	१३	०	२४	३६	३० २७ २२	तु.४५।३५	बुधास्तःपश्चिमायां२६महालक्ष्मीपूजनम्
३०	र	१६	२२	चि	१९	१७	वि	२२	३३	ना	१६	२२	५६	२५	३५	१ २८ २३	तुलायां	श्रवणेभौमः३२।३७भा.कार्तिकारंभःC

२७पं का.कृ.५बु इ ५३/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	६	१०	५	२	५	५
२५	३	१९	३	५	२६	१७	२४
३४	१८	७	२३	८	४२	१९	५७
५९	३२	३७	३१	६	२५	४०	३८
५९	३३	२०	२९	७३	२	३	५९
२१	२	३३	व.	५६	७	११	३१

गोचर ग्रहाः

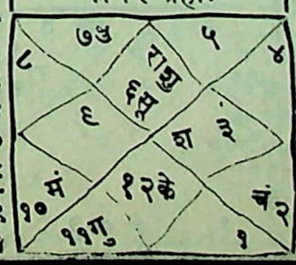

कार्तिककृष्णे १० चंद्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न,४ वृद्धावस्था (वैठी) मु १५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

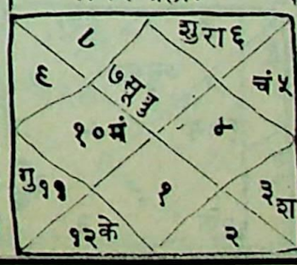

२८पं.का कृ.१२बु इ. ५३/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	१०	५	२	५	६
२	७	१९	३	१३	२६	१६	१
३१	३३	२६	१३	५०	५५	५७	५१
२३	५४	४६	१६	५३	३०	२५	२
५९	३३	२३	१	७४	१	३	५९
३४	५९	व	व	२	२७	११	४६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२९७स.२०३२

१	चं	२२	२५	स्वा	२६	२५	प्री	२४	३८	व	२२	२५	२७	६	५५	२	२९	२४	तुलायां	स्वात्यांरविः ३५(सौरः ३६ मार्गीगुरुः ५०/४०
२	मं	२७	४०	वि	३३	१०	आ	२६	२०	कौ	२७	४०	४९	२६	३४	३	३०	२५	वृ.१६।२९	हस्त २ राहुः उभा ४ केतुः २१ चंद्रदर्शनम् =
३	बु	३२	१५	अ	३८	५९	सौ	२७	१५	ग	३२	१५	४५	२७	३३	४	१	२६	वृश्चिके	सावान८ [=भातृ २ यम २
४	गु	३५	५२	ज्ये	४३	५६	शो	२७	३२	व	४	३	४१	२८	३२	५	२	२७	ध.४३।५६	भ.४५ उ.५५ या.चित्रा.शुक्रः २९।१६
५	शु	३८	२१	मू	४७	५१	अ	२७	१२	ब	७	६	३७	२९	३१	६	३	२८	धनुषि	[×४८।१० नवंबर ११ ता.३०
६	श	३९	३२	पू	५०	३०	सु	२६	३	कौ	८	५६	३४	२९	३१	७	४	२९	धनुषि	
७	र	३९	१४	उ	५१	३९	धृ	२३	३३	ग	९	२३	३०	३०	३०	८	५	३०	म.५।४७	भ.३९।१४उ.
८	चं	३७	३१	श्र	५१	३२	शू	१९	५५	वि	८	२२	२७	३१	२९	९	६	३१	मकरे	भ.२५ या.धनि ४ गुरुः ४३ गोपाष्टमी
९	मं	३४	८	ध	४९	३२	गं	१५	७	ग	५	४९	२३	३१	२९	१०	७	१	कुं.२०।३२	वक्रीचित्रा.बुधः ३६।३७ तुलायांशुक्रः ×
१०	बु	२९	४	श	४६	४	वृ	८	५२	तै	१	३६	१९	३२	२८	११	८	२	कुंभे	भ.५५।५३उ.वक्रीशनिः १२।१२
११	गु	२२	४३	पू	४१	२३	ध्रु	२२	५५/२४	वि	२२	४३	१६	३३	२७	१२	९	३	मी २७।३३	भ.२३ या.प्रबोधिनी ११ व्र.तुलसीविवाहः
१२	शु	१४	५८	उ	३५	७	ह	४३	११	बा	१४	५८	१२	३४	२६	१३	१०	४	मीने	बुधोदयः पूर्वस्यां ४।२० प्रदोषः
१३	श	६	१३	रे	२८	३	व	३२	४७	तै	६	१३	९	३४	२६	१४	११	५	मे.२८।३	भ.५६।५० उ.बैकुंठ १४
१४	श	५०	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[–मार्गीबुधः ५७/५० मन्वादिः का.स्ना. पू.
१५	र	४७	११	अ	२०	३३	सि	२२	५	वि	२२	०	५	३५	२५	१५	१२	६	मेषे	भ.२२।० या.विशा.रविः २३ (सौरः ५६ –

२९पं.का.शु.३ब.इ. ५२/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	१०	५	२	५	६
९	११	१२	३	२२	२७	१६	८
२९	५७	५७	१३	३४	३	३५	५४
३८	५८	५४	४४	५०	४७	९	२२
५९	३५	८१/४०	२५	७४	०	३	६०
४७	२२	व	मा	१४	४७	११	२

गोचर ग्रहाः

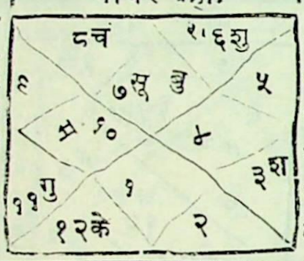

इस मास में बाजरा मूंग मोठ चना गेहूं जो चावल सोना चांदी लोहा वस्त्र रुई कपास वारदाना गुड सक्कर घृत तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

३०पं.का.शु.१०ब.इ. ५२/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	१०	६	२	५	६
१६	१६	५	३	१	२७	१६	१५
२९	३१	३८	२३	१९	६	१२	५५
२०	३०	५३	२४	४८	२२	५४	२६
६०	३५	४६/१६	१	७४	५	३	६०
४	५७	व.	३	४	२०	व.	११	१८

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५ | दि. उ. अ. भा. मु. इं | चन्द्रः | हेमंततू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा

१	चं	३८	८	भ	१२	५९	व्य	११	१३	बा	१२	४०	२७	६	२५	१६	१३	७	वृ.२६।१७	स्वात्यांशुक्रः ६।१४
२	मं	३०	७	कृ	६	१०	व	७/२९	५०/२९	तै	४	७	२८	३६	२४	१७	१४	८	वृषे	भ.५६।५०उ.
३	बु	२३	३२	रो	२४	५५/५८	शि	४३	१९	वि	२३	३२	५५	३७	२३	१८	१५	९	मि २८।२३	भ.२३।३२ या.चतुर्थीव्र.
४	गु	१८	४२	आ	५४	८	सि	३६	४०	बा	१८	४२	५२	३८	२२	१९	१६	१०	मिथुने	
५	शु	१५	५९	पु	५४	१३	सा	३१	२९	तै	१५	५९	४९	३८	२२	२०	१७	११	क.३९।१२	
६	श	१५	४०	पु	५६	२९	शु	२८	३	व	१५	४०	४५	३९	२१	२१	१८	१२	कर्के	भ.१५/४० उ.४३ या.स्वात्यांबुधः ३४
७	र	१७	६	श्ले	६०	०	शु	२६	१७	ब	१७	६	४२	४०	२०	२२	१९	१३	कर्के	धनि.भौमः २७।१६
८	चं	२०	३९	श्ले	०	२५	ब्र	२६	२९	कौ	२०	३९	३९	४०	२०	२३	२०	१४	सिं०।२५	
९	मं	२५	३५	म	६	७	ऐं	२७	२	ग	२५	३५	३६	४१	१९	२४	२१	१५	सिंहे	भ.५८।३७उ.
१०	बु	३१	४०	पू	१२	५४	वै	२८	५१	वि	३१	४०	३३	४१	१९	२५	२२	१६	कं.२९।४६	भ.३१/४० या.बृश्चिकेऽर्कः १९ (सौरः ५०/५८)
११	गु	३७	५९	उ	२०	२३	वि	३०	५८	ब	४	४९	३०	४२	१८	२६	२३	१७	कन्यायां	विशा.शुक्रः ४६।२० उत्पत्ति ११ व्रः
१२	शु	४४	३८	ह	२८	५	प्री	३३	२८	कौ	११	१८	२७	४३	१७	२७	२४	१८	कन्यायां	
१३	श	५०	५६	चि	३५	३७	आ	३५	४६	ग	१७	४७	२५	४३	१७	२८	२५	१९	तु.१।५१	भ.५९/६० उ.अनु.रविः ३७।२६ प्रदोषः
१४	र	५६	३९	स्वा	४२	५३	सौ	३७	४४	वि	२३	४७	२२	४४	१६	२९	२६	२०	तुलायां	भ.२३।४७ या.अनु.रविः सौरः ७।६
२०	चं	६०	०	वि	४९	७	शो	३९	१०	च	२९	४	१९	४४	१६	३०	२७	२१	वृ.३२।३३	[×भा.मार्गशीर्षारंभः
२०	मं	१	३०	अ	५४	२५	अ	३९	४३	ना	१	३०	१७	४५	१५	१	२८	२२	वृश्चिके	विशा.बुधः ४६।५२ कुंभे भौमः ५३।४४ ×

३१पं मा कृ.३ब.इ. ५२/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	१०	६	२	५	६
२३	२१	५	३	१०	२७	१५	२२
३०	७	०	४३	६	२	५०	५७
४०	२६	२२	१२	७	४२	३८	५८
६०	३७	३७/५०	३	७४	४६/०	३	६०
१७	१	मा	३	२६	व	११	३०

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष कृष्णे १० बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

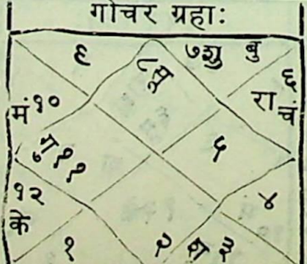

३२पं.मा.कृ.१०ब.इ. ५२/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	१०	६	२	५	७
०	२५	११	४	१८	२६	१५	०
३३	५०	४५	१२	५२	५४	२८	२
२२	२८	१८	४	४८	३६	२२	२
६०	३७	७५	४	७४	३/१	३	६०
३०	४२	१३	१४	२६	व.	११	४०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः १३२७स.२०३३

१	बु	५	१३	ज्ये	५८	५७	सु	३९	४१	ब	५	१३	२६/१४	४५/६	१५	२	२९	२३	ध.५८।५७	चंद्रदर्शनम्
२	गु	८	९	मू	६०	०	धृ	३८	४६	कौ	८	९	१३	४६	१४	३	१	२४	धनुषि	वक्रीपुन.२शनि:१०।१८रमजान ९
३	शु	९	५८	मू	२	२१	शू	३७	०	ग	९	५८	९	४६	१४	४	२	२५	धनुषि	भ.४०।१८उ.बृश्चिकेशुक्र:४४।६
४	श	१०	३८	पू	४	३५	गं	३४	२५	वि	१०	३८	७	४७	१३	५	३	२६	म.१९।५६	भ.१०।३८या.
५	र	१०	१६	उ	६	१	बृ	३१	१६	बा	१०	१६	५	४७	१३	६	४	२७	मकरे	
६	चं	८	४७	अ	६	२६	ध्रु	२६	५८	तै	८	४७	२	४८	१२	७	५	२८	कुं.३६।०	अनु.शुक्र:१९।४९चंपा६
७	मं	६	१६	ध	५	३४	व्या	२१	४०	व	६	१६	०	४८	१२	८	६	२९	कुम्भे	भ.१९/६उ.३६/१या.बृश्चिकेबुध: =
८	बु	२	४२	श	३	४१	ह	१५	४२	व	२	४२	२५/५८	४८	१२	९	७	३०	मी४६।२५	[=२१/८बुधास्त:पूर्वस्यां४९।१८
९	बु	५५	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	गु	५२	१३	पू	४०/०	५६/०	व	८	४६	तै	२५	९	५६	४९	१०	१०	८	१	मीने	अनु बुध:३२।०दिसम्बर१२ता.३१
११	शु	४५	३२	रे	५१	३७	सि	५/२	५१/१८	व	१८	५२	५४	४९	११	११	९	२	मे.५१।३७	भ.५१/६उ.४५/३२या.ज्येष्ठा.रवि:३७/८शते ÷
१२	श	३८	५	अ	४५	५४	च	४३	१२	ब	११	४८	५३	४९	११	१२	१०	३	मेषे	ज्येष्ठा.रवि:सौर:१५।०
१३	र	२९	५५	भ	३९	३७	प	३३	३१	कौ	४	०	५१	५०	१०	१३	११	४	वृ.५३।५	प्रदोष:
१४	चं	२१	५२	कृ	३३	२९	शि	२३	५३	व	२१	५२	४९	५०	१०	१४	१२	५	वृषे	भ.२१।५२उ.४८।१या.दत्तजयंती
१५	मं	१४	१०	रो	२७	४७	सि	१४	२५	व	१४	१०	४८	५०	१०	१५	१३	६	मि५५।२२	[÷भौम:४३।१८मोक्षदा११व्र.गीताजयं.

३३पं.मा.शु.१बु.इ. ५५/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	६	१०	६	२	५	७
७	०	२१	४	२७	२६	१५	७
३७	३७	३५	५०	४०	४०	६	७
१६	४४	५३	०/६	५२	४१	७	३५
६०	३८	८८	५	७४	२/१४	३	६०
४२	१४	२३	२५	२६	व.११	५	३

गोचर ग्रहाः

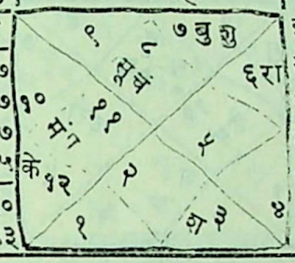

इस मास में धान्य गेहू बाजरा मूंग मोठ चनां मक्का आदि तेज हो चांदी रुई सोना तिलहन वार-दाना मंदा होवे ।

गोचर ग्रहाः

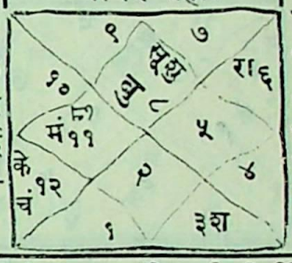

३४पं.मा.शु.८बु.इ. ५५/४५

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	१०	७	२	५	७
१४	५	२	५	६	२६	१४	१४
४२	२८	१६	३६	२८	२१	४३	१४
२९	१	५९	५८	४४	५८	५१	२१
६०	३८	९३	६	७४	२/४९	३	६१
५०	४३	५९	३२	३२	व.११	३	

ति. पौष कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.

१	बु	७	३३	मृ	२२	५८	सा	५/४८	५३/३	कौ	७	३३	२५/४९	६/५१	९	१६	१४	७	मिथुने	
२	गु	२	७	आ	१९	३२	शु	५१	४३	ग	२	७	४५	५१	९	१७	१५	८	मिथुने	भ.३०/११उ.५३/३या.ज्येष्ठाशुक्र:५८।८
३	गु	५६	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	शु	५६	५२	पु	१८	४	ब्र	४७	२	ब	२७	३७	४४	५१	९	१८	१६	९	क.३।२६	शत१गुरु:१।५२चतुर्थीव्र.
५	श	५७	१७	पु	१८	४०	ऐं	४३	४८	कौ	२७	४	४३	५१	९	१९	१७	१०	कर्के	ज्येष्ठा.बुध:२।२९
६	र	५९	५२	श्ले	२१	११	वै	४२	३७	ग	२८	३४	४२	५२	८	२०	१८	११	सिं२१।११	भ.५९।५२उ.
७	चं	६०	०	म	२५	३२	वि	४२	११	वि	३/२	२	४१	५२	८	२१	१९	१२	सिंहे	भ.३२।२या.शुक्रास्त:पूर्वस्यां२६।२४
७	मं	४	१२	पू	३१	४२	प्री	४३	१६	ब	४	१२	४०	५२	८	२२	२०	१३	कं.४७।२९	
८	बु	१०	१	उ	३८	५०	आ	४५	६	कौ	१०	१	३९	५२	८	२३	२१	१४	कन्यायां	
९	गु	१६	१०	ह	४६	१९	सौ	४७	१६	ग	१६	१०	३९	५२	८	२४	२२	१५	कन्यायां	भ.४९।२७उ.मूलेधनुष्यर्क:५४।५३
१०	शु	२२	४४	चि	५३	५५	शो	४९	३७	वि	२२	४४	३८	५२	८	२५	२३	१६	तु.२०।७	भ.२२।४४या.मूलेधनुष्यर्क:सौर:१८।५०
११	श	२९	४	स्वा	६०	०	अ	५१	३३	बा	२९	४	३८	५२	८	२६	२४	१७	तुलायां	मूलेधनुषिबुध:५४।३१सफला११व्र.
१२	र	३४	४९	स्वा	१	७	सु	५३	८	कौ	१	५६	३७	५३	७	२७	२५	१८	वृ.५०।५४	
१३	चं	३९	२५	वि	७	३०	धृ	५३	३७	ग	७	५	३७	५३	७	२८	२६	१९	वृश्चिके	भ.३२/३उ.मूले धनुषिशुक्र:३१।४प्रदोष:
१४	मं	४२	४४	अ	१२	३६	शू	५३	३	वि	११	३	३६	५३	७	२९	२७	२०	वृश्चिके	भ.११।३या.
३०	बु	४४	४०	ज्ये	१६	४०	गं	५१	३७	च	१३	४२	२६	५३	७	३०	२८	२१	ध.१६।४०	पूभा.भौम:२७।२७

३५पं.पौ.कृ.१बु.इ. ५१/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	१०	७	२	५	७
२१	१०	१३	६	१५	२५	१४	२१
४८	२१	८	३१	१७	५८	२१	२२
३२	१८	४२	८	१७	४१	३६	२
६०	३९	९६	७	७४	३/०	३	६१
५६	८	५०	३४	३२	व	११	११

३६पं.पौ.कृ.८बु.इ. ५१/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	१०	७	२	५	७
२८	१५	२४	७	२४	२५	१३	२८
५५	१७	३	३२	६	३१	५९	२०
२६	४९	४२	२०	७	४४	२०	४५
६१	३९	९८	८	७४	५/३	३	६१
०	३२	५३	३७	३२	व	११	१९

३७पं.पौ.कृ.३०बु.इ. ५१/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	१०	८	२	५	८
९	२०	५	८	२	२५	१३	५
३	१५	५	४०	५४	०	३७	४०
०	४७	४६	१६	१४	५८	४	१०
६१	३९	९९	९	७४	१/४	३	६१
४	५२	५३	२८	३६	व	११	२२

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | पौष शुक्लपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १३५६स२०३३

१	गु	४५	१९	मू	१९	१३	बृ	४९	१४	किं	१४	५९	३५ ३६	५३	७	१	२९	२२	धनुषि	भा.पौषारंभः
२	शु	४४	४६	पू	२०	४५	ध्रु	४५	५०	बा	१५	२	३६	५३	७	२	३०	२३	म.३५।५३	चद्रदर्शनम्
३	श	४३	१५	उ	२१	१६	व्या	४१	४१	तै	१४	०	३७	५३	७	३	१	२४	मकरे	सव्वाल१०
४	र	४०	५२	श्र	२०	३८	ह	३६	४३	व	१२	३	३७	५३	७	४	२	२५	कुं.५०।२	भ.१२।३उ.४०।५२या.
५	चं	३७	४८	ध	१९	२६	व	३१	१७	बृ	९	२०	३७	५३	७	५	३	२६	कुम्भे	
६	मं	३४	१९	श	१७	४०	सि	२५	३२	कौ	६	३	३८	५२	८	६	४	२७	कुंभे	पूषा.बुधः ५५ ३३ हस्त.१राहुःउभा.३केतु·१३ २१
७	बु	२९	५९	पू	१५	४३	व्य	१९	६	ग	२	९	३८	५२	८	७	५	२८	मी१।१२	भ.२९उ.५७या.पूषा.रविः५९
८	गु	२५	१९	उ	१२	२३	व	१२	११	ब	२५	१९	३९	५२	८	८	६	२९	मीने	पूषा.रवि.सौरः २८ शत.२गुरुः २७
९	शु	२०	११	रे	८	५२	प	५९	२२	कौ	२०	११	४०	५२	८	९	७	३०	मे.८।५२	पूषा.शुक्रः९।७
१०	श	१४	२९	अ	५	४	सि	४९	२९	ग	१४	२९	४१	५२	८	१०	८	३१	मेषे	भ.४१।३०उ.
११	र	८	३१	भ	० ३९	५६ ४४	सा	४१	१६	वि	८	३१	४२	५२	८	११	९	१	वृ.१४।५०	भ.६१या.जनवरी१ता.३१सन्२०३४-
१२	चं	२	१४	रो	५२	२	शु	३३	१४	बा	२	१४	४३	५१	९	१२	१०	२	वृषे	प्रदोषः [-पुत्रदा११व्र.
१३	चं	५३	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३	० ०	[=मीनेमौमः ३१ मा.स्ना.प्रा.
१४	मं	५०	३८	मृ	४८	८	शु	२५	२१	ग	२३	२४	४४	५१	९	१३	११	३	मि२०।५	भ.५०।३८उ.
१५	बु	४५	४७	आ	४५	२	ब्र	१८	७	वि	१८	१७	४५	५१	९	१४	१२	४	मिथुने	भ.१८।१७या.उषा.बुधः १४।५१=

३८पं.पौ.शु.७बु.इ. ५१ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	१०	८	२	५	८
१३	२५	१६	९	११	२४	१३	१२
१०	१४	१६	५४	४२	२८	१४	५०
५९	४२	५९	०	५४	५	४९	२
६१	४०	० ५	१०	७४	४ ३३	३	६१
६	८		१३	३८	व ११	२६	

गोचर ग्रहाः

पौष कृष्णे ९ गुरौ धनुष्यर्कःप्रविष्टः वा २ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

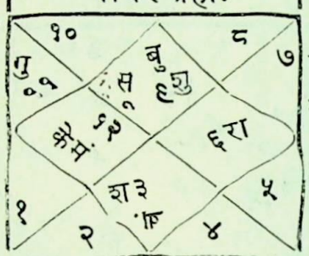

३९पं.पौ.शु.१५बु.इ. ५० ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	१०	८	२	५	८
२०	०	२७	११	२०	२३	१२	१९
१९	१३	४०	१२	३१	५३	५२	५९
५	८	५९	५०	२६	४९	३३	५९
६१	४०	० ५	१०	७४	४ ४०	३	६१
६	१२		५६	३८	व ११	२६	

ति. | माघ कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.

१	गु	४२	२४	पु	४३	१३	ऐं	११	५५	बा	१४	५	२५ ४७	५१	९	१५	१३	५	क.२८।४०	[×वक्रीपुन.१शनि·३९।९
२	शु	४०	४०	पु	४३	४	वै	६	३३	तै	११	३२	४८	५०	१०	१६	१४	६	कर्के	मकरेबुधः१३।२१
३	श	४०	२६	श्ले	४४	३७	वि	२	३४	व	१०	३३	५०	५०	१०	१७	१५	७	सिं४४।३७	भ.१०।३३उ.४०।२६या.
४	र	४२	२२	म	४७	५८	प्री	० १६	५८ ५६	ब	११	२४	५२	५०	१०	१८	१६	८	सिंहे	चतुर्थीव्र.
५	चं	४५	५५	पू	५२	४१	सौ	५६	१४	कौ	१४	८	५३	४९	११	१९	१७	९	सिंहे	उषा.शुक्रः४२।३२उभा.भौमः३।०
६	मं	५१	१९	उ	५९	१७	शो	६०	०	ग	१८	३७	५५	४९	११	२०	१८	१०	क.९।२०	भ.५१।१९उ.
७	बु	५७	७	ह	६०	०	शो	०	३३	वि	२४	१३	५७	४९	११	२१	१९	११	कन्यायां	भ.२४या.उषा.रविः ४५ २ (सौरः २१ ५५)×
८	गु	६०	०	ह	६	२२	अ	२	२३	बा	३०	२२	५९	४८	१२	२२	२०	१२	तु.४०।१३	श्रवणेबुधः१७।४१मकरेशुक्रः२३।१८
८	शु	३	३८	चि	१४	५	सु	४	४०	कौ	३	३८	२६ ४	४८	१२	२३	२१	१३	तुलायां	बुधोदयःपश्चिमायां४१।२२
९	श	१०	४	स्वा	२१	३०	धृ	६	४७	ग	१०	४	४	४७	१३	२४	२२	१४	तुलायां	भ.४३।०उ.मकरेऽर्कः२१।६ (सौरः ३७ २२)
१०	र	१५	५४	वि	२८	२१	शू	८	३१	वि	१५	५४	६	४७	१३	२५	२३	१५	वृ.११।३८	भ.१५।५४या.
११	चं	२०	२९	अ	३३	४८	गं	९	२२	बा	२०	२९	८	४६	१४	२६	२४	१६	वृश्चिके	षट्तिला११व्र.
१२	मं	२३	४४	ज्ये	३७	५२	बृ	९	१४	तै	२३	४४	११	४६	१४	२७	२५	१७	ध.३७।५२	प्रदोषः [+श्रवणेशुक्रः२१।०
१३	बु	२५	२१	मू	४०	१९	ध्रु	७	४१	व	२५	२१	१३	४५	१५	२८	२६	१८	धनुषि	भ.२५।२१उ.५५।१५या.
१४	गु	२५	१०	पू	४१	११	व्या	४	५२	श	२५	१०	१६	४५	१५	२९	२७	१९	म.५६।५	शत.३गुरुः८।५५
३०	शु	२३	२८	उ	४०	४८	ह	० ४९	५५ ५३	ना	२३	२८	१९	४४	१६	३०	२८	२०	मकरे	अभि.प्र.रविः ५३ धनि.बुधः ३५ ५४+

४०पं.मा.कृ.७बु.इ. ५० ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	१०	८	२	५	८
२७	५	९	१२	२९	२३	१२	२७
२७	१२	१५	३७	१९	१९	३०	९
७	२५	२२	१	४४	५	१८	५१
६१	४०	० ५	११	७४	४ ४०	३	६१
६	१०		२३	३८	व ११	२४	

गोचर ग्रहाः

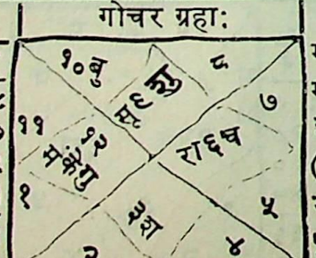

माघ कृष्णे ९ शनौ मकरेऽर्कःप्रविष्टः वा. ३ न.२ प्रगल्भावस्था (बैठी मु.१५धान्यादि भावेमहर्घताशुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

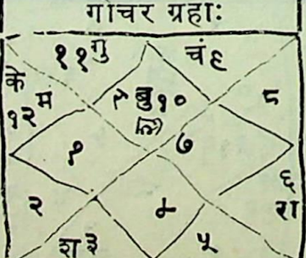

४१पं.मा.कृ.१३बु.इ. ५० ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	१०	९	२	५	९
४	१०	२०	१४	८	२२	१२	४
३४	१०	३७	४	८	४४	८	१९
५९	१६	३४	५२	६	५६	२	२०
६१	४०	९२	१२	७४	४ ४०	३	६१
३	१९	४९	८	३२	व ११	१९	

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | माघ शुक्लपक्षः सं २०९० शाकः १९५५ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १३८६स.२०३४

१	श	२०	२८	अ	३९	१	सि	४९	५१	ब	२०	२८	३६	६	४४	५६	१	२९	२१	मकरे	अभि.प्र.रवि:सौर:८।४३चंद्रदर्शनम्-
२	र	१६	३४	ध	३६	२५	व्य	४३	१७	कौ	१६	३४	२४	४	३	१७	२	१	२२	कुं.७।४३	जिल्काद११ [-भा.माघारंभः
३	चं	११	५९	श	३३	१४	व	३६	४	ग	११	५९	२७	४	३	१७	३	२	२३	कुंभे	भ.३९।-९उ.रेवत्यांभौम:३७।८
४	मं	७	०	पू	२९	४६	प	२८	५९	वि	७	०	२९	४	२	१८	४	३	२४	मी १५।४५	भ.७या.श्रवणेरवि:१९(सौर:३५)
५	बु	१	५०	उ	२६	१९	शि	२१	५०	बा	१	५०	३२	४	२	१८	५	४	२५	मीने	अभि.नि.रवि:३४(सौर:१५वसंत५
६	बु	५४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		० ०	
७	गु	५१	२३	रे	२२	५०	सि	१४	२९	ग	२४	०	३५	४	१	१९	६	५	२६	मे.२२।५०	भ.२३उ.कुंभेबुध:४भानु७रथ७
८	शु	४६	३४	अ	१९	२९	सा	७	५	वि	१८	५८	३८	४	०	२०	७	६	२७	मेषे	भ.१८या. भीष्माष्टमी
९	श	४१	३७	भ	१६	१४	शु	४	५३	बा	१४	५	४१	४	०	२०	८	७	२८	वृ.३०।२७	
१०	र	३६	५७	कृ	१३	६	ब्र	४६	१४	तै	९	१७	४५	३	९	२१	९	८	२९	वृषे	शुक्रोदयःपश्चिमायां९।३६
११	चं	३२	४०	रो	१०	२३	ऐं	३९	५३	व	४	४८	४८	३	८	२२	१०	९	३०	मि३९।१२	भ.४८उ.३०या.घनि.शुक्र:५५शत.४=
१२	मं	२८	५०	मृ	८	१	वै	३३	५४	ब	०	४५	५१	३	८	२२	११	१०	३१	मिथुने	प्रदोषः [=गुरु:५८जया११ब्र.
१३	बु	२५	३८	आ	६	१७	वि	२८	२९	तै	२५	३८	५४	३	७	२३	१२	११	१	क.५०।३४	वक्रीबुधः१।४२ फर्वरी२ता.२८
१४	गु	२३	१५	पु	५	२०	प्री	२३	४४	व	२३	१५	५८	३	६	२४	१३	१२	२	कर्के	भ.२३।१५उ.५२।४६या.
१५	शु	२२	१७	पु	५	३६	आ	२०	९	ब	२२	१७	२७	३	६	२४	१४	१३	३	कर्के	मा.स्ना.पू.

४२पं.मा.शु.५बु.इ. ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	१०	९	२	५	९
११	१५	०	१५	१६	२२	११	११
४२	९	१५	३६	५५	१२	४५	२८
२९	३६	२२	४	५२	२९	४६	११
६०	४०	७०	१२	७४	४ १०	३	६१
५९	३२	४७	२५	३२	व.११	१३	

गोचर ग्रहाः

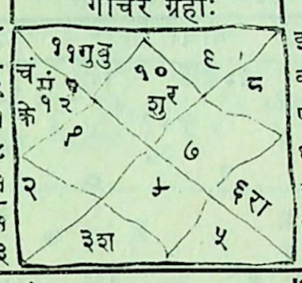

इस मास में कृष्णपक्ष कीतिथिवृद्धि व शुक्ल पक्षकी तिथिक्षय धातु धान्य बाजरा मूंगमोठ चना मक्का रस कस वारदाना तेज करे।

गोचर ग्रहाः

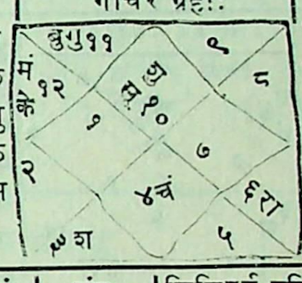

४३पं.मा.शु.१३ब.इ.५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	१०	९	२	५	९
१८	२०	४	१७	२५	२१	११	१८
४९	७	४२	९	४३	४२	२३	३६
१	४८	५०	५०	१६	११	३१	१८
६०	४०	२९	१२	७४	५२	३	६१
५५	३१	व	५२	३२	व	११	४

ति. | फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चंद्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.

१	श	२२	२९	श्ले	७	२	सौ	१७	४३	कौ	२२	२९	२७	६	५५	२५	१५	१४	४	सिं७।२	कुंभेशुक्र:१७बुधास्त:पश्चिमायां१९
२	र	२४	३०	म	१०	१३	शो	१६	२५	ग	२४	३०	८	३	४	२६	१६	१५	५	सिंहे	भ.५६।६उ.
३	चं	२७	४३	पू	१४	४१	अ	१५	५९	वि	२७	४३	१२	३	४	२६	१७	१६	६	कं.३१।९	भ.२७या.घनि.रवि:३८(सौर:३९)×
४	मं	३२	४०	उ	२०	३२	सु	१६	५५	ब	०	११	१५	३	३	२७	१८	१७	७	कन्यायां	[×चतुर्थी व्र.
५	बु	३८	१०	ह	२७	५	धृ	१८	१८	कौ	५	२५	१९	३	२	२८	१९	१८	८	कन्यायां	
६	गु	४४	४१	चि	३४	३९	शू	२०	२७	ग	११	२५	२३	३	१	२९	२०	१९	९	तु.०।५२	भ.४४।४१उ.वक्रीमकरेबुध:५१।२०
७	शु	५१	८	स्वा	४२	११	गं	२२	४०	वि	१७	५४	२७	३	१	२९	२१	२०	१०	तुलायां	भ.५५या.शतेशुक्र:३६पातस्पर्शः ५७ १९
८	श	५७	१०	वि	४९	२८	बृ	२४	५०	बा	२४	९	३०	३	०	३०	२२	२१	११	वृ.३२।३९	पातमोक्षः२१।४६
९	र	६०	०	अ	५५	५०	ध्रु	२६	१८	तै	२९	४३	३४	२९	३१	२३	२२	१२		वृश्चिके	कुंभेऽर्के ५३।४
९	चं	२	१७	ज्ये	६०	०	व्या	२६	३९	ग	२	१७	२८	२८	३२	२४	२३	१३		वृश्चिके	भ ३४उ कुंभेऽर्क:सौर:४७पूभा.१गुरु:५९
१०	मं	५	५२	ज्ये	०	४१	ह	२५	५८	वि	५	५२	४१	२८	३२	२५	२४	१४		ध.०।४१	भ.५।५२या.
११	बु	७	५२	मू	३	४९	व	२३	५०	बा	७	५२	४५	२७	३३	२६	२५	१५		धनुषि	वक्रीश्रवणेबुध:४९अश्वि.मेषेभौम:५०+
१२	गु	७	४५	पू	५	९	[illegible]	२०	७	तै	७	४५	४९	२६	३४	२७	२६	१६		म.२०।१	प्रदोषः [विजया११ब्र.
१३	शु	५	४५	उ	४	३८	व्य	१४	५०	व	५	४५	५३	२५	३५	२८	२७	१७		मकरे	भ.५५उ.३०या.बुधोदय:पूर्वस्यां२४÷
१४	श	१	५५	श्र	२	५६ २०	व	८	२०	श	१	५५	५६	२५	३५	२९	२८	१८		कुं.३०।३५	महाशिवरात्री व्र.वै.
२०	श	५४	५२		०	० ०		०	० ०		०	० ०	०	०	०	०	०	०		० ०	[÷महाशिवरात्री व्र.स्मा.

४४पं.फा.कृ.५बु.इ. ५१ १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	१०	१०	२	५	९
२५	२५	१	१८	४	२१	११	२५
५४	४	१२	४६	२९	१५	१	४३
५०	८	४	३७	४९	७	१५	५
६०	४०	५१ २	१३	७४	३ २७	३	६०
४७	३२	व.१४	३१	व.११	५५		

गोचर ग्रहाः

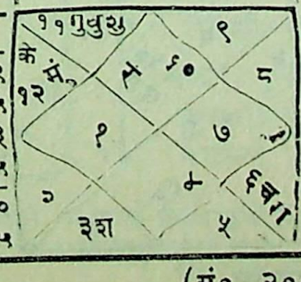

फाल्गुन कृष्णे ९ रवौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

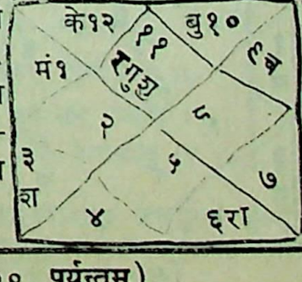

४५पं.फा.कृ.११बु.इ.५१ २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	१०	१०	२	५	१०
२	०	२३	२०	१३	२०	१०	२
५९	०	१७	२५	१५	५२	३९	४९
४२	४०	१७	१२	४३	२६	०	८
६०	४०	६६ २३	१३	७४	२ ४६	३	६०
३७	२६	व.२२	२६	व.११	४२		

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण १४१५स.२०३४
१	र ५० ३२ श ५४ १० प ५५ ५१	किं	२३	३९	२८ ६ ५	३०	२९	१९	कुम्भे शतेरविः२९।५४ (सौरः३९।४९)
२	चं ४३ ३८ पू ४९ २ सि ४३ ५३	बा	१७	५	४ २३ ३७	१	३०	२०	मी३५।१९ चन्द्रदर्शनम् भा.फाल्गुनारंभः फुलरिया२
३	मं ३६ ४१ उ ४३ ५२ सा ३५ ५	तै	१०	९	८ २२ ३८	२	१	२१	मीने पूभा.शुक्रः११।०जिल्हेज१२
४	बु २९ ४४ रे ३८ ४६ शु २६ २०	व	३	१२	१२ २२ ३८	३	२	२२	मे.३८।४६ भ.३।१२उ.२९।४४या.
५	गु २३ ११ अ ३४ ११ शु १८ ११	बा	२३	११	१६ २१ ३९	४	३	२३	मेषे पातस्पर्शः३।१७पातमोक्षः१८।३९
६	शु १७ १५ भ ३० १६ ब्र १० ३१	तै	१७	१५	२० २० ४०	५	४	२४	वृ.४४।२७ [+होलिकादहनम् भद्रोत्तरम्
७	श ११ ५९ कृ २७ २ ऐं ५३ ३३	व	११	५९	२४ १९ ४१	६	५	२५	वृषे भ.५९उ.३९या.मार्गीबुध.२३
८	र ७ ३४ रो २४ ३२ वि ५० ५०	ब	७	३४	२८ १८ ४२	७	६	२६	मि५३।४७ होलाष्टकम्
९	चं ३ ५८ मृ २३ ४ प्री ४५ ४३	कौ	३	५८	३२ १८ ४२	८	७	२७	मिथुने पूभा.२गुरुः५७।१४
१०	मं १ १७ आ २२ ३० आ ४१ १८	ग	१	१७	३६ १७ ४३	९	८	२८	मिथुने भ.३२उ.५२या.उफा.४राहुः उभा.२-
११	मं ५८ ११ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	० ० ०	०	०	०	० ० [-केतुः ५४ आमलकी११व्र.स्मा.
१२	बु ५८ २८ पु २२ ३५ सौ ३७ ४६	ब	२८	५८	४० १६ ४४	१०	९	१	क.७।३४ मीनेशुक १६ अस्तंगुरोः ३२ माच३ता३१=
१३	गु ५८ ४३ पु २३ ५२ शो ३४ ५१	कौ	२८	३५	४४ १५ ४५	११	१०	२	कर्के प्रदोषः [=आमलकी११व्र.वै.
१४	शु ५९ ५३ श्ले २६ १० अ ३२ ५४	ग	२९	१८	४८ १४ ४६	१२	११	३	सिं२६।१० भ.५९।५३उ.उभाशुक्रः५७।२४
१५	श ६० ० म २९ ३८ सु ३२ १०	वि	३१	८	५२ १४ ४६	१३	१२	४	सिंहे भ.३१या.पूभा.रविः४६ (सौरः५४ ३९) ×
१५	र २ २४ पू ३४ १६ धृ ३१ ५३	व	२	२४	५६ १३ ४७	१४	१३	५	कं.५०।४२ छारेंडी [×धनि.बुधः५३+

४६पं.फा.शु.४बु.इ. ५१ ४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	१०	१०	२	५	१०
१०	४	१९	२२	२२	२०	१०	९
३	५६	२८	४	०	३४	१६	५३
१४	६	२६	५९	५४	२३	४४	४१
६०	४०	५४ १९	१३	७४	३ ११	३	६०
२५	२२	व	३२	२६	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

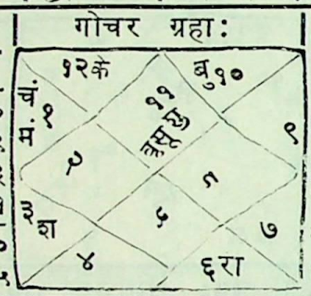

इस मासमें५शनिवार ५ रविवार अशुभ हैं २ धान्य गल्ला बाजरा मूँग मोठ चावल गेहूं धातु सोनाचांदीतांबा आदि तेज हों प्रजामें महामारी फैले ।

गोचर ग्रहाः

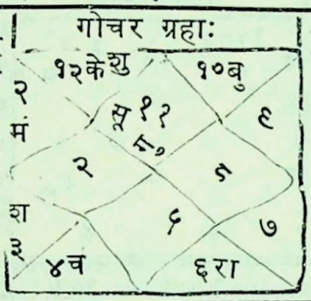

४७पं.फा.शु.१२बु.इ. ५२ २

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	१०	११	२	५	१०
१७	९	२१	२३	०	२०	९	१६
५	४८	१७	४६	४४	२०	५४	५६
२८	५८	५३	५	३५	२	२८	३६
६०	४०	२५ ४९	१३	७४	१ ११	३	६०
१२	२५	मा	३८	२३	व	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	चं ६ ४ उ ४० ० शू ३२ ३३ कौ ६ ४	२९ ६ ५	१५	१४	६	कन्यायां	भरण्यांभौमः५२।५५वसंत१
२	मं ११ १० ह ४६ २५ गं ३३ ५९ ग ११ १०	५ ११ ४९	१६	१५	७	कन्यायां	भ.४३।४८उ.
३	बु १६ २७ चि ५३ ४३ बृ ३६ ५ वि १६ २७	९ १० ५०	१७	१६	८	तु.२०।४	भ.१६।२७या. चतुर्थी व्र.
४	गु २२ ४९ स्वा ६० ० ध्रु ३८ २३ बा २२ ४९	१३ ९ ५१	१८	१७	९	तुलायां	
५	शु २९ १३ स्वा ११ १९ व्या ४० ४४ तै २९ १३	१७ ९ ५१	१९	१८	१०	वृ.५२।३	
६	श ३५ ३२ वि ८ ५८ ह ४२ ४४ ग २ २२	२१ ८ ५२	२०	१९	११	वृश्चिके	भ.३५।३२उ.
७	र ४१ ६ अ १६ २ व ४४ २ वि ८ १९	२६ ७ ५३	२१	२०	१२	वृश्चिके	भ.८।१९या.कुंभेबुध.४।२४
८	चं ४५ २९ ज्ये २१ ५४ सि ४४ २० बा १३ १७	३० ६ ५४	२२	२१	१३	ध.२१।५४	पूभा.३गुरुः४१।३६शीतलापूजनम्
९	मं ४८ ८ मू २६ २५ व्य ४३ २४ तै १६ ४८	३४ ५ ५५	२३	२२	१४	धनुषि	मीनेऽर्कः ४६ (सौरः ५४) रेवत्यांशुक्रः ४२
१०	बु ४८ ५६ पू २९ १० व ४० ५० व १८ ३२	३८ ४ ५६	२४	२३	१५	म.४४।१८	भ.१८।३२उ.४८।५६या.
११	गु ४७ ३३ उ २९ ४२ प ३६ ३७ ब १८ १५	४३ ३ ५७	२५	२४	१६	मकरे	मार्गीशनिः२०।५०पापमोचनी११व्र.
१२	शु ४४ १६ श्र २८ १५ शि ३० ५८ कौ १५ ५४	४७ ३ ५७	२६	२५	१७	कुं.५६।३८	शतेबुध.४४।१८
१३	श ३९ ४ ध २५ ० सि २३ ३८ ग ११ ४०	५१ २ ५८	२७	२६	१८	कुंभे	भ.३९उ.उभा.रविः५७ (सौरः१६ ३३) ÷
१४	र ३२ ८ श २० ५ सा १५ ३ वि ५ ३६	५५ १ ५९	२८	२७	१९	कुंभे	भ.५।३६या. [÷प्रदोषः
३०	चं २४ १३ पू १४ ० शु ४१ ५० ना २४ १३	३० ० ६	२९	२८	२०	मी०।३१	सूर्यग्रहणम् मन्वादिः

४८पं.चै.कृ.३बु.इ. ५२ २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१८	०	९	१०	११	२	५	१०
२४	१४	२६	२५	९	२०	९	२३
६	४०	४५	२८	२७	११	३२	५७
१४	४१	१४	५	३२	२८	१३	५९
५९	४०	५१	१३	७४	० ४३	३	६०
५८	३२	३८	३८	२०	व	११	६

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे ९ भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

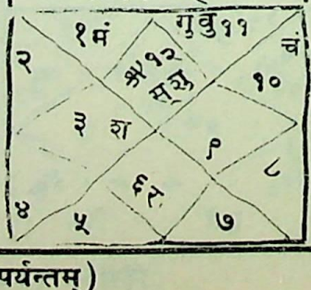

४९पं.चै.कृ.१०बु.इ. ५२ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	१०	११	२	५	११
१	१९	४	२७	१८	२०	९	०
५	३१	२८	९	८	८	९	५७
३१	४१	४१	४७	१३	३५	५७	४१
५९	४०	७०	१३	७४	०	३	५९
४१	३०	३७	३८	१४	व	११	४९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३५, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१३५, भोग्यकलिः४२६८६५, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०९१, शाकः १९५६, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः । मंत्री शुक्रः । सस्येशो रविः । धान्येशः शनिः । मेघेशो शुक्रः। रसेशो भौमः । नीरसेशः रविः । फलेशोगुरुः । धनेशः रविः।दुर्गेशःगुरुः।एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्येव्रह्मविंशतिकायां२ विभवनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः २।२६।४१।१७।४८ भोग्यमासादिः ९।३।१८।४२।१२ विष्णुदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम भाद्रपदः।मेघनामपुष्करः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे। समयविश्वा १० समयवाहनं वृषभः । स्तंभः १ अन्नस्यः । सोमवत्यमाः १ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी १ बुधाष्टमी १ रविदशमी × समयमुहूर्ताः ४०५ समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः१८, तिथिवृद्धिः१० उत्पत्ति विश्वा ९६ खपति विश्वा १०८ वर्षाविश्वा ९ धान्यम् ७ तृणम् १७, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११७, शनिदृष्टि पूर्वस्यां । सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहणाऽभावः।

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जय जय जगदंबिके जग की करो सहाय ।
एक नवति संवततणां पूरा भेद बताय ।।

भवानी उत्तर

एकोंकार इकानवे सुण भैरव धर ध्यान ।
मंगल राजा वर्ष में करें जगत में हानि ।।
श्रावण अरु आषाढ़ में वर्षा होसी मंद ।
भादव बुध भृगु योग से जग में हो आनंद ।।
दश विश्वा संवत् बना स्तंभ अन्न का एक ।
धान्याधिप रवि तनय है करसी विघ्न अनेक ।।
रोहिणी बसी समुद्र में संवत मालाकार ।
भाग सुभागी निपजसी ना सारे इकसार ।।
फल संवत्सर का कहा निज गुरु का धर ध्यान ।
बंशीधर का कथन है भली करै भगवान ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	८	२	५	१४	२	५
खर्च	१४	८	५	२	१४	५

वर्ष लग्नम् ४।५

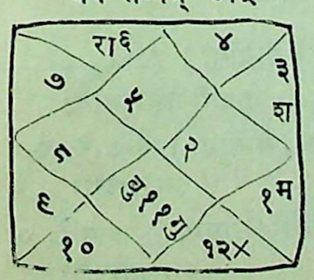

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	२	८	११	१४	१४	११
खर्च	८	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् २।४

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१२।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१९।३

×सूकेचंशु

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् ।। भौमे नृपे वन्हि भयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहं च । दु:खं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयो मुँचति वारिवाहः ।। मंत्री शुक्रः फलम् ।। भृगुसुते ननु मंत्रिपदं गते शलभ मूषक मूषक रौहिषः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ।। सस्येशो रविः फलम् ।। सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहु भूरूहाश्च ॥ धान्येशः शनिः फलम् ।। निर्धनाः क्षिति भुजो रणादराः सस्यपल्प मति रोगिणो नराः । नैव वर्षति जलं सुरेश्वरः स्याद्यदांकणपतिः शनैश्चरः ।। मेघेशो गुरुः फलम् ।। गुरुरपि प्रिय वृष्टिकरः सदाखिलविलासवती धरणी तदा । श्रुति विचार परा नरपालका रस समृद्धि युताखिल मानवाः ।। रसेशो भौमः फलम् ।। यदि धरातनयो रसपो भवेन्न रस राशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विषमो जनतापदो न जलदो बहु वृष्टि करो भुवि ।। नीरसेशो रविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्र चदनगोरपि । रत्नमाणिक्य मुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गत भया वनराशि महाद्रुमाः । यजन याजनकोत्सव मन्दिराः श्रुतिविचार परा द्विजपूर्वकाः ।। धनेशो रविः फलम् ।। द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहु द्रव्य समागमः । गज तुरंगम मेष खरोष्ट्रतः धन चय लभते क्रय विक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवरा नरपाः कर पालिताः । गिरिषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शस्त्रवतो निशम् ।। विभवनाम संवत्सरः फलम ।। दण्ड नीति परा भूपाः बहु सस्यार्घ वृष्टयः । विभवाब्दे खिला लोकाः सुखिनो निरवैरिणः ।। वर्षनाम भाद्रपदः फलम् ।। अब्दे भाद्रपदे वृष्टिः क्षेमारोग्यं क्वचित् क्वचित् । सर्व सस्य समृद्धिः स्यान्नाशमेत्य परं फलम् ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मंदवृष्टिःस्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रेतु महावृष्टिः।। समयनिवासो मालाकार गृहे फलम् ।। मालिनःप्रचुरावृष्टिः।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्।।

संवत् २०९१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ४ शनौ मृगे ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः)
ल. ११ (घ.५५-१२या) रे. ७ ।।।।।ऽरोऽऽ।।
,, १० गुरौ मघा ल. ११ रे. ७ ।।।।।ऽनृऽऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

ज्येष्ठ मासः

शुक्ला १२ चन्द्रे स्वात्यां ल. ११-१ (मेषेचं.७पू.) रे. ६
ऽ।।।।।।।।
,, १४ गुरौ ऽनु ल. ११ रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।

प्र. आषाढ मासः

कृष्णा ३ चन्द्रे उषा ल. १ रे. ६ ।।।ऽबुऽ।।ऽ।ऽ दग्धा
पादतो वेधाऽभावः

कार्तिक मासः

शुक्ला ११ बुधे रेव ल. ६ (गु.चं.७मेपूज्यौ) रे. ६
।।।।।ऽचो।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा २ चन्द्रे मृगे ल. गो. ६ (गु.पू.सत्) रे. ८
।।।।।ऽअऽ।।।
शुक्ला ३ बुधे उषा ल. ६ (गु.७प) रे.१० ।।।।।।।।।

पौष मासः

शुक्ला ६ चन्द्रे उभा ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।
,, ११ शनौ रोहि ल. गो. (सोग्रांग.) रे.६ ऽ।।।ऽ।।।ऽऽ
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ४ शनौ उफा ल. गो. (सोग्रांगः) ७-६ रे. ७
।।।।ऽऽनृ।ऽ।।
,, ५ रवौ हस्ते ल. ७-६ रे ६ ।।।ऽबृऽ।ऽऽ।।
पादतो वेधाऽभावः
,, ६ गुरौ अनु ल. ७-६ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला १० शनौ मृगे ल. गो. (सोग्रांगः) ६-७ रे. ७
।ऽ।।।ऽनृ।ऽ।।
,, १४ बुधे मघा ल. ६ (घ.५१-२४उ.) रे. ७
।।।ऽबु।ऽरो।ऽ।। पादतो वेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ शनौ उफा ल. गो. (सोग्रांगः) रे. ७
।।।ऽबृऽऽअ।।। पादतो वेधाऽभावः
,, ७ गुरौ अनु ल. ऽन्यगो (सोग्रागः) ६-७ रे. ७
ऽ।।।।।ऽऽ।।
,, ११ चन्द्रे उषा. ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ७-८ रे. ७
ऽ।।।।ऽअ।ऽ।।

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः १४४५स.२०३४
१	मं १५ ३२	उ ७ २६	व्र ४५ ३७	ब १५ ३२	३० ५९	६ १	३० २९ २१	मीने	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	बु ६ ३७	रे ० ३५ २३	ऐं ३५ ३४	कौ ६ ३७	८ ५८	२ १	१ २२	मे.०।३१	मोहोरम १सन् १४५६ हि.भा.चैत्रारंभः =
३	बु ५१ ३०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	० ०	० ० ०	० ०	[–सिंधारा [=मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	गु ५० २१	भ ४८ १	वै २६ ५	व २४ १४	१२ ५८	२ २	२ २३	मेषे	भ.२४।१४उ.५०।२१या.
५	शु ४३ १७	कृ ४३ ९	वि १७ १४	ब १६ ४९	१६ ५७	३ ३	३ २४	वृ.१।४८	
६	श ३७ ४३	रो ३९ ३४	प्री ९ ४८	कौ १० ३०	२१ ५६	४ ४	४ २५	वृषे	अश्वि.मेषेशुक्रः २९।५४
७	र ३३ १६	मृ ३७ ११	आ ३ ५४ ३३	ग ५ २९	२५ ५५	५ ५	५ २६	मि८।२२	भ.३३।१६उ.कृत्ति.भौम.१८।३२
८	चं ३० २४	आ ३६ १९	शो ५३ ११	वि १ ५०	२९ ५४	६ ६	६ २७	मिथुने	भ.१५० या.पूषाबुधः १९० पूभा४मीनेगुरुः ३३९
९	मं २८ ४९	पु ३६ ४५	अ ४९ १०	कौ २८ ४९	३३ ५३	७ ७	७ २८	क.२१।३९	रामनवमी
१०	बु २८ ३२	पु ३८ ३४	सु ४६ ५२	ग २८ ३२	३७ ५३	७ ८	८ २९	कर्के	भ.५९।८उ.
११	गु २९ ४४	श्ले ४१ ३९	धृ ४५ ३१	वि २९ ४४	४१ ५२	८ ९	९ ३०	सिं४१।३९	भ.२९।४४या.कामदा११व्र.
१२	शु ३१ ५२	म ४५ ४६	शू ४६ १७	ब ० ४८	४५ ५१	९ १०	१० ३१	सिंहे	रेवत्यांरविः ३५।३०वृषेभौमः९।४८
१३	श ३५ २२	पू ५० ५२	गं ४६ २५	कौ ३ ३७	४९ ५०	१० ११	११ १	सिंहे	अप्रेल४ता.३० प्रदोषः
१४	र ३९ ३५	उ ५६ ५५	वृ ४७ २६	ग ७ २८	५३ ४९	११ १२	१२ २	कं.७।२३	भ.३५उ.मीनेबुधः१७८
१५	चं ४४ ५८	ह ६० ०	ध्रु ४९ ५	वि १२ १७	५७ ४९	११ १३	१३ ३	कन्यायां	भ १२।१७या. हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.२बु.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	१०	११	२	५	११
८	२४	१३	२८	२६	२०	८	७
३	२१	४७	५०	४८	११	४७	५५
१८	७	२४	५३	७	३५	४२	३६
५९	४०	८६	१३	७४	०	३	५९
२९	३३	१०	३२	२	४९	११	३५

गोचर ग्रहाः

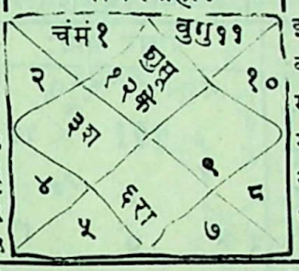

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन बाजरा मूंग मोठ जौ गेहूं मक्का वस्त्र वारदाना गुड शक्कर सोना चांदी तेज हो।

गोचर ग्रहाः

५१पं.चै.शु.१०बु.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	११	०	२	५	११
१४	२९	२४	०	५	२०	८	१४
५९	८	२६	३१	२६	१४	२५	५१
१०	२४	३१	२३	३५	५९	२६	४७
५९	४०	९७	१३	७३	१	३	५९
१६	३१	५८	२६	५६	२९	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	मं ५० २९	ह ३ २३	व्या ५१ ८	बा १७ ४३	३१ ५	६ १२	१४ १४	४	तु.३७।५ उभाबुधः १६।३८
२	बु ५६ ४७	चि १० ४७	ह ५३ ४०	तै २३ ३८	५ ४७	१३	१५ १५	५	तुलायां भरण्यांशुक्रः १९।१९
३	गु ६० ०	स्वा १८ १७	व ५५ ४५	व २९ ५४	८ ४६	१४	१६ १६	६	तुलायां भ.२९।५४उ.
४	शु ३ २	वि २५ ५६	सि ५८ ९	वि ३ २	११ ४६	१४	१७ १७	७	वृ.९।१ भ.३।२या. चतुर्थी व्र.
५	श ९ १४	अ ३३ १५	व्य ६० ०	बा ९ १४	१५ ४५	१५	१८ १८	८	वृश्चिके
६	र १४ ४९	ज्ये ३९ ४०	व्य ० २	तै १४ ४९	१८ ४४	१६	१९ १९	९	घ.३९।४० बुधास्तःपूर्वस्यां १।३९
७	चं १९ ३८	मू ४५ १५	व १ ८	व १९ ३८	२२ ४४	१७	२० २०	१०	धनुषि भ.५९ उ.५१ या.उभा.१गुरुः ४५
८	मं २३ ५	पू ४९ १६	प १ ११	व २३ ५	२६ ४३	१८	२१ २१	११	धनुषि रेवत्यांबुधः ३७।१४
९	बु २४ ५५	उ ५१ ३४	शि ० ५३ २३	कौ २४ ५५	३० ४२	१८	२२ २२	१२	[×(सौरः १७ रोहि.भौमः ५७ म.४।५०
१०	गु २४ ५१	श्र ५१ ५५	सा ५३ १६	ग २४ ५१	३४ ४१	१९	२३ २३	१३	मकरे भ.५३।४७उ.
११	शु २२ ४३	ध ५० २९	शु ४७ ३८	वि २२ ४२	३८ ४	२०	२४ २४	१४	कुं.२१।१२ भ.२२।४२या.अश्वि.मेषेऽर्कः ९।२९×
१२	श १८ ३६	श ४६ ४६	शु ४० १७	बा १८ ३६	४२ ४०	२०	२५ २५	१५	कुंभे वरुथिनी११व्र.
१३	र १२ ३५	पू ४१ ३४	व्र ३१ ३०	तै १२ ३५	४६ ३९	२१	२६ २६	१६	मी२७।५२ कृत्ति.शुक्रः ११।५५ प्रदोषः
१४	चं ५ २	उ ३५ १	ऐं २१ ४५	व ५ २	५० ३८	२२	२७ २७	१७	मीने भ.५।२उ.३०।३३या.
१५	चं ५१ २	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	० ०	० ० ०	० ०	
३०	मं ४६ २२	रे २७ ३७	वै ११ ११	च २१ १३	५३ ३७	२३	२८ २८	१८	मे.२७।३७ अश्वि.मेषेबुधः १५।३९ बृषेशुक्रः ५७।४४

५२पं.वै.कृ.२बु.इ. ५४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	११	०	२	५	११
२१	३	६	२	१४	२०	८	२१
५३	५४	१६	१०	२	३२	३	४५
३१	३६	४८	१६	२०	५६	१०	५८
५९	४०	९	१३	७३	२	३	५९
४	२१	६	२०	५०	८	११	४

गोचर ग्रहाः

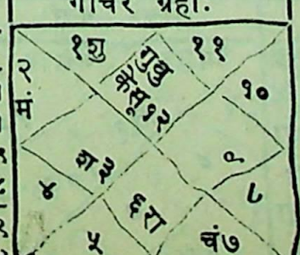

गोचर ग्रहाः

१पं.वै.कृ.१०शु.इ. ९२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	११	०	२	५	११
०	९	२१	४	२४	२०	७	२९
०	३०	४५	४	९	५४	३७	५२
०	४	४३	३७	३२	११	३	१४
५८	४०	०	१३	७३	२	३	५८
४४	२३	२२	२	४४	५५	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः १४७४सं. २०३४

१	बु	३६	२६	अ	१९	३९	वि	२२	४९/१०	किं	११	२४	३१/५७	६/३३	२९	२९	१९	मेषे	[-उफा.३राहु.उभा.१केतुः ६/४९
२	गु	२७	२७	भ	१२	६	आ	३९	१३	बा	१	५६	३२/१	३६	२४	३०	३०	२०	वृ.२५।२१	चन्द्रदर्शनम् परशुरामजयंती
३	शु	१८	२८	कृ	७	५४/२०	सौ	२९	२६	ग	१८	२८	५	३५	२५	१	१	२१	वृषे	भ.३४उ.सफर२भा.वैशाखारंभःअक्षया३
४	श	१०	४७	मृ	५५	१२	शो	२०	५७	वि	१०	४७	९	३४	२६	२	२	२२	मि२७।२०	भ.१०।४७या.
५	र	४	३१	आ	५२	४१	अ	१४	५	बा	४	३१	१२	३४	२६	३	३	२३	मिथुने	
६	चं	०	११	पु	५१	५४	सु	८	३१	तै	०	११	१६	३३	२७	४	४	२४	क.३७।६	भ.५७।२८उ.भरण्यांबुधः३६।२
७	चं	५७	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	मं	५६	४२	पु	५३	३	धृ	४	१७	वि	२७	५	२०	३२	२८	५	५	२५	कर्कं	भ.२५या.उभा.२गुरुः ३२/पातस्पर्शः ४४/५०
९	बु	५७	४३	श्ले	५५	५६	शू	१	४१	बा	२७	१३	२३	३१	२९	६	६	२६	सिं५५।५६	पातमोक्षः६।४३
१०	गु	६०	०	म	६०	०	गं	०	१३	तै	२८	५५	२७	३१	२९	७	७	२७	सिंहे	भरण्यांरविः ४९/१ सौरः ५९, रोहिशुक्रः १०/१२
१०	शु	०	७	म	०	१०	बृ	०	१	ग	०	७	३१	३०	३०	८	८	२८	सिंहे	भ.३२।४उ.
११	श	४	१	पू	५	३८	ध्रु	०	४७	वि	४	१	३४	२९	३१	९	९	२९	कं.२२।१४	भ.४।१या.मोहिनी ११ब्र.
१२	र	८	४१	उ	१२	१	व्या	२	४	बा	८	४१	३८	२८	३२	१०	१०	३०	कन्यायां	कृत्ति.बुधः५१।२ प्रदोषः
१३	चं	१४	३०	ह	१९	५	ह	४	८	तै	१४	३०	४१	२८	३२	११	११	१	तु.५२।४१	मई५ता.३१ नृसिंहजयंती
१४	मं	२०	६	चि	२६	१७	व	६	२	व	२०	६	४५	२७	३३	१२	१२	२	तुलायां	भ.२९उ.५३या.बृषेबुधः ३३/३४-
१५	बु	२६	२४	स्वा	३३	४७	सि	८	३४	व	२६	२४	४८	२६	३४	१३	१३	३	तुलायां	बुधोदयःपश्चिमायां ५१/९ यमायकुंभदानम्

२पं.वै.शु.३शु.इ. ९/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	११	१	२	५	०
६	१४	६	५	२	२१	७	६
५०	११	६	४०	४१	१८	१४	४२
४६	५३	४	५	४६	०	४७	२५
५८	४०	५९/१	१२	७३	३	३	५८
३१	१९	१/२	३७	३२	३५	११	२९

गोचर ग्रहाः

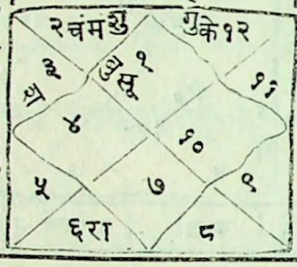

वैशाख कृष्णे १०शुक्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः, वा.४ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

३पं.वै.शु.१०शु.इ. १/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	११	१	२	५	०
१३	१८	२१	७	११	२१	६	१३
३९	५३	५	१२	१२	४६	५२	३०
५०	२४	४६	३६	३२	४१	३१	५७
५८	४०	५९/१	१२	७३	४	३	५८
१९	४	३/४	१८	२०	१४	११	१२

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६	दि. उ. अ.भा. मु. इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	गु	३२	२४	वि	४१	१४	व्य	१०	४७	कौ	३२	२४	३२/५२	३९/३४	१४	१४	४	वृ.२४।२२	मृगेभौमः५०।३५
२	शु	३८	२५	अ	४८	२२	ध	१३	७	तै	५	२४	५५	२५	३५	१५	१५	५	वृश्चिके	
३	श	४३	४४	ज्ये	५४	४९	प	१४	५६	व	११	४	५८	२४	३६	१६	१६	६	ध.५४।४९	भ.११।४उ.४३।४४या.
४	र	४८	२२	मू	६०	०	शि	१६	१७	ब	१६	३	३३/३२	२४	३६	१७	१७	७	धनुषि	रोहि.बुधः३५।३४ चतुर्थी ब्र.
५	चं	५२	१	मू	०	३७	सि	१६	५५	कौ	२०	११	५	२३	३७	१८	१८	८	धनुषि	मृगेशुक्रः६।१३
६	मं	५४	२३	पू	५	१८	सा	१६	२५	ग	२३	१२	८	२२	३८	१९	१९	९	म.२१।९	भ.५४।२३उ.
७	बु	५५	१८	उ	८	४४	शु	१५	१७	वि	२४	५०	११	२२	३८	२०	२०	१०	मकरे	भ.२४।५०या.
८	गु	५४	३४	श्र	१०	३३	शु	१२	४१	बा	२४	५६	१४	२१	३९	२१	२१	११	कुं.४०।४०	कृत्ति.रविः ३५/४० सौरः ५६/५९ उभा.३बुधः ३९/३३
९	शु	५२	४	ध	१०	४६	ब्र	८	३८	तै	२३	१९	१७	२१	३९	२२	२२	१२	कुंभे	
१०	श	४७	४१	श	९	१०	ए	३/१९	५३/२१	व	१९	५२	२०	२०	४०	२३	२३	१३	मी५१।४५	भ.५२/५९उ.४७/४९या.मिथुनशुक्रः ४४/४३
११	र	४१	२३	पू	५	५६	वि	४८	११	ब	१४	३२	२३	१९	४१	२४	२४	१४	मीने	मिथुनेभौमः५३।५५ अपरा ११ब्र.
१२	चं	३३	४६	उ	५८/०	५३	प्री	३८	३५	कौ	७	३४	२६	१९	४१	२५	२५	१५	मे.५४।५३	बृषेऽर्कः२।५५ (सौर.१४।४४) प्रदोषः
१३	मं	२५	२	अ	४७	४२	आ	२८	२९	व	२५	२	२८	१८	४२	२६	२६	१६	मेषे	भ.२५/३उ.५९/०या.मृगेबुधः २६/३१ पुन.२=
१४	बु	१४	३७	भ	३९	५४	सौ	१७	४१	श	१४	३७	३१	१८	४२	२७	२७	१७	वृ.५२।५८	
२०	गु	४	२०	कृ	३२	१०	शो	६/५१	४९/२०	ना	४	२०	३४	१७	४३	२८	२८	१८	वृषे	वटपूजनम् [=शनिः १८/४९

४पं.ज्ये.कृ.२शु.इ. १०/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	११	१	२	५	०
२०	२३	५	८	१९	२२	६	२०
२७	३३	१९	४१	४०	१९	३०	१७
२९	७	५९	५३	३०	३४	१६	३७
५८	४०	५९/१	११	७३	४	३	५७
६	०	१/०	५३	११	४७	११	५७

गोचर ग्रहाः

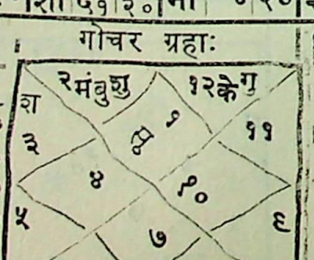

ज्येष्ठ कृष्णे १२ चन्द्रे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० घान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

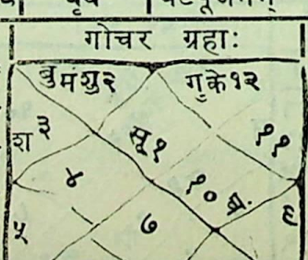

५पं.ज्ये.कृ.९शु.इ. १०/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	११	१	२	५	०
२७	२८	१७	१०	२८	२२	६	२७
१३	११	१३	७	५	५५	८	२
३७	१३	४४	४१	३५	५५	०	५१
५७	३९	९२	११	७२	५	३	५७
५४	५६	५७	१६	५०	८	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चंद्रः ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १५०४स.२०३४

१	गु	५१	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	४६	२०	रो	२४	५३	सु	४६	२९	बा	२०	५७	३३ ५	७ ६	४३	२९	२९	१९	मि५१।५०	चन्द्रदर्शनम् आर्द्राशुक्रः१९।४५
३	श	३८	४०	मृ	२८	४७	धृ	३७	३२	तै	१२	३०	२९	१६	४४	३०	१	२०	मिथुने	रविलावल३
४	र	३२	३५	आ	१४	११	शू	३०	५	व	५	३७	४२	१६	४४	३१	२	२१	क.५७।१३	भ.५।३७उ.३२।३५या.
५	चं	२८	२४	पु	११	३४	गं	२४	२७	ब	०	२९	४४	१५	४५	१	३	२२	कर्के	मिथुनेबुधः भा.ज्येष्ठारंभः
६	मं	२६	१२	पु	१०	४६	वृ	२०	२३	तै	२६	१२	४७	१५	४५	२	४	२३	कर्के	
७	बु	२६	२२	श्ले	१२	२५	ध्रु	१८	३	व	२६	२२	४९	१४	४६	३	५	२४	सिं१२।२५	भ.२६।२२उ.५७।१८या.
८	गु	२८	१४	म	१५	४०	व्या	१७	२	ब	२८	१४	५२	१४	४६	४	६	२५	सिंहे	रोहि.रविः २६/१८ (सौरः ४०/४६) आर्द्रा.भौमः ५/४७
९	शु	३१	५८	पू	२०	४४	ह	१७	३८	बा	०	६	५४	१३	४७	५	७	२६	कं.३७।१७	
१०	श	३६	५०	उ	२६	५५	व	१८	५३	तै	४	२४	५६	१३	४७	६	८	२७	कन्यायां	गंगादशमी
११	र	४२	४८	ह	३४	१७	सि	२१	३	व	९	४९	५८	१२	४८	७	९	२८	कन्यायां	भ.९।४९उ.४०।४८या.निर्जला११ब्र.
१२	चं	४८	५१	चि	४१	३३	व्य	२३	२०	ब	१५	५०	३४ ०	१२	४८	८	१०	२९	तु.७।५५	उभा.४गुरुः२६।५८
१३	मं	५५	११	स्वा	४९	१४	व	२५	५०	कौ	२२	१	२	१२	४८	९	११	३०	तुलायां	पुन.शुक्रः३५।४४ प्रदोषः
१४	बु	६०	०	वि	५६	२८	प	२८	१३	ग	२८	५	३	११	४९	१०	१२	३१	वृ.३९।३९	वक्रीबुधः२९।४८
१५	गु	०	५९	अ	६०	०	शि	३०	१७	व	०	५९	७	११	४९	११	१३	१	वृश्चिके	भ.०।५९उ.३३।४५या.जून६ता.३०
१५	शु	६	३२	अ	३	२६	सि	३१	५७	व	६	३२	५	११	४९	१२	१४	२	वृश्चिके	गुर्जराणां वटसावित्री ब्र.

६ पं.ज्ये.शु.२शु.इ. १०/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	११	२	२	५	१
३	२	२६	११	६	२३	५	३
५८	४७	८	२९	२८	३६	४५	४६
४४	४२	५३	४९	५९	०	४५	३६
५७	३९	६१	१०	७२	५	३	५७
४४	४६	४३	४१	३२	३५	११	३४

७ पं.ज्ये.शु.९शु.इ. १०/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	११	२	२	५	१
१०	७	१	१२	१४	२४	५	१०
४२	२३	३९	४७	४९	१९	२३	३८
४०	१०	४३	२४	५	१९	२९	४७
५७	३९	२५	९	७२	६	३	५७
३५	५३	३५	५८	६	२	११	२३

८ पं.ज्ये.शु.१५शु.इ. १०/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	११	२	२	५	१
१७	११	३	१३	२३	२५	५	१७
२५	५७	२३	५९	५	५	१	९
२६	२५	३१	४९	२४	१३	१३	५३
५७	३९	६/१	९	७१	६	३	५७
२७	४५	व.२०	४४	२०	११	१३	

ति. प्र.आषाढ़ कृष्णपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.

१	श	११	११	ज्ये	९	३२	सा	३२	५३	कौ	११	११	३४ ५	१० ५०		१३	१५	३	ध.९।३२	
२	र	१५	६	मू	१४	४७	शु	३३	१०	ग	१५	६	१०	१०	५०	१४	१६	४	धनुषि	भ.४/६१ उ.बुधास्तः पश्चिमायां ५३/४८
३	चं	१७	५६	पू	१९	८	शु	३२	४०	वि	१७	५६	१२	१०	५०	१५	१७	५	म.३४।५९	भ.१७।५६या. चतुर्थीव्र.
४	मं	१९	४३	उ	२२	३२	ब्र	३१	१४	बा	१९	४३	१३	९	५१	१६	१८	६	मकरे	
५	बु	२०	११	श्र	२४	४९	एं	२९	०	तै	२०	११	१५	९	५१	१७	१९	७	कुं.५५।२०	
६	गु	१९	४८	ध	२५	५१	वै	२५	५२	व	१९	४८	१६	९	५१	१८	२०	८	कुंभे	भ.१९/४८ उ.४९या.मृगेरविः २१/१० सौरः ३९/३६)* [*ककेंशुक्रः ५/२१
७	शु	१८	११	श	२५	४३	वि	२१	३७	ब	१८	११	१७	९	५१	१९	२१	९	कुंभे	
८	श	१४	५९	पू	२४	१३	ग्री	१६	१४	कौ	१४	५९	१८	८	५२	२०	२२	१०	मी९।३५	पुष्येशुक्रः३२।१६
९	र	१०	३५	उ	२१	२२	आ	९	५७	ग	१०	३५	१९	८	५२	२१	२३	११	मीने	भ.३७।४१उ.
१०	चं	४	४६	रे	१७	११	सौ	२ ८	५१/४६	वि	४	४६	१९	८	५२	२२	२४	१२	मे.१७।११	भ.४।४६या.योगिनी११ब्र.स्मा.
११	चं	५३	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	मं	४९	४६	अ	११	४९	अ	४५	०	कौ	२३	५०	२०	८	५२	२३	२५	१३	मेषे	वक्रीवृषेबुधः०।१९योगिनी११ब्र.वै.
१३	बु	४१	१३	भ	५/३७	५२/३	सु	३५	१७	ग	१५	२९	२१	८	५२	२४	२६	१४	वृ.१८।४३	भ.४१।१३उ.पुन.भौमः ३५।४३प्रदोषः
१४	गु	३२	१	रो	५२	५	धृ	२५	१०	वि	६	३७	२१	८	५२	२५	२७	१५	वृषे	भ.६।३७या.मिथुनेऽर्कः ९/४४ (सौरः ४०/२४)- [-पुन.३शनिः ४९/४९
३०	शु	२३	८	मृ	४५	३८	शू	१५	१७	ना	२३	८	२२	८	५२	२६	२८	१६	मि१८।५१	

९ पं.प्र.आ.कृ.७शु.इ. १०/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	११	३	२	५	१
२४	१६	१	१५	१	२५	४	२३
७	३०	४६	६	१७	५३	३८	४९
३०	४७	४१	४७	४६	३८	५८	४९
५७	३९	१९/२९	८	७१	६	३	५७
२२	३९	व.३२	१७	३२	११	५	

गोचर ग्रहाः

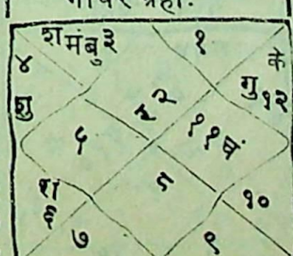

प्र. आषाढ कृष्णे १४ गुरौमिथुनेऽर्कः प्रविष्ट वा.४न.५वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

१० पं.प्र.आ.कृ.३०शु.इ. १०/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	११	३	२	५	२
०	२१	२८	१६	९	२६	४	०
४८	२	१५	८	२५	४३	१६	२८
४७	४२	३६	६	४४	१९	४२	५८
५७	३९	५/३३	७	७०	६	३	५६
१७	३५	व.३२	४१	५०	११	५७	

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	प्र.आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १५३३स.२०३४
१	श १४ ४७ आ ४० ७ गं ५ ५१ व १४ ४७ ३४ ५६	२७	२९	१७				मिथुने	चन्द्रदर्शन संभवः
२	र ७ ४७ पु ३५ ५५ ध्रु ५० ९६ को ७ ४७ २३ ७ ५३	२८	१	१८				क.२१.५८	रविलाखर४
३	चं २ २० पु ३३ २७ व्या ४४ २६ ग २ २० २३ ७ ५३	२९	२	१९				कर्के	भ.३०.३८उ.५६या.रेवती.१गुरुः४५ २
४	चं ५६ ३६ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०						
५	मं ५७ ४६ श्ले ३३ ५ ह ४० ३१ ब २८ २१ २३ ७ ५३	३०	३	२०				सिं३३.२५	
६	बु ५८ २५ म ३४ ५० व ३८ २१ को २८ ५ २४ ७ ५३	३१	४	२१				सिंहे	
७	गु ६० ० पू ३८ ३८ सि ३७ ४० ग २९ ५० २४ ७ ५३	१	५	२२				कं.५५.१	आर्द्रारविः १६९ (सौर ४५७) आश्ले.शुक्रः=
७	शु १ १६ उ ४४ ९ व्य ३८ ८ व १ १६ २४ ७ ५३	२	६	२३				कन्यायां	भ.१९६ उ.३३०या.बुधोदयःपूर्वस्यां२६
८	श ५ ४४ ह ५० ५१ व ३९ ४६ ब ५ ४४ २४ ७ ५३	३	७	२४				कंन्यायां	[=२६४भा.आषाढारंभः
९	र ११ २६ चि ५८ ७ प ४१ ५६ को ११ २६ २४ ७ ५३	४	८	२५				तु.२४.२९	
१०	चं १७ २२ स्वा ६० ० शि ४४ २८ ग १७ २२ २३ ७ ५३	५	९	२६				तुलायां	भ.५०.३५उ.अस्तोभौमः४७.४७
११	मं २३ ४७ स्वा ५ ५२ सि ४६ ५५ वि २३ ४७ २३ ७ ५३	६	१०	२७				वृ.५६.२७	भ.२४३या.मार्गीबुधः३५कमला११व्र.
१२	बु २९ ३७ वि १३ १९ सा ४९ ७ बा २९ ३७ २२ ८ ५२	७	११	२८				वृश्चिके	
१३	गु ३४ ५६ अ २० ७ शु ५० ३९ को २ १६ २२ ८ ५२	८	१२	२९				वृश्चिके	अस्तंशनेः २०.२०
१४	शु ३९ १ ज्ये २६ ८ शु ५१ २४ ग ६ ५८ २१ ८ ५२	९	१३	३०				ध.२६.८	भ.३९.१उ.ककभौमः४.५२
१५	श ४२ ८ मू ३० ५५ ८ ५१ २१ वि १० ३४ २० ८ ५२	१०	१४	१				धनुषि	भ.१०.३४या जलाई७ता.३१

११पं.प्र आ.शु.७श.इ. १४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	१	३	२	५	२
७	२५	२५	१७	१७	२७	३	७
२९	३३	१९	२	२९	३५	५४	७
४२	२९	१९	२४	२३	१३	२७	२५
५७	३९	१९ ४३	६	६९	७	३	५६
१३	३५	व.	३२	५८	२	११	५४

गोचर ग्रहः

इस मास में वदि में धान्य चांदीस्वर्णलोहा रुई रंग सूत मंदाहोकर सुदि में तेज हो जावे प्रज में महामारी फैले

गोचर ग्रहः

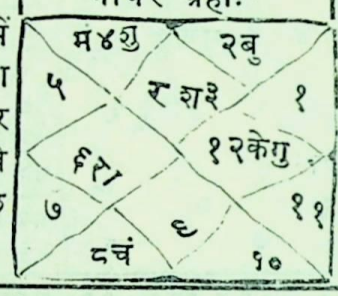

१२पं.प्र.आ.शु.१४श.इ. १९१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१	३	२	५	२
१४	०	२५	१७	२५	२८	३	१३
१०	३	२३	४९	२६	२८	३२	४५
८	५०	३१	३४	१७	१२	११	३०
५७	३९	१३	५	६९	७	३	५६
७	२२	सा	३१	२	९	११	५०

ति	द्वि आषाढ़कृष्णपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे प्र.आषाढ़कृष्णेति महा.
१	र ४४ १ पू ३४ ४० ऐं ५० २२ बा १३ ५ ३४ ५६	११	१५	२				म.५०.१६	
२	चं ४४ ४७ उ ३७ ६ वै ४८ ३२ तै १४ २४ १८ ८ ५२	१२	१६	३				मकरे	[-उफा.२राहु.पूभा.४केतुः ०३४
३	मं ४४ १७ श्र ३८ ४१ वि ४५ ५२ व १४ ३२ १७ ९ ५१	१३	१७	४				मकरे	भ.१३३उ.२४या.मघा.सिंहेशुक्रः १७२०-
४	बु ४२ ५६ ध ३९ २२ प्री ४२ २० ब १३ ३६ १६ ९ ५१	१४	१८	५				कुं.९.२	पुष्येभौमः १८.११ चतुर्थी व्र.
५	गु ४० ४६ श ३९ ७ आ ३८ ७ को ११ ५१ १५ ९ ५१	१५	१९	६				कुम्भे	पुन.रविः १७.१९ (सौरः४५.५९)
६	शु ३७ ४३ पू ३७ ५० सो ३३ १८ ग ९ १५ १४ ९ ५१	१६	२०	७				मी२३.९	भ.३७.४३उ.मिथुनेबुधः
७	श ३३ ५५ उ ३५ ५३ शो २७ ३८ वि ५ ४९ १३ ९ ५१	१७	२१	८				मीने	भ.५.४९या.
८	र २९ २८ रे ३३ १६ अ २१ २५ बा १ ४१ ११ १० ५०	१८	२२	९				मे.३३.१६	
९	चं २३ ५५ अ २९ ४४ सु १४ ४१ ग २३ ५५ १० १० ५०	१९	२३	१०				मेषे	भ ५०.४३उ.
१०	मं १७ ३१ भ २५ ३० धृ ९ ५८ वि १७ ३१ ८ १० ५०	२०	२४	११				वृ.३९.१७	भ.१७.३१या.
११	बु ११ ० कृ २० ३७ गं ५० ४२ बा ११ ० ७ ११ ४९	२१	२५	१२				वृषे	पुन.४कर्केशनि.३.४७कमला११व्र.
१२	गु ३ ४४ रो १५ ३५ बृ ४२ ५ तै ३ ४४ ५ ११ ४९	२२	२६	१३				मि४२.५३	भ.५६.२६उ.आर्द्रा.बुधः३९.५२
१३	गु ५२ ४२ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	७	०	०				० ०	
१४	शु ४९ ८ मृ १० १२ ध्रु ३३ १२ वि २२ ४७ ३ ११ ४९	२३	२७	१४				मिथुने	भ.२२.४७या.
२०	श ४२ ४४ आ ५ २१ व्या २५ १३ च १५ ५६ १ १२ ४८	२४	२८	१५				क.४७.१७	

१३पं.द्वि.आ.कृ.६शु.इ. १३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१	४	२	५	२
२०	४	२९	१८	३	२९	३	२०
५०	३४	३५	२८	१६	२१	९	२३
३५	५	१३	४१	४४	३६	५५	२४
५७	३९	५०	४	६८	७	३	१६
७	३२	४९	२५	७	१७	११	५०

गोचर ग्रहः

कृष्णपक्ष में तिथि घटे शुक्ल पक्ष बढ जाय। एकचीजकी क्या कहें सभीचीज बढ जाय॥ इस मास में मंदी का योग है।

गोचर ग्रहः

१४पं.द्वि.आ.कृ१४शु.इ. १२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	११	४	३	५	२
२७	९	७	१८	११	०	२	२७
३०	२	३८	५९	०	१५	४७	१
५४	३५	५३	१७	४०	२९	४०	३१
५७	२९	८७	३	६६	७	३	५६
११	२९	१४	१८	५८	२०	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	द्वि.आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६								दि. उ. अ.		भा. मु. इं.		चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५६२स.२०३४
१	र	३७	१५	पु	१९	५७	ह	१५	५४	किं	१०	०	३३ ५९	१२ ४८	२५	२९ १६	कर्के	कर्केऽर्कः ४६।५५पूफा.शुक्रः १५।१७
२	चं	३३	२४	श्ले	५६	५५	व	११	३७	बा	५	१९	५७	१३ ४७	२६	३० १७	सिं ५६।५५	कर्केऽर्कः सौरः १/६ चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	मं	३१	२५	म	५७	३३	सि	६	४५	तै	२	२५	५५	१३ ४७	२७	१ १८	सिंहे	जमादिलावल ५
४	बु	३१	२६	पू	५९	५९	व्य	३	१६	व	१	२५	५२	१४ ४६	२८	२ १९	सिंहे	भ.१।२५उ.३१।२६या.
५	गु	३३	७	उ	६०	०	व	१	३५	व	२	१६	५०	१४ ४६	२९	३ २०	कं.१६।४	पुष्येरविः १६।१३ (सौरः ४९।२४)
६	शु	३७	२	उ	४	१८	प	१	४	कौ	५	५	४८	१४ ४६	३०	४ २१	कन्यायां	पुन.बुध.: ३०।८
७	श	४२	१३	ह	१०	६	शि	१	५९	ग	९	३७	४५	१५ ४५	३१	५ २२	तु.४३।३३	भ.४२।१३उ.
८	र	४७	५५	चि	१७	०	मि	३	४६	वि	१५	४	४३	१५ ४५	१	६ २३	तुलायां	भ.१५।४या.बुधास्त.पूर्वस्यां ४०।९ ×
९	चं	५४	१४	स्वा	२४	२८	सा	५	५९	बा	२१	४	४०	१६ ४४	२	७ २४	तुलायां	[×भा.श्रावणारंभः
१०	मं	६०	०	वि	३२	२	शु	८	३१	तै	२७	१२	३८	१६ ४४	३	८ २५	वृ.१५।९	
१०	बु	०	१०	अ	३९	७	शु	१०	४७	ग	०	१०	३५	१७ ४३	४	९ २६	वृश्चिके	भ.३/६ उ.कर्के बुधः ५/३ आश्ले.भौमः १/४
११	गु	५	३२	ज्ये	४५	१६	ब्र	१२	२९	वि	५	३२	३३	१७ ४३	५	१० २७	व.४५।१६	भ.५।३२या.देवशयनी ११व्र.
१२	शु	९	२८	मू	४९	५८	ऐं	१३	२६	बा	९	२८	३०	१८ ४२	६	११ २८	धनुषि	पुष्येबुधः ३/४ उफा.शुक्रः ४८।२० प्रदोषः
१३	श	१२	१४	पू	५३	२३	वै	१३	८	तै	१२	१४	२७	१९ ४१	७	१२ २९	धनुषि	
१४	र	१३	१८	उ	५५	२१	वि	११	४४	व	१३	१८	२४	१९ ४१	८	१३ ३०	म.८।५२	भ.१३।१८उ.४३।११या.वायुपरीक्षा
१५	चं	१३	३	श्र	५५	५८	प्री	९	११	ब	१३	३	२२	२० ४०	९	१४ ३१	मकरे	व्यासपूजागुरु १५

१५पं.द्वि.आ.शु.६ शु.इ. १०/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	११	४	३	५	३
४	१३	१८	१९	१८	१	२	३
११	३०	५४	२१	३५	१०	२५	३९
३८	३६	२२	१८	३१	४४	१४	५८
५७	३९	५/३	१	१६	७	३	५६
१५	२९	१/३	५४	३०	२०	११	५९

गोचर ग्रहाः

द्वि. आषाढ शुक्लै १ रवौकर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ कुमार्य वस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

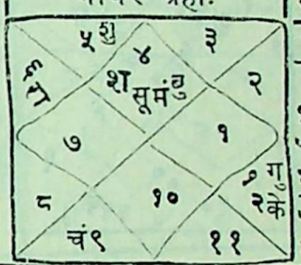

१६पं.द्वि.आ.शु १२ शु.इ. १०/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	११	४	३	५	३
१०	१७	२	१९	२५	२	२	१०
५२	५८	३९	३४	५९	४	३	१९
४१	१६	५०	५९	२४	४८	८	१५
५७	३९	५/३	०	६३	७	३	५७
२०	१९	५/३	४७	४९	१६	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६								दि. उ. अ.		भा. मु. इं.		चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेद्वि.आषाढ कृष्णेतिमहा.
१	मं	११	१६	ध	५५	२६	आ	५	३४	कौ	११	१६	३९ २०	४० ०	१०	१५ १	कुं.२५।४२	कन्यायां शुक्रः १७ वक्री गुरुः १/३ अगस्त A
२	बु	९	४०	श	५४	८	सौ	१ ८	५४ ४९	ग	९	४०	१६	२१ ३९	११	१६ २	कुंभे	भ.३७।१८उ.
३	गु	४	५७	पू	५१	५३	अ	५	० २	वि	४	५७	१३	२१ ३९	१२	१७ ३	मी ३७।२७	भ.५/४ या.आश्ले.रविः १/३ (सौरः ५/१९) ÷
४	शु	०	३७	उ	४९	१७	सु	४	३ ४४	बा	०	३७	१०	२२ ३८	१३	१८ ४	मीने	नाग ५ मरुस्थले [A८ ता.३१
५	शु	५५	२७	०	०	०	०	०	० ०	०	०	०	०	० ०	०	० ०	० ०	[÷आश्ले.बुधः ४/५ उदयंशने: ४/५ चतुर्थीव्र.
६	श	५१	५	रे	४६	११	धृ	३७	१७	ग	२३	३५	७	२३ ३७	१४	१९ ५	मे.४६।११	भ.५१।५उ.
७	र	४६	३	अ	४३	१०	शू	३०	३५	वि	१८	३४	४	२३ ३७	१५	२० ६	मेषे	भ.१८।३४या.
८	चं	४०	४३	भ	३९	५६	गं	२३	४४	बा	१३	२३	३३ ३०	२४ ३६	१६	२१ ७	वृ.५४।५	पुष्य.१शनिः १४।२३
९	मं	३५	२२	कृ	३६	३१	बृ	१६	४९	तै	८	२	३२ ५७	२५ ३५	१७	२२ ८	वृषे	
१०	बु	२९	५०	रो	३२	५०	ध्रु	९	३५	व	२	३६	५४	२५ ३५	१८	२३ ९	वृषे	भ.२।३६उ.२९।५०या.
११	गु	२४	१५	मृ	२९	२०	व्या	२५	५३	बा	२४	१५	५०	२६ ३४	१९	२४ १०	मि १।५	मघा.सिंहेबुधः २३।४३कामिका ११व्र.
१२	शु	१८	५६	आ	२६	२	व	४८	३२	तै	१८	५६	४७	२७ ३३	२०	२५ ११	मिथुने	हस्तेशुक्रः १।३४प्रदोषः
१३	श	१४	१०	पु	२२	५८	सि	४२	११	व	१४	१०	४४	२७ ३३	२१	२६ १२	क.८।४४	भ.१४।१०उ.४२।०या.
१४	र	९	५१	पु	२०	५३	व्य	३६	२६	श	९	५१	४०	२८ ३२	२२	२७ १३	कर्के	
३०	चं	६	५२	श्ले	१९	५७	व	३१	४९	ना	६	५२	३७	२९ ३१	२३	२८ १४	सिं १९।५७	हरियाली

१७पं.श्रा.कृ.४ शु.इ.१०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	११	५	३	५	३
१७	२२	१७	१९	३	२	१	१६
३४	२६	२३	३८	११	५८	४०	५९
२३	१०	४२	३१	१३	५/३	५३	३
५७	३९	५/३	२८	६१	७	३	५७
२५	२६	५/३	व	४६	८	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जोचना मटर सरसों सोना चांदी सण तिलहन मंदे हो कही २ कुछ वर्षा होवे।

गोचर ग्रहाः

१८पं.श्रा.कृ.१२ शु.इ.५/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	११	५	३	५	३
२४	२६	१	१९	१०	३	१	२३
१६	५३	३०	३२	८	५१	१८	४०
४४	४९	३२	२	१०	०	३७	१०
५७	३९	७	५/९	५८	७	३	५७
३३	२६	४०	व	५०	२	११	२२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६										दि. उ. अ.			भा मु इं.			चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५९२सन् २०३४
१	मं	५	१६	म	२०	२५	प	२८	६	ब	५	१६	३३	२९	३५	२४	२९	१५	सिंहे	
२	बु	५	४	पू	२२	२५	शि	२५	५२	कौ	५	४	३०	३०	३०	२५	३०	१६	क. ३८।१७	मघा. सिंहभौमः ६चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	गु	६	४३	उ	२५	५२	सि	२४	४९	ग	६	४३	२६	३१	२९	२६	१	१७	कन्यायां	भ. ३८ उ. मघा. सिंहेऽर्कः १६ (सौरः ३५)×
४	शु	९	५७	ह	३०	४७	सा	२४	३७	वि	९	५७	२२	३२	२८	२७	२	१८	कन्यायां	भ. ९।५७या. वरद ४
५	श	१४	५२	चि	३७	१८	शु	२६	४	बा	१४	५२	१९	३२	२८	२८	३	१९	तु. ४।२	नागपंचमी
६	र	२०	१८	स्वा	४४	१४	शु	२७	५६	तै	२०	१८	१५	३३	२७	२९	४	२०	तुलायां	[×पूफा. बुधः ३९ बुधोदयः पश्चिमायां –
७	चं	२६	२९	वि	५१	५३	ब्र	३०	२२	व	२६	२९	१२	३४	२६	३०	५	२१	वृ. ३४।५८	भ. २६।२९ उ. ५९।३५या.
८	मं	३२	४१	अ	५९	१५	ऐं	३२	४१	ब	३२	४१	८	३४	२६	३१	६	२२	वृश्चिके	[–३०।४७ जमादिलाखर ६ तीज
९	बु	३८	२२	ज्ये	६०	०	वै	३४	५२	बा	५	३२	४	३५	२५	१	७	२३	वृश्चिके	भा. भाद्रपदारंभः
१०	गु	४२	४३	ज्ये	६	१	वि	३६	१६	तै	१०	३३	१	३६	२४	२	८	२४	ध. ६।१	
११	शु	४५	४२	मू	११	२५	ग्री	३६	३०	व	१४	१२	५१	३७	२३	३	९	२५	धनुषि	भ. १४ उ. ४५या. उफा. बुधः २५ चित्रा. =
१२	श	४६	५८	पू	१५	१९	आ	३५	२२	ब	१६	२०	५३	३७	२३	४	१०	२६	भ. ३०।५२	[=शुक्रः ३३।४७ पवित्रा ११ व्र.
१३	र	४६	२३	उ	१७	३२	सौ	३२	५३	कौ	१६	४०	४९	३८	२२	५	११	२७	मकरे	कन्यायां बुधः २२।१४ प्रदोषः
१४	चं	४३	५०	श्र	१७	५९	शो	२९	५	ग	१५	६	४६	३९	२१	६	१२	२८	कुं. ४७।२१	भ. ४३।५० उ.
१५	मं	३९	५९	ध	१६	४२	अ	२३	५१	वि	११	५५	४२	४०	२०	७	१३	२९	कुम्भे	भ. १५ या. श्रावणीकर्मरक्षाबंधनम् भद्रो.

१९पं.श्रा.शु.४ शु.इ.९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	११	५	३	५	४
१	१	१४	१९	१६	४	०	०
०	२०	३३	१५	४५	४२	५६	२२
४	५३	५०	५८	१	५०	२२	२३
५७	३९	०	१५	५५	६	३	५७
४०	१६	४०	व	४१	५०	११	३४

गोचर ग्रहाः

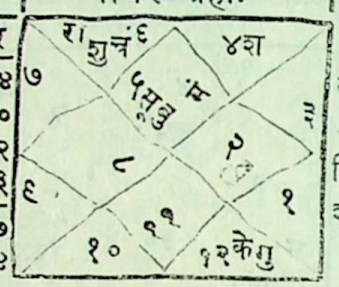

श्रावणशुक्ले १० चंद्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ नशु ५ प्रगतभावस्था वैठी) शु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२०पं.श्रा.शु.११ शु.इ.३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	११	५	३	५	४
७	५	२६	१८	२२	५	०	७
४४	४८	२०	५१	५८	३२	३४	५
२८	४३	४२	२९	५	३८	६	४९
५७	३९	९९	१६	५१	६	३	५७
४९	१६	११	व	१४	३२	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६										दि. उ. अ.			हि. मु. इ.			चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	बु	३४	५३	श	१४	४	सु	१७	३७	बा	७	२६	३१	३८	४०	२०	८	१४	३० मी ५६।२०	पूफा. रविः ५७।०
२	गु	२९	१	पू	१०	२६	धृ	१०	२८	तै	१	५७	३४	४१	१९	९	१५	३१	मीने	भ. ५५ उ. पूफा. रविः सौरः ३७।२७
३	शु	२२	४२	उ	६	१४	शू	५७	५४	वि	२२	४२	३०	४२	१८	१०	१६	१	मीने	भ. ४२ या. सितम्बर ९ ता. ३० चतुर्थीव्र.
४	श	१६	११	रे	४९	४०	बृ	४७	४	बा	१६	११	२६	४३	१७	११	१७	२	मे. १।४९	
५	र	९	५१	भ	५३	२०	धु	३९	२२	तै	९	५१	२२	४४	१६	१२	१८	३	मेषे	हस्तेबुधः १५ तुलायांशुक्रः १६ चन्द्रषष्ठी
६	चं	३	५३	कृ	४९	२८	व्या	३१	५२	व	३	५३	१८	४४	१६	१३	१९	४	वृ. ७।२५	भ. ५३ उ. ३८ या. पुष्य २ शनिः १३ उफा. १+
७	चं	५४	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+राहुः पूभा ३ केतुः ४४।४५
८	मं	५३	२८	रो	४६	१७	ह	२७	४८	बा	२५	५६	१५	४५	१५	१४	२०	५	बृषे	जन्माष्टमीव्र.
९	बु	४८	५३	मृ	४३	३२	व	१७	३१	तै	२१	१४	११	४६	१४	१५	२१	६	मिं १४।५५	पूफा. भौमः १।२६ गोगाऽ
१०	गु	४४	५५	आ	४१	१७	सि	११	२५	व	१६	५४	७	४७	१३	१६	२२	७	मिथुने	भ. १६।५९ उ. ४४।५५या.
११	शु	४१	३७	पु	३९	५८	व्य	५	३५	ब	१३	१६	३	४७	१३	१७	२३	८	क. २५।१८	अजा ११ व्र.
१२	श	३८	५८	पु	३८	५९	व	३०	३४	कौ	१०	१७	३९	४८	१२	१८	२४	९	कर्के	वत्सद्वादशी
१३	र	३७	२९	श्ले	३८	५८	शि	५२	७	ग	८	१४	५५	४९	११	१९	२५	१०	सिं ३८।५८	भ. ३७।२९ उ. प्रदोषः
१४	चं	३७	५	म	४०	१२	सि	४९	१४	वि	७	१७	५१	५०	१०	२०	२६	११	सिंहे	भ. ७।१७या.
२०	मं	३७	५२	पू	४२	२४	सा	४७	४	च	७	२८	४७	५१	९	२१	२७	१२	कं. ५८।२०	स्वात्यांशुक्रः ५७ कुशाग्रहणीपिठोरी ३०

२१पं.भा.कृ.३शु.इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	११	५	३	५	४
१४	१०	७	१८	२८	६	०	१२
३०	१५	०	१८	२८	२०	११	५१
४	५८	१८	७	१	३८	५१	१
५८	३९	८८	२५	४५	६	३	५७
११	१६	१५	वं	१४	२०	११	५७

गोचर ग्रहाः

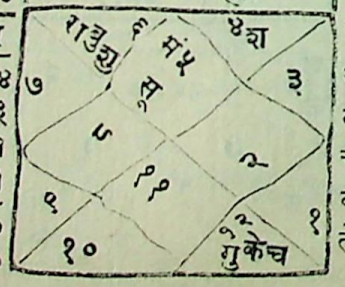

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर बाजिरा धातु सोना चांदी रुई कपास वारदाना वस्त्र घृत तेल मंदे हो।

गोचर ग्रहाः

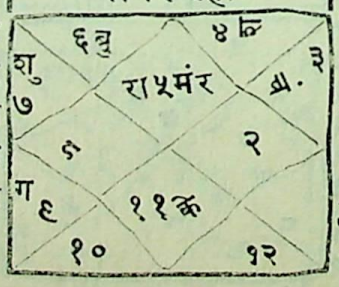

२२पं.भा.कृ.११शु.इ. १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	११	६	३	४	४
२१	१४	१६	१७	३	७	२९	२०
१७	४३	३४	३६	३८	६	४९	३७
६	३४	१६	५८	४२	२५	३५	४१
५८	३९	७५	२०	३८	५	३	५८
१३	१३	१९	व.	३२	५९	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६ दि. उ अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६२१स२०३४

१	बु	३९	५६	उ	४६	८	शु	४६	७	किं	८	५४	३०	५५	६	२२	२८	१३	कन्यायां	उफा.रविः४१।२५चित्रा.बुधः४२।५
२	गु	४३	२२	ह	५०	५४	शु	४५	४९	बा	११	३९	३९	५२	८	२३	२९	१४	कन्यायाँ	उफा.रविःसौरः२२।७चंद्रदर्शनम्
३	शु	४८	१६	चि	५७	०	ब्र	४६	५१	तै	१५	४९	३५	५३	७	२४	१	१५	तु.२३।५७	रज्जव७हरितालिका३
४	श	५३	३८	स्वा	६०	०	ऐं	४८	८	व	२०	५७	३१	५४	६	२५	२	१६	तुलायां	भ.२९उ.५३या.वक्रीउभा४गुरुः३७×
५	र	५९	५६	स्वा	३	४९	वै	५०	२६	व	२६	४७	२७	५५	५	२६	३	१७	वृ.५४।२७	कन्यायामर्कः२९ (सौरः२७) ऋषिपंचमी
६	चं	६०	०	वि	११	२०	वि	५३	२	को	३३	४	३३	५६	४	२७	४	१८	वृश्चिके	[×गणेशचतुर्थी
६	मं	६	१२	अ	१८	५५	मी	५५	२५	तै	६	१२	१८	५६	४	२८	५	१९	वृश्चिके	
७	बु	१२	१८	ज्ये	२६	१३	आ	५७	१९	व	१२	१८	१४	५७	३	२९	६	२०	व.२६।१३	भ.१२उ.५०या.तुला.बुधः३४।२८
८	गु	१७	२१	मू	३२	३४	सौ	५८	२४	ब	१७	२१	९	५८	२	३०	७	२१	धनुषि	[=अनंत१४महालयारंभः
९	शु	२१	५	पू	३७	३७	शो	५८	१५	को	२१	५	५	५९	१	३१	८	२२	म.५३।२६	[+कु.संध्या.पूजनारंभः
१०	श	२२	३०	उ	४०	५४	अ	५६	४४	ग	२२	३०	३०	०	०	१	९	२३	मकरे	भ.५२।५०उ.भा.आश्विनारंभः
११	र	२३	९	श्र	४२	१६	सु	५३	२८	वि	२३	९	२९	०	०	२	१०	२४	मकरे	भ.२३।९या.जलझूलनी११व्र.
१२	चं	२१	२	ध	४१	२९	धृ	४८	५०	बा	२१	२	५२	२	५८	३	११	२५	कुं.११।५२	वामनजयंतीप्रदोषः
१३	मं	१७	११	श	३८	५८	शू	४२	२९	तै	१७	११	४८	२	५८	४	१२	२६	कुम्भे	उफा.भौम.:५८।३७
१४	बु	११	२७	पू	३४	५६	गं	३४	५७	व	११	२७	४४	३	५७	५	१३	२७	मी२०।५७	भ.११।२७उ.३७या.हस्तेरविः२०।० =
१५	गु	४	२५	उ	२९	३१	वृ	२६	२३	ब	४	२५	४०	४	५६	६	१४	२८	मीने	हस्तेरविःसौरः५९।४८वक्रीबुधः५९ +

२३पं.भा.शु.३शु.इ. ९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	११	६	३	४	४
२८	१९	२४	१९	७	७	२९	२७
५	१०	४४	४९	४३	४९	२७	२५
२८	१२	१०	४४	१२	१६	१९	५७
५८	३९	५८	१०	२९	५	३	५८
२६	९	१	व	१०	३२	११	२९

गोचर ग्रहाः

भाद्रपदशुक्ले ५ रवौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.४ बालावस्था (बैठी)मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

२४पं. भा.श.९शु.इ.८।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	११	६	३	४	५
४	२३	०	१५	१०	८	२९	४
५५	३७	५५	५७	३४	२८	५	१६
१९	२३	४४	३६	४४	४४	४	४
५८	३९	३५	४७	१७	५	३	५८
३८	९	२३	व	५	४	११	४५

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.

१	गु	५२	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×शस्त्रादिहतानांश्रा.
२	शु	४८	३४	रे	२३	३४	धु	१७	१३	तै	२२	३७	२९	५५	५	७	१५	२९	मे.२३।३४	बुधास्तःपश्चिमायां६।२९
३	श	४०	२५	अ	१७	१४	ज्या	३९	५०	व	१४	२९	३३	६	५४	८	१६	३०	मेषे	भ.१४।२९उ.४०।२५या.वक्रीशुक्रः ४।७
४	र	३२	२७	भ	११	१६	घ	४९	२	ब	६	२६	२८	६	५४	९	१७	१	वृ.२४।५४	अक्टूबर१०ता.३१चतुर्थीव्र.
५	चं	२५	४१	कृ	५	४६	से	४०	२७	तै	२५	४१	२४	७	५३	१०	१८	२	वृषे	कन्यायांभौमः६।७
६	मं	१९	३८	रो	१	५६	व्य	३२	३१	व	१९	३८	१९	८	५२	११	१९	३	मि२९।१६	भ.१९।३८उ.४७।१०या.
७	बु	१४	४३	आ	५४	४७	व	२५	४१	व	१४	४३	१५	९	५१	१२	२०	४	मिथुने	[=पुष्य३शनिः४८।५८
८	गु	१०	५२	पु	५३	२५	प	१९	४४	को	१०	५२	११	१०	५०	१३	२१	५	क.३८।४६	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
९	शु	८	१७	पु	५३	७	शि	१४	३४	ग	८	१७	७	११	४९	१४	२२	६	कर्के	भ.३७।२७उ.
१०	श	६	३८	श्ले	५३	५७	सि	१०	१९	वि	६	३८	३	११	४९	१५	२३	७	सिं५३।५७	भ.६।३८या.वक्रीकन्याबुधः४३।२३
११	र	६	१६	म	५६	३	सा	६	५८	बा	६	१६	२६	१२	४८	१६	२४	८	सिंहे	उदयोभौमः४७।४०इंदिरा११व्र.
१२	चं	७	१४	पू	५९	७	शु	४	४४	तै	७	१४	५५	१३	४७	१७	२५	९	सिंहे	प्रदोषः
१३	मं	९	३	उ	६०	०	शु	३	१७	व	९	३	५१	१४	४६	१८	२६	१०	कं.१५।१२	भ.९।३उ.४०।३६या.चित्रा.रविः५९ ×
१४	बु	१२	९	उ	३	२७	ब्र	३	०	श	१२	९	४७	१५	४५	१९	२७	११	कन्यायां	चित्रा.रविःसौरः३२वक्रीउभा.३गुरु५५=
२०	गु	१६	७	ह	८	३५	ऐं	२	५७	ना	१६	७	४३	१५	४५	२०	२८	१२	तु.४१।४३	सर्वपितृ३०

२५ पं.आ.कृ.२शु.इ.८।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	११	६	३	४	५
११	२८	३	१५	११	९	२८	११
४६	४	५५	२	५३	४	४२	८
५२	४१	५२	१३	४९	३४	४८	१
५८	२९	५०	५७	२	४	३	५९
५३	२	व	व	१०	४३	११	०

गोचर ग्रहाः

आश्वि.शुक्ले १५भौमे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ कुमार्यवस्था(बैठी) मु. १५ धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रास्तःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

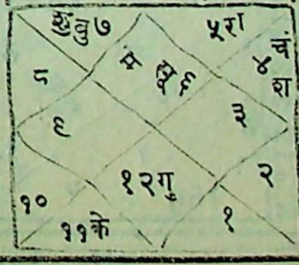

२६पं.आ.कृ.९श.इ.८।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	११	६	३	४	५
१८	२	१	१४	११	९	२८	१८
४०	३३	३५	५	२०	३६	२०	१
५	२२	४२	५६	२४	५८	३३	४८
५९	३९	६०	५२	१४	४	३	५९
९	२	व	व	व	८	११	१६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६									दि. उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६५१स.२०३४
१	शु	२१	२०	चि	१४	५२	वै	३	५८	व	२१	२०	३९	१६	४४	२१ २९ १३ तुलायां	वक्रीहस्तेबुधः ४/४ शुक्रास्तःपश्चिमायां ×
२	श	२६	५३	स्वा	२१	३४	वि	५	३२	कौ	२६	५३	३५	१७	४३	२२ ३० १४ तुलायां	चंद्रदर्शनम्[×३/६नवरात्रारंभः माता.श्रा.
३	र	३३	२३	वि	२९	८	प्री	७	३१	तै	०	८	३१	१८	४२	२३ १ १५ वृ.१२।१५	सावान८
४	चं	३९	४८	अ	३६	३७	आ	९	४८	व	६	३५	२७	१९	४१	२४ २ १६ वृश्चिके	भ.६।३५उ.३९।४८या.
५	मं	४६	१३	ज्ये	४४	१८	सौ	१२	४	व	१३	०	२३	१९	४१	२५ ३ १७ ध.४४।१८	तुलायामर्कः ३/५ वक्रीचित्राशुक्रः ३/१ =
६	बु	५१	४६	मू	५१	२१	शो	१४	३५	कौ	१८	५९	२०	२०	४०	२६ ४ १८ धनुषि	तुलार्क.सौरः १३।६[=हस्तेभौम.४९।५६
७	गु	५६	१८	पू	५७	२६	अ	१६	२१	ग	२४	२	१६	२१	३९	२७ ५ १९ धनुषि	भ.५६।१८उ.बुधोदयःपूर्वस्यां२४।३२
८	शु	५९	२०	उ	६०	०	सु	१७	२	वि	२७	४९	१२	२२	३८	२८ ६ २० म.१३।३५	भ.२७।४९या.
९	श	६०	०	उ	२	१	धृ	१६	४५	बा	३०	१	८	२२	३८	२९ ७ २१ मकरे	मार्गीबुधः३८।४४
९	र	०	४३	श्र	४	४९	शू	१४	५४	कौ	०	४३	४	२३	३७	३० ८ २२ कुं.३५।१८	
१०	र	५९	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ०	
११	चं	५७	५	ध	५	४७	गं	११	२९	व	२८	२९	०	२४	३६	१ ९ २३ कुंभे	भ.२९उ ५५या.भा.कार्तिकारंभःपापां H
१२	मं	५२	१४	श	४	३७	बृ	२५/६	३३/५	ब	२४	४०	२७/५	२५	३५	२ १० २४ मी४७।२७	स्वात्यांरविः १७ सौरः ५४ पापांकुशा११वै.
१३	बु	४५	२७	पू	१/४४	५४/४९	व्या	५१	३८	कौ	१८	५०	५३	२५	३५	३ ११ २५ मीने	प्रदोषः [Hकुशा११त्र.स्मा.
१४	गु	३७	२३	रे	५०	१८	ह	४२	१८	ग	११	२५	४९	२६	३४	४ १२ २६ मे.५०।१८	भ.३७।२३उ.कोजागरीव्र.
१५	शु	२८	२२	अ	४३	१६	व	३२	७	वि	२	५२	४५	२७	३३	५ १३ २७ मेषे	भ.५३या.शरद्पूर्णिमाका.स्ना.प्रा.

२७पं.आ.शु.१श.इ. ३/८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	११	६	३	४	५
२५	७	२४	१३	८	१०	२७	२४
३४	१	४	१०	५२	४	५८	५७
५९	४८	१६	५५	३०	४१	१७	३०
५९	३९	७/३	२०/४०	३८	३	३	५९
२१	५	व	व	व	३२	११	३१

२८पं.आ.शु.८शु.इ. २/८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	११	६	३	४	६
२	११	१८	१२	४	१०	२७	१
३१	३०	२७	१९	५८	२८	३६	५४
२३	२२	१	३४	५	१	१	५३
५९	२९	१४/५५	७/१९	३६	२	३	५९
३४	२	व	व	व	४९	११	४६

२९पं.आ.शु.१५शु.इ.८।९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	११	६	३	४	६
९	१६	२०	११	०	१०	२७	८
२९	०	५९	३३	४७	४६	१३	५४
२८	२२	४९	२२	२४	३४	४६	१३
५९	३९	५८/४३	६/१३	३३/१५	२	३	६०
४७	८	सा	व	५	८	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६									दि. उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा
१	श	१९	५६	भ	३५	४५	सि	२१	३१	कौ	१९	५६	२५/४१	२८/३२	५/३	६ १४ २८ वृ.४८।५३	वक्रीकन्यायांशुक्रः २५/२ शुक्रोदयपूर्वस्यां ३९/२४
२	र	९	३४	कृ	२८	१६	व्य	१०	४७	ग	९	३४	३७	२९	३१	७ १५ २९ बृषे	भ.३५।५उ.चित्रा.बुधः३३।५५
३	चं	५२/३८	३७/८	रो	२१	३६	व	२२/१८	५०/१८	वि	०	३७	३४	२९	३१	८ १६ ३० मि४८।४५	भ.०।३७या.करकचतुर्थीव्र.
५	मं	४६	८	मृ	१५	५३	शि	४१	४७	कौ	१९	२६	३०	३०	३०	९ १७ ३१ मिथुने	
६	बु	४१	१	आ	११	३३	सि	३४	१०	ग	१३	३५	२७	३१	२९	१० १८ १ क.५४।२६	भ.४१।१उ.नवम्बर११ता.३०
७	गु	३७	४४	पु	८	४३	सा	२७	५६	वि	९	२२	२३	३१	२९	११ १९ २ कर्के	भ.९।२२या.
८	शु	३६	१	पु	७	३९	शु	२२	५९	बा	६	५२	१९	३२	२८	१२ २० ३ कर्के	तुला.बुधः२५।८
९	श	३५	५३	श्ले	७	५९	शु	१९	१८	तै	५	५७	१६	३३	२७	१३ २१ ४ सिं७।५९	[+केतुः४४।४४रमा११व्र.
१०	र	३७	२०	म	१०	१०	ब्र	१६	५२	व	६	३६	१२	३४	२६	१४ २२ ५ सिंहे	भ.६।३६उ.३७।२०या.
११	चं	३९	५८	पू	१३	३२	ऐं	१५	४५	ब	८	३९	९	३४	२६	१५ २३ ६ कं.२९।४३	विशा.रविः३८।२६पूफा.४राहुःपूभा.२+
१२	मं	४४	६	उ	१८	१८	वै	१५	४१	कौ	१२	२	५	३५	२५	१६ २४ ७ कन्यायां	विशा.रविःसौरः १/१ स्वात्यांबुधः४८।० =
१३	बु	४८	५३	ह	२३	५९	वि	१६	११	ग	१६	२९	२	३६	२४	१७ २५ ८ तु.५७।१६	भ.५/५ उ.प्रदोषःधन१३[=चित्राभौमः ३०/४९
१४	गु	५४	४१	चि	२०	३४	प्री	१७	२०	वि	२१	४७	२६/५८	३६	२४	१८ २६ ९ तुलायां	भ.२९या.बुधास्तःपूर्वस्यां ५३/३५ रुप१४
३०	शु	६०	०	स्वा	३७	३२	आ	१९	१०	च	२७	३९	५५	३७	२३	१९ २७ १० तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्
३०	श	०	३८	वि	४४	५६	सौ	२१	१४	ना	०	३८	५२	३८	२२	२० २८ ११ वृ.२८।५	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा

३०पं.का.कृ.८शु.इ ५/८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	११	५	३	४	६
१६	२०	२९	१०	२७	१०	२६	१५
२९	२९	३५	५४	३४	५९	५१	५५
२०	५६	२०	७	१	३१	३०	१७
६०	३९	८६	११/५	२१/३	१	३	६०
४	१	१४	व.	व	२८	११	१८

गोचर ग्रहाः

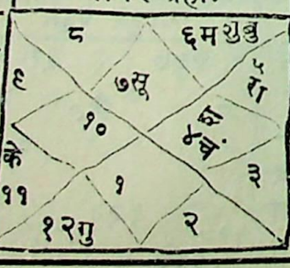

इस मास में धान्य गल्ला में कुछ मंदी होवे रसकस गुड़ सक्कर चीनी कपास रुई वारदाना सोना चांदी आदि धातु तेज हो।

गोचर ग्रहाः

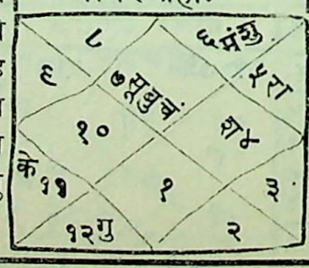

३१पं.का.कृ.३०श.इ. ७/४९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	११	५	३	४	६
२३	२५	१०	१०	२६	११	२६	२२
३०	१	२२	२२	१०	७	२९	५७
४०	२६	३७	४१	१६	४१	१५	४८
६०	३८	९५	४/५	५/८	०	३	६०
१७	५४	३४	व	व	४७	११	३७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६८१स.२०३४

१	र	७	३	अ	५२	३७	शो	२३	२५	ब	७	३	२६ ४९	६ ३८	२२ ५	२१	२९ १२	वृश्चिके	मार्गीशुक्रः २२।९ चंद्रदर्शनम्
२	चं	१३	२९	ज्ये	६०	०	अ	२५	४४	कौ	१३	२९	४५	३९	२१	२२	१ १३	वृश्चिके	रमजानेभातृ२यम२
३	मं	१९	५१	ज्ये	०	२५	सु	२७	५६	ग	१९	५१	४२	४०	२०	२३	२ १४	ध.०।२५	भ.५२।४२उ.
४	बु	२५	३४	मू	७	२७	धृ	२९	३७	वि	२५	३४	३९	४०	२०	२४	३ १५	धनुषि	भ.२५।३४या.
५	गु	३०	२६	पू	१३	४९	शू	३०	५२	बा	३०	२६	३६	४१	१९	२५	४ १६	म.३०।१२	वृश्चिकेऽर्कः ३३/४८ विशा.बुधः १ ६ वक्री ×
६	शु	३४	१	उ	१९	२२	गं	३१	२३	कौ	२	१३	३३	४१	१९	२६	५ १७	मकरे	वृश्चिकेऽर्कः सौरः ५ ५०/६० तुलायांभौमः ४ ६/६=
७	श	३६	२५	श्र	२३	२६	वृ	३०	३१	ग	५	१३	३०	४२	१८	२७	६ १८	कुं.५४।४२	भ.३६।२५उ. [=वक्रीउभा२गुरुः३४।३
८	र	३६	५४	ध	२५	५८	ध्रु	२८	३२	वि	६	३९	२७	४३	१७	२८	७ १९	कुंभे	भ.३६/६या.अनु.रविः५२।५०गोपाष्टमी
९	चं	३५	४७	श	२६	४८	व्या	२५	८	बा	६	२०	२५	४३	१७	२९	८ २०	कुंभे	अनु.रविः सौरः २२।३८अक्षयनवमी
१०	मं	३२	३४	पू	२५	४७	हृ	२०	७	तै	४	१०	२२	४४	१६	३०	९ २१	मी ११।२	भ.५९।५८उ. [×शनिः २७।१०
११	बु	२७	२२	उ	२२	३७	व	१३	३२	वि	२७	२२	१९	४४	१६	१	१० २२	मीने	भ.३७/३या.वृश्चिकेबुधः ३५/भा.मार्गशीर्षाD
१२	गु	२०	३५	रे	१७	५२	सि	३१	५५/३	बा	२०	३५	१७	४५	१५	२	११ २३	मे.१७।५२	प्रदोषः [Dरंभः प्रबोधिनी११व्र.तुलसीवि.
१३	शु	१२	२४	अ	११	३७	व	४६	७	तै	१२	२४	१४	४५	१५	३	१२ २४	मेषे	अनु.बुधः २६।५६वैकुंठ१४
१४	श	३	३	भ	५०/४	५२/१	प	३५	११	व	३	३	१२	४६	१४	४	१३ २५	वृ.१७।१३	भ.३/उ.२८या.मन्वादिः का.स्ना.पू.
१५	श	५०	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	

३२पं.का.शु.६श.इ. ३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	११	५	३	४	७
०	२९	२१	१०	२६	११	२६	०
३३	३२	३७	१	४५	१०	६	१
२२	२४	१	१२	१४	१२	५९	५२
६०	२९	९८	४३/३	१०/३१	९	३	६०
३०	४	१६	वं	मा	व	११	४०

गोचर ग्रहाः

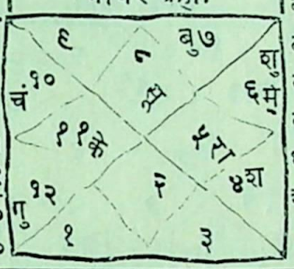

कार्तिक शुक्ले ५ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४ गतालकावस्था(ऊभी) मु, ४५ घान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

३३पं.का.शु.१३श.इ.२०/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	५	३	४	७
७	४	२	९	२९	११	२५	७
३७	३	४७	४८	६	७	४४	७
१६	४७	४९	२९	१८	५	४३	२५
६०	३९	९९	२०/१	२३	४६	३	६०
४२	८	२१	वं	५४	व.	११	५३

ति. | मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा

१	र	४३	२१	रो	४८	२२	शि	२३	५९	बा	१८	१७	२९	४६/६	१४/५	५	१४ २६	वृषे	तुला.शुक्रः २२।९
२	चं	३४	८	मृ	४०	५०	सि	१२	५६	तै	८	४५	७	४७	१३	६	१५ २७	मि १४।३६	भ.५९।५४उ.
३	मं	२५	४०	आ	३४	४०	सा	२६/२	५०/२७	वि	२५	४०	५	४७	१३	७	१६ २८	मिथुने	भ.२५/४०या.स्वात्यांभौमः ५/६ चतुर्थीव्र.
४	बु	१८	३७	पु	२९	३६	शु	४४	४४	बा	१८	३७	२	४८	१२	८	१७ २९	क.१५।५२	
५	गु	१३	४८	पु	२६	२८	ब्र	३७	५९	तै	१३	४८	०	४८	१२	९	१८ ३०	कर्के	मार्गीगुरुः ०।४१
६	शु	१०	३५	श्ले	२५	१३	ऐं	३२	४५	व	१०	३५	२५/८	४८	१२	१०	१९ १	सिं २५।१३	भ.१३/५उ.४९या.दिसम्बर१२ता.३१
७	श	९	४३	म	२६	३	वै	२९	१४	ब	९	४३	५६	४९	११	११	२० २	सिंहे	ज्येष्ठाबुधः ४८।१६
८	र	१०	४३	पू	२८	५०	वि	२७	१५	कौ	१०	४३	५४	४९	११	१२	२१ ३	कं.४४।५७	ज्येष्ठा.रविः ३।१ (सौरः ३०।३२)
९	चं	१३	३६	उ	३३	१८	प्री	२६	४३	ग	१३	३६	५३	४९	११	१३	२२ ४	कन्यायां	भ.४५।३६उ.
१०	मं	१७	३७	ह	३८	५३	आ	२७	२३	वि	१७	३७	५१	५०	१०	१४	२३ ५	कन्यायां	भ.१७।३७या.
११	बु	२२	५०	चि	४५	४१	सौ	२८	३७	बा	२२	५०	४९	५०	१०	१५	२४ ६	तु.१२।१७	स्वात्यांशुक्रः ४६।२६उत्पत्ति११व्र.
१२	गु	२९	५	स्वा	५३	८	शो	३०	४४	तै	२९	५	४८	५०	१०	१६	२५ ७	तुलायां	
१३	शु	३५	२२	वि	६०	०	अ	३२	४८	ग	४	१३	४६	५१	९	१७	२६ ८	वृ.४३।४५	भ.३५।२२उ.प्रदोषः
१४	श	४१	५५	वि	०	३८	सु	३५	९	वि	८	३८	४५	५१	९	१८	२७ ९	वृश्चिके	भ.८।३८या.
३०	र	४८	१७	अ	८	९	धृ	३७	१६	च	१५	६	४४	५१	९	१९	२८ १०	वृश्चिके	

३४पं.मा.कृ.६श.इ. ७।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	६	३	४	७
१४	८	१३	९	२	१०	२५	१४
४२	३७	५२	४६	४८	५८	२२	१४
२९	५	८	३४	३६	३०	२८	११
६०	३९	९९	१५/५	३४	१/४	३	६१
५०	१	४३	मा	२९	व	११	३

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगलका चन्द्रदर्शन धातु धान्य गल्ला सोना चांदी रसकस वस्त्र वारदाना रुई कपास आदि तेज करे।

गोचर ग्रहाः

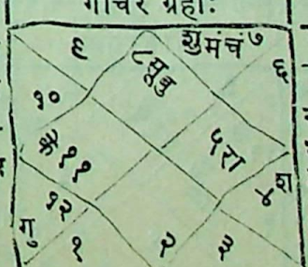

३५पं.मा.कृ.१३श.इ. ५/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	६	३	४	७
२१	१३	२४	९	७	१०	२५	२१
४८	१०	५३	५४	३७	४४	०	२१
३२	२३	६	३२	८	२८	१२	५१
६०	३९	९९	१	४२	१/४	३	६१
५६	५	४	२०	३५	व.	११	११

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६	दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७१०स.२०३४
१	चं ५४ २० ज्ये १५ ३१ शू ३९ १८ कि २१ १८	२५	५६	५	२०	२९	११	ध. १५।३१	मूलेधनुषिबुधः ३०।२९
२	मं ५९ ३८ मू २२ ३१ गं ४० ४७ बा २६ ५९	४२	५२	८	२१	३०	१२	धनुषि	उभा.३गुरुः १२।५६चंद्रदर्शनम्
३	बु ६० ० पू २८ ३२ बृ ४१ ४३ तै ३१ ५८	४१	५२	८	२२	१	१३	म.४४।५७	सव्वाल १०
३	गु ४ १९ उ ३४ १२ ध्रु ४१ ४७ ग ४ १९	४०	५२	८	२३	२	१४	मकरे	भ.३६।१उ.
४	शु ७ ४४ श्र ३८ २९ व्या ४१ २६ वि ७ ४४	३९	५२	८	२४	३	१५	मकरे	भ.७।४४या.
५	श १० १० ध ४१ ४७ ह ४० ११ बा १० १०	३९	५२	८	२५	४	१६	कुं. १०।८	मूलेधनुष्यर्कः १०।१६(सौरः ३४।२२)
६	र ११ १२ श ४३ ४३ व ३७ ४३ तै ११ १२	३८	५२	८	२६	५	१७	कुम्भे	चंपा६ [=भा.पौषारंभःमोक्षदा११व्र.वै.
७	चं ११ ४ पू ४४ ५ सि ३४ १ व ११ ४	३८	५२	८	२७	६	१८	मी २८।५९	भ.११।४उ.४०।७या.विशा.भौमः ३६।९
८	मं ९ ११ उ ४२ ५९ व्य २९ १२ ब ९ ११	३७	५३	७	२८	७	१९	मीने	पूषा.बुधः ५०।४८
९	बु ५ ५१ रे ४० २० व २२ ८ कौ ५ ५१	३७	५३	७	२९	८	२०	मे.४०।२०	[+स्मा.गीताजयंती
१०	गु ० ५५ ५३ ४० अ ३६ १९ प १५ २८ ग ० ५५	३६	५३	७	३०	९	२१	मेषे	भ.२७।१५उ.५४।३५या.मोक्षदा११व्र.+
११	शु ४६ ५३ भ ३० ४६ शि ५९ ५० ब २० ४४	३६	५३	७	१	१०	२२	वृ.४४।६	विशा.शुक्रः ३७वक्रीपुष्य२शनिः ५१० =
१२	श ३८ १० कृ २४ ५ सा ४७ ४ कौ १२ ३१	३६	५३	७	२	११	२३	वृषे	प्रदोषः
१३	र २८ ५३ रो १६ ४९ शु ३६ १७ ग ३ ३१	३६	५३	७	३	१२	२४	मि ४३।१	भ.२८।५३उ.५४।१०या.
१४	चं १९ २६ मृ ९ १४ शु २५ ३४ ब १९ २६	३७	५३	७	४	१३	२५	मिथुने	बुधोदयःपश्चिमायां ४२।३२दत्तजयंती

३६पं.मा.शु.४शु.इ. ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२६	८	११	६	३	४	७
२८	१७	५	१०	१३	१०	२४	२८
५५	४४	५५	१२	१४	२५	३७	३०
२६	१७	८	२२	२८	४४	५७	३४
६१	३८	९८	२	४८	३९	३	६१
०	५३	३२	४७	५१	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

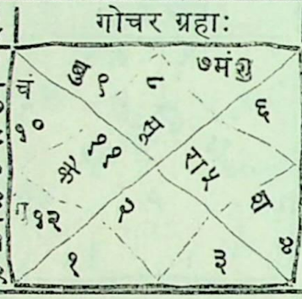

मार्गशीर्षशुक्ले५ रवौ धनुष्यर्कःप्रविष्टः वा. ३न. ३ गतालकावस्था (ऊर्ध्वा मु.३०धान्या-दिभावे समता शुक्रादयःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

३७पं.मा.शु.१२शु.इ. ३५

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	११	६	३	४	८
६	२२	१७	१०	१९	१०	२४	५
३	१७	०	३९	३१	२	१५	३९
०	५६	३३	५०	५२	३८	४१	५९
६१	३८	९७	४	५३	३१	३	६१
४	५१	१८	२	३२	व.	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६	दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	मं १० ३२ आ २ ५३ ब्र १५ १३ क १० ३२	३५	५६	५	५	१४	२६	क.४२।२९	
२	बु २ ४७ पु ५१ ५ ऐं ३७ ४० ग २ ४७	३७	५३	७	६	१५	२७	कर्के	भ.२९।२उ.५६।१७या.
३	बु ५३ ३० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	गु ५१ ५५ श्ले ४७ ५० वि ५० ३१ ब २४ ६	३८	५२	८	७	१६	२८	सिं ४७।५०	उषा.बुधः १४।१०चतुर्थीव्र.
५	शु ४९ १४ म ४६ ४९ प्री ४५ १५ कौ २० ३४	३८	५२	८	८	१७	२९	सिंहे	पूषा.रविः १५।१९(सौरः ३६।०)
६	श ४९ १ पू ४७ ५९ आ ४१ ३५ ग १९ ७	३९	५२	८	९	१८	३०	सिंहे	भ.४९।१उ.मकरेबुधः २४।६
७	र ५० ४७ उ ५१ १ सौ ३९ ५८ वि १९ ५४	४०	५२	८	१०	१९	३१	कं.३।४५	भ.१९।५४या.
८	चं ५५ ३७ ह ५५ ५८ शो ३९ ४१ बा २३ १२	४१	५२	८	११	२०	१	कन्यायां	बृश्चि.शुक्र ४३ जनवरी १ता. ३१स.२०३५
९	मं ६० ० चि ६० ० अ ४० २३ तै २७ ४९	४२	५२	८	१२	२१	२	तु.२९।२	बृश्चिकेभौमः ४९।३७
९	बु ० २ चि २ ७ सु ४२ १० ग ० २	४३	५१	९	१३	२२	३	तुलायां	भ.३२।५६उ.
१०	गु ५ ५१ स्वा ९ २५ धृ ४४ २० वि ५ ५१	४४	५१	९	१४	२३	४	तुलायां	भ.५।५१या.अनु.शुक्रः ४०।३२
११	शु १२ १९ वि १७ ४ शू ४६ ४२ बा १२ १९	४५	५१	९	१५	२४	५	वृ.०।९	सफला११व्र.
१२	श १८ ५९ अ २४ ४९ गं ४८ ५५ तै १८ ५९	४७	५१	९	१६	२५	६	वृश्चिके	श्रवणेबुधः १४।२९प्रदोषः
१३	र २५ १६ ज्ये ३२ २ बृ ५० ५५ व २५ १६	४८	५०	१०	१७	२६	७	ध.३२।२	भ.२५ उ.५८।६या.अनु.भौमः ५९।२
१४	चं ३० ५६ मू ३८ ५४ ध्रु ५२ १७ श ३० ५६	५०	५०	१०	१८	२७	८	धनुषि	पूफा.३राहुः पूभा.१केतुः ३६।४४
२०	मं ३५ ४८ पू ४४ ४१ व्या ५२ ५१ च ३ २२	५२	५०	१०	१९	२८	९	धनुषि	

३८पं.पौ.कृ.५शु.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	११	६	३	४	८
१३	२६	२८	११	२६	९	२३	१२
१०	१३	१	१६	१७	३५	५३	४९
५९	१०	३४	३०	१०	३१	२५	५१
६१	३८	९३	५	५७	३५	३	६१
६	४९	३८	१४	२४	व.	११	२६

गोचर ग्रहाः

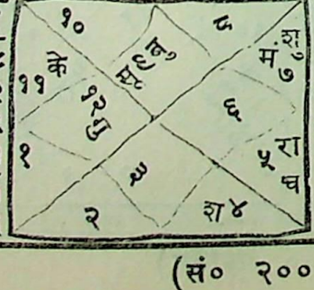

इस मास में चांदी स्वर्ण मंदे हो धान्य बाजरा मूंग मोठ वस्त्र सन वारदाना रुई कपास आदि तेज हो शीत अधिक हो ।

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.कृ.११शु.इ. २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	११	७	३	४	८
२०	१	८	१२	३	९	२३	१९
१९	२८	२६	२	२५	४	३१	५९
५	२३	१०	३१	५५	५२	१०	५८
६१	३८	८२	६	६०	४१	३	६१
६	४७	३८	२६	२०	व.	११	२६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. पौष शुक्लपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १७४०स२०३५

१	बु	३९	२७	उ	४९	२४	ह	५२	४२	किं	७	३७	२३	४९	५१	२०	२९	१०	म.०।५२	
२	गु	४२	४	श्र	५३	१६	व	५१	४१	बा	१०	४५	५५	४९	११	२१	३०	११	मकरे	उषा.रविः २९° (सौरः ३७) चंद्रदर्शनम्
३	शु	४३	४६	ध	५५	५८	सि	४९	५०	तै	१२	५५	५७	४९	११	२२	१	१२	कुं.२४।३७	जिल्काद११
४	श	४४	१८	श	५७	५५	व्य	४७	४	व	१४	२	५९	४८	१२	२३	२	१३	कुम्भे	भ.१४।२उ.४४।१८या.
५	र	४३	५३	पू	५८	४०	व	४३	४९	ब	१४	५	२९	४८	१२	२४	३	१४	मी४३।२९	मकरेऽर्कः ३९ (सौरः ५२।५४)
६	चं	४२	२३	उ	५८	२६	प	३९	३२	कौ	१३	८	४	४७	१३	२५	४	१५	मीने	उभा.४गुरुः १४।४१
७	मं	३९	३५	रे	५७	२	शि	३४	२३	ग	१०	५९	६	४७	१३	२६	५	१६	मे.५७।२	भ.३९।३५उ.
८	बु	३६	५	अ	५४	४३	सि	२८	२२	वि	७	५०	८	४६	१४	२७	६	१७	मेषे	भ.५०या.वक्रीबुधः ३१ ज्येष्ठाशुक्रः ३१
९	गु	३१	२९	भ	५१	७	सा	२१	२९	बा	३	४७	११	४६	१४	२८	७	१८	मेषे	
१०	शु	२५	३९	कृ	४६	३७	शु	१३	४८	ग	२५	३९	१३	४५	१५	२९	८	१९	वृ.५।०	भ.५३उ.बुधास्तः पश्चिमायां ३१।१८
११	श	१८	५६	रो	४१	१८	शु	५१	५५	वि	१८	५६	१६	४५	१५	३०	९	२०	वृषे	भ.१८।५६या.पुत्रदा११व्र.
१२	र	११	२८	मृ	३५	२५	ऐं	४६	२८	बा	११	२८	१९	४४	१६	१	१०	२१	मि८।२२	अभि.प्र.रविः ५०(सौरः २५ भा.माघा-×
१३	चं	३	३०	आ	२९	१३	वै	३६	५८	तै	३	३०	२१	४४	१६	२	११	२२	मिथुने	भ.५५।३५उ. [×रंभःप्रदोषः
१४	चं	५२	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	मं	४७	५२	पु	२३	१६	वि	२७	२६	वि	२१	४४	२४	४३	१७	३	१२	२३	क.९।४५	भ.२१।४४या.मा.स्ना.प्रा.

४०पं.पौ.शु.३शु.इ. १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	११	७	३	४	८
२७	६	१६	१२	१०	८	२३	२७
२७	३	२७	५५	५२	३२	८	९
७	५८	११	३७	१९	१०	५४	४०
६१	३८	५२	७	६२	४०	३	६१
६	४१	४०	४६	३९	व	११	२४

गोचर ग्रहाः

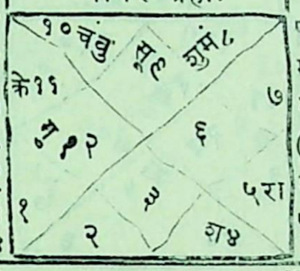

पौष शुक्ले ५ रवौ मकरेऽर्कः प्रविष्ट. वा. २ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी मु.३०धान्यादि भावेसमता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

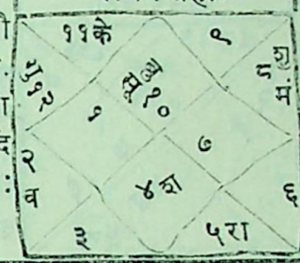

४१पं.पौ.शु.१०शु.इ. १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	११	७	३	४	९
४	१०	१८	१३	१८	७	२२	४
३४	४१	९	५६	३२	५८	४६	१९
५९	१७	४३	२०	१३	५	३९	९
६१	३८	२३	८	६४	४०	३	६१
३	३२	व	३२	२८	व	११	१९

ति. माघ कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.

१	बु	४१	२७	पु	१८	२	श्री	१९	१	बा	१४	४०	२७	४३	५७	४	१३	२४	कर्के	श्रवणेरविः २५।३२ (सौरः ४१।११)
२	गु	३६	१६	श्ले	१४	३	आ	११	१६	तै	८	५१	२९	४२	१८	५	१४	२५	सिं१४।३	अभि.नि.रविः १७।४७ (सौरः ३१।२८)
३	शु	३२	४१	म	११	४०	सौ	४	४७	व	४	२८	३३	४२	१८	६	१५	२६	सिंहे	भ.४।२८उ.३२।४१या.
४	श	३१	२५	पू	११	१४	शो	०	५६	ब	२	३	३५	४१	१९	७	१६	२७	क.२६।३६	वक्रीउषा.बुधः १८।१०चतुर्थीव्र.
५	र	३१	५९	उ	१२	४१	सु	५५	३१	कौ	१	४२	३८	४०	२०	८	१७	२८	कन्यायां	ज्येष्ठाभौमः १४।२४
६	चं	३४	४६	ह	१६	२३	धृ	५५	४	ग	३	२२	४१	४०	२०	९	१८	२९	तु.४९।०	भ.३४उ.मूलेधनुषिशुक्रः ३६।४
७	मं	३९	४	चि	२१	३६	शू	५६	१३	वि	६	५५	४५	३९	२१	१०	१९	३०	तुलायां	भ.६।५५या.
८	बु	४४	५६	स्वा	२८	१९	गं	५७	५८	ना	१२	०	४८	३८	२२	११	२०	३१	तुलायां	
९	गु	५१	१३	वि	३५	२९	वृ	६०	०	तै	१८	४	५१	३८	२२	१२	२१	१	वृ.१८।४२	बुधोदयःपूर्वस्यां ५०फरवरी२ता.२८
१०	शु	५७	४९	अ	४३	१३	बृ	०	१३	व	२४	३१	५४	३७	२३	१३	२२	२	वृश्चिके	भ.३१उ.५९या.पातस्पर्श ३५पातमोक्ष ५७
११	श	६०	०	ज्ये	५०	४३	ध्रु	२	३४	ब	३०	५८	५८	३६	२४	१४	२३	३	ध.५०।४३	रेवती१गुरुः ३१षट्तिला११व्र.स्मा.
११	र	४	७	मू	५७	२९	व्या	४	३२	बा	४	७	२७	३६	२४	१५	२४	४	धनुषि	वक्रीपुष्य१शनिः १६षट्तिला११व्र.वै.
१२	चं	९	४१	पू	६०	०	ह	६	५	तै	९	४१	५	३५	२५	१६	२५	५	धनुषि	प्रदोषः
१३	मं	१४	८	पू	३	१९	व	६	३१	व	१४	८	८	३४	२६	१७	२६	६	म.१९।२४	भ.१८उ.४०या.धनि.रविः ३३।५० ÷
१४	बु	१७	११	उ	७	४१	सि	६	८	श	१७	११	१२	३४	२६	१८	२७	७	मकरे	[÷(सौरः ४६।१)
३०	गु	१८	५३	श्र	१०	५३	व्य	४	३७	ना	१८	५३	१५	३३	२७	१९	२८	८	कुं.४१।४९	मार्गीबुधः ३।३९

४२पं.मा.कृ.३शु.इ. २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	११	७	३	४	९
११	१५	११	१५	२६	७	२२	११
४२	१७	४६	३	२२	२३	२४	२८
२९	५६	१२	३२	५६	४२	२३	०
६०	३८	४९	९	६५	४०	३	६१
५९	२७	व	२३	५७	व	११	१३

गोचर ग्रहाः

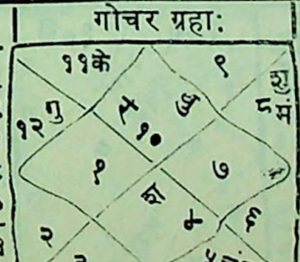

इस मास में कृष्णा पक्ष की तिथि वृद्धि शुक्ल पक्ष की तिथि क्षय चांदीसोना लोहा रुई रंग सूत में अच्छी तेजी करे।

गोचर ग्रहाः

४३पं.मा.कृ.१०शु.इ. २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	११	८	३	४	९
१८	१९	४	१६	४	६	२२	१८
४९	५४	५	१६	२२	४९	२	३६
१	७	४६	१२	५२	४१	७	८
६०	३८	४९	१०	६७	४९	३	६१
५५	१४	व	७	१०	व	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६						दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १७७०स.२०३५
१	शु	१९	२२	ध	१२	४५	व	२७	५६	ब	१९	२२	२७	६	५	२०	२९	९	कुंभे	पूषा.शुक्रः४३।० चन्द्रदर्शनम्
२	श	१८	३०	श	१३	३८	शि	५४	२६	कौ	१८	३०	२३	३१	२९	२१	१	१०	मी५८।३३	जिल्हेज १२
३	र	१६	५२	पू	१३	३१	सि	४९	२६	ग	१६	५२	२७	३१	२९	२२	२	११	मीने	भ.४५।३८उ.
४	चं	१४	२५	उ	१२	२८	सा	४३	५६	वि	१४	२५	३०	३०	३०	२३	३	१२	मीने	भ.१४।२५या.
५	मं	१०	५८	रे	१०	५६	शु	३८	१०	बा	१०	५८	२४	२९	३१	२४	४	१३	मे.१०।५६	कुंभेऽर्कः९।६ (सौरः१९।५९) वसंत५
६	बु	७	१४	अ	८	५०	शु	३१	५३	तै	७	१४	३८	२८	३२	२५	५	१४	मेषे	
७	गु	३	४	भ	६	७	ब्र	२५	४	व	३	४	४१	२८	३२	२६	६	१५	बृ.२०।१९	भ.$\frac{३}{४}$उ.$\frac{३}{५}$या.भानु७रथ७भीष्माष्टमी
८	शु	५५	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	शु	५३	१	क्र	५५	२४	ऐं	१७	५४	बा	२५	४०	४५	२७	३३	२७	७	१६	वृषे	
१०	श	४७	१९	मृ	५५	१६	चे	१०	१८	तै	२०	१०	४९	२६	३४	२८	८	१७	मि२७।१८	मूलेधनुषिभौमः २७।४७
११	र	४१	१७	आ	५०	५८	वि	२५	५२	व	१४	१८	५३	२५	३५	२९	९	१८	मिथुने	भ.१४।१८उ.४१।१७या.जया११व्र.
१२	चं	३५	१३	पु	४६	३७	आ	४६	३२	ब	८	१५	५६	२५	३५	३०	१०	१९	क.३२।४२	शतेरविः४५।१९ (सौरः५५।२१)
१३	मं	२९	१०	पु	४२	३२	सौ	३८	५२	कौ	२	११	२८	२४	३६	१	११	२०	कर्के	श्रवणेबुधः$\frac{२१}{५८}$भा.फाल्गुनारंभः प्रदोषः
१४	बु	२३	४३	श्ले	३९	८	शो	३१	४५	व	२३	४३	४	२३	३७	२	१२	२१	सिं३९।८	भ.$\frac{२३}{४३}$उ.$\frac{५१}{२४}$या.उषा.शुक्रः$\frac{९}{३३}$रेवती २–
१५	गु	१९	४	म	३६	४२	अ	२५	२५	व	१९	४	८	२२	३८	३	१३	२२	सिंहे	मा.स्ना.पूर्तिः [–गुरु·२

४४पं.मा.शु.१शु.इ.$\frac{६}{६}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	११	८	३	४	९
२५	२४	२	१७	१२	६	२१	२५
५४	३१	५७	३४	२९	१७	३९	४२
५०	१	६	५२	३१	५३	५२	५५
६०	३८	६३	१०	६८	४०	३	६०
४७	३	मा	५३	२०	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले ५ भौमे कुंभेऽर्कःप्रविष्टः वा.३ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु ३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

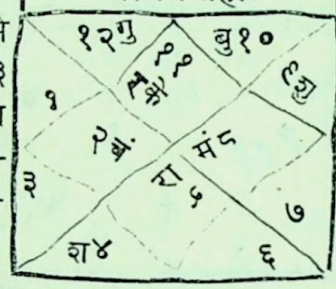

४५पं.मा.श.९शु.इ.$\frac{६}{३}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	११	८	३	४	१०
२	२९	६	१८	२०	५	२१	२
५९	८	५६	५८	४१	४७	१७	४८
४२	४९	२	५	२०	२	३६	५८
६०	३७	४२	११	६९	$\frac{३}{५२}$	३	६०
३७	५८	३७	२५	६	व	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६						दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततूर्रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	शु	१५	४३	पू	३५	५०	सु	२०	१४	कौ	१५	४३	२९	३२	५८	४	१४	२३	कं.५०।५८	
२	श	१४	१३	उ	३६	२२	धृ	१६	१७	ग	१४	१३	१६	२१	३९	५	१५	२४	कन्यायां	भ.४४।१२उ.मकरेशुक्रः०।५८
३	र	१४	११	ह	३९	२	शू	१३	५६	वि	१४	११	२०	२०	४०	६	१६	२५	कन्यायां	भ.१४।११या. चतुर्थीव्र.
४	चं	१६	१२	चि	४३	१९	गं	१३	१	बा	१६	१२	२४	१९	४१	७	१७	२६	तु.११।१०	
५	मं	१९	४९	स्वा	४९	१३	बृ	१३	३	तै	१९	४९	२८	१८	४२	८	१८	२७	तुलायां	
६	बु	२५	१	वि	५५	५०	ध्रु	१४	२५	व	२५	१	३२	१८	४२	९	१९	२८	वृ.३८।५२	भ.२५।१उ.५८।०या.
७	गु	३१	०	अ	६०	०	व्या	१६	२२	ब	३१	०	३६	१७	४३	१०	२०	१	वृश्चिके	मार्च३ता.३१
८	शु	३७	२६	अ	३	२०	ह	१८	३८	बा	४	१३	४०	१६	४४	११	२१	२	वृश्चिके	धनि.बुधः४८।२६
९	श	४३	४४	ज्ये	१०	५८	व	२०	५३	तै	१०	३५	४४	१५	४५	१२	२२	३	ध.१०।५८	
१०	र	४९	२२	मू	१८	४	सि	२२	३९	व	१६	३३	४८	१४	४६	१३	२३	४	धनुषि	भ.$\frac{१}{३}$उ.$\frac{४९}{५२}$या.श्रवणेशुक्रः$\frac{२६}{५७}$
११	चं	५३	४५	पू	२४	११	व्य	२३	३२	ब	२१	३३	५२	१४	४६	१४	२४	५	म.४०।२०	पूभारविः$\frac{१}{२४}$(सौरः१८ विजया११व्र.
१२	मं	५६	४४	उ	२८	४७	व	२३	२	कौ	२५	१४	५६	१३	४७	१५	२५	६	मकरे	
१३	बु	५८	०	श्र	३२	७	प	२१	५८	ग	२७	२२	२९	१२	४८	१६	२६	७	मकरे	भ.५८।०उ.कुंभेबुधः३६।१२ प्रदोषः
१४	गु	५७	३२	ध	३३	३८	शि	१९	१४	वि	२७	४६	५	११	४९	१७	२७	८	कुं.२।५२	भ$\frac{२७}{४६}$या.रेवती३गुरुः$\frac{२६}{३}$महाशिवरात्रीव्र.
२०	शु	५५	३४	श	३३	३७	सि	१५	१५	च	२६	३३	९	१०	५०	१८	२८	९	कुम्भे	पूषा.भौमः३८।३८

४६पं.फा.कृ.१शु.इ.$\frac{७}{७}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	११	८	३	४	१०
१०	३	१२	२०	२८	५	२०	९
३	४६	४८	२५	५७	१९	५५	५३
१४	१६	७	८	१४	५२	२१	२०
६०	३७	६३	१२	६९	२६	३	६०
२५	४९	२२	४	५६	व.	११	२१

४७पं.फा.कृ.८शु.इ.$\frac{७}{२५}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	११	९	३	४	१०
१७	८	२२	२१	७	४	२०	१६
५	२३	२५	५५	१६	५७	३३	५६
२८	४२	३४	८	४१	७	५	२७
६०	३७	७८	१२	७०	$\frac{३}{४६}$	३	६०
१२	३४	५८	२०	३४	व.	११	२०

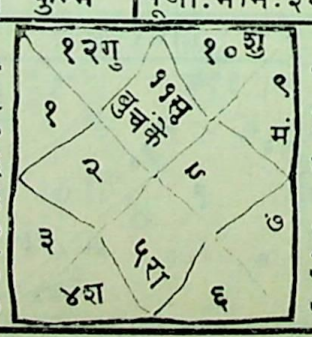

४८पं.फा.कृ.३०शु.इ.$\frac{७}{४४}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	११	९	३	४	१०
२४	१३	२	२३	१५	४	२०	२३
६	०	१९	२८	३७	३८	१०	५७
१४	५०	८	५५	३०	२०	४९	५०
५९	३७	९१	१२	७१	$\frac{१}{५२}$	३	६०
५८	१३	१२	५०	१०	व.	११	६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९५६ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण १७६६स.२०३५

१	श	५२	१६	पू	३२	२१	सा	१०	१६	किं	२३	५६	२९ ३	६ ५५	१९	२६	१०	मी १७।४०	[-पातमोक्षः ५५/६ फुलरिया २
२	र	४८	५	उ	३०	३	शु	४ १६	५३ २४	बा	२०	१२	१७	६	५१	२०	३०	११ मीने	शतेबुधः ५९/६ चन्द्रदर्शनम् पातस्पर्शः ४२/६४-
३	चं	४३	७	रे	२७	४	ब्र	५०	३१	तै	१५	३६	२१	८	५२	२१	१	१२ मे. २७।४	पूफा. २ राहुः शत. ४ केतु. ३१/६=
४	मं	३७	५३	अ	२३	३५	ऐं	४३	१०	च	१०	३०	२६	७	५३	२२	२	१३ मेषे	भ. १०।३० उ. ३७।५३ या.
५	बु	३२	३५	भ	२०	५	वै	३६	७	च	५	१४	३०	६	५४	२३	३	१४ वृ. ३३।४३	[=मोहोरम १ सन् १४५७ हि.
६	गु	२७	२३	कृ	१६	३६	वि	२८	५३	तै	२७	२३	३४	५	५५	२४	४	१५ वृषे	मीनेऽर्कः २/६४ (सौरः १९) घनि. शुक्रः ३३/६
७	शु	२२	४	रो	१३	२	मृ	२१	३८	च	२२	४	३८	४	५६	२५	५	१६ मि ४१।२५	भ. २२।४ उ. ४६।३३ या.
८	श	१७	२	मृ	९	४७	आ	१४	३६	ब	१७	२	४३	३	५७	२६	६	१७ मिथुने	होलाष्टकम्
९	र	१२	११	आ	६	४१	सौ	७	३५	कौ	१२	११	४७	३	५७	२७	७	१८ क. ४६।३३	उभा. रविः २३।१८ (सौरः २।५)
१०	चं	७	२१	पु	३	५०	शो	१ ४	५३ ३९	ग	७	२१	५१	२	५८	२८	८	१९ कर्के	भ. ३५।१२ उ.
११	मं	३	४	पु	१५	५९	सु	४८	५९	वि	३	४	५५	१	५९	२९	९	२० सिं ५९।२४	भ. ३/६ या. पूभा. बुधः ९/६० आमलकी ११ व्र.
१२	मं	५६	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×बुधास्तः पूर्वस्यां ५२/६ भा. चैत्रारंभः
१३	बु	५६	२	म	५८	१	धृ	४३	३८	कौ	२७	३७	३० ०	६ ०	६ ०	३०	१०	२१ सिंहे	कुंभेशुक्रः ५।५० प्रदोष ·
१४	गु	५३	४९	पू	५७	४४	शू	३९	५	ग	२४	५५	४	५ ५९	६	१	११	२२ सिंहे	भ. ५३।४९ उ. रेवती. ४ गुरुः ५४।१९×
१५	शु	५२	५७	उ	५८	४८	गं	३५	३६	वि	२३	२३	८	५८	२	२	१२	२३ कं. २३।०	भ. २३।- ३ या. होलिकादहनम्

४९पं.फा.शु.७शु.इ. ६/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	११	९	३	४	११
९	१७	१३	२५	२४	४	१९	०
५	३५	१७	५	१	२४	४८	५७
३१	१	१७	१३	२३	३२	२४	३२
५९	३६	०/६	१३	७१	१/६१	३	५९
४१	५२	४७	१०	३४	व.	११	४९

गोचर ग्रहाः

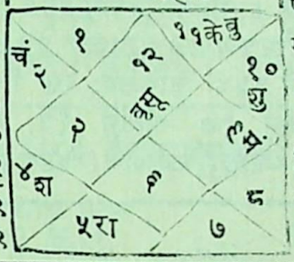

फाल्गुन शुक्ले ६ गुरौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

५०पं.फा.शु.१५शु.इ. ६/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	११	१०	३	४	११
८	२२	२५	२६	२	४	१९	७
३	१३	१७	४३	२७	१६	२६	५५
१८	१२	२	८	४	२३	१८	२७
५९	३६	०/६	१३	७१	०/४४	३	५९
२९	४१	२६	२०	५९	व	११	३५

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९५६ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.

१	श	५३	१७	ह	६०	०	वृ	३३	८	बा	२३	७	३० ५/६	२ ५८	३	१३	२४	कन्यायां	वसंत १ छारेंडी
२	र	५५	२१	ह	१	७	ध्रु	३१	५५	तै	२४	१९	१६	५७	३	४	१४	२५ तु. ३२।५८	मीनेबुधः ४२।१०
३	चं	५८	३९	चि	४	५०	व्या	३१	४४	च	२७	०	२१	५६	४	५	१५	२६ तुलायां	भ. २७।० उ. ५८।३९ या. शतेशुक्रः ३९।१५
४	मं	६०	०	स्वा	१०	१३	ह	३२	४२	ब	३१	३	२५	५५	५	६	१६	२७ वृ. ५९।५५	उभा. बुधः ६।२० चतुर्थी व्र.
४	बु	३	२८	वि	१६	२९	च	३४	१०	बा	३	२८	२९	५४	६	७	१७	२८ वृश्चिके	
५	गु	९	२	अ	२३	४१	सि	३६	२५	तै	९	२	३३	५३	७	८	१८	२९ वृश्चिके	उषा. भौमः ५५।३० [+शीतलापूजनम्
६	शु	१५	१६	ज्ये	३१	१६	व्य	३८	४४	ब	१५	१६	३७	५३	७	९	१९	३० ध. ३१।१६	भ. १५/६ उ. ३९/६ या. मार्गीशनिः ४९/६+
७	श	२१	३७	मू	३८	३७	च	४०	५४	ब	२१	३७	४१	५२	८	१०	२०	३१ धनुषि	रेवत्यां रविः ५०।५३ (सौरः ५८।२)
८	र	२७	३८	पू	४५	३२	प	४२	२९	कौ	२७	३८	४५	५१	९	११	२१	१ धनुषि	अप्रेल ४ ता. ३०
९	चं	३२	२९	उ	५०	५७	शि	४३	४	तै	०	३	४९	५०	१०	१२	२२	२ म. १।५३	[÷मकरेभौमः ५३/६
१०	मं	३५	४९	श्र	५५	७	सि	४२	३१	व	४	९	५३	४९	११	१३	२३	३ मकरे	भ. ४/६ उ. ३५/६ या. रेवत्यांबुधः ३५/६÷
११	बु	३७	२२	ध	५७	१९	सा	४०	२३	ब	६	३५	५७	४९	११	१४	२४	४ कुं. २६।११	पापमोचनी ११ व्र.
१२	गु	३६	५८	श	५७	२५	शु	३६	४९	कौ	७	१०	३१/६	४८	१२	१५	२५	५ कुम्भे	अश्वि. १ मेषेगुरुः ५७।५७
१३	शु	३४	४२	पू	५५	५९	शु	३१	४३	ग	५	५०	५	४७	१३	१६	२६	६ मी ४१।२१	भ. ३४।४२ उ. पूभा. शुक्रः ४२।१९ प्रदोषः
१४	श	३०	३३	उ	५२	५८	व्र	२५	१८	वि	२	३७	१०	४६	१४	१७	२७	७ मीने	भ. २।३७ या.
३०	र	२५	७	रे	४८	३५	ऐं	१७	५८	ना	२५	७	१४	४५	१५	१८	२८	८ मे. ४८।३५	अस्तंगुरोः १।४८ मन्वादिः

५१पं.चै.कृ.६शु.इ. ६/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	११	१०	३	४	११
१४	२६	८	२८	१०	४	१९	१४
५९	४८	१८	२२	५२	१३	५	५१
१०	०	५८	३०	५५	२६	३	३९
५९	३६	०/६	१३	७२	०/५	३	५९
१६	११	४१	३२	१८	व	११	१८

गोचर ग्रहाः

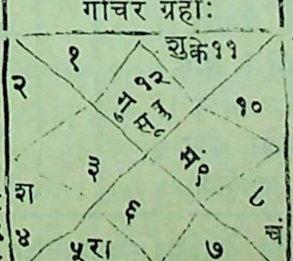

इस मासमें ५ शनिवार ५ रविवार अशुभ हैं धान्य गल्ला धातु रसकस घृत तेल में तेजी हो प्रजा में महामारी फैले ।

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.कृ.१३शु.इ. ६/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	०	१०	३	४	११
२१	१	२१	०	१९	४	१८	२१
५३	२१	५६	२	१९	१६	४१	४५
३१	४०	२	३१	४८	१२	४७	५०
५९	३५	०/६	१३	७२	०/४७	३	५९
४	५३	४१	३२	३७	मा	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३६, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१३६, भोग्यकलिः ४२६८६४, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०९२, शाकः १९५७, अस्मिन् वर्षे राजा चंद्रः। मंत्री शनिः। सस्येशो भौमः। धान्येशो रविः। मेघेशः शुक्रः। रसेशो बुधः। नीरसेशश्चंद्रः। फलेशः शुक्रः। घनेशश्चंद्रः। दुर्गेशः शुक्रः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ३ शुक्लनाम संवत्सरःप्रवर्तते। तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ३।०।५४।४०।१२ भोग्यमासादिः ८।२९।५।१९।४८ विष्णुदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम आश्विनः।मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासःपर्वते समयनिवासः कुंभकार गृहे। समय विश्वा२० समयवाहनम् मृगः। स्तंभाः३ अन्न तृणवायूनां। सोमवत्यमा३ सोमवती पंचमी३ अंगारकी चतुर्थी२ बुधाष्टमी १ भानुसप्तमी २रविदशमी× समय मुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपतिविश्वा ८४, वर्षाविश्वा १५, धान्यम् ७, तृणम् १७, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१२३, सत्यम्।। धर्म १।।,पापं १८शनिदृष्टिदक्षिणे। ग्रहण२ सूर्यस्य १ चंद्रमसः१।

सं.२०९२ भाद्रपद कृष्णा ३० रवौ ग्रस्तोदितं सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	४	५	६
मि.	५२	४५	४१
घ.	५६	५८	०
प.	२	१४	२२

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	२	११	८	८	२	८

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ४।२२

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जगदंबा से पूछता भैरव मन हर्षाय ।
संवत् कैसा बाणवे होसी यह दर्शाय ।।

भवानी उत्तर

बलकर आयो बाणवे घर घर डंबर डोल ।
राज प्रजा के बीच में होसी पोलम पोल ।।
शशिराजा इस वर्ष में शीतल चाले चाल ।
ठगे ठगावे जगत का खांय मसकरा माल ।।
मंत्री रवि सुत होय कर जग में करै धमाल ।
युद्ध रोग भूकंप से जगत होय पैमाल ।।
अन्न तृण और समीर के स्तंभ लगे है तीन ।
विन पाणी अन्न नीपजे इसमें मेष न मीन ।।
पंद्रह विश्वा वृष्टि है संवत् विश्वा बीस ।
धर्म कर्म करते रहो भली करें जगदीश ।।

सं. २०९२ श्रा. शु. १५ शनौ ग्रस्तास्त चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.
घं.	५	६	७
मि.	५५	३९	२२
घ.	५८	६०	२
प.	४१	२९	१७

स.२०९२ माघ शु. १४ चंद्रे खग्रास चंद्र ग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
घ.	२	३	३	४	५
मि.	२	८	४४	२१	२७
घं.	४८	५१	५३	५४	५७
प.	५७	४२	१३	४४	२९

वर्षेश लग्नम् ४।२५

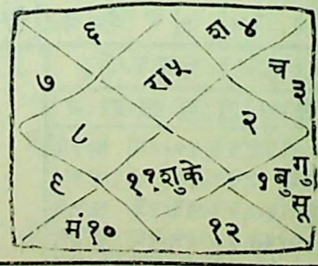

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१९।५३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा चंन्द्रः फलम् ॥ चन्द्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरं च धान्यं । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधि जरा नराणाम् ॥ मंत्री शनिः फलम् ॥ रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवाः विनय संरहिता बहु दुखदाः । न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ॥ सस्येशो भौमः फलम् ॥ प्रथम धान्यपतौ धरणीसुते गजतुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग घनो जलं न समसौख्यकरं तुष धान्य हृत् ॥ धान्येशो रविः फलम् ॥ पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीड़नम् ॥ मेघेशः शुक्रः फलम् ॥ भृगुसुतो जलदस्यपतिर्यदा जलमुचो जलदा दिवि शोभनाः । धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ॥ रसेशो बुधः फलम् ॥ रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभ धान्य घृतादि युता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहु जलाखिलदेश सुरक्षिता ॥ नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम् ॥ शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससाम् । अर्घं वृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ॥ फलेशः शुक्रः फलम् ॥ यदि फलस्यपतौ भृगुजे वरा मृदु कुमार महीरुह राशयः । बहु फला नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुति पाठ परायणाः ॥ धनेशो चंद्रः फलम् ॥ धनपतिर्मृग लांछनको यदा रसचया क्रय विक्रयतो धनम् । वसनशालि सुगंध रसं बहु द्रविण तैल घृतं नृप सौख्यदं ॥ दुर्गेशः शुक्रः फलम् ॥ नगरदेश विशेष पतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्य करो मतः । विनय वाणिजगेह समः सुखो नग वने निकटेपि च दूरतः ॥ शुक्लनाम संवत्सरः फलम ॥ शुक्लाब्दे निखिला लोकाः सुखिनः स्वजनैः सह । राजानो युद्ध निरता परस्पर जयैषिणः ॥ वर्षनाम आश्विनः फलम् ॥ आश्विने शोभना वृष्टिर्नृप सौख्यकरी सदा । सुभिक्षं पूर्वं सस्यं स्यात् ज्वर रोगाकुलं जगत् ॥ मेघनाम द्रोणः फलम् ॥ द्रोणे वर्षति सर्वदा ॥ रोहिणी निवासः पर्वते फलम् ॥ पर्वते बिंदुमात्रश्च ॥ समय निवासः कुंभकार गृहे फलम् ॥ अनावृष्टिः प्रजापतौ ॥ एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०९२ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला २ बुधे मृगे ल. १२ रे. ६ ।।।।।ऽचौ।।।।
,, ३ गुरौ मृगे ल. ऽन्यगो रे. १० ।।।।।।।।।
,, ११ गुरौ हस्ते ल.१२(घ.५२-४३उ)रे.८।।।।।ऽअऽ।।।
,, १५ भौमे अनु ल.६ रे.६।।।।शुऽ।ऽ।।पादाद्वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा २ गुरौ मूले ल. गो. रे. ७ ऽ।।।।ऽरो४१याऽ।।।
,, ४ शनौ उषा ल. १२-१ रे. ८ ।।।।।।।ऽऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ६ गुरौ उभा ल. १ रे. ८ ।।।।।ऽचौ।ऽ।।
,, १० शुक्रे रेव ल. १ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, ११ शनौ रेव ल. ऽन्यगो ६ रे. ७ ।।।।।ऽरोऽऽ।।
शुक्ला ५ रवौ मघा ल. १ रे. ६ ।ऽ।।।।।।।।
,, ६ चन्द्रे मघा ल. ऽन्यगो ६ रे. ८ ।ऽ।।।ऽचो।।।।
,, ७ भौमे उफा ल. १ रें. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
,, ६ गुरौ हस्ते ल. गो. ६ रे. ७ ।ऽ।।।ऽअऽ।।।
,, ११ चन्द्रे अनु ल. ऽन्यगो १२-२ (वृषेचं.७पू.) रे.८
।।।।ऽऽअ(घ४१या)।।।।
,, बुधे मूले ल. १ रे. ६ ।।।।ऽ।ऽऽऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

आषाढ मासः

कृष्णा २ शुक्रे उषा ल.१२-१-२ रे. ७ ।।।ऽशु।ऽचौ५४या।।ऽ
दग्धा (घ५३-७या) पादतो वेधाऽभावः
,, ७ गुरौ उभा ल. ऽन्यगो १-२रे.८।।।।।।।ऽ।ऽदग्धा
,, ८ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो १-२ रे. ६ ऽ।।।।ऽऽऽ।
शुक्ला ४ रवौ मघा ल. २ रे. १० ।।।।।।।।।
,, ६ भौमे उफा ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।।ऽचौ।।।।
,, ७ बुधे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽचौऽऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ६ शुक्रे उफा ल. ७(गु.७पू.)रे.६।।।।ऽऽचौ।ऽ।ऽ
,, १० शनौ हस्ते ल.७ (गु.७पू.) रे.८।।।।।ऽरो।ऽ।।
,, ११ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।।ऽरो।ऽ।।
शुक्ला २ शनौ मूलें ल. ७ (गु.७पू.) रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।
,, ४ भौमे उषा ल. ऽन्यगो रे.६ ।।।।।ऽरो३६।।।।

माघ मासः

कृष्णा ५ गुरौ उफा ल.गो.(सोग्रांगः)रे.८।।।।।ऽअ।ऽ।।
,, ६ शुक्रे हस्तें ल.गो.(सोग्रांगः)रे.८ऽ।।।।।ऽ।।।
,, ८ रवौ स्वात्यां ल. ऽन्यगो (सोग्रांग.) रे. ७
।।।ऽशु।।ऽऽ।। पादतो वेधाऽभावः
शुक्ला ४ शुक्रे उभा ल. ६ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, ५ शनौ उभा ल.ऽन्यगो(सोग्रांगः)रे.८।।।।।।।ऽऽ।।
,, १० गुरौ रोहि ल. गो. (सोग्रांगः) रे. ७
।।।।।ऽचौऽ।ऽ। गणितेंन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ बुधे उफा ल. ६ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।
,, ४ शुक्रे हस्ते ल.गो.(सोग्रांग·)रे.६।।।ऽऽशुऽअ।ऽ।।
,, ५ शनौ स्वात्यां ल. ६ रे. ६ ऽऽ।।।ऽनृ।।ऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
शुक्ला १ गुरौ उभा ल. ६ रे. ७ ।ऽ।।।ऽचौऽ।।।
,, २ शुक्रे रेव ल. ६ रे. १० ।।।।।।।।।

चैत्र मासः

कृष्णा १ गुरौ हस्ते ल. गो. रे. ८ ।ऽ।।।ऽअ।।।।

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १८२९स.२०३५
१	चं १८ २५	अ ४३ ३४	वै ८ ४०	ब १८ २५	३१ ५ ६	१९ २९ ९	मेषे	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	मं ११ १६	भ ३८ १६	वि ५८ ५१	कौ ११ १६	२२ ४४ १६	२० १ ११	वृ.५१।५५	अश्वि.मेषेबुधः २५९ सफर२ सिंधारा-
३	बु ४ ११	कृ ३२ ५३	आ ४३ २६	ग ४ ११	२६ ४३ १७	२१ २ १०	वृषे	भ.३०।३७उ.५७।२या. गणगौरी
४	बु ५२ ५१	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	[-मत्स्यजयंती
५	गु ५० २१	रो २८ १	सौ ३५ १५	ब २३ ४१	३० ४२ १८	२२ ३ १२	मि५५।५२	
६	शु ४४ ७	मृ २३ ४४	शो २७ ४०	कौ १७ १४	३४ ४१ १९	२३ ४ १३	मिथुने	
७	श ३८ ४६	आ २० १३	अ २० २८	ग ११ २६	३८ ४० २०	२४ ५ १४	मिथुने	भ.३४६उ.अश्वि.मेषेऽर्कः २५ (सौरः ३३५)=
८	र ३४ २१	पु १७ ३०	सु १३ ५५	वि ६ ३३	४२ ४० २०	२५ ६ १५	क.३।११	भ.६।३३या. [=मीनेशुक्रः ५२२
९	चं ३० ४०	पु १५ ३८	धृ ८ २	बा २ ३१	४६ ३९ २१	२६ ७ १६	कर्के	भरण्यांबुधः १६।२८ रामनवमी
१०	मं २७ ५४	श्ले १४ ३०	शू ३ ४५ ४७	ग २७ ५४	५० ३८ २२	२७ ८ १७	सिं १४।३०	भ.३९६उ.उभा.शुक्र.४५३बुधोदयः×
११	बु २६ ४	म १४ २३	बृ ५५ २४	वि २६ ४	५३ ३७ २३	२८ ९ १८	सिंहे	भ.२६।४या.कामदा११व्र.
१२	गु २५ ८	पू १५ १२	ध्रु ५२ ४४	बा २५ ८	५७ ३७ २३	२९ १० १९	क.३०।४२	श्रवणेभौमः ३९अश्वि.२गुरुः ५२२प्रदोषः
१३	शु २५ ३५	उ १७ १२	व्या ५० ५६	तै २५ ३५	३१ ३६ २४	३० ११ २०	कन्यायां	[×पश्चिमायां ५४
१४	श २६ ४४	ह २० ५	ह ५० १७	व २६ ४४	५ ३५ २५	१ १२ २१	तु.५२।४	भ.२६।४४उ.५८।३या.भा.वैशाखारंभः
१५	र २९ २३	चि २४ ३	च ५० ४	ब २९ २३	९ ३४ २६	२ १३ २२	तुलायां	हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु ७श.इ. २४ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	०	१०	३	४	११
०	६	९	२	२९	४	१८	२९
०	४२	३४	०	१९	२४	१५	५२
०	२९	४८	३२	१६	२६	२९	६
५८	३५	५८	१३	७२	१	३	५८
४४	२३	५६	३८	५६	३२	११	४५

गोचर ग्रहाः

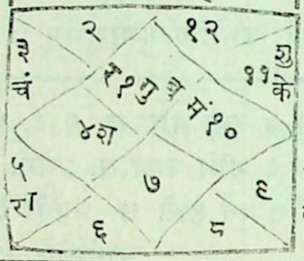

चैत्र शुक्ले ७ शनौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ५ प्रगलभावस्था (बैठी) मु.४५धान्या-दिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

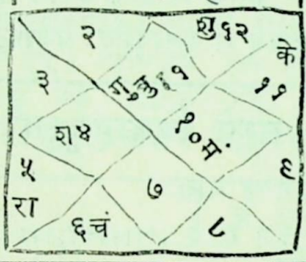

२पं.चै.शु.१४श.इ. २५ १०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	०	११	३	४	०
६	११	२३	३	७	४	१७	६
५०	१०	७	४१	४८	३८	५३	४२
४६	५५	४४	२	२	४२	२३	१७
५८	३४	०	१३	७३	२	३	५८
२१	४१	५८	३८	१४	१४	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	चं ३२ ५८	स्वा २९ ११	सि ५० ५८	बा १ ११	३२ ५ ६	३ १४ २३	तुलायां	छत्ति.बुधः २३।७
२	मं ३८ १	वि ३५ ३६	व्य ५२ २३	तै ५ २९	१९ ३३ २७	४ १५ २४	वृ.१९।०	
३	बु ४३ २५	अ ४२ २९	व ५४ ३०	व १० ४३	२० ३२ २८	५ १६ २५	वृश्चिके	भ.१०।४३उ.४३।२५या.वृषेबुधः ३४७
४	गु ४९ ३२	ज्ये ५० ०	ष ५६ ५३	ब १६ २८	२३ ३१ २९	६ १७ २६	ध.५०।०	चतुर्थी व्र.
५	शु ५५ ५२	मू ५७ ३५	शि ५९ ३१	कौ २२ ४२	२७ ३१ २९	७ १८ २७	धनुषि	
६	श ६० ०	पू ६० ०	सि ६० ०	ग २८ ५७	३१ ३० ३०	८ १९ २८	धनुषि	भरण्याँरविः ५४ (सौरः १४०) रेवत्यांशुक्रः ४३४
६	र २ २	पू ५ ४	सि १ ३६	व २ २	३४ २९ ३१	९ २० २९	म.२१।३८	भ.२।२उ.३४।४२या.
७	चं ७ २२	उ ११ २०	सा ३ ४	ब ७ २२	३८ २८ ३२	१० २१ ३०	मकरे	
८	मं ११ २२	श्र १६ ३७	शु ३ २९	कौ ११ २२	४१ २८ ३२	११ २२ १	कुं.४८।२३	मई५ता.३१
९	बु १३ ४७	ध २० १०	शु २ ४४	ग १३ ४७	४५ २७ ३३	१२ २३ २	कुंभे	भ.४४।०उ.
१०	गु १४ ११	श २१ ४३	श्र ० १६	वि १४ ११	४८ २६ ३४	१३ २४ ३	कुंभे	भ.१४।११या.
११	शु १२ ३७	पू २१ १९	वै ५० ३४	बा १२ ३७	५२ २६ ३४	१४ २५ ४	मी ६।२५	रोहि.बुधः १२५ अश्वि.३गुरुः ४९+
१२	श ८ ५५	उ १८ ५८	वि ४३ ३८	तै ८ ५५	५५ २५ ३५	१५ २६ ५	मीने	उदयंगुरोः ४६ प्रदोषः [+वरुथिनी ११व्र.
१३	र ३ २०	रे १४ ५२	प्री ३५ ४	व ३ २०	५८ २४ ३६	१६ २७ ६	मे.१४।५२	भ.३।२०उ.२९।४१या.
१४	र ५२ ४२	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	
३०	चं ४७ ५८	अ ९ १६	आ २५ ४४	च २२ ०	३३ २४ ३६	१७ २८ ७	मेषे	

३पं.वै.कृ.६श.इ. २५ २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	०	११	३	४	०
१३	१५	३	५	१६	४	१७	१३
३९	३७	४८	२२	१८	५७	३१	३०
५०	२६	५०	८	०	२५	८	४२
५८	३३	८०	१३	७३	२	३	५८
१९	४९	२३	३२	२२	५३	११	१२

गोचर ग्रहाः

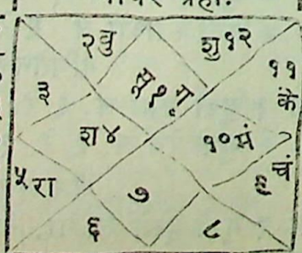

इस मास में चांदी रुई सोना सण तिल वारदाना मंदे हों धान्य बाजरा मूंग मोठ घृत गुड नमक तेज रहे प्रजा सुखीहो

गोचर ग्रहाः

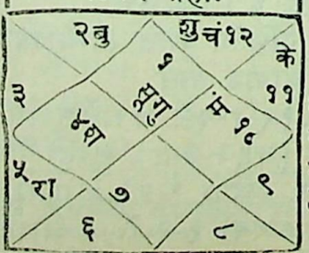

४पं.वै.कृ.१२श.इ. २५ ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	०	११	३	४	०
२०	२०	१०	७	२४	५	१७	२०
२७	०	४८	१	४८	२०	८	१७
२९	५०	४	४८	२५	४६	५२	२९
५८	३२	२९	१३	७३	३	३	५७
६	५८	२८	३२	२५	३२	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः १८५८सं. २०३५
१	मं ३९ १०	भ ३/३ ५३/६	सौ १५ ४७	किं १३ ३४	३३/५ २३/६ ३७	१८ २९ ८	वृ. १५।५९	[-परशुरामजयंती [=अक्षया३
२	बु ३० ५	रो ४९ ०	शो ५/४ ५०/३	बा ४ ३७	८ २२ ३८	१९ ३० ९	वृषे	अश्वि.मेषेशुक्रः ४३।३४चन्द्रदर्शनम्-
३	गु २१ २२	मृ ४२ ३१	सु ४६ ११	ग २१ २२	११ २२ ३८	२० १ १०	मि १५।४५	भ.४/३३उ.धनि.भौमः३/४/९रविलावल३=
४	शु १३ २३	आ ३६ ५७	धृ ३७ २०	वि १३ २३	१४ २१ ३९	२१ २ ११	मिथुने	भ.१३।२३या.कृत्ति.रविः५१।३
५	श ६ १३	पु ३२ ३५	शू २९ ५६	बा ६ १३	१७ २१ ३९	२२ ३ १२	क. १८।४१	कृत्ति.रवि:सौर:२।२२ वक्रीबुधः२८।२६
६	र ० २८	पु २९ ३२	गं २३ १२	तै ० २८	२० २० ४०	२३ ४ १३	कर्के	भ.५६।६उ.
७	र ५५ ३८	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	
८	चं ५३ १२	श्ले २७ ५५	वृ १६ ३७	वि २४ ३९	२३ १९ ४१	२४ ५ १४	सिं २७।५५	भ.३/४/या.पूफा.१राहुःशत.३केतुः३/०
९	मं ५१ ३७	म २७ ५७	धु १३ २२	बा २२ २५	२६ १९ ४१	२५ ६ १५	सिंहे	बृषेऽर्कः१८।१८(सौर:३०।१५)
१०	बु ५१ २५	पू २९ ६	व्या १० ६	तै २१ ३१	२८ १८ ४२	२६ ७ १६	कं. ४४।४७	बुधास्तःपश्चिमायां १९।५३
११	गु ५२ ४३	उ ३१ ४८	ह ८ ३	व २२ ४	३१ १८ ४२	२७ ८ १७	कन्यायां	भ.२२।४उ.५२।४३या.मोहिनी११व्र.
१२	शु ५४ ५३	ह ३५ २३	व ६ ५०	ब २३ २४	३४ १७ ४३	२८ ९ १८	कन्यायां	अश्वि.४गुरुः५।१४
१३	श ५८ २६	चि ४० १४	सि ७ १	कौ २६ ३४	३७ १७ ४३	२९ १० १९	तु. ७।४८	प्रदोष. [×यमायकुंभदानम्
१४	र ६० ०	स्वा ४५ ४५	व्य ७ ८	ग ३० २९	३९ १६ ४४	३० ११ २०	तुलायां	भरण्यांशुक्रः ३८।४६ नृसिंहजयंती
१५	चं २ ३२	वि ५२ १९	व ८ २२	व २ ३२	४२ १६ ४४	३१ १२ २१	वृ. ३५।५१	भ.२।३२उ.३५।१३या.
१५	मं ७ ५३	अ ५९ ६	प १० ७	व ७ ५३	४४ १५ ४५	१ १३ २२	वृश्चिके	कुंभेभौमः १२।१२भा.ज्येष्ठारंभः×

५पं.वै.शु.५श इ. २५/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	०	०	३	४	०
२७	२४	१३	८	३	५	१६	२७
१३	१९	३२	४१	१९	४८	४६	२
३७	४१	४९	१७	२६	५८	३६	४३
५७	३२	०	१३	७३	४	३	५७
५४	१५	१०	२०	४४	११	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले ९ भौमे वृषेऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

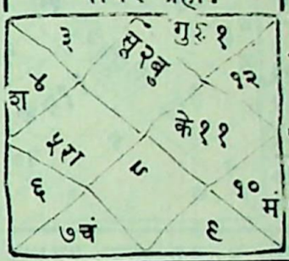

६पं.वै.शु.१३श.इ. २६/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	१	०	०	३	४	१
३	२८	१२	१०	११	६	१६	३
५८	३२	२०	१७	५०	२१	२४	४६
४४	५६	३८	४६	२८	३२	२१	२८
५७	३१	२७/०	१३	७३	४	३	५७
४४	२६	व.	१२	५०	४४	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	बु १३ २९	ज्ये ६० ०	शि १२ १३	कौ १३ २९	३३/४७ ५/१५ ६/४५	२ १४ २३	वृश्चिके	पुष्य.२शनिः १।५४
२	गु १८ ३६	ज्ये ६ ३५	सि १४ ३५	ग १८ ३६	४९ १४ ४६	३ १५ २४	ध. ६।३५	भ.५२।८उ.वक्रीकृत्ति.बुध:१८।४०
३	शु २५ ४१	मू १४ ४	सा १७ ८	वि २५ ४१	५२ १४ ४६	४ १६ २५	धनुषि	भ.२५/४या.रोहि.रविः४/१(सौर:५६)+
४	श ३१ ४६	पू २१ ४३	शु १९ २९	बा ३१ ४६	५४ १३ ४७	५ १७ २६	म. ३८।२५	[+चतुर्थी व्र.
५	र ३७ ११	उ २८ ३२	शु २१ २३	कौ ४ २८	५६ १३ ४७	६ १८ २७	मकरे	
६	चं ४१ ४४	श्र ३४ २८	व्र २२ ४१	ग ९ २७	५८ १२ ४८	७ १९ २८	मकरे	भ.४१।४४उ.
७	मं ४४ ५०	ध ३९ १५	ऐं २२ ५३	वि १३ १७	३/० १२ ४८	८ २० २९	कुं. ६।५२	भ.१३।१७या.
८	बु ४६ २६	श ४२ २३	वै २१ ५१	बा १५ ३८	२ १२ ४८	९ २१ ३०	कुंभे	[÷गुरुः५/४ जून६ता.३०
९	गु ४६ ८	पू ४३ ४३	वि १९ २०	तै १६ १७	३ ११ ४९	१० २२ ३१	मी २८।४३	कृत्ति.शुक्रः ३७।२३
१०	शु ४३ ४९	उ ४३ ३	प्री १५ २२	व १४ ५८	५ ११ ४९	११ २३ १	मीने	भ.५/८उ.४/९या.भरणी.१÷
११	श ३९ २२	रे ४० २५	आ ९ ४७	ब ११ ३६	७ ११ ४९	१२ २४ २	मे. ४०।२५	शतेभौमः २८।११ अपरा११व्र.
१२	र ३२ १	अ ३५ ४९	सौ २/३७ २३/५१	कौ ५ ४१	९ १० ५०	१३ २५ ३	मेषे	बृषेशुक्रः३/९बुधोदयःपूर्वस्यां २/६ प्रदोषः
१३	चं २५ १६	भ २९ ५६	अ ४४ २५	व २५ १६	१० १० ५०	१४ २६ ४	वृ. ४३।८	भ.२५।१६उ.५०।४६या.
१४	मं १६ १७	कृ २२ ४५	सु ३३ ५८	श १६ १७	१२ १० ५०	१५ २७ ५	वृषे	
३०	बु ६ २८	रो १५ ३	धृ २३ १३	ना ६ २८	१३ ९ ५१	१६ २८ ६	मि ४१।९	वटपूजनम्

७पं.ज्ये.कृ.४श.इ. २६/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	०	०	३	४	१
१०	२	८	११	२०	६	१६	१०
४२	३९	५०	५३	२१	५७	२	२८
४०	१८	३१	२४	४३	१८	५	३९
५७	३०	३३/४३	१२	७३	५	३	५७
३५	१७	व.	५०	५६	५	११	२३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य सोना चांदी लोहा ताम्बा रसकस गुड़ शक्कर तेज हो।

गोचर ग्रहाः

८पं.ज्ये.कृ.११श.इ. २६/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	०	०	३	४	१
१७	६	५	१३	२८	७	१५	१७
२५	३९	४६	२६	५४	३६	३९	९
२६	२	४४	२८	१४	३६	५०	४५
५७	२९	२१/२०	१२	७४	५	३	५७
२७	३	व.	२३	२३	११	१३	

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽर्हर्गणः १८८८स.२०३५
१	बु ४९ ५८	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	गु ४६ ४०	मृ ७/५ ५२/३५	शू १२ २०	बा २१ ३३	३४/१५ ५६/५१	१७ २९	७	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
३	शु ३७ ४६	पु ५३ २३	गं १/५८ ५०/१८	तै १२ १३	१६ ९	५१ १८	१ ८	क.४०।०	मृगेरविः ३६/३६ (सौरः ५५/५७) मार्गीबुधः ३८/०=
४	श ३० १	पु ४८ २०	ध्रु ४३ ४९	व ३ ५३	१७ ९	५१ १९	२ ९	कर्के	भ.३।५३उ.३०।१या.
५	र २३ ५४	श्ले ४५ १	व्या ३६ ४९	बा २३ ५४	१८ ८	५२ २०	३ १०	सिं४५।१	[=रविलाखर४
६	चं १९ २८	म ४३ २३	ह ३१ १७	तै १९ २८	१९ ८	५२ २१	४ ११	सिंहे	रोहि.शुक्रः ३०।३६
७	मं १६ ५९	पू ४३ २८	व २७ १	व १६ ५९	१९ ८	५२ २२	५ १२	सिंहे	भ.१६:५९उ.४६।४०या.
८	बु १६ २२	उ ४५ ३४	सि २४ ३५	ब १६ २२	२० ८	५२ २३	६ १३	कं.५८।५९	
९	गु १७ ३८	ह ४९ ८	व्य २३ १०	कौ १७ ३८	२१ ८	५२ २४	७ १४	कन्यायां	[–गंगादशमी
१०	शु २० १३	चि ५४ १७	व २३ ६	ग २० १३	२१ ८	५२ २५	८ १५	तु.२१।४३	भ.५२/१३ उ.मिथुनेऽर्कः ३५/७ (सौरः ५५/५५) –
११	श २४ १३	स्वा ६० ०	प २३ ५९	वि २४ १३	२२ ८	५२ २६	९ १६	तुलायां	भ.२४।१३या.निर्जला ११व्र.
१२	र २८ ५९	स्वा ० १९	शि २५ २२	बा २८ ५९	२२ ८	५२ २७	१० १७	वृ.५०।३२	भरणी.२गुरुः५२।४०प्रदोषः
१३	चं ३३ ५०	वि ७ १६	सि २७ ३४	कौ १ २५	२३ ७	५३ २८	११ १८	वृश्चिके	
१४	मं ४० ३४	अ १४ १३	सा २९ ४४	ग ७ १२	२३ ७	५३ २९	१२ १९	वृश्चिके	भ.४०।३४उ.रोहि.बुधः १२।२
१५	बु ४६ ४१	ज्ये २१ ४६	शु ३२ ८	वि १३ ३७	२३ ७	५३ ३०	१३ २०	ध.२१।४६	भ.१३।३७या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

९पं.ज्ये.शु.४श.इ. २६/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	०	१	३	४	१
२४	१०	५	१४	७	८	१५	२३
७	३०	१६	५५	२६	१९	१७	४९
३०	२२	१२	५९	१३	१६	३४	४१
५७	२७	२/४६	१२	७४	५	३	५७
२२	३८	मा	८	११	५९	११	५

गोचर ग्रहाः

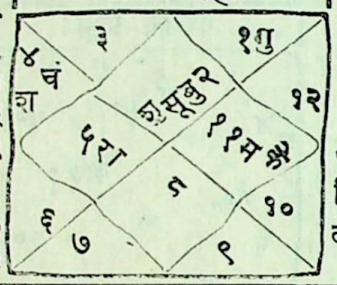

ज्येष्ठ शुक्ले १०शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

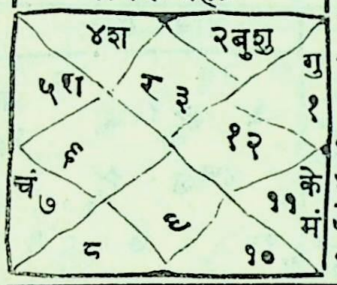

१०पं.ज्ये.शु.११श.इ. २६/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	०	१	३	४	२
०	१४	८	१६	१५	९	१४	०
४८	१०	१९	२३	५९	४	५५	२८
४७	१९	२६	१७	१७	३७	१८	५०
५७	२६	३६	११	७४	६	३	५६
१७	०	२३	३५	२०	२०	११	५७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति महा.
१	गु ५२ ४६	मू २९ ७	शु ३४ ३१	बा १९ ४४	३४/३४ ५३/५३	२१ १४	२१	धनुषि	[×भा.आषाढारंभः
२	शु ५८ २७	पू ३६ २५	ब्र ३६ ४२	तै २५ ३६	२४ ७	५३ १	१५ २२	म.५३।७	आर्द्रारविः ३४/३ (सौरः ५७/२८) मृगेशुक्रः २७/२९×
३	श ६० ०	उ ४३ १४	ऐं ३८ ३१	व ३० ५९	२४ ७	५३ २	१६ २३	मकरे	भ.३०।५९उ.
४	र ३ ३२	श्र ४९ १७	वै ३९ ५८	वि ३ ३२	२४ ७	५३ ३	१७ २४	मकरे	भ.३।३२या.पुष्य.३शनिः४०।१चतुर्थीव्र.
५	चं ७ ५२	ध ५४ ३२	वि ४० ३३	बा ७ ५२	२४ ७	५३ ४	१८ २५	कुं.२१।५५	
६	मं ११ ७	श ५८ २७	प्री ४० २०	तै ११ ७	२३ ७	५३ ५	१९ २६	कुंभे	
७	बु १३ १४	पू ६० ०	आ ३८ ५५	व १३ १४	२३ ७	५३ ६	२० २७	मी४५।२६	भ.१३।१४उ.४३।३२या. मिथुनेशुक्रः ५६/५६
८	गु १३ ५१	पू १ ५	सौ ३६ २३	ब १३ ५१	२२ ८	५२ ७	२१ २८	मीने	पूभा.भौमः १९।५
९	शु १३ १०	उ २ ८	शो ३२ २६	कौ १३ १०	२२ ८	५२ ८	२२ २९	मीने	मृगेबुधः ३४।५८
१०	श ९ ५८	रे १/२९ ५७/३२	अ २६ ५८	ग ९ ५८	२१ ८	५२ ९	२३ ३०	मे.१।२९	भ.३७।३९उ.
११	र ५ २०	भ ५४ ५५	सु २० १०	वि ५ २०	२० ८	५२ १०	२४ १	मेषे	भ.५/२०या.जुलाई७ता.३१योगिनी११व्र.
१२	र ५३ ५१	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	० ०	० ०	० ०	[+आर्द्रशुक्रः ६/६ प्रदोषः
१३	चं ५१ ३५	कृ ४९ १८	धृ ११ ५८	कौ २५ ३५	१९ ८	५२ ११	२५ २	वृ.८।३१	योगिनी११व्र.वै.
१४	मं ४२ ४७	रो ४२ ३०	शू ५२/५२ ४९/५२	ग १७ ११	१८ ८	५२ १२	२६ ३	वृषे	भ.४२।२७उ.मिथुनेबुधः ३९।२५+
१५	बु ३२ ५५	मृ ३५ २	बृ ४२ १०	वि ७ ५१	१७ ९	५१ १३	२७ ४	मि८।४६	भ.७।५१या.
३०	गु २२ ५४	आ २७ ८	ध्रु ३१ २३	ना २२ ५४	१६ ९	५१ १४	२८ ५	मिथुने	भरणी.३गुरुः २१।१२

११पं.आ.कृ.३श.इ. २६/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	०	१	३	४	२
७	१७	१४	१७	२४	९	१४	७
२९	३६	५९	४७	३२	५२	३३	७
४२	४७	२६	१३	४६	१६	३	१७
५७	२४	६९	१०	७४	६	३	५६
१३	११	५५	५८	२६	३२	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मासमें शनिवार का चन्द्रदर्शन चांदी सोनालोहा रुईरंगसूत धान्य गल्ला में तेजी करे रस मंदा हो वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

१२पं.आ.कृ.९श.इ. २६/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	०	२	३	४	२
१४	२०	२४	१९	३	१०	१४	१३
१०	४८	४३	५	६	४१	१०	४५
८	११	३७	४६	७	४२	४७	२२
५७	२२	९८	१०	७४	६	३	५६
७	४६	११	२२	२६	४८	११	५०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९१७स.२०३५

१	शु	१२	५८	पु	१९	४४	ध्या	२०	३९	ब	१२	५८	३४ ५५	५ ६ ५१	१५	२९	६	क.६।३५	पुन.रवि:३२।४२बुधास्त:पूर्वस्यां ३६
२	श	४	४	पु	१३	१	ह	१०	५६	कौ	४	४	१४	९ ५१	१६	३०	७	कर्के	पुन.रवि:सौर: १ ३० आर्द्रा.बुध: ५ ४०=
३	श	५२	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	०	० ०	[=चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
४	र	५०	२२	श्ले	७	३१	व	३	५२ ३४	व	२३	२१	१३	९ ५१	१७	१	८	सिं७।३१	भ.२३।२१उ५०।२२या.जमादिलावल५
५	चं	४६	१४	म	३	४९	व्य	४८	५६	ब	१८	१८	११	१० ५०	१८	२	९	सिंहे	
६	मं	४४	९	पू	२	७	व	४४	५०	कौ	१५	११	१०	१० ५०	१९	३	१०	कं.१७।१४	
७	बु	४४	२९	उ	२	३६	प	४२	२९	ग	१४	१९	८	१० ५०	२०	४	११	कन्यायां	भ.४४।२९उ.
८	शु	४६	३२	ह	५	५	शि	४१	२८	वि	१५	३०	७	११ ४९	२१	५	१२	तु.३७।१४	भ.१५।३०या.
९	शु	५०	२०	चि	९	२३	सि	४२	४	बा	१८	२६	५	११ ४९	२२	६	१३	तुलायां	पुन.बुध:४६।२०
१०	श	५५	१४	स्वा	१५	२	सा	४३	४	तै	२२	४७	३	११ ४९	२३	७	१४	तुलायां	पुन.शुक्र:१३।१३अस्तंशने:३०।५६
११	र	६०	०	वि	२२	७	शु	४५	१७	व	२८	१५	१	१२ ४८	२४	८	१५	वृ.५।२१	भ.२८।१५उ.देवशयन्येकादशी
११	चं	१	१७	अ	२९	२४	शु	४७	३४	वि	११	१७	३३ ५९	१२ ४८	२५	९	१६	वृश्चिके	भ. १ ७या.मघा.४राहु:शत.१केतु: २३ ५७
१२	मं	७	१८	ज्ये	३७	१	ब्र	५०	१३	बा	७	१८	५७	१३ ४७	२६	१०	१७	ध.३७।१	कर्केऽर्क:२।१८(सौर.:३४।१४)प्रदोष:
१३	बु	१३	३४	मू	४४	३१	ऐं	५२	३८	तै	१३	३४	५५	१३ ४७	२७	११	१८	धनुषि	कर्केबुध: १ ५ ३ शुक्रास्त:पूर्वस्यां ५ ६ २४
१४	गु	१९	२१	पू	५१	३५	वै	५४	४१	व	१९	२१	५३	१४ ४६	२८	१२	१९	धनुषि	भ. १ ९ ६ उ. ५ ३ या.पुष्येबुध: ५ ५ १० वायुपरीक्षा
१५	शु	२४	४५	उ	५८	४	वि	५६	१९	ब	२४	४५	५०	१४ ४६	२९	१३	२०	म.८।१२	पुष्येरविः ३१।३६ व्यासपूजा गुरु१५

१३पं.आ.शु.२श.इ. २५ ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	०	२	३	४	२
२०	२३	७	२०	१९	११	१३	२०
५०	४२	२	२०	४०	३३	४८	२३
२५	१८	१३	६	४८	०	३२	१६
५७	२०	७	९	७४	७	३	५६
७	४७	५५	४०	२६	२	११	५०

आषाढशुक्ला १२ भौमे कर्के ऽर्क: प्रविष्ट: वा. ५ न.५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५ धान्या-दिभावे महर्घता शुक्रोदय: पूर्वस्यां।

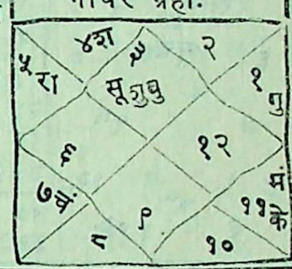

१४पं.आ.शु.१०श.इ. २५ ५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	०	२	३	४	२
२७	२६	२१	२१	२०	१२	१३	२७
३०	१६	२३	२८	१५	२५	२६	१
५४	४४	१७	५२	४०	२६	१६	२३
५७	१८	२५	८	७४	७	३	५६
११	११	२५	५३	३२	८	११	५४

ति	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७	दि. उ. अ. भा. मु. इं	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेति महा.

१	श	२९	१७	श्र	६०	०	प्री	५७	९	कौ	२९	१७	३४ ४८	५ १४	६ ४९	३०	१४	२१	मकरे	पुष्येरविःसौर:४।५५पुष्य.४शनि:३८
२	र	३३	८	श्र	३	३२	आ	५७	२५	तै	१	१३	४५	१५	४५	३१	१५	२२	कुं.३५।५८	कर्केशुक्र:२०।२०
३	चं	३५	३८	ध	८	२५	सौ	५६	५५	व	४	२३	४३	१५	४५	१	१६	२३	कुम्भे	भ. २ ३ उ. ३ ८ या.भा.श्रावणारंभ:चतुर्थीव्र
४	मं	३७	१२	श	१२	७	शो	५५	३६	ब	६	२५	४०	१६	४४	२	१७	२४	मी५९।११	
५	बु	३७	४१	पू	१४	५२	अ	५३	२०	कौ	७	२६	३८	१६	४४	३	१८	२५	मीने	पुष्येशुक्र:५।३४नाग५मरुस्थले
६	गु	३७	२	उ	१६	३१	सु	५०	११	ग	७	२१	३५	१७	४३	४	१९	२६	मीने	भ.३७।२उ.आश्ले.बुध:२३।४१
७	शु	३५	१०	रे	१७	५	धृ	४६	०	वि	६	६	३३	१७	४३	५	२०	२७	मे.१७।५	भ. ३ या.मीनेभौम:४ ५ भरणी.४गुरु: १ १
८	श	३१	५४	अ	१६	६	शू	४०	४३	बा	३	३२	३०	१८	४२	६	२१	२८	मेषे	
९	र	२७	२५	भ	१३	५०	गं	३४	२४	ग	२७	२५	२७	१९	४१	७	२२	२९	वृ.२७।५५	भ.५४।३२उ.
१०	चं	२१	३९	कृ	१०	१२	बृ	२७	१२	वि	२१	३९	२४	१९	४१	८	२३	३०	वृषे	भ.२१।३९या.
११	मं	१४	४४	रो	३८	५३ ५०	धु	१८	५०	बा	१४	४४	२२	२०	४०	९	२४	३१	मि३२।३३	कामिका११व्र.
१२	बु	६	४१	आ	५३	३३	व्या	९	४३	तै	६	४१	१९	२०	४०	१०	२५	१	मिथुने	भ.५८।३उ.अगस्तदता.३१प्रदोष:
१३	बु	५१	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[-बुधोदय:पश्चिमायां३७।२३
१४	गु	४८	५०	पु	४६	३७	ह	३ ०	५१ ३७	वि	२३	२६	१६	२१	३९	११	२६	२	क.३३।२१	भ.२३।२६या.मघासिंहेबुध:२५।४२-
२०	शु	४०	१६	पु	३९	४३	सि	४०	४८	च	१४	३३	१३	२१	३९	१२	२७	३	कर्के	आश्ले.रवि:२८।३७हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.१श.इ. ३५ ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	३	०	२	३	४	३
४	२८	६	२२	२८	१३	१३	३
११	२६	२६	३१	५२	१८	४	३९
३८	५३	४६	५५	८	२९	०	५०
५७	१६	२९	८	७४	७	३	५६
१५	१	५३	४	३२	८	११	५९

श्रावण शुक्ले १४ शुक्रे सिंहेऽर्क:प्रविष्ट:वा.४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्या-दिभावे समता शुक्रास्त:पूर्वस्यां

१६पं.श्रा.कृ.८श.इ. २५ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	०	३	३	४	३
१०	०	२०	२३	७	१४	१२	१०
५२	९	४१	२८	२८	१२	४१	१९
४१	३६	२	५२	२५	२९	३५	७
५७	१३	२५	६	७४	७	३	५७
२०	३४	४०	५८	३२	२०	११	५

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७	दि. उ.अ.	भा मु इं.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९४६सन् २०३५
१	श ३२ २ श्ले ३३ ५५ व्य ३१ २० किं ६ ९	३३ ५ ६ / १० २२ ३८	१३ २८ ४	सिं ३३।५५	आश्ले.रविःसौरः५।४२आश्ले.शुक्रः ५२ १९
२	र २५ ८ म २९ ४ व २२ ४७ कौ २५ ८	७ २३ ३७	१४ २९ ५	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं १८ ५७ पू २५ ४० प १५ २७ ग १८ ५७	४ २३ ३७	१५ १ ६	कं.४०।२१	भ.४७।१८उ.जमादिलाखर६तीज
४	मं १५ ३९ उ २४ २५ शि ९ २३ वि १५ ३९	० २४ ३६	१६ २ ७	कन्यायां	भ.१५।३९या.वरद४
५	बु १४ ४० ह २५ १८ सि ५ १६ बा १४ ४०	३७ २५ ३५	१७ ३ ८	तु ५६।४३	नागपंचमी
६	गु १५ ३४ चि २८ ८ सा २ ५० तै १५ ३४	५४ २५ ३५	१८ ४ ९	तुलायां	
७	शु १८ ३६ स्वा ३३ ३ शु २ १४ व १८ ३६	५० २६ ३४	१९ ५ १०	तुलायां	भ.१८।३६उ.५०या.पूफाबुधः१३।५
८	श २३ ७ वि ३९ १९ शु २ १३ ब २३ ७	४७ २७ ३३	२० ६ ११	वृ.२२।४५	
९	र २८ ५९ अ ४६ ३१ ब्र ३ ५१ कौ २८ ५९	४४ २७ ३३	२१ ७ १२	वृश्चिके	[=ग्रस्तास्त चन्द्रग्रहणम्×
१०	चं ३६ १ ज्ये ५४ ३२ ऐं ५ ५९ तै ४ ३०	४० २८ ३२	२२ ८ १३	ध.५४।३२	[×श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम्भद्रोतरम्
११	मं ४२ २५ मू ६० ० वै ९ १६ व ९ १३	३७ २९ ३१	२३ ९ १४	धनुषि	भ.९।१३उ.४२।२५या.पवित्रा११व्र.
१२	बु ४८ १३ मू १ २३ वि ११ ४१ ब १५ १९	३३ २९ ३१	२४ १० १५	धनुषि	मघा.सिंहेशुक्रः४०।४२
१३	गु ५३ ३१ पू ८ २६ प्री १३ ५२ कौ २० ५२	३० ३० ३०	२५ ११ १६	म.२५।४	आश्ले.१गुरुः२९।५२ प्रदोषः
१४	शु ५७ २९ उ १४ ५७ आ १५ २३ ग २५ ३०	२६ ३१ २९	२६ १२ १७	मकरे	भ.५७।२९उ.मघा.सिंहर्क्षः२२।३९
१५	श ६० ० श्र २० ११ सौ १५ ५९ वि २८ ५७	२२ ३२ २८	२७ १३ १८	कु.५२।१५	भ.२८।५७या.मघा.सिंहेऽर्कः सौरः२।६=
१५	र ० २६ ध २४ १९ शो १५ ४८ ब ० २६	१९ ३२ २८	२८ १४ १९	कुंभे	उफा.बुधः१०।२४उदयंशनैः१३।३०

१७पं.श्रा.शु.१श.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	४	०	३	३	४	३
१७	१	३	२४	१६	१५	१२	१६
३४	२१	३५	१८	६	७	१९	५८
२३	५३	४६	४७	३२	५	२९	५५
५७	१०	०	६	७४	७	३	५७
२५	३९	१०	९	३८	२०	११	१२

१८पं.श्रा.शु ८श.इ. २५ १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	४	०	३	३	४	३
२४	२	१५	२५	२४	१६	११	२३
१६	८	१५	०	४५	०	५७	४०
४४	१३	४३	४३	०	४०	१४	४२
५७	७	९६	५	७४	७	३	५७
३३	३१	११	२	३८	१९	११	२३

१९पं.श्रा.शु.१५श इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	४	०	४	३	४	४
१	२	२५	२५	३	१६	११	०
०	१७	३४	३४	२४	५३	३४	२२
४	१७	३०	३४	२५	४६	५८	१५
५७	४	८२	४	७४	७	३	५७
४०	४४	४८	५५	३८	१०	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७	दि. उ. अ.	हि. मु. इ.	चन्द्रः	वर्षतू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	चं २ १० श २७ २६ अ १४ ३५ कौ २ १०	३२ ५ ६ / १५ ३३ ३७	२९ १५ २०	कुंभे	
२	मं २ ४८ पू २९ १७ सु १२ ३३ ग २ ४८	१२ ३४ २६	३० १६ २१	मी १३।४९	भ.३२।३१उ.कन्यायांबुधः४८।१७
३	बु २ १४ उ ३० ११ धृ ९ ४५ वि २ १४	८ ३४ २६	३१ १७ २२	मीने	भ.२।१४या.चतुर्थी व्र.
४	गु ० ४४ रे ३० १० शू ६ ९ बा ० ४४	४ ३५ २५	१ १८ २३	मे.३०।१०	भा.भाद्रपदारंभः
५	गु ५७ ४७ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	० ० ०	० ०		
६	शु ५५ १५ अ २९ २५ गं १ ४४ ५५ ग २६ ५३	१ ३६ २४	२ १९ २४	मेषे	भ.५५।१५उ.चन्द्रषष्ठी
७	श ५१ २९ भ २७ ५० ध्रु ५१ ७ वि २३ २२	३१ ३७ २३	३ २० २५	वृ.४२।१६	भ.२३।२२या.
८	र ४६ ५८ कृ २५ ३४ व्या ४४ ५३ बा १९ १३	५३ ३७ २३	४ २१ २६	वृषे	पूफा.शुक्रः२५।४१जन्माष्टमी व्र.
९	चं ४१ ३५ रो २२ २९ ह ३७ ५९ तै १४ १६	४९ ३८ २२	५ २२ २७	मि ५०।३६	गोगा९
१०	मं ३५ ३४ मृ १८ ४४ व ३० २८ व ८ ३४	४६ ३९ २१	६ २३ २८	मिथुने	भ.८।३४उ.३५।३४या.
११	बु २८ ४७ आ १४ १७ सि २२ ३५ ब २ ११	४२ ४० २०	७ २४ २९	क.५५।२५	अजा११व्र.
१२	गु २१ ३८ पु ९ ८ व्य १४ ५ तै २१ ३८	३८ ४० २०	८ २५ ३०	कर्के	हस्तेबुधः८।२६ वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	शु १४ ३४ पु ३ ५६ ४ व ५ ३३ १० व १४ ३४	३४ ४१ १९	९ २६ ३१	सिं ५९।०	भ.१४उ.४१या.पूफा.रवि.१३ (सौरः५२ २८
१४	श ७ २८ म ५३ ३० शि ४९ ५ श ७ २८	३० ४२ १८	१० २७ १	सिंहे	वक्रीभौमः२१।३९सितम्बर९ता.३०
३०	रं १ २० पू ५१ ९ सि ४१ ४८ ना १ २०	२६ ४३ १७	११ २८ २	सिंहे	ग्रस्तोदितसूर्यग्रहणंकुशाग्रहणीपिठोरी३०

२०पं.भा.कृ.७श. इ. २४ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	५	०	४	३	४	४
७	१	३	२५	१२	१७	११	७
४४	५४	५९	५९	४	४६	१२	५
२८	४०	१३	५६	२३	२३	४२	४१
५७	२	६६	२	७४	७	३	५७
४९	११	११	३६	३२	२	११	४५

इसमासमें ५सोमवार
श्रेष्ठ हैं धान्य गेहूंजौ
चना मटर सरसों
बाजरा मूंग मंदे हों
रुई रंग स्वर्ण तेज हों

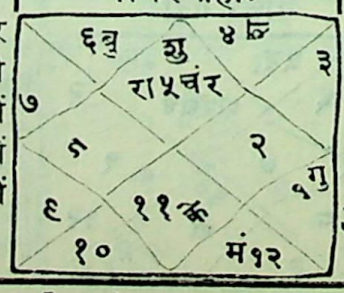

२१पं.भा.कृ.१४श.इ. २४ ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	५	०	४	३	४	४
१४	१	११	२६	२०	१८	१०	१३
३०	५	४३	१६	४५	३७	५०	५०
४	३५	४१	५	११	५९	२७	५३
५८	१०	४५	१	७४	६	३	५७
१	व.	३७	१७	३२	५०	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७	दि. उ अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः१९७६स२०३५
१	र ५४ ४३ उ ० ० सा ० ० बा ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	
२	चं ५२ २६ उ ४८ ५५ सा ३५ २४ बा २४ १५	३३ २१ ४४ १६	१२ २९ ३	कं.५।३५	चंद्रदर्शनम्
३	मं ५० ४९ ह ४८ ४९ शु ३० ३२ तै २१ ३७	१८ ४४ १६	१३ १ ४	कन्यायां	रज्जव७हरितालिका
४	बु ५१ ५ चि ५० १७ शु २७ ४ व २० ५७	१५ ४५ १५	१४ २ ५	तु.१९।३३	भ.३०उ.५१या.उफा.शुक्रः१३गणेश४
५	गु ५२ १९ स्वा ५३ ५२ ब्र २५ ८ ब २१ ४२	११ ४६ १४	१५ ३ ६	तुलायां	ऋषिपंचमी
६	शु ५७ २ वि ५८ ५९ ऐं २४ ३४ कौ २४ ४०	७ ४७ १३	१६ ४ ७	वृ.४२।४२	वक्रीकुंभेभौमः२४।४०
७	श ६० ० अ ६० ० वै २५ २२ ग २९ ४३	३ ४७ १३	१७ ५ ८	वृश्चिके	कन्यायांशुक्रः५१।३८
७	र २ २४ अ ५ ३५ वि २७ ९ व २ २४	३० ४८ १२	१८ ६ ९	वृश्चिके	भ.२।२४उ.३५।२२या.वक्रीगुरुः३३।९
८	चं ८ २० ज्ये १२ ४३ प्री २९ १९ ब ८ २०	५५ ४९ ११	१९ ७ १०	ध.१२।४३	[÷शत१केतुः१६।५२महालयारंभः
९	मं १४ ४२ मू २० १५ आ ३१ ४८ कौ १४ ४२	५१ ५० १०	२० ८ ११	धनुषि	वक्रीबुधः२१।२६
१०	बु २० ४२ पू २७ ३४ सौ ३४ १ ग २० ४२	४७ ५१ ९	२१ ९ १२	म.४४।१२	भ.५३।२३उ.आश्ले:२गुरुः५८।५६
११	गु २६ ४ उ ३४ ८ शो ३५ ४१ वि २६ ४	४३ ५१ ९	२२ १० १३	मकरे	भ.२६या.उफा.रविः५६जलझूलनी११व्र
१२	शु ३० ४ श्र ३९ ३९ अ ३६ २९ बा ३० ४	३९ ५२ ८	२३ ११ १४	मकरे	उफा.रविःसौरः३७।३८वामनजयंती
१३	श ३२ ४३ ध ४३ ४३ सु ३६ ९ कौ १ २३	२५ ५३ ७	२४ १२ १५	कुं.११।४१	प्रदोषः
१४	र ३३ ४३ श ४६ १३ धृ ३४ ३३ ग ३ १३	२१ ५४ ६	२५ १३ १६	कुंभे	भ.३४उ.हस्तेशुक्रः५५अनंत१४
१५	चं ३३ १७ पू ४७ २७ शू ३१ ५९ वि ३ ३०	२७ ५५ ५	२६ १४ १७	मी३२।८	भ.३०या.कन्यायामर्कः२९मघा.३राहुः÷

२२पं.भा.शु.७श.इ. २४/४०							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	०	४	३	४	४
२१	२९	१६	२६	२९	१९	१०	२०
१७	५७	२३	२३	२६	२७	२८	३७
६	५८	१०	२	१७	३२	११	३३
५८	३	१७	०	७५	६	३	५८
१३	व	२८	१५	२३	२२	११	१३

गोचर ग्रहाः

भाद्रापदशुक्ले १५चंद्रे कन्यायाऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ बाला-वस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

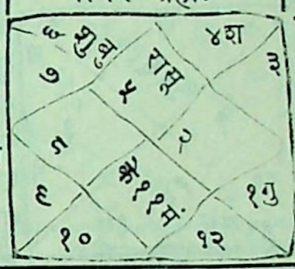

२३पं. भा.श.१३श.इ. २४/१९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	०	५	३	४	४
२८	२८	१७	२६	८	२०	१०	२७
५	२८	९	२०	७	१५	५	२५
२८	५९	३२	१०	१	२२	५६	४९
५८	३	२३	५५	१७	७४	६	३	५८
२६	व	व	व	२६	२०	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	मं ३१ ३५ उ ४७ १९ गं २८ १४ बा २ २६	३० ५९	६ २७ १५ १८	मीने	कन्यार्कःसौरः२।४९
२	बु २८ ४६ रे ४६ ८ वृ २३ ३५ तै ० १०	१८ ५६	४ २८ १६ १९	मे.४६।८	भ.५६उ.बुधास्तःपश्चिमायां५१।२१
३	गु २५ १ अ ४४ १८ ध्रु १८ १५ वि २५ १	१४ ५७	३ २९ १७ २०	मेषे	भ.२५।१या.चतुर्थीव्र.
४	शु २० ४० भ ४१ ४६ व्या १३ १९ बा २० ४०	९ ५८	२ ३० १८ २१	वृ.५६।३	
५	श १५ ५६ कृ ३८ ५४ ह ५३ २५ तै १५ ५६	५ ५९	१ ३१ १९ २२	वृषे	शुक्रोदयःपश्चिमे१८।३६
६	र ११ ८ रो ३५ ४४ सि ५२ २७ व ११ ८	३० ०	१ २० २३	वृषे	भ.११उ.३८यां.भा.आश्विनारंभः
७	चं ६ ७ मृ ३२ ४१ व्य ४५ ३२ व ६ ७	२९ ० १ ५९	२ २१ २४	मि४।१३	वक्रीउफा.बुधः३४।७
८	मं १ ५ आ २९ १५ व ३८ २५ कौ १ ५	५२ २	५८ ३ २२ २५	मिथुने	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
९	मं ५४ ३४ ० ० ० ० ० ० ०	० ०	० ० ०	०	
१०	बु ५० ११ पु २५ ४६ प ३१ ० व २२ ५५	४८ २	५८ ४ २३ २६	क.११।४१	भ.२२।५५उ.५०।११या.
११	गु ४४ ५६ पु २२ १० शि २४ ५ ब १७ ३४	४४ ३	५७ ५ २४ २७	कर्के	हस्तेरविः३५चित्रा.शुक्रः३६इंदिरा११व्र
१२	शु ३९ ५२ श्ले १८ ५२ सि १६ ५९ कौ ११ २४	४० ४	५६ ६ २५ २८	सिं१८।५२	हस्तेरविसौरः१५।१९
१३	श ३५ २२ म १५ ४७ सा १० २० ग ७ ३७	३६ ५	५५ ७ २६ २९	सिंहे	भ.३५।२२उ.प्रदोषः
१४	र ३१ २६ पू १३ २५ शु ५३ १९ वि ३ २४	३२ ६	५४ ८ २७ ३०	कं.२८।२	भ.३।२४या.शस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	चं २८ ४५ उ ११ ५२ व्र ५३ २६ च ० ५	२८ ६	५४ ९ २८ १	कन्यायां	अक्टूबर१०ता.३१सर्वपितृ३०

२४ पं.आ.कृ.५श.इ. २४/१९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	०	५	३	४	५
४	२७	१२	२६	१६	२१	९	४
५५	४	३२	६	४८	०	४३	१५
१९	१९	२८	५०	४७	४३	४०	५६
५८	५६	३०	३८	७४	६	३	५८
३८	ब	व	व.	२६	१	११	४५

गोचर ग्रहाः

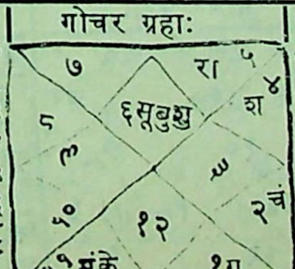

इस मास में बुधका चन्द्रदर्शन चांदी रुई स्वर्ण तिल दारदाना कपास मंदा हो घृत गुड़ चीनी नमक तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

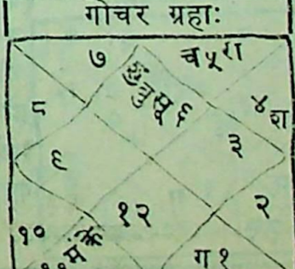

२५पं.आ.कृ १३श.इ. २४/१४							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	०	५	३	४	५
११	२५	५	२५	२५	२१	९	११
४६	४९	१६	४४	३०	४३	२१	७
५२	५	५२	३१	२९	३७	२५	५३
५८	३७	१	५५	५२	७४	५	३	५९
५३	व	व	व	२१	३३	११	०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २००५ स. २०३५
१	मं	२७	२५	ह	११	४१	ऐं	४९	३७	ब	२७	२५	२९	६	५५	१०	२९	२	तु.४२।१८	बुधोदयः पूर्वस्यां १९/५२ नवरात्रारंभः =
२	बु	२७	४२	चि	१२	५६	वै	४७	२०	कौ	२७	४२	१९	८	५२	११	३०	३	तुलायां	तुला.शुक्र.०।२८चंद्रदर्शनम्
३	गु	२९	४५	स्वा	१५	५३	वि	४६	२०	ग	२९	४५	१५	९	५१	१२	१	४	तुलायां	सावान ८ [=मातामहश्रा.
४	शु	३३	१३	वि	२०	१६	प्री	४६	१	व	१	२९	११	१०	५०	१३	२	५	वृ.४।१०	भ.१।२९उ.३/३या.मार्गीबुधः३।५
५	श	३८	१९	अ	२६	१३	आ	४७	२३	ब	५	४६	७	११	४९	१४	३	६	वृश्चिके	[+स्मा.कोजागरीव्र.
६	र	४३	५९	ज्ये	३२	४४	सौ	४९	२	कौ	११	९	३	११	४९	१५	४	७	ध.३२।४४	मार्गीभौमः५९।१३
७	चं	५०	१६	मू	४०	२४	शो	५१	२९	ग	१७	७	२९	१२	४८	१६	५	८	धनुषि	भ.५०।१६उ.स्वात्यांशुक्रः२३।२४
८	मं	५६	२२	पू	४७	५३	अ	५३	४३	वि	२३	१९	५५	१३	४७	१७	६	९	धनुषि	भ.२३।१९या.
९	बु	६०	०	उ	५५	०	सु	५५	४६	बा	२९	१९	५१	१४	४६	१८	७	१०	म.४।१०	[शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.
९	गु	२	१६	श्र	६०	०	धृ	५७	०	कौ	२	१६	४७	१५	४५	१९	८	११	मकरे	चित्रा.रविः७।२७ (सौरः४५।५३)
१०	शु	६	४६	श्र	१	२९	शू	५७	१०	ग	६	४६	४३	१५	४५	२०	९	१२	कुं.३३।४०	भ.३८।१३उ.
११	श	९	४१	ध	५	५०	गं	५६	४	वि	९	४१	३९	१६	४४	२१	१०	१३	कुम्भे	भ.९।४१या.पापांकुशा११व्र.
१२	र	१०	४३	श	८	४०	बृ	५३	३४	बा	१०	४३	३५	१७	४३	२२	११	१४	मी५४।३९	प्रदोषः
१३	चं	१०	२	पू	९	५९	ध्रु	४९	३६	तै	१०	२	३१	१८	४२	२३	१२	१५	मीने	हस्तेबुधः१७।५५
१४	मं	७	३७	उ	९	३०	व्या	४४	१६	व	७	३७	२७	१९	४१	२४	१३	१६	मीने	भ.७।३७उ.३५।३६या.शरद्पूर्णिमा +
१५	बु	३	३५	रे	७	२३	ह	३७	५४	ब	३	३५	२३	१९	४१	२५	१४	१७	मे.७।२३	तुलायामर्कः ५१/६ आश्लें.३गुरुः४९।३० C

२६पं.आ.शु.५श.इ. २४/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	०	६	३	४	५
१८	२४	२	२५	४	२२	८	१८
४०	५१	४४	१३	१२	२२	५९	१
५	३६	२४	६	११	३४	१०	४०
५९	४९	५९	५	७४	५	३	५९
९	वं	मा	वं	१९	५	११	१६

गोचर ग्रहाः

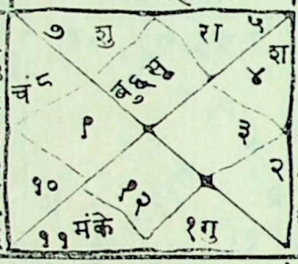

आश्विनशुक्ले १५बुधे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमे

गोचर ग्रहाः

२७पं.आ.शु. ११श.इ. २३/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	०	६	३	४	५
२५	२४	७	२४	१२	२२	८	२४
३४	२६	३८	३३	५३	५८	३६	५७
५९	६	२८	७	१०	३०	५३	२२
५९	२/२०	७४	६/७	७४	४	३	५९
२१	मा	२८	व.	८	४३	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	बु	५४	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५२	३३	अ	४	१४	व	३०	४१	तै	२५	२८	२८/२०	६/२०	४०/५	२६	१५	१८	मेषे	तुलार्कः सौरः२८।३७
३	शु	४६	१२	श्र	७	५५/३७	सि	२२	५६	ब	१९	२२	१६	२१	३९	२७	१६	१९	वृ.१४।१	भ.१/२२उ.४/६या.विशा.शुक्रः६।५९
४	श	३९	४६	रो	५१	१७	व्य	१४	४९	ब	१२	५९	१२	२२	३८	२८	१७	२०	वृषे	करकचतुर्थीव्र.
५	र	३३	३५	मृ	४६	५२	व	४४/६	५२/९०	कौ	६	४०	८	२२	३८	२९	१८	२१	मि१९।५	[=२२।१९भा.कार्तिकारंभः
६	चं	२७	५३	आ	४२	५१	शि	५१	८	ग	०	४४	४	२३	३७	३०	१९	२२	मिथुने	भ.२७।५३उ.५५।१०या.
७	मं	२२	२६	पु	३९	१९	सि	४३	५८	व	२२	२६	०	२४	३६	१	२०	२३	क.२५।१२	चित्रा.बुधः५४।३६बुधास्तः पूर्वस्यां =
८	बु	१७	३२	पु	३६	१८	सा	३६	५६	कौ	१७	३२	२७/५६	२५	३५	२	२१	२४	कर्के	स्वात्यांरविः ३/९ वक्रीभरणी३गुरुः२७।२६
९	गु	१३	१६	श्ले	३३	५०	शु	३०	३९	ग	१३	१६	५३	२५	३५	३	२२	२५	सि३३।५०	भ.३९।५५उ.स्वात्यांरविः सौरः९।४०
१०	शु	९	३४	म	३१	५८	शु	२४	४७	वि	९	३४	४९	२६	३४	४	२३	२६	सिंहे	भ.९।३४या.
११	श	६	३२	पू	३०	५५	ब्र	१९	३२	बा	६	३२	४५	२७	३३	५	२४	२७	क.४५।५०	तुलायांबुधः ४/६ बृश्चिकेशुक्रः १०/० रमा११व्र
१२	र	४	१६	उ	३०	३५	ऐं	१४	५२	तै	४	१६	४१	२८	३२	६	२५	२८	कन्यायां	प्रदोषः धन१३
१३	चं	३	६	ह	३१	२०	वै	१०	५६	व	३	६	३७	२९	३१	७	२६	२९	कन्यायां	भ.३/३उ.३/०यः.अनु.शुक्रः५२।३८रुप१४
१४	मं	२	५४	चि	३३	३	वि	७	५३	श	२	५४	३४	२९	३१	८	२७	३०	तु.२।११	महालक्षमीपूजनम्
३०	बु	४	२	स्वा	३६	१४	प्री	५	४२	ना	४	२	३०	३०	३०	९	२८	३१	तुलायां	स्वात्यांबुधः ४/६ अन्नकूटंगीवर्द्धनपूजा

२८पं.का.कृ.४श.इ. २३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	५	०	६	३	४	६
२	२४	१७	२३	२१	२३	८	१
३१	२७	४४	४६	३४	३०	१४	५४
२३	४	४६	४१	४१	४०	३८	४५
५९	६	९५	५/६	७४	४	३	५९
३४	११	२३	व.	२	९	११	४६

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य मंदे हो गुड़ सक्कर चीनी घृत तेल तेज हो सोना चांदी अच्छे मंदे हो प्रजा में शान्ति रहे।

गोचर ग्रहाः

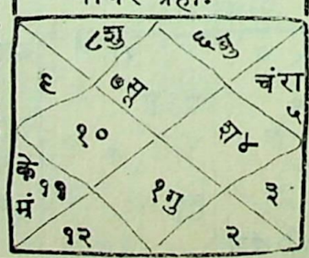

२९पं.का.कृ.११श.इ. २३/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	५	०	७	३	४	६
९	२५	२९	२२	०	२३	७	८
२९	४	२१	५४	१६	५८	५२	५४
३८	५	४०	५०	१६	८	२२	५
५९	८	०/२६	३५/व	७३	३	३	६०
४७	२८			५६	३२	११	२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिथि: कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६२ शाकः १९५७ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०३५स.२०३५

१	गु	६	२६	वि	४०	३७	आ	४	५०	ब	६	२६	२७	३६	२९	१०	२६	१	वृ.२४।३१	चंद्रदर्शनमनवम्बर११ता.३०
२	शु	१०	३	अ	४६	११	सौ	४	२३	कौ	१०	३	२३	३१	२६	११	१	२	वृश्चिके	रमजान९भातृ२यम२
३	श	१५	२०	ज्ये	५२	३६	शो	५	२१	ग	१५	२०	१९	३२	२८	१२	२	३	ध.५२।३६	भ.४८।९उ.
४	र	२०	५८	मू	५६	५८	अ	६	३७	वि	२०	५८	१६	३३	२७	१३	३	४	धनुषि	भ.२०।५८या.
५	चं	२७	२२	पू	६०	०	सु	८	४५	बा	२७	२२	१२	३४	२६	१४	४	५	धनुषि	
६	मं	३३	४६	पू	७	३४	धृ	११	१०	कौ	०	३५	९	३४	२६	१५	५	६	म.२४।२७	विशा.रवि:५३।४६
७	बु	४०	०	उ	१५	७	शू	१३	३४	ग	६	५४	५	३५	२५	१६	६	७	मकरे	भ.४०।०उ.विशा.रवि.सौर:२७।४
८	गु	४५	७	श्र	२२	०	गं	१५	२३	वि	१२	३३	२	३६	२४	१७	७	८	कुं.५४।४७	भ.३३या.विशा बुध:५२गोपाष्टमी
९	शु	४८	५२	ध	२७	३५	वृ	१६	२५	बा	१६	५६	२६	३६	२४	१८	८	९	कुंभे	ज्येष्ठा.शुक्रः३५।२४अक्षय९
१०	श	५०	५२	श	३१	४६	धु	१६	७	तै	१६	५२	५५	३७	२३	१९	९	१०	कुंभे	[=तुलसीविवाह
११	र	५०	५२	पू	३४	८	ज्या	१४	२९	व	२०	५३	५२	३८	२२	२०	१०	११	मी१८।३३	भ.२०।५३उ.५०।५३या.प्रबोधिनी११=
१२	चं	४८	४३	उ	३४	१९	ह	११	२३	ब	१६	४८	४९	३८	२२	२१	११	१२	मीने	[×मन्वादिःका.स्ना.पू.
१३	मं	४४	४७	रे	३२	४५	व	६	४०	कौ	१६	४५	४५	३६	२१	२२	१२	१३	मे.३२।४५	प्रदोषः
१४	बु	३६	७	अ	२६	२६	सि	१७	५२	ग	११	५७	४२	४०	२०	२३	१३	१४	मेषे	भ.३६।७उ.वैकुंठ१४
१५	गु	३१	५६	भ	२३	०	व	४४	५२	वि	५	३३	३९	४०	२०	२४	१४	१५	वृ.३६।५६	भ.५।३३या.वृश्चिकेबुधः७।२८×

३०पं.का.शु.२श.इ. ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	०	७	३	४	६
१६	२६	११	२१	८	२४	७	१५
२९	१७	५	५९	५७	२१	३०	५५
२०	२	१०	२८	२५	१४	६	९
६०	११	८	४७	७३	२	३	६०
४	४४	४०	व	१०	४९	११	१८

गोचर ग्रहाः

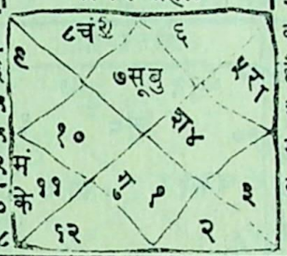

इस मास में गुरुवार का चन्द्रदर्शन अच्छा है जो सोना चांदी आदि धातुओं को मंदी करेगा रुई वार-दाना तेज हो।

गोचर ग्रहाः

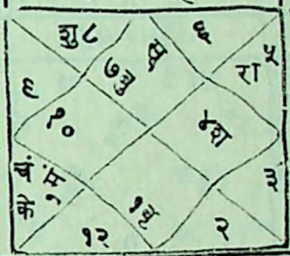

३१पं.का.शु१०श.इ. २२।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	०	७	३	४	६
२३	२७	२२	२१	१७	२४	७	२२
३०	५९	३१	२	३८	३९	७	५७
४०	३१	५९	१३	४१	४३	५१	४०
६०	१४	८	५३	७३	२	३	६०
१७	५८	३	व.	४५	८	११	३०

तिथि: मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९५७ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः हेमंतर्तौ रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेतिमहा.

१	शु	२४	१३	कृ	१८	४३	प	३५	४०	कौ	२४	१३	३६	४९	१९	२५	१५	१६	वृषे	वृश्चिकेऽर्क४९।५३मीनेभौम:४६।३३
२	श	१६	६	रो	१२	३६	शि	२५	५०	ग	१६	९	३३	४१	१९	२६	१६	१७	मि३९।२३	भ.४३उ.वृश्चिकेऽर्क:सौर:३१अनु. +
३	र	८	४	मृ	६	१३	सि	१६	१३	वि	८	४	३०	४२	१८	२७	१७	१८	मिथुने	भ.९या.वक्रीभरणी२गुरु:३चतुर्थीव्र.
४	चं	०	२३	आ	२०	५४	सा	२६	५१	बा	०	२३	२७	४३	१७	२८	१८	१९	क.४१।२८	मघा.२राहु:घनि.४केतु:८।१०
५	चं	५३	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+बुध:७।४०
६	मं	४७	३७	पु	५१	१	शु	५०	३	ग	२०	३८	२५	४३	१७	२९	१९	२०	कर्के	भ.४७उ.अनु.रवि:१९(सौर:३८।९×
७	बु	४२	५७	श्ले	४७	५६	ब्र	४२	५५	वि	१५	१७	२२	४४	१६	३०	२०	२१	सिं४७।५६	भ.१५।१७या.
८	गु	३९	१८	म	४५	५६	ऐ	३६	४७	बा	११	७	१९	४४	१६	१	२१	२२	सिंहे	मा.मार्गशीर्षारंभः
९	शु	३६	५५	पू	४५	४	वै	३१	२७	तै	८	६	१७	४५	१५	२	२२	२३	सिंहे	[×मूलेधनुषिशुक्रः४०।१२
१०	श	३५	३२	उ	४५	२६	वि	२७	१६	व	६	१३	१४	४५	१५	३	२३	२४	कं.०।१०	भ.६।१३उ.३५।३२या.
११	र	३५	३२	ह	४७	२	प्री	२३	५८	ब	५	३२	१२	४६	१४	४	२४	२५	कन्यायां	ज्येष्ठाबुधः३६।४उत्पत्ति११व्र.
१२	चं	३६	४९	चि	४९	५२	आ	२१	३८	कौ	६	१०	९	४६	१४	५	२५	२६	तु.१८।२७	उभाभौमः७।२६
१३	मं	३९	३	स्वा	५३	३६	सौ	२०	११	ग	७	५६	७	४७	१३	६	२६	२७	तुलायां	भ.३९।३उ.प्रदोषः
१४	बु	४२	२३	वि	५८	२५	शो	१९	४४	वि	१०	४३	५	४७	१३	७	२७	२८	वृ.४२।१३	भ.१०।४३या.
२०	गु	४६	४३	अ	६०	०	अ	१९	४१	च	१४	३३	२	४८	१२	८	२८	२९	वृश्चिके	

३२पं.मा.कृ.२श.इ.२२।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	०	७	३	४	७
०	०	३	२०	२६	२४	६	०
३३	१०	४५	६	१९	५२	४५	१
२२	१९	११	२९	४८	२३	३५	४४
६०	१७	९९	४७	७३	१	३	६०
३०	१	४३	व	३८	२७	११	४०

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष कृष्णे १ शुक्रेवृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युबावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

३३पं.मा.कृ.१०श.इ.२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	०	८	३	४	७
७	२	१४	१९	५	२५	६	७
३७	४५	४०	१२	०	०	२३	७
१६	११	२३	५०	२	१८	२०	१७
६०	१९	९७	५७	७३	०	३	६०
४२	५७	५१	व	२६	४६	११	५३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिथि	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०६४स.२०३५
१	शु	५२	७	अ	४	७	सु	२०	४०	किं	१९	२५	२६	४८	१२	९	२९	३०	वृश्चिके	वक्रीशनिः२७।३
२	श	५८	०	ज्ये	१०	४१	भृ	२२	४	बा	२५	३	२५	४८	१२	१०	३०	१	ध.१०।४१	पूषा.शुक्रः४९चंद्रदर्शनम्दिसम्बर +
३	र	६०	०	मू	१७	५०	शू	२४	१	तै	३१	१३	५६	४९	११	११	१	२	धनुषि	सव्वाल१० [+१२ता.३१
४	चं	४	२५	पू	२५	२५	गं	२६	१६	ग	४	२५	५४	४९	११	१२	२	३	म.४२।२१	भ.३४उ ज्येष्ठा.रविः१८(सौरः४६)
५	मं	११	४	उ	३३	७	वृ	२८	२६	वि	११	४	५३	४९	११	१३	३	४	मकरे	भ.११या.मूलेध नुषिबुधः१०
६	बु	१७	२८	श्र	४०	३४	धु	३०	५३	बा	१७	२८	५१	५०	१०	१४	४	५	मकरे	बुधोदयःपश्चिमायां१६
७	गु	२३	५	ध	४६	५८	व्या	३२	२८	तै	२३	५	४९	५०	१०	१५	५	६	कुं.१३।४६	चंपा६
८	शु	२७	३६	श	५२	३४	ह	३३	१४	व	२७	३६	४८	५०	१०	१६	६	७	कुंभे	भ.२७।३६उ.५९।९या.
९	श	३०	४२	पू	५६	१३	व	३२	४९	ब	३०	४२	४६	५१	९	१७	७	८	मी४०।१८	[×११व्र.गीताजयंती
१०	र	३१	५३	उ	५८	१०	सि	३१	२	गा	१	१७	४५	५१	९	१८	८	९	मीने	
११	चं	३१	५	रे	५८	२	व्य	२७	३७	तै	१	२९	४४	५१	९	१९	९	१०	मे ५८।२	भ.५९।४१उ.
१२	मं	२८	१७	अ	५५	४९	व	२२	३८	वि	२८	१७	४३	५१	९	२०	१०	११	मेषे	भ.२८।१७या.उषा.शुक्रः५६।८मोक्षदा×
१३	बु	२३	१९	भ	५०	४३	ष	१६	०	बा	२३	१९	४२	५२	८	२१	११	१२	मेषे	प्रदोषः
१४	गु	१६	३५	कृ	४५	५३	शि	४३	३८	तै	१६	३५	४१	५२	८	२२	१२	१३	वृ.५।१५	पूषा.बुधः५।४८
१५	शु	८	३८	रो	३९	३३	सा	४७	१	व	८	३८	४०	५२	८	२३	१३	१४	वृषे	भ.३८उ.३४या.मकरेशुक्रः३४ दत्तजयंती
१५	शु	५०	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३४पं.मा.शु.२श.इ. २२/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	०	८	३	४	७
१४	५	२५	१८	१३	२५	६	१४
४२	३८	३१	२४	४०	२	१	१४
२९	२१	२	१८	२३	४२	४	३
६०	२२	९	६/२०	७	३	३	६१
५०	३७	४	व	१५	व	११	३

गोचर ग्रहाः

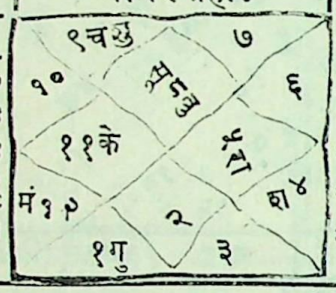

इस मास में वदि में धान्य गल्ला सोना चांदी लोहा गुड़ सक्कर चीनी कपास आदि मंदे होकर सुदि में तेज हो

गोचर ग्रहाः

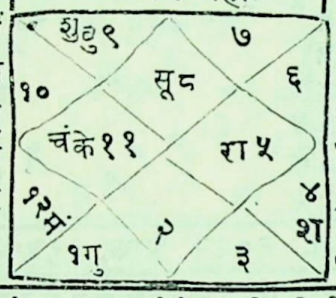

३५पं.मा.शु.८श.इ. २३/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	०	८	३	४	७
२१	८	६	१७	२२	२४	५	२१
४८	४८	१२	४२	१९	५९	३८	२१
३२	४	४३	५०	४१	१७	४८	४३
६०	२५	९२	२३/५	७३	४८/०	३	६१
५६	६	४१	व	३	व	११	१९

तिथि	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	श	५०	१४	मृ	३२	१०	शु	३६	२२	बा	२४	५५	२५/३९	५३	८	२४	१४	१५	मि५।५१	
२	र	४०	५८	आ	२४	३४	शु	२५	३१	तै	१५	३६	२९	५२	८	२५	१५	१६	मिथुने	मूले धनुष्यर्कः२५/३९(सौरः४९।५३)
३	चं	३२	६	पु	१७	२३	ब्रु	१५	१	व	६	३२	२८	५२	८	२६	१६	१७	क.४।११	भ.६।३२उ.३२।६या.
४	मं	२४	७	पु	१०	५४	ऐं	५५/५९	०	बा	२४	७	२८	५२	८	२७	१७	१८	कर्के	चतुर्थीव्र.
५	बु	१७	४९	श्ले	५	४७	वि	४८	१९	तै	१७	४९	२७	५३	७	२८	१८	१९	सिं५।४७	
६	गु	१२	५६	म	२	१७	प्री	४१	४६	व	१२	५६	२७	५३	७	२९	१९	२०	सिंहे	भ.१२।५६उ.४१।२०या.
७	शु	९	४४	पू	०	२५	आ	३६	४३	ब	९	४४	२६	५३	७	३०	२०	२१	कं.१५।२०	
८	श	८	१७	उ	०	४	सौ	३२	५८	कौ	८	१७	२६	५३	७	१	२१	२२	कन्यायां	श्रवणेशुक्रः४२/३९भा.पौषारंभः
९	र	८	२६	ह	१	१९	शो	३०	२९	ग	८	२६	२६	५३	७	२	२२	२३	तु.३२।४९	भ.३९/१९उ.उषा.बुधः१३/३९वक्रीभरणी१ =
१०	चं	१०	७	चि	४	१९	अ	२९	२१	वि	१०	७	२६	५३	७	३	२३	२४	तुलायां	भ.१०।७या.रेवत्यांभौमः९।१७
११	मं	१३	५	स्वा	८	३२	सु	२९	१७	वा	१३	५	२७	५३	७	४	२४	२५	वृ.५७।२७	मकरेबुधः३०।३१सफला११व्र.
१२	बु	१७	२०	वि	१३	४६	धृ	२९	३९	तै	१७	२०	२७	५३	७	५	२५	२६	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	गु	२२	२०	अ	१९	५४	शू	३०	४४	व	२२	२०	२७	५३	७	६	२६	२७	वृश्चिके	भ.२२।२०उ.५४।५०या.
१४	शु	२७	१९	ज्ये	२६	५३	गं	३२	३७	श	२७	१९	२८	५२	८	७	२७	२८	ध.२६।५३	[=गुरुः५८।६
३०	श	३३	३१	मू	३४	११	बृ	३४	३५	च	०	२५	२८	५२	८	८	२८	२९	धनुषि	पूषा.रविः३०/३९(सौरः५१।३१)

३६पं.पौ.कृ.१श.इ. २२/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	०	९	३	४	७
२८	१२	१६	१७	०	२४	५	२८
५५	१२	३५	८	५७	५०	१६	३०
२६	४३	२८	४६	४३	२४	३३	२६
६१	२७	८६	४/८	७२	३५/९	३	६१
०	३	२	व	५०	व	११	१९

३७ पं.पौ.कृ.८श.इ. २१/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	०	९	३	४	८
६	१५	२५	१६	९	२४	४	५
३	४९	५५	४४	३४	३५	५४	३९
०	४८	८	४२	५९	५६	१७	५१
६१	२८	७०	५/८	७२	१/८	३	६१
४	४	२५	व	३२	व	११	२२

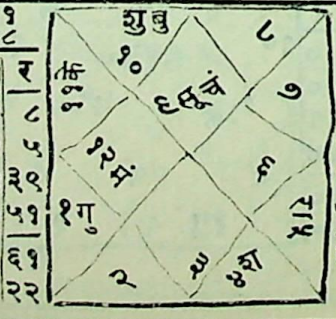

३८पं.पौ.कृ.३०श.इ.२१/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	०	९	३	४	८
१३	१९	१	१६	१८	२४	४	१२
१०	३५	५७	२९	९	१७	३२	४९
५९	३१	५४	२६	५०	१२	२	४३
६१	२९	३०	३/१	७२	५/३	३	६१
६	४३	३५	व	९	व	११	२७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽर्हर्गणः २०९४स २०३५
१	र	३९	५८	पू	४१	४३	धु	३६	५१	किं	६	४४	३५	५३	५	९	२९	३०	म.५८।३५
२	चं	५६	२८	उ	४९	१०	व्या	३९	४	बा	१३	१३	४०	५२	८	१०	३०	३१	मकरे वक्रीबुधः ४९।३७ चंद्रदर्शनम्
३	मं	५२	५९	श्र	५६	३९	ह	४१	१९	तै	१९	४३	४१	५२	८	११	१	१	मकरे जिल्काद ११ जनवरी १ ता. ३१ सन् २०३६
४	बु	५८	४९	ध	६०	०	व	४२	४९	व	२५	५४	४२	५२	८	१२	२	२	कुं.३०।४ भ.५४ उ.५६ या. धनि. शुक्रः ३३।९
५	गु	६०	०	ध	३	२९	सि	४३	५७	ब	३१	१५	४३	५१	९	१३	३	३	कुंभे
६	शु	३	४२	श	९	२२	व्य	४४	४९	बा	३	४२	४४	५१	९	१४	४	४	मी ५७।५८ बुधास्तः पश्चिमायां ३६।४६
७	श	७	३०	पू	१४	१०	व	४३	४९	तै	७	३०	४५	५१	९	१५	५	५	मीने मार्गीगुरुः ७।११
८	र	९	४७	उ	१७	२८	प	४१	४६	व	९	४७	४७	५१	९	१६	६	६	मीने भ.९।४७ उ.४०।११ या.
९	चं	१०	३५	रे	१९	७	शि	३८	१९	ब	१०	३५	४८	५०	१०	१७	७	७	मे. १९।७
१०	मं	९	२१	अ	१८	५६	सि	३३	१९	कौ	९	२१	५०	५०	१०	१८	८	८	मेषे कुंभेशुक्र. ७।१०
११	बु	६	१५	भ	१७	५४	सा	२६	५२	ग	६	१५	५२	५०	१०	१९	९	९	वृ. ३१।४० भ.३३।४४ उ.वक्रीपूषा.बुधः ३८।५८
१२	शु	१	१३	कृ	१२	५७	शु	१८	५३	वि	१	१३	५३	४९	११	२०	१०	१०	वृषे भ.१।१३ या. पुत्रदा ११ व्र.
१३	शु	५	३	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१४	शु	४६	१७	रो	७	२४	शु	५१	९ ४४	कौ	२०	२१	५५	४९	११	२१	११	११	मि ३३।५७ उषा.रविः ३६।१३ (सौरः ५२ ८) प्रदोषः
१५	श	३७	७	मृ	३०	५२ ३३	तें	४८	३५	ग	११	४२	५७	४९	११	२२	१२	१२	मिथुने भ.३७।७उ.
१५	र	२६	३१	पु	४५	१	वे	३७	२५	वि	१	४९	५९	४८	१२	२३	१३	१३	क.३२।० भ.५१ या. शतेशुक्रः ३५ मा. स्ना. प्रा.

३९पं.पौ.शु ६श.इ. २१/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	०	९	३	४	८
२०	२३	०	१६	२६	२३	४	१९
१९	२९	३५	२५	४१	५३	९	५९
५	२	४६	२५	५३	३८	४६	४०
६१	३१	५६	०	७१	३३	३	६१
६	९	व	सा	५१	व	११	२६

गोचर ग्रहाः

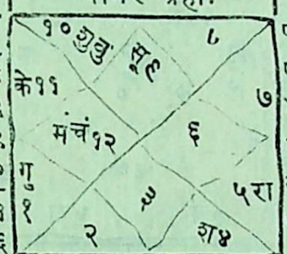

पौषकृष्णे २ रवौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३ न ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

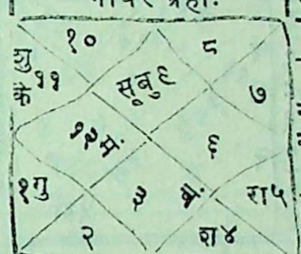

४०पं.पौ.शु.१४श.इ. २१/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	०	१०	३	४	८
२७	२७	२२	१६	५	२३	३	२७
२७	२८	२७	३०	११	२६	४७	९
७	३७	५०	१८	३५	३८	३०	३२
६१	३२	६९	१	७१	३६	३	६१
६	०	व	११	२७	व	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७									दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	चं	१६	४०	पु	३७	१६	वि	२६	२०	कौ	१६	४०	२६	५ ४८	१२	२४	१४	१४	कर्के मकरेऽर्कः ५५ वक्री. आश्ले २ शनिः २।५३
२	मं	७	२८	श्ले	३०	१५	प्री	१५	४३	ग	७	२८	४	४७	१३	२५	१५	१५	सिं ३०।१५ भ.३३ उ.५९ या. मकरेऽर्कः सौरः ८।२५ ×
३	मं	५१	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० [×बुधोदयः पूर्वस्यां ४०।४०
४	बु	५२	२८	म	२४	३७	आ	६	५१ ४४	व	२५	५०	६	४७	१३	२६	१६	१६	सिहे अश्वि. मेषेभौमः ३२।२३ चतुर्थीव्र.
५	गु	४७	३६	पू	२०	३४	शो	५०	५८	कौ	२०	२	८	४६	१४	२७	१७	१७	कं.३५।२ भरणी २ गुरुः १७।१
६	शु	४४	४०	उ	१८	२६	अ	४५	४५	ग	१६	८	११	४६	१४	२८	१८	१८	कन्यायां भ.४४।४० उ.
७	श	४३	५०	ह	१८	१०	सु	४२	१	वि	१४	१५	१३	४५	१५	२९	१९	१९	तु.४९।७ भ.१४।१५ या.
८	र	४५	२	चि	२०	५	धृ	३९	५७	बा	१४	२६	१६	४५	१५	३०	२०	२०	तुलायां
९	चं	४७	५३	स्वा	२३	४१	शू	३९	२९	तै	१६	२७	१९	४४	१६	१	२१	२१	तुलायां अभि.प्र.रविः २६ (सौरः ३९ ४९) मघा. १ राहु ÷
१०	मं	५२	१९	वि	२८	५६	गं	४०	४	व	२०	६	२१	४४	१६	२	२२	२२	बृ.१२।३७ भ.२९ उ.५२ या. मार्गीबुधः २४।१३
११	बु	५७	४२	अ	३५	१२	बृ	४१	२०	ब	२५	०	२४	४३	१७	३	२३	२३	वृश्चिके षट्तिला ११ व्र.
१२	गु	६०	०	ज्ये	४२	२२	ध्रु	५३	२६	कौ	३०	५१	२७	४३	१७	४	२४	२४	ध. ४२।२२ श्रवणेरविः ४५ (सौरः ५६ ४३) पूभा. शुक्रः ३९
१३	शु	४	१	मू	४९	४१	व्या	४५	२५	तै	४	१	२९	४२	१८	५	२५	२५	धनुषि अभि.नि.रविः ३३ (सौरः ४६ ५९) प्रदोषः
१३	श	१०	२९	पू	५७	३२	ह	४७	४६	व	१०	२९	३२	४२	१८	६	२६	२६	धनुषि भ.१०।२९ उ.४३।४१ या.
१४	र	१६	५२	उ	६०	०	व	४९	५९	श	१६	५२	३५	४१	१९	७	२७	२७	म.१४।२३ मकरे [÷धनि ३ केतुः ०।४० भा. मासारंभः
२०	चं	२३	१७	उ	४	५८	सि	५१	१	ना	२३	१७	३८	४०	२०	८	२८	२८	

४१पं.मा.कृ.७श.इ. २१/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	०	१०	३	४	९
४	१	१६	१६	१२	२२	३	४
३४	३३	२७	४५	३८	५५	२५	१९
५९	२९	४३	२२	२	५२	१५	१
६१	३३	२७	२	७१	१४	३	६१
३	८	व	३५	२	व	११	२९

गोचर ग्रहाः

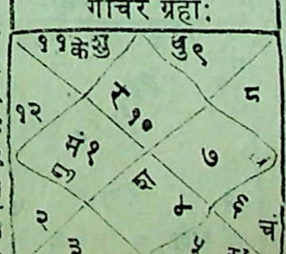

माघकृष्णे १ चंद्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

४२पं.मा.कृ.१३श.इ. २१/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	०	१०	३	४	९
११	५	१७	१७	२२	२२	३	११
४२	४२	५२	१०	०	२३	२	२७
२९	५८	३४	३४	१	१३	५९	५२
६०	३४	२९	३	७०	३४	३	६१
५९	०	मा	५८	२६	व	११	१३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २१२४स.२०३६
१	मं	२९	८	श्र	१२	९	व्य	५३	३५	ब	२९	८	२६/४९	६/४०	२०	९	२९	२९	कुं.४४।३८	
२	बु	३४	२२	ध	१७	८	व	५४	२७	बा	१	४५	४५	३९	२१	१०	३०	३०	कुम्भे	चंद्रदर्शनम्
३	गु	३८	४६	श	२४	२०	प	५४	३९	तै	६	३४	४८	३८	२२	११	१	३१	कुंभे	जिल्हेज १२
४	शु	४२	२	पू	२९	४	शि	५४	६	व	१०	२४	५१	३८	२२	१२	२	१	मी १२।५३	भ.१०/४उ.४३/३या.फरवरी २ता.२९
५	श	४४	२०	उ	३२	४७	सि	५२	४७	ब	१३	११	५४	३७	२३	१३	३	२	मीने	मीनशुक्रः ६।५३वसंत५
६	र	४५	१५	रे	३५	२८	सा	५०	२२	कौ	१४	४७	५८	३६	२४	१४	४	३	मे.३५।२८	
७	चं	४४	५०	अ	३६	२९	शु	४६	४६	ग	१५	२	२५/५	३६	२४	१५	५	४	मेषे	भ.४४/५०उ.उभा.शुक्रः ५९/३भानु७रथ७
८	मं	४२	५६	भ	३६	११	शु	४१	५५	वि	१३	५३	५	३५	२५	१६	६	५	वृ.५०।४२	भ.५१/३या.उषा.बुधः ३६/भीष्माष्टमी
९	बु	३९	२१	कृ	३४	१४	ब्र	३५	४१	बा	११	८	८	३४	२६	१७	७	६	वृषे	धनि.रविः ४९/३पातस्पर्शः ५९/२पातमोक्षः ४०/२८
१०	गु	३४	२६	रो	३०	५२	ऐं	२८	२६	तै	६	५३	१२	३४	२६	१८	८	७	मि५८।२८	धनि.रवि.सौरः ३/२भरण्यांभौमः ५३।५८
११	शु	२७	५९	मृ	२६	४	वै	१९	५४	व	१	१३	१५	३३	२७	१९	९	८	मिथुने	भ.१/३उ.५९/२या.मकरेंबुध २७/०जया ११ व्र.
१२	श	२०	१९	आ	२०	६	वि	१०	३१	बा	२०	१९	१९	३२	२८	२०	१०	९	क.५९।५२	प्रदोष.
१३	र	११	४१	पु	१३	७	प्री	१७/०	४९/२९	तै	११	४१	२३	३१	२९	२१	११	१०	कर्के	
१४	चं	२	२१	पु	४०/५	५२/४०	सो	३८	५४	व	२	२१	२७	३१	२९	२२	१२	११	सिं५८।२०	भ.२९/२उ.३९/२या.खग्रासचंद्रग्रहणम् H
१५	चं	५०	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[Hमा.स्ना.पूर्तिः

४३पं.मा.शु.५श.इ. २१/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	०	११	३	४	९
१८	९	२३	१७	०	२१	२	१८
४९	५६	३८	४४	१७	४९	४०	३६
१	२०	१४	५६	२४	२६	४४	०
६०	३४	५६	५	६९	४/४०	३	६१
५५	२७	३	७	४२	व.११	४	

गोचर ग्रहाः

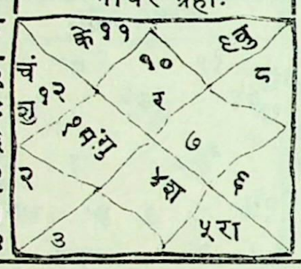

इस मास में बाजरा मूंग मोठ चना मक्का आदि धान्य रसकस गुड सक्कर घृत तेल रुई वारदाना सोने चांदी में मंदी रहे ।

गोचर ग्रहाः

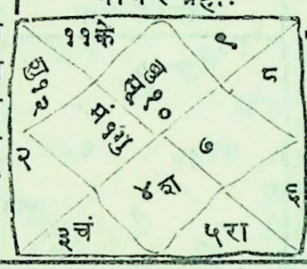

४४पं.मा.शु.१२श.इ. २२/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	०	११	३	४	९
२५	१४	१	१८	८	२१	२	२५
५४	११	३९	२७	२८	१४	१८	४२
५०	३८	७	४३	५९	३५	२८	४७
६०	३५	७३	६	६८	४/४०	३	६०
४७	११	८	१७	५५	व.११	५	

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहा.
१	मं	४४	५	म	५१	३८	शो	२८	३५	बा	१८	३१	२७/३०	६/३०	५/३०	२३	१३	१२	सिंहे	
२	बु	३६	१७	पू	४६	४	अ	१८	५९	तै	१०	११	२४	२९	३१	२४	१४	१३	सिंहे	कुंभेऽर्कः २४।२९ (सौरः ३५।३०)
३	गु	२८	५८	उ	४२	५	सु	१०	४४	व	२	३७	३८	२८	३२	२५	१५	१४	कं.०।४	भ.२।३७उ.२८।५८या.चतुर्थीव्र.
४	शु	२४	२३	ह	४०	५२	धृ	५३/५४	३५/३४	बा	२४	२३	४१	२८	३२	२६	१६	१५	कन्यायां	श्रवणेबुधः ४२।१६
५	श	२२	७	चि	४०	४	गं	५५	१	तै	२२	७	४५	२७	३३	२७	१७	१६	तु.१०।२८	रेवत्यांशुक्रः २९।४८
६	र	२२	१	स्वा	४२	७	वृ	५३	८	व	२२	१	४९	२६	३४	२८	१८	१७	तुलायां	भ.२२।१उ.५२।५७या.पातस्पर्शः ४६।३
७	चं	२३	५३	वि	४६	१३	धु	५२	५८	ब	२३	५३	५३	२५	३५	२९	१९	१८	वृ.३०।१३	पातमोक्षः ४।३
८	मं	२७	४६	अ	५१	५७	व्या	५३	२०	कौ	२७	४६	५६	२५	३५	३०	२०	१९	वृश्चिके	
९	बु	३२	४८	ज्ये	५८	५०	ह	५५	३	तै	०	१७	२८/२	२४	३६	१	२१	२०	ध.५८।५०	शतेरविः ४३ (सौरः १३/५२) भा.फाल्गुनारंभः
१०	गु	३९	११	मू	६०	०	व	५७	१४	व	५	५९	४	२३	३७	२	२२	२१	धनुषि	भ.५९/३उ.३९/११या.भरणी ३गुरुः २३।१४
११	शु	४५	३०	मू	६	११	सि	५९	३५	व	१२	२१	८	२२	३८	३	२३	२२	धनुषि	विजया ११व्र.
१२	श	५२	७	पू	१३	५९	व्य	६०	०	कौ	१८	४८	१३	२२	३८	४	२४	२३	म.३०।५२	
१३	र	५८	१७	उ	२१	३२	व्य	१	५४	ग	२५	१२	१६	२१	३९	५	२५	२४	मकरे	भ.५८।१७उ.वनि.बुधः ४१।५४प्रदोषः
१४	चं	६०	०	श्र	२८	३३	व	३	५८	वि	३१	२	२०	२०	४०	६	२६	२५	मकरे	भ.३/१या.वक्रीग्राश्लेशनिः ३४।४४ =
१४	मं	३	४८	ध	३४	४०	प	५	२३	श	३	४८	२४	१९	४१	७	२७	२६	कु.१।३६	[=महाशिवरात्रीव्र.
३०	बु	८	२२	श	३९	५१	शि	७	४	ना	८	२२	२८	१८	४२	८	२८	२७	कुंभे	

४ ५पं.फा.कृ.५श.इ. २२/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	०	११	३	४	१०
२	१८	१०	१९	१६	२०	१	२
५९	२८	५६	१८	३१	४१	१६	४८
४२	३७	३८	२९	२६	१३	१२	५०
६०	३५	८४	७	६८	२/४८	३	६०
३७	४१	५८	१६	१व	११	४२	

गोचर ग्रहाः

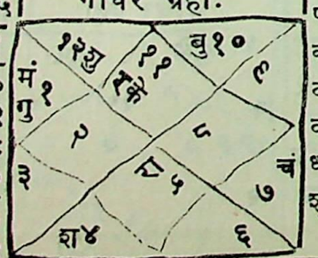

फाल्गुन कृष्णे २ बुधे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४६पं.फा.कृ.१२श.इ. २२/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	०	११	३	४	१०
१०	२२	२१	२०	२४	२०	१	९
३	४९	१४	१६	२९	९	३३	५३
१४	१	५६	४८	३१	११	५७	२३
६०	३६	९४	८	६६	१०/४०	३	६०
२५	१३	३१	२७	५४	व	११	३१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंततौ रविरुत्तरेऽहर्गण २१५४ स. २०३६

१	गु	११	४७	पू	४४	१३	सि	६	४	ब	११	४७	३९ ६ ५८ ४३	९	२९	२८	मी २८।७	कुं भेबुधः २५ अश्वि. मेषेशुक्रः १९ चंद्रदर्शनं
२	शु	१४	११	उ	४७	२३	सा	५	८	कौ	१४	११	३६ १७ ४३	१०	१	२९	मीने	कृत्तिभौमः ३१ १ मोहोरम् १सन् १४५८×
३	श	१५	३५	रे	४९	२८	शु	३	२०	ग	१५	३५	४० १६ ४४	११	२	१	मे. ४९।२८	भ. ४५।४५ उ. मार्च ३ता. ३१
४	र	१५	५६	अ	५०	४५	शु	४ २०	५६ ४७	वि	१५	५६	४४ १५ ४५	१२	३	२	मेषे	भ. ३६ या. पातस्पर्शः ४८ पातमोक्षः ३६
५	चं	१५	१४	भ	५०	५३	ऐं	५३	२३	बा	१५	१४	४८ १४ ४६	१३	४	३	मेषे	शतेबुधः ५७ बुवास्तःपूर्वस्यां ४३।३७
६	मं	१३	२९	कृ	४९	५६	वै	४८	१८	तै	१३	२९	५२ १४ ४६	१४	५	४	वृ. ५।३९	पूभा. रविः १६।४० (सौरः २५।३९)
७	बु	१०	२९	रो	४७	५९	वि	४२	२६	व	१०	२९	५६ १३ ४७	१५	६	५	वृषे	भ. १९ उ. ३६ या. वृषेभौमः ५४।३५
८	गु	६	४३	मृ	४५	२	प्री	३५	४४	ब	६	४३	२९ १२ ४८	१६	७	६	मि १६।३०	होलाष्टकम्
९	शु	१	५८	आ	४१	४	आ	२८	१७	कौ	१	५८	५ ११ ४९	१७	८	७	मिथुने	[×हि.फुलरिया २
१०	शु	५२	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	०	०	०	० ०	[÷शुक्रः ३९।१७ होलिकादहनम् भद्रोत्तरे.
११	श	४९	२४	पु	३६	५	सौ	१९	४८	व	२१	४६	९ १० ५०	१८	९	८	क. २२।२०	भ. ४१ उ. ४९ या. आमलकी ११ व्र. स्मा.
१२	र	४१	५०	पु	३०	३१	शो	११	१	च	१५	३७	१३ ९ ५१	१९	१०	९	कर्के	आमलकी ११ व्र. वै.
१३	चं	३३	४७	श्ले	२४	३२	अ	२९ ३५	५० ५५	कौ	७	४८	१७ ९ ५१	२०	११	१०	सिं २४।३२	प्रदोषः
१४	मं	२५	५२	म	१८	३७	धृ	४२	२२	व	२५	५२	२१ ८ ५२	२१	१२	११	सिंहे	भ. ३५ उ. ५२ या. पूभा. बुधः २३ १८ भरण्यां÷
१५	बु	१८	२४	पू	१२	५९	शू	३३	४१	ब	१८	२४	२६ ७ ५३	२२	१३	१२	कं. २६।५०	भरणी ४ गुरुः ४६।९ छारेंडी

४७पं.फा.शु.३श.इ. २२/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३०	०	१०	०	०	३	४	१०
१७	२७	२	२१	२	१९	१	१६
५	१०	२५	२०	१६	३९	११	५६
२८	१९	५५	५६	५	१८	४१	१९
६०	२६	९	९	६५	५२	३	६०
१२	३२	३७	१४	३०	व.	११	२०

गोचर ग्रहाः

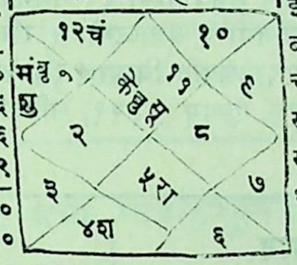

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना रुई कपास गुड़ सक्कर चीनी तेज हो सोना चांदी आदि धातु मंदे हो।

गोचर ग्रहाः

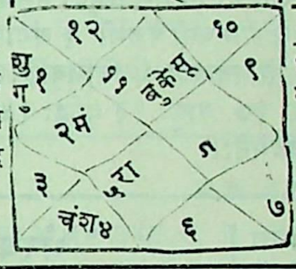

४८पं.फा.शु.११श.इ. २३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	०	०	३	४	१०
२४	१	१४	२२	९	१९	०	२३
६	३१	२७	३१	५१	१२	४९	५७
१४	१६	५४	८	११	३६	२६	४२
५९	३६	०	९	६३	३६	३	६०
५८	५२	३०	५६	५२	व	११	६

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं | चन्द्रः | वसंततौ रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.

१	गु	११	५३	उ	८	२३	गं	२६	१४	कौ	११	५३	३९ ६ ५४	२३	१४	१३	कन्यायां	पातस्पर्शः ५०।४७ वसंत १
२	शु	७	४६	ह	५	१७	वृ	१९	५१	ग	७	४६	३४ ५ ५५	२४	१५	१४	तु. ३४।३७	भ. ३६ उ. मीनेऽर्कः ३७ (सौरः २६।०)+
३	श	४	२२	चि	३	५८	धु	१५	३	वि	४	२२	२८ ४ ५६	२५	१६	१५	तुलायां	भ. २३ या. चतुर्थीव्र. [+पातमोक्षः ३।३४
४	र	३	७	स्वा	४	३९	व्या	११	४९	बा	३	७	४३ ३ ५७	२६	१७	१६	वृ. ५१।३३	मीनेबुधः ४३
५	चं	३	५०	वि	७	११	ह	१०	४०	तै	३	५०	४७ ३ ५७	२७	१८	१७	वृश्चिके	उभा. रविः ३८।४१ (सौरः ४७।३६)
६	मं	६	३५	अ	११	३९	व	१०	१३	व	६	३५	५१ २ ५८	२८	१९	१८	वृश्चिके	भ. ६।३५ उ. ३५ या. उभा. बुधः २६।८
७	बु	१०	५६	ज्ये	१७	४३	सि	११	२०	ब	१०	५६	५५ १ ५९	२९	२०	१९	धनुषि	घ. १७।४३
८	गु	१६	५२	मू	२४	४६	व्य	१३	७	कौ	१६	५२	३० ६ ०	३०	२१	२०	धनुषि	शीतलापूजनम्
९	शु	२२	५८	पू	३१	४६	व	१५	२६	ग	२२	५८	३० ५९ ६	१	२२	२१	म. ४८।४०	भ. ५६ उ. रोहि. भौमः ५६ भा. चैत्रारंभः
१०	श	२९	२०	उ	३९	२२	प	१७	५०	वि	२९	२०	८ ५८	२	२३	२२	मकरे	भ. ३९ या.
११	र	३५	२५	श्र	४६	३१	शि	१९	५९	ब	४	२२	१२ ५८	२	३	२४	२३	मकरे	आश्लें ४ कर्केराहुः धनि २ मकरेकेतुः ५६।९÷
१२	चं	४०	५१	ध	५२	५५	सि	२१	३०	कौ	८	८	१६ ५७	३	४	२५	२४	कुं. १९।४३	कृत्तिशुक्रः ५४।३५ [÷पापमोचनी ११ व्र.
१३	मं	४५	१	श	५७	५६	सा	२२	७	ग	१२	५६	२१ ५६	४	५	२६	२५	कुंभे	भ. ४५।१ उ. रेवत्यांबुधः ७।३५ प्रदोषः
१४	बु	४७	४६	पू	६०	०	शु	२१	४३	वि	१६	२३	२५ ५५	५	६	२७	२६	मी ४५।५४	भ. १६।२३ या.
३०	गु	४९	११	पू	१	५३	शु	२०	२२	च	१८	२८	२९ ५४	६	७	२८	२७	मीने	मन्वादिः

४९पं.चै.कृ.३श.इ. २३/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	०	०	३	४	११
१	५	२७	२३	१७	१८	०	०
५	५३	२७	४६	९	५०	२७	५७
३१	४६	१८	५५	४७	१६	१०	२४
५९	३७	९	१०	६१	४५	३	५९
४१	१	३	४१	५०	व	११	४९

गोचर ग्रहाः

चैत्रकृष्णे २ शुक्रे मीने-ऽर्के: प्रविष्टः वा. ३न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

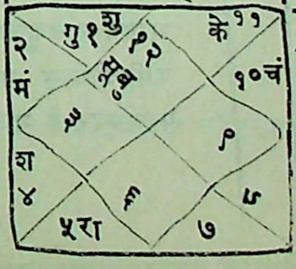

५०पं.चै.कृ.१०श.इ. २३/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	०	०	३	४	११
८	१०	११	२५	२४	१८	०	७
३	१७	११	७	१०	३१	४	५५
१८	६	५६	३४	४१	४८	५४	१९
५९	३७	०	११	५९	१३	३	५९
२९	१५	११	१८	२५	व	११	३५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३७, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१३७, भोग्यकलिः४२६८६३, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०९३, शाकः १९५८, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः । मंत्री रविः । सस्येशः बुधः । धान्येशः चंद्रः । मेघेशः शनिः । रसेशः शुक्रः । नीरसेशो बुधः । फलेशः शनिः । धनेशो भौमः।दुर्गेशःशनिः।एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्येब्रह्मविंशतिकायां४ प्रमोदनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः ३।५।८।६।३६ भोग्यमासादिः ८।२४।५१।५३।२४ विष्णुदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम कार्तिकः।मेघनामआवर्तः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे । समयविश्वा १२ समयवाहनं दुर्दुरः । स्तंभौ २ अन्नतृणयोः। सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी २ रविदशमी ३ समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः१७, तिथिवृद्धिः११ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा १२६ वर्षाविश्वा७ धान्यम् १३ तृणम् १७, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १२१, शनिदृष्टिर्दक्षिणे । सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण१चंद्रमसः।

श्रावणशु.१५बुधवार को ग्रस्तास्त चन्द्रग्रहण पश्चिम प्रदेशों में होगा । जिसका स्पर्श रेल्वे ६।२४ मोक्ष १०।१७ पर है ।

सं. २०९३ माघ शु.१५ शनौ खग्रास चन्द्र ग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	५	६	७	८	९
मि.	४८	५५	२७	०	७
घं.	२८	३१	३२	३३	३६
प.	२२	१०	३१	५२	४०

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

आदि शक्ति सब सृष्टि में तेरी पूजा होय ।
तीन नवत्ति की साल का फल समझाद मोय ।।

भवानी उत्तर

भैरव साल तिराणवे निपजें दोनों साख ।
धान्य भाव मंदा रहे तेजी चपड़ा लाख ।।
भृगुसुत राजा वर्ष में मंत्री भये दिनेश ।
दोनों के है द्वेषता विग्रह होय विशेष ।।
श्रावण अ आषाढ में मघवा करे सहाय ।
भादव रविकुजयोग से वर्षा स्वल्प दिखाय ।।
रोहिणीवास समुद्र में स्तंभ लगे है दोय ।
परमेश्वर के भजनबिन सुख नहि पाया कोय ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सि	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्ष लग्नम् ८।२२

वर्षेश लग्नम् ७।१५

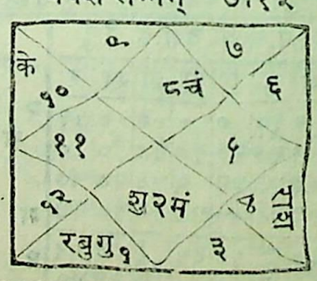

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१४।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२०।४४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः फलम् ॥ शुक्रस्य राज्ये बहुसस्य संकुला सुतीव्र वेगाः सरितोम्बु राशिभिः । फलन्ति वृक्षा बहु गो प्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ॥ मंत्री रविः फलम् ॥ नृपभयं गदतोपिहि तस्करात् प्रचुर धान्य धनादि महीतले । रसचयं हि समर्घ तमं तदा रविरमात्य पदं हि समागतः ॥ सस्येशः बुधःफलं ॥ जलधरा जलराशि मुचो भृशं सुख समृद्धि युतं निरुपद्रवम् । द्विजगणाः स्तुति पाठकरः सदा प्रथम सस्यपतौ सतिबोधने ॥ धान्येशश्चन्द्रः फलम् ॥ चन्द्रे धान्याविपे जाते प्रजावृद्धिः प्रजायते । गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोषु क्षीरं तदा बहु ॥ मेघेशो शनिः फलम् ॥ रविसुते जलदस्यपतौ भवेद्विरल वृष्टिवती वसुधा तदा । मनसि तापकरो नृपतिः सदा विविध रोग रता जनता मता ॥ रसेशः शुक्रः फलम् ॥ यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषित मानसाः । सुख सुभीक्ष सुमोदवती धरा धरणीपाहत पापगण प्रियाः ॥ नीरसेशः बुध फलम् ॥ चित्र वस्त्रादिकंचैव शंख चन्दन पूर्वकम् । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ॥ फलेशो शनिः फलम् ॥ यदि शनिः फलपः फलहा भवेत् जनित पुष्प गणस्य द्रुमः सदा । हिम भयं वर तस्कर जन्तुभीर्जनपदो गदराशि महाकुलः ॥ धनेशः भौमः फलम् ॥ असम मौल्यकरो धरणीसुतः शरदि तापकरस्तुष धान्य हृत् । सहसि मासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जन शोक विधायकः ॥ दुर्गेशो शनिः फलम् ॥ रविसुते गढ़पालिनि विग्रहैः सकलदेश गताश्चलिता जनाः । विविध वैरि विशेषित नागराः कृषि धनं शलभैर्मुषितं भुवि ॥ प्रमोदनाम संवत्सरः फलम् ॥ प्रमोदाब्दे प्रमोदन्ते राजानो निखिला जनाः । वीतरोगा वीतभयाईति शत्रु विनाशकाः ॥ वर्षनाम कार्तिकःफलम् ॥ पाप बुद्धिरता लोका भवंति कार्तिके सदा । देवता नैव मन्यंते राज्यं च तस्करैर्हृतम् ॥ मेघनाम आवर्तः फलम् ॥ आवर्ते छिन्न वृष्टि.स्यात् ॥ रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ॥ समुद्रेतु महावृष्टिः ॥ समयनिवासो मालाकार गृहे फलम् ॥ मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ॥ एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०९३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ९ रवौ मघा ल. गो. रे. ६ ।।।।ऽऽअऽ।ऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, ११ भौमे उफा ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।।ऽनृऽ।।।

,, ११ भौमे हस्ते ल. १२ (चं.७पू.) रे.७ऽऽ।।।ऽनृ।।।।

,, १२ बुधे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ८ ऽऽ।।।।।।।।

आषाढ मासः

कृष्णा ८ भौमे उभा ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) ल. १ रे. ६ ऽ।।।।ऽअऽऽ।।

,, ९ बुधे रेव. ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) ल. १ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

शुक्ला ४ शुक्रे मघा ल. १-२ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

,, ६ रवौ उफा ल. २ रे. ७ ।ऽ।।।।ऽऽ।।

,, ९ बुधे स्वात्यां ल. १ (चं.७पू.) गो. (भौमाष्टम महादोषः) रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ३ गुरौ मूले ल. ६ (व्ययेऽर्की) रे.७ ।।।।ऽऽनृऽ।।।

,, ९ गुरौ उभा ल. ६ (घ.५०-५८उ) (चं.७पू.) रे. ६ ।।।।।ऽअऽऽ।ऽ दग्धा

,, १० शुक्रे उभा ल.गो.६ (चं.७पू.) रे.७।।।।।।।ऽऽ।ऽदग्धा

,, १५ बुधे रोहि ल. ६ रे. ७ ।।।।।ऽरो५३याऽऽ।।

माघ मासः

शुक्ला ५ बुध उभा ल. ६ (चं.७पू.) रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।

,, ६ गुरौ उभा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे. ८ ।।।।।ऽरोऽ।।।

,, ६ गुरौ रेव ल. ६ (घ.३६-५७उ) (चं.७पू.) रे. ८ ।।।।।ऽरो।ऽ।।

,, ७ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ल. ६ (घ३९-५५या) रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

,, चन्द्रे रोहि ल. ८ (घ५१-१३उ) चं.गु.पूज्यौ रे. ८ ।।।।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ भौमे उफा ल. गो. (सोग्रांगः) ल.८ (गु.पू.) रे.८।।।।।ऽअ।ऽ।।

,, ५ बुधे हस्ते ल. गो. (सोग्रांगः) रे.८ ।।।।।ऽऽ।।

,, ७ शुक्रे स्वात्यां ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ल. ६ रे. ८ ऽऽ।।।।।।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८ | दि. उ. अ. भा. मु इं. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २१८३स.२०३६

१	शु	४९	१४	उ	४	२०	ब्र	१७	५६	किं	१९	१३	३०/३३	५/५३	६/७	८	२९	२८	मीने	वृषेशुक्रः ३२/४२ संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	श	४८	९	रे	५	४४	ऐं	१४	३४	बा	१८	४१	३७	५३	७	९	३०	२९	मे.५।४४	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा [–गणगौरी
३	र	४६	११	अ	५	५७	वै	१०	२०	तै	१७	१०	४१	५२	८	१०	१	३०	मेषे	कृत्ति.१गुरुः ४/३ सफर२ मत्स्यजयंती–
४	चं	४३	१४	भ	५	२२	वि	१७	२४/२७	व	१४	४२	४५	५१	९	११	२	३१	वृ.२०।०	भ.१४/२उ.४३/४या.रेवत्यांरविः ६/१६=
५	मं	३९	४४	कृ	३	५१	आ	५४	७	ब	११	२९	४९	५०	१०	१२	३	१	वृषे	बुधोदयःपश्चिमायां १/२ अप्रेल४ता.३०
६	बु	३५	४७	रो	२/५	२७	सो	४७	४६	कौ	७	४५	५३	४९	११	१३	४	२	मि३०।४५	[=(सौरः १/३)अश्वि.मेषेबुध ४/४९
७	गु	३०	१७	आ	५६	३३	शो	४१	३	ग	३	२	५७	४९	११	१४	५	३	मिथुने	भ.३०।१७उ.५८।२१या.
८	शु	२६	२४	पु	५३	१०	अ	३४	२	व	२६	२४	३/९	४८	१२	१५	६	४	क.३९।१	
९	श	२१	७	पु	४९	२५	सु	२६	३५	कौ	२१	७	५	४७	१३	१६	७	५	कर्के	रामनवमी
१०	र	१५	१५	श्ले	४५	१०	धृ	१८	५८	ग	१५	१५	१०	४६	१४	१७	८	६	सिं४५।१०	भ.४२।१३उ.
११	चं	९	११	म	४०	५७	शू	११	१०	वि	९	११	१४	४५	१५	१८	९	७	सिंहे	भ.९।११या. कामदा११व्र.
१२	मं	२	५६	पू	३६	४३	गं	३/२६	५२/२४	बा	२	५६	१८	४४	१६	१९	१०	८	कं.५०।४८	भरण्यांबुधः १३।५४ प्रदोषः
१३	मं	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	बु	५१	३४	उ	३३	२	ध्रु	४८	५६	ग	२४	१५	२२	४४	१६	२०	११	९	कन्यायां	भ.५१।३४उ.रोहि.शुक्रः७।४८
१५	गु	४६	५८	ह	३०	४	ब्या	४२	४१	वि	१९	१६	२६	४३	१७	२१	१२	१०	तु.५९।१३	भ.१९।१६या. हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.२श.इ. २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	०	१	३	३	११
१४	१४	२५	२६	०	१८	३२	१४
५९	३९	२३	३१	४७	१८	४२	५१
१०	५४	५३	५५	६	१८	३९	३१
५९	३७	५/८	११	५४	१/३१	३	५९
१६	२१	३/७	५६	५५	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

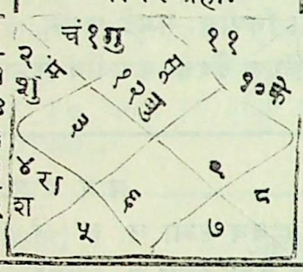

इसमासमेंशनिवारका चन्द्रदर्शन चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सूत लाल वस्तुओं में अ-च्छी तेजी करे कहीं२ थोडी वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

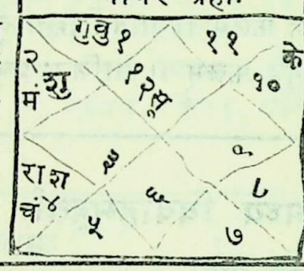

५२पं.चै.शु.९श.इ. २४/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	०	०	१	३	३	११
२१	१९	८	२७	६	१८	२९	२१
५३	३	२७	५९	५४	१०	२०	४५
३१	१४	४३	४९	७	८	२३	४२
५९	३७	०/८	१२	५१	०/४४	३	५९
४	३४	३/१	२०	५	व.	११	४

ति. | बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.

१	शु	४३	४६	चि	२८	२२	ह	३७	३८	बा	१५	२२	३/३०	५/४२	६/१७	२२	१३	११	तुलायां	
२	श	४२	९	स्वा	२८	१७	व	३३	४७	तै	१२	५७	३४	४१	१९	२३	१४	१२	तुलायां	मृगेभौमः १५।११
३	र	४२	१४	वि	३०	१४	सि	३१	४१	व	१२	११	३८	४०	२०	२४	१५	१३	वृ.१४।४५	भ.१२/१उ.४२/४या.अश्वि.मेषेऽर्कः ४/५७×
४	चं	४४	२२	अ	३३	३५	व्य	३०	४१	व	१३	१८	४२	४०	२०	२५	१६	१४	वृश्चिके	कृत्ति.२वृषेगुरुः ४/३८ चतुर्थीव्र.
५	मं	४७	५९	ज्ये	३८	३७	व	३०	४०	कौ	१६	१०	४६	३९	२१	२६	१७	१५	ध.३८।३७	[×(सौरः ४/३८)मार्गीशनिः २२/०
६	बु	५३	११	मू	४५	२	प	३२	१०	ग	२०	३५	५०	३८	२२	२७	१८	१६	धनुषि	भ.५३।११उ.
७	गु	५९	२	पू	५२	११	शि	३४	११	वि	२६	६	५३	३७	२३	२८	१९	१७	धनुषि	भ.२६।६या.
८	शु	६०	०	उ	५९	४५	सि	३६	३६	बा	३२	४०	५७	३७	२३	२९	२०	१८	म.९।४	
८	श	५	१८	श्र	६०	०	सा	३८	५५	कौ	५	१८	३/९	३६	२४	३०	२१	१९	मकरे	
९	र	११	३१	श्र	७	५	शु	४०	५५	ग	११	३१	५	३५	२५	३१	२२	२०	कुं.४०।२८	भ.४४।११उ.
१०	चं	१६	५२	ध	१३	५२	शु	४१	५१	वि	१६	५२	९	३४	२६	१	२३	२१	कुंभे	भ.१६।५२या. भा.वैशाखारंभः
११	मं	२१	२	श	१९	८	ब्र	४१	४७	बा	२१	२	१२	३४	२६	२	२४	२२	कुंभे	मिथुनेभौमः ५५।३३ वरुथिनी११व्र.
१२	बु	२३	३४	पू	२३	१०	ऐं	४०	२९	तै	२३	३४	१६	३३	२७	३	२५	२३	मी७।१०	वक्रीबुधः ४१।२४ प्रदोषः
१३	गु	२४	३८	उ	२५	२६	वै	३७	४९	व	२४	३८	२०	३२	२८	४	२६	२४	मीने	भ.२४।३८उ.५४।११या.
१४	शु	२३	४५	रे	२६	५	वि	३३	५७	श	२३	४५	२३	३१	२९	५	२७	२५	मे.२६।५	बुधास्तःपश्चिमायां २५।४९
२०	श	२१	२५	अ	२५	१७	प्री	२८	५५	ना	२१	२५	२७	३१	२९	६	२८	२६	मेषे	

१पं.वै.कृ.३र.इ. ४०/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	०	१	३	३	११
०	२४	१९	२९	१३	१८	२८	२९
०	१३	३४	४५	१७	६	५४	५१
०	३०	१९	२५	२०	७	१५	५७
५८	३७	६२	१२	४४	२	३	५८
४४	४४	३८	४८	१२	मा	११	४५

गोचर ग्रहाः

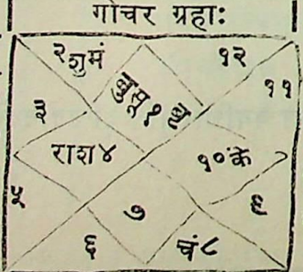

वैशाख कृष्णे ३ रवौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्या-दि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

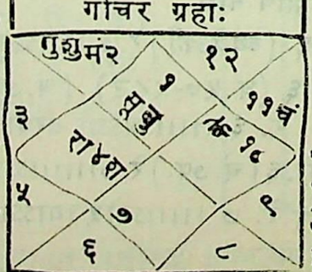

२पं.वै.कृ.९र.इ. ४०/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	१	१	३	३	०
६	२८	२४	१	१७	१८	२८	६
५०	३६	०	१८	४४	९	३२	४२
४६	५४	२५	५८	२८	२२	०	८
५८	३६	१२	१३	३५	०	३	५८
३१	५६	५६	८	५३	५३	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिथि बैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २२१३स.२०३६

१	र	१७	५५	भ	२३	२४	आ	२४	५	ब	१७	५५	३२	५०	६०	७ २९ २७	वृ.३७।३९	भरण्यांरविः २७ (सौरः २९) चन्द्रदर्शनम्
२	चं	१३	२३	कृ	२०	२३	सौ	१६	२९	कौ	१३	२३	३४	२९	३१	८ १ २८	वृषे	रविलावल३ परशुरामजयंती
३	मं	८	८	रो	१७	५	शो	९	१९	ग	८	८	३८	२८	३२	९ २ २९	मि४५।१४	भ.३५ उ.कृत्ति.३गुरुः ४२ अक्षया३
४	बु	२	३६	मृ	१३	२३	अ	२५	२४	वि	२	३६	४१	२८	३२	१० ३ ३०	मिथुने	भ.२।३६या.
५	बु	५४	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	
६	गु	५१	३३	आ	९	४७	धृ	४७	४६	कौ	२४	१७	४५	२७	३३	११ ४ १	क.५२।४	मईपंता.३१
७	शु	४६	१३	पु	६	१०	शू	४०	३४	ग	१८	५३	४८	२६	३४	१२ ५ २	कर्के	भ.४६।१३उ.
८	श	४०	५१	पु	२	५६	गं	३३	३७	वि	१३	३२	५२	२६	३४	१३ ६ ३	सिं५९।२७	भ.१३ या.आर्द्रा.भौमः ३३ पातस्पर्शः १५ १९=
९	र	३५	५२	म	५६	२९	बृ	२६	५०	बा	८	२१	५५	२५	३५	१४ ७ ४	सिंहे	[=पातमोक्षः ३६
१०	चं	३१	८	पू	५३	५४	धु	२०	१९	तै	३	३०	५८	२४	३६	१५ ८ ५	सिंहे	भ.५८।५८उ.
११	मं	२६	४९	उ	५१	४३	व्या	१४	१३	वि	२६	४९	३३	२४	३६	१६ ९ ६	कं.८।२१	भ.२६।४९या. मोहिनी११व्र.
१२	बु	२२	५७	ह	५०	१३	ह	८	३८	बा	२२	५७	५	२३	३७	१७ १० ७	कन्यायां	प्रदोषः
१३	गु	१९	५३	चि	४९	२६	व	३५	४३	तै	१९	५३	८	२२	३८	१८ ११ ८	तु.१९।५०	नृसिंहजयंती
१४	शु	१७	४६	स्वा	५०	१	व्य	५५	४४	व	१७	४६	११	२२	३८	१९ १२ ९	तुलायां	भ.१७ उ.४९ याव.शुक्रः २५
१५	श	१६	५२	वि	५१	४३	व	५३	२८	ब	१६	५२	१४	२१	३९	२० १३ १०	बृ.३६।१७	यमायकुंभदानम्

३पं.वै.शु.१र.इ. ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१	१	३	३	०
१३	३	२३	२	२१	१८	२८	१३
३९	०	३०	५३	४	१८	९	३०
५०	१८	०	६	२६	०	४४	३३
५८	३८	२६	१३	२५	१	३	५८
१९	८	व.२०	८	३२	११	१२	

गोचर ग्रहाः

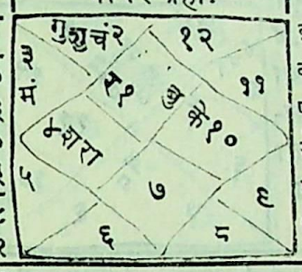

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथि वृद्धि शुक्ल पक्षकीतिथिक्षयधान्य गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ वस्त्र गुडशक्कर धातु में तेजी करेगी

गोचर ग्रहाः

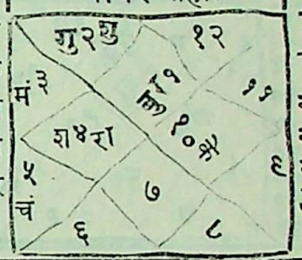

४पं.वै.शु.९र.इ. ४१

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१	१	३	३	०
२०	७	१९	४	२२	१८	२७	२०
२७	२३	४६	३१	५६	३१	४७	१७
२९	१७	४८	१	३८	८	२८	२०
५८	३८	३६	१३	११	२	३	५७
६	१३	व.२८	८	१२	११	५७	

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.

१	र	१७	१७	अ	५४	५१	प	५२	३०	कौ	१७	१७	३३	५१	६९	२१ १४ ११	वृश्चिके	कृत्ति.रविः६।२६ (सौर.१७।५४)
२	चं	१९	२६	ज्ये	५९	२२	शि	५२	११	ग	१९	२६	२०	२०	४०	२२ १५ १२	ध.५९।२२	भ.५१।५उ.
३	मं	२२	४३	मू	६०	०	सि	५३	१४	वि	२२	४३	२३	१९	४१	२३ १६ १३	धनुषि	भ.२३ या.बुधोदयःपूर्वस्यां३ चतुर्थीव्र.
४	बु	२७	४०	मू	५	२०	सा	५४	४४	बा	२७	४०	२६	१९	४१	२४ १७ १४	धनुषि	वृषेऽर्कः ३४ सौरः ४५, कृत्ति.४गुरुः ० १८ –
५	गु	३३	१६	पू	१२	११	शु	५७	०	कौ	०	२८	२८	१८	४२	२५ १८ १५	म.२९।४	[–अस्तंगुरोः २५ ८
६	शु	३९	१७	उ	१९	४३	शु	५९	२८	ग	६	१६	३१	१८	४२	२६ १९ १६	मकरे	भ.३९।१७उ.
७	श	४५	३४	श्र	२७	१७	ब्र	६०	०	वि	१२	२५	३४	१७	४३	२७ २० १७	मकरे	भ.१२।२५या.
८	र	५१	१९	ध	३४	३५	ब्र	१	५२	बा	१८	२६	३७	१७	४३	२८ २१ १८	कुं.१।१	
९	चं	५५	५५	श	४०	३९	ऐं	३	३८	तै	२३	३७	३९	१६	४४	२९ २२ १९	कुंभे	मार्गीबुधः २१।६
१०	मं	५८	४९	पू	४५	२९	वै	४	१६	व	२७	२२	४२	१६	४४	३० २३ २०	मी२९।१०	भ.२७।२२उ.५८।४९या.
११	बु	६०	०	उ	४८	२५	वि	३	३७	ब	२९	२७	४४	१५	४५	३१ २४ २१	मीने	अपरा११व्र.स्मा.
११	गु	०	५	रे	४९	३८	प्री	१	४७	बा	०	५	४७	१५	४५	१ २५ २२	मे.४९।३८	अपरा११व्र.वै. भा.ज्येष्ठारंभः
१२	गु	५९	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ०	[×१केतुः ५४ वटपूजनम्
१३	शु	५६	४९	अ	४८	५५	सौ	५३	२१	ग	२८	८	४९	१४	४६	२ २६ २३	मेषे	भ.५६।४९उ. प्रदोषः
१४	श	५२	२५	भ	४६	२८	शो	४६	५८	वि	२४	३७	५२	१४	४६	३ २७ २४	मेषे	भ.३४ या.रोहि.रविः ५७ पुन.भौमः ५३
३०	र	४६	४१	कृ	४२	३८	अ	३९	३५	च	१९	३३	५४	१३	४७	४ २८ २५	वृ.०।३०	रोहि.रविःसौर.१९ आश्ले.३राहुःधनि.×

५पं.ज्ये.कृ.१र.इ. ४१ १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१	१	३	३	०
२७	११	१६	६	२२	१८	२७	२७
१३	४५	९	८	५८	५०	२५	२
३७	५८	०	३८	५२	१०	१३	३४
५७	३८	२६	१३	२८	२	३	५७
५४	२६	व.३२	व.५१	११	४५		

६पं.ज्ये.कृ.८र.इ. ४१ २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	१	१	३	३	१
३	१६	१५	७	२१	९	२७	३
५८	८	०	३९	८	१३	२	४६
४४	३५	३६	५८	३५	२३	५७	१९
५७	३८	२५	१३	२३	३	३	५७
४४	२६	व.३८	व.३२	११	३४		

७पं.ज्ये.कृ.३०र.इ. ४१ २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	१	१	३	३	१
१०	२०	१७	९	१७	१९	२६	१०
४२	३१	१५	२५	३७	४१	४०	२८
४०	२३	१४	४४	५	६	४२	२०
५७	३८	२६	१३	३४	४	३	५७
३५	३७	मा ३८	व. ९	११	२३		

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २२४२स.२०३६
१	चं ३९ ४३	रो ३७	४९	सु ३१	१९	कि १३	१२	३ ५ ६	३ ५ ३ ६ ४७	५ २९ २६	वृषे	
२	मं ३२ २१	मृ ३२	२९	धृ २२	५०	बा ६	२	५८ १२	४८	६ ३० २७	मि५।९	चन्द्रदर्शनम्
३	बु २४ ५३	आ २७	७	शू १३	१९	ग २४	५३	३ ० १२	४८	७ १ २८	मिथुने	भ.५९ उ.रोहि.१गुरुः १७ शुक्रास्तः-
४	गु १७ ३९	पु २१	४७	गं ५	५१ ४८	वि १७	३९	२ १२	४८	८ २ २९	क.८।७	भ.१७ या.आश्ले.२शनिः ५०
५	शु १० ४८	पु १७	२	ध्रु ४९	२२	बा १०	४८	३ ११	४९	९ ३ ३०	कर्के	[-पश्चिमायां ३१ ८ रविलाखर४
६	श ४ ३१	श्ले १३	२	व्या ४२	५	तै ४	३१	५ ११	४९	१० ४ ३१	सिं१३।२	भ.५९।५उ.
७	श ५४ ३४	० ०	०	० ०	०	० ०	०	० ०	०	० ० ०	० ०	
८	र ५४ ३१	म ९	४७	ह ३५	४२	वि २६	४८	७ ११	४९	११ ५ १	सिंहे	भ.२६।४८या.जून६ता.३०
९	चं ५० ४९	पू ७	२३	व २९	५८	बा २२	४०	९ १०	५०	१२ ६ २	कं.२२।२	[=१७ गुर्जराणां वटसावित्री व्र.
१०	मं ४८ ८	उ ५	५९	सि २४	५९	तै १९	२८	१० १०	५०	१३ ७ ३	कन्यायां	गंगादशमी
११	बु ४६ २२	ह ५	२५	व्य २०	५४	व १७	१५	१२ १०	५०	१४ ८ ४	तु.३५।३५	भ.१५ उ.४६ या.निर्जला११व्र.
१२	गु ४५ ३४	चि ५	४४	व १७	३३	ब १५	५८	१३ ९	५१	१५ ९ ५	तुलायां	कृत्ति.बुधः ४३ शुक्रोदयः पूर्वस्यां ३२
१३	शु ४५ ५५	स्वा ७	१३	प १५	४	कौ १५	४४	१५ ९	५१	१६ १० ६	वृ.५३।५३	प्रदोषः [×वक्रीकृत्ति.शुक्रः ३७ ३८
१४	श ४७ १३	वि ९	३९	शि १३	१६	ग १६	३४	१६ ९	५१	१७ ११ ७	वृश्चिके	भ.४७ उ.मृगरविः ५१ बृषेबुधः ४५×
१५	र ४९ ५६	अ १३	२३	सि १२	५१	वि १८	३४	१७ ९	५१	१८ १२ ८	वृश्चिके	भ.१८ या.मृगेरविःसौरः १९ उदयंगुरोः=

८पं.ज्ये.शु.८र.इ. ४१ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	१	१	३	३	१
१७	२४	२२	११	१३	२०	२६	१७
२५	५४	५०	४	१६	१२	१८	९
२६	४	३८	२३	८	५८	२६	३६
५७	३८	५७	१३	३५ ३४	४	३	५७
२७	३३	०	३८	व.	४२	११	१३

गोचर ग्रहाः

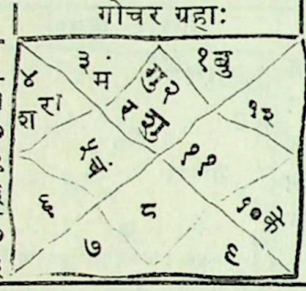

ज्येष्ठ कृष्णे ४ बुधे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

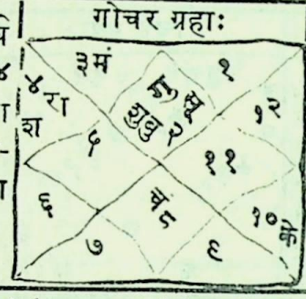

९पं.ज्ये.शु.१५र.इ. ४१ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१	१	३	३	१
२४	२९	१	१२	९	२०	२५	२३
७	१६	२१	४२	२७	४८	५६	४९
३०	१२	२९	४	५४	२२	१०	३२
५७	३८	८३	१३	२५ ५९	५	३	५७
२२	३१	३२	३२	व.	२	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं० २०९३ शाकः १९५८	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.
१	चं ५३ ४०	ज्ये १८	१२	स्ता १२	४६	बा २१	४८	३ ८	५ ६ ५२	१९ १३ ९	ध.१८।१२	कर्के भौम:४८।४७
२	मं ५८ ४१	मू २४	३५	शु १४	३८	तै २६	१०	१९	८ ५२	२० १४ १०	धनुषि	
३	बु ६० ०	पू ३०	३७	शु १५	३६	व ३१	२४	१९	८ ५२	२१ १५ ११	म.४७।२६	भ.३१।२४उ.रोहि.२गुरुः २९।४६
३	गु ४ ७	उ ३७	५२	ब्र १७	४७	वि ४	७	२०	८ ५२	२२ १६ १२	मकरे	भ.४।७या. चतुर्थी व्र.
४	शु १० ८	श्र ४५	३०	ऐं २०	१९	बा १०	८	२१	८ ५२	२३ १७ १३	मकरे	
५	श १६ २३	ध ५३	११	वै २२	३२	तै १६	२३	२१	८ ५२	२४ १८ १४	कुं.१९।२१	मिथुनेऽर्कः ५०।३०रोहि.बुध.२३।१८
६	र २२ २३	श ६०	०	वि २४	४३	ब २२	२३	२२	८ ५२	२५ १९ १५	कुम्भे	भ.२३ उ.५६ या.मिथुनेऽर्कःसौरः १ १७+
७	चं २७ ३०	श ०	८	प्री २६	१८	ब २७	३०	२२	८ ५२	२६ २० १६	मी४९।२८	[+पुष्येभौमः १ ४६
८	मं ३१ २१	पू ५	५५	आ २६	५०	कौ ३१	२१	२३	७ ५३	२७ २१ १७	मीने	
९	बु ३३ ३३	उ १०	२२	सौ २६	२	तै २	२७	२३	७ ५३	२८ २२ १८	मीने	
१०	गु ३३ ४३	रे १२	४७	शो २३	४४	व ३	३८	२३	७ ५३	२९ २३ १९	मे.१२।४७	भ.३।३८उ.३३।४३या.मार्गीशुक्र.५३।९
११	शु ३१ ५२	अ १३	२६	अ १९	५४	ब २	४७	२४	७ ५३	३० २४ २०	मेषे	योगिनी११व्र.
१२	श २७ ५९	भ ११	४९	सु १४	२६	तै २७	५९	२४	७ ५३	३१ २५ २१	वृ.२६।०	आर्द्रा.रविः ४५ बुधास्तःपूर्वस्यां ४३ प्रदोषः
१३	र २२ १४	कृ ८	३१	धृ २२	३५ ५१	व २२	१४	२४	७ ५३	१ २६ २२	वृषे	भ.२२ उ.३८ या.आर्द्ररविःसौरः १३÷
१४	चं १४ ४१	रो ३ २७	५३	गं ४९	३८	श १४	४१	२४	७ ५३	२ २७ २३	मि३०।२३	[÷मृगेबुधः ३९ भा.आषाढारंभः
३०	मं ६ २२	आ ५०	३०	वृ ३९	५१	ना ६	२२	२४	७ ५३	३ २८ २४	मिथुने	मिथुनेबुधः५५।१४

१०पं.आ.कृ.६र.इ. ४१ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१	१	३	३	२
०	३	१२	१४	७	२१	२५	०
४८	३९	१९	१८	८	२७	३३	२८
४७	११	८	३६	४२	१८	५५	४१
५७	३८	५ ४०	१३	१० ७	५	३	५६
१७	३७	४०	२६	व.	३२	११	५७

गोचर ग्रहाः

आषाढ कृष्णे ५ शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टःवा ४ न.४ प्रगलभावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

११पं.आ.कृ.१३र.इ. ४१ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१	१	३	३	२
७	८	२३	१५	६	२२	२५	७
२९	१	२४	५३	४४	९	११	७
४२	३०	२९	५६	३८	०	३९	८
५७	३८	८ ५९	१३	६ ४५	५	३	५६
१३	४४	३०	१५	मा	५६	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०६३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२२७२स.२०३६
१	मं	५०	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	४८	१०	पु	४३	२३	ध्रु	२६	४६	बा	२२	४२	३४	५	६	४	२६	२५	क.३०।१०	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	शु	३६	२२	पु	३६	३८	व्या	१६	४२	तै	१३	४६	२३	७	५३	५	१	२६	कर्के	रोहि.३गुरु:१०।७जमादिलावल५
४	शु	३१	१६	श्ले	३०	३७	ह	१०	६	व	५	१६	२२	८	५२	६	२	२७	सिं३०।३७	भ.५।१९उ.३१।१६या.
५	श	२४	५	म	२५	४४	व	१	५२	बा	२४	५	२२	८	५२	७	३	२८	सिंहे	आर्द्रा.बुध:२।३
६	र	१८	२१	पू	२१	५७	व्य	४६	५६	तै	१८	२१	२१	८	५२	८	४	२६	क.३६।२३	
७	चं	१३	५७	उ	१९	४०	व	४१	२१	व	१३	५७	२०	८	५२	९	५	३०	कन्यायां	भ.१३।५७उ.४२।३१या.
८	मं	११	४	ह	१८	४१	प	३७	२०	व	११	४	१९	८	५२	१०	६	१	तु.४८।५७	जुलाई७ता.३१
९	बु	९	३६	चि	१९	१४	शि	३४	१	कौ	९	३६	१८	८	५२	११	७	२	तुलायां	
१०	गु	९	३७	स्वा	२१	१४	सि	३१	५७	ग	९	३७	१७	९	५१	१२	८	३	तुलायां	भ.४५उ.पुन.बुध:५९आश्ले.३शनि:२९
११	शु	१०	५४	वि	२४	३३	सा	३०	४९	वि	१०	५४	१६	९	५१	१३	९	४	वृ.८।४३	भ.१९या.रोहि.शुक्र:२७ देवशयनी११व्र.
१२	श	१३	५	अ	२८	५२	शु	३१	०	वा	१३	५	१५	९	५१	१४	१०	५	वृश्चिके	पुन.रात्रि:४८।५ प्रदोषः
१३	र	१६	४७	ज्ये	३४	१७	शु	३१	१८	तै	१६	४७	१४	९	५१	१५	११	६	ध.३४।१७	पुन.रविःसौरः१५आश्ले.भौमः३५
१४	चं	२१	२	मू	४०	२२	न	३२	३१	व	२१	२	१३	९	५१	१६	१२	७	धनुषि	भ.२१।२उ.५३।४५या. वायुपरीक्षा
१५	मं	२६	२९	पू	४७	३	ऐं	३४	१७	व	२६	२९	११	१०	५०	१७	१३	८	धनुषि	कर्केबुध:५२।१५ व्यासपूजा गुरु१५

१२पं.आ.शु.६र.इ.४१/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१	१	३	३	२
१४	१२	१०	१७	८	२२	२४	१३
१०	२४	११	२७	६	५३	४९	४५
८	२९	६	५४	५०	४२	२४	१३
५७	२८	३/२६	१२	२१	६	३	५६
७	४४		५७	१२	२०	११	५०

गोचर ग्रहाः

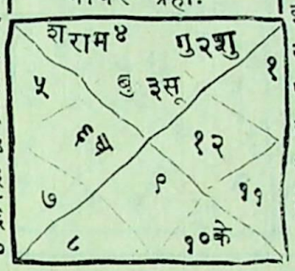

इस माससमें चांदी रुई स्वर्ण सण तिल शुक्ल पक्ष में मंदे हों घृतगुड शक्कर धान्य गेहूं जौ चांवलमक्कावारदाना तेज रहे वर्षाअच्छीहो

गोचर ग्रहाः

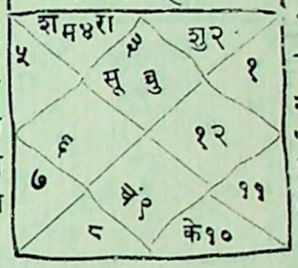

१३पं.आ.शु.१३र.इ.४१/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१	१	३	३	२
२०	१६	२५	१८	११	२३	२४	२०
५०	४७	२५	५९	०	४०	२७	२३
३५	३५	५५	३५	७	५२	८	७
५७	२८	५/२९	१२	३२	६	३	५६
७	४०		३८	३२	४९	३२	११	५०

ति	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०६३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति महा.
१	बु	३२	१	उ	५५	२३	वै	३६	३३	कौ	३२	१	३४/४०	५/१०	६/५०	१८	१४	९	म.४।८	
२	गु	३८	५	श्र	६०	०	वि	३८	५३	तै	५	३	८	१०	५०	१९	१५	१०	मकरे	पुष्येबुध:२८।३७
३	शु	४४	१८	श्र	१	४७	प्री	४१	२४	व	११	११	७	११	४९	२०	१६	११	कुं.३५।३४	भ.११/११उ.४४/१८या.रोहि.४गुरु:२३/२९
४	श	५०	१३	ध	९	२०	आ	४३	५१	ब	१७	१५	५	११	४९	२१	१७	१२	कुम्भे	चतुर्थीव्र.
५	र	५५	३२	श	१६	२९	सौ	४५	४३	कौ	२२	५२	३	११	४९	२२	१८	१३	कुम्भे	नाग५मरुस्थले
६	चं	५९	५४	पू	२२	५२	शो	४६	४९	ग	२७	४३	१	१२	४८	२३	१९	१४	मी६।१६	भ.५९/५४उ.बुधोदय:पश्चिमायां२८/२९
७	मं	६०	०	उ	२८	२७	अ	४७	८	वि	३१	२५	३/५९	१२	४८	२४	२०	१५	मीने	भ.३१।२५या.
७	बु	२	५६	रे	३२	१९	सु	४६	१९	ब	२	५६	५७	१३	४७	२५	२१	१६	मे.३२।१९	कर्केऽर्क:१७।४१ (सौर:४९।४६)
८	गु	४	१८	अ	३४	३९	धृ	४३	५८	कौ	४	१८	५५	१३	४७	२६	२२	१७	मेषे	आश्लेबुध:२३।८
९	शु	३	४६	भ	३४	५६	शू	४०	२	ग	३	४६	५२	१४	४६	२७	२३	१८	बृ.४९।३४	भ.३०।३१उ.
१०	श	१/५५	१६/३७	कृ	३३	२८	गं	३४	२९	वि	१	१६	५०	१४	४६	२८	२४	१९	बृषे	भ.१६या.पुष्येरवि:४५/५९ कामिका११स्मा.
११	र	५०	२०	रो	२९	४३	बृ	२७	२५	कौ	२३	३६	४८	१४	४६	२९	२५	२०	मि५७।३	पुष्येरविःसौर:२०।२७ कामिका११व्र.वै.
१२	चं	४२	२६	मृ	२४	२३	धु	१८	५६	ग	१६	२३	४५	१५	४५	३०	२६	२१	मिथुने	भ.४२।२६उ. प्रदोषः
१४	मं	३३	१७	आ	१७	३७	व्या	९/५८	४९/३४	वि	७	५१	४३	१५	४५	३१	२७	२२	क.५६।५९	भ.७।५१या.
२०	बु	२३	३२	पु	१०	६	व	४८	७	ना	२३	३२	४०	१६	४४	१	२८	२३	कर्के	भा.श्रावणारंभः हरियाली

१४पं.श्रा.कृ.५र.इ.४९/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	१	१	३	३	२
२७	२१	९	२०	१५	२४	२४	२७
३०	१०	४१	२८	२	२९	४	१
५४	४८	५३	५	२८	४२	५२	१४
५७	३८	९/५८	१२	४१	६	३	५६
१२	४७		१४	३४	५६	११	५४

गोचर ग्रहाः

श्रावण कृष्णे ७ बुधे कर्केऽर्क प्रविष्टःवा.५ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

१५पं.श्रा.कृ.१२र.इ.४९/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	१	३	३	३
४	२५	२२	२१	२०	२५	२३	३
११	३४	२९	५४	०	२०	४२	३९
३८	४१	५६	७	५०	३१	३७	५१
५७	३८	९/५८	११	४८	७	३	५६
१५	४७		५०	१७	२	११	५९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३०१ सन् २०३६
१	गु	१३	२८	पु	२३	५२	सि	३७	२०	ब	१३	२८	३३	५	६	२	२९	२४	सि५४।४३	मृगेशुक्रः ४३ उ चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
२	शु	३	५१	म	४७	४३	व्य	२६	५२	कौ	३	३८	३५	१७	४३	३	१	२५	सिंहे	मघा.सिंहेबुधः १७ जमादिलाखर६तीज
३	श	४७	१०	पू	४१	५०	व	१७	८	व	२०	५७	३३	१७	४३	४	२	२६	कं.५५।४७	भ.२०।५७उ.४७।१०या.वरद४
४	र	४१	४	उ	३७	३८	प	८	२५	ब	१४	७	३०	१८	४२	५	३	२७	कन्यायां	मघा.सिंहेभौमः ४३।१४आश्ले.२राहुः-
५	चं	३६	४९	ह	३४	५६	शि	१३	५४	कौ	८	५६	२७	१९	४१	६	४	२८	कन्यायां	मृग१गुरुः०।५४अस्तंशनैः१०।१३
७	मं	३४	२३	चि	३४	११	सा	५१	३५	ग	५	३६	२४	१९	४१	७	५	२९	तु.४।३४	भ.३४।२३उ. [-श्रवण४केतुः ४७ ३२
८	बु	३३	५८	स्वा	३५	२९	शु	४८	५९	वि	४	१०	२२	२०	४०	८	६	३०	तुलायां	भ.४।१०या.
९	गु	३५	१६	वि	३८	२९	शु	४७	३३	बा	४	३७	१९	२०	४०	९	७	३१	वृ.२२।४४	आश्ले.४शनिः १३।९
१०	शु	३७	५६	अ	४२	५४	ब्र	४७	३४	तै	६	३६	१६	२१	३९	१०	८	१	बृश्चिके	मिथुनेशुक्रः ४२।२६ अगस्तदता.३१
११	श	४२	१०	ज्ये	४८	२२	ऐं	४८	२६	व	१०	३	१३	२१	३९	११	९	२	ध.४८।२२	भ १३ उ. ४२ या.आश्ले.रविः ४४ १ पवित्रा ११
१२	र	४७	५	मू	५४	५३	वै	४९	५०	ब	१४	३७	१०	२२	३८	१२	१०	३	धनुषि	आश्ले.रविःसौरः २१ १४ पूफा.बुधः २५ २६ =
१३	चं	५२	५९	पू	६०	०	वि	५२	२	कौ	२०	२	७	२३	३७	१३	११	४	धनुषि	प्रदोषः [=अस्तोभौमः २ १५
१४	मं	५८	५३	पू	२	४	प्री	५४	६	ग	२५	५६	४	२३	३७	१४	१२	५	म.१८।५१	भ.५८।५३उ.
१५	बु	६०	०	उ	९	१३	आ	५६	३५	वि	३१	५४	०	२४	३६	१५	१३	६	मकरे	भ.५१ ४या.श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम् भद्रो.
१५	गु	४	५५	श्र	१६	४८	सौ	५९	३	ब	४	५५	३२ ५७	२५	३५	१६	१४	७	कुं.५०।२८	

१६पं.श्रा.शु.५र. इ. ४० ५६								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	१	१	३	३	३
१०	२९	३	२३	२५	२६	२३	१०
५२	५८	४९	१६	४१	१२	२०	१८
४१	३०	३७	१६	२	११	२१	५८
५७	३८	९१	११	५३	७	३	५७
२०	५५	३७	१३	१५	८	११	५

गोचर ग्रहाः

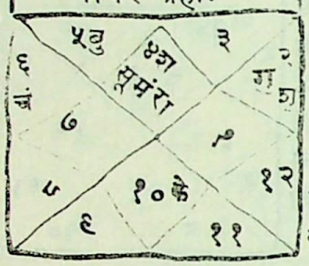

इसमासमें धातु सोना चांदी लोहा मंदे रहें गुड शक्कर चीनी रुई वारदानः तेज हो धान्य गल्ला वदी में मंदा सुदि में तेज हो कहीं-कहीं वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

१७पं.श्रा.शु.१२र.इ. ४० ४८								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	१	२	३	३	३
१७	४	१३	२४	१	२७	२२	१६
३४	२२	३९	३४	५३	५५	८५	५८
२३	३४	१४	५२	६	२	६	४६
५७	३९	७५	१०	५७	७	३	५७
२५	२	८	६२	२०	१४	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु	११	१	ध	२४	९	शो	६०	०	कौ	११	१	३२ ५४	२५	३५	१७	१५	८	कुम्भे	आर्द्राशुक्रः ५१।२९
२	श	१६	४५	श	३१	१४	शो	१	१४	ग	१६	४५	५०	२६	३४	१८	१६	९	कुम्भे	भ.४९।११उ.
३	र	२१	३७	पू	३७	३३	अ	२	५६	वि	२१	३७	४७	२७	३३	१९	१७	१०	मी२०।५८	भ.२१।३७या.चतुर्थी व्र.
४	चं	२५	४७	उ	४३	१४	सु	४	११	बा	२५	४७	४४	२७	३३	२०	१८	११	मीने	
५	मं	२९	२	रे	४७	३८	धृ	४	४४	तै	२९	२	४०	२८	३२	२१	१९	१२	मे.४७।३८	चन्द्रषष्ठी [×जन्माष्टमी व्र.वै.
६	बु	३१	३	अ	५०	५८	शू	४	२७	ग	०	२	३७	२९	३१	२२	२०	१३	मेषे	भ.३१।३उ.
७	गु	३१	३०	भ	५२	५७	गं	३	२	वि	१	१६	३३	२९	३१	२३	२१	१४	मेषे	भ.१।१६या.जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	शु	३०	२९	कृ	५३	५	वृ	२९ ०	५९	बा	०	५९	३०	३०	३०	२४	२२	१५	वृ.७।५९	उफा.बुधः ५३ मृग२गुरुः ४९×
९	श	२७	४१	रो	५१	३२	व्या	५१	२०	ग	२७	४१	२६	३१	२९	२५	२३	१६	वृषे	भ.५५उ.मघा.सिंहेऽर्कः ३८ गोगा९
१०	र	२२	४९	मृ	४८	१७	ह	४४	४०	वि	२२	४९	२३	३२	२८	२६	२४	१७	मि१९।५५	भ.४९या.मघा.सिंहेऽर्कःसौरः १७ ३८+
११	चं	१६	४१	आ	४३	२६	व	३६	३०	बा	१६	४१	१९	३२	२८	२७	२५	१८	मिथुने	अजा११व्र. [+पूफा.भौमः ५१ १७
१२	मं	८	५८	पु	३७	१७	सि	२७	२०	तै	८	५८	१५	३३	२७	२८	२६	१९	क.२२।५१	वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	बु	०	१४	पु	३०	२	व्य	१७	२०	ब	०	१४	१३	३४	२६	२९	२७	२०	कर्के	भ.०।१४उ.२५।२१या.
१४	बु	५०	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	गु	४०	३३	श्ले	२२	२३	व	६ ४८	४९	च	१५	३१	८	३४	२६	३०	२८	२१	सिं२२।२३	कुशाग्रहणी पिठोरी३० मन्वादिः

१८पं.भा.कृ.३र. इ. ४० ३९								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	१	२	३	३	३
२४	८	२१	२५	८	२७	२२	२३
१६	४७	४२	४८	३१	५८	३५	३९
४४	३५	२९	५०	३०	४१	५०	५३
५७	३९	५५	९	६०	७	३	५७
३३	२	५	५५	२२	२०	११	२२

गोचर ग्रहाः

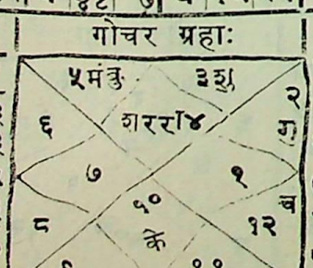

भाद्रपद कृष्णे ९शनौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी मु.४५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

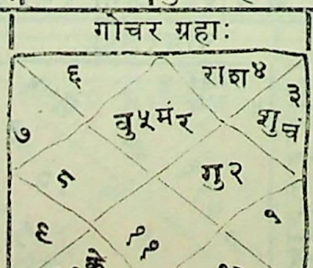

१९पं.भा.कृ.१०र.इ. ४० ३०								
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१	२	३	३	४
१	१३	२७	२६	१५	२८	२२	०
०	१२	३३	५७	२९	५२	१३	२२
४	५८	५०	२९	५३	४८	३४	६
५७	३९	२९	९	६२	७	३	५७
४०	९	४८	१६	४७	२०	११	३४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०९३ शाकः १९५८ वि. उ अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३३०स.२०३६

१	शु	३०	५१	म	१४	३४	शि	४५	१२	किं	५	४२	३२	५	६	३१	२९	२२	सिंहे	कन्यायांबुधः ३४।४८पुन.शुक्रः७।४४
२	श	२१	५५	पू	७	२८	सि	३५	२६	कौ	२१	५५		१	३६	२४	१	३०	२३	कं.२०।५८	चन्द्रदर्शनम् भा.भाद्रपदारंभः
३	र	१४	२१	उ	१	५५	सा	२६	३२	ग	१४	२१	३	३७	२३	२	१	२४	कन्यायां	भ.४१उ.वक्रीबुधः९रज्जव७-
४	चं	९	३४	चि	२०	१५	शु	१८	४९	वि	९	३४	५३	३७	२३	३	२	२५	तु.२५।३६	भ.९या.मघा.सिंहेशनिः३६ऋषिपंचमी
५	मं	४	३६	स्वा	५३	३६	शु	१२	५१	बा	४	३६	४९	३८	२२	४	३	२६	तुलायां	[-हरितालिका३ गणेशचतुर्थी
६	बु	२	५५	वि	५५	१२	ब्र	८	४४	तै	२	५५	४६	३९	२१	५	४	२७	वृ.३९।४८	
७	गु	३	१९	अ	५८	३२	ऐं	६	१७	व	३	१९	४३	४०	२०	६	५	२८	वृश्चिके	भ.३।१९उ.३४।२५या.
८	शु	५	३१	ज्ये	६०	०	वै	५	५	ब	५	३१	३८	४०	२०	७	६	२९	वृश्चिके	वक्रीसिंहेबुधः५९।३६
९	श	९	३५	ज्ये	३	३३	वि	५	३८	कौ	९	३५	३४	४१	१९	८	७	३०	ध.३।३३	पूफा.रविः२७बुधास्तःपश्चिमायां३८
१०	र	१४	४६	मू	९	५५	प्री	६	४१	ग	१४	४६	३०	४२	१८	९	८	३१	धनुषि	भ.४७०उ.पूफा.रविःसौरः६०कर्केशुक्रः२६
११	चं	२०	५४	पू	१७	११	आ	८	४७	वि	२०	५४	२६	४३	१७	१०	९	१	म.३४।४	भ ५०या.सितंबर९ता.३०जलझूलनी११
१२	मं	२६	५९	उ	२४	४२	सौ	११	७	बा	२६	५९	२२	४४	१६	११	१०	२	मकरे	उदयंशनेः०।१६वामनजयंती
१३	बु	३३	१६	श्र	३१	२०	शो	१३	४१	कौ	०	७	१८	४४	१६	१२	११	३	मकरे	वक्रीपूफा.बुधः२७पुष्येशुक्रः२९ प्रदोषः
१४	गु	३९	६	ध	३९	३५	अ	१६	३	ग	६	११	१५	४५	१५	१३	१२	४	कुं.५।२७	भ.३९।६उ.अनंत१४
१५	शु	४४	३६	श	४६	२५	सु	१८	५	वि	११	५१	११	४६	१४	१४	१३	५	कुंभे	भ९३यामहालयारंभःकुसंध्या.पूजनारंभः

२०पं.भा.शु.३र.इ. ४०/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	१	२	३	३	४
७	१७	०	२८	२२	२९	२१	७
४४	३९	१७	०	४४	४५	५१	५
२८	५४	४६	२५	२४	५०	१९	३२
७७	३९	३३	८	६४	७	३	५७
४९	१९	व.	२९	३९	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

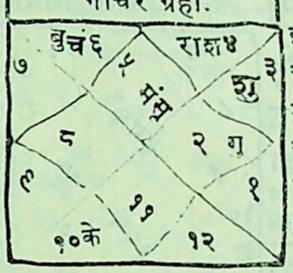

इसमासमेंधान्यगेहूंजौ चना मटरबाजरा मूंग मोठ आदि मंदे हों चांदी सोना लोहा रुई रंग सूत में अच्छी तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

21पं.भा.श.१०र.इ. ४०/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१	३	४	३	४
१४	२२	२८	२८	०	०	२१	१३
३०	६	४०	५७	१३	३९	२९	५०
४	५०	४८	३२	२३	७	३	४४
५८	३९	४३/१५	७	६६	७	३	५७
१	१९	व.	२४	१४	१२	११	५७

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८ इ. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.

१	श	४८	५९	पू	५२	२४	धृ	१९	३७	बा	१६	४७	३१	५	६	१५	१४	६	मी ३५।५४	
२	र	५२	३३	उ	५७	३८	शू	२०	२८	तै	२०	४६	३	४७	१३	१६	१५	७	मीने	उफा.भौमः४७।३०
३	चं	५५	८	रे	६०	०	गं	२०	३५	व	२३	५०	५९	४८	१२	१७	१६	८	मीने	भ.२३।५०उ.५५।८या.
४	मं	५६	३४	रे	१	४३	धृ	१९	५९	ब	२५	५१	५५	४९	११	१८	१७	९	मे.१।४३	मृग३मिथुनेगुरुः४०।४१चतुर्थी व्र.
५	बु	५७	५	अ	४	५५	ध्रु	१८	३०	कौ	२६	४९	५१	५०	१०	१९	१८	१०	मेषे	[=बुधोदयःपूर्वस्यां५७।१०
६	गु	५६	२०	भ	६	५७	व्या	१६	५	ग	२६	४२	४७	५१	९	२०	१९	११	वृ.२२।११	भ.५६।२०उ.
७	शु	५४	३७	कृ	७	५५	ह	१२	५५	वि	२५	२८	४३	५१	९	२१	२०	१२	वृषे	भ.२५।२८या.
८	श	५१	१५	रो	७	३४	व	८	४९	बा	२२	५६	३९	५२	८	२२	२१	१३	मि३६।५१	उफारवि१२(सौरः५३०)कन्यायांभौम१६
९	र	४६	४९	मृ	६	९	सि	३६	५३/४१	तै	१९	२	३५	५३	७	२३	२२	१४	मिथुने	मातृ९ (सौभाग्यवतीनांश्रा.)
१०	चं	४१	४	आ	२५	५५/५०	व	४९	४९	व	१३	५६	३१	५४	६	२४	२३	१५	क.४२।५९	भ.५३उ.४९या.आश्ले.शुक्रः३९=
११	मं	३४	१६	पु	५४	९	प	४१	३७	ब	७	४०	२७	५५	५	२५	२४	१६	कर्के	कन्यायामर्कः३७।४०इदिरा११व्र.
१२	बु	२६	१९	श्ले	४८	१३	शि	३२	२३	कौ	०	१७	२२	५६	४	२६	२५	१७	सिं४८।१३	कन्यार्कःसौरः१९मार्गीबुधः५१प्रदोषः
१३	गु	१७	४९	म	४१	३२	सि	२२	५०	व	१७	४९	१८	५६	४	२७	२६	१८	सिंहे	भ.१७।४९उ.४३।२०या.
१४	शु	८	५१	पू	३४	४६	सा	१२	४९	श	८	५१	१४	५७	३	२८	२७	१९	क.४८।८	सर्वपितृ३०
३०	श	०	२१	उ	२८	१५	शु	२/५६	५९/३३	ना	०	२१	९	५८	२	२९	२८	२०	कन्यायां	नवरात्रारंभःमातामहश्रा.

२२पं.आ.कृ.२र.इ. ४०/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१	३	४	३	४
२१	२६	२२	२९	७	१	२१	२०
१७	२५	३८	४७	५४	३१	६	३७
६	६	२०	२	१४	२६	४८	२४
५८	३९	६१/४२	६	६७	७	३	५८
१३	२६	व.	२७	३१	२	११	१२

गोचर ग्रहाः

आश्विनकृष्णे ११भौमे कन्यायांमर्कः प्रविष्ट. वा४न५गताल्कावस्था (ऊभी)मु ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

23पं.आ.कृ.९र.इ. ३९/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	२	३	४	३	४
२८	१	१७	०	१५	२	२०	२७
५	५	६	२९	४५	२२	४४	२५
२८	६	५४	४९	३५	४४	३२	४०
५८	३९	५५/५२	५	६८	६	३	५८
२६	३६	व.	२०	२६	५०	११	२९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८ | दिं. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३६०स.२०३६

१	श	५२	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	४५	५०	ह	२३	१	ब्र	४४	५८	बा	१९	७	३३ ०	५५ ०	६६ ०	३०	२९	२१	तु.५१।०
३	चं	४०	५२	चि	१८	५७	ऐं	३७	४५	तै	१३	२१	३० ०	५९ ०	६९ ०	२१	१	२२	तुलायां
४	मं	३७	५९	स्वा	१६	३३	वै	३१	४०	व	९	२५	२९ ०	५५ ०	६५ ०	१	२	२३	तुलायां
५	बु	३७	८	वि	१६	२६	वि	२७	३०	ब	७	३४	५२	२	५८	२	३	२४	वृ.१।२८
६	गु	३८	१८	अ	१८	१२	प्री	२५	९	कौ	७	४३	४८	२	५८	३	४	२५	वृश्चिके
७	शु	४१	३८	ज्ये	२२	५	आ	२४	३८	ग	९	५८	४४	३	५७	४	५	२६	ध.२२।५
८	श	४६	२१	मू	२७	३७	सौ	२४	५०	वि	१३	५९	४०	४	५६	५	६	२७	धनुषि
९	र	५२	२८	पू	३४	२६	शो	२६	१९	बा	१९	२४	३६	५	५५	६	७	२८	म.५१।१५
१०	चं	५८	४१	उ	४१	४३	अ	२८	२७	तै	२५	३४	३२	६	५४	७	८	२९	मकरे
११	मं	६०	०	श्र	४९	२८	सु	३०	५४	व	३१	५३	२८	६	५४	८	९	३०	मकरे
११	बु	५	५	ध	५६	४६	धृ	३३	१६	वि	५	५	२३	७	५३	९	१०	१	कुं.२३।७
१२	गु	११	१	श	६०	०	शू	३५	१५	बा	११	१	१९	८	५२	१०	११	२	कुंभे
१३	शु	१६	१८	श	३	४१	गं	३६	४१	तै	१६	१८	१५	९	५१	११	१२	३	मी५३।४
१४	श	२०	१४	पू	९	३१	बृ	३७	१६	व	२०	१४	११	१०	५०	१२	१३	४	मीने
१५	र	२३	८	उ	१४	७	ध्रु	३६	५९	ब	२३	८	७	११	४९	१३	१४	५	मीने

चंद्रदर्शनम्
सावान८
भ.९५उ.३७या.मघा.२शनिः५२०=
[=भा.आश्विनारंभः
[-मघा.सिंहेशुक्रः७।२०
भ.४१।३८उ.हस्तेरविः५०।४६
भ.१३।५९या.हस्तेरविःसौरः३०।५१-
हस्तेभौमः३७आश्ले१राहुःश्रवण.३×
उफा.बुधः५५।११ [×केतुः३९५१
भ.३१।५३उ.पापांकुशा११व्र.स्मा.
भ.५या.पापांकुशा११व्र.वै.+
कन्यायांबुधः४८।११प्रदोषः
[+अक्टूम्बर१०ता.३१[÷कोजागरीव्र.
भ.२०४उ.५१या.शरद्पूर्णिमास्मा.÷
शरद्पूर्णिमावै. का.स्ना.प्रा.

२४ पं.आ.शु.२र.इ. ३९/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	२	३	४	३	५
४	५	१७	१	२३	३	२०	४
५५	३५	३७	३	४१	१२	२२	१५
१९	२८	४४	४०	५६	४	१६	४७
५८	३९	४२/४४	४	६९	६	३	५८
३८	३६	सा	११	२३	३२	११	४५

२५पं.आ.शु ९र.इ. ३९/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	२	४	४	३	५
११	१०	२४	१	१	३	२०	११
४६	८	४९	२८	४८	५९	०	७
५२	२	१२	५५	०	१७	१	४४
५८	३९	८७	३	७०	६	३	५९
५३	३६	५८	२	१३	२०	११	०

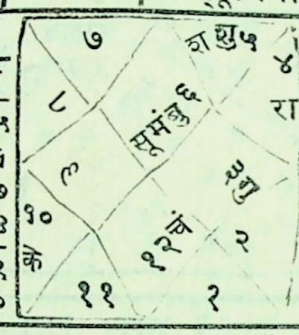

२६पं.आ.शु.१५र.इ. ३९/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	२	४	४	३	५
१८	१४	४	१	९	४	१९	१८
४०	५४	५५	४५	५९	४४	३७	१
५	१४	३७	२२	४२	२०	४५	३१
५९	३९	०/३८	१	७०	६	३	५९
९	४६	३४	३५	५२	१	११	१६

ति. | कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.

१	चं	२४	४७	रे	१७	२९	व्या	३५	४०	कौ	२४	४७	२९ ३	६ ११	५ ४९	१४	१५	६	मे.१७।२९
२	मं	२५	१८	अ	१९	५९	ह	३३	२५	ग	२५	१८	२९ ३	१२	४८	१५	१६	७	मेषे
३	बु	२४	४४	भ	२१	१९	व	३०	२५	वि	२४	४४	५५	१३	४७	१६	१७	८	वृ.३६।२३
४	गु	२३	६	कृ	२१	३४	सि	२६	४१	बा	२३	६	५१	१४	४६	१७	१८	९	वृषे
५	शु	२०	५४	रो	२१	१४	व्य	२३	१०	तै	२०	५४	४७	१५	४५	१८	१९	१०	मि५०।३४
६	श	१७	३९	मृ	१९	५३	व	१७	३	व	१७	३९	४३	१५	४५	१९	२०	११	मिथुने
७	र	१३	५३	आ	१७	५६	प	११	२३	ब	१३	५३	३९	१६	४४	२०	२१	१२	मिथुने
८	चं	९	२५	पु	१५	१६	शि	५/३	५३/४	कौ	९	२५	३५	१७	४३	२१	२२	१३	क.०।५६
९	मं	४	१८	पु	१२	१	सा	५०	३५	ग	४	१८	३१	१८	४२	२२	२३	१४	कर्के
१०	मं	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	बु	५१	५३	श्ले	७	५२	शु	४२	४३	ब	२५	१०	२७	१९	४१	२३	२४	१५	सिं७।५२
१२	गु	४४	५२	म	३/१०	५४/५९	शु	३४	११	कौ	१८	२२	२३	१९	४१	२४	२५	१६	सिंहे
१३	शु	३८	५	उ	५३	८	ब्र	२५	४३	ग	११	२८	२०	२०	४०	२५	२६	१७	कं.११।५८
१४	श	३१	१५	ह	४८	२५	ऐं	१७	१५	वि	४	४०	१६	२१	३९	२६	२७	१८	कन्यायां
३०	र	२५	२३	चि	४४	३३	वै	९	७	ना	२५	२३	१२	२२	३८	२७	२८	१९	तु.१६।३९

बुधास्तः पूर्वस्यां ३९।३१
भ.५५।१उ.
भ.२४/४४या.हस्तेबुधः३५/३७पूफा.शुक्रः२९/४८D
[Dकरक चतुर्थीव्र.
चित्रा.रविः२२।५०
भ.१७/३९उ.४५/४६या.चित्रा.रविःसौरः१/२५
[Aअन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा
[Hमहालक्ष्मीपूजनम् रूप१४
भ.३१/३२उ.५९/२६या.वक्रीगुरुः४७।४४
चित्रा.बुधः२३।२६रमा११व्र.स्मा.
रमा११व्र.वै. [Eप्रदोषः धन१३
भ.३८उ.तुलयामर्कः६/३९(सौरः४४)E
भ.४।४०या.चित्रा.भौमः५२।२६H
तुलायांबुधः१७।२०उफा.शुक्रः३९।६A

२७पं.का.कृ.७र.इ ३९/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	२	४	४	३	५
२५	१९	१८	१	१८	५	१९	२४
३४	१५	३०	५१	१८	२६	१५	५७
५९	१८	२५	५४	१८	४६	३०	१३
५९	३९	५/०	०	७१	५	३	५९
२१	४५	५०	२६	२३	३३	११	३१

गोचर ग्रहाः

कार्तिककृष्णे १३शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावेंसमर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

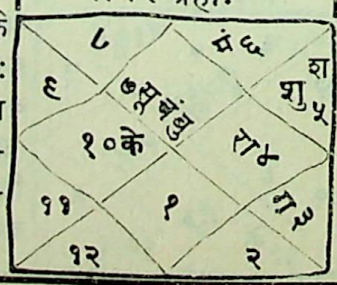

२८पं.का.कृ.३०र.इ. ३९/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	२	४	४	६	६
२	२३	०	१	२६	६	८	१
३१	५०	३८	४९	४०	५	५४	५४
२३	४९	२	१९	४८	१७	५	३६
५९	३९	०/३४	५९	७१	५	३	५९
३४	३७	४९	व.	५०	५	११	४६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९३ शाकः १९५८ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२३८९स.२०३६

१	चं	२०	२८	स्वा	४१	४३	वि	४७	५३	व	२०	२८	२८	२२	३८	२८	२९	२०
२	मं	१७	१९	वि	४०	३७	आ	५०	१७	कौ	१७	१९	४	२३	३७	२९	१	२१
३	बु	१५	५६	अ	४१	१६	सा	४६	४३	ग	१५	५६	०	२४	३६	३०	२	२२
४	गु	१६	२६	ज्ये	४३	५०	शो	४४	४५	वि	१६	२६	२७	२५	३५	१	३	२३
५	शु	१८	५५	मू	४८	२०	अ	४३	५७	बा	१८	५५	५३	२५	३५	२	४	२४
६	श	२३	४	पू	५४	१६	सु	४४	४४	तै	२३	४	४९	२६	३४	३	५	२५
७	र	२८	३७	उ	६०	०	धृ	४६	२३	व	२८	३७	४५	२७	३३	४	६	२६
८	चं	३४	४७	उ	१	९	शू	४९	२६	वि	१	४२	४१	२८	३२	५	७	२७
९	मं	४१	११	श्र	८	४०	गं	५१	५१	बा	७	५९	३७	२९	३१	६	८	२८
१०	बु	४७	१७	ध	१६	१२	बृ	५३	५५	तै	१४	१४	३४	२९	३१	७	९	२९
११	गु	५२	४५	श	२३	१७	ध्रु	५५	३०	व	२०	१	३०	३०	३०	८	१०	३०
१२	शु	५६	४०	पू	२९	२२	व्या	५६	१६	ब	२४	४२	२७	३१	२९	९	११	३१
१३	श	५९	१७	उ	३४	२	ह	५५	४७	कौ	२७	५८	२३	३१	२९	१०	१२	१
१४	र	६०	०	रे	३७	२७	व	५४	११	ग	२९	४५	१९	३२	२८	११	१३	२
१४	चं	०	१४	अ	३९	१०	सि	५१	२७	व	०	१४	१६	३३	२७	१२	१४	३
१५	चं	५९	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

तुलायां	चन्द्रदर्शनम्
वृ.२५।५४	रमजानेभातृ२यम२
वृश्चिके	भ.४६उ.कन्यायांशुक्रः२५।२९
ध.४३।५०	भ.१६या.स्वात्यांरविः४५स्वात्यांबुधः A
धनुषि	स्वात्यांरविःसौर.२५।१२
धनुषि	[A२१।६भा.कार्तिकारंभः
म.१०।५९	भ.२८।३७उ.मघा.३शनिः२४।५
मकरे	भ.१।४२या.गोपाष्टमी
कुं.४२।२६	तुलायांभौमः५७।४०कुष्मांड९अक्षय९
कुंभे	[×प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
कुंभे	भ.२०।१उ.५२।४५या.हस्तेशुक्रः३७×
मी१२।५१	विशा.बुधः३१।३८
मीने	नवम्बर११ता.३०प्रदोषः
मे.३७।२७	वैकु ठ१४
मेषे	भ.१४उ.३०या.मन्वादि.का.स्ना.पू.

२९पं.का.शु.७र.इ. ३८/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	२	५	४	३	६
९	२८	१२	१	५	६	१८	८
२९	२७	१७	३६	८	४१	३०	५३
३८	३२	२४	०	३५	१०	५८	५६
५९	३९	०	२५	७२	४	३	६०
४७	५९	२०	व	१०	४३	११	२

गोचर ग्रहाः

सोमवाराःयदा पञ्च चांद्र मासेभवन्तिहि। धनधान्यंसमृद्धिस्यात् सुखं सर्वत्र सुन्दरम्।। इस मास में मंदी का योग है ।

गोचर ग्रहाः

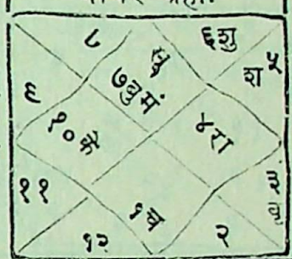

३०पं.का.शु१४र.इ.३८/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	२	५	४	३	६
१६	३	२३	१	१३	७	१८	१५
२९	५	३१	१३	२९	१२	८	५५
२०	४९	५२	३७	१४	५०	४३	०
६०	२९	९९	४१	७२	४	३	६०
४	५२	२०	व	३२	८	११	१८

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः हेमतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेतिमहा.

१	मं	५८	१	भ	३९	३२	व्य	४७	३२	बा	२८	५४	२७	३४	५	१३	१५	४
२	बु	५५	९	कृ	३८	४६	व	४२	४२	तै	२६	३५	९	३४	२६	१४	१६	५
३	गु	५१	२८	रो	३७	७	प	३७	१६	व	२३	१८	५	३५	२५	१५	१७	६
४	शु	४६	५९	मृ	३४	३६	शि	३१	२	ब	१९	१३	२	३६	२४	१६	१८	७
५	श	४२	२८	आ	३१	५०	मि	२४	२६	कौ	१४	४४	२६	३६	२४	१७	१९	८
६	र	३७	४२	पु	२८	५०	सा	१७	४३	ग	१०	५	५५	३७	२३	१८	२०	९
७	चं	३२	५५	पु	२५	४०	शु	१०	४३	वि	५	१८	५२	३८	२२	१९	२१	१०
८	मं	२७	४९	श्ले	२२	२०	शु	४	५१	बा	०	२२	४९	३८	२२	२०	२२	११
९	बु	२२	४३	म	१८	५८	ऐं	४८	१९	ग	२२	४३	४५	३९	२१	२१	२३	१२
१०	गु	१७	२७	पू	१५	३८	वै	४१	३	वि	१७	२७	४२	४०	२०	२२	२४	१३
११	शु	१२	१९	उ	१२	२७	वि	३४	४	बा	१२	१९	३९	४०	२०	२३	२५	१४
१२	श	७	२८	ह	९	१०	प्री	२७	१८	तै	७	२८	३६	४१	१९	२४	२६	१५
१३	र	३	१६	चि	६	४१	आ	२०	५३	व	३	१६	३३	४१	१९	२५	२७	१६
१४	र	५६	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२०	चं	५७	२०	स्वा	४	४०	सौ	१५	४	च	२८	२७	३०	४२	१८	२६	२८	१७

कन्यायां	उत्पत्ति११व्र.
तु.३७।५५	तुलायांशुक्रः५५।५५प्रदोषः
तुलायां	भ.६३उ.३१या.बृश्चिकेऽर्कः१६सौर.५६
वृ.४९।७	ज्येष्ठा.बुधः४२वक्रीमृग२गुरुः५।४

३१पं.मा.कृ.६र.इ.३८। ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	२	५	४	३	६
२३	७	४	०	२२	७	१७	२२
३०	४५	२५	४२	१४	३९	४६	५७
४०	५४	५९	२५	६	५०	२७	३१
६०	३९	९६	५३	७२	३	३	६०
१७	३२	७	व	५०	३२	११	३०

गोचर ग्रहाः

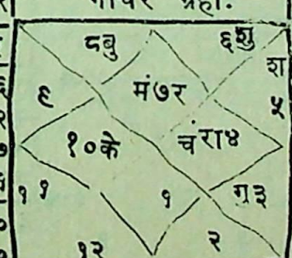

मार्गशीर्ष कृष्णे १३ रवौ बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

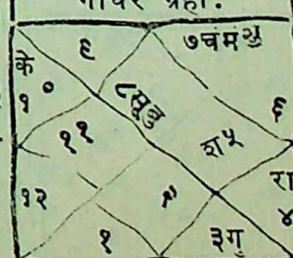

३२पं.मा.कृ.१३र.इ.३८/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	२	६	४	३	७
०	१२	१५	०	०	८	१७	०
३३	२७	१	२	५१	२	२४	१
२२	४०	१	४२	४३	१३	१२	३५
६०	४०	९२	६३	७३	२	३	६०
३०	१६	२२	व	११	४७	११	४०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिथि मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २४१८स.२०३६

१	मं	५६	१५	वि	३	५६	शो	१०	१७	कि	२६	४७	२६/२३	४३	१७	२७	२९	१८	वृश्चिके	
२	बु	५६	५०	अ	४	३७	अ	६	२५	बा	२६	३२	२५	४३	१७	२८	३०	१९	वृश्चिके	अनु.रवि.३/३ सौर:५/३)चंद्रदर्शनम्
३	गु	५९	१२	ज्ये	६	४७	सु	४	६	तै	२८	१	२२	४४	१६	२९	१	२०	ध.६।४७	सव्वाल१०
४	शु	६०	०	मू	१०	२६	धृ	३	१३	व	३१	३	१९	४४	१६	३०	२	२१	धनुषि	भ.३१।३उ.स्वात्यांशुक्रः१७।६
४	श	२	५५	पू	१५	३२	शू	२	५०	वि	२	५५	१७	४५	१५	१	३	२२	म.३२।१०	भ.२।५५या.भा.मार्गशीर्षारंभः
५	र	८	११	उ	२२	२	गं	४	८	बा	८	११	१४	४५	१५	२	४	२३	मकरे	
६	चं	१४	१०	श्र	२९	१६	बृ	५	५५	तै	१४	१०	१२	४६	१४	३	५	२४	मकरे	चंपा६
७	मं	२०	३४	ध	३६	४४	ध्रु	८	७	व	२०	३४	९	४६	१४	४	६	२५	कुं.३।०	भ.२०।३४उ.५३।४७या.
८	बु	२७	०	श	४४	१३	ब्या	१०	२२	ब	२७	०	७	४७	१३	५	७	२६	कुम्भे	मूलेधनुषिबुधः५४।३०
९	गु	३२	४६	पू	५०	५८	ह	१२	१९	कौ	३२	४६	५	४७	१३	६	८	२७	मी३४।१७	विशा.भौम;४६।४८
१०	शु	३७	११	उ	५६	१४	व	१३	२६	तै	४	५८	२	४८	१२	७	९	२८	मीने	
११	श	४०	९	रे	६०	०	सि	१३	२८	व	८	४०	०	४८	१२	८	१०	२९	मीने	भ.४८उ.४९या.मोक्षदा११व्र.गीताजयं
१२	र	४१	९	रे	०	१६	व्य	१२	१२	ब	१०	३९	२५/५८	४८	१२	९	११	३०	मे.०।१६	पुष्य४राहुःश्रवण२केतुः३१।३७
१३	चं	४०	२३	अ	२	११	व	९	३५	कौ	१०	४६	५६	४९	११	१०	१२	१	मेषे	दिसम्बर१२ता.३१प्रदोषः
१४	मं	३७	५४	भ	२	२६	प	२५/५५	३४	ग	९	८	५४	४९	११	११	१३	२	वृ.१७।४	भ.३७/४उ.ज्येष्ठारविः३/३७विशा.शुक्र४/३९
१५	बु	३३	५३	कृ	१/०	५७/१६	सि	५३	२६	वि	५	५३	५३	४९	११	१२	१४	३	वृषे	भ.५३या.ज्येष्ठारविःसौरः३/५दत्तजयं.

३३पं.मा.शु.५र.इ. ३८/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	१	६	४	३	७
७	१७	२५	२९	९	८	१७	७
३७	१०	१५	१६	३२	२०	१	७
१६	४१	५४	८	२०	१३	५६	८
६०	४०	८६	४/६	७३	२	३	६०
४२	१६	१७	व	२०	५	११	५३

गोचर ग्रहाः

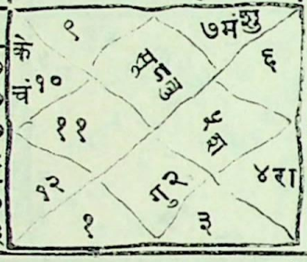

इस मास में धान्य गल्ला सोना चांदी रुई सण तिल वार-दाना कपास मंदी रहे गुड सक्कर घृत नमक चीनी तेज रहे

गोचर ग्रहाः

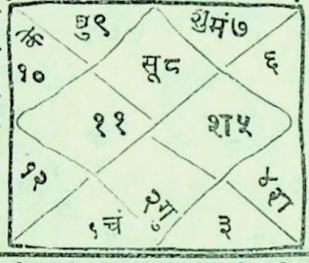

३४पं.मा.शु.१२र.इ. ३७/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	१	६	४	३	७
१४	२१	४	२८	१८	८	१६	१४
४२	५५	५२	२३	१४	३२	३९	१३
२९	१	१	३८	४२	४९	४०	५४
६०	४०	७६	३७/३४	७३	१	३	६१
५०	२०	३४	व	३२	२५	११	३

तिथि पौष कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.

१	गु	२८	४१	मृ	५४	१९	सा	४५	५२	बा	१	८	२५/५१	५०	१०/५	१३	१५	४	मि२६।१७	
२	शु	२२	४५	आ	५०	१	शु	३७	५२	ग	२२	४५	४९	५०	१०	१४	१६	५	मिथुने	भ.४९।३२उ.
३	श	१६	२०	पु	४५	२९	शु	२९	३५	वि	१६	२०	४८	५०	१०	१५	१७	६	क.३१।३७	भ.१६।२०या.चतुर्थीव्र.
४	र	९	५९	पु	४०	५५	ब्र	२१	१८	ग्रा	९	५९	४६	५१	९	१६	१८	७	कर्के	
५	चं	३	५०	श्ले	३६	४०	ऐं	१३	१९	तै	३	५०	४५	५१	९	१७	१९	८	सिं३६।४०	भ.५८।७उ.पूषा.बुधः७।०
६	चं	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=बृश्चिकेभौमः२४।३८
७	मं	५२	५५	म	३२	५१	वै	३९/५५	५२	वि	२५	३१	४४	५१	९	१८	२०	९	सिंहे	भ.२५।३१या.
८	बु	४८	८	पू	२९	२५	प्री	५१	५४	बा	२०	३१	४३	५१	९	१९	२१	१०	कं.४३।४६	बृश्चिकेशुक्रः४।५
९	गु	४४	१	उ	२६	४७	आ	४६	३	तै	१६	४	४२	५२	८	२०	२२	११	कन्यायां	[÷सफला११व्र.
१०	शु	४०	३५	ह	२४	४५	सौ	३९	५६	व	१२	१८	४१	५२	८	२१	२३	१२	तु.५४।११	भ.१२/८उ.३/५या अनु.शुक्रः४१।२७ =
११	श	३७	५१	चि	२३	३७	शो	३३	४७	ब	९	१२	४०	५२	८	२२	२४	१३	तुलायां	वक्रीमृग.१गुरु ५/९वक्रीशनिः१९।४५÷
१२	र	३५	५४	स्वा	२२	५४	अ	२९	५	कौ	६	५२	३९	५२	८	२३	२५	१४	तुलायां	वक्रीबुधः५९।५६
१३	चं	३४	५६	वि	२३	१४	सु	२५	१५	ग	५	२५	३९	५२	८	२४	२६	१५	वृ.८।९	भ.३/५उ.मूलेधनुष्यर्कः४१।२प्रदोषः
१४	मं	३५	२	अ	२४	४८	धृ	२२	४	वि	४	५९	२८	५२	८	२५	२७	१६	वृश्चिके	भ.५९या.मूलेधनुष्यर्कःसौरः५।२५
२०	बु	३६	२१	ज्ये	२७	१९	शू	१९	५९	च	५	४१	२८	५२	८	२६	२८	१७	ध.२७।१९	अनु.भौमः२०।३४

३५पं.पौ.कृ.४र.इ. ३७/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	१	६	४	३	७
२१	२६	१२	२७	२६	८	१६	२१
४८	४	५३	२७	५८	३९	१७	२१
३२	२४	१३	२२	२६	१८	२५	३४
६०	४०	५४	५/२	७३	०	३	६१
५६	१३	५८	व.	४४	४४	११	११

गोचर ग्रहाः

पोष कृष्णे १३ चन्द्रे धनुष्यर्कःप्रविष्टः वा २न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

३६पं.पौ.कृ.१२र.इ. ३७/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	१	७	४	३	७
२८	१	१६	२६	५	८	१५	२८
५५	२९	३९	२९	४२	४१	५५	३०
२६	४९	५८	४९	५०	६	९	१७
६१	४०	४	५/२	७३	१०/०	३	६१
०	३३	२३	व.	५०	व	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. पौष शुक्लपक्षः सं० २०९३ शाकः १९५८ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | हिमंतर्तूरविदं क्षिणेऽहर्गणः २४४८स २०३६

१	गु	३९	८	मू	३०	५८	गं	१९	७	किं	७	४४	२५	५३	७	२७	२९	१८	धनुषि
२	शु	४३	८	पू	३५	५६	बृ	१८	३२	बा	११	८	३७	५३	७	२८	३०	१९	म.५२।३१
३	श	४८	२६	उ	४२	१६	ध्रु	१९	१७	तै	१५	४७	३६	५३	७	२९	१	२०	मकरे
४	र	५४	२१	श्र	४९	९	व्या	२०	३८	व	२१	२३	३६	५३	७	३०	२	२१	मकरे
५	चं	६०	०	ध	५६	४१	ह	२२	३९	ब	२७	३५	३६	५३	७	१	३	२२	कुं.२२।५५
६	मं	०	५०	श	६०	०	व	२५	४	बा	०	५०	३६	५३	७	२	४	२३	कुम्भे
७	बु	७	२३	श	४	१९	सि	२७	२६	तै	७	२३	३७	५३	७	३	५	२४	मी५४।४८
८	गु	१३	३२	पू	११	३७	व्य	२९	१३	व	१३	३२	३७	५३	७	४	६	२५	मीने
९	शु	१८	३७	उ	१८	०	व	३०	५	ब	१८	३७	३७	५३	७	५	७	२६	मीने
१०	श	२२	२२	रे	२२	५८	व	२९	५६	कौ	२२	२२	३८	५२	८	६	८	२७	मे.२२।५८
११	र	२४	१४	अ	२६	५	शि	२८	२२	ग	२४	१४	३८	५२	८	७	९	२८	मेषे
१२	चं	२४	९	भ	२७	२०	सि	२५	९	वि	२४	९	३९	५२	८	८	१०	२९	बृ.४२।९
१३	मं	२१	५८	कृ	२६	३८	सा	२०	२६	बा	२१	५८	४०	५२	८	९	११	३०	वृषे
१४	बु	१७	४९	रो	२३	५५	शु	१४	११	तै	१७	४९	४१	५२	८	१०	१२	३१	मि५१।४६
१५	गु	१२	७	मृ	१९	३८	शु	२९	५१	व	१२	७	४२	५२	८	११	१३	१	मिथुने
१५	शु	४	५८	आ	१४	१७	ऐं	४८	१२	ब	४	५८	४३	५१	९	१२	१४	२	क.५४।३८

भ.१२उ.३९या.जनवरी १ता.३१ + मूलेधनुषिशुक्रः ५८मा.स्ना.प्रा.

३७पं.पौ.शु.४र.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१	७	४	३	८
६	६	१२	२५	१४	८	१५	५
३	१९	२४	३३	२९	३७	३२	३९
०	१	२५	२५	२	३०	५४	४२
६१	४०	८४	४७	७३	५९	३	६१
४	३८	व	व	५६	व	११	२२

गोचर ग्रहाः

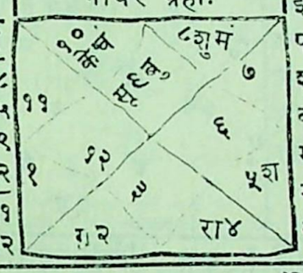

इस मास की कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल मक्का में मंदी करे सोना चांदी तेज हो

गोचर ग्रहाः

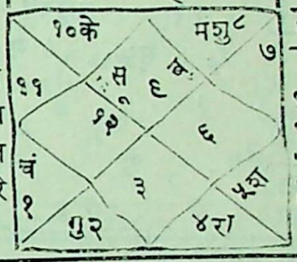

३८पं.पौ.शु.१०र.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१	७	४	३	८
१३	११	२	२४	२३	८	१५	१२
१०	९	४२	३४	१४	२७	१०	४९
५९	५४	१३	३४	५६	५८	२८	३९
६१	४०	५३	५०	७४	१८	३	६१
६	५२	व	व	२	व	११	२६

ति. माघ कृष्णपक्षः सं० २०९३ शाकः १९५८ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.

१	शु	५२	१०		०	०		०	०		०	०		०	०		०	०	
२	श	४८	५८	पु	८	५	वे	३८	२५	तै	२३	३	२५	५६	९	१३	१५	३	कर्के
३	र	४०	५२	पु	४०	५१	वि	२८	४०	व	१४	५५	४५	५१	९	१४	१६	४	सिं५५।३१
४	चं	३३	१२	म	४९	५१	प्री	१९	१२	बृ	७	२	४७	५१	९	१५	१७	५	सिंहे
५	मं	२६	२५	पू	४५	८	आ	१०	१३	तै	२६	२५	४८	५०	१०	१६	१८	६	कं.५९।१३
६	बु	२०	३४	उ	४१	२७	सौ	३५	५२	व	२०	३४	५०	५०	१०	१७	१९	७	कन्यायां
७	गु	१५	५८	ह	३८	५२	अ	४८	३५	व	१५	५८	५२	५०	१०	१८	२०	८	कन्यायां
८	शु	१२	२५	चि	३७	३४	सु	४३	२१	कौ	१२	२५	५३	४९	११	१९	२१	९	तु.८।१३
९	श	१०	१६	स्वा	३७	२६	धृ	३९	३	ग	१०	१६	५५	४९	११	२०	२२	१०	तुलायां
१०	र	९	१५	वि	३८	२५	शू	३५	३७	वि	९	१५	५७	४९	११	२१	२३	११	वृ.२३।१०
११	चं	९	२२	अ	४०	४८	गं	३३	१८	बा	९	२२	५९	४८	१२	२२	२४	१२	वृश्चिके
१२	मं	१०	४६	ज्ये	४४	८	वृ	३१	४९	तै	१०	४६	२६	४८	१२	२३	२५	१३	धा.४४।८
१३	बु	१३	१३	मू	४८	४०	ध्रु	३१	३१	व	१३	१३	४	४७	१३	२४	२६	१४	धनुषि
१४	गु	१६	४५	पू	५४	०	व्या	३१	३२	श	१६	४५	६	४७	१३	२५	२७	१५	धनुषि
२०	शु	२१	२०	उ	६०	०	ह	३२	२५	ना	२१	२०	८	४६	१४	२६	२८	१६	म.१०।३५

भ.५४उ.५२या.मार्गीबुधः १६।४ ज्येष्ठाभौमः ३१।६चतुर्थीव्र. भ.२०।३४उ.४८।१६या. वक्रीरोहि.४गुरुः ३७।५ भ.३९।४५उ.उषा.रविः५१।१६ भ.९।१५या.उषा.रवि.सौरः८।३० षट्तिला११व्र. पूषा.शुक्रः४१।२८प्रदोषः भ.१३।१३उ.४५।०या.मकरेऽर्कः × [×७।१५(सौरः २३।५७)

३९पं.मा.कृ.३र.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१	८	४	३	८
२०	१६	०	२३	२	८	१४	१९
१९	३	१५	५१	१	१३	४८	५९
५	११	५४	४	४१	३४	२२	३१
६१	४१	४	६	७४	१६	३	६१
६१	मा	व	८	व	११	२६	

गोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे १३ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३प्रगल्भावस्था (सूती) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

४०पं.मा.कृ.१०र.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१	८	४	३	८
२७	२०	३	२३	१०	७	१४	२७
२७	५७	५८	९	४६	५४	२६	९
७	३६	४४	१८	७	२५	७	२३
६१	४१	४६	२५	७४	५६	३	६१
६	२	११	व	१४	व	११	२४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिररर्तूरविरुत्तरेऽर्हर्गणः २४७८सं. २०३७
१	श	२६	५१	उ	०	२०	व	३३	४६	ब	२६	५१	२६	४६	१४	२७	२९	१७	मकरे	
२	र	३२	४८	श्र	७	८	सि	३५	४३	कौ	३२	४८	१३	४५	१५	२८	३०	१८	कुं.४०।५५	चन्द्रदर्शनम्
३	चं	३९	१९	ध	१४	४१	व्य	३७	५८	तै	५	३	१६	४५	१५	२९	१	१९	कुंभे	जिल्हेज १२
४	मं	४५	५४	श	२२	१६	व	४०	८	व	१२	३६	१९	४४	१६	३०	२	२०	कुम्भे	भ.१२ उ.५५ या.अभि.प्र.रविः ४१ +
५	बु	५२	२०	पू	२९	५९	प	४२	३७	व	१९	७	२१	४४	१६	१	३	२१	मी १३।३	भा.माघारंभः वसंत ५
६	गु	५७	४७	उ	३६	५७	शि	४४	१७	कौ	२५	३	२४	४३	१७	२	४	२२	मीने	[+(सौरः ५५।२८, पूषा.बुधः ३२।३२
७	शु	६०	०	रे	४२	५५	सि	४५	१	ग	३०	३	२७	४३	१७	३	५	२३	मे.४२।५५	श्रवणे रविः ५६।१८ भानु ७ रथ ७
७	श	२	२०	अ	४७	२९	सा	४४	४०	व	२	२०	२९	४२	१८	४	६	२४	मेषे	भ.२० उ.३३ या.श्रवणे रविः सौरः १२ =
८	र	५	११	भ	५०	१७	शु	४२	५२	ब	५	११	३२	४२	१८	५	७	२५	मेषे	अभि.नि.रविः सौरः २।३१
९	चं	६	२२	कृ	५१	१३	शु	३९	३१	कौ	९	२२	३५	४१	१९	६	८	२६	वृ.५।३१	मकरे शुक्रः ५६।११
१०	मं	५	२२	रो	५०	६	ब्र	३४	३६	ग	५	२२	३८	४०	२०	७	९	२७	वृषे	भ ३३ उ.पातस्पर्शः २१ पातमोक्षः ४९
११	बु	२	२३	मृ	४६	५४	ऐं	२७	५८	वि	२	२३	४१	४०	२०	८	१०	२८	मि १८।३०	भ.२।२३ या.जया ११ ब्र.
१२	बु	५४	५२		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=अभि.नि.रविः ४३ ६ उषा.शुक्रः १५ ×
१३	गु	५०	२८	आ	४१	५८	वै	१९	५०	कौ	२३	५१	४५	३९	२१	९	११	२९	मिथुने	प्रदोषः [×मूलेधनुषि भौमः २२ भीष्मा.
१४	शु	४२	१७	पु	३५	३९	वि	१०	३५	ग	१६	४०	४८	३८	२२	१०	१२	३०	क.२२।१४	भ.४२ उ.उषा.बुध २६ वक्री मघा २श.४०
१५	श	३३	१४	पु	२८	२६	प्री	१९	४९	वि	७	४५	५१	३८	२२	११	१३	३१	कर्के	भ.४५ या.खग्रास चंद्रग्रहणम् मा.स्ना.पू.

४१पं.मा.शु.२र इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	१	८	४	३	९
४	२५	११	२२	१९	७	१४	४
२४	५३	१०	२४	२५	२१	३	१८
५९	४२	८	४१	१७	१	५१	५२
६१	४१	६७	४	७४	३	३	६१
३	५	२८	व	२०	व	११	१९

गोचर ग्रहाः

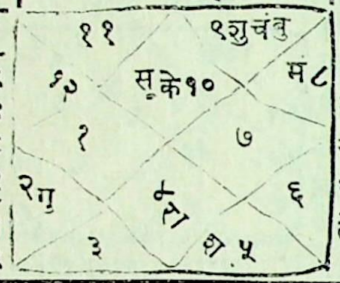

इस मासमें ५शनिवार अशुभ है धान्यबाजरा मूंग मोठ चना चावल गेहूं रसकस कपास रुई रंग सोना चांदी तेज रहे।

गोचर ग्रहाः

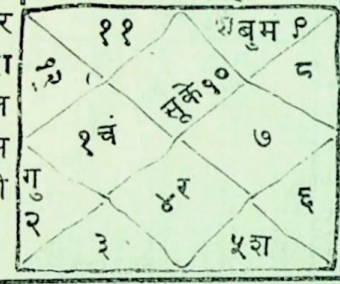

४२पं.मा.शु.८र.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	१	८	४	३	९
११	०	२०	२२	२८	७	१३	११
४२	५१	५	९	२१	३	४१	२७
२९	१८	४२	४७	५४	५८	३६	४३
६०	४१	८०	५०	७४	५८	३	६१
५९	१०	३०	व	२६	व	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	र	२३	४५	श्ले	२०	४९	सौ	३८	४०	कौ	२३	४५	२६	३६	२३	१२	१४	१	सिं २०।४९	पुष्य ३ राहुः श्रवण १ केतुः २४ फरवरी =
२	चं	१४	२६	म	१३	२०	शो	२८	७	ग	१४	२६	५८	३६	२४	१३	१५	२	सिंहे	भ.४०।५उ. [=२ता.२८
३	मं	५	४३	पू	६	३५	अ	१८	७	वि	५	४३	२७	३६	२४	१४	१६	३	क.२०।८	भ.५।४३ या.श्रवणे शुक्रः ५७ चतुर्थीव्र.
४	मं	५२	४		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	बु	५१	२५	उ	४७	२४	सु	८	५६	कौ	२४	३६	५	३५	२५	१५	१७	४	कन्यायां	मकरे बुधः ४५।३
६	गु	४६	३१	चि	५३	२४	धृ	१०	२९	ग	१८	५८	८	३४	२६	१६	१८	५	तु.२४।४७	भ.४६।३१उ.
७	शु	४३	२७	स्वा	५२	२१	गं	४९	३१	वि	१४	५९	१२	३४	२६	१७	१९	६	तुलायां	भ.५९ या.धनि.रविः ३९ (सौरः १७) +
८	श	४२	२	वि	५२	५०	वृ	४५	४३	बा	१२	४४	१५	३३	२७	१८	२०	७	वृ.३७।४३	मार्गी गुरुः ५३।३९ पातमोक्षः ५।३१
९	र	४२	४९	अ	५५	८	धु	४३	१४	तै	१२	२५	१९	३२	२८	१९	२१	८	वृश्चिके	श्रवणे बुधः २० [+पातस्पर्शः ४७।५
१०	चं	४४	२	ज्ये	५८	३९	व्या	४२	०	व	१३	२५	२३	३१	२९	२०	२२	९	ध.५८।३९	भ.१३ उ.४४ या.शुक्रास्तः पूर्वस्यां ३९
११	मं	४७	९	मू	६०	०	ह	४१	५८	ब	१५	३५	२७	३१	२९	२१	२३	१०	धनुषि	विजया ११ व्र.
१२	बु	५१	३८	मू	३	३४	व	४२	२०	कौ	१९	२३	३०	३०	३०	२२	२४	११	धनुषि	[Λपूषा.भौमः १४।१४ प्रदोषः
१३	गु	५६	४५	पू	९	३६	सि	४३	४०	ग	२४	११	३४	२९	३१	२३	२५	१२	म.२६।१६	भ.५६ उ.कुं भेऽर्कः ३९ (सौरः ५१) A
१४	शु	६०	०	उ	१६	१७	व्य	४५	३४	वि	२९	४३	३८	२८	३२	२४	२६	१३	मकरे	भ.२९ या.बुधास्तः पूर्वस्यां १०।५८–
१४	श	२	४१	श्र	२३	२३	व	४७	३६	श	२	४१	४१	२८	३२	२५	२७	१४	कुं.५७।७	धनि.शुक्रः ३३।५७
२०	र	८	५७	ध	३०	५०	प	४९	४७	ना	८	५७	४५	२७	३३	२६	२८	१५	कुम्भे	[–महाशिवरात्रीव्र.

४३पं.फा.कृ.१र.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	१	९	४	३	९
१८	५	२९	२१	७	६	१३	१८
४९	५०	१५	५४	८	३३	१९	३५
१	६	१९	११	६	२५	२०	५१
६०	४१	८९	२६ व	७४	१६ व	३	६१
५५	८	४६	२६	व	११	४	८

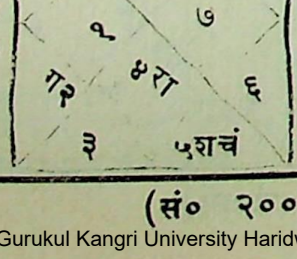

४४पं.फा.कृ.९र.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१	९	४	३	९
२५	१०	१०	२१	१५	६	१२	२५
५४	५०	२७	४८	२४	१	५७	४२
५०	३८	४३	४०	२९	१	४	३८
६०	४१	९७	०	७४	३४	३	६०
४७	२०	२१	१०	२६	व	११	५५

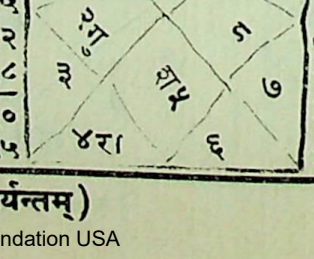

४५पं.फा.कृ.३०र.इ. ३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	१	९	४	३	१०
२	१५	२१	२१	२४	५	१२	२
५९	५१	४४	५२	३९	२७	३४	४८
४२	३६	४९	४४	७	४७	४९	४०
६०	४१	८०	१	७४	४०	३	६०
३७	३४	३७	१५	३२	व	११	४२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९३ शाकः १९५८ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽर्हर्गण२५०८स२०३७

१	चं	१५	१३	श	३८	२९	शि	५२	२	ब	१५	१३	२७	२६	३५	२७	२९	१६	कुंभे	धनि.बुध ३२।४५चंद्रदर्शनम्
२	मं	२१	४१	पू	४५	५७	सि	५४	१७	कौ	२१	४१	५३	२५	३५	२८	११	१७	मी२९।५	मोहोरम१सन्१४५९हि.फुलरिया२
३	बु	२७	५२	उ	५३	२	सा	५५	४७	ग	२७	५२	५६	२५	३५	२९	२	१८	मीने	
४	गु	३३	२४	रे	५९	१३	शु	५७	२	व	०	३८	२८	२४	३६	३०	३	१९	मे.५९।१३	भ.३८उ.३३या.शतेरविः१६(सौर.+
५	शु	३८	६	अ	६०	०	शु	५७	३९	ब	५	४५	४	२	३	३७	१	४	२०	मेषे कुंभेबुधः३३।१९भा.फाल्गुनारंभः
६	श	४१	२८	अ	४	४६	ब्र	५६	५६	कौ	९	४७	८	२२	३८	२	५	२१	मेषे	[+२६।५४)कुंभेशुक्रः५१।५७
७	र	४३	३०	भ	८	४३	ऐं	५५	०	ग	१२	२९	१२	२२	३८	३	६	२२	वृ.२४।१९	भ.४३।३०उ.
८	चं	४३	४५	कृ	११	७	वै	५१	४३	वि	१३	३७	१६	२१	३९	४	७	२३	वृषे	भ.१३।३७या होलाष्टकम्
९	मं	४२	१४	रो	११	५३	वि	४६	५२	बा	१२	५९	२०	२०	४०	५	८	२४	मि४१।२०	शतेबुधः१३।३२
१०	बु	३८	४७	मृ	१०	४७	प्री	४०	३४	तै	१०	३०	२४	१९	४१	६	९	२५	मिथुने	शतेशुक्र १३।५८
११	गु	३३	२३	आ	७	४२	आ	३२	४४	व	६	५	२८	१८	४२	७	१०	२६	क.४९।२	भ.६।५उ.३३।२३या.आमलकी११व्र.
१२	शु	२६	२२	पु	४९	५४	सौ	२३	४५	बा	२६	२२	३२	१८	४२	८	११	२७	कर्के	प्रदोषः
१३	श	१७	५७	श्ले	४९	३२	शो	१३	३४	तै	१७	५७	३६	१७	४३	९	१२	२८	सिं४९।३२	
१४	र	८	३४	म	४१	२९	अ	४९	४४	व	८	३४	४०	१६	४४	१०	१३	१	सिंहे	भ.८।३४उ.३३।३९या.मार्च ३ता.=
१५	र	५०	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=३१होलिकादहनम्भद्रोत्तरम्

४६पं.फा.शु.७र.इ.३७/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	१	१०	४	३	१०
१०	२०	३	२२	३	४	१२	९
३	५५	४६	६	२६	५३	१२	५३
१४	२६	२३	१४	६	२	३३	१४
६०	४०	०/०	२	७४	४/०	३	६०
२१	३२	५४	४०	३२	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

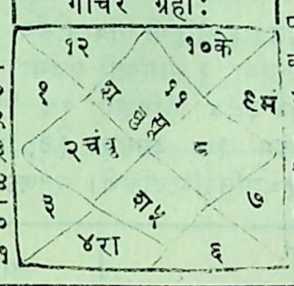

फाल्गुनकृष्णे१३ गुरौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३प्रगल्भावस्था (बैठी)मु ४५धान्यादिभावेसमर्घताशुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

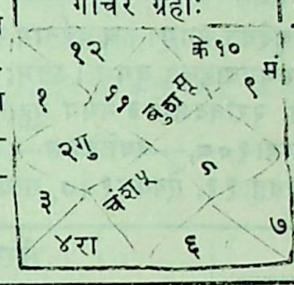

४७पं.फा.शु.१४र.इ.३८/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	१	१०	४	३	१०
१७	२६	१६	२२	१२	४	११	१६
५	०	२५	२९	११	१९	५०	५६
२८	१४	१६	२८	२८	५२	१८	१०
६०	४१	२/०	३	७४	२/०	३	६०
१२	४२	१५	५९	३२	व	११	२०

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८ दि. उ. अ. भा. मु. इं चन्द्रः वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.

१	चं	४८	५३	पू	३३	३२	धृ	४०	३१	बा	२३	४८	२८/४	१५/४	४५/५	११	१४	२	कं.४६।४२	उषा.भौमः३५।२४वसंत१छारेंडी
२	मं	३९	३८	उ	२६	११	शू	२९	५८	तै	१४	१५	४८	१४	४६	१२	१५	३	कन्यायां	पूभा.बुधः३०।४०
३	बु	३१	१४	ह	१९	४७	गं	२०	२३	व	५	२६	५२	१४	४६	१३	१६	४	तु.४७।१५	भ.२९/५उ.३१/५४या.पूभा.रविः३२/२०(सौरः×
४	गु	२४	३१	चि	१४	४३	वृ	१२	७	बा	२४	३१	५६	१३	४७	१४	१७	५	तुलायां	[×४१।११)चतुर्थीव्र.
५	शु	१९	४१	स्वा	११	३७	धु	९/८	५४/५०	तै	१९	४१	२९/५	१२	४८	१५	१८	६	वृ.५५।३८	
६	श	१६	५२	वि	१०	१९	ह	५६	१४	व	१६	५२	५	११	४९	१६	१९	७	वृश्चिके	भ.५/३उ.४/३या.पूभा.शुक्रः५३।४५
७	र	१६	१०	अ	११	१०	व	५४	२०	ब	१६	१०	९	१०	५०	१७	२०	८	वृश्चिके	मीने बुधः३/२मकरेभौमः४।३९
८	चं	१७	१७	ज्ये	१४	१	सि	५३	३७	कौ	१७	१७	१३	९	५१	१८	२१	९	ध.१४।१	शीतलापूजनम्
९	मं	२०	१५	मू	१८	३२	व्य	५४	१६	ग	२०	१५	१७	९	५१	१९	२२	१०	धनुषि	भ.५२।२७उ.उभा.बुधः२१।४४
१०	बु	२४	३९	पू	२४	२८	व	५५	२९	वि	२४	३९	२१	८	५२	२०	२३	११	म.४१।१२	भ.२४।३९या.
११	गु	३०	१०	उ	३१	२३	प	५७	३४	बा	३०	१०	२६	७	५३	२१	२४	१२	मकरे	मृग१गुरुः१३।५७पापमोचनी११व्र.
१२	शु	३६	२०	अ	३८	४०	शि	५९	४८	कौ	३	१५	३०	६	५४	२२	२५	१३	मकरे	
१३	श	४२	४६	ध	४६	२३	सि	६०	०	ग	९	३३	३४	५	५५	२३	२६	१४	कुं.१२।३१	भ.४/६उ.मीनेऽर्कः३/०सौर.४/३१प्रदोषः
१४	र	४९	३	श	५३	५८	सि	२	१५	वि	१५	५४	३८	४	५६	२४	२७	१५	कुंभे	भ.५/४या.मीनेशुक्रः५/८वक्रीमघा१श.५७
२०	चं	५६	१८	पू	६०	०	सा	४	३०	च	२२	४१	४३	३	५७	२५	२८	१६	मी४४।२९	बुधोदयःपश्चिमायां१३।२९मन्वादिः

४८पं.चै.कृ.७र.इ.३८/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	१	१०	४	३	१०
२४	१२	२९	२३	२०	३	११	२३
६	५	५९	१	५५	४८	२८	५७
१४	६	५६	२४	३७	०	२	३३
५९	४१	०/०	५	७४	१/०	३	६०
५८	३७	३१	८	३६	व	११	६

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे १३ शनौ मीनेऽर्कः प्रविष्टःवा.३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

४९पं.चै.कृ.१४र.इ.५/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	१	१०	४	३	११
१	६	१३	२३	२९	३	११	०
५	११	३६	४१	३९	१८	५	५७
३१	४९	३२	२	४३	४७	४६	१५
५९	४१	०/०	६	७४	५/३	३	५९
४१	३७	५३	१८	३८	व	११	४९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

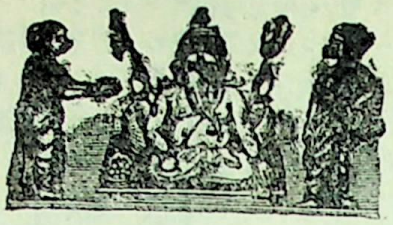

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३८, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१३८, भोग्यकलिः ४२६८६२ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०९४, शाकः १९५९, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः। मंत्री चंद्रः। सस्येशो गुरुः। धान्येशो भौमः। मेघेशश्चंद्रः। रसेशः शनिः। नीरसेशः शनिः। फलेशो रविः। धनेशो बुधः। दुर्गेशो रविः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये ब्रह्म-विंशतिकायां ५ प्रजापतिनाम संवत्सरःप्रवर्तते। तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ३।९।२१।३३।० भोग्यमासादिः ८।२०।३८।२६।० विष्णुदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम मार्गशीर्षः।मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासःसंधौ समयनिवासो वैश्य गृहे। समय विश्वा१८ समयवाहनम् बृषभः। स्तंभः१ वायोः। सोमवत्यमा १ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी २रविदशमी३ समय मुहूर्ताः ३४५ समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९६ खपतिविश्वा१०८, वर्षाविश्वा १३, धान्यम् १३, तृणम् १७, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१२७, सत्यम्।। धर्मं १।।,पापं १८शनिदृष्टिदक्षिणे। ग्रहणऽभावः।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	८	२	५	१४	२	५
ख.	१४	८	५	२	१४	५

भैरव भवानी सम्वाद

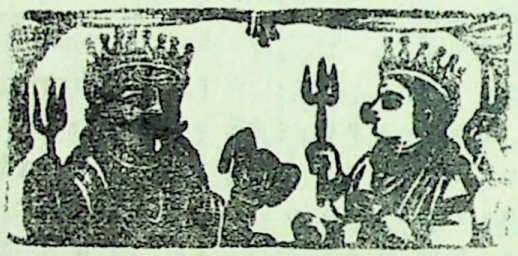

भैरव प्रश्न

जगदंबा का ध्यान धर भैरव करे पुकार ।
आया साल चौराणवे कहिये फल विस्तार ।।

भवानी उत्तर

चारों दिशा चौराणवे मांचे घणां बबाल ।
चौर दस्यु अरु अग्निभय धनपति हो कंगाल ।।
भूमि तनय नृप बर्ष में जग में मांचे शोर ।
मेघाडंबर देखकर घणां बोल सी मोर ।।
रोहिणी वासो संधि में स्तंभ लगा है एक ।
वायु चले उतावली तेजी होय विशेषः ।।
प्रजापती संवत् हआ करे प्रजा की सहाय ।
शर्म्मा का यह कथन है भली करे यदुराय ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	२	८	११	१४	१४	११
ख.	८	१४	५	१४	१४	५

वर्ष लग्नम् १०।२

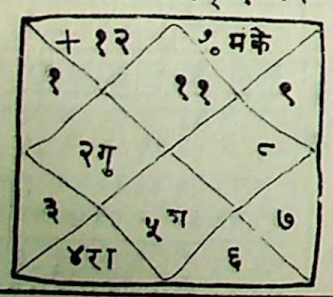

वर्षेश लग्नम् १०।२४

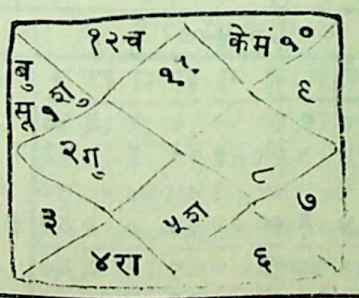

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२१।३४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् ॥ भौमे नृपे वन्हि भयं जन क्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहं च । दुःखं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयो मुंचति वारिवाहः ।। मंत्री चन्द्रः फलम् ।। शशिनि मंत्रिगते बहु सस्यवत्यपि धरा रमते सुख मंडिता । वियति वारि धरा बहु वर्षिणो जनपदाः सुखराशि सुशोभिताः ।। सस्येशो गुरुः फलम् ।। कणपतौ सुरराजपुरोहिते सकल सौख्यकरः श्रुतिपूर्वकाः । जलधरा जलदा बहु सस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै ।। धान्येशो भौमस्तत्फलम् ।। भूमिजे ग्रीष्म धान्येशे ग्रीष्म धान्य महर्घकम् । शालीक्षु घृत तैलादि महर्घाणि भवंति च ।। मेघेशश्चन्द्रस्तत्फलम् ।। शशिनि तोयदपे यदि गो महिष्यजखरादिषु दुग्ध रसं तदा । फलवती घन धान्यवती धरा विविध भोगवती ननुभामिनी ।। रसेशो शनिः फलम् ।। रविसुते रसपे रस संक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गजवाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषु नरा न रसैर्युताः ।। नीरसेशः शनिः फलम् ।। अयः पिण्डादि लोहानां कृष्णवस्त्रादि वस्तुनां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसनायके ।। फलेशः रविः फलम् ।। द्रुमवती वर पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता । बहु जल जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो बुधः फलम् ।; द्रविणपो हिम रश्मिसुतो यदि विविध संग्रह वस्तु फलार्थदा । द्विजवरा जप यज्ञसुसंयुताः कृषि विशेष विशेषित मानसाः । दुर्गेशः रविः फलम् ।। नय विशेष करस्तरणिस्तदा गतभया नरराज पुरोगमाः । समधिको न तदा नृपजोन्यजः स्वपथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ।। प्रजापति नाम संवत्सरः फलम ।। न चलन्त्यखिला लोकाः स्व स्व मार्गात् कथंचन अब्दे प्रजापतेर्नूनं बहु सस्यार्घ बृष्टयः ।। वर्षनाम मार्गशीर्षः फलम् ।। कार्पासादि महर्घं स्याद्गोधूमाणतिलादिकम् । मेघो वर्षति देवो वा मार्गशीर्षे विशेषतः ।। मेघनाम संवर्त फलम् ।। संवर्ते जल पूरिता ।। रोहिणी निवासः संघौ फलम् ।। खंडवृष्टिश्च संधिषु ।। समय निवासः वैश्य गृहे फलम् ।। वणिग्गृहे शुभं नास्ति । ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०९४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ११ रवौ उफा ल. ९-१२ रे. ९ ।।।।।।।।ऽ।
(धनुषिगु.पू.) गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, १२ चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो ९ (गु.पू.) १२
(चं.पू.) रे. ८ ।।।।।ऽनृऽ।।।

कार्तिक मासः

शुक्ला ११ बुधे रेव ल. ६ (चं.७पू.) रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।।
,, १२ गुरौ रेव ल. गो. (सोग्रांगः) ल. ६
(घ.५०-४या) रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ चन्द्रे रोहि ल. ६ रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
,, ९ भौमे उफा ल. ऽन्यगो रे. ८
।।।।।ऽचौ।ऽ।।दग्घा३३।४४उ।

पौष मासः

शुक्ला ११ रवौ रोहि ल. गो. रे. ८ ।।।।।।।।ऽऽदग्धा
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ५ चन्द्रे उफा ल. गो. रे. ७ ऽ।।।।ऽअ।ऽ।।
,, ९ शुक्रे अनु ल. ऽन्यगो ६ (व्ययेकौ) रे. ६
।।।।ऽऽचौऽऽ।।
शुक्ला ४ चन्द्रे उभा ल. ६ (चं.७पू.) रे.१० ।।।।।।।।।।
,, ५ भौमे रेव ल. ऽन्यगो ६ रे. ६ ।ऽ।।।ऽरोऽऽ।।
,, ९ शनौ रोहि ल. ऽन्यगो (सोग्रांग·) रे. ९
।।।।।।ऽ।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ रवौ उफा ल.गो. (सोग्रांगः) रे.८ऽ।।।।ऽरो।।।।

अथ क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२५३७स.२०३७
१	मं	६०	०	पू	१	१९	शु	६	३१	कं	२८	३९	२९	६	५७	२६	२९	१७	मीने	उभा.रविः५४ रेवत्यांबुधः१९ संवत्स-×
१	बु	१	०	उ	८	५	शु	८	९	ब	१	०	५१	२	५८	२७	३०	१८	मीने	उभा.रविःसौरः३ उभा.शुक्रः५६ चंद्रदर्श.
२	गु	५	५२	रे	१४	१	ब्र	९	३	कौ	५	५२	५५	१	५९	२८	१	१९	मे.१४।१	सफर२सिंधारा[×सरारंभनवरात्रारंभ
३	शु	१०	२	अ	१९	१७	ऐं	९	२५	ग	१०	२	३०	०	०	२९	२	२०	मेषे	भ.४५ उ.श्रवणेभौमः४८ मत्स्यजयंती =
४	श	१३	८	भ	२३	३४	वै	८	५५	वि	१३	८	४	५९	१	३०	३	२१	वृ.३९।१९	भ.१३।८या. [=गणगौरी
५	र	१५	२	कृ	२६	३४	वि	७	४१	बा	१५	२	८	५८	२	१	४	२२	वृषे	भा.चैत्रारंभः
६	चं	१५	४३	रो	२८	२०	प्री	५	२२	तै	१५	४३	१२	५८	२	२	५	२३	मि५८।३५	
७	मं	१५	५	मृ	२८	५०	आ	४९	५५	व	१५	५	१६	५७	३	३	६	२४	मिथुने	भ.१५।५उ.४४।०या.
८	बु	१२	५४	आ	२७	३२	शो	५१	१०	ब	१२	५४	२१	५६	४	४	७	२५	मिथुने	रामनवमीस्मा.
९	गु	९	११	पु	२४	५३	अ	४४	०	कौ	९	११	२५	५५	५	५	८	२६	क.१०।३३	रामनवमीवै.
१०	शु	४	५	पु	२०	४३	सु	३५	४५	ग	४	५	२९	५४	६	६	९	२७	कर्के	भ.३० उ.३५या अश्वि.मेषेबुधः४९ ÷
११	शु	५३	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷कामदा११व्र.स्मा.
१२	श	४९	२९	श्ले	१५	२२	धृ	२६	३२	ब	२३	२६	३३	५३	७	७	१०	२८	सि१५।२२	कामदा११व्र.वै.
१३	र	४०	३९	म	८	४९	शू	१६	२५	कौ	१५	४	३७	५३	७	८	११	२९	सिंहे	रेवत्यांशुक्रः१९।१६प्रदोषः
१४	चं	३१	१७	पू	१ ३८	५२ ३४	गं	५६	४९ ५७	ग	५	५८	४१	५२	८	९	१२	३०	कं.१४।४७	भ.३१।१७उ.५६।३७या.
१५	मं	२१	५८	ह	४७	५	ध्रु	४५	७	ब	२१	५८	४५	५१	९	१०	१३	३१	कन्यायां	रेवत्यांरविः३१ (सौरः३९ हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.५र.इ. ३९ ११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	१	११	४	३	११
८	११	२५	२४	८	२	१०	७
३	१९	२५	३०	२२	५२	४३	५५
१८	५५	२८	२९	५९	१६	३१	१०
५९	४१	९२	७	७४	३ २४	३	५९
२९	५६	४१	१६	३८	वं. ११	३५	

गोचर ग्रहाः

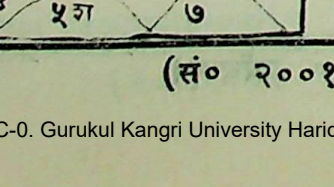

इस माससमें बुध का चन्द्रदर्शन चांदी रुई सोना लोहा कपास वारदाना सण तिल में मंदी करे घृत चीनी आदि रस तेज रहे।

गोचर ग्रहाः

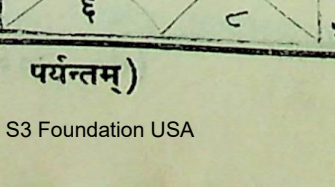

५१पं.चै.शु.१३र.इ. ३९ २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	०	१	११	४	३	११
१४	१६	३	२५	१७	२	१०	१४
५९	२८	२८	२५	५	३०	२१	५१
१०	१९	४८	५२	१३	२२	१५	२२
५९	४१	४९	८	७४	२ ४०	३	५९
१६	५२	२	२६	३८	वं. ११	१८	

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु	१३	२	चि	४०	५८	व्या	३५	३९	कौ	१३	२	३०	५	६	११	१४	१	तु.१४।२	अप्रेल४ता.३०
३२	गु	५३	५१ ४७	स्वा	३६	६	ह	२७	१९	ग	५	११	५३	४९	११	१२	१५	२	तुलायां	भ.३२।४उ.५८।५८या.
४	शु	५४	२४	वि	३३	०	व	२०	३२	ब	२६	४१	५७	४९	११	१३	१६	३	वृ.१८।४६	चतुर्थीव्र.
५	श	५२	८	अ	३१	५०	सि	१५	१७	कौ	२३	१६	३१	४८	१२	१४	१७	४	वृश्चिके	वक्रीबुधः३३ बुधास्तःपश्चिमायां५०
६	र	५२	२	ज्ये	३२	३९	व्य	११	४६	ग	२२	५	५	४७	१३	१५	१८	५	ध.३२।३९	भ.५३ उ.पुष्य.२राहुःउषा.४केतुः२१।१
७	चं	५४	१	मू	३५	३५	व	९	५२	वि	२३	१	१०	४६	१४	१६	१९	६	धनुषि	भ.२३।१या.
८	मं	५७	४६	पू	४०	२३	प	९	५५	बा	२५	५३	१४	४५	१५	१७	२०	७	म.५६।५८	मृग.२गुरुः१।५६
९	बु	६०	०	उ	४६	४३	शि	१०	३७	तै	३०	१८	१८	४४	१६	१८	२१	८	मकरे	धनि.भौमः७।५८
९	शु	२	५०	श्र	५४	२३	सि	१२	२०	ग	२	५०	२२	४४	१६	१९	२२	९	मकरे	भ.३५ उ.अश्वि.मेषेशुक्रः३।५३
१०	शु	९	२	ध	६०	०	सा	१४	३६	वि	९	२	२६	४३	१७	२०	२३	१०	कुं.२८।१९	भ.९।२या.
११	श	१५	२१	ध	२	१४	शु	१७	६	बा	१५	२१	३०	४२	१८	२१	२४	११	कुंभे	वरुथिनी११व्र. [+पश्चिमायां५१ ३९
१२	र	२१	४४	श	१०	११	शु	१९	३२	तै	२१	४४	३४	४१	१९	२२	२५	१२	कुंभे	प्रदोषः
१३	चं	२७	४५	पू	१७	४९	व्र	२१	३७	व	२७	४५	३८	४०	२०	२३	२६	१३	मी०।५५	भ.२७ उ.अश्वि.मेषेऽर्कः५५।३८
१४	मं	३२	५७	उ	२४	१४	ऐं	२३	७	वि	०	२१	४२	४०	२०	२४	२७	१४	मीने	भ.२९ या.अश्वि.मेषेऽर्कसौरः४ ८
३०	बु	३७	१३	रे	२९	४७	वै	२३	४०	च	५	५	४६	३९	२१	२५	२८	१५	मे.२९।४७	वक्रीमीनेरेव.बुधः५१ ४४ शुक्रोदयः +

५२पं.वै.कृ.६र.इ. ३९ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	०	१	११	४	३	११
२१	२१	५	२६	२५	२	९	२१
५३	३६	५०	२७	४६	१२	५९	४५
३१	२२	१३	२५	३४	०	०	३३
५९	४१	२३	९	७४	१० २	३	५९
४	५५	व	१२	३२	वं. ११		४

गोचर ग्रहाः

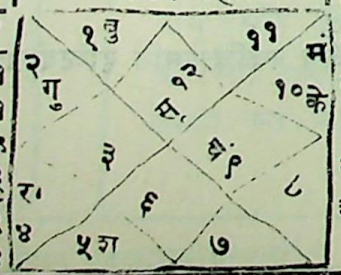

वैशाख कृष्णे १३ चन्द्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

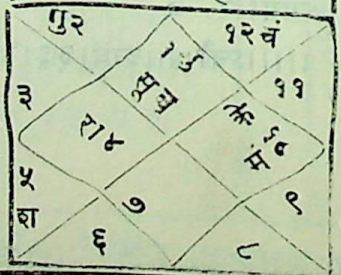

१पं.वै.कृ.१३चं.इ. ५५ ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	१	०	४	३	११
०	२७	१	२७	६	१	९	२९
०	४०	२३	४५	०	५५	३२	५१
०	५९	२०	१८	१४	२३	५१	४९
५८	४१	४ ३४	१०	७४	२ १३	३	५८
४४	४५	व	५	३२	व	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. बैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः २५६७स.२०३७

१	गु	४०	२८	अ	३४	२८	वि	२३	३५	किं	८	५०	३१/५०	३८	२६	२६	२९	१६	मेषे	
२	शु	४२	२९	भ	३८	७	प्री	२२	४५	बा	११	२८	५३	३७	२३	२७	३०	१७	वृ.५३।४५	कुंभेभौमः १५।२५चन्द्रदर्शनम्
३	श	४३	३३	कृ	४०	४०	आ	२१	१	तै	१३	१	५७	३७	२३	२८	११	८	वृषे	रविलाबलः परशुरामजयंतीअक्षया ३
४	र	४३	३७	रो	४२	९	सौ	१८	१७	व	१३	३५	३२/५	३६	२४	२९	२	१९	वृषे	भ.१३/५ उ.४३/७ या.भरण्यांशुक्रः ५२।३
५	चं	४२	३५	मृ	४३	२०	शो	१५	७	ब	१३	६	५	३५	२५	३०	३	२०	मि १२।४५	
६	मं	४०	३३	आ	४३	०	अ	११	२६	कौ	११	३८	९	३४	२६	१	४	२१	मिथुने	भा.वैशाखारंभः
७	बु	३७	२७	पु	४१	३८	सु	५	५२	ग	९	०	१२	३४	२६	२	५	२२	क.२६।५९	भ.३७।२७उ.
८	गु	३३	२८	पु	३८	५९	धृ	२	३५/५३	वि	५	२७	१६	३३	२७	३	६	२३	कर्के	भ.२७/५ या.बुधोदयःपूर्वस्यां ५।४३
९	शु	२८	२६	श्ले	३५	२१	गं	४६	५	बा	०	५७	२०	३२	२८	४	७	२४	सिं ३५।२१	पातस्पर्शः ५५।४७
१०	श	२२	२३	म	३०	४०	बृ	३७	५८	ग	२२	२३	२३	३१	२९	५	८	२५	सिंहे	भ.४८।५५उ.पातमोक्षः १०।२५
११	र	१५	२८	पू	२५	११	ध्रु	२९	८	वि	१५	२८	२७	३१	२९	६	९	२६	कं.३८।३७	भ.१५/८ या.शतेभौमः ३७/५ मृग ३ मिथुने=
१२	चं	८	१	उ	१८	५७	व्या	१९	५६	बा	८	१	३१	३०	३०	७	१०	२७	कन्यायां	भरण्यांरविः ३५/० (सौरः ४३/३३) मार्गीशनि×
१३	चं	५१	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=गुरुः २९/३३ मोहिनी ११व्र.
१४	मं	५१	५२	ह	१२	३४	ह	१०	४१	ग	२५	५३	३४	२९	३१	८	११	२८	तु.३९।४१	भ.५३/३ उ.नृसिंहजयंती [×५/४ प्रदोषः
१५	बु	४४	२०	चि	६	४७	व	३७/१	५१/३१	वि	१८	६	२८	२८	३२	९	१२	२९	तुलायां	भ.१८।६या.यमायकुंभदानम्

२पं.वै.शु.५चं.इ. ५५/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	१	०	४	३	०
६	२	२७	२८	१४	१	९	६
५०	४९	१६	५८	३९	४८	१०	४२
४६	५२	४१	३४	२२	११	३६	०
५८	४१	३६/४१	१०	७४	३१°	३	५८
२१	३७	व.	५०	३२	व	११	२९

गोचर ग्रहाः

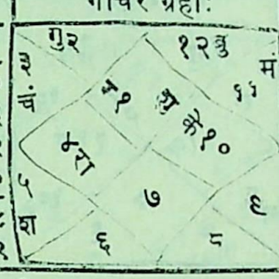

इस मास में धान्य जो गेहूं चना बाजरा मूंग चाबल आदि मंदे हो रसकस गुड सक्कर चीनी गन्ना ातु रुई तेज हो

गोचर ग्रहाः

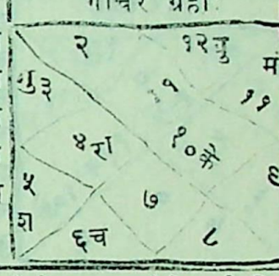

३पं.वै.शु.१२चं.इ. ५६/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	२	०	४	३	०
१३	७	२५	०	२३	१	८	१३
३९	५७	४	१६	१७	४६	४८	३०
५०	५८	५९	२६	५३	१६	२०	२५
५८	४१	१३/१७	११	७४	९	३	५८
१९	३३	व.	२२	२६	मा	११	१२

ति. प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९ दि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.

१	गु	३७	५५	स्वा	४४/४९	५६/२६	व्य	४५	४४	बा	११	७	३२/४५	५/२८	३६	१०	१३	३०	वृ.४४।३	मार्गीबुधः २७।४२कृत्ति.शुक्रः ३९।७
२	शु	३२	५०	अ	५६	४	व	३९	२३	तै	५	२२	४५	२७	३३	११	१४	१	वृश्चिके	मई५ता.३१
३	श	२९	३२	ज्ये	५६	१३	प	३४	४०	व	१	११	४८	२६	३४	१२	१५	२	ध.५६।१३	भ.१।११उ.२९।३२या.चतुर्थीव्र.
४	र	२८	७	मू	५८	१२	शि	३१	२५	ग	२८	७	५२	२६	३४	१३	१६	३	धनुषि	बृषेशुक्रः २६।४२
५	चं	२८	५६	पू	६०	०	सि	३०	२०	तै	२८	५६	५५	२५	३५	१४	१७	४	धनुषि	
६	मं	३१	४७	पू	२	७	सा	२९	५५	ग	०	२१	५८	२४	३६	१५	१८	५	म.१८।२८	भ.३१।४७उ.
७	बु	३६	१५	उ	७	२९	शु	३१	१०	वि	४	१	३३/३	२४	३६	१६	१९	६	मकरे	भ.४।१या.
८	गु	४१	५७	श्र	१४	१४	शु	३३	६	बा	९	६	५	२३	३७	१७	२०	७	कुं.४७।३४	
९	शु	४८	४	ध	२०	५३	ब्र	३५	२३	तै	१५	०	८	२२	३८	१८	२१	८	कुंभे	
१०	श	५४	१३	श	२८	१९	ऐं	३७	५६	व	२१	८	१५	२२	३८	१९	२२	९	कुंभे	भ.२१।८उ.५४।१३या.
११	र	६०	०	पू	३५	२०	वै	४०	११	ब	२७	१२	१४	२१	३९	२०	२३	१०	मी १८।३५	अश्वि.मेषेबुधः २७।५७अपरा ११व्र.
११	चं	०	११	उ	४१	४६	वि	४१	५२	बा	०	११	१७	२१	३९	२१	२४	११	मीने	कृत्ति.रवि.२९/३ (सौरः ३५/३) रोहि शु.३१/४
१२	मं	५	१३	रे	४६	५७	प्री	४२	३२	तै	५	१३	२०	२०	४०	२२	२५	१२	मे ४६।५७	प्रदोषः
१३	बु	९	४	अ	५१	१३	आ	४२	१३	व	९	४	२३	१९	४१	२३	२६	१३	मेषे	भ.९/४ उ.४०/० या.मृग ४ गुरुः २०।१३
१४	गु	११	३५	भ	५४	१३	सौ	४०	४५	श	११	३५	२६	१९	४१	२४	२७	१४	मेषे	बृषेऽर्कः ४९।४पूभा भौमः ३१।५८
२०	शु	१२	४०	कृ	५६	४२	शो	३८	२४	ना	१२	४०	२८	१८	४२	२५	२८	१५	वृ.९।५५	बृषेऽर्कः सौरः १।१८वटपूजनम्

४पं.प्र.ज्ये.कृ.५चं.इ. ५६/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	२	१	४	३	०
२०	१३	२६	१	१	१	८	२०
२७	५	२८	३८	५५	४९	२६	१७
२९	४६	१	६	१	३०	५	१२
५८	४१	१८/४	११	७४	०	३	५७
६	३९	मा	५९	२६	५३	११	५७

गोचर ग्रहाः

प्र.ज्येष्ठकृष्णे १४ गुरौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ सुतार्थिन्य वस्था(मूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

५पं.प्र.ज्ये.कृ ११चं.इ. ५६/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	२	१	४	३	०
२७	१८	१	३	१०	१	८	२७
१३	१२	९	२	३१	५७	३	२
३७	२५	५८	४९	५	५०	४९	२६
५७	४१	४६	१२	७४	१	३	५७
४४	३३	४९	२०	२६	३२	११	४५

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	प्र.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९									दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २५९७स.२०३७
१	श	१२	२६	रो	५७	३८	अ	३५	०	ब	१२	२६	३३ ५८ ६ / ३९ १ ४२	२६ २९ १६	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
२	र	११	२	मृ	५७	११	सु	३०	४९	कौ	११	२	३४ १७ ४३	२७ १ १७	मि २७।२५	रविलाखर ४
३	चं	८	४६	आ	५६	२	धृ	२५	५६	ग	८	४६	३७ १७ ४३	२८ २ १८	मिथुने	भ ३७।१३उ.
४	मं	५	४०	पु	५४	२	शू	२०	३२	वि	५	४०	३९ १६ ४४	२९ ३ १९	क.३९।३२	भ.५।४०या
५	बु	१	४५	पु	५१	३४	गं	१४	४६	बा	१	४५	४२ १६ ४४	३० ४ २०	कर्के	
६	बु	५५	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ०	
७	गु	५२	५२	श्ले	४८	५५	बृ	८	३०	ग	२५	१२	४४ १५ ४५	३१ ५ २१	सि ४८।५५	भ.५२।५२उ मृगेशुक्रः २१।१२
८	शु	४७	४५	म	४५	४५	धु	१ ४९	५३ ९	वि	२०	१८	४७ १५ ४५	१ ६ २२	सिंहे	भ.१९या भरण्यांबुधः ३६ भा.ज्येष्ठारंभः
९	श	४२	२२	पू	४२	८	ह	४७	४१	बा	१५	३	४९ १४ ४६	२ ७ २३	क.५६।९	
१०	र	३६	२३	उ	३८	११	च	४०	९	तै	९	२२	५२ १४ ४६	३ ८ २४	कन्यायां	
११	चं	३०	१९	ह	३४	७	सि	३२	३१	व	३	२१	५४ १३ ४७	४ ९ २५	कन्यायां	भ.३१उ ३९या रोहि.रवि १२ ३७=
१२	मं	२४	६	चि	३०	०	व्य	२४	५८	बा	२४	६	५६ १३ ४७	५ १० २६	तु.२।३	[=(सौर:२७।२०कमला ११व्र.
१३	बु	१८	११	स्वा	२६	७	व	१७	३८	तै	१८	११	५८ १२ ४८	६ ११ २७	तुलायां	मिथुनेशुक्र ४८।५८
१४	गु	१२	४४	वि	२२	५९	प	१०	४९	व	१२	४४	३४० १२ ४८	७ १२ २८	वृ.५।३९	भ.५४उ ३७या मीने भौमः १८आर्द्रा १+
१५	शु	८	११	अ	२०	३५	शि	४ ४६	५५ ९	ब	८	११	३ १२ ४८	८ १३ २९	वृश्चिके	[गुरु ५७ १०

६पं.प्र.ज्ये.शु.३चं.इ. ५६ ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	०	२	१	४	३	१
३	२३	८	४	१९	२	७	३
५८	१८	४०	३०	६	१०	४१	४६
४४	४	१६	११	४३	५९	३३	१०
५७	४१	७२	१७	७४	२	३	५७
४४	२३	१३	४३	२०	११	११	३४

गोचर ग्रहाः

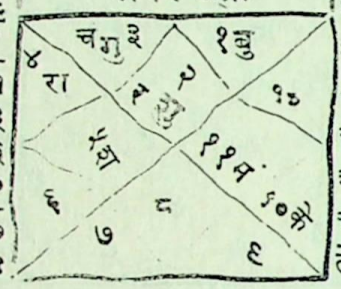

इस मास में चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सूत धान्य गेहूं जौ चना कपास गुड़ शक्कर वारदाना चीनी लाल वस्तुएं तेज हो।

गोचर ग्रहाः

७पं.प्र.ज्ये.शु.११चं.इ. ५६ ५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	०	२	१	४	३	१
१०	२८	१८	६	२७	२	७	१०
४२	२२	२९	०	४१	२८	१९	२८
४०	२६	१३	३२	२०	५९	१८	२२
५७	४१	९३	१३	७४	२	३	५७
३५	१४	२८	८	१३	५०	११	२३

ति.	द्वि.ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९									दि. उ. अ.	भा. मु. इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे प्र.ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श	५	१०	ज्ये	२०	१	सा	५६	०	कौ	५	१०	३४ ५ ६ / ३ १ ४९	९ १४ ३०	ध.२०।१	कृत्ति.बुधः५८।५५
२	र	३	३८	मू	२०	४०	शु	५३	५०	ग	३	३८	५ ११ ४९	१० १५ ३१	धनुषि	भ.३३।४५उ.
३	चं	३	५२	पू	२३	२८	शु	५३	०	वि	३	५२	७ ११ ४९	११ १६ १	म.३९।३१	भ ५२या वृषेबुधः ४६ उभा.भौमः ४४×
४	मं	५	५६	उ	२७	४९	ब्र	५३	५	बा	५	५६	९ १० ५०	१२ १७ २	मकरे	आर्द्रा.शुक्रः १७।१६
५	बु	९	३४	अ	३३	४५	ऐं	५४	४०	तै	९	३४	१० १० ५०	१३ १८ ३	मकरे	[×जून६ता.३० चतुर्थीव्र.
६	गु	१४	४६	ध	४०	२७	वै	५६	४४	व	१४	४६	१२ १० ५०	१४ १९ ४	कुं.७।६	भ.१४।४६उ.४७।४०या.
७	शु	२०	३५	श	४७	५४	वि	५९	९	ब	२०	३५	१३ ९ ५१	१५ २० ५	कुम्भे	
८	श	२६	४४	पू	५५	२१	प्री	६०	०	कौ	२६	४४	१५ ९ ५१	१६ २१ ६	मी ३८।२९	बुधास्तःपूर्वस्यां २६।३५
९	र	३२	४७	उ	६०	०	प्री	१	३४	ग	३२	४७	१६ ९ ५१	१७ २२ ७	मीने	रोहिबुध.३३ पुष्य १राहुःउषा ३केतु ३९
१०	चं	३७	५८	उ	२	२८	आ	३	३४	व	५	२२	१७ ९ ५१	१८ २३ ८	मीने	भ ५२उ.५७या मृगेरवि ७९ (सौर:२९०)
११	मं	४१	४७	रे	८	३२	सौ	४	३७	ब	९	५२	१८ ८ ५२	१९ २४ ९	मे.८।३२	मघा.२शनिः १७।१७कमला ११व्र.
१२	बु	४४	१४	अ	१३	८	शो	४	३९	कौ	१३	०	१९ ८ ५२	२० २५ १०	मेषे	
१३	गु	४४	५४	भ	१६	१३	अ	३	२६	ग	१४	३४	१९ ८ ५२	२१ २६ ११	वृ.३१।३३	भ ४४।५४उ.
१४	शु	४३	४९	कृ	१७	३३	सु	५०	५६ ८	वि	१४	२१	१९ ८ ५२	२२ २७ १२	वृषे	भ १४।२१या आर्द्रां.२गुरु ५७।२४
२०	श	४१	११	रो	१७	१४	शू	५२	७	च	१२	३०	२० ८ ५२	२३ २८ १३	मि ४६।३१	मृगेबुधः १९।४३पुन.शुक्रः १५।२८

८पं द्वि.ज्ये कृ.३चं.इ. ५६ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	२	२	४	३	१
१७	३	०	७	६	२	६	१७
२५	२५	१९	३२	१४	५१	५७	९
२६	४४	५९	२०	५६	४३	२	२८
५७	४०	९३	१३	७४	३	३	५७
२७	४७	४९	२०	२	३२	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मासमें ५शनिवार अशुभ हैं धान्य जौ चना गेहूं बाजरा चांवल गुड शक्कर रुई कपास वस्त्र गन्ना तेज हो प्रजा मे शोक फैले वर्षा होवे।

गोचर ग्रहाः

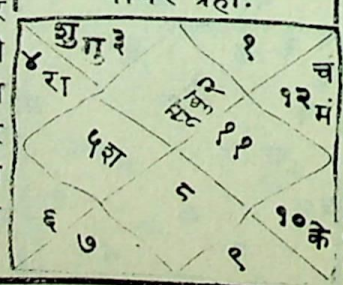

९पं.द्वि.ज्ये.कृ.१०चं.इ. ५६ ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	२	२	४	३	१
२४	८	१३	९	१४	३	६	२३
७	२५	५६	५	४७	१८	३४	४९
३०	५९	५३	४६	२४	३६	४७	२४
५७	४०	९३	१३	७३	४	३	५७
२२	३४	५७	२६	५६	८	११	५

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २६२६स.२०३७

१	र	३७	२३	मृ	१५	४७	गं	४६	११	किं	९	१७	३४/२१	५६/५२	२४	२९	१४	मिथुने	
२	चं	३२	३२	आ	१३	२१	वृ	३९	३८	बा	४	५७	२२	८	५२	२५	३०	१५	क.५५।५२	मिथुनेऽर्कः ५३ (सौरः २६/२८) चन्द्रदर्शनम्
३	मं	२७	४	पु	१०	२	ध्रु	३२	३१	ग	२७	४	२२	८	५२	२६	१	१६	कर्के	भ.५६/५८उ.मिथुनेबुधः ३४/३५जमादिलावल५.
४	बु	२१	२६	पु	६	१९	श्ले	२	४०	वि	२१	२६	२३	७	५३	२७	२	१७	कर्के	भ.२१।२६या.
५	गु	१५	३७	श्ले	२	५६/१३	ह	१७	५६	बा	१५	३७	२३	७	५३	२८	३	१८	सिं२।४०	
६	शु	९	५३	पू	५५	१७	व	१०	५०	तै	९	५३	२३	७	५३	२९	४	१९	सिंहे	आर्द्रा.बुधः ३१।१९अस्तंगुरोः २१।३६
७	श	४	२८	उ	५१	५५	सि	३/४२	५६/५३	व	४	२८	२४	७	५३	३०	५	२०	कं.९।२६	भ.५६/५८उ ५६/५८या.रेवत्याभौम ३०/४८
८	श	५४	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=भा आषाढारंभः गंगादशमी
९	र	५४	१०	ह	४८	५३	व	५०	१	बा	२६	४०	२४	७	५३	३१	६	२१	कन्यायां	कर्केशुक्रः २८।९
१०	चं	४९	२०	चि	४६	११	प	४३	४४	तै	२१	४५	२४	७	५३	१	७	२२	तु.१७।३२	आर्द्रा.रवि ५६/५८ (सौरः ३५/३६) -
११	मं	४५	२	स्वा	४३	४५	शि	३७	४०	व	१७	११	२४	७	५३	२	८	२३	तुलायां	भ.१७।११उ.४५।२या.निर्जला११ब्र.
१२	बु	४१	१९	वि	४२	१	सि	३२	१४	ब	१३	१०	२४	७	५३	३	९	२४	वृ.२६।२७	पुष्येशुक्रः १०।५१
१३	गु	३८	२०	अ	४०	५५	सा	२७	७	कौ	९	४९	२३	७	५३	४	१०	२५	वृश्चिके	पुन बुधः ३८।१८ प्रदोषः
१४	शु	३६	२२	ज्ये	४०	५२	शु	२२	४७	ग	७	२१	२३	७	५३	५	११	२६	ध.४०।५२	भ.३६।२२उ. [=सावित्रीव्र.
१५	श	३५	३५	मू	४२	१०	शु	१९	३४	वि	५	५८	२२	८	५२	६	१२	२७	धनुषि	भ.५६/५८या.आर्द्रा.३गुरुः ३९/४३ गुर्जराणांवट=

१०पं.द्वि.ज्य.शु.२चं.इ. ५६/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	२	२	४	३	२
०	१३	२९	१०	२३	३	६	०
४८	२३	०	४०	१८	४९	१२	२८
४७	३८	५८	३०	४३	४८	३१	३३
५७	४०	५९	१३	७३	४	३	५६
१७	२२	२९	३२	५०	४१	११	५७

गोचर ग्रहाः

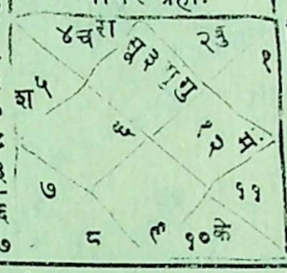

द्वि ज्येष्ठशुक्ले २चन्द्रे मिथुनेऽर्के प्रविष्टःवा. ५न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु १५घान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

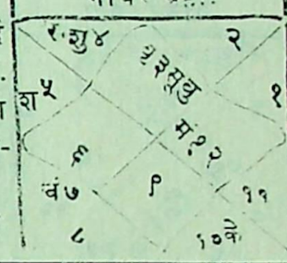

११पं.द्वि.ज्ये.१०चं.इ. ५६/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	२	३	४	३	२
७	१८	१४	१२	१	४	५	७
२९	१७	२०	१५	४९	२४	५०	७
४२	२	१३	४०	५	३६	१५	०
५७	३९	५९	१३	७३	५	३	५६
१३	५१	१९	३८	४४	२	११	५४

ति. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | वर्षर्तूरविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठकृष्णेतिमहा.

१	र	३६	१०	पू	४४	३९	व्र	१७	२२	बा	५	५२	३४/३२	५६/५२	७	१३	२८	धनुषि	बुधोदयःपूर्वस्यां ः५।१५
२	चं	३८	२८	उ	४८	४०	ऐं	१६	२४	तै	७	१९	२१	८	५२	८	१४	२९	म.०।२९	
३	मं	४१	५२	श्र	५४	४	वै	१६	११	व	१०	१०	२०	८	५२	९	१५	३०	मकरे	भ.१०।१०उ.४१।५२या.कर्केबुधः ४३।५
४	बु	४६	४२	ध	६०	०	वि	१७	१६	ब	१४	१७	१९	८	५२	१०	१६	१	कुं.२७।१६	जुल।ई७ता.३१ चतुर्थी व्र.
५	गु	५२	१८	ध	०	२८	प्री	१८	५४	कौ	१९	३०	१८	८	५२	११	१७	२	कुम्भे	पुष्यबुधः २६।२४
६	शु	५८	२९	श	७	३५	आ	२१	१६	ग	२५	२३	१७	९	५१	१२	१८	३	मी५८।१६	भ.५८।२९उ.
७	श	६०	०	पू	१५	९	सौ	२३	३४	वि	३१	३३	१६	९	५१	१३	१९	४	मीने	भ.३१।३३या.
७	र	४	३८	उ	२२	३८	शो	२६	८	ब	४	३८	१५	९	५१	१४	२०	५	मीने	आश्ले.शुक्रः १३।५३
८	चं	१०	८	रे	२९	२३	अ	२७	५१	कौ	१०	८	१४	९	५१	१५	२१	६	मे.२९।३३	पुन.रविः ३।२८ (सौरः ३२।३३
९	मं	१४	३४	अ	३४	४९	सु	२८	३८	ग	१४	३४	१३	९	५१	१६	२२	७	मेषे	भ.४६।०उ.
१०	बु	१७	२७	भ	३८	४३	धृ	२८	१३	वि	१७	२७	११	१०	५०	१७	२३	८	वृ.५४।१३	भ.१७।२७या.
११	गु	१८	२८	कृ	४०	४४	शू	२६	१९	बा	१८	२८	१०	१०	५०	१८	२४	९	वृषे	योगिनी११ब्र.
१२	शु	१७	३१	रो	४०	४९	गं	२३	१	तै	१७	३१	८	१०	५०	१९	२५	१०	बृषे	आश्लें.बुधः ५६/५८अश्विमेषेभौमः ६/५५ प्रदोषः
१३	श	१४	४२	मृ	३९	१२	बृ	१८	०	व	१४	४२	७	११	४९	२०	२६	११	मि१०।०	भ.१४।४२उ.४२ २३या.
१४	र	१०	५	आ	३६	७	ध्रु	११	४०	श	१०	५	५	११	४९	२१	२७	१२	मिथुने	आर्द्रा.४गुरुः २२।६उदयंगुरोः ५६।२४
३०	चं	४	२३	पु	३१	३१	व्या	४/५९	५१/५४	ना	४	२३	३	११	४९	२२	२८	१३	क.१६।४०	

१२पं.आ.कृ.२चं.इ. ५६/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	२	३	४	३	२
१४	२३	२८	१३	१०	५	५	१३
१०	४	३०	५१	१८	३	२८	४५
८	१६	०	७	३२	१८	०	५
५७	२९	५९	१३	७३	५	३	५६
७	१६	५४	३८	२८	३२	११	५०

१३पं.आ.कृ.८चं.इ. ५६/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	२	३	४	३	२
२०	२७	११	१५	१८	५	५	२०
५०	४७	१	२६	४५	४४	५	२२
३५	१७	८	३५	४७	४९	४४	५९
५७	३८	५९	१३	७३	५	३	५६
७	३९	५४	३८	१९	५५	११	५०

१४पं.आ.कृ.३०चं.इ. ५६/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	२	३	४	३	२
२७	२	२१	१७	२७	६	४	२७
३०	२५	५०	१	११	२८	४३	१
५४	५	४९	१९	४२	५२	२९	६
५७	३७	८४	१३	७३	६	३	५६
१२	५४	४३	३२	२	२०	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽर्गणः २६५६स२०३७

१	चं	५२	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
२	मं	४९	३५	पु	२६	१०	व	४७	१६	बा	२३	१८	३४	५	१२	६	२३	२९	१४	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	बु	४१	५१	श्ले	२०	४३	सि	३८	३१	तै	१५	४३	३३	५९	१२	४८	२४	१	१५	सिं २०।४३	मघा.३शनिः४२।४ जमादिलाखर६
४	गु	३४	३३	म	१५	१७	व्य	२९	४०	व	८	१२	५७	१३	४७	२५	२	१६	सिंहे	भ.६२उ.३३या.कर्केऽर्कः ३३मघा.सिंहे-
५	शु	२७	३६	पू	१०	१५	व	२१	२०	व	१	४	५५	१३	४७	२६	३	१७	कं.२४।९	कर्केऽर्कःसौरः५।१७ [-शुक्रः१५२
६	श	२१	१९	उ	५	५१	प	१३	४०	तै	२१	१९	५३	१४	४६	२७	४	१८	कन्यायां	
७	र	१५	५९	ह	२	५७	शि	२९	५३	ब	१५	५९	५०	१४	४६	२८	५	१९	तु.३०।४०	भ.१५।५९उ.४३।४२या.
८	चं	११	२५	स्वा	५७	१७	सा	५४	१४	ब	११	२५	४८	१४	४६	२९	६	२०	तुलायां	पुष्येरविः३२ (सौरः३५८) मघा.सिंहे=
९	मं	८	१२	वि	५६	२३	शु	४९	१४	कौ	८	१२	४५	१५	४५	३०	७	२१	वृ.४१।३७	[=बुधः६९
१०	बु	५	१४	अ	५६	२५	शु	४५	९	ग	५	१४	४३	१५	४५	३१	८	२२	वृश्चिके	भ.३४।२७उ.
११	गु	३	४०	ज्ये	५७	३६	ब्र	४१	५३	वि	३	४०	४०	१६	४४	१	९	२३	ध.५७।३६	भ.३०या.भा.श्रावणारंभः देवशैन्येकादशी
१२	शु	३	१	मू	५९	४६	ऐं	३९	२३	बा	३	१	३८	१६	४४	२	१०	२४	धनुषि	प्रदोषः
१३	श	३	३१	पू	६०	०	वै	३७	४३	तै	३	३१	३५	१७	४३	३	११	२५	धनुषि	
१४	र	५	७	पू	२	५७	वि	३७	२०	व	५	७	३३	१७	४३	४	१२	२६	म.१९।१	भ.५।७उ.३६।३२या.वायुपरीक्षा
१५	चं	७	५७	उ	७	१३	प्री	३७	१७	व	७	५७	३०	१८	४२	५	१३	२७	मकरे	पूफा.शुक्रः२४९पुन.१गुरुः१६ व्यासपूजा

१५पं.आ.शु.८चं.इ. ५६ २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	२	४	४	३	३
४	६	०	१८	५	७	४	३
११	५६	५१	३५	३५	१५	२१	३९
३८	१६	३२	२०	५६	४३	१३	४१
५७	३७	६४	१३	७२	६	३	५६
१५	८	४०	२६	४७	३२	११	५९

गोचर ग्रहाः

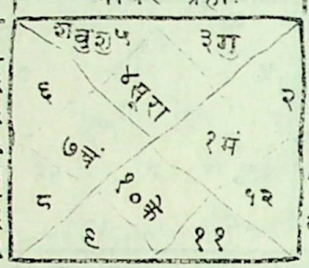

आषाढ शुक्ले ४गुरौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ६ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

१६पं.आ.शु.१५चं.इ. ५६ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	२	४	४	३	३
१०	११	७	२०	१३	८	३	१०
५२	१८	४२	८	५८	९	५८	१८
४१	४३	४७	२४	१	१२	५७	५०
५७	३५	४०	१३	७२	६	३	५७
२०	५५	३३	२०	२५	४४	११	५

ति. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.

१	मं	११	५२	श्र	१२	२७	आ	३८	१३	कौ	११	५२	३३	५	१९	४१	६	१४	२८	कुं.४५।३८	
२	बु	१६	५३	ध	१८	४९	सौ	३९	५०	ग	१६	५३	२४	१९	४१	७	१५	२९	कुंभे	भ.४९।४०उ.
३	गु	२२	२६	श	२५	२५	शो	४२	०	वि	२२	२६	३२	२०	४०	८	१६	३०	कुंभे	भ.२२।२६या. चतुर्थी व्र.
४	शु	२८	२८	पू	३३	२२	अ	४४	३४	बा	२८	२८	१९	२०	४०	९	१७	३१	मी १६।२३	भरण्यांभौमः १८।५५
५	श	३४	३९	उ	४०	५५	सु	४७	१	कौ	१	३४	१६	२१	३९	१०	१८	१	मीने	अगस्तदता.३१ नाग५मरुस्थले
६	र	४०	४०	रे	४८	२२	धृ	४९	१७	ग	७	३९	१३	२१	३९	११	१९	२	मे.४८।२२	भ.४०।४०उ.आश्ले.रविः५९।२३
७	चं	४५	३७	अ	५४	३८	शू	५०	५०	वि	१३	८	१०	२२	३८	१२	२०	३	मेषे	भ.१३।८या.आश्ले.रविःसौरः३६।४५
८	मं	४९	२८	भ	५९	४५	गं	५१	२६	बा	१७	३२	७	२३	३७	१३	२१	४	मेषे	वक्रीबुधः२२।४३
९	बु	५१	२६	कृ	६०	०	बृ	५०	४६	तै	२०	२७	४	२३	३७	१४	२२	५	वृ.१५।३६	
१०	गु	५१	३२	कृ	३	१०	ध्रु	४८	३४	व	२१	२९	०	२४	३६	१५	२३	६	वृषे	भ.२१।२९उ.५१।३२या.
११	शु	४९	३१	रो	४	४४	व्या	४४	४७	ब	२०	३१	३२	२५	३५	१६	२४	७	मि ३४।२८	उफा.शुक्रः४०।३५ कामिका११व्र.
१२	श	४५	३१	मृ	४	१२	ह	३९	१७	कौ	१७	३१	५४	२५	३५	१७	२५	८	मिथुने	[÷अस्तंशने: १४।५८ [+प्रदोषः
१३	रं	३९	३५	आ	१	५५	व	३२	१३	ग	१२	३३	५०	२६	३४	१८	२६	९	क.४३।२७	भ.३६उ.पुन.४राहुःउषा.२केतुः११+
१४	चं	३२	०	पु	५१	३८	सि	२३	५३	वि	५	४७	४७	२७	३३	१९	२७	१०	कर्के	भ.५।४७या.कन्यायांशुक्र.२८।८÷
३०	मं	२३	४०	श्ले	४५	९	व्य	१४	२६	ना	२३	४०	४४	२७	३३	२०	२८	११	सिं ४५।९	पुन.२गुरुः५१।८ हरियाली

१७पं.श्रा.कृ.७चं.इ. ५६ ११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	२	४	४	३	३
१७	१५	११	२१	२२	८	३	१६
२४	३१	४९	३९	१७	५४	२६	५८
२३	४४	३७	१८	५६	२२	४२	३८
५७	३४	१०	१३	७२	७	३	५७
२५	५५	३१	४	२	२	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में चांदी रुई सुवर्ण सण तिल कपास वारदाना मंदे हों घृत शक्कर गुड धान्य गल्ला आदि तेज रहेंगे वर्षा होवे

गोचर ग्रहाः

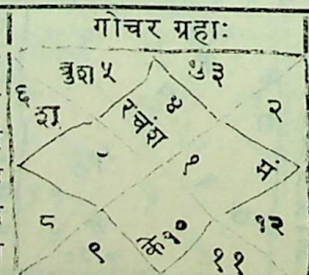

१८पं.श्रा.कृ.१४चं.इ. ५६ २

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	२	५	४	३	३
२४	१९	१२	२३	०	९	३	२३
१६	३६	१८	८	३३	४५	१४	२९
४४	०	३२	२४	१८	३२	२६	४५
५७	३३	२३	१२	७१	७	३	५७
३३	२८	व.	३८	३७	८	११	२२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९ दि. उ. अ. भा मु इं. चन्द्रः वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २६८५सन् २०३७

१	बु	१४	२८	म	३७	५६	व	४ ३७	५५ ५१	ब	१४	२८	३२ ४०	५ २८	६ ३२	२१	२९	१२	सिंहे	मघा.४शनि:५७ ४३	चन्द्रदर्शनम् सिंवारा
२	गु	५	१७	पू	३१	१	शि	४४	२०	कौ	५	१७	३७	२९	३१	२२	१	१३	कं.४४।२६		रज्जव७तीज
३	गु	५१	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०		
४	शु	४८	२५	उ	२४	४०	सि	३४	३७	व	२२	२८	३३	२९	३१	२३	२	१४	कन्यायां	भ.३२ उ.६८	या.बुधास्तःपश्चिमायां ४३ -
५	श	४१	२६	ह	१९	१	सा	२५	४०	ब	१४	५५	३०	३०	३०	२४	३	१५	तु ४६।५५	नागपंचमी	[-वरद४
६	र	३५	३७	चि	१४	४८	शु	१७	५७	कौ	८	३१	२६	३१	२९	२५	४	१६	तुलायां	मघा.सिंहेऽर्कः५३।२५	
७	चं	३१	२४	स्वा	११	४१	शु	११	७	ग	३	३०	२२	३२	२८	२६	५	१७	वृ.५५।३१	भ.३१।२४उ.मघा.सिंहेऽर्कः सौरः३३।९	
८	मं	२८	४४	वि	१०	७	व्र	५	३२	वि	०	४	१९	३२	२८	२७	६	१८	वृश्चिके	भ.०।४या.हस्तेशुक्रः५६।१७	
९	बु	२७	२६	अ	१०	८	ऐं	१ ६	५६ ४९	कौ	२७	२६	१५	३३	२७	२८	७	१९	वृश्चिके		
१०	गु	२७	३९	ज्ये	११	१२	वि	५५	५४	ग	२७	३९	१२	३४	२६	२९	८	२०	ध.११।१२	भ.५८।२३उ.	
११	शु	२९	७	मू	१४	७	प्री	५४	४३	वि	२९	७	८	३४	२६	३०	९	२१	धनुषि	भ.२९।७या. पवित्रा११व्र.	
१२	श	३१	४१	पू	१७	५१	आ	५४	४९	ब	०	२४	४	३५	२५	३१	१०	२२	म.३४।५		
१३	र	३५	२३	उ	२२	४७	सौ	५५	६	कौ	३	३२	१	३६	२४	१	११	२३	मकरे	भा.भाद्रपदारंभः प्रदोषः	
१४	चं	३९	५९	श्र	२८	२८	शो	५६	२३	ग	७	४१	३५ १७	३७	२३	२	१२	२४	मकरे	भ.३९।५९उ.छत्ति.भौमः१३।३३	
१५	मं	४५	२५	ध	३५	५	अ	५८	११	वि	१२	४२	५३	३७	२३	३	१३	२५	कु.१।४६	भ.१ ४३या.श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम् भद्रो	

१९पं.श्रा.शु.७चं.इ.५५ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	२	५	४	३	४
१	२३	८	२४	८	१०	२	०
०	२२	३४	३४	४८	३७	५२	२१
४	१२	१९	४४	२२	५९	११	५८
५७	३१	५२ ५७	१२	७१	७	३	५७
४०	५२	व.	२०	१०	१४	११	३४

गोचर ग्रहाः

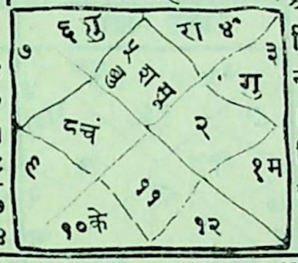

श्रावण शुक्ले ६ रवौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५ धान्या-दिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

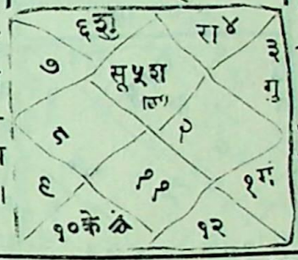

२०पं.श्रा.शु.१४चं.इ.५५ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	२	५	४	३	४
७	२७	२	२५	१७	११	२	७
४४	१	३४	५७	१	३१	२९	५
२८	८	३४	४७	२६	१२	५५	२४
५७	३०	५४ ८	११	७३	७	३	५७
४९	४	व.	५४	३२	२०	११	४५

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९ दि. उ. अ. हि. मु. इ. चन्द्रः शरदृतूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.

१	बु	५१	१३	श	४२	९	सु	६०	०	बा	१८	१९	३१ ४९	५ ३८	६ २२	४	१४	२६	कुम्भे	वक्रीकर्केआश्ले.बुधः४७।२	
२	गु	५७	२२	पू	४९	४०	सु	०	१३	तै	२४	१७	४६	३९	२१	५	१५	२७	मी३२।४७		[=बुधोदयःपूर्वस्यां२०।२५
३	शु	६०	०	उ	५७	११	धृ	२	३५	व	३०	२८	४२	४०	२०	६	१६	२८	मीने	भ.३०।२८उ.पुन.३गुरुः२८।१७	
३	श	३	३५	रे	६०	०	शू	५	४	वि	३	३५	३८	४०	२०	७	१७	२९	मीने	भ.३।३५या. चतुर्थीव्र.	
४	र	९	२९	रे	४	३२	गं	७	२५	बा	९	२९	३४	४१	१९	८	१८	३०	मे.४।३२	पूफा.रविः ४३ चित्रा.शुक्रः २१ =	
५	चं	१४	४३	अ	११	१८	बृ	९	१७	तै	१४	४३	३०	४२	१८	९	१९	३१	मेषे	पूफा.रविःसौरः २४ वृषेभौमः ७ ३	चंद्रषष्ठी
६	मं	१९	१३	भ	१७	१९	शु	१०	३०	व	१९	१३	२६	४३	१७	१०	२०	१	वृ.३३।२९	भ.१९ ३ उ.५९या सितम्बरऽता.३०	
७	बु	२२	५	कृ	२२	०	ब्या	१०	४३	ब	२२	५	२२	४४	१६	११	२१	२	वृषे	मार्गीबुधः ५५ ९ जन्माष्टमीव्र.स्मा.	
८	गु	२३	२२	रो	२५	१०	ह	९	५५	कौ	२३	२२	१८	४४	१६	१२	२२	३	मि५५।४५	जन्माष्टमी व्र.वै.	
९	शु	२२	५२	मृ	२६	२१	व	७	२३	ग	२२	५२	१५	४५	१५	१३	२३	४	मिथुने	भ.५१।३३उ. गोगा९	
१०	श	२०	१५	आ	२५	४०	सि	३२	३९ ५४	वि	२०	१५	११	४६	१४	१४	२४	५	मिथुने	भ.२५या.मघासिंहेबुधः १३ तुला.शुक्रः ६ २८	
११	र	१५	४६	पु	२३	२	व	५१	१	बा	१५	४६	७	४७	१३	१५	२५	६	क.८।४१	अजा११व्र.	
१२	चं	९	१४	पु	१८	३५	प	४२	३७	तै	९	१४	३	४७	१३	१६	२६	७	कर्के	वत्सद्वादशी प्रदोषः	
१३	मं	१	२०	श्ले	१२	३१	शि	३३	१	व	१	२०	५९ ०	४८	१२	१७	२७	८	सिं१२।३१	भ.१ २०उ.२ ४३या.पूफा.१शनि:१४ ४८	
१४	मं	५०	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०		[×लोहार्गल यात्रा
३०	बु	४२	२३	म	२७	५२ ९६	सि	२२	३५	च	१७	१५	५५	४९	११	१८	२८	९	सिंहे	कुशाग्रहणीपिठोरी३०मन्वादिः×	

२१पं.भा.कृ.५चं इ. ५५ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	३	२	५	४	३	४
१४	०	२९	२७	२५	१२	२	१३
३०	२२	५०	१७	९	२४	७	५०
४	४८	१३	२८	४	४०	३९	३६
५८	२८	४ ५६	११	६९	७	३	५७
१	१७	व.	१८	५१	२०	११	५७

गोचर ग्रहाः

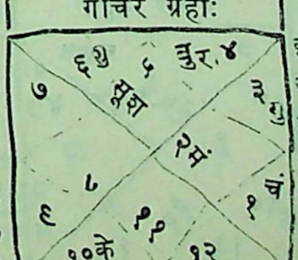

इस मासमें धान्य गेहूं जौ चना मटर मूंग मोठ रसकस गुड शक्कर चीनी गन्ना सोना चांदी लोहा वस्त्र तेज हो।

गोचर ग्रहाः

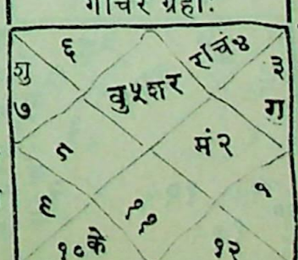

२२पं.भा.कृ.१२चं.इ.५५ २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	२	६	४	३	४
२१	३	३	२८	३	१३	१	२०
१७	२२	१९	३३	१४	१७	४५	३७
६	५९	३४	३२	१७	३८	२४	१६
५८	२५	६३ ५१	१०	६८	७	३	५८
१३	५२	मा	४३	५९	२०	११	१२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९ वि. उ अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७१४ स. २०३७

१	गु	३२	२८	उ	४९	४८	सा	११	४६	किं	७	२५	३०	५५	६	१९	२९	१०	कं. १०।४४	स्वात्यांशुक्रः ५४।२२
२	शु	२२	४३	ह	४२	२५	शु	४९	२९	कौ	२२	४३	४७	५१	९	२०	३०	११	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	श	१४	७	चि	३५	४३	ब्र	४०	२८	ग	१४	७	४३	५१	९	२१	१	१२	तु. ९।४	भ. ४०उ. सावान८ हरितालिका ३गणेश४
४	र	६	३४	स्वा	३०	५०	ऐं	३१	३४	वि	६	३४	३९	५२	८	२२	२	१३	तुलायां	भ. ६४या. उफा. रविः २७ ऋषिपंचमी
५	चं	०	५०	वि	२७	२३	वै	२४	२४	बा	०	५०	३५	५३	७	२३	३	१४	वृ. १३।१५	उफा. रविः सौरः ८।४१
६	चं	५५	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[-कर्के गुरुः ५९ उदयंशनेः ११
७	मं	५४	२६	अ	२५	४८	वि	१८	३६	ग	२५	३२	३१	५४	६	२४	४	१५	वृश्चिके	भ. ५४।२६ उ. पूफा. बुधः २८।१५
८	बु	५४	१८	ज्ये	२६	०	प्री	१४	१४	वि	२४	२२	२७	५५	५	२५	५	१६	ध. २६।०	भ. २४या. कन्यायामर्कः ५२ पुन. ४-
९	गु	५५	५१	मू	२८	१३	आ	११	३४	बा	२५	४	२२	५६	४	२६	६	१७	धनुषि	कन्यार्कः सौरः ३३।५२ [=नवलदुर्गे
१०	शु	५८	५०	पू	३१	५२	सौ	१०	४	तै	२७	२०	१८	५६	४	२७	७	१८	म. ४८।१०	बुधास्तः पूर्वस्यां ५६ रामदेवजीकामेला=
११	श	६०	०	उ	३७	५	शो	९	५७	व	३१	२	१४	५७	३	२८	८	१९	मकरे	भ. ३१।२ उ. जलझूलनी ११ व्र. स्मा.
११	र	३	१४	श्र	४३	१६	अ	१०	३९	वि	३	१४	९	५८	२	२९	९	२०	मकरे	भ. ३४या. जलझूलनी ११ व्रवै. वामनजयंती
१२	चं	८	२३	ध	५०	१७	सु	१२	७	बा	८	२३	५	५९	१	३०	१०	२१	कुं. १६।४६	प्रदोषः
१३	मं	१४	२४	श	५७	२५	धृ	१४	१४	तै	१४	२४	३०	६०	६	३१	११	२२	कुंभे	उफा. बुधः ५६।४५ विशा. शुक्रः ४१।३
१४	बु	२०	२४	पू	६०	०	शू	१६	१६	व	२०	२४	२९	६१	५	१	१२	२३	मी ४८।०	भ. २४ उ. ३० या. भा. आश्विनारंभः अनंत १४
१५	गु	२६	३६	पू	४	५२	गं	१८	३५	ब	२६	३६	५२	२	५८	२	१३	२४	मीने	कन्यायांबुधः ४६।८ महालयारंभः

२३पं.भा.शु.५चं.इ. ५५/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	२	६	४	३	४
२८	५	१२	२९	११	१४	१	२७
५	५९	२६	४४	१३	१०	२३	२५
२८	४९	६	५६	२४	५	८	३२
५८	२३	९८	९	६८	७	३	५८
२६	४	३	५८	८	१२	११	२९

गोचर ग्रहाः

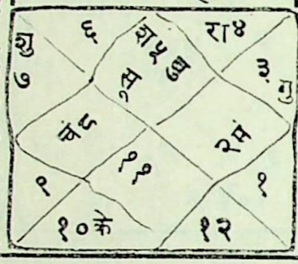

भाद्रपद शुक्ले ८ बुधे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

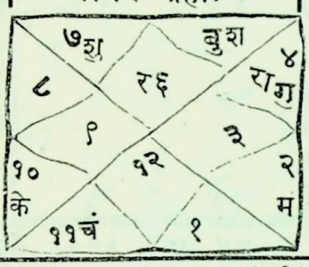

२४पं.भा.श.१२चं.इ. ५५/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	४	३	६	४	३	५
४	८	२४	०	१९	१५	१	४
५५	११	४७	५०	९	१	०	१५
१९	५६	१७	४६	७	५५	५३	३९
५८	१९	०/४३	९	६७	७	३	५८
३८	२२		१९	४	२	११	४५

ति. आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९ वि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.

१	शु	२२	४७	उ	१२	२२	वृ	२०	५६	कौ	३२	४७	२९	४८	६	५८	३	१४	२५	मीने	
२	श	३८	२९	रे	१९	३५	ध्रु	२३	७	तै	५	३८	४४	३	५७	४	१५	२६	मे. १९।३५	
३	र	४३	१६	अ	२६	१३	व्या	२४	४४	व	११	५२	४०	४	५६	५	१६	२७	मेषे	भ. ५१ उ. ९ या. हस्तेरविः ६ (सौर: ३६)
४	चं	४७	४२	भ	३२	६	ह	२५	५८	ब	१५	२९	२६	५	५५	६	१७	२८	वृ. ४८।२१	चतुर्थी व्र.
५	मं	५०	४९	कृ	३७	८	व	२५	२५	कौ	१९	१५	३२	६	५४	७	१८	२९	वृषे	रोहि. भौमः २६।५४
६	बु	५२	४६	रो	४१	४	सि	२५	१	ग	२१	४७	२८	६	५४	८	१९	३०	वृषे	भ. ५२।४६ उ. हस्तेबुधः ८।३०
७	गु	५३	१७	मृ	४३	३६	व्य	२३	३४	वि	२३	१	२३	७	५३	९	२०	१	मि १२।२०	भ. २३या. वृश्चिकेशुक्रः ४१ ×
८	शु	५२	१०	आ	४४	३५	व	२०	५६	बा	२२	४३	१९	८	५२	१०	२१	२	मिथुने	[×अक्टूबर १०ता. ३१
९	श	४९	२२	पु	४३	५६	ष	१६	५९	तै	२०	४६	१५	९	५१	११	२२	३	क. २९।६	मातृ९ (सौभाग्यवतीनां श्रा.)
१०	र	४४	३५	पु	४१	३४	शि	११	३५	व	१६	५८	११	१०	५०	१२	२३	४	कर्के	भ. ५६ उ. ४९ या. अनु. शुक्रः ४२।१०
११	चं	३८	३२	श्ले	३७	३१	सि	४०	५९	ब	११	३३	७	११	४९	१३	२४	५	सिं ३७।३१	पूफा. २शनिः ४३।४० इंदिरा ११ व्र.
१२	मं	३०	५३	म	३१	५९	शु	४७	२९	कौ	४	४२	३	११	४९	१४	२५	६	सिंहे	प्रदोषः
१३	बु	२२	१६	पू	२५	२६	शु	३७	२९	व	२२	१६	२६	१२	४८	१५	२६	७	कं. २८।३४	भ. २२ उ. ४७ या. चित्रा. बुधः ३९।५३
१४	गु	१२	३८	उ	१७	५६	ब्र	२६	४६	श	१२	३८	५५	१३	४७	१६	२७	८	कन्यायां	सर्वपितृ ३०
३०	शु	२	५०	ह	१०	१४	ऐं	१५	५५	ना	२	५०	५१	१४	४६	१७	२८	९	तु. ३६।२६	नवरात्रारंभः मातामहश्रा.

२५पं.आ.कृ.४चं.इ. ५५/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	३	६	४	३	५
११	९	७	१	२६	१५	०	११
४६	५१	४४	५०	५७	५२	३८	७
५२	४३	४८	५६	२९	३४	३७	३६
५८	१५	०/०	८	६५	६	३	५९
५३	३५		३०	४३	५०	११	०

गोचर ग्रहाः

इस मास में शनिवार का चन्द्रदर्शन चांदी सोना लोहा रुई रंग सूत कपास वारदाना लाल वस्तुएं गन्ना वस्त्र तेज हो।

गोचर ग्रहाः

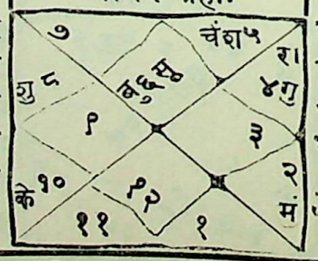

२६पं.आ.कृ.११चं.इ. ५५/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	३	७	४	३	५
१८	१०	२०	२	४	१६	०	१८
४०	५८	१२	४५	३७	४१	१६	१
५	२३	१८	४	४४	१३	२१	२३
५९	१०	०/०	७	५४	६	३	५९
९	५८		२५	११	३२	११	१६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽर्हगणः २७४४स.२०३७
१	शु ५०२९	०	०	०	०	०	०	०	० ०
२	श ४४३७	चि ३७ ५३ २९	वै ६ ४९ ५	बा १८	५३	२८ ६ ५५	१८	२९ १०	तुलायां चित्रा.रविः३८।१३चन्द्रदर्शनम्
३	र ३७१९	वि ५० ३८	प्री ४६ १०	तै १०	५८	४३ १५ ४५	१९	१ ११	वृ.३६।५८ चित्रा.रविःसौर:६ ६ तुलायांबुधः४२–
४	चं ३१४६	अ ४७ ८	आ ३९ ३४	व ४	३२	३९ १६ ४४	२०	२ १२	वृश्चिके भ.४।३२उ.३१।४६या.
५	मं २८ ७	ज्ये ४५ ३२	सौ ३५ २७	बा २८	७	३५ १७ ४३	२१	३ १३	ध.४५।३२ [–पुष्य.१गुरुः४ पुन.३राहुःउषा.१=
६	बु २६४२	मू ४६ २	शो २९ ११	तै २६	४२	३१ १८ ४२	२२	४ १४	धनुषि [=केतुः३ रमजान९
७	गु २७२०	पू ४८ ३०	अ २६ २६	व २७	२०	२७ १९ ४१	२३	५ १५	धनुषि भ.२ उ.५ या.स्वात्यांबुधः३६।८
८	शु २९५२	उ ५२ ५५	सु २५ ८	ब २९	५२	२३ १९ ४१	२४	६ १६	म.४।३६
९	श ३४१७	श्र ५८ ४०	धृ २५ ३४	बा २	४	२० २० ४०	२५	७ १७	मकरे तुलायामर्कः२२ (सौर५ ९) ज्येष्ठाशुक्रः९ २४
१०	र ३९३२	ध ६० ०	शू २६ ३१	तै ६	५४	१६ २१ ३९	२६	८ १८	कुं.३२।११ [×शरद्पूर्णिमास्मा.कोजागरीव्र.
११	चं ४५५५	ध ५ ४१	गं २८ ३५	व १२	४३	१२ २२ ३८	२७	९ १९	कुंभे भ१२।४३उ.४५।५५या पापांकुशा११व्र.
१२	मं ५२११	श १३ १०	बृ ३० ४१	ब १९	३	८ २२ ३८	२८	१० २०	कुम्भे [÷शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.
१३	बु ५८३३	पू २० ४६	ध्रु ३३ १९	कौ २५	२२	४ २३ ३७	२९	११ २१	मी३।५३ वक्रीभौमः २८।४३ प्रदोषः
१४	गु ६० ०	उ २८ ११	ध्या ३५ ३१	ग ३१	३५	० २४ ३६	३०	१२ २२	मीने [+१ ६ बुधोदयःपूर्वस्यां ८ ५÷
१५	शु ४३७	रे ३५ १८	ह ३७ १८	व ४	३७	५ ६ २५ ३५	१	१३ २३	मे.३५।१८ भ.४।३७उ.३ ७या. भा.कार्तिकारंभः×
१५	श ९५८	अ ४१ ३८	व ३८ ५७	ब ९	५८	५३ २५ ३५	२	१४ २४	मेषे स्वात्यांरविः४ (सौरः४ ३) विशा.बुधः+

२७पं.आ.शु.४चं.इ. ५४ ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	६	३	७	४	२	५
२५	११	२	३	१२	१७	२९	२४
३४	२५	३	३१	८	२७	५४	५७
५९	३०	०	५२	६	५५	६	५
५९	६	०	६	६२	६	३	५९
२१	१८	४७	२६	२०	२०	११	३१

गोचर ग्रहाः

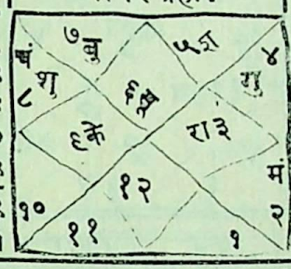

आश्विन शुक्लेऽशनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मृ.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

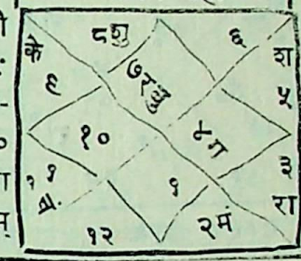

२८पं.आ.शु.११चं.इ. ५४ २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	३	७	४	२	६
२	११	१२	४	१९	१८	२९	१
३१	८	१८	११	२५	१२	३१	५४
२३	२८	३२	४२	१६	१४	५०	२८
५९	१	९८	५	६०	५	३	५९
३४	१०	५१	१६	४	५९	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	र १४२१	भ ४६ ५९	सि ३९ ३१	कौ १४	२१	२ ४ ९ ५ ६ ३४	३	१५ २५	मेषे
२	चं १८ ४	कृ ५१ ३५	व्य ३९ २९	ग १८	४	४५ २७ ३३	४	१६ २६	वृ.३।८ भ.४९।१८उ.
३	मं २० ३२	रो ५५ १६	ष ३८ ५१	वि २०	३२	४१ २८ ३२	५	१७ २७	वृषे भ.२०।३२या.करक चतुर्थीव्र.
४	बु २२ ०	मृ ५७ ४५	प ३७ १६	बा २२	०	३७ २९ ३१	६	१८ २८	मि२६।३१
५	गु २२ २९	आ ५९ १७	शि ३४ ४६	तै २२	२९	३४ २९ ३१	७	१९ २९	मिथुने वक्रीकृत्ति.भौम १८।५१
६	शु २१ ४७	पु ५९ ३५	सि ३१ २८	व २१	४७	३० ३० ३०	८	२० ३०	क.४४।३१ भ.३ ७उ.५ ८या.वृश्चिकेबुधः५ ४H
७	श १९ ४९	पु ५८ ३७	सा २७ ११	ब १९	४९	२७ ३१ २९	९	२१ ३१	कर्के [Hमूलेधनुषिशुक्रः३ ३
८	र १६ ३७	श्ले ५६ ३४	शु २१ ४४	कौ १६	३७	२३ ३१ २९	१०	२२ १	सिं५६।३४ नवंबर११ता.३०
९	चं १२ १४	म ५३ १२	शु १५ २९	ग १२	१४	१९ ३२ २८	११	२३ २	सिंहे भ.३९।२५उ.अनु.बुधः११।२१
१०	मं ६ ३५	पू ४८ २९	व्र ८ ५	वि ६	३५	१६ ३३ २७	१२	२४ ३	सिंहे भ.६।३५या.रमा११व्र.स्मा.
११	मं ५३ २२	० ० ०	० ० ०	० ०	०	० ० ०	०	० ०	[Aरूप१४महालक्ष्मीपूजनम्
१२	बु ५२ १२	उ ४२ ५४	ऐं २ ५ ४२	कौ २६	४	१२ ३४ २६	१३	२५ ४	कं.२।५ रमा११व्र.वै.
१३	गु ४३ ४८	ह ३६ ३६	वि ४१ ३	ग १८	०	९ ३४ २६	१४	२६ ५	कन्यायां भ.४३।४८उ.प्रदोषःधन१३
१४	शु ३५ ८	चि २९ ५८	प्री ३१ १	वि ९	२८	५ ३५ २५	१५	२७ ६	तु.३।१७ भ.३ ८या.विशा.रविः३ ४ (सौरः५ ८) A
३०	श २६ ४९	स्वा २३ ३०	आ २१ ८	च ०	५८	२ ३६ २४	१६	२८ ७	तुलायां अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा

२९पं.का.कृ.२चं.इ ५४ १८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	३	७	४	२	६
९	१०	२४	४	२६	१८	२९	८
२९	९	४	४२	२७	५३	९	५३
३८	४३	३०	५४	५०	४९	३५	४८
५९	३	९४	४	५७	५	३	६०
४७	व.	१०	५	४	३२	११	२

गोचर ग्रहाः

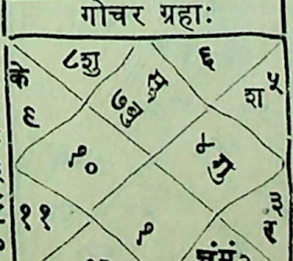

यत्रमासे रवेर्वाराः जायते पंच संन्ततम् दुर्भिक्षं छत्र भंगश्च तथास्ते च महद्भयम् इस मास में तेजी रहे प्रजा दु.खी हो ।

गोचर ग्रहाः

३०पं.का.कृ.९चं.इ. ५४ ७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	७	३	८	४	२	६
१६	८	४	५	३	१९	२८	१५
२९	३०	२२	४	९	३२	४७	५४
२०	५०	२६	५९	४०	१०	१९	५२
६०	१९	८७	२	५३	५	३	६०
४	व.	२६	५३	१७	२	११	१८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गणः२७७३स.२०३७
१	र १९ ८ वि १७ ३० सौ ११ ४४ ब १९ ८	२६	६	५	१७	२९	८	वृ.४।०	पूफा.३शनिः३४।३०
२	चं १२ ५६ अ १२ ५० शा ७ ५२ कौ १२ ५६	५८	३६	२४	१८	३०	९	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२
३	मं ८ २० ज्ये ९ ४३ सु ४९ ३९ ग ८ २०	५५	३७	२३	१९	१	१०	ध.९।४३	भ.३७।१उ.सव्वाल१०
४	बु ५ ४३ मू ८ २९ धृ ४५ १४ वि ५ ४३	४९	३८	२२	२०	२	११	धनुषि	भ.५।४३या.ज्येष्ठाबुधः५२।१५
५	गु ५ १० पू ९ ३१ शू ४२ ४१ बा ५ १३	४५	३९	२१	२१	३	१२	म.२५।१७	
६	शु ६ ४९ उ १२ ३४ गं ४१ ५६ तै ६ ४९	४२	४०	२०	२२	४	१३	मकरे	पूषा शुक्रः५७।६१
७	श १० २४ श्र १७ १२ बृ ४२ २ व १० २४	३९	४०	२०	२३	५	१४	कुं.५०।१९	भ.१०।२४उ.४२।५२या.
८	र १५ २१ ध २३ २६ ध्रु ४३ २० ब १५ २१	३६	४१	१९	२४	६	१५	कुम्भे	गोपाष्टमी
९	चं २१ ३० श ३० ३४ व्या ४५ २० कौ २१ ३०	३३	४१	१९	२५	७	१६	कुंभे	वृश्चिकेऽर्कः२०।३९(सौरः ५२ २४ अक्षयन
१०	मं २७ ५० पू ३८ ११ ह ४७ ४५ ग २७ ५०	३०	४२	१८	२६	८	१७	मी२१।१७	[–प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाह
११	बु ३४ २१ उ ४५ ४२ व ५० २ व १ ५	२७	४३	१७	२७	९	१८	मीने	भ.१।५उ.३४।२१या वक्रीगुरुः१७।४२–
१२	गु ४० २६ रे ५३ ४ सि ५१ ५८ ब ७ २३	२५	४३	१७	२८	१०	१९	मे.५३।४	अनु.रविः३८।५९
१३	शु ४५ ४२ अ ५९ २२ व्य ५३ १७ कौ १३ ४	२२	४४	१६	२९	११	२०	मेषे	अनु.रविः सौरः९।१२प्रदोषः
१४	श ४९ ४० भ ६० ० व ५३ ४४ ग १७ ४१	१९	४४	१६	३०	१२	२१	मेषे	भ.४९।४०उ.वैकुंठ१४ [=का.स्ना.पू.
१५	र ५२ ३६ भ ४ २३ प ५३ १६ वि २१ ८	१७	४५	१५	१	१३	२२	वृ.२०।२४	भ.२१ या.भा.मार्गशीर्षारंभ मन्वादिः=

३१पं.का.शु.२च.इ. ५३ ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	७	३	८	४	२	६
२३	६	१४	५	९	२०	२८	२२
३०	१९	३	१८	२२	६	२५	५७
४०	५५	५०	०	५२	८	३	२३
६०	३१	७९	१	४८	४	३	६०
१७	व.	११	२५	३६	३८	११	३०

गोचर ग्रहाः

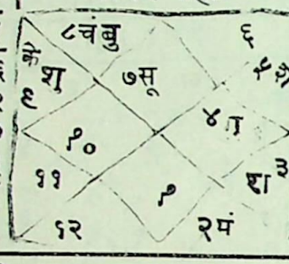

कार्तिक शुक्लें ९चन्द्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायांम्

गोचर ग्रहाः

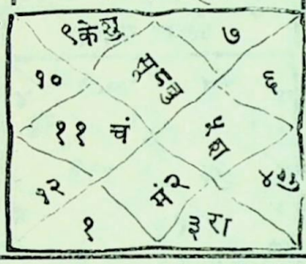

३२पं.का.शु.९चं.इ. ५३ ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	३	८	४	२	७
०	३	२२	५	१५	२०	२८	०
३३	५०	४५	२१	३	३७	२	१
२२	२	३२	१८	११	५५	४८	२७
६०	१६	६५	०	४२	४	३	६०
३०	व.	३५	१९	२६	४	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेतिमहा.
१	चं ५४ ५ कृ ८ २६ शि ५१ ५२ बा २३ २१	२६	६	५	२	१४	२३	वृषे	
२	मं ५४ ४१ रो ११ १५ सि ४९ ३७ तै २४ २३	१९	४५	१५	३	१५	२४	मि४२।७	मूलेधनुषिबुधः१७।५८
३	बु ५४ १ मृ १२ ५९ सा ४६ ३२ व २४ २१	१२	४६	१४	४	१६	२५	मिथुने	भ.२४।२१उ.५४।१या.
४	गु ५२ २३ आ १३ ४४ शु ४२ ३७ व २३ १२	९	४६	१४	५	१७	२६	क.५८।३७	चतुर्थी व्र.
५	शु ५० ७ पु १३ ३५ शु ३७ ५८ कौ २१ १५	७	४७	१३	६	१८	२७	कर्के	वक्रीमेषेभौमः१५।३१
६	श ४६ ५३ पु १२ ४१ ब्र ३२ ४६ ग १८ ३०	५	४७	१३	७	१९	२८	कर्के	भ.४६।५३उ.वक्रीबुधः१०।१७
७	र ४३ १४ श्ले १० ५९ ऐं २६ ५३ वि १५ ३	२	४८	१२	८	२०	२९	सिं१०।५९	भ.१५।३या.
८	चं ३८ ५० म ८ ३८ वै २० २६ बा ११ २	०	४८	१२	९	२१	३०	सिंहे	[×दिसंबर१२ता.३१
९	मं ३३ ४४ पू ५ ३३ वि १३ ३० तै ६ १७	२५ ५८	४८	१२	१०	२२	१	कं.१९।३७	वक्रीज्येष्ठा.बृश्चिकेबुधः३९।४४×
१०	बु २७ ५७ उ ४७ ५५ प्री ५६ ५८ व ० ५०	५४	४९	११	११	२३	२	कन्यायां	भ.५० उ.२७ या.ज्येष्ठा.रविः४९ १० +
११	गु २१ ३२ चि ५२ ३९ सौ ४९ ३१ बा २१ ३२	५३	४९	११	१२	२४	३	तु.२५।५	ज्येष्ठा.रविःसौरः१७।६ उत्पत्ति११व्र.
१२	शु १४ ४८ स्वा ४७ ४७ शो ४० ५८ तै १५ ४८	५१	५०	१०	१३	२५	४	तुलायां	प्रदोषः
१३	श ८ ११ वि ४२ ५५ अ ३२ ३२ व ८ ११	४९	५०	१०	१४	२६	५	बृ.२९।८	भ.८।११उ.३४।५२या.
१४	र १ ३३ अ ३८ ४५ सु २४ २५ श १ ३३	४८	५०	१०	१५	२७	६	वृश्चिके	[+बुधास्तःपश्चिमायां४६।४४
३०	र ५४ २९ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	

३३पं.मा.कृ.१चं.इ. ५३ २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	३	८	४	२	७
७	१	१९	५	१९	२१	२७	७
३७	१७	१३	१५	५५	४	४०	७
१६	२८	४४	४७	४४	८	३२	०
६०	१५	२९	१६	३४	३	३	६०
४२	व.	५२	व.	३३	२९	११	५३

गोचर ग्रहाः

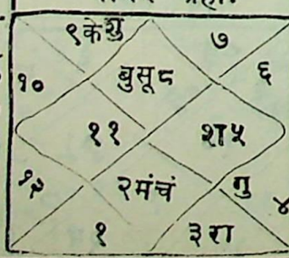

मार्गशीर्षशुक्लेंदभौमे धनुष्यर्कः प्रविष्टःवा. २न ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

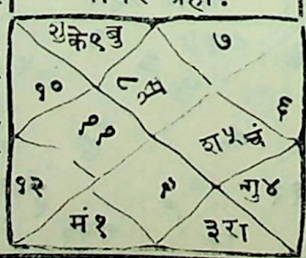

३४पं.मा.कृ.८चं.इ. ५३ १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	८	३	८	४	२	७
१४	२९	०	४	२३	२१	२७	१४
४२	०	२५	५९	४६	२५	१८	१३
२९	१४	१९	४६	३७	५५	१७	४६
६०	१६	२५	२	२४	२	३	६१
५०	व.	व.	व.	१५	४३	११	३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९५६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हिमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२८०२स.२०३७
१	चं ५१ २५	ज्ये ३५ ३०	भृ १७ ५	कि २३ ४३	३५ ५६	५	१६ २८ ७	ध.३५।३०	
२	मं ४८ ३२	मू ३३ ३४	शू १० ३७	बा १९ ५८	४५ ५१	६	१७ २९ ८	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	बु ४७ ३१	पू ३३ ३५	गं ५ ३१	तै १८ १	४४ ५१	६	१८ १ ९	म.४८।५९	उपाशुक्रः५५।२८जिल्काद११
४	गु ४८ २४	उ ३५ १०	वृ ५२ ५७	व १७ ५७	४३ ५१	६	१९ २ १०	मकरे	भ.१७उ.४८या.वक्रीभरण्यांभौमः४६
५	शु ५१ ८	श्र ३८ ४३	व्या ५८ ४७	ब १९ ४६	४२ ५२	८	२० ३ ११	मकरे	[+बुधोदयःपूर्वस्यां४६।४७
६	श ५५ ३४	ध ४३ ५०	ह ५९ २६	कौ २३ २१	४१ ५२	८	२१ ४ १२	कुं.११।१६	पुन.२राहुःपूषा.४केतुः५५।५चंपा६
७	र ६० ०	श ५० ४२	व ६० ०	ग २८ २५	४० ५२	८	२२ ५ १३	कुंभे	वक्रीशुक्रः१।५८
७	चं १ १७	पू ५८ ४६	व ० ५४	व १ १७	३९ ५२	८	२३ ६ १४	मी४१।४२	भ.१।१७उ.३६या.वक्रीअनु.बुधः३९/४४ +
८	मं ७ ३२	उ ६० ०	सि २ ५२	ब ७ ३२	३९ ५२	८	२४ ७ १५	मीने	मूलेधनुष्यर्कः५६।२५
९	बु १४ २	उ ५ ३३	व्य ५ १७	कौ १४ २	३८ ५२	८	२५ ८ १६	मीने	मूलेधनुष्यर्कःसौरः२०।५६
१०	गु २० १८	रे १२ ४९	व ७ २०	ग २० १८	३८ ५२	८	२६ ९ १७	मे.१२।४९	भ.५२।५७उ.
११	शु २५ ३६	अ १९ ३१	प ८ ५५	वि २५ ३६	३७ ५३	७	२७ १० १८	मेषे	भ.३६या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	श २९ ३०	भ २४ ५२	शि ९ ३६	बा २९ ३०	३७ ५३	७	२८ ११ १९	वृ.४०।५१	मार्गीबुध.१५।४६वक्रीपूषा.शुक्रः ४७/३१
१३	र ३२ ९	कृ २८ ४९	सि ९ १	कौ ० ५०	३६ ५३	७	२९ १२ २०	वृषे	प्रदोषः [÷रंभ दत्तजयंती
१४	चं ३२ ५३	रो ३१ १०	सा ७ २५	ग २ ३१	३६ ५३	७	३० १३ २१	वृषे	भ.३२।५३उ.वक्रीपुन.४गुरुः४३।५५
१५	मं ३२ २३	मृ ३२ १०	शु ४ २८	वि २ ३८	३६ ५३	७	१ १४ २२	मि१।४०	भ.३८या.ज्येष्ठा.बुधः५५/६भा.पौषा ÷

३५पं.मा.शु.१चं.इ. ५३/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	३	८	४	२	७
२१	२७	२३	४	२६	२१	२६	२१
४८	१६	४७	३४	१६	४३	५६	२१
३२	३४	५३	५९	१९	५	१	२६
६०	१२/४१	९७	३/५९	११	२	३	६१
५६	ब	व	व	२०	१	११	११

३६पं.मा.शु.७चं.इ. ५३/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	३	८	४	२	७
२८	२६	१५	४	२७	२१	२६	२८
५५	१०	४९	०	८	५४	३३	३०
२६	५९	५५	३६	३५	२५	४५	९
६१	८	४६/११	५	४	१	३	६१
०	४	व	व	व	२०	११	१९

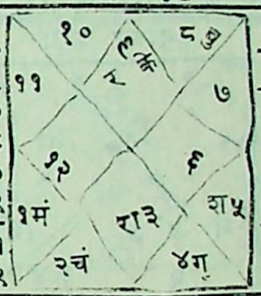

३७पं.मा.शु.१४चं.इ. ५२/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	३	८	४	२	८
६	२५	१५	३	२५	२२	२६	५
३	४४	११	१९	५८	०	११	३९
०	५६	२०	५	२६	४०	३०	३४
६१	३/१८	२७	६/१९	५९	०	३	६१
४	व	०	व	व	३८	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९५६	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरेमार्ग. कृष्णेति महा.
१	बु ३० ३०	आ ३१ ५३	शु ३२ ५५	बा १ २६	३५ ५३	५	२ १५ २३	मिथुने	
२	गु २७ ३४	पु ३० २८	ऐं ५० १	ग २७ ३४	३७ ५३	७	३ १६ २४	क.१५।४९	भ.५५।३५उ.
३	शु २३ ३७	पु २८ १७	वै ४३ ४२	वि २३ ३७	३७ ५३	७	४ १७ २५	कर्के	भ.२३।३७या.चतुर्थीव.
४	श १९ ७	श्ले २५ ३९	वि ३६ ५४	बा १९ ७	३७ ५३	७	५ १८ २६	सिं२५।३९	मार्गीभौमः१०।४४वक्रीशनिः५९।३०
५	र १४ ४०	म २२ ३५	प्री ३० ३	तै १४ ४०	३८ ५२	८	६ १९ २७	सिंहे	
६	चं ९ ४९	पू १९ २६	आ २३ २	व ९ ४९	३८ ५२	८	७ २० २८	कं.३३।३७	भ.९।४९उ.३७।२५या.
७	मं ५ १	उ १६ ९	सौ १५ ५७	व ५ १	३९ ५२	८	८ २१ २९	कन्यायां	पूषा.रविः१।२८(सौरः२२।३४)
८	बु ० १०	ह १२ ४९	शो ८ ४६	कौ ० १०	४० ५२	८	९ २२ ३०	तु.४१।८	
९	बु ५४ ४९	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	० ० ०	० ०	
१०	गु ४९ ५४	चि ९ २८	अ ३४/१ ५२/४६	व २२ २६	४१ ५२	८	१० २३ ३१	तुलायां	भ.२२।२६उ.४९।५४या.
११	शु ४५ २	स्वा ६ २	ध्रु ४७ १४	ब १७ २८	४२ ५२	८	११ २४ १	वृ.४८।४६	जनवरी१त। ३१स.२०३८सफला११व्र
१२	श ४० १९	वि ३ १	शू ४० ३२	कौ १२ ४०	४३ ५१	९	१२ २५ २	वृश्चिके	शुक्रास्तःपश्चिमायां४७।२४
१३	र ३६ २०	अ ०/१४ ५७/५०	गं ३४ १४	ग ८ १९	४४ ५१	९	१३ २६ ३	ध.५८।४	भ.३६उ.कृत्ति.भौमः४७।५१प्रदोषः
१४	चं ३२ ५४	मृ ५६ ४७	वृ २८ २९	वि ४ ३७	४५ ५१	९	१४ २७ ४	धनुषि	भ.४।३७या.
३०	मं ३० ५०	पू ५६ ५०	ध्रु २३ ४३	च १ ५२	४७ ५१	९	१५ २८ ५	धनुषि	मूलेधनुषिबुधः२१।५१

३८पं.पौ.कृ.६चं.इ. ५२/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	३	८	४	२	८
१३	२५	२०	२	२२	२२	२५	१२
१०	५८	५२	३१	५९	१	४९	४९
५९	१	१	५	४२	३४	१४	२६
६१	२६/६	६०	५/५१	३२/१९	१४	३	६१
६	मं	४४	व.	व	व	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय व शुक्लपक्षकी तिथि वृद्धि धातु सोना चांदी लोहा धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल में मंदी करे

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.कृ.१४चं.इ. ५२/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	३	८	४	२	८
२०	२६	२९	१	१८	२१	२५	१९
१९	४८	२२	३८	५१	५७	२६	५९
५	७	३७	२०	२२	२५	५९	२३
६१	७	७६	४०	२६/५६	३	३	६१
६	३२	२२	व.	व	व	११	२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९४शाकः १९५९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽर्हर्गणः२८३२स२०३८
१	बु ३० ७	उ	५८	६	व्या	१९	५१	किं	० २८
२	गु ३० ५०	श्र	६०	०	ह	१७	२६	बा	० २९
३	शु ३३ ३२	श्र	१	२३	व	१६	१५	तै	२ ११
४	श ३७ ३०	ध	५	४९	सि	१५	४८	व	५ ३१
५	र ४२ ५५	श	११	४९	व्य	१६	५५	ब	१० १२
६	चं ४८ ५८	पू	१८	३९	व	१८	३५	कौ	१५ ५६
७	मं ५५ २५	उ	२६	५	प	२०	५३	ग	२२ ११
८	बु ६० ०	रे	३३	४४	शि	२२	५६	वि	२८ ४०
८	गु १ ५५	अ	४०	५८	सि	२५	२	ब	१ ५५
९	शु ७ ३७	भ	४६	५९	सा	२६	११	कौ	७ ३७
१०	श ११ ४९	कृ	५१	३९	शु	२६	२२	ग	११ ४९
११	र १४ ५०	रो	५४	२५	शु	२५	५	वि	१४ ५०
१२	चं १५ ३९	मृ	५५	३२	ब्र	२२	३२	बा	१५ ३९
१३	मं १४ ४४	आ	५४	४९	पुं	१८	३०	तै	१४ ४४
१४	बु ११ ५९	पु	५२	३९	वै	१२	५९	व	११ ५९
१५	गु ७ ५०	पु	४९	९	वि	३०	५२	ब	७ ५०

४०पं.पौ.शु.६च.इ. ५२/२८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	३	८	४	२	८
२७	२८	८	०	१४	२१	२५	२७
२७	१०	५७	४२	५५	४७	४	९
७	५	४	२५	१९	२०	४३	१५
६१	१२	८६	५२	२९	४०	३	६१
६	६	३२	व	व	व	११	२४

गोचर ग्रहाः

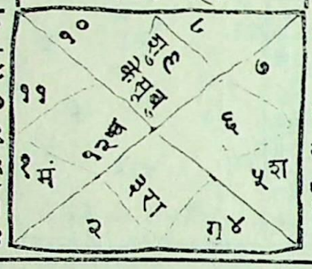

पौष शुक्ले ८ गुरौ मकरेऽर्कः वा. ३ न. ३कुमार्यवस्था (वैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

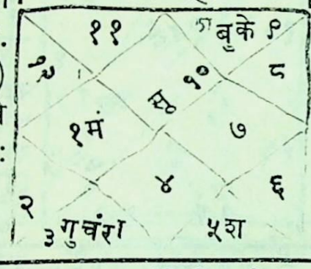

४१पं.पौ.शु.१२च.इ. ५२/२९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	२	८	४	२	९
४	२९	१९	२९	१२	२१	२४	४
३४	५४	१०	४६	२१	३२	४२	१८
५९	५८	२३	१६	४३	२०	२७	४४
६१	१५	९२	५२	१५	१९	३	६१
३	४३	३२	व	व	व	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु २ २८	श्ले	४४	५५	आ	५१	१	कौ	२ २८
२	शु ५३ ४८	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०
३	श ५० ०	म	४०	१२	सौ	४२	४६	व	२३ ८
४	र ४३ २२	पू	३५	३०	शो	३४	३०	ब	१६ ४१
५	चं ३७ २०	उ	३१	४	अ	२६	१६	कौ	१० २१
६	मं ३१ ३३	ह	२६	५६	सु	१८	२१	ग	४ २६
७	बु २६ १६	चि	२३	२३	धृ	१०	५७	ब	२६ १६
८	गु २१ ३१	स्वा	२०	२४	शू	५५	५३	कौ	२१ ३१
९	शु १७ ३१	वि	१७	५९	बृ	५१	३४	ग	१७ ३१
१०	श १४ ६	अ	१६	२२	ध्रु	४६	१८	वि	१४ ६
११	र ११ ३२	ज्ये	१५	३०	व्या	४१	४५	बा	११ ३२
१२	चं ९ ४४	मू	१५	१९	ह	३७	४६	तै	९ ४४
१३	मं ९ ०	पू	१६	२९	व	३४	५५	व	९ ०
१४	बु ९ १६	उ	१८	२९	सि	३२	४७	श	९ १६
३०	गु १० ५०	श्र	२१	४७	व्य	३१	५५	ना	१० ५०

४२पं.मा.कृ.५च.इ. ५२/२९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	२	८	४	२	९
११	२	२९	२८	११	२१	२४	११
४२	६	१७	५०	४६	१२	२०	२७
२९	११	३६	५३	५२	२९	१२	३५
६०	१९	९८	३७	४४	०	३	६१
५९	१३	५५	व	मा	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मासमेंकृष्णपक्षमें धातु सोनाचांदिलोहा धान्य वाजरामूंगमोठ चना चावलरुईकपास मंदी हो सुदी में कुछ तेज हो

गोचर ग्रहाः

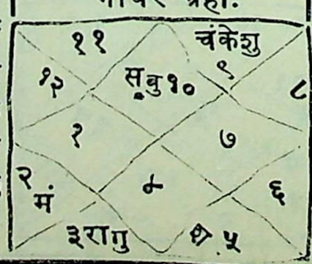

४३पं.मा.कृ.१२च.इ. ५२/३७							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	२	८	४	२	९
१८	४	११	२७	१३	२०	२३	१८
४९	३६	१६	५८	३	४८	५७	३५
१	३२	३७	४४	५४	४७	५६	४३
६०	२१	०	६	१५	३	३	६१
५५	५५	३	व	५१	व.	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

तिथि: माघ शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिररर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २८६२सं.२०३८

१	शु	१३	४७	ध	२६	२२	व	३१	२८	ब	१३	४७	२७	६	५	१६	२९	५	कुंभे	चंद्रदर्शनम
२	श	१७	५२	श	३२	४	प	३२	२०	कौ	१७	५२	१२	३४	२६	१७	१	६	कुंभे	घनि.रविः २०(सौरः ३२)मोहोरम १ ×
३	र	२३	१३	पू	३८	२८	शि	३३	३५	ग	२३	१३	१५	३३	२७	१८	२	७	मी २१।५२	भ.५६।१२उ.[×सन् १४६०हि.
४	चं	२९	११	उ	४५	५१	सि	३५	४१	वि	२९	११	१९	३२	२८	१९	३	८	मीने	भ.२९।११या.घनि.बुधः ५८।२८
५	मं	३५	३५	रे	५३	३६	सा	३८	४	ब	२	२३	२३	३१	२९	२०	४	९	मे.५३।३६	वसंत ५
६	बु	४२	१०	अ	६०	०	शु	४०	२५	कौ	८	५२	२७	३१	२९	२१	५	१०	मेषे	[÷४९।५७पातमोक्षः १५ भीष्माष्टमी
७	गु	४८	२०	अ	१	८	शु	४२	११	ग	१५	१५	३०	३०	३०	२२	६	११	मेषे	भ.२५उ.पातस्पर्शः ५९ भानु ७रथ ७
८	शु	५३	१३	भ	७	५५	ब्र	४३	१६	वि	२०	४६	३४	२९	३१	२३	७	१२	वृ.२४।२१	भ.२०।४६या.कुंभेऽर्कः ५ कुंभेबुधः ÷
९	श	५६	४९	कृ	१३	३९	एं	४३	९	बा	२५	१	३८	२८	३२	२४	८	१३	वृषे	कुंभेऽर्कः सौरः ३ वक्रीपूफा.२शनिः =
१०	र	५८	२८	रो	१७	५०	वै	४१	३८	तै	२७	३८	४२	२८	३२	२५	९	१४	मि ४८।५५	वक्रीपुन.२गुरुः २४।५०
११	चं	५८	११	मृ	२०	१	वि	३८	३५	व	२८	१९	४५	२७	३३	२६	१०	१५	मिथुने	भ.२९उ.५६या.रोहि.भौमः ६ जया ११+
१२	मं	५५	४३	आ	२०	१४	प्री	३३	५४	ब	२६	५७	४९	२६	३४	२७	११	१६	मिथुने	शतेबुधः २९ जया ११ व्र.वै.[+व्र.स्मा.
१३	बु	५१	२८	पु	१८	३२	आ	२७	३७	कौ	२३	३५	५३	२५	३५	२८	१२	१७	क.३।५८	प्रदोषः[=५३पुनः १राहुःपूषा ३केतुः ४९
१४	गु	४५	२३	पु	१४	५८	सौ	१९	५६	ग	१८	२५	५६	२५	३५	२९	१३	१८	कर्के	भ.४५उ.[–मा.स्ना.पूर्तिः
१५	शु	३८	५	श्ले	९	५६	शो	११	७	वि	११	४४	२८	२४	३६	३०	१४	१९	सिं ९।५६	भ.११या.शतेरविः ३१ (सौरः ४९)–

४४पं.मा.शु.४चं.इ. ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	२	८	४	२	९
२१	७	२३	२७	१५	२०	२३	२५
५४	२१	९	१२	५९	२१	३५	४२
५०	४०	४७	१४	३५	२९	४१	३०
६०	२४	७	६	२८	३	३	६०
४७	१८	५८	व	१९	व	११	५५

गोचर ग्रहाः

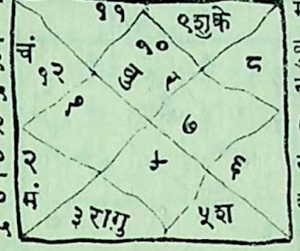

माघ शुक्ले ८ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

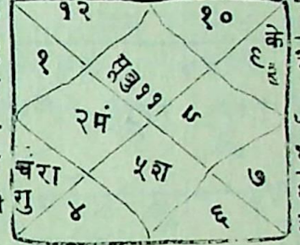

४५पं.मा.शु.११चं.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	२	८	४	२	१०
२	१०	५	२६	२०	१९	२३	२
५९	२०	३९	३२	८	५१	१३	४८
४२	३५	१४	४२	४२	२९	२५	३३
६०	२६	९	५	३७	१	३	६०
३७	२१	११	व	५८	व	११	४२

तिथि: फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.

१	श	३०	१०	म	५८	३७	अ	४७	१४	बा	४	७	२८	२३	३७	१	१५	२०	सिंहे	भा.फाल्गुनारंभः
२	र	२१	४६	उ	५१	४	भृ	४२	११	ग	२१	४६	८	३२	३८	२	१६	२१	कं.१०।५७	भ.४७।४४उ.
३	चं	१३	४१	ह	४४	५४	शू	३२	३५	वि	१३	४१	१२	२२	३८	३	१७	२२	कन्यायां	भ.१३।४१या.चतुर्थीव्र.
४	मं	५	५२	चि	३९	४१	गं	२३	४७	बा	५	५२	१६	२१	३९	४	१८	२३	तु.१२।१७	पूभा.बुधः ३४।५८
५	मं	५३	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	बु	५३	५	स्वा	३५	२५	वृ	१५	२६	ग	२६	१	२०	२०	४०	५	१९	२४	तुलायां	भ.५३।५उ.उषा.शुक्रः ३५।५५
७	गु	४८	२७	वि	३२	१६	धु	८	१३	वि	२०	४६	२४	१९	४१	६	२०	२५	वृ.१८।३	भ.२०।४६या.
८	शु	४४	५९	अ	३०	१६	ज्या	२	५४	बा	१६	३८	२८	१८	४२	७	२१	२६	वृश्चिके	
९	श	४२	५२	ज्ये	२९	४१	व	५२	२८	तै	१३	५५	२२	१७	४३	८	२२	२७	ध.२९।४१	बुधोदयःपश्चिमायां ५४।४१
१०	र	४१	५८	मू	३०	११	स्ति	४९	११	व	१२	२५	३६	१७	४३	९	२३	२८	धनुषि	भ ५२उ.५१या.मीनेबुधः ५४मक.शु ४८
११	चं	४२	४	पू	३१	५२	व्य	४६	५७	ब	१२	१	४०	१६	४४	१०	२४	१	म.४७।३६	मार्च ३ता.३१विजया ११व्र.
१२	मं	४३	३५	उ	३४	५०	व	४५	३४	कौ	१२	५०	४४	१५	४५	११	२५	२	मकरे	
१३	बु	४६	७	श्र	३८	५१	प	४५	२३	ग	१४	५१	४८	१४	४६	१२	२६	३	मकरे	भ.४६।७उ.प्रदोषः
१४	गु	४९	४१	ध	४३	५३	शि	४५	२१	वि	१७	५४	५२	१४	४६	१३	२७	४	कुं.११।५२	भ.५७या.पूभा.रविः ४७ (सौरः ५६) =
३०	शु	५४	१९	श	४९	४६	सि	४६	२५	च	२२	०	५६	१३	४७	१४	२८	५	कुंभे	उभा.बुधः २७।३ [=महाशिवरात्रीव्र.

४६पं.फा.कृ.३चं.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	२	८	४	२	१०
१०	१३	१८	२६	२५	१९	२२	९
३	३०	४२	०	२२	१८	५१	५३
१४	१८	१८	२२	१६	५०	९	६
६०	२७	५९	४६	४५	४४	३	६०
२५	५९	५०	व	२६	व	११	३१

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना मक्का जो गेहूं मंदे होवे धातु चांदी सोना आदि रुई कपास बारदाना तेज हो।

गोचर ग्रहाः

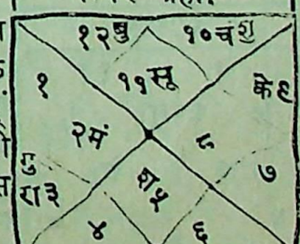

४७पं.फा.कृ.११चं.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	२	९	४	२	१०
१७	१६	१२	२५	११	१८	२२	१६
५५	५०	३४	३६	१५	४५	२८	५६
२८	६	१२	५४	११	५०	५४	२
६०	२९	८	२	५०	४	३	६०
१२	४४	५९	व	४९	व	११	२०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९									दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽर्हगणः२८९१स.२०३८
१	श	५९	४७	पू	५६	२५	सा	४७	५१	किं	२७	३	२९	६	४८	१५	२९	६	मी३९।४५	
२	र	६०	०	उ	६०	०	शु	४९	५९	बा	३२	४८	५	११	४९	१६	३०	७	मीने	चंद्रदर्शनम्फुलरिया२
२	चं	५	४९	उ	३	३८	शु	५२	१९	कौ	५	४९	९	१०	५०	१७	१	८	मीने	सफर२
३	मं	१२	११	रे	११	१८	ब्र	५४	२९	ग	१२	११	१३	९	५१	१८	२	९	मे.११।१८	भ.४५उ.पातस्पर्शः२।६पातमोक्षः५५ ३६
४	बु	१८	४८	अ	१८	५१	ऐं	५६	४९	वि	१८	४८	१७	९	५१	१९	३	१०	मेषे	भ.१८।४८या.
५	गु	२५	४	भ	२६	१३	वै	५८	३६	बा	२५	४	२१	८	५२	२०	४	११	वृ.४२।५०	श्रवणेशुक्रः२७।४३
६	शु	३०	१७	कृ	३२	४१	वि	५९	२६	तै	३०	१७	२६	७	५३	२१	५	१२	वृषे	
७	श	३४	३७	रो	३८	७	मी	५९	११	ग	२	२७	३०	६	५४	२२	६	१३	वृषे	भ.३४उ.रेवत्यांबुधः ३४मार्गीगुरु ५३ ३२
८	र	३७	१०	मृ	४१	४८	आ	५७	३५	वि	५	५३	३४	५	५५	२३	७	१४	मि९।५७	भ.५३या.मृगेभौमः ५५होलाष्टकम्
९	चं	३८	५	आ	४३	४०	सो	५४	१९	बा	७	३७	३८	४	५६	२४	८	१५	मिथुने	मीनेऽर्कः४८।२३ (सौरः५७।३)
१०	मं	३६	५४	पु	४३	३५	शो	४९	३२	तै	७	२९	४२	३	५७	२५	९	१६	क.२८।३६	
११	बु	३३	४३	पु	४१	२४	अ	४३	१०	व	५	१८	४७	३	५७	२६	१०	१७	कर्के	भ.१८उ.३३या.आमलकी११व्र.
१२	गु	२८	१९	श्ले	३७	१३	सु	३५	९	व	१	१	५१	२	५८	२७	११	१८	सिं३७।१३	वक्रीबुधः ३४उभा.रविः२७ सौरः ×
१३	शु	२१	१४	म	३१	३३	धृ	२५	५२	तै	२१	१४	५५	१	५९	२८	१२	१९	सिंहे	[×१८।३९) प्रदोषः
१४	श	१२	५४	पू	२४	३६	शू	१५	४३	व	१२	५४	३०	६	०	२९	१३	२०	कं.३७।४५	भ.५२उ.३६या.होलिकादहनम् भद्रोत्त.
१५	र	३	३८	उ	१७	१२	गं	८	४९	ब	३	३८	३०	५	५९	३०	१४	२१	कन्यायां	बुधास्त.पश्चिमायां ३६छारेंडीवसंत१

४८पं.फा.शु.२चं.इ. ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	२	९	४	२	१०
२४	२०	१२	२५	७	१८	२२	२३
६	१८	१२	२२	३८	११	६	५७
१४	४०	५४	३०	१०	४२	४८	२५
५९	३०	७७	१	५५	४०	३	६०
५८	३७	४४	व	१९	व	११	६

गोचर ग्रहाः

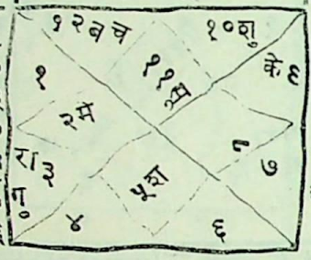

फाल्गुन शुक्ले ९ चंद्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवा-वस्था(सूती) मु. ४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

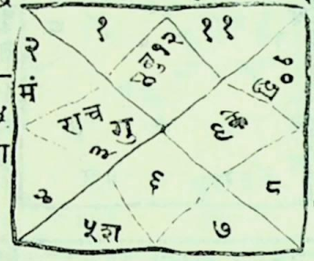

४९पं.फा.शु.९चं.इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	२	९	४	२	११
१	२३	१७	२५	१४	१७	२१	०
५	५२	४१	१८	२८	३९	४४	५७
२१	२३	३८	२९	८	१४	२३	७
५९	३१	२१	२५	५८	२४	३	५९
४१	४७	४६	मा	४१	व	११	४९

ति	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वसंततू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहा.
१	र	५०	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	चं	४४	३३	ह	९	२५	ध्रु	४३	४३	तै	१९	१५	३०	५८	५९	१	१५	२२	तु.३५।४८	भा.चैत्रारंभः
३	मं	३५	३५	चि	२०	५३	व्या	३३	४०	व	१०	४	१२	५८	२	२	१६	२३	तुलायां	भ.१०उ.३५या.चतुर्थीव्र.
४	बु	२७	३८	वि	५०	३१	ह	२४	३१	ब	१	३६	१६	५७	३	३	१७	२४	बृ.३६।४९	रेवत्यांरविः ३७ सौरः ४५धनि.शुक्र ३५ ५१
५	गु	२१	११	अ	४६	५३	व	१६	४०	तै	२१	११	२१	५६	४	४	१८	२५	वृश्चिके	
६	शु	१६	१६	ज्ये	४४	५३	सि	१०	९	व	१६	१६	२५	५५	५	५	१९	२६	ध.४४।५३	भ.१६उ.४५या.शीतलापूजनम्
७	श	१३	१४	मू	४४	३७	व्य	५	५	ब	१३	१४	२९	५४	६	६	२०	२७	धनुषि	मिथुनेभौमः३८।१९
८	र	११	४७	पू	४६	३	व	२०	५७ ३६	कौ	११	४७	३३	५३	७	७	२१	२८	धनुषि	
९	चं	१२	५	उ	४९	४	शि	५७	४४	ग	१२	५	३७	५३	७	८	२२	२९	म.१।४८	भ.४३उ.वक्रीपूफा.१शनिः३३।४३
१०	मं	१३	५३	श्र	५३	२७	सि	५७	४९	वि	१३	५३	४१	५२	८	९	२३	३०	मकरे	भ.५३या.कुंभेशुक्रः५२।४६
११	बु	१७	३	ध	५८	४६	सा	५८	२२	बा	१७	३	४५	५१	९	१०	२४	३१	कुं.२६।७	पापमोचनी११व्र.
१२	गु	२१	२८	श	६०	०	शु	५९	४२	तै	२१	२८	४९	५०	१०	११	२५	१	कुंभे	अप्रेल४ता.३०प्रदोषः
१३	शु	२६	३९	श	५	२	शु	६०	०	व	२६	३९	५३	४९	११	१२	२६	२	मी५५।२७	भ.२६।३९उ.५९।३२या.
१४	श	३२	२५	पू	१२	१५	शु	१	४०	श	३२	२५	५७	४९	११	१३	२७	३	मीने	
२०	र	३८	३७	उ	१९	२७	ब्र	३	४४	च	५	३१	३१ ९	४८	१२	१४	२८	४	मीने	वक्रीउभा.बुधः३०।१३मन्वादिः

५०पं.चै.कृ.२चं.इ. ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	२	९	४	२	११
८	२७	१६	२५	२१	१७	२१	७
३	३१	३९	२२	३६	७	२२	५५
१८	३४	४०	१३	२५	४८	७	२
५९	३२	४० ४३	१	६१	१० ४	३	५९
२९	३८	व	३५	२२	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

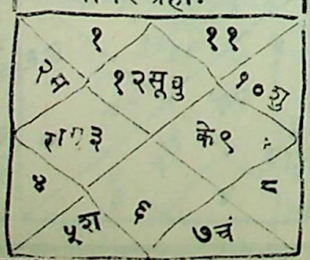

इस मासमें मंगल का चन्द्रदर्शन चांदी स्वर्ण धातु लोहा रसकस गुड़ सक्कर गन्ना कपास वारदाना गल्ला तेज करे।

गोचर ग्रहाः

५१पं.चै.कृ.९चं.इ. ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	२	९	४	२	११
१४	१	११	२५	२८	१६	२०	१४
५९	१६	७	३७	५८	३९	५९	५१
१०	१६	२३	४८	४८	०	५१	१४
५९	३३	५३ ४१	३	६३	५३	३	५९
१६	३०	व	४	२९	व	११	१८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८५१३९, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१३९, भोग्यकलिः४२६८६१, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०९५, शाकः १९६०, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः । मंत्री बुधः । सस्येशः शुक्रः । धान्येशः गुरुः । मेघेशः भौमः । रसेशः रविः । नीरसेशः शुक्रः । फलेशःभौमः । धनेशः शुक्रः।दुर्गेशःभौमः।एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्येऽभ्रम्हविंशतिकायां ६ अंगिरानाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः ३।१३।३४।५९।२४भोग्यमासादिः८।१६।२५।०।२६बार्हस्पत्यदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम पौषः। मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासस्तटे । समयनिवासो रजकगृहे । समयविश्वा १८ समयवाहनम् मृगः । स्तंभौ २ अन्नजलयोः। सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ भानुसप्तमी १ बुधाष्टमी १ रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३७० समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः१८, तिथिवृद्धिः११ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ८४ वर्षाविश्वा ५ धान्यम् ५ तृणम् ९, शीतम् ५ तेजः ९, वायुः ५ वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः १७, ऐक्यम् ६९ शनिदृष्टिर्दक्षिणे । सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहणऽभावः।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

श्री जगदंबे ईश्वरी तेरी शक्ति अपार ।
कैसा रहे पच्यानवे कह दो फल विस्तार ।।

भवानी उत्तर

सुण भैरव पच्यानवे निर्बल होसी साल ।
दूध दही विन देश में भूखा रहसी बाल ।।
पौष नाम इस बर्ष का भूमि तनय दुर्गेश ।
क्षुधा रोग ज्वर से सदा पीडित हो सब देश ।।
तट में जा रोहिणि बसी मेघाधिप कुज देख ।
खंड वृष्टि हो भूमि पर इसमें मीन न मेष ।।
सिंह राशि पर भादवे शनि रवि मंगल जोग ।
बूंदन बर्षे भूमि पर धान्य मिलें नहिं थोग ।।
पण भैरव भय मत करो सदा रहो गंभीर ।
छै अधिकारी सौम्य हैं जगत बंधावें धीर ।।
शर्मा ज्यौतिष से कहे देख ग्रहां की चाल ।
वैष्णव शक्ति अपार है पल में करे निहाल ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ७।०

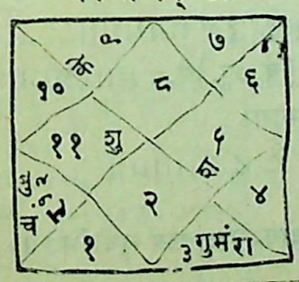

वर्षेश लग्नम् २।१२

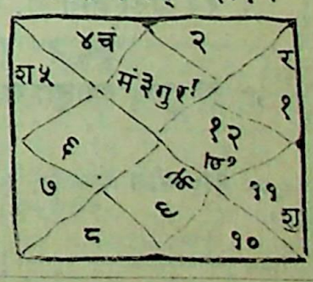

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१६।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२२।२४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रस्तत्फलम् ॥ चन्द्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणाम् प्रशाम्यति व्याधि जरा नराणाम् ।। मंत्री बुधस्तत्फलम् ।। शशिसुते शुभमंत्रि समागते स्वपतिना रमते मदनक्रियां । बहु धनं बहु वारि समन्वितं यवमसूर चणान्न महर्घता ।। सस्येशः शुक्रः फलं ।। शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालेक्षु धन प्रियंगु वृक्षषु पुष्पाणि सुखप्रदानि ।। धान्येशो गुरुः फलम् ।। गुरौ धान्यपतौ याते यव गोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्राम्हणादयः ।। मेघेशो भौमः फलम् ।। अवनिजे जलदस्यपतौ भुवि श्रुतिविचारविहीन धरामराः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रशमं बहुतापदम् ।। रसेशः रविः फलम् ।। रसपतौ तरणौ धरणीतदा विरसभाग रताल्प पयोधरा । वसनतैल घृत प्रिय मानवाः सुख रसं न भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रः फलम् ।। कर्पूरागर गन्धानां हेम मौक्तिक वाससां अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशो भौमः फलम् ।। फलपतिर्यदिभूतनयो भवेत् न बहु पुष्प फलान्वित पादपाः । गद भयान्वित देश जनास्तदा नृपतयो बहु विग्रहकारकाः ।। धनेशः शुक्रः फलम् ।। द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकला ननु मानवाः । समसुखाः क्रयवि य जीविनो नृपतयो जनपालन तत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजो गढ़नायकतां गतो विविध दुःख वियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ।। अंगिरानाम संवत्सरः फलम् ।। अन्नाद्यं भुज्यते शश्वज्जनैरतिथिभिः सह । अंगिराब्दे खिलालोका भूपाश्च कलहोत्सुकाः ।। वर्षनाम पौषः फलम् ।। ज्वररोग क्षुधार्ताश्च नाना जनपदाः सदा । महर्घं तु त्रयो मासा पौषे स्वास्थ्यं ततः परम् ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मन्दवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवास्तटे फलम् ।। तटेवृष्टिः सुशोभनाः ।। समयनिवासो रजक गृहे फलम् ।। रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०९५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १३ शनौ हस्ते ल. १२ (चं.७पू.) रे. ७
।।।ऽबुऽऽ।।। पादतो वेधाऽभावः
,, १४ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।ऽबुऽऽनृऽ।।।
पादतो वेधाऽभावः

वैशाख मासः

कृष्णा ५ शुक्रे मूले ल. १२ रे. ७ ।।।ऽबृ।।ऽऽ।।
पादतो वेधाऽभावः
शुक्ला २ गुरौ रोहि ल. १२ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।
,, ३ शुक्रे मृगे ल. १२ रे. ६ ।।।।।ऽनृ।।।।
,, ८ बुधे मघा ल. गो. रे. ८ ।।।।।।।ऽऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ११ शनौ हस्ते ल. गो. (भौमाष्टम महादोषः)
ल. १२ (चं.७पू.) रे. ८ ।।।।।ऽ।।ऽ दग्धा
,, १३ चन्द्रे स्वात्यां ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः)
रे. ७ ।ऽ।।।ऽअऽ।।।
,, १५ भौमे अनु ल. १२ रे. ६ ।।।ऽबुऽऽऽ।।
पादतो वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ शनौ उषा ल. गो. १२-१ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ६ गुरौ उभा ल. १ रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।
,, १० शुक्रे उभा ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।।।नृ।ऽ।।
,, १० शुक्रे रेव ल. १ रे. ७ ।।।।।ऽनृऽऽ।।
,, ११ शनौ रेव ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽनृऽऽ।।
शुक्ला ५ भौमे मघा ल. ऽन्यगो १ रे. ८ ऽऽ।।।।।।।।
,, ८ गुरौ उफा ल. ऽन्यगो १२ (चं.७पू.) रे. ६
।।।।।।।ऽ।।
,, १३ भौमे अनु ल. १२-२ (चं.७पू.) रे.८।।।।।।ऽ।।ऽ
आषाढ मासः
कृष्णा ८ गुरौ उभा ल. १-२ रे. ६ ऽ।।।।ऽरो४५या।ऽ।ऽ
,, ८ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे. ८
।।।।।।ऽऽ।। (भौमाष्टम महादोषः)
शुक्ला ४ भौमे मघा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) (भौमाष्टम महादोषः) रे. ६ ।।।।।ऽअ।।।।
,, ५ बुधे उफा ल. १-२ रे. १० ।।।।।।।।।।
,, ८ शनौ स्वात्यां ल.१ (चं.७पू.) रे.८ ।।।।।ऽचौऽ।।।
चैत्र मासः
कृष्णा २ शनौ हस्ते ल. गो. रे. ८ ऽऽ।।।।।।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २९२१स.२०३७
१	चं ४४ ५१ रे २६ ५६ ऐं ६ १२ किं ११ ४४	३१	५ ४७	६ ३३	१५	२९	५	मे.२६।५६	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	मं ५१ ८ अ ३४ २८ वै ८ २८ बा १८ ०	१०	४६	१४	१६	३०	६	मेषे	शतेशुक्रः २।३९ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	बु ५७ ८ भ ४१ ५० वि १० ४८ तै २४ ८	१४	४४	१४	१७	१	७	वृ.५८।२९	रविलावल ३ मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	गु ६० ० कृ ४८ २५ प्री १२ २७ व २९ ४३	१७	४५	१५	१८	२	८	वृषे	भ.२९।४३ उ.आर्द्रा.भौमः ४०।५८
४	शु २ १९ रो ५४ १७ आ १३ ५० वि २ १९	२१	४४	१६	१९	३	९	वृषे	भ.२।१९ या.
५	श ६ ४५ मृ ५८ ५६ सौ १४ २९ बा ६ ४५	२४	४४	१६	२०	४	१०	मि २६।३६	बुधोदयः पूर्वस्यां ६।७
६	र ९ ४९ आ ६० ० शो १३ ५२ तै ९ ४९	२८	४३	१७	२१	५	११	मिथुने	
७	चं ११ ३४ आ २ १२ अ १२ ४ व ११ ३४	३१	४२	१८	२२	६	१२	क.४८।२१	भ.११।३४ उ.४१।३७ या.
८	मं ११ ४० पु ३ ४४ सु ८ ५७ ब ११ ४०	३५	४१	१९	२३	७	१३	कर्के	मार्गीबुधः २०।५८ रामनवमीस्मा.
९	बु ९ ४५ पु ३ ३६ धृ १२ ५३ कौ ९ ४५	३८	४०	२०	२४	८	१४	कर्के	अश्वि.मेषेऽर्कः ११/१ (सौरः १९/४०) पुन ३ गुरुः +
१०	गु ६ २ श्ले ३५ ५६ गं ५० २५ ग ६ २	४२	४०	२०	२५	९	१५	सिं १।३५	भ.३३।१३ उ.[+२५।८ रामयवमीवै.
११	शु ० २५ पू ५२ १२ वृ ४२ २ वि ० २५	४६	३९	२१	२६	१०	१६	सिंहे	भ.०।२५ या. पातस्पर्शः १८।२१ पातमो×
१२	शु ५२ ५० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०							० ०	[×३०।७ कामदा ११ व्र.
१३	श ४४ ३६ उ ४५ २५ धु ३१ ४५ कौ १८ ५५	५०	३८	२२	२७	११	१७	कं.५।३०	आर्द्रा ४ राहुः पूषा २ केतुः ४९।१ प्रदोषः
१४	र ३५ ५ ह ३७ ४९ व्या २० ५८ ग ९ ५१	५३	३७	२३	२८	१२	१८	कन्यायां	भ.३५।५ उ.पूभा.शुक्रः ७।३१
१५	चं २५ ४ चि २९ ४७ ह १२/१६ ४८ वि ० ४	५७	३७	२३	२९	१३	१९	तु.३।४७	भ.०।४ या. हनुमज्जयंती

५२पं.चै.शु.१चं.इ. ५५/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	२	१०	४	२	११
२१	५	१६	२६	६	१६	२०	२१
१३	६	३५	१	३१	१३	३७	४५
३१	०	३५	५	५९	५	३६	२५
५९	३४	३०/७	४	६५	३/२१	३	५९
४	२	व.१४	४	व.११	४		

गोचर ग्रहाः

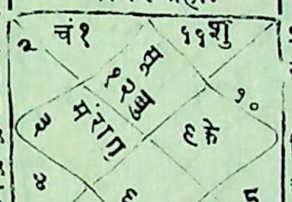

चैत्रशुक्ले ९ बुधे मेषे-ऽर्क प्रविष्टः वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु.१५ धान्या-दिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

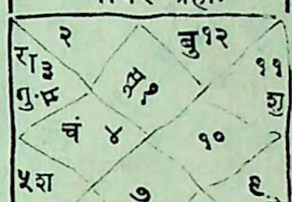

१पं.चै.शु.९बु.इ. ११/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	२	१०	४	२	११
०	९	६	२९	१५	१५	२०	२९
०	४१	१८	३८	३७	४६	११	५१
०	२४	२५	२४	४१	३७	३१	४०
५८	३४	९/११	५	६६	३/४	३	५८
४४	३४	मा	३७	४७	व.११		४५

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	मं १५ ५ स्वा २२ ३ सि ४८ २९ कौ १५ ५	३२/१	५ ३६	६ २४	३०	१४	२०	तुलायां	
२	बु ५१/५४ ४९/४० वि १४ ५२ व्य ३८ ४७ ग ५ ४०	५	३५	२५	१	१५	२१	वृ.१।४०	भ.३३/३३ उ.५७/२९ या.भा.वैशाखारंभः
३	गु ५० ३१ अ ९ १६ च ३० ३१ ब २३ ५८	९	३४	२६	२	१६	२२	वृश्चिके	चतुर्थीव्र.
४	शु ४५ ४७ ज्ये ५ ७ प २३ ४३ कौ १८ ९	१२	३४	२६	३	१७	२३	धा.५।७	
५	श ४२ ५४ मू ३ २ शि १८ २४ ग १४ २०	१६	३३	२७	४	१८	२४	धनुषि	भ.४२।५४ उ.
६	र ४२ १३ पू २ ४३ सि १४ ४६ वि १२ ३३	२०	३२	२८	५	१९	२५	म.१८।१३	भ.१२।३३ या.
७	चं ४३ २७ उ ४ ४३ सा १२ ४६ बा १२ ५०	२३	३१	२९	६	२०	२६	मकरे	मीनेशुक्रः २८।०
८	मं ४६ १९ श्र ८ १७ शु १२ १७ तै १४ ५३	२७	३१	२९	७	२१	२७	कुं.४०।५७	भरण्यांरविः ५१।१३
९	बु ५० ४७ ध १३ ३८ शु १३ ० व १८ ३३	३१	३०	३०	८	२२	२८	कुम्भे	भ.१९/३३ उ.५४/७ या.भरण्यांरविः सौरः १९/९ =
१०	गु ५६ ४ श १९ ५३ ब्र १४ २३ ब २३ २५	३४	२९	३१	९	२३	२९	कुम्भे	उभा.शुक्रः ५१।५६ वरुथिनी ११ व्र.
११	शु ६० ० पू २७ १० ऐं १६ ३४ कौ २९ ११	३८	२८	३२	१०	२४	३०	मी १०।२१	[=रेवत्यांबुधः १३।३
१२	श २ १७ उ ३४ ३४ वै १८ ५४ तै २ १७	४१	२८	३२	११	२५	१	मीने	मई ४ ता.३१ प्रदोषः
१३	र ८ ३५ रे ४२ १६ वि २१ २४ ब ८ ३५	४५	२७	३३	१२	२६	२	मे.४२।१६	भ.३९/५ उ.४९/४० या.पुनर्भौमः २६।२२
१४	चं १४ ४४ अ ४९ ३४ प्री २३ ४७ श १४ ४४	४८	२६	३४	१३	२७	३	मेषे	
३०	मं २० ४५ भ ५६ ४४ आ २५ ५४ ना २० ४५	५२	२६	३४	१४	२८	४	मेषे	

२पं.वै.कृ.२बु.इ. १९/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	२	१०	४	२	०
६	१३	१०	२७	२३	१५	१९	६
५०	३८	३	१८	२८	३०	४९	४१
४६	१७	३६	५४	८	०	१६	५१
५८	३५	३८	६	६७	१/५७	३	५८
३०	१२	२	३७	५७	व	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला चांदी स्वर्ण मंदे हों रुई कपास वारदाना गुड़ सक्कर चीनी नमक गन्नाघृत तेल तेज रहे ।

गोचर ग्रहाः

३पं.वै.कृ.१०बु.इ. १३/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	२	११	४	२	०
१३	१७	१६	२८	१	१५	१९	१३
३९	३७	३८	६	२४	१७	२७	३०
५०	८	२८	२५	२९	३५	०	१६
५८	३५	६२	७	६८	२१/१	३	५८
१९	३३	३६	३८	५२	व	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	बैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२९५१स.२०३८
१	बु २६ १० कृ ६० ० सौ २७ ३५ ब २६ १०	३२ ५५ २५ ३६	१५ २९ ५	बृ.१३।१८	
२	गु ३० ४६ कृ २ ५९ शो २८ ३२ कौ ३० ४६	५८ २४ ३६	१६ ३० ६	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
३	शु ३४ ४३ रो ८ ३५ अ २८ ५६ तै २ ४४	३३ २४ ३६	१७ १ ७	मि४०।५१	रविलाखर४परशुरामजयंतीअक्षया३
४	श ३७ २८ मृ १३ ८ सु २८ २५ व ६ ५	५ २३ ३७	१८ २ ८	मिथुने	भ.६उ.३७या.अश्वि.मेषेबुधः२६।१८
५	र ३९ ५ आ १६ ५२ धृ २७ १६ ब ८ १६	८ २२ ३८	१९ ३ ९	मिथुने	
६	चं ३९ २९ पु १९ १४ शू २४ ६ कौ ९ १९	११ २२ ३८	२० ४ १०	क.३।३८	
७	मं ३८ ३५ पु २० १५ गं २० ४६ ग ९ २	१४ २१ ३९	२१ ५ ११	कर्के	भ.३६उ.कृत्ति.रविः३५ सौरः४६) A
८	बु ३६ ७ श्ले १९ ५३ बृ १६ १० वि ७ २१	१७ २१ ३९	२२ ६ १२	सिं१९।५३	भ.७।२१या.पातमोक्षः४।३२
९	गु ३२ ७ म १८ ५० ध्रु १० २५ बा ४ ७	२० २० ४०	२३ ७ १३	सिंहे	[Λरेवत्यांशुक्रः२४पुन४कर्केगुरुः५२×
१०	शु २६ ५१ पू १४ ३१ व्या २८ ५१ ग २६ ५१	२३ १९ ४१	२४ ८ १४	क.२८।१९	भ५३।२४उ.[×मार्गांश.३३पातस्पर्श४५
११	श २० ० उ ९ ४३ व ४७ १८ वि २० ०	२६ १९ ४१	२५ ९ १५	कन्यायां	भ.२०।०या.बृषेऽर्कः४।२७ (सौरः१६ +
१२	र १२ १ ह ५९ ५९ सि ३७ १८ बा १२ १	२८ १८ ४२	२६ १० १६	तु.३०।३४	भरण्यांबुधः२६।७प्रदोषः
१३	चं ३ ७ खा ४९ ४३ व्य २६ ५९ तै ३ ७	३१ १८ ४२	२७ ११ १७	तुलायां	भ.५३।४२उ.नृसिंहजयंती
१४	चं ५० ३५ ० ० ० ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	[+मोहिनी१व्रत.
१५	मं ४४ १४ वि ४२ ३२ व १६ ३० वि १८ ५८	३४ १७ ४३	२८ १२ १८	बृ.२९।२०	भ.१८।५८या.यमायक भदानम्

४पं.वै.शु.१बु.इ. ११ ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	२	११	४	२	०
२०	२१	२५	२९	९	१५	१९	२०
२७	३८	३०	१	२५	१०	४	१७
२९	५६	४	१२	३७	५२	४४	३
५८	३५	८	३८	६९	२९	३	५७
६	५३	६	४०	४०	वे	११	५७

गोचर ग्रहाः

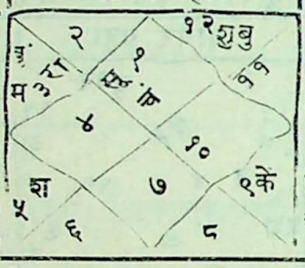

वैशाखशुक्ले ११ शनौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

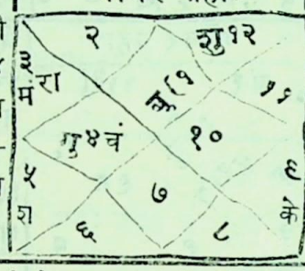

५पं.वै.शु.८बु.इ. १२ ०

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	११	४	२	०
२७	२५	६	०	१७	१५	१८	२७
१३	४१	१५	३	३०	८	४२	२
३७	३१	१४	४	४७	५४	२९	१७
५७	३६	०	९	७०	०	३	५७
५४	१९	४९	२९	२५	मी	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०	दि. उ. अ.	भा. मु. इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.
१	बु ३५ २० अ ३५ ५१ प २७ ५० बा ९ ४७	३३ ३७ १७ ४३	२९ १३ १९	वृश्चिके	कर्के भौमः ३५।४५
२	गु २७ २६ ज्ये ३० ११ सि ४८ ४१ तै १ २३	३९ १६ ४४	३० १४ २०	ध.३०।११	भ.५४।१८उ.
३	शु २१ १० मू २६ १४ सा ४१ ५३ वि २१ १०	४२ १६ ४४	३१ १५ २१	धनुषि	भ.२१या.बुधास्तःपूर्वस्यां ३५चतुर्थीव्र.
४	श १६ ४० पू २४ १० शु ३६ ४१ बा १६ ४०	४४ १५ ४५	१ १६ २२	म.३९।११	अश्वि.मेषेशुक्रः२६भा.ज्येष्ठारंभः
५	र १४ २६ उ २४ १५ शु ३३ १६ तै १४ २६	४७ १५ ४५	२ १७ २३	मकरे	कृत्ति.बुधः२१पातस्पर्श२३पातमोक्षः५२
६	चं १४ २५ श्र २६ २२ ब्र ३१ २० व १४ २५	४९ १४ ४६	३ १८ २४	कुं.५८।३०	भ.१४उ.४५या.बृषेबुधः५६।२९
७	मं १६ २६ ध ३० ३८ ऐं ३१ २२ ब १६ २६	५२ १४ ४६	४ १९ २५	कुम्भे	रोहि.रविः२७ (सौरः४२) पुष्येभौम१९
८	बु २० १३ श ३६ २२ वै ३२ ६ कौ २० १३	५४ १३ ४७	५ २० २६	कुंभे	
९	गु २५ १४ पू ४३ २० वि ३४ १ ग २५ १४	५६ १३ ४७	६ २१ २७	मी२६।२१	भ.५८।१५उ.
१०	शु ३१ १७ उ ५० ४३ प्री ३६ २७ वि ३१ १७	५८ १२ ४८	७ २२ २८	मीने	भ.३१।१७या.
११	श ३७ ३५ रे ५८ २३ आ ३८ ४९ ब ४ २६	३४० १२ ४८	८ २३ २९	मे.५८।२३	रोहि.बुधः४१।१३अपरा११व्र.
१२	र ४३ ५३ अ ६० ० सौ ४१ २२ कौ १० ४४	३ १२ ४८	९ २४ ३०	मेषे	
१३	चं ४९ ४३ अ ५ ४८ शो ४३ ३० ग १६ ४८	३ ११ ४९	१० २५ ३१	मेषे	भ.४९उ.पुष्य१गुरुः५१।१०प्रदोषः
१४	मं ५४ ४१ भ १२ ४४ अ ४५ ५ वि २२ १२	५ ११ ४९	११ २६ १	बृ.२९।१५	भ.२२।१२या.जून६ता.३०
३०	बु ५८ ३४ कृ १८ ५० सु ४५ ४५ च २६ ३७	७ ११ ४९	१२ २७ २	वृषे	वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ.१बु.इ. १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	३	११	४	२	१
३	२९	१८	१	२५	१५	१८	३
५८	४५	४०	९	३९	१२	२०	४६
४४	३६	२६	०	०	३२	१३	५
५७	३६	८	१०	७१	०	३	५७
४४	३८	४८	१२	४५	११	३४	

७पं.ज्ये.कृ.८बु.इ. १२ ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	३	०	४	२	१
१०	३	२	२	३	१५	१७	१०
४२	५२	३९	१९	५१	२१	५७	२८
४०	५२	४०	५५	०	४	५८	१३
५७	३६	८	१०	७१	१	३	५७
३५	५२	२६	५५	२९	३२	११	२३

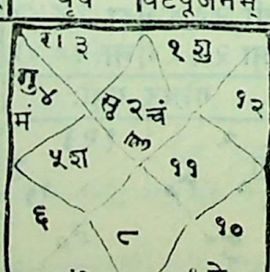

८पं.ज्ये.कृ.३०बु.इ. १२ २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	३	०	४	२	१
१७	८	१७	३	१२	१५	१७	१७
२५	३	५१	३५	५	३४	३५	९
२६	०	१८	२८	२४	२३	४२	१९
५७	३७	८	११	७१	२	३	५७
२७	८	५८	२६	५६	१२	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २९८०स.२०३८
१	गु ६० ० रो २३ ५१ धृ ४५ ४३ किं ३० २	३४	५	६	१३	२८	३	मि५५।५४	भरण्यांशुक्रः १४।३३
१	शु १ ३१ मृ २७ ५७ शू ४४ ५० व १ ३१	१०	१०	५०	१४	२९	४	मिथुने	मृगेबुधः ४५।१६च द्रदर्शनम्
२	श ३ २२ आ ३० ४८ गं ४३ ५ कौ ३ २२	१२	१०	५०	१५	१	५	मिथुने	जमादिलावल५
३	र ४ ३ पु ३२ ४१ बृ ४० २५ ग ४ ३	१३	९	५१	१६	२	६	क.१७।३३	भ.३३।५५उ.
४	चं ३ ४७ पु ३३ ३६ धु ३७ १३ वि ३ ४७	१५	९	५१	१७	३	७	कर्के	भ.३।४७या.मिथुनेबुध.:४२।४८
५	मं २ २९ श्ले ३३ ३७ व्या ३३ १३ बा २ २९	१६	९	५१	१८	४	८	सिं३३।३७	मृगेरविः २२।४२(सौरः४१।४२)
६	बु ० १४ म ३२ ३२ ह २८ १३ तै ० १४	१७	९	५१	१९	५	९	सिंहे	भ.५६।५÷उ.
७	बु ५६ ३८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०								
८	गु ५२ ४७ पू ३० ३४ व २२ ३५ वि २४ ५१	१८	८	५२	२०	६	१०	क.४४।५०	भ.२४।५१या.आर्द्रां.बुधः५४।१०
९	शु ४७ ३६ उ २७ ४० सि १६ २ बा २० ११	१९	८	५२	२१	७	११	कन्यायां	[=गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.
१०	श ४१ ३१ ह २३ ४४ व्य ८ ४८ तै १४ ३३	१९	८	५२	२२	८	१२	तु.५१।१९	बुधोदयःपश्चिमायां ३१ गंगादशमी
११	र ३४ ३४ चि १८ ५४ व ४३ ५१ व ८ २	२०	८	५२	२३	९	१३	तुलायां	भ.८।२उ.३४या.निर्जला११व्र.
१२	चं २६ ५८ स्वा १३ २२ शि ४३ ११ व ० ४६	२१	८	५२	२४	१०	१४	वृ.५४।१५	कृत्ति.शुक्रः ३२।३७प्रदोषः
१३	मं १८ ५४ वि ७ ४९ सि ३४ २ तै १८ ५४	२१	८	५२	२५	११	१५	वृश्चिके	मिथुनेऽर्कः २१।१६ (सौरः४२।३०)
१४	बु १० ५८ अ ५७ ५४ सा २५ ५ व १० ५८	२२	८	५२	२६	१२	१६	ध.५६।३५	भ.५८उ.३७या.आश्ले.भौमः३३।६
१५	गु ३ २२ मू ५२ ८ शु १६ ४१ व ३ २२	२२	८	५२	२७	१३	१७	धनुषि	पुन.बुधः ३७।२६वृ षेशुक्रः १७।५२=

१०पं.ज्ये.शु.६बु.इ. १२।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	३	०	४	२	१
२४	१२	३	४	२०	१५	१७	२३
७	१३	७	५४	२२	५२	१३	४९
३०	१९	१२	२९	५	१६	२६	१५
५७	३७	५९	१२	७२	२	३	५७
२२	२२	२६	२	१६	५१	११	५

गोचर ग्रहाः

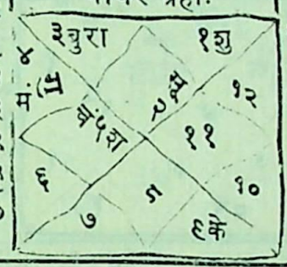

ज्येष्ठशुक्ले १३ भौमे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः. वा.४न.६ प्रौढावस्था बैठी मु.४५ धान्या-दिभावेसमताशुकोदय पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

१०पं.ज्ये.शु.१४बु.इ. १२/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	०	४	२	२
०	१६	१७	६	२८	१६	१६	०
४८	२४	१८	१६	४०	१४	५१	२८
४१	२९	२५	३७	४१	४९	११	२४
५७	३७	५९	१२	७२	३	३	५६
१७	३६	५६	२०	३७	३२	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहा.
१	गु ५३ ४३ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	शु ५२ ५ पू ४८ ५१ शु ९ १६ वै २४ ३५	३४	५	६	२८	१४	१८	धनुषि	पुष्य.२गुरुः ११।२०
३	श ४८ ५४ उ ४७ ४२ ब्र ३ ५५ व २० ३०	२३	७	५३	२९	१५	१९	म.३।३४	भ.३०उ.५४या.आर्द्रां.३राहुःपूषा.१=
४	र ४७ ४० श्र ४८ २९ वै ५५ ११ ब १८ १७	२३	७	५३	३०	१६	२०	मकरे	चतुर्थी व्र. [=केतुः ४३।२३
५	चं ४८ ३५ ध ५१ ७ वि ५४ ० कौ १८ ७	२४	७	५३	३१	१७	२१	कुं.१९।४८	
६	मं ५१ २८ श ५५ ४४ प्री ५३ ३९ ग २० १	२४	७	५३	१	१८	२२	कुम्भे	भ.५१उ.आर्द्रा.रविः २९ सौरः४४।३)÷
७	बु ५५ ५९ पू ६० ० आ ५४ ५५ वि २३ ४३	२४	७	५३	२	१९	२३	मी४५।१५	भ.२३।४३या.कर्कबुधः४७।३५
८	गु ६० ० पू १ ४६ सौ ५६ ५० बा २८ ४४	२४	७	५३	३	२०	२४	मीने	[÷पूफा.२शनिः ४३ भा.आषाढारंभः
८	शु १ २९ उ ८ ५० शो ५९ १७ कौ १ २९	२४	७	५३	४	२१	२५	मीने	पुष्येबुधः ५२।१४रोहि.शुक्रः ३८।३५
९	श ७ ४० रे १६ १९ अ ६० ० ग ७ ४०	२३	७	५३	५	२२	२६	मे.१६।१९	भ.४०।४४उ.
१०	र १३ ४९ अ २३ ५० अ १ ४३ वि १३ ४९	२३	७	५३	६	२३	२७	मेषे	भ.१३।४९या.
११	चं १९ ४२ भ ३० ५६ सु ४ २ बा १९ ४२	२२	८	५२	७	२४	२८	वृ.४७।२७	योगिनी११व्र.
१२	मं २४ ३५ कृ ३७ १ धृ ५ ४२ तै २४ ३५	२२	८	५२	८	२५	२९	वृषे	प्रदोषः
१३	बु २८ ४ रो ४१ ५३ शू ६ २५ व २८ ४	२१	८	५२	९	२६	३०	वृषे	भ.२८।४उ.५९।१३या.
१४	गु ३० २१ मृ ४५ ३२ गं ६ ८ श ३० २१	२०	८	५२	१०	२७	१	मि१३।४३	जुलाई७ता.३१
२०	शु ३१ १० आ ४७ ४३ वृ ४ ४७ च ० ५०	१९	८	५२	११	२८	२	मिथुने	

११ पं.आ.कृ.७बु.इ. १२/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	१	४	२	२
७	२०	२९	७	७	१६	१६	७
२९	३७	३	४१	१	४१	२८	६
४२	१९	१८	१०	४४	३८	५५	५१
५७	३७	९६	१२	७२	४	३	५६
१३	५०	२२	४६	५६	८	११	५४

गोचर ग्रहाः

शुक्रस्यपंचवारा स्युः यत्रमासेनिरन्तरम् । प्रजावृद्धिः सुभिक्षं च सुखं तत्र प्रवर्तते ।। इस मास में प्रजा में सुख शान्ति रहे । कहीं २ वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

१२पं.आ.कृ.१३बु.इ. १२/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	३	१	४	२	२
१४	२४	९	९	१५	१७	१६	१३
१०	५१	६	८	२४	१२	६	४४
८	२५	४७	४२	०	३६	४०	५६
५७	३८	७५	१३	७३	४	३	५६
७	५	२०	८	१४	४१	११	५०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	बर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽर्गणः ३०१०स.२०३८
१	श ३० ४० पु ४८ ३५ ध्रु १३ ५६ किं ० ५५	३४	५	६	१२	२९	३	क.३३।२२	
२	र २९ १ पु ४८ ३४ ह ५३ ५५ कौ २९ १	१७	९	५१	१३	३०	४	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	चं २६ २८ श्ले ४७ ३९ व ४८ ५८ ग २६ २८	१६	९	५१	१४	१	५	सिं४७।३९	भ.५४ उ.पुष्य.३गुरुः२२ जमादिलाखर६
४	मं २२ ५९ म ४५ ५५ सि ४३ २३ वि २२ ५९	१५	९	५१	१५	२	६	सिंहे	भ.३२ या.पुन.रविः१८ सौरः४६ आश्ले१
५	बु १९ ८ पू ४३ ४० व्य ३७ ४६ बा १९ ८	१४	९	५१	१६	३	७	कं.५८।१	[१बुधः५० ४मृगेशुक्रः४८
६	गु १४ ४५ उ ४१ २ व ३१ २६ तै १४ ४५	१३	९	५१	१७	४	८	कन्यायां	मघा.सिंहेभौमः३४।४६
७	शु १० २ ह ३७ ५५ प २४ ५० व १० २	११	१०	५०	१८	५	९	कन्यायां	भ.१०।२उ.३७।२७या.
८	श ४ ५३ चि ३४ ३५ शि १८ १ ब ४ ५३	१०	१०	५०	१९	६	१०	तु.६।१५	
९	श ५४ २३ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	र ५३ २४ स्वा ३० ५४ सि १० ४७ तै २६ २०	८	१०	५०	२०	७	११	तुलायां	
११	चं ४७ १९ वि २७ ५५ सा ३३ ५२ व २० २१	७	११	४९	२१	८	१२	वृ.१३।४०	भ.२०।२१उ.४७।१९या.मिथुनेशुक्रः-
१२	मं ४१ १६ अ २२ ५० शु ४८ १९ ब्र १४ १७	५	११	४९	२२	९	१३	वृश्चिके	[-२२।३८देवशयनी११व्र.
१३	बु ३५ १७ ज्ये १८ ४९ ब्र ४१ ५९ कौ ८ १६	३	११	४९	२३	१०	१४	ध.१८।४९	प्रदोषः
१४	गु ३० १० मू १५ ३४ ऐ ३५ १६ ग २ ४३	१	१२	४८	२४	११	१५	धनुषि	भ.३०।१०उ.५७।५८या.वायुपरीक्षा
१५	शु २५ ४७ पू १२ ४९ वै २९ २० ब २५ ४७	३३	१२	४८	२५	१२	१६	म.२७।२०	कर्केऽर्कः४८।२७व्यासपूजा गुरु१५

१३पं.आ.शु.५ब.इ. १२/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	३	१	४	२	२
२०	२९	१६	१०	२३	१७	१५	२०
५०	७	५७	३७	४८	४७	४४	२२
३५	२३	५८	४८	२५	१३	२४	५०
५७	३८	५०	१३	७३	५	३	५६
७	१२	४९	२०	२२	२	११	५०

गोचर ग्रहाः

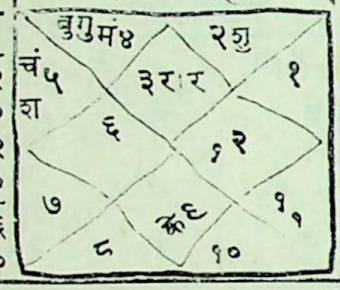

आषाढ शुक्ले १५शुक्रे कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा४ न.५ कुमार्यवस्था (बैठी) म.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

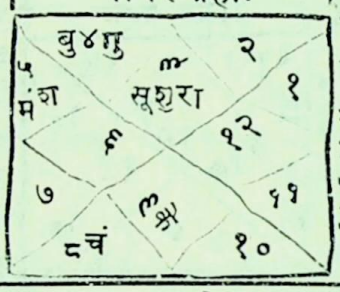

१४पं.आ.शु.१३ब.इ. ११/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	३	२	४	२	२
२७	३	२२	१२	२	१८	१५	२७
३०	२४	८	८	१४	२५	२२	०
५४	५४	३५	२८	१०	१९	८	५७
५७	३८	२२	१३	७३	५	३	५६
१२	२९	२१	२६	३७	३२	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	श २२ ५१ उ ११ ३२ वि २४ ३१ कौ २२ ५१	३३	५	६	२६	१३	१७	मकरे	कर्केऽर्कःसौरः२९ आर्द्रा शुक्रः४६
२	र २१ ३९ श्र ११ ५१ प्री २० ४५ ग २१ ३९	५५	१३	४७	२७	१४	१८	कुं.४२।४६	भ.५१।४८उ.
३	चं २१ ५७ ध १३ ४१ आ १८ ३८ वि २१ ५७	५२	१४	४६	२८	१५	१९	कुंभे	भ.२१ या.वक्रीबुधः१७ पुष्य.४गुरुः४९=
४	मं २४ १४ श १७ ८ सौ १७ ४० बा २४ १४	५०	१४	४६	२९	१६	२०	कुम्भे	पुष्य.रविः१७।४५(सौरः५१।३०)
५	बु २८ १ पू २२ १४ शो १७ ५४ तै २८ १	४८	१४	४६	३०	१७	२१	मी५।५८	नाग५मरुस्थले [=चतुर्थीव्र.
६	गु ३३ १३ उ २८ ४६ अ १९ १९ ग ० ३७	४५	१५	४५	३१	१८	२२	मीने	भ.३३।१३उ.
७	शु ३९ १७ रे ३५ ५१ सु २१ १९ वि ६ १५	४३	१५	४५	१	१९	२३	मे.३५।५१	भ.६५ या.अस्तंगुरोः६ भा.श्रावणारंभः
८	श ४५ १७ अ ४३ ३१ धृ २३ ४७ बा १२ १७	४०	१६	४४	२	२०	२४	मेषे	
९	र ५१ २० भ ५० ४९ शू २६ १३ तै १८ १८	३८	१६	४४	३	२१	२५	मेषे	
१०	चं ५६ २५ कृ ५६ ४० गं २८ १२ व २३ ५२	३५	१७	४३	४	२२	२६	वृ.७।१७	भ.२३।५२उ.५६।२५या.
११	मं ६० ० रो ६० ० बृ २९ २३ व २८ १३	३३	१७	४३	५	२३	२७	वृषे	कामिका११व्र.स्मा.
११	बु ० २ रा २ ४१ ध्रु २९ २२ बा ० २	३०	१८	४२	६	२४	२८	मि३४।३५	पुन.शुक्रः५०।५४कामिका११व्र.वै.
१२	गु २ १६ मृ ६ २८ ध्या २८ १३ तै २ १६	२७	१९	४१	७	२५	२९	मिथुने	पूफा.३शनिः२९ बुधास्तःपश्चिमायां१५+
१३	शु २ ४४ आ ८ ३१ ह २५ ४३ व २ ४४	२४	१९	४१	८	२६	३०	क.५३।५३	भ.२४ उ.३५ या.पूफा.भौमः८।५६
१४	श १ २७ पु ९ १ व २१ १२ श १ २७	२२	२०	४०	९	२७	३१	कर्के	हरियाली [+प्रदोषः
३०	श ५७ ११ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	

१५पं.श्रा.कृ.५ब.इ. ११/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	३	२	४	२	३
४	७	२४	१३	१०	१९	१४	३
११	४४	२	४०	४२	६	५९	३९
३८	१०	४२	५	२५	११	५३	२४
५७	३८	९२	१३	७३	६	३	५६
१५	३७	वं.	३२	४७	५५	११	५९

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५शनिवार अशुभ हैं। शनिवाराः यदां पंच पाताले कम्पते फणी ईशान देश भंगश्च वह्निदाहो महर्घता

गोचर ग्रहाः

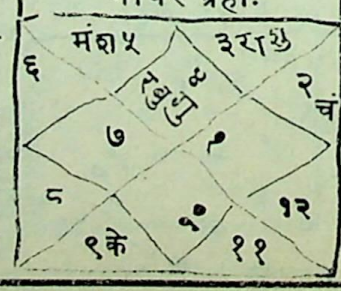

१६पं.श्रा.कृ.११ब.इ. ११/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	३	२	४	२	३
१०	१२	२२	१५	१९	१९	१४	१०
५२	४	१३	१२	११	४९	३७	१८
४१	१	३४	१८	४६	४१	३७	४१
५७	३८	३५	१३	७३	६	३	५७
२०	५४	वं.	३८	५०	२०	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०६५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्गण३०३६स२०३८
१	र ५४ ३७ पु ७ ५६ सि १६ ५०	किं	२६	३७	३३	५	२०	६ ४०	१० २८ १ कर्के अगस्तदता.३१
२	चं ४६ ३४ श्ले ५ ४७ व्य १० ५३	बा	२२	५	१६	२१	३६	११ २६ २ सिं५।४७ चन्द्रदर्शनम् २ सिंवारा
३	मं ४३ ५८ म ४३ ५६ व १४ ५२	तै	१६	४६	१३	२१	३६	१२ १ ३ सिंहे आश्लेरविः १ ४६ (सौरः ५२ ५७ आश्ले.१गुरुः-
४	बु ३८ १६ उ ५५ १४ शि ४६ ३२	व	११	७	१०	२२	३८	१३ २ ४ कं.१३।७ भ.११।७उ.३८।१६या.वरद४
५	गु ३२ १६ ह ५१ २० सि ४२ २०	ब	५	१७	७	२३	३७	१४ ३ ५ कन्यायां वक्रीपुष्येबुध.५।४०नागपंचमी
६	शु २६ ४३ चि ४७ ३८ सा ३५ १०	तै	२६	४३	४	२३	३७	१५ ४ ६ तु.१९।२६ कर्केशुक्रः२।५६
७	श २१ ७ स्वा ४४ २६ शु २७ ५७	व	२१	७	०	२४	३६	१६ ५ ७ तुलायां भ.२१।७उ.४८।३०या.
८	र १५ ५३ वि ४० ५६ शु २० ५७	ब	१५	५३	३२	२५	३५	१७ ६ ८ वृ.२६।४६ पुष्येशुक्रः४६।२६
९	चं १० ५८ अ ३८ ८ व्र १४ १६	कौ	१०	५८	५४	२५	३५	१८ ७ ९ वृश्चिके [-४६ ५ रज्जव७तीज
१०	मं ६ १८ ज्ये ३५ ४२ ऐं ७ ५७	ग	६	१८	५०	२६	३४	१९ ८ १० ध.३५।४२ भ.३४।१५उ.
११	बु २ ११ मू ३३ ४८ वै १२ ५४	वि	२	११	४७	२७	३३	२० ९ ११ धनुषि भ.२।११या.पवित्रा११त्र.
१२	बु ५६ २६ ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० [=श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम् भद्रो.
१३	गु ५५ ५४ पू ३२ २५ प्री ५१ २५	कौ	२७	१५	४४	२७	३३	२१ १० १२ म.४७।१८ बुधोदयःपूर्वस्यां२७।५७प्रदोषः
१४	शु ५४ ७ उ ३१ ५६ आ ४७ १३	ग	२५	०	४०	२८	३२	२२ ११ १३ मकरे भ.५४।७उ.
१५	श ५३ ३६ श्र ३२ ५२ सौ ४४ २	वि	२३	५३	३७	२६	३१	२३ १२ १४ मकरे भ.२३।५३या.मार्गीबुधः३१।७=

१७पं.श्रा.शु.४बु.इ. १९ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	३	२	४	२	३
१७	१६	१७	१६	२७	२०	१४	१६
३४	२५	२३	४५	४२	३५	१५	५८
२३	५२	५३	१४	३६	४६	२२	२९
५७	३८	४८ ४०	१३	७३	६	३	५७
२१	५४	व.३८	५९	३२	११	१२	

गोचर ग्रहाः

इसमासमें धातुसोना चांदी धान्य बाजरा मूंग मोठ गेहूं जौ चना रुईकपास वस्त्र वारदाना तेज हो।

गोचर ग्रहाः

१८पं.श्रा.शु.११बु.इ. १९ ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	३	३	४	२	३
२४	२०	१३	१८	६	२१	१३	२३
१६	४९	६	१८	१५	२३	५३	३९
४४	३९	१८	०	२२	४२	६	३६
५७	३९	५६	१३	७४	६	३	५७
३३	१	व.३८	८	४५	११	२२	

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	र ५४ ३१ ध ३४ ५३ शो ४१ ४७	बा	२४	५	३३	२९	३१	२४ १३ १५	कुं.३।५२
२	चं ५६ ५८ श ३८ १० अ ४० ५२	तै	२५	४४	३०	३०	३०	२५ १४ १६	कुंभे उदयंगुरोः१०।१२
३	मं ६० ० पू ४२ ४६ सु ४० ३६	व	२८	४५	२६	३१	२९	२६ १५ १७	मी२६।३७ भ.३८ उमघा.सिहेऽर्कः९ ४८ (सौरः ४८ ५१)
४	बु ० ३२ उ ४८ ५३ धृ ४० ३८	वि	०	३२	२२	३२	२८	२७ १६ १८	मीने भ.३ ५ या.आश्ले.२गुरुः ५४ चतुर्थी व्र.
५	गु ५ ३३ रे ५५ ४३ शू ४२ ९	बा	५	३३	१९	३२	२८	२८ १७ १९	मे.५५।४३ आश्ले.शुक्रः४०।११
६	शु ११ १७ अ ६० ० गं ४४ ३२	तै	११	१७	१५	३३	२७	२९ १८ २०	मेषे उफा.भौमः२१।३१चन्द्रषष्ठी
७	श १७ ३१ अ ३ ५ वृ ४६ ५७	व	१७	३१	१२	३४	२६	३० १९ २१	मेषे भ.१७ उ.५५ या.आर्द्रा.२राहुः मूल.४×
८	र २३ ५८ भ १० ४२ ध्रु ४९ १६	ब	२३	५८	८	३४	२६	३१ २० २२	वृ.२७।३० आश्ले.बुधः५६।१९जन्माष्टमीव्र.स्मा.
९	चं २९ २१ कृ १७ ५५ व्या ५१ ४	कौ	२९	२१	४	३५	२५	१ २१ २३	वृषे भा.भाद्रपदारंभः जन्माष्टमी व्र.वै.
१०	मं ३३ ३४ रो २३ ५९ ह ५१ ५५	तै	१	२७	१	३६	२४	२ २२ २४	मि५६।२१ गोगा९ [×केतुः ३५।२७
११	बु ३६ २० मृ २८ ४३ व ५१ २२	व	४	५७	३ ५	३७	२३	३ २३ २५	मिथुने भ.५७ उ.३० या.कन्यायांभौमः ५९+
१२	गु ३७ ११ आ ३१ ४३ सि ४९ २९	ब	६	४५	५३	३७	२३	४ २४ २६	मिथुने अजा११त्र. [+अस्तंशनेः ३ ४
१३	शु ३६ १३ पु ३२ ४४ व्य ४६ ८	कौ	६	४२	४९	३८	२२	५ २५ २७	क.१६।२९ पूफा.४शनिः२७।५वत्सद्वादशी
१४	श ३३ १२ पु ३१ ५५ व ४१ १४	ग	४	४२	४६	३९	२१	६ २६ २८	कर्के भ.३३।१२उ.प्रदोषः
१५	र २८ २६ श्ले २९ १७ प ३४ ५२	वि	०	४९	४२	४०	२०	७ २७ २९	सिं२९।१७ भ ०।४९या. [÷कुशाग्रहणी
१६	चं २२ २४ म २५ १२ शि २७ २४	ना	२२	२४	३८	४०	२०	८ २८ ३०	सिंहे पूफा.रविः ५ ६ मघा.सिहेशुक्र.३ ० ÷

१९पं.भा.कृ.३बु.इ. १९ १६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	३	३	४	२	४
१	२५	१३	१९	१४	२२	१३	०
०	१२	३५	५०	४९	१३	३०	२१
४	४३	३८	१०	५९	२६	५०	२९
५७	३९	२८ ५८	१३	७४	७	३	५७
४०	१८	म.	३२	१४	२	११	३४

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद कृष्णे३भौमे सिंहेऽर्कः प्रविष्टःवा. ५न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

२०पं.भा.कृ.१०बु.इ. १९ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	३	३	४	२	४
७	२९	१९	२१	२३	२३	१३	७
४४	४०	४२	२१	२६	३	८	५
२८	४६	०	११	२८	५०	३५	१५
५७	३९	८	१३	७४	७	३	५७
४९	१८	१२	६	२०	८	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०६९स.२०३८
१	मं	१५	१३	पू	२०	८	सि	१८	५३	ब्र	१५	१३	३१	५	६	९	९	२९	३१	कं.३३।४६
२	बु	७	४८	उ	१४	३९	सा	१०	१०	कौ	७	४८	३०	४२	१८	१०	१	१		कन्यायां
३	गु	०	५	ह	९	३	शु	१२	५९	ग	०	५	२६	४३	१७	११	२	२		तु.३६।२१
४	गु	५२	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	शु	४५	५२	चि	३८	५५	ब्र	४३	४०	ब	१९	१८	२२	४४	१६	१२	३	३		तुलायां
६	श	३९	३८	वि	५४	४१	ऐं	३५	५९	कौ	१२	४५	१८	४४	१६	१३	४	४		वृ.४२।१८
७	र	३४	२०	अ	५१	२२	वै	२८	३४	ग	६	५९	१५	४५	१५	१४	५	५		वृश्चिके
८	चं	२९	५९	ज्ये	४९	४	वि	२१	५८	वि	२	९	११	४६	१४	१५	६	६		ध.४९।४
९	मं	२६	३७	मू	४७	४६	प्री	१६	१५	कौ	२६	३७	७	४७	१३	१६	७	७		धनुषि
१०	बु	२३	२७	पू	४७	२८	आ	११	११	ग	२३	२७	३	४७	१३	१७	८	८		धनुषि
११	गु	२२	४६	उ	४८	६	सौ	७	१०	वि	२२	४६	३९	४८	१२	१८	९	९		म.२।३७
१२	शु	२२	२७	श्र	४९	४७	शो	३	४८	बा	२२	२७	५५	४९	११	१९	१०	१०		मकरे
१३	श	२३	१६	ध	५२	२५	अ	२९	५८	तै	२३	१६	५१	५०	१०	२०	११	११		कुं.२१।६
१४	र	२५	११	श	५६	२१	धृ	६०	०	व	२५	११	४७	५१	९	२१	१२	१२		कुंभे
१५	चं	२८	१८	पू	६०	०	धृ	०	१८	व	२८	१८	४३	५१	९	२२	१३	१३		मी४५।९

पूफा.रविःसौरः३९ मघा.सिंहेबुधः५७/३८-
सावान८सितंबर९ता.३०
भ.३६ उ.५२ या.बुधास्तःपूर्वस्यां३१/४९=
[=हरितालिका ३ गणेशचतुर्थी
आश्ले.३गुरुः२१।५७ऋषिपंचमी
[-चन्द्रदर्शनम्
भ.३४।२०उ.
भ.२।९या.

भ.५३।६उ.पूफा.बुधः२।८
भ.३९या अस्तोभौमः२५ जलझूलनी११
पूफा.शुक्र.१६/४८ हस्तेभौमः११/८ प्रदोषः×
[×वामनजयंती [+पूजनारंभः
भ.२५।११उ.५६।४४या.अनंत१४
उफा.रविः४३ महालयारंभःकु.संध्या.+

२१पं.भा.शु.२बु.इ. १०/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	३	४	४	२	४
१४	४	०	२२	२	२३	१२	१३
३०	९	२३	५१	४	५५	४६	५०
४	२५	४९	७	१८	४४	१९	२७
५८	३९	३	१३	७४	७	३	५७
१३	३५	१६	१४	२६	१४	११	५७

गोचर ग्रहाः

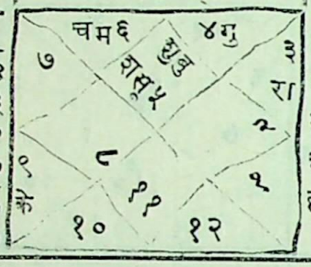

इस मास में धान्य गल्ला गेहूं जौ चना मटर बाजरा आदि मंदे हों रसकस गुड़ शक्कर घृत तेल तेज हो कहीं २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

२२पं.भा.शु.१०बु.इ. १०/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	३	४	४	२	४
२१	८	१३	२४	१०	२४	१२	२०
१७	४०	३६	१९	४३	४८	२४	३७
६	८	४०	२६	४४	१४	४	७
५८	३९	५	१२	७४	७	३	५८
१३	४३	१६	१७	२६	२०	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	मं	३२	२३	पू	१	२५	शू	०	४	बा	०	२०	३९	५२	६	२३	१४	१४		मीने
२	बु	३७	४०	उ	७	२५	गं	०	५८	तै	५	१	३५	५३	७	२४	१५	१५		मीने
३	गु	४३	२०	रे	१३	५७	बृ	२	३७	व	१०	३०	३१	५४	६	२५	१६	१६		मे.१३।५७
४	शु	४९	३६	अ	२१	२६	धु	४	४३	व	१६	२८	२७	५५	५	२६	१७	१७		मेषे
५	श	५६	०	भ	२८	५८	व्या	७	८	कौ	२२	४८	२३	५६	४	२७	१८	१८		वृ.४५।५२
६	र	६०	०	कृ	३६	३४	ह	९	२९	ग	२८	५९	१८	५६	४	२८	१९	१९		बृषे
६	चं	१	५९	रो	४३	२९	व	११	४३	व	१	५९	१४	५७	३	२९	२०	२०		वृषे
७	मं	६	५९	मृ	४९	१५	सि	१३	७	ब	६	५९	९	५८	२	३०	२१	२१		मि १६।२२
८	बु	१०	४०	आ	५३	३३	व्य	१३	४३	कौ	१०	४०	५	५९	१	३१	२२	२२		मिथुने
९	गु	१२	४२	पु	५५	५८	व	१२	५८	ग	१२	४२	३०	६	६	१	२३	२३		क.४०।२२
१०	शु	१२	४०	पु	५६	२८	प	१०	४३	वि	१२	४०	२९	६	५	२	२४	२४		कर्के
११	श	१०	३०	श्ले	५४	५२	शि	६	५८	बा	१०	३०	५२	२	५८	३	२५	२५		सिं५४।५२
१२	र	६	३२	म	५१	३१	सि	२०	५२	तै	६	३२	४८	२	५८	४	२६	२६		सिंहे
१३	चं	०	३४	पू	४६	२८	शु	४५	५८	व	०	३४	४४	३	५७	५	२७	२७		क.५९।५४
१४	चं	५२	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	मं	४४	३६	उ	४०	११	शु	३६	३७	च	१८	४८	४०	४	५६	६	२८	२८		कन्यायां

उफा.रविःसौरः२४/१३ उफा.बुधः५८/४
भ.३०उ.४३/२०या.कन्यायांबुधः४४/३३
कन्यायामर्कः६८ (सौरः४९/२३) चतुर्थी व्र.
आश्ले.४गुरुः५०।१९
भ.१।५९उ.३४।२९या.
उफा.शुक्रः०।२९
हस्तेबुधः१७ मातृ९ सौभाग्यवतीनांश्रा.
भ.४३उ.कन्यायांशुक्रः११/८ उफा.१शनि÷
भ.१२।४०या.
इंदिरा११व्र.
प्रदोषः [÷३६ भा.आश्विनारंभः
भ.३४उ.२६/८या.हस्तेरविः३१ शुक्रास्तःA
[Aपूर्वस्यां१९/१२ शस्त्रादिहतानांश्रा.
हस्तेरविःसौरः१।५४सर्वपितृ३०

२३पं.आ.कृ.२बु.इ. १०/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	३	४	४	२	४
२८	१३	२७	२५	१९	२५	१२	२७
५	१२	२	४५	२५	४१	१	२५
२८	०	१७	२५	१	१७	४८	२३
५८	३९	५	१२	७४	७	३	५८
२६	५२	५	३२	२७	२०	११	२९

गोचर ग्रहाः

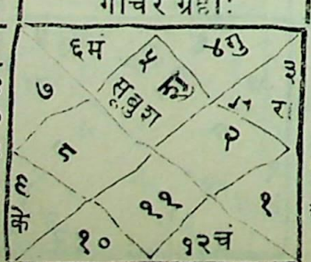

आश्विन कृष्णे४शुक्रे कन्यायामर्कःप्रविष्टः वा.४न.४बालावस्था बैठी मु.३०धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

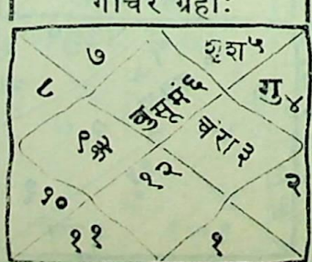

२४पं.आ.कृ.८बु.इ. १०/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	३	४	४	२	५
४	१७	९	२७	२८	२६	११	४
५५	४६	४७	८	६	३३	३९	१५
१९	५	२४	३५	५८	२९	३२	३०
५८	३९	४	१२	७४	७	३	५८
३८	५५	५३	१४	३२	१९	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६० | दि. उ. अ. | भा मु इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०९८सन् २०३८

१	बु	३५	३०	ह	३३	१६	ब्र	२६	३४	किं	१०	३	२९	६	५५	७	२९	२९	तु.५९।५४	उदयंशने: ५५ नवरात्रारंभ:मातामहश्रा.
२	गु	२६	२७	चि	२६	३२	ऐं	१६	१७	बा	०	५८	३२	६	५४	८	३०	३०	तुलायां	चित्रा.बुध: ५ २ चित्रा.भौम: ३५ ५ चंद्रदर्शनम्
३	शु	१७	४१	स्वा	१९	४३	वै	६	५९ १३	ग	१७	४१	२८	६	५४	९	१	१	तुलायां	भ. ४३ ४३ उ.हस्तेशुक्र: ४३ ४३ रमजान९-
४	श	९	४६	वि	१३	२८	प्री	४७	२	वि	९	४६	२३	७	५३	१०	२	२	वृ.०।२	भ.९।४६या. [-अक्टूबर १०ता.३१
५	र	५४	२३	अ	८	२१	आ	३९	८	बा	२	५३	१९	८	५२	११	३	३	वृश्चिके	[=बुधोदय:पश्चिमायां८।३४
६	चं	५३	१४	ज्ये	४	३५	सौ	३२	२०	ग	२५	१६	१५	९	५१	१२	४	४	ध.४।३५	भ.५३।१४उ.तुलायांबुध:२०।४३=
७	मं	५०	५२	मू	२	१०	शो	२६	३२	वि	२२	३	११	१०	५०	१३	५	५	धनुषि	भ.२२।३या.
८	बु	४९	४८	पू	१	२०	अ	२२	५	बा	२०	२०	७	११	४९	१४	६	६	म.१६।२७	[×पापांकुशा११ब्र.
९	गु	५०	१४	उ	१	४७	सु	१८	४२	तै	२०	१	३	११	४९	१५	७	७	मकरे	मघा.१सिंहेगुरु:१८।३३
१०	शु	५२	३	श्र	३	५५	धृ	१६	३५	व	२१	८	२९ ५९	१२	४८	१६	८	८	कुं.३५।३२	भ.२१।८उ ५२।३या.स्वात्यांबुध: ३५ ३९ ×
११	श	५४	५४	ध	७	१०	शू	१५	२६	ब	२३	२८	५५	१३	४७	१७	९	९	कुंभे	[+शरद्पूर्णिमास्मा.कोजागरीव्र
१२	र	५९	१	श	११	३१	गं	१५	२८	कौ	२६	५७	५१	१४	४६	१८	१०	१०	कुंभे	चित्रा.रवि: ७ ३ ३ ६ तुलायांभौम: ४ १ ४ प्रदोष:
१३	चं	६०	०	पू	१७	०	बृ	१५	४५	ग	३१	२५	४७	१५	४५	१९	११	११	मी०।३८	चित्रा.रवि:सौर:३२।२८
१४	मं	३	४९	उ	२३	१६	ध्रु	१६	५६	व	३	४९	४३	१५	४५	२०	१२	१२	मीने	भ. ३ ४९ उ. ३ ६ या.चित्रा.शुक्र: २१ ४९ +
१५	बु	९	२३	रे	३०	४	व्या	१८	२३	ब	९	२३	२९	१६	४४	२१	१३	१३	मे.३०।४	शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.

२५पं.आ.शु.१बु.इ. १० ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	३	५	४	२	५
११	२२	२१	२८	६	२७	११	११
४६	२२	४४	२९	५०	२५	१७	७
५२	३४	२८	४२	४६	१६	१७	२७
५८	४०	०	११	७४	७	३	५९
५३	१९	३८	४६	३२	९	११	०

२६पं.आ.शु.९बु.इ. १० ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	३	५	४	२	५
१८	२७	२२	२९	१५	२८	१०	१८
४०	०	५८	४५	३४	१६	५५	१
५	२२	५९	१४	४८	३७	१	१४
५९	४०	९८	११	७४	७	३	५९
९	२९	४	८	३६	२	११	१६

२७पं.आ.शु.१३बु.इ. १० २

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	४	५	४	२	५
२५	१	१३	०	२४	२९	१०	२४
३४	४०	३४	५७	१९	६	३२	५६
५९	४१	४८	१४	५९	३२	४६	१६
५९	४०	९०	१०	७४	६	३	५९
२१	३६	४१	३०	३८	४९	११	३१

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६० | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तू रविरुत्तरेमार्ग. कृष्णेति महा.

१	गु	१५	२०	अ	३७	५३	ह	२०	२८	कौ	१५	२०	२८ ३५	६	१७	५	४३	२२	१४	१४	मेषे		
२	शु	२१	४१	भ	४५	२४	व	२२	५०	ग	२१	४१	३१	१८	४२	२३	१५	१५	मेषे	भ.५४।५२उ. [Eभा.कार्तिकारंभ:
३	श	२८	४	कृ	५३	३	सि	२५	५	वि	२८	४	२७	१९	४१	२४	१६	१६	वृ.२।१९	भ.२८।४या. करक चतुर्थी व्र.
४	र	३४	२	रो	६०	०	व्य	२७	२२	ब	१	३	२३	१९	४१	२५	१७	१७	वृषे	तुलायामर्क: ३७ २८ विशा.बुध: ३७ ५ ÷
५	चं	३९	१८	रो	०	१०	व	२९	९	कौ	६	४०	२०	२०	४०	२६	१८	१८	मि३३।१९	तुलार्क:सौर:१५।२२
६	मं	४३	४६	मृ	६	२७	प	३०	२१	ग	११	३२	१६	२१	३९	२७	१९	१९	मिथुने	भ.४३।४६उ. [÷तुलायां शुक्र: ४०
७	बु	४६	४१	आ	११	४९	शि	३०	२९	वि	१५	१३	१२	२२	३८	२८	२०	२०	मिथुने	भ.१५।१३या.स्वात्यांभौम: ३४।३९
८	गु	४८	२	पु	१५	४३	स्ति	२९	२८	बा	१७	२१	८	२२	३८	२९	२१	२१	क.०।३०	उफा.२कन्यायांशनि:०।३२
९	शु	४७	२३	पु	१७	५५	सा	२७	९	तै	१७	४२	४	२३	३७	३०	२२	२२	कर्के	[Dआर्द्रा १राहु:मूल.३केतु: ३ ३ E
१०	श	४४	४८	श्ले	१८	१३	शु	२३	१०	व	१६	५	०	२४	३६	१	२३	२३	सिं१८।१३	भ. ९ ६ उ. ४ ४ या.स्वात्यांशुक्र: ३ ६ ४ D
११	र	४०	१७	म	१६	३२	शु	१९	४५	ब	१२	३२	२७ ५६	२५	३५	२	२४	२४	सिंहे	स्वात्यांरवि: १९ २८ (सौर: ५ ६ ५) रमा११ब्र.
१२	चं	३३	४९	पू	१२	५६	ब्र	१०	३९	कौ	७	३	५३	२५	३५	३	२५	२५	कं.२६।३७	वृश्चिकेबुध:१।१६धन१३
१३	मं	२६	२	उ	७	३८	ऐं	२	१० ५७	व	२६	२	४९	२६	३४	४	२६	२६	कन्यायां	भ. २६ ३ उ ५ ३ ९ ० या.रूप१४प्रदोष:
१४	बु	१६	५७	ह	९	२७	वि	४२	२	श	१६	५७	४५	२७	३३	५	२७	२७	तु.२७।१८	अनु.बुध:४१।१०महालक्ष्मीपूजनम्
३०	गु	७	१९	स्वा	४५	३५	प्री	३१	५	ना	७	१९	४१	२८	३२	६	२८	२८	तुलायां	मघा.२गुरु:३६।१४अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा

२८पं.का.कृ.७बु इ. ५ २

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	६	४	२	६
२	६	२३	२	३	२९	१०	१
३१	२३	२९	४	५	५४	१०	५४
२३	१०	२४	५२	३५	२९	३०	१९
५९	४०	८२	९	७४	६	३	५९
३४	४६	२८	४६	३८	३२	११	४६

गोचर ग्रहाः

कार्तिक कृष्णे ४रवौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न ४ गतालकावस्था (ऊभी) मृ.४५ धान्यादिभावेसमर्घत शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

२९पं.का.कृ.१४बु.इ. ५ ४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	४	६	५	२	६
९	११	२	३	११	०	९	८
२९	७	३२	७	५२	४०	४८	५३
३८	५९	३८	१	१	३४	१४	३९
५९	४०	७१	९	७४	६	३	६०
४०	५६	१३	०	३८	२०	११	२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३१२८स.२०३८
१	शु ५० १०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	शु ४७ ५५	वि ३७ ५५	आ १९ १७	बा २२ ४७	३७ ६ ५१	७	२९	२९ वृ.२४।५०	चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२
३	श ३९ २२	अ ३० ५३	सौ ९३ ५२	तै १३ ३८	३४ २९ ३१	८	१	३० वृश्चिके	सव्वाल१०
४	र ३२ २	ज्ये २५ ४	अ ५० १९	व ५ ४२	३० ३० ३०	९	२	३१ ध.२५।४	भ.५।४२उ.३२।२या.
५	चं २६ २०	मू २० ४७	सु ४३ ०	बा २६ २०	२७ ३१ २९	१०	३	१ धनुषि	नवम्बर११ता.३०
६	मं २२ ३८	पू १८ १७	धृ ३७ २	तै २२ ३८	२३ ३१ २९	११	४	२ म.३३।६	विशा.शुक्रः३९।४
७	बु २० ४२	उ १७ ३२	शू ३२ २९	व २० ४२	१९ ३२ २८	१२	५	३ मकरे	भ.२०।४२उ.५०।४८या.
८	गु २० ५५	श्र १८ ५२	गं २९ २५	ब २० ५५	१६ ३३ २७	१३	६	४ कुं.५०।२४	गोपाष्टमी
९	शु २२ ४१	ध २१ ५६	बृ २७ ४९	कौ २२ ४१	१२ ३४ २६	१४	७	५ कुम्भे	कुष्मांड९अक्षय९
१०	श २६ ०	श २६ २५	ध्रु २७ ३९	ग २६ ०	९ ३४ २६	१५	८	६ कुम्भे	भ.५८।२०उ.विशा.रविः३८।४८
११	र ३० ४१	पू ३२ ७	व्या २८ २३	वि ३० ४१	५ ३५ २५	१६	९	७ मी१५।४१	भ.३९या विशा रविःसौरः९३-
१२	चं ३६ ४	उ ३८ ४०	ह २९ ३८	ब ३ २२	२ ३६ २४	१७	१०	८ मीने	[-प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
१३	मं ४२ १९	रे ४५ ५८	व ३१ ४३	कौ ९ ११	२६ ३६ २४	१८	११	९ मे.४५।५८	विशा.भौमः५।३६प्रदोषः
१४	बु ४८ ३१	अ ५३ १९	सि ३३ ४२	ग १५ २५	५५ ३७ २३	१९	१२	१० मेषे	भ.४८।३१उ बृश्चिकेशुक्रः३६वैकुंठ१४
१५	गु ५४ ५०	भ ६० ०	व्य ३५ ५८	वि २२ ४१	५२ ३८ २२	२०	१३	११ मेषे	भ२३या वक्रीबुधः४९मन्वादिःका.स्ना.पू

३०पं.का.शु.७बु.इ.९३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	४	६	५	२	६
१६	१५	१०	४	२०	१	९	१५
२९	५५	८	२	३७	२४	२५	५४
२०	३०	६	४२	४८	४	५९	४३
६०	४१	५२	८	७४	५	३	६०
४	१६	१७	७	३२	५४	११	१८

गोचर ग्रहाः

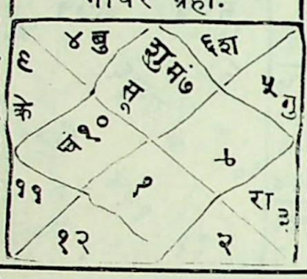

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ गेहूं जौ चना कुछ मंदे हों गुडशक्कर चीनी नमक धातु वारदाना वस्त्र रुई तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

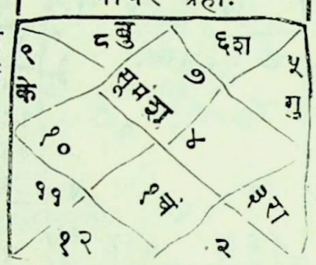

३१पं.का.शु१४बु.इ.९१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	४	६	५	२	६
२३	२०	१४	४	२९	२	९	२२
३०	४३	४५	५२	२६	४	३	५७
४०	५९	४३	१६	१०	५२	४३	१४
६०	४१	१६	६	७४	५	३	६०
१७	२६	३५	५५	३२	३१	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेतिमहा.
१	शु ६० ०	भ ०	५१	व ३८ ७	बा २७	५९	२६ ४९ ३८	२२	२१ १४ १२ वृ.१७।४०	
१	श १ ९	कृ ८	७	प ४० ५	कौ १	९	४५ ३९	२१	२२ १५ १३ बृषे	अनु.शुक्रः१७।३२
२	र ६	५७ रो	१५	२८ शि ४१	४५	ग ६	५७	४२ ४० २०	२३ १६ १४ मि४८।३१	भ.३९।५४उ.
३	चं १२	५१ मृ	२१	३४ सि ४२	४७	वि १२	५१	३९ ४० २०	२४ १७ १५ मिथुने	भ.१२।५१या.चतुर्थीव्र.
४	मं १६	३ आ	२७	७ सा ४३	६	बा १६	३	३६ ४१ १९	२५ १८ १६ मिथुने	बृश्चिकेऽर्कः३६बुधास्तःपश्चिमायां५८
५	बु १९	१० पु	३१	२८ शु ४२	३५	तै १९	१०	३३ ४१ १९	२६ १९ १७ क.१५।२३	बृश्चिकेऽर्कःसौरः७।५६
६	गु २१	८ पु	३४	३९ शु ४१	५	व २१	८	३० ४२ १८	२७ २० १८ कर्के	भ.२१।८उ.५१।२३या.
७	शु २१	३८ श्ले	३६	२६ बृ ३८	२८	ब २१	३८	२७ ४३ १७	२८ २१ १९ सि३६।२६	अनु.रविः५४।२२
८	श २०	२८ म	३६	३७ ऐं ३४	२९	कौ २०	२८	२५ ४३ १७	२९ २२ २० सिंहे	अनु.रविःसौरः२४।४४
९	र १७	४५ पू	३५	६ वै २९	७	ग १७	४५	२२ ४४ १६	३० २३ २१ क.४९।१७	भ ४५।२५उ.शुक्रोदयःपश्चिमायां९२
१०	चं १३	४ उ	३१	४८ वि २२	२३	वि १३	४	१९ ४४ १६	१ २४ २२ कन्यायां	भ.१३।४या भा मार्गशीर्षारंभः
११	मं ७	० ह	२७	६ प्री १४	२२	वा ७	०	१७ ४५ १५	२ २५ २३ तु.५४।४	ज्येष्ठाशुक्र.५४वृश्चिकेभौमः२६=
१२	मं ५२	२६ ०	०	० ०	०	० ०	०	० ० ०	० ० ० ०	[=उत्पत्ति११व्र.
१३	बु ५०	५२ चि	२१	२ आ ५२	४९ ५६	ग २५	९	१४ ४५ १५	३ २६ २४ तुलायां	भ.५०।५२उ प्रदोषः
१४	गु ४१	२८ स्वा	१४	५५ शो ४४	३५	वि १६	१०	१२ ४६ १४	४ २७ २५ वृ.५३।३०	भ १६या.वक्रीविशा.बुधः५७उफा.३×
२०	शु ३१	४९ वि	६ २२	५२ १४ अ ३३	४१	च ६	३८	९ ४६ १४	५ २८ २६ वृश्चिके	[×शनिः१।६

३२पं.मा.कृ.५बु.इ.९५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	४	७	५	२	७
०	२५	१३	५	८	२	८	०
३३	३५	१२	३३	११	४२	४१	१
२२	३१	७	५८	१७	३६	२८	१८
६०	४१	५५	६	७४	५	३	६०
३०	३७	व.	१	३२	२	११	४०

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षकृष्णे४भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घताशक्रास्तःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

३३पं.मा.कृ.१३बु.इ.८२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	७	५	२	७
७	०	५	६	१६	३	८	७
३७	२९	९	८	५७	१५	१९	६
१६	१३	४	१३	५४	५८	१२	५१
६०	४१	५५	४	७४	४	३	६०
४२	४०	व.	४९	२६	३८	११	५३

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६० दि. उ. अ.भा.मु. इं. | चन्द्रः हिमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३१५७स.२०३८

१	श	२२	३५	ज्ये	५१	४०	सु	२२	४६	ब	२२	३५	२६	६ ४७	५ १३	६	२९	२७	ध.५१।४०	
२	र	१४	२	मू	४५	४०	धृ	१२	४६	कौ	१४	२	५	४७	१३	७	३०	२८	धनुषि	अनु.भौमः९।४० चन्द्रदर्शनम्
३	चं	६	५६	पू	४१	११	शू	३ ३४	५२ ०	ग	६	५६	२	४८	१२	८	१	२९	म.५५।३०	भ. ३ ४ उ.बुधोदयःपूर्वस्यां २ ६ जिल्काद११
४	मं	१	४०	उ	३८	२८	वृ	४९	१९	वि	१	४०	०	४८	१२	९	२	३०	मकरे	भ.१।४०या.
५	मं	५६	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	बु	५७	१०	अ	३८	०	ध्रु	४४	४९	कौ	२७	४२	२५ ५८	४८	१२	१०	३	१	मकरे	दिसम्बर१२ता.३१चंपा६
७	गु	५८	७	ध	३९	३६	व्या	४१	५८	ग	२७	३८	५६	४९	११	११	४	२	कुं.८।४८	भ. ५ ६ उ.मार्गीगुरुः ५ ६ मघा.३गुरुः ४ २
८	शु	६०	०	श	४३	४	ह	४०	३४	वि	२९	३०	५४	४९	११	१२	५	३	कुंभे	भ. ३ ९ या.ज्येष्ठा.रविः ४ ३ (सौरः ३ ३ ८)
८	श	०	५३	पू	४८	१२	च	४०	५१	ब	०	५३	५३	४९	११	१३	६	४	मी३१।५५	मूलेधनुषिशुक्रः३४।१०
९	र	५	३०	उ	५४	३१	सि	४१	४०	कौ	५	३०	५१	५०	१०	१४	७	५	मीने	
१०	चं	१०	५९	रे	६०	०	व्य	४३	४२	ग	१०	५९	४९	५०	१०	१५	८	६	मीने	भ.४४।१५उ.
११	मं	१७	३०	रे	२	३	व	४१	४७	वि	१७	३०	४८	५०	१०	१६	९	७	मे.२।३	भ.१७।३०या मोक्षदा११व्र. गीताजयंती
१२	बु	२३	५६	अ	९	५४	प	४८	१४	बा	२३	५६	४६	५१	९	१७	१०	८	मेषे	
१३	गु	३०	२५	भ	१७	८	शि	५०	२५	तै	३०	२५	४५	५१	९	१८	११	९	वृ.३३।५६	प्रदोषः
१४	शु	३६	२८	कृ	२४	१९	सि	५२	९	ग	३	२६	४४	५१	९	१९	१२	१०	वृषे	भ.३६।२८उ.
१५	श	४१	५५	रो	३१	४	सा	५३	३१	वि	९	११	४३	५१	९	२०	१३	११	वृषे	भ.९।११या.अनु.बुधः०।२९दत्तजयंती

३४पं.मा.शु.६बु.इ. ९ ४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	४	७	५	२	७
१४	५	२९	६	२५	३	७	१४
४२	२५	०	३१	४५	४६	५६	१३
२९	२३	३६	५४	४	२	५६	३७
६०	४१	१६	३	७४	३	३	६१
५०	५०	व.	३७	२९	५८	११	३

गोचर ग्रहाः

इसमासमें धान्य बाजरा मूंग मोठ सोना चांदीलोहाटीन तांबा आदि धातु कृष्णपक्ष में मंदे होकर शुक्ल पक्ष में तेज हों।

गोचर ग्रहाः

३५पं.मा.शु.१२बु.इ. ९ ६८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	८	५	२	७
२१	१०	१	६	४	४	७	२१
४८	२३	७	५०	३२	११	३४	२१
३२	९	५९	४९	२	३५	४१	१७
६०	४२	४६ ५२	२	७४	३	३	६१
५६	०	मा	१०	२६	२३	११	११

ति. पौष कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६० दि. उ. अ. हि. मु. इ. | चन्द्रः हिमंततूरविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महा.

१	र	४६	१८	मृ	३६	५०	शु	५४	५	बा	१४	६	२५ ४२	५२	८	२१	१४	१२	मि३।५७	
२	चं	४९	५५	आ	४१	५२	शु	५३	५८	तै	१८	६	४१	५२	८	२२	१५	१३	मिथुने	
३	मं	५२	२३	पु	४६	५	ब्र	५३	६	व	२१	९	४०	५२	८	२३	१६	१४	क.३०।२	भ.२१।९उ.५२।२३या.
४	बु	५३	४७	पु	४९	४	ऐं	५१	२९	ब	२३	५	३९	५२	८	२४	१७	१५	कर्के	पूभा.शुक्रः९।१५चतुर्थीव्र.
५	गु	५४	५	श्ले	५१	५०	वै	४८	५३	कौ	२४	५६	३९	५२	८	२५	१८	१६	सिं५१।५०	मूलेधनुष्यर्कः ११ ४८ (सौरः ३ ६ २ ८)–
६	शु	५३	२२	म	५१	२९	वि	४१	३४	ग	२३	४३	३८	५२	८	२६	१९	१७	सिंहे	भ.५३।२२उ.
७	श	५१	३४	पू	५१	२९	प्री	४१	१४	वि	२२	२८	३८	५२	८	२७	२०	१८	सिंहे	भ.२२।२८या.
८	र	४८	१३	उ	४९	५०	आ	३५	५५	बा	१९	५३	३७	५३	७	२८	२१	१९	कं.६।४	[–ज्येष्ठा.भौम. ५ ३ ९
९	चं	४३	५९	ह	४७	१०	सौ	२९	२८	तै	१६	६	३७	५३	७	२९	२२	२०	कन्यायां	वक्रीगुरुः५।२५
१०	मं	३८	१५	चि	४३	१०	शो	२२	८	व	११	७	३६	५३	७	३०	२३	२१	तु.१५।१०	भ.११।७उ ३८।१५या. ज्येष्ठा.बुधः १२
११	बु	३१	४१	स्वा	३८	१०	अ	१४	५२	ब	४	५८	३६	५३	७	१	२४	२२	तुलायां	भा.पौषारंभःसफला११व्र.
१२	गु	२४	४	वि	३२	१३	सु	४ ४३	५२ ८	तै	२४	४	३६	५३	७	२	२५	२३	वृ.१८।४२	प्रदोषः
१३	शु	१५	५०	अ	२७	२	शू	४५	८	व	१५	५०	३६	५३	७	३	२६	२४	वृश्चिके	भ.१५।५०उ.४१।३६या.
१४	श	७	२२	ज्ये	१९	१६	गं	३५	१४	श	७	२२	३७	५३	७	४	२७	२५	ध.१९।१६	उषा.शुक्रः ५० ९ मृग४राहुःमूल.२केतुः १९ ४५
२०	श	५१	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

३६पं.पौ.कृ.४बु.इ. ९ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	८	५	२	७
२८	१५	८	६	१३	४	७	२८
५५	२३	३४	५८	१८	३२	१२	३०
२६	२०	२३	१२	४७	१३	२५	०
६१	४२	७२	०	७४	२	३	६१
०	४	३५	५२	२०	३६	११	१९

गोचर ग्रहाः

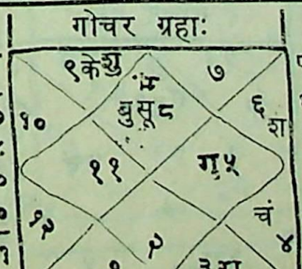

पौष कृष्णे ५ गुरौ धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा. ३न.३गतालकावस्था (ऊर्भी) मु.१५ घान्यादि भावें महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

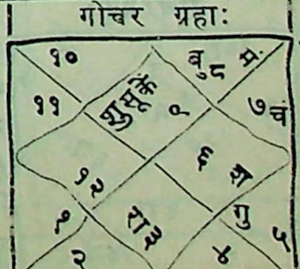

३७पं.पौ.कृ.११बु.इ. ९ ७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	४	८	५	२	८
६	२०	१७	६	२२	४	६	५
३	२६	५८	५५	५	४७	५०	३९
०	१०	१६	४१	२४	४९	१०	२५
६१	४२	८३	२०	७४	१	३	६१
४	१४	५१	व.	१५	५३	११	२२

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | पौष शुक्लपक्षः सं० २०९५शाकः १९६० | दि. उ. | अ.भा.मु. इं. | चंद्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३१८६स२०३८

| | | |

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिररर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३२१६ सं. २०३९
१	मं २५ ३९ श्र २७ १२ सि २३ ३५ ब २५ ३९	२६	४६	५८	५	२९	२५	कुं. ५६।४८	अभि.नि.रविः १९ (सौरः ३३)
२	बु २२ ५६ ध २६ २४ व्य १८ २९ कौ २२ ५६	३२	४२	१८	६	३०	२६	कुम्भे	शतेशुक्रः ४८।१७ चंद्रदर्शनम्
३	गु २२ ५ श २७ ८ व १४ ५२ ग २२ ५	३५	४१	१९	७	१	२७	कुंभे	भ. ५३ उ. मोहोरम १ सन् १४६१ हि.
४	शु २३ ४ पू २९ ५३ प १२ ४१ वि २३ ४	३८	४०	२०	८	२	२८	मी १४।१२	भ. २३।४ या.
५	श २६ ५ उ ३४ २४ शि ११ ४७ [illegible] २६ ५	४१	४०	२०	९	३	२९	मीने	वसंत ५
६	र ३० ३४ रे ४० २५ सि १२ २८ तै ३० ३४	४५	३९	२१	१०	४	३०	मे. ४०।२५	
७	चं ३६ २० अ ४७ १८ सा १३ ५८ ग ३ २७	४८	३८	२२	११	५	३१	मेषे	भ. ३६।२० उ. भानु ७ रथ ७
८	मं ४२ ४३ भ ५४ ५२ शु १५ ५५ वि ९ ३१	५१	३८	२२	१२	६	१	मेषे	भ. ९।३१ या. धनि. बुधः १९।० फरवरी =
९	बु ४९ ९ कृ ६० ० शु १८ १५ बा १५ ५६	५४	३७	२३	१३	७	२	वृ. ११।१५	[=२ता. २८ भीष्माष्टमी
१०	गु ५५ २३ कृ २ २५ व्र २० १४ तै २२ १६	५८	३६	२४	१४	८	३	वृषे	
११	शु ६० ० रो ९ २६ ऐं २१ ४७ व २७ ५७	२७	३६	२४	१५	९	४	मि ४२।२४	भ. २७ उ. वक्रीमघा. १ गुरुः ५९ जया ११ व्र.
११	श ० ३१ मृ १५ २३ वै २२ ३४ वि ० ३१	५	३५	२५	१६	१०	५	मिथुने	भ. ०।३१ या. कुंभे बुधः २।३
१२	र ४ १४ आ १९ ५६ वि २२ ८ बा ४ १४	८	३४	२६	१७	११	६	मिथुने	धनि. रविः ३५ (सौरः ४८) पूभा. शुक्रः ÷
१३	चं ६ ४२ पु २३ ५ प्री २० २७ तै ६ ४२	१२	३४	२६	१८	१२	७	क. ७।१८	[÷३१।३१ प्रदोषः
१४	मं ७ १२ पु २४ ३७ आ १७ ३२ व ७ १२	१५	३३	२७	१९	१३	८	कर्के	भ. ७।१२ उ. ३६ या. शतेबुधः ४६।४८
१५	बु ६ ३२ श्ले २४ ५३ सौ १३ ३४ ब ६ ३२	१९	३३	२८	२०	१४	९	सिं २४।५३	उषा. भौमः ७।५९ मा. स्ना. पूर्तिः

४२ पं.मा.शु.२ बु.इ. ५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	४	१०	५	२	९
११	१६	१२	४	५	४	४	११
४२	९	३६	३०	४९	५७	५८	२७
२९	५८	७	५०	४८	२८	५२	२६
६०	४३	८	९	७३	४	३	६१
५९	१९	८	व	४६	व	११	१३

४३ पं.मा.शु ९ बु.इ. ८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	४	१०	५	२	९
१८	२१	२४	३	१४	४	४	१८
४९	२४	४७	४१	३१	३१	३९	३५
१	०	५३	६	२६	४१	३९	३४
९०	४३	०	२५	७३	५३	३	६१
५५	३४	३६	व	३८	व	११	४

४४ पं.मा.शु.१५ बु.इ. ९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	४	१०	५	२	९
२५	२६	७	२	२३	४	४	२५
५४	४०	१७	४७	११	११	१४	४२
५०	८	५३	१०	३८	२०	२०	२१
६०	४३	०	५७	७३	३	३	६
४७	५५	२४	व	२६	व	११	५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	गु ४ १७ म २३ ५० शो ८ ३८ कौ ४ १७	३६	२९	५५	२१	१५	१०	सिंहे	
२	शु १ ५ पू २१ ५३ अ ५७ ५३ ग १ ५	२७	३१	२९	२२	१६	११	कं. ३६।१५	भ. २९ उ. ५८ या. बुधोदयः पश्चिमायां १४ ५९
३	शु ५६ ३ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	श ५२ २९ उ १९ २० धृ ४९ ४४ ब २४ ४८	३०	३०	३०	२३	१७	१२	कन्यायां	चतुर्थीव्र.
५	र ४७ ४५ ह १६ २८ शू ४२ ५६ कौ २० ७	३४	२९	३१	२४	१८	१३	तु. ४४।५४	कुंभेऽर्कः १९ (सौरः २२) मकरेभौमः ३०
६	चं ४२ ५२ चि १३ २० गं ३५ ५२ ग १५ १८	३८	२८	३२	२५	१९	१४	तुलायां	भ. ४२।५२ उ. मीनेशुक्रः ४०।१९
७	मं ३८ १ स्वा ९ ५८ बृ २८ ५१ वि १० २६	४१	२८	३२	२६	२०	१५	वृ. ५२।२८	भ. १०।२६ या.
८	बु ३२ ५५ वि ६ ३८ ध्रु २१ ३७ बा ५ २८	४५	२७	३३	२७	२१	१६	वृश्चिके	पूभा. बुध ३६।५७
९	गु २७ ४७ अ ३ २५ व्या १४ २६ तै ० २१	४९	२६	३४	२८	२२	१७	वृश्चिके	भ. ५५।१६ उ. उभा. शुक्रः २४।११
१०	शु २२ ४५ ज्ये ३ ५५ ह ७ १४ वि २२ ४५	५३	२५	३५	२९	२३	१८	ध. ०।३	भ. २२।४५ या.
११	श १७ ५२ पू ५३ ५० व ५८ ५३ बा १७ ५२	५६	२५	३५	३०	२४	१९	धनुषि	शतेरविः ५६ सौरः ५७ विजया ११ व्र.
१२	र १३ २० उ ५१ ३० व्य ४७ ३० तै १३ २०	२०	२४	३६	१	२५	२०	म. ८।१५	भा. फाल्गुनारंभः प्रदोषः
१३	चं ९ २६ श्र ४९ ५३ व ४१ ५३ व ९ २६	४	२३	३७	२	२६	२१	मकरे	भ. २६ उ. ३७ या. महाशिवरात्रीव्र. स्मा.
१४	मं ६ ८ ध ४९ २२ प ३७ ३ श ६ ८	८	२२	३८	३	२७	२२	कुं. १९।३७	महाशिवरात्रीव्र. वै.
२०	बु ४ १५ श ५० ११ शि ३३ ३१ ना ४ १५	१२	२२	३८	४	२८	२३	कुम्भे	वक्रीउषा. २शनिः ६।४१

४५ पं.फा.कृ.८ बु.इ. ८।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	४	११	५	२	१०
२	१	१९	१	१	३	३	२
५९	५७	१४	५१	४८	४७	५२	४८
४२	४०	१७	५८	५८	३५	५	२४
६०	४४	९५	५३	७३	४	३	६०
३७	०	४	व	१४	व	११	४२

गोचर ग्रहाः

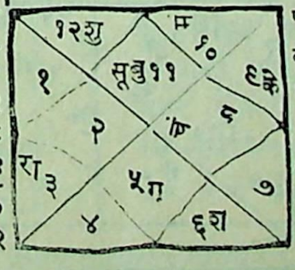

फाल्गुन कृष्णे ५ रवौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० घान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

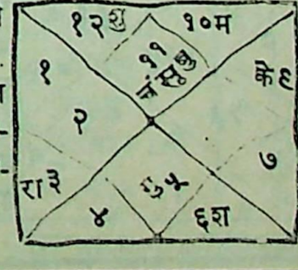

४६ पं.फा.कृ ३० बु.इ.८।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	४	११	५	२	१०
१०	७	२८	०	१०	३	३	९
३	१७	१०	५७	२४	१९	२९	५२
१४	१०	४८	१८	५८	५२	४९	५७
६०	४४	६०	४९	७३	४	३	६०
२५	११	२४	व	२	व	११	३१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९५ शाकः १९६०										दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः३२४६स.२०३९
१	गु	३	३८	पू	५	२	३१	सि	३१	४	ब	३	३८	२६	२६	५५	५	२९	२४	मी३६।५६	मीनेबुधः५६।५१चंद्रदर्शनम्
२	शु	४	३७	उ	५	६	२२	सा	२९	५७	कौ	४	३७	२०	२०	४०	६	१	२५	मीने	सफर२फुलरिया२
३	श	७	१८	रे	६	०		शु	२९	३१	ग	७	१८	२४	१९	४१	७	२	२६	मीने	भ.३९उ.श्रवणेभौम३५मृग३राहुःमूल÷
४	र	११	२२	रे		१	४६	शु	३०	४१	वि	११	२२	२८	१८	४२	८	३	२७	मे.१।४६	भ.११।२२या.[÷१केतुः१३।४१
५	चं	१६	४६	अ	८	१	६	ब्र	३२	२५	बा	१६	४६	३२	१८	४२	९	४	२८	मेषे	रेवत्यांशुक्रः१५।२२
६	मं	२२	५२	भ	१५	३	१	ऐं	३४	४६	तै	२२	५२	३६	१७	४३	१०	५	१	वृ.३२।२४	वक्रीबुधः२।२६मार्च ३ता.३१
७	बु	२९	१३	कृ	२३		५	वै	३६	५६	व	२९	१३	४०	१६	४४	११	६	२	वृषे	भ.२९उ.वक्रीकर्केआश्ले.४गुरुः४६ =
८	गु	३५	३८	रो	३०	२	६	वि	३८	५९	वि	२	२५	४४	१५	४५	१२	७	३	वृषे	भ.२।२५या.होलाष्टकम्
९	शु	४१	७	मृ	३६		४	प्री	४०	२०	बा	८	२२	४८	१४	४६	१३	८	४	मि३।१५	[=बुधास्तःपश्चिमायां४४।४६
१०	श	४५	१	आ	४२	२	०	आ	४०	२७	तै	१३	४	५२	१४	४६	१४	९	५	मिथुने	पूभा.रविः२।५६ (सौरः१२।१४)
११	र	४७	४३	पु	४६	१	१	सौ	३९	२८	व	१६	२२	५६	१३	४७	१५	१०	६	क.३०।१३	भ.१६उ.४७या.वक्रीकुंभेबुधः४६।१६+
१२	चं	४८	१९	पु	४८		५	शो	३७	१	ब	१८	१	२९	१२	४८	१६	११	७	कर्के	[+आमलकी११ब्र.
१३	मं	४७	१३	श्ले	४८		०	अ	३३	२	कौ	१७	४६	५	११	४९	१७	१२	८	सिं४८।०	प्रदोषः
१४	बु	४४	७	म	४६	२	८	सु	२७	३७	ग	१५	४०	९	१०	५०	१८	१३	९	सिंहे	भ.४४।७उ.
१५	गु	३९	३६	पू	४३	३	३	धृ	२१	८	वि	११	५१	१३	९	५१	१९	१४	१०	कं.५७।३१	भ.११।५१या.होलिकादहनम्

४७पं.फा.शु.७बु.इ.५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	४	११	५	२	१०
१७	१२	०	०	१८	२	३	१६
५	३६	४८	४	५७	४९	७	५५
२८	२९	११	३४	३०	३०	३४	५३
६०	४४	११	१६	७२	२९	४	३६०
५२	१६	व	व	४९	व	११	२०

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ जो चना मक्का सभी धान्य मंदे होवे घृत तेल सक्कर तेज हो प्रजा सुखी रहे।

गोचर ग्रहाः

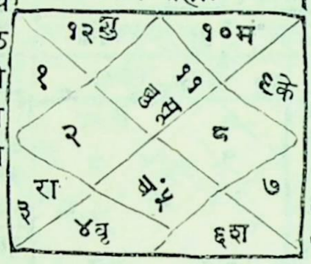

४८पं.फा.शु.१४बु.इ.१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	३	११	५	२	१०
२४	१७	२६	२९	२७	२	२	२३
६	५७	२७	१५	२८	१७	४५	५७
१४	३६	२२	४३	८	१०	१८	१६
५९	४४	३१	२५	७२	४८	३	६०
५८	२२	व	ब	२९	व	११	६

ति	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०९५ शाकः १९६०										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वसंततू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहा.
१	शु	३४	७	उ	३९	२५	शू	१३	४३	बा	६	५१	२६	९	५५	२०	१५	११	कन्यायां	अश्वि.मेषेशुक्रः१५।०वसंत१छारेंडी
२	श	२७	३९	ह	३४	४९	गं	३५	५५	तै	०	५३	२१	८	५२	२१	१६	१२	कन्यायां	भ.५२उ.पातस्पर्शः३५पातमोक्षः४५
३	र	२१	४	चि	३०	४	ध्रु	४८	५५	वि	२१	४	२६	७	५३	२२	१७	१३	तु.२।२६	भ २१।४या.चतुर्थीव्र.
४	चं	१४	१९	स्वा	२५	१६	व्या	४०	४६	बा	१४	१९	२०	६	५४	२३	१८	१४	तुलायां	
५	मं	८	१	वि	२१	४	ह	३२	५३	ते	८	१	२४	५	५५	२४	१९	१५	वृ.७।७	मीनेऽर्कः३।४८ (सौर·१२।३५)
६	बु	२	७	अ	१७	११	व	२५	२६	व	२	७	२८	४	५६	२५	२०	१६	वृश्चिके	भ.२उ.२९या.वक्रीशतेबुधः५।२९=
७	बु	५४	४६		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=धनि.भौमः१०।२६
८	गु	५२	७	ज्ये	१३	४३	सि	१८	२५	बा	२४	३०	४३	३	५७	२६	२१	१७	ध.१३।४३	बुधोदयःपूर्वस्यां११।२शीतलापूजनम्
९	शु	४७	५५	मू	११	२	व्य	१२	५	तै	२०	१	४७	३	५७	२७	२२	१८	धनुषि	उभा.रविः२४।५० सौरः३४।११)
१०	श	४४	३६	पू	९	१०	व	६	१८	व	१६	१५	५१	२	५८	२८	२३	१९	म.२३।५३	भ.१६।१५उ.४४।३६या.
११	र	४२	२	उ	८	२	प	११	५५	ब	१३	१९	५५	१	५९	२९	२४	२०	मकरे	पापमोचनी११ब्र.
१२	चं	४०	१७	श्र	७	३४	सि	५२	५३	कौ	११	१०	३०	६	०	३०	२५	२१	कुं.३७।५३	
१३	मं	३९	३८	ध	८	१३	सा	५०	७	ग	९	५७	३०	५९	०	१	२६	२२	कुंभे	भ.३९उ.भरण्यांशुक्रः४१भा.चैत्रारंभ×
१४	बु	३९	५९	श	९	४८	शु	४७	७	वि	९	४८	८	५८	२	२	२७	२३	मी५६।५०	भ.९।४८या. [×प्रदोषः
२०	गु	४१	४०	पू	१२	३१	शु	४७	२२	च	१०	५०	१२	५८	२	३	२८	२४	मीने	मन्वादिः

४९पं.चै.कृ.६बु.इ.३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	३	०	५	२	११
१	२३	१९	२८	५	१	२	०
५	१९	५७	३३	५४	४४	२३	५६
३१	२३	१४	४	२९	६	२	५८
५९	४४	५०	५	७२	४०	३	५९
४१	३८	व	ब	३	व.	११	४९

गोचर ग्रहाः

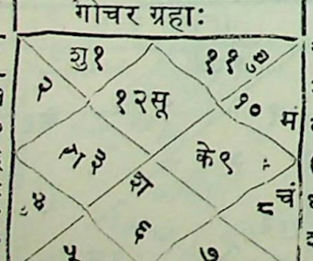

चैत्र कृष्णे ५ भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न. ४ युवावस्था (मूती) मु. ४५ धान्यादिभावेःसमर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

५०पं.चै.कृ.१४बु.इ.५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	३	०	५	२	११
८	२८	१७	२७	१४	१	२	७
३	४२	१०	५७	१७	१०	०	५४
१८	५८	२६	१८	३५	४४	४७	५३
५९	४४	१९	१९	७१	४०	३	५९
२९	४३	व	व	४३	व	११	३५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१४०, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१४०, भोग्यकलिः ४२६८६० अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०९६, शाकः १९६१, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः। मंत्री गुरुः। सस्येशः रविः। धान्येशः शुक्रः। मेघेशः बुधः। रसेशश्चंद्रः । नीरसेशः शनिः। फलेशः बुधः। धनेशः शनिः। दुर्गेशः बुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ७ श्रीमुख संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ३।१७।४८।२४।४८ भोग्यमासादिः ८।१२।११।३५।१२ बार्हस्पत्यदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम माघः।मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासःसंधौ समयनिवासो वैश्य गृहे। समय विश्वा१० समयवाहनम् दुर्दुरः। स्तंभः१ तृणस्य । सोमवत्यमा २ सोमवती पंचमी × अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी २रविदशमी× समय मुहूर्ताः ४०५ समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः १२ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा १२६, वर्षाविश्वा ११, धान्यम् ५, तृणम् ९, शीतम् ५, तेजः ९, वायुः ५, वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः१७, ऐक्यम्७५, सत्यम्।। धर्मं १।।,पापं १८शनिदृष्टिर्दक्षिणे। ग्रहण२चंद्रमसः।

सं. २०९६ ज्ये. शु. १५ चंद्रे चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.
घं.	१०	१२	१
मि.	५४	२४	५४
घ.	४१	४४	४८
प.	७	५२	३७

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	८	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ७।९

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जगदंबा तेरे चरण पूजत हैं सब कोय ।
भैरव पूछे छ्यानवे संवत् कैसा होय ।।

भवानी उत्तर

छहों मासा छयानवे सुख पावे संसार ।
वर्षा ऋतु आरंभ में वर्षे मूसलधार ।।
दशाधिकारी देखतां जग में हो आनंद ।
ज्ञानवंत सुख ऊपजे दुख पावे मतिमंद ।।
भृगु राजा इस वर्ष में सुरगुरु भये प्रधान ।
वर्षा होसी सांतरी मध्यम नीपजे धान ।।
व्यापारां घटवढ घणी होसी मालामाल ।
चतुर कमावे चोगुणा मूर्ख हो बेहाल ।।
देख नभश्चर चार को कहा वर्ष निरधार ।
धर्म कर्म करते रहो यहीं जगत में सार ।।

सं.२०९६ कार्तिक शु. १५ बुधे चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	८	१०	१२
मि.	३९	२४	९
घ.	३५	३९	५
प.	२९	५२	१४

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	घ.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ५।३

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२३।१४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम् ॥ शुक्रस्य राज्ये बहु सस्य संकुला सुतीव्र वेगाः सरितोम्बु राशिभिः । फलन्ति वृक्षा बहु गोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ।। मंत्री गुरुः फलम् ।। विविध धान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुर तोय घना मुदिता भवेत् । नृपतयो जनपालन तत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रि समागते ।। सस्येशो रविःफलम् ।। सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवौपि चौराः । युद्धं नृपा ां जलदाः जलाढ्या स्वल्पं च सस्यं बहु भूतहाश्च ।। धान्येशो शुक्रः फलम् ।। भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशः बुधः फलम् ।। अमृत रश्मिसुते यदि वारिपे बहु जलं तुष धान्य रसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुता धरणीतदा ।। रसेशः चन्द्रः फलम् ।। यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् । जलधरा बहु वारि विधायका रसवती धनधान्यवती मही ।। नीरसेशः शनिः फलम् ।। अयः पिण्डादि लोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तुनां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसनायके ।। फलेशः बुधस्तत्फलम् ।। यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशि मुचो भृशं । बहु तृणं कुसुमैः कमलैर्युतं जनपदो जनसौख्य मुदान्वितः ।। धनेशः शनिः फलम् ।। द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अधनतां वणिजां कृषि जीविनो द्विजवराः परपीडन मानसाः ।। दुर्गेशः बुधः फलम् ।। विषम साम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राष्ट्रजनेषु विशेषताम् । शशिसुते यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्य युतां न भयं क्वचित् ।। श्रीमुखनाम संवत्सरः फलम ।। श्रीमुखाब्दे खिला धात्री बहु सस्यार्घ संयुता । अध्वरे निरता विप्रा वीतरोगा विवैरिणः ।। वर्षनाम माघः फलम् ।। सुभिक्षं पूर्वयाम्यायां मध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरे रौरवं माघे वर्षे धान्य महर्घता ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खंडवृष्टिश्च संधिषु ।। समय निवासः वैश्य गृहे फलम् ।। वणिग्गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०९६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ३ भौमे रोहि ल. १२ रे. ६ ।।।।।ऽअ।।।।

,, १२ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽऽ।।ऽ।।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ बुधे मूले ल. गो. रे. ७ ऽ।।ऽ।।ऽ।।

शुक्ला ६ रवौ मघा ल. १ रे. ७ ।।।।।ऽनृ५२याऽऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ गुरौ मृगे ल. ४-५ रे. ६ ।।।।।।चौ४२उऽ।।।

,, २ शुक्रे मृगे ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽचौऽ।।।

,, ६ बुधे मघा ल. ७ (व्ययेऽर्कौ) रे. ७ ऽऽ।।।ऽ।।।

,, ११ चन्द्रे स्वात्यां ल. ४-५ रे. ७ ।।ऽशु।।ऽरो।ऽ।।

पौष मासः

शुक्ला ७ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।ऽबृऽ।।ऽ।।

पादतो वेधाऽभावः

पौष मासः

शक्ला १२ बुधे मृगे ल. ७ रे. ६ ।।।।।।अऽ।ऽऽ दग्धा

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ३ बुधे उफा ल. ७ रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।।

,, ४ गुरौ उफा ल. गो. रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।।

,, १० बुधे मूले ल. ७ (व्ययेऽर्कौ) घ.४१-१०उ.

रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।।

शुक्ला ९ भौमे मृगे ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।।ऽरोऽ।।।

,, १५ चन्द्रे मघा ल. ७ रे. ८ ।।।ऽशु।।।ऽ।।

पादतो वेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा १ बुधे उफा ल. गो. ७-१० रे. ८ ऽ।ऽबृ।।।।।।

तुला. व्ययेऽर्कौ

,, ९ बुधे मूले ल. ऽन्यगो रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।।

,, १० गुरौ उषा ल. १० रे. ८ ।।।।।ऽचौ।ऽ।।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२७५स.२०३९
१	शु ४४ ३६ उ १६ ३५ व्र ४६ ५६ किं १३ ८	३० ५७	३	४	२९	२५	मीने	संवत्सरारभः नवरात्रारंभः
२	श ४८ ४६ रे २१ ३५ ऐं ४७ ५६ बा १६ ४१	२१ ५६	४	५	३०	२६	मे.२१।३५	चंद्रदर्शनम्सिंधारा
३	र ५४ ५ अ २७ ५९ वै ४९ २८ तै २१ २५	२५ ५५	५	६	१	२७	मेषे	रविलादल३मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	चं ५९ ५६ भ ३४ ५२ वि ५१ २३ व २७ ०	२९ ५४	६	७	२	२८	वृ.५१।४७	भ.२७।०उ.५९।५६या.
५	मं ६० ० कृ ४२ ३२ प्री ५३ ५५ ब ३३ ६	३३ ५३	७	८	३	२९	वृषे	
६	बु ६ १७ रो ५० ६ आ ५६ २१ बा ६ १७	३७ ५३	७	९	४	३०	वृषे	
७	गु १२ ४३ मृ ५७ २० सौ ५८ २० तै १२ ४३	४४ ५२	८	१०	५	३१	मि२३।४३	रेवत्यांरविः५२।२५
८	शु १८ ४० आ ६० ० शो ५९ २७ व १८ ४०	४५ ५१	९	११	६	१	मिथुने	भ.१९/४०उ.५१/२या.रेवत्यांरविःसौरः ३९/३८ =
९	श २३ १७ आ ३ ३८ अ ५९ ३७ ब २३ १७	४९ ५०	१०	१२	७	२	क.५२।२२	कृत्ति.शुक्रः३५।७शतेभौमः ३७।३५
१०	र २६ ४३ पु ८ ३७ सु ५७ ५९ कौ २६ ४३	५३ ४९	११	१३	८	३	कर्के	राममवमी
११	चं २८ १ पु ११ ४५ धृ ५५ १४ ग २८ १	५७ ४९	११	१४	९	४	कर्के	भ.५७।४५उ.
१२	मं २७ २९ श्ले १२ ४७ शू ५० ४० वि २७ २९	३१/१ ४८	१२	१५	१०	५	सिं१२।४७	भ.३९/१या.वृषेशुक्रः २९/३कामदा११व्र.
१३	बु २४ ४२ म ११ ५५ गं ४४ ३० बा २४ ४२	५ ४७	१३	१६	११	६	सिंहे	प्रदोषः
१४	गु २० ७ पू ९ १० बृ ३६ ५८ तै २० ७	१० ४६	१४	१७	१२	७	कं.२३।२	[=पूभा.बुधः ५१/१९अप्रेल४ता.३०
१५	शु १३ ५२ उ ३७/४ ५५/३ धु २८ २२ व १३ ५२	१४ ४५	१५	१८	१३	८	कन्यायां	भ.१५/३२उ.४९/३या.वक्रीउफा.१सिंहे +
१५	श ६ १२ चि ५२ ३८ व्या १९ ५ ब ६ १२	१८ ४४	१६	१९	१४	९	तु.२५।४९	हनुमज्जयंती [+शनिः३।२१

५१पं.चै.शु.५बु.इ. १०/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	३	०	५	२	११
१४	४	१८	२७	२२	०	१	१४
५९	५	५९	२९	३६	३८	३८	५१
१०	१७	२०	३१	४०	१०	३१	५
५९	४४	२२/४६	१४/३	७१	४/२२	३	५९
१६	४७	मी	व.	१७	वे.	११	१८

गोचर ग्रहाः

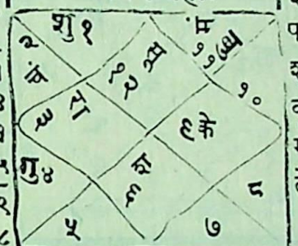

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि धान्य गल्ला में मंदी करे धातु वस्त्र तेज रहें ।

गोचर ग्रहाः

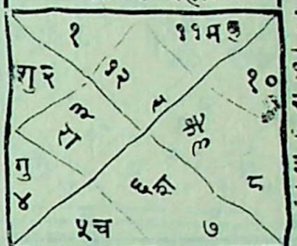

५२पं.चै.शु.१२बु.इ. ६०/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	३	१	५	२	११
२१	९	२४	२७	०	०	१	२१
५३	२८	९	९	५१	७	१६	४५
३१	५९	२	४०	१८	४४	१६	१६
५९	४४	४९	५/१३	७०	४/७	३	५९
४	५०	२९	व	४३	व.	११	

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततौ रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	श ५१ ४१ ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	र ४९ २३ स्वा ४६ ७ ह १३/९ ५०/१२	३१/२२	४५/४४	१६/६	२०	१५	१०	तुलायां	
३	चं ४० ५४ वि ३९ ४८ सि ४९ ५५ व १५ ८	२६	४३	१७	२१	१६	११	वृ.२६।२३	भ.१/१२उ.५४/०या.मीनेबुधः ४१/५५
४	मं ३३ १ अ ३५ ८ व्य ४० ५२ ब ७ ५७	३०	४२	१८	२२	१७	१२	वृश्चिके	चतुर्थीव्र.
५	बु २५ ५४ ज्ये २९ १३ व ३२ ३६ तै २५ ५४	३४	४१	१९	२३	१८	१३	ध.२९।१३	
६	गु २० १ मू २५ ३३ प २५ ३१ व २० १	३८	४०	२०	२४	१९	१४	धनुषि	भ.२०/१उ.४७/३या.अश्वि.मेषेऽर्कः २६/३३ =
७	शु १५ १५ पू २३ १ शि १९ १४ ब १५ १५	४२	४०	२०	२५	२०	१५	म.३७।५१	=(सौरः ३५/११) उभा.बुधः २६/० हि. +
८	श ११ ५१ उ २१ ४१ सि १३ ५८ कौ ११ ५१	४६	३९	२१	२६	२१	१६	मकरे	+शुक्रः २९/३मार्गीगुरुः ३२/५
९	र ९ ३८ श्र २१ ४२ सा ९ ५३ ग ९ ३८	५०	३८	२२	२७	२२	१७	कुं.५२।१३	भ.३९।९उ.
१०	चं ८ ४० ध २२ ४४ शु ६ ४४ वि ८ ४०	५३	३७	२३	२८	२३	१८	कुम्भे	भ.८।४०या.
११	मं ८ ५३ श २५ २१ शु ४ ३२ बा ८ ५३	५७	३७	२३	२९	२४	१९	कुंभे	वरुथिनी११व्र.
१२	बु १० २५ पू २८ ५८ व ३ १८ तै १० २५	३२/१	३६	२४	३०	२५	२०	मी१३।४	पूभा.भौमः८।५७प्रदोषः
१३	गु १३ ८ उ ३३ ३५ ऐं ३ १४ व १३ ८	५	३५	२५	१	२६	२१	मीने	भ.१/३उ.४/५या.भा.वैशाखारंभः
१४	शु १६ ४१ रे ३९ १ वै ३ २८ श १६ ४१	९	३४	२६	२	२७	२२	मे.३९।१	
१५	श २१ २१ अ ४५ ३२ वि ४ २९ ना २१ २१	१२	३४	२६	३	२८	२३	मेषे	रेवत्यांबुधः ३३।८

१पं.वै.कृ.६बृ.इ. २६/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	३	१	४	२	११
०	१५	३	२६	१०	२९	०	२९
०	५०	२०	५९	२६	३३	५०	५१
०	२४	२०	५६	४९	४०	७	३२
५८	४४	७४	०/१९	६९	४/३३	३	५८
४४	५२	१२	व	५२	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे ६ गुरौ मेषेऽकंः प्रविष्टः वा.३ न.५वृद्धावस्था(बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समताशुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

२पं.वै.कृ.१३बु.इ. २६/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	३	१	४	२	०
६	२१	१३	२७	१८	२९	०	६
५०	१३	७	०	२८	९	२७	४१
४६	२६	२३	२९	१६	५०	५२	४३
५८	४५	०/०	१/६८	१०/३	३	५८	
३१	५	५३	मी	५८	व	११	२९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३३०५स.२०३९
१	र	२६	४६	भ	५२	२१	प्री	६	५	बु	२६	४६	३२ १६	३३	२७	४	२९	२४	मेषे
२	चं	३२	४४	कृ	५९	५२	आ	८	१०	कौ	३२	४४	२०	३२	२८	५	१	२५	बृ.९।१४
३	मं	३८	५७	रो	६०	०	सौ	१०	४०	तै	५	५०	२३	३१	२९	६	२	२६	बृषे
४	बु	४५	१४	रो	७	२८	शो	१२	५८	व	१२	५	२७	३१	२९	७	३	२७	मि४१।१३
५	गु	५१	२५	मृ	१४	५८	अ	१५	३०	ब	१८	२०	३१	३०	३०	८	४	२८	मिथुने
६	शु	५६	२३	आ	२१	४६	सु	१७	१९	कौ	२३	५४	३४	२९	३१	९	५	२९	मिथुने
७	श	६०	०	पु	२७	३५	धृ	१८	२६	ग	२८	२६	३८	२८	३२	१०	६	३०	क.११।८
७	र	०	२९	पु	३२	१०	शू	१८	१५	व	०	२९	४१	२८	३२ ३३	११	७	१	कर्के
८	चं	१	५३	श्ले	३४	५८	गं	१६	४९	ब	१	५३	४५	२७	३३	१२	८	२	सिं३४।५८
९	मं	३	२६	म	३५	४०	बृ	१३	४२	कौ	३	२६	४८	२६	३४	१३	९	३	सिंहे
१०	बु	१	५६	पू	३४	३८	ध्रु	९	७	ग	१	५६	५२	२६	३४	१४	१०	४	क.४८।५२
११	बु	५६	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१२	गु	५२	३८	उ	३१	३२	व्या	४७	२ ५२ १५	ब	२५	२६	५५	२५	३५	१५	११	५	कन्यायां
१३	शु	४५	२२	ह	२६	२५	व	४५	५७	कौ	१९	०	५८	२४	३६	१६	१२	६	तु.५३।१९
१४	श	३६	४७	चि	२०	१३	सि	३५	५५	ग	११	४	३३ ३२	२४	३६	१७	१३	७	तुलायां
१५	र	२७	२०	स्वा	१२	५५	व्य	२५	२२	वि	२	३	५	२३	३७	१८	१४	८	वृ.५२।९

चंद्रदर्शनसंभवः
मृगेशुक्रः४६।५०रविलाखर४
परशुरामजयंतीअक्षया३
भ.१२।५उ.४५।१४या.
भरण्यांरविः६।३६(सौरः१६।३६)
मृग॰राहुःज्येष्ठा४केतुः१२।३०
भ.२९उ.३१या.अश्वि.मेषेबुधः३५×
मीनेभौमः४९।४८पातस्पर्शः५८।३८
पातमोक्षः१२।४३
भ.३९उ.५६या.मोहिनी११व्र.स्मा.
[×मिथुनेशुक्रः३९।३१मई५ता.३१
बुधास्तःपूर्वस्यां ३७मोहिनी११व्र.वै.
उभा.भौमः५५।२६प्रदोषः
भ.३६उ.आर्द्राशुक्रः३५नृसिंहजयंती
भ.२या.भरण्यांबुधः३२यमायकुंभदानं

३पं.वै.शु.५बृ.इ. २६ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	३	१	४	२	०
१३	२६	२४	२७	२६	२८	०	१३
३९	३५	२८	९	२१	४९	५	३०
५०	५३	५२	२९	३६	८	३६	८
५८	४४	५९ ०	२	६८	३५ ३३	३	५८
१९	५५	१६	२६	३	५ ११	११	१२

गोचर ग्रहाः

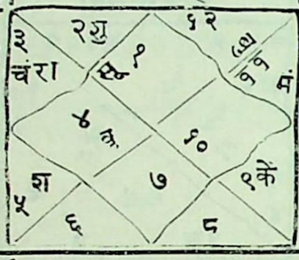

इस मास में धान्य गल्ला गुड़ सक्कर चीनी गन्ना रुई कपास बारदानावस्त्र तेज हो प्रजा में बीमारी फैले।

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.शु.१२बृ.इ.२७ १०

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	३	२	४	१	०
२०	१	७	२७	४	२८	२९	२०
२७	४७	१६	२८	५	३३	४३	१६
२९	११	१९	८	२८	०	२१	५५
५८	४४	३ ५९	३	६६	५१	३	५७
६	५८	५०	४८	५०	ब	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा
१	चं	१७	२९	वि	५४	२३	व	१४	२८	कौ	१७	२९	३३ ३८	२३	३८	१९	१५	९	वृश्चिके
२	मं	७	५२	ज्ये	५०	३७	प	४१	५९	ग	७	५२	११	२०	३८	२०	१६	१०	ध.५०।३७
३	मं	५०	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
४	बु	५०	४५	मू	४४	३८	सि	४४	५३	ब	२४	४५	१४	२१	३९	२१	१७	११	धनुषि
५	गु	४४	७	पू	३९	५९	सा	३७	१	कौ	१७	२६	१७	२१	३९	२२	१८	१२	म.५४।१५
६	शु	३९	१९	उ	३७	४	शु	३०	३०	ग	११	४३	२०	२०	४०	२३	१९	१३	मकरे
७	श	३६	१५	श्र	३५	५९	शु	२५	२२	वि	७	४७	२३	१९	४१	२४	२०	१४	मकरे
८	र	३४	५४	ध	३६	४७	ब्र	२१	४०	बा	५	३५	२६	१९	४१	२५	२१	१५	कुं.६।२३
९	चं	३५	१३	श	३९	६	ऐं	१९	२१	तै	५	३	२८	१८	४२	२६	२२	१६	कुंभे
१०	मं	३७	०	पू	४२	४१	वै	१८	११	व	६	६	३१	१८	४२	२७	२३	१७	मी२६।४७
११	बु	४०	१६	उ	४७	५१	वि	१८	२६	ब	८	३८	३४	१७	४३	२८	२४	१८	मीने
१२	गु	४४	३३	रे	५३	५०	प्री	१९	५	कौ	१२	३५	३७	१७	४३	२९	२५	१९	मे.५३।५०
१३	शु	४९	३७	अ	६०	०	आ	२०	२६	ग	१७	५	३९	१६	४४	३०	२६	२०	मेषे
१४	श	५५	२६	अ	०	३७	सौ	२२	३२	वि	२२	३१	४२	१६	४४	३१	२७	२१	मेषे
३०	र	६०	०	भ	७	३७	शो	२४	४८	च	२९	१	४४	१५	४५	१	२८	२२	बृ.२४।३३
३०	चं	२	३७	कृ	१५	१८	अ	२७	२२	ना	२	३७	४७	१५	४५	२	२९	२३	वृषे

चंद्रः
भ.३३।१८उ.५८।४४या.
कृत्ति.रविः५२।३५चतुर्थांत्र.
कृत्ति.रविःसौरः४।२८
भ.३९।१९उ.
भ.४७या.कृत्ति.बुधः५५पातस्पर्शः४२ ३१ =
बृषेऽर्कः१९।५०(सौरः३२।२१)
बृषेबुधः२०।३४
भ.६।६उ.३७।०या.
अपरा११व्र.
[=पातमोक्षः५९।२६
भ.४९उ.पुन.शुक्रः३५प्रदोषः
भ.२२।३१या.रोहि.बुधः१।४०
भा.ज्येष्ठारंभः
वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.५बृ.इ. २७ २२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	३	२	४	१	०
२७	७	२१	२७	११	२८	२९	२७
१३	१६	२६	५४	३८	२१	२१	२
२७	४८	३१	८	२४	१४	५	९
५७	४४	५८ ३९	४	६५	१८	३	५७
५४	४८	३५	५६	१७	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ कृष्णे ८ रवौ वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ गतालकावस्था (ऊभी मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

६पं.ज्ये.कृ.१२बृ.इ.२७ १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	३	२	४	१	१
३	१२	६	२८	१८	२८	२८	३
५८	२६	३९	२९	५८	१५	५८	४५
४४	४	४	३१	३४	०	४९	५४
५७	४४	५८	६	६३	३०	३	५७
४४	३७	१४	५	३४	व.	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३३३५स.२०३९

१	मं	७	३८	रो	२२	४६	सु	२९	४४	ब	७	३८	३३/४९	५/१४	४६	३	३०	२४	मि५६।२८	रेवत्याभौमः ४७/८ मार्गीशनिः ३५/७ चंद्रदर्शनं
२	बु	१३	४३	मृ	३०	११	धृ	३२	५	कौ	१३	४३	५२	१४	४६	४	१	२५	मिथुने	रोहि.रविः ४/१३ सौरः ५/२६ जमादिलावल ५
३	गु	१९	३५	आ	३७	१०	शू	३३	५२	ग	१९	३५	५४	१३	४७	५	२	२६	मिथुने	भ.५२।२उ.
४	शु	२४	३०	पु	४३	२१	गं	३५	११	वि	२४	३०	५६	१३	४७	६	३	२७	क.२६।४८	भ.२४।३०या.मृगेबुधः १३।४२
५	श	२८	४७	पु	४८	३५	बृ	३५	५५	बा	२८	४७	५८	१२	४८	७	४	२८	कर्के	बुधोदयःपश्चिमायां ५/५ पातस्पर्शः ३/५ =
६	र	३१	३२	श्ले	५२	३४	ध्रु	३५	२९	कौ	०	१०	३४/०	१२	४८	८	५	२९	सिं५२।३४	[=पातमोक्षः ५८।२७
७	चं	३३	१	म	५४	४५	व्या	३३	४५	ग	२	१६	२	१२	४८	९	६	३०	सिंहे	भ.३/३ उ.मिथुनेबुधः ३/६ ककशुक्रः ३/५०
८	मं	३२	५५	पू	५५	२५	ह	३०	४१	वि	२	५८	३	११	४९	१०	७	३१	सिंहे	भ.२।५८या.
९	बु	३०	४०	उ	५४	२५	व	२६	१३	बा	१	४७	५	११	४९	११	८	१	क.१०।१०	जून६ता.३०
१०	गु	२६	४५	ह	५१	१७	सि	२०	१७	ग	२६	४५	७	११	४९	१२	९	२	कन्यायां	भ.५/३० उ.मघा.१सिंहेगुरुः २१/५२ गंगादशमी
११	शु	२०	५५	चि	४६	३१	व्य	१२	४५	वि	२०	५५	९	१०	५०	१३	१०	३	तु.१८।५४	भ.२०/५ या.आर्द्रां.बुधः १६/६ पुष्ये शुक्रः १५/१ ÷
१२	श	१३	३४	स्वा	४०	२६	व	४/६	५०/१३	बा	१३	३४	१०	१०	५०	१४	११	४	तुलायां	प्रदोषः [÷निर्जला ११व्र.
१३	र	४	४९	वि	३३	१	शि	४३	४६	तै	४	४९	१२	१०	५०	१५	१२	५	वृ.१९।५२	भ.५५।२उ.
१४	र	५०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[Aवटसावित्रीव्र.
१५	चं	४४	५८	अ	२५	७	सि	३२	४३	वि	२०	०	१३	९	५१	१६	१३	६	वृश्चिके	भ.२०/० या.चंद्रग्रहणम्गुर्जराणांA

७पं.ज्य.शु.३बृ.इ. २७।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	३	२	४	१	१
१०	१७	२१	२९	२६	२८	२८	१०
४२	५४	४३	११	२	१३	३६	२८
४०	४	२३	५३	२८	८	३४	५
५७	४४	२३/४९	६	६१	१०/१३	३	५७
२५	३१		५५	१६	मा	११	२३

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगलका चन्द्रदर्शन धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा टीन धान्य गल्ला रसकस वस्त्र आदि में तेजी करेगा।

गोचर ग्रहाः

८पं.ज्ये.श१०बृ.इ.२७/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	४	३	४	१	१
१७	२३	५	०	२	२८	२८	१७
२५	९	११	०	४७	१७	१४	९
३६	५०	५६	४७	२०	२	१८	११
५७	४४	९/२८	८	५८	०	३	५७
२७	२१	१९	३	२५	५७	११	१३

ति. | आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहा.

१	मं	३४	५२	ज्ये	१७	१३	सा	२१	४९	बा	९	५५	३४/५५	९/५६	१७	१४	७	घ.१७।१३	
२	बु	२५	२८	मू	९	४४	शु	११	१९	तै	०	१०	१६	९	५१	१८	१५	८	धनुषि	भ.५१/५ उ.मृगेरविः ३/६ (सौरः ५७।३)
३	गु	१७	१	पू	३/६८	५५/४	शु	४७/१	५१/४३	वि	१७	१	१७	९	५१	१९	१६	९	म.१७।२	भ.१७।१या.चतुर्थीव्र.
४	शु	१०	२०	श्र	५५	९	ऐं	४६	३६	बा	१०	२०	१८	८	५२	२०	१७	१०	मकरे	
५	श	५	२८	ध	५३	५२	वै	४१	१७	तै	५	२८	१९	८	५२	२१	१८	११	कुं.२४।३१	पुन.बुधः ५/१ अश्वि.मेषेभौमः ३९।९
६	र	२	४३	श	५४	५१	वि	३७	३८	व	२	४३	१९	८	५२	२२	१९	१२	कुम्भे	भ.२।४३उ.३२।२३या.
७	चं	२	४	पू	५७	४२	प्री	३५	४३	ब	२	४	२०	८	५२	२३	२०	१३	मी४१।५९	
८	मं	३	२२	उ	६०	०	आ	३५	१३	कौ	३	२२	२१	८	५२	२४	२१	१४	मीने	
९	बु	६	२०	उ	२	२०	सौ	३६	१	ग	६	२०	२१	८	५२	२५	२२	१५	मीने	भ.३/६ उ.मिथुनेऽर्कः ३/६ (सौरः ५/९)
१०	गु	१०	५०	रे	८	१७	शो	३७	२५	वि	१०	५०	२२	८	५२	२६	२३	१६	मे.८।१७	भ.१०।५०या.
११	शु	१६	४	अ	१५	१३	अ	३९	४२	बा	१६	४	२२	८	५२	२७	२४	१७	मेषे	योगिनी ११व्र.
१२	श	२२	१७	भ	२२	३९	सु	४२	२	तै	२२	१७	२३	७	५३	२८	२५	१८	वृ.३९।३१	आश्ले.शुक्रः ३२।०प्रदोषः
१३	र	२८	२६	कृ	३०	८	धृ	४४	३६	व	२८	२६	२३	७	५३	२९	२६	१९	वृषे	भ.२८।२६उ.
१४	चं	३४	३५	रो	३७	४२	शू	४७	३	वि	१	३१	२३	७	५३	३०	२७	२०	वृषे	भ.१।३१या.कर्केबुधः २९।३०
३०	मं	४०	२९	मृ	४४	५४	गं	४९	१४	च	७	३२	२४	७	५३	३१	२८	२१	मि११।१८	

९पं.आ.कृ.३बृ.इ. २७/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	४	३	४	१	१
२४	२८	१६	०	९	२८	२७	२३
७	२३	२९	५५	७	२५	५२	४९
३०	१३	२४	४४	१	२३	३	७
५७	४४	८७	८	४४	१	३	५७
२२	११	५०	५५	३३	३२	११	५

गोचर ग्रहाः

आषाढ कृष्णे ९ बुधे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा४न५प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्या-दिभावेसमताशुक्रोदय पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

१०पं.आ.कृ१०बृ.इ. २७/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२०	२	४	३	४	१	२
०	३	२५	१	१४	२८	२७	०
४८	३४	२४	५६	५७	३८	२९	२८
४७	५	४	३५	०	४६	४७	१६
५७	४३	६०	९	४९	२	३	५६
१७	४९	२२	४१	४३	१४	११	५७

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३२६४ स. २०३९

१	बु	४५	४३	आ	५१	३४	बृ	५०	५०	किं	१३	६	३४	५	५६	१	२९	२२	मिथुने	आर्द्रा.रविः ३५ सौरः ५९ ३४ ; भा.आषा. =
२	गु	५०	४	पु	५७	२२	ध्रु	५१	५२	बा	१७	५३	२४	७	५३	२	३०	२३	क.४०।५५	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा [=ढारँभः
३	शु	५३	४९	पु	६०	०	व्या	५२	२१	तै	२१	५६	२४	७	५३	३	१	२४	कर्के	जमादिलाख र ६
४	श	५६	२०	पु	२	३१	ह	५१	५१	व	२५	४	२४	७	५३	४	२	२५	कर्के	भ. २५ उ. २६ या.मघा.२गुरुः७।१४
५	र	५७	५१	श्ले	६	३१	व	५०	४६	ब	२७	५	२३	७	५३	५	३	२६	सिं ६।३१	पुष्ये बुधः ४६।४
६	चं	५७	५७	म	९	१६	सि	४८	३७	कौ	२७	५४	२३	७	५३	६	४	२७	सिंहे	
७	मं	५६	५०	पू	१०	५९	व्य	४५	१५	ग	२७	२३	२३	८	५२	७	५	२८	कं.२६।६	भ.५६।५०उ.
८	बु	५४	१०	उ	११	२७	व	४०	४९	वि	२५	३०	२३	८	५२	८	६	२९	कन्यायां	भ. ३५ या.भरण्यांभौमः ५२।२६
९	गु	५०	४	ह	१०	११	प	३५	६	बा	२२	७	२१	८	५२	९	७	३०	तु.३८।५१	वक्री बुधः ५८।३२
१०	शु	४४	३५	चि	७	३०	शि	२८	१९	तै	१७	२०	२०	८	५२	१०	८	१	तुलायां	जुलाई ७ ता. ३१
११	श	३७	३६	स्वा	२५ ३५	५४ ३३	सि	२०	२०	व	११	५	१९	८	५२	११	९	२	वृ.४४।२०	भ. १९ उ. ३७ या.मृग १ राहुज्येष्ठा ३ केतु+
१२	र	२९	३४	अ	५१	४०	सा	११	३०	ब	३	३५	१८	८	५२	१२	१०	३	वृश्चिके	प्रदोषः [+६।४६ देवशयनी ११ व्र.
१३	चं	२०	३८	ज्ये	४४	४०	शु	४० १९	४७	तै	२०	३८	१७	९	५१	१३	११	४	ध.४४।४०	
१४	मं	११	१०	मू	३७	१२	ब्र	४१	०	व	११	१०	१६	९	५१	१४	१२	५	धनुषि	भ. १९ उ. ३९ या.वायुरीक्षा
१५	बु	१	४३	पू	३०	२०	ऐं	३०	५९	ब	१	४३	१५	९	५१	१५	१३	६	म.४३।४७	पुन.रविः ३४।१४ व्यासपूजा गुरु १५

११पं.आ.शु.२बृ.इ. २७ ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	३	४	१	२
७	८	१	३	२०	२८	२७	७
२९	४०	३४	२	७	५६	७	६
४२	४४	३७	४६	५२	३५	३१	४३
५७	४३	३१	१०	४३	२	३	५६
१३	३१	५२	२३	२२	५५	११	५४

गोचर ग्रहाः

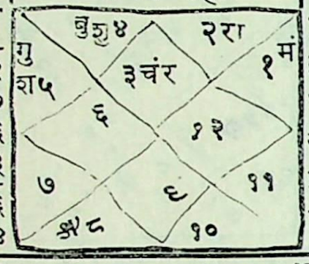

इस मासमें धान्य मंदे होवें। वर्षा अच्छी हो भूमिपुत्रो यदा मेषे सुभिक्षसर्वधान्यकम्। प्रवलानि महर्घाणि क्रोधावास्तुभवेन्नृप।।

गोचर ग्रहाः

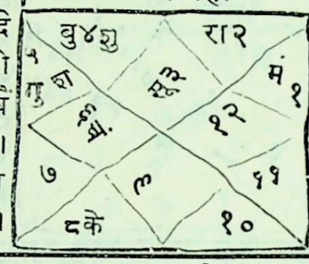

१२पं.आ.शु.९बृ.इ. २७ ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	३	४	१	२
१४	१३	४	४	२४	२९	२६	१३
१०	४५	३२	१२	२८	१८	४५	४४
८	१८	२	४०	५	४३	१६	४८
५७	४३	१	११	३५	३	३	५
७	१७	५६	१	५	३२	११	५

ति. | श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.

१	बु	५१	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			
२	गु	४५	१४	उ	२४	९	वै	२१	३७	तै	१९	३	३४ १९	५	५६ ५१	१६	१४	७	मकरे	पुन.रविः सौरः ३३ बुधास्तः पश्चिमे ३४ २२
३	शु	३९	०	श्र	१९	१९	वि	१३	२०	व	१२	७	१३	९	५१	१७	१५	८	कुं.४७।४७	भ.१२।७उ.३९।०या.चतुर्था .
४	श	३४	३९	ध	१६	१४	प्री	६	३१	ब	६	५०	११	१०	५०	१८	१६	९	कुम्भे	
५	र	३२	३१	श	१५	२०	आ	२० १	५६ २७	कौ	३	३५	१०	१०	५०	१९	१७	१०	कुंभे	वक्री पुन.बुधः ५९ उफा २कन्यायां शनिः +
६	चं	३२	३७	पू	१६	३८	शो	५५	४९	ग	२	३४	८	१०	५०	२०	१८	११	मी १।१९	भ.३२।३७उ.
७	मं	३४	४६	उ	१९	५३	अ	५५	४५	वि	३	४१	७	११	४९	२१	१९	१२	मीने	भ.३।४१या. [+५५।४८नाग५
८	बु	३८	४०	रे	२४	५०	सु	५६	२६	बा	६	४३	५	११	४९	२२	२०	१३	मे.२४।५०	मघा ३गुरुः५७।२७
९	गु	४३	४७	अ	३१	१	धृ	५८	२२	तै	११	१३	३	११	४९	२३	२१	१४	मेषे	
१०	शु	४९	४९	भ	३८	३०	शू	६०	०	व	१६	४८	१	१२	४८	२४	२२	१५	वृ.५५।२३	भ. १६ उ. ४९ या.वक्रीमिथुनेबुधः ९।२
११	श	५६	१०	कृ	४६	४	शू	०	४०	ब	२३	०	३३ ५९	१२	४८	२५	२३	१६	वृषे	कामिका ११ व्र.
१२	र	६०	०	रो	५३	४३	गं	३	१७	कौ	२९	११	५७	१३	४७	२६	२४	१७	वृषे	कर्के ऽर्कः ४।५० (सौर: ३६।२०)
१३	चं	२	१३	मृ	६०	०	बृ	५	४७	तै	२	१३	५५	१३	४७	२८	२५	१८	मि २७।२२	वक्री शुक्रः ४७ कृत्ति.भौमः ४२।६ प्रदोषः
१३	मं	८	४	मृ	१	१	धु	८	२	व	८	४	५२	१४	४६	२८	२६	१९	मिथुने	भ.८।४उ.४०।२७या.
१४	बु	१२	५०	आ	७	२९	व्या	९	३७	श	१२	५०	५०	१४	४६	२९	२७	२०	क.५६।३१	पुष्ये रविः ३३।८
३०	गु	१६	३६	पु	१२	५२	ह	१०	२०	ना	१६	३६	४८	१५	४५	३०	२८	२१	कर्के	पुष्ये रविः सौरः ७।१ हरियाली

१३पं.श्रा.कृ.२बृ.इ. २७ २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	३	४	१	२
२०	१८	३	५	२७	२९	२६	२०
५०	४६	५९	२७	४२	४५	२३	२२
३५	१८	५६	२२	३२	३२	०	४२
५७	४३	२४ ३८	११	२४	४	३	५६
७	४७	वं	३७	९	१०	११	५०

१४पं.श्रा.कृ.९बृ.इ. २७ २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	३	५	१	२
२७	२३	०	६	२९	०	२६	२७
३०	४४	२७	४६	३३	१६	०	०
५४	२	४३	३	१४	२३	४५	४९
५७	४२	३९	१२	१०	४	३	५६
१२	१९	वं	८	१०	४३	११	५४

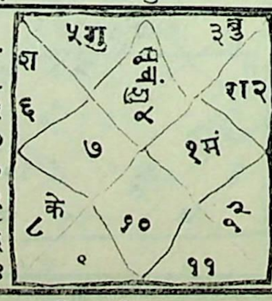

१५पं.श्रा.कृ.३०बृ.इ. २७ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	२	४	३	५	१	३
४	२८	२६	८	२९	०	२५	३
११	३५	१०	६	३९	५०	३८	३९
३८	१३	४८	४३	५८	३१	२९	१६
५७	४१	३३ ४४	१२	१६ १५	५	३	५६
१५	५२	व	२७	वं	५	११	५९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१ | दि. उ. घ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गण ३३९४स २०३९

१	शु	१९	२९	पु	१७	१६	व	१०	८	ब	१९	२९	३३	५	६	३१	२९	२२	कर्के	चन्द्रदर्शनम् [–सिंघारा
२	श	२१	१	श्ले	२०	४०	सि	९	१९	कौ	२१	१	४३	१५	४५	१	१	२३	सिं २०।४०	वृषेभौमः २/३ रज्जव ७भा. श्रावणारंभः–
३	र	२१	३५	म	२२	५९	च्य	७	३२	ग	२१	३५	४०	१६	४४	२	२	२४	सिंहे	भ.५१।२२उ.तीज
४	चं	२१	१०	पू	२४	२२	व	४	५३	वि	२१	१०	३८	१६	४४	३	३	२५	कं. ३९।२८	भ.२१।१०या.बुधोदयः पूर्वस्यां ५/६ वरद ४
५	मं	१९	४०	उ	२४	४४	प	१/३५	५९/६	बा	१९	४०	३५	१७	४३	४	४	२६	कन्यायां	नागपंचमी
६	बु	१७	१२	ह	२४	६	सि	५२	२७	तै	१७	१२	३३	१७	४३	५	५	२७	तु. ५३।१९	
७	गु	१३	५३	चि	२२	३२	सा	४६	४३	व	१३	५३	३०	१८	४२	६	६	२८	तुलायां	भ.१३।५३उ.४१।४५या.मार्गीबुधः २।६
८	शु	९	३८	स्वा	२०	४	शु	४०	२०	ब	९	३८	२७	१९	४१	७	७	२९	तुलायां	मघा.४गुरुः ४४।४०
९	श	४	२३	वि	१६	३७	शु	३३	१४	कौ	४	२३	२४	१९	४१	८	८	३०	वृ. २।२९	
१०	श	५३	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	र	५१	२०	अ	१२	२१	ब्र	२५	१८	व	२४	४७	२२	२०	४०	९	९	३१	वृश्चिके	भ.२/४उ.५१/२०या.पवित्रा ११ब्र.स्मा.
१२	चं	४३	४४	ज्ये	७	२३	ऐं	१६	४६	ब	१७	३२	१९	२०	४०	१०	१०	१	ध. ७।२३	शुक्रास्तः पश्चिमायां ३७/२ अगस्त ८ता. ३१=
१३	मं	३५	४६	मू	३७/५४		वै	५२	५०/१२	कौ	९	४५	१६	२१	३९	११	११	२	धनुषि	प्रदोषः [=पवित्रा ११ब्र.वै.
१४	बु	२७	५२	उ	५०	२२	प्री	४९	५३	ग	१	४९	१३	२१	३९	१२	१२	३	म. ९।२७	भ.२/७उ.५४/१८या.आश्ले.रविः ३/९
१५	गु	२०	४४	श्र	४५	३०	आ	४१	३२	ब	२०	४४	१०	२२	३८	१३	१३	४	मकरे	आश्लेरविसौरः ७/४८ श्रावणीकर्मरक्षाबंधनं

१६पं.श्रा.शु.७वृ.इ. २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	४	३	५	१	३
१०	३	२४	९	२७	१	२५	१०
५२	२२	४६	३०	५१	२८	१६	१८
४१	२३	५२	२९	४३	८	१३	३३
५७	४१	२	१२	३३	५	३	५७
२०	२०	मा	५२	व.	३२	११	५

गोचर ग्रहाः

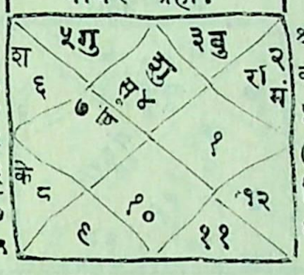

श्रावण कृष्णे १२ रबौ कर्के ऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु ४५ धान्या-दिभावेसमर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

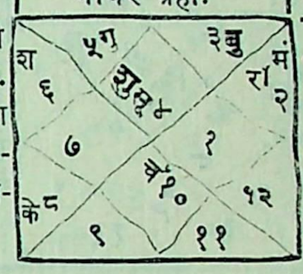

१७पं.श्रा.शु.१५वृ.इ. २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	४	३	५	१	३
१७	८	२८	१०	२४	२	२४	१६
३४	४	२३	१६	२१	८	५३	५८
२३	४८	३१	३८	५०	५३	५८	२१
५७	४०	४४	१३	३४/७	५	३	५७
२५	४९	१४	१४	व.	५७	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१	दि.	उ.	घ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.

१	शु	१४	२५	ध	४१	४१	सौ	३४	१०	कौ	१४	२५	३७	२३	३७	१४	१४	५	कुं. १३।३६	[×शुक्रोदयः पूर्वस्यां ३९ अजा ११
२	श	९	४७	श	३९	२९	शो	२७	५६	ग	९	४७	४	२३	३७	१५	१५	६	कुंभे	भ.३८।१४उ.कर्के बुधः ३७।४८
३	र	६	४१	पू	३९	२३	अ	२३	१२	वि	६	४१	०	२४	३६	१६	१६	७	मी २४।२५	भ.६/९या.रोहि.भौमः १/६ चतुर्थी व्र.
४	चं	५	३५	उ	४१	१०	सु	१९	५९	बा	५	३५	३३	२५	३५	१७	१७	८	मीने	[+आश्ले.बुधः २/३ वक्रीपुष्ये शुक्रः १/५ ÷
५	मं	६	५०	रे	४४	४९	धृ	१८	४१	तै	६	५०	५४	२५	३५	१८	१८	९	मे. ४४।४९	पुष्येबुधः २०।२८चन्द्रषष्ठी
६	बु	९	५१	अ	५०	७	शू	१८	१८	व	९	५१	५०	२६	३४	१९	१९	१०	मेषे	भ.९।५१उ.४२।१०या.
७	गु	१४	२९	भ	५६	५१	गं	१९	२२	ब	१४	२९	४७	२७	३३	२०	२०	११	मेषे	जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	शु	२०	१४	कृ	६०	०	बृ	२१	२३	कौ	२०	१४	४४	२७	३३	२१	२१	१२	वृ. १३।४०	जन्माष्टमीव्र.वै.
९	श	२६	३२	कृ	४	८	धु	२३	४०	ग	२६	३२	४०	२८	३२	२२	२२	१३	वृषे	भ.५९।३२उ.गोगा९
१०	र	३२	३२	रो	११	४१	व्या	२६	११	वि	३२	३२	३७	२९	३१	२३	२३	१४	मि ४५।२६	भ.३२।३२या.
११	चं	३८	२०	मृ	१९	१०	ह	२८	२६	ब	५	२६	३३	२९	३१	२४	२४	१५	मिथुने	पूफा.१गुरुः ५/६ उफा.३शनिः ४/३० ×
१२	मं	४३	१०	आ	२५	५०	व	३०	८	कौ	१०	४५	३०	३०	३०	२५	२५	१६	मिथुने	वत्सद्वादशी [÷बुधास्तः पूर्वस्यां ४७ प्रदोष
१३	बु	४६	३१	पु	३१	१९	सि	३०	५५	ग	१४	५०	२६	३१	२९	२६	२६	१७	क. १४।५७	भ.४६।३१उ.मघा.सिंहेऽर्कः २४।११+
१४	गु	४८	४४	पु	३५	३२	व्य	३०	३१	वि	१७	३७	२३	३२	२८	२७	२७	१८	कर्के	भ.१७।३७या.मघा.सिंहेऽर्कः सौर:.४।१२
३०	शु	४९	२६	श्ले	३८	१७	व	२९	१०	च	१९	५	१९	३२	२८	२८	२८	१९	सिं ३८।१७	कुशाग्रहणी पिठोरी ३० मन्वादिः

१८पं.भा.कृ.७वृ.इ. २८/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	४	३	५	१	३
२४	१२	६	१२	२०	२	२४	२३
१६	४१	३९	२४	१	५२	३१	३९
४४	३५	२५	३२	१२	८	४२	२८
५७	४०	९४	१३	३५/३४	६	३	५७
३३	१०	४३	२०	व.	२०	११	२२

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद कृष्ण १३ बुधे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.४ प्रगलभावस्था (बैठी) मु.४५ धान्या-दिभावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

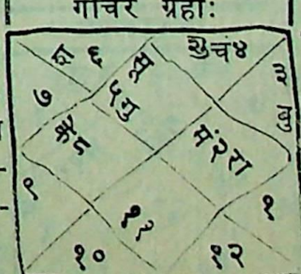

१९पं.भा.कृ.१४व्.इ. २६/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	३	४	३	५	१	४
१	१७	१८	१३	१६	३	२४	०
०	११	३७	५३	८	३७	९	२१
४	४९	१६	४९	१७	४८	२७	४१
५७	३९	५/५६	१३	२६/३	६	३	५७
४०	३०	५६	३२	व.	३२	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४२३स.२०३९
१	श	४८	४६	म	३९	४४	प	२६	४०	किं	१९	६	३२ ५	६	२९	२९	२०	सिंहे	
२	र	४६	५७	पू	३९	५६	शि	२३	११	बा	१७	५१	१२ ३४	२६	३०	३०	२१	कं.५४।४६	चन्द्रदर्शनम्
३	चं	४४	१६	उ	३९	१७	सि	१८	५५	तै	१५	३७	८ ३४	२६	३१	१	२२	कन्यायां	सावान८हरितालिका३
४	मं	४०	५०	ह	३७	४७	सा	१३	५१	व	१२	३३	४ ३५	२५	१	२	२३	कन्यायां	भ.१३उ.५०या.अस्तंगुरोः२९–
५	बु	३६	४६	चि	३५	४३	शु	८	१३	ब	८	५३	१ ३६	२४	२	३	२४	तु.६।४५	मघा.सिंहेबुधः१०।०ऋषिपंचमी
६	गु	३२	१७	स्वा	३३	२०	शु	२	५३ २४	कौ	४	३१	३७ ३७	२३	३	४	२५	तुलायां	[–भा.भाद्रपदारंभः गणेशचतुर्थी
७	शु	२७	३१	वि	३०	२२	ऐं	४९	२४	व	२७	३१	५३ ३७	२३	४	५	२६	वृ.१६।७	भ.२७।३१उ.५४।५६या.
८	श	२२	२३	अ	२७	१५	वै	४२	३८	ब	२२	२३	४९ ३८	२२	५	६	२७	वृश्चिके	[=केतुः५९।०महालयारंभः
९	र	१६	५५	ज्ये	२३	३९	वि	३५	२६	कौ	१६	५५	४६ ३९	२१	६	७	२८	ध.२३।३९	मृगे भौमः८।३२
१०	चं	११	११	मू	१९	५३	प्री	२८	०	ग	११	११	४३ ४०	२०	७	८	२९	धनुषि	भ.३८।१४उ.मार्गीशुक्रः४७।२२
११	मं	५	१७	पू	१५	४३	आ	२०	२६	वि	५	१७	३८ ४०	२०	८	९	३०	म.२९।४६	भ.५७या.पूफा.बुधः५२जलझूलनी११व्र×
१२	मं	५३	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	०	०	० ०	[×वामनजयंती [+२१३ प्रदोषः
१३	बु	५३	४५	उ	११	५६	सौ	१३	१	कौ	२६	२९	३४ ४१	१९	९	१०	३१	मकरे	पूफा.रविः५५३(सौरः५५४)पूफा.२गुरुः+
१४	गु	४८	३९	श्र	८	१८	शो	५५	५३ १५	ग	२१	१२	३० ४२	१८	१०	११	१	कुं.३६।५१	भ.४८।३९उ.सितंबरऽता.३०अनंत१४
१५	शु	४४	३४	ध	५	२३	सु	५३	८	वि	१६	४१	२६ ४३	१७	११	१२	२	कुंभे	भ.१६।४१या.रोहि.४राहुःज्येष्ठा.२×

२०पं.भा शु.६वृ.इ. २६ २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	४	४	३	५	१	४
७	२१	२	१५	१३	४	२३	७
४४	३६	३१	२३	४७	२५	४७	५
२८	७	१९	४२	१०	१६	११	७
५७	३८	५९	१३	२१	६	३	५७
४९	३५	४४	३२	व.	४८	११	४५

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला चन्दन केसर कपास रुई वस्त्र वारदाना गुड शक्कर गन्ना घृत तेल तेजहो

गोचर ग्रहाः

२१पं.भा.शु.१४वृ.इ. २६ २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	४	३	५	१	४
१४	२५	१६	१६	१३	५	२३	१३
३०	५२	२१	५४	२३	१४	२४	५०
४	८	११	५०	३८	३१	५५	१९
५८	३७	५९	१३	६	१८	७	३	५७
१	३७	२३	३८	मा.	२	११	५७

ति.	प्र.आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	श	४१	५८	श	३	२४	धृ	४८	१०	बा	१३	२१	३३ ५	६	१३	१३	३	मी४८।४	
२	र	४०	५४	पू	२	५७	शू	४४	२९	तै	११	२६	१८ ४४	१६	१३	१४	४	मीने	
३	चं	४१	४४	उ	३	५४	गं	४२	१६	व	११	१९	१५ ४५	१५	१४	१५	५	मीने	भ.११।१९उ.४१।४४या.
४	मं	४४	१३	रे	६	४९	बृ	४१	१६	ब	१२	५८	११ ४६	१४	१५	१६	६	मे.६।४९	उफा.बुधः५९।३८चतुर्थीव्र.
५	बु	४८	१३	अ	११	१९	ध्रु	४१	२२	कौ	१६	१३	७ ४७	१३	१६	१७	७	मेषे	[÷मिथुनेभौमः३५अस्तंशनेः१५
६	गु	५३	३४	भ	१७	२२	व्या	४२	४९	ग	२०	५३	३ ४७	१३	१७	१८	८	वृ.३४।२	भ.५३३उ.कन्यायांबुधः४५÷
७	शु	५९	३९	कृ	२४	१	ह	४४	४४	वि	२६	३६	५०९ ४८	१२	१८	१९	९	वृषे	भ.२६।३६या.
८	श	६०	०	रो	३१	३८	व	४७	१०	बा	३२	४४	५५ ४९	११	१९	२०	१०	वृषे	[A१५उफा.४शनिः१३
८	र	५	५०	मृ	३९	२	सि	४९	३२	कौ	५	५०	५१ ५०	१०	२०	२१	११	मि५।२०	मातृऽ(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
९	चं	११	४६	आ	४६	४	व्य	५१	२९	ग	११	४६	४७ ५१	९	२१	२२	१२	मिथुने	भ.४४।२३उ.
१०	मं	१७	०	पु	५१	५९	व	५२	२८	वि	१७	०	४३ ५१	९	२२	२३	१३	क.३५।३०	भ.१७या.उफा.रविः५८आश्ले.शुक्रःA
११	बु	२०	३५	पु	५६	३७	प	५२	२९	बा	२०	३५	३९ ५२	८	२३	२४	१४	कर्के	उफा.रविःसौरः३९हस्तेबुधः३९इदि.११
१२	गु	२२	४४	श्ले	५९	३१	शि	५१	१६	तै	२२	४४	३५ ५३	७	२४	२५	१५	सिं५९।३१	पूफा.३गुरुः३९बुधोदयःपश्चिमायां४४D
१३	शु	२३	७	म	६०	०	सि	४८	३७	व	२३	७	३१ ५४	६	२५	२६	१६	सिंहे	भ.२३।७उ.५२।२४या. [Dप्रदोषः
१४	श	२१	४१	म	०	३८	सा	४४	३५	श	२१	४१	२७ ५०	५	२६	२७	१७	सिंहे	कन्यायामर्कः२३९शस्त्रादिहतानां श्रा.
३०	र	१८	५४	पू	० ५८	५८ १०	शु	३९	३७	ना	१८	५४	२२ ५६	४	२७	२८	१८	कं.१४।५०	कन्यार्कसौरः४५उदयंगुरोः०सर्वपितृ३०

२२पं.प्र.आ.कृ.६वृ.इ. २६ २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	४	३	५	१	४
२१	२९	२९	१८	२४	६	२३	२०
१७	५८	१८	२५	४७	५	२	३६
६	३८	५०	३०	१७	६	४०	५९
५८	३६	०९	१३	२०	७	३	५८
१३	४०	०७	३८	४७	८	११	१२

गोचर ग्रहाः

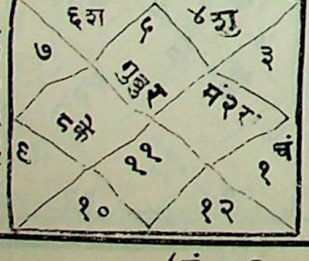

प्र.आश्विन कृष्णे १४ शनौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ अतिवंध्यावस्था (सूती)मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

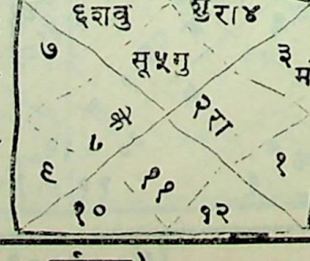

२३पं.प्र आ.कृ.१२वृ.इ. २६ ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	४	३	५	१	४
२८	३	११	१९	१७	६	२२	२७
५	५५	२१	५६	४८	५६	४०	२५
२८	३७	१८	५३	०	१०	२४	५५
५८	३५	०५	१३	३२	७	३	५८
२६	१८	०३	३२	२१	१६	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | प्र.आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽर्गणः ३४५३स.२०३९

१	चं	१४	३७	ह	५५	५०	शु	३३	२८	ब	१४	३७	३०	५६	६	२८	२९	१९	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	९	४०	चि	५३	१६	ब्र	२६	४५	कौ	९	४०	१४	५७	३	२९	१	२०	तु.२४।३	आर्द्रा.भौमः ३४।४७रमजान९
३	बु	४	०	स्वा	४८	१८	ऐं	१९	२३	ग	४	०	९	५८	२	३०	२	२१	तुलायां	भ.३१।६उ.५८।१२या.
४	बु	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	गु	५२	२३	वि	४४	२९	वै	११	४३	ब	२५	१७	५	५९	१	३१	३	२२	वृ.३०।२६	चित्रा.बुधः ५७।६
६	शु	४६	४३	अ	४०	४०	वि	२०	५३	कौ	१९	३१	३०	६	६	०	१	४	२३	वृश्चिके	भा.आश्विनारंभः
७	श	४१	२०	ज्ये	३६	५९	आ	४९	४३	ग	१४	०	२९	६	५	५९	२	५	२४	ध.३६।५९	भ.४१।२०उ.
८	र	३६	१०	मू	३३	४१	सौ	४२	३८	वि	८	४५	५२	२	५८	३	६	२५		धनुषि	भ.८।४५या.
९	चं	३१	२३	पू	३०	३९	शो	३५	४७	बा	३	४६	४८	२	५८	४	७	२६		म.४५।०	
१०	मं	२६	५५	उ	२८	१	अ	२९	३४	ग	२६	५५	४४	३	५७	५	८	२७		मकरे	भ.५५/६उ.हस्तेरविः ३६/५तुलायांबुधः ३०/३२
११	बु	२३	८	श्र	२५	४९	सु	२३	३४	वि	२३	८	४०	४	५६	६	९	२८		कुं.५५।७	भ.२३/८या.हस्तेरविः सौर १७/५५कमला ११व्र.
१२	गु	१९	५०	ध	२४	२४	धृ	१७	५६	बा	१९	५०	३६	५	५५	७	१०	२९		कुम्भे	
१३	शु	१७	२४	श	२३	३६	शू	१३	३	तै	१७	२४	३२	६	५४	८	११	३०		कुम्भे	[=अक्टूबर १०ता. ३१
१४	श	१५	५९	पू	२३	५०	गं	८	४६	व	१५	५९	२८	६	५४	९	१२	१		मीठ।४६	भ.५५/५९उ.५५/५या.पूफा.४गुरुः १३/५०=
१५	र	१५	४३	उ	२५	१३	वृ	५	२७	व	१५	४३	२३	७	५३	१०	१३	२		मीने	स्वात्यांबुधः ६।४९

२४पं.प्र.आ.शु.५वृ.इ. २५/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	४	३	५	१	५
४	७	२२	२१	२१	७	२२	४
५५	४२	३०	२६	५७	४७	१८	१५
१९	२९	१४	५६	३६	३९	९	२२
५८	३३	९५	१३	४१	७	३	५८
३८	४५	३५	३२	७	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

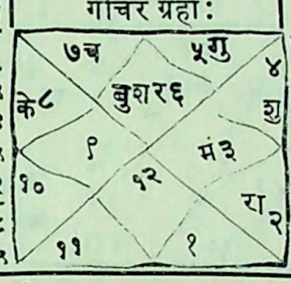

इसमासमें ५शनिवार ३५रविवार अशुभ हैं धान्यगल्लाधातुसोना चांदीरुईवस्त्ररसकस तेज हो प्रजामें दुःख फैले ।

गोचर ग्रहाः

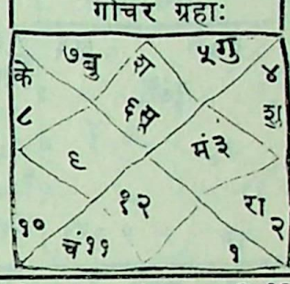

२५पं.प्र.आ.शु.१२वृ.इ. २५/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	४	३	५	१	५
११	११	२	२२	२७	८	२१	११
४६	१६	४६	५५	५	४०	५५	७
५२	२३	४८	५९	१०	२३	५३	१९
५८	३२	८६	१३	४७	७	३	५९
५३	१२	५२	२०	५२	२०	११	०

ति. | द्वि.आश्विनकृष्णपक्षः सं. २०९६शाकः १९६१ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेप्र.आश्विनकृष्णेति महा.

१	चं	१७	४	रे	२८	३	धु	३	१२	कौ	१७	४	२९	६	५	११	१४	३	मे.२८।३	मघा.सिंहेशुक्र.५।०
२	मं	१९	४७	अ	३२	१३	च्या	२	१०	ग	१९	४७	०	९	५	१२	१५	४	मेषे	भ.५२।१३उ.
३	बु	२४	४०	भ	३७	४७	ह	१	५२	वि	२४	४०	११	१०	५०	१३	१६	५	वृ.५४।२३	भ.२४।४०या.चतुर्थी व्र.
४	गु	२८	५२	कृ	४४	१३	व	२	५२	बा	२८	५२	७	११	४९	१४	१७	६	वृषे	
५	शु	३४	५३	रो	५१	२७	सि	४	१९	कौ	१	५२	३	११	४९	१५	१८	७	वृषे	
६	श	४१	८	मृ	५९	५	व्य	६	३४	ग	८	०	२९	१२	४८	१६	१९	८	मि२५।१६	भ.४१।८उ.
७	र	४७	२४	आ	६०	०	व	८	५८	वि	१४	१६	५५	१३	४७	१७	२०	९	मिथुने	भ.१४।१६या.
८	चं	५३	५	आ	६	३५	प	११	१७	बा	२०	१४	५१	१४	४६	१८	२१	१०	क.५६।३७	हस्त.१शनिः ६।३७
९	मं	५७	२१	पु	१३	१७	शि	१२	५७	तै	२५	१३	४७	१५	४५	१९	२२	११	कर्के	चित्रा.रविः ८।५९ सौरः ४७।५९)
१०	बु	६०	०	पु	१८	३७	सि	१३	३७	व	२८	४५	४३	१५	४५	२०	२३	१२	कर्के	भ.२८।४५उ.विशा.बुधः ५३।५२
११	गु	०	९	श्ले	२२	२६	सा	१३	८	वि	०	९	३९	१६	४४	२१	२४	१३	सिं२२।३६	भ.०।९या.उदयंशनेः १२।१०
१२	शु	०	५८	म	२४	२४	शु	११	१७	बा	०	५८	३५	१७	४३	२२	२५	१४	सिंहे	कमला ११व्र.
१३	श	५६	५९	पू	२४	३६	शु	७	५२	ग	२८	५६	३१	१८	४२	२३	२६	१५	कं.३९।९	[=उफा.१गुरुः ४७।३२
१४	र	५२	७	उ	२२	४८	ब्र	२	४९	वि	२४	३३	२७	१९	४१	२४	२७	१६	कन्यायां	भ.५६।५९उ.
३०	चं	४५	५९	ह	१९	२५	वै	४८	४१	च	१९	३	२३	१९	४१	२५	२८	१७	तु.४७।५	भ.२४।३३या.
																				तुलायामर्कः ५२/४८पूफा.शुक्रः ३४/३५=

२६पं द्वि.आ.कृ ४वृ.इ ३५/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	४	४	५	१	५
१८	१४	१२	२४	२	९	२१	१८
४४	३४	१७	३२	५५	३२	३३	१
५	५७	२८	३१	४४	१३	३७	६
५९	२०	७५	१३	५२	७	३	५९
९	२८	२३	११	४८	१४	११	१६

गोचर ग्रहाः

द्वि.आश्विनकृष्णे ३० चन्द्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ प्रव्राजिकावस्था (ऊर्ध्वा) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

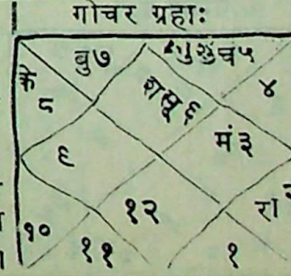

२७पं.द्वि.आकृ.१०वृ.इ. २५/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	४	४	५	१	५
२५	१७	२०	२५	९	१०	२१	२४
३४	३८	३१	४९	२०	२३	११	५६
५९	४९	४८	५	४९	२८	२२	४८
५९	२८	६०	१२	५६	७	३	५९
२१	२५	३०	५०	५५	८	११	३१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	द्वि. आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१	दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः ३४८२स.२०३९
१	मं ३८ ४९ चि १४ ४४ वि ४० १३ किं १२ २४	३८	३०	५४०	२६	२९	१८	तुलायां	तुलार्कः सौरः ३४ नवरात्रारंभः-
२	बु ३१ १८ स्वा ९ १६ प्री ३१ २० बा ५ ३	१६	२१	३९	२७	३०	१९	वृ.५०।२	पुन.भौमः ३२।५२ चंद्रदर्शनम्
३	गु २३ ३७ वि ३८ ५४ आ २२ ५ ग २३ ३७	१२	२२	३८	२८	१	२०	वृश्चिके	भ.५०।० उ.सव्वाल १०
४	शु १६ २३ ज्ये ५२ ४० सौ १२ ५८ वि १६ २३	८	२२	३८	२९	२	२१	ध.५२।४०	भ.१६।२३ या.
५	श ९ ३७ मू ४८ ११ शो १८ ५३ बा ९ ३७	४	२३	३७	३०	३	२२	धनुषि	[-मातामहश्रा.
६	र ३ ३८ पू ४४ २० सु ४८ ५० तै ३ ३८	०	२४	३६	१	४	२३	म.५८।४०	भ.५८।३० उ.भा.कार्तिकारंभः
७	र ५४ ५२ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	चं ५४ १९ उ ४१ ४० धृ ४२ ८ वि २६ २५	५६	२५	३५	२	५	२४	मकरे	भ.२६।२५ या. स्वात्यां रविः ३४।५१
९	मं ५१ १३ श्र ३९ ४९ शू ३६ १५ बा २२ ४६	५३	२५	३५	३	६	२५	मकरे	स्वात्यां रविः सौर.: ११।४६
१०	बु ४८ ५९ ध ३९ ० गं ३१ ८ तै २० ६	४९	२६	३४	४	७	२६	कुं.९।२५	वक्री बुधः ८।१४
११	गु ४८ १ श ३९ १० वृ २५ ५८ व १८ ३१	४५	२७	३३	५	८	२७	कुंभे	भ.१९ उ.४९ या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	शु ४७ ५९ पू ४० ३० ध्रु २३ ३१ ब १८ ०	४१	२८	३२	६	९	२८	मी २५।१०	[=का.स्ना.प्रा.
१३	श ४८ ५९ उ ४२ ५४ व्या २१ ९ कौ १८ २९	३७	२९	३१	७	१०	२९	मीने	प्रदोषः
१४	र ५१ २१ रे ४६ १९ ह १९ २२ ग २० १०	३४	२९	३१	८	११	३०	मे.४६।१९	भ.५१।२१ उ.उफा.शुक्रः ३५।३१
१५	चं ५४ ४५ अ ५० ४७ व १८ ५३ वि २३ ३	३०	३०	३०	९	१२	३१	मेषे	भ.२३ या. शरद्पूर्णिमाकोजागरीव्र.=

२८पं.द्वि.आ.शु.३वृ.इ.२५/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	४	४	५	१	६
२	२०	२६	२७	१६	११	२०	१
३१	२२	४८	१२	१०	१३	४९	५४
२३	२६	४	२५	५२	५२	६	११
५९	२५	३६	१२	६०	७	३	५९
२४	४२	४७	२०	४	२	११	४६

गोचर ग्रहाः

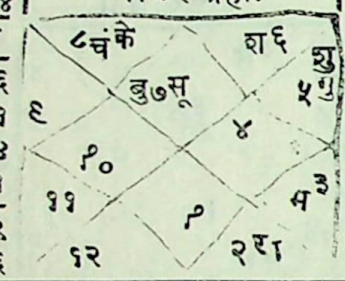

इस मासमें मिथुनका मंगल गुड शक्कर चीनी धान्य बाजरा गेहूं मूंग मोठ चना मटर में तेजी करे सोना चांदी मंदाहो

गोचर ग्रहाः

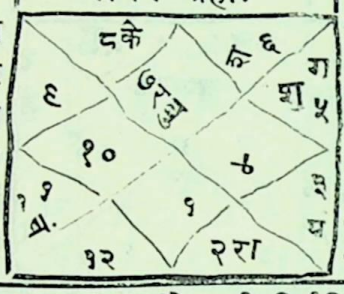

२९पं.द्वि.आ.श.११वृ.इ.२५/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	४	४	५	१	६
९	२२	२९	२८	२३	१२	२०	८
२९	४३	१७	३२	२१	२	२६	५३
३८	५२	२	२०	४७	५६	११	३१
५९	२२	६/४	१२	६२	६	३	६०
४७	३५	वं.	५	२६	४४	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेद्वि.आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	मं ५९ ७ भ ५६ २२ सि १८ ३९ बा २७ २६	२७	३१	५९	१०	१३	१	मेषे	बुधास्तः पश्चिमायां ३१ नवम्बर ११×
२	बु ६० ० कृ ६० ० व्य १९ ३६ तै ३२ २२	२३	३१	२९	११	१४	२	वृ.१३।०	कन्यायांशुक्रः ३९।५५
३	गु ४ ३७ कृ २ ५३ व २० ५९ ग ४ ३७	१९	३२	२८	१२	१५	३	वृषे	भ.३७।३८ उ. [×ता.३०
४	शु १० ३८ रो ९ ५६ प २२ ५९ वि १० ३८	१६	३३	२७	१३	१६	४	मि४३।४१	भ.१३ ८ या.उफा.२कन्यायांगुरुः ३१ ८+
५	श १६ ५६ मृ १७ २५ शि २५ १४ बा १६ ५६	१२	३४	२६	१४	१७	५	मिथुने	[+रोहि.३राहुःज्येष्ठा.१केतुः÷
६	र २३ २३ आ २५ १० मि २७ ३७ तै २३ २३	९	३४	२६	१५	१८	६	मिथुने	विशा.रविः ५५ २१ [÷१५ करकचतुर्थीव्र.
७	चं २९ २७ पु ३२ २८ सा २९ ४५ ब २९ २७	५	३५	२५	१६	१९	७	क.१५।३९	भ.२९ उ.विशा.रविः सौरः २९ १० हस्त.२A
८	मं ३४ २६ पु ३८ ४२ शु ३१ ११ वि १५६	२	३६	२४	१७	२०	८	कर्के	भ.१।५६ या.वक्रीस्वात्यांबुधः १।४४
९	बु ३८ १६ श्ले ४३ ५४ शु ३१ ५० बा ६ २१	२९८	३६	२४	१८	२१	९	सिं४३।५४	[Aशनि.५९।०
१०	गु ४० १६ म ४७ १४ ब्र ३० ५५ तै ९ १६	५५	३७	२३	१९	२२	१०	सिंहे	[Hअन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा
११	शु ४० १७ पू ४८ ४३ ऐं २८ ३८ व १० १७	५२	३८	२२	२०	२३	११	सिंहे	भ.१७ उ.४७ या.हस्तेशुक्रः ४६ ४९
१२	श ३८ ९ उ ४८ ११ वै २४ ५५ ब ९ १३	४९	३८	२२	२१	२४	१२	कं.३।३५	रमा ११ व्र.
१३	र ३४ ६ ह ४५ ४४ वि १९ १७ कौ ६ ७	४५	३९	२१	२२	२५	१३	कन्यायां	बुधोदयःपूर्वस्यां ४। १धन १३
१४	चं २८ १३ चि ४१ २९ प्री १२ १० ग १ १०	४२	४०	२०	२३	२६	१४	तु.१३।३६	भ.२८।१३ उ.५४।२७ या.प्रदोषः रूप १४
१५	मं २० ४१ स्वा ३५ ३८ आ ४९ ३६ श २० ४१	३९	४०	२०	२४	२७	१५	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्
२०	बु १२ १४ वि २९ ० शो ४४ ८ ना १२ १४	३६	४१	१९	२५	२८	१६	वृ.१५।३९	वृश्चिकेऽर्कं ५१।२५ मार्गीबुधः २४।५५H

३०पं.का.कृ.२वृ.इ.२४/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	४	५	५	१	६
१६	२४	२५	२९	०	१२	२०	१५
२९	४४	५	४९	४८	५०	४	५४
२०	५३	२	१२	११	२	३५	३५
६०	१८	६/९	११	६४	६	३	६०
४	५६	वं.	२५	१९	३२	११	१८

गोचर ग्रहाः

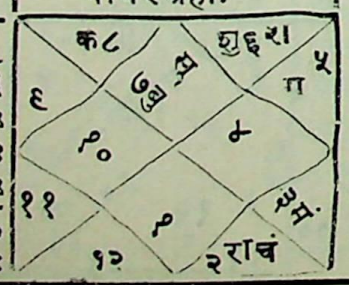

कार्तिक कृष्णे ३० बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

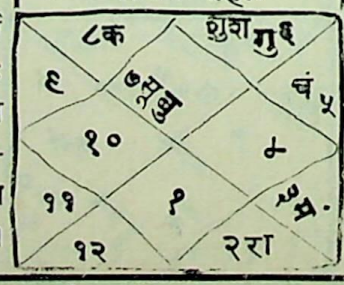

३१पं.का.कृ.९वृ.इ.२४/४७

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	५	५	५	१	६
२३	२६	१६	१	८	१३	१९	२२
३०	७	४६	२	२९	३५	४२	५७
४०	१७	५५	६	४९	१३	१९	६
६०	१४	८/३	१०	६५	६	३	६०
१७	४९	वं.	५२	५१	१६	११	३०

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१ दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३५१२स.२०३९

१	गु	३	१०	अ	२१	४७	अ	३३	४३	व	३	१०	२६/३३	६/४५	५/५९	२६	२९	१७	वृश्चिके	वृश्चिकेऽर्कः सौरः २३/२७ चन्द्रदर्शनम्-
२	गु	५०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[-भ्रातृ२यम२
३	शु	४५	३१	ज्ये	१४	४२	सु	२३	१४	तै	१९	२१	३०	४२	१८	२७	१	१८	ध.१४।४२	जिल्काद११
४	श	३७	४३	मू	८	५	धृ	१३	१४	व	११	३७	२७	४३	१७	२८	२	१९	धनुषि	भ.११।३७उ.३७।४३या.
५	र	३१	१	पू	२/४९	५५/५०	शू	३/४४	५५/५९	ब	४	२२	२५	४३	१७	२९	३	२०	म.१६।१४	अनु.रविः९।४५ (सौरः४०।१५)
६	चं	२५	३८	श्र	५४	५७	वृ	४८	३४	तै	२५	३८	२२	४४	१६	३०	४	२१	मकरे	
७	मं	२१	५०	ध	५३	२९	ध्रु	४१	४०	व	२१	५०	१९	४४	१६	१	५	२२	कुं.२४।१३	भ.२९उ.५२या.भा.मार्गशीर्षारंभः
८	बु	१९	३४	श	५३	२२	व्या	३८	४	ब	१९	३४	१७	४५	१५	२	६	२३	कुंभे	चित्रा.शुक्रः२६।२०गोपाष्टमी
९	गु	१८	५३	पू	५४	५२	ह	३४	४०	कौ	१८	५३	१४	४५	१५	३	७	२४	मीऽ९।२९	कुष्मांडनवमीअक्षयनवमी
१०	शु	१९	३४	उ	५७	४९	व	३२	२८	ग	१९	३४	१२	४६	१४	४	८	२५	मीने	भ.५०।३५उ.उफा.३गुरुः८।३२
११	श	२१	३५	रे	६०	०	सि	३१	८	वि	२१	३५	९	४६	१४	५	९	२६	मीने	भ.३१या.विशा.बुवः३९=
१२	र	२४	५७	रे	१	४८	व्य	३१	१०	बा	२४	५७	७	४७	१३	६	१०	२७	मे.१।४८	[=प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
१३	चं	२९	१३	अ	६	५४	व	३१	२०	तै	२९	१३	५	४७	१३	७	११	२८	मेषे	वक्रीभौमः३४।५३ प्रदोषः
१४	मं	३४	१९	भ	१२	५५	प	३२	२५	ग	१	४६	२	४८	१२	८	१२	२९	वृ.२९।३६	भ.३४उ.तुलायांशुक्रः३वैकुंठ१४
१५	बु	४०	११	कृ	१९	३८	शि	३४	४	वि	७	१५	०	४८	१२	९	१३	३०	वृषे	भ.७१५या.चन्द्रदर्शनम्मन्वादिःका.स्ना.पू.

३२पं.का.शु.१वृ.इ. २४/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	५	५	५	१	७
०	२६	१३	२	१६	१४	१९	०
३३	५८	१२	१०	२२	१७	२०	१
२२	१६	४३	३०	३४	४९	४	१०
६०	९	२३	१०	६७	५	३	६०
३०	५३	मा	५	१५	५०	११	४०

गोचर ग्रहाः

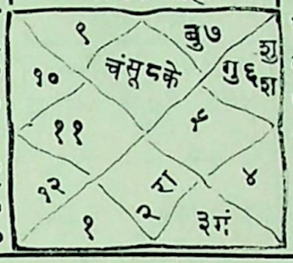

इस मासमें कृष्णपक्ष कीतिथि वृद्धि शुक्ल पक्ष की तिथि क्षय धान्य बाजरा मूंग मोठ चांवलरसकसमें तेजीकरे धातु मंदेहों

गोचर ग्रहाः

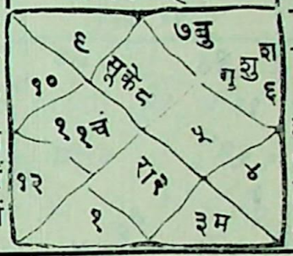

३३ पं.का.शु.९वृ.इ. २४/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	५	५	५	१	७
७	२७	१७	३	२४	१४	१८	७
३७	१२	४९	१३	२५	५७	५७	६
१६	३२	१६	५	५५	५४	४८	४३
६०	४	६३	०	६८	५	३	६०
४२	७	११	२२	१९	२६	११	५३

ति. मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१ दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.

१	गु	४६	१९	रो	२६	४१	सि	३६	३	बा	१३	१५	२५/५८	६/४८	५/५२	१०	१४	१	वृषे	दिसंबर१२ता.३१
२	शु	५२	४१	मृ	३४	१०	सा	३८	१२	तै	१९	३०	५६	४९	११	११	१५	२	मि०।२५	[×(सौरः ४९) वृश्चिकेदुघः ४८/५५
३	श	५९	१०	आ	४१	४१	शु	४०	२३	व	२५	५१	५४	४९	११	१२	१६	३	मिथुने	भ.२५/५५उ.५९/१०या.ज्येष्ठा.रविः१९/५९×
४	र	६०	०	पु	४९	५	शु	४२	४०	ब	३२	१०	५३	४९	११	१३	१७	४	क.३२।१४	स्वात्यांशुक्रः५६।२२चतुर्थीव्र.
५	चं	५	१०	पु	५५	५१	व्र	४४	२२	बा	५	१०	५१	५०	१०	१४	१८	५	कर्के	पातस्पर्शः३२।२पातमोक्षः५७।१९
६	मं	१०	२७	श्ले	६०	०	ऐं	४५	२५	तै	१०	२७	४९	५०	१०	१५	१९	६	कर्के	अनु.बुधः१।१२
७	बु	१४	४९	श्ले	१	४७	वै	४५	३५	व	१४	४९	४८	५०	१०	१६	२०	७	सिं१।४७	भ.१४।४९उ.४६।२०या.
८	गु	१७	५०	म	६	२३	वि	४४	३७	ब	१७	५०	४६	५१	९	१७	२१	८	सिंहे	
९	शु	१९	१	पू	९	२९	प्री	४२	६	कौ	१९	१	४५	५१	९	१८	२२	९	कं.२४।४८	
१०	श	१८	३२	उ	१०	४४	आ	३८	१५	ग	१८	३२	४४	५१	९	१९	२३	१०	कन्यायां	भ.४७।२२उ.
११	र	१५	५०	ह	१०	३	सौ	३२	४८	वि	१५	५०	४३	५१	९	२०	२४	११	तु.३८।४४	भ.१५।५०या.
१२	चं	११	२३	चि	७	२५	शो	२५	४०	बा	११	२३	४२	५२	८	२१	२५	१२	तुलायां	बुधास्तःपूर्वस्यां३८।४८उत्पत्ति११व्र.
१२	मं	४	५५	स्वा	२/५३	५९/५२	अ	१७	१६	तै	४	५५	४१	५२	८	२२	२६	१३	बृ.४३।२५	भ.५७।११उ. प्रदोषः
१३	मं	५२	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	बु	४८	९	अ	४९	५८	सु	३/३२	२९/२६	वि	२२	३५	४०	५२	८	२३	२७	१४	वृश्चिके	भ.२२।३५या.ज्येष्ठा.बुधः५१।३३
३०	गु	३८	३४	ज्ये	४२	१३	शू	४६	१	च	१३	२१	३०	५२	८	२४	२८	१५	ध.४२।१३	

३४पं.मा.कृ.१वृ.इ. २४/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	५	६	५	१	७
१४	२६	२६	४	२	१५	१८	१४
४२	४६	४१	१०	३५	३४	३५	१३
२९	१४	४९	१६	३१	१	३३	२९
६०	३	८२	८	४९	४	३	६१
५०	व.	१०	३०	७	५६	११	३

३५पं.मा.कृ.७वृ.इ. २३/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	५	६	५	१	७
२१	२५	६	५	१०	१६	१८	२१
४८	३६	५४	१	४७	६	१३	२१
३२	२२	५८	३४	४६	४७	१७	९
६०	१०	९०	७	४९	४	३	६१
५६	व.	२६	२१	५८	३२	११	११

३६पं.मा.कृ.३०वृ.इ. २३/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	५	६	५	१	७
२८	२३	१७	५	१९	१६	१७	२८
५५	४८	३१	४५	१५	३५	५१	२९
२६	२८	१६	१८	२२	२	१	१२
६१	१/४६	९५	६	७०	३	३	६१
०	व.	५३	२०	३८	५०	११	१९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३५४१ स. २०३९
१	शु	२८	४६	मू	३४	२३	गं	३४	५३	किं	३	४७	३५ ३९	६ ५२	८	२५	२९	१६	धनुषि	मूलेधनुष्यर्कः २७ १९ (सौरः ५१ ५९) विशा.=
२	श	१९	२६	पू	२६	५८	बृ	२४	३	कौ	१९	२६	३८	५२	८	२६	३०	१७	म.४०।१९	चन्द्रदर्शनम्
३	र	१०	५७	उ	२०	२४	ध्रु	१३	५५	ग	१०	५७	३८	५२	८	२७	१	१८	मकरे	भ.३७।२३उ.जिल्हेज१२
४	चं	३	४९	श्र	१५	११	व्या	४ ४७	५३ २२	वि	३	४९	३७	५३	७	२८	२	१९	कुं.४३।३२	भ.३।४९या.
५	चं	५४	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=शुक्रः १ ३ हस्त.३शनिः ४१ २२
६	मं	५४	४४	ध	११	५२	व	५१	०	कौ	२६	३५	३७	५३	७	२९	३	२०	कुंभे	चंपा६
७	बु	५३	१४	श	१०	१४	सि	४६	२३	ग	२३	५९	३६	५३	७	३०	४	२१	मी५५।२३	भ.५३।१४उ.
८	शु	५३	३१	पू	१०	२६	व्य	४३	१९	वि	२३	२२	३६	५३	७	१	५	२२	मीने	भ.२३।२२या.भा.पौषारंभः
९	शु	५५	३१	उ	१२	४८	व	४१	३७	बा	२४	३१	३६	५३	७	२	६	२३	मीने	मूलेधनुषिबुधः २५।६
१०	श	५९	८	रे	१६	३३	प	४१	१३	तै	२७	२०	३६	५३	७	३	७	२४	मे.१६।३३	वृश्चिकेशुक्रः १९।८
११	र	६०	०	अ	२१	५५	शि	४१	५७	व	३१	३३	३७	५३	७	४	८	२५	मेषे	भ. ३ ३ उ.मोक्षदा११व्र.स्मा.गीताजयंती
११	चं	३	५९	भ	२८	५	सि	४३	४	वि	३	५९	३७	५३	७	५	९	२६	वृ.४४।५४	भ. ५ ९ या.अनु.शुक्रः ५ ४ ९ मोक्षदा११व्र.वै.
१२	मं	९	३८	कृ	३५	१९	सा	४५	११	बा	९	३८	३७	५३	७	६	१०	२७	वृषे	वक्रीआर्द्रा.भौमः १ ५ उफा.४गुरुः ५ १ ×
१३	बु	१५	५५	रो	४२	२९	शु	४७	६	तै	१५	५५	३७	५२	८	७	११	२८	वृषे	[+(सौरः ५ ३ ३ [×प्रदोष;
१४	गु	२२	१७	मृ	५०	७	शु	४९	२३	व	२२	१७	३८	५२	८	८	१२	२९	मि१६।१८	भ. २ १ उ. ५ ७ या.पूषा.रविः ३२।१४+
१५	शु	२८	३७	आ	५७	२८	ब्र	५१	३८	ब	२८	३७	३९	५२	८	९	१३	३०	मिथुने	दत्तजयंती

३७प.मा.शु.८वृ.इ. २३ २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	७	५	६	५	१	८
६	२१	२८	६	२७	१६	१७	५
३	३०	१९	२१	४२	५९	२८	३९
०	२४	४१	२२	४३	२४	४६	१७
६१	२४	९७	५	७१	३	३	६१
४	व.	४१	८	१३	१५	११	२२

गोचर ग्रहाः

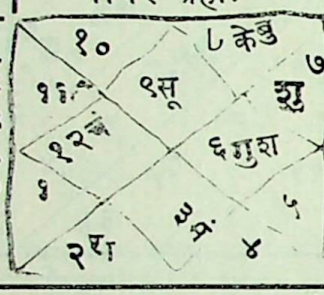

मार्गशीर्ष शुक्ले १ शुक्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३ न ३ बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

३८प.मा.शु.१४वृ.इ. २३ २०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	५	७	५	१	८
१३	१८	९	६	६	१७	१७	१२
१०	५६	१८	४९	१३	१८	६	४९
५९	५६	३२	८	४४	३२	३०	९
६१	२९	९९	३	७१	२	३	६१
६	वं.	४८	५८	३८	२८	११	२६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१											दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महा.
१	श	३४	५२	पु	६०	०	ऐं	५३	३७	बा	१	४५	२५ ४०	६ ५२	८	१०	१४	३१	क.४९।५१	पूषा.बुधः ४८।३०
२	र	४०	४१	पु	४	३८	वै	५५	४	तै	७	४६	४१	५२	८	११	१५	१	कर्के	जनवरी १ता.३१सन् २०४०
३	चं	४५	३७	पु	११	८	वि	५५	५२	व	१३	९	४२	५२	८	१२	१६	२	कर्के	भ.१३।९उ.४५।३७या.
४	मं	४९	४०	श्ले	१६	५९	प्री	५६	१६	व	१७	३८	४३	५१	९	१३	१७	३	सिं१७।०	चतुर्थी व्र.
५	बु	५२	४५	म	२२	०	आ	५५	४४	कौ	२१	१२	४४	५१	९	१४	१८	४	सिंहे	
६	गु	५४	३३	पू	२५	४९	सौ	५४	११	ग	२३	३९	४५	५१	९	१५	१९	५	कं.४१।२३	भ.५४।३३उ.
७	शु	५५	०	उ	२८	७	शो	५१	३२	वि	२४	४६	४७	५१	९	१६	२०	६	कन्यायां	भ. २ ४ ४ ६ या.ज्येष्ठाशुक्रः ५ ५ ४ रोहि.२राहुः-
८	श	५३	४५	ह	२९	६	अ	४७	३०	बा	२४	२२	४८	५०	१०	१७	२१	७	तु.५८।४४	[-अनु.४केतुः ४ २ ३ ९
९	र	५०	५३	चि	२८	२१	सु	४२	३७	तै	२२	१९	५०	५०	१०	१८	२२	८	तुलायां	
१०	चं	४६	१३	स्वा	२५	५७	धृ	३५	३०	व	१८	३३	५३	५०	१०	१९	२३	९	तुलायां	भ.१८।३३उ.४६।१३या.उषा.बुधः १ २ ०
११	मं	४०	६	वि	२२	८	शू	२७	३८	व	१३	१०	५३	४९	११	२०	२४	१०	वृ.८।५	सफला११व्र.
१२	बु	३२	५२	अ	१६	३८	गं	१८	३३	कौ	६	२९	५५	४९	११	२१	२५	११	वृश्चिके	उषा.रविः ३ ४ ७ ५ (सौरः ५ ४ ५) मकरेबुधः ९
१३	गु	२४	९	ज्ये	१०	१	बृ	८ ४१	४९ ५५	व	२४	९	५७	४९	११	२२	२६	१२	ध.१०।१	भ.२४।९उ.४९।२७या.प्रदोषः
१४	शु	१४	४५	मू	२ ४४	५२ २९	व्या	४७	०	श	१४	४५	५९	४८	१२	२३	२७	१३	धनुषि	
२०	श	५	१६	उ	४७	५१	ह	३६	१०	ना	५	१६	२६ ४	४८	१२	२४	२८	१४	म.८।२२	मकरेऽर्कः ५३।२४

३९प.पौ.कृ.६वृ.इ. २३ १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	५	७	५	१	८
२०	१६	२०	७	१४	१७	१६	१९
१९	२०	२१	८	४७	२३	४४	५९
५	४९	३०	२०	२३	०	१५	६
६१	२९	०	२	७२	१	३	६१
६	वं.	८३	३५	२४	०	११	२६

गोचर ग्रहाः

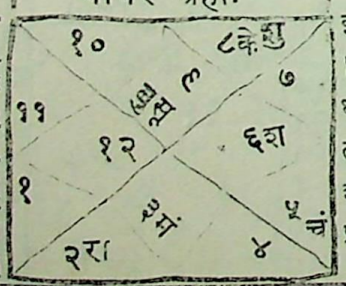

इसमासमें ५ शनिवार ५ रविवार अशुभ है धान्यधातुसोनाचांदी ताम्बा रसकस गुड शक्कर चीनी तेजहो प्रजा में रोग फैलें ।

गोचर ग्रहाः

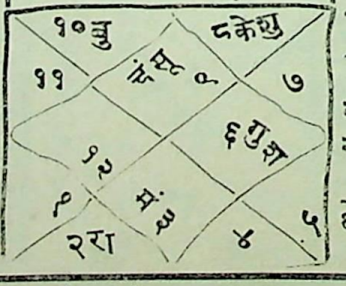

४०प.पौ.कृ.१३वृ.इ. २३ २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	९	५	७	५	१	८
२७	१३	२	७	२३	१७	१६	२७
२७	५९	१६	१७	२३	४२	२१	८
७	१२	२७	५६	१३	७	५९	५८
६१	२८	०८	१	७२	१	३	६१
६	वं.	२२	१०	२२	५	११	२४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | पौष शुक्लपक्षः सं० २०९६शाकः १९६१ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चंद्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३५७१स२०४०

१	श	५०	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	४७	३८	अ	४१	१२	व	२६	१	बा	२१	५२	२६ ४८	७ ५३	२५	२९	१५	मकरे
३	चं	४०	४५	ध	३५	५६	सि	१६	५१	तै	१४	११	६	४७	१३	२६	१	१६ कुं.८।३४
४	मं	३५	३७	श	३२	२८	व्य	८	४२	व	८	११	८	४६	१४	२७	२	१७ कुंभे
५	बु	३२	२९	पू	३०	४१	व	२	५५ २३	ब	४	३	११	४६	१४	२८	३	१८ मी १६।८
६	गु	३१	२७	उ	३१	१९	शि	५४	५०	कौ	१	५८	१३	४५	१५	२९	४	१९ मीने
७	शु	३२	३०	रे	३३	५०	सि	५३	२६	ग	१	५९	१६	४५	१५	३०	५	२० मे.३३।५०
८	श	३५	३३	अ	३८	२०	सा	५३	३८	वि	४	१	१९	४४	१६	१	६	२१ मेषे
९	र	४०	१३	भ	४४	२०	शु	५४	२९	बा	७	५३	२१	४४	१६	२	७	२२ मेषे
१०	चं	४५	५६	कृ	५१	२३	शु	५६	२०	तै	१३	५	२४	४३	१७	३	८	२३ वृ.१।६
११	मं	५२	२६	रो	५८	४०	व्र	५८	२९	व	१९	११	२७	४३	१७	४	९	२४ वृषे
१२	बु	५९	१	मृ	६०	०	ऐं	६०	०	ब	२५	४३	२९	४२	१८	५	१०	२५ मि ३२।३५
१३	गु	६०	०	मृ	६	२९	ऐं	०	५७	कौ	३२	१०	३२	४२	१८	६	११	२६ मिथुने
१४	शु	५	१९	आ	१३	५२	वै	३	७	तै	५	१९	३५	४१	१९	७	१२	२७ मिथुने
१५	श	११	२२	पु	२०	५५	वि	४	५३	व	११	२२	३८	४०	२०	८	१३	२८ क.४।९
१६	र	१६	३६	पु	२७	२	प्री	६	१०	ब	१६	२६	४१	४०	२०	९	१४	२९ कर्के

मकरेऽर्कः सौरः १०।३१ चन्द्रदर्शनम्
मोहोरम १सन् १४६२हि.
भ.$\frac{८}{९}$ उ.$\frac{३५}{३७}$या श्रवणेबुधः$\frac{६}{६}$मूले- [-धनुषिशुक्रः४३।३३
वक्रीगुरुः१७।१६
भ.३२।३०उ. [=भा.माघारंभः
भ.$\frac{४}{९}$या.अभि.प्र.रविः$\frac{२७}{५०}$(सौरः$\frac{५९}{५२}$)= [×पातमोक्षः४४।२७
वक्रीशनिः१७।२०पातस्पर्शः२६।१६×
भ.$\frac{१९}{१९}$उ.$\frac{५२}{५६}$या.श्रवणेरविः$\frac{४२}{४७}$(सौरः + अभि.नि.रविः३४।४२ (सौरः४९।५)
प्रदोषः [+$\frac{५८}{५४}$)घनि.बुधः$\frac{५७}{५५}$बुधोदयः÷ [÷पश्चिमायां$\frac{४५}{४५}$पुत्रदा११व्र.
भ.$\frac{१९}{१२}$उ.$\frac{४३}{५९}$या.कुंभेबुधः$\frac{५९}{५२}$पूषा.शुक्रः$\frac{३५}{५०}$
मा.स्ना.प्रा.

४१पं.पौ.शु.६वृ.इ.$\frac{२३}{१९}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	५	८	५	१	९
४	११	१३	७	२	१७	१५	४
२४	५८	५२	१८	०	४६	५९	१८
५९	३८	८	३६	४०	३४	४३	२७
६१	२२	०m	९	७२	०	३	६१
३	व.	९	व	४०	१७	११	१९

गोचर ग्रहाः

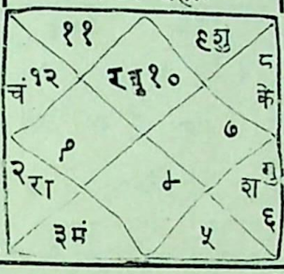

पौष शुक्ले २ रवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

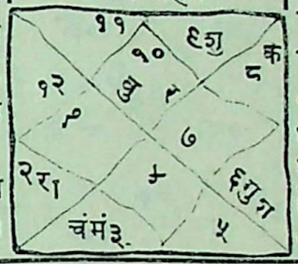

४२पं.पौ.शु.१३वृ.इ.$\frac{२३}{२४}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	५	८	५	१	९
११	१०	२५	७	१०	१७	१५	११
४२	३०	४२	९	२८	४५	३७	२७
२९	१६	१४	५४	४९	७	२८	१८
६०	१५	९९	३५	७२	२४	३	६१
५९	व.	१६	व	५६	व	११	१३

ति. | माघ कृष्णपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.

१	चं	२०	५६	श्ले	३२	२७	आ	६	४६	कौ	२०	५६	२६ ४५	६ ३९	५ २१	१०	१५	३० सिं३२।२७
२	मं	२४	१६	म	३६	४८	सो	६	३४	ग	२४	१६	४८	३८	२२	११	१६	३१ सिंहे
३	बु	२६	३७	पू	४०	१७	शो	५	४०	वि	२६	३७	५१	३८	२२	१२	१७	१ कं.५५।५१
४	गु	२७	४६	उ	४२	३३	अ	४	४	बा	२७	४६	५४	३७	२३	१३	१८	२ कन्यायां
५	शु	२७	५९	ह	४४	२	सु	५ ३०	५६ ३४	तै	२७	५९	५८	३६	२४	१४	१९	३ कन्यायां
६	श	२७	४	चि	४४	१३	शू	५३	४४	व	२७	४	२७ ९	३६	२४	१५	२०	४ तु.१४।१८
७	र	२५	०	स्वा	४३	२	गं	४८	२२	ब	२५	०	५	३५	२५	१६	२१	५ तुलायां
८	चं	२१	४४	वि	४०	५३	वृ	४२	८	कौ	२१	४४	८	३४	२६	१७	२२	६ वृ.२६।२५
९	मं	१७	१८	अ	३७	३६	धु	३४	५३	ग	१७	१८	१२	३४	२६	१८	२३	७ वृश्चिके
१०	बु	११	३४	ज्ये	३३	१०	व्या	२६	४७	वि	११	३४	१५	३३	२७	१९	२४	८ ध.३३।१०
११	गु	५	०	मू	२७	३८	ह	१७	४६	बा	५	०	१९	३२	२८	२०	२५	९ धनुषि
१२	गु	५२	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१३	शु	४९	१०	पू	२१	३३	व	८ ५९	५० ३३	ग	२३	१६	२३	३१	२९	२१	२६	१० म.३४।५७
१४	श	४०	४४	उ	१५	८	व्य	४८	३१	वि	१४	५७	२७	३१	२९	२२	२७	११ मकरे
३०	र	३२	४०	श्र	८	४५	व	३९	५	च	६	४२	३०	३०	३०	२३	२८	१२ कुं.३५।५७

भ.५५।२६उ.
भ.$\frac{३}{६}$या.फर्वरी२ता.२९ चतुर्थी व्र.
शतेबुधः२९।१४
भ.२७।४उ.५६।२या.
धनि.रविः$\frac{५}{४}$वक्रीउफा.३गुरुः$\frac{५५}{३३}$
भ.४४।२६उ.धनि.रविः सौरः३।३८
भ.११।३४या.उषा.शुक्रः१९।४३
षट्तिला११व्र.
भ.$\frac{४९}{१०}$उ.मार्गीभौमः$\frac{४६}{१३}$प्रदोषः
भ.१४।५७या.मकरेशुक्रः३।२९

४३पं.मा.कृ.४वृ.इ.$\frac{२३}{२३}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	१०	५	८	५	१	९
१८	९	६	६	१९	१७	१५	१८
४९	२६	३१	५१	१७	३५	१५	२५
१	१६	४८	४७	३१	५९	१२	२६
६०	५२	८३	३४	७३	१७	३	६१
५५	व.	४९	व.	१४	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

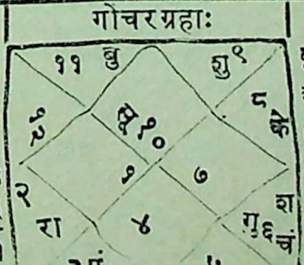

कृष्णपक्षकी तिथिघटे शुक्लपक्ष बढ जाय । एकचीजकी क्या कहें सभीचीज बढजाय।। इस मासमें धातु तेज व धान्य मंदे हों ।

गोचर ग्रहाः

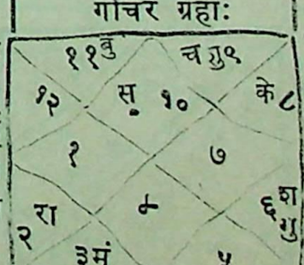

४४पं.मा.कृ.११वृ.इ.$\frac{२३}{३२}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	१०	५	८	५	१	९
२५	९	१३	६	२७	१७	१४	२५
५४	१८	२४	२५	५७	२३	५२	४२
५०	२४	५४	२३	५०	६	५७	१३
६०	१५	३७	१३	७३	१५	३	६०
४७	व	४८	व.	२०	व.	११	५५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३६००सं२०४०
१	चं	२५	२५	ध	९	५५	प	३०	२९	ब	२५	२५	२७/३४	२९/३१	२४	२९	१३	कुम्भे	कुंभऽर्क.२९/१सौरः३७/६वक्रीबुधः३७/५१=
२	मं	१९	२८	पू	५५	२६	शि	२३	८	कौ	१९	२८	३८	२८	३२	२५	१	१४	मी४१।१२ बुधास्तःपश्चिमायां१९/२०सफर२
३	बु	१५	१४	उ	५४	१६	सि	१६	५७	ग	१५	१४	४१	२८	३२	२६	२	१५	मीने भ.४४।८उ.
४	गु	१३	२	रे	५५	३०	सा	१२	२२	वि	१३	२	४५	२७	३३	२७	३	१६	मे.५५।३० भ.१३।२या.
५	शु	१२	५०	अ	५८	२७	शु	९	४१	बा	१२	५०	४९	२६	३४	२८	४	१७	मेषे वसंत५ [=चंद्रदर्शनम्
६	श	१४	४९	भ	६०	०	शु	८	५३	तै	१४	४९	५३	२५	३५	२९	५	१८	मेषे
७	र	१८	४१	भ	३	१९	ब्र	८	५२	व	१८	४१	५६	२५	३५	३०	६	१९	वृ.१९।५४ भ.१९/४उ.५१/१या.श्रवणेशुक्रः३/४भानु÷
८	चं	२३	५५	कृ	९	३९	ह्रें	१०	११	ब	२३	५५	२८/०	२४	३६	१	७	२०	बृषे शतेरविः१/४सौरः१२/५८भा.फाल्गुनारंभ×
९	मं	३०	७	रो	१६	४६	वै	१२	११	कौ	३०	७	४	२३	३७	२	८	२१	मि५०।३४ [×भीष्माष्टमी [÷७रथ७
१०	बु	३६	४१	मृ	२४	२१	वि	१४	३०	तै	३	२४	८	२२	३८	३	९	२२	मिथुने वक्रीबनि.बुधः५०।३
११	गु	४३	१	आ	३१	५१	प्री	१६	४५	व	९	५१	१२	२२	३८	४	१०	२३	मिथुने भ.९।५१उ.४३।१या.जया११ब्र.
१२	शु	४८	४९	पु	३८	५५	आ	१८	४३	ब	१५	५५	१६	२१	३९	५	११	२४	क.२२।९
१३	श	५३	५२	पु	४५	७	सौ	२०	४	कौ	२१	२१	२०	२०	४०	६	१२	२५	कर्के वक्रीहस्त.२शनिः१०।४९प्रदोषः
१४	र	५७	१८	श्ले	५०	१	शो	२०	२८	ग	२५	३५	२४	१९	४१	७	१३	२६	सिं५०।१ भ.५७।१८उ.
१५	चं	६०	०	म	५४	०	अ	२०	३	वि	२८	४०	२८	१८	४२	८	१४	२७	सिंहे भ.२९/४०या.बुधोदयःपूर्वस्यां५४।३४
१५	मं	०	१	पू	५६	३९	सु	१८	४१	ब	०	१	३२	१८	४२	९	१५	२८	सिंहे मा.स्ना.पूर्तिः

४५पं.मा.शु.४वृ.इ.३/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	९	५	१	१०
२	९	१२	५	६	१७	१४	२
५९	३७	४६	५१	३६	६	३०	४८
४२	२६	५४	१०	४६	५३	४१	१६
६०	५	२४	२५	७	२	३	६०
२७	मा	४ वृ	व	२२	वं	११	४२

गोचर ग्रहाः

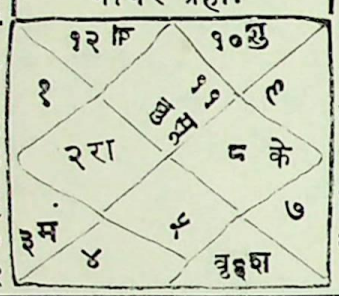

माघ शुक्ले १ चन्द्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

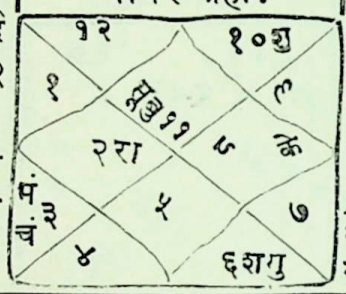

४६पंमा.शु.११वृ.इ.२४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	९	५	१	१०
१०	१०	५	५	१५	१६	१४	९
३	२३	५७	९	१७	४५	८	५२
१४	४२	५०	०	५३	४७	२५	४९
६०	१०	५४/५९	२३/२६	७३	१/३	३	६०
२५	१६	व	वं	४४	वं	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	बु	१	११	उ	५८	५	धृ	१६	११	कौ	१	११	३६	१७	४३	१०	१६	२९	कं.१२।० वनि.शुक्रः५३।७
२	गु	१	१३	ह	५८	३४	शू	१२	५८	ग	१	१३	४०	१६	४४	११	१७	१	कन्यायां भ.३०।४३उ.मार्च३ता.३१
३	शु	०	१३	चि	५८	१७	गं	८	५९	वि	०	१३	४४	१५	४५	१२	१८	२	तु.२८।२५ भ.१/३या.पातस्पर्शः२९/९पातमोक्षः३५/५०=
४	शु	५८	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० [=चतुर्थीव्र. .
५	श	५५	३६	स्वा	५७	२	वृ	१/२	५४/५०	कौ	२६	५६	४८	१४	४६	१३	१९	३	तुलायां
६	र	५२	१०	वि	५५	२०	ब्या	५३	८	ग	२३	५३	५२	१४	४६	१४	२०	४	वृ.४०।४६ भ.५२/१०उ.पूभा.रविः१/१९सौरः२७।४५
७	चं	४८	१६	अ	५२	४९	ह	४६	४७	वि	२०	१३	५६	१३	४७	१५	२१	५	वृश्चिके भ.२०।१३या.
८	मं	४३	३६	ज्ये	४९	४४	व	३९	५०	बा	१५	५६	२९/१	१२	४८	१६	२२	६	घ.४९।४४ मार्गीबुधः५३/९कुंभेशुक्रः१६।१४
९	बु	३८	२५	मू	४५	५९	सि	३२	३३	तै	११	०	५	११	४९	१७	२३	७	धनुषि
१०	गु	३२	३४	पू	४१	५३	व्य	२४	५०	व	५	२९	९	१०	५०	१८	२४	८	म.५५।४२ भ.५।२९उ.३२।३४या.
११	शु	२६	१६	उ	३७	१०	व	१६	३६	बा	२६	१६	१३	९	५१	१९	२५	९	मकरे कुंभेबुधः४४/५वक्रीउफा.२गुरुः३९/५रोहि+
१२	श	१९	३८	श्र	३२	२५	प	१३/१४	५१/४४	तै	१९	३८	१७	९	५१	२०	२६	१०	मकरे प्रदोषः+१राहुःअनु.३केतुः३/१०वि.११।
१३	र	१३	४	ध	२७	५३	सि	५२	७	व	१३	४	२१	८	५२	२१	२७	११	कुं.०।९ भ.१३/४उ.३९/१या.शतेशुक्रः४०।५१ ÷
१४	चं	६	५२	श	२३	५५	सा	४४	५६	श	६	५२	२६	७	५३	२२	२८	१२	कुंभे महाशिवरात्रीव्र.वै.
१५	मं	१	२३	पू	२०	५३	शु	३८	२८	ना	१	२३	३०	६	५४	२३	२९	१३	मी६।३९ [÷महाशिवरात्रीव्र.स्मा.

४७पं.फा.कृ.२वृ.इ.२४/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	९	५	१	१०
१७	११	०	४	२३	१६	१३	१६
५	४०	१०	२१	५८	२१	४६	४५
२८	५७	८	१८	२३	१४	१०	४५
६०	१४	३४/४९	१४/१७	७३	५०/३	३	६०
१२	२५	वं	व	५०	व	११	२०

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल चांदी सोना रुई कपास बारदाना बस्त्र आदि मंदे हो घृत रसकस तेज हो

गोचर ग्रहाः

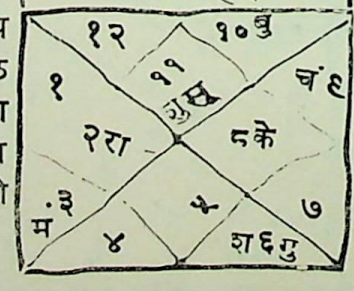

४८पं.फा.कृ१०वृ.इ.३/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	९	५	१०	५	१	१०
२४	१३	२९	३	२	१५	१३	२३
६	२४	५	२९	३८	५३	२३	५७
१४	११	५०	४२	१३	२८	५४	८
५९	१८	४९/४७	७३	४/६	३	६०	
५८	२३	मा	व	५६	व	११	६

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततूरविरुत्त रेऽहर्गणः३६३०स.२०४०
१	मं	५५	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	५४	३६	उ	१९	२४	शु	३३	२८	बा	२५	५६	२९	६	५५	२४	३०	१४	मीने	मीनेऽर्कः ३१/६ सौरः २९/६ चंद्रदर्शनम् ×
३	गु	५३	५०	र	१९	२६	ब्र	२९	५५	तै	२४	१३	२८	४	५६	२५	१	१५	मे. १९।२६	रविलावल ३ [×फुलरिया २
४	शु	५५	१	अ	२१	१८	ऐं	२७	५२	व	२४	२६	४३	३	५७	२६	२	१६	मेषे	भ.२४।२६उ.५५।१या.
५	श	५८	१	भ	२५	४३	वै	२६	५२	ब	२६	३१	४७	३	५७	२७	३	१७	वृ.४०।१९	उभा.रविः४०।१३ (सौरः४९।४२)
६	र	६०	०	कृ	३०	८	वि	२७	२९	कौ	३०	१५	५१	२	५८	२८	४	१८	वृषे	
६	चं	२	२९	रो	३६	४८	प्री	२९	८	ती	२	२९	५५	१	५९	२९	५	१९	वृषे	शतेबुधः३८।५६
७	मं	८	१४	मृ	४४	२	आ	३१	७	व	८	१४	३०	०	०	३०	६	२०	मि १०।२५	भ.८।१४उ.४१।२२या.
८	बु	१४	३१	आ	५१	३८	सौ	३३	३१	ब	१४	३१	३०	०	०	१	७	२१	मिथुने	भा.चैत्रारंभः होलाष्टकम्
९	गु	२०	४७	पु	५८	५४	शो	३५	४०	कौ	२०	४७	८	५८	२	२	८	२२	क.४२।५	पूभा.शुक्रः२६।२३
१०	शु	२६	४६	पु	६०	०	अ	३७	२२	ग	२६	४६	१२	५८	२	३	९	२३	कर्के	भ.५९।१५उ.
११	श	३१	४५	पु	५	३२	सु	३८	९	वि	३१	४५	१६	५७	३	४	१०	२४	कर्के	भ.३१।४५या.आमलकी११व्र.
१२	र	३५	१४	श्ले	१०	४४	धृ	३७	५०	ब	३	२९	२१	५६	४	५	११	२५	सिं १०।४४	
१३	चं	३७	१७	म	१४	३०	शू	३६	१७	कौ	६	१५	२५	५५	५	६	१२	२६	सिंहे	प्रदोषः
१४	मं	३७	३८	पू	१६	४३	गं	३३	२४	ग	७	२७	२९	५४	६	७	१३	२७	कं. ३१।५५	भ.३७।३८उ.
१५	बु	३६	२७	उ	१७	३१	बृ	२९	३२	वि	७	२	३३	५३	७	८	१४	२८	कन्यायां	भ.७या.पून.भौमः २/३ होलिकादहनम्

४९पं.फा.शु.३वृ.इ. २५/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	१०	५	१	११
१	१५	३	२	११	१५	१३	०
५	२७	४९	३६	१८	२३	१	५६
३१	५०	४१	२५	२२	१७	३९	५०
५९	२१	४०	५३/५	७४	२३/२४	३	५९
५९	७	१४	व	२	व	११	४९

गोचर ग्रहाः

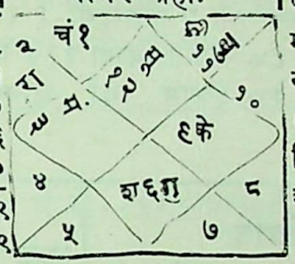

फाल्गुन शुक्ले २ बुधे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा ३ न. २ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ४५धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

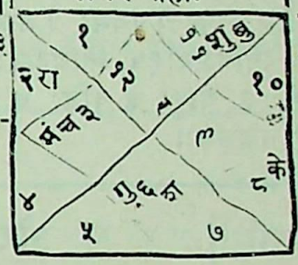

५०प.फा.शु.९बृ.इ. ३५/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	१०	५	१	११
८	१७	१०	१	१९	१४	१२	७
३	५०	३९	४२	५८	५२	३९	५४
१८	२८	४	४	४१	५३	२३	४५
५९	२३	६२	५३/५	७४	४०/४१	३	५९
२९	४३	१९	ब	८	व	११	३५

ति	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वसंततू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहा.
१	गु	३३	५८	ह	१६	५२	ध्रु	२४	३२	बा	५	१२	३०/३१	७/५३	६	९	१५	२९	तु.४६।०	वसंत १छारेंडी
२	शु	३०	२२	चि	१५	९	ध्या	१८	४८	तै	२	१०	४१	५२	८	१०	१६	३०	तुलायां	भ.५/६उ.पूभा.बुधः३/५मीनेशुक्रः ३२/६
३	श	२६	५	स्वा	१२	४१	ह	१२	२९	वि	२६	५	४५	५१	९	११	१७	३१	वृ.५५।२७	भ.२६/५या.रेवत्यांरविः ४७/८ सौरः १/६ ४व्र.
४	र	२१	१५	वि	९	४२	व	४७/५३	५७/८	बा	२१	१५	४९	५०	१०	१२	१८	१	वृश्चिके	अप्रेल ४ता.३०
५	चं	१६	२१	अ	६	३५	व्य	५१	५३	तै	१६	२१	२३	४९	११	१३	१९	२	वृश्चिके	उभा.शुक्रः १४।२
६	मं	११	१०	ज्ये	९/३३	५६/४३	व	४४	४७	व	११	१०	५७	४९	११	१४	२०	३	घ.३।१३	भ.११।१०उ.३८।३७या.
७	बु	६	४	पू	५६	३२	प	३७	४०	ब	६	४	३१/१५	४८	१२	१५	२१	४	धनुषि	
८	गु	०	५९	उ	५३	१६	शि	३०	४०	कौ	०	५९	५	४७	१३	१६	२२	५	म.१०।४३	मीनेबुधः ५०/३० वक्रीउफा.१सिंहेगुरुः= [=२३।५६शीतलापूजनम्
९	गु	५४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	शु	५०	४२	श्र	४९	५९	सि	२३	३७	व	२३	४४	१०	४६	१४	१७	२३	६	मकरे	भ.२३।४४उ.५०।४२या.
११	श	४५	३८	ध	४७	२	सा	१७	०	ब	१८	१०	१४	४५	१५	१८	२४	७	कुं.१८।३१	उभा.बुधः५९।०पापमोचनी११व्र.
१२	र	४१	८	श	४४	३४	शु	१०	२७	कौ	१३	२३	१८	४४	१६	१९	२५	८	कुंभे	
१३	चं	३७	१५	पू	४२	३९	शु	३३/३४	५४/५५	ग	९	११	२३	४४	१६	२०	२६	९	मी २८।८	भ.३७।१५उ.प्रदोषः
१४	मं	३४	७	उ	४१	३३	ऐं	५४	२२	वि	५	४१	२६	४३	१७	२१	२७	१०	मीने	भ.५।४१या.
३०	बु	३२	१७	रे	४१	५७	वै	५०	४८	च	३	१३	३०	४२	१८	२२	२८	११	मे. ४१।५७	मन्वादि ·

५१पं.चै.कृ.१वृ.इ. २५/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	१०	५	१	११
१४	२०	१९	०	२८	१४	१२	१४
५९	२७	११	४९	३७	२२	१७	५०
१०	११	३१	८	५५	१	७	५७
५९	२६	७९/३०	७	७४	४०/४१	३	५९
१६	२	५५	ब	१४	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल गेहूं जो चना मंदे होवे धातु सोना चांदी रुई में घटा बढी चले।

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.कृ.८वृ.इ. २९/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	४	११	५	१	११
२१	२३	२९	२९	७	१३	११	२१
५३	२०	२१	५९	१७	४९	५४	४५
३१	६	५०	४६	४९	१६	५२	८
५९	२७	९३	४६/४९	७४	३८/४	३	५९
४	५८	२९	व	२०	व	११	४

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१४१, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१४१, भोग्यकलिः४२६८५९, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०९७, शाकः १९६२, अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः । मंत्री शुक्रः । सस्येशश्चंद्रः । धान्येशः शनिः । मेघेशो गुरुः । रसेशो बुधः । नीरसेशश्चंद्रः । फलेशो गुरुः । धनेशो रविः।दुर्गेशो गुरुः।एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्येब्रम्हविंशतिकायां ८ भावनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः ३।२२।१।५२।१२ भोग्यमासादिः ८।७।५८।७।४८ बार्हस्पत्यदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम फाल्गुनः। मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे । समयविश्वा २० समयवाहनम् चातकः। स्तंभौ २ अन्नवाय्वोः। सोमवत्यमाः२ सोमवती पूंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी १ रविदशमी ३ समयमुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३५५ तिथिक्षयः१५, तिथिवृद्धिः१० उत्पत्ति विश्वा ८७ खपति विश्वा ११४ वर्षाविश्वा १७ धान्यम् ५ तृणम् ९, शीतम् ५ तेजः ९, वायुः ५ वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः १७, ऐक्यम् ८१, शनिदृष्टिर्दक्षिणे । सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण १ चंद्रमसः।

सं. २०९७ कार्तिक शु.१५ रवौ खग्रास चन्द्र ग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	१०	११	१२	१	२
मि.	४६	५३	३६	१९	२७
घं.	४०	४३	४५	४७	४९
प.	४७	३६	२३	१०	५९

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जननी ज्वालामुखी करिये सदा सहाय ।
सात नवति की साल में कहिये मन हर्षाय ।।

भवानी उत्तर

सत राखे सत्याणवे वर्षे सुन्दर मेह ।
अन धन जन सुख ऊपजे राज प्रजा में नेह ।।
सौम्यग्रहां इस वर्ष में लिया आठ अधिकार ।
संवत् होसी सांतरो सुख पावे संसार ।।
सतरा वर्षा वृष्टि है संवत् विश्वा बीस ।
अन्न घणेरा नीपजे भूमि और गिरीश ।।
धान्याधिप दिन मणि तनय चालें अपनी चाल ।
पकी पकाई साख में टीडी करे कमाल ।।
गत वर्षों की पीड़ को जनता जासी भूल ।
ईश कृपा से जगत् में सभी होय अनुकूल ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्ष लग्नम् ६।२

वर्षेश लग्नम् ७।२३

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१८।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२४।४

=बुशुचंर

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः फलम् ॥ गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले काम दुघाश्च धेनवः । यजन्ति विप्राः बहवोग्नि होत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ।। मंत्री शुक्रः फलम् ।। भृगुसुते ननु मंत्रि समागते शलभ मूषक मूषकरौहिषः भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ।। सस्येशः चन्द्रः फलं ।। सस्याधिपे शीतकरे प्रजा सुखं मेघः पयो मुंचति गोपगोधुक् देवद्विजाराधन तत्परा नृपा धरा भवेद्धान्य धनौघ पूर्णा ।। धान्येशः शनिः फलम् ।। निर्धना क्षिति भुजो रणादराः सस्यमल्प मति रोगिणो नराः । नैव वर्षति जलं सुरेश्वरः स्याद्यदांत्य कणपः शनैश्चरः ।। मेघेशः गुरुः फलम् ।। गुरुरपि प्रिय वृष्टिकरः सदाखिल विलासवती धरणीतदा । श्रुति विचार परा नरपालका रस समृद्धियुताखिल मानवाः ।। रसेशः बुधः फलम् ।। रसपतौ द्विजराज सुते मही सुलभ धान्य घृतादि युता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहु जलाखिल देश सुरक्षिता ।। नीरसेशः चन्द्रः फलम् ।। शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजतवाससां । अर्घ बृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ।। फलेशः गुरुः फलम् ।। सुरगुरु फलनायकतां गतो गतभया वनराशि महाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सव मन्दिराः श्रुतिविचार परा द्विजपूर्वकाः ।। धनेशः रविः फलम् ।। द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहु द्रव्य समागमः । गजतुरंगम मेष खरोष्ट्रतो धनचयं लभतें क्रयविक्रयात् ।। दुर्गेशः गुरुः फलम् ।। सुरगुरौ गढपे नवशोभिता नरबरा नरपाः करपालिताः गिरिषु वै नगरेषु समंसुखं सुखमति द्विज शस्त्रवतोऽनिशम् ।। भावनाम संवत्सरः फलम् ।। भावाब्दे प्रचुरा रोगाः मध्यः सस्यार्घ वृष्टयः । राजानो युद्ध निरताः तथापि सुखिनो जनाः ।। वर्षनाम फाल्गुनः फलम् ।। सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्य पश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवास्तटे फलम् ।। तटेवृष्टिः सुशोभनाः ।। समयनिवासो रजक गृहे फलम् ।। रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०९७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला ५ चन्द्रे मृगे ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽअऽऽ।।

आषाढ मासः

शुक्ला ३ गुरौ मघा ल. ऽन्यगो १ रे. ९ ।।।।ऽरो।।।।
,, ६ रवौ उफा ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।ऽबृ।।ऽअ।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ९ बुधे उफा ल.५रे.८ ।।।।।।।ऽऽदग्धा२७-४६उ.
,, १० गुरौ हस्ते ल. ५ रे. ७ ।।।।।ऽनृऽऽ।।
शुक्ला १० गुरौ रेव ल. गो. रे. ७ ।ऽ।।।।ऽऽ।।

माघ मासः

कृष्णा २ शनौ मघा ल. ८ रे. ८ ऽ।।।ऽ।।।।।
,, ४ चन्द्रे उफा ल. ८ रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
,, ५ भौमे उफा ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽऽरो।ऽ।।
,, ५ भौमे हस्ते ल. ८ (घ.५१-५१या) रे. ८
।।।।।ऽरोऽ।।।
,, ६ बुधे हस्ते ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।
,, १२ भौमे मलें ल. ८ (घ.४९-५२या) रे. ६
।।।।।ऽचौ५३याऽऽ।ऽ दग्धा

माघ मासः

शुक्ला ५ भौमे रेव ल. ऽन्यगो (७मेभौमः) ल. ८ रे. ९
।।।।।ऽनृ।।।।
,, ९ शनौ रोहि ल. गो. ८ (वृश्चिकेचं.७पू.) रे. ७
।।।।।ऽरोऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ चन्द्रे उफा ल. गो ८ रे. ९ ।।।।।ऽ।।
,, ९ चन्द्रे मूले ल. ऽन्यगो ८ रे.८ ।।।।।नृ३५उऽऽ।।
,, ११ बुधे उषा ल. ८-९ रे. ६ ऽऽ।।।ऽऽ।।
शुक्ला २ चन्द्रे रेव ल. ८-९ रे. ८ ।।।।ऽऽ।।।
,, ६ शुक्रे रोहि ल. ऽन्यगो ८-१० रे. ८।।।।।।ऽ।।
(वृश्चिकेचं.७पू.)

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२										दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६५९स.२०४०
१	गु	३१	३७	अ	४३	३५	वि	४८	१५	किं	१	५७	३१/३४	४१/५	६/९	२३	२९	१२	मेषे	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	शु	३२	४०	भ	४६	५४	प्री	४७	३३	बा	२	८	३८	४०	२०	२४	३०	१३	मेषे	अश्वि.मेषेऽर्कः ४/४१ सौरः ५/३९ रेवत्यां =
३	श	३५	२८	कृ	५१	२८	आ	४७	१७	तै	४	४	४२	४०	२०	२५	१	१४	वृ.३।२	रविलाखर ४ मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	र	३९	३५	रो	५७	३५	सौ	४८	२६	व	७	३१	४६	३९	२१	२६	२	१५	वृषे	भ. ३/१७ उ. ३/१९ या. रेवत्यांबुधः ४१।७
५	चं	४४	५२	मृ	६०	०	शो	५०	१२	ब	१२	१३	५०	३८	२२	२७	३	१६	मि ३१।०	[=शुक्रः ३/१९ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
६	मं	५०	५९	मृ	४	२३	अ	५२	४३	कौ	१७	५६	५३	३७	२३	२८	४	१७	मिथुने	
७	बु	५७	७	आ	११	५९	सु	५५	२	ग	२४	३	५७	३७	२३	२९	५	१८	मिथुने	भ. ५/७ उ.बुधास्तः पूर्वस्यां २९।३१
८	गु	६०	०	पु	१९	२२	धृ	५७	१०	वि	३०	१३	३२/१	३६	२४	३०	६	१९	क.२।३१	भ.३०।१३या.
८	शु	३	१९	पु	२६	३५	शू	५८	३७	व	३	१९	५	३५	२५	३१	७	२०	कर्के	कर्के भौमः २५।१० रामनवमीस्मा.
९	श	८	३४	श्ले	३२	२९	गं	५८	५४	कौ	८	३४	९	३४	२६	१	८	२१	सिं ३२।२९	भा.वैशाखारभः रामनवमीवैं.
१०	र	१२	२०	म	३७	२	बृ	५७	५७	ग	१२	२०	१२	३४	२६	२	९	२२	सिंहे	भ.४/३३ उ.अश्वि.मेषेबुधः ४१।२
११	चं	१४	३८	पू	३९	४३	ध्रु	५५	३८	वि	१४	३८	१६	३३	२७	३	१०	२३	कं.५४।५७	भ.१/३४ या.अश्वि.मे.शुक्रः ५/२ कामदा ११
१२	मं	१४	५९	उ	४०	४१	व्या	५१	४७	बा	१४	५९	२०	३२	२८	४	११	२४	कन्यायां	शुक्रास्तः पूर्वस्यां ३४।४८ प्रदोषः
१३	बु	१३	२२	ह	३९	४८	ह	४६	२८	तै	१३	२२	२३	३१	२९	५	१२	२५	कन्यायां	[=२५।२९ हनुमज्जयंती
१४	गु	९	५९	चि	३७	१८	व	३९	५९	व	९	५९	२७	३१	२९	६	१३	२६	तु.८।३३	भ.९।५९ उ.३७।३६ या.
१५	शु	५	१३	स्वा	३३	३९	सि	३२	३७	ब	५	१३	३१	३०	३०	७	१४	२७	तुलायां	भरण्यांरविः २१/५९ सौरः ३/२ पुष्येभौमः=

१ पं.चै.शु.२शु.इ. ४१/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	४	११	५	१	११
०	२६	१३	२९	१७	१३	११	२९
०	५५	४	९	२९	१२	२८	५१
०	१२	२४	११	४६	११	४७	२३
५८	२९	८/०	५/६	७४	१६/४	३	५८
४४	२६	२८	व	२६	व	११	४५

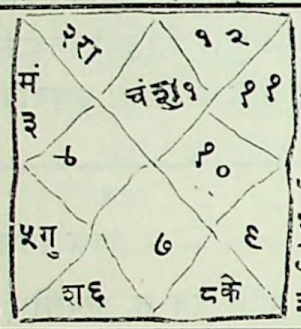

२पं.चै.शु ८शु.इ. ४२/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	४	११	५	१	०
६	०	२६	२८	२६	१२	११	६
५०	८	४	३२	८	४२	६	४१
४६	३८	१२	४६	३१	४७	३२	३४
५८	३०	८/०	३/४	७४	५९/३	३	५८
३१	३९	५५	व	२६	व	११	२९

३पं.चै.शु.१५शु.इ. ४२/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	४	०	५	१	०
१३	३	१०	२८	४	१२	१०	१३
३९	२८	१७	२	४५	१६	४४	२९
५०	५५	६	२४	५४	५	१६	५९
५८	३१	२/५	३/३४	७४	४/४	३	५८
१९	४६	५३	व	२६	व	११	१२

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	शु	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	५२	४०	वि	२९	१	व्य	२४	३२	तै	२५	५८	३२/३४	२९/५	३/६	८	१५	२८	वृ.१५।१०	[×बुधोदयः पश्चिमे ४९।२०
३	र	४५	४६	अ	२४	१४	व	१६	१८	व	१९	१३	२८	२८	३२	९	१६	२९	वृश्चिके	भ. १/१३ उ. ४/४९ या.भरण्यांबुधः ५/१२
४	चं	३८	५०	ज्ये	१९	१४	प	५२/७	५३/५	ब	१२	१८	४१	२८	३२	१०	१७	३०	ध. १९।१४	चतुर्थीव्र.
५	मं	३२	२०	मू	१४	४०	सि	५१	५२	कौ	५	३५	४५	२७	३३	११	१८	१	धनुषि	मई ५ ता. ३१
६	बु	२६	१४	पू	१०	२२	सा	४४	२८	व	२६	१४	४८	२६	३४	१२	१९	२	म.२४।२८	भ. २/१४ उ. ५/२७ या.
७	गु	२०	४१	उ	६	४५	शु	३७	२३	ब	२०	४१	५२	२६	३४	१३	२०	३	मकरे	
८	शु	१५	५७	श्र	३	४३	शु	३१	१६	कौ	१५	५७	५५	२५	३५	१४	२१	४	कु.३२।३४	भरण्यांशुक्र ३९।११
९	श	११	४१	ध	२५/१	५८/३४	ब्र	२५	३१	ग	११	४१	५८	२४	३६	१५	२२	५	कुंभे	भ.४०।३उ.कृत्ति.बुधः १९।१०
१०	र	८	२६	पू	५९	१८	एं	२०	३१	वि	८	२६	३३/३२	२४	३६	१६	२३	६	मी ४४।२८	भ.८।२६या.बुधेबुधः ५४।१२
११	चं	५	४७	उ	५९	२५	वै	१६	११	बा	५	४७	५	२३	३७	१७	२४	७	मीने	वरुथिनी ११व्र.
१२	मं	४	८	रे	६०	०	वि	१२	३१	तै	४	८	८	२२	३८	१८	२५	८	मीने	प्रदोषः
१३	बु	३	३३	रे	०	३२	प्री	९	५६	व	३	३३	११	२२	३८	१९	२६	९	मे.०।३२	भ.३।३३ उ.३३।४४ या.
१४	गु	३	५५	अ	२	४८	आ	८	६	श	३	५५	१४	२१	३९	२०	२७	१०	मेषे	[+३/० कृत्ति.४ राहुः अनु.२ केतुः ३८।२×
३०	शु	५	४३	भ	६	१६	सौ	७	३०	ना	५	४३	१७	२१	३९	२१	२८	११	वृ.२२।२६	कृत्ति.रविः ५/८ सौरः ९/० रोहि.बुधः+

४पं.वै.कृ.८शु.इ. ४३/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	४	०	५	१	०
२०	६	२५	२७	१३	११	१०	२०
२७	५७	२२	४१	२४	५३	२२	१६
२९	१८	५५	२५	११	३८	०	४६
५८	३२	८/०	१/२	७४	३/४	३	५७
६	२९	१७	व	३२	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले २ शुक्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवाऽवस्था (सूती) मु. १५ धान्या-दिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

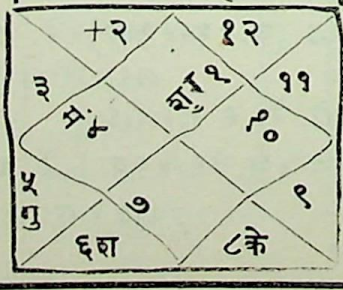

५पं.वै.कृ.३०शु.इ. ४२/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	४	०	५	१	०
२७	१०	१०	२७	२२	११	९	२७
१३	३३	६	२८	१	३३	५९	२
३७	०	५०	४८	५५	४	४५	०
५७	३३	४८/०	३/०	७४	२/२	३	५७
५४	२५	४१	व	३२	व	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

+ब्रुराचं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३६८९स.२०४०

१	श	८४२	कृ	१०५६	शो	७१९	द	८४२	३३	२०५४०	२२	२९	१२	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
२	र	१२५२	रो	१६४९	अ	८१९	कौ	१२५२	२३	१९४१	२३	१	१३	मि५०।५	जमादिलावल५परशुरामजयंती
३	चं	१८	९	मृ	२३२२	सु	९५६	ग	१८	९	२६	१९४१	२४	२	१४	मिथुने	भ.५१ उ.वृषेऽर्कः ३५ सौरः ६७ मार्गी +
४	मं	२४	९	आ	३०५६	धृ	११५९	वि	२४	९	२८	१८४२	२५	३	१५	मिथुने	भ.२४।९या.कृत्ति.शुक्रः३०।५०
५	बु	३०	१९	पु	३८३७	शू	१४२९	बा	३०	१९	३१	१८४२	२६	४	१६	क.२१।४२	[+गुरुः ४२ अक्षया३
६	गु	३६३२	पु	४६	७	गं	१७	८	कौ	३	२५	३४	१७४३	२७	५	१७	कर्के	
७	शु	४२१५	श्ले	५२५४	बृ	१९१४	ग	९२३	३७	१७४३	२८	६	१८	सिं५२।५४	भ.४२ उ.मृगेबुधः ५९ वृषेशुक्रः९।२१
८	श	४६४३	म	५८२९	धु	२०२५	वि	१४२९	३९	१६४४	२९	७	१९	सिंहे	भ.१४।२९या.
९	र	४९४३	पू	६० ०	ज्या	२०३८	बा	१८१३	४२	१६४४	३०	८	२०	सिंहे	
१०	चं	५०४६	पू	२२६	ह	१९२२	तै	२०१४	४४	१५४५	३१	९	२१	कं.१७।५८	
११	मं	४९५५	उ	४३४	व	१६३७	व	२०२१	४७	१५४५	१	१०	२२	कन्यायां	भ.२१ उ.४५या.भा.ज्येष्ठारंभः×
१२	बु	४६५२	ह	४३७	सि	१२१४	ब	१८२३	४९	१४४६	२	११	२३	तु.३३।४०	मिथुनेबुधः१४।५आश्लें.भौमः २४।१७
१३	गु	४१५३	चि	४३ २४	च्य	६४ ५२ ३५	कौ	१४२२	५२	१४४६	३	१२	२४	तुलायां	रोहि.रविः ३६ प्रदोषः[×मोहिनी११व्र.
१४	शु	३५१७	वि	५३५२	प	५०१९	ग	८३५	५४	१३४७	४	१३	२५	वृ.४०।११	भ.३५ उ.रोहि.रविःसौरः ६३ नृसिंहजयं
१५	श	२७२८	अ	४७४५	शि	४०५०	वि	१२२	५६	१३४७	५	१४	२६	वृश्चिके	भ.२३ या.रोहि.शुक्रः ५६ यमायकुंभदानं

६पं.वै.शु.७शु.इ. ४२/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	४	१	५	१	१
३	१४	२२	२७	०	११	९	३
५८	१४	५१	२५	३८	१७	३७	४५
४४	२	५०	९	३५	२४	२९	४५
५७	३३	५९	३६	७४	४६	३	५७
४४	५५	४	सा	३२	च	११	३४

गोचर ग्रहाः

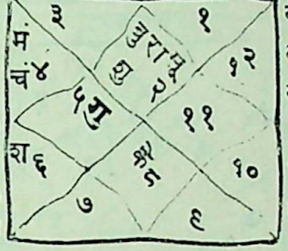

वैशाख शुक्ले ३ चन्द्रे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

७पं.वै.शु.१४शु.इ. ४३/०

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	४	१	५	१	१
१०	१८	३	२७	९	११	९	१०
४२	०	७	२९	१५	६	१५	२७
४०	११	४१	५६	२२	१८	१४	५६
५७	३४	७५	१	७४	१३	३	५७
३५	४१	३७	४४	३८	व	११	२३

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

१	र	१९	३	ज्ये	४१	१७	सि	३१	११	कौ	१९	३	३३ ५८	१२	४८	६	१५	२७	घ.४१।१७	
२	चं	१०	१४	मू	३४	३७	सा	२१	२३	ग	१०	१४	३४ ०	१२	४८	७	१६	२८	धनुषि	भ.३५।५७उ.आर्द्रा.बुधः३१।२८
३	मं	१	४१	पू	२८	१६	शु	११	४४	वि	१	४१	२	१२	४८	८	१७	२९	म.४१।५५	भ.१।४१या.चतुर्थीव्र.
४	मं	५१	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	बु	४६	२३	उ	२२	५३	शु	४२	५१ ४९	कौ	२०	०	३	११	४९	९	१८	३०	मकरे	
६	गु	४०	२४	श्र	१८	२८	ऐं	४७	२०	ग	१३	२३	५	११	४९	१०	१९	३१	कुं.४६।५१	भ.४०।२४उ.
७	शु	३५	३४	ध	१५	१४	वै	४१	३	वि	७	५९	७	११	४९	११	२०	१	कुंभे	भ.७।५९या.जून६ता.३०
८	श	३२	९	श	१३	२१	वि	३५	५३	बा	३	५१	९	१०	५०	१२	२१	२	मी५७।५२	
९	र	२९	५४	पू	१२	४२	प्री	३१	५३	तै	२	१	१०	१०	५०	१३	२२	३	मीने	भ.५९।२६उ.
१०	चं	२८	५९	उ	१३	१०	आ	२८	४३	वि	२८	५९	१२	१०	५०	१४	२३	४	मीने	भ.२८।५९या.
११	मं	२९	२५	रे	१५	१०	सौ	२६	४६	बा	२९	२५	१३	९	५१	१५	२४	५	मे.१५।१०	अपरा११व्र.
१२	बु	३१	४	अ	१८	१३	शो	२५	३७	कौ	०	१५	१५	९	५१	१६	२५	६	मेषे	मृगेशुक्रः११।५१प्रदोषः
१३	गु	३३	४१	भ	२२	२३	अ	२५	४१	ग	२	२२	१६	९	५१	१७	२६	७	वृ.३८।४०	भ.३३।४१उ.मृगेरविः५३।२८
१४	शु	३७	२२	कृ	२७	३३	सु	२५	५३	वि	५	३२	१७	९	५१	१८	२७	८	वृषे	भ.५।३२या.मृगरविःसौरः१२।४५
३०	श	४२	०	रो	३३	४३	धृ	२७	८	च	९	४९	१८	८	५२	१९	२८	९	वृषे	वटपूजनम्

८पं.ज्ये.कृ.७शु.इ. ४३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	४	१	५	१	१
१७	२१	१०	२७	१७	११	८	१७
२५	४९	२३	४४	५२	१	५२	९
२६	५९	५६	३१	५९	१८	५८	२
५७	३५	३३	३	७४	२३	३	५७
२७	२८	४६	१०	३८	वे.	११	१३

गोचर ग्रहाः

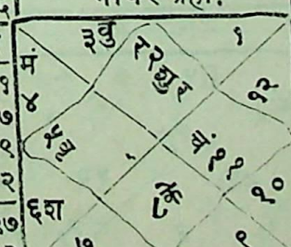

इस मास में धातु सोना चाँदी धान्य गेहूं जो बाजरा मूंग मोंठ रसकस तेज हो प्रजा में रोग शोक फैले प्रजा दुःखी रहे

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्ये.कृ.१४शु.इ. ४३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	४	१	५	१	१
२४	२५	१४	२८	२६	१०	८	१३
७	४३	१७	६	२८	५९	३०	४८
३०	१२	३५	४	८	२	४२	५८
५७	३५	६	४	७४	१६	३	५७
२२	४७	४७	१८	३८	मा	११	५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	श्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३७१८स.२०४०
१	र	४७	१६	मृ	४०	२५	शू	२८	४९	किं	२४	३८	३४/१९	८	५३/५६	२०	२९	१०	मि.७।४	वक्रीबुधः ३९।९
२	चं	५३	१९	आ	४७	४१	गं	३०	५९	बा	२०	१७	१९	८	५२	२१	३०	११	मिथुने	मिथुनेशुक्रः ३३/३५ चंद्रदर्शनम्
३	मं	५९	३०	पु	५५	१५	बृ	३३	३४	तै	२६	२५	२०	८	५२	२२	१	१२	क.३८।२२	जमादिलाखर६
४	बु	६०	०	पु	६०	०	धु	३५	५५	व	३२	३८	२१	८	५२	२३	२	१३	कर्के	भ.३२/३८उ.
५	गु	५	४७	पु	२	५१	व्या	३८	२६	वि	५	४७	२१	८	५२	२४	३	१४	कर्के	भ.५।४७या.मिथुनेऽर्कः ५२।२
६	शु	११	४०	श्ले	१०	१६	ह	४०	२९	बा	११	४०	२२	८	५२	२५	४	१५	सिं १०।१६	मिथुनेऽर्कः सौरः ३३/३५
७	श	१६	३२	म	१६	३५	च	४१	२६	तै	१६	३२	२२	८	५२	२६	५	१६	सिंहे	मघा.सिंहेभौमः ५५/३० बुधास्तः पश्चिमे २६/१
७	र	२०	१७	पू	२१	५५	सि	४१	२७	व	२०	१७	२३	७	५२	२७	६	१७	क.३७।४९	भ.२०/१७उ.५१/२९या.आर्द्रा.शुक्रः ३९
८	चं	२२	३५	उ	२५	३३	व्य	४०	४	ब	२२	३५	२३	७	५३	२८	७	१८	कन्यायां	
९	मं	२२	४६	ह	२७	१४	व	३७	११	कौ	२२	४६	२३/२९	७	५३	२९	८	१९	तु.५७।९	
१०	बु	२१	५	चि	२७	४	ध	३२	४३	ग	२१	५	२४	७	५३	३०	९	२०	तुलायां	भ.४९।९उ.गंगादशमी
११	गु	१७	१३	स्वा	२५	२	शि	२६	३३	वि	१७	१३	२४	७	५३	३१	१०	२१	तुलायां	भ.१७/१३या.आर्द्रा.रविः ५९/५७ मार्गी शनिः ×
१२	शु	११	२५	वि	२०	४०	सि	१८	५२	बा	११	२५	२४	७	५३	१	११	२२	वृ.६।४६	आर्द्रारविःसौरः १५।६भा.आषाढारंभः
१३	श	३	५६	अ	१४	५९	सा	४९	५०	तै	३	५६	२४	७	५३	२	१२	२३	वृश्चिके	भ.५५।११उ.प्रदोषः
१४	श	५१	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×४६।५७निर्जला ११व्र.
१५	र	४५	३५	ज्ये	८	२	शु	४९	२१	वि	२०	२३	२४	७	५३	३	१३	२४	ध.८।२	भ.३३/३५या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

१०पं.ज्य.शु.५शु.इ. ४३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	४	२	५	१	२
०	२९	१४	२८	५	११	८	०
४८	४०	४२	३६	३	३	८	२८
४७	२६	२९	२२	४३	२२	२७	७
५७	३६	१७/४६	५	७४	१	३	५६
१७	१३	वं	२६	३२	१	११	५७

गोचर ग्रहाः

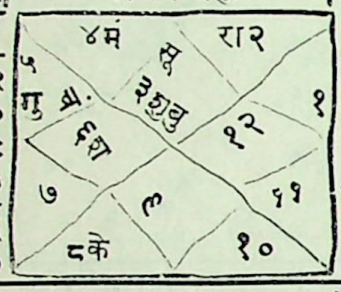

ज्येष्ठ शुक्ले ४ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रास्तःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

११पं.ज्ये.शु.१२शु.इ.४३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	४	२	५	१	२
७	३	११	२९	१३	११	२७	७
२९	४०	५६	१४	४०	११	४६	६
४२	५५	४९	१३	२६	४९	११	३४
५७	३६	३२/३८	६	७४	१	३	५६
१३	४७	वं	३०	३२	३४	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेतिमहा.
१	चं	३५	४०	मू	२२	५२/५५	ब्र	३८	३८	बा	१०	३७	३३/३४	७	५३/५६	४	१४	२५	धनुषि	
२	मं	२५	५३	उ	४५	११	ऐं	२८	५	तै	०	४६	२३	७	५३	५	१५	२६	म.५।४५	भ.५१।१९उ.
३	बु	१६	४५	श्र	३८	४०	वै	१८	१	वि	१६	४५	२२	८	५२	६	१६	२७	मकरे	भ.१६।४५या.पुन.शुक्रः ५३/५९ चतुर्थीव्र.
४	गु	८	४४	ध	३३	२५	वि	८	५५	बा	८	४४	२२	८	५२	७	१७	२८	कुं.६।२	
५	शु	५५/२	१७	श	२९	३७	प्री	५५/०	५३/२८	तै	२	७	२१	८	५२	८	१८	२९	कुंभे	भ.५७/२०उ.उफा.२कन्यायांगुरुः ५३।६
७	श	५४	१४	पू	२७	३८	सौ	४९	७	वि	२५	४७	२०	८	५२	९	१९	३०	मी.१३।८	भ.२५।४७या. [+स्पर्शः ५८।२
८	र	५२	५७	उ	२७	१७	शो	४५	३६	बा	२३	३६	१९	८	५२	१०	२०	१	मीने	जुलाई७ता.३१
९	चं	५३	२४	रे	२८	४८	अ	४३	१२	तै	२३	११	१८	८	५२	११	२१	२	मे.२८।४८	वक्रीमृगेबुधः २५/२५ शुक्रोदयःपश्चिमे ३९/०
१०	मं	५५	१७	अ	३१	५७	सु	४२	७	व	२४	२१	१७	९	५१	१२	२२	३	मेषे	भ.२४।२१उ.५५।१७या.
११	बु	५८	३२	भ	३६	२८	धृ	४२	२०	ब	२६	५४	१६	९	५१	१३	२३	४	वृ ५२।५१	योगिनी११व्र.
१२	गु	६०	०	कृ	४१	५९	शू	४३	५	कौ	३०	४८	१५	९	५१	१४	२४	५	वृषे	पुन.रविः ४९/३७ पूर्वोदयंबुधः १/३ उपात +
१३	शु	३	५	रो	४८	२३	गं	४४	३४	तै	३	५	१४	९	५१	१५	२५	६	वृषे	पुन.रविःसौरः १९/८ कर्केशुक्रः ५६ ×
१३	श	८	१८	मृ	५५	२८	वृ	४६	३७	व	८	१८	१३	९	५१	१६	२६	७	मि.२५/२५	भ.८।१८उ.४१।८या.
१४	र	१३	५९	आ	६०	०	धु	४८	५३	श	१३	५९	११	१०	५०	१७	२७	८	मिथुने	मार्गीबुधः ५२/१९ पुष्येशुक्रः ४२/९ पूफा. ÷
३०	चं	२०	११	आ	२	४७	व्या	५०	३०	ना	२०	११	१०	१०	५०	१८	२८	९	क५३।२९	[÷भौम५८।५६[×पातमोक्षः २१/१ प्रदोष

१२पं.आ.कृ.५शु.इ. ४२/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	४	२	५	१	२
१४	७	८	२९	२२	११	७	१३
१०	४६	८	५८	१६	२५	२३	४४
८	१	४६	४४	२३	२३	५६	२९
५७	३७	३२/२५	७	७४	२	३	५६
७	७	वं	३०	३२	१९	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो अलसी मंदे हो गुड़ सक्कर चीनी घृत तेल तेज हो वर्षा अच्छी हो

गोचर ग्रहाः

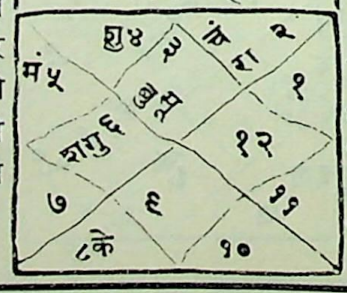

१३पं.आ.कृ.१२शु.इ. ४२/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	३	५	१	२
२०	११	५	०	०	११	७	२०
५०	५४	५९	५०	५२	४३	१	२२
३५	४	४९	१०	१	४४	४०	३३
५७	३७	३/८	८	७४	२	३	५६
७	३७	वं	३२	२६	५८	११	५०

(सं० २००१ समारम्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२ दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७४८स.२०४०

१	मं	२६	६	पु	१०	२३	ह	५३	५९	व	२६	६	३४	८	१०	५	६	१९	२९	१०	कर्के	चंद्रदर्शनम्
२	बु	३२	१७	पु	१७	५०	व	५६	१९	कौ	३२	१७		७	११	४९		२०	१	११	कर्के	आर्द्रांबुधः २/३ रज्जव७रथयात्रा
३	गु	३७	५१	श्ले	२५	७	सि	५८	३	तै	५	४		५	११	४९		२१	२	१२	सिं २५।७	
४	शु	४२	४९	म	३१	२८	व्य	५९	२२	व	१०	२०		३	११	४९		२२	३	१३	सिंहे	भ. १/१० उ. ४२/४९ या. कृत्ति. ३ राहुः अनु. १ =
५	श	४६	४६	पू	३७	१०	व	५९	५९	व	१४	४७		१	१२	४८		२३	४	१४	कं. ५३।२१	[=केतुः ३१।२५
६	र	४९	२९	उ	४१	५५	प	५९	४१	कौ	१८	७	३३	५९	१२	४८		२४	५	१५	कन्यायां	
७	चं	५०	४३	ह	४५	५	शि	५८	२	ग	२०	६		५७	१३	४७		२५	६	१६	कन्यायां	भ. ५/१० उ. कर्केऽर्कः १/१३ सौरः ५१।५२)
८	मं	५०	२२	चि	४६	४०	सि	५५	१४	वि	२०	३२		५५	१३	४७		२६	७	१७	तु. १५।५२	भ. २०।३३ या.
९	बु	४८	५	स्वा	४६	२०	सा	५०	५०	बा	१९	१३		५२	१४	४६		२८	८	१८	तुलायां	
१०	गु	४४	१	वि	४४	१३	शु	४४	५४	तै	१६	३		५०	१४	४६		२८	९	१९	वृ. २९।४५	पुष्यरविः ४/१९ आश्ले. शुक्रः ३४।४
११	शु	३८	११	अ	४०	१७	शु	३७	२७	व	११	६		४८	१४	४६		२९	१०	२०	वृश्चिके	भ. ११/१३ उ. ३/१९ या. पुष्येरविः सौरः २२।३३÷
१२	श	३०	३८	ज्ये	३४	५०	ब्र	२८	५५	ब	४	२५		४५	१५	४५		३०	११	२१	ध. ३४।५०	प्रदोषः [÷देवशयनी ११ब्र.
१३	र	२१	५०	मू	२८	८	ऐं	१९	११	तै	२१	५०		४३	१५	४५		३१	१२	२२	धनुषि	
१४	चं	१२	८	पू	२०	२५	वै	४३/४९		व	१२	८		४०	१६	४४		१	१३	२३	म. ३३।२६	भ. १२/१८ उ. ३६/४७ या. भा. श्रावणारंभः वायुप.
१५	मं	१	२६	उ	१२	३०	प्री	४६	५३	ब	१	२६		३८	१६	४४		२	१४	२४	मकरे	उ फा. ३ गुरुः १/३७ व्यासपूजा गुरु १५

१४पं.आ शु.४शु.इ. ४२/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	३	५	१	२
२७	१६	७	१	९	१२	६	२७
३०	४	४८	४७	२८	६	३९	००
५४	१६	५४	३५	५०	०	२४	४०
५७	३७	३०	९	७४	३	३	५६
११	५४	मा ३०	२१	२६	३६	११	५४

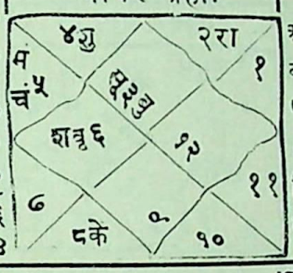

आषाढ़शुक्ले ७ चन्द्रे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्या-दिभावेसमता शुक्रो-दयः पश्चिमायाम्।

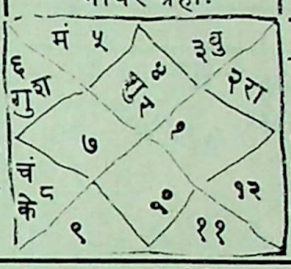

१५पं.आ.शु.११शु.इ. ४२/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	५	३	५	१	३
४	२०	१४	२	१८	१२	६	३
११	१७	४	४९	४	३३	१७	३९
३८	३८	५२	५५	१६	४	९	७
५७	३८	७३	९	७४	४	३	५६
१५	२०	४०	५९	२०	१४	११	५९

ति.| श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२ |वि. उ. अ.|भा. मु. इं.| चन्द्रः |वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.

१	मं	५०	२८		०	०		०	०		०	०		०	०		०	०	
२	बु	४२	३२	श्र	३६/४४	५३/५०	आ	३६	२१	तै	१७	१३	३३	५	१७	४३		३	१५	२५	कुं. ३१।६	पुन. बुधः २९।१५
३	गु	३४	१५	श	५१	५९	सौ	२६	४०	व	८	२३	३३	१७	४३			४	१६	२६	कुंभे	भ. २६ उ. ३/५४ या. चतुर्थीब्र.
४	शु	२७	३६	पू	४७	५४	शो	१८	२२	ब	१	०	२०	१८	४२			५	१७	२७	मी ३३।५५	
५	श	२२	४९	उ	४५	३७	अ	११	२४	तै	२२	४९	२७	१९	४१			६	१८	२८	मीने	नाग ५ मरुस्थलें
६	र	२०	१३	रे	४५	२५	सु	६	३	व	२०	१३	२४	१९	४१			७	१९	२९	मे. ४५।२५	भ. २०।१३ उ. ५०।० या.
७	चं	१९	४५	अ	४७	३२	धृ	२	२०	व	१९	४५	२२	२०	४०			८	२०	३०	मेषे	कर्के बुधः ५/२९ मघासिंहे शुक्रः २/३३ उफा. ×
८	मं	२१	७	भ	५१	११	शू	५/२८	५९/२८	कौ	२१	७		१९	२०	४०		९	२१	३१	मेषे	हस्त २ शनिः १/३५ [×भौमः ५८।५७
९	बु	२४	१३	कृ	५६	३१	वृ	६०	०	ग	२४	१३		१६	२१	३९		१०	२२	१	वृ. ७।३१	भ. ५/३२ उ. पुष्ये बुधः ५/१० बुधास्तः पूर्वस्यां =
१०	गु	२८	५१	रो	६०	०	बृ	०	२९	वि	२८	५१		१३	२१	३९		११	२३	२	वृषे	भ. २८।५१ या. आश्ले. रविः ४५।३५
११	शु	३४	२८	रो	२	५७	भृ	१	५३	ब	१	३९		१०	२२	३८		१२	२४	३	मि ३६।३६	आश्ले. रविः सौरः २२।० कामिका ११ब्र.
१२	श	४०	२७	मृ	१०	१५	ध्या	४	१०	कौ	७	२७		७	२३	३७		१३	२५	४	मिथुने	[=१८।५६ अगस्तऽता. ३१
१३	र	४६	५१	आ	१७	४६	ह	६	३२	ग	१३	३९		४	२३	३७		१४	२६	५	मिथुने	भ. ४/५९ उ. कन्यायां भौमः २७।८ प्रदोषः
१४	चं	५२	४४	पु	२५	२०	व	९	५	वि	१९	४७		०	२४	३६		१५	२७	६	क. ८।२७	भ. १९।४७ या.
३०	मं	५८	४६	पु	३२	४०	सि	११	२६	च	२५	४५	३२/५७	२५	३५			१६	२८	७	कर्के	हरियाली

१६पं.श्रा.कृ.४शु.इ. ४२/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	५	३	५	१	३
१०	२४	२४	३	२६	१३	५	१०
५२	३४	४	५७	४०	३	५४	१८
४१	८	५९	१८	३०	४०	५३	२४
५७	३८	०	१०	७४	४	३	५७
२०	२६	२१	४३	१४	४७	११	५

इस मास में रस कस गुड़ सक्करचीनी नमक घृत तेल गल्ला तेज हो सोना चांदी लोहा ताम्बा आदि धातु मंदी हो कहीं २ वर्षा हो।

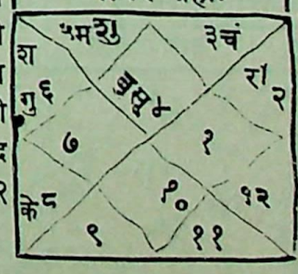

१७पं.श्रा.कृ.१२शु.इ. ४२/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	५	४	५	१	३
१७	२८	७	५	५	१३	५	१६
३४	५२	३	९	१५	३७	३२	५८
२३	८	४०	४	४३	४१	४८	१२
५७	३८	९९	११	७४	५	३	५७
२५	५१	५९	१७	८	८	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गण ३७०७स २०४०
१	बु	६०	०	श्ले	३९	४०	व्य	१३	३७	किं	३१	१७	३२ ५४	२५	३६	१७	२९ ८	सिं ३९।४०	आश्ले.बुधः १९।२६
१	गु	३	४९	म	४५	५१	व	१५	१७	ब	३	४९	५०	२६	३४	१८	३० ९	सिंहें	चंद्रदर्शनम्
२	शु	८	८	पू	५१	२०	प	१६	१९	कौ	८	८	४७	२७	३३	१९	१ १०	सिंहे	पूफा.शुक्रः २५ सावान८सिंधारा
३	श	११	४१	उ	५५	३८	शि	१६	३९	ग	११	४१	४४	२७	३३	२०	२ ११	कं.७।२५	भ.५९ उ.उफा.४गुरुः ५३ तीज
४	र	१४	१२	ह	५९	५	सि	१६	२	वि	१४	१२	४०	२८	३२	२१	३ १२	कन्यायां	भ.१४।१२या.वरद४
५	चं	१५	२७	चि	६०	०	सा	१४	५३	बा	१५	२७	३७	२९	३१	२२	४ १३	तु.३०।११	नागपंचमी
६	मं	१५	३१	चि	१	१७	शु	१२	४७	तै	१५	३१	३३	२९	३१	२३	५ १४	तुलायां	मघा.सिँहेबुधः ५०।१८
७	बु	१४	१६	स्वा	२	२०	शु	९	२४	व	१४	१६	३०	३०	३०	२४	६ १५	वृ.४७।३	भ.१४।१६उ.४२।५७या.
८	गु	११	३९	वि	१	५७	ब्र	२	५८ १८	ब	११	३९	२६	३१	२९	२५	७ १६	वृश्चिके	मघा.सिंहेऽर्कः ३९।३४
९	शु	७	२२	अ	०	३९ ६६	वै	५२	३१	कौ	७	२२	२२	३२	२८	२६	८ १७	ध.५६।४०	मघा.सिंहेऽर्कःसौरः १९।४४
१०	श	१	५५	मू	५१	५९	वि	४४	३८	ग	१	५५	१९	३२	२८	२७	९ १८	धनुषि	भ.३८ उ.५५ या.पवित्रा ११ब्र.स्मा.
११	श	५३	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	[+उ.फा.शुक्रः ३६ हस्तेभौमः ३०।३७
१२	र	४७	०	पू	४६	१४	प्री	३५	४९	ब	२१	१	१५	३३	२७	२८	१० १९	म.५९।३२	पवित्रा ११ब्र.वै.
१३	चं	३८	१०	उ	३९	२६	आ	२६	९	कौ	१२	३५	१२	३४	२६	२९	११ २०	मकरे	प्रदोषः
१४	मं	२८	४७	श्र	३२	१२	सौ	१५	५५	ग	३	२८	८	३४	२६	३०	१२ २१	कुं.५८।३५	भ.४७ उ.५४ या.पूफा.बुधः ४६।५०+
१५	बु	१९	३३	ध	२४	५९	शो	२५	५० ३	ब	१९	३३	४	३५	२५	३१	१३ २२	कुम्भे	श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम्

१८पं.श्रा.शु.२शु.इ. ४२ १०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	४	५	१	३
२४	३	२१	६	१३	१४	५	२३
१६	१४	३०	२४	५०	१५	१०	३९
४४	५६	३६	४०	५३	२५	२२	१९
५७	३९	२९	११	७४	५	३	५७
३३	८	७	५५	२	३५	११	२२

गोचर ग्रहाः

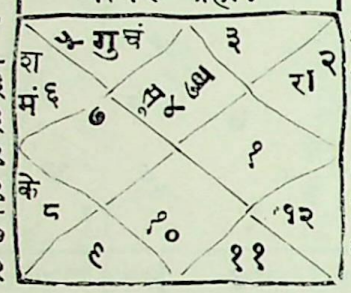

श्रावण शुक्ले८ गुरौ सिंहेऽर्कःप्रविष्टः वा. ४न.५गतालकावस्था (ऊभी)मु.३०धान्यादिभावें समताशुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

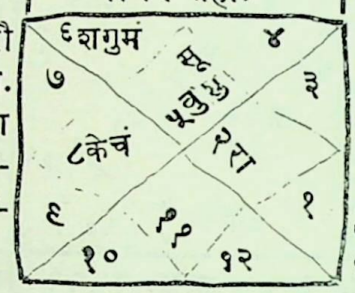

१९पं.श्रा.शु.९शु.इ. ४२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	५	४	५	१	४
१	७	५	७	२२	१४	४	०
०	४०	३९	४३	२५	५६	४८	२१
४	४	११	३४	३४	१०	६	३२
५७	३९	५९	१२	७३	६	३	५७
४०	२८	३१	२०	५५	२	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	गु	१०	५०	श	१८	३२	सु	४६	३	कौ	१०	५०	३२ ५९	३६	२८	१	१४ २३	मी ५९।२८	कन्यायांशुक्रः ५३ २० भा.भाद्रपदारंभः
३ ३	शु	५ ३३	१४ ५९	पू	१३	६	धृ	३७	४२	ग	३	१४	३१ ५७	३७	२३	२	१५ २४	मीने	भ.३०।१३उ.५७।१३या.
४	श	५३	६	उ	९	१७	शू	३०	४२	ब	२५	१०	५३	३७	२३	३	१६ २५	मीने	चतुर्थीव्र.
५	र	५१	१८	रे	७	१३	गं	२५	२५	कौ	२२	१२	४९	३८	२२	४	१७ २६	मे.७।१३	बुधोदय पश्चिमे ५६।४१
६	चं	५१	२९	अ	७	२०	बृ	२१	४७	ग	२१	२३	४६	३९	२१	५	१८ २७	मेषे	भ.५१।२९उ.चन्द्रषष्ठी
७	मं	५३	५२	भ	९	३२	धु	१९	४६	वि	२२	४०	४२	४०	२०	६	१९ २८	वृ.२५।३५	भ.२२।४०या.
८	बु	५७	५८	कृ	१३	४५	व्या	१९	३९	बा	२५	५५	३८	४०	२०	७	२० २९	वृषे	उफा.बुधः ८ हस्त १गुरुः २२ ५४ जन्माष्टमीव्र.
९	गु	६०	०	रो	१९	२८	ह्र	२०	१६	तै	३०	४१	३४	४१	१९	८	२१ ३०	मि ५३।२	पूफा.रविः २९।१८गोगा९
९	शु	३	२४	मृ	२६	३५	व	२२	५	ग	३	२४	३०	४२	१८	९	२२ ३१	मिथुने	भ.३९ उपूफा.रविःसौर १३ १९ कन्या.बुध १४ ३३
१०	श	९	२८	आ	३३	४८	सि	२४	२०	वि	९	२८	२६	४३	१७	१०	२३ १	मिथुने	भ २८ या.हस्तेशुक्रः ३ ३९ सितंबर९ता. ३०
११	र	१५	५४	पु	४१	४०	व्य	२६	५४	बा	१५	५४	२२	४४	१६	११	२४ २	क.२४।४२	अजा ११ब्र.
१२	चं	२२	१	पु	४९	२	व	२९	२२	तै	२२	१	१८	४४	१६	१२	२५ ३	कर्के	हस्त ३शनिः १५ ५४ वत्सद्वादशीप्रदोषः
१३	मं	२७	४७	श्ले	५६	०	प	३१	३१	व	२७	४७	१५	४५	१५	१३	२६ ४	सिं ५६।०	भ.२७।४७उ.
१४	बु	३२	३८	म	६०	०	शि	३३	१	वि	०	१२	११	४६	१४	१४	२७ ५	सिंहे	भ.०।१२या.
३०	गु	३६	२२	म	१	४७	सि	३३	३५	च	४	३०	७	४७	१३	१५	२८ ६	सिंहे	हस्तेबुधः ३ ६२ कुशाग्रहणीपिठोरी ३०म.

२०पं.भा.कृ.२शु.इ.४१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	५	५	५	१	४
७	१२	१८	९	०	१५	४	७
४४	६	४४	५	५९	३९	२५	४
२८	५४	२४	४५	४२	४	५१	५८
५७	३९	२९	१३	७३	६	३	५७
४९	४९	१३	३९	५०	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

इस मासमें धान्य गेहूं जो चना चावल मूंग मोठ सरसो मटर बस्त्र कपास रुई बारदाना गन्ना धातु तेज हो

गोचर ग्रहाः

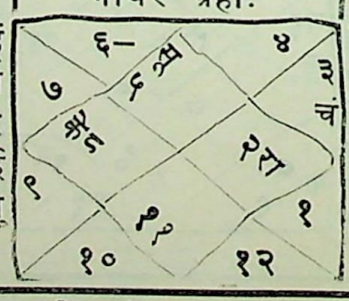

२१पंभा.कृ.९शु.इ.४१।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	५	५	५	१	४
१४	१६	०	१०	९	१६	४	१३
३०	३७	४५	३०	३३	२४	३	५०
४	२३	१०	२५	१४	२९	३५	१०
५८	३९	०१	१३	७३	६	३	५७
१	५६	५२	५	२८	३२	११	५७

+शुमंशगु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) –शशुगुबुमं

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८०७ स. २०४०

१	शु	३८	५७	पू	६	४४	सा	३३	२८	किं	७	४०	३१ ३३	५ ४७	६ १३	१६	२९	७	क. २२।४१
२	श	४०	३१	उ	१०	३१	शु	३२	२९	बा	९	४४	३५ ३९	४८	१२	१७	३०	८	कन्यायां
३	र	४०	५३	ह	१३	१६	शु	३०	३७	तै	१०	४२	५५	४९	११	१८	१	९	तु. ४४।६
४	चं	४०	२५	चि	१४	५६	ब्र	२७	४०	व	१०	३९	५१	५०	१०	१९	२	१०	तुलायां
५	मं	३८	५३	स्वा	१६	४४	ऐं	२४	२२	व	९	३९	४७	५१	९	२०	३	११	तुलायां
६	बु	३६	२८	वि	१५	३३	वै	२०	१६	कौ	७	३९	४३	५१	९	२१	४	१२	वृ. ०।५१
७	गु	३३	२	अ	१४	२०	वि	१५	११	ग	४	४५	३९	५२	८	२२	५	१३	वृश्चिके
८	शु	२८	४७	ज्ये	१२	२६	प्री	९	२२	वि	०	५५	३५	५३	७	२३	६	१४	ध. १२।२६
९	श	२३	४०	मू	९	३२	आ	३	५२ ४६	कौ	२३	४०	३१	५४	६	२४	७	१५	धनुषि
१०	र	१७	३८	पू	५	४३	शो	४७	५०	ग	१७	३८	२७	५५	५	२५	८	१६	म. १९।३४
११	चं	१०	५१	उ	१	५४ ४४	अ	३९	२३	वि	१०	५१	२२	५६	४	२६	९	१७	मकरे
१२	मं	३	२३	ध	५०	७	सु	३०	३१	बा	३	२३	१८	५६	४	२७	१०	१८	कुं. २३।०
१३	मं	५२	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	बु	४८	५	श	४४	२६	धृ	२१	३०	ग	२१	५२	१४	५७	३	२८	११	१९	कुम्भे
१५	गु	४१	४	पू	३९	१५	शू	१२	३०	वि	१४	३४	९	५८	२	२९	१२	२०	मी २५।३३

[–शुक्रः २७ ६ जलझूलनी ११ व्र.
चन्द्रदर्शनम्
रमजानेहरितालिका ३
भ. ३ ९ उ. ४ ५ या. चित्राभौमः ५ ३ गणेश ४
चित्रा. शुक्रः ५ ३ ऋषिपंचमी

भ. ३ ३ उ. उफा. रविः १ ३ (सौरः ५ ६)
भ. ६ ५ या. हस्त. २ गुरुः १ ३ कृत्ति. २ राहुः=
[=विशा. ४ केतुः २ ९
भ. ४ ५ उ. कन्यायामर्कः ३९।१४
भ. ५ ९ या. कन्यार्कः सौरः ३ ० तुलायां–
प्रदोषः
[×महालयारंभः
भ. ४८।५ उ. अनंत १४
भ. १ ४ या. अस्तंशनेः २ ३ अस्तंगुरोः ४ १२–

२२पं. भा शु. १ शु. इ. ४ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	५	५	५	१	४
२१	२१	११	११	१८	१७	३	२०
१७	९	४६	५६	६	११	४१	३६
६	५८	४४	४९	४	३१	२९	५०
५८	४०	९२	१३	७३	६	३	५८
१३	७	२५	२०	२६	५०	११	१२

*चंमं गोचर ग्रहाः

भाद्रपदशुक्ले १० रवौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा ४ न ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४ ५ घान्यादिभावें समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

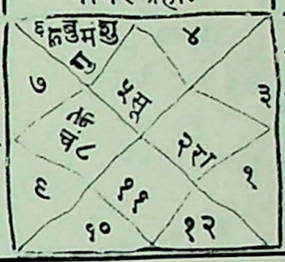

२३पं. भा. शु. ८ शु. इ. ४ २

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	५	५	५	१	४
२८	२५	२१	१३	२६	१८	३	२७
५	४५	३६	२५	३७	०	१९	२५
२८	४३	०	५	३४	२९	४	६
५८	४०	८१	१३	७३	७	३	५८
२६	२९	१०	२६	१४	२	११	२९

ति. | आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.

१	शु	३५	२	उ	३५	३	गं	४ ५२ ४७	३	बा	८	३	३० ३०	५५ ५९	६ ६	३०	१३	२१	मीने
२	श	३०	३२	रे	३२	१२	धु	५०	२६	तै	२	४७	३० ३०	५९ ५९	६ ६	३१	१४	२२	मे. ३२।१२
३	र	२७	५३	अ	३१	५	व्या	४५	३१	वि	२७	५३	२९ ३०	५९ ५९	६ ६	१	१५	२३	मेषे
४	चं	२७	१०	भ	३१	४७	ह	४२	१६	बा	२७	१०	५३	२	५८	२	१६	२४	वृ. ४७।३०
५	मं	२८	३४	कृ	३४	४१	व	४०	५२	तै	२८	३४	४८	२	५८	३	१७	२५	वृषे
६	बु	३१	५४	रो	३९	१७	सि	४०	२१	ग	०	१४	४४	३	५७	४	१८	२६	वृषे
७	गु	३६	५२	मृ	४५	३०	च्य	४१	२५	वि	४	२३	४०	४	५६	५	१९	२७	मि १२।२३
८	शु	४२	३९	आ	५२	३१	व	४३	१३	बा	९	४६	३६	५	५५	६	२०	२८	मिथुने
९	श	४९	५	पु	६०	०	प	४५	२८	तै	१५	५२	३२	६	५४	७	२१	२९	क. ४३।११
१०	र	५५	१४	पु	०	४	शि	४७	४७	व	२२	१०	२८	५	५४	८	२२	३०	कर्के
११	चं	६०	०	पु	७	३७	सि	४९	५७	ब	२८	१०	२३	७	५३	९	२३	१	कर्के
११	मं	१	७	श्ले	१४	४५	सा	५१	३६	बा	१	७	१९	८	५२	१०	२४	२	सिं १४।४५
१२	बु	५	५८	म	२०	४१	शु	५२	१५	तै	५	५८	१५	९	५१	११	२५	३	सिंहे
१३	गु	९	२१	पू	२५	२०	शु	५१	४६	व	९	२१	११	१०	५०	१२	२६	४	कं. ४१।१३
१४	शु	११	२६	उ	२८	५०	ब्र	५०	१७	श	११	२६	७	११	४९	१३	२७	५	कन्यायां
३०	श	१२	५	ह	३०	५१	ऐं	४७	४६	ना	१२	५	३	११	४९	१४	२८	६	कन्यायां

तुलायांबुधः १२ तुलायांभौमः ५।३८
भ. ५९।१३ उ. स्वात्यांशुक्रः ५५।४१
भ. २ ७ या. भा. आश्विनारंभः चतुर्थी ८.

वृ. ४७।३०

भ. ३१।५४ उ. हस्तेरविः ५२।१८
भ. ४ ३ या. हस्तेरविः सौरः ३ २ ७+
[+स्वात्यांबुधः ११।४२
हस्त ३ गुरु ५ ० मातृ ९ (सौभाग्यवतीनांश्रा.)
भ. २ २ उ. ५ ५ या. स्वात्यांभौमः ५९।३७
हस्त. ४ शनिः १ ३ अक्टूबर १० ता. ३१÷
[÷इंदिरा ११ व्र.
विशा. शुक्रः ५४।० प्रदोषः
भ. ९।२१ उ. ४ ३ या. शस्त्रादिहतानां श्रा.
सर्वपितृ ३०
मातामह श्रा.

२४पं आ. कृ. १ शु. इ. ४ ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	६	५	१	५
४	०	०	१४	५	१८	२	४
५५	२४	३७	५४	९	५०	५६	१५
१९	११	१६	४३	२५	३८	४८	१३
५८	४०	७६	१३	७३	७	३	५८
३८	४४	४३	३२	१	१२	११	४५

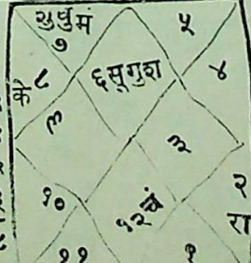

२५ प. आ. कृ. ८ शु. इ. ४ १

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	६	५	१	५
११	५	७	१६	१३	१९	२	११
४६	५	५१	२४	३९	४१	३४	७
५२	२०	३६	१२	२२	२४	३३	१०
५८	४१	४८	१३	७२	७	३	५९
५३	१	२	३८	४०	२०	११	०

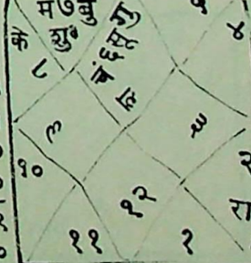

२६पं. आ. कृ. १४ शु. इ. ४ ८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	६	५	१	५
१८	९	१२	१७	२२	२०	२	१८
४०	४९	३१	५६	९	३२	१२	०
५	८	४१	१७	११	४६	१७	१७
५९	४१	१७	१३	७२	७	३	५९
९	११	३५	३८	२८	२०	११	१६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२	दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८३७सन् २०४०

१	र	११	१७	चि	३१	३३	वै	४४	१०	व	११	१७	२८/९	६/१२	५/४८	१५	२९	७	तु.१।१२
२	चं	९	२६	स्वा	३१	१४	वि	३९	४४	कौ	९	२६	५५	१३	४७	१६	३०	८	तुलायां
३	मं	६	३८	वि	३०	२	ग्री	३४	३५	ग	६	३८	५१	१४	४६	१७	१	९	वृ.१५।२०
४	बु	३	१२	अ	२८	७	आ	२८	४१	वि	३	१२	४७	१५	४५	१८	२	१०	वृश्चिके
५	बु	५५	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
६	गु	५४	४४	ज्ये	२५	४६	सौ	२२	४३	कौ	२६	५६	४३	१५	४५	१९	३	११	ध.२५।४६
७	शु	५०	२	मू	२३	६	शो	१६	२४	ग	२२	२३	३९	१६	४४	२०	४	१२	धनुषि
८	श	४५	१	पू	२०	४	अ	९	४१	वि	१७	३१	३५	१७	४३	२१	५	१३	म.३४।१४
९	र	३९	४७	उ	१६	४४	सु	२/४६	५/४२	बा	१२	२४	३१	१८	४२	२२	६	१४	मकरे
१०	चं	३४	५	श्र	१३	८	शू	४८	१	तै	६	५६	२७	१९	४१	२३	७	१५	कुं.४१।१२
११	मं	२८	२४	ध	९	१६	गं	४०	२५	व	१	१५	२३	१९	४१	२४	८	१६	कुंभे
१२	बु	२२	४३	श	५	२९	बृ	३२	५९	बा	२२	४३	२०	२०	४०	२५	९	१७	मी४७।३८
१३	गु	१७	२५	पू	१/४१	५६/५९	धु	२५	४६	तै	१७	२५	१६	२१	३९	२६	१०	१८	मीने
१४	शु	१२	३७	रे	५६	६	च्या	१८	५६	व	१२	३७	१२	२२	३८	२७	११	१९	मे.५६।६
१५	श	९	१	अ	५५	१	ह	१३	०	व	९	१	८	२२	३८	२८	१२	२०	मेषे

नवरात्रारंभः
वक्रीबुधः५।३८चन्द्रदर्शनम्
भ.३४।५५उ.सव्वाल१०
भ.३।१२या.चित्रा.रविः२४।२२
[-शरद्पूर्णिमा स्मा.कोजागरीव्र.
चित्रा.रविःसौरः३।३१
भ.५०।२उ.बृश्चिकेशुक्रः९।३३
भ.१७।३१या.
अनु.शुक्रः५६।६
हस्त.४गुरुः४/३९बुधास्तःपश्चिमायां१/३७
भ.१/६उ.२६/२४या.पापांकुशा११व्र.
तुलायामर्कः६/९(सौरः४/६/८)उदयंगुरोः=
अस्तोभौमः५०।९ [=५५/९२प्रदोषः
भ.१/३२उ.४/२९या.वक्रीचित्रा बुधः२४/७-
विशाभौम४/९/६शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.

२७पं.आ.शु.७शु.इ. ४०/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	७	५	१	५
२५	१४	१२	१९	०	२१	१	२४
२४	२६	२४	२७	३७	२४	५०	५६
५९	४	२०	१४	३०	१८	२	२९
५९	४१	३३/२८	१३	७२	७	३	५९
२१	२८	व	३८	३	२०	११	३१

गोचर ग्रहाः

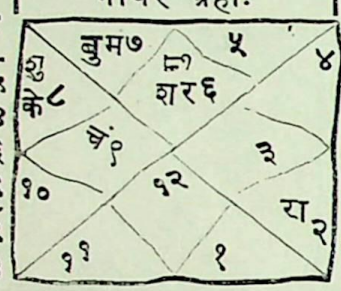

आश्विनशुक्ले१२बुधे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मृ.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

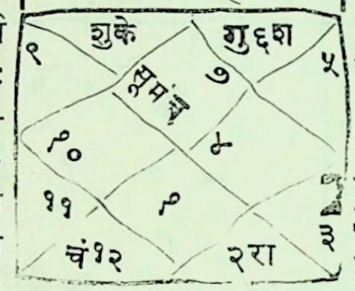

२८पं.आ.शु१४शु.इ. ४०/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	५	७	५	१	६
२	१९	६	२०	९	२२	१	१
३१	१६	१५	५७	४	१५	२७	५४
२३	२३	१८	५४	१	४७	४६	२
५९	४१	६/२९	१३	७१	७	३	५९
२४	४४	व	३२	४४	१४	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽआश्विनकृष्णेतिमहा.

१	र	६	४३	भ	५५	४०	व	८	४	कौ	६	४३	२८/४	३/२३	५/३७	२९	१३	२१	मेषे
२	चं	६	३	कृ	५७	२८	सि	४	९	ग	६	३	०	२४	३६	३०	१४	२२	वृ.११।७
३	मं	७	१	रो	६०	०	व्य	१	५०	वि	७	१	२७/६	२५	३५	१	१५	२३	वृषे
४	बु	९	४८	रो	१	७	व	०	४९	बा	९	४८	५३	२५	३५	२	१६	२४	मि३३।४६
५	गु	१४	१४	मृ	६	२६	प	०	४४	तै	१४	१४	४९	२६	३४	३	१७	२५	मिथुने
६	शु	१९	४२	आ	१२	५५	शि	२	७	व	१९	४२	४५	२७	३३	४	१८	२६	मिथुने
७	श	२५	१०	पु	२०	१४	सि	३	५६	ब	२५	१०	४१	२८	३२	५	१९	२७	क.३।२४
८	र	३२	२३	पु	२७	४७	सा	६	१२	कौ	३२	२३	३७	२९	३१	६	२०	२८	कर्के
९	चं	३८	२४	श्ले	३५	२	शु	८	३२	तै	५	२३	३४	२९	३१	७	२१	२९	सिं३५।२
१०	मं	४३	३१	म	४१	४४	शु	१०	२३	व	१०	५७	३०	३०	३०	८	२२	३०	सिंहे
११	बु	४७	१०	पू	४६	४९	ब्र	११	२९	ब	१५	२१	२७	३१	२९	९	२३	३१	सिंहे
१२	गु	४९	१४	उ	५०	४०	ह्रैं	११	१९	कौ	१८	१२	२३	३१	२९	१०	२४	१	कं.२।४७
१३	शु	४९	४०	ह	५२	३८	वै	१०	२	ग	१९	२७	१९	३२	२८	११	२५	२	कन्यायां
१४	श	४८	७	चि	५२	५२	वि	७	१६	वि	१८	५३	१६	३३	२७	१२	२६	३	तु.२२।४५
२०	र	४५	१८	स्वा	५१	३९	प्री	३/१३	५४/४	च	१६	४३	१२	३४	२६	१३	२७	४	तुलायां

[×भा.कार्तिकारंभःकरकचतुर्थीव्र.
भ.४२।३२उ.
भ.७।१या.स्वात्यांरविः५०।१४×
स्वात्यांरविःसौरः२७।१८
वक्रीकन्यायांबुधः२/२७ज्येष्ठा.शुक्रः५९/८+
भ.१/४२उ.५/२६या. [+उदयंशनेः५/७३
चित्रा.१शनिः३/३२बुधोदयःपूर्वस्यां३/३
भ.१/७०उ.४/३४या.मार्गीबुधः३/६३
चित्रा.१गुरुः१।२९रमा११व्र.
नवंबर११ता.३०
भ.४९।४०उ.प्रदोषःधन१३
भ.१/७९या.वृश्चिकेभौमः४/७/३रूप१४
महालक्ष्मीपूजनम्

२९पं.का.कृ.६शु.इ. ४०/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	५	७	५	१	६
९	२४	२८	२२	१७	२३	१	८
२९	१८	५९	२७	२९	६	५	५३
३८	१८	५६	७	६	४०/४	३०	२२
५९	४२	४९/३३	१३	७१	७	३	६०
४७	४	व	२६	२०	८	११	२

गोचर ग्रहाः

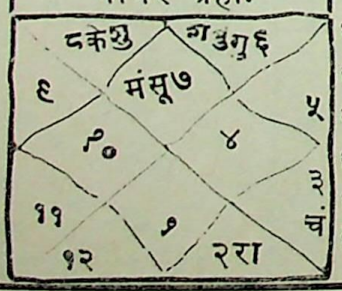

इसमासमें ५रविवार अशुभ हैं धातु धान्य गल्ला रसकस गुड़ शक्कर चीनी वस्त्र वारदाना रुई में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

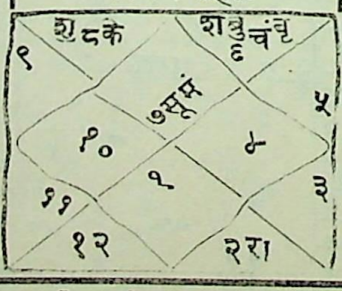

३०पं.का.कृ.१३शु.इ. ४०/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	५	७	५	१	६
१६	२९	२८	२३	२५	२३	०	१५
२९	१३	१९	५५	५३	५६	४३	५४
२७	४४	२६	१	३८	२४	१५	२६
६०	४२	६/२२	१३	७०	६	३	६०
४	२४	मा	१४	४९	५८	११	१८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽर्गणः ३८६ स. २०४०
१	चं ४० ५८ वि ४९ १८ सौ ५१ ३८ कि १३ ८	२७	६	५	१४	२८	५	वृ. ३४।५३	तुला. बुधः $\frac{१७}{१}$ अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा
२	मं ३५ ५२ अ ४५ ५२ शा ४४ ४७ बा ८ २५	५	३	२५	१५	२९	६	वृश्चिके	विशा. रविः $\frac{१०}{४}$ (सौरः $\frac{४४}{३}$) मूलेधनुषि-
३	बु ३० १९ ज्ये ४२ २ अ ३७ १३ तै ३ ५	२	३६	२४	१६	१	७	ध ४२।२	भ. ५७।२१ उ जिल्काद ११
४	गु २४ ३४ मू ३८ १ सु २९ २५ वि २४ ३४	५६	३६	२४	१७	२	८	धनुषि	भ. २४।३४ या. अनु. भौमः २६।५२
५	शु १८ ४६ पू ३४ २ धृ २१ ४६ बा १८ ४६	५५	३७	२३	१८	३	९	म. ४८।५	[-शुक्रः ६९ चंद्रदर्शनम् भ्रातृ २ यम २
६	श १३ १३ उ ३० १५ शू १४ २० तै १३ १३	५३	३८	२२	१९	४	१०	मकरे	स्वात्यांबुधः ५१।५५
७	र ७ ५७ श्र २६ ४६ गं ५८ ५६ व ७ ५७	४९	३८	२२	२०	५	११	कुं. ५५।१२	भ. ७।५७ उ ३५।२७ या. गोपाष्टमी
८	चं २ ५८ ध २३ ३८ ध्रु ५२ ५३ ब २ ५८	४५	३९	२१	२१	६	१२	कुंभे	कुष्मांड ९ अक्षय ९
९	चं ५५ ३२ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०								[= $\frac{१३}{१}$ कृत्ति. १ राहुः विशा. ३ केतुः ×
१०	मं ५४ १७ श २१ ० व्या ४६ २७ तै २६ २४	४२	४०	२०	२२	७	१३	कुंभे	[× $\frac{५५}{५७}$ प्रदोषः [+ तुलसीविवाहः
११	बु ५० ४३ पू १८ ४३ ह ४० २८ व २२ ३०	३९	४०	२०	२३	८	१४	मी ४।१७	भ. $\frac{२२}{३०}$ उ. $\frac{५९}{३}$ या प्रबोधिनी ११ व्र. +
१२	गु ४७ ३८ उ १७ १ व ३४ ४९ ब १९ १०	३६	४१	१९	२४	९	१५	मीने	[÷ का. स्ना. पूर्तिः
१३	शु ४५ ३१ रे १५ ५६ सि २९ ५१ कौ १६ ३४	३३	४१	१९	२५	१०	१६	मे. १५।५६	वृश्चिकेऽर्कः $\frac{६}{८}$ सौरः $\frac{३९}{६}$ चित्रा २ गुरुः =
१४	श ४४ ३५ अ १५ ४५ व्य २५ ३२ ग १५ ३	३०	४२	१८	२६	११	१७	मेषे	भ. $\frac{४३}{३७}$ उ. पूषा. शुक्रः $\frac{२१}{३}$ वैकुंठ १४
१५	र ४४ ३५ भ १६ ५० व २२ १८ वि १४ ३५	२७	४३	१७	२७	१२	१८	वृ. ३२।२५	भ. $\frac{१४}{७}$ या. खग्रासचंद्रग्रहणम् मन्वादिः ÷

३१ पं. का. शु. ५ शु. इ. $\frac{४९}{३}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	५	८	५	१	६
२३	४	५	२५	४	२४	०	२२
३०	१२	७	२०	१४	४३	२०	५६
४०	४	५	३८	१०	३१	५९	५७
६०	४२	७७	१२	७०	६	३	६०
१७	४१	३५	५६	१३	४१	११	३०

गोचर ग्रहाः

कार्तिकशुक्ले १३ शुक्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

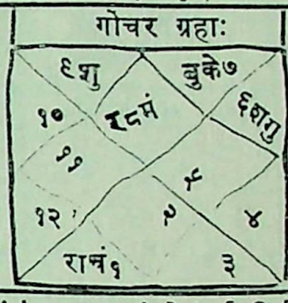

३२ पं. का. शु. १ शु. इ. $\frac{५९}{३०}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	५	८	५	०	७
०	९	१५	२६	१२	२५	२९	०
३३	१२	११	४५	३२	३०	५८	१
२२	४०	३८	३२	१७	३२	४४	१
६०	४२	९०	१२	६९	६	३	६०
३०	५०	२९	२९	२८	२६	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेकार्तिककृष्णेति महा.
१	चं ४६ ६ कु १९ ९ प २० १ बा १५ २०	२६	६	५	२८	१३	१९	वृषे	अनु. रविः $\frac{२५}{८}$ (सौरः $\frac{५५}{७}$) विशा. बुधः $\frac{०१}{३}$
२	मं ४९ ११ रो २२ ३५ शि १८ ५५ तै १७ ३८	२२	४४	१६	२९	१४	२०	मिथुने	
३	बु ५३ २३ मृ २७ १९ सि १८ ३४ व २१ १७	१९	४४	१६	३०	१५	२१	मिथुने	भ. $\frac{२१}{१७}$ उ. $\frac{५}{२३}$ या बुधास्तः पूर्वस्यां $\frac{६}{७}$
४	गु ५८ ४२ आ ३३ ४० सा १९ १४ ब २६ २	१७	४५	१५	१	१६	२२	मिथुने	भा. मार्गशीर्षारंभः चतुर्थीव्र.
५	शु ६० ० पु ४० ३१ शु २० ४२ कौ ३१ ५१	१४	४५	१५	२	१७	२३	क. २३।४८	
५	श ५ १ पु ४८ ३ शु २२ ५० तै ५ १	१२	४६	१४	३	१८	२४	कर्के	[+ पातमोक्षः २४।५४
६	र ११ २८ श्ले ५५ ३१ ब्र २५ १० व ११ २८	९	४६	१४	४	१९	२५	सिं ५५।३१	भ. ११।२८ उ. $\frac{४४}{५०}$ या. पातस्पर्शः ६।५९ +
७	चं १७ ५२ म ६० ० ऐं २७ २४ ब १७ ५२	७	४७	१३	५	२०	२६	सिंहे	वृश्चिकेबुधः $\frac{७}{१५}$ ज्येष्ठा. भौम. ५५।४७
८	मं २३ ३५ म २ ४४ वै २९ ५ कौ २३ ३५	५	४७	१३	६	२१	२७	सिंहे	चित्रा. २ शनिः ५१।२४
९	बु २७ ४६ पू ८ ५३ वि २९ ४६ ग २७ ४६	२	४८	१२	७	२२	२८	कं. २५।३	भ. $\frac{५९}{१०}$ उ. अनु. बुधः $\frac{३१}{५}$ उषा. शुक्रः $\frac{३९}{३६}$
१०	गु ३० ३४ उ १३ ३४ प्री २९ १० वि ३० ३४	०	४८	१२	८	२३	२९	कन्यायां	भ. ३०।३४ या.
११	शु ३१ २९ ह १६ ३१ आ २७ १३ ब १ १	२५ $\frac{५८}{}$	४८	१२	९	२४	३०	तु. ४६।५५	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	श ३० १६ चि १७ १९ सौ २३ ४५ कौ ० ५२	५६	४९	११	१०	२५	१	तुलायां	मकरेशुक्रः ३६।३२ दिसम्बर १२ ता. ३१
१३	र २७ १४ स्वा १६ २२ शो १८ ३५ व २७ १४	५४	४९	११	११	२६	२	वृ. ५९।२४	भ. $\frac{२७}{६४}$ उ. $\frac{५४}{४७}$ या. ज्येष्ठा. रविः $\frac{३५}{१९}$ प्रदोषः
१४	चं २२ २१ वि १३ ४५ अ १२ ८ श २२ २१	५३	४९	११	१२	२७	३	वृश्चिके	ज्येष्ठा रविः सौरः ३।४१ चित्रा. ३ ×
१५	मं १६ ७ अ ९ ३६ सु ३८ ५१ ना १६ ७	५१	५०	१०	१३	२८	४	वृश्चिके	[× तुलायांगुरुः ४५।१३

३३ पं. मा. कृ. ५ शु. इ. $\frac{३९}{३७}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	५	८	५	०	७
७	१४	२६	२८	२०	२६	२९	७
३७	१६	४	६	४५	१४	३६	६
१६	८	५९	२२	५०	५३	२८	३४
६०	४२	९५	१२	६८	६	३	६०
४२	५९	३३	९	४६	१३	११	५३

गोचर ग्रहाः

इसमासमें धातु सोना चांदी आदि मंदी रहें धान्य बाजरा मूंग मोठ जौ चना गेहूं मटर सरसों आदि तेज रहें।

गोचर ग्रहाः

३४ पं. मा. कृ. ११ शु. इ. $\frac{३९}{३५}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	५	८	५	०	७
१४	१९	७	२९	२८	२६	२९	१४
४२	२२	५	२४	५५	५६	१४	१३
२९	५९	३५	११	२६	२०	१२	२०
६०	४३	९७	११	६७	५	३	६१
५०	१७	५८	३४	४९	५०	११	३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२	दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८९६स.२०४०

१	बु	८	५९	ज्ये	३०	५४	शू	४६	४१	ब	८	५९	२५	६	५	१४	२९	५	ध.४।२०	
२	गु	१	२५	पू	५२	४७	गं	३७	२८	कौ	१	२५	४८	५०	१०	१५	३०	६	धनुषि	ज्येष्ठा.बुधः४८।३चन्द्रदर्शनम्
३	गु	५२	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	शु	४६	३५	उ	४७	१७	बृ	२८	५	व	२०	२९	४६	५१	९	१६	१	७	म.६।२५	भ.२०।२९उ.४६।३५या.जिल्हेज१२
५	श	३९	५७	श्र	४२	१६	धु	१९	७	ब	१२	१६	४५	५१	९	१७	२	८	मकरे	
६	र	३३	५९	ध	३८	४	व्या	११	७	कौ	६	५८	४४	५१	९	१८	३	९	कुं.१०।१०	चंपा६
७	चं	२९	४	श	३४	४४	ह	३५	५९	ग	१	३२	४३	५१	९	१९	४	१०	कुंभे	भ.२९।४उ.५७।७या.श्रवणशुक्रः३३
८	मं	२५	१०	पू	३२	३१	सि	५०	४०	ब	२५	१०	४३	५१	९	२०	५	११	मी१८।४	३८
९	बु	२२	१८	उ	३१	२१	व्य	४५	३२	कौ	२२	१८	४१	५२	८	२१	६	१२	मीने	[-मूलेधनुषिभौमः१।६ प्रदोषः
१०	गु	२०	१९	रे	३१	२०	व	४१	८	ग	२०	१९	४०	५२	८	२२	७	१३	मे.३१।२०	भ.४९।५६उ.
११	शु	१९	३२	अ	३२	६	प	३७	४४	वि	१९	३२	३९	५२	८	२३	८	१४	मेषे	भ.१९।३२या.मोक्षदा११व्र. गीताजयंती
१२	श	१९	५५	भ	३४	१६	शि	३५	१६	बा	१९	५५	३९	५२	८	२४	९	१५	मेषे	मूलेधनुष्यर्कः ३२ मूलेधनुषिबुधः १५-
१३	र	२१	१०	कृ	३७	४	सि	३३	३२	तै	२१	१०	३८	५२	८	२५	१०	१६	वृ.४९।५८	मूलेधनुष्यर्कःसौरः७।३१
१४	चं	२३	४१	रो	४१	१३	सा	३२	५९	व	२३	४१	३८	५२	८	२६	११	१७	वृषे	भ.२३।४१उ.५५।३०या.
१५	मं	२७	२०	मृ	४६	११	शु	३२	५३	ब	२७	२०	३७	५३	७	२७	१२	१८	मि१३।४२	दत्तजयंती

३५पं.मा.शु.४शु.इ. ३९/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	६	९	५	०	७
२१	२४	१८	०	६	२७	२८	२१
४८	३१	४	३८	५७	३४	५१	२१
३२	५२	२६	३१	२५	३०	५७	०
६०	४३	९९	१०	६६	५	३	६१
५६	३७	००	५६	४२	२०	११	११

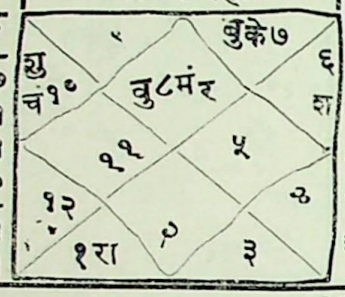

मार्गशीर्ष शुक्ले १२ शनौ धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा.२न.४ गतालकावस्था(ऊभी)मु३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

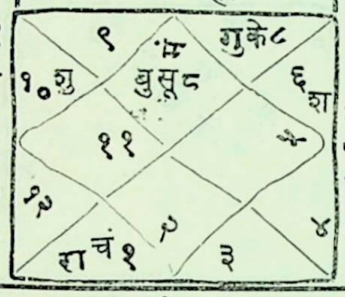

३६पं.मा.श.११शु.इ. ३९/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	६	९	५	०	७
२८	२९	२९	१	१४	२८	२८	२८
५५	४३	५	४७	५३	१०	२९	२९
२६	५०	३१	३८	३८	१	४१	४३
६१	४३	९९	१०	६	४	३	६१
०	५६	५१	१६	२०	५१	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेद्वि.मार्ग.कृष्णेति महा.

१	बु	३२	७	आ	५२	३४	शु	३३	३३	कौ	३२	७	२५	६	५	२८	१३	१९	मिथुने	
२	गु	३७	३९	पु	५९	११	ब्र	३४	५०	तै	४	५३	३६	५३	७	२९	१४	२०	क.४२।३२	
३	शु	४३	५५	पु	६०	०	ऐं	३६	४९	व	१०	४७	३६	५३	७	३०	१५	२१	कर्के	भ.१०।४७उ.४३।५५या.
४	श	५०	२१	पु	६	४१	वै	३९	९	ब	१७	७	३६	५३	७	१	१६	२२	कर्के	धनि.शुक्रः १६ भा.पौषारंभःचतुर्थी व्र.
५	र	५६	४९	श्ले	१४	१४	वि	४१	२५	कौ	२३	३५	३६	५३	७	२	१७	२३	सिं१४।१४	पूषा.बुध.३१।५२
६	चं	६०	०	म	२१	५३	प्री	४३	३४	ग	२९	५२	३७	५३	७	३	१८	२४	सिंहे	चित्रा.४गुरुः३५।५५
६	मं	२	५६	पू	२८	४१	आ	४४	५८	व	२	५६	३७	५३	७	४	१९	२५	कं.४५।७	भ.२।५६उ.३५।२५या.
७	बु	७	५४	उ	३४	२५	सौ	४५	२६	ब	७	५४	३७	५३	७	५	२०	२६	कन्यायां	
८	गु	११	३९	ह	३८	४२	शो	४४	३७	कौ	११	३९	३८	५३	७	६	२१	२७	कन्यायां	
९	शु	१३	३६	चि	४१	११	अ	४२	२२	ग	१३	३६	३८	५२	८	७	२२	२८	तु.९।५६	भ.३०उ.पूषा.रविः४७कुंभेशुक्रः२३
१०	श	१३	२३	स्वा	४१	३६	सु	३८	४०	वि	१३	२३	३९	५२	८	८	२३	२९	तुलायां	भ.१३।२३उ.पूषा.रविःसौर ९।९
११	र	११	१८	वि	४०	१	धृ	३३	६	बा	११	१८	४०	५२	८	९	२४	३०	वृ.२५।२५	सफला११व्र.
१२	चं	७	६	अ	३६	२७	शू	२६	७	तै	७	६	४१	५२	८	१०	२५	३१	वृश्चिके	उषा.बुधः४६।५५प्रदोषः
१३	मं	१	८	ज्ये	३१	१७	गं	१७	४०	व	१	८	४२	५२	८	११	२६	१	ध.३१।१७	भ.१उ.३७या.पूषा.भौमः४५=
१४	मं	५२	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=जनवरी१ता.३१स.२०४१
२०	बु	४५	७	मू	२५	०	बृ	८	४९ ५१	च	१९	२२	४३	५१	९	१२	२७	२	धनुषि	मकरेबुधः५५।५४

३७पं.पौ.कृ.३शु.इ. ३८/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	६	९	५	०	८
६	४	१०	२	२२	२८	२८	५
३	५६	१२	५१	३८	४१	७	३९
०	२०	११	५८	२८	२४	२६	८
६१	४४	९९	९	६३	४	३	६१
४	७	४६	३०	४८	२२	११	२२

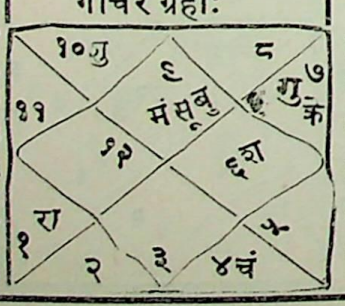

इस मास में धन का मंगल धातु सोना चांदी लोहा तांबा तृण घास लकडी घृत कपास वारदाना चौपायोंमें तेजी

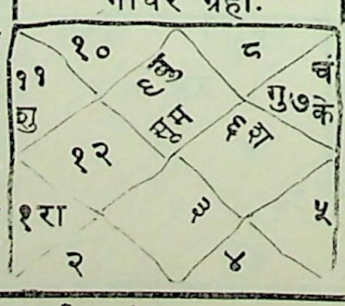

३८पं.पौ.कृ.९शु.इ. ३४/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	६	१०	५	०	८
१३	१०	२१	३	०	२९	२७	१२
१०	१२	२७	५०	१२	८	४५	४९
५९	४०	११	५६	१४	१३	१०	०
६१	४४	९९	८	६१	३	३	६१
६	२३	४४	३८	५४	४०	११	२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | पौष शुक्लपक्षः सं० २०९७शाकः १९६२ | दि. उ. | अ.भा.मु. इं. | चंद्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३९२५सु२०४१

१	गु	३६	३	पू	१८	४	व्या	४७	२२	किं	१०	३५	२५/२४	५१	५९	१३	२८	३	म.३१।१३	शतेशुक्रः४७।५४
२	शु	२६	५५	उ	१०	४०	ह	३६	४९	बा	१	२९	४५	५१	९	१४	२९	४	मकरे	चन्द्रदर्शनम्
३	श	१८	२७	श्र	३/४१	५३/४०	व	२६	४४	ग	१८	२७	४७	५१	९	१५	१	५	कुं.३०।३१	भ ३/४उ.बुधोदयःपश्चिमायां२७/४–
४	र	१०	४०	श	५२	१८	सि	१७	१	वि	१०	४०	४८	५०	१०	१६	२	६	कुंभे	भ.१०।४०या.
५	चं		३	५८	पू	४८	३२	ध्य	८	४७	बा	३	५८	५०	५०	१०	१७	३	७	मी३४।२९	[–मोहोरम१सन्१४६३
६	चं	५	४	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	मं	५५	७	उ	४६	१९	व	१/४१	५३/५८	ग	२६	५८	५२	५०	१०	१८	४	८	मीने	भ.५५।७उ.
८	बु	५२	५६	रे	४५	३८	शि	५०	५९	वि	२४	१	५३	४९	११	१९	५	९	मे.४५।३८	भ.२४।१या.श्रवणेबुध.:४।१७
९	गु	५२	३१	अ	४६	१८	सि	४७	२८	बा	२२	४३	५५	४९	११	२०	६	१०	मेषे	उषा.रविः५३।८
१०	शु	५३	३१	भ	४८	३३	सा	४५	८	ते	२३	१	५७	४९	११	२१	७	११	मेषे	उषा.रविःसौरः१०।३६
११	श	५५	४३	कृ	५२	८	शु	४३	५२	व	२४	३७	५९	४८	१२	२२	८	१२	वृ.४।२७	भ.२४।३७उ.५५।४३या.पुत्रदा११व्र.
१२	र	५९	९	रो	५६	१६	शु	४३	५४	ब	२७	२६	२६/२९	४८	१२	२३	९	१३	वृषे	
१३	चं	६०	०	मृ	६०	०	ब्र	४४	६	कौ	३१	२२	४	४७	१३	२४	१०	१४	मि२९।५१	मकरेऽर्कः८।४७ (सौरः२६।३) प्रदोषः
१३	मं	३	३५	मृ	२	४६	ऐं	४५	१६	तै	३	३५	६	४७	१३	२५	११	१५	मिथुने	[=मा.स्ना.प्रा.
१४	बु	८	५६	आ	९	८	वै	४६	५२	व	८	५६	८	४६	१४	२६	१२	१६	क.५९।१७	भ.८।५६उ.४१।५२या.
१५	गु	१४	४९	पु	१६	०	वि	४८	४४	ब	१४	४९	११	४६	१४	२७	१३	१७	कर्के	पूभा.शुक्रः३/४चित्रा.३तुलायांशनिः३७/१६=

३९पं.पौ.शु.२शु.इ. ३/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	६	१०	५	०	८
२०	१५	२	४	७	२९	२७	१९
१९	३०	४८	४३	३०	३०	२२	५८
५	४७	३२	२६	१८	५०	५४	५७
६१	४४	९८	७	५९	२	३	६१
६	३७	२६	३५	२९	५९	११	२६

गोचर ग्रहः

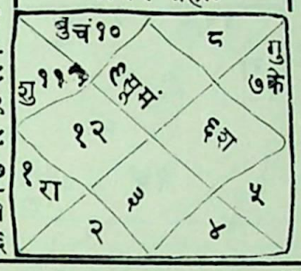

पौष शुक्ले १३ चन्द्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहः

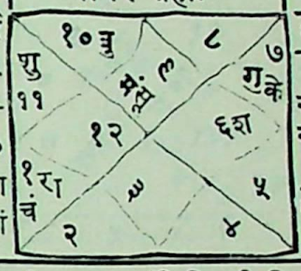

४०पं.पौ.शु.१०शु.इ.३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	६	१०	५	०	८
२७	२०	१३	५	१४	२९	२७	२७
२७	५०	५३	२८	३०	४८	०	८
७	५६	६	४८	०	४३	३९	४९
६१	४४	९०	६	५६	२	३	६१
६	४१	३८	३१	२०	१७	११	२६

ति. | माघ कृष्णपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२ | दि. उ. अ. | भा.मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.

१	शु	२१	६	पु	२३	२६	प्री	५०	५८	कौ	२१	६	२/१३	६/४५	५/५५	२८	१४	१८	कर्के	धनि.बुधः३/१७भरणी.४राहुःविशा.२×
२	श	२७	३२	श्ले	३०	५६	आ	५३	७	ग	२७	३२	१६	४५	१५	२९	१५	१९	सिं३०।५६	उषा.भौमः१४।१० [×केतुः८।६
३	र	३३	४७	म	३८	२९	सौ	५५	२२	व	०	४०	१९	४४	१६	३०	१६	२०	सिंहे	भ.०/०उ.३/४७या.अभि.प्र.रवि.:४३।१३+
४	चं	३९	५५	पू	४५	३७	शो	५७	२	ब	६	५१	२१	४४	१६	१	१७	२१	सिंहे	भा.माघारंभःचतुर्थीव्र. [+(सौरः५/४)
५	मं	४५	२	उ	५१	५१	अ	५८	८	कौ	१२	२८	२४	४३	१७	२	१८	२२	कं.२।११	[÷अभि.नि.रविः५०/
६	बु	४९	२१	ह	५७	११	सु	५८	१०	ग	१७	११	२७	४३	१७	३	१९	२३	कन्यायां	भ.५९/१उ.श्रवणेरविः५७/५०मकरेभौमः३९/३०
७	गु	५२	१७	चि	६०	०	धृ	५७	१९	वि	२०	४९	२९	४२	१८	४	२०	२४	तु.२९।५	भ२०।४९या.श्रवणेरविःसौरः१४।२०÷
८	शु	५३	२१	चि	०	५९	शू	५४	४९	बा	२२	४९	३२	४२	१८	५	२१	२५	तुलायां	अभि.नि.रविःसौरः४।३७
९	श	५२	३६	स्वा	३	८	गं	५१	२	ते	२२	५८	३५	४१	१९	६	२२	२६	वृ.४८।२२	वक्रीबुधः३९।०स्वाती.१गुरुः२७।४७
१०	र	४९	५०	वि	३	२६	वृ	४५	४१	व	२१	१३	३८	४०	२०	७	२३	२७	वृश्चिके	भ.२१।१३उ.४९।५०या.
११	चं	४५	१०	अ	१/४३	५६/२३	धु	३८	३९	ब	१७	३०	४१	४०	२०	८	२४	२८	व.५८।१६	षट्तिला११व्र.
१२	मं	३८	४५	मू	५२	५२	व्या	३०	१५	कौ	११	५७	४५	३९	२१	९	२५	२९	धनुषि	मीनेशुक्रः१३।२७बुधास्तःपश्चिमायां१/४७
१३	बु	३०	५०	पू	४६	१६	ह	२०	४९	ग	४	४७	४८	३८	२२	१०	२६	३०	म.५९।२५	भ.३०।५०उ.५६।४७या.प्रदोषः
१४	गु	२२	४४	उ	३८	५२	व	९/१३	४९/३	श	२२	४४	५१	३८	२२	११	२७	३१	मकरे	
३०	शु	१२	७	श्र	३०	५२	व्य	४८	१	ना	१२	७	५४	३७	२३	१२	२८	१	कुं.५७।३	वक्रीशनिः३१।१५फरवरी२ता.२८

४१पं.मा.कृ.१शु.इ. ३/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	६	१०	६	०	९
४	२६	२३	६	२१	०	२६	४
२४	१२	२१	६	४	१	३८	१८
५९	३२	३२	४०	३०	३४	२३	१८
६१	४५	६८	५	५२	१	३	६१
३	२	५४	२२	१७	३२	११	१९

४२पं.मा.कृ.८शु.इ. ३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	६	१०	६	०	९
११	१	२७	६	२७	०	२६	११
४२	३७	५२	३६	७	९	१६	२७
२९	१६	४४	३६	२३	४०	८	९
६१	४५	१२	४	४७	०	३	६१
०	१२	४१	९	२५	५५	११	१३

४३पं.मा.कृ.३०शु.इ. ३/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	६	११	६	०	९
१८	७	२४	६	२	०	२५	१८
४९	१	३	५७	२९	११	५३	३५
१	३४	५४	४०	१३	५३	५२	१७
६०	४५	७/३४	२	४०	९	३	६१
५५	२२	व.	५६	४१	व.	११	४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३९५५सं२०४१
१	श २ १८	ध २३ १४	व ३७ १४	ब २ १८	२६ ६ ५	१२ २९ २	कुम्भे	वक्रीश्रवणेबुधः१३।३६उभा.शुक्रः-
२	श ५० ३६	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	[-५३।१९चन्द्रदर्शनम्
३	र ४४ ३२	श १६ १३	प २७ ५	तै १८ ४२	२७ ३६ २४	१४ १ ३	मी५६।४५	सफर२
४	चं ३७ ३०	पू १० १६	शि १७ ५२	व ११ ०	५ ३५ २५	१५ २ ४	मीने	भ.११।०उ.३७।३०या.
५	मं ३२ ७	उ ५ ४८	सि १० ८	ब ४ ४८	८ ३४ २६	१६ ३ ५	मीने	श्रवणेभौमः२४।४वसंत५
६	बु २९ ३२	रे ३ १६	सा ३५९ ५५ १४	कौ ० ५०	१२ ३४ २६	१७ ४ ६	मे.३।१६	धनि.रविः६।८(सौरः१९।१०)
७	गु २७ ६	अ २ ३५	शु ५६ ८	व २७ ६	१५ ३३ २७	१८ ५ ७	मेषे	भ.२७उ.५७या.पातस्पर्शः२०=
८	शु २७ ३४	भ ३ ५५	ब्र ५४ २३	ब २७ ३४	१९ ३२ २८	१९ ६ ८	वृ.१९।४४	भीष्माष्टमी
९	श २९ ४३	कृ ७ ११	ऐं ५३ ५९	कौ २९ ४३	२३ ३१ २९	२० ७ ९	वृषे	[=पातमोक्षः३३भानु७रथ७
१०	र ३३ २५	रो ११ ४६	वै ५४ ४६	तै १ ३४	२७ ३१ २९	२१ ८ १०	मि४४।४३	पूर्वोदयीबुधः५।१४
११	चं ३८ १९	मृ १७ ४०	वि ५५ ५६	व ५ ५२	३० ३० ३०	२२ ९ ११	मिथुने	भ.५।५२उ.३८।१९या.जया११ब्र.
१२	मं ४४ २	आ २४ ३८	प्री ५८ ८	ब ११ १०	३४ २९ ३१	२३ १० १२	मिथुने	कुंभेऽर्कः४१।२४(सौरः५३।८)
१३	बु ५० १६	पु ३१ ५०	आ ६० ०	कौ १७ ९	३८ २८ ३२	२४ ११ १३	क.१५।२	प्रदोषः
१४	गु ५६ ४४	पु ३९ १७	आ ० ५	ग २३ ३०	४१ २८ ३२	२५ १२ १४	कर्के	भ.५६।४४उ.
१५	शु ६० ०	श्ले ४६ ४६	सौ २ २४	वि २९ ५२	४५ २७ ३३	२६ १३ १५	सिं४६।४६	भ.२९।५२या.मा.स्ना.पू.
१५	श ३ ०	म ५४ १०	शो ४ ३३	ब ३ ०	४९ २६ ३४	२७ १४ १६	सिहे	

४४पं.मा.शु.८शु.इ. ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	६	११	६	०	९
२५	१२	१५	७	६	०	२५	२५
५४	२७	५९	१०	५४	९	३१	४२
५०	३९	१६	१२	५४	४९	३६	४
६०	४५	५७	१	३२	३४	३	६०
४७	२७	व	२५	०	व	११	५५

गोचर ग्रहाः

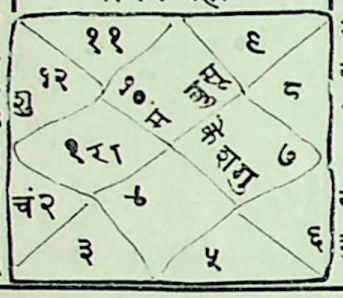

माघ शुक्ले १२भौमे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न.३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

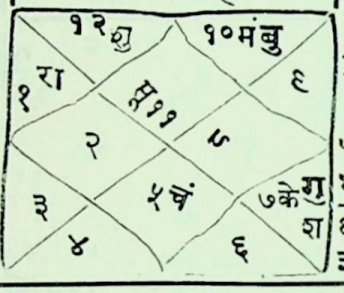

४५पंमा.शु.१५शु.इ. ३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	६	११	६	०	१०
२	१७	१२	७	१०	०	२५	२
५९	५४	२३	१३	२	२	९	४८
४२	१४	४६	१९	६	१०	३१	७
६०	४५	१०४४	०	२०	२७	३	६०
३५	३७	व	१९	२३	व	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	र ९ १०	पू ६० ०	अ ६ २८	कौ ९ १०	२७ ६ ५	२८ १५ १७	सिहे	मार्गीबुधः३३वक्रीगुरुः२१९वक्रीचित्रा.२×
२	चं १४ ४४	पू ० ५४	सु ८ २	ग १४ ४४	५६ २५ ३५	२९ १६ १८	कं.१७।२४	भ.४७।७उ. [×शनिः८।४८
३	मं १९ ३०	उ ६ ५६	धृ ८ ५५	वि १९ ३०	२८ २४ ३६	३० १७ १९	कन्यायां	भ.१९।३०या.शतेरविः१७।३७+
४	बु २३ २८	ह १२ २६	शू ९ २२	बा २३ २८	४ २३ ३७	१ १८ २०	तु.४४।३४	भा.फाल्गुनारंभः[+(सौरः३८) चतुर्थीव्र.
५	गु २६ २२	चि १६ ४१	गं ८ ४९	तै २६ २२	८ २२ ३८	२ १९ २१	तुलायां	पातस्पर्शः११।८पातमोक्षः२२।२४
६	शु २७ ५७	स्वा १९ ३९	बृ ७ १९	व २७ ५७	१२ २२ ३८	३ २० २२	तुलायां	भ.२७।५७उ.५८।२या.घनि.भौमः३४८
७	श २८ ८	वि २१ १८	ध्रु ४ ३८	ब २८ ८	१६ २१ ३९	४ २१ २३	वृ.५।५३	
८	र २६ ४१	अ २१ ३१	व्या ४७ ५४ ५७	कौ २६ ४१	२० २० ४०	५ २२ २४	वृश्चिके	उदयोभौमः३।२६
९	चं २३ ३८	ज्ये १९ ५१	व ४९ ५	ग २३ ३८	२४ १९ ४१	६ २३ २५	ध.१९।५१	भ.५१।१३उ.
१०	मं १८ ४९	मू १६ ४२	सि ४१ २४	वि १८ ४९	२८ १८ ४२	७ २४ २६	धनुषि	भ.१८।४९या.
११	बु १२ ४०	पू १२ ०	व्य ३२ २३	बा १२ ४०	३२ १८ ४२	८ २५ २७	म.२८।३१	विजया११ब्र.
१२	गु ४ ५६	उ ६ ५३ ५	व २२ ३२	तै ४ ५६	३६ १७ ४३	९ २६ २८	मकरे	भ.५६।२३उ.प्रदोषः
१२	गु ५१ २७	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	
१४	शु ४६ ५९	ध ५१ ३७	प १२ ४	वि २१ ४१	४० १६ ४४	१० २७ १	कुं.२५।२१	भ.२१।४१या.वक्रीशुक्रः६।१६÷
२०	श ३७ २८	श ४४ २	शि १९ ४९ ७	च १२ १४	४४ १५ ४५	११ २८ २	कुंभे	[÷मार्च३ता३१ महाशिवरात्रीव्र

४६पं.फा.कृ.६शु.इ. ३९ २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	६	११	५	०	१०
१०	२३	१४	७	११	२९	२४	९
३	२३	२१	७	४९	४९	४७	५२
१४	३९	१४	२४	३४	२३	५	४०
६०	४५	२८ ५४	१ १७	६	२	३	६०
२५	५६	मा	व	१०	व	११	३१

गोचर ग्रहाः

इसमासमें ५रविवार अशुभ हैं धातु चांदी सोना लोहा धान्य जौ गेहूं बाजरा मूंग मोठ तेज हों रुई में घटाबढी चले।

गोचर ग्रहाः

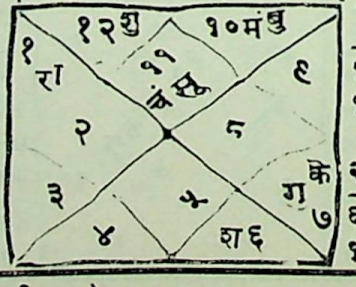

४७पं.फा.कृ१४शु.इ. ३९ ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	६	११	५	०	१०
१७	२८	२०	६	११	२९	२४	१६
५	५२	३	५२	२९	३१	२४	५५
२८	४८	५०	३६	१७	२५	५०	३६
६०	४५	७०	४३२	०३२	४३२	३	६०
१२	५३	४६	व	व	व	११	२०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः३९८४स.२०४१

१	र	२८	१३	पू	३६	५९	सा	४०	२६	किं	२	५०	२८	६	५	१२	२९	३	मी२३।३०
२	चं	१९	५१	उ	३०	५८	शु	३१	९	कौ	१९	५१	५२	१४	४६	१३	१	४	मीने
३	मं	१२	५८	रे	२६	२९	शु	२३	१३	ग	१२	५८	५६	१३	४७	१४	२	५	मे.२६।२९
४	बु	७	५३	अ	२३	५५	ब्र	१६	४०	वि	७	५३	२९	१२	४८	१५	३	६	मेषे
५	गु	४	४९	भ	२३	२७	ऐं	१२	३	बा	४	४९	५	११	४९	१६	४	७	वृ.३८।५३
६	शु	३	५४	कृ	२५	१०	वै	९	११	तै	३	५४	९	१०	५०	१७	५	८	वृषे
७	श	४	५९	रो	२८	३८	वि	७	४४	व	४	५९	१३	९	५१	१८	६	९	वृषे
८	र	८	५	मृ	३३	४९	प्री	७	५५	ब	८	५	१७	९	५१	१९	७	१०	मि१।१४
९	चं	१२	४०	आ	४०	२३	आ	८	४७	कौ	१२	४०	२१	८	५२	२०	८	११	मिथुने
१०	मं	१८	२७	पु	४७	५३	सौ	१०	४१	ग	१८	२७	२६	७	५३	२१	९	१२	क.३१।०
११	बु	२४	४७	पु	५५	१९	शो	१२	५०	वि	२४	४७	३०	६	५४	२२	१०	१३	कर्के
१२	गु	३१	२०	श्ले	६०	०	अ	१५	२४	वा	३१	२०	३४	५	५५	२३	११	१४	कर्के
१३	शु	३७	३५	श्ले	३	५	सु	१७	४२	कौ	४	२७	३८	४	५६	२४	१२	१५	सिं३।५
१४	श	४३	२३	म	१०	१२	धृ	१९	३४	ग	१०	२९	४३	३	५७	२५	१३	१६	सिंहे
१५	र	४८	२९	पू	१६	५३	शू	२०	५३	वि	१५	५६	४७	३	५७	२६	१४	१७	कं.३३।१७

कुंभेभौमः५२चन्द्रदर्शनम् [=फुलरिया२
पूभा.रविः३३(सौरः४३)घनि.बुधः२९-
भ.३५उ.वक्रीचित्रा.४गुरुः५२।१९×
भ.७।५३या. [-रविलावल३=
[×पातस्पर्शः५।२९ पातमोक्षः१४।५५
[+शुक्रास्तःपश्चि.१।।१२होलिकादहनं
भ.४।५९उ.३६।३२या.
कुंभेबुधः२२।४५ होलाष्टकम्
शतेभौमः०।३७
भ.५१।३७उ.
भ.२४।४७या.आमलकी११व्र.
मीनेऽर्कः३४।३४ सौरः५३।३८)
शतेबुधः१२।२०प्रदोषः
भ.४३।२३उ.
भ.१५।५६या.उभा.रविः५५।३६+

४८पं.फा.शु.६शु.इ.४०१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	६	११	५	०	१०
२४	४	२७	६	९	२९	२४	२३
६	२१	५६	२८	११	१०	२	५६
१४	३२	३१	५२	२०	३४	३४	५९
५९	४६	७२	५३	२६	३३	३	६०
५८	०	७	व	व	व	११	६

गोचर ग्रहाः

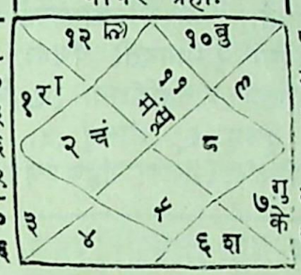

फाल्गुनशुक्ले१२गुरौ मीनेऽर्कःप्रविष्टः वा.३न३गतालकावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४९पं.फा.शु.१३शु.इ.४०२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	११	५	०	११
१	९	७	५	५	२८	२३	•
५	५०	२०	५६	१५	४५	४०	५६
३१	५३	२६	३८	४०	११	१८	४१
५९	४५	८६	१५	३५	५३	३	५९
४१	५८	३४	व	व	व	११	४९

ति. चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२ | दि. उ. अ. भा. मु. इं | चंद्रः | वसंततूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहा.

१	चं	५२	२७	उ	२२	३१	गं	२१	३४	बा	२०	२८	२९	६	५८	२७	१५	१८	कन्यायां
२	मं	५५	२९	ह	२७	१७	वृ	२१	२८	तै	२३	५८	५५	१	५९	२८	१६	१९	तु.५९।११
३	बु	५७	३८	चि	३१	४	धु	२०	३९	व	२६	३३	३०	६	५९	२९	१७	२०	तुलायां
४	गु	५८	३१	स्वा	३३	५३	ष्या	१८	५९	ब	२८	४	३०	५	५९	३०	१८	२१	तुलायां
५	शु	५८	२२	वि	३५	३४	ह	१६	२५	कौ	२८	२६	८	५	८	२	१९	२२	वृ.२०।९
६	श	५७	१६	अ	३६	१९	ब	१३	८	ग	२७	४९	१२	५	८	२	२०	२३	वृश्चिके
७	र	५४	५५	ज्ये	३५	५०	सि	८	५०	वि	२६	५	१६	५	७	३	२१	२४	ध.३५।५०
८	चं	५१	२७	मू	३४	११	व्य	३४	५३	बा	२३	११	२१	५	६	४	२२	२५	धनुषि
९	मं	४६	५४	पू	३१	२९	प	५०	२५	तै	१९	११	२५	५	५	५	२३	२६	म.४५।३०
१०	बु	४०	५८	उ	२७	३२	शि	४२	२६	व	१३	५६	२९	५	४	६	२४	२७	मकरे
११	गु	३३	१०	श्र	२२	३८	सि	३३	४०	ब	७	४	३३	५	३	७	२५	२८	कुं.४९।४६
१२	शु	२६	२८	ध	१६	५३	सा	२४	१७	तै	२६	२८	३७	५	३	७	८	२६	२९	कुंभे
१३	श	१८	१२	श	१०	२९	शु	१४	३१	व	१८	१२	४१	५	२	८	९	२७	३०	मी५०।३९
१४	र	९	५१	पू	४	५४	शु	४	५०	श	९	५१	४५	५	१	९	१०	२८	३१	मीने
३०	चं	१	४४	रे	५२	५५	ऐं	४७	५	ना	१	४४	४९	५	०	१०	११	२९	१	मे.५२।५५

उभा.रविःसौरः५।१४वक्रीपूभा.शुक्रः÷
[÷५५।१२वसंत१छारेंडी
भ.३६उ.५७या.शुक्रोदय.पूर्वस्यां४५
चतुर्थीव्र. [+भा.चैत्रारंभः
भरणी३राहुःविशा.१केतुः३।५७+
भ.५७।१६उ.पूभा.बुध·५५।२९
भ.२६।५या.वक्रीकुंभेशुक्रः१३।५०
शीतलापूजनम्
[E४१।२५बुधास्तःपूर्वस्यां४९
भ.१३।५६उ.४०।५८या.
पूभा.भौमः३७।३१पापमोचनी११व्र.
मीनेबुधः५०।१६प्रदोषः
भ.१८।१२उ.४४।१या.
रेवत्यांरविः३३(सौरः३९)उभा.बुधःE
अप्रेल४ता.३०मन्वादिःनवरात्रारंभः

५०पं.चै.कृ.५शु.इ.४०४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	११	५	०	११
८	१५	१७	५	०	२८	२३	७
३	२०	५८	१७	५३	१७	१८	५४
१८	२	८	४९	२	१३	३	२६
५९	४६	९७	६३	३४	४	३	५९
२९	८	३४	ब	व	व	११	३५

गोचर ग्रहाः

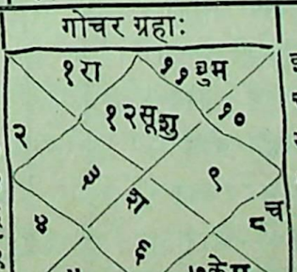

इसमासमें मंगल का चंद्रदर्शन धान्यगल्ला गुडशक्कर चीनीगन्ना वस्त्र रुई कपास वारदाना घृत तेल में तेजी करेगा।

गोचर ग्रहाः

५१पं.चै.कृ.१२शु.इ.४१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	१०	५	०	११
१४	२०	२९	४	२७	२७	२२	१४
५९	४८	४३	३२	२३	४६	५५	५०
१०	४७	२६	४९	४९	५५	४७	४८
५९	४६	०	७	२२	४	३	५९
१६	४	५५	व	व	व	११	१८

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१४२, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१४२, भोग्यकलिः ४२६८५८ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०९८, शाकः १९६३, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः। मंत्री शनिः। सस्येशः भौमः। धान्येशः रविः। मेघेशः शनिः। रसेशः गुरुः। नीरसेशः भौमः। फलेशः शुक्रः। धनेशः चंद्रः। दुर्गेशः शुक्रः। एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ९ युवा संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ३।२६।१४।१८।३६ भोग्यमासादिः ८।३।४५।४१।२४ बार्हस्पत्यदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम चैत्रः।मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासस्तटे । समयनिवासो रजक गृहे । समय विश्वा८ समयवाहनम् वृषभः। स्तंभः१ तृणस्य । सोमवत्यमा २ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी २ भानुसप्तमी ३रविदशमी२ समय मुहूर्ताः ३६० समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १९ तिथिवृद्धिः १३ उत्पत्ति विश्वा ९६ खपतिविश्वा १०८, वर्षाविश्वा ९, धान्यम् ११, तृणम् ९, शीतम् ५, तेजः ९, वायुः ५, वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः१७, ऐक्यम्७९, सत्यम्।। धर्मं १।।,पापं १८शनिदृष्टिर्दक्षिणे। ग्रहण१चंद्रमसः।

सं. २०९८ वैशा. शु. १४ बुधे चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.
घं.	५	६	६
मि.	३८	१३	४८
इ.	५७	५९	०
प.	५७	२५	५३

वर्ष लग्नम् ०।१

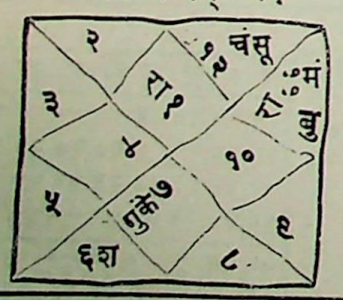

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे मात से जिमि पूछा हर साल ।
अष्ट नवति संवत्तणो कहो शुभाशुभ हाल ।।

भवानी उत्तर

आठों दिशा अठाणवे अन्न संचय दे काम ।
युवा पुरुष हर्षित फिरै तनय खिलावें वाम ।।
शशि राजा मंत्री शनि रहे परस्पर वैर ।
दुर्गाधिप फलपति भृगु करै जगत में खैर ।।
संवत् वासो रजकघर समयो विश्वा आठ ।
तट में जा रोहिणी बसी जल तृण का हो ठाठ ।।
सस्याधिप कुज देखतां चौपाया में रोग ।
व्यापारां घटबढ घणी अन्न मिले नहीं थोग ।।
फल संवत्सर का कहा देख नभश्चर चार ।
"बनवारी" जगदीश का भजन जगत में सार ।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	२	११	८	८	२	८

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कु.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ११।६

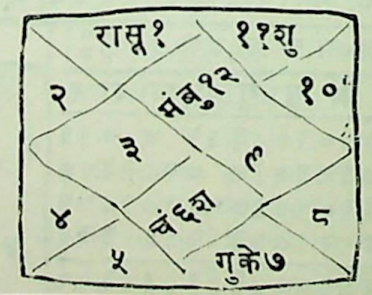

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२४।५५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रः फलम् ॥ चन्द्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधि जरा नराणाम् ॥ मंत्री शनिः फलम् ॥ रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहु दुःखदा । न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ॥ सस्येशो भौमःफलं ॥ प्रथम धान्यपतौ धरणीसुते गजतुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग घनो जलं न समसौख्य करं तुष धान्य हृत् ॥ धान्येशो रविः फलम् ॥ पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीडनम् ॥ मेघेशः शनिः फलम् ॥ रविसुते जलदस्यपतौ भुवि विरल वृष्टिवती वसुधा तदा । मनसि तापकरो नृपतिः सदा विविध भोगरता जनता मता ॥ रसेशः गुरुः फलम् ॥ रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभ धान्य घृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहु जलाखिल देश सुरक्षिता ॥ नीरसेशो भौमः फलम् ॥ नीरसेशो यदा भौमः प्रवाल रक्त वाससां । रक्त चन्दन ताम्राणां मर्घ वृद्धिर्दिनेदिने ॥ फलेशः शुक्रः फलम् ॥ यदि फलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदुकुमार मही रुह-राशयः । बहु फला नरनाथ सुभोगदा द्विजवरा श्रुति पाठ परायणाः ॥ धनेशः चन्द्रः फलम् ॥ धनपतिर्मृग लाञ्छनको यदा रसचया क्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालि सुगंध रसं बहु द्रविण तैल युतं नृप सौख्यदं ॥ दुर्गेशः शुक्रः फलम् ॥ नगरदेश विशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्यकरो मतः । विनय वाणिज गेह समः सुखो नगवने निकटेपि च दूरतः ॥ युवानाम संवत्सरः फलम् ॥ प्रभूत पयसो गावः सुखिनः सर्वजन्तवः । सर्वकाम क्रियासक्तो युवाब्दे युवती जनः ॥ वर्षनाम चैत्रः फलम् ॥ सस्यानि घृत कार्पास तैलादि सुख संचयः । चैत्र वर्षे भवेद्वृद्धिर्नृप सौख्य फलप्रदा ॥ मेघनाम संवर्तः फलम् ॥ संवर्ते जलपूरिता ॥ रोहिणी निवासस्तटे फलम् ॥ तटेवृष्टिः सुशोभनाः ॥ समय निवासो रजक गृहे फलम् ॥ रजके वृष्टिरुत्तमा ॥ एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०९८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १३ रवौ उफा ल. ऽन्यगो रे. ९ ।।।।ऽ।।।।।

,, १५ भौमे स्वात्यां ल. १० रे. ६ ।।।।ऽऽअऽऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा १ बुधे स्वात्यां ल. ८-९ (घ.४६-४१या.) रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

,, ५ रवौ मूले ल. गो. ८ रे. ६ ऽ।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा

,, ६ चन्द्रे उषा ल. १० रे. ६ ऽ।।।।ऽरोऽऽ।।

,, ७ भौमे उषा ल. ऽन्यगो ८ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।

शुक्ला २ गुरौ रोहि ल. १० रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।

,, ९ गुरौ मघा ल. गो. (सोग्रांगः) ९ रे. ६ ऽ।।।।ऽचौऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १२ रवौ हस्तें ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ९-१० रे. ७ ।।।ऽऽ।ऽ।।। पादतो वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ५ चन्द्रे उषा ल. गो. ९ रे. ६ ऽ।।।।।ऽऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, ११ शनौ रेव ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।ऽशु।।ऽअऽऽ।।

शुक्ला ६ बुधे मघा ल. ऽन्यगो ९ रे. ६ ऽ।।।।ऽअऽऽ।।

,, ८ शुक्रे उफा ल.गो.९-१०रे.८ ।।।।।ऽनृ४८याऽ।।।

,, १५ शुक्रे मूलें ल. ९-१० रे. ६ ऽ।।।ऽ।ऽऽ।।

आषाढ मासः

कृष्णा ८ शुक्रे उभा ल. ऽन्यगो १० रे. ७ ।।।।।ऽचोऽऽ।।

,, ८ शुक्रे रेव ल. २ रे. ८ ।।।।।ऽचौ।ऽ।।

,, ९ शनौ रेव ल. ऽन्यगो १० रे.८ ।।।।।।ऽऽ।।

शक्ला ७ शनौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।।ऽ५ऽऽ।ऽदग्धा

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला २ चन्द्रे मूले ल. ५-६ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।

,, ९ चन्द्रे उभा ल. गो. ६ (चं.७पू.) रे. ७ ।।।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा

,, १५ शनौ रोहि ल. ४ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

माघ मासः

शुक्ला १० गुरौ रोहि ल. गो. (सोग्रांगः) ६-८ रे. ६ ।।।।ऽ।ऽऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः (वृश्चिके व्ययेकीं)

फाल्गुन मासः

कृष्णा १ गुरौ मघा ल. गो. (सोग्रांगः) रे.७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

,, ३ शनौ उफा ल. गो. (सोग्रांगः) ल.८ (व्ययेकीं)

,, ४ रवौ हस्ते ल.गो.(सोग्रांगः) रे.८।।।।।ऽरो।ऽ।।

,, ११ रवौ मूले ल. ऽन्यगो रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।।

शुक्ला ३ शनौ उभा ल. ८ रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।।।

चैत्र मासः

कृष्णा २ शनौ हस्तें ल.गो.८ रे.७ ।ऽ।ऽशु।ऽचौ४९उ।।।। (वृश्चिके व्ययेकीं) पादतो वेधाऽभावः

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३										दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४०१४स.२०४१
१	चं	५२	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	मं	४८	३१	अ	४९	१४	वै	३९	४०	बा	२१	३१	३०/५३	४५	१६	१२	३०	२ मेषे	चंद्रदर्शनम्सिंधारा
३	बु	४४	१७	भ	४७	४	वि	३३	३६	तै	१६	२४	५७	४९	११	१३	१	३ मेषे	रविलाख र४मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	गु	४२	१६	कृ	४७	१२	प्री	२९	२	व	१३	१६	३१/५	४८	१२	१४	२	४ बृ.२।६	भ.१३/६उ.४२/६या.
५	शु	४२	७	रो	४९	१९	आ	२६	२३	ब	१२	११	५	४७	१३	१५	३	५ बृषे	
६	श	४४	७	मृ	५३	१५	सौ	२५	४२	कौ	१३	७	९	४६	१४	१६	४	६ मि२१।१७	
७	र	४७	५०	आ	५८	५०	शो	२५	५०	ग	१५	५८	१२	४५	१५	१७	५	७ मिथुने	भ.४७/५०उ.रेवत्यांबुधः४६/४३मार्गीशुक्रः५२/५८
८	चं	५३	४	पु	६०	०	अ	२७	७	वि	२०	२७	१६	४५	१५	१८	६	८ क.४८।५७	भ.२७/०या.वक्रीचित्रा.३गुरुः३८।४५
९	मं	५९	९	पु	५	३९	सु	२९	१३	बा	२६	६	२०	४४	१६	१९	७	९ कर्के	रामनवमी
१०	बु	६०	०	पु	१३	२	धृ	३१	३८	तै	३२	२३	२३	४३	१७	२०	८	१० कर्के	मीनेभौमः२५।४
१०	गु	५	३८	श्ले	२०	४३	शू	३३	५९	ग	५	३८	२७	४३	१७	२१	९	११ सिं२०।४३	भ.३८।४५उ.
११	शु	११	५२	म	२७	५१	गं	३५	५६	वि	११	५२	३०	४२	१८	२२	१०	१२ सिंहे	भ.११।५२या.कामदा११व्र.
१२	श	१७	२५	पू	३४	३१	बृ	३७	२२	बा	१७	२५	३४	४१	१९	२३	११	१३ क.५०।२७	अश्वि.मेषेऽर्कः५९वक्रीचित्रा.१शनिः =
१३	र	२२	१०	उ	४०	१४	ध्रु	३८	१	तै	२२	१०	३८	४०	२०	२४	१२	१४ कन्यायां	अश्वि.मेषेऽर्कःसौरः१/४अश्वि.मेषेबुधः+
१४	चं	२५	२९	ह	४४	४०	व्या	३७	२९	व	२५	२९	४२	४०	२०	२५	१३	१५ कन्यायां	भ.२५/२९उ.५६/३३या. [=१७/६८प्रदोषः
१५	मं	२७	३८	चि	४७	४३	ह	३६	६	ब	२७	३८	४६	३९	२१	२६	१४	१६ तु.१६।११	हनुमज्जयंती[+२१/४०उभा.भौमः४६।२

५२पं.चं.शु.५शु.इ.४१।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	६	१०	५	०	११
२१	२६	१२	३	२५	२७	२२	२१
५३	१७	३५	४२	४२	१५	३३	४४
३०	२०	२०	२५	१४	२६	३२	५९
५९	४६	५५	३/५७	५५	४०/४०	३	५९
४	४	५८	व	व	व	११	४

गोचर ग्रहाः

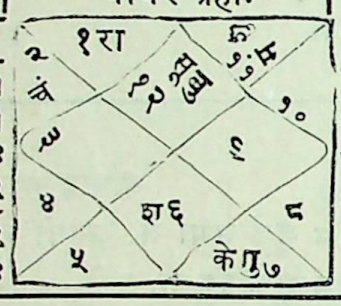

चैत्र शुक्ले १२ शनौ मषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४युवावस्था(सूती) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

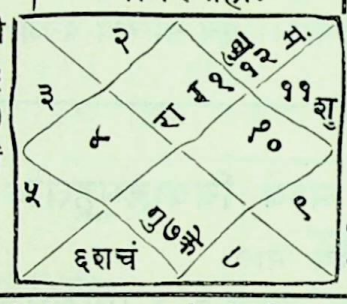

१पं.चै.शु१२श.इ.५७।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	६	१०	५	०	११
०	२	२९	२	२६	२४	२२	२९
०	४२	९	४३	१३	३६	७	५१
०	३२	१४	१	१९	५४	२७	१५
५८	४५	२९/५२	५२	१३/१९	४०/४०	३	५८
४४	५९	१५	व	मा	व	११	४५

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु	२८	३१	स्वा	४९	४१	व	३३	४६	कौ	२८	३१	३१/५०	३८	३/२	२७	१५	१७ तुलायां	
२	गु	२८	१६	वि	५०	३२	सि	३०	३७	ग	२८	१६	५३	३७	२३	२८	१६	१८ वृ.३५।१९	भ.५७।३२उ.
३	शु	२६	४९	अ	५०	२१	व्य	२६	३८	वि	२६	४९	५७	३७	२३	२९	१७	१९ मिथुने	भ.२६।४९या.चतुर्थीव्र.
४	श	२४	३४	ज्ये	४९	३४	व	२१	५८	बा	२४	३४	३२/५	३६	२४	३०	१८	२० ध.४९।३४	भरण्यांबुधः३८।१०
५	र	२१	३५	मू	४७	५८	प	१६	४४	तै	२१	३५	५	३५	२५	१	१९	२१ धनुषि	भा.वैशाखारंभः
६	चं	१८	२	पू	४६	२९	शि	१०	५९	व	१८	२	९	३४	२६	२	२०	२२ धनुषि	भ.१८।२उ.४५।५७या.
७	मं	१३	५३	उ	४२	५९	सि	४०/४०	५५/५३	ब	१३	५३	१२	३४	२६	३	२१	२३ म.०।३७	
८	बु	८	५७	श्र	३९	४२	शु	५०	४२	कौ	८	५७	१६	३३	२७	४	२२	२४ मकरे	मीनेशुक्रः२२।४६
९	गु	३	३८	ध	३५	४४	शु	४३	११	ग	३	३८	२०	३२	२८	५	२३	२५ कुं.७।४३	भ.३९उ.५०या.पातस्पर्शः५३।४६
१०	गु	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	शु	५१	१७	श	३१	२५	व्र	३५	७	ब	२४	२८	२३	३१	२९	६	२४	२६ कुंभे	बुधोदयःपश्चिमे१८पातमोक्षः५४वरु- =
१२	श	४४	३८	पू	२६	३६	ऐं	२७	५	कौ	१७	५७	२७	३१	२९	७	२५	२७ मी१२।४८	भरण्यांरविः३७सौरः४७कृत्ति.बुधः ÷
१३	र	३८	३	उ	२२	४	वैं	१८	५५	ग	११	२०	३१	३०	३०	८	२६	२८ मीने	भ.३९उ.बृषेबुधः५३।१४प्रदोषः
१४	चं	३१	५१	रे	१७	४६	वि	११	२०	वि	४	५७	३४	२९	३१	९	२७	२९ मे.१७।४६	भ.४।५७या.उभा शुक्रः५०।२३
१५	मं	२६	२८	अ	१४	२०	प्री	९/४	५५/४७	ना	२६	२८	२८	२८	३२	१०	२८	३० मेषे	=थिनी११व्र.स्मा.[÷४७वरुथिनी११वै.

२पं.वै.कृ.४श.इ. ५७/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	६	१०	५	०	०
६	८	१३	१	२८	२६	२१	६
५०	८	५९	४९	३२	४	४५	४१
४६	३५	५३	२६	१३	५२	१२	२६
५८	४५	३९/५४	५२/५७	२६	३/४०	३	५८
३१	५९	४	व	२२	व	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में चांदी रुई सुवर्ण सण तिल वार-दाना कपास वस्त्र मंदे होवे घृत धान्य बाजरा मूंग मोठचना आदि तेज हों ।

गोचर ग्रहाः

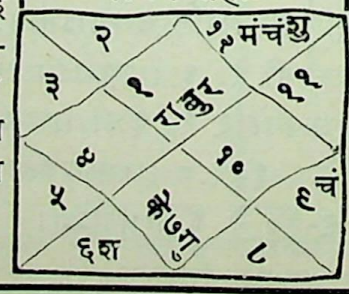

३पं.वै.कृ.१२श.इ.४४/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	६	११	५	०	०
१३	१३	२८	०	२	२५	२१	१३
३९	३३	१३	५६	११	३४	२२	२९
५०	२२	४१	५३	३५	१	५६	५१
५८	४५	३९/५४	५२/५७	२६	४/४०	३	५८
१९	४४	५३	व	२६	व	११	१२

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽर्हर्गणः ४०४३स.२०४१

१	बु	२२	१८	भ	११	५६	सौ	५२	५९	ब	२२	१८	३२ ४५	५ २८	६ ३२	११	२९	१	बृ.२६।४५	रेवत्यांभौमः ५८ चंद्रदर्शनम्मई५ता.३१
२	गु	१९	५२	कृ	११	१४	शो	४९	२८	कौ	१९	५२	४५	२७	३३	१२	१	२	वृषे	जमादिलावल५परशुरामजयंती
३	शु	१९	७	रो	१२	७	अ	४७	२९	ग	१९	७	४८	२६	३४	१३	२	३	मि४३।३६	भ.४९।४०उ.अक्षया३
४	श	२०	१४	मृ	१५	५	सु	४६	३७	वि	२०	१४	५२	२६	३४	१४	३	४	मिथुने	भ.२०।१४या.रोहि.बुधः४।३
५	र	२३	१२	आ	१९	३९	धृ	४७	२०	बा	२३	१२	५५	२५	३५	१५	४	५	मिथुने	
६	चं	२७	४८	पु	२५	४६	शू	४९	०	तै	२७	४८	५८	२४	३६	१६	५	६	क.९।१४	वक्रीचित्रा.२कन्यायांगुरुः०।१४
७	मं	३३	२३	पु	३२	३४	गं	५१	३	ग	०	३५	३३	२४	३६	१७	६	७	कर्के	भ.३३।२३उ.
८	बु	३९	२६	श्ले	४०	१४	बृ	५३	३९	वि	६	२९	५	२३	३७	१८	७	८	सिं४०।१४	भ.६।२९या.पातस्पर्शः४७।१
९	गु	४५	४८	म	४७	४३	धु	५५	५०	बा	१२	४२	८	२२	३८	१९	८	९	सिंहे	पातमोक्षः१।१७
१०	शु	५१	३१	पू	५४	३७	व्या	५७	४०	तै	१८	३९	११	२२	३८	२०	९	१०	सिंहे	
११	श	५६	११	उ	६०	०	ह	५८	२९	व	२३	५१	१४	२१	३९	२१	१०	११	क.११।५	भ.२३ उ.५१ या.कृत्ति.रविः२३ सौरः+
१२	र	५९	१७	उ	०	३०	व	५८	१६	ब	२७	४४	१७	२१	३९	२२	११	१२	कन्यायां	[+३१ मोहिनी११व्र.
१३	चं	६०	०	ह	४	५२	सि	५६	४७	कौ	३०	११	२०	२०	४०	२३	१२	१३	तु.३६।१८	प्रदोषः
१३	मं	१	४	चि	७	४४	व्य	५३	५९	तै	१	४	२३	१९	४१	२४	१३	१४	तुलायां	बृषेऽर्कः५०।३६नृसिंहजयंती
१४	बु	१	११	स्वा	९	५	व	५०	१	व	१	११	२६	१९	४१	२५	१४	१५	वृ.५४।१०	भ.१ उ.३० या.ग्रस्तास्तचंद्रग्रहणम्=
१५	बु	५८	२३		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	=बृषेऽर्कःसौरः२३ यमायकुंभदानम्

४पं.वै.शु.४श.इ. ५७ ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	६	११	५	०	१
२०	१८	१०	०	६	२५	२१	२०
२७	५६	४६	७	५२	४	०	१६
२९	३१	१४	१२	२६	५९	४१	३८
५८	४५	९२	५६	४४	५८	३	५७
६	४४	१०	व	२५	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

वैशाखशुक्ले १३ भौमे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ प्रगलभावस्था (वैठी) मु. १५ धान्यादिभावै महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

५पं.वै.शु.११श.इ. ५८

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	५	११	५	०	०
२७	२४	१८	२९	१२	२४	२०	२७
१३	१६	४७	२२	१९	३९	२८	१
३७	३०	२०	२६	८	४	२५	५२
५७	४५	५८	१६	५०	३७	३	५७
५४	२९	५७	व	१०	ब	११	४५

ति. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.

१	गु	५६	४९	वि	९	११	प	४५	११	बा	२८	११	३३ ५८	५ ४३	६	२६	१५	१६	वृश्चिके	
२	शु	५२	५८	अ	७	५६	शि	३९	३१	तै	२४	५३	३१	१८	४२	२७	१६	१७	वृश्चिके	मृगेबुधः३६।३६रेवत्यांशुक्रः८।४७
३	श	४८	२२	ज्ये	५	४८	सि	३३	१४	व	२०	४०	३४	१७	४३	२८	१७	१८	ध.५।४८	भ.२०।४०उ.४८।२२या.
४	र	४३	१८	मू	५२	४४	सा	२६	३२	ब	१५	५०	३७	१७	४३	२९	१८	१९	धनुषि	अश्वि.मेषेभौमः ३६ चतुर्थींव्र.
५	चं	३८	२	उ	५६	१९	शु	१९	३६	कौ	१०	४०	३९	१६	४४	३०	१९	२०	म.१३।४७	
६	मं	३२	३९	श्र	५२	५८	शु	१२	३७	ग	५	२०	४२	१६	४४	३१	२०	२१	मकरे	भ.३२।३९उ.पातस्पर्शः४७।१७
७	बु	२७	२३	ध	५०	२८	व्र	३५	५३	वि	०	१	४४	१५	४५	१	२१	२२	कुं.२१।४३	भ.० या.पातमोक्षः२९ भा.ज्येष्ठारंभः
८	गु	२२	१४	श	४६	१४	वै	५१	४४	कौ	२१	१४	४७	१५	४५	२	२२	२३	कुम्भे	वक्रीबुधः२०।५८
९	शु	१६	५१	पू	४३	५६	वि	४४	४८	ग	१६	५१	४९	१४	४६	३	२३	२४	मी२९।३०	भ.४७ उ.भरणी२राहुःस्वाती४केतुः२५
१०	श	११	४४	उ	३९	५७	प्री	३८	८	वि	११	४४	५२	१४	४६	४	२४	२५	मीने	भ.११ या.रोहि.रविः२९ सौरः२९
११	र	६	४८	रे	३७	१३	आ	३१	५६	बा	६	४८	५४	१३	४७	५	२५	२६	मे.३७।१३	बुधास्तःपश्चिमे५५ अपरा११व्र.
१२	चं	२	१६	अ	३५	५	सौ	२६	४	तै	२	१६	५६	१३	४७	६	२६	२७	मेषे	भ.५८।२८उ.प्रदोषः
१३	चं	५६	१२		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	मं	५५	२०	भ	३३	३७	शो	२०	४२	वि	२६	५४	५८	१२	४८	७	२७	२८	वृ.४८।३०	भ.२६।५४या.
३०	बु	५३	४५	कृ	३३	१०	अ	१६	८	च	२४	३२	३४ ०	१२	४८	८	२८	२९	वृषे	वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ.३श.इ. ५८ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	५	११	५	०	१
३	२९	२३	२८	१८	२४	२०	३
५८	३६	४७	४३	१९	१६	१६	४५
४४	५८	५६	८	५९	२३	९	३७
५७	४५	२०	५	१४	५६	३	५७
४४	२७	३१	व	४७	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

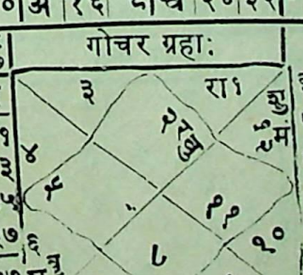

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय व शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि शुभ व मंदीकारक है धान्य गल्ला मं मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

७पं.ज्ये.कृ.१०श.इ. ५८ २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	५	११	५	०	१
१०	४	२४	२८	२४	२३	१९	१०
४२	५२	४९	१०	४७	५७	१३	२७
४०	४८	३७	३०	४२	१८	५४	४८
५७	४५	१२	४	५८	१९	३	५७
३५	१४	व	व	२५	व	११	२३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽर्हर्गणः ४०७२स.२०४१
१	गु	५३	१०	रो	३४	१९	सु	१२	४३	किं	२३	२७	३४/२	५५/५२	४८	९	२९	३०	वृषे	
२	शु	५४	१४	मृ	३६	४४	धृ	१०	३५	बा	२३	४२	३	११	४९	१०	३०	३१	मि५।३२	वक्रीरोहि.बुधः ३१/४अश्वि.मेषेशुक्रः २३/३३ =
३	श	५७	१२	आ	४०	५६	शू	९	४४	तै	२५	४३	५	११	४९	११	१	१	मिथुने	जमादिलाखर६जून६ता.३०
४	र	६०	०	पु	४६	१७	गं	९	३०	व	२९	१२	७	११	४९	१२	२	२	क.२९।५७	भ.२९।१२उ. [=चंद्रदर्शनम्
४	चं	१	१३	पु	५२	४७	बृ	१०	४४	वि	१	१३	९	१०	५०	१३	३	३	कर्के	भ.१।१३या.
५	मं	६	२७	श्ले	६०	०	धु	१२	३४	बा	६	२७	१०	१०	५०	१४	४	४	कर्के	
६	बु	१२	२६	श्ले	०	८	व्या	१५	७	तै	१२	२६	१२	१०	५०	१५	५	५	सिं०।८	
७	गु	१८	४२	म	७	३७	ह	१७	२५	व	१८	४२	१३	९	५१	१६	६	६	सिंहे	भ.१९/२उ.५१/६या.भरण्यांभौमः१७।५४
८	शु	२४	३६	पू	१५	२	व	१९	४६	ब	२४	३६	१५	९	५१	१७	७	७	कं.३१।४०	
९	श	२९	३९	उ	२१	३२	सि	२१	१८	को	२९	३९	१६	९	५१	१८	८	८	कन्यायां	मृगेरविः ५९/६(सौरः२८।१६)
१०	र	३३	११	ह	२६	४१	व्य	२१	४०	तै	१	२५	१७	९	५१	१९	९	९	तु.५८।३२	गंगादशमी
११	चं	३५	१३	चि	३०	२३	व	२०	४९	व	४	१२	१८	८	५२	२०	१०	१०	तुलायां	भ.१२/४उ,३५/५या.निर्जला११ब्र.
१२	मं	३५	१८	स्वा	३२	१०	प	१८	३५	ब	५	१५	१९	८	५२	२१	११	११	तुलायां	प्रदोषः
१३	बु	३३	२५	वि	३१	५८	शि	१४	४९	को	४	२२	१९	८	५२	२२	१२	१२	वृ.१७।१	
१४	गु	२९	४८	अ	३०	७	सि	९	३५	ग	१	३६	२०	८	५२	२३	१३	१३	वृश्चिके	भ.२९/४८उ.५६/५४या.भरण्यांशुक्रः३०।१४
१५	शु	२४	४०	ज्ये	२७	३	सा	१९/३	५२/४१	ब	२४	४०	२१	८	५२	२४	१४	१४	ध.२७।३	गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

८ पं.ज्ये.शु.५श.इ. ५८/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	५	०	५	०	१
१७	१०	२२	२७	१	२३	१९	१७
२५	६	३५	४८	२६	४२	३१	८
२६	५४	४६	१४	३६	३२	३८	५४
५७	४४	३०/८	४९/२	६१	४९/१	३	५७
२७	५९	व	व	१०	व	११	१३

गोचर ग्रहाः

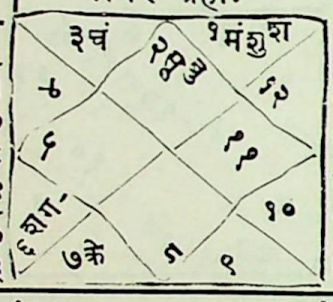

इस मास में शुक्र का चन्द्रदर्शन चांदीसोना लोहा ताम्बा आदि धातुये रुई कपास वारदाना वस्त्र में घट बढ लेकर तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

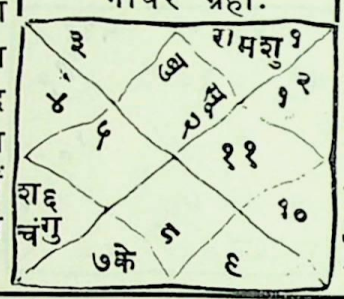

९पं.ज्येशु.९श.इ. ५८/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	५	०	५	०	१
२४	१५	१८	२७	८	२३	१९	२३
७	१९	४४	३०	४२	३२	९	४८
३०	४१	२३	३२	२२	२८	२३	५०
५७	४४	३०/२९	१/६३	१/५	३	५७	
२२	४३	व	ब	२४	व	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहा.
१	श	१८	२७	मू	२२	५०	शु	४७	५०	को	१८	२७	३४/१	५/५२	२५	१५	१५	धनुषि	मिथुनेऽर्क २५/७सौरः २९/४मार्गीगुरुः ३५/३३ ×
२	र	११	४०	पू	१७	५९	ब्र	३९	३०	ग	११	४०	२२	८	५२	२६	१६	१६	म.३१।४२	भ.३८।५उ. [×बुधोदयःपूर्वस्यां१।२०
३	चं	४	२९	उ	१२	५३	ऐं	३१	८	वि	४	२९	२२	८	५२	२७	१७	१७	मकरे	भ.२९/२या.चतुर्थींब्र.
४	चं	५२	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	मं	५०	४३	श्र	७	५९	वै	२२	५८	को	२४	४	२३	७	५३	२८	१८	१८	कुं.३५।४१	
६	बु	४४	४०	ध	२३/२	५६/३	वि	१५	५	ग	१७	४१	२३	७	५३	२९	१९	१९	कुम्भे	भ.४४/४०उ.मार्गीबुधः ५/७मार्गीशनिः ५३/७
७	गु	३९	५	पू	५६	१	प्री	७	४२	वि	११	५२	२३	७	५३	३०	२०	२०	मी४१।५२	भ.११।५२या.
८	शु	३४	१६	उ	५३	३२	आ	४०/२	५३/४९	चा	६	४०	२४	७	५३	३१	२१	२१	मीने	
९	श	२९	५९	रे	५१	३६	शो	४८	५०	तै	२	७	२४	७	५३	१	२२	२२	मे.५१।३६	भ.५/१९उ.आर्द्रा.रविः २०/६सौरः ३०/७भा. =
१०	र	२६	४४	अ	५०	२९	अ	४३	५९	वि	२६	४४	२४	७	५३	२	२३	२३	मेषे	भ.२६।४४या. [=आषाढारंभः
११	चं	२४	१२	भ	५०	१७	सु	३९	४६	बा	२४	१२	२४	७	५३	३	२४	२४	मेषे	कृत्ति.भौमः२६।५०योगिनी११ब्र.
१२	मं	२२	३८	कृ	५१	३	धृ	३६	१७	तै	२२	३८	२४	७	५३	४	२५	२५	वृ.५।२८	कृत्ति.शुक्रः४८।३५प्रदोषः
१३	बु	२२	१९	रो	५२	५७	शू	३३	४१	व	२२	१९	२३	७	५३	५	२६	२६	वृषे	भ.२२।१९उ.५२।३२या.
१४	गु	२२	४६	मृ	५५	५५	गं	३१	५०	श	२२	४६	२३	७	५३	६	२७	२७	मि२४।२६	
३०	शु	२४	३८	आ	६०	०	वृ	३१	२३	ना	२४	३८	२२	८	५२	७	२८	२८	मिथुने	बृषेशुक्रः५६।२७

१०पं.आ कृ.१श.इ. ५८/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	५	०	५	०	२
०	२०	१६	२७	१६	२३	१८	०
४८	२८	४०	२३	०	२७	४७	२७
४७	१९	३०	४९	४७	१४	७	५९
५७	४४	१४/२६	०/५	६५	२८/०	३	५६
१७	२८	वं.	मा	५	वं.	११	५७

गोचर ग्रहाः

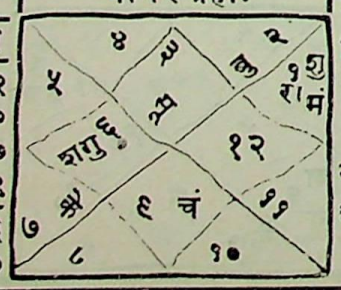

आषाढकृष्णे १ शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

११पं.आ.कृ. ९श.इ. ५८/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	५	०	५	०	२
७	२५	१७	२७	२३	२३	१८	७
२९	३४	२८	२५	३१	२६	२४	६
४२	५५	५	२६	७	३८	५१	२६
५७	४४	१/९७	१	६६	२०/०	३	५६
१३	१०	मा	१०	३६	मा	११	५४

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्) =राचंमंशु

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३ |दि. उ. अ.|भा. मु. इं.| चन्द्रः |वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः४१०२स.२०४१

१	श	२७	४०	आ	०	१	धु	३१	११	ब	२७	४०	३४/२२	५/८	६/५३	८	२९	२९	क.४९।२	बृषेभौमः६।२०चंद्रदर्शनम्
२	र	३१	५८	पु	५	२२	व्या	३२	१७	कौ	३१	५८	२१	८	५२	९	१	३०	कर्के	रज्जव७रथयात्रा
३	चं	३७	११	पु	११	५१	ह	३३	५२	तै	४	३४	२०	८	५२	१०	२	१	कर्के	मृगेबुधः१२/८जुलाई७ता.३१
४	मं	४३	८	श्ले	१८	३८	व	३६	३	व	१०	१०	१९	८	५२	११	३	२	सिं१८।३८	भ.१०।१०उ.४३।८या.
५	बु	४९	२६	म	२६	१९	सिं	३८	३९	व	१६	१७	१८	८	५२	१२	४	३	सिंहे	
६	गु	५५	३५	पू	३४	१	व्य	४१	२३	कौ	२२	३१	१७	९	५१	१३	५	४	कं.५०।५०	
७	शु	६०	०	उ	४१	१६	व	४३	३१	ग	२८	१८	१६	९	५१	१४	६	५	कन्यायां	
७	श	१	१	ह	४७	२२	प	४४	४४	व	१	१	१५	९	५१	१५	७	६	कन्यायां	भ.१/१उ.३/१३या.पुन.रविः५/०(सौरः३/४/२) ×
८	र	५	२१	चि	५२	८	शि	४४	५६	व	५	२१	१४	९	५१	१६	८	७	तु.१९।४५	रोहि.शुक्रः५३।०
९	चं	८	१३	स्वा	५५	९	सि	४३	४८	कौ	८	१३	१३	९	५१	१७	९	८	तुलायां	[×मिथुनेबुधः३५।१७
१०	मं	९	७	वि	५६	१४	सा	४१	८	ग	९	७	११	१०	५०	१८	१०	९	वृ.४०।५८	भ.३८।५०उ.
११	बु	७	५९	अ	५५	२२	शु	३६	४९	वि	७	५९	१०	१०	५०	१९	११	१०	वृश्चिके	भ.७।५९या.देवशयनी११व्र.
१२	गु	५४/१३	४९/१	ज्ये	५२	२८	शु	३०	५५	बा	४	४१	८	१०	५०	२०	१२	११	ध.५२।२८	आर्द्रां.बुधः१०।१९प्रदोषः
१३	शु	५२	४५	मू	४७	५३	ब्र	२३	३३	ग	२६	१३	७	११	४९	२१	१३	१२	धनुषि	भ.५२/५५उ. [=वायुपरीक्षा
१४	श	४४	५४	पू	४२	७	ऐं	१४	५२	वि	२३	५०	५	११	४९	२२	१४	१३	म.५५।२९	भ.२३/५०या.रोहि.भौम.१/१९व्यासपूजा =

१२पं.आ.शु.१श.इ. ५८/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	५	१	५	०	२
१४	०	२२	२७	१	२३	१८	१३
१०	३८	१३	३५	९	३१	२	४४
८	२	८	२४	५८	२६	३५	३१
५७	४३	५३	२	६७	१	३	५६
७	५२	५५	२८	४९	७	११	५०

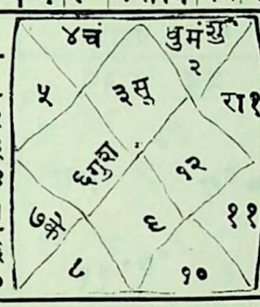

१३पं.आ.शु.७श.इ. ५८/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	५	१	५	०	२
२०	५	०	२७	८	२३	१७	२०
५०	३७	३३	५४	५७	४०	४०	२२
३५	४४	४०	२६	११	२३	१९	२५
५७	४३	८७	३	६८	१	३	५६
७	३५	५८	४७	५०	४०	११	५०

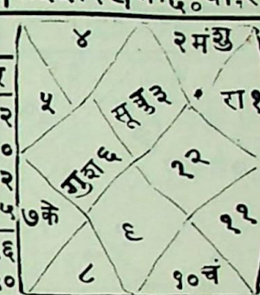

१४पं.आ.शु.१५श.इ. ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	५	१	५	०	२
२७	१०	११	२८	१६	२३	१७	२७
३०	३४	५३	२२	५०	५४	१८	०
५४	१२	४९	१	३१	२२	४	३२
५७	४३	५/१२	४	६९	२	३	५६
१२	३	१/१४	५५	३८	२४	११	५४

ति.| श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३ |दि.| उ. |अ.|भा.| मु. | इं.| चन्द्रः |वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.

१	र	३६	१६	उ	३५	३५	वै	३६/३३	५०/५१	बा	१०	३०	३४/३३	५/११	५/४९	६/२३	१५	१४	मकरे	
२	चं	२७	१९	श्र	२८	५९	प्री	४५	५६	तै	१	४७	१	१२	४८	२४	१६	१५	कुं.५५।४२	भ.५२।५८उ.
३	मं	१८	३७	ध	२२	२४	आ	३६	१७	वि	१८	३७	५९/३३	१२	४८	२५	१७	१६	कुंभे	भ.३७/३४या.कर्केऽर्कः३४/३६बुधास्तःपूर्वस्यां ×
४	बु	१०	३२	श	१६	३२	सौ	२७	२१	बा	१०	३२	५७	१३	४७	२६	१८	१७	मी५७।४०	कर्केऽर्कःसौरः७।२३ [×५५/३३चतुर्थीव्र.
५	गु	५३/३८	२२/४	पू	११	२२	शो	१८	५८	तै	४	२२	५५	१३	४७	२७	१९	१८	मीने	भ.५७/३९उ.पुन.बुधः१८।२२नाग५
७	शु	५२	३६	उ	७	३५	अ	११	४२	वि	२५	१	५२	१४	४६	२८	२०	१९	मीने	भ.२५।१या.मृगेशुक्रः४१।२६
८	श	४९	१३	रे	५	४	सु	५	२९	बा	२०	५४	५०	१४	४६	२९	२१	२०	मे.५।४	पुष्येरघिः३।५४सौरः३८।४
९	र	४७	१०	अ	३	४९	धृ	१३/१३	५५/५४	तै	१८	११	४८	१४	४६	३०	२२	२१	मेषे	
१०	चं	४६	२३	भ	३	५६	गं	५२	५८	व	१६	४६	४५	१५	४५	३१	२३	२२	वृ.१९।१४	भ.१६।४६उ.४६।२३या.
११	मं	४६	५९	कृ	५	७	बृ	५१	२	ब	१६	४१	४३	१५	४५	१	२४	२३	वृषे	कर्केबुध१/९भा.श्रावणारंभःकामि.११व्र.
१२	बु	४८	३७	रो	७	४६	ध्रु	४९	५५	कौ	१७	४८	४०	१६	४४	२	२५	२४	मि२९।४०	पुष्येबुधः३०।१५
१३	गु	५१	३२	मृ	११	३४	व्या	५०	१	ग	२०	५	३८	१६	४४	३	२६	२५	मिथुने	भ.५३/३२उ.मिथुनेशुक्रः३/३०भरणी१राहुः ÷
१४	शु	५५	२२	आ	१६	२२	ह	५०	२०	वि	२३	२७	३५	१७	४३	४	२७	२६	मिथुने	भ.२३।२७या.
३०	श	६०	०	पु	२१	५३	व	५१	२९	च	२७	४३	३३	१७	४३	५	२८	२७	क.५।३०	हरियाली
३०	र	०	५	पु	२८	२८	सि	५३	१७	ना	०	५	३०	१८	४२	६	२९	२८	कर्के	[÷स्वाती३केतुः५५/५७प्रदोषः

१५पं.श्रा.कृ.८श.इ. ५७/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	५	१	५	०	३
४	१५	१५	२८	२४	२४	१६	३
११	२७	३८	५६	४९	१२	५५	३८
३८	१८	२८	४९	५२	३४	४८	५९
५७	४२	२/१४	३	७०	३	३	५६
१५	४६	१/१४	६	२६	९	११	५९

गोचर ग्रहाः

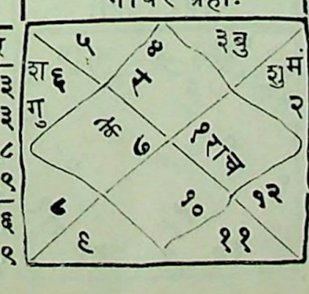

श्रावण कृष्णे ३ भौमे कर्केऽर्क.प्रविष्टः वा. ४ न. ६ बालावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावेमहर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

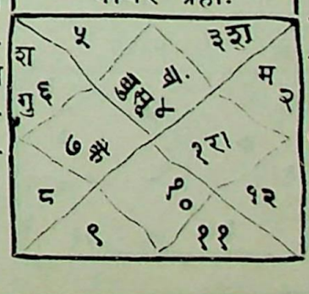

१६पं.श्रा.कृ.३०श.इ. ५७/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	५	२	५	०	३
१०	२०	१०	२९	२	२४	१६	१०
५२	१८	३१	३८	५४	३५	३३	१८
४१	४	१९	४९	२५	३८	३२	१६
५७	४२	२/२४	६	७१	३	३	५७
२०	१२	४/४०	५३	५	४१	११	५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण४१३२स२०४१
१	चं	५	३०	श्ले	३५	२६	व्य	५५	२६	ब	५	३०	३३/२७	१९	४९/६	७	३०	२९	सि३५।२६	चंद्रदर्शनम्
२	मं	११	३५	म	४३	२	व	५८	३	कौ	११	३५	२४	१९	४१	८	१	३०	सिंहे	आश्लेबुधः५५/१७सावान८सिंधारा
३	बु	१७	४९	पू	५०	३७	प	६०	०	ग	१७	४९	२२	२०	४०	९	२	३१	सिंहे	भ.५५उ.आर्द्रा.शुक्रः१५/६चित्रा.३तुला.=
४	गु	२४	२	उ	५८	९	प	०	२१	वि	२४	२	१९	२०	४०	१०	३	१	कं.७।३०	भ.२३/४या.मृगेभौमः३१/५अगस्त८ता. ×
५	शु	२९	४४	ह	६०	०	शि	२	५४	त्रा	२९	४४	१६	२१	३९	११	४	२	कन्यायां	नागपंचमी [×३१वरद४
६	श	३४	३४	ह	५	०	सि	५	०	कौ	२	९	१३	२१	३९	१२	५	३	तु.३७।५४	आश्ले.रविः५५(सौरः३७।५१)
७	र	३८	१४	चि	१०	४८	सा	६	३	ग	६	२४	१०	२२	३८	१३	६	४	तुलायां	भ.३९/४८उ. [=गुरुः३४।४५तीज
८	चं	४०	१८	स्वा	१५	१४	शु	६	१	वि	९	१६	७	२३	३७	१४	७	५	तुलायां	भ.९।१६या.
९	मं	४०	३०	वि	१७	५७	शु	४	४६	बा	१०	२४	४	२३	३७	१५	८	६	वृ.२।१६	मघा.सिंहेबुधः२१।५२
१०	बु	३८	३६	अ	१८	४०	व्र	५०/१	५५/३३	तै	९	३३	०	२४	३६	१६	९	७	वृश्चिके	[÷मिथुनेभौमः२२।४३
११	गु	३४	३९	ज्ये	१७	२९	वै	५१	२३	व	६	३७	५२/५	२५	३५	१७	१०	८	ध.१७।२९	भ.३७/६उ.३४/३या.पवित्रा११ब्र.
१२	शु	२८	४३	मू	१४	११	वि	४३	४५	ब	१	४१	५४	२५	३५	१८	११	९	धनुषि	प्रदोषः
१३	श	२१	१०	पू	९	१३	प्री	३४	४९	तै	२१	१०	५०	२६	३४	१९	१२	१०	म.२२।३७	बुधोदयःपश्चिमायां७।११
१४	र	१२	२३	उ	४७/२	५२/३४	आ	२४	४५	व	१२	२३	४७	२७	३३	२०	१३	११	मकरे	भ.९/२३उ.३७/१या.पुन.शुक्रः३२।५८ ÷
१५	चं	२	४०	ध	४७	३५	सौ	१४	१३	ब	२	४०	४४	२७	३३	२१	१४	१२	कुं.२१।२८	श्रावणीकर्मरक्षाबंधनम्

१७पं.श्रा.शु.६श.इ. ५७/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	६	२	५	०	३
१७	२५	२४	०	११	२५	१६	१६
३४	१	५२	२७	३	२	११	५८
२३	२६	२६	७	४३	१७	१८	४
५७	४१	०/९	८	७१	४	३	५७
२५	४६	४२	१	३२	२०	११	१२

गोचर ग्रहाः

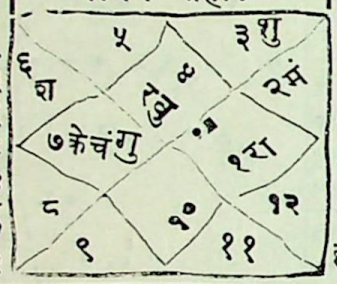

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर चन्दन केसर कपास रुई वस्त्र वारदाना रसकस गुड़ सक्कर चीनी घृत आदि तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

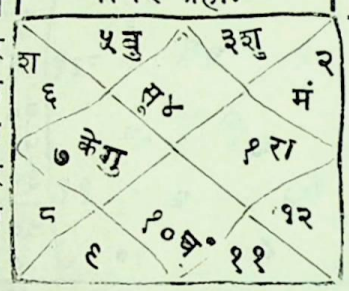

१८पं.श्रा.शु.१३श.इ.५७/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	६	२	५	०	३
२४	२९	८	१	१९	२५	१५	२३
१६	४२	१	२१	१७	३३	४९	३९
४४	४३	१६	४७	३१	४	२	११
५७	४१	०/९	८	७१	४	३	५७
३३	१३	३६	५०	५९	४४	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	चं	५०	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
२	मं	४२	१२	श	३९	५८	शो	२३/४	४९/२५	तै	१७	३०	३२/४०	२५/२८	३६	२२	१५	१३	कुंभे	पूफा.बुधः५०।२८
३	बु	३४	१	पू	३३	५	सु	४२	३५	व	८	६	३७	२९	३१	२३	१६	१४	मी१९।४८	भ.८।६उ.३४।१या.चतुर्थीव्र.
४	गु	२६	६	उ	२६	५६	धृ	३३	२७	ब	०	३	३३	२९	३१	२४	१७	१५	मीने	
५	शु	१९	३१	रे	२२	२९	शू	२५	१९	तै	१९	३१	३०	३०	३०	२५	१८	१६	मे.२२।२९	मघा.सिंहेऽर्कः५४।५७चंद्रषष्ठी
६	श	१४	५६	अ	१९	३५	गं	१८	४३	व	१४	५६	२६	३१	२९	२६	१९	१७	मेषे	भ.५१/६उ.४३/३या.मघा.सिंहेऽर्कःसौरः ३५/५५
७	र	११	५८	भ	१८	३४	बृ	१३	२३	ब	११	५८	२३	३२	२८	२७	२०	१८	वृ.३३।४३	जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	चं	१०	५८	कृ	१९	१०	धु	९	३५	कौ	१०	५८	१९	३२	२८	२८	२१	१९	वृषे	कर्केशुक्रः३५/१७जन्माष्टमीव्र.दै.
९	मं	११	३८	रो	२१	२५	व्या	७	११	ग	११	३८	१५	३३	२७	२९	२२	२०	मि५३।१३	भ.४२।४०उ.गोगा९
१०	बु	१३	४१	मृ	२५	१२	ह	६	४	वि	१३	४१	१२	३४	२६	३०	२३	२१	मिथुने	भ.१३/४या.आर्द्रा.भौमः२४।६
११	गु	१७	१४	आ	३०	२७	व	६	१०	बा	१७	१४	८	३४	२६	३१	२४	२२	मिथुने	उफा.बुध १९/१६पुष्येशुक्रः४५/५३अजा११व्र.
१२	शु	२१	४९	पु	३६	३७	सि	६	५५	तै	२१	४९	४	३५	२५	१	२५	२३	क.२०।५	भा.भाद्रपदारंभःदत्सद्वादशीप्रदोषः
१३	श	२७	८	पु	४३	३४	व्य	८	२३	व	२७	८	१	३६	२४	२	२६	२४	कर्के	भ.२७/८उ.६०या.कन्यायांबुधः३५/५चित्रा=
१४	र	३२	५३	श्ले	५०	४३	व	१०	३२	श	३२	५३	३१/५३	३७	२३	३	२७	२५	सिं५०।४३	[=४गुरुः५/२चित्रा.२शनिः३।१३
३०	चं	३९	१६	म	५८	१३	प	१२	४३	च	६	४	५३	३७	२३	४	२८	२६	सिंहे	कुशाग्रहणीपिठोरी३०मन्वादिः

१९पं.भा.कृ.६श.इ.५७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	६	२	५	०	४
१	४	१९	२	२७	२६	१५	०
०	१९	५७	२२	३४	७	२६	२१
४	३४	४	३४	४८	३७	४७	२४
५७	४०	०/९	९	७२	५	३	५७
४०	४६	६	४०	२०	१४	११	३४

गोचर ग्रहाः

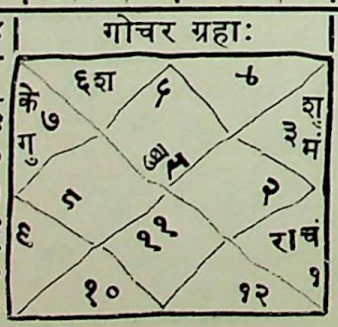

भाद्रपदकृष्ण ५ शुक्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.३० धान्या-दिभावेसमताशुक्रोदय पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

२०पंभा.कृ.१३श.इ.५७/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	३	५	०	४
७	८	०	३	५	२६	१५	७
४४	५२	४३	२९	५५	४५	४	४
२८	८	५	२	३०	७	३१	५०
५७	४०	८७	१०	७२	५	३	५७
४९	१७	५३	२३	४१	४१	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१००

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३ | दि. उ. अ.|भा. मु. इं. | चन्द्रः |शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१६१स.२०४१

१	मं	४५	२२	पू	६०	०	शि	१५	१४	किं	१२	१९	३३/४९	३८	२२	५	२९	२७	सिंहे	
२	बु	५१	२४	पू	५	४४	सि	१७	३४	बा	१८	२३	४६	३९	२१	६	३०	२८	कं.२२।३६	चन्द्रदर्शनम्
३	गु	५७	२	उ	१३	१२	सा	१९	५४	तै	२४	१३	४२	४०	२०	७	१	२९	कन्यायां	रमजान९हरितालिका ३
४	शु	६०	०	ह	१९	५०	शु	२१	४१	व	२९	२४	३८	४०	२०	८	२	३०	तु.५२।५५	भ.३९/४उ.पूफा.रवि:४४/३गणेशचतुर्थी
४	श	१	४७	चि	२५	५९	शु	२२	५०	वि	१	४७	३४	४१	१९	९	३	३१	तुलायां	भ.४/७या.पूफा.रवि:सौर:२९/७हस्ते ÷
५	र	५	५१	स्वा	३१	११	ब्र	२३	३५	बा	५	५१	३०	४२	१८	१०	४	१	तुलायां	सितम्बर९ता.३०
६	चं	८	२९	वि	३४	५६	एं	२३	७	तै	८	२९	२६	४३	१७	११	५	२	वृ.१९।०	आश्ले.शुक्र:५२।४१
७	मं	९	४०	अ	३७	१५	वै	२१	३५	व	९	४०	२२	४४	१६	१२	६	३	वृश्चिके	भ.९।४०उ.३९।२६या.
८	बु	९	१३	ज्ये	३७	५०	वि	१८	३९	ब	९	१३	१८	४४	१६	१३	७	४	घ.३७।५०	[÷बुघ:४/४ऋषिपंचमी
९	गु	६	४९	मू	२६	४३	प्री	१४	१४	कौ	६	४९	१५	४५	१५	१४	८	५	धनुषि	
१०	शु	२	४१	पू	३३	४१	आ	८	२८	ग	२	४१	११	४६	१४	१५	९	६	म.४७।३१	भ.२९/७उ.५६/३या.जलझूलनी११ब्र.स्मा.
११	शु	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	श	४९	२६	उ	२९	०	सौ	१०/३५	५५	ब	२३	१०	७	४७	१३	१६	१०	७	मकरे	जलझूलनी११ब्र.वै.वामनजयंती
१३	र	४०	३४	श्र	२२	५३	अ	४२	४५	कौ	१५	०	३	४७	१३	१७	११	८	कुं.४९।२०	प्रदोषः
१४	चं	३०	५४	ध	१५	४७	सु	३२	१६	ग	५	४४	५९/३०	४८	१२	१८	१२	९	कुम्भे	भ.५९/४उ.५५/७या.अनंत१४
१५	मं	२१	१	श	७	५०	धृ	२१	२२	ब	२१	१	५५	४९	११	१९	१३	१०	मी४६।५९	महालयारंभ:कु.संध्या.पूजनारंभः

.२१पं.भा.शु.४श.इ. ५७/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	३	५	०	४
१४	१३	१०	४	१४	२७	१४	१३
३०	१८	१५	३८	१९	२५	४२	५०
४	५४	७	५३	३०	४१	१५	२
५८	३९	७३	११	७२	६	३	५७
१	४८	५२	१	५६	२	११	५७

गोचर ग्रहाः

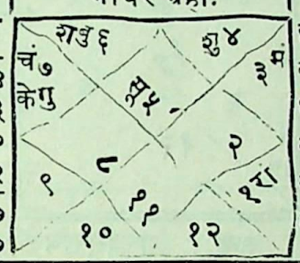

इस मास में मिथुन कामंगल धान्य गल्ला धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा टीन गुड़ सक्कर गन्ना नमक में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

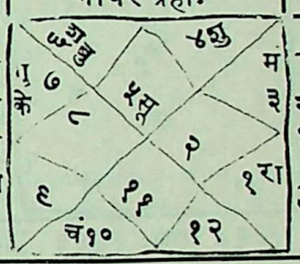

२२पं.भा.शु.१२श.इ. ५६/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	३	५	०	४
२१	१७	१८	५	२२	२८	१४	२०
१७	४१	१६	५४	४७	८	२०	३६
६	५३	५५	११	६	२८	०	४२
५८	३८	५६	११	७३	६	३	५८
१३	५६	३९	३८	१४	२४	११	१३

ति.| आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३ |दि. उ. अ.|भा.मु. इं. | चन्द्रः |शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.

१	बु	१०	५८	पू	२/३	५२/७	शु	१०/३३	४९/२०	कौ	१०	५८	३०/५१	५०	१०	६	२०	१४	११	मीने	पुन.भौम:५३।०
२	गु	१/३३	५५/४९	रे	४५	५६	बृ	५०	२	ग	१	५५	४७	५१	९	६	२१	१५	१२	मे.४५।५६	भ.२७/२०उ.५३/४४या.स्वाती१गुरु:१६।२
३	शु	४७	१८	अ	४०	५९	भु	४१	३२	व	२०	३१	४३	५१	९	६	२२	१६	१३	मेषे	उफा.रवि:२९/३चित्रा.बुघ:१५/२मघा. =
५	श	४२	४९	भ	३७	५७	व्या	३४	२२	कौ	१५	३	३९	५२	८	६	२३	१७	१४	वृ.५२।३९	उफा.रवि:सौर:१०।४७
६	र	४०	२६	कृ	३६	४७	ह	२८	४९	ग	११	३७	३५	५३	७	६	२४	१८	१५	वृषे	भ.४०।२६उ.
७	चं	४०	११	रो	३७	४६	व	२५	१	वि	१०	१८	३१	५४	६	६	२५	१९	१६	वृषे	भ.१०।१८या.कन्यार्क:५४।२७
८	मं	४१	४६	मृ	४०	४०	सि	२२	४९	बा	१०	५८	२७	५५	५	६	२६	२०	१७	मिथु९।१३	कन्यार्क:सौर:३५।५८
९	बु	४५	१३	आ	४५	१४	ध्य	२२	१३	तै	१३	२९	२२	५६	४	६	२७	२१	१८	मिथुने	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
१०	गु	४९	५९	पु	५१	२०	व	२२	४७	व	१७	३६	१८	५६	४	६	२८	२२	१९	क.३४।४९	भ.१७।३६उ.४९।५९या.
११	शु	५५	४२	पु	५८	२६	प	२४	८	ब	२२	५१	१४	५७	३	६	२९	२३	२०	कर्के	इंदिरा११ब्र.
१२	श	६०	०	श्ले	६०	०	शि	२६	१३	कौ	२८	४८	९	५८	२	६	३०	२४	२१	कर्के	[=सिंहेशुक्र:५३/३चतुर्थीब्र.
१३	र	१	५४	श्ले	५	४३	सि	२८	३३	तै	१	५४	५	५९	१	६	३१	२५	२२	सिं५।४३	प्रदोषः
१३	चं	८	२५	म	१३	२६	सा	३१	४	व	८	२५	३०	६	०	६	१	२६	२३	सिंहे	भ.२५/६उ.४१/३या.वक्रीबुघ:२०/८भा. +
१४	मं	१४	३७	पू	२०	५५	शु	३३	२५	श	१४	३७	२९/५६	६	५९	६	२	२७	२४	कं.३७।४३	पूफा.शुक्र:४/३७चित्रा.३तुलायां शनि:४२/१
३०	बु	२०	२८	उ	२८	६	शु	३५	२९	ना	२०	२८	५२	२	५८	३	२८	२५	कन्यायां	सर्वपितृ३०[+आश्विनारंभ:श.हता.श्रा

२३पं.आ.कृ.५श.इ. ५६/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	४	५	०	४
२८	२१	२४	७	१	२८	१३	२७
५	५७	१५	१२	१७	५३	५७	२४
२८	७	४७	३६	२४	३१	४४	५८
५८	३८	३२	१२	७३	६	३	५८
२६	१४	५३	१०	२६	३८	११	२९

गोचर ग्रहाः

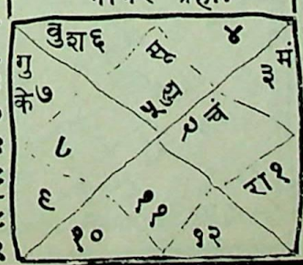

आश्विनकृष्णे ७ चन्द्रे कन्यायामर्कःप्रविष्टः वा४न.५कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावें समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

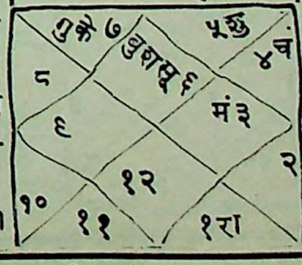

२४पं.आ.कृ.१२श.इ. ५६/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	६	४	५	०	५
४	२६	२६	८	९	२९	१३	४
५५	६	५९	३४	५०	४०	३५	१५
१९	४३	३१	८	१३	५५	२९	५
५८	३७	१४	१२	७३	६	३	५८
३८	३६	१	२९	३८	५५	११	४५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३	दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१९१सन् २०४१
१	गु २५ २८	ह	३४	३८	व्र	३६	५५	ब	२५ २८	२९ ६ ५	४	२९	२६	कन्यायां	अश्वि.४राहु:स्वाती.२केतु:४८नव- ÷
२	शु २९ ४९	चि	४०	१९	ऐं	३७	५३	कौ	२९ ४९	४४ ३ ५७	५	३०	२७	तु.७।२८	हस्तेरवि:४१सौर:४८चंद्र दर्शनम्
३	श ३३ २१	स्वा	४५	१९	वै	३८	११	तै	१ ३५	४० ४ ५६	६	१	२८	तुलायां	कर्केभौम:२९स्वाती२गुरु५९सव्वाल१०
४	र ३५ ४७	वि	४९	८	वि	३७	३५	व	४ ३४	३६ ५ ५५	७	२	२९	वृ.३३।११	भ.३४उ.३५या.बुधास्त:पश्चिमे१९
५	चं ३७ ४	अ	५१	५०	प्री	३६	१४	ब	६ २६	३२ ६ ५४	८	३	३०	वृश्चिके	[÷रात्रारंभ:मातामहश्रा.
६	मं ३७ ३	ज्ये	५३	२६	आ	३४	०	कौ	७ ३	२८ ६ ५४	९	४	१	ध.५३।२६	वक्रीहस्तेबुध:२७अक्टूबर१०ता.३१
७	बु ३५ ४७	मू	५३	३५	सौ	३०	३५	ग	६ २५	२३ ७ ५३	१०	५	२	धनुषि	भ.३५।४७उ.
८	गु ३३ ८	पू	५२	२४	शो	२६	११	वि	४ २७	१९ ८ ५२	११	६	३	धनुषि	भ.२४या.पुष्येभौम;३५अस्तंशने.१३९
९	शु २९ २	उ	४९	४३	अ	२०	२८	बा	१ ५	१५ ९ ५१	१२	७	४	म.६।४४	
१०	श २३ ४०	श्र	४५	४३	सु	१३	३५	ग	२३ ४०	११ १० ५०	१३	८	५	मकरे	भ.५०।१५उ.उफा.शुक्र:३६।१३
११	र १६ ४९	ध	४०	३४	धृ	४५	५१ ५०	वि	१६ ४९	७ ११ ४९	१४	९	६	कुं.१३।३८	भ.१६।४९या.पापांकुशा११व्र.
१२	चं ८ ५१	श	३४	२२	गं	४७	१६	बा	८ ५१	३ ११ ४९	१५	१०	७	कुंभे	प्रदोषः
१३	मं ० १४	पू	२७	२४	बृ	३७	२	तै	० १४	२९ १२ ४८	१६	११	८	मी१४।८	भ.५९उ.कन्यायांशुक्र:१८।३६
१४	मं ५० ४२	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	० ०	[=कोजागरीव्र.
१५	बु ४१ ५९	उ	२०	११	ध्रु	२६	३४	वि	१६ २७	५५ १३ ४७	१७	१२	९	मीने	भ.२७या.शरद्पूर्णिमाका.स्ना. प्रा. =

२५पं.आ.शु.३श.इ. ५९/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	६	४	६	०	५
११	०	२५	९	१८	०	१३	११
४६	१०	३१	५९	२६	२९	१३	७
५२	३४	२६	१७	२०	२०	१३	२
५८	३६	५५/५९	१२	७३	७	३	५९
५३	५५	व	५५	५०	५	११	०

गोचर ग्रहाः

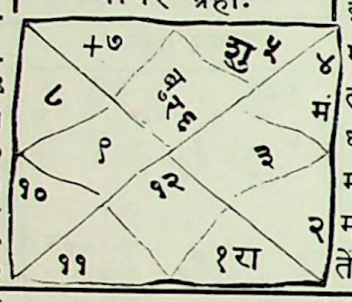

इस मास में कृष्णपक्ष में धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा आदि धान्य गेहूं जो चना मटर वस्त्र वारदाना मंदा होकर सुदि में तेज हो।

गोचर ग्रहाः

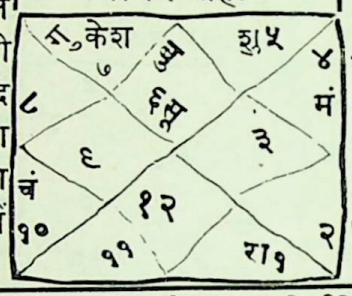

२६पं.आ.शु १०श.इ. ५९/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	६	४	६	०	५
१८	४	१७	११	२७	१	१२	१८
४०	६	६	२५	४	१९	५०	०
५	५४	५८	५५	४८	१	५७	५०
५९	३५	५८/व	१३	७३	७	३	५९
९	४८		१४	५४	१४	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽआश्विनकृष्णेति महा.
१	गु ३३ २८	रे	१३	२६	ध्या	१६	३५	बा	७ ४३	२८ ६ ५	१८	१३	१०	मे.१३।२६	चि त्रा.रवि:३९।४५
२	शु २६ १२	अ	७	२०	ह	७ ४	५१ ३४	ग	२६ १२	४७ १५ ४५	१९	१४	११	मेषे	भ.५३उ.चित्रा.रवि:सौर:१९।२
३	श २० ३१	भ	३९	२५/१६	सि	५१	३१	वि	२० ३१	४३ १५ ४५	२०	१५	१२	वृ.१६।५८	भ.३०या.बुधोदय:पूर्वस्यां१०करक४व्र.
४	र १६ ४१	रो	५९	०	व्य	४६	८	बा	१६ ४१	३९ १६ ४४	२१	१६	१३	वृषे	
५	चं १५ १४	मृ	६०	०	व	४२	१७	तै	१५ १४	३५ १७ ४३	२२	१७	१४	मि२९।४१	मार्गीबुध:२५स्वाती३गुरु:४९।३१
६	मं १५ ४३	मृ	०	२२	प	४०	५	व	१५ ४३	३१ १८ ४२	२३	१८	१५	मिथुने	भ.१५।४३उ.४७।३या.
७	बु १८ २३	आ	३	३५	शि	३९	४६	ब्र	१८ २३	२७ १९ ४१	२४	१९	१६	क.५२।१९	हस्तेशुक्र:२३।१८
८	गु २२ ४४	पु	८	३४	सि	४०	१३	कौ	२२ ४४	२३ १९ ४१	२५	२०	१७	कर्के	तुलायामर्क:२३।३४
९	शु २८ २०	पु	१५	८	सा	४२	०	ग	२८ २०	२० २० ४०	२६	२१	१८	कर्के	तुलार्क:सौर:१।४६
१०	श ३४ २७	श्ले	२२	२१	शु	४४	४	व	१ २३	१६ २१ ३९	२७	२२	१९	सिं२२।२१	भ.१।२३उ.३४।२७या.
११	र ४१ ८	म	३०	५	शु	४६	३५	ब	७ ४७	१२ २२ ३८	२८	२३	२०	सिंहे	रमा११व्र.
१२	चं ४७ २८	पू	३७	३५	ब्र	४८	५९	कौ	१४ १८	८ २२ ३८	२९	२४	२१	कं.५४।२२	[+गुरो:१६।४८प्रदोष:धन१३
१३	मं ५३ १५	उ	४४	४४	ऐं	५०	५६	ग	२० २१	४ २३ ३७	३०	२५	२२	कन्यायां	भ.५३उ.चित्रा.४शनि:३६अस्तं +
१४	बु ५८ १	ह	५१	१७	वै	५२	२२	चि	२५ ३८	० २४ ३६	१	२६	२३	कन्यायां	भ.३५या.भा.कार्तिकारंभ:रुप१४
३०	गु ६० ०	चि	५६	३१	वि	५२	५८	च	२९ ५२	२७/५६ २५ ३५	२	२७	२४	तु.२३।५४	स्वात्यांरवि:३७सौर:४२महालक्ष्मीपूज.
३०	शु १ ४३	स्वा	६०	०	प्री	५२	३६	ना	१ ४३	५३ २५ ३५	३	२८	२५	तुलायां	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा

२७पं.का.कृ.३श.इ. ५९/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	६	५	६	०	५
२५	७	१२	१२	५	२	१२	२४
३४	५५	१	५४	४४	१०	२८	५६
५९	५	७	४३	४२	५	४२	३१
५९	३४	१५/५०	१३	७३	७	३	५९
२१	५३	व	२३	५७	२०	११	३१

गोचर ग्रहाः

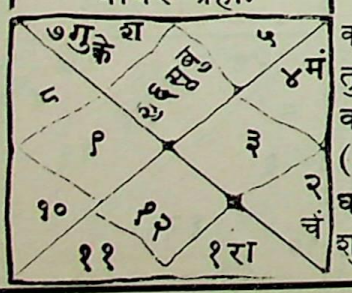

कार्तिक कृष्णे ८गुरौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

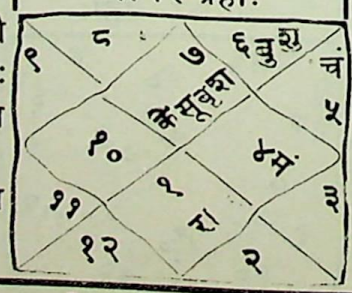

२८पं.का.कृ.१०श.इ. ५९/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	६	५	६	०	६
२	११	१४	१४	१४	३	१२	१
३१	३३	१५	२४	२७	०	६	५३
२३	२२	५८	४०	४३	२५	२६	५४
५९	३३	५८/व	३	७४	७	३	५९
२४	४२	म	३२	८	२०	११	४६

+केशचंगु

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. कार्तिक **शुक्लपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३** | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४२२१स.२०४१

१	श	४	१८	स्वा	०	५०	आ	५१	२९	ब	४	१८	२७/४९	६/२६	५/३४	४	२९	२६	वृ.४८।१२
२	र	५	४८	वि	३	५९	सौ	४९	३१	कौ	५	४८	४५	२७	३३	५	३०	२७	वृश्चिके
३	चं	६	१३	अ	६	१	शो	४६	३३	ग	६	१३	४१	२८	३२	६	१	२८	वृश्चिके
४	मं	५	४१	ज्ये	७	१३	अ	४२	५८	वि	५	४१	३७	२९	३१	७	२	२९	ध.७।१३
५	बु	४	७	मू	७	२०	सु	३८	४२	बा	४	७	३४	२९	३१	८	३	३०	धनुषि
६	गु	१	३८	पू	६	३१	धृ	३३	३२	तै	१	३८	३०	३०	३०	९	४	३१	म.२१।९
७	गु	५६	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
८	शु	५४	६	उ	५	१	शू	२७	४१	वि	२६	११	२७	३१	२९	१०	५	१	मकरे
९	श	४९	५	श्र	३/४	५/१९	गं	२१	१४	बा	२१	३५	२३	३१	२९	११	६	२	कुं.३०।५४
१०	र	४३	१०	श	५५	३	बृ	१४	२	तै	१६	७	१९	३२	२८	१२	७	३	कुंभे
११	चं	३६	३९	पू	५०	५	ध्रु	६/४	५१/२८	व	९	५४	१६	३३	२७	१३	८	४	मी३६।१९
१२	मं	२९	१६	उ	४४	४३	ह	४८	३२	ब	२	५७	१२	३४	२६	१४	९	५	मीने
१३	बु	२१	५३	रे	३९	५	व	३९	३४	तै	२१	५३	९	३४	२६	१५	१०	६	मे.३९।५
१४	गु	१४	२५	अ	३३	४६	सि	३०	४१	व	१४	२५	५	३५	२५	१६	११	७	मेषे
१५	शु	७	५०	भ	२९	६	व्य	३२	२०	ब	७	५०	२	३६	२४	१७	१२	८	वृ.४३।१४

[-चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२
चित्रा.बुधः१४।७चित्रा.शुक्रः२।३७-
भ.३५।५७उ.जिल्काद११
भ.५।४१या.स्वाती.४गुरुः५९।१६
आश्लेभौमः८।१६
भ.५८।१६उ.तुलायांबुधः२९।३८
[=नवम्बर११ता.३०गोपाष्टमी
भ.२६।११या.तुलायां.शुक्रः२०।३४=
बुधास्तःपूर्वस्यां१०।४२अक्षय९
[×प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
भ.५/४८उ.३/६या.स्वात्यांबुधः३/५×
प्रदोषः; [+उदयंशनैः३/६वैकुंठ१४
विशा.रविः२६।७स्वात्यांशुक्रः३९।१२+
भ.१/५४उ.४/७या.विशा.रविःसौरः०।१३
मन्वादिः का.स्ना.पू.

२९पं.का.शु.१श.इ. ५५/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	६	५	६	०	६
९	१५	२२	१५	२३	३	११	८
२९	०	५३	५८	११	५१	४४	५३
३८	५०	६	१९	३५	४३	११	१४
५९	३२	८८	१३	७४	७	३	६०
४७	२६	१०	३८	१४	२०	११	२

गोचर ग्रहाः

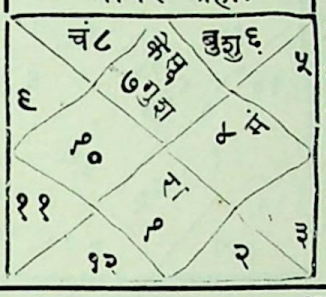

इसमासमें धान्य गेहूं जौ चना बाजरा मूंग मोठ सरसों अलसी मटर धातु सोना चांदी लोहा आदि तेज हो।

गोचर ग्रहाः

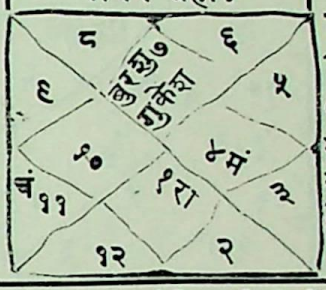

३०पं.का.शु.९श.इ. ५५/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	६	६	६	०	६
१६	१८	३	१७	१	४	११	१५
२९	१६	५७	२८	५७	४२	२१	५४
२०	१	२५	२६	४७	२५	५५	१८
६०	३०	९७	१३	७४	७	३	६०
४५	३४	३८	२०	१४	११	१८	

ति. मार्गशीर्ष **कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३** | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.

१	श	२	८	कृ	२५	३७	व	१४	४३	कौ	२	८	५६/५८	३/३६	२/२४	१८	१३	९	वृषे
२	श	५५	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
३	र	५५	४३	रो	२३	३५	प	८	२०	व	२६	५३	५५	३७	२३	१९	१४	१०	मि५३।३७
४	चं	५५	१६	मृ	२३	४०	शि	३/८	२९/५६	ब	२५	२९	५२	३८	२२	२०	१५	११	मिथुने
५	मं	५७	६	आ	२५	३२	सा	५८	१७	कौ	२६	११	४९	३८	२२	२१	१६	१२	मिथुने
६	बु	६०	०	पु	२९	३१	शु	५७	४०	ग	२८	५३	४५	३९	२१	२२	१७	१३	क.१३।३२
७	गु	०	४१	पु	३४	४९	शु	५८	३७	व	०	४१	४२	४०	२०	२३	१८	१४	कर्के
८	शु	५	४४	श्ले	४१	३५	ब्र	६०	०	ब	५	४४	३९	४०	२०	२४	१९	१५	सि४१।३५
९	श	११	४५	म	४९	५६	ब्र	०	१५	कौ	११	४५	३६	४१	१९	२५	२०	१६	सिंहे
१०	र	१८	२२	पू	५६	२८	ऐं	२	२५	ग	१८	२२	३३	४१	१९	२६	२१	१७	सिंहे
११	चं	२४	४३	उ	६०	०	वै	४	४०	वि	२४	४३	३०	४२	१८	२७	२२	१८	क.१३।२०
११	मं	३०	३१	उ	३	५६	वि	६	५४	बा	३०	३१	२७	४३	१७	२८	२३	१९	कन्यायां
१२	बु	३५	२२	ह	१०	३३	प्री	८	२३	कौ	२	५६	२५	४३	१७	२९	२४	२०	तु.४३।११
१३	गु	३८	४९	चि	१५	५०	आ	९	०	ग	७	५	२२	४४	१६	३०	२५	२१	तुलायां
१४	शु	४०	४६	स्वा	१९	५०	सौ	८	२२	वि	९	४७	१९	४४	१६	१	२६	२२	तुलायां
३०	श	४१	१९	वि	२२	२६	शो	६	५०	च	११	२	१७	४५	१५	२	२७	२३	वृ.६।४७

[÷४१।४० उत्पत्ति११व्र.
भ.२६।५३उ.५५।४३या.
चतुर्थी व्र.
विशा.बुधः४०।४५
भ.०।४१उ.३३।१३या.विशा.१ गुरुः३/३२
बृश्चिकेऽर्कः२२।२१(सौरः५४।३०)
भः३/५२उ.विशा.शुक्रः१/८उदयंगुरोः१/४९
भ.२४।४३या.वृश्चिकेबुधः५२।५९
अनु.रविः४०।३१स्वाती.१शनिः÷
अनु.रविःसौरः११।१८
भ.३८।४९उ.अनु.बुधः१०।५० प्रदोषः
भ.९।४७या.भा.मार्गशीर्षारंभः

३१पं.मा.कृ.१श.इ. ५५/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	६	६	६	०	६
२३	२१	१५	१९	१०	५	१०	२२
३०	२०	२५	०	४३	३२	५९	५६
४०	१०	२३	५०	२६	१०	३९	४९
६०	२९	९९	१३	७४	७	३	६०
१७	६	४०	३८	२६	८	११	३०

३२पं.मा.कृ.८श.इ. ५५/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	६	६	६	६	०	७
०	२४	२६	२०	१९	६	१०	०
३३	६	४५	३२	३०	२०	३७	०
२२	५४	०	३८	३६	४६	२४	५३
६०	२७	०/०	१३	७४	६	३	६०
३०	१	१३	३२	२६	५६	११	४०

३३पं.मा.कृ.३०श.इ. ५५/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	६	६	६	०	७
७	२६	७	२२	२८	७	१०	७
३७	३५	५३	३	१८	८	१५	६
१६	१०	२८	४०	५०	१७	८	२६
६०	२४	९९	१३	७४	६	३	६०
४२	२४	५३	२६	२६	५६	११	५३

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२५०स.२०४१

१	र	४०	२८	अ	२३	४०	अ	४	८	किं	१०	५३	२६	६	५	३	२८	२४	वृश्चिके	
२	चं	३८	३७	ज्ये	२३	३९	सु	०	५५	बा	९	३२	१२	४६	१४	४	२९	२५	ध.२३।३९	बृश्चिकेशुक्रः १६।३३चन्द्रदर्शनम्
३	मं	३५	४१	मू	२२	५०	शु	५०	३३	तै	७	११	९	४६	१४	५	१	२६	धनुषि	जिल्हेज १२
४	बु	३२	१७	पू	२१	५	गं	४४	३१	व	४	१	७	४७	१३	६	२	२७	म.३५।३३	भ.४।१उ.३२।१७या.अनु.शुक्रः५२।३
५	गु	२८	१३	उ	१८	५९	वृ	३८	२३	ब	०	१५	५	४७	१३	७	३	२८	मकरे	अश्वि ३ राहुस्वाती १केतु ३ पातस्पर्शः ५५
६	शु	२३	५३	श्र	१६	१७	ध्रु	३१	५३	तै	२३	५३	२	४८	१२	८	४	२९	कुं.४४।५२	ज्येष्ठाबुधः ३ विशा.२गुरुः ५४–
७	श	१९	१७	ध	१३	२८	व्या	२४	५९	व	१९	१७	०	४८	१२	९	५	३०	कुम्भे	भ.१९।१७उ.४६।४६या.
८	र	१४	१६	श	१०	१५	ह	१७	५८	ब	१४	१६	२५	४८	१२	१०	६	१	मी५२।३७	दिसम्बर १२ता.३१ [–पातमोक्षः ९ ०
९	चं	९	१२	पू	६	४४	व	१०	४०	कौ	९	१२	५६	४९	११	११	७	२	मीने	ज्येष्ठारविः५०।४२
१०	मं	३	३९	उ	३ ५५	५६ १२	सि	३ १९	५२ २६	ग	३	३९	५४	४९	११	१२	८	३	मे.५९।१३	भ. ३९ उ. ५६ या.ज्येष्ठारविः सौरः १९ =
११	मं	५४	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=मोक्षदा ११व्र.स्मा.गीताजयंती
१२	बु	५२	४३	अ	५५	३१	व	४८	१०	ब	२५	२८	५३	४९	११	१३	९	४	मेषे	मोक्षदा ११व्र.वै.
१३	गु	४७	४४	भ	५२	१७	प	४०	५९	कौ	२०	१३	५१	५०	१०	१४	१०	५	मेषे	प्रदोषः [×दत्तजयंती
१४	शु	४३	१७	कृ	४९	३५	शि	३४	१५	ग	१५	३१	४९	५०	१०	१५	११	६	वृ.६।३६	भ.४३।१७उ.मघा.सिंहे भीमः ३०।५८
१५	श	३९	५५	रो	४७	५१	सि	२८	१५	वि	११	३६	४८	५०	१०	१६	१२	७	वृषे	भ.११।३६या.मूलेधनुषिबुधः ५९।४५×

३४पं.मा.शु.७श.इ. ५४ ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	६	७	६	०	७
१४	२८	१८	२३	७	७	९	१४
४२	४१	५४	३३	७	५३	५२	१३
२९	४९	२५	२९	१	२४	५३	१२
६०	२१	९९	१३	७४	६	३	६१
५०	२१	२	२०	३२	२५	११	३

गोचर ग्रहाः

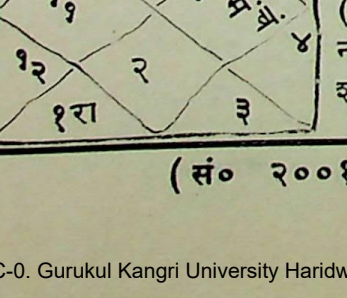

मार्गशीर्षकृष्णे ८शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

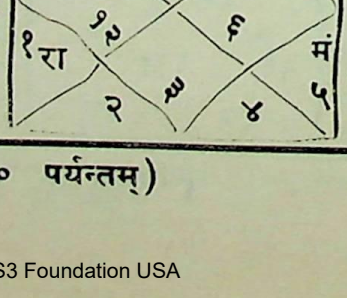

३५पं.मा.शु.१५श.इ. ५३ ५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	६	७	६	०	७
२१	०	२९	२५	१२	८	९	२१
४८	२४	५१	१	५५	३६	३०	२०
३२	४७	४३	३४	१२	०	३७	५२
६०	१७	९६	१२	७४	६	३	६१
५६	४६	३४	५९	३२	२	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३	दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महा.

१	र	३७	५८	मृ	४७	४३	सा	२३	११	बा	८	५७	२५	६	५	५	१७	१३	८	मि१७।४७	ज्यष्ठाशुक्र. ३०।४०
२	चं	३७	२८	आ	४८	५३	शु	१९	२२	तै	७	४३	४५	५१		६	१८	१४	६	मिथुने	
३	मं	३८	५६	पु	५१	५५	शु	१६	५७	व	८	१२	४४	५१		६	१९	१५	१०	क.३६।१०	भ ८।१२उ. ३ ५ ६ या.शुक्रास्तः पूर्वस्यां ३ ४ ८
४	बु	४२	५	पु	५६	२५	ब्र	१५	४८	ब	१०	३०	४३	५१		६	२०	१६	११	कर्के	चतुर्थींव्र.
५	गु	४६	४०	श्ले	६०	०	ऐं	१५	३४	कौ	१४	२२	४२	५२		८	२१	१७	१२	कर्के	[+बुधोदयःपश्चिमायां ४५।६
६	शु	५२	१९	श्ले	२	३८	वै	१६	५०	ग	१९	२९	४१	५२		८	२२	१८	१३	सिं२।३८	भ.५२।१९उ.
७	श	५८	५१	म	९	३६	वि	१८	३१	वि	२५	३५	४०	५२		८	२३	१९	१४	सिंहे	भ.२५।३५या.
८	र	६०	०	पू	१७	९	ग्री	२०	४४	बा	३२	५	३९	५२		८	२४	२०	१५	कं.३४।०	मूलेधनुष्यर्कः ५ ७ विशा.३गुरुः ५५।३१
८	चं	५	१९	उ	२४	३४	आ	२२	५३	कौ	५	१९	३९	५२		८	२५	२१	१६	कन्यायां	मूलेधनुष्यर्कःसौरः २ ३ पूषा.बुधः २ ७ +
९	मं	११	१८	ह	३१	३८	सौ	२४	४९	ग	११	१८	३८	५२		८	२६	२२	१७	कन्यायां	भ.४३।५०उ.
१०	बु	१६	२३	चि	३७	२८	शो	२५	४९	वि	१६	२३	३८	५२		८	२७	२३	१८	तु.४।३३	भ.१६।२३या.
११	गु	२०	०	स्वा	४१	५५	अ	२५	४३	बा	२०	०	३७	५३		७	२८	२४	१९	तुलायां	मूलेधनुषिशुक्रः ३।३९सफला ११व्र.
१२	शु	२२	५	वि	४४	४१	सु	२४	१४	तै	२२	५	३७	५३		७	२९	२५	२०	वृ.२९।०	प्रदोषः
१३	श	२२	१७	अ	४५	४६	धृ	२१	३३	व	२२	१७	३६	५३		७	३०	२६	२१	वृश्चिके	भ.२२।१७उ.५१।२८या.
१४	र	२०	३९	ज्ये	४५	१३	शू	१७	२३	श	२०	३९	३६	५३		७	१	२७	२२	ध.४५।१३	भा.पौषारंभः
३०	चं	१७	४४	मू	४३	८	गं	१२	५	ना	१७	४४	३६	५३		७	२	२८	२३	धनुषि	स्वाती.२शनिः७।७

३६पं.पौ.कृ.७श.इ. ५४ २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	६	७	६	०	७
२८	१	१०	२६	२४	९	९	२८
५५	४०	५१	२७	४४	१६	८	२९
२६	३७	३२	१४	६	३४	२१	३५
६१	१३	९५	१२	७४	५	३	६१
०	९	३८	३२	३२	३८	११	१९

गोचर ग्रहाः

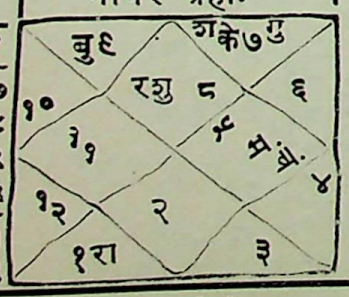

पीष कृष्णे ८ रवौ धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा.२न.३गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

३७पं.पौ.कृ.१३श.इ. ५ ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	६	८	६	०	८
६	२	२१	२७	३	९	८	५
३	२०	३६	५०	३२	५३	४६	३९
०	२४	३६	२४	१३	४६	६	०
६१	८	९१	१२	७४	५	३	६१
४	४	१९	१४	३८	८	११	२२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. | पौष शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३ | दिं. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४२८०स.२०४१

१	मं	१३	१७	पू	४०	१२	बृ	५३ ८	५९	ब	१३	१७	२५ ३६	६३	५	३	२९	२४	म.५४।१५	
२	बु	८	११	उ	३६	२५	व्या	५१	४	कौ	८	११	३७	५३	७	४	३०	२५	मकरे	उषा.बुधः १३।४३चन्द्रदर्शनम्
३	गु	२	१८	श्र	३२	२३	ह	४३	१	ग	२	१८	३७	५३	७	५	१	२६	मकरे	भ.२९ ३२ उ.५६ ४६ या.मोहोरम १सन् १४६४हि.
४	गु	५४	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	शु	५०	५९	ध	२८	१८	व	३५	१२	ब	२३	५२	३७	५३	७	६	२	२७	कुं.०।२१	मकरेबुधः ३४।१८
६	श	४५	२०	श	२४	२२	सि	२७	४२	कौ	१८	१०	३८	५२	८	७	३	२८	कुंभे	
७	र	४०	१८	पू	२०	३३	व्य	२०	११	ग	१२	४९	३८	५२	८	८	४	२९	मी६।३०	भ.४९ ५८ उ.पूषा.रविः ३० (सौरः २४ ४०) –
८	चं	३५	१४	उ	१७	१३	व	१२	५९	वि	७	४६	३९	५२	८	९	५	३०	मीने	भ.७।४६या.वक्रीभौमः १६।३७
९	मं	३०	५५	रे	१४	१४	प	६३ ५३	३४	बा	३	४	४०	५२	८	१०	६	३१	मे.१४।१४	[–पूषा.शुक्रः ४१।३२
१०	बु	२६	५३	अ	११	४९	सि	५३	३२	ग	२६	५३	४१	५२	८	११	७	१	मेषे	भ.५५ ५७ उ.जनवरी १ता.३१सन् २०४२
११	गु	२३	३१	भ	९	५८	सा	४७	५८	वि	२३	३१	४२	५२	८	१२	८	२	वृ.२४।४०	भ.३३ ३५ या.विशा.४वृश्चिकेगुरुः २५ =
१२	शु	२०	४२	कृ	८	४७	शु	४३	६	बा	२०	४२	४३	५१	९	१३	९	३	वृषे	प्रदोषः [=पुत्रदा ११व्र.
१३	श	१८	४६	रो	८	५	शु	३८	४६	तै	१८	४६	४४	५१	९	१४	१०	४	मि३८।२३	
१४	र	१८	५	मृ	८	४१	ब्र	३५	२८	व	१८	५	४५	५१	९	१५	११	५	मिथुने	भ.१९ ५५ उ.४९ ५३ या.श्रवणेबुधः २०।२५
१५	चं	१८	२०	आ	१०	१७	ऐं	३३	७	ब	१८	२०	४७	५१	९	१६	१२	६	क.५७।३६	मा.स्ना.प्रा.

३८पं.पौ.शु.६श.इ. ५४ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	६	८	६	०	८
१३	२	१	२९	१२	१०	८	१२
१०	२७	४६	१०	२१	२७	२३	४८
५९	४७	४४	२६	०	४	५०	५२
६१	१	८०	११	७४	४	३	६१
६	२९	१६	४३	३८	४५	११	२६

गोचर ग्रहाः

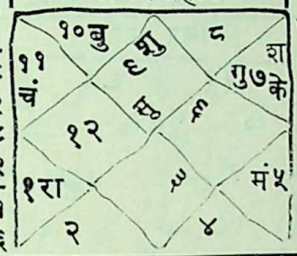

इस मासमें कृष्णपक्ष की तिथि वृद्धि व शुक्लपक्ष की तिथि क्षय धान्य बाजरा मूंगमोठ चावलचना गेहूं तेजीकरे धातुमंदे

गोचर ग्रहाः

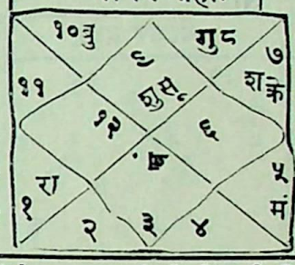

३९पं.पौ.शु.१३श.इ. ५४ ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	७	८	६	०	८
२०	१	९	०	२१	१०	८	१९
१९	५५	३७	२६	८	५६	१	५८
५	५२	२६	५३	१७	३५	३५	४९
६१	६ ४	५१	११	७४	४	३	६१
६	व.	१८	३	३८	१०	११	२६

ति. | माघ कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३ | दि. उ. अ.भा. मु. इं. | चन्द्रः | शिशिरर्तूरविरुत्तरेपौषकृष्णेति महा.

१	मं	२०	१०	पु	१३	२२	वै	३१	५८	कौ	२०	१०	२५ ४८	५०	५ ५०	१७	१३	७	कर्के	[×उषा.शुक्रः १४।५३चतुर्थीव्र.
२	बु	२३	३१	पु	१७	४६	वि	३१	४३	ग	२३	३१	५०	५०	१०	१८	१४	८	कर्के	भ.५५।४४उ.
३	गु	२७	५७	श्ले	२३	२४	प्री	३२	११	वि	२७	५७	५२	५०	१०	१९	१५	९	सिं२३।२४	भ.२७।५७या.वक्रीबुधः ४८।४८×
४	शु	३३	१९	म	२९	५६	आ	३३	५७	ब	०	३८	५३	४९	११	२०	१६	१०	सिंहे	[+मकरेशुक्रः ५५।४०
५	श	३९	४३	पू	३७	१९	सौ	३५	५३	कौ	६	३१	५५	४९	११	२१	१७	११	कं.५४।११	उषा.रविः ८।३१ (सौर २६।७+
६	र	४६	१९	उ	४४	४६	शो	३८	११	ग	१३	१	५७	४९	११	२२	१८	१२	कन्यायां	भ.४९ ५९ उ.बुधास्त.पश्चिमायां ४१।५४
७	चं	५२	४०	ह	५२	२३	अ	४०	२१	वि	१९	२९	५९	४८	१२	२३	१९	१३	कन्यायां	भ.१९।२९या.
८	मं	५८	२०	चि	५९	८	सु	४२	५	बा	२५	३०	३६ ५१	४८	१२	२४	२०	१४	तु.२५।४५	मकरेऽर्कः २४।१० (सौरः ४१।३४)
९	बु	६०	०	स्वा	६०	०	धृ	४२	४४	तै	३०	२४	४	४७	१३	२५	२१	१५	तुलायां	वक्रीउषा.बुधः २६।१०
९	गु	२	२८	स्वा	४	३२	शू	४२	१४	ग	२	२८	६	४७	१३	२६	२२	१६	वृ.५२।२५	भ.३३ ३५ उ.वक्रीकर्केआश्ले.भौमः ४१ १४
१०	शु	५	१३	वि	८	२२	गं	४०	२३	वि	५	१३	८	४६	१४	२७	२३	१७	वृश्चिके	भ.५।१३या.
११	श	५	५४	अ	१०	१२	बृ	३६	४९	बा	५	५४	११	४६	१४	२८	२४	१८	वृश्चिके	षट्तिला ११व्र.
१२	र	४	३२	ज्ये	१०	४	ध्रु	३१	४४	तै	४	३२	१३	४५	१५	२९	२५	१९	ध.१०।४	श्रवणेशुक्रः ५३।५१प्रदोषः
१३	चं	१	२०	मू	८	११	व्या	२५	१७	व	१	२०	१६	४५	१५	३०	२६	२०	धनुषि	भ.१९ २० उ.२९ ४७ या.अभि.प्र.रविः ५८।३६
१४	चं	५४	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२०	मं	४९	५८	पू	४ ४१	५५ ६	ह	१७	३४	च	२३	६	१९	४४	१६	१	२७	२१	म.१८।२७	अभि.प्र.रविः सौरः १२ ५५ भा.माघारंभः

४०पं.मा.कृ.५श.इ. ५३ ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	७	८	६	०	८
२७	०	११	१	२९	११	७	२७
२७	४८	१७	३८	५७	२२	३९	८
७	२२	२	२४	५४	१६	१९	४१
६१	१३ ५६	२१ ४७	१०	७४	३	३	६१
६	व.	व.	२४	३८	३२	११	२४

गोचर ग्रहाः

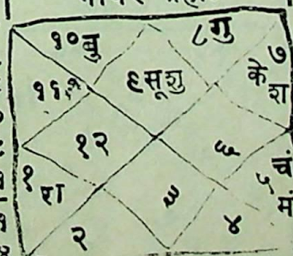

माघ कृष्णे ८ भौमे मकरेऽर्क प्रविष्टःवा. ३ न.३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

४१पं.मा.कृ.११श.इ. ५३ ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	७	९	६	०	९
४	२९	४	२	८	११	७	४
३४	९	५१	४५	४५	४३	१७	१०
५९	४३	५०	५४	३६	१२	३	१८
६१	२३ ४४	९० ४६	९	७४	२	३	६१
५	व	व	३८	३२	४७	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३	दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४३०९स.२०४२
१	बु ४२ ४१	श्र	५४	१६	व	५८	५९	किं	१६ १९
२	गु ३५ ७	ध	४८	१७	व्य	५०	२१	बा	८ ५४
३	शु २७ २२	श	४२	३२	व	४०	५८	तै	१ १५
४	श २० ३	पू	३७	४	प	३१	५४	वि	२० ३
५	र १३ २५	उ	३२	३५	शि	२३	४३	बा	१३ २५
६	चं ७ २५	रे	२८	४४	सि	१५	५५	तै	७ २५
७	मं २ ३२	अ	२५	५८	सा	९	६	व	२ ३२
८	मं ५६ ६	०	०	०	०	०	०	०	० ०
९	बु ५५ ५३	भ	२४	१०	शु	४३	५२	बा	२७ १५
१०	गु ५४ १०	कृ	२३	३२	ब्र	५३	४२	तै	२५ १
११	शु ५३ २८	रो	२३	५२	ऐं	५०	२३	व	२३ ४९
१२	श ५४ १	मृ	२५	२३	वै	४७	५६	ब	२३ ४४
१३	र ५५ २८	आ	२८	६	वि	४६	११	कौ	२४ ४५
१४	चं ५८ १०	पु	३१	४२	प्री	४५	४६	ग	२६ ४९
१५	मं ६० ०	पु	३६	२५	आ	४५	३४	वि	३० ४
१५	बु १ ५८	श्ले	४२	९	सौ	४६	२३	ब	१ ५८

२९	६	४४	५	१६	२	२८	२२	मकरे	वक्रीघनुषिबुधः ६/५२ अनु.१गुरुः ४५/३८
२४	४३	१७			३	२९	२३	कुं.२५।१७	चन्द्रदर्शनम् [–सफर२
२७	४३	१७			४	१	२४	कुम्भे	भ.५३/४३ उ.श्रवणेरविः १३/१९ (सौरः २९/१९)–
२९	४२	१८			५	२	२५	मी२३।२६	भ.२०/३ या.अभि.नि.रविः ५/२८ (सौरः २०/८)=
३२	४२	१८			६	३	२६	मीने	वक्रीपूषा.बुधः ३०/८ शुक्रोदयःपश्चि. ४१/२४×
३५	४१	१९			७	४	२७	मे.२८।४४	[=पूर्वोदयीबुधः २/४९ [×वसंत५
३८	४०	२०			८	५	२८	मेषे	भ.३/२ उ.३/५० या.पातस्पर्शः ५/६२ भानु७+
०	०	०			०	०	०	० ०	[+रथ७ भीष्माष्टमी
४१	४०	२०			९	६	२९	वृ.३९।१	पातमोक्षः ९।३ [÷केतुः ३/३४
४५	३९	२१			१०	७	३०	वृषे	धनि.शुक्रः २९/२ अश्वि.२राहुःचित्रा.४÷
४८	३८	२२			११	८	३१	मि५४।३७	भ.२९/४३ उ.५/२८ या.मार्गीबुधः ३/५७ जया११ब्र.
५१	३८	२२			१२	९	१	मिथुने	फरवरी२ता.२८
५४	३७	२३			१३	१०	२	मिथुने	प्रदोषः
५८	३६	२४			१४	११	३	क.१५।३६	भ.५८।१०उ.
२७/५	३६	२४			१५	१२	४	कर्के	भ.३०/४ या.कुंभेशुक्रः ५/२९ मा.स्ना.पू.
५	३५	२५			१६	१३	५	सिं४२।९	उषा.बुधः२३।४१

४२पं.मा.शु.४श.इ. ५४/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	७	९	६	०	९
११	२७	२७	३	१७	११	६	११
४२	६	९	४७	३३	५९	५४	२७
२९	५८	१४	६	३२	६	४८	१
६०	२९/३०	४८/३	८	७४	२	३	६१
५९	व	व	४७	३२	५	११	१३

गोचर ग्रहाः

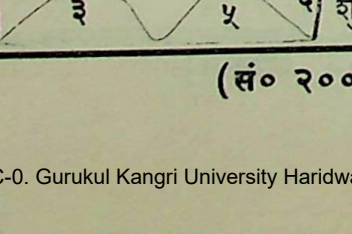

इस मास में धान्य गल्ला रसकस गुड शक्कर चीनी नमक गन्ना कपास वस्त्र रुई वारदाना तेजहो धातु सोनाचांदी मंदा

गोचर ग्रहाः

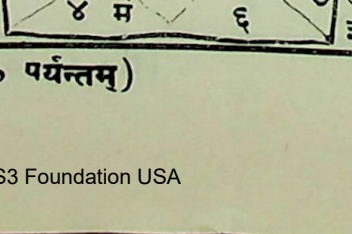

४३पं.मा.श.१२श.इ. ५४/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	७	९	६	०	९
१८	२४	२६	४	२६	१२	६	१८
४९	५२	०	४२	२०	१०	३२	३७
१	८	२५	२५	५६	४४	३२	९
६०	३४/३८	११/२०	७	७४	१	३	६१
५५	व	मा	४८	३२	२४	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	गु ६ ४९	म	४८	४०	शो	४७	५२	कौ	६ ४९
२	शु १२ २१	पू	५५	५०	अ	४९	४४	ग	१२ २१
३	श १८ ३८	उ	६०	०	सु	५२	५	वि	१८ ३८
४	र २५ ९	उ	३	२६	धृ	५४	२६	बा	२५ ९
५	चं ३१ ३२	ह	११	७	शू	५६	२४	तै	३१ ३२
६	मं ३७ ३४	चि	१८	१७	गं	५७	४९	ग	४ ३३
७	बु ४२ ३०	स्वा	२४	४०	बृ	५८	२२	वि	१० २
८	गु ४५ ५९	वि	२९	५२	ध्रु	५७	५१	बा	१४ १५
९	शु ४७ ४३	अ	३३	१२	व्या	५५	३९	तै	१६ ५१
१०	श ४७ २४	ज्ये	३४	३४	ह	५२	०	व	१७ ३४
११	र ४५ २	मू	३३	५८	व	४६	३४	ब	१६ १३
१२	चं ४० ३८	पू	३१	३१	सि	३९	३१	कौ	१२ ५०
१३	मं ३४ २५	उ	२६	५७	व्य	३१	६	ग	७ ३१
१४	बु २६ ४५	श्र	२१	११	व	२१	३६	वि	० ३५
३०	गु १८ १५	ध	१४	१६	प	११	३१	ना	१८ १५

२८	३/४	२६	१७	१४	६	सिंहे	धनि.रविः २१।३१ (सौरः ३४।४१)
१२	३४	२६	१८	१५	७	सिंहे	भ.४५।३०उ.मकरेबुधः ३५।२२
१५	३३	२७	१९	१६	८	कं.१२।४४	भ.१८।३८या.चतुर्थी व्र.
१९	३२	२८	२०	१७	९	कन्यायां	[Hपातमोक्षः ४७।१
२३	३१	२९	२१	१८	१०	तु.४४।४२	शतेशुक्रः ८।५२
२७	३१	२९	२२	१९	११	तुलायां	भ.३७।३४उ.पातस्पर्शः ३४।५०H
३०	३०	३०	२३	२०	१२	तुलायां	भ.१०।२या.कुंभेऽर्क ५६।४७
३४	२९	३१	२४	२१	१३	बृ.१३।३४	कुंभेऽर्कःसौरः ८।३९
३८	२८	३२	२५	२२	१४	वृश्चिके	वक्रीशनिः ३५।१७
४१	२८	३२	२६	२३	१५	धनु.३४।३४	भ.१७।३४उ.४७।२४या.
४५	२७	३३	२७	२४	१६	धनुषि	विजया११व्र. [Dमहाशिवरात्रीव्र.वै.
४९	२६	३४	२८	२५	१७	म.४५।२२	[Aमहाशिवरात्री व्र.स्मा.प्रदोषः
५३	२५	३५	२९	२६	१८	मकरे	भ.३४।२५उ.श्रवणेबुधः २२।२१A
५६	२५	३५	३०	२७	१९	कुं.४७।४४	भ.०।३५या.शतेरविः ३/३० (सौरः ४४/१९) D
२८/०	२४	३६	१	२८	२०	कुंभे	पूभा.शुक्रः ४७।३भा.फाल्गुनारंभः

४४पं.फा.कृ.३श.इ. ५४/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	७	१०	६	०	९
२५	२२	०	५	५	१२	६	२५
५४	३२	१३	३०	७	१७	१०	४१
५०	४२	५५	१४	३०	२	१७	५६
६०	३५/४७	४४	६	७४	०	३	६०
४७	व	५९	३९	२६	४३	११	५५

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन कृष्णे ७बुधे कुंभेऽर्कःप्रविष्टःवा.२ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्या-दिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४५पं.फा.कृ.१०श.इ. ५४/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	१०	६	०	१०
२	२०	७	६	१३	१२	५	२
५९	२१	१८	११	५२	१८	४८	४७
४२	२५	१८	३५	१६	२५	१	५९
६०	३१	६५	५	७४	९०/०	३	६०
३७	५९	३८	४१	२६	व.	११	४२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चंद्रः | वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४३३९स.२०४२

१	शु	८	५५	श	६ ५८	५२ ४६	शि	५ १	४९ २३	व	८	५५	२८ ४	६ ३३	५ ३७	२	२९	२१	मी ४६।३३	अनु.२गुरुः ४ २	१ ४ चन्द्रदर्शनम्फुलरिया२
२	शु	५०	४९		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	श	५१	११	उ	५३	८	सा	३९	२०	तै	२५	२७	८	२२	३८	३	१	२२	मीने	रविलावल३	
४	र	४३	१४	रे	४७	५	शु	३०	४०	व	१७	१२	१२	२२	३८	४	२	२३	मे.४७।५	भ. १ ७ उ. ४ ३	या.पातस्पर्शः ४ ५ –
५	चं	३६	४१	अ	४२	३५	शु	२२	२२	व	९	५७	१६	२१	३९	५	३	२४	मेषे		[–पातमोक्षः ५ ५
६	मं	३१	२५	भ	३९	३५	ब्र	१५	४	कौ	४	३	२०	२०	४०	६	४	२५	वृ.५४।१३		
७	बु	२७	४९	कृ	३८	८	ऐं	९	४	व	२७	४९	२४	१९	४१	७	५	२६	वृषे	भ. २ ७ उ. ५ ६	या.
८	गु	२५	४३	रो	३८	१४	वै	४	२०	ब	२५	४३	२८	१८	४२	८	६	२७	वृषे	होलाष्टकम्	
९	शु	२५	१७	मृ	३९	४७	वि	० ४९	५५ ५७	कौ	२५	१७	३२	१८	४२	९	७	२८	मि९।०	धनि.बुधः ९ ४	मीनेशुक्रः ४ ५
१०	श	२६	२०	आ	४२	५६	आ	५७	३१	ग	२६	२०	३६	१७	४३	१०	८	१	मिथुने	भ. ५ ७ उ.वक्रीपुष्येभौमः ४ ५	मार्च ३ता.३१
११	र	२८	३८	पु	४७	५	सौ	५७	३३	वि	२८	३८	४०	१६	४४	११	९	२	क.३१।३	भ. २ ६	या.आमलकी ११व्र.
१२	चं	३२	१०	पु	५२	१७	शो	५८	४९	व	०	२४	४४	१५	४५	१२	१०	३	कर्के	उभा.शुक्रः ३ ४	[=प्रदोषः
१३	मं	३६	४०	श्ले	५८	२०	अ	५९	२	कौ	४	२५	४८	१४	४६	१३	११	४	सिं५८।२०	पूभा.रविः ४ ५	(सौरः ७ ८) कुंभेबुधः ३ ३ =
१४	बु	४२	०	म	६०	०	सु	६०	०	ग	९	२०	५२	१४	४६	१४	१२	५	सिंहे	भ. ४ ० उ.	
१५	गु	४७	४३	म	५	१८	सु	०	४६	वि	१४	५१	५६	१३	४७	१५	१३	६	सिंहे	भ. ५ १	या.होलिकादहनम्

४६पं.फा.शु.३श.इ. ५ ४ / ४ ७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	१०	६	०	१०
१०	१८	१६	६	२२	१२	५	९
३	१५	४	४५	३८	१४	२५	५२
१४	३२	३४	२९	२८	२०	४५	३२
६०	२६	८०	४	७४	५३	३	६०
२५	व.	१५	२९	२६	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

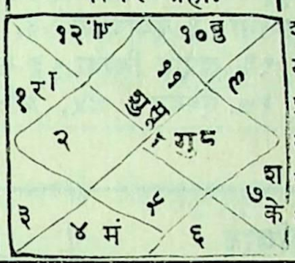

शुक्रस्यपंचवाराः स्युः यत्रमासे निरन्तरम् । प्रजावृद्धिः सुभिक्षं च सुखं तत्र प्रवर्तते ।। इस मास में प्रजा में सुख चैन रहे ।

गोचर ग्रहाः

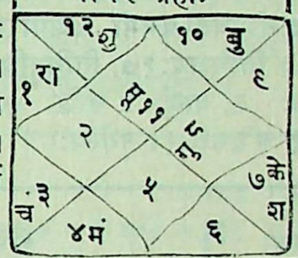

४७पं.फा.शु.१०श.इ. ५ ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	११	६	०	१०
१७	१६	२५	७	१	१२	५	१६
५	३५	५९	१०	२१	५	३	५५
२८	५६	४६	५	५०	१३	३०	२८
६०	१८ / २०	९१	३	७४	१ / ३८	३	६०
१२	वं.	४	१६	२०	वं.	११	२०

ति	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३	दि. उ. अ. भा. मु. इं.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहा.

१	शु	५४	८	पू	१२	२३	धृ	२	४९	बा	२०	५५	२९ १	६ ६	५ ५८	१६	१४	७	कं.२९।१६	वसंत१छारेंडी	
२	श	६०	०	उ	१९	५४	शू	५	३	तै	२७	१६	५	११	४९	१७	१५	८	कन्यायां	शतेबुधः ४ ६ ५	
२	र	०	२४	ह	२७	२२	गं	७	२०	ग	०	२४	९	१०	५०	१८	१६	९	कन्यायां	भ. ३ ३ उ.पातस्पर्शः ४ ५ २	पातमोक्षः १ ५ ४ ६
३	चं	६	४०	चि	३४	४५	बृ	९	३१	वि	६	४०	१३	९	५१	१९	१७	१०	तु.१।४	भ.६।४०या.चतुर्थीव्र.	
४	मं	१२	३१	स्वा	४१	१९	ध्रु	११	१४	बा	१२	३१	१७	९	५१	२०	१८	११	तुलायां		
५	बु	१७	२९	वि	४७	१५	ज्या	१२	२०	तै	१७	२९	२१	८	५२	२१	१९	१२	वृ.३०।४६		[=शुक्रः १४।३६शीतलापूजनम्
६	गु	२१	३४	अ	५१	४३	ह	१२	३३	व	२१	३४	२६	७	५३	२२	२०	१३	वृश्चिके	भ.२१।३४उ.५२।५२या.	
७	शु	२४	९	ज्ये	५४	४३	व	११	४१	ब	२४	९	३०	६	५४	२३	२१	१४	ध.५४।४३	मीनेऽर्कः ४९।५५ (सौरः ५९)	रेवत्यां=
८	श	२४	५९	मू	५६	६	सि	९	३१	कौ	२४	५९	३४	५	५५	२४	२२	१५	धनुषि	बुधास्तः पूर्वस्यां ३।४५	
९	र	२४	३	पू	५६	१६	व्य	५	४७	ग	२४	३	३८	४	५६	२५	२३	१६	धनुषि	भ.५२।३२उ.पूभा.बुधः ३५।११	
१०	चं	२१	१	उ	५३	४१	व	० ३३	५ १४	वि	२१	१	४३	३	५७	२६	२४	१७	म.१०।३७	भ.२१।१या.	
११	मं	१६	१३	श्र	४९	७	शि	४५	३१	बा	१६	१३	४७	३	५७	२७	२५	१८	मकरे	उभा.रविः १०।५९ (सौरः २०।४५)×	
१२	बु	९	३५	ध	४३	१६	सि	३६	७	तै	९	३५	५१	२	५८	२८	२६	१९	कुं.१६।११	प्रदोषः [×पापमोचनी ११व्र.	
१३	गु	१	२७	श	३६	१०	सा	२५	४३	व	१	२७	५५	१	५९	२९	२७	२०	कुंभे	भ.१।२७उ.२६।४९या.	
१४	गु	५०	४४		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
३०	शु	४२	२१	पू	२८	२६	शु	१४	५०	च	१७	१६	३० ०	६ ०	६ ०	३०	२८	२१	मी १५।२२	मन्वादिः	

४८पं.चै.कृ.२श.इ. ५ ५ / २ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	१०	७	११	६	०	१०
२४	१५	६	७	१०	११	४	२३
६	२६	५५	२६	४	५१	४१	५६
१४	१३	१९	३१	५२	२५	१४	५१
५९	१ / १०	०	१	७४	१ / १६	३	६०
५८	वं.	१६	४७	१४	वं.	११	६

गोचर ग्रहाः

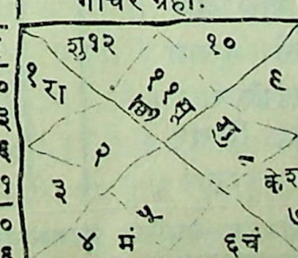

चैत्र कृष्णे ७ शुक्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न.३ कुमार्यवस्था (वैठी) मु १५ धान्या-दिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

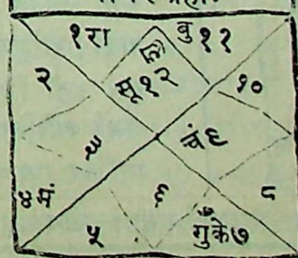

४९पं.चै.कृ.८श.इ. ५ ५ / ४ ४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	७	११	६	०	११
१	१४	१८	७	१८	११	४	०
५	४८	४८	३३	४५	३३	१८	५६
३१	४	१८	४३	१८	७	५९	३३
५९	२ / २०	०	०	७४	५ / ३३	३	५९
४१	वं.	४	३५	८	वं.	११	४९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१४३, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१४३, भोग्यकलिः४२६८५७, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०९९, शाकः १९६४, अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः । मंत्री चंद्रः । सस्येशो बुधः । धान्येशो भौमः । मेघेशो रविः । रसेशः शुक्रः । नीरसेशो बुधः । फलेशो रविः । धनेशो बुधः ।दुर्गेशो रविः ।एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्येब्रम्हविंशतिकायां १०धातानाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः ४।०।२८।४५।० भोग्यमासादिः ७।२९।३१।१५।० बार्हस्पत्यदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम वैशाखः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासःपर्वते। समयनिवासःकुंभकारगृहे । समयविश्वा १२समयवाहनम् महिषः। स्तंभः १ तृणस्य । सोमवत्यमाः३ सोमवती पंचमी ×अंगारकी चतुर्थी ३ भानुसप्तमी १ बुधाष्टमी ३ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३८३ तिथिक्षयः१७, तिथिवृद्धिः१० उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति बिश्वा ९३ वर्षाविश्वा १५ धान्यम् ११ तृणम् ९, शीतम् ५ तेजः ९, वायुः ५ वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः १७, ऐक्यम् ८५, शनिदृष्टि पश्चिमे । सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण १ चंद्रमसः१। सूर्यस्यः।

सं २०९९ वैशा. कृ. ३० रवौ
सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	६	६	७
मि.	३४	५०	१४
घ.	०	०	१
प.	१८	५८	५८

सं. २०९९ फाल्गुन शु.१५ बुधे
खग्रास चन्द्र ग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	६	७	७	८	९
मि.	११	३२	५९	२६	४७
घं.	२९	३२	३३	३४	३८
प.	२०	४२	५०	५८	२०

वर्ष लग्नम् ७।११

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जगदंबा तेरे चरण पूजे सब संसार ।
कैसा रहे निन्यानवे करके कहो विचार ।।

भवानी उत्तर

निबलो समों निनाणवुं करे रंगीला भेष ।
बिन पाणी बादल उडे जनता देश विदेश ।।
शनि राजा इस वर्ष में इनका क्रूर स्वभाव ।
विग्रह बाढै जगत में दुर्जन खेलें दाव ।।
महामारी अरु अग्निभय बढै जगत में चोर ।
रोग उपद्रव देख कर जग में मांचे शोर ।
चढी रोहिणी पर्वतां संवत् बसे कुलाल ।
दूध दही बिन देश का भूखा रहसी बाल ।।
शर्मा ज्योतिष से कहा जैसा किया विचार ।
आखिर सब जाने वही जो है जग करतार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	२

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् २।२०

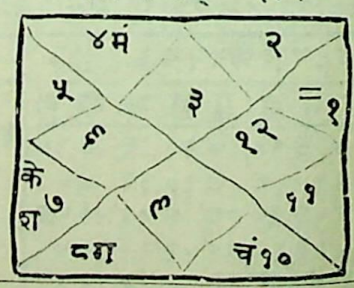

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।२०।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२५।४५

=बुशुरास

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः फलम् ॥ शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः । युद्धं नृपाणां गद तस्कराद्यैः भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री चन्द्रस्तत्फलम ।। शशिनि मंत्रिगते बहु सस्यवत्यपि धरा रमते सुख मंडिता । वियति वारि धरा बहु वर्षिणो जनपदा सुखराशि सुशोभिता ।। सस्येशो बुधः फलं ।। जलधरा जलराशि मुचो भृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणाः स्तुति पाठकरः सदा प्रथम धान्यपतौ सति बोधने ।। धान्येशो भौमः फलम् ।। भूमिजे ग्रीष्म धान्येशे ग्रीष्म धान्यं महर्घकम् । शालीक्षु घृत तैलादि महर्घाणि भवंति च ।। मेघेशो रविः फलम् ।। जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनता रसम् । यव चणेक्षु नीवार सुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशःशुक्रःफलम् ।। यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषित मानसाः । सुखसुभिक्ष सुमोदवती धरा धरणीपाहृत पापगणः प्रियाः ।। नीरसेशो बुधः फलम् ।। चित्र वस्त्रादिकंचैव शंख चंदन पूर्वकम् । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो र्यदि ।। फलेशो रविःफलम् ।। द्रुमवती वर पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता । बहु जलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो बुधः फलम् ।। द्रविणपो हिम रश्मिसुतो यदा विविध संग्रह वस्तु फलार्थदा । द्विजवरा जप यज्ञ सुसंयुताः कृषिविशेष विशेषित मानसाः ।। दुर्गेशो रविःफलम् ।। नय विशेष करस्तरणिस्तदा गतभया नरराज पुरोगमाः । समधिको न तदा नृपजोन्यजः स्वपथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ।। धातानाम संवत्सरः फलम् ।। धातृ वर्षेऽखिलाक्ष्मेशाः संग्रामे सक्त मानसाः । सम्पूर्णा धरणी भाति बहु सस्यार्घवृष्टिभिः ।। वर्षनाम वैशाखः फलम् ।। अर्घं विविधभावेन जायते द्रविणप्रदम् । नीरुजा निर्भया लोकाः बैशाखे जनपूजिता ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मंद वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम् ।। पर्वते विंदुमात्रश्च ।। समयनिवासो कुंभकार गृहे फलम् ।। अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०९९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ३ भौमे रोहि ल. ११-१२ रे. ८ ।।।।ऽऽरो।।।।
,, ४ बुधे मृगे लः ११-१२ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, ९ चन्द्रे मघा ल. गो. (सोग्रांगः) ११ (चं.७पू.) रे. ७ ।।।।।ऽनृऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, १० भौमे मघा ल. गो. (सोग्रांगः) रे. ८ ।।।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याभावः
,, ११ बुधे उफा ल. ११ (घ.५०-५४याचं.७पू.
,,१२गुरौउफा ल.ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे.९।।।।।।रो४८उऽ।।।
,,१२गुरौ हस्ते ल. १२ (चं.७पू.) रे. ७ ऽऽ।।।ऽरो।।।।
,,१३शुक्रेहस्तेल.ऽन्यगो(सोग्रांगः)रे.७ऽऽ।।।ऽरो४२या।।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ३ गुरौ मूले ल. गो. (सोग्रांगः) ११-१२ रे.८ ।।।।ऽाचौ५२उाऽ।।
,, ५ शनौ उषा ल. गो. (सोग्रांगः) ११-१२ रे. ७ ।ऽाऽशु।।।।।ऽ दग्धा पादतो वेधाऽभावः
,, १० गुरौ उभा ल. ऽन्यगो ११ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला १ भौमे रोहि ल. ऽन्यगो रे. १० ।।।।।।।।।।
,, १ भौमे मृगे ल. १२ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।
,, ९ बुधे उफा ल.गो.१२ रे.७ ऽऽ।।।।ऽ।।।मीनेचं.पू.
,, १० गुरौ हस्ते ल.गो. १२ रे.८ ।।।।।ऽनृ३८या।ऽ।।
,, १४ चन्द्रे अनु ल. १२ रे. ८ ।।।।ऽऽरो।।।।

आषाढ मासः

कृष्णा २ गुरौ मूले ल. गो. रे. ७ ।ऽाऽशु।ऽअ।।।।
पादतो वेधाऽभावः
,, ८ बुधे उभा ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽरोऽऽ।।
शुक्ला ५ रवौ मघा ल.ऽन्यगो २ रे.७ ।।।।।ऽचौ४३याऽऽ।।
,, ८ बुधे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।।।ऽाऽ दग्धा

पौष मासः

शुक्ला १० भौमे रोहि ल. ८ (घ.५३-३५उ) रे. ९ ।।।।।।रो३३उ।।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ९ भौमे अनु ल. ८ रे. ८ ।।।।।ऽअाऽ।।
,, ११ गुरौ मूले ल. ८ रे. ६ ।।ऽगु.शु.।।ऽनृऽऽ।।
शुक्ला ४ शुक्रे रेव ल. ८-९-१० रे. ६ ।ऽ।।ऽाऽऽ।।
,, ९ बुधे मृगे ल.८-१०रे.८ ।ऽ।।।।।ऽ।।वृश्चिकेचं.पू.

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ बुधे उफा ल. ८-९-१० (वृश्चिकें व्ययेऽर्कौ) रे. १० ।।।।।।।।।।
,, ६ चन्द्रे अनु ल. १० रे. ६ ऽ।।।।ऽरोऽऽ।।
,, ७ भौमे अनु ल.ऽन्यगो (७मेभौमः) रे.७ऽ।।।।।ऽऽ।।
,, ९ गुरौ मूले ल. ८ (व्ययेऽर्कौ) ल. ऽन्यगो (७मेभौमः) रे. ७ ।।ऽबृ।।ऽअाऽ।।
,,११शनौउषाल.८-९(वृश्चि.व्ययेऽर्कौ)रे.८।।।।।ऽनृाऽ।।
शुक्ला १ गुरौ रेव ल. ८-९-१० रे. ८ ऽ।।ऽ।।।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३६८स.२०४२
१	श २२ २६ उ २० २६ शु ३४ ४९ कि ७ २३	३०	५९	६	१	२९	२२	मीने	मीनेबुधः ४।२६भा.चैत्रारंभः-
२	र २२ ५८ रे १२ ५६ ऐं ४२ ४९ कौ २२ ५८	८	५८	२	२	३०	२३	मे.१२।५८	उभा.बुधः ४८।४चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं १४ ३१ अ ६ १६ वै ३३ ३२ ग १४ ३१	१२	५८	२	३	१	२४	मेषे	भ.४५उरविलाखर४मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	मं ७ २० भ १३ ५६ ३४ वि २५ ४९ वि ७ २०	१६	५७	३	४	२	२५	वृ.१५।२१	भ.७।२०या.अश्वि.मेषेशुक्रः १।४१
५	बु २ ४ रो ५६ १० प्री १९ ४२ बा २ ४	२१	५६	४	५	३	२६	वृषे	[-संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
६	बु ५६ २८ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	गु ५६ ५९ मृ ५६ २३ आ १४ ५५ ग २७ ४५	२५	५५	५	६	४	२७	मि२६।१६	भ.५६।५९उ.
८	शु ५७ २७ आ ५८ ५० सौ ११ ४८ बि २७ १३	२९	५४	६	७	५	२८	मिथुने	भ.२७।१३या.
९	श ५९ ३६ पु ६० ० शो १० १५ बा २८ ३१	३३	५३	७	८	६	२९	क.४६।४६	रामनवमी
१०	र ६० ० पु २ ४५ अ ९ ५१ तै ३१ ३२	३७	५३	७	९	७	३०	कर्के	रेवत्यांबुधः ३१।५२
१०	चं ३ २८ पु ८ ५ सु १० ४१ ग ३ २८	४१	५२	८	१०	८	३१	कर्के	भ.३५उ.रेवत्यांरविः ३८(सौरः ४७)
११	मं ८ २२ श्ले १४ २८ धृ ११ ५५ वि ८ २२	४५	५१	९	११	९	१	सिं१४।२८	भ.९२या.अप्रेल४ता.३०कामदा११व्र.
१२	बु १४ २ म २१ ३४ शू १४ ८ बा १४ २	४९	५०	१०	१२	१०	२	सिंहे	प्रदोषः
१३	गु २० ३ पू २८ ५३ गं १६ १३ तै २० ३	५३	४९	११	१३	११	३	कं.४५।४७	अश्वि.१राहुः चित्रा.३केतुः २९।४५
१४	शु २६ ३२ उ ३६ २९ वृ १८ ३४ व २६ ३२	५७	४९	११	१४	१२	४	कन्यायां	भ.२६।३२उ.५९।३५या.भरण्यांशुक्र ५७/३०
१५	श ३२ ३८ ह ४३ ४४ ध्रु २० ५३ ब ३२ ३८	३१/१	४८	१२	१५	१३	५	कन्यायां	अश्वि.मेषेबुधः ५९।५३ हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.१श.इ. ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	७	११	६	०	११
८	१४	१	७	२७	११	२	७
३	१९	३९	३२	२५	१०	५६	५४
१८	४४	२५	२	१	५२	४३	२८
५९	३	५८	०	७४	३४	३	५९
२९	मा	५	व.	२	व.	११	३५

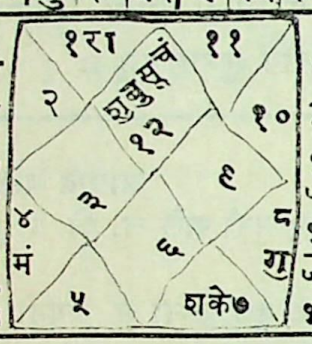

५१ पं.चै.शु.९श.इ. ५६/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	७	०	६	०	११
१४	१५	१५	७	६	१०	३	१४
५९	१४	२८	२१	२	४५	३४	५०
१०	१३	१	११	४२	२२	२७	४०
५९	९	५६	१४	७३	३	३	५९
१६	२८	५५	व	५४	५६	११	१६

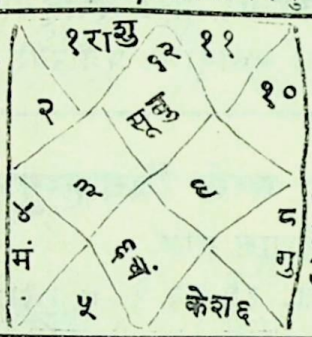

५२पं.चै.शु.१५श.इ. ५६/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	७	०	६	०	११
२१	१६	२९	७	१४	१०	३	२१
५३	१५	५३	१	३८	१६	१२	४४
३१	७	४२	१	३१	५२	१२	५१
५९	१४	२१	३३	७३	४	३	५९
४	१०	३३	व	५०	व	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	र ३८ ३३ चि ५० ५५ व्या २३ ० बा ५ ३५	३५	५४७	६/३	१६	१४	६	तु.१७।२०	
२	चं ४३ ५७ स्वा ५७ १३ ह २४ ३५ तै ११ १५	१०	४६	१४	१७	१५	७	तुलायां	आश्ले.भौमः ४०।४५
३	मं ४८ २६ वि ६० ० व २५ ७ व १६ ११	१४	४५	१५	१८	१६	८	वृ.४६।२३	भ.१६।११उ.४८।२६या.
४	बु ५२ २ वि ३ ० सि २६ ४ ब २० १४	१८	४४	१६	१९	१७	९	वृश्चिके	वक्रीस्वाती.१शनि.५६।४६चतुर्थी व्र.
५	गु ५४ ३५ अ ७ ३७ व्य २५ ३५ कौ २३ १८	२२	४४	१६	२०	१८	१०	वृश्चिके	पश्चिमोदयीबुधः ३४।२०
६	शु ५५ ५८ ज्ये ११ १७ व २४ १० ग २५ १६	२६	४३	१७	२१	१९	११	ध.११।१७	भ.५५।५८उ.वक्रीअनु.१गुरुः ३८।१८
७	श ५५ ५३ मू १३ ४० प २१ ३६ वि २५ ५५	३०	४२	१८	२२	२०	१२	धनुषि	भ.२५।५५या.भरण्यांबुधः ४४।२६
८	र ५४ ५ पू १४ २६ शि १७ ५६ बा २४ ५९	३४	४१	१९	२३	२१	१३	म.२९।१६	
९	चं ५० ५० उ १३ ४५ सि १२ ५५ तै २२ २७	३८	४०	२०	२४	२२	१४	मकरे	अश्वि.मेषेऽर्कः १२।३२ (सौरः २१।४६)
१०	मं ४५ ५४ श्र ११ २५ सा ३० ५२ २६ व १८ २२	४२	४०	२०	२५	२३	१५	कुं.३९।२	भ.१८।२२उ.५४या.कृत्ति.शुक्रः ४५/६
११	बु ३९ ३१ ध ६ ३८ शु ५० १० ब १२ ४२	४६	३९	२१	२६	२४	१६	कुंभे	वरुथिनी११व्र.
१२	गु ३१ ३२ श ९/६ ३६ ३३ व्र ४० ३४ कौ ५ ३१	५०	३८	२२	२७	२५	१७	मी४१।२८	प्रदोषः
१३	शु २२ ४८ उ ४७ ३२ ऐं ३० ९ व २२ ४८	५३	३७	२३	२८	२६	१८	मीने	भ.२२/४८उ.४९या.वृषेशुक्रः ३७/४६
१४	श १३ १७ रे ३९ ५४ वै १९ ३१ श १३ १७	५७	३७	२३	२९	२७	१९	मे.३९।५४	
२०	र ३ ४० अ ३२ ३५ वि ५० ५०/० ना ३ ४०	३२/१	३६	२४	३०	२८	२०	मेषे	सूर्यग्रहणम्

१पं.वै.कृ.९चं.इ. १२/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	७	०	६	०	११
०	१७	१५	६	२४	९	२	२९
०	५९	५८	२७	४५	४०	४६	५१
०	२	१२	३२	४	५९	४	६
५८	१८	७	५/४	७३	३/४	३	५८
४४	२५	४४	व	४२	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे ९ चन्द्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४युवावस्था(सूती) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

२पं.वै.शु.२चं.इ. १२/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	७	१	६	०	०
६	१९	२६	५	३	९	२	६
५०	५८	२६	५०	१७	९	२३	४१
४६	१	३२	५३	१०	३६	४८	१७
५८	२१	७९	५/६	७३	४/४	३	५८
३१	४०	११	व	२७	व	११	२९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः४३९८स.२०४२
१	र ५० ४१	०	०	०	०	०	०	० ०	[-भा.वैशाखारंभः
२	चं ४६ १	भ	२६	०	आ	४९	३९	बा २० ११	३२ ५ ६ १ २९ २१ वृ.३९।४३ कृत्ति.बुधः१५।२८चन्द्रदर्शनम्-
३	मं ३९ १०	कृ	२०	५४	सो	४१	३९	तै १२ ३५	९ ३४ २६ २ १ २२ वृषे जमादिलावल५परशुरामजयंतीअक्षय३
४	बु ३४ ४	रो	१७	१४	शो	३५	११	ब ६ ३७	१२ ३४ २६ २ २ २३ मि४६।२७ भ.६।३७उ.३४।४या.बृषेबुधः४७।१
५	गु ३० ५३	मृ	१५	४१	अ	३०	३५	ब २ २८	१६ ३३ २७ ४ ३ २४ मिथुने
६	शु ३० १	आ	१६	२०	सु	२७	५०	कौ ० २७	२० ३२ २८ ५ ४ २५ मिथुने
७	श ३१ १३	पु	१८	५५	धृ	२६	२२	ग ० ३७	२३ ३१ २९ ६ ५ २६ क.३।१६ भ.३१।१३उ.रोहि.शुक्रः४५।४४
८	र ३४ १९	पु	२३	२४	शू	२६	४५	वि २ ४६	२७ ३१ २९ ७ ६ २७ कर्के भ.२।४६या.भरण्याँरविः५२।४५
९	चं ३९ २	श्ले	२९	१७	गं	२७	३७	बा ६ ४१	३१ ३० ३० ८ ७ २८ सिं२९।१७ भरण्यांरविःसौरः३।११
१०	मं ४४ ४०	म	३६	२३	वृ	२९	४१	तै १२ ५१	३४ २९ ३१ ९ ८ २९ सिंहे पातस्पर्शः५।२६पातमोक्षः१७।४९
११	बु ५० ४६	पू	४३	३९	धु	३१	५७	व १७ ४३	३८ २८ ३२ १० ९ ३० सिंहे भ.१७।४३उ.५०।४६या.मोहिनी११ब्र.
१२	शु ५७ १६	उ	५१	२९	व्या	३४	३४	ब २४ १	४१ २८ ३२ ११ १० १ कं.०।३७ मई५ता.३१
१३	शु ६० ०	ह	५८	४९	ह	३६	५३	कौ ३० २०	४५ २७ ३३ १२ ११ २ कन्यायां प्रदोषः [=मघा.सिंहेशुक्र.२५
१३	श ३ २३	चि	६०	०	व	३८	५२	तै ३ २३	४८ २६ ३४ १३ १२ ३ तु.३२।१३ नृसिंहजयंती
१४	र ८ ५३	चि	५	३७	सि	४०	१४	व ८ ५३	५२ २६ ३४ १४ १३ ४ तुलायां भ.८।५३उ.४१।१५या.वक्रीबुधः२७/२२=
१५	चं १३ ३७	स्वा	११	४६	व्य	४१	५	ब १३ ३७	५५ २५ ३५ १५ १४ ५ तुलायां यमायकुंभदानम्

३पं.वै.शु.९चं.इ. १३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	७	१	६	०	०
१३	२२	३	५	११	८	२	१३
२९	१३	५४	७	४६	३७	१	२९
५०	३७	१४	४१	४४	१२	३३	४२
५८	२४	३५	४९/६	७३	४४/०	३	५८
१९	१६	४१	व	१८	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

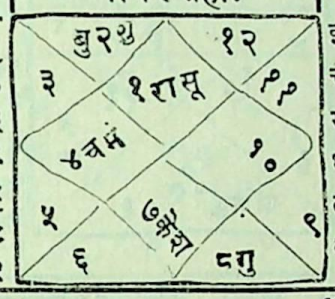

इसमासमें गुडसक्कर चीनी नमक घृत तेल रुई वस्त्र वारदाना धातुसोनाचांदीलोहा तांबा आदि तेज हों कहींरकुछ वर्षाहो ।

गोचर ग्रहाः

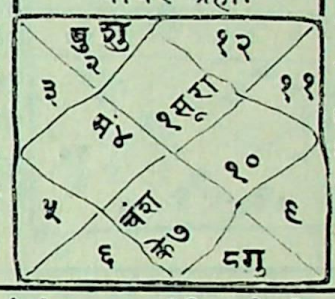

४पं.वै.शु.१५च.इ. १३/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	७	१	६	०	०
२०	२४	५	४	२०	८	१	२०
२७	४५	१६	१९	१४	६	३९	१६
२९	१४	४८	८	२८	७	१७	२९
५८	२५	४३/२३	३२/७	७३	२८/४	३	५७
६	३४	व	व	२	व	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.
१	मं १७ २२	वि	१६	५५	व	४०	५८	कौ १७ २२	३२ ५ २४ ६ १६ १५ ६ वृ.०।३८
२	बु २० १७	अ	२१	१	प	४०	५	ग २० १७	३३ २४ ३६ १७ १६ ७ वृश्चिके भ.५१।६उ.मृगेशुक्रः४५।४४×
३	गु २१ ५५	ज्ये	२४	१८	वि	३८	३४	वि २१ ५५	५ २३ ३७ १८ १७ ८ ध.२४।१८ भ.२१।५५या.चतुर्थीब्र.
४	शु २२ ३२	मू	२६	३३	सि	३६	५	बा २२ ३२	८ २२ ३८ १९ १८ ९ धनुषि [×बुधास्तःपश्चिमायां५८।१७
५	श २२ ७	पू	२७	३५	सा	३२	४९	तै २२ ७	११ २२ ३८ २० १९ १० म.४२।३७ [+(सौरः४७/३)
६	र २० ३५	उ	२७	४३	शु	२८	४०	व २० ३५	१४ २१ ३९ २१ २० ११ मकरे भ.३/५०उ.४९।१७या.कृत्ति.रविः३९/४४+
७	चं १७ ५८	श्र	२६	३३	शु	२३	३१	ब १७ ५८	१७ २१ ३९ २२ २१ १२ कुं.५५।२५ पातस्पर्शः४६।६पातमोक्षः५६।१८
८	मं १४ २०	ध	२४	१६	ब्र	१७	३२	कौ १४ २०	२० २० ४० २३ २२ १३ कुंभे मिथुनेशुक्रः२०।१४वक्रीविशा.४गुरुः५०/५
९	बु ९ ३४	श	२१	५	ऐं	१०	३८	ग ९ ३४	२३ १९ ४१ २४ २३ १४ कुंभे भ.३६।३१उ.
१०	गु ३ २९	पू	१६	३८	वै	२/४८	५१/२७	वि ३ २९	२६ १९ ४१ २५ २४ १५ मी२।४३ भ.३/२९या.वृषेऽर्कः५/५९ (सौरः१८।५६)÷
११	गु ५३ ६	०	०	०	०	०	०	० ०	० ० ० ० ० ० ० [÷अपरा११स्मा.
१२	शु ४८ ५०	उ	११	२४	प्री	४५	७	कौ २२ ४२	२८ १८ ४२ २६ २५ १६ मीने अपरा११ब्र.वै.
१३	श ४० ३१	रे	२/६	५१/३९	आ	३५	२७	ग १४ ४१	३१ १८ ४२ २७ २६ १७ मे.५।२६ भ.४०।३१उ.प्रदोषः
१४	र ३२ ५	भ	५२	५४	सौ	२५	४८	वि ६ १८	३४ १७ ४३ २८ २७ १८ मेषे भ.६।१८या.आर्द्राशुक्रः५/८सिंहेभौमः
१५	चं २३ ५६	कृ	४७	१४	शो	१६	४८	ना २३ ५६	३७ १७ ४३ २९ २८ १९ वृ.६।२९ वक्रीमेषेबुधः४३।५३वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.७चं.इ. १३/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	७	१	६	०	०
२७	२७	३	३	२८	७	१	२७
१३	३२	१७	२७	३९	३६	१७	१
३७	३४	३२	२५	४	२२	१	४३
५७	२८	३०/५५	७/५२	७२	१०/४	३	५७
५४	२२	व	व	४७	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

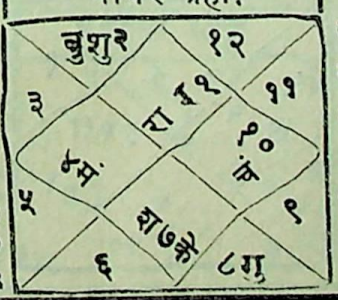

ज्येष्ठकृष्णे १० गुरौ वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ बालावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

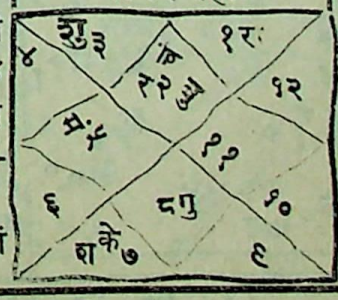

६पं.ज्ये.कृ.३०चं.इ. १३/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	७	२	६	०	१
३	०	०	२	७	७	०	३
५८	३२	१६	३४	१	८	५४	४५
४४	५६	३०	१९	२३	२८	४६	२८
५७	२७	३२/४६	७/५२	७२	५/२	३	५७
४४	४४	व	व	२५	व	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४४२७स.२०४२
१	मं	१६	४२	रो	४२	४९	अ	८	२०	ब	१६	४३	३३/९	५/६	४४	३०	२९	२०	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
२	बु	१०	४७	मृ	३९	४८	सु	९/४	५४/२	कौ	१०	४७	४२	१६	४४	३१	१	२१	मि११।१८	जमादिलाख६
३	गु	६	३८	आ	३८	५३	शू	५०	३६	ग	६	३८	४४	१५	४५	१	२	२२	मिथुने	भ.३५।३९उ.भा.ज्येष्ठारंभः
४	शु	४	४०	पु	३९	५६	गं	४७	५८	वि	४	४०	४७	१५	४५	२	३	२३	क.२४।४०	भ.४।४०या.
५	श	४	२८	पु	४२	५९	बृ	४७	१९	बा	४	२८	४९	१४	४६	३	४	२४	कर्के	पातस्पर्शः५६।११
६	र	६	३८	श्ले	४७	५४	धु	४७	२५	तै	६	३८	५२	१४	४६	४	५	२५	सिं४७।५४	रोहि.रविः२९/३२सौरः५/६पातमोक्षः१५/७
७	चं	१०	२८	म	५४	१७	च्या	४८	४९	व	१०	२८	५४	१३	४७	५	६	२६	सिंहे	भ.१०।२८उ.४३।५या.
८	मं	१५	४१	पू	६०	०	ह	५०	५२	ब	१५	४१	५६	१३	४७	६	७	२७	सिंहे	वक्रीचित्रा.४शनिः३।४३
९	बु	२१	२८	पू	१	२२	व	५३	२०	कौ	२१	२८	५८	१२	४८	७	८	२८	कं.१८।१७	
१०	गु	२७	५६	उ	९	३	सि	५५	४७	ग	२७	५६	३४/०	१२	४८	८	९	२९	कन्यायां	गंगादशमी
११	शु	३४	६	ह	१६	२५	व्य	५७	५१	व	१	१	२	१२	४८	९	१०	३०	तु.५०।०	भ.१/१उ.३४/६या.मार्गीबुधः४९/१६पुन.शुक्रः ÷
१२	श	३९	२५	चि	२३	३१	व	५९	२६	ब	६	४५	३	११	४९	१०	११	३१	तुलायां	[÷१२/१९निर्जला११व्र.
१३	र	४३	५५	स्वा	२९	३३	प	५९	३७	कौ	११	४०	५	११	४९	११	१२	१	तुलायां	पूर्वोदयीबुधः३६/१६जून६ता.३०प्रदोषः
१४	चं	४६	५५	वि	३४	१९	शि	५९	३७	ग	१५	२५	७	११	४९	१२	१३	२	वृ.१८।८	भ.४६।५५उ.
१५	मं	४८	४९	अ	३८	०	सि	५८	२५	वि	१७	५२	९	१०	५०	१३	१४	३	वृश्चिके	भ.५/७/२या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

७ पं.ज्ये.शु.७च.इ. १/३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	७	२	६	०	१
१०	३	२६	१	१५	६	०	१०
४२	४२	५५	४१	२०	४२	३२	२७
४०	५०	३४	२४	२८	५४	३०	३९
५७	२१	१७/४३	४९/६	७२	२९/३	३	५७
३५	८	व	व	२	व	११	२३

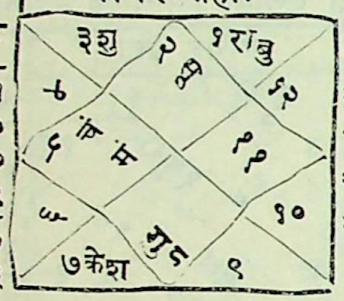

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन धातु सोना चांदी लोहा रसकस गुड़ शक्कर चीनी धान्य गल्ला वस्त्र रुई में तेजी हो

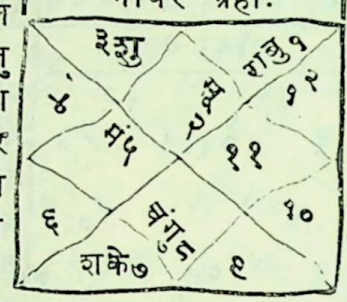

८पं.ज्येशु.१४चं.इ. १/५/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	७	२	६	०	१
१७	७	२७	०	२३	६	०	१७
२५	३	१	१०	३५	२१	१०	८
२६	१४	४८	१७	५६	२५	१५	४५
५७	३२	१९/४	१९/८	७१	५०/२	३	५७
२७	१६	मा	ब	३५	व	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहा.
१	बु	४९	२२	ज्ये	४०	२३	सा	५६	५	बा	१९	६	३४/१०	५/७	५६	१४	१५	४	ध.४०।२३	
२	गु	४८	४१	मू	४१	२७	शु	५२	५०	तै	१९	१	१२	१०	५०	१५	१६	५	धनुषि	रेवती४मीनेराहुःचित्रा२कन्या.केतु२/७
३	शु	४७	६	पू	४१	४६	शु	४८	५३	व	१७	५३	१३	९	५१	१६	१७	६	म.५६।३८	भ.५/७/३उ.४७।६या.
४	श	४४	२६	उ	४१	१४	व्र	४४	१६	व	१५	४६	१५	९	५१	१७	१८	७	मकरे	कर्के शुक्रः४/३पातस्पर्शः५४/१३चतुर्थीव्र.
५	र	४१	१४	श्र	३९	४८	ऐं	३९	२	कौ	१२	५०	१६	९	५१	१८	१९	८	मकरे	मृगेरविः२/१४सौरः४/४८बृषेबुधः४/२ A
६	चं	३७	३२	ध	३७	४९	वै	३३	१९	ग	९	२३	१७	९	५१	१९	२०	९	कुं.८।४८	भ.३/३७उ.वक्रीविशा.३तुलायांगुरुः४/६
७	मं	३३	७	श	३५	१८	वि	२७	९	वि	५	२०	१८	८	५२	२०	२१	१०	कुंभे	भ.२०/५या.पुष्येशुक्रः३२।२९
८	बु	२८	९	पू	३२	१३	प्री	२०	२५	बा	०	३८	१९	८	५२	२१	२२	११	मी१७।५९	[Λपातमोक्षः१०।१४
९	गु	२२	३४	उ	२८	३७	आ	१३	१६	ग	२२	३४	१९	८	५२	२२	२३	१२	मीने	भ.४९।३७उ.
१०	शु	१६	४१	रे	२४	२५	सौ	५३/९०	५२/१०	वि	१६	४१	२०	८	५२	२३	२४	१३	मे.२४।२५	भ.१६।४१या.
११	श	१०	१३	अ	१९	५६	अ	५०	८	बा	१०	१३	२१	८	५२	२४	२५	१४	मेषे	पूफा.भौमः४/१९योगिनी११व्र.
१२	र	३	३५	भ	१५	३९	सु	४२	७	तै	३	३५	२१	८	५२	२५	२६	१५	वृ.२९।३९	भ.५/७उ.मिथुनेऽर्कः२/८सौरः४/९प्रदोषः
१३	र	५३	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	चं	५०	५६	कृ	११	१३	धृ	३४	४१	वि	२४	०	२२	८	५२	२६	२७	१६	वृषे	भ.२४।०या.
३०	मं	४५	४२	रो	७	२२	शू	२७	३४	च	१८	१९	२२	८	५२	२७	२८	१७	मि३५।२६	

९पं.आ.कृ.६चं.इ. १/५/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	७	३	६	११	१
२४	१०	०	०	१	६	२९	२३
७	२१	४६	३	४६	३	४७	४८
३०	४४	१२	१८	४८	३६	५९	४१
५७	३३	४०	३/६/५	७१	१/६/२	३	५७
२२	१८	४०	व.	८	व.	११	५

आषाढकृष्णे१२ रवौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.५न.६ प्रोढावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावें समताशुक्रोदयः पश्चिमे

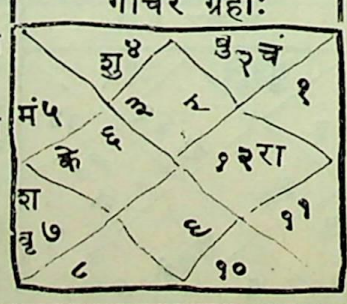

१०पं.आ.कृ.१४चं.इ.५/७/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	६	३	६	११	२
०	१४	७	२९	९	५	२९	०
४८	८	४६	१९	५३	४९	२५	२७
४७	१७	१२	४१	२०	५९	४३	५०
५७	३४	७१	४/९/५	७०	३/९/२	३	५६
१७	१९	४९	व.	२८	व.	११	५७

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९९ शाकः १९६४ |दि. उ. अ.|भा. मु. इं.| चन्द्रः |ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४४५६स.२०४२

१	बु	४१	३२	मृ	४	३१	गं	२१	२९	किं	१३	४२	३४	५	६	२८	२९	१८	मिथुने	रोहि.बुधः५।३८
२	गु	३९	१५	आ	२	५९	बृ	१६	३१	बा	१०	२३	२३	७	५३	२९	३०	१९	क.४८।१०	चंद्रदर्शनम्रथयात्रा
३	शु	३८	३२	पु	३	१४	धु	१३	६	तै	८	५३	२३	७	५३	३०	१	२०	कर्के	रज्जव७
४	श	३९	५९	पु	५	१३	व्या	११	८	व	९	१५	२४	७	५३	३१	२	२१	कर्के	भ.९।१५उ.३९।५९या.
५	र	४२	५८	श्ले	८	५९	ह	१०	१६	ब	११	२९	२४	७	५३	१	३	२२	सिं८।५९	आर्द्रारविः२१सौरः४६आश्ले.शुक्रः =
६	चं	४७	३७	म	१४	१८	व	११	१	कौ	१५	१७	२४	७	५३	२	४	२३	सिंहे	[=३३भा.आषाढारंभः
७	मं	५३	३	पू	२१	५	सि	१२	४४	ग	२०	२०	२४	७	५३	३	५	२४	क.३७।५२	भ.५३।३उ.
८	बु	५९	१८	उ	२८	१३	व्य	१४	५५	वि	२६	१०	२४	७	५३	४	६	२५	कन्यायां	भ.२६।१०या.
९	गु	६०	०	ह	३५	४५	व	१७	२८	बा	३२	२१	२३	७	५३	५	७	२६	कन्यायां	मृगेबुधः५४।४७
९	शु	५	२३	चि	४३	३	प	१९	४६	कौ	५	३३	२३	७	५३	६	८	२७	तु.९।२४	
१०	श	१०	५७	स्वा	४९	३२	शि	२१	३२	ग	१०	५७	२२	८	५२	७	९	२८	तुलायां	भ.४३।१३उ.
११	र	१५	२८	वि	५४	३३	सि	२२	२९	वि	१५	२८	२२	८	५२	८	१०	२९	वृ.३८।१८	भ.१५।२८या.देवशयनी११व्र.
१२	चं	१८	२४	अ	५८	१०	सा	२२	२१	बा	१८	२४	२१	८	५२	९	११	३०	वृश्चिके	मिथुनेबुधः११।३२प्रदोषः
१३	मं	१९	५७	ज्ये	६०	०	शु	२०	५४	तै	१९	५७	२०	८	५२	१०	१२	१	वृश्चिके	बुधास्तः.पूर्वस्यां१४जुलाई७ता.३१
१४	बु	१९	३८	ज्ये	०	१४	शु	१८	८	व	१९	३८	१९	८	५२	११	१३	२	ध.०।१४	भ.१९उ.४५या.मार्गशिनिः३४वायुपरी
१५	गु	१७	५१	मू	०५	१९	ब्र	१४	१६	ब	१७	५१	१८	८	५२	१२	१४	३	धनुषि	आर्द्राबुधः२८व्यासपूजागुरुः१५

११पं.आ शु. ६चं.इ.१४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	६	३	६	११	२
७	१७	१७	२८	१७	५	२९	७
२९	५३	३५	४५	५४	४०	३	६
४२	२०	४२	३६	२६	३०	२८	१७
५७	३४	९७	४०	६९	४८	३	५६
१३	५३	२४	व	४०	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर सरसों आदि मंदे हो गुड़ सक्कर चीनी घृत तेल गन्ना तेज हो वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

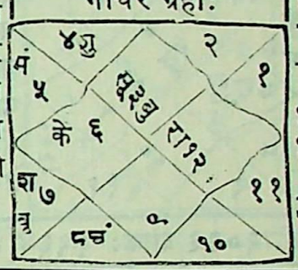

१२पं.आ.शु. १२च.इ.१४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	६	३	६	११	२
१४	२१	०	२८	२५	५	२८	१३
१०	४१	४	१८	४९	३६	४१	४४
८	३४	२६	५४	३७	११	१२	२२
५७	३५	९९	३३	६८	१९	३	५६
७	३९	५२	व	५०	व	११	५०

त.| प्र.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४ |दि. उ. अ.|भा. मु. इं.| चन्द्रः |वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.

१	शु	१४	४७	उ	५७	५९	ऐं	९	२९	कौ	१४	४७	३४	५	६	१३	१५	४	म.१३।४०	मघा.सिंहेशुक्रः०।२५
२	श	१०	४७	श्र	५५	१६	वै	४३	५३	ग	१०	४७	१६	९	५१	१४	१६	५	मकरे	भ.३८।२०उ.
३	र	५	५२	ध	५२	४	प्री	५०	३३	वि	५	५२	१५	९	५१	१५	१७	६	कुं.२३।४०	भ.५५या.पुन.रवि:३३सौरः५१चतु.व्र.
४	चं	०	३५	श	४८	४३	आ	४३	३४	बा	०	३५	१४	९	५१	१६	१८	७	कुंभे	नाग५मरुस्थले
५	चं	५४	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	मं	४९	४९	पू	४५	१४	सौ	३६	३४	ग	२२	३१	१३	९	५१	१७	१९	८	मी.३१।६	भ.४९।४९उ.उफा.भौमः५७।२
७	बु	४४	२१	उ	४१	४५	शो	२९	३५	वि	१७	५	११	१०	५०	१८	२०	९	मीने	भ.१७।५या.पुन.बुधः५४।५७
८	गु	३९	७	रे	३८	३४	अ	२२	४०	बा	११	४४	१०	१०	५०	१९	२१	१०	मे.३८।३४	
९	शु	३३	५१	अ	३५	४	सु	१५	४४	तै	६	२९	८	१०	५०	२०	२२	११	मेषे	
१०	श	२८	४४	भ	३२	२	धृ	८	५२	व	१	१७	७	११	४९	२१	२३	१२	वृ ४६।२१	भ.१।१७उ.२८।४४या.
११	र	२३	५९	कृ	२९	१९	शू	२०	५३	बा	२३	५९	५	११	४९	२२	२४	१३	वृषे	कामिका११व्र.
१२	चं	१९	३५	रो	२६	५९	वृ	५०	२२	तै	१९	३५	३	११	४९	२३	२५	१४	मि.५६	कर्केबुधः३६कन्यायांभौमः४७प्रदोषः
१३	मं	१५	५२	मृ	२५	२६	ध्रु	४५	७	व	१५	५२	१	१२	४८	२४	२६	१५	मिथुने	भ.५५उ.४५या.
१४	बु	१२	५७	आ	२४	३५	व्या	४०	४६	श	१२	५७	५३	१२	४८	२५	२७	१६	मिथुने	कर्केऽर्क:५९पुष्येबुधः१४पूफा.शुक्रः४६
२०	गु	११	२०	पु	२५	७	ह	३७	२६	ना	११	२०	५७	१३	४७	२६	२८	१७	क९।५९	कर्केऽर्कःसौर:५२हरियाली

१३पं.प्र.श्रा.कृ.४ चं.इ.१३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	६	४	६	११	२
२०	२५	१४	२७	३	५	२८	२०
५०	३७	२१	५७	३८	३६	१८	२२
३५	१६	२२	५८	१३	२९	५७	१६
५७	३६	५५	१३	६७	३०	३	५६
७	२४	५७	व.	४६	मा	११	५०

गोचर ग्रहाः

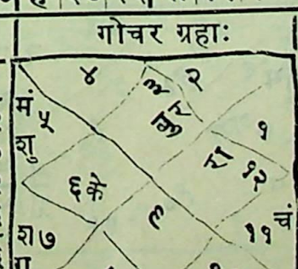

प्र.श्रावणकृष्णे १४बुधे| कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ सुतार्थिन्यवस्था (सूती)मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

१४पंप्र.श्रा.कृ.१२चं.इ.१३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	६	४	६	११	२
२७	२९	२९	२७	११	५	२७	२७
३०	३९	३२	४६	१८	४१	५६	०
५४	७	२४	५९	५८	३१	४१	२३
५७	३७	५८	४०	६६	१	३	५६
१२	२	१०	व	३१	१४	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	प्र.श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४४८६स.२०४२
१	शु ११ ३ पु २६ ५८ व ३५ १७ व ११ ३	३३/५५	९/३	४/७	२७	२९	१८	कर्के चंद्रदर्शनम्अधिकमासारंभः;
२	श १२ २६ श्ले ३० ३२ सि ३४ २० कौ १२ २६	५२	१४	४६	२८	१	१९	सिं३०।३२ मार्गीगुरुः२६।४२सावान८
३	र १५ १९ म ३४ ५९ व्य ३३ १४ ग १५ १९	५०	१४	४६	२९	२	२०	सिंहे भ.४/१७उ.पुष्येरविः१९/७सौरः५३।३६
४	चं १९ ४३ पू ४१ ५ व ३४ १८ वि १९ ४३	४८	१४	४६	३०	३	२१	कं.५७।५० भ.१९।४३या.
५	मं २४ ५३ उ ४८ ५ प ३६ ६ बा २४ ५३	४५	१५	४५	३१	४	२२	कन्यायां आश्ले.बुधः४३।४४
६	बु ३१ २ ह ५५ ३८ शि ३८ ४३ तै ३१ २	४३	१५	४५	१	५	२३	कन्यायां भा.श्रावणारँभः;
७	गु ३७ १३ चि ६० ० सि ४१ ११ ग ४ ७	४०	१६	४४	२	६	२४	तु.२९।२३ भ.३७/१३उ.पश्चिमोदयंबुधः३६।१
८	शु ४३ १ चि ३ ८ सा ४३ २७ वि १० ७	३८	१६	४४	३	७	२५	तुलायां भ.१०।७या.
९	श ४७ ५९ स्वा १० ८ शु ४५ ५ बा १५ ३०	३५	१७	४३	४	८	२६	वृ.५९।३५
१०	र ५१ २८ वि १६ ४ शु ४५ २३ तै १९ ४३	३३	१७	४३	५	९	२७	वृश्चिके
११	चं ५३ १९ अ २० २५ ब्र ४४ ३९ व २२ २३	३०	१८	४२	६	१०	२८	वृश्चिके भ.२३उ.५३/५९या.उफा.शु.४१/५९कमला११
१२	मं ५३ ५ ज्ये २३ १ हैं ४२ २५ ब २३ १२	२७	१९	४१	७	११	२९	ध.२३।१ मघा.सिंहेबुधः४७।२१
१३	बु ५१ ४ मू २३ ४७ वै ३८ ४४ कौ २२ ५	२४	१९	४१	८	१२	३०	धनुषि
१४	गु ४७ १३ पू २२ ५० वि ३३ ३३ ग १९ ८	२२	२०	४०	९	१३	३१	म.३७।९ भ.४/१७उ.कन्यायांशुक्रः५९/३०हस्तेभौम३३/३८
१५	शु ४१ ५७ उ २० ७ प्री २७ ६ वि १४ ३५	१९	२०	४०	१०	१४	१	मकरे भ.१४।३५या.अगस्तदता.३१

१५पं.प्र.श्रा.शु.४च.इ.१३/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	६	४	६	११	३
४	३	१३	२७	१८	५	२७	३
११	४१	३९	४५	४९	५१	३४	३८
३८	४१	१८	५	४१	३६	२५	५०
५७	३७	९/१६	१६	६४	१	३	५६
१५	१९	५८	मा	५८	४९	११	५९

गोचर ग्रहाः

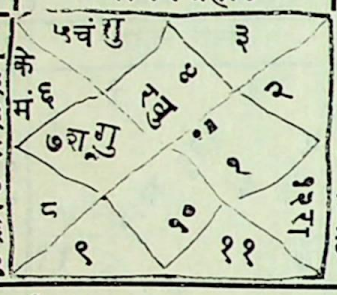

इसमासमें कृष्णपक्षमें धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो चावल धातु सोना चाँदी मंदे हो शुक्ल पक्ष में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

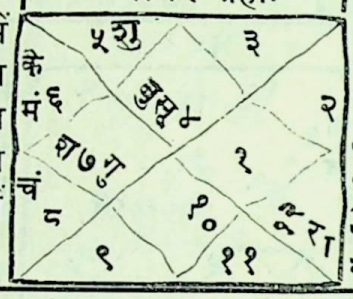

१६पं.प्र.श्रा.शु.११चं.इ.१/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	६	४	६	११	३
१०	७	२७	२७	२६	६	२७	१०
५२	५४	४	५१	९	६	१२	१८
४१	११	५९	२९	५०	०	१०	७
५७	३७	०/१८	१	६३	२	३	५७
२०	४०	२६	४०	१४	३२	११	५

ति.	द्वि. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणेप्र.श्रावणकृष्णेति महा.
१	श ३५ ३२ श्र १६ १६ आ १९ ४४ बा ८ ४४	३३/१६	५/२१	६/३९	११	१५	२	कुं.४३।५५
२	र २८ ३७ ध ११ ३४ सौ ११ ३८ तै २ ५	१३	२१	३९	१२	१६	३	कुम्भे आश्लें.रविः१६/१८सौरः५३।२३
३	चं २१ २२ श ६ २७ शो ७/३५ वि २१ २२	१०	२२	३८	१३	१७	४	मी४७।३१ भ.४७।४४उ.चतुर्थीब्र.
४	मं १४ ६ पू ९/३ ५८ सु ४६ २२ बा १४ ६	७	२३	३७	१४	१८	५	मीने भ.१४।६या.
५	बु ७ २९ रे ५२ १ धृ ३८ २२ तै ७ २९	४	२३	३७	१५	१९	६	मे.५२।१
६	गु १ १७ अ ४८ २३ शू ३० ५८ व १ १७	०	२४	३६	१६	२०	७	मेषे भ.१/१७उ.३९/३२या.पूफा.बुधः२/७रेवती३×
७	गु ५४ ३१ ० ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ० [×राहुः चित्रा१केतुः१९।४१
८	शु ५१ ५ भ ४५ २० गं २३ ५६ बा २३ २६	३३/७	२५	३५	१७	२१	८	वृ.५९।४७ स्वाती१गुरुः५०।८
९	श ४६ ५९ कृ ४३ ७ बृ १७ ४४ तै १९ २	५४	२५	३५	१८	२२	९	वृषे
१०	र ४३ ५२ रो ४२ १३ ध्रु १२ २ व १५ २५	५०	२६	३४	१९	२३	१०	वृषे भ.१५।२५उ.४३।५२या.
११	चं ४१ ४१ मृ ४१ ८ व्या ७ ५ व १२ ४६	४७	२७	३३	२०	२४	११	मि११।४० हस्तेशुक्रः६।५१कमला११व्र.
१२	मं ४० ११ आ ४१ २५ ह ५२/३७ कौ १० ५६	४४	२७	३३	२१	२५	१२	मिथुने
१३	बु ४० १ पु ४३ १ सि ५७ ५२ ग १० ६	४०	२८	३२	२२	२६	१३	क.२७।३७ भ.४०।१उ.
१४	गु ४० ४१ पु ४५ २९ व्य ५६ १२ वि १० २१	३७	२९	३१	२३	२७	१४	कर्के भ.१०।२१या.
१५	शु ४२ ५५ श्ले ४९ २१ व ५५ ४३ च ११ ४८	३३	२९	३१	२४	२८	१५	सिं४९।२१ अधिकमाससमाप्तिः

१७पं.द्वि.श्रा.कृ.३च.इ.१३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	६	५	६	११	३
१७	१२	८	२८	३	६	२६	१६
२४	८	४९	६	१६	२५	४९	५७
२३	५३	८	५४	२६	२३	५४	५५
५७	३८	९/६	३	६०	३	३	५७
२५	३१	३३	६	५३	१६	११	१२

गोचर ग्रहाः

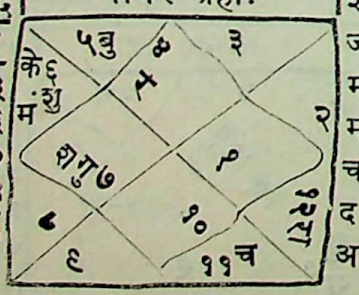

इस मासमें धान्य गेहूं जो चना चावल मूंग मोठ बाजरा ज्वार मक्का धातु सोना चांदी तांबारुई बार-दाना तेज हो वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

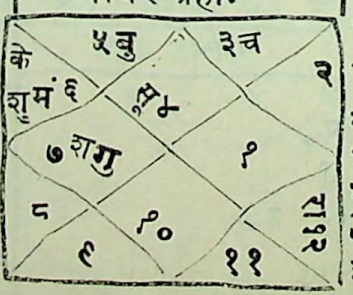

१८पंद्वि.श्राकृ.११च.इ.१/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	६	५	६	११	३
२४	१६	१९	२८	१०	६	२६	२३
१६	२८	११	३०	५	४९	२७	३९
४४	१९	५३	३६	५३	५	३९	२
५७	३९	८/१	४	५८	३	३	५७
३३	३	५९	१३	०	४९	११	२२

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०९९ शाकः १९६४ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं. | चन्द्रः | वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण४५१५स२०४२

१	श	४६	७	म	५४	१०	प	५५	२६	किं	१४	३१	३२	३०	३०	२५	२९	१६	सिंहे	उफा.बुध:२३।१८
२	र	५०	४०	पू	६०	०	शि	५६	३१	ब्रा	१८	२३	२६	३१	२९	२६	३०	१७	सिंहे	मघा.सिंहेऽर्क:३०सौर.५७चंद्रदर्शनं +
३	चं	५५	५८	पू	०	११	सि	५८	७	तै	२३	१९	२२	३२	२८	२७	१	१८	क.१६।५१	रमजानऽतीज [+सिंघारा
४	मं	६०	०	उ	६	५२	सा	६०	०	व	२९	१	१९	३२	२८	२८	२	१९	कन्यायां	भ.२९उ.कन्यायांबुध:२७वरद४
४	बु	२	४	ह	१४	१८	सा	०	१०	वि	२	४	१५	३३	२७	२९	३	२०	तु.४८।२	भ.२।४या.
५	गु	८	२७	चि	२१	४७	शु	२	४८	बा	८	२७	१२	३४	२६	३०	४	२१	तुलायां	नागपंचमी
६	शु	१४	३३	स्वा	२९	२६	शु	५	२८	तै	१४	३३	८	३४	२६	३१	५	२२	तुलायां	चित्रा.भौम: १५।०
७	श	२०	४	वि	३६	७	ब्रु	७	३५	व	२०	४	४	३५	२५	१	६	२३	वृ.१९।२७	भ.२९उ.५३या.भा.भाद्रपदारंभः
८	र	२४	१८	अ	४१	४०	एं	८	४९	ब	२४	१८	१	३६	२४	२	७	२४	वृश्चिके	
९	चं	२६	५९	ज्ये	४५	३५	वै	९	८	को	२६	५९	३१	३७	२३	३	८	२५	ध.४५।३५	
१०	मं	२७	४६	मू	४७	३८	वि	८	१	ग	२७	४६	५३	३७	२३	४	९	२६	धनुषि	भ.५७उ.चित्रा.शुक्र:४।२३
११	बु	२६	३४	पू	४७	४१	प्री	५	१७	वि	२६	३४	४९	३८	२२	५	१०	२७	धनुषि	भ.३६या.विशा.४वृश्चिकेगुरु५४।१६=
१२	गु	२३	१०	उ	४५	४४	आ	७९	५४	ब्रा	२३	१०	४६	३९	२१	६	११	२८	म.२।१५	प्रदोषः [=पवित्रा११व्र.
१३	शु	१८	१	श्र	४१	५२	शो	४७	४८	तै	१८	१	४२	४०	२०	७	१२	२९	मकरे	[×रक्षाबंधनम्
१४	श	११	५	ध	३६	३२	अ	३९	१	व	११	५	२८	४०	२०	८	१३	३०	कुं.९।१२	भ.११।५उ.३७।५या.
१५	र	३	५	श	३०	१९	सु	२९	४६	ब	३	५	३४	४१	१९	९	१४	३१	कुंभे	पूफा.रवि:०।४सौर:४१श्रावणीकर्म ×

१९पं.द्विश्रा.शु.३चं.इ. १२।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	६	५	६	११	४
१	२०	२८	२९	१६	७	२६	०
०	५२	३८	२	४१	१६	५	२१
४	५	४६	३५	२८	२३	२३	१५
५७	३९	६५	५	५४	४	३	५७
४०	२९	५	२२	१६	२८	११	३४

गोचर ग्रहाः

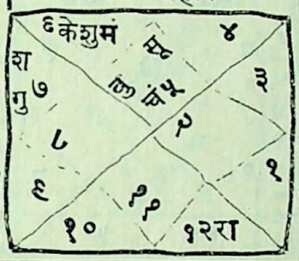

द्वि.श्रावणशुक्ले २रवौ सिंहेऽर्क:प्रविष्ट:वा५ न.५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय:पश्चिमायां +केशुमंबु

गोचर ग्रहाः

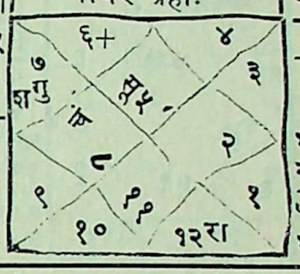

२०पं.द्विश्रा.शु.९च.इ.१२।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	६	५	६	११	४
७	२५	५	२९	२२	७	२५	७
४४	१८	१	४२	३७	४७	४३	४
२८	७	१६	४०	१२	२८	७	४१
५७	३९	४३	६	४९	४	३	५७
४९	५४	११	२६	३६	५५	११	४५

ति. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४ | दि. उ. अ. | भा. मु. इं | चन्द्रः | शरदृतू रविर्दक्षिणेद्वि.श्रावणकृष्णेतिमहा.

१	र	५१	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			
२	चं	४५	३२	पू	२३	३४	धृ	१९	४७	तै	१९	५८	३१	३०	४२	१८	१०	१५	१	मी १०।१५	तुलायांभौम:२५सितंबरऽता.३०	
३	मं	३६	५३	उ	१६	४६	शू	९	५१	व	११	१२	२६	४३	१७	११	१६	२		मीने	भ.१३उ.३६।५३या.चतुर्थीव्र.	
४	बु	२८	४५	रे	१०	२५	गं	२	५०	ब	२	४९	२२	४४	१६	१२	१७	३		मे.१०।२५	वक्रीबुध:३५तुलायांशुक्र:५१।५४	
५	गु	२१	४३	अ	४	५४	ध्रु	४२	२२	तै	२१	४३	१८	४४	१६	१३	१८	४		मेषे	चन्द्रषष्ठी	
६	शु	१५	४९	भ	२४	५६	व्या	३५	१	व	१५	४९	१५	४५	१५	१४	१९	५		वृ.१४।३५	भ.१५।४९उ.४३।३३या.	
७	श	११	१८	रो	५५	७	ह्व	२८	३७	ब	११	१८	११	४६	१४	१५	२०	६		वृषे	जन्माष्टमीव्र.स्मा.	
८	र	८	३	मृ	५४	४६	व	२३	१६	को	८	३	७	४७	१३	१६	२१	७		मि२४।५६	बुधास्त:पश्चिमे३३जन्माष्टमीव्र.वै.	
९	चं	६	१२	आ	५५	२५	सि	१९	११	ग	६	१२	३	४७	१३	१७	२२	८		मिथुने	भ.३५।५३उ.गोगा९	
१०	मं	५	३५	पु	५७	३१	व्य	१५	५५	वि	५	३६	५९	४८	१२	१८	२३	९		क.४२।०	भ.५।३६या.	
११	बु	६	२८	पु	६०	०	व	१४	१	बा	६	२८	५५	४९	११	१९	२४	१०		कर्के	अजा११व्र.	
१२	गु	८	१९	पु	०	३८	प	१२	५२	तै	८	१९	५१	५०	१०	२०	२५	११		कर्के	स्वात्यांभौम:३९वत्सद्वादशीप्रदोषः	
१३	शु	११	४०	श्ले	५	५	शि	१२	५५	व	११	४०	४७	५१	९	२१	२६	१२		सिं५।५	भ.११।४०उ.४३।३८या.	
१४	श	१५	३७	म	१०	२६	सि	१३	१०	श	१५	३७	४३	५१	९	२२	२७	१३		सिंहे	उफा.रविः३४ [+३०मन्वादिः	
३०	र	२०	४३	पू	१६	५२	सा	१४	२०	ना	२०	४३	३९	५२	८	२३	२८	१४		कं.३३।३३	उफा.रवि:सौर:२६कुशाग्रहणीपिठो.+	

२१पं.भा.कृ.२च.इ.१२।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	७	५	६	११	४
१४	२९	९	०	२८	८	२५	१३
३०	५१	२३	२९	४	२२	२०	४९
४	२५	५६	२	१२	१९	५२	५३
५८	४०	१४	७	४३	५	३	५७
१	२३	२४	२६	३५	२३	११	५७

गोचर ग्रहाः

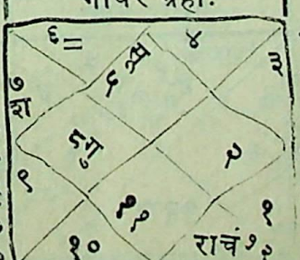

भाद्रपद शुक्ले ३ बुधे कन्यायामर्क:प्रविष्ट: वा.४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय: पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२२पंभा.कृ.९च.इ. १२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	६	६	११	४
२१	४	९	१	२	९	२४	२०
१७	२७	५६	२२	४८	०	५८	२६
६	१४	२८	३४	७	११	३६	३३
५८	४०	३६	८	३५	५	३	५८
१६	४७	५	३१	३४	५०	११	१२

=केशुबुमं (सं० २००१ समारम्भ २१००

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५४५ स. २०४२
१	चं २६ १० उ २३ ३४ शु १६ ३ ब २६ १०	३०	५५	५३	६	२४	२९	१५	कन्यायां
२	मं ३२ १६ ह ३० ५८ शु १८ ९ कौ ३२ १६	३१	५४	६	२५	३०	१६		कन्यायां
३	बु ३८ ५० चि ३८ ३८ ब्र २० ३८ तै ५ ३३	२७	५५	५	२६	१	१७		तु.४।४८
४	गु ४५ २ स्वा ४६ १७ ऐं २२ ५८ व ११ ५६	२२	५६	४	२७	२	१८		तुलायां
५	शु ५० ५३ वि ५३ २६ वै २५ २० ब १७ ५७	१८	५६	४	२८	३	१९		वृ.३६।३९
६	श ५५ ४४ अ ५९ ४० वि २७ १३ कौ २३ १८	१४	५७	३	२९	४	२०		वृश्चिके
७	र ५९ २२ ज्ये ६० ० प्री २८ १७ ग २७ ३३	९	५८	२	३०	५	२१		वृश्चिके
८	चं ६० ० ज्ये ४ ५३ आ २८ १५ वि ३० २१	५	५९	१	३१	६	२२		ध.४।५३
८	मं १ २० मू ८ ३१ सौ २६ ५९ ब १ २०	३०	०	०	१	७	२३		धनुषि
९	बु १ २५ पू १० १५ शो २४ १० कौ १ २५	५९	०	५९	२	८	२४		म.२५।१२
१०	बु ५८ ८ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०		० ०
११	गु ५५ ३७ उ १० ४ अ १९ ४१ व २७ ३५	५२	२	५८	३	९	२५		मकरे
१२	शु ४९ ३४ श्र ७ ४६ सु १३ ३५ ब २२ ३६	४८	२	५८	४	१०	२६		कु.३५।४३
१३	श ४२ ८ ध ४० ५४ ध्रु ५७ ५९ कौ १५ ५१	४४	३	५७	५	११	२७		कुंभे
१४	र ३३ १७ पू ५० ५३ गं ४७ १ ग ७ ४२	४०	४	५६	६	१२	२८		मी ३७।३६
१५	चं २३ ३९ उ ४३ १६ बृ ३६ २१ ब २३ ३९	३६	५	५५	७	१३	२९		मीने

स्वात्यांशुक्रः ५२।८
चंद्रदर्शनम्
कन्यायामर्क·१५०सौरः ५३०सव्वाल १० +
भ.१५६उ.४२या.स्वाती २शनिः १९।८=
ऋषिपंचमी [+हरितालिका ३
वक्रीसिंहेबुधः११५ [=गणेशचतुर्थी
भ.५९।२२उ.अनु.१गुरुः२७।३१
भ.३०।२१या.
वक्रीपूफा.बुधः२९०भा.आश्विनारंभः
[×जलझूलनी ११व्र.स्मा.
[÷शुक्रः ३४।४४प्रदोषः
भ.३५उ.३७या.पूबोदयीबुधः८।३६ ×
जलझूलनी ११व्र.वै.वामनजयंती
हस्तेरविः २३।४मार्गीबुधः४७वक्री ÷
भ.३३उ.५८या.हस्ते.रविसौरः४०अनं १४
महालयारंभः कु.संध्या.पूजनारंभः

२३पं.भा.शु.१च.इ. १५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	६	६	११	४
२८	९	५	२	६	९	२४	२७
५	६	१३	२२	२३	४०	३६	२४
२८	१४	२६	१२	१३	४४	२१	४९
५८	४१	६८	९	२५	६	३	५८
२६	६	व	२०	१७	११	११	२९

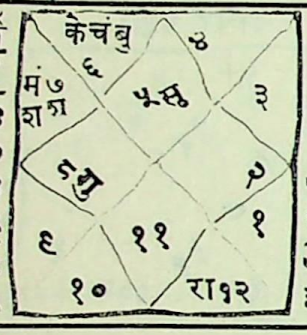

२४पं.भा.शु.८च.इ. १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	७	६	६	११	५
४	१३	२७	३	८	१०	२४	४
५५	४८	५३	२७	४७	२४	१४	१४
१९	५८	२०	२५	४२	०	५	५६
५८	४१	६३	१०	१२	६	३	५८
३८	२६	व	००	१	२६	११	४५

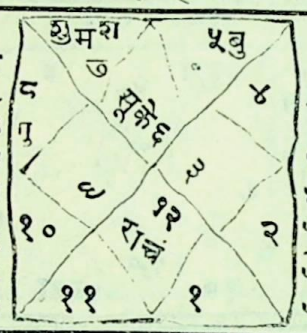

२५प.भा.शु.१५च.इ. ११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	७	६	६	११	५
११	१८	२५	४	९	११	२३	११
४६	३५	५६	३८	२७	९	५१	६
५२	२८	१७	२	४७	११	४९	५३
५८	४१	१५०	१०	३७	६	३	५९
५३	५३	मा	४६	व	३८	११	०

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	मं १३ ४९ रे ३५ २५ ध्रु २५ २६ कौ १३ ४९	२९	६	५४	८	१४	३०		मे.३५।२५
२	बु ५४ १७ अ २७ ५६ व्या १४ ३९ ग ४ १७	२८	६	५४	९	१५	१		मेषे
४	गु ४७ ३४ भ २१ १८ ह २४ ५० ब २१ २७	२३	७	५३	१०	१६	२		वृ.३५।०
५	शु ४१ १८ कृ १६ १ सि ४६ ३५ कौ १४ २६	१९	८	५२	११	१७	३		वृषे
६	श ३६ ५२ रो १२ १० व्य ३९ ४९ ग ९ ५	१५	९	५१	१२	१८	४		मि४१।१०
७	र ३४ १२ मृ १० १० व ३४ २२ वि ५ ३२	११	१०	५०	१३	१९	५		मिथुने
८	चं ३३ २० आ ९ ५५ प ३० २६ बा ३ ४६	७	११	४९	१४	२०	६		क.५६।१०
९	मं ३४ १९ पु ११ ३५ शि २७ ५५ तै ३ ५०	३	११	४९	१५	२१	७		कर्के
१०	बु ३६ ३७ पु १४ ५३ सि २६ ४३ व ५ २८	२९	१२	४८	१६	२२	८		कर्के
११	गु ४० २८ श्ले १९ २८ सा २६ ५३ व ८ ३२	५५	१३	४७	१७	२३	९		सिं१९।२८
१२	शु ४५ १७ म २५ ७ शु २७ २८ कौ १२ ५२	५१	१४	४६	१८	२४	१०		सिंहे
१३	श ५१ २ पू ३१ ४६ शु २८ ५१ ग १८ १०	४७	१५	४५	१९	२५	११		कं.४८।३३
१४	र ५६ ५० उ ३८ ५५ ब्र ३० ५५ वि २३ ५६	४३	१५	४५	२०	२६	१२		कन्यायां
३०	चं ६० ० ह ४६ १७ ऐं ३३ १ च ३० ५	३९	१६	४४	२१	२७	१३		कन्यायां
३०	मं ३ २० चि ५४ २ वै ३५ २८ ना ३ २०	३५	१७	४३	२२	२८	१४		तु २०।१०

[×भौमः १३।० अक्टूबर १० ता.३१
भ.२९उ.५५या.उफा.बुधः५५विशा. ×
चतुर्थीव्र.
[+अनु.२गुरुः३५
भ.३६।५२उ.
भ.५।३२या.कन्यायांबुधः३०।२

मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
भ.५।२८उ.३६।३७या.
रेवती २राहुःहस्त४केतु३४इंदिरा ११व्र.
चित्रा.रविः५८वक्रीचित्रा. शुक्रः३९ +
भ.५१उ.चित्रा.रविःसौरः३४शुक्रास्त=
भ.३६या.हस्तेबुध ३८शस्त्रादिहता.श्रा.
सर्वपितृ ३० [=पश्चिमे २४प्रदोषः
पूर्वभारतेसूर्यग्रहणम् मातामहश्रा.

२६पं.आ.कृ.८च.इ. ११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	७	६	६	११	५
१८	२३	०	५	८	११	२३	१८
४०	२५	५१	५२	११	५५	२९	००
५	१६	१४	४४	५६	५२	३४	४०
५९	४२	७४	११	१९	६	३	५९
९	१०	१	२०	व	५२	११	१६

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा गेहूं जो चना मटर धातु सोना चांदी ताम्बा कृष्ण पक्ष में मंदे होकर शुक्लपक्षमें तेज हो।

गोचर ग्रहाः

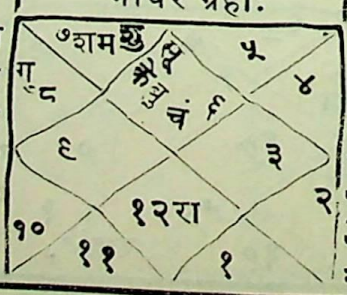

२७पं.आ.कृ.३०च.इ. ११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	७	६	६	११	५
२५	२८	११	७	५	१२	२३	२४
३४	१८	०	११	७	४४	७	५६
५९	४०	५४	२८	४४	३१	१८	२२
५९	४२	९७	११	३३	७	३	५९
२१	३७	३८	५८	व	८	११	३१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४ | दि. उ.अ. भा मु इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५७५ सन् २०४२

१	बु	९	३७	स्वा	६०	०	वि	३७	४६	ब	९	३७	३६	१६	४२	२३	२९	१५	तुलायां	वृश्चिकेभौमः ३१ ४३ अस्तशने: ४३ ३९ बुधास्त×
२	गु	१५	४६	स्वा	१	२६	प्री	३९	५५	कौ	१५	४६	२७	१९	४१	२४	३०	१६	वृ.५१।५४	चंद्रदर्शनम् [×पूर्वस्यां ३९ नवरात्रारंभः
३	शु	२१	२६	वि	८	४३	आ	४१	३२	ग	२१	२६	२३	१९	४१	२५	१	१७	वृश्चिके	भ.५३ उ.तुलायामर्कः ५६ जिल्काद ११
४	श	२६	२०	अ	१४	५३	सौ	४२	३८	वि	२६	२०	२०	२०	४०	२६	२	१८	वृश्चिके	भ.२६ या.तुलार्कः सौरः १७ स्वाती ३ =
५	र	३०	१६	ज्ये	२०	४०	शो	४३	१६	बा	३०	१६	१६	२१	३९	२७	३	१९		ध.२०।४० [=शनिः १३।२६
६	चं	३२	५०	मू	२५	५	अ	४२	४७	कौ	१	३३	१२	२२	३८	२८	४	२०	धनुषि	चित्रा.बुधः २५ अनु.भौमः १६।५८
७	मं	३३	५९	पू	२८	१०	सु	४१	२	ग	३	२५	८	२२	३८	२९	५	२१		भ.५९ उ.वक्रीकन्यायांशुक्रः ४६।२४
८	बु	३३	३१	उ	२९	३७	धृ	३८	१२	वि	३	४५	४	२३	३७	३०	६	२२	मकरे	भ.३।४५या. [+तुलायांबुधः २३।१२
९	गु	३१	१६	श्र	२९	१९	शू	३३	४४	बा	२	२३	०	२४	३६	१	७	२३	कुं.५८।१५	भा.कार्तिकारंभः
१०	शु	२७	८	ध	२७	१३	गं	२७	५५	ग	२७	८	२७ ५९	२५	३५	२	८	२४	कुंभे	भ.५५ उ.स्वात्यांरविः २९ सौरः ५९ +
११	श	२१	२२	श	२३	२२	बृ	२०	३३	वि	२१	२२	५३	२५	३५	३	९	२५	कुम्भे	भ.२१ या.पापांकुशा ११त्र.
१२	र	१३	५४	पू	१७	५४	ध्रु	११	५८	बा	१३	५४	४९	२६	३४	४	१०	२६	मी४।१८	शुक्रोदयःपूर्वस्यां १७ प्रदोषः
१३	चं	५	१६	उ	११	२०	व्या	१७ २४	४९ ३५	तै	५	१६	४५	२७	३३	५	११	२७	मीने	भ.५६ उ.अनु. ३गुरुः १४।३६
१४	चं	५०	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[–पूर्णिमाकोजागरीव्र.का.स्ना.प्रा.
१५	मं	४५	५३	रे	४३	५२	व	४०	४४	वि	२०	५०	४१	२८	३२	६	१२	२८	मे.३।४२	भ.२०।५०या.स्वात्यांबुधः १९ ३४ शरद् –

२८पं.आ.शु.६च.इ. १ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	७	६	६	११	६
२	३	२२	८	०	१३	२२	१
२१	१६	५५	३४	५७	३४	४५	५३
२३	१	१९	८	३२	१२	३	४५
५९	४२	०	१२	२६	७	३	५९
३४	४८	२२	२०	वं	१४	११	४६

गोचर ग्रहाः

आश्विनशुक्ले ३ शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न. ४ गलभावस्था(बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

२९पं.आ.शु.१३च.इ. ११ १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	७	५	६	११	६
९	८	४	९	२६	१४	२२	८
२९	१६	५२	५९	५८	२४	२२	५३
३८	४८	८	४	२३	२५	४७	५
५९	४३	०	१२	२७ २८	७	३	६०
४७	१३	२०	४५	वं	२०	११	२

ति. कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४ | दि. उ. अ. भा. मु. इं. | चन्द्रः | शरदृतूरविर्दक्षिणेऽाश्विनकृष्णेतिमहा.

१	बु	३६	८	भ	४८	२	सि	२९	४२	बा	११	०	३७	२९	३५	७	१३	२९	मेषे	
२	गु	२७	१०	कृ	४१	२	व्य	१८	५६	तै	१	३९	३४	२९	३१	८	१४	३०	वृ.१।१७	भ.५३।४५उ.
३	शु	१९	२१	रो	३५	२५	व	९	७	वि	१९	२१	३०	३०	३०	९	१५	३१	वृषे	भ.१९।२१या.करकचतुर्थीव्र.
४	श	१३	४	मृ	३१	१९	प	२२ ५२	४९	बा	१३	४	२७	३१	२९	१०	१६	१	मि३।२२	नवम्बर११ता.३०
५	र	८	५६	आ	२९	१०	सि	४७	२२	तै	८	५६	२३	३१	२९	११	१७	२	मिथुने	
६	चं	६	४५	पु	२९	६	सा	४३	२१	व	६	४५	१९	३२	२८	१२	१८	३	क.१४।७	भ.६।४५उ.३६।४९या.
७	मं	६	५३	पु	३१	११	शु	४०	५५	ब	६	५३	१६	३३	२७	१३	१९	४	कर्के	
८	बु	८	४३	श्ले	३५	०	शु	४०	७	कौ	८	४३	१२	३४	२६	१४	२०	५	सिं३५।०	विशा.बुधः १४।५८
९	गु	१२	२६	म	४०	२३	ब्र	४०	४३	ग	१२	२६	९	३४	२६	१५	२१	६	सिंहें	भ.५५ उ.विशा.रवि ४१।३०
१०	शु	१७	२५	पू	४६	४६	ऐं	४१	५२	वि	१७	२५	५	३५	२५	१६	२२	७	सिंहे	भ.१५ या.विशा.रविःसौरः १५ ज्येष्ठा.+
११	श	२३	३१	उ	५४	१७	वै	४४	०	बा	२३	३१	२	३६	२४	१७	२३	८	कं.३।३९	रमा११त्र. [+ भौमः ४४।७
१२	र	२९	४७	ह	६०	०	वि	४६	९	तै	२९	४७	२६	३६	२४	१८	२४	९	कन्यायां	[×गुरुः ४८।१रुप १४
१३	चं	३६	२९	ह	१	४५	प्री	४८	४०	ग	३	८	५५	३७	२३	१९	२५	१०	तु.३५।३५	भ.३६ उ.मार्गी शुक्रः ३० प्रदोषःधन१३
१४	मं	४२	४८	चि	९	२४	आ	५०	५४	वि	९	३८	५२	३८	२२	२०	२६	११	तुलायां	भ.३९ या.बृश्चिकेबुधः ४४ अनु.४×
३०	बु	४८	४३	स्वा	१६	४६	सौ	५२	५०	च	१५	४५	४९	३८	२२	२१	२७	१२	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्

३०पं.का.कृ.६च.इ. १ १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	७	५	६	११	६
१६	१३	१६	११	२४	१५	२२	१५
२९	१९	२८	२८	२०	१५	०	५४
२०	४१	१९	१६	२०	११	३१	९
६०	४३	०	१३	१५ ४०	७	३	६०
४	२६	२८	८	वं	२०	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य चावल गेहूं जो चना बाजरा मूंग मोठ मटर सरसो अलसी धातु सोना चांदी ताम्बा तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

३१पं.का.कृ.१३च.इ. १० ४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	७	५	६	११	६
२३	१८	२७	१२	२३	१६	२१	२२
३०	२६	२५	५८	३९	५	३८	५६
४०	४६	१९	३४	२९	४२	१६	४०
६०	४३	९९	१३	४६	७	३	६०
१७	४०	५५	२०	वं	२०	११	३०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९९ शाकः १९६४										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६०४स.२०४२
१	गु	५३	५०	वि	२३	४६	शो	५४	७	किं	२१	१६	२६/४५	३९	२५	२२	२८	१३	वृ.७।१	अनु.बुध:५०/३६अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा
२	शु	५८	१३	अ	२९	५६	अ	५४	५९	बा	२६	१	४२	४०	२०	२३	२९	१४	वृश्चिके	चंद्रदर्शनंभातृ२यम२
३	श	६०	०	ज्ये	३५	१४	सु	५५	१३	तै	३०	०	३९	४०	२०	२४	१	१५	ध.३५।१४	स्वाती४शनि:१/४जिल्हेज१२
४	र	१	४६	मू	३९	२८	धृ	५४	२२	ग	१	४६	३६	४१	१९	२५	२	१६	धनुषि	भ.३/३उ.बृश्चिकेऽर्क:३/४
५	चं	३	५९	पू	४२	३९	शू	५२	५०	वि	३	५९	३३	४१	१९	२६	३	१७	म.५८।११	भ.३।५९या.बृश्चिकेऽर्क:सौर:१०।२
६	मं	५	१५	उ	४४	४८	गं	५०	३५	बा	५	१५	३०	४२	१८	२७	४	१८	मकरे	उदयंशने:४५।१
७	बु	५	१०	श्र	४५	३१	बृ	४७	८	तै	५	१०	२७	४३	१७	२८	५	१९	मकरे	अनु.रवि:५५।५४
८	गु	३	५८	ध	४५	७	शु	४२	४०	व	३	५८	२५	४३	१७	२९	६	२०	कुं.१५।१९	भ.५८/३उ.३/४०या.अनु.रवि:सौर:३/६०गोपा.
८	शु	१	२२	श	४३	१३	व्या	३६	५२	ब	१	२२	२२	४४	१६	३०	७	२१	कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९
९	शु	५५	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाह
१०	श	५१	५३	पू	३९	५८	ह	३०	१	तै	२४	३६	१९	४४	१६	१	८	२२	मी२५।४७	ज्येष्ठाबुध:२/३६भा.मार्गशीर्षारंभ:
११	र	४५	८	उ	३५	२३	व	२२	१६	व	१८	३१	१७	४५	१५	२	९	२३	मीने	भ.१८।३१उ.४५।८या.अस्तंगुरो:२/३४ ÷
१२	चं	३७	२६	रे	२९	४४	सि	१३	१७	ब	११	१७	१४	४५	१५	३	१०	२४	मे.२९।४४	[+पश्चिमोदयंबुध:९।५५
१३	मं	२८	५७	अ	२३	८	व्य	४७/३	४९/४६	कौ	३	११	१२	४६	१४	४	११	२५	मेषे	मूलेधनु.भौम:४/५२प्रदोष;बैकुंठ१४
१४	बु	१९	५४	भ	१६	११	प	४३	२	व	१९	५४	९	४६	१४	५	१२	२६	वृ.२९।२५	भ.५/५४उ.४/३१या.ज्येष्ठा१गुरु:४९।२४ +
१५	गु	११	९	कृ	९	६	शि	३२	५५	ब	११	९	७	४७	१३	६	१३	२७	वृषे	मन्वादि:का.स्ना.पू.

३२पं.का.शु.४च.इ. १०/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	५	६	११	७
०	२३	८	१४	२४	१६	२१	०
३३	२७	४५	३०	२८	५५	१६	०
२२	५	४७	४७	१९	३७	०	४४
६०	४४	९७	१३	१५/४७	७	३	६०
३०	५	४३	२९	मा	१४	११	४०

गोचर ग्रहाः

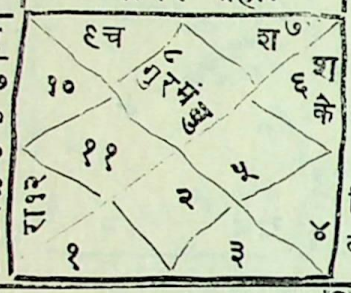

कार्तिक शुक्ले ३रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.३ वृद्धावस्था (बेठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वे ।

गोचर ग्रहाः

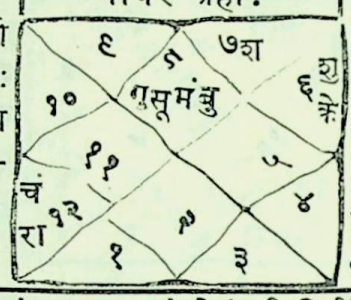

३३पं.का.शु.१२च.इ. १०/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	५	६	११	७
७	२८	१९	१६	२७	१७	२०	७
३७	४९	२८	४	४५	४४	५३	६
१६	४१	५२	८	२९	४६	४५	१७
६०	४४	९५	१३	२८	७	३	६०
४२	१६	२	३२	२	२	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	शु	२	५३	रो	२/४४	५४/४१	सि	२३	२०	कौ	२	५३	२६/५	४७/६	१३/५	७	१४	२८	मि३०।५	तुलायांशुक्रः८।४८
२	शु	५३	०	मृ	०	०	सा	०	०	व	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	श	५०	३२	आ	५३	३५	सा	१४	४७	व	२३	१३	२	४८	१२	८	१५	२९	मिथुने	भ.२३।१३उ.५०।३२या.
४	र	४६	५६	पु	५१	३७	शु	७	३२	ब	१८	४४	०	४८	१२	९	१६	३०	क.३६।५६	चतुर्थीव्र.
५	चं	४५	४६	पु	५२	२	शु	५७/२७	५५/५७	कौ	१६	२१	२५/५८	४८	१२	१०	१७	१	कर्के	मूलेधनुषिबुधः१/३दिसम्बर१२ता.३१
६	मं	४६	३४	श्ले	५४	१३	श्ले	५५	४०	ग	१६	१०	५६	४९	११	११	१८	२	सि५४।१३	भ.४६।३४उ.
७	बु	४९	३२	म	५८	३४	वै	५५	१०	वि	१८	३	५४	४९	११	१२	१९	३	सिंहे	भ.१/६या.ज्येष्ठा.रविःसौर.:३४।४४
८	गु	५३	५९	पू	६०	०	वि	५५	३७	बा	२१	४५	५३	४९	११	१३	२०	४	सिंहे	
९	शु	५९	५७	पू	४	१६	प्री	५७	८	तै	२६	४८	५१	५०	१०	१४	२१	५	क.२१।४	
१०	श	६०	०	उ	११	२८	आ	५९	१६	व	३३	५	४९	५०	१०	१५	२२	६	कन्यायां	भ.३३।५उ.
१०	र	६	१३	ह	१८	५१	सौ	६०	०	वि	६	१३	४८	५०	१०	१६	२३	७	तु.५२।४४	भ.१/६या.स्वात्यांशुक्रः४१।३६
११	चं	१२	५३	चि	२६	३७	सौ	१	४२	बा	१२	५३	४६	५१	९	१७	२४	८	तुलायां	उत्पत्ति११व्र.
१२	मं	१९	२३	स्वा	३३	५५	शो	३	५४	तै	१९	२३	४५	५१	९	१८	२५	९	तुलायां	प्रदोषः [=अस्तोभौमः१८।४१
१३	बु	२५	८	वि	४०	४९	अ	५	५७	व	२५	८	४४	५१	९	१९	२६	१०	वृ.२४।९	भ.२५/८उ.५७/३५या.पूषा.बुधः२८।४६ =
१४	गु	२९	५५	अ	४६	३२	सु	७	१३	श	२९	५५	४३	५१	९	२०	२७	११	वृश्चिके	ज्येष्ठा२गुरुः३८।१८रेवती१राहुःहस्त÷
३०	शु	३३	४०	ज्ये	५१	२२	धृ	७	४०	च	१	४८	४२	५२	८	२१	२८	१२	ध.५१।२२	[÷३केतुः४।३७

३४पं.मा कृ.५चं.इ. १०/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	७	६	६	११	७
१४	४	२९	१७	१	१८	२०	१४
४२	५	५४	३८	५३	३२	३१	१३
२९	२	४०	३८	२८	५३	२९	३
६०	४४	९०	१३	३७	६	३	६१
५०	३५	४९	३८	३२	५०	११	३

गोचर ग्रहाः

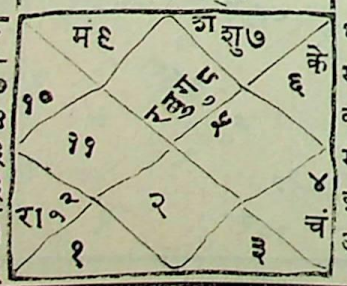

धनराशि गते भौमे मूलद्रव्य तृणानि च । काष्ठं च घृत कार्पासं महर्घ च चतुष्पदाम्। इस मास में धातु में अच्छी तेजी हो ।

गोचर ग्रहाः

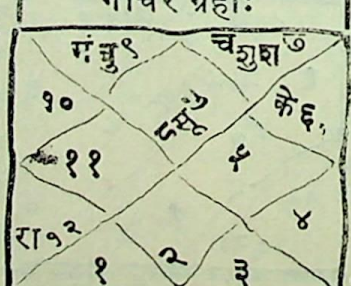

३५पं.भा.कृ.११चं.इ. ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	७	६	६	११	७
२१	९	१०	१९	७	१९	२०	२१
४८	२२	६	१२	०	१९	९	२०
३२	५९	२९	४०	३६	५	१३	४३
६०	४४	८३	१३	४५	६	३	६१
५६	५२	४०	३८	८	२२	११	११

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६३४स.२०४२
१	श ३६ १०	मू ५४ ५९	शू ७ १३	किं ४ ५५	२५ ६ ५	२२	२९	१३	धनुषि पूषा.भौमः१९।३७
२	र ३७ ३३	पू ५७ ४१	गं ५ ५५	बा ६ ५१	४० ५२ ८	२३	३०	१४	धनुषि विशा.१शनिः४२।२८चन्द्रदर्शनम्
३	चं ३७ ५३	उ ५९ ४	वृ ३ ४४	तै ७ ४३	३९ ५२ ८	२४	१	१५	म.१३।२ मोहोरम१सन्१४६५हि.
४	मं ३७ १०	श्र ५९ ४१	धु ४३ ५६ १८	व ७ ३१	३९ ५२ ८	२५	२	१६	मकरे भ.७।३१उ.३७।१०या.मूलेधनुष्यर्कः-
५	बु ३५ ३८	ध ५९ २५	ह ५२ ४२	ब ६ २४	३८ ५२ ८	२६	३	१७	कुं.२९।३३ [-१३।२०(सौरः३८।३४)
६	गु ३३ ४	श ५८ ४	व ४७ ३४	कौ ४ २१	३८ ५२ ८	२७	४	१८	कुंभे उदयंगुरौः३७।१२चंपा६
७	शु २९ ४४	पू ५५ ५९	सि ४१ ३६	ग १ २४	३७ ५३ ७	२८	५	१९	मी४१।३० भ.२९।४४उ.५७।४१या.
८	श २५ ३८	उ ५३ ८	च्य ३५ ३	ब २५ ३८	३७ ५३ ७	२९	६	२०	मीने
९	र २० ३५	रे ४९ २८	व २७ ५१	कौ २० ३५	३६ ५३ ७	३०	७	२१	मे.४९।२८ [=भा.पौषारंभः
१०	चं १४ ५२	अ ४४ ५५	प १९ ५२	ग १४ ५२	३६ ५३ ७	१	८	२२	मेषे भ.४१।३६उ.विशा.शुक्रः५१।३६=
११	मं ८ २०	भ ३९ ४६	शि ११ २९	वि ८ २०	३६ ५३ ७	२	९	२३	वृ.५३।२० भ.८।२०या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	बु १ १०	कृ ३४ १७	सि ३४ ५१ ३	बा १ १०	३६ ५३ ७	३	१०	२४	वृषे वक्रीबुधः४०।३१प्रदोषः
१३	बु ५२ ५३	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	०	०	०	० ०
१४	गु ४६ ४९	रो २८ ४९	शु ४४ ४०	ग २० २६	३७ ५३ ७	४	११	२५	मि५६।२५ भ.४६।४९उ. [×दत्तजयंती
१५	शु ४० २२	मृ २४ १	शु ३६ १०	वि १३ ३६	३७ ५३ ७	५	१२	२६	मिथुने भ.१३।३६या.ज्येष्ठा३गुरुः३७।१९×

३६पं.मा.शु.३चं.इ. ९/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	७	६	६	११	७
२८	१४	१९	२०	११	२०	१९	२८
५५	४२	२२	४७	५२	२	४६	२९
२६	५०	१	२०	५९	५३	५८	२६
६१	४५	६७	१३	५०	६	३	६१
०	७	२२	३२	३३	२०	११	१९

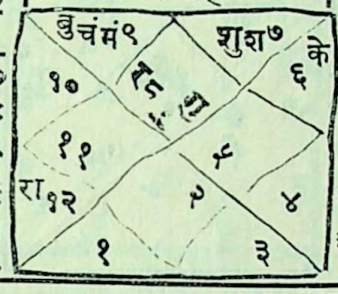

मार्गशीर्षशुक्ले४भौमे धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा ३ न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

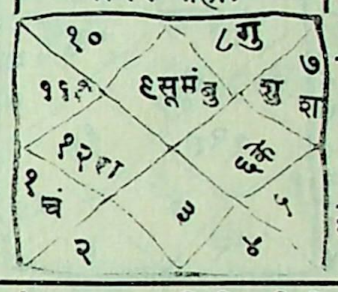

३७पं.मा.शु.१०चं.इ. ९/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	७	६	६	११	८
६	२०	२५	२२	१९	२०	१९	५
३	८	२०	२१	२१	४३	२४	३८
०	१७	२४	०	४७	३७	४२	५१
६१	४५	२१	१३	५५	५	३	६१
४	१७	२१	२९	४	५४	११	२२

ति.	पौष ५कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे मार्ग.कृष्णेति महा.
१	श ३४ ५९	आ २० ४	व्र २८ ३८	बा ७ ४०	३५ ६ ५३	७	६	१३	२७ मिथुने [+(सौरः३९।१२)चतुर्थीव्र.
२	र ३१ ७	पु १७ १३	ऐं २२ १४	तै ३ ३	३८ ५२	८	७	१४	२८ क.२।५६ बुधास्तःपश्चिमायां२६।३८
३	चं २९ ७	पु १६ २०	वै १७ १३	व ० ७	३८ ५२	८	८	१५	३९ कर्के भ.०।७उ.२९।७या.पूषा.रविः१८।२३+
४	मं २८ ५२	श्ले १७ ४	वि १३ ४७	बा २८ ५२	३९ ५२	८	९	१६	३० सिं१७।४ उषा.भौमः४१।१३
५	बु ३० ५७	म २० ११	प्री १२ १०	तै ३० ५७	४० ५२	८	१०	१७	३१ सिंहे [÷जनवरी१ता.३१सन्२०४३
६	गु ३४ ४२	पू २४ ५६	आ ११ २२	ग २ ४९	४१ ५२	८	११	१८	१ कं.४१।३० भ.३४।४२उ.वृश्चिकेशुक्रः४२।४९÷
७	शु ४० २	उ ३१ १३	सौ १२ ४	वि ७ २२	४२ ५२	८	१२	१९	२ कन्यायां भ.७।२२या.
८	श ४६ ३	ह ३८ १७	शो १३ ४८	बा १३ २	४३ ५१	९	१३	२०	३ कन्यायां मकरेभौमः५४।४३
९	र ५२ ४०	चि ४५ ५४	अ १५ ५५	त १९ २१	४४ ५१	९	१४	२१	४ तु.१२।५ अनु.शुक्रः५९।७
१०	चं ५९ ८	स्वा ५३ २०	सु १८ ८	व २५ ५४	४५ ५१	९	१५	२२	५ तुलायां भ.२५।५४उ.५९।८या.
११	मं ६० ०	वि ६० ०	धृ २० ११	ब ३२ १	४७ ५१	९	१६	२३	६ वृ.४३।३६ वक्रीमूलेबुधः२९।५४सफला११व्र.स्मा.
११	बु ४ ५५	वि ० २१	शू २१ ३९	बा ४ ५५	४८ ५०	१०	१७	२४	७ वृश्चिके सफला११व्र.वै.
१२	गु ९ ३४	अ ६ १६	गं २२ १३	तै ९ ३४	५० ५०	१०	१८	२५	८ वृश्चिके पूर्वोदयीबुधः५८।१५प्रदोषः
१३	शु १३ २	ज्ये १० ५२	बृ २१ ४२	व १३ २	५२ ५०	१०	१९	२६	९ ध.१०।५२ भ.१३।२उ.४३।५५या.
१४	श १४ ४९	मू १४ १४	ध्रु १९ ५९	श १४ ४९	५३ ४९	११	२०	२७	१० धनुषि ज्येष्ठा४गुरुः५९।०
३०	र १५ १३	पू १५ ५६	व्या १७ १६	ना १५ १३	५५ ४९	११	२१	२८	११ म.३१।३ उषा.रविः२३।५४(सौरः४१।३९)

३८पं.पौ.कृ.३चं.इ. २/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	७	६	६	११	८
१३	२५	२४	२३	२६	२१	१९	१२
१०	३०	४७	५३	९	२३	२	४८
५९	२९	२४	४९	०	१८	२७	४३
६१	४५	५५	१३	५८	५	३	६१
६	२८	वं.	२०	३६	३१	११	२६

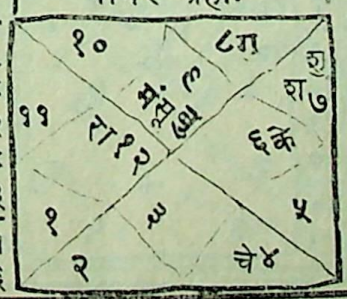

इसमासमें ५शनिवार ५ रविवार अशुभ हैं प्रजा में दारुण दुःख फैले धान्य गल्ला धातु सोना चांदी रसकस तेज हों ।

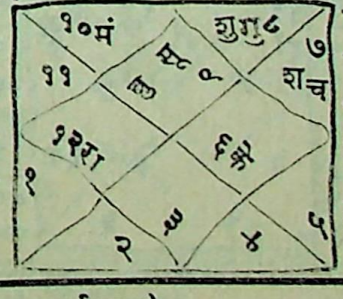

३९पं.पौ.कृ.१०चं.इ. ९/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	७	७	६	११	८
२०	०	१५	२५	३	२१	१८	१९
१९	५६	२४	२५	३०	५९	४०	५८
५	५३	३२	१९	२९	१०	११	४०
६१	४५	९२	१३	६१	५	३	६१
६	४२	वं.	८	११	१	११	२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९९शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४६६४स२०४३
१	चं १४ ११	उ १६ २५	ह १३ २९	ब १४ ११	२५ ६ ५	२२ २९ १२		मकरे	
२	मं १२ ४	श्र १५ ५३	व ८ ४७	कौ १२ ४	५९ ४८ १२	२३ ३० १३		कुं.४५।१४	चन्द्रदर्शनम्
३	बु ९ १३	ध १४ ३४	सि ३ २५ ५३ ५१	ग ९ १३	२६ ४८ १२	२४ १ १४		कुंभे	भ.३५उ.मकरेऽर्कः३९ (सौरः५६)-
४	गु ५ ३७	श १२ २८	व ५१ ३	वि ५ ३७	४ ४७ १३	२५ २ १५		मी५५।३६	भ.५।३७या.
५	शु १ २८	पू ९ ५९	प ४४ ३६	बा १ २८	६ ४७ १३	२६ ३ १६		मीने	श्रवणेभौमः३९।११
६	शु ५५ ३४	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०		० ०	[-मार्गीबुधः४६सफर२
७	श ५२ २८	उ ७ १६	शि ३७ ३१	ग २४ ४५	८ ४६ १४	२७ ४ १७		मीने	भ.५२।२८उ.ज्येष्ठाशुक्रः१२।२९
८	र ४७ २९	रे ४ ३	सि ३० ३१	वि १९ ५८	११ ४६ १४	२८ ५ १८		मे.४।३	भ.१९।५८या.
९	चं ४२ २५	अ ० ५६ ४३ २८	सा २३ १२	बा १४ ५७	१३ ४५ १५	२९ ६ १९		मेषे	पातस्पर्शः४०।२०पातमोक्षः५३।३
१०	मं ३६ ५९	कृ ५३ ३५	शु १५ ४५	तै ९ ४२	१६ ४५ १५	३० ७ २०		वृ.११।१७	[=(सौरः२८)भा.माघारंभःपुत्रदा११व्र
११	बु ३१ ३९	रो ४९ ५३	शु ८ २२	व ४ १९	१९ ४४ १६	१ ८ २१		वृषे	भ.४९उ.३९या.अभि.प्र.रविः१३।५९=
१२	गु २६ २०	मृ ४६ २३	ब ० ५८ ५९ २२	बा २६ २०	२१ ४४ १६	२ ९ २२		मि१८।८	पूषा.बुधः४८।४३प्रदोषः
१३	शु २१ २७	आ ४३ २८	वै ४७ ५	तै २१ २७	२४ ४३ १७	३ १० २३		मिथुने	[×विशा.२शनिः२९मा.स्ना.प्रा.
१४	श १७ १४	पु ४१ १६	वि ४१ ३	व १७ १४	२७ ४३ १७	४ ११ २४		क.२६।४९	भ.१७उ.४५या.श्रवणेरवि३९(सौरः४३)
१५	र १४ ५	पु ४० २६	प्री ३६ ४	ब १४ ५	२९ ४२ १८	५ १२ २५		कर्के	अभि.नि.रविः२०।५१(सौरः३५।४०)×

४०पं.पौ.शु.१चं.इ. ९२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	७	७	६	११	८
२७	६	९	२६	११	२२	१८	२७
२७	२३	४०	५४	२	३०	१७	८
७	२८	१६	५६	१७	३२	५५	३२
६१	४६	२१ १४	१२	६३	४	३	६१
६	२	व ४४	२३	३८	११	६४	

गोचर ग्रहाः

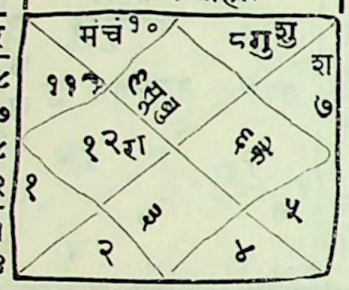

पौष शुक्ले ३ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. २ न ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

४१पं.पौ.शु.९चं.इ. ९०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	७	७	६	११	९
४	११	११	२८	१८	२२	१७	४
३४	५५	१०	२१	४६	५८	५५	१८
५९	१२	३०	५९	३७	४४	४०	१
६१	४६	३५	१२	६५	३	३	६१
३	२	मा २०		१ ५२	११	१९	

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	चं १२ १७	श्ले ४१ ९	आ ३२ १५	कौ १२ १७	२६ ६ ५ ३२ ४२ १८	६ १३ २६		सिं४१।९	
२	मं १२ ८	म ४३ १९	सौ २९ ५१	ग १२ ८	३५ ४१ १९	७ १४ २७		सिंहे	भ.४२।५३उ.मूल.१धनुषिगुरुः२४।२८
३	बु १३ ३९	पू ४७ १३	शो २८ ४४	वि १३ ३९	३८ ४० २०	८ १५ २८		सिंहे	भ.१३।३९या.चतुर्थी ब्र.
४	गु १६ ५२	उ ५२ ३५	अ २८ ३१	बा १६ ५२	४१ ४० २०	९ १६ २९		कं.३।३४	मूलेधनुषिशुक्रः८।४
५	शु २१ ४२	ह ५९ ११	सु २९ ४९	तै २१ ४२	४५ ३९ २१	१० १७ ३०		कन्यायां	[+पातमोक्षः५६।२७फर्वरी२ता.२८
६	श २७ २५	चि ६० ०	धृ ३१ ३०	व २७ २५	४८ ३८ २२	११ १८ ३१		तु.३२।४७	भ.२७।२५उ.
७	र ३३ ५४	चि ६ २४	शू ३३ ४४	वि ० ३९	५१ ३८ २२	१२ १९ १		तुलायां	भ.०।३९या.पातस्पर्शः४३।१५+
८	चं ४० २४	स्वा १४ ४	गं ३५ ५९	बा ७ ९	५४ ३७ २३	१३ २० २		तुलायां	धनि भौमः३९।४८
९	मं ४६ २२	वि २१ २६	बृ ३७ ५०	तै १३ २३	५८ ३६ २४	१४ २१ ३		वृ.४।३५	उषा.बुधः१३।२०
१०	बु ५१ २०	अ २७ ४६	ध्रु ३८ ४८	ष १९ ५	२७ ३६ २४	१५ २२ ४		वृश्चिके	भ.१९।५उ.५१।२०या.
११	गु ५४ ४९	ज्ये ३२ ५५	व्या ३८ ४७	ब २३ ४	५ ३५ २५	१६ २३ ५		ध.३२।५५	मकरेबुधः५३।२८षट्तिला११व्र.
१२	शु ५६ ४०	मू ३६ ३०	ह ३७ २८	कौ २५ ४४	८ ३४ २६	१७ २४ ६		धनुषि	धनि.रविः३६।५४(सौरः५०।१३)
१३	श ५६ ३३	पू ३८ २२	व ३४ ४२	ग २६ ३६	१२ ३४ २६	१८ २५ ७		म.५३।२३	भ.५६।३३उ.प्रदोषः
१४	र ५४ ४५	उ ३८ २५	सि ३० ३२	वि २५ ३९	१५ ३३ २७	१९ २६ ८		मकरे	भ.२५।३९या.
१५	चं ५१ २५	श्र ३७ ५	व्य २५ १३	च २३ ५	१९ ३२ २८	२० २७ ९		मकरे	पूषा.शुक्रः३३।१२

४२पं.मा.कृ.१चं.इ. ९३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	७	७	६	११	९
११	१७	१७	२९	२६	२३	१७	११
४२	२५	६	४५	४२	२२	३३	२६
२९	१	५४	४	४	४४	२४	५२
६०	४६	५७	११	६६	३	३	६१
५९	१७	५५	५६	२८	२०	११	१३

४३पं.मा.कृ ८चं.इ. ९३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	८	८	६	११	९
१८	२२	२५	१	४	२३	१७	१८
४९	५६	२०	५	४३	४२	११	२५
१	४६	१७	१७	४८	११	९	०
६०	४६	७४	११	६७	२	३	६०
५५	१७	५७	१७	३८	३३	११	५

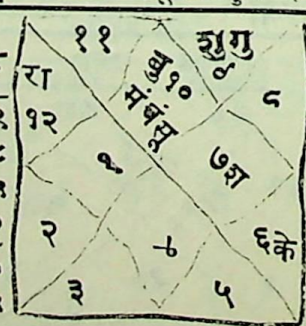

४४पं.मा.कृ.३०चं.इ. ९४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	८	८	६	११	९
२५	२८	४	२	१२	२३	१६	२५
५४	२७	४४	२१	५२	५६	४८	४१
५०	५०	१३	४	४८	२४	५३	४७
६०	४६	८५	१०	६८	१	३	६०
४७	२७	५६	३७	४०	४८	११	५५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.| माघ शुक्लपक्षः सं० २०९९ शाकः १९६४ |दि. उ अ.|भा.मु. इं.| चन्द्रः |शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४६९३स.२०४३

१	मं	४६	५४	ध	३४	२८	व	१८	४७	किं	१९	१०	२७	६	५	२१	२८	१०	कुं.५।४६	[-केतुः५७।७चन्द्रदर्शनम्
२	बु	४१	३४	श	३०	५४	प	११	४२	बा	१४	१४	२७	३१	२९	२२	२९	११	कुम्भे	कुंभेभौमः८।४४उभा.४राहु हस्त.२-
३	गु	३५	४९	पू	२६	४८	शि	५७	५९	तै	८	४१	३०	३०	३०	२३	१	१२	मी१२।५०	श्रवणेबुधः५९।४रविलावल३
४	शु	२९	४८	उ	२२	३७	सा	४८	११	व	२	४८	२४	२९	३१	२४	२	१३	मीने	भ.२८उ.२९या.कुंभर्क.१२।१०=
५	श	२३	५४	रे	१८	२९	शु	४०	४२	बा	२३	५४	२८	२८	३२	२५	३	१४	मे.१८।२९	मूल.२गुरुः५६।३५पातस्पर्शः३४।५६×
६	र	१८	२३	अ	१४	३४	शु	३३	६	तै	१८	२३	४१	२८	३२	२६	४	१५	मेषे	[×पातमोक्षः४४।४७वसंत५
७	चं	१३	६	भ	११	४	ब्र	२५	४९	व	१३	६	४५	२७	३३	२७	५	१६	वृ.२५।१६	भ.१३।६उ.४०।३५या.भानु७रथ७
८	मं	८	४	कृ	७	५३	ऐं	१८	५६	ब	८	४	४९	२६	३४	२८	६	१७	वृषे	भीष्माष्टमी [= सौरः२४।११)
९	बु	३	४४	रो	५	२२	वै	१२	३१	कौ	३	४४	५३	२५	३५	२९	७	१८	मि३४।१८	[+(सौरः५९।३३)शते.भौमः÷
१०	बु	५६	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷३८।४४जया११ब्र.स्मा.
११	गु	५६	३१	मृ	३	१४	वि	६	२९	व	२८	१०	५६	२५	३५	३०	८	१९	मिथुने	भ.२८।१०उ.५६।३१या.शतेरविः४२६+
१२	शु	५३	५३	आ	१	४४	प्री	१७	५५ १०	ब	२५	१२	२८	२४	३६	१	९	२०	क.४६।४	उषा.शुक्रः४९४भा.फाल्गुनारंभःजया११वै
१३	श	५२	७	पु	०	४९	सौ	५२	५	कौ	२३	०	४	२३	३७	२	१०	२१	कर्के	घनि.बुधः३७।२९प्रदोषः
१४	र	५१	२९	पु	०	५६	शो	४८	५३	ग	२१	४८	८	२२	३८	३	११	२२	कर्के	भ.५१।२९उ.
१५	चं	५१	५५	श्ले	२	१३	अ	४६	४५	वि	२१	४२	१२	२२	३८	४	१२	२३	सिं२।१३	भ.२१या.मकरेंशुक्रः४९भा.स्ना.पूर्तिः

४५पं.मा.शु.७चं.इ. ९५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	८	६	११	१०
२	३	१५	३	२१	२४	१६	२
५९	५८	१	३२	५	६	२६	४७
४२	१२	१	६	१७	११	३७	५०
६०	४६	९४	९	६९	१	३	६०
३७	२७	३८	५४	२५	११	११	४२

गोचर ग्रहाः

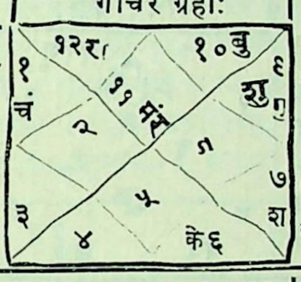

माघ शुक्ले ४ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न.३ वृद्धावस्था (बैठीं) मृ.४५घान्या-दिभावे समर्घता शुक्रोदय: पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

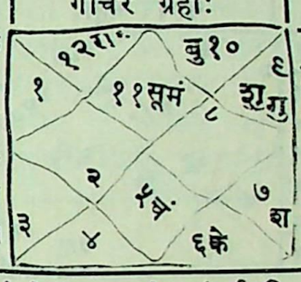

४६पं.मा.श.१५चं.इ.९१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	८	६	११	१०
१०	९	२५	४	२९	२४	१६	९
३	३०	५७	३८	२४	११	४	५२
१४	४७	४०	६	४	२	२२	२३
६०	४६	९४	९	७०	०	३	६
२५	२७	३८	७	११	२४	११	३०

ति.| फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४ |दि. उ. अ.|भा. मु. इं.| चन्द्रः | वसंततूरविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा. १

१	मं	५३	५३	म	४	३५	सु	४५	४३	बा	२२	५४	२८	६	५	५	१३	२४	सिंहे	बुधास्तःपूर्वस्यां४४७
२	बु	५७	१२	पू	८	१९	धृ	४५	१६	तै	२५	३२	२०	१९	२१	६	१४	२५	कं.२४।३३	कुंभेबुधः३२।१७
३	गु	६०	०	उ	१३	१४	शू	४६	१२	व	२९	३१	२४	१९	४१	७	१५	२६	कन्यायां	भ.२९।३१उ.वक्रीशनिः२९।३६
३	शु	१	५०	ह	१९	४०	गं	४७	४०	वि	१	५०	२८	१८	४२	८	१६	२७	तु.५३।८	भ.१।५०या.पातस्पर्शः२२।०+
४	श	७	८	चि	२६	३७	बृ	४९	४३	बा	७	८	३२	१८	४२	९	१७	२८	तुलायां	[+पातमोक्षः३३।१चतुर्थीव्र.
५	र	१३	३५	स्वा	३४	१४	ध्रु	५२	७	तै	१३	३५	३६	१७	४३	१०	१८	१	तुलायां	शतेबुधः२७।२५मार्च३ता.३१
६	चं	२०	४	वि	४१	४३	व्या	५४	१९	व	२०	४	४०	१६	४४	११	१९	२	बृ.२४।५२	भ.२०।४उ.५३।१४या.
७	मं	२६	२४	अ	४८	५२	ह	५६	४	ब	२६	२४	४४	१५	४५	१२	२०	३	वृश्चिके	[×महाशिवरात्री व्र.वै.
८	बु	३१	४६	ज्ये	५४	५३	व	५६	५६	कौ	३१	४६	४८	१४	४६	१३	२१	४	ध.५४।५३	श्रवणे शुक्रः५।११
९	गु	३५	४३	मू	५९	२८	सि	५६	२४	तै	३	४४	५२	१४	४६	१४	२२	५	धनुषि	पूभा.रविः४।२८(सौरः१४।२०)
१०	शु	३८	९	पू	६०	०	व्य	५४	३८	व	६	५६	५६	१३	४७	१५	२३	६	धनुषि	भ.६।५६उ.३८।९या.
११	श	३८	३४	पू	२	१६	व	५१	१३	ब	८	२१	२९	१२	४८	१६	२४	७	म.१७।२९	विजया११व्र.
१२	र	३७	२	उ	३	८	प	४६	२०	कौ	७	४८	५	११	४९	१७	२५	८	मकरे	पूभा.बुधः४५।५१पूभा.भौमः२८।४२
१३	चं	३३	२३	श्र	५८	५७ १०	शि	३९	५१	ग	५	१३	९	१०	५०	१८	२६	९	कुं.३०।३३	भ.३उ.प्रदोष महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१४	मं	२८	११	श	५४	४२	सि	३२	१३	वि	०	४७	१३	९	५१	१९	२७	१०	कुंभे	भ.०।४७या.मूल.४गुरुः२४।२५×
३०	बु	२१	३७	पू	४९	२६	सा	२३	३२	ना	२१	३७	१७	९	५१	२०	२८	११	मी३५।४५	

४७पं.फा.कृ.६चं.इ. १२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	८	९	६	११	१०
१७	१५	७	५	७	२४	१५	१६
५	१	५८	३८	४४	९	४२	५५
२८	५४	१	२	३८	५८	६	१९
६०	४६	४०	८	७०	२२	३	६०
१२	२७	४३	१९	४८	व	११	२०

गोचर ग्रहाः

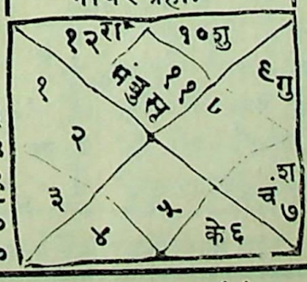

इस मास में बाजरा मूंग मोठ चना गेहूं चावल गुड रसकस घृत तेल गन्ना तेज हो सोना चांदी मंदे हों।

गोचर ग्रहाः

४८पं.फा.कृ.१३चं.इ. ९४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	८	९	६	११	१०
२४	२०	२०	६	१६	२४	१५	२३
६	३२	४७	३१	७	४	१९	५६
१४	३५	४२	१६	५	१६	५१	४२
५९	४६	२९	७	७१	१०	३	६०
५८	२७	४९	७	१९	व.	११	६

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः४७२३सं२०४३
१	गु १४ ३	उ	४३	३५	शु	१४	२१	ब	१४ ३	२९ ६ ५२	२१ २९ १२	मीने	चन्द्रदर्शनम् पातस्पर्शः२७।३१×
२	शु ६ १३	रे	३७	३८	शु	४६	३८	कौ	६ १३	२६ ७ ५३	२२ १ १३	मे.३७।३८	मीनेबुधः५५।३८रविलाखर४फुलरिया२
३	शु ५२ ९		०	०	०	०	०	०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	[×पातमोक्षः३६।५
४	श ५० ५८	अ	३१	५०	ऐं	४६	२७	ब	२४ ४०	३० ६ ५४	२३ २ १४	मेषे	भ.२४।४०उ.५०।५८या.
५	र ४४ ११	भ	२६	५६	वै	३८	१७	व	१७ ३५	३४ ५ ५५	२४ ३ १५	वृ.४०।४९	मीनेऽर्कः५।१८(सौरः१४।४१)उभा.+
६	चं ३८ ३	कृ	२२	३४	वि	३०	३३	कौ	११ ७	३८ ४ ५६	२५ ४ १६	वृषे	[+बुधः३६/५८घनि.शुक्रः१०।५१
७	मं ३३ १०	रो	१९	१७	प्री	२३	४८	ग	५ ३६	४३ ३ ५७	२६ ५ १७	मि४८।११	भ.३३।१०उ.
८	बु २९ १७	मृ	१७	५	आ	१७	४५	वि	१ ४३	४७ ३ ५७	२७ ६ १८	मिथुने	भ.१।४३या.उभा.रविः२६।२२÷
९	गु २६ २४	आ	१५	५९	सौ	१२	४०	कौ	२६ २४	५१ २ ५८	२८ ७ १९	मिथुने	[÷(सौरः३६।१७)होलाष्टकम्
१०	शु २४ ४५	पु	१५	५३	शो	८	३२	ग	२४ ४५	५५ १ ५९	२९ ८ २०	क.०।५५	भ.५४।२६उ.कुंभेशुक्रः४३।२९
११	श २४ ७	पु	१६	४८	अ	५	१४	वि	२४ ७	३/० ६/० ६	३० ९ २१	कर्के	भ.२४या.मीनेभौमः३/१३/१आमलकी११व्र.
१२	र २४ ३४	श्ले	१९	४	सु	२	५५	बा	२४ ३४	३/० ५/५९ ६	१ १० २२	सिं१९।४	रेवत्यांबुधः२०।५३भा.चैत्रारंभःप्रदोषः
१३	चं २६ १५	म	२२	१६	धृ	१	२३	तै	२६ १५	८ ५८ २	२ ११ २३	सिंहे	[Dउभा.भौमः३३।९छारेंडी
१४	मं २८ ५६	पू	२६	३१	शू	१	२	व	२८ ५६	१२ ५८ २	३ १२ २४	कं.४२।५०	भ.२८।५६उ.होलिकादहनम्भद्रापुच्छे
१५	बु ३२ ४६	उ	३१	४५	गं	०	५६	वि	० ५१	१६ ५७ ३	४ १३ २५	कन्यायाँ	भ०।५१या.ग्रस्तोदितखग्रासचंद्रग्रहणमD

४९पं.फा.शु.६चं.इ. १९/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	८	९	६	११	११
१	२६	४	७	२४	२३	१४	०
५	०	२७	१७	३२	५४	१७	५६
२१	१४	३२	४९	२	७	३५	२४
५९	४६	८	६	७१	१/६	३	५९
४१	१७	२९	११	४३	व	११	४९

गोचर ग्रहाः

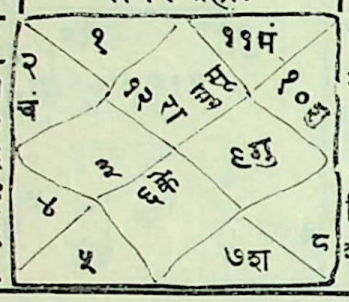

फाल्गुन शुक्ले ५रवौ मीनेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न.४ बालावस्था (बैठी)मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

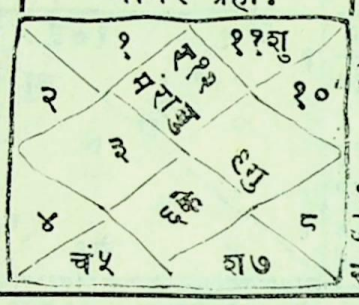

५०पंमा.शु.१३चं.इ.११/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	८	१०	६	११	११
८	१	१८	७	२	२३	१४	७
३	३०	१९	५७	५७	३८	३५	५४
१८	५४	१	४	४०	४९	१९	१९
५९	४६	७	१	७२	२	३	५९
२९	१२	२८	२	२	व	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	गु ३७ ४६	ह	३८	२	बृ	१	५०	बा	५ १६	३०/२९ ५/५६ ६/४	५ १४ २६	कन्यायां	शतेशुक्रः१६।३९बुधोदयःपश्चिमायां-
२	शु ४३ ११	चि	४४	४८	ध्रु	३	२३	तै	१० २८	२५ ५५ ५	६ १५ २७	तु.११।२५	[-१।२८वसंत१
३	श ४९ २२	स्वा	५२	१५	व्या	५	२२	व	१६ १६	२९ ५४ ६	७ १६ २८	तुलायां	भ.१६।१६उ.४९।२२या.
४	र ५५ ३९	वि	५९	५४	ह	७	४८	ब	२२ ३१	३३ ५३ ७	८ १७ २९	वृ.४३।३	अश्वि.मेषेबुधः१३।५७चतुर्थीव्र.
५	चं ६० ०	अ	६०	०	व	१०	२०	कौ	२८ ५१	३७ ५३ ७	९ १८ ३०	वृश्चिके	वक्रीविशा.२शनिः२३।४९
५	मं २ ४	अ	७	२६	सि	१२	२४	तै	२ ४	४१ ५२ ८	१० १९ ३१	वृश्चिके	रेवत्यांरविः५३।२७
६	बु ७ ४६	ज्ये	१४	११	व्य	१३	५५	व	७ ४६	४५ ५१ ९	११ २० १	ध.१४।११	भ.७।४६उ.४०।७या.रेवत्यांरवि.सौरः=
७	गु १२ २८	मू	१९	५९	व	१४	४०	ब	१२ २८	४९ ५० १०	१२ २१ २	धनुषि	[=२।४४अप्रेल४ता.३०
८	शु १५ ४८	पू	२४	६	प	१४	६	कौ	१५ ४८	५३ ४९ ११	१३ २२ ३	म.३९।४२	शीतलापूजनम्
९	श १७ १५	उ	२६	२९	शि	१२	५	ग	१७ १५	५७ ४९ ११	१४ २३ ४	मकरे	भ.४६।५५उ.
१०	र १६ ३५	श्र	२६	५०	सि	८	३/६	वि	१६ ३५	३/१/४ ४८ १२	१५ २४ ५	कुं.५५।५८	भ.१६।३५या.
११	चं १३ ५२	ध	२५	७	सा	६/३	५/३	बा	१३ ५२	५ ४७ १३	१६ २५ ६	कुम्भे	पूभा.शुक्रः१८।२पापमोचनी११व्र.
१२	मं ९ १८	श	२१	३९	शु	४८	१२	तै	९ १८	१० ४६ १४	१७ २६ ७	कुंभे	प्रदोषः
१३	बु २ ५०	पू	१६	१९	ब्र	३८	५६	व	२ ५०	१४ ४५ १५	१८ २७ ८	मी२।३९	भ.२।५०उ.२८।४८या.भरण्यांबुधः५/४८
१४	बु ५१ ५६	०	०	०	०	०	७	०	० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	
१५	शु ४५ ५४	उ	९	५५	ऐं	२८	५०	च	२० २०	१८ ४४ १६	१९ २८ ९	मीने	मन्वादिः

५१पं.चै.कृ.५चं.इ. ११/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	८	१०	६	११	११
१४	६	१	८	११	२३	१४	१४
५९	५८	३८	२८	२४	१९	१३	५०
१०	४४	४२	१२	४७	२३	४	३१
५९	४६	८/०	३	७२	३/५	३	५९
१६	२	२०/०	५२	२७	व	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मासमें शनिवार का चन्द्रदर्शन चांदी स्वर्ण रुई रंग सूत कपासवस्त्र वारदाना लाल वस्तुओं में तेजी करेगा।

गोचर ग्रहाः

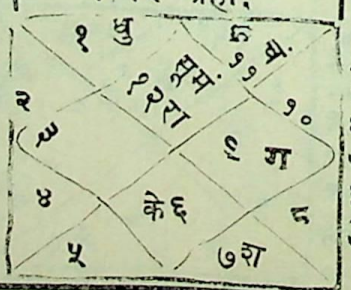

५२पं.चै.कृ११चं.इ.१२/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	८	१०	६	११	११
२१	१२	११	८	१९	२२	१३	२१
५३	२५	२	५०	५२	५६	५०	४४
३१	३०	२४	३८	५२	५३	४८	४२
५९	४६	६९	२	७२	४/६	३	५९
४	२	३५	३०	४६	व	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

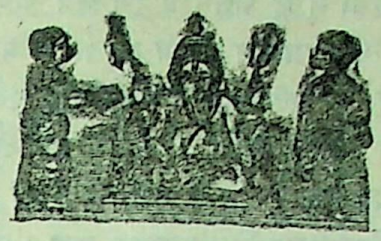

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम्।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१४४, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१४४, भोग्यकलिः ४२६८५६ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २१००, शाकः १९६५, अथास्मिन् वर्षे राजा भृगुः। मंत्री भौमः। सस्येशः शुक्रः। धान्येशः बुधः। मेघेशः चंद्रः। रसेशः शनिः। नीरसेशः गुरुः। फलेशः चन्द्रः। धनेशः गुरुः। दुर्गेशः चंद्रः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये ब्रम्ह-विंशतिकायां ११ ईश्वरनाम संवत्सरःप्रवर्तते। तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ४।४।४२।११।२४ भोग्यमासादिः ७।२५।१७।४८।३६ इन्द्रदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम ज्येष्ठः। मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासस्तटे। समयनिवासो रजक गृहे। समय विश्वा१८ समयवाहनम् दर्दुरः। स्तंभः३ अन्नजलवायुनां। सोमवत्यमा१ सोमवती पंचमी× अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी × भानुसप्तमी १रविदशमी१ समय मुहूर्ताः ३६० समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा १२६, वर्षाविश्वा ७, धान्यम् १७, तृणम् ९, शीतम् ५, तेजः ९, वायुः ५, वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः१७, ऐक्यम्८३, सत्यम्।। धर्मं १।।,पापं १८शनिदृष्टिपश्चिमे। ग्रहण२चंद्रमसः।

स. २१०० भाद्रपदशु. १४ शुक्रे ग्रस्तास्तं चंद्र ग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
घ.	५	६	७	७	९
मि.	३६	४१	२०	५८	३
घं.	५७	०	२	३	६
प.	५३	३६	१२	४८	३१

सं. २१०० फाल्गुन शु. १५ रवौ खग्रास चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घं.	११	१२	१	१	२
मि.	२४	३५	१०	४४	५६
घ.	४२	४५	४६	४८	५१
प.	२२	२०	४७	१२	१२

वर्ष लग्नम् ८।११

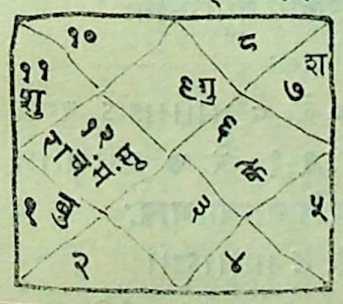

भैरव भवानी सम्वाद

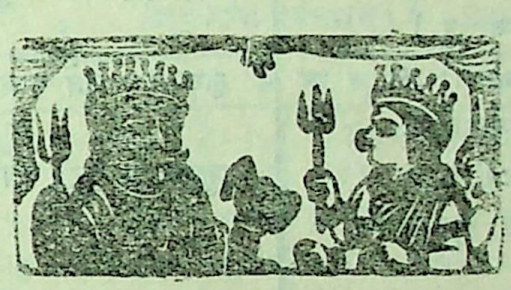

भैरव प्रश्न

श्री जगदंबे ईश्वरी आई सौकी साल।
कैसी रहसीं सृष्टि में भैरव तणों सवाल।।

भवानी उत्तर

अंबा भैरव से कहे यह है सौकी साल।
फिर से आई जगत में सौ बर्षों से चाल।।
चौमासे दिनमणि चलें बुधभार्गव के बीच।
मंगल राजा बर्ष में बर्षा करसी खींच।।
पण भैरव भय मत करे स्तंभ बर्ष के तीन।
विन बर्षा अन नीपजे इसमें मेष न मीन।।
अधिकारी इस बर्ष में पाप खेट हैं दोय।
सौम्य ग्रहां के योग से जग में मंगल होय।।
सीकर जिला सिमारला मेरा है निज ग्राम।
रूडमल्ल का पुत्र हूँ बंशीधर है नाम।।
श्री ईश्वरदत्त गुरु मेरे जहं पाया मधुरा मेवा में।
यह शतबर्षी पंचांग बना अर्पण हे उनकी सेवा में।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	८
ख.	८	१४	११	११	५	११

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कु.	मी.
ला.	१४	२	५	८	८	५
ख.	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ५।११

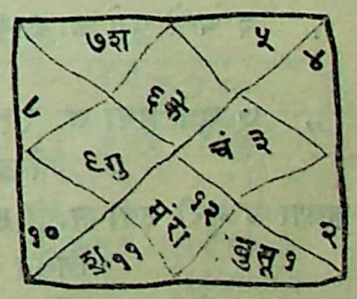

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।२१।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२६।३५

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः फलम् ॥ शुक्रस्य राज्ये बहु सस्य संकुला सुतीव्र वेगाः सरितोम्बु राशिभिः । फलन्ति वृक्षाः बहु गोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ॥ मंत्री भौमस्तत्फलम् ॥ अवनिजो ननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्यु गदादिजवेदना । जनपदेषु जयं सुखसंचयं न बहु गोषु पयो द्विजकमं च ॥ सस्येशः शुक्रः फलम् ॥ शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियमृ । गोधूम शालेक्षु धन प्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुख प्रदानि ॥ धान्येशः बुधः फलम् ॥ बुधे धान्याधिपे मेघाः जलं मुँचति वै भृशम् । सैंधवें लाटदेशे च माधवोऽल्पं च वर्षति ॥ मेघेशः चन्द्रः फलम् ॥ शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजखरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धनधान्यवती मही विविध भोगवती ननु भामिनी ॥ रसेशः शनिः फलम् ॥ रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गज वाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषु नरा न रसैर्युताः ॥ नीरसेशः गुरुः फलम् ॥ हरिद्रा भीत वस्तूनि पीतवस्त्रादिकञ्चयत् । नीरसेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ॥ फलेशश्चन्द्रस्तत्फलम् ॥ यदि विधु फलपो द्रुमराशयः फलयुतावलीभिः कुसुमैर्युताः । द्विजमुखावर भोग समन्विता नृपतयो नयनाटन तत्पराः । धनेशः गुरुः फलम् ॥ सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपः वणिज वृत्ति परा सुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुविः मानवाः । दुर्गेशश्चन्द्रः फलम् ॥ गढपतिः शशलांछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नरवरा वर वर्णित विग्रहाः ॥ ईश्वरनाम संवत्सरःफलम् ॥ ईश्वराब्दे खिलाम् जन्तून् धात्रीधारमतेसदा । पोषवत्याखिला लोकान्नात्र कार्याविचारणा ॥ वर्षनाम ज्येष्ठः फलम् ॥ तस्करैः पापरोगैर्वा पीड्यंते पीडया जनाः । भ्रमंतें स्वेच्छया भूम्यां निर्द्रव्यै ज्येष्ठ संज्ञके ॥ मेघनाम द्रोणः फलम् ॥ द्रोणें वर्षति सर्वदा ॥ रोहिणी निवासस्तटे फलम् ॥ तटेवृष्टिः सुशोभनाः ॥ समय निवासो रजक गृहे फलम् ॥ रजके वृष्टिरुत्तमा ॥ एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २१०० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १० शनौ मघा ल. ८-९-११ (कुं.चं.७पू.)
वृश्चि. व्यये शनिः रे. ७ ।ऽ।।।।।ऽऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, १५ शुक्रे स्वात्यां ल. ८ (व्ययेशनिः) रे. ७
।।।।ऽ।ऽऽ।। घ.४२उ. मृत्युपंचक

वैशाख मासः

कृष्णा २ रवौ अनु. ल. गो. (सोग्रांगः) ९-१० रे. ७
।ऽ।।।ऽअ४४याऽ।।।
,, ४ भौमे मूलें ल.१०-११ रे.७ ।।ऽबृ।।ऽनृ५०याऽ।।
,, ५ बुधे मूलें ल. गो. (सोग्रांगः) सप्तमेभौमश्च
रे. ८ ।।ऽबृ।।।।ऽ।।
,, ७ शुक्रे उषा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः सप्तमेभौमश्च)
रे. ७ ऽऽ।।ऽरो।।।।
शुक्ला २ रवौ रोहि ल. १०-११ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।
,, ३ चन्द्रे मृगे ल. ९-११ रे. ९ ।।।।।ऽरो।।।।
(धनुषि चं.७पू.)
,, ७ शुक्रे मघा ल. ११ (चं.पू.) रे.१० ।।।।।।।।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ गुरौ उषा ल.गो.९-११ रे.८ ।।।।।।नृ५१उ।ऽऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, १० बुधे रेव ल. ऽन्यगो १०-११ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।
शुक्ला ६ बुधे मघा ल. ऽन्यगो (७मेभौम.) ल. ११
चं.पू. रे. ९ ।ऽ।।।।।।।
,, १३ शनौ अनु. ल.ऽन्यगो १०-११ रे.८ ।।।।ऽ।ऽ।।।

आषाढ मासः

कृष्णा २ बुधे उषा ल. गो. ११ रे. ९ ।।।ऽबुशु।।।।।।
पादतो वेधाऽभावः
शुक्ला ३ गुरौ मघा ल. ऽन्यगो ११ (चं.७पू.) रे. ९
।।।।।ऽनृ४४या।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ भौमे रोहि ल. ४ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।
,, ७ चन्द्रे मघा ल.ऽन्यगो४रे.८ ।।।।ऽचो४८याऽ।।
,, १० गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ८ गुरौ उभा ल. गो. रे. ९ ।।।।ऽ।।।।।

माघ मासः

शुक्ला १० चन्द्रे रोहि ल. गो. रे. ६ ।।।।ऽऽचौऽ।ऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, १५ शनौ मघा ल. ९ रे. ६ ।।।ऽबुऽ।ऽऽ।।
व्यये शनिः पादतो वेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ भौमे हस्ते ल. ९-१० रे. ८ ।।।।।।।ऽ।ऽ दग्धा
,, ५ गुरौ स्वात्यां ल. गो. ९-१० रे. ७ ऽऽ।।।।।ऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ९ चन्द्रे मूले ल. १० रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४७५२स.२०४३
१	शु ३६ ३२ रे २ ५३	वै १८ २०	किं ११ १३	३१/३२ ५/४४ ६/१६	२० २९ १०	मि.२।४२	संवत्सरारंभःनवरात्रारंभः
२	श २७ १३ भ ४८ २०	वि ७/४३ ५०'	बा १ ५२	२६ ४३ १७	२१ ३० ११	मेषे	रेवत्यांभौमः४/१३चन्द्रदर्शनम्सिंघारा
३	र १८ २५ कृ ४१ ५२	आ ४७ ५६	ग १८ २५	३० ४२ १८	२२ १ १२	वृ.१।४३	भ.४/३३उ.जमादिलावल५मत्स्यजयंती-
४	चं १० १९ रो ३६ ३४	सो ३९ ४०	वि १० १९	३४ ४१ १९	२३ २ १३	बृषे	भ.१०।१९या. [-गणगौरी
५	मं ३ ४२ मृ ३२ ५०	शो ३२ २९	बा ३ ४२	३८ ४० २०	२४ ३ १४	मि४।४२	अश्वि.मेषेऽर्कः२७/५५(सौरः१३/७)मीने=
६	मं ५४ ३८ ० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ०	[=शुक्रः३३/९ [×हस्त.१केतुः५७/८
७	बु ५४ ५१ आ ३० ४१	अ २६ २९	ग २६ ३५	४२ ४० २०	२५ ४ १५	मिथुने	भ.५/५४उ.वक्रीबुधः४/३६उभा.३ राहुः×
८	शु ५२ ३७ पु २९ ५८	सु २१ ४७	वि २३ ४४	४६ ३९ २१	२६ ५ १६	क.१५।९	भ.२३।४४या.
९	शु ५२ १४ पु ३० ४४	धृ १८ २१	बा २२ २५	५० ३८ २२	२७ ६ १७	कर्के	उभा.शुक्रः१७।४४रामनवमी
१०	श ५३ १९ श्ले ३३ १२	शू १६ ११	तै २२ ४६	५३ ३७ २३	२८ ७ १८	सिं३३।१२	बुधास्तःपश्चिमायां१७।८
११	र ५५ ३७ म ३६ ४९	गं १५ ७	व २४ २८	५७ ३७ २३	२९ ८ १९	सिंहे	भ.२४/२८उ.५५/३७या.पातस्पर्शः३/३९+
१२	चं ५९ १० पू ४१ ४९	बृ १५ १७	ब २७ २३	३२/१ ३६ २४	३० ९ २०	कं.५८।१८	वक्रीगुरुः४।१३
१३	मं ६० ० उ ४७ ३४	शु १५ ४६	कौ ३१ २३	५ ३५ २५	१ १० २१	कन्यायां	भा.वैशाखारंभःप्रदोषः
१३	बु ३ ३७ ह ५४ १७	व्या १७ ५	तै ३ ३७	९ ३४ २६	२ ११ २२	कन्यायां	[+पातमोक्षः४१।२८कामदा११व्र
१४	शु ९ ११ चि ६० ०	ह १८ ५२	व ९ ११	१२ ३४ २६	३ १२ २३	तु.४१।२७	भ.९।११उ.४१।५५या.
१५	शु १४ ३८ चि १ ५	व २१ ०	ब १४ ३८	१६ ३३ २७	४ १३ २४	तुलायां	वक्रीअश्विन्यांबुधः३६।३१हनुमज्जयंती

१पं.चं.शु.५मं.इ. २७/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	१०	६	११	११
०	१८	१६	९	२९	२२	१३	२९
०	४७	१५	५	५३	२५	२४	५०
०	५६	०	२०	२	५५	४४	५८
५८	४५	७	०	७३	४	३	५८
४४	४२	२६	५६	४	वं	११	४५

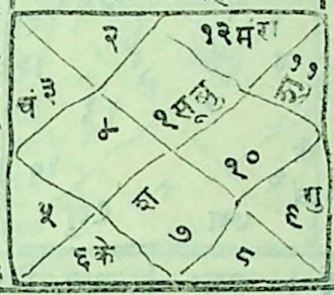

चैत्र शुक्ले ५ भौमे मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.३ न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

२पं.चै.शु.१३मं.इ. २८/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	११	६	११	०
६	२४	१५	९	८	२१	१३	६
५०	१०	१	८	२३	५७	२	४१
४६	२६	२६	२८	२	४	२८	९
५८	४५	३२/२०	१४	७३	२४/४०	३	५८
३१	३७	वं	व	१७	ब	११	२९

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	श २० ५४ स्वा ८ ३४	सि २३ १७	कौ २० ५४	३/२० ५/३२ ६/२८	५ १४ २५	वृ.५९।८	
२	र २७ ७ वि १५ ५९	व्य २५ ४६	ग २७ ७	३३ ३१ २९	६ १५ २६	वृश्चिके	
३	चं ३३ ११ अ २३ २७	व २७ ५६	व ० ९	२७ ३१ २९	७ १६ २७	वृश्चिके	भ.०।९उ.३३।११या.चतुर्थीव्र.
४	मं ३८ ४४ ज्ये ३० २२	ष २९ ५६	ब ५ ५७	३५ ३० ३०	८ १७ २८	धं.३०।२२	भरण्यांरविः९(सौरः१९/४२)रेवत्यांशुक्र५/९
५	बु ४३ ३२ मू ३६ ३२	शि ३१ १	कौ ११ ८	३४ २९ ३१	९ १८ २९	धनुषि	अश्वि.मेषेभौमः९।४०
६	शु ४७ २० पू ४१ ३८	सि ३१ २६	ग १५ २६	३८ २८ ३२	१० १९ ३०	म.५८।३४	भ.४७।२०उ.
७	शु ४९ ३५ उ ४५ २३	सा ३० ४६	वि १८ २७	४१ २८ ३२	११ २० १	मकरे	भ.१८।२७या.मई५ता.३१
८	श ५० १० श्र ४७ ३२	शु २८ ३५	बा १९ ५२	४५ २७ ३३	१२ २१ २	मकरे	
९	र ४८ ५० ध ४७ ४५	शु २५ ५	तै १९ ३०	४८ २६ ३४	१३ २२ ३	कुं.१७।३८	पातस्पर्शः२३।३४पातमोक्षः३४।५०
१०	चं ४५ ३७ श ४६ ५	ब्र २० २	व १७ १३	५२ २६ ३४	१४ २३ ४	कुंभे	भ.१७।१३उ.४५।३७या.
११	मं ४० २४ पू ४२ २५	ऐं १३ २५	ब १३ ०	५५ २५ ३५	१५ २४ ५	मी२८।३०	पूर्वोदयीबुधः२०।१वरुथिनी११व्र.
१२	बु ३३ २८ उ ३७ १५	वै ५/७ ५०/५५	कौ ६ ५६	५८ २४ ३६	१६ २५ ६	मीने	प्रदोषः
१३	शु २५ १७ रे ३० ४६	प्री ४५ ५४	व २५ १७	३/२ २४ ३६	१७ २६ ७	मे.३०।४६	भ.२५।१७उ.५०।३४या.
१४	शु १५ ५२ अ २३ १०	आ ३५ ३	श १५ ५२	५ २३ ३७	१८ २७ ८	मेषे	
१५	श ५ ५५ भ १५ १५	सो २४ ३	ना ५ ५५	८ २२ ३८	१९ २८ ९	वृ.२८।१९	अश्वि.मेषेशुक्रः१८।१२

३पं.वै.कृ.४मं.इ. २९/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	११	६	११	०
१३	२९	१०	९	१६	२१	१२	१३
२९	२८	१९	२	५२	२६	४०	२९
५०	४८	१३	१४	४४	२४	१२	३४
५८	४५	२८/४९	१/४६	७३	४	३	५८
१९	२७	ब	व	२४	४०	११	१२

इसमासमें ५शनिवार अशुभहैं धान्य गेहूंजौ चना बाजरा मूंगमोठ रसकस गुड शक्कर चीनी धातु सोना चांदी तेज हो।

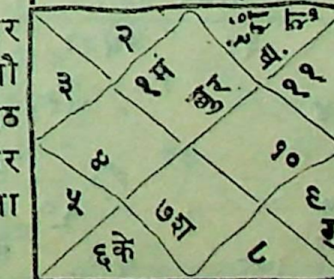

४पं.वै.कृ.११मं.इ. ३८/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	८	११	६	११	०
२०	४	७	८	२५	२०	१२	२०
२७	४८	१४	४६	२३	५४	१७	१६
२९	१८	६	२३	२४	४३	५७	२१
५८	४५	३४	१/८	७३	४०/४	३	५७
६	१७	२७	व	३८	व	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४७८२स.२०४३
१	श	४९	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		[–जमादिलाखर ६परशुरामजयंती=
२	र	४६	११	कृ	७	३०	शो	१३	२०	बा	२१	१	३३/१५	५/२२	३८	वृषे	चन्द्रदर्शनम् [=अक्षय३
३	चं	३७	४४	रो	२९	५३/५९	अ	३/१४	५०/४१	तै	११	५७	१४	२१	३९	मि२७।२४	कृत्ति.रविः५५।७उदयोभौमः४९।११–
४	मं	३०	३२	आ	४९	५२	धृ	४६	१४	व	४	८	१७	२१	३९	सिथुने	भ.४/८उ.३३/३२या.कृत्ति रविःसौरः२/३४×
५	बु	२५	१३	पु	४७	२३	शू	४०	८	बा	२५	१३	२०	२०	४०	क.३३।०	[×मार्गीबुधः७/१७
६	गु	२१	४७	पु	४६	४३	गं	३५	२३	तै	२१	३७	२३	१९	४१	कर्के	[+पातस्पर्शः५/५७पातमोक्षः१/१५
७	शु	२०	१२	श्ले	४८	९	बृ	३२	२४	व	२०	१२	२६	१९	४१	सिं४८।९	भ.२/१२उ.५९/२९या.वृषेऽर्कः२३/३२(सौरः३/२८)+
८	श	२०	४६	म	५१	२३	ध्रु	३०	३५	ब	२०	४६	२८	१८	४२	सिंहे	भरण्यांभौमः५१।३५
९	र	२२	५२	पू	५६	८	व्या	३०	२५	कौ	२२	५२	३१	१८	४२	सिंहे	वक्रीस्वाती.४शनिः३७।१६
१०	चं	२६	४२	उ	६०	०	ह	३१	१६	ग	२६	४२	३४	१७	४३	क.१२।३९	भ.५९।३उ.
११	मं	३१	३४	उ	२	१०	व	३२	३९	वि	३१	३४	३७	१७	४३	कन्यायां	भ.३१।३४या.मोहिनी११व्र.
१२	बु	३७	१६	ह	९	०	सि	३४	५९	ब	४	२५	३९	१६	४४	तु.४२।३४	भरण्या।शुक्रः२०।४०
१३	गु	४३	१२	चि	१६	८	व्य	३७	८	कौ	१०	१४	४३	१६	४४	तुलायां	प्रदोषः
१४	शु	४९	२८	स्वा	२३	४०	व	३९	३८	ग	१६	२०	४४	१५	४५	तुलायां	भ४९।२८उ.भा.ज्येष्ठारंभः नृसिंहजयंती
१५	श	५५	२४	वि	३१	४	प	४१	५९	वि	२२	२६	४७	१५	४५	वृ.१४।१३	भ.२२।२६या.यमायकुंभदानम्

५पं.वै.शु.४मं.इ. २८/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	८	०	६	११	०
२७	१०	६	८	३	२०	११	२७
१३	५	३८	२२	५४	२२	५५	१
३७	६	५३	४१	४०	५९	४१	३५
५७	४५	१/५२	४/१२	७३	४/४०	३	५७
५४	२	मा	व	५०	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

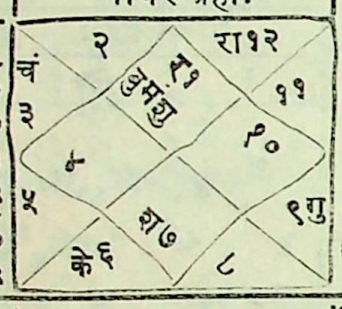

वैशाख शुक्ले ७ शुक्रे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० घा- न्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

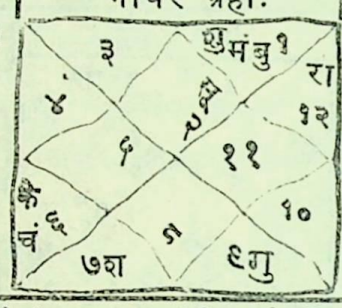

६पं.वै.शु.११मं.इ. २९/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	०	६	११	१
३	१५	९	७	१२	१९	११	३
५८	१७	२८	५०	१६	५१	३३	४५
४४	२८	४१	२४	२४	५०	२६	२०
५७	४४	३१	५/२३	७३	३/२५	३	५७
४४	५२	२८	व	५५	ब	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे बैशाखकृष्णेति महा.
१	र	६०	०	अ	३८	१८	शि	४४	८	बा	२८	१७	३४/१९	५/१४	४६	३	१४	२४	वृश्चिके	भरण्यांबुधः १६।५७
१	चं	१	१०	ज्ये	४५	७	सि	४५	४७	कौ	१	१०	५३	१४	४६	४	१५	२५	ध.४५।७	रोहि.रविः ४/५५
२	मं	६	१७	मू	५०	५९	सा	४६	५२	ग	६	१७	५४	१३	४७	५	१६	२६	धनुषि	भ.३८।२५उ.रोहि.रविःसौरः०।२९
३	बु	१०	३४	पू	५६	१३	शु	४७	२६	वि	१०	३४	५६	१३	४७	६	१७	२७	धनुषि	भ.१०।३४या.चतुर्थीव्र.
४	गु	१४	१	उ	६०	०	शु	४७	१	बा	१४	१	५८	१२	४८	७	१८	२८	स.१२।१४	
५	शु	१६	१३	उ	०	१८	ब्र	४५	४०	तै	१६	१३	३४/०	१२	४८	८	१९	२९	मकरे	पातस्पर्शः २/५७पातमोक्षः ३/५५
६	श	१७	१७	अ	३	११	ऐं	४३	१४	व	१७	१७	३	१२	४८	९	२०	३०	कुं.३३।५८	भ.१/१७उ.४/७या.
७	र	१६	५५	ध	४	४६	वै	३९	३७	ब	१६	५५	३	११	४९	१०	२१	३१	कुम्भे	कृत्ति.शुक्रः १/४२वक्रीमूल.२गुरुः३३।२
८	चं	१५	१	श	४	५३	वि	३४	४५	कौ	१५	१	५	११	४९	११	२२	१	मी४८।३३	जून६ता.३०
९	मं	११	२८	पू	३	७	प्री	२८	३०	ग	११	२८	७	११	४९	१२	२३	२	मीने	भ.३८।५०उ.वृषेशुक्रः ५/१९
१०	बु	६	१२	उ	०	१/५५	आ	२१	८	वि	६	१२	९	१०	५०	१३	२४	३	० ०	भ.६/१२या.कृत्ति.भौमः ५/२६÷
११	बु	५३	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	मे.५५।२६	[÷अपरा११व्र.स्मा.
१२	गु	५१	४५	अ	४९	३१	सौ	१२	३२	कौ	२५	४१	१०	१०	५०	१४	२५	४	मेषे	कृत्ति.बुधः ४/३९अपरा११व्र.वै.
१३	शु	४२	४७	भ	४२	३१	शो	३/४	४९/४८	ग	१७	१६	१२	१०	५०	१५	२६	५	वृ.५५।४०	भ.४/२७उ.प्रदोषः
१४	श	३३	१८	कृ	३५	६	सु	४२	२०	वि	८	२	१३	९	५१	१६	२७	६	वृषे	भ.८।२या.वृषेबुधः २९।३८
३०	र	२३	२८	रो	२७	३२	धृ	३१	४४	ना	२३	२८	१५	९	५१	१७	२८	७	मि५४।७	वटपूजनम्

७पं.ज्ये.कृ.२मं.इ. २९/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	०	६	११	१
१०	२०	१५	७	२०	१९	११	१०
४२	२८	३१	११	५८	२२	११	२७
४०	८	४१	४६	८	५२	१०	३१
५७	४४	५९	६/१८	७४	८/४	३	५७
३५	३७	४६	व	२	व.	११	२३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य जौ गेहूं चांवल मटर सरसों अलसी मंदे हो धातु सोना चांदी लोहा तेज हो रुई में घटाबढी चले ।

गोचर ग्रहाः

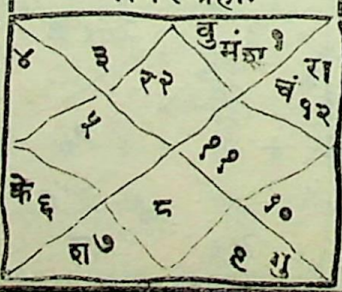

८पं.ज्ये.कृ.९मं.इ. २९/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	०	६	११	१
१७	२५	२४	६	२९	१८	१०	१७
२५	३५	२४	२६	३०	५६	४८	८
२६	५६	७	१३	१४	६	५४	३७
५७	४४	८५	७	७४	५/२	३	५७
२७	५	४७	व	८	व	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४८११स.२०४३
१	चं १४ ६	मृ	२०	४३	शू	२१	४६	ब	१४ ६	३४ १६	५६ ९	१८	२६	८	मिथुने	मृगेरविः ३९ (सौरः ५९ वृषे भौमः ३३ –
२	मं ५	५२	आ	१४	४४	गं	१२	४२	कौ	५	५२	१७	६	५१	१९	१	६	क.५६।२४	रज्जव ७ [–चन्द्रदर्शनम्
३	मं ५३	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aगुर्जराणांवटसावित्रीव्र.
४	बु ५३	५८	पु	१०	१७	वृ	४७	५३	व	२६	३०	१८	८	५२	२०	२	१०	कर्के	भ.२६।३०उ.५३।५८या.
५	शु ५०	५६	पु	७	४०	व्या	५३	३७	ब	२२	२७	१९	८	५२	२१	३	११	कर्के	रोहि.शुक्रः १।२८
६	शु ५०	१४	ले	७	१३	ह	५०	५३	कौ	२०	३५	१९	८	५२	२२	४	१२	सिं७।१३	रोहि.बुधः ६।४५
७	श ५१	२२	म	८	५६	व	४६	३०	ग	२०	४८	२०	८	५२	२३	५	१३	सिंहे	भ.५१।२२उ.
८	र ५४	३१	पू	१२	३१	सि	४६	४७	वि	२२	५६	२१	८	५२	२४	६	१४	कं.२८।५२	भ.२२।५६या.
९	चं ५६	८	उ	१७	५३	व्य	५०	४३	बा	२६	५०	२१	८	५२	२५	७	१५	कन्यायां	मिथुनेऽर्कः ३८।११पूर्वास्तंबुधः ५६।२१
१०	मं ६०	०	ह	२५	२५	व	५२	४६	तै	३२	१	२२	८	५२	२६	८	१६	तु.५८।३९	मिथुनेऽर्कः सौरः ०।७गंगादशमी
१०	बु ४	५५	चि	३१	५३	प	५५	१०	ग	४	५५	२२	८	५२	२७	९	१७	तुलायां	भ.३७ उ.उभा.२राहुःउषा.४केतुः५१
११	शु १०	५९	स्वा	३९	१९	शि	५७	४७	वि	१०	५९	२३	७	५३	२८	१०	१८	तुलायां	भ.५९ या.मृगेबुधः ५४ निर्जला ११व्र.
१२	शु १७	१७	वि	४६	५५	सि	६०	०	बा	१७	१७	२३	७	५३	२९	११	१९	वृ.३०।१	प्रदोषः
१३	श २३	१७	अ	५४	३	सि	०	१०	तै	२३	१७	२३	७	५३	३०	१२	२०	वृश्चिके	[=मृगेशुक्रः ५९ रोहि.भौमः २९×
१४	र २८	३९	ज्ये	६०	०	सा	२	१३	व	२८	३९	२४	७	५३	३१	१३	२१	वृश्चिके	भ.२८।३९उ. [×भा.आषाढारंभः A
१५	चं ३३	११	ज्ये	०	३३	शु	३	३७	वि	०	५५	२४	७	५३	१	१४	२२	ध.०।३३	भ.५५या.आर्द्रां.रविः ३७ मिथुनेबुधः ० ५९ =

९पं.ज्ये.शु.२मं.इ. २९/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	८	१	६	११	१
२४	०	५	५	८	१८	१०	२३
७	४०	२०	३६	५	३१	२६	४८
३०	५५	६	२२	४९	३४	३९	३३
५७	४३	०	४८	७४	२०	३	५७
२२	५२	३८	व	१४	व	११	५

गोचर ग्रहाः

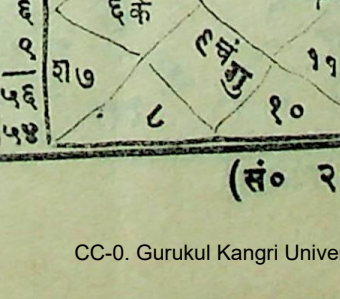

ज्येष्ठ शुक्ले ९ चन्द्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा ४ न ५ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० घा-न्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

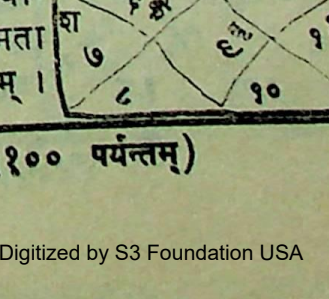

१०पं.ज्ये.शु.१०मं.इ. २९/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	८	१	६	११	२
०	५	१८	४	१६	१८	१०	०
४८	४३	२४	४३	३६	१०	४	२७
४७	४८	११	१	१४	४१	२३	४२
५७	४३	२९	५६	७४	४२	३	५६
१७	४०	५२	व	२०	व	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहा.
१	मं ३६ ४१	म	६	०	शु	४	२३	बा	४ ५६	३४ २४	५६ ७	२	१५	२३	धनुषि	आर्द्रा.रविः सौरः १।४०
२	बु ३९ २०	पू	१०	४१	ब्र	४	२१	तै	८ ०	२४	७	३	१६	२४	म.२६।३४	
३	गु ४० ४२	उ	१४	१३	ऐं	३	३७	व	१० १	२४	७	४	१७	२५	मकरे	भ.१०।१उ.४३ या.आर्द्रां.बुधः ८।५१
४	शु ४१ ७	श्र	१६	४७	वै	३	५७ ३१	ब	१०	५५	२३	७	५३	५	१८	२६	कुं.४७।३१	चतुर्थीव्र.
५	श ४० २५	ध	१८	१६	श्री	५६	१७	कौ	१०	४६	२३	७	५३	६	१९	२७	कुंभे	मिथुनेशुक्रः २८।५४वक्रीमूल.१गुरुः २६
६	र ३८ ४६	श	१८	४७	आ	५२	८	ग	९	३५	२३	८	५२	७	२०	२८	कुम्भे	भ.३८।४६उ.
७	चं ३५ ५९	पू	१८	१३	सौ	४७	५	वि	७	२२	२३	८	५२	८	२१	२९	मी३।२२	भ.७।२२या.
८	मं ३२ ४	उ	१६	३१	शो	४१	११	बा	४	१	२१	८	५२	९	२२	३०	मीने	
९	बु २७ १०	रे	१३	४६	अ	३४	२३	ग	२७	१०	२०	८	५२	१०	२३	१	मे.१३।४६	भ.५४ उ.पुन.बुधः ५ ८ जुलाई७ता.३१
१०	गु २१ ५	अ	९	५९	सु	२६	४३	वि	२१	५	१९	८	५२	११	२४	२	मेषे	भ.२१।५या.आर्द्रा.शुक्रः ५१।२०
११	शु १४ ४	भ	५	५४ ९ ८	धृ	१८	१५	बा	१४	४	१८	८	५२	१२	२५	३	वृ.१८।४२	योगिनी११व्र.
१२	श ६ २३	रो	५३	१६	शू	१६	५० ३७	तै	६	२३	१७	९	५१	१३	२६	४	वृषे	भ.५।५८उ.प्रदोषः
१३	श ५१ ३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	र ४९ ३४	मृ	४७	५	बृ	५०	३१	वि	२३	४६	१६	९	५१	१४	२७	५	मि२०।११	भ.२३।४६या.
२०	चं ४१ ३४	आ	४१	१४	ध्रु	४१	३२	च	१५	३४	१५	९	५१	१५	२८	६	मिथुने	पुन.रविः ३६।४६ककेंबुधः ०।५०

११पं.आ.कृ.१मं.इ. २९/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	८	१	६	११	२
७	१०	३	३	२५	१७	९	७
२९	४३	८	५०	९	५३	४२	६
४२	२६	१३	२०	२५	४९	८	९
५७	४३	३७	५७	७४	९३	३	५६
१३	२४	२९	व.	२६	स.	११	५४

गोचरग्रहाः

आषाढशुक्ले ११शुक्रे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा ५ न. ५ प्रगल्भावस्था (वठी) मु. ३० घा-न्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

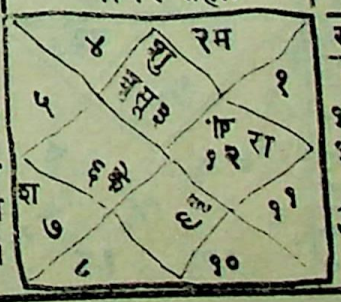

१२पं.आ.कृ.८मं.इ. २९/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	८	२	६	११	२
१४	१५	१८	२	३	१७	९	१३
१०	३९	२०	५६	४३	४१	१९	४४
८	३६	५६	२५	३४	१०	५२	२२
५७	४३	२९	४८	७४	१०	३	५६
७	३	५३	व.	२६	स.	११	५०

(सं० २००१ समारम्भं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४८४०स.२०४३
१	मं	३४	३०	पु	३६	१६	व्या	३२	५२	किं	८	२	३४ १४	५६ ९	५१	१६	२९	७	क.२२।३१	पुन.रविःसौरः५।४२पुष्येबुधः४१।१
२	बु	२८	४१	पु	३२	३१	ह	२५	३९	बा	१	३५	१३	९	५१	१७	३०	८	कर्के	पश्चिमोदयीबुधः २१ १६ चंद्रदर्शनम्रथयात्रा
३	शु	२४	४३	श्ले	३०	३५	व	१८	४२	ग	२४	४३	११	१०	५०	१८	१	९	सिं३०।३५	भ.५३।४६उ.सावान८
४	शु	२२	४९	म	३०	४३	सि	१४	१२	वि	२२	४९	१०	१०	५०	१९	२	१०	सिंहे	भ.२२।४९या.
५	श	२२	५१	पू	३२	४७	व्य	११	३१	बा	२२	५१	८	१०	५०	२०	३	११	कं.४८।४८	मृगेभौमः३२।११
६	र	२४	५८	उ	३६	५३	व	१०	४९	तै	२४	५८	७	११	४९	२१	४	१२	कन्यायां	
७	चं	२९	१	ह	४२	२३	प	१०	५१	व	२९	१	५	११	४९	२२	५	१३	कन्यायां	भ.२९।१उ.पुन.शुक्रः४५।५७
८	मं	३४	२३	चि	४९	१८	शि	१२	१४	वि	१	४२	३	११	४९	२३	६	१४	तु.१५।५१	भ.१।४२या.आश्ले.बुधः५६।२३
९	बु	४०	८	स्वा	५६	४९	सि	१५	१७	बा	७	१५	१	१२	४८	२४	७	१५	तुलायां	मार्गीशनिः ३६ शुक्रास्तःपूर्वस्यां३७।४८
१०	गु	४६	३१	वि	६०	०	सा	१७	४६	तै	१३	२०	५३ ५९	१२	४८	२५	८	१६	वृ.४७।३५	[–(सौरः ३६) देवशयनी ११ब्र.
११	शु	५२	२७	वि	४	३१	शु	२०	२३	व	१९	२९	५७	१३	४७	२६	९	१७	वृश्चिके	भ.१९।२९उ.५२।२७या कर्केऽर्कः ५ २२ –
१२	श	५७	५३	अ	११	४१	शु	२२	२९	ब	२५	१०	५५	१३	४७	२७	१०	१८	वृश्चिके	[=कर्केशुक्रः ५२ ५४ मिथुनेभौमः १० ५५ ×
१३	र	६०	०	ज्ये	१८	१८	ब्र	२४	५	कौ	२९	५८	५३	१४	४६	२८	११	१९	ध.१८।१८	प्रदोषः [×वायुपरीक्षा
१३	चं	२	४	मू	२३	४१	ऐं	२४	४०	तै	२	४	५०	१४	४६	२९	१२	२०	धनुषि	पुष्ये.रविः३४।४०
१४	मं	५	४	पू	२७	५१	वै	२४	१४	ब	५	४	४८	१४	४६	३०	१३	२१	म.४३।३३	भ.५४उ ३५ ५३या.पुष्ये.रविःसौरः९=
१५	बु	६	४२	उ	३०	४१	वि	२२	५६	ब	६	४२	४५	१५	४५	३१	१४	२२	मकरे	व्यासपूजा गुरु१५

१३पं.आ.शु.१मं.इ. २९ ५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	८	२	६	११	२
२०	२०	२	३	१२	१७	८	२०
५०	३३	५६	६	१८	३३	५७	२२
३५	४७	२	२९	२५	१८	३६	८
५७	४२	९	८	७४	४०	३	५६
७	५०	४६	व.	२९	व.	११	५०

१४पं.आ.शु.८मं.इ. २८ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	८	२	६	११	२
२७	२५	१५	१	२०	१७	८	२७
३०	२४	५१	२०	५३	२९	३५	०
५४	५८	१४	५३	२०	५६	२१	१५
५७	४२	५७	६	७४	८	३	५६
१२	२६	२२	व	३२	व	११	५४

१५पं.आ.शु.१४मं.इ. २८ ४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	८	२	६	११	२
४	०	२७	०	२९	१७	८	२
११	१२	१४	४०	३०	३१	१३	३८
३८	२९	२६	१६	०	३६	५	४२
५७	४१	९०	५ २५	७४	४०	३	५६
१५	५९	४१	व	३२	मा	११	५९

त.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	गु	७	१	श्र	३२	१७	प्री	२०	३०	कौ	७	१	३३ ४३	५५ ५५	६ ५५	१	१५	२३	मकरे	मघा.सिंहेबुधः१८।१८भा.श्रावणारंभः
२	शु	६	१७	ध	३२	५४	आ	१७	२०	ग	६	१७	४०	१६	४४	२	१६	२४	कुं.२।३५	भ.३५।१७उ.पुष्ये.शुक्रः३३।५६
३	श	४	१७	श	३२	३७	सौ	१३	२०	वि	४	१७	३८	१६	४४	३	१७	२५	कुम्भे	भ.४।१७या.चतुर्थीब्र.
४	र	१	३७	पू	३१	३१	शो	८	३८	बा	१	३७	३५	१७	४३	४	१८	२६	मी१६।४८	नाग५मरुस्थले
५	र	५६	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	० ०	
६	चं	५४	१७	उ	२९	४७	अ	३ ९	८ ५४	ग	२६	१३	३३	१७	४३	५	१९	२७	मीने	भ.५४।१७उ.
७	मं	४९	४९	रे	२७	३१	धृ	५१	२०	वि	२२	३	३०	१८	४२	६	२०	२८	मे.२७।३१	भ.२२।३या.
८	बु	४४	५२	अ	२४	३३	शू	४४	३५	बा	१७	२१	२७	१९	४१	७	२१	२९	मेषे	[×वृश्चिकेगुरुः २४
९	गु	३९	२०	भ	२१	१५	गं	३७	४१	तै	१२	६	२४	१९	४१	८	२२	३०	वृ.३५।१७	आर्द्रा.भौमः३६।२४वक्रीज्येष्ठा.४×
१०	शु	३३	२२	कृ	१७	२३	बृ	३०	१५	व	६	२१	२२	२०	४०	९	२३	३१	वृषे	भ.६।२१उ.३३।२२या.
११	श	२६	५३	रो	१३	१६	धु	२२	३२	ब	०	७	१९	२०	४०	१०	२४	१	मि४०।५६	अगस्त८ता.३१कामिका११ब्र.
१२	र	२०	२५	मृ	८	३६	व्या	१४	३८	तै	२०	२५	१६	२१	३९	११	२५	२	मिथुने	पूफाबुधः४०।२७प्रदोषः
१३	चं	१४	२	आ	४	२०	ह	६ ४३	५२ ३५	व	१४	२	१३	२१	३९	१२	२६	३	क.४६।२०	भ.१४।२उ.४१।५या.आश्ले.रविः ३१ १९
१४	मं	८	९	पु	० १९	५६ ४५	सि	५२	२३	श	८	९	१०	२२	३८	१३	२७	४	कर्के	आश्ले.रविःसौरः८।५४आश्ले.शुक्रः २४ ४५
२०	बु	२	५८	श्ले	५४	५४	व्य	४६	२०	ना	२	५८	७	२३	३७	१४	२८	५	सिं५४।५४	हरियाली

१६पं.श्रा.कृ. ७मं.इ. २८ ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	८	३	६	११	३
१०	४	७	०	८	१७	७	१०
५२	५७	०	८	४	३७	५०	१८
४१	१४	२	१३	५२	५२	५०	०
५७	४१	७३	१४	७४	१	३	५७
२०	४३	४८	व.	३८	२३	११	५

गोचर ग्रहाः

इसमासमें मिथुन का संगल धान्य बाजरा मूंग जौ गेहूं चावल रुई कपास वारदाना में तेजी करे सोना चांदी मंदा हो।

गोचर ग्रहाः

१७पंश्रा.कृ.१४मं.इ.२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	५	७	३	६	११	३
१८	९	१४	२९	१६	१७	७	१६
२४	३९	५५	४२	४४	४८	२९	५७
२३	१४	१६	३६	३८	३६	३४	४७
५७	४१	५२	१४ ३	७४	२	३	५९
२५	२४	५५	व	३८	२	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५										वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण४८७०स२०४३
१	बु	५६	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	शु	५६	५९	म	५४	१८	व	४१	२७	बा	२८	३	३३ ३४	५ २३	६ ३७	१५	२९	६ सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंघारा
३	शु	५६	३५	चू	५५	२६	प	३७	५५	तै	२६	४७	०	२४	३६	१६	१	७ सिंहे	रमजानईतीज
४	श	५८	१०	उ	५८	३२	शि	३६	१	ब	२७	२२	३३ ५३	२५	३५	१७	२	८ कं.११।१२	भ.२७।२२उ.५८।१०या.वरद४
५	र	६०	०	ह	६०	०	सि	३४	५८	व	२९	४५	५४	२५	३५	१८	३	९ कन्यायां	नागपंचमी
५	चं	१	२०	ह	३	५	सा	३५	४२	बा	१	२०	५०	२६	३४	१९	४	१० तु.३६।१३	
६	मं	६	१६	चि	९	२२	शु	३७	१९	तै	६	१६	४७	२७	३३	२०	५	११ तुलायां	
७	बु	११	४५	स्वा	१६	१०	शु	३९	२२	व	११	४५	४४	२७	३३	२१	६	१२ तुलायां	भ.११।४५उ.४४।५५या.
८	गु	१८	४	वि	२३	४०	ब्र	४१	५४	ब	१८	४	४०	२८	३२	२२	७	१३ वृ.६।४७	
९	शु	२४	६	अ	३१	६	ऐं	४४	१३	कौ	२४	६	३७	२९	३१	२३	८	१४ वृश्चिके	[–श्रावणीकर्मरक्षाबंधनम् भद्रोत्तरम्
१०	श	२९	४३	ज्ये	३८	१०	वै	४६	४	ग	२९	४३	३३	२९	३१	२४	९	१५ ध.३८।१०	मघा.सिंहेशुक्रः१३।०
११	र	३४	६	मू	४३	५६	वि	४६	५७	व	१	५४	३०	३०	३०	२५	१०	१६ धनुषि	भ.१।५४उ.३४।६या.पवित्रा११व्र.
१२	चं	३६	५६	पू	४८	२३	प्री	४६	४९	ब	५	३१	२६	३१	२९	२६	११	१७ धनुषि	मघासिंहेऽर्कः२५।४३वक्रीबुधः२३।१९
१३	मं	३८	१४	उ	५१	४	आ	४५	२६	कौ	७	३५	२२	३२	२८	२७	१२	१८ म.६।४४	मघा.सिंहेऽर्कःसौरः६।१८प्रदोषः
१४	बु	३७	५०	श्र	५२	९	सौ	४२	३४	ग	७	२	१९	३२	२८	२८	१३	१९ मकरे	भ.३७उ.उभा.१राहुःउफा.३केतुः४४
१५	शु	३५	५५	ध	५१	५३	शो	३८	३४	वि	६	५२	१५	३३	२७	२९	१४	२० कुं.२२।१	भ.६२या.पुन.भौमः५९मार्गीगुरुः३८–

१८पं.श्रा.शु.६मं.इ. २८ ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	७	३	६	११	३
२४	१४	२०	२९	२५	१८	७	२३
१६	१८	२९	२५	२३	४	६	३८
४४	२५	५३	४१	१०	५	१८	५४
५७	४१	२६	१ ५५	७४	२	३	५७
३३	१०	४५	व	३८	४१	११	२२

गोचर ग्रहाः

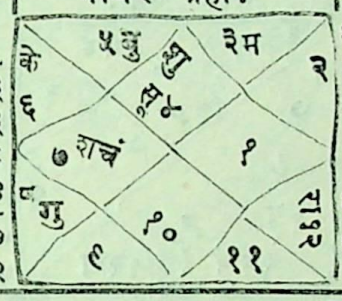

श्रावणशुक्ले १२चन्द्रे सिंहेऽर्कःप्रविष्टः वा. ४ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

१९पं.श्रा.शु.१३मं.इ. २८ ६०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	७	४	६	११	४
१	१८	२२	२९	४	१८	६	०
०	५३	५३	१८	२	२३	४४	२१
४	५६	५६	२९	४६	५३	३	७
५७	४०	५४	२३	७४	३	३	५७
४०	४०	चं	चं	३८	२६	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५										वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु	३२	४१	श	५०	१७	अ	३३	३८	बा	४	१८	३२ ३२	५ ३४	६ २६	३०	१५	२१ कुम्भे	
२	श	२८	३३	चू	४७	५	सु	२७	१२	तै	०	३७	८	३४	२६	३१	१६	२२ मी	३२।५३ भ.५६।४उ.
३	र	२३	३५	उ	४४	४७	धृ	२१	२६	वि	२३	३५	४	३५	२५	१	१७	२३ मीने	भ.२३।३५या.भा.भाद्रपदारंभःचतुर्थी
४	चं	१८	१३	रे	४१	२२	शु	१४	२९	बा	१८	१३	१	३६	२४	२	१८	२४ मे.४१।२२	
५	मं	१२	४६	अ	३७	५८	गं	७	२३	तै	१२	४६	३५ ३७	३७	२३	३	१९	२५ मेषे	पूफा.शुक्रः ५८ बुधास्तःपश्चिमायां ३७=
६	बु	७	२०	भ	३४	२८	वृ	० २४	५२ ४७	व	७	२०	५३	३७	२३	४	२०	२६ बृ.४८।३६	भ.७।२०उ.३४।३७या. [=चन्द्रषष्ठी
७	गु	१	५५	कृ	३१	१	व्या	४६	११	ब	१	५५	४९	३८	२२	५	२१	२७ बृषे	जन्माष्टमी ब्र.
८	गु	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	शु	५१	३०	रो	२७	४३	ह	३९	२०	तै	२४	३८	४६	३९	२१	६	२२	२८ मि५६।७	गोगाई
१०	श	४६	३५	मृ	२४	३२	व	३२	३२	ब	१९	२	४२	४०	२०	७	२३	२९ मिथुने	भ.१९।२उ.४६।३५या.
११	र	४१	५५	आ	२१	३८	सि	२५	५३	ब	१४	१५	३८	४०	२०	८	२४	३० मिथुने	अजा११व्र.
१२	चं	३७	५३	पु	१९	२	व्य	१९	४३	कौ	९	५४	३४	४१	१९	९	२५	३१ क.४।४१	पूफा.रविः १५ ५७ (सौरः १०) वत्सद्वादशी
१३	मं	३४	२६	पु	१७	१३	व	१३	५७	ग	६	१०	३०	४२	१८	१०	२६	१ कर्के	भ.३४।२६उ.सितम्बरईता.३०प्रदोषः
१४	बु	३१	४७	ले	१६	२	प	८	४२	वि	३	६	२६	४३	१७	११	२७	२ सिं१६।२	भ.३।६या. [×३०मन्वादिः
३०	गु	३०	३१	म	१६	४	शि	४	२५	च	१	९	२२	४४	१६	१२	२८	३ सिंहे	वक्रीमघा बुधः ६ ३९ कुशाग्रहणीपिठोरी×

२०पं.भा.कृ.५मं.इ.२८।० ६०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	७	४	६	११	४
७	२३	२०	२९	१२	१८	६	७
४४	२६	५९	२०	४२	४८	२१	४
२९	४२	५६	६	३६	४	४७	३३
५७	४०	४३ ४९	५१	७४	३	३	५७
४९	१९	व	मा	३२	५९	११	४५

गोचर ग्रहाः

इसमासमें कृष्णपक्षमें धान्य गेहूं जौ चना चावल बाजरा आदि धातु सोना चांदी लोहा रुई वस्त्र मंदे १ होकर सुदीमें तेज हो

गोचर ग्रहाः

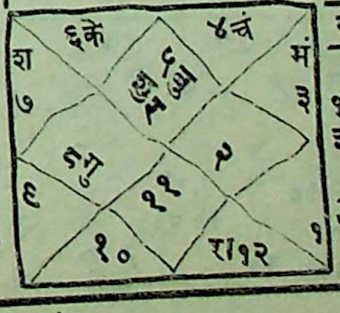

२१पंभा.कृ.१३मं.इ. २७ ५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	७	४	६	११	४
१४	२७	१५	२९	२१	१९	५	१३
३०	५५	४	३०	२३	१६	५९	४९
४	४४	५२	५८	१३	५५	३२	४५
५८	३९	६३ ५२	२	७४	४	३	५७
१	५८	व	१	३२	३८	११	५७

(सं० २००१ समारम्भ २१००)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४८९९स.२०४३
१	शु ३० २५	पू १७ १२	सि ०६ ५८	किं ० २८	३१ ५	६ ६	१३ २९	४	कं.३२।५३ कर्कभौमः ३४।२५
२	श ३२ ४	उ १९ ५६	शु ५७ ५७	बा १ १५	१५ ४५	१५ १४	३० ५		कन्यायां उफा.शुक्रः ४३।४३चन्द्रदर्शनम्
३	र ३५ १३	ह २४ ११	शु ५७ ४४	तै ३ ३८	११ ४६	१४ १५	१ ६		तु.५६।५७ सव्वाल १०हरितालिका ३
४	चं ३९ ५२	चि २९ ४४	ब्र ५८ ४६	व ७ ३२	७ ४७	१३ १६	२ ७		तुलायां भ.७।३२उ.३९।५२या.गणेशचतुर्थी
५	मं ४५ ७	स्वा ३६ १८	ऐं ६० ०	ब १२ २९	३ ४७	१३ १७	३ ८		तुलायां कन्यायांशुक्रः २४।४६ऋषिपंचमी
६	बु ५१ २३	वि ४३ ३८	ऐं ० ३१	कौ १८ १५	३० ४८	१२ १८	४ ९		वृ.२८।४८ पुष्येभौमः ५६।२७ पूर्वोदयीबुधः ३५।२४
७	गु ५७ ३८	अ ५१ १६	वै ३ ४	ग २४ ३०	५५ ४९	११ १९	५ १०		वृश्चिके भ.५७।३८उ.विशा.१शनिः ४८।३५
८	शु ६० ०	ज्ये ५८ ४०	वि ५ २५	वि ३० ३४	५१ ५०	१० २०	६ ११		ध.५८।४० भ.३०/३४या.मार्गीबुधः २७/१मूल.१ धनु.गुरुः ९/४
८	श ३ ३१	मू ६० ०	प्री ७ ३७	ब ३ ३१	४७ ५१	९ २१	७ १२		धनुषि [-कन्यार्कःसौर.७।१अनंत १४=
९	र ८ ३३	मू ५ ४	आ ९ १३	कौ ८ ३३	४३ ५१	९ २२	८ १३		धनुषि उफा.रविः५९।५२ [=महालयारंभः
१०	चं ११ ५८	पू १० ८	सौ ९ ३६	ग ११ ५८	३९ ५२	८ २३	९ १४		म.२६।४ भ.४२।५२उ.उफा.रविःसौरः४१।५०
११	मं १३ ४६	उ १३ ५०	शो ८ ४७	वि १३ ४६	३५ ५३	७ २४	१० १५		मकरे भ.१३/१६या.जलझूलनी ११व्र.वामनजयंती
१२	बु १३ २८	श्र १५ २८	अ ६ ३२	बा १३ २८	३१ ५४	६ २५	११ १६		कुं.४५।२३ हस्तेशुक्रः २७।५६प्रदोषः
१३	गु ११ २०	ध १५ १७	सु २/५५	तै ११ २०	२७ ५५	५ २६	१२ १७		कुंभे कन्यायामर्कः २५।१३
१४	शु ७ २३	श १३ २१	शू ५१ ४	व ७ २३	२२ ५६	४ २७	१३ १८		मी५५।४९ भ.७/२३उ.३/४३या.ग्रस्तास्त खग्रा.चं.ग्रहणं-
१५	श २ ४	पू ९ ५८	गं ४३ २८	ब २ ४	१८ ५६	४ २८	१४ १९		मीने पूफा.बुधः १२।४८कु.संध्या.पूजनारंभः

२२पं.मा.शु.५मं.इ. २७/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	७	५	६	११	४
२१	२	९	२९	०	१९	५	२०
१७	२१	५९	५०	३	४८	३७	२६
६	३२	१३	४६	४०	१८	१६	२५
५८	३९	३३	३	७४	४	३	५८
१६	३२	व	२६	२६	५९	११	१२

गोचर ग्रहाः

भाद्रपदशुक्ले १३गुरौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४.न.५प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

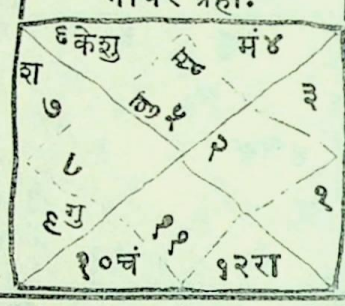

२३पं.भा.शु.११मं.इ. २७/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	८	५	६	११	४
२८	६	१०	०	८	२०	५	२७
५	४३	१५	१८	४५	२३	१५	२४
२८	४८	५४	५०	७	२८	०	४१
५८	३९	४३/०	४	७४	५	३	५८
२६	१२	मा	३५	२६	२७	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा
१	श ५३ ३४	० ० ०	० ० ०	तै २२ ६	३० ५ ६	२९ १५ २०		मीने	[×अक्टू.१०ता३१शस्त्राद्विहतानांश्रा.
२	र ४८ ३४	उ ५ २७	बृ ३५ १५	ब १४ ५८	१४ ५६ ६	३० १६ २१		मे.०।१७	भ.१४।५८उ.४१।२२या.
३	चं ४१ २२	रे ०/७ ५४/५१	शु २६ ३७	ब ७ ४७	५ ५९ १	३१ १७ २२		मेषे	शुक्रोदयःपश्चिमायां ३७।१२चतुर्थीव्र.
४	मं ३४ १२	भ ५० ३	व्या १७ ५८	ब ० ५१	३० ६ ०	१ १८ २३		वृ.३।५१	भा.आश्विनारंभः
५	बु २७ ३०	कृ ४५ १४	ह ९ ३५	कौ ० ५१	२९ ६ ५९	२ १९ २४		वृषे	भ.२१।३०उ.४८।४६या.
६	गु २१ ३०	रो ४१ १३	व ६/२१ ५२/२८	व २१ ३०	२९ ६ ५९	३ २० २५		मिथु.३२	[+५३।१५चित्राशुक्रः ११।५४
७	शु १६ २	मृ ३७ ५१	व्य ४६ ३३	ब १६ २	५३ २ ५८	४ २१ २६		मिथुने	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
८	श ११ २८	आ ३५ १९	व ४० १३	कौ ११ २८	४८ २ ५८	५ २२ २७		क.१८।५६	भ.३६।१५उ.हस्तेरविः ३८उफा.बुधः+
९	र ७ ४०	पु ३३ २८	प ३४ ४०	ग ७ ४०	४४ ३ ५७	६ २३ २८		कर्के	भ.४९/या.हस्तेरविःसौरः १९।३१÷
१०	चं ४ ४९	पु ३२ ३६	शि २९ ४१	वि ४ ४९	४० ४ ५६	७ २४ २९		सिं३२।३९	कन्यायांबुधः ४७।५इंदिरा ११व्र.
११	मं २ ४९	श्ले ३२ ३९	सि २५ २६	बा २ ४९	३६ ५ ५५	८ २५ ३०		सिंहे	प्रदोषः [÷बुधास्तःपूर्वस्यां ३८।११
१२	बु १ ४७	म ३३ ४१	सा २१ ५२	तै १ ४७	३२ ६ ५४	९ २६ १		कं.५१।३८	भ.५/२ उ.३/४या.आश्ले.भौमः ३४:५८×
१३	गु १ ५२	पू ३५ ५०	शु १९ २०	व १ ५२	२८ ६ ५४	१० २७ २		कन्यायां	तुलायांशुक्रः ३४।४ ६सर्वपितृ ३०
१४	शु २ ५०	उ ३९ २	शु १७ ३३	श २ ५०	२३ ७ ५३	११ २८ ३		कन्यायां	मातामह श्रा.
३०	श ५ २३	ह ४३ २०	व्र १७ १	ना ५ २३	१९ ८ ५२				

२४पं.आ.कृ.४मं.इ. २७/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	८	५	६	११	५
४	११	१७	०	१७	२१	४	४
५५	२	५८	५५	२३	२	५२	१४
१९	२	४४	५५	५६	२	४५	४८
५८	३८	८५	५	७४	५	३	५८
३८	३८	५१	४४	२१	५०	११	४५

गोचर ग्रहाः

इसमासमें ५रविवार अशुभ है प्रजा में रोग-शोक फैले । धान्य बाजरा गेहूं जौ चना धातु सोना चांदी तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

२५पं.आ.कृ.११मं.इ. २७/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	८	५	६	११	५
११	१५	२९	१	२६	२१	४	११
४६	१५	२५	४०	७	४२	३०	६
५२	५८	१२	२३	४४	५८	२९	४५
५८	३८	५/०	६	७४	६	३	५९
५३	०	२५	४०	२०	१६	११	०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९२९सन् २०४३

१	र	८	५३	चि	४८	५७	ऐं	१६	४५	ब	८	५३	२९	५	५६	१२	२९	४	तु.१६।८	नवरात्रारंभः
२	चं	१३	४६	स्वा	५५	१८	वै	१७	५०	कौ	१३	४६	११	१०	५०	१३	३०	५	तुलायां	हस्तेबुधः १९।२चंद्रदर्शनम्
३	मं	१९	१०	वि	६०	०	वि	१९	२५	ग	१९	१०		७	११	४९	१४	१	६	वृ.४५।४१	भ.५२।२१उ.जिल्काद११
४	बु	२५	३२	वि	२	२८	प्री	२१	२३	वि	२५	३२		३	११	४९	१५	२	७	वृश्चिके	भ.२५।३२या.स्वात्यांशुक्रः ५६।२९
५	गु	३१	५०	अ	१०	१	आ	२३	३८	बा	३१	५०	२९	१२	४८	१६	३	८	वृश्चिके	[=स्मा.कोजागरीव्र.
६	शु	३८	१२	ज्ये	१७	४६	सौ	२६	२०	कौ	५	१	५५	१३	४७	१७	४	९	ध.१७।४६	
७	श	४३	३८	मू	२४	५६	शो	२८	२०	ग	१०	५५	५१	१४	४६	१८	५	१०	धनुषि	भ.४३।३८उ.
८	र	४७	५८	पू	३०	५७	अ	२९	३५	वि	१५	४८	४७	१५	४५	१९	६	११	म.४७।११	भ.$\frac{५}{४८}$या.चित्रा.रविः $\frac{१}{३९}$सौरः ५०।५
९	चं	५०	४१	उ	३५	५३	सु	२९	५१	त्रा	१९	१९	४३	१५	४५	२०	७	१२	मकरे	चित्रा.बुधः $\frac{५१}{२}$मूल२गुरुः $\frac{२}{५८}$विशा.२ ÷
१०	मं	५१	२६	श्र	३८	५१	धृ	२८	४३	तै	२१	३	३९	१६	४४	२१	८	१३	मकरे	[÷शनिः १०।१८
११	बु	५०	१२	ध	३९	५३	शू	२६	६	व	२०	४९	३५	१७	४३	२२	९	१४	कुं.९।२६	भ.२०।४९उ.$\frac{५}{१२}$या.पापांकुशा ११त्र.
१२	शु	४६	४५	श	३८	५९	गं	२१	३९	ब	१८	२८	३१	१८	४२	२३	१०	१५	कुंभे	[×शुक्रः $\frac{४}{२}$शरद्पूर्णिमाबे.का.स्ना.प्रा.
१३	शु	४१	३४	पू	३६	२	वृ	१५	४६	कौ	१४	१०	२७	१९	४१	२४	११	१६	मी २१।४६	तुलायांबुधः ३६।४४प्रदोषः
१४	श	३४	४०	उ	३१	२२	ध्रु	१३	५१	ग	८	७	२३	१९	४१	२५	१२	१७	मीने	भ.$\frac{३४}{४०}$उ.तुलायामर्कः $\frac{५४}{२०}$शरद्पूर्णिमा =
१५	र	२६	३७	रे	२५	२९	ह	५०	२	वि	०	३८	२०	२०	४०	२६	१३	१८	मे.२५।२९	भ.$\frac{३}{३८}$या.तुलार्कः सौरः ३२।४९विशा.×

२६पं.आ.शु.३मं.इ. $\frac{२७}{७}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	६	६	११	५
१८	१९	२२	२	४	२२	४	१८
४०	२५	५५	३१	४९	२६	८	००
५	२६	१९	२३	२६	१३	१४	३२
५९	३७	००	७	७४	६	३	५९
९	२५	४४	४५	१४	३२	११	१६

गोचर ग्रहाः

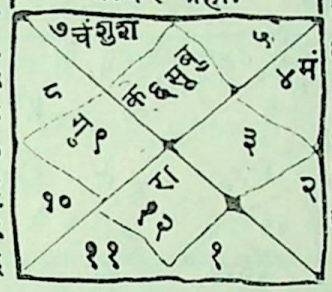

आश्विनशुक्ले १४ शनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

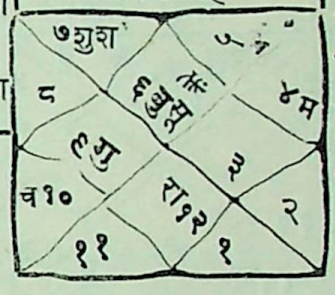

२७पं.आ.शु १०मं.इ. $\frac{२६}{५६}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	६	६	११	५
२५	२३	२४	३	१३	२३	३	२४
३४	३०	२३	२९	३०	११	४५	५६
५९	५४	३८	४२	६	२४	५८	१४
५९	३६	००	८	७४	६	३	५९
२१	५१	२०	४४	८	४४	११	३१

१	चं	१८	२	अ	१८	४७	व	४०	२	कौ	१८	२	२९	६	५५	२७	१४	१९	मेषे	
२	मं	९	१०	भ	११	५८	सि	२९	५५	ग	९	१०	१२	२२	३८	२८	१५	२०	वृ.२५।१७	भ.३४।५२उ.स्वात्यांबुधः ४२।३९
३	बु	०	३४	कृ	१५	५४	व्य	१९	५६	वि	०	३४		८	२२	३८	२९	१६	२१	वृषे	भ.$\frac{३४}{०}$या.पूभा४राहुः उफा२केतुः $\frac{३७}{१८}$ +
४	बु	५२	८		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	मि२६।३८	[+करकचतुर्थीव्र.
५	गु	४५	४२	मृ	५४	४	व	१०	४१	कौ	१९	१२	४	२३	३७	३०	१७	२२					[×महालक्ष्मीपूजन	
६	शु	४०	१	आ	५०	६	प	४३	५२	ग	१२	५१	०	२४	३६	१	१८	२३	मिथुने	भ.४०।१उ.भा.कार्तिकारंभः
७	श	३५	३५	पु	४७	३२	सि	४७	४४	वि	७	४८	२७	२५	३५	२	१९	२४	क.२३।११	भ.$\frac{४८}{७}$या.स्वात्यांरविः ३६।२३
८	र	३२	४५	पु	४६	२१	सा	४२	१५	बा	४	१०	५३	२५	३५	३	२०	२५	कर्के	स्वात्यांरविः सौरः $\frac{५३}{३}$मघासिंहेभौमः $\frac{२५}{५}$
९	चं	३१	८	ले	४६	३२	शु	३८	१	तै	१५	६	४९	२६	३४	४	२१	२६	सि४६।३२	बृश्चिकेशुक्रः ४३।५६
१०	मं	३०	५३	म	४८	४	शु	३४	४६	व	१	०	४५	२७	३३	५	२२	२७	सिंहे	भ.$\frac{१}{०}$उ $\frac{३३}{३}$या.अस्तंशनेः ४५।५७
११	बु	३२	२	पू	५०	५४	ब्र	३२	४१	ब	१	२७	४१	२८	३२	६	२३	२८	सिंहे	विशा.बुधः ५५।३१रमा११त्र.
१२	गु	३४	१०	उ	५४	५०	ए	३१	२५	कौ	३	६	३७	२९	३१	७	२४	२९	कं.६।५३	अनु.शुक्रः २६।१४
१३	शु	३७	४४	ह	५९	४४	वै	३१	२८	ग	५	५७	३४	२९	३१	८	२५	३०	कन्यायां	भ.३७।४४उ.प्रदोष :घन१३
१४	श	४२	१	चि	६०	०	वि	३१	४०	वि	९	५२	३०	३०	३०	९	२६	३१	तु.३२।४०	भ.९।५२या.रुप१४
३०	र	४७	२८	चि	५	३५	प्री	३२	५०	च	१४	४४	२७	३१	२९	१०	२७	१	तुलायां	मूल३गुरु $\frac{३}{८}$नवम्बर११ता.३० ×

२८पं.का.कृ.२मं.इ. $\frac{२६}{४६}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	८	७	६	११	६
२	२७	६	४	२२	२३	३	१
३१	३१	१२	३४	११	५८	२३	५३
२३	१६	४०	१६	४२	२३	४२	२७
५९	३६	००	९	७४	७	३	५९
२४	३०	१९	२४	२	२	११	४६

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन धान्य गल्ला गुड़ सक्कर चीनी चावल वस्त्र रुई कपास वारदाना में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

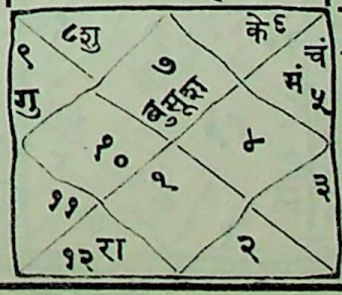

२९पं.का.कृ.१०मं.इ. $\frac{३६}{३५}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	७	६	११	६
९	१	१७	५	०	२४	३	८
२९	२१	३१	४४	५२	४६	१	५२
३८	३२	४८	३५	३४	३७	२७	५७
५९	३५	९९	१०	७३	७	३	६०
४७	४०	५९	१८	५६	८	११	३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) फार्म नं० १८०

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९५८स.२०४३
१	चं ५३ १० स्वा १२ २६ आ ३४ २६ कि २० १९	२७	६	५	११ २८	२	तुलायां	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा
२	मं ५९ २९ वि १९ ३० सा ३६ २६ बा २६ १९	२३	३१	२९				
३	बु ६० ० अ २६ ५८ शो ३८ ४९ तै ३२ ४४	१९	३२	२८	१२ २९	३	वृ.२।४४	चंद्रदर्शनम्भातृ२यम२
४	शु ५ ५९ ज्ये ३४ ३९ अ ४० ५९ ग ५ ५९	१६	३३	२७	१३ १	४	वृश्चिके	वृश्चिकेबुधः२४।३३जिल्हेज१२
५	शु १२ २८ मू ४२ ११ सु ४३ १७ वि १२ २८	१२	३४	२६	१४ २	५	ध.३४।३९	भ.३३उ.पश्चिमोदयीबुधः९।५१
६	श १८ १० पू ४८ ५५ धृ ४५ ९ बा १८ १०	९	३४	२६	१५ ३	६	धनुषि	भ.१२या.विशा.रविः५३अनु.बुधः३९
७	र २३ ७ उ ५४ ४१ शू ४६ ८ तै २३ ७	५	३५	२५	१६ ४	७	धनुषि	विशा.रविःसौरः३१।१६
८	चं २६ ४५ श्र ५९ ५ गं ४६ ७ व २६ ४५	२	३६	२४	१७ ५	८	म.५।२१	
९	मं २८ ४४ ध ६० ० बृ ४४ ४४ ब २८ ४४	२६	३६	२४	१८ ६	९	मकरे	भ.२६उ.५५या.ज्येष्ठा.शुक्रः९।१४
१०	बु २८ ५२ ध १ ४१ धु ४१ ५० कौ २८ ५२	५५	३७	२३	१९ ७	१०	कुं.३०।२३	गोपाष्टमी
११	शु २६ ५८ श २ २६ व्या ३७ २२ ग २६ ५८	५२	३८	२२	२० ८	११	कुम्भे	कुष्मांड९अक्षय९
१२	श २३ ७ पू १४ ५७ ह ३१ १६ वि २३ ७	४९	३८	२२	२१ ९	१२	मी४५।४७	भ.५३उ.विशा.३शनिः२१।५०
१३	र १७ ८ रे ५३ ८ व २३ ३३ बा १७ ८	४५	३९	२१	२२ १०	१३	मीने	भ.२३या.प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
१४	चं ० ५५ भ ३९ २२ व्य ३७ ४९ १३ व ० ५५	४२	४०	२०	२३ ११	१४	मे.५३।८	प्रदोषः
१५	चं ५० २४ ० ० ० ० ० ० ० ०	३९	४०	२०	२४ १२	१५	मेषे	ज्येष्ठा.बुधः४३।३६बैकुंठ १४
		३६	४१	१९	२५ १३	१६	वृ.५२।२५	भ.०।५५उ.२६।७या. वृश्चिकेऽर्कः =
		२५	४२	१९	२६ १४	१७	वृषे	[=५३मन्वादिःका.स्ना.पू.

३०पं.का.शु.२मं.इ. २६ २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	७	६	११	६
१६	५	२८	६	९	२५	२	१५
२९	१३	२६	५९	३३	२५	३९	५४
२०	५९	४९	४९	४३	५३	११	१
६०	३४	९६	१०	७३	७	३	६०
४	५२	८	५८	५६	१४	११	१८

गोचर ग्रहाः

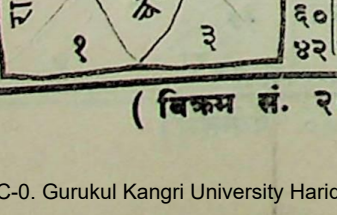

कार्तिकशुक्ले१४ चन्द्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयःपश्चिमे।

गोचर ग्रहाः

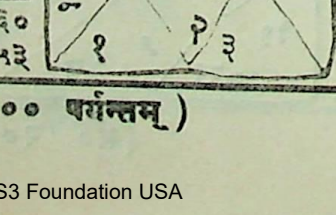

३१पं.का.शु.८मं.इ. २६ २२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	८	७	६	११	६
२३	८	८	८	१८	२६	२	२२
३०	५६	५८	१९	१४	२५	१६	५६
४०	२४	४१	३७	३५	५२	५६	३२
६०	३४	९१	११	७३	७	३	६०
१७	१३	४०	३५	४४	२०	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	मं ४१ ३२ कृ ३१ ३३ प ४२ ४९ बा १६ २६	३३	४९	९	२६ १४	१७	वृषे	बृश्चिकेऽर्कःसौरः२५।३३
२	बु ३२ ११ रो २३ ५० शि ३१ ५६ तै ६ ५१	३०	४२	१८	२७ १५	१८	मि५०।१५	भ.५७उ.पूफा.भौमः५४मूल४गुरुः४९
३	गु २३ १५ मृ १६ २९ सि २१ २६ वि २३ १५	२७	४३	१७	२८ १६	१९	मिथुने	भ.२९या.मलेधनुषिशुक्रः५६चतुर्थीव्र.
४	शु १५ ४५ आ १० २९ सा ११ ५३ बा १५ ४५	२५	४३	१७	२९ १७	२०	क.५२।१३	अनु.रविः११।१७सौरः४२।२१
५	श ९ ३८ पु ६ ४ शु २८ ५३ तै ९ ३८	२२	४४	१६	३० १८	२१	कर्के	
६	र ५ ३१ पु ३ १३ ब्र ५० ४१ व ५ ३१	१९	४४	१६	१ १९	२२	कर्के	भ.५।३१उ.३४।१६या.पातस्पर्शः५४ ÷
७	चं ३ २ शे १ ५९ ऐं ४६ ४१ व ३ २	१७	४५	१५	२ २०	२३	सिं१।५९	[÷पातमोक्षः५८भा.मार्गशीर्षारंभः
८	मं २ ३४ म २ ४९ वे ४४ ६ कौ २ ३४	१४	४५	१५	३ २१	२४	सिंहे	
९	बु ३ ४९ पू ५ २२ वि ४२ ४३ ग ३ ४९	१२	४६	१४	४ २२	२५	कं.२१।२०	भ.३५उ.मूलेधनुषिबुधः३९।५५
१०	गु ६ २० उ ९ १३ प्री ४२ ४० वि ६ २०	९	४६	१४	५ २३	२६	कन्यायां	भ.६।२०या.
११	शु १० ३२ ह १४ ३९ आ ४३ १४ बा १० ३२	७	४७	१३	६ २४	२७	तु.४७।४५	उत्पत्ति११व्र.
१२	श १५ ३३ चि २० ५० सो ४४ ३४ तै १५ ३३	५	४७	१३	७ २५	२८	तुलायां	प्रदोषः
१३	र २१ ४० स्वा २७ ५८ शो ४६ ३१ व २१ ४०	२	४८	१२	८ २६	२९	तुलायां	भ.२१।४०उ.५४।३७या.
१४	चं २७ ३४ वि ३५ १० अ ४८ ३५ श २७ ३४	०	४८	१२	९ २७	३०	वृ.१८।२२	पूषा.शुक्रः४०।९उदयंशनेः३३।१०
२०	मं ३४ ११ अ ४२ ५८ सु ५० ५५ च ० ५२	२५	४८	१२	१० २८	१	वृश्चिके	दिसम्बर१२ता.३१

३२पं.मा.कृ.१मं.इ. २५ ५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	८	७	६	११	७
०	१२	१९	९	२६	२७	१	००
३३	३०	४	४३	५५	१६	५४	००
२२	२५	५९	१	१२	८	४०	२६
६०	३३	८४	१२	७३	७	३	६०
३०	८	५९	८	३२	२०	११	४०

३३पं.मा.कृ.८मं.इ. २५ ४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	८	८	६	११	७
७	१५	२८	११	५	२८	१	७
३७	५४	२७	९	२९	६	३२	६
१६	०	५८	२९	२	४	२४	९
६०	३१	७४	१२	७३	७	३	६०
४२	५२	२८	२९	२०	१४	११	५३

३४पं.मा.कृ.३०मं.इ. २५ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	८	८	६	११	७
१४	१९	६	१२	१३	२८	१	१४
४२	९	१५	३९	१५	५५	१०	१२
२९	४०	४७	३९	२५	२६	९	५५
६०	३०	६५	१२	७३	७	३	६१
५०	४३	००	५६	१४	८	११	३

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति. मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५ वि. उ. अ. भा. मु. इं. चन्द्रः हिमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९८८स.२०४३

१	बु	४०	२८	ज्ये	५०	१३	धृ	५३	८	किं	७	२०	२५	६	४९	११
२	शु	४६	४५	मू	५७	३७	शू	५५	१६	बा	१३	३६	५४	४९	११	१२
३	शु	५२	२०	पू	६०	०	गं	५६	५१	तै	१९	३२	५३	४९	२१	१३
४	श	५७	१६	पू	४	१९	वृ	५७	४६	व	२४	४८	५१	५०	१०	१४
५	र	६०	०	उ	१०	१६	ध्रु	५८	१७	ब	२९	१६	४९	५०	१०	१५
५	चं	१	१६	श्र	१५	२२	व्या	५७	४९	वा	१	१६	४८	५०	२०	१६
६	मं	३	४९	ध	२९	१७	ह	५८	१	तै	३	४९	४६	५१	९	१७
७	बु	५	३१	श	२१	२०	व	५३	७	कौ	४	५५	४५	५१	९	१८
८	गु	२	११	पू	२१	५६	सि	४८	३४	ब	४	२८	४४	५१	९	१९
१०	शु	५५	५५	उ	२०	४७	व्य	४९	४७	कौ	२	११	४३	५१	९	२०
११	श	५२	१७	रे	१७	४७	व	३५	२८	व	२५	११	४३	५२	८	२१
१२	र	४४	५८	अ	१३	८	प	२९	५६	ब	१८	३७	४१	५२	८	२२
१३	चं	३६	२७	भ	७	१०	शि	१७	१३	कौ	१०	४२	४०	५२	८	२३
१४	मं	२६	५९	कृ	१४	१२	सि	३८	५९	ग	१४	३९	५२	८	२४	१२
१५	बु	१७	१३	रो	४४	३२	शु	४४	२८	ब	१७	१३	४१	५२	८	२५

१	बु	४०	२८	ज्ये	५०	१३	धृ	५३	८	किं	७	२०	२५	६	४९	११
२	शु	४६	४५	मू	५७	३७	शू	५५	१६	बा	१३	३६	५४	४९	११	१२
३	शु	५२	२०	पू	६०	०	गं	५६	५१	तै	१९	३२	५३	४९	२१	१३
४	श	५७	१६	पू	४	१९	वृ	५७	४६	व	२४	४८	५१	५०	१०	१४
५	र	६०	०	उ	१०	१६	ध्रु	५८	१७	ब	२९	१६	४९	५०	१०	१५
५	चं	१	१६	श्र	१५	२२	व्या	५७	४९	वा	१	१६	४८	५०	२०	१६
६	मं	३	४९	ध	२९	१७	ह	५८	१	तै	३	४९	४६	५१	९	१७
७	बु	५	३१	श	२१	२०	व	५३	७	कौ	४	५५	४५	५१	९	१८
८	गु	२	११	पू	२१	५६	सि	४८	३४	ब	४	२८	४४	५१	९	१९
१०	शु	५५	५५	उ	२०	४७	व्य	४९	४७	कौ	२	११	४३	५१	९	२०
११	श	५२	१७	रे	१७	४७	व	३५	२८	व	२५	११	४३	५२	८	२१
१२	र	४४	५८	अ	१३	८	प	२९	५६	ब	१८	३७	४१	५२	८	२२
१३	चं	३६	२७	भ	७	१०	शि	१७	१३	कौ	१०	४२	४०	५२	८	२३
१४	मं	२६	५९	कृ	१४	१२	सि	३८	५९	ग	१४	३९	५२	८	२४	१२
१५	बु	१७	१३	रो	४४	३२	शु	४४	२८	ब	१७	१३	४१	५२	८	२५

मिथुने
ध. ५०।१३
धनुषि
धनुषि
म. २०।४८
मकरे
कुं. ४७।१६
कुंभे
कुंभे
मी. ६।४७
मीने
मे. १७।४७
मेषे
वृ. २०।२६
वृषे
मि. १८।२९

ज्येष्ठा.रविः३१सौरः५०चंद्रदर्शनम्
पूषा१गुरुः३१मोहोरम१सन्१४६९हि.
भ.२४।४८उ.५७।१९या.
[=मोक्षदा११त्र.स्मा.गीताजयंती
वक्रीबुधः४३।२५चपा६
भ.४।५५उ.३४।४१या.
विशा.४वृश्चिकेशनिः४५।२८
उषा शुक्रः३१.२५
भ.२५उ.१३या.बुधास्तः पश्चिमायां
मोक्षदा११त्र.वै.
मकरेशुक्रः१४।४०प्रदोषः
भ.२६।५९उ.५२।६या दत्तजयंती
मूलेधनुष्यर्कः२८।४३सौरः५४।५२

३५पं.मा.शु.६म.इ. ३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	८	८	६	११	७
२१	२२	९	१४	२२	२९	०	२१
४८	१३	५७	१२	५३	४३	४७	२०
३२	२६	५४	७	५६	३७	५३	३५
६१	२९	३	१३	७२	७	३	३१
५६	५४	४	१४	५६	१	११	११

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षशुक्ले१५बुधे
धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा
३ न.३ कुमार्यवस्था
(बैठी)मु.३०
धान्यादिभावे समता
शुक्रोदयः पश्चिमे ।

गोचर ग्रहाः

३६पं.मा.शु.१४म.इ. ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	८	९	७	११	७
२८	२५	५	१५	०	०	०	२८
५५	७	४६	४६	२५	३०	२५	२६
२६	१	१२	१९	३०	७	३८	१८
६१	२७	८३	१३	७२	६	३	६१
०	२०	५	२६	४२	४४	११	३९

तिः पौष कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५ वि. उ. अ. हि. मु. इं. चन्द्रः हेमंततूरविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महा

१	गु	७	२४	आ	३७	१	शु	३३	३७	कौ	७	३४	२५	६	५२	१२
२	गु	५१	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	शु	५१	५	पु	३०	३९	श्र	२३	४१	व	२४	५६	३८	५२	८	२७
४	श	४५	१२	पु	२५	४४	ह	१४	५०	ब	१८	८	२७	५३	७	२८
५	र	४१	१०	श्ले	२२	४४	वै	७	२६	कौ	१३	१९	२७	५३	७	२९
६	चं	३९	२०	म	२१	३२	वि	२९	५१	ग	१०	१५	२६	५३	७	३०
७	मं	३९	४३	पू	२२	३२	आ	५४	५५	वि	९	३१	२६	५३	७	१
८	बु	४१	४४	उ	२५	२५	स्वा	५४	१	बा	१०	४४	२६	५३	७	२
९	गु	४५	४३	ह	३०	१७	शो	५४	२३	तै	१३	४३	२६	५३	७	३
१०	शु	५०	४९	चि	३९	१९	अ	५५	३१	व	१८	१६	२७	५३	७	४
११	श	५७	१०	स्वा	४३	३५	सु	५७	३०	ब	२४	०	२७	५३	७	५
१२	र	६०	०	वि	५०	५५	धृ	५९	४३	कौ	३०	१४	२७	५३	७	६
१३	चं	३	२९	अ	५८	४०	शू	६०	०	तै	३	२९	२८	५२	८	७
१३	मं	१०	१४	ज्ये	६०	०	शू	२	८	व	१०	१४	२८	५२	८	८
१४	बु	१६	२७	ज्ये	६	९	गं	४	२०	श	१६	२७	२९	५२	८	९
१०	शु	२२	२८	मू	१३	१६	बृ	६	१५	ना	२२	२८	४०	५२	८	१०

१	गु	७	२४	आ	३७	१	शु	३३	३७	कौ	७	३४	२५	६	५२	१२
२	गु	५१	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	शु	५१	५	पु	३०	३९	श्र	२३	४१	व	२४	५६	३८	५२	८	२७
४	श	४५	१२	पु	२५	४४	ह	१४	५०	ब	१८	८	२७	५३	७	२८
५	र	४१	१०	श्ले	२२	४४	वै	७	२६	कौ	१३	१९	२७	५३	७	२९
६	चं	३९	२०	म	२१	३२	वि	२९	५१	ग	१०	१५	२६	५३	७	३०
७	मं	३९	४३	पू	२२	३२	आ	५४	५५	वि	९	३१	२६	५३	७	१
८	बु	४१	४४	उ	२५	२५	स्वा	५४	१	बा	१०	४४	२६	५३	७	२
९	गु	४५	४३	ह	३०	१७	शो	५४	२३	तै	१३	४३	२६	५३	७	३
१०	शु	५०	४९	चि	३९	१९	अ	५५	३१	व	१८	१६	२७	५३	७	४
११	श	५७	१०	स्वा	४३	३५	सु	५७	३०	ब	२४	०	२७	५३	७	५
१२	र	६०	०	वि	५०	५५	धृ	५९	४३	कौ	३०	१४	२७	५३	७	६
१३	चं	३	२९	अ	५८	४०	शू	६०	०	तै	३	२९	२८	५२	८	७
१३	मं	१०	१४	ज्ये	६०	०	शू	२	८	व	१०	१४	२८	५२	८	८
१४	बु	१६	२७	ज्ये	६	९	गं	४	२०	श	१६	२७	२९	५२	८	९
१०	शु	२२	२८	मू	१३	१६	बृ	६	१५	ना	२२	२८	४०	५२	८	१०

मिथुने
क. १७।९
कर्के
सिं २२।४४
सिंहे
कं. २८।१५
कन्यायां
कन्यायां
तु. ३।१८
तुलायां
वृ. ३४।५
वृश्चिके
वृश्चिके
ध. ६।९
धनुषि

भ.२४।५६उ.५१।५या.
उफा.भौमः५३पूषा२गुरुः३९चतुर्थीव्र.
वक्रीज्येष्ठा.वृश्चिकेबुधः३।५८
भ.३९।२०उ.
भ.३५या.श्रवणेशुक्रः५७भा.पौषारंभः
पूभा.३राहु उफा१केतुः३०।४
पूर्वोदयीबुधः८।१५
भ.१८।१६उ.५०।४९या.
अस्तंगुरोः३३।३६सफला११त्र.

मार्गीबुधः५७।२७प्रदोषः
भ.१९उ.३०या.पूषा.रविः३९सौरः५५
[=कन्यायांभौमः२९।५३

३७पं.पौ.कृ.७म.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	८	९	७	११	८
३	२७	२६	१७	१०	१	०	५
३	४१	५९	२२	७	१५	३	३८
०	६	५३	५	५४	१४	२२	४३
६१	२४	७६	१३	७२	६	३	६१
४	५५	४	३२	२४	२६	११	२२

गोचर ग्रहाः

इस मास में सोना
चांदी लोहा सई रंग
सूत कपास वस्त्र
वारदाना में तेजी हो
धान्य गल्ला बाजरा
मूंग मोठ मंदे हो ।

गोचर ग्रहाः

३८पं.पौ.कृ.१३म.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	८	९	७	१०	८
१३	२९	२३	१८	१८	१	२९	१२
१०	५८	३२	५९	४१	५८	४१	४८
५९	८	२०	६	५६	२६	६	३५
६१	२२	५	१३	७२	६	३	६१
६	१८	मौ	३८	२१	४	२२	२९

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २१००शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५०१८स२०४४
१	शु २७ ३२	पू १९ ३५	ध्रु ७ ३८	ब २७ ३२	२५/४९ ५२ ६	५	११ २९	१	म.३५।५९ जनवरी१ता.३१सन्२०४४
२	श ३१ ५२	उ २५ ११	व्या ८ १५	कौ ३१ ५२	४२ ५२ ८		१२ ३०	२	मकरे धनि.शुक्रः५०पूषा३गुरु४२चंद्रदर्शनम्
३	र ३५ १६	श्र ३० १	ह ८ १७	तै ३ ३४	४३ ५१ ९		१३ १	३	मकरे सफर२
४	चं ३७ ३२	ध ३३ ४०	व ७ २९	व ६ २४	४४ ५१ ९		१४ २	४	कुं.१।५१ भ.६।२४उ.३७।३२या.
५	मं ३८ ३२	श ३६ १६	सि ५ ५६	ब ८ २	४५ ५१ ९		१५ ३	५	कुंभे
६	बु ३८ २५	पू ३७ ३८	व्य ३ ४१	कौ ८ २८	४७ ५१ ९		१६ ४	६	मी२२।१७
७	गु ३७ ८	उ ३७ ४६	व ८/२५/५४	ग ७ ४६	४८ ५० १०		१७ ५	७	मीने भ.३७।८उ.कुंभेशुक्रः४४।३४
८	शु ३४ २३	रे ३६ ३१	शि ४९ ५३	वि ५ ४५	५० ५० १०		१८ ६	८	मे.३६।३१ भ.५।४५या.मूलेधनुषिबुधः३६।३८
९	श ३० १९	अ ३४ २	सि ४३ २	बा २ २१	५२ ५० १०		१९ ७	९	मेषे
१०	र २५ १	भ ३० १३	सा ३५ २१	ग २५ १	५३ ४९ ११		२० ८	१०	वृ.४३।५७ भ.५१।३८उ.
११	चं १८ १६	कृ २५ ८	शु २६ ३४	वि १८ १६	५५ ४९ ११		२१ ९	११	वृषे भ.१/६या.उषा.रविः३/१७सौरः५७/१०पुत्रदा÷
१२	मं १० ३४	रो १८ ५३	शु १६ ५९	बा १० ३४	५७ ४९ ११		२२ १०	१२	मि४५।३१ प्रदोषः [÷११ब्र.
१३	बु २ १६	मृ १२ ८	ब्र ४८/२८/४९	तै २ १६	५९ ४८ १२		२३ ११	१३	मिथुने भ.५/३३उ.शतेशुक्रः१/२६अनु.१शनिः१/२०
१४	बु ५० ५७	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०		० ०	१४	० ०
१५	गु ४४ ३६	आ ५/९/५३/१७	वै ४६ १३	वि १८ ५४	२६/४८ १२		२४ १२	१४	क.४५।१७ भ.६/४या.मकरेऽर्कः५/६मा.स्ना.प्रा.

३९पं.पौ.शु.५मं.इ. २४/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	८	९	७	१०	८
२०	१	२७	२०	२७	२	२९	१९
१९	५५	२३	३९	१२	३८	१८	५८
५	३४	२	४७	५८	३५	५१	३२
६१	१९	४८	१३	७१	५	३	६१
६	११	३४	३८	४२	५०	११	२६

गोचर ग्रहाः

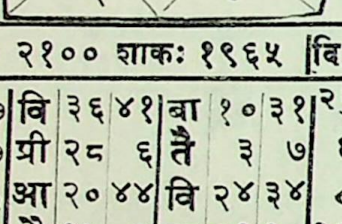

पौष शुक्ले १५ गुरौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी)मु.४५धान्या-दिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमे ।

गोचर ग्रहाः

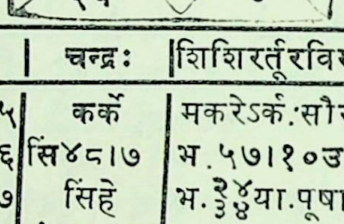

४०पं.पौ.शु.१२मं.इ. २४/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	८	१०	७	१०	८
२७	३	४	२२	५	३	२८	२७
२७	२९	५०	१४	४१	१५	५३	८
७	१०	३५	३१	४६	५०	३५	२४
६१	१५	६९	१३	७१	५	३	६१
६	११	२१	३८	१८	२२	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु ३६ २७	पु ५२ ४७	वि ३६ ४१	बा १० ३१	२६/४७/१/५३		२५ १३ १५	कर्के	मकरेऽर्कः सौरः१२।३७
२	श २९ ४७	श्ले ४८ ७	प्री २८ ६	तै ३ ७	६ ४७ १३		२६ १४ १६	सिं४८।७	भ.५७।१०उ.
३	र २४ ३४	म ४५ १६	आ २० ४४	वि २४ ३४	८ ४६ १४		२७ १५ १७	सिंहे	भ.३/४या.पूषा.४गुरुः३।०चतुर्थीब्र.
४	चं २१ १०	पू ४४ २६	सौ १५ ६	बा २१ १०	११ ४६ १४		२८ १६ १८	कं.५९।४८	
५	मं २० १३	उ ४५ ५३	शो ११ १	तै २० १३	१३ ४५ १५		२९ १७ १९	कन्यायां	पूषा.बुधः६।५५
६	बु २१ ८	ह ४९ १९	अ ८ ३७	व २१ ८	१६ ४५ १५		३० १८ २०	कन्यायां	भ.२१।८उ.५२।४२या.
७	गु २४ १६	चि ५४ २४	सु ८ १०	ब २४ १६	१९ ४४ १६		१ १९ २१	तु.२१।५२	अभि.प्र.रवि:३९/३२सौरः४३/५८उदयंगुरोः = [=५१।३६भा.माघारंभः
८	शु २८ ५३	स्वा ६० ०	धृ ८ २५	कौ २८ ५३	२१ ४४ १६		२ २० २२	तुलायां	
९	श ३५ ३	स्वा ० ५७	शू १० ०	तै १ ५८	२४ ४३ १३		३ २१ २३	वृ.५१।२७	
१०	र ४२ १५	वि ८ १७	गं १२ ६	व ८ ३९	२७ ४३ १७		४ २२ २४	वृश्चिके	भ.३/६उ.४/५या.श्रवणेरविः५/४सौरः५/९+
११	चं ४८ १	अ १५ ५३	वृ १४ २६	ब १५ ८	२९ ४२ १८		५ २३ २५	वृश्चिके	अभि.नि.रवि:३/६८सौरः५/१९षट्तिला११ब्र [+पूभा.शुक्रः१८।३२
१२	मं ५४ १७	ज्ये २३ २९	ध्रु १६ ३६	कौ २१ ९	३२ ४२ १८		६ २४ २६	ध.२३।२९	
१३	बु ६० ०	मू ३० ३९	व्या १८ ३७	ग २७ १०	३५ ४१ १९		७ २५ २७	धनुषि	प्रदोषः
१३	गु ० ३	पू ३६ ५५	ह १९ ५३	व ० ३	३८ ४० २०		८ २६ २८	म.५३।११	भ.०।३उ.३२।१७या.उषा.बुधः १९।३४
१४	शु ४ ३२	उ ४१ ५८	व २० २२	श ४ ३२	४१ ४० २०		९ २७ २९	मकरे	
१५	श ८ १३	श्र ४६ १५	सि २० ०	ना ८ १३	४५ ३९ २१		१० २८ ३०	मकरे	मकरेबुधः४२।४३

४१पं.मा.कृ.५मं.इ. २४/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	८	१०	७	१०	९
४	४	१३	२३	३४	३	२८	४
३४	३५	४४	५१	७	५०	३४	१७
५९	३८	२०	५८	८	१०	२०	५३
६१	१०	८२	१३	७०	४	३	६१
३	२९	४	३२	४७	५२	११	१९

गोचर ग्रहाः

इस मासमें कृष्ण पक्ष की तिथि वृद्धि व शुक्ल पक्ष की तिथि क्षय. धान्य बाजरा मूंग मोठ धातु सोना चांदी बस्त्रों में तेजी करे ।

गोचर ग्रहाः

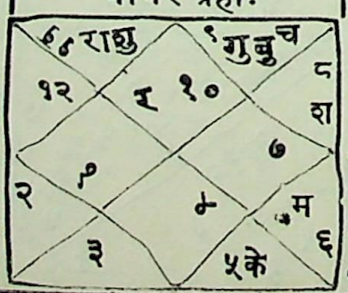

४२पं.मा.कृ.१२मं.इ. २४/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	८	१०	७	१०	९
११	५	२३	२५	२२	४	२८	११
४२	१२	४७	२८	२७	२१	१२	२६
२९	२५	१०	५	५०	४	४	४४
६०	४	९०	१३	७०	४	३	६१
५९	४२	२०	२६	११	२३	११	१३

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽर्गणः५०४८स.२०४४
१	र १९ ३०	ध ४९ ५	व्य १८ ३९	ब १० ३०	२६ ३८ २२	११ २९ ३१	कुं.१७।४०	वक्रीभौमः२३ उषा१गुरु४३ चन्द्रदर्शनम्
२	चं ११ ४८	श ५० ५७	व १६ २८	कौ ११ ४८	५१ ३८ २२	१२ १ १	कुंभे	मीनेशुक्रः४७ रविलादल३फर्वरी२ता२९
३	मं ११ ५०	पू ५१ ४६	प १३ २९	ग १० ५०	५४ ३७ २३	१३ २ २	मी३६।३४	भ.४१।२५उ.
४	बु १० ५९	उ ५२ ८	शि ९ ३५	वि १० ५९	५८ ३६ २४	१४ ३ ३	मीने	भ.१०।५९या.
५	गु ९ १८	रे ५१ ५	सि ५ १३	बा ९ १८	२७ १ ३६ २४	१५ ४ ४	मे.५१।५	उभा.शुक्र ४०बुधास्तःपूर्वस्यां५वसंत५
६	शु ६ ३६	अ ४९ २०	सा ४ ५४	तै ६ ३६	५ ३५ २५	१६ ५ ५	मेषे	श्रवणेबुधः५४ पातस्पर्शः२६ पातमोक्षः३७
७	श ३ ११	भ ४६ ५०	शु ४७ ४१	व ३ १३	८ ३४ २६	१७ ६ ६	मेषे	भ.१९३ उ.३३ या.धनि.रविः५२ भानु७ ×
८	श ५५ ४४	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	००	[×रथ७भीष्माष्टमी
९	र ५३ ५०	कृ ४३ २९	ब्र ४० ३४	बा २६ २२	१२ ३४ २६	१८ ७ ७	वृ.१।०	धनि.रविःसौरः५।४४
१०	चं ४८ २	रो ३८ २३	ऐ ३२ ४१	तै २० ५६	१५ ३३ २७	१९ ८ ८	वृषे	
११	मं ४१ ३६	मृ ३४ ४४	वै २४ २२	व १४ ४९	१९ ३२ २८	२० ९ ९	मि६।३४	भ.१४९ उ.४१३ या.जया११ब्र
१२	बु ३४ २५	आ २९ ३०	वि १५ २९	व ८ ०	२३ ३१ २९	२१ १० १०	मिथुने	
१३	गु २७ २१	पु २४ ८	प्री ४३ ५१	कौ ० ५३	२७ ३१ २९	२२ ११ ११	क.१०।२९	प्रदोषः
१४	शु २० १५	पु १८ ५५	सौ ४९ २९	व २० १५	३० ३० ३०	२३ १२ १२	कर्के	भ.२१५ उ.४७या.
१५	श १३ ५९	श्ले १४ ४०	शो ४२ ३	व १३ ५९	३४ २९ ३१	२४ १३ १३	सिं१४।४०	कुंभेऽर्कः२७ सौरः३९ मा.स्ना.पूर्ति.

४३पं.मा.शु.३मं.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	८	११	७	१०	९
१८	५	४	२७	०	४	२७	१८
४९	१६	२१	३	४३	४६	४९	३४
१	४४	५८	०	४४	३७	४८	५२
६०	१९	९६	१५	६९	३	३	६१
१५	४७ व	५५	१६	२४	४१	११	४

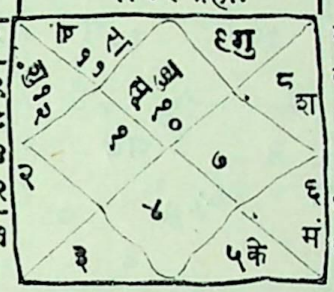

माघ शुक्ले १५ शनौ कुंभेऽर्कं प्रविष्टः वा. ३ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमे।

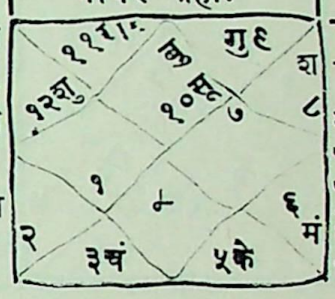

४४पं.मा.श.११मं.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	८	११	७	१०	९
२५	४	१५	२८	८	५	२७	२५
५४	४५	३३	३६	५२	८	२७	४१
५०	५८	३२	४०	३७	२३	३३	३९
६०	२९	९	१२	६८	३	३	६०
४७ व		५९	५६	४०	४	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५	दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	र ८ ४०	म ११ १६	अ ३५ ३८	कौ ८ ४०	३७ ३८ २८ ३२	२५ १४ १४	सिंहे	धनि.बुधः१०।१७
२	चं ५ २	पू ९ ३०	सु ३० ३८	ग ५ २	४१ २८ ३२	२६ १५ १५	कं.२४।३३	भ.३४ उ.उषा.२मकरेगुरुः४९।४३
३	मं ३ ११	उ ९ ४१	धृ २७ ७	वि ३ ११	४५ २७ ३३	२७ १६ १६	कन्यायां	भ.कृ३ या.रेवत्यांशुक्रः१३।४१चतुर्थीब्र.
४	बु ३ २	ह ११ ४६	शू २५ २९	बा ३ २	४९ २६ ३४	२८ १७ १७	तु.४३।३८	कुंभेबुधः५२ पातस्पर्शः३६ पातमोक्षः४७
५	गु ५ १३	चि १५ ३१	गं २४ ४०	तै ५ १३	५३ २५ ३५	२९ १८ १८	तुलायां	
६	शु ९ ४	स्वा २१ १	बृ २५ २८	व ९ ४	५६ २५ ३५	३० १९ १९	तुलायां	भ.९ उ.४१।५०या.
७	श १४ ३५	वि २७ ५७	ध्रु २७ १२	ब १४ ३५	२८ २४ ३५	१ २० २०	वृ.११।१३	शतेरविः४३ सौरः१५ भा.फाल्गुनारंभः
८	र २० २९	अ ३५ १४	व्या २९ २२	कौ २० २९	४ २३ ३७	२ २१ २१	वृश्चिके	शतेबुधः४०।१
९	चं २७ ६	ज्ये ४२ ५२	ह ३१ ३७	ग २७ ६	८ २२ ३८	३ २२ २२	ध.४२।५२	
१०	मं ३३ १७	मू ५० १	व ३३ ४२	व ० ११	१२ २२ ३८	४ २३ २३	धनुषि	भ.०।११उ.३३।१७या.
११	बु ३८ ५९	पू ५६ ३६	सि ३५ १७	ब ६ ८	१६ २१ ३९	५ २४ २४	धनुषि	पूभा.२राहुःपूफा४केतुः२३ विजया११ब्र.
१२	गु ४३ २९	उ ६० ०	व्य ३५ ५२	कौ ११ १४	२० २० ४०	६ २५ २५	म.११।५१	
१३	शु ४६ ४०	उ १ ३८	व ३५ १७	ग १५ ४	२४ १९ ४१	७ २६ २६	मकरे	भ.४६।५०उ.प्रदोषः
१४	श ४८ १३	श्र ५ २८	प ३३ ४४	वि १७ २६	२८ १८ ४२	८ २७ २७	कुं.३६।४५	भ.१७।२६या.महाशिवरात्रीब्र.
३०	र ४८ २३	ध ८ १	शि ३१ २	च १८ १८	३२ १८ ४२	९ २८ २८	कुम्भे	पूभा.बुधः४३ अश्वि.मेषेशुक्रः६।०

४५पं.फा.कृ.३मं.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	९	११	७	१०	१०
२	३	२७	०	१६	५	२७	२
५९	४७	२३	७	५३	२६	५	४७
४२	२	२०	२६	६	१३	१७	४२
६०	१७	९८	१२	६७	२	३	६०
३७ व		९	३२	३७	१९	११	४२

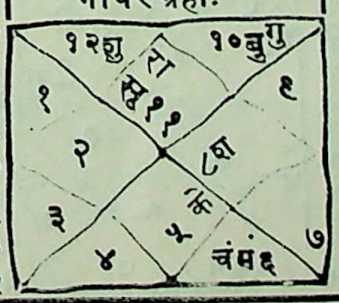

इस मास में ५ रविवार अशुभ है धातु रस में तेजी।
यत्रमासे रवेर्वारा
जायतेपंच सन्ततम्।
दुर्भिक्षं छत्र भङ्गश्च
तथास्तेचमहद्भयम्

४६पं.फा.कृ.१०मं.इ. २५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	९	११	७	१०	१०
१०	२	९	१	२४	५	२९	९
३	१५	५८	३५	४९	३८	४३	५२
१४	११	४१	३८	१	३१	२	१५
६०	२५	९	१२	६६	१	३	६०
२५	४९	५७	१३	२७	३२	११	३२

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २१०० शाक: १९६५	दि.	उ.	घ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५०७७स.२०४४
१	चं ४७ ५ श ९ ७ सि २७ ७ कि १७ ४४	३६	१७	४३	१०	२९	२९	मी५३।५९	
२	मं ४४ ४३ पू ८ ५६ सा २२ २९ बा १५ ५४	४०	१६	४४	११	३०	१	मीने	वक्रीसिंहेभौमः५८चंद्रदर्शनम्मार्च३ ✕
३	बु ४१ ३३ उ ७ ४३ शु १७ ५ तै १३ ८	४४	१५	४५	१२	१	२	मीने	प्रातस्पर्शः ११ पातमोक्षः ३९ रविलाख२ ४
४	गु ३७ ४० रे ५ ४५ शु १० ५३ व ९ ३६	४८	१४	४६	१३	२	३	मे.५।४५	भ.३६ उ.४० या.उभा.३गुरुः३।८
५	शु ३३ २६ अ ३ १९ ब्र ३८ ५३ ब ५ ३३	५२	१४	४६	१४	३	४	मेषे	पूभा.रवि:२५ सौर:२५ मीनेबुधः५३
६	श २८ ४३ भ ३९ ५३ वै ५१ २० को १ ५	५६	१३	४७	१५	४	५	वृ.१४।५२	[श्रा.३१फुलरियाः२
७	र २४ १ रे ५४ २२ वि ४४ २१ व २४ १	२९	१२	४८	१६	५	६	वृषे	भ.२५ उ.३१ या.उभा.बुधः३१।१७
८	चं १८ ५४ मृ ५० ५३ प्री ३७ १० ब १८ ५४	५	११	४९	१७	६	७	मि२२।३७	होलाष्टकम् ० ० ० ४४ ५५
९	मं १२ ४३ आ ४७ १७ आ २९ ४३ को १३ ४३	९	१०	५०	१८	७	८	मिथुने	पश्चिमोदयीबुधः४२।१
१०	बु ८ १६ पु ४३ ३८ सौ २२ २६ ग ८ १६	१३	९	५१	१९	८	९	क.२९।३३	भ.३५।३७ उ.वक्रीशक्तिः३४।१६
११	गु २ ५८ पु ४० १५ शो १५ ८ वि २ ५८	१७	९	५१	२०	९	१०	४ कर्के	भ.२।५८ या.आमलकी११ व्र.१४
१२	गु ५४ ३७ ० ० ० ० ० ० ०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	शु ५२ ५६ श्ले ३७ १४ अ ८ १० को २५ १५	२१	८	५२	२१	१०	११	सिं३७।१४	भरण्यांशुक्रः ३३ वक्रीपूफा.भौम.१९ प्रदोषः
१४	श ४८ ४१ म ३४ ५१ सु ३८ ५४ ग २० ४८	२६	७	५३	२२	११	१२	सिंहे	भ.४८।४१ उ.
३०	र ४५ ४० पू ३३ १५ शू ५१ १ वि १७ १०	३०	६	५४	२३	१२	१३	कं.४८।१७	भ.१७ या.खग्रासचंद्रग्रहणं होलिकादहनं

४७पं.फा.शु.२म.इ.२५/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	९	०	७	१०	१०
१७	०	२३	३	२	५	२६	१६
५	१७	११	१	२१	४६	२०	५५
२८	४९	२१	५	२४	२३	४६	११
३०	३२	२९	१५	६४	०	३	६०
१२	व.	५९	४०	५७	५७	११	२०

गोचर ग्रहाः

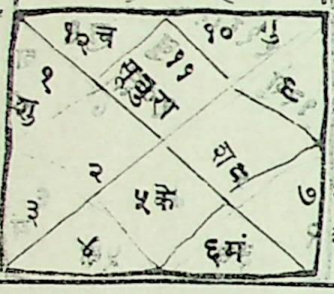

चैत्र कृष्णे १ चन्द्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३त्र. ३मंतालकावस्था (ऊभी.) मु.४५घात्या न्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमे।

गोचर ग्रहाः

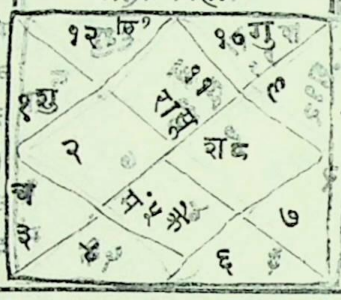

४८पं.फा.शु.९म.इ.२६/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	११	९	०	७	१०	१०
२४	२८	६	४	१०	५	२५	२३
४	१५	५२	२३	२	४९	५८	५६
१४	११	३०	१३	३५	१२	३०	३४
५९	३५	०	११	६३	०	३	६०
५८	व	५९	१	१६	६	११	६

ति	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २१०० शाक: १९६५	दि.	उ.	घ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहा.
१	चं ४४ ५ उ ३३ २६ गं ४७ ८ बा १४ ५२	३९	६	५५	२४	१३	१४	कन्यायां	मीनेऽर्कः १० सौरः ३० रेवत्यांबुधः ६ ४ =
२	मं ४३ ५७ ह ३४ ५६ बृ ४४ ५० तै १४ १	३८	४	५५	२५	१४	१५	कन्यायां	[=वसंत१छारेंडी
३	बु ४५ ३७ चि ३८ १ श्रु ४३ ४३ व १४ ४७	४३	३	५७	२६	१५	१६	तु.६।२८	भ.१४।४७ उ.४५।३७ या.
४	गु ४८ ५९ स्वा ४२ ३७ व्या ४३ ३४ व १७ १८	४७	३	५७	२७	१६	१७	तुलायां	उभा.रविः ४१ सौरः ५१।४८ चतुर्थीव्र.
५	शु ५३ ४७ वि ४८ ४९ ह ४४ ५४ को २१ २३	५१	२	५८	२८	१७	१८	वृ.३२।१६	
६	श ५९ २१ अ ५५ ४० व ४६ ४६ ग २६ ३४	५५	१	५९	२९	१८	१९	वृश्चिके	भ.५९।२१ उ.
७	र ६० ० ज्ये ६० ० सि ४९ ० वि ३२ ३१	३०	६	६	३०	१९	२०	वृश्चिके	भ.३२।३१ या.
७	चं ५ ४१ ज्ये ३ १४ व्य ५१ २० ब ५ ४१	३०	५९	६	१	२०	२१	ध.३।१४	उषा४गुरुः १६ भा.चैत्रारंभः शीतलापूजनं
८	मं ११ ५८ मू १० ४१ ब ५३ १७ को ११ ५८	८	५८	२	२	२१	२२	धनुषि	
९	बु १७ ५३ पू १७ ४१ प ५४ २६ ग १७ ५३	१२	५८	२	३	२२	२३	म.३४।७	भ.५०।१२ उ.
१०	गु २२ ३१ उ २३ २३ शि ५४ २४ वि २२ ३१	१६	५७	३	४	२३	२४	मकरे	भ.२२।३१ या.
११	शु २५ ४२ श्र २७ ४३ सि ५३ १२ बा २५ ४२	२१	५६	४	५	२४	२५	कुं.५९।१	कृत्ति.शुक्रः ४३ पापमोचनी११ व्र.
१२	श २७ १८ ध ३० १९ सा ५० ३४ तै २७ १८	२५	५५	५	६	२५	२६	कुंभे	प्रदोषः
१३	र २७ २ श ३१ १४ शु ४६ ३० व २७ २	२९	५४	६	७	२६	२७	कुंभे	भ.२५ उ.५५ या.वक्रीबुधः४२।१०
१४	चं २४ ४४ पू ३० २२ शु ४१ १४ श २४ ४४	३३	५३	७	८	२७	२८	मी१५।३५	बृषेशुक्रः ४५।२०
१५	मं २१ २९ उ २८ १४ व्र ३५ ० ना २१ १२	२७	५३	७	९	२८	२९	मीने	बुधास्तः पश्चिमायां ३१।५१ मन्वादिः

४९पं.चै.कृ.२म.इ.३६/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१८	४	११	९	०	७	१०	११
७	२५	१८	५	१७	५	२५	०
५	४८	२९	२९	१४	४७	२६	५६
२१	५८	१०	४३	४२	१०	१५	१६
५९	३६	२१	१०	३०	११	३	५९
४३	व	२५	२३	५६	व	११	४१

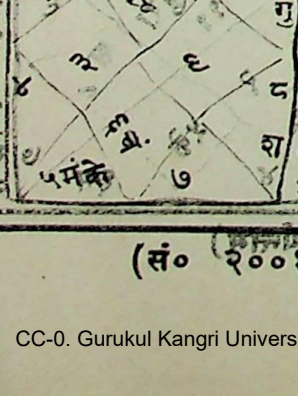

५०पं.चै.कृ.८म.इ.३६/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	९	०	७	१०	११
८	२२	२६	६	२४	५	२५	७
३	३०	१३	५२	९	४०	१३	५४
१८	१९	४८	१९	०	१२	५९	११
५९	३०	४७	९	५८	१	३	५९
२९	व	२१	३९	८	व	११	३५

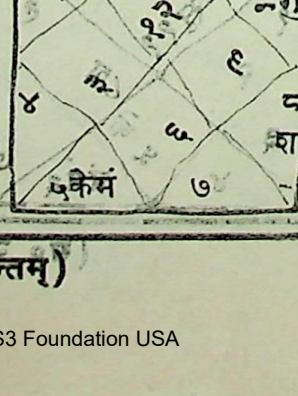

५१पं.चे.कृ.३०म.इ.३७/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	९	१	७	१०	११
१४	२१	२८	७	०	५	२४	१४
५९	२०	४	५८	३७	२८	५१	५०
२०	२८	५९	४८	५५	२३	४४	२३
५९	२३	१५	८	५४	३	३	५९
१६	व्र	व	४९	२०	ब	११	१८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

चैत्र शक्ल			वैशाख शक्ल			ज्येष्ठ शुक्ल			आषाढ शुक्ल			श्रावण शुक्ल			भाद्रपद शुक्ल			आश्विन शुक्ल			कार्तिक शुक्ल			मार्ग. शुक्ल			पौष शुक्ल			माघ शुक्ल			फाल्गुन शुक्ल		
तिथि	राष्ट्री		तिथि	राष्ट्री		तिथि	राष्ट्री		तिथि	राष्ट्री		तिथि	राष्ट्री		तिथि	राष्ट्री		तिथि	राष्ट्री		तिथि	राष्ट्री		तिथि	राष्ट्री		तिथि	राष्ट्री		तिथि	राष्ट्री		तिथि	राष्ट्री	
वार	ता.		वार	ता.		वार	ता.		वार	ता.		वार	ता.		वार	ता.		वार	ता.		वार	ता.		वार	ता.		वार	ता.		वार	ता.		वार	ता.	
१ चं	चै	८	१ मं		६	१ गु	ज्ये	५	१श	आषा	४	१ र	श्रा	२	१ मं	भा	१	१ बु		३०	१ शु		२९	१ श		२८	१ चं		२८	१ मं		२७	१ गु		२७
२ मं		९	२ बु		७	२ शु		६	२ र		५	२ चं		३	२ बु		२	२ गु		३१	२ श		३०	२ र		२९	२ मं		२९	२ बु		२८	२ शु		२८
३ बु		१०	३ गुं		८	३ श		७	३ चं		६	३ मं		४	३ गुं		३	३ शु	आ	१	३ र	का	१	३ चं		३०	४ बु		३०	३ गु		२८	३ श		२८
४ गु		११	३ शु		९	४ र		८	४ मं		७	४ बु		५	४ शु		४	४ श		२	४ चं		२	४ मं	मा	१	५ गु	पौ.	१	४ शु		३०			
५ शु		१२	४ श		१०	५ चं		९	५ बु		८	५ गु		६	५ शु		५	५ र		३	५ मं		३	५ बु		२	५ श	माघ	१	५ र		२			
६ श		१३	५ र		११	६ मं		१०	६ गु		९	५ शु		७	६ र		६	६ चं		४	७ बु		४	६ गु		३	६ शु		२	६ र		२	७ मं		
७ सू		१४	६ चं		१२	६ बु		११	७ शु		१०	६ श		८	७ चं		७	७ मं		५	८ गु		५	७ श		४	७ शु		३	७ श		३	८ बु		
८ चं		१५	७ मं		१३	७ गु		१२	८ श		११	८ र		९	८ मं		८	८ बु		६	९ शु		६	८ श		५	८ र		४	८ चं		४	९ गु		
९ मं		१६	८ बु		१४	८ शु		१३	९ र		१२	९ चं		१०	९ बु		९	९ गु		७	१० श		७	९ र		६	९ चं		५	९ बु		५	१० शु		
१० बु		१७	९ गु		१५	९ श		१४	१० चं		१३	१० मं		११	१० गु		१०	१० शु		८	११ र		८	१० चं		७	१० मं		६	१० गु		६	१० श		
११ गु		१८	१० शु		१६	१० र		१५	११ मं		१४	११ बु		१२	११ शु		११	११ श		९	१२ चं		९	११ मं		८	११ बु		७	११ शु		७	११ र		
१२ शु		१९	११ श		१७	११ चं		१६	१२ बु		१५	१२ गु		१३	१२ शु		१२	१२ श		१०	१३ मं		१०	१२ बु		९	१२ श		८	१२ शु		८	१२ चं		
१३ श		२०	१२ र		१८	१२ चं		१७	१३ मं		१६	१३ शु		१४	१३ श		१३	१३ र		११	१४ बु		११	१३ मं		१०	१३ र		९	१३ श		९	१३ मं		
१४ र		२१	१३ चं		१९	१३ मं		१८	१४ बु		१७	१४ शु		१५	१४ श		१४	१४ चं		१२	१५ गु		१२	१४ बु		११	१४ चं		१०	१४ बु		१०	१४ बु		
१५ चं		२२	१४ मं		२०	१४ गु		१९	१५ शु		१८	१५ श		१६	१५ र		१५	१५ चं		१३				१५ गु		११	१५ मं		११	१५ गु		११			
			१५ बु		२१																														
वैशाख कृष्ण			ज्येष्ठ कृष्ण			आषाढ कृष्ण			श्रावण कृष्ण			भाद्रपद कृष्ण			आश्विन कृष्ण			कार्तिक कृष्ण			मार्ग. कृष्ण			पौष कृष्ण			माघ कृष्ण			फा. कृष्ण			चैत्र कृष्ण		
१ मं		२३	१ गु		२२	१ शु		२०	१ श		१८	२ चं		१७	१ मं		१५	१ बु		१३	१ शु		१३	१ र		१३	१ चं		१२	१ बु		१२	१ शु		१२
२ बु		२४	२ शु		२३	२ श		२१	२ र		१९	३ मं		१८	२ बु		१६	२ गु		१४	२ शु		१४	२ चं		१४	१ मं		१३	२ गु		१३	२ श		१३
३ गु		२५	३ श		२४	३ र		२२	३ चं		२०	४ बु		१९	३ गु		१७	३ शु		१५	३ श		१५	३ मं		१५	२ बु		१४	३ शु		१४	३ र		१४
४ शु		२६	४ श		२५	४ चं		२३	४ मं		२१	५ गु		२०	४ शु		१८	४ श		१६	४ र		१६	४ चं		१६	३ गु		१५	४ श		१५	४ चं		१५
५ श		२७	५ र		२६	५ मं		२४	५ बु		२२	६ शु		२१	५ श		१९	५ र		१७	५ मं		१७	५ चं		१७	४ शु		१६	५ र		१६	५ मं		१६
६ र		२८	६ चं		२७	६ मं		२५	६ गु		२३	७ श		२२	६ र		२०	६ चं		१८	६ मं		१८	६ मं		१८	५ श		१७	६ चं		१७	६ बु		१७
७ चं		२९	७ मं		२८	७ बु		२६	७ शु		२४	८ र		२३	७ चं		२१	६ मं		१९	६ बु		१९	६ र		१८	६ मं		१८	७ बु		१८	७ गु		१८
९ मं		३०	७ बु		२९	८ गु		२७	८ श		२५	९ चं		२४	८ मं		२२	७ बु		२०	७ गु		२०	७ बु		१९	६ र		१८	८ गु		१९	८ शु		१९
१० बु		३१	८ गु		३०	९ शु		२८	८ र		२६	१० मं		२५	८ बु		२३	८ गु		२१	७ शु		२१	७ गु		२०	७ चं		१९	९ शु		२०	९ श		२०
११ गु	बै.	१	९ शु		३१	१० श		२९	९ र		२७	११ बु		२६	९ बु		२४	८ शु		२२	८ श		२२	८ शु		२१	८ मं		२०	१० र		२१	१० शु		२१
१२ शु		२	१० शु		१	११ र		३०	१० चं		२८	११ गु		२७	१० गु		२५	९ शु		२३	८ र		२३	८ श		२२	८ बु		२१	११ चं		२२	११ चं		२२
१३ श		३	११ श		२	१२ चं		३१	११ मं		२८	१२ शु		२८	११ शु		२६	१० शु		२४	९ चं		२४	९ चं		२३	९ शु		२२	१२ र		२३	१२ मं		२३
१४ र		४	१२ र	ज्ये	१	१३ मं		३१	१२ बु		२९	१३ शु		२९	१२ श		२७	११ र		२५	१० मं		२५	९ मं		२४	१० शु		२३	१३ श		२४	१३ बु		२४
१५ चं		५	१३ चं		२	१४ बु	आषा	१	१३ गु		३०	१४ शु		३१	१३ र		२८	१२ चं		२६	११ बु		२६	१० मं		२५	११ शु		२४	१४ र		२५	१४ मं		२५
			१४ मं		३	१४ गु		२	१४ शु		३१	१५ र		३०	१४ चं		२९	१३ मं		२७	१२ बु		२७	११ बु		२६	१२ श		२५	१५ चं		२६	३० बु		२६
			३० बु		४	३० शु		३	३० श	श्रा	१	३० चं		३१	३० मं		२९	१४ बु		२७	१३ गु		२७	१२ बु		२७	१३ र		२६	३० र		२७	३० गु		२५
																		१४ गु		२८														

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

संवत २०१८ राष्ट्रीय (शाके) १८८२-१८८३ सन् १९६१-६२

चैत्र शुक्ल			वैशाख शुक्ल			प्र. ज्येष्ठ शु.			द्वि ज्येष्ठ शु.			आषाढ शु.			श्रावण शुक्ल			भाद्रपद शु.			आश्वि. शु.			कार्त्तिक शु.			मार्ग. शुक्ल			पौष शुक्ल			माघ शुक्ल			फाल्गुन शुक्ल		
तिथि	वार	रा. ता.	तिथि	वार	रा. ता.	तिथि	वार	रा. ता.	तिथि	वार	रा. ता.	तिथि	वार	रा. ता.	तिथि	वार	रा. ता.	तिथि	वार	रा. ता.	तिथि	वार	रा. ता.	तिथि	वार	रा. ता.	तिथि	वार	रा. ता.	तिथि	वार	रा. ता.	तिथि	वार	रा. ता.	तिथि	वार	रा. ता.
१ शु	शै	२६	१ र	शै	२६	१ चं	शै	२५	१ बु	शै	२४	१ गु	शै	२२	१ श	शै	२१	१ चं	शै	२०	१ मं	शै	१८	१ गु	शै	१८	१ शु	शै	१७	१ र	शै	१७	१ चं	शै	१६	१ बु	शै	१६
२ श	शै	२७	२ चं	शै	२७	२ मं	शै	२६	२ गु	शै	२५	२ शु	शै	२३	२ र	शै	२२	२ मं	शै	२१	२ बु	शै	१९	२ शु	शै	१९	२ श	शै	१८	२ चं	शै	१८	२ मं	शै	१७	२ शु	शै	१७
३ र	शै	२८	३ मं	शै	२८	३ बु	शै	२७	३ शु	शै	२६	३ श	शै	२४	३ चं	शै	२३	३ बु	शै	२२	३ गु	शै	२०	३ श	शै	२०	३ र	शै	१९	३ मं	शै	१९	३ बु	शै	१८	३ श	शै	१८
४ चं	शै	२९	४ बु	शै	२९	४ गु	शै	२८	४ श	शै	२७	४ चं	शै	२६	४ मं	शै	२४	४ बु	शै	२३	४ शु	शै	२१	४ र	शै	२१	४ चं	शै	२०	४ बु	शै	२०	४ गु	शै	१९	४ र	शै	१९
५ मं	शै	३०	५ गु	शै	३०	५ शु	शै	२९	५ र	शै	२८	५ मं	शै	२७	५ बु	शै	२५	५ शु	शै	२४	५ श	शै	२२	५ चं	शै	२२	५ मं	शै	२१	५ बु	शै	२१	५ शु	शै	२०	५ चं	शै	२०
६ बु	चै.	१	६ शु	बै.	१	६ श	शै	३०	६ चं	शै	२९	६ बु	शै	२८	६ गु	शै	२६	६ श	शै	२५	६ र	शै	२३	६ मं	शै	२३	६ बु	शै	२२	६ गु	शै	२२	६ श	शै	२१	६ मं	शै	२१
७ गु		२	७ श		२	७ र	शै	३१	७ मं	शै	३०	७ गु	शै	२९	७ शु	शै	२७	७ र	शै	२६	७ चं	शै	२४	७ बु	शै	२४	७ गु	शै	२३	७ श	शै	२३	७ र	शै	२२	७ चं	शै	२२
८ शु		३	८ र		३	७ चं	ज्ये	१	८ बु	शै	३१	८ शु	शै	३०	८ श	शै	२८	८ चं	शै	२७	८ मं	शै	२५	८ गु	शै	२५	८ शु	शै	२४	८ र	शै	२४	८ चं	शै	२३	८ मं	शै	२२
९ श		४	९ चं		४	८ मं		२	९ गु	आ	१	८ श	शै	३१	९ र	शै	२९	८ मं	शै	२८	९ बु	शै	२६	१० शु	शै	२६	९ श	शै	२५	१० चं	शै	२५	९ मं	शै	२४	१० गु	शै	२४
१० र		५	१० मं		५	९ बु		३	१० शु		२	९ श	शै	३१	१० चं	शै	३०	१० बु	शै	२९	१० गु	शै	२७	११ श	शै	२७	१० र	शै	२६	११ मं	शै	२६	१० बु	शै	२५	११ शु	शै	२५
११ चं		६	११ बु		६	१० गु		४	११ श		३	१० र	श्रा	१	११ मं	शै	३१	१२ गु	शै	३०	११ शु	शै	२८	१२ र	शै	२८	११ चं	शै	२७	१२ बु	शै	२७	११ गु	शै	२६	१२ श	शै	२६
१२ मं		७	१२ गु		७	११ शु		५	१२ र		४	११ चं		२	१२ बु	भा	१	१३ शु	शै	३१	१२ श	शै	२९	१३ चं	शै	२९	१२ मं	शै	२८	१३ गु	शै	२८	१२ शु	शै	२७	१३ र	शै	२७
१३ बु		८	१३ शु		८	१२ श		६	१३ चं		५	१२ मं		३	१३ गु		२	१४ श	आ	१	१३ र	शै	३०	१४ मं	शै	३०	१३ बु	शै	२९	१४ शु	शै	२९	१३ श	शै	२८	१३ चं	शै	२८
१४ शु		९	१४ श		९	१३ र		७	१४ मं		६	१३ बु		४	१४ शु		३	१५ र		२	१५ चं	का.	१	१५ बु	मा.	१	१५ गु		३०	१५ श		३०	१४ र	शै	२९	१४ मं	शै	२९
१५ श		१०	१५ र		१०	१४ चं		८	१५ बु		७	१५ गु		५	१५ श		४																१५ चं	शै	३०	१५ बु	शै	३०
						१५ मं		९																														

वैशाख कृ.			प्र. ज्येष्ठ कृष्ण			द्वि.ज्ये. कृष्ण			आषाढ कृष्ण			श्रावण कृष्ण			भाद्रपद कृ.			आश्वि. कृ.			कार्त्तिक कृ.			मार्ग कृष्ण			पौष कृष्ण			माघ कृ.			फाल्गुन कृष्ण			चैत्र कृष्ण		
१ र		१२	१ चं		११	१ बु		१०	१ गु		८	१ शु		६	२ र		५	१ चं		३	१ मं		२	१ गु		२	१ शु	पौ.	१	१ र	मा	१	१ मं	फा	१	शाके	१८८४	
२ चं		१३	२ मं		१२	३ गु		११	२ शु		९	२ श		७	३ चं		६	२ मं		४	२ बु		३	२ शु		३	१ श		२	२ चं		२	२ बु		२	१ गु		चै	१
३ मं		१४	३ बु		१३	४ शु		१२	३ श		१०	३ र		८	४ मं		७	२ बु		५	३ गु		४	३ श		४	२ र		३	३ मं		३	३ गु		३	२ शु		२
४ बु		१५	४ गु		१४	५ श		१३	५ र		११	४ चं		९	५ बु		८	३ गु		६	४ शु		५	४ र		५	३ चं		४	४ बु		४	४ शु		४	३ श		३
५ गु		१६	५ शु		१५	६ र		१४	६ चं		१२	५ मं		१०	६ गु		९	४ शु		७	५ श		६	४ मं		६	४ चं		५	५ श		५	५ श		५	४ र		४
६ शु		१७	६ श		१६	७ चं		१५	७ मं		१३	७ बु		११	७ शु		१०	५ श		८	६ र		७	५ मं		७	५ बु		६	६ र		६	६ र		६	५ चं		५
८ श		१८	७ र		१७	८ मं		१६	८ बु		१४	८ गु		१२	८ श		११	६ र		९	७ चं		८	६ बु		८	५ मं		७	६ चं		७	६ मं		७	५ बु		६
९ र		१९	८ चं		१८	९ बु		१७	९ गु		१५	९ शु		१३	९ र		१२	७ चं		१०	८ मं		९	७ बु		९	६ मं		८	७ चं		८	७ बु		८	६ गु		५
१० चं		२०	९ मं		१९	१० गु		१८	१० शु		१६	१० श		१४	१० चं		१३	८ मं		११	९ बु		१०	८ गु		९	७ मं		८	८ बु		८	८ गु		८	७ बु		६
११ मं		२१	११ बु		२०	११ शु		१९	११ श		१७	११ र		१५	११ मं		१४	९ बु		१२	९ गु		११	८ शु		१०	८ बु		९	९ गु		९	९ शु		९	८ गु		७
१२ बु		२२	१२ गु		२१	१२ श		२०	१२ र		१८	११ चं		१६	१२ बु		१५	११ गु		१३	१० शु		१२	९ श		११	९ गु		१०	१० शु		१०	१० श		१०	९ शु		८
१३ गु		२३	१३ शु		२२	१३ र		२१	१३ चं		१९	१२ मं		१७	१३ गु		१६	१२ शु		१४	११ श		१३	१० शु		१२	१० श		११	११ शु		११	११ र		११	१० श		९
१४ शु		२४	१४ श		२३	१४ चं		२२	१४ मं		२०	१३ बु		१८	१४ शु		१७	१३ श		१५	१२ र		१४	११ श		१३	११ र		१२	१२ शु		१२	१२ श		१२	११ र		१०
३० श		२५	३० र		२४	३० मं		२३	३० बु		२१	१४ गु		१९	३० श		१८	१४ र		१६	१३ चं		१५	१२ श		१४	१२ र		१३	१३ श		१३	१३ र		१३	१२ चं		११
												३० शु		२०	३० र		१९	३० चं		१७	१४ मं		१६	१३ शु		१५	१३ श		१४	१४ चं		१४	१४ मं		१४	१३ मं		१२
																					३० बु		१७	१४ गु		१६	१४ शु		१५	१४ र		१५	३० मं		१५	१५ बु		१४
																											३० श		१६									

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

चैत्र शुक्ल		वैशाख शुक्ल		ज्येष्ठ शुक्ल		आषाढ शुक्ल		श्रावण शुक्ल		भाद्रपद शुक्ल		आश्विन शुक्ल		कार्त्तिक शुक्ल		मार्ग. शुक्ल		पौष शुक्ल		माघ शुक्ल		फाल्गुन शुक्ल	
तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्रीय
वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.
१ गु	१५	१ श	१५	१ र	१३	१ चं	११	१ बु	१०	१ शु	९	१ श	७	१ चं	७	१ बु	७	१ गु	६	१ श	६	२ चं	६
२ शु	१६	२ र	१६	२ चं	१४	२ मं	१२	२ गु	११	२ श	१०	२ र	८	२ मं	८	२ गु	८	२ शु	७	२ र	७	३ मं	७
३ श	१७	४ चं	१७	३ मं	१५	३ बु	१३	३ शु	१२	३ र	११	३ चं	९	३ बु	९	३ शु	९	३ श	८	३ चं	८	४ बु	८
४ र	१८	५ मं	१८	४ बु	१६	३ गु	१४	४ श	१३	४ चं	१२	३ मं	१०	४ बु	११	४ गु	१०	४ र	९	४ मं	९	५ गु	९
५ चं	१९	६ बु	१९	५ गु	१७	४ शु	१५	५ र	१४	५ मं	१३	४ बु	११	५ गु	१२	५ शु	११	५ र	११	५ चं	१०	५ बु	१०
६ मं	२०	७ गु	२०	६ शु	१८	५ श	१६	६ चं	१५	६ बु	१४	५ गु	१२	६ श	१२	६ चं	१२	६ मं	११	६ मं	११	७ गु	११
७ बु	२१	८ शु	२१	७ श	१९	६ र	१७	६ मं	१६	७ गु	१५	६ शु	१३	७ र	१३	७ मं	१३	७ बु	१२	७ बु	१२	८ शु	१२
८ गु	२२	९ श	२२	८ र	२०	७ चं	१८	७ बु	१७	८ शु	१६	७ श	१४	८ चं	१४	८ बु	१४	८ गु	१३	८ गु	१३	९ श	१३
९ शु	२३	९ र	२३	९ चं	२१	८ मं	१९	८ गु	१८	९ श	१७	८ र	१५	९ मं	१५	९ गु	१५	९ शु	१४	९ शु	१४	१० र	१४
१० श	२४	१० चं	२४	१० मं	२२	९ बु	२०	९ शु	१९	१० र	१८	९ चं	१६	१० बु	१६	११ शु	१६	१० श	१५	१० श	१५	११ चं	१५
११ र	२५	११ मं	२५	११ बु	२३	१० गु	२१	१० श	२०	११ चं	१९	१० मं	१७	११ गु	१७	१२ श	१७	११ र	१६	११ र	१६	१२ मं	१६
१२ चं	२६	१२ बु	२६	११ गु	२४	११ शु	२२	११ र	२१	१२ मं	२०	११ बु	१८	१२ शु	१८	१३ र	१८	१२ चं	१७	१२ चं	१७	१३ बु	१७
१३ मं	२७	१३ गु	२७	१२ शु	२५	१२ श	२३	१२ चं	२२	१३ बु	२१	१३ गु	१९	१३ श	१९	१४ चं	१९	१३ मं	१८	१३ मं	१८	१४ गु	१८
१४ बु	२८	१४ शु	२८	१३ श	२६	१३ र	२४	१३ मं	२३	१४ गु	२२	१४ शु	२०	१४ र	२०	१५ मं	२०	१५ बु	१९	१४ बु	१९	१५ शु	१९
१५ गु	२९	१५ श	२९	१४ र	२७	१४ चं	२५	१५ बु	२४	१५ शु	२३	१५ श	२१							१५ गु	२०	१५ र	२०
				१५ चं	२८	१५ मं	२६																

वैशाख कृष्ण		ज्येष्ठ कृष्ण		आषाढ़ कृ.		श्रावण कृ.		भाद्रपद कृष्ण		आश्विन कृ.		कार्त्तिक कृष्ण		मार्गशीर्ष कृ.		पौष कृष्ण		माघ कृष्ण		फाल्गुन कृष्ण		चैत्र कृष्ण	
१ शु	३०	१ र	३०	१ मं	२९	१ बु	२७	१ गु	२५	२ श	२४	१ र	२२	१ चं	२१	१ बु	२१	१ गु	२०	१ श	२०	१ चं	२०
१ श	वै १	२ चं	३१	३ बु	३०	२ गु	२८	२ शु	२६	३ र	२५	२ चं	२३	२ मं	२२	२ गु	२२	२ शु	२१	२ र	२१	२ मं	२१
२ र	२	३ मं	ज्ये १	४ गु	३१	३ शु	२९	३ श	२७	४ चं	२६	३ मं	२४	३ बु	२३	३ शु	२३	३ श	२२	३ चं	२२	३ बु	२२
३ चं	३	४ बु	२	५ शु	आ. १	४ शु	३०	४ र	२८	५ मं	२७	४ बु	२५	४ गु	२४	४ श	२४	४ र	२३	४ मं	२३	४ गु	२३
४ मं	४	५ गु	३	६ श	२	५ श	३१	५ चं	२९	६ बु	२८	५ गु	२६	५ शु	२५	५ र	२५	५ चं	२४	५ बु	२४	५ शु	२४
५ बु	५	६ शु	४	७ र	३	६ र	श्रा १	६ मं	३०	७ गु	२९	६ शु	२७	६ श	२६	६ चं	२६	५ मं	२५	६ गु	२५	६ श	२५
६ गु	६	७ श	५	८ चं	४	७ चं	२	७ बु	३१	८ शु	३०	७ श	२८	७ र	२७	७ मं	२७	६ बु	२६	६ शु	२६	७ र	२६
७ शु	७	८ र	६	९ मं	५	८ मं	३	८ गु	भा १	९ शु	३१	८ श	२९	८ चं	२८	८ बु	२८	७ गु	२७	७ श	२७	८ चं	२७
८ श	८	९ चं	७	१० बु	६	९ बु	४	९ गु	२	१० र	आ १	९ र	३०	९ मं	२९	९ गु	२९	८ शु	२८	८ र	२८	९ मं	२८
९ र	९	१० मं	८	११ गु	७	१० गु	५	१० शु	३	११ चं	२	१० चं	का १	१० बु	३०	१० शु	३०	९ शु	२९	९ श	२९	९ बु	२९
१० चं	१०	११ बु	९	१२ शु	८	११ शु	६	११ श	४	१२ मं	३	११ बु	२	११ गु	मा १	११ श	पौ १	१० र	३०	१० मं	३०	१० गु	३०
११ मं	११	१२ गु	१०	१३ श	९	१२ श	७	१२ र	५	१३ बु	४	१२ गु	३	१२ शु	२	१२ र	२	११ चं	मा १	११ बु	फा १	शाके १८८५	
१२ बु	१२	१३ शु	११	१४ र	१०	१३ र	८	१३ चं	६	१४ गु	५	१३ शु	४	१२ श	३	१३ चं	३	१२ मं	२	१२ गु	२	१२ शु	चै १
१३ गु	१३	१४ शु	१२	१५ चं	११	१४ चं	९	१४ मं	७	१५ शु	६	१४ श	५	१३ र	४	१४ मं	४	१३ बु	३	१३ शु	३	१३ श	२
१४ शु	१४	३० श	१३			१५ मं	१०	१४ बु	८			१५ र	६	१४ चं	५	३० बु	५	१४ गु	४	१४ श	४	१४ र	३
								३० गु	९					३० र	७			३० शु	५	३० र	५	३० चं	४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

चैत्र शुक्ल		वैशाख शुक्ल		ज्येष्ठ शुक्ल		आषा. शुक्ल		श्रावण शु.		भाद्रपद शु.		दृ. आ. शु.		दृ.प्र. का.शु.		दृ. मार्ग. शु.		दृ. पौष शु.		माघ शुक्ल		फाल्गन शु.		प्र. चैत्र शु.	
तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्रीय	तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.	स्थूप्र.आ.श.	राष्ट्री.	स्थू.द्विआ.श	राष्ट्री.	स्थू: का. श.	राष्ट्री.	स्थू. पौष शु.	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.	तिथि	राष्ट्री.
वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.
१ मं	५	१ बु	४	२ शु	३	१ श	आ १	१ र	३०	१ मं	२९	१ बु	२७	१ शु	२६	१ र	२६	१ मं	२६	१ बु	२५	१ शु	२५	२ र	२५
२ बु	६	२ गु	५	३ श	४	२ र	२	२ चं	३१	२ बु	३०	२ गु	२८	२ श	२७	२ चं	२७	२ बु	२७	२ गु	२६	२ श	२६	३ चं	२६
३ गु	७	३ शु	६	४ र	५	३ चं	३	३ मं	श्रा १	३ गु	३१	३ शु	२९	३ र	२८	३ मं	२८	३ गु	२८	३ शु	२७	३ र	२७	४ मं	२७
५ शु	८	४ श	७	५ चं	६	४ मं	४	४ बु	२	४ शु	भा.१	३ श	३०	४ चं	२९	४ बु	२९	४ शु	२९	४ श	२८	४ चं	२८	५ बु	२८
६ श	९	५ र	८	६ मं	७	५ बु	५	५ गु	३	५ श	२	४ र	३१	५ मं	३०	५ गु	३०	५ श	३०	५ र	२९	५ मं	२९	६ गु	२९
७ र	१०	६ चं	९	७ बु	८	६ गु	६	६ शु	४	६ र	३	५ चं	आ१	५ बु	का १	६ शु	मा १	६ र	पौ १	६ चं	३०	६ बु	३०	७ शु	३०
८ चं	११	७ मं	१०	८ गु	९	७ शु	७	७ श	५	७ चं	४	६ मं	२	६ गु	२	७ श	२	७ चं	२	७ मं	मा १	७ गु	फा.१	शाके १८८६	
९ मं	१२	८ बु	११	९ शु	१०	८ श	८	८ र	६	८ मं	५	७ बु	३	७ शु	३	८ र	३	८ मं	३	८ बु	२	९ शु	२	संव. २०२१	
१० बु	१३	९ गु	१२	१० श	११	९ र	९	८ चं	७	९ बु	६	८ गु	४	८ श	४	९चं	४	९ बु	४	९ गु	३	१० श	३	८ श	चै. १
११ गु	१४	१० शु	१३	११ र	१२	१० चं	१०	९ मं	८	१० गु	७	९ शु	५	९ र	५	१० मं	५	१० गु	५	१० शु	४	११ र	४	९ र	२
१२ शु	१५	११ श	१४	१२ चं	१३	११ मं	११	१० बु	९	११ शु	८	१० श	६	१० चं	६	११ बु	६	१२ शु	६	११ श	५	१२ चं	५	१० चं	३
१३ श	१६	१२ र	१५	१३ मं	१४	१२ बु	१२	११ गु	१०	१२ श	९	११ र	७	११ मं	७	१२ गु	७	१३ श	७	१२ र	६	१३ मं	६	११ मं	४
१४ र	१७	१३ च	१६	१३ बु	१५	१३ गु	१३	१२ शु	११	१३ र	१०	१२ चं	८	१३ बु	८	१३ शु	८	१४ र	८	१३ चं	७	१४ बु	७	१२ बु	५
१५ चं	१८	१४ मं	१७	१४ गु	१६	१४ शु	१४	१३ श	१२	१४ चं	११	१३ मं	९	१४ गु	९	१४ श	९	१५ चं	९	१४ मं	८	१५ गु	८	१३ गु	६
		१५ बु	१८	१५ शु	१७	१५ श	१५	१४ र	१३	१५ मं	१२	१४ बु	१०	१५ शु	१०									१४ शु	७
								१५ चं	१४			१५ गु	११											१५ श	८

बैशाख	कृष्ण	ज्येष्ठ	कृष्ण	आषाढ़	कृष्ण	श्रावण	कृष्ण	भाद्रपद	कृ.	प्र.आश्वि	कृ.	दृ.प्र. का.कृ.		दृ.द्वि.का.कृ.		दृ. पौष कृष्ण स्थू.मार्ग.कृ.		माघ	कृ.	फाल्गुन	कृ.	प्र. चैत्र	कृ.	द्वि. चैत्र	कृ.
												स्थूद्विआ.	कृ.	स्थू: का.	कृ.										
१ मं	१९	१ गु	१९	१ श	१८	१ र	१६	१ मं	१५	१ बु	१३	१ शु	१२	१ श	११	१ र	१०	१ मं	१०	१ बु	९	१ शु	९	१ र	९
१ बु	२०	२ शु	२०	२ र	१९	२ चं	१७	२ बु	१६	२ गु	१४	३ श	१३	२ र	१२	२ चं	११	२ बु	११	२ गु	१०	२ श	१०	२ चं	१०
२ गु	२१	३ श	२१	३ चं	२०	३ मं	१८	३ गु	१७	३ शु	१५	४ र	१४	३ चं	१३	३ मं	१२	३ गु	१२	३ शु	११	३ र	११	३ मं	११
३ शु	२२	४ र	२२	४ मं	२१	४ बु	१९	४ शु	१८	४ श	१६	५ चं	१५	५ मं	१४	४ बु	१३	४ शु	१३	४ श	१२	४ चं	१२	४ बु	१२
४ श	२३	५ चं	२३	५ बु	२२	५ गु	२०	६ श	१९	५ र	१७	६ मं	१६	६ बु	१५	५ गु	१४	५ श	१४	५ र	१३	५ मं	१३	५ गु	१३
५ र	२४	५ म	२४	६ गु	२३	६ शु	२१	७ र	२०	६ चं	१८	६ मं	१६	६ बु	१५	६ शु	१५	६ र	१५	६ चं	१४	६ बु	१४	६ शु	१४
५ चं	२५	६ बु	२५	६ शु	२४	६ श	२२	८ चं	२१	८ मं	१९	७ बु	१७	७ गु	१६	७ श	१६	७ चं	१६	७ मं	१५	७ गु	१५	७ श	१५
७ मं	२६	७ गु	२६	८ श	२५	८ र	२३	९ मं	२२	९ बु	२०	८ गु	१८	८ शु	१७	८ र	१७	८ मं	१७	८ बु	१६	८ शु	१६	८ र	१६
८ बु	२७	९ शु	२७	९ र	२६	९ चं	२४	१० बु	२३	१० गु	२१	९ शु	१९	९ श	१८	९ चं	१८	९ बु	१८	९ गु	१७	९ श	१७	९ चं	१७
९ गु	२८	१० श	२८	१० चं	२७	१० मं	२५	११ गु	२४	११ शु	२२	१० श	२०	१० र	१९	१० मं	१९	१० गु	१९	९ शु	१८	९ र	१८	१० मं	१८
१० शु	२९	११ र	२९	१२ मं	२८	११ बु	२६	१२ शु	२५	१२ श	२३	११ र	२१	११ चं	२०	११ बु	२०	११ शु	२०	१० श	१९	१० चं	१९	११ बु	१९
११ श	३०	१२ चं	३०	१३ बु	२९	१२ गु	२७	१३ श	२६	१३ रं	२४	१२ चं	२२	१२ मं	२१	१२ गु	२१	१२ श	२१	११ र	२०	११ मं	२०	१२ गु	२०
१२ र	वै १	१३ मं	३१	१४ गु	३०	१४ शु	२८	१४ र	२७	१४ चं	२५	१३ मं	२३	१३ बु	२२	१३ शु	२२	१३ र	२२	१२ चं	२१	१२ बु	२१	१३ शु	२१
१३ चं	२	१४ बु	ज्ये. १	३० शु	३१	३० श	२९	३० चं	२८	३० मं	२६	१४ बु	२४	१३ गु	२३	१४ श	२३	१४ चं	२३	१३ मं	२२	१३ गु	२२	१४ श	२२
३० मं	३	३० गु	२									३० गु	२५	१४ शु	२४	३० र	२४	३० मं	२४	१४ बु	२३	१४ शु	२३	३० र	२३
														३० श	२५	३० चं	२५			३० गु	२४	३० श	२४		

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

नक्षत्राणां स्वामि शुभाऽशुभादि विशेष संज्ञा

नक्षत्राणि	अवकहडा च.	स्वामिनः	शुभाशुभ	जातिः	संज्ञा	मुखं	घ. उ. ने.	पु. स्त्री	मु.	सू. चं.
अश्विनी	चु. चे. चो. ला	अश्विनीकु	शुभम्	वैश्यः	लघु क्षिप्र	तिर्यक्	५०	पु.	३०	चं.
भरणी	लि. लू. ले. लो.	यमः	नाशकः	चांडालः	उग्र क्रूर	अधः	२४	,,	१५	,,
कृत्तिका	अ ई उ ए	अग्निः	अशुभम्	ब्राह्मणः	मिश्र साधा	अधः	३०	,,	३०	,,
रोहिणी	ओ वा वी वू	ब्रह्मा	शुभम	शूद्रः	ध्रुव स्थि.	ऊर्ध्व	४०	,,	४५	सू.
मृगसिर	वे वो क की	चन्द्रः	शुभम्	कृषकः	मृदु. मैत्रं	तिर्यक्	१४	,,	३०	,,
आर्द्रा	कू घ ङ छ	शिवः	अशुभम्	क्रूरजाति	ती. दारुण	ऊर्ध्व	२१	स्त्री	१५	चं.
पुनर्वसु	के को ह ही	अदितिः	शुभम्	वैश्यः	चरं. चलं	तिर्यक्	३०	,,	४५	,,
पुष्य	हू हे हो डा	गुरुः	शुभम्	क्षत्रियः	ल. क्षिप्र	ऊर्ध्व	२०	,,	३०	,,
आश्लेषा	डी डू डे डो	सर्पः	अशुभम्	चांडाल	तिक्ष्णं दा	अधः	३२	,,	१५	,,
मघा	म मी मु मे	पित्तरः	शोकदः	शूद्र	उग्र. क्रूरः	अधः	३०	,,	३०	,,
पूर्वाफा.	मो टा टी टु	भगः	अशुभम्	ब्राह्मणः	उग्र. क्रूरः	अधः	२०	,,	३०	सू.
उत्तराफा	टे टो प पी	अर्यमा	शुभम्	क्षत्रियः	ध्रुव स्थिर.	ऊर्ध्व	१८	,,	४५	,,
हस्त	पू ष ण ठ	रविः	शुभम्	वैश्यः	लघु क्षिप्र	तिर्यक्	२१	,,	३०	,,
चित्रा	पे पो र री	त्वष्टा	शुभम्	कृषकः	मृदु. मैत्र	तिर्यक्	२०	,,	३०	,,
स्वाती	रु रे रो ता	वायुः	शुभम्	क्रूरजाति	चरं. चलं	अधः	१४	नपुं	१५	,,
विशाखा	ती तू ते तो	इंद्राग्नी	अशुभम्	चांडाल	मिश्र. साधा	अधः	१४	नपुं	४५	,,
अनुराधा	न नी नू ने	मित्रः	शुभम्	शूद्रः	मृदु. मैत्रं	तिर्यक्	१०	,,	३०	,,
ज्येष्ठा	नो या यी यू	इन्द्रः	शुभम्	कृषकः	तीक्ष्णं. दारु.	तिर्यक्	१४	पु.	१५	,,
मूल	ये यो भं भी	राक्षसः	क्षयः	क्रूरजाति	तीक्ष्ण. दारु.	अधः	५६	,,	३०	,,
पूर्वाषाढा	भू धा फा ढा	जलम्	हानिः	ब्राह्मणः	उग्रं. क्रूरं	अधः	२४	,,	३०	चं.
उत्तराषाढा	भे भो ज जी	विश्वेदेवा	हानिः	क्षत्रियः	ध्रुव. स्थिरः	ऊर्ध्व	१०	,,	४५	,,
अभिजित्	जु जे जो खा	ब्रह्मा	शुभम्	—	लघु. क्षिप्र.	,,	१०	,,	०	,,
श्रवण	खी खु खे खो	विष्णु	वृद्धिः	चांडालः	चरं. चलं.	,,	१०	,,	३०	,,
धनिष्ठा	ग गि गु गे	अष्टवसु	शुभम्	कृषकः	चर. चल.	,,	१०	,,	३०	,,
शतभिषा	गो सा सी सु	वरुणः	शुभम्	क्रूरजाति	चर. चल.	,,	१८	,,	१५	सू.
पूर्वाभाद्र	से सो द दी	अजैकपाः	अशुभम्	ब्राह्मणः	उग्र. क्रूर	,,	१६	,,	३०	चं.
उ.भाद्रप	दू थ झ ञ	अहिर्बुध्न्य	शुभम्	क्षत्रियः	ध्रुव. स्थिरः	,,	२४	,,	४५	सू.
रेवती	दे दो च ची	पूषा	शुभम्	शूद्रः	मृदु. मैत्र.	तिर्यक्	१०	,,	३०	चं.

नष्ट वस्तुज्ञानायसुलोचनादि संज्ञा

संज्ञा	दि.	लाभालाभ	ता.	स्वरूपम्
मंद	द.	यत्नालाभ	३	अश्वमुखं
मध्य	प.	दूरेश्रव.	३	योनिस्वरूपं
सुलोचन	उ.	अलाभ	६	क्षुराकृतिः
अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	५	शकटवत्
मन्द	द.	यत्नलाभ	३	मृगास्यम्
मध्य	प.	दूरेश्रव.	१	मणिसदृशं
सुलोचन	उ.	अलाभ	४	गृह सदृशं
अंध	पू.	शीघ्रलाभ	३	वाणाकृति
मन्द	द.	यत्नालाभ	५	चक्राकारं
मध्य	प.	दूरेश्रव.	५	गृह सदृशं
सुलोचन	उ.	अलाभ	२	मंचकाकृति
अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	५	खट्वाकारं
मन्द	द.	यत्नालाभ	१	हस्ताकारम्
मध्य	प.	दूरेश्रवणं	१	मौक्तिकम्
सुलोचन	उ.	अलाभ	४	प्रवालाकारं
अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	४	तोरणसदृशं
मन्द	द.	यत्नालाभ	४	बलिसदृशं
मध्य	प.	दूरेश्रवणं	३	कुण्डलाकारं
सुलोचन	उ.	अलाभः	११	सिंह पुच्छ
अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	२	गजदंतसदृशं
मन्द	द.	यत्नालाभ	३	मंचकाकारं
मन्द	द.	यत्नालाभ	३	त्रिकोण
सुलोचन	उ.	अलाभ	४	विमान सद.
अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	१००	मृदंगाकारं
मन्द	द.	यत्नालाभ	२	वर्तुलं
मध्य	प.	दूरेश्रवणं	२	मंचकाकारं
सुलोचन	उ.	अलाभ	२	यमलसदृशं
अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	३२	मर्दलाकारं

नक्षत्र पादवशादत्रकष्टावलोकन चक्रम्

ज्वरादि रोगोत्पत्तौ		भस्यपादवशादत्र दिन संख्या				
दि. संख्या	दामादि	१	२	३	४	जपार्थ मंत्राः
दिन ६	भोजनम्	६	११	१०	२०	मृत्युञ्जय मंत्रजपः
दि. ११	गोन्नादिः	०	८०	४०	११	यमायत्वेति मन्त्रः
दि. ६	स्वर्णदानं	६	११	१६	२८	अग्निर्मूर्धेति मन्त्रः
दि. ७	घृत दानं	७	६	१८	३०	ब्रह्मयज्ञेति मन्त्रः
मा. १	तिल दानं	६	५	७	१०	इमंदेवेति मन्त्रः
मृतिः	गौदानम्	०	१८	०	०	नमस्ते रुद्रेति मन्त्रः
दि. ७	पीतल दा	७	१४	२	२१	अदितिर्द्यौरिति मन्त्रः
दि. ७	तैलान्नदा	६	७	१०	२१	बृहस्पतेति मंत्रः
मृति	गोजादि	०	०	४१	०	नमोस्तुसर्पेति मन्त्रः
दि. २०	वस्त्राज्यं	१५	७	१७	२०	पितृभ्य इतिमंत्रः
मृतिः	भोजनं	०	१५	८	३०	भगप्रणेमीति मन्त्रः
दि. ७	अन्नदानं	७	१४	७	६०	दध्यावर्द्धेति मन्त्रः
दि. १५	तैलदानं	१५	१७	१५	०	उदुत्यंजातवेदेति मन्त्रः
दि. ११	दुग्धदानं	११	६	६	१६	त्वष्टातुरियेति मन्त्रः
मृति	गौघृतं	६०	१७	३०	०	वायोरग्नेति मन्त्रः
दि. १६	गोमेद	१५	०	४	१३	इन्द्राग्नी इति मन्त्रः
स्थिरः	गौघृतं	६०	१२	३६	३०	नमोमित्रेति मन्त्रः
मृतिः	तिलदानं	६६	६	६	४	त्रातार मिन्द्रेति मन्त्रः
घ. ६	रौप्यदानम्	०	६	१५	६	मातापुत्रेति मन्त्रः
मृतिः	गौमुक्ता	०	१५	२४	१०	आपोघर्मेति मन्त्रः
मा. १	भोजनं	३०	२४	२६	१६	विश्वेदेवेति मन्त्रः
—	—					ब्रह्मयज्ञानमितिमन्त्रः
दि. ११	श्रीफलं	६०	२४	६	६	विष्णोरराटेति मन्त्रः
दि. १५	अश्वालं	१५	४	२१	२१	वसोः पवित्रेति मन्त्रः
दि. ११	भोजनं	०	४५	३	२२	वरुणस्योत्तमिति मंत्रः
मृतिः	भोजनं	०	१२	२१	३६	अजैक चरणोक्तं मन्त्रः
दिन ७	अन्नदानं	१०	३	६	१५	अहिर्बुध्न्येति मन्त्रः
स्थिरः	बृषदानं	१८	१०	६	२०	पूषन्तव व्रतेति मन्त्रः

अथ रोगी के मरण जीवन का ज्ञान—उरगशतभिषार्द्रा स्वातिमूले त्रिपूर्वा भरणि रविजवारे भानुभौमार्कियुक्ताः। प्रथमदिनचतुर्थी-द्वादशी षष्ठि भूता हरिहर विधिरज्ञो रोगिणां मृत्युकालः ॥
आश्लेषा शतभिषा आर्द्रा स्वाति तीनों पूर्वा भरणी यह नक्षत्र रवि भौम शनि-वार और १।४।१२।६।१४ यह तिथि इनके योग में रोग होतो रोगी की मृत्यु होती है। तीनों में से एक भी कम होतो चिंता नहीं॥
पुष्यनक्षत्रस्य प्राशस्त्यम्—ग्रहेण विद्धोऽप्यशुभान्वितोऽपि। विरुद्धतारोऽपि विलोमगोपि। करोत्यवश्यंसकलार्थ सिद्धिं विहायपाणिग्रहमेव पुष्यः। सिंहोयथा सर्वचतुष्पदानां तथैवपुष्योवलवानुडूनाम ॥
चन्द्रे विरुद्धेऽप्यथगोचरेवा सिद्ध्यंतिकार्याणिकृतानि पुष्ये। परकृतमखिलं निहंतिपुष्यो नखलु निहन्तिपरस्तुपुष्यदोषम्। ध्रुवमृतकरेऽष्टमेपि पुष्ये विहितमुपैति सदैवसिद्धिम् ॥

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

प्राचीनमते वर्ष ध्रुवाः

वर्ष	१	२	३	४	५	६	७	८	९
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४
घटी	१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९
पल	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०
वर्ष	१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०
वार	५	४	२	१	६	५	४	२	१
घटी	३५	१०	४५	२१	५६	३१	६	४२	१७
पल	१५	३०	४५	०	१५	३०	४५	०	१५
विपल	०	०	०	०	०	०	०	०	०

नूतन इक्पक्षीयाः वर्ष ध्रुवाः

वर्ष	१	२	३	४	५	६	७	८	९
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४
घटी	१५	३०	४६	१	१६	३२	४७	३	१८
पल	२२	४५	८	३१	५४	१७	४०	३	२६
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३
वर्ष	१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०
वार	५	४	२	१	६	५	३	२	१
घटी	३३	७	४१	१५	४९	२२	५६	३०	०४
पल	४९	३९	२८	१८	७	५७	४६	३६	२५
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०

पंच वर्गी बलम्

स्वक्षे	उच्च	हद्दा	द्रेका	नवां	
३०	२०	१५	१०	५	स्व
०	०	०	०	०	
२२	१५	११	७	३	मि
३०	०	१५	३०	४५	
१५	१०	७	५	२	सम
०	०	३०	०	३०	
७	५	३	२	१	शत्रु
३०	०	४५	३०	१५	

वर्षे मुग्धा चक्रम्

सू	चं	मं	रा	बृ	श	बु	के	शु	द.
०	१	०	१	१	१	१	०	२	मा
१८	०	२१	२४	१८	२७	२१	२१	०	दि.

सप्तांश चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	४।१७।८।२४
२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	८।२४।१७।८
३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	१।२५।१।२५
४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	१७।८।२४।१७
५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	२५।२५।४२
६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	२५।४२।५१
७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	३०।०

वर्ष हद्दा चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	राशी
६	८	६	७	६	७	६	७	१२	७	७	१२	अंश
वृ	शु	बु	मं	वृ	बु	श	मं	वृ	बु	शु	शु	स्वामी
६	६	६	६	५	१०	८	४	५	७	६	४	अंश
शु	बु	शु	शु	शु	शु	बु	शु	शु	वृ	बु	वृ	स्वामी
८	८	५	६	७	४	७	८	४	८	७	३	अंश
बु	वृ	वृ	बु	श	वृ	वृ	बु	बु	शु	वृ	बु	स्वामी
५	५	७	७	६	७	७	५	५	४	५	९	अंश
मं	श	मं	वृ	बु	मं	शु	वृ	मं	श	मं	मं	स्वामी
५	३	६	४	६	२	२	६	४	४	५	२	अंश
श	मं	श	श	मं	श	मं	श	श	मं	श	श	स्वामी

होरा चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	१५
४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	३०

द्रेष्काण चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
मं	शु	बु	चं	सू	बु	शु	मं	वृ	श	श	वृ	१०
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	
सू	बु	शु	मं	वृ	श	श	वृ	मं	शु	बु	चं	२०
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	
वृ	श	श	वृ	मं	शु	बु	चं	सू	बु	शु	मं	३०
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	

त्रिपता चक्रे ग्रह स्थापनम्-सैकागताब्द संख्याया विभक्तो नवभिस्ततः। शेषांके जन्मनिगता चन्द्रराशेरिहन्यसेत् ॥ शेष ग्रहाश्चतुर्भक्तं शेष संख्यासु विन्यसेत्। त्रिपतायां वर्ष लग्न,आदौ तत्र विधुर्यदा। शुभैर्विद्धःशुभफलः पापैः पापफल प्रदः इति ॥

नवमांश चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	३।२०
२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	६।४०
३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	१०।०
४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	१३।२०
५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	१६।४०
६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	२०।०
७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	२३।२०
८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	२६।४०
९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	३०।०

द्वादशांश चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मीं	अंशा
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	२।३०
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	५।०
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	७।३०
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	१०।०
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	१२।३०
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	१५।०
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	१७।३०
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	२०।०
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	२२।३०
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	२५।०
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२७।३०
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	३०।०

अथ त्रिंशांश चक्रम्

विषमे त्रिंशांशाः							समे त्रिंशांशाः						
मे	मि	सिं	तु	ध	कुं	अ	वृ	क	कं	वृ	म	मीं	अं
१	१	१	१	१	१	५	२	२	२	२	२	२	५
११	११	११	११	११	११	१०	६	६	६	६	६	६	१२
९	९	९	९	९	९	१८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	२०
३	३	३	३	३	३	२५	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२५
७	७	७	७	७	७	३०	८	८	८	८	८	८	३०

त्रिराशिपतयः

लग्न	मे	वृ	मि	क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
दिवा	र	शु	श	शु	गु	चं	बु	मं	श	मं	बृ	चं
रात्रौ	बृ	चं	बु	मं	र	शु	श	शु	श	मं	बृ	चं

ग्रहाणां उच्च-नीच हर्ष स्थानानि दीसांशकाश्च

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	ग्रहा
०	१	९	५	३	११	६	उच्च
१०	३	२८	१५	५	२७	२०	रा. अं.
६	७	३	११	९	५	०	नीच
१०	३	२८	१५	५	२७	२०	रा. अं.
९	३	६	१	११	५	१२	हर्ष स्थान
१५	१२	८	७	९	७	९	दीसांशाः

उच्चबलानयनम्

नीचग्रहांतरं कार्यषड्भा दल्पं यदा भवेत् तदा नवभिर्भक्ताः स्पष्ट मुच्च बलं भवेत् ॥

वर्षे मैत्री चक्रम्

मित्र	सम	शत्रु
५-९	२-१२	१-४
३-११	६-८	७-१०

अथ पंचाधिकारिणः

१ जन्म लग्नेशः
२ वर्ष लग्नेशः
३ त्रिराशिपतिः
४ मुथां पतिः
५ दिवा रवि राशीशः ६ रात्रौ चन्द्र राशीशः
एषु लग्नाऽवलोकी बलवांश्च वर्षपतिर्भवेत्।

वर्षे मुग्धादशाज्ञानम्

जन्मर्क्ष संख्या सहितागताब्दे द्विगूनिता नन्द हृताऽवशेषात्। आ. चं. कु. रा. जी श.बु.के.शु. वर्षे मुग्धा दशैवं कथिता मुनीन्द्रैः। अथ ग्रहाणां दीप्तांशाः-तिथ्य १५ र्का १२ ष्ट ८ नगांक शैलखचैराः सूर्यादिदीप्तांशकाः ॥ - - - - -

अथहर्ष बलानयनम्:-कोष्ठकोक्तभावेषु ग्रहे स्थिते, प्रथमम्। योग्रहः स्वोच्चः स्वराशिस्थः सोपिबलाधिकारी, द्वितीयम्। लग्नात्त्रिस्थानेषु स्त्रीणां पुंग्रहाणांच स्थितौ हर्षबलम् तृतीयम्। दिवा वर्ष प्रवेशे नृणां रात्रौ स्त्रीणां बलं भवति इति चतुर्थम्। ताजिके. सू.मं.गु. पुरुषग्रहाः शेषाः स्त्रीग्रहाः ॥ - - - - -

मुंथानयनम्-गतवर्षेषु लग्नं संयोज्य द्वादशभक्ते वर्षे मुंथाराशिः ॥ - - - - - - - -

वर्षे जगल्लग्नफलम्-जन्मोदयाद्भास्वदजप्रवेश लग्नंहियद्भावगतंशुभान्वितम्॥ तद्भावतुल्यं प्रकरोति तस्मिन्वर्षे नृणां पापयुतं तदन्यथा ॥

ऊर्ध्वस्थितर्क्षाणि हि भानि पुंसां वामस्थितर्क्षाणि तथा वधूनाम् । संपातकोष्ठे गुणयोगुणैक्यं सर्वाद्भुतं तत्स्मृतितोऽधिकंवत् ॥१॥

		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		अ४	भ४	कृ१	कृ२	रो४	मृ२	मृ२	आ४	पु३	पुन१	पु४	श्ले४	म४	पू४	उ१	उ३	ह४	चि२	चि२	स्व४	चि३	वि१	ऽ१पु४	ज्ये४	मू४	पू॥	पू३॥	उ१	उ३	श्र१॥	श्र२॥	ध२	ध२	श्र४	पू३	पू१	उ४	रे४
मेष	अ४	२८ ३	३३ ०	२७॥	१७॥ ४	२१॥ -४	२२॥ -४	२६	१७ ३	१९ ३	२३॥ ३	३१॥	२८	२१ ×५	३५ ×५	१४॥ ३५	१० ३६	९ २३६	१३ ६	२२॥	२६॥ -२	२२॥	१८॥ -६	२४॥ -६	१४ ३६	१३ ३५	२५ ×५	२५ ×५	२३॥ ×५	२५	२७	२६	२०	२०	१५ ३	१६ ३	१४॥ ३४	२३॥ ×५	२६ ×४
	भ४	३४	२८ ३	२९ ०१	१९ ०४१	२३॥ -४	१५॥ ३४	१९ ३	२६	२६	३०॥ ३	२३॥ ३	२४॥ १	१९ -१५	१७ ३५	२६ ×५	२१॥ ६	२० ६	४ १२६	१३॥ १३	२९॥	२१॥ -१	१७॥ -१६	३६	१९॥ -१६	२० -१५	१८ ३५	१९ ३५	२७ ×५	२८॥	२७	२६	१० १३२	१० १३२	२० -१	२४ -२	२२॥ ×२४	१७॥ ३४	२४॥ ×५
	कृ१	२६	२९ १	२८ ३	१८ ३४	१० ५३४०	१६॥ ४	२०	२० १	२१	२५॥	२६॥	२३॥ ३	१६॥ ३५	२० १५	२० १५	१५॥ १६	१५॥ ६	१८ ६	२७॥	१५॥ ३	१९॥ ३	१५॥ ३६	१९॥ -६	२५॥ -६	२४॥ ×५	१८ १२५	१९ १२५	१२ ३१५	१३॥ १३	११॥ २३	११॥ २३	२५	२५	२५	१९ १	१७॥ १४	१९॥ १४	११॥ ३४
	कृ२	१७॥ ४	२० १४	१९ ३४	२८ ३	२० १३०	२६॥	१७॥ ×४	१७॥ ४	१८॥ ×४	२२	२३	२० ३	१८॥ ३	२२ १	२२ १	२१ १५	२१ ×५	२३॥ ×५	२२॥ -६	१०॥ ३६	१४॥ ३६	२०॥ ३	२४॥ -६	३०॥ ३	२० ६	१४॥ १२६	१४॥ १२६	६॥ १३६	१२ १३५	११ २३५	१० ३५२	२३॥ ×५	२९॥	३१॥	२३॥ १	२० १	१४ ३
	रो४	२३॥ -४	२४॥ ४	११ ३४१	२० ३१	२८ ३	३६ ०	२७ ७३	२३॥ ×४	२२॥ ×४	२६	२७	१२ ३१	१०॥ ३१	२४॥	२७	२६ ×५	२६ ×५	२० -१५	१९ -१६	१५॥ ३६	९॥ ३१६	१५॥ ३१	२९॥	२३॥ १	१४ १६	१९ ६	२० ६	१२॥ ३६२	१७ ३५२	१८ ३५	१७ ३५	२० -१५	२६ -१	२४॥ -१	३०॥	२७	२७	१९ ३
	मृ२	२३॥ -४	१५॥ ३४	१८॥ -४	२७॥	३६	२८ ३	१९ ३४	२४ ०४	२२॥ ×४	२६	१९ ३	२१	१९॥	१५॥ ३	२४॥	२३॥ ×५	२६ ×५	१३ ३५	१२ ३६	२५ ×६	१९॥ ×६	२४॥	२१॥ ३	२४	१५ ६	१० ३६	११ ३६	१८ २६	२३ ×२५	२४ ×५	२३॥ ×५	११॥ ३५	१३ ३५	१९ ३	२७	२९॥	२६	१८ ३	२७
	मृ२	२७	१९ ३	२२॥	१९॥ ×४	२७ ×४	२०॥ ३४	२८ ३	३३ ०	३१॥	१९॥ -४	१२ ३४	१४ ४	२३॥	१९॥ ३	२८॥	३१॥	३४	२१ ३	१३ ३५	२७ ×५	२० ×५	१५ ६	१२ ३६	१५ ६	२३	१८ ३	१७ ३	२४ ×२	१७ -२६	२४ -६	२३॥ -६	११॥ ३६	१३ ३५	२१ ×५	२३॥ ×५	२५॥	१७॥ ३	२६॥
	ला४	१८ ३	२७	२१ ३	१८॥ ×३४	२४॥ ×४	२६ ×४	३४	२८ ३	२५ ३०	१२॥ ०३४	२० -४	१३ १४	२२॥ १	२८॥	२१॥ ३	२४॥ ३	२४॥ ३	२८ १	२३ -१५	२७ ×५	२१ ×१५	१५॥ १६	१८ २६	४	१६ १३	२८	२७	२३॥ -६	२३॥ ६	२३ -६	१८॥ -१६	१९ ×१५	१२ १३५	१८ ३५	२० ३	२६॥	२५
	पुन२	२० ३	२६	२३	२०॥ ×४	२२॥ ×४	२३॥ ×४	२१॥	२४ ३	२८ ३	१५॥ -३४	२२॥ ४०	१७ -४	२२॥ ×२	२६॥ २	२१॥ ३	२३॥ ३	२५॥ ३	२७॥	२०॥ ×५	२८ ×५	२२ ×५	२०॥ ६	२६ ३६	११॥ ३५	८ ३६	२६	२६	२३॥ -६	२३॥ -६	२३ -६	१८ -६	१३॥ ६	८ ३६	११ ३६	१७ ३५	२६ ×५	२५
	पुन१	२१॥ ३	२८॥	२५॥	२१	२४	२५	१८ ४	१०॥ ३४	१४॥ ३४	२८ ३	३५ ०	२९॥	१६॥ ×२४	२०॥ ×२४	१५॥ ३४	१८ ३	१९ ३	२१	२०॥	२८	२२	२० ×५	२६ ×५	११॥ ३५	२१ ६	२२ ३६	२१॥ -६	२१॥ -६	२५	२७	२७	२२	१३॥ ६	८ ३६	११ ३६	१७ ३५	२६ ×५	२५
	पुष्य४	३०॥	२१॥ ३	२६॥	२३	२५	१८ ३	११ ३४	२८॥ ४	२१॥ ४	३५	२८ ३	३० ०	१९॥ ×४	१५॥ ३४	२३॥ ×४	२६	२७	१२ ३	११॥ ३	२६॥	२१	१९ -५	१८ ३५	२१॥	१७ ६	१२ २३६	११॥ २३६	२०॥ ६	२४	२४ -२	२५ -२	१३ ३	४॥ ३६	१४॥ ६	१८ ६	२४ ×५	१८ ३५	२५ ×५
	श्ले४	२६	२६॥ १	२२॥ ३	१९ ३	११ ३१	१९	१२ ४	१२ १४	१५ ४	२८॥	२९	२८ ३	१५	१५॥ १४२	१८॥ १४	२१ १	२१	२६	२५॥	१२॥ ३	१७॥ ३	१५॥ ३५	२० ×५	२६ ×५	२२॥ ६	१६ ३६	१६॥	८॥ ३१६	१२ १३	१२ ३	१३ ३	२७	१८ ६	१९॥ ६	१२॥ १६	१८॥ १५	२१ १५	१२ ३५
	म४	२० ×५	१९ १५	१६॥ ३५	१७॥ ३	२॥ ३३	१७॥	२१॥	२१॥ १	२०॥ -२	१६॥ -३५	१९॥ ×४	१६ ३४२	२८ ३	३० ०१	२७॥ १	१६॥ १४	१६॥ ४	२१॥ ४	२४॥	१२॥ ३	१६॥ ३	२२ ३	२५॥	३३	२५ ×५	१९ १५	१९ १५	८॥ १३५	३ ३१६	३॥ ३६	५ ३६	१२ ६	२५	२६	१८॥ १	१८॥ -१६	१६	१२ ३६
	पू४	२६ ×५	१७ ३५	२० -१५	२१ १	२३॥ ३	१५॥ ३	१९॥ ३	२७॥	२६॥ -२	२२॥ -२४	१७॥ ३४	१६॥ १५४	३० -१	२८ ३	३५ ०	२४ ०४	२२॥ ४	७॥ १३४	१०॥ १३	३५॥	१८॥ ७	२४॥ -१	२२॥ -१	२५॥ -१	१९ ×१५	१७ ३५	१७ ३५	२४ ×५	१८ ६	१७॥ ६	१८॥ ६	४॥ १३६	१०॥ १३	१२॥ १	२४॥	२४॥ -६	१७॥ ३६	२४॥ -६
	उ१	१५॥ ३५	२६ ×५	२० ×१५	२१ ×१५	२६	२४॥	२८॥	२०॥ ३	२१॥ ३	१७॥ ३४	२५॥ ×४	१९॥ -१४	२७॥ -१	३५	२८ ३	१७ ३४	१६ ०३४	१३॥ १४२	१६॥ १२	३५॥	१६॥ १२	२२॥ -१२	२१॥	१७॥ १३	९॥ १३५	२५ ×५	२५ ×५	२५ ×५	१९ ६	१९ ६	२० ६	११॥ १६	१७॥ १	१० १३	१५॥ ३	१५॥ ३६	२६॥ ×६	२५॥ ×६
	उ३	१२ ३६	२२॥ ६	१६॥ १६	२१ १५	२६ ×५	२४॥ ×५	२४॥ ×५	२३॥ ३	२४॥ ३	२० ३	२८	२२॥ १	१७॥ १४	२५॥ ×४	१८ ३४	२८ ३	२७ ३०	२४॥ ×१	१६॥ १२४	२५॥ ×४	१६॥ २१४	२० १२	२८	१५ १३	१४ १३	१५ ३	२७	२६	२७॥	२८॥	२५ ×५	२५ ×५	२४॥ ×५	१६ ×१५	१६॥ -१६	९॥ २१६	१४॥ ३६	१७॥ ३	२८॥	२७॥
	ह४	१० २३६	२१ ६	१६॥ ६	२२ ×५	२५ ×५	२६ ×५	३३	२२॥ ३	२४॥ ३	२० ३	२८	२३	१८॥ ×४	२२॥ ×४	१७ ३४	२६ ३	२८ ३	२८ ०	२० ०४	२६॥ ×४	१८॥ ×४	२१	२८	१५ ३	१५ ३	२७	२६	२७॥	२४ ×५	२५ ५	२४॥ ×५	१७॥ ×५	१९ -६	८ ३६२	१३॥ ३६	१६॥ ३	२६॥	२७॥
	चि२	१३ ६	५ १३६	१९ ६	२३॥ ×५	२० १५	१२ ३५	१९ ३	२७ ×१	२५॥	२१	१२ ३	२७	२२॥ ×४	८॥ १३४	१४॥ १२४	२४॥ १२	२७	२८ ३	२० ३४	१९ ०४	२६॥ ×४	२९	१२ ३	२६	२८	१४ १३	१४ १३	२२ १	१७॥ १५	१९ ५	१८॥ ×५	१७॥ ३५	१८ ३६	२४ -६	१८॥ १६	२१॥ १	१९॥ १३४	१९॥

सारणी के कोष्ठक में ऊपरी भाग में गुण हैं। नीचे के भाग में दोषों के चिन्ह हैं। जिनकी पहिचान के चिन्ह यह हैं। नाडी दोष में (३)। गण महादोष (मनुष्य राक्षस) में (१)। मकूट-महादोष (षडष्टक) में (६)। (नव पंचम) में (५)। (द्विर्द्वादश) में (४)। वैर योनि में (२)। और जहां थोडा दोष है वहां (–)। जहां दोष का पूरा निर्वाह है वहां (×) चिन्ह है। जहां वरके नक्षत्र से पूर्व वधू का नक्षत्र है इसका भी महादोष (दाक्षिणात्यों में) माना है वहां (०) चिन्ह है जहां कोई दोष नहीं वहां केवल गुण ही लिखे हैं।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

नगर नाम	उज्ज. रेखांत पलानि	ग्रीन्वि च .पू रेखांश	रेल्वे न्तर मिनट	शा: उत्तरा:	पलभा अं व्यं
अक्कलकोट	+५	७६.२	-२५	१७।३३	३।४८
आकोला	+१३	७७.०	-२२	२०।४२	४।३२
अजमेर	-११	७४.६	-३२	२६।२८	५।५८
अथेन्स-ग्रीस	-५२०	२३.७	-२३५	३७।५९	९।२२
अदवानी	+१६	७७.३	-२१	१५ ३७	३।२२
अहमदावाद	-३२	७२.५	-४०	२३। २	५। ५
अमृतसर	-९	७४।८	-३१	३१।३७	७।२३
अयोध्या	+६४	८२.१	- २	२६।४८	६। ४
अर्काट	-३८	७९.५	-१२	१२।५८	२ ४६
अलीगढ़	+२९	७८.६	-१६	२७।५३	६।२१
अलीबाग	-२९	७२.८	-३९	१८।३८	४। ३
अलेग्झंड्रिया	-४५७	३०.०	-२१०	३१।१२	७।१५
औरङ्गाबाद	-४	७५.३	-२९	१९।५२	४।२०
अहमदनगर	-१०	७४.७	-३१	१९। ८	४।१०
आगरा	+२२	७७.९	-१८	२७।१०	६।१०
इचलकरंजी	-१३	७४.४	-३२	१६।३९	३।३५
इन्दापुर	-७	७५.०	-३०	१८। ७	३।५६
इन्दोर	० ०	७५.७	-२७	२२।४१	५। १
उज्जैन	० ०	७५.७	-२७	२३। ९	५। ७
उटकमंड्ड	+१०	७६.७	-२३	११।२७	२।२७
उडपी	-९	७४.८	-३१	१३।२०	२।५०
उदयपुर रा.	-३०	७३.७	-३५	२४।३७	५।३०
अमरावती	+२०	७७.७	१९	२०।५५	४।३५
एलिचपुर	+१७	७७.४	-२०	२१।१६	४।४०
ओंकारेश्वर	+४	७६.१	-२६	२२।१३	४।५४
कटक	+१०२	८५.९	+१४	२०।२६	४।२९
कड़पी	+३५	७९.२	-१३	१४।२८	३। ६
कर्नूल	+२४	७८.१	-१७	१५।४९	३।२४
कहाड	-१६	७४.१	-३४	१७।१७	३।४४
कलकत्ता	+१२८	८८.३	+२४	२२।३४	४।५९
कलबुर्गा	+११	७६.८	-२३	१७।२०	३।४५
कल्याण	-२५	७३.२	-३७	१९।१३	४।११
कागल	-१४	७४.३	-३३	१६।३४	३।३४
काठमांड्ड	+९५	८५.२	+ ९	२७।४३	६।१८
कानपुर	+४६	८०.३	- ९	२६।२८	५।५८
कॉंस्टाटिनोप	-४६७	२९.०	-२१४	४१। ०	१०।२८

नगर नाम	उज्ज. रेखांत पलानि	ग्रीन्वि च .पू रेखांश	रेल्वे न्तर मिनट	शा: उत्तरा:	पलभा अं व्यं
काबुल	-६६	६९.१	-५४	३४।२७	८। ३
कालीकट	+१	७५.८	-२७	११।१४	२।२५
कांची	+५	७६.२	-२५	९ ।५६	२। ६
किलोर(सि.)	+५१	८०.८	-७	७ ।२०	१।३२
बनारस का)	+७२	८२.९	+२	२५।२०	५।४०
कित्तूर	- ९	७४.८	-३१	१५।३५	३।२१
कुमारी	-१८	७७.५	-२०	८ । ६	१।४१
कुम्भकोंण	+३८	७९.५	-१२	१०।५७	२।२०
कुरुन्दवाड़	-११	७४.६	-३२	१६।४१	३।३६
कोइमत्तूर	+१८	७७.५	-२०	१०।५८	२।२०
कोटवड़े	-२४	७३.३	-३७	१७। ५	३।४१
कोप्पल	+५	७६.२	-२५	१५।२०	३।१८
कोल्हापुर	-१५	७४.२	-३३	१६।४३	३।३६
खंडवा	+६	७६.३	-२५	२१।५०	४।४८
गढ़वाल	+२२	७७.९	-१८	१६।१४	३।२९
गंतूर	+५०	८०.७	-७	१६।१५	३।२९
गया	+९१	८४.८	+९	२४।४६	५।३२
गाजीपुर	+७८	८३.५	+४	३५।३५	५।४५
ग्वालियर	+२४	७८.१	-१८	२६।१२	५।५४
ग्रीन्विच	-७५७	०.०	-३३०	५१।२९	१५।४
गोकर्ण	-१४	७४.३	-३३	१४।३२	३। ७
गोकाक	-८	७४.९	-३०	१६।१०	३।२९
गोवे	-१९	७३.८	-३५	१५।२७	३।१९
गोरखपुर	+७७	८३.४	-४	२६।४४	६। ३
चित्रकलदुर्ग	+८	७६.५	-२४	१४।१३	३। ३
चिपलून	-२२	७३.५	-३६	१७।३१	३।४७
जगन्नाथपुरी	+१०१	८५.८	+१३	१९।४६	४।१९
जंजीरा	+२७	७३.०	-३८	१८।१५	३।५७
जत	-१४	७५.३	-२९	१७। ३	३।३९
जम्बूनगर	- ७	७५.०	-३०	३२।४४	७।४३
जबलपुर	-४४	८०.१	-१०	२३। ९	५। ८
जमखंडी	+ ४	७५.३	-२९	१६।३०	३।३३
जयपुर	- १	७५.८	-२७	२६।५६	६। ६
जव्हार	+२४	७३.३	-३७	१९।५७	४।२१
जूनागढ़	-५३	७०.४	-४८	२१।२९	४।३३
जुन्नर	-१८	७३.९	-३४	१९।१६	४।१२

नगर नाम	उज्ज. रेखांत पलानि	ग्रीन्वि पूर्व रेखांश	रेल्वे न्तर मिनट	अक्षां- शा: उत्तरा:	पलभा अं.व्यं
जोधपुर	-३२	७२.५	-४०	२६।२०	५।५६
झांसी	+२९	७८.६	-१६	२५।३७	५।४५
टोंक	-७	७५.०	-३०	१९।४०	४।१८
ठाणे	-३८	७२.९	-३८	१९।१३	४।११
ढाका ब	+१४७	९०.४	+३२	२३।४५	५।१७
तंजावर	+३४	७९.१	-१४	१०।४५	२।१७
ताडपत्री	+२४	७८.१	-१८	१४।५६	३।१२
तासगांव	-११	७४,६	-३२	१७।२	३।४०
त्रिचनापल्ली	+३१	७८.८	-१५	१०।५४	२।१९
त्रिपति	+२९	७८.६	-१६	१३।०	२।४६
त्रिवेन्द्रम	+१२	७६.९	-२२	८।३०	१।४७
दिल्ली	+१४	७७.१	-२२	२८।३७	६।३२
द्वारिका	-७१	८६.६	-५६	२२।१५	४।५५
दौलताबाद	-५	७५.२	-२९	१९।५७	४।२१
धार	-५	७५.२	-२९	२२।३६	५। ०
धारवाड़	-७	७५.०	-३०	१५।२६	३।१९
धुलिया	-१०	७४.७	-३१	२०।५३	४।३५
धौलपुर	-२२	७७.९	-१८	२६।४०	६। २
नवलगढ़	-६	७५.१	-२९	२७।४५	६।१९
नंदुरबार	-१४	७४ ३.	-३३	२१।२१	४।४१
नागपुर	+३३	७९.०	-१४	२१।८	४।३९
नासिक	-२०	७३.७	-३५	२०।०	४।२२
मिपाणी	-११	७४.६	-३२	१६।२२	३।३२
पंढरपुर	-४	७५.३	-२९	१७।३९	३।४९
पटियाला	+७	७६.४	-२४	३०।१७	७। ०
पनवेल	-२६	७३.१	-३८	१८।५९	४। ७
परसुराम	-२२	७३.५	-१६	१७।३३	३।४८
प्रयाग	+६१	८१.८	-३	२५।२५	५।४१
पटणा	+९५	८५.२	+११	२५।३३	५।४४
पेरिस फ्रांस	-७३४	२.३	-३२१	४८।५०	११।५३
पुडुकोट	+३२	७८.९	-१४	१०।२०	२।११
पूना	-१९	७३.८	-३५	१८।२९	४।०
पुरानिया	-११८	८७.५	+२०	२५।४६	५।४८
पेकिन (चीन)	+४०८	११६.५	-८	४०।०	१०।५२
पेण	-२७	७३.०	-३८	१८।४३	४।४
पेठण	-४	७५.३	-२९	१९ ३१	४।१५

नगर नाम	उज्ज. रेखांत पलानि	ग्रीन्वी पूर्व रेखांश	रेलवें नार मिनट	अक्षां शा: उत्तरा.	पलभा अंव्यं.
				२७।२३	६।१३
बगदाद	-३०७	४५.०	-१५०	३३।२४	७।५५
बड़ौदा	-२५	७३.२	-३७	२२।१६	४।५५
बदामी	०	७५.७	-२७	१५।५६	३।२७
बरद्वान	+६२	८१.९	-२	२३।१३	५।९
बर्लिन ज.	-६२३	१३.४	-२७६	५२।३०	१५।३९
बल्लारी	+१३	७७.०	-२२	१५। ९	३।१५
बहाणपुर	+७	७६.४	-२४	२१।१८	४।४१
बागलकोट	-०	७५.७	-२७	१६।१२	३।२९
बिसाउ रा०	+१	७५.८	-२७	१८।१३	३।५७
बीकानेर	-२४	७३.३.	-३७	२८। १	६।२३
बीड	+१	७५.८	-२७	१८।५८	४।७
बूँदी	-१	७५.६	-२८	२५।२६	५।४२
बँगलूर	+१९	७७.६	-२०	१२।५८	२।४६
बेदर	+१८	७७.५	-२०	१७।५५	३।५५
वेलगांव	-१२	७४.५	-३२	१५।५०	३।२४
भड़ोंच	-२७	७३.०	-३८	२१।४१	४।४६
भरतपुर	+१५	७७.२	-२१	२७।२०	६।१२
भागलपुर	+११३	८७.०	+१८	२५।१३	५।३९
भोपाल	+ १६	७७ ३	-२१	२३।१४	५।९
भोर	-१८	७३.९	-३४	१८।७	३।५६
मंगलवेढें	-३	७५.४	-२८	१७।३१	३।४
मंगलूर	-९	७४.८	-३१	१२।५२	२।४५
मक्का अ	-३५५	४०.२	-१६९	२१।२९	४।४३
मछलीपट्टन	+ ५५	७०.२	-५	१६।१२	३।२९
मथुरा	+२०	७७.७	-१९	२७।२८	६।१४
मदुरा	+२५	७८.२	-१७	९।५३	२।५
मद्रास	+४५	८०.२	-९	१३।४	२।४०
महाड़	-२३	७३.४	-३६	१८।३	३।५४
म्हेसूर	+ ९	७६.६	-२४	१२।१८	२।३७
माडवी	-६३	६९.४	-७२	२२।५४	५।४
मालेगाव	-१२	७४.५	-३२	२०।३१	४।३०
मिरज	-१०	७४.७	-३१	१६।४९	४।३७
मुद्गल	+८	७६.५	-२४	१६।१	३।२७
मुधोल	-४	७५.३	-२९	१६।२०	३।३१
मुम्बई	-२९	७२.८	-३९	१८।५७	४।७

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

नगर नाम	उज्ज-रेखां. पल	ग्रीन्वि-चतोपू. रेखांश	रेलके-न्तर मिनि.	अक्षां. उत्तराः अं. क.	पलभा अं.व्यं
मुलतान	-४३	७१.४	-४४	३०।१३	६।५९
मुंगेर	+११८	८७.५	+२०	२५।२५	५।४१
रतनगढ	-२४	७३.३	-३९	१७। ०	३।४०
रंगून (बर्मा)	+२००	९५.७	+५३	१६।४८	३।३७
राजकोट	-४८	७०.९	-४६	१२।१६	४।५५
राजमहेन्द्री	+६१	८१.८	-३	१७। ०	३।४०
राजापुर	-२२	७३.५	३६	१६।३९	३।३५
रामदुर्ग	-३	७५.४	२८	१५।५७	३।२६
रामेश्वर	+३५	७९.२	१३	९ ।१५	१।५७
रायचूर	+१७	७७.४	२०	१६।१७	३।३०
रायपुर	+६०	८१.७	३	२१।१३	४।४०
रीवां	+५६	८१.३	-५	२४।३२	५।२९
रोम	-६३२	१२.५	-२२८	४१।५६	१।४७
लखनऊ	+५२	८०.९	-६	२६।५१	६। ४
लक्ष्मेश्वर	-२	७५.५	-२८	१५। ७	३।१४
लाहोर	-५	७५.२	-३९	३१।३२	७।२२
वसई	-३०	७२.७	-३९	१९।२०	४।१३
वार्सिंगटन	-१५२	७७.०	-६३८	३८।५४	१।४१
वाई	-१८	७१.९	-३४	१७।५५	३।५३
विंचरू	-१३	७४.४	-३२	२०। ८	४।२४
विजयदुर्ग	-२३	७३.४	-३६	१६।३३	३।३४
बीजापुर	-०	७५.७	-२७	१६।४८	३।३७
वारंगुल	+२०	७७.७	-१९	१८। ०	३।५४
वेंगुरले	-२१	७३.६	-३६	१५।२३	३।३४
शृंगेरीपुरम्	-४	७५.३	-२९	१३।२७	२।५२
श्रीनगर. काश्मीर	-८	७४.९	-३०	३४। ६	७।५४
श्रीरंगपट्टन	+९	७६.६	-२४	१२।३४	२।३८
श्रीवर्द्धन	-२७	७३.०	-३८	१८। २	३।५४
संगमनेर	-१३	७४.४	-३२	१९।३४	४।१६
समर ([illegible])	+३०	७८.७	-१५	२३।५९	५।३८
सांगली	-१२	७४.५	-३२	१६।५२	३।३८
सिन्ध	-३७	७४.०	-३४	१७।५१	३।५०
सावनूर	-३	७५.४	-२८	१४।५८	३।१३
सावंतवाड़ी	-१९	७३.८	-३५	१५।१४	३।२५
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

नगर नाम	उज्ज. रेखां. पल	ग्रीन्वि. चतोपू रेखांश	रेलके-न्तर मिनि.	अक्षां. उत्तराः अं. क.	पलभा अं.व्यं
सिडनी	+७५५	१५१२	+२७५	३३।५५	८। ३
सूरत	-३२	७२.५	-४०	२१।१०	४।३९
सुरपुर	+११	७६.८	-२३	१६।३१	३।३३
सेलम	+२६	७८.३	-१७	११।४०	२।२९
सोलापुर	+१	७५.८	-२७	१७।३९	३।४९
सकेश्वर	-१२	७४.५	-३२	१६।१६	३।३०
हंपी	+८	७६.५	-२४	१५।२०	३।१७
हरदा	+१३	७७.०	-३२	२२।१८	४।५५
हरिद्वार	+२४	७८.१	-१८	२९।५५	६।५४
हरिहर	+२	७५.९	-२६	१४।३०	३। ७
हुबली	-६	७५.१	-३०	१५।१९	३।१७
द. हैदराबाद	+२८	७८.५	-१६	१७।१८	३।४४
सि.हैदराबाद	-७४	३८.३	-५७	२५।२४	५।४१
होस्पेट	+७	७६.४	-२४	१५।१०	३।१५

रेलवे टाइम से देशी टाइम बनाने की रीतिः—जिस नगर का रेलवेऽन्तर मिनिट धन होवे उसके मध्यमान्तर को रेलवे टाइम में जोड़ देना और जहां ऋण चिन्ह होवे वहां पर मध्यान्तर मिनिट घटा देनेसे अभीष्ट शहर का मध्यम समय होगा, उस मध्यम समय में जिस मास और तारीख का स्पष्ट समय जानना होय उस मास तारीख के सामने जो वेलान्तर मिनिट होवें उनको मध्यम टाइम में विपरीत (धन चिन्ह होतो ऋण और ऋण चिन्ह होतो धन) युक्त करने से अभीष्ट शहर का घंटा मिनिटात्मक स्पष्ट समय उस दिन का होगा। (+) यह धन चिन्ह है। और (-) यह ऋण चिन्ह है॥

अथचरानयनम्—इष्टस्थानीयाक्षांशाः।इष्टतारिखायाःक्रांतिः। अनयोर्गुणकारस्तस्य यः पंचमांशः। तदिष्टदिने पलात्मकं चरं भवति। तत् क्रांतिवद्धनर्णम्। तद्द्विगुणितंचरं त्रिंशत ३० घटीषु हीने युते वा दिनमानं भवति। उत्तरक्रान्तौ युतं। दक्षिणक्रान्तौ हीनं कार्यम्।

अथ मास तारीखोपरि=वेलान्तरम्=मिनिट सेकण्ड

तारीख	जनवरी मि.से.	फरवरी मि. से.	मार्च मि. से.	अप्रेल मि.से.	मई मि.से.	जून मि.से.	जुलाई मि से.	अग० मि.से.	सितं. मि.से.	अक्टू० मि. से.	नवं० मि. से.	दिशं० मि.से.
	+	+	+	+	−	−८	+	+	+	−	−	−
१	+३।३४	१३।३८	१९।३५	४। ७	२।५२	२।२५	३।३३	६।१५	+।९	७०।७	१६।२१	११।३
२	३।५२	१३।४६	१२।२३	३।४९	३। ०	२।१६	३।४५	६।११	−।१०	१०।२७	१६।२३	१०।४१
३	४।२०	१२।५४	१२।११	३।३२	३। ७	२। ७	३।५६	६। ७	०।२९	१०।४६	१६।२४	१०।१८
४	४।४८	१४। ०	११।५९	३।१४	३।१३	१।५७	४। ८	६। २	०।४८	११। ५	१६।२४	९।५३
५	५।१६	१४। ६	११।४६	२।५६	३।१९	१।४७	४।१८	५।५७	१। ८	११।२३	१६।२३	९।२८
६	५।४२	१४।१०	११।३२	२।३९	३।२४	१।३६	४।२८	५।५१	१।२८	११।४१	१६।२१	९। ३
७	६। ९	१४।१५	११।१८	२।२२	३।२९	१।२५	४।३८	५।४४	१।४८	११।५९	१६।१७	८।३७
८	६।३५	१४।१७	११। ४	२। ५	३।३३	१।१४	४।४८	५।३७	२। ९	१२।१६	१६।१४	८।११
९	७। ०	१४।२०	१०।४९	१।४८	३।३६	१। ३	४।५८	५।२९	२।२९	१२।३३	१६। ९	७।५५
१०	७।२५	१४।२१	१०।३४	१।३१	३।३९	०।५२	५। ७	५।२१	२।५०	१२।४९	१६। ४	७।१८
११	७।४९	१४।२२	१०।१८	१।१५	३।४२	०।३०	५।१५	५।१२	३।११	१३। ५	१५।५८	६।५१
१२	८।१३	१४।२२	१०। २	०।५६	३।४४	०।२८	५।२३	५। ३	३।३२	१३।२१	१५।५२	६।२३
१३	८।३६	१४।२१	९।४६	०।४३	३।४५	०।११	५।३०	४।५३	३।५३	१३।३६	१५।४३	५।५५
१४	८।५८	१४।२९	९।२९	०।२७	३।४६	−०।३	५।३७	४।५२	४।१४	१३।५२	१५।३८	५।२७
१५	९।२०	१४।१७	९।१२	+०।१८	३।४६	+०।९	५।४४	४।३१	४।३६	१४। ४	१५।२५	४।५८
१६	९।४१	१४।१४	८।५५	−। ३	३।४६	०।२२	५।५०	४।२०	४।५७	१४।१७	१५।१५	४।२९
१७	१०।१	१४।१०	८।३८	०।१७	३।४५	०।३५	५।५६	४। ८	५।१८	१४।३०	१५। ४	४। ०
१८	१०।२१	१४। ६	८।२१	०।३१	३।४३	०।४८	६। १	३।५५	५।४०	१४।४२	१४।५२	३।३१
१९	१०।४०	१४। १	८। ३	०।४५	३।४१	१। १	६। ६	३।४२	६। १	१४।५३	१४।३९	३। २
२०	१०।५८	१३।१५	७।४५	०।५७	३।३८	१।१४	६।१०	३।२८	६।२२	१५। ४	१४।२५	२।३२
२१	११।१५	१३।४८	७।२८	१।११	३।३५	१।२७	६।१३	३।१४	६।४३	१५।१४	१४।१०	२। २
२२	११।३२	१३।४१	७।१०	१।२३	३।३१	१।४०	६।१६	२।५९	७। ४	१५।२४	१३।५५	१।३२
२३	११।४९	१३।३४	६।५१	१।३५	३।२७	१।५३	६।१९	२।४४	७।२५	१५।३३	१३।३९	१।३८
२४	१२। ४	१३।२४	६।३३	१।४६	३।२२	२। ६	६।२१	२।३०	७।४६	१५।४१	१३।२२	०।३३
२५	१२।१९	१३।१७	६।१५	१।५७	३।१७	२।१७	६।२३	२।१३	८। ७	१५।४९	१३। ४	−०।३
२६	१२।३२	१३। ७	५।५७	२। ८	३।११	२।२८	६।२३	१।५६	८।२७	१५।५६	१२।४६	+०।२८
२७	१२।४५	१२।५७	५।३८	२।१८	३। ५	२।४४	६।२३	१।३९	८।४८	१६। २	१२।२७	०।५८
२८	१२।५८	१२।४६	५।२०	२।२७	२।५८	२।५७	६।२३	१।२२	९। ८	१६। ७	१२। ७	१।२८
२९	१३। ९		५। २	२।३६	२।५०	३। ९	६।२२	१। ४	९।२८	१६।१२	११।४६	१।५८
३०	१३।२०	−	४।४४	२।४४	२।४२	३।२१	६।२०	०।४६	९।४७	१६।१६	११।२५	२।२७
३१	१३।२९	.	४।२५	.	२।३४	.	६।१८	०।२८	−	१६।१९	०	२।५६
	+	+	+	−	−	+	+	+	−	−	−	−

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

नक्षत्र	अ	भ	कृ	रो	मृ	आ	पुन	पुष्य	ऽश्ले	म	पूफा	उफा	ह	चि	स्वा	वि	ऽनु	ज्ये	मू	पूषा	उषा	श्र	ध	श	पूभा	उभा	रे
अक्षरा	चु चे चो ला	ली लू ले लो	अ ई उ ए	ओ वा वि वु	वे बो क की	कू घ ङ छ	के को ह ही	हू हे डो डा	डी डू डे डो	म मी मु मे	मो टा टी टू	टे टो प पी	पू ष ण ठ	पे पो र री	रु रे रो ता	ती तू ते तो	ननी नु ने	नो या थी यू	ये यो भ भी	भू धा फा ढा	भे भो ज जी	खी खु खे खो	ग गी गु गे	गो सा सी सु	से सो द दी	दू थ झ ञ	दे दो च ची
राशि	मे	मे	मे १ वृ ३	वृ	वृ २ मि २	मि	मि ३ क १	क	क	सिं	सिं	सिं १ क ३	कन्या	क २ तु २	तुला	तु ३ वृ १	वृश्चि	वृश्चि	धनु	धनु	ध. १ म. ३	मकर	मक २ कु. २	कुम्भ	कुं ३ मी १	मीन	मीन
वर्ण	क्ष	क्ष	क्ष १ वै ३	वै	वै २ शू २	शू	शू ३ विप्र १	विप्र	विप्र	क्ष	क्ष	क्ष १ वै ३	वै	वै २ श २	शू	शू ३ विप्र १	विप्र	विप्र	क्ष	क्ष	क्ष १ वै ३	वै	वै २ शू २	शू	शू ३ विप्र १	विप्र	विप्र
वश्य	च	च	च	च	च २ मा २	मा	मा ३ ज १	ज	ज	बन	वन	व १ मा ३	मान	मान	मान	मा ३ की १	की	की	मा	॥मा ३॥च	च	१॥च २॥ज	ज २ मा २	मान	मा ३ ज १	जल	जल
योनि	अश्व	गज	छाग	सर्प	सर्प	श्वान	मार्जार	छाग	मार्जार	मूषक	मूषक	गौ	महिष	व्याघ्र	महिष	व्याघ्र	मृग	मृग	श्वान	वानर	नकुल	वानर	सिंह	अश्व	सिंह	गौ	गज
राशि पति	मं	मं	मं १ शु ३	शु	शु २ बु २	बु	बु ३ चं १	चं	चं	सू	सू	सू १ बु ३	बु	बु २ शु २	शु	शु ३ मं १	मं	मं	वृ	वृ	वृ १ श ३	श	श	श	श ३ वृ १	वृ	वृ
गण	देव	मनु	राक्ष	मनु	देव	मनु	देव	देव	राक्ष	राक्ष	मनु	मनु	देव	राक्ष	देव	राक्ष	देव	राक्ष	राक्ष	मनु	मनु	देव	राक्ष	राक्ष	मनु	मनु	देव
नाड़ी	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य

तारागुण चक्रं । वरः—

कन्या-	१	२	३	४	५	६	७	८	९
१	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
२	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
३	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
४	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
५	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
६	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
७	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
८	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
९	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३

गणगुण चक्रं

वर— / कन्या—	देव	म	रा
दे	६	५	१
म	६	६	०
रा	०	०	६

नाड़ीगुण चक्रं

वरः— / कन्या—	आ	म	अं
आ	०	८	८
म	८	०	८
अं	८	०	८

वश्यगुणाः । वरः—

कन्या	मा	चतु	जल	वन	कीट
मान	२	१	॥	०	१
चतु	१	२	१	०	१
जल	॥	१	२	१	१
वन	०	०	१	२	०
कीट	१	१	१	०	२

वर्ण गुणः । वरः—

कन्या	विप्र	क्षत्रि	वैश्य	शूद्र
विप्र	१	०	०	०
क्षत्रि	१	१	०	०
वैश्य	१	१	१	०
शूद्र	१	१	१	१

योनिगुणचक्रम् वरः—

कन्या-	अश्व	गज	छाग	सर्प	श्वान	मार्जा	मूषा	गौ	महि	व्याघ्र	मृग	वानर	नकुल	सिंह
अश्व	४	२	३	२	२	३	३	२	०	१	३	२	२	१
गज	२	४	३	२	२	३	३	३	३	१	३	२	२	०
छाग	३	३	४	२	२	३	३	३	३	१	३	०	१	१
सर्प	२	२	२	४	२	१	१	२	२	२	२	१	०	२
श्वान	२	२	२	२	४	१	१	२	२	२	०	२	२	२
मार्जार	३	३	३	१	१	४	०	३	३	२	३	२	२	२
मूष	३	२	२	१	२	०	४	३	३	२	३	२	१	२
गौ	२	३	३	२	२	३	३	४	३	०	३	२	२	१
महिष	०	३	३	२	२	३	३	३	४	१	३	२	२	१
व्याघ्र	१	१	१	२	२	२	२	०	१	४	१	२	२	३
मृग	३	३	३	२	०	३	३	३	३	१	४	२	२	१
कपि	२	२	०	१	२	२	२	२	२	२	२	४	२	२
नकुल	२	२	२	०	२	२	१	२	२	२	२	२	४	२
सिंह	१	०	१	२	२	२	२	१	१	३	१	२	२	४

ग्रहगुणचक्रं । वरः—

कन्या	र	चं	मं	बु	गु	शु	श
र	५	५	५	४	५	०	०
चं	५	५	४	१	४	॥	॥
म	५	४	४	॥	५	३	॥
बु	४	१	॥	५	॥	५	४
गु	५	४	५	॥	५	॥	३
शु	०	॥	३	५	॥	५	५
श	०	॥	॥	४	३	५	५

भकूट गुण ज्ञानम्—वर कन्या की परस्पर राशी ३।११ष४।१० तथा ७।७ होतो ७ गुण लेना अन्यथा शून्य गुण लेना यदि राशि स्वामी एक हो तो ६।८ तथा २।१२ एवम् ५।९ भी ग्राह्य है अन्यथा नहीं ।

तारा ज्ञानम्—वर के नक्षत्र से कन्या के नक्षत्र तक और कन्या के नक्षत्र से वर के नक्षत्र तक गिन कर ९ का भाग देना शेष बचे उससे ताराचक्र द्वारा गुण लेना ।

अथ मंगलीक विचारः—लग्ने व्ययेच पाताले यामित्रे चाष्टमे कुजः । कन्याभर्तुर्विनाशाय भर्ता कन्याविनाशदः ॥ १ ॥ अन्यानपिवैधव्यविषांगनादिदोषान्परिहृत्यसंबन्धः कार्यः ।

अथास्य परिहारः—भौमेन सदृशोभौमः पापोवा तादृशो भवेत् । विवाहः शुभदः प्रोक्तश्चिरायुः पुत्रपौत्रदः । एतल्लग्नचन्द्र योर्द्वयोरेवविचार्यम् । अथवा वैधव्यादि दोषजां कन्यामच्युतविवाहादिशांतिंविधाय दारहायोगजायायुष्मतेवरायदद्यात्।गण दोषपरिहारः—राशीशयो : सुहृद्भावेमित्रत्वेवांशनाथयोः। गणादिदौष्टेऽप्युद्वाहश्चिरायुःपुत्र पौत्रदः॥ नाड़ी दोषस्तु सर्वथात्याज्यएव । अत्यावश्यके तत्रापिपरिहारः—आद्यांशेन चतुर्थांशं चतुर्थांशेनचादिमं द्वितीयेन तृतीयंतु तृतीयेनद्वितीयकम् । एवंभांशव्यधोयस्य जायते वरकन्ययोः । तयोर्मृत्युर्न संदेहः शेषांशाःस्वल्पदोषदाः । तथा द्वयर्के ताम्रसुवर्णमष्टरिपुकेगोयुग्ममत्तांकके रौप्यं कांस्यमथैकनाड़ियुजिगौस्वर्णादिदत्त्वोद्वहेत् ।

वर्गवैरं योनिवैरं गणवैरं नृदूरकं दुष्टकूटफलं सर्वं सद्भकूटं योनिशुद्धिः ग्रहसख्यं गुणत्रयम् । एष्वेकतमसद्भावे ग्रहमैत्रेण नश्यति ॥ न वर्णा वर्गो न गणो न योनिर्द्विर्द्वादशे चैव षडष्टके धा । वरेपि दूरे नवपंचमे वा मैत्री यदा स्याच्छुभदो विवाहः ॥ कन्या रत्नोगणाः शुभा ॥ गणनायां नृदूरविचारः—भामिनीजन्मनक्षत्राद्द्वितीयं पतिजन्मभम् । न शुभं भर्तृनाशाय इत्युक्तं रुद्रयामले ।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अथ शिवाप्रोक्त द्विघटी (दुघडिया) मुहूर्त ॥ चौघडिया मुहूर्त सहित.

रवि दिवा

मुहूर्त नाम	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा
गुणा :	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
माधादि ४ श्रा २	०	१	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०	७	७	७	७
आश्विनादि ४	१	१	१	४	४	७	७	१	१	०	०	४	१	१	१	४
ज्येष्ठाषाढमल	०	०	१	१	७	७	४	७	७	०	१	१	१	१	७	७
चौघड़िया	उद्वेग	चल	लाभ	ऽमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग								

रवि रात्री

श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ
र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
१	१	१	७	७	०	४	१	१	१	७	७	७	७	१	१
४	७	७	०	१	१	१	७	७	४	४	१	१	०	१	१
१	१	१	७	७	७	७	१	१	७	७	७	७	१	१	०
शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ								

शुक्र दिवा

वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा
र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
१	१	४	४	०	१	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०
१	७	७	१	१	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०	४
७	७	१	१	१	०	७	७	७	७	१	१	७	७	४	४
चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल								

चंद्र दिवा

मुहूर्त नाम	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे
गुणा :	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र
माधादि ४ श्रा २	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०	७	७	७	७	१	१
आश्विनादि ४	४	७	७	०	०	१	१	१	०	७	७	१	१	०	१	१
ज्येष्ठाषाढमळ	७	७	७	७	०	१	१	१	०	७	७	१	१	१	१	०
चौघड़िया	ऽमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	ऽमृत								

चंद्र रात्री

चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै
त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
४	०	०	१	१	०	७	७	१	१	१	१	७	७	७	७
४	०	७	७	१	१	१	७	७	७	७	१	१	०	१	१
७	७	७	७	१	१	४	०	१	१	७	७	१	१	१	४
चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल								

शनि दिवा

या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु
त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
४	१	०	०	०	०	१	१	१	१	०	१	१	०	१	१
४	१	०	०	०	१	१	०	१	४	१	१	०	१	१	४
१	७	७	१	१	०	१	१	१	१	०	१	१	०	१	०
काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल								

भौम दिवा

मुहूर्त नाम	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा
गुणा :	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
माधादि ४ श्रा २	४	४	१	१	१	१	७	७	७	७	१	१	७	७	७	७
आश्विनादि ४	७	७	७	०	१	१	०	७	७	१	१	१	०	७	७	७
ज्येष्ठाषाढमळ	०	०	१	१	७	७	०	१	१	७	७	७	७	७	७	१
चौघड़िया	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	ऽमृत	काल	शुभ	रोग								

भौम रात्री

वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	वा	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज
स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र
७	७	४	४	१	१	१	४	४	४	१	१	१	०	०	१
७	७	७	७	०	१	१	१	७	७	०	१	१	१	७	७
७	७	७	७	७	०	७	७	७	४	१	०	७	७	१	१
काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल								

बुध दिवा

मुहूर्त नाम	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै
गुणा :	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
माधादि ४ श्रा २	७	७	१	१	४	४	१	१	१	७	७	१	१	४	४	१
आश्विनादि ४	७	७	१	१	१	४	४	१	१	१	१	७	७	७	७	१
ज्येष्ठाषाढमल	१	७	७	७	७	१	१	७	७	७	७	१	१	१	१	४
चौघड़िया	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ								

बुध रात्री

अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु
र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
१	१	१	१	१	७	७	०	१	१	१	१	७	७	७	७
४	४	१	१	०	४	४	१	१	१	७	७	७	७	०	१
१	७	७	१	१	०	७	७	७	७	१	१	०	०	१	१
उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग								

गुरु दिवा

मुहूर्त नाम	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ
गुणा :	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र
माधादि ४ श्रा २	१	१	१	१	७	७	७	७	०	१	१	१	७	७	७	७
आश्विनादि ४	१	१	०	७	७	१	१	१	१	७	७	७	७	०	०	१
ज्येष्ठाषाढमल	१	१	७	७	०	१	१	१	०	१	४	४	४	१	१	१
चौघड़िया	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ								

गुरु रात्री

वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा
त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
४	१	१	१	४	४	४	४	०	१	१	१	७	७	१	१
४	१	१	१	०	७	७	४	४	१	१	१	०	७	७	१
०	०	१	१	१	०	७	७	७	७	१	१	७	७	४	४
अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत								

१६ दुघड़ियों का नाम

रौद्र	१
श्वेत	२
मैत्र	३
चार्यंदे	४
जयदेव	५
वैरोचन	६
तुरग	७
अभिजित	८
राक्षस	९
वालव	१०
विभीषण	११
सुगंदन	१२
याम्य	१३
सौम्य	१४
भार्गव	१५
सावित्र	१६

राशियों के वात गुण

मेष	रजोगुण
वृष	रजोगुण
मिथुन	तमोगुण
कर्क	सतोगुण
सिंह	तमोगुण
कन्या	तमोगुण
तुला	रजोगुण
वृश्चि.	रजोगुण
धनु	सतोगुण
मकर	तमोगुण
कुम्भ	तमोगुण
मीन	सतोगुण

चौघड़ियों के स्वामी और नाम

स्वामी	रवि	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
चौ.	उद्वेग	ऽमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रेखा स्वरूपम्

नाम	अमृत	विष	शून्य	काल
स्वरूप	१	७	०	४

कर्ण = यथा नाम तथा गुणाः

दिन में दिनमान का रात्री में रात्रिमान का १६वां भाग दुघड़िया होता है। और आठवां भाग चौघड़िया होता है। न तिथिर्न च नक्षत्रं न योगःकरण तथा। न शूल योगिनी राशिर्न च होरा तमोगुणः ॥१॥ व्यतिपाते च संक्रांतौभद्रायामशुभेदिने शिवालिखितमालोक्यं सर्व विघ्नोपशान्तये।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

मासदशा देखने की सारणी

मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
ता. १३ अप्रेल से र.द. दि. २० प्र.	ता. १४ मइसे शु.द.दि.२०प्र.	ता.३अप्रेल से शु.द.दि.७०प्र.	ता. २२मार्च से रा.द.दि. ४२प्र.	ता.२२अप्रेलसे रा.द.दि. ४२प्र.	ता. २४मार्च से गु.द.दि.५८ प्र.	ता. १८मार्च से श.द. दि. ३६प्र.	ता.१७अप्रेलसे श.द.दि. ३६ प्र.	ता. २२मार्च से बु.द. दि. ५६प्र.	ता. २४मार्च से मं.द. दि.२८ प्र.	ता.२३अप्रेलसे मं.द.दि. २८ प्र.	ता.३ अप्रेल से मं.द. दि. २८प्र.
ता. ४ मइ से चं. द. दि. ५० प्र.	ता. ४ जून से चं.द.दि. ५०प्र.	ता. १५ जून से र.द.दि. २० प्र.	ता. ४ मई से शु.द.दि.७० प्र.	ता. ४ जून से शु.द.दि.७० प्र.	ता. २२ मई से रा.द.दि. ४२ प्र.	ता.२३अप्रेलसे गु.द.दि. ५८ प्र.	ता. २५ मईसे गु.द. दि. ५८प्र.	१८ मई से श.द. दि. ३६प्र.	ता.२१अप्रेलसे बु.द.दि.५६ प्र.	ता. २२ मई से बु.द.दि. ५६ प्र.	ता. २५ मई से मं.द. दि.३६ प्र.
ता. २५ जून से मं. द. दि. २८ प्र.	ता.२७जुलाईसे मं.द.दि. २८प्र.	ता.६ जुलाई से चं.द.दि.५० प्र.	ता.१६जुलाईसे र.द. दि. २०प्र.	ता. १७अग. से र.द. दि.२०प्र.	ता. ६जुलाई से शु.द. दि.७० प्र.	ता. २३जून से रा.द.दि. ४२ प्र.	ता.२५जुलाईसे रा. द. दि.४२प्र.	ता. २५जून से गु.द.दि.५८ प्र.	ता.१९ जून से श.द.दि.३६ प्र.	ता.२०जुलाईसे श.द.दि. ३६प्र.	ता. २३ जून से बु.द.दि.५६ प्र.
ता. २५ जुलाइ से बु. द. दि. ५६ प्र.	ता.२५अगस्तसे बु.द.दि.५६प्र.	ता.२७अगस्तसे मं.द.दि.२८ प्र.	ता.६अगस्त से चं.द.दि. ५०प्र.	ता.६सितंबर से चं.द.दि. ५०प्र.	ता. १७सितं. से र.द. दि. २०प्र.	ता. ६अगस्त से शु.द. दि.४२ प्र.	ता.६सितं. से शु.द.दि.७० प्र.	ता.२५अगस्तसे रा.द.दि.४२ प्र.	ता.२७जुलाई से गु.द.दि.५८ प्र.	ता. २७ अग.से गु.द.दि.५८ प्र.	ता. २१अग. से श.द.दि.३६ प्र.
ता.२१ सितंबर से श. द. दि. ३६ प्र.	ता.२१अक्टू.से श.द.दि.३६ प्र.	ता.२५सितं. से बु.द.दि. ५६प्र.	ता. २७सितंबर मं.द.दि.२८ प्र.	ता.२७अक्टू.से मं.द.दि. २८प्र.	ता.२७अक्टू.से चं.द. दि. ५०प्र.	ता.१७अक्टू.से र. द.दि. २० प्र.	ता.१६ नव. से र.द.दि. २० प्र.	ता. ७ अक्टू.से शु.द. दि. ७०प्र.	ता. २५सितं. से रा.द.दि.४२ प्र.	ता.२५ अक्टू.से रा.द. दि. ४२प्र.	ता. २७सितं. से गु.द. दि. ५८प्र.
ता. २७ अक्टू. से गु. द. दि. ५८ प्र.	ता. २६ नव.से गु.द.दि. ५८प्र.	ता.२०नवंबरसे श.द.दि. ३६प्र.	ता.२५अक्टू.से बु.द. दि.५६ प्र.	ता. २४नवघरसे बु द. दि ५६प्र.	ता.२६नवबर से मं.द. दि. २८प्र.	ता.६ नवबर से चं.द.दि. ५०प्र.	ता.६ दिशंबरसे चं.द.दि.५० प्र.	ता. १५ दिशं.से र.द. दि.२० प्र.	ता. ६लबबर से शु.द.दि. ७०प्र.	ता. ६ दिशं. से श.द. दि.७०प्र.	ता. २४नव. से रा.द.दि.४२ प्र.
ता.२३दिशंम्बर से रा. द. दि. ४२ प्र.	ता. २२जन. से रा.द.दि ४२प्र.	ता.२५ दिशं.से गु.द.दि. ५८प्र.	ता.१९ दिशं.से श.द.दि.३६प्र.	ता.१८जनव.से श.द.दि ३६प्र.	ता.२३ दिशं. से बु.द. दि.५६ प्र.	ता. २५ दिशं.से मं.द. दि. २८प्र.	ता.२४ जन. से मं.द. दि.२८ प्र.	ता.४ जनवरीसे चं.द.दि. ५०प्र.	ता. १४जन. से र.द. दि.२० प्र.	ता.१२ फरव.से र.द. दि.२० प्र.	ता.४ जनव. से शु.द.दि.७० प्र.
ता. ३ फरवरी से शु. द. दि ७० प्र.	ता. ४ मार्चसे शु.द.दि.७० प्र.	ता.२० फरवरी रा.द.दि.४२ प्र.	ता. २४ जन.से गु. द. दि.५८	ता.२२ फरव. से श.द. दि.५८प्र.	ता१७फरवरीसे श.द. दि.३१ प्र.	ता. २२जन. से बु.द. दि. ५६प्र.	ता.२० फरव.से बु. द.दि. ५६प्र.	ता.२२फरवरीसे मं.द.दि. २८ प्र.	ता. २फरव. से चं.द.दि.५० प्र.	ता. ४ मार्चसे चं.द.दि. ५०प्र.	ता. १४मार्च से र.द. दि.२० प्र.

मासदशा विचारः—जन्मनि विंशतिः सूर्ये तृतीये दश चन्द्रमा। चतुर्थेचाष्टमे भौमः षष्ठे वेद बुधस्तथा। सप्तमे दश मंदस्य नवमेष्ट बृहस्पतेः। दशमे विंशती राहोः शेषा भृगुदशा भवेत्

अथ—शनेश्चरण विचारः—शने राश्यन्तरगमनदिने जन्मराशितश्चन्द्रोयत्संख्या तुल्यं भवेत्तद्भशेन पादं ज्ञेयम्। यथा—जन्माङ्गारुद्रेषु १। ६। ११ सुवर्णपादं द्वि२ पंच५ नन्दै:९ रजतस्य ज्ञेयम्। त्रि ३ सप्त ७ दिक् १० ताम्रपदं वदन्ति वेदा ४ ष्ट ८ सार्के १२ ष्विह लोहपादम्। तत्फलंच—लोहे धनविनाशः स्यात्सर्वसौख्यं च कांचने। ताम्रे च समता ज्ञेया सौभाग्यं रजते भवेत्। इतिशिष्टाः॥

शनिवाहनम्—तिथिवारं च नक्षत्रं नामाक्षरसमन्वितम्। नवभिस्तु हरेद्भागं शेषे वाहनमुच्यते। गर्दभो १ घोटको २ हस्ति ३ महिषो ४ जम्बुकै ५ णौ ६ काको ७ मरालो ८ हंसश्च शनेस्तु नव वाहनाः। **अन्यच्च**—जन्मभात्शनिभं यावत् गणनीयमनुक्रमात्। नवभिस्तु हरेद्भागं शेषं वाहनमुच्यते इति ग्रन्थान्तरे। फलम्—खरे च कलहं ज्ञेयमश्वे बुद्धिर्विदेशके। गजेलाभं विजानीया—न्महिषेव्याधिजं भयम्॥ जम्बुके च भयं घोरं सिंहे वै विजयं भवेत्। काके चिंता जयो हंसे मयूरे सुखसंपदौ॥ इति॥ **अथशनि की साडेसातिदशा विचारः**—द्वादशे१२ जन्मगे१ राशौ द्वितीये२ च शनेश्चरः। सार्द्धानि सप्तवर्षाणि नरो दुःखैर्युतो भवेत्॥ रिःफ रूपधनभेषु भास्करिः संस्थितो भवति यस्य जन्मभात् लोचनोदरपदेषु संस्थितिः कथ्यते रविज लोकजैर्जनैः। **अथशनि चक्रम्**—

अथ शनिफलम्					
मुखे.	१	रोगं	उदरे	५	लाभं
द. करे	४	लाभं	शिरसि	३	सौभाग्यं
पादयोः	६	गमनं	नेत्रयोः	२	मरणं
वाम करे	४	निर्धनं	गुदे	२	मरणं

यस्मिन् शनिश्चरति वक्त्रगतं ततश्च। चत्वारि दक्षिणकरेऽघ्रियुगं षषट्कम् चत्वारि वामकरगेऽप्युदरे च पंच मूर्ध्नित्रयं नयनयोर्द्वितयं गुदे च। रोगं लाभं तथाध्वानमधनं लाभमेवच सौभाग्यमल्पमृत्युश्च शनेः प्रोक्तं क्रमात्फलम्॥ जन्मराशितो द्वादशभावेषु शनेर्भ्रमणफलम्—वित्तभ्रंशं रुगाप्तिं दिनकरतनये जन्मराशिं प्रपन्ने वित्तक्लेशं द्वितीये धनहरणकृतं वित्तलाभं तृतीये। पाताले शत्रुवृद्धिं सुतभवगगतः पुत्र भृत्यार्थनाशं षष्ठेस्थानेऽर्थलाभं जनयति मदने दोषसंघातमार्किः शरीरपीड़ा निधने च धर्मे धनक्षयं कर्मणि दौर्मनस्यं। उपान्त्यगा वित्तमनर्थमन्त्ये शनिर्ददातीत्यवदद्वसिष्ठः। **अन्यच्च**—द्विजन्मनिपंचमसप्तमगाश्चतुरष्टमद्वादशधर्मयुताः धनधान्यहिरण्यविनाशकरा रविराहुशनैश्चर भूमिसुताः। **जन्मभात् ग्रहणफल**—त्रि३षड् ६ दशा१० यो११ पगतो मरणं शुभप्रदं स्याद्ग्रहणंरवीन्द्वोः द्वि २ सप्त ७ नन्दे ९ षु च मध्यमं स्याच्छेषेष्वनिष्टं मुनयो वदंति॥

शनि की साडे साती लगने से—शनि १०० दिन मुख पर रहता है उसका फल हानिकारक है ऐसे ही। दिन ४०० दक्षि भुजा में फल बिजय। दिन ६०० चरणों में विदेश भ्रमण। दिन ५०० उदर में लाभ। दिन ४०० वामभुजा में दुःख। दिन ३०० मस्तक पर राज्यपद। दिन २०० नेत्रों में सुखप्रद। दिन २०० गुदा में दुःख प्रद इस प्रकार शनि २७०० दिन साडे साती दशा भोगता है।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

विविधविषय सम्पन्नं सर्वोपयोगी चक्रम्

ग्रहाः	रवि	चन्द्र	मंङ्गल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
प्लेनेट	सन	मून	मार्स	मर्करी	जुपिटर	वेनस	सेटर्न	ड्रेगोंस	ड्रेगोंस
ग्रहा.१पादद.	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०
द्विपाददृष्टि	५।६	५।६	५।६	५।६	५।६	५।९	५।९	५।९	५।६
त्रिपाददृष्टि	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८
सम्पूर्णदृष्टिः	७	७	४।७।८	७	५।७।६	७	३।१०।७	७	७
ग्रहाणांवर्षा.	२२	२४	२८	३२	१६	२५	३६	४२	४२
रत्नानि	माणि	मोति	प्रवाल	पन्ना	पुष्परा	हीरा	नीलम	पिरोजा	लसणि
मित्रग्रहाः	चं. मं वृ.	र. गु.	र. चं बृ.	र. रा. शु.	र. चं. मं.	बृ. रा. श.	बु. रा. शु.	बु. शु. श.	गु. शु. श.
समग्रहाः	बु	मं. गु. शु. श.	शु. श. रा.	मं. श. गु.	श. रा	मं. गु.	गु.	गु.	बु गु.
शत्रुग्रहाः	श. शु. रा.	रा	बु. रा.	चं	बु. शु.	र चं.	र. चं. मं.	र चं. मं.	र चं. मं.
उच्च राशि अंश	मेष १०	वृषभ ३	मकर २८	कन्या १५	कर्क ५	मीन २७	तुला २०	मिथुन १५	धन १५
नीच राशि अंश	तुला १०	वृश्चिक ३	कर्क २८	मीन १५	मकर ५	कन्या २७	मेष २०	धन १५	मिथुन १५
स्वगृहाणि	सिंह	कर्क	मे वृ.	कं. मि.	ध. मी.	वृष तु.	म. कु.	कन्या	मीन
मूलत्रिकोण	सिंह	बृषभ	मेष	कन्या	धनु	तुला	कुभ	कुभ	सिंह
पुरुष स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	स्त्री	पुरुष	पुरुष
आकार	चतुरस्रव	स्थूल	चतुरस्त	वृत	वृत्त	दीर्घ	दीर्घ	दीर्घ	पुच्छ
समय	मध्याह्न	अपराह्न	मध्याह्न	प्रभात	प्रभात	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न
दिशा	पूर्व	वायव्य	दक्षिण	उत्तर	ईशान	आग्नेय	पश्चिम	नैऋत्य	नैऋत्य

ग्रहाः	रवि.	चन्द्र	मङ्गल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सौम्यादि	उग्र	सौम्य	पाप	शुभ	शुभ	शुभ	पाप	क्रूर	पाप
धातु	सुवर्ण	रौप्य	सुवर्ण	कांस्य	हीरसु	रौप्य	लोह	लोह	लोह
पाद	चतुष्पद	बहुपद	चतुष्पद्	द्विपद	द्विपद	द्विपद	भुजंग	अपद	अपद
गुण	सत्व	सत्व	तम	रज	सत्व	रज	तम	तम	तम
चरादि	स्थिर	चर	चर	द्विःस्व	स्थिर	चर	स्थिर	चर	पक्षी
रस	तिक्त	क्षार	कटु	सर्वरस	मधुर	अम्ल	कषाय	कषाय	कषाय
स्थिरकारकाः	आत्मा	मनः	बल	वचः	ज्ञान.सु	स्त्री	दुःख	—	—
नेष्टग्रहस्यदा-नोपायसाधनं	हरिवं-शश्रवण	त्रिपुर जप	रुद्री जप	कांयूय दान	अमाव-स्या	गौरक्षा	मृत्युञ्ज-य जप	भुजंग दान	ध्वजा दान
ग्रह १ राशि भोग प्रमाण	मास १	दिन २१	मास १।।	मास १	मास १३	मास १	मास ३०	मास १८	मास १८
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	क्षत्री	शूद्र	विप्र	विप्र	शूद्र निषाद	निषाद	निषाद
भूमि	पशु प्राय	जल भूमि	दग्ध	श्मशा न	वाणी सुराल	जल भूमि	उत्कर	उषर	उषर
पित्तादिः	पित्त	श्लेश्म	पित्त	सम धातु	सम धातु	कफ शुक्र	वायु	वायु	वायु
अवस्था	वृद्ध	युवा	युवा	युवा	वृद्ध	युवा	अतिवृ.	वृद्ध	वृद्ध
रङ्ग	पाटल	गौरश्वे	रक्त	नील	पीत	श्वेत	नील	धूम्र	धूम्र
धात्वादि	मूल	जीव	धातु	जीव	जीव	मूल	मूल	धातु	धातु
स्थान	वन	जल	वन	ग्राम	ग्राम	ग्राम	संधि	विवर	विवर
फल समयः	भादौ	भान्ये	भादौ	सदा	मध्ये	मध्ये	अन्त्ये	अन्त्ये	अन्त्ये
गंतव्यराशेः प्रा.	दि. ५	घ. ३	दि. ८	दि. ७	मा. २	दि. ७	मा., ३	मा. ३	मा. ३

राशिज्ञानेविशेषः– नक्षत्र व राशि में (श) और (स) तथा (व) एवं (व) एक समझना संयोगजाक्षरे नाम्नि ग्राह्यं तत्रादिमाक्षरम्। यथाज्ञानचन्द्रस्य (ज्ञो र्ज्ञः) अनेन मकरराशिः। क्षेमचन्द्रस्य (क. ख. संयोगेःक्षः) मिथुन राशिः द्यालारामस्यकुम्भराशिः। नाम्निऋलृक् अनुस्वार मात्रायां न भवंतिते चेद्भवंतितदाज्ञेया इ उ ए च यथाक्रमम्। यथा ऋषभदेवः लृतरामः इति। जन्मराशि नामराशेः प्रधानता–विवाहे सर्वमांगल्ययात्रादौ ग्रहगोचरे जन्मराशेः प्रधानत्वं नामराशिं न चिंतयेत्। देशे ग्रामे गृहे युद्धे सेवायां व्यवहारके नामराशेःप्रधानत्वं जन्मराशिं न चिंतयेत्। कुर्यात्पोडश कर्माणि जन्मराशौ बलान्विते सर्वाण्यन्यानिकर्म्माणि नामराशौ बलान्विते। विवाह घटनं चैव लग्नजं ग्रहजं बलम्। नामभाञ्चिन्तयेत्सर्वं जन्म-न ज्ञायतेयदा। प्रसुप्तोभाषितो येनयेनागच्छति शब्दितःतस्यनामाद्यवर्णेयंमात्रा स्वरःस एव हि। स्त्रीणांचन्द्रबले विशेषः– स्त्रीणांविधोर्बलमुशंति विवाहगर्भसंस्कारयोरितरकर्म्मसुभर्तुरेव। द्वादशचन्द्रे ग्राह्यकर्म–उत्सवे चाभिषेकेच जनने व्रतबंधने पाणिग्रहेच यात्रायां चन्द्रोद्वादशगःशुभः। पाणिग्रहे स्त्रीसुरतेऽभिषेके यात्रान्नप्राशे व्रतबंधने च। व्रतोपवासादिषु गर्गपूर्वैः प्रोक्तः शुभोद्वादशगो हिमांशुः।

अथराशिचक्रम्

अ चे चो ला लि लू ले लो अ	मेष	र रि रु रे रो ता ती तु ते	तुला
इ उ ए ओ वा वी वु वे वो	वृषभ	तो न नी नू ने नो या यी यू	वृश्चिक
क कि कू घ ङ छ के को ह	मिथुन	ये यो भ भी भू धा फा ढा भे	धन
ही हु हे हो डा डी डु डे डो	कर्क	भो ज जी जू जो खा खी खू खे खो ग गि	मकर
म मी मू मे मो टा टी टू टे	सिंह	गु गे गो सा सि सु से सो द	कुंभ
टो प पी पू प ण ठ पे पो	कन्या	दी दू थ झं ञ दे दो च ची	मीन

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

पुस्तकालय, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय,
हरिद्वार ।

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA